• . .

৩৬ বর্ষ ১৩৭৬। (৪০ সংখ্যা থেকে ৫১ সংখ্যা পর্যান্দ্র '

— '			বোলানক্তি-প্রিমিহির মুখোপাধারে	
অতি বৃশ্চি—গ্ৰাম শহরে—	•••	984		
्रमन्द्रबन निम्नि—्सत्रदन्न ৮৭, ১৮১, २৮২, ०৪৫, ९	145,	640,		
666. 403. 465. 2023, 22	₹≱,	5409	भगवरमात्र क्लाप्क-	•••
অত্যক্তরে—বাংগ (কৰিতা)—শ্রীতৃষার রার	•••	444	गाउनत जागत-भाभ्यरम्य ३ ५०, ०८५, ७४०, ५	¥¢, 5
व्यना बा-शिनादशमुनाव भिन्न	•••	>60		
অপ্ত বিভূতিভূষণ—শ্রীসন্নীলকুমার চট্টোপাধার	•••	884		
জমতা মহাকাশ —শ্রীসমর্জিং কর	२१,	282		
अन्नमहानद- ५००, २०५, ८५५, ५०७, ७३५, ७	₹0,	१ ११,	খণ্টাখনি খেলে গেলে (কৰিতা)—শ্ৰীপলাশ নিত্ৰ	
400, 589, 5000 , 55 0	٤, ١	202		
		867	बरद-बाइँटर-केंग्रटी ७७, ५४५, ६९५, ६९५,	
মৰাড় (কৰিতা)—এনিমতী স্টেডাংগ ভট্টাম্ব	***	209	A0¢' P	34, 3
— अ ।			5	
			क्रांतक् दिस —	•••
সামার জনা তেব না (কবিতা) ঐতিহরেজ চৌধারী			চিরপ্রদর্শনী —চিত্তির ৭৩, ১৭৯, ৩৭৯, ৪৯৩,	\$22,
स्वाम हाडाइ प्रकृत्मान्द किंग्डा)—शैन के ठाउँ नामाह			622, 229, 2029, 20	خ ,دد
লাখিক ভারত—জীসারত গণেত ৬৭, ১৭৭, ২৭৫, ৩	•	,		
924. 685' 805' 202' 2056' 225				•
নাচিকার চিটি—শ্রীক্ষণে, সভ	+		হেলেৰেলার যাড়ক (কৰিডা)—গ্ৰীঅবংশেল ছোষ	***
मारमा अन्यकारम-शिक्षकर (भन			*** • ****	
बारकाह्नाकुरुण, ६४%, २४%, ६४८, ६८%, ७०%, व			9	
245, 5000, 558	35, 3	: 485	্ ভলেছে নতুন রংগ (কৰিতা)—শ্ৰী নীবেণ্টনাথ চকুবতী	
;			चरन नामरन (कविका)—बीरिगरनगरन्य छहेछार	
——ইন্সান্তি কাও্যনেও। - শুখন,—ইনস্নতি কাও্যনেও।		• •	লীবন লে-বক্সগ্রীস্টানীল গ্রেশ্যাপাধ্যায় 💎 ১২৫, ও	
- गुनम् कार राज्यान्। ५८ कास्त्रप्रकाश्च	•••	6 9	८६७, ६६५, ५५৯, ५५७, ४५५, ५०३৯, ५०	۵¢, ۵;
(L)			¥	
ম ই দস ্য চিতিগুলি (কৰিডা)—গ্ৰীঞ্গলাথ চকুৰতী		444	-6-	
* C		289	টোকৰৰ চিটি-শ্ৰীবিকাশ বিশ্বাস	***
।খন তোমাকে (কবিজা)—গ্রীপিপাকেশ সরকার	***	249		
	•••		ভারেরির ছে'ভা পাডা—ফাদার দাভিরেন ৬৯, ১৪৫, :	
			863, 690, 634, 934, 330, 3053, 33	
विका—कार्यः ल		4.4		₹ ७ , ३₹
व बनावणी काण रेकन्य सायक्षीयनी सार्थकथानक	***	990		
গ্রীআসমিকুমার রায়		6 9	ভৰলা ৰাধনের ঐতিহা ও কণ্ঠে গ্রহারাজ—	
	•••	082	শ্রীস্থার ক্রেন্যাপ্যধার	8
নিশিন কেট শতহিন (কৰিছা)—	**		,	``
श्रीभणी दिकशा भारभागात्र		986		
	`	506	ক্ষয়ততী ও দেবতারা : দল্লনতীর ক্ষয়বের (কবিতা)	
			D	> !
and Marine			न्द्रशीरमब—	55'
্পলার মাঠে-একলবা ১৩, ১৯৭, ২৯৯, ৪০১, ৫০	08.	650.	শ্বাপট—শ্রীনবার্ণ গা্শ্ড ১৬, ১২০, ২২৪, ৩	
959, 826, 509, 5086, 556			404, 405, 405, 465, 265, 506	
				,

	ywn d √y ddyddia
্ৰেডান ৰনিবা—শ্ৰীসমান নক্তি ৭০	
	महम्म द्याका-देनसन स्ट्रेटाया जिताच ७६८
——ন— ন্তুদির হলো নিথর হিমাদির—শ্রীকৃত্বেল চট্টোপ্রধায় ২১	
ৰ্ভাৰৰ হলো বিষয় হিমাছিল—আতের্গ চট্টোপ্যায় ২১ বিচুৰ রাষ্ট্রপতি— ৬৩৭	
ना जानि रकाभारक (कविका)—औरहना शलमात्र 809	
নিউজিল্যান্ডের চিটি—গ্রীপ্রিরতোর মৈত্রের ৫৯১	> 383, 5083, 55¢0, 5 ₹ 80
निर्दार ही निर्देश एक ५०११	सर्वोश्वमात्वत् कविर्वज्ञा - व्रोत्तामन श्राह्मकासम्ब २८०
	রবীন্দ্রসংগতি প্রসংগ্র 🗻 ্লাধ প্রকারক্ত 💥 ৪৮৫
	मा मात्र है ७८०
	্ৰাজ্য শিক্ষা কৰ্মান স্থান সংগ্ৰহ
শ্বকর—ডঃ সৈরদ মুব্রতক্ষ আলি ১৮৫, ২৪১, ৩৪৩, ৪৩৮,	ৰাশপাত এগিল : ৪২৯ ু ৰূপ ও ৰূপমান নাগকথা—ইনিশ্যির বারচোধ্যা ৩৯১
605, 865, 850, 555, 585, 5880, 5589	ब्रूणमनीत्र भरवाम छाषा— ५०, ५५५, १२८, १२२, ६०५, ०६५,
पत्रीका ७ भृतीकक— २१५ स्राचारमात्र —श्रीमौदर्यमम् अरूप्याभ्यसम् ८৯, ১৫०, २५১, ०८৯,	७८३, १०४, ४७०, ३७१, ५००, ३३१
846, 699, 445, 999, 843, 330, 3536, 3255	दबभारनम् पिकि-विक्रमानिकः। ७१८
'सबक्क क्रीका क्ला ब ১১৮৩	
₹₹₹ *18₹₹— \$5, 55¢, ₹5€, 055, ¢05, €55, 95¢,	~₹~
\$ \tag{20, 300, 5085, 5589, 5889}	
स्मीतरमत किंडि-शीभ्यतीन्त्रनाथ म्हण्यभाषात्र ०६६, ১১৯১	ল্যাম্পনে (কবিতা)—শ্রীরেপ্রসাদ মিত্র ৭৪৫
प्रकिरिय अन्दे स्त्र (किंग्का)—शिव्यक्षन क्व ১১৮১	
	· - -
	শ্বংচন্দ্রের কয়েকটি অপ্রকাশিত প্র—
ल्य, द्वास्त् कीवन-श्रीद्रवीन्त्रमाथ गढ ६९৯ ल्या : सामपद, स्तिवास-	नवर्षस्यक्ष करतस्यक्ष अञ्चलकान्य गर्म श्रीलाशास्त्रकृत्य गर्म ५०
ार्थ • स्थाप द्रेस्त प्राप्त — ८०० विश्वज्ञास्त्र — २७०	শহর ইয়ার— তঃ সৈয়দ হাজতবা আলী ৮১
वंदन्यं, सदस्ती ६ श्राणीयी—	শান্তিনিকেডনে কৰি অমিম চক্ৰতণীৰ সংশ্য কিছুক্ষণ
শ্রীভবানীপ্রসাদ চট্টোপাধ্যার ১৭১	শ্রীপ্রানন্দ চটোপাধার ৪৮৩
प्रस्थात स्वितिक-क्षित्राकात्म बन्दात् ०५, ५७१, १७१, ०७०,	শাশ্ভিনিকেতনের হাওয়া এবং বিশ্বভারতীর ভবিষাং
896, 649, 445, 945, 500, 5006, 5500, 5250	গ্রীক্রেন্স রাদ্র ৭৪৭
धीर्य जन क्रिकि-शी मरण्डासकुमात तम २०५	শ্রীমতী গাণ্যার কলকাতা সফর ৭৩৭
प्रदेशका न्यवरकांत्र (कविका)—श्रीद्रायस्य वस् 🗼 ०००	
ক্ষেত্ৰত চেবে পথের পঢ়িলী—গ্রীচিন্তরজন বোব ০৭১	
ক্ষুবিকাৰ শ্ৰীতন্ত্ৰ চটোপাধ্যার ১৬১ ক্ষুবিকাৰ শ্ৰীসাহাজিৎ কর ৪৫৭, ৫৬০, ৬৮০, ৭৭১,	- ≒-
FFO. 5005, 5033, 5334	লাল (কবিতা)শ্রীরমেন সাচায' ২২৯
*************************************	नाष्क्रीहरू नरवार- ५०९, २०४, ६५१, ८५७, ५२०, ५३८,
#82. 983, W48, 3#8, 3098, 339W	१२४, ४०६, ५०७६, ५५७, ५५७, ५२७२
30. 100 000 000 000 000 000 000 000 000 00	नारिका नरवार- ४५, २५०, ४५४, ६५४, ५५०, ५५७, ४२५,
\$6V. 5090. 5596	202, 2002, 228d, 228d
सार्धानकेता परिनकान्त-स्कूल ५७, ५५५, ००१, ८०६,	শীমানত গান্ধীর ভারত দশ'ন ১০৬১
404, 454, 420, 824, 580, 5088, 5565, 5265	সীমান্ডের এই শৈল শহরে—ঐিকরণ্শংকর মৈচ ৩৯৫
	স্থের সম্মনে—জীলিমির লাহিড়ী ২০১
	শ্নালৰ জানাল—১৯, ১২০, ২২৭, ৩৩১, ৪৩৫, ৫৩১, ৬৪৩,
	৭৪৩, ৮৫৫, ১৬৫, ১০৭৫, ১১৭৯ অবেশ চয় -
ভিতিচিতে বৰ অধ্যয়—শ্ৰীমজিতকুমার দত্ত ৪৭৯ '	
কা (কবিসা)—শ্রীশরংকুমার মুখোপাধার ৮৫৭	শ্বশের হাঁদের স্মৃত্যুতে (কবিতা)—
মান্তিবিদ্ধান (কবিতা)—শ্রীগোরিকিলার ঘোষ ৪৩৭	শ্রীমতী সাধনা মুখোপাধার ৩৬
	and the second s
	₹
মশ্বের চিটি-ভীনন্ট ভৌমক ৪৬১	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •
महास्त्र वासी—	হেমচন্দ্ৰ ৰাগচী—শ্ৰীসমৱেন্দ্ৰ সিংহ ক্লাৰ 🔧 ২৭৭
•	

প্ৰথমৰ বিশীৰ নাউন উপন্যাস

विश्व मृद्र द्विस य १॥

णः नव भागी सामाकृष्यभन

धर्म ७ त्रमाङ ১०,

ধ্যে প্লাচ্য ও পাশ্চাত্য ৫,

বিজয়ী বসন্ত ৬১

মহাশ্ৰেতা দেবীর উপন্যাস

পাত্তগা বসন্ত ৪১

ৰিমল করের ন্তন উপন্যাস

वाष्ट्रिक्ष ८,

নাৰায়ণ গঙ্গোপাধাৰেৰ নাতন উপন্যাস

নতুন তোরণ ৪॥

भरवाधकशाव जानगरना

নগরে অনেক রাত ৪॥

हित्रनादायण हति। भागात्यद

अनारमम अनामार ১৫.

क्रवामरण्यव

<u>जावामकरत</u>

बना ८

त्राधा (न्छन मर) 🚱

'ভল্মাভিলাৰী'ৰয়ত প্ৰমোদকুমার চট্টোপাৰ্যমের

वम् न्हें ब्रह्मा शा

अकल बारबन

অন্য ভূবন ৪॥

श्रमधनाथ विश्वीत काराजरकान

াচীন পারসীক হইতে ৫॥

गरकण्यक्यात विद्युत

किर्मात शम्यावनी ८॥

দীহাররঞ্জন গ্রেডর ন্তন উপন্যাস

কাজললতা ৬১

PRINT SERVICES

र्वाधि १॥ जन्न म्यान ८॥ जारनात जनग ७॥ ग्विधा १॥

আশ্বভোৰ মুবোপাৰ্যালয়

नगर्नभारतं त्राभनगत् ५४,

नीना मक्तमगदाद

बाद्र कानशास्त्र ७५

वाक्षालो জीवत्व त्रम्भी ३०,

শক্ষেদ্যকুষার বিয়ের

तेविक्स 8, इत्यह और (मार्च 8।। এकमा की कविसा ১৩)

बमानम कोश्रहीय

कवित्र आंठन ८.

चेमाञ्चनार मृत्यानायग्रहा

কুয়ারা গিরিপবে ৫।। গ**ন্নাবভরণ** ৫,

रियानस्य अरथ अरथ **५**,

श्रुणाठीयं छात्र ५०,

(ভারতের সমস্ত শ্রেষ্ঠ ছীর্য প্রমণ কাহিনী)

नौनक'ठे शियानम ४॥

শশ্ব সহারাজের ন্তন প্রমণ-কাহিনী

উত্তরস্যাং দিশি ১০১

अरवायकुषात नागप्रकार

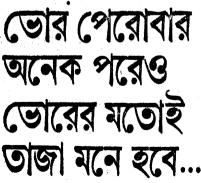
উত্তর হিমালয় চরিত ১১১

जानान्या स्वीत

मावर्गना ५००

SENSON PROPERTY

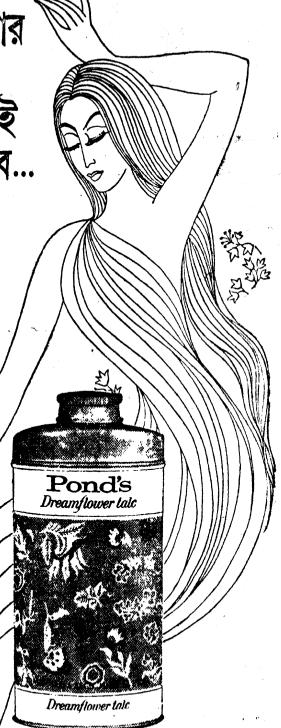
बनबाखीनीमा १



দ্বান সমাপন ক'রে সন্ত ভোরের সভেজ ক্ষেত্রভূতি অনেকক্ষণ থ'রে রাখতে পারের আপনিও—পণ্ড স জীমক্ষাওয়ার চ্যালকার পাউভার মাথ্ম। পণ্ড স জীমক্ষাওয়ার চ্যালকের হাল্কা মিটি গছ বছকল শরীরে জড়িরে থাকে—পণ্ড স্থামক্ষাওয়ার চ্যালক গারে মাথতে না-মাথতেই খাম টেনে নের। খামের ক্ষমেও ক্রিয়-সভেজ ও প্রাক্ত জনপুর রাখে—আপনি কাছে থাকলে স্বার ভালো লাগে। ক্ষমের বে-কোন স্ময়ই এই ট্যালকাম পাউভার ভ্রহার করতে পারেন।

পগুস

ख्रीमञ्चा उग्नात छेगाल्क् — अत्र द्वारत (मानाद्यम जोवीन छेगनकाम खात्र स्त्र ना !



চীজত্রো-পত্স ইনুক গৌমিত নামে মার্কিন যুক্তরাই সমিতিবক্ত

1 444



विवड		ग,छा
नामा निकामक्रमा नव केनाव	***	20
पाणीक-	•••	ると
ब्र्यनगीत गरगान्याया-	•••	24
म्याना सीनवात्न ग्रह	•••	১৬
देवप्रशिनकीदनवताक	***	24
न्यम् सर्गान-		55
নভাশর হলো শিশর হিমালির—শ্রীতর্ণ চটোপাধার	•••	22
জনতা বহাকাশ-শ্রীসমরজিং কর	***	२व
মান্ৰ পালে (কৰিকা)—শ্ৰীসমরেন্দ্ৰ সেনগংস্ত	•••	96
न्यात्रेष्ठ होरमुङ्ग बर्म्हारक सीमणी नायना बर्दयानायात	•••	96

সংস্কৃতি-বিষয়ক গ্রন্থমালা

ৰেকে প্ৰালী

প্রীসতীক্ষমেদন চট্টোপারার রচিত। পশ্চিমীদের প্রাচা অভিযানের কাহিনী। প্রাচি রানচিত্র। [৩-৫০]

रिक्य <u> भगवनी</u>

স্যাহিত্যার প্রত্যার্ক ক্রোপানার সম্পাদিত ও সক্ষাসিত হার हात हाकात शहरत जाका शब्दा (२८-००)

STECOR पश्चिमानमा 🗨 শাক গাৰিকা

का "मीमक्रम" मानगरका करे गटसमान्तक अमाठि माहिका बाक्तवी शतकात श्रीवतः। [50-00]

THE PERSON क्रिकान रिशिष्ट থাকুড়ার থাকর

मादिकारक श्रीकारक क्लानामात मन्मानिक क्लानावाणी প্রকাশনার সেত্রিবমণ্ডিত। ওঃ স্থানীতিকুমার চট্টোপ্রবাহের ভূমিকা। मूर्व तात व्यक्तिक वद्य सकीम क्षेत्र। [5-00]

প্রীজমিরকুমার বলেয়াপাব্যার রাচিত বাঁকুজার তথা বাঙ্গাস নালর-গানুলির সালির পরিচর ও ইডিছাস। ৬৭টি জাট রেট। ১৯৫-০০ 🕽

डिणीमस्त्रस वर्ष न

श्रीदर्भक करन्यानाचार रहिष्ठ डेमनिका-मग्द्रदर श्रासक काचा। [9.00]

स्वीय-रवं स

প্রীহিরবের বচন্যাপান্যার রচিত রবীদ্রানাকর প্রাইশা-বেরের সরক बाबा। [२-६०]

डेालुक्कवाकृतिक । क्रीटिक्त्यक बद्धमानागात ब्रोहक वर्षानामा क क्रीत ग्राह्म क केवतन्त्रस्थव मार्च वारमाध्या। (১२-००)

हवीन्त्रसाम् 🐠 कः ग्रहारच्यानमा वस्त्रात राज्यसाम् गाल वारमान्यः। क्षींच गरक्रींच बसागंव शररायक्य त्मरमा क्षीत्रका। [50-00]

ट्योंकेनके विवास नामग्रह बाज्य। श्रीकृतगत्रपूर्वात्र सरवत्र कृतिका। [0.00]

তহৰ আচাৰ মহুলচন্ত লোভ

THE STREET ५०९६ बाक्र श्रकांत्रव स्टेबाट्य 0

वाश्वाश विश्वववाप

र गीतमानिक इंक्स मरम्बर्ग) লীপশিশীকিশার গতে প্রণীত

वाश्वा সংগী (एव क्रश

সক্রেমার রার প্রণীত

शािं शाम्ब

बग९-(बावा

নিৰ্মলেক্ত রুরচোধরী প্রণীত

ावराज्य निष्म छ

वाबाद क्श

शिवार्त्र ग्रह्मात्र शकाशायात्र

(৩. সি. গাহলী) এবণ-সাহিত্যে যে কইগ**িল আলোভন এলে**ছে

আৰু কৰ্মৰ ১৩টি পৰা প্ৰকাশিক হারেছে। শ্রীস্বোধকুমার চরবভা

१क कि जा उ

क्षिक्रेवाद्यनाम मृत्यानामात

অমৃতভূবি অমরক টক

একই সঙ্গার ঘাটে ঘাটে

श्रीतनदात्रान मानगर्

रिमालएम् वास्तिम

ब्रामनाम मृत्यानायात

प्रश्तिश्राष्ट

विद्वकत्रज्ञन छ्योद्यार्व

एरस्थित एकिव

অমল হোৰ

बर हाबलब भूगातीत्व

हीरनवन

३ डाकालक ३ ब. ब्र्वाकी जान्य कार शहरकरे जि २ बॉक्क हाडोकी ब्रोडि, करिकला ५२





feet over		गुर्खा
ইল্লুব্ ইয়াস্নায়ি কাওয়াবাডা		09
भारनात डानीच्य-टीव्यावम् न अन्यात	***	02
টোক্তির চিত্রি-জীবিকাশ বিশ্বাস	***	80
भागामा है गिरियंगद् मृत्याभागात		85
শরকেশ্রের করেকটি অপ্রকাশিত পর		
— टीर्गाणानम्स दात्र	•••	60
कवि हात्रापनीयान देखना आपक्रीवनी	• .	
অর্থকিখানক—শ্রীঅসীমকুমার রায়	•••	৫৭
ৰরে-বাইর ে ব্র ীসভূ ী	•••	৬৫
আৰিক ভারত-শ্ৰীসাৱত গতে	•••	6 9
ভারেরির হেড়াপাড়া—ফাদার দ্যতিরেন	•••	৬৯
চিত্র প্রবর্গনী—চিত্রপ্রির	•••	90
বিভীয় বরিষ্টী—শ্রীসমীর রক্ষিত	•••	96
नर्त-रेतात-कः रेनतर गःकरुरा यानी	•••	47

শ্রীপারাবত-এর একটি বিশিষ্ট উপন্যাস

আমি আজ নায়িকা ৭'০০

এ উপন্যাস এক প্রধ্যাত চলচ্চিত্রভিনেত্রীর জীবন-কাহিনী

			• •	
ডিন ভূবনের পারে	u	সমরেশ বস্	11	9.60
জীবনের জটিলভা	u	নানিক বন্দ্যোপাধ্যায়	ll	8.00
राज्यस्य कारिन्स	11	শ্বৈশায়ন	11	৬.০০
डेबन जन्मान	n	কুশান্ বন্যোপাধারে	11	6.00
পঞ্চম ভর্ণা	11	বীর্ চটোপাধার	11	8.00
ग्रंक ग्रंकीता	u	স্থালীল গলেগাপাধ্যায়	11	৬.০০
ভাষলপূৰ্ণা	11	স্বত রার	11	0.00
কেন ভালোবালা	n	জনমেজর	H	¢.00
त ्शकथा	n	সমরেশ বস্	11	8.00
			_	

সমরেশ বসার বিসময়কর উপন্যাস

ভান্মতীর নবরঙ্গ ৯'০০

এ উপন্যাস এক অবিস্থরণীয় ইভিহাস

লাইরেরীরান্রা প্তেক পরিচিতির জন্য লিখ্ন

নৌস্থী প্রকাশনী ১৫/২এ কলেজ রো, কলিকাতা-৯

ডা-৯ (গি ৫৭৭৬)

বয়াপণ চোধ্যত্তী	
अपनर्	N 00
	• • •
कान्यकाव ब्रह्मानाकाव	
बादनात विका	a n
AIRSON ISA	
	8-40
गठीम्हनास व्यक्तानासाम	_
आनम्म टे छत्रव	•
	# 5 GC
দীপক চৌধরৌ	
(घन्ना ७	4.00
গোরীশম্কর ভট্টাচার	
CALLA LANDA GRIPIA	
মহাকাৰ্যের প	1 केंब
	₩ .00
कास्त्री स्वनिद्धम	9 · 0 0
नकत्ता मात्र भक्तन (5	
खे (२इ)	6.00
অল্লেমান্ডের বার	
তৃষ্ণার জল	A .00
1	₽ ∙0∩
बार्ह	8.00
	8-00
ड वाम न्	
रिक्शियन्त्री	
	6 -00
दम्बन	
शाभानामस्बद्ध न्यप्र	6.00
त्राम्द्रकाव गाउँक	
france	
তিনপ্র্য	25.60
क्राणिकिन्छ सन्ती	
1	
বসন্ত রাঙন	0. 60
गठीन्द्रवाम राज	• 40
यावतनामात्र छात्रज्यश	4.00
কৃষকলি	€.≎∂
विवय अन	
विद्या मस्	0.6 0
কালের পদ্ধর্নি	
আশাপ্ৰা দেৱী	9 · 0 0
जानाग्रा (स्टा जननग्रान्द्रेडी	4
	4-60
শরিপদ রাজগরের	
সোমনাম্ব	A-CO
নারারণ গলেপাধ্যার	
চাপার গান্ধ	⊕ ∙ @ 0
मुख्य ग्रंथाशायात	
ইভান দেনিবসাভিচের	_
कौरामत अक्षित	€.00
ডि अब ना हेरहर्न	} `
80 दिशान महन ी, कॉलका	

(### 1 08-5000



(त्रायना <u>त्रियो किंछू</u> आया कत्नत लाउक्त्स ड्यातियिश क्रीत (थरक

– 3ঁরা পান3 তাই!





৪৫ গ্রামের দাখারি সাইজেও পাবেন। ল্যানুদেতে স্বাপনি সকলন বেশীন সুবিধাটুকুপানেন : ল্যান্দেস ভ্যানিশিং ক্রীম অনেক বেশী কিছুর আহাস দেৱা কাল্ড করে তেমরি।অধিকাশে ভ্যানিশিং ক্রীম তথু পাউডার বেস্ হিসেবেই কাল্ড দেৱ। ল্যান্ড্র ফুককে মসুহ ক'ছে তোনে। ত্রকতা ঠেকিরে রাখে। ফুককে রক্ষা করে। লার-পড়া রোল করে। পাউডার বছে রাখে ঘটার পর ঘটাঃ।

বড় শিশিতে ৮৫ গ্রাম জ্যাক্মে জ্যানিশিং ক্রীম খাকে। আপমিওখন বে জ্যানিশিং ক্রীম মাধ্যকুর তার শিশিটা পরীকা ক'রে দেবুর। ওতে ঠিক অতটা আছে কি ? আপনাকে চসংকার কাল দিকে কি ? আপনাবও ল্যান্ড্যে গুণানিশিং ক্রীম বাবহার করা উচ্চিত নম কি ?

ा एक छानिनिश की स

. ASP/WYCHE



lage cover		গণ্ডা
चम्द्रतत मिकि मत्रद्रम	***	P4
नाहिका नरवार-ननाजन भारिक	•••	47
जाटनाइना—	. :	20
প্তক পরিচর—	***	22
খেলার মাঠে—একলব্য	***	20
व्याजिम्हेटनम् आहेनकान-न-भृत्कृत	•••	৯৬
तक ्क ाश	•••	৯৭
जनगरमब—	•••	200
সাপ্তাহিক সংবাদ—		208
शक्तर : श्रीभाषास तस्त्री	,	

প্রভাত সাইকেল ভোস'॥ বিমল মুখোপাধ্যায়	0.00
বর্ণমানের কমলাসাগর সাঁতরে পার হতে গিরে ২২ বংসরের যুবক ঠান্ডার জমে গিরে ভূবে বার। প্রতিভাদীপত চিন্তাদীল এই যুবকের	
ক্রনা প্রাথম্মর সাহিত্যস্থি প্রভাত সাইকের ক্রোর্স' উপন্যাস। মাপ লিখো কাগজে লাইনো ছাপা, জাপানী আটপেপা <mark>রে লেখক-চিত্</mark>	्, ज्ञान शक्रमण्डे।

খেয়াল।। স্বপনকুমার ঘোষ

5.00

এগার ক্লাসের ছাত্র ১৬ বংসরের দেবতুলা কিশোরটি ফুটবল থেকতে গিরেছিল মাঠে। গোল বঁচাতে গিরে প্রাণ হারায়। এরই লেখা অপ্রে কাব্যক্রণ থেবালা। প্রতিটি কবিতার মাখা রয়েছে মধ্র স্কৃতি। বিপরীত পরিবেশে জন্মগ্রহণ করে কবি-চিন্ত ছিল অস্থা। তাই চেতনার বাধা কবিতার পাই:

"বাসিলে না ভাল কেহ গো তোমরা,

ুপারিলে না তাই—ু

রিক্ত হাতের রিক্ত কুলি নিয়ে **আমি চলে বাই ।"** অফাসেট কাগ্**জে** লাইনো ছাপা, জাপানী আটপেপারে **কবি-চিচ, স্ক্লের প্রজ্**ল**সট**।

िक दिन	दम्दम् ॥	নিখিলরজন রায়	৬.00
ভারতের ভিতর	ও বাইরের	বহ', স্থানের হদরগ্রাহী	বর্ণনা নিয়ে এই প্রমণকাহিনী।

নদী জ পমালা	॥ জ্যোতি	চৌধুরী			(9.00
হিমালনের ভ্রমণকাহি	নী। গোম্থ	া, গলেতী ও	वस्टनादी ब	म्ब्य	রসন্তাহী	क्वना।

কিন্ত্ররকোক ॥ জ্যোতি চৌধররী ৬-০০ হিমানহার কোনে দেবোপম ভাতুননীর সৌন্দর্যমন্ত্র কিন্তরভূমি সম্পর্কে ভ্রমণকাহিনী।

			The state of the s	
পরাজিত পদাতিক	(উপন্যাস)	11	গ্রু বিশ্বাস	₹.60
करन एषा जाला	(উপন্যাস)	u	বীরেশ্বর বস	₹.40
ধ্সর দিগতত	(উপন্যাস)	11	শংকরপ্রসাদ বস্ত্	9.00
कुलभगात ग्राफ	(কাব্য)	u	ত্রিলোচন ঘোষ	২∙০০
তদভ, অজীকার	(নাটক)	u	প্রণবেশ চক্তবতী •৫০	, 5.00
रूप	(নাটক)	n	কালীপদ দে	5.00
चात्रकत न्यलमी गान	(সংকলন)	u	কমল রারচৌধুরী	.96
कन्मी ननीत ठटत (ह				₹.00

ছাত্ৰ শিক্ষা নিকেডন : ২ বিশ্কম চ্যাটাজি স্মীট, কলিকাতা—১২

विकासपटाचा वर्षे व्यक्तिकामा स्थापादस

कवि स्रोस्थ्रमुख ५०.६०

সাহিত্য-বিভান

বাংলার নক্ত্র

সাহিত্য-বিভাল

সাহিত্য-বিভাল

কাণ্ড-বিভাল

কাণ্ড-বিভ

वाठीएष्ट्रबाबाश्मा ১०.००

ভঃ বিমানচন্দ্র ভট্টাচারের সংক্রেড লাহিডেয়া রুপরেমা ১-০০ ভঃ ব্যানের ভট্টাচারের সাধিকং রাজেন্দ্রনালের ৮-০০

জ সভাপ্ৰসাদ সেনহজ্ঞের ইংরেকী সাহিত্যের সংক্রিক ইভিয়াস ৭-০০

সংক্রিণত ইতিহাস ৭-০০ নারান্দ চৌধ্রীর সাহিত্য ও সমাস্ত মানস ৬-০০

দীনেশচন্দ্র চটোপন্যায়ের [সংকলন] বিজ্ঞানী ক্ষমি

জগদীশচন্দ্র অধ্যাপক শ্রীমন্তকুমার জানার

त्रवीस्र यवव

A-00

4.00

4.00

किंशन च्ह्रोहार्ट्यं वार्टना एक्टन्यं अ

পরিকশপনা কানাই সামক্তর

চিত্রদর্শন ২৫-০০ বোগেন্দ্রনাথ গড়ের

ভারত মহিলা ৩-৮০ রাজক্মার মধোপাধারের

রাজকুমার ম্থোপাধ্যারের শ্কুল ও কলেজের প্রশ্বাসার

পরিচালনা সংগ্রকাশ রারের 0.96

ভারভের কৃষক বিদ্যোহ ও গণভান্তিক সংপ্রামঃ

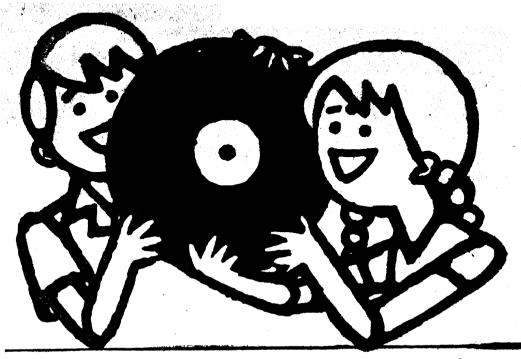
अवस् यन्य

70.00

বিদ্যোগন্ধ লাইরেনী প্রাঃ লিঃ ৭২ মহান্যা গান্ধী রোড ॥ কলিকান্তা ৯ ফোন : ৩৪-০১৫৭







ছোটদের জ্বন্যে চমৎকার চ্মৎকার রেকর্ত

স্ত্রাণ্ড-স্লে ক্রেক্ড

পুরবী চটোপাখার

কড়িং বাবুর বিবে আমি বধি চুটি পাই কথাঃ ৮বোনীজনাধ সরকার

> ভাভর বৃহ পুর: পুরীন বাশধর

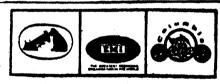
ৰঞ্জু বন্দ্যোপাখ্যার

তভ পদ্মবিদ

स्तृत परमा परमा प्रयाः कांका पर प्रयाः देगरमम क्रूबानायात क्रि. जि. दक्कालक दिसारक विद्यान क महात्वांत्र रवर्ष्यक प्रदास वर्षा जिल्ला क्रूबान (पक्नी त्यांचा, प्रदासा राम, क्रिय त्यांच, क्राव्यांच निम्न) हम्हरू शृह्यं (विक विकि) क्याः नगर स्टोनाखाः क्याः द्यानाः, कीया द्यानाखाः, कृतकृत स्वानाखाः, देशाः तन, समिक्ष सन्त्रकः, नानिया सन्त्रकः,

সহজ গানের পাঠ নেও বিভি কথা ও হব: মনীয় ফ্রেবর্ডী পরিচালনা: দৈবেন ক্রবানাক্সর

शांवि (संद ७ डाक्ने प्रवसीन ३



দি প্রাফোদোন কোম্পানী অব ইণ্ডিয়া লিমিটেড দনিদাল - বোবাই , দিরী , বারাণ , বৌহাট



কি গ আপনি বিশ্বাস করবেন কি, যে এই কিছুক্ষণ আগেও কষ্টদায়ক কাশিতে উনি নাজেহাল হয়ে পড়েছিলেন। উনি **প্লাইকোভিন** খেলেন। গ্লাইকোভিন খেতেই ওঁর কাশি খুব অ**র স**ময়ে স**ম্পূর্ণ নিরামর হলৈ।**

কাশি সম্পূর্ণ নিয়ন্ত্রণ করতে গ্রাইকোডিন এর বাড়া আর কোন এবুধ বেই



আধুনিক চিকিৎসাবিজ্ঞান ৰারা খীফুড প্লাইকোডিন এর কুর্মুলা নৰ আক্রান্ত অংশ থেকে কাশিকে দূরে সরিয়ে দিয়ে আপনাকে সম্পূর্ণ আয়ার দেয়।

- শন্তিকে—কাশির হামলা নিয়য়ৢঀ করে ৷
- গলার—খসখনে ভাব থামার ও লমাট লেঘা দুর করে ৷
- বুকে—চেপে ধরা পেশিগুলিতে আরাম পাওরা বার ও বাসপ্রধান সহক্ষ করে তোলে।
- ফুসফুসে—শ্লেমাকে পাতলা কোরে বার কোরে দের ও কালিকে দুলে



काफ

কাশির জন্ম বিশ্বন্ত, সর্বাধিক বিক্রীত গার্হস্থ্য চিকিৎস

विकासी विकास स्मातान

The second secon

कृषीन्त्र ग्राहक्ष्माद्याप्य स्थापक मात्रास्थ्य मानून छेणन्त्रम

जारखन्न स्वश्न ४,

काना आठीन ५०,

नानक्टलं नीलक'ठे विकिशा २०

স্বেৰাধ ব্যোবের গলপ মণিঘর ১৪১

कः वृक्षात्रव छप्नेाठार्यात्र वद् अभारीम् वम् कारिनी

विभागा नमीत एपटम ७५

[কুল্-মানালী ও কাংড়া উপত্যকার প্রমণ-কথা]

শক্তিপদ রাজগ্রের নতুন উপন্যাস

बर्जिङ्गान ७५

ৰদি জানতেম ১০০০০ ॥ জনম অবধি ১০০০০ ॥ জলসা ২, রূপ বদল ৫০০০ ॥ অনেক বসন্ত একটি ভ্রমর ২০৫০

রভনকুমার ঘোষের প্রেস্কৃত নাটক

সি'ড়ি ৩-০০ ॥ কেরা ২-৫০ ॥ অমৃতস্য প্রাঃ ২-৫০ ॥
সম্তে সমানে/পাল প্রা (একাংক নাটক) ৩-০০
প্রশ্ব ছিল্লের একাংক নাটক ॥ আলো নেই/কণ্ঠস্বর ৩-০০
বাবা বিজ্যোগাল্যারের ॥ আদির হ ॥ গোর শী ॥ বিশ্বে ৩,
বিজ্ঞান ছাটালবের ॥ ব্যানের ক্লিকে ০০০০

वर्षीण वार्यक्रवी : >६/२, भागाहत्रय एर मोहि, कनिकाका-১२ : : ०৪-४०६७

ঃ মছলি প্রকাশনীর প্রেণ্ট উপনাল ঃ

वस्त्रम् मार्भव

eracina com alteratura benga

হাজনীতি যে কড কছকৰ এ উপকাৰ জীৱ প্ৰমূপ। এ উপন্যাস নৱ, জীৱন বলিছে।

সদা প্ৰকাশত ঐতিহাসিক উপন্যাস ঃ বৈপায়নেত্ৰ ঃ

त्रकाक रगों ५०,

প্ৰকাশিত হয়েছে আৰ্থনিক উপন্যাব : ৰূপেশকেরের :

भीनाकी भन १

ঃ বৈপায়নের ঃ ঐতিহাসিক উপন্যাস

রক্তস্নাতা মধুমতা ১০

স্ত্রীনৰকুমারে : ঐতিহাসিক উপন্যাস

মণিহারা চিতোর ১০

অমরেন্দ্র দালের : আধ্নিক উপন্যাস

তিতিক্ষা ১০,

बनम्बद्धाः दश्या छेपनाम

बाशावी (बारिबो) ८,

ব্রীর্পকের: ঐতিহাসিক উপন্যাস

विधित्र वाभ नवस्य 8

শারতরে: ঐতিহাসিক উপন্যাস ভাশভার বন কাদহে

শীয়ই প্রকাশিত হবে।

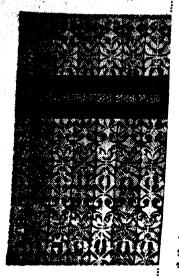
নট্যাজনের ঃ ঐতিহাসিক বহুস্য উপন্যাস

बाजना शिनी

শীয়ই প্রকাশিত চবে।

ঃ পরিবেশক ঃ মন প্রত্যকুটির, ৫৪/৫এ, কলেক স্টাট, কলি-১২

প্রকাশিত হল



माम ७.००

ভানন্দবাজার পহিকার প্রতিষ্ঠাতা-সম্পাদক স্বর্গত প্রস্থাসকুমার সরকার মানার শ্রেহ বে বাংলা দেশের সাংবাদিকতা-ক্ষেপ্র অন্যতম প্রেমাণ প্রেই বিদ্যান তাই নার মানিক সাহিত্যস্থিত ক্ষেপ্র তিনি তার বহুমুখী প্রতিভার উপ্রাক্ত ক্ষেপ্র তিনি তার বহুমুখী প্রতিভার উপ্রাক্ত ক্ষেপ্র তিনি তার বহুমুখী প্রতিভার উপ্রাক্ত ক্ষেপ্র ক্ষিপ্র ক্ষেপ্র ক্

যদিও তিনি উপন্যাস, প্রবন্ধ, জীবনচরিত, অন্বাদ প্রভৃতি সাহিত্যের যিভিন্ন শাখার কৃতিকের সঙ্গে সঞ্চরণ করেছিলেন, তব্ও তব্ত ও তথাসমূদ্ধ

প্রফুল্লকুমার সরকারের

প্ৰবন্ধ-সংগ্ৰহ

ব্যক্তিপ্রণ বিশ্লেষণমূলক প্রবন্ধ-রচনাকার হিসাবেই তার সমধিক খ্যাতি। বিভিন্ন
সমরে বিভিন্ন সামরিকপত্রে প্রকাশিত ভাষা, সাহিত্য, সমান্ধ, শিক্ষা, ইতিহাস,
সেবাধর্মা, সামান্ধিকতা ও নারীসমস্যা প্রভৃতি বিষয়ে তার রচিত প্রবন্ধাবলি বাংলা
সাহিত্যের অম্ল্য সম্পদ। 'বঙ্গদর্শন' (নবপর্যায়), 'ব্যানা, সাহিত্য' ও 'নারায়ণ'
পত্রিকার প্রকাশিত এরকম ক্রেকটি ম্লাবান প্রবন্ধ, বেগালি ইতিপ্রে' অনা কোনও
প্রশ্বের অন্তর্ভুত হরনি, বর্তমান প্রশ্বে সংক্রিত হয়েছে। আগ্রহী পাঠক ও
গবেবকদের কাছে এ প্রশ্বটির প্রয়োজনীয়তা নিঃসন্দেহে স্বীকৃত হবে।

• वहे लाशस्त्र जन्माना शम्य •

শ্রম্প্রাক্তর বিশ্বর প্রতি ক্রিক্তর প্রতি ক্রিক্তর প্রতি ক্রিক্তর ক্রেক্তর ক্রিক্তর ক্রিক্তর

নায়কের প্রবেশ ও প্রস্থান

मिक नम्मी ॥ माम 8.00

এই সন্মাপ্রকাশিত অনন্যসাধারণ উপন্যাসটি বর্তমান ফালের নিন্দা-ব্যাবিস্থ নালারিকজীবনের চরম ধ্বংসের বিরক্তে প্রবল সংগ্রামে চুক্তে-ছারতেও হার না-মানার এক অনবদ্য আলেখ্য।

কুবেরের বিষয় আশয়

শ্যামল গজোপাধ্যায় ॥ দাম ১০.০০

বাউ-জুলে ও পাজা ভবযুরে কুবের সাধ্যা বৈভবের মধ্যে ভাগ্রর বুলেছিল। কিন্তু বিষয়ে মগ্ন হতে হতেও সেই প্রকৃতিপ্রেমিক বুলেছিল আগের মতই মাধায় কোনও শেড নেই তার।

প্রজাপতি

সমরেশ বসর ॥ দাম ৬.০০

এই প্রশ্বটি দাহিত্যজগতে যে পরিমাণ প্রবল আলোড়ন স্থিত করেছে, সাম্প্রতিক করেল আর কোনও উপন্যাসের পক্ষেই তা লঙ্ক হল্লীন — এমন কি, এই লেখকের কহুবিখ্যাত বিবর'-এর পক্ষেও না।

রাঙা ভাঙা চাঁদ

প্রতিভা বস্থা দাম ৪-০০

ৰাজাল বিজ্ঞুক প্ৰেমের গন্ধনিকাপ্ৰবাহচাত এক নতুন ধরনের কাছিনী-দূৰ্ভ প্ৰতিভাষরী দেখিকা প্ৰতিভা বসুর অননাসাধারণ উপন্যাস শরাভা ভাঙা চাঁণ বাংলা সাহিত্যে এক মুলাবান সংযোজন।

দর্শকের ভূমিকায়

আশাপূর্ণা দেবী ॥ দাম ৫.০০

বহু বিচিন্ন চরিন্ন এবং ভাদের জীবনের স্থদঃখ-আনন্দরেদনার তরসভদের মধ্যে তীব্র আন্দোলিত এক অভাত এবং স্কল্যবস্থার কাতর সেধকসন্তার অনুসম কাহিনী এই অভিনব উপনাস।

ব্যোমকেশের ত্রিনয়ন

শর্মদন্দর বন্দ্যোপাধ্যায় ॥ দাম ৪০০০

"ব্যোমকেশের তিনকা" ব্যোমকেশের তিনটি অসাধারণ গোরেম্পা-কাহিনীর সংগ্রহ। ছোট দুর্নিট উপন্যাস 'চোরাবালি' ও 'অর্থামনর্থাম' এবং একটি বড় গল্প 'কাছিতীয়' এই গ্রন্থে সংকলিত হরেছে।

[भानना

আশাপ্ৰা দেবী ॥ দাম ৫.০০

গভীর এক সক্ষটের মধ্য দিরে দ্রে এ উপন্যাসের কাহিনী। এর আকর্ষণ অপ্রতিরেশ্য হরেও, পারিবারিক জীবনের মানসিকতা ও ছোটশাট হাসিকামার উম্পন্ত। চলচ্চিত্রে রুপারিত।

ভারত প্রেমকথা

मृत्वाथ खाव ॥ माम १.००

মহাভামতের অন্যতম লেওঁ ঐথব' তার অজল প্রেমতাহিনী স্কল মনের সর্বকালের আনন্দ। সর্বকালের এই প্রেমকাহিনীসালিকে লেখক এক ন্তনতর আলিকে একাকের পাঠকদের হাতে তুলে বিরোধন।



আন্দ্রদ পাবলিশাস প্রাও লিমিটেড অভিনঃ ৫ চিভারণি দান দেন। বলিঃ ৯ ৫ কোল ৩৪-৮২৪৭

बारणा कार्यात कार्गीयक टाक्सिक बारणात द्वारणात कार्याच्या

⁶⁰⁰ [7] 7 (1) [13] [A. G. 6 (4) [A. D. 18] [13] [13] [13] [13] [13]



०६ वर्ष ॥ मरबा। ८० जीवनार ५० छारन ५०५६

সম্পাদক শ্রীঅপোককুমার সরকার সংব্রু সম্পাদক শ্রীসাগরময় বোব

ব্যবাধিকারী ও পরিচালক আন্দেশবাস্তার পাঁচকা প্রাঃ লিঃ ৬ প্রফান্ত সরকার স্থাঁট, কলিকাতা ১ থেকে শ্রীলীডাংশ্কুমার লাগগণেত কর্তৃক ম্প্রিত ও প্রকাশিত

> টোলফোন ২০-২২৮৩ **২**৩-৮৫৪**১**

চাঁদার হায় কলিকাডার

ষাৰ্থিক ... ২৫-০০ বাংমাসক ... ১২-৫০ ফৈমাসক ... ৬-২৫

W/47.3

বাৰ্ষিক সভাক ... ৩০-০০ ৰাশাসিক ... ৯৫-৫০ চনাসিক ... ৮-০০

পাকিস্মানে

(ভারতীর ম্যার)
বর্গিক সভাক ... ২০০০০
বাংমাসিক ... ১৫০০০
বৈমাসিক ... ৮০০০

कारकर निहरत

(জাহাল ডাকে) বাৰ্ষিক সভাক ... ৫২.০০

বান্দাসিক 🚅 ২৬-০০ হৈমাসিক 🔏 🛶 ১৩-০০

আসাল **অগলে** (বিমান ডাকে)

বাৰিক ... 03-00 বাগানিক ... 53-60 হৈমানিক ... 30-00

দাৰ ৫০ পর্যা উত্তৰৰ ৫ আদানে অভিনিত বিষদ মান্ত্ৰ ৭ প্ৰায়

DESH

Saturday 2nd August 1900

gier fermiens au bya

প্রিক্তিব্যাল বিকাশত। প্রিস্ভাব্যের বার নশাই থুকে অভিজ্ঞ বারি। আছিল বারি ব্যাল কারণ, তিনি প্রার পরিক-তারও বেলি হলেও হতে পরি বছর শিক্ষার সংগ্যাল করে। কোনো একটি প্রক্রের প্রধান শিক্ষার ভিত্তেরে জার বারিগত অভিজ্ঞতাও কম মর। ভা ছাড়া ইনি এই মুক্তের নিক্ষারেরে যে রামান সমিতিটি রয়েছে ভার সংগ্যা একাছ হরে আছেন ধরিকাল। এনন একজন পারণলী বারি বখন শিক্ষারশতী হরে আসেন ভখন স্থাকার করতেই হবে, জারাদের শিক্ষাক্তেরে নানারকম গালদ ও নৈরাজ্য তার প্রতিত বজ্ঞী ব্রা পড়াই তত্টা রামা-পামার চোখে নিশ্চর নর। আর এরই সংগ্যালা করাও সংগ্রাভ বে, শিক্ষা-ক্ষেত্রে চলতি অরাজকতাও দ্র হবে।

লিকামশার আসনে বসার পর শ্রীরার আমাদের মাকে মাকেই তার ক্রিক্সত এবং লিকা নীতির কথা শোনান। কিছুদিন আগে তিনি আক্রকালার এবারো ক্রাসকে বারো ক্রাস করার একটা ইপিতে দিরেছিলেন। ব্যাপারটা নিরে ক্রেরেলি হইচইও শ্রেছি। আজ্রকালকার দশ, এগারো, বারো—এরনই একটি জ্ঞানিন বৈ অনেক মাস্টারমশাইরা পর্যস্ত এর ভালমন্দ ঠাওর করতে পারেন না। বা চলে তাকেই আমরা স্বীকার করে নি। অবশা, আমাদের মনে হর, উনিশে-বিশেব তক্ষাত এগারো-বারোর তক্ষাত বোধ হর তার চেরে বেশি হবার করা নর। তব্ শিকামশাীর বারো রাখার ইছে কেন? শিক্ষার স্বার্থে কী?

মধ্যশিকা পর্যদের জনৈক কর্মকর্তাকে নিরেও ইতিমধ্যে একটা স্থিকিট্র ব্যাপার বিটেছে: রার-মশাইরের নামও পরোকে তাতে জড়িরে পড়ল। কর্মকর্তা পদত্যাপ করলেন। শোনা যার, পর্যদের সভাপতি পদত্যাপের সমর সরকারী কার্মকর্মণ সম্পর্কে অভিযোগ তুলেছিলেন। তার অভিযোগের প্রথন বিষর জিলা স্বার্থন শাসিত পর্যদের ওপর সরকারের হসতক্ষেপ। শিকামলাী কী চেরেছিলেন জানি না,—তবে তিনি হাবেভাবে জানালেন, এ ব্যাপারে তার সহান্ত্রতির অভাব ছিল না তবে সরকারের মধ্যে সরকার' চলতে দেওরা বার না।

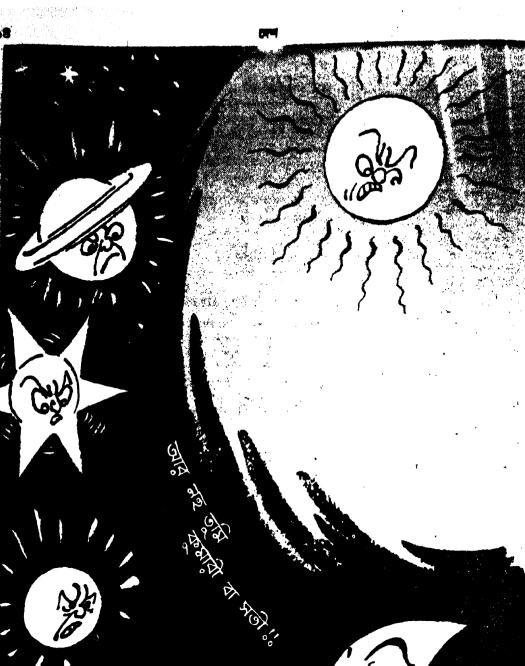
বাই হোক, শিক্ষামল্টী যে কোথাও নিশ্চেষ্ট হয়ে বসে নেই তা বেশ বোকা বাছে। সম্প্রতি গত ব্ধবার, পশ্চিমবংগ বিধানসভার লিক্ষা সম্পর্কে টানা প্রক্রবেশা আলোচনা হয়ে গেল। এটি বেশ গ্রুষপূর্ণ। এই সভার শিক্ষামল্টী ভবিষ্তের কর্মস্চীর বেশ কিছু আভাস দিয়েছেন। এর মধ্যে প্রধান হল: ১৯৭০ সালের ৯ জান্যারী থেকে সরকার শহরাগুলের প্রাথমিক শিক্ষার দারিছ গ্রহণ করছেন। শ্বিতীয় হল: এই রাজ্যের ছয়-সাত হাজার মৌজার কোনো প্রাথমিক বিদ্যালার নেই, আগামী তিন বছরের মধ্যে প্রত্যেক মৌজার প্রাথমিক বিদ্যালার স্থাপন করা হবে। তৃতীয় প্রস্তাব হল, অভ্যম শ্রেণী পর্যত্ত শিক্ষাদান ব্যবস্থাকে অবৈতনিক করার ইচ্ছাও সরকারের রয়েছে।

এ সর্ব ছাড়াও সরকার একটা বড়রকমের দার হাতে নিচ্ছেন জাগামী বছরের দারে থেকে। প্রাথমিক বিদ্যালরের প্রথম ও ন্বিতীর শ্রেণীর চার্ন্ত্রিশ লক্ষ্ণ ছাত্র-ছাত্রীকে বিনাম,ল্যে পাঠ্যপুস্তক সরবরাহ করা হচ্ছে।

শিক্ষামন্দ্রী বলেছেন, এই বছর থেকেই জাড়ীর, গণতান্দ্রিক, বৈজ্ঞানিক শিক্ষা প্রচলনের স্চনা করা বাবে বলে তিনি মনে করেন। বোধ হর. আপাতত বা করা হচ্ছে বা হবে বলে শিক্ষামন্দ্রী জানিরেছেন—এগ্রিট জাতীর, গ্রহতান্তিক ও বৈজ্ঞানিক শিক্ষা শ্রুর প্রথম ধাপ। বা হতে পারে এর বাইরেও কিছু আছে।

নীতিগওভাবে আমরা শিক্ষামন্দ্রীর প্রস্তাবগৃলির মধ্যে কোনো দেখি দেখি
না। প্রাথমিক শিক্ষা বিস্তারের চেণ্টা সর্বদাই প্রশংসনীর উদাম। কিংকা অন্টম শ্রেণী পর্বস্ত অবৈতনিক শিক্ষার ব্যবস্থা চাল্ট্ করাও বড় কাল হবে। বিনাম্লো প্রথম ও শ্বিতীর শ্রেণীর ছাচ্নের পাঠাপ্স্তক সরবরাহ কম দার নার। আমরা এ সবেরই প্রশংসা করি।

তবে কোনো কোনো প্রশন খেকে বার। বেমন, শহরাশ্বলের প্রাথমিক বিব্যালয়কে সরকারী তত্ত্বাবধানে নিরে বাবার আগে কেন মৌজার দিকে চোব দেওরা হল না। বেখানে হ-সাত হাজার মৌজার প্রাথমিক বিদ্যালয় একেবারেই নেই, সেধানেই কী সরকারের দৃশ্বি আগে পড়া উচিত ছিল না ? শহরাশ্বলের প্রাথমিক বিদ্যালয়ের ওপর শিক্ষামন্ত্রীর এই বিশেব সহান্ত্রতির দৃশ্বি অনেকের কাছে ভাল নাও ঠেকতে পারে।





प्रकार विकती प्रामितिका गण्डते ।

प्रामितिका प्रकार वार्षेणी भरशायी
क्रिकेट प्रकार वार्षेणी
क्रिकेट वार्षेणी
क्रिकेट प्रकार वार्षेणी
क्रिकेट
क

শুনু তাই নয়, এই উন্নয় অভিনানের
নার করেকটি নালুখ্যনার দিক , আছে।
করা ঃ বে মুনুটার রকেট মার্রিকন রাজ্য ও
তার সংগাদের নিজা নিকেচন থেকে
উম্মানিকাশ উথকেশ করে তার ইংরাজি নাম
স্যাটারন এবং নমবর ফাইভ—বংগাদের
শান্তনার ভারতীয় অভিযানী নীজমএর উপ্রেক্তন করিব নাম সিনাভকেট এবং
করেও সংখ্যার পাঁচ।

জামেনিকান নীক্ষেক উপরে ছাড়েতে প্রতি সেকেনজে ৩৪০০ গ্রাক্তন কেরেনিন ডেল এবং ভরল অকসিকেন প্রোড়াতে ছারছে! এবং মোট চাপ লোগেছিল ৭৫ লক্ষ পাউন্দর। জামাধের নীল্যাক উংক্ষেপ করতেও কঠি খড় এবং তেল বিসতর প্রভেজ সঠিক পরিমান এবনও জানা কর্মি। জার চাপ যে কী প্রচাত রোগেছে দ্যা বাধ্যালোরের এ আই সি সি এবং বিল্লালিতে ভরারাক্য কমিটির মিটারে মাপা জাছে!

িছন শহর রাজেটের শংকা ভারমিরকার মাজিকে প্রতিষ্ঠাল জ্ঞান্তর সংগ্রান করা এমং জ্ঞান্তর হৈছে ভারিক্যা ক্যান জ্ঞানে ছাট্টেড বেওলা হয়।

জামানের নীর্মানেও ভিন্তি শহরে ধাপে **ধাণে কক্ষপথে ভূৱেল** হৈওয়া হয়েছে। প্রথম শতর : বাংগালোরে সিন্ডিকেটের সিদাণ্ড, দিতীর স্তার পারকামেন্টারি বোরভের বৈঠকে প্রধানমক্ষরির গের্ছনী 64.2 ইনডিকেট e. 'সন্ফিকেটের अशी **30203** 第[4] अस्ति किस्टान्स 7 °C, **छेह**ाश **छाट**ुमा ्स टकारोक्ट्रीते, **धक्त ८—२ ला**ज्य देशीकाकारेत পদান্তর এবং ফালা নিত্রত প্রধানমন্ত্রীর ভাতিক্তি মোলারাজি বজান ও নতুন ইমেজ স্টিউন্তেশ কাংক জাভীয়করণ ইভারি ইভ্যাৰি এক ভুক্তীর স্তরে প্রধানমন্ত্রীর সম্ভান আনানোর প্রতিলাতি নীল্ম সঞ্জীব द्विक्ट क्रक्निया चावक्र एथ्ट म्र করে ভার অভিনাবের অভিনর অভিযাপে জাপান্তত ৰওনা করিরে দিরেছে। এই ভাষা ছাপাখানার দেবার আগের মহাত পর্যত शाक्रिक कार्योज स्थरक काना शिरहरू, धरे অসম সাহ্যিক ও পুড় প্রতিঞ্জ ভারতীয়



নাত্র পূর্ব নির্ধারিত ব্যক্তি মৃত ব্যক্তিশপ্রক্রিক জালারে চলেনেন । মারে নাথে
ভার নিরার ব্যাখাত ঘটছে এবং থাওরাবাওরার ব্যাখারে কিন্তিৎ অর্চি দেখা
নিক্রে। তবে প্রাউন্ড কনটোল থেকে ভার
নিন্দিত সাকল্য সম্পর্কে তাঁকে নির্মাত
আশ্বাসবাকা শোনান হচ্ছে। কলে তাঁর



হনস্পাদন ও বন্ধাপের উদ্রেখযোগ্য কোনও পারবর্তন কেবা দেয়ন। ১৬ আগদট ভার काका जदस्करभद्ध रह रिमक्का शर्म करा হয়েছে ভার কোনও পরিবর্তন হাব না বলেও জানিয়ে দেওয়া বলেছে: বতার শ্রেটেত প্রাউন্ভ কন্টোলে যে-সব গোলানের ােশ্ব নির্মেছিল, নিভরিযোগ্য প্রকাশ, মান্তার মধাপথে একে ফে-সব নার্কি সূত্রীয়ক**ভাবে মেরায়ত করে নেও**য়া হয়েছে। অকৃষ্ণলৈ আমাদের নীলমের পতন যাতে म्द्रक्रम्मां उट्टा इस. अशन्यकी स्थला তার সহকোগিতার হস্ত প্রসাত্তিত করতে न्दिश क्यादान ना वटन श्रकाणा विद्धि দিরেছেন। তবে নারীর মনে কি আছে তা যথন স্বরং কমরেড জ্যোতি বস্টে ব্রেড পারেন নি, তথন আর কার উপর ভরসা!

তা সত্ত্বেও জনতেজ ব্যাংক অবজ্ঞার-ভেটারি তুলা নরা দিললির রাজনৈতিক বন্তর মাজারের নিরপেক প্রাবেককরা মনে করেন, নীলম সঞ্জীন হেভিরে মহাকাশ যাত্রা নিতানত নিবিধ্য হবে না। উৎক্ষেপন কেন্দ্র তার ক্ষান্তন্ত্র মধ্যে শুহু বে তাসীন মহাকালের ব্যবধানটাই দুম্পুর তা না, অন্তর্গতী আব্দ্রকাল তার্থ ছুবী, কত্রী তার কার্য্যানী, ক্ষান্তিনিনাই, কোসা-নিনাই ইত্যানি নার্যাহ্যকাল সঞ্জা নিক্সিভ আব্দ্রকার স্থান্তন্ত্রী ব্যবদানী

বিশেষজ্ঞানৰ ব্যৱসা লিক প্ৰহেম স্মাণ্ড-प्रत्याम भागा मार्ग भागा भागा भीगाव भागा न প্রেক্তির বিবাজে ইংরাজিতে কাকে হেট कार्यापन' बाल जारे मात्र शर्व। अवर वर्षे খুদা বা বিষেষ পাঁচ হাজার সেনচিত্রেভ পর্বশ্ভ উল্লেখ সাঁণ্ট করতে পারে। আর্ফের্কন চাল্ডর নীল আরম্ভারের পরিবীতে পনে:প্রবেশকারে এই সরিমান উভাপের প্রতিকলেতার সম্বর্থীন হতে **হরেছে**। ক্ষিত তার চদ্দ্রানের সামনে **এই ট্রন্তা**প নিরেত্রধর বর্ম বা **'হিট শিল্ড' থকার নীল** বা ভার সঙ্গারা কেউ 21.50 বিশেষকার মনে করেন 73 একটা 'হেট শিল্ড' বা ছণা প্রতিরোধক বর্মা বাদি নালম সঞ্জীব ব্রোজ্যর উৎক্ষেপক-গণ বানিয়ে দিতে না পোরে থাকেন তাকে **天**沙西河 李李列文 PLANTICE OF LOT নীলনের আশা ভরস: সেই ছাগার : প্রচাত আগনে পতে ছাই হয়ে শ্ববে।

শিংবা প্নাশ্রম্বেশর সেই চ্ছাণ্ড সংকট্মর সমস্যান্তির কথা সমরণ করান, বা প্রতিটি নভচরেরই নিন্তর্গ শির্মণীয়ের করেণ। নীল আধানস্থানের চেন্ডবন্দর্ভিক শুর্ব নিধানিত সহা এক গলিপথে মহা-কাল থোক প্রতিবিত প্রান্তরেশ করেছ ইয়েছে। নিধানিত কোলের একটা এধার প্রার হরে গোলে হত চল্ডবান্তি ছিটকে চির্বালের মত মহাকাশে বিলান হয়ে বেত মহার ম্বাণিবিত্ব ধ্যাস করে আছাড় থেয়ে মুর্বা বিচ্বা হয়ে যেত।

নীলম সঞ্জীব বেভিকেও একদিকে
ভি ভি গিরি এবং অনা রকে সি ভি
ক্রেম্বাই—এই দুই প্রবল ইভিক্রের মধ্যবলী ক্ষাণিতম প্রণালীর ভিতর দিরে পথ
করে সাফলোর ভূমিতে অবতরণ করতে
হবে। নিশ্বণ পরিচালন বারশ্যার একট্
হরকের হলেই একেবারে জ্লা-৫-এর
মত সংগারবে পথাত ৮ ম্মার ৮।

আমাদের আদি

এডকাল আমরা জেনে একেছি বে নানর জাডীর জীবই মান্তের প্র-প্রেষ। সম্প্রতি কেন পরিকার এক পাঠক জামানের জানিরেয়েন, খালর নার, জামানের জানিতে ছালে। ক্ষন মন্দ্রীর সংখ্যু কথা হছিল।

ভালোক খাব নীচু গলায় কথা

নলছিলেন। বর এল কফি দিতে। মন্দ্রী

মহাশর থেমে গেলেন। ইশালার আমাকেও
বললেন, চুপা বর চলে গেলে। মহামানা

মন্দ্রী বললেন ঃ জানেন, এখন দিরিতে

কাউকে বিশ্বাস করা বার না। কে যে কার

চর কেউ জানে না। স্বদিক নজর রেখে
সভকভাবে চলাই ভাল।

এক এম পির বাড়ি গেলাম। বিহারের প্রতিনিধি। টেলিফেন এল। ভ্রমিগেলা বললেন: হাঁ, পিছু বাড হোগা। হামহি বা রহা আপকা উহা। আমি উঠে দাঁড়ালাম। বললাম: আপনি কথা বলে নিন। আমি লনে আছি। এম পি লব্জা পেলেন। বললেন: মা, মা, আপনার জনা কোনও অস্ক্রিধা হচ্ছে না। আসলে কি জানেন আমার টেলিফোনে সারক্ষণ আড়ি পাতা আছে। বা বলব ওবা ভোনে বাবেন। ভাই টেলিফোনে সিরিরাস বাভচিতই ছেড়ে লিকেছি।

কলকাভার একলম বিভিন্ন শিলপ্রতির मेरण रम्था हन। यनकात्र धान गिरंग्रहेम। ভালোক হেনে জবাৰ দিলেন : ঠিক আসিনি: আসতে বাধা হরেছি। ডাক পড়েছে। জিজেন করলাম, কেন ডাক পড়েছে ? শিল্পপতি এবার কৃণ্ঠিত হরে বললেন : মভ্ প্রিয়ে। আগার কোই জেনে বার জো আত্রার গদনিন চলে বাবে। আশ্নি রিপোরটার আছেন। কোথায় কি ৰখন লিখে দেবেন। আমি 'কসমসে' ক উক্তে বজব না। ব বংবার একটা বেন আশ্বস্ত হয়ে বজালেন : সাপোরট করতে হবে। কিন্তু দয়া করে <u>अत्रव कथा काउँटक दशादना मा। ८०५ वछ वछ</u> লিভার লোগ কচা করতে পারছেন না তো হামরা কী করবো। ধমকালেই ভয় পাই। জানি বেগর করলে লাইসেন ফিলবে না. ইনকোয়ারি হবে। আপনার সংশাবে হামার দেখা হরেছিল কাউকে বলবেন না দরা করে। আনি প্রতিশ্রুতি দিলাম।

গোটা দিল্লির উ'টু মহলে এখন একটা আছত আবহাওরা। কেউ কাউকে বিশ্বাস করেন না। সকলেরই ভর আমার ওপর কে বেন এং লেভে আছে; আমার টেলিফোনে কে বেন এং লেভে আছে; আমার টেলিফোনে কে বেন আছি গেতে সব শ্নছে। অবিশ্বাস, সন্দেহ, সংশর, ফিসফিসানিতে মিলে মিলে আছু গোটা রাজধানীতে একটা আছুও ব্যৱস্থান্ত্রক আবহাওরা।

श्रम केंद्रवरे, गिनित धरे शन रन्। क्म ?



উত্তরতা আমার কাছে খ্বই সহল ঃ কারণ রাজধানীতে কমতা দখলের লড়াই চলছে এবং এই লড়াইর সামনে আদল বা নীতির কথা আমদানী করা হলেও মূলত এটা বাভিগত কমতা দখলের লড়াই। আমার দঢ় বিশ্বাস, বাদ লড়াইটা লুখু আদল বা নীতির হত ভাহাল এত গোগন অভিসার, এত ফিসফিসানি, এত বাধ্বন্টেল খেলা চলভ ন। আদেশগত পড়াই চিরকালই খোলা

জीवन य-त्रकम

স্নীল গলোপাৰ্যায়

একালের প্রতিতিত কথাশিলণী গ্নানীল গণোপাধ্যানের নতুন উপন্যাস জীবন বে-রক্ষা ভাগালী সম্ভাই থেকে ধারাবাহিক প্রকাশিত হবে।

মাঠে হর—নীতির লড়াই হলে বিলির এবারের সংগ্রামনীও উদ্মন্ত প্রংগণেই হত।

কেউ কেউ জবলা প্রাণপণে কেঝাবার চেন্টা করছেন যে এটা প্রধানত নীভির্ট লভাট। **এই প্রচারটা কিল্ড খোলে টেকে না! यद** নিজাম না হয়, মোরারজী ও পাডিলের সঞ্জে শ্রীমতী গান্ধীর নীভিত্তে *হারা*ত **আ**লে। কিন্ত কামবাজ ও চবনের সংখ্য আসম্পিত প্রদেন প্রধানমন্ত্রীর ভক্তাভ কতটা? প্রীমন্ত্রী গান্ধীকে যদি সমাজতন্তী বলতে হয় ভাহৰে কামরাজ্ঞ বা চবন নিশ্চরই ভার চেরে ক্স সমাজতল্মী নন! ডিভ্যাল্যরেশনের সময় কে বেশি সমাজতকা ছিলেন-কাম্যাল না ইন্দিরা? স্বয়ং কামরাজ এবার দিলিতে তাঁর করেকজন ৰুক্তকে বলেছেন ঃ আমি वधम जन्मनभूत करतारम रननाम यान्क আতীয়করণ চাই তথন এই ইন্দিরাই ভাতে দিরেছিলেন। যদি এটা কংগ্রেসের ভেতরের আদর্শের সংঘাত হত ভাহতো নিশ্চরই কাষরাজ এবং চবনও ইণিদ্বার

ব্যান্ত জাতীনকরণের প্রশান্তা ধ্রেনে আনেকে আবার প্রদান ভূলতেন, কেনা, এটা কি একটা সমাজতাশিক নিশ্বান্তা নর? এছ নিরেই কি গড়েই নর? এই প্রশান্তা দিক ভাতে ঃ (এক) ব্যবশান্তা কি উল্লেখ্য নেওরা হরেছে? এবং (স্কেই) এটা সমাজ-ভাতিক ব্যবস্থা কিনা?

সধান্ত্ৰকা বেভাৰে বাংক ভাতীয়কলত সিকাস্ত নিরেছেন ভাতে শিশ্বত ব্যাক্ত ra in পাল্ডেপ অর্থনৈতিক নয়, ব্যক্ত-নৈদিত। সম্ভীৰ কেডডি বঁটি ৰাজীপত্তি পাল পাথী মতানীৰ না ইছেন ভাষাক আনগুলীৰ বেছেন না সৱকাৰ ব্যাহ্পাৰ্যালৰ নিকেন হ'। ব্যক্তিয়ক বা ক্রেন্ট্রীয়ক ক্ষান্তার লড়াইরে ক্ষাণাপ্তে সপো হাতার कराहे तह शहरकम्। श्रमानवस्त्रीहे निरुक्तहे शिक्शशीलान्य तम कहा करियान्यकाः योग এটা সভিষ্টোকে সমাজভাবিত প্রাক্তপ হত ভাহাৰ প্ৰধানমূলী শিক্সপতিকেৰ ভোক प्राक्षति । इस कीम्यान प्राक्षतिक का अवेर क्षीतिक প্রাথরিকার প্রতিশ্রাভিও বিভেন মা। আস जित्सक जारेश कोई क्षत्रमञ्जाति काँत्रशासक करण्यात बर्जाहरका. माध्यम्प्रीकरक श्रायमहे निज हर्न्डिया करताबन प्रति—बाह्य हर्य वाक प्राचालिक जिल्लामा वास्त्रकार प्रति । विकास स्थाप के स्थाप सर्वार्ति होत्रस साजन स्रोत त्य शासकातीत्स चौर चांक्रमच अरक्ताव भारते रक्तान **55.** 7

বিভার প্রথম : স্থান্ড জাভীয়করণ কি সনাভ তাল্ডিক ব্যক্তা? ভড়বাড় বিভারে জবাব, হাটী: কিন্তু বান্তৰ বিচাৰে জবাব, মা । জাতীর জীবনৰীয়া ক্ষরতা দেখলেট ব্যাপারটা বোঝা বাবেঃ এল জাই সি ৰে টাজা থটার তার বেশিটাই পান বস্ত বস্ত সিচপ্পতির। গ এবারের হিসাবে দেখা গিরেছে, এল আই সি বে টাকা লাখনী করেছে ভার পার্ককা ২৫ ভাগ পেরেছেন ভারতের ১০টি বস্ত বিকশ-গোষ্ঠী। এটা সমুকারী চিসাব। সরকারী ভয়েই দেখা গিলেছে হরিবলৈ ব্যুদ্রার মন্ত ব্যবসারীরা কিভাবে আল দেরার জনা দিরে এল আই সির টাকা পেরেছেন। জাজীর ব্যাণ্ড ব্যবসাও জাতীয় জীবন বীহাৰ পথেই কেতে বাধ্য। **ভারণ এ ভেত্তেও মালিকা**না পালটালেও পরিচালমা পালটাবে মা—বরং আরও থারাপ হবে। বেমন হরেছে এল আই সির। কলে দেখা বাবে, জাতীয় জাতেক বড় বড় গিল্পপড়িদেরই স্থাবিধা ছয়েছে বে<u>রি</u>য়া কারণ করিয় করাই, লৈক্টেটারি, চেরারম্যান প্রভাতকে ধরতে পারবেন, ভাঁদের দিরে কাল করাতে পারকে।। रदर मा। जर्चार व्हाउंसा-शीम एम किन

লক টাকার ব্যাস। করেন, খতিরে করেন্ত্র প্রধানত রাজ মানেজারদের সংগ্র, বাঁকার খবে বেলি ওপরে যাওয়ার ক্ষমতা নেই।

স্বাংক জ্বাতীয়করণের ফলে সবচেয়ে বেশি লাজ চারে কালো টাকার কারবারীদের। ভার। এখন আরও বেশি সাদে টাকা খাটাতে •तत्त्वरा—रकांधे वावजायीता औरतत क.ख লাভ পাতাভোঁ যাধা হবেন। প্রধানস্থী অথক্রিভিক ক্ষেত্রে সবচেয়ে বড় কার্ম্ব করতে পারতেন ডিমনিটারাইজ করলে। অর্থাং একল টাকা এবং দল টাকার নোট পালটাতে প্রারা। কিংত লে পথে তিনি পা বাভান নিং ভারণ সে পথে জালো টাকরে বাধসায়, মনোফ বান্ধাহৈত, বড় বড় মালিকটের অন্তেম্ক আঁতে যা প্রবে। অথবা তিনি বেনামার সার লোকার "ক্রিক্র" করতে পারতেন। তাতেও অনেক কালো টাকা, পাপ ব্যবদা ধরা পড়ে। মনোপলির দর্গে আছাত লাগত। লে পথেও ডিনি জার্মান। গরীর দেখে সমাজভাতিক অর্থনীতি বহুক্ষেত্রেই ভাল: কিত সমাজতদেৱে ভবিতা গরীবের পঞ্চেই जनाहरत याताच्या ।

যদি ব্যক্তির বিচারে আলা যায় ভাছলেও দেখা বাবে নীভিত্ত কথাটা কি বৰুম ভাওতা। কংগ্ৰেসে সমাজতদহীকে কে? শ্ৰীমতী ইন্দিরা, বাব্য জগজীবন রাম, রাজা দীনেশ निर रक सि मालवा देखानि देखानिहा। জন্তীবনবাৰ, ব্লি স্মাজতদুৱী হন ভাজৰে নিশ্বরই শ্রীরাম চন্টোজিও কমিউনিস্ট! আমার এক প্রগতিশীল সংবাদিত ক্ষাত্র একবার বলেছিলাম, হর্মশাই আগদারা জগজাবনৰান্তেও সেন্দৰ্গিষ্ট ৰাখন? বন্ধবের লক্ষার অধোবদন হয়েছিলেন। সেই বহা আলোচিক সিরাজান্দিনের খাতার বেরিরেছিল, "মিসেস মালবিকাকে লিছে দেয় পেটি হাইস্কি।" তবু মিঃ মালবা প্রগতি-শীল মেহনতি মানুৰ! আমি বলছি না. বিপক্ষের ও'রা ভাল—ধোরা তলসী পাতা! আমার শ্বে প্রন্ত পরা যদি খারাপ হন, প্রতিভিয়াশীল হন, এবং প্রগতিশীল কেন कामधेत करा? भाषा भाषा स्थाप स्थापारिकक्ष স্যোসালিক্ষ বলেন বলে?

*

দেশের করেকটি বামপ্রণা দল, বিশেষ
করে সি পি জাই অবশ্য করেপ্রের এই
ক্ষমতার লড়াইটাকে আন্দেশির সংঘাত বলে
কাহির করার খ্ব বেশি চেণ্টা করছেন।
গুণের বর্তমান রাকনৈতিক কৌশল বা
তাতে একবা বলতেই হবে। কারণ প্রার এখন পারলামেনটারি ক্যু'-তে বিশ্বাসী এবং
সেই ক্যু' হতে পারে না বন্ধকল না
কংগ্রেসের একটা দলকে সপ্রে গোপ্তরা বার।
ভাই কংগ্রেসের বে পক্ষকে সপ্রে গোপ্তরা বার।
কাই পক্ষকে প্রি প্রশ্বিদালি বলে ক্যুহের
করতে সচেণ্ট। সেইক্ষাই প্রশেষ বর্তমে হাজ ইন্পিরা, জগজাবনবাব, মালবা সাহেব সধ সমাজহুম্পী; সেইজনাই তারা চেচাচ্ছেন ওলের হয়ে; এবং বসাহেন, এটা আদাশের সাজাই।

स्वाहरूर जन्माक ध्रमा न्हें गविश्वी दिलनी लाफीड त्यावाद्यां स्टाउं डिन्डा-ধরা। একপঞ্জের স্টার্টেছি ১৯ছারতের বাজ-নৈতিক এবং অথানৈতিক কাঠানেত ভাষা-ভোল নিয়ে এস-খাতে ভারত খাব যৌশ ভাগাৰ বিশে**বৰ বা**জাৰে বাড ৰভ প্ৰিয়ে শান্তর প্রতিযোগী না হাতে প্রের। তাই কংগ্রেমর ভালানটাকে তরাগিকত কর। সর্থ-ভারতীয় ভিত্তিতে রাজটোতিক ছাল ধরার তথ্য আৰু কেট ওকাৰ না। এবং ৰাজ-নৈডিক স্থিততা না থাকলে। অৰ্থনীতিও দ্বে'লা হতে হাধা। দিবতাই প্ৰেছৰ কৌশল : কংগ্ৰেমৰ ভাগান খাঁৱে ধাঁৱে মা এসে দ্ৰত আসাক। দক্ষিণপদ্ধী জাতীয়তাব্দেট শ্ভিপ্রতির ফেন খড়ি প্রভাব সংযোগ না পার। ভার আগেট হেন একটা বিকশপ ह्याची भारताह्मात्मान्तेर्धन 'का'न भारत दार्घेयन দুখল করে বসভে পারে। এজনা কংগ্রেসের একটা আংশকেও সংগ্ৰাচ ট। সি গি আই-এই **শ্বিভা**র চিন্তাধারার ত্রিন্সবাহক। সি পি আই ভাই কলেনের ভাগন ভ্রাণ্যত করে "প্রকৃতিশীল কংগ্রেসীদের" সংখ্য লেতে চাইছেন।

কংগ্রেসের ব্যক্তিগত ক্ষ্মীতার লভাইর স্বোগে একসক্ষ বেসিন পুরু কংগ্রেসের ভাপানকে বর্মানত করতে চাইলেন আর এক পক্ষ তেমনি অবিকদেব বিকাপ নোচা মারকং ক্ষমতা দখলের ব্যপারে সচ্চেট। ইণিদ্রা গ্রেমীর নেত্রে বিকাপ ভাতীর বানপাথী সরকার গঠেনর উলোগও তাই খাব চাত খাবে হাতেছে। মেনন, ভূলেশ গণেত, প্রভৃতিরা সারা ভারত ছাটে কেড়াজেন। এমন হৈ সি পি আই এম, বাঁরা এই সেদিনও বালাছেন পারলাসেনটারি মানাভারিং-এ আমরা বিশ্বাস করি বাঁ, তাঁরাও কংগ্রেসের অন্তর্মিরোধ কান্ধিরে পড়তে বাধ্য হারছেন। এইখানেই রাখাী এবং সি পি আই নাীতির জয় হারছে।

প্রজনা সর বামপ্রথাকেই অবশ্য একটা বড় ম্লা দিতে হচ্ছে; কংগ্রেসের বাহিনত ক্ষমতা সংক্ষের লড়াইকে আদর্শের সংঘাত বলে আহির করতে তারা বাধা হচ্ছেন।

বিষ্ঠু ও'রা বললেই কি ব্যক্তিগত **লড়াই** আদর্শনত সংঘাত হয়ে বাবে!

*

আসলে ব্যাপারটা ম্যান্ভেরিং, কাপক্টো বাভিগত লড়াই, ব্যাপারটা অংগেভাগে আঘাত হানার বলেই আজ দিলিতে এও কানাকানি, এত ফিসকাস, এত গোপন অভিসার, এত বিদেশী লীলা খেলা। এবং সব মিলিরে কড়বল্ল, চক্লান্ত আর পাশা খেলা।

ভারতের ইতিহাসের নজির এ ব্যাসারে খ্রেই খারাপ। সম্ব্রু সমরে ভারতের ভাগা খ্রু কমই নির্মারিক হরেছে। মহারার ব্যাসার কমটা নির্মারিক হরেছে। মহারার ব্যাসার কমটার কাটি ভারতবাসীর ভাগা মহারাকে হবন এইসব কাল্ড হটেছে ভারতবাসী ভাগা হারেলি।

এবারও কি তাই হবে?

নবার্ণ সংস্ত

नाष्टेक —	ন্তুন — নাটক প্ৰকাশিত হল	
शुल्मालम् बन्द्र	वाष्ट्र महकारत	1
प्रकारत वृङ्	७.६० वाकि इंग्डिशम	७ । २ (
— कस्त्रका	हे बहुन क्षांस्त्रीं नाहेंक —	
म्बि	শু-ভূমিত্র	0.00
কাণ্ডনৰূপ্য	শম্ভুমিত ও অমিত মৈত	0.00
মেৰে ঢাকা তারা	শক্তিপদ রাজগ্রের	0.00
বাঁধ	সংশীল মংখোপাধ্যায়	0.00
উদাৰ্থিকী	न्मील भूरशांशांश	6.00
बाक्टकंद्र नार्धेक	म् <u>रा</u> वा म्राथाशास	0.00
कीरन किछाना	मन्त्रे अटकाभाषात	0.00
জাজ জড়িনয় বশ্ব	ব রেন্দ্র পাল চৌধরবী	2.60
भागायम्ब	দূৰ্বাসা	₹.00
গ্ৰন্থপতি ২০১বি বিধান সর্বাণ, কলিব	नीवावतकम बदर	

بهر

গ্রহান্তরে

১৬১ সনে কেনেডি খখন এ মণক শেব হবার আগেই তাঁর চান্দ্রারণ রত উদ্বাপন করবার সংক্রম নেন তথন রূপ শিভার। মুচকে হের্সেছিলেন আর সংগ্র সংখ্য বিধাতাপুরুবও। মহাকাশ অভিযানে রাশরার তথ্য জরজরকার। ভারাই সর্ব-প্রথম একজন মান্ত্রকে পাঠিরেছে মহাশানো. সেখানে পাড়ি দিরে সে নিবিবা মডো কিরে এসেছে। ভারও আগে সনো-১ চারকে अमिक्न करतार. माना-२ bir निराहर. न्या-७ डॉल्ड जल्या निक्षेत्र हवि छल्लाह। সারা দ্বনিয়ার লোক বাহবা দিচ্ছে রুশীদের মহাকাশ অভিযানে আন্চর্ম সাফলোর ছদ্যে। সে ব্যাপারে আর্মেরিকার তথ্স তো সবেষার হাতে খড়ি। কেনেভির চাঁদে মান্ব পাঠাবার সংকল্প লোকে ধরে নিরেছিল থানিকটা আমেরিকানদের প্রবোধ দেওরার চেন্টা, স্বানিকটা বা অক্ষরে আন্কালন। काटकरे जाटमिकाटक - टक्छे প্রতিশব্দী বলে আমল দেরনি, কেট মনে कर्जीम छाटक शाक्रिक वाध्या मृद्ध थाक्क. ভার নাগাঞ্জ আমেরিকা পেতে পারে। স্বাই ভাকিরেছিল মন্কোর দিকে মধন প্রহ গ্রহান্তরে সে মান্তে পাঠিরে ফিরিরে আনে।

किन्छ विशालाञ्च हैटाइ खना जुकमा औरत বিনি প্রথম পা দিকোন মর্ভোর মান্তবের প্রতিনিষি ছিলেৰে जिनि समी नग আমেরিকান। মান্বের জরবারার ইতিহাসে নভুন অধ্যার যোগ করেছেন ২১ জ্বোই সোমবার শ্রীনীল আর্মন্টং। তিনি আর তাঁর সাধী গ্রীজনাড়নের নমে অমর হরে থাকবে সভাতার ইতিবৃত্ত কথার। এনন বে হবে ১১৬১ সনে বোঝা বায়নি। কিল্ডু ভারগর ষাপে ষাপে ৰখন এগাতে লাগলো আমেরিকার অ্যাপোলো পর্ব তখন আতে षाटन्ठ त्रभौरतंत र्यांका शांत्र बिनिता शान, লোকের ধারণা হলো মার্কিনীরা চাঁদে পোহৰেও পোছতে পারে। তখনও কিন্তু কেউ ভাবেনি এ মর্বাদার লড়াইরে রুশিরা হেরে বাবে। দেশে-বিদেশে বিজ্ঞানীরা ভেবেছিলেন বাজীমাত রূপিরাই করবে সর্ব-প্রথম চাঁলে পাড়ি দিরে, ভূবে ভানের পিছ পিছ একদিন না একদিন মার্কিনীরা





দেবগ্ৰাহ

ঠিকানার পেণছবে। অনেকেই অধীর আগ্রহে লক্ষ্য করেছিলেন চানমারি বাজীতে দ্ব পক্ষের ম্বোদ কতটা, কে কেমন পারভাড়া করতে।

কিন্ত স্কলকে ভাক লাগিৱে বাকী दक्दमीख दरदा ভিত্তকে: আমেরিকাই। বেতে পারলেন মা বে ভার ব্যাপ সাধাৰ হরেছে। ভার হত বখন উদ্বাণিত হলো তথন জিনি তো নেই-ই, ভার দলও রাম্ব-পাঁডর গাঁদ হারিরেছে। তা হারদেও ভাতে ভার দলের কোনও কোন্ত নেই। বহাকাশ অভিযানে ভারা যে রশেনির ফরেও এগিরে আছে ভার প্রমাণ দুনিরাকে বে দিভে পেরেছে এতেই আমেরিকার সকলেই প্রশী, मन कारतत्र याहे दराक मा स्कम। अक्क अ ষ্যাপারে বা হরেছে ভাতে স্মান্তুলে একটা রাজ্য কেনা বার. একটা গরীব দেশের আধিক কঠানো ভেডেচরে ভাকে নভন করে গড়ে তোলা বার এমন কী খাল আমেরিকার দারিদ্র আর অবনতির বেসৰ অধ্যক্ষ আছে ডানের অনেকগালিকেই আলোডে ভরিরে ভোলা বার। কিন্তু ভাতে কী? বেখানে কেনের প্রশা, আত্মবর্ণাদার প্রশা সেখানে ভুক্ক টাকার ভোরাকা কে করে। অভ বুলির নিভিতে সব কিছা ওজন করে বাল মান্ত্ৰ চলতো ভা হলে লভাই ভখনও কী কোৰাও হত্যো?

রুণীয়ের কমতার ওপর লোকের এখন অটল বিশ্বাস ছিল বে জ্যাপোলো দশম পর্ব লাখা হবার আগে পর্যন্ত অনেকে ভেরেছিল সার্কিনীদের ভারা লেছে খেলাভে—হঠাৎ চাঁদে মান্ত্ৰ গেণছৈ দিলে ভারা স্বাইকে দেখিরে দেবে ওস্ভাদের হার শেষ যুৱে কাৰে বলে। এত বে অক্সনা-ক্ষপনা ভা কিন্তু চলেছে ব্যশিরার বাইরে। সে দেশ থেকে ভাল বন্দ কেউ কিছা বলেনি: আমেরিকর সপো মহাশ্রেনা রুশিরা পাঞ্জা লডছে এমন আভালও কেউ মেল্লনি। ওরই মধ্যে একবার শোনা গোল ১৯৭০ সনে **बक्छो वित्रापे श्रदम्मीटड हॉटरद ग**िए **दर्भात्मा इत्य इत्यानहारन्छ। मरभ्य मरभ्य** সবজাশ্ভারা দিবা চোখে দেখতে পেলেন होता बान्य मा शक्तीक अक्षी बस्तुहानिष्ठ ৰান প্ৰতিয়ে জাপোলো-১১ পৰ্ব শেৰ ছবার

আগেই সেথানকার বাটি নিবে এলে ব্যিপরা বোকা বানিরে ধেবে আবেরিকারে। গোটা প্রিবীকে এক মাধার কেললে ব্যক্তা কথন ব্যুনা-১৫ উল্লেচ্চলা ১৩ অলেটি চানের বিবে। তিন মহাকাশচারীকে নিরে আলোলো-১১ ডকা পাঞ্চি দিরেছে

অসমার গাঁও সংখ্য সংখ্য হয়ে উইলো केमाय-भी शंद शक्तभी स्ट्रा ? याकियी-रवत अभव दरेका निरंत श्रीयात वाणि वानदक? ভানের চ্ভোল্ড অভিযান তেন্ডে বিভে? स्वादशादमा-५५४ वन्त त्याद्ध-राशिश করতে? সোজাস্থান কোনও প্রস্কের জনাবই शतका त्याक भावता ताल मा । मान त्याम रश्यक क्रीनिक जानवाम स्ववहा स्वमा, जामनिक्रेर-क्षतिका-कार्यका हतीर स्थाप स्थिति सामा क्षत्राय मा। बीहा बहाविनदास कौराव यनत्मन होत्यत काछ कारत करका किरत আসার নাজর চকানও কলোর চেই। মলোই कारे। सामान्त्रेर दाविन सामिक इंटिए ना हिल्ला २५ ब्यूनाई, चानिक श्रद्ध क्रीड महन्य বোগ নিবেন ভার লোনর অলাক্রন। ভারা रमधानकात कार्या वाणि कुला क्यलान गास. দিবি লেখানে করেক স্বতী জাটালেন, ক্ষেত্রন रवरना, फातभद किरब करना डॉक्स छान कारित २८ कामारे और श्रीवनीटकरे। ভবিৰে সমা বিয়ে আছতে প্ৰয়ো চাৰেছ সম্পর্ট সাগরে—বে পাঁশিক সমক্রে আরপোরনার बाठा त्थव छात्र देश्यक कारमक शुरुहो।

আপোলো পর্বের শেষ এক্সাও হর্নান। এ পৰ্যায়ে আগদ অভিযান দ্বে ছবে ১৪ নভেদ্রর। দেখতে দেখতে চাঁলে যাওঁরা আসা অনেক সহজ হয়ে আসৰে, ভার স্কার্যক চলে বাবে। চাঁলে বেতে আসতে লাগাতে কৰ বিন, পরে হরতো অনেক কম সমর্থ লাগ্যব। जारगीतकामता रेजियस्थाहे धन्यक श्राह बाह्य ब क्या कार्यक्षा चांत्रस्य क्यास्त्र स्वयास्त्रीय সে-পরিকশ্পনা সকল হওয়া বিভিন্ন নর। ভাতে কিন্তু সময় লাগতে গ্ৰু বছর কিংবা षाकृष्टि वहद्र। होन इत्यम हत्य । अको झाव-পথের দেইখন। জার ব্যারার ব্যারার মহাকাশ অভিবান ছেড়ে হেৰে? ভা কিন্তু ट्यार्ट स्ट । विकासीय बद्ध बर्गायहा रवारवेहे निविद्य **भाक स्तरे, अन्य सातक** ব্যাপারে ভারা আনেরিকানদের এগিরে। বেষন ক্যান্নের স্কুটের ক্রেট प्रतन्त भगाधेक्य टेडिस समा। सहाकाटम योग धामम च्याप्रेक्य' शरदा शत देखती स्ता ৰাৱ ডা হলে প্ৰহাল্ডৱে পাড়ি দেওৱার পৰ षत्मक महाव हरत। मीन प्राकारन करना टबटबर टब्बार वड सटबटोर बामा भाषिता मान्द्र योज्यस व्यवस्थीन वस्त्रहार महाद्रश गुक्कदरगादकतः स्तानमः तह्ना ।

'हन्प्रहारी'।

কটি সাংবাদিক ছেলে আমাকে জিল্পেস কলল, 'চণ্দ্ৰ-বিজয় সম্পৰ্কে কী ধারণা আপনান?'

বলগ্ৰম 'ভালোই।'

ে এাট্ আশ্চর্য হল ছেলেটি: ধনহাংই ছেদ্রতা করলেন মনে হছে। সারা প্রিবী ডোলপাড় হয়ে গেল, আপেনার তো বিশেষ উৎসাহ দেখা যাজেনা।

ভংসাহটা ছিল অলপ বয়সে। ছেলেবেলায় বহন জন্ম ভানা কিংবা এইচ-জি ওয়েলসএর বই পড়তুম, তখন। কলেজী জাবনে
সারে জেমস জানসের বই পড়ে মন দমে
গৈয়েছিল—এই মহাবিশ্বের মহাকাশে
আমাদের এই প্রিবী যে মাইলোসকোপের
লেনসেও ধর্তবা নয়—সেই নগগাতার
অনুভূতিত। ভারপর দেব শিহরণ জেগেছিল
১৯৬১ সালের বারোই এপ্রিল। ব্যাস,
ভারপর থেকে আর কিছু নেই।

'১৯৬১র বারোই এপ্রিল'? ও হো, মনে
পড়েছে। রুরি পাগারিন। কিন্তু ভারপর
থেকে আর আপনি রোমাণিত হননি?'

লা। দরজা খোলাই আসল কথা— ভারপরে পথ তো রইসই। এগিয়ে চলাটা সময়ের বাগার। তা ছাড়া ফার্কিনীরা চাঁদে পোঁছোন কিংবা রাশ লানা গিয়ে কাঁপিয়ে পড়াক—ভাতে আমার কী?

'এ আবার থি রকম কথা।' —ছেলেটি বিমর্থ হল : 'থাকি'ন-রাশ—ভাবে চেথছেন কেন? এ তো সমদত মানাস্তের আচিভ্যেন্ট।'

সমণত মানুষের? তা হবে। কিংচু আমার বংশরা আমাকে স ইকোলজিকালী ধানিত বিবিধ চতুৎপানর সংগ্য তুলনা করতে চান্ফিজিরোলজিকালী আমি একটি মনুষা, এ কথা যেকেউ শ্বীকার করতে বাধা। এই চণ্ড-বিজয়ে আমারে মাইনে বাড়বে, না রেশন বাড়বে? আমানের প্রধানমন্ত্রী কিন্তিং চান্ডনুষ্টিকা ভিক্লে টেরোছেন—ভারতের চিরুত্ন বেগারস বাউল—তা থেকে এক গ্রেন্ড কিন্তুন বেগারস বাউল—তা থেকে এক গ্রেন্ড কিন্তুন মাটি—যদি পাওয়াও যায়—ত: দিয়ে লিটারেসি বাড়বে ভারতবর্ধে, হাসপাতাল বাড়বে, সেই চাদের মানুষের ?

হেলেটি চটে গিয়ে বললে, ফিলিস্টাইনের মডো কথা বলছেন আপনি। এভাবে দেখলে—

আছা, উইদ্ভু করছি।' — আলোচনাটা একটা বাঁকা দিক নিছে দেৰে আমি সামলে গেলুম ঃ 'ওসৰ বাজে কথা থাক। হতীন সেনগ[ু]ত কোট্ করে বলছি—''ক্ষমা করো তথ্য, বৃথ্য করিন; তুচ্ছ খানের গল্প।'' তবে



চণ্দ্র বিশ্বরে আমি যে একেবারেই অন্প্রেরণা পাইনি, তা-ও নয়। ভার্ষছ, ওরা যদি চাদে কথনো আমাকে একটা ফ্রী-প্যানেন্দ্র দেয়— অবণ্য কোনোদিনই দেবে না— তা হলে একটা জিনিস আমি ভেরিফাই করে আসতম।

'की मिशे?'

রোব্ল্যা লিখেছেন, চাঁদ আর আন্তো নেই, মানে প্রার নেই-ই-কারণ প্রথিবীর মানবীরা ভার জিন চ্ছুম্মাঞ্চ মগজে স্বরে ফোলছে। আমি দেখতে চাইছিল্ম, চাঁদের গতাগ্রলো মতানারীদের দাতের লাগ কিনা।' ছেলেটি এবার হেসে ফেল্ল।

ঠিক আছে, করেক বছর অপেকা কর্ম। এই ভারতবর্ষ থেকেই আমরা আগনাকে চাদে পাঠাবো দাঁতের দাগ দেখতে।

'ভারত্বর' থেকে—আমাকে ?' —মাথা নেড়ে বললাম, 'নিজের আরা সম্পর্কে অতটা অপ্টিমিন্টিক হওরা আমার পক্ষে শ্রু ।'

খাবড়াচ্ছন কেন? —ছেলেটি আমার্কে অভয় দিলে ঃ 'একটা সারেণ্টিফিক কার্ভ দেখলেই ব্যুক্তবন, এ কালে বিজ্ঞান এক বছরেই এক শো বছর করে এগোছে। আমানের ছেলেরাও পিছিয়ে থাকবে না।

ीनम्ह्य शाकरा ना। ज्लेद स्थातानाई कि

পিছিয়ে রয়েছেন? নিশ্চয় এগোবেন ভীয়া— তবে হেথা নয়, হেখা নয়, আর কেন্খানে ৮১

'রেন-ড্রেনের কথা বসছেন? আমরা রুখে দেব এবার।'

'রুখবে নাকি? সাধ্যাধ্। তা হলে

'बारका ट्याडेगटन्न **दम्बनन**'

বলেছেন মাত কজন। **প্রতিবাদ করেছেন** জনেকে। তেবে স্বাই **একমত ঃ এমন কল** জার পরিজনি। এমন **রীতি আগে দেখিন।**

म्थ्य वन्

म्मािं गल्भ

- - 'di ग्लक'-आ महे -- -

বলা : তিন টাকা ৯ প্রচীয়ন্ত্রন **ভারাবি** ১০ ৯ বহিনার চাউলোঁ পিট, কাব্যারা ৯২

(4-6654)

ৰাংলায় উপনিব**ং**

রেন্দ্রিনে বাঁধাই, প্র ৮০৪, **ম্লা ১২**রুণ, কেন, কঠ, তৈতিরবাঁর, ঐতরের, কৌনীতাঁক, প্রশ্ন, মান্ডক, মান্ডক, **বেত্রবাতর**ব্রুগরেলাক ও ছালোগ্য উপনিষ্কার বিভিন্ন
মতান্বারী ব্যাখ্যা সহ বাংলা অন্বান্ধ
উদ্যোধন বলেন, "বাঁহারা ম্ল সংক্ত ভাষার
উপনিষদ্ পাঠে অসমর্থ বা শক্ষান্বিত ভাষের
পক্ষে বাংলার উপনিষদ অভ্যন্ত উপবোধী শ

২/১ শ্যামাচরণ দে শ্রীট, কলি-১২

(সি-৪২৫০)

প্ৰকাশিত হলো

ক্রীতদাস ক্রতিদাসী'র ৭ বছর পর

मक्तिभव हिंद्याभाष्य । अवन्य । अविष्ट क्षिण । अविष्ट क्ष्ण । अविष्ट क्षिण । अविष

ষে বই কৃটি কৃটি করে ছি'ড়ে ফ্যালা যায় যে বইন্ধের আর একবার খেজি পড়ুবে ৩০ কি ৫০ বছর পরে

ৰাংলান সভিক্ৰেরে পকেট বুক দাম তিন টাকা

অধ্না : ১৭/১ডি. সূর্য ফ্রেণ্স্ট্রীট, কলকাতা ১২

(বি ४,৫১৪)

আমানের অদ্যা-তীর্থ ইরোরোপেরই একটা শ্ট্যাটিটকস নিরো রাদার। রেন-ছেম সেখনেও এক জনসভ সমস্যা-সলে দলে এনজিনীরার-টেকনিশান উন্ধাশ্বাসে ছাট্ডে আমেরিকার দিকে। ওরাই ঠেকাতে পারছে
না—তোমরা ঠেকাবে? টাকা বার, চাদ-কাদ
তারই। আমরা ডিক্ক্ এরং জিকারাং
নৈব নিব চা

বর্ত্তমান ভারতের সর্বশ্রেষ্ঠ ঐতিহাসিক ডাইর রমেশচন্দ্র মজুমদার বিরচিত

াবদ্যাসাগর বাংলাগদ্যের সচনা ও ভারতের নারীপ্রগতি

প্রতিক্রমবাদীর ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগরের দুই মহান কৃতিছ বাংলা গণ্যের শ্রীবৃদ্ধি ও স্থাী জাতির অবস্থার উর্মাত সাধন। কৃতিজাতা বিশ্ববিদ্যালয় আরোজিত পাঁচটি বস্তুতার—বাংলা গদ্য সাহিত্যের উল্ভব, অপেবদের যুগে ভারতীয় নারী, স্মাত শাল্যের যুগে ভারতীয় নারী, মধাযুগে বঙ্গনারী ও উনবিংশ শতাব্দীতে বঙ্গনারী—তাঁহার পুণা স্মাতির উন্দেশ্যে বরেগ্য ঐতিহাসিকের প্রশ্বজ্ঞাল প্রশ্বাকারে প্রকাশিত হইল। মুলা: হর টাকা

[জেনারেল প্রিণ্টার্স র্য়ান্ড পারিশার্স প্রাঃ লিঃ কর্ডুক প্রকাশিত]

জেনারেল বুকস্ এ-৬৬ কলেক শ্রীট মার্কেট, কলিকাডা-১২

রামায়ণী প্রেমকথা

২য় সংস্করণ ॥ স্থাংশ্রেজন ঘোষ ॥ ৬-৫০ কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের তল্পাপক তঃ অসিতকুমার বন্দ্যোগাধ্যায়ের ভূমিকা সহ পরিবর্ধিত ২য় সংস্করণ বের হল ॥ স্ক্রের প্রভেদগট ॥

ল ফলে: চুপি চুপি আঁধারে

রোমহর্ষণ রহস্য উপন্যাস ॥ কৃশান্ব বন্দ্যোপাধায়ে ॥ ৫.০০ ॥

অবৈধ পাপ এবং প্রমীলা সংবাদ

বীর চট্টোপাধ্যায় ॥ রহস্য উপন্যাস ॥ ৪-৫০

ज्रल्थावाञ्र

শ্রীনবকুমারের ঐতিহাসিক উপন্যাস ॥ আসম প্রকাশ ॥ ৮০০০

চিরজীব সেনের

দারোগার জবানবন্দী ৪·৫০ ম জপরিচিতা রুশসী ৪·৫০ বীর চটোপাধ্যারের দেবদ্ভের

মানৰৈ যখন পশ্ম হয় ৪০৫০ ॥ মারলিন পার্কের রাচি ৩০৫০

প্রকুল গ্রন্থাপার ৪ ৫/১, রমানাথ মজ্মদার স্থাটি । কলি—৯,

(বি-৫৯৫১)

্নাঃ, আগনার হুড নেই।'—ছেলেটি দীর্ঘণনাস কেলল ঃ 'থালি এলোলেলো, লিংকলেন ভ্রম' করছেন।'

শা বজেই। একনম মুক্ত সেই। ভোনার চালের চাইতে অনেক অনেশক্ত সমস্যা আমার সামনে। সভাল খেকে সেই প্রোর্জেমই আমার কাছে বালিং রাইট। মানে দুটো পোকা বেগুনে।

শত্তো পোজা বেগনে।'—সব্লাইর থেকে রিভিক্সলাস-এ আমার এই অবভরণে ছেলেটির মুখ ব্যাসিত হ'ল।

আৰু বাজারে গিরে চন্দ্রানশ্দে এক টাকা কিলোর দুটো কেগনে কিনেছিল্ম। আমি আবার ওগুলো চেনবার মতো অলতভোদী দুখির অধিকারী নই, বেগনেওলাও তথন চাদ নিরে পাশের মুলোওলার সপো গভীর ভাবে আলাগিড ছিল—সেই ট্রান্সে সে আমার দুটো পোকা বেগনে গছিরেছে। ভা দেখে তোমার বউদি—মাঃ, এখনো বিরে করোনি, বাকীটা বলে তোমাকে আর নাভাস করে দিতে চাই না।

'ওই বেগনের পোকা নিরেই থাকুন।'— হেসে ছেলেটি উঠে দড়িলো: 'আপনি সিনিক হরে যাজেন।'

সিনিক? ভদ্রতা করেই বলল, কারণ সিনিকের সংখ্য ইন্টেলেক্টের কিছু সম্পর্ক আছে। মনে মনে নিখ্চর বলতে চাইছিল, একটি গদভ হরে বাজ্ফেন।

অন্তণত চিত্তে চাদ নিরে কিছু গভার ভাবনা ভাবতে গিয়েই—আরে—সামনের দেওরালে যে হিন্দী ছবির পোল্টার! 'চাঁদ পর চঢ়াই!' কে বলে, 'ভারত শ্রেই স্মারে तत्र!', मूरे मार्किन कम् स्मारे वधन हेला-भरना भारत हाँरमत किन्द्र न्हीं विश्व কুড়িরেই ফিরে এসেছেন—তখন পোল্টারে দেখা বাচ্ছে—চন্দ্রপ্তে দুই ভারতীর বীর প্রবলভাবে তলোয়ার খেলছেন, আর এ অবস্থার — বজাই বাহ্লা - ভারতীর মোহিনীরা—কিংবা দুটি চন্দ্রকন্যা কিনা ভাই বা কে জানে সংখ্য সংখ্য লাস্য নৃত্য জুড়ে দিয়েছে। কোথার লাগে আমেরিকা-রু, শিরা <u>?</u> চাঁদে এই নৃত্যকলা প্রদর্শন করতে এখনো দেরি আছে তাদের।

আমার হঠাং দরাজ গলার হিন্দী
ফিল্মের গান গাইতে ইছে করল। কিন্দু
কোনো গানই তো জানা নেই। অগত্যা
খবরের কাগজ খুলে, সিনেমার ছেডলাইন
দেখেই গান খরলুম : চাদ পর চঢ়া—।'
আরা শাওন খুমকে। এক কলি মুশকারী
—সপনোঁ কা সওদাগর। খন্নতী কছে
শুকারকে : বদ্মাস—বাদ্মাস—?

সিণ্ডিতে গিলীর জ্তোর শব্দ। পরশার্ট চান্দ্র-গাঁতি বন্ধ করতে হল।



নতশির হলোশিখর হিমাদির

পাথনী হাত দিলাম পাড়ি,
নভঃগ্রহে মনটা কনৈ—
স্পত-কবি বেথার বনি,
খ্মিকে কাটান বাতি দিন।
বিদাটো মোর উউলো কোপে,
কাটলো কত ধ্রীবাব ঘোর—
মৃত্যটা আর ভাগা-লিখন—
ভইখানে গোল বইল বেরাপ

প্র কির বোধ হর বাংখার প্ররোজন নেই শ্বে এইট্কু বলা ছাড়া যে ওমর খৈরম গগা-লিখনে বিশ্বাসী ছিলেন না।

এইবার চলৈ আসি। সরাই জানেন
বিল সরাহ পান করলে মাধার চল্যদেবতা
ার করে আমাদের loony বানিরে দিতে
তা পারেই এমন কি Iunatic বানালেও
লগতের কিছা নেই। যাই হোক আমরা
মাতি বাবহার করে থাকি অধিকাংশ ক্ষেত্রে
বতাপা মহাপার্বদের লেখা থেকে। আমি
ই প্রবধ্ধে ক্ষাপা অমর ওমরের জানলাীরি বিজ্ঞানসম্মত কবিতা থেকে উম্পৃতি
ক্ষিত্র ওমর বৈদ্যান্তর স্থান
লামরা পাই ইংরাজ কবি মিউজজেরাক্তর
প্রি ভর্জমা খেকে। তারই হর্জমা ৪
টিন প্রাস্থিপাক বলে এখনে ভুলে দিলামঃ
"There was many a right and

Ere ever thou or I were born;
And still the spinning skies
are sworn
To persevere upon their

To persevere upon their play..."

তিনজন মাজিন মহাকাশচারী মহাবিশ্ব পারাবারে আমাদের নিকটভম ক্রুদ্র "আবর্তনিশীল আজাশটির ব্যুড়ী ছার্ত্রে নিরাপদে ফিরে ছলৈট রণভরীতে উঠে ভারপর সংক্রমণরোধী পোশাক পরেন এবং

छत्र्व ह्रद्वीशाशास

ডাপ্সার নেমে ১৮ দিনের জন্য সংক্রমণরোধী ক'চের ঘরে গেছেন।

একটি উপকথা মনে পড়ে গেল। এক ইতালীর কুপণ নতজানা হরে ভগবানের কাছে প্রার্থনা করবার সময় বললে : "হে ভগবান, তোমার কাছে হাজার বছর আর কভটাকুই বা সময়?"

"अक स्ट्र्ड शह।"

'আর এক হাজার ভুকাট?'' (ইতালীয় প্রাচীল মুদ্রা কর কথা শেরাপীয়ার Marchent of Venice গুলেপ লিখেছেন —(গেকা

শক্ত আয়, এক পেনি?" ভিগৰন আমায় ভাহতো ঐ পেনিটাই ব্যক্ত

"আৰু এক মুহুতি অপেকা কর, আমি আনহি।"

क्शनायमा बहर "अक बहर्ड" क्यांचि

শানে কুপণ তো হতাশ করেণ মাহাতি মারে হাজার বছর।

সমরের এই বাইবেলীয় মানদক্ত জন্মারে ভগবান প্রিবী স্থি করেন ৫ই মুহুছের অর্থাৎ ৫৫০৮ বছরে। কিন্তু স্বরং খ্টানরাও স্বীকার করেন বে, প্রিবী তথা গোটা সৌর-পরিবারের স্থি হয় বহু লক্ষ বছর আলে (বাজাচিত্রশিল্পী জী ওফেলের কথা তো ছেডেই দিলাম)।

আৰু আমরা জানি যে ছারাপথের তারকানমণ্ডলের কেন্দ্র প্রদক্ষিণ করতে পরহার স্বেরি লাগে ২০ কোটি বছর যার বৈজ্ঞানিক পরিভাষা ছারাপথ-বংসর । এই মানদণ্ডে বিচার করলে মাত্র এক "বছর" আলে প্রিবী ছিল মধ্যকীবীর ব্লে যখন অভিকার ভাইনোসরেরা ছিল জৈব জগতের রাজা। আর মান্ব প্র আরে ছোঃ, সে তোপ্রস্ব হরেছে মাত্র "২ দিন" হলো। মান্যের জীবন? করেক সেকেণ্ড বড়জের । এই বখন অবস্থা, তখন মান্ব কি কোনদিন ছারাপথ-শতাবদীর হান্স্প পারে? একজন কবি লিখেছেন :

Nature does not know the past, Our fleeting years are nothing to her.

কিবতু প্রকৃতি নাই বা জানল—মান্যের দ্বশিত নেই সব কিছা না জানা পর্যাত। ক্রে মহাশ্না, নক্ষ্ত, গ্রহ, উপগ্রহ, গ্রহাণা, উদকা, ধ্যাক্ত, সবই খাটিয়ে দেখতে, বিশেষ্ট প্রকাশিত হল

(क्यातातस वनीत

ঝড়

ব্যবসার ঋতিরে সীতাংশকে বনবাসী হতে হয়েছিল। একলা মান্য — বিয়েখা করেনি! সুতরাং নিজনৈ বনবাসে বৃক্ষলতা-সংখ্যাদির সামিধ্যে তার একক জীবন বেশই কাটছিল।

মারে মারে সে তার বন্ধ, রণধারের কোনাটারে বেড়াতে যেত। রণধারের স্কার দিন্দিকতা থ্বতা দানী রততা, তার স্মাজিত আচরণ ও সাদর আপারেন, তাদের উপচে-ওঠা উত্তাল দান্দগতাপ্রেম, এবং স্বোপরি তাদের স্থা স্কার স্বাভারের মাধ্য সাতাংশর ব্রেকর গভারে তথন কোথাও যেন এক স্কার কার প্রশোভকত কালারে ত্বত। কিন্তু তার সেই চাঞ্জা কোনো দিন বড় তুলরে কারও জাবিনে এমন সন্ভাবনাও ছিল না।

তব্ও অড় উঠল একদিন—বেদিন রণধীর আর বততী তার ঘরদোর দেখতে একে
দেখল রুপদী দ্বামী-পরিত্যাগিনী স্থাকৈ।
অতঃপর সেই প্রবল ঝড় চারটি নরনারীর
লীবনকে কোন্ অচিন্তাপ্র জটিলতার মধা
দিরে শেষ পর্যন্ত কোন্ অকলপারী।
পরিশতিতে নিরে গিয়ে ফেলীল, তারই এক
উপজ্ঞান্য কাহিনী জ্যোতিরিন্দ্র নন্দীর এই
নতুন উপন্যাস ॥ দাম ৮০০ ॥



আনন্দ পাবলিশার্স প্রাঃ লিঃ অফিন: ৫ চিত্তমণি দাস লেন । কলিঃ ৯ বিকন-কেন্দ্র: ৬৭এ নহাজা গাম্ধী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭

করতে সে কথপরিকর কারণ ঐগ,লির পিঠেই লেখা আছে আদিকালে স্থিতিকার এ ভবিষ্যতের বৰ্তমান ইতিকথা এবং त्यात्म श्रद्ध निमाना। जेशन्तिहे शिक्ष 'নীল মানদশ্ভে। **ভায়াপথ-বংসরে**ত आकारणत अमीम रहरत" मास् हौरमत खारना ছড়িরে যার না. আলোক রশিম আপতিত হয় সূর্য-ভারা গ্রহ-উপগ্রহের (শেষের দুটির आरमा जरमा कर्ष करा), डाই शहरी-গ্রামে অমানিশাতেও কেত-খামার-আল -খাল আবহা আবহা নজরে জাসে। মহাজগতের অসীম সীমার মধ্যে আছে নবীন নক্ষর ও প্রবীণ গ্রহ, ষ্বস্বে, প্রোড় স্থে, অণ্ডিম-কালের সূর্ব-সূর্ব মানে নক্ষা। ভারা চিরকাল প্রনরাব্তি করে (0737CB) ভবিষাতেও করবে আমাদের সৌর জগতের মত নিতা নতন জগতের বিবর্তন। মহা-শ্নোপটে অদৃশ্য কালি দিয়ে লেখা চলেছে কোটি কোটি বছরের মহাবিশ্বেতিহাস। সেই ইতিহাসের প্রথম প্রতাটি প্রিবীতে। আবহমণ্ডল, জল, বাড্যা, অবক্ষয়, সাগর ও क्रिशास পর্ব তের পতন va উখান ও পতন ইতাদির জনা ময়লা পড়াই প্রায় গিয়েছে. হয়ে মাছে যায় না। কিন্তু চাঁদের সেই প্ন্ঠাটি আজও স্পূণ্টাক্ষরে লিখিত আছে। মান্**য** তাই চাঁদে যাচ্ছে আদিম প্থিবীর চেহারা দেখবার ও ইতিহাস অনুশীলন করার আগ্রহে। তাছাড়া অন্যুস্ব গ্রহ-নক্ষ্যু দ্রুবীন ও বর্ণচ্চত্র বিশেলবর্ণ যক্ত দিয়ে প্রতিধবীর চেয়ে অনেক কাছে ও পরিন্কার দেখাবে, চাঁদে আবহুমণ্ডল নেই বলে। তারপর জ্যোতিষীয় গবেষণাগারের পক্ষেত্ত ঐ একই কারণে চাঁদ প্রতিবীর চেয়ে উপযোগী হবে এবং চাঁদ থেকে নিগমিন বেগ প্রথিবীর তুলনায় প্রায় ই ভাগ বলে ট্যাক্সির মত ছোট ছোট মহাকাশ-যান নিয়ে খুব সহজে এদিক ওদিক যাওৱা যাবে। চাদ বিপলে খনিজ সম্পদে সম্মধ-এটাও চাঁদে যাবার একটি কারণ।

চাঁদের অনেকগ্লি অনন্য স্বকীয়তা আছে যা পরে অন্য একটি লেখার আলোচনা করব অ্যাপোলোর যাত্রীরা কি সব নতন তথ্য নিয়ে এলেন সেগালৈ জানার পর। এখানে শুধু মহাবিশ্ব পারাবারে ভেলা ভাসিয়ে চালের কালের ৬০ মাইলের মত দরে থেকে খেয়ানোকা নিয়ে চাদের জমিতে ওঠা এবং তারপার ঘরের ছেলেদের ঘরে ফিরে আসার সংক্ষিণত ব্রোণ্ড দেব কারণ ঐ ৬০ মাইল কেন, তার শেষ ৯ মাইলের অভিজ্ঞতাটাই আনকোরা নতন। বাকি সবই আপোলো-১০-এর পরিক্রমার প্নেরাবৃত্তি। বালার পর প্রথম দ্বাদিনের বিষয়ে এর আগের লেখাটি লিখেছি। সভেরাং তৃতীয় দিন থেকে শ্রে করে নবম দিনে শেষ করা যাক-শেব থেকে শরে নয়, শরে থেকে শেষ।

মাকি'ন সময় হিসাবে ভোরতীর সমরের क्रिय (मारोग्स्टि ३२ चन्द्री निष्ट्य) ३५८म ল্লেট্ আপোলো-১১ সঞ্চিত স্তীয় শতি क्षेत्र काषाट्यरशत बाता महान्द्रसात रमहे रश्रीकाव বিন্দ্বিশেৰে 373116877 98757 বেখানে চাদ ও প্রথিবীর অভিকর্ষক্ষেত্র भवन्भवित्र छेभव क्ट्रान भएएक। मार्ट विन्माब এক পাদে নামলে প্ৰিবীতে এসে পড়তে हरद जना भारम नामरम ठौरमत मिरक स्नरम যেতে হয়। সেইজনা ঐ সমতল ক্ষেত্রের উপাদান প্রতিটি বিন্দুকে বলা হয় নিরপেক। তত্ত অনুসারে কোন বান সেখানে পেণছলে সব দিকেই not নড়ন-চড়ন হওয়ার কথা। কিন্তু কার্যক্ষেত্রে তা সব সময় হয় না, কারণ অনেক সময় বানে সঞ্জিত গভীয় শক্তির কিছাটা অংশ তথনো वाकि **श्वाक** याद्य वाल वानिकः "निवरणकः" সীমানা ডিপিরে যায় অবশ্য বদি সেই শক্তি প্রথিবীর অভিকর্ষ থেকে বার হয়ে যাবার পক্ষে বংথণ্ট হয়। কিন্তু সেক্ষেত্রে গণ্ডী পার হয়ে চাঁদের দিকে এগোলেও সে গতি হবে অত্যন্ত শলধ। ঐ গণ্ডী চন্দ্রপণ্ঠ থেকে প্রায় ৩৭ হাজার মাইল দরে। সেখানে পেণছৈ অ্যাপোলোর সার্বাথরা মহাকাশ-যানের সংলগন স্যাটানা রকেটের শেষ পর্যায়ের এঞ্জিনগালি (পা্থিনীকেন্দ্রিক কক্ষ থেকে বার হবার পর ঐ নিরপেক্ষ বিশ্ব অবধি যান্টি এজিন বৃদ্ধ করে স্থিত গতীয় শক্তি ও জাডাবেগে আপনা পেকেই ভেসে চলে, যেমন নোটরগাড়ি চলে ফী হাইল ড্রাইভে।) চালা করে চম্চগামী বেগ বাডান এবং চন্দ্রকেন্দ্রিক কক্ষে প্রবেশ করেন। কিন্তু অ্যাপোলো-১১ ওপ্টম্প লানারডিউল নিয়ে যেই চাঁদের পিছন দিকে যায় অমনি বৃষ্ধ হয়ে যায় ভার প্রথিবীর স্কো বেভার যোগাযোগ যে অবস্থা থাকে ৩৪ মিনিট।

আজনম বাসভূমি থেকে লক্ষ লক্ষ্
মাইল পদচিহাবিহান পথ পার হয়ে চাদ ও
নক্ষরের চুম্কি-বসানো মহাগগনে তারা
চাদের অদৃশা ওপাশের আকাশে চলে যান
ভারতীয় সময় রাত্রি ১০টা ৪৩ মিনিটে।
তারপর কটায় কটায় নিম্ধারিত সময়, রাত্র
১১টা ১৭ মিনিটে তারা আবার চাদের এ
পিঠে প্রবেশ করেন।

তারপর নামবার উদ্যোগ-আয়োজন।
প্রথম কাজ বানের গতিবেগ কমানো সার্ভিস
এজিন চালিয়ে। এজিনটি ৬ মিনিট ২
সেকেণ্ড চলার পর যানের বেগ ঘণ্টার
০২১৮ কিলোমিটার কমে দাঁড়াল ৬১১৫
কিঃ মিঃ। তথন অ্যাপোলোর কক্ষ চাঁদের
আকালে ৭০ ও ১৯৫ মাইল দ্রন্থের মধ্যে
সীমাবন্ধ ছিল। কেন কক্ষের এই ৭০
থেকে ১৯৫ মাইলের মধ্যে ওঠানামা?
আগের প্রবন্ধে কারণটা লিখেছি। স্থেব

মহাকৰ, বৃহত্ত গ্ৰহ বৃহত্ততির অভিকৰ, চন্দ্রগতে নিহিত চুল্কথমী বাতুস্তরের व्यक्तिन अवर होताई जानाह भटना लान नत यून करकत अहै विमीर्गन गणि। जवना জ্যাপোলো দেব প্ৰশ্নত অভ উপরে খাকোন, আবার এজিন চালিরে চারের ৬২ থেকে ৭৫ মাইলের মধ্যে আবর্তন শরে कटर मानाव-फिएम नामानाव सना। मानाव-ডিউলের নামার জনা প্রশাস্ত সাগরে বে बातगांठि वाहारे क्या श्रत्य छात्र ग्रस्ट व চন্দ্ৰকথমী ধাক্তকর নেই তা আপোলো-৮ ও আংগালো-১০-এর অভিজ্ঞতা থেকে জানা যার। প্রথিবীতে অনেকের ধারলা হরেছিল বে খেরাভর নিদিশ্ট সমরের ৪ খণ্টা আগ্ৰেই চন্দ্ৰস্পূৰ্ণ কৰুৰে।

খবরটা পড়ে আফলোস হতে কেন লভনের অধুনাখ্যাত ব্বক ভেভিড খাফ'লের মত চালে নামার সময় নিয়ে বাজী ধরিন। ধরলে এই গরীৰ দেশের ভসা গ্ৰীৰ ইভস্তত-প্ৰক্ষ-নিক্ষেপক ৰাজাজীবী ফোকটে কিছু টাকা হাতে পড়ত। আমার বিশ্বাস ছিল বে কারণ, আর্ফেরিক্যানরা জ্লাই মাসে চাঁদে নামবেন। সেটা নিছক কম্পনা নর। আমার কাছে **"লোভিয়েট ইউনিয়ন"** পত্রিকার গাগারিন সংখ্যাটি সবদ্ধে রাখ্য আছে, সেই ১৯৬১ সালের। ভাতে রুল ও মার্কিন মহাশ্ন্য কার্যসূচী পরম্পরার একটি নকশা আছে-তুলনাম্লক। তাতে আমেরিক্যান কার্য-স্চীতে চাঁদে বাতার আগে আল্ডগ্রহ নিমাণের কথা নেই কিন্তু রুণ কর্মস্চীতে চন্দ্রলোকে যাত্তার আগে কক্ষ-পরিক্রমাশীল আন্তর্গ্নাহ ক্টেশনের নকশাচিত্র আছে এবং यार्किन । तम कार्यम्ही किंक म्हेफावरे **एक जामरह। बहान्ता म्हि** विदारे সোয়াক মহাকাশবানের সংবোজন ও বারী বিনিমর ছিল সেই স্টেশন নিমাণের উপত্রমণিকা। কিন্তু সেটি তো ঘটেছে হালে। সেইজনা আমার মনে হয়েছিল যে র্শদের স্টেশন তৈরি করে চাঁদে বেতে দেরি আছে এবং মার্কিনরাই জালে যাবেন। আমার ধারণা সভা প্রমাণিত হয়েছে। বাজী ধরলে ক্সিতে ৰেভাম। **ভবে টাকা পেতাম কটাই** বা— বড়জোর ১০ টাকা? ডেভিড জড়ো করেছেন ২৪ হাজার পাউন্ড স্টার্লিং! পাউন্ডের বিনিময় মূল্য এজন আগেকায় ১০ ৷১৪ টাকার চেরেও বেশি। কিন্তু ১৩ টাকা করেও ৰদি ধৰি ভাহলে মোট সংখ্যা হয় ৩ লক ১২ হাজার টাকা! বাক আফলোস করে লাভ নেই কারণ চোর পালালে ব্যান্থ বাড়ে।

"ইগলকে" নিয়ে আমান্তং ও অল্ডিন চ্নুসপর্যা করেন ভারতীয় সময় ভানতুসায়ে ২০লে জুলাই রাড পোনে একটার সময়, জলাহীন প্রখাশ্তি সাগরের কটা রভেয় গহরর-শচিত বিস্ফৃতির উপর। জেরে ভারা वाम "क्षवाणि इतन।" अमित्क कनिनन 'क्लान्क्स' नित्त हन्द्र-क्षमिन करत हत्तन। কলন্দিরা থেকে বার হরে ২ খণ্টার বিপ্ৰভানত সাগ্ৰহকো পাৰ হতে একবাৰ क्षकरें, विल्लास्मय शत जिल्ला करिएत क्रिक ছোরার সংখ্য সংখ্য আমশ্রিং প্রথিবীতে খনর পাঠান যে "ইপাল অবতরণ করেছে।"

ভারতীর সমর সকাল ১১টা ৪২ মিনিটে প্রথমে আমশ্রিং ইগলের ঢাকনি चाल प्रष्टे त्यस्य होता त्यस्य बान ध्यरः ध्यक्षे, পরেট অক্তিন তার অনুগমন করেন। চাঁছে ভারা ব্রে বেড়ান ও কর্ডবা সারেন আড়াই ঘণ্টার মধ্যে। তার মানে নামার সময় **থেকে তারা চন্দ্রলোকে ছিলেন ২২ ঘ**ন্টার মত: ফেরার সময় লুনার ডিউলের উত্থানাংশের এজিন বিকল হলে ভাঁদের বেলেরে মৃত্যু ছিল অনিবার্য এবং বন্দ্র যে বিকল হবে না এমন কথা জোর পলার কোন বিজ্ঞানী বলতে ভরসা পাননি। অবশা म्बद्धक्य विशव शक्त (श्रद्ध यदवाद सना অভিযাতীয়া কোন বিষ-বড়ি নিয়ে বাননি--দরকারও ছিল না কারণ চাঁদের আবহ্বিহীন প্রকৃতিতে দাঁড়িরে বডাচ,ডা খালে ফেললেই বার্র জভাবে তাদের হ্ংস্পদন থেমে বেত। আনন্দের বিষয় ঐ রকম কোন শোচনীয় ব্যাপার ঘটেনি এবং আরো তারিফ করার বিষয় অভিযাতীদের মৃত্যুঞ্জরী মনোবল। কাপ্রাবের মত বহাবার মৃত্যুভয়ে কম্পিত হবার মত লোক এই তিনজন ইন্দুজিং নন। তারা একবারের বেশি "মরতে" রাজী নন। এইটিই হচ্ছে আপোলো-১১ মিশনের সাফল্যের সবচেরে প্রশংসনীয় সারবস্ত কারণ ''সবার উপরে **লান্য শত্**য় ভাহার উপরে নাই।" —এটি চ-ডীদাসের উবি। यारिशाला-১১-এর জয়বার্তা विश्वजानविद्वहे জহবার্তা-ফল্টের জয়বার্তা নয় করেণ এই অণ্নরথের নিমাতাও बान-ब-शकाद হাজার **নান্ত।** তাই চাঁদের জমির উপর দ-ডারমান আমন্দি: বখন বিশ্ববাসীর **উল্পেশে ছোবণা করেন যে সেখানে** "একটি ক্ষ্ম কদম বিশ্বমানবের এক বিরাট পদ-কেপের সমতুলা ও স্চনা"-বছবাটি আমার খুবই ভাল লেগেছিল। তিনি মই বেয়ে করেক ধাপ নেমে টেলিভিশন ক্যামেরাটি চালিরে দেন। শেষ ধাপে দাঁড়িরে তিনি অতি সম্ভর্পণে একটি পা চাঁদের জমিতে এদিকে ওদিকে ফেলে নিশ্চিন্ত হয়ে নিচে লাফ দিয়ে নামেন। তার ২০ মিনিট অন্ববেক্ষণের পর অলফ্রিন ভার পদাংক অন্সরণ করেন এবং **प्रकर**न **अक्नर**ा नर्तिकरत नाकिस्त च्रस्त বেডান ২ খণ্টার উপর। চারিদিকে ছোট ছোট পারের চেটোর আর্ডনের গর্ড আর ছোট ছোট পাশর ছড়ানো। তারপর তাঁরা বে ৰাজ্যখনিত ক্ষেত্ৰটি নিয়ে বান সেটিয় আবরণ উন্মোচন করেন। ভাতে প্রেসিডেন্ট

नाना न्वारमं वरे '

ঝরাপাতার ঝাঁপি

সাগরমর ঘোষ ॥ দাম ৪٠০০

গান্ধীজীর দৃত

म्योत स्थाव ॥ माम ১৫·00

उक्रां वत सन्न

স্ভাবচন্দ্র বস্থা দাম ৬-০০

वाश्लात (लोकिक

(म्त्उ।

क्वीन्त्र श्राह्मकावद्याश्व

গোপেন্দ্ৰকৃষ্ণ বস্থ। দাম ৬-০০

সম্পাদকের বৈঠকে

সাগরমর ঘোষ ॥ দাম ৬.০০

শিবঠাকুরের আপন দেশে

वान, मानाम ॥ माम ८.००

ইন্ডজিতেরআসর

হীরেন্দ্রনাথ দক্ত 🛭 দাম ৩০০০

छान म छाभनित

আর. জে. মিনি ॥ দাম ৫-০০



আনন্দ পাৰলিশাৰ্স প্ৰা: লিঃ অফিন : ৫ চিন্তামণি দাস জেন। কলি: ১ বিজয়-কেন্দ্র: ৬৭৩ মহাস্থা গাড়ী রোড CTF 08-849

निकलन क फिल्कान कामियातीय प्रश्विपास्त फेशर लाथा: "**अवेशास्त्र वेफिलारन मर्गार्जधम** भाषिनीत मान्यसमा अव्यक्ति भारतम करणारे मारण। आवशा महाव विन्यमानस्वत भाष्टि कार्यमा कींग्राम अहा शहा होता आरम-রিকার রাশ্ম পতাকা প'ত্রতে দেওয়া। সব-লেবে চাদের মাতিতে ক্ষরভগন বলা (বেতার গ্রাহক ৫ প্রেবক ফল-স্মিবিক্ট) ৫ জেসার 'রশ্মি-প্রতিফলক স্থাপনা বেটি তথনই প্ৰতিবী খেকে প্ৰেৱিভ জেসাৰ ৰশ্মি প্ৰতি-कनिए करत श्रीधवी स्थाप हरिएड ग्रहण নিভ'লভাবে মাপকার সাবোগ দের। এ ছাড়া তারা সৌরবাভাবাহিত রশিম বা বস্তক্ণা वन्ती कहात वत्ना रमगति वन्ती करत निरम मानाव फिकेल थिएत यान। कारण खायह-মণ্ডলের বর্ম সৌর বাজ্যাকে প্রথিবীতে श्रायम कराए एम्ब ना। कर्एया एमब करत চাঁদের ব্যকে মান্যমের পদাধিক একে ভারা ৰানে ফিরে হান।

আবার প্রথিবীর সিকে

ভারতীর সময় রাত ১১টা ২৪ মিনিটে তারা লুনারডিউলের এঞ্জিন চালা করে অবতরণাংশ থেকে উত্থানাংশ আলাদা করে নিয়ে উপরে উঠতে থাকেন। (নিন্দাংশটির উপগ্রহের উপ-উপগ্রহ হয়ে ঘ্রপাক থাবার কথা ছিল। সেইমত কাজ হয়েছে কৈন্য

ফলান্বিয়া তখন ৬৯ মাইল উপরে কক্ষ-পথে পরিক্রমা করে যাছে। খেরা তর্গটি ৭ই মিনিটে পরে নিজ কক্ষে পেছিবার পর শ্রে হর ৩ই দ্বন্টাব্যাপী অনুধাবনের পালা। তার কক চালের ১৬ কি: মি: উপরে। সেথানে চন্দ্রভারীরা যখন গেণীছান, তথন কলান্বির। অবতরণ কেন্দ্র থেকে ১৯০ মাইল দরের ছিল। অলভিন বেতারে জানা**লে**ন যে, চাঁদে**য়** কোথাও তাদের পাই ইঞ্চের বেশি বসে ৰায়নি। এক জায়গায় মাটি কিছটো নবস किन মাটির সত ยาสขีส এ শটক हरिम्ब ञ्जान তখন একট্র ভিতরে। মাইল থেকে 26 আকাশে 22 উচ্চতার মধ্যে চন্দ্র প্রদক্ষিণ করছে। ককের এই উঠতি-পড়তি কেন, তা আগেই, বলেছি। অঙ্গক্ষণের মধ্যে ঈগল আবার উপরে উঠে চলল কলন্বিয়ার সামনাসামনি চবার জনা। তার ৪ মিনিট পরেই ওকতা রখন ৩২ হাজার ফুটে দড়ায়, সেই সমর রুশ রবট-যান লুনা-১৫ অন্য এক সাগরে অবতরণ করে। ৩ই ঘণ্টা পরে ঈগল কলান্বিয়ার সংশ্যে ব্রস্ত হবার পর কিছা পরে চাঁদের পিছন দিক থেকে আপে লোর শেষ প্রারের এলিন চালিরে বালী তিনজন প্রদানের সামনের সিকে এসে চন্দ্রকেন্দ্রিক 🕶 ত্যাগ করার সময় ঈগলকে বন্ধনমূভ

করে স্বের গ্রহে রুপাল্ডরিত হবার রাল্ডার চাল্ড করে দেন।

ভারতীয় সময় সম্ধ্যা ৭টা ৪৭ মিনিটে আপোলো-১১ বণ্টার ২১৮৮ মাইল বেগে চাঁল থেকে ২৪০০০ মাইল দুৱে চলে আসে। বাচীরা তখন নিল্লামণন। রাত ১০টা ৪০-এ তাদের হমে ভালার কিছা কম ১ ঘণ্টা পরে ভারা সেই ৩৭০০০ মাইল দরে নিয়পেক বিন্দুটি বেগ ৰাড়িয়ে অভিৱন करत जीतात जामाज बारकन जवर अहे प्रतन ব্রুক্সভিবার অর্থাৎ ফেরবার দিন অবীধ বজার রাখা হর। আবহম-ডলের প্রবেশ করার প্ৰাক্ষাল প্ৰবৃদ্ধ (খণ্টাৰ ১১০০ কিঃ মিঃ পর্যাক্ত)। ভাষের প্রভাবতানের পথের দৈর্ঘা তদ্ভত্তত বিঃ মিঃ। বাত ১০টার একট, পরে তারা বখন খুমিরে ওঠেন, আাপোলা-১১ তখন অধেক পথ পার হয়ে অর্থাৎ পাথবী থেকে ১০১২৬৮ মাইল দুৱে ঘণ্টায় ৩৬৬৩ মাইল বেগে ছাটে আস্ছিল। কিন্তু আবহমণ্ডলের কাছে ভার বেগ প্রথিবীব অভিক্ষের দর্ণ দাঁড়ার শণ্টার ৩১৭১১ কিঃ মিঃ। তাঁরা প্রশাস্ত মহাসাগর স্পর্শ করার আগেই চাঁদে রেখে-জাসা সিজ্ঞো-भिगेत्रिके करवकीं हे हम्म कम्मा सक्**ष**ंकरड পাঠায় :

প্রে নির্দিষ্ট ভারতীর সময় রাজ সাজে নটার আন্তোলা ভার শেব এজিনঘরটি খসিরে ১০টা ও মিনিটে আবহমন্ডলে প্রবেশ করার সন্দো সন্দো মৌচাকৃতি
বানটির কিনারা বরাবর আয়নিত গালে
খোলসের মত ভাকে আবিরিত করে। ওপন
শ্রে হয় বেগ মন্দারন এবং প্রথবীর সন্ণো
বেভার বোগাবোগ ৩ই মিনিট বিচ্ছিল্ল থাকে।
আমস্টিং ভখন বানটির গতি এমন
ভাবে আরো কোগাকৃণি করে দেন, বাতে
সেটি প্রে নির্দিষ্ট জারগা থেকে আজাই
শো মাইল প্রে গিরে জলে পড়ে। সেই
বাড়তি দ্রম্ম বানের গতি দের ৪০ মিনিট
ধ্রির।

প্রথিবী থেকে ৪০০০০০ কটে উপরে আবহমণ্ডলের গাড় শ্তরে বানের বহিস্কুক ৰেকে বৰ্ষণকান্ত বহিলাপা উপাত হতে থাকে। তেপমাল্লা দক্ষিত্র ৪২০০ ফারেনহাইট। কিন্ত ভিতরের তাপমাহা থেকে বার ৮০ ডিগ্রীতে। প্রশাস্ত মহাসাগরের দিশ্বলর তথন সবে উষার প্রথম আলোর রাখ্যা হয়ে উঠছে। তার মধ্যে দেখা গেল একটি জনলত লাল উল্কাপিন্ডের মত জিনিস শোঁ শোঁ करत इ.क बामरह। इस्ति बाहारक नाविक-मंत्र रुपि कार्य भण्डे इव फेरला: जे. ঐ, ঐ নেমে আসছে। উড়ে গেল হেলিকণ্টার, নিরে এল বিজয়ীদের সংস্থা প্রতিবেধক পোষাক পরিয়ে। শেষ হোল চন্দ্রলোকে বারা। मधीता अथन मरमर्ग श्रीष्ठरबंधक कौराइत बरह बारक्न ।

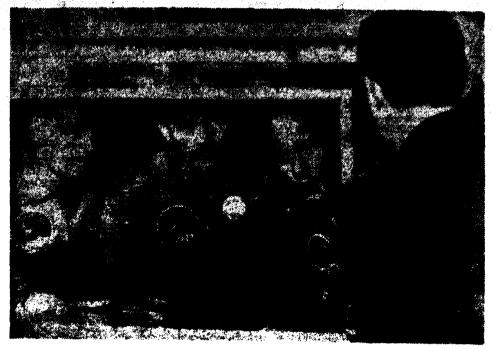
fun nefue unfuffen

আন্ত্রাপোলা ১১-এর স্বাহিনারক নীল আন্ত্রাপ আপোলা ১১-র পরিচালন-ককের মহাবৈদ্যানিক নাইকেল কলিপন। আনেপালা ১১-র ল্নার্ডিউলের সার্থি এডটইফ

क्षेत्रस्य क्षेत्रं कृषि नाहेन हे किहादन्त অপ্রগতি পথে বন্যকৌশলের ও মহানজো-চারণার হুগাণ্ডরস্কে ফলকে সোনার জলে लाबा शाकरव ठित्रकान, त्यमम लाबा चारह शाशाहित्वद नाम। अभवाज मृजा भागाहिनास হুবা বরুসে পঞ্চতে বিলীন হতে বাধা কারেছ। তার "ওড়ার মত ওড়া" অধার <u>ज्ञारमात्क छेट</u>छ या बहा द्र माथ व माथना जार्शक करामा आफ्रीतकात अरे फिनकन হার্যবস্থারী অস্থারণ সাধারণ মান্ত। আমরা দেবন,তের কথা পরোণে পড়েছি, কিল্ড নরণতের কথা শ্লিনি। এই তিন্তন मार्किन नागीतक धतात नवमार्छ द्राव एएट-त्नारक भरितत्वभव माध्यम केरव *करमरहम* । তিনজনেরই জন্ম ১৯৩০ সালে—চান্দ্র প্রভাবের সময় কিনা জানি না। ভারের ভূমিষ্ঠ হয়ার সময় প্রিবরীর সম্ভেও নদীতে যদি উজানের সময় হয়ে থাকে তাহলে বলতে পারি যে, চাঁদের দশায় জন্ম কলে দৌরা আৰু হতে পাবলেন চন্দ্রবিভাষী। আমান্টাং ও কলিম্স ৩৯-এর কোঠা এই বছরেই পূর্ণ করবেন; অল্প্রিন তা করে रकटनका गांच कान्यसादिएट। एकन 'डौरसब रमाग्रेमाहि ३ मर्गद अक्टे र्दिम । प्रकारताहै বিবাহিত, মোট সম্ভান ৮টি। ভারা সকলেই প্রবাদ জেট-বৈমানিক (হাজার তিন-চায়েক ঘণ্টা উড়েছেন)। স্থাই আগ্রেকার ক্রেমিনী পরের্বার করে মহাশ্রনার উপকালের কাছাক।ছি সাঁতার দিয়ে এসেছেন।

আমেরিকা বিমান বছরের বলঃ কানক কলিক ছিলেন জেমিনী=৭ মহাকাশহানের প্রয়েজন 5 रहा বাবার **6**41 ভ'কে ভৈহি রাখ্য इड কিল্ড **5**/47 92100 ভার যাবার দত্ত হ হয়নি। পরে ১৯৬৬ সালের জলেট মাসে জেমিনী-১০৫ তিনি জন ইয়ং-এর সহ্যাতী হিসাবে অনা দুটি চালকবিহান জালোনা इत्करणेत्र मरण्य प्रशासामानाचि मश्रासन 👁 রকেটের শাস্তি ব্যবহার করে জোমনীর কক্ষ পরিবর্তন করার সাহার্য করেন। তাছাড়া তিনি সে বারা ২বার মহা-শ্লে পদচারণা করেন এবং ন্বিতীয় আগেনা থেকে এক উল্কাণ, পরীক্ষা বলা উন্ধার করে এনে মহাশ্ন্য বাহায় উচ্চার বিপদ সম্প্রে সরেজমিনে পরীক্ষিত তথ্য বিজ্ঞানীদের হাতে তুলে দেন ৷ সেবার জেমিনী-১০ ৪৪ বার ভূপ্রদক্ষিণ করে রেকর্ড স্থাপন করে।

কলিণস নালার "অমন্যসাধারণ কৃতী" পদক, বিমান বহরের নভোচারী উইংস' (ফাল) এখং 'লাইং লুস' পদক লাভ করেন। 计设施设施 的复数非常强力的现在分词



দলেগা প্রতিবেশক পোলাক পরে জ্যাপোলো থেকে নেমে আকৃছেন ক্রান্তভারেশিয়া

১৯৬৩ সালে ভিনি মহানভোচারী দলে গালীভ লন।

রোমে জন্মগ্রসংগর পরবভা কালে তিনি গুরালিটেনে বাস্থা বাঁধেন এবং মহানভোচারী দলের অন্তর্ভুছি হবার পর কেনেতি জনত-রাগ্রের হিউস্টনে আভা গাড়েন। অন্য স্থা-জনও সেখানেই থাকেন।

আমন্তিং টেণ্ট পাইলট হিসাবে আছে-রিকার মতুম সামরিক বিমান ("এছা-১৫") চালিরে ২ লক ফটে উপরে অর্থাৎ মহা-

न्डन रमधकरम्ब काम रमधा

কেবলমার ন্তেম লেখকদের জন্ম চিলিত একমার জন্ম সংক্রিক।

প্রতিশ্রতি

গদপ, কবিতা, নাটক, উপন্যাস, রমারচনা, বিশ্বসাহিতা, সাধারণ বিজ্ঞান, অধানীতি, চুসজিত, ধেলাধ্যুদা এবং আসর অন্টান লাব সমিডির ধবরাখবর ও সংস্কৃতি সংবাদ। প্রথম বর্ষ, ও হল সংখ্যা প্রকাশিত হলো প্রতি সংখ্যা—২৫ প্রসা, ব্যবিক চাঁদা ১২, টকা, বাজ্যাবিক ৬, টাকা। সম্না সংখ্যার জন্য ২৫ প্রসার ডাক চিকিট প্রেটাতে চবে।

সম্পাদক-জীরজেন্দ্রনার ভট্টাচার্য প্রধান বাবস্থাপক-জীলিবকুমার চলবডী

১২ ১, শ্রণনো মেন রোড, কলিকাত-৬১ কোন নং ৪৫-৫৯৬৪

(TH-GVGZ)

শ্নের এলিককার সীমানা বে'বে গুড়েন এবং
বিসানের বেগ বাছিরে শুড়ের বেগের এ
গ্রেশ করেন (ঘণ্টার ৪০০০ মাইলা)।
গাগারিনাও ঠিক এইরকম টেস্ট পাইলাটি
করতে গিরে অক্ষিক মুর্যটনার মারা
মান। কামান্টাং সামারিক বিমানের আরো
নতুন মাডেল পরীকা করেন এবং প্যারাগাইডার (দেখতে অনেকটা পারিসাটের
মন্ত) নিরে উল্লেজস্বা।

১৯৬৬ সালের মার্চ মাসে জেফিনী-৮-এর অধিনারক হিসাবে আয়াস্থাং (এবং ভার সহযাতী ডেভিড কটে। জীবন-বিপল্ল অংক্ষা তৃষ্ণ করে ভার ব্যনকে অন্য একটির সংখ্য যাক করেন। ১৯৬৮ সালের মে মাসে তিনি একটি ভালিমী লুনারডিউল নিয়ে আকালে ওঠার পর বানটি বিগতে বার। সেবারের আর্মান্টাং-এর কানের পাশ দিয়ে ব্যন্তকে চলে বেতে হয়-বানটি টেকসাসের তালিছ-ক্ষেত্রে আছাড় খেরে ভদ্মাবদেরে পরিবত হবার করেক মহেতে আগে আমাদ্রীং প্যারা-সটের সাহায়ে নেমে পড়েন। হরত চন্দের দশার তার জন্ম হরেছিল বলে। মহাশুলা বারার গবেষণা কেন্দ্রে (ক্যালিফনিরার) তিনি ভটি হন ১৯৫৫ সালের পর। ভার আগে তিনি মাকিনি রশভরী বছরের বৈমানিক হিসাবে ৭৮ বার বিমান চালনা करतम रकाशिताञ्च बारम्य।

আমপিটা বিমান-মহাবিমান বিজ্ঞানের ইনস্টিটিউটের জন্তেত জালিউট প্রকল্পর (১৯৬২) মার্কিন বিমান ও মহাবিমান

ম নিভাগাঠা তিনশানি গ্লন্থ হ

ना ब्रहा-ब्रायकक

—সম্মাসিনী প্রীপ্রশাসাতা বচিত—
কল ইণ্ডিরা রেডিও বেডারে বলেছেন,—
বইটি পাঠকমনে গভীর রেখাপাত করবে।
ব্যাবতার রামকৃক-সারদাদেবীর জীবন
আলেখোর একখানি প্রামাণিক দরিলা
হিসাবে বইটির বিশেষ একটি মূল্য আছে
সপ্তমবার প্রকাশিত হইরাছে—৮

शिक्षीय।

ৰ্ণাশ্চর :—তিনি একাধারে পরিব্রাক্তিকা, ওপস্বনী, কমী এবং আচারা। বটনার পর ঘটনা চিত্তকে মুখ্য করিয়া রাখে।... গৌরীমার অলোকসামান্য জীবন ইতিহাসে অম্কা সম্পদ হইরা থাকিবে॥ প্রধানর প্রবাহিত ইইরাক্তে—ক্

त्राश्वा

বেদ, উপনিবং, গাঁতা, মহাভারত প্রভৃতি
ভাল্ডের স্প্রসিম্থ উরি, বছা শেকার,
সাড়ে তিন শত বাংলা, হিন্দা ও জাতীর
সভাগত প্রথে সমিবিন্দা 'হইরাছে।
বল্মতী বজন—এমন মনোরম শেকারগাঁতি প্রতে বাজলার জার মেনি নাই।
পরিবর্ষিত পঞ্চম সংক্ষের্য—৪

के के भार प्रमुद्ध वाक्ष

২৬, গোরীয়াডা সরণী, কলিকাডা-৪

(লি ২০১৮)

চালনা ইনস্টিটিউটের প্রক্রার (১৯৬৬), বালার "জসাধারণ কুটী প্রক" এবং জন ফুট্লোকারী প্রক্রার (১৯৬২) বাভ



আমুস্টা-এর জন্ম গুছিপ্তে। তার বৃটি ছেলে—একটির ব্রেস ১২, জনাটির

চন্দ্ৰগামী খেলা নৌকাৰ পাটনী এড-উইন অবাদ্ৰিন চন্দ্ৰস্পাণী হিসাবে অধিকার করেছেন হয় স্থান।

মহানভোচারণা বিজ্ঞানে জিনি "ডেইবেট" লাভ করেন ম্যাসাচুলেটলের টেকনোলাজক্যাল ইনসটিটিউট থেকে। ১৯৬৩ সালে তিনি ভার বিবর সম্পর্কে বে খিসিস লেখেন, ভার লোব বাকাঃ "গুঃ। আমি বিল গুলেরই এক জন হতে পারভাম।" গুলের মানে মহাকাশ-চারীদের।

"ওদেরই একজন" হরে অসন্তিম ১৯৬৬ সালের নবেশ্বরে জেনিনী-১২ মহাকাশবানে জেমস সাভেলের (জুনিরার) সহবাচী হিসাবে ৪ দনবাপী ৫৯ বন্ধ মহালালে।
ভূপ্রদক্ষিণের সময় বানের ঢাকনা থকে।
শরীরের উপরাংশ বাইরে বার করে ২০৮
মিনিট ধরে প্রিবীর কটো ভোলার পর
১২৯ মিনিট মহাশ্বেন পারচারি করেন।

কোরিরার ব্রেখর সমর অভান্তিনের বিমান ৬৬ বার ব্রেখ অংশ প্রহণ করে এবং জার্মানির বিটব্রেগ ভিনি মার্কিন সামরিক বিমান বহরের একজন নারক এবং রণভরী বহরের বোমার্র চাকার ছিলেন।

করেল অলান্ত্রম একটি ওক প্রগ্রন্থ পতিত লাইং লস, ২তি ওক পর্যান্ত্র পতিত পদক, মার্কিন বিমানবহরের প্রশংসাস্ত্রক পদক, নাসার "অসাধারণ কৃতী" পদক, বিমানবহরের মহালভোচারী উইসে এবং মহালন্ত্রে অনাত্রম হিসাবে পরিকল্পকদের অনাত্রম হিসাবে "সমবেত কৃতিছ" প্রকলার লাভ করেন। কার্ক্মী ও বৈমানিক-মহাবৈমানিক কর্মীন্দ্র আন্তর্জাতিক সংক্ষার আন্ত্রা অবৈত্রিক সদসা এবং বৈমানিক-সহাবৈমানিকদের তিকিংসা সংস্থার আনৈত্রিক সদসা।

অলাজ্রন নিউ জাসির মণ্টারেমার শহরের নগেরিক। তাঁর ২ ছেলে সার একটি নেয়ে।

আংগোলা-১১এর নার্যণানের আসনটির আরোহী কলিপের পক্ষে ঝারি ও থাতি তাঁর ''পাধ্বরক্ষী'' দাজনের চেরে সামান কম ছিল বটে, কিব্ছু তাঁর দায়িত্ব বড় সামান ছিল না। আমন্তিং ও অলজ্জিন বদি মূল ভাহাজে কিরে যাবার সময় লক্ষান্তব্য হতেন, ভাইলে আংপোলা-১১কে প্রয়োজন মক্ত মনা পথে চালিরে সংগী দ্ভানকে উম্থার করার দায়িত্ব ছিল তাঁর বোল আনা।

कारक कार्न সিয়াকভ স্ক গভাভেত্র স্থান আৰু জার আকাশে কল্পনার कराम तहना कराइ ना-नाम अरहाइ अरे প্রথিবীয় বাস্তব মাটিতে নিয়াকার থেকে সাকার হয়ে। ঐ স্বন্দকে বাস্ভবে রপোরিভ করেছেন এ যাুগের তিনজন প্রমিথিউস— बाप्रस्थिः, व्यवस्थित ও कीमन्त्र । कीमरन्त्रद्र এ যাতা চন্দ্র স্পর্শ করার সৌভাগা হলো না বলে ভার আফসোসের কিছু নেই। আনপোকো মিশন তো একবার চাঁদের ব্যক্তি ছারে এসে মিশনের স্বর্গরোহণ পর্ব রচনা করবে না। এতো সবে উদ্যোগ পর্ব । এর-পর আরো কতকগত্তির প্রতিষিষ্টেসের অন্দির্থ চাঁদে বাভারাত করবে এবং কলিন্স নিশ্চরই হবেন তার কোন না কোনটির সার্থি। আর তিনি বে নিৰ্বিছেঃ একা আপোলোকে বার বার চালের চারদিকে চক্কর দিইরে, ডার 👂 জন চাদকেরং সংগী নিয়ে প্রথিবীতে ক্লিবে अरमा अर्धेष्टे कि कम कुण्डियन कथा?

বর্তমান রাজনৈতিক পটভূমিকার রচিত বৈপারনের

रघता ७

নতন উপন্তিস

\$·00

গ্যোৰিক বছালের নতুন রহস্য - উপ্নয়স

ৰুক্ত গোলাপ ৰাত ৫.৫০

রাহ্ব সাংক্তারণের ঐতিহাসিক উপন্যাস

সিংহ সেনাপতি ৮০০০

ভ্যারাইটি পার্বালশার্ল : ১৩ কলেজ রো : বলিকাতা—১

(সি-৬০২৩)

ভটন মুক্তমদ শহীদ্যাহা — এই পতন্ত জানসাধকের প্রতি ভিজ্ঞানার প্রভাষ

ৰাংলা সাহিতে। মুকুন্দল শহীদ্রোহ্ ।। আজাহারউদ্দীন থান গ্রুপ্রে ভূমিকার ডঃ স্নীতিকুমার চটোপাধার লিখেছেন, 'ভেটর শহীদ্রাহা এ মুগের একজন শ্রেষ্ঠ বালালী — তাহাকে আমরা একজন ব্যুলায়ক 'মুসুলমন ৰালালী' বলিয়া অভিবাদন করি।' মুল্যু সাত টাকা পঞ্চাশ প্রসা

ब स्त त क बा अ बा भ जा हि छाः मौरनगानन राजन

কলিকাতা ৯ জিজালা কলিকাতা ২৯

অমত্য মহাকাশ

नुभविक् कर

ர சம்

প্রধার সামায়িত গণ্ডীকে আত্রর করে

মান্য কোন দিনই সন্তুন্ট থাকতে
পারে না। আরও আলো, আরও বাপকভার

সংধানে এর বায়,ন্তরের শেব সামা অভিক্রম
করে সে চলে যাবে বহু দরের। প্রথমে
সন্তপ্পে। ভারপর প্রেরা সোরমন্ডলটাকেই
একদিন সে জয় করবে নিজের প্রয়োজনে।
কথাগালি বলেছিলেন সোভিয়েত দেশের



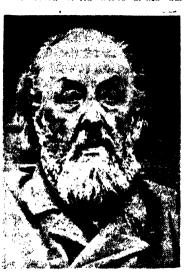
निकालाई किवालीहरू

অন্তেম বিজ্ঞানী এং আধ্নিক মহাকাশ যানার জনক কনসভানতিন এভোয়ারভোভিচ জিওলকভস্কি। চাঁদে সতি। স্তিট্ প্রিবীর দাজন মানা্য অবতরণ করেছে, তাদের সম্মাথে পাহাড়, পায়ের নীচে নাড়ি, আশ-পালে ছোট বড গহনুরের ভিড। ঠিক এমনই একটি বর্ণনা তিনি দিয়েছিলেন ১৮৯৬-এ। তাঁর সে বর্ণনার অভ্তত মিল পাওয়া গোল গত ২১শে জলাই ১৯৬৯এ। ভারতীয় সময় তথন সোমবার সকাল ৮টা ২৬ মিনিট ২০ সেকেন্ড। মানুষের ইতিহাসের সবচাইতে রোমাঞ্চকর, স্বচাইতে গৌরব্ম,হুর্ড রচিত হল। সাথকি হল জিওলকভস্কির স্বপন। मार्ताकन प्रत्येद्र मुक्तन प्रान्द्रित, नील व्याह्रमञ्जर এবং এডুইন অলডরিন চাদের ব্যক্ত একে দিলেন তাঁদের পদচিহ্ন। 🐿 সেই সংখ্য প্রথম বর্ণনাটি, যা এল জিওলকভস্কির বর্ণনার সংশা তার অক্তৃত মিল। ব্যতিক্রম
শুধু জিওলকভর্সাক বে দুজন মান্বের
কথা উল্লেখ করেছিলেন, তারা রুশ। কিন্তৃ
বাস্তবে চল্টহার গলার পরলেন
আতলান্তিকের ওপারের দুজন মান্য নীল
আরমস্থা এবং এডটন অলড্যরিন।

সংকীপ প্রতিবোগিতার কথা থাক। আঞ্জকের এ সাঞ্চলা কোন বিশেষ মানবে, কোন বিশেষ দেশ অথবা কোন বিশেষ পূথিবীর সর্বজনের। नद्र. भागिनिवद मुद्रदीक्य बन्त र्दामन महा-বিশ্বের জানালা খালে দিরেছিল, কেপলারের গ্ৰহ-পতি ভব বেদিন কোত্ৰেল স্থিট করেছিল সহস্র মানুবের মনে বেদিন ব্যাখ্যা করলেন চাঁদ কেন উপগ্রহরূপে পৃথিবীর চারপালে ছারে চলেছে ভারপর থেকেই মহাকাশ মান্ত্ৰকে হাতছানি দিয়ে ডেকেছে। সেদিন থেকেই বলা চলে মান্ত বেন যথেন্ট গরেছে নিয়ে মহাকালে ভ্রমণের কথা ভাবতে শুরু করল। প্রচলিত <mark>বৈজ্ঞানিক</mark> ত্তগুলি অবশেষন করে গলপ রচনা করলেন এডগার আলেন পো. হেল এইচ জি उरामम, कृम स्रायन अवर चायन स्रायन এ'রা স্বণন দেখলেন প্রিবীর মান্ত চাঁদে গিয়ে বিচরণ করছে, অথবা ভিন্ন গ্রহে। এমন কি কোন কোন লেখক স্মূর্য নক্ষ্য মণ্ডলের কোন গ্রহের মাটিও দ**খল ক**রে বসলেন। তবে এ সমস্তই কল্প কথা। বাস্তবে সাফলমে প্রিড মহাকাশবাল্যকে ব্যাপারে বারা তথন काल गार करह দিয়েছেন তাদের সংশ্যে এপের মিল থ্রই

বস্তুত, ১২০ খুন্টান্সে লাকিয়ান বিরচিত 'ট্র হিস্টোরি' **গ্রেম্প প্রথম** চন্দ্রাভিয়ানের একটি বিশদ বিবরণ আমরা দেখতে পাই। **এই विवहरण ब्राइक्टीरमंत्र भिर्द्ध ब्रह्मकामधान** বহনের কথা বলা হর। ১৬৫০ **খ**্রীন্টাব্দে প্রকাশিত হর ভারেছ ভালস লা লিউন এবং হিসটোরি দাম ইটাটস এট এমপারারস দা स्मार्टिश ।' ब्रहिश्चा काইरब्रस्मा माः वात-জারস। ইনি বুকেট চালিত একটি মহাকাশ যানের বর্ণনা দেন। **এই বর্ণনার কো**ন কোন স্থানে অবিজ্ঞানীসালভ চিস্ডাধারা প্রকট হরে উঠেলও মহাকাশ যাত্রার যে সমস্ত অসুবিধের কথা তিনি আলোচনা করেন ভার ছেতর বংগণ্ট ৰাস্তবতা ছিল। উত্তরকালে প্রখ্যাত কম্পকাহিনীকার জ্ঞা ভারন-এর ৰণনায় কামানের গোলার মুখে চড়ে চন্দ্রতিবানের বৈ রোমাঞ্চকর পরিশ্বিতির
দৃষ্টাণ্ড মেলে তার সংগ্য আধুনিক রক্ষে
বালার বেশ রিছু মিল দেখা বার। সব
চাইতে মজার বাপার জুল ভারন-এর নারকদের
চাঁদে বেছে সমর লেগেছিল প্রার ৯৭ ঘন্টা,
নীল আরমন্টং এবং এজুইন অলভারনের
সমর লেগেছে ১০৮ ঘন্টার কিছু বেশি।
মহাকাশ বিজ্ঞানের সেই শৈশব দিনে ভারনএর পক্ষে এতটা কাছাকাছি ছিসেব রেখে চলা
নিশ্চর বিশ্বরকর।

তবে বর্তমান শতাব্দীর গোড়া থেকেই পরিক্ষার বোঝা গোল, বদি দরে নভোমারে মান্বকে কোন দিন পাড়ি দিতে হয় ভাহলে রকেটের ব্যারাই একমার ভা সক্তব। এই রকেটের সংক্ষার সাধনের ব্যাপারে সারা



छः जिल्लक्षम् वि

ইউরোপে একদিন ব্গাণ্ডকারী উম্বীপনা স্থিত করেছিলেন প্রথাতে রিটিশ বিজ্ঞানী স্যার উইলিয়াম কনপ্রেত। কঠিন জালানি ব্যবহার করে যে সমশ্ত রক্টে তিনি তৈরি করেন প্রথম দিকে তা মুখ্যত ব্যুক্তর প্ররোজনেন ব্যবহৃত হরেছিল পরে ১৮০৮ খ্রীন্টাব্দে বিপার জাহাজের বাজীদের রক্ষা করার ব্যাপারে কনপ্রেভ রকেট কাজে লাগান শ্রুহা। মানব কল্যাণে রকেটের ব্যবহার এই প্রথম।

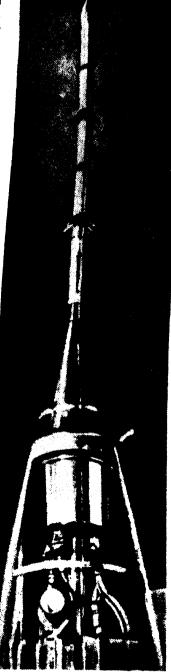
অবশেষে রকেটের পালা বত বাড়তে
লাগল, মান্ধের কলপনাও প্রসারিত হতে
লাগল সমান তালে: কিজাসা, বে মহাকাশ
ব্য ব্য ধরে তার মনে বিস্মর স্কি
করেছে, কি তার স্বর্প? কি আছে
সেখনে? মহাকাশ বালা কি রকেটের
সাহায়ে সফল করা বালা না?

সেটা বিংশ শতাব্দীর পাদপ**াঠ। প্রকাশিত**

হল প্রখাত সোভিরেত বিজ্ঞানী, কাল,গা গ্রামের একজন সামান্য স্কুল শিক্ষক কনস-তানতিন এডুরারডোভিচ কিওলকভসবির অসমান্য রচনা 'একসপ্রেরণন অব স্পেস বাই রকেট ডিভাইসেস'। ইতিপ্রের্ব ১৮৯৫ খ্রীটান্ডেল প্রকাশিত হয়েছিল তার প্রথম ব্যালভকারী প্রকশ্ব। বিষয় মহাকাশবাতা নেচার আগ্রুড মান' নামে একটি বিজ্ঞান-পত্রে লেখাটি প্রকাশ পাবার পর রীতিমত সাড়া পড়ে গিরেছিল। এই ঘটনা জিওলকভসকির চিন্তাধারাকে এক নতুন পথে পরিচালিত করল। মহাকাশ অভিযান সম্পর্কে এবার তিনি ব্যথন্ট সত্র্বভার সংশ্ব ভারতে লাগকেন।

প্রচাস্তরের মাঝখানে পড়ে ররেছে মহাশানা। অতএব নভোচর বে বানে চড়ে গ্রহান্তরে পাড়ি দেবে সেটিকে সম্পর্ণ ভিদহীন করে তৈবী করতে হবে। তার মধ্যে থাকবে প্রয়োজনীয় অন্ত্রিজেন সঞ্চিত করে ब्रामात वाक्त्या अवर मिटे भर्का वास विभाग्य क्यरगद्र । नरकाहरद्रव रभागाकृष्टि इरव हाभ-সহ। আর বেশির ভাগ ক্ষেত্রেই বেহেতু শ্নোর মধ্য দিরে বেতে হবে, মহাকাশবানটিকে চালাতে হবে ঘাতের সাহকে ধাকা মেরে। অর্থাৎ রকেটের সাহাব্যে: অবশ্য মান্তের মহাকাশ বিচরশের জন্যে রকেটের প্রয়োজন হবে, এ কথা সৰ্বপ্ৰথম বলেছিলেন নিকোলাই আইভানোভিচ **কিবাল**চিক ১৮৮১ খ্রীণ্টাব্দে। কিল্ড সাধারণ কঠিন জ্যালানিতে চলে এমন বকেটের ক্ষমতা খ্রেই কম। উচ্চতর ক্ষমতা সম্পন্ন রকেটের জনো চাই প্রচল্ড নিগমি বেগ বা এগৰুকী ভেলোসিটি অর্থাৎ ক্রকটের জনালানি পোডার পর যত বেগে তার উরণ্ড বারবীর অংশ নিগতি হবে রকেটের গতিও সেই হারে বেডে হাবে। কিন্তু সাধারণ কঠিন জনলানি প্রিড়রে এই স্বিধেটি পাওরা সম্ভব নর। জিওলকভস্কি বললেন, মহাকাশ বান চালাতে গেলে কেরোসিনের মত কোন তরল ভারেলানির প্রয়োজন। একটি মহাকাশ বালের ছকও তৈরি করে ফেললেন তিনি, বা তরক হাইডোজেন এবং তরল অক্সিজেনে চলতে পারে। জ্ঞালানি পোডার সময় বে প্রচন্ড উত্তাপ তৈরি হবে তা থেকে কি করে রকেট-ইঞ্জিনকে বাঁচান বায় সে কথাও চিস্তা করলেন তিনি।

এ ছাড়া স্নুদ্র মহাকাশে পাড় দিতে গোলে যে বহু সতর রকেটের প্ররোজন হবে রাতিমত তত্ত্ব দিরে জিওলকভসনিই প্রথম ছা ব্যাখ্যা করেন। তিনি বললেন, মনে কর্ন, রকেটের ডগার করে এক টন ওজনের একটি মানব-বাহা কককে আমরা চাদে পাঠাতে চাই। এর জন্যে আমাদের নিগমিবল হবে প্রতি সেকেশেড ৩০০০ নিটার। এই নিগমি বেগই রকেটকে ধারা মেরে



১৯০০এ জ্বল জ্বলানির সাহায়ে লোভিয়েড দেখ এই রকেটটি জাকালে পাঠান

চালিয়ে থাকে। বাদ একটি রকেটেই কাজ সারতে হর তাহলে বতটা জনালানি আমাদের বাবহার করতে হবে তার পরিমাণ ঐ রকেটের ওজনের ষাট গণ্ণ বেশি। প্রবৃত্তির দিক দিয়ে চিন্তা করকো দেখা যাবে এড বেশি বোজা নিরে ঐ রক্টেটির প্রে আকাশে ওড়াই অসম্ভব। কিন্তু একটির বদলে বদি পর পর একটির মুক্টে সাজিরে বহু পতর করে মেওলা বাল, ভাহলে ক্রোলানির পারমাণ অনেক ক্ষে বাবে।

তার মহাকাশবানে থালা উৎপাদন, আজিজেন প্রশৃত্ত এবং দ্বাদ্বা-বিথি জট্ট রাখার বাবন্ধাও করা হর। সেই সন্দো সৌর দারির সাহাবো বিদাহে বা ভাপ উৎপাদন এবং প্ররোজনে মহাকাশ বান চালান, এবন অনেক কথাই রীতিমত ভত্তুসভভাবে আলোচনা করলেন একের পর এক, মোট সাতে দাতি গ্রেব্যাপ্রে:

ह्याहे कथा भारता समसाहितको नामानास ছড়িয়ে খেলেন জিওলকভদ্যকৈ এবং ১৮৯৮-তের সামা কবি পার্যান্ডক সাবেবদার কার লেম জল। ১১০৩ খা ডিটালে 'সায়েকা সাছে' প্রিকায় তাঁর নতন গবেষণার কথা প্রকাশিস্ত হয়। প্রকাশের অংশদিন পরেই সাবেদস সাভোৱ এই সংখ্যাটি পালিস বাজেয়াপ্ত করে। কারণ জারকে সমাকোচনা **ভার** আবর কয়েকটি প্রবাধ এতে প্রকাশিত हार्क्षांक्रमः। कामा रमने प्राहारली अवस्थीते যথাযথ প্রচার পেল না। ভাবে সেটিলাবশন্ত জিওলকভদকির নিজ্ঞাক কলিটি বক্ষা পাষ এবং পরেনে প্রকার্যাল আর্ভ বিশেষ্ট্রণ করে ১৯১১ থেকে ১৯১৩ প্রশিক্ত 'এভিয়েশন বিপোট'রে' নামে একটি বিজ্ঞান বিষয়ক পত্রিকায় প্রকাশ করেন। এই সমন্ত্র তিনি শিষারতেশ পান ডঃ জেকভ আই পারেলমানেকে। ডঃ প্রত্যেলমান্ত প্রত তার গ্রেলেবের মূল ভথাবহাল রচনাগালি जर्बजाथात्र**ा**व रवाधगम। कटत श्रहात स्टब्स। ফলে মহাকাশবিজ্ঞানে জিওলকভদকি রাশিয়ার অন্যতম মৌল গ্ৰেষক ছিলেবে প্ৰিচিতি পান। তবে দাংখের বিষয়, মাল রাখ ভাষায লিখিত তার সমস্ত গাবেষণা অন্যান্য ভাষার অন্দিত না হওয়ায় রাশিয়ার বাইরের মান্ত্র এত বন্ধ ঘটনা সম্পর্কে অধ্যক্তারেট ভাল दशका ।

কিন্তু প্রথিবীর মাটি ছেড়ে জাকালে ওড়ার পরিকলপনা তথন শ্রুর হয়ে গেছে নানা দেলে, নানা উল্দেশে। ১৯০৫-এ বর নামে জনৈক বিজ্ঞানী কঠিন জ্বালানি দিরে একটি রকেট তুললেন প্রায় তিন হাজার কৃষ্ট ওপরে। এতে ধানিকটা বিস্ফোরক পদার্থ বহন করা হয়েছিল। তার সাহায়ে আকালে বিস্ফোরক ভিনি বাঁচান। আলাক্ষেত মল নামে আর একজন ইন্ধিনিয়ার রকেটের সাহায়ে উচু থেকে চারলালের ছবি তোলার চেন্টা করেন। করেকবার বার্থ হওয়ার পর ১৯১২ সালে তিনি সাফলামন্ডিত হন। এই রকেটি আকারে বেশ বড় ছিল। জ্বালানি সহ মোট ওজন সাড়ে বিরামন্তর্ই পাউন্ড। বাতে

সমাতা বজাৰ বেখে উউতে পাৱে তাৰ কৰ্মো अब औरह दक्षि चार्नाव्याम वन्त्र कारक দেওরা হর। সংশা ছবি ডোলার ছন্যে আট होता हरता क्या क्या मा देवि सन्दा त्यातिक একটি ক্যামেরা। দরে থেকে বৈদাতিক প্রশালীতে রকেটটিতে অণ্নিসংযোগ করা হয়। स्टबर्टेड विवर्णात व वक मरूम पिक।

১৯১৪। रेफेरब्रारम मात्रा रम अध्य विश्व-রাম্ম। বিভিন্ন সরকার রকেটের ওপর সমগত शत्यवंश महिकता रकमतमा भाषाच व्यत्मत्क প্রোপ্রি হাস্বের ব্যাপারে ব্যবহার করতে লাগলেন বকেট। এ সময়ে বংশট উল্লভ খরনের রকেট তৈরি হরে গেলেও তাদের সঠিক থবর বাইরে প্থিবীর অজ্ঞাতেই । ছেগে ক্যান্ত্য

অবলেরে রকেটবিজ্ঞানের নতন পিগাল্ডের **म्हामा इन ১৯১৯-এর ২৬শে মে। ঐ** रिन ম্যাশাচসেটের অন্তর্গত ওয়ারচেপ্টারের ক্রাক্ करनास्त्रत अधानक छः त्रवार्धे शांत्रन्त्र गडार्ड উনসত্তর পৃষ্ঠার একটি পাণ্ডলিপি পেশ কর্কেন স্মিথসোনিয়ান ইনস্টিটিউশনের কাছে। ১৯২০তে ২৫৪০ নদ্বর প্রকাশনী-রূপে গবেষণাপচ্চটি প্রকাশ করলেন স্মিথ-সোনিয়ান ইনপিটিউট। শিরোনাম : ৩ মেথড অব বিচিং একম্মিম অলচিচ্ডস'। এই গ্রামে পড়ার্ড বিশদভাবে উধর্যাকাশে রকেট उरक्रभागत कथा बाह्याप्रसा कार्यसः। प्राच বিষয়বস্তু এবং তার বাংখ্যা খাব একটা আক্ষণিয়ি কিছা হল না। তাব শেষের ক্ষেক্টি লাইন অনেকের মনে চমংক্তিছ সালি করল: এই অংশে রাক্টে চাড চাদে মাওয়া এবং সেখন থেকে এক কলক আলোক স্থিট করে পেছিনোর স্থেকত পাঠনের বৰ্ণনা ভিজ।

কিন্তু ্১৯২৩ প্রাণ্ড প্রীক্ষাকারী চালানর ব্যাপারে বিশেষ স্টাব্ধে করতে পারবেন না গড়াড়া। ইতিমধ্যে মিউনিকের আর ওকেডনবার্গ নামে একটি প্রকাশনী সংস্থা 'রকেট আশ্ভর্যাহ যাত্রা' নামে একটি वहे रहरू । रक्षमा । रमधक এই। उदार्थ । এই প্রশেষ মডেল-ই নামে একটি মহাকাশ-বানের ছক এবং তরল জনালানির কথা **উল্লেখ করেন।** মোটাম:টিভাবে তাঁর সমূহত ব**ত্তব্য জিওলকভ**স্কির মূল তত্ত্বের অনুরূপ। ভবে ওৰাৰ রুণ ভাষা জানতেন না এবং তার পক্ষে জিওলকভস্কির মূল রচনা সংগ্রহ করাও কঠিন ছিল। এ কথা ভেবে বলা বেতে পারে মহাকাশ্যান সম্পর্কে তার পরিকশ্না মৌলিক। গড়াড'ও রুখ ভাষা বানতেন না। অথচ তরল জন্মানানি নিরে রকেটের ওপর তিনি যে পরীক্ষানিরীকা চালাছিলেন সে কথা ১১৩৬-এর আগে ভিনি বাইরের জগতে প্রকাশ করেন নি।

আধ্রনিক মহাকাশধান নিমাণের পরি-কাপনার ওরাধেরি অবদান অনুস্বীকার। অঞ্চ কৰে ডিনি পেখিৱে দিলেন. মহাকাশবানকে সেকেল্ড সাত মাইল গতিবেল দেওয়া সম্ভব। কারণ, ঐ গতিবেশে ভোন বস্তকে উন্দোদ্ধলৈ উ**ংকেপ করলে** তা প্রিবীর অভিকর আঁত্যুম করে চলে বেডে পারবে। **ফিম্ছ গ্রন্ম** দিকে দার**্**শ जगरनाहनात जन्म चीन इटल इस ब्रम्मानिहास **এই विकामिक्टक। अध्या कि छः नदारका**त्र হত বিখ্যাত বিজ্ঞানী এক কথার ভাতে নাকঃ

करत मिट्ट कारमम, कामण्डम। स्मारकन्छ अधि ছাইল কভিবেল পাবার মত ক্ষমতা ওবাথেত प्रवासायकारम्ब (महे ।

राज राज्यान भा खरावा। वाजित हरन এলেন ভিনি এবং স্বাধীনভাবে গ্ৰেৰণার কাজে লোগে গেলেন। এই সময় সাহাযাকারী-ছপে ভিনি পেলেন রাডলফ নেবেল। ইনিই ছলেন তার প্রথম সহকারী। এব ওপর शांतिक बहेन के बानसक्त्राराद करानानि

লগাল বাবের মুখন উপন্যাস

ष्ट्राता ऋारमज्ञ तुर्ड

4.60

स्याति क्रिक्तिक सन्दर्शन सक बीक्टक-नकरनत जलना जकरनत सर्था। किन्छ क्रीयन ভাকে বল্দী করল বিভিন্নভার রভাভ দূর্গে। সেই শীভিত ক্লিউ আঁত্তর থেকে তার মুজি কীলে? প্লার্থ আর জনধেরি সেই ছড়ানো জালের ব্রু থেকে সে व्यक्तारव रकाम भरध ?

> वि वि नडीकावीरम्ड शरक वार्गात्रहार्य वरे বীরেলুমোহন আচার্যব

আধরিক শিক্ষায় মনোবিজ্ঞান

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের শিক্ষা বিভাগের মনস্তত্তের রীভাব প্রখ্যাত শিক্ষাবিদ ড: গৌরবরণ কপাটের ভূমিকা সম্বলিত। আধুনিক শিক্ষার পরিবেশ ও পঞ্চতি ১ম মন্ত্রণ ১০০০০ মাড়ভাষা শিক্ষণ পর্ম্বাক্ত ৪র্থ মন্ত্রণ ৫০০০

শকেব-এব

ক্রপতাপস মারচিত্র যোগবিয়োগ গণ্ডাগ

4ম মা্<u>ছ</u>ণ ৪.০০

১৭শ মন্ত্রণ ৬.০০

>># EE4 4.40

গজেন্দ্রকমার মিত্রের

ধনজয় বৈরাগীর

পোষ ফাঞ্চনের পালা

কালো হারণ চোখ বিদেহা en মালুৰ ১০.০০ 8र्थ स<u>म</u>्ला २.४०

8र्थ माष्ट्रण ३६.००

সৈয়দ মূকতবা আলির ভবানী মুখোপাধাারের

স্বোধ ঘোষের

ভবঘরে ৪ অন্যান্য অস্কারওয়াইন্ড ामतमारका<u>व</u>

Se म्यूल ७-७०

₹N 1 6.00

¢র মুদ্রব ≎-00

আশ্তোৰ মুখোপাধ্যারের

বিমূল মিত্রের

নতুন তুলির টান

श्रं म्हल १.००

नाय : ১७.००

6H NET 8-60

भवरहण्य हट्योगायाद्यव

বিমল মিতের

সাহেৰ বিবি গোলাম भवर-नामे गरप्रश ১ম খন্ড ৫.০০ ২য় খন্ড ৫.০০ मार्थेक ७.०० OR 445 6.00

একক দশ্ক শতক नार्डक ७.००

ধনজন বৈরাগীর र्मिनक २.६०

দেবনারারণ গ্রুণেডর मानी ७, भनिना ७, ডঃ প্রতাপচন্দ্র চন্দ্রের रनरवष्टक २.9%

ৰাক্-সাহিত্য প্ৰাইভেট লিখিটেড, ৩৩, কলেজ রো, কলিকাতা-৯



১৯৩৫। নিজের তৈরি রকেটের সাম নে পাড়িরে রলেছেন ভঃ গভার্ড

এবং তাপসহ সংকর ধাতু তৈরি করার। তাঁর ন্বিতীর সহকারীর পে কান্ধ করতে লাগলেন একজন র ্শ ছাত্র। নাম আলেকজান্ডার কোরিসোডিচ সেরেসেভেসকি। এ'দের সহ- যোগিতার ওবার্থ মহাকাশ্যান নির্মাণের ব্যাপারে অনেক গ্রেছপূর্ণ গ্রেক্যা সন্প্র করপেন। পরে মেকে নিজেও বেশ কিছ্ নতুন পরিকল্পনার উল্ভাবন করেছিলেন।

ওদিকে মার্কিন ব্রহ্মানৌ প্রোদশ্তর কাজ চালিয়ে যাজেন গডার্ড ৷ ১৯২২-এ তিনি তাঁর পথম বকেট ইঞ্লিনটি প্রীকা কবলেন তবল জনলানিব সাহাযো। অবশেবে ঐতিহাসিক উৎক্ষেপণ পর্ব সম্পন্ন হল ১৬ই মার্চ, ১৯২৬। প্রেথবীর প্রথম একটি আদর্শ তরল জন্নলানির রকেট সাফল্যের সংগ্রে মাটি ছেডে আকাশের দিকে উডে গেল। এই রকেটে জনলানি হিসেবে ব্যবহার করা হয় তরল অক্সিজেন এবং গ্যাসোলিন। আগনে ধরান হয় একটি গ্যাস ব্রোয়ার দিয়ে ৷ উৎক্ষেপক মণ্ড তৈরী হয় লোহার কাঠামোর সাহায়ে। ঐতিহাসিক এই পরীক্ষায় ক্যামেরা করেন মিসেস অপারেটাররূপে কান্ত গডার্ড, সহকারী হেনরী শাখস এবং পি এম রূপ। ঘণ্টার বাট মাইল বেলে রুকেটটি ১৮৪ ফটে পর্যক্ত গমন করে। এর পর ১৭ই জ্বোই, ১৯২৯-এ তিনি যে রকেটটি উৎক্ষেপ করেন সেটিই প্রথিবীর জটিল যক্রবাহী রকেট। এতে ছিল একটি তাপমান যন্ত্র, একটি বায়,চাপমান যন্ত্র এবং একটি ক্যামেরা। উধনকাশে গবেষণা চালনার জন্যেই তিনি এই বাবস্থা করেন। ১৯৩৫-এর ২৮শে মার্চ গভার্ড যে রকেটটি উৎক্ষেপ করেন, আধুনিক রকেট পরিকল্পনার তার প্রভাব অনেক বেশী।

এদিকে ১৯১৭র সোস্যালিস্ট আন্দোলনের পর ওরাই ভি কনজ্লাত্বক রকেট পরিচালনার ব্যাপারে কতৰগালি পরীকা চালিরে ১৯২৯-এর মধ্যে জিওলকভসকি তত্ত্বকে পরিবর্ধিত করে একটি গ্রাম্থ প্রকাশ-করলেন। আর তারপরই সোভিয়েত দেশো প্রথম তর্মপ জনলানি-চালিত জেওঁ ইজিন তৈনি করলেন জানভার। গাাসোলিন এবং বাতাসে চালিত ও আর-১ তার ইজিনটি সাফলোর সংশ্য কাজ করলো। পরে জান্ডার একটি শক্তি-শালী রকেটও তৈরি করেন। জনালানি হিসেবে এতে কাবহার করা হয় অ্যালকোহল এবং তরল অল্পিকেন। ওজন ৬৫ পাউন্ড। লম্বা ৭-২ ফুট। ব্যাস ৫-৫ ইলি। এটি ৩-৪ মাইল পর্যান্ড উধনকাশে উঠেছিল।

এর পর চলতে লাগল প্রত সংস্কার।
১৯০০-এ একদল সোভিয়েত বিজ্ঞানী
নাইন্ত্রিক অ্যাসিড, নাইটোজেন টেট্রাকসাইজ,
হাইল্পোজেন পার-অক্সাইড, টেট্রানাইট্রা মিধেন
এবং পারক্রোরিক অ্যাসিডের প্রবল রকেট
ইলিনের অক্সিজেন সরবরাহকরপে ব্যবহার
করার প্রশ্তাব করেন। অবশেবে ১৯শে মে,
১৯৩৯-এ সোভিরেত দেশের প্রথম বহ্সতরবিশিন্ট রকেট মহাকাশে পাঠিরে ইতিহাস
স্থিট করলেন মারকুলভ। মারকুলভের
পরীক্ষা এই প্রথম মহাকাশবাচাকে সহজ্ঞতর
করার পথ প্রদর্শন করল।

কিন্ত আবার যদেশর দামামা বেজে উঠল ' এবার দ্বিভীয় বিশ্বযুদ্ধ। যে রকেট নিঙ্কে মান্য একদিন প্রথিবীর আবহাওয়ামণ্ডল এবং বিভিন্ন গ্রেষণাক্ষেত্রে অবভরণ করেছিল তাকে নিয়ে এবার শ্রু হল সমরসম্জা। ধরনের উচ্চ তাপ এবং চাপ সহ সংকর ধাত তৈরি হল। পরীক্ষা চলতে লাগল আরও নতন বিশেষাবক জনালানির সম্থানে গতির পাল্লাকে বান্ধি করার প্রয়াসে। এই সময়ে বিভিন্ন সংস্কারের মধা দিয়ে যে দুরে ধরনের রকেট স্বচাইতে বেশি উল্লেখ-তারা হল ডি-২ একং रयाना इत्य छेठेल 'বাইনবোঠে'। এদেব হিসেবে ব্যবহার করা হয়। ত্বে বকেটটি 'ৱাইনবোটে' এক সংযোজন। ৩৭ ফাট লম্বা এই গ্রি-মতর রকেটটিকে ঠেলে তোলার জন্যে বস্টার বাবহার করা হয়। জন্মলানি ডাই প্লাইকল-ডাইনাইট্রেট। তিন্টি স্তরের একটির জনালানি গেলে বিশেষ এক ধরনের শেষ হয়ে চূর্ণ এবং নাইট্রোন্সসারিনের বিস্ফোরক সাহায়ে অপর্টিতে আগ্নে ধরানর বাক্ষা ছিল। অগ্রভাগের অংশটি লাবায় ছিল তেরো ফুট। ব্যাস ৭ ৫ ইণ্ডি। আগনে ধরার সাডে পর্ণীচশ সেকেন্ডের মধ্যে এর গতিবেগ দাঁডাত সেকেন্ডে এক মাইল। দরেছ অতিক্রম করত ১৩৭ মাইল। আধুনিক মহাকাশ্যানে বে রকেট ব্যবহার করা হয় 'রাইনবোটে' তারই পূর্বপরের্য। ভি-২। অনাত্য উদ্ভাবক ওয়ারনহার ব্রাউন। বৰ্ত মানে মার্কিন মহাকাশ গ্ৰেষণার তিনি অন্যতম নারক। শ্বিতীয় বিশ্বব**্**দেধর শেষে আণ্ড**র্জাতিক** বোঝাপ্ডার পর মহাকাশ গবেবণার প্রশ্নটি গ্রেম্ব লাভ করে। আর তথনই শ্রে হল।

আমাদের কয়েকখানি শ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

ভর্নন প্রস্কুশার বন্দ্রাপাণ্যার বঙ্গসাহিত্যে উপন্যাসের ধারা ২৫০০ সাহিত্য ও সংকৃতির তীর্থসঙ্গমে ২২০০ ভর্নন পাজিত কুশার ধারা ২৫০০ ভর্নন জানিত কুশার বন্দ্রাপাধ্যার বাংলা সাহিত্যের ইতিরুষ্ট শ্রথম খণ্ড - ১৫০০০

জ্বম খন্ত - ১৫:০০ দিতীয়াখন্ত - ১৫:০০ ততীয় খন্ত - ২৫:০০

वारला সাহিত্যের সম্মূর্ণ ইতিরও ১৫.০০

অধ্যাপক ভূমের ফৌধুরী বালো সাহিত্যের নেটগল্প ও সন্মকার ১৬০০ বাধলা শিশুসাহিত্যে অভিনব সংযোজন

ছোটদের বিশ্বকোষ

ছেলেমেয়েদের বিরাট সচিত্র এনসাইক্যোপিডিয়া '

প্রন্সাহকোশেওয়া
প্রতীক্ত মানসাহকোশের ও পূর্ণজ্ঞ চক্রনতী
প্রথম বাষ ১২.০০
ক্তীয় ও চচুর্থ খণ্ড শীয়াই বাহির ইইবে
মড়ার্শ বুক এড়েন্সী প্রাইডেট লিঃ
১০, বক্ষিম চাাটার্জী ক্রীট
ক লি কা তা -১২
ফেল ৩৪-৬৮৮৮ প্রাম-BIBLIOPHIL

ক্লাভাগ্যালার আধানিক বলে। আল-ভারন-এর কল্কাহিনীর বাস্তব চিত্রকরের এগিরে -এলেন মানুবের বহু-আন্তাত্তিক স্বতাকে ৰাগ দিতে। এই প্ৰথম ব্যাপকভাবে সোভিরেত एम मार्किम याज्याची डिस्टेन धवर छान्त গ্লাকার গবেরবার আছীনরোগ করলেন। ছাদের স্থো অংশ গ্রহণ করলেন আরঙ অনেতে। মানবের মহাকাশবারার কথা ছখনও কেট ভাবেন নি। এ'দের তথন প্রথম লক্ষ্য দুরোকালে রকেট পাঠিরে পরিধবীর হারাম-ভল এবং বিভিন্ন ব্যাপারের ওপব গবেষণা চালাম। আর সেই সংগ্র কৃতিম উপগ্রহ স্থাপন করে বোগাবোগ ব্যবস্থা, আৰহাওয়া বিষয়ক তথা সংগ্ৰহ প্ৰভাৱ ৰজানপুৰুৰ জাজে হাত দেবেন।

১১৪৭-এ জার্চাকং এবং এম্রোরবি রুক্টের মাম প্রকাশ করলেন মার্কিন বিজ্ঞানীয়া। ১৯৫৬তে একটি এরোরবি অভ্ত একটি তথ্য পাঠান উধ্বাকাশের বার্মণ্ডল সম্প্রতা আহাদের চারপারে। তে বাছাস মরেছে ভার মধ্যেকার অভিজ্ঞেন অণ্য গঠন করে থাকে। অর্থাৎ সব সমন্ত দটে করে ভারিজেন পরমাণ একরে মিলিড হরে অবস্থান করে। রাসারীনক নিরমে এটাই বিধের। কিন্ত উধনাকাশে সৌরশতি বাডানের সেই অণুকে ভেঙে পরমাণুডে পরিণ্ড করে। সেখানে তাই পারমাণ্যিক অস্থ্রিজনের পরিমাণ বেশী। এই তথ্য উধর্নাকাশের আবহাওয়া সম্পর্কে নতন ভাগের সম্প্রন যোগাল। এই ভগা পরবভী কালে নানাভাবে নভোচরদের করেছে।

n Pren

खरकोदत s. ১৯६०। स्मिम्स भाषितीत প্রতিটি সংবাদপতের হেড লাইন : সোভিয়েত বিজ্ঞানীরা মহাকাশের কক্ষপথে স্থাপন কর্মেন স্থাতনিক-১। মান্যবের তৈরি প্রথম পূতির উপত্রহ পারবট্টি ডিগ্রী উত্তর আকাশে বিচরণ করছে। আর ভার বিভারবাত[া] ছোষণা করছে জবিরাম বিপ, বিপ, বিপ...! মার্কিন মুলুকের অন্যতম টেলিভিখন সংখ্যা সংক্রেপে এই সংবাদটি পরিবেশন করার পর মন্ডব্য করলেন, পল্লটা বেন একটি ঝি' ঝি' শোকার ধরা গলার ভাক। আসলে মার্কিন ব্যৱরাপ্ট এই সাকল্যে বিশ্বিতও বেমন ধরেছিল, সেই সপো ভীতও। পর্যিধবীর হাটে মর্যাদার লভাই-এ এ বেন ভার প্রচন্ত পরাজর।

কিন্তু সাধারণ মান্তের মনে ভবন जनमा को छाइन। नकतनत मार्थ्य अक জিজাসা : একল চুরালি পাউডের অভ বড লোলকটি কি করে প্রথবীর ভারপালে মারে চলেছে? নভুন এই চাঁদ কি আমালের পরেকো চাঁদের মত আলো দিতে পারে?

সংখ্য সংখ্য উত্তর এল, হ্যা, পারে। কিল্ড हाटनम यक नाविया अनिकन क्याणि? विकामीता कार्यमः औ एका बद्धः भारतमा कवा विक्रिकेट एका बल्लीकरका होते कि করে পাথিবীর চারপালে ছোরে ৷

बन्धकः ५६४० बन्धीत्म जाव चार्रजाक নিউটন ছবি প্রতিস্থিতা আথেমটিক: প্ৰদেশ উপপ্ৰহেত্ৰ ৰক্ষণৰ মিত্ৰে বিদদ অলেচনা করেছিলেম গাৰিছিক হিসেব ধরে। তার মূল বছবা হল, জোন বস্তকে বাদ উথাকালে নিরে গিরে পরিবী প্রতির সমাস্তরাল তলে সেকেন্ডে পাঁচ মাইল বেগে ধান্ধা সেরে ছেডে দেওরা খার ভাহরে ঐ বস্পতি প্রথিবীর চারপালে একটি নিদিন্ট ব্রাকার পথে চির্নাদন আবছান ক্রবে উপক্রছের মত। নিউটন এই গান্ধবেগের নাম দেন সামকলার কেলোসিটি বা ব্ভার

गीकरका। किनि खबणा शत्र निर्माणका প্ৰিৰী প্ৰোপ্তির গোল, বসিও পরবভী কালে প্রমাণিত হরেছে এটা ঠিক নর।

প্ৰিবীৰ কাছ থেকে এত প্ৰচন্ত বেলে চলার সব চাইতে বভ বাধা হল বারস্ভের। ৰাভাসের ঘৰণে বস্তটির পতিবেশ করে বার এবং অবদেবে কক্ষচাত হরে ভ-পতের ওপর মেমে আমে। ছাছাড়া অন্ত বেগে চলার বাভাসের সঙ্গে প্রবল ঘর্ষণের কলে উত্তত হরে কতটি প্রভেও বেতে পারে। নিউটন বললেন. এই ঘর্ষপের হাত থেকে বাঁচানর জনো উপগ্রহকে অন্ততপক্ষে একল প্ৰাম হাইল উৰ্যাক্তামে উল্লেপ করছে হবে। এতটা ওপরে ভলেই তাকে ভ-পান্টের সমাণ্ডরাল করে নিক্ষেপ করা দরকার। এখানে বাতাস হাকা। তাই ঘর্ষণ আনক ক্ষ হবে। পৃথিবীর আকর্ষণ কর।

माप्त यात्व यांबा **एडेन न्यान एक्वान ॥** 8-00 कोर जीख्यान मन्भरक नर्यास्य ज्यानकाल अन्य।

शक्त बाब ध

विनम्खीयन खाव

9.00 1

II 8-00

এখানে পিঞ্চর

विश्ववी (अम्बोभव

॥ कर्गीप्रखेलीय ॥

11 0.00 11

1 8.00 H

ৰক্সা কাৰার মাঠ ठाकुत्रव। ড्रित वा डिवास

॥ भरनाक बन् ॥

॥ ट्यटमन्त्र मित्र ॥

পथ कि ब्रायद

मूर्य कांमरल माना

11 52.00 11

॥ जामारकाव बारधानावात्र ॥

॥ वीत्रकृष्माद्य काठार्य ॥

চলো জঙ্গলৈ যাই আধ্যনিক শিক্ষাতত্ত্

স্বাধীন ক্রীডদাস

বরূপ রাম ৫.৫০

বিভীয় বর্ণ

11 6.00 II

11 50.00 11

ক্ষেরারী লেপাই alique

ब्रार्कावाचा 8.00 দেবেল দাল

करन-डाइस ৩∙৫0 নৈয়ৰ মূজতৰা জালী **जानग**िं ७ • ७०

समाग्रम

ন্মিতা চক্কবতী ৪-০০ 11 8 · 00 शक्त वाव **340⊞** 8.00 স্বেধকুৰার চলবভা

मिहिमिहि 8.00 मबदाण वर्गः जात्रकी 8.00 গজেন্দ্রকুমার মিল बनश्ती 8.60 প্রবোধকমার সাল্যাল होहेन्डे 8.00 অমিডাভ চৌবরী

प्रमाणमा C/o दवका भावनिमान आहेरकहे निमित्केछ । कनिकाला-১२

পরে পরীকা করে দেখা গোছ এক হাজার ।
পরে পরীকা করে দেখা গোছ এক হাজার
মাইল ওপরে ব্রতীয় গতিবেগ সেকেন্ডে
৪-৪ মাইল উর্ধাকালে সেটা ২-৯ মাইলে গিয়ে
দাঁখার। আর প্রিবার কক্ষণথ থেকে
কান বন্দ্রকে যদি দরের নিয়ে ব্রেডে হয়
ভাহলে ভাকে ঐ একই ভাবে আকাশে ভূলে
ভূ-ভলের সমান্তরাল করে ছ'তে দিতে হবে
সেকেন্ডে সাত মাইলের বেশি গতিবেগ
দিয়ে। অভএব ভব্রের দিক দিয়ে মহাকাশে
কৃষিম-উপগ্রহ প্রধানন করা বা দরে
নজোমানে মহাকাশ বান পাঠান তেমন কোন
কঠিন বাশের নয় ।

তব্ দীর্ঘকাল প্রতীকা করতে হল সতিকার সাফল্যের অপেকায়। করেণ প্রথিবীর অভিকর্ষ সীমা পর্যাত মাত এক পাউন্ড বস্কুকে পাঠাতে গেলেই প্রয়োজন ১৭০ পাউন্ডের মত জন্মানি।

১৯৫৩ সালের আগস্ট মাসে বিটেনের অৰ্ফোডে সাদাৰ মহাকাশে কৰিম উপগ্ৰহ স্থাপন করে কিন্তাবে গবেষণা চালান যায় ভার ওপর একটি আলোচনাচক বসে। উপস্থিত বহু বিজ্ঞানী সেদিন রুখা-বাসে সে আলোচনায় অংশ গ্রহণ করলেও অনেকেই ব্যাপারটা বিশ্বাস করতে পাবেননি। ব্যাপারটা আবার তোলা হয় ১৯৫৪-তে রোমে অনুষ্ঠিত আশ্তর্জাতিক ভ-পদার্থ-বংসর সম্মেলনে। ভ-পদার্থ-বংসর কার্যক্রমের মাল লকা হল প্রথিবীর আবহাওয়াম-ডল মহাকাশের সাদারতম অঞ্চল থেকে জ্যোতি-বিদ্যাবিষয়ক সমস্যা প্রভৃতির ওপর গবেষণা চাঙ্গান। কিন্তু সেদিনও কেউ মনে করতে পারেননি, কুচিম উপগ্রহ স্থাপন করা খ্ব সহজ কাজ হবে। অবশেষে ১৯৫৫-তে মার্কিন যাল্লরাণ্ট প্রথম প্রকাশ কর্লেন প্রজেষ্ট ভ্যানগার্ডের কথা। বলা হল ১৯৫৮র মধ্যে কুড়ি পাউল্ড ওজনের করেকটি কৃত্রিম উপগ্রহ তারা মহাকাশে ম্থাপন করবেন। দু' বছর ধরে চলল দার্ন প্রচারকার্য। 'ভানেগাডেরি' রকেটটি কেমন হবে, উপগ্রহটিই বা কিন্ডাবে আবর্তন করবে. কি কি অসুবিধের সম্মুখীন হওয়া সুত্ব, এমন নানান ব্যাপারের ওপর চলল হাজারো আলোচনা। অথচ এক দিকে বখন সাল সাজ রব, তথন ভঙ্গা নদীর পাশের মান্য নীরব। এই সমর সোভিয়েত দেশ রুণ ভাষায় সংক্রেপে শুধু একটি সংবাদ প্রচার করলেন : '১৯৫৭-৫৮তে মহাকাশে তাঁরা কুলিম উপগ্রহ উৎক্ষেপ করবেন।' বাস। এরপর আর কোন সাড়া শব্দ নেই।

ভবে ভ্যানগাভের বাাপারটা সোভিরেত বিজ্ঞানপন্ত 'এভিরেশন উইক'-এ আলোচনা • করা হর। এই প্রস্পো অধ্যাপক কার্হারন স্টাানাকোভিচ একটি প্রবংশ ফশ্তক করেন্ • পশ্চিমী- সংবাদপতে আপাতত বে ধরনের



ভঃ কন ব্রাউন একটি বকেটের সামনে গাঁড়িয়ে আছেন

কৃতিম উপগ্রহের কথা বলা হচ্ছে, তার চৈরেও
বড় কৃতিম উপগ্রহ তৈরি করা কঠিন কিছ্
নর।' এতে পরিন্দার বোঝা গেলা, সাড়া শব্দ
না করলেও সোভিরেত দেশ একেবারে থেমে
নেই। আর অবশেষে সতি। সাডাই ১১৫৭র
১০ই জনুন রাশ কর্ডাপক বেলজিয়ামে
অবশিহত আহতজাতিক জু-পদার্থ-বংসর
সংক্ষার প্রধানকে একটি নোটে জানাজান,
তারা প্রকৃত। ঐ বছরেই তারা একটি কৃতিম
উপগ্রহ উংক্ষেপ কর্বেন। ওরা আগান্
রয়টার সংবাদ দিল, অধ্যাপক এল্জানি
ফাইরেডেরেভকে সোভিরেত দেশের কৃতিম
উপগ্রহ সংক্ষার প্রধান রুপে নির্বাচিত ক্রা

অবশেষে ১৯৫৭তে এল সেই ব্যাসন্ধিক্ষণ। দানবাকার বকেট তৈরি করলেন
সোভিরেত বিজ্ঞানীরা। তারই জণার চড়ে
প্রথিবীর প্রথম কৃত্রিম উপগ্রহ স্পাভনিক-১
বিশ্ববাসীকে চর্মাকত করে আকাশে উঠে
গোল। ঠিক কি ধরনের রকেটের সাহাযো
এটিকে উৎক্ষেপ করা হয়, সে থবর এখনও
অজানা। তবে আকাশে উঠেই উপগ্রহটি তিন
ভাসে বিভক্ত হয়ে বার। সন্মুখ ভালে থাকে
তেইশ ইন্তি ব্যাসের ১৮৪ পাউন্ভের একটি
গোলক। এরই নাম স্পাভনিক-১।
স্পাভনিক-১ এর পেছনে পেছনে চলতে
থাকে বার সাহাযো
তারিকে উৎক্ষেপ করা
হরেছিল সেই রকেটি। আর পোলকেব

अन्याद्य त्यम अवकी द्यामा महत्रत्या आक्रमा हराटक बाटक जात अमृति खरमा काकारण करें।त जबत बाकारणत वर्षण क्रीमक জ্যাপ বাতে স্প্রতিমৰ-১ প্রভে মা বার ভার करना रशासाव निरक कर माज्यमा सक्साडि বাবহার করা হরেছিল। উপব্যস্তীয় প্রে भविक्रमण कहात जसत अहि स्थम भविष्यित নিকট্ডর স্থানে এগিরে আসে তথন ভার দারত ছিল ১৩৬ মাইলা এবং ব্যাবতীভিত্র স্থানে সরে গোলে ঐ দরের দাভার মাইল। পরে বাভালের সপো ঘর্ষদের কলে =প্তানক-১-এর প্তিবেগ **ভয়েই** ক্ষে আসতে থাকে ওদিকে রাসারনিক ভড়িং কোষের ক্ষমতা কমে বাওনার সেই বিপ বিপ বেডার সংকেতত দিন সাতেকের ছবেং बन्ध इरत बात्र। त्यस्य ১৯৫४त ह्या জান্তারী শেববারের মত প্রিবী প্রদক্ষিণ করে স্পাত্নিক-১ বার্ম-ডলের চিভাছ পাছে ভাই হয়ে গেল।

প্রথম সাহলোর উত্তেজনা সা কাটছেই আবার চমক। মাত এক মাস পরে, ওরা নডেন্বর সোভিরেত দেশ আকালে তুলল সপ্তেনিক-২। আরও বড়া ওজন ১১২০ পাউন্ড। বিজ্ঞি পরীক্ষা চালনার জনো জটিল বন্দ্রপাতি ছাড়াও এবারকার অভিযানে সভিয় সভিহে আকলন গ্রহণ করল একজন জীবিত অভিযানী। মহাকাশের ব্যক্ত প্রথম নডেচের লাইকা মানুবের তৈরি প্রথম কুলির উপ্রতে বসে বিচরণ করতে লাগল।

লাইকা ককর হলেও একজন বিজ্ঞানীর মত মহাকাশের নিরম মেনে কা**ভ করেভিক**। উপগ্রহের কল্পে বিশাস্থ বাতাস বঞ্চল-বেক্ষণের ব্যবস্থা করা হয় ভারে ভারেটা বিলেৰ এক ধরনের পদীর সাহারে। ভাল দেহের ভাগমার। নির্বাদর্ভ করা হয়। আর জিলেটিনের মত থাবার থাইয়ে ভাতে সংস্থ রাখ্য হয় ৷ ভার দৈহিক, মানসৈক এবং কভকমের যাবভায়ি থবর বেতার সংক্রেভের সাহাত্রে প্রিবীর গবেষণাগাত্র নির্মিত পে"ছিতে থাকে। যোট কথা মহাকালে মান্তের নিরাপ্তার জনো যা যা তথা জানা দর্কার তার অনেত কিছাই সরবরাহ কর্তা লাইকা: অবশেষে আছিলেন গেল ভাষে ৷ হয়ত বা সম্পূৰ্ণ নতুন পরিয়েশে দৈহিক ক্ষমতাও লোপ পেল। ৰে ব**হ**ু আকাষ্ট্ৰিত কণ্ঠদ্বর বিজ্ঞানীদের বাস্ত করে রেখেছিল, একদিন আর তা লোনা লেল না। হয়েতে বেভার সংক্রেড এল, লাইকা আরু নেই। প্রথম নভোচর লাইকা। মহাকাশ অভিবাদের প্রথম শহীদ লাইকা।

শ্তনিক-২-এর পরীকার মহাকাশে ক্রীবনেহের ওপর বিভিন্ন প্রতিষ্ঠিরা, সম্পর্কে নতুন তথা হাড়াও স্বের্ডার বিকরণ ক্ষমভা, মহাকাগতিক রান্দির মারা এবং উর্বাকাশে বাতালের চাপের ওপর ক্ষমেক মতুম ভ্রথা পাওয়া বার। তবে গোড়া থেকেই সোভিয়েভ

বিজ্ঞানীরা উৎক্ষেপণ সম্পর্কে জান বঠিক সংবাদ আগে থেকে সরবরাই করেনীন। সেই সম্পে প্রবৃত্তি ব্যবহৃত তথা বা গ্রেক্টার পর পাওরা জোন বৈচিত্তাপূর্ণ ব্যাপার সম্পর্কে লব সমরই প্রার নীরব থেকে গ্রেক্টা।

লপ্তানক-২-এর ঐতিহাসিক উৎক্ষেপের
পর ১৯৫৮র ১লা কের্রালি মার্লিকন
ব্রুরাপ্টের ব্রুকে প্রথম পর্কান পোনা গেল
জ্বপিটার-লি রক্তেরের। সেনিন গ্রিনিচ মিন
টাইম সকাল ভিনাট বেজে অটেচাল্লিল মিনিটে
মহাকাশের কক্ষপথে গিলে পেছিল
মার্লিকন দেশের প্রথম কৃতিম উপগ্রহ একসপেলারার-১। ভার পরই একে একে একসপেলারার ২, ৩, ৪। বিলাশ্বিত এ বাটা।
কিন্তু ভার ভবিষার প্রতিপ্রতি অসপ দিনের
মধ্যেই প্রতিপক্ষ সোভিত্রেতের মধোকরে
বারধান প্রচণ্ড বেগে ক্ষিয়ে আনলঃ

১৯৫৮তে একসন্দোর্যর-১ আবিশ্বার করল ভানে আলেন বেলটা। প্রথিবীকে বিরে উধাকালে একটি পার্ আবরণীর মত এই কেট একটি আক্লাদন স্থিট করে অন্ধানা করছে। চলিদা ডিগ্রী উত্তর এক চলিদা ডিগ্রী দক্ষিণ আক্লাদন ব্যাবর বিশ্বত এই আক্লাদন প্রথিবীর চৌশ্বক ক্ষেত্রের অন্তাবে স্থা থেকে বিকিলিত ইলেকট্রা এবং প্রোটন কণিকাদের নিয়ত শোষণ তার নেয়া বলেই অভাবে ক্ষাত্রকর ঐ কণিকাদের

আপনি কৈ জানেন

সমরেশ বস্তু

এখানে সেখানে ৬,

मक्षत कडीहाट्य'त

कार

0

नामाम्य गाज्यानाथारमस

म्बर्यम्ब ८.६०

नीना मक्त्यनारम्

षाग्रना ७,

সমস্বরে একই খবর এনেকে আক্রকের সমাজে অলান্তি আমরা মান্ত চিনি না বলে। আক্রের রাজনীতিতে কলহ আমরা কর্তার করি না ক্রো।

দে ব্ৰুক • ইন্টাৰ্না • ভি. এছ. • কথা ও আহিনা • সন্দোধি পাৰণিক্ৰেল প্ৰচে ডিঃ ২২ শীয়াভ ব্লোড, সন্দিভাতা-১ •

(fm-abao)

হাত খোলে অবিকাশত নাকা পান। সান্ত প্ৰতি খোলে এক ব্ৰুক্ত প্ৰায় কৰিব। প্ৰেক্ত প্ৰায় কৰিব। কৰিব।

গোড়ার থিকে 'এই ভ্যান আলেন বেন্ট' একটি রুক্ত সমস্যা রূপে পরিগণিক হারিছল। অনেকে মনে করেছিলেন, দরে আকাপের বারীকে বানি বেডার ভরণেন সাহারো প্রিবার সপেন বোরাবোন রাখতে হয়, ভাহলে সেই ভরণা ঐ আভানের লোকণ করে নিভে পারে। তবা সর্ববাহ, মহাকাল্যান এবং ভার বিভিন্ন বন্দাবলীর নিয়ন্দানের বাংগারে এটা একটা বিকাট বাখা স্বর্গে। স্থেপা কথা, পরবভাগিতার ব্যানিত হারেছে ভানে আলেন বেন্ট-এর ভেডর নিরে বেন্ডার ভরণা গভানাত করঙে পারে।

এরপর এল বিস্তে সরবরায় বাবস্থার কথা: মহাকাপে যে কমে মানুৰ বা অপন্ধ কেন প্ৰাণী বাস কলেব, ভাতে শীভভাগ নিত্ৰিত অকৰার রাখতে হবে। তা ছাজা বিভিন্ন গ্ৰেৰণা ৰাম্টিয় পাইচাকন পাহিবীর সংখ্যা বেভার বোগাবোগা, এমন ভি প্ররোজনে নডেচ্ছেকে ব্যুষ্ণ পাড়ান বা জাগিরে তোলা, তার জন্যে চাই প্রচুর বিষয়েং লাভ -এ ব্যাপারে গোড়ার লৈকে হার্থকন এবং সেভিয়েত দেশের কৃতিম উপপ্রহণ্ডিতে সিলভার-ক্যাড়মি**রামের মত সন্তরক ভড়িৎ** কোষ বাৰহার করা হয়। পরে সৌর শান্ত ত্যেক বিদয়ে পত্তি উৎপাদনের ব্যাপারটা স্থায় চ্চুয়ার সে সমস্যাতিও সূত্র করা সম্ভব হল।

কিন্তু তথনও প্রথম হাজারে। প্রথমীর हा भ-इज-शरम्भ नमान धरे रव करिया, प्रशासान বানের কৃত্যিতার মধ্যে সে কি বেচে থাকতে পারবে? ১৮ আগল্ট, ১৯৫৮তে তৈরি হল 'নাাশনাল এয়োনটিক আ'ত শেশ এডমিনি-एन्डेनन या 'नामा।' अनुदूर्भ अक्टि गरम्बः নোভিয়েত দেশেও প্রতিষ্ঠিত হল। মান্যেকে মহাকাশে পাঠানর ব্যাপারে নানারকর जन्मन्यान अवर शरीकाकार्य हालारङ ग्रह् করতোল এ'রা। মহাজাগতিক রণিম বা ভাসমান উম্বাসিক কোন কভি করতে পারে কিনা সৈটাও দেখতে লাগলেন। মান্ত হখন হহাকদে শ্না হাষ্যাক্ষণের হথে৷ ক্ষকথান করবে ডকা ভার মানসিক এবং পৈহিক অকৰা ৰাভে স্বাভাবিক থাকে সে ব্যাসাতে ज्ञान मुन्दि प्राप्त दन। अपरे करना সোভিয়েত দেশ লাইকাকে মহাকাশে শাঠান।

क्रांक्शांव (वशात वाक्ष) वनुवार

এব বি সরকার আন্ত সন্স প্রাঃ বিচ প্রবার্ট প্রস্তেইর কবিকা

0.00

कार्क न्यान्छवार्शन अक महती। १-००

মোহক জ্যালিতে রণবাদ্য ভারউ ভি. এভ্যান্ডস্ ১-২৫ চিরজীবী রজালয়

এসমার রাইস

4.00

Septem 1

জীবনের খাঁতরান

হেনরী জেম্স ৫-০ মৰি ডিক

হারমান মের্গান্তর ৫-০০ মহানদের পাচালী

মাৰু টোৱেন ব্যক-সাহিত্য 4.00

।क्-नाएक

মায়ানগরী আন্দ্রি সিনিয়াহন্দিক ৪-০০ বিচার

र्गाहराजन जामाद्रगांव **यन्**हे।

জন হাসি 8-০০ **প্ৰেমিলন**

স্নস্ন ২-০০

জড়াপ্তর জমানিশা জন গ্টাইন্যুবৰ ৩০০০

পলাভকা

পালা বাক ৩০০০ হোলাবা, কুক্ৰণত

মাটি, মান্য আর ইতিহাস ডেল্ডম্ডের ১-৫০

্ছেল্ড্মান ১-৫০ হিউৰাট হোৱেশিও হাম্<mark>ক</mark>ী

> ফং পালিয়ে এলাম

नागित अनाम इराउँ ला ३-६०

क्यूनकः . व्यक्तिशस्त्रकः सामानाव्य

জরিগনের বাল্লাপরে পার্কমান ৫-০০

শান্তির দৃ্ত ই. পি. মেরার ° ২০০০

সহান ব্ৰহেডনট সি. ব. পিরার ৩০০০ ব হাড়া নানা বিধার অনেক বই : প্ৰতৰ বিক্রতাবের উক্ত কমিগন। ভালিকার জনা বিশ্বতাবের উক্ত কমিগন। ভালিকার জনা

এন সি সরকার জ্যান্ড স্থ্য প্রাঃ লির ১৪, বন্দির চাটুছো স্টাট ঃ কলিকারঃ ১২



প্ৰথম মহাকাশচারী কাইকরে শেষ ছবি

जहाना शकामनीत वरे

यात्र यथा घत्र जान्यत्वान महानामाम ६-६०

আদ্তোব মুখোপাধ্যার অবপকালের মধ্যেই বাংলা দেশের পাঠক-পাঠিকাদের মন কর করেছেন। এই নতুন উপন্যাস তাঁর অনুরাগীদের আবার নতুনভাবে মুদ্ধ করবে। বাংলা দেশের ঐতিহোর পটভূমিকার একটি নারীর জীবন-সংঘাত ও সতা উপলব্ভির কাহিনী এখানে মুম্পিশী ভাষার বর্ণিত হরেছে।

আশ্তোৰ দ্বোপাধ্যায় প্ৰতিবিশ্বতা ৫:00

ন্ধার্ট নেন অগ্নিতট স***তগ্রাম ১**০·০০

স্নীল গলোপাধ্যায়ের মিডি প্রেমের উপন্যাস

म्थ अम् ४ ७ ०० सानानि म्: ४ ६ ००

জ্ব ডের্ন 11 অন্বাদক: মানবেন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যার

গডক্ষে মরগান ৫০০০ স্টীম হাউস ৫০০০

বিশ্বনাথ বস্ত্রে প্রত্যক্ষ অভিজ্ঞতাসম্প্রন শিকার কাহিনী

र्जाङ्म•्छ **স्कृत्मद्रवन ड⊪ वाद्य बान्,द्रव**्

কাৰ্যপ্ৰশেষ শব্ভি চট্টোপাৰ্যাৰ

ट्याट्य अवर्षा आधि त्याय्वेमान ०,

ৰন্দী জেগে আছো দ্ৰাল পলাপাধ্যা 👊

दकाथाम् दमरे मीर्घ काथ मार्जन क्रामान क

পরিবেশক: সিগলেট ব্ৰুশপ: ১২ বঞ্চিম চাটুজ্যে স্ট্রীট ঃ কলকাভা ১২

न्द्रात, स्वर्गर ३३७०-स्या स्वरंग स्थापन व्यवस्था स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

अनुगत विकामीता कृतिक छेगाला महरकारण विष्टान करान नाम मदकावना एवं हैं। পরিন্ধিতির সম্পৌন হতে পারেন, ভা তৈরি করে পরীকা-নিরীকা খ্রে ক্রানেন। স্থিত হল মহাকাশবানকৈ প্রেলিট্র আবস্থ हाथा श्रुष अवर काम मरमा बाकरन कृतिन আবহাওরাঃ আর সেই আবহাওরার চাপ হবে প্রতি বগ' ইন্মিতে প্রার সাজে সাভ দের। পরে অবদ্য বে পোশার্কাট নভোচরতা भटन बाक्टबर कान बटनाई के नकत जान সংবক্ষিত করার বাক্ষা করা হয়। গোলাকের प्रदेश कांब्राह्मस अबर माहेक्षारकम नगत विन्यात हाच दर्ग। किन्तु रहवा रहन, क्टब किहाई। অস্থিৰে আছে। সাৰৱেশত ৰাভালের নাইটোজেন কিছা পরিমাণে আমালের রয়ের সংগা মিলে যায়। কিন্দু কোন কা**রণে** বনি महाकाम रनामारक्य होन रहेर करत मात्र, का हरण हरीकृष्ठ जे माहेरहीरकम शरक्ष मर्था यान-राम मान्धि कतरक नारतः **करान रमस्य**त बला-शक्षाका बहुन हरत शहर । गरह रहदा পেল নাইটোজেনের পরিবতে হিলিয়াম গালে বাবহার করটো ও বাপারটা এডিরে ৰাভৱা সম্ভব হয়। তবে চাপের পরিবর্তন विष्ट्रते कटा **पार्**तः **पार्थः महाना**रस्य গৈহিক এবং মানসিক নিরা**শন্তার জনে**। মা वा रक्षकांत्र जनम्ब कियाहे बाहिएत नहींका करा रुग। अ शकाब भृषियौर बाटक किरत আসার পর পায়োসটুটের সাহাত্যে ভারের উত্থার করার কৌত্রলান্তি_ক জালা হয়ে গেল। রুকেট উৎক্ষেপ ভ্যার সময় যদি কোন লোল-বেল **ঘট, ভা হলে বে ককটির মধো নভে**⊢ চারা থাককো ভাষ ক্ষোকার একটি न्यप्ररक्षित्र याच्य व्यवस्था कामाप्ति । पूजा निर्द्ध পাৰাসমূচীৰ সাহায়ে ৰাভে ভাৰা আভাকা करारक भारतम, हम रिक्कोस क्यांच कायहमान

অবশেরে প্রকা বঞ্জি নজে।
চরদের বোগান্তা সম্পর্কে। এ সম্পর্কে
কৌনুকু তথা আমারা সংগ্রহ করতে
প্রের্থি তা একবারা সাসা বেকে।
কারণ, মহাকাশ অভিযানের ব্যাপার্টা

ट्यांकरमध्य राग मारम स्वरूप क्यांक्ष द्वाव करात इसाम । बंदम कि भागामित्य मान्द्रमात क्यांक द्वाद भागामित्य माद्रमात क्यांक द्वाद भागामित प्राम्य माद्रमात क्यांक द्वाद क्यांकरमध्य राग्य स्वरूप मण्याद राज्यमध्य राग्य क्यांक बारमात क्यांकर्म क्यांकरम् राग्य क्यांक बारमात क्यांकर्म क्यांकरम् व्याव माद्रमा क्यांकर्म माद्रमा क्यांक्य क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांक्य क्यांकर्म क्यांक्य व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांक्य क्यांक्य क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्म व्याव क्यांकर्म क्यांकर्य क्यांकर्यंकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यांकर्म क्यां

কৈত কৈ ভাষেত বোগাছা? ভাষা কৈ काम काष्ट्रमानद? दश दक्के कि ध्रष्टाकाल-बारमर चारकारी बारा भारतम मा ? बरकारे বা ক্ষতি কি? ভাৰৰ জাভ তো ভাৰৰ न्दराजित वर्षा । साद एमडे बना ठालमा कराव প্ৰতিটি এপ্ৰয়ার নিচপার প্রতিতা লা। এত দিন জীবজনতর মহাকাল সম্পাক্তে হত কলাই জানাক, মান্ত আৰু ককৰ জৰবা निक्ताकी क्षाने अक कार साहत मा। भागात्वव गिक्षण राष्ट्रि द्रावरकः ক্ষাতা আছে। তার বছবা তাই ক্ষাক বেলি शामानामा का शासा अस्मत हरक नगर মহাকাদে প্ৰিয়ীৰ সংকা হোৰাহ্যাৰ ভিন্ন হয়ে গোলা। প্রথম আভারকার প্রায়ে স্থায়ের अध्यक्ति प्रारम् कदाल द्वरन्। अतः क्रान्स धारी অফারণত মান্যবল, তাক্ষ্য ব্যাদির, সংলয় এবং সেই সংখ্য ছাটল মন্ত্ৰাতি ভাষ্টাত ভাল্ড

ডিক করা হল নভেডেবের লিকা ব্যাহার নিক্ষান্তম ক্ষেদ আঠাত বছত। একের মান্টাসঞ भाग या आहे किहे ५३५ - या काटल हरीन চাই। তে কোন জাটিল কথা নিজে পাস আৰু महाभाषात करात कवाता अधिक व्यवस्थि থাকতে হলে। এব নাম কম্প্রিয়াসভ টেটা कमनौता का रमधारक 55 मते का मिर्म रफ्लार कमटा, शहर क्रमाप क्रांडेन समाजनी পরিচালনা বা প্রয়োজনে মেরামার করার বোপাতা চাই ৷ চাই অট্টা দ্বাস্থা এবং কর উচ্চতা। বিভিন্ন ব্যাপারের বিক্তে **লক্ষ্য হে**তুভ দেনা বিভাগ থেকে নভোচৰ নিৰ্বাচন কলত क्या न्यित हता। अवस्य शीरणव निर्वाधिक করা হর ভাবের সকলেট বৈয়ানিত। নিৰ্বাচনের বাংলারে মুখাত সাত্তি বিবরের **७**नत समा ताचा इट्राइका ३ - धक स्टब्स চল্লিলের নীতে: গুই, উচ্চতা পাঁচ ফুট এগাছ ইবির কম; তিন, অট্ট ন্যান্ধা; চার रिकाम वा कांत्रिशींद्र विशास काळकः शीठ. कम करबंध नरनव न' बन्धे हिमान हालमाव जिल्लाका जनर इस क्लिकानिक विमान हामाना अञ्चादक" बदबनी स्थान **।**

প্ৰথম নিকে ৫০৮ জনকে নিৰ্বাচিত করা ইয়। তবে চ্জাম্চ নিৰ্বাচনে সাফলা অভান



प्रथम महाकानकाती वादेकात वहाकानवादन अञ्चल

করলেন মার সাত জন। এরা হলেন, ডেনাল্ড কেন্ট দেলটন, লেরর গড়ান কুপার, ডারিলি আই গ্রিসম, গুরুষ্টার মাটি সিরা, আলোন বালেটি সেপার্ডা, মানেকম কট কাপেনিটার এবং কমেলি জন হাসেল পেনা। বরস এবং পদাধিকার বলে পেলনকে করা হল প্রধান নড়েচার।

হার্থকন মহাকাশ বাতার প্রথম ভিকের प्राप्तके गर्न के प्रस्कार मार्थित আনতে পাৰেনি ৷ এর প্রধান কারণ করিবালী राक्षे केन्द्रागरम सक्यरा। सदस्मार ०५ कामाहादी ১৯৬১তে একটি ফার্ডন राष्ट्रण्यान-२ वा अध-व्यक्त-२ हाल नाट्य একটি পরেব শিষ্পালিকে নিয়ে আকাশে উঠল। তিন বছর আট দ্রাস ব্যাহাসত এটা লিম্পালিটির ওপর দায়ির ছিল একটি হাতল টেনে সামা এবং আৰু একটি হাতল টেনে मीन व्यातना बद्धानाम । द्याद्य वसावय माहित পালন করল। প্রায় ৬-৬ মিনিট সে শনে याशाक्षांत्रम् यदश क्रिका हे हिम्स्या मास्टिक्क रम्म अवः मार्काकम मास्त्राप्ते माना वहरतन कृषिय छेनावर वा प्रश्नाकानवस्तर ওপর পরীকা চালিরে মহাকাশ বাচার ব্যাপারে ধর্মেন্ট আর্থাকবাস অর্জন করে निटबटक्स ।

আর ভারপরই এল ১২ এপ্রিল, ১৯৬১ : ঐ দিন প্রিবীর প্রথম মান্য প্রিবী स्वतीकरावत करता केराना महाकारणः हैवेवि कारावाद्यविद्यांकि वाचारित एकानेक-५' कारावाद्यांत्र करक मन्द्रोत्पूर्ण राम्य प्रः पा किस सहित केराकारण गृचित्रीय कारणात्र किस करत प्रत अराजाः किस्प्राचन नाम्य अरा मराकारक केराका बरत क्रम कार्य-अरा कल्पात्रास्त्र नाम्य और श्राम हैकियान मृच्छि क्रमणः। यात्र ने स्वात्रहे और स्व स्मार्था अरा २५८ण क्रमाई श्रिमस मार्गिन् मराकारमां किरामांक्त विशेष 'एकान्यक-२'-क क्रम गृचित्रीय ५५८ शहेस केराकारण मराव्य वात्र श्रामणा स्वर श्राम स्वाप्ताः म्यापन करतानः।

SABO-CE NIGHTS MAILTHE MAILTE! माता क्या व्यक्तित सक्तमा अविदय ५७६ कान ১৯৬०१७ माहिताह क्याकानवान कान्यक. a मानारण केंग्रेस क्यांन यात छ-रामिकाया बाला। से मिलडे विका साव সোভিয়েত দেল আৰু একটি ঐতিহাসিক হটনা সাহিট ভাবে ফেললেন 'ভোলতভ-৬' प्रकारण हैराक्रभ करत। क्ष सकी CONTRACT CETSCHIEFT প্ৰভাষ মহিলা मासाहर । साथ प्राप्तकारिकायत समाहर उद्या क्षित्रिचित काम प्रसार मानम राजे स्वयंत्रक আটাবর ১২, ১১৬০ একেবারে তিন ক্লম राम मास्तान्द अवडे मान्य नस्य साद अव ধরনের বানে মহাকাশ পরিভ্রমার বের হালেন। नाम प्रकारका, स्वयंत्र जारबीयका को जिल करून भाषा मादा अक्कानड महरूमहे हिन মহাকাশ পোশাক। বাকি দ্ৰ' জনের সাধারণ শোলকে। কেন কোন প্রেমের পাইরটে। এবার লক্ষ্য চন্দ্র। এটা ভারেট মহরত।

এর পরই প্রে মহাকাল প্রেকার তিনটি দিক লক্ষ্য করার মত। এক, চল্প্র-চিনানের প্রস্কৃতি: দুই, সূর্যা, বিভিন্ন গ্রহ প্রকৃতি সংপকো গবেষণা; তিন, প্রাথবীর আবহাওয়া নিগার এবং প্রচার, দুর পারার বোগারেগে বাবস্থা প্রাথন এবং জনানা তথা সংগ্রহ। উল্লেখ্য প্রেক্ষানিক বলা চলে মানব-ক্ল্যাপে মহাকাশ ব্রাঃ

व्यापार्यी अरबाह समाना

এ.সরকার এও সঞ্জ সন মাও জাও সম জ্বান্ট এম. বি.সরকার ট্রাডিন্যানাল জুরুলার্ট ১৭১১এ রাসবিহারী এতিক্স ব্যালিয়াক ক্যান্ডার

(COM : 44-4207

यान्य शास्त्र

সমরেন্দ্র সেনগরে

না, আর কখনো আমি ব্যবহার করবো না ভোমাকে শিশুকে মধ্র মিথ্যাও শেখানো পাপ তাই আমি আকাশ শেখাতে গিরে আর কথনোই প্নবিবিবেচনা করবো না প্রিশ্ম। প্রিমা শব্দটি বড় মুক্ধকর কেননা সেখানে আজও এক 'মা' মিশে গুরেছে।

আগেন, সেই কবে বহুদিন
আগে, আমার মা প্রতি চাল্পসন্ধ্যাবেলা সংসার থামিরে এসে
মাল্লকা, টগর, করবীর সমবেত স্গোন্ধের
ভিতর আমাকে কোলে নিয়ে বাইরে দাঁড়াতেন: আলি
মাকে ভীষণ বিশ্বাস করে ভাবতাম
একদিন নিশ্চয়ই চাঁদ টিপ দিরে বাবে।
অথচ এখনো আমার কপাল খালি পড়ে আছে,
শ্বশ্ব খণ্ড খণ্ড কলকাতার নীলিমার তাকিরে ভাবছি আমার শিশ্বকে
আমি কোন নতুন খেলার সংগী খ'ভে দেবো শ্বেণ!

শিশুকে মধ্র মিথ্যাও শেখানো পাপ
না হ'লে বলতাম দেবতা বা পারে না, মানুব
তা পারে। আনন্দে পদানত জ্যোৎস্নাকে কাঁপিরে তীর
শেষ বলে উঠতে পারে "কোথায় কোথায় তুমি, হে দেবতাশ্রেষ্ঠ ঈশ্বর? আমরা
পাথর, গহরু, ধ্লো ছাড়া
কেন আর কিছুই দেখতে পাক্তি না এখানে?"

স্বপেনর চাঁদের মৃত্যুতে

সাধনা মুখোপাধ্যায়

পাথিবীর প্রথমতম কবিতা চাঁদকে নিমেই লিখেছিল আদিম মানা্ব; তারপর যাগযালতের ধরে ইতিহাস হে'টে গেছে,

কত হাগল স্বশ্নের প্রতীক এই চাঁদ, তাকে একক ভাবাই বার না কখনো; একজনের হাদয়ে চাঁদের আলোয় মাথামাথি হরে

প্রতিফালিত আরেকজন:
কত দৈবত সংগীত, কত দৈবত ক্জন,
কত দৈবত শিহরনের সাক্ষী আর উৎস
এই চাদকে আমরা হারালাম একুশে জুলাই,
—আমাদের স্বশেনর চাদের মৃত্যু হল।

আমরা প্রথিবীর মানুষের পক্ষ থেকে

১ একটা ফলক রেখে এসেছি তার বুকে,
স্মারক হিসেবে।

হে নীল আরমস্থাং তোমার আরেকটা ফলকও রেখে আসা উচিত ছিল কবিদের তরফ থেকে; এবং আরেকটা শ্বাধার, বাতে থাকতো হাজার হাজার বছর ধরে

চাঁদের উদ্দেশ্যে লেখা কবিদের সমস্ত গান ও কবিতা। পরিচিতির ফলকটাতে লেখা থাকতো, হৈ চাঁদ তোমাকে খিরে

আমাদের স্বংন বত সব
শেষ হল: এইখানে রাখা থাক্
সণ্ডিত কবিভার শব,
ভোমার জ্যোৎস্নার রঙে আমরা অবাধ
কলম ভূবিরে এতদিন বা গিরেছি লিখে,
জানি আর ভাঙবে না ভোমার হাসির ওই বাঁধ,
আর কোনদিন কোন কবির নিরিবেধ।



川端康成

হর। ঠান্ডা হাওরার চারদিকে একেবারে জনে বাজে।

গিনকো এখনো ফিরেছে কিনা কে জানে। খাল রাতে বে ভার কি হলো কেট ভা ব্যক্তে পারছে না।

রাশ্চা থেকেই গিনকোর বরের কাঁচের . নরজাটা দেখা বাজে। শিশিরে কাঁচনালো ভেলা। ভিনটি বেরেই গিনকোর কথা ভাবতে ভাবতে এগিরে বার। ভারপর নরজা খালেই—

"গিনকো—?" **"তা. তা**. গিনকোই তো !"

॥ व्याउँ॥

নাট্যরে গিনকো কিন্দু শেষ পর্যাত নাট্যরে ফিরে এল না। ইভিপ্রের্থ অভিনরের কাজে কোনো দিন সে অনুপশ্থিত হর্নান, মহড়ার সমর কখনো সে বিকাশবঙ্ড করে নি। এ যে তার সমরান্যতিতা —তা নয়, বরং ঘরের বাইরে কোথাও বেরোতেই সে আলস্য বোধ করতো।

মহড়ার কাল শেষ করে আয়াকো বখন রাসভায় বেরুলো তখন ভার হরে গেছে। পথের ভিখিবরীরা খাবার দোকানের শেষনা দিকের দরকা থেকে আলোর দিনের বাসী খাবারগালো কুড়িরে খাকে। প্রচণ্ড গাঁতে ভারা একেবারে কুকেড়ে গেছে। এক আর্থ জারগার রোদের আলো এসে পড়তে গারুরকরেছ। অবলোকেবর মান্সিরের পাররাগারেলা ভাদের ভানা মেলে দিরেছে সকালের আকাশে। রাজে মহড়ার করে বাবাবেশির করে রাসভা দিরে হোটে চলেছে। প্রভাকেরই পোশাক এলোমেলো ভাবিন্যকা। পিচের রাসভাগার্লো পভ লাতের শিশিরে এখনো ভেলা।

শ্জামাদের কিম্বাটি একটি বৈচিত্র বরনের মান্ব। ওর বোধ হয় শীভটিত বলে কিছ্ লালে না।" ছোওকো একট্র হেসে হাই তুলতে তুলতে বলল। "গিমকো না আসার মেঝের ওপরে শ্রেই কিম্রা সারাটা রাভ দিবি। ঘ্মিরে নিল। মেঝেতে ঠাণ্ডা লেগে বাবে ভেবে ভুলে দিলাম। তথনই কিম্রা আমাকে বলল, নাটকের কাজ ছেড়ে দেবো ভাবছি; এর চেরে বিমানের চালক হয়ে আকালে রামধন্র ভেতর দিরে উড়ে বেভেই আমার বেশী ইচ্ছে করে।"

"রামধন্। এই ছেলে কোনো দিন রামধন্ দেখেছে নাকি? ও মান্য আবার আকাশে রামধন্ দেখবে—অসম্ভব।" ফ্রিকে: অত্যত স্পট্টাবে কথাগ্লি বলন।

কিন্তু ছোওকো কিছু না ভেবেই একট্ মজা করে বলল, "কিম্বা বলি এরেপেনন নিরে রামধন্র ভেতর চোকে, তা হলে অত আলোর ও একেবারে বলসে বাবে।"

"পেলনের চালক হতে গিরে কিম্রা মাটির তলার রেলের কন্ডাক্টর হরেছিল। মজার বটে।" এ কথা ব'লে আরাকো ধনে মনে হালে।

কিন্তু ক্রিকো একট্র উত্তেজিত কর্তেই বলে, "ভাগ্য আর কি। গিনকো না আসার নাকানে মলাইরের ফেলাকটা প্রথম থেকেই ভো ভিরিকি হরে ছিল।"

শহরের মাটি থেকে এখনো কুরাশার সং পর্দা সরে মার নি। নিজন রাশ্চা দিরে একটা গাড়ি ধেন বাভাসে ভেসে বেরিরে গোল।

भौरकत बाक अथरना द्यन कार्छ नि मरन

"হানাকার সংশা দ্বে।"

"তবে মহড়ার সময় গেল না কেন—িক য়াপার?"

"মনে হচেছ, দিবি। জারামে ব্যাতেছ।" "গিনকো, এই গিনকো—।"

"थाक, धाक, एएका ना।"

"কী সন্দের!"

"ব্যনোর সময় সহিটে ওকে ভারি স্ফার দেখার।"

"ও কি নাটকের জামা পরেই শারেছে নাকি?"

*ना ना।"

ছানাকোর সপ্যে তবে কিরে এসেছে না-কি ?"

"উ:কি কনকনে শীত রে বাবা!"

"করেকটা খবরের কাগজ হোগাড় করে একট**ু আগ্**রন **অনুলাও** লা।"

"আরে কাগজ এখনে কোখার পাবে?" "এই খাটটা দেখতে কেমন যেন ভূতুড়ে-

"এই খাটটা দে**খতে কে**মন ৰেন ভূতুভে়ে ভূতুভ়ে লাগে।"

"বরটাই বিচিছরি।"

'গিনকো, গিনকো' বলে স্বাই ভাকাডাঁকি আরম্ভ করে। হাঁকডাকে হানাকোর প্রথমে হাম ক্রেড বার। ডাঝ খ্লেই সে এদিক ওদিক তাকিরে 'দেখে। তিনজনকে দেখে হানাকো খ্ম চোবেই একট্ হাসে। তারপর পাশ কিরে সে গিনকোকে কড়িরে খ্তে গিরেই হঠাং বেন চমকে উঠে কসে। খাটে খেকে সে ভাড়াভাড়ি নামতে নামতে ডেচিরে





रनहे नीवरणात मारव राजारका भिनरकारक अभिन्त सरव जाराव स्पेश्ट ग्राह्म करत

ৰূলে, শীগনকোর গা যে বরফের মত ঠান্ডা!" হানাকোর এ চীংকারে কিছু না ব্ৰেই সকলে গিনকোর কপালে হাত দেয়।

সেটি ছিল গিনকোর শীতল মৃতদেহ।
কপালে হাড দিরেই তারা দেখে একেবারে
বরক। তবু পারে ধাকা দিরে গিনকোর নাম
বরে ভারা ডাকাডাকি চেটামেচি করতে
থাকে। ভারা কে বে কি কথা বলাছে
লিকেরাই ব্রুতে পারে না।

কিন্দ্রের যে কখন দরজার গোড়ার শাশত একটি হাওরার মন্ত এলে গড়ালো কেউ অক্সকল লা।

"ছানাকো, হানাকো, বলো গিনকোর এ কী হলো? ভূমি ভো ৩র কাছেই শক্রেছিলে?"

"জারি জানি না, জানি কিছে,

जानि ना।"

"তুমি পালে খারেছিলে, আর গিলকো কখন মারা গেল তুমি জাল না?"

"আমার আসার আগে থেকেই তো গিনকো ঘ্নিরেছিল। একলাই ঘ্রেছিল। ঘ্রের মধ্যে ভেকে বিরম্ভ করব না ভেবেই—"

"আন্তে আন্তে পাৰে নরে পড়লে?" হানাকো বাড় নাড়িরে বলে, 'হাটা।" হানাকোর চোখে ততকলে কল নেমে এসেছে, ফুর্ণিরে ফুর্ণিরে কাদতে শুরু করেছে।

এই দেখে অন্যেরাও একসংশ্য হঠাৎ
কাদতে লার করে দিল। সেই অবস্থাতেই
'প্রিলস', 'ডাভার' ইত্যাদি কলে চে'চাতে
চে'চাতে আমাকো বাইরে বেরোডে গিরেই
দরজার সামনে কিম্রার সংশ্য ধালা খার।

শ্বাবে!" রীতিষত তীকঃ দ্বিতিত আরাকো কিম্বার দিকে তাকার। তারপর কড়া পুরে কলে, "কিন্তাবে এ বটলো?"

কিম্রা ব্ তিনবার অথাবীনভাবে
মাথা নাড়ায়।—"এ আমি কিছুই ব্কতে
পারছি না। এই সকাল পর্যান্ত তো আরি
লেজেই ছিলাম। সারাটা রাভ সিনকোর
জনাই অপেকা করে রইলাম।"

হানাকো মেকতে উব্ হরে বনে ক্লিছিল। হঠাং সৈ দেখতে পোরে খাটের তলার হামাগন্তি দিরে কি কুড়িরে আনলোঃ সেটা হিলা সাধা ওব্ধের একটা ভিতে মোডক।

মোড়কটা দেখা মাত্ৰ ছোওকো বললে, "এই মেলেটাই মেলেছে—হালাকোই ভবে বিৰ খাটা মচে।"

"না, না।" হানাকো চেণ্টিরে আপত্তি করে। তারপর চোধ দুটো কুটকে কিন্দ্রার দিকে আঙ্গে বাড়িরে বলে, "একেই আরি খনে করবো।"

সেই মুহুতে স্বাই কেমন ক্ষে চুপচাপ হল্লে যার। সেই নীরবভার মাকে হানাকো গিনকোকে জড়িয়ে ধরে জাবার কাদতে পর্বহ করে।

'না, না, হানাকো, হেড়ে হাও''—বলে আয়াকো হানাকোর হাতটা গিনকোর গলা থেকে হাড়িয়ে নিতে থাকে। আয়াকোর তথনো বেন মনে হয় গিনকো বে'চে আছে।

র্ণাগনকোর দেহের কৈ আবার সমনা ভদস্ত হবে নাকি?"

"সভিটে কি ও মারা গেছে? আর কি কোনো আশা নেই? ও কি আর বাঁচৰে না ?" বলতে বলতে হোওকো আয়াকোর একেবারে গা বে'ৰে দাঁড়িয়ে গিনকোর কিকে ভাকার।

কর্ন্ত হোওকোর এ সব কোনো কথাই
আরাকোর কানে বার না। সে প্রিলস,
মরনা তলক্ত ইত্যাদি ভাবতে ভাবতে
গিলকোর আরো কাছে উঠে বলে। ভারপার
লোপের মবো গিলকোর ব্যক্ত থেকে পা
পর্বাক্ত আলেত আলেত হাত ব্যক্তির দেশে,
কোথার এতট্যুকু কোনো এলোমেলো ভাব
নেই। এই দেশেই আরাকোর যদে পড়ে বার
—ব্যধনোর সমর গিলকোর বেহতপারী ভাবি
স্কের দেশতো। এ কথা মনে পড়া রার
কেন জানি না, সব কো ব্যক্তে পেরে
গারি বলে আরাকোর মনে হয়। আবুল
হরে সে আবার গিলকোকে জার্ভরে ধরে:

क्यिता प्रकारण दोल गिता भूमा मुन्दिक मौतरम भीक्रित भएक।

আনলার সাধা পদাগ্রনোই দ্বা উল্লেক্ দেশকে, কিন্তু সভালের আলো একনো বরে এলে পেনিছোর নি।

जन्दगर ।

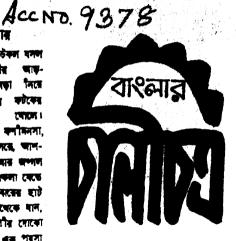
माबद्ध बाबद्धा ३ वीमान्सूम व्हेसर्व



नामगद्भव वस नवमान

ে নিশ শ্বে আটাল সালে চটকল বসলা ण महासमादक **रामनी महीत जा**क-वीशित क्रमातः। निमन्द्रश्रास मका निमन हे नाहे हिन कर किया है कि क्षेत्रक भाष-भ्रामानिक THE ! হরকোচ, গোরো, ভেকটিল, ক্শীনস্যা, বিল-খন বনি, বাজ-বরণ, লক্ষাসিরে, আপ-णातका, बाहोर, **क्षीयमञ्ज, यनकावात क्षणण** ছিল নদীর ধার দিয়ে বরাবর। একলা বেডে का क्रिकेट केंग्रेस : अभि-मञ्जानकास साहे বসত ল্যামগ্ৰে। খঠিব নৌকো খেকে খাল, কটাল কিন্ত লোকজন। বাক্সীর সোকো । কাকচা বেগনে আসভ হাটে। এক পরসা সের। আসভ হালি শহরের কুমড়ো। একটা আধ্মণ কুমডো—খোকো দাম দ্ব' আনা। शान मू' ठीका ठाउ जाना थन। जनन ठाउट করে জন-মজরে টাকার। দেভ দের সাত-পো একটা ইলিল এক আনায়। বোলটা ইলিল শ্যাৰগমের বাজারে ইলিপের 'दोल' फिक रकरणनाः। नारकान दगौरका ভাসত নদীতে। নদীর ছোলাজলে লালচে-হরে -বাওরা-গামছার - কোপীন-জাটা - ভিজে গা কালো-চেহারার জেলেরা লাল চোধ মেলে বসে বসে হাটের মাঝখানেই ভাড়ি খেত. গাঁজা টানত। মাছি ছিনভিন করত পাকা আম কটিালের গারে। একটা টাকা টাকৈ খানে নিরে হাতে এলে ভিন বাপ-বাটার সেই প্রসার মাল বরে নিরে যেতে পার্ভ

'এমন আকালের দিন তখন ছিল না' —কথা বলে আক্ষাস হালদার। ছ-ফাটের ওপর দীর্ঘ চেহারা ব্যক্তার। বরস এখন নাকি তিন কৃতি দশ। कি চার কৃতিও হতে পারে। কে আর গ্রেণে রেখেছে। বাপ ছিল মুর্খ। স্ফুরবন কেটে তারা বসত করেছিল এখানে। নিজের ছাতে ভত গণ্ডা কথ মেরেছে নাকি ভারা ৷.. শ্যামগঞ্জে চটকল ৰসতে মোরা কাক শিখতে গেন্। মুই তথন জোরান। মোর **ভাইপো সিরাজ**টাকে লিরে বেতুম কাজ শিশ্বতে। বন্ত সারেব 'তালার' বখন জাতো মসমসিরে আসভ চার-দিকে চেয়ে চেয়ে, মুই তথন সিরাজকে नत्रमारतद र क्टम यक अक्को 'बाई खाँका' চাপা দিরে রাখভূম। সারের কাছে এলে হতে বেরে সালাম দিভুষ। সেই সিরাজ, নবা, ৰংশ্যে, রহমান, আজাহার স্বাই সার-পোৰ' (সংডিস) 'পেনসিল' (পেনসন) লেৱে ৰ জো-হাবড়া হলে মলে পেৰা।" স্বাইরের मागरहरून रक्टम रगरह। रम्माह मारह কোৰীয়া কাৰ্কীর হাতে বার খেরে বৈছে। "गारे महत्र अन्यता नाहि। सात मान्छा" क्ष प्रारम्बार, क्ष श्राद बार श्राह



চটকলের বরেস হল চাল্লিশ বছর তব কেউ ভোলে না। আমি পরলা 'ইস্পিনে' লিখি। ভাবিদ মেৰে নলি খোলা হাতের তেলো हिर्देश 'एंटेका' बजा शास्त्र शास्त्र बीमदब्रह्म बच्चन कस्रा পড়ে গেল। তথন হ'তা' ছিল জিন টাৰা काम भामा। इ-वहत्र शक्त धनः 'सबात'. সেধান থেকে বিমে'। হাতিকল, ছড়িকল, পাঁজচাপা, রোপিং, বোগিন, ফারোনলি, टेन्शिनर, रमदान, विम् তাঁত সৰ ডিপরেটের'ই কাজ আমি জানি। আমি হরে গেন, বড় সর্দার। দেশ স্বাধীন চবার আগে। সারা কারখানার একশো জন সরদরে —তার এপরে বড় সরদার আমি। ভত নম। কেরুলী বাবরো আহাতে সালাহ করত। আমি বার কথা বলব ভাকেট কাল দিতে হবে: বড়বাব, বলুলেও আমি কাল



गष्ट रका गष्ट्र व्यवस्थातः माम-ग्रेपा देशाव नार्टनात्मा नामम

জানে না বলে থাকচা করে দিতে পারভুন ।
নানেকার সারেব আমার কাছ থেকে পাঁচ
হালার লেকের হন্দ-হাদিস নিত। বাব্দের
সন্দেশ্ব আমার বিপোচাঁই চ্ছান্ড। কে
কেন্দ চুরি করে, কেন্দ্ সরবার ভার নিজের
যরের কালে কত জন কল্চতু লোক হাড়ে,
কত গাঁট পাট এল, কত গাঁট চট পার্যাক
হরে রেল দিরে আহাজে নামল আন্যাস
আলীর হিল সব মধ্যপ্রে। ভার চেন্দ্
কান এভাতে পারত না কেউ।

হালদারের শিটাশটে চোখ দুটো দেখলে সে বে ব্যাশ্যাল ভা ব্যুক্তে কণ্ট হর রাঃ ভূর, দুটো ভার পেকেছে, পেকেছে রাখার অর্থেক চুল আর দাভিদ্যালা। আম্বাস আলীর হতেে রুপো হার্যানা দামী ছড়ি। অথন ভার দোভলা পাকা বাড়ি। হল করে অসেছে করা থেকে। আল গাঁরে একটা সালিশি বসলে ভাকো সেই 'আম্বাস চালাকৈ'।

445..

"একবিন ছিল আলাছ SISTEMATION OF ক'ডে। বৰ্বাকালে মাটি-কাদরে মেৰে থেকে কেতো উঠত। বুড়ী মা ভিজে কলেডি হয়ে বৰের মতন বসে থাকত সারা রাউ क्ष्या। अक्षेत्र इस्त्र हिन ना। हिन ना **এक्টो 'एडस्क्न' (इप्रदिक्न)। या शर्दर** ৰাডি চেশিক ঠেভিয়ে ৰে এক-আধ হঠো 'ধ্যে' পেছ ভার জাউ থেরে কলে বেভয়। একদিন বৰে পানি হছে, মানপ্ৰতা মাধ্যর দিরে কারশানার গেছি, আর গড় তো পঞ্চ माना **८**एकवारत नाम-मात्या हेरदाव मात्न-ছারের সামনে। সারের কারে পাতাটার হতে দিরে দেখলে। নীল চেত্রে আমার দিকে চেত্রে রুইল। আমার জো পরাণ খাঁচা ছাঞা। পাতাটা নিরে সারেব ভার কৃতিতে চলে গোল। ভারনা, মহা অপরাধ করেছি: কারখানার 'ভিংরে' কেন শালার মানপাতা 'লেস্ডে' (লিরে+আসভে) গেন, মাই! চাকরিটা আমার বাবে!"

বেলা নটার সমর দেখি মোরা সরেব কারখানার এসে চ্কেছে। সবলেবকর পালে পালে কছে, ভমতম করে কারে কেন খ্লেছে। শেবে আমারে দেখতে পেলে। আমার দিকে এগোডেই, ওরে বাপালে গালা গৌড়...বিমের পেছনে ল্লেক্মে। করেব ঠিক এসে বরল আমাকে, মোরগ বেমন ছুটে এসে বরল আমাকে, মোরগ বেমন ছুটে এসে বরল আমার পাকড়াও করে নিকের আরবে।...আমার পচা মরলা আম-ভেলা মবে-বরা জামার কলার বরে নীল-চোখো লাজ-মুখো সারেব টেনে আনলে অফিসে। নিজের খাস-কামরার। বড়বাব্ পিরারীলালকে করা ব্যক্তির ভিকে

'হোং ইওর হুহানেভান!' সামের খুশী। দীল চোখ নাচিত্রে ফ্রন্সেন। ক্রনে, 'ক্রমার ছাতা নাই!'

> পা হ্রের বাবা। পুনার পাউর কে আকা? আন কইক ব্যাসী।

িতৰ মাই আ হতে একটা ভালাসভাৱ ফুক্তি। পানি পঞ্চা'

্ৰাৰ্থৰ ক্ৰিকা বিজ্ঞান এক কঠা ক্ৰিক সেই।

সাক্ষেত্ৰৰ কৰে ধৰল আন্নাকে। কৃতি-কাৰ্ডিড নিজে জেলা। জাৰেৰ সংশ্ব পৰিচৰ কৰিজে দিলো। জাকা কাপড় জাকা কিলবৰ জাকা দিলো। সালাৱ ক্যা বিজেল। কল জাকা ক্ষেত্ৰা ক্ষমন। উপৰি আন্তৱ্য দশ



क्रांत्रकेश वर्ष कुमका माट्य

দিত সরকারের নজরানা। একদিন সারেব
কলকান্তার বাবে—বোড়ার গাড়ির কোচে
উঠে বসতেই গাড়ি টগর্মগারে গেট ছেড়ে
বেরিরে গেল। হঠাৎ দেখি, সারেব ব্যাগ
কেলে গেছে। চেন টেনে দেখি অনেক টাকা।
টাকার কাভিল। ছটেল্ম সারেবের গাড়ির
পেছনে। অনেক প্রে বেরে চেচামেটি
করে তবে ধরন্। সারেব নেমে এল।
মর্গ দেখে অবাক। আমার পিঠ চাপড়ে
দিরে গেল। আমি হরে গেন্ গোটা মিলের
মানে শ্যামগারের কড় সর্গার।

ভারণর সেই সারেব এল আমার বাড়ি লেখতে। নাম ভার হেনরী মিচেল। এই

তিয়িল বিষে বাস্ত ভাঙা কিনে বিয়ে গেল তিন হাজার টাকা দিরে। দোভলা পাকা বাভি সেই বে'ৰে দেবার পরত জোগালে। মিচেল ছিল আমুদে লোক। আমাকে নিয়ে বেড়াতে বেরুভ। হে'টে হে'টে গাঁরের পাড়ার পাড়ার বেডাম। রায়পুরে কাশী-পরে, আলমপরে, হাসনাচা, আছিপরে, রাজিবপরে গদাখালি, নলবাডি কড গ্রাহে যেতম। ছেলেদের দেখলেই সারেব নাচতে বলত ভাদের সামনে পরসা ছডিরে দিরে। তারপর ফটো তলত। নথ নাকে কিন্দা নোলক নাকে কোনো মেয়েকে দেখলে সারেব ভাদের নথ নোলক ধরে নাডা দিয়ে মজা করত। তার ভাষা তথন সব আমি মুঝতুম। একদিন হল কী জানো ভাই. গদাখালীর বাঁলের সাঁকো পার হয়ে আসতে পারে না একটা কাদের অতি সংস্রী বছর আঠারো বয়সের মেয়ে। সায়েবও বাঁশের সাঁকো পার হতে পারে না। আমি দ্রেজনকে পার করে দিলুম। মেরেটার ছবি *ভললে* সাহেব। মেরেটি মিশ্টি মিশ্টি হাসভে লাগল আডে আডে। আরু ব্যাটা সারেব ভরতো কী তাকে 'কলকে' ফুলের বনটার भारम थरत हुटमा टबरत मिरम। स्मरत्रि मञ्चार मान रख भागाम । प्रमाण प्रोका দিরে আমি তার ঠিকানা জেনে নিল্ম সারেবের হৃকুমে। তারপর মেম আমাকে সেই মেয়েটির ছবি দেখিয়ে বলেছিল, কে এই মৈয়ে? সায়েব নাকি রোজ সম্পার পশ্ লক্ত নিয়ে বার কটাখালির খাটে-প্রথম দিন সে মামার বাড়ি আসছিল—সেখনে লঙ্গে প্রঠে মেয়েটি। ভার মা বাপ জানে। ভারা টাকা নের ৷'...



বিচেল সামেৰ বছন পদেলো বেকে क्राटन करून दशन। विद्यारे वस्र्यान काता। বিলেভে বাভি গাভি বাবসা ছিল। ভার अको किर्ति चाट्य चामान काट्य।"

হতো জাম্বাস হালদারের সাত বেটা। त्राख्यामा यह काला स्थम स्टब्स्ट । डिट्म टकाठीत बाटक अवस बटका। रहात्रका स्थापक সারেবের চিঠিখানা বাস্ত করে এনে দেখালে। উপদেশ বাণী পার্তিরেছে ছেনরী মিচেল।

नूर्व प्रत्व चानस्य। बारम बरन रमाधे।त-পানিতে 'অহ' কালে আনাস আলী। মাদরে বিভিন্নে স্বলমেবের নামান্ত পড়লে। [मा क्या-मन्नूम **नफ्ट मानम च**टनककन।

ছাদ খেতে স্যায়গজের সোটা মিলখানা ল্পান্ট দেখা বার। বারণাহ পাহজাহানের তাজমহল দেখার মন্তন আব্বাদ আলী কার-খানাটার দিকে **ভাকিনে থাকে**। প্রতি শনিবার এখনো ভাকে একবার বেতে হয়। বাব্রা চেরার দের। **পেনসন পরে হাল**দার। যালে চহিল টাকা।

শ্বধোলাম, প্রথম বড় সরবার হরে বে টাকা কামিরেছিলে নেই টাকার বাড়ি, সেই টাকার মন্তার **গিরেছিলে বলে কেট কেট** क्रोड़, रमधे कि मिका?

'হলে বাওয়ার টাকা আমার গতর খাটানীর। শানেছিলায় কালো টাকা নিরে रगरण नाकि आतरवत के निर्देश त्नत मा। আর হক্ত কারেক (মনোনীত) হয় না। বাডির টাকা মি**চেল সারেবের। ভবে বে-সব** টাকা দিয়ে শতখানেক বিষে জমি কিনে-ছিল্ম সেগ্লোর কথা বলতে পারো। পরের টাকা না হজে বড়লোক হওরা বার না। মিচেল সারেবও অনেক টাকা মারত!

'তুমি যে সভেরোটা গর, একশো খাসী, अकरणा मण ठाल, फिल स्नोंक्श मदे करत्र সংতটা গ্রামের লোককে ইন্ডাহার ছড়িরে 'খানা' খাইরে**ছিলে ভার খরচ কোথার** ट्शटम ?'

'সবই আহ্রার দরার ভাই। ঐ চাদনীর প্রুরটা কাটাবার সময় দ্ব-ছড়া সোনার মোহর পেরেছিলাম বাদশাহী আমলের। সে সব धे यान्यक्रमत्क बाहेरत एषव करत निरंत-हिनामः। लाटक राम अक्टो 'कारमा कीन' আছে নাকি আমার বাস্ততে—সে সব জোগার আমাকে!' হাসতে থাকল বড়

व्यत्नक्षम हुनहान । बाबारम् हा मिर्ट গেল। আলো জনুলতো আআল হালদান। বললে, টাকা হল গাতের দালি। বখন আলে রাশি রাশি। **বখন বার ভটিার টানে** কেরিরে বলা। আছে আহার স্ব বেরিরে टगट्ड। ट्डरम्बा ट्रक्के ट्रमथानक निकास मा। जानजरमा जीव गर विश्वता व्यक्तना दता राजा। टबरनका अन्य बारत गाः। व्यानामा क्या मिठक क्या कार्यकार वाटक्।

কেট ভাঁতে বিলে দেয়ালে বোণিলে কাৰ करतः रक्तवरकत् कालकानात् वाल--गाल-গজের কারখানার বাংশর নাল ভোকনার करना बाह्रमा ट्वजेबा। अन्त ट्रापकी ব্জলেই বাঁচি। পাকা ক্ষেত্ৰীও গোৰে रक्षांत । पर्य जार चात्राह मा। जान अक्टे, पूर शह ना। हात्नव पद अक होका আদী গরুৱা কৈলো। গত বছর তিন টাকাও হলে গেল। একা আমার বাড়ির সামনে ছেলেদের নাম ধরে কাবলো এসে श्रीक शास्त्र। भागाशास्त्र अधन ग्रामा जन ভাৰলোঁ, আডাই হাজার ভিন জারগার লোক এসে আছে। ভাষের আগে কার্য দিতে হয়। ভারা সধাই নাকি 'কমিউনিস্টি'! অনেক 'वाकाम'-बाब्द क्रटमच्हा क्रवाटनंत्र टमाटकना काम भारक ना। चटन देखेनियम द्राहरू, 'छंदाहेर् नाम' शस्त्र च्यान च्या - छर् काकारमञ्ज कारमञ्ज बक्त गृह्य स्मिट्टे। काब-খানার লোকগালোর চেহারা বেন ম্থপোড়া হন্মানের মতন। আমার সেজো ছেলেটার बच्च शास्त्र काम । इजेर ट्यांपन स्टब्स ट्यांप

জিলতে পার্রিন। মুখ পুড়ে কালো হরে লেছে। দশ বিষে করে ধানকমি দিয়ে-ছিলনে সম্বাইকে-স্বাই উভিরে দিরেছে। মেজেটা আবার মদ খার নাকি। তওবা আস্ভাগ্ কেরজা।'...

একটা হাঠ পারের বিশ্ভীপ এলাকার चाक चटनक काहबाना भागराहाः ठठेवनः ফাইবার, লিনোলিয়াম, জ্ঞাসিটিলিন গ্রন্থ ক্যাকসিৱাৰ কাৰবাইড, কাপেট, পাওয়ার হাউদ কত কি! হাজার হাজার লোক কাজ कतरह। बाद्धानी, क्षित्रा, रवदाती, पूनिता, ভোজপুরী-ছারণ জাত-হরবোলার মতন ভাষা। কর্কর্ করহে কারধানার শব্ রাক্তদিন।

राजी जान्यान राजपाद अथरना मरत नारे क्लिक जान नामा भाका क्यवंग क्रांत्य त्यारम्यातं **शक्य क्लाव्ह** । कक्रिली तौशाद পৃষ্ণ আসহে সেধান থেকে।

হেনরী মিচেলের চিঠির ভাষার জটিল सक्ता को काकि श्रीवन्त्राव कार्य व्यक्तित क्याच भारतीय चान्यम शामराज्ञरमः। १६-

नाईक !

बटमन नाहिकीय

এলেম नफून स्टिम क्या : ०.२८ ভিলে সূর, স্বাদ ও বিবরবস্কুর মন্ত্রসঞ্জ भूमान नाप्रेक । धाकवि दस्ते/मृति स्त्री

অগ্নিদ্ভের কিন্দু নাটক বর र्पाम/बर्की मां/कर्क की/०.२८ তিনটি একাংকিকা

ন্ত্ৰী ৰন্ধিত প্ৰেক্ষারপ্রাপ্ত সিরিয়াস/৩-০০

(सर्वे अकाशिक

नाम : **৫**-००

नीहरे शकानिक रहक शकान नकी अवर स्टान नारिकी नन्मारिक বিভিন্ন প্রতিবোগিতার এবং বে কেল স্বানে चरिनाम डेग्यट्ड रम्बन छाउँ महोकास ननार्वे बक्तनका जकारक आठेक। व्यक्तिसम्ब ন্দ্ৰী-বজিত।

বে জোন নাটক ও উপন্যাসের জন্ম লিখুন।



नीविया अकापनः

80, विश्वित्रहारी सम्द्रमी नोंग्ने, स्रीम-५२ OF WIL SHIP : 00-050V



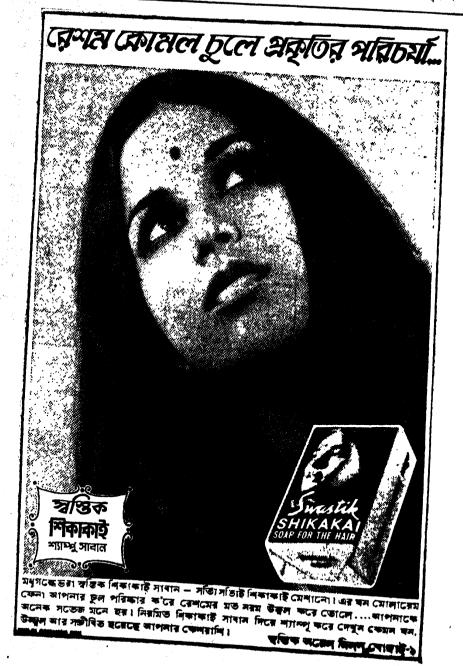
ক্ষাৰ্ পিলাকীলাল আকলে কাজে পাজত। মহেতে। চিঠিতে লোকা ছিল ঃ তিন্তু মাটির পাতে কড়া মধ ধরে রাখা কঠিন। माराज्य क्षाकरक वाकरकरे। कात करना अक्तिम इति देख रक्त रमाठी कार्यमाना। क्छ शकाब काक्टक क्रिक शकाब, क्रके किरिको काम करत शक्रक शरकीन।

चार्कि भएक रिप्ड राजी चान्कान राजनाव

দে পাটের কঠি চাপা পড়ে করে গিরেছিল আন্দান, তুমি মানপাক্ত মাধার দিরে কার-ধানার এবেছিলে, তোমার মাধার রাজফার ককিড়ার বাক্ষার মন্তন তারা তোমাকে থেরে करन निरम्न धनाम। बाँन कथाना विभाग পড় আমাকে লিখ। তোমার মধ্যে আমি একজন বীৰ্বান, সক্ষরিত, দহৎপ্রাণকে দেৰে মুশ হল্লেছিলাম। বৰি ভূমি লেখাপড়া कान्द्रक कार्यन कान रहता। हकन मा कीता

ट्याबाद ट्राट्यालय मान्य कार्यक मा भावत्य শেৰ করে কেলৰে। ভোষার বোলা পড়ে থাকৰে। ভূমি কতুর হরে বাবে। ক্ষতএব नावधान, नत्थ रठीर काना कृष्टित भावजा-"HANCER OF THE PROPERTY...

वान्त वनाव





"The green revolution has taken hold If India can feed itself. if its industrial growth rate continues and if its leadership continues to demonstrate its sense of social reform, including population control measures, it can become an even more important force for stability in all of Asia." वास्त्रकारी বলেছেন আমেরিকার সহকারী সচিব জ্যোসেড ভে সিসভো। পৰিবেলটা ছিল তাদেরই, হাউস অভ করেন আক্রেরারস কমিটি। ছাপা হরেছিল ১ জ্লাই ১৯৬১-এর জাপানের কোনো এক সাম্বা দৈনিক-পত্রের ভিতরের পাতাতে, খনে ছোট করে। मत्न रहा अमनदे अकृषि बहर आकारतत प्राथवन्त्र वा फेल्पना निरंहरे सामारमय श्रधान-মন্ত্ৰী করেকদিন আপে দ্বেপ্রাচ্য সকর করে গেলেন। ভারতে বহু কবিত এশিরার

মহাজ্যজীর "প্রিরদ্ধিনী", এবং তরিই
মল্টাশ্বা পশ্চিত জওছরলাল নেহর্র
ভীবনীশক্তি উদ্বৃদ্ধ একাণত আদ্রিপী
এবং স্বহলেত গড়া, ভারতের গণতদ্বের
স্বীকৃতির প্রতিকৃতি আমাদের আজকের
প্রধানমন্দ্রী শ্রীমতী ইন্দিরা গান্ধী জাপান
ব্রে গেলেন। তাঁকে প্রধানমন্দ্রী হবার পর
এই প্রথম দেখলাম। দ্-এক জারগার কথাবার্তা শোনবার সেডিগাও আমার হরেছিল।

দ্রপ্রচাচ প্রতিবেদী মহদের সংখ্য স্থাতার উদ্দেশ্য অবশাই প্রশংসনীর। আরও ভাল লাগল বে, ভারতের অস্তিভকে জাপানে এক বিশেষ সমরে দীশ্রভাবে ঘোষণা করে

७९१ सन् ।

গত বছরই একবার কথা হরেছিল আসনে। আসা হরে ওঠেনি। খবর হিসাবে বলা হরেছিল বে, ভারতের রাজনীতির আভান্তরীণ গোলবোগাই নাকি এর কারণ। তংকালীন কাগজে বারবার ওই কথাট্কুই উত্থাপিত হরেছিল। এবারেও যে হরনি তানর। বেমন এবারে ভারতের প্রধানমন্ত্রীর সব খবরের শেষে একবার করে মনে করিয়ে দেওয়া হরেছে, বার সোজা বাংলাতে মানে দাঁড়ায়, জাপানের কাছ থেকে হাত পেতে কিছু বেলী চাওয়াটাই এই পরিভ্রমণের একটি মুলা উল্লেশা। এই সংবাদতিতে যে শা্ধ আমার মনেই থটকা লেগেছিল তা নর। বখন দেখলাম শ্রীমতী গাম্বী বিস্ণা



क्षोकिक विरान मारवानिक मध्यकारन कावन निरुक्त क्षेत्रकी देनिया भागी

সাংবাদিক সন্দোলনে নিজে থেকেই কথাটি তুলে বললেন বে, তিনি লক্ষ্য করেছেন ভারতের কোন কোন সাংবাদিক কথা তীর এই পরিক্রমণের উদ্দেশ্য থেকে শা্ধ্ সাহায্য নেবার পরিকশ্পনাটিই মূল্যমন্ত করেছেন। কিন্তু তিনি সকলের উদ্দেশ্যে জানাছেন বে, তিনি শা্ধ্ ওই একটি কারণের জনাই আসেন নি। তিনি বাক্তিয়ভাবে গিখতে এসেছেন অনেক কিছু। অবশাই ভারতের আজ সাহাব্যের প্রবেজন।

সব দিক থেকে বিচার করলে দেখা বার জাপানের সাধারণ জনগণের মনে ডেমন কোনো সাড়া জাগে নি। বিচারের প্রশ্ন হিসাবে অনেক পশ্র-পশ্রিকা বারে। বংসর আগের নেহর্র কথা উল্লেখ করেছে। তব্ভ বেট্কু সাড়া দেখা গোছে তা মূলত খবর হিসাবে বেট্কু বার হরেছে। 'কারণ'— নিজেকে জিজ্ঞাসা করেছি, ভেবেছি— ভাজকের অধ'করী বাদ্যবভার এর বেশী श्रुवरे वा रकत ? छात्ररख्य ध्रयानमन्त्री शिमारव ৰদি আকৰ্ষণের একটি পালা থাকে, ভাহলে चनद नामारक स्मारक क्या का नामी প্ৰথমকাৰ ক্ষিণ্ড প্ৰিচিডি ভাপানের যানাবের কাছে বেশী আকর্ষণীয় মনে হরেছে: অত্তত সংবাদ সরবরাহের সমারোহে সেইট,কুই আমার মনে হরেছে। আমরা এখনও ভলতে পারিনা, ভারতের ঐতিহ্য বৌষ্ধমের মাধ্যমে কি জাপানে আসেনি? ভারতই একমাত দেশ্ বে দেশের মানুৰ তঃ রাধাবিনেদ পাল মহালয়ই কি ভেনারেল তোজোর 'দেশদ্রোহী' আখ্যার প্রতিবাদে भीष्ठ हरत ७८०न नि? जात सुम्थ-स्मरव ধ্বংস-প্রায় জাপানের দুর্দিনে ভারত কি রছ-খণ গ্রহণে অস্থীকার করে নি? সে সৰ তো আহকে প'্ৰথির কথা। না-বাজনীতি আর ইতিহাস বড় কণভগরে বা লাভি-সমাজ-মান্য প্ৰতি মহেতে ভলে বার ভলে * रबर्फ कको करत, कुक्त रबरक कानदारन।

병하는 사람들의 중심증의 원인 경기를 하는다.

কাগজে, টেলিভিশনে প্রারই দেখছিলাম

ক্রীমতী গাম্পীর জাপান আগমনের খবর।

এর আগে ১৯৫৭ সালে জওহরলাল

নেহেরুর আগমদ উপলক্ষে ছোট-বড় সব

কাগজই তার জীবনী, ছবি, কর্মপিষ্ঠতি

বেল বড় বড় করে তুলে ধরেছিল। আর

ছিল ভারতের নীতি, বা অনেক্টা ব্শেবর

আবারেও খবর বার হরেছে। বড় বড় করেকটা

কাগজ প্রথম পাতাতে খবর দিরেছে। কিন্তু

তেমন হেড লাইন হরে দেখা দেরনি।

ইন্সোনেশিরার প্রধানমন্দ্রী আসা কালীন

দেখেছিলাম জাপানের সম্রাট স্বরং বিমান
কলরে উপস্থিত ছিলেন। এবারে তেমনটি

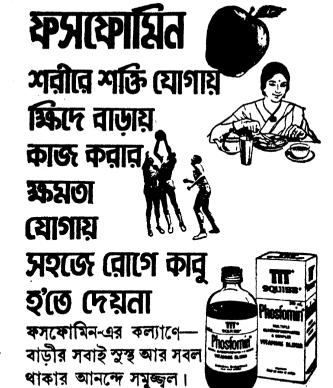
দেখলাম না।

কেন জানি না, এবারে ভারতীয় দ্তাবাস থেকে আমার মতন জভাজনকে টোলফোন করা হরেছিল, প্রধানমন্তীর কর্মস্চী জানিরে। বেশ ভাল লেগেছিল, কারণ

এমনটি আমার চার বছরের জীবনে এই কর্মসূচীর একটা লিখিত বিশ্ব প্রথম ৷ সেটা প্রধানমন্ত্রী மகிறை বিবরণ পেশছ বার তিনদিন পর। অবশাই জন-রোধের অপা হিসাবে স্মরণ করিয়ে দেওয়া আগমন এবং প্রত্যাগমন হয়েছিল বে. স্ব স্ব উপস্থিতি। চারিত্রিক N.S.(0 বৈশিশ্টো, কোনো কিছুর স্বার্থক অর্থ করা ভার মাঝে আয়াদের অনেকেরই স্বভাব একজন। অতএব বিশেষভাবে আগমন এবং প্রত্যাগমন-এ উপস্থিতির অর্থ দু' ভাগে ভাগ করে ফেললাম। এক ভিড বাড়ানো—দুই সভ্যকারের আর্শ্ডারকতা। আর বখন বিমানবন্দরে পদমর্বাদার পরি-প্রেক্ষিতে সমবেতবন্দের প্রতি বিশেষ সীমানার ব্যবস্থার কথা শ্নলাম তখন আরও খারাপ লাগল। দঃখের বিষর প্রধানমল্টীকে দ্বাগত জানাতে আমার পক্ষে বিমানবন্দরে বাওরা সম্ভব হর্না। তবে প্রদিন দ্তাবাসে

প্রবাসী ভারতীরদের সন্মেলনে, অনেককে অনুসন্মিত দেখে এবং পরবভীতে ভালের বিমানবন্দরের বটনার অভিমানত ভাবং শন্ত আমার ধারণা কিছু বন্ধম্ল হবার অভ্যাত পেল।

২০ জনে লোমবার বিকাল পাঁচটার হানেদা বিমানবন্দরে শ্রীমতী গাম্বী উপস্থিত ছলেন। বলা হরেছিল, প্রদিন সকাল ১০টাতে প্রবাসী ভারতীয়দের উল্লেশ্যে কিছু বলবেন। ছাজির ছিলাম। ভাবেই শ্রীমন্তী গান্ধী বাস্ত। मरका ব্যবিগতভাবে আলোচনার প্রশ্নই আলে না। সমর মজন হাজির হলেন। দভোবাসের যে দর্জন দিরে উনি চুক্বেন সেখানে বিশিশ্ট ব্যক্তিদের দখন মিলল এবং সে-পথ দিয়ে বিশিষ্ট ব্যব্রিদের ঢুকবার ব্যবস্থা দেখলাম। আমার মতন বারা, তাদের বাবস্থা ছিল পালের দরজা দিয়ে। বেশ কিছু মানুহ উপস্থিত ছিলেন। প্রধানমূলী श्रधाम्बर्धे क्रिक्समा करत निरमन नकरमधे धिननी रायराज भारतन কিনা? স্বাভাবিকভাবেই জনতা নিশ্চপ बुटेस्मा । সেদিন উপস্থিতদের যাবে সাধারণভাবে একটা প্রশনই ছিল—"ভারত বিদেশী সাংবাদিকভাব फेरम्बरभाउँ वाकि ? কলমে যে থবর এসে পড়ে ভার সভাভাই বা E লাগল र्राष्ट्री क्षा तका প্রশনগর্মি ধরেই ইনিদ্রাজী ভার ভারণ শার করলেন। প্রথমেই জানালেন তাঁর ৰদিও উচিত ছিল, বাঁরা এই এতদ্যুর দেশ ছেড়ে ছাড়িরে আছে, তাঁদের সকলের কথা শোনা, জানা এবং সম্ভাব্য সূব রুক্তা সুযোগ স্থবিধার ব্যবস্থা করা: কিন্তু সময় এবং স্যোগ এতই কম যে তাঁর পক্ষে তেমন मार्विया श्रव डेंग्रेन मा। भ्रत्म कविरव मिर्टनम বে সরকারীভাবে মুখা রাজদুত সহাশ্র হরত আছেন। ভব্ও প্রতিটি ভারতীয় নাগরি**ককে মনে রাখ**তে হবে হে. ভারা ব্যক্তিগতভাবে প্রভোকেই ভারতের প্রকৃতিকে বহন করছেন। কেদিক থেকে দারিত্ব ভাঁদের কারোর এভটাকু কম নয়: ভাদের উপরই নিভরি করছে ভারতের স্নাম-গ্নাম। कथां है भूतरे मका धारः म्हातानः। किंक्ट বাজিগড় অভিক্রতার দৈৰ্ঘেছ কজন ভা मटन हाटच: चारात अमन क्या जनाजर्यना मदन तारथ इंटन किर्न ৰেডানতে ও जाशाया गर কর্ডবাব্যুম্থ ভারতীর বাভির মডে বিবেচিত হয়। **ৰাক দেলৰ** भाषां करता। ভারতের বর্তমান অবস্থার BUN বললেন, আৰু ভারতের সামা রক্ষ সমস্যা, অনেক রকম পরিস্থিতির লাক দিরে এগিরে বেতে হতে। একটিকে প্রেশ করতেই আরও দর্শটি এসে *হাজির হচ্ছে*।



ফুসকোমিন—কলের গত্তে ভরা সবুজ বংবের ভিটামির টুনিক

वाहरूड निविद्ये ।

छ है. जाद. पूहेर अब नम हेमक्लीएडिएड एडिसिट दिस्ताई

shilpi ac 50/87 8m

ব্যবহার কারী লাইসেল আন্ত অভিনিধি করন চাব থেন চাব

বি কমপ্লেক্স আর প্রচুর মিসারোকসফেট্স দিয়ে তৈরি।

SOURBB' III

SARABHAI CHEMICALS

মান রাখতে হবে যে ভারতকে স্বাধীনভার शत मन्त्रा म्छन करत जेव किया गाउद করতে হছে। ভার বনিরাদ তৈরী করে তবেই ইয়ারত স্থাপন। সারিত আমাদের সকলের। অভএব ধ্বৈচাতি ঘটলে চলবে ना। अपन जात्रक किन्द्र क्या बनामन। ন্তন কিছ্ শোনা পেল না, শোনাবারও किए दाहे। काल अवर रेशव अक्या मुजि খানছি খানতে হতে প্রতিনিরত। দেখ-সমাজ-সংসার-কম্মাকর সর্বাই সেই এক জ্যাগ এবং ধৈৰ': কিন্তু আজ সকলে শ্নতে চার ভারপর? ভার কোন উত্তর কিল্ড মিলল না মেলা সম্ভবত বুৰি নর; তব্ত মন বেন কি শনেতে চার, সে সব একই कातरण जब क्लाटन भारता बारत बारत अक কথা শানৰে জেনেও সৰ্বত হাজিয়া দেবার ভাগাদা অনভেৰ করে। ইতিমধ্যে দল মিলিট পাৰ হরে গেল। তিনি নমস্কার জনাতে জানাতে সকলের মাঝ নিয়ে হাসি-भारूच क्रीशरह शास्त्रमा।

২০শে জনে থেকে ২৮শে জন পর্যাত ছিল তরি এখানের পরিক্রমণের কার্যাস্ট্রী। দীর্ঘ বার বংসর পর জন্ম আনার ভারতের প্রধানমন্দ্রী জাপানে এলেন। বনিও ১৯৫৭ সালে নেহরার সপো এবং মাঝে একবার শ্রীমতী ইন্দিরা গান্ধী জাপান খারে গেছেন। বিশ্বত ভারতের প্রধানমন্দ্রী হিসাবে এই

এখানে ভারতের প্রধানমধ্যীর পরিপ্রমণের **फेर्ल्स्ट्रा**त **फेट्टाथ करत वका श्र**तिश्र्म स्व, য্বেধর পর ভিরেতনাম, লাল চীন, Nuclear Non Proliferation, with ও জাপানের মাঝে আরও সৌহার্ন্য স্কেক সম্পর্ক স্থাপন এবং জাপানের ভারতের উব্যাতর পথে সাহাষ্য প্রভতি আলেচনাই হতে মুখ্য কারণ। এইসহ আলোচনার মাবে একটি কথা শ্রীমতী গাংধী বলেছেন বে জাপানকে ভারত কোন সময়ই প্ৰতিৰোগী হিসাৰে গ্ৰহণ করে না বা করবে না। ৰেটা ইদানীংকালে বিশেষ করেকটি ব্যবসায়িক কারণে জাপানের একদল চিন্তানারক ভাবতে শুরু করেছেন। বললেন, ভারত আজ চাইছে জাপানের সংগ্যে এপিয়া এবং ব্যক্তিগত সমস্যার দিক্যালি একে অপরের সহারতার, সমাধান করতে পারে। অনুরোধ করলেন, জাপদাও কেন ভারতকে কোন সমরই প্রতিবোগী সূক্ত চিল্ডাধারার বিচার ক করে। আনাদের ভার**ভের** চিস্ভাধারা এমন সমরে জাপ্যদের কাছে ভূতে ধরে, শ্রীমাডী গাংধী এক বিশেষ সচেতনভার পরিচর দিলেন। **বছৰা জন্ম লেখনী**তে জনেক कथा बदा राज, कनाक्रमा जना वहरूना সমর আর ভবিষ্যত।

় স্বিতীয়বার ব্যক্তিগভভাবে আমি উপস্থিত

श्रमीपक स्प

সমরেশ বসরে নতুন স্বাদের উপন্যাস

তাচিনপরে ৮'০০

অপারচিত ৬·০০ অগ্নিবিন্দ, ৪·০০ অলিন্দ ৫·০০ রঞ্জন-এর

শীতে উপেক্ষিতা ৬.০০

প্রেমেন্দ্র মিত্র-র গোয়েন্দা কাহিনী
পরাশর এবার জহররী ৬ ০০
শংকু মহারাজের ভ্রমণ উপন্যাস
গারো পাহাড়ের পাঁচালি

4.00

স্ভাষ ম্খোপাধ্যায়ের কাব্য গ্রন্থ দিন আসবে ৩:০০ শ্রীবাসবের রোমাণ্টিক উপন্যাস আনন্দী কল্যাণ ৫:০০ গোমতী গঙ্গা ১০:০০ বাঁধন ছে°ড়া দাগ ৬:০০

। বিশ্ববাদী প্রকাশনী ॥ C/o লে ব্যুক স্টোর ॥ ১৩ বহ্নিক চ্যাটার্কি স্টাট ॥ কলকাভা—১২

ছিলাম এখানকার বিদেশী সাংবাদিক সংখ্য (Foreign Press Club) News-পর্যায়ে। আমার ভোজের প্রণন-উর্যার · **জনৈক আমে**রিকান সহক্ষী ওই সংখ্যের একজন প্রতিনিধি। তিনিই আমার নিমণ্টণ জ্যানয়েছিলেন উপস্থিত হবার জনা। সমর্মত উপস্থিত হলাম। তিলধারণের ষারগা নেই। বিভিন্ন সম্প্রদার থেকে বহ নরী-প্রেরের উপদ্থিতি চিত্র সাংবাদিক-দের ছজাছডি। কথাসমরে প্রধানমন্ত্রী **উপস্থিত হলেন। আমরা সকলে হাত-**ভালি দিয়ে উঠে দাঁডিয়ে স্বাগত জানালাম। ্প্রেস ক্লাবের সভাপতি ভার স্বভাব স্কের ভাষণে সকলকে মৃত্য করলেন। বললেন আক্রকের জগত যেখানে "পারুবের প্রথিবী" হিসাবেই সম্বিক পরিচিত, সেখানে ভারতের নারী প্রধানমন্ত্রী শ্রীমতী ইন্দিরা গান্ধীর এক বিশেষ আকর্ষণ অবশাই আছে এবং আমরা সকলে বিশেষ সম্মানিত বোধ করছি। শাধ্ তাই নর, আজকের উপস্থিত সভাব্দের সংখ্যা এক রেকর্ড স্থাপন করেছে। উল্লেখযোগ্য বে. টোকিওর এই Foreign Press Club-এ প্রথিবীর মেরা সেরা রাজনীতিক চিল্ডানারক, লেখক 🛪 সাধিবাদের পদার্পণ অটেছে। সেদিক থেকে প্রত্যেক ভারতীয় গর্ব বোধ করল বই উল্লেখ করে কি। নারীর প্রতিষ্ঠার সভাপতি বললেন যে আমেরিকার সামরিক ৰাহিনীতে নারী সর্বাধিনায়ক হতে পারে ৰলৈ বদিও আইন পাশ হয়ে গেছে, তব্ৰ ভার বাসতব রূপে ব্রিখ স্ন্রপরাহত।



লোকের বান্তিগত জীবনেও পরের এমনই
প্রধান অধিকার করেছে বে ক্যারি গ্রানট ৬ ই
বছর বরসেও প্রথম সক্তান "ছেলে" চাইছেন।
এক কথাতে তিনি সমস্ত পরিবেশটাকে
বেশ আনন্দ দিলেন। এরপর প্রধানমন্দ্রী
প্রীমতী গাংধী ভাষণ শ্রের্ করলেন। মনে
হল বে নেহর্র উত্তর স্বেরী হিসাবে তিনি
সম্প্রা।

প্রথম কথাতেই কিছুটা হাসির রোগ উঠল। সভাপতির ভাবণকে টেনে এনে वनानन व. नाती हिमाद अम्विधा বেমন আবার অপ্রদিকে স্বিধাও তেমনই আছে। ভার এক উল্লেখযোগ্য নিদর্শন আন্তাহক উপস্থিতি। তবে ভারতের শ্বাধীনতা বাখের ইতিহাসে তাঁর ঠাকুলা ও বাবার কণ্ট ও ভ্যাগের কথার উল্লেখ আছে। কিন্তু অনুদ্রেষিতভাবে বাস্তব কেরে ভার ঠাকুমা ও মার অবদানও তাদের ভুলন্দর এতটাৰু কৰ না। পরবভীতে **উ**নি উল্লেখ না করতেও আমার ঠিক সেই মুহ্তে মনে হল স্বাধীনভার বৃদ্ধে অনুদ্রেখিত কত মা-ছেলে-পিতা ইতিহাসের ধ্লার স্বীকৃতি-হারা হরে হারিরে গেছে।

ভারতের কথা প্রসংগ্যে অনেক কথা বললেন। সাহাৰা চাওয়া বা পাওয়া পৰ্বায়ে তার বন্ধব্য আগেই উল্লেখ করেছি। বললেন খাদ্য সমস্যা অবশ্যই আছে। তবে তিনি জানেন বে, জনৈক অবস্থাপর ভারতীয়ের कारक छौरमत अक विरम्भी वन्धा अकडा খাবার প্যাকেট পাঠিরেছিল। ভার উদ্দেশ্য ছিল ভারতের খাদ্য-সমস্যাকে সাহাব্য *কর*। উদ্দেশ্য অবশ্যই মহং, তবে তিনি স্ননে ৰুৱেন বে সমস্যা সমাধানের উপার হিসাবে ঠিক এমন কোন মহং উল্লেশ্য ভারতের পকে উপবোগা নর। আজ আমরা আনেত জালেত নিজেরাই সে সমস্যার উপার অনুসম্থান করছি এবং কিছুটো সফলতাও লক্ষনীর। দ্বিতীরত কেন্দ্র **এবং প্রদে**শের মাৰে তথাকথিত বিবাদ। অবশাই তিনি ৰ্যজিগতভাবে ইচ্ছা পোৰণ করেন ৰে, ভার বাছিগত দল ভারতে এবং বে কোন প্রদেশে সংখ্যাগরিষ্ঠতা লাভ কর্ক। মনে হর কথাটি উল্লেখ করে গত সাধারণ নির্বাচনের मृत्य ७ त जाशान मकत वन्ध कतात शित-প্রেক্টিত বে খবর বার হরেছিল, ভাকেট সমর্থন করলেন। জানালেন বে প্রদেশে বে-বলই সংখ্যাগরিষ্ঠতা লাভ কর্ক না কেন, নির্বাচনের পর কেন্দ্র সর্বদাই সকলের প্রতি সমান দৃষ্টি প্রসারণ করে থাকে। ভবে नक्न श्राप्तरमञ्जू दिल्ला कार्ट आहियात মূলগত কারণ অর্থ। কেন্দ্রেরও অবস্থা জনুৰারী উত্তর দিতে হচ্ছে। অতএব এই আভ্যান্ডরীপ কিসংবাদের মাঝে কাইরের কোন সম্পর্ক নেই। কারণ মন্ত পার্থকা থাকলেও কেন্দ্রের প্রতি সকলেই পোষণ করেন সমান মনোভাব। অতএব এই দুটি বিবরে জোন প্রশা না ভূলালেই তিনি **খ**্শী

এলিয়াতে বিদেশী পরির উপন্থিতি প্রস্থানে বেশ পর্যান্তর বললেন বে, এশির-वाजीतम्ब निरम्यानसङ्गे निरम्याक समान समान আছে। কোৰাও কোন বিদেশী গৰি চলো গেলে শ্নাভা আসবে এমন ধারণা ঠিক নৱ। বেছন ভারত থেকে এক্সিন ত্রিটিশ **চলে পেছে। সাক্রিকভা**বে কিছু, অস্বিধার স্থি হলেও, ভবিষাতে সেই তথ্যক্ষিত প্ৰোভা প্ৰেপ কৰতে এতট্টক অস্ত্রিকা হরনি। কথাটি আরার কেন ভাল লাগল। **ভাৰতান সভাই ভো. কালোর** যদি তেমন শ্নাতার প্রতি সভাই আস্ডরিক সহান,কৃতি থাকে, ভাৰলে আন্তৰ্গতিক প্রতিস্বাহিনী আভারেন না করে সহঁতো-**कारव रत्र राज निरम्पे बारक तका क्या देवडी** করতে পারে সেই বাকবা পাঞা করতে লোৰ কি? কিন্তু মাতন্দ্ৰয়ী ভাততে কেউ রাজী নর। অনেক ভাতার কেন্দ্র রোগ নিৰ্ণায়ের পরেও জোগ জিইয়ে রেখে পরসা নেবার বাবস্থা সাথে; আস্তর্জাতিক দুৰ্বলভাতেও ভাল ব্যতিভ্ৰম দেখা বাহে ন। করেকদিন ভাগে প্রথম ভাগানের প্রধানমন্ত্রী লপন্টই বলেছেন বে. আজকের প্ৰিবীতে নিজের দিজেকে রকার ক্ষতা অজনি না করতে পারতো কেউই সন্মান कर्राय मा जात क्या जान्तर मा। जाउ अव মনে হয় জাপালও এ বিষয়ে ভারতকে গ্র করেছে। সেই **হছেতে**টি মধ্যবন্তসী এক লেণী জাপানীদের মুখ খেকে শানেছি ৰে, ভাই বাঁদ হয় ভাহলে সেদিনের জেনারেল ভোজোর চিক্তাধারকে কি ব্যব বেশী দোষারোপ কল্প। শহে। শহের সেদিনের र्शाधनीय मर्गामा चाल जन्मरतम् ज्ञानकाठि সালনে রেখেই ভিনি ভীর সভবাদ আর চিম্ভাধারা এগিয়ে নিয়ে বেডে চেন্টা করে-ছিলেন। অভএৰ দেখা বাজে, सদর এবং অঠর উভরের পদ্মিপ্শিভাই মনুবা সমাজের কামা: এতে দেশ-কাল ভেদাতেদ নেই।

তিন্দ্রতের উপর লালচীনের অধিকর প্রসপ্তে, বিশেষ কিন্তু বলকে না চেরে বনে হর ভালই করতান। পৃথ্যু বলজেন বে পরিন্দিতি বড়ই জটিল।

ইনলাং কাসিসিনের ভারত প্রমণ উপলক্ষে
একটা কর্ রক্ষ হাওরা বইছে বে ভারত
মহাসাগরে রাশিরার নোবহর হরত বাঁটি
গাড়বার মকলব অটিছে। এরল প্রশোর
উক্তরে জীবতী গালবী জানালেন বে, তেরন
কোন কবা তিনি জানেন না বা শোনেনওনি।
রাশিরার প্রধানকভারি সপেন ভার শোর
সাকাংকারে বিশোরত অবনিতিক রান
উনারনের প্রধান বিশোরত অবনিতিক রান
উনারনের প্রধান বিশোর অলোকান বে
লালচীন প্রসপেন উক্তরে জানালেন বে
লালচীন সপ্রকে ক্যান বিশোর মভারত বার্ভ

कता वा भावन कता वक्ष्टे मृत्र्ः छटन

ভারত জালাপ-ভালোচনার বাবাবে জোন বিভেনের করসভার জনা সদাসবাদাই ভার বারার উপতে করে বেকেছে।

शांकिकात अवर जाग्यीत्वर क्यार আলেন আন্মাতের ইভিয়ন বলতে গেলে অনেক সমন্ত লেগে বাবে। তবে পাৰিস্তানের সপো আমাদের গোলবোগ কেণীর ভাগট विधारवय বাৰনী কিছে। ভ,টনীভিগত ৰাটাৰে আৰুও একে অপাৰের বাবা-মা, ভাই-বোন ৰুপ্ত-ৰূপৰ হুই হেগ্ৰেষ্ট কৰ্তমান। লাধা তাই মর, ভারতের অনেক কটেনীতি-বিদ, সরকারী কম্চারী, সামরিক বাহিনীর লোকজনের আৰীর শক্তন পরিচিত-পরিজন একট প্ৰবাদৰ গাৱাৰপাৰ্থ পৰে পাকিস্চাদে অবস্থান করছেন। অভএব সরকারীভাবে. জনাকে কন্তাে বাজনীতিগতভাবে হয়ত অনেক বিভেদ আছে কিন্ত ভাৰ বাইরে সৰ্বদাই একটা বিশেষ ভাবের ফল্মেবারা আমাদের দুই দেশের মাবে সদা বিরুদ্ধমান। তিনি বিশ্বাস করেন বে সময়কালীন ইভিহাসে অবলাই একটা সন্দের স্বাভাবিক সম্পর্ক দটে দেশের মারে গড়ে উঠবে।

আন্তর্জাতিক ঘটনাপ্রবাহকে ভারত অবশাই কোন বিশেব একগাঁরে সন্দেজাব নিরে কিচার করবে না। প্রত্যেকটা বিবরকে ভিম ভিমভাবে সমর এবং অবন্ধার পবি-প্রেক্তিতে বিচার করে ভবেই সে বিবরে সঠিক কোন মন্ড পোকা করবে।

ভাপানের সাংবাদিক মহাজের একজন ভারত ও জাপানের মাবে চাক্টা বিষয়ক প্রণন ভললেন। "আজ্ঞা জাপান ভাগের দেশীর পোলাক পরিজ্ঞ্ন ছেড়ে বিদেশী পোলাকের দিকে বাকেছে, কিন্তু বিদেশী ইংরাজী ভাষাটাকে রুভ করতে পারছে না। অপর্যাদকে ভারত ভাদের শাড়ি কোন মতেই বজন বরছে না কিন্ত এমন ইংরাজী বলছে, কোন কোন সময় ইংরেজদেরকেও ছাড়িরে বাজে। এ বিবরে শ্রীমতী গাণ্ধীর মতামত শ্নতে পারলে খুশী হবেন।" শ্ৰীমতী গাৰ্শ্বী বেল হাসিম্বেই উঠে मीकारमन । यमरमन रव. किमरनात मुनिया অস্ত্ৰিধা বিষয়ে ৰদিও তিনি বছ বেদী ওরাকিকহাল নন, ভবে শাড়ি পরে দৌছন, পাহাডে চড়া, যোড়ার চড়া এফন কি সাঁতার দেওরাও চলে। আর ইংরাজী এখন বলা চলে আন্তর্জাতিক ভাষা। এ বিষয়ে আম্ব-কেন্দ্রিক সমব্ভিতে ইংরাজীকে সরিরে রাখার পক্ষপাতী তিনি মন। ব্যৈতীরত আমাদের দেশে সালা ভাষা আছে। সাহিত্য ইতিহাস এবং গৱেছের দিক খেকে সকলেরট নিজন্ম আভিজাতা আছে। কোনটা বেশী काल का कामको कम काल अवन किछा कहा क मदम क्या स्मार्टिट केविक अस्त। करन कान मारक रव कार्याहि कान्नरकत्र जब स्थरक रवणी মান্য ব্যবহার করে সেইটিকেই চলডি

हिमाद्य क्या स्टाइड । शका कालाव হিলির জ্বা ভিত্তি একবারও উল্লেখ করালন না। উপরুক্ত সকলেবে বলুচেন বে জামানের ১৪টি ভারতে জাতীর ভারা কর ভরি। সৰ দিক চথকে বিচার করলে উন্তরে বেশ বান্ধি দীপ্তের পরিচর ছিল। ভবে বিরেশী সাংবাদিক মহলের অনেকেরই বিশেষ মনঃপ্তে হল না মনে হল। ভার ভারণ কিছা উত্তরের শেষে বেশ গলেরণ থানি শোলা কাজিল। আমার ভাল পালে কলে क्टिन वानियाद **होत**्य अब जारवानिक। বাঁ পালে এক পক্তকেল আমেরিকান সাংকাদিক, বিনি জীবনে একাধিকবার বিভিন্ন দেশে নেহররে সাংবাদিক সম্ভেলন শোনকর সৌভাগা অর্জন করেছিলেন। প্রায় প্ৰত্যেক উত্তরের শেষেই তিনি একবার করে পরেনো নেহরুর উত্তর-প্রতান্তরের উচ্চেখ কর্মছলেন। একজন সাংবাদিক বিনি আমেরিকার এক ফিলেব পত্রিকার ছরে বেশ করেক বছর ভারতে ভাটিরেভেন ভিনি बनातन. "चामि चरना Cool क्यांहि रावरात करव ना. कारन रमहे। यक कर्रात শোনাবে, তবে আমাকে খুব একটা impress করেনি।" বাইরে বার হরে আসতেই করেকজন লক্ষ্যভিত্তিত ভারতীরের সংগ্র দেখা হল। ভারা খুবই উংক্রে। ক্রেখা-চোৰি হতেই একজন ৰুজনে বাব কালো দাড়ার "দেখেছেন কেমন দিল একখানা...।" जात अक्षम कारणन "रबन Badminton-এव shuttle-Cock-अन्न मञ्ज केलन क्रुंट्र सर्वाष्ट्रजन..." really extraordinary ..." পরিচিত এক ভারতীয় অধ্যাপকের সংশ্য চোথাচোথি ছল:) জান্তার পরিচিত জাগানে যদি সভাই জাগান সন্দেশে তেওঁ বিশেষক্ষ থেকে থাকেন, আমার মতে তিনি। এখানেই করেকটা কলেজে করেকটি জটিল বিষয়ে তিনি অধ্যাপনা করেন। ভার চোখের হাসিতে একটা গৰ্ম ছিল। সেটা না বলে পার্রাছ না। কিছকেল আগে তিনি ভারতে বান এবং স্বাভাবিকভাবেই চাকরীর জনা नक्ष्ये हम। यद्याम बामारन त्यक्त्रहम। বেট্রকু লিভেডেন সেট্রকু যদি দেলের শিকাতে ভারোপ করা বার। ভদুপরি এখন বখন ভারত-ভাগানের স্থাতা দুচ করবার কথা সকলের সংখে শোনা বাছে। বিশেষক হিসাবে ভার চাহিদ্য অনস্থীকার'। কিত জাগানে তিনি আবাৰ কিবে **अस्तरहरू। स्तरण कि श्रहरूह जा**नि मा। তবে ভার মৌখিক ভাষ্যে কিছু শানে-ছিলাব। বলেছিলেন, প্ৰথমত বেসৰ শিক্ষা-প্রতিষ্ঠালে ভিনি গিরেছিলেন, ভাবের वर्गायात्रस्थ मध्य करवन क्रीका विरूप्तम् সচেতৰ বা আলী। অভাবে চেবালে ভোন ক্ল-আৰ্থি ধরিয়ে বিজে গেলে ভাবের ক্রান্তগন্ত

निगर जनगण्डाची। अस्य कामात्र जिति ভার শিক্ষা কেতে রাজী মন। আর ব্ৰিতীয় কথাটি বৰ্জেছিলেন সে ভাৰতে এই ছালিটি ভারতীর মহলের N.B.C6 क्राक्रीक्रकतः कर्मा करना ক্ষানেন, বেশে গিয়ে দেখলায় দেশকে मक्के सामवास स्थापन सरकाराज मक्के कानवारम अवनन चारकतः। वाँदा भवन्भरवव नवर्षे करे छान रमस्यन, छान छार्यन छान-वारमन । काता सारान-धनी प्रथमाह अवः মোটা মাইনার উচ্চপদৃশ্ব সরকারী কর্মচারী বন্দ। এ'দের দেশপ্রেমে সভাট কোন ভেজাল নেই। কিন্তু রাল্ডা থেকে বে कान अक्वन माधावगढ़ छात छान्। रम्पर्यन रम गाँधा अक कालार कालाह। হতাশা আৰু শন্যেতা ছাড়া কিছুই পাবেন না।" অভএব সেইক্ষণের হাসিতিতে ছিল "নিন মুলাই মিলিরে নিন-বলেভিলাছ না।"

कार भागां होत-एक सहर्वापकरक দেশলায় সর্বদার এক আশ্ভর ভালবাসা নেহর আর ভার কন্যার প্রতি বহন করছেন, ভারতের প্রধানমন্ত্রী সেখানে গোল। আমার ছেতে তাঁর পাড়িতে বসালেন। আমার বাডি পেশছে দিভে দিভে অনেভ কথা বললেন। रवाम्बाहेरक क्रिस्टान करतक वहदा। भाव वस **এको क्या गा**नारमन—"कानन, संदरताम নেহর আমাদের দেশে ভারতের কথছেকে ৰহন করে নিয়ে গিরেছিলেন আর আমনের সম্বভাৱে ভার হাতে তলে দিয়েছিলাম ভারতের জনগণতে উপহার দিতে।" ভাবলাম সভাই এইট,কুরই আজ অভাব। আমাদের रमण दबन, करू रहरणत वस्त्र वस्त्र अन्त, व करा দেৰে জাসতে বাজি কলাভ নাম বাব হজে. হুইচই হচ্ছে, বার উপর পরিভ্রমণের সঞ্চলতা অসকলতা নিভার করছে, কিল্ড কোখার নেই **ছ**পরের বিনিমর, তেমন মান্তেরই আৰু বছ অভাব। সেই কারণে আর্মেরিকা ভারতের কব্যুদ্ধ দাবী করে হিসাব দেখাছে রাশিরার ভিন পূপে সাহাব্য দান। রাশিয়ার আনেকে আসছে বাজে কিম্ত সে দিনের সে সত্তে আৰু খনা বাচ্ছে না। ভাৰতাম আৰু ভারত জাপানকে কডটকে দিতে পারল আরু ভারতই ক ভারু জনগণের উন্দেশ্যে কতট্টক বহন করে নিরে যেতে পারল। এ নিরে **কাউকে** ভাবতে দেখলাম না, কারেরই काशा काशा तन्हें।

বিকাশ বিশ্বাস





जाननात्र घूचचानि कृत्वत्र नानिष्ठित्र प्राठा भिन्न ७ प्रकृत करत्र कृत्वत्र निष्ठ्री छ्यानिमिश कीप्त



গণ্য ভানিশিং ক্রীয়ে আছে বিশেষ একটি উপায়ার

হিউন্নেকটানে —এতে ছকের আর্তাৰ অটুট বাকে। পথ্য
ভানিশিং ক্রীয় ভাই আগবার মুখ্রী করবীর, মৃত্য ও ভাজা রাবে;
আর মুলোবালি ও কক আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচার।
ভূবার-গুল্ল ও হালকা পথ্য ভানিশিং ক্রীয় এমনিতেই মুখে একটি
মাজিতল্পী এনে দের; আবার পাউভার বেন্ হিনেতে এর ওপর
বেক-আগ ব্রানেও ঘটার পর ঘটা নিযুঁত থাকে।

চীজ্বো-পথ্স ইনকপোরেটেড (গীবিভ বাবে বাভিন বুভবাটে সংগঠিত)

পণ্ডস ভ্যানিশিং ক্রীম—বিশু ত গাইছার বেস



সভেবে:

ক্ষে নাবেজ-রেজিনার দেখিরে দেব—
বাধর্ম ঐদিকে। ললিত দৌড়ে
বার। বেসিনের ওপর উপড়ে হয়ে পড়ে।
বেসিনের ওপর দেরালে আরনা। বাম
করার পর মুখ ছলে ললিত দেখে তার কলে
ভেলা মুখখানা ফাকালে। মোটাসোটা
লক্ষ্মীকাল্ডর পালে তাকে এতট্তুক দেখাছে। কালো বিশাল হাতখানা দিরে
তার কপাল ধরে রেখেছে লক্ষ্মীকাল্ড, বাতে
দুর্বল মুখা টলে না পড়ে বার। ফ্সা
কপালের ওপর কালো অঞ্চল।

এখন একজন আধ্যার লোককে কাঁধে বরে নিরে বাছে লালত। এ শরীর আর তার দর। তার বে শরীর ছিল এটা কখনো আলাসভাবে টের পায়নি লালিত। এখন সে তার ছাক্কা, ছিপছিপে শরীরটাকে সমস্ত অসকর দিরে অনভেব করে।

লক্ষ্মীকান্ত মান্তামমতার চোধে তার দিকে ভাকার। ভেজা হাতে কানের পিঠে আর যাড় ভিজিরে দের—এইবার একট্ ডাল লাগতে না দাদা—আ!?

—ভাল। বেল ভাল।

লক্ষ্মীকাল্ডর হাত ছাড়িরে একা হটির চেকা করে ললিড। প্রথিবী টলে বার। বাধর্মের পরজার সজার দ্বাড়িরে ছিল। ললিড মুকোম্বি হতেই সঞ্চর হাত কড়িরে বলল—আর। এখন কেমন লাগতে?

এক হাত খেকে আরু এক হাতে চলে
দেল শরীর। সঞ্জর বললের ওলার কবি
দিরে কড়িরে ধরল তাকে। ললিত হঠাং
লক্ষ করে বে, সঞ্জরের চেরে সে লন্মা।
অভ্যত ইণ্ডিখানেক। কিন্তু এখন আর
ভাতে কিন্তু বার আসে না। বরং এক ইণ্ডি
লন্মা হরেও ভার লক্ষা করিছিল। একজন
মলনুকের পক্ষে ব্যাকালে এর চেরে বেলী
ভার কী লক্ষার বাক্তে পারে বে, সে আর
একজনের কাঁথে ভর দিরে হটিছে?

সঞ্জর চাপা গলার বলে—ব্যাপারটা কীরকার ব্যহিস? মেরেটা কি কেটেই পড়ল! প্রেশ্টিজ-ক্রেশ্টিজ আর...কী ব্যাপার কা ডো!

ষরে ঢ্কাডই ব্জেঃ মারেল-রেজিলীর হাত বাড়িরে এগিরে আনে—আপনার কী হরেছে বলুন তো! আমি ভারার।

দালত গুর্বল হাতথানা বাড়িরে ধরে। লোকটা লাজ্ব ফিনমিনে গলার বলে---আমি অবশা চেনধের ভাকার, কিন্দু জেনারেল রোগ-টোগ ব্রুতে পারি।

চোশ ব্জে, খাড় হেলিরে মন দিরে অনেকজন নাড়ী দেখে জিজেন করল— কোনো জন্মবিদ্ধ আছে? জন্বল-টন্বল?

—গ্যাসন্থিক কার্মসনোজ।

--

—ক্যান্সার।

একটা শ্বাস কেলার শব্দ হর। আভি সম্মানের সপে বারে বারে ভার হাতথানা নামিরে দের লোকটাঃ

হতাশ লাগে ললিভের।

—मानवादन शाकरका।

লালভ সোকার গা হেছে একটা হাসে। মারেজ-রেজিন্টার লক্ষ্মীকান্ডর দিকে কিরে বলে—কী, জেনার পার্টি কই? ত্তিৰ আমি। সৰ্বাক্ত ক্ৰুল্ডান্ড ক্লুবেলিৰে ব্যৱস্থা

আদিতা সোকর শিছনে রাধা রেখে
দু হাতে মুখ চেকে আছে। কপাল চকচক করছে বামে। মাধার চুল একট্ আগে পাট করা ছিল, এখন আন্তর এলোমেলো। সম্ভর সিগারেট ধরার। পালর পালা বালকনিতে গিরে দাঁটার।

অনেককণ পর লক্ষ্যীকাল্ড কিরে আলে —নাঃ, ধারে-কাছে নেই।

ব্যক্তা লোকটা গশ্ভীর হয়ে বড়ি সেখে —এক ঘণ্টা হয়ে গোল।

জালত দেখছিল—সব্জ দেরালে না চটি গৈছে। একটা ভেলা নোনা ধরার গণ্ধ। মাধার ওপর দুই রেডের একটা পাথা চলছে, পরোনো আমলের পাথা, কিচিক্চ শল হর। জানালা দরজার সব্জ পর্দাপ্লো মরলা বিবর্ণ হরে গেছে। প্রোনো আমলের ভেলে, কুমিরের গারের মতো খনখনে সোকার ঢাকনার, চট বেরিরে আসা মেবের লিনোলিরামে—সব জারগাতেই ধ্লো জনে আছে বলে কনে হয়। কিংবা ঘরটা অশকার বলে ওরকম ধ্লোটা দেধার।

धरे यदा विदा रहा। वर धरमञ्ह वान टेनार्टिन भएड याद्र ना. भीव ना. छेन. ना. কিংবা সেই রোমাঞ্চর চেখে শ্ভদুণ্টি। তব্বিয়ে হয়। হয়ে বায়। এই হলোটো कानगान । सारवा অপকার লোখ্নিভে। চোরের মতন। রেজিপিট ভাল'—চিন্নকাল এই কথা বলে এসেছে শশিত। তথ্য এখন ভার ঘন সায় দেয় না। अक्टें **चार**ण मान्यकी वरन किन अहे घरता। কেদেহিল। হার, ভার কড়ি খেলা হল ना, चात्र अकवन कृष्टिश हारव वरन हा माम्द्रां उभद्र वर्षे छेभ्द्र क्रद्र क्रिंक्त भि**म ना अम, छाटक मन्ध्र**मन कड़ल ना टकड़े, সে নিজে হে'টে এল। এই খরে বড় বেমানাম লগেছিল শাশ্বতীকে: বশোরে কুপোতাকতীরে **ওর দেশ। কল**কাতার অব্যেছিল শাশ্বতী? হবেও বাঃ তব বাংলার গভীর হুদরে ল্কোনো ছিল ওর মারাবী গ্রাহ্ম—মধ্যেদনের বাড়ি থেকে **খ্**ব দ্বে নর। বশোরের কপোতা**ক**তীরে ্রাসে কেন আসবে এখানে—রুগী দেখা বরে লক্ষাহীনা সে কেন বলবে, 'আমরা বিরে করতে এসেছি। বিরে দাও!' বাংলা रमाण एक करव पानरह कहे कथा? पैराज कत्रमाम।' अहे सभा वरम रतम्छत्रीत (भारत বিছানার চলে বার বর-বউ? কোন্জন न्यीन ना शांत्रिय धरे कथा? अवारन श्र ना विरत-किट्राफ्टे इंद्र ना। भागान শাশকড়ী, আমি একদিন স্কের বিয়ে দেবোঁ एकामाना। धे कि माकः? शास्त्रः, करनकः-

ফেরত বইখাতা, পদ্ধনে স্ভৌর শাড়ি, পারে চম্পল? তুমি কপালে সিম্পিমৌর, হাতে গাছকোটো নিরে সেজে এসো। অনেক দ্র থেকে নোকোন্ন করে আসবে জোমার বর। কপোডাক বেরে, গভীর বাংলা দেশে মারাবী এক গ্রাম জ্বড়ে বেকে উঠবে শাঁধ, উল্থেনি। কডিখেলার শব্দ হবে।

লক্ষ্মীকান্ড আবার ঘ্রে আসে, দ্থুখের সংগ্যামাধ্য নেডে বলে—নাঃ।

দেয়ালের গোল ঘড়িটার পাঁচটা বেজে পাঁচ মিনিট।

ম্যারেজ-রেজিস্টারের চশমা বিকমিকিরে ওঠে—সে কী? সব জারগার দেখেছিলে? কাছাকাছি রেস্তর্মার? পার্কে?

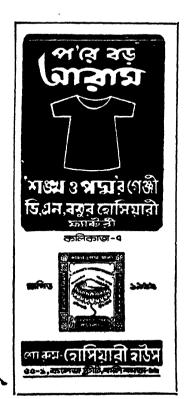
—সব। লক্ষ্মীকাণ্ড ছাঁফার।

সঞ্চর আদিতার কাধে হাত রেখে বলে— জেগে থাক।

আদিত্য মুখের ওপর থেকে মুখ্যাকা হাত সরিরে নিরে ফ্যালফ্যাল করে একট্র চেরে রইল সঞ্জরের দিকে। তারপর চার-দিকে তাকিরে কাকে খ'্লল। আবার সঞ্জরের দিকে চেরে জিল্ডেস করল—কেন?

ওর বোকা মুখখানার দিকে চেরে লোভ সামলাতে পারল না সঞ্চয়, বলল— অ্যোন্জিলি? অ্যোস না। অ্যোকে সে এসে বদি ফিরে বার? জেগে থাক রে, আদা বার।

খানিককণ সঞ্জয়ের ম্থের দিকে চেরে



বেকে হঠাৎ ঠাটুটো ধরতে পারল আদিতা।
মৃহতে লাল-ভীষণ লাল হরে বার
আদিতার মুখ। চাপা গলার সে বলল-এ
দালা-এ দালার সব দোব-আমার প্রেস্টিজ
-আ-তাল্যার সেপিজ-

দলিত অবাক চোখে দেখছিল, আদিতার এলোমেলো চুল হাওরার উড়ছে, রোগা কর্সা দরীরে জনার রঙের মতো একটা আতা। তার দিকে চেরে কী বেন খলছে আদিকা! তারপরই লাফিরে এগিরে এল।

আদিতাকে এগিরে আসতে দেখেও
কিছ্ই ভাল করে ব্রুতে পারছিল না
ললিত। সে হরতো তথন খ্রু ভুছু কোনো
কিছ্ ভাবছিল—হরতো মুঝোশপরা একজন
ডান্তারের মুখ—কিংবা একটা টিকটিকি—
লুডোর দানে হজা—একটা নৌকোর
মান্ত্ল—কিংবা ওরকমই অপ্রাস্থাক কিছ্।
তাই সে নিজের গালে আদিতার লাবা
আঙ্গুলের চড় মারাম্য চটাস শব্দটা খ্নতেই
পেল না। নরম সোফার ওপর তার দুর্বল
শ্বীরটা একবার দুবল উঠেই গড়িরে

সঙ্গর দৌড়ে এসে আদিতাকে ঝাকুনি দিরে বলে—কী হচ্ছে? আদিতঃ খুরে দাঁড়ার। ভারপর আচমকা হাঁট্ ডেঙে ব্রেকর কাছে পা তুলে সঞ্জরের ভলপেটে একটা লাখি মারল সে। সঞ্জর আঃক্' দব্দ করে দ্ ভাল হয়ে মাটিতে পড়ে গেল।

আবার খ্রে ম্হ্তের মধ্যে জালিতের ব্বেকর ওপর উঠে হটি দিরে তাকে চেপে ধরে আদিতা। গলার তার সর্ আঙ্ল-গ্রেষ। চাপা গলার আদিতা বলে—তোর জনা—তোর জনাই বত গণ্ডগোল—শালা, জালার বাপ আমাকে তাড়িরে দিরেছে—আর সতা—সতা—সর শালা, সরে বা—

কলিত টের পার প্থিবীর মাধ্যকর্ষণ হৈছে তার শরীর শ্নো গড়িয়ে পড়ছে। কিন্তু আরো কিছু দিন তার এই প্থিবীর সংগে কেগে থাকা বড় দরকার। তাই সে প্রাণপণে হাত বাড়িয়ে একটা কিছু—এই প্থিবীর কোনো বাস কতা-পাতা চেপে ধরার চেন্টা করছিল।

আদিতার কাঁধের ওপর দিরে গোল দেরাল যড়িটা এক পলকে দেখা গোল। গাঁচটা দশ মিনিট...সে মরে বাচ্ছে...কিন্তু আর করেকটা দিন...আর মার করেকটা দিন তার বে'চে থাকতে ইচ্ছে করে...কারা বেন চে'চিরে উঠল—সারে সাার...কে যেন বলছে ছবা, ছবা...সে গাঁচফোড়নের গণ্য পার...আর ব্রতির গণ্য...

আদিতার আন্ত্রাস,বো কাত্তিক ভার গলার কটিস হরে এটি গেল সা । দাধ হরে লেগে রইল । আন্তে আন্তে চেঃখ খনে লালত খ্র অবাক হরে দেখল— আদিতা ভার ব্বের ওপর বনে কাদ্রে । লালিতের কণালে আর গালে গাড়িয়ে পড়াহে তার চোনোর কল।

লক্ষ্মীকাশ্ব হাত ধ্যম টেনে ভূলন আনিভাবে—কী করেন কাক্য, কী করেন— এঃ হেঃ—

উদ্বোদেশর মধ্যে উঠে বাঁড়ার আবিকা।
থ্যাপা চোঝে চারনিকে চার। হাওরার
উড়াহে তর বা্কা চুকা। পারের কর্পা রঙ
ভাষার রঙের মধ্যে হরে পোছে।

—হারামীর বাক্তা—সব শালা হারামীর বাক্তা—কণতে কণতে হাতের পিঠে ক্রেন্থের জল মোহে। ভারপর কোনো দিকে বা তাকিরে বেরিয়ে করে। কেই ওকে আইকার কা।

ব্ডো মারেজ-রেজিন্টারের চণমা খেকে আলো ঠিকরে পড়ে কী হচ্ছে এপন— আঁ? কী হচেছ, লক্ষ্মীকাল্ড?

লক্ষ্মীকাল্ড ললিডকে বন্ধে কলন্ধ—খুৰ লেগেছে, নান্ধঃ

না—লনিত লখা নাছে। উঠে হসে। কল্টে একট্ হসে লনিত—জামি ঠিক আহি লক্ষ্যীকাল্ড।

শরীরে করেকবার আঁকুনি দিরে উঠবার চেন্টা করে, ভারপর আন্তে আন্তে গাঁড়ার সঞ্জর। কু'জো হরে পেটটা চেপে ধরে বাধা-কেনার 'ইঃ' শব্দ করে। ভারপর সোকার কনে একট্ হাঁকার।

আশেশাশে অনেক কুঠ,রি-অফিস রয়েছে। সেসৰ জন্মগা रथरक करहे এৰ্সেছিল কিছু লোক। ভাৱা উল্লেভিড-ভাবে শরের মধ্যে চলাফেরা করছে, জিলেস করছে, 'কী হরেছে দাদা', 'কী ব্যাপার দাদা া' তাদের **ছারার মতো দেখতে পার ললিত**। লক্ষ্মীকাল্ড ভাদের করের বাইরে ঠেলে দেওরার চেন্টার দ্ব হান্ড ছড়িয়ে বলছে िक्ट, ना. क्ष्यः ना. मानःस्व मान द কভরক্ষের হর। আপনারা হাওকার मिन।' ब्रान्टा कारना स्मातहरू ना 2924 হতাশ হরে কালো বেটে একটা 700 टिकटित विजन-पिवस्कीि काथात-जारै? कारक निरंत्र शकारम् अञ्च मृद्धः? माकि रक्ष्यम भूजात भूजाता

দলিভ চারদিভে চেরে ব্যাপারটা বোঝার চেন্টা করে। সম্ভারের মুখ লাল, কিন্তু সে দলিতের চোখে চোখ পড়ভেই ক্লিট একট্ হাসে। বাখা নেড়ে জানার বে, সে ঠিক আছে। কিছু হলনি।

क्टि रहिन। या मान्याणिक विद्यूरे ना! नव ठिक कारह।

কিছ্কণ পর ভারা সর্ কাঠের সিভিটা কের জালেভ আলেভ নেরে বাজিল। সামনে রেলিডে হাভের ভর রেখে, গেট চেপে কু'জো হরে সরুর, গিছনে সক্রী-কাভর কঠিব শ্রীরের ভার হেড়ে কলিভ। সঞ্চয়ের গাড়িতে লালভ সাক্ষমর সীটে সঞ্চয়ের পালে বসলা। পিরনে লাকরীকালত। সিগারেট বরিয়ে প্যাকেটটা লালিতের দিকে কড়িবে দের সঞ্চয়। লালভ মাখা সেড়ে বস্তা—থাক।

শ্টিরারিঙে হাড রেখে একট্ ইতস্তত করন সঞ্চর। তারপর লালতের দিকে বিরত চোখে তাকিরে একট্ হাসল। কোনো প্রদান করল না সঞ্চর, কিন্তু লালত ব্রুতে পারে এবার সে লালতের কাছ থেকে কিছ্ জানতে চাইছে। কেন এরকম হল। কী ব্যাসার।

ব্দ দ্রেদ্র করে ওঠে লালিভের। সঠিক সেও তো জামে না কী ব্যাপার। তব্ ওরা সবাই শ্নেহে ভার ব্যেকর ওপর বলে আদিতা আলোলে বলছে—তোর জনা, তোর জনাই বত পশ্চপোলা। লালিভের গলা শ্বিকরে কাঠ হরে আছে। জিজেস করলে সে কী উত্তর দেবে ওদের?

কিন্তু সজর ইচ্ছে করেই কিছু জিজেস করল না। হরতেন ললিতের অসহার হাখ-খানা দেখে তার হারা হল একটা। হরতো সে কিছু একটা আলাজ করে নিল। প্রশ্ন করল না। মাখার ওপরের হোট আরনটো হারিরে সে নিজের মাখটা একটা দেখল। জাপন মনে কলল—খালার এখানা মারা দরা আছে—ব্যক্তি। লাখিটা জোরে মারতো এতজ্ঞা আমি হাসপাত্যকে—কিংবা লাখিটা ভলপেটে না হরে তার একটা নীতে লাগেলে—সাইবি—

কথাটা শেষ করল না সে। গাঁরার দিরে গাড়ি ভেডে দিল।

থালেলসলী দিরে বিকেলের ভিড় ঠেলে বাঁরে ধাঁরে বাজে সঞ্চারের গাড়ি। মধ্বর জিনের জানালার উদ্যাসী মান্ববের বিষয় মুখ। ধুলোমরলা মাখা কলকাভার রালভার হাঁটছে ভাঁপা মান্বেরা—মুখে রুগা, বির্বাহ, হভাগা, ধুখা, কেলে চলে বাজে—সিনেমা হলের সামনে স্পিনার জন্য অপেকা করছে একটি ছেলে—ভার হাঁটার কাছে মুখ ভূলে একটা বাজা ভিথিরির ছেলে—বে লক্ষ্ক করছে না—ট্রাফিকের প্রিল হাত বাঞ্চিরে জার অল্পা চুলের মুটি ধরল—হঠার থেনে স্বল্ভে থাকে গাড়ি

সন্ধর ভার দিকে ভাকিরে বলে—শরীর কেমন?

কলিড মাথা নাড়ে—ভাল। বেশ ভাল।
—শালা বেজন্মা সেরে গেল। ধরতে
পারকে শালাকে,...

লালত ছুপ করে থাকে। ন্রেন্ত্র করে বক্ত-পাথির মডো

কিন্দু সভার কথা, ব্রিচরে নিজ। চাপা গলার বলল—অনেক দিল মার্থর থাইনি —ব্রুলি—পেটে চবি' জন্ম গেছে, লাখিটা লাগতেই দল আটকে গেল। মনে হল, মরে বাজি। আনলো বল্পস—ব্রুগিল। এই বয়সে চোট-কোট লাগলো ভাডকে বাই...

সরে বাছে ইয়াকিক-পর্নালসের হাত।
পরীরার বদলের শব্দ হয়। সঞ্জর হানে, বলে
—লাথিটা লেগে দম আইকে বেতেই মনটা
হার হার করে উঠল। কত কিছু বাকী ররে
গেল জাবনে—কতরক্ষকাতাবে বাঁচা বেত।
তখন আমি ডাড়াডাড়ি তেবে দেখছিলাম
কোন কাজটা সবচেরে জর্বী যেটা আমি
বাকী রেখে বাজি! হঠাৎ মাইরি আমার
তেতর খেকে একটা চ্যাচানি বেরিরে
আসাছল—চার হাজার টাকা—চার হাজার
টাকার চেকটা কোধার গেল।

লালিও অবাক হরে বলে—কিসের চার হাজার টাকা ?

সঞ্জর চাপা গলার বলে—তথ্য কি আমিই জানি কিসের চার হাজার টাকা! কিস্তু নাটিতে পড়ে ছট্কট্ করতে করতে আমি কেবল ঐ চার হাজার টাকার কথা ভার্বছি। তথন আমার পিকল্বে মুখ মনে পড়েনি—রিনির কথাও না—কেবল ঐ চার হাজার টাকার কথা। অথচ ব্যক্তে পারছি না কিসের টাকা। ভারপর আনেত আন্তে মনে পড়ে গেল।...কী হরেছিল জানিস?

হঠাং গলা খাব নীচু করল সঞ্জর, প্রায় কিস্ফিস্করে বলল—আমার তে চোট কেম্পানিটা আছে তার একটা ব্যক্তঃ পোমেশ্টের জন্য পরশানিন দাদার হাতে একটা চার হাজারী বেরারার চেক দিরে-ছিলাম। **জরেন্ট আ্যকাউন্টের চেক**—দাসার আর আমার সই থাকে। আরু र वजा এগারেটো নাগাদ কোন করে দাদা স্কানাল বে, পরশাদিনই চেকটা দাদার পরেটমার হতে গেছে। ব্ৰুক্পকেটে বেখেছিল টেব পাৰ্যান। আল ব্যাৎক খেলার ফটাখানেক পরে টের পেরে ছাটে গিরেছিল ব্যাকে, কিল্ড চেকটা ক্যাশ হরে গেছে। এক বণ্টার মধ্যেই। শুৰে সংখ্যা সংখ্যা ব্যাতেক কোন করলাম। একে-ট আমার চেনা লোক, ভক্নীন ক্যাল থেকে লোক ডেকে পাঠাল। আমি ডাকে চেক-এর মন্বর দি**য়ে বললাম বে. বে লোক**টা আঞ চেকটা ক্যাল করেছে ভার চেহারটো মনে चाटक किया। लाक्की अन्ये किन् रक्षाक পারল না, কিন্দ্র আবছাভাবে হা বলল ভাঙে চেহারাটা একজনের সংশ্বা মিলে বার। বাঁদ সেই লোকটাই চেক ক্যাল করে থাকে ভবে এটা নিশ্চিত বে, ক্রেকটা দাদার পকেটমার হয়নি—ব্ৰালা ভা ছাড়া দালা আবার স্ব জিনিসই ভার মানিবালে রাখে—এমন কৈ দেশলাইটা পৰ্যত-ভবে চেকটা ব্যক্তপকেটে রাখতে দেল কেন?.ভাই সারা দিন আখি मदम बदम दिक्की द्वीन कहाड़ दिन्दी। कह-ছিলাস—কোষা থেকে কীভাবে কার মার্থণ সিরেছিল চেকটা—কীভাবে ধরা बादव

ৰাপারটা। আরু যখন হঠাৎ আদিভার লাৰে থেয়ে মূবে ব্যক্তি তখন আমাৰ সমুদ্ধ মূল-প্রাণ ঐ চেকটার জন্য কোনে উঠল। বিশ্ব বিশ্বাস কর টাকাটার জন্য নয়-প্রাপ্তার মাসের রোজগার ওর চেয়েও বেশী। কিন্তু ভখন মনে হাচ্চল, পাথবীতে চাধ চারটো হাজার টাকা আমার ঠকা ববে গেল—ভিজ হল না। আমার হাতের নাগালের বাইরে ব্যুর পোল একটা অংক--যাব উত্তরটা অনীয় মনে মনে মিলিয়ে ফেলেছি--অথচ প্রীক্ষাৰ, শেৰ ঘণ্টা পড়ে গেড়া—খাড়া টেনে নিজে প্রার্ড । চেটিরে বলাছ—আর একট সমস্থ पाल-पात अक्ट्रे-कर हात हा**ला**व हाकाब চেকটা ট্ৰেস করেই আমি চলে বাবো—আৰ কৈছ না-। মাইরি এখন হাসি পাকে-শালা, আঁত্য মহেত এসে গেল-প্ৰিবী ছেতে চলে হাচ্চি-তথ্য বোনো ভালবাসার मान्यवत कथा मान शक्त ना? के एक्कीन মধ্যে এমন কী রুস ছিল বে, পিকলুর কথা —রিনির কথা মনে পডল না?

পার্ক স্থাটিটে গাড়ি ব্রিরে বামিছে কেলাছল সম্ভর, বলল—মামবি? একট্র সোল্যেটে করে বাই চল।

-किरमद दर्भानखर ?

—আদিতেরে লাখিটার।

ললিত জান হেনে মাধা নাড়ে নাং আমার ওসব বারণ।

—ঠিক তো! ভূলে গিয়েছিলাম। বজে জিভে আফসোষের চুক্ চুক্ দক্ষ করে সঞ্চয়। গাড়ি ছেড়ে বলে—তা হলে চল ভোকে গোছি দিয়ে আসি। আজ্ঞ একটা লোভ করতেই হলে। বডি গড়ে বাজে মাইরি।

বাসার এসে দলিত শ্নল ভূলসী এসে ফিরে গেছে।

-তকে ধরে রাখ্যে না কেন মা -

—অনেকক্ষণ বসে ছিল তো। সিনেমার টিকিট কাটা ছিল বলে চলে গেল। খুব খুশী ছিল আঞ্জ, বলল কোখাকার কুটবল খেলায় ও গোল দিরেছে।

-- शाम ! किरमद शाम ?

-की स्त्रीतः।

ভলপেটটা কুলে তিবি হরে আছে। ভারী। কেন না মাসের কচ্চা করেছে পেটে। দাঁতে গাঁত টিপে হাসল সঞ্চয়।

লক্ষ্মীকাশ্ডকে ছেড়ে দিল রাসবিহারীর মোড়ে। লক্ষ্মীকাশ্ড নেমে বাওরার সমরে সঙ্গর নীচু গলার জিজ্ঞেস করে—খবর ঠিক ভো?

-ঠিক-লক্ষ্যকৈতে মাখা নাছে।

ঠিক। করে ঠিক। তিন কাঠা জাম,
চার হাজার করে কাঠার কেনা। সর্লা সেনের নামে। উত্তরপাড়ার। থবর ঠিক।
গাড়ির শিটরারিং ধরা এক হাতে, জন্য
হাতে আবার হোটো আরনটো ঘ্রিক্রেম্ম্
দেখে সঞ্জর, বলে—কী মিস্টার সেন, খ্র CONTRACTOR OF THE STATE OF THE

এই লেই হলে হেল কো? বুংজ ব্যালয় কোট হে, সাহতে সমার লাক্ষেব। চাই বি ভোগেটি কাম-ড পর্যান্ত গালে। সংবে নেই হে ভূমি, বডই গাড়ি বাড়ি বউ হেলে আগলাও, কোথা থেকে বে সংসারের লাখিটা ভাসবে টেবট পাবে না।

ৰাভ চেপে হাসে সঞ্জর। গাড়ি চালার। পাক স্মীটের দিকে।

ব্যান্ডের লোকটার সংগ্য সাডটার আপরণ্টনেণ্ট। মোকান্ডেবার সামনে।

সঞ্জয় এসে দেখে লোকটা দাঁড়িরে আছে।
লোকটা বে'টে ভালমান্দের মতো চেহারা।
পারনে শাট প্যাণ্ট, লন্দা চুলের মধ্যে
লাকটা একটা টিকি আছে। সঞ্জয় জানে।
অবাপ্তালী, কিন্তু অনপ্রকাশ বাংলা বলতে
পারে। এই সাহেবী জারগার এতকণ দাঁড়িরে
লোকটা অন্বশিত বোধ করছিল, সঞ্জরকে
দেখে শ্বশিতর হাসি হেসে এগিরে এল—
মিস্টার সেন

সঞ্চর ভাকে নিরে রেস্ট্রেণ্টে বসল। ছট ডগ আর হুইস্কি বলে দিল। চুপ করে চেরে রইল লোকটার দিকে। লোকটা চোরা চোথে চারদিকে চেরে স্বন্দের মতো আলো আর স্বন্দের মান্যজন দেখছে।

মাদ্ হাসে সঞ্জয়। লোকটা কটা ছ্রির বাবহার জানে না। সেটা চাপা দেওয়ার জন্য খ্র সন্তপণে ছ্রি চালাছে—বেন শব্দ না হয়—কিন্তু শক্ত র্টির ট্করো কাটতে পারছে না—পিছলে বাছে ছ্রি।



द्याविद्या कार्यलातना, अन-भित्रा, अन्य ७, याणीमना, कम्मकदर

ও আনুবাঁপাক বাবতীর লক্ষণাদি ছারী প্রতিকারের জন্য আধুনিক বিজ্ঞানানুমোদিত চিকিৎসার জন্ম প্রত্যাক কর্ন। পত্তে অথবা সাক্ষাতে বাবছা লউন। নিরাশ রোগীর প্রক্ষাত্ত নিত'রবোগ্য চিকিৎসাকেন্দ্র

ভূদদ রিসার্চ হোম ১৫, শিবতলা লেন, শিবপরে, হাওয়া কোন ঃ ৬৭–২৭৫৫ সজর হ'ব বিরিক্তে নের। বা তুমি জানো
না, তা তুমি জানো না—তাতে কী এনে
বার—পৃথিবীতে সরলভাবে বে'চে থাকো।
বাওরা হরে গোলে লোকটাকে পালে
বাসরে আবার গাড়ি হাড়ে সজর। নীচু
গলার কলে—আপান গাড়িতেই কসে
থাকবেন। আমি লোকটাকে গাড়ির কাছে
নিরে আসবো। ওখানে রাস্ডার ক্র আলো
নেই চিনতে পারবেন তো?

লোকটা ইভস্তত করে, ভারণর এক শেল ছুইস্কির নেশার একট্ হাসে—চেন্টা করব। কালীঘটের সদানন্দ রোডের একটা বাড়ির সামনে এসে গাড়ি দাড় করার সঞ্জয়। এইখানেই থাকে ভার দাদা অজরের শালা

চারদিকে জ্যোভিবীর বই ছ্ডানো, বিছানার ওপর বর্সোছল লোকটা। রোগা, খ্র লন্দা নর। পাকানো চেহারা। কপালে রক্তদদনের ফোটা। সঞ্জরকৈ দেখে বলে উঠবা —আরে!

হাসল সঞ্জর—আপনি ছক দেখে বলে-ছিলেন ডিসেম্বরের আগে আমার গাড়ি হবে না। অগানেটই হরে গেল।

- -गार्तिष्ट। काम असत वर्गीष्टम।
- गाष्ठि अत्निष्ठ। एष्यत्न ना ?
- —ব'সো, ব'সো—
- মাথা নাড়ে সঞ্জর। না।

—গাড়ি নিরে বাহিলাম। ভাবলাম দেখিরে বাই। বসব না।

কিছ্কণ পর বাংশ্বের লোকটাকে গড়িরাহাটার ছেড়ে দিল সঞ্জর। বংশাদা ভবনের দিকে চলে গেল লোকটা। গাড়ি ছারিরে নিরে অস্থকারে একটা সিগারেট ধরার সঞ্জর। লোকটা চিনতে পেরেছে। এই সেই লোক। সঞ্জর মৃদ্ হাসে আপনমনে। রোলই ভূল হরে বার। এখনো কেনা হরনি রিনির রোজি জিল আর পিকলুর বিলিতী ফিডার। আজ কিনে নিল সঞ্জর গড়িরাহাটার প্রকাশ্ব দোকান খেকে।

আশ্চবের বিষয় এই বে, তার ভালবাসার লোকজন বাধ হয় খুৰ কমই আছে প্থিবীতে। বখন সে ভাবছিল এই তার শেষ মৃহতি—মরে বাছে সে—তখন তার রিনি কিংবা শিকস্র ক্যা মনে পড়তে পারত—কিংবা অনীতা—ভার অব্ধ বোনটির কথা—হাততে হাততে কাছে এসে চুপ করে পাল বেবে বসে থাকে—কিংবা মা—কিংবা বে-কেউ—কিন্তু মনে পড়েলি। কেবল একটা চার হাজারী চেক-এর কথা মনে পড়েছিল। আশ্চব'! তবে প্থিবীতে তার স্বতেরে তার বস্তু কী? আ? কী?…একট্ব লিউরে উঠে মৃদ্র হাসে সক্ষয়। ঠিক আছে। তবে তাই হোক। আমেন।

বাসার কিরে সেখল বাইটের জন্ম কর্মার হলে ভার দাবা করের করে করেই লোকনের টোবলে বালি ভারের কান, আরু কান্য-চাপার ভারার কর্মনা করে।

-की गागामः

অপরাধী হবে বাদা কলে আই করে। দে। পেলেন্টা আইকে আহে।

এই লোকটা—কাল — তার বাবা আৰু কালরে
ব্যাদেশন বিশুন হিলা, আৰুনী শেনবাক পরা
লোকটা সাহেবদের দেকাল বিজ্ঞান জনেক।
জনেক বিন জালে এ লোকটাই ভাকে বাঞ্চি
আকে বের করে বিজেজিকা প্রার জকারেবে।
সেই থেকে বরির সজার আলাদা ইরে গেলা,
এখনো জালাদা ররেছে ভাবের পারিবার।
এখন লোকটার চোলে আলান্মিনিরার ক্রেকে
চক্ষাকে চপান, গারে নীল টেরিলিন, গাল
কামানো, রাখার অভিজ্ঞাত গোলাপী রঙের
টাক। তব্ ব্যাদেশর পিশুন ছিলা—জার ভাকে
একবার বাড়ি থেকে বের করে বিজেজিল
বলে জজারকে থাতির করে না সজার, তার
সামনেই সিগারেট খার, মনের কাল লাকোতে
চন্টা করে না।

সঞ্চর উত্তর দিল সা। ধীরেস্টেশ জারা প্যাণ্ট ছেড়ে বাধ্যমুখ ঘুরে ভাইনিং টেবিলে এসে চারের সামসে বসল। জনেকটা সমর নিজ সে।

ভারপর বাইরের ছরে এসে দেখা অভর শ্বিরভাবে বলে আছে। ভাড়ে দেখে একট্ নাজন।

निश्नात्म क्रको महे क्या मिन मकतः

একবার ইছে হল বলে বে, বে লোকটা চেক ছাতিরেছিল ভাকে চিনতে পেরেছে বাাঞ্চের জ্যাল-ক্লাক'। শতুনে জ্ঞান্ত চমকে উঠে সালা মতে ভাকাবে। কিংবা সঞ্চর ইছে করলে বলতে পারে, উত্তরপাড়ার বউলির নামে জমি কিনেছো—আমি কি জানি না?

জানে। সজার সথ জানে। কিম্চু ভার বগড়া করতে ইচ্ছে হর না। অজারকে নিরাপদে চলে বেভে বের সে।

कनरभरे जाती हरत जारह। ****** 7.7 গড়াবে কে জানে। একদিন জামি সৰ ছেডে-ছতে দেৰো। ব্ৰুক্ত বিনি। সৰ ছেভেছতে —তারপর সাধ্য হরে বাবে। মুমেনের মডো। না, রমেনের হভো নর। রমেন সব কিছুর মাঝখান খেকে হঠাৎ খেলা ভেঙে উঠে গিরেছিল। আমি ভভ দুর পারবো না। আগে কোম্পানীটা ট্রান্সকার করব অনীভার নামে—আহা, অস্ব বোনটা—টাকা ছাতা কে আর ৩০ে পথ দেখাবে? ভোষার আর টাকা—ভারপর—হাাঁ, ভারপর সাধু হরে ৰাওরা বার। ভারপর সাধ্র হওয়া শস্ত নয়। (MAN)

ৰংচন্দের ক্ষেক্টি অপ্রকাশিত পর

গোপালচন্দ বার

a for a

প্রি বসরে বি ই কলেজের স্বধানাক কবি
সংক্রেমাথ সৈর ভিলেন পরংচল্ডের
একজন লেহভাজন কবং। এই সংক্রেমাথর
সাধানেই ভার হোট ভাই ন্রিজেম্বনাথ
নৈচর সংগাও শারংচল্ডের কথাছ হয়।

শিক্ষেনবাব্ ছিলেন কলকাভার মেরো হাসপাভালের রেসিডেন্ট সার্জন। তরি কোরাটার ছিল গণ্গার ধারে হাসপাভালের প্রকাশ্ড ছাদের উপরে। শ্বিজেনবাব্ বৃত্তিতে চিকংসক হলেও একজন সাহিত্য-রাসক ও সংগতি-প্রির মান্য ছিলেন। তাই তার কোরাটারে হাপাভালের প্রশান্ত ছাদের উপরে একটা স্কান পরিবেশে সাহিত্যিক ও সংগতি-শিক্ষাদের নির্মাত একটা আভা বসত। ঐ আভার কখন কথন রবীশ্যনাথও গেছেন, আর শরংচন্দ্রও যেতেন।

শ্বিজেনবাব্র বাসার ছাদের উপরের ঐ
আভা সন্দেশ্ধ শরংচন্দ্র অমল হোমকে
একবার এক পরে লিখেছিলেন—'দেখ, আভা
জিনিসটা উঠে বেতে বসেছে—দেশের উর্লাতর
সংপা সপো। কিম্পু এ বে কত বড় অবনতি,
তা বদি কেউ জানত! মনে পড়ে শ্বিজেন
মৈরর সেই হাসপাতালের ছাদে গণগার
আলো হাওরার তোমাদের সেই আভা, আর
শিবপুরে তার ভাই স্বরেন মৈরর ওথনে,
সেও ঐ গণগার ধারে: তারপর তোমাদের
ভারতীর আভা। তেমনিটি আর হবে না।'

শরংচন্দ্র এ'দের সর অভাতেই থেতেন।
গিরে গলপ করতেন। শরংচন্দ্র রেগনে থেকে
দেশে কেরেন ১৯১৬ খালিটালের এগিল
মাসে। দেশে আসার অবশ দিনের মধ্যেই
শবংচন্দ্রের সপো সারেন মৈরর এবং পরে
শিবজেন মৈনর পরিচর হয়। শরংচন্দ্র এই
১৯১৬ খালিটালেই ভিনেশ্বর মাসে একদিন
শিবজেনবাব্রে বাসায় তাদের আভার গিরেছিলেন। বেখান থেকে ফিরে তিরি
শিবজেনবাব্রে একটা চিঠি লিথেছিলেন।
সেই চিঠিটা এই—

5, 1st By Lane, Baje Shibpur, Howrah, 19, 12, 16.

Madis sicile

সেদিনের কথাটা আমার প্রারই মনে হর।
ভারি আনন্দে বিকালটা কেটেছিল। আর
একদিন গিরে আপনাদের সন্দে কথাবাতী

কাৰ্যার সোজাই কাজার প্রার্থী কর । বিশ্ব বা আপদার সমার বাচ কাল, পাছের বিবাধ কা দেই ত রাই অন্তিকে কোঁত পারি না ৷ কাল দেন ত আর একদিন বিদ্রে পড়ি। ভাষার আনার নিজের একট্ গরক আছে। কাল পানী কাহিনী বলে একটা বই লিঅনি এ সন্তাপে আপানার সপ্পে এবং স্তেন বাব্র সপ্সে একট্ আলোচনা করতে চাই

5. 1th hys lane Praje Shilfons Howal

- Monday

emples summe muse said whereit and another lamber coupy that I अल क्षेत्रित जिल्लाक अनुनिक अली स्थान יו בני לייוב היימים וליבותן בייום ביים וביום المناج عدمدسم عديد مع همد ملك الوحد at and said stills lake sugar ! ever air is no see-fit little out الماليد لا فيد ألمه المالا مدسة مديرة ا आम करा - कार्म- विम कार्य र wall a water smous ship · sai handis suy and subuna est six 1 mi year wears. esto 300/14- GB mor 3 2/01 self were were 19640 coiner Be so leave some jobs 1 planteren of sui six situs care 1gerag मिक्टी (यण कारे नेकिया

numi san general sertar I sussi cused sex of I susi cused sex of I susi cused sex of I susi almas denath, estal sale crea, engre, men I ser the Luta man yellite আর কিছু না হোক ভাঙে উপদেশ নেওয়টো ভ হবে।

পক্রী সমাজে আমার নিজের থেরাল মত বা হোক একটা কিছু লিখেছিলাম। এবার পাড়া গাঁরের কোন্ বিশেষ দিকটা নেব তাই ছাবছি।

্ৰদি দুহু ছাত লিখে সময়টা নিদেশি করে। দেন ভ সেই মত বাবো।

আমার তামাকের বল্দোবস্তটা কিন্তু এবার নেহাত চাইই। আমার সম্রাধ নমস্কার জানবেন।

निः शिभवरहम्म हत्योगायात

শরংচন্দ্র এই চিঠিতে বে 'শল্লী কাহিনী'

লেখার কথা বলেছেন, নেই পল্লী-কাহিনী
বইটির তেমন কোন নির্দিট হাদিস পাওরা
বার না। এ সম্বন্ধে অনুমান করা বৈতে
পারে—হয় তিনি ঐ কাহিনীটি লিখতে
লিখতে ত্যাগ করেছিলেন, নরত পল্লী
কাহিনীকৈ তার ঐ সমরকার লেখা কোন
বইয়ের নামে নামকরণ করেছিলেন।

কিন্তু একাধিক ব্যক্তির কাছে বলা, শরংচন্দের একটা কথা থেকে জানা যার বে, ভার
লেখা একটা বই তাঁর প্রিন্ন কুকুর ভেলা, নন্ট
করে দিরেছিল। তাই এ থেকে মনে হন,
শরংচন্দ্র পল্লী-কাহিনী লিখে শেষ
করেছিলেন এবং ভেলা, এই বইটিই হরত
নন্ট করেছিল।

ভেল্ব এই বই মন্ট করা সম্পূর্ণে শার্ষকল তার পাধ্যানর বেছালার মন্ত্রীপ্রালার রাজকে বা কলেছিলেন, সে সম্প্রক্তের মনিবাব্ লিখেছেন—'আমার একদিন ব্যুব করে কলেলন—মণি, ভেল্ব আমার সর্বানাখ করেছে—একখানি বইরের পাণ্ডুলিলি ভেল্ব একেবারে নন্ট করে দিরেছে—একোমে নিশিচক করে দিরেছে। কী বা কলবো ওকে—ও বোধ হর ব্রুডে পারেনি, ব্রুলে কথনাই এ কাল করত না।'—নবলাছ, ১লা আন্বিন

গরংচন্দ্র ১৯০০ খালিক সুনিজার অন্তিত চিপ্রা কেলা হাত সন্জিলনে সভাপতিত্ব করতে গেলে, সেখানে কবি সজর ভাট্টাব' প্রভৃতির সংশাও ও নিরে কথা হয়েছিল। সঞ্জরবাব্ ভার 'পরং-প্রস্পা' প্রবেধ ও সম্বদ্ধে লিখেছেন—'...'ভিজ্ঞেস করা হ'ল—আপনার মালিনী না কি একখানা বট নন্ট হয়ে গেছে, না?

—হাাঁ। ডেল্ (প্রির কুকুর) নন্ট করে ফেলেছিল। আমি আলগা কাগজে লিখি। সেদিন লিখবার ঘরের দরজাটা খোলা রেখেই পারখানার গিরেছিল্ম। ডেল্ বই ছিড্ড না, আল্গা কাগজ ছিড্ড। পারখানা খেকে এসে দেখি, এক তালা কাগজ নিরে ডেল্ ছুটোছাটি করছে—ছিড্ড কামজে লাক্টে সব শেষ করে দিরেছে। এক বছরের পরিপ্রম গোল।

শ্বিজেনবাবুকে লেখা এই চিঠিটিতে লেখা বাজে শরৎচন্দ্র পদ্মী-কাহিনী নিরে শ্বিজেনবাব্ ও স্বেরনবাব্র সংগো আলো-চনা করতে চেরেছিলেন। ন্দিক্ষেনবাব্ বেশাল সোলাল সাভিস লীগা বা খেলারি হিডসাধন মন্ডলীর সম্পাদক ছিলেন বলেই শরৎচন্দ্র ভার সংগা এ সন্বশ্বে আলোচনা করতে চেরেছিলেন।

n big n

১৯২২ খা ভালে অন্বজেত ইউনিভারসিটি প্রেস লরংচল্যের শ্রীকাল্ড, ১৯ পরের্
ইংরাজি অন্বাদ প্রকাশ করেন। ইংরাজি
অন্বাদ করেছিলেন, কে সি সেন ও থিরোডোসিরা টমসন। এবং ঐ বইরের ভূমিকা
লিখেছিলেন, বাঁকুড়ার ওরেস্লিরান কলেজের
অধ্যক্ষ এড্ওরাড ভো টমসন। খিরোডোসিরা
টমসন এড্ওরাড ভো টমসন। খিরোডোসিরা
টমসন এড্ওরাড ভা টমসন। খিরোডোসিরা
বলা মনে হর।

কে সি সেন বা কিতীশচন্দ্র সেন হলেন বোলে হাইকোটের একজন ভূতপূর্ব জল। কিছুদিন আগে লান্তিনিকেতনে পূর্ব পল্লীতে কিতীশবাব্র রন্ধ-করবী ভবনে শ্রীকানত ইংরাজি আন্বাদ করা সম্পর্কে কিতীশবাব্যক করেকটা প্রথন করেছিলাম। উত্তরে কিতীশবাব্য সেলিন বলেছিলেন—

সেটা বোধ হর ১৯২০।২১ খটোন্টাব্দ হবে। আমি তথন মডার্ন রিভিট প্রভৃতি



ब्यानको देखाँक कानाक वर्गानातात्त्र ভবিতা ও প্রদেশী ইংরাজি অনুবাদ করে প্রকাশ করাছ। সেই সমর একদিন আমি ৰাজে শিবপাৰে প্ৰথমস্তের সংগে সেখা করতে বাই। গেলে লেদিন শ্বহচ্চাল্যব बहेटसम् हेरब्रामि जन्दराम निटह छोड नरका জামার করা হয়। সেই হিসাবেই পরে আমি भवरम्यमय शिकान्छ ५व भावीय हैरवाचि অন্বাদ করি। আমি অন্বাদ করে পাণ্ড-লিগিটি শরংচন্দ্রকে গড়তে দিই। আমার অনুবাদ পর্ংচলের তেমন পছন্দ না হওয়ার তিনি এক ইংরাজ ভামেহিলাকে ওটা দেখতে द्या अप्तर्माह्मा किंद्र किंद्र म्रात्माध्य करत ছিলেন বলে তখন স্বজনের নামেই বইটা বেরিরেছিল। ভবে শরংচন্দের মভার পরে আৰার ৰখন আমি ঐ বইতের দিবতীর সংস্করণ করাই তথন ঐ ভ্রমহিলার সংশোধনগুলো বাদ দিয়ে আমার লেখাই প্রকাশ করেছিলাম। তাই ২র সম্করণে चन्दामक हिनार भार चामात्र नामहे हिन।

श्रीकान्छ अस् भव हरवास्त्र व्यन्तवास्त्र ১ম সংস্করণ থিরোডোসিরা টমসন সংশোধন করা সভেও, এ বই শরংচলের তেমন পছন্দ হর্মান। এই বে পছন্দ হর্মান, এর প্রমাণ পাই শ্রীমতী গার্মাড় সেনকে লেখা একটি SECTION !

এই গারট্ড সেন হলেন, বৈজ্ঞানিক বলীশ্বর সেনের স্থা। বলীশ্বর সেন ও তার দ্বা বর্তমানে আলমোডার বাস করছেন। বশী-বরবাব্ আগে দীয়্দিন কলকাভার বস্, বিজ্ঞান মন্দিরের সংশ্যে হার ছিলেন। বলাশ্বরবাব্যর সংখ্যা বিদ্ধে হ'ওরার আগে গারষ্ট্রভ সেনের নাম ছিল গারষ্ট্রভ এমারসন। ইনি আমেরিকার বিখ্যাত কবি প্রবন্ধকার ও দাশনিক স্বাল্ফ ওরালডো এমারসনের পোনী।

শরংচন্দের সংশ্যে গার্ম্মড সেনের পরিচর ছিল, ভাই দিলীপকুমার রার শরংচন্দ্রের নিক্তি'র ইংরাজি অন্বাদ করলে তখন একখানা ঐ অনুবাদ গ্রম্ম পাওয়ায় জনা শ্রীমতী সেন শরংচন্দ্রভে বিশেষভাবে অন্-त्त्राथ कर्त्ता**क्राल**न। **अ जन्म्यान्य महरहान् छन्म** দিলীপৰাৰকে লিখেছিলেন-

বলীশ্বর সেনের আমেরিকান দাী আমাকে বিশেষ অনুব্রোধ করেছেন ভোমার নিক্ষতির অনুবাদ দেশবেন বলে। পেরেছেন ভাতে শ্রীঅরবিদের কলমের দাগ পড়েছে, ভাই প্রবল আগ্রহ। বলেন, এর একটা কপি তিনি এপ্রিল মানের মারামাবি আমেরিকা নিরে পিরে প্রকাশ করবার চেন্টা করকো। ডিনি আমে ছিলেন 'এশিরা' কাগজের এতিটার সেখানকার বহু পার্বাল-পারের সপ্পে স্পরিচিত। আরি ভাবি এটা निव्यक्ति मा रक्षा श्रीकान्ड रक्षा ना रह किंद्र जाना क्रिया क्रिया क्रिया निर्मित चामव भारत किरमब रकारत।"

শহরেক প্রীয়ন্ত্রী সেনতে ভাগন নিস্ফৃতির बन्दवान निर्ण द्वारहीहरमन किना कानि ना তবে সিলীপৰাক্তক এই চিঠি লেখার দিন करतक शरद भवरहत्त क्षेत्रकी जानरक अकथाना देखांक शिकान्छ ३व नव निराहितन। धे সমৰ শৰকেন্দ্ৰ প্ৰীমন্তী সেনকে যে চিঠিটি निर्धानिकालन का बड़े--

> P 566 Monoharpukur. Kalighat, Cal.

Dear Mrs. Sen.

I am sending my car and a copy of Srikanta in English. This was the only copy available from the publishers as the edition has been completely exhausted.

I did not want much to give it to you as I thought the translation was done really very badly, how.

As you go home and Boshi to his father in-law's my best wishes or rather 'Ashirvad' to you both. Please write to me sometimes if you find time-

Yours Sincerely, Sarat C. Chatteriee

I rave a liope that by the tim though very old, be still alive.

1 1/51

विश्वानका क्या किरकार क्या महत्व राज्य কংগ্ৰেনের বিসা কাইডা বা পশু 'প্রথানের একজন, আৰু প্ৰাংচপাও বিলেন হাওকা কোকা ৰ্থগ্ৰনের সভাপতি ভাই 🐗 ক্যান্তলের जातारे निर्माणवादाह मार्ग्य भवकारमार शब्द र्गातका एक। भारत वार्ट गीतका सम्बद्धा পবিশস্ত হয়।

নিম্লবাৰ শেশাৰ এটনী সাহিত্য-বসিক্র ছিলেন। ভাই ভিনি এক সময় সম্পাদক হিসাবে নিক্ষের নামের সম্পো भवरहरमावक नाम विद्या गर्डाम्बर नाम अपनी সাশ্তাহিক কাশ্বত বার করেছিলেন।

निर्माणवाद अप्रेमी विद्यान करण नवर-हामाय विवसामिक मीजनामा निर्माणकार है করতেন। এই সংস্থাত ব্যাপারে নির্মাণ-বাব্যকে লেখা শরংচলের একটা চিঠি এখানে DFGEL CHIP-

> প্ৰাৰ সাৰ্ভাবেড় रुप्तके शामितान, त्यका शाक्क så former ne

लागानकम् बारबंद

প্ৰকৃত পাছিলৰ ও বাৰ্ডাকালের প্ৰেৰণা-লখ সন্দ-প্ৰকাশিত প্ৰক

भवि हिन्स (आ पर्ः

শরংচন্দ্রের গল্প-উপন্যাস ও প্রবন্ধাদির ন্যান্ত তার চিঠিপরস্ক্রীলভ बाध्यका माहिएछात अस स्वयं माहिए मध्यम । भद्रशहरमुद्र क्रमाद व विभिन्छे। সেই সহজ করে বলার স্নিপ্রণ ভণ্গী, সেই ভাষার বাদ্র প্রভৃতি সমস্ভই এইসব চিঠিপত্রে বর্তমান। এই চিঠিগঢ়িল থেকে শরংচন্দ্রের বিভিন্ন ক্লব সম্পর্কে ভার নিজম্ব অভিমত, সাহিত্য-রচনা প্রভৃতি বিষরে ভার মতামভ, তার স্বভাব-সূত্রভ পরিহাস এবং তার ব্যক্তি-জীবনের অনেক স্বভাব জানা বার। এ বই শরংচন্দের সমসামারক কালের সাহিত্য রাজনীতি. সমাজনীতি প্রভৃতি বিষয়ের উপরও এক প্রামাণ্য দলিল। এত বিস্তৃত টীকা, ব্যাখ্যা ও প্ৰসম্প-কথা সহ এমন সংস্থাদিত পদ্ৰ-সাহিত্য বাপালা সাহিত্যে ইতিপূৰ্বে কথনও প্ৰকাশিত হয়নি। দাম—কৃডি টাকা

(बानामपुर प्रदेश क्याम अन

महरहम्ब (५म ४५७-कोवनी) ५५.००, महरहम्ब (२३ ४५७-क्राधिक আলাপ-আলোচনা, বৈঠকী গলপ, হাস্য-পরিহাস ও মৌখিক অভিভালৰ) ১৬·০০, विष्यकृष्य ७ वर्गणामाथ ०·००, विष्यकृष्य ७ पदरुष्य २·००, व्यरिक्षमाच ७ महरहन्त्र ४-००, जामार्थ-जारमाहनात्र वीन्यमहन्त्र २-६०, হান্য-কৌডুকে সাহিত্যিক ৩·০০, রক্ষানরের নান্য গল্প ২·০০, ভৌডিক कारिनी २-६०, ब्हर्माक्क कारिनी २-६० (म्परांत अन्य मुर्गि योजनकान्द्र প্ৰভৃতি সাহিত্যপ্ৰবিদ্ধ দেখা ও কিবাস কয় কাহিনী নিষ্কেই লেখা।)

नाविका नवन, ब-১২৫, क्याब मीठे वार्क्ड : क्रीनकाका-

*(8) SHIPACRE.

কাল রাত্রে লোকের হাত সায়কং ভোলার Tell was and anterest contract an रभनाम । मार्ट्स्वन केमार्च स्मर्थ कार्थ कन क्षण। जनम शीरुम क्ष्यर छविवारण महामा এতো সোজা টাকা নর হৈ রাজণ সম্ভান হুগলের সম্পদ !০ আমার সমস্ত বই এখন থেকে পনেরো বংসরের জনাপ্র ভার মঞ্চি क तथान तथरात्मर छेशदा निर्मात केवरह-ब जात रवीन कथा कि?

egeber jedin Million websi Ro

তবে আর একটা জরারি সভা ভিনি বোধ করি ভাডাভাডির জনোই করে নিডে काम शास्त्रत। शुम्बकात्रक धरे शामात्रा বংসর একবার সকালে ও একবার বিকালে গিরে কুনিশ করে আসতে হবে। আমার म्या हत ग्राम, अक्याना यहेरात स्रना ७-ग्रेका তের বেলি। সভেরাং এই clauseটুকু চ্চকিরে নিলে দেখতে শুনতে স্বদিকেই বেশটি হবে।

চিত ভারারও সাধ, এবং আমিও 'পশ্ডিত श्रभाटे'त सन्। कथा निरत्निः। महेरमः.-थाक। দিন ১০ ১১ চল আমি এ ব্যক্তি আছি। পরশা বোধ করি একবার বাবো। জোয়ার সলো দেখা হবে!

আশা করি বউমা ও ছেলেরা ভাল আছে। আমার স্নেহাশীবাদ জেনো। ইতি-नाना

১। সেকালের কলকাভার বিখ্যাত ম্যাডান জিবেটারের মালিক স্নাডান সাহেব। ইনি একজন পাদী ছিলেন। এখন কলকাতার ৰটা এলিট সিনেমা, আগে ঐটিই ছিল प्राप्तान थिटक्रोदि ।

>। होका चारण दश्वात स्नारे भन्नश्रम्त धरे কথা লিখেছিলেন। কারণ ঐ সমর তিনি চার এক একটা বই সিনেমা করবার জন্য নগাদ দেও হাজার টাকা করে নিয়ে দিতেন। বভিন্ন চিন্নপ্রবেজ্ঞক প্রভৃতিকে লেখা

दक्षान्छिर ६० ग्रामित शिण्डम

नाहेरनरनात शरहासन साहे। सारमीहरूक মড়েক। চোর এবং বন্য অস্তুর হাত থেকে নিক্তেকে বচিনে। পিকনিক প্ৰকৰ এবং गाउँदका शत्क छेशाना । - अक्तिक

ব্যবন্ধাসহ অটোমে-টিক : হালকা ওজন अवर का वरी वा म चानाम चानमार्क বিপদ থেকে রকা क्त्रायः। श्र्या ६०



श्रामित्रह सर ७० हे। 🕶 🗝 🕫 । 🖼 महाका मर ३५ हो। ५६-६०। कि. लि. लि. हाक हे। २.६०। हाबकात रकन व. होका। অভিনিত্ত প্রতি একশত গ্রাল ৫, টাকা।

GEM ARTS (WD · 15) Dessan Mohail, P. B. 1325, Delbi • 6.

শন্তবের ঐ সময়কার এ সংক্রান্ড চিঠিপর খেকে এই টাকার অংকটা জানা বার।

 श्रद नण्डर गंबराग्य निरम्बक ध्वरः ছোট ভাই প্ৰকাশকে মনে করেই এ কথা

৪। মনে হয় শরংচন্দ্র তার কোন কোন वहे शत्मत वहत्त्रत जिल्ला-न्वर आधान जारहरू एएरवस यहा न्थित करतिहरून। क्ष किल स्थाव। देनि ब्रिट्सन किल्स नाान्छ काशास्त्रव जन्माप्रव । हिस्तवाद गत्ररहेन्द्र धदः সাজান সাহেব উভরেরই খ্ব পরিচিত कित्सन।

n we u

'तकावानी' भीतकाव नवरहत्नव 'गरधव লবী' ভখন ধারাবাহিক ভাবে প্রকাশিত হছে। সেই সমর শরংচন্দ্র একদিন বংগবাণী অফিসে গেলে কলবাণীর অন্যতম মালিক উমাপ্রসাদ মুখোপাখ্যারের অনুরোধে তার সহপাঠী কথা নিঅলপ্রসাদ কন্দ্যোপাখ্যার শরংচন্দের হাত দেখেছিলেন। নিমলবাব किन्छ छथनक भवरमनाक हिनाएन ना। हाछ ह्मवाब शत सामहरू शारतम। निर्माणवादः শরংচলের ছাতের রেখা দেখে শরংচলের क्षीवन जन्यान्थ जिंक जिंक वरक मिरक भावरहरूम ভার উপর থবে প্রসন্ন হন এবং তার কাছে हाछ एम्बा निषर्क हान।

পরে এই নিমলবাব্র সংখ্য শরংচন্দ্রের খাৰ ছনিষ্ঠ পরিচর হরেছিল এবং এই র্ঘনিষ্ঠতার ফলে উভরের মধ্যে করেকটা চিঠিপতেরও বিনিমর হয়েছিল।

নিম'লবাবরে বাভি বাকভা শহরে। তাই ভাকে লেখা শরংচন্দ্রের কোন চিঠি তার কাছে আছে কিনা জানকার জনা তাঁকে চিঠি দিলে তিনি উত্তরে আমাকে লিখেছিলেন-**'...উমাপ্রসাদ মুখোপাধ্যায় আমার একান্ড** বন্ধ, স্থানীর সহপাঠী। আমরা উভরে শরংচন্দের সহিত দেখাশনো ও নানা আলোচনা স্যার আশ্রুতোষের ব্যক্তিতে ও **শরংচন্দের পল্লীগতে করিয়াছি। স্যার** আশ্বভোবের গ্রেভে শরংবাব্র হাত দেখার সৌভাগা আমার হয় এবং তাঁহার জীবনী সম্বশ্ধে ধাহা বলিয়াছিলাম তাহাতে তিনি আমার প্রতি খ্বই আকৃণ্ট হইয়া-ছিলেন। তাঁহার সহিত করেকটি প্রালাপ হইরাছিল। কিন্ত অনেক অনুসংধান করিয়া মাত্র একটি পোস্ট কার্ড' পাইলাম। তাহারই 🗓 কপি আপনার নিকট পাঠাইলাম। শরং-বাব, মহাপ্রাণ দরদী লেখক ছিলেন এবং वाश्त्रमात्र मात्रीत नमारकत ७ एमरणत म्हार्थ আমার নিকট অলুপাতও করিয়াছিলেন।

নিমলিবাব্ তাঁকে লেখা পরংচন্দ্রের বে চিঠিটা পাঠিয়েছিলেন তা এই—

> সামভাবেড পানিবাস পোল্ট বেলা হাওড়া

भागातामाण दिवस्.

निर्माण विकासाणा विक मा बाकाब समा তোমার চিঠিখানি হাতে স্পেডে অনেক विकान्त श्रास्त्र । बाहे स्थान, बाह्या बाह्य कि। रम्ह निर्देश कि महत्रविषे रणनाय । स्टब बच्चा भाग हुई कामद भित्कर बाटक।

क्यों स्था। सामाद शास्त्र জোয়ার মনে আছে। বলতে পার 'পথের দাবী'র দ্বিতীয় সংশ্বরণ করাজে সা সরকারে বাজেয়াশ্ত হরে বাবে।

र्याथ रह २ १८ मिरन अक्यांत सामी বাবো। তমি আমার বিজয়ার আশীর্বাক ৰেনো। ইতি ধই কাৰ্তিক ৩০

wie de les

श्रीनदरहन्त हर्कानाबाब

আমাতে লেখা চিঠিটিতে নিম্লবাৰ বাংগালার নারী সমাজের ও দেশের যাত্রখ শ্রংচন্দের অভ্যাত করার' বে ক্যা শরংচল্মের ঐরাপ অস্তাপাত जिएचर छन করার কথা আমি আরও জানি। দেশের পরাধীনতার দঃখে শরংচন্দের অল্পাড করার একটা ঘটনা বলে এ প্রসম্স শেব কর্বছ--

দেশবন্ধরে সহক্ষী হিসাবেই সভোপ্ত চন্দ্র মিত্র সঙ্গে শরংচন্দ্রের পরিচয় ও কথাছ হর। বাংগলা দেলের **ফজলাল ছকের** কোষজিশন মন্দ্রিসভার সামনে সত্যেনবাব্ লেজিস লেটিভ কাউপিসলের (উচ্চতর পরিবদের) সভাপতি **ছিলেন**।

শহীদ সুশীলকুমার দাদগুল্ভর দাদা সেকালের কংগ্রেস কমী বিনরকুমার দাশগুল্ভ (বিনয়বাব, বর্তমানে ২৪ পর্যানা জেলার ব্যারাকপারের কাছে কালিয়ানগর কলোনীতে বাস করছেন) একদিন আমাকে বলেছিলেন--

সভোন মিশ্ৰ ৰঞ্জ লেভিস্লেটিভ कार्जेन्मिला कार्यातमान, मारे भमत अक्रिन রবিবারে দ্রপ্রের দিকে আমি শরংচন্দের কলকাতার বাডিতে তার সংগ্যে দেখা করতে যাই। শর**ংচন্দ্র আমাকে ন্দেহ করতেন, ভাই** তিনি কলকাতার এসেছেন শুনে লেদিন তার কাছে গিরেছিলাম।

আমি গেলে দ্ব একটা কথার পর শরংচন্দ্র আমাকে বললেন-সভোন মিচকে একৰাৰ ডেকে নিরে আর।

আমি সভ্যেনবাৰরে বাড়ি থেকে তাঁকে ডেকে নিরে শরংচন্দের বাডিডে শরংচন্দ্র সভোনবাবুকে বসিরে আবেল ভরে বললেন—সভ্যেন, দেশটা কিভাবে কৰে স্বাধীন হবে বলতে পার?

শরংচন্দ্র সভোনবাব্বকে যথন এই কথা-গ্ৰলো বলেন তখন হয়ে আম্বা ডিনক্সন হাড়া আর কেউ ছিলেন না। দেখলার শরংচন্দ্র সভেদবাব্যকে ঐ কথাগুলো বলবার সময় তার দ চোখ দিয়ে টল্টল করে জল গাঁৱরে পড়ছে।

কবি বনারসীদাস জৈনর আত্মজীবনী—অর্ধকথানক

অসীমকুমার রার

৬৯৮ সংবাদ আর্থাৎ ১৬৪১-৪২
ব্যান্টান্দে শালাহানের রাজ্যকানে
বনারসীদাস জৈন তার আত্মলীবনী লেখেন।
তথন তার বরস ৫৫ বছর। বনারসীদাসের
বিশ্বাস ছিল বে মানুবের পরমার ১৯০
বছর। তাই ঠিক অধেক জীবনে লেখা আত্মজীবনীর নাম তিনি সেল অধিকথানক।

উত্তর ভারতে বনারসীদাস ছাড়া ইংরেজপূর্বকালে কেউ আত্মজীবলী লেখেননি।
(বাবর আর জাহাজ্যীরের আত্মজীবনীর কথা
অবলা ধরছি না।) একমার আত্মজীবনী
বলেই কিন্তু দুখু এই বইরের মূল্য নর।
বখাসন্তব সভা কথা বলে নিজের দোবগুল,
বোকামি, কুংসিভ রোগ, ভাগাবিড়ন্ননা,
সৌভাগা ইত্যাদি বখাবথ বর্ণনা করে, অকবর
ও জাহাজ্যীরের ব্লেগর উত্তর ভারতের বে ছবি
বনারসীদাস একেছেন সে রক্ম আর কোন
বই থেকে পাওয়া সন্তব নর।

আছলীবনী লেখাৰে বড় কঠিন কাল সে কথা বনারসীগাস ভাল করে উপলাঁখা করেছিলেন। একটা মানুবের মাত একদিনের জীবনেই বে কত ঘটনা ঘটে ডাও বর্ণনা করা অসম্ভব—

ৰূপ জীবভী একদিন,
হনা হোই জে ভীক।
চনা কহি ন সকৈ কেবলী,
আনৈ জনাপ ঠীকঃ ৬৬০
'একটি জীবের একদিনে যত দশা হয়,
সমাজি ঠিক ডিক জেনেও ভাব বর্ণনা করতে

থাকাট জাবের একাদনে বত দলা হয়, সোহলি ঠিক ঠিক জেনেও তার বর্ণনা করতে কেবলজানীও অসমর্থ'।

ক্ষারসীদাল কোন নামজালা লোক ছিলেন না। লেখবার পথ ছিল বলে দু-চার খালা ধরা সম্প্রমীর বই লেখা ছাড়া তিনি বিশেষ আর ভিছু লেখেননি। তিনি সাধারণ বেনের ছেলে ছিলেন। সোনার পা বা কাগড় ইডাাদি জিনিসের কেনাবেচা করা তার বাবসাছিল। কিন্তু তব্ ভিন প'বছর আগের উত্তর ভারতের সজীব ছবি পাওরা বার বলে তার আখলবিদী পড়তে ভাল লাগে— 'আমি বার জীবনের কথা ভুক্তম, সোদন দুনাবে ভাছা কবিদের স্বা'।

্বদারলীদানের পিভাবত মুক্তান মালবের নথাবের মুদী ছিলেন। ভার দেখানে কিছু জালীর ও অন্যান্য সম্পত্তিও ছিল। কিছু দেকালে জামীরদারদের পুরো সম্পত্তি ভেৰ ভিউচিতে চলে বেত বলে পুত্ৰ থজানেন পিভার মৃত্যুর (১৬৬৩ খনীঃ) পর কোন সম্পত্তি পাননি। নবাব এনে ভরি পিভার সব সম্পত্তি বাজেয়াস্ত করে নেন।

সুনি হ্লাকো কাল। মুহৰ ছাপ বৰ খাসনে, কানো লানো মালত ১১

তথন স্কালেন তার মার সংগে ছেনি-মাতামহ মন্নিংহ লোহ.রী 7.(4 ব্যাড়তে এসে ওঠন। বন্ধসেনের বরস তখন পাঁচ বছর। আট বছর বয়সে বলসেন লেখা-পড়া আরম্ভ করলেন, আর হাটে বসে সোনার পার কারবার শিখতে লাগলেন। ভারপর আরও চার বছর পরে ভিনি জেবলারের চেন্টা আরম্ভ করলেন। বাঙ্গা দেশের সলেভান সলেমান পাঠানের শালা লোদী খানের দেওরান ছিলেন ধানা রার। খন্সনে তার কাছে চাকরীর চেন্টার গেলেন। খনা রার বলসেনকে চারটি পরগনার পোডদার বানিরে দিলেন। ব্যাসনের সজে দক্ষেন কারকুন (কেরানী) দেওরা হল, আৰু তিনি ৰাজনা আদার কৰে সেই চাকা লোপী খাঁর জন্য ধন্য রারকে পাঠাতে লাগলেন। কিছুদিন পরে ধ্যা রার পেটে শলে হয়ে হঠাৎ মারা গেলেন।। থকা পেরে পদাসেন চাকরী ছেডে পালিরে লোজা বার কাছে উপস্থিত হলেন। তথন তার বরুস कान वस्ता

বছর চারেক জৌলপুরে থেকে বানসের বাবসার জন্য জাগ্রাডে গিরে বাস করতে আরুল্ড করলেন। আরুও চার বছর পরে, বাইশ বছর বরসে মীরাটের স্রুল্যাস শ্রীমালের মেরেকে থকাসেন বিরে করলেন। ১৬০০ সংবতে থকাসেন জৌলপুরে করেন। ১৬০৫ সংবতে ভার প্রথম প্রেরে জন্ম হর, কিন্তু মারা দারা সারা আরুলর বার প্রেরে করেন। ১৬০৫ সংবতে ভার প্রথম প্রেরে জন্ম হর, কিন্তু মারা দারা দারার মারা ভারপর বার প্রেরে করেন। তারপর বার প্রের করেন। কর্মিন করেন করিন করেন করিন করিন করিন, কিন্তু পরে চোরে সর্বান্দ করেন ভারি বারা করেন, কিন্তু পরে চোরে সর্বান্দ করেন করিন করেন করিন করেন করিন করেন বার করেন করিন করেন বার করেন বার করেন।

১৬৪০ সংক্ষেত্র (১৫৮৭ খ্রীঃ) বাব মাসে বনারসীধাসের ক্ষম হয়। প্রে ক্ষমা- বার হ' সাভ মাস পরে লিশকে নিয়ে আন-সেন পাশ্বনাথ যাত। করেন। সেখানকার প্রায়ী উপদেশ দেন যে পাশ্বনাথের জন্মভূমি বারাণসীর নামে শিশুর নাম রেখো। ভাই ভার নাম বনারসীদাস রাখা হর।

পাঁচ বছর বরসে বনারসীদাসের
সংগ্রহণী (উদরামর) হর। এক বছর অনেক
চিকিৎসা করার পর তিনি আরোগা হন।
আবার এককছর ভাল থেকে তার বসস্ত
রোগ হর। বসস্ত ভাল হবার কিছুদিন
পরেই তার একটি বোন জন্মার।

ষধন বালকের বরস আট বছর, তথন তাঁকে চটসালে গ্রে পাশ্ডের কাছে বিলয় শিখতে পাঠান হর। এক বছর বিদ্যা শিখে তিনি ব্যংশার হন।

বনারসীদাসের ন' বছর বরসে খররা-বাদের কল্যাণমলের প্রোহিত নাপিতের সপ্পে এসে তাঁর সগাই (সম্বর্থ) কল্যাণমলের মেরের সপ্পে করে বান। ঠিক হর বে, ব্র্ বছর পরে বিরে হবে।

ভার পরের বছর ১৬৫০ সংবতে
অর্থাৎ ১৫৯৬ খন্লীদ্টাব্দে জৌনপুরে
দ্ভিক্ষ হয়। ১৬৫৪ সংবতের রাম্ব রাসে
বনারসীদাস বিরে করে বউ নিরে ব্যক্তি
আসেন। সেইদিনই ভার বিদিমার মৃত্যু হয়
ও ভার আর একটি বোন জন্মার।

মাস দুই পরে বউরের কাকা এসে ভাই-কিকে শররাবাদে নিরে বান। এদিকে জোন-পত্রে তথন এক হ্লেম্ব্র ব্যাপার। জৌন-প্ৰয়েয় লবাৰ কিলিচ খান হঠাং স্থ লোহুরীদের ধরে জবরদ**স্তী টাকা** জালার আয়ুল্ড কয়লেন। (কিলিচ খান এলাহাবালের তথ্যকার সংকোর শাহজাদা দানিরেনের গ্রুপিক্ষ ও শ্বন্দ্র ছিলেন।) জোহন্ত্রীবের ধরে প্রথমে ভিনি কুঠ্রেটিভে কথ করলেন। বৰন ভাতে টাকা আদায় হল না ভৰন স্বাইকে কটি৷ দেওয়া চাৰকে মেরে আক্ষরা করে ছেড়ে দিলেন। জোহারীরা সব বাড়ি এসে ভাবলেন বে এদেশে আর থাকা উচিত নর। বলসেন নিজের পরিবার নিরে পণ্চিয়ে গণ্যা পেরিয়ে শাহজাদগুরে চলে। এলেন। সেখান খেকে তিনি এলাহাবাদে এফে বাবসা করতে আরুভ করলেন। অকবরের ছলে দানি**রেল ডখন সেখানকার স**ুবেদার।

বলৈ প্রয়াস ভিবেশী পান।
জাকোঁ নাউ ইলাহাবাস হ
ভহাঁ হানী বস্থা-প্রহুড।
জকবর পাতিসাহকোঁ প্ডেঃ ১৩৩

কারসীদাস এই সময় কিছুদিন চড়ে-পুরে, এলাহাবাদ ও আবার কভেপ্_{রে, কুল} কমেন।

সংবত ১৬৫৬তে শোনা গোল বে. মবাৰ কিলিচ থান আগ্রা চলে গেছেন। তথন সব रकार जीवा अक अक करत रेकोनशास्त्र किरत এলেন। থকাসেনও ফিরে এসে কর্বসা আরম্ভ करत मिलान। यहत बादनक मान्छिए कावेन। ভার পর হঠাং জোনপত্রে শহরে একদিন ব্ৰুদেশর জনা সাজ সাজ রব উঠল। জৌন-প্রের নবাব তথ্য নরেয় স্কোতান। বাদশাহ তাঁকে হক্তম দিয়েছিলেন বে সলীম বিনি সেই সমর এলাহাবাদের সংবেদার ছিলেন তিনি বেন শিকার করতে কোল হবেন না যান। মেট সমর সলীম অকবরের বিরুদ্ধে বিদ্রোহ করেছিলেন। সলীমের মতলব ছিল বে নুরম খানের জারগার নিজের লোক লালাবেগকে জৌনপুরের নবাব বানান তাই শিকারের ছতে করে তিনি জৌনপরের দিকে বাওরার স্থ্যান করেছিলেন!) নরেম স্ক্রেতান সলীমকে ঠেকাবার জন্য বন্দোবস্ড করতে আরম্ভ করলেন। যুম্খের আয়োজন দেখে প্রজারা ভরে ব্যাকুল হরে উঠল। বহ লোক নগর ছেডে পালাতে . লাগল। জোহরীরা স্বাই নরেম খানকে গিয়ে জিজ্ঞাসা করলেন বে তাঁরা কি করবেন।

ন্রম কহৈ স্নহ রে সাহ। ভাবৈ ইহা রহো কৈ ভাব ম

্ষেরে। মরণ বন্যো হৈ আই। মৈ' ক্যা ভূমকো কহো উপাইয় ১৫৯

শন্রম সাহ্দের বললেন বে তোমরা থাকবে না পালাবে নিজেরাই ব্রু ঠিক কর। আমার নিজের মরণ বনিরে এসেছে—আমি আর তোমাদের কি উপার বলব।" এই কথা শানে সবাই জৌনপরের থেকে পালালেন। দিন হর সাত পরে থবর পাওরা সেল বে সলীম সোমতীর ধারে এসে লালাবেগকে শহরে পাঠিরেছিলেন। তিনি নরমকে ব্রিরে সপো নিরে বান। ন্রম গিরে সলীমের পা কড়িরে ধরাতে এখন দেশে শালিত ফিরে এসেছে। এই থবর শানে সকলে নিজের বাড়ি ফিরে একেন।

এতদিনে বনারসীদাসের বরস চোম্প বছর হরেছে। পশ্ভিত দেবদন্তর কাছে তিনি বিদ্যা অভ্যাস করতে গেলেন। মামমালা

> बागिक 50, होका किन्द्रिक होर्नाक्निक किन्द्रित। World Fomous Powerfull

নবাধ্ানক জাগান বডেগ আকর্ষণীর, গ্যারাণিব্র শ্রালনক ৭০° অব ওরাক্ড ০ ব্যান্ড ট্রানজিন্টর ভারান গাইটসহ। প্রতি প্রামে ও শহরে পঠান বার। ভাড়াভাড়ি কর্ম।

YOUR LETTER MUSIC E SOUND (N) TODAY P. BOX 1576, DELNI-6 (মহাকবি ধনজর-কৃত সংকৃত কোৰ),
অনেকার্য (ঐ কোবের অন্তিম অংশ),
জ্যোতিব, অলংকার হাড়া তিনি লযু কোকলাল্যও অধ্যয়ন করলেন। বিদ্যা লাভ করে
বিদ্যা খাটাতেও দেরী হল না।
বিদ্যা কপঢ়ি বিদ্যাহম রমৈ।

সোলহনৈ সভবনে সমৈ 🎗 ভঞ্জি কুল-কাম লোককী পাল ।

ভরো বনারসী আসিধবাজ। ১৭০
চেল্প বছরের ছেলে বনারসীদাস কোকশাল্য পড়ে লোক কাজা ভ্যাস করে আসিধবাজ হল্লে উঠলেন। বাপের মণিম্ভো চুরি
করে পেসকসী পাঠাতে আক্রম্ভ করলেন।
এই বরসে তিনি এক হাজার দোহা ও
চোপাইতে নবরস সম্বধ্যে একটি বই
লিখেছিলেন। এমনি করে দুক্তর কাটল।

ভঞ্জ পঞ্চদস ধরসকে, তিস উপর দস দাল ৪ হলে পাউনা করনকৌ.

াডনা করনকো, ক্রার কনারসীদাস ৷৷ ১৮২

বখন তাঁর বরস পনর বছর লপ
মাস কবি বনারসীদাস তখন দ্যীকে বরে
আনতে চললেন। ব্যশ্রেবাড়ি গিরে এক মাস
পরেই হঠাৎ তাঁর আসিখবাজির ফল আরুত
হল। তাঁর সারা দ্রীরে অগুনতি বিস্ফোটক
বেরেল। দরীর কুঠ রোগীর মত হরে গেল।
দালা দ্বদ্র বা অন্য কোন লোক তাঁর
সংগে ভোজন করা ছেড়ে দিলেন। এই
কুংসিড রোগ হওরাতে দ্যী আর শাদ্ডী
ছাড়া সকলে তাঁর কাছে আসা ছেড়ে দিলেন।
এবা দূজনও বেশী কল গন্ধের চোটে তাঁর
কাছে টিকতে পারতেন না—

ওখদ স্থাবহি অভ্যামৈ, নাক মানি উঠি আহি। ১৮৮

শ্বরীরে কোন রকমে ঔষধ লাগিরে নাক কথা করে উঠে বেতেন।"

হর মাস ভূগে ভাল হরে বনারসীদাস যাড়ি ফিরে এলেন, ক্লিস্তু সাস সমরে অপনী সতো.

গোনে ভেন্দী নাঁহি।১১৩
দবশরে দাশড়ো এইরকম জামাইরের সপো
নিজের মেরেকে পাঠাতে রাজি হলেন না।
বনারসীদাসের মা বাপ দালিকত হরে
হেলেকে অনেক তালোমন্দ বললেন, তবে
তার নিজের অভ্যাসের কোন পরিবর্তন
হল না। তিনি আবার লেখাপড়া আর
আসিখিতে মন্ত হলেন।

চার মাস পরে তিনি আবার স্বশ্রবাড়ি গিরে স্টাকে নিয়ে এলেন।

বাড়িতে গরে,জনেরা ভাবকেন বে ছেলের চারত সোবের একটা কারণ তার লেখাপড়ার বেশী মন। তারা বললেন বে বেশী লেখা-পড়া বা করে একার ব্যবসার মন বাঙ—

ৰহাত পঢ়ৈ বাশ্চন করে ভাট।
বাশিক হথা তো বৈঠে হাউছ
বুহুত পঢ়ৈ লো বাংগ ভাখ।
মূলহা পুড়ে বুড়ে কী সাধিত ২০০

শ্বেদী লেখাগড়া রাজণ আর আটের করে, বেনের ছেলে তো হাটে কলে। ব বেদী লেখাগড়া করে ভহক ভিকে করে থেতে হর। বড়সের কথা বাগ্য শ্রেনড়ে হর।" বনারসীদাস ভিন্তু উপলেশ প্রথম ব্যালেন মা. তিনি আগের মতই চলতে লাগলেন।

১৬৬০ সংৰতে ক্যাক্সীগদের প্রথম মেরে জন্মাল, কিন্তু কেন্তে ছব সাভ বিদের মধ্যেই মারা গেল।

এর আগের বছর ভার এক সাধ্র সংক্ষ আলাপ হরেছিল। সহ্যাসী বলেছিল বে, ভার কাছে এক মন্দ্র আছে। সেই মন্দ্র বাদ কেউ এক বছর প্রতিদিল পাইখানার বসে জপ করে ভারলে বছর পূর্ণা হলে সে প্রতিদিন নিজের বাড়িয় বরজার কাছে একটি করে দিনার (সোহর) কুড়িরে পাবে। বনারসীদাস লোভে পড়ে সহ্যাসীর হাভে পারে ধরে এই মন্দ্র নিয়ে এক বছর ধরে নির্মমাফিক লপ করেন। বখন বছর প্রেণা হভ---

বয়স এক কৰ প্ৰো ভয়। তথ বনারসী বারৈ পরায়

नीही निष्धि विस्तृतिक बहा। कर् गीनात म शार्ष शता। २১७ वनावनी वाणित नवजात মাটির দিকে তাকিরে দেখলেন. কোখাও কোন দিনার খাজে গেলেন না। ভাবলেন যে ভার পর্যাদন হরতো পাওয়া বাবে, কিল্ড সেদিনও কিছু ছিল ব্যবলেন যে এতদিন ব্যাই কণ্ট করেছেন। এর কিছুদিন পরে আর এক বোগীর সপ্যে তাঁর দেখা হয়। সে একটি ছোট পণ্য वनात्रजीमारजद शरफ मिरत करन रव अधि একটি শিবমুডি'। এটিকে পূজে করলে শিবলোক প্ৰাণ্ড হৰে। সেই থেকে ডিনি রোজ ভাতভরে পিবগড়েরা আরম্ভ করলেন। नरवर ১৬৬५ है ठेव भारत ननीरमङ জোহারী হীরানন্দ স্থ জৈনদের খবর পাঠালেন বে. ছিনি সম্মেদসিকা (শিবর) পাহাড়ে সংখ নিয়ে বাবেদ, সৰ ধ্যাভীর জৈনরা যেন তার সপো এসে মিলিড হন। বনারসীদাসের পিভা খলসেনও এই কথা শ্বনে হীরানশের সংখ্য তীর্থবারার গেলেন। বে সময় বলসেন তীর্ঘালা করতে গিমে-ছিলেন সেই সময় বদায়সীদাস একবার काणी चरत अलिहिल्लम। किहानिन भरत সংব তীর্ষবারা করে কিরে এলো। বারীদের মধ্যে অনেকে মারা গিরেছিল, আর অনেকে দার**্ব অস**ুস্থ হলে পভেছিল। বলুসেমও পৰে পাটনার ব্য উদরের রোগে ভূগে-ছিলেন। কোন স্বক্তে জৌনপ্তের ফিরে

নেই সময় বনারসীদানের একটি ছেলে বরে করেকদিনের মধ্যে বারা বার। সংবং ১৬৬২ (১৬০৫ খন্ডি) কার্ডিক

অনেকদিন শ্ৰে থেকে ভার পর ভাল হন।

সংবৰ ১৬৬২ (১৬০৫ খন্টো) ফাডিক মাসে খবর একা বে অক্ষর বাদশাত আগ্রা শহরে দেহত্যাগ করেছেন। খবর দুলে জানপ্রের লোকের ভীষণ ভর পেরে সেলেন মে, এবার বোধ হর অরাজকভা আরক্ত হারে বাবে। কারেনীদাস সিড়ির উপর বসেছিলেন। খবর পরে ভর পেরে উঠে দড়িতে মাখা ঘ্রে পড়ে গেলেন। মাধা ছোটে রম্ভ বেরোতে লাগল। এদিকে জোনপরে গহরে ভখন আতৎক ছেয়ে গেছে—

ইসহী বীচ নগর বে' লোল,
তলো উদ্দাল চারিহা ওল।
বল্ল বর দর দিরে কপাট,
হটবানী নহী বৈঠে হাটাঃ ২৫২
তলে বদ্য ওর ভূসন তলে,

তে সৰ গাড়ে ধরতী তলে। হ'ভবাই গাড়ী কহ'ু বর

নগদী মাল নিভরমী ঠোর ৷৷ ২৫০
বর বর স্বিনি বিসাহৈ অস্ত্র

লোগহন পাইরৈ মোটে কন্ত। ঠাড়ো কন্ত্রন অথবা খেস, নারিন্হ পাহিরে মোটে বেসঃ ২৫৪ উচুনীচ কেউ ন পহিচান,

ধনী পরিপ্রতি ভঞা সমান।
চোরী চারী লীলৈ ক'হ্ নাহি
ইরোঁ হী অপভর লোগ ডরাহাী । ২৫৫
হরে হা অপভর লোগ ডরাহাী । ২৫৫
ছেড়ে দিলা। হাট্রেরা হাটে বসা বংধ করে
দিল। বাড়িতে লোকে অস্থাপদা নিরে টেরি
হরে বসলা। নেহাত বাইরে বেরোতে হলে
লোকে মোটা সম্ভা কাপড় পরে বেরোতে
লাগল। কে বে ধনী আর কে গরীব কোন
বোঝবার উপার রইল মা। কোহাও যে
চুরি, ডাকাতি হচ্ছিল ডা নয়, শুয়ে গুভুবের
চোটেই লোকে ভর পেরে হাচ্ছিল। দিন
দশেক এইরকম হইচই চলল। ভারপর
স্বাইকার কাছে বখন অগ্রাহা হেকে ২বর
এল তখন দেশে শাহিত ফিরে এলঃ—

প্ৰথম পাতিপাহন কৰা,
, বাঙ্গ ব্যুল কলাল।
আৰু সোলহলৈ বাসৰৈ,
কাতিপ হাও কলো। ২০৩
আক্ষরকো নলনা বজৌ,
সাহৰ সাহ সক্ষেত্ৰ।
সপ্য আনারে যৈ ক্ষরু,
বৈঠো অক্ষর ক্ষেত্র।
বিধান ক্ষরুনী,
ক্ষরেপারি স্কুল্ডান।
ক্ষরি ব্যাও ম্বেক্টা,
ব্যুলি ম্বুল্ডান।
ক্ষরি ব্যুলি ম্বুল্ডান

বাহাম বছর রাজত করে জলালাক্রণীন জকবর বাংশাছ সংবং ১৬৬২ সালের কাতিক ত্বাসে পরলোক্র্যমন করেছেন। তার বড় তেনে সকামি মুর্ক্রণীন জাহাগগারি নাম গ্রহণ করে আগ্রা শহরে আক্ররের মত সিংহাসনে বংসালে।

এদিকে বনারসীদাসের হঠাৎ বনে হল সৈ শিবপুজা কীনী কেন?' আমি এতদিন শিবপুজা করলাম কেন? জব মৈ গিনজী শারলো ব্রকার। জুরু সিব কৃত্যু মুকরী সহার। বধন আমি মুহ্ছিত হরে প্রক্রেণালায়, শিব তো আমার কোন সাহাবা করলেন না। সেই থেকে তিনি নিবপুজা ছেড়ে দিরে পাকা জৈন হরে গেলেন আর নবরসের বে পুশ্বি লিখেছিলেন সেটিকে গোমতীর কর্লে জাসিরে দিলেন।

১৬৬৪ সংবতে ধনরাসীদাসের আর একটি পত্র হরে করেকদিনের মধ্যে যার। বাষ।

আর বধন ভিন বছর কেটে গেল আর
পিতা বলনেন বধন বেখলেন বে, ছেলের
মতিগতি ভাল হরে গেহে, ভবন
তিনি বাড়িতে জমান মুলি মুভা, কিছু
টাকা ও কিছুটা তেল ছেলের হাতে দিরে
বঙ্গলেন বে, আগ্রাতে গিরে ব্যবসা কর, আর
এবন থেকে সংসার চালাবার ভার নিজেব

বনারসীপাস মণিম্ভা ইত্যাদি দামী জিনিস কোমরে বে'ধে নিজেন আর বাকি জিনিস গররে গাড়িতে বোকাই করে আনা অনেক গররে গাড়ির সংগ্র আগ্রা রওনা হলেন। রোজ তাঁরা পাঁচ জোশ পভ চলতেন।

এমান করে এটোরা শহরে এনে

পেছিলেন। সেখানে গাভিগলো সৰ গোল करद दाशा हम्। अमन मनत हर्तार त्यस करत জোর যাণ্টি আরম্ভ হরে গোল। সবাই দৌড়ে বাজারের দিকে গেলেন, যদি কোজাও আশ্ৰয় পাওৱা বার। কিন্চ কোথাও ভারগা পেলেন না। স্বাই দর্জা কর করে বৰ্লোছল। অগ্ৰহারণ মানের রাভ, শীন্ত করছে, পান্ধ কাদা ভরে গোছে, কিন্দু কেউ जासर विदेश भाराज । अन्य कारताव "भारित बक देखेन करहा). भारत्य केंद्री रम बीग'— अक्टान मात्री योग ना यमाच काला. एका পরেব বাদ উঠিরে ভালের ভাভিরে দিল। শেষকালে বনারসীয়াস আর শ্রেম সপ্রী একটা ক'ছে খনে ভারণা গেলেন। সেই খনে যে লোকেরা ছিল ভারা কলল বে আমরা বাভি বাভি, তোমরা তিনভন রাজ এইখানে বাক। কাল কিল্ড আহাদের বকাপদ দিতে হবে। এবা ভিনজন ভাবলেন, যাক, আৰু রাজের মত জারগা পাওরা দেল। কিন্ত, এমন সময় হঠাং একজন জোৱাল লোক এনে বলল এটা আমার পোবার জারণা এখনট ভোমরা বেরিছে যাও, ভা नदेश हार्क बार्व। जलक स्थानात्राम করার পর ঠিক হল যে সেই লোকটা খাটে

ক্লাসক প্ৰেসের নবভয় প্ৰদা

স্মাত-বিস্মাতি

ভঃ অর.ণকুমার মুখোপাধ্যার, অধ্যাপক, কলিকাভা বিশ্ববিদ্যালর
বই পড়তে আপনার ভালো লাগে। কিন্তু শৈশবে বে-বইরের ভিডর
দিয়ে আপনার পৃথিবীকে আবিন্ফার করেছিলেন, বরস বাড়বার সপ্পে
সংগ্য সে বই. সে পৃথিবী ছেড়ে অন্য বই অন্য পৃথিবী কেন
খাজেছিলেন আপনি?

সে কি কোনো সচেতন নির্দেশ না অলক ইপ্সিত? সে কি মনের মন্ত্য না পরিণতি?

সন্তি-বিক্ষাতি সেই আবিজিয়ার ধৃত। ক্ষাতি-বিক্ষাতি সন্তি-বিক্ষাতি সন্তিচচার চেয়েও আরো অনেক কিছু। গ্রন্থ বুচির পরিবর্তনের মধা দিরে অধিকাংশ বাঙালি মনের ক্রমপরিগতির কাহিনী, আনন্দোবিষাদে মেশানো কাহিনী। লেখক নিজের ফেলে আসা শিশ্মনকে স্পর্ণ করে এগিরে এসেছেন তার প্রথম বৌবনের দিনগুলিতে। এ গ্রন্থ নিজের প্রজদে সমগ্র বাঙালি মনের কথা। কুড়িজন বাঙালি লেখকের ভিতর দিরে এক বাঙালি শিশ্রে মানস বারা, হাসিখুশিতে বার হাতেখড়ি, রবীন্দু গলেগ বিষাদের বার প্রথম সাক্ষাংকার আর বিক্রম-শরতের উপন্যাসে বার যৌবনের দীক্ষা। —আই চাকা ॥

দেশকের জন্যন্ত কইঃ বাংলা গদ্যরীতির ইতিহাস ১৮,; রবীন্দ্র মনীবা ৫, বাংলা সমালোচনার ইতিহাস ১৫,; বীরবল ও বাংলা সাহিত্য ৮,

मीतरे शकांमक राव

जावर पर्यंव, ठठोत्र यह (क्वच वर्ष ॥ b:

ক্লাসিক প্রেন 🛚 ০/১৩, শ্যামাচরণ দে শ্রীট, কলিকাডা 🗈 ক্লাসিক মেল

বৈদ্যে, আল এ'রা তিনজন থাটের তলার ইনাজেন। নেই বাকাবাই হলঃ— শৈহুৰে বাটপর লোল কলে, বিলো জনে পাইকে কলে

পর্যাদন সকালে উঠে আবার চলতে আরক্ত করলেন। এমনি করে করেকদিন পাছে আরা পেণিছে বনারসীদাস নিজের ছোট জান্তনীশতি বন্দীদাসের বাড়ি উঠলেন।

े बाताद वार्गा करूड बाग्रन्ड करायम्। কিন্দু জাল্লা বড় শহর, সেখানে নানা ब्राक्टबन्न रज्ञाक। किन्द्र, पिटनन भरशाहे क्छक श्रांत अस्करमञ्जू शास्त्र चारेता, किन्द्र वा शांतिता, चान कथा या बाजात मन्ता र अतात नातान र्क्षाक्रमान मिर्छ. बनावगीमान निःन्य स्ट्रा <u> शक्रमा । बादमा वन्ध श्रुत शाम । वा किस्</u> ৰৱে ৰটি ৰাটি ছিল, তাই বেচে খেতেন. আর রাত্রে ভিনি বাড়িতে বলে মুগাবতী পূৰ্ণন্ধ পড়ডেন। আর মধ্যালভীর পার্টার লোকের। তাই এলে শনেত। দ;গাৰভ লিখেছিলেন জোনপনরের গুলভান হলেন শাহর আছিত কবি কুছুন্দ। এতে চন্দ্রনগরের রাজকুমার আর ছান্তনপুরের রাজকন্যা মাগাবতীর প্রেমের ক্ষা আছে। মধুমালতীর কবির নাম ধনবান। এটিও একটি প্রেমের গলপ। দুটি ৰইই সেকালে প্ৰেমকাব্য হিসাবে প্ৰসিম্প ছিল।) শেষকালে ৰাড়িতে বেচবার মত कहा तरेन मा। अकजन कर्रात खराना त्राज য়ৱে কারা শুনতে আসত। ভার কাছে গ্রেক্সালে বনারসীদাস ধার করে কুচুরি

থেতে আরম্ভ করলেন। করেকদিন পরে
কচুরিওরালাকে একলা শেরে বনারসীদাস
বললেন, অনেক ধার দিলে, কিম্চু
আমার কাছে তো পরসা নেই দাম কছারিনা
বেহু? দাম কোখা খেকে দেবে? কচুরিওরালা বললে, তুমি বদি বিশ টাকার কচুরি
খাও, তাহলেও তোমাকে কেউ কিছু বলবে
না, তুমি কিছু ভেব না।

প্রমান করে হ সাভ সাস কেটে গেল।
ভারপর ভিনি ভার পালা ভারাচদেশর
বাড়িতে গিরে কিছুদিন রইলেন। সেখানে
ধর্মদাস বলে আর একজন লোকের সংগা
ভার আলাপ হর। ধর্মদাস আর বনরেসীদাস
একসংগ্র বাবসা, করতে আরম্ভ করলেন।
চুনি, মণি, মুবার বাবসা আরম্ভ করেলে।
চুনি, মণি, মুবার বাবসা আরম্ভ করেলে
কিছুদিনের মধ্যে পারসা রোজগার হতে
লাগল। ভখন সেই কচুরিওরালাকে ভেকে
হিসাব করে দেখলেন বে ছ মাসে ঠিক চোম্প
টাকার কচুরি খেরেছিলেন। টাকা দিরে ভিনি
কচুরিওরালাকে ছ্রবিভ করলেন।

এমনি করে ৰখন দ্বছর কেটে গেল।
তথন বনারসীদাসের শ্বশ্রেরাড়ি বাবার জন্য
মন কেমন করতে লাগল। তিনি ব্যবসা
ছেড়ে চলে বাবেন ঠিক করলেন। দ্ব বছর
ব্যবসার কল খতিরে দেখা গেল বে এই
সমরে বনারসীদাস বা লাভ করেভেন,
প্রতি দিনকার খরচেই সেই টাকা শেব হরে
গেছে। কাজেই আবার তার কপদকিহীন
অবস্থা হরে গেল। এছদিন বনারসীদাস
পথ দিরে হে'টে বাজেন, হঠাৎ একটি

भू ऐलि कृष्टित रभरमा। स्ट्रिंग रनेर्थम एत प्रदेश कार्यो स्वा स्वत्रद्ध। रनेर स्ट्रिंग कर्वाते अकित मानूजीत स्वा भरत रकास्त्रक्ष रवस्य समात्रणीमान न्यम्ह्यपिक वाद्या कर्वात्रका।

চলতে চলতে একদিন সন্দোবেলা ডিলি बहुताबारम न्यमान्यवाचि स्मिक्टनमा দ্যী জিজাসা করলেন যে এছদিন ব্যবসা करत कछ त्राक्रगात करूल। वधम बमाहमी-मात्र यम्बदन दव, या किस्ट द्वाक्षणात्र कटबीस्टलन সব খবচ করে কেলেছেন তথন তরি শ্রী প্রথমে তো তার এই কথা বিশ্বাসই করতে हार्टेडिकान ना। शरत यथन य*स्थान र*व ব্যামী সভা কথাই বসহেন, ডখন ভিনি বাতে আহার থেকে ব্যবসা আরুভ করছে পারেন সেইজন্য গোপনে ভারি কভি টাকা দিলেন। প্রদিন ভার শা িজের মাকে বললেন বে, কাউকে বলো সা আমি কডি টাকা স্বামীকে দিরেছি। ভার মা তথন আরও দু' শ'টাকা মেরের হাতে मिर्क **बनाराम स्व बनाइजीमाजस्य करना** আবার আগ্রা গিরে ব্যবসা করছে। বনারসীদাস ঠিক করলেন যে আল্লাডে গিল্লে কাপড আর মণিমকার ব্যবসা করবেন। ছিনি করেক মাস ধররাবাদে ধ্বশরেবাভিতে খেকে বাজার থেকে কাপড় কিনে সেগ্রীল ধোরাতে লাগলেন, আর মণিমান্তার খৌছ করতে লাগলেন। সেই করমানে ভিনি 'অজিতনাথকৈ ছক্ষ' আর নামমালা' নামে हाँ वि वहें व निरंप रक्तांत्र । जब काम बचन শেষ হরে গেল তখন কৈছু ধোরা কাপছ নিয়ে আর চলিশ টাকা দিরে একটি মরের মালা কিনে অগ্রহারণ হাসে বনারসীদাস আবার আগ্রা হারা করলেন।

আয়াতে ব্যবসা আরম্ভ করে দেশবাদ বে কাপড়ের বাজারে বেশ মদদা চলেছে, কাপড় বেচাতে লাভের জারগার লোকসানই হক্তে—অথচ বে মৃত্তার মালাটি তিলি চল্লিল টাকা দিরে কিনেছিলেন, সেটি সক্তর টাকার বিল্লী হরে গেল। কাজেই তিনি ঠিক্ করলেন বে কাপড়ের বাবসা হেড়ে দিরে শুখু মণিম্ভার বাবসা করবেন। কিছুদিল আগ্রাতে ব্যবসা করবার পর এক বংখুর বিরেতে ব্রব্যা করবার পর এক বংখুর বিরেতে

বনারসীদাস, নরোন্তমদাস আর নরোন্তবের
দবশরে, তিনজনে একটি গর্বুর গাড়ি জাড়া
করে পাটনা রওনা হলেন। সাহিজ্ঞানপরে
অবধি সেই গাড়িতে এসে সন্দের্বজ্ঞা
সরাইতে পোটছে ভারা গাড়ি ছেড়ে দিলেন,
আর মাধা সপো নিরে বাবার জনা একজন



बार्ड किंक क्यांकान। विश्वादन बार्ड करेडे উজ্জ্বতা জ্যোৎস্ম সেৰে ভারা ভাবতেন বে ৰাৰি ভোৰ হয়ে এলেছে। মাৰ্টের মাথায় বোৰা চাপিৰে তিনজনে চলতে আক্ৰম করলেন। কিছা দূর চলবার পর ভারা ক্রণালে পথ হারিরে ক্রেলনে। মটে বোঝা ফেলে পালাল। তখন অধেত বাত। কি আৰ কৰবেন। বোৰা ছিল ভাগ কৰে ছিল-ক্ষনে কাঁধে মাথার ভূকে নিলেন। চলতে চলতে তাঁরা এক চোরেদের গাঁরে উপস্থিত হলেন। হঠাং একজন জিল্ঞাসা করল, কে বার?' ডিনজনের ক্সরে মাধ শাকিরে গোল। পর্যোশ্বরের নাম করে বনারসীদাস এক শেলাক পড়ে সেই লোকটিকে আশীৰ্বাদ দিলেন। সেই লোকটি ভাবল যে এবা রাহ্মণ, তাই উত্তর দিল যে, কোন ভর নেই, আমার উঠানে আৰু রাত্রে থাক। এই তিনজনের তথন ভরে বঙে কপিছে। রাত্রে তিনক্ষন কাপ্ড থেকে সংগ্ৰে বার করে পইতে বানাকেন আর ভল মাটি গাকে কপালে ভিলক কাটলেন। সকালে যখন চৌধরে লোকজন নিয়ে এল এবা উঠে তাদের আশীর্বাদ দিলেন। চৌধারী বলল কোন ভর নেট আমার স্পো এসে পথ দেখিয়ে দিভিত। এংনের ফাডেপারের পথ দেখিয়ে দিয়ে চৌধারী ফিরে গেল। ফাডেপার পেটিছ দক্ষেন মাটে ঠিক কবে বনারদানিসে আর তার নাই সংগী চলতে চলতে এলাহাবাদে এসে পৌছলেন।

এলাহাবাদে সরাইতে নেমে গণ্যার ধাবে হৈছাজন সৈবে নিজেন: তারপর কনারস্থিদিস গহরে বেড়াতে বেরোলেন। হঠাৎ সেখানে তারি পিতা থজাসেনের সংখ্যা সাক্ষাৎ হয়ে গেল: পিতা প্রকে দেখে আনদে মুছিতি হরে গড়াজেন। বনারস্থিনিস ভূলি করে পিতাকে জোনপার প্রেণীছে দিলেন, জার পাটনা না গিরে কথন বা বারাগ্সী জার কথন বা জোরস্থা জারদেশের ব্যবসা আরম্ভ করে দিলেন। এই সমর বনারস্থানিস খ্যা প্রথম বাক্ষা আরম্ভ করে দিলেন। এই সমর বনারস্থানিস খ্যা প্রথম সাক্ষা জৈন-ব্যাবস্থা নির্ম্ম উপবাস ইত্যাদি প্রজন করতে জারম্ভ করেন।

একদিন বারাণসীতে তিনি পিতার চিঠি পেলেন বে, শর্রাবাদে তার স্থাীর একটি ছেলে হল্পে পনের দিন পরে মা ও ছেলে দজনেই মারা গেছে। বনারসীদাসের শ্বদার তার ছোট মেরের সঞ্চে তার স্থান্থ প্রস্তাব করে নারিকেল পাঠিরেছেন। তাই শ্বদাসন বিরের শক্তে দিন ঠিক করে জ্বাব পাঠিরে দিরেছেন। বনারসীদাস চিঠি পেরে অনেক কালাকটি করকেন। হ' মাস পরে তাঁর মন

কিন্তি খানের বড় ছেলে চাঁনী কিন্তি খান চার হাজারী খানসবদার ছিলেন। তিনি শুখু বে বাঁর ছিলেন ভাই নর, রাডা আর পশিক্তত ছিলেন। তিনি ধনারসীলাসের বিদ্যাপ্রেমের কথা পুনে তাঁকে লিজাগা দেন, আর তাঁর রচিত অভিতলাথের হুন্দ আর নাম মালা পোনেন। মালে একবার কিছ্ দিনের জনা চীনী কিলিচ খানকে বাইরে বেতে হয়। সেই সময় মিনি জৌনপারের চার্জে হিলেন তিনি বনারসীদাসকে অনেক দক্ষে দেন, কিন্তু মাস দুই পরে চীনী কিলিচ খান কিরে এলে তাঁর স্থেব দিন আবার ফিরে আনে।

. 115 TARRAS

১৬৭২ সংৰচ্ছে চীনী কিলিচ খান মারা বান । তার পর ছ' সাত মাসের জনা বনারসী-দাস আৰু নৱোন্তমদাস ব্যবসার উন্দেশে পাটনা ৰান, ভবে সেখানে বাৰসার বিশেষ স্ববিধা হর্নি বলে আবার ফিরে এসে ভারা কাদী আৰু জোনপাৰে নিজেদের ব্যবসা আরুত্ত করে দেন। এই সমর আগানরে বলে একজন ওমরাহ জৌনপ্রের নবাব নিব্র হন। তিনি আসহেন শলেই *নগরে হই*চই আরুল্ড হরে গেল—লোকেরা সব দিকে দিকে পালাতে লাগল। বুই বন্ধতে পালিয়ে অযোধ্যা চলে গেলেন। সেখান থেকে ভারা রোনাই বলে এক ভারগার গিরে দিন সাতেক ধর্মনাথের মণিদরে সেবক হরে থাকলেন। ভারপর ভাবলেন বে, এবার ঘরে ফেরা ব্যক্ত। পরে শনেকেন যে আগানরে এসে জৌনপরে আর কাশীর মারামাঝি **कारशाय** ভীষণ অভ্যাচার করেছেন। रावत्रावीरमञ्. विस्तव करत द्वाचिक्रवानाः জহারী আর শরাক্ষ্যের ধরে কাউকে চাব্যক মারিরেছেন, কাউকে পারে বেডি পরিরেছেন चार काफेटक का जन्म कर्काहरू बन्ध रहाश्यक्त। भारत माहे कथा भागित अक क्शाल नाकित्व ब्रह्मानः। छात्रभत वधन শ্নলেন যে, আগান্র আগ্রা চলে গেছেন তখন জৌনপরে এসে সকলে একর হলেন।

কিছ্ দিন পরে নরেন্তমদাস তার পিতার কাছ থেকে একটি চিঠি গেলেন। চিঠিটি তিনি বনারসীদাসকে পড়তে দেন। তাতে লেখা ছিল "বনারসীদাস আর তার পিতা খলাসেন ধ্তা লোক। ওদের সপো বেশী দিন থাকলে তোমাকে ছিলা করে খেতে তাব।" নরেন্তমদাস কালেন মে, তিনি এইসব কথা বিশ্বাস করেন না। বনারসীদাস ভাবলেন বে, এই রকম মিত্র আর হর না। তিনি ইকতিসা সবৈরা' ছদেদ একটি কবিতা লিখলেন। এই কবিতার চার লাইনের প্রথম অক্ষর বধারমে না, 'রো', 'ডা' আর মার ববিতাতে নরোক্তমদাসের গ্রেণ্ডান ছিল। সেই কবিতাটি তিনি ভাঠেদের দিরে শহরে কতিনি করালেন।

তারপর দুই বন্ধ ঠিক করলেন যে, আগ্রান্তে গিরে বাবসা করবেন। এমন স্মর হঠাং ক্লাসেন অস্ত্রে হুটাং ক্লান্সন। বনারস্থান্তের আর ভাই ভখনকার মত আগ্রা বাওরা হল লা। দ্বেলনের বার্ডানর দেখে বাবসার টাকাকীয়, পার্নালগারি বৃদ্ধী ভাগ করে নিরে নরোভ্রমণার নিক্ষের ভাগ নিরে আগ্রা চলে গেলেন। করাকীবান জানপরে বেকে পিডার সেবা করতে লাগলেন। কিছু দিন পরে বালনেন রারা গেলেন। করাকীবান ভিছু দিন জোনপুরে ব্যবসা করবার পর ভিছু করতেন বে আগ্রা ব্যবসা করবার পর ভিছু করতেন বে আগ্রা ব্যবসা

আবাঢ় মাসে ভাল নিল দেখে ক্লারলীয়ান আত্রা বারা ক্লালেন। সন্দের ভিনি একটা বোড়া আর নাজন চাকর নিলেন। প্রথম রাত্র খেসুরা গাঁরে উঠলেন। সেখনে মহেরী বলে একজন আগ্রাবারী খেকুসঞ্জান্ত ভারি সংগী হল। জ্লাসার আরও ব্রুল মধ্রোবাসী রাজণ দ্বান চাকর নিরে ভালের সহবারী হল। এমান করে উনিল জনের একটি দল তৈরি হরে খেল।

অনেক নগর আর প্রার গোরিরে জীরা কোররা বলে একটি প্রারে গোঁহি সরাইছে এসে উঠলেন। সেই স্থান্ত্রণ ব্যুক্তার থাবার কিনতে প্রামের ভিডরে গোকা। বাজারে থাবার কেনবার জন্য গারাক্রের গোকান ক্রেকে উলো ভাঙিরে থাবার কিনে বন্দা উলো ক্রেকে আরগার বসেছিল ভাষন গারাক ক্রান্ত্রারের বল্লা, বে টাফাটা বিজেছিলে সেটা ক্রমালা,



ব্যন বিশ্ববিদ্ধান কিলোর (checks) বইগ্রিল জনের বর সহজ করা জন্দান করেছেন পরীক্ষিক

> প্রথম রাজ সংকরণ প্রকাশিত হ'ল

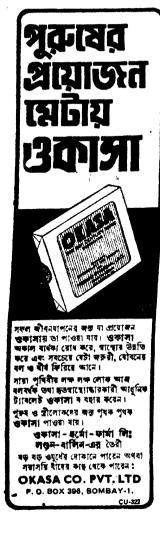
হাতের ভাষা

TR - 4.00

জার্পান ও জাপনার হাত — ১২·০০ হয়রেখা অভিযান — ১০·০০ হাতের গোপন কথা — ২·৭৫ জার্পান করে জন্মেছেন — ২·৫০

আট য়্যাণ্ড লেটাৰ্স পাৰ্বালশ্ৰী লগৰুস্ম হাটস, কলিকতে:–১২ বনলৈ বাও। বাজাগরা বস্তা বে, এটা তালের বেওরা টাকা নর। এই নিরে কলহ বেবে সেলা। এরন সময় সেই শ্রাফের ভাই এনে বাজাবনের কাপড় খেকে প'চিপটা টাকা বার করে কলে বে, এইসব টাকা মেকী, এখনই আমি কোভোৱালের কাবে বাজি। এই বলে





সে বাড়ি গিরে পাঁচণটা মেকী টাকা নিরে কোতোরালের কাছে গিরে নালিশ করল বে কোথা থেকে এক জালিরাতের দল এসে গাঁরে মেকী টাকা চালাছে। কোডোরাল গিরে এই কথা হাকিমকে বললেন। হাকিম দেওরানকে কোডোরাল আর দেওরান সরাইতে এসে এ'দের উনিশক্ষনকেই বে'ধে নিরে গেলেন। হাকিমের কাছে সকলে নিকের নিকের পরিচর দিলেন। বনারসীশাস বললেন—

লাকী নেমা শাহনে, তথত কোনপুর তোন। বেওগারী কামে প্রকট, ইনকে লক্ষ্য কোন॥ ৫২০

আমার সপো নেমা সাহুর পার্টনারশিপ ডিড ররেছে, জোনপুরে বাড়ি, দেখডেই পাজ্জ আমি ব্যাপারী—ঠকের লক্ষণ কি দেখলে?

তথন ছাকিম আর দেওরান ইত্যাদি পারসী ভাষার নিজেদের মধ্যে আলোচনা করলেন। তারপর দেওরান ফললেন যে, রান্তির কেলা কিছ্ ঠিক করা গেল না, এখন এদের কিছ্ ব'লো না, সকাল হলেই এদের জাতি জানা যাবে। কোতোরাল তখন এ'দের বললেন বে, কোররা, ঘাটমপুর আর বরী, এই তিন গারে বদি তোমাদের পরিচিত কেউ থাকে তা হলে কল। অনা গাঁ আমি মানি না। এই কলে এ'দের চারিদিকে পাহারা বসিরে ও'রা চলে গেলেন।

সেই মাহেন্দ্রী আর বনারসীলাস সারা রাত ধরে পরামর্শ করতে লাগলেন যে, কি করা বার । বখন মাত আর এক প্রহর রাত বাকি আছে তখন হঠাং মাহেন্দ্রী বলল, "ভাল কথা মনে পড়েছে, এই বরী গাঁরেতেই তো আমার ছোট ভাইরের বিষে হয়েছিল। এইখানেই তো আমরা বর্ষাত্রী এসেছিলায়।" বনারসীদাস বললেন, "ম্থেছে, এতজ্ঞণ এ কথা বলিসনি কেন?" মাহেন্দ্রী বলল, "ভরের চোটে সব ভূলে গিরেছিলাম, এখন সব মনে পড়েছে, তুমি এবার নিশ্চিতত

তখন বনারসীদাসের মনে শাদিত ফিরে এল। কিন্তু তব্ও বে ভাবনা একেবারে গোল ডা নর, কারণ কে জানে মাহেশ্রী সত্য কথা বলছে কিনা।

সকাল হতেই মুটের মাথার উনিশটা শ্ব চাপিরে পেরাদা এসে হাজির হয়ে গোল। পেরাদা আবার ব্যাখ্যা করে বলল— তুম উনীস প্রাণী ঠগ লোগ.

এ উনীস স্লৌ তুম জোগা ৫০২ "তোমরা উনিশ জন ঠক, এই উনিশটা শ্লে তে:মাদের যোগ্য!"

কিছ্মুক্স পরে কোতোরাল আর দেওয়ান লোকজন নিয়ে এসে হাজির হলেন। বনারসীদাস ভাদের বললেন বে, 'বরী গাঁরে আমানের পরিচিত লোক আছে।" দেওরান লুনে বললেন, "সাবাল, এডকণে ভাল কথা বলেছ। আমার সপো বরী গাঁরে চল। বা বলছ তা সভা কিনা বাচাই করি।" মাহেন্ত্রী ঘোড়ার চড়ে দেওরানের সপো বরী গাঁরে গোলেন। দেওরান কিবে এনে কলনেন, "সভিই ভোমরা সাহা, কালানের ভুল হরেছিল, মাব কর।" এই বলে কেভোরাল আর দেওরান চলে গোলেন।

তথন বত নতের গোড়া সেই রাজনার বললা, "কিন্তু জানানের টাড়া হৈ নেতে।" তাই লাকে কার্নীবাস হ' নাড় সের ফালে কিনে কোডোরালা, দেখারান করে হাকিমের বাড়ি কিছু কিছু পেন্টরে লিরে কালেন, "সেই লরাকরা রাজ্যনের টাড়া নিরে পালিরেছে, ডার কি বাক্যা হবে?" হাকিম বললোন, "সে খোজ জামি জালেই করেছিলাম। ডারা সবাই তথানি বাঁ হেড়ে পালিরেছে।" বনারসীবাস কিরে এসে রাজাণনের বললোন, "ডোফানের টাড়া জার নেই।"

তার পর্যাদন তাঁরা সকলে আবার চলতে লাগলেন। পথে বনারসীদাল একটি চিঠি পেলেন যে তাঁর বংখা নবোন্তমদাল মারা গেছেন। বনারসীদাল এই সংবাদ পানে প্রচাড শোক পোলেন, কিন্তু দেনহই দারখের মান এই কথা ভেবে অতি কলে নিজেকে সামলে নিরে আবার চলতে লাগলেন।

বখন আগ্রার কাছে বমনোর অপর পারে তারা পোছলেন, তখন সেই দুই রাজণ এ'দের পথ আটকে বলল যে, ডাদের টাকা না পেলে তারা মারা কাবে। যখন অনেক বোঝানোতেও তারা ব্যক্তনা তখন বনারস্টী-দাস বার টাকা আর মাহেন্তী তের টাকা দিরে ওবের বিদেয় করলেন।

আগ্রা পৌছে বনারসীদাস আগেকার সব বাবসায়ের সংপর্ক ভ্যাগ করে একলাই বাবসা আসম্ভ করে দিলেন।

বোল শ' তিরান্তর সংবতের শীতকালে আগ্রাতে প্রথম মহামারী আরুদ্ধ হল।

বৈস্থা সময় ইতি বিশ্তরী,
প্রী আগেরে প্রতাী মরী।
জ্বা তহা সব ভাগে লোগ,
প্রগট ভ্রা গঠি কা বের্গা। ৫৭ছ
নিক্সৈ গঠি মরে ভ্রিমারি,
কাহ্কী বসাই কিছু নীছে

চুহে মর'হি বৈদ মর জাহি, ভরসোঁ লোগ আমে ন'হি খাহি ॥ ৫৭০

"এই সমন্ন ইতির বিশ্তার হলে আগ্রান্তে প্রথম মহামারী দেখা দিল। বে বেখানে পারল লোকে পালাতে লাগল। গ্রন্থির রোগ প্রকট হল। গ্রন্থি বার হতেই ক্ষণমারেই লোকে মরে বেড—কার্রেই কিছ্ ক্রবার ছিল না। ই'দ্র মরতে লাগল, বৈদ্য মরতে লাগল, ভরে লোকে অস্ত্র হৈছে দিল।"

্ৰাহাশ্যীরের রাজহকালের দশম বছরে

১৬১৫ খনিখালে প্রথম এই লেস যোগ আরণ্ড হর, ও প্রায় আট বছর খনে উত্তর ভারতে বহামারীর রভ হড়িনে থাকে। ভূলসাবার এই বহামারী থেকে বঢ়িবার প্রাথানা করে জনকবার উলোচন একটি স্কর লিখেনিজ্যলা

আরবীরাল এই সম্প্রে পালিরে পালের এক রানে ইলে গিরেজিলেন। বহাবারী কথ বলে জারার আরা বিবর আনেন। কিন্তু দিন পরে ভার বা জোনপরে থেকে হারেনর কারে আনেন। কারলগিনা এই সমরে থরাবার্যার গিরে করে বট নিরে আনেন। বিরের পর হঠাং কারলগীয়ানের ধর্মে রভি বেড়ে বার। তিনি আহিছের, হল্তিনাপুর প্রভৃতি জন তীর্যা গর্পন করে আনেন ও কবিশ্বরদের বিবরে প্রকৃত্তি ইত্যাদি লেখা আরক্ত করেন।

১৬৭৬ সংবদ্ধে তাঁর এক প্রে ক্ষার। তার এক বছর পরে তাঁর মাতার মৃত্যু হর। ১৬৭৯ সংবদ্ধে তাঁর প্রের জার ন্দিতীর তাঁর মৃত্যু হয়। সেই বছরই তিনি জাবার প্ররাবাদে সগাই করেন ও তার পরের বছর সংসার করেন। এই সমন্ন তিনি ক্ষৈনধর্মের গ্রুপ্থ পাঠ ও রচনা জারুক্ত করেন ও জৈনধর্মের নানারকম জ্ঞাস জারুক্ত করেন।

১৬৮৪ সংবতের আবাঢ় মাসে তাঁর তৃত্তীর শতীর প্রথম পত্র হয় ও করেক দিনের মধ্যে মারা বায়। এই বছরই

ৰচপতি জহাপানীয় নিজনীস, কানো বাজ বরৰ বাইস।

কাশমরিকে মারগ বাঁচ,

আওত হাই অচানক মীচা। ৬১৫ মাসি চার-অন্তর প্রবান,

ম্যাস চরে-অন্তর পরবান,
আউ সাহিজহা স্থলতান।
বৈঠারো তথ্য হর সিরতান,

हर्म् हकरेम^{ें} रसदी जान॥ ७५७

সোরহ সে চৌরাসিরে,

তথত আগৱে ধান।

देवकेटको नाम धनाएक श्राप्ट्

সাহিব সাহি কিরান॥ ৬১৭

ছত্রপতি দিল্লীল জহাপারি বাইশ বছর রাজর করে কাশ্মীর থেকে ফেরবার পথে হঠাং মারা বান। চার মালে পরে শাজাহান সংহাসন আরোহণ করেন। ১৬৮৪ সংবতে তিনি সাহিবে কিরান উপাধি গ্রহণ করে আগ্রার তথতে বলেন।

১৬৮৫ সংব্যন্ত কনারসীদাসের আর এক পত্র জন্মার ও মারা বার। ১৬৮৭ সংবতে তার এই ল্যার পত্তে ভৃতীয় পত্ত জন্মায়। ১৬৮৯ সংবতে এক মেরে জন্মার ও মারা বার।

এর পরের করেক করের ভিনি আবার জৈন প্রশ্ব পাঠ ও রচনাতে কোগে থাকেন।

১৬১৮ সালে ভার দেব প্রের মৃত্যু হর। এই ছেলেটি ভাট স' বছর বেচে ছিল। বনিও ছেলেটি চিনমুশ্ন ছিল, ভব্ন নরটি ছেলেমেনের বধ্যে এই একটিই কিছু দিন বে'চে ছিল বলে এর বারা বাওরাতে কনারসীদাস গভীর শোভ পান।

এই সময় শভাম বছর মানে মনারসী-দাস ভার এই আজজীবনা অর্থভানত লেখেন। দেনের ভিত্র পাত্রীর ভারোপদেশ। নিমের জীয়নের ঘটনাকলীর কবা ভিনি ভার অলেই এই কয় লাইন লিখে দেব করেন্দ্রন

কথা প্ৰচাৰ বাচা গো, বাল্যাবাকী বাড়। তান বিভাগে ভালো, বুড়া গোলা, গুড়া গোলা, বুড়া গাড়া উ৪২ গোৰালক মনে মনে, বুং মারি মন বোই।

रकारि कारना शक्तन स्टूडा

লতে ঠাইলে হেছি । ৬৪৩

শশক্ষা বছর অবধি বনারসীর কথা
কল্যান-ভিল বিরে, গুইে মেরে, সার্ভ ছেলে।
নটি সম্ভান হলে মরেছে, শুখু নারী আর
নর বাকি আছে। ধেমন পাডা করে সেলে।
গাছ থেকে ভেমনি ঠাটো হলে মরেছে।"

ৰমারলীগাস এই সমর জৈনধমে'র চর্চা করে নিজের মনকে ভূলিরে রাখবার চন্টা কর্মাছলেন। নিজের অর্থাজীবনের কর্মা দেব করতে বনারলীগাস ক্ষেত্রনে—

বাতি কাৰ্য কৰাৰ কৰা বালাৱলী ভালা। বুকু কৰি বহাৰ প্ৰশাহিতৰ,

ক্ষণীয় স্থাতিশে বিভাগ কৰে বন্ধ হোৱা আই হোগাল

কাস শিক্ষার কাব। কর্মার মুলার বাচার কাবে,

विक्र तम रहे क्लान है क्ये क्लान है क्ये क्लान है क्ये क्लान करात है क्लान है क्लान

্ষিপ্ৰধানক লেখবার পর বনারসাদাস আন প্রায় ধরে বছর বেডে ভিসেন।]

প্রকাশিত হ'ল ভ্রম্ম

ड्यूप ६ त्या पण

বদ্যাসাগর

নু দাম ১৬০০০

त्रहनावली

সম্পাদনা দেৰকুমার ৰস্ম ভূমিকা ও বিশ্তারিত আলোচনা ভটর অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়

বিদ্যাসাগর রচনাবলীর শেষ খণ্ডটিতে তাঁর রচনা সম্পূর্ণ প্রকাশিত হ'ল। ঈশ্বরচন্দ্রের জীবন্দশায় বহু লেখা ছল্মনামে প্রকাশিত হরেছিল এই খণ্ডটিতে সেগালিও সংকলিত হরেছে। ২র খণ্ড ১২০০০ গুরু খণ্ড ১২০০০ প্রথম খণ্ড ২র সামুল বস্তুস্থ

मण्डन बुक शास्त्र ॥ १४।५, महासा भाग्यी त्राष्ठ, क्रिकाठा-



पियुत! प्राज ३२ पितिरे पाँठ यकवाक प्रापा!

मिक्रिमाली तळून फत्रघूलात थाप (भिभ्रिमा एउ प्राक ४२ मितिरे माळत भाषि प्रामा ७ सास्था कुल कत्रात

নজুন ক্ষমুলা, বজুব হুগছ, বজুব বোজক—পেণুলোভেও এখন এই ভিনদিক দিয়ে আরো উচুদরের।

এই বজুন ক্ষমুলার আছে বহু বহুরের গবেবণার কল ইরিয়াম প্লাস এল ভিও। শক্তিশালী উপাদানগুলি গাঁতের ওপারকার হোপ ভূলে দিয়ে সুন্দর বাভাবিৎ উল্লেখ্য কিরিয়ে আনে। 🗆 লোমালো ফিয়ার কলে গাঁতের ক্ষয়েরার করে—কেনমা অনিউকর জীবাণুবাহী থাভকণা বের করে দের, আরক্রত-ক্রিয়ালীল প্রচুর কেনা গাঁতের কাঁকে গাঁকে বহু জারক্রত-ক্রিয়ালীল প্রচুর কেনা গাঁতের কাঁকে গাঁকে বহু জারগার হুড়িয়ে দের। 🗆 এর নতুন হিছে সুগ্রুক্ত আপনার ভালো লাগবে। আজই পেণুলোভেও কিন্দুন। বাত্র ১২ দিন ব্যবহারে সুক্ষল

ৰত্ৰ ফরমুলা বিত্ৰ সুগন্ধ বিতৰ মোড়ক

, ব্ৰেজিঃ বাবহারকারী হিন্দুছাৰ লিভার লিঃ এছ তৈরী একট দেয়া টুখণেক



HDL 778



এমিলি স্মিথ আর টিনা বস

🖎 সা ৰস্ত ছোট্ট সেরে। আনন্দবাজার ID পরিকার লক্তনম্ব প্রতিনিধি ভঃ **ालभन कटन कनतः जल कारहरे शब्य** साप्ति task force-us क्या मार्जिकाम। film south Hampstead High School-s TES! CHAIN BIST भागा करत राजा बागरवह रायागरमा करत। পাছার আলেগলে কোনার অসহার বৃশ্ হত্যা একা একা দিন গাল্ডবান ভার প্রৱ নিৰে ভালেৰ সাহাৰ্য কলাৰ ব্যবস্থা কলাই होत्रक रकारजीव काक । अकुरमात रवधन रहाय होत्य, बात एकमारे बाक व्यवगाकत्रवीत कर्म। ভা খেকেই সভ্তবত নাম হ'রেছে টাল ভোগ'। টিনার উপর ভার ররেছে মিস শিক্ষতে মাৰে মাৰে দেখে আসবার। তবি ভি ছবভাত অলপ বিস্তত সাহাব্য করাও টিনাৰ দায়িত। টিনা বে একাই ছহিলার খেজি-খনর করে তা' নই। তার একার এড সময় কোথার? স্কলের আজকর'ও তো বংগণ্ট থাকে। ব্যাড়তে ল্লা-বাবা আছেন দিদি ম্যান্দেন্টারে গণিত পড়েন। সম্ভাহের শেৰে বাডি আসেন। সবাই তো টিনাকে পেতে চার কাছে। কাঞেই টিনা বার মিস স্মিধের কাছে সম্ভাহে একবার। অনা দুটি বন্ধ যার এক সংসা আর একদিন। স্কুলের রুটিনের সংস্থা मध्य भिनास वावन्था इत।

মিস স্মিথের বয়স বিরানস্বই। একেবারে মহারাণী, ভিটোরিয়ার ব্যাের মান্ত । চালে মান্ত হাকার কথা শ্বেন কানে হাত দেন। ছি ছি ছি। চাল, আকাশের চাল। ভার এত পবিগ্রতার এই পরিপাম! আবার ছোট ছোট বাক্চাগালি বারা তার কাছে আলে ভারাও চালে মান্ত পাঠাবার গলপ করে। এমন বাক্চারা এসব কথা জানবে কেন? ভাগা ভাল বে মিস স্মিধ চাল চেটা বেশীদ্র করতে পারেম না।

মিস স্থিথের আর্থিক স্পাতিও তেমন কিছু নেই। সম্বল্ধীন বৃদ্ধ বৃদ্ধা সে দেশে সরকারের কাছ থেকে পেনসন পান। ভাতেই তার দিন চলে বার বেশ একরকম-ভাবে। এসব বুড়ো মান্বদের স্ব চেরে ক্রু সমস্যা একাকিছ। জীবনের থেব দিন কটা বেল জার কাটতে চার না। ব্যন্ন ব্রস্ক



with him

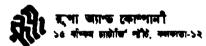
बारक जमान बारक बिरहतेला माठजान नार्डि সংগতি মত জনটে বার, কিল্ফ বার্থকো? रक्यन करत राज त्रव किका हासिस बास । ভারতকর্বে এডকাল এ সমস্যা আমরা কর্মই লেখেছি। বৌধ পরিবার। **পাঁচজন আ**শে-পালে থাকতো। বরসের মর্বাদা ছিল, विभिन्ने स्थान किन। वस्टब्ब मरमार्ट এখনও ৰে ঠিক তাই আছে এতটা কলার ভরসা পাই কই? ক্লমণ ৰজে মানৰে আয়াদের দেশের বড একা হ'রে পড়েছেন। ধাৰে কাজে বাৰুঃ থাকে ভাষা এত বাদৰ বে তার সপে দুদশ্ত বসবার অবসর থাকে না। তবে পাণ্চান্তা দেশের মন্ত নিঃসংগভার হাহাকার এখনও আমাদের দেশের প্রচীন বরস্কদের মধ্যে আসেনি ঠিক।

নিল শিশ চিন্তুনারী। বিবাহিত হ'লে বা ব্ একটি সম্ভান থাকলে হছলো বা ভারা সম্ভাহের দেবে বা মাসের একদিন মারের দেবা পেতে আসতো। কিন্দু রিল এমিলি মিন্দু একদেবে একা। আপন কাডে আর বেলী কেট নেই। প্রতিবেশী কেট কা একট্ বাজার করে বেল। কারত সপে বা বাস্পা আহে বারার একট্ প্রির করে করে বারার বিজে নিজে করে নেবার পতিট্কু এ বারসেও আছে। এককা বৃশ্বস্থাও প্রচুর আছেল বানের নির্মাণ্ড W. V. S বা Womens Voluntary Service পরর কাবর পারবেশন করে করা। এই meals on wheelse মাকি চম্পান্ত একটি আরোজনের

न्नीन जाना

সহস্র বর্ষের প্রেম

বেদিন দুটি চোথ আর দুটি চোথের দর্পণে নিজেকে কলী দেশে শতক হরে দাঁড়ির্মাছল বুলি দেশিনই হরেছিল প্রথম প্রেমের কবিভার জন্ম। 'সহস্র বর্বের প্রেম' জন্ম বৌৰনের জনর-ভীর্য-বারার অন্তর্মর উপাধ্যান। বহু চিত্র-শোভিত কাব্য-সক্ষান।



निविध्य प्रशास । विशास करत ना वामा करा काला करता मनाव प्रशास प्रशास करा कराइ करता या अरुपारत प्रशास कराइ रुगीस दल विद्या नामान्द्रनाथा। असर प्रशास प्रमास करता प्रशास अस्य स्थापित प्रशास करता प्रशास करता स्थापित प्रशास करता प्रशास व्याप्त करा नामान्द्र प्रशास करता वाद्य वाद्य करा नामान्द्र प्रशास करता करता करता वाद्य वाद्य करा वाद्य करता करता करता वाद्य वाद्य वाद्य

वायबाद वर क्षकाम कदारवन?

প্রকৃতিশি পাঠালে বশাদনের মধ্যে বিনাম্কো সপাম্বীর মন্তব্য পাকো। কোন কার্যাক্তা নেই। ব্রুক সাম্বিক কার্যাক্তা (এ বি পি), ৫৫-১ কলেক কার্যাক, ডেকার, কাকাকা ১২।

(সি-৫৬৬১)





বাক, মিল লিখে আর আমানের টিনার কথাতেই কিরে বাই এখনকার মত। একের কিন্তু মনের খনর অনা। টিনা ভরেতীর মেরে। এমিলি লিখা তাকে বাড জলাবানেন। নিজের একটি নাতনী থাকলে কেনে আদার করেজা তাই করেম। তানা বাওররে পথ চেরে থাকেন। টিনাকে তিনি কলেন টাইনা। এই ছোট টাইনা তার জাবনের এক বিরাট শ্নাতাকে প্র্বাক্তরেহে। ঠাকুমার মতই তিনি টাইনার জনা সদাসতকা। প্রেঘাটে পেরি হলে বাশ্ড হরে ওঠেন। তেকে চিন্তে জালার হলে বাশ্ড

क्रकीमत्मत्र क्षकि घटेना वनीहः विमा জিক্তাসাবাদ করে জানলো মিস স্মিথের মুগারি স্থাপ খাবার ইচ্ছা হ'রেছে। 🗢 আর বসে সে সত্মপ রাম্মা করে। বাঁদ টিন একটা কিনে আনা বেন্ডো বেশ হ'ডো। টিনা বেচারা বাচ্চা মান্ব। বাড়িতেও কোনদিন বাজার হাট করেনি। তা হ'ক, পরসা নিরে সে স্ফুপের সম্থানে রওনা হ'লো। হরতো বে দোকানে সমুপের চিন পাওরা কার সেটাই বাদ দিরে খাজে খাজে পাতানো বেডাকে। এদিকে টাইনার ঠাকুমা ভাবনার পড়লেন। টাইনার এও দেরি হচ্ছে কেন? রাস্ভার কোনও বিপদ আগদ হর্নি তো? বতই সমর বার, ব্ৰা ততাই চণ্ডল হ'রে ওঠেন। আহা বাকাটাকে সন্তেশর কথানা বললেই হ'তো। কমে এমিলি স্মিথ বিষম চিন্তার ছটফট করতে লাগলেনঃ নাঃ, আদর অংশকা করা চলে না। আজকাল হর থেকে কেশী বের হন মা। কোথার জুতো আরু কোথার ট্রা খ'্জে পেতে পরে ফেলে টাইনার খেজি বাড়ির বাইরে পা দেবেন তখন স্থাপের টিন হাতে তাঁর টাইনা দেখা দিল। মিস স্মিথের স্বস্তির নিঃশ্বাস, ছেট্ট টাইনার ছোট্ট প্ৰয়াকে কেদিন ৰে যোগাযোগ রচনা হ'রেছিল ভা' অনিবচনীর: হরছো এককালে ঠাকুমা আরু নাতনীতে বে বন্ধন থাকতো তারই এক অস্কৃত স্পর্শ টাইনা আর মিল দিমখকে বে'বে কেলেছিল। আণ্চর্য মর কি? সমাজ একদিন স্বেচ্ছার বৈ বন্ধনকে ভেণ্সে চুরমার করে চলে বার, ভারই মাকে ধরা দেকার জন্য দ্বীদন পরে আবার ন্তন পথ খেঁজে। আপন ঠাকুমা দিদিমা দুরে চলে গেছে, ভাই আবার এই প্ররাস ৷ **এ থেকে হয়তো সাবধান হবার** সংকেত আমাদের ভারতীর সময়েজর মিলভে পারে।

১৯৬৪ সালে ইংলন্ডে টাস্ক ফোর্স-এর সরেপাত হর। হরতো অলপবিদ্তর সেবার পত্তন আগেই হরেছিল সকলের অজ্ঞাতে। প্রথম প্রথম তো বৃস্পত্সারা নিজেরাই জানতেন না বা বৃস্কতেন না কারা তালের আই অসহা নিরস্পাভার স্পাধিস্তর সাধী হ'তে চাজে। ভাষা কেই বা টাক্ট কোপতি বলতেন Tak feron: ব্যক্তিয়া কে কোন কোপা কে কোন কোপা কা কৰাও নেব হ'তো অন্তভ্ততাবে। ব্যক্তিয়া কি কাৰ্যত কোপা কাৰ্যত কোপা কৈ কোপা কোন কোপা কোনে বিক হ'তো কে বা কাৰ্যা সমাৰ কৰে ভালেৰ ব্যক্তি কৰে, ব্যক্তাৰ হ'তো একট্ট কাল কৰে গেৰে।

সবচেরে স্থাবিবা হ'চছ টাব্দ কোস'-এর চানা নেই, মেন্বারনিপের স্থাবেলা নেই, একগাদা করিটি, নিডা মিটিং-এর বাবন্ধা নেই। অন্য বে কোন সংস্থার সপে ব্রুছ হরেও Task force-এর একজন হওরা বার। বে কোন স্কুল কলেজ বন্দুতরের একজন হরেও টাব্দ কোরে বাস দেওরা বার। বরুস তিরিলের মীচে হ'লেই হ'লো।

টাস্ক ফোর্স-এর সর্বদাই সমাদর হয় তাঙ नत्। ज्ञानक राष्ट्रा मानाच इसरका माच ফিরিরে দেন। অনেকে বাইরের সাহাব নিতে নারাজ। কেউ বা বাচ্চা বাচ্চা ছেলে श्राहरसङ्ग क्छ राजी बदानाक्य करवन। ব্যুক্তা মান্যের অব্যুক্তনা কচি ছেলেমেরের যেন অসহা ঠেকে। অমূক দোকানের মাছ নাহ'লে হবে না, আনহ্র প্রনীর নাহ'লে চলবে না এইসৰ জ্লুমন্তরা কেনাকাটার হুকুম দিরে অনেক ব্জোব্ডি জনলাতনৰ করেন। হরতো পরসাকড়ি আছে ভব মুখের তোড়ে চাকরাণী কাজ করে না, কেউ বা পরসা থাকলেও পরচ করেন না। আশা कर्त्वन बाकाश्रामि करनक काम करत एएव। কৈন্ত মোটামটি হিসাবে ধরতে উপকারের মালাই বেশী। বৃষ্ধ বৃষ্ণারা নাতিনাতনী পান এবং আর নাভি নাভনীরা পার শাদ্ দিদা বা ঠাকুমা। মানুবের সংখ্য বাস করার শিকা মানবভার **সবচেরে বড়** শিকা। পাশ্চান্তা দেশে তো দার্ণ এক ন্তন ধারণার এখন সব মেতে উঠেছে। ছোট শিশ্র নাকি অতি অবল বরুসে মানসিক ভবিষ্যতের পশুন হয়। ভাই ছোট বাচ্চাদের Community living त्यवान मान्य মহড়া চলেছে। Community living-এর আর একটা দিক যে বৃন্ধ বৃন্ধা এবং কচি 🗢 ব্ৰকরা পরিপ্**র করছে সে বিষয় স**ক্ষেত্ নেই। নেশা আর **শৃত্থলাবিহীন জীবনের** একটা **লক্ষ্য তো মিলেছে। ঐশ্চৰ্যের** প্রাচুবের আর বাধাহীন লক্ষাহীনভাই নাকি পশ্চিমের ব্ৰসমাজকৈ মজিরেছে। কাজেই টাস্ক ফোর্স কন্তটা করেছে 审 করেছে ভার হিসাব করতে যাওয়ার পরকার নেই। কিছ, তোকরেছে। গুনিবার ব্বস্থাত আর পতিহীন শতিহীন ব্রাক্তের মাতে रमकु रहा सहना स्टबरहा

চতুর্থ পরিকল্পনার জন্য অতিরিক্ত অর্থ সংগ্রহ

- ভর্ম পাঁচসালা পরিবল্পনার অর্থ-D সংস্থানের বে ব্যবস্থা করা হরেছে তাতে সরকারী ক্ষেত্রে ১৪.৩১৩ কোটি টাকা খবচ হবে। ঘোষিত কর্মসূচী অনুবাহী এই টাকা সংগ্ৰহ করা সম্ভব হবে কিনা সে সম্পর্কে সন্দেহের অবকাশ আছে ৷ আমাদের ভাতীর আরের শতকরা ১১ ভাগ সময় করতে পারলে এবং তা ঠিকভাবে বিনিয়োগ করতে পারলে দেশের উমারন শতকরা ৫ ভাগ থোক শতকরা ৬ ভাগ চাবে বাছতে পাবে বলে আশা কর হয়েছে। সাম্প্রতিক ঘটনাবলীর পরিপ্রেক্সিতে তা কতটা সম্ভব द्वार बना कठिन। 2266-66 :68: ১৯৬৭-৬৮ সালে জনপ্রতি জাতীয় আয বথাক্রমে শতকরা ৭-১ ভাগ এবং ১-৬ ভাগ काम शिर्वाहरू। बनावानि এदः असन्मात ফলে কৃষিক্ষেত্র থেকে আয় কমে বাবার দর্নই এই অবস্থার স্থিট इत्यक्ति। ১৯৬৭-৬৮ সালে জন প্রতি জাতীয় আয **E441 4.9 E31 (4000) 3564-65 সালে হয়তো জনপ্রতি জাতীয় আরু আরুও धकरें (वर्ष्ड थाकरदा कथा राज्य सन-সাধারণের মাথাপিছা জাতীয় আয় তলপ বাড়ালেই আমরা এমন সৈন্ধান্তে আসতে পারি না যে লক্ষ্য অনুযায়ী সরকারের সণ্ডরের হার বাড়ানো সদ্ভব হবে। কারণ্ সঞ্চ বাদিধ অনেক **क्रि**शामास्तद केशव নিভরিশীল। চতথ পরিকল্পনায় সর্বারী श्रीहर्फानगांन (धरक উদ্যান্তর পারমাণ বেশী ধরা হয়েছে। চতুথা পরিকল্পনায় দেশের ভিতর অতিরিক অর্থ সংগ্রহ করতে हर्ग श्रुपान श्रुपालकन वास সংকোঠ कड़ा। সরকারী অর্থের সাম্ম বর্ণন এবং অপচর म्(तीकतागृह साधारम किছा होका वीठराड পারে। তা না হলে অতিরিক অর্থ সংগ্রহের জনা ঘাটতি বাজেটের আশ্রয় বরাবরই নিতে হবে। অৰণা ঘাটতি বাকেট থাকা যে খারাপ ভানর। ভবে দেখতে হবে অতিরিভ ঘটীত অথসংস্থানের বোঝা যেন মটোস্ফীতির পথ সংগ্রম না করে। চতথা পরিকল্পনার ৮৫০ কোটি টাকার ঘাটছি অর্থসংস্থানের ব্যবস্থা করা হয়েছে। অতীতের অভিয়াতা থেকে বলা যায়, ভৃতীয় পরিকল্পনায় ঘার্টতি অর্থসংস্থানের পরিমাণ তার লক্ষা থেকে **অনেক বেশী হয়।** তৃতীয় পরিকল্পনায় ঘার্টতি অর্থ সংস্থানের লক্ষা ধরা হয়েছিল ৫৫০ কোটি টাকা: শেব পর্যন্ত ভার পরিমাল দড়িয়ে ১১৩৩ কোটিটোকা। চতুখ পরিকশ্নার বাদ ঘাটতি অথাসংস্থানের পরিমাণ লক্ষ্যের চেয়ে অনেক বেশী হয়, ভবে আবার মুলাম্খীতির সূথি হবে।



অতিরিক অর্থসংগ্রহের दर्भ म ही 904 করার অর্থ বিদেশ থেকে আরও বেশী পরিমাণে টাকা ধার করা नका वाकीरङ আমরা যে বৈদেশিক ৰণ গ্রহণ করেছি ভার माम प्रविद्यात क्या शहर रेवर्णां मक मजा দেশ থেকে বাইরে 570 चारका ध्रांचन বৈদেশিক ঋণের পরিমাণ সহজ নর। ভাই রুভানি থেকে खा/सर পরিমাণ বাতে আরও হাডে रमकना क्रफी করতে হবে। গত চার বছর ধরে সিং**হল** থেকে চা রুজানির পরিমাণ ভারতের চা রুতানি থেকে অনেক বেলী হয়েছে। পাটের তৈরী জিনিস রুপ্তানির ক্ষেত্রে পাকিস্ভান ভারতের সবচেরে বড় প্রতিযোগী। রুভার্য কর্মসূচীকে স্থিতিশীল ভরতে পারলে এবং রুক্তানির পরিয়াণ যে চারে বাড়াবার প্রশতাব চতথা পরিকশ্যনার ভরা হরেছে (শতকরা ৭ ভাগ হারে) ভা করতে পারলে আমাদের আর্থিক স্থিতিশীলতার সম্ভাবনা উ**ল্ছাল হবে। কর ধার**ি করে অতিরিক্ত অর্থসংগ্রহ করার সম্ভাবনার বে সাযোগ আছে ভার সম্বাবহার করা দরকার। বর্তমান বছরে কবি-উৎপাদনের অবস্থা থ্বই ভাল। ১১৬৮-৬১ সালে কৃষিকেতে উংপাদন ভালই হ**রেছে। খাদাদাসে**ছে উৎপাদনও গত বছর ৯৮ মিলিয়ন টন হয়েছে। জাতীয় আহের পরিমাণ্ড গ্রভ বছর বেডেছে এবং আরু ব্যান্থর অধিকাংশ এসেছে কু নিকেন্ত্র (च(क। কৃষিক্ষেত্রের ৰ্বাধ'ত আর সুসংহত করা সরকারের পক্ষে সম্ভব এবং উচ্চ-আর্দুম্পান কুষ্কদের আর স্থারত বেশী করে কর-ব্যবস্থার আওডার এনে गर्दीय कुषकप्पत्र छेरशामन बाष्ट्राताद्व कारक সাহায্য করা হর্ত ভবে সামগ্রিকভাবে কর থেকে প্রাপ্ত রাজন্মের পরিমাণ চূড়ান্ত পর্যারে বেডে বাবে। বৈদেশিক সাহাবোর ক্ষেত্রে বে অনিশ্চয়তা আমরা গত তিন বছর ধরে দেখছি তা এখনও অব্যাহত আছে। দেশকে অর্থনৈতিক স্বরম্ভরতার পথে এগিরে বেতে হলে বৈদেশিক সাহায্যের উপর বরাবন্ন নিভার করে না খেকে দেশের আভান্তরীণ সন্ধয়, সরকারী প্রতিষ্ঠানগর্নির উদ্বস্ত, शर्गाणभीन कर-वारम्था अवः काला होका নিরল্যানের উপর বেশী নিভারশীল ছওয়া । তবংব

क्षक वस्ता भीन्द्रवयस्था निम्मनारमान्द्रीयस्

meetis Labour in West Bengale 7.0 वह वि मार्थ बाका अवकाद করেছেন ভাতে দেখা বার ১১৬৮ সালে পণ্ডিমবপ্সের শিক্ষাপ্রলির সামনে সবচেরে বন্ধ সমস্যাগ্রলি ছিল আহিছ অরভারের অভাব, কাঁচামালের প্রাণাতা, বেরার এবং ধর্মছট পাণ্যলায়ন্স হিসোক্ত काल कर्माडादीरमय कर्मभन्यव नीचि वयः অন্যান্য কারণে প্রমিক অশান্তি। ধর্মারট **এवर नक-चार्छछेत्र मदान ১১**৬৮ **जा**ल পশ্চিনবালা ৪৬৯টি সিল্পসংস্থা কর হয়ে বার: ভার ফলে কভিপ্রস্ত হন ২.৭৬,০২০ क्रम अवर काट्कद्र मिन मन्त्रे हरू ৭০.৫৬,৯৩১টি। ১৯৬৭ সালের ওলনার ১৯৬৮ সালের শিক্স-জন্মনিকর পরিমান বেলী ছিল: ফাল বন্ধের পরিমানত বেলী ছিল। ১৯৬৮ সালে ৩২৭টি সংস্থার স্লোট ১২.৮০২ জনকে কাজ থেকে ছটিটে করা इत्र। **এक्ट यहरत ১৪১**টি जिल्लामस्**न्या** বন্ধ হতে গিতেছিল এবং ভার দত্তন ১৬ হাজার লোক কর্মহীন হন।

সমগ্ৰ ভারতেই ১৯৬৭-৬৮ সাল প্ৰশিক্ত চার বছর ধরে শিক্পক্ষেত্রে প্রশা পরিক্ষাক্ষিত হয়। কিন্ত পশ্চিমবংগার অকলা স্বভন্ন। পণ্চিমবংশ্য শিল্প-মুক্তার প্রধান কারণ ভিল শ্ৰমিক অশান্তি। বৰ্তমান ব্ৰয়ণ্ট সহকার এখনও পর্যাত এমন কোন প্রমনীতি বোরণঃ করতে পারেননি হার ফলে শিলপক্ষেত্র শ্ৰমিক অশান্তির একটি স্বায়ী সমান্তান খ'লে পাওয়া বার। সম্প্রতি পশ্চিমবল্যের জন্য যে টোড ইউনিয়ন বিল বুচিত হারেছে তাও ফ্রন্ট গঠনকারী সবগালি দলের ঐকা-মতের উপর ভিত্তিশীল নত। বলিও ১৯৬৮ সালের শিক্প-মন্দার জনা বর্তমান সরকারের কোনও দায়িত মেই (কারণ তথন বালীপভিত্র শাসন চাল্ছেল), তব্ও ১৯৬৮ সালের শিক্স-মন্দার কৃষ্ণা সাতে ১৯৬৯ সালে কাটিতে ওঠা বার একং প্রমিত অন্যাল্ডির



পরিষ্কাশ করিবের কেলা বার তার কলা
সর্বাহ্মক প্রচেপ্ট বাকাই কামা। বেরাও
কলাকে একটি স্নিদিশিও নীতি বোকিও
হওয়া দরকার। হেরাও বে দিলপকেটে
উৎপাদন দ্রাসের একটি কারণ সে সম্পর্কে
সন্দেহের কোন কারণ নাই। কিল্ডু বেরাও
কেন হর তার কারণও বিশেবণ করা
দরকার। বেরাও বন্ধ করা বেমন দরকার,

তেমনি বেরাও বে কারণান্তির জনা হর নেলা্রিও নিমন্ত্রণ করা বরকার। এটা সম্পর্ক হতে পারে প্রমিক ও মালিকের মধ্যে প্রমিকদের ও নালিকের ন্যার্থ অনেক ক্ষেত্রেই আলালা কিন্তু একটি স্বনিন্দা কর্মসূচী গ্রহণ করে সমধ্যেতার পোছানো সম্প্রবিদ্যান বেরে ক্রেটা করা বেতে পারে। পাত্যমবল্যের

स्वार है जान अरों स्वारिक्त स्वान्तिक स्वान्ति वास्ति वास

PLES 12'4

আপনার সারা বছরের কুরুশ ও এমব্রয়ডারি বুনবার আয়োজন!

নতুন কোটস্ 2 আছের
থ্যব্রভারি ও কুল্প বুনবার
পূর্তকের তালিকার এখন কয
করেও ৩৯টি আরের বই আছে।
এই কুপনটি কেটে আরাদের
কাছে পাঠিরে দিরে এক কপি
পূত্তক-ভালিকা বিমান্তল্যে
নিরে নিন। এই ক্ষোগ
নিকে হারাদেন না।



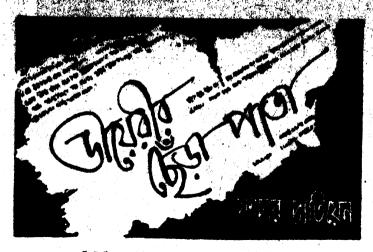


ভাগনাকের	विवा युरवाय	একবাদি	পুতৰ-ভাষিকা	বাহাকে
পাঠাইছা বিং	त्व । উराइक	বিশ্বক বিভি	য় ক্ষীৰ স্মানুগোৰ	न्ताहार्य-
परे शरफ च	वि वादिया ग	स्य		

डिकामा

<mark>জে এন্ড পি কোটস্ (ইভিন্না) প্রাইডেট নিন্নিটেভ</mark> মার্কেটি বেরন, ৮১ পটন রোড, বোঘাই—১।

Bansons-1650-Bea



181

नवाशण्यक

বার গরিবথানার চৌকাঠে কোনো
নবাগস্তুকের পদধ্লি পড়া মাত্র ক্যালেভারের পাতা দেখে আমি ব্রে নিই,
কেন এই শৃভাগমন। স্নাতক বা
স্নাতকোত্তর পরীক্ষার কল বাদ বোররের
গিরে থাকে, তবে মিশনারী স্কুলে
চাকরির জনা উমেদারি; আরু বাদি
বিদ্যালারের বর্ষ শ্রুরুর পালা আসম,
মিশনারী স্কুলে ভতির জনা ব্রোথালি।

সেদিন বিকেলে তাই বখন টোকা
পড়ল দরজার এক ঝটকার আমি নিজেকে
মনে মনে প্রস্তুত করে নিতে কেগে
গেলাম: অভার্থনিক তুটিহীন হবে,
প্রথমিক আলাপও বধাবথ সৌজনোর
সংগাই সারব, এবং বখন দের পর্যক্ত সেই
অবশাস্ভারী কথাটি উত্ত হবে, বৃত্ত করে
বিনীত ভাগতে নিবেদন করব আমার
অপারগতা, সর্বপ্রকার শিক্ষা-প্রতিষ্ঠানের
সংগেই আমার সর্বপ্রকার সংযোগের
অভার...

কিম্পু না, আমার আজকের অতিথিটি এ সব কিছে চার না, চার শুধু করাসী পড়ার ব্যাপারে আমার সাহাব্য।

করাসী ভাষা শিক্ষার উৎস্ক বাঙালীর সংখ্যা দিনে দিনে বাড়ে। কারো কারো আগ্রহ কথ্য করাসীতে—বৃত্তি ক্টিরে বিদেশ বাবার আশার অগ্রিম প্রস্টিত, কেউ কেউ আবার বাংলা দেশে থেকেই ম্ল ভাষার বাদল্যার, র্যাবো কি ভালেরি পড়তে পারার ক্ষণ দেশে।

...ছেলেটি কিন্তু করাসী ভূমিতে
অবতর্গের আকাঞ্চার বেমন অধীর
মর, তেমনই করাসী সাহিত্যের
চ্ডার আরের্হেণের ক্রের বসায়নশংকার
গবেবণায় নিমক্ষানেই অধিকতর উংসাহী
রাবো বিংবা ভালেরির নামও সে জানে

না, বোদল্যারের নামটা অবশ্য বলল

"শোনা শোনা লাগছে"]। কিন্চু রোম্যা
রোলার সে রাভিমতো এক ভন্ত, এবং
সম্প্রতি কোনো এক লাইরেরিতে জ্যান্
(ভারতবর্ব) বইখানা জাবিক্তার করে
দার্শ উক্তেজ্ঞ । পাঁচশো পাতার এই
বইটিতে রোলার জানাল খেকে বিভিম্ন
সমরে লিগিবন্ধ করে রাখা তার ভারত
বিবরক সমস্ত উদ্ভি উন্ধৃত ও একচিত
করা হরেছে; কালব্যান্তি ১৯১৫ খেকে
'৪০।

"অতএব আসতেই হল আপনার কাছে, ফালার...আমি তো ফরাসী প্রায় কিছাই জানি না।"

আর আমার দুর্ভাগা বে, আমি এখনো ভূলি নি...। বস্তৃত বইখানার মোটাসোটা চেহারা দেখে বেশ ভড়কে গিরেছিলাম। কি করি কি করি ভাবছি, আর ভাবতে ভাবতে অধ্যনসক্ষভাবে পাতা উল্টে বাজি হাটাং বিদ্যাহক মতো হাতির প্র ঠাইছা হটা প্রেক। কোনো এক প্রাক্তর পারিক মুখ জন পিরে বইটা প্রেক্তেহ এবং ভার ভালো-লাগা অন্তেফ্ত প্রেলার নিচে মোটা পেনের ব্ল-রাফ কালিতে দাগ বিশ্বে খিলেছে উদারভাবে। লাইরেরির বই বালানো বেশকে আমি বালা পাই; কিন্তু সে মুহুতে লোকভিকে আমার মনে হল প্রম বন্ধ।

বললাম, "দ্যাখো হে, প্রো বইটি ব্রিরে বলার সমর নেই, প্ররোজনও নেই—সর্বত্ত সমানভাবে রস পাবে না। দেখে শুনে মনে হচ্ছে, ঠিক ঠিক পাসেকাগ্রোই চিহ্নিত করা হরেছে; সেগ্রোই অন্বাদ করা বাক।" ছেলেটি অপত্যা সম্মত হল। বোধ হর ভাবল, উপবাসই বেখানে বিকশপ, অর্ধভোজনই সেখানে ভরিভোজ।

সম্পেটা সেদিন কেটেছিল স্কুদর।

ভারতবৃদ্ধ, রোলা

বইরের প্রার প্রতিটি পাতার ভারতীর অতিথিনের উল্লেখ : রাজেন্দ্র প্রসাদ, লাজপত রার, স্থাী কন্যা ও ভগিন্নী সমডিব্যাহারে জওহরলাল নেহর,....। তবে অধিকাংশই বাঙালী আগলভুক : দিলীপ রার, অমির চন্তবতী, সৌমেন ঠাকুর, অরাদাশকর রার (রোলা ভ্রমন্তমে লিখেছেন এ এস রাজ), প্রশালত মহলানবীশ (রোলা লিখেছেন রশালত), জগদীশচন্দ্র বস্থা, ধ্বনগোপাল ম্থাজি, রামানন্দ্র চাটাজি, স্বান খেব (রোলার দৃষ্টিতে "উজ্জাল, সংক্রতিবান, গলবগ্রাহাী একটি মান্স, মুরোপের মেহিনী



व्यवनम्बर्धात भाषा देशक गांच

মানা বাঁকে অবেঁক জয় করে নিরেছে।")।
রোমাী রোলা ইংরেজী জানতেন না;
এদিকে, কালিদাস নাগের মতো অতি বিরল
ব্যতিক্রম ছাড়া, তাঁর ভারতীয় আগস্তুকেরাও
ভালো রক্ম ফরাসী বলতে পারতেন না।
রেলাীর ভগিনী উপস্থিত থাকতেন দোভাষী
হিসেবে।

সমশ্ত আলাপ ও কথোপকথনের সারাংশ
এবং প্রাণত ও প্রেরিভ চিঠিপত্তের সংক্ষিণত
বিবরণ—জার্নালভুক্ত করেছেন রোলা। দুখ্
তা নর, নবপরিচিতদের চেহারার বৈশিষ্টা,
শোশাক-আশাক, কণ্ঠল্বরের প্রক্ষেপ ইত্যাদি
বিবরেও তিনি তার মণ্ডবা লিশিবদ্ধ
করেছেন। কোথাও বা রয়েছে ইতালার
কন্বাদে 'শ্রীকাণ্ড' পড়ার পর তার
মনোভাবের উদ্যালন ঃ শ্যশানে ও গণগাবক্ষে
বার্রির বর্ণনা তাঁকে প্রবলভাবে আকর্ষণ্য
করেছে।

দ্মামকৃষ্ণ ও স্বামী বিবেষানন্দের উল্লেখ—
অবশাই—বারবার ঘটেছে দিনপঞ্জীর পাতাগ্রিতে, কিন্তু খ্যি অর্রবিদের ব্যক্তিছের প্রতিও তাঁর কোত্ত্ল স্মুপদট ঃ অর্রবিদের
মধ্যে পাঁরসনি তাঁকে বলেছিলেন, মিলিত
হরেছে রবীন্দ্রনাথের চিন্তা ও বাণাীবভূতি
এবং গান্ধীর সংকল্পদাঢা ও চারচবৈত্ব।
আদকে অর্রবিদের আভিজ্ঞাতাপনা' সাধারণ
মানুষের থেকে তাঁর দ্রেম্বরক্ষা, রোলাকৈ
বানন্দের মেকে তাঁর দ্রেম্বরক্ষা, রোলাকে
বারন্দ্রে এমন মর্মান্ত্র্য সংগ্রামের দিনে তাঁর
এই আছ্রাচিত ব্যবধান ও অন্তর্গলচারিতা
রোলাকৈ প্রতিহৃত ক্রেছে।

ভীর সমালোচনা

আগত্ত্বদের প্রতি হুটিহীন আতিথেরতা রোলার ব্যভাবসিদ্ধ ছিল কিন্তু তাদের চারিহিক নানতার প্রতিও তিনি অন্ধ ছিলেন না। ব্যামী সিদ্ধেশবরানন্দ—প্যারিসে রামকৃষ্ণ মিশন কর্তৃক নিযুক্ত প্রথম সম্যাসী— রোলার বিনীত শ্রদ্ধার্য পেয়েছেন: এদিকে



टवीका

সম্যাসী-অভ্যাগতের কয়েকজন আত্মদপী' উগ্রতা তাঁকে বিভক করে তলেছে। "আমি পীড়িত না হরে পারি না য়ুরোপে আগত ভারতীয় তর্গদের নির্বোধ স্বাজাত্যাভিমানের বহর দেখে। রুরোপ সম্পর্কে কিছুমার না শিখেই তার প্রতি তারা অবজ্ঞা প্রদর্শন করে: যুরোপের নৈতিক ও আধ্যাত্মিক শক্তিকে তারা হৃদয়ক্রম করতে পারে না।[®] ভারতীয় আধ্যাত্মিক ঐতিহ্যের স্তৃতিগানে মূখর এবং আপন শৈশবের ধর্মের সংগ্র ছিল্লযোগ হয়েও তিনি অকস্মাৎ এই কথণিও হঠকারী মন্তবা করে বসেন : "ভারতবর্ষে নৈতিক ধর্মা বলে কিছু নেই। হিন্দু **ধর্মের বিধিনিদেশিগ**ুলি বহিরংগনিভার, সামাজিক ও আনুষ্ঠানিক— নৈতিক নয়। যে অশ্চিতাবোধ সব কিছুর উপরেই সর্বগ্রাসী প্রভাবে আসীন ভার মান নীতিম্ল্যবিরহিত বিধিল খন আর প্রকৃত নৈতিক অপরাধ—দুটোতেই সমানভাবে প্রযান্ত হয়ে থাকে।" এদিকে তাঁর মতে, ন্রেপীর জাতিসম্হের সমশ্ত দোবার্টি সর্বেও তাদের জীবনবারার খ্রীক্টবর্মের নৈতিক অবদান সর্বায় বিদামান ঃ "কর্মবার্টী, ক্রে শ ভো গী খ্রীক্টের ন্তালকার্টির, বিবেকের অতল্প প্রহরা, প্রাভাহিক ক্লের প্রীক্ষা, পাপ্সবীকার…"

বাঙালীদের প্রতি রোলীয় প্রম্পুটি
পক্ষপাত ঃ ভারা ব্রিদ্যাণত, শাঁলিজআচরণ, বাকো ও প্রকাশভণিগতে আভিশ্বাপ্রবণ, ঠিক ইতালীরদের মতো—কিন্তু
অধাবসারে দীন; বেমন চট করে উর্জেজত
হরে ওঠে, তেমনি ট্রু করে ফ্লান্ড ইরে
বারা। নেতাজী স্ভাবচন্দের মার্লিন
আগমনের সংবাদে, স্পত্তই অভিরক্তিত
সাধারণীকরণের প্রেরণার, তিনি কিন্তে
বসেন, "এই বাঙালীরা…এড উর্গ্ন, এড
আবেগপ্রবণ...ব্রিফ্রেডার ধার এরা ধারে
না। এরা শ্বু মানে নিজেদের সংরাগের
ভাড়না, ঈর্ষা ও দম্ভলনিত আবেগাভিশ্বা,
আশ্র উর্জেজত কাঁচা মতের স্পশ্কাভরা।"

বিরক্তির তিক্কতা কিম্তু সবচেরে প্রকট হরে
উঠেছে বইরের সর্বন্দেব পাতাটিতে। দিতীর
বি শ্ব যু দ্ধের সমস্ত্র প্যারিস-প্রবাসী
ভারতীরেরা স্বাধীন ভারতবর্ব কেন্দ্র
নামক এক সংস্থার যোগদানের জন্য রোলাকৈ
আমস্ত্রণ জানার। "তারা জানেন, ভালো
মতোই জানেন, ভাদের আমন্দ্রণে সাড়া দেবার
উপার আমার নেই—আমার নিজেরই মাড়ভূমি আজ শৃংখলিত। কিম্তু তারা শৃংধ্
আপন দেশ নিরে ব্যাতবাসত: এবং ভার
মুভির জনা যে-কোনো উপারই অবলম্বনযোগ্য—এমনকি অপরের বন্দ্রীদশাও।"

রবীশ্রনাথ

১৯৩০ পর্যাত, অথাৎ জানালের প্রথম অধাংশ জাড়ে, রবীন্দ্রনাথের আধিপতা —শেষাধে যেমন গান্ধীর। রোলী ভাঁদের তুলনা করেছেন যথাক্রমে স্পেটো ও সম্ভ পলের সম্পে। এই দুই বিরাট ব্যক্তিম্বের মধ্যে চরিত্রগত বাবধান ব্রুতে দেরি হয়নি রোলার। দুজনের মধ্যে তিনি **থ**ুজে পেয়েছেন "মানবসমাজের দুটি গোষ্ঠী, দ্টি শ্ৰেণীকৈ—একদিকে অভিজাত পুরুষ, রাজকীয় মহিমায় উম্ভাসিত, আয়েক দিকে জনপ্রিয় সার্বজনীন গ্রের প্রতিজ্ঞাব। বেন দৈবরথে মুখোম্বি ব্যল—চ্ডান্ড শিল্পী আর আধ্যান্দ্রিক তথা রাজনীতিক প্রবস্তা।" প্রকৃতপকে, ভারত-দর্শনে ব্যাকুলভাবে উংস্কু হয়েও যে-সর কারণে শেষ পর্যন্ত তিনি বিরত হরেছিলেন ভার অন্যতম কারণ रम এই मृष्टि लान्धीत मरश मार्गामात शर्छ শ্বিধাহীন হ্বার আশৃত্রা।

রোমা রোলা ও রবীন্দ্রনাথের মধ্যে চিস্তাধারার সাধ্যা ছিল প্রবল। এই চিৎসাদৃশ্য সর্বপ্রথম প্রকাশ পার ১১৩৬

ভারত গড়ঃ রেজিঃ নং ১৬৮৩৪৪ আন্ধ্রসূলে, সিস্ত সালে, লিভার ব্যথা, মুখেটক ভাব, ঢেকুর ওঠা, বিমিতার, বুকজ্বালা, মন্দারি, আহারে জরুটি ইত্যাদি রোগে বিশেষ কলেঞ্জন। বিফলে মূল্য ফেরং। প্রতি কৌটা ওটাকা,ও কৌটাটাঃ ৮৫০। ডাঃ মাঃও গাইকারী দর পৃথক দি বাকেলা ঔষধানেয়া ১৯১১ লোকালারী বো ৮ সালে টোকিরো-র প্রথম্ভ রবীন্দ্র-ভাবণের
প্রতি রোল্ট্র প্রতিজ্ঞিলার মধ্য দিরে।
য়ানবেভিক্তানের একটি সন্ধিকণ কলে ঐ
য়ানুভ্তিঠিকে তিনি জৈকিত করেছিলেন।
ভাগকে রবীন্দ্রনার্ভ্যর উন্তির উন্পতিসাক্ষা ঃ
প্রতিটিতে বতকানের সন্ধ্যে পারিচিত হরেছি,
রোলাই ছিলেন তাঁলের মধ্যে আয়ার
মানরের সবচেরে কাছাকাছি, আয়ার অন্তঃপ্রকৃতির নিক্টতম আন্দ্রীর।"

প্রথম সাক্ষাংকারের কাল (১১২১) reres ব্ৰীপ্ৰনাথের খবিপ্ৰতিয় দিবাকাশ্তি ও মনোম প্রকর সর্বাচ্চেন্তর ব্যক্তির বোলার মন কেডে নিয়েছে। রবীন্দ্রনাথের পরে-বধার-বাঁকে তিনি ব্যাবর উল্লেখ করেছেন 'প্রতিমা' বলে—মাধ্বে' ও সম্প্রম জাগানো উপস্থিতি ও আচন্দ্রণ, এবং রবীন্দ্র-পত্র রথীন্সনাথের "মনোরম নিন্টাচার আন্দ-সংহত ও নিখাদ সহান্তিতিশীল বিনম্ভা''ও ভার মনে গভার দিনাধ ছারাপাত করে-ছিল। করবার লক্ষ করেছেন রোলা রথীন্দ-নাথের সচেতন আন্ধবিলোপী নেপথ্যবিহার, যেন পিতার সেবাতেই জার জীবনের চরিতার্থতা : সমুস্ত জাগতিক চিম্তা-ভাবনার বোঝা নিজের কাঁধে তলে নিরে পিতাকে তিনি আপ্রাণ প্ররাসে ভারমকে कार्यक्रम ।

র্রোপের সপ্পে প্রতি তুলনার এশিরার

-বিশেষত ভারতবরের—শ্রেণতা বিষরে
রবীন্দ্রনাথের নিক্ষেণেরতার কথা রোলা
লিপিবন্ধ করেছেন বিনা মন্তব্যে। রবীন্দ্রনাথের নিক্ষের কথার, র্রোপ এক দক্ষ
কারিগর, স্পের একটি বাদাবন্দ্র সেনতা
করেছে, কিন্তু ভাতে সন্গতি-বোজনা করতে
পরেরি: সন্গতি ভারতেরই প্রাণসন্দর।
র্রোপীর ভারতজ্ঞানের সন্বধ্ধে রবীন্দ্রনাথ
আন্থাহীন; ভানের সব্প্রেণ্ড পন্ডিত্রো
পর্যান্ত, ভার মতে, প্রকৃত হিন্দ্র মানস্থাতিহোর অবধারণায় অক্ষম।

मध्योक

নবীন্দ্রনাথ আর রোলা, স্কুনেই ছিলেন সংগীতের সমজদার। রবীন্দ্রনাথ তাঁর স্ফুটি গান নিজ কণ্ঠে রোঁলাকে গেরে শুনিরে-ছিলেন। রোঁলার অভিমত : "গান স্ফুটি স্পান্টরেথ, ছালোস্পান্দন বাঁধা, অনেকটা ন্রোপীর মেলোডির মতে।; খ্ব বেশী উংস্কা জাগার না, কিন্তু সহজেই মনে রাখা বার, সহজে শেখানোও বার।"

পাণচাত্তা সংগতি বিবরে রোলার বছবা ঃ
রবীন্দুনাথ তার প্রায় কিছাই জানেন না।
রোলার ভারি বিস্মার লেগেছে ভাবতে বে
এই বিরাট প্রতিভার শিলপী, এতকল প্রতীটিতে অভিবাহিত করেও এবর মুরোপীর সমাজের বিভিন্ন মহলে সছস্ক বাভারাতের সুবোগ পেরেও, এমন একজনও রুরোপীরের সংগে বাধ্বম্পুতে আবাধ্ব হুন্নি



वयी गुमाय

ৰাঁৰ সতি৷-সতি৷ কথাঞ্চ সাংগীতিক সক্ষতা আছে। প্লাক-এর নাম পর্যন্ত রবীক্ষ-নাথের কাছে অপরিচিত। **एरिक** বীটোফেনের একটি সপ্যতিবে ব্যক্তিয়ে শোনাড়ে গিরে প্রতিহত হরেছিলেন রোলাঁ: ব্রুতে পেরেছিলেন, সংগীতের সরেমহিমার কোনো অভিযাতই পডছে না শ্ৰোভার মনে ৷ রবীন্দ্রনাথ বলেছিলেন, কবিভার রুস দেশ থেকে দেশাশ্তরে সঞ্চারিত ক'রে দেওয়া সম্ভৱ হতে পারে, কিন্ত সংগতি করাপি নর। রোলার উত্তর: রুরোপে ঠিক উন্টো; গোটে কিংবা শেলিকে কিছুতেই यम्बारम् ४तः बारव मा. जयह छेखत रथाक দক্ষিণ প্রতিভ বীঠোফেনের সরলগরী অনুভূতির অব্যবহিত তর্পা তেলে।

जारतकाँउ विवय छेरमाकासमक फेरकास বোলার কাছে : রবীদ্রনাথ তার কবিতার উপর স্থান মেন, তার গানকে এবং গানের উপর তাঁর ছবিকে ঃ 'এখন আমার আর সব काम जन्मदर्भ जामि छेमामीन: ग्रंस अकि বিৰয়ের জন্য আমি গর্ব অনুভব করি, তা আমার ছবি।' আসলে, রোলার মন্তবা, পাশ্চান্তো তাঁত ছবি যে বিপলে সংবর্ধনা লাভ করেছিল, তার নেশার ঘোর লেগেছিল রবীল্রমানসে—তিনি খাটিরে দেখেনীন কতটা তার খাঁটি, আর কতটা শবেই ভ্রতা-সম্মত অলীকভাষণ আর ফোভোবাব দের সবজান্ত। মনোভাবের প্রকাশ। বার্ধকাপ্রাণত মহাক্ৰিক শিশাসালভ অহংবাশ্য বলে এই উল্লেখ করেছেন রোলা-এবং স্মরণ না করে পারেলন যে ঠিক এট সময়ই রবীক্রনাথের स्वापत्म मृद्ध्य-गृत्रभात माना हामाह मानाहे. দেশনেতারা কারারশ্ব। আচার্য কগদীশের সপ্সে প্রতি তুলনা রোলার মনে এসেছে : ভারত ও ভারতের কন্টের সংগ্রাম ছাড়া আর কিছ, তিনি ভাবতেই পারেন না, তাঁর নিজের গবেষণা পর্যন্ত থেমে আছে: 'সভাই অলাদা ধাততে গড়া এই মানুৰটি: স্বীকার করি তিনি আমার মনকে টানেন অনেক বেদী ৷"

जनारमंत्र कारम

রবীন্দ্রনাথের সম্পর্কে রেজার কৌত্তলী ও সভ্রম্ম মনোভাবের প্রমাণ মেলে আরেকটি তথ্যে : রবীন্দ্রনাথকে চেনেন এমন অতিথি-অভ্যাগতের কাছে তার বিষরে তিনি নানান আগ্রহী প্রমন প্রসংগক্তমে উপস্থাপিত করতেন, এবং তাদের অভিমত-গর্মি সমঙ্গে লিগিবন্ধ করে রাখতেন তার ভর্মেরতে।

পল বিশার—অর্বিদেরর এক প্রাক্তন বংধা: এ'রই দলী পরবতী কালে পণ্ডিচেরীর

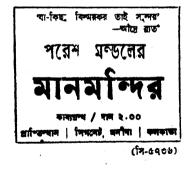
(সি "৫৮৬৬)

প্রকাশত হল বৈপায়নের ঐতিহাসিক উপন্যাস
রাজতরঙ্গিপীর দেশে ৮০০০
এই রোদ এই বৃতিট ৫ ৫০
দোলনচাঁপা সম্মাট সেন ॥ ১০.০০
বিবের রঙ খনখারাবি শুদ্র বিতান
চিরজাব সেন ॥ ৬০০০ কুশান্ বন্দ্যোপাধ্যায় ॥ ৫০৫০
বর্গলী প্রকাশনী বিত, মহাদ্যা গামী রোড, কলিকাডা–১

শ্বা' ছবেন—বোলাকৈ জানান, "রবীন্দ্রনাথের সন্দেরে বড় দ্রোগ্য হল বিভাবান বংশে জন্মান্তম, বার ফলে পারিপাশ্বিক সমাজের দ্রেখ-দ্রদ্ধার সপো তিনি ছিল্লবোগ । সংক্রিক্ত কন্পার্টমেন্টে ছাড়া তিনি কখনো ক্রমণ করেন না। আর তাঁকে খিরে থাকে এক জমান্তা ও সভাসদম-ভলী। শাণ্ডিনিকেডন বিদ্যালর নর, ছোটোখাটো নন্দন-কানন একটি, দেবতার চতুল্পাশ্বা বেন্টম করে দেবদ্যতেরা বন্দনারত।"

डीक्टिक्टन প্রতিস্থানের রবীন্দ্রনাথের অন্যতম সহযোগী এলম-হালেট্র কাছ থেকে রোলা শোনেন, সম্জন ও ন্মেছ্যবণ তিনি, অপরের প্রতি সহান্-ভতিশীল, কিন্তু অতিমানার অভিযানী ও স্পর্কাতর। তাঁকে বারা ভালোবাসে. ভাবের প্রতি তার ইচ্ছাশতির উপর চাপ-স্থাতির সন্দেহ তিনি এডাতে পারেন নাং মান্তের মনঃস্মীকার তাঁকে তেমন কুণলী বলা বার না। বেটকের বশে চলেন বন্ড বেশী, আতাদ্ভিকভাবে কল্পনাপ্রবণ, লোক চিনতে প্রারশই ভল করে বসেন। অপাত্রে বিশ্বাস ও স্পোত্রে অনাস্থা তাঁর স্বভাবগত. এবং এ ক্ষেত্রে তাঁকে ফেরাতেও দরহে।"

এইসব সমালোচনার উপর নিজের মতা-মত প্রকাশে, সম্ভবত ইচ্ছে করেই, বিরত থেকেছেন রোলা। তথাপি রবীন্দ্রনাথের আচরণভাগামার কোনো কোনো লক্ষণ বা বৈশিষ্টা যে তাঁকে বিরূপ করেছে—এ সভা তিমি গোপন করেননি। তাঁর ব**ড**ব্যের মর্মার্ছ : নিজের কণ্ঠস্বর শ্নতে ভালো-বাসেন রবীন্দ্রনাথ, বাণিমভার আত্মভূণিতর টানে ভেলে বান, বনে বান কথার পর কথা: যাকে তিনি সংলাপ বলে মনে করেন আসলে তা স্বাতোভি, দীর্ঘায়িত নির্পদ্র বাক-বিশ্তার তাঁর পছন্দ, সত্র থেকে স্ত্রোন্ডরে চলে যান অকল্মাং...! নিজের বলার কথাটি वनरु ना भारत ज्ञानी यथीत राज उटेन। তাঁর গৃহে রবীন্দ্রনাথের কারো দিন অবস্থানের পর রোলী লিখছেন, "আমি তাঁকে গভীরভাবে ভালোবাসি, আমি ভাকে শ্রন্থা করি: আর তব্যু স্বীকার করব কি. এমন একটিমার কথোপকথনের কথাও यस १७ ए ना आभात सात भरेगा कथात





মাঝখানেই, হঠাং উঠে বেরিয়ে আসার প্রবল প্রলোভন অনুভব না করেছি।"

তরাত, তাঁর অন্যুরন্ধিতেও যে বিশন্মার ফাঁক ছিল না, ভারতীর বন্ধ্রে বিদারকালে, দেউননে, ভারতবন্ধ্রে আন্তরিক অল্ল্যানা ভার প্রমাণ দিয়েছে।

নহারা গাম্বী

এই আশ্তরিকতা গাল্ধীর প্রতি রোলার মনোভাবেও প্রণ সারাতেই পরিস্ফুট ঃ "সমকালের অনা যে কারও চাইতেই আমি তাকৈ অধিক প্রশা ও সম্মান করি।" অথচ, প্রথম থেকেই এ-ও তিনি লক্ষ করতে ভূল করেনান, গাংধীর মধ্যে তার মতো কোনো আশ্তর্জাতিকভাবাদীর সন্ধান মিলবে না। গাংধী জাতীরতাবাদী, মহন্তম ও বরেগাতম জাতীরতাবাদী ঃ কোনো শতেই নিজের মেরের বিরে দেবেন না তিনি কোনো ম্সলন্মানের সংগা: একজন মানুবের প্রাণরক্ষার জনা একটি গভার প্রাণহত্যা তার পক্ষে

গান্ধী সন্পর্কেও তরি অতিথিদের অভিমত তিনি ট্রকে রেখেছেন ঃ "রাম-ক্ষের প্রভাবমুণ্থ তিনি" (ধনগোপাল মুখার্জিণ); "ছারুলারার্জনের ধারণা তিনি বিবেকানন্দের কাছেই পেরেছেন" (এপ্সুক্ষ); "ভারতীর জনসাধারদের উপর নৈতিক কর্ম্ব তার এতট্বুকু ক্ষীণ হর্মন, কিন্তু ভারতের এলিটের উপর রাজনীতিক নেভুক্ষমতা তিনি হারিরেছেন" (নেহর্ম)।

রোলার মতে মহাস্থার এক মহৎ গণে এই বে. প্রশংসার চেরে সমালোচনার প্রতিই তিনি অধিকতর উৎসকে, তার জনা, তিনি অধিকতর কৃতকা। তাঁর আপ্রমের দ্ব' শো সভার কেউ-ই আপ্রমান্ত্রের প্রতি প্রশা-পোরংগ দীন নন, কিন্তু তাল সকলেই স্বাধীন বিচারের সায়িদে ও অধিকারে রা-ভত: 'এই ক্ষেক্তে কিবো ঐ বিষরে আমার ধারণা অনারকম…' এ কথা বলতে কেউ সংকৃচিত হন না, এবং গাংখী মতান্তরের মূল্য জানেন, জিল্ল মতের অবাধ প্রকাশ তাকৈ তৃন্তিই দের। আপন শিবাদের মধ্যে ভারতের ভবিষাং নেতানের তিনি লালন করে তুলেছেন—বে নেতারা একদিন তাকৈ এবং পরস্পরকৈ ছাড়াই আপন কাজ করে বেতে পারবেন। মহাপার্যদের মধ্যে এ দৃড়ান্ত বিরল।

গান্ধীর প্রতি রবীপ্রনাথের কথাঞ্চং প্রতিক্ল মনোভাব পাঁড়া দিয়েছে রোলাঁকে: গান্ধীর ক্ষাদ্রতার পদক্রালিই উমি দেখেন: মহত্তর ব্তিগুলিকে স্বীকার করলেও ভদ্বিষয়ে অধিক কালক্ষেপ করেন না: নিজ উপবাসসমূহ সম্পর্কে গাংধীর অভি-বিজ্ঞাপনী প্রবণতা রবীন্দনাথকে প্রতিহত করে। রোলার মনে হয়, গাণ্ধী তার जारमानात वह कम्भगत यत्रभावत स्य ভূমিকায় নিদিশ্ট করেছিলেন রবীপানাথ তার মধ্যে তাজিলা দেখেছিলেন, এবং সেই ক্ষোভ তিনি ভূগতে পারেননি। "আমাকে এই কর্মায়ের কোনো অংশ দিতে পারেন না?" রবীন্দ্রনাথ লিখেছিলেন গাম্পীকে। গা॰ধী উত্তর দিরেছিলেন, "চরকা কাটন।" রবীন্দ্রনাথ কখনও তা কাটেননি।

রোলার মতঃ দেশের যুবসমাল রবীল্ডনাথের কাছ থেকে দুরে সরে গিরেছে:
নেত্ত্বের কেন্দ্রবিন্দুতৈ এখন গান্ধী: রবীল্ডনাথ এখন গতদিনের সূর্য। এমন কি,
মহান উপন্যাসগৃলিতেও বরসের ছারা:
'ঘরে-বাইরোর মতো রচনার নবা ভারত জার
নিজেকে খাঁজে পার না: সে-সব উপন্যাসে
বর্ণিত পরিম্পিতি এখন অতিক্রানত।

...তব্ দুই মহান বাজিছের এই পারপর্পারক সম্পর্কের ইতিকথা শেষ হয়নি
বিবাদের স্করে। গভীর ভূপিতর সংক্র রোলা ন্যরণ করেছেন ১৯৩৭-এ কলকাভার গাংধীর সংক্র রবীন্দ্রনাথের সাক্ষাংকারের কথা—বার মধ্য দিল্লে আরেকবারের মডো, সমস্ত বিরোধ ব্যবধান ও মনাস্তরের পরেও—বার হরেছিল উভরের প্রতি উভরের স্নেষ্ট্, প্রত্থা ও স্বীকৃতি।

এই সংস্কর, মধ্র, মর্মান্সালী চিত্র সোদন ইতি টেনেছিলার পাঠে; পরিপ্রো আবিষ্ট চিত্তে বিদার নির্মোছল আয়ার বাল্গালী বধ্য—এ অবিষ্করণীর মিলনছবির অন্প্রেরণা স্পষ্টত আলো ফেলেছিল ভার ম্বথ।

"তা হলে জাসি, ফাদার...বেলগাছিরার শেষ ট্রাম এখনি ছাড়ল বলে..চলি।"



বিভাগের গ্যালাভোর কর্তৃপক সম্প্রতি তালের গ্যালারীতে শিশ্পী পরিতোষ जक अपनीति वायन्था करातः। প্রদর্শনীতে শিল্পীর জীকা ছবি, ক্ষেত্র ও र्श्वार-**এर जानकर्शान निमर्गन स्मर्था बा**ब।

নিছমিভভাবে শিল্পচর্চা করার জনা পরিতোর সেন স্পরিচিত এবং বয়জ্যেত খিল্পী হিলাবের ভিনি স্নাম অন্তান করেছেন। ভার সাম্প্রতিক্তম দিংসকারে ভার চিম্ভাধারা ও বিশিষ্ট অঞ্কনবীতির পরিচয় পাওয়া বার। তবে বাঁরা গত করেক বছর বাবং লিক্সীর রচনাধারা দেখে আস্ট্রে তারা তার আধ্রনিক নিদ্রান-গুলিতে কোনও বিশেষ পরিবর্তন লক করেছেন বলে মতা হর না। শিক্ষী আকার অপেকা রঙ ব্যবহার পর্ম্বতির ওপর অধিক গ্রেছ দেন। আধ্নিক্তম ছবিগ্লির জন্য তিনি বৃহদাকার কানিভাস ব্যবহার করেছেন ও সেগ্রেল প্রধানত নীল, কালো, সব্ভ ও হলুদ রঙে ভরে ফেলেছেন— ক্যানভালের সামানাতম প্ররোজনীর অংশও তিনি রঙের সাধারণ টান শ্বারা পূর্ণ করেন নি। ছোট ও ভণ্ন নানা বহামখে আঁচড়ে তিনি রচনাক্ষেত্রটি পূর্ণ করে ফেলেছেন ও তাদেরই মধ্য থেকে নানা সমবিমূর্ত ও বিচিত্র আকার শেব পর্যণ্ড কটে বেরিরেছে এবং কানভাস অন্যায়ী সেগ**্রলিও বিরাট আকার ধারণ করেছে**। স্তরাং একমার এই বৃহৎ আকার বা মন্মেণ্টাল রূপ ছাড়া তাঁর রচনায় নতন কোনও শিল্পধারার সম্থান পাওয়া গেল না। এবং একথাও ঠিক বে তার অঞ্চন পর্যাতর জন্য করেককেতে জ্যানভাসগালি অযথা ভারাক্রান্ত হরে উঠেছে—অর্থাং আনেক স্থলে ছোট ও বিভিন্নমুখী রঙরেখা ব্যবহার করার ফলে ছবির অন্তনিহিত আকার অস্পন্ট বা দ্ববোধা হরে গেছে। অবশ্য এর ব্যভিক্রমও আছে—বেমন বড়ে গোলাম আলি খাঁর দ্বিতীর ছবি। পরিকল্পনা ও সংকৌশল तक वावहात श्रमाणीत मधा मिरत मिल्ली এর মধ্যে শ্রেষ্ঠ সংগীতজ্ঞের हिंदिहाँ है ক**্টিরে ভূলেছেন। ছবিখানি অনে**কের মনে থাকবে। এই প্রসপ্যে আর একটি ছবির নাম উল্লেখবোগ্য-পোটেট অব জ্ঞান আন্নিয়াল। বে কেন্দ্র শিল্পী রঙ্গার্নটির সন্থাবহার করেছেন লেখানেই তিনি সুফল-লাভ করেছেন। এই প্রসপ্যে জ্লোটিং ফিগার-১-এর নাম করা চলে। খিল্পীর রঙ ব্যবহার পন্ধতি, বিশেষ করে ছবির মধ্যস্থ



टरफ देन साध

—পাৰতোৰ সেৰ

বিভিন্ন অপরিক্ষ্ট বা আকার নেথে त्गानाम-त অনেকের মনে পড়বে। ইন্সাদ বঙপ্রধান ফ্যামিলি পোটোট ও পোটোট অব মি: এচ ভিন্ন মেজাব্দের। ফরাসীপ্রভাব থাকলেও ছবিদ্যটির সরলতা ও অঞ্চনরীতি অনেককে মুপ্থ করবে। দিল্লীর গান্ধী প্যাভিলিয়নের জন্য রচিত বিরাট কানেভাস্টির অঞ্চনরীতি দেখে এচিকে প্রচীন চিতের পরিবর্তে স্বৃহং পেণ্টিং বলে মনে হয়। ছবিখানি

कः हरजनातासम् कहे।हार्य

তদ্য, মহাকাব্য প্রভৃতি ক্ষিপ্রবৃতিতি শাল্যাদি

করে তার তারতীয় কবির সাবনা ও

চিন্ডার উত্তরাধিকারী রবীন্দ্রনাথের বিশ্বনা

সাহিত্যকর্মে ও চিন্তার আর্ব ভারধানার

সংগভীর প্রভাবের বিশেষবদ ও আলোচনা।

বৈদিক সংহিতা, স্বাহ্মণ উপনিবং, প্রোধ-

যাত্ৰাগানে মতি**লাল** রবীন্দ্র সাহিত্যে রায় ও তাঁহার वार्व প्रकार गाडा गेला সম্প্রদায়

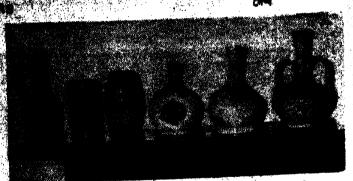
ৰোল টাকা

यः हरननातात्रप प्रदेशार्य

যাতা আৰু শুধু আসরে নয়, মণ্ডেও অধিতিত। গ্রামে-শহরে ব্যাহার জনপ্রিরতা ক্রমবর্ধমান। সেই বালার ঐতিহ্যের এবং বাচা-জগতের দিকপাল মডিলাল রারের কথা জানভে হলে এই গবেষণাগ্রন্থটি জপরিহার'। ডঃ স্কুলর সেন প্রম্থ স্থৌজন অভি-

ভাষাদের পূর্ণ প্রন্থ-ভালিকার জন্য লিখন।

চলন্ডিকা. ৭. নবীন কুন্ড লেন, কলকাতা ৯



गाउँ।वार्शियद्यन्तव विमानिय

-- क्रिकाटका वस क क्रीवंकी भवांती वस

এখনও অসহাত্ত, স্তরাং ও বিবরে কোনও মুক্তর না করাই ভাগ।

অপরাপর ছবির মধ্যে ফিলার ইন রু ও ছেড বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য। নানা রঙ-সম্প্রের মধ্যে আকার অনেক ক্ষেত্রে চাপা পড়ে গেলেও গিলপার বলিন্ট রঙ ব্যবহার ভয়া শ্তরভেদ স্থিট করার ক্ষমতা সকলেই

পরিভোষ সেনের ক্ষেচ ও ভুরিংগ্রিল

দেখবার খত। শিক্ষী হিসাবে তাঁর
ব্নিরাদ বে কত সন্দৃচ তা এগ্রেল দেখেই
বোঝা বার। এখানে শিক্ষীর ভাষা সংক্ষিত
অখচ সপ্ট। তাঁর প্রত্যেকটি রেখা দৃঢ়,
সাবলীল ও ব্যত্যক্তি, মনে হয় কলমের
লেখার মত সেগ্রেল বেন তুলির মুখ খেকে
তাবলীলাক্তমে বেরিরে এসেছে। করেক্ষথলো
শিক্ষী ইচ্ছাক্তভাবে ক্যারিকেচারের বৈশিষ্টা
দেখিরেছেন বা আকারকে ঈবং বিকৃত

প্ৰকাশত হয়েছে

সমরেশ বসর

পাতক ৪০০০

वान्ता 6.00 न्वर्गीमथत शक्रत 8.00

देवभाशी वज्रख 🚥

ন্রজাহান ১০০ ক্লিওপেট্রা ১০০

স্নীলকুমার ঘোষ-এর

ব্ল্যাকমেইলার 🚥

বীরেন্দ্রনাথ সরকার-এর

শৃংকু মহারাজ-এর

পথের তীথে ৭০০ চরণরেখা পঞ্চান খোষাল-এর

জাগ্রত ভারত ১ নগরীর অভিশাপ ১.

_{धावायन-७३} डाग्राटमाटल _{८.४०} नाङां दिशस

क्रिकार्थ क

দৈ পায়ন

বিশ্ব্যবিহঙ্গী ৭০০ জিন্নৎউন্নিসা ৭০৫০

করুণা প্রকাশনী ॥ ১১নং শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট কলকাতা-১২

करहारमा। सारक करना, प्रत्ये करना करना एन्हें। अहे श्रमहाना ५,००, १५,१००, ३४; ५५ क विद्यान करना ००वसम्बद्धिक करना नाता।

করে প্ররোজনের সাধারকারে করেনার করেন

ज्ञाला मूळ जव'नीजिनाटक व्याक्टकार्डत ভিত্তীলাভ করে সকলের মত একটি অণিসে চাত্রর হরতেন। কিন্ত ভার প্রথম নিদশী बन ब्राट्स ब्राट्स विद्धाह त्यावना क्यकः। অবশ্যে একদিন ছিনি চাকরির মারা ভাগে করে কলকাতার কাছেই একটি প্রায়ে কুরোরের চাকা ভাকা নেন ও একটি কুমোর বেখে সম্প্রীক পটারীর নানা জিনিস হৈবি করতে শার করেন এবং ভাষের ভিজাইন অনুবারী কুমারও পরীক্ষামাধ্যমে নানা নতুন আকারের ব্যবহারবোগা জিনিস স্থাতি করেন। কেদিন **বে নিদশনগঢ়ীল দেখলা**ল ভানের মধ্যে ক'জো, তথ্য ফুলদানি, বেতেল ভ বাচি ভাতীর পা**র উল্লেখবোগ্য।** সব-গ্রালিই কুমোরের চাকে জৈরী অর্থাৎ ইংরাজীতে যে আকারতে বলে thrown shape: প্রভ্রেকটি কম্বুই মাটির তৈরি— কোনভটির নীচের প্রাই একটি স্থান তোবড়ান, দেখে মঙ্গে হয় - মেন কেউ স্থান-धानित्य व्याद्धारम्य ज्ञान भिरत्यकः। व्याकारस्य দিক থেকে বিদেশীয় প্রভাব আকলেও কভকগালির মধ্যে মৌলিক চিত্যধারার পরিচর পাওরা বার। দুভদুমপাতী পোডা-মাটির জিনিসগুলির ওপর চক্চকে নানা भारतामा व्यक्त तक वावधात करतरकम ७ कार्त ওপর আবার বিভিন্ন **উল্লান্ত র**ঙে মানা বিচিত্ত রচনাকারক্রেকার' (texture) স্থাপ্টি করেছেন—ফলে সেগুলি প্টারীর সম্পর নিদশনৈ পরিণ্ড **হরেছে। এগ্রালর প্রথা**ন আকৰ্ষণ হল বিভিন্ন আকার ও উচ্ছলে রঙ वा रच्छा । विरम्ब करत्र भागा क्रुटका. মর্রকতী রঙের জগ্ ও পিরামিড आकारततः राखन डेक्सथरवाना । वना माद्दना ঘরের শোভা বর্মান করার পক্ষে এগর্রাল বিশেষ উপ**যোগ**ী। **আ**শা **করি এগ**র্টোর क्षांत्र उ अमारतन क्षमा म**रमञ्जल में मधारमा**ना राज्यभा शहन क्षारका।

किए दिस



কুলাটির টবে স্ফুট গোলাপের (भा भाभिकाति करत रंगन : र्शतस्वरंग्ड পড়ে রইল রম্ভাভ গর্ভকোষ-পরাগ এবং সঙ্গল বাতালে উদ্ভাশ্ত কিছু সৌরত। পাপড়িগলে লাটেছে এখন টবের মাটিতে ব্যাল কনিতে--থিরখির করে বাভালে। বৃশ্ভি এসেছিল—বিষয় আকালে শোকার্ত বর্ষণ: পাপড়িগর্নি করে হাবার व्यालारे राचि भएकिंग किना मत्न तारे. শ্ৰেম্ব মনে আছে উচু নীচু ছোটবড অসংখ্য উপর্ত্তীব স্থবির জিরাফের মত ঠাসাঠাসি शामान रकाठा बन्नवास्त्रित माधात छल्टा वह-ভূক্ এক জ্যামিডিক নীলিমার গাঢ় কুকুমেঘ फेंट्रे बर्जिंडन-रंहार मरन रह रवन के बद-वाष्ट्रित त्थरवर्ष कारमा त्यांता छेर्जीकम-मृत्य বিদ্যাৎ কলক্ষাজ্ঞল এবং বল্লের গর্জন আর সর্বায় ভারা উন্মান প্রতিধননি ফিরছিল। আকাশ উপড়ে করে অতঃপর বর্ষণ--আশাভত হাওয়া সমস এবং চতুদিকৈ লপন্নহের বৃশ্চিশেষে নির্বেজ রোদ— কালভালের ওপরে এত হাতে এসব জীকা र्टत टेवन। भारमध्ये तक हिन-व्यामात হাতের ভূলি অসম্ভব হাততার রঙের সংশা র্বত মিলিয়ে ইপ্সিড রেখার টানে ক্যান-

ভাসের দৈর্ঘান্থে অবল্যান্ডিত পাপড়িপ্যাল –হরিং বৃশ্তব্ত রক্তাভ প্রভাকের এবং পরাগের অবয়ব দিল এবং স্ক্যামিডিক नीनियात हठा९-छठे-खाला शह 🗫 स्वय উচ্চগ্ৰীৰ নিষ্পাণ জিৱাকের মত অসংখ্য ব্যক্তিমর ও শোকার্ড বর্ষণ-এই পরিপাশ্ব ও আকৃতি পেল। কিন্তু আমার হাডের উদ্যাব তুলির পতি ক্রমণ স্তিমিত হরে वार्य-मत्त्रत किंदर म्रायत-धक्के विवास শীতের কুরাশার মন্ত সমস্ত শরীরে ছড়িরে পড়ে। জানলা দিয়ে ইলেক্সিকের ভার ল্যাম্প পোষ্ট এবং বিজ্ঞাপন-গুড়েগামী বান-বাহন-তুম্ভবাস্ত অসংখ্য মানুৰ দেখি আৰহা কোলাহল কানে আনে, চোখ কাপসা হরে করে—আজই প্রথম আমি ধরিতীর প্রতিকৃতি অকিন্যে না, এই প্রথম ধরিয়ী আর আমার সামনে বসে নেই—অংচ ধরিচীকে নিয়ে আমি পালিরে এসেছিলমে—

র্থারতীর কথা মনে পড়ে। রুভুত ধরিত্রী আহেই, সভত আমার চারিদিকে হাওরার মড, আমার চোখে আলোকস্কারের মড আমার ভিতরে ইন্ধার মড়। ডব্ এই মৃত্তে সমুভ্ত চেতনার ব্যাপ্ত বিবাদে সে পণ্ট ইল—"ভোষার হবি জোন্দিনট শেব

हटन मा"—शीतही सलक, यहन अवन कटन रामक राम और महार्क्त अवधि नमी नवंड থেকে সমন্তে গিরে গড়ল। লে হালির ক্ষেত্ত আমার রভেও বরে বেত। আরি কোদদিনই ধরিচীর কোন ছবি শেষ কলতে পারিনি, তব্ আমি তলির উক্টেরিক আর क्ट्रानिस क्षेट्रि द्वर्प व्हरन कानूम-"আৰু হলনা, কোনদিন হবে।" বেন আৰার ক্ষার সবটাই স্ভোক—ধ্যক্তী এর্মানভাবে खात गृहे **कृद अक करत द्यूक**ि **क्यां**— আকাশের দুই প্রান্ত বেন সেই মুহার্ভে এক হরে বেড, স্বায়ি হলে দুই প্রাণ্ডের অপণ্য নক্ষ্য ধৰে কাহাকাছি এসে খেড, দিন হলে মনে হত আকাশ কত ছোট। আৰি বরিয়ীকে ভালবেসেছিলম। আমি অভি শৈশবে গভীর বিস্তৃত শেষহুীন গাঢ় হয়িং ৰে অৱণা দেখেছিল্ম, আপাতত বা ধ্সর স্মৃতি—একমতে ধরিতীর অবিনাস্ত সুক্ষু-कुछरमहे छ। क्यत्म। क्यत्म क्रेन्द्रम इक्: আমি কোনওকালে বে উদায় অনাহত বিশাল ৰেয়িছীন নিপাট **স্নীল অধৈ আক্ৰ**ণ मार्थिक रंग स्थान न्याचे क्षेत्र वीस्त्रीव श्रमान्छ श्रमन्ड मनार्छ। जायात हकुन्नाहन्द এখন উচুনীচু অসংখ্য নিম্প্রাণ উপস্ত

বরবাডি. আমি আর প্রতারে দেখিনা, কিল্ড আমি প্রবে-পশ্চিমে मारे शास्य भारतीत 4.C)4 **দেখতুম। আমি শৈশব হ'তে কৈশোর**---देक्टमात स्थरक अहे स्वीवत्न धीत्रहीरक छान-বেলে এসেছি। ধরিলীক আমার বেলেছিল। কখনো-সখনো সে খবে কাছে अस्त बान विनर्भ रात यथन जात छेखान দীর্ঘ দহোত বাভিরে দিরে আমাকে তার কাছে টেনে নিত তখনই আমার সর্বাপা কে'পে বেত বুকের ভিতরে বেন গড়েগড়ে করে উঠিত, আমার ভার, অসহার শৈশব ছাটে আসত আমার কাছে আর আমি শান্ত এক আত্মনিবেদনের ভণিগতে ক্রমাগত তার শরীরের সংলগ্ন হয়ে যেতম, ধরিচীর উন্নত উক হাগল শতনের নিবিড অধিতাকায় আমি প্রতিপতবক্ষের মত-

ঠিক সেই মুহুতে আমার নির্মাণের



কথা মনে পড়ত। নিমাণ আমার সহোদর। একট মাষের গভে আমরা পাশাপাশি প্রাণ পেরেছি, জন্মের আকাৎকার দশমাস দশদিন গডের অগ্ধকারে পালাপালি অপেকা করেছি মারের ছচিল নাডীর পাকে আমরা দক্তনে জড়িরে ছিলাম: মারের হুংশিক্তের রক একই সপো আমাদের দক্ষেনের হংগিতে শিরায় উপশিরায় শরীরের কোবে কোবে বনে বেড: ওর হাত আমার হাতের স্পর্ণা পেত আমার শরীরের স্পর্শ ওর শরীরে —আমরা পরস্পরের উত্তাপে খনিষ্ঠ ছিলাম --- আমরা বমজ। আমাদের দুর্জনের মধ্যে কার চোখে প্রথম আলো পড়েছিল আমরা জানি না—মাও বলতে পারেনি। মারের ধারণা হয়তো আমি নয় নিমাণই আগে এসেছিল। কারণ নির্মাণ স্বভাবে আমার ঠিক বিপরীত—নির্মাণ দ্বরুত বেপরোয়া দ্বদ্ম। শৈশবেই নিমাণ নাকি বাঘ পোব মানিরেছিল, কৈশোরে দেখেছি সে একটা খনকালো জোরান ব্রনো খোড়ার কেশর জাপটে ধরে ছটেছে। আজো মাঝে মাঝে আমি চমকে উঠি, সহসা নীল আলো-স্লাবনে **ট্রামের ঘর্ষর শব্দ শক্তেন আমি জানলা**য় ছুটে বাই- নিৰ্মাণ কী? নিৰ্মাণ কোন্দিন মায়ের কোলে থাকেনি—মাকে ও থবে বন্দ্রণা দির্মেছল, কোখার কোখার ও উধাও হরে বেত। মা কে'দেছে-মারের প্রাণ্ মা তখন আমাকে কোলে নিয়ে আদর করত আর তার আরম্ভ দুচোধ অস্ত্র-জাবিত হরে যেত। আমি টের পেতৃম মারের চোখের জল আমার বুকের ওপর ঝরলেও মারের বুকের ভেতরে এই মুহুতে নির্মাণ। আমার ভেতরটা কী ঈর্ষার জনলে উঠত? রন্তে কিসের গাড়গাড় শব্দ। অমি একান্তে মাসের ওপর পা ছড়িয়ে দিয়ে শান্ত হয়ে ফলে নিয়ে খেলতম. নদী বেপথে বার আমি মাঝে মাঝে সেই পথ দিরে চলে বেভুম আমি পাখীর কণ্ঠস্বর অন্করণ করেছি: সুরোদরে ফুল ফোটে সূর্বের সংগাসপোষে ফুল প্ৰ থেকে পশ্চিমে ঢলে পড়ে আমি সেই করেছি। আমি চণ্ডল ফ,লের অন,সরণ হাঁসের সপ্যে জ্ঞলের মধ্যে এপার ওপার করেছি-পশ্মবনের কণ্টকে আমার শ্যামল শরীর কতবিকত হয়ে গেছে। মা ডাকলে আমি খনবনের খরেরী খুসর মলিন ঝরা-পাতার আলোছারা মাড়িয়ে মার কাছে ছুটে গেছি। মাকে দেখেছি—দ্যুলোকে মাথা হেলিয়ে ক্লাম্ড বিমর্ব ভাগ্যতে বসে-এক-হাত বিশাল হরিং প্রান্তরে স্থাপিত, অন্য হাত কোলের ওপর-বেন তার শত্র পদ-যুগল প্রিবীর শরীর ছাড়িয়ে কিছুটা বাইরে মহাশ্রেনা ডবে আছে। তার চতুদিকে গ্রহ নক্ষ্য নীহারিকাপ্সে প্রতেবেপে পরি-ক্রমারত—মায়ের চোখে সজল আলোর বিষয় উল্ভাস-সেই মাজে কবে ছারিয়েছি। মনেও পড়েনা, কী ধ্সর শন্তি: মাকে আমি পরিত্যাগ করে এসেছি। মা কাঁগত নিমানের कता निर्धाण जयम जातनक म्दा - चामात খারে খারে ধালোর মের ক্রাফলবাক্তাভা প্রাশ্তর নিস্গা আব্ত করে দিত, বিশাস পেখ্য তলে বেন এক মর্র তাকে অনুসর্গ করত: আৰু বে মেঘ উঠে এলেছিল ভা रवर शत्यान निर्मारणत क्यारे म्हल गढि-আমার। সেই কৈলোরেই নির্মাণ উক্ত পর্বতের গভীরতম গুহার চলে যেত দুৰ্গত যনে হিংল পদ্মৰ রাজো মুগ্রা করত। আমার মনও ভর আশংকা উন্বেগে করে উঠত তার জনা। আমিত্র অস্থিত হয়ে বৈভয়—'মা, নিৰ্মাণ এখনো क्षित्रक मा रकम?" बार्सित मा कार्य कन-নির্মাণের জনা উত্তলা হরে মা কদিত আর তখন আমাকে কাছে টেনে নিয়ে বাংশ আবেণো বলত, "তই কিন্ত আমাকে ছেডে যাস না ধীয়ান ৷" আমি মাতে সাম্পনা দিৱে বলেডি সভল চোখে—"না মা. কখনো আমি তোমাকে ছেডে বাব না"-তব্ আমি মাকে ছেডে এসেছি, আমি পালিরে এপেছি, ধরিতীকে নিয়ে—মাকে ছেডে আমি পালিয়ে এসেছি—

কারণ খরিত্রীকে আমি ভালবেলেছিলম: কিন্ত নিমণিও ভালবাসত ধরি**চুটিক।** নিমাণ্ড ধরিতীর সংগ চাইত এবং নিম্ম-ভাবেই চাইত। সেখানে ধরিতী অসহায়---ষে কেউ অসহায়। নিৰ্মাণ ছিল বলিষ্ঠ দেহে ও মনে। তার দঢ়ে উন্নত কপাটবক্ষ পেশীবহাল দীঘা উজ্জাল হাত কমাঠ কাঁজ কঠিন কঠোর মাখমন্ডল এবং সাগঠিত উরা ও জুঞ্বায় ছিল স্বতঃস্ফুর্ত লক্তির সম্ভ। তার চালচলনে ছিল গভীর আত্মপ্রতার আর নিত্রতা। ওই প্রথম আমাকে জাগনে জনালাতে শিখিয়েছিল, ওর চোন্থেই আমি প্রথম আগ্রনের শিখা দেখেছি। ও বহুবার আমাকে হিংস্ত পদ্র উদ্যত থাবা থেকে বাঁচিরেছে। সেসব সময় ওর চোখেও আমার জন্য উদ্বেগ টল্টল করত। কুভক্কভার আমি ওকে বলেছি, "ভোকে আমি গান লিখিয়ে দেব নিৰ্মাণ, ফা**ল ভালবাসতে শেখাব**।" সহসা ওর মূখ কেমন গুল্ডীর স্তিমিত হরে ষেত। বিৱতভাবে 😮 বলত, "ওসৰ 🛮 আমার হবে নারে—" তখন ওর **ক**ণ্ঠন্বর **দ**নে মনে হত কোখার কেন এর একটা বেদনা আছে, ব্রকের ভেতরে একটা ক্ষত্ত আছে। ও খ্ৰ অন্যমনস্কভাবে আন্তে করে বলত, "জানিস, ধরিতী তোকে বেশী ভা**লবাসে**"— নিমাণের দাত মাখও তাহলে বিষয় হয়— আমি অবাক হয়ে **বেত্**ম। **অথচ ও ছিল** শব্তি সচেতন দাম্ভিক, ওর আচার <mark>আচরণে</mark> ছিল সহজ অহংকার। ধরিত্রী নিবিড চোখে দেশত ওকে৷ ধরিতীর চোখে বত না ভর ভার চেরে বেশি ক্তুতি ফুটে **উঠ**ত। ধরিতীর আপাত উদাসীনতার মধ্যে প্রকৃত-गरक आकर्षभागेरे हिल अवन, आभाद महन হত্ত ধরিতী নিমাণিকেই বেশি ভালবাসে।
সেই কৈশোরেই ন্দমি নিমাণ ধরিতীকে
ছিনিরে নিরে পালিরে বৈত। আমার পোবা
কুকুরটা ককিরে উঠত, ততকণে নিমাণের
দ্রুকত বোড়া ধুলোর কড় ডুলো চুত ধাবমান; ধরিতীর ঘনকালো চুল হাওয়ার
উড়ত, তার চোন্মেম্থে বেন শিতউত্তেজনা, তার সর্বাজ্ঞা নিমাণের সর্বাজ্ঞা
সংশান; নিমাণের বিলন্ড হাতে চাব্ক
সর্বো উঠত। স্বেরি তেজ সে সমর ক্রমাণ
জ্ঞান হয়ে আসত, পাখি পাথালির কণ্ঠ
ভ্রতা। সেই কৈশোরেই নিমাণ ভোগ করত
ধরিতীকে।

কিন্তু নিমাণের খ্ব বেশীকণ—বেশিদিন ভাল লগতে না ধরিচীকে। খুগার বেন

মুখ বিকৃত হরে যেত ধরিচীর—"ও একটা
পশ্।"—তারপর কিছ্দিন কেমন আনামনক

অসহিক্ কুখে দেখাত ওকে। এসব দিনে
ওর মধ্যে যেন নিমাণের প্রতি নিদার্শ
বিকৃত্যা আর খুগা কুয়া হত—"ও শুষ্ই
ভোগ করতে জানে।" ধরিচীর সারা অংশ
বিশেষর। আমি দেখেছি ক্লমে এসব কখন
কেটে গোছে, আবার ওর চোখে দ্তুতি ফুটে
উঠছে—চন্দ্রল হয়ে উঠছে ধরিচী, আবার
নিমাণের অধ্বথ্যের শন্দের প্রতীক্ষা করছে।
আমার ব্যকর রক্ত গা্ডগাড় করে উঠছ,
আমি অসহা বধ্বণায় অধ্বির হারে উঠিছ—

ভাই একদিন ধরিত্রীর সেই বিদ্রুস্ত দিনে তার বিত্যা ঘ্রা আর ফ্রেট্রের সামোগে তাকে নিয়ে আমি পালিয়ে এসেছি। শৈশবের সেই গভার বিস্তৃত অর্ণা-হাসের জলকডি।--পদ্মব্যের কণ্টক এবং ফ্লের সৌরভ, ধ্সরজীণ খ্রেরী পাতার মমার ছেড়ে চলে এমেছি। হারিণ-শিশার কাল্লা—সারসের ক্রেকোর এবং অন্সার মাকে ছেড়ে লক্ষ কোটি নক্ষয়ের অংকায় উদস্রাপত উপকার নির্দেশিত পরে অনেক রাতি পার হয়ে বহু যোজন পথ অতিক্রম করে আমি ধরিতীকে নিয়ে পর্লিয়ে এসেছি। প্রসায়নের পথে পথে কড্দিন আছি ঘননীল প্রস্তরময় প্রতির সান্দেশে অর্পা নির্মাণের ক্লুম্ব অধ্বখ্যরের আওয়জ্ঞ প্রতি-ধ্যনিত হতে শ্নেছি। আমার পোষা কুকুর ক্ষিরেছে। আমি ধরিচীর দিকে বিভ্রাণ্ড দ্ভিসাত করেছি। ধরিতী ক্রমণ যেন অন্য ধরিতী হয়ে যাচেছ। তার চোখে কখনো र्निवर् अमान्डि-कश्रता अकत्व क्रकृति। নীলিমার মত তার নিজনি লরীরে অস্ফুট শসোর বেদনার ভার—তার চোঝে আফারুত ত্ৰার মর্ভাম এবং ভার স্কীত ⇒তন ও দীর্ঘ উত্তাল হাতে উদ্মাদ উত্তাপস্পাহা, ভার পারে অবারিত পথযাতার উত্তেজনা সে क्षरमा वन्धरम भागकित किन्दा गाहिए ক্ৰ। খরিতীকে আমি কোনদিনই সম্পূর্ণ ব্ৰতে পাৰিনি। ধরিতী খ্ৰ কাছে এলে ভাকে দ্রতম মনে হত, ওর কোষাও অধ্যকার আছে—চেম্বানে নিঃস্বা দ্রগমিতা, আমি উতলা হয়ে সব রহস্য জানতে চেরেছি —ওর সম্পূর্ণ রূপ আমি স্পষ্ট করতে চেরেছি। পলারনের পথে উত্তাপা পর্বত শীর্ষে নিবিড় প্রশিমার ওকে বসিয়ে— বিস্তৃত সমতল থেকে আমি ওর প্রতিকৃতি ওাকেছি—ওর দক্ষিণ পাদেশা উন্ধান ব্রাকার দুস্থবর্ণ চাদ—শরীরের একাদকে
স্লাবিত জ্যোৎস্থা অন্যাদকে গাঢ় অঞ্চার,
আমি ভাষণ উৎসাহে তুলির রেশ্বর ভাল
প্রতিকৃতি একে গোছ, কিন্তু ক্লমে আমার
হাত ধ্বাধ হরে এসেছে, নিবিড় বিষাদ ব্যাপ্ত
হরেছে সমসত চেতনার, ধরিত্রী বলেছে,
"তেমার ছবি কোনদিনই শেব হবে মা"—
একটা অসহা অজ্ঞাত ক্যাণার আমি

विरमय विरमय वह अज़्न ! শাশ্তিপ্রির বন্দ্যোপাধ্যার অশান্ত মধ্কর रथलाइ द्राङा क्रवेवल €-00 তাশ্বিকাচার ভৈরবানন্দ क्रिक्टे एथलान <u>মিলনভীথ</u> **बारेनकान्,न** সীতাকণ্ড **≽**∙00 विश्वकृष्टेवम **ठिसक्क**न वल्लाशाधाध मत्रा-नात्री नगत्री ভারতীয় ফটবল সন্দীন চট্টোপাধ্যার बारवार्ग रथरक ভারত কন্যা **१८७८न क्रिवाना** ₹.00 **ভবেশ দ**র রমাপতি বস্ত ভালবাসার ভাৰতেৰ সাধিকা ৰীতি নীতি ... নিগ্ডানন্দ বাব, আর বিবি সুকুমার রায় नौलमद्राख्य नही দক্ষল দরওয়াজার নগরী > 2.00 আপিস কলকাতার न विवास कृगानः वत्नाभाषाय 8.00 वत्रवीय मान्द्यत **নীললোহিত** टमथा-नाटमथा স্মরণীয় প্রেম ১০০০ .00

১, विधान मत्रगौ, कनिकाठा—১২

আনভার্থ 🖊

কলিকা হলে উঠোই, আমার হাতের পেশা ভাজা হলেছে, বুলি ইরে উঠেই পালিত। আমার নালিকা কর্মিত হরেছে আর সেই হছেছোঁ নিমানের চিল্ডা একটা বিবাধ ভালের মন্ড আমার হংগিন্ড বিন্দ করেছে। আমার পোবা কুকুরটা হটকট করে উঠেছো বালার কেন আমার সামনে বলে আমার বালা করছো করে কথন জানি না আমি আমাকে ভত-বিক্ত করতে গ্র করেছি। আমার ভেতরে আমারই অভাতে বিকৃত নিমাপ আমাকে প্রাল করেছে দলদিক থেকে। আমার চারিদিকে সংখাতীত দেরাল ভূলেছি। ধরিস্থীকে বিরে রুমে গড়ে উঠেছে দালামকোঠা বরবাড়ী—উতুনিচু ক্ষবির ভিরাক—আকাশ হরেছে থাণ্ডত, রুম্থ হরেছে বারুপ্রবাহ। আমি অধ্যকারাজাতত আলোর ব্যৱহার বিচিত্র সব আক্রেক আকে
গোছ। আনি না ককা আবাকে বিক্রের
অগণা গড়ে বিবাস প্রাচীন ক্রেন্তর
অগণাগ, সরীস্পের বড় ক্রেক্স করিন প্রকল্প
গিক্সান্ত পথ; স্কেন্স করিন প্রকল্প
ভাত মান্বের হাহাকার; ক্রিক স্কর্ম
লন্মে আলোড়িত চরাচক কেলাভ আন্দির
ক্রেন্ডর কোলাছল ন্যক্সের আন্দির



प्रतीत. बाह्याक रूप प्रकारतन गुजाय-ट्यांना हाडे बाजाब बन्नब मीनाटबंब कि হাক হাটির ভিতরে পলিত নগমা, ওপরে किरोडिंग, स्वानकर्त, क्या नाहेंहें, हाकेन चार চাজার সাইবেনের বলেশং ভার আত্নাদ-

The Special Commence

राष्ट्रे चार्क नामरक विमाल करत गरव काथाव दवन निर्माण आवेशीन दहरन छेटेट —তার বাবমান অক্টের ছেবার কে'লে উঠেত অসমটি মহাদ্নো। আমার কৃটিল मृन्धि जाकरत्न जागरकात जात्रक स्टारह जात निर्माणक जन्मभूरतक जनामधानी বিপলে শব্দ ক্যাগত নিকট থেকে নিকটছর क्टबटका विका बीताबित गरीब मार्टेड জানালার গরালে—ভার দাণ্টি বহুদেরে প্ৰসারিত, তার সর্বাধেশ প্রভীকার অবসাদ, তার দীর্ঘ আল্লাল্যকেল বেন অলনিবিদ্যুত নিলিত, তার রভের প্রবাহ মরা কটাল এবং বজাকার চালের স্বশ্নে উন্সেল। হঠাং রাজ-शर्थ नीम जाउनार जाराज होएसर हार्यस সে উন্মন: মরুরের পেখ্যের মত সঞ্জিত-খোলা নির্ভ চক্তল। নিমাণ অস্থির— ৰোথাও বেন ছাৰ **আবাস নেট—**স্থিতি নেই—বে ভাবনার চেরেও ক্ষিপ্র—শক্তের চেষেত্র প্রভেগামী ভার অববংগ্রের ঘর্ষণে প্রাচীন পাথর ভেঙে চেচির হরে বার-মাটির শরীর খেকে গৈরিক খালো ওছে, তার উধ্য হাতের অল্যালি নিপেশেই যেন মতোপম আনেয়গিরি সহসা অপিন উলাইব বরতে থাকে. ভূমিকশ্পের গঞ্জানে কম্পনে ম্ভিকার প্রতিরোমকূপ তোলপাড়-প্রথিবী গতে র অভিনয় উক্ত তরল লাভা বিকেজারিত হারে প্রস্রবনের মত উধের উঠে ছডিয়ে পড়ে চতদিকৈ: সে-লাভালোতে কেন্দ্ৰ তানা সোনা গাব্দকের চল—উদ্ভাপে ব্যয়নেশ্ডল রক্তান্ত। তার অন্বথ্যের আঘাতে আঘাতেই সে চল চতুদিকৈ ছড়িরে ছিটিরে যাচ্ছে-ক্ৰমণ শীতৰ কঠিন হচ্ছে। দীৰ্ঘ লোহপথ অন্যত্র পাক্ষে—সাউচ্চ সাবর্ণ ভোরণ ভারা গ্রহ ক'্রেড উঠছে—ব্রামান প্রশেলাবের দ্রুত গ্রেল-মত্র চল্লের বির্মহীন ধাত্র সাধ্যাকে মাধ্র বাতাস: আকাশ প্রকারণত একটা অস্থির অভিনবলয় যেন স্ব'কণ খিরে রেখেছে নিমাণ্ডে।

চতদিকৈ জামার করের কুকলাস দেরাকোর মধ্যে দিখর বনদী ধরিতী, ভার আরত চোখের পদ্ধবে অকুল নিজনিতা, "আমি হাঁপিরে উঠছি ধীমান।" তার ফণ্ড-ম্বরে আবিল বিবাদ-গড়ে পীত ভরে মুখ-মণ্ডল, তার শরীর দুরে জানলার গরাদে: বরিত্তীর কণ্ঠস্বর বেল খনেতে পাইনি,— প্রভাররহীন আমি অস্করাভাতত মুম্বর আলোর প্রভ তার প্রতিকৃতি একে গেছি। তার নিরাবরণ নিরাজরণ শরীর-মূথমণ্ডল भीक वर्षा छेन्छ्रम स्टब्स छेरकेरहे। आमि ্লাণ্ডৰ' হলে ভেৰেছি--প্ৰতিবৰ্ণ কী উবার আলোর প্রতীক? নাকি পীতবলে লোকের বাজনা—নাকি বহুলোর ইণিগত ব্যৱহী নিজের ভিতরে যে ধরিচাতে আগলে त्वर्थाक-कामान करत स्वरूपक-वाट कारक আমি কোনাদন পে'ছেতে পারিনি-হাত বাভিয়ে দিয়েছি হাত কে'পেছে কোনদিন ৰার পূপার্শ পাইনি, বার কণ্ঠস্বর পানেছি জ্বত বাতে কোনদিন দেখিনি—যে অৱগাের গভীরতম প্রদেশের মত-সমন্ত্রের তলদেশের মত-বে বীক্ষের ভিতরে অধ্করের মত পীত বৰ্ণ কী সেট ধরিতীর আভাস ? নাকি পীতবৰ্ণ আমাৰ বেদনার পরিভাষা, নাকি

গীত ধৰিত্ৰী আমার বেদনার প্রতিকৃতি? "তার কা আমার ভালবাস না **বরিরাঁ?**" প্রভারতে ধরিতী বেল বহুসরে খেকে श्रास्त्र काण्ठ निकास कर है बर्काइ-"वीमान. ত্যি আষার অনুভবে নিবিড হরে আছ: मश्रीएव प्रक कीय जामाटक मा बादसरें --

"SIE GEN ?"

र्थावती पारक शीकाक अक्वार-6.प কুড়লে আব্ত ভার সারা দেহ, আমি ভার মুখ দেখতে গৈতম না—"আবার ধর কবা रकत धीत्रान? हत्ना खात्रता करत गारे-" 'হেলখাত বাৰ ?" আহাত নিৰ্ভিশ্ত হাৰে

বিশাখার প্রথম বট প্রকাশিত হল

একালের প্রেমের ক

प्रमानता १ मीडि विभागी

দাম চার টাকা

রাজলকটো দেবা, অরবিন্দ গড়ে, সিক্ষেম্বর সেন, লান্ডিকুমার বোৰ, স্থোলি বস্তু, শরং-কমার মাখোপাধ্যার, সমীর রারচৌধারী লাভ্য ঘোর লংকরানন্দ মাখোপাধ্যার, আলোভ সরকার, তর্পে সান্যাল, কবিতা সিংহ, ব্যাস্তর চক্রবতী, অলোকরজন গাশগান্ত, আনস্প বাগচী, শক্তি চট্টোপাধ্যার, শংকর চট্টোপাধ্যার, স্বলেশরঞ্জন দক্ত সনৌল গ্রন্থোপাশ্যার, শিবশন্ত পাল, মোহিত চট্টোপাধায়, স্বৈতিং দাশগন্তে, বিনর ম**জ্মদার, গাঁপক মজ্**মদার, মানস বায়টোধারী, সমবেন্দ্র সেনগরেন্তু স্বরেন্দ্র মাল্লক, আমতাভ মালগ**েন্ড, প্রন্তবন্দ**্র দাশগােশত, জাোতিমার দত্ত, শানিত লাহিড়ী, দেবীপ্রসাদ বল্যোপায়ার, ভারাপ্র রার, **ऐरमलक्याव बन**्।

চোলিশ জন কৰিব একশ চয়টি অমৰ কবিভাৱ সংকলন।

বিশালা/২৮ (১এ গড়িয়াহাট রেড/জ্লাট নং ২৫**/কল্য--১৯** शाण्डिन्यान : मानगाण्ड बाफ त्यार, करनक न्योरि/कि बाब नारेख्यी, অংশ্যক ব্যক্তে লেওটার পঞ্জিরাছাট জংশ্য

(PE 6228)

अकानिक इस्टर्स्ट

আজাকর এই মাগদিক্ষণে যখন চারিদিকে রাজনৈতিক অভিষরতা, তখন পাতববেরি আলোর' উদ্বিশে শতাব্দীর করেকজন বিশিষ্ট মনস্বীর জীবন ও সাহিত্যকর্ম পাঠে सङ्ग १९६-सिर्माम रहरव ।

অসীমা মৈত সম্পাদিত

त जालाय

ছাব্দিকারন বিশিষ্ট লেখকের রচনায় সমাস্থ এক অভিনৰ সংকলন প্রদর্থ। শুৰু বাংলা সাহিতে। নর ভারতীয় সাহিতে। এ-জাতীয় সংকলন এই প্রথম। সুকুমার রার কণিতক

महानजनीत नागी ५०. निश् छानन्त

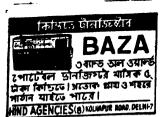
अक्रि दिशस्त्रत सक्ष्र ७.

वामभाव रमर्थ विरम्भी ५०. শশিভ্যণ দন্ত দীপ্তি আলোক ৬.

চরুবভা স্থান্ড কো: / ৮সি, ট্যামার লেন, কলিকাতা-৯

शीवहाँ दम अवाय-"काशात की किन्द्रि क्रम शरक मा बीबाम?" त्याचा वाधित घेटन কৰা সিত্ৰৰত ৰ্যিতী থেমে বাৰ সহসা, একটা ক্ষোভ করণা ভার সারাম্বে—"ভূমি গাল গাইতে ভূলে গেছ ৰীমান, ভূমি আর कृत छानवात मा- एकन भारत नतकात मिटक छटन बाह्र विहाती-प्राचारन जाव এক মহেডিও আমার ভাল লাগতে না बीमान-बर्दे खन्यकादा-" जागरका नीर्च-न्यारमस अस्त बद्ध करोगात युरकत ভিতরে, ধরিতীর সর্বাপো আমার নথের আমাত-শতুমি কী আমার হেডে চলে মাবে ধ্যিতী?" ধ্যিতী নিৰ্যাক, তার মলিন দ্ব চোধ অলুপূর্ণ। আমি শাশত হরে নিজের ভিতরে ফিরে এসে দেখেছি—বিস্মরণ সব আড়াল করে দিরেছে—মারের কাছের থেকে বে পথ ধরে আমি পালিরে এসেছিল্ম ভার নিশানা আমি ভুলে গেছি। আমি আর প্রতাবে সম্পার, রম্বরণ স্বোদর, স্বাস্ত হল্থি না, পাখীর কণ্ঠশ্বর শানি না কতদিন —পদতলে মাটির উক্তা নেই, পদ্মবনের সৌরভ নেই কোথাও—আমি মারের মূখ ভলে গেছি—তাঁর দীর্ঘবাহ্ শ্রু পদয্গল দেখি না বে কতদিন। আমি কী আর ফুল ভালবাসতে পারি না? আমার সর্বাধ্যে ছক্ রক্ষা-লোমণ হাডের পেলী কঠিন হরে

বহুবংশ চিত্রিত ক্যানভাসের ওপর
আমার দুত হাতের গতি ক্রমাগত শব্দ হরে
আসে—তুলি নিশ্চল, আমার ক্লান্ড শরীর
ক্রমাগত ভারী হরে আসছে; অবল্যন্তিত
গোলাশের পাপড়িগন্লি পোড়া মাটির টবে
ব্যালকনিতে থির থির করে কাপছে, সজল
বাভাসের নিরাকার সৌরভ আমার ব্কের



এস. সেন. জে পি
মারিজ রেজিপেরশন অফিসার
১৮গি প্যামানের দে পাঁট কলি-১২
কলেজ পাঁট, মহাস্থা গামী রেড জনেন
জেল: 34-6896 Resi 34-4045)
রেজিকিট্র বিবাহ

পাঁজরের ওপর সির্রসির করছে। সমস্ত শ্রীরে বিষাদ। জানলা দিরে ইলেকট্রিকের ভার ল্যাম্প্রেশিন্ট এবং বিজ্ঞাপন—দুভগামী বানবাহন-চুক্তবাস্ত অসংখ্য মানুৰ দেখি, GICH-COIN আবহা কোলাংল কানে ঝাণসা হলে বায়—আজই প্ৰথম আমি ধরিতীর প্রতিকৃতি আঁকল্ম না, এই প্রথম र्थातवी जात जामात नामान वटन त्नरे। আমার সব হর শ্না—সৈসৰ হরে আলো टनरे-क्शांठे ब्रूम्थ-वन्ध कामाना ठाविषद নিঃস্ব' ছাত-সেখানে কারো নিঃশ্বাস পড়ে না-খ্লোয় ধ্লোয় কেবল অসংখা পারের চিক্ত-এইসৰ জড়িত বিবৰণ পরিতার বারে ভণনচ্ব অসংখ্য কংকালের মত ধরিতীর অগণিত পীত প্রতিকৃতি ছ্যাকারে পড়ে আছে—ধরিতী নেই। আমার সব ধর শ্না করে দিয়ে ধরিতী চলে গেছে—আমার অজ্ঞাতে সব ঘর নিজনি করে দিয়ে ধরিতী কথন পালিরে গেছে—

হয়তো ব্তাকার দ্বধকণ চাদ তাকে ল্বে করেছে—হয়তো কোন নিবিড় সপ্তর-মান বিশাল গাড় কৃষ্ণ মেছে হঠাং স্ফ্রিড-বিদাৎ কিন্বা র্ড দুতগানী শব্দনালা তাকে ঘরছাড়া করেছে; আমার পোষা কুকুরের পাহারা এড়িয়ে সে বেরিয়ে পড়েছে নির্মাণের থেকৈ? কিন্তু কী করে ধরিচী পাবে নির্মাণকে। মা পারেনি ডাকে ব্রকের কাছে রাখতে—মারের বাংসলোর দঢ়ে গুলিষ উন্মাল করে দিয়ে, তার স্নেহের পিঞ্জর-कठिन म शास्त्र एक एक मिला एक व्यक्तिक পড়েছে; মা কেনেছে; তব্ নিমাণ ফেরেনি: তার কোন আবাস নেই—্কান স্থিতি নেই—ভাবনার চেরে ক্ষিপ্ত শক্তের চেরে দ্রতেগামী তার খোড়া: এক অস্থির-অণিনবলয় নিয়ত তাকে বিরে রয়েছে--ধরিত্রী কী করে পেশিছুবে ভার কাছে, কী করে ভার স্পর্শ পাবে? নাকি ধরিতী চির-কাল তার অধিবন্ট রইবে? তার উদ্ভাল দু হাত সম্মুখে প্রসারিত—কোমল তার ওন্ঠাধর—কর্ণ দতন, ক্লাশ্ত ধীর পতিতে সে বেন শেষহীন পথে ফিরবে—যেন ভাকে আরো—আরো দরে যেতে হবে; সমরের নিরবজিলে রেখা তার সর্বাপের চিক্ত রেখে বাবে। ভার দৃশ্টি সকল, নিঃশ্বাসে মাঘী রাহ্রির শীতলতা—তার ব্রেকর একদিকে নিমাণ অপরদিকে ধীমানের ক্মাতি-তারা भवन्भाद्रव थ्व काषाकाष्ट्रि अथा यहः याजन न्द्रतः। नाकि धीतृती भारतत्र १४ यद्भारहः-ৰে পথে আমরা মারের কাছ থেকে পালিয়ে अस्त्रिक्त्म ? इंग्रःका धनियौ रकार्नानन भारतत উদ্যান খ'্জে পাবে--পত্মবনের সৌরভ হরিৎ অরণ্য পাঞ্চিপাথালির কণ্ঠস্বর ফিরে পাবে —হরতো মারের দীর্ঘ বাহ_ন-শ্বর পদয**্**গল সে স্পর্শ করবে; সম্ভান পরিভাক্ত মারের निवान युद्ध कार्ड इटन बारव श्रीत्रही-

बादाद जावल टाटना जान कहा जाव मौत्कि छात्र मयोग्ना बद्धा एक्टन । बीतही इत्रका जावात जामारक व जार । जनह जामि त्न नथ कूल त्नीय-मार्थिय मिनारनव श्रीतारीत न्याणि चार निवसीय कान की जामान करे सम्बाधनात्म त्यादे नात्न । साहित भारतय कार्यत क्या क्रम क्रम कार्य मारक क्या निर्दाहरूम, "मा वा, क्क् बहुना कावि स्कामारक হেডে বাব না"। আমি নাকে হাভারণা करवीय। अथा जामान माजिन्द्रम शासन নাড়ীর দাগ-আমার হংগিতে শিবার थ्यमीएक मारतन तक कामान प्रकीष वर्णमान कविवाद बाह्न करत जाएक मारक আকাকা। কথা আমি কার ভোন করে গান গাইতে পাৰি মা. আমি আৰু কলে ভালবাসতে পারি না—

"ভোষার ছবি কোনদিন শেব হবে না"-ভাঁকা বিষাদ শীতের গাড় কুরাশার মত আমার সমস্ত চেডনার ছড়িয়ে বার---উংকণ্ঠিত হাতে **তুলি কাঁপে, নিজের ভিড**রে বেন অনা কারো অন্থিয়তা। অভিত বিবংগ মুরের নোনাধরা কুকলাস নেরালে দেয়ালে ধ্রিত্তীর প্রাচীন কণ্ঠশ্বর নৈঃশালে বেন প্রতিধননিত হতে থাকে-উদ্দির বাতানে তার নির্দ্ধাস—আমার ইচ্ছার যরিতী कारहत्त्व श्रष्ठ निर्वाय—**ञ्रष्टास्त्र** महाराजात ভ্রতেশ ভ্রতেশ ভার উত্তাল হাত: ধরিতী আজ দ্রেতম তবু বেন সবঁচ সে। আক পীত ধরিতীর অবরব নেই--পীত প্রতিকৃতি নেই—আমার চোপের ভিত্তরে বাহিরে তথ্যব্ৰ-অধ্যার: এ অথকার চেনাচনা-এ অন্যকার মাতি বিকাতি নারের গতের বিশ্বত অন্ধকার পট ফেন স্কলের মত আমার দুর্গাদকে উঠে আসে--জন্মকালীন অভিথয়তায় চল্ডল সাধ: বিভিন্ন বংগ বলিড অমার কানভাস--বতদরে চোৰ বার উচ্-নীচু ছোট বড় অসংখ্য উষর্ভাবি স্থাবির জিরাফের মত ঠাসাঠাসি দালান কেঠামর বাড়ি-প্রচীন গ্রার মত অলিগলি চতু-দিকে গলিত নদ্মা—মাথার ওপরে বহু ভুল এক জামিতিক নীলিমা আর সংস সন্তারিত গাড় ক্লক মেঘ-দীর্ঘ জন্মিক क्कृतिङ विशास्ट्रक स्मात्त्व स्वरा-रणाकार বর্ষণ এবং অপরাছের নির্ভেক রেপ-পোড়ামাটির টবে ব্যালকনিতে অবলঃশিঠত গোলাণের পাপড়িসমূহ এবং উল্লেখ বৃদ্ভ ধৃত বীজের সম্ভাবনামর রভবণ গভ'কোৰ-আমার জনাদাশ্ত এ-ছবির রঙে রেখায় কোন অবস্থানে অস্থিয় নির্মাণ রইবে? আমার এ দিগস্তহীন ছবির কোথার রইবে মারের শক্তে শাল্ড শোকার্ড প্রতিমা? **ध प्रतित रकान**् **कविन रत**्यात बहैरि ধীমান? সমস্ত রঙ রেখা স্পর্গ করে এ ছবির দৈৰে প্রদেশ ধরিতী কী প্রস্কৃতিত হবে? আনায় এ ছবি কোনদিন শেষ হবে?



প্রাক্ত বলোঁছ কি সেই গ্রুপটা । এটি
আমি শুনেছি ককা বরসে আমাদের
বাড়ির এক নিরক্ষরা দাসীর কাছ থেকে।
তাই এটা হরতো লোকম্থে প্রচলিত
আক্তিক কাহিনী মাল্ল-কেতাৰ-প্রে শ্রুমি
প্রস্থান বলে হরতো আপনার অজানা।

এক বাদশা প্রারই রাজধানী থেকে
দ্বে বনের প্রাণ্ড একটি নিজন উদ্যানভবনে চলে বেডেন শাশ্তির জনা। সেখানে
বলেক ব্বরাজের জীঞ্যাসপাী নমাস্থার্পে

yin Lesa my

জনুটে যায় এক রাখাল ছেলে। তাদের সংগ্রা রাজপতে কৃষক-পুত্রের ব্যবধান ছিল না।

বাদশা থারা গেলে পর ব্রেরাজ বাদশা হলেন। দীঘা কুড়ি বংসর ধরে যুবরাজ রার সনুযোগ পাননি সেই উদ্যানভবনে জাসার। মখন একোন, তখন সংখান নিলেন ভার রাখাল বংধার—ক্ষাং গোলেন ভার পশক্তিটির। রাখাল ছেলে প্রেরিই যত মোড়াম্ডি দিল। যুবরাজ শ্রেধালেন, "ভোমার বাপকে শেখছি না বে?"

'তিনি তো কৰে গত হৰেছেন? **আছা** তাঁর আছার মধ্যল কর্ন।"

"গোর দিলে কোথার?"

"ঐ তো হোখার, খেজুর গাছটার তলার। বাবা ঐ গাছের রস আর তাড়ি খেডে ভালবাসতো বলে আমাকে আদেশ দিরে গিরেছিল তাকে বেন ধরই পারের কাছে গোর দি।"

্নাগরিক বিদশ্ধ ওমর শৈর্মেও তাকা-কুজে সমাধি দিতে কলেছিলেন, বাং?)

রাখাল ছেলে জানতো, আগের বাদধা গত হরেছেন। ভাই শুঝলো, "আর হাত্তের বাদলার গোর কোথার দেওরা হল?"

विवर गर्वकरत नवीन बाका वनारमन्

'জানো তো রাজাবাদশার বড় নিমক্টারার হর, বাপের গোরের উপর কোনো এলারঙ বানার না। ...আমি, ভাই, সে-রক্ম নই। বাবার গোরের উপর বিরাট উচ্চু সৌধ নিমাণ করেছি, দেশবিদেশ থেকে সবেজিন মাবেজ পাণার বোগাড় করে।...এই কনের বাইরে গেলেই ভার চুড়োটা এখান থেকেও পদট দেখা বার।''

রাখাল হেলে কললে, "লে আর দেখিনি? কিন্তু ভূমি, ভাই, করেছ কি? শেষ বিচার কিরায়তের দিন, আলা হুকুষে কিরিপতা ইসরাকিল বখন লিঙে বাজাবের, তখন কত লক্ষ মণ পথের খাঁড়ে খাঁড়ে তেনে কত লক্ষ মণ পথের খাঁড়ে খাঁড়ে তেনে কত লক্ষ মণ পথের খাঁড়ে খাঁড়ে তেনে ভেডে উঠতে হবে বেহেশ্ববামে। ভার কলা এ মেরেমতা তৈরি করলে তেন?... আর আমার বাবা ভার গোরের উপরভাষ আব হাত মাটি এক ধাকার তেনে কলে হুল হুল করে চলে বাবে আলার পারের

æ

প্রির সৈরপ সাহেঁব, জালাকে দিরেছে জানত গোর বিরাট ইট-স্রেথির এই বাড়িতে। বধু হরে জা-সন্ধার এ-বাড়িতে প্রথম প্রবেশ করি, ভাগনই আমার পরবেশিরটা কেনে কেন একটা শীভলভার পরবেশ ভাগর আরার বরেছিল, বলিও আরার পরবেশ ভাগর অভি

পূৰ্ আছি-বেল চেনারসী গাছি, বিবনাপের জানা আরু স্ব'লি প্রতিক্তে জাপানার ভাতারের ঠাকুমার কাম্বারী শাল-বার সাজা করিব ওকাই হবে আধ সের।

কিন্তু চিন্তা কর্ম, বাঁদ আপনাকে বান্ত্যে আহারনিয়া গণিতাজীকন কান্ত করতে হয়, তবে কি রকম হাল হয়।

ভব্ বলি, এও কিছু নর। সালানা ইট-পাথর, প্রাচীন বিনের সঞ্জন—একা প্রাণতীন। এরা আমার মত সজীব প্রাণচন্দ্রল কবিকে আর কতথানি সম্পোহিত করবে?

ভিশ্তু এরা বে সবাই সর্বাহ্ণ চিংকার করে করে আনহাকে শোনাক্রে

"ইয়াভিশন। ইয়ভিশন ঐতিহয় ঐতিহয়।

সৰাই বলছে, সাভ প্ৰেছৰ বাবে এই বানদানী পরিবারে বা চলে আসহে, সেইটে ভোনাকে মেনে চলতে হবে, বাঁচিয়ে রাখভে হবে, এবং মরার সময়ও তার ভবিবাতের জন্য পরিপাটি বাবদান করে মেতে হবে।

আৰু যান্য জন্ত? নাবেব, তাঁর পাঁদ্ধবারবর্গ, এ-বাড়ির পারওরান স্থাইভার
বাব্রিট চাকর হাজাকখোল, পালের মসজিবের
ইমাম মোরাজিন সকলের চেহারাতেই ঐ
একটি সম্প নিজনে ব্যুটে উঠছে: ইয়াজিনন ।
বিগলিভার্যা বেগমসাহেবা বাব খানানানী
প্রাচীন পান্ধা মেনে চলেন, ভবে আররা ভাঁর
গোলানের গোলান, জনমরা নামানের পর
পঠি বেক্য আরার প্রসাধানত ক্রিটরে ব্লব্রে,

रित्रम युक्तका वावीव

শহর-ইয়ার

श्रशकारत नीसरै श्रकान कदास्व



শ্রী বুলা, এই শহর-ইরার বাল, বিল্লাকা, এই বুনিয়ার আলার ছারা'। ভারই সুলীতল ছারাতে আমাদের জীবন, আলাদের সংসার, আমাদের মৃত্যু, আমাদের মোকা: তুমি ভাকে শভান, করো, সহলার,

साहित जिलिक गरे। जारम्ब ध-शार्थनाव. ঐতিহা রক্ষার্থক মনার সচুর আত্তীবক্তা আছে কিন্তু সপো সপো আছে ट्राई कारिय इन्जितिन्क्षे, क्षीयन जरशास्त्र কোনেলাভকে তিকে থাকবার, কোনোগতিকে ৰে'চে থাৰুবার প্রচেন্টা। ...আজ বদি কালি-খাতের মালির নিশ্চিক করে পরেং পরেজারী-দের আদেশ দেন "চত্তে খাও গে!" তবে তারা বাবে কোষার? বর্তমান যুগোপযোগী জীবন-সংগ্রামে বৃশ্ব করার মত কোনো দ্রৌনং তো क्रमंत्र एमख्या इर्जान। अरमंत्र व्यवस्था इर्ज, भौजात भाषितक हठार स्वर्फ मितन वा हत। খাঁচার লোহদুগোঁ দীর্ঘকাল বাস করে সে আত্মরক্ষার কৌশল ভূলে গিয়েছে, দু' বেলা লোরতের তৈরি ছোলা-ফড়িং থেয়ে খেরে ভূলে গিয়েছে আপন খাদা সংগ্রহ করার ছলা-কুলা ৷

আবার আমার 'লোক-কদ্করের' কথার কিরে আসি। এদের স্বাইকে যদি আমি কাল ভিসমিস করে দি,—সে একেরার ভালার আমাকে দিয়েছেন—তবে কি হবে? অধিকাংশই না থেরে মরবে। তারা শ্ধে ছানে ট্রাভিশন। তাদের ক্ষম হয়েছে এ শতাব্দীতে, কিম্চু মুড়া হরে গিরেছে উনবিংশ শতাব্দীর গোডাতেই।

জ্মামি একাধিক বার চেন্টা দিরেছিল ম এ-বাড়িতে ফ্রেন্স রাড আমদানি করতে। চালাক চতুর দুই একটি ছোকরাকে বর হিসেবে

চাঞ্চল্যকর আবিশ্কার দৈনলিন একবে'রেমি থেকে বাঁচুন

আমেরিকার একটি আবিক্কার — বা হাতে পোলে লেভিং ব্রাল, সাবনে আর ক্লীম আগনি-ছুক্তৈ ফেলে দেবেন—ভারতে এই সর্বপ্রথম প্রবৃত্তি হলো।

স্বচাইতে মঞ্জার হচ্ছে, এই আবিশ্বার কেবলমাত্র রেজর রেডের ক্ষেত্রই প্রবোজা হচ্ছে মুখের ওপর নর। কুইক-এন-ক্লীন' এর (জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হলো স্বচাইতে অবিশ্বাসা ঘটনা, অথচ এই দিরে আপনি অভি দ্রতে ও চমংকার শেভ করতে পার্বেন।

আপনার ব্রেডের প্রাক্তে এক ফোটা কুইক-এন-ক্লীন ঢেলে নিন্, তারপর মুখ জল দিরে ভিজিরে শেভ করতে থাকুন। আপনার রেজর রখন দাড়ির ওপর দিয়ে কার্পেটের মত কোমল প্রপাশ ছড়ির এগিরে বাবে, আপনি তখন জীবনের স্বচাইতে বড় বিশ্বার বোধ করবেন। বারের দিক দিয়েও এটিতে সাশ্রর হয়। এক বোডলে তিন মাস চলে। নিমে এলেছি। জানেন কি হল ? প্রাথিক কাল বৈতে না বেতেই ভারা ভিডে গেল প্রাচীনপাণ্ডী দারওরান বাব্রচির সন্দো। বুঝে গোল, বুটির ঐ-পিঠেই রাখন মাধ্যনো রয়েছে। সিনেলা যাওরা পর্বভ ভারা কথ করে দিলা অক্রেলে হস্তরভাষ করত্ব, বেড ল' কিংবা ভারো বেলি ট্রাভিশনের বারাজাল ছিল করার যাভ ঘোহমুন্দর আমি রাভারাভি নাভারাভি বুরে থাক, বাকি জীবনকর চেন্টা করলেও—নিমাল করতে পারবো না।

ভবণা আমার দেবভুলা প্রামী আমাকে বাসর্থরেই সর্বাশ্বাধীনতা দির্মেছকেল, সর্ব বারনে—সে-কথা আমি, আপলাকে প্রেই বর্জোছ। কিন্তু প্রাধীনতা দিলেই তো সর্ব মুশুকিল আসান হরে বার না। প্রাধীনতা পেরে খাঁচার পাখিদার কি হরেছিল? অনাহারে বখন ভিরমি গিরে টেরের ফাটা-চেরা মাঠে পড়ে আরে, তখন লিকরে পাধি তাকে ছোঁ মেরে তুলে নিরে গাছের ভালে করে কুরে কুরে তার জিগর-কলিকা খেল।

সে-কথা জানে বলেই এ-বাড়ির লোক আমাকে প্রথম দিনাই খাঁচাতে পরেতে চেরে-ছিল। ওরা সবাই ট্রাডিশনের খাঁচাতে। খাঁচার ভিতরকার নিরাপরা, অরক্ষল বাইরে কোথার পাবে? আমাদের এক সমাজতভূবিদ নাকি বলেছেন, ১৯৪৭ এ স্বাইনিতা না পোলেই নাকি আমাদের পাকে ভালো হত। ও'র বছবা, ইংরেজ আমালে নাকি আমাদের ঘ্তলবগতৈলত-ভূলবন্দ্রইন্ধনের স্ক্তিক্তা ভিল অনেক কম।

এইবারে মোশন কথা বলি। সেই রাখালা ছেলের বংশ্বর পিতা বাদশাক তরি সমাধি-সোধের প্রশুতর ভেঙে ভেঙে উঠতে বত না হিমসিম খাবেন, তার সপো আমার এই উৎকট সম্পুটের কোনো তুলনাই হয় না। জ্ঞানত লোরের মান্য আপন ছটফটানিতে নিরুশ্ধ নিশ্বাস হয়ে প্রাপবায়, ত্যাগ করে।

ভথাপি আমি ঐ খানদানী পাষাপদ্ধো ধাকতে চাইনি। ঠিক মনে নেই, ভবে গলগতি খাব সম্ভব সার্থকা সাহিত্যিকা শ্রীব্রা আগাস্থা দেবীর: একটি বালিক। স্বাধীনতা আদেলালনে সংশ্লিকট করেকটি যুক্তের সংশ্লেশি এসে স্বাধীনতা সংগ্রামের আদশে উদ্দীশত হয়। অহেতৃক বোগাবোগের ফলে ভার কিন্তু বিয়ে হয়ে ফেল এক অভি দুর্ধব কৃষাগরস্তুশোকক জমিদারের ছেলের সংগে। আমার মনে নেই, মেরেটি হয়তো বা অনিজ্জার বিয়ে করেছিল, কিংবা হয়তো বলদ্ভ গমে স্বামীস্থাই প্রবেশ করেছিল, কটোর প্রতিক্সা নিয়ে বে এ-জমিদার শ্রুষ্-জমে বা করছেন, বেটা দ্বাছ্যে বলা বায়,

"পাকা রাশ্তা বানিয়ে কসে
দর্শবীয় ব্রুক বাড়ি
ভগবানের কাথার 'পরে হবিদার
সে চার-দ্বাড়ি।"

(जावात तर्वोत्तात्त्वः अते महरूपणे त्रावरम्य केमत किम वात क्षत्र महरू कर करत वाकरमा!) त्रवे निर्माणे क्षत्रमावन त्र कितकात वाच कराय-चात्रात्त्र महोत्रमा निर्मा इत्यासम् वाम नहस्यास्त्र महोत्रीय नार्वण्ड स्थासम्बद्धाः विकास स्थापित

এক বিনেও ছিল লৈ কাৰ্ড্ৰেল লক্ষ্ট তার বা-ভাবিলী লাশ্বেটার ক্ষিত্রকে-তিনিই হিলেন এই প্রকা-ক্ষেত্র-উভাইনের চহ-বাভিনী'।

সংক্রেণ সারি। জন্ন কর্ম বন্ধর পরে

কি পরিনিবতি উল্ডাসিক হল? সেই
প্রেরটাই। করাপ্রাং তবা পরং। বন্ধং
তব্ধ প্রাথ। ইতিহনে পাল্ডি মারা
গিরেনে এবং সেই বিয়েহোঁ তল্-সেই
বারিণী বন্টি বন্দার সাক্রেনি কলেবর
বারণ করে হরে গেরেন কে-কর্মনে ভাবসাতি রহুলেবিণী।

্ৰাডিশন! ইয়াডিশন। সেই দ' থেকে বাচে কটা ডিডি:?

কিংবা রবীশ্বনাথের সেই কথিকটি সংরণে আননে:

্বড়ে কভার মহনকালে দেশস্থে স্বাই বলে উঠন ' ভূমি গেলে আমানের কী দলা হবে।'...সেবতা দরা করে ফালেন...লোকট ভূত হরেই এনের বাড়ে চেপে বাক—ন। মান্বের মাতা আছে, ভূতের তো মাতা নেই।"

সেই ভূতই হল ক্লাভিলন!

তার পর মনে আছে সেই ভূত-ট্রাডি-লনের পারের কাছে "দেশন্ম সকই-কে" কি ধাজনা দিতে হল ?

"ত্যালান থেকে মতান থেকে কাড়ে। হাওরার হা হা করে উত্তর আনে, (বাজনা দেবে) "আরু দিরে, ইত্তত দিরে, ইমান দিরে, যুক্তের রন্ধ দিয়ে।"

সৈরদ সাহেব, আমি ট্রাডিশন ভূতের বপরে সে-'বাজনা' দিতে রাজী ভিলমে না। ভার কারণ, এ নর বে আমি কুপণ। কিংতু এ-মুলা দিলে ৰে আমার সর্বাসকা লোপ পাবে আমার ধর্মা আমার ইমান বাবে।

স্তল আশাপ্ৰার সেই বধ্র মত বিনে দিনে : আপন সকু: হারিরে হারিরে অনি আমার শবলার , বাজির অফলারতনে বিলোপ হতে চাইনি। সেইটেই হত আন ব নহতী বিন্তি।...

किन्छु उद् झारनन, रेनब्रन नारहर, हा^{जिन} কালা হীরাপালা রালাবালা নিরে আমার দৈন্দিন জীবন কেটে বাজিল। আমাদের কচিকাচা বয়সে একটা মামনুলি রসিকতার কথোপকথন ছিল "কি লো, কি রকম আছিল?" "কেটে বাছে, কিন্তু রম্ভ পড়ছে না।" আমার কেলা কিম্তু "বিন কটোর" সংস্থ क्षिणण्ड टक्टडे दक्टा 43 बर्द्र क् नक्रमञ् **平**て京 रमग्राटक 444 पिरंत जामात व्यामध्यवाम निवासनिवन्तम

PR CONTRACT NECESSARY STREET THE CHARGE MAINTAINS AND AND THE CONTRACTOR OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE CANADA CAN AND STREET OF THE PERSON OF THE CANADA CAN AND STREET OF THE PERSON OF THE CANADA CAN AND STREET OF THE PERSON OF THE CANADA CAN AND STREET OF THE PERSON OF THE PER reform by the course was water out र्य छाइदे प्रकारकार करून जनक क्रांक्न PICE OF SCH THE WAS CARIST MINN SCH गाउँगाउ करता बाता बाता।

क्षत्रका कालाव ट्याका स्ट्रानटकेन के कटना ात्। तो कृष्ट्राक् योक्ति हो।किनरमहं **बक्या**माः वान्ड हरि।...

जार्गाम ज्यानारे महस्यादम अञ्चलनारः তোমার এ-পরিবর্তন এল কি করে?

পরিবর্তন নয়। জালয়ণ। নশ জালয়ণ। *

"র পনারাদের ক্রে टकरण छेकिनाम क्यानिकास के समर न्यक्त नहा तरकत कम्मदत स्मीधनाम काणनाव दूरा.."

আমার 'নব জাগরণের' পর আমি এ কবিতাটি নিয়ে অনেক ভেবেছি। **পশ্চিত** এখনে র পনারান র পকারে। অবশা এর পিছনে কিছুটা বাস্তবতাও থাকতে পারে। শা্ধা পদ্মার নয়, কবি গণগাতেও নৌকোর করে সকরে বেরুভেন। হরতো বজবজ অঞ্লে কোথাও ঘ্রামারে পড়েছিলেন; হঠাং ঘ্র ভাঙল ডারমন্ডহারবারের একটা, আগে বেখানে র**্পনারায়ণ নদী গণ্গার সংশ্যে এ**সে মিশেছে। জেগে উঠলেন রুপনারায়ণের ক্লে, 'কোলে'ও হতে পারত। 'স্বংন' দেখছিলেন এতক্ষণ। অর্থাৎ তার আশী বংসরের জীবন স্বশেন স্বংশন, স্বংশার অবাস্তবভার কাটাবার পর রুপনারায়শের কুলে পরিপূর্ণ বাস্তবের অর্থাৎ 'র**্পের' সম্মুখীন হ**লেন। এক আলংকারিক রূপের ডেফিনিশন দিতে গিরে বলেছেন, ভূষণ না থাকলেও বাকে ভূষিত কলে মনে হয় তাই 'রুপ'। অর্থাৎ পিওর, নেকেড বিয়ালিটি। **তার কোনো ভবণ নেই।**

আর 'নারারণ' অর্থ তো জানি: নরনারী যাঁর কাছে আল্লন নের।

আমি অন্তত এই অথেই কবিতাটি নিয়েছি।

তাই আমি জপ করি সেই আল্লার (নারারণ) আগ্রন্থ নিয়ে, ভার র্পেম্বর্পকে স্মরণ করে, বার নাম "**লতীফ্"** (স্কুলর)। এবং তিনি **শিবু এবং স্তাও বটেন**।

কারণ আমি বখন আমার রূপনারারণের তীরে পেণছল্ম, রচ্ছেমর্তেশ আমার নিয়া-ভণোর 'শ্বিজয়ের' সম্ম্বীন হল্ম তথ্য শ্ব, যে আমার প্রবিণিত

ब्रेगिफन्म ! ब्रेगिफन्न ! ট্রীডিশনের পাষাপ্রাচীর নিমিতি 'অচলায়তন' দেশতে পেলুম, তাই নর।

আত্তদক, বিশ্ময়, এমন কি নৈরালো

शास परिन्य कारण्यात स्थाप सामा सामा कट्टिक कान्यक्राणीय, क्यार्ट्स्ट्रियन कार्ट्स्स क्रमुनिटान एवं समय हता पराव देशनक्रीक्रावेस लाएम बाँध काम बारक स्मर्ग्यकाल स्वयंस्ट

্ৰক্ ভার চেরেও সারাক্ষ বিভাবিকা-श्रह ३ क्षत्र जानमा क्षत्र बर्सानारि, ट्यकार 'शरक्षांशकास'. ब्रहामह्त्या स्नाम्यामान আলোক সভার উপর লভরে শুরে কুটে-ওঠা সপ্নীতের ক্ষুদ্ধারী আকাশকুস্থ, কবি ব্যবহানের ভাবার

"এ যেন জীৰ্ণ প্ৰানাম বেবিয়া শ্যমালভিকার শোভা, निकटी ब्राम्स स्थाप प्राप्त

. गृत्व १८७ मध्याका**का ए** चात्र कि अस चुन स्टब्स्ट्रिस्ट्र सार ফিবিন্তি আপনাৰে সিতে গেলে প্ৰয়ো এক-बाला "साइन्यमी शक्षका" निषट इरव। क्षक कवात्र रमस्ट्र कुन, इ.मस्त्रद्ध कुन, मरमद ভুল-পর্জেলিয়ের ভুল। অর্থাৎ কিলোরী व्यवस्था तथरकरे गुज्र करतीह कुल धवर ठरनीह कुण शर्म।

আমি নিরাশবাদী নই: অতএব ঢেলে সাজতে হবে নভুন করে: জীবনের সং**ণা** রিটান মাচের এখনো **সময় আছে—প্র**স্তৃতি

কিন্ত পন্থা কি?

শিশ্য বেমন মারের হাতত মার থেরে মারের কোলেই ঝাপিরে পড়ে আমি তেমনি

"ENGINEERS WEST" AN TENANTING CHICH" WHEIR CHICK 1991.11 !

"विश्वदार्गात" माजिमा दा श्रमान और गर्भिनीटक जामबा बारक एजीनका बीना ভার সংখ্য আমার কিছটো পরিচর বিশ্ব। অভি ক্স কটি ও তার জীবনস্পাদনে অত্তান গ্রহন্ত ভারার ভারার যে জীবল-স্পাদন আৰে ভার লকাকেটিবলী কংশ বভাগান অন্যভাবে অনুভব করে, ঠিক 🗟 অতি অপৰানিও সে-ই গ্ৰছৰ পৰাক্ষেত্ৰৰ প্রচরতর অপবাশ্র । আরবা রজনীর অন্-নশ লার একবাড়ি ডিম দিয়ে কলবার আঞ্চত करत डोकतवान्दक विरत क्यवात व्याप কৰেছিল। ভার হিসেবে রব্রিভয় ভুল বিশ না —ভল ছিল ভার ছঠকারিতার। আর আমার হাতে তো কুলে সৰ্বসামূল্যে হার একটি ডিম। কাডিনাল নিউমান কি গেরেছিলেন –স্মৃতিদৌর্যনোর জন্য কমা ভিকা কর্মছ "আমি তো বারাশেষের দ্রেদিপশ্তের কামা-ভাম দেখতে চাই নে: আমাৰে গ্ৰন্থ, একটি পা ফেলার মত আলো দেখাও।" "আই ভূ নট্ উল্লেণ্ট ট্লু সী ডিসটেণ্ট সীন। গুৱান স্টেপ ইনাক কর মী।" ভাই আমি "বিশ্বরূপ লভীকের" সম্বানে বেরলমে।

এরপর আমার বে সব নব নব অভিক্রতা হল তার বর্ণনা দেবার ভাষা আমার নেই. কখনো হবে না, কারণ আমি ভাপদী রহক্যা নই। আমি স্ব-কিছু ৰাপ্সা দেখছি। তাই আপনি আমার চোৰ কেমন মেন কুৱাশা-ভরা शिक्राय-एका स्टब्स्टिन।

বাংলা ভাষার প্রকাশিত চলচ্চিত্র বিষয়ক একটি প্রামাণ্য প্রশ্ব •

অসীম সোম সম্পাদিত

সভাজিং রার ভাষিক ঘটক, মূণাল সেন, তপন সিংহ, চিদানব্দ দাশগন্তে, সৌমিত চট্টের,

শ্ৰ্মানেশী ও সংজ্ঞাৰ /গ্ৰুপথ কা শ্ৰীপড়াজং বাদ্ধ অভিক্ত প্ৰজ্বনগোড়িত ম ১৫-০০

.....সদা প্রকাশিত উপন্যাস

नगम, काब्र

রাতের কুরাশা

বাঘৰন্দ'

আশ ভোষ ম খোপাধ্যার ॥ ৬ ৫০ আক্ষেল্য-আফ্রিকার ডিরেডনাম

বর্ণ রার ॥ ৯.০০

অপরিচিতা হরিনারারণ চটোঃ।। ৫-০০ মৌরীন সেন ৪ ৭-০০ নৈকভন্দেরী ও বহুপ্রেব অভ্রেপণ্ডক

क्षिक् ॥ ४.०० ভোরাকাটার অভিসাবে (南京 破壊 川 2・00

> मन्त्र में कार्य শিবরাম চক্রবতী 🛚 ৪০০০ आफ्रिश•शा আশুভোষ সরকার 🛚 ৮.০০

यार्थ (थरक दर्नोष्ट माजनात घत

मन्द्रदम्म ॥ ৯.००

আশুতোৰ মুখোঃ ॥ ৪.৫০

व्यक्तिक कर ॥ 8.00

অজয় বস্ ॥ ৪ । ৫০

রুপরেশা ॥ ৭৩, মহাত্মা গান্ধী রোড, কলিকাতা—১

অভএব অতি সংক্ষেপে সার্ছ।

প্রথমেই আপনার কথা মনে পড়েছিল।
কিল্তু চিন্তা করে দেখলুম, আপনি স্বপন্মণন
না হলেও রুপনারারণের তীরে আপনি
এখনো পেণছননি। প্রাথনা করি, কখনো
যেন না পেণছতে হয়।

সবাইকে যে পে'ছিতে হবে এমন কার, কোন্ মাধার দিবিয়? যদি রুপনারায়ণে পে'ছিতেই হয় তবে যেন পে'ছিন আপনার গ্রেরই মত আশী বছর বস্তুস। আমার কপাল মন্দ (মৃনি খবিরা হরতো বললেন
"ভাগাবনত" আমি "অখণ্ড সৌচাগারতী"),
আমি বৌবনেই সেখানে পৌছে গিরেছি।
কোনো ইরোরোপীর বিলাসরভদে নিমন্তিত
এক ধনীর সণ্ডান, বৌবনে বলেছিলেন
"স্যালভেশন, মৃত্তি, মোক? নিশ্চরই চই,
প্রভু। কিন্তু নট জ্বান্ট ইরেট" অর্থাৎ একট্র
পরে হলে হর না প্রভু? আমার বিলাসবাসনা
তেমন কিছু-একটা নেই, কিন্তু আমার বৈ
ভর করে।..আপনার কাছে বাওরা হল না।

ভখন পেল্ম পাঁর সংহেবক। আছার
বড় জানন্দ, আপান তাকে ভুল ব্রেমন।
ভিনি কক্খনো জালো আমার উপর কোনো
প্রভার বিশ্তার করতে চাননি। বরক ভিনি
বেন হলেন এমবারাস্ট বেন একটা ধণ্ডে
পড়লেন। ব্রেক পেল্ম, তার যেন মনে হর,
যৌবনের কাম বাসনা ইত্যাদি খানিকটা
প্রিয়ের নিয়ে ভার পর ধ্যানধারণার ক্ষেরে
নামা প্রশাসকর।

जार्शन जातन, यीमक धर्मकरम जानाव



निधि (म्ब्रिमारित महाने दिया पूर्व सामान्यक करा कार्यक आहे।

Spin jag

আগতি বিল সামানাই, তব, আনি
প্রীন্তর্গারনের আবাধ্যম-আবা-আবা-আনালালা
দেখালুলো সর সমর্থী মন দিয়ে প্রেছি।
ক্রেছি অবন্য সিনি পুরিয়ালা তার কথা
আয়ার মনে পঞ্চল স্বান্তর্গার কথা তার কথা
তার পো হোহেরটির কথা তারণ করে স্ব
প্রায় হবে বাধ্যমান পর।

ভার সে-লেখাটির নার বোধ হর উত্তর-পাজা ভারণ।

আলীপ্রের বোষার সকলা তথন সবে নেম হরেছে। সমস্ত বাঞ্চলা দেশ উন্মান, এথারে রীজ্মনিক রাঞ্চলা দেশকে কেন্দ্র সংগ্র লিরে বাবেন। জার বাঞ্চলা দেশের সংগ্র বিজ্ঞান্ত স্থানেতে সমস্ত ভারতবর্থের ভারতার।

কী গ্রেত্র বারিছ। মার একটি লোকের

তখন তিনি বে-ভাৰণ দিরেছিলেন তার দ্বা কথা একটি বাকো বলা বৈতে পারে, তিনি আপম ভবিষ্য কর্ডবা স্থেতে কিছ্ দিনের জন্য নিজমে ক্রিকা ক্রমতে জন।

আর আলি তো সামানা প্রাণী। আমার এ-হাড়া জনা কোনো গতি আর আছে কি?
আমি শুখু ভালো করেই জানি, আমার ক্রমেরার অডান্ড কন্ট হবে। এ-রকম কেরেপভার মন্ড শামী কটা মেরে পার। তাই জানি, খখন ভার কাছ থেকে বিদারের জন্মাত চাইব তিনি আমাকে বাধা দেবেন না। তিনি নিজে ধার্মিক—ডাই বলে বে তিনি আমার ধর্মজীবনের অভিযানে বাধা দেবেন না, তা নলা। আমি বে দিনের পর দিন বাড়িতে বলে বলে খুরে মরবো সেটা তিনি কিছুতেই কুইতে পারবেন না।

হার আলা ডালা! আমাকে ভূমি এ কী নির্দেশ দিলে সার জন্য আমার এই প্রাণপ্রির স্বামী আমার মানিককে ছেভে বেভে হছে। নৈরদ সাহেব, জামি জানি আর আমার শ্বামী জানেন, জামানের আজও মনে হয় আমানের বিরে বেন স্বাহমার করেকদিন जारन स्ट्राप्ट। जानवा दक्त এইমাত वाकं शामकी (বাঙলার कि वर्षाः বিরাণামন?) লেলে স্টীবারের কেবিনে একে সদ্যের দিকে ভাষিরে ভাষিরে একে সন্যকে চিদে নিচ্ছি। হঠাং ডিনি **বলে উঠলে**ন, "जाबि की कागानामा" जन्कास जाबाद मांबा काठी एवंक । बाबाब एवाबडी रहेटन खीत भगणभाग बारत बनामान, "खार्गान व की कारमा ? जामि य अवसरे अहे क्यांतिह कार्ड वार्षिक्य मा

िकीम छठा छवा चरण छठामा **चेरते परागीवर**णमा "भाषाणी !"

्रांचिक्तम्याची कंटब्रांच्यामः। जानः द्यान बट्ट्य क्रम्टमा, जानि नागोनसीः नदेटम चामि जानात क्रम्म क्रमीय स्टब्स् बट्टस क्रम्म वास्टि

कड कारता? अस एवं रमय रमहै।

আগনাৰে ছেডে বেতে আমাৰ নিজেৰ क्या क्यो हत -- वाश्रीत क्रमाति (वासा পাবেন সে-কৰা আমি ভাবছিলে। যাবার विना त्नव धकि कथा विन। बाव त्यास আপনার সংখ্য আমার পরিচর হর (আল্লা সে-দিনটিকে রোশ্নীমর কর্ন!) ভখন থেকেই লক্ষ্য করেছি, আপনার ভব্ত চেলার সংখ্যা খুৰ নগণ্য নর। হরতো আপ্নার চেরে কাঁচা লেখকের ভৱের সংখ্যা আরো বৈশী। কিন্তু একটা জিনিস জক্ষা করে আমি আশ্চর' হরেছিলুম এবং অভিশর প্রাকিত হরেছিল্ম। আপ্নার নেই, আপনার কোনো রমণী উপাসিকা নেই। আমিই তখন হলুম আপনার অবিতীয় স্থী নমস্হচয়ী—ৰে নামে ভাকতে চান, ভাকুন। এ-হেন গৌরবের আসন ত্যাগ করে বেতে যার কোন্ মুখী ! তব্বেতে হবে।

সর্বদেৰে আপনাকে, নিতাশত আপনাকে একটি কথা বলি :

ঐ বে কবিতা—কবিতা বলা ভূলা, এ বেন আপ্তবাক্য—"র্পনারারণের কোলে/জেগে উঠিলাম" এর শেষ দ্ভি লাইনকে আমি অকুণ্ঠ স্বীকার দিতে পার্রছি না। লাইন দ্ভি:

"সতোর দার্শ মূল্য লাভ করিবারে

মৃত্যু তে সকল দেনা শোধ করে দিতে।"
এখানে আমি কৃতিয়ার লালনফকীরের
আশতবাকা মেনে নিরেছি। তিনি বলেছেন
"এখন আমার দেহ স্মুখ, মন সবল,
পণ্ডেল্লির সচেডন। এ-অবস্থার বদি
আল্লাকে না পাই তবে কি আমি পাব মৃত্যুর
পর?—বখন আমার দেহমন প্রাণহীন, অচল
অসাড়?" আমি "সত্যের দার্শ মৃত্যু লাভ
করিবারে" মৃত্যু দিরে "সকল দেনা শোধ"
করবো না।

আমার বা পাবার সে আমি এই স্কর্নিনেই, স্করিক্ত অক্সবাতেই পাব।

খুনা হাফিজ্! কী আমানিলা!! আপনার দেনহধনা কনীক্ শহার-ইয়ার

হাত থেকে কর কর করে সব কটি পাতা বারান্দার মেকেতে পড়ে গেল।

এতকণ আমার (এবং শহার-ইয়ারেরও) আদরের আলসেশীরান কুকুর "মান্টার" আমার পাশে শহুরে মাঝে মাঝে আমার দিকে ভাকাজিকা।

এখন বঠাং বারানদার পূর্ব প্রাণেড গিরের নিচের দুপারের উপর বসে উপরের দু'পা আফালের দিকে ভূলে দিরে চিংকার করে ভূকরে ভূকরে আর্ডরব ছাড়ডে আরম্ভ করলো। সম্পূর্ণ অন্তেক্ত, অকারদাঃ

ভবে কি মালটার ব্রুডে পেরেছে, ভার আমার প্রিমবিক্ষের! আজাই কালেন সে গোপন রহস্য। অবসাম মনে মৃত দেহে শব্যা নিক্ষে । ব্যুম আস্থে না।

ন্তের রাতে হঠীৎ দেখি মান্টার বিদ্যুৎ-বেন্দে নালার খিকে ছুটে চলেছে। হরতো দেরালের গন্ম পেরছে।

ভার থানিককণ পরে ঐ দুপুর রাজে কে বেন বারাপার উঠল। উঠ্ক। আনার এমন কিছু নাই বা চরি বেভে পারে।

হঠাং শ্রনি ভাষারের পলা। আমার কামরার ভিতরেই।

এক লক্ষে দাঁড়িয়ে উঠে তাকে আলিপাৰ করন্যা। বাতি জালন্য।

এ কী! আনি তেবেছিল্ম একে পাবো অৰ্থ উত্তৰ অকথায়। দেখি, লোকটার মুখে তিন পেটি আনন্দের প্রকত্রা।

কোনো প্রকারের ভূমিকা না দিরে, বৈজ্ঞানিক পশ্বভিত্তে কললে,

"নাম্বার ওয়ান : আমাদের বসতবাঞ্চি গরস্থাদিন পুঞ্জে ছাই।

নাশ্বার ট্রং আমরা আগামীকাল বাছি স্ইডেনে। আমার রিসার্চের কাল সেখানেই ভালো হবে?

নাল্যার প্রীঃ (কাছে এসে কিসফিস করে বললেন) গহর্-ইরার অভ্যেস্তা।

নাম্বার জোর:—" আমি বাধা দিরে বলল্ম, "সে ভোখার?" বারাম্বার! মান্টারকে খাওয়াছে।

বারান্দার এসে শহর্-ইয়ারকে বলল্ম, "সাইডেনে তমি নিজনিতা পাবে।"

তারপর শ্থাল্ম, "আবার দেখা ছবে তো?"

সে ভার ভান হাত তুলে—দেখি, আমি
ভাকে ঢাকা থেকে এনে বে শাঁধার কাকধ
দির্মেছিল্ম সেইটে পরেছে—সে হাত ভূলে
আন্তে আন্তেভ কীণ কঠে বললে, "কী
জানি, কী হবে।"

আমার এক কথ্য রবীন্দ্রনাথের মৃত্যু শব্যার শেষ মৃত্যুর্ভ পর্যাত ছিলেন। তিনি আমাকে বলেন, "রবীন্দ্রনাথ মৃত্যুর প্রে তার স্বাল হাড তুলে বলেন—তথন তার চৈতন্য ছিল কি না কানিনে—"কী কানি, কী হবে।"

সমাশ্ত

বিভিত্তে প্রান্তিভার



২৮৫, টাকা প্ৰেৰ পূ'ৰ ব'! বি খা ড ন্যা ল না ল ভি বা র ০ বাণড অল ওয়ান্ড পোটেবল টানজিন্টা

মাসিক ১০, টাকা বিশিক্তে কিন্দে। প্ৰতি প্ৰায়ে ও পাছৰে পাটাৰ বাব। বিশ্বনঃ Impex India (WD) Kallash Nagar, P.B. 1045 Delhi-6

<u>भाषा</u> हात्राक्ष हात्राक्ष शिक्षाक्ष शिक्षाक्ष

সন্তিই কী চমৎকার সিগারেট।
কী অপূর্ব রাদ আর সোনালীবর্ণের
ভান্টিনিরা তামাকের কী অপূর্ব গঙ্ক।
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
এত প্রিয়। আপনিও ওকে আপনার
একান্ত প্রিয় করে তুরুন।



গোকেল টোব্যাকো কোং, প্রাইডেট দিঃ বোগাই-৫৬ ভারতের এই ধ্রণের বৃহত্ত

GT (P)-672 Ben.

जमद्दन्न मिल्ली

ত্তি হাত বাড়ালেই চাঁদ। আর সেই
চাঁদ্ধ অসীম নিশ্দালক চোথে বেন
আমানেরকে দেখাছে, এই স্পালমান জীবলগতীয় যেখানে ছিল সেইখানেই আছে
নিজের স্থা-প্রেথ নিরে। আর কেন না
আমি এই জীবজগতের বাসিদেশ তাই জ্ঞারা
চিস্তা এখনো আমাকে নিরেই, আমার
ল্যার্থকে নিরে। অর কেননা ভালো হোক
কল হোক আমার প্রার্থ গাতীরভাবে জড়িরে
রয়েছে জনা মান্বের প্রার্থকে বিরে কাজেই
নিজেকে নিরে জ্বার অর্থ জনা মান্বকে
নিরেও ভাবা।

নকালে ম্ম ভাপাতে নিজের কথাই ভাবছিলাম, ভাবতে ভাবতে বিশেষ একজন

لحافك

समायत किन्छ प्रशिष्ट धन प्राप्ता कारह।

छाननाम प्रमुट्ट निर्धाय मान्यपिटक प्राप्त

धन्नप्रे मृत १४८क स्मयः। मृत १४८क

सम्यायिक मृत १४८क स्मयः ६८छे। प्रमुट्ट

साम्यायिक मृत १४८क स्मयः ६८छे। प्रमुट

साम्यायिक मृत १४८क स्मयः १५८क हिन निर्मयः

स्मयः प्रमुट्ट मृत १४८क स्मयः १५८क स्मयः

स्मयः प्रमुट्ट मृत १४८क स्मयः

सम्मयः प्रमुट्ट मृत १४८क सम्मयः

सम्मयः प्रमुट्ट सम्मयः

सम्मयः प्रमुट्ट सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम्मयः सम्मयः

सम

লোকসভার গিরে ও'র নিকে দ্রে থেকে ভাকালাম। শাশুভাবে উনি বলে রয়েছেন। আগেকার আসনে নর, অন্য আসনে। সিমত-মুখে।

পাকেচক্র পড়ে প্রার বছর দংশক জাগে জীন দিল্লী এলেছিলেন কেন্দ্রীর মন্ত্রী হয়ে। কানরাজ প্র্যানের ভাগিদে কিছুকাল জীন মন্ত্রিছ থেকে সরে দর্শিভূরেছিলেন। সেদিনকার সরে দঞ্জিনর সপ্রে আজকের সক্রে দাঁভূনোর বিক্তর প্রভেদ।

বলছি আমি গ্রেক্সতি রাজণ বোরারক্ষী দেশাইরের কথা। যোরারক্ষী শব্দটা গ্রেক্সতি "মোর" শব্দ থেকে এসেছে। বার মানে মর্র। বাজিগত জীবনে মর্রের মতনই সদাসবদা মাথা উচ্চ করে চলেন মোরারক্ষী। কিন্তু কোথাও জীবনে কোনো অহন্দার সেই। নির্দেশিত সাদাগিবধ এবং প্রচন্দ্র আছিতমানী এমন

পরেব খ্রা কেবল ভারতেই নর, বে কোনো দেশে দ্র্লাভ। উনি এক অনন্য প্রেব্। জীবনভর খ্রা বৃষ্ণই করে গেছেন ব্রি ভাগোর সংগা, কখনো বিপ্রাম দিরেছেন নিজেকে এমন কেউ শেনেনি। ও'র ব্যক্তিগভ জীবনের আলেখাটাই আৰু আমি ভূলে ধরব।



क्राजावकी क्रमारे

নোরারক্ষী দেখাইরের শোষার ছরে চ্বুকলে দেখা ফরে দেওরালে ফ্রেনে বীধানো ডিনাট ছবি। একটি শ্রীপ্রীরামকুকের। তৃতীরটি একাল্ড নিরিহগোছের একজন গ্রামা ইম্পুল টীচারের। এই ইম্পুল টীচারের বহস যথন পঞ্জাশ তথন মাইনে পেতেম তিনি পার্রাহশ টাকা। নাম জনছেদি দেখাই।

রানছোদি দেশাই ছিলেন মোরারজী দেশাইরের পিতা। মোরারজী মখন সবে মাত চৌন্দ, দুর্দিন বাদেই বাঁর বিবাহের দিন ধার্ব হরেছে, তখন ওর পিতা আছহত্যা করেন কুরোর ঝাঁপিরে পড়ে, বে কুয়োর ভূবে মরেছিলেন ওব আগের পক্ষের নহাঁ, মেনারজীর বিবাতা।

দারিন্তা কাকে বলে ঘোরারকী তা হাড়ে হাড়ে দেখেছেন। বাড়ির উনি বড় ছেলে ছিলেন। সংসাবেন্ত্র সমস্ত ভার ও'র মাধার এসে ভেশে পড়ল। ম্যাটিক পাশ করজেন ১০ টাকা কলপানি পেরে। বস্বেতে চলে গেলেন। কলেকে ভার্তা হলেন ক্লী। হস্টেলে থাওরা-হাওরাল্থ বাকস্থাটাও ক্লী হরে হালে। কলপানির সমস্ত টাকাটাই, গ্রেপে गटल श्रीकबादन मण हैका, क्षेत्रिंग श्राठाएक লাগলেন অসহার বৈধবা মাকে। তাই দিয়ে कानवक्ता शास्त्रव महमाव हता। जिल्हा क्रिक्र जा वक स्वादा থক্চ-খক্চা মোরারজীর। আর কেননা তিনি ছিলেন অভ্যান্ত মেধাৰী ছতা, বি এ ক্লানেও বাভি পোলন। পঞ্চাল টাকা মানে। উপার গ্ৰাটকরেক টিউপনিও অটিরে নিলেন। তথ্য এব অবস্থা সকল। এই শতাব্দীর গোডার দিকের কথা আমি বলছি। উনি বে কী ধরনের জেদী পরেব তা একটি**ু** चऐना थ्यंटक द्वाबा वाद्व। ७'त वत्रम वथन दािश्व मात नज्ञ. ১৯০৫ मदन नर्ख काट्यान সাহেৰ ৰণাভণা করতে উন্যত হয়েছেন, এই শনে ৰাগে মোরারজী চা পান করা ছেডে দেন তংক্রণাং: জীবনে আর কখনো চারের মাধ দেখেননি। আক্রেও উনি চাতো খানই না, এমন কি সিগারেট কফি কোকাকোলা क अवदेश धार्व काफ चिर्वेत ना। भारती গ্ৰন্থ কখনো শোকেনান। মদ স্পর্শকে উনি ঘোরতর অন্যার এবং "পাপকম" বলে মনে করেন। মাছ মাংস স্পর্শ করেন না। ওঁর নিত্যকার আহার ভাত, ভাল একটি তরকারী। বেশি হলে একটা দাধ কিংবা দুই। ওঁর যাবতীয় পোশাক পরিচ্ছদ মাঝারি মাপের বে কোনো একটি সটেকেসে স্বচ্ছদের এটে বার। এবং সেই স্টকেশ নিয়ে বে কোনোদিন যে কোনো সময়ে উনি যে কোনো কর্মস্থল ছেডে অন্য শহরে বিদার নিতে



পারেম। গুর নিড্যকার সংগী গুর স্মী, গন্ধাবেন।

ৰা মোরারক্ষী দেশাই নিজে করতে পারেন না ডা করার উপদেশ ডিনি জন্য কাউকে কখনো দেন না।

বি এ পরীক্ষার উম্বীর্ণ হতে যোগারকী প্রতিন্তিক্ত সিভিল সাভিসে চাকরি নেন। চটিরে তথ্য উনি স্টে-ব্রট ধ্ব পরেছেন। জারামে তো থেকেছেনই। কিল্ড কুমুখ খালকদের প্রতি বিভক্ত হয়ে উঠে-ছিলেন। পরাধীনতা অসহা হরে উঠেছিল। অথচ বার চাক্তি করবো, বার দেওরা ঘাইনে পেরে তোফা আরামে থাকবো, খরে বলে অভীপ্রচার ভারি সমালোচনা করভেও বিবেকে বাবে। সভেরাং বারো বছর চাকরির পর সে চাকরিছে মোরারকী ইস্ভফা দিকেন। ছাৰ্করিন্তে ভূকেছিলেন ১৯৯৮ সনের যে मारमः। चारसमावारम राज्यति कारमकतेनाः। ৰে মালেরই একদিন, ১৯৩০ সনে, পদ-ভাগাপর দিয়ে ও'র ছোটভাই আন্বাভাইরের ৰাসায় গিয়ে উঠলেন। ওই আহমেদাবাদ শহরেই। ভারপর মহাতা গাম্ধী একেন चीचताः।

ভারনের সমস্ত কিছু তখন অনা থাতে ষ্টতে লাগল। কখনো কোনো কাল নঃ ভেবেচিকের আঁকের মাধার উনি নেননি। বে কাজ হাতে নিরেছেন সমস্ত হাদর দিরে মন দিরে করেছেন। কংগ্রেসী নেতারা জেলে গিলে যখন 'বি' কিংবা "এ" ক্রাশের বরাম্ব আহার করেছেন উনি তথন চেরে নিরেছেন শ্বেছার স্বচাইতে নিন্দ শ্রেণীর আহার। দেখেনে কেনে কোনো ক্ষেদী নেডা জেলে গিরে নিজেদের দুখ-সূবিধার জন্য জেল কর্তপক্ষকে মাজেহাল করতে পিছপাও হননি. ब्याचारकी छौला प्रदेश कथन्त्र शाकरण्य मा। বেছন ছিল বাভিতে, সেই চাকীয়কাল খেকে. ভেম্মান জেলে উনি প্রতিদিন ভোরে বিছানা হেডেছেন, হাতমুখ ধুরে গারহী পঠে ভরেছেন, গতি। পাঠ করেছেন। এমন কি ক্ষােলী মুক্তী হবার পরেও কি বোদ্বাই श्रामतम, कि मिल्ली तकरना और दिन धारा এখনো আছে ও'ছ প্রাতঃকালীন একই विद्याभिष्ठा ।

বেমন কথা ভেমনি কাজ। তেমনি সংহত আচরণ। কোনোপ্রকার ভাবল-ভিলিং ও'র ঝতে সয় না। কেন্দ্রীর মন্দ্রিছের সময় নিজের অধীনে সমস্ত কর্মচারীদের উনি ভালাও নির্দেশ দিরেছিলেন, ও'র ব্যবসাদার ছেলে কান্ডি দেশাইকে মেন কোনোপ্রকার কেন্দ্র মা দেখানো হয়। এমন কি এ নির্দেশত স্পন্টভাবে দিরেছিলেন ছেলে কান্ডি দেশাই সরকারী কোনো পারমিট টারমিট চাইলে সে কাগজপার মেন ভর্মনির করে সোজাস্ত্রিক প্রতিরে বেকলা হয়।

একথা অনেকেই জানতেন, কি কংগ্রেসী
মহলে কি বাইরে, কান্তি দেশাইকে উনি
লপ্ত করে বলে নিরেছিলেন সে বলি
সরকারের কাছ থেকে কোনো অন্যার স্বারণ
নের ভাইলে উনি আত্মইত্যা করতে প্রশিত
কোনোপ্রকার নির্বা করবেন না।

কব্ৰান্থনের অনেকেই ঠাট্টাভামাশা করতেন এবং করেন তার বাতিকগুলো নিরে। সিগারেট না খাওয়া, মদ খাওয়াকে পাপজ্ঞান করা ইত্যাদি। সব উনি হাসিম্থে সরে বান। নিজের বাতিকগুলো তো উনি অনোর ঘাড়ে চাপাতে চান না। অবধ্য মদের ব্যাপারটা আলাদা।

মোরারজীর চোথের নীলের মধ্যে তাকিরে
দেখলে দপত বোঝা হার কোথার বেন উনি
ভীবণভাবে একলা স্বান্ধ! একবার
একজন জিগোস করেছিলেন, 'কোথাও কি
আাপনি অস্থা? জোখাও কি আপনি না
ভূলতে পারার মতন কাঝা পেরেছেন?'
পেরেছি।' উনি ভ্রম্ব দিরেছিলেন।

প্র'র ছোট মেরে, ইপন্ন বীর নমে, আত্মহত্যা করে মরেছিল। বছরটা ১৯৫৫। মোরারলী দেশাইরের সেই অন্ট্যা কন্যা করে করতে চেরেছিল বাপের যে হেলে পছন্দ নর ভাকে। বাপ কিছ্তেই মত দিলেন না। কিছতেই না।

हेन्द्र जापारणा करना।

বাইরে মোররাজী দেশাইকে দেখে মনে হত উনি বাঝি থবে একটি অঠান ঠাই। অথচ ও'র অত্রকারা জানেন ও'র মতন নরম পরের বর্তির আর হয় না। জীন সভাবাদী, সত্যের প্রজারী। উনি চান অন্তত্ত আগ-পাশের বন্ধ,বান্ধব আত্মীর স্বজনরা ভাই হোন। হন নাবলে অশান্তি। কি বিদেশী অতিথিরা আমাদের দেশে এসে বখন ভাদের দেখাচার নিয়ে মাতামাতি করেন ভাতেও উনি অংশ্য কণ্ট পান। একটা উদাহরণ দিক্ষি। মিসেস জন এফ কেনোড ও'র ছোট বোনকে নিয়ে এদেশে এসেছিলেন ভারত সরকারের অতিথি হরে। ১৯৬২ ৷ সে সমর জরপরে মহারাজা মান-সিংহের সপো জয়পুরে গিয়ে ও'রা রাভ জেগে জেগে থবে নাচানাচি করেছিলেন। মদ খেয়েছিলেন। তাতে উনি মহাখাপা হরে বর্লোছলেন, জানি বনি প্রধানমশ্চী হতাম এমন হতে দিভাম না।

ভালো হোক মন্দ ছোক, য়োরারক্ষী
দেশাই অনেক দিক দিরে আপসহীনভাবে
কোলোর মান্ব। মন্দ্রী হয়ে উনি
কোনোপ্রকার দশদিকে ক্লিক করে বেড়াতে
পারেনিন, শুংখ থেকেছেন আদিনের ফাইল
নিরে সর্বক্ষণ, প্রভোকদিনের কাজ প্রতিদিন
বথাসমরে শেব করেছেন নির্মাতভাবে। এ
অভ্যাস ও'র চিরকালের। ও'র টেবিলে
"গেণিঙং কেন্দ্র" বলে কোনো গ্রে থাক্ত না।

১৯৩০-র জে ছাত্তে বেলিন কেপ্রটি কালেকানের চাকরিকে ইম্ভকা দেন ও'র উপ্তন উংরেজ সাহেব একৈ হুকে নিয়ে-ছিলেন, পেশিতং কেসগুলো জনা হিছে रबक्ष!' फीम फरकनार क्रकडिएनम, किस्टि क्या त्मराव त्वन खाद्याव त्वहै। अद्या कि আক্রের পারের কেলালৈর আমি ভিদ-शाक करत निरशिष्ट ।' काशितको **का**वरक क्वान বেন অবাক লাগে। কেননা অনেকেট জানেন কোনো মশ্বী আপিস থেকে বিদায় নেবার সময় বিস্তব সরকারী ভাগভাগর নিজে উপস্থিত থেকে জনালিকে টালিকে निन्दिक करत करव विमान तन। अध्य वहें ৯৬ই জ্লোট মোরারজী দেশাইরের অর্থ-মূলত ব্যুত্র প্রায় আপ্রয়েষ্ট্রভাবে প্রায় ভাষ रश्रक इंग्रेश करत डिनिस्त जलका इरला তখনো উনি কোনো পোন্ডং কেস আপিসের টোবলে অন্যের জন্য ফেলে রেখে আপিস পরিতাগ করেননি। এমন ভি একটিও সরকারী কাগজগত এদিক ওলিক গায়েব করার দুর্নাম ও'র হয়নি। অথচ থামেকো দান্ত্রি রটনা করার মান্তবের অভাব নেই কোনো রাজধানীর দশ্তরেই। ভাতে ব্রিয় পাসেরতি।

সব কথা গ্রেছিরে সামানা একটি রচনার লেখা আল সম্ভব নর। চলেন বে মান্ত্র সদাসবলা লাখা পারে, কথা বলেন কটো-কটো, অভবা বাবহারে যার ব্রুকটা যখন-ভখন চুরমার হতে পারড, এবং পারে, আলকে বে মান্ত্রটিকে গণিচাত করা হলো ভাঁর বিশাম্থ ভালের দিকটা অনেকেই হরত ভালো মনে দেখতে চাইবেন না। তব্ আমি বলব, কুল্-পাত্রকালের এই ইন্দ্রশ্রেম্থ লোলারকা ভাইরের মতন দেবজুলা মান্ত্র আমি খ্র একটা দেখে থাকি বলে মনে হর মা। "দেবজুলা" বিশেষকটা আনেক ভেবেচিক্তে বাবহার করলাম আমি।

অনেক বছর আগে কেন্দ্রাই শহরে জীন একদিন আমাকে নিজের পাংশ বসিরে জিলোস করেছিলেন, 'জীবন থেকে ভূমি কি শিংবছ?'

বালক বয়সে আমিও আমার বাংকে জনের মতন ছনিরয়েছিলাম। আমিও ছিলাম বাড়ির বড় ছেলে। মোরারজনী-ভাইরের প্রশেনর উত্তর দিতে তথন আমি পারিনি। আজকে বদি উনি সেই একই প্রশেনর জবাব চান ভাহলে জামি বলব, 'জনীবন থেকে কি পেরেছি কি পাইনি কথার বলে বোঝানো ভা ব্থা।' তব্ বদি উনি জিদ করে বলেন, 'বটে ইড্ন দেন?'

পাইফ ইজ একপ্রেসড ইন দি চরেসের ওয়ান মেকস', তাহলে এই আমি বলব। চলার পথের চৌরাচ্চায় থমকে গিরে পরে কোন রাস্ডাটা আমি ধরলাম সোজা, ডাই আমি। চলার রাস্ডাটা।

আক্তর্বাতিক লেখক সংস্থায় বাহনতি

তথ্য ডিক সেক্ষ সংস্থা পি ই এন
(পোরেটস পেল-রাইটস, এডিউরস,
এসেইটস, মডেলিন্টস)-এর সভাপতি
নিবাচন উপলক্ষে গোলবোগ দেখা দিরেছে।
পর পর দ্ব' বার এর প্রেসিডেন্ট ছিলেন
আরেরিকান নাট্যকার আখার বিলার। নতুন
প্রেসিডেন্ট নির্বাচিত না হওরা প্রকত
আরও দ্ব' মাস তিনি কাজ চালিরে বেতে
বাজী হরেছেন।

সৰাই জানে, এই ধরনের সংস্থাগালিতে সাহিত্য সং**ক্রাম্ড কোনো গরে, স্বর**্থ উল্লেখ-रबाधा बर्धेना बर्से मा। সাধারণত उद्यन्क নির্বাহ লেখকরা মিলিড হয়ে পানাথার ও चामाभगीत करतन, छायात रावधातात करण ইংরেজী ভাষার লেখকরা ছাভা আর স্বাই পার অনামের লেখা সম্পর্কে অজ সাভকঃ ভারবিনিমরের নামে খানিকটা নার্ভাসভাবে ভাসা ভাসা উত্তর-প্রভান্তর হয়। অভএব এর সভাপতি নিৰ্বাচনের বালিতে যে স্বহিত্য-ক্ষতি ছাড়া অন্যান্য ব্যাপারই প্রাধান্য পরে, ভাতে **আ**র আ**শ্চর' কি**। ভবা সংস্থানি বেহেত আশ্তর্জাতিক এবং আকারে বেশ বড —প্রার ৬০টি দেশের লেখকরা এর সদস<u>্য</u> ভাই আলোচনার বোগ্য। উপকরণ কেন্দ্রেভি লংখন টাইমস থেকে।

মার্চ মালে এদের আন্তর্জাতিক ক্রাবির স্মিতির সভার সভাপতি পদের জনা তিনটি নাম **উঠেছিল। বিদায়ী স**ভাপতি আংগি মিলার প্রশতাব করেছিলেন, মেক্রিকান শেষক কারলোস ফিউফেনটিস-এর নাম। কি**ণ্ডু** তিনি নিৰ্বাচনে দক্ষিতে রাজী ন**া** । বারি দক্তেন হলেন, রাঞ্জিলের একজন সমাজভভবিদ জোসারে ডি কাসটো ত্রং বিখ্যাত ইটালিয়ান ঔপন্যাসিক ইগনাংসিও সিলোনে। ডি **ক্যাস**টোর নাম প্রস্তাব করেছেন পি ই এন-এর ফরাসী শাখা। সিলোনের সমর্থক প্রচর, তার নামের প্রশতাবৰ ভাচ শাখা, বেলজিয়ানরাও সমর্থন জানিরেছেন, এবং চারজন সহ-সভাপতি রোজীম্বড় লেশমান, স্টর্ম জেমসন, রবাট নিউস্যান এবং ভিজেরিয়া ওকদেগা (द्रवीकृतारथत्र विकास') जिल्लास्यत्र शतकः।

দ্ লনের হবে প্রতিশন্তিত ও ভোটাভূটি হবে, এতে অন্যাভাবিক কিছু নেই,
কিন্তু এই উপলক্ষে আন্তর্জাতিক পি ই
এন-এ কাটল ধরার সম্ভাবনা দেখা দিরেছিল। ভাচ শাখার সম্পাদক ডেভিড কারভার
আবার আন্তর্জাতিক পি ই এন-এরও
সম্পাদক, তিনি ইগনাখিসও সিলোমের পাল্ল
নিরে প্রচার শারু করেছিলেন বলে, তাঁর
প্রতি পক্ষণাতিকের অভিবোগ এনেছেন
করাশী শাখার সম্পাদক কাঁ দা বিরের। দ্য



বিরের সিলোলে-কেও চিঠি লিখে অভিযোগ করেছেন যে, ডিনি প্রতিম্বান্তিত করছেন রাজনৈতিক প্রতিশোধ স্পাহা খেকে এবং পারের সংস্থাটাকে ঠান্ডা লড়াইরের আওতার আনার জনা।

স্মাহিত্যিক ছিলেবে সিলোনের আনত-ছাতিক প্রাসীশ্ব, তার প্রতি**দ্বেদী** ডি ক্যান্তে কে কেওক বলাই কন্টকর। তিনি একজন সমাভতভবিদ এবং অতি কলে ভাতে প্রাবন্ধিক-এর আওতার ফেলা হার। অংশং ব্যেকার স্মান্ত্রের জনা **এইভাবে বলা বে**তে পারে, তাঁর যেখাতা অখারের নিংক ভারত বংগা সাহিত্য সম্মেলনের স্থায়ী সভাগতি দেবেদ দক্ষের কাছাক্রতি। অপর পান্ধ সিলোনে-র সেবে তাঁর রাজনৈতিক পঠভূমিকা। ইটা**লা**র রাজন**ি**তর স্থেগ তিনি *ঘনিষ্ঠভাবে যা*র। ১৯৫৩ সালে মিলোটো ভোটের ফলাফলে আন্তর্গতিক পি ই এন-এর সভাপতি নিব্যতিত হয়ে-ছিলেন, বিশ্ত কেবার তিনি প্রভালে করে-**ছিলেন ইটালীব পালাম্মান্ট ফাল** সেণ্ড ছন্য। সিলোন এক সময় ছিলেন সভাবাদী, ইটালীর কম্মানিক পাটির তিনি ভানতের প্রতিষ্ঠাতা—বিশ্ত ১৯৩০ সালে পারি ত্যাগ করেন। সাত্রাং ভালেকর ভর এই সিলোনের মতন একজন পর্টি-জাগ্রী সভাপতি নিৰ্বাচিত হলে পূৰ্বে ইওয়োগের ক্ষেক্টি ক্মানিস্ট দেখের সদস্রে নিস্চইট খুব বিরম্ভ হর্তেন, পি ই এন ছেতে চলে ষাওয়াও আশ্চর্য নহ।

যাই হোক, সমস্যা সমাধ্যমের জন্য সিলোনে প্রশতাব দিরেছিলেন, তিনি তাঁর প্রথমিদ প্রত্যাহার করতে রাজী আছেন, বিদি তাঁর প্রতিশক্ষ তি কাসেটোও নাম প্রত্যাহার করেন। সেই অন্যুসারে দুং লুয়াই নাম তুলে নিরেছেন।

শ্লাপনে প্র্ণ করার জনা, ইংলাগ্র থেকে প্রশতাব করা হয় ফরাসী কবি প্রীয়ের ইমান্ট্রেসের নাম। প্রীয়ের ইমান্ট্রেল বেশ নির্মান্ত আনুষ্ঠানিক কবি। সম্প্রতি তিনি আকানেনি ফ্রাসের সদস্য নির্বাচিত হয়েছেন, এবং আন্তর্জাতিক কালচারাল ফ্রিডন সংক্রার সভাপতি।

গৰজন্ত ও গ্ৰেকী প্ৰাদ

পৃথিবীর কোনো দেশেই লেখকদের রাজনীতির সংগ্য প্রভাকভাবে জড়িত থাকতে বেখা বার না। জনেক সুমার পৃথক- দেরও জড়াবার চেণ্টা হর—কিন্তু রাজনীতি ও সাহিত্যের মিলন কথনো, খুব সুবকর হরনি।

ভা বলে সব লেখকই বে রাজনীতি সংপক্ষে সংপক্ষে উদাসীন, ভা বলা বার না। বিনি গাছের পাভার রং পাতানো পর্বপত্ত লক্ষ করেন, ভিনি গোটা দেশের পট পরিবর্তান সংপক্ষে অবহিত থাকবেন না, ভা হতেই পারে না। কিন্তু সাধারণত দেখা বার, লেখকরা রাজনীতির কুটিলভা, বানা রক্ষা বিধি নিবেধ এবং প্রতিষ্ঠানগালিকে আক্রমণ করতেই চান।

এজটা পারলামেনটারি অপোজিশান অবশ্য এখন দু' রকম। সব দেশেই কলেজের ছাররা এই ভূমিকা নিরেছে, তারা অবশ্য শাসনভক্ষ বদলাতে চার পটকা ও ইণ্ট পাটকের ছ'দ্ভে। আর লেখক ও ব্যুম্মিকারীরা চান—এর সনালোচনা ও ভেডরকার ধ্বংসের ছবি ফটিকে পরিবর্তন আনতে।

বিখ্যাত জার্মান লেখক গ্রেণ্ট্র প্রাস্থ্য (তিন জ্রাহ্মা — এর বহু পরিচিত উপন্যাস) কিন্তু প্রভাক্ষভাবে রাজনীতিতে নেমে পঞ্জার বিধ্বাসী। প্রাস্থ্য গণতকের সমর্থাক, তিনি মনে করেন গণতকেকে বাঁচাতে হলে তার সমর্থানে প্রকাশ্যে এগিরে আসা উচিত। আগামী জার্মান নিবাঁচন উপলক্ষে তিনি সোসালে তেমোজাটস দ্লের সমর্থানে একটি স্থিতি গঠন করেছেন। এই স্থিতির নাম

বেরিয়ে পড়লো

গলপক্ৰিতা

আষাঢ়ে গল্প

বিশেষ গম্প সংখ্য জ্বোই-আগস্ট '৬৯
চেকোল্লোভাকিরা-প্রবাসী হিন্দি লেখক
নিমাল বর্মার গ্রেণের অনুবাদ করেছেন
সম্পীপন চটোপাধ্যার

কবি ও প্রাবন্ধিক সত্য গাহ'র প্রথম গালপ প্রণতা দে'র বাঙালী কয় প্রকার

উদ্দেশ্যম্বক/উদ্দেশ্যহীন গম্প লিখেছেন দেবাদিব বন্দ্যোপাধ্যার, আদিস বোব, বাণীরত চক্রবভী, অর্নেশ বোব কুমারেশ নিয়োগী, কুকুগোপাল মলিক

জারো ৩২ জন নামী লেখকের ক্লিকাড়া গণ্ণো

দাম-এক টাকা

মূল পরিবেশক জবুনা ১৭/১-ডি সূর্ব সেন শ্রীট, কলকাডা,১ং

(वि ६४६६)

ভাটারস ভলাপ্টারি জ্যাকশান কর দ লোস্যাল ডেমোক্সাটস'। এ'দের কাল সমনমালির কাছে সোসাল ডেমোকাটসদের হরে প্রচার চালানো, শ্ব্ব তাই নর, অনুরাগী পাঠকদের কাছেও এ'রা এই দলের স্বপক্ষে জাবেদন জানাবেন বেডার-টেলিভিশনে ও জ্যাসভার। এ'দের এই কাজ স্বার্থশিন্ন্য এবং প্রসাভার। এ'দের এই কাজ স্বার্থশিন্ন্য এবং

প্রাসকে বলা বার নরম বামপন্থী। তিনি শাসন ব্যবস্থা পরিবর্তনের ব্যাপারে অগ্রিছী। সোস্যাল ডিমোক্রাটস দলের প্রতি তার তার্রান্ত ব্রিহানি কাশ্ব নর। তানক সমরেই তিনি এই দ্বাকেও কাল্প আরমণ করতে ছাড়েন না। তিনি মনো করেন, "গণত-ছাকে উলত করার আরাতম সাথিক উপার হচ্ছে এর সমালোচনা করা।" এবং তিনি এই জন্মই গণতকা ছাল করেন। তা সমালোচনা করার স্থোগ দের। একজন লেগকের পক্ষে এ তাধিকার ছাড়া বেশ্চে থাকা সম্ভব নর।

গ্রেণ্টর গ্রাসের বরেস এখন ৪২ ৷ তার বধন ১৪ বছর বরেস, তখন তিনি হিটলারের ম্ব সংস্থার সদস্য হরেছিলেম। প্রবঙ্গী কালে জম্ভুক্ত এই আন্দর্শবাদী মুক্তিনে উট্টোন্দা করে বলেছেন, বৈ কেলো ইউটোন্দাল বিশ্বাস করাই বিস্ফোন্ড। তাপনাদের পারিপাদির্ক জনেক কিছুই বে আপনাদের প্রকল্প হর না—সেটা জঠাক সভিত্য করা। কিন্তু এটা ভুল হবে, বারি মনে করেন, গণভন্ম ছাড়া জার কোনো উপারে এক পরিকর্জন আনা সম্ভব।

সমাত্ৰ পাঠক

র পদশীর সংবাদভাষা

শনিবার ২৭দে আবাঢ় "দেশ"
সংগতিশতি সংখ্যার 'র্পদশীর' সংবাদভাবের জন্য ধন্যবাদ প্রানাই। র্পদশীর
মহাশর অতি বিচক্ষণতার সহিতই অধ্নাশুপত রাঢ় দেশের "গাঠি বার মাটি তার"
ঐতিহাটির স্নেরশোরের জন্য (ভূমিহানিদের) ভূমি ও ভূমিরাজস্মদনী হরেকৃক
মহাশরকে বাংলার মাও' খেতাকটি দিরেছেন।
সভাই আমাদের এই অধ্না-বদ্দা-কলিগে
হরেক রক্ষের মহাপ্রেষ জন্মগ্রহণ করেছেন,
জন্মেছেন হরেক অবতার। ফিন্তু আসল
মাওএর জাবিশ্দশাতেই 'বঙ্গাীর মাওওের

ভার দেখার শেবের দিকের ইঞ্চিত বিশেষ ভাংগর্যপূর্ণ। বহুমিনে পশ্চিমবংগ সি পি এম 'অন্বমেধ যজ্ঞ' শ্রের করেছে। ভাদের এই বৈশ্বেবিক পদক্ষেপে যে শ্রিকই প্রভিক্ষক হবেন ভাদেরই প্রারালকুইডেট কর্বেন। এ বিষরে প্রারের নীতি অভান্ত শুদের। যুক্তফ্রণ্ট সম্বশ্বে প্রারের নীতি হলোঃ—

"The Communist Party has always proclaimed its belief in 'United Front' tactics. Invariably, however, the united front has been nothing but a tactic by which the Communist Party seeks to reach the membership of other groups or parties in order to dis-

W MINY

credit their leadership and destroy their organisation. The real operating maxim behind all united front organisations into which Communists enter is: 'Rule or Ruin'—Resolution & Speeches at the Seventh Congress of the Communist International—1935."

"Each Communist member must remember that he is not a 'legislator' who is bound to seek agreements with the other legislators, but an agitator of the party, detailed into the enemy's camp in order to carry out the orders of the Party there. The Communist member is answerable not to the wide mass of his constituents, but to his own Communist Party—whether lawful or unlawful." Thesis of the Third Congress of the Communist International, 1921.

র্পদশ্লী মহাশ্যের বিশেষণ অভি স্কর। আইন করে জমির স্বেচি সীমা বিব ন্তন করে আবার নিধারণ করা হর, তবে তা সকলের উপরই সমানভাবে প্রয়োজ হবে আইনের দিক থেকে। কিন্তু হ গলা করে দখল করলে তা বেছে বেছে করা সর বিশেষ বিশেষ জমির উপর। আর আমরা মারা এইসব বিষয় যুক্তি দিয়ে বিশেষণ করর চেণ্টা করি, তারা কেউই সাচ্চা নর, তারা প্রাক্রিশশ্য।

'অজাতশ্ব_'

ভারতীয় গণতকে সমতা

গভ ৫ই জ্লাইরের দেশে অবোচনা বিভাগে এন্টালির হাকের আমির আলি "ভারতের গণতকে আরও সমতার প্ররোজন শ্রাধিক" আলোচনায় এক জারগার লিখেছেন

তে সম্পত্তি হস্তাস্তর করতে গেলে ভারতীর प्राप्तवपानालय जनसम्बद्ध द्वाराम् या द्वान क्षप्रतात माणिकित्कर माला द्व. वितक्ष ভারতীর নাগরিক। ভাপাভদ্নিতৈ এই ব্যাপারতা একটা দাবিকটা লাগলেও একটা তলিরে দেখলে কাশনটো ভডটা জন্যার বলে মনে হাৰে না। আলি সাহেৰ কি অস্থীকার করতে পারেন বে, এমন বহু পাকিস্ভানী গ্রাস্থ্যার নাগরিক আছেন, বাঁকের প্রকৃত प्रमाहि धरातः **ভारतः जारहः । ते प्रसरा** বর্গন্ত দলি ভারের ভারতীর সম্পান্ত স্থাবিধা-মত বিভি করে ভারতীয় টাকা বিদেশে মিরে খান (এটা **অংশন সিরেট বে টাকা পাচা**রের বহা গোপন পথ আছে), ভা ইলে কি एटाबार कम्थन दिएटाच ठएक दाएक गाँउ धन-ভণ্ডের খাতিরে কি এতটাও সহা করতে ভবে ? এছাতা সাম্প্রদ*িরকভাকে প্রচ*ম্ভভাবে भागा करतेरे कश्चित हात्वल विश्वीह, अभागा এমন বংগু থিকা পারিক্তানে আছেন, মারা ভারতকেই তাঁদের সাত্জমি বলে জানেন, অপর পরক ভারতেও এমন বর্গ মাসক্ষান আছেন বারা পাকিস্ভানকেই আপন দেশ বলে ভাবেন এবং সাৰোগ গেলেই সম্পতি বিভি করে পাকিস্তানে চলে যান। আভি সাহেব কি এমন গ্যারাণিট হিটেছ পতেরে হৈ যাঁরা উংকোচাদি দিরেও সম্পত্তি হস্ভাস্তর করিরেছেন, ভারা সবাই এখনের স্থরীরে ভারতেই বসবাস করছেন? পৃক্ষান্তরে একটি কলা বলতে চাই পাকিস্ভানার শাসকরা আমাদের চেরে বিচক্ষণ। ওথানে অইনের **কোন ফাঁক নে**ই। পা**কিল্ডানে** হিন্দারা কোন **মতেই সম্পত্তি হস্**তাস্তর করতে পারেন না। দেশের সম্পন্ন বিদেশে পাচার হলে বাবে গণডকোর থাজিরে ভাও সহা করতে হবে, এটা কেমন কথা? খণি জানা থাকে, ভবে আজি সাহেবের উচিড বে সকল ব্যক্তি উৎকোচ গ্রহণ করে দেশের সম্পদ বিদেশে পাচার করতে সাহাব্য করতে ভাবের ধরিকে **সেওয়া।**

> ্ সন্নীলকুমার চক্রবভী⁶ জনগ্রেন্ট্র

म्लार अलर प्रांति ष्ठापालित

विषय (शर्ष राजाप्रनिद्धाः इनस्थि-चीरनि उ संस्कृत मर्थाप्र-चरन मृतिपूर गीरन-वसः ॥ वामधुरा मुखाना स्वि॥

श्रीकृति नाटिजिमिट (स्थानाति ● १८.वर्षक नाकी ताक, कमि-क

ংকলন ঃ চলচ্চিত্ৰ প্ৰসঙ্গ

লেভিচকথা। অসীম সোম সম্পাদিত। भरतथा. ५० महाचा नाम्धी त्त्राष काळा-५। ५६.०० ग्रेका।

যেশ কিছুকাল যাবং এদেশে চলচ্চিত্ৰ পর্কে সাধারণভাবে কৌত্রেল ও উৎসাহ জ পেয়েছে। চলচ্চিত্র বে শুধাই প্রমোদ-ক্রেণ নয় বরং স্বতন্ত্র ও বিশিষ্ট একটি লপ মাধ্যম-এ-সতা ক্রমশই অধিকতর থাক লোক উপলম্বি করতে পারছেন। প্রাণ ফিল্ম সোসাইটি ভাতীয় সংস্থার বর্ধমান জনপ্রিয়তা ও সংখ্যা। শুধ াকাতাতেই এ রক্ম চোদ্টি সংস্থা রয়েছে ধানে দেশী-বিদেশী প্রকৃত শিক্পগাৃশ-পল্ল ছবি নিয়মিতভাবে দেখানো এবং ভন্ন আলোচনাচক্রের আয়োজন করা হর। ফলে, চলচ্চিত্রের বিভিন্ন দিক, ইতিহাস, ভাবনা ইত্যাদি বিষয়ে অনুস্থিংসা চহা বান্ধি পেয়েছে। অথচ **শিল্পজ্জাসার** ্যানা শার্থায় অধায়নের দ্বারা **জ্ঞানার্জানের** পথ খোলা রয়েছে, চলচ্চিত্রে ক্ষেত্রে লা ভাষায়, তা নেই। চলচ্চিত্রবিষয়ক গ্রকাগ্রলির অধিকাংশই শিলপগত শক্তে লোচনাকে, ব্যবসায়িক কারণেই হয়তো, গভারের মনে করেন। মাদ্রিত **গ্রন্থের** ধ্যাও অতি নগণ। চলচ্চিত্রবোধের প্ৰতিক চাহিদা মেটানোর

শহিশালী তর্ণ সাহিত্যিক শাশ্বত-এর চাণ্ডল্যকর উপন্যাস চন্তরী-কৌশিক ্যত-জগতের মহানায়ক কৌশি<mark>ক কি</mark> গিয়েছিল এনামেল-করা গতের ভালবাসার ফাঁদে? আ**ধ্যনিক** র্ণ মনের শত-সহস্র প্রশ্ন-সমস্যার ণীবৰত চিত্ৰ।

ডঃ সন্তোষ মুখোপাধ্যায়ের দুণিট, ভগৰান ও সাধনা বজ্ঞানের মতে সাঘ্টি আপনা থেকে: ব ধর্মে বলে স্থিট ভগবানের; কার म्था ठिक? ন্তন পথের সন্ধান गरवन । 9.60 হ্রেকাশন : ৩০/১, কলেজ রো, কলিকাতা-১

(সি-৫৭৯৩)





সেগ্রালকে কোনমতেই পর্যাপ্ত বলা চলে না। এদিক থেকে, অসীম সোম পরিকল্পিত সম্পাদিত বভাষান প্রশ্বাট সময়োপযোগী একটি অননা উপহার।

বিশ্**ডত আলোচ**নার পূর্বে বইটির সাধারণ কিছু বৈশিশ্টোর উল্লেখ করা যেতে পারে। প্রথমত, বইটি বে এককভাবে কারো রচিত নর, বিভিন্ন ব্যক্তির রচনা-সংগ্রহ, গ্রন্থপাঠকালে ভা প্রারশই বিশ্বত হতে হয়। এর পূর্ণ কৃতিছ সম্পাদকের প্রাপ্য। করেকটি সূর্বিনাস্ত অধ্যারে সামগ্রিকভাবে চলাক্ষরে উল্ভব, বিবর্তন, ইতিহাস, সমস্যা, সম্ভাবনা, নেপথ্যচিত্র আন্দোলন প্রভৃতি যাবতীর প্রাসন্পিক বিষয়ের আলোচনা তিনি এমন স্কুটাভাবে উপস্থাপন করেছেন যে. কোনোকেতেই অভ্যাসংহতি করে হয় নি। দিতীয়ত, বিভিন্ন লেখকের রচিত বলেই গ্রন্থটি সর্বাক্ষেত্রেই বিষয়নিন্ঠ হতে পেরেছে। वना वाद्या, अकक-व्रक्ताव अहे नर्व एवा भूषी অভিজ্ঞতার ছাপ আশা করাও যেত না। পরিশিক্টে চলচ্চিত্রের পারিভাষিক শব্দাবলী ও সংজ্ঞার্থ প্রদান এবং স্থানবাচিত গ্রন্থপঞ্জি সংবোজনের কলে গ্রন্থটির মূল্য ব্লিখ পেরেছে বেমন, তেমনই বইটিকে চলচ্চিত্রের একটি অপরিহার্য কোবগ্রন্থ करत्र छुल्लाह ।

চলচিত্ৰকথা चार्वित সুপরিকল্পিড অধ্যারে বিভঙ্ক। প্রথম অধ্যার: দ্শোর দপ্রে। চলচ্চিত্রের স্বর্প ও শিল্প-স্বরস্ভরতার সম্ভাবনামর প্রকৃতি বিভিন্ন দ্ভিকোণ থেকে আলোচিত হয়েছে এই অধ্যারে। সভাজিৎ রার, মুশাল সেন, চিদানন্দ দাশগতে, জ্যোতিমার বস্রার, পার্যপ্রতিম চৌধ্রী, অসিড গুম্ভ ও অসীম সোম এই আলোচনাচক্রে যোগ দিয়েছেন। চলচ্চিত্রের শিল্পরূপ একমার ভার নিজ্প্র ভাষাতেই প্রতিষ্ঠিত হতে পারে এ বিষয়ে দেখা গেল, সকলেই এক মত।

'সমীকা ঃ সেকাল-একাল' অধ্যারে চলচ্চিত্রলিকেশর সমবিকাশের বিভিন্ন স্তর ও সমকালীন চলচ্চিত্ৰের লক্ষ্য সম্বাদ্যে তিনটি সংক্ষিণত নিৰম্প সমিবিশ্ট হয়েছে। ততীয় (चवत्रव-जावत्रव) मन्भू व द्वारा প্রব**্রিজগত আলোচনা। স**ভ্যা**জং** রায়. ক্ষত্তিক ঘটক, মূখাল সেন এবং দিলীপ भूरवाशायात- এই চারজন চিত্রপরিচালক চলচ্চিত্ৰের ভাষা-শব্দ-ভাপা-আপ্যিক ইত্যাদি সম্পর্কে **আলোকপাত করেছেন।** চলচ্চিত্রের

গঠনপদ্ধতি সম্পর্কে একটি স্বচ্ছ ধারণা महस्मरे गरं**ष • र**हारन आलाहनाश नि । अर्डश অন্যান্য শিক্সরুপের সম্পর্ক উন্যাটিত হয়েছে চতুর্থ অধ্যায়ে। **किमानम्म मामग**्रस्ड **ও** मिरवानम् शानिक ৰথাক্তমে সংগতি ও সাহিত্যের সংগ্র চলচ্চিত্রের নৈকটা, ঋণ ও নিভায়ভার কের আবিষ্কার করেছেন। এই অধ্যায়ের ততীয় লেখক গ্রেমাস ভটাচার্য চিত্রনাটাকে একটি শ্বতন্ত্র ও শক্তিশালী শিল্প মাধ্যম রাপে উপস্থাপন করতে চান। এতে আপত্তির কারণ থাকতে পারে ন**া কিন্ত এই** প্রসর্কো

> লেখার স্টাইলে ঝড় তুলেছেন সমরেশ বস্ত

পত্রিকার অভিনবত্তে তুফান তুলবে

প্ৰিয় পাইকপাহিকা

'পাপপাণা পৌরয়ে' যেতে চাই? **তা**-হলে 'রকের মানচিত' ধরে যাওয়া যাক 'উর্বাশী-মেনকার দেখে'। একটি মেয়ে শমিতা, 'শমিতার স্বণন' কিংবা 'কাহার ছারাভীরে হলিউডি যৌবন'। নিশ্চষ্ট আগ্রিজাহানা ক বিচিত্র নেশা সম্বংশ্য জানা যাবে আর জাপানী শিলপিং পিল কিড্স'দের খবরাখবর ৷ আচ্চা अरे द्रा मन कात ना, 'त्नर कात'। वि**भ्**व, গভীর আশা পূর্ণ করতে বা মানব জীবনের আশ্চর্য সত্য হত্যা, ভেগে পড়তে যে কাহিনী দেহত থেকে জাহালায় পর্যানত হাটিতে থাকে, তাকে জানাই আমার উত্তৰত চুম্বন।

<u>ইতি তেমেরই</u>'— नक्नीए

২৪, জাস্টিস মন্মথ মুখ্যান্ত রো, কলিকাতা--৯

পিঃ এস, এজেণ্ট বস্ধাগণ পত্র দ্বারা নিমন্ত্রণের **द्धि भार्का**ना करहरून। भीष्ठ छेत्रत रहरूरन।

(স ৫৮২৬)



সমকালীন সাহিত্য সম্পক্ত ভার ভার বিচ্ছিন ও হঠকারী মনে হতে পারে। কোনো রকম বিস্তৃত আলোচনার নর গিরেই তিনি এখনকার রচনার সাথাকভা নীমানখ এবং ক্ষমতার সীমা আরু স্পর্ট, এই সরল সিম্পানেত উপনীত হলেন কী ক'রে, অনুমান করা গুম্পুর। ভাছাড়া বে শ্বিতীর ও তৃতীর শ্রেপীর রচনার বাজার ভরে যাক্তে বলে তার মন্তব্য, চিহ্নাট্যের শিল্পারীতি যদি সাহিত্যের মাধ্যম রুশে গৃহীতও হর (তর্কের খাতিরে ধরা গোলা), ভাহলে নতুন রীতির টানেই দি সেগ্র্লি র্যাধ্যম ব্রাক্তির বাংকা নতুন রীতির টানেই দি সেগ্র্লি

শ্বনেশবীক্ষণ' শীর্ষক অধ্যার প্রধানত বাংলা ছবির ধারাবাহিক দিকচিন্ত নিরে আলোচনা। এ ছাড়া আগুলিক ভাষার অন্যান্য ভারতীর ছবি ও হিন্দী ছবি বিবরে তথ্যপূর্ণ দুটি মনোজ্ঞ প্রবন্ধ ররেছে। আশীব বর্মণের 'একালের ছবি ও ভার বিচার' আলোচনাটি বথেণ্ট চিন্তা উদ্রেক-কারী।

চলচ্চিচের নেপথ্য লোকের আনন্দ-বক্ষণামর নানান ট্করো ও তীর ক্রিপত অভিজ্ঞতার কাহিনী বন্ঠ অধ্যারে দ্বিনিয়েছেন অম্বিক ঘটক, বিমল ম্বেখা-পাধ্যার, সোমিত চট্টোপাধ্যার সভ্যাজিং রার ও রাজেন ভরফদার। 'চিত্রবিচিত্রা' অধ্যারে বিভিন্ন শ্রেণীর চলচ্চিত্র স্থির পরিচয় দেওরা হয়েছে। সর্বশেষ অধ্যার : রসিক অরসিকের।

মুখ্যত দৃশক ও চিত্রসমালোচকের

একজিমা রোগ

সোরাইসিস দ্বিত কত রক্তদেব বাতরক
কুলা, খেত-দাগসহ আরও অনেক কঠিন
কঠিন চর্মরোগ হইতে ম্বিজ্ঞাতের জন্য ৭২
বংসরের চিকংসা কেন্দ্রে চিকংসিড হউন।
হাওড়া কুউ কুটীর, ১নং মাধ্য ঘোর লেন,
ব্রেট হাওড়া। লোন: ৬৭-২৩৫৯। লাখা:
৩৬ মহাস্থা গাফী রোড (হারিসন রোড).
কলিকাতা—৯। প্রেবী সিনেমার প্রশ্

সক্রির ভামকা সম্পর্কে বচিত এই অধ্যারটি বিশেষভাবে সালিখিত। মালাল সেন-এর হাতে কলমও বে স্বাস্থ্য গভিতে চলে 'একটি জীবনী' তার নিশ্চিত প্রমাণ। এই **অধ্যাद्ध आदब्रक्**षि **উল্লেখ্যোগ্য রচ**না **श**्व 2000 'ফিল্ম সোসাইটি আন্দোলনের উল্লেখ্য नयकाः'। क्रिट-नयादनावना সম্পত্ক বিমল ভৌমিকের সচেত্রন আক্রেণাতিও মনন্দীল বিশেষণ চলচিত-সাংবাদিকের দারিত্ব করিব। প্রকল দত্তের 'চলচ্চিত্র : নির্মাতা : দর্শক' ও প্রদীপ্তশঙ্কর কলজিল সমাজ সেনের দশকৈ তেমনই চলচ্চিত্রভোক্তার নিজ্ঞান প্রস্তুতির সম্পকে विद=लवगी **C T 1** আলোকগাত।

তেলভিত্র কথান্ধ বেশ কিছু দেশী ও
বিদেশী ছবি সংযোজত হরেছে। কিণ্ডু
অধিকাংশই ছবিতেই অভিনেতা-অভিনেতাীর
পরিচর অন্ত্রিপিত। গ্রন্থটির সামগ্রিক
আবেদনের দিক থেকে বিচার করতো একে
অসম্প্রতিই বলতে হর। আশা করি,
পরবতী সংক্রেলে এ-চুটি দ্রে হবে,
কারণ দেহপট সনে নট সকলই হারার
ঐ-কথা মনে করানো নিশ্চর সম্পাদক্ষের
উদ্দেশ্য নর। ১৭০/৬১

কিশোর সাহিত্য

কেমন করে একো। অমরনাথ রার। অশোক প্রকাশন, এ-৬২ কলেজ দ্বীট মার্কেট, কলকাতা-১২। ২-৫০ টাকা।

শিশ্রে বরেস যত বাড়ে, পারিপাশ্বিক
জগত সম্পর্কে তার কোত্রল ও প্রশন
তত্ই বৃশ্ধি পার। এটা কী, ওটা কেন—
সদাজাগ্রত এই সব প্রশেনর সদ্প্রের জোগাতে
অধিকাংশ অভিভাবকই বিরত হয়ে পড়েন।
শ্রীযুক্ত অমরনাথ রার কিশোরপাঠ্য বহু
ম্লাবান গ্রন্থ রচনা করেছেন। বর্তমান
গ্রন্থটি তার আরেকটি সাধ্ প্ররাস।
আমাদের চারপাশের নানান ট্করো বস্তুর
জনমকথা এই গ্রন্থে লিপিকাশ করেছেন
তিনি। তার ভাষা সহজ ও প্রত্যক্ষ।
বিজ্ঞানের জটিল তত্ত্ব সরল ক'রে হাজির
করতে পেরেছেন তিনি। এমন একটি বই
নিঃসন্দেহে স্কুকের নিচু ক্লাসে 'প্রত্পঠন'

ব্ৰুপে পাঠা হতে পারে। তা না হলেও, শিশ্বেদর একটি অবশাপাঠা প্রথমবেশ তাদের হাতে তালে দেওকা বার। ১২৭/৬৮

প্ৰাপ্তি স্বীকার

স্কর জরের জন্য। নীরেন্দ্রনাথ চরুবতী। । স্কৃতি প্রকাশনী ঃ ১৮/১ দেওদার স্থীট, ক্লিকাভা-১৯। মুল্যঃ ৩০০০।

জাতির জনক গাশ্বীজ। শ্রীরব্নাধ মাইতি। গাশ্বী শতাব্দী প্রকাশন : ১৬৬ চিত্তরঞ্জন আ্যাতিনিউ, কলিকাতা-৭। ম্লা : ১০০০।

লভাগ্রহের কথা। শ্রীশৈলেশকুমার কল্যোপাধার। গাম্বী শতাব্দী প্রকাশন ঃ ১৬৬ চিত্তরজন আজিনিউ, কলিকাজ্য-৭। মলাঃ ০-৫০।

নাৰী উন্নয়ন। শ্ৰীবোগেশচন্দ্ৰ বাগল। গান্ধী শতাব্দী প্ৰকাশন ঃ ১৬৬ চিত্তরঞ্জন আাতিনিউ, কলিকাতা-৭। মূলা ঃ ০০৫০।

হারেমের নারিকা। স্ভাব মজ্মদার। সাহিত্য প্রকাশ: ৫/১ রমানাথ মজ্মদার স্থাটা, কলিকাতা-১। মলো: ৬-৫০।

ল্ব রাচি নক্ষ। দিলীপ দে। ৯২/এ প্রফ্রেনগর, কলিকাতা-৫৬। ম্লা: ২-০০। দলটি গল্প। শেখর বস্ । এই দলক: ৬ সাহাপ্র মেইন রোড, কলিকাতা-০৮। মূলা ৩-০০।

দিবা স্ক্রের। প্রীক্মারক্ক ভট্টাচার'। শাশ্তিলা প্রকাশনীঃ সংস্থা, দেওঘর, এস-পি। ম্লোঃ ১-২৫।

স্থাটা একটা ৰাজনা। বাণীপ্রসন্ন। ভূপতি ভট্টাচাহ'ঃ ১১৪/৪ বেচারাম চাটোজি' স্থাটি, কলিকাতা-৬১। ম্লা ২০০০।

বেকারের জনজি। হরি সিংহরার। নবপত্র প্রকাশন ঃ ৫৯ পট্রাটোলা লেন, কলিকাতা-৯। মলো ২-০০।

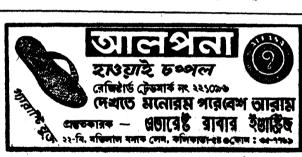
বেভাতের থালা বা মেরে মপাল। ডাঃ শ্রীকনকভ্ষণ মুখে।পাধ্যায়। শ্রীমতী কমা-রাণী দেবীঃ ১০৩ মহবি দেবেন্দ্র রোড, কলিকাতা-৬।

ছড়্রা। স্থীরকুমার দাস। মীরা প্রকাশনী: ১৪৮এ আচার্য প্রফ্রেচন্দুরেছে, কলিকাতা-৬। ম্ল্য ০০৬০।

রবীক্স অভিযান (৪৫ খণ্ড) সোমে ক্র-নাথ বস্। ব্কল্যাণ্ড প্রাইভেট লিমিটেডঃ ১ শংকর ঘোষ লেন, কলিকাতা ও। ম্লা ৬০০০।

শ্বর্গপ্রের। প্রীপশ্বপতি প্রধান। শ্রীসংশ্যাবকুমার ভঙ্কঃ শ্রীরামপ্রে উচ্চ মাধ্যমিক কৃষি বিদ্যালয় ঃ পোঃ শ্রীরামপ্র, মেদিনীপ্র। ম্ল্যু ২-৫০।

আদিল লিম্পা। কুশান্ বন্দোপাধার। লাহিতা প্রকাশ : ৫/১ রমানাথ মজ্মদার শ্রীট, কলিকাতা-৯। ম্লা ৪-৫০।



वह अधि। खबा। खाउँदात वदान छाउँ কিন্দ্ৰ অফলাইজের ব্যাপারে প্রতি-क्षेत्र वहारास निक्क मान्ति द्वात िक्का एवं रमय निर्माण गिरवर्डन রোভ অকুসাইভের থাকলেই ভার ৰ বাশী ৰাজানো উচিভ সেটাৰ তো । अत्र करण इसरण यहः स्मात विमा মনে বাশী বাজিয়ে খেলার গতি মন্ধর তে পারে। এবং এ কবাও সভাি বিনা हर वीणी ना वाकावावक श्रवाप्रश ਰਿਲ অকস্যাইডের ব্যাপারে গাই বিভক্তের উল্ভব হওয়ার কিন্ধার ক্ষে বাধা হয়ে বেফারিদের পরামর্শ ছন, আভমণে খেলোয়াভের অংগ লার না থাক অফসাইডে থাকলেই তাঁর ন্দ বাঁশী বাজানো উচিত। কারণ ওই ার তার স্বোগে লাভের বখন সম্ভাবনা তখন হয়তো আর অফসাইড দেওয়া रा। रच्छाताष चन-माठेष द्वार वात। ্ছৰ, মোহনৰাগান ও ইন্ট বেংগলের । এই বিভক্মকের গোলার ব্যাপারে র রক্ষাণ্ডর ঘোষ স্বমতে অবিচল থেকে **ঢ়ভা দেখিরেছেন তার জন্য অবশাই** প্রশংসা দাবি করতে পারেন। ব্রেফারি-।ই গণে বর্তমানে বিরল।

- क्या

। বিরানার মধাে বাঁধা এই বড় খেলার कहा बनाए इस्न अथरमेर मारे मस्नत নণের দুর্বলভার কথা বলতে হয়। क्षिनवार्ट वद्यात्र कार्रेन श्रतरह. ারভরা বহুবার গোলের মুখে এমন শ্রেছেন যা থেকে সহজেই গোল হতে । অথচ দুই দলেরই রক্ষণবহুহ নাকি बौंधे। जब बाबाबाचा स्थ्रलाग्नाड्। इन्धे দর তিন ব্যাক প্রথার খেলার রক্ষণ-ফাটল ধরার তব্ কারণ খ'্রেল পাওয়া क्लिक स्माइनयांशात्नव B याचा याःक র কেন পরাজিত হলেন? যে গোল র্গ বিভক্তের সৃষ্ঠি হয়েছে সে ক্ষেত্রে व्यक्तारेटछत अन्न धाक्टन ३ ३०० হুরোরার্ডরা কিন্তু সি প্রসাদ ও কে পর পর কার্টিয়ে তারপর গোল ন। সভি। কথা বলভে কি, এ খেলার লের সামনেই গোল করার যত সুযোগ ইন্ট বেশ্যল ও মোহনবাগানের কোন এত সংযোগ স্থি হতে দেখিন। াটি সামাগ্রক জীড়ামান মাঝারিয়ানার াখা থাকলেও মাঝে মাঝে দক্ষতার a ना भिल्ला . अमन नय । हारिक छ

দের একটি করে দশনীয় ভিশি हे गए वीठारना, व वि शाश्त्रींग अवर जानाक जाते हो है व कि करत दरएत करत উল্লেখ্য কৰিছে মিলেছে। নীচে চাৰ্ডি ছিভিসনের লীগ টেবল

CHI

[# 42] PE 1

क हेबल जीन रहेबरन কে কোথাৰ

an feine

भवा म्बंद विद भावन्त्रे ो **ग्रे**स् 20 0 0.60 > >> মোর নবাগান 8 29 পোষ্ঠ কৰিছ > >> ৰি এন আৰ 4 25 वाहे। H . G 22 22 22 हेः सम F 8 चेवर्गक ১৬ 4 কলিবট 9 0 अधियाम 24 4 2 विविद्यान्त 26 राक्षा रेकेः 24 0 9 20 20 20 मदा दुर्गाहिर ३७ 0 6 क्लाबिर हैके ५७ 2 9 9 55 48 55 ৰালি প্ৰতিভা ১৬ 8 0 T107412 >6 0 0 कर्क रहे निष 24 00 02 22 50 20 > 3 >0 6 0> মহমেন্ডান স্পোটিং শেব চার্রিট ম্যাচ থেলেনি। কালীঘাট মাঠে না আসার খেলার ওয়াক ওভার যোহনবাগান te পেরেছে। উপরের পাঁচটি দলের সংপার नौर्ग रथनात्र कथा। किन्छ देन्होर्न रदस्नत বিরুদেধ উরাভি ক্লাবের প্রতিবাদের ব্যাপার নিয়ে উয়াভির কর্তপক্ষ আদালতে মামলা করেছেন। সাতরাং ব্যাপারটি বিচারাধীন। ভবে ইস্টবেশাল, মোহনবাগান এবং পোটা কমিশনার্স দলের সপোর লীগে যাহার প্রশেন কোন অন্তর্যন্ত নেই।

শ্বিতীয় ডিভিসন লীগ

কুমারট্রীক	>6	20	9	0	२७	> 2	٤5	
টালিগঞ্জ							•	
অ গ্ৰহণ ম ী	29	25	8	0	08	ù	24	
ত্ৰাড় সংঘ	29	53	8	0	04	٩	58	
ঐক্য সম্মিলনী	24	20	₹	8	₹8	28	२३	
देशः टक्कन	29	9	8	đ	₹ ઉ	२১	24	
<u>ক্রিমখানা</u>	20	9	8	Œ.	29	20	2 R	
ভবলিউ বি								
প ্রিশ	24	۹.	2	q.	22	22	20	
সালকিয়া								
ক্ষেণ্ডস	>0	9	2	q	99	33	79	
আর							,	٠.
बार्रेष व्य जिम	20	Ġ	Ġ		₹8	29	20	
रे -छोतनग्रमनाम	24	ં હ	₹	٧	>4	₹8	78	
বেনিরাটোলা	24	b	>	۵	२३	26	20	
अ्ति शत	20	8	0	۵.	22	08	22	
রেনজারস	34	8	0	¥	28	22	22/	
ष्पदश्राताः	24	₹	q	q	\$8		22	
সি এ সি	24	•	0	22	24	5 R		

त्र कावकत B 0 55 50 58 W 34 ं वि क्यांडे अप

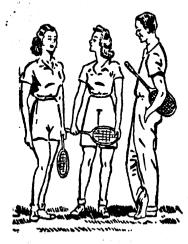
> ইউনিৱন ১৬ ১ ২ ১৩ ৫ ৪৪ ৪ ध्यानिगतन कुमात्रहे नि चात्रामीनाम शब्द फिलिम्बर एकार्य। विक्रिका प्रशासी कर ভাত সংখ্যে মধ্যে তে প্ৰথম ভিভিসনে খেলৰে তা খেলার সমর পর্যস্ত অমীবার্যসিত।

ততীয় ভিভিন্ন সীয়

চতুৰ ডিভিনন লীগ							
চৈতালী সম্ব	59	36	۵	>	94	>	45
বেলেঘাটা							
এ সি	29	>0	ŧ	2	₹0	8	24
ক:লীঘাট							
মিলনী	>9	58	*	•	8¢	24	20
মিরজাপরের							
ই উনি ন্ন ন	১৭	20	0	8	२१	.50	₹#
কাশীপরে							
সর স্বভী	>9	>>	0	•	०२	22	**
ক্যালঃ প্ৰিল	59	V	•	•	₹6	>>	35
बामकश्रद							
অগ্রগামী	>9	20	>	•	₹8	24	4>
ব্যাদ্ধস্ট	59	7	₹	b	२७	22	20
	29	•	8	٩	SR	>¢	>0
ইউনাইটেড							
ল্ট ্ডেন্টস		9	>	ું 😾	११	₹0	>0
গারভেনরিচ	59	Ġ	8	3	24	₹₡	78
বেনিয়াপ্রকুর	>9	¢	₹	20	>5	.04	26
রামকৃষ					٠.		
স্পেরটিং			b	9	28	29	>6
বাণীনিকেডন	۶9	8	0	20	>0	60	22
ब्हार ोत							i
ম্পোরটিং				20			
व्यन् नीलनी							>
হোরাইট বভার	59	2	0	>	27	\$ \$	9
W7787377877							

要す 29 そ 2 2 28

তীল মহাযুকের অব্যবহিত পরে
কলকাতার জা তী র ব্যাডমিণ্টন
প্রতিযোগিতার ক্ষারক প্রতিকার ব্যাডমিণ্টন
ধেলার উৎপত্তির ইণ্গিত দিরে একখানি
চুম্ংকার ব্যাঞ্গচিত্র ছাপা হরেছিল। চিত্রের
বিবরবস্তুঃ গাছ থেকে একটি স্ক্রের সিম্ল
ফ্রল নীচের দিকে করে পড়ছে, ব্যাট হাতে
দুটি ছেলে সেই ফ্রলকে পেটাবার জন্য



ব্যাড়ীয়ণ্টন খেলার আধ্যনিক পোশাক

প্রস্তুত হয়ে আছে—বেমন ব্যাডমিপ্ন কোর্টে সাট্লকক পেটাবার জন্য প্রস্তুত হয়ে থাকে দুজন খেলোয়াড়।

ব্যাড়মিনটন খেলার সৃষ্টির গেছনে কি
সাত্রই এমন কোন ঘটনা আছে? না,
সাটলকফের সিম্ল ফ্লের আকৃতি দেখে
শিলপী তার কলপনার তুলিতে ওই ইপিত
দিতে চেরেছেন? হরতো ম্লে কিছু সভ্যতা
আছে, না হর সবটাই রঙীন মনের কলপনা।
তবে প্রায় দ্লো বছর আগে শ্রুননা ফলে
পাথির পালক গাঁলে ব্যাটের আকারের ছোট
হাতিয়ার দিয়ে অইবেন' (oiben)
নামে জাপানে বে ব্যাডমিন্টন খেলার মত
এক ধরনের খেলা হত তার প্রামাণ্য চিত্র
আছে। ফ্লান্সেও ব্যাডমিন্টন অতি প্রাচীন
খেলা।

কিন্তু ব্যাভারণ্টন থেলার উৎপত্তির ইতিহাস যাই হোক, ভারতের মাটি থেকেই যে ব্যাভার্মিণ্টন বিশ্বময় ছড়িয়ে পড়েছে থ্রনসাইক্রোপিভিয়া অব স্পোর্টস্'-এর প্রত্যাতেই সে কথা স্বীকৃত।

ভারতের থেকাটির নাম ছিল 'প্না' খেলা। সম্ভবত প্নার অধিবাসীরাই খেলাটি প্রথম আরম্ভ করেছিলেন। কিছ্ ক্রিটিশ্ আমি অফিসার প্নার অবস্থান কালে ভারতীয়দের কাছ থেকে খেলাটি

ব্যাড়িম'টনের আইন-কান্ত্রন

শিশে নেন এবং ১৯৬০ সন নাগাদ বিটিশ সামরিক ছাউনিতে থেলাটি বেশ জনপ্রির হরে ওঠে। ১৮৭১ কিংবা ১৮৭২ সনে থেলার কিছ্ উপকরণ পাঠানো হর ইংলণ্ডে। ইতিমধ্যে কিছ্ আমি অফিসারও ইংলণ্ডে গিরে কংখ্বাংধবদের সংগ্য 'শ্নো গোমসা থেলাত আরক্ত করেন।

১৮৭৩ সনে বোফোটের ডিউক পলন্টারশারারে তাঁর পল্লাভিবন ব্যাডিমিন্টন'-এ এক
ভেল্লসভার আরোজন করেন। বোফোটের
ডিউক ইংলন্ডের নামী প্র্য । তাঁর বাড়ির
ভোল্লসভার বহু গণ্যমান্যদের সংশ্য ভারত
থেকে ফিরে বাওয়া আর্মি অফিসাররাও
নিম্নিত। খানা-পিনা এবং আম্মোদপ্রমোদের সংশ্য ব্যাডিমিন্টনের হল থরে
প্না গেমসেরও আলর বসে। কিন্তু ওখানেই
মৃত্যু ঘটে প্না গেমসের। নামী প্র্যুব
বোফোটের ডিউকের বাড়ির নাম অনুবায়ী
থেলাটির নতুন নামকরণ হর ব্যাডিমিন্টন'।

গ্রামীণ শিলেপ পাখির পালক দিয়ে তৈরি



ব্যাত্মিণ্টন আদিকাণ্ডে এক ক্রাপ্ট কহিলার হবলার হবি, পরিক্ষ লক্ষ্যপীর

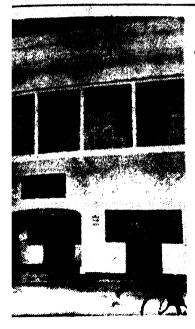
সাটলকফ এবং 'গাটস' দিয়ে গাঁথা অভি
সাধারণ ধরনের র্যাকেট দিরেই খেলা চলতে
লাগল। ১৮৮৭ সন পর্যাত খেলার আইনও
ছিল ভারতীয়। কিল্টু সাহেম্বনা ১৮৮৭
সনেই ওই আইন কান্দ বদলাবার প্রয়োজন
অন্ভব করলেন এবং খেলার উপকরণও
তৈরি হতে আরম্ভ হল বৈজ্ঞানিক প্রথায়।
ইংলম্ভের একদল খেলোরাড়কে নিয়ে



শ্কনে ফলে পাখার পালক গালে ছোট ব্যাট দিয়ে ব্যাভমিশ্টন খেলার মত 'থাইবেন' নামে এক রক্ষের খেলা জাপানে প্রচলিত ছিল

গড়া কথ কাড়মিন্টন কাবই প্ৰিকীর প্ৰথম ব্যাভমিশ্টন ক্লাব। তারাই ১৮৮৭ সনে থেলার নতন আইন কানান রচনা করেন। ১৮৯৫ সালে বাথ ব্যাড়মিন্টন ক্লবের বদলে ব্যাডমিণ্টন খেলার কর্তৃত্ব গ্রহণ করে ইংল-েডর ব্যাভমিণ্টন আসেসিয়েশন। ১৮৯৯ থেকে অল ইংলাড চ্যান্পিয়নশিপের म्हारा ३৯०८ माल देश्वन्छ. **छान्म**. ডেনমার্ক', ক্যানাডা, আয়ার্লা'ড, নেদার-ল্যান্ডস, স্কটল্যান্ড, নিউজিল্যান্ড ও ওয়েলসকে নিয়ে গঠিত হয়-ব্যাডমিপ্টনের বিশ্ব সংস্থা বা ইণ্টারন্যাশনাল ব্যাডমিণ্টন ফেডারেশন। পরের বছর অর্থাৎ ১৯৩৫ থেকেই ভারত বিশ্ব ব্যাডমিণ্টন সংস্থার अपुत्रा ।

টোনস খেলার মত ব্যাডমিন্টনেও ব্যক্তিগতভাবে বিশ্ব চ্যাদিপরনাশপের ব্যবদ্ধা নেই। তিন বছরের ব্যবধানে সর্ব্যব ও মহিলাদের দেশগত প্রাধান্য প্রতিষ্ঠার টমাস কাপ এবং উবের কাপের খেলার ব্যবস্থাও হরেছে ব্যোভরকালো। ১৯৪৮—৪৯ খেকে টমাস কাপ এবং ১৯৫৬—৫৭ খেকে উবের কাপের প্রবর্ধন।



আদৰ্শ বাস্তৱে র**্**পায়িত

*

মহিলা শিচ্পী মহল : দ্বঃস্থ অভিনেত্রীদের বাসগ্রে

সহার অভিনেত্রীদের মহিলা বাডি 250 ন্ছেন এ-সংবাদ আগেই প্রকাশ গত সোমবার (२५ अहमारे) কলকাভার গ্রহা লেনে ওই তলা বাজির বার উন্মোচন হল। ার শিল্পজগতের ইতিহাসে এটি একটি ণীর ঘটনা। স্বার উস্ঘাটনের উৎস্বটিও ছিল মনোরম। সকালে হল প্রো-বিকালে প্রতিসম্মেলন। গদ্য ব্যক্তি ও সাংবাদিক ওটদিন মহিলা **अख्यात्मत** মুগুলের ज्ञम्ब कामास्त्र । कशास्त्र हम्म्बर টা দিয়ে, অতিথিদের স্বাগত জানানো

দঃস্থ অভিযাতীদের আশ্রয় নিবাস চাতার কেন, ভারতে আর **কোথাও** । ভাবতে আরও আশ্চর্য লাগে, শাধ্-মহিলা শিল্পীদের প্রচেন্টার এই বাড়ি া হল। সিনেমা ও থিয়েটারের নামকরা ন্নেত্রীরা এখানে-ওখানে ছুটে গিয়ে । পারিপ্রমিকে দিনের পর দিন অভিনর াটাকা ভূলেছেন। বহু কণ্ট ও ত্যাগ কার করে তাঁরা একটি মহৎ উদ্দেশ্য দ করে তুললেন। এমন একতা ও চা শিল্পীদের **জ**গতে এর আগে আর া বার্মন। ব্যক্তিগত জীবনে অনেক পীই হয়ত ভিন্ন ভিন্ন মতবাদ 😸 বাসের ছারায় রয়েছেন। কিন্তু বখন লা শিক্পী মহলে, তথন শংধ, একটি দক্ষের আদশেহি তারা অনুপ্রাণিত। ী নেই এ-ছাড়া লক্ষ্য নেই। তাই সিন্ধি

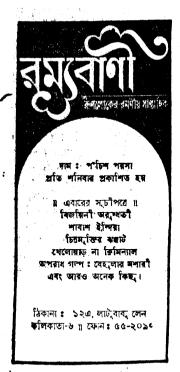


এত অপকার্নের মধ্যে তাঁদের করতলগত।
রবীন্দ্রনাথের উত্তি, আমরা আরক্ত
করি, শেব করি না। মহিলা শিলসীমহল
তাঁদের প্রথম পর্যারের কলে শেব করলেন।
গালতরা ব্লি নর, সতি৷ বড় কিছু তাঁরা
করে দেখিরে দিলেন—এই কথাটি বিশেব
করে সেদিন অনুভ্ব করেছেন নিম্নির্ভ

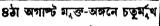
এত বড় সাকলোর দিনে মহিলা শিশ্পী
মহলের সভ্যারা যেন আরও বিনরী,
কৃতজ্ঞতার তাঁদের চোধ অপ্রনিক্তঃ
কৃতজ্ঞতা তাঁদের কাছে যাঁরা তাঁদের বড়
কাজে উৎসাহ ও প্রেরণা দিরেছেন। কৃতজ্ঞতা
যাংলার শিশ্পরসিক জনসাধারণের কাছে।
সে কথাই সেদিন বললেন কানন দেবী



্যর সাধন কিংবা শরীর পাতন—এ-ছাড়া ক্রিকাতার তৈরি গীতাঞ্জি-চিচ্ছবীপের রঙিন হিন্দী ছবি 'রাছ্গীর' (পরিন্তান্ত ১) টিনেই, এ-ছাড়া লক্ষ্য নেই। তাই সিন্দি ভয়াৰ লক্ষ্যকে এ-লাজ্যুহে মুক্তি পুনেছ—ছবির বারিকা লক্ষ্য রাজ



(সি ৬১৪২)



সোমবার ৭টায় এ পর্যায়ের শেষ অভিনয়



नाप्रेक/निर्पाशनाः अजीव क्रवर्शी स्टन शिक्टं भारतः । ८४-७२११

(সি ৬১৪০)



্ৰীতাতপ নিয়শ্যিত নাটাশালা]

নতন নাটক।



অভিনৰ নটেখের অপ্র' রুপারণ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও শানবার: ৬॥টার প্রতি রবিবার ও ছটির দিন: ৩টা ও ৬॥টার

। রচনা ও পরিচালনা । দেবনারায়ণ গরে

दनपनामामन ग्र

া র্পায়দে ।

অ্জিড বল্লোপাধার, অপ্রণা দেবী, স্রতা
চটোপাধার, নীলিলা দাস, সতীন্দ্র ভটাচার্ব,
জ্যোৎলা বিশ্বাস, পাম লাহা, প্রেমাংশ্ম বল্ম,
ভূতী চটোপাধার, শৈলেন মুখোপাধার,
ভূতী চটোপাধার, শৈলেন মুখোপাধার,
ভূতী চটোপাধার, শৈলেন মুখোপাধার,

মলিনা দেবী, সরষ্ দেবী, চন্দাবতী,
সাধনা রারচৌধ্রী, মঞ্জ দে, নমিতা
সিংহ, মিতা চট্টোপাধ্যার, কেতকী দত্ত,
সীতা মুখার্জি, স্কোতা চৌধ্রী প্রমুখ
গিলপীরা। সরকারী সাহাব্য পাননি বলে
তাদের কোন ক্ষোন্ত নেই। তাদের আখাবিশ্বাস আছে, এতট্রুকু বখন পেরেছেন
বাকিট্রুও পারবেন। ক্ষোভ আমাদের।
এত বড় একটা কাজ চলছে অখচ আজও

वश्क्ति मान्व-०८-७७७ ऽ०हें बागन्वे ● मन्या ७॥वेल



णवर्णाव जिल्ला भवित्रसम्ब स्वीटिस्टला

द्या क्रिक्ट जीवराज्य

আবার গছব'র সাড়া জাগানো নাটক

শ'র মিদেস ওরারেনস প্রফেশন অবসম্বনে **উৎপদ দত্তের**

মধ্চক্ৰ

৬ই আগ্লট—ব্যুত জন্ম নিৰ্দোশনক ব্যৱস্থাৰ ভট্টচাৰ হলে ডিকিট আছে।

(সি ৬০৩০)

लिए २-००, ६-८६ ५ अणेल सन्दर

বৃহপাতিবার ৩৯৫৭ জুনাই থেকে! বিশ্ববিধ্যাত একটি প্রধানকাহিনী! আনম্পেরাসের একটি হারাচিত! দ্যাস্থের একটি সুন্দের উপকৃরণ!



(ইউ) ৭০ মি মি,ছে চার্লস ডিকেন্সের অমর প্রশা অলিভার টুইনেটর শক্ষম রগারণ! পর্যনত সরকারী সাহায্য জটেল না। ৫
চেরে ব্রুখের আর কী হতে পারে। ব
কাজ আমাদের দেশে খ্র বেশী এক

হুর না। ইখন কদাচিং একটা হর, তথ
সবাই আশা করেন সরকার অন্তত এ

কাজের সাফলোর জন্য ইথাসাধ্য করবেন
সমর এখনও আছে, কাজ আরও অনে
বাকি। তাই সরকারের সাহায্য ধ
সহযোগিতা আমরা এখনও আশা করতে

কত বড কাজ সাধিত হল তা সেদিন **प्रात्मभाग्** উপলব্ধি করলাম নিম্মালতে একজন পরেয়মিলপী বললেন : "ও'রা আমাদের মাথে চন-কালি <mark>মাথি</mark>য়ে দিয়েছেন। আমরা তো কিছাই করতে পারলাম না।" সতি। কথা, শিল্পীদের সংস্থা সব ভায়গাতেই আছে। আবার একটি নয় একাধিক। এক একটি সংস্থার ভাঙন ও ফাটলের কথাও আমরা জানি। বড কাজ তো দারের কথা, সংঘবদ্ধতা কী তা-ই দেখবার সংযোগ মেলে কম। এই ক্ষেত্র মহিলা শিল্পী মহল নতন ইতিহাস তৈরি করলেন। এবং এই সভা আমরা আরও বিশেষভাবে উপলব্দি করলাম সেদিন উৎসবে গিয়ে। মহিলা শিল্পী মহলের প্রতিধিনিরা জানালেন, এখন থেকেই দঃস্থ শিলপীরা এ-বাভিতে থাকাত পারবেন।

বাডিটিতেও সেদিন পরিক উদযাপনের হাজালিক পরিযোগ। ধা**পের** গদেধ সমস্ত বাডি ভরপরে! বাডির সানা রঙে কেমন যেন শংখতার শী। সভাদের অপ্রিসীম বাদ্ভতা বাডিটি কর্মচণ্ডল লোকের ভিড়—আলার তারই মধ্যে কেমন যেন এক শ্নোতা। বেদনার সরে ব্যবিধ শিল্পীদের মনেও। দেওয়ালে টাঙানো বল্লোপাধ্যায় রেণ কা আপারবালা দেবী প্রমাথের ছবি। মহিলা শিল্পী মহলে একদিন ভারা ছিলেন আজ **এম**ন একটি দিনে তাঁরা নেই। যাঁরা নেই. এবং যারা আছেন তাদের সকলের সাধনা দিনে দিনে আরও উত্জ্বল পরিণতি লাভ করবে—এই প্রতায়ের কথাই সেদিন বললেন মহিলা শিল্পী মহল।

মস্কো উৎসবের ফলাফল

মন্টের ষণ্ঠ চলচ্চিত্র উৎসবের ফল বেরিরেছে। এবার কাহিনীচিত্র বিভাগে তিনটি স্বর্ণপদক পেয়েছে কিউবার "লুসিয়া", ইতালির "সেরাফিনো" এবং সোভিয়েট রাশিয়ার "আন্টিল মান্ডে"।

ভারতীয় চিত্র "মেঘ ও রোপ্র"-র জন্য চিত্র-গরিচালিকা অর্থতী দেবী বিশেষ সম্মান পেরেছেন। ছরিটি রুশ নারী সমিতি (সোভিরেট কমিটি অব উইমেন) কর্তৃক গ্রেক্ড। নারী অধিকার প্রতিভার এ-ছবি প্রেক্ষা দেবে—এই কথা বলা হয়েছে প্রেক্ষার প্রসংগা।

॥ िहन-नबादनाहना ॥

जीवात गुर्व

सायक बाह्न क्रेशीसबासय महाकारमय बक्रे बनाएक कालाक-जामि नाया जामाव লাবেরই ছেলে, না-ই বা রইল পিতপরিচর -- হাতিনীকার কিন্তু ভাকে একালের কণ' ৰা সহাকাম ৰূপে উপদিশত করতে ভবসা আসলে অপরিণীতার পরে নয "জীয়ার স্বে"-র (স্বেটির মুখাজি লোডাক-শক্তা নারক শক্ষর একখা একটা বাদেই वानित्त ए श्रहा करवाच । অবাস্থিত অবৈধ বলে জনেমর পরস্কাতিই **E.F.6.* **অভিভাবৰ** গ্ৰে**ড**'ধারিণীয় পিতা) নালের হাতে ভলে দিয়ে বলেছিলেন —নিরে বা**ও একে, ইন্দা** হলে আবর্জনার মত ফেলে দিকেও পার।

নাস জগণা নবজাতককে ডাস্ট্রিন-এ কেলতে পারেনি, নিজের সহতানের মত তাকে মানুর করেছে। সিনেসার নিবল জন্মেরারী সক্ষম বানিকালির সেরা ছাও করেছে, স্বারেক হারেছে এবং জ্বাগাকের (মার জ্বাস্ট্রিন সে বিসার্ত করে) করার (স্বারমা) তোমে পাড়েছে। তার জ্বারতস্থা নিয়ে নাটক স্থিতি দের জ্বার্থে—তথ্ন সে তার পিতার সালো মিল্ড। তার মা তো তাকে জ্বা শিরেই মারা গেছেন।

ক্রিনীক্র—চিত্রটাক্রর গৌরাপাপ্রসাদ বস্তুকে সিছে দোৰ দেব না। সিক্তেয়ার কাহিনীতে বে-সব উপকরণ ও ফ্রম্লা দশকের কাষ্য তিনি **সময়ে সে**গচলিই আবার তেলে সাজিরেছেন। ্লারকের জন্মবৃত্তত নিরে, এবং আর এক দিকে নাসা অপণার कीवरमंत्र बहेना रक्ष्म्य करत् आनामा माहा-চদক ভিনি ছবিতে বেখেছেন। সৰ মিলে "অখ্যার স্থে" আশান্ত্রপে নাট্যসম্প হয়ে উঠতে পারেনি। ছার কারণ কী ? শিথিল তিহনাটা? না শিথিক বিন্যাস? চিত্রনার্টো কিন্তু অবাদ্তর ঘটনা কম। বতুথানি কাহিনী প্রায় ভতথানি ঘটনা। প্রয়োজক-পরিচালক সংখীর মাখোপাধানর নাটকের নত, ছ'গ্ৰাল সম্বাদে আগাগোড়াই হিলেন, দশক কী-ভাবে আয়োদিত 2710 পারেন দে-বিষয়েও তিনি ভেরেছেন। শক্ষর-সারমার মনে অন্রাগের কলি খীরে ৰীৰে পাপড়ি মেলেছে, ৰদিও তা খ্ৰেই পরিচিত ছকে। এবং প্রেমিকের কল্যািকভ জ্বস্থিতরের কথা জেনেও সরেষা হর ছেড়ে ভার কাছেই ছকেট এসেছে। ক্লাইম্যারের হোনিকার 🐗ই গৃহস্কালে 😙 অভিসার সিলেমার অভি পদ্ধরেনা এস্কু হলেও দর্শাকের का मन्त्र मारल मा। क्यार मन्दिकत छान



গ্রে বাগচী পরিচালিত 'ভারিভূমি' ছবির মৃতি আগামী লংভাহে—একটি লুলেঃ মঙ্গা লে ও বিকাশ রার

ৰাগাৰ মত **অনেক প**রিসিংতি <mark>টেরির কাজে</mark> পরিচলেক নিশ্চয়ই সফল।

তবে প্রথমসিকে শিশ্যতিকে নিরে চিত্র-লাটোর অভিরিম্ন বিশ্যার রুগিতকর। সে আর এবটা আলেই ম্বেক হাতে পারভা। আর সেই মনিকরে পাগল সাধারের (সে আবার বালীর সাধা কথা বলো) বিরম্ভিকর বাংগরেটি কি বাদ বেওয়া বেতা না?

ভাভিনেতা-অভিনেতীদের কমতা যওঁই থাকুক, কন্মিতার নাধা তাঁরা কাঁ-ই বা করাত পারেন। তবা এরই মধ্যে দাঁপিত রার (অপ্রাণ) আনকাদিন পর একটি বড় ভামকায় তাঁর অভিনারনৈশ্রা দেখাবার সাবার পোসভেন।

বোলানিক নাবক-নাবিক রাপে মুগ্রাল মান্থাপথার ও বিশা ঘোষাক দশকিবা খানিয়ান নেকেন। সিনেমার বোলানিক প্রান্থানিয়ান নেকেন। সিনেমার বেলানিক প্রান্থান করেনে। মাহতভ খাকর প্রেমিক শংকর বলগেই মুগ্রাল মাহ্যাপ্যারার চরিত স্থিতির দক্ষতা বেলানিকেন্দ্র ভারতিক নাবিক বিসাবে বিশা বোলা বিশাবেশ আবেগ স্ক্রেন্ড্রার বিশাবেশ করেনে।

সন্তন্য বিশেষ ভূমিক্স ছাথা দেবী, কমল নিত্ৰ, অজিতেশ বদেনপোধান, শৈকেন মনেগাপাধান, দীপুক মুখোপাধান নিজেদের ভূমিকার সুঞ্জিতিনর করেছেন। অবাক করে দেন তর্গকুমার—একটি ভোট ভূমিকায় অকপক্ষণের জনা এসে দশক্ষিক দেখিয়ে দিকান অভিনয় কী বসত।

্ছবির গানগালি স্থিত শোনবার মত। করে ভিরেছেন ববীন চটোপাধার। স্বেরচনা স্কৃথিপত ও পরিবেশান্স, হেমন বৃটির
সমরকার গান। শামল মিশ্র গাওয়া "রাত
নিক্মে" গানটি (দ্বার আছে) জারও
ক্ষেক্বার শোলালেও দশক্ষির ক্লান্ড

তপদ্দী ও তর্জিগী

বংশদের বস্ত্র অসামানা নাটক "তপস্বী ৪ তরপিগ্লী" আঞ্চান-বগীকে অভিনীত

এন বি এণ্টারপ্রাইজের প্রথম প্রবোজনা "অভাতক" সম্পর্কে

Ajatak is a refreshing departure from the beaten track in more than one sense.

Stateman

একটি **অসাধারণ নাটাপ্রাস**।

जाननवादात गरिका

Santosh Kumar Ghosh cannot afford to be intrigued by a commonplace theme.

N. K. G. (Amrita Bazar

Patrika)

না<mark>দ্ৰকটি বা</mark>রা সেদিন সেখেছেন । তারা স্কৃষ্টিতত।

> সন্তোৰকুমান বোবের নতুন আঙ্গিকের নাটক

অজাতক

৮ অগ্রেন্ট, কলামন্দিরে (শেকস্থীয়র সর্বাদ) সম্বন ৭টা ঃ ডি'বট হলে—৫., ৩., 🌉

জডিনকে: মনতা চাটাপ্রনাম, আন্ত্রি ৪ নিম্বত্রিমন হত্তেছিল কিছুকাল আগে। প্রথম মধ্যপু হল গঠ ২০ জুলাই কলামন্দিরে।

শ্রাপের খবাশ্খা-কাহিনী অবলবনে লেকা এই নাটক পাঠকমহলে বেমন সাড়া জাগিরেছে, ডেমনি "তপশ্বী ও তরগিগাণী"র নাট্যাভিনর সম্পর্কে দর্শক্রেরও কোত্ত্ল স্টাবার কথা। কবিতাভবনের প্রবাজনার এবং প্রতিকা বসুর পরিচালনা ও স্বে-সংবেশগে এই নাটকের খারও করেটি অভিনর অচিরেই মন্তন্থ হবে। নাটকের প্রধান বুই চরিপ্রের শিক্ষী ঃ দেবপ্রসাদ সিবহ ও মীগাকী দস্ত।

, जानम्पराजात श्रीतका तिहित्समन क्रारवह जन्देशन

শ্বাক্ষকাল বহু অফিসের রিক্নিমেশন ক্লাবের সভ্যরা নাটক অভিনর করছেন। এই ধরনের ক্লাব ঠিক অ্যানেচার নাট্যগোষ্ঠীর মন্ত নর। রিক্রিরেখন ক্লাবগ্রনির এই নাট্যচর্চা আধ্নিক নাট্যাঞ্চনরের কেটে
আন্দোলন না হলেও একটি আলাদা ঐতিহ্য
গড়ে তুলেছে। এ-বেন এক পৃথক জগং—
পেশাদার অভিনয়-জগং কিবো একালের
নবনাটে আন্দোলনের পাশাপাশি এই জন্দেশীলন চলছে। সামাগ্রিক মাট্য-আন্দোলনে
ভাই রিলিরেশন ক্লাবের দানও কম নর।"

গত ২৪ জ্লাই স্টার রপামঞ্চে আনন্দবাজার পাঁচকা রিজিরেশন ক্লাবের তৃতীর নিবেদন "দুই প্রের্শ নাটকাভিনরের প্রারন্দিক অনুষ্ঠানে সভাপতির ভাবণে উপরোভ মন্তব্য করেন প্রথমত সাহিত্যিক ও সাংবাদিক প্রীসন্দেভাবকুমার যোব। গ্রী ঘোব আরও বললেন ঃ

শ্জানদদ পাওরাটাও কম কথা নর।
বছরে একটি দিনে এই অভিনর-বাসরের মধা
দিরে সারা বছরের নিস্তলৈমিন্তিক
কর্মাস্টোকে যেন রঙিন করে তোলা। এর
ম্লাও কম নর। ভার চেরেও বড় কথা,
এই ধরনের অনুষ্ঠানের ভিতর দিয়ে আমরা,

সহক্ষীরা, পরশ্বরের আরও কাছে আসি;
এরই মধা দিরে গড়ে ওঠে সংক্ষরতা,
একডা। এইবাসেই বিভিন্নেশন ক্রাবের
অনুষ্ঠানের আজিক হুলা একে কেন আকরা
কর হতে না দিই।"

অনুভান স্কৃতি হর সুয়ারক শ্রীচিত্ত প্রির মুখোপাধ্যারের গাওরা "মোর বীগা ওঠে কোন্ স্বরে বাজি" ববীগুলংগতি দিরে। শ্রীবিদ্যুৎ ভট্টাচার সম্পাদকের বিবর্গী পঠে করেন এবং বন্যবাদ আপন করেন শ্রীদেশাল চক্তবতী

আনন্দবাজার পরিকা রিক্লিরেশন ক্লাবের जननायुन्त "मृदे भृतूर्य" नाष्ट्रेकी प्रक्रम्य করে শুধু যে নিজেরাই আনন্দ পেয়েছেন তা নয় অফরেণ্ড জানন্দ দিভে পেরেছেন দশকিবেরও। বিশেষ করে অমরেশ ভট্টাতার্ব (ন্টবিহারী), অমরনাথ ছোষ (মহাভারত), কৃষকুমার যোব (স্পোভন) অণোককুমার দাশগত্বত (শিবনারারণ), অমিতাভ দাশগত্বত (प्तरनातात्रन) अवर मृथारम् इद्धानासात्र ধ্বই ভাল অভিনয় করেছেন। স্থা-চরিত্র স্বিতা মুখোপাধ্যারের বিমলা এবং মুম্তা চটোপাধ্যারের কল্যাণী রীতিমত উচ্চাপ্যের। সাতৃ ঠাকরুণের ভূমিকার লীলাবভী (করালী), শ্যামার ভূমিকার সম্প্রা সর্বা এবং মমতার ভূমিকার প্রতিমা পালের কৃতিহও উল্লেখযোগ্য। অন্যান্য চরিত্র অভিনয় করেন শম্ভুলাল বস্তু, স্থালীল-কুমার দাস, মৃত্রুন্দ মাইতি, অনাদি মহাপাত, অনরেন্দ্রনাথ সেন, স্বধীরচন্দ্র মাইতি, ব্রন্ধা চটোপাধ্যার প্রভৃতি। সমগ্রভাবে নাইক্টির সাফল্যের জন্য পরিচালক শ্রীশশ্যক্ষ ভটাতার্য द्यगरमा भारतः।



মন্দের ফিল্ম ফেল্টিডাল থেকে প্রীনতী জর্মধতী দেবী ফিরে এসেছেন। গর্নিট কতক প্রথন নিরে রবিবার দেখা করতে গৈরেছিলান। প্রীমডী জর্মধতী বলকেন, কালই কিরেছি। রাড গ্রেটার শ্রেছি। বস্ত ক্লেড। উৎসব জভিজ্ঞভার কথা আলই গর্মিছরে বলতে পারব সা।'

কিউবা, ইটালী রাশিয়ার স্থপণদক
পাওরা হবি অনুসিরা', 'সেরাফিনা' আনটিল মানডে' নিজে কথা উঠল। শ্রীমতী
অরুপ্রতী বললেন, অনুসিরা দেখা হরে
ভঠেনি। সেদিন আমাদের একটা পার্টি'
হিল। সেরাফিনা আনটিল মানডে আমি
দেখেছি। আমার ভীবণ ভালো লেগেছে।"



বিভা • জীকুক • নিউ তর্ণ • করা • র্পালী • জ্যোভ

চলচ্চিত্রন্ • চিত্রালয় (দ্গোপরে)

ডৰে সৰচেত্ৰে ভালো লেখেছে আজেনিকান দুটি ছবি—বিলিভাল ব '২০০১ ব দেস বভিমি'।

জর্মুক্ট পরিচালিভ মৈন ও রৌপ্র নিরে কথা উটল। উংসবে রুক নারী সমিতি ফোভিরেট কমিটি অফ উইমেন) ছবিটিকে প্রক্রুভ করেছেন। "কী ধরনের পরেক্ষার এটি?" জিল্পাসা করলাম। অরুম্বতী বজলেন, "সন্দানজনক তো মটেই! এই নারী সমিতির সদস্য সংখ্যা প্রায় চলিশ লক্ষা সমিতি প্রতিবারেই মন্ফো উংসবের একটি ভালো ছবিকে এই প্রেক্টারিট দিয়ে থাকেন। একটি ভিশোমা। এ বছর 'ব্রুভ এ রৌপ্রক ভাগো ভা জটেল।"

উৎসবে এ বছর মানা দেশের ভারকার সমাবেশ বটোছল। ভারতের দেব আনন্দ তো জুরীদের মধ্যেই একজন ছিলেন। ভাছাড়া বৈশ্বরুতীমালা ছিলেন, সরোজা দেবী ছিলেন, পাকিস্তান থেকে শামিক আরাও হাজির ছিলেন। আর ছিলেন সোফিরা লরেন। "সোফিরাকে মিটা শাকরেনা? জিজালা করলাম। অরুব্ধতী আনুক্র্যাসের সংগা বললেন "হারী, তবে মেনশন্। করবার মত কোন কথাবাতা হারনি আমাদের মধ্যে।"

ভারতের ছবি বলতে রাশিরানরা বোলাই ছবিই বোকে, অর্থেতী জানালেন সেকথা কারণ, বাবসারিক ভিত্তিতে সেধানে শ্ধ্য বিন্দী ছবিই চাল। বাংলা ছবি প্রকারেই না।

—বিচক্র

ভরা থাক স্মাতস্থায়

বার নটাভারতীতে মেক্-আপের টোবলে মাথা গগেলে তত্ম গাণগালের কে কি কালা। কালার হেতু ভানতে ভাক পড়ল তুলসী চক্রবতীর। তিনি দ্ব-এক মৃত্যুত ইতসতত করলেন। ভাবলেন, নিশ্চরই বিরাট কোন দ্বতিনা ঘটেছে। এই অবস্থার কণ্ঠস্বর কত্টা কোনল করতে হবে, কতটা সহান্তৃতি নাথাতে হবে, কেটা ঠিক করে নিজেন।

ভারপর কাছে গিরে পিঠে হাত রেখে মূর মোলারেম স্কুরে ভাকলেন, "স্লোল— এই সলোজা"

কারার কৌস-কীস হাড়া আর কোন আধ্যান্ত নেই।

এবারে গলাটা একট চড়ালেন তুলসী-বাবঃ বললেন, "কী হরেছে বলবি তো । তা নয়, তথন থেকে কেবল কে'লেই ভানাছে। বলি, কেউ সারা গেল নাকি বচ, আই?"



হিরক্ষর সেন পরিচালিত ভীর্যভারভীর 'বালক গণাধর'' চিত্রে চুম্বকী : ছবিটি অধিলতের মুটি পাক্ষে

ততকলে মুখ তুললেন করে গালালি।
চোধের ধনে গালালে কেনে যাছে। তুলসী
চক্রবর্তারি হাত দুটো জড়িরে ধরে হাউহাউ করে বললেন, "এর চেরে মরাই বে
ভাল ছিল তুলসীরা! মোহনবাগানের গোহারার হারাটা ভাহলে চোধের সামান বেধতে হলে না।"

এই ব্যাপার ! হার ভগবান !

ন্দিতীয় বাকটি বার না করে সবাই বাল্ড হরে পড়লেন বে-হার মেকজাপ নিতে।

ভূলসী চরুবতী একটা রাগত স্বরেই বলচেন, "এরই জন্যে এত কালা ! তেরে কি তীমরতি ধরেছে রা৷ স্কাল !"

তুলসীবাব্ ব্রংলেন জহর গাণা[লর
ননের বাধা। ব্রংলেন, মোহনবাগান জহর
গাণা[লর কী এবং কতটা। ভাই সাম্বনর
সারে বললেন, "মাক গো, ভূলে বা ওসব
কথা। ফাসটো না হয় হতে পারেনি, কিন্তু
সেকেন্ড তো হয়েছে। ফেল তো ভার
করেনি। ভা হলেই হলো। এখন নে দিকি,
চটপট মেকাণ নিজে নে। ভ্রপ ওঠার সময়
হরে গেছে।"

ঠিক সময়ে ত্লপটি ছোলা বাবে কি না,
অথবা দেদিন টিকিটের দাম ফেরং দিতে হবে
কি না—এ ভাননার প্রারশই ভূগতে হতো
দেউজ-মালিকদের। তবে তা একটি দিন—
ওই মোহনবাগানের খেলার দিনই। ক্ষহর

গাল্যানীর তথন থিয়েটারের টপ-ল্যানার অটিন্টনের একজন।

পরবর্তী কালে অহর গাপন্তির মোহনবাগান ক্লাবের ক্রতাব্যাজনের একজন
ইরেছেন, ইকি-লেজেনীর হরেছেন, কিন্দু
জেলেমান্ত্রি ব্যালার-ব্যাপারগর্তা হাজতে
পারেন নি। বোহনবাগান ঘোল বিলে ছেলেমান্তের মতই নাচতে প্রে করে গিতেন!
ঠিক একটি সাধারণ মান্তের মতই।
চলচ্চিত্রের অথবা রুপারপ্তের ইতিহাস ধরি:
লিখকেন ভারা জহর গাপাত্রিকে কতটা
বাঁচিরে রাখতে চাইবেন জানি না, তবে ভিনি
নিন্দর বেন্টে থাকবেন ঐসব সাধারক
মান্তের প্রত্তিতে।

বেদিন ক্তিচারণ করতে গিরে উক্তরকুমারও ভাই কললেন। কললেন, "কেনে
চরিয়ে হরতো আমি আমার নিজের মঞ্চ
করেই অভিনর করলাম, পরে পদার দেখলাম
স্কারণার ছাপ সে চরিয়ে লগভী। অক্টেডন
মনে কোথার বেন স্কালদা কেল একটা
ছাপ রেখে গেছেন—কেটা মুক্তে কেলা মোটেই
সহজ নর চ

সহজ নর বজাই ব্রে-ক্রিয়ে কর কথা মনে পড়াহে ওই জনেশক চিতার সামাল স্থাড়িয়ে। মনে পড়াহে, একটি সকালা থেকে আর একটি সকালো প্রেছিবার জন্য কর না কুক্যসামন। মনে পড়াহে একটি জন্মকার সন্ম্যা থেকে আর এক আলোক্তেক্রেন সন্ম্যার উপলীত হবার জন্য কী নিবার্থে লাছনা থেচা।

কিন্দু সে-কথা আৰু থাক। আৰু শুৰ্ দু-ফোটা চেন্তথ্য আৰুছে আছের গাপানুলির স্মৃতিপ্তা করতে চাই। ও' স্মৃতি। ও' গালিড! ও' স্মৃতি।

312.75

-ৰস্দেৰ

रवाम्बारे विकिता

নাংবাদিক, লেখক এবং চলচ্ছিদ্র নির্বাচ্চা
থালা আহমেদ আব্দান বর্তমানে সাত
হিল্পুলানী নামে একটি ছবি করছেন,
ভারতের বিভিন্ন অঞ্চলের নামকরা নেক এবং চলচ্চিত্রের সাতজন অভিনেতাকে নিরে গোরায় তার কাল চলছে। এবং ছবির আনো তিনি একটি ছবি করেছিলেন, নাম ছিল "বোল্যাই রাত কী বাঁহো মে." সেই ছবিতে আব্দাস সাচেব বিলির মঞ্চ এবং টেলিভিলন অভিনেতা বিমল আহ্বাচ্ছে নিরে একেছিলেন। "বোল্যাই, রাত কী বাঁহো মে"তে কাভা কবার কির উল্লেখবোদ্যা কোন চবিত্র হাতে তাুসনি

বিমল আহ্জার। মথেন্ট যোরাঘ্রর করেছেন উনি বোম্বাই^{*} বাজারে. তেমন কিছা উংসাহ পাননি কারো কাছ থেকে। তব্ ভেগে পড়েননি বিমল। আব্বাসের ছবির কাজ করতে এসে বিমল বংশ্বর চটকদার হোটেলে খেকেছেন, গাড়ি করে ঘরে বেভিয়েছেন (সম্ভবত নিজের পরসার) বদেবর প্ল্যামার রাজ্যে একট ঠাঁই করে নিতে, কিন্তু কালব্রুমে আবিন্কার করেছেন নিষ্ঠার প্রাণ-ব্যবসারী বোষ্বাইকে. ব্যেছেন ব্যবসায়ী বোশ্বাই বণিতা কার হাতে হাত রাখে! সেই বোধের হাত ধরে বিমল আহ্জা আরো করেকজনের হাতে হাত রেখে মাত্র সাডে বোল দিনে একটি ন' হাজার (৯০০০) ফিটের ছবি শেব করে ফেলেছে। কয়েকদিন হোল। একমাত্র দঃখ এই বে. ছবিটি হিন্দীতে নয়, ইংরেজিতে ! ঘদিও ছবির ঘটনা একটি নামকরা হিলা नाएंक्व एशक स्नक्षा। नाएंक्विव 'হত্যা এক আকার কী'। ইংরেজিতে নাম হয়েছে "এয়াট স্থাইড পাল্ট ফাইড।" নহাস্বা গান্ধীর হত্যাকে কেন্দ্র করে এ নাউক। একটি মাত্র সেট। মাত্র চার্ডি চরিত্র। গ্রান্থী হত্যার পেছনে যে বড়বন্দা, এবং সেই বড়ফলের পেছনে যে মানগিকতা তারই वाका विनाम अहे छिट-नाष्ट्रकः। नाष्ट्रकिछिटक হিন্দী থেকে ইংরেজীতে রুপান্তরিত করেছেন জলে ভেলানি। সেই সংখ্য একটি চরিত্রে অভিনয়ও করেছেন। বাকি তিনটি চরিত্রের অভিনেতা ডেভিড, ইফতেকার এবং



কুলার বাস্ত্রনের পরিচালিত একপেরিলেন্টাল ছবি "জাট কাইড পাল্ট কাইড" ঃ.... ভেডিড ও জুল ডেলানি

প্রবাদক অভিনেতা বিমল আহ্রে নিজে।
ছবিটি পরিচালনা করছেন ফিল্ম ইনস্টিউট থেকে পাল করা এক উৎসাহী ব্রক।
নাম কুমার বাস্লেব। আলোকচিত্র গ্রহণ
করেছেন কমল বোস। সম্পাদনা করছেন
আমিত বোস, সংগতি নির্বেশনা বস্তুত
দেশাই-এর। বোম্বাই-এ তৈরী এই ছবিটি

ইংরেজিতে করা হরেছে, আন্তর্জাতিক বাজারের আলোকধনা হতে হরত খুন অস্থাবিধে হবে না। কিন্তু হিন্দীতে বনালে হরত হবিটি রিলিজ-ই হোত না। এবং প্রকৃতপক্তে সেই ভরই ছবিটিকে হিন্দী হতে দিলানা।

সরল শ্রমী

রবি রশ্মির

टरिक्नाइ

সাগর সেনের পুরিচলনার

প্রাবিশ সুন্ধ্যা (ন্তানাট্য)

অংশ নেকেন কণিকা • দেববুত • স্টিচা • চিন্দার • স্মিতা • সাগর •
কমলা • প্রদীপ • ভাল্ফর ও ৫০ জন শিপণী
ন্তা পরিকল্পনার—মঞ্জিকা দাস | দানিত বস্ত্র চিক্টি—১০, ৭, ৫, ও ৩, টাকা
প্রাপ্তিক্ষান—মবীক্য সক্ষা। স্টাইকো ।। মেক্ডি ॥ মাডাম (শ্যামকজার)

(সি-৫৬৫৬)

र्माकाणी'त भिन्द-भिन्भीरमत निरंबमन

রবীন্দ্রনাথের গীতিনাটা

বাল্মীকি-প্রতিভা

২৪কো আগন্ট, রবিষার, সকাল সাড়ে দশটা ॥

কলা-মন্দিরে

১০, ৫, ও ০, মল্যের প্রবেশপত দক্ষিণীতে পাওয়া বাবে ॥

ফরাসী চলচ্চিত্র প্রতিনিধি দল সংবর্ধিত

ভারত সরকারের উদ্যোগে ফরাসী চলচ্চিত্র উংস্থ সম্প্রতি অনুষ্ঠিত কলকাতার द्यात ३७ जागुरुहे। উংসব উপলক্ষে ফরাসী প্রতিনিধিনল ভারতে এনেকেন-একন নধ্যে আছেন একজন চিচপরিচালক (জী দ্যানিয়েল সিম) এবং একজন অভিনেত্রী (শ্রীমতী দ্যারিরেল)। গড় সম্ভাহে **ভা**রা কলকাতা-সকরে এসেছিলেন। বেপাল ফিল্ম জার্মালিস্ট আলোসিরেশন গড় ২১ জ্লাই গ্ল্যান্ড হোটেলে তালের সংবর্ষনা ভাগন করেন। জনুষ্ঠানে গ্রীসভাজিং দ্বার 📽 প্রীতপন সিংহ উপস্থিত ভিলেন।

जानानी इनकित उरनद

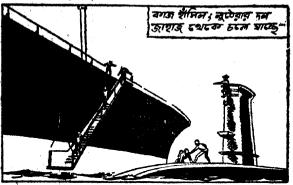
সিনে সেখ্যাল-ক্যালকাটা, জাপান দ্তাবাসে এবং ইন্দো-জাপানীক জ্যালো-সিরেশন-এর বৃষ্ণ উদ্যোগে কলকাটার ওল্ ও কুরোসাওরার চিন্ন সহ করেকটি সমকালীন জাপানী ছবির প্রদর্শনীর ব্যবকা ইরেছে। জ্ঞানে সিনেমার ১ থেকে এ জ্যাস্ট উংসৰ চলবে।

অন্বণ্য দেব



লী ফক

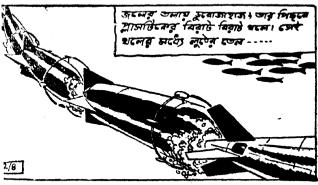




















, j. K.

দিনাজপরে জেলার ইসলামপুরে দু' দল লোকের মধ্যে সংঘর এই সপতাহের উল্লেখ-ৰোগ্য খটনা। পশ্চিম দিনাজপুরের ইস্লামপুর মহকুমার চাকালিয়া থানার কৃতি গ্রামে २२ क्लारे माणा धरः भूमिरमत भूमिएक ५कन निरुष धरः जातक दम करतककन चार्छ दरसद्द। এरे शाद्य नानकहारन न्रुंछतान, चिन्मम्रहान । मनन्य क्रमहान चारमन ষটে। এ দাংগার উভর দলের শব্দ থেকে ভীর-খনকে, ব্যৱহাত ধারালো অস্থানন বাৰহার করা হয়। দু' প্রতাধিক বাঞ্চিও দোকান লুপ্তিত হয়। অপিন সংবোগেয় ফলে ২৪টি ৰাড়ি সম্পূৰ্ণ ভস্মীভূড হরেছে। এ ছাড়া আরও ৪০।৪৫টি বাড়ি ক্তিগ্রন্ত হরেছে। अभारत १२ व छोत्र कता कातका, काति अवर ५८८ धाता व स्कावर कता हरतह । स्वतासीमना শ্রীজ্যোতি বস্ ২৪ জুলাই বৃহস্পতিবার পশ্চিমবুলা বিধানসভার এক বিবৃতিতে বলেন : দাপ্যার আগের দিন রাপ্তে কৃষ্ণি গ্রামের কিছু বোক স্থানীয় বাসিল্য শ্রীশাম-লাল কেডিরার কাছে ৫০০ টাকা কভিপ্রেণ দাবি করে। এই কভিপ্রেণ ধার্যের কারণ ঃ এই ব্যত্তির এক ভাই কিছু দিন আলে স্থানীয় এক মহিলাকে লাভিড করেছিলেন। **এই क**िश्द्रश प्रथत देव ना। क्लिएराक नमर्थन कानान जीवनक बाद नामक क्रेनिक স্থানীর ভদুলোক এবং আরও কিছু স্থানীর লোক। এইভাবে গ্রামে দুটি পরস্পর কিরোধী মল গড়ে ওঠে। দুং দলে সংখর্ব আরুভ হয় এবং তাতে সংখ্যালঘ্ সম্প্রদারের দুংজন নিহত হওরার পরেই সম্ভবত ঘটনাটি সাম্প্রদায়িক রূপ নের। ক্ষতিগ্রম্ভ গ্রামগুলিতে ন্ত্রাণকার চালাবার বাবস্থা করা হরেছে। তিনটি রিলিফ সেণ্টার খলে খাদ্যশস্য এবং তবি, ইত্যাদি বিতরণ করা হচ্ছে। ভিনজন মন্ত্রীও সেখানে গিরেছেন। বিচারমন্ত্রী শ্রীভত্তিভূষণ মণ্ডল জানান—এ দাপারে পেছনে এমন কতকগালি সিরিয়াস ব্যাপার আছে বা মন্দ্রিসভার গোপন বৈঠকে রিপোরট করা হবে।

द्रमणी जश्बाम

১১ জ্লাই—প্রীমোরারক্ষী দেশাই আঞ্চ রোকসভার বরেন: আত্মসম্মান বিসর্জন না দিরে তরি পক্ষে বর্তমান মন্দ্রিসভার আর কাঞ্চ করা সম্ভব ছিল না। প্রধানমন্দ্রীও এক বিব্যতিতে জ্ঞানান, শ্রীদেশাইর হাত থেকে কেন অর্থ দক্ষতর বদল করতে হলো। শ্রীমতী গাম্পী এটাকে শ্রুম্ অর্থ দক্ষতর বদলের প্রশন বলেই বিবেচনা করেছিলেন।

সংসদের অধিবেশন বসার ঠিক দ্দিন
আগে সরকার কেন ১৪টি প্রধান ভারতীর ধাণ্ড রাজারত করার জনা অর্ডিনানস জারি করলেন প্রধানমন্ত্রী আজ লোকসভার তা বিশেষক করেন। শ্রীমতী গান্ধী বলেন, জনস্বাধাবিরোধী কোনরকম উদ্দেশ্য সাধনের সম্ভাবনা কথ করার জনা হঠাং কিছা করা শ্রকার এবং অর্ডিনানস ছড়ো তা সম্ভব নর।

২২ জ্লোই—পণ্ডিরবণ্য শিবান পরিবদ বিবোপ বিলটি আন রাজ্যসভার আনুমোদিদ হর। লোকসভার আগেই হরেছে। সব পলের সদসারাই বিলটি সমর্থন করেন। ২৬ জ্লোই থেকে বিকোপ সংক্রান্ড রাজ্যপতির বিজ্ঞাপ্ত কার্যকর হওরার সম্ভাবনা।

ইন্দির। মন্তিসভার বির্শেষ বি কে ছি, সভল্র পারটি এবং জনসন্দ অনাম্থা প্রভটের জনেলে সি পি আই (এম) ইন্দিরা গাম্বীর পক্ষ নেবেন। এই পলের সাধারণ সম্পাদক ব্রী পি স্ক্রেরায়া আজ কলকাভার এক সাংবাদিক বৈঠকে এই নীতি আমণা করেন।

২৩ জ্লাই—মার্কিন ব্রহাপের ওগলাল কোল্পানীর জনৈক প্রতিনিধি নাকি ইনভিয়ান এরার-লাইনল কর্তৃক ডি লি-৯ বিমান করের বাবল্যা করার জন। ১৫ হাজার ওলার (১,১২,৫০০ টাকা) ঘ্র দেওয়ার প্রভাব করে ইনভিয়ান এরার-লাইনল-এর জানক অফিলারের কাছে এক পত্র দিয়েছিলেন। বিষর্গি নিরে

২৪ অনুলাই—জনসংঘ সদস্য শ্রীবলরাজ নাথেক কমিউনিসট দলগুলিকে 'রাশিরা ৩ ১ দৈনর দল' এবং তারা দেশুকে শাসবের দ্বেশের



শ্বংশিত করতে চান বলে মণ্ডবা করলে লোকসভার আন তুম্ল হটুগোল শ্রেইর গ্রান্ত ৪৫ মিনিট ধরে হটুগোল চলে। এই মণ্ডবা কমিউনিসট সদস্যগণ তীর আপত্তি জানান এবং শ্রীমাধোককে তারা এই মণ্ডবা প্রভাষার করতে বলেন।

ফরাজা বাঁধ নিজে বিরোধের সালিলের জন্য একটি আণ্ডর্জাতিক সংশ্যা স্থাপনের জন্য পাক প্রস্তাব ভারত দৃঢ়ভার সংশ্যা প্রভ্যাধান করেছে। আজ ফরাজা এবং অপরাপর প্রাঞ্জের নদী পরিকল্পনা নিজে সচিব পর্বাক্ত ভারত-পাক আলোচনার এই দাবি করা হর বলে জানা বার।

২৫ জ্বাছা—আজ তুম্বা হর্বানির মধ্যে লোকসভার দেশের শাীবশ্যানীর বালিজ্যক ব্যাক্ষপ্রতিক রাজ্ঞীকরণের বিল উল্লাপিত হয় । শবতকা এই বিলাটি উঠাতে দিতে বাধা দেন, কিন্তু বাধা হন। ২৬০—৪৬ তেটে বিলটি উপ্রপানের সিম্পানত গাতীত হয়। কংগ্রাসের সংগ্রাক্ষরা দলগ্রিত এই বিল জানার পক্ষে তোট দেন। গতকাল কংগ্রাসের তবক বেকে নিমেশ্য দেবরা সংস্কৃতিক কংগ্রাসের সংগ্রাক্ষর সম্পান্ত এই বিল জানার পক্ষে তোট দেন। গতকাল কংগ্রাসের তরক বেকে নিমেশ্য দেবরা সম্ভেক দলের বহু বেক্স্থানীর স্ববস্থ এবং কোন কোন সন্ধ্রী আজ স্ক্রাক্ষেক জন্মণিক্ষত ছিলেন।

২৬ অনুনাই—রাজীপতি নির্বাচনে ২৪ জন প্রাথমির ক্ষমে ১ জন প্রাথমির মনোনরনপার আজ রিটারনিং অফিসার পরীক্ষার পর বাভিল করেন। পনেরজন প্রায়মির মনোনরনপার টবা বলে ঘোষণা করা হয়। এই ১৫ জনের করে আছেন প্রীসম্ভাব রেডভি, প্রীমিত ভি গিরি এবং প্রী সি ভি বেশুমুখ। আলামী ১৬ জাসস্ট রাজীপতি নির্বাচন।

२५ क्यूनारे-नामवान बहुनहरू गाँचन 👀

পরণাগার পাথের প্রতিমা থানার সংক্রনপরে প্রামে একনণ জেন্টেন্ট ব কুকেন্দ্রে এডাট বিক্রোভ নিহিনের করে। সংক্রে জেন্টেন্টরের ম্বানিতে ২ জন কুক্র নিহত ও ২২ জন আহত হরেছেন বল ক্বর পাওরা নিরেছে। ক্রিন রামে আলিপুর জেনা প্রতিন্দ, ক্রিন ক্রেটেন।

তেলেপানা প্রধা পরিভিন্ন সংখ্যার পরিবাদ বৌষভাবে প্রী টি এর সদালকারি পৌরোহিছে। সম্প্রীভ অন্তিত এক সভার দিবর করেছেন বে, আগামী-শ্রুকার থেকে হারদরাবাদ সেকেন্দ্রানা এবং তেলেপানার জন্মানা জন্মান রূপ স্তাার্ছ প্রারু প্রা হবে।

विद्मानी भरवान

২৬ জুলাই—তাঁলের মাটিতে নাল জাজানাই এবং অসন্ত্রিন পা দেওবার গর প্রেসিডেনট নিকসন মতের মাটি থেকে সহাসার জানের মধ্যে কল বলেন। প্রেসিডেনটের সপ্যে কর্মা বলার পর জারমানীং চাঁদের মাটি সংগ্রহ করে জা একটি প্রের মাথেন।

২২ অনুভাই—নভোগ্ডরদের নিজে আন্সোলে-১১ মহাকাশবান মতের দিকে পাতি জারিরেছে। এদিকে জভরেল ব্যাক্তের মতে অন্টার ভিনদত মাইল বেংগ লানা-১৫ চাঁদের ব্যকে গিরে আছাঙ্ পড়ে এবং চ্প-বিচ্পা হরে বার। সোভিত্রে যোবণার পরিক্ষারভাবে আভার দেওরা গ্রেছে বে, লানা আর প্রথিবীতে ভিবে আগছে না।

২০ জ্যাই—ব্বরাজ জ্যান কারসোস আজ রাতে স্পেনের ভবিষাৎ রাজা হিসাবে লপথ গ্রহণ করেন। পারলামেনটের ডেপট্টিরা ৩ই সমর হর্ষাহ্নি করেন। জেনারেল জ্যানকে প্রশাস্তান্ত অনুষ্ঠান স্থেক।

২৪ জ্লাই—চন্দ্রচারীরা চাঁদে যে সিস-মোমিটার যকটি রেখে একোছন, সৈটি মংগলবার রাতি ১-৫০ মিনিট প্রিথনীকে জানিরে বিরোধ, স্বেমান্ত চাঁদে একটি ভূমিকদপ হরে গেল। ইতিপ্রে টাঁদের কোন ভূমিকদপ প্রিথনীতে রেকরত করা সম্ভ্রপর ছিল না। সংগ্র সংগ্রাপ্তিবীর বিজ্ঞানী মহলে ভোলপাড় ল্বে, হরে গিরেছে।

২৫ জ্লাই—মানব ইতিহাসের স্বাধিক রোমাণ্ডকর ও ব্রুলাহাসিক অভিযানের পরি-সমাণ্ড ঘটিলে চন্দ্র কর তিন মহাকাল্টারী জারার প্রথিক ফিরে এসেছেন একেয়রে নির্মিন্ট লানে, মড়ের মটিরে কটির ব্রুল্পতি-বাল সাত্রি ১০-১৯ মিঃ-এ ভারতীর সমর। মথা প্রশাস্থ সহাসাগরে। নভোচারীরা চল্ল থেকে কোন জন্পা ও জ্লানা কীবাণ্ড বহুন করে কোনের কিনা ভা দেখাল জন্য তীরা এখন কোরানাটাইলৈ আন্তেম।

২৬ জুলাই—নিবাপতা বাহিনীর সোকের।
আন বানিলার কিলিপিন সকরে আগত মার্রিকন
প্রোস্থানেট নিকস্টনর প্রাণ নাগের এক চক্টান্ত
বার্থ করে সেস এবং কল্টেন্স লড়াই-এ তীরা
এক্সন ক্রিটনিন্ট চন্ধকে ইড্যা করেন।

হৰ অনুৰাই—বিউস্টেশের ভালা গবেৰণাথানের বিজ্ঞালীয়া স্পাক্ষার করেছেল—চানের নাটি ও পাক্ষারে বিকে বৃশ্চিপাক করে তারা স্পান্ত নিবাল হরেছেল। চানের পাধাবান্তির প্রাথমিক প্রাক্তি করে মহাকাশ কেলের বাছুভজ্বির তঃ কিং এক সংবাদিক বৈচকে বলেন—লামরা আনে বেরুন্টি ক্ষান্তান করেছিলান, চান তত সহজে করে বহুলি উন্পাটন করের বলেন করে অসামান্য লেখক গ্ল অসাধারণ বচনা

গ্রেম্বর মিত্রের सम्बागाधाक्य देशमाञ

উনবিংশ শতকের কলকান্তা তথা বাংলা দেশের এক সাল্যর আলেখ্য পরিকৃট হরে উঠেছে। লেখক মন্ত্রভের দিক দিয়ে বিভিন্ন টাইপের চরিত্রের কেতরকার দিক উদাঘটিত করেছেন তা তাঁর সমাজ-মানস বিল্লেষণের দলেভ ক্ষতারই পরিচায়ক। ... রসোভীপ এই উপন্যাস মহংগ্রেরণায় অনুপ্রাণিত করবে পাঠক-পাঠিকাকে।" -4,11767 ্কড়িরে পাওয়া মেয়ে, এই মেয়েকে কেন্দ্র करतरे भएक केर्टिश्च अक कर्नरग्नै। भारतरामान আত্মকথা বলা চলে। পেশাদার কীতনিবা সরেবালার জীবনকথায় ঐ গ্রেণীর নর-নারীর জীবনের সাখ-দাংখ বার্থাতা সাফলা ও বির্ভাবেদ্যার কথা আত্যক নিপ্রেলভাবে লেখক বাস্ত করেছেন। সাত্রলোর কটিরতির লহরী মহং উপন্যানের ফলশ্রতিরই আবেগ काशाब क्रमच-घरना।" --- ZETE-B119 ।। বিত্যি মাদুণ - চৌদ্দ টাকা ॥

ল'লা মজ্মদারের

"স্বনামধনা। লেখিকার সমতিক্**ষা এই** গ্রন্থ লিপিবদ্ধ হয়েছে। শৈশব থেকে ছায়ী কমাজীবনের প্রে প্রান্ত হে সকল ঘটনা-প্রবাহের মধ্যে দিয়ে বাদের ক্লেহসংস্পর্শে ও যে সকল অভিজ্ঞতা লাভ করে তাঁর জাীবন বাম এসেছে ভারই ধারাবাহিক চলচ্চিত্র বলা যায় বইখানিকে। পড়তে পড়তে পাঠক-পাঠিকারা এই ধারণায় উপনতি হবেন হে. তারা বেন লেখিকার সঙ্গে এগিরে চলেছেন তাঁর দৃষ্ট কল্ড ও আত কাহিনী দেখতে দেখতে ও শানতে শানতে।....উপন্যাসের চেয়েও চিক্তাহী এই সম্ভিচারণ কথা।"

–ৰদ্যভ "প্রতিটি ক্ষাতিকথাই আবারিক অভিনতার जनाक्ष्यत्र वर्गान छेशाका हात्रह। ... म्मा भाषाक्षाविश्वम् श्रम् इ'रम् 'वाद কোনোশানে' উপন্যাসের মতোই স্থেপাঠা।" -4,11100

॥ তৃত্তীর মূলুণ — পাঁচ টাকা ॥ हा^{र्}शक व संदेश **कौदमन्या छिक्या**

স,কুমার बाय 811 नीइम्हम्स क्रीयातीत ৰহ বিভাৰত প্ৰদ

वाधाली जीवरन ब्रमणी

"मीत्रकम्म क्रीधातीत वरे वितालार रेएतकी कामा भाषिवीरक माका भए बाहा। ভার লেখা বাংলা বই বিশেষত প্রথম বাংলা বই সম্পর্কে ৰাখালী পাঠক-মহলে কৌত্রেল স্থিত হবে তাতে আর আশ্চরের কি? কিন্ত লেখকের খ্যাতিই এই বইটির আসল গাণে নর - বাঙাগী-জীবনে রমনী - এ ধরনের বিষয়ের ওপর বাংলাতে কোন বই আৰু লেখা হারছে বলে আমার জানা নেই... লেখক ইংরেজী সংস্কৃত, ৰাংলা এবং লাভিন সাহিত্য প্ৰকে তলনাম্লক বিষয় এবং উদ্ভাতির উল্লেখ করে প্রতিপাদা বিষয়টিকে উপভাপিত করায় লেখা বেমন চিত্তাকর্মক হরেছে তেমনি জ্ঞানবর্ষকও হরেছে। খাব অবপ্রসংখ্যক লেখকের লেখার মধ্যেট এই সকল গাণের এর প সান্ধ্য সন্মেলন ঘটে বেমন ঘটেছে বর্তমান পজেকে লীরদ্বাব্র লেখার :" -मास्ट्राक्टम महकार, मन्नामक मार्ड गार्ड है

"মৌলিক চিতা ও ভাবের বেখানে প্রকাশ ঘটে গভান্গতিকভাকে বা নাডা দের অন্ভবে বা নতুনভার সাভা জাগার – সে সাহিতা আলোভন সুপিট কর্বেই সে সাহিত্যিকর সাধনার মধ্যে **অবশা**ই সাথকিতা আছে।... এই ইতিহাসাল্লিত অথবা হৈঠকী গ্ৰাপাক রে রচিত বাঙালী নরনারীর জীবনের সর্বাজীগ দিক দুটি পরিক্রেদ ও উপসংহারের মধো নানা বৃত্তি, উপলা ও কাহিনী-সহবোগে একটি ব্যক্ষিদীপ্ত, সজাগ ও আধ্যাকি মনের বারা সালেরভাবে ব্যাখ্যাত হরেছে।..."

"সমগ্র অনুসাচনাটি তাজা হাওয়ার ভ্রপুরে নীরন চৌধারী **এখানে গভান্সতিক** সমালোচক নন, তিনি প্রতি কাজে হাজিনিষ্ঠ, প্রতিটি পাতা বানির দীলিতে GOB . 07 1" -—আনন্দৰাজার পরিকা

"রমনীর রচনা হিসাবে বইটি অসাধারণ। সাম্প্রতিক প্রকাশন-তালিকার উল্লেখ-যোগা সংযোজন। म् लिथ्छ, मूचनाठा, क्वांबाला शलाव बना – नौदनवादाव या निक्रण्य ग्रामा -जाकानवानी कनकारा

এই গ্ৰদেখৰ সমালোচনা কৰিতে বাংলাৰ বাহিৰেৰ একটি সাময়িক भव द्याउँ इनक्ष ১৮ भूको नाम कनिमाद्यन। **आनमना**कान পত্রিকার পাঁচ কলমের বৃহ্লোংশ জ্বড়িয়া এই প্রন্থের সমালোচনা প্রকাশিত হইরাছে।

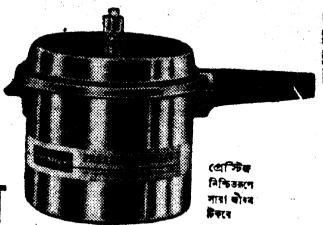
इ विकीय मानुग- मून होका ध

নিমলকুমারী মহলানবীশের হবীন্দ্ৰ-ক্ষতিকথা

वत जरङ युद्वार्थ ৯,

—অসংখ্য চিত্ৰ লোভিড—

मित्र ७ स्थाय. ১০, শ্যামাচরণ দে শ্রীট, ক্লিকাতা—১২ रकान : ०८-०८৯२, ०८-४५৯১



श्रुधत्नींत प्राप्ति हैं

प्राच

প্রেসিডা

Prestige

সবটেয়ে নিরাপদ । विद्यानधार अवस्ति (वनी ग्रावता

অনেকটা জায়গা ও আপনাৰ নিজেৰ নানান পাত্ৰ ৰা কীৰ

সার্ভিস ঃ বিক্রীর পর সারাভারতে সার্ভিসের ব্যবসা।

अलाक भन्निवादान उभावाभी महिक मार्वेक

সময় ৰাচায় ইন্ধন ৰাচায়



विवास् (वा

আপনার পুৰিবার কন্ত, একটি বাড়ডি প্লাপ ও পিউল এবং হয়ন কাণালীর একটি বই কাইনের ভেডরে ড'বে কেঞ্জা আছে।

ेण्डो क्लाइंग : वि वि (क्लाकेट्रके) विविद्धेक बाकाटनाय--->क



বিষয়		লেখক		প,ষ্ঠা
	5 N N N N N N N N N N N N N N N N N N N	en a version de la final	•	
न, दब्र न	ह न्स्—		•••	२२১
পরীক	া ও পরীক্ষক—		•••	२२১
ৰাক্ষচিত	i— ?			ঽঽঽ
देवदम्भ	নকী— দেবরাজ		•••	२२०
म्भाश	ট— <u>শ্রীনবার্ণ গ</u> ণ	ত	•••	२ २8
	ারি সংবাদভাষ্য–		•••	२ २७
	त कार्नान— 🍻			३२१
		टा)—श्रीनीतान्द्र <mark>नाथ ठक्</mark>	বতী	२२৯
	ক বি তা)শ্রীরমেন			२२৯
म, (थन	সদ্ধানে-শ্রীশি	ার লাহিডী		२०১
	ফল— ইন্দ্ৰ্যজ্ঞিৎ		1	२०१
				•

त्रह्मावली श्रन्थभाषा

বহিক্ষ রচনাবলী শ্রীযোগেশ্যন্ বাজন সংপাদিত। প্রথম খণ্ডে সমগ্র উপন্যাস (মোট ১৭% ৮-টা ১২-৫০। ছিত্তীর খণ্ডে উপন্যাস বাজীত সমণ সাহিত্য-অংশ-টা, ১৭-৫০। তৃত্তীর খণ্ডে সমগ্র ইংরেজি অংশ একরে-টা, ১৫-০০।

हिरकण्यः इहनावनी ভঃ কর্পনিদ্রাথ বার সম্পাদিত। দুই থকেও সমগ্র বচনা। প্রথম খনেও নেটি নাটক তটি প্রস্কান, ৪টি কবিতা ও গালের প্রপাণ ও ২টি নাটক তটি প্রস্কান, ৪টি কবিতা গ্রম্প, ২টি খনেও (৮টি নাটক, তটি প্রস্কান, ৪টি কবিতা গ্রম্প, ২টি গ্রমান্ত্রনা ও ইংরেজি কবিতা)—টা, ১৫-০০।

मध्यम् मन ब्रह्मावली

ভঃ ক্ষেত্র গপ্রে সম্পাদিত। এ**কটি খণ্ডে ইংরেজি-নহা সম**গ্র রচনা (৪টি কাবাগ্রন্থ, ২টি **কবিতাবলীর গ্রন্থ, ৭টি নাটক** ও প্রহাসন, ৮টি ইংরেজি রচনা)—টা, ১৫-০০ (

मीनवक्र इंडनावनी ডং ক্ষেত্র গাস্থ সম্পাদিত। একটি খণ্ডে সম্প্র **বচনা (৮টি** নাটক ও প্রহসম, ২টি গম্প উপন্যাস, **৩টি কাবা ও ক্ষ**বিতা গ্রন্থ)—টা, ১৩-০০।

रेक्क्ष्य क्रमावजी

সাহিত্যরের শ্রীহারকৃষ্ণ মাথোপাধা**রে সম্পর্মিক ও সংকলিত** প্রায় চার হান্ধার পাদের আ**কর সম্প**্**টা, ২৫-০০ ৷**

্র প্রতি রচনাবল ছিত কবিনী ও সাহিত্য-সাধনা আলোচিত

সাহিত্য সংসদ

৩২এ আচার প্রফলেন্দ্র রোড : কলিকাতা ৯

ন্তন প্রকাশন ১০৭৬ সালে প্রকাশিত হইয়ায়ে

वाश्वाश विश्वववान

া পরিমাজিত চতুর সংকরন। শ্রীনলিনীকিলোর গাহ প্রবীত

বাংলা সংগাঁ তের ক্রপ

স্কুমার রার প্রণীত

খ্যাতি यां (एउ

জগণ-জোড়া

निर्भातनम्, दाहरहोध्दवी अवीव

ভারভের শিল্প ও

वाबाद क्या

हीचित्र मृत्यात श्रामाश्रासक १ व. वि. श्रेमानी

প্ৰদৰ-স্মাহিত্যে যে বইগৰে আজ্যেন্ত্ৰ এনেছে

त्रमः। विवीकः

অল'বৰ্ষ ১০টি পৰ' প্ৰকাশিত হ'লেছ শ্ৰীসুবোধকুমার চলকতী

পঞ্চকেদার

टी जेबा<u>राजाम</u> ब्रह्मानायाच

বয়তভূষ ব্যৱক চক

মুন্মথ বার

একই গঙ্গার ঘা**টে ধা**টে

প্রথম পর : বিভার পর শ্রীদেবপ্রসাদ দাশগন্তে

হি মালেয়ের জাজিবায় রামপদ মুখোপাধ্যার

प्तर सिथास्ड

বিবেকরঞ্জন ভট্টাচার

(मर्क्टूम **क्लिव**

অমল ছোৰ

ब^५ लाइएक भगति।

শ্রীদেবল

ः शकासकः अ सर्वाकाः आगस्य दयः शाहरूकः स्टि २ सम्बद्ध क्रावेकाः शाहरूकः २२





বিষয় লেখক		भाष्ट्रा
প্রতেক—ডঃ কৈয়দ ন্জতবা আলী	•••	২ \$\$
রবীন্দ্রনাথের 'কবিতিকা'—শ্রীন্যানল প্রেরারস্থ	•••	२८७
জীৰন যে-রকম—শ্রীস্নালি গঙ্গোপাধ্যার	• • •	२९७
বালিনৈর চিঠি– টীসংকা ্রাব ব্লা	•••	२७১
ডায়েৰিৰ ছে'ড়া পাতা— গাদাল দৰ্গতিয়েন		2.35
পারাপার—শ্রীশনিষেকির মাধেরপাধার	•••	২৬১
ৰাংলার ঢালচিত্র—শ্রীস্মাবদ্দীর জনবার		३ ७ १
তবলা বাদনের ঐতিহা ও কণ্ঠে মহারাজ		
- শ্রীস্তর্গার বরুদাপারায়		২৭৩
আধিক ভারত— ইসেত্ত গণেত	•••	२ ९७
হেমচন্দ্ৰ ৰাগচী—ইতিহম তেন্দ্ৰত হিণ্যুত্য		२९९

भग्नातमा बन्नाच विश्वत्वत्वतः वेश्वत्वन

ভান্মতীর নবরঙ্গ ৯:০০

এ উপন্তে এক হাফিদ্রণায় হাতিহাস

স্নীল গজোপাধ্যয় এর এই দশ্যেক মহাভারত ম্বক ম্বতারা ৬০০০

শ্রীপারাবত-এর একটি বিশিষ্ট উপন্যাস

আমি আফ নামিকা ৭ ০০

এ উপন্যাস এক প্রখ্যাত চলচ্চিত্রভিনেত্রীর **জীবন-কাহিনী**

কশান্ বদেদ্যাপাধায়ে এই জড়িল প্রণয় ঘটিত ক্রাইম উপন্যাস উত্তর সংধ্যায় ৬০০০

দৈশায়ন ৰচিত হারেমের নাষিকা মমতাজের প্রেম-কাহিনী

হারেমের কোহিন্র ৬.00

পঞ্ম তরক	u	বীর, চট্টোপাধ্যায়	11 8.00
क्रीवरनब क्रिकेटा	n	ণেনিক ব্দেয়াপাধ্যার	1 8.00
তামসপণ1	11	সত্তে ৰাজ	11 0.00
द्र ्शकथा	11	সমরেশ বস্	118.00
क्ति ভालावाजा	n	জ নমেজ য়	11 6.00
তিন ভূবনের পারে	- 11	সমরেশ বস্	11 0.00

মৌন্মী প্রকাশনী ১৫/২এ কলেজ রো, কলিকাতা—১

ভারাখ্যকর ব্রুসাপাধার **डायाश्य** 20.00 अस्तिकाकाञ्चात्र राज তম্ভাৰ জল & + O O 8.00 রুয়াপদ চৌধরী ভারতবর্ষ 🔞 জন্মনা গ্রহণ 2.00 এখনই F-00 স্ভাৰ নাখেপাধার नावरमब जार्य 3.60 See Detail कार्ष्ठ मः माब ५.०० कारतात भाषानि आभारताम शासानाधाम আলোর ঠিকানা 8.60 **×15** रत्नाथः वास्ताकाथास আনন্দ ভৈরবী ১.৫০ অপ্রিচিতের নাম দীপক চৌধারী रघता उ 6.00 গোর্রশিকর ভট্টচর্য মহাকাৰ্যের প্রভুল F-00 रमहािंगरभी 6.00 প্রাণ্ডোষ ঘটক তিনপরের্যঃ \$2.00 স্থা প্রক্রিত ২য় &.00 বন্ধে ল গোপালদেৰের স্বংন 8.00 নভাৰে গ্ৰেদাপাধনৰ চাপার গন্ধ 0.30 <u>क्ष्माचित्रमः नग्नी</u> ৰসম্ভ স্বঙীন… 0.60 আশাপাণা দেবী অনৰগ_নিঠতা 6.60 ডি এম লাইরেরী ৪২ বিধান সর্বা, কলিকাতা-ও

०० श्यमा लाङ!

ষ্টক থাকা পর্য্যন্ত



এতি টিরে স্থোর্কিটার পরিমন্ত্র স্বায়পর যক্ষনই রয়েছে (১৫ - এ।স নীট)

শক্তি, উৎসাহ ও স্বাদের জন্য- *শীজ্বেরি*স্ বোর্নভিটা !

Bonsons-2536 Ben

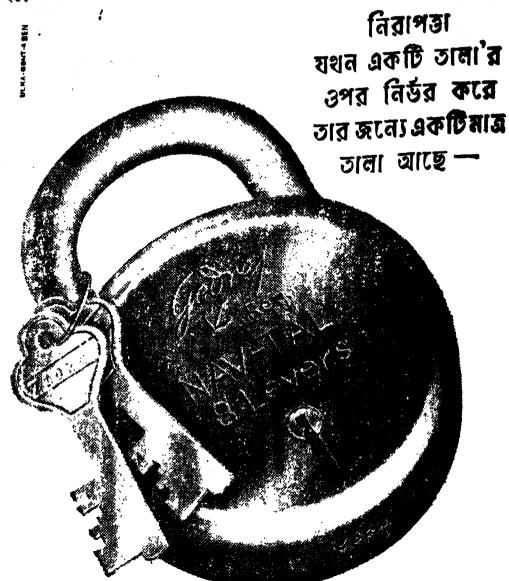
यि वाशवाद काव वाष्ठवक शिदकण्यवा, श्राष्ट्रविषय कार्दिश्ती काव ध्रवः वावगुकीय एकण शाक



আমরা আগনাকে অর্থসাহায্য করব যাতে আগনি নিজের ক্ষুদ্রায়তন শিশের গতন করতে পারেন!

বিশদ বিবরণের জব্য কাছাকাছি টেট নাজের অফিসের সঙ্গে যোগাযোগ করুব

जकलन (जनास एटें) नाक



বাক, কারখানা আর গুদামে ৰাবহার হয়—কেন না এটি নির্ভর্যাগা। স্ক্ষ্ম এর কারিগরী, প্রতিটি তালা'র হনো আলাদা আলাদা রকমের চাবী তৈরি হয়, তাছাড়া নব-তাল নিরাপতার সরঞ্জাম তৈরি করতে এমন ভাবে ডিজাইন করা— যাতে, খুলে বা ভেলে চুরি করা

না যায়, ভাই নৰ-ভাল দেয় সৰচেয়ে বেশী নিরাপতা। পেডল আর ইম্পাতের ডবল খাপ থাকে ব'লে এটি দারুণ মন্ধবৃত। এটি ভৈরি করছেন গোদবেজ— याम्ब कार्ष १० वह्तिवेश বেশী অভি**ন্তত**া।

০০ মিলিমিটার (৬ লিভার) ৬৭ মিঃ মিঃ (৭ লিভার) ve वि: वि: (४ निकान)



क्षितिक त्योन्पर्ध हित्र ऋगी श्यंता त्कत ?

খন খন বাধা খনে খান গ্ৰন হাওৱাৰ চুল উকিছে খাব নার লাকোর লাগিয়ে নিজেকে সুন্দ্র করে নাজিত্বে জুলভে অনেকেই নাজ। এতে কিছুদিন আপনি অনেকের মুখ প্রদাংগা অর্জন করনেন সন্দেহ নেই, কিন্তু জুমেই আপনার চুল তা'র সহজ্ঞাত লাবলীপতা হাবিছে ব্লান হতে উঠবে। এ সর্বনালা পর একেবারেই কণছাতী। চুলের সৌন্দর্যকৈ ধরে রাখতে হলে নিরার সঙ্গে নির্দ্দিবিত করেকট্ট সহজ্ঞানিয়ম আপনার্কে মান্তেই হবে।

- [5] প্রতিদিন অস্তঃ ছ'বার ভাল করে চুল আচডালে।
- कि जिटक इस का बाबा
- সামের আপে অন্তঃ পাঁচ নিনিট ক্যাকুত্র
 প্রস বালিশ কর।
- अक्षाद्य बाज अक्षिम बाथ। बंदा



নি. কে. নেন এও কোং প্রাইভেট লি:

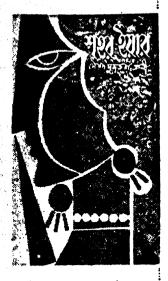


1

4,

n.

প্রকাশিত হল



माञ ४.००

সৈয়দ মূজতবা আলী: বাঙালী পাঠকদের কাছে এটি শুহু, একটি নামই নার নর, এটি যেন একটি মশ্র; যে মশ্র উচ্চারণের সংশ্ব সংগ্র গাঠকদের অভারে বটে ভাবদেতর, হাদর জাগে প্রত্যাদা—নত্নতর স্বাদ এবং বিভারত অভিজ্ঞার প্রত্যাদা, অকল্পনীর রমাতা এবং অবর্ণনীয় উপভোগাতা স্থাবিত হওলে প্রত্যাদা। সৈরদ মূজতবা আলীর নতুন রচনাটি, তা সে উপন্যাস, গল্পং হমারচনা, অনুবাদ, ভ্রমণকাহিনী,—যে নামাজিক এই হোক না কেন। এমন সোভালে খ্র কম লেখকেরই হয়: এমন শক্তিও থাকে আরও কম লেখকের।

আলী সাহেবের প্রথম মৌলিক উপন্যাসের প্রকাশনা বাংলা সাহিত্যের ইতি-হাসে একটি 'ঘটনা' হিসেবে চিহ্নিত হয়ে আছে; এই শ্বিতীয় উপন্যাসতির

रेनश्रम भूज्ञा वानीत

ভিন্নতর পটভূমিকায় রচিত অভিনৰ উপন্যাস

শহর-ইয়ার

প্রকাশও তা-ই হবে আশা করা বার। প্রথমটির মত এটিরও কেন্দ্রবিক্ষ্যু এক অসামান্য রমণী—নাম তার শহর-ইরার। রংগে, গ্রেণ, বিদায়, মনন্দর্শিরতে একটি এবং সর্বোপরি মোলিকতার, বিশিশতা এই নারীচরিবটি বাংলা সাহিতে। একটি উট্টিরনেত ম স্থিতির মর্যাদা পাবে। উপরন্তু, শিক্ষিত ও সংস্কৃতিবান মুসলরান সমাজের পটভূমিকায় রচিত এমন উচ্চস্তবের উপন্যাস যে বাংগায়ে দুখিতি এ কথাও স্বীকার করতেই হবে।

बড़

জ্যোতিরিন্দ্র নন্দী ॥ দাস ৮٠০০

আৰুন্দিক ঘটনা-সংঘাতের জড়িগতার চারটি নবনাবীর জীবনে সে প্রচাক কড় উঠেজিল, এবং প্রায় সম্পূর্ণ ওলটপালট করে নিরোদ্ধল ভাবের স্বাভাবিক ক্লামনাধানক, ভারই এক ভাববল্য প্রতিক্ষাবি দক্ষণ।

নায়কের প্রবেশ ও প্রস্থান

মতি নন্দী ॥ দাম 8.00

এই সার্থ প্রকাশিত অন্যাসাধারণ উপন্যাসাধি বত্তিয়ান করের কিল-মধ্যবিক্ত নামারিক কবিনের চরম ধনাসের বিক্রেণ্ড প্রকল সংগ্রামে হারতে-হারতেও হার নান্যানার এক অনুবদ্য অর্ক্তাখা।

দশ কৈর ভূমিকায়

यामाभूभी एनवी ॥ मात्र ६.००

্হ, বিচিত্র চরিত্র এবং তাদের জাবনের স্থ্যসূথ-আনন্দ্রেনার চরপালপের মারে তার আন্দেশিলত এক অজ্ঞাত এবং জন্ম্যারার কতের লেখকসভার ক_্ম কাহিনা এই অভিনয় **উপন্যাস**।

ৰোধোদয়

भारकत ॥ माभ ७·००

এ কাহিনীর শারে বিদেশের এক বিমানকদরে। যা কিছু ঘটনার ভা ঘটছে ভারতগামণ এক বেলিং বিমানে। বাঙালী লেখকরা যে পাণিবাঁর কারও থেকে পিছিয়ে নেই, এ উপন্যাসে তা প্রায়প্রমাণিত ছবে।

সামান্য-অসামান্য

সংশীল রায় ॥ দাম ৫-০০

সামানা দুটি ব্যবনী একটি হয় একে বহু বছা চতু ৰ ক্লানিল বাবে ছিল বাহৰৰ জাবিন — আসমোনাতো অফটি বাবেছিক ভোগো নিজা বুলিকে। সাহ দুটি ব্যবহুটি মমানতা জাবিনসংগতি এটা উপ্তৰ্ম ম

একদা क्याभाय

বিমল কর 🎚 দাম ৬.০০

স্চরাচর বাজেরচ্চাতি রংসংবাচিত বির্ভিত করতে এ ইল্লান্ডিরি প্রের প্রিরি ভির্ম স্থান্দর। অধ্যাস করিন্ডি রুজ্যা সংগ্রন্ধ হয় যে নির্ভিত সাহিত্যপদ্রাচাত্র কর্মক এ উপ্লেশ্য তার্মকার

স,চাঁদের স্বদেশযাত্রা

नगरतम वन् ॥ पाम 8.00

ভিন্ন কেলে মারা অবাঞ্চত, অবজের উজ্পন্ন প্রিচাচ-নিজ্ঞ কেলে কাঞ্চিত এবং সন্দেহাভাজন গ্রেণ্ডারের অভিচার, এ বাহিনী সেশ-বিভাগের বলি সেইস্ব হাত্ত্রের মন্ত্রের ক্রীর্নের ক্রান্স্থারিন্তর্ভিত

প্রেম পরিণয় ইত্যাদি

বিমল মিত্র ॥ দাম ৭٠০০

তিনটি যুগের উপাখান দিয়ে লেখক মন্ত্রে চিব্রুতন সংগ্রেষ মুম্বাদিতক ইতিকথা বলেছেন এ গ্রন্থে বলাতে গ্রেষ, এ বই একাধারে জানেনকাহিনী হয়েও তিন যুগের ভারনদেশন।



वातनम नार्वालगार्य आह निर्मिट्ड व

অফিস: ৫ চিতামণি দাস লেন । কলিঃ ৯ ৷ ফোন ৩৪-৮২১৭ বিজয়-কেন্দ্র: ৬৭৩ মহান্দ্র। গাফী রোড । কলিকাতা ৯

(ক্ষিত্যা

०७ **वर्ष ॥ जरभा ८२** मार्ने वात्र ०५ **क्षावन ५०**०७

লাগানক শ্রীত্রশোককুমার সরকার সংখ্যুক্ত সম্পাদক শ্রীসাগারময় খোষ

লব্দাধিকারী ও পরিচালক আন্দেশকার পঠিকা প্রাঃ লিঃ ১ প্রকৃষ্ণে সরকার স্থান্তি, কলিকাতা ৯ ধ্যেক প্রীলবিচাংশক্রেমার দাশগাণেক কর্মক আদ্রিত ও প্রকাশিত

টোলজেন ২৩-২২৮০ **২০-**৮৫৪১

চাণার হার কলিকাডার

হারিক ... ২৫-০০ হাত্মতিক ... ১২-৫০ হৈমতিক ... ৬-২৫

SINCE

হাবিক সভাক ... ৩০-০০ বাংমালিক ... ৯৫-৫০ হৈমালিক ... ৮-০০

পাকিস্মানে

(ভারতীর ম্চার)

ব্যবিক সভাক ... ৩০-০০ বাদ্যাসক ... ৯৫-৫০ বৈয়াসক ... ৮-০০

कारदार गावित

(काराक जात)

হাহিক স্থাক ... ৫২-০০ হাহাসক ২৬-০০ লৈমাসক ১৬-০০

STAIN SAGE

(विभाग छाटक)

হারিক ... 65.00 হান্যানিক ... 53.60 হৈয়ানিক ... 50.00

দাম ৫০ **পরনা** উত্তৰক ও আনকো কতিরিক বিমান মাস্কুল ও পরসা

DESH

Saturday, 16 Aug., 196s

প্রভাগত প্রার্থ বারেই জাসন্ট) স্বর্গত স্রেশ্যন্ত সক্ষণার-মহাসনের
পঞ্চল মৃত্যুবার্থিকী উদ্বাগিত হরেছে। স্রেশ্যন্ত হিলেন আমাদের
নিকটজন, আনন্দরাজার পাঁচকা প্রতিতানের অন্যতম প্রতিতাতা ও পরিচালক।
শ্ব্ মান্ত সে-কারণেই তাঁকে আমরা স্মরণ করি এরন নর, বাংলা দেশের বিশেব
একটি বংগের অন্যতম প্রতিভূ হিসেবেও স্মরণ করি। বাংলা দেশের সংবাদপ্রের
ইতিহাসেও বেমন তিনি অস্ত্রণীদের অন্যতম, তেমনই জাতীরভাবাদী রাজনীতিক
হিসেবে, বিশ্ববী বাংলার কর্মবজের কর্মী হিসেবেও তিনি নমসা বাজি। তিনি
ছিলেন কথার্থ আদর্শবাদী, ক্রমী-প্রের্থ। বাংলার বিশিন্ট রাজনৈতিক ক্রমীদের
ক্রম্যু ও প্রামশ্যাকা হিসেবে তাঁর একটি ভূমিকা ছিল প্রক্রের। তব্ সংবাদপ্রত
মারকতই তিনি দেশসেবার নিজ্যেক নিরোজিত ক্রেছিলেন। তাঁর পরণোক্যমনের
ক্রিতি আমাদের বাখিত করে। সপ্রশ্ব চিত্তে আজ্ব তাঁকে স্মরণ করি।

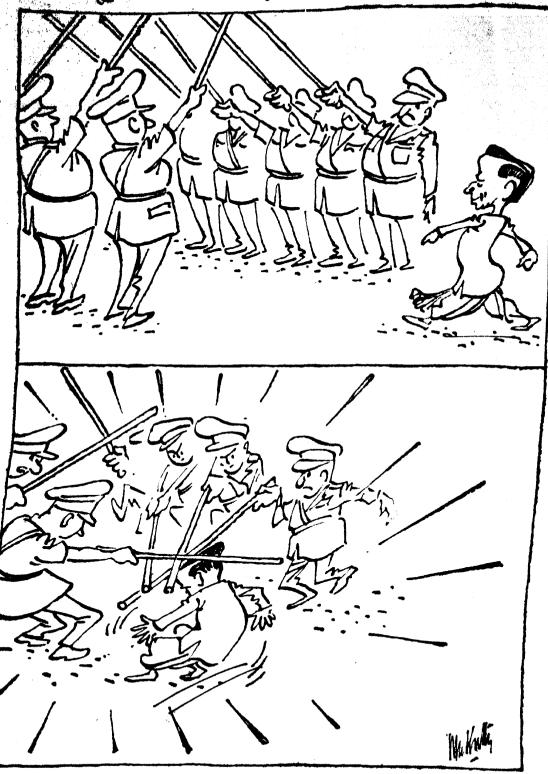
প্ৰীক্ষা ও প্ৰীক্ষৰ

ক্রের্ডাদন আগে জনৈক অধ্যাপক ছাত্রদের পরীক্ষার খাতা দেখার ব্যাপারে একটি চিঠি সংবাদপতে প্রকাশ করেছেন। চিঠিটি পড়ার পর বোঝা বার্মা, আজকাল পরীক্ষার খাতা দেখার রীতিটি মোটামাটি কী ধরনের। পতলেশক জানিরেছেন, কিববিদ্যালর কর্তৃক নিবান্ত কোনো এক পরীক্ষাক টেলের কারদ্রালর করে কাতব্য ক্যানে নেমে বেতে দেখে তিনি বিক্ষিত ও ব্যথিত ছরেছেন। জিনি বক্তেছেন, এই খাতাগালিক কলেজের মান্ত্রিল পরীক্ষার নর, বিশ্ববিদ্যালরের পরীক্ষার (বি এস-সি, ন্তন্তর, পার্টি ট্রা)। ঘটনাটি ক্ষাক্তে দেখেছেন বলে পতলেখক বতটা ক্রম্ম অন্তটা ক্রম্ম হবার কারণ বোর হর নেই। কারণ পরীক্ষার খাতা দেখার ব্যাপারে এও এক বড় ক্রতিছ। রেল কারণে বোর হর নেই। কারণ পরীক্ষার খাতা দেখার ব্যাপারে এও এক বড় ক্রতিছ। রেল কারণে রোগ হর নেই। কারণ পরীক্ষার খাতা দেখার নিটে চারটি পরীক্ষার খাতা বিনি দেখতে পারেন তিনিই তো বথার্থ পরীক্ষার। এই তংশর পরীক্ষার খাতা বিনি দেখতে পারেন তিনিই তো বথার্থ পরীক্ষার। এই তংশর পরীক্ষার ভালনো-কাল-পাত্র বিবেচনা করেন না। ক্রম ও কর্মতংপর পরীক্ষাক হিসেবে এ'র জন্যে বারাণ্ডরে আরও বহু খাতা আসা উচিত। ইনি নমস্য পরীক্ষাক আদুর্শা পরীক্ষার।

্ধানা বার, আক্রকাল পরীক্ষার খাতা দেখার বাপারটা হোটাম্টি এই নীতি ধরেই চলছে। দকুল ফাইনালে হোক, হারার সেকেওারী হোক—বা বিধ্বিবদালেরের পরীক্ষাই হোক—পরীক্ষাথীর চাপে পরীক্ষারের রোগাতা বিচারের অবকাশ লেই, প্রোঞ্জন নেই। কোনো বক্ষাে যে-বাগাতাট্টুক কাগাঞ্জপতে গাকা দরকার সেট্টুক্ গাকলেই তাঁর পরীক্ষক হবার বোগাতা দাঁড়িরে বার। এবাে কাঁ দেখেন, আল্পেই নিজে উত্তরপত্র দেখেন, না বাজিতে নিরে গিরে অন্যক দিরে দেখিরে নেন ভাই বা কে জানছে! কে দেখছে, এবাে ল দাই খাতা পাঁচ দিনে না সাত দিনে দেখে ফেলছেন! ঝাঁকার মানের মতা খাতার একটা মোট নামিয়ে দিতে পারলাে আরও বালি কিছা, পাওরা বার। সেটাও তাে বাড়েনর অনক। কর্মপট্য বলে প্রশংসাঙ্ক ক্রডানাে বার।

পরীক্ষার কেলেঞ্চারি বত পরীক্ষার খাতা দেখার কেলেঞ্চারিও তত। হারাক্ষে খাতাতেও নন্দর দেওরা হর—এসব খবরও তো আমরা শানেছি। এমনও শানেছি, ফল বেরোবার দশ পনেরো দিন আগে জরুরী তলব দিরে তেকে নিরে গিরে পাঁচ সাত দিনে হারার সেকে-ভারীর বিজ্ঞানের একটি বিবরের শা দেড়েক খাতা দেখে দেবার জনো বিশেষভাবে অনুরোধ করা হরেছে। কোনো কোনো বিচক্ষণ হেজ্ এগজামিনার সক্ষোভে শ্বীকার করেন, তাদের অধীনে যারা খাতা দেখছেন ভার মধ্যে দা চারজন ছাড়া অনা পরীক্ষকরা একেবারেই অযোগা। বলতে বাধা নেই, এ'দের অযোগাভার দর্ন বিশ্ববিদ্যালয়ের বা পর্যদের ক্ষতি হর না, ক্ষতি হর ছাচদের। পরীক্ষার খাতা দেখার ব্যাপারে বহা ছাচ্ছাত্রীর (যারা সভিষ্টে লেখাপড়া করে) অভিযোগ হামেশা আমরা শানতে পাই। এবং মনে করি এটা একেবারে অকারণ নর। অবশা পরীকার ব্যাপারে দণ্ডমান্ডের কর্তা যখন পর্যদ ও বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষার ব্যাপারে দণ্ডমান্ডের কর্তা যখন প্রদার বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষার ব্যাপারে দণ্ডমান্ডের কর্তা যখন প্রদার বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষার ব্যাপারে ছারদের পাক পরীক্ষার নাশ্বর শিক্ষাটা ভাগের ব্যাপার বলেই সাক্ষানা গেডে হবে, উপান্ধ কি!

মুলিস পার্ভ অব অনাঃ



NO WHEN CONTINUE AND WHEN THE REPORT OF THE PARTY NAMED AND PARTY NAMED Se जानमी SSE4 ! क्षीमा & केम बहा मटन ज्ञास करनारमञ्ज असमाम अवसा देखीत करविकम । त्मत हरत बावात **कारण कावना विधिन** ামাজাবাদ যে মরণ কামত দিরোছল ভাতে शात्रक्ष मा-ग्रेक्ट्या द्राव गिरत्रक. छात्र िकाडि शाम कथा सिम तिमात कमाका. আৰু দটেটা প্ৰদেশ ভাগাভাগি হবে ৰ নিকটা প্রভাৱে তার ভাগে, খানিকটা নতুন দেশ প্রিস্তানের। তবে এ দেশ ভাগ হলেও বিভিন্ন সামাজন ল হার সেই শারা। বডাই करत डाडिन अकीमन दरनोक्टलन. विकिन **产温度**(基) मा होते. ভোলবার 201211 বিকারের প্রধানমধ্যী তিনি ইননি। কিন্ত তাক বাঁচাছেও ভিনি পারেননি। ১৯৪৭ হত বিজেতের রাজা-রাণীর মাকটের মধ্য-্রাণ্ডি খলে যাওয়ার পরও তার ফৌলাই কিছা কল ছিল না। কিন্তু দেখা গেল দেই-ই ্শেষ নত্<mark>পথ্য মন্ত। ভারণত বাইশ</mark> বছর মতে তেতের পর এক ছবি-মান্তর মতি করে গালতে সৈ মাকট থেকে। ভানতে আন প্রকিক্তান নিজে ভালের সংখ্যা এবে প্রায় ত্তিক। এবন আলে যা হয়কে মাছে টা तन्त्रा इति अवस्था स्वास्थाति ।

উপনিবেশ সেদিন এক বিটোনেরই ছিল না—ভিল ফালেমর, ছাল্যাপ্তেম বের্ডাঞ্চ মেন প্রতিহালের ক্রেপ্তের আরে ইউর্নির ভা তালের মধ্যে ইটালিকা **সব উপ**নিবেশটা হাতে গিয়েন ছিল ভার হাতহাভা। সেগালৈ দখন করে নিয়েছিলেন ফিলেট্ড গেড়ীৰ হাত্তা উপনিশ্ৰেষ ইউটিল ভাষ দৰি কৰেলৈ, বিবরের প্রতিমান কেলগ্রির জন্ম স্বর্গনিত। ভোগ করছে। কেপ্রের ক্রেল্রেল্ড ভিন চরকোরছর আলে। উন্নিল্প শতকেই তার সেরীভাগ্রামানী অসর গিয়েরছে : ভার আভীন্তর বিশাস সভোজের মধে ডিম ডিল কংছে USS feere universe consti-বৈশ্লিকামের উপনিবেশ্র ওখন ছিল শাধ্য অভিকার। আজ ভাত কেই। রায়াল্ডা আর শ্রেণ্ড বেশ্ভিয় মের পরতেন গেবল কেটে স্বাধীন রুপৌর ম্যানা সেবেছে। এশিয়াতে কিম্পু এ ডিমটি সাম্বান্ধবাদী গ্রেমর কেন্ত্র জ্ঞিদারী ছিল না। তাদের আধিপতেরে কেত ছিল আফ্রিকার। প্রাটা মহাদেশটাই ইউনেপের উপনিবেশ বনে গিছেছিল বললেই হয়। ভাকে ট্রাকরো ট্রকরো করে পেটে সঞ্জাজাবাদের কাবাব ব্যানয়েছিল ইউ-রোপের রাশ্রন্থলৈ। ১৯৪৭ সলে গোটা আভিকার স্থাধীন রাম্ম বলতে ছিল কুলে িং-ি-মিশর, ইথিওপিয়া আর লাই-टर्रोदसा। এ ছাভা দক্ষিণ আফ্রিকা।

এশিরাকে পদানত করেছিল যে চারতি ইউরোপের দিন্দিকারী দেশ ভারা হচ্ছে



CHASIE

রিটেন ছাড়া ফাস্স, হল্যান্ড আর পর্টাগ্রাল। ভারতভাম তথন ইংরেজদের দখলে থাকলেও क्रिक्टाक्रिक **छेर्भागदन क्रान्म छ**ात পর্টার লেবও ছিল। ইংরেজরা এ নেশ থেকে বিষয় নেবার সপো সপোই পাততাতি গ্রাটয়ে নিজ ফ্রান্সও। যাদের দরকার হলো না হালামা বাধতে হলো না, আন্দোলন করতে হলো না, মানে মানে ফরাসীরা চলে গেল ভারতবর্ষে ভাবের ক্ষাদে উপনিবেশ-গ্রালো ক্লেডে। নাম্বোড্যান্য কিন্ত পঠি, ক পটাগাল। অকান তার ছোট হলে কী হয়. ভার হাঁকের ডোটে গুগল। ফাটে। নিজের স্মাঞ্যে এক ইলি কমিও ছাড়তে সে রালী নর। তার ভারটা **হছে** গরনা **ব্রেম নাহি** পিন স্কৃতিত কেপিনী'। বিক্রো কিংবা জালের সংগ্ৰহতাক যা করাত হর্নান প্রটান্যমের বেলা ভাই করভে হয়েছে, মেনা পাঠিয়ে যাশ্ব কার প্রতিবর্তিকার করেছে **হতেছে।** ভাতে প্রাণেল একটাও দর্মান। ভারতীর উপলিবেশের ভ্রৱ ভার দ**িব ছ**েডেলিট ভ[া]ৰ্থ জন্মন আৰু জাকিন্তে**ও সে** ১ ৫ পরে আছে, মড়বর নাম করছে না।

ভাগত ছাড়া এশিয়াতে মালের সামালা ভিল দক্ষিণ্পার্ব অপুরো। অভিবাহে তার ছিল বিষ্ঠ **ভা**মিনরী। তা **তে**ঙে তৈবি হত্যাছ গেটা সহতলে। স্বাধীন রাজ। দ্যক্ষণ প্রত্য তালিলাভে তার **জা**মদারী অন্তর্জন ছাট হাল কাঁহর গ্রে**ছ ছিল তা**র থাটো গেশী। আৰু যে **স্ব সেশের নাম** লে কের মাথে মাথে ফিরছে কেই ভিক্লেভন্ম, ত দেওভিয়া আৰু জাভস জিল জ্বাসী \$ 100 5 200 ফেডারেশনের অংশনিরে। যাকের সমত জ্ঞাপানীরা দুখল করেছিল ভিয়েতনাম লভাই থা<mark>মবার পর সে</mark>খানে কিতে একো ফ্রাসীরা। মরে: ছলো ভিয়েত-ন মাজিক মাজিকাশ্ব। ফরাসারি। হার মেনে চলে গেলে বাখলো সেখানে ছরোয়া জড়াই। থ লবার চেণ্টা হলো ১১৫৪ সনে জেনিভাত একটা আণ্ড**জ**িতক ছাত্ত করে। মাভাগ হলো ভিয়েতনাম। কিণ্ড শাণিত সেখানে দান বাঁধলো না। **উত্ত**র দ্**কিংণ ক**ভাই চলেছে সমানে বা মিটিরে দেবার জনো गानितम यम**ाह देवरेक।** खबन्धामे खातात्वा করে তলেছে আমেরিকা দক্ষিণ ভিরেজনামের তরফে লভাইরে নেমে। করাসীরা ভারদের সামাজাবাদী অধিকার ছেডে দিরে স্ক্রুলে প্রস্থান করলেও ভিয়েতনাম স্বাধীনভার

BENEFIT THE WIND WITH THE PROPERTY AND PARTY A was sney a mine want with THE WOOD CARE THERE CALLED SOME भाग करें। न्यातार्गांड मह । वहान त र मांक चार्टेट ১৯৫० नाम। व्यक्तिका চাৰ (১৯৫৪) ভালের স্বাধীনতা পাকা कदाल महरवाक। दिन्छ हम होत वाचीराज स्याला कामा बामारङ काफेरकटे शास्त्रीम। छा না পার্ক, ফরাসী সাম্ভাজাবাদ ভার কবর থেকে আর জেলে ওঠনি। তেমনই শেব নিঃশ্বাস ফেলেছে ওলন্দান সাম জাবাল দারত মহাসাগরে ভার দ্বীপময় উপনিবেশ। দক্ষিণ আমেরিকার সারিনাম আর কার্টির-বিষ্ণুল সমাদে তিনটে শাংপ ওলন্দাম সাম ভাব, বের ধানি আজও ভালছে। কিন্তু লে প্রায় চিভার আগতের মত। এশিরারে হল্যাণ্ডের প্রতিপত্তি শেষ হরে গিরেছে। ভার সামালোর ধ্যংসম্ভাগের ওপর গাউ উঠেছে স্বাধীন ইন্দোনে গ্রান্ত। ভার মার্থি আন্দোলনে ভারতবর্ষও বিভ্যু সাহার কারার। কেবল মনতই দের্মান। নিউমিনির মানিকটা জংশ বাদ বিয়ে ভাষাম *ইলেন*-কেশিব্যকে সংগোলিলা হল্যান্ড ৰেথানক ই লোকেদের হাতে ২৭ ডিনেশ্বর ১৯৪৯: এখিয়তে সেনিন জন্ম নিল আর একটি

নতন স্বাধীন দেশ।

১৬ জাপ্টে ১১৪৭-এর পর সম্ভেক্তা বার্না ঘটিওটিল এখিয়ার ভেঙে পড়েছে বিটেন, ফ্রান্স, হল্যান্ড ক্ষেক্সর বিনার লিছাছ, প্ৰীয়াজ্বে গলা ধলো লিট ভাতাতে হারছে। আর একে একে নতুন ভার উঠিছে এলিয়ার উদার আক পে—ভারতবর্ষ প্রাক্ষতান, সিংহল, রজারেশ, মাল্যেলিয়া সিধ্যাপরে, ভিরেজনাম, লাওস, কাম্বোভিরা प्रत्यके स स्थान, मांकन डेटल्ट्सन, टकर्नहरू ইনেয়কশিয়া। কেদিন হঠাং যেন বহ শতাব্দীর প্রোটে ব'ধ্যা সাহজাবাদীর অনেক মালিয়ান করে গড়ে তলেছিল ভ ভোঙ গোল আৰু স্থাধনিতাৰ প্ৰাৰ্থন বল গেল সভা এদিয়া ভাঙে। উষর বেং অন্ধকার কোটে জোলে উঠেছে নতুন প্রভাত সে জলভারণে এশিংগতে সম্ভালবিদ ভাগ মর্বের। তারপর সে তেওঁ আছতে প্রভূপে অভিকার সমান্তর স্থাপে স্থাপে, নরী নালর ভীরে ভারের মহাভূমির ব্যক্ত ওপর। ১১৪৭-এর আফ্রিকা আর ১১৬১ সনের অভিকা—একের মধ্যে কোনও মিচ নেই। এ ফেন পরোনো অর্থ্রিকা নর আর এক নতুন মহানেশ। ভারতকর্মের সংগ ভালের মেলে এইট্রকু যে ভার স্বাধীনতা পর এসেছে ভাগের হারি। ভরত ভাগে অনেককেই প্রেরণা দিয়েছে স্বাতস্থ্যের ১৫ আগস্ট তাই ইতিহাসের সন্ধিক্ষণ।

ন্ত্রোবিংশতি বংসরে আমরা কোন: পথে?

• এর একটা বছার কোট গোলা। স্বাধীন আ ভরভ কাইশ গেরিকে ভেইশে শা

১১৪৭-এ হাল জ্বাহাছিলের এখন ভারে . প্রারাপ্তারি **হাব**ক ৷ সেদিন ঘাঁর' হাবক ছিলেন আৰু তাঁবা আনোকট পোট বা বাদ্ধ। যাঁক ভন্ন প্রেটিডে বা বার্যাকো ভাঁচের প্রায় ा उबकारी काल सामा चारका धकारका

ক্ষেত্ৰিয় আছে মুখ্য কৰে কৰে প্ৰতিষ্ঠিক এখন জালের হধে। খার কম লোকট বে'।১ আছেন। ফেলিন শাসনভার যে দল পোর। ছিলেন এখন তাঁদের হাত থেকে ক্ষমতা হেন হার হার করছে। ফেলিন ফেলর দল তিয় তিয় কর্বজন তা থালের জনিভয়ত ছিল না আছে ভাষা কয়েকটি বাছেন ক্ষয়তা নথয় **4**(3)56 1

১৯৪৭-এর ভারত আরে ১৯৬৯-র ভারতে বিরুট তত **ং**—াল ভারত অংর এ ভারতে অনুকে প্রকা।

িক্তত এই শীর্ষ কাইশ বহুতে পরিবর্তন এসেছে একটা ধরত। ধাঁরে ধাঁরে चारित जारित। (महेक्याहे तहा सातत्वराणी এই পরিবর্তানের মধে থেকেও তাকে ভালার কার দেখাত প্রতিয় এটা



প্রির্ভার সকলে ভারতবাসীকেই সংখ্ ক্রেছে: কিন্ত চে পরশ জান্তমকা ধারা নয় ধলে আয়ার। আনেকেই বিশেষভাবে সেটা ব্যব্তে প্রিন। এই পরিষ্ট্রের হাওয় হ ধ্যুর ধন্যির ধন্যির ভাসতে ভাষ্টের আমের खानको भित्रशास्य श्रामाण्डे दरेग तथ्ये . । खेलारा <u>. ८</u>९७ हेवा

ৰাইদা বছৰ পেতিয়া তেইদো পাঁদিটে বিলেক্ট কিন্তু আহ্বল একেবারে একটা নতন ভূষণার একে প্রভিত্তির মেন একটা বিজ্ঞান লাতন জনগা হয়েছে বসত একটা। সংক্ হাত্য এক অমান্ত ধারা করে। তেই ধুঞ্চ চন্দ্র পিছিল্ সূস্তা এগেটা ल्यार रहा कड़िया किन्छ दद्वे स्थक হু ৬৭ টা সাম আসেছে, প্রস্তুসে প্রস্ সুস্থার প্রতিষ্ঠানী ক্রান্তর করে হৈছিল कारह राजाह कम, रस दक्षि में ह

ভাগতা বিভিন্ন ভাজন থেকে ভাতিচাটের ভালেছি। আসমীয়ার। C'01'8' ব্যুগালটিক বলেছেন মান্ত্রজীরা বলেছেন, এডিয়ার বলেছেন বিহারীর বলেছেন—প্রায় ন্ত্ৰালাই অবিচারের অভিযোগ এনেছি। কিন্ত এইদৰ অভিযোগের মধ্যেও আমাদের ভাবদপ্ৰিক সহয়েবিটো **রশ্ধ হয়ে য**টেনি⊹ মাৰে মধে কেথাও কোথাও হানাহানি হাহাছা। সামায়ক বিক্লেন ঘটেছে। কিংত ফেইজন সংখ্যিক বিজেছদ সম্পা**কে পাকা** ক্ষেত্ৰ প্ৰস্তুত িদরে পরেনি। এখনও दाकाला व दिशासन क्षमा केकिसात रकार আৰুত এবং মাংপানিয়া নিয়ো হাস্থাৰা को उरु : रिक्स की शाकाली, माहाक्षी, **कार्तिशत** ব্রব্রাক্রায় ইম্পান্ত **ট্রের্ট করে। এখনও** কলক ৩ (বাদ্ধাই) দিলি প্রভিতি শহরে সংব বিজেৱি কোকি সাধাস্থালি হাস কারে:

আম দেৱ কুলো এখনও নামা দক্ষা নামা পথ। অভিয়েপ প্রী জনিজ্প স্কাৰ্য স্থান্ত্ৰ 🗦 ক্লেড্ৰ রাদ্র হার কোরেই হার্ডা <u>এবং এরে</u> १९८७ वर्गन केशांच । क्षितिक कांचेरक ্বেছেটেন প্ৰবিষ্ঠা কৰ্ত হালী কালেছেই কংশ এর জালেখে সর স্থান গ্রাম **হাস্ক স** হাজ কা ছড়াবর কাছক কোটোছালে। তি যা পলামন কলেন, উত্ত বেকেন ভা বল্পত্র হিট্মুট্ড অফিকাস হিলেক্তেও এবং স্থাপ হয়েছে ক্ষুট্ৰ হ'ছ। **হয়ে স**কল ନଶ୍ଚର ୧୯୯୭ (୧୯୭**୯**)

ত্ত ভটাচার্যের

कानामा बहे

ছাডপ্র C.00 ष्म त्नरे \$ · 60 প্ৰভাস ₹.00 মিঠে কভা ₹.00 অভিযান \$.00 11 इन्टान 2.00 গীতিগছে 2.60

न्नान क्रोगार्व

স্পাসিত কবিতা সংকলন

₹.00

স্কাত্ত ভট্টাচার্যের প্রতিকৃতি \$\$" X \$6"

PIN এক ট্রাকা প্রতিম প্রায়া

দাম ১৫.০০ টাকা

স্কান্ত সংগ্ৰাভ গ্ৰ অশোক ভট্টচাৰ্য বহিচ জবিন**ী : কৰি স্কোন্ত** 🖰 ১০০

অৱ্যুণাচল বস্যু ও সরলা বস্যুৱ : **কৰি-কিশোর স্যুকান্ত**্যু ৩০০০ মিহির আচার্য সম্পর্ণিত কবিতা সংকলন **ঃ স্কোন্তনামা** ॥ ৩٠০০



সারস্বত লাইব্রেরী

২০৬ বিধান স্বদ্ধি কলিকভাত ৬

দ্ধর একবিয়া বেশবের্গাই ডার সংস্কার কেলো ক্ষান্ত রাখ্য প্রেটিজ মান্যবের সম্থান লাভের পর ভাবের **≒**श्राक्षा 21(*€ a জ্ঞ**িকাল যাস্থি**।

ত্রপেশে এখনও নান্তর নান্ত বিরটে ভাষ্টিক পাৰ্যকা। কেউ শাহিতাপ নিৰ্ভাষ্ট্ৰ-ব্যব্যয়ে স্থান করে, কেউবং শচিতে কাকাড় র,দভায় মরে। কিল্ড এই শটিতাপ ্যাপ্রত-বাথর ্য স্থান-কর: 75 B 3 বির্ভাগ রাস্তায় শীতে-কু'কুড়ে মরা দলের সংঘরণর হওয়ার অধিকার আছে এবং এই करिकात क्षात्राम कालदे उद्यास राहतिका বভালাকদের বিবাসের আনকটা এবিয়েছে।

खाल करें हाहा किन्। ये वहात करणता এমন একটা জনগগন্ত একে প্রেম্বর্জন কেম্বর্ন সবালের বড় প্রাণ্ড এই ধরা অবাহত থাকাব ିର ୬ । ୬ . ଅନ୍ତିକ ଅନ୍ତର ଓଡ଼ି ଅନୁଷ୍ଠ । ଓଡ଼ିଆଅନ ত- পার্থ এলেটের আমের ভাল কর্তার ১০ খনপ করভাছ কে। বিভাগে হাজি কা। का क्रांकर क्षमा, यहीम २५८ ह्या सारा हाहा है।



बारमारमरम अध्य अस्त्र जाहिर्द्धा वर्षी आगारण्डे निरम्भ मरभव स्टब स्टब्स्स

वर्षाव रकाकशासाः कार्षेत्र कार्रिशकः वर्षाः। अधिक्षत्वभी बाहुका वर्षावरमञ्जा मारअधिक कविष्ठांश्र वर्षाः जनाष्ट्रत कलकाटा ६ কলকাতা ৰখন ভাসছে ৷ বৰ্ণার ছড়া-शाम । विक्रमणी वर्षाय कांबडा • बाला সাহিত্যে ৩টি ভেন্ট বৰ্ষার বড় গ্রহণ এ ছাড়া নিয়মিত বিভাগ 🔸 সিনেমা িশনপী সাজাংকার ভট্ডিও রিপোর্ট ৰাজ্য শ্ৰীৰহী : ২৯, ৬৮৮ বেল, শ্ৰাণ্ড कें अध-६, एक ३ : ६६ : ५३५० \$%.≱ ব**⊈**— ২ু১০০

("ऋ ୯୫୦୬)

কিভিততে ট্রানজিল্টর

মালিক ১০ টাকা ক্ষেত্রতে গ্রহণিক "THE " 25 3 可斯斯第 - 90 9 राज्य, साथ कर मांच,



পোটোবল ট্রান জন্টার নিন। প্রভাক প্রান ও মহার পঠান যয়। জিখান ঃ

MUSIC & SOUND (D.C.-10) Dassan Street P.B. 1576, Delhi.

হামেটবংশ্ভি বছরে সেই খাবাই চকাব কি একন রকম্ব র আধা-একনাচক্ষ্ 613

জাজা প্রথম, ভামাদের মাজুর ঘটির বা रक्षक दक्का कार्रासका व्यक्ति शास्त्रका मा नगाङ्गा ব্যক্ত কথ্য শিথিক হাত্র পড়াবের বিভার িস্পেদ আহ্বাই মা জন্মুগু কলেয়ে কলাহা ভাজাসং কৰ্ডাৰ প্ৰতিন্তিত হ'বে ৷ এনা নাই क्राचार क्रांट क्रांका राज्य । १८३१ - १८३१ - १८३९ - १८३

& 73 273 ?

হয়ধীন ভাপ্তী গতর 37 8 85c 2-8 কংগ্রেদের বাপক ভাগনে এক গ্রেশ বিকরণ পণত ধিৱক জ্বাতীয় রাজনৈতিক সমের জভাষ शक म्बद्ध छात्रस्त्रभीतः स्वया ४६ क्षान-গ্রাক ভুক্তে ধ্যারেছে :

নবারনে গণেত

প্ৰকাশিত হ'বেছে

36 'BF नःখ्या ८



ৰৈশাখ-আৰাচ >59B

বিষয়স:জী

Signer - প্রথ চৌধারীকে লিভিড ভাষকা - ভূষম সংখ্যাকীয় মিন্ত প্রমণ চৌধ্রেট **প্র**মণ্ড ক্ষাত্রের বিশ্ববিধান প্রথম চাইবেরী क्षांत्र के न या राज्यां संख्या है। र्वान्द्रवातुः सार्वन्तं स्रा देशसङ्ख्या र १५ १ कर्मा हो सहस्र, हर्म स्टूब हा 24 2 757

প্রের্গি । করে নার্ অর লার্ন

রববিদ্রাহা ঠাকুর ক্রমণ চার্বা हुँ **ज**ूर[ो]ल रह ≛ें.कुण्यस्थलाने ए**द**ार कें क्षेत्रस्य कर कह क्रेकार है अध्य हुँ प्राप्त स्थापन स्टब्स ≗লেডেক ব পির শ্রীসাধার্ম হয়। সক্ষাপাধার ชิวัสตราสทา สะเทศชา

চিচ্স্টী

88 K 188 28

র ছবিংকর

আফোকলৈ বেশীলোহ ৬ জনহ ভোহারী জনহা ভাহারি বেছলিপি **জনহ** कंदिली, ७२२ क्रिस्टी ७ हो सराहरी क्रास्ट्राट है। अ.ड मध्या ३-४० नेका

> ৰাখিক চাৰা: পত্ৰিকা হাতে নিলে ৬-০০ টাকা শাধাৰণ ভাকে ৭-৫০ টাকা ম ৰেছিন্দ্ৰি ভাকে ১-৫০ টাকা

> ব্রোজন্মি ভারের দেওয়াই নিরাপাদ, এক্তে পরিকা বেন্তা যাওয়ার क्रम्ब दस्य द्वा ।

ষভূবিংশ বর্ষের চাঁলা ২৪ আগদেটব মধ্যে পাঠালো বরকার

বিশ্বভারতী

ও শ্বরেকানাথ ঠাকুর লোন। কলিকাতা **৭**

ক্ষাতার বড় ডাক্মরে সম্প্রতি রেল ডাকের থালর মধ্যে একটি বোমা বিদারিত হওয়ায় তেরজন ডাক-ভার বিভাগের কমী আহত হয়েছেন। সংবাদে মার এইটাক বিষয়ই উল্লেখিত হয়েছে। যদিও প্রেরক ও প্রাপকের—কারো ঠিকানাই এখনও জানা যায়নি, বিদ্বাণ পাবসেলের অনা পরমানা যে'টে পালিস ওইসব ঠিকানা কোনও দিনই বের করতে পারবে কি না সদেহ, তথা এই অনামান অসংগত নয় যে বোমা-বাহিত পারসেলটির একটি গশ্তবা ছিল এবং গণতবো পেশিছাবার একটা সাম্পণ্ট উদেশা ছিল। 'হাাণ্ডলিং'-এর দোষে পারদেলটি ভাক্ষরে বিদীর্ণ ছওয়ায় বোমাটি বে স্বকার্যসাধনের জন্য লক্ষ্যে পেণছাতে পারল না, প্রেরকের পক্ষে এর থেকে ক্ষোভ এবং দঃখের বিষয় আর কী হতে পারে?

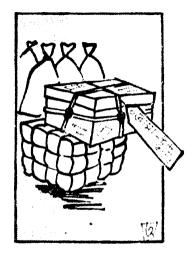
এর স্বারা কি নিঃসংশরে এটাও প্রদর্শিত হল নাবে পারসেল নাভাচাভার পশ্বতিটি ডাক ও তার বিভাগ সেই মাংধাতার আহল থেকে অন্সেরণ করে আসছেন, বতামান বাবে তা সম্পার্শ আচল হয়ে পড়েছে। ভাক বিভাগের কর্তবাই হল **ডাক পারসেল ইভা**দি ঠিক ঠিকানার অক্ষতভাবে পেটছে দেওয়া। বেমা-কাহিত পারসেলটি গণ্ডবো পেণছবার আগেই ভাক্ষরে বিলীপ হওয়ার সুন্থাপ দায়িও **ডাক ও ভার বিভাগের** একা নীতিগতভাবে এই দায়িত্ব তাঁরা এডাতে পারেন না। ডার ও তার বিভাগ যদি অবিধানে তালের আভ্রুতরাঁণ গলদ দার করে যোমার পারসেল 📅 ঠিক লক্ষ্য থলে প্রেটিছবে, এ গ্রারান্টি দৈতে না পারেন তার লোকে ভাকের পারদেলে ঝেমা বা ওই জাতীয় দুলারি পাঠাতে উৎসাহ পাবে কেন?

এবং ভাক ও তার বিভাগের এ কথিট জেনে রাখ্য ভাল, পশ্চিমবংগ সম্প্রতি বোমা-নি**মাণ শিবেপর প্রায় আ**ম্লে পরিবর্তান **হরেছে। ক**টির শিলেপর পর্যানে এর যে **শাধ্য ব্যাপক**তাই বুণিধ পেলেছে তা নৱ, কোনও কোনও শিক্ষায়তনের ব্যক্ষিণাগারে বিজ্ঞানসম্মতভ বেও ٥,١ িক্য়″≄িকু, ভ্যারাইটি ইত্যাদি বৃষ্পির নানার্প পর্যাকা-নিরীকা ও গ্রেষণা সফলতা অর্জন করেছে। কিন্তুদিন আগে মার্কিন কনসমূলেট **ভবন এবং ইউ[ি]সস পঠকেন্দ্রে প্রা**য় একই সময়ে সম্পূর্ণ হা প এ-দেশে নিমিতি দুটো টাইন বোমা বিদারিত করে এইসকল বৈজ্ঞানিক গবেষণার আনুষ্ঠানিক সফলতা খোষণা করা হয়।

এই রাজ্যের রাজনৈতিক পরিনিগতি ক্রমণ বেরক্স এটকীয় হয়ে উঠছে তাতে বোমা-নিমাণ শিংকপ এখন ভয়ংকর তেজী



আকথা। যুক্ত ফলেটর তাদেটি শরিকের প্রতিরক্ষা বাহনীগালি আক্রাক্ত থে মজনেতর মাতাই যে বাভিয়ে চলেটন তাই নয়, বেনামী জমি দ্থলকালে বিভিন্ন শাবকের মধ্যে বা ধমাঘটের সমর্থাক ও অসম্যাকনের মধ্যে এইসকল চলের গ্লোগাল প্রতিনার



প্রচ্যেত্রনও হঠাৎ হঠাৎ দেখা নিচ্ছে। ফানে বৈমার বাজার বেশ চড়েই আছে।

শ্বভাবতই জনান্য আর পঠি। আত প্রায়ান্টনি সামগ্রীর মত ভাক্ষেণ্ডে রেম্বর অভারিও বৃশ্বি পেরেছে। এবং আরও পরে। অথ্য ভাক ও ভার বিভাগ এই বিশেষ চনাটি বিশেষভাবে বহনের কন্য আজ প্রবিত কোন বিশেষ সভাপ্য অবলম্বনের কথা চিতা করেন নি। কেভৌয় এই সংস্থাটির বাথাতার জন্য বিভাগ সাহেব কি লোকৈ কেন্দ্রের উপার চটে।

জনগণের হাতে বন্দ্রক

ভূমি ও ভূমিরাজস্মদারী মাকসিব দরী
কমিউনিস্ট নেতা মহাবশী কমরেও হরেক্স
কোণ্ডার পা্লিসের ব্যবহারে ক্ষিণত হরে
বংলছেন, তাঁরা জনগণের হাতে বংলুক ভূবে
দেবেন। এবং যুভ ফ্রণ্টের কোনও গারিকট
আজ পর্যাত কমরেড কোণ্ডারের এ উত্তি
সম্পর্যে কোনও উচ্চবাচা করেন নি। এমন
নয় যে, কমরেড কোণ্ডার কথাটা ইঠাং একবিন

মাথ ফসকো বলে ফেলেছেন. বা ফিসফিস করে কারও কানে কানে বলেছেন। বাংলার মাও এ কথা প্রকাশাই এবং প্রায়ই খোষণা করে চলেছেন। বেশ কিছাকাল আগ কাসক সিন্তাই এক শোকসভায় তথামতী শ্রীতি ভাইচার্যাও ছাইনের হাতে বন্দাক বেরর সাধ্য সংকল্প ঘোষণা করেন।

যাত ফাট সরকারের স্বাজন দায়িত্বালৈ মন্ত্রী যথন একই ধরনের ইচ্চা প্রকাশের প্রকাশ করেন এবং অনোরা সে কথা শানে যথন মাৰেৰ থাকেন তথন এই নীৱৰভাৱ মান দাটো অথাই হয়। (এক) পোলাল কী না राना रमान धानना करत रमहे सिंभ पर कारा हा দেওয়া, অথবা (দুই) মৌনং সম্মতি লক্ষণমা এই নাহিককা অনুসোৱে তা মেনে নেওখা। ভাম ও ভামনাজ্যৰ এবং তথ্য ও প্রচার – এই মাটো প্রায়েশ্বপার্থ দ**ণ্ডর যান্ত ফন্ট** ফা স্কটা পাগ্রেষ ইন্ত ভ্রেম কেনীন ফে কর্ প্রালেও কোকো। তাই এই কলাই কুন নিয়েত হয় জনসংগলৈ হাতে কলেক Same 9757 おき ない おんかっ নি। তাৰ আ ক্ষ্টি তাৰি সাংকলতিলেৰ হাধন করাছন না কোনাও কোনন কাধ্য বৈবেন ? - নকশালারা ভক্ত রেপটেড আর্ডুন ? বিশ্বরের মধ্যে হাজনীতি ততা মঙ্গাল্ডান্ড ন্দ্রাগান) না কি জনবারের হিস্তু নিয়ে আবাৰ শ্বি**কে শ্বিকে মতন** বিভাগের **र**ाइतका ३

ফদাত হাতে না প্রেয়াও আলিপারেন্য রে আৰু এম পি বু জনগুৰ ক্ষাত্ম সি পি এম-এব ছান্ত্ৰ, কোড়বিহালে সি পি ভাই-এর জনগ্র বন্য মার্ভিয়ার্ড রুডের জনগ্রে, ইস্লাম-প্রেরের কর্মিকার সরভয়ারভারতের ক্রমের ভারত্য বন্ধে সি পি এম এর জন্তাণ এবং পার্যার-প্রতিময় সি পি এম এর তমগ্রণ্ড শিক্ষা দেবর জন্য এসে ইউ সি-র জনগণ যে বীভাসে আন্ডব দেখালেন, তার ঘা কতালিনে শাকোৰে কে জানে। এর উপর আবার বংশ্যক হাতে তাল। পিলে তে। সেনায় সোহাগা। কৈওপ্রত ভার কমারেড । হারেককা করেন মা। সেখানে, ভারা জানেন, সব থেকে বভ গাছেই ভারের দাড় বাঁধ। তবে যে নকশালপাথীদের "রণীধতে-সাম্পরায়া-**জ্যোতি-প্রমো**দ চল্লের কেণ্ডাীয় সংখপর নিকসনকে নীর্ত্ত ভজনা করছে" সেই নকশালপন্থী জনগণের হাতে বণাক গিয়ে পড়াক, এমন সম্ভাবনা আছে বলেই কমরেড কোণ্ডার এখন শুখু আওয়াজই দিক্তেন।

আগে কে বা

কলকাতার পৌরণিভাগণ ধর্মতলা দুর্গীটের নাম পরিবর্তন করে নাম রেথছেন কেনিন সর্রাণ—সংবাদ। কিম্তু মারকসের কী হইল? আজন অন্যাত কান্দ্রীর কি কলির গানের গান্ধে ভত পালার কিন্তু স্থানীরা পালার না।



'সুরাভ-সমাচার'

'বিধয়াক্ষান ব্যক্ত রাজা, বাফ্স ক্রীসর-ঘণ্টা, ছট্ফাটিয়ে উঠ্চা কোপে মধ্যবিদ্যুজ্যর মন্টা—''

শৈষ্ঠি ভূল হল কিনা জানি না, ছেলেবেলার স্মৃতি ধেকে লিখছি। কিবছু
ইতাকার সংক্রি দিয়ে সে আমর কবিভাটির
আরম্ভ সেটি বহু আমর সংকুমার রারের
আমর আনোলভাবোলা আলো করে আছে,
তা স্মর্থ করিয়ে দেওলাই বাহালা। কে না
মূর্যুম্পির ভাজনার কোনো এক হর্চেপ্র
বাজার গ্রাচ্ছ মন্ট্র পেশাকে ভিছা ভাতর
ক্রেখে সভাল এসেছিলেন, ভারপারই
বিশ্বারি বাপার! সেনাপ্রি কেটিলা-পার্ট্র
বিশ্বারি বাপার! বাধারী কম্পানা-বাজা আম
ক্রাভ্রেম সার্থ এই খ্রোরালা স্মাস্থর
স্মাধান ক্রিভাবে হল্, ভা আপনারা সকলেই
অবগ্র আছেন-প্রার্ভি আনাবদ্যক।

আছরের গণেশ যে এই রক্ষ একটা ঘোরতক পরিন্থিতি টেডরী হাত পারে, ছেলেবেলার মেটা সরল চিত্তেই বিশ্বাস করা গিরেছিল। তারপর বড়ো হয়ে ও-সম্পক্তে আর কোনো দুর্ভাবনা কখনো জাগে নি। কিম্মু সম্প্রতি শিহরিত হতে হল একটি মাকিনী-বার্তা প্রমুখাং।

কোনো মহিলা ভরি স্বামীর সংগা বিবাহ-বিচ্ছেদ ঘটিয়েছেন। কারণ আর কিছুই নয়, স্বামী একটি বিশেব ধরনের একেশ্য ব্যবহার করে থাকেন।

এনেপের জনো ভিডোর'? ব্যামীর নাক ভাকে বলে ব্যাম ব্যাঘাত হয়, অতএব বিজ্ঞেন; ব্যামী জনেক বেলা পর্বাতে ঘ্যামরে চাক্রিতে যান আরু স্মানিক ভোরবেলাতেই



ঠেলে তুলে কাজে পাঠান—এজনো বিজেপ, এদৰ ভাগো ভালো কালে এর আগেই শ্নেছি। কিম্পু এসেন্সের জনো? সেটা বেজনট হোক—নিশ্চর গোরবেজ্-কানোর নিগালিত তর্লসার নয়, তার একটা চিক্তারী সোরহ থকা স্বাভাবিক।

ভদুমহিলার পক্ষে প্রথটা নাকি নিছক ব্রিচগতভাবে আপান্তক্ষর নর; প্রতিজিরাটি দেখা দের একেবারে শার্মারকভাবে, অথার তার জার এসে বার। জামারের বাংশা মতে গারে জার আবে! নয়, দক্তরমতো টেমপারেচার দেখা দের। অতএব প্রাণ বাঁচাবার জন্মের তারৈ বিবাহ-বিজ্ঞেন চইতে হয়েছে, তিনি তা পোর ওছেন। এক্স-পার্টি ভিন্তী হয়েছে কিনা জানি না, দ্বামী দেই বিশেষ স্থান্থটা মেরে এসে আনাজত গণ্ধ-বিধ্রে করেছেন কিনা কানা বার প্রকাশ নেই।

একজন নিত্তিই আটপৌরে বাঙালিনী নাক কু'চকে বললেন, 'ওদের জার কী— একটা ছাতো খাজুছিল, পেলেই হল। যত সধ—'

ভার বাকী মণ্ডবাগ্যলো নিভাগ্ডই বংগ্যায় এবং জানো প্রশাসোর এক নয়। স্তুত্রাং সেগ্রেলা থাক।

বাঙালিনী বাগাবটা এই প্রাণ্ড
নিটিরে দিয়ে রালাগরেল ওপারাকিতে চাল
গোলা। নোগের— জনা নোরেবের সংপ্রেল—
কী বলে বরাবরই একটা ভিডিলালা, প্রজাতি
সংপ্রেল ভাগের সিংধাতত প্রেরা নিভালবোগা নতা। তাই প্রেরের শিভালারি নিরে
আনি কিলিং ওভ্জিজালা, হতে চাইলাম।
মাসের প্রথম বিকে—স্বাভাবিক কারগেই মন
প্রসায় থাকে, ভংল ভালো ভালো জিনিসই
আনি ভাবতে চেন্টা করি।

গদেধ জ্বের হার ? হতেও পারে—বাংলা বেশের কোনো কোনো ফালের এ-রকম অপবাদ আছে। কিন্তু তারা তো নিভান্তই বন-বাদাড়ের, তাদের নিরে কেউ এসেন্স্ তৈরী করে না। আর মাকিনিরির নিন্তর বাজারে এপিডেমিক এসেন্স্ চল্ফ্ করবে না।

একটি উত্তর আছে—ভারারি-শাল্ডের সেই গোলোক-ধাধা—ধার নাম আলোজি । ও যেন সংস্কৃত দেশকে মেলাবার সেই 'চবৈতুহি', আর কিছা বখন মেলে না, তখন কাৰ্মীয়া বখন নাশ্পি খান আনাবেছ আন্তঃশংকৰ জান বেৰ হলে জালে



ওটা বলিতে দিলেই চল । জাল, কালে, আলোক, বাতাদে, ডিংডি মাছে, পাই-ডটির—কোথার নেই আবাজি ? এই ভট-মহিলারও বোধ হয় তাই—কোনো বিশেষ দৌরভই তার আদ্সালি, কলে কার এবং ডিডোলা।

সভিনিম্নতা ঠিক জানি না, মহিলাদেরই সাগৃথিধ সংপ্রেক বিশেষ আকর্ষণ আছে বলে

নিখোঁজ



জারার প্র অমন জাক্স (নাজু) হোর বই ডিলেম্বর গিবপুরে হাওড়া হইছে নিথেজি। বরস ১৭, রং ফসা, ৫ কুট ৬ ইজি লামা। কোনো সহারর ভারপোক সংবাদ সিলে চিরক্তের থাকাব। —ডার শিশির খোব, ৪ সোধনাথ চাটাজী লেন, শিবপুর হাওড়া। ফোন ৬৭-৪০০৭।

F. 5.

তোমার মা শধাশারী। কোনো **ভর** বা গভা নেই। শীন্ত ফিরে এসো বা চিঠি পাঙ। বাবা



বেতো মানুষের চাঁদ সম্ম না...

জনপ্রতি। আর জনপ্রতি সবটাই যে
উদ্ভিরে দেবার মতো নয়, তার প্রমাণ কোনো
আনুষ্ঠানে বের্বার সমন্ন তাঁপের অধিকাংগোরই সেই বোজনগণধার্প (কোনো কোনো প্রেষ্ড অবশা কম যান না, আমার পরিচিত জনৈক তো র্জ-লিপ্সিটক প্রতি ব্যবহার করেন গোলা ব্যুম।

কিবতু এইখানে একটি ক্ট-জিজাসা মনে জাগল। সাগেখটাও কি রিলেটিভা না ? সানবদ রারের মাতা কমন ম্যানাদের অন্যভৃতি-বা্লোও মোটাম্টি কমন, অর্থাৎ জে। ধনা- মাধানা বসতের হাওরাটি মিঠে, গোলাপ ফুলটি দেখতে ভালো, ফুল্কো গাটি কিংবা নিভাগত বাটি-চকড়িও উপাদের। কিংতু যাঁরা আন্কমন—আহাৎ সাধারণের চাইতে কিছা আলানা, তারা হরতো বসতের হাওরার ১০ট যান, গোলাপের গণেধ তাঁদের গা গোলার, ফ্লুকো লাচি দেখলে কেবল মারতে বাকী রাখন। উত্তরের কনকনে হাওরা তাঁদের পছাবসাই গোলাপের চেনে তাঁদের মনোলবা শাট্টিরর গণ্ধ, লাচি ফেলে হরতো একটা রস্কাই চিন্তে লোগ গোলান। সেইখানাই তাঁদের বাভিছা, তাঁদের কারাক্টার, তাঁধা গোদেশিবালিটি, আমাদের মতো মানেশ নন।

का मात्र हकाहरा कः चारैशहक भएन अस्न । ह्यानारका १२१कडे जात शब्धतां है जान मा। কেরেরিসন তেলের বেতেল দেখলেই খালিক राम इति प्राधित निया ग्राप्य दार वन है : 'কী চমংকার গণ্ধ রে!' আনরা বলভ্ম, 'এ রাম রাম, তুই কাঁ!' সে যে কী-নান কত ভিস্তিটিভ তার প্রমাণ নিলে বড়ো হয়ে। পার্টিশন হওরার পরে স্বাই যথন भागादमात जाम भीकाम एम जेमाउँ रहना হল পাকিস্তানে ব্যবস্য করতে। এমন ६१३ हो दावका **क्यम-- स्व क्र**ाइ-क्यूहार्ट्ड हे-প্রক্রিয়ার ভারে দ্যা-হাতে সেলাম । ঠাকতে । का शका। वातस्था अध्यय सीखाइका इट कांक-স্তান্ত তাকে হজম করতে পারে না—তথ্য ছারতে প্রভ্যাবস্থান। কী কার্দার চাল এল কে জানে, এবটি কানকড়িও রেখে অসেতে হল না। সম্প্রতি তার আরে ক্রেম্টে মন নেই—সে কেন্দ্রীয় সরকারের এমন তর্ক ট



গেয়েবাগানের থাটালে আলিক ও গর্ থোর, প_্তিগণ্য সংয**্**

বিভাগের চার্লার কেখানে চোখনাকে বাকে বাকে তথা মোল বাস থকাবাই পরম কার্লিক ঈশবর ভাইনে বাসে নান করে থাকেন। এই কারোসিনের প্রধানতার কর্মধার স্তেন।

কুলে দেখেছি, কাবে মাধার স্থাবিধ ঘারদের গাধ থাকারেই পণিড্ড মধাই কোকে ব্যাহদে। তের মাধাই নামারী ধান্তে মধাই কোকে, কাকে, কাকি, কাকে, কাকে, কাকি, কাকি,

প্রতিষ্ঠান কৈ বিবাসিত র হাত হৈছে বঁচিতত চাইতেন আমারদের হৈছে তিনি আন্-ক্রমন কলেই (দিশ্চর আন্-ক্রমন নিক্রমন নিক্রমন নিক্রমন করেই (দিশ্চর আন্-ক্রমন নিক্রমন নিক্রমন করেই ক্রমন্থ্যেন করেই কর্মন্থ্যেন করেই কর্মন্থ্যেন করেই কর্মন্থ্যেন করেই কর্মন্থ্যা করেই কর্মন্থ্য তার আলোক্রমন করেই কর্মনা করেই ক্রমন ক্রমন করেই ক্রমন করেই ক্রমন করেই ক্রমন করেই ক্রমন করেই ক্রমন করেই

আমিও অউটস্টানিন্দং ছওরার চেন্টা করব কিন: ভবেতে ভাবতে ক্রস, বাইরে ববার সচ। আবক্তনিরে গৃণধা ক্রটেটা বৃশ্ধ ক্রতে হল সুখেল সংগ্রা

বের হল : श्रीनवनूषाद्वत नवड्य ঐতিহাসিক উপন্যাস

জালেখাবাঈ ৮'००

মোগল হারেমের বেলোরারী বিলাস, জাহাগগাঁরের মালাসতা ও ন্রভাগতের বড়বালের বির্ধেশ মাথা তুলো পড়ির এক লাগৈততা বংগনারী। নিশাশা বেলিনীর মাড় যে নারী র্পের কাঁপি নিরে বিবধর সংক্রের সংগ্রাহেশার মাড়ে ক্রেছার প্রতিশোধ নেবার আশার—সেই নারীর নাম জ্বেশাধার্ট। মোগলা হারেমের এই বন্ধা নারীর কাহিনী নিরে ক্রেথক লিখেছেন এক জ্বেশত ঐতিহ্যাসিক উপন্যাস।

চূপি চূপি আঁধারে অবৈধ পাপ এবং প্রমীলা সংবাদ

। কুশান্ বন্দ্যোপাধ্যার ॥ ৫-০০ ॥ বীর, চট্টোপাধ্যার ॥ ৪-৫০

त्रामाश्रेणी (धमकशा

প্রেমেপিখনন ॥ সাধাংশারেলন ঘোষ ॥ (২য় সংস্করণ) ৬-৫০

প্রকলে প্রত্থাগার : ৫/১, ব্যানাথ গজ্মদার স্ট্রীট, কলি-৯

্(প্র ৬৬৭৪)

জমেছে नजून तक

नीरतन्त्रनाथ ठक्टवडी

একজন প্রগতিশালৈ নাটাকার প্নবাসনের অপেক্ষার আছে। একজন সাহসী ব্বা মহেম্মিছি, পোশাক পালটার। একজন বিশ্বেষ গণতাশ্রী আজ সৈবরশাসনের সমর্থনে বক্কতা দেবেন। একজন প্রেমিক গিয়ে কথনো জমায় গলপ বাাছের

কথনো সাপের মুখে চুম্মু খায়। একজন ক্ষতুত-ভাঁড় মনস্কীর ভূমিকায় মুঞ

(10/2)

মাজে পালচাল কর জনা পরিবারতি **আলো**কে, কাজেটি চতুরকে ধার জেন। জমেছে নতুন রখ্য কলকাতার, দর্শকের চোধে। পলক পড়ে না।

একটি কুকুর-ছানা সিংহের গজানে দশদিগন্ত ফাটাটে সহসা উৎসকে।

একজন আদশবাদী সন্ধারে আঁধারে অন্য শিবিরে গেলেন

একজন প্রগতিশীলা ভিন্ন-প্রেমিকের সঙ্গে বস্তুত কটোতে

ভিন্ন ছাঁলে বে'ধে নেয় বেগী। একজন জ্যোতিষী গিয়ে জলের দর্পণে দেখে' মুখ অদলানবদনে বলে দিয়েছেন

'আমার দাদার ভূমিদ্যিতে কথনে কেউ শ্যান্য কর্মেন (

সাধ

রমেন আচার্য

িত, ভাল লাগছে না। যেন এর জানা কেই দারী হালৈ ভাল হ'ত। যেন মতিট কারে কেই দারী হ'লে কাঁচের জানলায় কিছা শন্ত জোধ হ'তে মানা যোতা। কানকান্য শব্দ বাজতো। আতা, কাঁচের উম্জন্ধ দেহ খনে পড়তো খ্যান বাদা**র।**

শরীরে বার্দ মাখা, বুকে ঢাপা আলো, তবু সেই বাটটি কাটির যৌন্য স্বার্দে পরে দেশলাইটা অথকারে সারা রাত ধার একদা ব্যক্তিতে ভিজবে। রেসেব ঘোড়ার দীশ্ত মা্যক্ষীব হতাং অধেকি পথে মা্য থাবড়ে পড়ে থাকবে আহত শরীরে।

উদাসীন বাসত মাখ চতুলিকৈ, সেটশানের সব ট্রেন একে একে ছোড় চলে শেল। মাকারী লানেপর ধৃতে বর্গানের। বিজ্ঞানিতর আলো প্রিয় মাধ্য রছখনি করে। যেন জানে পালেট যাছে। যেন কীতিনাশা নদী জোধ নিরে জমেই খবের কাছে, সাজানো বাগানে, প্রিয় মাধ্যীলতার শিকড়ের কাছে আসছে।

অথচ এখনো সন্ধা হ'ল আমার একরতি ধরে প্রদীপ করালাতে সাথ হয়।



নতুন যুগের নতুন মেক্-আপ পশুস এঞ্জেল ফেস ব্যবহার ক'রে দেখেছেন কি ?

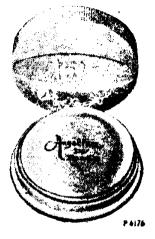
ভাছাডা (চর বেশী মেলোচন পাউডার— (মধানে খুশী চলাগেরা করুন। পূলকে পরীর বিশেষ প্রক্রিয়ায় ক্রীম মিশিংয় তৈরী ৷ আভা গটার পর ঘটা গেমনটি তেমনি থাকার।

পণ্স এন্সেম ফেস কখান। কৌটোর ভেতর সারা ছুনিয়ার রূপদী তরুণীরা পণ্ড স এঞ্জেল ফেস

ব্যবহার করেন। চীজব্ৰো-পুডুস ইন্ক বৌনিত লামে নাবিন যুক্তরাট্র সংগটতা

^{*}প্রস্তু এঞ্জেল ফেস'মেক্-আপের পল্লে নিগু'ত, - যোক **ছভিন্নে পড়েনা। ছেট্টে ছাত্র্যাদে রোধ** মতে। মনোহারিনী হতে চানতে। আঞ্চ প্রস্থাপ্র প্রেল ক্ষেম লাপাতে কোনে। ব্যাহেল। প্রস্থান্ত কেনে মাধ্যতে ক্রমে করন। মেই ! সঙ্গে যে পাফ থাকে ভাই ভিয়ে ভ্রম্ব চমানার কীলে - সোনালিতে মেশা এঙীন বুলিয়ে নিন । পলকে আপনার মুগল হয়ে। কেট্টোয় পাওয়া যায় । কর্মসান্ত স্থল্পনীদের উঠারে অপূর্ব সুন্দর আর সেই জলজ্ঞাল শারাপার স্থাধর বাঙের সাঙ্গে মানানসই হারক রক্ষ वढ भारवत ।







পানি তো মশাই আমাকে জনলিরে
থেলেন। আমার মত নগণ্য একটা লোকের জীবনকাহিনী জানার জনের আপনি কেন ধে এত হনো হরে উঠেছেন জানি না। বাই হেকে আপনি বখন এত করে ধরেছেন, তখন আপনাকৈ বিমুখ করা সাজে না। আপনি বলেছেন, "বাহা বলিবে সত্য বলিবে, সত্য বই মিখ্যা বলিবে না।" কিক্টু জীবনের সব সত্যি কথাই কি মানুষ হজম করতে পারে? আমার ধারণা, পারে

না। বাই হোক আপনি বখন বলেছেন

তখন আমি চেম্টা করে দেখছি, কিন্তু শেষ

অবধি পিশ্চি বে, কি ছাই দাঁড়াবে, বলতে
পারি না। তবা সব বলার শেবে আমি

একটা নিবেদন রাখব, বদি সম্ভব হর সে
বিবরে একটা সচেম্ট হবেন, তাহলে হরতো
আমার কিছা উপকার হলেও হতে পারে।

...আমার ঠাকুদার ঠাকুদামশাই বিরে
করে জোড়া শ্যালিকা বোডুক পেরেছিলেন।
ঠাকুদার বাবামশাই সাড়িক প্রকৃতির মান্ব
দুটি কুলীন কন্যার পাশিগ্রহণ করেও সাধন

ভজনের জন্য গ্রুটি তিনেক ভৈরবী রেজেছিলেন। ঠাকুশামশাই পেটরোগা, সারাজীবন গিমে শাক নিয়ে গোড়ির কোল
থেরেই কাটালেন। বউ কলতে, সাধন
সালানী বলতে, সংগ-সচিব-লালিভ-কলাবিধৌ ঐ একটি, আমার ঠাকুমা মোজদামরী
ঠাকরেণ। ঠাকুমা প্রাভঃশরলীরা চরির,
কলতে গোলে তারই শাসনে বাবামশাই কিছু
ইতিহাস স্ভিট করবার মত বরসকাল পানার
আগেই সাধনোচিত ধামে চলে হান।
স্তরাং বংশে বাভি দেবার মত সবেধন
নীলমণি, আমি, শেবরাতের সলতের মত জন্লছি।

আমার ঠাকুমা আমাকে ধ্ব ভাল-বাসতেন। তাঁর আদরে আদরে আমি

बिर्वित (वाक्याण

প্রয় খণ্ড

শংকরীপ্রসাদ বস্যু । দাম ৩০-০০
নিবেদিতা কী ভিলেন এবং কী করেছিলেন ভার অধান্ত ইতিহাসকে বিপ্রেল গরিস্থাম বহা অজ্ঞানত তথ্য সহ এই আক্র-গ্রেপ লেপক উপ্যান করেছেন।

গান্ধী নীর দূত

সম্ধীর ঘোষ । দাস ১৫.০০
ভারতবাধা আনতি এতাতি আলের ইতিহাসের
ভারতবাধা আনতি এতাতি আলের ইতিহাসের
ভারতবাধা ক্ষাতীহত্যাহর করোর বহা নেপ্রধান্তানার উপ্রধান
কর কাহিনী এতে বিশ্বত হয়েছে।

लात्राल भाषे हैन्याहिन

এ, সি, জনসন ৷৷ দাম ৮০০০

'৪৬ সংলের শেষ থেকে '৫৮ সালের মাঝামাঝি প্রস্থিত ভালত-ইতিহাসের গ্রেম্পুর্ণা কালের রাজনৈতিক ঘটনাগ্রিক দিনালিপির আকারে এই গ্রেম্থ লিপিবশ্ব।

বিশ্ব ইভিহাস প্রসঙ্গ

জাওহরলালা নেহার ॥ দাম ২০০০ জিলাপ্দেস অব ওঅলডি হিচ্চার গণের জন্থান এটি। এই জন বাদ ম্লা ইংগেলী গুণেহর অধ্নতম সংসকলের সম্পাণ পাই সংবলিত হ্রেছে।

আত্মচরিত

জন্তহর্ত্তালি নেহর । । দাম ১২-০০
দেহর,ছার মানসিক বিকাশের এবং
দ্বাধানাতা দ্বোগের ইতিহাস এ বইটি কেলে তরি বাজিবত কবিন্দী নর, জাতীয়
ভালেশ্বনের এক ব্যোক্তম্য অধ্যায়।

বি'বকানন্দ চরি ত

স্তেপ্রনাথ মঞ্মদার ॥ দাম ৭.০০ যে গ্রাপ্র্য ধ্যে, স্থাকে, রাজে, স্থাকি মাজির সহান আদশা প্রচার করে গেছেন, সেই শ্রামী বিবেকান্দ্র অপূর্ব বৈচিত্যময় স্থাবনকাহিনী।



আননদ পাবলিশাস প্রাঃ লিঃ আফস: ৫ চিন্তার্মণ দাস দেন ৷ কলিঃ ৯ বিক্স-কেন্দ্র: ৬৭এ মহাত্মা গান্ধী রোড ফুনে: ৩৪-৮২৪৭ আনেকটা বোজে গিলেতি। বোধ হয় বানান্দশায়ের অকালমাতু তবি দাপটের মুখটাকে পুলাস নিয়ে কোপাট মুখটাকে পুলাস নিয়ে কোপাট একটা ভালবাস র কোপাট কালবাহা কালবাহ

काञ्चल त्रक्र ७२२ आहेगा। बाह्य विष् তুকালে কে বিশ্বাস **4**873 3 श्रद्धाः ह्योगक्सीमा र । एक्स्प्रास्ट য়াল্লাক প্রস্তু করে উড়াছ। সেশসেই कार हात कक्षा वक्षत । इस निमान उन्हार शास्त्रा, शास्त्रव वाक्षा शास्त्र, १५०७थर । ४कारस কলি লগেল থাকা **নাথা**র গুলি পাক ধারেছে ৷ হথ্য ছিলে **লাভা**লি এলে সেখাত ছিল্ম নাং হতিও আমোর হাড এনেকট আনোর ঠাকদানিশায়ের ন্নান্ত রে.গণ খোলারে, ভব্ও ছেলেবেলয় অমি নাকি আন্ত গণা গ্রেপ্রিক প্রিক দেখতে ভিরুত। তক আমরে ঠাকুমা নীল ধটি পরিছে কণাল কনেচৰণৰ মাধিয়ে ধেলজা বিকেপেল কোলো নিয়ে খারে দেভারেন।

অামি আনক **বয়স অব**ধি ঠাকুমার বোলে 5ভিছি। লোকে, বিশেষ লার মেন্ডের। হামায় দেখলেই আহা-**উহা ক**রত, কেউ কেউ ত মার অকাল - পিছবিয়েয়ের - ছা-হাড়াখ জানাত, দীঘ্দিবাস কে**লত। ঠাকুমা** ভারের সংগে একধাণে দঃখের পাঁচালি আউড়ে আমার মণদভ্রা <mark>নয়ে সনিম্বাসে প্</mark>লা প্রকাশ করতেন। কিল্কু তারা চলে গেলেই ঠাবুলার বাভি বেরিয়ে প্রভত্ত-মর্ণ জানাবর জর জারগা পেল না! ঠাক্ষা মুখত বড়ু বড়ার ক্ষা কঠোর চোথ জুলে আনার মুখ চোখ নিরীকণ করে অলকা কোন দাভাগা দেখাত ১ইতেন। লেকের নজরে মণ্ডর আমার চেহারার কোন বৈপরীতা ঘটেছে কিনা দেখনার আগেই কট করে কানি আঙ্গেটা কামড়ে, আমার কপালের পাশে থঃ। থঃ। করে থড়ে ছিটিয়ে নিচেন। যত সব হাড়হাবাতে নচছার মাগাী! ঠানুমা বলতেন, নজরে বিষ মাখিয়ে সোহাগ জালাকেন !

বীজমন্তের মত ঠাকুমার গলে-ক্টের দব
মথ ব্যুবতে না পারলেও আমি যে কিছা
কিছা ব্যুবতাম না তা নর। শানেছি
ঠাকুমার গালমণদ শানেলে অমিম দতি বের
করে হি-হি হাসতাম। আর হাসলে অমার
ভীষণ যোকা বোকা দেখাত।

এখনও সে রকম বোকা বোকা দেখার কিনা জানি না, কিন্তু একথা স্বীকার করতে লগতা নেই বালক বনতে আমি খুব বোকা ভিলাম। একটা মলাব কথা বলি শান্দ, ছেলেবেলর খাবার খেলে নিজের পোট ভরল কিনা আমি বকাতে পারতাম না। খেছে বাসে খানিক খেটেই অভি উঠি লাভিবে ১ মানেক আমার পেট দেখ জুম। ঠকুমা এক নজর নেখে বলাভেন, জার চাট্টি খা। এমনি করে আব চাটি মার চাট্টি করে খেভে খেতি পেটি যথা বলাভেন, জার খাক। উন্ত ভ্রম ঠকুমা বলাভেন, জার খাক।

চেনেচাৰৰ কেই অভি ৰেণ্টাৰে হা ভেট্টালে গ্ৰেড **ধ্বাধাটে** না গ্ৰুজ <u>७६,८ द**र**,</u>४ 47.40 रवारीका प्राप्त कात्र आधि आदि स्टाक ভাগ অস্থে অস্তেখ লোভী, ভাৰ ওপৰ ১,৩৯৫ উস্কানি, বল্য আলার **অস্থ** কি কেন্দ্ৰি স্কুৰ্ম <mark>সূচি মান্ন্</mark>যাকে दरप्रकाको हाम गाण्डिसाय। आहे सार्यनाई ব্রা ধ্রক্ষা বদ হলে একটা আলাদা ভাত हार ७१८, "तरकारहत ४ (६" दलान दशह লিক বলা হয়। আনি আহমের সময় আন্ম গোষে নজি নলৈ মতি মার্ব জনে **এং** পোটে বাদে মাঞ্জাল <mark>পোপাড়ে দেখাল</mark> পা 1-77 টিপে টিপে মারতাম 5 15 15 বিক্রিক্রিক্র সংস্থা ₹.57₹ 2500 তেওঁছিলাম। বিশহু স্বতেয়ে ভাল লগতে ফারশ্লে হারতে। শগুড় ধরে **হ**ুজিয়ে পৰি কান একটা স্বাচা সাধ্য জাভীয় বিছা তার গাম ফ্রিয়ৈ দিতুম, সেই। ফরহর করে তেখিলে ভালা দেয়ে উড়াই, তথ্য আমের দেশ হলে লগ্ড আমি চেট আরশ্লেটা নিয়ে মাকে ভয় দেখার্ম।

বংশের একমত থেলে ২ওয়ার অনার কানেক স্বিধে ছিল। আমার এসর জনায় নিশ্বিধার মান্টাকুনা সনা করতেন। মার হৈলে হালেও আমারেক মান কিছা কলাত বোলা ঠাকুমা বাক দিয়ে প্রভাবেন। আমন ধর্ডুমানে বাকি বিষয়েও বাঝি হালো না! এখন এই শিবরারের সলতেট্কু খেতে বাঝি কালো সক্সক্ করতে।

ঠাকুমার কথায় না কেনন কেছে। হয়ে ফেতেন। আমি বেশ ব্ৰাভূম ा काउँ शराष्ट्रन। अथर कि अा¥हर्र! प्राप मृ:**थ** क्रक्ते দেখালে আমাব দুঃথ হওয়া महुद्रव शाकः আয়ের বেল লগেত। ভার অবশা কারণ আছে। যা আম কে লেখাপড়া করাতে চাইতেন, আমার খাওয়া দাওয়া নিয়ে খাতে খাতে করতেন, আমার মেশামেশি নিয়ের তার ননেরকয় বায়নার। ছিল। লেগাপড়া করতে আমার মন বসত না. "লেখাপড়া করে যেই গাড়ি চাপা পড়ে সেই" এ প্রবচনটা আমার 🕊 প্রচাদ ছিল। কামি প্রায়ই বইরের পাতা তালে গ্রেল খোর ফেলতাম, দেলট তেলো র্থানুম, ধা তা খোলুম, রাশতার আঞ্চেনাফ ছোলদের সংগে মেশামেশি করভূম। ওরাই আমাকে প্রথমে কুকুরের লাাজে ফা্লঝ,রি কি পটকা বেগি আগ্নম ল্যালিয়ে দেবার কালার খেলাটা শিথিয়েছিল।

আর অমার কংমা ছিল রাস্টার ধারের ঐ লংসামালা। আছিল, আপনি কি কথনও পঠি কাটার সময় পঠিব চোগ দেবেছেন। না সেগ্যনিন বোধার্য, কেথেগ্রন গলার কেপা আপনি ভানেন না আপনি কি রাজে বার্ডিরের চাউনি কার মলারা ১কটি নিগ্রন্থিক এবং চাপা গলার আক্সা ও ক ক্রান্ত্রাক নির্থার এবং একটি

ত্রগার কেই । সে সর বিভার রেমা<mark>প্রত</mark> නාන වෙන සම්බන්ධ සම්බන්ධ ලෙන ভার্মান আমার বার্কের ডিডেরট কলো # 129 *** i 18:30 2.70 లోక్కు కార్మాలు చేశా కూడా చేశా For marker som former have a to POR BUS RIGHTS SWEED RIGHT. 20 1 78° ৰান্য গুলি হানে হ'ছিল জৈনা হ'ল । 19.3 केश शकात का ता एक तारिका**र** සම් ලැපු එසි අයට පිළිදු মিলাস ক্ষেত্ৰ কৰা হৈছ তাৰ নৃত্য কুল্ল 20¹ 815 - 数字型 と24 - 本 34 9 7 38 - を37 5 美国联网 化氯化铵 电流声 指 化光压电流体 化基础 সহাস পাল্ডি পাড়াছ। বিনশ বেলে। হাস্ সির্মির ২০০ আলংগীত রজপানের এত କ୍ୟ 'ମ୍ୟ'ର କର ନୁହା ନୁମ୍ମ ଶ୍ୟାଞ୍ଜ তে সংক্ষম সাধার কেলেকেই জালাল নিচার 1981 OF 150 SW \$ 41 91 4 25 47 67 1

图集 1 表示 电影电影工程 60 多数 শাট্টেট এলব লাব কলা। লাভাইক មាន១៣ ស្នាស្នាត្រាស់ ១៩៣ ១% ស្រុស្សា স্বাহ্ন আন্ন করবর জানে হ'ছ বাছিছে হালাছ আফারেন, কিন্তু আফান্ত সান্তিন নাও ল জনতেন আন্তর করে এর ১৩ জেব জাত্ত প্রধার আব্দেষ্ট আছি আলম্মিক শলাস কাউলাউ কেলিব - উন্ন্ ভলকালের **গ**াডপাড় কবাড় কবাড়। হবিনামের মুক্ত কোলাকুল কলিয়া সভিত্তিম সেই হামটোলভ ছ, টে আসেইবল ভারাপার শান্য হ'বে প্র**াজ**ত। ালাপ্টাস্টা কৈডাকেল মত মার কলাক মার্কিক ଅବଧା ଅଟଣ୍ଡ ଅବସ୍ଥ ଅବସ୍ଥ ଅବସ୍ଥ । উল্লেড্ড ক্ৰডেক্টি কৰাত পাৰে कारमात सब बाहिएक, किन्दू पार भन्न ক্রত মানা, কারণ ভার 型型外投资。 মহর হার অংশ্রাক্তমান ভ্রা

ক্ষণ হ'বলৈ মার জন্য স্বধ্যানের বেদনা-বেধ মাকে। এসার এবদম বেছানো কথা, বিজে, বাদ্যানে। সংউদের জন্যে মার কোন বেদনাবোধ থাকলেও থাকতে পারে।
মা তাঁর এই অপোগণড বেড়ে শিশানুতির
জন্যে প্রস্তাবর বার্তিশ নাড়ির বন্দুগণ অন্যত্তব
করতে করতে, ভবিষাং ভোরে, নিজেকে ধিক্সার
দিয়ে বৈ শুঃখ ক্ষেণ্টর সোধ গড়ে তুলতেন,
সেই কাশানিক দঃগটাকে চাটতে আমার
বেশ অরাম লাগতে। তাই বদি না হবে
তবে একটা মানুষ আচমকা পড়ে গিরে
বাংগ পেলে লোকে তেমে ওঠে কো?
পগোলের প্রেডানে তালি দিতে দিয়েত থাপানে?
বেণিডা-ক্যাংড়া দেখল কেলি। মারার ইচ্ছের
প্রাটনীন করে কেন?

হার্ট, নিশ্চমই ছাই। নইকে বিনাতিকে আনি অত তিল্পু করতুন কোন নিনতি মানে নিনতি, স্বারতি বিশিষ্টার মেকে, সংপাকী আনার বেনা হলে। আনাসের বিভাতই থাকত নিন্তিরা স্বারতি পিজিঅ বিশ্রেন বাড়ারেন, নিন্তি অই-ফরমাশ নাইত, একবার ঠাকুলার মাণের পোড়ার, একবার সার পারে পোরে ঘোরাম্বরি করছে ১৮ শ্রুমেই।

বাংল কিছা দেখালই ভাকে কাভার করে দিছাত আমি উঠি পাছ লাগাড়ম, মিনভিকে দেখাপট আমি দিছার করে উঠিভাম। আমি দিনভিকে ডিমটি কাউভাম, আছমকা বেলী মার দিনভিকে ডিমটি কাউভাম, একবার ছামদত দিলির লোগাই মারভাম, একবার ছামদত দিলির দিনভিক্তা, দেখি কুটি একটা পেশিকা ভাগাও দি মাছলাম, দেউ সমুরভি পিশিনা ভাগাও লোগাই কিলম, দেউ সমুরভি পিশিনা ভাগাও লোগাই কিলম, দেউ কুটে আনেনা আর এববার বেলে গ্রম ছাম্পিভর ছোকা দিয়েছিল মার দিলিছে উর্ভে সে লোগা এখন হার্ড জন্ম নাল কুটা ভার কুটাও মার দিন্তির উর্ভে সে লোগা এখন হার্ড জন্ম নাল কুটাও কুটার বেল্ড।

নিশতি বংগত, কাল্লাকাটি করত, যালিক করত কিবত আমার কিছা করতে পারত নাত সত্তিপিসি আমার পক্ষ নিষেই তথক ধনকাতেন —ইসাং নানের পাতুকাং বাদা একট, গোষে হ'ত বিষেক্ষে তেল গলে গোলেও অংগাদীং বেশ করেছে মেরেছে। আরও নারবেং

িম্বতি এক-একদিন চিৎকার করত, কেন গুলুকা

স্ত্রিভিশিসির এক উত্তর ছিল।—বেশ কলেছে সেরেছে। **মারের জন্যে কৈন্দি**মং রেবে নাজি?

কলকাভার ইলেক্ট্রা ও সভাসন্ধ

ব্যক্ষদেব বস্যা। পাম ৫.০০

घू (शका

महिर्यानम् **ब**ृर्थानासात् ॥ नाम ८.००

रलम वज्रष्ठ

ব্ছদেব গ্ৰহ য় লম ৪০০০

जव माउ

স্থেতারকুমার হোষ 🖰 দাম ৩-৫০

অ দ্বতীয়া

স্থালৈ ব্রা । দমে ৪০০০

তপস্বা ও তরঙ্গিণা

ব্ছনের কম্ । দম ৩-০০

রাতের পাখি

আশাপ্রণা দেবী । দম ৪.০০

অমাবস্যার গান

নারারণ গঙ্গোপাধনর ।। দাম ৩.০০

জনম জনম হয

প্রবেধভূমার সান্যল / দাম S-00

পঞ্সব

প্রেয়েশ্র মিত্র ্লাফ ৩০০০



আননদ পাৰ্বজিশাস প্ৰা: জিঃ অফিস: ৫ চিন্ধামণি দাদ কেন । কলিঃ ১ বিজয়-কেন্দু: ৬৭৫ মহাত্মা গোল্ধী রোড ফেন: ৩৪-৮২৪৭ সারভি পিসির একথা না বলে উপায় ছিল না, তাঁর হাত-পা বাঁধা, ভবিষাকের আশাভরসাই তাঁকে আমার পক্ষ নিতে বাধা করত। ঠাকুমার অদেরের গ্লেপালের ক্ষাত করা তাঁর সাধাের বাইরে।

মিনতি ফ্লেড। রাগে ফ্লেড। এক-একদিন বলত, আমিও একদিন মারব বলে রাখছি।

স্কৃতি পিসি রেগে থেতেন।—িক বললি! গায়ে হাত তুলবি। তুলে দেখিস। দেখিস তোকে আমি আশ বটি দিয়ে কুচি কুচি করে কুটব। দেখি তখন তোর .কোন বাপ এসে বাঁচায়!

একই ধরনের মজা বার বার "রিপিট"
করলে মজার ধার কমে অসে। একই
ধরনের নিষ্ঠ্রতার নিপড়িনের মজা আদে
না। মিনতিকে বিরক্ত করার জন্যে আম অন্য রকমের সাজার কথা চিণ্তা করতুম।
এক-একদিন ভাবতুম আঙ্লে ছ্ব'চ ফ তিয়ে
দি, কি ওর পারের নথে হাতুড়ি মারি। কিণ্তু
এগ্লো ভাবলেও ঠিক করে উঠতে পারতাম
না। মা মিনতিকে বড় চোঙ্খে চোথে
রাধ্তেন।

একদিন বাগানে জামর্ল গাছে চড়চা-পিশিতের কামড় থেয়ে আমার হঠাৎ একটা নতুন ভাবের উদয় হল। চড়চা-পিশিতে জাপনি দেখেছেন কিনা জানি না। কালো কঠ পিশপড়ে দেখেছেন নিশ্চমই, লাল ডে'মো-পিশপড়েও। লাল আর কালো এই দুই পিশপড়ের সারক্তৃ নিয়ে যে মডার্ন ভিলোত্তমা স্থিত করেছেন ভগবান, পিশপড়ে-দের জগতে ত'র নাম চড়চা-পিশড়ে। সর্ ছিপছিপে দেখতে, হিপ-সেক করা মেয়েদের মত পেছন, আ'র হুলের ধারে কটু,ভাষিণীরাও লক্ষ্যা প্র।

এ নতুন আইডিরাটা আফার মজার
মাত ল করে তুলল। আমি একটা টিনের
কোটো বেংগাড় করে তার মাথার টিনে অলপ
দ্ভারটে হাওয়া যাতায়াত করের মত ছোট
ছোট ফ'্টো করলম। তারপর ঠাকুমার
পাকা চুল তোলার সোলাটো বেংগাড় করে
নিয়ে বংগানে বসে বসে এক কোটো পি'পড়ে
ধবলম।

স্বতি পিসি আর মিনতি মার থরের মেকের শতুতা। দু'একদিনের মধ্যে আমার সতুষাগ জনুটে গেল। সারতি পিসি দিবানিরা সেরে চলে গেলেন, মা অনা কোথাও। মিনতি উব্ হয়ে বসে দু' হাতে হটিই জড়িয়ে ধরে হাটিই ওপর মাুখ রেখে ঘুমের খোয়ারি ভাপাছিল। আমি অলতো চুপি চুপি পারে ঘরে ঘুকেলাম। মিনতি সজাগ হরে তাকাবার আগেই উপোসী পি'পড়ে-

গালেকে কোটো থেকে উপজ্ব করে মিনভির গায়ে মাথায় ঢেলে দিলাম।

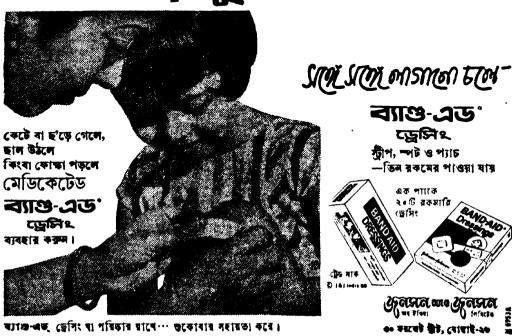
প্রথমে মিনতি ঠিক বাস্থাতে পারেনি আলপ পরেই ব্রুলা। মাধার চুলো হনে। হয়ে কয়েকটা ঘারেছিল, করেকটা ঘাড়ে কামড়েছে, করেকটা ঘাড় আর গলার পাশ দিরে গলে বোধ হয় ব্রুলের মধো তুকে গিমেছিল। মিনতি চমকে লাফিয়ে মাধা ঘাড়ের পিশপড়ে ফেলতে ফেলতে, বোধ হয় ব্রুকে কামড় খেল। এক-একটা কামড় বিদ্যুৎ-প্রের মত, তার জন্মলা ভরংকর। জন্মলার অকসমাৎ জামা ধরে টানল মিনতি, টিপক্সের ম্থবণ্ধ বাধন খালে জামাটা অনেক নিতে নেমে এল। আমি এই প্রথম কিশোরী-দেহ দেখলাম।

অংশ পরেই মিনতি জামা ঠিক কর'ও করতে দীতে দতি টিপে ঘর্ষণ করল,—অসভা ৷ জালেফে ব !

আমি বেধে হয় জনোধারই জিলাম, আমার কোন নুঃথ ইচ্ছিল না, আমি মুপের মধ্যে অনা একটা আনধেনর সংধান পাক্ছিলাম। আর এক জগতের, অনা জগতের। সেনিন রাতে শারে শারে আমি নিচের স্বশানি তেথিঃ

লম্ব্য একটা ধারদেলা ছারি নিয়ে আন্মি একটা আপেল কাউছিলাম। প্রথমে সু





রাজ্বের পরে আবার কাউল্লেট চাকা-চাকা ভ্ৰমো-ভূমো করে মেরেদের কুটনে। কেটার ১৬ কার্টছি: আমার ছারিংত রস্থ, আপেলে রস্থ, minu द्वाराष्ट्र तका तरकत तक मानाः লবিষ্য-ফিবিয়ে হাতটাত দেখালে দেখাত অন্তর্ভপকার দ্রাত্রক উত্করের আপেল এবেধ স্ফলভি। আঃ! কি নরমাই কি রস্কা! একটা পরে হায়নায় চোথ প্রচল আল্রা দেখলাম আমার টেটি কাল, আমার 'জব कारण जाधात हाई काल, कामात कारहर हा⁹त ঞার। প্রকেশ্র হোট মীকাবরণার নিমান্তার মত কুমাশ আমি একটা *আলবং*গার বার্ডা শিস্তাল হয়ে উঠিছিল একটা প্রেট মার্ড ভ্ৰেজ্য লাল্থৰ শ্ৰিক্স কৰিল। এবং উস্তেখ্য অফার চুটি কলি, জেল কলি, অমার হাত কলি আমার হাত্র । হাতি কলিন আটি চন্দ্ৰ কলেও জলাও বাংল क राजा: अध्यकारताह काराध्य आहे. हेर्रा छ ।

ভালি সভ্জাত কৈ লোকত জান্ত কাল্ পাঁচ তাঃ কে হ'ল গুলে সালে সভাবে বিভাজিলঃ কালিন ইবা ভাল কালে কালিন কে ভালাক অনুবালন তুলান কিছু ন বৰাল, কে শীলিল ইকো চলান কিছুলি লোকত সদক্ষে হ'ল কৈ উল্ভেটিছে, তুলাক কাল্যের হ'ল হ'ল কৈ কিছুলিছে, তুলাক কাল্যের হ'ল হ'ল কিছুলিছে, তুলাক কাল্যের হ'ল হ'ল কিছুলিছে, ভালান

कामकार्मन इस्ट्रिस छङ्ग हक्की <u>ឃុំឱ្យបោសបាទ ។ ២០១៦ ភក្ខិសាយទ</u> ঋলমে নিমে বড় শাইকী ভিল্লান ভুল্ডাছভি ্রাধারক ব্রেখ তথ্যসূত্র একটার প্রস্থ MEN CHESTAL THE MESSAGE THE SEC ବିଶ୍ୱଳ କ[୍]ବ୍ୟ ବଶ୍ୟର ହ_ି ଅନ୍ତର পার্যা আস্পনার কৈই। অন্যক্রারের আর্র্যা একটা অস্বাধন্তব জিলিস্ত কর্মটো পুরুষে **ইয়াড় এক**টাু চে**খ** স্মীসমে ঘৰ, ভ্ৰণত একটা একটা কাৰে মদন ভালকার সংগ্রাভাগে তথ্য সমস্থ পরিমণ্ডল হেরে নীল সে এক আন্তের দুর্বি কলসে ভাষে ৷ সে আচেব মেন্ড্রাত মাজ্জুনা জিরো পাওয়ারের । অবশ বিভিন্ন নিশপ্রভ নির্ভোর আন্ধার হত সমস্ত ভা**তারিত ভাতারিত অ**ন্ধারত এক মার্লালি স্থিতি করে। সে আলো মদের দেশের চেয়ে গাড় জ্বমাউ বাঁধা বক্তের ডেয়ে কালো। সে এক কালো অধ্যক্তরর আলো, স্থিতি তার **ভ**ুড়ি মেলা ভার ।

যাক। এ সব কচনচি থাক। আলাব গলেশ সাবার ফিরে আসি। একুশ বছর ব্যাহার বিষ্ণে হল। আমার বউ একদম গরীব স্থানে মেরে, ব্যাস ব্যাদ দেশতে ছিপছিপে, একটা আলগা শ্রীর মাথন মাগান মুখ, বড় বড় ১টাখ। দ্যভারতি নম্ন, বিনায়াকনত।

মাধ্রীকে দেখে আমার চেরী লাপানী প্রেলের প্রতি উদয় হয়েছিল কি না জানি না মাধ্রী বড় নরম, ছুলভুলে শাতাপা যেন অলান অলানে করা যায় মাত্রীর ছিড়ে নেওয়া যায়। দ্বা ছিলাভারীয়া ট্রার ট্রিয়ে করে অলানা অলান করা মান ইচ্ছে হত্তিশতু ছেজ্: দেবর নাই জানি না হয়।

মাৰ টোনিংক টেনিংক মাধ্ৰীট চেলেয়ায় জিলা। জামি যাবলি ভাই কল যাকলি ভাই সহ। মারেম কট বলে কল ডিনাত যাফি মাধ্রীকৈ কলা লগাংগ তামক পেতৃম না। আমার মনে হত **এমি** যোগ আমার ভিত্তীকে থা**পে মাড়ে গাড়ের** নাহাবি চাক্তি।

একনিদ আমার তার কথা মনে হল।

যে আমার বেবেছিল, তার কথা। সারানিদ
আমানা, রাতে শাুষেও আমার তাল লাগছিল

নাং মাধারী ধরে চাুকে আমার বড় বিরঞ্জ
বর্গিল, আমার নাই কুন্ডুলীতে আঙ্কাল থারিকে থারিকে সাড়সাড়ি সিক্তে, বগলে কাড্রান্ডা। এক সমারে মাধ্রী মূখ নামিবে বলল কি হলেছে।

প্রথমে জালি উত্তর করেল্<mark>মে না। পরে</mark> প্রত্যুক্ত প্রথমের জীবনটা **বড় জোলো** হলং মাজের

হত্ত তি স্থাৰ জানি না। **চোধ** লাগিব হস্তে চসতে সম্প্ৰাক্ষন **প্ৰাধ** তিন্দ্ৰতে নিগেই হত্ত সামি **কৈ ব্ৰধ** সংগতিত

আহি জনগান কাজৰ নি**চে বাতি রেংখ** লা গ্রিক না গ্রাহাটী। আ<mark>য়ার হানর মত</mark> ডিম কেডিনত হাতে পার্যে মা

কেন্দ্র হাধ্যা **গুল ভিজনে** করল, চলপর বজল, **জেনেয়ে দর পরে।** একবর ভোগে করেন হেবনে মা **নলাই**।

মাধ্যেতি হেটালৈ কো**ল হাসি চেকে।** যাসি চিনাতে হাসিও মাধ্যেতি **এথেব** এসি সালা গোল গড়িয়ে পড়ে**গা ভিলিয়ে** গোজন

্রির স্থাত পোকটা কমাছে উঠক। এই ডি. প্রেল্ড নিজেকে সংঘত্ত কবে আন সেতিকভাৱে কডিয়েছি ভা ভগবানই

वन-एजाएम्ना भागासम् श्राकाभाषाम् বই বেরাবার আগেই এই অভিনয় বলিও কহিন্ট চিনেয়িত হচ্ছে নেতাজীর সঙ্গ ও প্রসঙ্গ ন্ৰেণ্ডনাথ চক্তৰতী \$\$ \$03 \$4.00 \$\$ \$0.00 \$**\$ 4.00** অমৃতকুম্ভের সন্ধানে का अव, है 11 20.00 11 ।। সদা প্রকাশিত নতন উপনাস ॥ এখানে পিঞ্জর अष्टा वाग्र 11 F-00 H मृर्य काँपरल माभा खल्ल वि পথ কে রুখবে ? মনোড়া বস্ 1 52.00 H **ह**रला জन्नल यारे टामहराम मह्याभाषाम् ॥ ७-००॥ কেউ নায়ক কেউ নায়িকা বিষধ বিষ वन्गा निसम म्राप्टाका निहास ৰেঙ্গল পাৰলিখাৰ্স প্ৰাইডেট লিমিটেড, ১৪ বঞ্জিম চটোঙো স্ট্ৰীট, কলিকাডুা-১২

কানেন। মাধ্রীর থালি আমার সারা গায়ে কানলা ধরিয়ে দিল। অগ্র মাধ্রীক বললান চুমা খাব।

মাধ্রী গাল কিশত দিছিল কাম মাড় নাড্লাম। মাধ্রী ঠেটি এলি এ দিছ। মানি বলবাম জিব ধার কর।

ট্ক করে অংশ একটা জিব বার বরণ মাধ্রী। জামি গড়ে নাড়েও নাড়ার কলমা —উলো জারও বড়া

্ মাধ্যরী হাসি হাসি ম্যুপেই বলল। একেবাৰে বক্ষেক্তালী।

মধ্যে ডিংকার করে কোনে টাইটে গিলে ইঠাই ১৯৩৯ সভিত্র সাম্প্রীর স্থাসত মাথ বালিকে মারের পান্নার ১৩ ডিরাডির করে কালিকে। একটা পরে বিভানার এলিকে পরে, আমি বস্বাম নার্গ গোলার স্বাপার্থ

মধ্যে কথা বলভিল্ন লক হাখ

শ্জ সংখ্যা প্রসাদ-এ শঙ্কি পদ রাজগ্রু

একটি গল্প লিখছেন

(2.5258)



এস সেন, জে, পি
মানিক বেজিপেট্রনন অফিসার
১না: ব্যালাচক ৮ ফুনি বাল-১২
কলেজ জুতি মধ্যে গজা বোচ জগসন
কলে ৭৫ চন্ডাচ দ্বান্ত ১৪ 4015

রেজিণ্ট্রিববাহ অফিস ভাবে মাস্থিক ফালে ফালে এণিডিল কালা আমার দ্যা চেগাং সম্ব না। কেই কলিকে নেড় কুটার মত লাগে লাবার অমার নিজ হয় তথ্য প্রচাত একট লাগি মানা ইচ্চেটে দানা করে আমি বল্লান কেল না মাধ্রী। আমি তোমাকে আনালের অনা একটা জলতে নিয়ে হবে। এই প্রথম পাঠ, তথ্যত সহা কর্তে পরেক না একটা স্বীয় নাও, তারপর দেখ্যে হলা কাকে বলে, স্থাকি!

হাস্থানোকর নাধা মাধানী প্রল এন তেনে।

পালে বট নিয়ে কেট কে বলৈ না

মশাই, সমই পালা গারদে পাটন। হাপন বী

মট হলি পালে হয় আপনি হাজে পাট

কার পালে গারদে পাইনামান কল

পারমা ভারলে ভালকে না, হাপনি ক

ইয়েইছেনে। পালেল সালে হাপনি কা

ইছেড ভাই করাত পারমা, কেই করা নলাব

না। সে কথা হাসার, কথা কলিবে হথ

ঠিক মুটা। হাতা চারের ভবিরক্ষ করা হালেব

কাছে গারাভ ভাগে ফিরিয়ে বিভক্ষা, পার্যা

ক্ষরাটির রামান। আনু ক্ষর্যান পাইনাক

ক্ষরাটির রামান। আনু ক্ষর্যান পাইনাক

ক্ষরাটির রামান। আনু ক্ষর্যান পাইনাক

ক্ষরাটির রামান। আনু ক্ষর্যান বার্যান

ক্ষরাটির বার্যান করা

কার্যানির রামান ক্ষরাপ্তির্যানির কর্যান।

ক্রেন্যানির বার্যানির কর্যানার করা

ক্রেন্যানির বার্যানির বার্যানির কর্যানার

্য্রহীকে কোপিছে নিষ্য ছবি হার দেওতাম। সের্থে জিনিস্পর ওলাং অভ্জাত, কাষ্ড্র জাকি দিতাম, উর, ক্যাও কিলকে পেড্র জাকি দিতাম, উর, ক্যাও দিত্ম, তোধের ভোলা কাঁচি নিয় জোটে ফেলতাম। একনি, প্রতাত ক্ষেপ্প লিছে মধ্বী জন্ত গলা বিশেধবন। কি জাক্ষা। তিক দেই ম্যোতেই আম্বর্থ স্থানিক জাগতির। এমন কর্তা মর ম্যুবারাপ্তিকাদের ক্ষ্মিন জ্মি হেন

আমার ব্যুক্ত নিচে সংখ্যাই, আমার ইয়েট, আব্যাইর লোক চেপে কসজিল। সে এক মহাই দুকা: বালির প্রিটার মার মাধ্যাইর সোধ, জিব কারিকে আসাছে চেপুরের কেংগ লালা রক্তের ছিটে, মুম্বের কোলে কর। একবার কোই করে একটা শব্দ উঠল, তার পরই ঘড়াটা চলাকে ছেগে পড়লা: আমার মনে কল জাবিকে এই প্রথম সমুখ্যের সংক্রে আমি চান করে উঠে এলাম।

বউটা মরে ধেক সার। আমি কিল্ছু নারব বলে মার্নান, সতি। বল্লছি। স্থাপ্র সংধানে তথন আমার মাথার চিক ছিল না, কি করাত কি ধরে ফেলেছি। আমার হাত পাতথন, ব্যব্দার মাধার টেকিব পাড় পড়াছল। থবের জালা আলো যেন জালাতে কালার হাসি পাছিল, কালা পছিল। আমার কালে ঠিক বাজে উঠাতে পারছিলাম না, মাধারীর বাজের বাজের বাজের বাজের বাজের

এক্ষরের এক্ষরের মাধ্যের পিকে ও ভিত रक्रारा **धारामा । रागरमा माहिमामा साट शर** रहा ্ৰু ঘাৰ একটা জ্বাট বহি ক্ৰু দীর্ঘ কাঁষের সারে বেজে উঠক: *লে*ছের HAVE HE SHIFT WIND WITH BUT OF भाषात् ६० मीफिट्य शाका (--ना मार्ग्य) হোধ হার মরোন। আমি দহোতে ওল গ্রাধারীকে খাটে বসিয়ে দি**লাম। ভা**রপত স্থ শেষ্য হারের আক্রোনিবে प्राशादीय बालवाटन जाना बाह, होता त्य হয়ে আসা গলা-গলা টোখ, দাঁতেয়া ক্রতি रकते बक्तीशांत स्थाकारण किये, क्य रहत र १५ वर्ष १८३१ कार्रिका स्रोते वर्ष अप राज्य একস্পেল্ সূৰ্বোধা কল্পবৰ ক্ষান্ত ক্ষান্ত का कारताल का विश्वय सामान माधान का का অবি প্রাল তাম লেলম ನಗರ ನೇಶಗ লাবের প্রাক্তি হৈছে গোলী**লি।**

রর সাচের কার্য সভারের স্থান আরি স্থান । এ কারের বছর মেন রাহিছ বিভিন্নিরা কিন্তান লৈ আরি স্থাক হিছে নুগালি টুরা গাঁডুলছি হা আরিট জানি। তারি আন ন বালের আসালে সংগ্রান এই কার্য নিয়ে এর বিশ্বদ আগ নিত্তে আছি। আনর সংগ্রাব বিশ্বদ আগ নিত্তে আছি। আনর সংগ্রাব বিশ্বদ আগ স্থানিত ভিল্ল না, ইঞ্লাব বান বছ নান। মানুলী লোগনে লাল বান নারা ব্যাব কান্য কর্মানিত, ভালি ব জীবন আর স্যান্য স্থানিত বান।

क प्राप्त कर स्थल अस्त 1 68 F. W. ଅଟ୍ର 'ବ ୧୯୭୭ ଅଟେ ଅଟେ ଅଟେ <mark>ଅଟେ</mark> to be a seen seen নিকেনিটাক ভাষ্টি বিক্তিয়া গড়ে একয়া হ'ল্য ক্লাল্যাক স্থান্তৰ হাস্ত मारक धार्त क्रियों सामित राष्ट्र वाल्या টেল্ডল সর্ভিত আপনি এফন যাঁচ তেওঁ হার্ডালা করেরে সংগ্র পাল সংগ্রাহার িবিশ্বটো হারটো নি, মনেংখকে \$15.13.1 साजय आहे. इ.स. इ.**लाखान आहे। कदा**क गाँउ ভাব ভাবে আমাৰ কথাটা একটা বলাকন। ফেটেটাই দ্যাৰ **বাথা সা**য় অপরকে সাং িল্ড প্রের এর কারণ অবদ্য একটি। মেহেদের স্বাস্থাকার্ম ক্রান্দ ছোল কথা বেদনা পেরিয়েট জ্বাসে।

জাসটার জাস, ব্রোজ্যে না সারে স্থা ইজাগ্ড জনশুচ গড় ইজা স্থা। বেছন ১ ই ন্যা: ন্যাশ্রার জানবেন। ইতি। ভ্রদীয় গোপ্রা

বিং ৪৩ জনেক ভেনেচিয়েক গোপালের এ চিক্তি আনি "সাংখ্যা-সংখ্যা" নাম বিয়ে প্রকাশ করে পিলাম। একজন সাখ-প্রয়াসী মান্য তার বিংসপা নিজান জীবনে একজন সংগী চাইছে। সে ভার চরিয়ের অধ্যিসপিধ জানিচেছে, তার থেকে তাকে লোকে মান্য বলবে কি না তাদের বিষেচা। তব্য গোপালের অন্যার্থেণ্ডু ছান্তির রক্ষ্য কর্মি। ইন্যার গোপালকে সাখী ক্যুন্ত

বৰ্ষামঞ্চল

ইন্দ্রান্ত্রং

থানটার অন্ধি নবাগ্রান্থ একেছি এই নায়

১ বেক আগো। বাংকের প্রান্ত সন্ধি র
আগলাকার নির্বিকা জারগার একটি
আগলানা জারিবিকা জারগার একটি
আগলানা জারিবিকা ভারগার বলতে হবেং
আন র প্রান্তানার কুলার বান্তানের এই
আনুর্বিকা কেন আন্তাই নিশ্দনারি বলা
ভারা না লাকারেলর উপরা এবং নিগ্রেলনার
রাজ্ঞান ব্যান্ত একেবাকে বলিও ইইনি।
১০বের বিশাল নগ্রেল র্থেডে নিয়েশ্য
তান্তান কর বির্বান ব্যান্ত কলেজন
তান্তান কর বির্বান বির্বান বিভারত কলেজন

কলক ভাৰতারে তাক টা বৈশিংটা-ভার হার ত্রাট্টেরট্ট সংখ্যাত কৈট্রিল জালীবটের 18 1 749 C 8 8 C 9 68 88 2 2 रूपान, शर्भाक्ष रूपाक्र । संस्थित रूपान्या, গ্ৰাপ্ত চৰেন চাত্ৰে হাত্ৰ কালে কণ্ড ्रकारी इस क्रीनेट प्रत्य र सहार हा की -মুটি মারেছিন নাগ্রেল মারে। মার বসে সংসাধ হতুর সক্ষণ হ'ণ্ডি সংগ্রাহর মান্ত এ এটাট্র ভাষিক্ষাপ্র সঞ্চল নয়, এখানত তথ মাধ্যত একটি ছবন আছে। ଚୀବନ ଅବସ୍ଥାନ ଅବସ୍ଥାନ **ଅବସ୍ଥାନ ଓ** कार्योष्ट्र करहर है। १६ १९५५,११८ हुन हुन स्टब्स কাল্ডেট তাইনতি গড়সলকার কারে 化铁 神电点 打打出 法裁判 机放流管 বংকে চেডিছে ক'লছে সং মিলিয়ে জ[ি]ব্যুর ছুম্প । রজার আ**ছে**।

অহর বসগ্রার ডিক সমানটাত উইকের ছাওয়া জাবা হয় গ্রেটা প্রসাহ ঘর। আছে। কি কাজে । বাবহার হাত **ভা**নি না। একঃ অনুট স্কৃতি বিভিন্ন 😎 প্রিক্ত এন মধ্যে। আগতানা করেছে। খাব কাছে িংয়ে প্ৰতিষ্ঠি ফলে হয় চটোইয়েও বেজা দিয়ে প্রতিশিনে করে জালালা আলালা গাংস্থালি প্রতিভৱেষ্য বামান করেছত এবং অনা গোণীর লোকও একই ছাতের ভলার ফিলেফিলে বাম করছে। এরা না থাককো আন্তর্কর জীবনের ছবিটা আমার কাছে অপ্রণ থকত। আর জ্বীবনের যে ছম্পের কথা বলেছি সে ছব্দেও গর্মানা হয়ে বেড কারণ আজাকের জীবন সেই পারাতন গরারের ছলের জার চরের না। এখানে এপের কোনে রক্তম পাকা ব্যুক্তবলত হরেছে এমন নহা ভিজ ইস্টেসনের প্রাটকরে এখন ওয়েটিং রাম থাকবার মত। ভবা বাছেক धकरें त्यां कांत्र विशिष्ट**त्र बरमरक् । क्**बरे পরিচ **জীবনবারা । গছলেনেরের ই পরিব**ররের পরিচরারিবিদ্দের চেবারে। শ্লিণ্ রুমেদ কাশ্যর **জী**শী।

নোধ ওবেলা বেবাগেও যে প্রেণ কর্ণের মধেও বেলা মালমিন্দের আছে। মান্তাদের মধে কর্নানা ব্যক্তিকারি কর্মান ক্রেনিনা আমার শিবলৈ প্রক্রেনির্টা গোক এবের গ্রেক্সালির টাকরোন্টাকরা অংশ বেন্দ্র ও প্রীয় হার একটা প্রিক্স র প্রিক্তর গাব্য ফাচবই নয়, তথা ধায়ে মাছে কটি লিকে. িক্ষে লেউছে টি এক রক্ষ করে লকে। ফোলেনের বর্ষান্তর ভারেলেই আরে জারা নাই, তেওঁ) দক্ষিকট স্থোক সে কথা বলাই হও হ। এই হয়ে নের্ছ ছ কংলে সংক্র उत्तरत कारता । कारता जाकोरमधक्त रहशी কর্মায় আনুসাং হা জলস্কার ফিউফাউ, ফ্রেরেনের ছাতে ভ্যানিটি ব্যাগ্রের'টে ছাতা। এই। একে সংক্রি গ্রহের বট এন্স মিটে মান্ত ভালেপেলেল্ডলা লা করে তাকি**রে** থাত। সম্পত্র লাশারটা বিস্তৃত্ব ঠেকে। राक्ष है। इंदेशक इंदेश काल केंद्र बद्धा ब्रह्म এনের কারিত ভাগে করে। মানে করিছে সেই ত্য একফিন এটেবন স্থানি ছিল। **কলে**র হার এ৯ই ভাল্ফ জেই লক্ষেত্র সমস্টান্ত ৪,5৪ ফি চেডেছি । গোলার **হলর পরে**

বম টা এলার একট্র দেবি করেই
একেছে। বিশ্ব একে অবধি একট্র বাড়বাড়ি
করাছ । মাকলধারে ব্রুটি হচছে এমন নার,
বিশ্ব লোভাই ব্রুটি চলোছে। তোর নেই,
রাস্তালাট ও লা কার শাকোর নাং গরামের
১০০টার এক রকম, বিশ্ব এ কলিকেই লেখছি চেলার সামানে এই
বিভিন্ন লৈ সাহালাটির বেনল হেন একটা
হালালিরা চেলার বালাছে। গ্রেম হারেজ
২, পালোর কাট্য রাস্টার কাল ভারেজেছা।
কেলোপ্রালালো ভারের মারা কালাজ্য ভারের
১, টিটি বিবাহে পারে লা সারাজ্য ভারের
১, টিটি বিবাহে পারে লা সারাজ্য ভারের

সমাজতারী বিশ্লব দীঘ'জীবি হোক!

সাধ ইট্রেপ গুড়ার্ড

শেখৰ সেনগাপ্তেৰ

বিপ্লব দেশে দেশে ১২:০০

বিপ্লব কি ? বিপ্লবের প্রয়োজন কেন ? কেমন তার গাঁত ? কেমন তার রাপ ? প্রতিধারি বিভিন্ন দেশের বিপ্লব কেমনভাবে সংগটিত হারেছে ? বিপ্লবকে বিজ্ঞান ভিত্তিক সতোর উপর প্রতিষ্ঠিত করা সম্ভব কিনা ? এই সমস্ত বিষয় ও বিভিন্ন বিপ্লাবর বহা দুম্প্রাপ। ছবি পারেন এই বৈপ্লবিক বইটিতে।

জ্ঞানতীর্থ

इतर विधान भवती, क्लिकाडा-- इक

ভেজরেই থাকে, খিটিমিটি করে, মান্তালর জনাকাতন করে। বাইরে কাপড়জামা শাকোবার উপায় নেই, সারা গরে ভিজে কাপড় কলেছে। গ্রেম ঘরে অর্থনিতেই আকোর জভাব, এখন চেলে হেভ্যা কাপড়ে আরো অংথকার। অন্মান করা কঠিন নয় যে খরের মধ্যে একটা সোলা সেলি গ্রে

এখন কি করছে কে জানে। তার উপরে
আবার টাইলের ছাউনিটির যা অবস্থা তাতে
বৃষ্ণিত্র সময় ছাত দিয়ে জল গড়ানো কিছা
বিচিত্র নর। আজ কদিন যাবৎ আরেক
ফাসদে হয়েছে— রাশতার ধারের টিউবভারেণিটি বিকল হয়ে আছে। এখন
আরেকট্র দূরে থেকে জল টানতে হয়েত।
গিয়হীদের গলার আভয়াজ পাভয়া যাত্র

মারে মারে চড়া গলা, ছেলেপেলেগ্রেলাকে কারণে অকারণে ধমকাছে। বেশ বোঝা যাছে নানা রকমের অসাক্ষণ মনের মধ্যে জমা হয়ে হয়ে এদের মেঞাক চড়কে, সংগ্রে

ব্যার পোরত্যা এবের কন্ট দেওছ প্রথমটার মনে একটা ফলাসিড বেদে করেছি। তার পরে যেমনটা হয়, আমাদের নিবিকার



বাহারী গড়বের, সুবিধান্সনক রক্মারি সাইন্সের, সহকে বাবহার্যোগ্য ও বস্থকাল কান্ড পেয় এমন মজবুত ওগলে বড় মুখের কাঁচের ব্যেমগুলি, যাতে গৃহিণীরা চা, চিনী, আচার, ভাগম ও এই ধর্বের বহু জিনিষ্ঠ পরিষ্কার পরিষ্কার ও ল স্থাসন্মতভাবে রাখতে চান, তা তাগের কাছে স্বসম্বেই প্রশাসই।

ৰ স্থাসমাজভাবে নামতে ৮ ব. ত তিপেন কৰিছিল কৰি স্থান কৰিছে আৰু বলে উপযুক্ত আধান। এনমধ্যে জিনিৰপত্ৰ ভৰুধপত্ৰ, টফি, চকোলেট ইতাৰ্দের জনো এই বয়েমগুলি একেবারে যাকে বলে উপযুক্ত আধান। এনমধ্যে জিনিৰপত্ৰ স্যাক্তিয়ে রাখনে দোকানের বাহার খুলে যায়।

সাজ্বর রাবলে পোনালের বাসার্বার্থিক বিশ্বর বিশ্বর রঙবেরঙের চাক্ররি দেওরা এই বরেমগুলি গোল ও চৌকো গড়বে টিন, বেকালাইট কিছা প্লাষ্টিকের নানারকম্ সুন্দর রঙবেরঙের চাক্রি দেওরা এই বরেমগুলি গোল ও চৌকো গড়বে ২০০ দিসি, থেকে ৫০০০ সিসি, সাইজে পাওুরা যায়।

· ওগলে প্লাস ওয়াকঁস ্লিঃ·, ু(পিলুরি ইউনিট), পিলুরি, পুন:১৮১

মন অতি সহজেই তার স্বাক্ষ্ণা কিরে পায়। দুর্ভোগ যে ভোগে অভ্যাসে বেমন ভা গা-সহা হরে যার, যে দেখে ভারও মন-সহা হয়ে বার। ভূলেই কেতাম, হঠাৎ **এक**डो थाका स्थरत मनडो च्यावात मकान हरत উঠল। মধ্যাহ্ন ভোজনের পরে দ্বানিদ্রার আমেজটা সবে জমে এসেছিল: হঠাৎ চমকে উঠে শানি আমার রিফিয়ালি প্রতিবেশীদের ब्राप्टा क्रकते। शहरू कमाइ द्वार्थ शहरूहा পতিবেশী না বলে প্রতিবেশিনী বলাই ভালো কারণ পরেষ অধিবাসীরা তথন গতে ছিল না। পাঁচ ছ'জন গিলা এক সংগ भगन्यरत एक्फिरिका एम कमातर्यत ग्रथा रूपरक কলতের হেতটা ঠিক আমি বাবে উঠতে প্রতিন, বাঝবার চেণ্টাও করিনি। ধেকে থোকে বা একটা প্রাকৃত শব্দ কালে এসেছে, সাহার্য <u>লাএকটা ছোলর নাম ধরে বকলি,</u> হরতে অরের মধ্যে হাটোপটেট করতে পিরে রর জিনিস ও ছেতেছে ভারপারে জল--িউবওয়েল, হয়তো লা কারো জালের **কলস্**নী কোনা ছোলে উলটে নিয়েছে, তারপরে না ছোওঁ লোক, ছোওঁ জাভ ইত্যাদি ইত্যাদি।

গছাওঁ ভাত' কথাওঁ কালে ব্যাতই কেতিহেল হল - দুখি ততা এদের মধ্যে ছোট ভারতর মান্যটি কে? জনসার কাছে গিয়ে উৰ্বিক মেনুত দুৰুগুলায়া এখানকাত যে তেওঁট मत प्रदेशक मामन्दी क्यूकर केएममा कार উন্তর্প সম্ভাষণ চলছে: বউটি শাধ্ স্ফারী নয়, শাশ্ত প্রভারও রাট। বেচারী অপরাধীর মতে। জড়সড় হয়ে সভিয়ে আছে। তার হয়ে অন্য দুটি বউ কডছে। বেধ করি এরাও ওরই মতে। ছেটে জাতের। বট্টিব করুণ মুখ করুণ চাউনি ওকে থারেট যেন স্পের করে তালেছে। ভাবছিলমে কলহাণ্ডায়তা নায়িকাকে নিয়ে बाहाक कादा हुहूना **श**हरा**छ**, **८**डे कन्नह-নিপটিভূতাকে নিয়ে কি কাবা রচনা হতে প্রে না : খ্র পারে, বিল্ডু কারা রচনা এক কথা আরু নিপ্রিডিডারে নিপ্রিডন रेश्ट्रक तुक्का कहा धारा कथा। धाराहरूत् প্রতিকার করা কারেরে করা নয়। কাষা-কথা ঐ বধ্টির মতেটে দ্বলৈ স্পের বলেই দ্ববি । না পারে চর্গসতে না সেখ রাভাতে। এত মাসভোষী, ওর কথা লোকের কানেই টোকে না। তার উপরে আবার অভিমান্তয়

न्जा नः थरा अनाम- ७

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

(সি-৬২৯৮)

সক্ষোভাষী, লোকে কেট্রক লোনে সেট্রকও ट्वाटक मा। अहे धराम आधि वनि मधन्य সেকে ওদের ক্লাড়া মেটাতে কেতাম আর রবীন্দ্রনাথের ভাষার কাব্য আওডিয়ে

মোর কথা শোনো

শতদল পশ্কলের জাতি নেই কোনো -সে কথা কি ওরা শ্নত না শ্নলে ব্রেড? মাঝ্যান থেকে বিরক্ত হ'ত নিশ্চয় বলত, ঐ দেখ, উনি আবার এলেন আমাদের লোলোক শোনতে। কিবা যদি খবে সোজা

करतरे वनारुम-मन्भरतत्र कारना कार नारे-बना दाराना ७७ यामाद क्या नह इदीन्छ-मार्थद्रहे कादा कथा (म.म्मरदद्र कारमा ब्लास्ट নাই, মতে সে সদাই)—তাতে বোধ করি আরেই ক্ষিত হয়ে উঠত। আহা, উনি আর ন্যাক্রি কর্যার জাপুগা পেলেন না। বড নতন কথা শোনাতে এসেছেন—স্বাস্থরের কোন জাত নাই! আরে মশায়, স্থারই তো একটা জাত। সে জাতের গমের কত স্ব অ্যানের জানা আছে। আরু আপনি যে বড় ওনার হয়ে ওকার্কান্ত করতে এলেন

মণীন্দ্র রায়ের নতুন উপন্যাস

वनस्रामद नकुन छेपनाम

ছড়া নো জালের বুত্তে অধিক নাল

माम : 6.40

দেবল দেববর্মার

চাণকা সনের

রাত তখন দশটা শুধু কথা তিন তরঙ্গ

আধুনিক শিক্ষার পরিবেশ ও পছতি (১০ম সং) ১০-০০ মাড়-ভাষা শিক্ষণ পর্ম্বাত (৪র্থ সং) ৫০০০ প্রভৃতি গ্রন্থের প্রণেতা बीदान्द्रस्थादन बाहायंत्र

আধুনিক শিক্ষায় মনে৷বিজ্ঞান ১৯০০

ডঃ গৌবরণ কপাট-এর ভূমিকা সম্বালত

বিমল মিত্ৰা

এর নাম সংসার মানাট্র

রর মানুধ ৮-৫০

১৭শ ম্প্রের ৬০০০

8र्थ स्टूष ४-४०

রবীন্দ্রায়ণ ১ম থক্ড ১২.০০ ২য় খক্ড ১০.০০॥ শ্রীপর্বালনবিহারী মসিরেখা ৫ম মুদ্রণ ৯.০০ ॥ জরাসন্ধ সাংশ্রুতিকী ২য় খণ্ড ৬·৫০ ॥ শ্রীস্নীতিকুমার চট্টোপাধ্যায় উপন্যাসের স্বরূপ ২০০০ ॥ ডঃ শিশিরকুমার চট্টোপাধ্যায় আমেরিকার ভায়েরী ২য় মুদুণ ৭ ৫০ ॥ দেবজ্যোতি বর্মণ কথাকোৰিদ রৰীন্দ্রনাথ ৫·০০ ॥ নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়

আশ্তোষ মুখোপাধ্যায়ের

বারণিদ্রনাথ দাশের

সমরেশ বস্ত্র

নতুন তুলির টান স্নাকৃষণ সুদেব कशदत

२३ म्हन ५-००

২র ম্প্রেণ ১৫-০০

মধ্ বস্র ভারাশকর বন্দ্যোপাধাারের

মণি বউদি

ইন্দু মিত-র

আমাব্র জীবন PTR : \$6.00 প্রবোধকুমার সান্যালের

নিমাই ভট্টাচাষের

আপনজন भाष : S-do প্রেমেন্দ্র মিতের

বরপক্ষ

পার্নামেণ্ট খ্রীট

ক্যাশা

তয় মুদ্রব ৫.৫০

ৰাক্ সাহিত্য প্ৰাইভেট লিমিটেড ৩৩, কলেজ রো, কলিকাতা—৯

সেও তো ঐ স্ফের ম্যেখর ন্যক্ষ ভাহতো, এর পরে আমি কি আর পালাবার পথ পেতাম?

ভেতার ভেতার একটা স্থর্গার ভাব থাকা কিছু, বিচিত্র নর। স্কুলরী বউটিকৈ এরা বেধ করি খাব নেকনজ্ঞার দেখে না। কিছু রগরঞা, হিংসা বিশেষ হ'ল থেকেও থাকে ভাহকেও এতদিন ভো দিবা মিলোমপেইছিল, আজকে তবে এই বিশেষারণ কেন? একটা ভেবে দেখলেই বে না যাবে যে এই কলহনাটোর আসল Villainটি এই বহা। বহার শার্ থেকেই প্রভেতক নানা অস্ক্রিধার ভূগাছে, মনের মধ্যে একটা একটা করে ভিজ্বভা জমছিল, সামানা কেনা একটা ছাভোর সেটা ফেটে গড়েছে।....ভারপার এক সংভাহ ফোত না যেতে এই তে দেশিন জারেক সম্বাভ বারে বেলে।

আছে কানিন ধার এই কথাটাই ভাবছিলান। আনি শাহিতনাকতনের ভাইবাসাঁ। দেখানে ব্যক্তি শাহা একটা আৰু নহ, অতু উৎসব, বাতিনাতো সমারেত্তর ব্যাপার। শাহ্দক বাক্ষ কাকর মাতির দেশ। বৈশাখ জৈলাই কি নিংকর্ণ ও কার্ণেই সেখানে একন উপ্তোগ্ এত তার সমারে। চেথেব

পূজা সংখ্যা প্রসাদ-এ

প্ৰতিভা বস্ক

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

(1개-৬국동৮)

।। সাহিত্য বিষয়ক মাসিক পত্রিকা ॥

उम्पाल- विभव प्रवह

আষাড় সংখ্যার ধাঁর। লিখেছেন—

॥ প্লিনবিহারী সেদ ॥ ভারাজ্যোতি
নুখোপাধার ॥ স্বেশচন্দ্র সাহা ॥
মানব বন্দ্যোপাধার ॥ দেবনারারণ
গ্রেখ ॥ বিমল মিচ ॥ নির্মাল সরকার ॥
স্করলাল বিপাঠী ॥ বেশকো দেবী ॥
ছবি মুখোপাধ্যার ॥ কাঞ্চন মাইতি ॥
বীরেলন্দ্রক্ষার বন্দেয়াপাধ্যার ॥ কার্কং
দক্ত ॥ গোঁর শান্তিলা ॥

প্ৰতি সংখ্যা -৭৫ - ৰান্মাসিক ৪-৫০ বাহিক ৯-০০

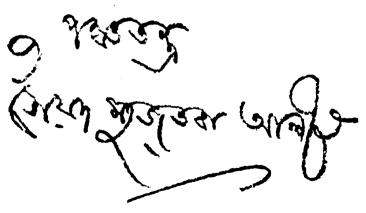
প্রকাশ ভ্রম, ১৫, বাংকম চাট্রেলা স্থাটি, কলিকাডা-১২ কেনা: ৩৪-৩৮২৫ সন্মাধে প্রকৃতির রূপ বদকো যায়, চত্দিকৈ ছান স্বাজ হয়ে প্রাণমন স্নিম্প করে দেয়। আবার যত বর্ষণাই হোক, উচ্চনিচুজনিম বলে জল দাঁভার না পাঁডাং ঢালা খোয়াই এব দিকে চলে যায়। 'জল ছুটে যায় একে रवरक भारतेन भारतं – य मामा जाकवारहरे লাহিতানকেতানের নিজস্ব। জলা জামে না খ্যুল কালাও হয় না। ব্ৰভিট যতক্ষণ চলাছে ভতক্ষণ চাহদিক জালে **ঘ**ই থই। ব^{্ছি}ট থায়ল তে৷ আধ ঘণ্টা এক ঘণ্টার মধে রাসভাষাট দিবি। খটখটে। একথা নিশিচত প্র মাণিত্রিস্কত্ত্ব রু**হস্ক বর্ষার অস্বাচ্ছ**ণ্টা খ্য একটা ভোগ করতে হয় না। ঐ সংগ্ একথাও স্বীকার করাত হবে যে শ^{িব}ত-নিক্তন থালিকটা আমাদের Corrupt কারেছে। প্রকৃতির ঋতু প্রয়িকে আছের। দেখেতি প্রকৃতির অলংকরণ হিসাবে ৷ এক ট্রেম্প্রের রাদু ফুডিটিটের বাদ দিলে প্রকৃতির অপুসরা মৃতিরি কথা আন্ত ভাষ্ট্র শিখিন। প্রাত্তক কর্ত্ত দক্ষিণ মুখ্ডিকেই শ্র্কেখ্ডি আসল কণ ব্যাকে আমর: দেখেছি রবীন্দ্রাথের পান আৰে কবিভাৱ মধ্য দিয়ে। সে দেখা স্থেন হলেও সমপূর্ণ দেখা নহা আহাড়ের ≥র্থণ যদি মন্ত্ৰ বহা যাগেৰ ওপারে নিয়ে যথ ভাবে এ হারগের আস্বায়কে ভো বিক চিনটে প্ৰেষ্ট না। তেকা নদীৰ ভূমিৰ ফেপিনেত ক্ষেয়ের ঘটা হতট মন্নাছর হোক আন্তাক বিস্ভার ভারে ব্রহ্মপান্তর ভটে মেখের ঘটাক কেউ মনেতার বলবে না। আছাকের বহাতি লাতি লগ্ৰন্থ লাত ^{কি}লাৰ প্ৰপ্ৰাভানে ২৪ : কালো হেয়ের ছাত্তার মনে যে চার[ি]ন কুৰণ কুষ্ট কে চাইলি মাৰ্থিকাত নয়, (तंड[ी] शकाद ।

বর্ধা এখন সম্ভত দেশের পক্ষের এক বিষয় সম্প্রন। অভিবর্ষণে পাছাড়ের চল নেয়ে নদী নালা ফন্রেল কোপে ওঠে, বনার ধরের প্রমে ভালিরে কের, প্রাণ্ডানি খচে, সম্পতি নাল হয়। কলক।ভার বর্ষায় প্রথ ফলি বা বাঁচে, মান বাঁচে না। গাভ বর্ষার জলভেক কলক।ভারাস্মী সহক্ষে ভুলতে পাবরে না। শানিভানিকেভনের অধিবাস্থানের মধেন কালাভারাস্থীরাও বর্ষা সম্বাদের একটা পোশাকী ধারণা পোষণ করেন। তাঁরা ভাবেন বর্ষাটা চাল আবাদের করেন। এক আধু পশলা বর্ষাণ ভান্মন অবশাট ফিল্প হয়। এ ছাড়া শহরে কন্দেরে বর্ষার আরু কি প্রয়োজন। বর্ষা এখন তার শোধ জুলছে।

গুলিমপ্রধান দেশে—বিশেষ করে যে দেশ কৃষিপ্রধান সে দেশে বর্ষার চাইতে মধ্যল কামী ঋতু আর কিছা হতে পারে না। সেই শ্রুডক্ষরীর এই ভরঃক্ষরী মৃতি কেন? ভরঃক্ররী তো বটেই আবার এক দিক থেকে বর্ষাকে বলা যেতে পারে কোতৃক্মনা। ধারাব্যাগে ধ্য়ে মুছে প্রকৃতির স্বাধ্য মার্জানা করে দেয়। গাছপালার চেহার। কী সঙ্গীর কাঁ সতেজ। কিল্ড মান্থের মাডি ঠিক ভার উল্টো। 'আঠিল বরষার রূপে ফেরি মান্ত্রত মাঝোলনে রাপটা কি রক্ষা? বেশির ভাগোরই তে: দেখছি ভেজা কাকের মতে। চেহারা। আমার মতে। প্রাকৃতজনরা কিংবা আমার দাদশোগ্রসত প্রতিবেশীরা তো বর্টেই: হ'ব: অপেক্ষাকৃত তাগাবান—ভাল বাড়িতে থাকন, ভাল গাড়িতে চ্যোন, তারাও দেখছি এরই মুগ্র একটা ছেন চুপ্রে গিয়েছেন। বড় ছেও, দ্রুণী দ্রিদ্র স্কালের জাবিনই অংশ-বিশ্বর বিশ্বস্থিত। প্রকৃতিদেবীর আত্মপর জ্ঞানীট উন্টেলে। নিজের জিনিস্টারু ধারে ছাত্তে সাফ করে ^{বি}ন্মেছেন[া] কিন্তু ছান্ম্যের লড়া মতার সম্পর প্রথমটি মর্দেশ্রর কবি দশাই। ন কাল্ডেন - প্রথমটে প্রচেক্টে ক.স., লাড় চলছে হয় জন্ম কাপড়ে <mark>'ছটিয়ে</mark> িন্দুর । আরেকট্র ধন্দ রেলরে ধরকে ভিন্স রসভয় মদক্ষিয়ে এক হল্লে মারে, এক হ^চনু ছক সভিত্য মান্ধজন কল করে। **ব**ুডি পাজ দি চুহা কাটাই, জুঁউজনত হ'টি,র উপার উয়ার জ্বর জিব বগলের **ক**রের ভেট্ন হা থাকার না । মর্মান্ত কর মারে একে নকার। ১৯৯৮ট বড়েভিয়ার কলকাও স্ত त्याक कुल योग ता जाएक, बारर वीक्टर से र

কাও শ্র হলজিল গ্ৰাম **এই প্**ডি-বেশালৈন নিয়ে পরিবেশের প্রচার মান্তের হয় সাট্ৰালে বিভাৱন বিজ্ঞান্ত্ৰ ভূমে নাই সমূ ক্রেটের সম্ভাৱ কেল মতে ভার নিজের এই দি ক্লিসপদাধ, ধর্মা অসতে ২ অসতে সেই প্রেসপথর ২০০ক্ষের ২০৮৪ হলে প্রবেশ कार्यका राज्य अंतर राज्य साम कार्यक्रिक क्षार জালর *টা নিসংবর্গা* জাবনে। নরেও ন্রার শালীশ্রতিকার একলি জালে জালেল কৈছে কৈছে কেন্ত্র যায় নাং শাৰ, প্ৰদেশ কোন যায়নিন ৰয়া চলাবে স্থাপেলর আবা বড় একটা *আ*প্রেলবর্ত মিলেজ বৈশ হারপ হাক্রে। গুল্ভির ভূপ এএ^{জন}ন এদের ভোগোয়নি, যাত্রণনি ভোগাজে ব্যাস এই সিবেধা ধানা। 🙊 ভূ ধারতী কেন্তে এতে খনি বিগলিত খন তেও সংক্রাপের প্রাণ ভাষ্টালার হয়ে ভুরের জাহার জ্ঞাতিবেশীনের মার বিজ্ঞানি বাভি কেউ। এই বর্ষার রাজ্যে সাপে সাত্র ৮,কারে পারে, ভারু সংধানতিপ্র শিখ্য ছাড়ো পরে আবোর রেখা পড় একটা দেশতে শাই ৮০। কবিষ্ণাক। এদের জবিনে সাথাক হয়েছে—আখার অধ্যির ভারের আলোর চেয়ে। এই স্পো আরেকটি কলাভ জ.ড়ে দৈওয়া যায়— আমার প্রথম ভারে বর্ষার চেয়ে। জন দুই তিন বৃণ্ধবৃণ্ধা আছেন ৷ আৰু বিকেলের দিকে যথন অধেণের বাজ্ঞ চলছিল ভথন এদেখা দেখলাম নেব গোড়য় বসে শ্লোদ্ধিটাত বাইরে তাকিয়ে আছেন। বাঙ্কা দেশের বহুয়ুগের আরচে এবের চাহনিতেই সভা হয়ে ফাটে উঠেছিল—

একদা আৰাড় মালে আৰড়াণ্ড দিন সহজে দহৈখীর দিন খেতে নাহি চয়ে।



রাসক হাসন রাজ্য

উন্তার এক কাউজ বেষেছেন :

সংন্ত্রের বান কে ত্রিকছে

সেক্র প্রার্থী,

কিত্যে যাস্য কম্বর আ মুদ্রি এই মুদ্রি

ত্রক অহামান্থ রাজ তারি চেটাই ত অহামানুক এক স্বধানারকে আদেশ নেন, রাজার বাগানে যেসব কাল ক্টিছে সেপ্টেল্ড সাজ্যা কি না স্বাচাই করাত। সে বাগান ঢ্রুলেল্লা তার নিক্ষ, অর্থাৎ কান্সপাথর নিয়ে। সেই নিক্ষ দিয়ে প্রত্যাক ফ্রাল হাষ্ট্র নেথে, কই গুলুটা তো সোনা নয়।

বাউল মশ্করা করে বলাছন, শবাপ্থে ইম্বরের প্রতি আমার যে ভাল-প্রেম সেটা সাক্ষা কি না, তার জনা তুমি উথাপন করছো যাজতকা? এখনো, আজো, দেখতে পাছো না, লেখাপড়ার পরলা নম্বরী, পরসাওলী, খাব্স্রেভী নারী প্রেম প্রেড একটা আকাট প্রতির সংগো। ছখন সেখনে লাগাও না তোমার যাজিতকা, —িক হবে তথ্ন?

অদাদিনের স্যান্ডাল মোলারেম রবরে তৈরী। ডোমার স্কণ্ধদেশে বস্ত বেশী কাগবে না। ্তই ভড়ুডিয় বংগদেশীর আপন হিন্দীতে বল্ডা

> ণ্টজসন্তক টেচস্য: শাটোকি সে বেঞ্চন্ত

য়র স্থে হিটা হ'ল হ'ল গাটেকিব সংগ্রেপ্টে কেখানে লাফরেন আনা গোলতর আহাক্ষ্মী। আমাদের ভাষ-ভালের্সার মধিংখান তুমি স্ভিতকা অনুহোকেন্

প্রতির বাগেরি বিদ্দীতেই আছে ঃ
ামার! তেরে গড়কে কা
অলত তারকা খেল ছম্প্রাদেরকা সির পর চমেলকিয়া তেল!!!

অগার ছাটোর মাধ্যর সালোলির হের চালাভ যেছে। না। ইংরেজিচেও বংগার কথার বজে, বি হাটা হাজে ইটজ ওন সাজন্ত্র্—এস্ক তার আধান বাজিক অন্তর্ভার চলে।"

ভাউল বাউল মুখিনিয়া ধর্মস্পটীতকে

মোরিফ্ডীশ গাঁওও বলা হয়। ইইবিলিডে বলে মিল্টিক। এ সব গাঁও বছরিতার মধ্যে পার্ববিদ্যা লগেন ফ্রীর সাপ্রস্থি।

এবং আরেকজন কবিকে প্রকার রবন্ধিনাথ অকুপণ সম্মান দেখিয়েছেন তরি একাধিক রচনার। এবি নাম বাসন রজা। আমি কিন্তু তরি ধ্যাস্থিতিও পেংগজি, হিউমার। সেই নিয়ে অনাকার আলোচনা। মাস্থিককাল প্রেরী সাংক্রমক শ্রীব্রত সনাতন পাঠক মহাশ্র মমাগ্রন্ধ সৈত্র মাত্রিকা আলী সাহেবের একখন গ্রন্থের

শশ্ববিধের দালন কবির সংগ্রে তিনি (মাতালা জলী। অনেকথনি লিংগচন। একজন হাসন রজা, হবি সংগ্রেক আহবা জনি সমানাই কিংতু আমাদের আনে কে বে র তেওিচারল জাসী মাণা

আলো চনা করতে গিয়ে লোখন :

হাসন রাজ্য সন্দোধ মাত্রাজা সারের জিংছেন, গহাসন র জার কবিতা সন্দোধ বিশ্বক্রি বর্বীন্দুনাথ ব্যৱসা রেকচারে ব্যৱসা পেশ্বরাপের একটি প্রামা কবির গানে পর্বান্ধ বড় একটি তারু পাই সেটি এই যে বর্ণিক স্বাধান্তর সহিত্য সন্দেশ স্থেতি বিশ্ব

এরপর বর্গিনুলাপ হাসন রাজার যে কবিতা উধ্যত কারেছেন, ভাতে কিছা, উনিধ-বিশ আছে বালে বর্গিনুলান পাঠীত পোল-ছিলেন এক শ্রম্মাণ লোকগাঁতি সংগ্রহাকর কাছ গোক: তিনি শ্রমাছিলেন ভুল পাঠ।

১ সৈয়দ মা্ডাজা তালা, আছেদের কালর কথা, বর্ষর, চটুলুমে, ১০৭৫। পান্ত

বিমল মিতের

অননা কাহিনী

निभिभावन



আনক পাৰ্যক্ষাল প্ৰাইকেট লিমিটেড কভাক

শীঘ্রই প্রকাশিত হচ্ছে

লোকগীতির বেলা এটা আকছারই হর।) মূর্তাজা সাহেব শ**্লেখ পাঠটি ফুলে** দিরেছেন (এবং আমার কাছে যে পাঠটি আছে ভার

শ্ৰা সংখ্যা প্ৰসাদ-এ **প্রেমেণ্ড্র মিগ্র**সম্পূর্ণ উপন্যাস লিখছেন

(সি-৬২১৮)



সংশ্যে হ্বহ**্ মিলে কার**)। তার প্রথম চার

"আমি হইতে আলারস্কা আমি হইতে কুকা+ পাগলা হাসন রাজায় বলে তাতে নাই ভুকা। আমা হইতে আসমান জমিন আমা হইতে সব আমি হইতে বিজগং, আমি হইতে রবা।"

এম্পলে উল্লেখযোগ্য বে কুল' + আরবী
আথে ব্যবহাত হয়েছে। কুল=সম্প্রণ, সর্ববিশ্ব; বাঙলা বিলকুল'এ এই কুল'টি
আছে। এবং 'রব'† এম্পলে 'ধর্নি' নয়;
বরং এম্পলে 'প্রড', 'স্টিউক্ড'।

এমনিতেই আমার মগজে ষেট্কু দর্শন-জান আছে, তা দিয়ে একটা মাছের টোপ হয় না, তদুপরি হাসন রাজার এই দশ্ভকরা দর্শনি যে স্বয়ং আল্লাভালা—রব্—তার মুশ্তু থেকে সৃষ্ট হরেছেন, এবে নাদিতক-রাজ চার্বাককেও হার মানার!

হাসান রাজা স্বরং সে তত্ত্ব বিলক্ষণ অবগত ছিলেন। ভাই এই গানেরই শেবের দিকে আছেঃ

> "পাণল হইরা হাসান রাজার কিসেতে জি কর মরব, মরব দেশের লোক মোর কথা যদি লয়।"

কিন্তু গানের শেষের দুই ছতে হাসন রাজা তাঁর মূল বজবা প্রকাশ করেছেনঃ— "আপন চিনিলো দেখ, থোদা চিনা যার, হাসন রাজা আপন চিনিরা এই গান গার।"

*

কী রবীন্দ্রনাথ, কী শ্রীষ্ট্র সনাতন, কী মুর্তাজ্য সাহেব একজন পল্লী কবিতে দার্শনিক প্লাভো প্রচারিত দর্শন প্রের উল্লাসিত সম্মোহিত।

কিন্তু প্রেই বলেছি আমার দশনি**জ্ঞ**ন ধর্মি পরিমাণ।

আমি হাসন রাজাতে পেরেছি হিউমার ও রসবোধ। কিন্তু তাঁর দার্শনিক র্পের পরিচয় দিয়ে পটভূমি নির্মাণ না করলে এই বৃদ্ধ্ব দেখকের দ্বাচারজন অগ্না পাঠক হাসন রাজাকে হয়তো ভাড়া বলে ভূল করতেন। ভাই অভিশয় অনিজ্যা সত্ত্বেও এই স্থানীবা অবভর্ষকা।

ভদিকে মেছে মেছে বেলা হরে গিয়েছে।
তাই অদ্যকার মত মার একটি চুটকিলা
নিবেদন করছি। স্থোগ পেলে ভবিষাতে
স্বিশ্ত ব হবে। এবং আমার সংগ্রা হাসন রাজার ব্যক্তিত যোগাযোগের কথা মোর একবারের তরে।ও ব্যান করবো। অবশ্য তার ব্যাস ভখন ষাট, আমার সাত! কত-টকুই বা ব্যুক্তি, কভট্কুই বা শমরণে
আছে।

এইবারে সেই কবিতাটি: এপথলে বলে র.খি, হাসন রাজা তার ফারের সে; আর কু: দুই ই চিনতেন। স্-কে নাম দেন হাসন জান, আর কু-কে হাসন রাজা।

"কত দিন আর খেলবে হাসন্
ভবের এই খেলা?
খেলতে খেলতে হাসন রাজার
না লাগে আর ভালা।
এই যে দেখ ভবের বাজার
ফেবল এফ জনালা
স্থাপিত কেউ নর তোর
যাইতে একেলা।।
হাসন জানে হাসন রাজার
মারলো এক ঠালা,
চল্ চল্ শালার শালা।।
**

ডাঃ মদন রাণার

বিবাহিত জীবন

দিতীয় খণ্ড প্রকাশিত হইল ॥ প্রথম খণ্ড ১০. ॥ দিতীয় খণ্ড ১০, মিলনের আসনভঙ্গী এই প্স্তকের প্রধান আকর্ষণ। প্রাইমা পার্বাদিকেশন্স । ৮৯ মহাত্মা গাণ্ধী রোড । কলিঃ ৭



ब्रवीन्प्रनारथब 'कर्वि किंग'

শ্যামল প্রকায়স্থ

ক্ষিতিকা শশ্লীত ববীন্দ্রনাধেরই স্থানিত কি নামের আবো বহু শশ্ল ও শশ্লবধ্য স্থানির মধ্যে কিয়ে বাংলা সাহিত্যের রসান্ম্বধ্যনের পথ প্রশাসত হতে দেখিছি তারই কলান। একোতে এই শ্লিক বিনাসে প্রসংগা প্রথমেই ইচিতা সাক্ষতির স্থানির হতে হবে নিব্ভীয়াও এর স্থানিতিক আভাসের ব্যাহ্যা এবং ও তারত গতিকালীর ভার চিতাক প্রত্যাক বরার প্রায়াভান। নাড্লা ক্রিক্লিপ্ত আলোচনাতিক প্রথমের ব্যাহ্যা

প্রথম স্থাতির বিশেষয়েলে বলা যায় সে.
সবংপারতন নাউকারে যে তিয়েরে নাউবলা
(PPLAYLET) - মেউউলত কবার লাফ্রিয়
বিদ্যা আক্ষার থাকে ও প্রেণী বিভাগেরই
স্বৈধ্য তথ্য গোকে ও প্রেণী বিভাগেরই
স্বেধ্য তথ্য বিশ্বনার করি এবং সাধারতার
তথ্য বেলা ভগতি করা পর্যক্ষ তথ্য সাধারতার
তথ্য বেলা ভগতি করা ব্যক্তি বিশ্বনার
বিশ্বনার বিশ্বনার বিশ্বনার বিশ্বনার বিশ্বনার
বলা উচিতার সামানা ভাষত হল না
বলা বিশ্বনার সামানা ভাষত হল না
বলা বিশ্বনার সামানা ভাষত হল না
বলা বিশ্বনার সামানা বিশ্বনার বিশ্বনার
বলা বিশ্বনার সামানা বিশ্বনার বিশ্বনার
বলা বিশ্বনার স্থা প্রবেশ্বনার উদ্যুক্ত
কলে বেলা

শিষ্টা সূত্র অবশানকে বস্তুর হারো ।

এই শাদ্ধ বচন সংগালী ইক্টান্ত সংগাল

শাল্ট চন্ত্রীবাট হাস্চান সংগাক্তর

শাল্ট চন্ত্রীবাট হাস্চান করে বিশিক্ষা
করিছার ধর্মীন সেন বন্ধা বিষ্ণু মাহেশবাবর
সূগালী বহাসের ইপ্লোচক। আর ডার ডাক সম্পিন্ত করিছিকার ধর্মীন বন্ধা হরসোলীর কিশ্বা কর্ম গুড়াতির স্পিটর
ক্রিকাসংক্র জন্ত্রীব্র

তৃত্যি স্থাত অন্যায় বি কিলা শ্বন পেকে স্পুর কলপালাকেল ইলিছে বিচ্ছারির লগতের হাত দেখি। তথা অন্তুতির লগতের হাত দেখি। তথা অন্তুতির লগতের ফাটকাল বিশেবর চিত্রকণপকে সম্পুর্পাণত করে। তেমনি কাবিতিরা শ্রেম অগতের একত উপস্থিতির সৌক্তা। অগতের করিতিকালে বিদ্যাতির সৌক্তা। অগতে অসমিকে তিত্রাম্বা স্মাতির অসমিকে পতি বংশনে স্মাতেরলভাবেই উল্লেখিত করে তেলে।

া ক্ষিতিকা রচনার অন্তানিছিত প্রেরণাই বিষয়ে রবীন্দ্র মানস-প্রকৃতির বিদেশবণ করাই যুদ্ধিযুদ্ধ। কারণ রবীন্দ্র সাহিত্যের অভিনিবিন্ট পাঠক মাতেই জানেন যে সম্প্র রখীন্দ্র-সংকৃতি বারংবার তার স্বরুপ পার্টেডে; কখনো তা কার্য-নাটক-স্পাহিত, কখনো বা কপা স্থিত্ত। অথবা প্রবদ্দ স্থালোচনায়। এবং সংস্কৃতির এই পরি-বহার স্বতিই যে ভাবের জগতে সংগঠিত হয়েছে তা নয়, ব্রপের জগতেও তার প্রায়াব বিদ্যারিত হয়েছিল। এখনে রব্ধিন ব্যোধর নির্দান বহন করে।

শ্রীনতী গতি রাসের ধন্তরাসে ১০০৫ সালের ১লা নাঘ রবীপ্রনাথ বে কোবিত্রাগির জন্ম বিশ্লেভিলেন এবারে সেই পাঠাগতরহান আসনকলিও রচনাকে উপন্ত করা যাক। গিশেবকবি আসনার রচনার থেকে/আপন সনার সালে বিশ্লাক। তেওঁ বিশ

কাকের ব্যান্ধনের ন্টেণ্ড ফারণ করার গাড়িয় এবংগাঁ রাজিছে।

2000

স্ত্রিদন্ত্রের প্রথম জ^{িব}্য প্রতিষ্ঠ কবিতার যে কৃতি কেল নিজ্ঞাল তার 电间 化物电台 电心电路管 电影摇动 有些 ভৌর রুপকার সভা যেহে ছু চিরটেটিটা স্কালী, এই কালা প্ৰা-ছাকে আঞ্চলীন হাত নহুম সম্ভাবন্যাক উদ্ভ[া]সত কার দিল। আৰ্র এই প্রাভ মধা আস্থ্যী কারাসমাহের রাুপসম্ভাতেও যথেওী পাহাকা রয়েছে। অথাং এক একটি কারের বর্ষণ প্রদার বা গালের অভিসাকের সাংগ্র ঘনিত্য সংগতির ফলেই কাবাকলয় স্বতশ্ব হরে উদৈছে। একটা সাক্ষ্য আথে বলা যায় যে, বিভিন্ন কাৰে। রূপদৈলীর এই বৈচিতা দ্যাইল নিভারশীল বলে ডা' দ্যাইলেরই র্পাদতর। <mark>প্রকৃতপক্ষে এই ক্ল</mark>ভেরি দটটেল বৈচিয়ের জনোই কাবা বিভাগ কবিতিকারে প্রপাডত, যা রবীদ্রন্ত্রের গভার রস- - প্রথমটি হাল্য লাপ স্যান্টিশত এবং দিরতাঁটটি এর অন্তর্গু গুরু<mark>ণ বা</mark> ঐতিহাসিক মহাদা বিষয়ক।

র্পস্থির ভাষের সংগ্রভারকত্র ভাষের এপ্রিয়ায়াত ও সম্প্রান্থ তাই ভাষ-নোন্দ্রক রাপদশ্রই বঞ্চনীয় : এতে যে ভার বিষ্ঠ হাবছে তাকে বলা সমালচয়নিকাট ক্রির আছেদশ্ন। বদ্ভুত বিশ্বরংগমাড় हेर्ज़ारक नाहोत् श्रीहरणाय खोदन एकी छ মিলপ্রীর বাস্তব পরিশ্রমাক সংরক্ষাণর জানা গুমের উপাদানের প্রয়োজন জন্তুত হয়, "চয়নিকা" ভার কভকারেশর পাদপা্রা**ণ** সমর্থ : এই সংশয় ক্ষাব্ধ মননের প্রতি-ফলন্টু সমালোচা পংশ্বিশালোচে অতাত স্পণ্টভাবেই ধর্নিত হয়েছে। আর স্বৰ্ণ পরিসরে জীবনপ্রেমিক কবির স্থিটি চাতুর্যে এই ভাবই হয়ে উঠেছে রেমেণ্টিক। এ যেন ্রণন্ত্রিমার্থ (Centrifugal) জীবন १९७२ हे आला एक हा जिल्ला (Centripeপ্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ

উত্তমকুমার

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(স-৬২৯৮)



बार्किफीरैन वाक निः

(চংপাতে সামাজক।
হংকং বাছে গোড়ীর অনুভাৰ সদস্ত
শতাধিক বহুৱের অভিজ্ঞান কলিকভোৱ অংশ আফস :
পিলাঞ্জার হাউস
৮, বেডালী সুভাষ বোড, কলিকাভা-১

ছানীর দাধাসমূক : • ৪০এ, নিষ্ডলা ঘাট **নি**ট কলিকাভা-ভ

- ২, বহাৰা গান্ধী রোড, কলিকাকা-৯
 ৯এ, লেক্সপীবর সরপি, কলিকাকা-১৯
 ৯৫, গড়িবারাট রোড, কলিকাকা-১৯
 - পি-০৭৫, রক 'জি', নিউ আলিপুর কলিকাতা-৫৩
 - ২১, গ্রাণ্ড ট্রান্ত বোড, হাওড়া
 ১৬৬/২, বেলিলিয়াস বোড
 - के त्यम फिल्ला किने सकाद शारवन

No. 2



গতিছভা বংধন বা tali क्षीवरस्त ক্ষিতিকারে ভাব ও রাপের আর্থাণ্ড ক্ষণ উল্লেখিত হিসেবে পরেবই 老(報(質) অধিক-ত সীমা-অসীমের এই রেফাণ্টিক বিলাসে অথথা গারা শব্দের প্ররোগ উপমা ও চিত্তক্ষের বর্ণালী বিহাস কবি মননে প্ৰভাৱ বিস্ভাৱ করেনি। B का - देशका व ক্ষেত্রেও রবীন্দ্রনাথ পংক্রিলোকে "কণিকা"র হালকা চালেও বিনাস্ত না করে গুম্ভীর অহ্য সহক চালকা বীভিত্তে अभिन्य विश्वे **4335**71

ঐতিহাসিক মুখানার প্রদেন্ত একথা পানরয়ে স্মত্বা 73 এৰ মধে৷ দিৰে "চয়নিকা" সম্পত্তে ববীন্দনাথের বিশেষ প্রতিভ সন্ধারিক হয়েছে। বিশেষত এই বে:হত 6 32 B আলোচা কবিভিকাষ আভব্যন্তি -ভাবনার "চয়নিকা" ব্যতিরেকে ব্ৰবীক উত্তিহ্যাসের প্রিধ নিপ্রের প্রচেষ্ট্র মার্ক স্থিত স্থান্ত দুভি সংকোচের পরিচারক হ'বে সংগ্ৰেচ গেই। ভাছাতা তে ব্ৰেকোন কাৰা সংক্রাল "স্কৃতিতা" নিয়েই **রবীক** ১৮ কেবেটালের অ।প্রহাসীমাহীন রূপে প্রকাশ পেরেছে: কিণ্ড স্বয়ং কবিও যে "চর্নিকা"র প্রতি কম আগুলী ছিলেন না, তার প্রমাণ এই কটি **৯:৫ই অনুস্যুত হয়ে আছে।** সংক্রের ৭৪ কথা হাকো এই যে রবীন্দ্র-সংস্কৃতি সনবদেধ ল্লন্ট্র ফিল্লব ভ্রিকা **স্বা**দাই সংযোগিত হভার তা' সেই সব**ক্ষেত্রে** ব্যাখ্যা—বিধ্যাতর অমাকা দাহিছ এইব করিছে। কিন্ত কার। সংকলন "চহানকা'য় এরকম কোন ভামিকার অসিত্র পাওয়া ষয়লৈ বলে পাঠকের পাক্ষ রস্থিতার প্রভাক্ষ অভিমন্ত জানার সংক্রেগড ইয়ে ওয়েলি। সাত্রং **বতা**মানে বখন এই সংকলন প্রস্থান্ত বর্তামভার সংক্রিণ্ড আ এ-কংল প্রভেয়া 517.5 3 4 6 6.43 "∰নিকা"র মৃৎবন্ধরুপে ીશીજ્યવાસ કુલ્લ কর:ভীচত: সেই সংখ্য নিশ্চয় অন্.চিত হাতে না হা**হা**র্ডালাভ "চয় নকালির প্রেন্ড প্রকাশের সংগ্র এই কেবিভিকাকে মাম্বক্তের গ্রাহ সিয়ে সম্মহনিজ্ঞ করা হোক। এবেই প্রিশ্ব ভারতী কতাপক রব্যক্ত-সংক্রি প্রতি প্রাক্তের একটি বথার্থা প্রমাণ উপাস্থাত করতে পার্বেল।

১। রবীশুনাথ 'ক্ষিতিকা'র কালিব রস-রাপ ব্যাখ্যা সম্পানে ১০০৫-এর কাতির সংখ্যা "প্রবাসী" কিছে ছিলেন..."লু চারত রকেরে মধ্যে এক-একটি ভাবরে নিবিষ্ঠ ক লিয়ে তার বে একটি বাছাল্য-বাজিতি রা প্রকাশ পেত তা আমার কাছে বড় বেখ চেরে অনেক সময় আরো বেশি আনর প্রেয়েছ। আমার নিজের বিশ্বসে বড় বড় কবিতা পড়া আমারের অভ্যাস বলেই কবিতার আগতন কম হলেই তাকে কৰিতা কৰে। উপল্লিষ্ড কৰতে আমাদেৱ ৰূপে।"

- ২। রবন্দিনাথের মতে, চীন-জাপান প্রমানকালে প্রাক্ষরে সংগ্রাহকদের অন্তর্গেদ কাগজ, রোগানের কাপড় ও তালপাতার পাখার লিখিত ছেওঁ ছোট রচনাগ্রেলাই ক্ষরিভিকার ব্যাহিকাছে প্রস্থানা ছিলা।
- ত। কবিভিকার সচেনা হয় ১৩০৬ भरम (১৮১১) "कशिका" शकारमक घरध দিয়ে: প্রশ্বটি রবীন্দুনারেছর আন্তে কবি-বন্ধ্য প্রমথনাথ রায়চৌধারীর (১৮৭২-১৯৪৯) **উट्लिट्सा উरमगोक्ड स्या। आव ५५३.५-८** বিদেশ ভ্রমণকালে ব্ভাস্থেট শ্বহস্ত,ক্ষরে বাংখা ও ইত্রেকী ক্ষিতামালা একতে "লেখন" শিলোনামায় মাদিত হয়। এবং প্রাথন এর বাবভীয় রচনা ১৬ ছে কাতিকি ১০০০ **সালে**র মধ্যে ইট্রছিল। অগচ কবি 5076 2 3 1 M 1 1 8 "লেখন"কেই কেবিভিক্ত র ভাগন রচন কাল হিসাবে নিশেশ করেছেন। তবে কান স্বস্তু বৈভাৱে কিন্দকার মুদ্রম পরেভাল বেলি সাথকৈ বলে প্রথমীয়কে স্ভুলা িবতাঁহনিকে প্রস্থ স্ভূত যাবের আনে সারে কলিছিকার আন একটি 12003-22561 राह्म आ**ष्ट्र**काल करहा।

S : প্রথবর্কারণ - मार्क - राह्यकाइत करित्र জ ক্সেঠিভনার পরিচর পাওরা ময়। এখান ভার বিশ্ব সাংখ্যভান বেস স্ফল্রা একটি **প্র**াসন্থার ব**ঞ্**বর স্থান্ত। ১০১০ সংখ্য S (# 50 11.04% Comparative Literature ge প্রিভার বলে টাক্রিছ জ্ঞান সমাধ্যক তার অস্প্রেছিত বর্ত さるなど (Webliterature) 4 140 g - 30 cm ेत्रद्र_म्ड ह 414× 0 5 4 6 351856

৫ া বৈশ্বিক নি কবিতাকার জাতি নিগারে বিনারে বিনারে করা করা হলে। তার করা হলে হলে ছবল করে হালে বিনারে করে। বালে বিনারে বিলারে বিনারে বিনারে

কিভিততে প্রানজিভটুর



২৮৫ টাকা দানের প্রথা ব বা ধা ও ন্যানার ডিবারের ত বরণতে অলা ভ্রাইড পোটোবলা ব্যানাজগটর

্যাসেক ১০ টাক। কিছিতাত কিন্নে। প্রতি ্যামে ও শহরে পাঠান ধার। লিখ্নেঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar PB 1945 Delhu-6



1 2 B

প্রক্রেশ এটেডিল ওদের বাসে তুলে নিতে। ৪৯৪কে লাল বাঙর ডি **লাক** বাস, ঠিক সাড়ে সাত্টার সময় ছাড়ার কথা। কিন্তু প্রতিরিশেক ছাড়ডে नाः दाःऽास्त्र বভিন্ন একজন চাকর ঐ বলেস টাটানগর হোক বংফ আনতে যাবে, সে তথনও এসে দেশভাষ্ট নি ৷ ব্রুটারা এই ওলাকায় রজা-মহারাজার চেয়েও বেশী প্রতাপশালী, তাদের বাড়ির চাকরাক অবহেকা করবে কে: পর্মেশ এই নিয়ে ল্লাইভারের সংখ্য চোচাড়েডি শাব্ৰ কৰে দিল, সেও সরকারী অফিসার, সে ভার। প্রভাপ দেখাতে চার। অভচ মাঝ বাভিরের আলো জৌন নেই, আর ৰাসে টাটনগার পোছিতে লাগাৰে বড় জোর দ, ঘণ্টা—দ্বীপ্রিনা উত্তেজনার বসে আছে জানুকায় মাথা হেলিয়ে। প্ররম্পতে এখন रफ ७का मिशाएक, लाइ द्वाधा सन्दा टारावाणे একা অসহায়ের মতন-একটাক্ষণের মধোই দীপ্রার অর্থ চলে গেলে, ও ফিরে গিরে ৩র কোয়টোরের অধ্যক্তর বিহানায় চুপচাপ क्षका भारत शकरत।

 –দীপা, পোটছই একটা টোলভাম করিস কৈল্ডু! চলগড় বাস থেকে হাসি মুখে मौशः बनात्मा, यनि छात्मा ध्वतः धात्क, ক্ত হলে টেলিগ্রাম করবো। ধহি না করি, ৰুক্ষবি বাদক আছি। আবার আস্বো: !

—আসিস, বিগগিরই আসিস। অর্প জাসীর হেচা দ

আৰু হাটবার, ডিড় কটিয়ে এগিয়ে গৈল ৰাস, চাইবাসা ছাড়াতেই দীপুৰে মন খাৱাপ হয়ে গেল। একটা ভাগে বাবার জসাবের কৰা জেৰে তাৰ প্ৰথম মন কেমন করছে 💃 —ছুই কো বেগেছিল লাগাকে,

ল্বু করেছিল, তার মনে হতিলে—মৃত্র জ্ঞার বাবার করে পোঁছাতেই হবে তাকে। व्यादाद अध्या अहे हारेरामा हरे। रहरह যেতেও ভার কণ্ট হচ্ছে। হলি সতি। সভিয় নিলামে পোনে সাতলো টাকার একটা টিলা কিনে তার ওপর একটা ছোটু শর বানিরে সে ওখানে থেকে যেতে পারতো চিরকাল! ভाলো नागाजा मा? बरेगेरे ए। सूर्गावन, ঠিক করে কিছা বোকা বার না। মাঝে মাবে মান্যকনের দেখা না পেলে প্রাপ হালিকে ওঠে, ছাটে বেডে ইক্ষে হয় ধন্ম-বস্থাবর কাছে, হাজোড়ে পর্যথবী কাঁপটেড টাছে করে, মেরেদের চুলের ছাণ নাকে हाराज करा। अवक कुका कारम। आयाद मारक মাৰে এও মনে হয়, সারাজীবন কোনো নিজনি জারগায় বলে খ্যান করতেও আমার ভালে লগতে। কাঠবিড়ালী আরু মেটে भालिकामत मास्या वन्याच हात त्याः।

খনিকটা অপরাধীতাহে সে অর্পের দিকে ফিরে বললো, খাব খারাপ লগেছে রে. আমার জনা তেবেকও ফিরে আসতে হলো! তোক হেসাভির বাংলো দেখাবো বলে-ছিলাম :

অর্প নম্নভাবে বললো, ভাতে কি হরেছে, আবার আসা বাবে!

—নঃ, তোর ভো বিরে হরে বাজে **ग**ु' मात्र वारतः। **उ**थन कि जात्र

—ভাতে 🖛 হয়েছে। ওকেও নিরে जागरवा।

—दन रह मा। बक्टक निरह ,रवकारक द्यत्वान नमन रक्षे वन्ध्रक निष्म यात्र ना। हें, रेज क्ल्शानि, ब्रि रेज ब्राउँछ !

লোকের সভ্যে মিশতে, আভা দিতে ব্রে कार्रजायात्त्र ।

–সেটা জনা ব্যাপর! কিল্ড সাঁত্য হেস/ডির বাংলোটা 奪る. অপ্র', চারদিকে কাচের জানলা—সার্গদিনে একটাও সভা মানাবের সপে বেখা হবে না —शास्त्र भारत भाषा हेरकद सम्म— ६ वरहा আর সব শব্দই প্রকৃতির।

—তেঃ এসব লারগার *আসতে* খৰে **कारना मार्टम, नारद**े

–সংবাশ্বা ফরেন্ট আমার এত দেখার ইছে কিন্তু দ্ৰোর এসেও তো ঠিক দেখা হলোনা। ভানিস, সারাজ্য করেন্টে সাত্রো পাহাছ, ওখানকার নালগাইগালো **काइटवार्यं प्रथा अवस्तरत मन्दा—এक এक्टो** क्षेत्राना-मिक्रामा वहरत्व भारताता। भारताता দ্বো বেড়াতে গেলে বে-রকম অম্ভুত লাগে, बहे मुंब क्रभारता एतरे हुक्य बक्ये-

—ভূই ৰে প্ৰায়ই বাড়ি খেকে এরকম **চলে** व्यक्तित्र, रकारना व्यत्र्वित्य इद मा है

-कि अमृदिशः

—ভোর বাড়ির লোকজনের, ছানে, ভূই रकारमा ठाकांद्र होर्काइ

--আমি তে: কখনো চাকৰি কৰবো নাই

-- जिक्क क्वी मा?

—ना !

বেন একথাটার আরু কেনের ব্যাথ্য रत्याद्व महकात रत्ये, ठाइ मीना ध्व मिर् ভাকিরে অন্তভাবে একটা হাসলো। चर्म बन्द्रमा, छ। इरम कि वाबमाब क्या ভাবছিস ?

—ব্যবসা করবো, কাণিটাল কৌথার P টোটে হাসিটা অবিকৃত রেখে বাঁপা বললো তুই জানিস না, আমি একবার চাকরিতে চাকেছিলাম, সেখানে <u>ছবি **করে**-</u> ছিলমে বলে আমার চাকরি বারা

—তুই বিশ্বাস কর্মিস নাই চুরি করটো জন্যার, তুই একথা বলবি তো, কিন্তু হঠাৎ একবার জন্যার করতেও আমার লোভ হয়েছিল। সতি। বলছি, টাকাটার ওপর আমার লোভ ছিল না, কিন্তু रेक राज्य क्रान्य क्रांक क मारग-एमो रस्थाउ।

भूका मरथा। अमाम-अ

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

(i7-622**8**)

আর্পের মুখখানা নিবল হরে সেছে।
ভার কানের কাছে মুখ এনে ফিসফিস করে,
বেন কোনো রসালো গোপন কথা। বলতে
এই ভণিগতে দীপ্ বলতে লাগলো,
বি কম পাল করার পর আমি দালগুণেত
আ্যান্ড সেনগুণ্ড ফার্মে আটিকেল্ড হরেছিলাম বিভুলিন। এটা খুব বড় চাটার্ড
আ্যান্ডপ্টেলিস মার্ম্ব

—চিনি। আমাদের কম্পানিতেও ওরঃ অভিট করতে আসে

—त्थारकमात्र नामग्राम्बरक क्रिमिन ?

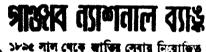
-- म् 'अकवात रमरपश्चि।

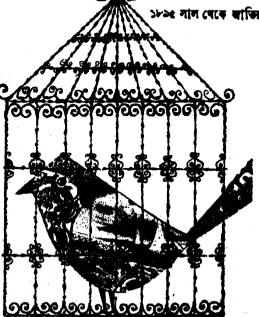
—ঐ প্রোফেসার দাশগম্প আমার মেসো-মশাইরের থ্ব বংধ্। আর্টিকেলড হজে তো হাজার চারেক টাকা জমা লাগে, আমার কাল থেকে সেটা নেরনি। একবার একটা শুকুল অভিট করতে গিয়েছিলাম বাঁসরহাটে।
আমি প্রোফেসার দাশগংশতর সংশ্য গিরেছিলাম কেরানী হিসেবে। শুকুলের
আ্যাকাউণ্টলে অনেক গোলমাল ছিল, হেড
মান্টার মশাই দেড় হাজার টাকা ঘুর দিরেছিলেন প্রেফেস্টর দাশগংশতকে। ঘুর
দেওরা নেওরাটা তো আর নতুন কিছু নয়—
ফিকু ব্যাপারটা এমন সহজ আর শাশ্ডভাবে

টাকা বাক্সবন্দী রেখে কি লাভ

পিএববি-ছে সঞ্চয় করুন

ৰাড়ীভে টাকা ৰাখা মোটেই নিরাপদ নয়।
এই জলস টাকা দেশের কোন কাজেও
লাগে না, ৰাড়েও না। আমাদের ব্যাস্তে
আপনার সন্ধিত অর্থ দেশের আর্থিক
অবস্থার উন্নতিকরে উৎপাদনশীল পির, কৃষি
এবং রপ্তানীর ক্ষেত্রে বিনিয়োগ করা হয়।
তথু ভাই নর, এর থেকে আপনি স্থদও পাবেন।
ভাই দলে দলে লোক আজকাল পি এন বি-তে
টাকা ক্ষমা রাখছেন। পি এন বি এমন
একটি ব্যাক্ত—বা সেবায় দক্ষ,
ব্যবহারে অমান্তিক।





PRIPHAILEZA

চয়ে গোলা সেটাতেই আমার দার্শ অবাধ লেগেছিল। হেড মান্টার মশাইরের সংগ্ चारत कि क्या हरतिहत कानि ना. केनि এমনি হরে ঢাকে বললেন, আপনাদের কাল प्रभाव क्षमा घटमाएं बाब कर्च करताह. मा? শহরে লোক আপনারা—। বলতে বলতে উনি একটা খাম টেবিলের ওপর রাখলেন, প্রফেসার দাশগাশত হাসতে হাসতে বললেন, মান্য মারার এড অস্ত বেরিরেছে, আজ পর্যপত মশা মারার একটা কিছা আবিষ্কার ছলোনা। খামটা জিনি পকেটে ভৱে নিলেন অন্যমনকভাবে। খামটার মধ্যে কি আছে দেখার জনাই আমি মি: দাশগুণ্ডার প্রকট থেকে সেটা নিয়েছিলাম—রারে সময়। উনি তথন গাড়িতে ফেরার ঘুমোচ্ছিলেন। পাঁচ টাকার নেটে দেও হাজার টাকা। আমার তথন মনে হলো এম এ বি টি পাশ হেড মাস্টার, আমেরিকার আ ছে প্রোকেসার দাশগণেত্র— ইউনিভাসিটিতে প্রান-আমি কি এদের থেকে আলাদা? তই জানিস, প্রোফেসার দাশগশ্তেকে মনে হয় দেবতবা লোক। কার্ত্র সপো খারাপ বাবহার করেন না। হেড-মাস্টার্ডিকেও থারাপ লোক মনে হয়নি। অ**ও**চ ওরা ঘুবে বিশ্বাসী। ওরা বা করছেন, সে রক্ম করতে আমারও কি রক্ম লাগে— সেটা দেখার জনাই আমি সাড়ে সাত তে **हें।क**्रिया निकास।

যেন চোখের সামনে জ্বন বেখছে, এমনজাবে তাকিয়ে আছে অর্প। তার নরম
মন, টাকা-পরসার বিশেষ মালা দের না সে
কখনো। দীপ্র সাপো বেড়াতে এসে সে
দীপ্রেক একটাও পরসা খরচ করতে
দের্মন। সামন বাবন্ধ গোটাকার জনা
দীপ্ন ওরকম করবে, সে যেন বিশ্বাসই
করতে পার্ক মা

মুচকি হেসে দীপ্র বললো, আমার আসল বোকামিটা কোধার জানিস? প্রোফেসার দাশগুণ্ডের সাধা ছিল না, আমাকে মুখের ওপর চোর কলার! আমার একটা ফার্মিল বাকে গ্রাইণ্ড আছে জো! কিশ্র টাকাটা নিয়ে আমি কি করবো ব্রুবজে পারিনি। জ্বলণ্ড কাঠকয়লার মতন টাকাটা কিছুভেই নিজের কাছে রাখ্ডে পারছিল্ম না। আমি কথাটা বাবাকে বলে ফেলল্ম। তারপর—আছা থাক—

— কি? তোর বাবা ব্রি

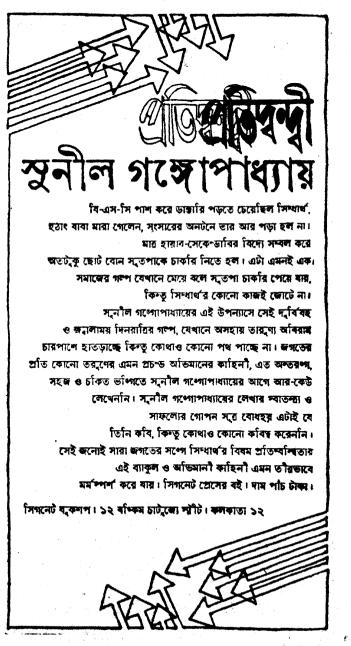
ান ক্রম্প কাটল ব্যাপার। এখন থাক। আজ্বা অর্প, ভোদের কম্পানি থেকেও প্রোম্পেনার দাশগণেশুকে ব্যব দেওরা হয়,

—ना, त्यार्टोहे ना।

দীপা জানলার দিকে মাধ ফাররের বাইরের অসকার দেখতে লাগলো। মিলিটারি অফিসারদের ছবে থাওয়াবার আগারে জর্পের বাবার ফুডিডের করা কে না জানে! 'রাজেশর যোবাল গুটো একটা কনেলকে গলার চেন গিরে ঘোরাতে পার্নে; —একথা অর্পের কাকাকেই সে বলতে লুনেছে! অর্পের গিদি ছাই রঙের উল দিরে সোরেটার ব্লেছিল জন্তরানদের কনা। কি হবে এসব কথা বলে! অর্পের কাটা রডা নকা।

এরতােস বাস হটেছে সাঁ সাঁ করে, আর কোথাও থামবে না। অপকারে মাবে সাকে চুক্তক করে উঠছে ডোবা বা বালের করা। গুরে বিক্সিক করে প্রামের আলো। আকাপের এক পাল্টার পুরু এক চাকা কালো মেয়, বাকি অংশে ভারা ফাঠেছে।

তব্ হঠং বাসটা খেমে গেল। এ বের এক সপো হাজার হাজার পাণ্ডির ভাক। এই রাত্তির বেলা। সতি, পাণ্ডির ভাকই প্রথম মনে হরেছিল দীপুর হরতে তার সামানঃ ভদ্যা এসেছিল। আসলে আটারশাটা মেরে,



दल्हे इन्ट्रम शक्ता

স্কুলের খাসটা এক পালে কাত হরে আছে। একটার জনা গারাতর আফেসিডেও হরন। টটনগর খোক মেরেরা এফিবিক কিরতে। ফেন্র পথে এই কাপার। মেরেরা সব রাগতের মর্বাথান সভিত্র চেড মেরি করে থামিরেছে ব সংশ্লের থামার সভাগেই হারা যুক্তম্ভ করে করে প্রত্তর সক্ষাত্র সক্ষাত্র মাজার কর্মাণী হার্ভিক করে বাস উটেউ স্কুলে সক্ষাত্রী হার্ভিক ক্ষিত্র বাস রাগ রাজার ক্ষাত্রী বার্ভিক বাস রাগ রাজার ক্ষাত্রী বার্ভিক বাস রাগ রাজার বাস বার্ভিক বাস রাজার বার্ভিক বার

মাত্র তিন গানটে সিউ খ লি ছিল, বাকৈ লোকেরা কেট উঠে ওটের জামগা দিল না। বোকা বার, ওকা সব ই মিশনারি সকলের মেটা, সবই সজলা পরিবারের, সপ্রতিত্ব, কার্টই সংস্থা পারাপ নহ, জনেকেই বেশ সংকরী। তিনজন শিক্ষরিত্রী গোটের সংনা দক্ষিয়ে গাণে তুললের ওবের, সপো একজনও পারায় মানুষ দেই—কারা কোনো জসহায় ভারও নেই। মেরেদের স্বারই নীল পোশাক, দেখলে চোপ ক্রিভিনে বার।

জর্মই প্রথম বললো, আর আমরা উঠে ভানর বসতে দিই। দীপা সপো সপো দাভিরে দ্বটি মেরেকে বলকে, আপনারা

भूका मःशा अनाम-अ

वामाशृना (एवी

नम्भार्ग जेभनात्र निश्रहन

(FF-6228)

চাণ্ডল্যকর আবিস্কার দৈনন্দিন একঘেমেনি থেকে বঢ়িন

অন্যানিকার একটি অনিক্ষার — ব; হাতে প্রেল শেডিং র'ল, সাধ্যন আর দ্রীম আপনি ছাতে ফেলে পেবেন—ভারতে এই সব প্রথম প্রবৃত্তিত হতলা।

সবচাইতে মভার হচ্ছে, এই আবিম্ফার কেবলমার রেজর রোডের ক্লেটেই প্রবোজ্ঞ হচ্ছে—মানের ওপর নর। কুইক-এন-ক্লীনা এর জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হালা সরচাইতে অবিস্থাস্য ঘটনা, অবচ এই দিরে আপনি অভি দ্রুত ও চমংকার শেভ করতে পারবেন।

ভাগনার রেডের প্রান্তে এক ফেটা কুইক-এন-ক্রীন চেলে নিন্, ডারপর মুখ জঙ্গা দিরে ডিজিরে শেত করতে থাকুন। আপনার রেজর হখন গাড়ির ওপর দিরে কাপেটের মত কোনলা স্পর্যা ছড়িরে এগিছে বাবে, আপনি তথন জীবনের সবচাইতে বড় ছিস্মা বোধ করবেন। বারের দিক দিরেও এটিতে সাপ্রার হয়। এক বোতলে তিন বাস চলে। बन्दा। न्यूरणम छेट्ट झारमा स्वरत, कर्डाः वा वाजन, भरनाता-त्यारणा, किन्दू अहे राजरमन स्वरतास्त्र चार्णीन करणा मरन्याधन कराण जान प्राणी हाइ, मीन्द् आरमः जारहान् जानम् राणी हाइ, मीन्द् आरमः जारहान् जानम् राणी कर्ताः करता राणासः राणास्त्र जानम् राणासः वास्त्र राणासः वास्त्र राणासः राणासः वास्त्र वास्त्र

এই মেরে দ্বিট কিন্দু বসলো না না,
আসন রা বসনে না, আমরা দীজিরেই মেতে
পানবা! দীপু - অভ্যনত নামন করে
কলানা, তা কি হয়! আনরা কদে দাবা,
আপনারা দিজবেন, বসান না! বাসে দীপা,
আর মর্পের কর্মী আর কোনো ছেলা
ভিল না, ভাই মেতি দ্বিটি অত সচেতনা
বংলা প্রবেশ মেরে হলে লাজ্যকলাত হয়ে
৪০বর সলো কগই কলতো না, নিজেনের
মরা ফিকফিক করে হাসভো। মেরে দ্বিটি
অর প্রতিন ব করালা না, বা পা করে বাস
পড়ালা, ভারপর চেপেচুপো একটি ভারবা
দালি করে বসলো, আপনারাও বসান না!

অনুপকে কোনো স্বেগ্য না নি ই দীপ্য বগলো, বসবোট অংলা! বল পড়ে বললো, আমাদের ৰাস বদি এখনে না অংগ্যে, তাহলে কি কর্তেন আপনার:? আব লোবাস নেই!

দাটি মেনের পেশাক তো একরবনই, ফেলরাও প্রার একরবন্ধ, দ্যাজনেই ফার্যা, তে থ-নাক-মাুখ বেশ তবীক্ষ্য কটোলো, কিনতু একর্মন বললো, ইস, শামবে না মানে ই অন্তর রাজভার মাঝখানে দাঁতিরে পড়েছিল্মে, চাপা দিরে শাবে ব্যক্তির বেশে মজাই হতেন, আমরা সারারাত এখনে বেশ মজা করতুম।

এই থেকেছ মেরে দুর্টির চরিত তার বেকাে হার গেল। শ্বিতীর কথাটা বে বললা, জানলার ধারে বলেছে সেই মেরেটি। তাকেই দীপরে বেলী ভালো লোগে গেল। তার পালে যে বলেছে, তার দিকে চেরে একটা দেনটুমার হাদি হেসে দ্রীপা বললাে, আমিই তাে প্রথম দেখাতে পেরেছিল্মে জাপনাদের। আমিই ছাইভারকে বল্লাম, রোকা্রক, রোক্রকে—

পালের মেরেটি একটা শিখা না করে বললো, আপনাকে ভা হলে ধনাবাদ দেওরা উচিত আনানের।

দীপরে ইচ্ছে হলো ধলে, ধন্যবাদ দেবার বদলে তুমি ওগিকে বসে, জানলার পাশের মেরেটিকে এ পাশে বসতে দেবে? কিন্দু তা বলা বার না। জানলার পাশের ফার্নিক বললো, সারারাড না ফিরলে বাড়ির লোক চিন্দুতা করতো নাঃ

-- नद्दन तथ। अक्किन इक्षा। मक्स्रम

टवा किल स्वकृष्टि ।

-योर काकार बागरका ?

—ইস, আমহা আটালগুৰন, ডাকাড থগো ইন্যো আর কি:

क्रमकाणीय स्वातका कि अवणे म्यून्ट रहा कि महत्व माध्रम स्वातिया। विश्व देख हाला. स्मान स्वातिय दाक द्वाता। किल् वा कहा बाह मा, मा? अन्यो, काला प्रत्य दक्षिण, जाएमह मीडे एक्टक मिर्ट्ड गर्ल मर्गकृत बारक। अन्या भारण रामगान मन वार्य देख्य दाक्य, क्रम्य करियह वस्त्र भाव हाला, अस्पन प्रमुख भारण काला वारणांत, जान करान मरमा ए स्वातिय कहा जाता जाहा, जान मरमा ए स्वातिय कहा जाता जाहा, जान मरमा भारत्व अव जाता हाला किक्यू नहीं, करमह भारत्व अव जाता हाला किक्यू नहीं, करमह भारत्व अव

- याशनास्त्र गांकासर साथ कि ह

—আমাদের আপনি বলহেন কেন? আমার নম ইরা ব্যনাজি, আর ওর নজ লোপায়ায়া ঘোষ।

জ্ঞানলার পালের মেন্টেটির নাম ইরা। দীপুর্
একট্বিও দিবর্যা না করে বজালা, ইরা।
ব্যমার একজন বন্ধর্ ছিল, তারও নাম ছিল ইবা। তোনার মতনই দেখাত ভিল।

—ছিল বেন? তথ্য নেই ব্যাধা? —এখনৰ যে কলে কিলে এখন স

—वश्नस्य दन काम्न, किन्तू वायन काम्न दन खादाहारस्य नहाः

— का दरल व्याधनात व्यथनकात रखात । नाम कि?

আন্তর্ম বাতা মেয়ে ও এসব ব্যক্তে ব্রুক্তে পোরেও এর স্বত্নি হিছে সূর্তু উপেক্ষা করতে পারে না। মেরে দ্রিট পরস্পর চোলায়েছি করে হাস্লো। ভাসপর লোপায়ন্তা ভিজেস করলো, আপনার নাম কি?

—আমার নাম দীপাঞ্চন সরকরে। আর এই জয়োর বন্ধা—অর্লুপ যোগাল।

-देश छैनि वशः शास्त्रका ना।

অর্প মা্য গাড়টো করে দাঁড়িরে আছে।
মেয়ে দ্টির কথা দানে একটা ভদ্নতার হাসি
মাসতে হর ভাই হাসলো। দীপা এর পর
থেকে অর্পের কথা ভূলেই গেল। মেরে
দাটিকে জিজেস করলো, তোমরা টাটানগারে
কোধার থাকো?

—শাক্চি। আপনি?

--আমরা তো টাটানগরে থাকি না।

— क्रमकाठात्र भारतम ? । आस वार्षिदावे स्रोत धरारतम ?

—ক্ষাকাতার থাকি, কিন্তু এখন ক্ষাকাতার বাবো মা। টাট্যনগরে গোঁছে ঠিক কমবো। হয়তো বন্ধোলের দিকে চলে বেকে পারি। -- ट्याबाज बादन क्रिक टमरे ? अस जाटक इकाबाज निरम्नीकरणम ? डारेवाला ?

—এখন চাইবাসা থেকে আসায়। আজ সকলে ছিলাম হাটগামারিয়া বলে একটা ভারগায়। সেখান খেকে আমরা কারো নহী অবিক্রার করতে গিয়েছিলাম।

ইরার মধ্যে রহসা ও বিশমরবেধ বেশী।
সে চোপ বড় বড় করে বললো, নদী
আবিদ্ধার করতে গিরেছিলেন? কোপার?
লোপামলা এত সহজে অবাক হর না। ও
হাছে সেই ধরনের মেরে, যারা বিশ্বের পর
শামীর সংগা জরেপ্ট লাইফ ইনসিওরেশ্স
করার, অচেনা বাড়িতে বেড়াতে গেলেও ঠিক
ব্রতে পারে কেথার বাছর্ম অস্কে, সে
কেন অত সহজে ভূলবে। সে বললো, ননী
আবার আবিদ্ধার করবেন কি? এদিককার
সব নদীই তো কেউ না কেউ চেনে। কারো
ধনীর নাম তো আমিও শ্রেছি।

দীপ্তিব, লোপাম্টার ওপর বাদ করলো লা। তার উব্র উরাপ তো সে প্রীয়ে নিছে। আলচেডাডারে বললো, আমবা চডা কাউকে পথ লিজেন করিনি, কোনে মাপ ছিল না, গাইড ছিল না, নিজেরই খাজে বর কার্ডি- সেই আমানের অবিধ্বার। আমবা দ্যাক্রে স্থানি হাডিয়া চড়ে-

জীয়া আবাষ তাৰ বিশাল ডোখ দুটি আবল বিশ্যাবিত কার বলালা, আড়াল জোশ গিলেভিলেন ১

---শুমার লোগেলকের থেকে যে ডাই হেলে চাল বিয়েছিলাম লামিয় বান, পারাডের নৈকে ছাল জন মাধ্য র পথা, দেই ঘন ভাললে স্ট্রান আলে চোকে না---হচাৎ ব্যান করেন নদী দেখাত পোল মানিক নিজান ক্লের সেই জালগানী, গনে হয় সাধ্যবেলা আসের সারে বাত ছিলান দেই নদীর পারে, জ্যের সারে বাত ছিলান দেই নদীর পারে, ক্লেন্ডেল্ড ছালের বিকিমিক লেখে সাডাই মনে হচ্ছিল্ল--

ক্ৰিম্বাসী লোপাম্থা ক্ৰাম বাবা গৈছ জিজেন ক্ৰপো, কি কৰে ব্ৰুলেন সেটই কাৰো নদী? নদীয় বাবে তেঃ ক্ৰাম লেখা থাকে নাই

নন্দীর কাষে নাম লেখা থাকে না টিকট, কিপড় এক একটা নদী দেখালাই চেন করাং ও ছাড়া, কাছেই একটা লংগ্রেল দেখেছিল না কেই বাংলোর নাম কারা ভিডাং অংশক সংগ্রেক টিছের সেই বাংলাওে বেড়াতে আসে গুলাকার দৃশ্যে দেখবার জনাঃ

हैत: बनात्मा, औ क्रभारण एकाम क्रम्यू-कारमासास रमहे ?

— আমরা হয়তের পাল দেখেছিল মানুর থেকে। বাথের ভাকও শানেছি। মদীর পাবে দেখেছি হরিণ। আমাদের সংগ্রেতা বেল্বেড ছিল, আমার ঐ বংধ্ অর্প্—ও তো খ্রু ভালো শিকারী। তেশিন আসবার বেল খানিকটা আগেই
ভরা সবাই নেমে গোল। দীপা উঠে দাড়িয়ে
ভসের বেরিয়ে আসার আরগা করে দিল।
ইরাকে একবার ছেবিয়ে অনম্য ইফ্রে হান্ধ্রন
ভার—কিন্তু লাকিরে-চুনিরে ছাণ্ডে ভার
একটাও ভালো লাগে না। ইরাকে বলগো,
খ্য ভালো লাগলো তোমাদের সংগ্র দেখা
হরে। ভাবো নেশ্ব হরে।

—টাটানগরে আবার আস্করেন? বাঁদ আসেন, শাক্চিতে আমাদের বাডি—

—টাটানগরে জাসাবো কিনা জানি না।
কিন্তু বেগানেই হোক, জানার দেবা হবে।
ধরা চলে যাবার পর জর্প জানার বনে
একটা হপি ছাড়ালা। বললো, প্রদের ঐ ঝারি
কারি নিধাে কথা বলে তোর কি লাভ চলো।

– মিথো কথা কোথার বলকাম ?

—সৰ ভ্যাম শাই, আবার বলভিস—

—মিধাে ঠিক নয়, আমার এগা্লা কণ্যা করে জুলাে লাগািকল, তাই বলে গেলাম।
ক্রুকে জুলাে লাগািকল, তাই বলে গেলাম।
ক্রুকে বলে করে করে তাে, তাই এমনভাবে
কলাম—কেন সতিটে গিরেছি। মেরেলার্কার
সংগা জার তাে দেখা হবে না—আমাদের
সতি। পরিচর ওরা জান্টেও পারবে মা—
করা ভাষবে, এখনাে এমন মান্য আছে, বারা
ঘাড়ার চড়ে ননী অবিক্রার করতে বার—
করন কেবার বাবে তার ঠিক নেই। এই সবরোমাণিক বালাের কবণনা করতে ওপের
নিশ্চরই ভালাে লাগাবে।

—তুই যে একটা মেয়েকে বললি, আবার দেখা হবে। ভই বানি এ মেয়েটার সংগ্রে—

—না, এই একটাই মিখে। কথা বলেছি। ওর মুখ দেকেই আমি বুখাতে পেরেছিলাম, আর কোনদিন কেখা হবে না। তব্ কললাম। (রুমণ্)



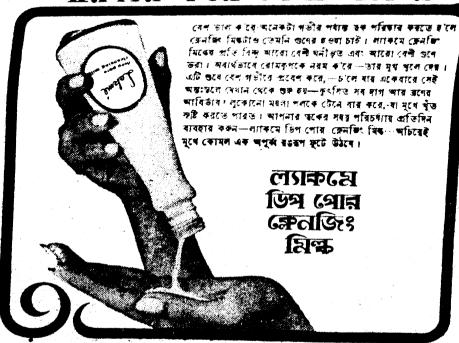


कि बट्ड बाज ८५% का ला बट्ड - ७८

Same and the second second



लडाक्टिस क्लिलिङ सिक्क **दियी यिङ्याली दियी शाद्मि** श्रिक्कात करत दियी श्रिट्स



তি বিশ্বা প্রকৃষ্ট উনি আনাতে
বলালে ক্রিকার প্রথম বেকে
বলালে ক্রিকার ক্রিকার করে
বর্তার ক্রান্তের ক্রিকার ক্রিকার ক্রিকার করে
ব্যাহর ক্রিকার ক্রিকার ক্রান্তের ক্রিকার
ব্যাহর ক্রিকার ক্রান্তের ক্রিকার
ব্যাহর ক্রিকার ক্রান্তর ক্রিকার
ব্যাহর ক্রিকার করে
ব্যাহর ক্রিকার করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর করের করে
ব্যাহর ব্যাহর করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর ব্যাহর
বিবাহর করের করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর বাহর করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর করের করে
বিবাহর বাহর করে
বা



ইতালীর প্রেপ্করেপ্রাণ্ড—"নিংস্থা স্থাসন" ছবিতে নিলপীর ভূমিকায় দ্রাংকো নেরো —বালিজে চাঞ্জা স্থানে

দৌদন সক্ষাৰ খাব্যা পৰিবেশে গ্ৰেপ্
করতে করতে ভংগল চাইপাখার হখন সে
গলপ করভিলেন ভখনত তিরি কথাবাতা,
যাব ভাব জার বিসময় বৈশ নেযে মনে
ছচ্চিল- এখনে কেন ভিনি বিশ্বাস করে
উঠতে পারভেন না-ভংগনিই সভিভিন্ন রাজের
গাল্পী গাইন বাধা বাইনা ছবিতে গাপীর
চরিতে এত মন মাভবান পরিপাপা সঞ্জাক
ভাজনয় কারভেন। গ্রেমাণ হবি খোষের
মুখেও ঠিক একই বিশেষ্য । এই হজ্যে
সভাজিত রার। যিনি র্প্রণার গ্রেপ্র মত
রাখাল বালককে ধরে চলভিত্র রাজ্যের রাজকনার সাপ্রে বিশেষ দিতে পারেন।

আসর কমেছে আমানের মাননীর কনসাল জেনারেল পি দাশগানেতর বাড়িত। বার্মালনের আন্তর্জাতিক চলচ্চিত্র উৎসব উপলক্ষে ধারা এসেছেন, সদুবীক পুত্র সহ



সভাবিধ বাব, অভিনেতা তবি বোৰ ও তেপে इरके मानाम अरवासक महिकात, बानाम गर्छ ও অসীয় গত, গুৰুজন সাংবাহিক এবং স্থানীর বেল করেকছন ভারতীয় স্বীজনকৈ শ্রীদাশগুল্ড ভার বাসার আরশ্রন कान्यिक्तन । श्रीमकी मानग्रात्का क्रांत्रा क ভোজাবস্তর অব্যেজন বে কর প্রসংশাবোগা তার প্রমাণ পাওরা গেল—আরেক যার "বাষা" ও "গ্লেগীর" থাবারের ম্পো। ওটা যেন আপনা থেকেট ঘটে গেল। সভাৱিং বাবের কামেরার নর। সভার प्राथक्षात्र जवाहे क्या त्याह बान्छ. छात्रहे মধ্যে উপস্থিত সহার খাওয়া কর হয়ে গেল -- "গ্লেপী" ভার "বাষার সাঁতা সাঁতা হাত দিয়ে খাবারের মুখো। একরের পরেকার मर्जाबर बारदव नव-शिवरी मानगरण्डव। रमधान कारनाहना काच केरेल बाहना स्टब्स সিনেমা শিকেপর সমস্যা নিরে।

সভাজিংবাবকে পাওয়া গেল বরেরা र्शावरहरूमा आश्रमकातम् भए। यांकारकार वारमा एमानव छात्राञ्च । चारण्ड-ভাতিক চলচ্চিত্রে সমস্যার কথা। নানা বিহারে প্রদান কর্মাছলেন তিনি। বিশেষ कार आमारनाद बात कार्टमानारनात अभाग । কে জানে তাঁর মনে আবার কোন ডাক প্রদেশ্য ভাষে প্রদান করতে ভিনি থাবই **স্থান্থের সংখ্যা বলছিলেন—কেবল ভার** ছবিকে নয়, ব্যক্তিগতভাবে তার বিরুদ্ধেও বারলা থেশের একদল লোকত বাবসায়ী গোণ্ঠী তাঁকে কি ভাবে হেম প্রতিপল করে. দাব ছবি তোলাৰ প্ৰতিবন্ধক সান্টি বঞাৰ চয়ানত চালিয়েছে। তিনি বললেন-আমার ছবি তোলার হাধ্য যদি ও'রা স্থিট করেন, ক্ষাহ আলোকে বন্দের বা লাভনে ছবি তলাত शाद । आधारक वालेकारदेत श्रेता कि कार्य ?"

বাঙলা দেশ, বাঙলা দেশের সর্বান্তরের ঘণ্যা দলাদলি, ঈশাবোধ, স্বাথাপরতা, অর্থানিকারের চক্রান্ত কোথার গোছিলে, সভালিং রারের মত প্রথিবী খাতে চলচ্চিত্র শিশপীকে দৃঃখ করে এ কথা বলতে হয়! বিদেশ থেকে আমাদের বৃঃখ হয়—একেই বাঙলা দেশের সমস্যার অন্ত নেই, তার ঘরে বাইরে সমস্যা। একেই হিন্দী আর বাঙলা ছবি প্রায় দেখার অ্যোগা হতে চলেছে—
আন্তর্ভাতিক প্রায় ভ একেবারেই

গুনেকেই সানেন, বার্মানিকার এই উপাপ ইান্তিশানার। তার একটা এনিকা আকর বাক ১৮ বংসর বরে বেংগাঁছ। বাক্তবা নেশের সংশা বার্মাননের কো এক ব্যবহার আক্র



Rani Radovi (Early Works)

সংশ্রুণ। সভ্যান্তং হার ভার সেতু। পর পর তিন বংসরের বারলিনের সেই আন্তর্ভাতিক চলচ্চিত্র উৎসব থেকে স্বাক্তেন্ট চির পরিচালকের প্রেক্তার অর্জন এক ঐতিহাসিক ঘটনা। তার মহানাগরেশ অরে চারক্তেনা কথা এখনো অনেকের মূর্বে। একানিকে ভারতের মন্ত চলচ্চিত্র লিক্ষেণান্তর গলগেহসংপান ভূরি ভূরি আবোদ-প্রান্তর কালাকাটির কিক্ষের বিপ্রান্ত অপচর, অনাসিকে পান্চান্তা চলচ্চিত্রলিক্ষেণান্তর মাঝে আরু কালাকাটির কিক্ষের বিপ্রাান্তর মাঝে আরু কালাকাটির কিক্ষের বিপ্রাান্তর মাঝে আরু কালাকাটির কিক্ষের বিশ্বান্তর মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাঝিকানিকের সোনিক্ষান্তনা লাক্ষের মাঝে আরুলাক্ষ্যান্তর মাক্ষের আনন্দ—এই বুই প্লাক্ষের মাক্ষের মানেক মান্তর মাক্ষান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষ্যান্তর মাক্ষয়ান্তর মাক্ষয়ানের মাক্ষয়ান্তর মাক্ষয়ান্তর মাক্ষয়ান্তর মাক্ষয়ান্তর মাক্ষয়ান্তর

भाषा गः**या अनाय-**ध

मी भक (छी भूती

जन्म् पं जेभनाज जिल्हाम

(14-657)

আন্তর্গতাল দাবে বাঁড়িকে সাধিবাঁর আন বৈ কাজন বহুৎ চলজির নিদ্দানী নিশ্যের চলজির নিদ্দানে এখনো বাঁচিকে জাববার চেন্টা করকেন, ভাগের মধ্যে জনাতম নভাজিং রার, ছবিডে নিনি এখনো অন নিশ্যে বাহিছ। তার আসন আজ্ঞ এক লাক্ষেত্রভিক চলজির উৎসব থেকে জনা ভিক্তব্য। আর সৰ বছরের মত এবারও বারনিদের এই উৎসব ১৯ বারের মত উৎবাগিত। তবে এবারের উৎসবের চাইতে বোগদানকারী দেশের সংখ্যা কম, চলচ্চিত্রের সংখ্যাও কম—তুলনাম্লকভাবে বলতে গোলে আর সব বছরের চাইতে এবারের উংসব যেন কম জাকভমকপ্ণ ছিল। তবে উৎসবের যে বলপুপপুশি পরিবেশ কান বা তেনিসে

रक्षा बाद मा, शहीकात का मका। बादीकाता इमाकित केरनव बाउड़ा ना बाबीकाराह करमानत्त्व चार् हारेड चाराच रवनी त्रा বিদেশী চিত্ত প্ৰবোজক চিত্ৰ পৰিচালক ककितका-किरनहीं कह नारवाविकानका कान-कालाहे-धन धारे नमाही हवस जीता धारे विद्रमणीरमञ्ज वार्त्रामन वन्त सामान करव वार्त्रामन शकनरमदेन्द्रेत গচেন্টার পেছনে ররেছেন ভার রাষ্ট্রার। ব্রেলিনের চলচ্চিত্র উৎসবতে व्यक्तित आरम्बान्दनद अनिम्थक वना प्रका र्याप्त कान क एकीनामत जनमाह बार्टामानव श्रम इत्रष्ठ कियाणे नीटिंग हवा बार्वासम চলক্ষিত বাবসার বাণিজ্ঞাক কেন্দ্র। কেবল বাণিকা করার নামে ভারাতের হিপটে ছবিত্র বাহি বিকৃতিত নিদ্দানের জনো ভারত महकारतंत्र किष्ठा विद्रमणी <u>शामात</u> खन्नाह । বেসৰ ভাৰতীয় ফিল্ম - ব্ৰেস্ফৌৱা এখানে আমসন, ভালের প্রদাশতি ভবি ভ একটার বিভি হয় না-উপনত্ত ওট ছবি দেখাৰ পর বিদেশী করেকজন সংগ্রহ করা দশাকদের শ্বেতে কণ্ট হয় না—ভারতের ঋগুণ্ডির পরিবর্তে পদ্যাংগ্যন্তি কেন্ত্র

ম্থাপ্তা, ভাসক্ষা, সংগঠিত, চিন্লাঞ্জন, নাটক আর সাহিত্তের মত ছহান আসন চলচ্চিত্ৰ কেনদিন পাবে কি না, আজন্ত সেটা একটা বিবাট প্রশন। ভাবে চলচ্চিত্র লিক্স প্র আছে এক যিপাল দায়িত অধিকাৰী লয় বিষয়ে কলো সদেন্য (১৫) : দুসই সংখ্য मकुन यारमत उद्गाप ५३० भारतहामारकरा छ । আৰে তাঁদেৰ কেন্দ্ৰ কৰে গড়ে ইঠেছে এক নতুন আহতি সচেত্র ধূলুকৈ সফ্রাজ, ২৫০ অসংখ্য ছোট ছোট - গাংশিত প্রেক্ষাগা্ছ বস্তু অফিস বাদের উদ্দেশ্য নয়, উদ্দেশ্য নতুন শিশপ আর পরীক্ষা-নিরীক্ষাকে প্রতিয় তুলে ধরার। আমাদের দেশে আক্রকার কিড়া ফিলম ক্ৰাৰ গড়ে উঠোছ। মাণ্টিনেম কিছু সংখ্ৰ ব্যশ্বিকারে কপাল ভাল। সেখানা অক্সন্ত অবস্থায় বিদেশী ছবির সংট্রের দুস্কির্যা গ্রহণ করবার সংযোগ ঘটছে। যেতা দ্রেলর অস্তাত তুলে আমানের দেখেরে বহা চিত্তাশীল সাধারণ মান্যুহের কভে থেকে এই সৰ ছবিকে দুৱে স্বিয়ে রাখ্যে চেণ্টা চাল আসছে। **প্র**ণন জাগো, তাতে আমাদের দৈশের ম*লতে*ধর চরিত কি এ দেহদার মানকের চাইতে ভাল থাকাছ? না, যাঁর এই সব ছবি দেখছেন, তাঁরা কি সাধারণ হান্ত্রের চাইতে বেশী চরিত্রান? গত এক শ বছরেয় ইউরেপের বিভিন্ন বিক্ষর, মূল্ধ আর ফ্র সভাতা তথা নাগরিক সভাতা মান্বের যৌন সম্পর্কের ধান-ধরণা সম্প্রণ পালটে িরেছে, তার ফলাফল দেখি আমরা আক্র রপোলা পদার। ইন্সমার ব্যারাবিমানের "লি সাইলেন্স্" ছবির পর সারা ইউরোপে রুষ কর্ত উঠেছিল, তা এখন শাস্ত। যৌল





ভারতীয় পরিচালক ভ্রেন-এর পরিচালিত রিচিশ ছবি--"A touch of love"-এর করেকটি শুলা

জালালালৈ এখন দলাকাদৰ ভাব একটা বিচলিত করে না। বরং যৌন দাশ বহা **স্পানে ছবিৰ একটা প্ৰিটিট ফোস' টৈবি** कताक। जात करना शासकन, एउ गार्थः প্রয়োগা জাপানও তাকে গ্রহণ কারছো আমানের দেশের এমন একটা সময় আসবে, বধন ভাকে আর তাটকে রাখা যাবে না। रमीनदात करनां अथन श्वाकरे अभारतत দেলের রাজনীতিবিদা সমাজতত্ত্বিদ, লিকা-विष हवाकिश्वीवम । अभिन्ती-माहि जिक्दात চিন্তা শ্রু করা উচিত। সেদিন শ্রীদাশগাণেতর বাড়িতে সভাজিৎ রাম ও কেল্পীর সরকারের ফিল্ম ডিভিশানের **ভেপটে সেক্টোরী মিঃ খারাকে এ** ব্যালারে चारतनन चानिरत्रिक्तामः। चामारनतः रत्रा সবই শ্রু হয়—ভবে বন্ধ দেরিতে। আমাদের দেশের সর্বকোরে আয়াদের নৈতিক हीतत राज्यास्य स्तरम कामरह. मिल्ल छ माहिर्छात मृज्य र्यामार्यमा व्यावशासमा अत চাইতে বেলী খারাপ হবার চাল্স নেই। আর

ল্কিরে ল্কিনে খবাপ ছবি দেখা, খারাপ গল্প পড়া আর খারাপ আলেচনা করর ১বিডে, বিনেমরে হলে বিরে দু" একটা খেলামেলা ছবি দেখলে দেশের মন্টের মন্টাও খেলামেলা হবে। থফলিনির "৮ই" ছবির মত বলাত ইচ্ছা করছে—"অমি নৈরাখাবাদী নই—আমি বিশ্বাস করি, মান্ব ভার আত্মিক সন্তাকে ধাঁরে ধাঁরে ভার করে নিজে।"

আৰু নিষ্ধা বিভন্ত পৃথিবনীতে দেশে দেশে মধ্য বৃথা আর বৃথার জ্ঞানিত পৃথিবনী, সে সময় কোন নতুন আলোর আশা—বিশেষ করে জমানীর নিষ্ধা নিষ্ঠাতিক ভিত্ততাকে ভূলে গিরে শিলপগতভাবে সমস্যার সমাধান খেলিয় বে আরোজন ভার সনিষ্ঠ প্রচেষ্ঠা দেখি, পূর্ব ইউরোপের সমাজভালিক বেগগালির এই চলচিত্র উৎসবে বোগগানের জনো বার্লিনের কিল্ম ক্মিটির ভ্রাক্ষ ধেকে আমশ্যণ জানানোর মধ্য

দিরে। আর দর্শকরের আলা আকাশক প্রতিন্দে গুরাতনকে তেওে চলচ্চিত উদ্দর্থ নতুনকে দেশকে তার জন্ম যে নিশ্পা-দেশলন, তার সার্রাধির। যে তর্গ চলচ্চিত্র-কাররা হাকা, সে আলা নিডেই দেশ বিজ্ঞা থেকে এই ইউরোপ দেশটারে বান্ধের স্মাবেশ।

ভবে এবরের জরটা ছিল ভর্শবের, ভার্থেরের বটে। বারলিন ফিল্ল ফ্যাস্টিভালের বারা রখী মহারখী ছিলেন, ভারা
সবাই অভিমন্টের কাছে পরাজিত ইরেছেন।
ভালিক গদার, সভাজিৎ রার, কার্লো
সাউরা, পসোলালি, রভ ন্টাইগার আর
রিচার্ডা লেসটারদের। কেউই প্রেন্ডার পার্শিন। জর হরেছে বামপাশারের, মাঞ্
পাথাদের আর অভি ভর্শ পাশারেছ।
নাক্ষেরভা।

প্রানটা বামপাধী গশক্তিরে নর। প্রানটা APO (আইন সভার বাইরের বিরোধী পক্ষ) SDS (ক্ষমান নোস্যালিক্ট ছার সংক্ষা) বা বারণানী তর্গ স্মানের আন্দেতিনের প্রান নর, বিজ্ঞানীকাশবের প্রান্ধ নর, প্রান্ধটা বিজ্ঞানবারের কুনা, বান্ধলা কেনের মন্ধলাল-পানী র ৬৮ সালের করালী বান অভ্যান বালের প্রান্ধ নর, প্রান্ধটা হল্পে—একটা কালিক উৎসবে আন আম্রা কি আশা তোল শিক্ষণী কডটা বিশুশ কিল্প শেষতে পারজেন, কে কছ স্পার কাহিনী পরিবেশন করতে পারজেন, কে স্পাক্ষের কডটা আনক্ষ নিতে পারজেন,—শুদ্ সেই উল্লেখ্য। না, সেই সংগ্র আনাবের বর্তনান পৃথিবীর নগ্য সমস্যাগ্রি আর বর্তনানের বটনা—প্রতি বটনাগ্রিলর ওপর ভিত্তি করে, শিক্ষণ আনাবের জীবন ও প্রিবীকে दरबावाब कन्या कन्नव्य निन्नामकन्नाहर ।

বৃহত্ব হত্তে ৩০ বৰদক্ষের অব্যক্তার বৃহত্ত হুসেনের পরিচালিক বিটেনের ছবি—— "A touch of Love" ছবিটা কেন বে প্রক্রার পেল না। এক সংকর একটা বিবাট সরসাকে আঁত মুনলিরানার সকে দেখিরে উৎসবে প্রচুর স্থাতি অর্জান করেছে। একটি ছবি ইঠাং করে অভ্যান্তরা হরে গেলে, কি হর—সেই সমসাকে অভিনেত্তী সামভি ভেজিস অভি সংক্রারকে ফ্টিরে ভূলেছে। হুসেনের জনের মালা দশকিক দিরেছেন।

ফিন্ম কমিটি প্রক্রার সিরেছেন নিম্ন-লিখিত ছবিণ্লিকে—

200 7 PAG-

(ব্যৱহিনার স্বর্গ ভল্লাক)
RANI RADOVI (Early Works)
ব্যোল্ডাভিয়া।

निहातकतः वन्द्रध्य---

"For its challenging confrontation of ideology and reality, and for the casual brilliance with which it humanizes political abstractions to make a drama as modern in its form as in its content."

এবার চ্রাপ্ট পরিচ লক, প্রাপ্ত অভিনেতা
ভার অভিনেত্রীর জনো পৃথক প্রক প্রেক্ষার বার্বজিনার রৌপা ভারকে প্রকান না করে, আরো ৫খানি প্রেপ্ট চলজিত্রকে ভালের লামগ্রিক শিলপ কমের জনো বার্বজিনার রৌপা ভারকে পেওয়া হরেছে। বিচারকরা বলাহেন—ইন্রাপ্ট পরিচালক, প্রোপ্ট অভিনেতা বা প্রেণ্ট অভিনেত্রী নিভাব করে প্রার লামগ্রিক ছবির ওপর। তাই তারা সামগ্রিক-ভাবে ছবিগ্রলিকেই প্রেপ্তার শিক্ষেন।

वार्बालनात स्त्रीभा कशास BRAZIL ANO 2,000

পরিচালক—ওয়ালটার লিমা; বিচারকদের অভিযাত—

"For its unhackneyed theme and lively characterisation."

ৰারলিনার রৌপা ভল্ল Made in Sweden (স্ট্রেন)।

विष्ठादकता वलएकन

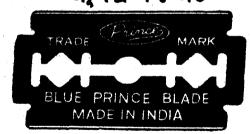
"For its force of argument and the courage with which its director has unheshatingly affronted one of the most sensitive aspects of modern life."

ছবিটাকে খনতক্ষবিরোধী ছবি বলা চলে।
২৪ বছরের তর্ণ পরিচালক Johan
Bergenstrahler বাহণা দিতে হয় তরি
প্রচণ্ড নিভাকিতার জনো—বে ভাবে তিনি
আই ছবির মধ্যে দিরে নিজের দেশের অখানীতির নশন চরিটটা তুলে ধরেছেন, ভার
জনো। দক্ষিণ প্রে এশিয়া আফ্রিকা থেকে
আরম্ভ করে ওদিকের লাতিন আ্মেরিকা
প্রণত প্থিবরি ষত অন্যাত দেশ আছে



পরিষ্কার কামাতে ও পালক-দ্পর্শ পেতে ব্যবহার কর্ন

ফোরো কার্বনে ধার দেওয়া; বলা প্রিশস বেলভ





क्य गाउँ। व Birton. 71277.54 100 পিকার ভাষ। 1014 मन्द्रक म दिल्ला द्वार Rergenstrable dT Made in Sweden ভারত। তার ছাবতে দেখতে পাঠ ভিনেং-मारमञ्ज यान्यरक रक्ष्य करत बारेकार-फ পাধিবীর বিভিন্ন নেশের প্রশিক্ষপতিদের সমবেশ, ভাবের শোলিন বাবহার আহ শোলাকের অস্তরালে কংলিড C. 774 বাবসা। তার ছবিতে দেখতে পাই ভারত-ব্বের দারিদ্রের চরম পরিপতি কলকাতা. রাণ্ডেসী আরু দিল্লীর পথ থেকে তোলা क्ष्युक्तत जब मृत्राह्मात्वा - त्व जब मृत्रा कात्य আরু সহা না করতে পেরে. হলের অধেক क्रमांक रहाच वन्ध करत गरफ हिना। भरुग 5.05---

Joerjen अक्सन स्मादी मान्छ। অনেক বানট সে তার উম্ভ ল প্রতিবাদ মিছিল জনিকাংকে নাম্ট করেছে -আপোলন আর রাজনীতি করতে গিবে। তের জীবনের কোন নীতিই নয়। ধ্নোপাজন না করে, তাই করে সে নিভীক ভার বাশ্ববী Kim-oa সংবাদিক হা। আত বাজনৈতিক লেখা তে র कालता मा জীবনের সম্পদ। কিম প্ডাশ্নো 757 ₹ সমাজতত। ভারা প্রায়ই নানা দেশ ভ্রমণে বোররে পড়ে। উল্লেখ্য বিভিন্ন দেশের পরিস্থিতিকে পর্যালে চলা র জানৈতিক করা। তাদের সব চাইতে বেশী বিচলিত করে ভারতবর্ষ ও দক্ষিণ পূর্ব এখিয়ের দেশগালির দঃখেখাদা। তাদের সামনে দেয়—কিভাবে श्राप्त राष्ट्रभा धमाना विकास देवाना कि सिर्मिन्सिरे এইসব অনুহাত দেশগুলিকে নানাভাবে শোষণ করে চলেছে। তাদের আদেনলন ধনতদের രമ്മ বিরাশের। নানা ঘটনা চরে Joerjen e Kim আবিকার করে তারা ষাদের হয়ে কাজ করছে, ভারাত এক বিরাট অত্বের শিকার সংধানী এবং এই দলটা তাদের সম্ভানকেও। দলে ভিডিরে ফেলোছ। দেই ফামেরি হয়ে ভাদের যেতে হয় THE BLANK TO STATE OF THE STATE ভিষেক্ষামের বিশাল ছারা এনে পড়েছে. ्य मृद्धार्थ থাইলাংশ্ডের নিজনি শৌখিন বাংগোগ্লিডে পাহিবীর ধনকবেরদের বাগানে ভলার-পাউন্ড মাকের খেলা 1 **Mall** Joerjen বাশ্ধবীকে নিছে বেরিয়ে পড়ে क्षा गर्ध-क्षात চলেছে গোপনে তার ফার্মের কুংসিত গোপন বাবসা—অস্ত্র সরবরাহ সেই উংস খ্রাজতে। ভাদের জীবন সেখানে বিশম হরে ভারা আবার ক্ষিয়ে আসে माहेर्डित। द्वान क्राकारबन्दम क्रीन करत দেন তার ডকুমেন্টারী ছবির মাধ্যমে তার

করের নাল চেহারা। দেব ব্লের দেবাকেন তিনি বাঙলা দেনের এক শ্বরতলির নবীর বারের ব্লা, বেখানে গরীব বান্বেরা অনাল জনসব করে ডাক চোলা শিটিরে নাচতে নাচতে চলেরে প্রতিমা বিস্ফান দিতে। সেখানে তিনি বল্লেন ব্লের বির্ল্থে— এইসব গরীব লাশ্তিকামী মান্বরা কোন ব্লের কামান বরে নিরে যাক্তেন না তারা যাকেন তাদের উৎসাবের প্রতিমা বহন করে।"

এই ছবি দেখার পর মনে প্রদান জাগে—
আমাদের দেশের সমসার ছবি বেশি হর
এখন খেকে বিদেশী ছবির মাধ্যমেই দেশতে
হবে। আমাদের রাজনৈতিক সচেতনভার জন্য
দেখতে হবে জা-লকে গহারের "আননিদত
বিজ্ঞান" ছবিখানি, নর তো ইন্ডালীর "His
glorious day" কিবো গদার-পাসালীনির
ছবি "Amore e rabbia" (আকাল্জা ও
বাদতব)। এই-সব ক্ষেত্রে ভারতের চলচ্চিত্র
লিম্প নিবিকার— তাঁদের লক্ষ্যা কেবল বক্স
আফস। দেখতে হর—কি ভাবে ইউরোপ
এগিরে চলেছে।

বার্তালনার রোপ্য ভাল্কে

"Ich bin ein Elefant, Madame" (আমি একটি হাতি, মহাশরা)—পশ্চিম জারমানির জাতীর প্রেক্তার প্রাপ্ত ছবি। বিচারকরা বলছেন—

"For the freshness, intelligence and technical confidence of its direction."

ছবিটাতে দেখাত পাওয়া বাদ্ধ বর্তমানের ভারেমান স্কুল ও বিশ্ববিদ্যালারের ছার্ট বিজ্ঞোত্তর সমস্যা ও কারণ। ছবিটার মথ্যে নিয়ে পরিচালক Peter Zadek বর্তমান জরমান সমাজটা ও ব্যব সমস্যার বিভিন্ন দিকগ্রিলাক তীক্ষা ব্যাপ্যাত্মক দ্শো তুলে ধরবার চেণ্টা করেছেন। আর দেখিরেছেন Rull র মত ছার বারা, বাঁরা বিশ্লব করে এই সমাজটাকে বদলাবার চেণ্টা করেম ভারা

रमर नवन्त्र बहे चौड चरन्यान्य नवास वास्त्राती बाग नन्त्रीहीय।

> नार्याणनाम स्त्रोणा कार्यक Greetings (जार्याक्का)

বিচারক্ষের মত-

"For its light-hearted non-confermity and immaculate teamwork of its actors and directors."

'প্ৰেজ্যা" বইটি বেন আৰ্মেরকার আর এ এক সমাজের সম্ভাষণ এই আন্তর্জাতিক চলচ্চিত্র উৎসবে। ছবিটা আর্মেরকা থেকে প্রতিবাদ ছবি হিসাবে এই উৎসবে বোগদান

भूजा मध्या शमास-व आ**म्द्रिकार्य** स्ट्रिशासास

नन्त्र উপन्यान निषद्धन

(Tresse)

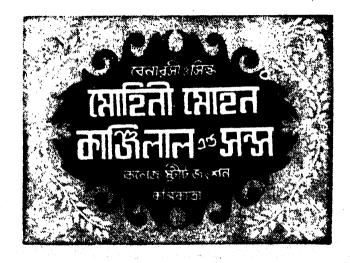
কোৰিছাং ৫০ গাঁৱির পিশ্চন নাইনেশ্সর প্রয়োজন কেই। বার্নোরকান মুফো। চার এবং কার বাশ্চর হাত থেকে নিবাকে বহিন্দ। পিকানক প্রমণ এবং নাটকের পাক ইপরোকী। কে ব্যক্তির ব্যক্তিকা ক্রান্টিকা

বাৰস্থাসন্ত আটোকেটিক ৷ প্ৰাথকা ওঞ্জন
এবং প্ৰচা ব বা বা ন আগানে আ প না কে বিপাদ (আকে প্ৰস্কা কৰাৰ ৷ মাসা ১০০



প লিসার না ৩০ টার 🐠-৫০। জামান্স মাজেল না ১৯ টার ১৫ ৫০ ' তি পি পি প্রেক' টার ২ ৫০। চার্মান্তার কেল ও টারা বাতিবিদ্যু প্রতি একলতে স্থানির ৫ টারা।

GEM ARTS (WD 15)
Dassan Mohell, P B 1325.
Delhi 6





व्यक्षता को श्रीस्थान करूमन चारमीहरूज ब्रास्कृत, अक्रमक क्ष्यबुद्धान वाना व्याद्यांत्रकार হালিক সভাতাকে মানে না. বরং প্রতি পরে পার বাংল করে বেডার খারা ভিরেৎনাম ৰ ভাষ বিবৃদ্ধে। তারা এই ছবির মধ্যে দিয়ে প্রেসিডেণ্ট জনসন, ভিরেৎনামের ফুল্ম, আর খাস আমেরিকান সমাজের ছবিকে এত সদেৱ ভীৱভাবে কটাক আরু বাংগ करत कात मध्म ब्रामग्रीक प्रियाह हम स्म. ক্ষেত্ৰত ছবিত্ৰ শেহে নয়, প্ৰেক্ষায় বিভয়ণের দিন্ত এই ছবিটিকে প্রেম্কার দেবার সমত্র সমস্ত হল উল্লাসে ফেটে পড়ে। ভাগেরও পতিবাদ তেন বর্তমান আমেরিকান সভাতার বিবাদেশ। অভিনাদন জানাতে হর ফিলম ফেসচিভাল কমিটিক—বে ভারা এবার 'Made in Sweden", "Greetings", Early Works", MAKER **'Happy** Science", ইডালারি "ভার গোরবমর হিনা আর পোলোলীনির ভবির মত সমুদ্র ব্রাহ্মনৈতিক স্চেত্ৰময় म । असु উৎসংহ ছবিগটোলকে œ≹ काशक व জন্মিয়ে তালেন্ত এক নতন ኛ መ-देशीडक विश्व रहाडमादक स्थान দিরেছেন-সেখনে ব্ৰুপ পেরেছে প্ৰিবীর বিভিন্ন লেখের ছার আক্ষোলন, হবে চেতনা, পশ্চিমী র,গ্রংগুলির অন্যেত দেশগর্গালর ওপর প্রভাষের বিরাদেধ নিজের জাতি ও সমাজের ভাষা সমালোচনা, বেখানে আলোচিত হরেছে, প্রেখ্ট, মার'স্ সি প্রেভরেরা, মাও সে-তং আরু বিশ্ববেধ কথা। চলচ্চিত মানে বোলে কাহিনী আর গণপ হরে— ছবি দেখাতে কোবল মান্ত ভাবসর বিনোলনে ম*্ব*—ভার বিরম্ভেধ ষেন এবারের বার্রিলনেই চলচ্চিত্র উপস্থে এক T. 5 श्री स्वाट । চকচিচত্রক ছাভিয়ার করে এই সমাজে বিক্ষার ঘটাতে হবে, মানাুক্তে পরিক্রান করাতে হাবে ধনতবের বিরামের সচেতন হতে হবে, সমাজের ব্^{কিন্ত}ু স্থাবির চিন্তা আর চিন্ডার চিরস্থায়ী ক্রানাবস্ত ভার বিরাজেধ সংগ্রাম হ্যে—তারই कदा ह রাজনৈতিক আলোচনার ক্ষেত্র যেন এবারের <u>क्विक्त डेरमारद डेरम्पमा शह मीडिरहीयन।</u> সেই সচেতনভার জনোই প্রথম প্রেস্কার পার गृहशाहण्याध्याति "Early Works" छाह गरम्भ रकरह-

"র্পবতী ভর্ণী মেরে ব্লোক্ষাভার ফুল সোনা চেলে দিয়েছে রনভ রঙ, ভার দেহের গঠনে এতট্কু খুভ নেই—সেই সংগ্র অন্ত এক নিম্পাপ হাদর। তার বাবা ছিলেন—"কেনে গুণ নেই ভার কপালে আগ্ন।" সেই জনো হ্গোক্ষাভাকে, ভার মাকে আর ভার বোনকে ফঠোর পরিপ্রম করে জীবনবাপন করতে হরেছে। একদিন ব্লোক্ষাভার অধ্যার ক্রেডে হরেছে। একদিন ব্লোক্ষাভার অধ্যার ক্রেডে এঠে এক ভীর ইছ্যা—এই পৃথিবীটাকে পরিবর্তন ক্রেডে হবে। ভাই একদিন অরে ভিন সাধীর সংগ্র

ভাষা বেরিছে পাছ জানী পরেই ভাল মাক'স-এর বাণীকে রূপ দেবার জনো-কি ভাবে যান্য ভাষের ভাগাতে পরিবর্তন করতে পারে। ভারা সাত পাছাত প্রতি फिक्टिक बन बामाराध्य घट्या नित्त कटाई हटन । প্রথম জনসাধারণ ভাগের সাহাবো **क्टीगार** चारत. বেহেত ক্তাৰা **等7岁1** এবং 7 BINIB **क्टलट्ड** । কিশ্ব **ত**ন্ সংগ্ৰাম **3**.3 fara. मिटाई সেইসৰ মান্যক बच्च कामन साम्बाव क्षांना मरश्राच कवार्ड হয়, ভালে ভারা কেটে পড়ে। বংগোল্যাভা তার দেহের ব্যাপারে ধ্বে উদার। সে অতি সহচ্ছেই বংখাদের জন্যে ভার উংসর্গ করে। কিন্তু তার আন্ধা বাঁধা পড়ে থাকে রাজনৈতিক সংগ্রাম ও স্বাসের সাথে। মখন মুগোস্লাভা ও ডারু বৃষ্ট্রা দেখল, कि छ एमर कथार जात्मानन हानाएक ना. নতন জীবনের জনো সংগ্রম করতে প্রশ্তত নর তথন তারা ঠিক করল-ভারাও জন-সাধারণের ভাগোর করে ভালের ভাগাইক আত্মসমপুর করার এবং ভনসাধারণের দাঃখের সংখ্য ভাষের । দাঃখাকে জভাবার। কিল্ড পিনে দিনে ৰভই তারা দঢ়ে সিম্বাংক্ত আসতে লাগল-এই পাথিবটো বন্ধ নোৰো, এবং এই প্রথিবীর মান্ত অসং, প্রাথপির আর কুংসিত এবং তাতে ব্রোক্ষাভার জবিনে কেবল দুঃখই বাড়ছে, তখন ভারঃ ভাকে মান্তি দেবার বাধান্থা কর**ল। ভার**ণ राज्यान्यास्ता मान्या प्रदार प्रशास गानया. আগান ধরিছে দিল, সে প্রেড, গেল। ভার আত্মা আকাশে ভেসে গেল। বারু পেছনে পড়ে রইল, ভারা আবার আমোদ প্রমোদে . रम्बर उठेगा"

'গ্ৰুপী গাইন ৰাখা ৰাইন' ছবিটি সেদিন Zon-Palast-এর দশকাদের প্রচর আন্তর দিয়েছে। দলকেরা ছবিটি খবেই উপডে:গ করেছে, যদিও অনেক জারগার বাংলা ছবির রস উপলব্ধি করতে পাতে নি। ছবিটির সমালোচনার ব্যাপারে এদেখের পরিকা-গ্রনির মধ্যে দ্বিমত দেখা দের, ব্যর্লিনের দৈনিক পাঁচকা "দেয়ার ভাগেস্সিপ্রগেক" স্তাঞ্জিং রায়ের উপন্থিতিকে উচ্চ কঠে সম্ভাষণ জানার। স্প্রিংগানেরর ২র শ্রেণীর পত্রিকা ''মরগেন পোল্ট'' ছবিটির প্রশংসা করে, বিশেষ করে সংগীতের। "গুপৌ গাইন ..." ছবির সম্পাতি এদেশের দশকিদের মন ছার করেছে। জনাদিকে পশ্চিম জরমানির অনাতম শ্ৰেষ্ঠ ব্ৰশিক্ষীৰী দৈনিক পহিকা ফ্রাংফরেটার রুন্ড্রাউ-র অভিযোগ ফিল্ম কমিটির বিরুদের এ ধরনের একটা রুপ-কথার গ্রেপর ছবিকৈ চলচ্চিত্র উৎস্থে আমশ্রণ জানানো হল কেন?

সভাজিংবাব্ অবদা এখনে প্রেস কন্ফারেন্সে কলেছেন র্পক্ষার আগতি কি? দেৱৰ সমস্যা আছে, সেই সমস্যা কালীয়ত ভাৰত্যা থেকে নেগের লোক একট্ আনত্য তেতে চার। তিনি এই ছবির মধ্যে দিয়ে সেই আনত্ত্বই উপত্রিত করবার চেন্টা করেছেন।

সভোবকুমার রূম

भावा नःथा अनाम-अ

রমাপদ চৌধুরী

अकि गम्भ निषद्धन

(4-857R)





ক্ষপ্রচায়



.शामा शकी



भाषा डाव्यक् जविक (त्रशक् श्रामा

সতিই কী চমৎকার সিগানেট।
কী অপূর্ব বাদ আর সোরালীবর্ণের
ভাঞ্জিরিরা তাসাকের কী অপূর্ব গছ।
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
এত প্রির। আপরিও থকে আপ্রার
একান্ত প্রির করে তুর্ব।



গোন্ডেন টোব্যাকো কোং, প্রাইডেট নিঃ বোহাই-৫৬ ভারতের এই বরণের বৃহত্ত

GT (P)-473 Sen.



ma-niates recons

প্রবাদ বেরিয়েছে বৈনিক প্রের শোক-সংবাদের শঙ্কাভ---আঠারো বছরের অপুশাক সোরে মাতা-সংবাদ।

পচি-ছা বছৰ আগে—অংশ্য পড়ত তথ্য আমনের পাড়ের বহুমুখী এক হাইস্কুলে— ধুখার আফা ভাব দেখতে; আমত ওর নিষের আফা ভাব দেখতে; আমত নিজ-রতিত কবিতার ছাল ঠিক করতে, প্রায়ই আমত বিনা করণে। প্রাইজ পেত না, কেল করত না, পেলাত না ফাল্টা ইলোভেনে—অতি মান্যিবধ সাধারণ ডেলো। ওর্≉বাবার সাথো আমার একটিবারও আলাপ করার স্থোল হা নি; ভার না কি বিরাট কারবারঃ বিলেভ গ্রেক মাল-আম্প্রি।

কথাসমার উচ্চাতর মাধানিক প্রতীক্ষা দিরে, গোকাও ফিন্টিকানের স্থাটিনিক্রট নিরে আশাক পড়াও গোল কি কানি কোন্ কলোকে: হাজার কাঞের ব্যক্তিবাসতভার ওর খোকখবর নিইও নি, পাইও নি,, আর আজ্ কাগজের শোক সংবারের সভ্যেত...

প্রোনো ভাষেতি হে'টে উদ্ধার করকাম আশাকদের বাড়ির ঠিকনো। চাপলাম বালিগালের বাসে, গড়িয়াহ'ট অভিমুখে। শরোরান জানাল, "বালা তো দেও বন্ধ হরেট মর গরা…" কিংতু হাঁ, অশোকের মা ' আছেন।

जाबाबरे स्थाय

প্রথমে চিনতে পারি নি ভবিক-এলো-মেলো গা্ড কেশ, তৃবড়ে-গড়া ফেকাদে গাল, জমিপ্রাপ্র চোধ। বসতে বলে তিনি নিজেও বসলেন, আয়ার নিকে গা্নাদ্ভিত ভাকিরে। রাস্তা থেকে আসছিল ট্রামের মুন্টা, রিকশার ঠুং ঠুং, বাসের হর্নের উদাসীন ঐকভান। খা্জছিলাম কিছ্, বলতে, বা হোক কিছু, সাংখনার কিছু, সহান্তুতি আর সমবেদনার। সম-বেদলা...কথাটা আমার কানে বেন কেমন শোনাছিল। আমার না কি আছে বেদনা, সেই প্রহারা বিধবার বেদনার সমান ?... পাড়তে লাগলাম ভগবানের মণ্যল বিধানের কথা। তিনি পার্য ফ'্লিয়ের ফ'্লিয়ের বলতে খাকলেন, "আমার লোব, আমারই দেখা...আমিই অলোকের মৃত্যুর কাবণা"

"আগনি ও-সৰ বলছেন কেন? আগনি তো ওকে কও ভালোবাসতেন, আগনি ওর কত সেবা-শাহ্রাে করেছেন।"...কথাটা বলার সংগ্য সংগ্যই ব্যুবনাম, আমি ভূল বলেছি— মারাথাক ভূল। তিনি একটা বেন অবাক হারে চুগি চুগি বলতে লাগলেন, "ভাহনে কানেন মা? লোনেম নি এখনও? অপোক আত্ত্তী করেছে...আমার লোবে !"

আমি কিছু বলার আগে তিনি উঠে আলমারির এক জুরার ছেকে একটা কাণ্ড্রা বের করে আমার হাতে তুলে দিলেন, "পাড়্ম, ব্রুবেন সবই। ওর জুমার প্রেট্টে পাওরা গেছে—ক্ষাণিং পিল্-এর বালি বাকাসের মধা।"

গড়লাম—আর ব্রুগরেম **অ**পোকের মর্মান্তিক ট্রান্ডেডি। অস্থাকের চিঠি

"প্রকার মা, জাবিত আপোকের জনের তেনার সমর ছিল না; মৃত অপোকের জনো পাবে কি সমর ? আমারেক তুমি কমা করবে কিনা, জানি না; ব্রবে কিনা তাও জানি না! বাও...আমার একন সমর নেই..." কথটো তোমার মৃত্যুর কনা তামার করে। আমার জনো তোমারে স্বার পর পোকে তোমার কলা বেড়েছে খবি, তোমার হাতে বাবসারও উলাত হারেছে প্রত্যু মানি সব, তুমি ছিলে বাবসা-সর্বাব মা। তোমার কতানা ছিলা জরারি কাজানচিঠি লেখা, বিলা সই করা, আপিসে আপিসে মিটিং, বাড়িতে বাড়িতে বিমান্তক জনের করে। মুকর জন্ম তেমান্তর জনের করে। তামান্তর জনের করে। তামান্তর জনের করে। তামান্তর জনের করে। সকর ছিলা কই ?

"আমার দেনহত্বিত, দেনহব্দিত জল্ভর এমন এক মাকে চাইত, মা, নিমালের মানর মতে: প্রান, তিনি স্করী নন, শিক্তির নন, আধ্যানকাও নন: জানি, তোমাদের



धक्की काशक त्यत्र करन आसात शास्त्र पूरण णिलान

हरास्त्र महा दल ना, तन महि निक-हरादिष्ठ महराजन रहाज। छाद, से, निर्माणन जहाँ निर्माणा साथ महा जाए, मन-महरे महा व्याध: निर्माणा राज, निर्माणन करा लाला—कोरी निर्माणन मान कराज जहाँ काल, भागा निवास कर्यात काल: रमाकोवन राज

শনা, অনাজ নালিল কৰা না, মা...
তোমার কাছে আমি এই আঠারো বছর আর তোমার কাছে আমি এই আঠারো বছর আর কোনো অভার তোর করিনি: আমার জানা কোনা তোলা অভাগর হাজে—সেক্টোরির চাহাফতে। নতুন জামার টাকা, নতুন ঘাঁকার টাকা, সাতাহে সাভাতে হাজে লক্ত, বছরে বছরে সোল-আমা—সর পেরেছি ভোমার কাছে, মা... সেরহ ছাড়া। স্পেই ভো আর দেওকা যার না সেরেন্টারির মার্যাত!

"বড়িতে ৰড কোক আসত, মা;

চিনি নি ভালেছ। বাবে কি ভালে কেউ কাল কেওড়াওলার খাটে । ভালার ইকা ছিল, আমি বেন দেখা না করি নিবাছিত দলের সংগ্যাকি আনি বেলেটার মুখ কেকে আবার বাঁধ অসভা কিছা বোনার !...

पर्वाहरण वाश्ववादः हर्विहेन्द्रभ व्यहरण नामनायः क्षित्रवादः कामहे प्राचन-दिश्व साध नि क्षणियादवः कामहे का स्वर्धिक सहः क्षण काश्ववाद विकास साथनाम, वा, दिवादन निम्न वाल्याद ल्योनास्त द्वार व्यव गाः अव्याद मान्या कावित्र व्यव निर्मा कार गिन, वा, खबमत कावित्र व्यव क्षित्र हर्वेशायः तम स्वराहः, क्षण्याद क्षण्य व्यव व्यक्तिहः। क्षित्रवृ, क्षण्याद विकास व्यव्ह व्यक्तिहः। क्षित्रवृ, क्षण्याद व्यक्ति व्यक्ति वा। निर्मात निम्नु, क्षण्याद व्यक्ति व्यक्ति कावित्रवा गम्, क्षरताः। विकास वात्रवाद व्यक्ति वेद्याह क्षणिय व्यव। क्षित्रवः शास्त्रवाद व्यक्ति পুন, কোনামী করা কেবে পালের মা নিকের মারের কারে না কেতে পেরে পালার মারের কারে গোড়ে।

्यात काम दानकाम, था, ट्यावा रम्बाकीका काम करात किराव कार्यी । पंचरता, मां। काम करात, कान कार्य

करायके एका रिकाम ज्ञासका सन् रार्क।

an actual

হোমা ফোলা তার করেরতের প্রতিসরকারে বছরের উল্লেখ করেছেন 'প্রতিনা' বারে। ৪০ সংখ্যার ৭১ পৃথ্যার গ্রামীন্দর্নাথা দারিক কন্যোক্তরের ভাতার পরিক্রোস রাপার ভূরে ভাতিমাা দোবা করেছে।





র্যমানের করেক স্টেশন আগে ডাউন সাইদের ধারে এক নিরাকা জারগার ₹**7**1 क्षीक्टर **山本語品 (新)本** পাতির জন্য দাভিয়ে 251 বছর পারতা রাশ 78 753 1 ্দ বে'ডে কাছে, প্ৰথমিত, टा ভিরে ুশ্ব দিন। ত্রললাইন বকৈ 100 हाल एक श्रम्हराज मिटक **छे**एसाम मार्ट्येज ভিতর বিয়ে। নিশ্ফলা মা**ঠের ওপাশে** প্রতাপ্ত সাহা ভাবে যাছে।। পাবে বহা দরে গুলুক হারের সাহিত্যে ধানককের শব্দ আসাই दकारक। गानक क्षत्रित्व अथना स्टान তাছে গড় বৰ্ষাৰ জন্ম বাঙ্জ ভাকছে। একটা আগে হাক্ষা একটা মেঘ ব্লিট দিবে গেল। रदम कित्कम है-अहम-एस्का प्रारंपताई शहरह লৈদ প্রভা ফনজের মন্ত্রে দেখার। সংখ্যী বোকটা বেখে। করিবর গমেছামানা নিয়ে চেবের জল মুক্ত নেয়। সেষ বিকেলটি বড় স্বেদ্র হৈ হ'ব এমন স্বেদর হাত জাতিক —এমন ভয়-ভয়নত নিস্তব্ধ বিকেশটির মতে। কিন্তু তা তের হয়নি। কবেরে ধন ছিল আনেক, জামি জ্বলে হেলে মহ জনের ঘরে। ভাগচাম চলছিল দিন-বিশ্ত পর পর म, रष्ट्रंत जासम्बा। चार्तनत नद भएछ रशका। হরেন সাঁয়ের কলে ঝাড়াই হাজ তারই রের। কটো ধন। এখন আর ভার কেনো দংশ নেই—একানি রেলগাড়ি জল অসেবে— ব ড্বাড়ণ্ড হে;ক স্টিমশাইরের। ঝাড়া হাত পা ভারে কদিবার কেট নেই এক যদ वाजादेशादत एकाक्षेत्र कार्य भवत वाय! छा সে খবরও যাবে দ্রাকি চালে-বৃপাছেবত পৌছেলত মাসখানেক—তত্তিন হাওয়া-ৰাতাসে জলে মাটিতে মিচুশ কোথাৰ চলে ববে সে! ভার খানিকটা চলে বাবে व्यक्तरम, समय इर्ड स्कारश्व क्रज स्कारक. णात **व्यात व्यक्तिको। प्राधिट**ङ फिल्म य**्टक क्ट**ब रनरव रमहे बन, छात्र खात्र भानिको। ह्-हर गिरुतिमत मान्या इत्ये काम धारमत जामा हैर्रत हटन कर्य स्काधात्र । भूरभी रमाक्छा

कार हारवादर व्यक्तीकिक किरकारी स्तरभ [नहा क्षतिक्रम क्लाहर गहरा हिन ना কলে সে অভাই মাইল হোটে এনেছে রেল-রাস্ত্র প্রশিষ্ঠ। উচু জামিতে দড়িতেই ফ্রেফ্রের হাওরা লাগছে। কভারে এখন বভ অনর। সেই অসতের বাত সভাই একটা খন্দ নিয়ে জাসে। গরেগারা শব্দ। সারে রেলভিজে উঠে এল গাড়ি। ভারপর পারের মাতে মাটি চড়াইছের বাকের মতে কাঁপে। মাইলখানেক দুৱে বাকের মাুখ পি'পড়ের স্থারির মতের কংলা টোনখানা উলেম কঠের ওপর দিয়ে চলে জনেছে। প্রাইভার সংহব टक्टब एककार्ड । एक्टकरी सूर करम **राज्य** राज्य शन्द्र रक्षत्र। छेद स्टब बदन अक्टी दिक्ति थक्कातः । दन रकारत छेन्ट्छ थटकः। योरकत এপর দিয়ে পাত মেরে আসহে ক্ষডিকালা। বিভি কেলে লোকটা উঠে দক্ষির। গামছা-থানা জড়িরে নের মহেখা ভারপর দটে বাকে উঠে অংশে ঢাকা বেরে গামছার আবছারার ভিতর খেকে এককর করনা টেনখনা লেখে बात बाद स्थाएडा म्हण्यत बर्धा क्रिक्ट बर्ग ---व-क-ग. या-आ-दे! वाठारमद अवने शावा ## 27 7 FF 1

অনেক হিভিবিভি দেখাত লোকটা : লেখে কোনবের ওপর লীজের আলত একটা রেলগড়ির কামরা। কিল্ড থ্য ভার লাগে ন**ে ভার শরীরের ভিতর** मितः क्**राक्त क**रत अक्षो समी स्टूह शहरू— হিছে বাছে খাস মাটি। সে জলের জন্ম একবার হা করে। হু'বার ভিন হরে। मार्थ कथा रकारते नाः चाकते काच हरत ৰায়। অনেক মানহের পা ব্রিট্র সালা মানিতে পড়ছে। অনেক লোক-অনেক লোক কথা বলছে। বিভতু সে কেবল অক্রের নদীর শব্দুটা দোলে। ভার স্বীরের ভিতর থেকে কুলকুল করে বত্তে বাছে। সে জালের জন্য হা করে। কেউ ভার কথা ব্ৰুকতে পাৰে না। আন্তে ভাতেত ব্ৰিট্ৰ करन रुप स्टब्स् सरक्ष स्थान्ता । रन कर्

প্রকাশিত হরেছে:

माश्रा राज्या राज्याता सम्बन्धानारीत नारिताल **अहे बालीत नार्यनान अहे शब्दा** প্রতিতি পাঠাপরে সাধার মতন এক অবিকারণীর সাহিত্যকর্মা।

অসীমা মৈত্র সম্পাদিত

শতবর্ষের আলোয়

৪ দাম : প্ৰেরো টাকা ৪

বালের পত্তর প্তা হতেছে এমন কয়েকজন সাহিত্যসেবীয় কর্মায়র জীবন ও সাহিত্য নিংধ সরেগর্ভ আলোচনা।

রামপ্রসাদ, উপবর গ্রাপ্ত, রামানোহন, বিদ্যাদ্যাগর, রাজেন্দ্রাঞ্জ মিন্ত, মাইকের মধ্যেন্ত্রন, र्वान्त्रप्राप्तन्तुः, निरमाधः नाम्यौ, ब्रामनान्त्रः प्रस्त, हेन्द्रमाधः वरम्भानाधातः, व्यक्तकुमादः स्थितः, রবীন্দ্রনাথ, হরিসাধন ম্বেশাপারার, ব্যিকেন্দ্রনাল উপেন্দ্রবিশার রারচৌধ্রী, বিবেকানন্দ, ডক্লেন্ডনাথ পাল, রামেণ্ডসমুন্দর চিবেদী, রজনীকান্ড, রামান্দ চটোপাধ্যর যেগণিভনাথ সকলব, সভীশচাদ্র রাম, দীনেশচাদ্র সেন, পটকাড় বন্দেরা-পাধার, হারচরণ বদেয়াপাধার, প্রমণ চৌধারী প্রভৃতির জীবন ও সাহিত্য নিয়ে বাংলা সাহিত্তার ছাত্রিশক্ষন বিশিষ্ট লেখ্যের হচনার সম্ভব।

চোমংলামার প্রণীত

চোমংলামার চোখে উত্তরবন্ধ ১০

वामभाव रमर्ग विरमभी ५०. নিগ্লোনক একটি বেগমের অল্ল, ৬,

স্কুফার রাছ **महानगतीत तानी ५०**, রাহাল সাংক্রভারেশ मर्थामन्यः ८.५०

इक्ट**ार्ड अन्छ का**र র্চাস, টেমার লেন, কলিকাতা-১ তে জান্ধ- জানা। কিন্তু কৈউ ব্যক্তে পারে লা। হঠাং আবছায়ার মধাে কোথা থেকে সন্দের একখানা মুখ তার মুখের ওপর নেমে আনে। বড় সুন্দের মুখ- দয়ালা দুটি জলাজা চেমা। তালকটা আবাক হরে চেরে আকে। এইরকম এইরকম একজন মান্ব-কেই সে জাে সারাজীবন নিজের অজনেত বিভের। কখনো আলপথে লাওন হাতে বেতে বেতে, কিংবা বখন বর্বার একব্রুক লাকে নেমে টারির গাঁথা বস্তুটা শোলমাছ লা কেউটে না জেনে হাত ভূবিরেছে জলে, কিংবা কখনো বখন দিকশ্না বৈশাখী লুকুরের ধুখু মাঠ আর অননত আনােশের লিকে চেরে প্রথিবী ও আকােশের প্রকৃত

অথ ব্যতে পারে নি, কিংবা কথনো
যথন বাইরের দাওরার মানকাতে হাম তেতে
ফটেফ্টে জ্যোংশার হঠাং অপপর্টভাবে
নিজের প্রভিদ্দের কথা মনে পড়ি-পড়ি
করেও পড়েনি—ভথন সেই সব সমরে সে
তো আবছাভাবে একেই খুলে বেভিরেছে
এতাদন! এই দরালা ঘ্রথানা—আহা, বা
পরের জনা কানে—সমরে দেখা হল না পো
—এ ঠিক নিরে বেত তরক সেইখানে বেখানে
ঈশবর আছেন। কচু পাতার জল মুখ তরে
তেলে দিছে মান্যটা, সোধে মানে পড়েছে
কলের ছিটে। লোকটা অবাক হরে চেরে
থাকে—ভূমি কি উচেনা মান্য! না গো
দুংখী মান্য তোমাকে দেখলেই চিনে নেবে।

कर्मकात महत्र कारण। जूरपंत मृद्ध हा नताना, मृद्धभागा छात्र निरक हाहत्र थाहर धारे धारकास मान्द्र, हा छात्र कना करिहा हाहको सिक्टिक हाल हाहक।

আন্তে আন্তে তার মাথাটা কোলা থেবে
মাটির পুশর নামিরে দের রমেন। তারপ
উঠে বজিরে। চালা কেরে আন্তে আন্তে
কোম আনে নামার জামিতে বেখারে জ
জামে আছে। হাতের রস্ত ধোর, বাতি
ভিরিক্তরে নের, মাঝে জালোর কিটা দের
উঠে আস্বার সমরে দেখে লোকটার কা।
তান হাতজ্ঞানা পাড়ে আছে। যার তুলো নে
সেটা। ভিড় ঠেলে মাতদেহের কাছে রে
দের। তারপার একটা প্রতির একটা আ্লতর
স্থা বা্লাধাখানা হরে অলত বাভে। রমে
নিঃশাল হোটে এসে নিভের কামরার ওটা

কামরার ভিতরে ভিড়ের মান্য ভাকে রালত। করে দের। অনাম্নে সে এ: লীড়ার তার প্রেরানা ভারণের পৃত্ত বেলে মাঝখানে। শালতভাবে।

সভিয়ে তার কাছ থেকে সরে গে একজন লোক, বলল—আংগনার কাপ এখনো রড়!

বৰণ জাত্ত হোলত-অলের বিছানা গো কলে আছে একজন থিতীখটো চেহারার লোব সংগ তিনটো বাচ্চা, আর গোলগাল বং রমেন প্রথম গাড়িতে উঠতে এই ধোক ভাবে জারগা বিতে চায়নি, বলেছে দেখছে তো জাডা-বাচ্চা নিরে বাচ্ছি, এর ম কোথার বসবেন! সেই লোকটা মরে গেছে রমেনকৈ ভিত্তেস করক--গোকটা মরে গেছে

क्रायन माथा ट्रावासः।

— ইস্। কোকটা বলে ভারপর ছোক অলের একটা অংশ উল্টান সিয়ে জায়গ্য ক দিরে কলে—আপনি বসুন।

—আমি...মানে...আমার কেনেই ক্লেক মারা গৈছে। আপনার বিভানাপর ভৌ বছর।

্ত্তাতে কী? বৃহত্ত কাঠ্যসনে পে নেই।

तरमन यत्रम न्त्र।

দ্রগাপরে থেকে গাড়ি ছাজার শে
সমরে একটা পাচিশ ছাদ্বিশ বছরের ছেং
চাড়ে এসে গাড়িতে উঠেছিল। ওর দৌ
কেনে বোঝা গিরেছিল বে, ছেলেট। দৌড়া
জানে। তার গারে হ্যাণ্ডল্টের চমংক
একটা চেক শাট, পরনে কর্ডের পাশ্ট, পা
ছাণ্ডিং ক্ট, কাঁধ থেকে একটা মাঝারি বি
রাগ ঝলেছে। গারের রঙ ফর্সা, এক
নিষ্ট্র চৌকে ধরনের ম্প, চোথ প্র
শিক্ষর। শিবর, কিন্তু শাল্ড নর। ক
একরেখা। একটি কিংবা প্রটি খনে কর
পর মান্বের চোথ ওরকম্ শিথর হরে আনে
ভথম চোথের পাতার একটা গাড় ছারা পা
চোথের মান্টের



ভোলেটা গাড়িতে ওঠার পর খেকেই হোত্ত অলওলা লোকটার দুশো ভার কগভা इराह । ट्राइटिंग वर्गान क्यारण छाईट उदे लाक्यात वर्षे यसम्-की कता कात्रशा द्रव ? আমাদের বাকা-কাকা...এত জিনিসপার... ত্র গরীর ধারাপ...। ছেলেটা মূখ বিকৃত ক্ষুৱ যোৱাৰ চোৰে লোকটা, তাৰ বউ আৰ फिला वाकारक एमरबीयम अवगे. किय. বলেনি। ট্রেন খণ্টাখানেক লেট চলছিল, তাই হোল্ড-অলওলা লোকটা একবার রমেনকে कलाञ्च - रगरता पर गरबन ? रभीरहारछ প্রায় রাত হয়ে যাব। আমি আশার থাকি ক্ষা হড় ব্ন-এলাকটা ভাল নয়। অত বাতে ছিনতাই ফিনতাই...তা ছাড়া ট্যাক্সিওয়ালা-কেই বিশ্বাস কি? তথন দ্বাপাপ্রের ছেলেটি একট আত্মপ্রভারের হাসি হেসে বলল-আমিও ঐ দিকেই বাবো। আমাকে সংশা নোবন ২ আমি সভো পাবলৈ ভয় নেই। লোকটা বিব্ৰত চোখে ছেলেটাকে একটা নেখে মাধা নেড়ে কলল—না, না, ভার দরকার तिहै। एक्टलाओं केवित शक्त **द्वीं वनन-रक**न, আমাকে निष्वाभ इटफ ना? स्नाक्छी बनन —না তা নহ। ভগকন দেখকে। ঠিক পেণিছে যাবো। ছেলেটা এবটা হাসল— ভগরান তো একটা আগেও ছিলেন, বখন আপনি ভয়ের কথা বলভিলেন! লেকেটা দে কথার উত্তর পেয় নি, রমেনের নিকে তাকিয়ে অন। প্রসংগ আনবার চেন্টা করে বালছে—অন্ত আমার আসার কথা ছিল না— জাত ন! ঠিক ছিল পরশ্য দিন আসবো। বিশ্ত শ্নলম প্রশ্লিন স্টুইক-বাংলা বনাধা তাই আজ্বকট বেরিয়ে প্রভলাম। পঞ্জিকায় দেখেছি অমৃত্যোগ ছিল আছ... যতার সময়ে। তারপর একটা **স্লান হেসে** বলগ-কাশীর্ড সেবার ওগুরিচার করালাম —দুর্ঘটনার মৃত্যুর যোগ। ভাই পঞ্জিকা না দেখে বেরোই না বড় একটা...। দুর্গ্যাপরের **एक्टाम**को हो दिश्यक बाउध्य माथाना सम्या करका হাত ছড়িয়ে দড়িয়েছিল, একটা ঝিলিক নিল ভার হাসি, বলল-কেটে পড়ান দাদা, কেটে পড়ন। প্রিবীতে জারগা বড় কমে যাজে। ছ'জনের জায়গা দখল করে বসে আছেন. কৃতিজ্বনের খাবার টোনে নিচ্ছেন...

ঠিক সেই সময়ে ইঞ্জিন থেকে তীর বাদি বেজে ধীরে ধীরে থেমে আসছিল গড়ে।

সেই ছেলেটা এখন রমেনের গা ঘে'ষে

भूका मरथा। अमाप-अ

বিমল কর

এकछि गम्भ निभरक्रन

(TA-952A)

পাঁড়িরছে। একটা অনামনক্ষ ছিল রমেন, ছেলেটা তার কানের কাছে মুখ এনে বলল —কেমন দেখালেন?

-01

—रामाकको या अरत राजन ! रकारमा कणी राजन मा । देमनकेशन्ते ।

রমেন উত্তর দিতে পারল না। তার ঠোট একট্ন কে'পে গেল মাত্র।

ছেলেটা নীচু গলার বলল—আগনি খবে লক্ড? প্রথম প্রথম ওরকম হর। কলকভার দেমে একটা বড় প্রছন্ডি খেরে নেবেন। সব ঠিক হরে বাবে। আমি মান্তকে মরতে অনেক দেখেছি।

থবে ধীর চাপা গলায় রমেন বলল— জানি। टक्टनके विद्य नामना अक्ट्रे हमस्य केटेन।

রমেন সরে এনে গাড়ির খেলো দরভার সামনে শাড়ার। দরজার মুখে ভিড়ে। দুটো লোক একে অনোর বিভি থেকে আগ্ন ধাররে নিজে, তাদের দর্জনের মুখের ঠিক মাঝখান দিয়ে ভূবে মজে সূর্য।

শি. সরকারের চাওল্যকর গ্রন্থ

সমাজবিরোধী৮.০০

করে। সমার্কাবরোধী : এবের সংখ্যা আরু কেন এত বৃশ্বি পাছে ? এর জন্য সমাজ এবং রাষ্ট্র কতথানি বারী ? সব প্রশেষ জবাব মিশ্যবে এই প্রশ্ববিতে। অসংখ্য জনা। সাধাংশারেজন হ্যাবের ব্যাবিত্রিকিতি প্রশ্ব

नकभालवाि ५०.००

লেখক ন্বরং নকশালবাড়ি বেরে দেখে এলেছেন সেখানকার সব কিছা। সর্বভারতীর এই আন্দোলনের গোড়ার কথা থেকে আরম্ভ করে তৃতীর কমিউনিলট গাটির ভ্রম্ম এবং এই আন্দোলনের হাল উন্দোল্য উপন্যালের চেয়েও মনোরম করে লেখা। ভারাশ্বর কলোপাধারে

মহানগরী	. 6.00	স্বৰ্গ খেলনা	•••	6.00
গাতিকার শ্যামল গ	শ্ৰন্থ	म ृद्यार	न्द्रक्षन स्वाव	
আধার আলো	8.00	ৰাগৰতী	•••	A.00
প্রেমেন্দ্র মিল			ब द्राम्ब	
ক্লাবের নাম কুমতি 🔩	8.00	নমিকা		9.00
জেগে থাকে প্রেম	. 0.00			
व्यानाश्रमी स्वी			শীরাও সেন	
বিতীয় অব্যৱ	. 0 .00	তৰ্বিহল		0.00
	90.0			

প্রখ্যাত রাজনীতিবিদ্ বেদ্ইন - এর

ता**जा आत रनरे** ५००

सुद्धी अठ्व बाबनी जित्र माबाद्यमा

আট টাকা 4.00 नीशातसञ्जन १८% — नृर्व भर्ग 6.00 4.00 कामन शा<u>का</u> ४.00 निमिनव. 4.00 **इन्स्थाना** 8.00 0.00 **पत्रवाडी** 0.40 र्वाचनः मन पन ७-०० महिमी

ছুলি-ক্লম ঃ ১ কলেজ ব্লে ক্লকাতা-১ ব

रकाम : ०८-२,१०

গারে হাফ-হাতা পাঞ্জাবি হার্নি ঐ লোকটা। शतन्त भान्यों। श्रे श्र्यानात्र पिटक फटर মত্রে গেল। মরুত মান্য লোক চেনে, ভল হয় না। এ লোকটাকে দঃখের কথা বলা बात. ध दाबरत ठिक। स्म धरक वलारव গতবার তার কোলের ছেলেটা কীভাবে মারা শেল। মিঠিপরে তার গাঁ, চাব্বশ পরগনার। গতবার বান ভাকল রাত দটোর। খরে সে. ভার বউ আর দেড বছরের ছেলে। জলের म्हरू ब्राम एक्टंड प्रत्थ चरतत प्रारक्त राखात সাপের মতো জলের খেলা। ম.হ.-माइ क्रम त्राप अते. त्म वजेत्क जातक-সামাল! গরীব মানুব, জিনিসপত তেমন किছ दिन ना-याद एटा स्मग्रतना याक, কিন্তু মান্বগ্লো বড় আপন। বউকে বলল —আমার কোমর প্যাচায়ে ধর। বউ ধরল। ছেলে কোলে করে জলে নামল সে। খরে তখন তার কোমর-জল, বাইরে নামতেই গলা পর্যকত। তথন মাঠঘাট কিছ, ঠাহর হয় না. অন্ধক্ষর অব্যোর বৃদ্ধি, বাভাস ডাকে, উধালপাথাল গাঁই-গাঁই জলের ডাক। লোকটা জলের মধ্যে টালমাটাল ছাটছিল, সপ্তে কোমর ধরা বউ, বাকে ছেলে। পশ্চিম দিকে বড়ের বটের তলায় মহাবীরের থান-সেই জায়গাটাই সকচেয়ে উচ্চ সেখানে বাঁধানো বেদী আছে। শতথানেক গঞ্জ দরে। ঐ এক শ' গজ রাস্তা তার বাকে ধরা ছিল ছেলেটা—জলের তলায়। গলা-জল ভেঙে বখন গিয়ে উঠল কবার থানে তখন খেয়াল করে দেখে—আরে, এ আমি করেছি কি? चारी! दत्कत मर्था स्कारत राज्य सर्वाच ছেলে, দেখি নাই তার মুখ ডবে রয়েছে জলের মধ্যে! ছেলে শ্বাস নের নাই! खार्ग ?

লোকটা আপন মনে বিড়বিড় করল— এরে করো? হ্যাঁ, এরে কওয়া যায়।

লোকটা হাত বাড়িরে রমেনের পা ছ**্**রে ভাকে—ও কর্তা।

প্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ
গ্রেজে দুকুমার
মিত্র
একটি গল্প লিখহেন

(17-6228)



রমেন নীচু হয়ে লোকটাকে দেখে।
গালে খোঁচা খোঁচা দাড়ি, জল-টসটসে চোখ।
একে দেখেছে রমেন। থখন টেনে কটা-পড়া লোকটা রমেনের কোলে মধা রেখে মরে যাছে
তথন এ লোকটাই দৌড়ে গিরে কচু পাডার
জল এমে দিরেছিল, রমেনের কানের কছে
বিড়বিড় করে বলেছিল—বাঁচিরে দিন,
কতা, বাঁচিরে দিন—আপান পারেন। হে
ঠাকর—

ब्रह्मान नवम शलाव वर्ण-की?

লোকটা একটা বিভি **অভি**য়ে **ধরে। তার** আরু কিছটে দেওয়ার নেই।

রমেন বিড়িটা নেয়। লোকটার মুখোন্যুখি উব্ হরে বসে বিড়িটা ধারায়। লোকটা গলে বায় এই সোহাগে। বিড়বিড় করে ভার দুরুখের কথা বলে। তারগর আগতে আগতে রমেনের ব্রেকর কাছে বাকে অাস লোকটার মাধা, ভাঁর ফিসফিসানির ব্রেলকটা বলে—কলেন কতা, কেন ব্যাধ গভ হরে গেল! কী হয়েছিল আমার! কথে ভূলে নিলেই ছেলেটা বেডে যেত, কিন্তু কেন ব্যাধ হয় নাই?

হাতে কচলে চোখের জল মোছে লোকটা। রমেনের স্লের মুখ শতার হারে দেখে। জারপর বলে—ভারপর থেকেই আমি বংধকী করবার প্রেট্ডে দেলাম, ধর্মে-কর্মে মন দিরেছি, তীথে যাই মাকে মাকে, ভিখিরিরে ভিক্রে দিই, মান্যুধের বিপাদ দেখালে মন কেমন করে, ছাটে যাই—কিশ্রু এখন আর লাভ কী? ব্লিখনাশে ছেলেটা মার গোলা। জর ওপর দেখেন আমি ঈশব্রেজন্ম বামন্বীর, আপনার মতো লশ্বা হলে পর—কিশ্রু জগবান চান নাই—

মনে মনে মৃদ্ হাসে রফেন। কোন্দার জানে না বামনবীরের মতো তার চেহারর র্প করে পাড়ছে। সভা বাট, কখনো-সখনো আমাদের প্রিরজন চলে বার, ভার শ্না পথানে অপভরে চলে আলে দরা, মারা, কিংবা বিশ্ভার। লোকটা এখনো টের পার নি। ছেলে না আকার দৃঃখই ছেলে হরে ভার কাছে আছে।

রমেন তার কাঁধে হাত রেখে চুপ করে কসে থাকে।

লোকটা বিভবিত করে—আপনার বড় দরামারা। মরণত মান্বটার ভুল হর নাই।

গাড়ির গতি কমে আসে। অনেক লাইনের জটিল ইরাভের ওপর দিরে গাড়ি বাছে। হোল্ড-অলওলা লোকটা গলা বাড়িরে ভাকশ—ও দাদা।

রমেন তাকাতেই হাতের পার্নাসিকের
জলের বোতলটা বাড়িরে দিরে ম্বান মাথে
বলল—বারবার আপনাকে কর্ট গিছি।
সামনেই বর্ধানা, একট্ব জল এনে দেবেন
দান, কাইশ্চলি। আপনি ইয়ম্যান, ইটে
গিরে আনতে পারবেন—আমার সামাটিকা—

আসানসোলে একে একবার জল এর দিয়েছিল রমেন।

অভ্যাসক্ষত বোতলটার জন্য হাত বাড়িরেছিল রমেন, কিন্তু হাতটা ফেরড নিল। দ্বাপ্রের ছেলেটা শিথিল চোখে ভাকে দেখাছল। রমেন ছেলেটাকে দেখিরে লোকটাকে বলল—একে দিন। ইনি এনে দেকেন। আমি মড়া ছারেছি।

লোকটা ইভশ্ভত করে। হঠাৎ খেলার ছেলেটার মাথ বে'কে যার। রমেনের চোখে শিথর চোখ রাখে ছেলেটা। মানু একট্ হাসল রমেন—বন্ধকের হাসি। ছেলেটা হাসিট্কু ফেরত দিল না। রমেন মনে মনে বলল—অমি তোমার শতা নই।

ছেলেটা চোখ সরিয়ে নিরে ত্যাকটার দিকে হাও বাড়িরে বঙ্গল—দিন। এনে দিকি।

গাড়ি বর্ধানান পার হরে গেলঃ দ্বানি-পারের ছেলেটা জল এনে হেলেড অলওলার বেজে ভাষ্টা পেরে গেছে।

সরজার কাছে দাঁজিয়ে সমেন দেশে অপায়ায়র আন্দোল প্রকাশত একখানা আদি-অল্ডবনি মাঠ প্রতি পার হরে মাজে ভারের রেলগাড়ি। চয় জামর জারার মাজে আকাশে ফাটে আছে কোলকো মেয়।

জানালার ধারর একটোরে সীটটিতে কলে জিল ব্যঞ্জ একটা লোক। সে রামনের ধ্যুতিতে রাজর ছোপ দেখছিল, **লক্ষ করল** রামনের বিষয় মুখা ভারপর বলল— লোকটা বাঁচল মা, মা?

রমেন মাথা নাড়ল।

সোকটা একটা চুপ করে ছেকে বলন্ধ— চার্নিটকেই লোক মধ্যে বাচ্ছে খ্ব। খল্ড-সমসা। এই বাজারে মানুষ বাচে?..... আপনি কোখায় বাবেন?

- —কলকাতায়।
- —কলকাতায় কোথায়?
- —ঠিক নেই।
- —ঠিক নেই? সে কী? বাড়ি-ৰাসা নেই সেখনে?

রমেন একটা ইতস্তাত করে বলে—ছিল। কাশীপরে গণ্যার ধারে আমাদের একখানা বাড়ি ছিল। শানেছি সেটা উম্বাস্কুরা দংকা করে নিরেছে। আমি কোনো বংধার কাসার উঠবো।

—ইস্, বাড়িটা বেদখনে চলে গেল!
আপনি এতকাল কর্মাছলেন কাঁ? আজ্বলা কি একটা বাড়ি করা সহজ! গাংগার ধারে ঐ জায়গার এখন বিশ্-চিশ হাজার টাক্ষ কাঠা!

লোকটা উন্থিতন হয় থকে। বলে—আদি বাড়ি ঐটাই?

—না, রমেন বলে—আদি বাংছ মরমনসিং।

—মরমনসিং! লোকটা নড়ে-চড়ে বসে। ময়মনসিধরের কোঞার? —কালীবৃাড়ীর কাছে।

—कत्र बाणि?

— ক্ষর হরেন্দ্রনারারণ চৌব্রবী। লোকটা সেজা হরে বসে—তিনি লাপনার কৈ হন ?

—দাদ্।
লোকটা ফিসফিস করে বলে—ছোটো
ফর্তা। আপনি আমাদের ছোটো কর্তা না?
ব্যেড়া লোকটার খোলা চোখে কর চলে
লনে, সে আশেত আনেত উঠে দাঁড়ার—
নেন, বনেন—

ব্যান ভার কাঁধে হাত রাখে। লোকটা वह्नमञ्जाद बदन भएए। स्न बन्धरण भारत া এর মানে কী! ছোটো কতার মহলা িততে রুত্তের ছোপ, একটা আগে কাটা-भा लाक्नेटक बाक करत धालात बरन हल! भारत मा-कामारना माणि! स्मरकात ্য একটা ভিভিন্নি মান্যবেশ্ব সভো বিড়ি (म) की करत इत्त! तम क्लारों। कर्णारक ডের চজতে দেখেছে, বন্ধ চালাতে াখেছে, সে দেখেছে ছোটো কভা তেরো বছর াস একা মোটর গাড়ি চালিয়ে নিয়ে যথে। াই বাড়ির দেউড়ির ওপর সিংহের ম্তি টে পেথম-ধরা ময়রে, কড় কতা করাশগর রবীর হাতে বলে আছে, ছোটো কর্তা বটে রে চামড়ার বল মারছে দেয়ালে। কী করে 7.3

—আর হার রে, এ আপেনার কী চেহারা টৌ কটো! জমি নাই—বাড়ি বে-বংল— যুহার রে—

রমেন তার পালে ধোরে পঞ্জার, কী বে জেরে পার না রমেন। কেবল তার এর হাত ব্লিরে দের।

লোকটা কতবার সেই ব্যক্তিত ছাটে ছে দারে দফার! মুশ্কিল-আসান ছিল ্রাড়। পাকিস্তানের পর বংল থালি া গেল কাড়িটা—কট্ট পড়ে গেল—তখন দিন তার ব্রুক হাথিরে উঠেছে। কল-গায় এসে কতকার অভ্যাবে দঃখে তার মনে ভ্ৰমেরমনসিংরের সেই বড় বাড়ির কথা। ছ হরে**ছে—কা**শীপুরে একবার ছোটো ার কাছে যায়। আপনারাই চিরকাল াদের দেখেছেন, আমরা আরু কোথার া? কিন্তু আর হার রে—ছোটো কডার र जात्र किन्द्र नाहै। दक्यन ग्राना लाटग , নিঃস্ব ভিথিরির মতো লাগে নিজেকে। ীপ্রে ছোটো কর্তা আছেন, এই বাস নিরেই সে এতকাল অনেক স্কুংখে ला रंगरहरह। किन्छू अथन रत्र की राज्य ाना भारव!

— আমি মাকুন্দ খানিওরালা—মনে নাই? মেন মাধা নাড়ে—মনে আছে।

সং জমিদার পিতার মতো। সাসনে ন, সোহাগও করেন। নিশ্কর জমি দিরে বসত করান, ধরে-কর্মে মতি আনেন বর। কী মান্ব ছিল সব—মাধা নুরে আসত আপনা থেকেই। তার চেরে কি
এখনকার বি ডি ও-রা ভাল! না কি সরকারী
লোকেরা! অনেক ইররানির পর মুমুস্থ
ব্বে গেছে—সব লোকোর, ঠক। এখন আর সেইসব স্বপের মান্বেরা জন্মার না, ব্রের কাছে গিরে গাঁড়ালেই প্রথের কথা নিঃশব্দে কাছ রের বেড।

নীরবে রুমেনের হাতে বে-ধেরাকে ছাত বুলোর মৃত্যুক। বলে—সব চলে গেল, ছোটো কর্তা। আমরা তবে কার কাছে গিরে দাঁড়াকো?

. রমেন ঠিক ফলতে পারে না। কিন্দু কলতে ইচ্ছে করে—ম্পাকিলে পড়লে আমি আছি। আমার কাছে এসে।

কিন্তু সে বড় অহংকারের করা। রুমেনের মুখ ফুটে কেরোর না। সে কেবল মুকুলর হাতে হাত রেখে ছোটু জারগানিতে বে'ক্ষ-যোবি করে ওর পালে করে যুদ্ধে।

মধ্যে মাধ্যে এবল্টা ব্যন্তে মহরুর আর একটা প্রেরনো মেটরগাড়ির কথা রমেনের মনে পাড়ে। কছপের পিঠের মতা চালা, পর্জ মঠে ধ্যের রতের মহারটা এক বেঝা পেথম টেনে আপেত আপেত চরে বেড়াছে— এই দ্যা মধ্যে পড়ে। বিংবা লজ্বরে পারেনো, ক্যান্বিসের হায়ওরাল তাপের গড়িটা ব্লিটর দিনে পাম গাছের তলার দাড়িরে ভিক্তে।

কথানা বা মনে একটি দ্বটি ভিন্ন ছবি ভোসে ওঠে। প্রকাণ্ড একটা ভাঙা পিয়ানোর ওপর ব্যলোর আসতরণ, তার ওপর আঙাল দিয়ে রমেন তার নাম গিখছে—রার রয়েন্দ্র-নারায়ণ চৌধারী। কিংবা মান পড়ে প্রকাণ্ড দেউড়ির ওপর প্রেরানো জং-ধরা লোহার আচ, তাতে একটা চৌকো কচের বাভি খনেত্র, আর চেরিকার ফ্রের বেরে লাতিরে
উঠেছে রামবীলাতা। কিবো সেই সোনা-বরা,
দাস্তভাগর সব্দ্ধা সেকালগালি— বা ভানের
বাজির সীরামা ছিল, কর ওপর দিরে বা হাভ
বা দিকে পাশনার মতো হাজিরে টাল থেতে
থেতে চোলা বালে কতানন হোটেতে রামন!
কিবো মনে গড়ে ভানের ভ্তরতে, প্রকাভ
বাড়িটার পালিয়নর ভিতের কারে একুট
ভাতনকার হাতে বালা বাস ভাতের।

এখন সেই বৃণ্টির দিন, আর পারগাছের ভলার দীড়ানো ভাবের নেই ব্যক্তা ভারা গাড়িটার ডিজে বাওরার কথা মনে গভল। ভারপর আন্তে আন্তে সেই শুড়ো মর্রেটার পেখমের বোকা টেনে টেনে সভক চলা, প্র্যান্ড পিরানোর গারে লেখা ভার প্রেরানো নাম, আৰু আতসকাচ হাতে বাড়ির পশ্চিমের ভিতের কাছে লালর কলে থাকার দুশ্যে মলে পতে গেল। ভার চারধারে এখন একবার তাকিয়ে দেখলে কিছাতেই মনে হয় বা বে. লে সৰ সতিষ্ট একদিন ছিল—সেই হয়ত্ত্ প্রব্রেদো পর্যাড়, সেই জ্ঞান্ড পিরহনে, কিংবা रुष्टे माप्रः। दयसन् सदन दन्न ना एकदन्यवनात সভািই ভাকে ঐভাবে ভার নাম সিক্তে কা বলতে শেখানো হরেছিল-রার রমেন্দ্রনারণ চৌধরী।

(BAH)

শ্লা সংখ্যা প্রসাদ-এ সেপেতাষকুমার ঘোষ

अकि गम्भ निषक्त

(1개-৬ ২১৮)





जाशनात स्थथानि क्लात शाशिक प्राठा (शस्त ३ त्रकत कात जूलाव शिञ्ज छानिसिश कीप्र



ণঙ্গ ভানিশিং ক্রীমে আছে বিশেষ একটি উপাদাৰ

হিউমেকটাাক —এতে স্কের আত্র ভাব অটুট থাকে। পঙ্গ
ভানিশিং ক্রীম ভাই আপনার মুখ্ঞী কমনীর, মসূপ ও ভালা রাবে ই
আর ধুলোবালি ও কক আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচার।
ভূষার-গুত্র ও হালকা পঙ্গ ভানিশিং ক্রীম এমনিতেই মুবে একটি
মাজিভঞ্জী এনে দেয়; আবার পাউভার বেস্ হিসেবে এর ওপর
মেক-আপ ধ্রাসেও ঘটার পর ঘটা নিধু ত থাকে।

চীজ্বো-পণ্ড ইনকপোরেটেড (শীষিত দায়ে মার্কিন মুক্তমাক্টে সংগটিত)

পঞ্স ভ্যানিশিং ক্রীম—বিশু ত গাউভার বেস্

লাপ মন্দ্র এবং লাগুড়ে ঈশ্বর ঢালি

তুলের ভ'ইফোড থেকে চোৰে রাপোর বিভিগ বসানো কুমীরম্বো বেড হাঁধানো সরবের তেলে পাকানো লাল টকটকে ছড়ি তৈরি করেছে ঈশ্বর ঢালি। সেই ছডিটাই তার হাতের অস্থা। আর रमाते आह मन्त-मरन्त्रत नम्ह। स्न विशास সাপতে, আবার ওঝাও। গ্রাম নর খানা নয লোলা পার হরে ভার নাম চলে গেছে কড শত মানুবের ঘরে ঘরে। কত মানুষের ঘরের মেৰে খাড়ে সে পদ্মগোখনো, খরিশ त्कलेल, काम क्षिप्रें, छेनम नाम, काम মাগিনী বার করে দিরেছে। সাপে-কাটা মরা মান্ত্রকে মন্তর ক্যাপনা করে বাঁচিরে তলেছে, সাপ খেলা দেখাতে গিয়ে বাশি ্যাজিরে নিজের তৈরি ছড়া-কবিতা শ্নিরে ছত মান্তকে সম্মোহিত করেছে তার ইয়তা

ক্রমর ঢালি নাম শ্নেলেই স্বাই গ্রিডরে গড় করে। এ ব্লের সাক্ষাং শ্বঠাকুর ও-বেটা। গলায় ওর সাপের মালা। ব্রহণ্ড কলে ফ্র্মীকে নিরে খেলা করে।

মাথায় চড়োবাধা চল ঈশ্বর তালির। াতে ফ্লের মালা জডানো। গলায় কাল াটির মালা। বাম বাজতে রাদাক্ষা দক্ষিণ াজতে ওপভাদ কালা কয়ালের বর্থাসস াওয়া রাপোর তাঁ**র।** ভাতে আরবী *হরফে* तथा ইসলামের মালমন্ত জা ইলাহা त्वाल्का-त्या इत्या म द त्रालालका।' রেরা ক্রিণ গেরুরা পাজাবী গারে ত্র ঢালির। পাঞ্জাবীর বোডাম নেই. লাগলের সাবেকী চঙের জামা। মাথে কটা ঙর গোঁফ দাভি। চমংকার গড়ন ভার হের। তীকা খাঁড়ার মতো নাক। চোধ টা দীর্ঘা, বিকশিত এবং ব্যক্তিদীপ্ত। যেন ওরার আগনে জন্মছে। কপালে একটা দ ফেটা। এ মান্ত্রকে চাবীবাসীরা रे म्हा एक-रे शुष्ठ करता छात्र हात्रभारम ড হর।

বনে বাদাত্তে ঘ্রে বেড়ার ঈশ্বর ঢালি।
বিরে বেড়ার। ছাজার ছাজার গাছ ঘাস
বিগতার নাম তার ম্থশত। সে লেখাপড়া
ন।

মন্তব সেথের বড় বেটার বউকে সাপে

ডে্ছে। ঈশ্বর ঢালিকে আনা হল। সে

মোড়ের মাথার বসল। চা থেল। থবরের

লে পড়ল। একালের অনেক শিক্ষিত
ল মন্তে বিশ্বাস করে না। তারা ঠাট্টা
। ঈশ্বর ঢালি হাসে। তার কাছে একটা

ঢ়ার স্টুকেশ আছে। একটা হাঁড়িতে বিরাট
টা গোডিভান্তা কেউটে। পথে আসতে



আসতে ধরে এনেছে। রক্তাৰ কললে, সাক্রের মাঝখান দিরে আসতে আসতে উনি একটা বিকোর পালে থমকে দাঁড়ালে। জাঙালের সর্ভাগ্রেলার ওপরে কান পোতে কী কেন



উপৰয় চালি দাপ বেলাজে- লাগল

প্নলে বললে, রজব এর মধ্যে সাপ আছে।
পাড়ার ছেলের। এসে পড়তে বললে, একটা
ছড়ি আনতো বাবারা। পরে উনি একটা
গতের মধ্যে মন্ত্র পড়ে জোরে ফ'ু দিলে।
একটা পার্নাণ্ডলীর ডাল ভেঙে গতে
চ্কিরে নাড়া দিলে। ডারপর গড়ের মধ্যে
ছাড চ্কিরে টেনে বার করে আনলে
সাগটাকে। লাজ ধরে শ্নো চাগিরেই
মাটিতে কেলে ছড়ি দিরে চেপে ছ্রির দিরে
বিবের ঠুলি বিষণীত উপড়ে কেলে
দিলে।

সাপটা বার করে দেখালে স্বার অন্বোধে ক্লুখ্বর ঢালি। ভারপর খেলাতে লালল। ভার চোখে বারা আছে, জাদ্ব আছে। সাপটা সেদিকে চেয়ে থাকে। ফণা ভূলে দোল খার। ক্ষিত্র বিজ্ঞান, একটা চোৰ কানা। শিকার করতে গিরে বেজির নথের চোট খেরেছিল। দেখা, সামনে কিছু নড়লাই তাকে সাপ ছোকল হানে। কেউটে কণা ধরে। বোড়া কণা ধরতে পারে না। ফণা না ধরতে পারেল কেউটে কামড়াতে পারেলে না। সেশক্ষ করে—জানান্দের। হিস্হিস করে। নাপ ভর করে। ভর, মের্শক্ষের একটা গাঁট বিদ্ একটা চোট খেরে হেড়ে বার তবে তার ম্রোল গোল। ভাই ভরে এবং ক্ষেত্রে ক্ষিত্ত হয়। তেড়ে এলে হোবল দের। সম্ ভার বিচানোর ভরে।

পাপ নাকি তেড়ে কামড়ার না, বইরেডে ৰে কেথে?' শ্রেধার একটি শিক্ষিত ছেলে।

केन्यव प्रांत वर्ण, वरेट करनक कथा লেখে, সে সব কি সতিঃ? ভারা রিসার্চ করা পশ্চিত, শহারে লোক! কেউটে জাতার সাল, বিলেষ করে তে'তলে খরিল, গোপরো এরা তেভে কামভার। আসামের জ্ঞালে शास्त्र भाष्यम् छ विवाधे माभ-माजा रभरतारे বেছে ওঠে—দেখে তার চেয়ে কে আবার বিহাট বীর আছে। তার জ্বিন্সংশর ক্যাপার তেউ ঘটারে সদেবত করলেই তেতে काम चार्याकारमध्ये महारक चारतम करता স্যাপের যথন ক্রোধ আছে, সে বখন ছাটতে পারে ভখন ভার তেড়ে আসতে বাধা কিলের? সাপ বলি কামড দিয়ে বাঁ দিকে ছোচড মারে ভাহলে বেশি বিব ঢালে। ভান शिक अता थाता। वी शिक्त विविद्य ठे. नि বাঁচিরে রাখে। কেউটে কামডালে আগনে লাগার মতন 'জনলে গেল পড়েড গেল' বজাৰে ৷

আপনার হাতে এই যে র্দ্রাক, এটা কি 'শক'?'

'না, **এ**টা 'নিরেট'!'

কাজেই ঈশ্বর ঢালির ব্রি পরীকা করতে বাবেন না—নিজে বারেল হবেন। তার সংগ্রা লাগা মানেই কেউটে সাপের সংগ্র খেলা করা। সে সাত্যাটের ঘেটো। আগ্র সমাজের কল্পক থানার দালাল মদন দাসকে খনে করে সত্য স্বীকার করে সাত বছর জেলা কেটেছে। তারপর সাপ্তেড় ছিল বহুদিন, সাপ খেলা বেখাত। সখির নাচের ছড়া কাটত আর বাশি বাজাত। আজ

भूका मरथा अमाम-ध

अस्थनाथ दिनी

अकिं शन्त्र निश्चाहर

(সি-৬২৯৮)

বিশ্বাত ওকা। সাঁওতাল প্রগণার, কামর্শে ছিল সে বহুদিন। পাহাড়ী সাঁওতালী এক মেরেকে এনে রেখেছিল বছর দুই ওর ঘরে। এখন সাপ বিক্রি করে আসে চিড়িয়াখানার। সাপ, বাঙে, বেজি, উদ্বিড়াল, ভাম, খট্টাশ ছ্যা-হাড়গেল এসবের, চামড়া বিক্রি করে আসে কলকাভার চামড়ার গ্লামখানা-ভরা কিরাপ লেনে।

ঈশবর ঢালি একটা মন্তের বই লিখে ছেপেছে। সে বই ভার শিষ্য হলে তবে পাওয়া যাবে। চার আনা দাম।

ঈশ্বর ঢালি বললে, থিওরিটিকাল আর প্রাকটিকাল তফাত বাবা। প্রাকটিকালকে একটা থিওরিতে আনতে হয় সত্য কিন্তু উপনাস গলেশর চন্দ্রবোড়া বখন প্রায় কণ্ডিহান তলালা বাশের ঝড়ের মাথার উঠে শিব দিরে পাড়া বাত্ করে ভখন জনে বাস্তব বলবে কেমন করে? চল্টবোড়ার গারে ২০ থেকে ২৭টা চাকা। লম্বা আড়াই হাত। কলিঠাসা জাওরা বাঁশের ঝাড়ে হচতে উঠতে পারে মান্বেখানেক—কিন্তু কেন উঠবে—সাগটা বে নির্মীহ—চুসচাল পড়ে থাকে পাড়াবাসের মধ্যে। চোথে চোও গড়েবে তবে সনসন করে পালার। হঠাং

এক জাতিঃ এক প্রাণ

विकर गठाकात निष्ठ स्वर स्वर गठाकात स्वित वकुछेठारव ववुगठ सकर तार्डे व क्विंग्य सर्था सर्था सर्था सर्था व्यक्त स्वर्थ तार्डे व क्विंग्य सर्था सर्था सर्था व्यक्त विवास व क्विंग्य करत्व ठाएम्य वाक्रस्थावय वा मरथाश्वय स्व स्वर्था मान्या वाक्षस्य मान्या वा मरथाश्वय स्व स्वर्था मान्या वाक्षस्य पावस्य वाक्षस्य मान्या वाक्षस्य स्वर्था मान्या वाक्षस्य सर्था निवर्ध कर्या मान्या वाक्षस्य सर्था निवर्ध कर्या मान्या वाक्षस्य सर्था निवर्ध कर्या मान्या मान्या मान्या सर्था निवर्ध कर्या मान्या सर्था निवर्ध कर्या निवर्ध कर्य



बराख गई



GANCHI
GANCHI
BIRTREMENTO
OCT 2.1958 TO
FER. 22.1970
HEICHT
TITLE
AND STRIKES

লা কুলে দিলে তবে কামড়ার। শহরের লোকর। জানে না—ভারা যদি সাপকে বাশি বাজাতেও দেখত, ফলত, বারজুমের সাপ—হতেও বা পারে! আরে বারা, চল্লবোড়া কি বাব দের নাকি? আমি সাপ্তে সাপের বাগার আছে বলে হাস্তি বাকৈর ইপকথা সিনেমা দেখতে গিরে ফোল গেলায়। বাংলা দেখাটাকে একটা ভামালার হারগা পেরেছেন বটো! উদর নাগোর বর্ণনাও একেরের—অবাশ্ভব। হাঁ, একমান প্রায় কর্লা বিভূতি বাজ্যাকার লোখা গড় আমি হাঁ হরে গোছ। গাছপালার কি নাম ভ্রলাক এত কেমন করে

আপ্রি মাল্র বিশ্বাস করেন?' प्रमु प्रानिषक क्रिया करत-दिशादनाविकार। বাগাণেই আসল। দেখুন না, শিবঠাকুরের নায় সাপ কেন? তিনি ছিলেন সে ব্যগের প্রিমারদ। সাপ নিয়ে তিনি খেলা নতেন। অনেক প্লড়ি বটি জানতেন। সে ্রতখন আমরা প্রায় ভূবে গেছি। তবে বা তেমাদের বলি, সাপ কামড়ালেই গা বাধ্যে—প্রেরানো খি খাইরে দিয়ে । ঘণ্টার মধ্যে ছাসপাতালে নিয়ে হাবে। ধ বিধবানে ছাতুড়ে বদি। ওঝানের ডেকো । अथन काम काम है देशकमान हरहाई। বেডা কামড়ালে নাক মুখ দিয়ে রক্ত उ—गा एकटढे याय—जन कटतः ह्वाछात विय ট গতি এই আছে এই দেই যেন। খারা কামজালে ১৫ মিনিটের মধ্যে াঁটিল পড়বে। তবে কেউটের বিষ ন দাত পঠে তেমনি দাত নেমেও যায়। রচীনর বিষ ভয়ংকর। বাঁচননা কঠিন। াক ধার বিষয় খাব ভীয়। চাং বোডা বিঘাতে বোড়া চ্যাংমাছের মতন-লাফ কামভায়। জাগে চন্দ্রাবাড়ার কামড়ে ` মরত—এখন শতকরা ৯০টা লে**চে** হাসপাতালে গেলে। অমি ইঞ্চকশন ার করি। বিষধর সংগ কামডালেই ত পারবে। ব্রহ্মভালা পর্যানত ইলেকট্রিক লাগার মতন লাগবে। কটো জায়গায় পারমাংগনেট লাগিরে দাও। চুল দাঁত তুলে ফেলো। স্বারু আগে কষে ববিন দাও পর পর। ভারপর ওয়া-্মিপাতাল।

গটি ব্ভি মেয়ে এসে বললে 'হ' বাবা তভাৱ সেই সন্ধির নাচ শোনটিব ন**়**

भ्का मःशा श्रमाम-এ

गाणितिस वनी

अकीं गम्भ निथट्य

(14-6국)



79

লাল কাপড়ের দ্টো সৰি বার করলে

এতকাল পরে এলি?

ঈশ্বর ঢালি ব্যক্তির পরে হাত দিরে গড় কললে। বললে, 'মা, সাপেকাটা দেশতে বেবিয়েছি। দেরি হার কাবে।'

ুড়ি বললে, তেরে নাম শ্নলে সংগ্রন কটা রোগী কেড়ে উঠবে! গানটা বলে যা ব্যা—স্বাই শ্নেক।

ইশ্বর ঢালি হাসলে। স্টকেশ খ্লালে। লাল কাপড়ের শ্টো সখি বার করলে। নডাতে শ্রে করলে। ম্থের শব্দ করে ডোল-কাদা শোনাতেই বে-বেখানে ছিল ছুটে এল। গান শ্রে হল। সম্ভূত ঢলানি স্বা।

শ্ব-সে-র বি-নো-দি-রে
ভাস নাচবি থাদি॥
ধ্বন গেছে ধান ফাটিতে
সভীন আছে গরে
দুই সভীনে ধান ভানিতে
চুলোচুলি করে।
ধ্ব-সে-র বি-নো-দি-রে
ভাল নাচবি থাদি॥

बीका बीजिंग हुन ना फरन াচার উপাটপালি লোটাগলাবৈ চিকাডে ছেলে ভাতেই কী বাৰ্যান: ब-ज-च दि-ला-पि-ख... জ্ঞান নাচবি খালি ছ তি ভাত হাঁধলি খাঁদি পাটশাকের কোল चौना नारकत चक्रवर्णान পাড়ায় গণ্ডগোল i ब-स्म-ब वि-स्मा-पि-स्व... ভাল নাচাৰ খাদি ম টিলৈর টিলির পানি হয ब्राप्थाता स्थानात পুট সভীনে ব্যক্তি করে र्द्धांतिक किएन भाव । ब-रम-म वि-त्मा-मि-रव ভাল নাচবি খাঁদিছ একটি বেটি বউ ছিল কলা গাছের আড়ে ৰুলা পড়ে তিপির তাপির ব্যাড়া ভাব্যারের **ঘাডে।** ब्र-क्र-ब वि-त्या-मि-त्य ভাল নাচবি খাদি 🛭 बिसाम अस्त मुद्दे मङीस এক বিছানার শোর প্রই সভাবের চেত্রে আগনে

গান শেষ হলে স্বাই বাহবা দের। ঈশ্বর ঢালি উঠে পড়ে। স্টকেশ আর সাপের হাড়ি নেয় তার সংগ্রে লোকটি।

ম্ব-সে-মুবি-নো-দি-রে

জেগেই বাত পোর ৷

काल नार्धाव चीति ॥

রক্তব সেথের বাড়ি ভিড়ে ভিড়াকার।
রক্তবের বউমা রমিশা ঋতুনকে সাপে
কেটেছ। অক্তান হরে ঢলে পড়েছে। বছর
আঠারো বরেস। ঈশ্বর ঢালি ভার চোর্
দেখলে। নাড়ি দেখলে। ব্রুকের মধ্যে হাড়
দিয়ে হাদ্-শশ্মন অনুভব করলে।

কি সাপ কামড়েছে কেউ দেখেছ? কেউ কিছা বলতে পারলে না। ব্লছবেছ লটী বললে, 'বাত বারোটা একটার সময়

বিমলেন্দ্ৰ চক্ৰতীৰ ঐতিহাসিক উপন্যাস

মহাসংগম ৫ ০০

পর্তুগীজ বেনিয়াদের মান্য কেনাবেচার পটভূমিকায় পশুমকার সাধনার ভৈরবী চক্তের নংন লীলাখেলার এক গদাগাথা।

প্রবীণ কমিউনিন্ট নেতা

खानम् जार् बन्दलब नजून न्यादम्ब উপन्यान

আবাদ ১২ ০০

লৰজাতক প্ৰকাশন : প্ৰাণ্ডিছান ঃ দে যুক স্টোর, ১৩ বণ্ডিম চ্যাটাছি স্থীট, কলিকাতা ১২

(সি ৬৬১০)

শ্রক্রে গোপনে গোসল ক্রতে গোঁছল—এসে বলাল থাটে ভাকে ভি কামভে নিরেছে।

'আতো রারে গোসল' করা কেন?' রুসিকতা শ্রুর করলে ঈশ্বর ঢালি। সাশক্তি মুখে কাপড় চাপা দিরে সরে গেল লক্ষা ঢাকবার জনো।

ক্ষমবর ঢালি উঠোনে একটা গণিড দিরে মুন্তর পড়ে। দুটো কাঠের পিড়ে আর একটা স্পারি জানতে বললে। একটা পিছের ওপরে স্পারি বসিরে তার ওপরে পিছের ফতর জ্যাপনা আরুভ করলে। একটা ছেলেকে পিছের ওপরে তুলে দিলে। মজার কান্ড! নিচের পিছে মাটি ঠেলে এগোতে লাগল মান্বকে নিরে। ইন্বর বললে, বিষ জনেক দ্র উঠে গেছে। কেউটে সাপ কামড়েছে মনে হছে। রোগাঁকি

क्षेक्षे चत्त्व श्रामा मिरत मार !".

বংশ থরের মধ্যে ত্তে ঈশ্বর ছেরটির চেহারা দেখলে। স্ফারী মেরে। স্পানারি হয় নাই এখনো। বাক্স খ্লে ইঞ্জেফান দিরে বেরিরে এসে বললে, 'বন্ড দেরি হয়ে গেছে। হাসপাতালে পাঠাও নি কেন?'

রজবের বউ বলে, 'ও বাবা, হাসপাতারে কি বউমান,বকে পাঠারো! তারা নারি তেজী মান্য পেলেই মেরে ফেলে তেজা করে! মাথা ধড় কেড়ে লেয়। বিকি করে। ছুমি এয়েছ, ও বেটি বে'চে যাবে।'

'না, আমি বাঁচাতে পারব না।'

পারে জড়িরে ধরে তথন বউটির আপন মা। পা ছাড়ে না। কাদতে থাকে।

বার বউ তাকে বলে ঈশ্বর ঢালি, বিদরে ভূই এই বউ চাস, না আবার বিষেষ্ক করি।

'এই বউ চাই।' লক্জার মাথা থেয়ে গুৰ নিচু করে বললে ছেড়িটো।

বেটা পাঁবিতের নাগর। দে একশো টারা দে। না হলে অমি মহতর ক্ষ্যাপনা করে না। এখানে কৈ একটা খাদে ওঝা আছে। ভেরেছে। তোর বউয়ের কোল্ডেটা বর করে নিয়ে হৈয়ে শালাক পাতার ভালিয়ে রেখেছে। একটা কাক সেখনে কাক করছে। যদি খেয়ে ফেলে তবে আর বলিনা বাবে না! নে টাকা ছাত।

তখন বউরের মা তার গলার সেনাব হারটা তথা ঈশ্বর ঢালির পারের কাছে রাখলে। ঈশ্বর বললে, বাবা একেট বলে মারের টান-নাডির টান!

থকটা নতুন স্বায় জল দিয়ে তথাও করে কি সাপ দেখালে ঈশ্বর চালি! খারণ কেউটে!

খা মাসাঁরা খাটি ছেছে দতে, চুলের গোরো খালে ফেলো, মেরেদের করে, দথাঁর খারাপ থাকলে এখান খোকে চলে যাও না হলে রক্তমাব হবে, যদি কেউ ডেবর' থাকো এখান কাটান দাও, নইলে বাগা মেরে ভার মুখ থোকে রক্ত বার করেব ফিন্কি দিয়ে। ছাগল থাকলে সরিরে দিয়ে এস মাঠে। যারা মল্যে বিশ্বাস করে না ভারা সারে যাও। নইলে বিশ্বাস করে। মন্তর পাড়তে খারা করলে সেঃ

'কচু পাতার জল বেমন করে চলচল মা বাস্ত্রিক ধরে আছে এই পিথিমির তল। মা বাস্ত্রিক মাণার জটা কালো চোথের মাণ দীশান কোলে কালো মেথের ঘটা বিবের ধারা বারার র কালফাণী! কামরূপে বাম তার কামর্শী কালী শিবকে ফেলে পায়ের তলার করে চলাচলি।

শিবকে জাগান কে কেউটে বোড়া অংশ্যে জড়ায় যে শিবের চোথের জাগনে নারে দিব

कलाशिं कवशव कवि सूर्थव पूर्वक पूर्व कव्पत ३ त्रावापित परस्कश विध कक्त !



कातनः अक्यात मात कारतंत्रे रक्षकाम स्त्रीय किरत नेकि साम कतराहे पूर्वस अस्तरत कम नाती वीकान्त मककता ৮৫ कान भवस हत स्टब गारत।

বৈজ্ঞানিক পরীকার প্রবাণিত হরেছে বে কলগেট প্রতি ১০ জনের মধ্যে ৭ জনের মুখের তুর্গছ সক্ষে সঙ্গেই দূর করে হের এবং কলগেট প্রক্রিয়ার থাওয়ার টিক পরেই

গাঁত ত্রাপ করলে বেশীর ভাগ লোকের বস্তক্ষ রোধ করা বার—আজ পর্যন্ত বস্ত-চিকিৎসার ইভিহাসে বেমনটি কার কথনো দেবা বাহনি। কার একযাত্র কলগেট'এর নেট প্রমাণ কাছে।

কী ফুলর এর দিপার্যেণ্টের কুবার-ভাই ছেনেমেরেরা করপেট ডেল্টান ক্রীয় দিছে নির্মিত গাঁড আশ করতে ভানবানে!

পরিক্ষা নির্মণ খাসপ্রখাস নিতে এবং দাঁতকে উত্থল সালা করতে-পৃথিবীর অফা যে কোন টুবপেরের ভেয়ে কলপ্রেট অলেক বেনী গোত কেন্দ্র ।

COLGATE DENTAL CREAM

COLGATE

प्रथत ! त्रभात त्रारेक कित ...भग्रभा वाहात !

াৰি পাউকাৰ পছক

जे मर क्षत्रे नारवस्य क्षत्र कोटी नावकात्र

DE PHEMICE

সেই আগ্রেন প্রেড সম্ক বিষ ।
থেক]
লাগ কামিকেন কালী নগতর
লাব দশতর, দশতর পাধর কাডে
কালীনহের করাল মধ্যল
মারবা মশতর কাড়ে।

মারবো মশ্তর ছাঁড়ে।
পরিশ কেউটে'র বাঁকা দক্তি
আমার মশ্তর তার করাত
লাগ লাগ লা মা মনসার বরে
জলের মতন যাক লা বিব করে! [ফাঁক]

মা মনসার ভালা দেবে
দোব কবাক্ল
হল্দি সিশ্রে খুন্সি সরা
মেতি মাখা চুল।
চুলের বেলী ফণা
ফণার মারি কাটা—
কামার মণতর ফণী মনসার কটা। [ফ্কে]
লাগ মন্তর লাগ।
সাতালী পর্যত ফেড়ে লাগ
সাওতালের তীরের মতন লাগ,
সাওতালীর পাছা ফেড়ে লাগ
রর পড়্ত করে
চলীর নিশাচর শিমাল শ্রে শ্রে প্রে প্রে

লোক নিশাচৰ শিমাল খাক শ্ৰে পড়ে পড়ে।
কালী বাস্কি মনসা শিব
মাথায় থাক।—মারি চাপড় পি**লি**মিতে
উড়্ক খ্লো।—কোন্ শালা ভারে?
ভাব মা

গোনর কুডুনী মাগী—
ভার কোঁড়ায় এ কি! চন্দুরে বোড়া?
পদ্যগোখ্যেরা, তে'ডুলে খাঁরশ, কালকেউটে,
গোড়িভাঙা কেউটে, শিয়র চাদা, শাখামুটি,
কালনাগিনী, উদয়নাগ, শৃংখচ্ছ, চামব-কোগ, ধরাচিতি, দুধে বোড়া, রজে বোড়া,
বিদ্যাত বোড়া, জল বোড়া, ময়ল...হাজার
কল্যের সাপ...

থবে বাপরে বাপ!

চোমেড়ি কানি!

কী বললৈ গালা?

পালা বিষ পালা! [ফ্ক]

কামবংপের কামবংশী

বামাচারী কালী

ভাব আজে মন্তর বানাই
আমি উন্কর চালি॥ [ফ্ক]

রাণীর পারের সাপে দংশানে। জারগাটা টানিরে চিরে দিলে ঈশ্বর ঢালি। বসিত্রে ল রোগীকে। গাল থেকে তার লালা ত লাগল। লোকে লোকারণা চারদিক। লে করছে তারা।

শবর বোঝে রোগাী বেচে যাবে। কতক-না শিকড় বাটতে দিয়েছিল সে। বাটা রোগাীর গালে ঢোকানো হল। আস্তেত ত নড়তে লাগল রোগাী ঘন্টা চারেক

ত্র আওড়াতে লাগল ঈশ্বর ঢালি :

খা ধা কেউটে বনে তোর বাস নে থেকে বেরিরে কেউটে মান্য কামড়াস। বারোচিতি বোজ বোড়া আলোর কাহিনী

আই মন্তে আড়িসাম বিষ আ মনসা জগতিনী। বিশিমা আড়ুনের আপো নাই বিষ বিষয়বির আজে মা মনসার আজে নাই…" [ফ্কু] শাক ভূসতে গেল বউড়ী
লাকে গড়াগাড়া
কি সাপ কামড়ালো বউড়ী
ওয়া পাবো কোখা?
বুৱা হল ধন্দত্তমী মা মনসার বরে
চরা চৌবাট্ট কলেকুট্টি সাপের বিব
এই মন্ডরে মরে...
অমুকের অংগা"...ইলাদি। [ফ্রুড]

কার্কের অংশ্যা...হ্লাগ। [ক্ক]

কাকা-কাকি উড়ে যার সংগ
ভাহা দেখে আউলেরা বাপে ঝিরে
বড়ই রংগ।
ভাহা দেখে আউলেতে কামনল ইব

উড়ে বার ভাষ্ম বার অম্কের অংশ
নাই বিব...ইডাগি। [ফুক]

রোগীয় চেতন ফিরল। চোখ নেকে
তাকাল। স্বাই তথন খালা। ঈশ্বর ঢালি
গোঁফে গোঁফে হাসতে লাগল। অনেক
ব্বতী মেরে জুটেছে দেখে দে এবার
পঢ়াল খেউড় অর্থাং বোড়ার বিষ বাড়া
মন্তর শার্ করলো। সেস্ব ভীষণ্ডম
অশ্লীল। মেরেরা পালাতে শা্র্ করলো।
ঘরের মধ্যে আড়ালে থেকে শা্নতে লাগল।
খিল খিল করে হাসতে লাগল তারা।

অংলীল শব্দ তুলে দিয়ে একটি বেড়ো সংশের মুক্তের নমানা দেওয়া সেল :

> লাউ কটোত গেল খ্ৰীড় লাউ বইল 'মাচার' কোথা ছিল বিখাতে বৈড়া কামড়ে দিলু পাছায়।

সক্ষা পর্যক্ত রোগনী সেরে উঠকে ঈশ্বর ঢালি খাওরা-দাওরা করে টাকা, নতুন কপড়, ঢাল, মিণ্টি নিয়ে বাড়ি ফেরে। তার মূথে তথন কেমন আনন্দের জ্যোতি!

বাড়ি গিয়ে দেখনে হয়তো অন্য কোথাও থেকে ডাক এসেছে। যেতেই হবে। কিছুতেই হাসপাতালে পাঠাবে না। অন্ধ বিস্থাস। নিজেরও তার ভর করে। কত লোক মরে। তব্ বলে, দ্বানা নেই—হায়াত নেই— নিয়তি।!...

বখন ডাক আসে না তথন সাপ গো-সাপ বৈত্যাদির চামড়া নিয়ে ফিল্লাস লেনে বিজি করে আসে। তারা ট্যানিং করে ছড়ির বেল্ট, বাগে, জাতোর নকশা কত কি করে।

দ্বীশবর ঢাকি নিভাকি। বাড়িতে থাকলে অধিকাংশ সময় সে বনবাদাতে ছারে বৈড়ার। জপাল সে ভালবাসে। ছারা, নিজানতা, সরীস্পের নড়াচড়া দেখা ভার ভাল লাগে। সেনব অকৃতিয়া। কৃতিমতার সে বিরক্ত। মান্য কথা বললেই সে রং চড়ার, মিথ্যা বলে, ভাই ভার দিকে সে ভাকার কৃতিল ভাকির চোখে।

সাঁওভাল মেরেটা যে ছিল তার মন ভরে যোবনৈর ভরা দেছের জোরার নিয়ে, সে যথন সাপের ছোবলে মারা গোল সাপ ধরতে গিরে সেই খেকে তার মনে বেন কেমন একটা জনলত দায়—একটা ভাতি। রায়ে তাকে ভাল করে যুনুতে দের না।

জ্যোতিষীর দ্ভিতি ছাদশ লগ্ন' (মিখনে পর্ন বাহির হইল) ম্ল্য ১-৫০

মিথ্ন লগা আত্তকের। ইহার সাহায়ে। নিজের ই নিজের ভাগায়কা আনিতে গারিবেন। ভাগাচকা ট্রেমাসিকের প্রাবদ সংখ্যা-কহির হইরাছে। মূল্য ১০০০

প্রান্তিস্থান ঃ—
বাংশ লাইরেরী বাধ্রেল এন্ড কোরে প্রকা ২/১ শামাচরণ দে ১১এ, এসম্পানেড ইণ্ট, স্থাটি, কলিঃ—১২ কলিঃ—১

(সি ৬২৮৯)

भूका नःथा अनाम-अ

(बीनुबी छाउँ। जि

তরি প্রথম প্রেম লিখছেন

(FR-623V)





সধ্যা কীব্নযাপনের কল্প বা প্রবােশন প্রকালায় তা গাওছা বাছ। প্রকালা কলা বাধকা রোধ করে, বাংলার উদ্ধান্তি করে এবা সবচেয়ে যেটা কল্পনী, যৌকনের বলা ও বীব কিরিয়ে জানে। সঙ্গে পুনিবীর লক্ষ্ণ লক্ষ্যকালা আধুনিক ট্যাবলেট প্রকালা ব বহার করে।। পুন্তর প্রতিলাকবের কল্প পুন্তর পুন্তর প্রকালা পার্জ্যা বাছ।

ক্রপ্রান নর্মান কার্মা বিচ্ন ক্রপ্রান বার্সিন-ক্রপ্র ক্রেরী
বড় বড় ক্রপ্রথয় গোকানে পারেন ক্রপ্রা সহাস্তির বাবের বাহে থেকে পারেন :

P. O. BOX SBE, BOMBAY-N

CU-S

কিন্দু প্রশংসার কেমন কেন একটা মোহ
আছে—তাকে সবাই শিব ঠাকুর' বলে—
গড় করে—তাই সে মানুবের সত্য-মিথ্যার
অব্যবিন্যাসে সমাজকল্যাণে জড়িরে পড়েছে।
সে ন্যন্দ দেখে একটা সাপের চিড়িয়া—
খানা যদি নিজে করতে পারে! আর গাছ
প্রাছড়ার বাগান। কিন্দু টাকা? হাড়ির মধ্যে
শইরে আহে কেন্টুড়াঙা কেউটেটা চকাকরে।

বাড়িতে আরো তিনটে আছে। কালকৈ তাদের কলকাতার দিরে আসবে চামড়া কাল চাইতে বেশি দামে বিক্রী হয়, কিল্টু লোকজন দেখতে পেলে তার দ্নাম হবে। গো-হাড়গেল সাপ খায়—মান্ষের ক্ষতি করে না—ছেটে কুমিরের মতন দেখতে—তাকে দেখতে পেলে ক্ষত্র ভালি যেমন করে হোক মারবেই।

অনা কাউকে মারতে দেখলৈ সে ভর দেখা খিবরদার মারবে না, ক্মাড়ালে বতকণ ন আকাশ ডাকৈ ততকশ ছাড়বে না। আকাশ ন ডাকলে যোড়ার 'পেছাব' থেতে হবে, তরে বাঁচোন।' তারপর হাসে ঈশ্বর ঢালি। হন হাসিটি ভারি মিন্টি।

कावन्त क्या

गितियां अध्यय्ग्यां अध्यय्ग्यां

- কুদ্র শিয়ের বিশেষ সমস্তাগুলির স্মাধানের অন্ত দরকার বিশেষ ধরণের ব্যবস্থার। ইউবিআই-র সে ব্যবস্থা আছে।
- প্রত্যেকটি ক্ষেত্রেই গুণাগুণ বিচার করে ও প্রয়োজনীয়
 চাহিদা পূরণের দিকে লক্ষ্য রেথে অর্থ দাহায্যের
 প্রস্তাব বিকেনা করা হয়।
- বদি কোন ক্ষুদ্র শিল্পের বৃহদায়তন শিল্প প্রতিষ্ঠান গুলিকে উৎপদ্ম দ্রব্য সর্বরাহের সামর্থ্য থাকে,

অথবা

যথাযোগ্য শিক্ষা ও সামর্থ্য এবং অল্লম্বল্ল পুঁজি নিম্নে
মদি কোন শিল্প প্রতিষ্ঠান বৃহদায়তন প্রতিষ্ঠানগুলির
জন্ম মন্ত্রপাত্তি তৈরীর ছোট কারখানা খুলতে চায়,
সে সব ক্ষেত্রে ইউবিজ্ঞাই প্রস্তাবগুলির সুসমন্তর
করতে এবং উপযুক্ত অর্ধ সাহাযা দিতে চেষ্টা

अ रिकासाय मियास दिनतातिल मालिए।

रैं छे बारे एं छ जाक चक रे छिया

রেজি: ও হেড অফিস: ৪, মরেজ্য চজ্র দম্ম সরুবি (পূর্বতন: ক্লাইড ঘাট সুঁটি) কলিকাডো-১

AUT BEALS

कत्रात ।

তবলা বাদনের ঐতিহ্য ও কণ্ঠে মহারাজ

স্ধীর বন্দ্যোপাধ্যায়

বা এ ক শতাব্দীগত তবলা যাদনের
প্রতিহা নিমে কণ্ঠে মহারাজ এতদিন
বাচে ছিলেন আমাদের মধ্যে। বহু আসরে
তার কৃতিত্বপূর্ণ বাদনশৈলী এখনও সঙ্গীব
রয়েছে কর্গণত প্রোতার মনে। বারাপসী
হলমার এই ধারক ও বাহক আর ইহজগতে
নেই। পরলা আগদট রাতে ৯০ বংসর বয়সে
তিনি দেহতাগ করেছেন বারাণসীর প্রোভূমিতে। কিন্তু তার খ্যাতির পরিমাণ এতই
বিস্তৃত ছিল যে সমগ্রভাবে তা অমরছের
ভাষী করাত পাবে।

গুচলিত উচ্চাপা সংগতিতে ক্ষেত্র ভবলার বাসহার অবশ্যানভারী। ভাল প্রক্রি-যার এই ফলুটির সপো থেরাল, টশ্পা ও ইয়েরী গ্রেণীর গানের সম্পর্ক এতই নিরিড্ যে গানের উৎকর্ষ অনেক পরিসাণে উপব্যক্ত ভবলা বাদনের উপরই নির্ভার্থনিল। এই হিসাবে ভারতীর সংগতিত্ব জন্মনে ভবলা শিশ্পীদের অবস্থানে উৎকর্ষেরিই দোভক। কিন্তু এই তবলা বাদনের ক্ষেত্রে ঘরানার ছাপ্র স্পেণ্ট।

প্রধানতঃ চারটি ভাগে এই চাপকে ভার করা চাল—হথ ঃ নিগাঁ, ফরান্ধারাদ, অঞ্চয়াড়া ৪ শর্মোঁ (বারাগদাঁ)। গুলের মনোহারিছ নিয়ে একা পার্থক সন্তে উঠিছে এবং ভাগের মধ্য স্থানীয় বৈশিক্ষ্য বিশেষভাবে ক্ষাবাঁধ।

তবলা বাসদের ক্ষেত্র দিলী বাস্ট্রই দনে হর সর্বপ্রচান। এই বাসন প্রশানির প্রবিধ্ব ভার প্রথম শিক্ষা স্থার থাঁ এবং ভার দক্ষণথাঁ একে উত্তরকালে যে সব তবলো-শিক্ষা ক্ষাপ্রপ্রকাশ ক্ষানে তাদের সমগ্র চন্ট্রীর ফলেই গড়ে ওঠে এক বিবাট গোদ্ধী যা বিল্লী ঘরানা নামে পরিচিত হর। ঘ্রক্ষান্ত সামস্ক্রীন এই রামান্ত্রী হাক্ষাভান

ফরাকাবাদ ঘরনেরে আনিপ্রেষ বক্স্

। একাধিক শিক্পার সমাবেশ এ
রানায়ও দেখা বার। প্রবহণীকালে
বাহম্মদন্তানও এই গোন্ঠীর সংস্পর্শে
বাবেন। বাদন বৈচিত্রের ক্ষেত্রে এরানার মাসত বা এবং তার স্থোগ্য পরে
করামনুকার নাম সকলেই জানেন।

অজরাড়া ঘরানার ম্থপার তিসাবে ীরাটের হবিবশ্বীন থাঁর নাম উল্লেখ-নগ্য। কিন্তু তাঁর শিক্ষা প্রধানতঃ দিলী ঘরানার নাখা ধরি কাছে। ব্যক্তিপত কৃতিছ দিয়ে তিনি আহত জ্ঞানকে পৃথক আকারে গড়ে তোলেন এবং তা কড়া বা কঠিন প্রকৃতির হলেও বৈচিয়াহীন নয়।

প্রশী মরানার প্রধান কেন্দ্র লক্ষ্মেরী এবং এখান থেকেই আবিস্থৃতি হন তবলার



करन्त्रं वहातास

অপ্রতিম শিক্ষাী আবিদ হোসেন থা।
আবিদ হোসেনের ছার বাংলার কৃতি তবলা
বানক হাঁপ্রেন্ট্রুমার গাগালোঁ। বেনারসের
বিব্ মিশ্র আবিদ হোসেনের আব এক
কৃতী শিষা। পর্ববিতীকালে লক্ষ্যা কথক
নাচের প্রাণকেন্দ্র হাওয়াতে নাচের আগিতাক
ও ছাল্যর বাহার তবলা বাদনের মধ্যেও
এপে পতে।

বারাণসী ধরানা **লক্ষ্মো মরানারই** শাখা এবং সেখানকার ভবলার ধরা নিন্দাপ্রকারের—

মন্ খাঁ, রাম সহার, ভৈরো সহার, বলদেও সহার। বলদেও সহার গোন্ঠী থেকে আনিভূতি হন কন্ঠে মহারাজ। এই গোন্ঠীর অপর উল্লেখযোগা গিলিপব্দের নাম— কৃককুমার গাণ্যকৌ, আগ্রেডার ভট্টাচার্য এবং কন্ঠে মহারাজের পরে কিবাগ মহারাজ।

এ ছাড়া পাঞ্জাবকেও এক পৃথক ঘরানা ধরা হর। এই ঘরানার অক্তর্যাত আল্লারাধার নাম সকলেই ভানেন।

কণ্ঠে মহারাজের জন্ম ১৮৭৯ সালে বারাণসীধানেঃ পিতা দিলীপলী এবং জোণ্ঠ প্রান্তা মাধ্যে প্রসাদও ছিলেন ওবলার বিশিক্ষ্ট শিক্ষাী। মাত্র ৭ বংসর বরসে কণ্ঠে মহারাজ শিক্ষা বর্গদেও সহারের কাছে ওবলা শিক্ষা শরের করেন। কিন্তু মাত্র ৫ বংসর শিক্ষাদান করে বলদেও সহারকে চলে যেতে হর নেপাল পরবারে সভাশিক্ষাীর সদে। গ্রেরুর অনুশন্তির কণ্ঠে মহারাজকে নির্ংসাহ না করে আহ্তুত বিসা অনুশীলনের প্রতি অধিক অগ্রহাট করে তোলে। নিত্তে তিনি এ কাল করে

বছ দিন প্ৰ বলাদ্ধ সহায় বারাণসাঁতে ফৈরে আসেন, তথন ছাতের এই অধাবসায় ও গ্রেপ্রীতি লক্ষা করে এতই সম্ভূম হন যে তবলার স্ববিদ্ধ কণ্ঠে মহারাজকে দিতে মনন্থ করেন। তবলা সংগতের বাবহারিক ক্ষেত্র সম্বর্ণেষ কণ্ঠে মহারাজের সমাক জ্ঞান পরেরই কৃপা স্কেশন্ট টোকা, বোলপরনের ঘন বাঁধনি ছলের অপুর্বে বিন্যাস এবং বাদনকালীন নবস্ভি ও তার পূর্ণে সম্পাদন কর্ণেঠ মহারাজ্যক শিখরে নিরে যার। সূজন অনুরাগী মহলে তার বাজনার প্রতি অবস্ঠ আসন্তি বরাবরই लका करा शिक्ष अवर क्राप्त छैसर जायरखर সর্বত উচ্চাপা সংগীতের আসবে তবলা বাদনের স্থান নিদিশ্ট হরে বার।

সংস্কৃত দেলাকাল ভবলা বোলের আকারে গ্রমিত করে কর্তে মহারাক্ত এক নাডন পথের সম্থান দেন। এ ধরনের বাদন । शैরা শ্রনেছেন তাঁরাই জানেন কী অপরে ভার গঠনপ্রণালী এবং গতিভশাী। আলা করি সকলেই স্বীকার করবেন তবলার উপহতে জবাব না হলে কণ্ঠ সংগতিই হোক বা বল্ডসংগীতেই হোক সংগতি যেন ক্ষমে ওঠে ন, শিল্পী ও প্রোতা উভরের মনেই বেন একটানা অভূপিত থেকে বায়। কণ্ঠে হহা-রাজর কেতে এ অপ্রেতা লক্ষা করা কৈতো না। স্বাকাসকের তার স্বাবের ধারা প্রোভার মন অভিভব করতো। তবলা বাননের মধ্যেও যে অপ্রতল সংগতি রুসের প্রাচুৰ আছে কণ্ঠে মহারাজের বাদনে একথাই বারবার মনে হতো। বহু প্রখ্যাত শিল্পীকে তাঁর সন্দো গাইবার বা বাজাবার সময় অভিভূত হতে এবং বিকার প্রকাশ क्त्रट स्टर्शकः

भूका मरथा अमाम-अ

सशास्त्रण (पर्व

अकि गम्न लिथ्ह्बन

(PF-052V)

বহু বংসর বাবং কণ্ডে মহারাজ বিভিন্ন
সংখ্যতি সন্দেলনে অংশ গ্রহণ করে বে
বাদনশৈলী প্রদর্শন করেছিলেন তার তুলনা
বর না। বাদনকালীন তার হুন্ট মনোভাবেই
ভা প্রকাশ পায়। ছন্দের প্রোতে ভেনে
চলতো সংগীতের তরী—বেন ছাল্ফা
হাওয়ায় শাল তুলে অগ্রসর হওয়ায় এক
প্রতিম্তি। কণ্ঠ ও বন্দ্রসংগীতের ক্রিয়াসঙ্গীতাকের ম্লে তিনি বনে থকতেন
হাল বরে পথের নিশানা ঠিক করতে।
সংগতি বেন তার বাদনের সহায়ভায় প্রাণ

একথা বে কতো সভা ভার সঠিক
দখ্যান পেরেছিলাম একবার। প্রখ্যাত
দরোদশিলপী জালাউন্দীন খাঁকে একবার
প্রশন করা হয়—কার ভবলা তাঁর ভালো
দাগে। কোনও ন্বিধা না করে সোজাস্কি
ভিনি উত্তর দেন, কন্ঠে মহারাজের ভবলা
হলে আর কিছ্র প্রয়োজন হয় না।
প্রসংগ্রুমে তিনি বলতে থাকে—একবার

ক্রেঠ মহারাজের তবলার সপ্যে তাঁর সরোদ वाकाना हालाइ। इट्रा ध्यान धक आधारियक স্তার তারা দক্ষনেই গিয়ে হাজির হন যে करत्व विक्रान्डि एम्बा एम्ब । शास्त्र **লচেতনতা** বিভা ব্যবিশক্ষর শিক্সীম্বয়ের ফিরিয়ে আনতে হাতে তালি দিরে मिथाएक गृत् करतन। इठार टरम উঠ व्यामार्ज्यान भी वरमन- এই অপাথিব ম,হাতে লয় অকিণ্ডিংকর। ব্যিশগ্ৰুর আমাকে লয় দেখার! অবচেতন মন (Teles তাদের রসের সীমাহীন উন্মান্ত স-রের বিচরাণ বাস্ত সেখানে তাবা মিলনে কোনও ব্যাক্রণসিম্ধ মানতে রাজি ভাবশা সাময়িক এবং উচ্চশ্রেণীর মনের রসভ্য অভিভূত অবস্থা লক্ষ্য করবার সৌভাগা হরতো অনেকেরই হরন।

ব্যক্তিগতভাবে কণ্ঠে মহারাজ ছিলেন অতি সরল প্রকৃতির লোক। প্রচারের মোহ

ছেবি বস্থন ধারাকে প্রকারিজ कर्राता मण्डी खर्क थर्न कर् ত্রকার প্রযোগ তিনি কল্পনার করতে না। গায়ক বা বাদদেকের দৃশ্টিভশির সংগ্র সমান পা রেখে চলাই ছিল তার eran i সংগীতের অবিচ্ছেদ্য অংগ হিসাবে তার পৃশ্বতি ছিল সভাই বস স্থিত পরম সহায়ক। বয়সের সংকা সংকা কৃতিম্বের কাঠামো ক্ষীণ হয়ে এলেও भाग ব্যসেও তিনি বে ছালের করতেন তা সতাই বিস্ময়কর এবং স্থাগ্ৰ ভাবে তা স্বাতকোর সম্মান কাভ mare. পারতো। বারাণসী ঘরানার এই সংগীত সাধকের জীবনাবসা'নর সংগ্রু এই কথাই বারবার মনে আসে যে, সংগীত জগত দিন দিনট অবসল পড়কে। 2.3 ঐতিহার বাহক হিসাবে কল্ঠে মহারাজের অবদান মনে হয় লোপ পাবে মা।

বলাদেও সহায় প্রবৃতিতি তবলা বাদনের ধারা শাশতা প্রসাদের মধ্যেও প্রসারিত হয়েছে। কপ্রেঠ মহারাজের পাত কিবণ মহা-রাজ ইতিমধ্যে ব্যথন্ট কৃতিত অলান করেছেন।

বারাণদী ঘরানার এসব তবলা শিল্পীর কল্যাণে ভারতের সংগতি অপান সম্বাধ। কথক নাতোর সংগে তারলা বাসনের বিশিষ্ট ভগ্নী এই ব্যান্ধীরই বোল, পরণ, ট্রকরার প্রাচ্য নিয়ে বার গ্রা চং যে পরিবেশ স্থিট করে চমক লাগাবার ভাবকাশ कारतस्य । নতের সম্পান যারা রাখেন ভারা আণিগ্ৰক ीतग्रदशक्तास्य*ल* ঘরানার তবলার অবদান ন্তান্গ এ ধারা सरा । কণ্ঠ ও ফার সংগতির উপযোগী তবলা **७** घरानात व्यवमान्छ मामाना नर। বাসনের ক্ষেত্রে যে বলিভঠ ধারা ঘরনো পেকে উম্ভূত হয়েছে তার স্বকীয়তা সারা ভারতে স্বীকৃতি অর্জন করেছে। এই বলিচ্ঠ ও রসো**তীর্ণ ধা**রার সামনে এলে মন ছাটে যায় সেই হটি,ব উপর ভর বসা তবলা শিল্পীর কাছে হার আর প্রথিবীর মধ্যে সীমারশ্ব নয়। করি, কণ্ঠে মহারাজের অবদান সংগীতের অংগন থেকে মুছে যাবে সে-সম্ভাবনা যাতে না আরে আমাদের সচেতন হতে হবে।

साख्या

এখন বাচ্চার জব্যে এই চমৎকার নতুন ফর্মুলার গ্রাইপ ওয়াটার নিন



भूजा नःशा अनाम-ध

অপর্ণা সেন

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(TAL6226)

এখন দরকার শ্রম-নিবিত্

उर्थ श्रीवकाशनावं सम-निविष्ठ छेरशामानव विराग्य गाउँ प्राप्तां करा মালধন-নিবিভ উৎপাশন পদ্ধতির inital intensive method of pro-माश्रास रमरमञ्जू निक्शासन rtion) हे में उ इस महम्म নেই : কিল্ড সমস্যা 810C8 জ বৈ পরিকশপনা , ক্রিশন ৰে. 75 मध्यान-माणिकातौ **शक्का खात्र ह**्यभौ हाला कराव खना वाका अवकावणां लब র আবেদন জানিয়েছেন। সম্প্রতি পরি-না কমিশনের কর্মাসচিব রাজ্য সরকার-কমসিচিবদের কাছে এক চিঠিতে ্যেছন যে, উংপাদনশীল কমসিংস্থান া হার অর্থনৈতিক উন্নয়নের হার পিছিতে আছে। এজন অধনৈতিক त शहरहेत्व बार्क क्रम मरम्बार्टनम গ সারও বাড়ে তার প্রচেণ্টা চালানো া দেশের দ্রতে অথানৈভিক উল্লয়ন সামাজিক নাার উভর সাখিউভাগাীর থেকে বিচার করলেই এই নীভির করা প্রতিভাত হয়। এই বিশেষ কাণ থেকে বিচার করে রা**জ্য সরক**রে-গ্রুথা পরিকল্পনার ক্যাস্ট্রী প্র-5ट शबदा महकाद । साम भौतकाभागा कर्रहरू । শ্ৰম নিবিভ MINE & অনুযায়া এমন -Best - 2 रादम्बारक निय निष्ठ 576 दरन आभारमञ् बिरम्भ



থেকে অন্দ্রানি। করা কলাকোশলের উপর নিভরিশীল হরে না থাকতে হয়; দেশে কারিগরি উন্নতি বতদরে হরেছে তার ভিত্তিতেই প্রমানিবিভ উৎপাদন-প্রকাশ চাল্ম করা হলে প্রচুর বৈদেশিক মুদ্রা বেণ্ডে বাবে।

छरनामन नामांछ अवर विनिद्धादशत লক্ৰ (investment criterion) কী হওৱা উচিত তা নিরে অর্থবিজ্ঞানীদের মধ্যে ৰংখন্ট মতভেদ জাছে। দিবতীয় প্ৰচিস্কা পরিকল্পন্কালে 7.4 বিনিয়োগ-নাঁতি অনুস্ত হরেছিল তা নিয়ে হথেন্ট বিভক্তের কভ বরে গোছে। গ্যালেনসম ও লিবেনশ্টিন (Galenson and Leibens. tein) मात्म क्यांविकानीत्वत ग्रांन करतन. भ नधन-निविष् পরেভার শৈকপ্লালার क्राज्यसङ केनज विन दिनी श्राज्य कारजान করা হর, ভবে এই গিলপগ্লির ক্ষেত্রে লাভের পরিমাণ হুত বাড়বে এবং তখন সেই লাভের টাকা বলি আবার বিনিয়েণ হর, তবে সামগ্রিকভাবে দেশের क्षपरित्रिक केमहरनंत्र हात सूत्र मुख ৰাড়বে। এভাবে যদি দেশ দ্ৰভৈ অৰ্থনৈতিক जेमजानज शरब कोगाज गाउ, छरव मिन्स-नन्द्रमानरमन माद्याक वास्त्र धावर हर्स्सम्ब

महम दर्भ राष्ट्रात्म কিন্ত ভারতের ক্ষেত্রে धरै विनित्राग-नक्न शहनत्वाचा ন্ধ বলেই মনে হয়। এখন ভারতের স্বভেরে ৰড প্ৰয়োজন বাদ্য সমস্যা এবং বেকার সমসারে সমাধান করা ৷ এ দুটো সমসারে সমাধান অভি'ত হবার পর ভারত শ্র ৰন্তপাতির মাধামেই প্রত শিক্সারনের পরে এগোতে পারে। কিল্ড বর্ডমানে বলি প্রম নিরোগ অংগকা মালধন নিরোপ বেশী গ্রেম্ব লাভ করে তবে বেকার সমস্যার তীরতা বাড়বে: আর কুবির উল্লেখ্য নাধ্যমেও দেশ অর্থনৈতিক উন্নয়নের পথে এগোডে পারে—যেমন ডেনমাক' নিউভিজ্ঞাত অস্ট্রের। প্রকৃতি দেশ এগিরেছে। স্থা ছাড়া, গ্যালেনসন ও লিবেনস্টিন নিদেশিত বিনিরোগ নাতি অনুসরণ করা খুবই খরচ-সাপেক: এত টাকা ধর্ম করার কারি বতমিদে ভারতের গ্রহণ করা উচিত নর। ভাই বর্তমানে লম-নিবিভ উৎপাদন পাশভিত্র উপর গরে আরোপ করা বিশেষভাবে কামা।

শ্রম-নিবিভ উৎপাদন প্রচেন্টাকে কলপ্রস্কু করতে হলে করে ও কৃতির শিল্প এবং কৃতিকেন্দ্র উৎপাদন বাড়াবার প্রচেন্টা করে ক্রোরদার করা উচিত, এবং তা করা হলেই আরও বেলা করে প্রমিক নিরোগ করর মাধ্যমে শিল্প ও কৃত্তির বিল্পান্যালর সম্ভব হবে। করে ও কৃত্তির বিল্পান্যালর উময়নের পথে সবচেরে বড় বাধা হলে ম্লেধনের স্বন্পতা। তবে বর্তমানে বখন বড় বড় বাণিভাক ব্যাংকগ্রিকে রাশ্রারর করা





হরেছে তখন উৎপাদনম্পী কমপ্রচেণ্টা
স্থির জন্য মুলধন সরবরাহে কোন
জন্বিধার স্থিত হবে বলে মনে হর না।
ভাই পরিকল্পনা কমিশনের নিদেশি
জন্বারী রাজ্য সরকারগালির উচিত অধিক
ভাম-নিয়োগকারী উৎপাদন বাবস্থাকে

রুজানি বাদির নতন কর্মস্চী

ভারতের ফলিত অর্থানীতিক গবেষণার জাতীর পরিষদ (National Council of Applied Economic Research) একটি সম্প্রতিক সমীক্ষার রুগুনি বৃদ্ধির একটি সভন কর্মসাচীর প্রতিবেদন দিয়েছেন। এই

কম'স্তী অনুযায়ী আমদানির সংশা বংতানির হোগসূত্র বজায় হাথার ব্রেম্থা কর। হবে। আমদানি ও রণ্ডানির ঘাধ্য বজায় বাখার জনা যোগস গ তিন্টি বিকল্প পদ্ধার উল্লেখ কৰা 5:27K I পথম ব্যৱস্থা জন বাষ্ট্ৰী বংলান-কারীগণ শতকরা ২০ থোক ৬০ ভাগ প্রত্যাত আমদানির যোগা সামগাী আমদানি করার স টি ফিকেট পাবেন। যে জিনিসগালি আমদানি করা হবে সেগালৈ কী পরিমাণে মাঝাবি অথবা বেশী) রুতানি-সামগ্রী 'উংপাদনের কাজে লাগুরে ভার উপর আমদানি সার্টিফিকেটের শভক্রা

চার নিভার করবে। দিবতীয় ক अम्यादी न हैं है निमिन्हें शहत स्था मार्जिकित्के ए दश्चा स्थरक भारत-ए। इ একটি হতে শতকরা ১৫ ভাগ হাবে অপরটি হচ্ছে শতকরা ৩০ ভাগ হা এটা নিভার করবে রুভানিযোগ্য সংগ গালিক উংপাদন কতটা আমদানির 🕏 নিভরিশীল তার উপর। তৃতীয় _{বাই} অনুষ্যায়ী নিদিপিট জিনিস রপ্তানিত বিপ আমদানি করা হবে দেগালৈ ডি <u>শেণীতে বিভক্ত করে বথাক্রে শরুং</u> জ্ঞাত ত জ্ঞা oz: আমদানি করার সাটি ফিকেট দেওয়া ত পাবে। বভাষানে বিভিন্ন ক্লেকে আছে করার যতটো ক্ষমতা বা লাইসেম্স দের হারছে, ভার শতকরা रोड ए.ड ०६ দেওয়ার সংগ্রিশ করা *হারেছে*। কলপন্তব সংহলেও জনা কোন ক্ষেত্রের পরেছে কডটা এবং কেনে क्षिकिटभव जिल्लामनरक व्यक्षाधिकाव १८० উচিত অথবা উচিত নর-সব দিক বিবেচ कार्दरे छहे जाभाविम रमख्या हरराह । কমসিটেটী চালা করার এক বছর গ আম্রানির পরিমাণ আরও শতকরাঃ ভাগ ক্যানো থেতে পারে।

আলোচা প্রতিবেদনে বংতানি টলা হুপ্তানিযোগ সমেগ্রীর উৎপাদন ব্ডার জন অর্থ স্থাবরাই, রুণ্ডানিব্রালা স্থা বিরয়করণের ধারস্থা প্রভাতির উপর বিধ গ্রেছ আরেপে করা হারছে এবং এই বং পর্লি শত করার জন্য প্রয়োজনীয় সংপ্রিণ দৈওয়া হারেছে। রুডানি সামগ্রীর উংপাদ আরও বেশী করে মুল্রেন সর্বরাহর জ প্রতিবেদনে ব্যাংকিং সাবেল স্থাবিধা য এ ক্ষেত্র অনেক বাডানো হয় এবং : কোটি টাকা মালধন নিয়ে একটি প্ৰ রুতানি ব্যাংক অথবা আমদানি-রুত ব্যাংক গঠিত হয় তারও স্থাপনি আলোচা প্রতিবেদনে করা হয়েছে। ১৭ বনংক জাতীয়করণের ফলে হয়ত রংডা সমেন্ত্রী উংপাদনে দেশের শিলপ্রতাল কং বৈশী করে ব্যাংকের প্রদান অর্থিক সং তব্ৰ বতমানে ভারতে এব **9**173. প্রয়েজনীয় রুপ্তানি ব্যাংকের করা হার না। আলে **श**िटायनका का कथा क वना हाताह রুণ্ডানি ঋণ নিশ্চয়তা ক্রেণারেশন (Export credit guarantee Con) ration) প্রস্তাবিত রুতানি ব্যাংকের স এক্তিত করে দেওয়া উচিত। জাপান এ মার্কিন শ্রুরান্টে যে ধরনের রণতানি বা গঠিত হরেছে, অন্র্প একটি রণ্ড ৰাাংক ভারতেও অবিলম্বে গঠিত হ बबकाब ।



প্রথম প্রেমের মত শ্লিঞ্চ মধুর!



ছুকান যেদিন প্ৰধাম দেখা, ও বালছিল, 'ভারী মিটি গছ তো'। আমি বালছিলাম, 'তানিয়া', এখন ও আমাকে ভাকে 'তানিয়া' ব'লে। আছ্বা, তানিয়ার মিটি গছে কি আমাকে ওর ভালে। লোগছিল, না আমাকে ভালোবেসই কানিয়া গর এত গছক—কে আবে।



ানিখা প্রভাত

धरकारकः जा**रिव जिर'ज्**

'বিউটি ইজ ইওৰ বাৰ্ধবাইট' পুতিকার জন্ত এবং আপ্নার জ্ব-চর্চার নানা সমতার উত্তরের জন্ত আমাদের 'বিউটি ক্রসালটেউস্', পোট বল্প: ৪৪০, নিউ দিল্লী,—এই ট্রকানার লিখুন।

হেমচন্দ্ৰ ৰাগচী

সমীরেন্দ্রনাথ সিংহরার

ব্যাল যুগের কবি হেমচন্দ্র বাগচী আজ্ লীবত থেকেও মৃত। সাহিত্য জ্বলত একটি বিষ্ণাত প্রায় নাম। জ্বলত একবিন তার গোগদী কি কবিতায়া কি গণেপ, কি প্রবাধে কেবল নৃত্য ধরারই স্টাট করেননি, এক চাললা এনেছিল। তার স্দাপান্ধতা" পড় কবিগ্রে, ববনিন্দান্থ যে চিঠি দিয়েছিলেন তা আজ্ঞ ক্ষরণ করেনে দের কবি মেচন্দ্রের প্রতিভাকে। ক্ষান্যিক্র

কল্পানীয়েক্, কলিকান্তা তেনার দীপ্যান্তা পড়ে জনক প্রেটিল বাদ সাহিত্যের সম্প্রদার্থন করর মাক্ত টেলার অন্তর্গ ইটি—২ত্যুগ্ নেত্যারী ১১২১।

শ্রীর্থীক্টনাথ ১.কুর

•ংটিরবজাঠিত। **জন**গতে যের সহস্ত সাহিত্যিক কাক পুৰু ভাৱ জন্ম প্ৰহণ কৰে ্রিটা ভালেরকৈ উল্লেখ্য করেছেন। ভার মারে কার প্রেম্ভেন র ঘারীর মাম তেরি কারে। প্ৰথা আছিও সভাৰত। কৰি ন্দীয়াত লোককা পর জালে ১৯শে আর্নিকা স্রাইরাস प्रदेश्वरहाड प्रथानाहरू उत्तरप्रभाग करतन । है। ১৯০৪ ন কলেগিল মানার করে এব নিকটলতী এই লোকলন্সৰ আন। তাৰ ৈত্র বসভাম **গ্রেক্ট**, হারেট স্কালীক কড় প্ৰীৱ সূক্ **:**...(3), গছ শালিত ছম্য হাকাখিলারে হ'বে! চেট গোৰত পলা প্ৰাটিৰ সাভচানতে কাৰ্য কিন্তু হয় নানান কংশ্ৰাহ্য প্ৰতিৱ শাদে ভার হয়ে । পিতারাখালনাস নাগাদী জনিশ্রট ক্রেন্ডেম্ডরে। করের ক্রেন্ডেন্ট মার্থ নাম নিজ্ঞালব**রণ**ী বদর্গী। পাশ-শিক্ষকের ক,ভেট কবির **লে**ম প্ডাৰতে চন। ি সাক্ষী ভাষাৰ্থ কৰা ইৰলগ্ৰীকাল ভিকাৰ িটের সধ্ দিয়েই কবি প্রথম কবিতার সংব, বস একাদল করেন। কবির কারেট *, কেছি প্রভাৱ ক্রিছৰ সমস্যত বিল্লা আছে গণার প্রভাব ভার ক্ষার **জা**বিদার **প্রেরণ**। ম্ গ্রেছে অব্যক্ত

কিংশার কবি পিতার সংগ্য প্রামের বাইব্র শহরের বিকে রওনা হালন। চাকরির জান্য পিতা বদলী হলেন ক্যানিং-এ। পিছনে পড়ে রইল বহুস্মতি বিজ্ঞাত্ত গৈতক গ্রাম গোকুলনগরের মাঠ, ঘট, ন্যানা বা নোয়াসার বিল, গংগা ভার জাবিনে এই বাধ গ্রাম ছেলোর। ভার জাবিনে এই বাধ গ্রাম প্রথম গ্রেন চড়া। কানিংয়ের কাছ্রিতে বাস বাবা কাজ করেন পাত্র গেন- চন্দ্র পরিচিত স্থান ছেড়ে এসে বন্ধা-বান্ধর-ছীন অবস্থার বিশ্বস মতে বিভানের। নদীর ধারে ধার খারে বেড়ান। বড় একা, বড় ফাকা মনে হতে জাগল। তবে বিদ্যাধ্যাী নদীর ধারে ববে খানিকচা



ছেমচন্দ্ৰ ৰাগচী

শানিত পেটেন মন তথাতন প্রেরণা। এবংন করেকটি বই: পত্রিকার লগান বপানন কবি, ভার মধেই পোরন স্মহিতের অস্বানন।

এর কিছুদিন পর কবি এলেন কৃষ্ণনগরে - গ্র্ণীতে। ছ্বিতিও ভালের কৈতৃক
বিরাঠ বাড়। কেথানে থেকেই কলেজিয়েও
ক্রাল কবি পড়াশ্যা শ্রে করেন। এখানেই
ক্রাল ববীন্দ্রাথের নাম শোনেন তিনি।
ভারপার বিভিন্ন প্রতক্ত, পর-পরিকার
রবীন্দ্রাথের কোথা পড়তে লাগলেন।
রবীন্দ্র ভালার কিশোরমন প্রাস্তকরল এবং
সেই প্রভাবেই কবিতা লেখা শ্রেম্ করলেন।
এরও পরে কবি কর্নানিধান ও মেভিডলালের কার্য ও সাহিত্য প্রভাবেক কবি মন্তে
প্রভাবিত করে। কিন্তু কবি হেম্যন্দ্র
শেষ প্রশিত করে। কিন্তু কবি হেম্যন্দ্র
শেষ প্রশিত করে। কিন্তু কবি হেম্যন্দ্র
শেষ প্রশিত সর কিছু প্রভাবকে এভিয়ে
নিজ্ঞ ভিল্নায় নিজ্ঞ বৈশিপ্টো যে করে।

বে সাহিত্য সাহিট কর্লেন তা আছেও ন্যভাগ্রের দর্গির রাখতে প্ররে। **কুঞ্**নগর কলেজিয়েই স্কলে সংভয় প্রেণীতে প্রভার সংঘ 'ভাষত' নামে কবিভাগি সকল शालांकक श्रक्तांगढ इत्र करः कांत्र करें ক্ষান্ত্রাটিই পথম ছাপার অক্ষার প্রকাশিক কবিতা। ১৯২১ সংক্র কলোজয়েও সকর হতেই মাণ্ডিক পাশ করেন। ভারপর ক্ষমগর ক্ষেত্র হাতে আই এস সি পার্ল ক্ষেত্র বি এস সি প্রভাব সহয় ভাতে কলকাভাষ চলে যেতে হয় এবং সিটি কলেভে বি এ প্ৰায়ে ভাতি হল। কিন্তু শেষ প্ৰান্ত বি এ প্রাশ করেলন বংগর স্বী কলেজ থেকে। কলকাত্য থাকাকলোঁন বিভিন্ন সাহিত্য পাৰৰ সংখ্যা পৰিচিত হয় ৷ তথ্যবাৰ দিয়েৰ জেখকলেণ্ডীর মূল্য লেখার সাধ্য পরিচয় লাভ কারেনঃ নিজেও কবিতা লিখাত শারা করেছন কবি। প্রক্রীতে কবিতা প্রকাশিত ও হাতে কাগেল : নাভানের সাংগ্রিত কবি তথ্য একের পর এক লিখে চলেছেন। সেই সময় অভিনতাকমার ও দ্বীন্ধরঞ্জন কবি হেম্ডান্তকে কলোলগোষ্ঠার সংখ্য পরিচর করিয়ে দিলেন। কবি হেন পথ খাতে পেলেন। কলেলে লিখাত শারা করলেন কৰি। তাঁর অনেক কবিতা কল্লোলের প্রথম প ভার ছাপা হাত লাগল। কবি হেম্বনন द गठी माहिना जगान एकरम छोल्का লাভই করাছ লাগলেন ভা নহা লাতন স্থির পথে স্বাম অজনি কর্তেন। কলকাতার বিভিন্ন পত পাইকাতেও গ্রুপ, প্রকাধ, কবিতা, সম কোটন মালক প্রথা লিখাত । লাগালন । বি এ পাশ করার পর প্রথমে সংস্কৃতে প্রে र शहर अम् अ श्रम कारम करिया

প্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ

আপ্তরা (ভারিক
ভার প্রথম প্রেম লিখছেন

([お-さもない)



কৰিয়া চিরকালই কল্পলোকবাসী। কবি বৈশিক্ত কল্পান রঞ্জিন তুলি বলেয়ে বেসব কৰিছা, করে সাহিত্য রচনা করেছেন তাতে কলালার হোরাচ থাকলেও বাদতবর্প পালাকট হরে উঠেছে তার কোথায়। তাই তিকৈ বাদতবের কবি বললে অত্যুক্তি হবে বাা কবি সংসার ধরোঁ প্রবেশ কর্লেন। বালির জেলানাথ সান্যালের কনিন্টা কন্যা

সাবোধনীর সংগ্র ১০২৮ সনে ২৩শে বৈশাথ কবির বিবাহ হলো। তিনি বাস্তব জগতে নানান কাজে জড়িত হলেন। ভবানীপ্রে পদ্মপ্ত্র ইনস্টিউসনে প্রায় দশ বছর শিক্ষকতা করেন (১৯৩১-১৯৪১) সেই ফাকে বি টি পড়েন কবি। কয়েকটি কলেজে অধ্যাপনার কাজও করেন। যথন রাজসংহী সরকারী কলেজে হেমচাদ্র

অধ্যাপনা করছিলেন সেই সময় ও তার কিছু পরে কবির মন্তিক বিকৃতির লক্ষ্ম দেখা দের। মাঝে মাঝে অস্ক্র হরে পড়তে থাকেন। নিক্ষকতা ছেডে পিরে কলনাভার বাগচী এন্ড সংস্ম নামে প্রত্ত প্রকাশনার কাল শার্ করেন। করেনটি পতিকার সংগ্য খনিন্টভাবে যুক্ত হরে পড়েন। 'অলকা' পতিকাথানি কিছুক্তর ভার সম্পাদনাভেই চলে। এর কিছুক্তির ভিনি আবার ভার কৃষ্ণনগরে ছুক্তির বাড়িতে ফিরে আসেন।

শরীর মাঝে মাঝে খারাপ হলেও কুক্ মগরে একে সাহিত্য চচরি মেতে ওঠা। কুঞ্চনগরের "সাহিত্য সংগঠিত", "বংগাঁঘ সাহিত। পরিষদ কৃষ্ণাগর । শাখা" ক্ষেকটি সাহিত। প্রতিষ্ঠান ৫ সংক্র গোষ্ঠীর সংগে মিশে যান-লেখনে প্ত আপোচনার ক্ষতে ওঠেন। এই সময় জেনেই কবির সংখ্যে ঘনিষ্ঠেভাবে মেশকার স্থায়ে এই কেবলা হয় না, ভার লেখ্যের সংগোভ প্রিয়া ইয়া ভাষাভাবে ৷ ঘণ্টার পরে ঘণ্টা কলি ভার কবিত। কোনাতেন, অব্ভি করতেন্ । পাণ্ডার্কাপ থেকে প্রভে প্রভে কান্যানে ভাঁর গ্রহণ প্রবংধ, সমান্তাচন, ক্ষনগ্রে কলেই আরও সাত্রকটা বই প্রকাশ করভেন কবি ৷ ১৩৪৮ সালে বৈশ্য মাসে কুক্তার থেকে তাঁহ সম্পাদনায় । 'ইব্যবান্ত' পতিক প্রথম প্রকাশ প্রের সমপ্রেম প্রকাশের সাহিত্য । ভিলা দ্বি। এই সহয হতে ভার শ্রারটা আরও থারপে ততে **থাকে। এই পরিকার যোগসংক্র কবিব** সম্পর্ক আরম্ভ ছান্ট্র এয়া 'বৈশ্বান্যবের' চার্ডি সংখ্যা প্রাক্ষিত্র এন্তর শর বংধ হয়ে যায়। কবি আরভ এস্থ ইয়ে প্রেন।

অসাস্থে অবস্থায় অন্যার বাড়িতে মাক মাৰে আসতেন, আমিও যেতাম তাঁঃ বাঞ্চিত। অসংলগন কথাবাতগর মধে। ভাগ কটে শোনা যেও—'আমার বই, পাড়িলিপি-গুলিছাল হলোনা। আজভ কবি পল্লীর ददस्या सिद्ध নিভতে আশা পথ চেয়ে বসে অছেন তাঁর পাণ্ডলিপিগালি ছাপা হবে। [>]ভ**শ্ব হয়ে গেল, কলোল যাগের ক**বি জীবিত থেকেও সাহিত। জগতে আজ মৃত। কবির কাবাল্যথ অলপই আলোচিত হয়েছে, প্রচারিত হয়েছে সাহিতা ক্ষেত্রে। অনেকদিন পর কবির কৃষ্ণনগরের ঘ্রণীর বাড়িওে গিরে জানলাম কবি গ্রামে আছেন। কবির ছোট ছেলে কবির পাণ্ডুলিপিগালি, বহা চিঠিপত, প্রশংসাপত দেখালেন, দেওয়ালে টাংগান অভিনন্দন প্রগালিত দেখলম। দেখলাম আলমারিতে কবির বহ আর্ক্ত রয়েছে। ঘরের সারে কবির ব্যবহাত আরামকেদারা আর চ∄রনিকে



সদি আর ফুতে অসুস্থ হ'য়ে পড়লে আমার চলে না।

বলেন ভনৈকা প্রাইভেট নাস শ্রীমতী এক্সেনা ফার্নেণ্ডিজ

অগুনাসিন <u>ৰুড়া গুষুধ</u> ব'লেই আমাকে দ্ৰুত আৱাম এনে দেয়।



অ্যানাসিন <u>একান্ত নির্ভরযোগ্য</u> এমনকি বাচ্চাদের পক্ষেও।

আনাসিম কড়া ওমুৰ, কাৰণ সাতা বিধেব ডাক:বতা বাবা বেলমাৰ উপলবে বা বা সুপাবিশা করেন—ভাই এতে বেল্ট ক'বে দেওৱা আছে। এটি একান্ত নিউর-ছোরা। কাৰণ এডাফারের দেওবা ওমুগর মতই বিভিন্ন ক্রেন্ট কার্ডিক ক্রেন্ট নিউর-ছোরা, এছে দেওৱা আছে ট্রিক পরিমাণ মত। আরু ট্রিক ক্রেন্ট কার্বেই বাথাবেলনার উপাশ্যন বিধিন ক্রেন্ট ব্যাবিদ্যালয় বিশাসন ক্রেন্ট ক্রেন্ট





iRead User: Geoffrey Manners & Co. Ltd.,

F. 9. 29

কবির স্মৃতি। কেবল কবিই নেই বরে।
বৈশ্বানর প্রকাশের সময় বণ্টার পর ঘণ্টা
হেম্পার সংগ বসে আলাপ অলোচনার এই
ঘরেই কাটিয়েছি। মনটা ভারাক্তাম্ত হরে

শতবাষিকী ও দ্বাধীনতা সংগ্রামের দশ্মবাষিকী টে পরাশে **চর্ম্ব**নিভাব (১४६५-১৯६५) नमीया दक्षमा दश्खन ক্ষাটী ১৫ই আগস্ট ১৯৫৭ কবি হেমচন্দ্র রাগ্রচীকে গ্রাণীজন সম্বর্ধনা<mark>য় যে মানপত্</mark> _{নিয়ে} অভিন্তিদ্ভ করেন তা অভেও _{দেওয়ালে} ঝালছে। ১০৬৩ সালে ঘাণীর সভোষ সংঘ ও ৫নং ওয়াড কংগ্রেসের সভাবৰৰ কবিকে যে অভিনৰ্গনপত বিজে অভিনাদ্ত করেন তাও দেখলমে। পরোতন '৭ঠিপ্রর বাশ্চিল ঘটিতে ঘটিতে কবিত্র কার্যাল্য দ্বীপাদিবতা প্রে শ্রীক্রেহিত্যাল হলম্প্র কবিতায় যে চিঠিখানি কবিকে লোখা তা দেখে এখানে উপাত না কার প্রসাম না। সাকা নীলকেড ফেন্ট গেকে ১০০৫। ৮ই পোষ শ্রীমোহিতলাল ফলফাত এট ক্রিতা ভিটিখনি লোখন।

দীপাণিতা দশ্মে হত ক্যান্ত সংগ্ৰী ক্ষুক্ত

ষ্ট্রমান হেমারন্য বাহারণী করকমারেছে<u>।</u> যে নবাঁন গৈতানিক বাণীয় নিজপ্ৰতল ৰসিং প্রভাত কাক জিলানে অব্ধের করিছে বন্দনা, ভার কানে অন্ধরান্তি ভালকার ভিমিন মন্ত্রণ W(#17/2) व्यक्तिक विश দশ্মার শশ্মী EX SHAPPY धानाः করেরিন 270 বিসমবর্গী হাসী প্রিয়াছে সংধারে গে রাগর**ও** রক্টার জাজুনা হতিয়াটে অসভাচল প্রয়োগীর লাভটিব N 25 61 वारतात करानी हमांक:--सद् वन्ता हियामा-

ে চাকিনী স্বাধন্থেরে করিয়াছে মোরে গৃহহাীন— যার পিছে, রুম্ধ আথি, ফিরিতেছি কাননে কণ্ডারে,

পিঠের তমিলা। যার হেরি শ্ধু তার্জফ পর্নিঠতা এলোকেশী নিশ্বীথিনী। তারি লাগি আমি

উদাসনি।
আমিও দেখিনি যাগে, তুমি কোন প্রতি
হৈতিলে সে-সূথ তার—তব চক্ষে উপহারে

এই রকম বহা চিঠি, প্রশংসাপত ছাড়াও
গরিগত চিঠিপটগালি পড়বার মত। তারমধ্যে করেকথানি চিঠি এখানে উপতে না
করে পরলাম না। একথানি চিঠি লিখেছেন
করি কর্ণানিধান কলম্বো থেকে ৮ই
সেটেম্বর ১৯৩৭। অপরখানি লিখেছেন
শ্বামধনা উপানাসিক ও নাটাকার শৈলজানন্দ
ম্থোপাধায়ে বীরভূম জেলার র্পসীপ্র
গোপালপ্রে) হতে। চিঠিখানিতে কোন
ভারিথ ছিল না। কবি কর্ণানিধানের চিঠির
ছবি এখানে দেওয়া হলো। আর শৈলজানন্দ

What has no who was not been as man who was the same of the same o

war as 6 set now 1 should have the long of sens the sens of the sens of sens

It soft som mor not IF [yelves some was of the soft some with the sound of the sou

The sum execute alon 1 3 pl Osini no later sui a Ladie Lutal

Junio Junes

হেমচন্দ্ৰকে লেখা কৰি কর্ণানিধানের পত্ত

ম্থোপাধারের লিখিত চিঠির নকল এখানে সম্পূর্ণটি উচ্চাত করলাম।

> র্পসীপ্র গোপালপ্র, বীরভূম (বীরভূম)

७३ एस.

তামস[†]়

সে দীপান্বিতা।

তোম দের জভাব বড় বেশি করিয়াই অন্তব করিতেছি। লিখিতে এখনও কিছ্ই পারি নাই। লিখিবার জন্য নিজেকে প্রস্তৃত করিয়াছি মাত্র।

ভোমাকে আলাদা করিয়া বড় চিঠি আর লিখিলাম না। একখানি চিঠি লিখিরাছিলাম, কিন্তু হঠাৎ একদিন দ্বীর সংশা করিছে করিয়া চিঠিখানি লইয়া টানাটানি করিছে গিয়া ছি'ড়িয়া ফেলিয়াছি। ভাহার পর আর লেখা হয় নাই। স্বলের চিঠিখানি ভোমাদের দ্'জনের জনাই লেখা আসিরার দিন ভোমাদের বড় কণ্ট দিয়া আসিরাছি। দেখা করিয়া আসিতে পারি নাই বলিয়া নিজেও কম কণ্ট পাই নাই।

তোমার 'প্রদোষ ও নিশা' আর একবার পড়িলাম। গলপটি স্থীর লইয়া ভাল কাজ করে নাই। সাধারণ মেয়েদের ভাল লাগিবে না। অর্থাং ব্যক্তিত পারিবে না।

এই সংগ্যা হরিদাসবাধ্র চিঠিখানি পাঠাইলাম। তোমার বিভয়া দশমী' গুল্পটি ভাষাকে দিয়া আসিবে।

> বেলা দে প্রণীত সর্বভারতীয়

ৱামা ও জলখাবার

লম-৩০০০ প্রতিটি গ্রিগীর অপরিহার্য প্রুডক

কলিকাতা প্ৰেডকালয় ৩, শ্যামাচরণ দে স্থীট, কলি-১২

भूका मः था अमाम-এ

সন্ধ্যা রায়

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(কি-৬২৯৮)

ज्या दिसार्थे धर्मा वर्त-त

organgin orante cera onemin orante and mem timeting organgin orante and a orante and members or an antimetical orante and analy according or an analy according or orante orante and the orante orante orante or orante ora

द्यम्पानु रण्डाकत

भ्का मःशा श्रमाम-व **প্রবোধকুমার** সান্যাল

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

र्(त्र-७२৯৮)

আমাদের প্রকাশিত কয়েকখানি গ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

व्यक्तानक उत्रातीत्मानास जाताात जन्मानिक

👽 আরিস্টটলের পোয়েটিকস্ বা সাহিত্যতম্ব

गाया ६ সমालाम्ता

अध्यूमतार ताँठक ৮.00शृककुसारी ताँठक ७.00

ठम्छेब भूरराधसभाग गार अंगीछ

❷ নবীনচন্দ্র সেনের - রৈবতক ৬-০০

● নবীনচন্দ্র সেনের - প্রভাস ৩-০০

⊘ तवीतारुखः (সातत्र - कूकाक्रय ७००

বি.বি. ব্রাদার্স এণ্ড কোং ১৯/১ শ্যামাচরণ দে ক্রীট কলিকাতা -১২ ফোন: ৩৪ -২০৯৫ তোমার বাড়ীর অসুখ-বিস্থ ক্রিজার স্থানিকা সুখনি ইউলাল :

কিছ্মিন পরে আমি একটি বিশেষ প্রয়োজনে হয়ত দুর্মিনের জনা আনের দুই স্থাকৈ লইয়া একবার কলিকাতা ঘাইতে পার। যদি ঘাই ত কোথার উঠিব হৈ হোর বাড়ীতে উঠিব কি? অবশা বাদ তথন তেন্ব ব ড়ী এমনি গোলমালশ্যুত হয়। দুর্মিন দিনের কেশী থাকিব না।

নটকটি কাল হইতে লিখিব ভাবিতেছি। ভূমি বি আন ন্তন কিছা লিখিলে? একটি উপনাস লিখিবার চেন্টা কর না?

কলিকাতার থবর দিও। আশা করি ভাল আহ। আমাদের ভালবাসা জানিও। ইতি

তোলাদের **শৈলজা**-দা

হারিদাসবাব্র চিঠিখানি একটি খামের ভিতর দিয়া উপরে ঠিকানা লিখিয়া দিয়া আসিবে।

কবি হেমচন্দ্রের হাতের লেখাও ছিল

সপত ও সংকর। তাই কবির লেখার নম্নাস্বর্প ব্রেগর বাগদি ছাতি লীবকি
লেখাতি হতে থানিকটার ছবি এখানে দিলাম।
এই লেখাতির শেরে লিখিত ঠিকানা থেকে
প্রান্থার কবি তথন মালদহ জেলার বজ-

জালে এক আদিনা কলেওে সংগ্ৰেছ সংস্কৃতিত ভাষা প্ৰায়েকনা

বর্তমানে কবি হেমচণ্ড বের্কার প্রামে তবি জেন্ট প্রতের করেছ হাটিল প্রের করেছ হাটিল বর্তা করেছেন। সেই বাত্তিতে অসপে কবি আপন মনে খেলাগখালীমত লিওই চলেছেন। শরীর অসমুন্ধ, মাধারত হিব রেই কিন্তু লেখার অস্তাস ছাত্তে প্রেরাক প্রামিত জিন্তু লেখার অস্তাস ছাত্তে প্রেরাক প্রামিত জালিত লেখার অস্তাস ছাত্তে প্রেরাক প্রামিত জালিত। জিন্তু লেখার অস্তাস ছাত্তে প্রেরাক প্রামিত জালিত। জিন্তু চলেছেন কবি। এইসং লেখার মধ্যে অসংক্রমভাত। থাক্রের একটা ব্রেম আজন্ত স্পাত ইনি ফুটে উঠছে।

বহাদিন পর কবির কাছে গিরে হাজির হলাম। প্রণাম করলাম কবিকে। বহাদিন পর দেখা তব্ত চিনতে পারকোন, নাম ধরে হাসতে হাসতে আহ্বান করলোন। জিজেপ করলাম, কেমন আছেন হা

উত্তরে বললেন, 'শরীর ভাল যাছে নি. দাঁত, পেট, আর মাঝে মাঝে জরুর। তোমার শরীর ভাল ত ?' কি করছেন জিল্পাসা করার, নাঁসা নিয়ে বললেন, 'শেলট গুরাক' করছি।' বলে হাতের শেলটিটি এগিয়ে দিলেন—। লেখার খানিকটা উদ্ধৃত করলাম এখানে। ্রস্ত্রাহার Razor রাজেতে হেমদা উঠে
কথছিল সকাল হ'ল ফিনা। ভোরে সে
উঠেচ। নানারকন পাখী ডাকে। ইন্দুরতা।
ভানি হ'টে চলেছি সবি ভারা ঐ পাখী
ডাক আমার শোনালো। পাখীর ডাকে সকাল
হ'ল। ১ বার শোনার পর ভারছি সকল হ'ল ক্রি। বেরিয়ে এসেই দেখি হরন।
আর একবার পাখী ডাকল। ভারপর সকাল
হ'ল। দুটো। Adventum Spirit ভিলে

কল্লোল স্থানের কবি হেমচন্দ্রের শিশ্মনের একদিন পরারি যে ছবি, বে পাথির ভাক, সে বভিন সংখা পরে তাঁকে কাবা জগতে টোন নিয়েছিল, সেই কবির সত্তব্য অসংলাধা লোনা অজভ পাথির ভাক, সকাল, দ্বার্র সংলা ভলতে পারেনি।

কৰিব সংক্ষা বহুদিন প্ৰা দেখা কৰে

মন যেমন আনকে ভৱে উঠা—নহুংগ বেসনা১৬৬ তেমনি কাত্ৰ হলো এতবড় প্ৰতিভাৱ

তপ্য গোলা কাত্ৰ হলো এতবড় প্ৰতিভাৱ
ভগ্য নেই। কাপ কৰছেন, হাসচেন,
কিংকেন আমাৰ দেখে মাৰ বাংশী হ'লন।
ডোলাকে চা সিতে বলকোন। অবশা তিব
মাগতি চায়েৰ ব্যৱস্থা হাসচেম। চা কলমাগতি চায়েৰ ব্যৱস্থা হাসচেম। চা কলমাগতি মানা এলো ভ্ৰম শিশ্তি মত কবিভ বল্লন, আমানক একট্ চা নিভাগ ভারণৰ

উন্তে বক্সনেন্ প্ৰিছাই কবি না সব সংক্ষণ কবিছি আই পাড়ার মধে ভালত যত অন বসে আনক। ক্ষেত্রী ভালে কবিত মেয এক ভালে কবিভার বই কলি কবিত মেয এক ভালে কড় লুক্টিটা কথা নহাত বলাও ১৯৩ নেলাক্য, ত্রা দুপ্তার আভ্যা সংভ্যা কবি মেত শিক্সাম, ভ্রান্থ বিভার, ভাল ভিন্ন অসন্তার।

থ্য থাকী হলেন্ আনকে হাসতে বাগলৈন্ বলতে লাগলেন—সমার ভাব বলবেন আবিকত ভাকলেন বার বার ছবি খোলার জনো। কিন্তু তিনি ছবি ভূগতে বজী হলেন্বা। কলেকখানা ছবি ভূগতান। বজী হলেন্বা। কলেকখানা ছবি ভূগতান।

তরি ছেলের সংগ্য কথা হালা কবিব লেখা বইগ্লি নিয়ে—তথিপথে (১০০৯ । মান্তাপি (১০৪১), তপনকুমারের অভিযান (১০৪৪), মান্সবিরহ (১০৪৫), কবি কিশোর (১০৪৮), দীপান্বিতা (১০০৫) প্রভাত বইগ্লিক মধ্যে যেগ্লি বিতর বয়ে গেছে সেগ্লিক স্নেম্ছিণ, যেগ্লি বয়েছে সেগ্লি বিক্রের ব্যবস্থা, পাণ্ডুলিপ-গলে বাছাই করে প্রকাশের ও বিক্রির ববস্থা নিয়ে আলোচনা হলো। এসব বিষয় ভাতীয় সরকার না করলে আর কে করবে? এগ্লি যদি সরকারী চেন্টায় প্রমন্থান, গ্লিক্র এই অসময়ে আথিক সাহায্যও যেমন হবে তেমীন অনাদত প্রতিভা সাহতা জগতে নতন প্রেরণাও যোগাবে। অরও জানলাম ১৯৫৪ সন থেকে মাত ৭৫, প'চাষ্ট্র টাকা করে সরকারী সাহিত্য ঘাসোহারা কবি भाक्ता । कामांकद भित्न करे भाषाना केकद তবি ও কবিজায়ার সাধারণ ভরণপোষণও কি সম্ভব? পরে তার কর্তব্য করছেন কিন্ত তার সামিত আয়ের মধ্যে নিজের সংসারের সংখ্যা বৃষ্ধ হা ব্যব্যবন্ত क्रवण श्रीक চালাচ্ছেন। অসম্প কবির বাতে ক্ষার না হয় সেদিকে দাণ্টি রেখে এই মাসো-হারা যাতে বৃণ্ধি পার সেদিকে। সরকারী দান্টি আকর্ষণ করে একছাই বলতে চাই যে. আছু কবি অসুন্থ, উপার্জনে অক্ষম, खकारल वीलके हमधनी म्हन्य। सतकात যদি ম'লেখারা বাভিয়ে কেন্ বইগালির একটা সাচিণ্ডিত সাবাবস্থা করেন হয়ত কবি আরও কিছাদিন বাঁচতে পারেন। কারণ এই অস্তেখভার মধ্যেও কবি বার বার বলপের আমোর ধইগোল ৮০৩ জবে তাই থাপ কর্মির ভারি কেই মধ্য আকাকার বহুচালকেও আলা কি বাবত্বে রাজ করে

774

কাল্ড প্রণাম জানিয়ে বিসয়ে নিকাম। ত্রি বার ধার বল্লেন 'আবার এস, ডোনরা ভাল থাব ভাল লাগেলে মরাপাকুরের পার নিক্স কবির চেক্সের সংগো কথা বলতে ব**লতে** রাষ্ট্র তাদে উঠলামা ভারপর বিষয়ে নিয়ে র <u>র এক ছে। আসে</u>শার । সমত বার বার মান হ'ন্ডল কটেবল ম্যেল্ড কলি **লেম-**জেইক ভাগ পুডিভ ভ সামনী হাকাস্থকভাবে সং সভকারতে বেল। সাহিতা কগ্য সাহিতা সহাজ যে বাব্যবস থেকে ব**্ডিড হং**মা ভা প্রন্ধরতে হালে কবির সমস্ত প্রস্তুকগর্নির প্রভূতিবিধ্বালি সরকারী চেপ্টায় <mark>বাহাই</mark> ्राहरू, हुन्। श्रीहरूक तमस्य दारम्श् কণ্ড প্রজ্ঞেকীবর জড়িই কেবল কতাব প্রাক্তাহার না সহিতা জগতে তক ন্তুর এফাল্ল সম্প্র প্রেরপ্রকর্ম ও রাজ ত্যেকারেই পথ দৈয়াবে। আজ স্কলের তার কাফা ভার সাহিত। নিয়ে আক্রেচনার দরকার। কারণ তার শেখা নিয়ে বৈৰেছ অব্যাচনা হয়নি। অহচ পাশ্চলিপির ত্য সহা্পনীকত চেলালা দেৱতীছ আ থেক অনেক কিছা ধয়ত উন্ধান করা যাবে।

স্বাধীন ভারতে এই কবি আজন্ত কদি উপেক্ষিত হয়ে পর্যার নিজ্ত কোলে ব্রক্তরা আশা নিয়ে তিলে তিলে অবহেলিত অবস্থায় মৃত্যুবরণ করেন তার চেয়ে জাতীর অভিসম্পাত আর কি হতে পারে? তাই সময় থাকতে এই আশা, এই নিবেদন পশ্চিমবংগ সরকারের কাছে যে নদীয়া তথা বাংলার একজন কবিকে তুলে ধর্ন সকলের সামনে, তাঁর মৃত্যু ঘটলেও তাঁর সাহিত্য কীর্তির বেন অপমৃত্যু না ঘটে।

কয়েকখাৰি বিখ্যাত বাংলা खबवाम महिल्लाम আগালী দিনেৰ গৌৰপত্তি ডি. এস. হাচেলিস. জ.নিয়ার - 8:00 মহাবিশ্বের মোল উপাদান আইভাক এসিমত - 0.00 दर्शाश्च छेरम मन्धाटन বার্টন বেলে E-00 জনাকীৰ প্ৰিৰী মাগুরেট ও হাইভ 6.00 বিজ্ঞানের অভিযান क्शाम्धीत है. त्याबत्म - 2.60 শ্ৰীভূমি পাৰ্বাৰ্গাণ্য কোং মহাবিশ্বের সম্ধানে इन्हें(सक् छ अन्छात्र न - 6.40 আমেরিকার বিজ্ঞানীদের **কাহিনী** বাপড়ি জাফ - 4.00 यर्ग्यत्र भानाव বোরল বেকার - 0.40 সাগৰ পোৰছে ৰাডা আছার সি ক্রাকা -- 8·00 জীবের স্বভাবধর্ম এণ্ডার্স ও রাক্ডরার্থ 8.00 র্থিম (দুশা ও অদুশা) ্রুত রাইন্ফেল্ড - 4·00 মহাকাশ অভিযান হেমল ই কেওয়েল - 2.00 ৰস্থায়া প্ৰকাশনী আমরা এবং আগবিক শক্তি জন শেওয়েল - >.60 হোমণিখা প্রকাশনী সেত ভেনৱী বিজেপে - 2.00 इलाम म्यान হাওকাট ও কাট - >.00 মাটি থেকে মহাকাশ কুইড জন -- 2.00 অতীতের সন্ধানে বিজ্ঞান কিন কণ্ড পাল **-- ₹**∙00 ৰণা সাহিতা সংক্ষান আধ,নিক বিজ্ঞানের গোড়ার কথা আইজাক এর্নিসম্ভ —প্রতি খণ্ড ৩০০০ ৰাক্-সাহিতা মানৰ ও সমাজ-বিজ্ঞান करे हाई टाइड এ ছাড়া নানা বিষয়ের আরো জনেক বই ঃ প্ৰতক্বিজেভাবের উচ্চ কমিশন: ভালিকা চেয়ে পাঠান ঃ আজই অভার দিন এম সি সরকার অ্যান্ড সম্স প্রাঃ লিঃ

১৪ ব্ৰুক্ম চাট্ৰো স্থাটি: কলিকাভা ১২

जमद्दत्रत्र मिल्ली

খা স্কনট শ্লেসে। এই সেদিন। কনট শ্লেসের চোথ ঝলসানো ঝকমকে করিডরে দিনদাপারে সেদিন যখন জানৈক ইউরোপিয়ান আংরি ইয়ংমানে যাকে বলে একেবারে উলংগ-দিগদ্বর তাই হয়ে, দিখিব হাসিমাথে ঘোরাফেরা করছিলেন তখন শপিং-এ বেরুনো দিশ্বসনা-প্রায় অজনতা স্টাইলের তাবী-তর্গীদের কেউ কেউ হয়ত ভুর কু'চকে বিষ্ময়াভূত হয়েছিলেন। তার-পর সে যে কি মজার হালকেথাল হাটোপাটি প্রালিশ! এবং অবশেষে খাজরোকো টাইপের ইউরোপিয়ান পারাধ মহোদয়টিকে অন্তর্বাস পরিয়ে যখন মাননীয় আদালত ভাকে দশ টাকা জরিমানা করে রেহাই দিলেন তথন তা শনে আমাদের এক তর্ণ অধ্যাপক বংধ সংখদে বলে উঠলেন, 'মাত্র, মাত্র দশ টাকা? **°লাস আণ্ডার উইয়ার? এমন জান**লে আমিও—' বাধাবরের মাতবাটি শোনামাত্র আমি একটি ভিন্ন আস্বাদের প্রয়োজনে হইহই করে তক্মহাতে ওর সংকা ঘন হয়ে উঠলাম। কদিন ধরেই ভাবছিলাম কথাটা কি করে পর্যাড়। সাযোগ জ্বাটে গেল। হালে সংবাদপতের পাষ্ঠায় একবাক বিষয়য় নিয়ে অসম্ভব হাইচই হাছিল পালামেনেট চেণ্চার মেচিয়ে প্রশ্নাদি উঠেছিল ছাত্রসমাজটা নাকি অধঃপতনে যাচ্ছে। তাতে অনেকের হাদকম্প। निक्षी विश्वविमालासूत्रत वहालाको स्माभागताल ছাত্তভারীদের কেউ কেউ নাকি চরস নিয়ে আজকাল থাব চারশোবিশ করছে। তাই নিয়ে এই কদিন অধ্যাপক কণ্যার সংখ্য যথন তথন সমানে আমার কথা হচ্চিল মওকা ব্রে এখন ও'কে নিবেদন করলাম. 'মে আই জয়েন 'দ জয়েণ্ট?'

'श्रा?-आ॰७ मा करश॰हे?'

ওর ব্যাঝ বিশ্বাস হলো না। বংধাটি ফোড ফাউন্ডেশনের বদানাতার পাারিস নিউইফর টোকিওর লাইটলাইফ দেখেছেন। বললাম গোরাই নট?' কেন আমি কোন্ সাধ্যস্থত মহারাজ যে চরসের আন্ডার থেতে

भ्जा मंः था। अमाम-এ

প্রীবিরস্পাক্ষ

ব্যঙ্গ রচনা লিখছেন

(সি-৬২১৮)

আমার মাথা নিচু হবে? ফর এ পট্ অফ মাবিজ্যানা?

পঞ্চনদীয়দের মধ্যে এমনিতেই বাঙালী রুচিবিরুচির বেশখানিক কেমন যেন ত্রীয় ধারনা আজও আছে ৷ কিছুক্লণ আমার মুখের দিকে কিরকম যেন চোখে ভাকিরে থেকে অধাপক বন্ধা রাজী হয়ে গেলেন, 'অল রাইট। আই উইল ফিক্স য়ৢৢৢ্।—লেকিন দুসুরে কিসিকো বভানা নহি জী।'

আমি তো জানি আমার মতলবটা সাধ্। বললমে, 'না কাকপক্ষী জানতে পারবে না।'

لعاف لم

বাস্। সর্বাদিকে অমনি চিচিং ফাক।
আসলে কে না জানে রাজধানীর প্রার
প্রতিটি অত্যাধনিক পাশ্চান্তাঘোষা শহরভালতে মারিজ্যানা নিয়ে বে-আইনি
মাতামাতি এবং ফলাও কারবার চলছে। ওর
চল ইঠাং ধনী সম্প্রনারের মধ্যে হা হা করে
ছড়িয়ে পড়েছে। অবশা সরকারি আইনকান্ত্র
আইনত এ বিষয়ে দিখিব কড়ারকম। তবে
আভিজাতা শহরতলিগ্লোর বেচারা
থানারর। ও-সব দেখেশান্ত্রও না দেখার
ভান করে বসে থাকেম।

আনার অধ্যাপক বন্ধা তার এক ধনীর দলোল ছাতের সংগে পরিচর করিয়ে দিলেন। অধেক কথা শানল কি শানল না, ছার্ট প্রশন করে বসল, আরিজ্যানা?

'চরস, ইয়ার, চরস।'

এ নাহলে আর দিল্লীতে অধ্যাপক!

প্রয়ং রবীণ্ট্রনাথও এমন স্কান্দর শক্তে এবং
এত সংক্ষেপে জিনিসটাকে এত সহজে
ব্রিয়ের দিতে পারতেন না। ধনীর দ্বলালটি
অনাতিবিলানে বাড়ির গ্যারেজ্ঞ থেকে নিজের
গাড়ি বের করে তাতে আমাকে তুলে নিল,
নিয়ে হাই প্পতি এল দশ না বারো মাইল
দ্রের নয়নাভিরাম কৈলাশ স্বার্বে। এসে
এখানে সাড়ন্বরে পরিচয় করিয়ে দিল ওর
সিন্ধী ক্লাস-মেটের সংগে। দ্বাণত স্মাট
তর্ণী ক্লাস-মেটে। পরনে হল্ম হল্ম
ফুটিক দেওয়া জামরঙের জামা আর

শালপাতা রঙের স্থাাকস্। পরিচিত তলা ভ্রইংরুমে বসে বেখানে টেলিভিশন। অভঃপদ বাডির বাগানে ডেকচেয়ারে বসে ফ্রীঞ্জ-ভোজ ভাচ্ বীয়ার থেলাম। এইখনে বীয়ার খেতে থেতে ছাতদের চরস চল্লের সপ্যে পরিচিত হবার বাসনাটা এবার রয়েসরে পাড়া হলে। 'তে আর বেশি কথা কী।' এই স্ল্যাকস প্র ভাক-বা গগলস চোথের সিন্ধী ছাল্ডি ভার নিজের গাড়িতে করে পরের ফি যথাসময়ে আমার বিশ্ববিদ্যালয়ের কাম্পাস সোজা নিয়ে এলো। পথে আমায় পটপট করে শিখিয়ে নিয়েছে আমি যেন চরস-চকে চাক নিজে থেকে মাখ না থালি। প্রিচ্ছ উরিচ্ছ যা দেবার **সব ও** নিজে দিয়ে দেবে। গ্ৰেক্ট 'জাপনার গুণা-প্রাস গুগু লাস ?

'গগ লস ?'

হার্ট ভাকা গগ্রেক্ ?—চশমাটা খ্রে ফোলে এখন গগ্রেক্ পর্মেণ মেরেটি এন-এ ক্লাসের ছাত্টী। বাবা শ্রেক্ছি বিগ বিজনেস-মানা। ব্যাক্তক-এ। দিল্লীতেও। বিশ্বু গগ্রিকা তো আমার নেই।

দেই গ মেরেটি বাঝি একটা অপুণ্ট হলো। ওর উন্তম ধরনের ফল্সনিট কথন যেন কোন সময়ে ব্যক্তর ভেতর থেকে থাকি থেকেছে। তাই ব্যক্তিট এখন নিস্কিট লগছে। বললাম, মা গগ্লস্থ আমার কেট

চট করে কি ভেবে নিয়ে শ্লাকস্ পরিহিতা ছাল্রীটি আইত নিঃশ্বাসে বলতে, আছে: ভাগলে এমনিই চল্লান — হত দেখাই আপ্নার। যা দেখাবেম শ্লাকে জন কাউকে যেন ঘ্ণাক্ষরেও তা বলবেন না কিন্তা।

ক্ষেওবিশেষে এইরকম বোগাযোগে অনি মিছে কথা বলে থাকি। তাই বললমি অজ্ঞা

কাশপালে চাকে নামকরা একটি হটাটোর হাস্টোলে এলান। আমার সংগাী আমাকে বাটারের ঘরে বহিষে বেখে একা একা হস্টোলবাড়ির ভেতরে গোল। মিনিট কয়েক বাদে ফিরে এলে বলল, গো। আপানার দেখাছি তকদির খারাপ। এখানে আপানাকে ইনটোডিউস করা যাবে না।

'ভাহলো?' খাব দমে গোলাম।

'আস্ন দেখি। আরেকটার।' মেটেটা অসম্ভব চটপটে। ক্যাম্পাসের বাইরে এসে বলল, 'আসলে কি জানেন, ওরা নতুন লোক-টোক তেমন পছন্দ করে না। একটা থকি ভো আছে। হাজার হলেও ইউনিভাসিটির মধ্যে কি-না।'

মিরাণ্ডা কলেজের রাস্তার ও বধন গাড়িতে মোড় নিল তখন আমি বললম আছে আমি যে শ্রিন এখানে মহিলাদের হলেটলেও মণ্টদ নাকি একটা আধটা চলে?'
'চললে খাবাপটা কী?'

না আমি এমনি বলছিলাম আর কি।
ধবরের কাগতে পড়েছি নামকরা একটি
তের-হন্টেলের মেন গেটে নাকি প্রত্যেক
সোমবার-সোমবার ভোরবেলায় কবাড়িআলাদের ভিড় জমে বার। খালি দিশিবোতল কিনবার জন্য। রবিবার-রবিবার
সংধার নকি খ্র ছালে এই বড়বোকী

এবর আমরা স্থাপর কিট্টাট একটি ছড়ান ব্যক্তিত এলাম। দিছাটা বালান। কংশোস থেকে বেশ কিছ্টা ন্রে। সংগী আলাকে বালানের শেতপাথরেক চৌকিতে বসিকে রেখে ভেতরে চলে গেল। ফিনিট-লাই লগ্যেক করান, সে একে বলল আপনাকেও কিন্তু তরা যা দেবে তা থেতে হবে - নিন্তু

সংখ্যা কথ্যা সোৱা সেটেটা টকলিজ ঘটড়তে ভট সেইলাম।

ভাষভূচ 7.23 অসুক্রাছারা সাথা তাল্ক শুল্মত ও অবহাত আছারা স্কুল এলান কে যার কনাভাশক ছাত্র[্]ছল। কেনাগ্রীত শ্রেটি ছাটো। ক্ষেটি ছেন্ট জুটকা। একটা ৬কটা পঞ্জন। মতুন আবলতুককৈ লেকে কেউ ত বিয়ত হালোৰা কেউ খ্ৰাীডোৰ,কা≇ প্ৰস্তাহ না া কেন না আবছ, আল্লেষ্ট উক-মত কিছাই ১৯৫৭ কৰাত পাৰ্যাক্ষ না েকে প্ৰসামান নিকে একটা ছামাত প্ৰান্ত কা িন্দ্র, গ্রুত্রপ্রেক সামার সারের প্রতিক্ষে কর্ম পাওয়ারের ক্রেপার স্থান্দের। তাত্ত আরোর লীলচে এমাল সিয়ে ধেশ শ্ৰন্থ কৰে জড়িয়ে লেপ্টেড কাল্সরজা জনলাল পারা পারা পরিদান কো সেন আন্ত্রালক, বিকলা ইবিলেশ। মেকো ভাতি স্তর্গ্রাইভস্তত সৈদে। মাসবটা বেশ জনমন্ত্র বন্ধে অনুমান করলাম। কেউ আধ্যোষ্ঠা, কেউ বসা, কেউ স্টান সেকোটো স্পু যেমন মজিটা ছারের এক কোগায়। বড়মাপের একটি ধেকভা শেলয়ার। ত। কেই বাজাজে ন। কে যেন গ্রেমর উঠল, 'একট্র জল।' 'ট্রানিসস্টার'ও আছে। তাও শ্ভেষা যে যার খুশী মতন চুপচাপ। বা একটা, আষটা, কথা বজাছে নিকটের মানাকের সংখ্যা নজরে পড়ছিল, প্রথম থেকেই, বিজ্ঞ বিন্দ্র আগত্তনের টিপা সিগারেই। শিগারেটের তামাক ফেলে দিয়ে চরস ৷ ্য ^{5त}ामत कात्मावाकात **डॉ**र्नामकः। **एथ**यान থেকে বিশ্ববিদ্যালয়ের নিকটে বাুঝি সমুগত কৈকাকোলার দেশকানে। **চরসের ফলা**ও কারবার। চোরাগোপ্তা। লেনগেন আডে শ্রেতে হাই ফিনেনসিয়ারদের; পরে খ্চরো কুইক প্রফিটওলারা যে যা পারে ^{দাঁও মেরে} উস**্ল** করে নেয়। প**্রল**স সব লানে। সরকারও সব জানে। তবে কৈ না কেনে৷ জানাজানিতেই শেষ প্ৰণ্ড কৈছ হয় না। এইসব ছেলেমেরেদের অততত
কারো কারো মা-বাবারাও জানেম। ওঁর। হরত
চুটিরে ককটেল পার্টি করছেন। ওখনর
ছেলেমেরেরা আসে চরসচকে। একা একা
নমা। সমন্দিগতভাবে। টীম ওআকা। কালো
আর্থিক অভাব থাকার কথা নর। কলেছ
থেকে বেরিরো কেউ বে বেকারছকে বরণ
করতে বাধ্য হবে তাভ মনে হয় না। তবে
এর কৈফিরতটা কী? এই দ্বেমের সভ্যোর ব

এই পরিমণ্ডলের মানেটা কী : এরাই কি নতুন ব্যক্তিকী গ্রেণী ? প্রশের ১ প্রত্যা: ১ ত্রিষাং বারেরার্টিক : চলচ্চিত্রে নাটকে সাংবাদিকতার এরাই পথ দেখাবে ? আমি কি লিখৰ না লিখৰ সে পাঠ দেকে আমার এয়া :

নিরীহের মতন চেরে চেরে আমি সব দেশতে লাগলাম। ছোউবেলার কথা মধে পড়ল, বেনারসে বাটে গংগার তীরে দেখাওাধ ছাই ভশ্মমাণা সাধ্দের। উরা কবে গলির দম দিতেন। বিশ্বটো বিকট দুর্গাধ। কই, উনের তো কেউ গারাপ বলত না।

এ কি ছেলেটা ঘ্মিরে পড়ল নাকি? এতক্ষণে কে বেন জামার বসতে বলল। বলে জামার হাত ধরে বসিরে দিল একটা মোকার গদিতে। ভাষার টান গ্নে কেমন বেন মনে হলো ছেলেটা বুঝি ব্ভালী।

নিৰ্বাত বাঙা**ল**ী।

এবার অঞ্চারে স্পণ্ট হয়ে আসছে

রাজতরিঙ্গণীর দেশে ৮·০০ এই রোদ এই ব্যুভ্ট ৫ ৫০ দোলনচাঁপা স্থান ॥ ৯০.০০ বিষের রঙ খ্নখারাবি শ্ভ বিতান

চিরস্থাবি সেন্।। ৬-০০

कुमान्। वरम्साभाषतस् ॥ ४-४०

ৰণালী প্ৰকাশনী ৭৩, মহান্ধা গান্ধী রোড, কলিকাতা-১

িছ-১৫১০)



আলের ছায়া। আনেকটি ছোল বার মুখখানা একাম সাহেবদের মতন টকটকে ক্সা, চরস-ভরা একটা জালভ সিগারেট

> ক্সিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক শ্রীজাহ্ণবীকুমার চক্রবতী

> > সম্পর্যন্ত

विश्वव, क

ৰ্বাঞ্চলচন্দ্ৰ চটোপাধ্যায় - প্ৰণীত

শিপিকা। ৩০ ১ কলেজ রো কলিকাতা-১ দে ৰকে দেটার্স। কলিকাতা-১২

(17 ৬৩৪০)

প্রজা সংখ্যা প্রসাদ-এ

बाक बहुना विश्वराजन

(সি-৬২৯৮)

नकुन नाउँक

এই আগটেই প্রকাশিত হচ্ছে

ধনপ্রয় বৈরাগীর কে'চো খ'ডেতে সাপ 0.00

পার্থপ্রতিম চৌধুরীর

0.00 শন্দরূপ ধাতুরূপ

শক্তিপদ রাজগারের প্রজাপতি

কির্ণ সৈতের

কে'চে গণ্ডুৰ

₹.60 বীর্ম্থোপাধ্যারের

অদল ৰাদল **₹**⋅৫0

গঙ্গাপদ বস্তুর

বিশ্বাসের মৃত্যু

₹.00

0.00

खारता अरनक नकुन मार्थेक

সিটি ব্ৰুক এজেন্সী

৫৫, সাঁভারাম যোষ স্থাটি, কলি-৯

আংগ্রেল গাড়েজ দিল। দিয়ে ভামান ক্ষিত্যাস কৰল হিন্দীতে 'আপাক ইসমে শ্ৰীফ 🦥

যে ওরাণীটি এখানে আমাকে এনেছিল আমার হয়ে সে তথানি জবাব দিল ইনি মুহত ব আলী। কবি। ব্যক্তিয়াবাদ কলেজেব /संकाडाना**र ।**'

মনে মনে আমি থাব একচেট হাসলাম। পালটা আছি কাৰে৷ নামধায় শাংবালায় না চ য়ের আমোরের একেকে ক্রেম্কার তার ও মারের চরস-সিগারেট। দেখনেই বেকে বয় ১৯স। একে নীল নীল স্পিল কেই।

গ্লিভি একটি ক্ৰথস্বৰ 'এড ব্যক্তিসাম্প্ৰ তেমোর কে আনতে বলেছিল?' উভরটাক কানে এলো, রিজিসাম্ম অবস্থ কী। মত একজন চ

প্রেখিস, *চলে* প্রভিস না আবরে।

দেশলাম প্রায় সকলোর চেত্রেই ডাক' গগালসা। জানতাম না আলো লোগে চ্রাসের নেশ: লিউখে যয়ে।

সকলের মতেথ ঠোঁটো বর্তাধর ছাপ। স্করে সর দ্বাস্থাবান স্বক্ষ্রতী। কেউট বিশ বাইশ বছরের উপর নয়। প্রাথনিভার জামলাগেন ভাইলো এনের জাতামাহাত।

নত্ন জেনারেশন। বিত্তবান্দের সংভান আহারি জেনারেশন ২ এখানা জ্ঞানি না। এর ই কি ভাইলে "বিভিন্নভাবেধ"-এ ভগভে স তাও এখনোজানি না। স্বার আংগ ম্লোবনে পোশাক। পাণ্ট সটো পাড়ি সালোওয়ার। গাডিবরোন্দার দেখে। চলাম বিদেশী মাকী লিমেডিন। পলাইমাউথ ডক্ত শেভরলে। খাব সম্ভব এস টি সি থেক নিশামে চড়া ডাক দিয়ে কেনা। কে জানে। এদের নাজিশটা কী? যৌবনের ক্ষোভ ?

নিরাপতার অভাব? শহরে জীবনে বিতকা? মেকি সমাজের বিরয়েশ্য বিক্লোভ ? কেন এই দেলা প্রায়েজানিং স

শারীরিকভাবে এভাবে শ্রাক্রে সরার আত্মশাসনি কেন? এরাই হবে প্রেথক কবি বিশ্লবী ?

বিদ্রোহ ? কার বিরুদেশ ?

এই শ্লেষ মনোভাব? না কি বিসেফারক? নক্তি এর ই হতে নতুন যাগের

এনের ষ্টিরগালে। এতই জানা, পানরাবারি निष्यसम्बद्धाः

আন্চর্য উদ্মার্গ পরিবেশ। এটা চরস চক ना नवरम्यापारवाथ ५५% । एवं स्मारतीं के कामाब এখানে এনেছে ওকে দেখে তে। তীক্ষ্ম ব্যদিধর অধিকারিণী বলে মনে হলো। একদিন ওরই কাছ থেকে আশা করি এ বিষয়ে কিছা আলো দেখব। এখন ওকে র্ডকে ফিসফিরেস গলায় জিগ্যেস কর্মাম. 'रबाह कि तका मार्च ?'

'এখনো খেয়ে দেখেন নি?'

शाबा दास्त्राचा

র্মান্থ্যারি ৩০৩ টান বিন, নই লুকুছ FERRIS PIGNET I

অস্বস্থিক। এটা কি বিক্রেশনার

অলমত কারে 12:1**9**8-0.1 4451 761 সিগারেটে। এখনো ওতে অংগ্_{ন ছিল।} ভাৰার দি**লাম টান জোরে** ৷ মহাট কেল বিভাবিম করে উঠল। রক জে_{ল বিজ্ঞ} ত্রণাথেকে পান ১০ আনেত করে আবার দম দিলায়ে। এই বেমতে চেয়ে যে ছেনে*ছ*০ন ত্ৰে কী শান্তি পাছ।

ঝিম ধরে - এল স্বার্থন । খ্_{বারে}জ_{ের} ট্রা দিয়েছিলমা আন্তের তাত্ত লব্দ আবহা আংশণ হয়ে গোলা কারে হছন ছ আর আমি স্পান্ট করে দেখাত প্রেল্ড ১১ টান্নুগ্রিল দিক্রিল \$78 5 X (5) শৈরদভাটা কেমন নরম হত্য (গ্রন্থ) ত্রাক বলে এল এস ডিট ছে কেন হবে। এ জে ভারতীয় চরস। কিম্তু এখন এ নেশ নতুন প্টাই'লশ মোড্যক মাার্জ্যোন্ত : রাচ্ বদলে আসতে ভব্বগ অভেতিক। ভারে। ওবের উচ্ছিণ্ট প্রসাদ না কোলে অ্যানের জার **চলে** না) কৈ বেন বলেছিল – रहासम रम कार्क, उँहै। कार्क नाहेब हाउ। হোরেন পে টাইফা, উই টাইফা সাইক প্রসাণ তারের মরকাও আমাদের স্বর্গা।

মাঘাটা আমার হারপাক খ্যাক্ত বাব আংকের এলে হাডাল সংখ্যাল চাল বিশ্বনালও ঘ্রপাক 477.00 সুমুখে। ছাত্যাত্রীরা ভিত্রপতিভাগে শ্রে বাস আধ-শ্বের। আছি জানি একেরই কেই কেট হবে আই এফ এস, আই এ এস, কেশ এনের সমাজ हेर त्वि অন্তেমীরকান্দের ইয়াণিক-সার নকল করে প্রয়েষ্ঠ ইংরেজি মিডিয়ায় ইসকলে, খার ডিন্ট ट⁶निज्ञ वर्ण कोंग-आवर्ड भिक्त । 🚓 २८६ 20의 5/1**9**년에는 관광학 전 (기학(2학생 및 인 인 5년) বিশ্বতি এনের আন্তিভান্তিক স্থাপ আন বাত ভগন ক্লেক্ত ন্ট্র

কে বেন আমারে কানের প্রেক বল্ল, ব মজা দেখাৰৈ এগেছিলেন স

व्यादिता कांगकांका इन्त्र करत वदन १९८७ हेर्ने দীড়ালাম। পূর্ণ সরিয়ে বাইরের বাগাল এলাম সেওে।। চমংকার বাড়াস দিক্তে বাইতি আর ট্পটাপ ব্লিট। মনে পড়ল, সেই ইউরোপিয়ান ইয়ং আংগ্রি মান ১৫হানে আজে কের আবার কন্ট ভেলাস একংম লাম-দিগদ্বর *হয়ে ঘারে বেড়াচ্ছলেল।* মান পড়ল, পালামেদেও আজকে মলামিশাই ছোষণা করেছেন ৮-- "ল্বু-জন মাননীর এম পি দ্বরাঘুট পশ্ভরে হা**লে দাব**ী জানিয়েপেন र्याम नाष्ट्रकारम् ४५द्वाशासाद्याक शाकरात करा (शक्) रक्न है। द्वार द्वार दक्कारसम्ब ॰नीकः।

×তেন ইয়ার

11 5 11

অমার কাছে কাতে আরও আনকেরই কছে 'দেশ' পতিকার আনাত্র আক্ষ'ণ স্থান মাজতবা আলীর 'শহর-ইয়ার'। তব रक्षणा त्यार शास्त्र शास्त्र भारत হয় সৈয়ন জ্ঞাষ্ট্র যে রেশ্নি সংযোগৰ আশ্বন্ধ ্ৰত্যুক্ত হৈনী স্থাৱ विकास भा व **एसरम** জনুলে উঠে _{প্রক্}লের্য করা **রাজ** রভাসির ভালারের **হচ.খ ধর্মিরেভিস** তা েয় অনেকটাই চিত্তিত শহরা-ইয়ার এর ্রিল্য প্রতিষ্ঠা চলা **গালে: নাকি প্রথ**ন ্রালার প্রশার্কার বিয়ে আহর **উচ্চ**র্নিসত ্লার চাল্লাভায় আহত ? **এমন নয় যে** ওওর কেই বেটি মিধান স্বাচ্চন্দ, যা সম্ভব ন্ত্রিল কথা ভাষার তাম্পার থেকে নতন ভিয়াপত সংগ্রহ করে বাকা-বিকারেস ব্যাৎক্রম ্লিড প্ৰতিলেৱ বৈচিতা সাধান এবং লাল হ'ল হ'ল হ'ব হ'ব 13: 24.4. भारत्यात सर्वत তুংকা ভুশতা শ্ৰেদ্য অভিযাতে BING পাড়ে বার **বিষ্ণু পা**টারমান্তর হ'লটিত ভ'লাতে জেলালো, বাকানা, গাড়ভাগা ভাষার সাক্ষ্যা সভাব সভারে কবিছ-শ্ৰিত যে অভিবেশ প্ৰশ্ৰেষ আছে হ' 5'5'-কহিন[†]ত দুষ**ই আ≃5**ষ্ ভাষা হা িভারতের মত্**তাকসিম্বভারে জনুলে** টিটে ৮৪ করে। ভারে ক**ত**টাকে আছে অব্যাহিকট লৈয়ে সাহিম্মের ক্রা**হা**ত স

শংগ্ৰীয় হ' পড়াত পড়াত ভাষার টেগলৈত প্রাক। ভা**য়া**য় বাব্যক প্রতি নিড়াছে ৷ বিদেশী কথার - বাহার আজা**ও** মন্ত্রীর কিন্তু দেখালৈ কেতাংক থেয়ালী-रेटी के करहा । इति । इति के सिर्वे গুৰুপোন্ত বেলাভ লিখ মন্পোন্তবাস লগত হটেছে৷ এবং মনু ঘটত আহি भवेद्रवेदेह दिक्षी हराष्ट्र कर्ताह हा इ.ज. व.का-বিশ্ব নৈয়ন্ত্রি নিবিভিন্ন**েন্তর** বিভক্তাত **ই**স্কল মাজানত প্ৰেট ব্যৱস্থালিতে এই দ্বীপর্যাত ^{এমটি বেট}শল প্রস্তি সাহিত্যিক রুমিত হার স্থাবত শ্বে লেখকের মৃত্তির পুতি ^{জাব্দ}েটের অধানারনে নয়, প্রতের মনে সাক্ষাত্র স্করিটার ক্ষায়তার চ

२०६५ थ्या ५७५० (भरत भारत्यास १९९३ (संशाधः) लेद हरूमा**क**ाल । 🕮 हरूमा-ত্ৰিত ক্ষেক্টি হালা, গুৰুত্য থাকো স্থানি वर्तिः 'भूनभ्यः । 'भानके कः, 'पद्रेन्द्रकाः 'क्रीकास' (दसास' व्यास्ता' 'श्राः वञ्**र**'. িত্য দিক উপন্যাস', 'বড়বাৰ,', 'মা ভিত্ৰ বিদ্যালয়', **'ভাষা**', 'গণডে কাসা गत्रहान', 'काथ,निका', 'तमाग्र ह्या', 'डि॰का', 'X. \$ 4. 3 র'ল' 'ব**া**শ্ব' 'ব শব্দে' ^{্তি}শ্ৰিকিক মাজিকিকী হ'হ, প্ৰতিল भिन्न भाना कामाद्यस्य, कारास्ति



প্রমহংস'। বিভয় শৈলীয় রক্মফের 2077 E সাহিত্যিক বিভারে রচনাগ**্রলি সমপ্রায়েরও** নয়। বিশ্ত যে অনুসা সন্তি এগ**্লি**র অন্তার এক ^{নিরেবজিন}ে যোগসারের হত প্রবাহিত তা মাজতবা আলীৰ অসাধারণ দাৰ্ঘতময় বাকাশিকণ যা শাধ্য ভার পক্ষেই হয়েছিল এবং হার অনুকৃতি ১৩৭**৬**এ তাঁর পক্ষেও অসম্ভব।

सवाभी ६ हैश्टर्डक 'दाका-मारदा' वा রমারচনাগ, লির প্রাণবিশ্য ভাষার বিসময়কর গতিময়তা। ইংরেজ লেখকের রমারচনায় ভাষা তার চুমতি পায় খেঁচাওয়ালা স্যাক্সন ভ বিলম্পিত লগতিন শব্দের ঠোকাঠাকিতে। ইংরেজি ভার্নালিজয়-এর নিপ্র অনুসর্পে তংসম, তুদ্ভব আরবী, ফাসী, এমন কি ক্রসী ও জ্লান শ্লেব মাধ্রেচক **এবং** স্বৰ্গপ্ৰথম হয়ছে৷ স্বৰ্গেষ্ড সা**ৰ্থক** প্তিমিশ্লী সম্ভব হয়েছিল মাল[া]র মছতা প্তিভার দৌলতে। অং**চর** এই সংমিল্লণ, কারণ কোথাও এতটাক ছন্দ-প্রান্ত দেই, স্বাট্ট্র নিয়বী**ছ্যভাবে আ**তি-भटः। এव है। हेनाहतम ना निस्त भातिष्ट ना : ভালি ভালার কেখেছি **মাধার উপরে**

হাত ভুলে এক পালক ভান্স ছেডে দের আর

আলবা অকগা ভাসগ্রেলা \$ 75 क्रांक क्रांक क्रांक 图(2万) এখালে খন আকাশের আত্রাল থেকে কোনো আদাকর আকাশ পাহাড বন জল এই হরতন, চিরতন, ক্রহিতন, ইশকাপানর রার-ধনা তাস কাচে দিয়ে ভাঁকে ভাঁকে কটাক নিয়েছেন। কিল্ড এ ওপ্তাদ লাল-কালোর দ্য রঙ না নিয়ে মেলাই তস্বির না একে এক নীপের ভিন্ন ভিন্ন আভাস দিয়ে অপ্রে এক ছেলাক-বাজি দেখকেন। শেষ বারে ঘম ভাঙল। দেখি আমার অভানাতে বাহি ওলারা 077 আসমানের ফরাবে এখনে ওখানে ভারার মোমবাতি ভ্রালিয়ে द्वरः शिरस्ट । अवाद्यं म्पर्यदार्द्वत्रं मानारस्ता वम्(दः" (हिण्का)।

বিদেশী শক্ষের যে সদভারকে আসী সাহেব ভার লেখায় বার বার কাজে লাগিয়ে এক অপূর্ব এফেট্র সৃষ্টি করেছেন তার ক্সেক্টি হ'ল "মরহাবা'. 'আফরীন', 'মেহেরবান', 'হিম্মং' 'গ্রেলজার', 'মজলিস', 'ভাষাম', 'দোসিত', 'আসমান', 'মোল', 'হৰ', 'কসুর', 'লামিল', 'বেআদ্বী', 'গোস সা', 'ধররাত', 'বরসাত', 'র,খাস,খা', 'মোকাম', 'ফারসং', 'জবরদুভ', 'আসান', 'নোকরি', 'মেকদার', 'বি<mark>লকল', 'ভাল্জব',</mark> 'হার্ড':র' 'ক্ৰীসপ্' 'জিকটিং' 'প্রাগ 'দপাল' সভা' জাঞ্চ' ছন্মিনা 'রট', 'वशकरे', 'भारोन', 'ब्राक्टमन' 'ब्रुएडम' बदः 'हैभारतमाहेला'।

'শহর-ইয়ার' পভা্ত প্ডাড়েও আমরা विदरम्भी महस्य हो। का थहें, किस्क करें তেমন তো আর চমক লাগে না। বাক্যের ধে

ৰাগৰ' প্ৰকাশিত

অধ্যাপক সুখেন-সুন্দর গঙ্গোপাধ্যায়

স্মালোচনা-সংগ্রহ পরিচয়

াংল সাম্বোচনা সাহিত্যের ইতিহাস ও সমালোচনার শ্রেণীপরিচয় সহ কলিকাতা বিষ্কবিদ্যালয় প্রকাশিত ক্ষমালোচন সংগ্রহ গ্রাম্থর নির্বাচিত প্রবাদ্ধর বিষ্ঠারিত বাল্ডেন। বি-এ অন্তেপি ছাত্তলীর অব্যাপ্টে।

অধ্যাপক সরোজ হাত্র

অধ্যাপক অম্বা সরকার

রবীন্দ্রনাথের বিচিত্র প্রবন্ধ ২০৫০ রবীন্দ্রনাথের সাহিত্যতত্ত্ব ৪

সরোভ দত্ত ও অলোক রায় वर्वीम्मनारथव कालास्व ०.४० অলোক রায়

প্ৰৰম্পকাৰ বহিক্ষ্যালয় ৩.

অকোক রায় সম্পর্ণিদান

नाहि जारकाय-नार्धेक

সাহিত্যকোষ—কথাসাহিত্য

নটক এবং উপনাসে-ছোটগ্রুপ সংকাশত যাবতীয় পরিভাষ্য এবং তত্ত্বে নিভয়েষ্যগ্র বিশ্রুতির আলোচন। --বংলাদেশের প্রথাত সাহিত্যিক এবং মধ্যপ্রদের ক্রন্য সমৃদ্ধ।

িবক্তম কে**ন্দ্ৰ ।। যে ব্যক্ত কেটাৰ**, ১৩ বহিৰুম চাটালাধ্যায় প্ৰটট, কলিকে তা-১৯ আ**নেম পাবলিকেশনস**্ ৬৭/২ মহাছা গ্লংঘী গ্লেড, কলিকাতা ৯

ইন্দ্রজ্ঞাল আলী সাহেবের রচনাগ্রিকে অ.ছ্রা করে আছে ১০৭০ পর্যক্ত তা যেন হঠাৎ রভিন কথার কুয়াশার মধ্যে মিলিরে গেলা। 'শহর-ইয়ার'-এর স্টাইল 'চাচা-কাহিনী' ও 'দেশে বিদেশে'র অসামানা গদা-শিলের শোচনীয় ট্রাভেম্টি। অথচ বিশ্বাস্করতেও মন চায় না যে 'শব্নম্'এর লেখকও কোনোদিন বৃশ্ধ হ'তে পারেন, ভারিও প্রতিভাষ ভারা পাততে পারে।

রঞ্জন বন্দ্যোপাধ্যায়
স্কটিশ চার্চ কলেজ

भ्जा नःथा अनाम-এ

সুপ্রিয়া দেবী

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(河-৬২৯৮)

11 > 11

দেশ প্রিকায় শ্রুদ্ধয় আলী সাহেবের 'শুহর-ইয়ার' উপন্যাসটি তাঁর পরে লিখিত 'শ্বন্য'তের মতনই পাঠকদের বহু প্রখংসা অর্জন করবে বলে আমার ব্যক্তিগত বিশ্বাস। তাছাড়া বৈশিশ্টোর দিক বিচার TWIN বিশেলখণ কর্লেও দেখা হায় যে, এই উপন্যাসের চরিত্রগালির, বিশেষ করে 'শহর-ইয়ারে'র কথোপকথনের মধ্যে আলী সংহেব তাঁর প্রভারসিদ্ধ রচনা পদ্ধতির নৈপাণো রাজুজি ফাও' হিসেরে আম্রাদের অজানিত বহু মূলাবান তথা পরিবেশন করে গেছেন। এই তাতিবিশ্ব পাওনার অধিকাংশ তথাই পরিবেশিত হয়েছে রবীন্দ্র-সাহিত্য প্রসংগ্র ষার ফালে কবির বহা কবিতা ও গানের অংভনিহিত ভাব ষ্থোপ্যার স্থানে আলী সংক্রের উপস্থাপিত করে। আলোচা চরিত্রটি পাঠকদের মানসপটে মূত ও বাস্তব আকাৰে পেণছৈ দিতে সম্বৰ্ণ হয়েছেন। আর সেইজনেটে হয়ত শবনমা চরিত্রের স্রান্ধীর ক্রতিপ্রকে শহর-ইয়ারের মত আর একটি নারী চরিত্ত শান্টির মধ্যে অকপটে স্বীকার করে নিতে ভল হয় না। রবীন্দ্র কাব্যাশ্রিত হয়ে চ্রিত্রটি এক অস্ধারণ সৌন্দর্য বহন করে আমাদের ভিয়েকে আক্রেড করে রেখেছে। অবশেষে বাড়ভি পাওনা স্ব্রাপ ব্রীক্দ সাহিত। ছাড়া মারে। মাধে। কবিব ব্যক্তিগত দা' একটি ঘটনা গে আলী সাতের অস্নানের কাছে। পেণাড় নিয়েছেন তাৰ জনো ভাঁকে আমাৰ আন্তৰিক ধনবান

জ্ঞানাই। বিশেষ করে উপন্যসের 🙉 হামলায় উল্লেখত, "শুশ্ৰেডম বৃদ্ধে আছু চিহ ল বাদেব প্রেসা হয়ে উপাসনা কর্ম্ম कडे डेक्टिनिय शर्था कवित्र देवलीका क्रीट. য লার তাঁর আধ্যাত্মিক চেতনার পূর্ণ _{পানার} লক্ষণীয়। যদিও কবির আধার্নিমক চেত্রার নিদ্ধনি আম্বা ভার বহা কবিভায় _{গাল} এবং স্বেশির 'শাদিত্রিকেতন' _{প্রের} পেয়েছি কিল্ড ভার দৈনদিদন জাবন যাল পসংগ্র পতাবলী আত্মকণা এমন কি কেন্ত প্রবেশ্বই তার প্রতিপালনের উল্লেখ 🚎 ভার এই ধানী রাপটি আমাদের হারসভর কাল্পনিকভাবেট রেখেডি। ভট উপন্যাসে উল্লেখিত এই স্বাস্থি करित একাদত সালিধা যাঁরা পেষেছেন ভাষে कार्य गाउन मा शाम । भाषात्व সমাজের কাছে একটি নাতন তথা। আলী সাফেবের বলিতে এই ঘটনাটির অন্যাপ আর একটি ঘটনা আমি বহাদিন পার দ্বগাঁহ কিডামেট্ন সেন শুক্ৰী গ্ৰাণ্ডৰ য়ালের সারে ছিলাম । যতদার মতে পাড়ে লিভি কলকভেষে একটি সভাষ বক্তভা প্রসংগে এট উল্লেখ করেছিলেন। সহদয় পাঠকদের করে লিবেদন যে আখার বিশ্লাভিবশত মাদ হুকান সুনাম তুলি প্রিল<mark>াফিনত হয়</mark> তায়েন নিচ গাণে সংকোধনা কৰে। আলোকক সভ ক্রন্ড সংস্কৃতির নিজ কতেকৈ হ'লত ঘটনাটি এই বৃষ্ ্তুনি শাণিতলিকেডেন क्ष काकासील एवं सके सम्मा कराउल काँका জিল সংখ্যাস হাস হাত্র কলাস্থানি কৌটাইল বশ্ভ কৰি কখন খাল থোক উঠে এই সিং পৰা শাহা কৰেন সহক্ষে দেখবাৰ জবন ভিনি ভারতী হয়। ক্রেইছাত কোন একলৈ প্রক্র সাহে তেওঁ ছবিল তুমিল বিগতন হেবা চাকী **ক**রে দেখালেন যে, ফাল স্নান মেরে টিঞ হাতে আসন বিভিন্ন শুদ্র আস্কলনে প্[্] দিকে হ'ব জনে একই ভালাতে বসে মঞ্জ আমার ভার স্থিট সামির সিয়পুটভ টিবেশ্য প্রেম থাওঁক লা একইভাগে বাস থিক ষ্ট্র হাসের ভাগে করালন ভ্রন ^{ট্}রী නයන්ට සැප්පු ආරක ්වුණ කටේම 5 විශ්ර ভিনি কিমের প্রভীক্ষণ বসে থাকেন। ক[া] নাকি প্রভাষ্টের বলেছিলেন - এনাছ সেই क्षांशन करना काशका करत राज धर्नक (^{हरी} ক্ষণে কেমতে পাৰ পাৰ্য দিৱকৈত, প্ৰত্যুগ্ৰ প্রথম সাধ্য ভার প্রথম কির্ণ এই বিশ্বপ্রতি রুপ পথেয় বিকাশ করে এক একটি শংশড়িকে বিকশিস্ত করে পূর্ণ প্রস্ফ*্টিই* করবে আর তারই উপর আলার আনক ফেন নাত। করতে থকাবে।"

পরিশেষে উপন্যস্থির শেষ পর্বাজি প্রসংগ্য গ্রেদেবের "র্পনারাণের কুর্ল জেপে উঠলাম" কবিতংশট্কুর প্রকৃত ভাব বিশেলবণপ্রাক উল্লেখ করে অলী সাংব মথার্থ সাথাকতার পরিচয় দিয়েছেন। কবিব



ভাবিন সায়াহে লিখিত শেষ লেখা পর্যারের নালিক ভাব সমিবেশে কাহিনীর শেষ বেশটকে যেন শেষ হরেও শেষ হতে চার না। তার ইণিগত সেই মহা অজ্ঞানার দিকে। পাঠককে কবির মাছার শেষ মহাতে অস্ফাট উচ্চারিত "কী জানি কী হবে" উদ্ভিটি স্মরণ করিয়ে দিয়ে অসাধারণ নৈপ্রেণ আলী সাহেব উপন্যাসের পরিস্মান্তি টেনেছেন।

অনিল রায়টোধ্রী বিভিল লাইনস , কানপ্রে

- n o n

গত ৩রা প্রাবশের দেশে নৈয়দ মুক্তেব।
আলী শহর ইয়ারের চিঠিতে রবীন্দ্র
সংগীতের যে উন্ধৃতি দিরেছেন তাতে
বেদনায় ভরে গিরেছে শেরালার—একট্র
বাতিক্রম দেখা গেল।

"ভব্দ তোমার অর্ণ অধরে তোলো হৈ তোলো।" কিন্তু রবীন্দ রচনাবলীর (বিশ্ব ভারতী সংখা) ১৭শ খণ্ডে গদেটি আছে,— "কর্ণ তোমার প্রবৃণ অধ্যে

তেলো হে তেলো।"

আগের পিক থেকে শব্দ দুটির বাতিকম

লক্ষানীয় এবং ভাবের দিক থেকেও। কোন

শব্দি শ্ব্দ বাবহার করা হয়েছে জানালে
সাণী হব।

জ্যোতিম'য় অধিকারী গৌহাটি—১

লেথকের বন্ধবা

আমার কছে যে-সব বইপত আছে তাতে সবঁতই কেবুণা। আমি কপি করার সময় বা তেবুণা লিখেছিল্ম, কিংবা ছাপাখানা ছণ করেছেন। তবে ছাপাখানা সচরচের এটকম ছল করেন না।

যতএব অগি, মি লাই; হাফ গিল্টি। সৈয়দ মাজতবা আলী

বিশ্ববিজ্ঞান

মধ্যপক জিতেনবাৰ্ব যে দ্বিভীয় চিঠি
ছাপা হয়েছে সেটির এবং তৃতীয়টির জবাব
খন সংক্ষেপে দিলাম। পরিভাষা নিয়ে তক'
করে লাভ নেই কারণ মতের মিল হরে না।
যে বফাকের গালি পলায়মান মান্যভেদী
তা সবসময় লোকটির শরীরের মধ্যে গিয়ে
ধ্যে যায় না—এ ফোড় ও ফোড় হয়ে জনা
দিক দিয়ে বেরিয়ে যায়। শব্দভেদী সেই
মধ্যে প্রয়োজা। জিতেনবাব্কে আমি
অণ্টা-সনিক, হাইপার-সনিক ও স্থারসনিক্-এর বাংলা পরিশব্দ জিগোস করেছিলাম, মানে নয়। কোন একটি আতস
কীচের একদিক ফুলো এবং জনাদিকে

ফোপরানো হলে সেটা উত্তলাবতল না সব তলোক্তল বলা হবে সেটা কোন দিক থেকে দেখা হচ্ছে বা কোন বল্যে কোন দিক কোন কাজ করছে তার উপর নির্ভার করে কিন্তু আতস কাঁচ একই। বিষম শব্দটি আমারও পছন্দ নর কিন্তু বই-এ আছে বলে ব্যবহার করেছি—চিন্তা করে অন্য শব্দ বাছাই করার সমর ছিল না।

জিতেনবাব্র পুটি প্রধান প্রশেনর একটি ম্বাভাবিক অন্যটি তার কাছ থেকে আশাও করা বার না। বাই হোক ম্থানাভাবের পর্প ২।৪ কথার জবাব দিকিঃ—

(১) শ্রের ষ্ণনি ও আবস্তানের গাঁও বে প্র খেকে পশ্চিমে দেটা নিঃসাদেহে জানা বার ভেনেরা-৪ প্রেরিড বেতার তথা থেকে, আরো জানা বার বে শ্রু দাহা অজৈব তৈল সাগরে আব্ত—ডঃ হারলের এই জন্মিতি ভ্রান্ত। এই দ্বিট আবিশ্বার হালের মায় ২ ৷০ বছর আগোকার ৷ ভেনেরা-৪ শ্রেভ অবতরণ করার আগেই ১৯৬৪ সালের ০০শে অগম্ট আরোভানি-শিরান বারাবাশাফ্ শান্তশালী দ্রবীন দিয়ে শ্রের সাদা মেঘাবরণের উপর ২ কোটি বর্গ কিলোমিটার আরতনের এক কলংকের আবিভাব দেখতে পান। সেটি ছিল আসলে মেঘ গভার ভাবে ফেটে বাওয়ার ফলে একটি গহরে। সেই জারগাটি পরীক্ষা

করে বিজ্ঞানীরা শুক্রের গতিদিক সম্পর্কে প্রথম সন্দিহান হন। ১ থেকে ৪ নন্বর পর্যানত শক্তিগামী মহাকাশযানগালিকে গণনা করে দিন ক্ষণ স্থিত করে উৎক্ষেপ করা হতে৷ মঞ্চলগামী মহাকাশবানকে বেমন প্থিবী ও স্বের গতির অন্কালে উংক্ষেপ করা হয়। সেই জন্য ১ম ২য় ভেনেরা শুক্তে লক্ষাভেদ করতে পারেনি, ০য়টি [']গরে আছড়ে পড়ে। চতুর্থটি ধীরে ধীরে প্যারাসমুটের সাহাবে৷ শক্তের ভূমি দ্পাদা করে বহ_ন অ**জ্ঞা**ত তথা পাঠার বেমন শ্রের হুর্ণন-আবর্তন বিপরীত দিকে এবং বেগ সেকেন্ডে ৩৫ কিলোমিটার শক্তে তৈল সাগরে আব্তে নয়, এবং সে আগেকার ধারণা মত সবসময় চাঁদের মন্ত স্যের দিকে রেখে ছোরে না, প্রথিবীর মতই ছোরে। এইসব আসল থবর পাওয়ার পর কে'চে গ'ডৰ করে, নতনভাবে গণনা করে, স্থেরি দিকে লক্ষা করে ছেড়ি। হয় ৫ ও ৬ নম্বর ভেনেরা পর্টিকে, বে পর্টি শাক্তের কক্ষ অর্থাধ পেণছে পরে দিকে মুখ ঘারিয়ে স্য' কেন্দ্রিক কক্ষ ধরে এগোতে থাকে। ওাদকে শত্ৰু আসাছ**ল** ঘড়ির কটার মত দিকে ঘ্রতে ঘ্রতে ফলে ম ঝপুরে শক্ত ও মহাকাশ্যানের, সামনা-**নামনি** (পাশ থেকে নয়) নেখা হয়ে গেল এবং শুক্তের অভিকর্ষে যান দুটি গ্রহে

ক্লাসিকের নবডম অর্ছা

কমল বন্দ্যোপাধ্যায়ের

ভারত দশনি ৮'০০

কেরল প্রবিটি সদ্য প্রকাশিত হল

[মিশ্রপর্ব ৮৻: মান্রজ ৮৻; কেরল ৮৻]

দেশ দ্রমণের ব্তাহত পড়তে বসে যাঁরা কেবল উপশাসের বিকৃত র্প দেখতে চান না, যাঁরা তথ্যসমূদ্ধ রচনা পড়তে চান তাঁদের জ্ঞানের পরিসীমা বিস্তৃত করতে—এই গ্রন্থ তাঁদের জ্ঞা। তথ্য সংগ্রহে গ্রেষকের ভূমিকায় লেখক যে অক্লান্ত পরিশ্রম করেছেন তার উজ্ঞান স্বাক্ষর আছে এই গ্রন্থের প্রতিটি পাতায়।

प्रमाज-विष्याजि ५ 00

ড়: অর্বকুমার ম্বোপাধাায়, অধ্যাপক কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়

শ্দ্ই স্মৃতিচারণ নয়. এ গ্রন্থ নিজের প্রক্লুদে সমগ্র বাঙালি মনের কথা: কুড়িজন বাঙালি লেথকের ভিতর দিয়ে এক বাঙালি শিশ্র মানস্বায়া, হাসিখ্শিতে যার হাতেখড়ি, রবীন্দ্র গদেপ বিষাদের সংকা যার প্রথম পরিচয় আর বঙ্কিম-শ্রতের উপনাসে যার যৌবনের দীক্ষা।

न्भारे ५०,

বিক্রমাদিত্যের রহসা উপন্যাস আন্তর্জাতিক গোয়েন্দাচক্রের কাষ'কলাপ।

ক্লাসিক প্রেস ॥ ৩/১এ, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাত। ॥ রুমিক প্রেস

গিরে নামল-সমন্ত্র লাগল মোট ২ মাস, আগেলার ৫ মানের জায়গায়। এই সময় সংক্ষেপই তো শা্রের বিপরীত দিকে গতির প্রমাণ তব্ জিতেনবাব্বে বিশ্বাস করানোর জন্য ২।১টি উম্পৃতি বাংলার তর্জমা করে দিলাম হ—

(১) "...এমন কি শ্কের আবর্তানিকও আমাদের জানা ছিল না। তেজসজবস্থিতি-নির্ণায় কৌশলের কল্যাণে আজ
আমরা কেনেছি...বে স্থের সংগ্
আপেকিক বিচারে গ্রহটির একটি ঘ্ণনি
১১৭ দিন (পাথিব) লাগে এবং সে
অবর্তান করে স্থের বিপরীত দিকে...।"
(রুশ বিজ্ঞান জ্যাকাডেমীর মহাশ্ন্য গবেবণা ভবনের অধ্যক্ষ আচার্য কুটের গত ১৮ই
মার্চা প্রকাশিত প্রবংধ থেকে গ্রেছীত)।

(২) 'নবভম তেজস-অবশ্বিতিনিপার কৌশল ব্যবহার করে এই তথা
জাবিশ্বত হরেছে বৈ শরু উল্টা দিকে ঘোরে
জথাং পশ্চিম থেকে প্রে নর, প্র থেকে
পশ্চিমে ।..." ("শরু তার গোপন রহস্য
প্রকাশ করছে" খীবাক, আ্যাকাডেমিশিয়ান
দিশাইলকের প্রবন্ধ থেকে উন্ধাত)!

শ্ব্ৰু উল্টোদিক কাছাকাছি আসার অৰ্থাং মুখোমুখি হ্বার পর ভেনেরার লক্ষা-ভেদকে ভাই রুশ বিজ্ঞান-ভাষ্যকার মিঃ মারিনিন chitting the bull's eye" বলে বর্ণনা করেন—পাশের দিক থেকে কি bull's eye-এ আঘাত করা বার ?

জিতেনবাব, মীন, ব্য প্রভৃতি কেন রাশির সংশা শ্রের গতি মিলিরে দেখলে সভ্য প্রভাক করতে পারবেন না। শ্রের গতি নির্ণয় করতে হয় স্থা বা ল্থক নক্রের অবন্ধিতির সংশা মিলিয়ে।

জিতেনবাব্র জানা উচিত যে ২য় মহাযুদেধর আগেই মাকিনি বিজ্ঞানাচার্য রাসেল এক "সম্প্রসারণশীল মহাবিশ্ব" তত্ত্ ছাড়া সার জেমস জীনেসর স্থান্ট ক্রিয়া সম্প্রিত অনুমিতি দ্রান্ত প্রমাণ করেন। রাসেল বলেন যে অন্য একটি নক্ষ্য **আকৃত্যিকভাবে** সূৰ্যের কাছাক[্]ছ এসে পড়ায় (যা হতে পারে না) সেই নক্ষতের আক্ষণে স্থেরি খানিকটা অংশ ছিটকৈ বেরিয়ে গ্রহ-উপগ্রহগর্মি স্থান্ট করে-জীদেশৰ এই আক্ষিকতা ভিত্তিক স্থি ছাড়া যাঞ্জি সতা হলে, গ্রহগালি সামের আরো অনেক কাছে ঘুরত, সংর্যের প্রচণ্ড মহাক্ষেরি সংখ্য লড়ে এত দারে চলে যেতে পারত না এবং ফলত সৌর গভ'জাত হলে সেগালির ত**্রেমার। আরো অনেক রে**শি হওয়া উচিত এবং সেই বহিগতি অভাতত প্লাজ্যার খণ্ড বিখণ্ড হওয়া অসম্ভব। বদ্তর চারটি দশা। কঠিন, তরল, বাদ্পীয় ও প্রাক্তমা এবং প্রাক্তমার তাবস্থায় কোনো বৃদ্ধর খণ্ডিত হতে পারে না। জীকোর অনুমিতি সতা হলে কাজমার প্রচণ্ড তাপ ও সার্যের নৈক্টাজ্ঞাত তাপে জৈব জগতের উল্ভব অসম্ভব হতে।। তারপর স্যেরি ঘূর্ণন বেগ সেকেন্ডে মোট ১২ মাইল কেন এবং গ্রহগুলির বেগ এত বেশি কেন তারও কোন জবাব রাসেলের মতে জ্ঞীন্দ বিতে পারেননি। ছিতেনবাব্যক অনুরোধ তিনি অটো শ্বিড টের "A Theory of the Origin of the Earth" of B Levin. of "Evolution of the Earth and Planets" 23 wiff যোগাড় করে পড়ুন কারণ স্মিড্টের ততুই আজ স্বীকৃত।

অধ্যাপক শিক্তনৰ ব্যব "স্থোন আবাৰ বাৰ্যিক গতি ি ?" প্ৰশন শ্বনে আবাৰ বাৰ্যিক গতি ি ?" প্ৰশন শ্বনে আবাৰ বাৰ্য হল । বিশবহানাশেওৰ প্ৰভোক্তি নক্ষ্ বাৰ্য (আবিক) আছে। স্থোৱ সপৰিবাৰে ছায়ালখেৰ কিনাৰ কাছ বাৰ্যৰ কক্ষে (ছায়াপ পৰ মৰ্মা কেন্দ্ৰেৰ হ'ব সমৰায়েৰ চাৰিচিকে) একবাৰ আবাৰ বাৰ্য হ'ব কৰাই লাগে ২ কোটি পাৰিল ভাৰ জ্বোতিষীয় ভাষাৰ বাল্য বাৰ্য বাৰ্যৰ বাৰ্য হাজাপ্ৰ বাৰ্যৰ বা মহাজ্বাতিক বংসৰ Galactic or Cosmic Year,

তর্ণ চট্টোপাধায়

স্নুশ্র জান্তাল

গত শনিবার ১০ই প্রাবণ ১০৭৬
দেশিতে স্ফের একটা প্রথম পড়স্টে।
সেটা স্থাকের রেখা। স্থাকের পেনাতি
যে মাধ্যা ফ্টে উঠেছে রথের সেই
দিনগলের বর্ণনায় তা মনকে ঘতিত্বত
করে দেয়। বাংলা দেশের এই জনপ্রির
উৎসবকে এতটা গভীরভাবে আরো কেট
লিখেছন কিনা জামি মা। রপের বিশ্ব কলকাতাক তিনি আমাশের সামনে নমুন
করে উপস্থত করেছন।

ভারতে ভাল লাগছে যে কলকাতাতেও এমন সন্দেব একটা উৎসব হয়। যে উৎসাব প্রাণ ভারে ওঠে এক নিমাল প্রস্যাতায়। যে উৎসাব শিশানুদের, যে উৎসাব শিশানুদের । যত মিন্টি।

म्नीन मृत्थाशाक्षास

यश्चारम्य ।

প্রতিটি গ্রন্থাগার ও ব্যক্তিগত সন্ধয়ে রখোর মত শাশ্বত সাহিত্য

ক্রোনেক প্রভেক্ত

ক্রোনেক প্রভিক্ত

ক্রোনেক প্রভিক্ত

ক্রোনেক প্রভিক্ত

ক্রোনিক প্রভিক্ত

ক্রোনিক ক্রানিক ক্রিনেক প্রভিক্ত

ক্রিবেশক ও ক্রানিক, ১৩ বিভক্ত চাটুজ্যে ক্রুটিট, ক্রিল-১২ (৩৪-৮৩৮০)

দ্ৰু দিকা

বত ২০শে আষ্ট, ১০৭৬ তারিখের
কথাও গ্রীলবিন্দুদ্র চৌধ্রী মহাশাহের
কথাও পাঠ করিলাম। প্রবংধ রচনার
টলেলা ডিক ব্রকিল র না। মদি "সেকান্দের
কথালীর চন্দে দুরী শিক্ষা"—ইহাই বড়ামান
লঠাবের নিকট তুলিং। ধরা লেখকের
টলেনা হইরা গাকে, ডাহা হইলে বলিব যে,
ভা প্রবংধ সেই টাদেশা সফল হয় নই।
তেই বিগত খ্লাক লেখক এক চক্ষার
তেও লা বেনিয়াছেল। লেশিনকারে বাংলা
ক্যাণের একটি অংশের মানুষের কথাই
ভিতিত বলিয়াছেল।

ারিগ্রাব্ লিখিতেছেন হে, স্থাী শিক্ষা-দিবেধী বেগকর ১১ শতাব্দীর "বেশীর ভ্রত ব প্রালীর কাছে <mark>বাহাবা পাইতেছিল।</mark>" ্ট ট্রিটি কভদ্রে সভা, সে বিষয়ে লগার স্থানত আছে। বর্তমান ভারতের চল্লোঠ ঐতিহাসিক আচাষা ব্যেশ্চণ্ড হলহদত মহাশয় ভাঁহার সদা প্রকাশিত গুল্থ र्णतमाभागत-वास्ता गामाव माठमा **उ** নার1প্রগতি"তে "উল্লেখ ন্ত্ৰতি বলা নারী[™] নামক অধারে লিখিডেছেন যে, প্রী শিক্ষাকে সমধান হবিয়া ১৮২২ প্রতীবেদ প্রার্থমানন নিদ্যক্ষর ক্রী শিক্ষা বিধায়ক' নামে ত্রথনি প্রতিত্তা প্রকৃষিত করেন। নাই বংস্থের মধোই ইছার পাঠ সংস্করণ িংপেষিত হয়।" ইহার দলারা ধলকা হাক থে। ^{দুর} শিক্ত সমর্থক কোথকগণত কর বাহ বা পন तहे। अदर एम यहात आक्री नहेंग्स्ट দ্ধী ঘাড় দাই বংসার নিথান্য হাওয়ায় ব্যায়া ্রতে, সম্প্রক্রের দল্ভ কম ভারী វភ.೯೯

জনত বলিভে**ছেন** যে, কে **যাগেব** ^{কিন}েব মেয়েনের করেছে পড়া ডাক গ্র**ক** ালন নট। লেখক কেবলমার হিল্পু সমানের দেখ হরিয়াছেন। কেই ভারু-१५३ राज्य "तिभवविनात्मस्य भूद्धस्यतः समय নত্তি শিক্ষাদনের কেবল প্রচীনপঞ্চী হিণ্ডাল নহে, **রাক্ষ সনভোর অনেকেও** বেরতর ভাপত্তি করির,ছিলেন।" (ডঃ বাদেশ্যক্ত মজামদা**রঃ** বিদাস গর—বাংলা গ্ৰের ম্চনা ও ভারতের নত্ত্বী প্রগতি)। ভা মজ্মেদার তহিত্র গ্রাহেথ রক্ষ সমাজের ন্থপ্ত "ভতুবে ধিনী" প্রিকা (চৈত্র ১৮০২ শকাৰু) হইতে একটি খুৰত্বা প্ৰকাশ বলিলভেনঃ "**দ**টী ও **পরেবে ফা**তির ^{প্রত্}র বিভিন্নতার নিমি**ন্ত দুইয়ের পক্ষে** ^{এক পুকার} শিক্ষা**র উপযোগিত** অসম্ভব। শুকুতি দ্বাচ বতঃ হাদ্য-প্রধান এবং ৈৰ প্ৰকৃতি প্ৰধানত: বৃদ্ধি পুধান। ^{হত্তার} ভাহাকেই প্রকৃত স্তা^নিলক বলা ^{एडेर}े भारत, यादात मर्था छेल्स्मा दास्टाड केंग्रेड धवः शांव केल्प्यमा वृश्यित केर्माछ। বিশ্ববিদ্যালয়ে বি-এ, এম-এ প্রীক্ষয় উত্তীপ হটবার জনা যেবলে শিক্ষ প্রদত্ত হর, তাহা বৃদ্ধি প্রধান শিক্ষা হাদহ প্রধান শিক্ষা নহে: অভএব ঐ প্রকার শিক্ষা ক্রী

সে যাগেও বে মোরদের উচ্চ দিক্ষার প্রচুর সমর্থক ছিল 'ভাষার প্রমাণ পাওয়া যায় কবি হেমচন্দ্র বদেন্যাপাধারের একটি

জাতির পকে উপবাস শিক্ষা নাহ।"

প্রসিথ্য ও জনপ্রির কলিতার। ১৮৮৩ সলে কলিকাতঃ বিশ্ববিদ্যালয় হইতে কার্নাম্পরী বস্থা বি এ পরীক্ষা পাশ করেন। প্রথম দাই বপ্রনারীর এই কভিছ উপলক্ষে কবিতাটি রচিত হয়।" (বিনান্দাগর-বাংলা গদোর স্চনা ও ভারতের নারী প্রগতি—ভঃ রমেশচন্দ্র মল্মানর)। কবিতার ক্রেকটি লাইন এইরপেঃ—

ভঃ অনিলবরণ গপোপাধ্যায়ের

আধুনিক ভারতীয় কাব্য পরিক্রমা

ভারতবর্ষের সংবিধান-স্মান্ত প্রতিটি ভাষায় আধুনিকতম কবিতা রচনার বিবিধ বৈচিত্র। কাবোর গতি, প্রকৃতি, রাঁতি ও গৈলা সম্পর্কে অত্যন্ত ননোক্ক আগোচনা। বাংলা সাহিতেরে নাডভাতী অধ্যাপক ও প্রেরকানের পক্ষে একথানি অপরিকার্য বই। মালা পাঁচ টাকা।

মোহন লাইরেরী ০৫এ, স্ব' সেন দ্রীট, কলি:-১
ফোন: ৩৪-১৮০৮

खब्रुण अकामनीत वहे

অণ্নতট সপ্তগ্রাম ক্ষাট কেন ১০

(ভট্টর অনিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যমের ম্লাবান ছুমিকা স্থানিক)
সপ্তদশ শতাব্দীর প্রারুদ্র সপ্তান্ম পর্তুগীক ফিরিলিগার। যে উপনিবেশ
শ্রাপন করেছিল, মোগল শাসনে বাস করেও তা রোমান ক্যার্থালিক ধর্মথাভকদের অভ্যাচারের কেন্দ্র হয়ে ওঠে। ইতিহাসের হাত ধরে এ-উপনাস
বাংলা দেশের এমন এক বিস্ফাৃত মুগের শোর্য-বার্য, অত্যাচার-নিপঞ্জিন,
প্রথম-ভালবাসার অন্তর-লোক উন্বাটন করেছে যা সকল গ্রেণীর পাঠকদের
অভিজ্বত করবে।

আশ্তোৰ ম্থোপাধ্যায়ের সার্থক নতুন উপন্যাস যার যেথা ঘর 🐠 প্রতিবিশ্বিতা

জ্ল ভেন ॥ অন্বাদক মানবেন্দ্ বন্দোপাধাায়

গভজে মরগান 🤐 স্টীম হাউস 🐠

ব্নীলকুমার গজোপাধ্যায়ের সাথাক রচনা

कारना िष्ठा ००० क्यार कनषोष्टेन २०४०

বিশ্বনাথ ৰস্

ৰিজয় চক্তৰতী

অভিশ°ত স্বৃশরবন ः॥ स्य अस्तियण द॥

পর্ব বাংলার : स५ কবিট। শক্তি চট্টোপাধ্যায় সম্পাদিত। যল্ডম্থ]

পরিবেশক: সিগনেট ব্ৰুশপ: ১২ বঞ্চিম চাট্রেজা স্ট্রীট: কলকাতা ১২

"হরিণ-নরনা শুন কাদ দিবনী বালা,
শুন ওগো চন্দ্রমুখী কোম্দীর মালা,
যে বিজ্ঞারে লিখিয়াছি "বাণ্গালীর মেরে",
ভারি মন্ড সুখ আজি ডোমা দোঁতে পেরে॥
বেতে থাক, সুখে থাক, চিরস্থে আর
কৈ বলেরে বান্গালীর জীবন অসার।"
শ্রীনীরন্চন্দ্র চৌধুরী মহাদার বাংগালীর

শ্রীনীরদচন্দ্র চৌধ্রী মহাশর বাংগালীর বিষ্টা একটা নিবস্থভাব দেখিরাছেন এবং

া একান্ক অপরিহার্য ॥
পি. ইউ., ডিগ্রী (পাস ও অনার্গ)
হারদের কন;
Critical Composition
Prof. M. M. Pal

াংকা কাহিত্যের ইতিহাস
(১৭৬০—১৯৬০)

অধ্যাপক দিলীপকুমার নন্দী

বিশিকা : ৩০/১, কলেজ রো কলিকাতা - ৯

(সি ৬৬২৬)

भूका नःथा अनाम-এ

বিশ্বজিৎ

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(পি-৬২৯৮)

ভাহাতে কিছ:টা বিশ্মিত হইয়াছেন। তিনি লিখিয়াছেন "বাজালীর মানসিক জীবনের এই আলোকের পাশে বেশীর ভাগ বাঙালীর क्रीवरशब অন্ধকারও পরো-যানসিক বে কোন পবি বৰ্ডমান।" কিণ্ড সমাজেই এই "বিস্থটা" থাকা আশ্চর্য নছে। নীরদ্বাব্র প্রম হিয় "স্কেভা ইংলশ্ডে ১৮৬৯ খুন্টান্দ প্ৰশিত স্বামী-দ্যাকে প্রহার করিলেও কোন প্রতীকার ছিল না: স্টাকৈ আটক করিয়া রাখাও স্টাক বিবাহ-বিজেদের পক্ষে প্যাণ্ড অভ্যাচার বলিয়া পরিগণিত হুইত না:..." (বিদ্যাসাগ্র —বাংলা গদ্যের স্টেনা ও ভারতের নারী প্রগতি, ডঃ রমেশচন্দ্র মজ্মদার)। নীরদ-বাব শানিলে আঁতকাইয়া উঠিবেন যে এই সকল ঘটনা ঘটিয়াছে "শিলপ বিংলব" বা Industrial Revolution-এর একশভ বংসর পর অর্থাং যেই সময় কিনা ইংগণ্ড শিল্প ও সাহিত্যে প্রিবীর স্বার উপরে। এই শ্বিষ্টা কি বাংলার "শ্বিষ্টা"-র চেয়ে কিছা কম প্রকট?

ভঃ মজ্মদারের গ্রন্থ হইতে এতবার উম্পৃতি দিবার কারণ একটি। ভঃ মজ্মদার বর্তমান ভারতের শ্রেষ্ঠ ঐতিহাসিক, তাঁহার মতামতকে চালেঞ্জ করিবার মত লোক নাই বালিলেই চলে। নীরদবাবা সেকালের বাজালী সমাজকে বজ্ঞ বেশী হেয় করিরা দেখার চেন্টা করিয়াছেন। সেদিনও যে সমাজের একটি বিরাও অংশ নারী শিক্ষাকে সমর্থন করিত তিনি তাহা বেম লাম চাপিথ। যাইবার চেন্টা করিয়াছেন। ভঃ মজ্মদারের

উন্ধ্তিগ্লি নীরদবাবরে সিন্ধানেত্র সমটেত জবাথ দিতে পারবে।

এবার এক[ু] বত'মানের গিকে ভাকান যাক। নীরদবাবার মতে আজকে নেরে_{দের} निकामात्नम भिष्ठत अकृषि कात्रन रहेल क ভাচারা ভাহাদের অক্রম'লা দ্রাভাদের অম বোগাহবে। यांकित प्रम নহে। মেরেকে লেখাপড়া সিদ্ধান্ত লন পিতা, মেয়ের অক্মণা নান নহে ৷ কোন পিতাই আশা করেন না ফ তাহার পতেটি বড় হইয়া ভানীর কটাছিল আল ধরংস করিবে। কোন ছেলেই ব্রুল কম্যানিস্ট হইয়া জন্মার না, একটি বিশেষ বয়সে সে বখাওঁ বা কম্যানিস্ট হয়। <u>চছা</u>ত বহা পাবেহি পিতা ঠিক করিয়া ফেলেন যে তিনি তাঁর কন্যাকে বিদ্যালয় পাঠাইতেন 🗫 পঠাইবেন না বা উচ্চশিক্ষা দিবেন ভ দিবের মা।

নীরনবাব্ তাঁহার গতান্গতিক ভগালৈ বর্তমান সমাজের নোষত,টিই কেবল উল্লেখ করিইছেন। স্থাী শিক্ষা কোন পথে গোল বেশের ও দশের মধ্যার তাঁহার দেব আছি প্রছেব শাহারা জাঁবন একটা না একটা সংগ্রামে নিয়ন্ত আছি ।" আমি একটা প্রদার্থাত শাহার্থাত সহসা কোন কো লিখিলেই শাহার্থাত সহসা কোন কো লিখিলেই বিবাহিন্দার বাংপারে ঠিক উরাই এইবালে ভালা ব্রিক্রামা না। রব্দিনার জিলেক সংগ্রামী। ভিনি একিংকে ব্রমন সমাজের

श्रकाभिण २ रेला



বারো টাকা

লেখক এখানে উদ্ঘাটন করেছেন খবাধান প্রবিভিলার গ্রুপ্ত সমিতির কার্যকলাপ, 'আগরতলা ষড়যন্ত মামলা'র চাঞ্লাকর কাহিনী, তুলে ধরেছেন দেশপ্রেমিক যুবকদের ওপর ভংগী আয়ুবের এমন সব নৃশংস অত্যাচারের কাহিনী যা জানলে সভাজগত শিউরে উঠবে! উগ্রংগ ফুটনত জলে মাথা চেপে রেখে হত্যা ক'রেছে ক্তোজনাকে, কতো যুবকের চোখ উপড়ে নিয়েছে, খুবলে নিয়েছে গায়ের মাংস। কতো মেগ্রেক যে ধ্যাণ ক'রে নৃশংসভাবে

क ल् श (व त

বিক্ষান্ধ পাকিস্তান

হত্যা ক'রেছে আয়াবের সৈন্যরা তার ইয়ন্তা নেই। তাদের অপরাধ তারা বায়ন্তশাসন চায়, চায় ভাষা ও সংস্কৃতির স্বাধিকার। তুলে ধরেছেন আরো অনেক চাণ্ডল্যকর নেপথ্য কাহিনী যা সাধারণের অজানা। থাইবার থেকে টেকনাফ্ পর্যান্ত পাকিস্তানের সাড়ে এগারো কোটি বিক্ষাস্থ গণ-মানসের একটি অনন্য দিলিল এই গ্রন্থ। সংশ্ব থাকছে দ্বস্প্রাপ্য অনেক ফটো।

সাহিত্যপ্রকাশ/৫।১, রমানাথ মজ্মদার স্ট্রীট, কলিকাতা—১

কুপ্রগান্সিংক হাক্তমণ করিয়াছেন অপরনিবে আবার সমাজাক দিয়াছেন ন্তেদ
অংশকের সংখান। সেখানেই একজন
সমালোচকের সহিত ববীশ্রনাথের পার্থক্য।
কোন সমালোচক বদি রবীশ্রনাথের সহিত
নিজেকে তুলনা করিবার মত দুর্লাহদ
রাখন তাহা হইলে বলিতে হর বে ক্লাইরের
সহিত শ্লাচিকিৎসকের ভূলনা করাও
অসম্ভব নহে।

স্দেব দাস কলিকাতা-১৯

ল্লাটিন শক্ষের ভাবার্থ

> জগলাথ চটোপাধ্যায় শাহিত্যকল

সংবাদ ভাষা ও দাশাপট

েশ' প্ৰিক্ষ পাছ তথা **ভাষ্টেব** সংখ্যা প্রকাশিত র প্রশাসী জিলিছাত সংখ্যাদ হ²⁷ এট ন্ধ্ৰাৰ গু**শছ বিশ্**ষা**ত দোদাপটো** সংগ্রে আহার রিছা ব**ক্**রা আছে। তাতে ্টেল্ডিট ও জলাহা প্রিকার সংখ্যান পরি-াশনত সত্তঃ প্রসংক্ষা কিছা আলোচনা ⁴া হয়েছে যার **প**টভূমি 45 764 ২৪০০ বিহু, ছাত্র কতাক সংযাদপত্র অফিস ^{হাতর} । ব্রেজায়া সংখ্যাদপ্ত যে কী প^{্রিমাণ} মিথনা সংবাদ প্রিরেশ্য কারে ইটাদি লিখে রুপদেশী যে দেল্য স্থিত ^{বরার চেণ্টা} করেছেন, তা এবং 'দাৃশাপটে'র শেশক চিক সেই একই বছবা দিয়ে ভার ^{দ্রাপট্ট} শ্রেট্ করেছেন, যার সাংগ্রাস্টের ^{িবন}েশত সংযোগ নেই। খনেক অভেনাজে ^{তথার} মধ্য থেকে - যেটাকু সারব**স্**তু পাওয়া যার এ দাটি রচনা থেকে তার মালে বস্তব্য ^{দ্ভিড}া১) ব্রেজায়া সংবাদ্পত্র সম্পর্কো যে সব উক্তি করা হয় তা মিথা ও উদ্দেশ্য-গুণালিত এবং (২) বাজেয়ে বিরোধী ^{দল}ীর সংবদপ্রগালির সংবাদ পরিবেশনা 🕲 আরো অসং, হাটিপা্র্ণ ও উদ্দেশা-শ্রীগোলিত।

্থানার প্রধান আপত্তি প্রথম বন্ধুফটি সম্প্রেশ। বিভোগো সংবাদপত্র ও তার ভূমিকা সংশংক একজনের উদ্ভি উন্ধাত কবা বাক, যিনি নিশ্চর একজন ক্মিউনিস্ট ছিলেন না। পাঁকিবাদের অধীনে বান্তি-মান্বের রাজনৈতিক অধিকার প্ররোগ করা কিরকম প্রায় অসম্ভব সেই সম্পাকে আলো-চনা করতে গিয়ে আইনস্টাইন লিখেছেন "Under existing conditions, private capitalists inevitably control, directly or indirectly, the main

source of information, Press . . . It is thus extremely difficult, and indeed in most cases quite impossible, for the individual citizen to come to objective conclusions and to make intelligent use of his political rights (Einstein: "Why Socialism", page 10 M. R. Press).

কেন মনীবী **আইনস্টাইন ক্রম্** লিখলেন? সমগ্র প্রক্**টিডে (wbs**

COLLEGE BOOKS

[Calcutta, Burdwan & North Bengal University Course]

	ডঃ সতাপ্রসাদ সেনগ্নেপ্ত প্রণীত	
1.	পাণ্চান্ত্য সাহিত্যের সমালোচনার ধারা (M.A. Course)	7.00
l	ডঃ হরিপদ চক্রবতী সম্পূর্দিত	
L,	क्वीन क्वत्रवंत्र्य (Hons.: N B U. & M.A.: Calcu	tta &
	Gauhati University	10.00
	For P. U. & University Entrance Examination	
	অধ্যাপক চোধারী ও অধ্যাপক সেন্তাপ্ত প্রতীত	
1.	তক বিজ্ঞান-প্রবেশ (Deductive & Inductive)— ওল সংকরণ	6.50
	CU and N.B.U as a Text hooks	
	Degree Philosophy Course (Pass & Hons.)	
	অধ্যাপক প্রয়োদরন্ধ সেন্ধ্র পর পর্বাত	
1. 2	দল নের ম্লেডেক্ট (ভারন্থারি ও প্রেম্ন্র, সম্প্র গ্রেম্ব্র — ১৯ স্থান্তর	15.00
_	Thiogen of the control of the contro	8.00
3.	ভারতীয় দর্শন (২য় পর্যায়) —for B. U.	2-00
4.	भागाता मनाज (Western Philosophy)— तत्र त्ररण्डाव	7.50
6,	TIBLE FAIR (for B U Part II) - 57 PERSON	10.00
6.	नी डिविकान ६ महाक्रमर्थन— ५६ हाइस्टर	15.00
7.	मीडिविकान (Ethics)— १३६ प्रस्कृतन	8.00
8 9	সমাজদর্শন (Social Philosophy)— ed সংকরণ	8.00
.,	भरनाविष्ठा (Perchalam) — ३२ शस्त्रदेव	15.00
111	Handbook of Social Philosphy—2nd Edition	12.00
11.	শশ্চান্তা দশ্ভালন সংক্ষিত্ৰ স্থানতাস – হাসামত সাওঃ বেকন্ –হিউম	6.00
	EDUCATION COURSE	
1	ভাষাপক প্রসাক্ষরত কল্প প্রবীত্ত	
2	শিকা-তত্ত্ (Principles & Practice of Edu) = ২য় সংক্রব	9.00
٠.	ভারতের শিক্ষা সমস্যা (Indian Edu, Problems) -তয় সংকরণ	12.00
3	অধ্যাপক সেনগৃংক ও অধ্যাপক বায় প্রণীত	
υ.	শিক্ষা-মনোবিজ্ঞাত (Edn Pec with statistics) – ২য় সংকরণ	16 00
	B.T. & BASIC COURSE	
1	অধ্যাপক গোরদাস হালদার প্রণীত	امما
	Code Singles	8.00
3.	11. 1 miles and miles a callatable (1800) of Civics)	10.00
٠.		- 1
1.	ভাষাপক ঋতেহদক্ষার বায় প্রণীত শিক্ষা-তত্ত্ব (Edu Theory)= ২৪ সংস্করণ	9.00
2	Comment of the Control of the Contro	
•	অধ্যাপক সমন্য এ সংস্কৃত্ত সংস্কৃত্ত : অধ্যাপক সমন্য এ সংস্কৃত্ত সংস্কৃত্ত :	[4,00
1	<u> </u>	16.00
-	The second of the cost with statistics,	
	BP BANERJEE PUBLISHERS	
1	MAN BULLEKAEE LABRIDUEKS	·]

CALCUTTA 9: Phone: 84-7234

socialism?) তার পরিচর আছে। এক কথার প'্লিপতি প্রেণী তার হাতে থা' কিছা পাবে তা' কেবল নিজের প্রেণী-স্বার্থে লাগাবে এবং তার মলে কথাটা হাছে "for puofit, not for use" (উক্ত প্রবন্ধ, পান্ডা ১১) মনুনাফা, সর্বসাধারণের প্রয়োহানের জনো নয়—এই হচ্ছে পাছিপতিবলের

भ्का भः या अनाम

२०ई वाश्वित

প্ৰকাশিত হৰে ৷৷ দাম-৪-৫০

(*オ-ヒマカセ)

भारते आपतित

#AT 9.80

বিশির (অর্চ প্রস্তার্নিকর নোটিব-জীবনী ও জংগ্র সংখ্যাম-বহন পুনিসুন নীবন-বেদ। ॥ অসংখ্যা দুজ্জান্য দৃবি॥

• श्रीकृति नारतियः (काम्नाति • १२) महाका गासी दगढ, कति- •

একজিমা রোগ

সোরাইসিস দ্যিত কত বক্তদেহ বাতরক ফুলা, শ্বেত-দাগসহ আরও জনেক কঠিন কঠিন চমারোগ হইতে মাজিলাদের জন ৭২ বংসরের চিকিংসা কেন্দে চিকিংসা গৌন। হাওড়া কুঠ কুটীর, ১নং মাধ্য গোষ লোন, খার্ট হাওড়া। ফোনঃ ৬৭-২৩৫১। শাখাঃ ৩৬ মহাস্থা গাফী বেডে গোলিসন লোড। কলিকাডা—১। প্রেবী সিনেমার প্রেক

अजिक्ष प्रभावा वावजाशी **लक्ष्मीनाताग्नने उप्डादा**त



বিশুদ্ধতায় সবার সেরা লঙ্গনীবারায়ন ভাণ্ডার ফার্মসর্মিদের ক্রেক্টাক্রাল रह्माशास । जरह साव करना करमाराहणाक সভা সম্পাক বিদ্রুত করটা ধ্বই প্রোজনীয় হার পড়ে। এবং তার প্রমাণ আমরা অহনিশি পেয়েছি। আমরা কি ভলতে পারি রমা হোলা যখন বলগেডিক বিশ্লাবের আদশাকৈ পারে:পারি বিশ্বাস করে স্বহারাদের পক্ষে কলম তুলে ছি লন. তথ্য তদানীকুল করাসী বাজোয়া সংবাদ-িক বারহার প্রগালি তবি সম্পকৌ এটাও কি বিসমূত হওয় কংবভিক ২ হামাদের প্রেক্ত সম্ভব হে, যথন র শিষ্টার বিশ্লবকে **সমথ**নি করে রবজিন্নাথ তবি ভয়ালা ডিটিগুলি লিখা**ছন** তথন তলন*িখ*ন বার্তিশ ব্যক্তায়ে প্রেম মেই ডিঠিয় বর্ষা গ্রন্থিক প্রতি কি 'স্থিয়ার' কার্ডিস ই এবং মাত্র কয়েক বছর জালে মনীখী বালটাত ব্যসন্ত ভিষ্যালয়ত ওপৰ একটি চিঠি প্রতিযেতিলের নিউ ইয়ক টাইমস পতিক হ। উৰু পতিক ডি তাসেল সাহেবের বৰ্তাটিকে বিকল কবে প্রাক্ট অথ্য তাঁরেই ব্রেথক পরিচিতিতে প্রকাশ করে কী নিলাক্ত দিখ্যালের কার্যাহল—ক্ষেত্রীও কি ভলে বাওয়া স্ভব? রাফেল সাহেরের (Crimes in Vietnam' গুলেখন একটি মধ্যম কাড ব্যক্তিয়া সংবাদপারের এই নিলাক্ত ভিগত-চারের বিষ্ঠাত বিষয়ণ আছে। জানি না, ताशास्त्री करता गरासम्बद्धा क्रमा कराना কিন। (অংবাজেনে শ্নেও ন জান্ব ভান করছেন, ধুকননা বহালপ্রচলিত একটি পতিকায় প্রতি সংতাহে অতথ্নি যাগজ ভাষে এইসব বিষয় নিয়ে লিখে হাস্টেন चक्र क्रे प्रकृष्ण शरद इस्राज्य *स*्टरका বিশ্বাস করা কন্সাধা।)। মাল কথা গ্রাণীন বা মারু প্রসোধলে যে কণ্টা কোনে গ্য ফেটা একটা বিশা**ন্ধ ধা**ণ্প । পাণিব[ি]ট কোণায় কথানা মা**ড' প্রেস**িছল না, জালো নেই কি ধনতালিকে দেশে কি সভাজ-ত্ৰিতক বেশে। সংবদ্পর স্বতি হব মালিকের সংখেতিক সেব। করে মানিক কথানে পারিলপতি, কথানে রাষ্ট্র এবং একথা মানতেই হার যে, সমাজ তালিকে নাল্ বুল্লায় হল প্রিপত্রির সাক্ষাণার চুটান কল্পান ক্রান্ত করে ও করতে বাধা। 'রপেদশী' ও নবার্ণবাব্র জনতাৰে আৰু একটি তথাৰ নিৰেসন কর্মিটার প্রেট্র হাতে পাড়ে বর্ণজম্বাধীনতার এবং সংবাদপত্তের স্বাধীনতার ক্ষতির অনেক বিশ্তুত যুক্তি থাকা সড়েও যুক্তরান্টে ডাঃ রবার্ট হাচিনস্-এর পরিচালনাধীনে "The Commission on Freedom of the Press" শেষ প্রশিত এই উদ্ভিত্তি করেন :

"Protection against government is now not enough to guarantee that a man who has something to say shall have a chance to say. The owners and managers of the press determine which persons, which facts, which version of the facts and which ideas shall reach the public" (Commission's Report; 1947)

এর পর নব র্ণবাব, কি আলোকপার করবেন জানতে ইচ্ছ করছে। এই কনি-শনের রিলেপ ট এবং আইনস্ট ইনের প্রোদ্ধ উম্প্রিটি কি যথেপ্ট নয় ?—বলা ব্যালা এ দাটির কোনটাই মাকসিবাদীবের না।

্রাল্য দিল্ডীয় ব**ভু**বা সম্প্রত সম্প এট যে—একটি পার্থাপা সংবাদপর _{গত} এক লিক্ষা প্ৰ-কথ্যনাই এক কল লে পাৰে না। এইং ভালনামালক বিহাস সংক্রা হাব এতটাক জ্ঞান আছে, তিনিই জন্ম-দ্যান ধর্মের ৭০টি বিক্ষেত্র বা বৃদ্ধুর লগেন লাল সম্ভব **অস্থান বৃদ্ভ ব**াতিসভাত ল্যে কোন ভলন চাই না। এবং *ভ*াই comparative studies or 1.5 দলীয়া পর কথ্যাই একটি পাণাগ্র THE GRAP IN COURT OF THE PERSON SER. মিষ্টেই জনিয়ে দিকে যে দকের উপলগেই ତାର ଆଦିବଧାର **ଓ ଆନ୍ତଳ। ମ**ଞ୍ଜା ନମ ধ্বহা, নালৰ দাখিউড্গাট্কে যে প্ৰধান रमारहे। अदर शांदा स्कीश श्रीरदा शास्त्र ভাঁল: একল জেলেই পড়েন –িজেৰ একট দলীয় দাণ্ডিয়োপ প্রকোকিছা **ঘ**টা: দংলো আইতিহাকে হয়নত জানে। নিম্ভ আনক ব্যান্ত্র ব্যাহার্থার হড় একটি সংবদগর iga, fram midfig gia fare bit পুলু হয়ু^মন্ত্ৰী কৰা আছে আছে সপুৰু পিছে সংগ্ৰহণী কৰা কংলো একগাভ চুত্র ফলীকার কালে নাম ম অসংক। সংঘ্ৰহণ সভান কৰা হয়ছে। 🖒 हारूका द्वाराको सुक्कान् ज्ञादा । किर्मुकेहार् किंद्रप्रस्करण ভূমনায় পুসেধা। इक्श के तक । का उत्कर रहा दिस्पार गाँद रण हो। **बारस्यहास्त्र हो १**४३)यकार ८ অনাভ্যাত ডাতের গালন একটা বিভাট সংবাদ প্র প্রতিষ্ঠান । তার বংলোকার প্রেম এবং ভাষ্ঠা **কমা**টে বী ভাৰেটা—কলমাজিক টেট প্ৰেল্ড বা আনুৰ হাত্ৰ তাৰ কাল কাল কাল বা কাল ব স্থল্যত হজুৱি কুন্ LIGAT TRE THE RIVER THE PICE হম্মার জানি নাল্ডান্ড (বি ভাল্ডা)**ছ**ে বিভ জনন্দ্র করে সন্দর্টে রুপে করে স কলকাতার বেশির ভাগ হেট্রাতার। মাজিপ্ট কলিউনিস্টাদর ভয়ম 🖲 প্রেছিল **রাই সং**্থিক <u>295)[77</u> পরিণত করত। করেনি হার কালাল একটি প্রোণ্য সংবাদপত্ত কথনেই 'গণশ^{্ভ} EE. 1

স্তরং হৈহেতু আনক্ষরজ্ঞার পরিবা নিজেকে থেগান্টীর সংবাদপত বকো কানি ন করেন না এবং যেন্ডেত্ এটি একটি প্রাণ্য সংবারপত্—ভাই কি গুনগুল কি প্রাণ্য গুল, কোন দিক গোকট গুন্ধভিত্ত সংগ এর তুকানা হলে না

> আমিতাভ চটোপাধাৰে ৰাৰুড়া

'সাহিতা আকাদেমির নতুন সভাপতি

কুপতি ওঃ জাকির হোসেনের মাড়াতে
সাহিত্য আকাদেলির সভাপতি-পদ

শ্বাহ হলেছিল। আকাদেলি স্বাস্থাতিভূমে
কেই প্রে নিবাচন করেছেন জাতীর



न, नी छक्त्रात हट्टोशायतव

জনাপক স্কৃতি কুমার স্কৃতি পাধারক।
সংস্কৃতি কুমার জন্ধ বিশ্ববিদ্যালয়ের
উপাচ্যা ডঃ আবা কে প্রীনিবাস আরোপার।
স্বিতঃ আকানেমির প্রথম সভাপতি
হিলেন ক্রেরলাল নেবের,। তবি পর,
ভবেবের দুই রাজ্পতি, ডঃ বাংকুকন এবং
ডঃ জানির বিলেন সভাপতি ইরেভিবেন।
এবার এই স্ফানিড প্রেপ্তি হারভিবেন।
এবার এই স্ফানিড প্রেপ্তি হারভিবেন।
এবার এই স্ফানিড প্রেপ্তি হারভিবেন।
বার এই স্ফানিড প্রেপ্তি হারভিবেন।
বার ডাই স্কৃতি কুমার স্কৃতি প্রাধার

লেখাকর পানজান

বৃশ হোষক ভানাটোলি ভালিলিছেছিচ
ক্রম-বেচ ব্রটিন ভাল্লর হাগণ করার শরী
ভার নাম ববল করে ছন। এখন থেকে ভারী
বিভাগ নাম এ আনাটোলা। প্রেরটনা নামের
সব রচনাও তিনি আস্বীকার করেছেন।
নিজের প্রস্তুন সন্ত্যা সম্পার্কে তিনি উলি
করেছেন শ্রীকুমনেংসভ ছিলা একজন পোষ
মানা ভাতু লেখক। রুশ দেখে তারি রচনার
সপ্রেণ অংশ কখনো ছাপা হ্রমি। শ্রুম্
কন্যান্ট গাসনা ব্রশ্বার জ্বরটান করা
ছঙ্গা ওখনে আর জোনো রক্ম প্রাধীনতা
নাই। সে তাই মেনে নিয়েছিল। আমি এখন
গ্রেক স্বাধীনভাবে লিখতে চাই।

কুঝ নংস্ক্ত-এর উপনাস বার্যি-ইঅরে বিশ্ব খ্যাত অজ্ঞান করেছে। রাগিয়ার শান্তিশালী তর্ণ লেখকদের অন্যতম, তরি ৩৯ বছরের কাবিনে কথনো কোনো বেচল বেঘ বার্যান, ১৯৫৫ সালা খোক তিনৈ রংশ ভূমান্নিকট পাটির সুদুসা, বহুবা প্রচারিত ।

MARIN MARINE

যায় পরিকা শইরেরেনাস্টা এর ভবিষ্ণ সংপাদক হিসেবে তার নাম ছেবিত হরেছিল। জন্ম বাবকদের দলে ভিড্ডেও তাকে কথনো দেখা যার নি। এই রক্ম একজন লেমক কেন দেশতাগে করতে সাধ্য হলেন তা নিশ্চিত তোল দেখার বিষয়।

ক্যানিংস্ভ (এখন প্রাণ্ড ভাকে ও নামেই करान्द्र रहा कर्ता है। क्का हर, के बाहर है के हाइब তিনি এখনও লেখা শ্বের করেন নিন্ন হয হিটেনে আগ্রয় প্রা**থ**ি হলেন, দেটা **কো**নো অক্তান্ত সংগ্ৰহ লয় ৷ গ্ৰহ্মান্ত বিষয়ে রুশ ধর্মিনী প্রেট্রের প্রেই তার জন ভেড বার, অন্যাম) - আনেক রাশ লেখকের মতন। চেকেন্সেলভাকিয়রে স্থানার ভারপর আনেক জড়িল। প্রতোক মনোবের জনা খান্ত্ৰ প্ৰয়োজন-এটা যেমন সূত্ৰ তেমীন মন্য শ্ৰেষ্টেটি খেলে হ'লে না'—এটাও সভা। াই সমস্ত দেশ খাদা ও নিরাপ্তার বাংসংগ করতে পেরেছে সমস্ত মানাবাসর— ্সেই সমসত সেলে মান্ত্রেক বাক ও চিন্তার প্রসংগ্রিভা রেখ দেওবা হার না? কিলের বাধ, ? কোথকর: একটা দেশের ভি ক্ষতি করবে? যদি শাসন্তশ্য বা কেন্দ্রীর নীতি বা সমাজ বার্থপার কিছু সন্মালাচনা ক্রেট ওঠেই লেখকদের কলমে—তা হলে সেগ্রেলা গোধরাবার চেন্টা না কার, লেখকদের সমাল করার মধ্যে কিসের সামাবাদ? সমাজতশ্যী দেশের যদি প্রধান্যশ্যী বা প্রেসিডেন্ট



আনটোল ভ্যাসলিরেভিচ কুমনেংসভ

হচ্ছেন, সাহিত্য-নীত নিধারণে তাঁনাই কি
নিজাল বিচারক? এ ঘটনা বার বার শোনা
গোছে, স্টার্টিলন, রুক্তেড বা কোসেজিন কোনো বিশেষ প্রশ্ব ছাপ: হবে কি হবে না
—এ সংপারো বাজিগত নিগোল বিজ্ঞোন
(পাসেত্রনাক, সোলাঝেনিংসিন এবং

বিশাখার প্রথম বই প্রকাশিত হল

একালের প্রেমের কবিতা

प्रस्य पता ६ मीडि जियारी

দাম চার টাকা

রাজলক্ষ্মী দেবী, অর্থকিশ গৃহে সিক্ষেত্রর সেন, পাল্ডকুমার ছোষ, স্নীজ বস্তু, পরক্ষার মাখোপাধ্যার, সমারি রারচৌধারী কাল ছোব, গাকেরানক মাখোপাধ্যার অবলাক সর্বার ওরণ সানাজে কবিতা সিংহ, ব্রাক্তার চক্তবর্তী, অলোকরঞ্জন লাগগোপ্ত, আনক্ষরতারী, পালি চট্টোপাধ্যার পংকর চট্টোপাধ্যার স্বদেশরজন দেন স্থানীল গ্রেপাধ্যার বিশেশকু পাল, মোহিত চট্টোপাধ্যার, স্বাজিশ লাশগান্ত, বিনয় মন্ত্রামার, লাশক মন্ত্রামার, সালে বারচৌধারী, সমারক্ত সেনগান্তি সাধ্যার, মান্ত্রামার বিশেষপ্রাক্তির ক্ষাতির ক্ষাত্রামার করে।

চৌতিশ জন কৰিব একশ ছয়টি অমর কৰিতার সংকলন।

্ বিশাশা/২৮।১এ গড়িরাহাট রেড/জ্ঞাট নং ২৫/করি:—১৯ প্রাণ্ডস্থান ঃ দাশগুল্ড এন্ড কোং, করেজ স্টাট/ডি এম শাইন্তরনী, অশোক বৃক্ত সেন্টার্ গড়িরাহাট কংশন

(ল ৫১১৪)

শলোকভের ক্ষেত্র)—এ ব্যাপারটা কি অতাত অস্বতিকর নয়? সাহিত্য নিয়ে ও'দের অতথানি মাথা ব্যথা কেন? পাল্ডেরনাকের উপন্যালে যে বিক্লেবের খানিকটা ভিন্ন চিত্র ফুটেছে, ভাতে কি ক্ষতি হয়েছে সোভিয়েট দেশের? নিত্নকেরা স্থেবাগ নেবে? অতএব বিশাল দেশেরও নিত্নাক্ষদের ভয়? এডই মিদ ভয় হয়, তবে প্রাণ্ডা কি একশো বছরের জন্য কাব্য-সাহিত্য রচনা বন্ধ করে।
নিলাই হয়—শেলটো বেমন তাঁর কলিপত
রিপার্বালকে কবিদের বাদ দিতে চেরেছিলেন।
সতিটি তো সাহিত্য-শিলপ তো আর
মান্বের থাল্য-বন্দের সমস্যার কোনো কাজে
লাগে না। সমাজতক্তী ব্যবস্থার চেকোদেলাভাকিরা প্রভৃত উর্লাভ করেছেন, সেথানে
এখন মান্বের মনের প্রাধীনতা দিলে কি

রুপে দাড়ার—সেটা কি দেখার বোগা ছিল
না ? আজ সামাবাদের চেহারা নানা রকম—
যুগোস্লাভীয়, রাশিয়া এবং চীন প্রস্পর—
বিরোধীভাবে সামাবাদী। চেকোদেলাভাকিয়ায় তার আর একটি নতুন রুপ
দেখা দিতে পারতো—সেখানে সৈনা পাঠিয়ে
কঠ রোধ করা সমস্ত হাঁতি ও শ্ভব্থির
প্রিপ্রা

চেকোপেলাভাকিয়ার ঘটনায় বহু রূপ লোখকের মধোই বিক্রোভ দেখা দিকেছে। অগ্রগা লোখক THE SECRE এর পরিষ্ণ > করেছিলেন। এই ঘটনার ভারা বাবতে পোরেছেন, শাস্ত চেকোপেলাভাকিয়ার নঃ ব্যাদিয়ারে জ্ব লেখকরা रकारना স্বাধীনতার জানা দাবি *জানালে* জাতের লাভিও একই ব্যবস্থা অবলাদ্বত হরে। লেখার স্বাধীনতা না-পাওয়াই লেখকানে প্রধান মুম্নিটোর কারণ হয়। যারা স্বার্থপর বং স্থিবধারাদী নয়, দেশদেরতী নয়, বিদেশের টানে প্রপাশ্ব নর-মারা শাধ্য ভাব প্রকারের স্বাধনিতা চায়, সেই সমস্ত লেখাকের ওপাৰেও যদি স্বকাৰী থ্ডাইস্ত নামে ভাবে ভাষের উপয়ে কি ৷ আর, যে-লেখকের সায়ানাত্র আত্মসম্মান্তরার আগ্রেড ভিটি কিছাতেই সহাক্রতে পারেন না—ভাব নিজের লেখায় অন্য কার্ডে কটিচ চালানো। রাশিয়ায় অনেক জেখকের রচনাই সম্প্রা অবিকৃত ভাবে ছাপা হয় না। বেমন, ক্রনেংসভের হয়ন। তার দারি উপনাস "বর্চার ইআর" এবং "ফ্রেয়র"—র্চাট্টই কৈছ, অংশ কাটা গ্ৰেছে ৷

रहरकारम्माङ्गीकशात घडेमात अत रथरकरे কঝানংসভ দেশ ছাডার সামোগ খাজ-ছিলেন। সংযোগ এসে গেল, হখন তিনি লোন্দের জীবনী রচনায় হাত হিলেনা रलोनस किञ्चानन कांग्रेसिक्टलन कांग्रेसि, रत সম্পরের তথ্য আহ্রাণর জন্য তিয়া লংডনে আসার অনুমতি পান। লণ্ডনে স্ব সমরেই তাঁর সংগো একজন বাশ সর্বলারের প্রতিনিধি থাকতো৷ সোহো এলাকার শিষ্টপটিজ দেখতে গিয়ে সামান্য সুখোগ পেয়েই তিনি আত্মগোপন করেন এবং একটি সংবাদপত অফিসে গিয়ে ভার বিবাভি দেন। তিনি আগ্র ভিকা করেছেন বটিশ সরকারের কাছে এবং তা অনুমৌদিতও হরেছে। রুশ দ্তাবাসের কাছে প্রথমে এ সংবাদ এতই বিদ্যায়কর লেগেছিল বে তার সভাতা অস্বীকার করেছিলেন। স্বরং রাশ রাণ্ট্রন্ত কৃষানেংসভের স্থের একবার দেখা করতে চান। কুঝনেংসভ দেখা করেন নি, বলে পাঠিয়েছেন, আলে চেকো-স্লোভাকিয়া থেকে সৈন্য সরিয়ে নেওয়া হোক, তারপর দেখা করবো!

সনাতন পাঠক

সপ্তম বর্ষ রবান্তভারতী পরিকা শাবণ—আন্বিন ভূতীয় সংখ্যা

লেখকস্চী । রবীদ্রনাথ ঠাকুর (চিটিগত), ভূদের চৌধ্রেরী (রধীণ্ট-কবি-প্রতিভার উন্মেষপরিচর : 'প্রভাতসংগতি') হরেন্দ্রচন্দ্র পাল কৌব মিক্সা গালিবের কাঁবন-আলেখা), সাধনকুমার ভট্টার্টার্ব (লেচের শিলগতত্ত্ব), হিরন্দ্রন্দ্র বিদ্যাপাধারে (ভারতদ্তি রবীন্দ্রনাথ), রমা চৌধ্রেরী (সপ্তান্প্রপতি'-খন্ডন), দিলীপকুমার ম্যোপাধারে (সংগতি ও বাংলার মাটাশালা : গিরিশ যুগ), ভাষরভূষণ মজ্মদার (আলোচনা : 'গ্রাচীন কোচবিহার : ভাষা ও সংক্ষতিচটা'), ভ্রত্যের দত্ত ও অলিভিক্সার ঘোর (গ্রাথস্সালোচনা)।

চিত্ৰসূচী । গগনেশ্বনাথ ঠাকর (চিত্রিত ।।

তৈমাসিক সাহিত্যপত্র। প্রতি সংখ্যার মূল্য এক টাকা।

বার্ষিক চাঁদা চার টাকা (সাধারণ ভাকে) ও সাত টাকা (রেঞ্ছিল্ট ভাকে)।

রবীন্দ্রভারতী বিশ্ববিদ্যালয় । ৬/৪ গারকানাথ ঠাকুর লেন্ কলিকাতা-৭ পরিবেশকঃ পত্তিকা মিণিডকেট প্রাঃ লিঃ।১২/১ লিণ্ডসে স্থাটি কলিকাতা-১৬

ন্তন ন্তন বই		সদা প্রকা	শত	5		
नील बन्मत	n	মাশাপ্ণা দেবী	11	0.00		
শ্বপ্ন-সায়র	u	ববীন্দুনাথ ম্থোপাধ্যায়	u	A . 00		
बा णीवाञ्जे	11	বিমল সেন	11	0.00		
তৰ, গঙ্গা ৰয়ে চলে	11	রমণীরঞ্জন গ স্গোপাধ্যায়	11	R-00		
নামান্তর	u	ভাষ্কর	11	२. २७		
স্য পতনের দ্শ্যে ^{কোবত}	u	শিবেন চটোপাধ্যায়	11	₹.00		
তেউ ভেঙ্গে পড়ে	n	রুমণীরপ্তন গঙ্গোপাধ্যায়	 Il	9.00		
घेकात द श्लाल		আদিতানাথ মুখোপাধাার				
চন্দনপ্রের কাহিনী		অ-কু-ব	11			
·মনে পড়ে	ll	সভোবকুমার দে	11	২ ∙ ২৫		
ম্পেনের কবিতা	u	শিবেন চট্টোপাধ্যায়	ll	₹.00		
HISTORY OF INDIAN E	DU	CATION—PROF. DATT.	A.	6.00		
-		৭, নবীন কুন্ডু লেন, কলি—১	-			

(त्रि ७७४७) 📑



वरे পড় शांत सांि भ

অগায় অসকোৰ' আশান্নপে বিভি হলে না

অখ্য করা গিয়েছিল বিংগীয় শব্দকোষ খার কম সমায়ের মধোই নিঃশেষিত হবে আরণ বংলা ভাষায় ঠিক এই রকম প্রামাণা শব্দকোষের প্রয়োজন এখন নয়. ব্রবীদুলাথের সময় থেকেই ছিল। অক্রাণ্ড গ্রিখ্য, অধাবসায় এবং বন্ধা যায় সারা-জাবদার স্থানার ফসল শ্রীষ 🕏 হারচরণ রতেরাপাধায়ে আমাদের হাতে তালে শিয়ে _{ব্রভেন্ন} কিন্ত অভ্য**ন্ত দ**ুঃখের স্থেগই গুলিকার করতে হাছে, এই মালাবন ক্রাটির চাহিলা বিভিন্ন শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের হত্ত এখনত তেমনভাবে অন্ভত হয়নি। হলে বুংব **ঘরের মধো** নিমের পর দিম মা<mark>থা</mark> হটে নিরাপায় বস্তাবদরী হরে বইগালি ବ୍ର ପ୍ରତ୍ୟା ଅବହେ ଓ ହୁଏକ । ଓଡ଼ିଆ ভাভরম বঙ্গা ভ্**ষ**য় এর **অনুস** लक्ष कि।

ভারকার সংকলকে আভিধান প্রণয়ন প্রসংখ্যা হালাদ্র বহুল বিশ্বভারতীর শৈশবাব্দ্যা, ব্যাসাম্ভা-নুস্ট সমায় একলিন কথা প্রস্থা পাজনপাদ কবিবর আমাথে বার্ডলা ভ্রম ত্রহানি অভিযান প্রফার কথা ষ্ঠালয় হিলেন। তথন আ**প্তান**র ^{বিদা}র্থী-গণর পঠের কোন সংস্কৃত পঠা প্রেত ভিল 🚉 কলিবলের নিবেশি ন্যার প্ৰসতত প্ৰৱেশ কেনা কনিতে ছিল্লম। ম্ভিতং ভথমই ভাষার কথাম,সারে আভি-ধ্রুর করে হস্তক্ষেপ করিতে পারি ন ই : 'সংস্কৃত প্রবেশা রচনা ক্রমে ক্রমে তিন খাত স্মাণ্ড হটকো আমি একদিন কবি-ব্যৱস্থা নিকটে পূরে প্রসংগের উত্থাপন করিয়া অভিযান-সংকলনের ইচ্ছা প্রকাশ করিলাম। তিনিও আমার ইজান্সারে আনক্ষের সাতে ভংকারে প্রান্ত হইবার অন্মতি বিলেন। তুলই পিন হ'ইছেই আমি ভাৰীয় অন্তিরুমে অভিধান রুদোয় নিরত হইলাম। অভিধান প্রণয়দের ইহাই মাল কারণ। সে অনেক্রিন প্রের্বিই কথা তথন ১০১২ महारा ।

১০১২ সাল থেকেই কাজ শ্রু হর।
১০১৪ সালের ১৬ চৈত প্রথম শ্রু সংগ্রহর
সমাণিতর দিন। তারপর সংগ্রহীত শ্রুনালা
মাত্কারণান্ত্রমে জিপিবন্ধ করতে প্রায় দ্ব
বছর কেটে বার। ১০১৭ সালের বৈশাথের
প্রথম দিকে শ্রুনান্ত্রমণিকা শ্রেব হর। পরে
বাঙলা শ্রের সংগ্র বর্গনিক্রমে সংস্কৃত
শ্রুন সংবাজন, শ্রের ব্যুৎপত্তি ও শ্রুট
প্রয়োগ ইত্যাদির কাজ চলতে থাকে।

অভিধান রচনার কাজ কিছা, দুরে

এগোনার পদ্ধই প্রকট আধি ক অস্থিধার মধ্যে পড়ে হরিচরগবাব্ ক জ বাধ র খাতে বাদ্ধ হন। বিষয়তি রবীন্দ্রনাথের কামে আসে। তিনি মহারাজ মণীন্দ্রনাথের কামে বাধিক সহযোগিতার প্রস্তাব করেন। রবীন্দ্রনাথের প্রস্তাবে রাজি হয়ে নণীন্দ্রনাথের প্রস্তাবে পরে চার বছর ও০-০০ হিসাবে ব্যক্তি দেন।

১০০০ সালে আধ্যনিক বাঙ্গার প্রসিদ্ধ কবি ও সাহিত্যিকদের বাছা বাছা সাত-চল্লিশটি বই থেকে দ্বিতারিবার শব্দ সংগ্রহ ও সংযোজন করে হরিচরপবার আগের পাণ্ডুলিপির সংকারের কাজ আরশ্ভ করেন। 'শব্দকোষ' বই আকারে প্রকাশ করার আগ্রহা বিশ্বভারতারি ভিজা কিন্তু গ্রাহিক্ অস্ত্রাবিধার জনাই তা সম্ভব হস্তরি।

রবন্দিনাথের প্রশংসাপ্তন্থ কলতাতা বিশ্ববিশালারের কাছেও হাত্তব্যব্য বহুটি প্রকাশের জন্য আবেদন করেন। পণ্টুলিপির কিছা অংশ অন্যান্তান্তনর জন্য প্রপাধ করা এর, ভাতিধানখনি প্রকাশ্যমান্তান্তন কলিকাতা বিশ্ববিশালার মন্তব্য করে বিশ্বু এখানেও ব্যধ সাধ্যান্তিকা। বিপ্র্যাধ্যমান্ত ব্যধ করেও বিশ্ববিশালার স্থান্ত করেল না।

এতেও হারিচরণবাব্য নিরাশ হুননি। অভিধান প্রকাশের জানা অভাৰত কাণ্টের সংখ্যা তিনি কিছা টাকা সংগ্রহ করেছিলেন। ভা নিজই কঞ্জ শ্রে, করকোন আশা ছিল শ্বদ্রকাষ প্রকশিত হলে গ্রাহকদের আন্ত্রোলা ধাঁরে ধাঁরে কাজ চলতে থকরে। কিন্তু শন্তব্যাহের আর্থেক খণ্ড-সংখ্যা ছাপ্যা হাওয়ার পরই ত্রেমে অস্যারিধে দেখা দিল, পরে অনা একটি প্রেসে ছাপার কাজ শেষ হল। তথন অভিধানটির ছাপার থরচ প্রধানত গ্রাহকদের টাকাতেই ডলেছে। বিশ্বভারতীর প্রান্তন ছাত্রছাতীয়া কবিক বা এককালীন কিছা সাহায়ত কারছেন। ভাছাড়৷ প্রছাদ ববীন্দ্র রচনাবলীর বিজ্ঞাপন ছেপে বিশ্বভারতী যথাসাধা অথসালায়া करहाइन । ७३७ व दिश्वजाराजी, पारदावन ছাত ও বন্ধ্বগোর আনুক্রলো দাঁঘা চৌদ্দ সম্পূৰ্ণ প্ৰকাশত বছরে অভিধানটি হয়েছিল। কিন্তু সে সময়ে টাকার অভাবেই বেশী কলি ছালা সম্ভব হর্মন। পাঁচ ভাগে বিভিন্ন অভিধানটি অবশেৰে নিঃশেষিত

তারপর বহু বছর কেটে গেছে,
প্রমিদ্রণের কোন ব্যবস্থা সম্ভব
হয়নি। হরিচরণবাধ্র জানিতকলেই সাহিত্য আকানিম এ বিষয়ে
উৎসাহী হয়। পান্চমবংগ সরকারের
অর্থান্ক্রো সাহিত্য আকানিম নতুন
সংস্করণ প্রকাশ করেছেন। তাও প্রায় দ্বাধ্য
হয়ে গোলা। শুটি থাতে প্রকাশিত এব্যটির

দান ৫০-০০। এই স্বৃত্থ অভিধানটি নাহিতা আকাশনির পাক্ত এই দাশে দেওরা সম্ভব হত না যদি না পশ্চিনবশ্য সরকার অর্থসাহায় করতেন।

আগের ভূলনার শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের
সংখ্যা বেড়েছে, পাঠাগারের সংখ্যাও গ্রন্থর বিশ্তু বংগারি শব্দকোয়-এর মাত একটি
প্রামাণ অভিধান সংগ্রহের প্রয়োলন দেখা
দিছে না। ভখনকার শাহ্তিনিকেতন শিক্ষাভবনের সংস্কৃত অধ্যাপক হরিচরণ বংশ্যাপ্রয়োরের সংশীর্ঘা ছবিশ বছর কঠোর
পরিপ্রয়ের মাল্যায়ণ তব্বি উত্তর্গধকারীদের
ভাগত মানেস করে হবে কে জানো।

'হাস্তি বাকের উপকথা' ও 'দ্টৈ স্র্য' হিন্দীতে

লোৱালংকর বাদরাপাধ্যের জ্ঞানপীঠ প্রেম্করে প্রাণ্ড বই গণ্ডেবতার হিন্দী অন্তেম প্রকাশিত হল্লছে ১১৬৭ সংকো। জ্ঞানপতি প্রকাশ করেছেন। 'গণনেবতা' হিন্দীতে জনপ্রিয়তাও পোরছে প্রভুর। সম্প্রতি হিন্দ্রীতে অনুযাদ হয়েছে হাসালৈ র্যারের উপক্ষা' ও 'সাই পার্যে'। বইও বেরিয়ে গেছে। অন্যাদ আর্ছেন হংস্কন্ত তেওয়ারী। স্থানালি বাঁকের উপক্ষার নাম ১০-০০ ও পাই পারেষ' ৩-০০। 'গুলকেবড' মালহাকী মও আননাৰীৰ ইংস্থা। অনাবদ করছেন এবি বয়া। কাজ প্রায় শেষ হয়ে এমেছে। পাল্য পঞ্চাশং এরও হিন্দী অন্বাদের কাজ শেষ হায়েছে ৷ অমাবার করেছেন রঙ্গনাথ রাকেশ। ছাপার কাজ শেষ হার প্রাজার আগ্রেই। এটিও **জ্ঞা**নপঠি প্রকাশ করছেন।

'প্রতিনিধি সংকলন'

বাংলা হিন্দী, পাঞ্চাবী, তামিল, তেলেগ্ন, মারাঠি, পা্থরার্টী মালয়ালাম, কানাড়ী—প্রত্যাকটি ভাষার প্রতিনিধিশ্যানীয় নাটাকারদের বাছাই করা নাটক নিয়ে হিন্দীতে একটি সংকলন প্রকাশিত হায়ছে। বাংলা থেকে নাটাকার মন্মধ রায়ের একটি নাটক এই সংকলনে অন্তভ্তি করা হয়েছে। প্রকাশ করেছেন জ্ঞানপঠি।

হিন্দতি 'দেৰতাকা হিমালর'

প্রবাধকুমার সান্যালের বিধ্যাত বই দেবতান্থা হিমালর। এর হিম্পরী অন্বাবের কাজ শেষ হয়েছে। আগামী দ্ তিন মাসের মধ্যে তা বই আকারে প্রকাশিত হবে। এটি সম্পাদনা করেছেন গ্রীমতী কুম্থা কৈন। ভারতীয় জ্ঞান্পটি প্রকাশনার দায়িছ নিমেছেন।

পতজাল শৰ্মা

প্রক্র

উল্লিখ্য আফিকা। তংগা সমা আন্দর-धाता श्रकानमा । ५, मा भाउदण उन मधीति, • **বল্**কাডাভা-১১। দল ১১ টাক।।

আফিলা সংগাল উপনাহখিলাগৰ সাক্ত ধারণা ত্রোপাধ আজন ব্যারকে সহিছ বলে বিশ্বাস করেন। ইংরেজী থেকে देखिङ्क सम्पर्वापन्य कथा रहा*नि*स्स दश्या ভাষায় আভিকা সম্পানে প্রথম ২ই প্রকাশিত। হয় ১৮৮৪ সালে: লেখক শ্রেকাল দিত ১৮৮২ সংলে ফিশ্র-জভিয়াম অংশ গ্রহণ করেছিলেন। তরপরেও এলে ভাষয় এই বিষয়ে যে-সৰ বট্ট বেলিয়েটে তা প্ৰথমত ছিশ্র দক্ষিণ আফিবা ও আবিসিন্ত কে বেশ্য করে। তে টা অভিয়ক্তার এক সংগ্র ৰ এলৌ পাঠকের স্মানে তলে ধরতে । মত



জাহিনা জট অভাব আনেভটা প্ৰণ হয়বে : প্রসংগত বলি শ্রীদন্ত আহিকাতেই অহাপেনা করছেন। অন্যাক্তা সম্প্রতা হয়ে হয় জ-মনত এক্ষা তাই বইটি পড়ে কিছু ই ইভিস ইঞ্ছি ইটিছ সাটাde I

প্রথম কর। তেওঁ রেলখক মহানের গর ভানসম[্]ট্র নাত্রিক মালোচন করতে গিড় আড়িৰ লা আহিলা। ভাষিত্ৰস্থীতের স্থল্পেট ত্তি ব্যৱহা স্থীয়াবৰত বিভাগতেন উভাৱ-

অ্ফিকার দেশগুলির জনস্মণিত ৯০০ মেহাতে স্থান পায় নি । দাস-বাবস, ৬ ৯ আবদ্ভ কাৰ মহানেশের বিভিন্ন জন্ত বিভিন্ন সমাভাবাদী শক্তি বিভাবে লেভতৰ খাসল প্রিট্যা করল কোমক তা ভারে 🖫 করেছেন। ইউরে পরিক্রো বে-সর এলকস বস্তি স্থাপ্ত করেছিল। সেন্সর এলক্ষ ভাষ্ট্ৰিক উল্লেখ্য হ'বছ হ' অভিকাৰ সাং-প্রথম ভামহানি সমায়ের স্থাত হয়। এর ৮৫ কেকেনে হাত **অভিনান সমাজে** হাত। এন হীল পোৱা ছিল না S. BORE BARRY ভাষামিতিক উচ্চতাল চেণ্টা মতেছিল *চত* ন্থাত ভালত বহ[়]েছিত ভালত আছিল হল কেলেছে **অ**ংঘটিতে 137.3 ভাষ্ঠিলী প্রতিজ্ঞানিক তাহিকত আলিকত agin lateress S 177 57. 3 **2017** 27.31 <u>ଆର୍ଥ୍ୟ ଅନ୍ଥ୍ୟ ଅନ୍ଥ୍ୟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଓ ଅନ୍ଧ୍</u> আন্তিকান আনুধানাক্র কথা আহে . ত র প্রে হালি জাজ কেশানীস ও স[্]ষ্টিত প্রার্থি জেন জন্ম 🐧 বর্মনা করে। ই টেটে। ক্র কিকার স্ব ধ্রীন প্র 20,000,000,000 ভারাকের (জয় রাটি উর্রেখ্যার গা ১০) চ্যাপ্র গলে। প্রথম্ কিটোর মহাযাপের সময় নিভিন্ন স্কুজনাকী ক্রিক সেন্টার্ম गढ़ कि चाह के कुलगातन बेजिया है। अप হুদ্দ এর হতন হারেই উল্লেখ্যের। 🗈 জন্ম সভুভালাদী শ্জন প্ৰস্থাৰ স্থাটিছ সংগ্ৰেম ডাম্মিন নুমের ডাম্বের সংগ্র কুক্তিক প্রাপ্ত হ'ত ১০ জনস্থা জানুস হ'ত আন্ত্রিক্ত ভাষ্ট্রীর । হে শ্রেষ্ট্রীর সমত ভাৰত জলসভা হটো নিভাগিছ, সম্প্রতিক্ষারে অভিনয়ে ক্লেম প্রায় সভাতে জালিক্ষত লালছে বইটিতে 🕫 रकार जाकाहर, प्रार्थे। अवह दर्ध जारी সভাতের জন্য সাহায়ের। সাক্ষরণার অর্থানার कार्यकार बाही एड क्या वर्षिक द्वार द হয়াক অন্যায়কাল প্রসেক্তিল কান বিধেয় ধারণার সাংগী হারেছে ৷ ৫৫৮৮ ইটাৰেপপৰ বৰ্তমান সভাতাৰ আগে যা ফকাৰ য়ে একটি উল্লন্ত সভাতার অফিত্র বিজ্ঞ এই ভাষ কেবল আফ্রিকা নয়, আমেরিকার নিয়েল-আনুদ্দ সমাক্ত যে প্রভাষিত করেছে: নিলো-দোধক জেগস বলাভইনও তা উটে^ক করেছেন। আর্ফোরকান নিজ্যোচনত প্রাসা-शादाब एवं १५०११-अन्धादन राम ४६७ मी. এই ধারণার জন্য সামাজিক অসমানের সামনেও তাতা আভাবালা আর নিজেনের নিজ্যে বলে প্রিচয় বিত্ত অসমল্য বেশ

চ্ছেখক পানে-**জ**াঞ্জিকার জানুন্দার্জনের কথা বস্তাত গিয়ের গারতের "আফ্রিকার ফিরে চলে।" অ্রান্ত্রন ও ডু ক্রেসের ভূমিকার

4 4 6 1

সৰে বেৱাল

ৰোম্মানা বিশ্বনাথমেৰ নতন উপনাস

भारत (अय

বিষয় কৰিনেৰী আছে সেকলের, তাল বিছ, আছে একালের - কিন্তু 'শাধা প্রেম' যেন এ-বাল সেকালের। FIR : \$ -50

র পম্ভরী-(छेशसाम) महत्त्वमाथ निर्द 0.00 প্রণয় বিচিত্রা—(প্রেমের গলপ) বিধবরাম চকর ভার্টি .00 শশী কবি— √डें∞राष्ट्र । क्षशीन्त्रराष्ट्र नामंश्र⊘ 0.00

স্টেপিট ৩৫-ছি সুহ সূদ হাড়ি, বছিলচোচ

ভারত রা বাতনা কিশ্ববিদ্যালয়ের সিলোলস EL CAN DISCOURT

HISTORY PREPARATORY SERIES (M.A. Modern History) কেন্ত্রেক্ত ভাষ্টির : বি. সোক্তম-এ

ভদানে ১ হিশিষ্ট অৰ বেংগল

(2900-2920) 29-00

- २ विश्वि अक देश्किया (2434 - 2284) উইध एभमान त्रका-त्तन हैं दें क्यान न्यानाल ब्राह्मकाल
- ० मि बिड़ाल देण्डे मि कात हेम्हें कि माजिय ইস্ট এশিয়া ইন শি নাইনটিনথ 9.2 हेर्यन्धि स्नन्धित्र
- ७५, ज 🕓 कर्मान्डीविक्रेनामास ্ৰি পি एक रशहे विस्कृत ५५.०० (2583 g 40 g 138)
 - ८ इंगोत्रसामनाम
 - ৬ হিণ্টি অফ প্রিটিকাল थाउँ क्षम महाविद्यार छन्। है (TF)
 - ५ हे जनगणनाज्ञ **क**श्रीका होए**क** भाग अ·ङ **१डे**लान (১৮৭১) ५ महार्थ देखेलाल (५५५५)

এম এ ইংগালে ও অনানা প্ৰেক তালিকার জনা লিখনে

চলভিকা । নবখন কুড়ে লেন (কলেড বোর ভিতরে), কালকাতা-১

करा आलाइना करतस्य। फ वरराम स्व ংশ্র ব্রুসে আমেরিকান কম্যানিস্ট পারিতিও ্ যোগালা কর্মোছালেন, সে-তথ্যও যোগক প্রায়-ভাগিকান কিল্ড E 10 C CE .! ভাষেত্রটার এক সমরোর নেতা *এছ* গ্রান্ত্রের নাম বইটিতে একেবারেট পথান গ্রামা **কমিন্টানেরি আ**ফ্রিকান-বাংগ্রের চীয়ে প্রভ্যোর রাশিয়া ও কম্মনিঞ্চ ভাগ ্ রতে জাতিনের শেষ দিন পর্যক্ত গামেন তাফকান আপোলনে নিজেকে নিয়েজিত প্রভারতন। এবং দ্বাধান খানা সরকারের ্রত্তের ভিস্তা**বট মারা বান** জ**র্জ** লাভায়াবের নাম অন্জেল্থ আরও তকটি ক্ত বাণ ভিজ্ঞাসা পাঠ্যকর মনে এক খিলিড হলভোবের স্মৃতিই করে। করেণ তিনিই একার স্বোক খিনি গোটা আফ্রিকার কথা গ্রাহার অজন্ম বটা প্রতিকা ও প্রবিশ্ব ৪৯০ করেছেন। তা ছাড়া ১৬১ প্রাঠক লভিত উপনিবেশের সংগ্রহত হয় স ভ্রুতিরাধার পার্থাকার আক্রোচনা প্রথার সমূল জড়া প্রান্তমোলবর "প্রান্ত আমিকার টারাম লগু কলানিকল্প স্টুলিক এক দেশ লগান্তব তংশ পিলেতের কথা মনে পাড়ে

6:4/39

ক্ষুন্তিতীয়া আদ্দান। তাজানন নিজী-লৈত প্রভান কলী মৈলী চালা কম লিখিল বিজিনা, ২০০ নেতালী সংহয় বিজি কলিও ক্ষুন্তা নাতালী হাতাল

মধ্যের কথে। তথ্য ই গ্রেস্থ প্রা सहरुत्तर कामाद्राच दक्षते विश्वयदे व्यक्त হাসিকের কলে হাছো। এবন্দার কার্তির সংব্যাস সং হ'বতা, সহার জার একটি এই ভাষা মুট্∳ জালুড়ের প্তাহরারণ বিটি≉ भाजन्यक्रम द्वारक अन्ति वर्गयाप्रहानी १५३ গাড়েছ বিশ্ববিদ্যালয় **সংখ**িতা সংখ্যানীতে তথ্য কৈ নিৰ্ভিত নিয়োভন কলা হ'তে এবং ও সংগ্রুত বন্দাবির ভার্ট ক্রেবেল নিজে দেই ন্ত্ৰে কেবল্যার জাীবিত্ত নয় সংইস্কের ধেশের মাজির জনা নিজেপের <u>টু</u>ঙরী ৰার্যোজ্যকা ভারট একটি সংক্ষিণ্ড বিবরণ এতে প্রকাশ করা হয়েছে। এই সংগ্র আছে নিবালসভ বন্ধীদের মধে। যাঁৱা সেলালারে থাকতেই শহর্তি ছয়েছেন ভাতের কভকজনের জীবনী। পরিশিক্ষে জাবিত ও সংগতি বদনীদের একটি তালিকাও প্রকাশ করা ইয়েছে। দ্বাধীনতা সংগ্রাম নিবালৈত শ্রুটিনের ক্থা জানতে প্রবৃত্তি সহায্য 47.71

প্রাপ্তি ব্রীকার

মোলা গণ্যা। বৈশ্বেক্তন্থ চুস্থান্ত। স্টান্ডার্ড ব্যান্ত ক্ষাম্পানী : ১০/১ জি টি লোড, হাওড়া-১। মুস্তা ০০০০।

শরংকের। গোপাসকম রার। মহিত্য

স্থা : এ ১২৫ কলেজ প্রীট মাকেটি, কলিকাতা-১৯৮ মাল্ড ২০০০০

Chaitanya His Life and Doctrine by A. K. Majumdar. Bharatiya Vidya Bhavan. Bombay 7. Price 8s. 25.00.

পাতার বাঁশী। সংগাদনা : শ্যামাপ্রসাপ সরকার। এভারেস্ট বাুক হাউস : এ১২/এ কল্পেজ স্থাটি মানুকটি, কলিকাতা-১২। মাজা ৩-০০।

মোজতার ও জনতার। শ্রীরাধানরতার খোর। ৩/৫ নালর মা সেনা ২০%, করিকাতান্ত। মালে ০-৭৫।

পরাধীন ভারতের মাজি সংগ্রাম। ভাঃ স্বাধীরেণ্ড মৈচে ডেল এন ঘোর সংগত সংসং ৬ তাকিল চাড়ালি স্ট্রিট কলিকাডা-১২। লাক ১-৫০।

চাদে নাৰেন মানা। তঃ বংশকের ৪টুড়ার । জনম জানান ঃ ১১ সংযোগক। তে স্ট্রীট, কলিক জান্ম : ১৩ ৪ ০০

Wings of Love & Random Thoughts: by Acharya Rajaneesh, Morthal Barratioida of Burglow Road Jawahar Balih, Delhi-7, Price 5.50.

Statistical Elucidations for District Administration in (West) Rengal: by Ramondia Narayan Nag. Charsic Press, 3 1A Shyama Charan Di-Street, Calcutta-12, Price 1040.

বিদ্যালয়ের। এখন এএ এই ক্রেনির চা চার চার তিন্তা এটেও প্রতিক্তা প্রচাহত লিখাটিও হয়ুক, ধর্মতের স্টুটি, ক্রিক এছেবা জ্বা ১-লেক

গ্ৰহণ সৰ্গান। ১,৮ (৬৯) ও ইন্ধেন হ মন্ত্ৰিত আনন্দ্ৰিক সংগ্ৰহণ উপন্থ প্ৰভাগনীঃ ব্যাহ্যাবিশ্বাৰ সংগ্ৰহণ, কৰিব এন্ধ্ৰ মান ওলেও

দানীয়ে হাউদ। হাজে ভোগা আন্তেপ: মান্তেন্ত ব্ৰেলগোহায়ে। অব্লো ভাকাদনীয় ব্ৰোগ্লেমীকাদে লাভাল কোন কাৰ্ড ভোগ ম্বেল এনকা

প্রান্থ করে ক্রামি একা। রণীজন চনত। হিন্ত প্রকাশন ও দেবলীকে ১ বিবৃত্ত সর্বাই, ক্রান্থিকের চন্দ্রকার বিকাশ

কিন্তু নাটক নয়। তাপিনা্ত চলচ্চিত্র প্রকাশন ১ ১৩, বিভিন্নবিহালী কালন্ত্রী মাটিট্র কলিকাতা-১২৮ মালত ৩-২৫।

রবীকে মনন। এনিধিকুমার জানা। বিজ্ঞানক জাইতেরী জাইতেওঁ জিমিটেও : ৭২, মহাজা এদেধী রোড, কলিক ডো-৯। মলো ৮০০।

শ্যর প্রহর। আবেরল বলি বান। ফতিয়া হাডুনার এহ, পরিবাহরে তেও, বধ্যান। যালা ১-৫০।

সন্তাট ও রাজনির্বাটি বিষয়ে চেটিগ্রেটী। উলল্ভীবাটি ধনিচ্ছোলী, ২৪ প্রেম্বাটি মন্তা ১-২৫ । ্ **হে'ড়াপাতা।** থোপাল মলিক ও স্থামিত ছেষ। নিউ ওয়েত পাৰ্থলিখিং কো-পানী : ২বি সিম্পেশ্ববদান লোন, কলিকাতা-১**২**। মালং ৩-০০।

শতবৰ প্ৰের ৰাজ**লা ও ৰাজ্ঞানী।** জীলতবিশ্যার কাল্ডাগ্রেনী। জীবনিক্ষান্ত ব্যাক ঃ ৩/৭০ বিন্যাল্যরে পক্ষী, কলিকাতা-৫৭। মূল্য ৫-০০।

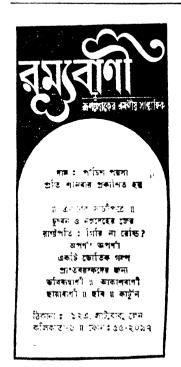
গণতকের সংকট। নিম্নিকুমার বস্থ। মেরিট পার্বলিশাস : ৫১ বিধ্ন সর্গী, কলিকাডা-৬। মালা ১০০০

হিনির দেশে দেশে। নিথিকরঞ্জন এর। ছত্র শিক্ষা নিকেতন : ২ বিশ্বেম চাউর্জি ২০০১ কলিবাতা ১২। মালা ৬০০০।

শ্বন্ধ নারক। সংগ্রেক্টার ছোব। প্রশ্ব প্রকাশ : ১৯ শাম-চরপ বে পর্যটি, কলি-কাড:১২। মুলো ৪-০০।

জ্যোতিষীর দ্বিটিতে শ্বাদশ রূপন। (নিথ্ন পরা) শ শ্রীকলেয়েনী জ্যোতিঃশাস্থাী। ভাগ্য-চর পরিকার ২২ ছেনা ম্বাহি ১-৫০। ক্যাক্টাসা। ক্ষা ব্যাহি গ্রহণ রূপ প্রতিক্যা টালেয়, ক্ষাক্তা-২৯। ম্বাহি ১-৮০।

জাহিবত স্কেরন। বিবন্ধ কয়। ০০০ তথাকা : ৭ ম্বলিকানার দ্ব ফে একক ডেড। ম্ফেডেবের।





प्रभूत उँव जाञ्चात कण वृक्त्यावि वृद्याष्ट्-शार्ल थाकः ताता वृक्त्यावि ज्यशूर्व स्वाप्तव विस्कृति अथस (७वी शुराष्ट्र !





বিষ্কৃট

आऊर अक भग्नक भार्ल किल तिन!

আগনি খুনীয়ত বেছে নিম!
কার চাইতে ভালো, যতি সবগুলিই খেছে
দেবেন। ক্লেক্সেন্, ওৱালে, স্পিন-এইচ,
চৌক্ষাহিচ্যে,। সবই তৈনী হরেছে ভালভের
এক অতি আঙুমিক বিশ্বুট ফাাইনীতে এবং
সবণৰ গেছনে হয়েছে ৩০ বছরের বিশেষ আন।
ভানতের সবংগুলে বংগী ভানতির নিষ্টি ও
বোধা বিশ্বুট শ্বুকো ও মোরেকে শ্বুবছ খানার
পার্গে ছাড়া আনি এই বা এরন শ্বুবছ খানার
এনে বিত্ত আপনারের কাছে।



神事本 非事を持ちたっているのでは、











everest/566 8/PP

কুমার মুখাজীরি দ্মাতি বহনকরী শীলেজর ভাতখোগিতা অভীতে শ্বাধীনতা বিবসে অনুভিত্তত তা এসেছে এবং শ্বুলের ছাতদের কম মুলো খেলা দেখার সুযোগ দেওরা তথেছে। মুশিদাবাদ জেলা দেপাটস আন্দোসিয়াশন যদিও ২৩ আগস্ট খেলার নিন ধার্য করেছেন। আশা করেব, ভারাও ছালো কর প্রসায় খেলা দেখার সাংযোগ বেনা।

बाजाकी बनाम **सवाशामी**

্যত হ সলিম ইউরোপীয়ান সংশ্রী. ক্রান্ত্রী-এই পাঁচটি দল নিয়ে আরোজিত - কল্ডানে লাব কিকেট প্রতিযোগিতায় সাম্প্র-্ৰাসক এব গ্ৰন্থ ছিল বলো মহাত্মা প্ৰথমীৰ ভাবেৰক পোটাগোলার বিকেট প্রতিযোগিতা নদ হ'ল লিখেছিল, আনিভ বেলার মধ্যে ৪০০০ সাম্প্রদায়কতার কদ**র্যা সেহালা ফার্ট** 40% বেং পাঁচ দলের পার>পাঁরক প্রতি-দ্ভিত্য হালে <u>প্রকৃত সংগ্রামণ্</u>কুল্ভ ে তাহিত যাথেটে প্রিচ্য জিল্লেক্ড এবং ান বাধালেও পোটাপ্যালার বিকেটের ফলো ভাৰতীয় ডিজেট **সম্ভৱ হাতেছে বহুল** প্রমাণ। তবা দেশের ওখনবার **সাম্প্র**-মাধ্য আৰ্থ্যভ্যা **আত্ৰণত দায়িত হলুয়** প্রার জাতির জনকা ভবিষয়তের কথা চেল্র পেচ গলেরের প্রতিক্রম **করেছিলেন। সেই** ম্প্রতিক প্রাদেশই নেশ সাংভাগ **হয়ে** ০০০ কণ্ড দেশের বতমিন জাবহাওয়া গণ্ডত প্ৰতাহ উধেন কথা কথা কলা **চলে**

াই চানদায় পাত্যার কাঁচা কাঁচাটির

তিত্যান যা বাংগালাই কা মা তব্যব্যাকার

তাশানি ফর্টবল ছেলার আন্নালন সমাচিনীন

তিনী চেবে বেখা দরক রা অবশ্য খেলাকে

ইবা নিজক থেলা হিসাবে ধরে নেভয়া খাল

চবা খেলে মাড্রদের মধ্যে পাকে প্রকৃত

তালাটিসমানেস দিপারিট তারে নেজের কিছাই

তিত্যা সমানা কার্যান বেংগাল মাত্রাধে ভাঠ

তিবা আই ধরনের খেলার আন্নোল্পন না

চবাই বাঞ্কাহিচ।

ৰ্বাড়্যা স্পোট'ং

িটের ডিভিসন জিকেট লাগৈর রানার্স এবং জানিয়র নক-আউট চ্যান্সিরন বড়িবা দেপটিং এর এক ক্যাক্তা শ্রীপ্রদেশে স্টার্টার সি এ বি-র কাছ থেকে বিজয়ীর বিকার গ্রহণের পর ক্লাবের গ্রাপ ছবি সহ অফিসে হাজির। অন্রোধ, তাঁদের ছবি গণেতে হবে। ক্রেকে বছর ধরেই অপর পা তাঁদের মাথের গ্রাস কেড়ে নিরেছে। এবে রাবের প্রথম সাফল্যা। ছবি ছাপলে শেলায়াড়রা অন্প্রেরণা পাবে, আরও ভাল বৈগরে, তাই একটা পাবিলিসিটির আবদার। খ্যারথবর নিয়ে জান্তে পারলাম, খ্যা



জিকেট জন্নিরার নক আউট বিজয়ী এবং নিরতীয় ডিভিসন চ্যাম্পিয়ন বরিবা ম্পোটিং ক্লাব

ছোট আকারের সচ্চন্য ধেকে ক্লাবটি আদেত আংশত বড হজে এবং এই কাবকে কেন্দ করে বভিষা অঞ্চলের যাবকদের মধ্যে মান্ত-রকামের বেলাধালা, জনহিতকর ক্মাপ্রচেটা আর সাংস্কৃতিক ভাববিনিমরের উলেওে। ওবের ক্রীডাপান অক্সফোর্ড মিশন মাঠের কোন সময় বিরাম নেই। জিকেট মবসায়ে किरको काजेदन भवगारम काजेदन करा खाए সময়ে আংথকেটিক কেণ্টাস ভালবল ইত্যাদি। ক্লৈকেটে গ্রুবারের ফলাফল খ্রেই স্তেষ্ট্রক। লীগে রান্স এবং নক-অউটে বিজয়ীর সম্মান ভাডার প্রচিত থেলার উল্লেখযোগ্য সাক্ষা। কয়েকজনের নামের পালে। সেপ্সারের অংক। ভিকেট মরসাম আরম্ভ হাছে বেশ কিছা দেরি আছে। ইতিমধ্যে ওদের পরিকলপ্রা আরুম্ভ হয়ে গোছ। প্রদোষবাবার প্রতিল,ডি-'আপনি ছবি ছাপুন, সামনের বার আমরা আরও ভাল গেলবই গেলব'। সেই জাতিশ্রতিতেই বড়িয়া সেপাটি'ং-এর ছবি ছাপ্ডি।

একলবা

এ.সরকার এণ্ড সঞ্চ সন মাণ্ডে মাণ্ড সঙ্গ জবলেট এম.বি.সরকার ট্যাডিশ্যনাল জয়েলার

১৭১|১**এ রাসবিহারী এন্ডিস্ম** ব্যালিগঞ্জ কলিব**য়ন্তা** ক্ষেম: ৪৬-৬২৫৮

ৰত'নান রাজনৈতিক পটভূমিকার রচিত বৈপারনের নতুন উপন্যাস

रघता ७

\$.00

গোৰিক বৰ্মাণের নতুন রহস্যা - উপন্যাস

রক্ত গোলাপ রাত ৫.৫০

রাহ্ল সাংকৃত্যারণের নীহাররঞ্জন গ্রেণ্ডের সিংহ সেনাপতি পোডামাটি ভাঙ্গাঘর

R·00

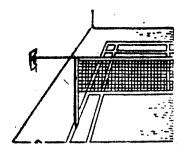
ভারেইটি পার্বজিশাল : ১৩, কলেজ রো, কলিকাতা-১

(সি-৬৬৮৮)

বাংশার সম্ভাহেই লিগেছি, ব্যাভামিণ্টন হিনডোর থেলা হিসাবে গণ্য। স্কুলাং আইনের ধারার উদ্রেখ না থাকলেও ব্যাভামিণ্টনের হল তৈরোঁর স্পেলিকিকৈশন বা মাপজোক সমেত নিরম আছে। সে আলোচনা আইনের ধারার পরে। এখন দুই নন্বর আইন।

CHIEF

্ ২। জাল খাটাবার পোলেটব উচ্চতা হবে 'সারফেস' বা মেঝে থেকে মাথা প্রবশ্ত ৫



পোষ্ট ছাড়া নেট খাটাৰার নিয়ন

ফটে ১ ইণি বা ১-৫৫ মিটার। পোশ্ট দুটি সাইড বাউণ্ডারি লাইন বা পাণ্য সীয়া রেখার উপর এমনভাবে স্থাপন করতে হবে বে. ৩ নশ্বর আইনে যেমন বলা আছে তেমনভাবে জালকে টান টান করে রাখবার পক্ষে তই পোন্ট মথের্ট মজবাত ও শক্ত হয়। বেখানে এটা সম্ভব নর অর্থাৎ যেখানে সাইড বাউল্ডারি **লাইনের উপর পো**ষ্ট পোঁতা সম্ভব নয় সেখানে নেটের যে জায়গার নীচে দিয়ে সাইড বাউণ্ডারি লাইন গিয়েছে নিদেশের জন্য অবশাই কোন বাবদ্থা করতে হবে। অর্থাৎ হয় কোন সরা পোষ্টা নাহয় দেড় ইণ্ডির কম চভড়ানয় এমন কোন সর জিনিস সাইড বাউ-ডারি শাইনের উপর থেকে নেটের ফিতে পর্যন্ত সোজাস,জি খাটিয়ে দিতে হবে বাতে কোটোর প্রশেষর সংখ্যা নেটের নাই সীমার সমতা বোঝা যায়। ভাবলস খেলার কোটে এই বাৰদ্ধা করতে হলে সে বাৰদ্ধাও করতে হবে ভাবলস কোটোর সাইড লাইনের উপর থেকে। তা সে কোর্টে ভাষলস খেলাই হক আর সিঞ্চালস থেলাই হক।

নেট

। ট্রান করা সর্বাদ্ধ স্তুতোর এমনভাবে নেট বা জাল তৈরী হবে সে জালের
খোপগ্রিল ট্রিফি থেকে ট্রিফি হয়।

ব্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্মন

জালের চওড়া হবে ২ ফ্টে ৬ ইঞ্চি বা

০-৭৬ মিটার। জালের উপারের দিকে ৩
ইঞ্চি চওড়া সাদা ফিতে এমনভাবে থাকবে

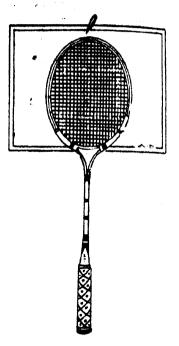
যাতে দ্বিক থেকেই সমানভাবে ওই ফিতে

দেখা বার। ফিতের মধ্য দিরে শভ স্তো
বা তার নিরে গিয়ে দুই পোস্টের মথোর
মথার সংয্ভ করে এমনভাবে ববৈতে হবে
বে জাল যেন টান টান হরে থাকে। এক
পোস্টের মথা থেকে আর এক পোস্টের
মাথা প্যত্ত টান টান করে বীধা জালের

যারখান্টার ফিতে থাকবে মাটি বা মেত্র থেকে ৫ ফ্টে উট্, আর গোস্টের কাছে

মাটি থেকে ফিতে প্যত্ত জালের উচ্চতা
থাকবে ৫ ফ্টে ১ ইঞ্চি।

জ্ঞাতব্যানের টানাবার শক্ত সংজ্ঞা কা তার পোণেটর সংগ্রাবাধ রাখাই বাঞ্নীর !



बार्कांम हेन शास्त्रहे



ব্যক্ষিণ্টন খেলার দেটের লাপ জোক

যেখনে পোল্ট প্রশীতা সম্ভব নর সেখানে হলের হেওছালের সংগো বা অন্য কোন শন্ত জিনিসের সংগো বাঁধা যেতে পারে কিব্ছু পোল্ট না থাকলে আইনে বে পোল্ট নিদেশিক কিছু খাটাবার কথা বলা হরেছে তা অবশ্যই খাটাতে হবে। সংগোর ভারপ্রাম দ্রুটব্য।

ब्रादक्षे

ব্যাডিমিণ্টন খেলার প্রধান উপকরণ
র্যাকেট । কিন্তু আইনে র্যাকেটের গঠন
সম্পর্কে কিন্তু বলা হর্মান । তবে সবাই
জ্ঞানেন কাঠের ফেমে তৈরী ব্যাটিমিণ্টন
র্যাকেটে 'গাটিম' অর্থাৎ জাব জ্ঞাতুর
শ্বননা অন্ত দিয়ে গাঁথা । বহুদিন থেকে
নাইলানের তন্তুও র্যাকেটে ব্যবহৃত হল্ছে।
র্যাকেটের ওজন সাড়ে পাঁচ আউল্সের মত।
র্যাকেটের হ্রানেডল সম্পর্কেও কোন
নিধেশ নেই। সাধারণত নেরের। ছেটে

হাণেজন পছল করেন। যে উপালনে রাকেট গঠিত হয় তা অভানত পালনা পলকা আর্থে ডেগেগ যায় তা নত। তার বেথিক যায়। সেই কন্য খ্রে সমী রাথেকটও সম চাপোর (২০১৮মর মধ্যে) বাংশাত হয়।

ब, कुल

ফাইলেরিয়া

হাপিরা রসবাত, একশিরা, বাতশিরা, কণ্ণা জার ও আন্তরিক বাবতীয় প্রকণাদি স্থারী প্রতিকারের জনা আধানিক বিজ্ঞানান্নোগিত চিকিৎসার ফল প্রতাক্ষ কর্ম পাতে অথবা সাক্ষাতে বাবন্ধা প্রতান। নিরাণ রোগীই একমানু নিভারবোগা চিকিৎসাকেন্দ্র

হিশ্দ রিসার্চ হোম ১৫ শিবতলা লেম শিবপরে হাওকা কোম । ৬৭ ২৭৫৫



গ্ৰাপের ছবি "কেডসার ম্বে"

ফলেম শিলেপর শতে চুম্বন, নগ্নদেহ

শি প্রয়োজনে ফিলেমর নায়কনায়িকার চুম্বন ফিলেম সেন্সরশিপ
তদনত কমিটির মতে আপত্তিকর
নয়। কমিটি আরও এক ধাপ
এগিয়ে গেছেন। বলেছেন, শিল্পবোধের সঙ্গে উপস্থিত করা হলে
সিনেমায় নংনদেহের দুশ্যও
থাকতে পারে।

এই ধরনের স্পারিশ ভারতীয় চলচ্চিত্রকারনের কছে অভারনীয় মনে হবে সল্পর্য
নেই। নানারকম বিধানিবেধের বেড়ার মধ্যে
এতানন তানের কজ করতে হারেছে। যৌন
উপাননের সওপ, করতে চান হয়ত আনেক
অধ্যেজক অথবা পরিচালক। কিন্তু সেন্সর প্রথার চাপে বাস্তরকে সোজাস্তি দেখাতে
বাধা পেরেছেন অনেক শিক্পান্ট চলচ্চিত্রকার। যাই হোক, এই স্পারিশ বাদ কার্যকর হয় তবে ভারত জার পিছিল্লে

তথে এই দেশের সপো অন্য দেশের তফ ত আছে। এ দেশে স্বাধীনতা বা গণ-তক্ষের সপো যথেক্ষাচারের সংবোগ বৃদ্ধ নিবিড়। স্তবাং আশক্ষা হয়, শ্বাধীনভাৱে অপন্যবহার না ঘটে।

এই আগশ্য প্রকাশ করেছেন শ্রীসভাজিছ রার। তিনি ফলেছেন, এই স্পারিপ চালা হলেনা আবার পরিচালকরা বল্প-অফিসের শ্বাথে আদিরসায়ক দৃশা দেখাতে শ্রু করেন। শ্রীরারের এই ধারণা অস্তাক মর। অর্থানাম দেহ তো বোম্মাইরের পরিচালকরা অনেকাল বাবতই দেখাছেন। প্রেণা নানভার চেরে বে তা আরও কুর্মিত, আরও অন্দালি। নান্দাহের দৃশা দেখানোর ব্যাপারে র্টি ও উদ্দোগ্রী বড় কথা। আসল কথা ছজ্জে মোডিডা। এর বিচার কর্মেন কে? এই প্রদান শ্রীসভাজিং রারের। নান্দাহে কোম্মা নিক্সসম্মত, কোখার নর, ভার বিচার হবে কোন্ মানদাশ্যে?

मारिएकः की प्लील की बन्नील खाब বিচার বেমন কঠিন, তেমনি সিনেমায় কোনটা 'পোরনোগ্রাফি' আর কোনটা বাস্তবচিত্র ভার বিশেলবণ্ড মোটেই সহজ নয়। সাত্রাং এর বিচার কে বা.কারা করবেন তার উপর মডম স্পোরিশের কার্যকারিতা অনেক পরিমাণে নিভবিশীল। এ ব্যাপাতে সাহিত্তার চেত্তে ফিলেন্ত ভাগা অনেক ভাল বলভে হৰে। জীবনকে খোলাখালি দেখাবার অনেভ বা**ধ**। ছিল ফিলেম, এৰার আ দরে হল: সাহিত্যের এখনও বন্দীদশা: আমাদের দেশের ফিলেম শিলেপর র.চি. লক্ষণ ও শত বজায় বেখে জীবনের অনাবরণ রাপ কে কতথানি দেখাতে পারবেন তা আমাদের এখনও দেখা হাকি। বিশ্তু আমাদের সাহিত্যের **ক্ষেত্র এ**মন শাস্তমান শিবপার অভাব নেই বাঁরা শিল্পকে दिनस्मात काम ना करत्व क्रीवन । स-व्रक्ष দেখাতে পারেন। তবু সহিত্যের সপক্ষে কোন সাপারিশ নেই। সে বাক্।



হিলম ভদত কমিটির স্পারিসে একটি

মৌল প্রদের উত্তর মেলেনি, দিলেনর শ্বাবে

কিবো গলেনর প্ররোজনে সা-হর

দানদেহ দেখানো বেকে পারে। কিব্র

চুন্দনের জন্যও কি এই শর্ড জালাবনীর টুন্দন তা নরনারীর প্রেমের একটি ন্যাভাবিক

সাধারণ বহিঃপ্রকাল। সিনেমার চুন্দন বহি

নীতিবির্শে না হর তবে প্রেমের দ্পো

য়াইই চুন্দন বাক্তে পারে। চুন্দন শিক্তাবোধের সন্ধো ব্রু কিন্যু সে প্রন্দ ওঠে না,
প্রেম্বোধের সন্ধো হলো। এবং প্রার্

সব ছবিতেই প্রেম বা বোমান্স ব্যক্ত।

তবে মনে হয়, এ দেশের সিনেমার চুক্ষন বাদিও বা কমে স্বাভাবিক হয়ে ওঠে, উবন্ধ দেহ কমনই হবে নাঃ কারণ, এ ক্ষেত্রে অভিনোতা-অভিনোতাদের সংস্কার ও বাক্ষা এবং স্বোগরি দেলীর ঐভিয়েন্তর প্রাক্ষ কড়িত। তবে কদাচিং কোন পরিচালক হয়ত সংস্কারম্ভ অভিনোতা-অভিনেত্রী পার্কে বের করে নাগাদেহ দেখাতে পারেন। সেখানেও শিলেশর বা আটোঁর অধিকার প্রতিষ্ঠিত বর্লা চাই।

তদত কমিটি গিলপাঁর মৌল **অধিকরে** হতকেপ অন্যার বলে যে অভিমন্ত প্রকাশ করেছেন সেটা খ্য বড় কথা। গিলপাঁর বাধানতা না থাকলে বড় স্থিত হর না। এবং সভিকোরের শিলপাঁ ক্যাধানভার অপ্যাবহারও করেন না।



गाम्ब आंखक रश ति...(झान्त)

ফিল্ম সেন্সর্বাপ তদনত কমিটি তাদের রিপোটে বলেছেন, যতক্ষণ পর্যনত চলজিন্ত্র-কার (অথবা শিলপা) দেশের আইন মেনে চলবেন ততক্ষণ তার চিন্তাপ্রকাশের মৌল অধিকারে কেন্দ্রীয় ফিল্ম সেন্সর বোডের হন্তক্ষেপ করা উচিত হবে না।

তদত কমিটির রিপোর্ট গত ৬ আগপট সংসদে পেশ করা হয়। কমিটির সভাপতি পাঞ্জাব হাইকোটের প্রাক্তন প্রধান বিচারপতি ব্রী জি ডি খোসলা। কমিটি লক্ষ করেছেন, বর্তমানে প্রথিবীর সর্বাচ চলচ্চিত্র সেংসর ক্ষেত্রে আগের চেয়ে অনেক উদার নীতি অবলম্বন করা হচ্ছে—বিশেষ করে আদি-রসাত্মক বিষয়ে।

কমিটি মনে করেন, এই স্বাধীনতা থাকলে মনন্দীল পরিচালকের পক্ষে আটা-চিন্ন তৈরির কাজ সহজ হবে।

তবে বিপোটো উল্লেখ আছে, যদি সমগ্রভাবে কোনও ছবিকে ব্যতিহীন ও বিকৃত মনে হয় তবে সেন্সর কর্পাঞ্চ চিচ্নটিকে নিষ্মিধ করে দিতে পারেন।

ত্রণত কমিটি স্বাধীন, স্বান্তরি, বিশ-জন সদসায্ত কেন্দ্রীয় সেন্সর বোডা গঠনের স্পারিশ করেছেন। বলা ইয়েছে, সংসাদের কেন বিভিন্ন অন্তল থেকে নির্বাচন কর। হয়, তানের বৈতনতোগী হওয়া দরকার। কমিটির স্পারিশ: বোডোর সভাপতির বেতন মাসিক ৪০০০ টাকা এবং অনা সদস্যদের কেতন ৩০০০ টাকার মত গতে পারে।

পরলোকে হরিপদ চট্টোপাধ্যায়

বেণ্ণল মোশান শিকচার্স এমপাইজ ইউনিরনের সাধারণ সংশাদক বিশিণ্ট প্রায়ক মোতা শ্রীহরিপদ চট্টে:পাধ্যায় গত ৪ আগস্ট কলকাতার ট্রাপিক্যুক্ত হাসপাতালে ৫০ বছর বরুসে প্রকোক্যুমন করেছেন। তার দ্বা ও দুই পুতু বর্তুমান।

কিছুকাল যাবং তিনি পাকদ্থলীর রোগে ভূগছিলেন। চিকিৎসার জনা তাঁকে রাশিরাতে পাঠিয়েও কোন ফল প্রয়নি।

১৯৫৬ সনে তিনি বি এম পি ই ইউ ব সাধারণ সংপাদক-পদে বৃত হন। মৃত্যুর পূর্ব প্রমণত তিনি ঐ পদেই ছিলেন। মৃত আছার প্রতি সম্মান প্রদর্শনের জনা ৫ আগস্ট পশ্চিমবংগর সমস্ত চিত্রগৃহ এবং কলকভোর স্টাভিতগ্রলি বন্ধ ধ্রাধা হয়।

কেওড়াতলা শ্মশানঘটে তবি শেষকৃতা সম্পান হয়। সেখানে যাঁবা উপশ্বিত ছিলোন তাঁদের মধাে উল্লেখযোগা শ্রীসভাজিং রায়, শ্রীপ্রান কুমার, শ্রীযভান চরবর্তার্ণ, শ্রীমনো-রগ্রন রায়, শ্রীসোমির চাট্টাপাধাায়, শ্রীঅন্প-কুমার, শ্রীবিবি ঘোষ, শ্রীভান্য বলেনাপাধায়, শ্রীভিন্যর চাট্টাপাধায়, শ্রীশিবমাধ চাট্টা-প্রধায়, শ্রীবির বা সম্পদ্র প্রশাষ।

সাবিত্তী সভাবান

পৌরাণিক কংলা কথাচিত্র "স্থাবিতী সভাবানা"-এর মৃত্তি এ-সংভাবে। এ ছবির প্রযোজক ও সংগতি পরিচালক রমেশ নাইছু
এবং নির্দেশিক দিবজা ভাওমালা সংগ্রাল
লেখেছেন অর্ণ রায় এবং গান বচনা
করেছেন শামল গাণত ও শামল ধ্যায়
গানগালি গোষেছন ধনজার ভট্টাচার্যা, দিবাচন
ম্যোপাধ্যায়, প্রদীপ দাশগ্যণত, গাঁতা দ্যা
ও নির্মালা মিশা।

ब.डिग्नान

ছাধারাণী পিকচারসের "মুক্তিম্ম" ছবির কাজ প্রায় শেষ। কাহিনী শক্তির রাজগ্রের। পরিচালক আজত গাপ্তেনী এবং সংগীত পরিচালক রাজেন সরকার। বিভিন্ন চরিত্রে রুপ দিয়েছেন স্থাবিত্রী চাত্র-পাধার, আনল চট্টাপাধার, কাল মিং, পাহাড়ী সানাল, অজয় গাণগুলী কানী বানারজি, ছালা দেবী, জহর রায়, গীত নে, গোভা সেন, লালতা চাটারভি প্রভাত।

बरकृत वह नाम

শ্রীদীপক থাতের প্রিচালনায় নিয় ফিল্মানের "ররের রক্ত লালা" তিন্ত্র প্রত্য পথে। স্বাধীনতা সংগ্রাম প্রচার করি সম্ভান বিনয়-বান্তর প্রচার সম্ভান বিনয়-বান্তর বা্ক থেকে বিটিশ শ্রিকে উপেন করের যে সাধনায় রতী হয়ে ছিলেন তার করের অধ্যায় অবলদ্বনে শ্রীগ্রাম্থ কিন্তুন করে করেছেন খার মাল গ্রন্থান করিনা মাল



॥ ि विश्व-न्यादनावना ॥

তীরভূমি

ছাবিটি কিবতু জন্যমনক হতে দের না বিছাতেই। শাবতে তো নয়ই। প্রথম থেকেই এই ছবি একটা একটা করে অবাক করে দর্শক্ষে। সিচুদেরশন চরিত্র সবই কেমন যেন নতুন, কাবার প্রভাতিবিক। কোন লাশাই থেমে থাকে না। সব মিলো কেন একটা নতুনার আমেজা। শাচীশুনার বাদেনার কারাই প্রথম গাপে, এর নায়ক-নারিকা করে।ই সবে চার্লার থোক অবসার নেওয়া ভপন থানার ও তার প্রটী নেলাই না জননুপ্র ও

গুল্প এবশা ওপন, নেলী ও সেমিরক <u>গ্রেটা ভূপনের মেয়ে সেমে, নেকার মেয়ে</u> n: দেবক্তি পরে সব **খালে বললেন** ওলন ম্থাজিং, বিলেতে থাকতে ডিনি ভূল্ড ছিলেন <u>কেজি</u>কে । কেজি বাংলা arra ভুপানের কাছে ; স্কুলারাকে ব্রথানো espec বিদেশিনী ম্বতী স্থান বাংশা রলভ্রতপ্র মুখাজি তার নাম দিরেছিলেন সভারত সূভাতার মেয়ে সোমা পরিকার লক লক্ষ্য ভাতে আন্তর্ম **হলার কী** আছে বিলেন্তে হার জন্মা, যার চনিশা বছর তেনিয় বিভাগে মা হার রেজি পাকবি লংগ্রুখাজিটি কেই মেয়ে সেমে। ্ণাচ্চে চিন্তা ঝ্রুঝার বাংলা বলিয়ে লভ্যত কলে পারো বাপারটা **যেমন** ফ্রাডারক ল্লাডেনা। সিনেমার **লাইসেনস** 🔃 किष्टा शाकावदे ।

শেষ জাহাজাটি ব্যন্তে পোছিয়ে নিয়ে কাজানে থেকে সূবে অবসর নিয়েছেন ^{ভিত্ন} ম্থাজি^ত। কিন্তু ড্<mark>নিবশ বছরের মেয়ে</mark> গৈম এসে সংখ্যে দড়িতে পাইলট ঘণালা কেমন হেন দিশেহারা হলেন, দেশী মাহা^তভা ভার **স্বামীর ক্**মা**নেক মেনে** িট প্রধান হয়। সংসার-সহয়েছে। তপন মিবাজা এখন তারিভূমি **খাজে বেডাছেন।** া মার অনেক বিবানর সাধে সে কাথার কাছে ম্বার্থ দেও কি ভারভূমি **খালে পেরেছে?** ^{তিপ্ৰ}ালীয় **এক্যন্ত মেয়ে মিলি মা**রা ^{টোছে।} নেলা তখনও সোমার মধ্যে মিলিকে মাজ পাননি। তীরভূমিতে তিনিও ^{প্রাহ}ে পারলেন না। **ভাঁরে এ**সে সকলের ^{ুবাই} ভিড়ল শেষ কালে। পথে ছিল মেষ ^{च द} कुहामा, **रम्भार**न नाउँक।

নাটকের সব উপাদানই কিন্তু অভিনব নঃ। নেলী কিছুতেই সোমাকে গ্রহণ করবেন না—এ-নিয়ে প্রথমে দুঃখ-অণাদিত। পরে যথন নিজেকে মানিয়ে নিলেন নেলী, তথ্য দেখা পেলা দুন্টিভন্গির বিরোধ। নিধারণত ফিলেম দেখি, বার মনে-প্রাণে



লীনেন গা্শ্ভ পরিচালিভ "বনজ্যোংশনা" এ-সংভাহে মানি পাছে—ছবির একটি বাংশ্য কাজল গা্শ্ভ ও কাম্য মানিভিন্ন। সংগ্রাহ্ম

wisisीह इराइ दशा नद्र, एम এको दिनी পরিমাণেট ভারতীয় হ'ব (সেমেরে প্রতাহ সূহা ধননা কেছন। আকর যার বিলেতের আদবকায়দার প্রতি আকর্ষণ, তার মোইও দেখি মতেহীন। এই প্রিচিত নিয়মেই ও সোমার মধ্যে বিয়োধ। নেকার মনের মতু পাত্র "আলট্রা-মডার্ন", বড়লোকের ছেলে অভিজিৎকৈ বিয়ে করতে চাইল না সেমে: সেমা বিয়ে করল খাটি ভারতীয় অধ্যপ্ত অন্যুপমাক : তারা কটকে চলে গেল। তারপরেও নাটক থামেনি, বরণ তা আরও উল্লেক্ট্রেমার রূপ নিল। নেলীর অভিনাপ ফলে গেল এেটা ব্যক্তি জননীয় অস্ত্রের কথা নয়), অন্প্র-সোমার এক-মত স্তান মাথে-ভাতের একদিন আগেই মারা গেল, নেলার মসিত্যক বিভৃতি তখন শার্। শেষ প্রণিত গোডম (তপন-নেলীর একমার ছেলে—যে সোমাকে সহা করতে পরেত না) গিয়ে সোমাকে নিয়ে এল ভার মানের কাছে। গোতম ব্যক্তি **ব্রুতে পে**রে-ছিল, মাধের অপ্রকৃতিম্থতার কারণ তীর অপরাধবোধ, সোমার প্রতি। পরিণতিতে, সেম। মা বলৈ জড়িরে ধরেছে নেলীকে।

শতবিভূমি"-র (চিত্রভারতী) দিবতীর ভাগে প্রদেবদল—প্রথমে যে নাটক ছিল স্কান ও কটিলতার আ্ভাসে কারনান্ত্র, পরে ওছে আতি তীর, অতি নাটকীর হয়ে উঠল। গতান্ত্রতিক নিছে উপকর্যক জড়ো হল। তবে নাটামোদীদের দ্বিতীয়ার্ধে নিরাশ হবার কোন কারণ নেই। নাটকের দ্বাদ—বা কথন-সথনও পুই চোখ আপ্রাস্তর্কর—তরি পাবেন। ছবিটির ঘটনাবিনাস্তর্গতিসপর। কোন দৃশ্য বা ঘটনা আকারশে দ্বীঘায়িত নর। গ্রেরু বাগচীর চিত্রপরি-চালনার ভাক আগোগোড়া সূক্ষ্ম বার ফলে

সামগ্রিকাছণ্ড একটি উপ্রভাগ্য ছবি নদক্ষির প্রেক্তি স্থাতিত হিচ্চনটের (বিকাশ রায় কৃত) দানও কম নর।

व्यक्ताल व्यक्तिर प्रकालतरे हे है प्रारत ! সে-কারণে কিছা হাটিবিচাতি সাবেও ছবিটি সুখ্যভাগা। বিকাশ রার হাবছেন তপন ম্থাজাঃ এমন আব্দুত, স্কুর চরিত্র-বিশেলবণ তাঁর কাছ থেকে অনুকে দিন পাইনি। মঞ্চ দে (নেলী) অনেক কাল পর তার অভিনয়-নৈপ্রেণ্য দর্শকদের হাংখ করলেন। অনুপমের চরিত্রে **বর্**থাচিত ব্যক্তি আরোপ করেছেন আনিল চাট্রাপাধার। মাধবী মাখাজি সোমার অস্ফাট বন্দ্রণা, বিধা ও অসহারতার সপো যেন মিশে গিরেছেন। অভিকং ঘোষের আর একটি সমর্ণীয় চরিত সাণ্টি। অহাক করেছেন ক্টোংসনা বিশ্বাস, থাব প্রার্ট ভবি অভিনয়। তেমনি ভাক কাগার মত রুমা গ্রহঠাকুরতার বৌদি (অন্প্রের)। গোডম-র্ণী লংকরও চরিত্রেচিড অভিনর कदराहर ।

ছবিতে গান বেলী নেই। বে-ভিনটি আছে প্নতে ভাল লাগে সূর রচনার গাগো। সংগীত পরিচালনা করেছেন বিজ্ঞা পাল।

इ्भिनी

এ আর সি প্রোডাকসাংসর "র্পসীর্ণ চিত্রের কাজ শেষ পর্যারে। কাহিনী, চিত্র-নাটা ও পরিচালনা অজিত গাপালীর। অর্ণ রাহটোধ্রী এ ছবির প্রয়োজক এবং অনিল বাগচী সংগতি পরিচালক। প্রধান তিনটি চরিত্রের শিক্ষী সংগা রার, কালী ভানাকী ও শ্যিত ভয়।



Another line Entertainer from me mais the SHIKAR new contra on 44 hors in REGAL CALSHIA



ভেনিস প্রেক্ষারপ্রাণত 'ভবন সোহা' ছবিতে স্তাসিনী মালে

ভেনিস চলচ্চিত্ৰ উৎসবে মাণাল সেন প্রয়েজিত-পরিচালিত "ভবন 13FT 1 (वाशिनी : वनस्का) भूद्रत्युत । এই दिन्ही চিত্রটি পাবে স্বর্গা প্রদক্ষ। প্রস্থান্ত উল্লেখ্ উংসবে এখন "হা প্রি" বলে কিছা নেই।

উংস্থের জন্য নিবাহিত কার্কটি প্রতি ছবিকে বর্ণাপদক দেওয়। হয়। মাধাল দেনের এই ছবি এখনও মৃত্তি পার্যন। ইতিমধ্যে যাঁল "ছুবন ফোন" ফুবেংছেন, ভাঁল ছবিটি সংশকে প্রশংসার গওমাখ। প্রায় স্পর্ণ

ভেনিসে তাৰাৰ ভাৰতেৰ জয়

(७१६८न) भ्यान त्मन



অভ্যান্তের ভোলা এই ছবির মধ্যে চরিত্রে तराहर छैरभन मंख, महानियों ग्रांस, एवरद চারীপাধার প্রভাত। জানা গেল, ভেনিস প্রেপ্রার ছোষণার **জ**াগেই পি**য়ালী** ফিল্মদের অসমি দত ছবিটির বিশ্ব পরি-বেশনবৰ নিয়েছেন: অভিনেই **'ভূবন দেয়ে'** মারি পারে।

টা ৰ নিয়ে এত তেলেপাড় হয়ে গেল, তারকা মহলে কিবতু তার এতটাকুও প্রতিক্রিয়া দেখা ব্যুলি। ফিল্ম সেনস্ত্রশিপ ভাগত কমিটির রিপোটটি মাহাতে সবাইকে ট^{াল}ে করে ভুজলো ফিলেম 'চন্দ্রন ল ন্দানাবে" সাপারিশ! কলকাভার চলচ্চিত্র ন্যাল বিষয়টি রীতিঘাত আলোড্ন স্থাপি করেছে। এমন মাখ্যরাচক বিষয় ভারে কী হাত পরে? সর বিভাবে ছাভিয়ে ছাংকে গিয়েছে ও বিষয়ে জন্তিয় অভিনেতা **উত্তমকুমারের** উত্তি "চুম্বনের জ্ঞান নারিকার ভারেরী প্রীক্ষার বিপ্রেট E 23 1"

উउपरादाद **और भहम धन्छा**दा । गाँधका মাল নানা প্রতিভিয়া দেখা विकास ^{এজানর ও নারকের ডাকারী প্রীক্ষার} রিংশার্ট **চাইতে পারি।" বলো**ছন জনৈকা ज हिल्ली।

"এই প্রসংগে মাধ্বী মুখাজিনী (চক্রবছনী) জানলেন, চুম্বন এবং নংনদেহ হসি ছবিতে শিশেসকাজভাৱে ব্যবহাত হয় তাব ততে তরি **আনো আপত্তি** নেই। ফিকু বারিগ্রভাবে **ভাকে** যদি অনুরূপ কোন ছমিকায় অভিনয় করতে বলা হয় তবে জিনি অবশাই সেরকম রোজে নামতে সংকোচ করবেন। **ভারব শত হোক বঞালী** তো. ष्टात ७ भन्न बरतन बक्ते, मरन्कारत वाधरद !

न्यिका लंबी किन्छु लिएक स्थाप

বছবোর সংখ্যা স্বভারতই তিনি একমত। শ্রীমতী স্থাপ্তিয়া কমিটির স্পারিশকে আত্রিক অভিনদন জান্যেছন। তিন বালছেন, "নিঃস্কের্ছে এটা একচা বোল্ড প্রগতির গতিপাথর 7539(1 77,151 স্বাইকেট সম্মে তালে পালে দিয়ে চলতে হার বৈকি!" ছবিতে চুম্বনের ভপস্থাপন প্রসংখ্য তিনি বলেন, "বেছেনই ছাবতে চুল্ডের হার বা**কী কী থ**াকে ! তেন-রকামর শাক্ষমাভিত্র চাইতে সরাস্থার চদবন তের ভারেলা।"

এই প্রস্থের উত্তমবাধ্য প্রায়েকার ভারারী পরীক্ষার রিপেট' চাওলং" কথাট তাকে ক্ষরণ করিয়ে দেওয়া হলে দিনি ব্যব্য, "ও ঠিক ব্যব্যেছ। অভিনেত্ৰী মঞ্চন ভৌমকও উত্তৰবাব্য বছৰাকে স্বাগত জানিয়েছেন। তার মতে উর্মধার্র বছবাটি**ই স**বচেরে বেলী ইণ্টারেচিটা।

বিশিন্ট চলচ্চিত্ৰ প্ৰযোজক ভি এন ভট্টাহাৰ কিন্তু এ ব্যাপারে কিঞ্ছিৎ ভিন্নমত প্রকাশ भारतकथानि । अरुकारमञ्जूक। **अस्तरक्षा**रसम् करतन्। ठिनि राजन, "वारणारसम्ब नर्गाक

ছবিতে ধামপান অথবা <u>নাতলামোই সহ</u>য় कदर्र । इन्दर अथवा नामहरूद्ध প্রণা কিছতেই ভারা বরদা**ন্ত করকো দা।** শীভটালবের মতে, "সর্পারবারে **বলে দেবির** रारमारिक जानाकामा मार्छ समर्थ दस मी।"

ि क क्योजार्यंत्र क्षेट्रे बन्द्राताल **मान्त** অংশা অভ্যনাত একমত। তিনি বার্মন "ভাল গোল চলবে না আমরা বঙ্গেলী। লিজেরা মদ থেতে পারে, কিন্তু **অনুদ্রু মদ** েতে দেখাল বিহাতেই বেন সহা করতে পরে না। এমন্তি বঙালী মেরেরের হাতে সিগারেটও অসহা।"

"अञ्चकते। **धरे कारान्ये 'ऋधारीत्यह** শিশা বাৰসায়ি**ক অনুক্ল্য পায়নি।**" বলকেন প্রয়েক্তক-জড়িনেতা विकारिय ম্থাল, "স্টেচ সেন মদ্ধাক্ষেন নশ্ৰিরা বিহাতেই দিতে পারেননি।"

किरणाडी महिका **स्मोनामी आहे।जि** ত-বিষয়ে যা কলেছেন তা ভারী মঞ্চার, কিশোর সিলভা তিনি বলেন প্রকলে পারছি নাকী বলা উচিত। আনার न्यादा दिष्ट्राउटे हुन्यान्त शुरुत अधिनह করাসম্ভব হবে না। নগন দুয়োজো আরো নয়। লক্ষ্যভেই মরে ধ্বা

"ষ্টি স্বাই পারে আপ্রিই বা পারকো না কেন?" জিজেন করেছি নৌস্মীকে। উত্তরে উনি বলোধন, "সংটে আর আমি का अक नरे। भवात्र बसाम बसाम बसाया। काला-

এপিক থিয়েটার

দশম সংখ্যা

বিশেষ নাটাসংখ্যা

১৫ই আগস্ট বেরুবে। এতে থাকছে

- ।। भग्मभ রায়ের নাটক ॥ শয়তানঞী ।।
- পত্য ৰন্দ্যোপাধ্যায়ের অন্বাদ ॥
 বেই রেখ্ট্-এর ফ্রাউ কারার ॥
- া। অসিত সরকারের অন্বাদ ॥ বেট রেখ্ট-এর লাকুলাস ॥
- ॥ छेरुनन मटलत नाएक ॥ ब्रह्मर त्मार ॥
- ॥ रगोन्नर्गमुका॥
- ॥ **আলেক্সেই** আরব্জভ-এর ইংরাজি প্রক্ষ**া**

া একাদেশ সংখ্যার থাকাবে বাংলার বিপাও ব্যাপন নাটাচ্যাদের অধ্যান-বিংমার স্থান-বিংকার ।

এপিক থিয়েটার সম্পাদক উংপল দত্ত

কার্সিচিব : অসিত বস্ ভারতের রেশ্ট্ স্মিতির সংগ্রিকা শোজা সেন

৯৪০, ২৭, মেতাজী স্ভাগ বেস রেভ। কলিকাতা-৪০। ফেনে ৪৬-৮৩২৯ মন্ধ্রাক্ষার ক্ষমতা হয়েছে। আমি এখনও কিলোবী ৮

লংখ্যা ৰাব্যেৰ সংখ্যা টেলিফোনে কথা হচিচল। তিনৈ কমিটিব 279-345370 সহজভাবে মেনে ^হনাৰ প্ৰের্মন: বিষ্ঠ্যিত তিমি বিস্মিত। ছবিতে চুম্বন ও নাম-উপস্থাপনা? এ যেন তিনি ভারতেই পারছেন না। তিনি বলেন। 'যাগের সংগ্রানাষ হয়তো অফার্ড কিছাই ফেনে নেৰে। ভবে এই মতাতে সমূলৰ নয়। মতানা জগতের স্থোধ থাপ খাওস্তে গিয়ে অমরা অনেক কিছাই। হারিয়েছি। আছে শুধ্ এইটাক সম্বল ব্যুগীৰ লক্ষ্য ও আবরণ। যদি ভাও চলে যায়, ভালাল আর থাকে ক[ি] কথায় কথায় সীয়তী সকলে আহে ইমেশ্ননল হতে কলন "মাজ বাঙালীর অদিহারের কথা ভারাল তেৰে লগ আলে। জনিনা 5334 কেছল হলতাক আন্ত এর কঠিত হাতে হতে শ সম্প্রান্তের মধ্যে নৈরোশ্য আম্রেছ বরে दास ह'ल।

*

শিক্ষা নিৰ্বাচনে 'বেলিমেনটেশন' বছ' ২ देशकीः **ध्रादे स्थाना वाष्ट्रिक**। हरिस्क ভারের ব্যাপার হয়ে উঠেছিল আনক দিলাই कारक। माम दाला, रकाम्छ छतात' कालेक তহতে আনপেই এমন কোন আন্তান टाश्व किन ना। 'दिकिस्मन्टरेगर' किन अफारकत कल्ला। यह दशक कल्लाक ভারে আর কোন কারণ নেই। যে সাও্যা পরিচালক একদিন সংরক্ষণ সমিতি ছেত্রে দিয়েছিলেন, ভারেরই দালনের ছবিতে উল্ল-কুমার অভিনয় করছেন বলে থবর পাওয় গেল। একটি ছবি বিছতি লাহার দেহতী অংপরা, অন্তি অরুষ্তী দেবার জন্ম প্রিচ্চাল প্রিয়ের বস্তুও স্থিতি ছেত্ত ছিলেন, বিন্তু উত্তমকুমারকে ১৯: 🛞 হ'বেও নায়ক উত্তম। ছবির নাম 🤫 🔾 মনা চলচ্চিত্রলাকে আর দুটি মন বুং স্বল্ভা

-विद्व

এবারে বিশ্বর্পায় চতুম[্]থ বিশ্ববিখ্যাত নাটকের ১০তম অভিনয়

धि लक्षे खेलु

সোদনার | ১৮ই জ্যান্ট I সাক্ত ৭০ ক নাটক নিদেশিনা : অসীম চকুবভী বিশ্বরাগায় টিকিট পাবেন (৩১-৬২১২)

(বিস্কৃ-১৬৯১)



। শহিত্য নিৰ্মণ্ডত নাউশোলা 1

নতন নাটক।

व्यक्तिला

আছিনৰ নাটকের অপ্যুব' রূপায়ণ! প্রতি ব্যাহপতিবার ও শানিবার : ৬০°ছ প্রতি রবিবার ও ছাটিয় দিন : ৩টা ও ৬৫টায়

। রচনা ও পরিচালনা ॥ **দেবনারায়ণ গ**ুপ্ত

॥ डा्शासरम् ॥

আজত ৰদেনাপাধানি, অপুণা দেবী, শ্ৰেক্ট্র চট্টোপাধান, স্বেতা চটোপাধান, নালিমা দাস, সতীক্ষ ভটাচামা, তোনংলা বিশ্বাস, শানি লাহা, প্রেমাংশ্বেস্, বাসভী চটোপানান, বৈংলন মুখোপাধান, গাঁতা দেও ভানু ৰদেন্যপাধান





পরিচালন ব্রীজ দর্শক্ত শাধ্বর জয়েকিস্বণ প্রফালন দেবেন কর্মা

রাকা - ম্যাজেষ্টিক - কৃষণ - মিত্রা - ছায়া

ন্যাপনাল • **খাতুনমহল • স**্থাচিত্রা (জাহাপা) • **নবভারত (**হাওড়া) পিকাডিলি : নবর্গু**স : জীলা : নীলা : জান্সসম্ : জন্**রাধা (শাগবিধা) (হাওড়া) (নমসম) (বালবণ্ড়া) (নবগ্রেশী) (নুর্গাপ্তর)

ৰোশ্ৰাই ৰিচিতা

বা চলজিটের সকল কসল ব্যাহর

বাব নালকান সকল চলজিট করছে।

বাব নালকান সকল চলজিট বাবসারী

বার সংগ্রেগার হাত বাভিরেছেন। মানাল

বার জানোকাশিক ছবি শান্তর পশ্চিনা

বারা বিভিন্ন অভিনয় করছেন বলে ছানা

বারা বিভিন্ন অভিনয় করছেন বলে ছানা

বারা বিভিন্ন অভিনয় করছেন বলে ছানা

বারা বল্লা এবং ভার ছবির নাজিকা

হাল বার্ট এবং ইউনিটের জানাবই

হাল তাই ইউনিটেশ। ক্রমানা ছবির কাজ

লোভ প্রানাকা

selese বনসায়ৰ সংখ্যালৰ ভিলেম্পট্য তুস্থাত করিকল্যার বস্তু তালের *ম*াই। ু (৬ চেণ্ডিক চন্যান্তম চল**্ডিন** বলেসারে প্রভূত কল্মট্ট **ট্রাজিকিল বা্**নস্টে ल्लोक कारणाह राजक अले अले सार्थ ্রান্ত (প্রাণ্ডাল আলাগ্রান্ড **বালব** ডাগ্ ভলার *প্রতিশিক সিমারে*ম **স্থা**নিবি च पुरु कुछ के किलेक्ट्र साल्क्ट्र स्ट्रिस **स्ट** सा**ल** র ও জিলটোক্তর চোলারের সংগ্রান প্রয়াস র্বার হা ভূমার আছে জ্বাসাল ভ্রা**র্তার** হ 435 ASSA # 6 THE GENERAL e onga leda biligita a letter bilitari RESPONDED TO THE PROPERTY OF SECOND 化二字位化 实现多边图 一。 有一致,而写着 ত ন প্ৰেল্ড হ'ল লগা প্ৰাৰ্থ সংগ্ৰাহ **প্ৰা**ৰ্থ কৰিছে কৰিছে স্থান র প্রসাধ **অধ্**নত্ত

াণ বিদ্যা ক্ষেত্ৰভিন্ততা ক্ষেত্ৰ স্থান্ত প্ৰক্ষার পাণ্ডে অভিনেত্ৰী মান্ত রেড্যেজ্যক নিয়ে বাসের বিশা ত স্থান্ত ব্যস্ত্রী কি পি সিণিপ একটি গাবে ছবি প্রিক্তনা কর্মেন ছবি কোনে ছবিটি কে প্রিয়ালনা কর্মেন ছবি মান্ত জানা যাস্ক্রিন জব্ম ক্রিয়ার ক্রিণিপ্র ক্ষ্যোগ্য সম্ভান জব্নিয়ার বিশিশ্ব ক্ষেত্রা সেই সোজানাশালী ব্রিক।



এলেট ম্ভিডি-এর 'প্ৰাকৃতি' ছবিতে শুমিত ভয় ও শ্তেকচ্ চটোপাধার— কনক মুখাজি ছবির পরিচালক।

ছাত খেতাৰ কৈ হোড় হ'লক ছে সংঘাদ নাচাতি হাজাল কেন্দ্ৰ চালুলাজার স্থানিক হিচাপা রাজে ত্যালিয়া। তুলালিয়ের নিয়োল বচরাজ ভালামৰ মান সময় কালোল তালা কালালেত মত সমতা হাত্যো হতা স্থেক এমা, বিলাবিক 5ল[°]জত ^{কি}ম'ল হে হাতে বছনহাজ হাম ইটাছ বাবে কেল যা**লে** যে, চুল**িচতু কি**লাগ চায়াও ভারতির টিয়ারে চায়ারে সামার নামার্ নহস্পা, চলজিয়ে নিজ্বিক স্পান্তির রাভ গোক বাৰসায়⁶ দেৱ মাৰেকে চাল মাৰ্ছে। ব্যুস্থাট্ডিয় হজিমাফিক নিয়নিয়ে এছে s≖ভিদ্র হীবন্ধরণের ইভিবাছা ড্[†]র ্লা ব্যাসে জ্বলিয়া বাল্যা ভূমন জন কর तिहासमा द्वार क्षेत्र कोता संश्रेष्ट प्राधीसम् विक्री পাংস্কল্পের মারা প্রায় ব্যালায়ে তথ্য চল কলের নাম কার (শক্তা)

সরল শুম্বী

"প্ৰাকৃতি"-র শ্চিং চলছে

এবটান আটোডার স্টিং এর পর প্রশিষ্ক বার প্রয়োজার স্টিং প্রায়ু বামার পর সংভাবে। রাস-কারার ঘাত-প্রতিয়ার নিয়ে ছবিন কার্যার বিন্যুক। নিশেষ আকরণ এবটি কার্যার ভারক। নামার দিনাত ন্তর্গিকাটী ক্রীস্যারেশ ভার ছবির ভারস ভিনেইর। বিভিন্ন চরিতে র্পুন্ন কর্মেন শ্লেকার স্থানিকাটী, শিল্প ভ্রে জংগা ক্রি, ভর্মিকার হান্যু বানালাটি, ভর্মিক্রয়ার, শেশর চাটাকাটী, স্বাটিন ক্ষণ ন্ধেপাধানে সার হার ক্ষেপ্টি গণ ইতিমধ্য গেকতা কর হারছে। দ্বর্গিত ক্ষিণী ক্ষণদান ছবিতি প্রি-তালা কর্ডণ ক্ষক মুখেপ্থাতঃ

ওয়েন্ট বেঙ্কল আর্টস সেন্টারের উন্বোধন অনুন্ঠান

প্রতীন শাসন্ ব্যক্তার্, প্রতি, যাব্য এবং নাড় এই তিন্তির সমাহাতে যে শিক্ষকলা, ভাগে নম সংগাঁত। ভাই গ্ৰু ১৩ই জালাই হয়েজাতি সদ্যা ভালেই বে**লল** অন্তর্ভার স্থানিক ক্রিক্তার ভারতির দ্রুল মুখেপাধ্যারের ধ্যাল ও ঠারেট্র ি, জি, মেডেরে রেহলা এবং **শ্রীমতী মন,** পোনার কথক ন্যান্তার সনিয়েরণে, ব**লা যেতে** পার, বেশ একটা পরিপ্র সংঘীতান্ত-ভানের আয়েছেন করা লয়েছিল। একের কালে কৰণ। আলে লুজন। তলুৰ **দিল্পী** ছিলেন—কাজল দাস আয় দলিক চক্লবড**ি**। তবে, শ্রীমতী কাজল পাদের মালতানে থেয়াল এবং শেষোর শিক্ষাীর কিরেটিটাত দেহর শানে মনে হল এ'বা দা্জানেই শিক্ষাবাদির স্তর এখনও অভি**রুম ক**র্**ডে** পারেন নি i

শ্রীমতী সংধ্যা ম্যোপাধ্যায় সেনির ব্যাহাল গাইকেন বেহারে অন্ত পরে পরে বেহারে অনু ওগতার কার্যারির্যালয়ের সারেংগী তার ওগতার কেরামতৃক্ষার তবলা। নিশেগীর স্কৃতি, সম্পর্ধ অনুবাধ্যার এবং ন্যোহর রাহা-নিবাচন এই সর্বাক্তর সংখ্যারে অনুষ্ঠানটি

সকলকেই পরিকৃত করেছে। বিশেষত, কোনো স্কা, জড়িল বা দ্রাহ্ স্বর-প্রকরণে না গিমেও বেহাগের মাধ্যটিকে গিল্পী যেমন সহজ আবেগে ফ্টিয়ে তুলেছিলেন, তা নিঃসন্দেহে প্রশংসাহ'। আরও উল্লেখ্যাগা, আলাপের অংশে সন্ধ্যা মুখোপাধ্যায় যে রসবোধের পরিচয় দিরেছেন তাতে বোঝা গেল প্রধানত লঘ্রসাত্মক আধ্নিক গানের আসরে অবতীণা থেকেও গ্র্পদী সংগীতের স্কাভীর অন্ধ্যানেও তার নিন্ঠার অভাব নেই।

্প্রতিষ্ঠানের উদ্যোক্ত শ্রীমতী মন্ পোলের কক্ষক-নৃত্য এবং ওদতাদ শানতাপ্রসাদের সংগত-সহ শ্রী ভি জি যোগের বেহালা—এই

র্পাণ্কন প্রযোজিত ইন্দ্রনাথ উপাধ্যায়ের

স্মর্তিরা উজানে

প্রয়োগনির্দেশ । তীরেন্দ্র চট্টোপাধাার বিশ্বর পার পিশে অগাস্ট সম্পো সাড্টা ইলে তিকিউ (সম্পা ৫—৭)

(জি ৬৭৪৯)

পণ্ড মিতুম্ অমিতা রায়ের

হারানো চিঠি

নিদেশিনা : স্নৌল বংশ্যাপাধ্যায়

মৃক্ত অঙ্গন লোমবার ১৮ আগল্ট ৬৯ সংসদ ৭টা হলে টিভিট

(পি ৬১৩১)



नान्दीकाর

অগান্ট ১৯৬৯

তথা রবিধার বাটানধর নাট্কারের সম্বানে ১০ই রবিধার নিউ এম্পায়ার

ে... শের অফিগান

১২ই মললকার মৃ্টে অজন

নজরী আমের নজরী

১৫ই শ্রুবার পাটনা শের আফগান

১৬ই শনিবার পাটনা

নজরী আনের মঞ্রী

২২শে শ্রেবার কলামণিবর

নাট্যকারের পদ্ধ কে ২৪দে রবিধার গ্রীরামপার শের অফ্রোম

৩১শে বরিবার নিউ এশ্যায়ার

Seri stanta ino camina

নটেকারের স্থানে নির্দেশনা : **অভিনতেশ বন্দে**নপা**ধায়**

(সি-৬৬৭৮)

দাটি জন্ফানই, শোনা গেল, যথেওঁ উপভোগা হয়েছিল। কিম্তু দ্বংথের বিষয়, অনিবার্যাকারণে বর্তমান সমালোচক ততক্ষণ উপস্থিত আকাত না পানায়, সে সংগ্রে কিছু আলোচনা সম্ভব হল না।

Marra .

पिक्रगी'त मिन्द-निल्भीरमत निर्वपन

ববীন্দ্রনাথের গাতিনাট্য

বাল্মীকি-প্রতিভা

২৪শে আগন্ট, রবিবার, সকাল সাডে দশ্টা ॥

कला-भाग्मद्र

২০, ৫, ও ৩, মালের প্রবেশপত দক্ষিণীতে পাওয়া যাবে ।।

गुरुमालि : भाकवात : ১৫ खाशको !

ভতিতে ৰশীভূত ওগৰান। ভতিৰ শক্তিতে বিষদা হয় বিধিন বিধান। প্ৰাভূত প্ৰলোকনাথ ও মানবাসীৰ মননিশ্চমতায় মাসলা ৰক্ষার মহান আলেখা—



বরেপ্রী — রূপ্র — আবেরা — আরোছারা অরোর (মেনিনীপ্র) - জনপ্রি (বোনারপ্র) - রবা (বিরাটি) - জাল্ম্নী (বনিরহাট) ও গারে। ক "কল্মিরা রেকডে" ছবির গান খনেলে"

(SA GAGE)

আম্বাণ্য দেশ্ব



লী ফক



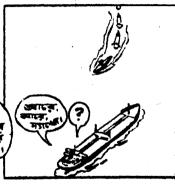














প্রিচমবংশার চেটকল ধর্মাঘট বভামিন সংভাবের বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য ঘটনা। প্রিচারশের 40ि छोन्दान आह आछाडे लक्क अधिक कक्क करता (दर्ध रहिम अंदर अमामा शरिन) प्रशा নিম্নে এইসর মিলের শ্রমিকরা গত ৪ আগস্ট থে ৫ - আনিস্প্রবালের জন্য ধ্যাঘট - শ্রে করেন। ধর্মার্ হওয়ার অব্যবহিত পরেই ভারত সরকারের বৈদেশিক বাণিজা দফভারের সেকেটারী ইমডিয়ান জুট মিল জ্ঞানসেসিয়েশননের কর্তানের ফোন করে জ্ঞানিয়ে দেন যে, আনুলোসিয়েশন যদি অবিকাশৰ অন্তৰ্ভীকোলীন একটা বেতন ব্যাধ যেখণা কানে তা হ'ল ভারত সরকার শ্রুক ছাড় ববেদ সাখোগ সাবিধা করে দিতে রাজি। এই ধর্মাঘটর সমিংসোর জনা ইতিমধ্যে নরাবিলিতে ভারত সরকার চটকল সমিতি ও চইকল প্রমিক প্রতিনিধিদের বৈঠকের ব্যবস্থা হয়। এই বৈঠকে অবশেষে সর্বস্ফাতিক্স স্থির হয় যে, ১ আগস্ট গে ক চটকল শ্রমিকরা ৩০ টাকা করে অক্তব'তী সাহায্য পাবেন। এ ছাড়া চটকল মালিকরা **প্রমিকদিগকে** নবেশ্বর মাসে সামরিকভাবে ৩০ টাকা হিবেন। বোনাস আইন ামতেবেশ ৪ .শভাংশ বোনাসের উপর সাময়িকভাবে এই অতিরিস্ত টাকা দেওয়া হবে। বদলী শুমিকদের শ্বাপারে কমিটি চটকল শিক্তপর কমী সংখ্যার প্রয়োজন সামরিকভাবে বিচার বিবেচনা করে দেশবেন। নীতিগতভাবে আরও শ্থির হয়েছ যে পথায়ী পদগ্রনিতে পথায়ী কমী। নিয়োগ করা হবে। চুন্তির শতাবিলী ভারতীয় চটকল সমিতি এবং টেড ইউনিয়ন সংস্থাগড়িকর জনা-মোদন সাপেক। সোমবার ১১ আগস্ট মহাকরার শ্রমফ্রী প্রীকৃঞ্জন যোষের যার চটকল মালিক ও শ্রমিক প্রতিনিধিদের মাধ্য দিলিতে সম্পাদিত অস্তা চুক্তির চাড়ার্ডতা ব অন্ মোদিত ও স্বাক্রিত হবে। ১২ অংগত মধ্বনার সংতাহবাপী ধর্মাঘট প্রত্যাহত হবে।

रहनी मरबार

আছা এরদানে ব্রহ্মনাটর সভার গাহীত প্রকাৰে গাত ৩৯ জানাই বিধানসভার কিয়া প্রিলাসের উল্লেখন ও বর্ষার আচ্চেগের তার নিলা করে এই গায়াণ কাজে" লিগত বর্ষানর বিবাশে কঠোর শাসিত গ্রহণের দাবি জানানো হয়।

 जागनधे—अक तरत नाभगन र्या उत्तान ক্ষেক্ত হাসপাতোলের সামান হাস্যামার দর্গ এই হাসপাতালের ২২ জন রোগাঁ সহ ৭০ জন আরত হন। এর মধ্যে পতিজনের আয়তে প্রেডের। এ সম্পর্কে প্রিলস হার কভিকে গ্রেফভার করে। এই হাসপাতালে ধর্মান্ট্রী প্রমিক-কর্মাচারী ' তিরিংসক-নারসাদের অর্ডিনেশন কমিটির পক্ষ থেকে অভিযোগ कता इत्र श्रीकास्त्र सामानदे अदे घर्नेना घानेक। व बागमहे—बाक लाकनदात्र यहरुशार कर শুটনা দটে : ডিপ্টি স্পালার দ্বীসাদিলকারে একটি সিখ্যান্তর প্রতিবাদে গ্রী এস কে প্রিল প্রমুখ প্রায় ৬০ জন কংগ্রেস স্বস্য সভাকক रक्तक हाल बान किन्छू १९१क बान झाउ ५० करा। এনের মধ্যে ১৭ জন মত্তী। ক্রীখাদিলকারর সিকাদেতর সংখ্যা সিনভিকেটোর অন্তম শতম্ভ ক্তমুদ সভাপতি জড়িত। এই ঘটনা রাজনৈতিক



প্রত্যাবন্ধকানের মতে 'সিমভিয়েকট-ইন্দিরটা বিশ্বস্থাপ্রতি আন এক জাক্তাল্যমান অম্পা।

পাতাল বেলের ছারা হাওড়া ও নিব ব্যবহু ক্রেমন লাটির মধ্যে সংযোগসাধানুন প্রপ্রবেটি কলকাতা চকরেল প্রকাশের সংখ্যা যাত্র বিশেবজ্ঞ-গণ বিধ্যান করবেন। কংগ্রেম সংস্কার লগের বেলাভার দ্রীয়াভিং ক্রিটির বৈষ্টাক বেলানভী ভঃ ব্যাস্থাভিগ বিধ্ জাতাস নেন।

আছ সদ্ধ য় বক্ষকাত। ক্ষেমাবেল প্রেপট কাজিস এক বাস প্রাক্ষমনের এব খনিব মধ্যে প্রচন্দ্র একটি বৈমো ফাটো এট ১৮২ বিক্ষেতিত বেমাব উন্নয়ের মাধ্যত এক ৫ তার পেডাগের তেরজন কম্মী আত ১ ১৯০ টানের মেডিকাল কর্মজ হাসপ্রাহারে প্রচন্দ্র ব্য

১ কাগস্থা—ভিবিদ নিগ পর আন্ত বার জাটের নগদাল মেডিবরণ কলেজ হাস-পার লের শিক্ষক, ছাত্র, নবস, প্রামক-কমটিরী-দের মাঘিট প্রভাষার কবা হয়। জম্মায়েই কালিছে সাপারিনটোলভানটের অসাসবাবের দাবিতে আন্ত ১০ জনোই পোকে এই মাঘিট শার্ হয়। মাধারীজ তদত্ব কামিটির বিশোরটের ভিত্তিত

রাজা সরকার প্রাপ্তারের ঘটনাবজী সংশক্তা ছয়জন প্রলিসকে সামরিকভাবে বরখাদেতর (সাসপেনভ) সিন্ধানত নিরেছেন রজে বিশ্বসত-সতে জানা গিরেছে। পুই-একদিনের মধোই এ সংশক্তা সরকারী আদেশ জারি করা ছবে।

১০ जागनमें कराशन धम नि श्रीवर्णान

জাবারা বাছাঁপ ক বিবাচিন শ্রীপিনিত সাধার কথা প্রকাশে বিবাহন করেন। ইচনার প্রথম করেনে সমাধান করেনে। ইচনার ক্রমিটির সিংধানের বিবাহধানেনি সিংধান কেন্দ্রীয় ছেনানিটি চা তথা সমাধান বিবেবিদ্যালয়ের ছাড়ুখা সেখন। বছাল পরে শ্রীয়ভী পানজা নাইছু বিশার সংবাহন এই পন শ্রানার্য। সেই থেকেই বিবেবিদ্যালয় গারমিন বভিন্ন সদসাদের সিয়ের ক্রম্যালয় বাচামিন বভিন্ন সদসাদের সিয়ের ক্রম্যালয়

वित्रमणी সংবाদ

- ৪ আগদারী— আমেরিকার মহাকাশ বিজ্ঞানীর আজ ছেবলা করেছেন বে, 'মন্ত্রিনাত-ও' রুইর উপগ্রহকে নির্দেশ পাঠনেনা বারেছে—মগতে গ্রহর চেহার বখনে বেননাটি হার গ্রেছ মধ্যে কেটা করেছে করেটা করেছে করেটা করেছে করেটা করেছে করেটা করেছেল করেছে করেছেল করেছে কনেছেল করেছেল করেছেলেছেল করেছেলেছেল করেছেল করেছেলেছেল করেছেল করেছেল করেছেল করেছেলেছেল করেছেলে কনেছেলে
- ৫ জাগদেউ—লেভিজেটের স্বেকারী মুখ্যতুর্বীজ্বলেভিজ্ঞা বর্গছে থে, রামনিয়া বর্গ স্বাচ্ছা তারাই বিশ্বির ছেড্রে বেরিরে ব্রহম নিয়া বর্গ ছালা তারাই বিশ্বির ছেড্রে বেরিরে ব্রহম গ্রেকা তারাজ্ঞার করিব। করাটা রামনিকা এর আমেরিকা বেন ভূজে না হাম। কর্মক্রের রাজ ইস্কিভিস্করের এই ক্রাকে রামনিমার প্রতিরাধ্যার প্রজ্ঞার হামকি ব্যক্তি মান ক্রাছন।
- ৬ জাগদাই—বৈবাই নাগা ও নিজাবে সামারিক দিক্ষা দেশুরার জন্য পার্নি পারিস্থানে কৃত্রিকার বাছে একটি দিবির থেকা হারেছ এই সামারিক দিক্ষা দিবিরে এখন প্রায় এই রাজার নাগা ও লিক্ষা দিক্ষাই ব্যয়েছে। প্রমাণ সন্ত্রে পাওর খবরে একথা জন্য গেলা।
- ৮ জাগ্রীস আরু এক সর্বামী ছোলা মান্ত্রান্ত বল হায়েছে সীমাতে বালি বি স্পার্কা চুনি-সোভিয়েত মান্ত্রান্ত আরু হাম বে,৪৭৫ কেছ হায়েত। আলোচনা বাব এন প্রাটালাক স্বামন্ত্রিত হাম এবা প্রচা মালাচ্যা আলোমী বংসর চীলে হার বলে সিটা
- ৯ জাগস্য দিলির বিশেষজ্ঞ নহালর রিছি
 নাত ঃ প্রবি একা প্রসের ফলে ভারত দেবলী
 বালিছে বা ভারতকে প্রান্ধানের সাংগালারের বিশিক্ত হাবে না। ক্লানাসবে সাংগ
 ভারতের বালিজ্ঞার পরিমাণ খাব একট বিশ্বন
 নাম এবং একখালত জ্লানাস ভারতকৈ খাব বেলা
 ভাবা নিমে সাহার্যা করেনি। ক্লান মন্যা হালাব
 ফলে ভারতীয় মন্ত্রা ও জার জনিন্দারির
 ম্লোর বিশেষ পরিবর্তন্ন হবে না।
- ১০ আগস্ট পারিক্তান যেকর দেশ গোর অস্থান্ত ও সমরস্থানে কিনেছে, ৪৪ মার্থ চেকান্ড্যোভারিরার নমেও যাত্র হালো। গান্ত করেক মাস পারিক্তান চোকান্ড্যোভারিনার এই যেকে প্রচুষ পরিমান গোলারার্থ ও অনানি সমনস্থান ক্লেকা

रधान्त्रे स्थानक । स्थान्त्रे स्कृताः

নিমলক্ষারী মহলানবিশের काम छ-स्मा हिस्स्था

यद्दबादि %

वयीग्नुनार्यव ग्रुरवाभ क्षम्यव मह्यानियात वाय। अखत्रक अक्रि बारमधा। समस्य कि त्याचित्र।

বিমল কাৰেব

कीला भक्त भगावव

আৰ একটি অসাধাৰণ বচনা

বাদ,কৰ (t) নবজ্য উপন্তুস

সুকুমার

আবোলতাৰোলের কবি, সন্দেশের সম্পাদক সক্ষার রায়ের জীবনক্ষাতি কথা

আশ্ৰত্তোৰ স্বৰোপাধ্যয়েছ

সাত পাকে বাঁধা ৫১

প্রশাস্ত চৌধরীর নবতম উপন্যাস

গোধুলী-রঙীন ৫. |

আশ্রতোষ মাধোপাধ্যায়ের

বাজাকর ৮.

বিভৃতিভ্ষণ বনেদ্যপোধায়ের ন্তন ম্দুণ

আরণ্যক ৬॥ দুষ্টিপ্রদীপ ৰীলগঞ্জের ফালমন সাহেব ৪, প্রবাজ বলেনপ্রান্ত

দক্ষিণারজন মিত্র মজামদারের

ठाकूतमामात अर्लि 8॥ किरभात श्रम्थावनी 8॥

नीत्रमहत्त्व कोश्र.वीत

वात्रानी जीवरन ब्रमणी ১०

नीना मक्रममाद्वत

আর কোনোখানে

গভেন্দ্রক্ষার মিতের অসামান্য উপন্যাস

আমি কান পেতে রই ১৪,

রাত্তির তপস্যা

b, महन e मीध

সৈয়দ মুক্তবা আলীর

ताजा উक्जीत ४.

তারাশংকরের

উত্তরায়ণ ৫॥ **যোগদ্রন্ট** ৭,

ভারতের শ্রেষ্ঠ চিম্তানারক্ষের বচনা গান্ধীসতবাষিকীর শৃন্ধাঞ্চল

গান্ধী পরিক্রমা ১৫১

অচিশ্তাকুমার সেনগ্রেণ্ডর

গোরাঙ্গ পরিজন ১০১

অবনীন্দ্রনাথ ঠাকরের

যাত্রাগানে রামায়ণ ৯

বিষ্ণ 👁 বোধ, ১০, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা-১২





विवयं		প্ৰা
অভিবৃদ্ধিঃ গ্লাম শহরে—	-	024
ৰাপাচিত্ৰ—	-	०२७
त्रानमीति नावान कावा-	•	०२व
देवरमिकीरमवदाष्ट्र	•	OSA
म् मा भड़े — श्रीनवात्म भ्रम्	-	022
স্বশ্ব कार्नाम-	•	002
ৰাহ্ৰেৰ স্বগতোত্তি (কবিতা)—শ্ৰীব্দ্ধদেব বস্	•	000
আলো অন্ধকারে—শ্রীপ্রলয় সেন	-	006
গানের আসর—শাঙ্গ দেব	•	082
পঞ্চল্য—ডঃ সৈয়দ ম্জতবা আলী	-	080
क्रम् (तत्र मिह्नि मत्रत्यम	-	086
পারাপার—শ্রীশীর্ষেন্দ্ মনুখোপাধ্যায়	•	082
ডায়েরির ছে'ড়া পাড়া—ফা দার দ্যতিয়েন	-	000
भारतित्वत विकि श्रीभूषदीन्यनाथ भ्रद्धाभावात	•	000

ट्याउँ एम्बर स्त्रबा वहे

পাপ্তে ৰই

অতি মনোরম সংস্করণ।

সাড়ে-আট বছরের শিশ্ব পাশ্বর অবিস্থরণীয় সাহিত্যকীতি।

[4.00]

এক যে ছিল শেষাল

শিল্পী শ্রীপ্রতুল বন্দ্রোপাধ্যায়ের ছবি ও লেখার **অ**র্থাের পশ**্র**-भाषीत्म्य **कौ**यनवाहात कृषि। [3.40]

देशमान माधी

স্বপনব্যভার রচনা, শ্রীসমর দে-র বর্ণালী ছবি। ভারত সরকার কত্ৰ প্ৰশংসিত। [2.00 4 2.40]

न्यामना-नीचित्र ঈশান-কোৰে

ডঃ 'শশিভূবণ দাশগ্ৰেডর ছন্দে 🔸 শ্রীস্থা রারের ছবিডে অপর প। [4-40]

र्घावत त्थना

শ্রীবাদল সরকার রচিত ও চিচিত ছোটদের ধাঁধার বই। বাঙ্গার अपन वहे शब्दा। [2.00]

कार्टिक বৌদ্বগ্যক্ষ 'স্কেতা কর রচিত শ্রীস্থে রার চিত্রিত সেরা বৌদ্ধ-গলেশর नरक्शन । [5.60]

হৰিতে প্ৰেৰী ১ (जारिक ब्रुश) २ (शन्यत्र म्हण)

শ্রীমনোমোহন চরবতী রচিত শ্রীপ্রত্ব বলোপাধ্যার চিল্লিড বুই ब्रुट्गत क्रडीन हिट्ट नक्न विवस्प । [शिंक काम ५.२६]

ब्रांग ब्रांग ভারত খিলপ

শ্রীপূর্ণ চরুবতী রচিত ও চিত্রিত ভারতের ক্রিপনিবর্গনের ইতিহাস। বহু ছবি। বাজনাত্ত অন্বিভাগ বই। [9.00]

ग्रन्डक छालिकात समा निष्टन

০২এ আচাৰ' প্ৰব্যৱস্থা নোভ # কলিকাতা ৯

<u> च्यार ग्रह्मचे सर्गानक स्टेटन</u>

क्षित्रद्वायमध्या स्थापकी

ছোটদের কল ভারতের বিভিন্ন রাজা जित्व क्षेत्र क्ष्म्यति न्यवस्त्रन्थः व ত্ৰমণ-কাহিনী

वायापित (१४

देखियाः जनः । मरिक्रन

প্রতিটি অভের হল্য : ২-৫০

তামিলনাড় পৰ

नीवरे शकानिक हदेरन।

শ্রীস বোধকুমার চক্রবতী

क्रियान-क्रियानीलट क्रमा

ट्राफे जिल्ह्याहिकिक कुलराज्यान बाब

कुलमा-किरमाज गब छ उ है श

भ्रतारपत कृत् कवावीतरमागर, स्वयाम नक विश्वति । श्रीवनद्व । अरे शक्तिक वक्तन नवन्त्रत श्रीवस्त्र । म्ला : ১०.००

भूवा कीवनकथा ७ गौना अनक

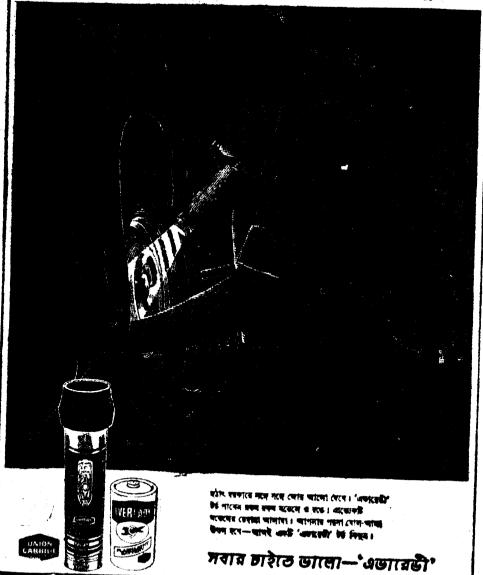
श्रवधाया शिवी वावस्यया या

শ্রীগাপোশচন্দ্র চরবাতী

EMI : 20.00

३ शकानक ३ अ. ब्यूबाकी कार-छ तकर कार किर २ विकास कालेकी नहींते, क्लिकाका-५२

জক্ররী দরকারে একটি 'এভারেডী' টর্চ হাতের কাছে রাখুন।



LEC 61 14



বিষয় বৈশ্ব		श च्छा
बाःगात हार्गाहत-श्रीआवम्यन अन्यात		060
क्रीवन त्व ब्रक्म-हीज्नीम गर्भाशाव	•	069
বিদেশের চোখে পথের পাচালী—প্রীচিত্তরপ্পন ঘোষ	•	095
ৰাথিক ভারত—শ্রীস্ত্রত গ্রুণ্ড	-	098
ঘরে-বাইরেশ্রীমতী	,= '	999
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী—চিত্ৰপ্ৰিয়	•	690
কৃত্ থেকে ক্যাম্পারের ওখ্যে—গ্রীপ্রাণেশ চক্রবর্তী	. •	082
बार्वाञ्चा—		040
ন্প ও নৃপদান নৃপক্ষা—শ্রীশিশির রার চৌধ্রী	•	640

निग्र्शनक-अद

হারেম থেকে বলছি ৬১

नहेबाजन-এव

জ্যোতিবিন্দু নন্দীর

लर् ४ गान्धात ५८ नी ७ ८८

मञ्जिम बाजग्रहरू

সামনে সাগর ६

कम्पानम् नाटनत

जात्नात नगन ७.८०

ৰহ্বদশীৰ

वर्दमर्भीत नक्भा ५

मरामामा लगीत-रगोत्रिशा विक्राशिया ८

र्माननाम बरुम्हाभाशास्त्रत्-

স্ব-নিৰ্বাচিত শ্ৰেষ্ঠগলপ ১০১

বিশ্বাস পাৰলিশিং হাউস, ৫/১এ, কলেজ রো, কলি-৯

Company of the Control of the Contro
शम्राभव ३०.००
बाजगणकत्र सम
क्षात सन • • • •
बार्ट 8.00
त्रमाशम दर्शभद्वी
ভারতবর্ষ 🔹
क्रमाना भरू • • • • •
এখनरे ৮.००
স্ভাৰ হবোপাধ্যার
이 사이 하나에 가는 사람이 있다. 그 사는 생각이 되는 것이 없는 사람들이 다른 📥
नात्ररमत छाटम्रोद
●·৫০ শিশ্ৰা হৰ
कारात नश्नात व.००
काटनं भगवदीन 👙 ७-००
আশ্ভোষ মুৰোপাধ্যাৰ
वारमात्र ठिकाना
8-40
শচীন্দ্রদাশ কল্যোপাধ্যার
ञानम टेंड्रवी
indian at President Service
ৰপরিচিডের নাম ৪-৫০ দীপক চৌধুরী
अभिनिहिस्स्त्र नाम 8-৫० गौभक क्रोध्द्री स्थिता अ 6-००
অপরিচিতের নাম ৪-৫০ দীপক চৌধুরী হৈবা ও ৫-০০ গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য
अभिनिहित्स्य नाम 8-४० गौभक कोध्यी द्यता ७ - १-००
ভণরিচিতের নাম ৪-৫০ দীপক চৌধুরী হৈঘরাও ৫-০০ গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের প্রভুল ৮-০০
অপরিচিতের নাম গীপক চৌধুরী হৈবাও গোরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের পুতুল ৮০০০ জরাসন্ধ
কপরিচিতের নাম গীপক চৌধুরী হৈলা ও ৫-০০ গোরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাবোর প্রত্বা ৮-০০ করাসন্থ কেহাশন্পী প্রাপ্তার খটক
অপরিচিতের নাম ৪-৫০ দীপক চৌধুরী হৈছর ও ৫-০০ গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের প্রভুল ৮-০০ জরাসম্ম দৈহশিদ্পী ৬-০০
কপরিচিতের নাম গীপক চৌধুরী হৈলা ও ৫-০০ গোরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাবোর প্রত্বা ৮-০০ করাসন্থ কেহাশন্পী প্রাপ্তার খটক
কপরিচিতের নাম দীপক চৌধুরী হৈরাও গোরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্রের পুতুল ৮০০০ করাসম্ম কেছাম্মন্স গোলভাব ঘটক তিলপুরুর্ম ১ম ১২০০০ বন্দ্রের
কপরিচিতের নাম গণিক চৌধুরী হৈরাও গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য ইং০০ করাসন্থ কেহিশিক্সী গণিতার ঘটক তিন প্রের্থ ১৯ ১২-০০ সন্য প্রকালিত ২র ৬-০০ বনক্স গোপালাকেরের ক্রমন
লগিব চোধুরী হৈবাও ১০০ গোরীশক্ষর ভট্টচার্ব মহাকাব্রের পুতুল ৮০০০ জরাসম্ম দেহামিশ্সী ৬০০০ প্রাগ্রের মটক তিল পুরুর ২৯ ১২০০০ বনহন্ত গোপালব্বের শুন্দ শোপালব্বের শুন্দ লারারণ গলোপাধ্যার চাপার গম্ম ৩০৫০
লগরিচিতের নাম গণিক চৌধুরী হৈলাও গৌরীশক্ষর ভট্টার মহাকাব্যের পুতুল ৮০০ জরাসন্ধ দেহশিদ্পী গণভোব ঘটক তিল পুরুর ১৯ ১২০০০ সন্য প্রকাশিত ২য় ৬০০০ বনফ্ল গোপালদেবের ব্যুক্ নারারণ গলোপাধ্যার চাপার গাম্ম ভগাতিরিন্দ্র নন্দ্রী
কাপরিচিতের নাম দীপক চৌধুরী হৈরাও গৌরীপক্ষর ডট্টচার্ব মহাকাব্রের প্রুক্তা ৮০০০ করাসক্ষ মহাকাব্রের বটক তিল পরের বটক তিল পরের বটক বনফ্ল গোপালব্দেরের ব্যুক্তা নারারণ গলোপাধার চীপার গম্ম ক্রেটিরন্দ্র নন্দী বল্লত রঙীন ৪০৫০
লগরিচিতের নাম গণিক চৌধুরী হৈলাও গৌরীশক্ষর ভট্টার মহাকাব্যের পুতুল ৮০০ জরাসন্ধ দেহশিদ্পী গণভাব ঘটক তিল পুরুর্ ১ম ১২০০ সন্য প্রকাশিত ২য় ৬০০০ বনফ্ল গোপালব্যের ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোণালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক গোপালব্যার ব্যুক্ গোপালব্যার ব্যুক গোপালব্যার ব্যুক গোপালব্যার ব্যুক গোপালব্যার ব্যুক গোপাল্যার ব্যুক গোপালব্যার ব্যু
দাপক চৌধুরী হৈল ও ১০০ গৌরীশক্ষর ভট্টার্য মহাকাব্যের পুতুর ১০০ জরাসন্ধ দেহান্দিশী ৬০০০ প্রাপ্তার ঘটক ভিলপুরুষ্ ১৯ ১২০০০ পদ্য প্রকাশিত ২য় ৬০০০ বনমন্স গোপালব্যের ব্যাপনার চীপার গান্ধ জ্যাতিরিন্দ্র নন্দী বসন্ত রঙীন ভাগাপ্যা দেবী



গিরিলকে দেখুন-খখন ওর বরস্থিক ভিনমাস। মাত্র ১ সংগ্রহ
ধরস থেকেই ওকে আমূলপ্রের
বাওয়ানো ওক হয়।
ভারীরেরও উরভি হ'ডে
ব্যুক্ত চমংকার।

अथन उरक (म्थून !

"আমূলশেণ'র এক প্রাণবন্ত, চোধকুড়ানো লিশু। রোজই কিছুনা কিছু লিখে ফেলছে।" স্থার্কে বলেন, ১৩ মাসের ছেলে গিরিলের বাবা জী দিলীপ চৌবল।

আপনার বাচ্চার জনোর ওজনটা ছায় মাসের মধ্যেই বিশুপ এবং এক বছরে ভিনপুণ বেড়ে বাজার উচিত। আমূলজ্যে চমৎকার এক সুবম বাবার। বাচ্চালের বজ্মও হয় পুর সহজে। বাচ্চালের পারীর আরও ভাল পুট ক'রে ভূলতে বাড়ডি বে প্রোটিন দরকার,ছধের বাবার আমূলজ্যেতে আছে সেই বাড়ভি প্রোটিন।

আমূলতো তৈরী হয় উন্নত বরণের তো ডাইং পছতিতে। মাধিন শুক্তরাট্টে এই পছতিতেই আন্ধাসমন্ত বেবীকৃত তৈরী কছে। গোডাইং পছতিতে বুধের প্রোটনের সার আরও ভালভাবে সংযক্তিত থাকে।

হাক্ষার হাক্ষার মারের। বুন্দের প্রথম বিকর হিসাবে বা এক পরিপৃথ্যক থাহার হিসাবে বাচ্চাদের একেবারে এক সপ্তাহ বয়স থেকেই আম্লুক্তে বাভারাক্ষেত্র। আরে তাই বাক্ষারে বের হবরে ঠিক গু বছরের মধ্যেই আরিছের বেবীযুক্ত কলেট্র মধ্যে আম্লুক্তেই বিক্রী হচ্ছে স্বচেয়ে বেবী।



মারের মুখের এক চমৎকার বিকল



বিষয়	লেখক		পঞ্চা
সামান্তের এই শৈল শহরে	র—শ্রীকিরণশধ্কর মৈত	-,	৩৯৫
সাহিত্য সংবাদ—সনাতন	পাঠক	-	029
প্তিক পরিচয়—		•	ల ৯৯
খেলার মাঠে—একলবা		-	802
बरार्डाभ॰डेरनत आई,न कान	्न- भ ्कृत	-	804
अंत्रणादमब —		-	806
রজজগং—		-	809
সাংতাহিক সংবাদ—		-	879

शक्त : श्रीतामानग्त वर्ग्नाशाधाय

And the second s			
প্রত্থিত এগ্রহ	সমরেশ ব	भर् त	
পাতক জ	50	বান্দা	Ŀ. 00
युरुवात देवभा	াখ ^s	ो वमख	৬.0 0
म्योननुष्यात स्थय-ध्यः ี	ग्रक	মেইলার	9.00
বীয়েশ্নাথ সংকার		শাক্ত মহারাজ-এর	
পথের তীথে	q.00	देवभाशी भर	र्ग या
রঃ,ক সংক্রেন্ডেন-এর			6.00
অগ্নি স্বাক্ষর ^{শ্রীক্ষরতার}	c 00	শণান ছোল নগরীর অডি	डमा প
ছा श्रारमारन	5 -00	মহাদেবতা ভট্টচাম'-এর	4.01
কণিতক	•	র পরাখা	ه٠٥٥.
ঝাড়খণ্ড সীমা		নার্যেণ স্বা ল -এর	
•	რ-იი	সত্যকাম	9.00
সন্তাট সেন চিরঞ্জীব সেন শৃংকরমাথ রায় শ্বামী নিলোপানন্দ	;	ক্ষণ অস্কীকার নায়ক নায়িকা রহস্য ভারতের সাধক (৯ম) রামকৃষ্ণ বিবৈকান্দ জীবন	ाटनाट क
कत्वा शकाभनी : :	১, শ্যামাচ	রণ দে স্ট্রীট, কলকাতা-	>>



ক্ল্ হনের বিক্ষ্যন পাকিস্তান

অনেক—অনেক তালানা চাঞ্চলাকর কথা বলেছেন লেখক এই গ্রন্থে। বলেছেন, সেই সব সংগ্রামী ছাচ্চদের কথা ধারা কারফিউ অমানা করে গভীর রাটে লক্ষ মশাল নিয়ে এগিয়ে ধায় কৌনগান আর রেনগানের মাথে: ভাক লিয়ে বলে, কে কে গরতে চাও, এগিয়ে এলো। বেরিয়েছে। বারো ট্রামা।

শক্তিপদ ভাইগ্রের

প্রবাস ৬.০০

লেশক এই বইটো এটকছেন কভোলালি মান্ত-হাট অথাভাবে জীপশিলি মান্ত নামের কভোলালো জীবের কথা।

म्,सार भगक्षमाद्वद

হারেমের নায়িকা

মদের পাত স্থান রেখে শাহকানে আর হারেম-বলিননী স্নেরীর কলকঠের সঙ্গে বেখানে মিলে মিশে গোছে গ্রেভাযাতকের চাপা অটুয়ানি সেই হারেমের রোমাণ্ডক কহিনী: গুল্প নর স্থিত। ৬-৫০

বশুন্ ব্ৰেলাপ্টায়ের

আদিম লিপ্সা ৪-৫০

প্রেম-নাবণিহত্যা—সর্বকিছা ছিরে রাম্ধ-শ্বাস রহসং ঘনিয়ে উঠেছে:

সাহিতা প্রকাশ

৫/১, রমানাথ মজ্মদার স্থীট, কলি-১

ए० श्युमा लाङ!

ষ্টক থাকা পর্য্যন্ত



व्यक्ति क्रि.न (वान्किकात भावसान कारभव सक्ताहे बरश्रह (ec - आम नीके)

শক্তি, উৎসাহ ও স্বাদের জন্য- প্রীত্রেক্তিস্ বোর্বভিটা !

Bensens 2546 A.

34 4	THE PARTY OF]
the second secon	ाद व्यनगर्॰छ स्ट्रिकेट	हीं कि मुंचित
रेजारच्छेत्र स		\$5.00
অচিন্তা গ্রন্থাবল	ll ১ ন খণ্ড	2A 00
শত গলপ ২০.০০ ই		1 8 00
	র্ত্নাকর গিরিশ	:
১ন : ৬-৫০; ২য় : ৭-০০	5 60	7 4
সৌর	नि त्यन	
বলিভিয়া॥		\$\$.00
भारतालिनी अ गर निमालिक	ि उट्टरगाज ।। अद्युगानामाम	5-00
জালিয়ান ওয়ালাবা		. <u>გ</u> იი
অমিত	াভ গ্,⁺ত	
भद्रव भारि	কন্তান॥	\$5.00
সমন্দ গ্ৰ•ত	অংশ	, দত্ত
	<u> </u>	
বঙ্গভঙ্গ ১৯৫০ উ	খিত আফ্রিক	25.00
স্থময় ভ	টুটোয শাস্তী	\$\$.00
***************************************	টুটোয শাস্তী	\$8.00 '
স্থময় ভ	^{টুচোম} শাস্তী চ্রিতাবলী	†
শ্বন্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ভ	^{টুচোম} শাস্তী চরিতাবলী চরিতাবলী মাগ্রা স্থিত	28-00 ,
^{স্থময়} ভ মহাভারতের রামায়ণের	^{টুচোম} শাস্তী চরিতাবলী চরিতাবলী মাগ্রা স্থিত	\$ हर - 0 o श•८ अप
শ্বন্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ত মমতাজ-দ্বহিতা ও লোপাম্দ্রা	^{টুচোম} শাস্তী চরিতাবলী চরিতাবলী মাগ্রা স্থিত	\$8.00 \$7.5% \$8.00 \$-00
শ্বন্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ড মমতাজ-দ্বহিতা ও লোপাম্দ্রা প্রতিনায়ক	^{টুচার শাহনী} চরিতাবলী চরিতাবলী মাগ্রা ভিজ্ঞা সাহানারা ঐ	\$8.00 \$7.5% \$8.00 \$-00
শ্বন্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ড মমতাজ-দ্বহিতা ও লোপাম্দ্রা প্রতিনায়ক	ট্টার্য শাক্ষী চরিতাবলী চরিতাবলী মাগ্রা ভিলাবর জাহানারা এ	\$0.00 9.00 \$4.00 \$4.54 \$6.00
শ্বন্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ত মমতাজ-দ্বহিতা ও লোপাম্দ্রা	ট্টোর্য শাক্ষী চরিতাবলী চরিতাবলী মাগ্রা = নিল্লেই সাহানারা ঐ া নিল্লেই	4.00 4.00 4.00 56.00
স্থান্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ও মমতাজ-দ্হিতা ও লোপাম্দ্রা প্রতিনায়ক ফিরিঙ্গি হাওয়া	ট্টোর্য শাক্ষী চরিতাবলী চরিতাবলী সাপ্রা = ইপ্রেয়র সাহানারা ৄ া নিন্দুল্যকর া পার্য চার্যপ্রায় া ক্রিক	\$0.00 \$0.00 \$0.00 \$0.00 \$6.00 \$6.00
শ্বন্য ভ মহাভারতের রামায়ণের আরাবল্লী থেকে ও মমতাজ-দ্বহিতা ও লোপাম্দ্রা প্রতিনায়ক ফিরিজি হাওয়া গণ্ধরাজ জাতিসমুরের শিল্প	ট্টোর্য শাক্ষী চরিতাবলী চরিতাবলী সাপ্রা = ইপ্রেয়র সাহানারা ৄ া নিন্দুল্যকর া পার্য চার্যপ্রায় া ক্রিক	\$0.00 \$0.00 \$0.00 \$0.00 \$6.00 \$6.00

॥ या जानरकत ॥

১লা আশ্বিন আসছে
গায়ের অগুদ্তি
শারদ সংখ্য

উट्लिंग तथ

উল্টোর্থে আসছেন

সন্বোধ ঘোষ সমরেশ বসন্ বিমল মিত্র

তিব্যালের নিয়ে আদেছেন একটি করে স্বাহুছৰ
মহান ওপন্যাস : উপন্যাসের নামে বড়গাল নাম
সভিন্যাসের উপন্যাস—জাতে উপন্যাস, মানে
উপন্যাস বিস্ভাব ও গভাবিতার উপন্যাস ।

সমরেশ বসরে উপন্যাস যার যা ভূমিকা সম্বন্ধে

४० वर्नाष्ट्रय शहरक गामेहराह मानाइन, अकिंगे িশের নাউক ক্রেখবার আগে, **নাটকের প্যান**-। শালে একবার পরিদর্শন করতে। **ভার সংখ্য** গ্রেছন, **যুবক প**রিচারক, **মঞ্চের মালিক-**शहराङक-गाउँकिएतवरे यन्य**, आत अक्टि** র পদী হারতী-একজন **মন্তিপ্রিচিত।** ু প্রতিপ্রতী। এইদর যাতার বহু হল **এক বিরাট** িলোত গাড়ি, রথী একজন বিহারী **ভাইভার**। ুলানেগ্ৰহী, **লোহ-আক্**ৰ-মান শহ**ৰের প্রাণ্ড** আৰু গভাৱৈ **অৱদ্য এদেৱ লক্ষ্য এবং গদভৰা**। ন*িক স*্থিতীর এই যায়ার নেপ্রথা, **আর** এক িতিৰ ক্ৰিল মন স্পৃদ্ধি নাইক **ঘটতে পাইক** প্রাচ কলালবকে ছিবে। ভালের **পটিকলের** জবানীডে, সম্বেশ বস্, সেই কাহিমী অত্যত আকর্ষণীয়ভাবে উপস্থিত করেছেন, এবার শারদীর সংখ্যাগ**্রলার, সর্বাপেকা** সালীঘা উপন্যাসৰ মাধ্যমে।

আগামী সংখ্যাহে স্বোধ ছোবের ও বিমল মিতের উপনাসের পরিচর দেওরা হবে। উল্টোখনে অব হাঁল আসাছেন ভাঁদের নাম একতে প্রকাশিত হাল, বাঙ্গা সাহিত্যের প্রায় সকল উল্লেখযোগ কথাখিলশীকেই দেখতে প্রথমন। এই অভাবনীয় সংখ্যাতির শাম

পাঁচ টাকা

জামাকাপড় ধবধবে ক'রে কাচতে চান?

বালতি, বোতল বা অনু জলের পাত্রে লালতে দাগ ধরলেই ব্যবেন, আপনার বাড়ীর জল খরজল। এ জলে দাবান বা লাধারণ ওয়াশিং পাউডার দিয়ে কাচলে জামাকাপড মোটেই সাদা হতে চায়না।



IROK

ভয়াশিং পাউভার

বিশেষ উপাদানে তৈরী

তাই খরজলেও প্রচুর ফেনা হয়,কাপড়জামা পরিদ্ধার ঝকঝাকে করে তোলে।

মামুলী সাবান বা ওয়াশিং পাউডাবের চেয়ে 'স্পা' ওয়াশিং পাউডাবের ময়ল। পরিস্কার করার ক্ষমতা চের বেশী। 'স্পা' দিয়ে কাচলে ধরকলেও জামা-কাপড় ঝকঝকে পরিদার হয়, একেবারে নতুনের মত দেখায়।



কুত্ৰ খোডাউস লিমিটেড, কালকাত্য-১



প্রকাশিত হল



माम ७.००

তারা তিনজন—তিন কন্যা—জয়ণতী, সবিতা আর বন্দতা। আর দশটা সাধারণ মেরের মতই তারা তিনজনই সংসার চেরেছিল, শ্বামী চেরেছিল, সদতান চেরেছিল। সংসারে সব মেরে যা চায়, তারাও তাই চেরেছিল। কিন্তু এমনই তাদের অদৃষ্ট, এই সামানা আকাশফাট্রকুও তাদের পূর্ণ হরনি। স্থা স্বাভাবিক জীবনের তৃষ্ণা তাদের অতৃশ্তই রয়ে গেল চিরিদিন। অথচ অপরাধ তা তাদের কিভুই ছিল না; খাটোও ছিল না তো তারা কোনও অংশে আব দশটা সাধারণ মেরের থেকে! তব্তু তারা দৃঃখই পেরে গেল সারা জীবন, কেন্দে তাল, চোখের জলে নিজেদের প্রকাশ করে গেল। তারা কি তবে বেদনার মধ্যে পরিতাণ খুজেছিল, বিত্রবন ২০০ চেটা করেছিল ভাগের মধ্যে? শেষ পর্যাশ্ব

বিমল মিতের

অনন্য কাহিনী

निश्थिन

তো ভারা সন্থ হারিয়েছিল, কিন্তু চাদের প্রতায়**ও কি ছারিয়েছিল** সক্ষ বল্লো এই ভিন কন্তর কর্তিন্তী চোডের তলের মধ্যে **শেষ হলেও,** প্রচন্তর ঐশ্বাসার মধ্যে তার চিত্র-লাশ্যে।

• हारी विकास स्थापन स्थापन

জেম পরিণয় ইত্যাদি ৭০০০ আতে রইলো তিন ৬০০০ চলো কলকাতা ৫০০০ নিবেদন ইতি ৫০০০ রং বদলায় ৩০৫০ বেগ্য দেবতি বিশ্বতম ২৫০০০

কোথায় পাবো তারে

कालकृष्टे ॥ শ্রমণ-উপন্যাস ॥ দান ২০০০০

সেতৃবন্ধ

মনোজ বসঃ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ১২০০০

স্य সাক্ষী

নরে-দুনাথ মিত্র ॥ উপন্যাস ॥ দাম ১৪-০০

वन भना भन्न भनावनी

त्र**माभन टांधर्ती ॥ উ**शनग्राम ॥ नाम ४-६०

ब्रुअभी ब्राधि

অচিত্যকুমার সেনগর্প্ত ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৬.০০

भर्ग^८ अभर्ग^८

বিমল কর॥ উপন্যাস॥ দাম ১০০০০

প্রেমের চেয়ে বড

জের্নাতবিন্দু কলা। উপকাস ।; দাম ১২-০০

বস-ত তিলক

সংবোধ ঘোষ ম উপলোস ম দলে ৫০০০

সারারাত

শৈলজানক ম্বেয়াপাধায় ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৫٠০০

শতকিয়া

স্ববোধ ঘোষ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৮০০০



আনক পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড

অভিসাত ও চিন্তামণি পাস কোন। কলিঃ ৯ ॥ ফোন ৩৪-৮২৪৭ বিশ্বয়া কেন্দ্র : ৬৭এ মহাস্থা গান্ধী রোভ ॥ কলিকাতা ১

বাংলা ভাষার সর্বাধিক প্রচারিত একমার প্রথম প্রেণীর সাম্ভাহিক

ক্ষেত্ৰ

০৬ বর্ষ ॥ সংখ্যা ৪০ শনিবার ৬ ভাল ১০৭৬

্ সম্পাদক শ্রীঅশোককুমার সরকার

সংব্**র সম্পাদক** শ্রীসাগরময় ঘোষ

ক্ষাধিকারী ও পরিচালক আনস্বালার পতিবা প্রাঃ ক্ষি ৬ প্রথায় সরকার স্থ[©]ী, কলিকাতা ৯ গেকে শ্রীপতিংশাকুমার দাশগাশ্ত কতুকি ম্ভিত ও প্রকাশিত

> টেলিকোন ২০-২২৮০ **২০-৮৫৪১**

চাঁদার হার কলিকারার

হালিক ... ২৫-০০ মাণ্ডেলক ... ১২-৫০ হৈচ্ছিক ... ৬-২৫

GIRCE

বার্ষিক সভাক ... ০০-০০ বাংমাসিক , ... ১৫-৫০ ক্রমাসিক ... ৮-০০

পাকিস্টানে

(ভারতবি ম্বের)
বর্ণির স্থাক ... ৩০.০০
হাম্মানক ... ১৫.৫০
ক্যামানক ... ১৫.৫০

SIRCOR TIECE

(জাহান্ধ ডাকে) বার্ষিক স্টাক ... ৫২-০০ হান্ট্যেক , ... ২৬-০০

कामम क्यान

_ 50.00

হৈমাসিক

(বিমান ভাকে)

বাৰিক ... ০৯.০০ বাংশাসক ... ১৯.৫০ তৈমাসক ... ১০.০০

দাম ৫০ প্রসা উন্তর্গন ও জালালে জাতারিক বিমান মাসুরা ও প্রসা

DESH

Saturday 23 Aug., 1969

चिक्तिक : बाब ७ महरत

শিক্ষবান্ধান্ধ এখন বর্ষার খনবটা চলছে। ক্রিছ্রান্ন আন্তেও আক্রম্প বতটা সেলাকুলর ছিল, বর্ষণ তত ছিল না। গ্রামাণ্ডলে, ক্রিকমের সংশ্যে বানের বেলাবোগ তাদের মুখে উল্লেখন ছারা খন হরে উঠছিল। প্রাকশ বার বৃত্তে, আক্রাম্প কল নেই, চাববাসের কা গতি হবে, কে জানে! মানার মুখে খালা প্রাকশ সে দর্শিচনতা অবশা দ্র করে দিয়েছে, সারা পশ্চিমবংশ এ কার্মন বে বৃক্তম বৃশ্তি হরেছে তা এ-মরসুমে আর হর্না। বৃশ্তির প্রাবল্য কোঝাও কোঝাও বনার অবশ্যা স্থিত করেছে। বেমন আরামবাগ ও খানাকুল খানা: ছারকেশ্বর নদের জলক্ষীতির ফলে এ দাটি খানার প্রাবন দেখা দিরেছে। মেদিনীপ্রের ঘাটাল মহকুমাতেও বন্যা। বারভুম জেলার অকরের বাধ তেওে আউস ও আমন ফদলের কতি হরেছে মারাজক। ওই এলাকার চাবীদের দুর্দশা নাকি সবচেরে বেশা। এছাড়া, এখানে বোগাবোগ বাবন্ধা বিভিন্ন হবার খবরও পাওরা বাছেছ।

বাণিটর ওপর কোনো হাত নেই ঠিকই, তব্ দেখা বাচ্ছে—আমাদের এখানে অনাব্াণ্টর মতন অলপ সমরে অতিবাণিট বরাবরই এক সমস্যা, জলক্ষণীত, বাঁধ-ভাঙা এবং অন্যানা উপদূব একে ক্ষতির মান্তা বাড়িরে ভোলে। এ ধরনের ক্ষতির একমান সমাধান দেখি সরকারী সাহাব্য: ভৃত্তভোগী মান্তেই জানেন—ক্ষতি বা হর সরকারী সাহাব্যে তা প্রেণ হ্বার নয়। অথচ আজকের দিনে ভলক্ষণীত বা বন্যা নিরক্ষণ অসমভব একটা কর্ম নয়। সেচ ও প্রে দণ্ডর সামান্ত্রক একটা পরিকশ্পনা নিয়ে বন্যা নিয়ন্তর্গের কাজে হাত দিলে স্কুল অনেকটাই ফলতে পারে। কিছ্টো উদ্যোগ নিশ্চয় প্রয়োজন। যেমন এবারে অজন্ম নদের বাঁধ সম্পর্কে শোনা বাচ্ছে এই বাঁধের অসতত চল্লিশ মাইলের মেরামতি একান্ড প্রোজন—অথচ মান্ত চার মাইলের মতন মেরামতির কাজ হয়েছে।

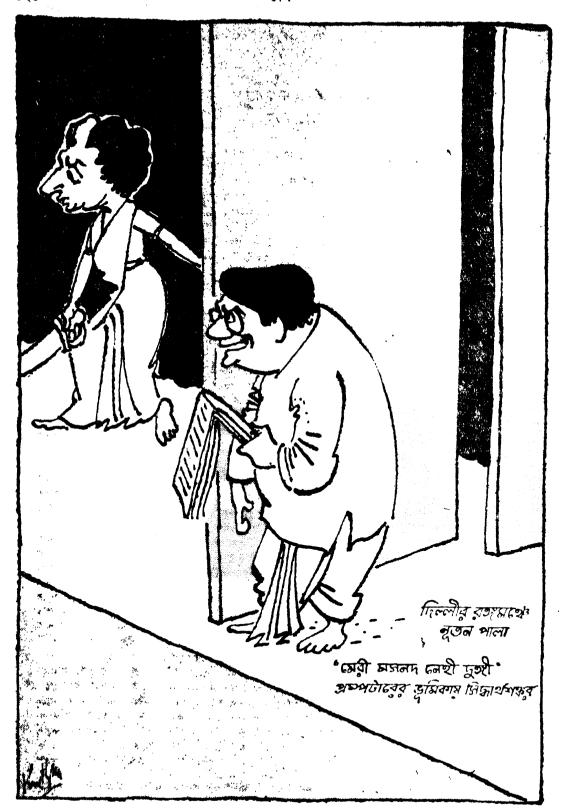
বাই হোক, এবারের মরসায়ের অভিবৃষ্টির প্রথম চোটেই সরকার বনি সভক ও সাবেধান হতে পারেন তবে ভবিষাতে ক্ষরকাতি আনিবটা কম হাবে, আর বনি গালং গক্ত করে দিন কাটে তবে বলা যায় না ভাদু-আনিবন মাসের দ্বু এক পশলা অভিবৃথিত অবস্থা কী দভিতে।

প্রামের অবস্থার সক্তে শহরের অবস্থার নিশ্চর তুলনা হয় না, তব, সাম্প্রতিক এই ব্যিষ্ট্র কলকাতা শহরের হাল কেমন দ্যীভাষেছে তা একবাব বলা দরকার।

গত সপ্তাহের বৃশ্চির আগেই অলপ্যকলপ জলেই কলকাতার পথযাই তার জানীগ দশা উল্লোচন করে ফেলেছিল : রাস্তাঘাটের গহারগালি যে চান্দর গহার এমন বিভানত হতে পারত। তারপর বার দাই প্রবল রাহ্যির পর সেই প্রেতন দাশা : পথযাই এক ব্যক্ত জল নালা নার্মা থই এই বসংঘাটের পিচ-পাথর উঠে গিয়ে হাড় পাঁজনা দেখা যাজে, নিখা এলাকার জল আয় আছে ঘণটার পর ঘণটা কলকাতা শহরের বর্ষার রূপ শহরেরাদীর অজানা নহা। নামাদিন এই দ্রভাগ মহা করে এসে মনে হয়েছিল যুকুছাণ্টর আমালে কাপ লাশ্যের তংপরতা কিছা বাড়বে। মনে হয় না, তংপরতা কোণাও বেড়েছে। এখনও বস্তার বিরটি গ্রেতনি দিনের পর দিন যথা অবস্থায় পড়ে থাকে, রাস্থার বর্ষার কোন ছার মেলে ভার না, আরজনার কাড় যাতে হায়ে খাকে দিনের পর দিন। জানাত ইছে হয়, কংগ্রেমী অক্ষমতার সঙ্গো ছার্টের প্রিবিপ্তাদের সক্ষমতার পাথকা কোপার।

শোনা যাছে, কলকাতা পোরসংস্থা শহরের জগুল অপসারণের জন্ম পাচিশটি নতুন লরি কিনেছেন, আরও পাচিশটি প্রজাব আগেই কিনে ফেলাবন। সেই সংশ্যে জঞ্চাল বিভাগের কমীদির একটি করে বর্ষাতিও দিছেন। এই বাড়তি ব্যবস্থার পর নিশ্চয় শহরের আবর্জনা মৃদ্ধ হতে সময় লাগবে না।

প্রসংগত কলকাতার ট্রাম কোমপানীর বিষয়ে কিছা বলার থাকে। প্রতিবার বর্ষার সমর ট্রাম কর্মচারীদের "রেনি ডে" বেশ মোটা হারেই হয়ে থাকে। জলে ট্রাম চলে না এ হেমন সতা কথা, সে-রকম এটাও আনক সময় সতা হয়, জল সরে যাবার পর—মোটামাটি ট্রাম চলার যোগা হয়ে উঠলেও ট্রাম তার বিপলে শরীর নিয়ে পথ জাড়ে দাঁড়িয়ে থাকে। কেউ কেউ বলেন খারাপ ট্রাম-লাইন এবং লাইনের পাশে বিরাট গর্তাগালীর জনো এই সতর্কতা। এ বিষয়ে আমরা সংপাণ অজ্ঞ। বোধ হয় একটা ব্যাপার সরকার ভেবে দেখতে পারেন, এই অবস্থায় পথ আটকানোর চেয়ে পথে না নামাই ট্রামের পক্ষে সা্বিধের। আর ট্রামের লাইন মেরামত বা তার দ্পোশের গর্ত মেরামতের কথা তো উঠতেই পারে না—কেননা সরকারের হাতে এই প্রতিষ্ঠানের পরিচালনা ভার, কাজেই সেটা সরকাররে মর্মাজ মাচ, বাধা কর্তাব্যের অপ্যীভূত নর।



क्रिक्स शहरण काट्यामंत्र अञ्चल 9 বান্দ্রপতি নির্বাচনের প্রাঞ্জালে দিল্ল থেকে ফিরে এ:সই ডামাডোলে বিজ্ঞানত ও বিবাদগ্রন্থ দলের লোকদের ভেকে বললেন बार धरे मरक्षेकाल सारश्च र बग्रा कालित कथा नव। कामबा न्यास र प्रव-দোবলা ভাগে কর।

स्टेनक जन्द्रशक करतानी अस अस अ দুই পক্ষেই পিতা ও পিতামহস্থানীয় গ্রেজন, আচার্য মাতৃল ধ্বশুর প্রাতা পরে महामुख्य तरहरक्त । मामा, क्षेत्र वास्थार्थी হর্তনবর্গকে দেখে আমার সর্বাংগ অবসর হচ্ছে, মূখ শ্কেচ্ছে, শরীর কীপছে, রোমহর্ষ হচ্ছে, হাত থেকে ভোটপর পড়ে যাবার টেশকর হাকে। স্বজন বধ করে, পারটি ভেঙে দিয়ে আমাদের কোন সূথ হবে?

অতঃপর শালপ্রাংশ, মহাভল প্রিয়দশী সেই নতুনদা উৎসাহবাঞ্জক নানা বাকো অন্যত কংগ্ৰেসী এম এল এ-কে কথাণ্ডং शालम्थ करत वनारमभ, छा**रे. क्रीरवन्न**ास আচরণ ক'রো না। বা অশোচা তার জনা ত্যি শোক করছ, আবার দার্শনিকস্পভ নানা বুলিও কপচাচ্ছ।

सन्तर्भक करदानी: এक निर्क मनीत শু-খলার শাসানি—পারটির প্রাথীকেই ভোট নিতে হবে, অন্য দিকে প্রধানমন্তীর ভাসানি-বিবেকের নির্দেশ মানতে হবে অর্থাং গিরিকে ভোট দিতে হবে। দোটানার পতে আমি বিহরণ হ'র পড়েছি: ধর্মাধর্ম ব্**রুতে পারীছ** না। মহা**থা**ন্ আগ[্]ন আতিশর করিংকমা, ক্টেশাস্কে বিষয়ব, দ্ধ এবং আপনার অত্লনীয়। পিতামহ স্বেচ্ছায় শ্রশযায় শ্রিত হবার পর তাই আমরাস্বস্মতিক্রমে আপনাকেই সৈনাপত্ত্যে ধরণ করেছি। অধিকন্ত অতি সম্প্রতি আগনি প্রধানমন্তীর গোহালের খাস-খবরও রাখতে করেছেন। আপুনি সদা দিল্লি-প্রভাগত। আমাকে বথাবিহিত উপদেশ দিন। আমি আপ্নার শর্ণাপ্স।

ন্তুন্দা: মত বা মতপ্ৰায় কারও জন্য পৰিভতগৰ শোক করেন না। কংগ্ৰেস পাৰ্ৱটি সম্পকে ভূমি বুখাই অংশবিষ্ট হয়ে আছ। এ বিষয়ে প্রকৃষ্ট শব্দির হিসাবে গাঁডার ভগবান শ্রীকৃষ অন্র্প সংকটে অঞ্নিকে যা বলেছিলেন তার অংশবিশেষ উম্বতে করছি। প্রবণ কর। ভগৰান স্পৃষ্ট বলেছেন :

प्रिटिनाश्रीम्बन् वथा एएट कोमानः

रवीवनः खद्राः

তথা দেহাত্তরপ্রাণ্ডিবীরিল্ডর

ৰ ম্হাতি॥

অন্যাত এব এব এ ঃ হে প্রাক্ত, অপরায न्दिन ना. कथाठी बीन वाश्नाम वर्जन। বিনার উপর যদি অত দখলই থাকবে,



তা হলে কি আর ভোট কডিরে এয় এল এ হয়ে আসি ? পারটি করার ওইটেই তো হত সাবিধে পার্যাটর টিকিট কোনমতে একটা বাগাতে পারলে গদিতে বসার পথ পরিক্ষার হরে যায়। তাই তো এত দিন চো**ধ ব**জে পারটি ধরে পড়েছিলাম। আরু আপনারা পার্রটি নর, দেশ। কংগ্রেস সভাপতির নিদেশের চাইতে বিবেকের निर्माण बद्ध। अहे भारतिव निर्माण स्थल মেনেই তো চার চারটে ইলেকশন পার করে দিলাম। কট এট বাইশ বছরে একদিনও তো বিবেকব,বৃর মূখ দেখিন। উনি সম্প্রতি श्रधानमन्त्रीय भूव ना। अति हात्र अतिहरून হাৰা?

নতন্ত্র: অবিদ্যার কী অভ্যানীয় নেত্র! হার, এইভাবে কংগ্রেস এতদিন চলেছে বলেই না আৰু তার এই হাল ! (দীর্ঘদ্যাস পত্ন)। ভাই আগে ভগবানের শ্রীমুখনিঃস্ত এই বাণীটির উপলব্ধি করার চেণ্টা কর। দিবাজ্ঞান অণ্ডরে প্রজন্মিত হলে ভাষ্মিকভার বিনাশ ঘটে, মোহ দ্রীভূত হয় এবং জীব এইভাবেই দ্রান্তব্নিধর কবল থেকে মুদ্রি লাভ করে। ভগবান যা বলেছেন তার অর্থ এইরূপ : দেহধারী আত্মার ষেমন এই দেহে কৌমার যৌবন জরা হয়, সেইর্প দেহাত্রপ্রাণিত ঘটে ধার বালি তাতে মেহগ্রন্থ হন না। এই দিবাজানটি প্রধানমক্তীর শাল্ধ চিক্তার দেদীপামান আলোকে স্নাত করালে বে রূপ পরিয়াহ করে তা বলছি। কংগ্রেস দেহ, দেশ হছে আত্মা। জৈব নিয়ম অনুসারেই কংগ্রেস কোমার বোবন অভিক্রান্ড হরে বর্তমানে জরাগ্রস্ত। ভার কাল পূর্ণ হরেছে তাই আত্মার্পী দেশের এখন নবকলেবর প্রয়োজন। विकासमा कविग्रह अमाख কণ্ঠে বলেছেন, জীর্ণ প্রোতন যাক ভেসে শাশ্তিনকেতনের এই প্রাছন বাক ৷ আশ্রমিকা ভাই ভার গ্রের বাণীকেই সমরসংগতি করে নিরেছেন। প্রধানম**ণ্**তী আমাদের নতুন খোবনেরই দ্ভী।

बागामक करवानी अम अम अ : रह निष्ध-অর্থ, আপনি ধনা। আপনাকে নেতার্পে পেয়ে আমরাও ধনা। অনুমহ করে আপনি আরও বল্ন।

मुख्यमा ३ खाळ এव, "वाजाशीज खीर्गानि ৰথা বিহার নবানি গ্রাতি নরোহগরাণি",

অৰ্থাৎ, মানুহ ফেন্ন জীগ কৰু পরিভাগে कार रामा अक्स क्या शहन कार. वामालका ट्रिकेट न श्रामधानीय जानम जन्मान क्षान कौर्ण भावकिएक भविष्ठा न कतात कना প্রস্কৃত হবার সমর এসেছে। আমানের ট্রের शाकरल हरन। बारे भौतरशांकरलेरे करवानी-एस विद्नदक्त निर्माण इन्द्रक राजान समा প্রধানমন্ত্রী কংগ্রেস সভাপীক্তক বার্নার कान्यतात कानिरक्रमन ।

धानागंक कराजनी क्षम क्षम क्ष : एर करा-ভাগ, আপনার স্চিতিতত বিচারে বার বিত্ত DISTRIBUTE NEW PROPERT WE नहीर्द्धि हानका त्वाच रत्ने।

मकुमता । का बाका स्थानमधीन शास्त्रके टमरमय क्रानिकारि ।

कार गर करवानी का क्षेत्र के दे विश्वकरी मक्ष्मण : छ। शाधा छोत श्रष्ट नंत्र सामार्थ किए ग्राविधां आहि।

करांच्य करायनी क्षा क्षा क । या पार् वकारक ।

बकुनता : कर्जवा नम्भद्रकी का शत्म कार द्यान अरमप्रदे सदेश मा !

जगुगढ करकानी अब अब अ ३ विक्रमा ना । किन्द्र मामा-

নভুনদা: আবার কিন্ত!

नक्षमका : न नाः। भारत ?

कत्याङ करदानी अब अन अ : भारतिस्ड भाष्यमात्भी रकामक वकाण्टे जात हरेंग मा ছো।

नकन्या : स्याः। बन्। गण करश्रमी अम अम अ : कानक वााभारत्रहें मा एका?

कन् गढ करखनी जब जब ज : जेरे मारम, পরিষদ দলে কোনও নেতা বা কারও বির্দেশ আনাম্থা-টনাম্থা বদি ভঠে, ভক্তাও বিবেকের নিদেশ মানব ভো?

नक्रमा : कार्य मा मा, भवतपात मा। क्रम-গণের রামে নির্বাচনে জিতে আমরা বারা পরিষদ দল গড়েছি, ভালের বিবেক জনকাশের কাছে বাঁধা। দেখানে তো বা-ডা একটা করা हरत मा। विकास मिर्म कार्क मानारक হবে বারা পরেটিতে কারেমী স্থাবের শিকড় গেড়ে ভাম হয়ে বসে আছে বংগ্র তাদেরই বির্তেশ। অন্য ব্যাপারে অন্য নীডি जारह। यथा

বদ্ বদাচরতি প্রেণ্টনভন্তদেবেতরো আর । স বং প্রমাণং কুরুতে লোকসভদন্রত তে ম

खर्चार ही छशवान न्मचे वसारम, एक्टरे পুরুষ (অর্থাৎ পরিষদ দলের নৈত্য বা নেয়ী) বে বে আচরণ করেন ইকর (সাধারণ) জনও সেইরূপ করে; তিনি বা প্রবাদ বা পালনীর গণা করেন লোকে ভারই অনুবভী

जन्मक करवानी : मेखि राग, जनका बड्ड बह्नन।

হারে জিত

তিত্তবের চাকা কখন বে ব্যেরে জার

কোন্ দিকে বে খোরে আগে থেকে তা

জালাজ করাও বার না টেরও পাওর। বর

না সে বে খ্রেছে তা বোঝা
বার বখন তার ছাপ পড়ে একটা
দেশ কিবো ভাতের ব্যকের ওপর। গেল

দেশ কিবো ভাতের ব্রের ওপর। (9) नरभन्दात कतानी महात जानवाणेन अवस्था। ভাকে সামলাতে গিয়ে বা গলের মত দাবে লোককেও হিমসিম খেতে হচ্ছে। চার দিক বেকে তাঁর ওপর চাপ আসছে ফ্রার বাট্রার হার ক্যাতে, নইলে নাকি প্রতিক্ল আধিক ৰাভাবে ভার সাধের নোকো তো ভববেই হরতো বা বিটেনেরও, পশ্চিম জামানিরও, এমন কী আমেরিকারও। সুক্রথী বেমন বিরে ধরেছিল অভিযান্যকে তেয়নই এ কালের পশ্চিমী নবগ্রহ 👉 আমেরিকা, রিটেন, পশ্চিম জার্মানি, বেলজিরাম, হল্যাড সাইডেন, ইটালি, ক্যানাডা আর জাগান-জোট বে'ৰে চাপ দিয়েছিল ক্যাগত ভার প্রপরে বাতে ভাদের দর্গির মেনে নিয়ে ফ্রার ৰাট্টার হার তিমি কমিয়ে দেন। সংগ্রা সংগ্র অবশা এ কথাও উঠেছিল জার্মান মার্কের বান্ধার দরও বড় কম, সেটাও সামলস্যের খাতিরে বাড়ানো দরকার।

তবে এ ভৈরবচক্রের আসল উন্দেশ্য ছিল मा शत्वत नाककाणा। जीतक भारतन्छ। कतारे ছিল ওই চল্লের প্রধান লক্ষা, বিশেষ করে পশ্চিম জার্মানির। বন ছ্রারতে শান দিয়ে তৈরি ছিল কখন প্যারিসের প্রাণপরে,বের माक्या क्रिक्ट क्वांन्मरक जात मर्वामात छैं इ আসন থেকে নীচে নামিয়ে আনবে। কিন্তু किए एउट्टे किए इंट्रा रा-म गमरक वाग স্থানানো গেলোনা। তিনি ফুর্ন দামের হেরফের তো করলেনই মা উলটে বিধান বিলেন মাকে দর বাডাবার। বনের ধারালো ছারি দ্য গলের নাকে লেগে হয়ে গেল ভেতি। সেই ৰে রাগ করে স্বার্মানি ভার ভৌতা ছারি খাপে ভরে তলে রেখেছিল তা আর বের করেনি—দ্য গল বিদার নিলেও নয়। নতুন প্রেসিডেণ্ট পর্ণিদ, তো দ্য গলেরই হাতে গড়া, তাঁরই মন্দ্রণিব্য। কাঞ্ছেই ছাকে ঘটাতে কার্র সাহস হয়নি—না बर्मात्र, मा नन्छर्मात्र, मा अहाभिश्वरामतः। जनारे ধরে নির্নোছন আপাডত দা গলপন্থী भौभित् ग्रात् भध स्टब्हे छ्ल्ट्यन, किन्द्रे ভিনি ব্যক্তবেন না, অমন মর্যাদার লড়াইরে জেতা ফরাসী মুদার মান তো নরই।

দেশ্ব গেলো এবারও তাদের হিসেবে ভূল।
ভাক পক্ষীটিও টের পেলো না—পর্ণাপদ্
ভাতারাতি কমিরে দিলেন ফ্রার বাট্টার হার
ভা মরে গেলোও কমতে চার্ননি জেনারেল



দেবরাজ

লা গল। এমন একটা ব্যাপারের জন্য কেউ তৈরি ছিল না-না ক্লিটেম, না জামানি, না আমেরিকা। এটা গোটা ইউরোপে ছাটির মাস। বিলেতের চ্যান্সেলর অব এক স চেকার জেতিকাস গিয়েছিলেন জানেস ছাওয়া ব্যবাতে, জামান অথমণ্ডী স্টাউসও সেখানেই ছাটি ভেগ করছিলেন। ৯ অগস্ট ভারা খ্য ভেঙে কাগজে দেখলেন অনুগ্র দিন রাতে ফ্রার দাম কমিরে দেওয়া হয়েছে। তারা তে: অবাক, সারা দ্রনিরাও। গেল বছর এই অবশ্য ভারা চেয়েছিলেন। কিল্ড সে চাওয়ার মধ্যে কডটা যে অর্থানীতি ছিল আর হডটা যে রাজনাতি তা বলা শক্ত। মেখ না চাইতে জলের মত বা চেয়েছিলেন ভা অভাবিত উপারে পেয়েও তার। খাশী নন। তাদের চাপে পড়ে নিরপোর হরে তো আর স্থান্স তার টাকার দাম কমারনি দ্বিরার বাজারে। সে কান্স সে করেছে ধীরে স্যুক্ত্রে, সম্ভানে, ম্বেচ্ছার, স্বাইকে কেমন কেন বোকা বানিরে। এতো ফ্রন্সের ফিড, তাদের হার।

की हरना क्वारण ? क्वाँत बाह्रोत हात रव কমে গেলো ভাতে কী হলো ভার সূর্বিধে? कौरे वा श्रामा जन्मित्य अपि किस् श्राम থাকে? প্রথম লাভ হলো ফ্রান্সের দ্রনিরার হাটে। সেখানে ফরাসী জিনিসের দাম গেলো কমে, কাজেই ভার কাটডি বাডার কথা। আর বিলেশী জিনিসের দাম ফ্রান্সে গেল বেড়ে। তার ফলগ্রতি আমদানি কমৰে। ভাতে ফ্রান্সের আগতি নেই, কেননা খাওয়ার (কিংবা পানের) জিনিস সে রুণ্ডানিই করে. আমদানি করে না। বিদেশী ভিনিসের আমদানি কথ হলে ফ্রাসী শিকেণ্র হকে বাড়বাড়ন্ড। তাতে আথেরে তার ভালই হবে। বিদেশে ফরাসী জিনিসের দাম কমে বাওরতে মুশকিল হরেছে কমন মার্কেটে ·তার অংশীনারদের, ফ্রান্সের সঞ্জে ভারা আর পাল্লা দিভে পারছে না। ভাই কমন মার্কেট জোটের দেখগালো মিলে ফ্রান্সের স্তেগ ইতিমধ্যেই একটা চুৰি করেছে বাতে বিদেশের বাজারে শস্তা দামের সূত্রিধে ফরাসী চাষীরা আপাতত পায়, কিন্তু আথেরে জোটের জন্য স্থ দেখেরও ছেমন काम ७ व्यम् विषयं ना रहा। भग्ना हात्म किछ रमथा वाटक क्वारमतरे।

रव क्यामक रमार्थि ग्रेकात वाहीत कार क्यारन अकारकतीन बाकात रक्की हरत क्षे किनिन्नशास्त्र नाम हर्ष्ण मात्र । जनम नानि बर्द मकाति राष्ट्रावासः। टर्न गावि योग स्वयन सम्बद्ध बाब का राज अब्रह सारक, नाम तरक जात कर नका। इका गारमत किनिज निरत्न का कर वित्मरणत वाकारत वेकत स्था या मा কংকই ডিভ্যালনেরসনের লাভের গড়ে ডখ্য इका मारमन निर्मारकत स्थरत वावान केलाव হয়। পাপিদ্ৰ কেবল কান্য রাজনীতির নং তিনি ব্যাক্ষারত। অপনীতির সূত্র ছাত্র ভালই জানা আছে। তিনি জাট্যাট বোধ उत्र जामदा ज्यानस्म। अक रका अस চুপিসাট্ড তিনি ক্লীর দাল কলিয়েছেন হে काठेकावारकता कताली महा निस्त एत খেলার সুবোগই পার্ডন। তার ওপর এর মুহুত সময় নক্ত না করে তিনি ছিন্তি-পতের দাম বে'ধে দিয়েছেন। মঞ্চারি বাভাবর দাবি অবশা শ্রমিকেরা ভুলবেই। কিন্তু এই হ্যিত্র সমর দল বাঁধতেও ভো ভাদের সময় লাগবে। তত্তিক মন্ত্র সামলাবার মারও **একটা সময় পাবেন পশিদা। এ**ডট মন্তগ**্রিভর ব্যবস্থা না করতে** নিঃম্বাস পাবার ফারসাভও ভিনি পেছেন না—খী **फ**रत, की बाइँरत्र।

মুখপাত নতম করাসী প্রেসিডেন্ট্র ভালই হরেছে বলতে ছবে—হারুকে ডিনি **ক্রিডর রূপ দিরেছেন। পর্যা** দানে ডিনি অপরকে মাত করেছেন, নিজে মাত হননিঃ কিন্তু শেষ রক্ষা **ভা**র হবে ভো? প্রার্ দেখা ৰায় চীকাৰ দালেয় ছেয়ফেয় একটা কে भरकामक रहाथ, **अक्टा रार्ट्यन हरन** जात পঠিটাও সংখ্যা সংখ্যা পড়ে। ক্রার বাট্টার হার वनशावात मरभा मरभा **चाहिकात छाण**ी দেশের মাদ্রার দরও পড়ে গেছে। ভার কারণ তার। **স্ত**ার সংগ্যে এক গটিছড়ার বাঁধা। ফরাসী রাজ্যগোষ্ঠীর এই চোন্দটা দেশ ছাড়া জাৰ কাৰ্ত্ত মন্তাৰ ৰাট্ৰাত্ত হাজেৰ হেবকেৰ হর্মান। সেটা**ও ফাটকাবাজরা কিছ, ক্**রডে পারার স্বেজ না পাওয়ার ফল। ভর भारतीयम विरोध की स्थापि भारतिस्था की द्या क्रम्टक छेट्डिक्स चारमीत्रका कार्याद्वर ভবিষাং ভেৰে। কিন্তু কী পাউণ্ড, কী ডলার, কী মার্ক অনিশ্চরভার ব্রিপার্কে পড়ে কেউ ভালিয়ে বার্নি। আপাতত দ্নিরার টাকার বাজার দিবি। শাল্ড। जनान्छित श्री बीन खात मा रमधा रहत. অনিশ্চয়তার ভূফান যদি সেখালে না ওঠে তা रंक ब्रांस्ट श्रंब भौभन् हानहै। कानरे मिटलटबन—कानदूत शाका **व**ृष्टि ना कींहरा নিজের ব'ৃটি ভিনি বরে ভুলেছেন।

আমাদের রাজনীতির নৈতিক মান

আবের দেশের রাজনীতির নৈতিক মান

তাথার গিরে দাড়িকছে রাজপতি

নিবাচন উপলকে সেটা খ্য খোলাখালিভাবেই ধরা পড়েটে: এখানের রাজনীতিতে
অস্পানিন্টা, সভতা, নাার-অন্যার বোধ
প্রভাত বসপুগ্লি যে সম্প্রা উরে গিরেছে

এবার তা খ্য পরিশ্বারই সাধারণ মান্য
স্থাত পেরেছেন।

এমন নর যে, আমাদের রাজনীতির দৈতিক অধ্যপতনের দিকটা এর আগে জনসাধারণের জানা ছিল না। জানা ঠিকট
ছিল। কিন্তু এত খোলাখালি বোধহর এই
সংগ্রনা। স্নাধনিতার কিছুদিন আগে
থেকেই আমাদের রাজনীতিতে যে অক্ষণতন
থটোছ, গত বাইশ বছরে যেটা সাকুমক
লেগের মত ছড়িয়ে পড়েছে, এখন সেটা
একেশরে প্রকাশে ভার গলিত ন্যাবন্ড
প্রকাশ বর্তা স্থাক্ত ভ্রমণ স্কো

তত্তিৰ অনেক জিনিস্ট দেখা গিছেছে। কিন্ত কংগ্ৰেমের প্রধানমন্ত্রী, কংগ্রেম সভাপতিকে মিথাবালী বলছেন, এ দাশ্য रके कान तमरश्रहका। कश्रवा **क**र<u>(श</u>्रम সভাপতিই বা করে ঘারিরে ফিলিয়ে क्षा गामकी दक 40000000 দলবিরোধী চলত্ত্বারী বলেভেনাং বছাদিন আংগ স্ভাপতি শ্রীপুরুষেত্রমনাস টানভনের সংখ্য কংগ্রেস श्रम रहन्ती শ্রীনেহরের একবার লড়াই হরেছিল। কিন্ত অজ প্রধানমন্ত্রী বনাম কংগ্রেস সভাপতির শড়াইরে প্রকাশো যে নৈতিক অধঃপ্রনের ছাপ বেখা আছেছে ভেমনটি তখন কেটে দেখননি। কল্পমান কলাৰ প্ৰকলি।

সর্বোচ্চ পর্যায়ে নিজা বলায় যেন একটা প্রতিরোগিতা শরে: হয়ে গিয়েছে! প্রধান-मणी विभि मीर्थितम श्रास शिवाक ভেত্তবার জন্য কমিউনিক্ট থেকে আরুভ করে আকালি মসেলিম লীগ গুড়তি সব রকমের বলের সভেগ গোপন ছব্তি করে গিরেছেন তিনিই মুসলমানদের ভোট ভাগাবর উদেশে; কংগ্রেস সভাপতি শ্রীনিজলিজ্যাপ্সার বিরাশে জনসংঘের সংখ্য গোপন ছবি করার অভিযোগ এনেছেন! বিনি এস এস পি নেতা জরক ফারনান-ডেকের ভাষায় ব্যাকমেলের রাজনীতি চালিয়ে বাক্ষেন, বিনি একের পর এক রাজনীতিবিদ ও খিলপগতিকে ডেকে ভয় ও লোভ দেখিয়ে সমর্থন লাভের চেন্টা করেছেন ভিনিই কিনা टीकाटमा 'विद्वदक्त मिर्लटमा एकावे द्वारा গাঁব তুলেছেন।

শ্ৰের বে কংগ্রেস সভাপতি ও ভার



স্ত্রেপাপ্রপোর জনসংখ এবং শ্বড্র পার্টির লোকেদের স্থেপ দীর্ঘদিন ধরে গোপনে আলোচনা চালাক্রেন, সম্বেশতা কর্ছেন তিনিই প্রকাশ্যে বলেছেন: কিছ্ম কংগ্রসী ক্মিউনিল্ট ও ক্মিউনলিস্ট্রেদর স্প্রেগ্রেশনে হাত মিল্লিরে গিরিকে জ্বেতাবার চেণ্টা করেছেন! অধঃগতনের চূড়াল্ড দেখিরেছেম কিছু,
কংগ্রেমী এম পি। তারা সংপ্রেশ পরস্পরবিরোধী দুই আবেদনপতেই এক সপ্রেশ সর্ করে বসে আছেন! একটা অবেদনের
বন্ধনা: রেডডি নর, ফি ভেটে: তাতেও এরা
সই বিরেছেন! আর একটার দাবি ঃ
পার্টির নির্দেশ অন্সারে শুধাই রেডডি;
তাতেও সই করেছেন! মিখাডারের,
মেহুনণ্ডহানতার এ এক বিভিত্ত নিদর্শন।

*

ইংরেজিতে একটা চলতি কথা আছে বার নাংলা অর্থা, প্রেমে আর যুক্তে কিছুই অনায় নর: এই সংল্য ইংরেজরা এখন রাজনীতি শব্দটিও জুড়ে দিরেছেন এবং বলছেন : প্রেমে যুক্তে এবং রাজনীতিতে কিছুই অনায়ে নর!

মহাত্মা গান্ধী-শতবর্ষ সাক্রেখা প্রবন্ধ প্রতিযোগিতা

(সারা ভারত কলেজ ও বিশ্ববিদ্যালয়ের ছা**র-ছারী**দের জনা)

বিষয়

हेश्ताकी: **रहाश्वाकी हेन करतन आहे**

वाःला : भराषाञ्जी ७ नामावाम

दिन्ती : अराजाकी का ममाक मर्गन

বিষ্যুর্ভাম-ভঙ্গীর সভাপতি

रेश्ताकी: अशा नक निर्माणकम् कहोतार्य

বাংলা : ড: শ্রীকুমার বন্দ্যোপাধ্যায় -

প্রতিযোগিতার জনা প্রকাধ দাখিলের শেষ তারিখ ২রা অক্টোবর, ১৯৬৯। প্রতিযোগিতা কমিটির বিচারই চাডান্ত বলিয়া গণা হইবে।

প্রস্কার

প্রথম: প্রতিটি বিষয়ে একটি স্বর্ণ পদক: প্রতি মাসে ১৬ টাকা করে বারো মাস স্টাইপোড ও গাদধীজীর নির্বাচিত রচনাবলী।
ন্বিতীয়: প্রতিটি বিষয়ে একটি স্বর্ণখচিত রৌপ্য পদক: প্রতি মাসে ১২ টাকা করে বারো মাস স্টাইপোড ও গাদধীজীর নির্বাচিত বচনাবলী।
ভূতীয়: প্রতিটি বিষয়ে: একটি রৌপ্য পদক: ৮ টাকা করে বারো

মাস শ্টাইপেণ্ড ও গান্ধীজ্ঞার নির্বাচিত রচনাবলী। এক্তবাতীত প্রতিটি বিষয়ে অতিরিক্ত ১০টি সাটিফিকেট অব মেরিট ও ২৫ টাকা নগদ প্রেম্কার ও গান্ধীজ্ঞার নির্বাচিত রচনাবলী।

এনরোজমেণ্ট ফরমের জন্য লিখনে :

মহাত্মা গান্ধী-শতবর্ষ

ন্লেখা প্রবন্ধ প্রতিযোগিতা কমিটি

ন্লেখা পার্ক: বাদবপুর, কলিকাতা—৩২

प्रसादिक रहात्मत संगादत सामूद जिल्लू को स्थाद एक्सिक उपनित्र सामदिक हालि समिता का स्थाद का नग रक्षाहि स्थादन संग्या। सामदिक नगात्म प्रान्तिक वन्यादन संग्या। सामदिक नगात्म प्रान्तिक वन्यादन संग्या। सामदिक नगात्म प्रान्तिक वन्यादन संग्या। सामदिक नगात्म विकासिक वा समाप्ति व क्रिका रक्षमा स्था। जिल्लू सामदिक राज्याम वाल्याक कार्याचान, किन्नायान अगर मानकन्याम वाल्याक सामदिक प्राप्ति मानाराव, मठेला अगर रक्षाम्याव सामदिक स्थानिक सामदिक विका।

বাণগলা দেশে বারা টেরারলট মুড্মেনট করতেন, জারতের বিভিন্ন প্রাদেশন তাঁদের আদেশনিকা, কার্ডিরাগ, নার-জনার্বেবের জুলনা বিরল। আজকের রাজনীজিবিদরা ভা কলনাও করতে পারেন না । আজকের সাধারণ রাল্বের কাহেও ভা আরা জগতের কাহিনী রলে হতে পারে। ভারপরও বেগ কিছ্যিন আমাদের রাজনীতি বহু কল্ব-হতা ছিল।

ষভাষান সমাজের যথন অনেক ধাপ আবংশতন হরেছে তখন বর্তমানের রাজনীতিবিদদের কাছেও থ্র বিরাট বিশাল একটা কিছু আশা করা অনার। রাজনৈতিক নেতারাও তো এই সমাজেরই প্রোডাকট! কিছু আমার ধার্মণা, সাধারণভাবে আমাদের সমাজের যতটা নৈতিক অধংপতন হরেছে ভার চেরে অনেক বেশি অধংপতন হরেছে আমাদের দেশের রাজনীতিবিদদের।

এদেশের মান্ত্র কিন্তু বরাবরই মনে করে এসেছে যে দেশ সেবা করবে যে দশের ভালব জনা চেন্টা করবে সে'নিজে না ভাল হলে ন্যার্থভাগা না হলে তাঁকে দির দেশ-সেবা বা মান্ত্রের ছিতসাধন সম্ভব নর। এটা আমাদের দেশের মান্ত্রের এথনও দ্ভেবিশ্বাস। এবং আন্মার মনে হর এই বিশ্বাসটা বৃদ্ধিসক্ষাত। স্বার্থাদেববী, চরিত্রতীন বা সিখ্যাচারী যে সে সব সমরই নিজর কথা ভারতে বাস্ত থাকতে বাধ্য, সে দেশের সেবা বা ভাল করবে কথন!

রাত্যবদ্য আজ এতে ব্যাপক এবং বিশালশ্বশ্রে ধারণ করেছে বলেই রাজনীতিবিদদের
আরও সং আরও স্থার্যতাগানী হওরা
প্রয়োজন ক্ষমতা অপবাবহারের প্রলোভন
ভ স্থোগ আজ অনেক বেলি: রাত্মী চালকর
ক্ষমতা অপবাবহার করলে সাধারণ
মান্ত্রকে আজ তা অনেক বেলি পশা করে।
ভাই আগের তলনার আজকের রাজনীতি
বিদদের রাত্মীগরিচালকদের নার কনায়রবাধ
অনেক বেলি প্রবল হওরা প্ররোজন।
শ্বিপ্রবিধ বিষয় হরেছে ঠিক উল্টোটা।

जान मृद्ध एवं अज्ञा विश्वा वरमन.

स्वतास्त्री स्थान प्रतास स्वतार नाग्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

আছাকের নেভাগের আনেকের সাধারণ লক্ষাবোধ আন্দ্রসম্মানটক পর্যত নেই। যাদের উপার্কনের কোনও সং পথ নেই. ৰাব্য শুধুই বাজনীতি করেন অর্থাৎ হোল-টাইয়ার তাঁদেরও প্রায়ই দেখা বাহ বাকা-বাদশার মত চলতে। এবং সেজনা তারা मार्केडे मिक्क नम! खत्मक वामनन्धी নেভাৱে পৰ্যসত দেখি পাৰ্কার পেন বাকে बाजिएक चान्नरहरू, काालमध्य या देन्छिता किर সিগারেট খাজেন! আমি বলি না ওগালি ওরা চুরি করে সংগ্রহ করেন। হয়ত কোনও অনুগত ভব্ন দেন। কিল্ড এই প্রশ্নটা কি ওই নেতাদের মনে জালে না, ৰখন তাদের হাতে রাষ্ট্রীয় দাক্ষিশ্য বিভরবের বা নিদেনপক্ষে रेलकमान चिक्ति प्रश्तात वा खशतक किंद्रो म्विश म्राह्म करत ক্ষমতা ছিল না ভখন ভাঁদের পাকার পেন বা দামী সিগারেট দেওয়ার কজন ভর জ্বটত? এটা কি ভারা বোঝেন না বে এই 'ভালমান্ৰে ভৰুৱা' আসলে স্বাধানেবৰী অন্যার সুবোগপ্রাথী ?

ste

একটা সময় এসেছিল STITE OF रा शन गान्धीकी वा शान्धीनारतन्त्र নায়ে সকল বৰুজাতিকেই বিশ্বন্দিকরণের চেল্টা হত ৷ রাজনীতিতে সর্বপ্রকারের পাপ গাম্পীক্ষী ব্য গান্ধীবাদী <u> শ্বাধীনভা</u> আন্দোলনের নামে সহতা বলে দেখাবার প্ররাস চলত। স্ভাবচন্দ্রকে বিভাড়ণের বে বিরাট জ্বন্য বড়বন্য হরেছিল সেটাকেও ওইভাবেই স্বাধীনতা আন্দোলনে একান্ড প্রয়োজনীয় নিম্পাপ সং প্রচেন্টা বলে বোঝাবার বিরাট প্রচার অভিযান চলেছিল। কিল্ডু দীৰ্ঘদিন এইটা চলভে পাণ্ধ বি মৃত্যুর একুশ বছরের মধ্যেই গাম্বী টুরিগ আর গাম্বীবাদ আজ দেশের বহু মানাৰের দৃশ্টিতে জ্যোক্রির প্রতীক-চিক্ত হরে পাড়িরেছে!

আৰু সেথানে একটা নতুন জিনিসের সাবিভাবি হরেছে। সেটা হল প্রগতিবাদ এবং সমাজতন্তা। আজকের রাজনীতিতে প্রগতিবাদ ও সমাজতন্তার নামে সর্বপ্রকারের অসতভাকে নারে বলে চালিরে দেওরার চেকটা চলছে। আজ বাদ কমিউনিসট পারটি বা ইন্দিরা গাংধী জনসংঘ বা মুসলিম লীগের সংগা হান্ত মেলান বা একতে সরকার গঠন করেন তাহকে সেটা অন্যার নর। কিন্তু The final property of the state गरीवकता राज गीकामः। बाँग क्रीवादना ह्या কোৰাও বাট ইক্ষায় - টাকাৰও সম্পতি टक्टमन कथम श्रीकृष्टे भटक बारन 'कह _{विका} क्यांक्यो रणन स्काबा स्थारक, क्रिक्ट _{सक्य} প্রীমতী অরুণা আলফ আলী প্রণীয়া কাগতে বাট লক্ষ্য টাকার লোয়ার কেলে তখন সেটা নিয়ে কেউ কিছুই বলেন না। রেডডির ন্ত্ৰ চরিত্রহীনতার অভিবোগ উঠতে পারে, কিন্দু প্রগতিশীল কংগ্রেসী বাব, জগজীকনরামের নামে অতপতর পরও একটি কথাও বলা বাবে না। জিপ কেলেকারির কুরু মেন্র সিরাজ্বিন ঘটিত ব্যাপারে জড়িত মলবা এখনও এদেশে মাথা ছলে চলতে সাহস পান শ্বে প্রগতির আগ মাক ব্রে ঝুলিকে!

আমার আপত্তি খারাপকে খারাপ বদার
নয়, আমার আপত্তি 'ডবল শ্টানভাডে'।
খারাপ বেটা সেটা সবক্ষেত্রেই খারাপ।
মিখ্যাচার, স্রুখ্টাচার বে পারটি, বে রাজনৈতিক নেতাই কর্নে না সেটা নিশ্ননার।
কোনও ব্যক্তির নামের আগে কোনও পারটি
নিজের স্বাথে 'প্রগতিশীল' শক্ষটি জুড়ে
দিলেই খারাপ লোক ভাল হতে পারে না।

আমাদের রাজনীতি থেকে বদি মিথারে বেসাতি, প্রদ্যান্তর, দুন্নীতি দ্ব না করা বার আমার দৃঢ়বিশ্বাস তাহলে দেশের মণ্ডাল হতে পারে না। বহুদিন গাণ্ধীবাদের নামে বহু প্রদ্যান্তর্গালকে আমরা সহা করেছি। ভাতে দেশের প্রস্তুত কতি হরেছে। আজ বদি প্রপতিশীলতার ভেক ধরে আসছে কলেই আরও বহু দুন্নীতিকে আমরা সমর্থন ও সহ্য করি তাহলে আমাদের দুর্দশা আরও বাড়তে বাধা।

ম্ল কথা, কে কে স্বাধ্তাপে রাজি, কারা কারা সং এবং আদশনিত । বাদ কেউ স্বাধ্তাপে রাজি না হন, বদি প্রভাচারী হন ভাহলে পকেটে কমিউনিসট পারটির কারড থাকলেও তিনি কমিউনিসট হরে বান না! এবং কমিউনিসট ছাপ আহে বলেই তিনি গরীবের বংখ হতে পারেন না। প্রগতিবাদী বলে কেউ মুখে জাহির করলেই তিনি প্রগতির ধ্রজাধারী হতে পারেন না। সর্বপ্রকার স্বাধ্তাপারের ক্লা বিনি প্রস্তুত না তিনি সাধারণ মান্বের ভাল করবেন কি করে? গেরুরাধারী স্ক্র্যাসী হওরার প্ররোজন নেই—সং মান্ত হলেই বংখাট।

আমি মনে করি মতাদশ বার বাই হোক তিনি বাদ আদশনিকট হন, সং হন, ন্বার্থ-ত্যাগী হন ভাহলে তিনি সামারকভাবে ভূল করলেও শেব পর্যত মানুহের কিছু না কিছু কল্যাণ করবেন্ট।

नवात्व ग्रंड

'উপ-ব্যবসারের ধরিকার'
সর ছিল ন্বিভান্ন মহাব্রুণের সমর

(ব ছিলে ন্বিভান্ন মহাব্রুণের সমর

ছেল কাবন। কাকাতার অনেক পাকেই
ভ্রম সালানা রাভ হলে নিজনিতা ঘনাতো,
ছারা থাকত অনেক বেশি, নিজেকে নিরে
একা বসবার মডো খালি বেঞ্চের অভাবও
হত না তথন। কিংবা বড়ো বড়ো বড়ের রাস্তার
ধারেও থাকত প্রারাণ্ধকার গশির মুখ, গাচাকা বিরে দড়িরে থাকা বেড সে-সব
ভাষ্যার।

সেই সময়, একলা সেইসৰ বেণির ধারে

কথনো কথনো ছায়ার মতেও দেখা বিত
ভার একজন। ভারছা অধ্যকারে গলির মানে
ভারি বিতো আরো কেউ। একটা মারো
সামনে বাভিয়ে দিয়ে বলতঃ ভারে। কলম
জনকার বা পারার?

প্রবার, শেষ্ট্রাস, ক্রে আম্রেলর মেনী। লেটা রেটারম্বান। বটিত্রমতো লামী কল্ম। ব্রবার ব্যবহার দেই, ওগালো প্রবেট মারা ক্রিক্স।

কৰাৰে তাৰ দক্ষী বিশেশী কল্ম হাছে
না সহিত্ৰ বাস গেছে, হাঁৱাও আৰু প্ৰকেটে
নিয়ে বেবোন না জে সত্ত কথা
হাঁধকন্দাই ব্যক্ষ বহন ক্ষুত্ৰ সভাৱ
ভা পেন ক্ষুত্ৰৰ স্নান্ত হাছ
ভাৰা থেকে ভিন্ন ভাক্ত স্থিমাত প্ৰথ





প্রেরার মা ভার । কলমা চুরির সে সর্পায়ার চলে গ্রেছ। এখন করেরা প্রেটে দামী বিদেশী কলম থাকলেও হারামার বংভাবনা কল, একালের প্রেট্যাররাই বেগালো চেনে না, হয়তো বেড় টাকার জিনিস মনে করে মাথ ফিরিরে চলে বার।

স্পত্যর ক্রমে প্রেক্তিয়ার হোক সাব নাই

হৈ ক. কোপেও কলম বিক্রার সেই উচ্চিশ্রন
কা করে রায় গোছে কে লানে: এখন প্রেক্তি

যার সেই ছায়ার নিজান তা নেই এখন গাঁলর

মাথে পড়িয়া সেই আবরক প্রভাবরকৈরক
পাওয়া যয় না আর এখ্য সেইভাবেই মনের
লোভে নিকে উপ্রক নেরার চেন্টা এমন কি.
কোলাপ্রক ব্যান্ত ক্রিক্তিয়া ভাতিক

মানের আত ক্রিক্তের কলায় এগিকে কেরার

ইংসার আত কংবরকাছাবে বলাঃ নিমানা

ভাল গোলাও প্রেন্টা

স্থাসং বিকা বরলে খবিদ্যাবের মান লোভের সাঙ্গুড়ি আসে নাং কিবছু সৈল গোলাভ পেনা বলবার ভবিগাটিই এননি সে সংগোলাগে মান হয়, এটা বিক দ্বাভাবিক বলম নহা, এর মাধ্য একটা বাংপারা আছে। এই বাংপারট লাভের এবং লোভের-বলন দ্বাবার মভানা পাওৱা গোলা নবটা। আমন দ্বাভ সায়ের বাদি হাবাই, তা হলে দিংভালির মার প্রাক্তিন সালেই।

৬০ ত সমস্ভট্ট ফলস্ট্ড। জাবিলে যা স্থাত বিভাগুৰ আজাগুৰু প্ৰাণ্ড লয়, স্ট্ৰা-৯৮ ল উপন্য কা আমেরা আয়েক্ত করতে পরি ন্তার সংপ্রে' প্রানিহিত্র প্রচালনট এই ধরতের উপ-বাবেসায়ের প্রাইডিং কিন্দিপ্ত । ভল্ম সম্পত্ত <mark>অবশ্য ভা</mark>মর আভাৰাক কালাস কলে লেছি, বিশ্ব এখনে আবে অনেক শাটিনটি জিনিস অমরা এই অনুসাধ প্রে কেনা-কাটা করি- নেবার ভাগে চোরের সংরুদ্ধভায় ভাকিরে দেখি চার্নিকে ভারপর বাড়ি ফিলে আমাদের বিজয়ী হণ্য আনক সময়ই । একেবারে ধ্রুক করে নিরে বায়। অর্থাৎ ট্রানজিস্টর রেভিয়েটের বাইরের আবরশটাকট জাপানী কাল্মেরটো ছারা এবং প্রেনেন ঘডিটার ভাষালে ব্যেলেক্স্—কিণ্ডু ভার অণ্ডরলেটক যা রয়েছে, ভার কথা না বলাই ভালো :-

কেউ-কেউ কি জোতন না? নিশ্চর জোতন। লটামীর শিকেও তেঃ কারেক জনের ভাগো ছোড়ে।

্তব্ এই লোভের টান এডানে, যায় না।



ফালসোসরানের শক্ষা, সারের বাজি প্রোভাঠ

আমাদের এই প্রায়োখনটি হৈ তার-জারোচেনের পরিপ্রেক, চুরির কাটটির পাটি। পরেক্ষ-ভার — অপর ধানানিয় — আমাদের তারিকারেকারই তথ্যা এটি ভাষ্কর বাস বর্লছে। জামাদের মধ্যে হারা হারি, জারা ক্ষেত্রাকারিক চুরি কার্চের নাম বানের সাহস্থা নেই সেই আমান চোল টারের খারিকার ভারে অনাভারে জাদের অন্তরণা বিরে থাকি। সাইবিষালিদ্যের চেন্বারে আমাদের শাক্তর্করা নকাই কার্চু রোধ কবি ক্রেট্নিয়ানিয়াক।

এই বে অলি সংযা স্নাদন, এই সব থিবিধ প্রাজ চিন্তা লিপ্রবাধ করে থাছি, কারক আস আগে যদিও এইরক্ম একটি কলম কিনেছিল্যা না রাশতার ধারের প্রসারিও মুণ্টি গোল নায়, কোনো বাঙালী ভদুস্তান এক ক ড়ি কলম নিয়ে আমানের অফিসে এসেছিলান। বলালেন, এই কলম ভার নিজের অবিধ্বার, একেবারে জ্যানি ম রার স্বাভুল, আশ্চম কোয়ালিটি, পরে প্রবার টাবার কাম পাওয়া বাবে না এখন শ্রেষ্ প্রচারাণে ভিন টাকায় বিভারণ করছেন।

আনি একটা কিনে ফেলসম ওংকশাং। ভারপর ম রার সমত্ত্ব কলম করেক দিনের মধোর বিপ্রের করণ এবং হটাং ভার নিবটি



হৈপোটে হাল সম্ভাৱ

একট্করে। পাঁপর ভাজার ক্যনীরতার একেবারে বিখণিওত হরে গেল।

হবেই, আমার জানা উচিত ছিল। তিন টাকার ৰুলম দোকান থেকে সোজা কিনে আমালে এত বিভূতা শ্নুনতে হত না, আর সেটা হেতিট-টোটট থেয়েও এক বছর-দ্ব বছর গড়িবে চলতে পারত। কিন্তু পনেরো টাকার কমে পরে পাওরা বাবে না তেবে আমি বারো টাকা লাভ করতে চেরেছিলুম এবং বেছেতু দেড় গো টাকার কলমের গ্ণাবলী তিন টাকাতেই বিরাজিত—সেই জনো অবচেতন হিসেবের খাতার একলো সাতেচলগ্রাকা করুছে হরে বাজিল আমার। আপাত-দ্ভিতে আমি একটি উদীরমান বাঙ্কালী বাবসারীর প্ততিপাবকতা করছিল্ম, কিন্তু আমার প্রলোভন বলছিল—এ স্বোগ হাত-ছাড়া কোরো না, পরে পনেরো টাকার নীচে—

যা আমি স্বাভাবিকভাবে পেভে পারি না, যা পনেরো টাকা না দিরে আমার পাওরং উচিত নর, তা পেভে চাওরার অথইি আমি আর একজনকে বারো টাকা ঠকাতে চেরোছি। আমি তো বলতে পারতুম, 'অপনি লোকসান দিরে কেন দেবেন, আমিই বা নেব কেন—' কিন্তু এই সংসাহস্ট্রু তে: আমার ভিল না।

আসলে পরস্বের দিকে কিঞিং তিথকি

দ্দি না থাকলে জীবনের আকর্ষণটাই

ফ্রিরে বার বোধ হয়। তা না হলে পরমা

স্পেরী স্থাকৈ সপে নিজে পরে বেরিরেও

চোথের সতকা চাউনি ইত্সততঃ পরিক্রমা
কেন করে! স্থার প্রতি অনুরাগে কাপাণা
আছে তা নর, কিস্তু বাড়তি পাওনা, চ্রি

করে পাওরাই,কুর আকর্ষণটাই যে ঠেকানো

যায় না।

আমার এক শিলপী কর্-নাম করব



সিক্তকরা খালে বোড়ার ধনর

ना--- होत 'सामाडे **कां**क्रन : कर्पणना जाह উল্লাবনী আছে, দেখবার চোধও আছে। নিজের জোরেই তিনি স্বহাসিংগ হাত পার্যেরন। কিন্তু বাড়ভি পাওনার লিজী ত্তীর রেলাভ প্রকিং নামকা-লারগ্রেম - ৪রুপরী জেকে শারে করেছিলেন, একানীক মজ্মেলার পিকাসেল বাকে নাজিক কাতে পান একটা এদিক-ওদিক কান্ত নিধিস্তানে আত্মশ বারে দেন ৷ প্রেরানে আম্পের জনিদ্বী আছল-ৰ মতে: মাইনে নগৰা, উপাঠা ভার মাসল হাত লাভিয়েছে: বশল গ্ৰহণাৰ প্রভাৱে গিয়ে চমকে উঠি তক-এক সংয ভাবি, এ যে ওকটা মাকিনি গণেব বেমালামে বংগজে রাপে জংগচ ফিনি লিখাছেন এর চাইতে তের ভাবো তিনি নিজেই লিগতে পরেয়েভন। বাংলা গাম শ্রেন্ত গিয়ে অকফাং ধ্যম ক্ষাপ্ৰতিক এই স্মান্ত্ৰীয় কি বিভিন্তী

ামউলিতকর কোনো রেকটে প্রবা ক্রিনি ? এবং কী আশ্চয়া, এই স্বেকার জো নিজেই উচ্চিত্রের গ্রেণী!

স্তেকং অবস্থাটা ব্ৰুক্তে পাৰ্চি। যালী
বদলাবে, জাবিনা বদলাবে, কিল্ছু চাপা গলী
এবং প্ৰস্থানিত মুখেন কলমেন কেত্ৰ কণ্দা অভাব ঘটনে মা এমন কি গোস-মুণ্যনাও যদি এক ট,কলে কাগছেব লোকে জাছে এগটে বিক্তা কৰা যায়, লেখা থাকে — কেন্তা ভিল বালিনেন না—' তা হলে একটি চুপি চুপি সংধ্যায় হাজার্থদেক নিজা আ যবে বেদে হল! কেন্তানা ভারপ্রে নিশ্চম প্রতাবেন্, কিন্তু ভাই-ই নিয়ম, আমান এক বংশ্ভ তে। বাইশ টাকায় নোকেক্স্যু ঘড়ি কিন্তু মাথার অধেক চুল উপড়ে ফেলেজছে!

আ্রালোপ্যাথ, হোমিওপ্যাথ ও আর্ত্রেদীর চিকিৎসকগণের মিলিত প্রয়াসে বিচেব প্রথম সংবাদ, সাহিত্য ও বিজ্ঞানের মাসিক প্র

চিকিৎসক সমাজ

প্ৰায় সংখ্যা প্ৰকাশিত হয়েছে ১৫ই আগদ্য

থেড অফিস: ১৫১ ডারমণ্ড হারবার রোড, কলি-৩৪ সিটি অফিস: ১১৬ শরং বস: রোড, কলি-২১ প্রতি সংখ্যা : ২০ প্রসা বার্ষিক : সভাক ৩ টাকা

(সি ৭০১৬)

আমারে এ আঁধারে ১০০০

কল্যাণকুমার বস্

কবি অতুশপ্রসাদ দেনের রস-সম্প্র জীবন-উপন্যাস। অমৃত পত্রিকায় ধারা-প্রকাশিত গ্রন্থের পরিবর্ধিত গ্রন্থের্প। বহু দুম্প্রাপ্য আলোকচিত্র।

অভ্যানয় প্রকাশ মন্দির । ৬ বণ্ডিকম চাট্যক্তে স্ট্রীট্র কলকাতা-১২

(সি ৬৮৮৮)

वार्कित न्वगरणिङ

Beersa

এই চলো আরম্ভ আমার।
আমি কে, তা এখনো জানি না।
তব, এই বাাদিত আধার
আর তার বর্ধর মক্তবা —
আলোক উপার বিশ্তার :
স্ব মনে হয় ধ্থাষ্থ।

মাঝ-মাঝে, জেনাকির মানো, কোনা-এক মানোচের কণা ভালে উঠে, মিলার চকিতে পশ্বনি হানিশ্যালয়।

কাণে সাজে এই শিশেষ নিজ্ কাৰে বলৈ ভাৰনা, বেসনা, কুদনেৰ কৈলাস কোথায়। আৰু কাণ চেত্ৰেল নকাৰো — আৰু নাৰ চাং সংঘাৰণিল — শ্যাৰ ইমাৰ ইমানিল শ্যাৰ কাণিক বিধায়ে তথ্যনা?

ব্যাননির ছিলো এক নারী। বিশ্ব বাহা বহু বয় পাছ মানান মাস্থান সে আবো, আবার বোগে উচ্চলিত। তাই হ'লো স্বতই স্থলিত মনিপার আলিখনকারী।

বাক-মানে পাতার মর্মাবে হোগে ওঠে ক্ষণিক চেতনা : গেন এই চানিতর কৃত্তর, বার মধ্যে আমি আছি পাড়ে — বারিপট, শ্নাসার হাক — এই নায় অবোধা বঞ্চনা, এও তার পক্ষে আবশাক।

সব যেন তারই আয়োজন, স্বাদ, শাস, খনছও তার। কিন্তু চাই প্যশিত আধার। আমি তার পক্ষে প্রয়োলন। সে-ই কটা, আনি শাস ছাতো।
আমি দক্ত, সে-ই প্রতিপ্রতি।
তারই দিথর অপেক্ষার তলে
কমান্বরে আমি কার্যান —
যেখানে সে, পরিপ্রমে দ্বার,
তব্ হাদা আবেশে দ্বার,
অদৃত্যক স্তি কারে চলে।

মনে হয়, আমাকে এবার মেনে নিয়ে সন্তার বিরতি, সব ইচ্ছা থেকে অপস্তু, হাতে হবে তার দক্ষ হাতে বিচ্ণিতি, র্পান্তরিত, যাতে অমাব্যক্ষের শাখায় রক্তবর্গ বর্তুল রেখায় দীশ্ত ফল পারে সে ফলগতে — ভারই শেষ, পূর্ণ পরিণতি।

^{*} বাহকে : শাপগ্লক, বিকৃতর্প নলের ছক্ষনাম।



আপনার মুখখানি ফুলের পাপড়ির মতো পেলব ও সুন্দর করে তুলবে পাপ্ট্র ভ্যানিশিং ক্রীম



প্রত্ন ভ্যানিশিং ক্রীমে আছে বিশেষ একটি উপাদান
হিউমেন নান — এ:০ ছকের আন্তর্ভাব অটুট থাকে। পশুস্
ভ্যানিশিং ক্রীম ভাই আপ্নার মুখ্রা কমনীয়, মসুণ ও ভাজা রাখে;
আর ধুলোবালি ও ক্রক্ষ আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচায়।
তুষার-ক্তন্ন ও হালকা পশুস্ ভ্যানিশিং ক্রীম এমনিতেই মুবে একটি
মাজিতন্ত্রী এনে দেয়; আবাব পাউভাব বেস্ হিসেবে এর ওপর
মেক-আপ ধ্রালেও ঘণ্টার পর ঘণ্টা নিখুঁত থাকে।

চীজ্বো-পণ্ড্স ইনকর্পোরেটেড (দীমিত দায়ে মার্কিন যুক্তরাক্টে সংগঠিত)

পণ্ড্স ভানিশিং ক্রীম—নিখুত পাউভার বেস

अन्य स्मन

ৰ ধরে আকাশ পরিক্ষার হতে বিকেল নেমে এল। স্বারেশ্বর বের্বার জন্যে ভোডজোড শুর করেছিলেন। সকালের मिरक दवन श्रासा हिन। मून्द्र अक পশলা টিপটিল করেছে। ভারপর, ইক্ছে থাকলেও বৃণ্টি থামতেই সুরেশ্বর বেরুতে পারেন নি। পথযাট পিছল। শিরণীড়ার গোড়ার একখণ্ড হাড় ভাঙা। একটা বেচাল **इलाई विभन चंडे.** जारत।

भाषि थाउँ कार्फ नारत। रत्ना नतकात মাথে। আর এক পালে থোকন। সারেশ্বর খন খন বিভি খান। খাটে উঠতে ভয়। প্রাটির তন্ত্রা কাটলে রেণ্ন মারম্থী হরে উঠাব। ফলে, তিনি খাটের এক প্রান্তে ৰাস্ত্র তোরপোর আভালে মলের বাঁশের বেড়ার भिन्ने रहत्य क्रमार्काकिटङ यस निद्राभाव म् भूद्रविद्यं किरोह्यं छ। क्राइट्स ।

দিন পাড়েক হল পর্ণটির জনর। কথার নিচে ওর অপুন্ট শরারটা নিঃসাড় পড়ে আছে। মাঝে মাঝে চটকা ভাঙতত স্রেশ্বর উঠে দাভিয়েছেন। পরিটয় ব্যক্তর ওঠাপড়া লক ক্রেছেন। ম্থখানা শ্কনো বাঁশপাভার মত বিবর্ণ। যেন কেউ উপরের সব্স পাতলা চামডাটা খাসয়ে রক্তথীন করে রেখেছে। রেণ্ সাধামত টোটকা চালাচ্ছে। সকাল সংব্ বাবর তুলসীর রস, আরো কত কি। क्रा. एक मा কিছতেই। স্বেশ্বরের ধারণা, স্যাতসেয়তে মেটে ভিত, होनिहारमञ्ज कर्टीकाही मिरत गर्दका गर्दका বুণিট্র ছাট নামছে অনবরত ছরের চার

कांग्रामानएड-मार्गी পা শের स्मोत्रजीभाषा.—बन्द्रजो মডকের টাইফরেডে দাড়ির নির্ঘাৎ

স্রেশ্বর থবে সত্রক, ঘাম পাঞ্জাবিটা ভবজবে চাপালেন। শরীরটা হেজেমক্রে ঘটেভি ্ৰের অংশে এক্টের প-টির পড়েনি নিজের সন্পকে অসু থ कथांग অস্বস্তির कानाता बाट्ड ব্ৰেণ্ড্ৰেক करमानीटि र अकसन काराक বলি যে নেই এমন নর। এবং সুরেশ্বর তংশর হলে প্রণামীতে ওরের একজনকে ধরে নিরে আসাও বেভে পারে। किन्टू এककां उद्देश, एरमर প্রধার ফর্দ-প্রসা তো আর রোগবীজাণ্র মত কাঁচাদালিতে ह्याठोद्द्वि दहाइ ना। श्राक्षणान रथरक दरभूत मगरब কিন্ত বাড়তি চিন্তা চাগিরে তোলা সার হবে। এমনিতেই ও মহা



রাণ্ট্রীয় পর্রস্কারে সম্মানিত

वाकारमधि भवसाव आख

ব্ৰুদেব বস্ত্র

তপস্বা ও তরঙ্গিণী

'জগন্সা ও তর্নিগাণী একটি চার আক্রের দুশ্যকারা। এক জগাগানিখ ভার্ণ থাকি-কুমার এবং স্বর্গান্ততিমা গরম কলাবতী এক বারাগানার গ্রোগোভ একটি প্রণর-কাহিনীকে স্বনাসধন্য কবি ব্যুখ্যদেব বস্থা এ নাটকে এক অসামান্য শিক্সবাপে দান করেছেন ॥ ভূজীর মুদ্রণ্য। দাম ৩০০০ ॥

> রবী**স্ত পুরঞ্জার প্রাপ্ত** শর্রাদর্শন বন্দ্যোপাধ্যায়ের

पुत्रष्टात जीत

দক্ষিণ ভারতের তুজভান নদার তাঁরে অবস্থিত ইতিহাসবিখ্যাত বিজয়নগরের বাগ্রান্ত কাল্ডান্ত কাল্ডান্ত

র গান্ত প্রস্ক র প্রাপ্ত গোপেন্দ্রকৃষ্ণ বসরে বাংলার লৌকক দেবতা

হক্ষিণ্যক, মনিকপাঁর, পাঁচুঠাকুর, মানাল, বাবটোকুর, ঘেণ্টা প্রমাণ তেচিশাট লোফিক দেবতান প্রদাপশ্যতি, পা্জকগোণ্ডী, মাহাঝানি ও কোন্ কোন্ অঞ্চলে একা প্রিজত এবং কোন্ কোন্ জঞ্চলের লোফিক দেবতার সাদ্যাব্যক্ত প্রভৃতি তথ্যসম্প বিবরণ ম্তি বা প্রভাকের চিচ সহ এ প্রেডকে বিবৃত হ্রেছে ॥ শাম ৬-০০ ॥



জানন্দ পাবলিশাস প্রাঃ লিঃ আফস: ৫ চিন্ডার্মাণ দাস সেন । কলিঃ ৯ বিজ্ঞানকেন্দ্র: ৬৭এ মহাব্যা গান্দী রোড ফেন: ৩৪-৮২৪৭

সংখ্ আছে। সেই কবে সংরেশবর অপ্নিসাকী রেখে সাতপাক ঘারে মালাবদল করে রেশকে ঘরে তলেছিলেন। তা প্রায় সতের আঠার বছর আগেলত কথা। ভারণর কমণ, সময় লাট খেষে গোঁকা মেরে তাদের অভারের অশিনক: ত ঠেলে দিলে। অধিকশ্ত প্র'ট আর খোকন। তব্য ভাগা সাপ্রসল্ল বলাতে হবে। থোকন হবরে পর জরায়রে গণ্ড গলে দেখা গোন রেণরে। ন**ইলো ফের আ**তভ হলে আর ফিরতে হত না। এখন ওর গর্ব করার মত বদত দাটি। রক্তাম্পতা আর হাটের অসংখ্য এ লাডী যেন ওব গেট পাস। ই.চ্ছ করণেই সংসারের চৌ**কা**ঠ ছিল্লোত পারে। ক্ষেপে গোলে প্রায়ই রেশ্য বলে, আমার আর কি! কডের মধ্যে কখন হেখ ওল্টাবে: জলটাক গড়াবার সময় পারে না —েরেলার এ জালুসাদে স্রেশ্বরের ভয় যতটা দ[্]ষ্টুৰতা ভাৱ চে**য়ে ছ**ানক LS SE নিয়মিত আৰু বলতে । কাজন্তে দাটো লালী कासार হিসেব লেখার করে। এ ছারা ট্ৰিট্ৰিড় বিভা**ধান**ন মাচে। কভিয়ে বিভিয়ে **এতে** করে **সম্বল** হাল সংগ্র মাসের সব কটা রাশন তেলাট সংক্র। রেণ্ড যে **কেম**ন **করে টেনে**ট্রন সং ড*িল* য নেয়, **সারেশ্বর জানক ভে**লেও বাবে উঠাত প্রবেদ করে

স্তারেশ্ব প্রাচটা ভারনার সান্ত্রা দড়িংলান ব্রক পালেট থেকে ডিরফ্টটা বের করালন। বিন কাজক আগে প্রতিবেশী যতান সিক্ষার এটা নিজেছিল। কসবার ওর চেনাজানা এক ভল্লোক আমলা হেলের ফাাইরী খালেছে। কিছু সেলসমানে সরকার। এ কলিন বিকেলের নিকে ফ্রাস্থ হর্মান। তে বজিলেন আল স্প্রার্থ হর্মান। তে বজিলেন আল স্প্রার্থ রবনা লোকন। ব্রিট নেমে গণ্ডগোল বধিলা। এ লাইন স্বেশ্বর যে একেবারে আনাড়ী এমন নার। জীবন ধারণের বড় লার। অনেক পথেই খোলাধেরা করতে হাসেছে তাঁকে। কিছুতেই কিছু হাজে না এই যা।

সজেরে চির্মি চালতে গিয়ে হাতে একদলা চুল উঠে এল। প্রিটি ফের বকবক শ্রের্ করেছে। এননিতে গেরেছা চুপচাপ, শাস্ত সরল। রেণ্র ধাত পেরেছে প্রেটি। দ্রুমর ভেতর কথা বলা। তা অস্থা বলে নয়। স্রেশ্বরের মনে হয়, রেণ্র মত পর্টিও সংসারের ভবিষাংটা ধার ফেলেছে। বয়স তো কম হলা না। প্রিটির বয়সে এক সময়ে মেরেরা মা হত। স্বকিছ্ ব্রুবতে পেরেছে বলেই হয়ত প্রিটির নিছে।

খোকন খরের এক কোণে বঙ্গে। নিজের রাজাপাট নিয়ে **তব্মর। ওর চার পাশে খালি** সিগারেটের **প্যাকেট আর কিছ**্ **পলকা** কাঠের **ট্_বকরো ছড়ানো। কলোনীর পশ্চিমে**

বছৰিলের গা লেভৰ পাই-উভের কারখনা। शास्त्राच मनवरमञ्ज महन्त्रा रमधान स्थारक को সংগ্রহ করে আলে খোকন। সিগারেটের भारको मार्सम्बद्ध द्यानाम। आहासम সামানা। কিন্তু বাতিকটা মারাম্বক। ক[‡]ে मिट्स क रठेत है करबाश कि टक्टडेंट्ड ट्रेंट दाल राम মতে থে কন **ঢাল তলোরার বানার**। রাজা-সাজায় ওর মৃতত শুখ। স্কুরেশ্বর তির**ি**ন চালানো **থামিয়ে বললেন**, আমার স্যাত্তিল জোড়া বের করো ভো থোকন। খোকন টাঠ थाएँड कारक कन। धत मुदे स्त मान वताव नन्दानम्ब अक्ठो मामाभाग। हेमानीर अ পাগলামি খেকেনকেও পোয়ে শাকনো গামছা আঙ্জে ক্ষতিয়ে গ্লে গ্লে কপালে রাজতিলক ভুকাছে। দ্যাহাত ভরে মাদ্যলি। গলাতেও একগোছ বাকের কাঠি কাঠি হাড়গালেকে সামাল বিচেত্র। ওদিকে চোখ পড়তে সংক্রেশ্ব নিজের শরীরের চোরাগোণ্ডা কটোপোল লগেগ**িল সম্পকে হঠাং কেমন স**চেত্ন হয়ে এঠন। দুই-ই তার ফালত হলে হয়ে হয়। মানুলিগ্লো য়েণুর কীতি[†]। অব সাবেশনবের শ্রীবের ক্ষত্যিকগালি ভারীক দিনের কিছা **অর্থহ**ীন স্মতি বহন করছে। স্কুরেশ্বর এখন **আর সেম্বর** ঝোড়ে হাওয়ার দিনগ্রিলর কথা ভারেন না। কোনও উৎসভ োধ কারন না ভারতে। বিদত রেণ্ড হেছে। প্রতি থোকনের মা, ভারই বন্ধুমংসে ভ্র বলিয়ে ওরা পাথিবরি আলো-হাওয় নিছে তাই সংভাবের প্রতি রেশ্যর ভালবাসা আলো অন্তান। তফাং মন্ত এইটক।

জনের পর থোকই খোকন ভগাই। স্টেরশ্বরের অন্মান্ত্রে**ও** আলে লেকে : <mark>রেণরে পেটে থাকতে পোম্টাই কিছা প্</mark>যান **ছেলেটা। তথন স্যারেশ্বরের অবস্থা** ট্রো-মলো। খোকন হবার বছর দেভেক আগে সওলগরী অপিসের অমন ভাল চাক্রিট **ছে**ড়ে দিলেন সুরেশ্বর। তৃচ্ছ কারণে **স**ুপারিশ্টেডেন্ট **পাক্ডা**শার **সং**শে বচসা হল। র**র** থিতিয়ে এলেও সারে-বরের পঢ়রেন তেজ্ট। তখনো মরেনি। এক কথার চাকরিতে ইসভয়া দিলেন। স্বাধীন বাবসং ধরলেন। জাঁকজমক করে বড় র **স্তা**র ধারে লণ্ড্রী থাললেন। বছর না গড়াতেই বাবসা मार्टे छेरेन। छराइटे कथा। प्राप्ता भागाव সম্পর্কে তার ধারণাটা যে সেকেন্সে হয়ে পড়ছিল,-এতটা ব্বে৷ উঠবার মত বাশি তথনো স্বেশ্বরের পাকেন। ধার-কাকিতে লাভের গড়ে পি'পড়ের ঠোকরাচ্ছিল। অর্থাশন্ট নিয়ে সরে পড়ল দোকানের ছোকরা কম'চারী নারায়ণ। তারপার অথৈ জলে। भव धक्न त्रणः भहेन। किन्छ खनः छा জানতো না, নিজের শরীর দিয়ে অভাবকে র্থতে গিয়ে সে পেটের দ্রাণটাকেই জখন করছে। এক সময় প'্টি-খোকনকে খিরে

বেণ্ বিশ্ব ক্রান দেখাত। এবন আর দেখে
না। দেখার কথাত গর। এক একটা নির্মাণ
পার করতেই রেণ্ব এবন প্রালানত। ক্রান্ত
বেণ্ব এক সময় আর দশকান নাবের ক্রতই
ভাবত, প্রতি থোকন জালানত নাবের ক্রতই
ভাবত প্রতি থোকন জালানত নাবের ক্রতই
ভাবত প্রতি থোকন জালানত নাবের ক্রতই
পেট ভবে খাক, খেলাক ভ্রতীক বেড়াক।
থোকনটা লেখাপাড়া লিখে স্থানের হৈছে।
যেমন চারপাশের ভেলেরা হচ্ছে। রেণ্রের
চিন্তান চারপাশের ছেলেরা হচ্ছে। রেণ্রের
চিন্তান স্বান্তর থোকনকে ভাতিক করিরে
চিন্তান বিভাই থল না। দুর্বল মান্তক্র
বিনার ভার বইতে পারেল না। এক ক্লানে
দ্বার ফেল করার ইন্দ্রল থেকে নাম কটিরে
দেওরা হল।

স্থেশ্বর স্থাণেডল জোড়া পারে গলাভে দর্জার মূথ থেকে রেগ্নু অর্থামনক বলল, বের্ছে ? সম্প্রতি নতুন রেগে ধরেছে বেগ্রেজ। দ্পুরে আওরা-লাওরার পর খনিকাত কলেক ম্যুটো চাল নিরে কলৈব বছাত বাস। স্থারেশ্বর বেগুকান রেগ্নু ভেতরে ভিতরে বছাই প্রত্যাহ পড়াছে ততুই একটানা এবটা কালের ছালোর নিয়েক্কার ব্যক্তর বছালার নিয়েক্কার বহার প্রত্যাহ ছালোর নিয়েক্কার বহার প্রত্যাহ করছে।

চারেশ্যর ব্রক্সাকটে হাত বেশে জিল
নুটা পশা করে জবাব বিজেল, বর্টা---ছা

সাত বছর আগেও রেশ্যর জন্ম করে

কালিছে চালার ব্যারার মুখ্যে করে

কো প্রিচাত। সিন্মির মুখ্য করি ছোনটা

টোন নিচু গলার শাখোত, কোগার জন্মাগা লা

থাকালও প্রত্যাশা থাকাত। উত্তার স্থারেশ্যর
গনিবটা সরব হাতেন। তখানা রেশ্যকে

থাবিত। ওব স্থারেশের উক্তার স্থারেশ্যক

টার প্রতেন। আবাধার উক্তার স্থারেশ্যক

থাবি প্রতেন। আবাধার উক্তার স্থারেশ্যক

থাবি প্রতেন। আবাধার উক্তার স্থারেশ্যক

থাবা বিত্তা বা ক্রিপ্রের স্থারেশ্যক

তির্বা বিত্তা সার্বিকার মাধার ক্রেক্সা

ভিক্রা ব্যার স্থারের স্থারের ক্রেক্সা

ভিক্রা

ান্ত ছোড় পথে কেয়ে স্থান্তৰর বিভি ধ্বব্র অবাধ তেমন পরিকার হয়ন। উত্তৰ-পশ্চিমে একথাড় মেখ সভ্যাত্ত-সংকুল হার উঠছে। হাঁট**ু অবদি কাপড় ভুলে** স্কেবর বড়বড় পাফেলে এগাতে ব্যালন। নালি উপতে নোংরা **জলে** রাস্তা ^{উপদ্ৰা}ত হ'লে কাহেছে। দ্বা পালে **কা**হুকেপঞ্জা ^{महरू}ह एत्। याद**क श्रदश अक-अक्ट**ें **रकाठे**ं-^{বভি।} চারপাদের **শীহীনতার** কেমানান। रामाना आफ़ाई काठी क्रमि तका करात करात ম্রেশ্বরকে কম ম্কুডে হয়নি। রাতের পর ^{राङ} नज त्वत्थ अधिमात्त्रद्ध काक्।त्ये **त्वा**लेका দের রাখ্যত হরেছে। অথট এক সমর, সেসৰ িনের কথা মনে পড়কে সংরেশ্বরের ব্রেকর ^{ভিত্}র একটা **ৰাখা পাশ ফোরে, গোটা** দেউকেই তিনি কড জনারাসে নিজের বলে €াব:তন।

বংকর মতে এলে স্বেশ্বর থমকে

বায়াজেন। বিবেদ গুলিকের পাঁলিগুপথ বারে রাজিকান্ড ইনহানিরে গুলিকে গুলিকের পালিরে বারলেও পালিরে কালেও পাঞ্চালারকে চিলতে স্থানেশবর কুল করেন না। বাতিকান্ডর বার প্রারেশবর ওর কার থেকে নদম কর্মা করেনি। আনকলাল ও নিরে রাজিকান্ড গাইগাঁহে করেনি। লেবে বথন জানল কর্মা কোলোর ম্বেলে স্থানেশবরের নেই, তথন জালল মাতিটা ধরা পাজল। গুলিক নালাল মাতিটা ধরা পাজল। গুলিক বারলেক কোলোক কালেক কোলোক কোলোক কালেক কালেক

স্বেশ্বর পিছা হটে দক্তবাহির দিরীয় গাছটার আড়াল হলেন। নাহা, রতিকাত ভাকে দেখাত পারনি। স্বেশ্বর বহু করে একটা নিশ্বাস ছাড়ালেন। রতিকাত বালীছলার পথ ধরেছে।

কিছাটা এগুড়ে স্বেশ্বর টোরাস্থার মোড়ে এলে পেটিয়েলন। কাংগোড়া र्दिष्ठित श्रीतरह करन स्ट्ली होन सिट्ट कहिन **ফাসফাস দ্বটো থেকে। উদ্দে**গ ভাড়ালেন। ভাইনে ইস্কুলের রুস্তা। বাদিকে কিছুটা এগুলে বাজার। সমেনে কোনাক্রি ক্ষেক পা হটিলেই বাস রাস্ডা। সামনের পথের বী পালে সারসার দালানবাড়ি। দশ বছর অনুগ্ৰ ভবিষ্টা অনারক্ম ছিল। ট'ড়নিচ গোড়া কমি। ইতস্তত কিছা নিক্ষকা নারকেল গাড়। অনিকাম আঁগ-ফলের বালান। এদিক সেদিকে ছোট ছোট প্রকর, ধলকলমীর ৰোগে আভাল করা। পথ চলন্ডি স্মারেশ্বর, শীতের দুশ্যুরে, কড্রিন দেখেছেন, কালকাস্থের ৰাপ্ৰসি খোক শেৱাল-মা ভার বাচ্চালের নিয়ে ফকিলে এলে বেল পোহাছে। করেক বছরের মধেই সৰ স্নসান। ভোজৰাজিয় মত পালেট থেল সব কিছু। গাছগাছনিল খানাখন লোপটে। মাটি ফাডে একের পর এক দলোনবাভি মাথা ভলল। ভাদের কভ বাহার। বারণ্যার কেরারী **করা লো**হার জাফরি। সামনের জমিতে মরসামী *ফাবে*র ह्मा। कारणात कारणात तकहत शही। রেডিও'র মিঠে সহের বাজসে স্বামা করছে। আনাত কানাত থেকে নিজা নতুন রাগতা বেরাল। হাস করে থানিকটা নীলতে ধেরা শ্ৰুকো ছিটি**রে বেরিন্ধে আসছে স্বক্**ৰক रमाजेनशाष्ट्रियः **म्यास्थितः मन्द्रेयः उ**ठेरक না পারলেও এটাকু জনামান করতে পারেন, দেশের স্বাধীনতা কিছু লোককে অন্তত সংখ্যে পথটা বাজলো দিরেছে।

কোন কোনসিন বাজনা ধরতে খোকনকে নিজে সংক্রেবর বাজারে জাসেন। চৌরাস্ভার মোড়ে এসে এদিকে চোব পড়তে খোকনের চলার গৃতি থেকে বারা। কেবলই পিছ, ফিরে

তৃতীয় মৃদূণ প্রকাশিত হল



प्रशास्त्र विकाशिया। ३१%

ধরণী যখন তরুণীছিল

লেখাকও জপাবা ঐতিহাসিক গংপা-উপন্যাস-পানি জনাপের পেনা সেই কংপদ্দক মধ্যর জগাত নিয়ে বায়, ধেনানান ব স্পের ছাপেদ্যর জগিলের সংস্কৃত্তার ক্রেন্ড মই ফিবে পাঙ্কা বাবে না: অধ্য সেই জগাং সেখানভার সেই সহজ্ঞানিত জামাধুদ্র আজও প্রশাস্থ করে।

ইতিহাসোল্লিত একটি চোট উপনাস ও করেনটি গলেপর সংকলন এই প্রস্থাটি প্রথানের অনেত্রত ল্রেড সহিত্রকীতিরি সংক্রের চুন্তর ৪-০০ ॥

a of marks some of

 वार्ट द्यांक क्षेत्र व्यक्त का रह 	
বেণীসংহার	8.00
ব্যোমকেশের চিনয়ন	8.00
শজার্র কাটা	8.00
তুঙ্গভদ্রার তীরে	৬٠০০
শ ুথকংকণ্	₹.60
ক হেন কবি কালিদাস	0.00
বহা যাগের ওপার হতে	0.09



আনদদ পাবলিশার্স প্রা: লি: আনসঃ ৫ চিডার্মণি দাস লেন । কলিঃ ৯ বিকর-কেন্দ্রঃ ৬৭৩ মহাত্মা গান্দী রোড কোন : ৩৪-৮২৪৭ ভাকার ছেলেটা। আর হেটিট খার। ওর চোখের তারা স্দ্রে হয়ে ওঠে। স্কুরেশ্বর বোঝেন, খোকন মনে মনে কিছু একটা রচনা করছে। কে জানে, রাতে রেণ্রে ম্থে শোনা র্পকথার গলপ হয়ত ওর মনে পড়ে। স্রেশ্বর ওর হাতে ঝাঁকুনি দিয়ে বলেন. তোমার নিয়ে রাশ্তায় বের্নো যায় না থেকন। পথ দেখে চলবে ডো!

রেল রিজের মাথে আসতে জগার চায়ের দোক:নের কাছে হাতকাটা জীবন ধরল। রাস্তায় বাঁশের মাচায় বসে ওরা চ.ক বেধে গালতানি কর্মজন। এ তথাটো সকলেট ্ ওদের সমঝে চলে। সর্ব্ব প্যাণ্ট্ কোমরে চওড়া বেল্ট, চেথের নিচে ঘন কালির ছোপ. এক মুখাচল প্রেয় হাওয়াই ছটি। অনগ'ল দীতে হিন্দী গানের কলি কাউছে। একবার ওবা বভিকাদতকে বেদম পিটিবেছিল। ইজেমত ওরা কলেনীকৈ হানা দেয় হলা-গ্লাকরে, ভবকা ছার্ণিড্রের পেছনে ছোক ছেকি করে। সারেশ্বর <mark>একটা</mark> বিষয়ে নিশ্চিত। ঈশ্যারের কুপা বলতে হবে। পাটির বয়স হলেও শ্রীরটা তেমন ফেল্টান বলে এতদিনেও ওব দিকে ছেলেগালোর মজৰ পড়েনি।

জনির হাঁক পাড়ল, বেশ কড়া করে এক
কাপ চ, বরভাে জগ্ন —ছ কনিতে গাঁড়ে
চ: চালবার ফাঁকে জগ্ন আড়্চােথে একবার
স্রেশবরের দিকে বিরস্ত তাকাল। স্রেশবর
বোকেন, ইদানীং জগ্ন তাকে তাছিলা
করতে শিথে গেছে। কিছু কাঁক পড়ে
আছে অনেককাল। ইছে থাকলেও কিছুতেই
স্রেশবর মিটোতে পারছেন না। কোনদিন
হয়ত রতিকালতর মত ৩-৪ একহাট লোকের
সামনে অপমান করে বসবে। উত্তরে কিছুই
বলা যাবে না। জগ্ন এখন এ মহয়ার
একজন কেল্টবিল্ট্র বাজি। জীবনের দল
ওর হাতে।

জীবন কটো হাতটা দিয়ে স্বেশ্বরের পাঁজরায় খোঁচা মেরে বলল, আসন্ন, বসা যাক ভটাচায়দা। গত বছর ক.লীপাজোর সময় বোমা তৈরি করতে গিয়ে ওর হাতের যায়। সারেশ্বর হাত অধেকিটা উচ্চে বাড়িয়ে চায়ের কাপটা তুলে নিয়ে জীবনের প্রাংশ বসলেন। এক চমাক গ্রম পানীয় জিভে ধরতে বেশ আরাম বেংধ হ**ল**। সকলের পট্ট চচ্চড়ি তথনো হজম হয়ন। থেকে থেকে টক-ঢে'কুর উঠছিল। মতার ওধার থেকে এক ছেকরা বলে উঠল, একটা খ্রনথারাবির গণ্প হেক না ভট্চাযদা।— এ পাশ থেকে এক ছোকরা চে'চিয়ে উঠল. চলাক গারা!--সারেশ্বর হামলে চায়ের কাপ শ্লা করে উঠে দড়িলেন। সংখ্য হতে আর দেরি নেই। কসবা অনেকটা পথ শিৱস্তির ভঙা ব্যথটো হাড়ের একবার মেচড খেয়ে উঠলে ঠিকমত

পৌছনো যাবে না। বাজারে কিছ্ চেনাজানা দোকান আছে, যাদের কাছে মাল
ফেললে দুপাঁচটা শিশি নেবেই, অন্তত্ত
স্বেশ্বরের মুখ চেয়ে। তথন পাঁটির
একটা হিলে করা যাবে।

স্বেশ্বর' জীবনের দিকে তাকিরে মিনমিনিয়ে বললেন, আজ আর বসতে পারছি
না জীবন। একটা কসবা ফেতে হচ্ছে,
বিশেষ কাজে—। স্বেশ্বরের কথা শেষ
না হতেই এক ছোকরা তড়িং উঠে তার
হ ত ধরে টানল, মাইরী আর কি! নগদানগদি চা খাওয়াল্ম। কে.ট পড়বেন,
সেকি হয় দাদা!—আর একজন সজো সংগ্
মাথের ভেতর দ্বটো আঙ্লা প্রে দিরে
চু'ই চু'ই করে সিটি মেরে উঠল। শেষটার
জাবনই বাঁচাল, বললা, ছেড়ে দে হাব্লা।
বটেমটা কামেলা বাড়াস না। আর একদিন
শ্নেবি—

রিজ পেরাতে সারেশ্বরের হাঁপ ধরে গেল। শরীরটা ভেতরে ভেতরে যে ক্ষয়ে অসছে এ পথে এলেই তিনি তা টের পান। জীবনের দলের হাতে এই হেনেম্থার জন্যে এখন হার তিনি অপমানিত বোধ করেন না কত লাজনাই তো দিনে দিনে গা সওয়া হয়ে যাছে। এক সময় ওদের তিনি আস্কার। দিয়েছেন স্বল মনে। ছোবল মারছে, এটাই স্বাভাবিক। তাছাডা, তার সব কথা ওরা কেনই বা বিশ্বাস করবে। কেই বা করে। এমন কি রেণ্ডে করে না। প্রোন প্রস্থা ভুললে বলে, থামো, ভোমার তস্ব গালভরা কথা আর ভাল লংগ না ---একটা থতিয়ে ভাবতে গেলে সারেশ্বরের নিজের কাছেই নিছের অভীতটা হে'য়ালি বলে মনে হয়। স্মৃতি খাড়ে ফয়দা নেই কিছা, শুধা দাঃখটাই বাড়ে। উপরক্ত সব কথা এখন আর ঠিকঠিক মনেও পড়ে না। কেমন ক্রান্তি আসে সব ভালগোল প্রাক্তির ছাই ছাই হয়ে যায়। লাভের মধো হতাশা বাড়ে, আপুসে,স হয়। যে সময়টায় আর দশজনের মত গা বাচিয়ে ছিমছাম থাকলে এখন সংখের মূখ দেখতে পারতেন, সেই বয়সে জাবনটাকে নিয়ে তিনি অথহান ছিনিমিনি থেলেছেন। এ নিয়ে রেণ এখনও উঠতে বসতে খেটা দেয়, পরিহাস করে। ম্যাচিসন মার্ডার কেসে চৌন্দ বছর জেল হল। স্বাধীনতার দৌলতে ছাড়া পেলেন আর্ট বছর বাদে। ভারপর মার প্রতিপ্রতিতে চরম আহাম্মকিটা করে বসপেন। রেণ্ডকে ঘরে তললেন। তথনো দেশে পরেরান হাওয়াটা বইছে। তাদের জন্যে দেশের মান্ধের মনে শ্রুখাভবির কিছা ছিল। সেইটকে শেয়েই সংসারটাকে উপেকা করলেন সংরেশ্বর। বিয়ের কয়েকটা বছর ভালই কেটেছিল। সওদাগরী আপিসের চাকরিটা যভদিন ছিল। তারপর শ্রু হল কণ্টের লালন।
একটানা। প্রথমটার স্ক্রেশ্বর ব্বে উঠতে
পারেননি। তখনো তার ম্বানেথে ঘোর।
মান্রেকে দেশের ব্যাপকতার মিলিরে
ভালিরে ভাবছেন। কিল্টু সময় মতে
পাল্টাছিল। হাওরা উল্টো মথে বইতে
শ্রুর করেছে। বে'চে থাকাটা দেশের জনো
ময়, নিজের জনো—প্রীপত্র—পরিবারের
জনোই, এ রত্ব সভাটা বধন ধরতে পারলেন
তথন বেরি হরে গেছে।

আমলা তেলের কাঞ্টা যে পাওয়া বার না এমন আশুক্তা সারেশ্বরের ছিল। বলও তাই। যতীন নিকলারের চিঠিতে ফাটেরার মালিক প্রথমটার বেশা নরমও হয়েছিল। কিন্তু শেষ পর্যাহত কালো মাখ করে বেরিরে আসতে হলো স্বেশ্বরকে। শা্ধা একট্রেরে চিঠির ওপর ভরসা করে, তা স্বেশ্বর ইনিরে বিনিয়ে নিজেকে যতই যোগা এবং বিশ্বসত প্রমাণ করার চেন্টা কর্ম না কো, পারো এক পেটি মাল হাত ছাড়া করতে ফাউরীর মালিক রাজা হল না।

পথে নেমে সারেশ্বরের পা চল্ডিল না। এলোমেলো এগাতে করবার ধনক থাছিলেন আছেল মানাখ! দেখে হাটবেন তো "িক ব্যাপার, কান্য ন্যাকি!' স্থারেশ্বর ভিডের ভেতর সেপধ্যে নিজেকে ব্যতিবাস্ত বাংরে চেন্টা করছিলেন। একটেরে হলেই প[্]ট বিষয়ক অস্বস্থিতটা উত্তান্ধ করতে প্রে এমনি এক ভয় তাকে প্রেয়ে বর্সেছল। **রেললাইন ছাড়িয়ে ট্রমগ্রমটি পেরিয়ে** রাম্ভার উল্টোদিকে গিয়ে প্রেক'র রেলিঙ যেত্রে একবার তিনি কিছাক্ষণ একলাও হে'টে ছিলেন। ভাতে বিপরি বই কমেন। বৃণিটতে জনবিরল অধ্বক্ষ পাকের নিকে চোখ নাখতে বাভি ফেরার উৎসাহ ক্রমণ নিবে এসেছে।

গড়িষ হাটের মোড়ে আসতে নাটকীর-ভাবে শিবজপদর সংগ্য দেখা। প্রায় দাই মুগের বাবধানো। স্রের-বর প্রথমটার চিনতে প্রেরনিন। শিবজপদর সন্ধানী চোথ কিন্তু স্রের-বরকে চিনতে ভূল করেনি। গেউল পাশ্রেনর মুখে দাড়িরে শিবজপদ ফ্লাকনছিল। স্রের-বর মুখোমুখি হতে প্রায় চিংকর করে উঠল, আরে, স্রের-বর না! ঠিকমভ চিনে নেবার আগেই, শিক্ষাদার কণ্ঠশর ধারালো অশ্রের মত কানের পাশ্রে বিশ্বতে, ঘুমের ভেতর পান্টি ধেমন ভূল বকে—তেমনি অন্যমনশ্রু স্বের-বর বলে উঠেছিলেন, শিবজপদ।

ন্বিজ্ঞপদ এগিরে স্বেশ্বরের ডান হাত-থানা নিজের উব্দ মুঠোর চেপে ধরে বলল. হাা, আমি! উব্দ, কডদিন বাদে দেখা!— ভারপর মঠো আলগা করে পাশ ফিরে বলল. বাণী, এই বে স্বেশ্বর ভটাচার্য! আমার অনেককালের বৃহধ্ব দেকের ক্ষেত্রত করে চেপে ভামেহিলা সাজ্ঞারা হাত গুথানি হানক কণ্টে জোড় করে স্মিড হাসলেন আপনার কথা ওর কাছে কত নানেছি-শ্বিজপদর তর সইছিল না। ওর কথায

ভাগ বাসয়ে বলল, তুই এদিকে— সংবেশ্বর একপলকে শ্বিজপদকে বথাসাধ। हार्य रहत नित्तम। आगाभागरमा भारत গোছে দিবজপদ। শ্রীরের অতিরিভ মেদ সিকের পাঞ্জাবিতে প্রকট হয়ে উঠেছে। ভৱে গৈছে গলে আৰু চিবাকের ভাঙচুর গ্রাখ্যান। ভারিলি হয়ে গেছে। পরে কাচের চন্মার ভেতর দুচোখে স্বঞ্ল তণিত টলটল

44721 সংক্রমধ্য দেল্যা টেনে বললেন, কসবার দিকে গিয়েছিলাম।

দিকজপদ বাঁহাতী এগিয়ে ফালওয়ালার দিলে একখনা নোট ছাড়ে দিয়ে বলসা, তুই নগা কোথায় আছিল?

্যেকে: শ্রীরের সাবেশ্বৰ ডান পাৰে ভ্রস্থা রেখে বল্লেন, এই তৌ, রেন दिखात स्थापना

ভিজেপন কপালে ডোখ তলল দেকি! এত কছেকছি থাকিস, অথচ দেখা হয় না। স্ত্রেণ্ডর মাল্ল হাস্লেন। এ প্রানের সমিক উম্লৱ ভাব ভানা নেই। কাছাকাছি থকলেও এখন আর কেট পাশাপশি নেই। আগে ভিলা: এখন স্বাই কাছে খেকেও

দিবজ্ঞান ভদুমতিকাৰ দিকে মাখ ফিবিয়ে বলল বাণী ভূমি চলে যাও। আমমি মানক পরে মাজিছে। ভদুমহিলা তাসেলেন, টিক আছে। তাভাতাতি এসো কিল্ড। যা ন্থেতি --ভারেপর ফালের ব্রাছা সাহলে মেটিরে উঠবার আগে সারেশবরটের নিকে তবিংয়ে বললেন একদিন অসে ন অমানের যাড়ি। এই তো কাছেই---

রপ্রা পেরিয়ে কিছাটা হেশটে বেশ্টারগণেট পেটিছানো প্রয়ণত দ্বিজ্ঞপদ স্তার্ধবর্তক প্রিক খ্টোরো প্রদান করেছে। স্থার্থবর /প্ৰ প্ৰশেষর ্দারসারা: ভবাব দিয়েছেন। কেন্ন, প্রারান প্রসংখ্যা আদৌ তার উৎসাহ ছিল না। উপরুষ্তু দ্বিজ্পদর সংগ্র **আক্সিকে দেখা হয়ে যাওয়ার** সাথকিতাৰ কথা ভাবতেই ভিনি তক্ষয় ছিলেন। বাণীর হাত ভার্ত গয়না, যোটরগাড়ি, পাঁচ টাকার নোটটা ফাওয়ালাকে দিয়ে পয়সা ফেরং নেবায় ব্যাপারে দ্বজ্পদর উদাসীনতা, ইতারিস সত্রে ধরে সারেশ্বর মনে মনে अक्टो कांग्न अधिकतना।

দেকানে ভাকে চেয়ারে বসেই শ্বিজ্ঞপদ वनसः कि भावि वन? अनामना मारतस्वत्र উত্তৰ ক্রপেন, যাহে।ক একটা কিছ.—। স্বেশ্বর ভাষ্ছিলেন : ধার হিসেবে ওর 🍑 ছ খেকে কিছু টাকা বাগিয়ে নেওয়া ষেতে পারে। প্রমাহাতেই পরিকাশনাটা वाहिन क्याला। धाद क्यालारे हाकाडी ফিবিয়ে দেবার একটা নৈতিক F12 1917 3

বেয়ারা আসতে শ্বিজ্ঞপদ क महेर लार है व অন্তার দিল। সংরেশ্বর পরিশ্কার লক্ষ করলেন, ওর বাঁ হাতের সংগোল মধানায় आर्शि ठक्ठेक क्राइ । மகந் शीरबंद সারেখবর সিংধানত নিজেন : রেণার ফণন-क्राहर एक हाक्यांड्य िंही न দিবন্ধ পদক্তে বিগলিত করবেন। এবং আপাতত, রেশ্ব মামার্যা না হলেও ওর শ্রীর যে ভাল নেই ख कार्नानन ६ छो'ल खड भारत स्मिन डा আর মিথোনর।

বেরারা এসে খাবার দিয়ে গেল। নানের रकोर्ड। नाषाटङ नाषाटङ मिबक्रभन दशम. এখন•িক ক্রডিস কে সাক্রেক্টর ?

অপটা হলত কটি চাছত তলে নিয়ে भारतभवत समारमान राउपाच किया गा।

দিবজ্পদ হা করতে ওর মাপের ভেত্র ফালেকে৷ ল্যাচির মত, মণ্ড মাংসপিন্<mark>ড দেখা</mark> লেলে। কটেলেটের অধ্যেকিটা মাথে **ভলে** দিবজ্ঞপদ জিলেজস করল ছেলেপালে ক'টি? প্রাটির অসাধের কথা বলে ওর কাছে হাত পাততে সারেশ্যের মন সায় দিছিল না) যদিও একথা বলা সবচেয়ে **যথার্থ** হবে ভবা বাকের মর্ম ভারগায় কাউ প্রাথ্যের স্বান্থ্য করের করে পরসা ভাইটো বাধ্ডিল সাবেশব্রের :

ছিতি সংক্ষেপে উত্তর করলেন সারী। দেলট ছালি করে নিজেপদ শব্দ করে

बीरभरवन्त्रमध्य विश्वासम्ब

प्रावत कल्याप तप्रायत ५.५०

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের বিজ্ঞান কলেজের অধ্যাপক ড: কে এল বায় এম এস-সৈ ভি-কিল **এই নই সম্বন্ধে বলেন** দ<u>ালেরসায়নের বিভিন্ন জ্ঞাত্তবন্ত গ্রেড্রপ্রণা তথাবিষ্য নিয়ে মেট</u> ধোলটি অধ্যয়ে সম্পূর্ণ। বাংলা বিজ্ঞান সাহিত্ত। এবংপ[্]ন্সত্ত ভূ তুপাবত ল অহত স্থাবাধ ভাষার **বিশ্বিত জ্ঞানোচনা ইতিপ্রের প্রক**্ষিত হয়েছে বলে মনে হয় ।:: আমার বিশ্বাস <mark>কেবল বিজ্ঞান জন্বলোঁ জনগণই নয়, বিজ্ঞানের ভাতু ও শিক্ষকলণও প্ৰেতবল্ল গেবে</mark> উপকৃত হবেন।"

क्रांस्ट्ना १८२-व

গোৰীশংকৰ ভট্টচাৰেৰি

गन्यतः **भागतम्ब**

বক্স বিষাণ ক্রদ্ধযায়বের

বিমল মিরেব

আশ্রেক্তার রাখেপিবেরের

सतस्रधाञ्चक।

কথাচরিত মানস

मात्र : ७.००

育料 : 6.50

ভারাশ্যকর ব্যাদ্যাপাধ্যায়ের গ্রেন্ডক্রমার মিত্রের

(**জনানা ফার্টক আ**রোগ্য নিকেতন

নতুন মূদ্রণ ৬.০০

FE EEG 20.00

PR: 9.00

অচিন্তাকুমার সেনগড়ের

ভবাসকের

(लो ५ कशा है

श्रथम करम कल ২য় সংস্করণ ১৫.০০

त्राग्य प्रश्न

৭ম মাদুৰ ৭-০০ তথ্যত ১৯ গাটুৰ ৬-০০

Public Finance Revised Editn. 12.00 National Sovereignty &

Prof. S. K. Chatterjee's From Vico to Marx Revised Editn. 5.50 World Affairs 12.00

অধ্যাপক রথীন্দ্রনাথ সেনের

| 「ET | Tangle | Ta

বি-কম **ছারদের জন্য সম্পূর্ণ পাঠাতালিকা অন্যো**য়ী লিখিত বংলা ভাষাব একমতে বই।

তবিশ ১৫, বঞ্জিম চ্যাট্ডেশ স্থাটি, কলিকাতা – ১২

পোটাকয় চেকুর তোলার পর বলল, আয়ি
ভাই নানা বঞ্জাটে আছি। দু, ৮,৫টা করে
খানার দেখাগোনা, বড় ছেলেটার বিসেনটলি
ইনস্যানিটি গ্রো করেছে, বউ প্রেসারের রংগী।
তার ওপর বাড়ির তেতলাটা কর্যাপ্রায় পাড়
গোছি। স্বরেশ্বর হাত দিয়ে কটলেট তেঙে
একট্রুকরো মাড়ে প্রেলেন। তারপর
শিক্ষেপদকে উসকে দিলেন, আছো, তাই
নাজি!—স্বেশ্বর ভাবদেন : বাসে প্রেট্টার
হার গোছে, এ গাপটা ফ্রিলে মন্দ্র হার না।
যেটা, খ্র বিপদে পড়ে, এর আলেও
দুছারবার ক্রেছেন তিনি।

বৈষ্ণারা চা দিয়ে গোল। দিয়েজপদ বলন। ইয়ার বিদ্যাংকে মনো প্রেট

মরেরপর য়াখ তুললেয়, বিন্যুৎ! কেল-ল
চারের কাপ কেলের কাছে টেনে নিবল্পদ
প্রল, আরে আমাদের বিদ্যুৎ সরকার,
বিষয়িত লেটা, কুমিলার বাড়ি, প্রেসিডেনস্টিত
প্রভা
।

জ্ঞান কাস ন∄ময়ে রেখে স্বংবর মাথ। সায়কেন, হাতিয়া মনে পড়েছে।

শৈক্ষপদ বলনা ওর কাহে এখন আমাকে পাটেই যেতে হচ্ছে। মদত এক বিলেশী কেন্দ্রানীর ভাক সাইটো এফিসার। তেরে ক্ষ্মী প্রাই বাল।

নীবৰ হেসে উঠাত সালেশ্যের মাথার খালির ভিতর টং করে একটা শিরা ছিট্ছে গৈল বেন। চায়ে শেষ চুমাক দিয়ে দিবলপদ বলল,

স্তব্যুখবর দিবজ্ঞাদার চ্যোথে চোপ রেপে বললেন, নাঃ, আর খাব না, শর**ীরটা বিশেষ**-ভাল নেই ৷ ওয় চশমার পারা কা**ডে** নিজের মাহটা স্পণ্ট দেখতে প্রতি**হলেন সারেশ্বর।** কপালের তলনায় দক্রেখ **ছো**ট। **চোয়**ে**ল** দ্যটো অস্থ,ভাবিক ছড়ানো। বা গালের ক্ষত চিত্টা প্রকট হয়ে গোটা মথেটাকে বীভংস করে ভুলেছে। সুরেম্বরের ব্রের ম্ভতর কেউ যেন রাজ **লাটাইয়ে সং**কো रशा है कि ला। सामा शाया वा का का कि देश ঘটন টা ভার মান পড়ে যাছিল। **অগারেশনে** ভারা চারজন (ছাজন। **সারেশ্বর নিজে** আব্নী সাহৰত বিদ্যুত আৰু কিবজপদা শিবজ্পৰ বাজ যেও মাুখে গ[্]ড় নিয়ে হং<mark>পক্ষা</mark> কর্বাছল। অসল কাজ সমাধা হতে তেমন দেরি হয়নি। পালানার **সং**য গণ্ডগোল বাধল। প্ৰিস আগ থেকেই प्रतक जिला। विमार होका छाँड प्राटेकनहो। কে নমতে দিবল পদকে পেণীছে দিয়েছিল। অবর্থ সাম্যত আর সংরেশ্বর গাড়িছে ওঠার সামোগ পাননি। **অবনী সামত** নদীপথে পালাতে গিয় প্রা**লদের ম্যে**খ-ম্বিহল: উপায় শতর না বেখে দারোগাকে গ্লি ডলিয়ে খতম করেও নিস্তার পেয়া না ৮ অন্তা গোর সারেশ্বর বালারের ভেতর ল,কিয়েছিলেন। ধরা পড়ালন পরের দিন, প্রদের আমে। পর্নিস বিদ্যালয়র ইনিস

পোলা নিনকরেক পারে, কলকাভারে। থিছিপার পারা মিলল না। বিচারে জ্ঞবনী সাংস্তর ফাসী হল। স্বেশ্বরের জাট বছরের কেল। বিধ্যুতের বরস ক্ম, বছর চারেকের সালা হল। এতটাও হত না। যদি না নিজপদ রাজসাকী হরে জ্ঞাদাশতে দাঁড়িয়ে সব তথা ফাস করে দিত।

বিল চুকিনে উঠবার মুখে শ্বিজ্পদ বনন্দ্র একবার আসিস না আমাদের বাজিত। কাছেই, বারোর এক...

বাস রাস্তা থেকে খোওয় এঠা পর নেমে আসতে টিপটিপ ৰুণ্টি শ্রে হয় গোল। গারু গারু মেছ ডাকছিল। খেড থেকে বিদ্যাৎ চমাক উঠাত বাকের ভেত্রটা নাড়বাড় উঠছিল। পান্টির মলিন মাধ্ বৈশ্ব, খোকন, ছমছাড়, সংসার, খ্যার ফিব ন নাচিশ ডা স্মারশ্বরকে ব্যতিবাদত করে ভুগছিল। নিজেকে <mark>আছুন্থ</mark> করার জ্যো তিনি একবাৰ দ্বীভাৱে প্ৰজেল। প্ৰেপ হাত চর্নাকরে দেশলাই বের করকেন। প্র পর কয়েকটা কঠি জন্মলিয়েও বিভিন্ন ধরতে পারদেন না। অদধ্যারে গভীর করে একটা নিশ্বলৈ ছাড়ালন। । এড় কথায় ফাঁকেও শেষ প্ৰশিত দিবজ্পান্ত কাছে হাত পাতিতে পার্যেষ্ট্র ন ! তেন্ত্র থেকে কেট হেন তাকে বাধা দিভিচন।

কিছ্টে এগ্যান্ত ভাইনে আলের চনিশ্ পারর গেল। ওধারে জনা দেশ। প্রকার বাড়ি। বার্ত্তপার কেয়ারী করা লেয়ের জাক্তরি জনলার বঙ্ডীন পশা চেডিওর নিঠে সার হাসি। পশা কল্বর। সার্ত্তপর নির্বিকার এগ্যান্ত চেগ্রিশতার মেন্ডে এলেন। রাপ্তান বাভিন্তলা দেবলো। স্ক্রেশ্বর ব্যক্তেন, এসব জাবিনের সলোর ক্রেড। নির্যাধ। সংখ্যার সমর প্রবা এ ভল্লাটে ভারশা করে গ্রেড।

শিরদীড়ার ভাঙা হাড়টার কেউ যেন ছারি
চলাছে। শারীরের হোরা গোশতা কাটা-গোড়া লগগঢ়েলার ব্রিটিবিন্দা বিগাড়ে।
টোখের সামনে প্রোরান লিনের নান। ছবি
একের পার এক ফাটে উঠছে। গভিনে
ফান্দের দোকানের মাথে শিকেটিং, বিদেশী
কাপড় পোড়ানো, পারীকা হল খোকে
বৈরিরে আসা, গণ্নেত সমিছি, বাঙক ভারাভি,
নোনাপ্রেরর বেমা তৈরির মহাড়া, মান্তিসন
মাডারি কেস...

সন্সে বাড়ির পথা, অংশকার। বাডাস্থারীর অভিড্যাছে। সাধার ওপারে ফেবের বহুবকা। বালির জলধারা ভিজিয়ে দিছে লগেরীর। পিছল পথা। তবা সাকেবর, অংশকারে বড় বড় পা ফেলে দুভে এগাতে লগেকেন। যেনান ভিনি ছাউতেন বহুবক্ত আছে, রাডের জ্বেকারে, রগপা পরে প্রানের পর প্রান্ত।

in the market of the second of





মীজ্ঞানপ্রকাশ ঘোর ভাষাম বাংলায় শ্রেষ্ঠ সংগীতাচার্যদের ব বানাত্ম হক্ষেন প্রীক্ষানপ্রকাশ বোৰ কি অধ্যাপনার, কি পরিচ লনার, কি প্রয়োগ-বিশার তরি মত প্রতিভা দরেছ। এই প্রতিভায়ে শ্রে নৈপ্রশার দিক থেকে বিষয়কর তাই নর, পরিকলপ্নার বিশ্ব হেকেও অংচর। দ্রন্টানিক্সী হিসাবে যে প্রোগেই তিনি হাত দিরেছেন সেটিই স্ফলা লাভ করেছে। করী হিসাবে তিনি ভাষতীর বহু বদ্যে ভার দখল আবার গ্রন-শিক্ষেত্র তার ক্ষতা অস্মান্য। বহা ক্ষমী ছাত্ৰ-ছাত্ৰী তাঁর কাছ থেকে শিক্ষালাভ कार त्राक्ता अर्कान काराइन, दरा जना केन ্চিতে বা মণ্ডে ভার পরিচালনরে পৌরবে স্মাণভাল হয়ে উঠেছে। জনপ্রকাশকে আজ রজাতি বাংলার অনাতম প্রতিভ বললে অভারি হর নাঃ বাংলার বাইরেও সবট চন্ধ্যি স্থানিভক্ত হিসাবে তাঁর অসামান্য প্রতিষ্ঠা স্পানীতের ক্ষেত্রে উত্তর ভারতে সংগ্ৰহ তিনি সম্মানিত বা**রি** ৷

জনবাব্যর সংখ্যা বাঁদের পরিচর আছে খাঁবা জানেন তিনি আভাশর সথদর এবং বিনয়ী বৰ্ণির। নিজের সম্বশ্বে কিছা বলতে ভিত্তি খাবট সংগ্ৰেছ বেধ করেন। আকাশ-বাণীটে জীব সম্বাদ্ধ কিছা বলবার অন্যারেশ করতে তিনি বেন খাবই বি<mark>রভ</mark> লোধ **করলো**ন এবং নিভাস্ত পরীয় পরীয়েছেই অবলেমে কারকটি মতামার করেলেন। এই প্রচারনিমাধ লেকটি বোধ করি স্পা**ন্ট** মতামত বাস্ত কারে তাঁর বংখাদের কার্র মানই জাখাত দিতে চাম না।

स्वार्थकाम सम्बद्धन करतन 2520 বলে। বাল্যকল হুংকে ভার দুটি বিষয়ে ण्डार हिन-धकींचे भारपाताङ वास्तानाः অপরটি হাক এবং ক্লিকেট থেকা। খেকডে গিরেই তীর চোখ খরাপ হর বল জনা তিনি ব্রাবর কন্ট পোরে এসেছেন। এটি গঠে যথন িনি পালি ভাষা মিরে এম-এ পড়ভিলেন, বেশ হর ১৯৩১-৩২ সংলে। তবজার তিনি প্রথম শিক্ষার্যণ করেছিলেন জাজিম খার কাছে: পরে শিক্ষা**গ্রহণ করেন ম**াসির খাঁর কাছে। পাঞ্জাবের ক্ষিরোজ খাঁর কাছেও তিনি শিক্ষা নিরেছেন। গানে ভার শিক্ষাগারা हिरमन शित्रिकाणकत हरूवजी।

নিজের শিক্ষা সম্বদ্ধে ডিনি এর বেশী किए, रामा श्रासामान भरत करतानी। किन्छू अ পর্যন্ত বহু গুণী ব্যক্তির সালিধ্যে এসে গ্ৰেছন্মত বহু বন্তুই তিনি সংগ্ৰহ করেছেন বা তার আহরণকে প্রচুর সম্ভিধ ^{প্রদান} করেছে। সপ্রতিবিশ্বরে বারা ভার সলো আলাপ আলোচনা করেন ডারাই জানেন কথাপ্রসপ্যে তিনি কড বিষয়ের অবভারণা করেন এবং নিজের অভিজ্ঞতার क्या विरुष्ठ कट्टम ।



সংগতিশিকা সম্বন্ধে তাঁর ধরণা হতে, সংগীত কথনত ইম্ফল-কলেজে পেথা যায় না, পরের করেছ শিখতে হয়। গরের সংখ্য নিতা সহবাসে নানা অবস্থায় বহা বসত পাওরা যার, ইম্কুল-কলেজের নিয়মমাজিক শিক্ষার সে সব বশহর সংধান পাওয়া সংভব মর। এটি থুবই সভিচ কথা, যদিও বভলিন পরিবেশে ইস্কল-কলেলে সংগতি শিকাই একমার উপায় হারে নাভিয়েছে।

সম্পর্ভি সম্বংশ জ্ঞানবার্ত্ত তার একটি

ধারণা, সংগতিকে একটি দর্শন হিসাবে দেখ্যত হবে। সংগতিকে সেভাবে ধেখা ছব না ধ্যাই বর্তমানে স্থায়িতর প্রায়াগ ক উপড়েগ বিষয়ে একটা অংশগতি দেখা বিষ্ণেতে। বৃহত্বিক্ট স্পাটত সংখ্যালন-গালতে গানবাজনার করেকটি র্টাতন্ত্রীত প্রতিক্ষণ করলো এ ধরণা সাচ ইয়া বছা দেশবর্গতান্ত্রর প্রতি স্মারিসার করে এগ**র্মার্গ** আরোপ করা হচ্ছে নাএবং প্রেন্ডোপের করতালি থেকে মনে ইয়া খেলার নাঠের দশকরাই যেন গানের **আসরে ভীড** ভামিয়েছেন, ক্ষেত্রল রাশ্রান্তর মাধ্র। সংগ**িত** সংবাদে প্ৰকৃত ভাষানিক <mark>অন্তুতি থাৰলে</mark> হাতির এই বিকৃতি কখনও **ঘটতে পারত না।** খাঁর: শাস্থাকৈ বিভাৱ করেন, <mark>ভারা জাকেন</mark> হে, সংক্রেড স্পর্যিতশাল্ডকে দশানের একটি

वनक्षादम्भा । नाताव्रग गव्हाभाषाव ॥ 8.00

ৰিপ্ৰৰ পটভূমিকায় অপূৰ্ব প্ৰণয়-কাহিনী। সিনেমায় চলছে।

জসীয়উন্দীন 11 0.00 11 ा राष्ट्रात्मव छहे।हार्य ॥ ८००० নক সী কাথার মাঠ চাঁদে যাবেন যাঁরা

। আমাদের সদ। প্রকর্মিত নতুন উপন্যাস ॥

এখানে পিঞ্জর

। अक्त बाग

11 8.00 H

দ্ৰীপায়ন

॥ আশ্তোষ মুখোপাধাায় ॥ ৬.০০ ॥

त्र कॉम् (ल त्राना ॥ ध्यायम् । मह

ফেরারী সিপাই

। क्रिक

1 4.00 N

न्राया क्या निष्य । । नवरवन

॥ মনোজ ৰস্বে রাজনৈতিক উপন্যাস । ৰলিণ্ঠ উন্ঘাটন ॥

পথ কে রুখবে? 150001

মহামনস্বী ঐতিহাসিক ডক্টর রমেশচন্দ্র মজ্মদার বলেন :

"রাজনীতির কৃটিল চত্তে বঙ্গের অঞ্চেছেদের ফলে বিশ বংসর যাবং যে তা**ল্ডব** নতা শরে হয়েছে আপনি গদা মহাকাৰো তার যে রপায়ণ করেছেন **আমাদের ভবিষ্যম্পোয়েরা হয়ত তা একটা কাম্পনিক দৃস্বান মনে করবে। কিল্ডু এই নিদার্ণ মর্মান্ড্র সতা কেবল ই**তিহাসের পাতায় **না থেকে যাতে** সাহিত্যের মাধ্যমে চিরজীবী হয়ে থাকে আপনি তার ব্যবস্থা করে আমাদের धनावामार्च इरहरून.....

প্রশ্বপ্রকাশ C/o বেলল পার্নালশার্স প্রাইডেট লিমিটেড । কলিকাতা-১২

শাখা বলা যায়। আব্বীয় এবং ইরাণীরগণ্ড **সংগাঁতকে এইভা**ৱেই দেখতেন। গ্ৰীকদে**র** মানভাবত এইবকমই ছিল। মাসলমানর "এলমে মোসিকী" বলতে সংগীতের বাহতত **ভত্তকে ব্**ঝতেন। বাস্তবিক গভীরতর **দা**শনিক অন্ততি না থাকলে সংগীতকে উপলব্ধি করা যায় না।

জ্ঞানবাব্য থাব শীঘুই আমেরিকার পেন-সিলভাগনিয়। বিশ্ববিদ্যালয়ে যোগদান করবার ভাষা বওনা *হাছেন*। বিদেশে ভারতীয সংগতি বিদায়ে অধ্যাপনার জন্য তাঁর চেরে যৌগা বাল্ডি খ্র কমই পাওয়া যাবে। ভাঁর হছা ব্যৱস্থাবের সংগ্র আছবারে বিদেশে ভার গোরৰ কালনা করি। জ্ঞানবাবার সংযোগ। সহধ্যিণী শীঘতী ললিতা ঘোষ সংগতি জগতে সাপ্তিমিতা। তাঁর মাধ্যমেও তার দ্বামীর বহা বিশিষ্ট র**চনা** প্রচারিত হতে থাকে।

ৰাংলা গানের একটি গ্রন্থ---''বাংলা সংগীতের রূপ''

সাম্প্রতিক বাংলা গানকে স্বাজনীন-ভাবে অধিকার করে কিছা কিছা বই বৈরিয়েছে ৪টে, কিন্তু তার অনেকগ, লিই সাথকৈ নয়, এমন কি সমালেভনার প্যায়েত পড়ে না। খাগ্ৰচ এই ধবনের গ্রন্থের বিশেষ প্রয়োজন আছে ইতিহাসের দিক থেকে। এই অভাবটি পরেণ করেছেন শ্রীস্কুমার রায় তাঁর "বাংলা সংগীতের রাপ" নামক গ্রান্থে।



সুকুমারবার কুত্রিদা এবং সংগীতক বাজি: তিনি দীঘকাল ধরে এমন একটি প্রতিফানের সংখ্য যান্ত আছেন, বেখানে বিভিন্ন প্রকারের মার্গ এবং কাবাস্পরীয় শোনবার সাযোগ তাঁর হয়েছে। বহা খিলপীর ষটেভগত সংস্পাদেওি তিনি এসেছেন। এই স্পৌৰ্য কালের ব্যাপক অভিজ্ঞতায় তিনি যা বলতে পেরেছেন, তা উপলম্পিগত সত

এবং বিশেষবাস্ত माहिलान ভবিষতে বারা এ বংগের সংগতি নি चार्लाह्ना कसरकम, ध शास्थ्रत महासूत्र তাদের নিতেই হবে। আর এ বংগে বারা এই প্রাপ্ত করবেন, তাঁকা এই প্রদেশর সাহাত্র ক্রান্তসমীকণ করতে পারবেন। রাংলা গানের কোনও ধারাই তিনি বাদ রাখেননি এবং সংগীত সম্বশ্ধে বারা চিম্তা করেন ভাষে য়তামতগালৈ বিশেষ বিশেষ আলোচনত সবছে তলে ধরেছেন। তাঁর নিজস্ব ভিন্ত द्धशः विरम्जवम् विरमव मालावान।

প্রতথকারকে অনেক সময় অবাঙালী ৮৪ কাছ থেকে শনেতে হরেছিল ব্রণিদ্যুগণীয় क একটি সংগতিশ্রেণী । যাদ ভাই ১৯ ছাহালে তার কারণ কি ^২ এ প্রশ্ন ব্যহালীত কাছ থেকেও আমি পেয়েছি। একনি দেনে পরিচ্ছদে গ্রন্থকার এই প্রশেনর মানাংগ্র करताक्त अवर प्रमश्कातकारय वाचिएस काराक्त কেন ব্ৰীন্সপ্ৰীত্তক একটি শ্ৰেণী কল গণা করা হয়। রবীন্দ্রসংগীতের এই দিক্তির আলোচনা এর পরের্ব এমনভাবে হয়েছে বঙ্গ জানি না। এ ছাড়া আরও কয়েকটি পরিজ্ঞান লম্পকার পল্লীগাঁতি, প্রাচীন ধ্মাীর গাঁতি, বাংলা গানে রাগসন্গরিভার প্রভাব সদর্শে বিশ্তারিত আর্লাচনা করেছেন*।* স্রেকারেরে এবং শিলপ্রীদের সম্বদেধ বিশেষ অভেলাচন। এই প্রথে করা হয়েছে। সকলেই যে সব ক্ষেত্রে ভার সংগ্রে একমন্ত হরেন এমন নং বিদত্ত ভার বছদা এবং চিম্ভাধারাকে তিনি হথেকী যাভির সাগে তুলে ধরেছেন। আধ্যমিক বাংলা গামের ব্যাণিত যে কর্খাম এই ধরতের বই না পড়বেল তা হাস্চগম করা ৰায় না

আমানের মধ্যে আনেক উলাসিক বাঁট আছেন যালের ধারণা সংগীতের ক্ষেত্র धाधानिक दारमाग्र नित्मव किन्नू कता धर्मी। ভারা হাল আমবের প্রীক্ষা-নিরীক্ষাক <mark>ববীকৃতি দিতে চান না। অগভীর ধারণা</mark> থেকেই এই মনোভাবের উৎপত্তি। শ্রীস্কুমার রায়ের প্রনথটি পাঠ করলে ভারা প্রাচীন এবং আশ্রনিক গানের যে মনোজ্ঞ তলন মালত আলোচনা দেখতে পীবেন, তাতে তাঁদের ধারণার পরিবতনি হবে বলে আমার বিশ্বাস। বৈবর্তন চিরকালাই ইতিহাসে একটা স্বাক্ষর রেকে যায়: সেটা আমাদের বিচার করে উপলব্ধি ক্রতে इंश । বিবতানের এই ম্লায়নটিই করেছেন সাথকিভাবে। একটি যুগের ইতিহাসের বহ প্রক্রে দিক তিনি উম্বাটিত করেছেন এবং বহু, চিন্তার প্রেরণা দিয়েছেন। সংগীত সাহিতো তার গ্রন্থটি অভি ম্লাবান সংবোজন।

প্রকাশক-এ মুখান্তি আাণ্ড কোং প্রা লিঃ, ২, বঞ্জিয় চ্যাটাজির স্টাটি, কলি-কাতা-১২। দাম আট টাকা।

সদা প্রকাশিত

সদ্য প্রকাশিত

প্রখ্যাত সাহিত্যিক হরিনারায়ণ ১৬/১৮/১৮৮ পরিশালিত শিল্প কমের শ্রেন্ট নিদর্শন

ठका ८.६०

ব পালী পদায় ধাদের ছায়া প্রতিফালিত, তাদের বণাটা, অমিত জাবিন্যান্তইে শ্লে নয় তাদের বাথা বেদনা, আশা আকাঞ্জার কাহিনী এই উপন্যাসে বিধ্যুত। মেকি প্রসাধন-সবস্ব নার্নীক্ষের প্রতি তাক্ষ্য কশাঘাতে এই উপন্যাসের প্রতিটি ছ্ব রন্ধান্ধ, বেদনাদ্রণ

্রেন্দক্ষার মিটের

প্রভাত মুখোপাধার कुरमञ्जी काम्बीद ५०.००

তামসরঞ্জন রারের ভাৰত-ভগিনী

ব্ৰপ্ন আমাৰ জোনাকি

৫-৫০ শৈলজানন মাখোপাধায়

निर्द्यामण ३४.०० ৩.৫০ জিমার হলো জয় ৭.০০ ব্গাচার বিবেকানণ ৫.০০

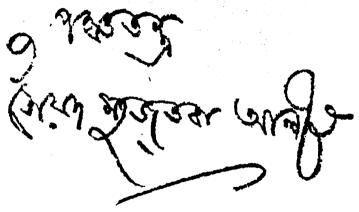
বিজয়িনী

কলিকাতা প্রতকালয়, ৩, শ্যাসাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা—১২

ডা: মদন রাণার

বিবাহিত জী

দিতীয় থণ্ড প্রকাশিত হইল ॥ প্রথম খণ্ড ১০, ॥ **দিতীয় খণ্ড** ১০, মিলনের আসনভঙ্গী এই পুস্তুকের প্রধান আকর্ষণ। প্রাইমা পার্বালকেশন্স । ৮৯ মহাত্মা গান্ধী রোড । কলি: ৭



হাসনরাজা (২)

দান রাজার সংশ্য আমার একদিন একবারের তরে পরিচর হয়। তবে তার
বারের তরে পরিচর হয়। তবে তার
বার বেশা যে "আলাপচারী" হয়েছিল তা
নার। সেই দোল তিপ্রতাপ, স্নামগঞ্জ
তঞ্জর একছ্তাধিপতি জমিদার কিন্তু
বিরাট এক কাসার থালা থেকে আপন হাতে
তুল তুলে আমার মুখে রসগোলা, কাঁচাগোলা, চমচমে পারে দিয়েছিলেন। সে কথা
না হয় সবিশ্তার আরেকবিন হবে। ইতিমধ্যে
তার সংশা আপনালের কিছা পরিচার হোক।
আমি কিন্তু তথ্যই লক্ষ করেছিল্যুম
বে তার টাঙঘরটিতে কোনো বাহারই ছিল
না, এবং বলতে কি, আমাদের মত মধাগ্রাটীর বৈঠকথানার চেনেও অথ্যের বাঁক্ষত।

তাঁর ইয়ার-বখ্ণাীর কেউ কেউ ধল্পাতা ওখন এ-দিকে তাঁর দৃষ্টি আকর্ষণ করে-ছিলেন। করেণ এর বহু বংসর, হাসন রাজর মাতার জনেক পরে আমি নিচের গনেটি সিলেটের এক মাঝির মাথে শানতে পাই। ভারও বহা, বংসর পরে শ্রীয়াত নির্মাল টোধারী এ গানটি কলকাতা বেভারে প্রবাদন করে বিশ্তর সাবাশী পান। করি মরহাম জাকাস উদ্দীনের সাহবাগা পারে মিরা আকাসী এটি প্রায়ই ঢাকা বেভার ও টোলিভিশনে গেয়ে থাকেম।

"পোকে বলে ঘরবাড়ি ভালা নর আমার কি ঘর বানাইমা আমি শ্নোর মাঝার? ভালা করি ঘর বানাইমা রইমা

কন্ত আর আবনা দিয়া চাইরা দেখি পাকনা

ছুল প্রামার।
আগে বাঁদ স্থানতো হাসন বাঁচবে কতাদন
ব্যবাড়ি বানিয়ে নিত করিয়া রঙীন।
এই ভাবিয়া হাসন রাজার বর-দুরাল

না বাবে কোথার নিয়ে রাথবে আল্লায় সেচ্

खाविशा कारणा॥"

আসলে হাসন রাজা ডাঙার বড় একটা বাকতেন না। তিনি বাস করতেন তার বিরাট ভাওয়ালৈ নৌকার। আমানের বাসপ্তে সামনের সর্বমা নদী দিয়ে সে-নৌকা উজানভাটি করতো। সে-নৌকো আলোককরল, এবং তার থেকে পাড় প্রাত ভেসে আসতো স্থেবির সংগতি।

একদা আমাদের নিম্নত্রণ ছিল নদীর
ও-পারে। আমরা ডিঙি নৌকো করে নদীর
পার হবার সমর আমাদের সামনে দিরে
ধীরে-মন্থরে ডেসে গেল সেই ভাওয়লি।
ভাওয়ালির খোলা ভানলা দিরে রোমান্তিও
হরে দেখি, হাসান রাজা বেগনী রঙের
মখ্মলের পাজামা, ল'ল রঙের কোট আর
সব্জ রঙের পাগড়ী পরে নৌকোর মধাখানে
ধেই ধেই করে চলাকারে না্ডা করতে করতে
গান গাইছেন, আর তার চতুদিকি মন্ডলাকারে বসে গান্ডা আন্টেক খাব্স্রত যুবতী
ম্নেপা মদিনরা, হারমনিরাম স্লারিওনেট,
বালাসারেপাী বালাছে (তথন অবীদ্য এযান্ত্রণ্যাল চিনিনি—পরবতী মুগেন, ইন্
রিরসপেক্ট্, এপেরকে সন্তে করেছিল্ম)

আর মাঝে মাঝে দোহার দিছে। হাসন রাজার অবস্থা তথা অণ্ডত আমার কাছে মনে হয়েছিল—উন্মতপ্রার। কারণ প্রকাশে কারণ প্রকাশ দৃশ্য সে-হর্গে ছিল অসম্ভব, কাপনাতাত। পরবতা যাগে শ্রেজি করবার মঞ্জ হিম্মং ধরতেন একমাত হাসন রাজাই, এবং আরো শ্রেজিল্ম, তিনি তথন নত্ন নতুন গতি রচনা করতে করতে, নাতোর পান্দেশের মারকতে তবলচানি কৈ কি তাল সেটা বোঝাতে বোঝাতে দিনের পর দিন, রাভের পর রাভ কটাতেন।

ভাওয়ালি পেরিয়ে যাওয়ার পর লক্ষ্য করল্মে, আমার পিতা অন্যদিকে মাথ করে বসে আছেন ৷ তিনি ছিলেন কটুর কুঞ্ছা-সাধনপৃথী। ধুমের নামে (কারণ হার্সন রাজা রচনা করতেন, গাইতেন ধর্মসংগতি, মিলিটক গান—রাচের বাউধরা যে-রকম একতারী হাতে, নেডকু'দে, কে'দ্যলির মেলতে মরীমন্ত্রা গাঁও রচনা করেন) এ-সব ভলভোলা '(दालहा भना' এकन्य प्रदेश पादरञ्ज मा। কিন্ত এটাও তথ্য লক্ষ কার্যছলাম্ কার্য আমাকে ভাওয়ালির পানে তাকাতে ব্যাকসহ বারণ করেননি।...তারপর একবিক ঘটনা থেকে আমার মনে কেমন বেন একটা সংস্থেহ জাগে, বাবা হেন হাসন রাজ্য**কে একটা** धक प्रशासना । वारणप्रदाः श स्वीकान् करते নিয়েছিপেন, তাঁর প্রতি বাবার হাদরের এক নিভত কোণে কেমন যেন একটি প্রীতিভাব ছিল, ইংরিজিতে বলতে গেলে মর্মায়া কবি হাসন রাজার প্রতি তাঁর একটা সফ্টা কনার ছিল। তা সে-কথা যাকগে। আহি উপস্থিত হাসন রাজার সাগে শ্রীহাত সমাতন পাঠক এবং তাঁর মত অন্যন্য কৌত্হেলী

ভেল কার্নেগার প্রতিপত্তি ও বন্ধনোড—৪॥• দুন্দিনতাহীন নতুন জীবন—৫॥• অচিশ্তাকুমার সেনগ্রেণ্ডের অখণ্ড অমির শ্রীগোরাল-১ম-৮॥৽ ২য়়—৮, ৩য়—৭॥৹ প্রভাতকুমার মুখোপাধ্যায় ভারতে জাতীর আন্দোলন-১১. পূথিৰীর ইতিহাস-১৬, স্ভার চরুবভারি দীপক চৌধ্রীর জৰাবদিহি (য়ন্দ্ৰ>থ) পদ্ধ ও প্রেমিক Ġ, ধনজন বৈরাগীর পড়িমাটির স্বর্গ ٩, **भक्ता ক্রিরাদ** (নাটক) on• এক পেয়ালা কফি ₹11• আৰু হবে না দেৱী 2110 উংপল দম্ভর কেরারী কৌজ 0, भारतीम्ब्रहाथ वरम्साशा**रारात** স্থেরি সম্ভান Œ, क्ट्रान গ্রন্থবিকাশ-২২/১. বিধান সর্রাণ, কলিকাতা-৬

পাঠকের পরিচয় করিয়ে দিচ্ছি। কিন্তু হার, সেই পঞাশাধিক প্রকালের অসহিক্ ধর্ম এবং কটুর সমাজ বারকথার মাঝখনের বাতার হাসন রাজার কারারস জীবনরস অদাকার সর্ববাবদে সংস্কারমক্তে পাঠকের হন্তর সঞ্চারিত করার মত লেখনী তো বাশেবী জামাকে দেবনি।

হাসন রাজা অত্যুত্তম বিলক্ষণ জানতেন, ব্রতী রমণীমণ্ডলীর মধাভাগে তাঁর নৃত্য-গীত মৌলবী মৌলানা, কটুর মোলা-সম্প্রদারের দ্' চোখের দৃশমন। তাই দেখাত পাই, যাঁরা হাসন রাজার গাঁত চরন করে দেগ্রেনা ছাপাতে চাইলেন, তথন হাসন রাজা যে গাঁত রচলেন সেটি এই। এ-গাঁত ছবি সঞ্চিত্যের সর্বপ্রথম :

"আমি করি রে মানা, অপ্রেমিকে গান আমার শনবে না।

কিরা দেই, কসম দেই আমার বই হাতে ।

বারে বারে করি মানা বই আমার পড়বে না।

শুরুর নার্ন প্রেমের গ্রেমিক যেই জনা, এ সংসংর হবে না। । अরসিক বেন না আসে।

আপ্রেমিকে গান শ্বনিলে কিছুমার বুজবে না।

কানার হাতে সোনা দিলে লক্ষ ধলা চিনবে না। হাসন রাজার কসম দের, আর দের মানা। আমার গানা শানাবে না, বার প্রেম নাই

ण्यत्य मा, यात्र द्वाम मार्थे ज्ञामा ॥

শাস্ত্রাধিকার না থাকলে বেদ পাঠের অন্যতি নেই। ক্যাথলিকদের ভিতরও এই রীতি আছে। ধর্মশাস্ত্রে জ্ঞান লাভ হলে পর স্থারণ ক্যাথলিক জ্ঞান পান্তি সহেবের কাছ থেকে অনুযতি পার বাইবেল পড়ার জন্য। এ-পথলে হাসন রক্ষা তাঁর স্ক্রের অনুভৃতি প্রসাদং—ব্রভিতকের পরেরার করতেন তিনি কম?—হদরুলাম করতে পেরেছিলেন, 'অরসিকেব্ রসস্য নিবেদনম'এর মত লাজ্বনা ইংলাকে ভিততম অভিজ্ঞাতা। ভাই তিনি বার বার 'করে' 'কসম' কেটে দেহাই দিরেছেন, 'মানা' করেছেন ভাঁর গীতের আসরে যেন 'অপ্রেমিক' অর্থাণ

জন্মানা সাধ্-সন্তদের কথা সঠিব বলা কঠিন, কিন্তু হাসন রাজা জানতেন তার সামাজিক আচরণ মোলাম্ন্ণী অংগি 'অপ্রেমিকের' নিন্দা ভাজন হরেছে। তিনি খাবস্বাহ চারী ছাড়ি বিরে করে তার ভাঙরালিতে নিরে আলতেন। এ-বিরর জামি কোনো গবেবণা করিন। তার খানেছি, বৌৰন গত হলে, চারী মেরে হার চাইতো, তবে ভাকে তিনি টাকাকড়ি ভানি-জমা দিরে আপন গাঁরে পাঠিরে লিক্টেন।

किन्छू अह वाहा।

সর্বাপেকা আশ্চরের বিষয়, তিনি রে শহুধ্য 'দেশে দেশে' বিয়ে করতেন ভাই নর ভাওরালি থেকে নেমে নদী-পারে 'ছোহাব্রি' করতেন—আমার মনে সন্দ আছে, খ্রে
সন্দেব 'জলকে চল্'-এর খাব্স্রতীরে
সন্ধানে।

স্থীৰ অবভ্যনিকা নিশ্পয়েভ্না তার একটি গীত খনেন :

"একদিন তোর হইবে মরণ রে, হাসন রাজা একদিন ডোর হইবে মরণ। মারাজ্ঞান বেড়িলা মরণ, না হইল সরণ

একদিন তেরে হইবে মরণা। ৰমের মুক্ত আসিরা ডোমার হাডে

উনির: উনির; লইর; বাবে, ব্যের ৩-শ্বেটিঃ

এ প্রশিক্ত তো পাতানাগৃগতিক। কিন্তু এরপর খনেনে, কবি নিজের জাবিন, নিজের চরিত্র নিজে কী ব্যাণগ্ কী ঠাট্টা সংকর। কর্মজন

"সে-সমর কোথার রইব (তেজার: স্কুলর স্কুলর ক্টি?

কোথার ক্লইব রামপাশা, কোথার লক্ষাণ্টী ?

(রামপাণা আরে লক্ষ্ণেশ্রীতে হাসন রাজাল বিরুট বিরাট জমিদারী ছিল। করবে নি রে, হাসন রাজা, রামপাণার জনিদানী?

> ৰুৱবে নাকি কাপনা নদীর পাড়ে ফোরাছ**ি**ও?

> জার বাবে নাজি, হাসন রাজা,
>
> জাজাগজা দিয়া?

করবে নি রে, হাসন রাজা, দেশে দেশে বিয়া?"

কী প্ররোজন ছিল নিজের জীবন, নিজের চরিত্র উদ্যাটিত করার? আর, এই একটিমাত গীত না, আরো বহু বহু জারগার তিনি নিজের দুর্বজ্ঞা নিরে মস্করা করে গান রচেছেন। এগালো চেপে গেলেই পারতেন।

কিন্তু না, এই মাটির মান্বটি ছিল সভাক্ষ, সভাল্লী ৷৷



Distributors for West Bengal & Orissa:

M/s. PRAGATI DISTRIBUTORS,

24-C. Dr. Suresh Sarkar Road, Calcutta-14.

ভূমি ভাবছ আমি মরতে বাজি ভর নেই, আন প্রোনো ঠাট্টা তোমদের সঙ্গে আমি করব না।

·क्तीव रहाः : वर्गम्छनाष

বাজবার, ১২ই অগাস্ট। স্কুদর চেহারার
বাঙালোঁ একটি মহিলা নরা দিরা
মাজিনেটটের কাছারিতে—"ইন কামেরা"—
দ্রা লাইনের একটি লিগিকত স্টেটমেন্ট
দিলোন: '১৩ই জান বাজিগত কারণে
স্বেজায় আমি চলে গিয়েছিলাম। আর
কিছাই অমার বলবার নেই।"

এই তো, শেষ প্রবিশ্ব সতাই দেখা গোল ঘটনাটা এমন কিছুই কেবছার নর। অথচ এ নিয়ে বিগতে প্রায় দেড় মাস ধরে বিল্পীর হরে ঘরে কি সমস্ত সম্ভব-অসম্ভব গোলতানি-গাজ্ঞেবের রঙ্গেরেগু তর্গাই না বটছিল! এখন দিন্দির সর মিটমাট। কেবলে দিল্লীতে ভালে। থবর দেই ?

গ্ৰেছৰ নামক আশাৰীৰী জনকাত্ৰাৰ নাকি মাকড়শার মন্তন দশটা ঠাাং। আর সেই সমট লিকলিকে ঠাং-এ ভব করে কি অসম্ভব কান্ডটাই না বধোয় গ্রন্থৰে । গঞ্জেৰে গ্রন্থের এমনিতেই রাজধানী বরের নাস গ্রাক্তার। তার এখন তো সেনার সেহালা টাইম। ফ্রে ফরে করে, ভূর ভূর করে, ভক ভক করে গ্রের গ্রেন। অন্সা যাদ্রাল গ্রন্থ ^{হাত} করে রেখেছে আসর। স্বাকে সামনে পতেছ তাকে লেভেণ্ট দিছে গ্ৰন্তব। কেউ বেউ বজ্জেন—মায় ইবিদক পান্ধী নিজ-লিখ্যাপ্যা,—দিল্লীতে গ্রহরে জনসায় িংজাবার জেন নেই। তো কেউ বলভেন যেমন সদ। বিদেশ ফেরত অংশাক মেহতা,— নিল্লীতে গভেবের এখন মরশ্ম পিরির্টে। সংখ্যতিক সাংখ্যতিক গভেব, ফেমন, এই শ্রসাম, 'আপনি নাকি কার চাকরি খেয়ে ନିମନ୍ତି । ଜଣ୍ଡ (ଜଣ୍ଡ ମଧ୍ୟ । ଜଣ୍ଡ (ଜଣ୍ଡ) সভামিথাা, অভিস্থিহীন. অভিস্থিপূর্ণ काटला-मामा য় বত যৈ 5 10774 কেডকে এটা সা আপাত্ত নিঃসম্পেহ নয়াদিল্লী। গ্রন্থের কোনো প্রকারে একটিবার চালা করে ছিভিয়ে দিলেই হলো। অতঃপর, ব্যস, দেখো মজা। অমনি গাজবে ^{সভয়া}র হবে ইন্দ্রপ্রথ। ভালপালা সমেত শের পর্যান্ত কোন কলেবরে কোন রঙ ধরে সেই গ্ৰেব যে কোন মূথে কিভাবে অবিভাব হবে তা দেবান জান্তি। গ্যজব বে শ্ধ্ গ্লবাজ্দের মুথে মুথেই ছড়িয়ে পড়ে তা কিন্তু নয়। নেহাও গেবেডারা ভালো মান্ত্রের মূখেও। মন্ত্রী-দের নিয়ে ঢাকাও গ্রেব। রাজনৈতিক

দলের মাত্রন্থরদের নিয়ে চলতলে গাভ্রন।
নেতাবাজিদের নিয়ে খই থই গা্ভর। বিদেশী
দা্ত্রাসাগালিকে নিয়ে গা রী-রী করা
গাভ্রন। দিকপপতিদের নামে চোখে চড়কগাছ গা্ভব। সিনেমাওরালীদের নিরে
চটকদার গাভর। সংবাদপর মালিকদের এবং
সাংবাদিকদের নিরে মালালার গাভ্রন। সাত্রি
বলতে কি, গাভ্রের গা্ভাবে ছেরে ছেরে
ছিরাকার হরে ররেছে গাল্ভবার রাভ্রধানী।
এমন কি সাধারদ নগারকাসীকে নিথেও
সমাবত করেই অক্তহানি চলতে গা্ভব। ভারে

Lelet

এই মন্ধার মন্ধার গান্তবস্থালিও ব্যক্তি অমন্ত্র। এমন কি গান্তবের ভেজালও নেই। বান্ত্র লোকও সোক্ষেত্র ভেটকি লোচন। একে নিভাজাল ভাষ অমব।

ত্রে অন্তত অ-রাজনৈতিক একটি
গঞ্জেবের কাছনিরতে হঠৎ করে মৃত্যু ঘটে
গেল। "ইন ক্যামেরা" যে বংগ ললনাটি
১২ই আগপ্ট পরে লাইনের সব ফিউমটি
টেউমেন্টটি নিলেন তাকে ঘিরে দির্রী
গবেষণাক্ষেত্রে মাখামান্তুহনি যে গা্ভবারী
হিলাহিল করে প্রায় দেড় মাস ধরে জীবিত
ভিলাদে গ্রেবের মৃত্যু এতদিনে অনিধ্যাবা
ভাবে ঘটন।

এই মহিকা এবং ওার পরিবারীটাকে নির্ভত গজেবটি যথানিদ্ধে ম্যুখ ম্যুখ বছ পাদটাচ্চিত্র সে গজেব পরিকল্পনান্য হী কলেবর ধারণ কর্মছিল যখন ধ্রেমটি মির্লি। সংকদপরের পৃষ্ঠার নিতা নতুন নতুন গবেরকদের দিকনিদেশি ছেপে বের্মাক্রল। এমন সময়, হার, সবার সব থিউরিলালোই ভণ্ডুল হয়ে গেল। নির্মী প্রালিশের বৈশুর বদনাম। কিন্তু এই গ্রেরটিকে হতার করার সুন্পর্য সাফলা একমাত দির্মী প্রালিশেরই প্রপা। বদিও এতে অনেকেই হতাশ হরেছেন। গ্রেন্ডেবর এই মৃত্যুতে। কেন না গ্রেন্ডেবর গথা নাফি মিন্ডি মিন্ডি। মিন্ডি জিনিদের মতা অসহা।

ব্যাপারটা খালেই বলৈ।

গত ১০ই জন দেখতে মিন্টি মতন কডোলী একটি বিবাহিতা মহিলাকে হঠাৎ আর কোথাও দেখা গেল না। তাঁর কাড়তে না। রাজভারে দিনেমার না। কোখাও না। বাঙালী মহিলাটির অবঙালী দ্বামী চাণকাপ্রী খানার ভাররী করনে, তার লাকি সম্ভবত কেউ কিড্নাপ করেছে। হাঁ, উনি সম্ভবত সম্ভব্যাধান্যরের বাসার বাসার পেজি নিরে দেখেছন। হাসপাতালে খেলি করেছেন। কী হাব? তাঁর লা কেরছেন। কা বাবা তাঁকে নিরে গায়েব হরেছে?

সংগ্য সংখ্যা দিল্লী প্রানিশ এবার্ট হয়ে গেল। কভারে বড়ারে এলার চলে গেল। শহরমর তা তা করে ফান-হান্ট যারে বলে তাই কাগিয়ে দিল। কেট কেউ সদেহ করে বসল, ভদুমহিলা কিড্নাপড হন্দি, খান হয়েছেন। কিন্তু লাশ কই? লাল?

অমনি প্লিবের কনফারেন। বস্ত জরার। লাগ খেলিখারিক চলল। অব্তর্গানভাবে।

মা লাশ কোথাও পাওরা গেল মা।
তা হলে আলবং কেউ ভন্তমহিলাকে
ভবরদীত ধরে নিয়ে গমে করেছে।
কলকাতা-মান্তাভ-বেশ্ব ই-কানপরে চড়ুরিকৈ
ভজন-ভজন টেলিগ্রাম গেল। প্রিলশ গোল।
সি আই ডি গেল। হাস্তাশ্বল ভোলপাও
করে অনুস্থান কর্ম চলিরে গেল বহু-

जालककान्मात म्या-त

थि बारम्क है शिम्री व ६०

অন্বাদ—**শ্যামাদাস দে**

জগদিবখ্যাত গ্রন্থের অপূর্ব অনুবাদ। অনুবাদ-সাহিত্যে উল্লেখযোগ্য সংযোজন। তিনশো প্রভারও বেশি স্বাহং গ্রন্থ। সম্পূর্ণ কাহিনী।

অভ্যুদৰ প্ৰকাশ মান্দৰ । ৬ বডিকম চাট্ছেন্ড স্ট্ৰটি, কলিকাতা-১২

(भ-१०६०)

নিশিকত কিল্লী প্রকিশ। যেন এই অন্-সম্পান ফলাফলের উপর নির্ভার করছে দিল্লী প্রকিশের জান-মান-প্রাণ এবং সমজ্জ সেকটীজ।

শহরমর নিত্য খ্ন-জখম চলছে।
লাখপতি মরছে তো ডিপ্লোমগটও বেঘারে
মরছে, ভিখিরি মরছে তো কেরানী-বধ্ও
মরছে। প্রায় কোনোটারই কোনো কুলকিনারা করতে পারছে না প্রিলা। এবার
এই ভদ্রমহিলার বিষয়ে ও'রা একটা হেম্তনেম্ত করবেনই করবেন এমনই দৃঢ় সংকলপ
দিল্লী প্রিলাশ ইনেসপেক্টর-জেনারেলের।

বাগুলী ভদুমহিলার নাম কণ্ণনা। ও'র স্বামী ইণ্ডিয়ান এয়ার ফোর্সের ক্রোয়ার্ডন লীডার ভি আর নায়ত।

প্রতিশ থারেফিরে স্কোরার্ডন লীভার নায়ড়র কাছেই বার-বার আসে। ধওলা কু'রার তাঁর ফ্লাট। ডিপ্লেম্যাটিক কলোনি চাণকাপারীর পাশে। পশ্ এলাকা ধওলা কু'রাতে থাকেন এয়ারফোর্সের অফিসাররা। এয়ার-ফোর্স' অফিসার ভি আর নায়ডর ভারি ক্লাটবাডিটা সুরুচিপুর্ণ ভাবে সাজানো। তার প্রতিটি অংগে স্থাী কল্পনা নায়ডর পরিক্তর শ্রীময়তার সংস্পত চিহ্ন। আঠারো বছর আগে বৈমানিক নায়ড বাঙলাদেশের ব্যারাকপুরে পোন্টেড ছিলেন। সেই সুবর্ণ সময়ে কল্পনাকে উনি গাহলক্ষ্মীতে বরণ করেন। কল্পনার মা বাবা বর্তমানে বর্ধমানে থাকেন।

া নারভূদের প্রথম সম্তান মেরে। মেরেটির বরস এখন প্রায় সতের। মেরের পরে ছেলে। সে পড়ে পার্বালক ইম্কুলে। সবচেয়ে বে



দেখন এবং দেখান, আপনার প্রিয় চিত্রতারকারা সিনেমার ৬' x ৫' পদার কমিক,
লড়াই, কার্ট্নে আপনাআপনি চলবে, নাচবে।
মেলার বা প্রদর্শনীতে ইলেক্ট্রিক বা ৪৮'
বাটোরি দিয়ে দেখান বাবে। প্রচুর টাকা
রোজগার কর্ন কিংবা নিজের লাভিতে
বন্ধ্যান্থব বা পরিবারের লোকদের দেখান।
নুশার শেশাল প্রেজেক্টা দাম ৪৫, টাকা,
১০০ ফুট ফিলম ক্রান, ফিলেম্বর তালিকা,
বিনাম্লো। ডাকথরচ ও প্রাক্তি ২০০ ফুট
ফিলম ১০ টাকা।

প্রচুর চাহিদা আজই অর্ডার দিন Holywood Cinema Corp. Kalyanpura, Delhi-6. ছোট তার নাম শেখর। বরস দশ। মারের আঁচল-ধরা শেখর কে'নে ভাসিরে দিশা বাড়ি। মাকে না দেখে সে জলস্পশ নাকি করবে না।

অমন স্কর একটি পরিবারে কি মা এই দুর্যোগ! এই ছমছাড়া অবস্থা? বাড়ি অধকার। পাড়ার সবার মুখে এক কথা! দিল্লীর মুখে মুখে মুখে ছড়িরে পড়ল কলপনা নামডুকে কেউ গারেব করেছে। কেউ ও'কে নিরে পালিরেছে। কেউ ও'কে হত্যা করে লাল গারের করেছে। কেউ এক

স্কোরার্ডন স্বীভার নারভু আপিস থেকে ছুটি নিরে, পাগল হরে বাবার যো। কী হলো, কী হবে, কে তাঁর স্বানাশ করল, তে করল ও'দের সম্ভানদের মাড্ছীন >

'আছো, আপনাদের কোনো অবনিবনা তো ছিল না।'

*I II•

'থ্ব ভেবে জবাব দিন, পলীক্স।' 'না, তেমন অবনি-বনা তো কই আমাদের ভিল।'

'কোনো ফ্যামিলি কোরারল?' 'তেমন কিছুই বিশেষ ছিল না।'

আর দশজন পরিবারের মন্তনই স্থী-অস্থী নাক্ষ্ পরিবার। পরিবারের সমস্ত ডিটেল খ্টিয়ে খ্টিয়ে সংগ্রহ করল দিলী

অদিকে শহরে কোখাও গ্রেছবের হাছ থেকে নগরবাসী কেউ নিম্কৃতি পেলেন না! কেড বললেন, নির্ঘাত এ থ্নের কেস। কেউ বললেন, না উনৈ কারোর সংগ্রা পালিরেছেন। কেউ বললেন, মেরেদের আর বিশ্বাস কী!

আত্মীয়স্বজনের বাড়ি বাড়ি গিরে সারা দেশমর দিল্লী প্রালস অফিসররা থেকি নিলেন। কোনো গুলবকেই **ও**ণ্টা এভট্ট खरदरमा करतम् मा। **करत्मा**ए এ°क-ও'কে-যাঁকে-ভাঁকে-সবাইকে প্রণনাদি করে চলতোন। কল্পনার সংগ্রী-সাধ্রী-স্বজ্ঞন কেউ কোথাও বাদ পড়লেন না। আজ প্ৰ'ৰ্ড **স্কোরাডিন লীডার নারড বেথানে বেথানে** পোন্টেড হরেছেন সেখানে সেখানে একার ফোর্স অফিসর মহলে মহলে তাল্যাম हमन । गा॰ जन्मन्थान हमन । दक्ष वान পড়ল না। দিল্লীর পর্টাসস তথন দশবান হয়ে সর্বত খ*ুজে বেডাতে লেগেড বলে। কল্পনাকে খ'্জে বের করবেই বর্ধমানে গেল পর্লিস। না। কম্পনার মা বাবা ও'দের মেয়ের কোনো **খবর পানান**।

নারভূদের আত্মীর-স্বন্ধন বংধ্বাধ্বর কেউই কোনোপ্রকার আলোকপাত করতে পারসেন না। ক্রমণ এই ধারপাই দৃঢ়ে হলো যে কংপনাকে তাহলে কেউ হত্যা করে ও'ব লাশকে সভিটেই গ্রম করে দিরেছে। কিন্দু কংপনাকে হত্যা? কেন হত্যা? উনি তো

কারো সাতে-পাঁচে থাকবার মেরে । ছিলের না !

ভাদকে শেখর ছেলেটি নাওরা-খাওরা
ছেড়ে দিরে কে'দেকেটে অন্থির। ওর কাছেও
ওর মারের প্রেখান্প্রেখ বিবরণ নিলেদ
প্রিলাস কর্তাবাভিরা। বেদিন মা হারের
বান সেদিন তখন শেখর বাড়িতে ছিল।
দিদির সঞ্জে খেলছিল বসবার ঘরে বসে।
মা অনা দিনকার মতন সেদিনও সকালে
বাইরে গেলেন কেমিন্টের দোকানে। তার
পেট-বাথার ওব্র কিনতে। মা বখন বাইরে
বান তখন তার বাওরার শব্দ পেরোছল
শেখর। মেইন গোটা মা বাইরে যাবার সময়
বশ্ধ করলেন সেই শব্দ। বাবা তখন আফ্রিস
ডিউটিতে।

গ্রহুবে গ্রহুবে যখন শুখু ধওলা কুরা-ই
নর, গোটা দিলীধাম অস্থির তথন একদিন
খৌজ পাওরা গেল এরার ফোর্সের এও
ভরনোক কলপনাকে সেই হারিরে বাওররে
দিন গাড়িতে লিফট দিরেছিলেন। পিচ-গলা
রাস্ডার নিসেস কলপনা নারভু স্টেকেস হাতে
হোটে হোটে বাজিলেন। লিফট দিরেছিলেন
গাটেল চৌক অবধি। কলপনা সেখানে নেবে
গিরেছিলেন ব্যাক্তেক চেক ভাপাবেন এই
বলে—উনি তাকৈ চিনতেন না। আগে কখনো
দেখেনও নি। তবে অফিসরটি এই লিফট
দেবার পর স্থির করেছিলেন কোনো না
কোনো সমর ক্লাবে কিংবা কোনো পার্টিতে
ভার সপ্রেণ পরিচিত হবেন।

এইভাবে গেল কেটে করেকটি
সংভাহ। কোথাও কোনপ্রকার চিহ্ন নেই
কংশনার। নারড় মুখাই যাকে বলে শ্রকির
আধমরা হরে গেলেন দুশিচ্চভার। জানতে
পর্যায় প্রাক্তিন না ওর স্থা জাবিতা না
মুভা। সর্যাজন কেবলই মনে হাজ্জল কেট
কংশনাকে ইতিমধ্যে নিশ্চরই খুন করে
ফেলেছে। খুন করে লাশটা ধম্নার জলে
ভূবিরে দিরেছে। খেখর শুখু ভেউ ভেউ করে
কাদে আর শ্রেধার,—বাশি, বাশ্বল্-বী
কথন ফিরবে?—কথন?

মাকে ও "বাশ্বল-বী" বলে আদর করে
ভাকড। মাকে সবক্ষিপ ও দেখত মৌমাচির
মতন গনে গনে করে কাজ করতে। মৌমাচি।
পুটো ম অক্ষর দিরে মাকে মৌমাচি বলতে
ওর খুউব ভালো লাগত। ছেলেটি দেখতে
ভারী স্মাটি এবং স্ত্রী, গোলগাল মূখ।
ভেমনি মেধাবী। না ঃ আর ভেমন বাংলা
ভাষাটা জানে কই ? দিদিও তেমন জানে না!

দিল্লীর প্রতিতি কাগজের স্পাদককে একদিন শেখর একটি চিঠি লিখল মারের উদ্দেশে। যা কাগজ পড়েন। মা শেখরের সেই চিঠি পড়বেন। শেখর খ্ব ধরে ধরে লিখল,—আমার সোনা মা, বান্বল-বা, লক্ষ্মীতি, তুমি এসো...

কাগজে কাগজে তথানি শেখরের চিঠি

_{হৈতি}শ বেব্ল প্রথম প্<mark>ষ্ঠায়। শেখরের নারের</mark> ছবিত বেবিরে পেছে প্রথম পাতার। মারের ছবি কাগজে। মা এখুনি ফির্বেন।

সরাম্যাবতী স্থাবরী কলপনা নারজু। ভরাট যোবন। কমনীয়তা সাখা হাসি হাসি ঠেটটের মুখা একমাথা কালো কৈকিড়া চুলা। চোখে

কংপনার পেটে কিরকম একটা বাথা
ছিল। তাই ওম্ধ খেতেন তিনি নিরম করে।
অসফ অলী রোডে সেই কেমিস্টের
রেকান। যেখান থেকে কংপনা ওম্ধ
কিলানে দওলা কুয়া থেকে বেশ খানিক
স্থে প্রেলান নিরারি গা লাগা। কেমিস্ট বলালে, সোন মিসেস নারাড় ওানের
ক্রেকান অসেন নি। ভাগলে প্যাটেল

ত্রিক বিশ্বামির গ্রেক্ট । কেউ বলেন এগার কে সের কোনো অফিসারই কংপনাকে গত্র করে প্রকিন্তে রেগ্রেন) কেউ বলেন গত্র করে প্রকিন্ত কিছে, যা ছাপালে ভাল বংশনারে নাম প্রক্রিকের করারা রেজ এননা বিশ্বাম । তবন নিতা কিল্লীতে কেইনা কেই সহিত্র হোল বেগ্রেরে খ্রেন গ্রেক্ট না কেই সহিত্র তবন বিভ্রু করের গ্রেক্ট না কিল্লীত একবিনা বর্তত একবি লগতে না হোকে বেশা করে তারপর তারপ গলা করে ক্রেক্টিছল। ত্রিপ্রক্রিম ভারপর সাল ক্রিনা বেড়াতে এপ্রেছিলেন। ভারপর মান ক্রিনা বেড়াতে এপ্রেছিলেন। ভারপর মান ক্রিনা বেড়াতে এপ্রেছিলেন। স্বামত সাধ্র

প্রকাশ নালাভার নাগাছর হয়। সংকল ইনার যোন তব্ ভালিয়ে সেখবকে বিশ্ববিদ্যাল সংক্রান লাগালান। ইম্নুলের স্থাবিত সেখবলে কেন্দ্রন এছিয়ে চলে বিশ্ববিদ্যালয়। ২২ সেখিয়া

জনার মাসা এমানাভাবে থামথাম করে বাংলা। প্রতিটান, একটি নিন্তু বান না
িটে, রাজধানীর প্রতিটা সংবাদপত্ত
বাংবজা বিশ্বা উদী ব্যবস্থাম সিংধী
মাধ্যা, সমানো ধাবর ভাপিয়ে বেল্লা—মিলেস বংগলা নাম্ভার এখানা পেজি নেত্রা স্বাবারী আক্রেনামানিক কিন্তু বিশ্বাম ত্রি

চ্যিশ দিন পরেভ সংবাদপতের থবর ঃ দিদেস কংপনা ন্যভুর খেজিখবর এখনো প্রভন্ন যাহান।

এরপর, ঘটনার চল্লিখ দিনের পর, দিয়্রী-শাসী কুমশ কুল্পনা নায়ভূকে ভূলে যেতে গাগল। একটি তো মাধ্র নাম। তা আর কিল্য মনে রাখা যায়!

কিন্তু প্রিলম কম'চারবীরা সেই নামের মহিলাটিকে সমানে ঘ'্ডে বেড়াতে লাগলেন। প্রতিটি থানায় চলে গেছে কংপনার ছাব। ছবি গৈছে এলাহাবানে। কলকাতার। ব্যারাকণ্টের। বগমনে, ছবি পেছে মানবাছে। বাঙালোরে।

পাঁচই অগান্টের সংবাদ : মিসেস করণনা নারভুকে এখনো খাঁছে পাঁওরা যারনি। সরকারী রেভিওর সংবাদ নয়। সংবাদপতের সংবাদ।

প্লিসের তো লক্ষা নেই। নইলে মাথা নীচু বরে চলত ওরা। দিয়ারি কফি হাউস-গ্লোর, পশ্লেষতরাগ্লিতে চুটিয়ে খ্র আন্তঃ ক্ষমল।

তারপরের দিনটা ছিলা ব্যধনার। ৬ই
অগভা। দুপার না যাুরেতাত সমসত শহরমের
সহস্যাগম গল করে একটি সংবাদ ঝড়ের বেগে
ছড়িয়ে পড়ল,—কলপনা জীবিত। তাঁকে
একাহাবাদে পাুলিস দেখেছে। দেখে তাঁর
পিছাু পিছাু গিয়ে তাঁর ঠিকানা সংগ্রহ
করেছে।

দিল্লী প্রতিষ্ঠ সেনিনও এলংহারাকে কলপনাকে খান্তে বেড়াছিল। এলাহাব্যব একারাক্যেসের জনৈক অভিসাধের পতী কলপনাকে একদিন রাসভায় দেখে ২৩৬শ। একিয়া এসে নামকার করে তিনি বাল্ছিলেন, খালো মিসেস নাহতু। ভাল তেংহা

এয়ারফোসেরি মারফাত আগেভারে তিনি জানতের মিসেস কাপনা নায়ভ নিখেতি।

'আমি মিসেস নাম্ডু নই' এই বলে সৈদিন অধ্যতিতি কলপনা পিও, জিরে সোজা ডিল্ল পাথে চলে যান। এয়ারকোসাঁ অফিসারের প্রতি তে বেকুর বনবার মাইলা ননা নাম্ডুরা তো এই এপারে বেরে বছর দ্যোক ওানেই প্রতিবেশী ছিলেন। অথছ এখন কলপনা বলছেন উনি নন তিনি। তা উনি দ্যোবন কেনা বলছেন উনি নিলেন। তিনি ভবি বৈদানিক প্রামীকে বিলেন। তিনি দ্যাকৈ করলেন কল্টারী।

তথ্য প্রকৃষ্ঠ কিমেছিল বিপ্রাণী প্রতিষ্ঠ একাই বাদে। সাক্ষান্তভ মাট কোল কংপ্রান্ত সংগ্রাহভার। কংপ্রান্তভিজ্ঞান কেমিটেউর দোকানে। বাজার। প্রতিষ্ঠান অভিসার স্বিন্ত্রে প্রার্থিক বিভ্রান্ত

প্রিলিসকে কংপনা বংলছেন, এ শংর সে-শহার ম্বেটারে গ্লেশতাই অবের তিনি এলাই বানে এসেডেন।

ভিলেন একজন বৃষ্ধার প্রেয়িং গোস্ট হয়ো।

ভাতঃপর একাছবেদ ম্যাজিপ্রেটার কাছে ও'কে নিয়ে যাওয়া হলো। ম্যাজিপ্রেটা যথান কালে। কালে। কালেনা কালেনা কালেনা এর প্রামার এলাহাবেদে এলে ও'র স্বামার তা বলবেন। এবং ও'র স্বামার যেন অন্যেহ করে জানিয়ে দেওয়া হয় তিনি যেন ও'দের কোনো ছেলেমেয়েকে না নিয়ে একাহাবাদে আদেন।

সেই দিনই স্কোয়াভান কভিার নারভূ

क्रमाशायाम् क्रमम्। क्रमा।

শ্বমেনি-ফাঁ, নারজু লংগতি, **এক্স**স্বল্পতে দিল্লাগিও। ধরে ঘরে আবার **অংলা**বাতাস: বাধ্বস-বাকে সব সমর ঘিরে র**রেছে**ওারের দশ বছরের শিশা-সাতাল **শেবস**বাধ্বল-বাঁ, আরু কিবতু তুনি কোথাও বাবে
না মা...

সর ফিউয়াউ : বৈমানিক নারভু বলেছেই, চলে বাবার আরো মিসেস কল্পনা নারভু একটি পর লিগে রেখে গৈরেছিলেন প্রার্থ উদ্দেশ্য বাভির এই লাভ্ডাড লোকাকুল আবহুখার প্রটি এতাদিন প্রার্থ নাজরে কেন্দ্র বে প্রেডিন!

অথচ গ্*ডাবে গাজাবে ব্যাপারটা কোথার* বে-জাহগায়, কোনা তুগের গিয়ের **এক অসম্ভ**ব স্থানে প্রণীছেছিল। নায়ডুমশাই**কে ক্রপনা** দেবী চিঠিছে কি লিখে বিদায় নিজে যাজ্জালন তা নিশ্চয়ই কোনো দা**ল্যভা**-**4** অভিপাতা এবং ₹7.3 মিপ্রয়োজন। তার একদিনানা একদিন কলপ্রাক আমি বলাবাই বলব 'রবীন্দ্রাথ লেখিন জ্বাতি প্রাক্তিনী লিখেছি**লে**ন, ক্ষা হৈছে আৰু এখন একদম দেই। কারো অখ্যাসৰ ভাষেত্ৰাস ভাউকে আৰু কেই আৰু-বাল প্রথম রাখ্যার পারেন না। মইনত হ রুগাট্টা **বাস্ত**বিক্র পারেছেনা **একটি ঠাট্টা**। ্লার আশুদ্ধ আগুর নিতে **যাওয়টোও আ**ঠি <u>ुर्हात अवको अन्य '</u>



The best selling book

HOMOEOPATHY THE PRESCRIBER

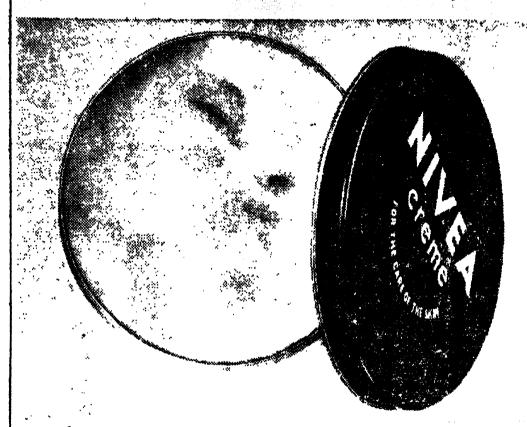
by J. H. CLARKE, M.D. Simple Prescriptions on practically every ailment and 64 pages on HOW TO PRAC-TICE HOMOEOPATHY 18/6d.—Rs. 16.65

A turther list of Homoeopathic books is available from:

RUPA & CO.

15 Bankim Chatteriee Street CALCUTTA-12.

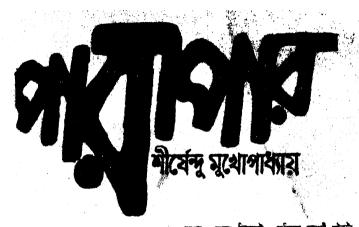
अरे क्लिक्टिक की आरह?



(जीन्धर्यञ्चस्यायस वृत्कत्तत्वरुजः !

ত্বক সাধারণত তুরকমের হয়। এক হ'ল স্বভাব-জাত সৌন্দর্যময় ত্বক, একটানা অমান থাকে যার মুষমা। অন্থাটি ঠিক-তত্ত-সুন্দর-নয় শ্রেণীর এবং এই ত্বকের সৌন্দর্যসুষ্মা ক্রমশ আরো বিকশিত হয়ে উঠতে চায়। নিভিয়া ক্রীম বিশেষ করে উভর শ্রেণীর উপযোগী করে তৈরী করা হয়েছে। নিভিয়াতে রয়েছে আশ্চর্য ইউসেরাইট, একটি বিশিষ্ট উপাদান, যা আপনার দেহত্বকের স্বভোবিক তৈলভাগ ছোগায় এবং ভাকে কোমল ও লাবণাময় করে ভোলে। আপনি যদি রূপবতী হন, ভাহলে নিভিয়া আপনার ত্বককে মন্ত্রণ ও ভারুণামণ্ডিভ রাথবে। যদি আপনার ত্বক হয় শুক্ত ও রুক্ত, নিভিয়া সেই শুক্তাকে দূর করে আপনার দেহত্বককে আরো সুস্থ, কোমল ও লাবণাময় করে ভুলবে। আপনার দেহত্বক যোননই হোক না কেন, নিভিয়া ক্রীম ব্যবহার করন।

বিভিয়া -তকেণ্যমাণ্ডত লাবণ্যময় দেছত্বকের গোপনকথা! শিত ও নেভিয়ন তৈনী



को रलिছन-'कानि'। की कारन লৈ বলেছেল— লাল । বা সজেল লোকটা ? রাভ আটটা নাগাদ হাওড়া স্টেশনে নেমে বিভ ভিডের মধ্যে লোকটার পিছা নেয়। লোকটার ভান হাতে স্টেকেস, বা বগলে শতর্রাজতে বাঁধা ছোট বিছানা— মফুবলীর মতো হাবভাব। কিন্ত ও কিছু একটা জানে। নিশ্চিত। গত কাল থেকেই বিভয় মন ভাল নেই। মান্য কত সহজেট ট্রুক্তর মরে ধরে। এই তো একট্র আগে বর্ধমানের কাছে কাটা পড়ল একটা লোক---এই শালা লোকটা গিয়ে ভাকে কোনো ভাকে নিল, কায়ক পলক এই লেকটাৰ - দিকে চেয়ে কটো-পড়া মান্ত্রটা মার গোল। কী সহজ্ব ব্যাপার ! গতকাল আব একটা ত্রাক ঠিক ওরকমই সহজ্ঞভাবে মারা 1577 দ্যগাণ্ডরে। ইউনিরনের সেই লেকেটা ক্ষীরক্ষ ছিল কে জানে। বিভ ভাকে চেনেও ना। लाक्या त्रकारमञ्जू निकारते छिडिछि। छ যাঁহ্ব -- সংগ কুরাশায় আবছা মাঠের ভিতর দিরে, একটা টিফিন-ক্যারিয়ার আরু একটা থলে হাতে চলে আসাছিল সে—সদা যুমভাঙা চোথ তখনো বেধে হয় ৰউ কি বাচার মৃথ-খনা ভাসছিল তার। ভাতশত কানে না বিভূ, সে কেবল লোকটিকে অাসতে দেৰ্ঘেছল। লোকটা থেমে একটা বিড়ি ধর্মাচ্চল--বিভূ হাতে-বাধা বেমাটা টপকে দিয়ে দৌড় দিল। রেল লাইনের ওপারে র্ণীড়রে ছিল জীপ, গা[†]ড়টা ভাকে তুলে নিব। জীপ গাড়িছেই টাকার **বেন দেন** ার গেছে। এখন পকেট গরম, বিভূ ফিরছে ^{কলক।}তার। **কিল্**ডু ভব**ু গডকাল খেকেই** ठात मन काम निहै। महिनाकत अक मान्य, তার মধ্যে দ্ব' **একজন মরে গেলে কী হর!** कि**ट्टे** ना. र**ण्यन किट्टे इत मा। এই दि** ¹র্ধমানের কাছে কাটা পড়ল লোক**টা ভার** कता की दाराष्ट्र। क्षेत्रको आधः वन्द्री दा র্মার্মন মিনিট দেরীতে এসেছে —ভার **বেশী** কিছাই হয়নি। কামরার মধ্যে মা**ন্বেরা** অংহা, উহ্ব কর্মিল বটে, কিন্তু দ্বংখের

চেয়েও ভারা বিরক্তই ছাচ্ছল বেশী ট্রেনটা लाहे इतक यतन। तकराम धरे मान्या तमाकही-बाद हाटक वित्तव मावेदकम् वश्वल विद्याना-क्विक के लाक्षे।क्वे कतादक्य मध्यक्ति বিভ। জাটা ছে'ডা খাতিলানো হয়ে বাওয়া, भागाविरोटक कृतक काशरहे शहाहित। विकृत मत्न काम मार्ट्यान । कठ व्यापरत्त्र की व्यारह? প্রিবীর দ্ভারজন লোক কমে গেলে ক্ষতি কী? কালকের ইউনিয়নের সেই **লোকটাই** বিভুর প্রথম 'কেস' নয়। এর আলে আর একজন ভার হাতে গেছে কলকাভার। দূরারই দুই ঘটনার সময়ে বিভুর একটা অণ্ডত দাসা মান পড়েছিল। অনেকদিন অংগ দেশের বাভিতে - বাবা ক্ষেতের কান্ত করাত বেত। কেল্যাশ্যে তার জন্য ভাত বায় নিয়ে যেত বি**ভ। একদিন ভাত দিয়ে ফেরার** সময়ে আলপথে খেলতে খেলতে খানামনে ফিবুছিল বিভ। **হঠাং পিছন থেকে** কে বেন ভাষণ চিংকার করে ভাৰল—ভাই রে-এ। পিছন ফিরে সে দেখল একজন

रह हिएत क्षे पूरे वाकापान हाई. বেকৈ ছোট আর তথ্ন বিভ শেরেছিল চমা অমির ওপর দিয়ে তার পিছ, कान-क्किएं दिस् श्रामेशिन। আর তার ছারার ছোবল মারতে হারতে পিছ্ৰ পিছ্ৰ সাপটা। ভৱ নাই রে এসে গোঁছ...! বলতে বলতে মাঠটা কোণাকণি পার হয়ে এল সেই যুসলমান লোকটা. नम्या नाठित अक चारा मामग्रेएक निम्हल করে দিয়ে হাফাতে হাফাতে সাপটাকে बनन-बाद अकर्ते श्रीबारे सामाद छाउँहोर्ड বেরেছিলি শালা...। অনুক্রিন আগের নেই घटना। छन् मृनात्रहे विकृत स्महे मृनाही মনে পড়েছে। চয়া, নিজ্জলা জমির ওপারে উচ্ আলের ওপর দাঁড়িয়ে শেষ ব্যান আলোর ছারার মতো একজন মাসল-মান লোক লম্বা লাঠি উচ্চ করে ধরে ভাকে টে'চিরে বলছে—ভাই বে ভুই এ'কে रवरिक रकार्वे, अरिकरवरिक रकार्वे, विस्तृत মন ভা**ল লালে ন**া গতকাল সকলে বেলা লৈকটাকে বোমা মেরে যখন ক্লীপগ্রতিত নিকে দৌভকে বিভ তখনও হ্বেছ সেই দেখতে প্রেছিল-নিক্তেজ বিকো**ল ভার পিছ**, নেওয়া **সেই** দারে অংশের ওপর পাতানো সেই লাঠিহাতে যাসলয়নে লোকটা চে⁴চিয়ে বলৰে. -2-2-X-€=

এই **লম্ব**া চেহারার **লোকটা বলেছিল—** জ্যানি। **কী জ**্যান ও? কেমন করে জ্ঞানে?

হাওড়া ফৌশনের প্রকাশ্ত হলখর আর চাতুলি পাল হরে সিড়িয়ত পা দেওরার



क्ष्यक रने जिल्ला स्थाप होड गाँकरा स्थापकरस्य नवन स्थान

ं निर्मित सूच चूँनिरत रमयम, मूर्गाम्यूरस्य रमहे रक्टमणि।

—কোনদিকে শাৰেন? ছেলেটা জিজেস কলে:

রমেন মূল্ শ্বরে বলে—আনোয়ার শা রোড।

—আমিও ঐ দিকেই। ট্যাক্সি নেবো, আলনাকে গোঁহে দিতে পারি। বাবেন?

শা, বিভূ আনোয়ার শা রোডের দিকে বাবে না, সে বাবে বেহালা। কিন্তু তাতে কিছু বার আসে না। সে ববং ঘ্রপথে লোকটাকে আনোয়ার শা রোডে নামিরে দির্বেই বাবে। জানা দরকার এ লোকটা কী

রমেন হাসল, তারপর মাথা নেড়ে জানাল —বাবে।

ট্যান্তিতে ছেলেটা ব্যানকে সিগাবেট

तिका सू अक्षो माम्ली कथा पाकी कना। ভারণর চপ করে রইল।

বাইরে কলকাতা। আরো শুরেনো আরো
ঘিত্রি হরে কেছে। বেন প্রাণ্ডণের ব্রুক্তগাউভার মেনে আছে এক ব্রুক্তিরে নিরেছে
বাজার করার চটের থকে। মানে মানে
কলসে এঠে ট্রাফিকের স্কুক্তর হত্ত্বদ্ বাভিটি। বিধাভার মডো আত্মবিশ্বাসে হাত্ বাডার মোড়ের পত্নিস। মভলববাজ মান্বের চোল জেনাকিশোকার মডো জনুলে উঠেই ভিডের মবো নিবে বার।

রমেন বাইরের দিকে চেরে ছিল।

ছেলেটা তার দিকে একটা কাকে বলল— আমার চেহারা দেখে কিছু বোঝা বায়?

রমেন একট্ নড়ল। তারপর তার প্রছ স্পর মুখ্যানা ফেরাল ছেলেটির দিকে, নরম গলার বলল—চেহারার মানুষের ক্মের কিছা কিছা ছাপ থাকে।



আছে। ভবে আছে। আবৈৰ বিদ मिशासि वारेट ब देख दनता छात्र छिलाता काल भटक रशरह। जामरम क मरवद करा माश्री अकिं रमस्ता। माम्द्रमा। सम्बद्ध अमन किए मान्यत दिन मा। तद मतना शास धकं व्यायता सन, माक रहाँका। छन्, की 13 টান ছিল তার। বিভ কথা বলতে পারেনি কোনোদিন, তার ব্রুক কাশতে।। সে বিভ করতে চেয়েছিল, মাদ্রার বাপ ভাত দেখাল। ভারপর সরিরে নিয়ে গেল মৃদ্লাকে কোথার! ভার হাতের বাইবে। আক্রোশে বিভুর সমস্ত শরীর ঝিন্ঝিন করে भाषास तक छेळे जाटन इन इन करत। छाउ कारक भागा एक माना करम बाहा। श्रीशरीरक এত মেয়ে আছে. তার মধ্যে সে একছন সামান্য মদলোকে চেয়েছিল—যার নাক ভৌতা, গালে প্রণ, রঙ ময়লা। সে ঐ বণ-গালিতে আদরের হাত বালিয়ে দিত, ঠোট ছোঁয়াতো চাপা নাকটিতে, নিজেব গায়ে মাখ নিত ওর মহলা রঙ। কভ কথা মদালাকে বলবার জন। মনে মনে তৈরী করেছিল সে! ব্যন একমার মদ্যালাকেই চাষ্ট্রস व्यक्तमाध स्मेर मामालाहकरे भाषांत्र करत सम्बंग হল অনা জায়গায়। সৈ জানে মাস দেছেক স্মালে মাদ্যলার বিয়ে হয়ে গেছে। তাকে शाखा मिन सा स्थारावे!। जिंक जारहा। जार এবার পাত্তা দাও বিভ্কে, প্রথিবাঁর মান্ত। ব্যুটের লাখি খেয়ে পাতা দাও, ছোরা খেয়ে চলে পড়তে পড়তে, আচমকা বেফা খেরে উড়ে যেতে যেতে...। দেখ হে, আমি বিভূ —বিভু মাণ্ডান। বাপের স্বাপ্তে। কোথার যাবে মাদ্যলাঃ একদিন ঠিক দেখা হয়ে যাবে। বিভ জ্ঞানে।

খাপাটে চোখে বিভূ তার দিকে ভাকাল— কিসের ছাপ পড়েছে আমার চেহারায়?

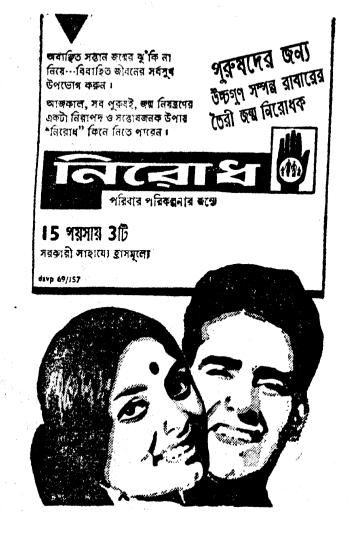
হাত বাড়িয়ে কমেন তার হাতথানা ধরল। ম্বান মুখে বলল—আপনি তো জানেন।

বিভূ হাত টোন নেয়—কিন্তু আপনি কী করে জানলেন? ওগতাদের মতো বললেন— জানি। কাঁ জানেন আপনি? আপনি কি ভোতিষ?

র্মেন মাথা নাড্ল-না।

—তবে? বিভূ বিহরেজভাবে চারদিকে চার, বলে—আর্থানি তবে কোথাও আমাকে দেখে-ছেন! কোথায়?

একটি কিংবা দুটি খুন করার পর মান্ধের চোখ শ্পির হয়ে বায়। বাইরে থেকে দেখার শাশত, কৈন্দু আসলে তা শাশত নর। তখন চোথের পাতার একটা গাঢ় ছারা পড়ে চোথের মণিতে। রমেন তা জানে। কিন্দু কী করে তা বলবে রমেন, অত আশ্লাক্ষী কিছু বলা বায় 1



क्याणे-ना. जागनादक अने काटन दकाबाउ দেখিন। তবে আপনার চেহারা বেখে বনে হর সম্প্রতি আপনার কোনো আশ্নালন সারা 757789

गर्ए जाविक्यु इस बाद विक. চঠকারীর মতো বলে ফেলে-না, না, ভারা কেট আমার আপনজন ছিল না। আমি ভাদের চিনভামই না-

রমেন ব্রুতে পারে ছেলেটা প্রকৃতিস্থ নেই। সে ছরিতে ওর হাত নিজের কোলের अभव रहेता निरंत वरन-हिक आहर, जामि বুবেছি। ইপ্শিতে টার্নক্সপ্রালাকে দেখিরে চাগা গলায় বলে—ও শ্নেভে পাবে; চুপ কর্ন...

বিভূ হকচকিয়ে চুপ করে বার। তারপর **हश करत्र शांक**।

রমেন ওর হাতে হাত ব্লিয়ে দের ভারপর খ্ব মৃদ্ গলায় বলৈ-কে বলস যে তারা আপনার আপনজন ছিল না?

আরু কথাবাতী তেমন কিছা হল না। বিভ সারাক্ষণ জানালা দিয়ে বাইরের দিকে চেয়ে রইঙ্গ। আর ওর হাতখানা কোলে নিয়ে वरम तहेल द्राप्यन ।

जत्नक भिन जार्ग, द्रायरनद वर्गम यथन দশ-এগারো, তখন যাুন্ধ চলছে। তাদের তিনটে বন্দাক তথন সরকারে বাজেয়াণত হয়ে শওয়ার কথা। তাই সেই বয়সেই তাড়াতাড়ি বনন্ক শেখানোর জন্য তাদের প্রোনো চাকর উন্ধব আর ড্রাইভার আশ্ তাকে নিয়ে গোল কেওটথালির মাঠে। দুরে রাথল ভিনপায়া একটা ব্লাক বোর্ড, তাতে দ্টো ব্ত অকিল, তারপর তার হাতে তুলে দিল কার্কার্ফর। ভারী বন্দ্কখানা। বলল —मारता, माक्यारनद शाक्षाणेह मारता। तसन মেরেছিল, ভীষণ শব্দে প্রথমবার হাত থেকে शाह क्रिकेटक रशन वन्त्रभाना, श्रीनिधे কোথাও লাগেনি--উড়ে গিয়েছিল। কিন্তু তারপর কয়েকবারের চেষ্টাতেই সে ঠিক मायाधात्तव व्हाडांटक क्रांडा करत पिन। উম্ধব বলল—আর জনের তুমি অর্জন ছিলে। তারপর বন্দ্র চালানো নেশার মতো পেরে বসল তাকে। উষ্ধব দ্রোণাচার্যের মতো বোডে পাথি একে চোৰ বসিয়ে বলত-চোখে মারো তো। রমেন মারত। যখন এই ভীৰণ নেশা ভাকে প্ৰতিদিন বিকেল বেলা বর ছেড়ে বন্দ্রক হাতে বেরোনোর জন্য অস্থির করে ভূলত, সেই সমরে একদিন वन्द्रकन्द्रला क्या भएए शिन। मर्स्थरका चीवन मृद्धाः मामृत्र देकित्तारात्रत भारम **रिटिएक मृत्य ग**्रेटक घटन किन तरमन, नामर् তার মাখার হাত ব্লিরে বলল—এ তো ভালই হল। এর পরে এক্দিন ভোমাকে **ऐरे पटन कार्याथ कर्न्युता छत्र रगरका। त्रास्मन**

बारन अकरे, कानल, फाइन्स बरीका विना स्वास्त्रीय : विस्तरकार सा कर सामन सामन र र रहे आधार कार प्राप्त प्राप्त the major water was some

त्म क्यांग्रेस <mark>अवशे सहस्र</mark> अस्त सम्बद्धाः **ट्सटब**। **এই एक माछना दक्कारों। छात नारम** बरन चाट्य बार रकानादना नारमक बरना रक्षरका ब्रह्माट्य राहक बीबा त्यामा, कनारभरकेत कारक कर रकारना रकामा-क्या कर निवन्त. धनहात रमनारम् अर्थ । व बाद्य मा जल्तत वावरात, किरवा शक्क जन्म कारक बरन। একদিন এ নিজের হাতে সায়া বাবে।

রমেন বড মারার ছেলেটির হাতে হাড

আনোরার না রোডের মুখে ট্যাক্সি থেকে নেয়ে জানালা দিয়ে ছেলেটার দিকে ভাকিছে হাসল রমেন-আবার কোনোদিন দেখা হরে বাবে। আছা ভাই...

—আছা...ছেলেটা হাত তুলৰা। ग्रेपिक्रणे ब्रिक्ट्स निम ग्रेपिक्र ध्रामा।

Ministra water with figur and and চেষ্টের সারাপ ছিল ভার এন। সারা বিভেন थरह की रव जब हरत रवना

চোপের ওপর হাত চাপা দিরে বিভাদার শৰে ছিল লগিত।

मन्द्र अस्य महासाह मृत्य वाध्यित वनामः— मिन्छमा, जाननाटक अक्रजन मह्नटह।

বির্মান্তর সম্পে উঠল কলিত।

গলির মধে এনে দেশল আবছারার একটা সন্বা লোক দাঁড়িয়ে আছে। হাতে म्प्रेंक्स चार्न विद्याता।

一(事?

—ললিত, আমি রে, আমি রমেন। ভোর कारक क्यात्र ।

হঠাৎ আনদে উল্ভাসিত হয়ে গেল ললিভের ব্ৰ। কতকাল...কতকাল দুৱে থেকে ভার कारक किछ जार्जान।

—রমেন! দু' হাত বাড়িরে ললিত বলল -আর।

সংসারের খাউনির পর মাধার একট

কেয়ো-কাপিন স্মেত্ত আন কৰে উঠলে সৰ ক্লাণ্ডি কোন সূত্ৰ क्टन मान

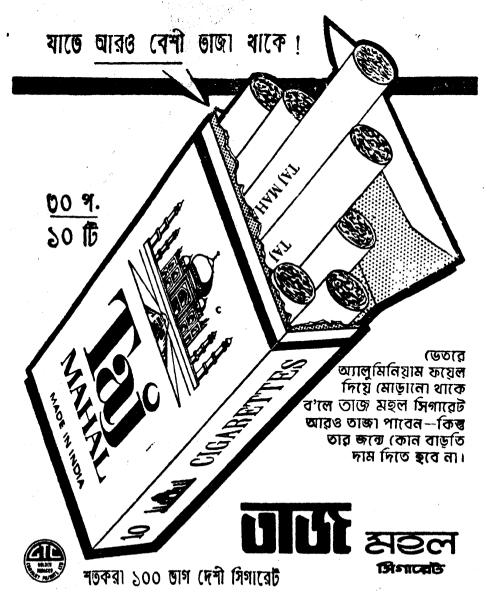


रह वा-वामित्य वाकायात्र वात्र मारम वा चात्र अव नकी कारि मिर्दे

কেরো-ক্যাণিন চুলে একন আজা এনে দের শ্ব নারাধিন স্ক্রান বাকে



क्रायं दियं सिलाता



পোল্ডেন টোব্যাকো কোং প্রাইভেট লিমিটেড, বোখাই-৫৬ 🖩 ভারতের এই ধরণের রুহত্তম জাতীয় উভয



11 P 11

মূলীশের মা

বিবারের নিজ্ম, নিস্তব্ধ অপরাত্ত।
পানের বড়ি থেকে সর, গলির গ্রেমট
হাওয়া আমার কানে ভেসে অসছে
হগ্যের মান্ত কান্ট্রতঃ

"ভূলে যেও না যেন... শিরালদার ট্রাম ধারে গোমেস লেনের শীপে নেমে এই ভান দিকের যে বড় বড়ি অগ্রহ-যেতীকে ভোনাকে কাল দেখিয়েছিলাম—ঐ বাভিরই দোভলায় দ'

ভারনার সামনে দ্বীড়িকে মণীশের মা মণীশের চুল আঁচড়াজিলেন অভাসত ভাগতে। আয়নার মধ্যে দেখভিল মণীশ মণীশের মানর প্রতিছ্ববি—ভারি অবসম দেহকানিত চেথের নিচে ক্রান্তির কালিয়া।

ভাবতে লগেল মণীল। ভাবতে লগেল, তব্ ব্যাতে পারল না। মণীলের সেই মা কোপাই? রোজই শোনাতেন দেশ-বিদেশের গান, কোপাই? রোজই শোতেন দেশ-বিদেশের গান, কোথাই...কোপাই কোপাই কোলে কালে, কালের নালা, আর...কাভে কে বাকে পরেছেন মা এই বক্সকাঠিনের মুখোল? মাকে আর চেনা যাক্সে না. মানর আর কিছাই চেনা যাক্সে না। ভবে হার্গ, সেই শাড়ি, সেই ডিজাইন-কাটা সব্জ্ল গাড়িটাই শুধু—মায়ের জ্লম্পিনে বাবার উপহার।

দ্যাস তিন্দিন

আগে ওরকম ছিল না কিন্তু; আগে ওরকম কোনোদিনট্ট হয়নি...হাাঁ, বাৰা চলে না বাওরা পর্যানত। বাবা চলে না বাওরা পর্যানত কখনও বোঝেনি মণীল ওই সর্বাদ্ধান্ত, সব-সমর-খাতা-ফাইলে-নিমন্দ্র বাবার উপস্থিতির মূল্য।

্মণীশের ব্লব্ল বেদিন মারা গিয়েছিল,

হা সেই দিনের মতে। বাড়ি এখন যেন ফাঁকা ফাঁকা লাগছে। নতুন বংলবংল এসেছে মণীশের পড়ার ধরটিকে ম্থারিত করতে, কিল্ডু কই...বাবাকে কি আর আনা যায়?



श्नीत्मत मा मनीत्मत इन चारुफांच्यन

জ্জ হল দ্মাস ডিন দিন...আর ঠিক সেই সময় থেকে মণীশের মা...

ত্রকট্ সোজা হরে দাঁড়াও না...এড কি
ছটফট করে..." মণীলের মা-র গলা কর্মান,
আনাবশ্যক কর্মাণ শোনাছে কচি মণীশের
কানে। ছেলেটি বলতে চাইল কিছু,
যা-ছোক কিছু, মিডি কৈছু, শুধ্ মারের
ম্থের কোণে বিগত দিনের সেই স্মিড
হাসি ফোটাবার আশার। বুধা চেডা...

আর মণীশ বধন হাত বাড়াল মারের হাতের
শপদের খোঁজে, মা তথনই হাত সরিরে,
প্রসাধন-বাক্সে চির্নি রেখে শ্ধ, বললেন,
'আছো, সমর হরেছে, যাও এখন…! আর
ভূলে বেও না ঃ শিরালদার ট্রাম ধরে…"

শভাষার সংখ্য বাবে না?...তোষার হরে বাবাতে কি বলব মা?"

"ৰাও, বলছি...সন্ধ্যাবেল্য ওদের বি ত তোমাকে আবার এখানে নিয়ে আসবে 'খন।"

विकासकात है।

ওদের ঝি...বাবাদের ঝি...গোমেস লেনের
ভান দিকের বড় বাড়ির দোভলার ঝি।
বলাচনীলভের মতো মণীল উঠল শিরালানার
টামে, বসল লৈডিজ সাটে বসত বেমন
বসতেন বখন মা ভার কাছে। আজু কিল্টু
মণীল একা...একাই নাজে মারের বাড়ি
ছেকে বাবার বাড়িতে।

কিন্তু কেন ?...কেন ?...মগীল তোবছে
খ্ব, ডেবেছে ক্লাসর্মে, ডেবেছে শোলার
ঘরে। বোঝে নি মোটেই। বোঝে নি কেন এড
দিন পর, এড স্থেবর এড দিনের পর...।
প্রদন করতে চেয়েছিল হার্ চাকরকে; পারল
না। মাকেই তো প্রদন করেছিল সেদিন;
উত্তর পার নি। অজ বাবাকে জিজেস
করবে।

শুনার বড় বড় হেলের। একে ইপ্পিত করে দেখিয়ে কি সব কথা বলে। আর মা সেদিন মিসেস দাসকে চুপিচুপি কি বলেছিলেন..."ওরা অনার শ্বামীর ওখানে ছেলেটিকে পাঠাতে বলেছে প্রতি রোববার বিকেল বেলা।" ওরা কে?...আর কেনই বা পাঠাতে বলেছে? কেন বলে নি বাবাকে ফিরিয়ে আনতে? কেন বলে নি বাবাকে মায়ের সংগ্রা আবার ভাব করতে?

ঝগড়া হরেছে, রাগ হয়েছে দ্রুলনের মধ্যে ...হলেই বা! মণীশও তো চের করেছে আড়ি, চের করেছে কথা বন্ধ ন্দুলের কন্ত ছেলে, পাড়ার কত ছেলের সপো। চিকেছে কত দিন? আড়ি তো ভাবেরই প্রাভাষ। কিন্তু বাবা-মা?...আজ্বে নিয়ে হল দ্যানা তিনদিন।



श्रीक दतानवात विरक्त

কালকে এদের চাকর বাবার কাপড়-চোপড় জার দব জিনিসপত নিয়ে গেছে; শুখু নিয়ে বার নি চটিজনতো। একদিন আবার আসবে বাধ হয় লোকটি বাবার চটিজনতোর জনো। মণীল দেখেছে, স্বচক্ষে দেখেছে বাবা-মায়ের শোবার ঘরের আলমারির এক পন্রো ারার জালি।

বাবার আরাম-কেদারার এই দু মাস ডিন দিনই কেউই বলে নি—পর্নিস বেড়াল ছাড়া; রেডিও কেউ বাজার দিন গাঁওরার ঘরের এক কোণে এক গাদা স্টেট্সম্যান, কেউ খোলে নি এই দু মাস ডিনদিন। বাবা কি সাঁতা সাঁতা আর আসেবেন না? বসবেন না আর সেই আরাম-কেদারার, বাজাবেন না রেডিও, পড়বেন না স্টেট্স্ম্যান মণীশদের বাড়িতে? মণীশের বাবা কি আর কোনো দিন আসংবন না মণীশের মা-ত্র কাছে?

লেডিজ সীট ছেড়ে উঠে নামল মণীল ঐ গোমেস লেনের মোড়ে, পা বাড়াল—মারের আদেশ মতো—বাবার বাড়ির অভিমুখে।

এমন বাবে প্রতি রোববার; আর জানবে না—কেন।

স্নানের জলে কেন 'ডেটলে' মিশিয়ে নেবেন ?



আপনি হয়ত ভাৰতে পারেন সাবান মেথে যথন রান করছেন, আপনার গা যথেন্ট পরিপ্লার হচ্ছে। তা হচ্ছে। কিন্তু যেসব জীবাপু দৈনিক আপনার শরীরে চড়াও হচ্ছে, তাদের আপনি কাবু করতে পারছেন না। সেই অন্তে ঘধনই রান করবেন বা গা ধোবেন, তথনই জলে ভেটল মিশিয়ে নেবেন। ষাস্থ্য রক্ষার জন্যে এটা অভ্যাস করা দরকার। ভেটল জীবাপু নাশ করে, স্জীবতা আনে এবং রোগ সংক্রমণের হাত থেকে বীচায়।

এছাড়াও, বাড়ির আরও নানা নিভানৈমিত্তিক প্রয়োজনে ভেটল ব্যবহার করতে পারবেন—কেটে গেলে, ছড়ে গেলে, গার্গল্ করতে এবং মেয়েলী স্বাস্থ্যকায়।

এক বোভল ডেটল আছই বাড়ি নিয়ে যান।

व्याननात वाष्ट्रि व्यत्तक निज्ञानम ज्ञास्त



विस्थ्रत प्रवरामस्य विश्वष्ठ कीवाश्वाश्वक

বিনানুলো খনে বৰে দককাক ডেটল নিবাপজা' ও মেৰেলী ৰাহানকাছ বিধি পুজিকাৰ আন্ত এই টিকানায় লিবুৰ ঃ জি.পি.ও বস্তু ১২১, কলিকাজা-১



बढ कछावनीय काकान। स्मय स्नरे। द्वान (a) মান করিবে দিকে দক্ষিণ ভারতের বস্থেতাত্তর উক্তাকে। প্রকাজবার মতো মাধা উ'চিমে আছে সামলের বাডির ছাদে য়াভে রাখা লাল টুকটুকে ছাতা। আলতা-কমলা বা ফিকে গোলাপীর म्बादाह। এ वस्त्र विदल मना। भरब-ঘটে ছাল ছতিল জাতের টারিন্ট : সাপারি গ্রাছের মতো ঝাড়ালো, পান্ধপাদপের মতো সজীব শরতের কাশফালের মতো কেশ-ভারাক্রাণত উত্তরে মেরেরা: পিকাসোর क्रीतत भारता नक ल न्यक नश्रना, आर्थाक्ल দক্ষিণী কন্যারা; দিন ধশায়ে অবয়বে অকৃঠ কিওপেরার মহিমামণ্ডিড কৃষ্ণ মহাদেশের দহিতারা: একপরে, খলো-পড়া সর্বে ফুলের ক্ষেত্তরা অথবা সামান্য নিল্পুড शक्र मन्त्र वद्रशा शाक्षादाभीत क्रमणम यस्ताः চ্কিত্চরণা নিপ্পন-কলার: অতি-প্রসাধনে ইল ফাকিনি ফচিলাবা সকলেই এই পণা-ভীথে সমবেত হয়েছেন; কেন, জানিনে; কে एएकरक क्वानित्त। क्वानि भाग-धा उड़ লে। শোভা।

র্বার ঠাকবের মতে, পরোকালে রাজারা দিণিবন্ধয়ে বার হতেন শ্রংকালে। আকাশের এই শারদ প্র**সম চেহারা দেখে** দিশ্বীক্ষ<mark>ণে</mark> মূপে মন আমার কি করি কি করি ভাবছে, এমন সময় জাভীয় শিক্ষা-দণ্ডর পরিচালিত সংস্থার নিমন্ত্র-পঠ পেলাম—লোয়ার নদীর বাঁকে বাঁকে ফ্রাসী বাজতালের সভাতায় যে ম্বাক্ষর মাধ্য উর্ণচয়ে আছে বেশ কিছা দ্রগেরি রাপ নিয়ে, আমাদের চক্ষ্য-কর্ণের বিবাদ অপনোদন করতে পারে ভারাই ইন্টারের সাভ সম্ভাহ পরে পাংকোভ উংসব: যার দর্মে তিন দিনের একটানা ছাটি পাছে শ্রীমান টোগো: দ্বন্ধনে পরামশ করে সিন্ধানত নিজাম এই সংযোগে বড় একটা চকর মেরে আসা যাবে ইতিহাসের অন্দর মহলে। ইতিপাবে আমি দ্বাবার ওই অভলে হারে এলেও টোগোর কপালে এই প্রথম শার্দ অভিযান।

ফলত মাতৃনাম শ্বরণ করে নির্দিষ্ট শনিবার সকাল পোনে আটটায় আমরা চেপে বসলাম ভাড়া করা ট্রিফট ডি-লারের বাসে। আমাদের দেখ-ভালের কর্তী মারী জাস মাইকে প্রতাক বালীর নাম, দেশ প্রভৃতি পরিচয় দিছিলেন; Les freres Mukherjee de l'Inde (ভারতের ম্থাজের রাদার্শ)-এর উল্লেখ্য মধ্যে বডকটা আন্তরিকভার স্ব বেজে উঠল ভার গলার। চেক্, যুগোন্দাভ, কানাডিয়ান, পোলা জামান, স্পোনন, ইডালার, রিটিল, মার্কিন, লাভিন-মার্কিন,



আন্দ্রেলিরান, ভিরেইনামী, জাপানী—সব মিলিরে বাট-পরবটি জন বিদেশী শিক্ষার্থী আমরা ছারা-স্নিবিড় মফ্সবলের প্র বাসের চাকার মুখর করে রঞ্জন হলাম।

স্বিদিত রবিইয়ে উপবনে কিঞিং প্রাত-রাগের পর পারীর দক্ষিণ দিক ভাগা করে অগসের হল বাস। বেলা দশটা নাগাদ আমরা শসা-সমুস্থ প্রাণতবের ব্রু চিরে পারিপাশিবকি শোভার মাণ্ধ হয়ে যখন ভাবছি ভান গগের 'সাইপ্রেস ঘেরা গনের ক্ষেত্র' ছবিটির উন্দাম প্রাণ তর্ভেগর কথা, ধ্ধ্সমতল পটের দিগদেত বলা নেই কণ্ডরা নেই মাথা চাড়া দিয়ে উঠল এক গীছের চাড়া : শাংর। পরোকালে এখানে ছিল কেলটিক আমলের প্রধান একটি তীর্থার। রোমান ও গোলোয়া সভাতার সংমিশ্রণে এখানে প্রতিশিত হয় একটি 'মাত্মদির' : শিশুভোড়ে জননীর প্রতি-মাতি। ফরাসী বিস্লবের সময় এই দার-মতিটি প্রিডের ফেলা হয়। ভগতের মেরী জননী মতিটিই এখন প্রতিষ্ঠিত আছে এই ক্যাথিড্রালের নিচে, খাণ্টখর্মে মাতপ্রার একমার সম্ভাবা প্রতীকর্পে। বতমান ক্যাথিড়ালটির আগে চত্থ শতকের একটি খ্রীষ্টান বাসিলিক (গাঁজা) এখানে ছিল : অভীম নবম এবং ম্বাদৃশ শাহকের

অভিনকাশের বাবে বাবে গাঁজটি ভশ্মীতত হলেও ভার কিছা স্মতিচিক আজো বাকি बिडिक्टिया न्यामन এখানের শতকের সাচনায় যে বিপ্লেকায় ক্যাথিভ্রাল স্থা লবের-এর क्रकाष्ट्र इट পরিচালনায় তাকে খিরে বিশিষ্ট এক किंग्ड ১১৯৪ শিক্ষায়তন গড়ে ওঠে: সালের অণিনকাশ্ডের হাত থেকে সে-ক্যাখি-ভালের সামান্য অংশই রক্ষা পেরেছিল; ভগভোর প্রাথান্য-বেদী, দক্ষণের 'নহবং-থানা' ও মিনার দুটি পশ্চিমের রাজন্বার তার অন্যতম প্রধান দ্রুটবা। এর পরবতী ছাবিশ বছরে যে শিশপকীতি গড়ে ওঠে শাংর-এর ক্যাথিডাল ব্রুপে, তার প্রেরণার অভিবতীয় ও প্ৰকীয় উংক্ষের সংপা শিল্পীয়নের যে মালাবোধ ও আঞ্চিকের ষে সামগ্রিকভার মণিকাশ্বন বোগ ঘটেছে. সভিটে তা মাচোৰ ভারে দেবতে হয়। এর পরে অবদা আঠারো শতক পর্যত শাংশ্ব काष्ट्रिक के किया का भी तक कम সাধিত হয়নি।

দেশী হুমি কোথা হইতে আসিরাছ?—
মহাদেশের জ্টা হইতে। অবচেতন মনের
অধকার থেকে হঠাং হেসে উঠল এই
অবিসাদেশীর সংলাপে আমর লোমার নদীর
গতিপথ ধারে দক্ষিণে নেমে চলছি যখন
হু"র হল। "দাদা , গালিরে আয়, ফাঁক
পেরে অঞ্জ শেখাতে চাইছে" মনোভাব নিরে
মার আতকে ওঠেন, তাঁদের কাছে আগে
থেকে নিবেদন ঃ ইতিহাস-ভূগোলে জ্ঞান
আমার নিজের খ্বই কম: কাছেই কোনরবম শিক্ষা দেবার প্রবৃতি দ্বের থাক, পথচলতি যখন যা আমার মন টানে, আনক্ষ

অসীমা মৈত্ৰ সম্পাদিত

শতবর্ষের আলোয়

॥ দাম : পনেরো টাকা ॥

বাদের শত্বরপূতা হরেছে এমন ক্ষেকজন বাংলা সাহিত্যদেবীর কম্মর জীবন ও সাহিত্য নিমে সারগর্ভা আলোচনা করেছেন বাংলা সাহিত্যের ছান্দিবন জন বিশেষ্ট লেখক। এ জাতীয় সংকলন প্রশা ভারতীয় সাহিত্যে এই প্রথম। প্রতিটি এন্দাগ্রের রাখ্যের মতন একটি অপরিহার্য প্রশা ।

চোমংলামার প্রণতি

চোমংলামার চোখে উত্তরবঙ্গ ১০,

কণিব্ৰু

वामगान रमर्ग विरमगी ১०

নীহাররঞ্জন গঞ্ত

ব্যৱতে ভ্ৰমৰ এলো ৫.

স্কুমার বার

মহানগরীর রাণী ১০ নিগ্রানন্দ

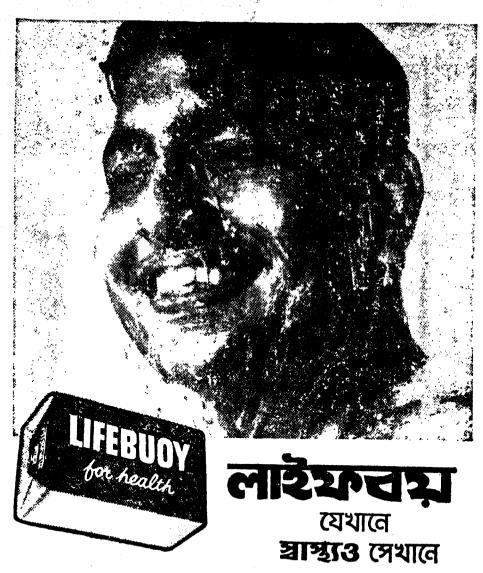
একটি বেগমের অস্ত্র ৬.

চন্ধবতী এক কোং ॥ ৮সি, টেমার লেন, কলিকাতা-৯ ॥

দেৱ, ভার প্রতি অন্যদের দ্বিত আকর্ষণ করেই আমি অংশত। কিন্তু বানের মনে থটকা লাগবে, তালৈর জ্ঞাতাথোঁ জানাছি যে পাং'র থেকে ক্ষিণের নামতে নামতে যে লোরার নদী (পুর্) চোলে পড়ে সেটির দৈঘা মার তিনশ এগারো কিলোমিটার। মেইন্ এবং অভিন্ নামের জেলা দ্বিট অধিকার ক'রে এই নদীর বিশ্ভার। আর লোরার নদ (প্রী) হল্পে এক হাজার বারো কিলোমিটার দীর্ঘা,
আর্থাং ফ্রান্সের দীর্ঘাক্তম এক। নদের
বেলার দ্যা আর নদার বেলরে, শংং দেশে
বারা আমার মান্টকের বন্দুটির ন্যান্ধ্য ক্ষববা
প্র্যুক্ত-সংশোধকের দৃষ্টি-ক্ষমতা বিবরে
সন্দিশ্য হরে উঠকেন, তাদের ন্যার্কা
ফরাসী ব্যাকরণে শনেক্রিটিফর প্রাচ্মার্কা
মুস্তাল্ (গোঁপ) এবং বার্কাব (দাড়ি) দুটিট

বেকেরে শহীলিকা, কালিদাসের বর্ণনার আন্নাটীর অংশ বেল স্থানিকটা আবার গ্ং লিকো অনুষ্ঠিত হতে বাধ্য করাসী ভাষার।

মারী-জানের বোষণা কানে এল, "আমরা এখন শাতোল্যা বুংগ' দেখতে নামছি। সওরা দু' বুংটার মধ্যে দুংগ' দেখে, বে বার রুটিমতো শাওরা সেরে ফিরে আস্ন। বেলা

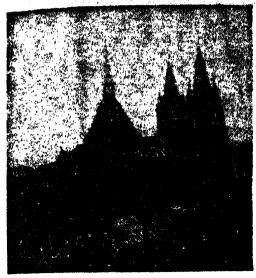


নাইফবর মধে রান করলেই তাজা মরঝরে হবেন। এই চনৎকার মুখ পরিদ্ধর ভাব থেকেই বুঝনেন ভাল সাবানেয় সবকিছু গুণ তো আছেই লাইফবরে, তারচেয়ে বৈদীও কী যেন আছে!

लाधिकवस्य भूलाममूनात स्वागवीङात् भूरा एत्य

হিন্দুখান লিভাবের তৈরী

मिन्डाम्-१. डान्थ 🕊





खामा गर्ग त्यदक

न्त्रीयत ग्रंग : ग्रंब स्थरक

দুটোর আমরা রওনা হব।" বৃথিট পড়ছে বিব্যবিদ্ধ করে: হাওয়ার কোর কম নরা। মধ্য বংশের সমৃতি বংকে নিয়ে এই যে দংগা দাঁড়িয়ে আছে মাথা উচ্চ করে, তার আহতান ৩৯৯ করে ব**্রেসর নিরাপণ আশ্র**য়ে নিরপেক্ষ বলে থাকতে গার্লাম না। ইতিহাস বলে অলেয়া, আজ্ব, তুরেন ও ক্লেমা, এই চারটি প্রধান কেন্দ্র নিরে ক্রমে ক্রমে গড়েও উঠেছিল লোরার উপত্যকার বৈশিষ্টা: এবং এই **ठाँ**एमद शार्**डे भार**कामा **रथ**नाम गराः অলের্যার কাউণ্ট জা পানেরা ইংরেজনের বিরুদ্ধে লড়াই করেছিলেন জান দাক (জোন্ অব আরু)-এর পাশে: ডাইনী অপবাদে জ্ঞান দাকাকে পর্যাত্তয়ে মারালও গানোয়া ক্ষাণ্ড হননি। বীর এই দেশ প্রেমিকের প্রতিমাতি শাতোদ্যা দাগের ঠাকুর ঘরে (পাপেলা) দেখতে দেখতে আমাদের দেখের অবাহলিভ সেই ধীর যোশ্বাদের কথা পড়ছিল মনে, যারা জান দকের মতো অথবা দ্যুনোরার মতো— ঈশ্বরের সেবার অব্যাব'লে বাণিয়ে পড়েছিলেন ভারতের মারিষজ্ঞে, সাম্রাজ্য-বাদের উচ্ছেদ করতে প্রাণ দিয়েছিলেন ফাসীকাঠে, স্বীপাশ্তরে নরতো বা সুশস্ত সংগ্রামে। ক্যানাডিয়ান সহ্যাত্রনী গায়েল ইতিহাসে এম্ এ পাশ ক'রে ভক্রটের জন্য প্রস্তুত হচ্ছে; ভার সংশ্যে ভারতের বর্তমান সামাজিক অর্থনৈতিক চিত্রের পটভূমিকার পলাশী যুদ্ধ থেকে রামমোছন, ডিরোজিও श्रीतामकृष्य विदिकानम्ब-अर्जावम्ब, বিষ্ণাবের বাণীমূতি হতীশ্রনাথ প্রভৃতির আলোচনা কম করিনি। দানোরার প্রতি আমার মনোভাব ওর পক্ষে অনুমান করা गर्क रुग। अब शदयशाब विवस्तरम्

সাক্ষণে প্রণাধ একটা সিন্দাণত এই মৃহ্তের্জ দানা বাঁধতে দেশে মন আমার বংশক উৎসাহিত বোধ করল। সাম্রাজ্যবাদের মা মনসা বে উপানবোলক ধ্নোর গণে দ্বিষ্ঠ করে তুলেছিল জগতের কতক অন্তর্গর গণ কাঁবন, তার অভিজ্ঞতা গারেগ-এর চেতলাগ্রান্তর বলেই ভারতের বিশ্লব আন্দোলনের ইতিহাস ওকে আকৃষ্ট করে।

আমাদের ভানদিকে। পতে হুইল ভাঁদেকে মগর। ফরাসী সাহিত্যের প্রসংখ্য করি র'সার বা কবি দায়ে বেলের নাম কে না জানে ? 'সম্ভবি'' (পেলইয়াদ) কবি-গোষ্ঠার উল্ভাল্ডম এই দুই ক্ষুই বাস করতেন ভালেম এ: এখানকার পরেনো গাঁজাটিতে 'নহ'বংখানা' অংশটির নিচের দিক চতুদ্কোপ, কিশ্ত শীরভাগে আট কোণা এক অনন্য শিশ্পকীতি! বেলডাঙার বেমন মনোহরা, কৃষ্ণনগ্রের যেমন সরভাজা-সরপ্রিয়া, তেমনি ভালেমের বিখ্যাত একটি মিশ্টি আমার জানা ছিল। এক্স-আ-প্রোভাস অঞ্জের বাদাম-বর্ল র (কালিস*) মতো এই বস্কটির স্বাদৰ ফরাসী র**সিকমহলে আ**দৃত। টোগে**র** বাঙালী রসনা বেশ থাশীই হল, দেখলাম। লোয়ার নদ পার হরে পেছিনো গেল শবৈর দ্বগোঁ। রানেসাস যাগের শিল্প-জিজ্ঞাসায় মহৎ ও স্ফেটরের যে সম্বর ঘটেছিল, ভার প্রমাণ এই দ্রগটি। করেক লোশ বিশ্তত এই জণগলে মৃগরা করছে আসতেন ফ্রান্সের রাজা-রাজড়া কোটাল-মন্ত্ৰী সমেত। সংগ্ৰাে খাকত খাট-পালং, কেদারা, আসবাবপত। জণ্গলের মধ্য দিরে वीधारना जाएक धरत मृष्टि वयन निवन्ध इत र्मावत्र मुदर्शक न्याभूषा-नुमुद्दर, भटन इक्स

শ্বভাবিক বে জারন-কাঠি মরণ-কাঠির সংখ্যা নিছিতা , রাজকন্যার সাক্ষাংও ব্রিষ্
মিলাবে ওখানে। বিভৃতিভূষণের জারণাক' আমার খাব অপরিচিত জগৎ নর; শৈশবে দেখা সেই জগতের কতক বিশমন্ন আমার নতুন কারে মুখ্য কবল। রাজা প্রথম জানোমা মার একুশা বছর বরুসে ফ্লান্সের সিংহাসনে অধিভিত হার ১৫৪৭ সালো যথন বছিশা বছরের রজন্বের শোকে মারা যান, তখান ইভালিতে তাবি মুন্ধ-বিপ্রহা, আন্তম্প প্রভৃতি কাহিনীর চেরেও জনপ্রিল্প

চাণ্ডলকের আবিস্কার দৈর্নান্দন একখেরোম থেকে বাঁচন

অমেরিকার একটি আবিকার — বা হাতে গেলে শেভিং ক্রাল, সাবন আর ক্রীম আপনি হ'ড়ে ফেলে দেবেন—ভারতে এই সর্বপ্রথম প্রবৃত্তিত হলো।

স্বচাইতে মজার হাজ, এই আরিক্ষার কেবলমার রেজর রেডের ক্ষেত্রেই প্রবোজা হজ্জে—মাথের ওপর নহ। কুইজ-এন-ক্লীনা এর জিনিস্থারি এই নাম) বাংলারে এইটিই হলো স্বচাইতে অবৈধাসা বটনা, অবচ এই দিয়ে আপনি আও প্রতে ও চমব্বার শেড করতে পারবেম।

আপনার রেডের প্রান্তে এক কোটা কুইক-এন-রানি তেলে নিন্দু, ভারেপর মুখ কল দিয়ে তিজিরে শেন্ড করতে থাকুন। আপনার রেজর যখন দাড়ির ওপর দিরে কাপেটার মত কোমল স্পর্শ ছড়িরে এগিরে বাবে, রাপনি তথন কাবনের স্বচাইতে বড় বিসময় বোধ করবেন। বারের দিক দিয়েও এটিতে সাল্লর হয়। এক বোতকে ভিন্ মাল চলে। The talk the same and the same

মহাক্ষীর রেক্সপীররের করেকথানি নাটকের উপন্যাস রূপ অনুবাদক অশোক গ্রুহ

প্রতি খণ্ডের দাম দুই টাকা **उट्यट्या** किर क्रम মাক্ৰেৰ शामदगरे সিশ্বেলিন किः नियात मि ट्रिट्स्भण्डे কোরিওলেনাস্ রিচার্ড দি থার্ড রোমিও জুলিয়েট मि উदेश्वाम रहेन वे दश्रमक थ माइवे क्रांनग्राम मीकात কৰ্মোড অফ্ এরস টেমিং অফ্লি প্র द्याती मि अहेहेथा মেজার ফর মেজার রিচার্ড দি সেকেণ্ড টিমন অফ্ এথেন্স লাভস লেভার লগ্ট ग्राज रेडे नारेक रेहे মাচেশ্টি অফ্ডেনিস টাইটাস এাণ্ডোনিকাস মাচ য়্যাড়ো এৰাউট নাথিং এ মিড সামার নাইটস্ভিম জ্যাণ্টনী জ্যাণ্ড ক্লিওপেট্রা ট্র জেণ্টেলমেন অফ ডেরোনা মেরী ওয়াইডস্ অব উই ডসর পেরিক্লিস দি প্রিশ্স অফ টায়ার

বিশ্বাস পাবলিশিং হাউস ৫/১এ, কলেজ রো: কলি-১

অলস্ ওয়েল দ্যাট এন্ডস ওয়েল

हाक जित्तरक जिल्ला-माहिटकात ना केरनायक-कारण स्त्रीय बदायाची कीर्जिय क्यांव; धारे প্রথম ফ্রাসোরাই ভার খ্যাতির উপযুক্ত একটি দুপ গড়তে চেরেছিলেন-শীবর ভার क्षीयरन्त कविन्यवसीह अरसक कीर्किश भरश अधात। अववर्षी द्वांत्राच्य वाकारमद मर्द्या দ্বিতীয় আরি থেকে, ইতদ'ল লাই (স্ব রাজা) পর্যশত অনেকেই নির্মিত শবির দ্ৰাগ আসতেন মণারার জনা। শেবোর রাজার সভাসদ মোলিয়াত এখানে তার ব্যঞ্জারা জাতিজন পাটকটি অভিনর করান ১৬৭० महन । स्वामात्मत मत्ना ब्रामानाक তেয়ানোভিচ আর পোলিশ ভর্ণী অভিনেত্ৰী মারীয়া ছিল: ভাকে বললাম, 'ফ্রান্সে তে। পোল্যান্ডের জয়-জয়কার। এমন-কি শাবর দ্গেও ভোমাদের রাজা স্তানিস্লাস তার যশ রেখে গিরেছেন: কি তাই ? রাজা পণ্ডদশ লাইকে জামাই ক'রে ছেডেছেন। ধানা রে!" স্তেফান ফোডন দিল "তাই তো মারীয়াকে আমি কোন ফরাসী ছোকরার রিসীমানার আর যে সতে দিচ্ছিল।..." প্রেরে বহু-বিদিত সিভি দিয়ে তিনতলা ঠেলে ওপরে যখন হাজির হলাম, অবাক হয়ে গেলাম, এত-ক্ষণের সাধাসিধে স্থাপত্যের উপরে--रैनरवानात हाङ्गर मरनम स्थन—ह्यां वर्ष এন্ডার কড় যে কার্যকার্যে ভরা মিনার षात शास्त्रान्यश्रम । जात राजावन, राजानोता काइ-मर्कानत व्याकात, कामग्री वा भिव-মন্দিরের ধ্বজার মতো। অবিশ্বাসা।...পড়ান্ড रतारम वनक्षि मुन्द्र करत छेत्रेरक खन्नको ভেসে আসছে হঠাৎ বাসার কথা মনে পড়া শাখিদের ক্জেন, বন-মোরণের চিত্রিচিত পাথা ঘাসের আড়ালে আচমকা মিলিয়ে বাজে: আমরা প্রিবীর বিভিন্ন প্রাণ্ডর থেকে সমবেত হয়েছি শাবর দ্বগেরি প্রশশ্ত ছাদে। মন আমাদের দুবভিত হয়ে উঠল বরম খো পাথির আকুল ভাকে। টোগো ডাকল, "নামা যাক?" "নামা যাক," সার দিল গারেল আর ভার বাংধবী জো-জ্যান, আর মারীয়া, আর ক্রেফান।

"আখা করি আজ আর দুর্গ দেখা বাকি
নেই?" ক্লাম্ড সালা প্রায় স্বগতেটি করল
আমার দিকে হেসে। শাশ্ড শিষ্ট মেরেটি,—
দিনভার মহাব্দেশর কিছ্ আগে ওর বাবা
রাশিরা ছেড়ে ফিলাডেপ্ফিরাডে আস্তানা
গাড়লেও, সাশার মন রাশ্যান থেকে গিরেছে
ওর মারের প্রভাবে; রুশ ইংরেজি এবং
ফরাসী ভাষা ও সাহিতা ওর নখদপণে।
মার্কিন সম্পাতের ছাত্তী ক্যাথারিনের
স্রেলা গলার অপেরার গং বেমন অনারাসে
আলোর ফ্লাকির বন্দা হরে ছোটে, তেমনি
বাকিন তোড় ঃ "বাঃ, এর মধোই খকে
গেলে? এখনো তো শাভের্নি দুর্গ দেখিনি আমরা।" অন্যান্য দুর্গের ছাকালো

চেহারার পালে শাতের্মি নিভাক আটপোরে মনে হলেঞ্জ গুরু বাগানটি এর অপতঃপারের সাজ-সম্ভাই খানলানিবে ভালিকার অক্ষা রেখেছে গুরু নার। প্রয়োগশ লাইরের জামল সমাক চিহ্নিত হরে রেখেছে এই নুসাটির প্রভোক খাটিনাটি থেকে শারু করে সামাপ্তক শৈলীকে।

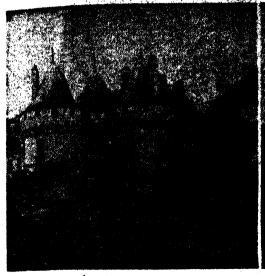
V.4.4

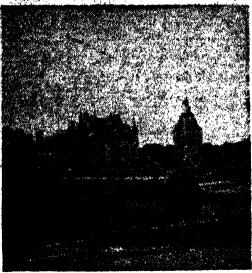
According

মদীর বাবে রোজার জোরা চ্রাণ (চোরাইট রুস্) তোটেলে আমাদের রাড জাটানোর এবং নৈশ-ভোজের বাকখা ছিল। যে বার বারে পিরে ভিলারের জন্য প্রভৃত্ত হরে খাবার বারে বখন নামলাম, এবটি টেবিলা থেকে স্মুশলন এক ছোকরা উঠ এনে বলল, "বাছ আপান্ত মা থাকে, আমাদের সংগো বসবেন?" "আমার ভাই এর ঠাইও বাছ থাকে, নিশ্চর আপনাদের সালিধা উপভোগের স্থোগ ছাড্ব না"

ছেলেটির নাম জেরাল্ড। অস্টেলিরান। সার্প্রদটা। অলিভিরে মেসিরার কাসে ক্রেপাজিশন অধায়ন করেছে। ওর বান্ধবীর नाम मारेता: श्कारेकाराटण वाफि: मनश्वरखत् ছাত্ৰী। টোগোও এসে প্ৰকা। ভা_{বি কাম} গোলাম চারজনে। ভারতীর সংগীতের বছ-ভাশ্ডার থেকে কিছা কিছা ঐপবর্য আল পাশ্চান্তা সংগীতের শ্রীব্রাম্থর জন্য অপারহার, জেরাল্ডের এই অনুমান যথেষ্ট আদ্বসত হতে হতে বন্ধম্লে ধারণার পরিণত আলা আলিভিয়ে মেসিয়া সাহেবের বাঞ্জিগত বিশ্বাসের আওভার। আলোচনার ছেদ পড়ল গারেল যান জানতে চাইল, আমরা 'স' এ লাহুমিয়ের' (Son et lumière) দেখতে রোরা মুর্গে याच्छि किना। अर्जापन मान मा पर्वा पर्दे অন্তীনের আয়োজন আছে ব'লে আমরা ওদের সঞ্জে গেলাম না, কারণ শানশো দ্বংগ'র 'স' এ লাম্মেরে' জন্ফানটি জগণিবখ্যাত। আমরা চারজন গণণ করতে করতে নদীর পালের মাঝামাঝি পেণ্ছলাম। পারী তার নাগরিক জীবনের গভি বৈচিয়ো আমাদের এওদুর অভান্ত করে তুলেছে বে মাঝে মাঝে এই অলস বহুমান মঞ্চ্বলের কোলে এসে মনে হর বেন হলি হেড়ে বাঁচলাম।

রোরা আমার পরিচিত। আমার বশ্ব জর্জ গাঁব্লা এখানে থাকেল। তাঁর কলাগৈ এব অভিস্কৃতি আমি বেমন চিনেছি, তেমীন ওকে চিনিরেছি ওর না-জানা একটা জগং। রোহা দৃশুগরি পাশেই প্রস্থিধ আমুক্তর মুণা (Houdin)-র স্মৃতি-বিজ্ঞাত একটি সংরক্ষণ-শালা আছে। রুণার বংশধরেরা তার দেখাশোনা করেন। এখাদে এই যাদ্করের উল্ভাবনী শান্তির অসাবালা পরিচর আমরা প্রত্তিক আহাহ দেখে ওকে বল্লার বে' প্রা লানুমিরের' (ধ্ননি ও আলো) পাশাভি





लाम' महर्गन शरवम-नव

मान्तरमा गूर्ग । गूब स्थरक

আবিচ্চার করেন র্দারিই নাতি পল রেবের র্দার, ১৯৫২ সালো; ইনি লবির দ্রেরি এবং ব্রেরা দ্রেরির সংরক্ষণ। এর এই পশ্বতি নরাদিলীতে কেন, পাকিস্তান আফগানিস্তান, লেবানন, স্পেন, পর্তুগাল বেকে শ্রুর্ করে জগতের বহু স্থানে জনপ্রির হরেছে। প্রাচীন ঐতিহাসিক দুগীবা প্রানে আলো ও ধ্নির স্কুর্ট্ মিলন ঘটিরে অভতিকে মুখর করে ভুলে দ্লোর ওপারের ঐতিহাসিক কুশীলব, ঐতিহাসিক ঘটনা সনপের মতো মনের পটে জাগিরে ভুলতে অন্বিভীয় এই পশ্বতি।

প্রদিন রবিবার আমাদের বারা শার্ হল রোরা দার্গ দর্শন দিয়ে। জেনারেল য়াগো, কবি ভিত্তর রাক্ষাের বাবা বাস করতেন রোয়ায়। কবির কৈশোরের স্মৃতি-কথায় একদিনের উল্লেখ আছে: নদীর ধার থেকে দীর্ঘ ভ্রমণে ক্রান্ড কিলোরকে জাগিয়ে দিল গাড়োয়ান। কবি লিখেছেন "চোখ মেলে তাকাতেই দেখতে পেলাম একসপো এক হাজার জানলা সারি সারি ঘরবাড়ি. ঘণ্টা-মিনার, দুর্গটা, আর পাহাডের চুড়ের बाफारमा वर्फ वर्फ शारहत मुक्ते, करमब धारत চোথা চোখা পাথরে তৈরি সৌধশ্রেণী. নাটমন্দিরের মতে। প্রাচীন এই শহর, ঢালঃ জমির ওপর ঢিপি খাজে খাজে গড়ে উঠেছে আপন খামখেয়ালে।..." ১৯৪০ সালের জ্ন মাসে প্রেনো সেই শহর বিধনস্ত হয়ে গিয়েছে নদী জ্বার দ্যগের মধাবত ী ভাংলে। সাবেকি ধীচের সন্পো বাপ খাইয়ে নতুন শহর গড়ে **উঠলেও** পরেনো শহরের মর্বাদা ফিরিরে আনতে পারেনি আধ্নিক স্থাপজ্য। মনে পড়ল, নতুন শহরের স্বচেয়ে উচ্চ ব্যাড়িটার চিলেকোঠা থেকে (ওই বাড়িরই একটি স্লাটে মাসিয়া গাঁবলোঁ থাকেন) ব্রোকার অবিসমরণীর দাশ্য বা দেবে-ভিলাম: নিমিবিলি পরিজ্য আদিগণত সমতল উবরি খেত-খামারের ব্রুক চিরে বরে हरलाइक सभी; सभीत मृ शारत जाना स्वीय फे**र्फ निराम कामनम भर्यम्छ। ७३ जन्**र অংশে থবে থবে আগুরের চাব, থেকে থেকে নতম পাথতের গারে খোপ থোপ বাসম্থান-বোদ উঠলে চোখ ধাঁধিরে বার পাথরের চাপা (सहारा । উन्स्यास स्वक खाकान, नवास्त्रद সমারোহ, নদীর জল আরু এই শত্রতা-त्रव घिलिएस मृत्यद न्यान्धित अहे निर्धान ছবি দ্বতীয় মহায়াখের মাহাতে জার্মানীর थाना नाग्रकंद्र मत्न नाथ खानिरहिंग, अहे-থানে তার সামাজোর নশনকানন গড়তে হবে। কিল্ড এই সাজানো বাগান শুকিরে গেল জামান অধিকারের সমর—মিত্রণত্তির বোমার বিষে: বিবে বিষক্ষর হল মানব সভাতার এক অনবদ্য কীতির বেশ খানিকটা খেলারং দিয়ে।

ফ্রান্সের ইতিহাসে নবম শতাব্দীর ध्यक्टे श्रवन जाशनिक मामकरमंत्र प्राथा বোরার ডিউক-বংশ পরিচিত। দাঁপাট পর্যান্ড এ'দের রমরমা ছড়িয়ে পড়ে বারো শতকে। ১৩১৭ সালে, আলেয়ার ডিউক न हे द्वारा भर्कमात शक्ष अवस्त करलात। ১৪১৫ সালে ডিউক ল.ইরের ছেলে শার্ল वन्ती इन हेश्द्रकरम्ब हाटछ: शांकिन वहब ল-ডনের দুরো পচে অবশেষে শার্ল যেদিন ঘরে ফ্রিরল, তথন তার কবি হিসেবে বেশ কিছা নাম হয়েছে; সেই কবিখ্যাতির ভবীকৃতি দিতে পল এলারোরের মতো কবি ইতস্তত করেননি। ১৪৪০ সালে কাব্য-সাহিত্যের দুনিরা থেকে শাল যখন প্রবেশ করলেন দ্র্গাধিপতির ভূমিকার, তার খেরাল চাপল, পরেনো দ্বর্গ ভেঙে নতুন এক बारनाक्द मार्ग निर्धारणदाः भावस्ता मार्गक পশ্চিম মহল ভেঙে নতুন দৰ্গের পত্তন হল। দালের পরে ন্যাদন বাই ভাবেসর সিংহ সনে অধিষ্ঠিত হয়েও ভললেন না প্রিয় রোয়া দুর্গের কথা। ১৪৯৮ থেকে ১৫০০ সাল প্রাণত দ্রোর পূর্ব-মহল নিমাপের কাজ চলল সেরা স্পর্গতদের পরিচালনার ঃ গ্রিক প্রের্ণার সংগ্রেতালীয় প্রভাব মিশে স্বাদ্ধ লুই ও তার দুর্গ ব্রত্যঞ্জির আন্তে চির্নাদনের জ্বন্য অমর করে রা**থল। এ'দের** फेरस्तिकादी अथम **झाँ**मा**हा, दानी क्र**म. কাংবিন দা মেদিসিস, ততীয় আহি প্রভৃতি একে একে নতুন নতুন ভিচ্প-কীতির সংযোজনা করেছেন প্রতেনের পাশাপালি। কিন্ত সভেৱো শতকে অলেমির সাস্ত পরেনো দর্গের আগগোড়া ভেঙে সম্পূর্ণ নতুন দ্বা বানাতে উদতে হলেও সোদ্ধাগ্যের কথা, ও অপকর্ম বেশিদরে অগ্রসর হতে পারেনি: মার পাঁদ্যম মহলটিই তার নিদেশি-মতো নিমিত হয়েছিল। অথাভাব বে কত বড সাকৃতির হেত হার পারে এই ক্ষেত্রে দেখা যার। এই পশ্চিম মহলটির শিক্প-দৈনা मिट क्वा प्रति हा या आव-धक्ते व कना विकालक इन्छ जारवीक गार्शिय खना वारण-গুলোও! তেরো থেকে সভেরো শতকের ফরাসী স্থাপতের শ্রেণ্ঠ নিম্পনি এখানে ব্যেয়ার দুর্গে তেমনি ইভিহাসের কুখাতি বহু অত্কও অভিনীত হয়েছে। ১৫৮৮ সালে ধর্মবাদেশর বিশ্বশুলার মধ্যে ভতীয় আরি এইখনেই জঘনা চল্লাভ করে অপসারণ করেন তাঁর পথের কাঁটা গাঁজের ভিউককে।

বেলা তিনটে নাগাদ আমরা দীর্য চাল, বনপথ দিয়ে উঠলাম শোম' (শো≕গরম+ ম'≕পাহাড়ঃ এই দুগেরি প্রতীক হল

नाहारफ्त हाजात जानात्मक मिथा) मार्गः **এক পশ্রনা বাল্টির পরে শেওলাঢাকা থা**ড-মাটির পথ বেশ পিছল লাগছিল। প্রধান मार्थक मत्न इन मार्शित श्रादान-भाष छ-तिक পার হতে হতে। ক'দিনের গরমের পরে স্নিশ্বতার এই মাহাতে হাওয়া খুশী হয়ে **উঠেছে मार्गाप्त वाशास्त्र रक्षणी कालाव शरूव।** পাথর সাদা ফেলটের ছাদ নীলচে কালো, দ্বের বাগানে সব জের বিভিন্ন বর্ণাল— সব পেরিয়ে উ'কি দিচ্ছে উদার প্রসম লোক্সর নদীর কাগা-ডিম রং যা মনে পড়িয়ে দেয় অবন ঠাকরের আঁকা একটি ছবির কথা। শিবের জটার থেকে নদীর জন্ম নয় এদেশে: তব্য নদীর ওই দিনাদেতর রং আমার শিবনভিমুখী ধ্যানের আনন্দ দিল। ১৫৬০ সালে রাজা দিবতীয় আরি-র বিধবা রানী কাংরিন দা মেদিসিস এই শেমা দুর্গটির পরিবতে কৃষ্ণিগত করেন পরলোকগত রাজার প্রেয়সী দিয়ান দা পোয়াতিয়ে'র বাস-**স্থান** (রাজারই উপহার) শানাসো দুর্গাটি। রানী জানতেন, নানা কারণে দিয়ান কত্দরে আকৃণ্ট ছিলেন রাজার স্মতিবিজ্ঞতিত শেবোভ দুর্গটির প্রতি। নাপোলের সমুট হয়ে বিদ্যৌ লেখিকা মাদাম দ্য স্তাল কে এই দ্রেশ নজরবন্দী জীবন্যাপন করতে বাধ্য করেন।

আবার বাস-বারা, আবার দুর্গা-দর্শন। এবারে স্থাসিম্ব আঁবোয়াজ দ্রগের পালা। এই দুর্গাতির নাম জগতের শিল্পীদের কাছে সমাদ্ত। ১৫১৬ সালে রাজা প্রথম ফ্রান্সোয়া

ইতালি থেকে আমদাণ করে আনলেন শিল্পী विदनारमा मा खिकिएक: क्रेड मेर्जिंद भारगरे का मार्ज नाम बांगानवां छिए कीवरनव स्थय তিন বছর কাটিয়ে দা ভিণ্ডি এখানে নাড্রটি বছর বয়সে দেহরকা করেন, ১৫১৯ সালে। বাজা পথম ফাসোয়ার এই আমন্দ্রণ লৈও-नारमात्र मिक्शी-कौरत कम मान्यनात्र कार्य ১৫১৩ সালে লিওনাদে রোমে গিয়েছিলেন সান-পিষেক্তা (সেন্ট পিটার) গীজাটির নিমাণ উপলক্ষে: ভার বিশ্বাস ছিল যে, তাঁর খ্যাতির সম্মান দিয়ে খ্রীষ্ট-ধর্মের হওঁ কেওঁ রা নিশ্চয় জার উপরে নাম্জ कत्रवन अहे शीक्षा निर्माणक माहिष्। किन्छ ইতিপুরেই দ্রামানত এবং তর্গ মাইকেল-**এक्षित्मा । अधान कर्वाहरमन** পোপের সমাদর। অগত্যা আরো দ্র-বছর ক্রেমের বার্থতার মধ্যে কাটিয়ে লিওনার্দো চির্দিনের জনা জন্মভূমি ইড়ালির উপর অভিমান করে চলে এলেন ফ্রান্সে। তিনি অক্তদার ছিলেন। মনন অনুভতি ও স্জনের তিবিধ মাগে লিওনাদো যে অদ্বিতীয় প্রগতির স্বাক্ষর রেখে গিয়েছিলেন তার সমাক মলো উপলব্ধি করতে মানবভাকে পাঁচ শ' বছর অপেক্ষমান থাকতে হল।

আজকের বিশেষজ্ঞ প্রধান শিক্ষার যুগে জাকে অব অল টোডস, মাস্টার অব নান' কথাটি যথন বড়রকম সত্যো পরিণত, তথন বিস্নারের অবধি থাকে না অভিকার এই প্রতিভার ম্লায়ন করতে গিয়ে: শিক্ষাই, ভাস্কর, স্থাতিত, সংগীতজ্ঞ, উদ্ভাবক,

ইজিনীয়র, কিনা ছিলেন তিনি? জামিতি যক্তপাতি, আলোকবিদ্যা (অগটিকস), উদ্ভিদ্ विकान गाउौत न्यान, छेनक (शहफ़ा-जिकन), श्राणिका स्वरंक ग्रह्म, करत स्वातन কোনও ভূমিতেই দ্যেম্ল অধিকার অঞ্ল ইততত করেননি লিওনার্দো। তার অসংখ নোট ও রেখাচিত্রের ভিত্তিতে আই বি এয় সংস্থা বেসৰ বন্দ্ৰপাতি প্ৰস্তুত করেছেন, ভার श्रमणानी वादबा मानहे प्रत्य यात्र का नाहे-এর ভূতল-ককে: রেফিজারেশন উড়ন-যুদ্ (বিমানের প্রথম সংস্করণ), ব্রুণ্ড সাজে নোবহরের বিভিন্ন উল্লয়ন সাজোতার উন্নয়ন প্রভৃতি করে রক্ম ফাদ্দী-ফিকির যে ঘারত ওই মদিকদেকর আনাচে-কানাচে ভার বাস্তবর প দেখাতে দেখাতে দা ভিনির গ্ৰম্প বৃশ্ধ ফরাসী গাইভ প্রতি পাঁচ মিনিট অন্তর, "আজ থেকে পাঁচশ বছর व्यारंग और हिन निखनाएमी मा जिल्हिर অবদান" ব'লে স্মরণ করাতে লাগলেন ''আই কাম টা বেচরি সীজার, নট টা প্রেইজ হিম" উলিটি।

লোমার উপতাকার প্রাকৃতিক সম্মিদ্ধ বিবরে আগেই কিখেছি। এদিন সংখার আমাদের নিয়ে বাওয়া হল এ অওলের স্বিদিত একটি স্রাকৃতির কারখানার। বারেঃ কিলোমিটার খনে মাটির তলার স্ডেপো যে দীর্ঘমেয়াদী উদাম নিয়ে দিনের পর দিন কবিরাজের ধৈব', পাচকের দক্ষতা, জননার মমতা, শিক্ষীর প্রেরণা, বৈজ্ঞানিকের নৈপ্লা, বিশ্বকর্মার ক্ষমতা, ভাগিত্তকর



লিওনাৰ্লোর খাজা খেকে নেওয়া নক্শা জনলম্বনে নিমিতি কয়েকটি যশ্য : উড়ন-যণ্য দেখা মাছে ছালে

নিন্দা নিব্ৰ হয় স্ব্ৰণ্-ভ টাক্ষারসকে

যাটির জারক-রসে পরিপক্ষ ক'রে স্থিত্বী

পানীয়ে রংশাতরিত করতে, তা প্রত্যক্ষ

করলাম এই প্রথম। স্বায়া কারপোনার

মালিক আমাদের ছ্রিক্রে দেখালেন তার

পথতি। এবং আপাারন করপেন সংদ্রাগ

পারে করে প্রত্যকের জনা স্বাদ্ এই

পানীয় দিয়ে। শাপাই (বা শ্যাতেশন) কেন

এদের উৎসবে-অন্তানে সঞ্জীবনীর

প্রতীক, ব্যুতে পারা বায় এমিন কারখানা

দেখলে। বোঝা যায় কাটস্কেন লিখে
ভিলেন

O for a draught of vintage, that hath been cool'd a long age in the deep-delved earth,

Tasting of Flora and the country green, Dance and Provencal song, and sunburnt mirth!

O for a beaker full of the warm South,

Full of the true, the blushful Hippocrene,

With beaded bubbles winking at the brim,

And purple.stained mouth;
That I might drink and leave
the world unseen.

And with thee Fade away into the forest dim:

এই কারখানা থেকে আমরা উপস্থিত হলাম ডিনারের নেমণ্ডার ছিল যে রেন্ডাররি : প্রত্যাঞ্জ অঞ্চলের নানাবিধ সংখানে। তুশ্ভ রাসনা আমানের ভূলিকে দিল যে আমরা আআরি-শবজন ছেড়ে দ্রেনেশে এসেছি ক্তিয়াসাধনার নামাণ্ডরে জ্ঞানের গরিধি বিশ্ভার করতে।

"না জানি কি এক অতলনীয় লাংগা আর বনেদি প্রসম্রত। ঘিরে আছে শাসোঁ ম্পটিতে", লিখেছিলেন গ্ৰেস্তাভা ছোবের। "নীর্ঘ এক তর,বীথির পথ চলবার শেষে, প্রতিবেশী পল্লীর সন্ত্রণ ব্যবধান পার হরে, জলের বুকে নিমিতি এই দুর্গটি দাঁড়িয়ে আছে দেখি, প্রশান্ত এক স্থানর মেসো বাগানের মধ্যে <u>। খিলানের ভলা</u> দিয়ে কুলকুল ক'রে বারে যেতে যেতে শের নদীর স্লোভ ব্যাহত হচ্ছে ছ'্চলো থামের কোণাগ্লোর। আভিজাতো কি বেন এক ণার্চা ও মাধ্যা, প্রশাণত তাল বেদনাময় পরিবেশে নেই কোন তিঙ্কতা, নেই কোন অবসাদ।"—আমাদের ভ্রমণের ভূতীর এবং শেষদিনে নতুন ক'রে শান'লো দুগটি দেখবার সময়ে গারেল সমরণ করাল ফ্লোবের-এর উভিটি। ভল্ভার, বা্ফ', **জা-জাক** মুসো প্রভৃতি বহু নামী লেখক এই দুগে কাটিয়ে গিয়েছেন এই দুর্গের কর্মী ছিলেন বখন মানাম দ্বাপ্যা। ওপরে বলেছি আরি রাজার মৃত্যুর পরে তাঁর রক্ষিতা, দিয়ানা দ্য পোরাতিয়ে'র হাত থেকে কিভাবে রানী কার্ণরিন এই দর্গাটি কেড়ে নিয়েছিলেন।

দিরান ছিলেন অস্ত্রান্ত সৌন্দর্ববাধের অধিকারী : শানালে প্রগের শ্রী তিনি বেভাবে বর্ধান করেছিলেন, তাঁর পরবতী ব্লোও—আন্ধ অব্ধি, অক্ষার রয়েছে তার গোরব। লোকার নদীর দ্বাগ্রালর মধ্যে আন্তরীয় এক মহিষার স্থানে এই দ্বাগিট অধিনিত ।

जर्वा महा चार्च चारक-जा-विरमा श्रीवक्रमा সেরে বার হাল, গারেল বলল, 'দড়াও। একটা স্মৃতিচিছ থাক।" ছোট একটা সেত্ পরিখার ওপরে। মধায়াগের ইওরোপের প্রাচীন গরিষা পিছনে রেখে আমরা ফিরে হার বিশ শাদাকর সাক্ষপথ প্র'বে চিক্রেরবিনের প্রতীক মহানগরী পারী অভিমাথে। শহারে আমাদের তিনদিনের পথলম বতটা না সঞ্জিত हाराष्ट्र भारतद क्यान छात्र क्रिया वटा गान টেং গিখ æ\$ FIF SHEET S অতীতকে खानगा. जानगा खार्जा करते काशाय जास्टित ωž ध_काथात्री खसाना ख्य व ভর্ণীকে জানলাম, এই জানবার পর্ণমণ্ডি

প্রাদে ছ'ত্রে নিরে বে বার পরিম'শুলে কিরে
বাবার ব্যথা, বে-বাথার মধ্যে নেই কোন ভিক্তা, নেই কোন অবসাদ। এন্ত কথা মনে হচ্চিল আমার ঃ গারেলের এই ছেন্ট ক্যামেরার কি তার সবটকে ধরা পড়বে?

বাস ছুটে চলেছে। মেক্সিকের বন্ধরা—লেডিসিয়া, খ্রান-কার্লোস মারিয়া প্রছাত ভলনখনেক—গাঁটার বান্ধিরে গান গেরে চলেছে। লাভিন আমেরিকার দেপনিশ-ভাষী গানগালের লক করলাম দ্টি শব্দের প্রথানা : "পর্বে' (কেন?) একটি জিজ্ঞাসা। একটি জন্মানার। প্রেরা অন্যাদের জীবনও চিহ্নিত মনে হল এই দ্টির আলোর, এই দ্টির ছায়ায়। ছুট্ট চলেছে লোয়ার নদী। প্রদান আগল মনে : "(ওরো) ভোরা কি জানিস কেউ/জেলা ওঠে কেন এত চেউ?"—মেলেনি উরর।

প্রে শূনাথ মুখোপাধ্যার



আরও ফর্সা,পরিস্কার রঙের জন্যে ···

ফ্লোরোজন

দিয়ে বিজ্ঞানসম্মত উপার্ট আপনার ত্বকের পরিচর্যা করুন



আপনার চর্ম চিকিংসাকের কাছে আনতে গারবেন বে বেছের ভর্ম বংগা আচুর পরিমানে বেলানিন রক্তম পাকলে বেলিরভাগ ক্ষেত্রে চান্ডার রঙ কালো হব। পরীকার বেপা পেছে বে তেরজমুক ক্রোরোজন অন্তেপে চান্ডার ভর্মুনি তেল কোরে চুকে বার এবং মুক্ত কোর্যুনির ওপর স্বাস্থানির কাল কোরে, নেলানিনের, আধিক্য ক্রিয়ে আপনার বারের রঙ অনেক কর্মা ও পরিভার কোরে তোলে।
এছাড়া প্রোরোজন শুরুত্বি ও বেডেভা বুর করে ও চান্ডার ভালপড়া রাগ নিনিরে বেছ।
বিদ্যানে বিন আপনার ক্রম বুছ ও ভরণোচিত উজ্জন হবে ওটে।
আরণ্ড ক্রমি ও নির্মণ্ড ব্যবহার ও ভরণোচিত উজ্জন হবে ওটে।



ছাইজিনিক রিসার্চ ইন্সটিটিউট, নি. ও. বন্ধ ১১৯২, বংৰ 🤰



পালের নরখাদক বাঘের মতো ভরংকর 🕅 _{আর} হিংস্র—টেরিফিক এবং ফেরোসাস-চবিত চাষী ইনসানের। গায়ে অস্তরের মতো বল। চোখ দুটো হাঁসা। গোঁফ দাতি তামাক-গোড়া কটা রঙের, কৌক ডা কোঁক ড়া। গারের রঙ পাকা গমের মতে।। অসংখা তিল ভার গায়ে। মাথার চুলগুলোও मानकः। তাকে দেখতে অনেকটা ভাতারদের মতো। মালোর মতো মোটা মোটা আঙালের মুঠি পাকিরে যখন সে কথায়-না-ফেরা বেয়াড়া গর, ছেলে অথবা দ্বীর পজিরে ঘণ্ডি স্টিয়ে এক খার বেশি দুখা মারবার আগেই জিব বেরিয়ে পড়ে তাদের। পানের মেট বাসে তোজার ব্যাপারে শিখ কণডাষ্টরদের जरका वहमा-भाराभाति त्वस्य रणस्य देनमान ভাদের তিনভানকৈ ছ খানা ঘ'্ৰিক আটেয ছেডে শাইয়ে দিয়েছিল কিন্তু দাবলি-হান্য বাঙালীরা তথান তাদের মাথার জল চাপড়ে ঠান্ডা করে দিতে মাথায় পঞ্জড় বে'ষে সরে পড়েছিল তারা।

ইনসানকে স্বাট ভয় করে। খনী দ্রুত বেহ'শ লোক। ভীষণ বগচটা। প্রীকন্, ভার বউ, হার প্রীর মতোই বে স্পরী, মেমেদের মতন ফরদা, শ্নো দড়ির চাব্যকের দাড়ি তাকে যখন মারে তার স্বাংশ্য भौकाम प्रारष्ट्रत गएडा काना काना रहा माम হয়ে মায়। পান থেকে চুন খসবার জো নেই। কিম্তু তার বছর হোল বয়েসের ছেলে আজাদ ভার অবাধা। ভাকে কতবার মারতে মারতে বেহ'্শ করে ফোলাছে তব সে স্কুলে হাবে না। ক্লাস সেভনে উঠল, কভ টাকার বইপত্ত কিনে দিলে, 'পেরাইপিট' 'বাঙাল' মান্টার রেখেছে, তিনি প্রতি সম্ধায় মালেরিয়া ডিপার্টমেনেটর ফারিব কাম্ব আর খাতাপর মেরে পড়াতে এসে দেখেন আজাদের পাত্তা নেই। তাকে ধরবার জনো একদিন পিছনে পিছনে ছাটল তার বংশ। প্রামকে গ্রাম পার হয়ে গেল। তিনটে গ্রামের বভ বভ মাঠ পার হ্বার পর এক পল্লীতে এসে ইনসান পেট টিপে ধরে শ্রে পড়ল। অজ্ঞান হয়ে গোল সে। সেই গ্রামের চাপডে 97 লোকজন তার য়াথায় কর্তো। ভাদের জ্ঞান ফিরিয়ে বকাঝকা পারাল ধরতে আশংকা. ছেলেকে দুজ্জনের বে হোক একজন মরত। আধ-অথবা দুজনে দুজনকৈ ধরে ঘণ্টা ধরে শুধু হাঁপাড। ছেলেকে ফারবার শক্তি পর্যাক্ত না ইনসানের—আর রাগে ক্লান্ডিভে সে 'নট্কা' মারা হয়ে গিরে হার্টফেলও করতে পারত। ছেলেটা ভরে আছাত খেরে পড়লে মারা যেত।



আজাদ তখন একটা ভেড়ির কোলে শুরের পড়ে হাপাজে গাল হা করে।

কেন এমন অবাধ্য হল ছেলেটা ভেবে পার না ইনসান। দিন দুতিন পরে হঠাছ ডাকে ধরে ফেললে ইনসান বখন সে লুকিরেঁ ধানের গোলার মধ্যে কাদিভরা পাকা কলা খাছিল আরামসে গেট ভরে। 'যাকুলো' সে'ধতেই মা পরীবান্ ইসারা করলে, ভোর বাপ ঘরের মধ্যে নামান্ত পড়ছে রে 'অভাগা।' কোথা আর লুকোবে, সন্টু করে গোলার মধ্যে উঠে গেল আজাদ।

কিন্তু 'সেঞ্জদা' থেকে উঠে ইনসান দৃশাটা দেখতে পেলে। নামান্ত শেষ করে একটা শিক্ষ আর ভালাচারি নিয়ে নেমে এলে গোলার কাছে দাঁড়িয়ে হাক মারলে, 'নেবে আর হারামজাদা। যদি এক কথার নেবে আসিস, ভোকে মারব্নি আরু বদি'...

নেয়ে এল আছাদ। বাঁড়াল এসে বাপের সামনে। ইনসান ভার অবর্ষটা চকিতে একবার দেখে নিলে, থালোলা স্বাণ্ডাল আছল। ছেবার কোমরে শিকল জড়ালে। বালার মধ্যে দিলে। টানতে টানতে নিরে এক বাইবের দলিলে। তানতে টানতে নিরে এল বাইবের দলিলে। তানতে তানতে সালের ভারী বাবলা কাঠের পোড়েম্ব সংগ্রেলিক অন্যাপ্রত্তী বেধে চাবি দিলে।

বদ্দী করলে আজাদকে। মাদ্টারমশার
ক্রেই অবস্থাতেই সদ্ধায় পড়িয়ে গেলেন।
পাড়ার লোকজন স্বাই দেখে গেল। বতা
পরীবান্ তাকে তাত আর আধ্সেরটাক
গ্রেম দৃশ্ধ খাইরে একটা বিছ্লা পেতে
মালারী খাটিরে দিরে চোখের জলে অনেক
কোদে অনুনয় করে বোঝালো। বাবা, তুই
মান্ব হ, লেখাপড়া শেখ। তোর জন্যে তো
মোর গতর খোতো হরে গেল। কেন, তোর
লেখাপড়া শিখতে ভাল লাগে নে কেন?'

আন্তাদ গড়ে গম্ভীর ধলায় বললে, কি হবে লেখাপড়া শিখে?' - আনুৰ ছবি!' প্ৰথাপড়া শিখলেই স্বৰ্ট মানুৰ হয় মান

"তবে তোর মতন গাছ গর হয়ে **থাকলে** কি মানকে হয়?"

শ্বন্ধরত মোহত্রদা, বাদশা আকবন, শিবাদ্দী, এ'রা কি লেখাপড়া জানতেন ?' 'সেইটাই বা তুই জানলি কি করে? ভারা কি লেখাপড়া শিখতে বাধপ করেছে?'

कारना छेखा सहै।

কিছুক্তৰ প্ৰে আঞ্চল যা বললে তাই
মানে দড়ার, দিন্তিত লোককে দেখলে তাই
রাগ হয়। তারা লোককে ঠকার। মিব্রে
কথা বলো। চালকছা। তাদের ফলিং,
চুরি আর বননায়েনিতেই দেশের এত
দক্রে। আর ঐ বাঙালা মান্টার, বনে বলে
মাইনে পারে, তারে আমাকে এমন কোন্টেন ক্রে মাড় লামি জন্ম হই। মেনিন বললে,
ম০ হাত লানা আর ৮০ হাত চওড়া জারগা বদি এক বিষয় হর, তবে ৪০ হাত চওড়া ৪০ হাত লানা ভারগা কতথানি হবে? আমি
বলনা, দশ কাঠা। সে চড় মারলো! বাপ তথন এথখনে বদে। ঘান্টার বললে,



ময়দা ও স্থাতীর উপযুক্ত সংমিশ্রনে বৈজানিক উপায়ে তৈয়ারী ম্যাকারনি রাইস রক্ষন প্রনালী প্যাকেটে দেওয়াত্যাক্ত



ত ভাষদ্যেদ ট্লাট, থলিকাজা ১৯ কোম ১৭৪-৪৮০৫ টি প্রায় ইয়াকাজ্বি ৮০-কে ৮০ দিরে গুণ করলে হর ৬৪০০

তার ৪০-কৈ ৪০ দিরে গুণ করলে হর
১৬০০। কান্ডেই এক বিঘের সিকি ভাগ।
পাঁচ কাঠা!—এই জব্দুটা যত শিক্ষিত
লোককে জিল্লেস করেছি স্বাই বলেছে, দশ
কাঠা। তবে? বাপ তার জনোও মারলে
ভাবার!

দীর্ঘ-ৰাল ফেলে পরীবান, উঠে চলে এন।

প্রদিন সকালে দেখা গোল আজাদ গুরে
শিকল বাঁধা মণখানেক ভারী কঠি কাঁধে
তুলে নিয়ে কোথার সট্কান দিরেছে।
কাছাকাছি বন জপাল সব খোঁজাখাজি
করলো কোথাও পাওয়া গোল না ভাকে।
গ্রা নিয়ে মাঠে হালা করতে চলো গোলা
ইনসান।

কাঠ কাঁধে নিয়ে ব্যাড়িতে হাজির হরে আজাদ মাকে বললে, 'দে, খালে দে।'

মা বললে, 'আমার কাছে চাবি নেই।'

অগত্যা কডল দিয়ে গারের ভোরে বা কতক মেরে শিকলটা কেটে ফেলে নিজের বন্দীদশা থেকে মৃতি পেলে আক্লাদ। কিল্ড কোমরের শিকলের গিওটা এমন এটি গেছে य छ। किছ छ । स्थाना शान मा। भिकनो। কোমরে জড়িয়ে রেখে ভাড়াতাড়ি খাওয়া-দাওয়া সেরে নিয়ে আবার পালাল সে। ইনসান দ্বাপারে ফিরে ছেলের খোঁজ পোলে ৰা কিম্তু কাঠটা **পড়ে থাকতে দেখে** পরীবান,কে ধনকাতে **লাগল। তখনো রামা** হর নাই, গর্র গামলার 'জাব' দেওয়া বাজি —এইসব অপরাধে পরীবানকে খড়য়ের বাড়ি থা কতক দিলে বেশ করে। তার নাক দিয়ে রক্ত পড়তে লাগ**ল। মারে**র চোট সে ছাটে পালিয়ে গেল **বিড়কীর দিকে। ইনসান** টগবগ করে ফোটা হাডির ভাতগ্রেলা এনে গররে 'মাচলা'র ঢেলে দিরে এসে উন্নে জল ঢেলে নিবিয়ে দিয়ে কোদাল এনে উনোন কুপিয়ে দিলে। তারপর স্নান কবে এসে 'জোহরে'র নামাজ পড়ে মাদরে পেডে শ্বরে পডল দলিজে।

পরীবানা তার হাতের সমস্ত চুড়িগালো ভেঙে ফেলে গরের পিছনে বসে কানতে

একজিমা রোগ

সোরাইসিস ন্মিও কড রক্তমের বাতরক কুলা, শ্বেত-দাগ্রহ আরও কনেক কঠিন কঠিন চম'রোগ হইতে মাক্তিলাভের কনা ৭২ বংসরের চিকিৎসা কেন্দ্রে চিকিৎসিত হউন। হাওড়া কুউ কুটীর ১নং মাধ্র কোন কোন, মার্ট হাওড়া। ফোনঃ এ৭-২৩৫৯। শাখাঃ ৩৬ মহাখ্যা গারী রোড় (হ্যারিসন রোড়) কলিকাতা—১। প্রেবী সিনেরার পালে।



উন্নের আগ্নের আভার পরীবান্র সালা ফাসা ম্থখানা কেমন লাল হয়ে উঠেছে

কদিতে পাড়ার জারেদের বলতে লাগল এ
আমি 'বাঁটু' (বিধবা) হইছি। আমার ভাতার
মরেছে। সে মর্ক। গোলার সব ধান
'পর্তি পোকা হরে উড়ে বাক। মেরে তেরে
মোব 'খোলো' 'লোউ' (রড়) ফেলে দিলে
'বাঁ-পারের' মিনসে। ও মর্কে।'...

কিন্তু সন্ধার অন্ধকার নামতেই থিড়াকব বাশবাগানে বথন উদাস ভূতুড়ে হাওরা আড়ুমোড়া মেরে ছুটে গেল—শাকচুলি বা ভূতের ভয়ে বাড়িতে আসে পরীকানঃ। শিয়াল বা কটাশে নিরে পালাবার জরে হাস মূর্রাগগলো খেশাল্লার (থোঁরাডে) তোলে। বটিপাট দের। সাঁজবাতি জ্বালে। আবার জনা উনোনে রালা বসাল।

ইনসান মাদ্র পেতে 'মগ্রেবে'র নামাজ পড়ে পবিত্র কোরআনখানি থলে পড়তে বসে। সুর করে সে পড়তে থাকে। উন্নের আগ্নের অভার পরীবান্ত্র সালা ফরসা মুখখানা কেমন লাল হয়ে উঠছে আর নীরবে দ্বতাথের জলের ধারা নামছে ভাতে, দেখতে পার ইনসান।

রালা হলে এক থালা ভাত, ভিম ভাতা, ভালা আর একটা মাছের তরকারী এনে সামনে দিলে ইনসান বিনা বাকাবারে সমস্ত উদরসাং করে নিরে টের্চ হাতে করে পাড়ার বের হর ছেলের অবেবণে। আসলে সেবার না—লাকিরে থাকে। ছেলে মারের কাছে আসে কিনা লাকিরে থেকে পরীক্ষা করে।

কিন্দু বার্থা হয়। আঞ্চাদ তথন বাগানের বিরাট একটি নারকেল গাছের মাধার আক পাতার মধ্যে নিজেকে শিকল দিয়ে জড়িরে বনে আছে। দাঁত দিরে ছোবড়া ছাড়িরে সারা বিকেল ভরে সে দুটো নারকেল ধেরেছে। কড়ি ভাবের জ্ঞা থেরেছে করেকটা। দিব্যি আরাদের আন্তাদ জীবনা উপরে মৃত নীল আকানে অসংখ্য ভারা বিলমিল করছে প্রদেশ্য সম্প্রে।

হঠাং সংক্ষণ পালটালে আজাদ। সে গাছের মাথা থেকে দেখজে গেলে ভার হা সারারাত বাওরার বলে আছে লভ জন্মালরে। ভার জনোই এই ক্ষটভাগ্র

ভোরবেলা গাছ থেকে নৈমে এল সে।
ভার নামা মানে সাঁ করে আকাশ থেকে
মাটিভে পড়ে কাঙরা! গাছের গলার কাছে
নেমে হাভ আলগা করে পারের পাতার
ভর রাখা মাত। নিমিকেই মাটিভে। ভবে
পারের তলা একেশারে অনুলে বার!

ভোরবেলা বাড়িতে চুকে আন্তে আন্তে এসে মারের কোলে মাখা রেখে নাঁভাল বাওরার নিচে। পরীবানা ভাকে কভিরে ধরে কাদতে লাগলা নীরবে। ছেলের গা প্রকে বাচ্ছে জারে।

করেকদিন জনুরভোগের পর উঠে অঞ্জাদ নিজেই কোদাল কাটারি কালেত নিরে কজকাম আরম্ভ করলে। ইনসাম আর কিছা বলে না তাকে। দেখা বাক স্থাধীন-ভাবে ও কি করে। ও আর পড়াশোমা করবে না সেটা কেকা গেছে। ভবে ইনসান লক্ষ করেছে, ও অনেক সমন্ন খাডা কলম নিরে, কি বেন সব লেখে। একদিন দেখলে, বত সব গাছপালার নাম, ধানের নাম কলা, আন, মছে, বাঁগ, আধ, কলাই, মাটি, কুল, মানুবেরর উপাধি লেখা। খাডা ভরতি।

মাথা খারাপ নাক।

একদিন দেখলে, বাঁশি বাজাকে আজান ঘাটের চাতালে কসে। আর একদিন দেখল বেগনে বাড়িতে একটা মড়ার মাধা শমশান থেকে কুড়িরে এনে লাঠির মাধার দিরে রেখেছে বাতে রাতে বেগনে চুরি করতে এসে চোরেরা ভর পার।

একদিন সকালে আজাদ ছেলোমেরেদের নিয়ে ছড়া কেটে খেলা করছিল। সে বলছিল:

আক্রেড় বাঁকোড় ত্যাকোড় সলা ধন্ত্র ধান্ত বাঁলের নলা, চামচিকে চটার ডিফ বঁটিশ আঙ্কের তেটিশ সিং!

ইনসনে বললে 'পড়াশোনার নামে অণ্টরম্ভা! ছড়া কাটছে! আর হাল জুড়বি আয়। চাবার বেটা। চাব করবি চল।

আজাদ এল। লাওল-জোয়াল কাৰে নিয়ে গর্ন তেড়ে মাঠে জাদলে। দ্-বিছোড বীজতলা ফেলতে হবে। তার জন্যে তলা-পোড়ে চবতে হবে।

হাল জ্পুতে বললে ইনসান।
আজাদ গর্ জোড়াকে 'হাও কালা—হাও
বাবা' কলে দাঁড় করাতে চেরে গরুকে বাবা

বলার পর বাংগের মুখাটা কেমন ইর একবার দেখলে। ইনসান অনামনস্থ ছিল। দইখাই গাহগ্লো উপড়ে ফেলে দিভিল। তারপর কাটারি বিয়ে বেড়ার জীবদশ্ড গাছ ছিরোডে তারস্ত করে সে। বললে, ক্ষেতের জনো বেড়া দিলাম, বেড়া ক্ষেত খার।

অঞ্জাদ গরার কাঁধে জোরাজ চাপিরে জোরালের মাথের দাভ এনে ভার লোহার ফলকে বে'ধে দিলে। 'আঁ**জ' দড়ি জোরদলের** মারখানের খাঁজে রেখে তার মধ্যে **লাভলের** ক্লমা গলিয়ে পিয়ে আঁজের মধ্যে 'আঁক্ড়া' আটকে দিলে। **এইবার আঁকড়ার তলার** বাধা ডবল গরুর দড়িটা এনে লাশ্কলের _{ম্যাটের' নিচে} একটা ফের দিয়ে নিয়ে **জড়িয়ে** ক্ষিপে। তার লাওল জোড়া হচ্ছে কিনা লক্ষ্য কর্মান ট্রসান। ঠিক হয়নি দেখে কাছে এল। কান ধরে ছেলেকে সরিয়ে দিয়ে লাঙ্গ জাভতে *লাড়তে বললো* চাৰার rabi চাষ্টা! নাকের ভলায় কর**লা** 'রেট' (গুশহা) গঞ্জিয়ে গে**ল—বে** দি**লে** সাত ভেলের বাপ হয়ে যেতিস—এখনো তাম হাল জোড়া শেখনি। এই-এই রকম করে ছড়েতে হয়। থালি **আধ্**সের তিনপো চালের ভাত মারা নয়! আচেটে মাডিভে শাঙ্গ '**খ**ালা' করে জা্ডুলে গরার কাঁধে 'বটকা' জাগাবে। গরা টানতে পারতে নে। 'থারে।' ড.ডবি 'একচাষ' ধ্বা হছে গেলে। এখন 'দাবায়' চলবে। লো চালা। 'আওড' বাড়। লাওল চলে গেলে চলা মাতির যে দাগ গড়বে ভার নাম 'সির্টুল' আর হাভ ছরেঞ ছারগা একবার ভেডরে যাবে আধার বাইরে অসংব - ভেতর প্রের **গেলে আবার অভিড** বাড়াত হবে। এমনি **করে সবটা জায়গা হয়ে** গেলে অভ্যাতি ভাবে একে বল'ব এক-চার'। কের লম্বা দিকে শেষ হলে বলবে ^{ক্তিচার}। ভারপর **ঘাস উপড়ে ফেলভে** ইবে। কোদাপ দিয়ে আ**গাছার গোড়া কেটে** 'গাসভে' করতে হবে। <mark>ভারপর আবার চাব</mark> দিয়ে মই দিয়ে ধান **যেকাতে হবে। এক** বিষেত্তে আট সের ধান লাগে। ব**ীঞ তলা** ঠিক হলে অংৰাঢ় মা**ুস 'অংগো' ভেঙে** 'বোড়ান্বী' দিয়ে, 'কাদা' করে বীজ্ঞতলা উপরে, তার মানে, '**বেঙোন' ভেঙে জমি** ন্টেতে হবে। ভান্দর মাসে ধান জমিতে নিড়েন দি:ভ হয়। भाउना. ভট কা. কালেয়া ঘাস, পাতি, **চে'চকো**, শ্যামা **ঘ**াস, কুলপে। গাছ, ওকড়া গাছ এসব্ উপড়ে ফেলতে হবে-জড়ো করে ভাটি দিভে ইবে। চাবার ছেলে কাজ শেখ। জনের ^{প্রসা}নেই। তিন টা**কা জন। আমরা দ**্ব-বেলা ভাত মুড়ি দুধ কলা মাছ আপড়া যি নারকোল খাই—পাড়ার লোক কি খার রাা? গমের আটাও পাচ্ছে না ভারা। সম্ধ্যার একদিন ভাতের মূখ দে**খতে পার না। দশ** বিবে জমি আছে, ভার পেছনে খাটলে

আমানের ভাতের অভাব হবে না। মন দিরে ভাজ করে। "

কিন্তু ভাইনের গর্টা আঞ্চানের হাতে চলতে চাইছে না। মার দিলেও না। খোলিকটা চলে আবার দাঁড়িরে বার। বাগারের দেখে ইনসান এসে হালের মুটে বরলো। বা কতেক চাব্ত সাটালে কালো গর্টার পিঠে। বরেস-ভারি গর্। পেট খোলা হরে গেছে। মাঝের ভরার পড়েছে। গর্টা বদলাতে হবে এ সনে চাবটা ভুলে নিরে। কিন্তু দাঁড়ার কেন গর্? বেশ করে মার দিভে ছ্লে গেলে। অনা চাবটা ভুলে নিরে। কিন্তু দাঁড়ার কেন গর্? বেশ করে মার দিভে ছ্লে গেল। অনা চাবটা কেউ দেখলে, অপমান। ভার গর্

ব্যাপ অসুস্থ অকেজা গর্টটক শিং ধরে আড় ম্চড়ে ম্থটা শ্রে তুলে ধরতে গর্টী মাটিতে পড়ে গেল ধমাস করে। তার চার পারে বেশ করে বেধি রেখে বর থেকে ছোরা বার করে আনলে। তারপর ওজাই করে এল। আঁর বেটাকে বললে, থবা শালার গলার নালটি। বেশ করে চেলে গ্রা

জগত্যা আজাদকে ধরতেই হল। ছোরা চলল। রঙ ফিন্কি দিয়ে কৈরিরে ইনস নের ব্রু হাত ভিজিয়ে দিলে।...দ্-টাকা কেছি দার পাড়ার মাসলমানদের মধ্যে বিজি করে দিলে ইনসান মাসগ্রেল।

কিন্তু চাবের মরশাম নেমেছে। পর**্চাই** । একটা পর্বে ধাম সাডে তিনশো চারশো



यत्रभाव स्मर्थ हेनमान हारलंड मारहे बदरल

খোর? ভাল গর্কিনতে পারে না? কুপণ লোক! তাই চাব্দ ভাভলে, ঘ্যি! ভারপর গর্টা উঠল।

আন্তাদ বললে, 'ওর পারে বোধহর লেগে আছে। কবে বোধ হয় ককিড়ার গতে পা ঢাকিরে গারের কলা সারিয়ে রেথেছে। গারে হাড দিতে আমাকে একবার লাখি মেরেছে।'

ংহাঁ, ভোৰ মাধ্। ফাঁকিবাজের মতলব কত রকম হয়।'

কিন্তু গর্টো আবার শংরে পড়ল। তথন মই এনে শ্নো ছলে সজোরে তার পিঠে ফেললে ইনসান। শালা মরে মর্ক—আজ না হাল করলে জবাই' করে দেব।'

গর্টা আণ্ডা আণ্ডা চোখ বার করে গল্গাল করে গোবর বার করতে লাগাল শারে শারে।

আঞ্জাদ বিরম্ভ কর্ণ স্বরে বললে, গারুর অসম্থা করেছে বেঃ

তখন তাকে তেতে গোল ইনসান চড় হাকিরে। গর্খুলে দিলে সে। তেড়ে দিতেই উঠে বাড়ির দিকে টং টং করে চলল গর্গুটি।

হাল লাঙল আনতে বলে ইনসান গোঁ ভরে গর্র পিছনে গিছনে বাড়িডে চলে এল। এসেই ভাল গর্টাকে 'গড়ার' বে'বে টাকা। একাশ্য বাঁশ বেচাল ইনসান একাশা টাকার, নারকোল বেচাল বান্দা টাকার চারগো। এবার? লাীর গলার হারটা বেচে আরো দুদো। টাকা হল। ভারপর দিন সাডেক পরে বহু দুর ব্যু গ্রাম ঘোষাব্দি করে একটা গরা কিনে আনলে সাড়ে ভিনশো টাকা গোকাণ দিয়ে। গরটা প্রশাসই।

প্রীবান্ শ্বামীর থেজি নেজার দেখে
খাবার পর বললে, থানের নেরে বউকে
ছেলাকে বিগ্ডোছ, এবার নতুন গর্টাকে
কালই হালে জাতে মার দিতে ভর-ভরাসে
করে বিগড়ে দিও! আলা তোমাকে বনের
বাধ করে দিও বদি তাহলে ভাল ছত।
সদাই বার-হোক না-বার হোক ঘড়ে মট্কে
রঙ চাবে সাধ্য প্রেড

हेनमान ११८भ वनात, 'भद्रौतान्-विव



আমার—কড ধানে কড চাল হর, ভূমি কি জন্মর !'

শুৰে আমার দরকার নেই। সাডটা হৈলের হু-টা মরেছে, একটা আছে ভাকেও ছান আছে, ডাই হেলে হলেই পোচার পেরে মরে বার খানে হালপাভালের বেস ভাজার হললে, 'ওসব বাছে কথা। মাদলি কবচে—বাড়ি বেগ্ধ' করে নিলানা প'তে—'সরা পড়া মাল্সা' পড়া দিরে কিছা হবে না—ডোমার ন্যামীর ভিত্তিকেল করাও। রজে সিবলিলের রোগ আছে। ছেলে পেলে বাচলেও পাগলাটে, বোবা, কানা, খোড়া, নিরেট বোকা হবে। ডোমার ন্যামী থুব গ্রম মেজাজের, না? আমি বলেছিনে, 'হা!'

ইনসাম বলে, 'ঐসব মেরে ভাজাররা বলব! ওদের কাছে বেশিদিন গেলে তোর ছেলেপ্লে হওরার 'ফ্লেমর' কেঠে লেবে নাকের গোড়ার 'ভিম্রি'-লাগা ওব্ধ দিরে অজ্ঞান করে!'

পরীবান কিন্তু বিশ্বাস করে না। সে একদিন হাসপাডালে গিরেছিল পাড়ার একটি বেরের সন্দো—মেন ডাকারদের ক্ষবহার, কথাবার্ডা অভ্যন্ত মধ্র, বোলারেম। তবে ভারা বলেছিল বটে 'লা্গ' নেবার কথা!...

লৈ ৰাহোক ইনসানের নতুন গর্টা ভাল
পিঠ দিল কিন্তু! হালে মইরে সমান।
ইনসানের থ্র আনন্দ। ছেলেও এখন ভার
বেশ বাধা হরেছে। কাজকাম করছে। সে
হাছার রক্ষের গাছ চেনে, একণাে রক্ম ধান
চেনে, মাটি চেনে। দ্বার—দ্বাসাহিদিক।
ভবে, বড় একরােখা। কিছ্দিন পরেই
আরানা হরে উঠলে বাধ হর বাপের সন্পেই
মারামারি লেগে বাবে। আর ভার শার্দ্দিরের
মতাে বাপকেও সে হার মানিরে দেবে।
একটা বড় মারেগা, আর কাগজের মতন
পাতলা চালের আটার ৮০খানা র্টি খেতে
পারে ইনসান। আলাদও তা পারবে। কেন
না সে গোটা একটা ইলিশ মাছ ভালা থেরে

ছক্তম করে ফেলেছে গতকাল। একসের গড়ে, এক সের দ্ব আর একটা বলেনা নারকোল হক্তম করতে পারে সে। পেট ফাঁপে না ভার। এক পণ 'বীজভলা' ভাঙতে পারে। রুয়েও দিতে পারে সবটা।

কিক্তু ইনসান হঠাং একরাত্তে স্বংন দেখলে তার বর পড়ে বাছে হড়েন্ড শঙ্পে। ঘুম ভেঙে উঠে ছেলে. বউকে দেখলে, তারা ঘুমাছে, ঘরও ঠিক আছে। গোরালে গেল আলো নিরে। গিরে দেখলে নতুন সাদা গর্টা দাঁড়িরে আছে, 'গাঁজ' করছে না, পেট ঘুলে দম্সম। গার্টা ভাবভেবে চোথে ঘুন্নু শংক্ষি ভার বাধা-কাতর অবস্থা ভানালে। দ্টোখ বেরে ভার জল ঝরছে। ছুটে গেল ইনসান গো-বিদার কাছে। গোবাদ্য এল। বললে, 'গরু বিষ খেয়েছে! বাঁচানো যাবে না।'

গো-বিদার পায়ে ধরে কাঁদতে লাগল ইনসান। 'এমন গর মারা গেলে আমি মারা বাব লক্ষণবাব;। আপনার পায়ে ধার, ওবা্ধ দাও, ২৫ টাকা দেব আপনাকে।

ভব্ধ বেটে খাওয়ানো হল। হাতীশ ্ভৈর
গাছ, আড়াইটা গোলমরিচ, তুলসাঁপাতা,
হল্দ, গণ্গাজল। কিন্তু ভোর রাতে গর্টা
মারা গেল গোঁ-গোঁ করে গোঙাতে গোঙাতে
জিব বার করে। দেখলে কন্ট হয়। ইনসান
আজাদ, পরীবান্ স্বাই কাঁদতে লাগল
হাউ হাউ করে। একটা ছেলে মরার শোক
লেগেছে যেন ইনসান আর পরীবান্কে।
গোয়ালের দেয়ালে ইনসান মাথা কুটতে
লাগল গর্টাকে জড়িয়ে ধরে বসে।

গলার সোনা-বেচা সোনার গর্ ছিল পরীবান্র। কর্ডাদন সে খড় থইল ভূণীর ভাত থাইরেছে! এমন লক্ষ্মী গর্টাকে কে বিষ খাইরে মেরে দিলে। তারও যেন এমনি প্রশাক হয়। অভিশাপ করে পরীবান্।

গর্টাকে সকালে ভাগাড়ে ফেলে দিয়ে সকলে চলে এলেও আজাদ লাকিয়ে বসে রইল একটা বাঁশ বনের মধ্যো শকুন নামার আগেই একটা কালো মতো লোক ভর্মন কোপা থেকে যেন উড়ে এসে গর্টার ছালা ছাড়াতে শ্রুর করে, দিলে। আজাদ আড়াল থেকে বেরিরে এসে সেখানে দাড়ালে। পাচ মিনিটও লাগল না মুচিটার, চামড়া ছাড়াতে।

আজাদ শ্বেবালে, চামড়াটা ফত দিয়ে বৈচবে ?'

'পনেরো টাকা।'

'গর্টার দাম কড?'

'তা আমি কি জানি! তিন চারশো টাকা হবে।'

'ভাহলে?'

মুচি দুত হাতে চামড়াটা মুড়ে নিরে সরে পড়বার মতলবে ছিল। আজাদ হঠাং তার ছুরিটা নিরে গর্র পেটটা ফেড়েফেললে, পাকস্থলী চিরে বার করে আনলে কাঁচা কলা পাতার মোড়া সে'কে। বিষ এতথানা। বললে, 'কিরে শালা, এ থারে কাজ? কাল সন্ধ্যার আগে রাস্তার ধারে গর্ বাঁধা ছিল, তুই শালা না বিষ খাইরে গেলে গর্ মরার সন্ধান শ্ক্নির আগেই বা পেলি কি করে?'

ম্চির হাত চেপে ধরে গোটা দ্ই খ্ণার
মারতেই সেও আক্রমণ করলে। তার ইল্লা
ডোট ছেলেটাকে মেরে দিরে চোথের আড়ালে
মাঠ পার হয়ে সারে পড়বে। কিন্তু আজাদ ভাকে শাইরে ফেলে চেচাতে লাগল। ম্চি কামড়ে ধরলে আজাদের পলার নালীতে। তথন আজাদ বাধা হয়ে ম্চির ছুরিটা হাত দিয়ে হাতড়ে নিয়ে তার পেটে আম্লে

মন্চি মারা গেল। গর্র বিদীণ লাস পড়ে আছে।

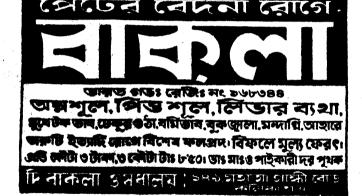
লোকজন জটুল চারদিক থেকে। ইনসান ছেলেকে জড়িয়ে ধরলে। 'বাহঃ—শেরের বাচ্চা শের! সাবাস্!'

কিন্দু পর্নালস ধরে নিরে গেল আজাদকে। তার জামিন দিলে না। কমাস দরে বিচারের রায় বের্ল 'একের অপরাধে অনাকে হতাা এবং অবশান্ভাবী প্রাণ বাঁচানোর দারের লখ্ অপরাধে আজাদের ছয় মাসের কারাদশ্ড!'

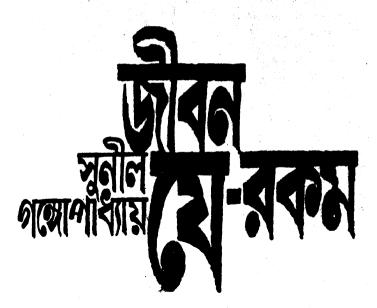
তা হোক, ইনসান খুশী। তার ছেলে, প্রতিশোধ নিরেছে, বাধের বাচ্চা বাছ হরেছে।

আবার কারক্রেশে টাকা জোগাড় করে গর্ কিনলে ইনসান। আবার তেমনি একটা গর্।

ভব্ বাপের প্রাণ। ছেলেটার জনো হৃ হৃ
করে। কবে ছ-মাস কাটবে? শক্ত কঠিন মাটি
বিদীপ করে চলে বাপ—ভার চোডের জল
পড়তে থাকে প্রিবীর মাটিতে। দিন
গনেছে সে কবে ছেলে ফিরে এসে ধামান্ডরা
বীক্ত বুনবে সেই বাপের চ্যা মাটিতে।



व्यावम्बन कच्यात



non

ভো জানা কথাই যে আজ সব টোন লোট

হবে। আজ দীপরে বাড়ি ফেরার খ্ব
ভাড়া আছে যে! দেউদান ভীড়ে ভীড় ক্লার।
কোথায় যেন একটা ছোটখাটো অ্যাকসিডেন্ট
হরেছে, পাঁচ ঘণ্টা ধরে কোনো টোন আসেনি
জামসেদপ্রে। অর্পই বেশী উদ্বিশন, সে
বাশত হয়ে ছোটাছাটি করে থবর নিয়ে
আসছে। দীপ্ চুপ করে দাঁড়িয়ে আছে
একটা লোহার থামে ঠেসান দিয়ে।

অর্প ভার বংধ্র জন্য যতথানি সাহায্য করা সম্ভব তা করছে ঠিকই। কিল্ড তার ম্খটা গম্ভীর। সে দীপুর সণ্গে ভালো করে কথা বলছে না। অর্প বেশীক্ষণ ডার भार्य मौज़ात्कह ना, कथरना स्त्र हरन यात्कह জলের কল খাজিতে ফিরে এসেই তার সিগারেট কেনার কথা মনে পড়ে, আবার সে টেনের থবর জানতে যায়। •সাটফর্ম ভর্তি লোকদের মূখে একটা অপ্রসন্নভাব, অপেক্ষা করতে করতে সবাই অধৈর্য হয়ে গেছে। क्षि क्षे क्षां वन्ता, वथ भारत कार्ष নাকি লাইনেত ওপর সব লোকজন বসে শড়েছে, সভেরাং এদিক থেকে ট্রেন এলেও ^{বর্ধমান} পার হতে পারবে না। দীপ**্র** কান খাড়া করে শুনছিল লোকজনের কথাবার্তা. এক সমর সে লোকজনের মাথা পেরিরে ^{জাটফমে}র বাইরের দিকের গোল ধরনের অধ্বারের দিকে তাকালো। সিগনালের লাল আলোর চার পালে একটা জ্যোতি দেখা দিয়েছে না? আমার বাবা কি এতক্ষণে মারা গেছেন? আমি কি গিয়ে সভিটে ভাঁকে দেখতে পাৰো না? না ভা হয় না। মরার जारंग वावारक स्कटन स्वरंख हरवं, আমি তাঁকে কমা করেছি। আমি সাঁতা কমা করেছি। বাবা মারা গোলে মুখান্দি করবে কে? দাদা কি আসবে? মেজদি বোধহর অসহারের মতন হাসফাস করছে সারাক্ষণ।

—হাাঁ রে অর্প, জামসেদপ্রে ট্ কাল-কাটা কোনো বাস বার না? আজকাল বে-রকম শিলিগন্তি কিংবা দীঘা পর্যক্ত বাস চলে।

—জানি না।

- এकरें, र्थांक स्न ना।

—বাস চললে কি আর এত লোক এখানে বসে থাকে?

—এদের বোধ হয় স্বারই টিকিট কাটা হয়ে গেছে! বাইদ্ধে বেরিন্ধে একবার দ্যাখ না। —তুই বেতে পারছিস না।

এতক্ষণে দীপা ব্যতে পারলো, অর্প ভার ওপর রেগে গেছে। কেন? একটা অদিক-ওদিক ভাৰতেই ব্ৰুত পাৰ্কলা।

যাসে মেরে দুটির জন্য আরুলা ছেড়ে দেবার
পর, ভারা ওদের একজনকে আবার বসঙে
বলেছিল। অর্পকে কোনো স্কোগ না
দিরে বসে পড়েছিল দীপু। সভিাই ভো
অনেক ভজাং, সে এসেছে দুটি মেরের সংজ্ঞ
পা ঘেরাঘেষি করে বসে, আর অর্প সারা
রাস্তা এসেছে হ্যাপ্ডেল ধরে দাঁড়িরে ভাল
সামলাতে সামলাতে। অওচ টিকিট অর্পই
কেটেছিল। ইরার মনটা খ্র ভালো লেগেছিল
দাঁপুর, আর লোপাম্লাকে ভার পছন্দ হর্মনি

্ — কিম্তু তুই তো বিদ্ধে করছিস দুখাসের মধ্যে।

হঠাং এ কথাটা শুনে হকচিকরে গোল অর্প। বললো, ভার মানে? বিরে করে অন্যার করছি নাকি?' সেই জ্বন্য আমাকে বাসের খোঁলে ফেতে হবে?

—তা হলে তুই রাগ করছিল কেন? মেরে দুটোর পালে বলতে পারিস নি বলে?

-त्क वन्ताना, ज्ञान करतीय?

—নিশ্চরই রাগ করেছিন! শুবু আমার ওপর না মেরে লুটো ববন নামবার সমর ডোকে নমস্কার করলো, ভূই ভালো করে চেরে দেখলিই না!

—মোটেই না। তোর মতন বখন **তখন** কোনো মেয়ে দেখলেই আমি অমনি হ্যাংলার মতন—

সভি কথাটা শুনে অর্প চটে সেছে,
দীপ্ হা-হা করে হাসলা। হাসিটা শুনে
অর্প একট্ কুকড়ে গেল। দীপ্র মুখে
হাসি শুনলেই ভার ব্কের মধ্যে আছ শিরশির করছে। বার বাবা এখন মৃত্যু শব্যার কিংবা অলরেডি মারা গেছে. সে ওরক্ষ ভাবে হাসে কি করে? সভি৷ সভি৷ গারুতর কিছ্ না ঘটলে কি আর ও রকম টেলিয়ার পাঠার?

সারস্বত

ৎ সাহিত্য ও সংস্কৃতি বিষয়ক ঠেলাসিক পঠিকা বিভান বৰ্ষ। বৈশাধ — জাবাঢ় ১০৭৬ প্ৰকাশিত হ'ল

এই সংখ্যার নিখেছেন : প্রকশ্ব ও অদ্রীপ বন্দ্যোপাধ্যার ও প্রভাতকুমার গোলবামী বিক্পের লাস। গণণ ও ফিলিস্ অত্যান ও চিন্তু ভট্টাচার্য ও তপোবিজর বৌষ কবিভাগ্তে ও হাম বস্ব ও রবীন করে সভ্য গৃহ ও স্কোমল রায়চৌধ্রী। প্রকশ্ব সকলেচনা ও দাপেন্দ্র চর্বভাগিতা প্রক্রিকা

আলোকচিত্র । সিজেমরের মন্দির । বরাকর। প্রজ্ঞানিত । আফ্রিকার ভাস্কর্য । কঙ্গো

कार्यानतः । नातम्बक नारेखनौ । २०७ विधान प्रतशी । कनि-७

(नि ७४२७)

দীপ্ বললো, এখন দ্ব' একটা মেরেটেরে দেখে নিলে পারতিস! স্বংনার সংগ বিরে ছলে সে আর কার্র দিকে তাকাতে দেবে না!

—শংশা মোটেই ও ধরনের গোঁড়া মেরে
মর! এই তো একদিন শ্বংশার বংশ,
মুপ্রেকে দেখলাম ব্লিটর মধ্যে দাঁড়ির
আছে এলগিন রোডের মোড়ে—এম-বাসে

উঠতে পারছে না টাাক্সি পাছে না—আমি একটা টাাক্সিতে যাচ্ছিলাম, ওকে লিফ্ট দিলাম। স্বংনা ভাই শানে বললো—

ন্প্র নামটা খ্ব স্কের তো !

 ন্তুই দেখিস নি ন্প্রকে ? আট কলেজে পড়ে, দার্গ স্ফের দেখতে

ফিগারখানা যা না

—অচ্ছা, নৃপার আর ঘুঙার কথা দাটোর

মানে কি এক! তা হলে আজকাল আছ নুপুর না বলে ঘ্ডুর বলে কেন স্বাই?

—কে জানে! শোন্ না, নৃশ্রেকে দেখে দ্বাপনার পালা তো একেবারে ফ্লাট। আমাকে একদিন বললো, নৃশ্রেকে দেখার মনেই হয় না বাঙালী, ঠিক বেন কাম্মীরী মেয়েদের মতন বড় বড় চোথের পাডা।

-শোন অরুপ, ভোকে অনেকদিন থেকে

अजारी कांग्रव

मूत्रात मार्क मिया এकवात धूलिय जाता य-काता कात्रज़-कान त्राज्जात मिया २ वात धूलि यण्ठा कत्रा यद्य -णत्र फ्रांश विमा कत्रा यदा।





পরীক্ষাগারে বারবার বাপকভাবে
পরীক্ষানিরীক্ষা করে এটি প্রমাণিত
হয়েছে। সার্ফের রয়েছে অনুপম
পরিকার করার ক্ষমতা। তাই
জামার লুকোনো ময়লাও সাফ
করে দেয়। ভারতের সেরা ব্যাওটি
কিনুন: মুপার সার্ফ (কেবল ছোট
ও বড় প্যাকেটেই পাওয়া
যায়, যার গায়ে লেখা থাকে
মুপার সার্ফ)

সুসার সার্ধ সবচেয়ে বেশী সাদা করে ধোর (নীল বা অক্ত কোন পাউডার মেশবোর দরকার করে না) একটা কথা জিল্পেস করবো ভাবছিল্ম...
তুই কবে স্থানাকে প্রথম বিরের কথা ফালি?
তার আগে কি বলেছিলি, আমি তোমার
ভালোবাসি?

-arre

— বল্না, লক্ষা কি! আমি মাইরি ঠিক ব্যতে পারি না, ঠিক কোন্মোমেণ্টে ঐ কথাটা বলতে হয়!

—তুই শংতাকে কোনোদিন বলিস্নি?
—শংতাকে? না! আর একজনকে বলবো
বলুবো ডেবেছিল্ম অনেকবার, কিন্তু মুখে
কি রকম আটকে গেছে! তুই কি ক.র
বলেছিলি, বল্না? শিথে নি!

থেন সাত্য সত্যি গরের শিষাকে শিক্ষা
দিছে, এইভাবে অর্প গলার আওয়াঞ্চ
ঝানিকটা ভারিক্সী করে বললো, ও কথটো
ঠিক মুখে বলার পরকার হয় না সব সময়,
মনে মনেই জানাজানি হয়ে য়য়! আনেক
মেয়ের সংগাই তো অনেক ছেলের চেনা
হয়, কিল্ফ তার মধ্যে ঠিক একজন আুরেকজনকে চুম্বকের মতন টানে—কেন হে টান
ভা কেউ বলাভে পারে না—দাট ইজ লাভ
—ভা ভো ব্রক্জাম! কিল্ফু বিয়ের কগটো
ভো আর মনে মান থাকলে চলে না—সেটার
জনো ভো মুখ ফুটো একবিন প্রশ্ভাব
করতেই হবে। সেইটা ঠিক কখন

অরপ এবার স্থোগ পেরেছে, সে দাঁপরে উদ্দেশ্যে পিঠ চাশড়ানি হাসি-হাসলো। গবিতি ম্থভণিগ করে বলালা, জেনাইন ভালোবাসা হলে সেই ম্হুভেটা ঠিক বোঝা যায়। তুই যাকে ও-ফথাটা বলবি ভাবেছিলি, ভাকে বলাভে না পারার জনা সে নিশ্চরই স্থকে গেছে? ঠিক সময়টায় বলতে না পারাল—

—আমি ভাকে বিরে করতে চাই নি।
আমি ভাকে বলতে চেরেছিলাম, আমি
তোমার ভালোবাসি। কিব্তু সে-কথাটা
বলতেই এমন লক্জা করলো। যাক্সে, তুই
বংশাকে কি করে বললি?

—তুই যার কথা বলছিস, তাকে আমি চিনি। কার সংশ্যে তার বিরে হয়েছে তাও আমি জানি! তুই খ্ব আঘাত পেয়েছিলি নরে?

—মোটেই না। স্নিশ্বা বিরে করতে
চাইলেও আমি বিরে করতুম না। তোর মতন
এমন চব্বিশ বছর বরেসে বিরে করার ইচ্ছে
আমার একট্ও নেই!

—আজকাল ফরেনে অনেক ছেলেনেরে সতেরো আঠেরো বছর বরেদে বিয়ে করে। —তুই ফরেনে জন্মালেই পারতি! অতদরে কেন, বিহার-উত্তর প্রদেশেও তো এখনো অনেকের আট ন বছর বয়েসে বিয়ে হয়।

—তুই আমার বিয়ে করাটা পছক্র কর্মিস নাঃ

—না, না, কেন করবো না। আচ্ছা, তুই

ষধন প্রকাকে প্রথম বিষের কথাটা বললি, তথন প্রকার মুখখানা কি রক্তম হলো? প্রথমটা খবে লক্ষা পেরেছিল।

--তানসেন মিউজিক কনফারেসে, লাস্ট নভেদ্বরে স্বানারা ব্যাড়ি সংখ্যু স্বাই গিয়েছিল, আমি গিরোছিলাম একা--

দীপুর যুঝতে একটাও অস্থিধে হলো নাযে অর্প বানচ্ছে। সতা সতা যা ঘটছিল তা হাবহা বলবে না। কেউই বে.ধ হয় বলে না। ভূবা দুটো টান টান করে আছে অর্প, যেন দবংশাকে বিশ্বে করলে সে অধেক রাজত্ব সমেত রাজকনাটক পেয়ে যাবে।

আয়ি বসেছিলাম অরপে বলে চলেছে স্বাংনাদের রো-এর ঠিক পেছনেই। রাভ চারেটের সময় আজি আক্তর খা প্ররোধে ধরেছেন কালেংড়া, স্বণনার বাড়ির প্রবাই তথ্ন হাত পা ছডিয়ে ঘুমোচ্ছে-স্বংনা বাইরে এলে। চা খেতে, আমিত উঠে এলমে। স্বন্ধা আমাকে আগেই দেখেছিল, আলাপ করির বিয়েভিল ওর দাদার স্তেগ-প্রথম আর আমি বাইরে বেরিয়ে এলাম–মহাজাতি সনকে উত্তেট দৈকে একটা ছোট পাৰ্কা আছে দেখেছিস তোও সেউয়ে চ্কতে গিতে দেখি এক গাদা ভিলিখনি-চিখিনি শতের আছে। তখন আমাদের প্রতিটার মধে। 27.39 বসল্যে! এত অপ্র' লাগ্ছিল না! ভালো করে ভোর হয়নি ভগনো এফটা আলে। ফাটোছে, রুস্থায় একটাও মান্তে নেই – ঠান্ডা ঠান্ডা হাওয়া, ভানকে ভেলে আনছে কা'লাডের সরে: আমি দ্বানার একটা হাড তুলে নিয়ে খেলা করতে লাগলাম—

দীপ্ত একটা ছোটু কালি দিল, থকা কো। আর্ত্তিম মাথে অর্প বললো, তুই যা ভাবছিস মোটেই তা নম্ন! অরু কিছা করিনি, এই তোকে ছারে বলাছ। সভিকোরের ভালোবাসা হলে অসভাত। করার দিকে মন যায় না। ধ্বশনা সে রকম মেয়েও নয়। আমার তখন খবে ভাজা লাগছিল, আবার কি রকম কণ্টও হাছিল ব্ৰুকের মধ্যে। আমি দ্বপনাকে বললাম, আমার ভেতার কসে শানতে একদম ভালোলাগছিল না। ও জিজেন করলো, কেন? আমি বললাম, তুমি ব্যঝ্ত পারো না? আমি যদি ভোমার পালে বসতে পারতাম...স্বন্দা দ্রুট্টিয় করে হেসে বললো কেন তোমার ডান পাশেও তো একটা খবে স্পর দেখতে বসেছিল-একটা দার্শ শ্টোল পড়েছে যে মেয়েটা...আনি বললাম, অন্য কোনো মেরেটেরে আমি গ্রাহা করি না আমি শৃংধ্ তোমার জনা... স্বংনাই তথ্ন ফট করে আমাকে জিভেন্স করলো, ভূমি সতাই আমাকে ভালোবাসো? আমি বলল্ম...

হাসি লুকোবার জনা দীপা একটা সিগারেট ধরালো, নরতো এমনিতে সে বেশী সিগারেট খায় না। হাসার কোনো মানে হয় ः चर्कोन श्रकाननीत स्त्रपं উপन्यान ः

তাম ব্রেপ্ত দাসের সর্বাধনিক শ্রেণ্ঠ ঐতিহাসিক উপন্যাস

त्वत्वाशाती विवास ५०.

রাজনীতি যে কত ভরংকর, **এ উপন্যাস তার** প্রমাণ। এ উপন্যাস নর, জীবন দলিল

সদা প্রকাশিত ঐতিহাসিক উপন্যাস **ইবপায়নের :**

রক্তাক্ত গোড় ১০১

প্রকাশিত হয়েছে আধর্মিক উপন্যাস ঃ ব্লুপশংকরের ঃ

भीनाकी मन १

: দৈপায়নের ঃ ঐতিহাসিক উপন্যাস

ব্ৰহ্মাতা মধুমতা ১০,

শ্রীনবকুমারের : ঐতিহাসিক উপন্যাস

মণিহারা চিতোর ১০,

অমরেন্দ্র দালের: আংনিক উপন্যাস

তিজিফা ১০,

জনমেজন্মের ঃ রহসা উপন্যাস

याशावी (बाहिबी ७,

শ্ৰীর পকের: ঐতিহাসিক উপন্যাস

विज्ञ बाग्न म्वबम 8,

বীরভদ্রের: ঐতিহাসিক উপন্যাস

ভাণ্ডীর বন কাঁদছে

শীয়ই প্রকাশিত হবে।

নটরাজনের: ঐতিহাসিক রহস্য উপন্যাস

बाजनागिनौ

শীঘ্ৰই প্ৰকাশিত হৰে।

ঃ পরিবেশক ঃ মৰ প্রশ্বকৃতির, ৫৪/৫এ, কলেজ দাঁটি, কলি-১২ বা বদিও, কিন্তু পাছে তার কি করা বাবে!

একটা ছেলে আর মেরের কাছে এটা হরতে।

ক্ষানন সরশের ব্যাপার, কিন্তু অনা কেউ

ক্ষমন সেটা মুখে শোনে তথন হাসি পাবেই।

কেও তাো বেদিন প্রথম কিন্দুখার হাত ছোর

ক্সানন তার সার পরীরটা থরথর করে
কেপেছিল। কিন্তু, আমার কি বাবা মারা
গোছে এর মধ্যে? আমি কি পিতৃতীন?

আমার গরীরটা হঠাং এত হাল্ফা লাগছে

কেন? বেদিকে ক্ষমকাতা, দীপ্রেই

ক্ষমকারের দিকে ধর চোখে ভাকালো।

ক্ষমকারের দিকে ধর চোখে ভাকালো।

ক্রমনর ম্বোও ক্ষমকাতার কেরনা দৃশ্য দেখতে
পাজে না।

অর্প বলে চলেছে: বখন ভেডরে ফিরের এলাম, ব্যানার বাড়ির লোক তথনও ব্যাহের, জালি আক্বরের সংগ্য তথন



वुन पूर् क्रात् जता लिक्टितजा



- ১০৮ वि दमरण खाउनात्रज्ञा दुवाग्विमगम करमरहमः।
- (व (काम नामकता खरूरवड़ (वाकारवह भाषका कात्र।

DZ-1476 R-BEN

কেরামত্রার লড়াই চলছে, তবং খ্ ভাতে নি—

—মটকা মেরে ছিল বোধ হর। কিংবা তোদের ফিরতে দেখেই আবার চোথ ব্রেহে

—छात्र मारन ? दक्न !

—তোদের চাম্স দিচ্ছিল! দ্যাথ অর্প, এক হিসেবে ভোকে আমার থ্ব হিংসে করার কথা।

অর্ণ আবার গবিতি ভাবে বললো, আমাকে? কেন. স্বংনার জন্য?

–না, না, দ্বংনাকে আমি ভালো করে চিনিই না! হিংসে হওয়া উচিত এই জনা বে তোর বাবা মা দু'জনেই বে'চে আছে— তারা তোকে কত ভালোবাসে। তুই একটা মেরের প্রেমে পড়ে তাকে বিরে করতে চাইলি, অমনি তোর বাবা-মা, আর সেই মেয়েটার বাবা-মা হইহই করে আনশ্দে রাজী হরে গেল! তোর কোনো কিছুরই অভাব त्नरे, यथन वा ठारेडिंग वाणि एएक भारत যাজ্স-বি কম্ পরীক্ষার আগে তোর জন্য দু'জন প্রফেসার রাখা হয়েছিল।--আমার দ্যাথ এর স্বই উল্টো! তব্ব, আমি কিন্তু তোকে কখনো হিংসে করি না! কেন করি না জানিস? আমি জানি, চিরকাল তো আর` এ রকম চলবে না, গরীবরা কন্ট পাবে আর বড়লোকরা শৃ**ধ**ু আনন্দ করবে। দেখিস তোদের টাকা পয়সা একদিন সব বিলিয়ে দিতে হবে।

লীপতে হর দেবো! আমার অত টাকার ফাকার ওপর মারা নেই! কিন্তু এসক কথা তোর মুখে মানার না! তুই নিজে একদিন টাকা চুরি করেছিল।

—আমি তো টাকা চুরি করিনি! আমি দেখতে গিরেছিল্ম, টাকা চুরি করতে কৈ রক্ম লাগে!

—ও তাই বৃকি? তুই আমার টেটটা কি করেছিস? সেটাও বৃক্তি বেশতে গিয়েছিল, অপরের টের্চ হারিয়ে ফেলতে কেমন লাগে?

—তুই দেখছি টচটা ছারানোর দৃঃখ এখনো ভুলতে পারিস নি?

— টচটি বাবা আমার জন্য **এনেছিলে**ন নেপাল থেকে।

—তোর বাবা ইচ্ছে করলে ও রকম একশোটা টর্চ একনুনি আবার আনিরে দিতে পারেন!

—তা বলে তুই আমারটা হারাবি । তোকে লে দিচ্ছি একটা কথা, তুই আমার বাবা সম্পর্কে ও রকম খোঁচা মেরে কথা বলীব না।

— श्रीहा स्मरत कथा क्ला क्ला करन?

—নিশ্চরই বলিস্! আমি আজে দ্পেরে
থেকেই লক্ষা করছি। সোজা কথা বল্ না.
ইউ আর জেলাস! তোর বাবা সব বিষয়সম্পত্তি উড়িরে দিয়েছে বলে তোদের এখন

অবশ্থা খারাপ হরে গেছে, তাই তোর রাগ। আমার বাবা নিজের চেন্টার বড় হয়েছেন।

—সতি। অর্প, বিশ্বাস কর, আমার বাবার ওপরে আমার কোনো রাগ নেই। বিষয়-সম্পত্তি আমি খোড়াই কেরার করি। ভোর বাবার ওপরেও

ফল হলো এই, বাকি সময়টা ওদের কছা বন্ধ হরে সেল। দুংজনে দুংটা স্টকেসের ওপর আড় হরে বসে বইলো, অর্পের ফসা মুখখানা উত্তেজনার লালচে, দীপু চেরে আছে অপ্রকারে—বেদিকে কলকাতা। অর্প তক্ষ্মি ঠিক করে ফেলেছে, আর কোনোদিন এ রকম বন্ধু-বান্ধ্রের সপে বাইরে বেড়াতে আসবে না। বিরের পর স্বন্ধারে নিয়ে সে ভালহোঁস পাহাড়ে বাবে। চাইবাসাটা অভি বাজে জারগার, কিছুই দেখার নেই—এত নোংরা চারদিকে! দীপুর খাল বড় বড় কথা, অমুক জারগার বাবো, অমুক জারগার বাবো, আমুক জারগার বাবো, আমুক জারগার বাবো, আমুক জারগার বাবো, আমুক

দীপ্র অধ্যকারে কিছাই দেখতে না পেরে. চোৰ সরিয়ে আর একটা কোনো খ',জতে লাগলো—যার ওপর চোখ ফোল সে তম্মর হতে পারে। একটা কলাওয়লা দাঁড়িয়ে দাঁড়িয়ে খ্যোচেছ, এই ব্যাপারটা **जात मरनारयात्रा रकरफ रनग्र।** अकिंदे क्या হিন্দুস্থানী বউ কয়েকটা বাচচাও হুড়ি সমেত বসে আছে মাটির ওপর, মাঝে মাঝে হাওয়ায় আঁচল সরে গেলে দেখা বার তার প্রেট্র ব্বের ভাজ—সেদিকে তাকারে না ঠিক করলেও বারবার চোখ চলে যার। অথচ দীপত্ৰেখতে চাইছে কলকাডায় তার বাবা ঠিক কি অবস্থায় আছে। মৃত্র আগে বাবার সভ্গে একবার দেখা হওয়া বে বিশেষ দরকার! মেজদি কৈ ব্রুষ্টে পারছে যে, টেলিগ্রাম পেরেও আমি ইচ্ছে प्तजी कदि ना?

রাত প্রার তিনটে আগদাল একটা টেন मीश् এলো ঝনঝনিয়ে। অর্প আর দু'জনেরই আবল্লী এসেছিল, ধড়মড়িয়ে উঠেই ष्ट्रांटे(मा। म्र.'करन এकरे कामन्नास फेंटे'मा वर्णे, কিন্তু পাশাপাশি রইলো না। বসবার জারগা পাওয়ার তো প্রশ্নই ওঠে না, ধাকাধাকিতে দ্'জনে ছিট্কে গেল। বাধর্মের পাশে মালপত্তের পাহাড়ে ঠেস দিয়ে রইলো অর্পে, দীপ্ন চলে গেল ভেতরের দিকে, সিংগল সীটের মাঝখানে বেকায়দার দাঁড়ালো। অর্প কথনো থার্ডক্লাসে চাপে না, তারই কণ্ট হচ্ছে খ্ব। পাল্ডিতে এসে অপ্রত্যাশিতভাবে দীপঃ একটা সিট পেরে গেল, স্টেকেস রেখে তাড়াতাড়ি সেটা দখল করে সে চেচিয়ে ডাকলো, এই অর্প এখানে জায়গা পেয়েছি, বসবি আয়! অর্প কোনো সাড়া দিল না।

বিদেশের চোখে পথের পাঁচালি

চিত্তরঞ্জন ছোষ

কাশের দিন খেকেই বাংলা দেশের

প্রান্ধ প্রতিত্তে 'পথের পাঁচালান' সমাদরের
প্রান্ধ পেরেছিল। কিন্তু বিদেশে এ বইরের
নাম কেউ জানত না। সভ্যান্ধিং রার বখন
আমাদের এই খরের কথাকে বিশেবর দরবারে
ছাজির করলেন, তখন আনেক মৃশ্ধ
দর্শকের উপন্যাস্থি পড়ার আগ্রহ হয়। কিন্তু
থোল নিয়ে তাঁরা হতাশ হন ঃ অনুবাদসমৃশ্ধ ইংরেজীতে পথের পাঁচালানি কোনো
ভাষান্তর নেই। তবে তাঁরা একট্ আশ্বস্ত ও
হর্মেছিলেন অন্য একটি খবরে ঃ সন্মিলিত
ভাতিসংখের শিক্ষানিবক্সান-সংস্কৃতি সংশ্বো
পথের পাঁচালানি ইংরেজী অনুবাদের বাবস্থা
করাজেন।

সেই বহা-প্রত্যাশিত অন্বাদ-গ্রন্থটি
সম্প্রতি বিলেও ও আমেরিকার এক সংগ্র প্রকাশিত হয়েছে। এই উদ্যোগে ইউনেসকোর সংবাগী হয়েছেন ভারতবর্ষের সাহিত্য আকার্ডেমি। বইটি প্রকাশ করেছেন আলেন্ আন্ড আনুইন্।

পরিচ্ছর প্রকাশগানে পার্যারণ শিলিং
দামকে বিদেশী মানে বেশী মনে হর না।
দেশী মানে একটা বেশী নিশ্চরই। পেপারবাক্ বা ঐ জাতীর কোনো সাল্লভ
সংক্ষরণ বেরোলে ভারতীয় পাঠকদের পক্ষে
দ্বিধে হয়।

নিজের ছারাছবি থেকে নিরে প্রচ্ছদ করেছেন সভ্যাঞ্জং রার। সামনের প্রচ্ছদে অপ্ন ও পেছনের প্রচ্ছদে দ্বা মাঠের মধ্যে দাঁড়িরে। সে মাঠে বাংলা দেশের মাটির গণ্ধ পাওরা বার।

বাংলার জল-হাওরা-গাছ-গাখি-লাটিতে
গথের পাঁচালী এত বেশাঁ নিষিত্ত বে, এর
ভাষান্তর অভ্যন্ত দ্বাহু ৷ এই দ্বাহু
ফাকাটির দায়িছ ছিল টি ডব্লু ক্লাকা এবং
ভারাপদ মুখাজির ওপর ৷ উভরেরই
ইংরেজা ও বাংলার বিশেষ অধিকার আছে,
উভরেই লংডন বিশ্ববিদ্যালরের স্কুল অব্
থারিকেটালা জ্যান্ড আফ্রিকান স্টাডিজ্-এ
অধ্যাপনা করেন ৷ অন্বাদটিতে নিষ্ঠা আছে,
আছে জন্বাগ।

ইংরেজীতে উপন্যাসটির নাম দেওরা

সং অব্ দ্য রোভ'। মিঃ ক্লার্ক ভূমিকার

বলেহেন, বেহেডু পাঁচালীর কোনো প্রতিশব্দ নেই, ডাই বাঞালীদের প্রামশ্রে নিকটতর অংশ র এই 'সং' শব্দটি তিনি বেছেছেন। এ
বিষয়ের সম্পূর্ণ ক্যাধীন হলে হরতো তিনি
বইয়ের নাম দিতেন 'Bend of the
Road'। এ কথাটা মূল বইতে একাধিকবার
ব্যবহৃত হয়েছে। আর এতে ক্তর্রবিভক্ত পথ
ও বাঁকের অক্তরালের অক্সাত অনিশ্চরতার
অথাটি ভালো আসে। একজন সমালোচক
আন্টান বেভিন্স্ মনে করেন, 'Ballad
of the Road' হলে নামটি সাঁচক হতো।
বইটিয় দ্টি ভাগ। 'The Old Aunt'
এবং 'Children make their own toys'

—'বলালী বালাই' ও 'আন-অটিব ডে'ণ্'-র রুপান্তর। 'অনুর সংবাদ' বাদ। কিল্মের মতেই বই দেব করা হরেছে অপুর নিশ্চিন্দি-পত্র ত্যাগের অধ্যানে।

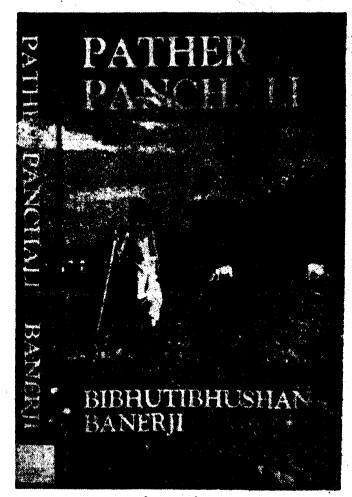
ভূমিকার বিভূতিভূষণের জীবনী

সাহিত্যের বিশ্তৃত পরিচর দেওরা হরেছে।

এ ছাড়া বিদেশে অপরিচিত একান্ড বাপালী
প্রস্পাহনির শ্বতন্য টীকা আছে।

বিলেতে একাধিক পঠিকার 'সং অব্ দা রোড'-এর সমালোচনা বেরিয়েছে। নানা দ্ভির কাগজে সমালোচনারও বিভিন্নতা আছে।

তবে সকলেই বিশেষ গ্রেছ দিরে
বইটির আবোচনা করেছেন। অনেক কাগতে
হরতো 'পথের পাঁচালী' সহ একাথিক বইরের
সমাক্রেচনা করা হরেছে, ক্লিম্ছু সুব বইরের
শীরে প্রথমেই রাখা হরেছে 'পথের
সাঁচালীকে এবং পোটা সমাক্রেচনার নাম
দেওরা হরেছে পথের পাঁচালীর নাম। বেলন



পড়াজিং রার অপ্টিড প্রক্র

অক্স্ফোর্ড সেল্-এর সমালোচক এম জি ম্যাক্নে তারা লেখা আরুভ করেছেন এই লাইনটি দিয়েঃ 'Pather Panchali is a marvelous book'। অবশ্য সংলা সংলাই যোগ করেছেন যে, পথের পাঁচালীর জগং শিক্ষেরত পশ্চিমী দুনিরা থেকে ভরংকর-রক্ষের আজাদা এবং তাই এই দুনিরার ক্ষাহে প্রার অপ্রাস্থিপক।

মিঃ মান্তনে অন্বাদকের নিষ্ঠা ও
পাণিজতোর প্রশংসা করেও একটি মতপার্থকোর কথা বলেছেন। সং অব দা রোডের
পরিসমাণিত পথের পাঁচালার থেকে আলাদা
হওয়ার কারণ--অন্বাদকদের মতে :
....লেখক ছিলেন এত সরল বে, তিনি
জানতেন না কোথার থামাটা সবচেয়ে ভাল।
মিঃ মান্তনে লেখককে এতটা সরল বলে
ভাবতে প্রস্তুত নন ঃ '...বইটি এত স্মালিখিত
বে, সাধারণ পাঠক লেখককে এতটা সরল
ভাবতে পারেন না। লেখক নিজেই হয়তো
অত পরিক্রম সম্মাণিত চাননি। তিনি হয়তো
জানতেন যে, জাঁবন উপনাসের মত অত
মাপা নয়। উপন্যাসের অতিন

হরতো তিনি অত বেশী শৃণ্যলার বংধনে বাধ্যে চাননি।

বই তো শ্রেই হচ্ছে একটি সমাপ্তি দিরে—ইন্দির ঠাকরনের স্থাপিত। ইন্দিরের প্রতি নিন্দ্রের হওরা সভ্তেত্ব সর্বাদিত। ইন্দিরের প্রতি নিন্দ্রের হওরা সভ্তেত্ব সর্বাদির একজন সাবারণ মান্ত্র—সদর, মা হিসেবের ভালা, এ জাবন বড়টা অনুমোদন করে ডড়টা সংবেদনাশীল। ভারপরে কাহিনী চলো গিরেছে সর্বজ্ঞরার আমা, প্র ও কন্যার মধ্য দিরে। প্রতিটি পরিছেদ 'আলগা এলোমেলোভাবে বলন, জীবনের অ্টিনাটির দিকে খ্বই নজর, কিল্ডু বিশ্বাসের স্বাক্তর সর্বাদ্রি পাতিয়া থেকে বড়ামানে নির্বাসিত। এ বইন্ডে প্রোন্মো চিরন্ডন মোলিক সত্য উন্ভাসিত।

পরিভান্তা বৃন্ধা ও অবোধ শিশার কাহিনী এটি, কিম্তু এ কাহিনী জীবনকেই দট্ভাবে প্রকাশ করছে, তার মূখ্য কার্ম, এ জীবন মূড়ার খুব কাছাকাছি দড়িয়ে আছে। মিঃ ম্যাকনে তার পর আরো অগ্রসর হয়ে বলছেন বে, এখনকার পাশ্চান্তার লেখকেরা জানেন বিচ্ছিরতা, বৌনতা, বিশ্বাস্থাতকতা, হত্যা ও স্নার্রাবক বিপর্যার, কিম্তু এই বাণ্গালী লেখকের কাছ থেকে পাশ্চান্ত্যের লেখকদের দ্'্-একটি মূলগত বিষয় শেখবার আছে।

শান্ডনের বা লিসনার কালজের সমালোচক বিচার্ড জোনস। পথের পাঁচালী প্রসংগ তাঁর মার্ক টোরেনের হাকলবেরী ফিন-এর क्या बाम नाफार : शकनातवी विम-वर्ष बक्द व वह निम्मातव मारत लाया विस्तृ निम्मा क वहन्य केस्टातव करना राज्या

শত বল তেনৰ কিছু নেই। বইনের জালাতি বাঁকে এক আখ্যান থেকে আর এক জাখ্যানে এবং লব পরিজেনই বেন মুখে মুখে বলা গল্পের মন্ত। বইনের পটভূমির জন বাানার্জি তাঁর নিজের স্মৃতির ওপর নিভার করেছেন, এবং খুব খুনিরে যখন ডিটোল-এর পর ডিটেল তিনি বোগ করে বান, তখন 'a general impression of fruits, flowers, clouds, water and children is created, so that the visual effect is rather like that of a Douanier Rousseau picture.'

একটি গ্ৰে—বা উপন্যাস-সাইতে প্রন্ধ দ্বাভ—পথের পাঁচালীতে ডার প্রচ্বা আছে। গ্রুণটি হচ্ছে, 'জীবনের ছেটেখটি জানসের প্রতি মমভা। বইতে আছে সাধারণের একটি ছাল ঃ ধমীর আচার-জন্ম্টান, পাশ্চান্তো অপ্রিচিত বংগীর প্রামীধ জীবনবালা, এবং প্রতিক্লের বির্দ্ধে নিয়ত সংগ্রাম।

বইতে কোখাও ভাষাতিশন নেই। চার্ক্ত গ্লিকে দেখা হরেছে সম্পূর্ণ অধ্যক্ত টিভিটি দিয়ে।

বিচার্ডা কোনসের শেষ মাতবাটি উপন্যাসকে ছাপিরে আমাদের সমক্রের রাটি তেওঁ তোলবার মত ঃ ছোট মেরেটির প্রতি তার মা-বাবার, বিশেষত মা-র বাবহারে একটা বোধহীন অস্যাভ্তার চিক্ বর্তামান থে অসাভ্তা পাশ্চান্তা উপন্যাসে শিশ্ব অপরাধের উৎস অন্সংধানেই মান্ত লিখিত হয়, কিশ্তু এখানে তা সেরকম বিশেষ কোনো দৃশ্চি বা মন্তব্য ছাড়াই লিখিত।

১৯৬৮-র ৭ই ডিসেম্বর এডিনবরার রা স্কটসমান পরিকার মার্টিন সেম্বে-স্মিধ পথের পাঁচালীর যে সমালোচনাটি লেখেন ভার নাম দেন—দা বেস্ট অব বাানাছি⁽¹⁾

এত বিখ্যাত ও জনপ্রির একটা উপনাস ইংরেজনীতে এত দিন আন্দিত হরনি বলে প্রথমেই তিনি বিসমর প্রকাশ করেছেন। তরি মতে, অন্বাদে কোনো আড়ুব্টতা নেই। বইটি 'গড়তে একদম বাধে না।' 'পড়তে স্পর।' এর পরে বিভৃতিভ্রণের দীর্ঘ পরিচর, পথের পাঁচালীকে বলেছেন চার চরিতের একটি 'haunting story'। এ বই 'একটি স্ক্র কিল্ডু কঠিন শৈশবের কাহিনী।' এবং এ শৈশব, সবট্কু না হলেও অনেকটাই বানাজির নিজের। পথের পাঁচালী সেই জাতের একটি স্কর কই, বার লেখক ও বিবরের শ্রু পরিচর দেওরা ছাড়া সমালোচকরা আর বেশী কিছুই বলতে পারে না। প্রিশেবে সমালোচক আশা করেছেনু বে,

विश्वभिछ व्यवशत कत्तत्त्व क्षत्रशस्त्र हेथ(त्रष्ट साङ्गित आलत्यात्र (८) प्रतिकृत स्कृत त्वाध क्त

করহাল টুথপেট মাড়ির এবং গাঁতের গোলবোগ রোধ করার জন্তেই বিশেষ প্রক্রিয়ার তৈরী করা হয়েছে। প্রতিদিন রাজে ও পরদিন স্বালে করহাল টুথ-পেট দিরে গাঁত মাজলে মাড়ি স্বস্থ হবে এবং গাঁত লক্ত ও উচ্ছলে ধ্বধবৈ সাধাহবে।

শাভূর বস্ত্র অং কু "ম্যানাস ভেটাল এডড টিকানার পাঠালে আপ	ও বাংলা ভাষার রঙীন পুদ্ধিব পনের সঙ্গে >• পরসার ফ্রান্স (ভ চাইসরী ব্যারো, পোষ্ট ব্যাগ নং >••৬ নি এই বই পারেন।	*******
নাম ঠিকাৰা ভাষা	484	Di

শ্বিত্তা ট্থপেষ্ট-এক দন্তচিকিৎসকের স্থাষ্ট

MARCH THE

বাংলা ভাষার এই ক্লাসিক প্রশায়ি ইংরেকী ভাষাতেও ক্লাসকের মুবাদা পাবে।

বামিংহাম পোলা, এই ডিলেন্ড, ১৯৯৮।
চরথানি উপন্যাস সমালেজনা করেছেন
ভার সি চার্চিল। বই চার্নিটার মধ্যে সবচের
প্রবার নাম—পথের পাঁচালা। কিন্তু
প্রবাধর নাম—পথের পাঁচালা। কিন্তু
প্রবাধর নাম—গথের পাঁচালা। কিন্তু
প্রবাধর নাম—গথের পাঁচালা। কিন্তু
প্রবাধর নাম—গাডাভেই সমালোচকের মনে
পড়েছে হাকলাবেরী ফিন এবং ডেভিড
কণার্রিফন্ডের কথা
পাঁচালাও সমালোচকের মনে
পাড়াছে হাকলাবেরী ফিন এবং ডেভিড
কণার্রিফন্ডের কথা
পাঁচালাও সমালোচকের মনে
বিভাগত সমালাও
ভালাও সমালোভির নামক অগতে
ভিত্নবারের মত ব্যানাভিরে নামক অগতে

লেগকের আবাছারায় রচিত।
উপসংহারে সমালোচক অপুরে মতই পল্লীভারতের—কালহানি ভারতের—আংশতাক
হারচের, হোনা দীর্ঘকাল ধরে ভারতীয়
পাঠকরা কালহানি মিসিসিপির ও ভোভার রেডের অংশভাক হারছে। আর ওকাই রেখা মাজে, 'বড হার উঠলেই টের পাওয়া যায় যে এটি একটি ছোটু প্রথমীণ এই ভীন্তিচি ভিতেই আলোচনা শাব্ করেছিলেন ম্যালোচক, মেডি প্রতিপাল করে আলোচনা মেষ।

গবল: ভিচেশার, ১৯৬৮, লিভারপুল দেবীল পেক্ট ও বেবিয়েছে আনেটনি ক্তিনস্কর অনুলাচনা : Bengal tape-try । ৫ বইয়ের বছল ও অব দারেও , নাম ভিনি সঠিক মনে করেন, এ কথা আন্তেই উল্লেখ করেড।

প্রথম বাংলা নেশের দাবিভাবেদমাই বিভনসের চেত্র পড়েছে বেশী। বইত্রের ব্যাবর কথা এসেছে একট্ পরে। এ বইকে ক্লাসিক বলে উল্লেখ করেছেম ভিনি। শিশার বিক্যাম্ব দ্বিট দিবে দেখা এ কহিনীতে বের বিন ও ডেভিড কপারভিক্তের কিছ্ ক্লায় গ্লেক্ত্রাম বলে ভিনি মনে করেন।

পথের পাঁচালী বাংলা দেশে বহু দিন ধ্রেই বেচ্ট সেব্দার, এবং তা 'বিনা কারণে ^{নর তি} এ বইয়ের প্রধান গণে স্কেশন্ট সঞ্জীব পরিবেশ অংকনা—যে পরিবেশ রহসামর বৌন্দর্য ও ভর্ণিততে পূর্ণ। এর মধ্যে বয়েছে দাটি শিশ্য যারা कतर श्राप्त ওপর एक काइ। निष्मान स ব_শিধসমপ্র শিশ্য দ্বটি এক অসীন পথে হটিতে পেরে খ্শী। কাবা-মা একটি কোন সীমা প্রভার জনো হাতড়াচেছ। এই পরিবেশ So overful of a mystical beauty and terror, gives the boy his simplicity and takes his sister's life. It just wears the parents Out '

বালাজির বিশেষ সাফলা চারতগ্রিলর

ভার দিকে ক্রীভিন্যতি ও আচার-সংকারের বয়নে। এর কলে ও বই নিয়ক গলেনে চেরে কিছু বেশী, ও জন-বাননের কাহিনী।

সানতে ইবিকা-এ সন্ত্ৰাহনা প্ৰস্পুত্ৰ ক্ৰিয়াল বাইনন্ধ বলেকেন বৈ, সভাজিৎ বাবের ক্ৰিয়াভ হলে গিলেকে। কিন্তু চলচ্চিত্ৰ-নিরপেকভাবেই এ বই পাঠবোগা। বইতিতে সরদ ও মাধ্যু দিলে বিশেব দশকের ভারতীয় গ্রামকীবনকৈ আঁকা হলেছে। ব্যামার্ক্তি এককন 'unsophisticated' লেখক। ইংরেক্ত্রী পাঠকের কাছে তার লেখায় আক্রমণ হলে, 'সরল গ্রাভাক্তা.... সহান্ত্রতি..'

পরিবারটি দার্শ রক্ষমের দরিয়, এবং আনেকটা এট দারিয়ের দিক থেকেই বইটির একটি বিশেলীয়ত সংক্ষিতসার দেওরা হরেছে। পরে সমালোচক বলচেন যে, এই কাহিনীসার থেকে বইটিকে একটা '৪০ট গ০েস' বলে মনে হতে পারে, কিন্তু বানাফির 'সারলা খ্বই ফুডিছের সংশ্য ভারতিশ্বাকে বাদ দিরেছে।'

সমালোচনা শেষ করছেন বাানীকরি চেন্টাহানি বাস্তবভার প্রশাসায় : 'this unforced realism gives his fiction the quality of an artless,

unembittered, gently imaginative stretch of autobiography.

২৮গে ভিসেম্বর, ১৯৬৮, ইনকোরারার কাগন্তে পথের পাঁচালীর সমালোচনা করেছেন আইফনি হোসগড়ে। সমালোচকের মতে এটি ঠিক উপন্যাস নর, এটি উপন্যাসের আধারে আধাকীবনী'। সেই- জনো পল্ট বা চাঁহতের বিবর্তন এবালে সামান্যই আছে।

ছবিত্তপূৰ্ণি একটা বাস্চাকে অভিকর কর্মে-যে রাস্তা বাংলার শক্তীর মধা বিজে क्षारकरवारक करणरक, करणरक रकांक्रे आये, महारक्षा । संभारति । प्रदेश मिरत । अपे भरवड चशरकार चर्मना तिचाता हाक अक्रि क्रम्मना-প্রবৰ শিশ্বে চোম দিয়ে। শিশ্বটি দরির এ প্রায়ণ ক্ষাত থাকলেও দৈনন্দির জীবন-ঘটনার সে আনশ্ব গার, এতে ঔংসক্তে আছে ভার। বেখক কথার ও টাপাতে পালীর মহৎ সৌন্দৰতে সন্ধারিত করেছেন। কিন্ত পল্লীপ্ৰকৃতি অনেক সময় নিষ্ঠ্যৰত। বৰাৰ क्षणधाराम् महिल कृष्टित्रक्रित वियाण्ड इध्यात দ্দা এত জীবন্ত ৰে পাঠক সৰ্বজয়ৰ আড়েক এ অসহায়ভাকে নিজের বলে উপদক্ষি করে। যাত্রাদলের আবিভাবে অপরে উল্লাস ও শিহরণে পাঠকও হয় অংশীদার। অপার আকৃষ্ণিক কথ্যসাকে আনন্দ অপ্রত্যানিত কোনো **খালি এবং** দিদির মভাতে মুমাণ্ডিক শোক—এ সব অপরে मण्डे भारेतकद्रक क्षीदनाराम भारतक इत।

এই সব মন্তবোর পরে সমালোচক লোবা শেষ করেছেন এইভাবে : 'দুঃখ ও সূত্র জানিনের মধ্যে এমনভাবে মিশে আছে বে, বলাই অসম্ভব কোন্টা প্রবান, এবং এর অনিবার্টাই এ বইরের ভাববস্তু । খটনা-গর্মাল আমরা ভূলো বেতে পারি, কিন্তু বাংলা দেশের দেই প্রামে বাস করবর সম্ভি মন বেকে মেছে নাট

লগভনের ভেইলি টেলিগ্রাফে **আলোচনা** করতে গিয়ের মাইকেল মন্ত্রসপ্র**রেল ক্ষর্ট** বলেছেন, অনুমানের রাগ্ডা এখন মো**টর-**

সেয়গের কেচ্ছা একালের ইতিহাস

न्वीत बाबकोग्रही

কৈছা মতেই ইতিহাস নক, ইতিহাস মনেই কৈছা নক। অভিারো শতকের কলকাতার কোন শিলপপতি ঘোষণা করেছিলেন, সমাজ ভামার সিন্দাকে? কোন বিধবানিবাই প্রসংশা মাজে লিখেছেন হে, নেপো-লিয়ন যেমন গোল সপতক পারাসকে অভাষক জিলা সম্পাদনে বাধা করেছিলেন, তেমনি গড়েগড়েছ ভট্টাচার্যকেও উন্ধ বিধবানিবাই পৌরোইছতা করতে বাধ্য করা হয়? এরকম করেকটি কালজানী কেছার বিবরণ আছে এই বইডে। ০০০০ টাকা

কাচের পাহাড

আডালবেট ভিটকটের অন্বাধ ঃ মানবেশ্য বল্লোপাধ্যার

কাল্লায় হাল কেলাকে প্রমাজিয় করার কৃতিছ
মানবেলা বালাগাধানের। তিনি এবার
আমানের পরিচয় বালাজন সিফাটর-এর
বচনার সংকা। টেম স মান নীটেশ ধার
লেখার বিশোষ অন্তর্গী ছিলেন সেই
মাডালাবেটা সিটফটের বচিত কাচের পাহাক
একটি আলচর্য উপানাায়, অল্পুস অব্ধানর
ভ্রার পাহারেজ কানাজ আর সামা বালা
দুই ভাইবাম হালিম লিয়েছিলা—কী করে
ভ্রারকভের মানা তালা মাথারালা করলো
আর বালাগাধানির বালাজাভারের
বালালা ও উত্তেজনাহার্ল করিমা।

कार्शनिक कार्मा नक्न वरेराव कना :

ठमास्टिका. ५ नवीन कृष्णु लिन (क्लिक द्वाद ভिতরে), क्लकांटा ৯

গাঁড়ির জন্য পাইপ-গাইন মার। জীবনের উদান-পতনের নবা দিরে বারার প্রাতন রস্তীর বা ভীর্থবারার অর্থ হতে অবলিত হক্ষে-বা হয়তো এশিরার সাহিত্যে এশাও ভিত্তা ক্ষেত্র আন্তর্গ

্বালটোর প্রবানত আকর্তবিদীন্তক আন্তানকাল প্রের প্রতানিত আরে অকটি নরল কোনল সৌলবা দ रहे व सन्दासम्बद्धाः स्वरं सम्बद्धाः साहाः । वहेतित haunting quality like music heard across water has been marvellously captured by the translators.

সংক্ষিত্ত এক গ্যালীলাকের কাহিনী-বিজ্ঞোক্তন গোকে অনুক্তি করা হলেছে, পদ্চবত লোক্তকর বিজ্ঞাতাও উপন্তেত্ত জগ্-ন্সা সন্পৰে হৈ
পাই বালাকে, 'এবের গাল-পরের প্রাত্ত এবং উজ্জেবই আছ, বলে ও বরের গানের করা অবৈদের প্রতি যভার আছারভাবেন

নিউ শেটটসন্মানের সমালোচক ক্যেন ক্যানের সভাজিং রামের ছবি ও মূল ব্যার



ছবো পাথ কা দেখতে পাছেন। উপসাসিটি অন্তত অংশত আক্ষমীবনীৰ লভ, এবং পাটনা নিৰ্ভিনে অপট্টা

তিনি তার লেখার উপসংহার টেনেজন
এইতাবে: স্থানীয় কুসন্স্থার, ব্যাসি উৎসবতন্তান—এইসব অনেজ কেতিব্যলোকীপক
বিষয় আছে, কিন্তু গুরুত্ব বা ভুক্তা
নির্হণেবে প্রতিটি ঘটনাই সমান বছ ও জোর
দিরে বলা। রবীন্দুনাথ খেকে বেস্ক ইংরেজ
গাঠক জনন্দ পেতে পারে, ভালের কাছে এ
বইরের আবেদন কোরালো হবে বলে জন্মান
কবি।

তবে এই সমালোচকের কাৰে এ বই 'pretty, exotic, and rather boring.'

পথের পাঁচালী এত বেশী কলোলী' বে,

এ বই—বা আমাদের খ্ব প্রিয়—তা
দুনিয়ার হাটে কার কেমন লাগবে, এ
দশকে বালালীবের আশুণকা খাকা
বভাবিক। কিন্তু সনুখের বিষয়, বিদেশের
সাহিত্যের রস্ত্রহণের জনা মনের বে বিশতার
প্রয়োজন তা এখন সব দেশেই বেক্টেছ।
এখনে যে সমালোচকদের আমার; দেখলাম,
তাদের প্রায় স্বারই—একজন বাদে—এ বই
মোটব ওপর ভালই লোগেতে বলা যায়।

তবে যে-কোনো ভাল ইই সংশকে হ

ঘট এখানেও ভাই ঘটেছে। নানা লোকের

নান নিকে চোখ পড়েছে। কেউ এ বইছে

ালিক সতোর উপস্থাপন লক্ষ করেছেন।

নেও বলছেন, রীভি-সংস্কার-বিশ্বাসের

অবেওনে এ বই উপন্যাসের চেরে কিছু

বেশী। অনেকেই উপন্যাসচিতে আছাজবিনীর

ছাল দেখতে পেরেছেন। সমুদ্ধ পশ্চিমী

জবতের সমালোচকদের প্রায় সকলেরই চোধে

পড়েছে নিঠার দারিলোর প্রসংগাট। বংলা

দেশের জীবনের খানিনাটি ও সেই খানি
নাতির প্রতি লেখকের প্রতিভি অনেকের দ্বিভী

আকর্ষণ করেছে।

আদ্যমের বিষয়, নিবিদ্ধ প্রকৃতিপ্রতীতির প্রসংগটি অনেকেরই দৃণিও এড়িরে গেছে। ডেইলি টেলিগ্রাফেই মার প্রসংগটি ফগ্রেগাগ গ্রেহ পেয়েছে। লিভারপাল ডেইলি পোষ্ট পরিবেশের 'mystical beauty'-র উল্লেখ করেছেন। আর ইনকোয়ারার প্রপ্রবিংলার 'beauty and grandeur'-এর কথা বলেছেন। আর উল্লেখ্য, শেষের দৃটি কাগজেই এই সৌন্দর্যের সংগ্য নিক্টার্তাকেও লক্ষ্ণ করেছেন সমালোচকেরা। একটিতে 'terror', অনাটিতে 'cruel' শব্দ ব্যেহত্ হয়েছে। বিশোর চালে সমালোচকরের এই নিক্টার দিকটাবিশের চালে পাড়েনি। হয়তো গা-সএরা বলে।

একজন সমালোচক এ বই পড়তে খ্ৰহ ফাল্ডি বোধ করেছেন 'unselective,... Pretty, exotic, and rather boring' নাই বিশেষকালৈ ভিনি কাৰতার বাল-কো। স্বালিকাশের বাঁই লেকে বালা জানাল লেকে পানে আন্তার কাছে পানে পানিকালি বংঘণ্ট আবেনন বালাে কারে আন্তার বালােকা পানিকের ক্ষেত্রের বা বিভালিক ক্ষার কেলে। কারণ নােই। একে কো ভিনা বাভি বাকে লোকের; ন্বিভালিক, মুক্তাভিমর পাল্ডাভা সমাজের পানিকাশের কারে। কারে বাই একট্ বন্ধার সাালােক ক্ষারাকালে বাই। সমাজেই কি এমন পাঠক ক্ষেত্রাকালে নেই। সভালিক বানের ছবি না হলে। এই পানিকাশ নলা কি আরাে একট্ ভালা হলে। নাং

ভূলনা প্রসংশ্য বইরের নাম অসেছে—
হাক্লবৌর ফিন, ছেডিড কপার্থিকড।
আত্মজীবনীম্লক এ বই দুটি। ডেডিডেরও
কঠিন বাল্যজীবনের অভিজ্ঞাতা ররেছে।
কিল্তু পথের পাঁচালীর সংশ্য দুটি বইরেরই
মলে সারের ভারতমা আছে।

প্রথের পাঁচালী প্রসংগ্য বাপালী সমালোচকদের করে। করে। মুখে জাঁ ক্রিন্ডফের নাম গোনা গিরেছিল। বিদেশী সমালোচকদের কারে। মনেই এ সাদশ্য জারোন।

প্রকৃতির সংস্পাদ একটি আন্থার ক্রমবিকাশ—এই বিষয়-সাদ্দ্রে ওয়ার্ডালওয়ার্ডার দ্য প্রেল্ডাওর নাম মনে পড়া
অসবাভাবিক ছিল না। কিন্তু তা হয়নি।
আমরা আগেই দেখেছি, প্রকৃতি প্রসংগাটি
বিদেশের সমালোচকদের কাছে একট্ ক্রম
গ্রেছ পেরেছে। তা ছাড়া দা প্রেল্ডে
উপনাস নয়—সেজনোও বাদ পড়তে পারে।
আর পথের পাঁচালী ও অপরাজিত সম্প্রিটা
মিলিয়ে এ তাংপর্য বতটা পরিস্ফুট, খাঁন্ডভ
পথের পাঁচালীতে তা নছ।

তুলনার ক্ষেত্রে একজন চিত্রশিক্ষীর নাম मायानियां इत्नाव यात्रकः । (১৮৪৪-১৯১০) আসল নাম আছি র শো। তিনি তার জীবনের পনের বছর পারিস সীমান্তে শুক্ত আদারের কাজ করেছিলেন। এই থেকে দোয়ানিয়ের' (অর্থাৎ কাস্ট্রাস অফিসার) কথাটা ভার নামের সংগ্রাহার হরে যায়। সাছ, পাতা, **ফাল, মাটির গণ্ধ** তরি ল:গত। তখনকার প্যারিদের শহরত লৈতে তিনি নিতাগামী 'তার সামনের ফ্ল. **प्रांतन**। **मिथा**न মন অবগাহন করত। স্যাতিসেতে মাটির উষ গন্য ালের আশ্চর গন্ধের সভের মিশে ভার চেতনাকে আ**জ্বন ক**রত।' কিন্তু এ অবস্থাতেও তিনি ছবির পর ছবি একে যেতেন। (আরি রাশে। । জা বারেত। ওলডবোর্ন পকেট আর্ট সিরিজ। পুঃ ৩)

এই ধৈব ও বজের ফলে বে ছবিগালি স্ট, ভার সংখ্য এইস্কুলি বিখ্যাভ ঃ—দা জাণাল : মাংকিজ উইখ অরেজেস, লোটাস ক্লাওয়াস, দ্য ড্লিম, একলোটিক ল্যাণ্ডদেকপ अपूर्णि । वहें वीकारीयात वासे, करण, कास व वार्षित केटलें विकृषिक्ष्मत्वत क्या आस्त्र वार्षित केटलें

বিভৃতিভূবন সন্দৰ্শেও ঠিক এই বৃটি বিশ্বতি মত প্রচলিত ব্যব উন্ধেদ্ধন বর্তমান প্রবাশের বিদেশী স্থানোচকবের উন্ধাতির মধ্যেও করেছে।

বাই হোক, বিদেশীদের অইসব সমাজোচনা দেখলে আর একবার একট্ ভির মুন্টিতে বিশ্ব পরিপ্রেলিকতে প্রের পাঁচালীকে দেশবার সাধ ঝাপালী পাঠকের মনে ভাগতে পারো। এত বিদ্য খরের চোখে ঘরকে দেখোই, একন একবার বাইরের চোখেও ঘরকে দেখা বেজে পারে।

विवासनात्क्रमात गामत

কৰা ও কাহিনী ১০ বণিকৰ চাটোলী বাটি, কলিঃ ১২

(M-6662)





স্টেট ব্যাংকের ঋণদান নীতির নতুন ধারা

স্প্রতি ব্যাংকের অণ্দান নীতির একটি পরিবর্তন স্ক্রীচত হয়েছে। স্টেট ব্যাংক যোষণা করেছে যে সারা ভারতে তার ৰে সকল শাখা আছে সেগালির মাধামে ছোট ছোট ব্যবসারী ও বিভিন্ন ব্যব্তিতে নিয়ত্ত ব্যক্তিদের কার্যকর মালধন বোগান এবং खनाना शकाद सन एन्छहोत छएनएमा এकि প্রকল তৈরী হকে। এই প্রকলেশর উদ্দেশ্য ছাল শিক্স ছাড়া অনা ক্লেন্তে অথনৈতিক তংপরতার স্মাহত উন্নর্ন। প্রকল্পটি শীয়ই কার্যকর হবে। এই প্রকলপ কার্যকর হলে খাদাশসোর দোকানদার মাদি-থানার মালিক ভারারখানা, বড় বড দোকানদার, কাটা ঝপডের ব্যবসায়ী এবং বৈদ্যাতিক সরজাম বিক্রয়কারী প্রভতি স্বাই শেটি ব্যাংকের ঋণ গ্রহণ করার অধিকারী হবে। ভারার, শলা চিকংসক দত-চিকিৎসক, স্থপতি, কারিগার উপদেন্টা, প্রভাত বিশেষ ব্যক্তিতে নিয়ত্ত ব্যক্তিগণ ছাডা সরকারী সংজ্ঞায় পড়ে না এমন সব করে শিলপকমে নিযুক্ত ব্যক্তিরাও এই প্রকলপ জনুযায়ী ঋণ ও আর্থিক সাহায্য পাবেন।

গত কয়েক বছরের হিসাব যদি আমরা পরীক্ষা করি তবে দেখা যাবে বাাংকগলে কৃষি এবং ক্ষাদ্র সিলেপ খাব কমই খাণ প্রদান করেছে। বাণিজ্ঞাক ব্যাংকগ**্রা**ল মোট যে পরিমাণ ঋণ দিয়ে থাকে তার মাত্র শতকরা চার ভাগ কৃষি ক্ষেত্রে দেওয়া হরে থাকে। অশ্তত গত আথিক বছর পর্যাত **छा**हे छिल। **अक्सात रंग्छे**हे न्याःक्टे कृति अवः ক্ষুদ্র শিল্পকে অগ্রদধিকার প্রদান করে তার খণদান নীতি কার্যকর করেছে। সম্প্রতি খণ প্রদানের ক্ষেত্রে স্টেট ব্যাংক যে নতন প্রকলপ তৈরী করেছে তার অন্যতম উদ্দেশ্য হল, সারা দেশে শিল্প ছাড়া অন্য কৈত্রে অর্থনৈতিক কর্মতংপরতা সহ দেশের সংসম অর্থনৈতিক উল্লয়নের পথে সঠিক প্দক্ষেপ করা। **আমাদের দেশে ক**রে শিলপগ**ু**লি ৰাণিজ্যিক ব্যাংকগালি কত্ক প্ৰদত্ত দীৰ্ঘ-মেরাদী খণ লাভে সর্বদাই বঞ্চিত হয়। এমন কি স্বল্প-মেয়াদী ঋণ লাভের জনাও যে আতীয় সিকিউরিটি ক্ষুদ্র শিলপগ্নলির রাখা मत्रकात. जा ताथा अर्यमा मण्डव दत्र ना। লেও ব্যাংকের নতন খণদান নীতিতে বলা হরেছে, ছোট ছোট ব্যবসায়ীদের কার্যকরী ম্লেখনের জন্মই প্রধানত অর্থের প্রয়োজন।। বেসৰ ক্ষেত্ৰে দোকানে মোট মজ,ত পণাদ্ৰবা সিকিউরিটি হিসাবে যথেন্ট বলে গণ্য হবে ना मिक्स एक राष्ट्रिया के वार्ष वार वार्ष ব্যাষ্ঠীর বহিত্তি খণগ্রহীতাদের কাছে



বন্ধক রাখার প্রস্তার্য বিবেচনা কবতে পারে। আবশাক ক্ষেত্রে ঋণ প্রদানের ক্ষেত্রে একই সংগ্য জামিন অথবা উপযুক্ত গাারাণ্টি চাওয়া হৈকে পারে। এই নতুন ঋণদ ন নীতিতে সাজসরজাম কেনার জন্য অর্থ সাহাক্ষেরও ধাবস্থা রয়েছে: যেমন, কোন ওম্পের দোকান যদি রেজিজারেটার কিনতে চায় তার সেই দোকানকে ধার দেওয়া হবে। ভাছাড়া ক্ষেত্রবিশেষে ওভারজ্লাফট দেওয়ার স্থাবধাও নতন ঋণদান নীভিত্রে আছে।

স্টেট ব্যাংক ঋণ প্রদানের ক্ষেত্রে যে নতন নীতি প্রবর্তন করেছে দেশের স্থেম অর্থ-নৈতিক উলয়নের জন্য তার গ্রেড খ্রই বেশি। অন্যানা বাাংকগ/লিও যাতে দেটট বাংকের অন্যর্থে ঋণদান নাতি গ্রহণ করে ভার বাবদ্যা করা নপ্রকার। বভামানে ধ্রথন দেশের চৌদ্রতি প্রথম শ্রেণীর বাংক ভাতীয়-করণ করা হয়েছে, তথন সরকারের পক্ষে মেটট বাংক কতকি প্রতিত খ্রুদান নাতির নিভ'ব ক্রেক্ট 193 চৌদদটি নীতি বাংকের ঝণ্লন নিয়াল্ল ₹**₹**! করার क्रफा উচিত। সম্প্রতি প্রধানমন্ত্রী (খাখণ: **ক**রেছেন ব্যাংক ক্রেডিট এখন থেকে প্রয়োজন-ভিত্তিক হবে। খাণ প্রদান করার ক্ষেত্রে খাণগ্রহীতার খণ-গ্রহণযোগ্যতা অপেক্ষা খণের উদ্দেশ্যের উপর বেশি গ্রেড় আরোপ করা হবে। ব্যাংক জাতীয়করণ করার অর্থ এই নয় যে. সকল শিল্প কোন ব্যাংকের নিকট হতে যে সকল সাযোগ-সাবিধা পাছে সেগালি বরবাদ করতে হবে। রাষ্ট্রায়ন্ত ব্যাংকগ্রালির উদ্দেশ্য হবে, দেশের অথকৈতিক উল্লয়নে অর্থ সাহায্য করাব জন্য যতদুরে সম্ভব জন-সাধারণের সঞ্চয় বৃদ্ধির হার বাড়ানো। ব্যাংকগর্নলি এই অর্থের অধিক্যাংশ খরচ করবে কৃষি ও শিল্প ক্ষেত্রের উলয়নের জনা। এক্ষেত্রে স্টেট ব্যাংকই অন্য চৌদ্যটি ব্যাংককে পথের নির্দেশ দিতে পারে।

क्रान्त कर्कक श्रामाश्ला हात्र

সম্প্রতি ফ্রান্স যে তার মন্ত্রার (ফ্রাঁ)
বহিমিলো হ্রাস করেছে তাতে পদিচম
ইউরোপে বিশেষ চাম্প্রলোর স্থান্ট হরেছে।
ফ্রান্স মন্ত্রাম্লা হ্রাস করার সপ্রে স্থান্ট ওয়াশিংটন এবং লাভন থেকে ঘোষণা করা হয়েছে যে ডলার এবং পাউল্ডের ম্লা হ্রাস कता रत ना। जानक्त्र धातना क्रीन्तर মাল। কমে যাওয়ায় জামান মাকেরি মলা বাদিধর সম্ভাবনা হয়তো বন্ধ হয়ে গেল কিন্ত পশ্চিম জামান সরকার যোলে करतर्ष्ट्रम रय. धक्रमा भारकद मामा भागवा বাডাবার সম্ভাবনা নশ্ট হয়নি। এম_{নিজে} মাকেরি মূলা ফ্রা-এর মূল্য অথবা দুলার এবং পাউন্ডের **অনুপাতে** একটা কম বলেই অনোকের ধারণা। তাই জামানী যদি এখন মাকের মালা বাডিয়ে দের তবে আনকা হবার কিছা নেই। কিন্তু সেপ্টেম্বর _{হাসে} জামানীতে যে সাধারণ নির্বাচন হতে জল আগে জার্মানী এই ঝাকি নিভে যাবে কিনা তা-ই প্রণন। অনুমিত इस्साम कारकर বভামান মাদার বহিমানো ডলাবের অনুস্তুত শতকর ১২-৫ ভাগ কমে গেছে। যদিও সরকারীভাবে বৈলা হয়েছে যে, মনোর মলা হাসের অন্যপাত হচ্ছে শতকর৷ ১১.১১ ভাগ। এথন **জা-এর ম্লো হচ্ছে** প্রতি ভলারে ৫-৫৫৪১৯ ফ্রাঁ: ফ্রান্সে মনুদ্রমূল্য হাস যে যিত হাবার সংকা স্কোট ভিনিস-পতের দাম যাতে না বাডে সেজনা মতা সংকোচনম লক ব্যবস্থা: (Price Froeze) অনুল্পিকত হয়েছে :

মাদামালা হাসের অনাত্র উদেশা হচ্চে রণভানি বাড়ানো এবং আহলনি ক্যানো: ভোত ফালে টোদেশিক কাণিজা অথবা বৈদেশিক লেনবেরের ক্ষেত্র মাজে দেশের অবস্থার উয়তি হয়। কিন্তু রুণ্ডানি কতটা বাড়বে - অথবা আমদানি কতটা কমবে তা অনেক-গর্লি উপাদানের **উপর** নিভরিশাল। বৈদেশিক বিনিময়-ছারের পরিবর্তম বাণিজা নির্দ্তণের একটি উপায় মার। ফান্সের মুদ্রাম্বা হ্রাস পরেয়ায় ব্রিটিশ পাউপ্তর মূল্য হাস করা হয়নি। তবে পশ্চিম ইউরোপের বিভিন্ন দেশের পারস্পরিক বাণিজ্যের উপর এই ঘটনার প্রতিরিয়া দেখা দিতে পারে। ইউরেন্থের সাধারণ বাজারে (European Common Market) রিটেনের প্রবেশ সম্পকে' আবার বিতর্কে'র স্থিত হবার সম্ভাবনাও রয়ে গেছে। তবে ভারতের এজন্য বিশেষ চিম্তার কারণ নেই ৷ কারণ ভারতের সংশ্যে ফ্রান্সের বাণিজ্ঞাক লেনদেন থবে উল্লেখযোগ্য নয়। ১৯৬৮-৬১ সালে ভারত এবং ফ্রান্সের মধ্যে মাট ১৭ रकारि ३० लक ग्रेकार वानिकाक लनाएन रसाइ।

গত দু বছর যাবং আশতর্জাতিক বাজারে যে ম্যো সংকট হয়েছে, ফ্রান্সের ম্যোম্পা প্রাসের ফলে তা তীব্রতর হবে বলে মনে হর নাঃ

জাসনে ফ্যাসাদ

ৰতবৰ্বে সীমানা পার হ'লেই প্রথম ज्ञास्त्र महार पि नकत्त्र कात्म त्यासामन পরিবর্তনশীল চটক। লেবাননের রাজনৈতিকভাবে বের টি। কিন্ত সেখানে পেতিই আবৰ দুনিয়া। য়হিলা ফ্যাসনের এ পুথমে পেলাম মৌসামের সংবাদ। চাঞ্চাপানা হীল দেওয়া ভাতে: বিরাট গো**ল গোল রোদ-চশমা**. অর্থ নান মিনিস্কার্ট, পরচুলার পরম জন-পিরতা-আরও কত কি। টুরিস্ট বাবসারে বেবট ফেপে উঠেছে। তাই ব্লাম্ভার দাঁভিরে ত গুধাবয়সক মহিলা কোমরে হাত দিয়ে অপ্র পারের আরে এক মধ্যবয়স্কার সংশ্য চেণ্ডিয়ে ঝগড়া করেন ডিনিও পরেন ताजातव (यम। याँन भाष घाटी जना ब्रक्म ফেব্রু দেখেন ব্যাবেন সে বাইরে থেকে ক্ষেত্র। স্থালে-টাইনেব বাদতহারাদের ফেডিডেও মিনির মানা নেই।

ত বলে বলবো না লেবানন ফাালানেই ক্রাম্থান। রচনাহয় আরও পশ্চিমে। হয়ত টালতে টোলতে পেশীছোবেন একেবাৰে মেলৈ হয়লের ফল মার্কিন মালাকে। এথন নাকি ইউ বালের মেয়েরতে হা করে চেয়ে প্ৰক ক্ৰিক। জনকোলন কেন্ডিড **এনিস্স** ফাশ্নন স্মী। প্রসা নিবে নাকি ব্রগতি म्याभीत माल्या दामान्यदास ट्रामा इटला। माज्य-পেশাকে বা কেশ**চচ**ার চড় চড় করে হাতের পরে। চলে যেতো। এখন সে ভারনা ্টে। জগতের শেষ্ঠ ধনীদের একজন ওলিসিস সাহেব। তবে আমাদের পক্ষে স্পাবাদ হাজে জ্যাকেলিন হঠাং ভারতীয় ^{সরহার} আগ্রহ প্রকাশ করেছেন। ফরাসী ক্ষেত্ৰ সংজ্ঞানিকথা নাকি অণুগই সে দৈকে অ'প্ৰছিলেন। চিলা **প্ৰভামৰ মত** Bell Bottom প্রাণ্ট শাডির আঁচলের মত বাহার দেওয়া সাংধানাচের সাজ সব আগেই চাল যায়ছিল। জ্যাকেলিন জমিয়েছেন সেই ভিজ-^{এর উপর।} গম্প শানেছি—সভাতা সম্বন্ধে ^{ছোর} কর:ত পারি না—যে, একদিন নিউ ^{ইয়}ের এক ভারতীয় দোকানে **জাকেলিন** ওনেসিস বেছে নিজেন তোতাপাথির মত ^{সব্জ রং-এর কৃতী আর পাজামা। আর যার} ^{কোথায়} মার্কিন সমাজের শৌশীন সব ^{ভে:}পা পড়লেন দোকানে। তেগ্রতা আর ক**ই** ? যা আছে ভাই দাও। 'আরে এ যে মাপে বেমানান' বললেন ভারতীর দোকানী। **ভা** रक, আজই চাই কুর্তা পাজামা। এখনই যেমন করে হক টেকার টক্করে ফিংএর ^{ৰাবস্থা} করতে হবে। দোকানী তো এখন এক মহো**ৎস্বের আন্দাত্তে আরোজন** क्रतनि। भटा विभव।



এই যে ভারতীয় ছোওয়ার জনা পাগলামি তা ছড়িয়ে পড়েছে দিকে দিকে। কত দিন চিকৰে তা জানি না। এই মওকার যাদ जाभारमञ्ज रकनारवहाड त्यन काम अकरे। मीध হতো বন্ধ ভাল হতো। আমাদের দোৰ সৰ ব্যাপারে দেরি হওয়া। হরতো বা আরোজন হতে হতে হাহা করে ফ্যাশনের ছাণি হাওয়া কোথার চলে বাবে। লাভনের বড় বড় লোকানে ছোট ছোট "Indian Boutique" হরেছে। দারাণ কামাচ্ছেন কতারা। অধ্য আমাদের প্রচেণ্টা আর একটা বাডলে হতো। আদতজাতিক সৰ থবাৰের কাগজেই কৈ কৰ দ্র্যা হাচ্চ। ফাশেন কেখিকারা স্বাই বলছেন "In look is Indian" এখন ভারতীয় ধারার ক্রমর প্রায়াভ সংস্থায় । গ্রাস্থ্য ব্যালে সমূহসকল সহ। পার্টিস থেক International Herald Tribune-or प्रकार भागीनीय रकाइन It's coing to be an Indian Summer" তবে ভার ফাত ছিপিতা (hippies)-এর জনা দারী। হতে পারে। চাদর, ধাতি, জপের মা**লা** সবই তে ভারা নিয়েছে। **আমাদের এক ধার** বলভিলেন, লস এয়েলেসের পথে হঠাৎ এক দিন বেতে বৈতে শ্নালেন কে বলে বাছে
নারারণ নারারণ। ফিরে চেরে দেশলেন
গের্রাবসন এক হিপি সাহেবের শ্বে
উক্তারিত হচ্ছে নারারণ নারারণ। অবাক
হবার অবশা কিছু নেই। প্রাচুর্বাভরা দেশগ্লিতে অতিরিক্ত ঐশ্বরের প্রতি আর ঐশ্বর্বাহাগের উ্গারের প্রতি বিতৃকার হ্বসমাজ হাত পেতে ভিজা চাজে ভারতীর
আবা্যিকভার হাছে। কিছু গাও, কিছু
গাও, না হলে অশান্তিতে আমরা অশ্বর
হাছি। তাদের জীবনের পাশ্বতি সম্বন্ধে
ভাবনা হতে পারে কিছু ভাদের এই দৈনা
না ব্রবার মত নর।

যাক এ তো অনা কথা। ভারতীয় হাবদাৰ নকল কৰাত গিলে ছিপিবা সজাই ভারতীয় সম্ভাব খারা পশ্চিমকে পরিবেশন করেছে। প্রথম সম্ভার্মিক গণেীজানী মাৰ ফিবিৰে নিবেছন। বং-বেবং এর বাচার ভৌদের বিষয় আপনি। আপনি চিত্রালা कहे ? এই তে। मिनिन विस्मृती काशास्त्र होन দেখলায় নিউ ইয়কের এক স্বনামধন্য গ্ৰহ্মত্তা ডিলাইন' শিল্পী হাতির হাত-পার অনুকরণে আসবাবের নমানা **দিবেলেন** ! সাদা বং করা হাত-পা। ভাব উপর **উভ্যাল** রং-এর কশন দিছে বসবার বাবস্থা। ধনী-গ্রের হলঘরে চাকেই প্রথম থাকবে এই বাহার। বাহারে বসবার বারশ্বার পা মাডে বসে নিভত **কজেন বে**শ চলবে। নাম**ও ভাই** ভার Love seat। শোবার হরে ভারতীয়





दमाननाम विकास १ एएए जाताम कता ७ कामन हरहार । जानारस्त्र मिटक जजी मा हरहार । जानारस्त्र मिटक जम्मान मरमारस्त्र मानारस्त्र मिटक मानारस्त्र मानारस्त्र मानारस्त्र मानारस्त्र मानारस्त्र । वर्षः, वासोनसम् मानारस्त्र मिटक मानारस्त्र माना

মার্ক দেশের বিখ্যাত মহিলা পাঁচকা
House and, Garden: Mary Jane
Pool ভার কলাদিকা। সম্প্রতি এক চমক
লাকনো আরোজনে ন্যাইকে অবাক করে
কিন্তেমন। এই বে সব সম্ভা হাতের হাপা
বিছারা ফ্রাইন আক্রাল আমরা কিনে থাকি
ভারই এক মানা নিরো করের দেওরালে সবত্রে
স্পেটেছন। পশ্চিমের সমাজ তা দেখে মুন্ধ।
বলছেন এ বেন এক মমতাজ মহলের বাসের
বোদ্য ব্যবস্থা। হার আমানের মমতাজ কি
ভারে এ বলের মার্কিন মহিলা ছিলেন?

আমরা বে একেবারে চোথ বংধ করে
পশ্চিমের ধ্বেরালীপনা দেখছি তাও নর।
মার্কিন দেশে ভারতীয় ভাব আগে চলেছে
বটে কিন্তু আমরা ভেকেছি ফরাসী রসিক
Pierre eardin আর Jeanne Perabca
আমাদের ভিজাইন সম্বথের উপদেশ দেবার
করা। সরকার বেসব দোকান 'সোনা' নাম
দিরে বাইরে খ্লেছেন তাতে লক্তন নেই
কিন্তু প্যারিস আছে। ওড়িগার বিরটি
ছাতাখানা মেলে প্যারিসের সেনান' পলকও
ফেলতে পারে না। বট করে বিকী হয়ে যায়।
বাম ১,০০২ ফ্রাক্ষে বা ২০০ ভলার মানে
১৫০০ টাকা।

ভারতীর এশ্ররড়ারি করা আসবাবের জন্য কাপড় বিক্লী হর নিউ ইয়কে ২৭ ভেলার গঞ্জ হিসাবে। কাম্মীরের ডাল হদের क्यल यस रव शाष्ट्रेत्र वार्षे अवत्र विस्तापरनव স্বলেন পরিণ্ড হরেছে ভার আসবাবের সব नग्ना नक्ना व कर्म बाब नाः। अकरें दरत्ररण्ड अकरें कानम्बन कात्र शन्तिस्म इमिटकड করতে। তাই আলো নিউ ইয়কেৰ East 55th Street o পুসানা' খন্দের সামলে উঠতে পারছে না। चित्रान वस माकारनंत्र वायम्था दरहा मान আরও চাই। এমনকি নাইরোবির দোকানও বেচা অম করছে না। প্যারিসের সোনাও ঠাসাঠামি ব্যাপার। তব, চোখ ঝলসানো ভারতীর শসরা থ্'জে বের করতে কম উৎসাহ নেই রুপরসিকের।

এক সময় ভারতীয় শাল ইউরোপে চালিরছিলেন স্নেরী প্রধানা জোসেফিন। ভার বিজয়ী দ্বামী কোথা থেকে যেন এক উপহার পেরেছিলেন কাম্মীরের অপ্র শিল্প রচনা। এনে দিয়েছিলেন প্রেয়সীর পেলব করে। ভার পরের ঘটনা সবার জানা। পেইজলী শাল সেই কাম্মীরকে করেছিল কিন্তু সাথাক হয়ন। অনুকরণ সাধ:রণের কিন্ত ধনীর অণে উঠছিল ঘরে ছিল কাশ্মীরের কাজ। আজও যেন সেই ইতিহাসের এক নতেন রূপ দেখছি। ভফাৎ আছে। ফরাসী বিক্সবের আগের ইউরোপ ছিল আর এক রক্ষ। ফ্রাশন ছিল না অমসাধারণের নিত্যকার শথ। এখন ফ্যাশনের পর্যায় থাকতে পারে কিন্তু অধিকার অলপ বিস্তর স্বার আছে। আমাদের কঠের খড়ামর অন্করণে কাঠের জ্জা চালা করলেন এক জামান রুপকার। আর যায় কোথা। পথেঘাটে শুনবেন খট থট্ খট থড়ম পায়ে যুবক যুবতী চলেছে। ডাতারখানার বিক্রী হচ্ছে থড়ম! পারের

পরম উপকার করে এ ভারতীর নম্নার পাদ্কা এই ধারণার সবাই স্বাস্থ্য সচেতন হরে ছুটে ধার ভার্তারখানার। জুডোর দোকানেও গাদা গাদা ঋড়ম। আমাদের দেশে তো কথনও শা্নিনি খড়ম গারের পক্ষে ভাল। হরতো এমন বহু সাধারণ জিনিস আছে আমরা ব্বি না ভার

ফ্যাসাদ এই যে তা ঘাঁচে ফ্যাসনের কটার মত ঘুরে বার। বর্তমান পশ্চিমের সমাজে তো তার বেগ সামলানো দাব। ভারতীয় পোশাকের এই "I U" অক্সা থাকতে থাকতে ভারতীয় গৃহসম্পার কার কমবার আগে যদি কিছু পণা বেদ জুমিতে বসতো তবে দরিদ্র ভারতের বড় একটা উপকার হতো। জমিরে বসার বাবসায়ী দিক একটা আছে, আর একটা দিকও উপেকা করার মত নয়। ভারতীয়রা যদি নিভেরা নিজেদের জিনিসের যথেষ্ট মর্যাদা দেন তবেই স্থায়ী গোরব সম্ভব। বিদেশে কেন ভারতের পথেঘাটে মেমসাংহ্র সাজ্বার প্রচেম্টা লক্ষ্য করলে এ কথাই বার বার মনে হয়। এক কালে দেখেছি শান্তিকে খাটো করে স্কাটের অন্যকরণ করতেন তথাক্থিত বাংগ্যালি মেমের দল। স্ব:ধীন আমরা হয়েছি। সাহেবরা সরে গেছে কিন্তু মনের স্বাধীনতা কতটা পেয়েছি কে জানে? সময় সময় ভাবনা হয়, রাজনৈতিক স্থাধীনতার বাহানায় ব্ৰবিবা আত্মিক স্বাধীনতা হারিয়ে रशर्छ । হিপিদের মতই হতাশায় আমরা বেড়াচ্ছি, হদিশ পাছি না ক হাততে আমাদের নিজ্ঞস্ব, কোথায় আমাদের কৃথি। সেও এক ফ্যাসাদ বই কি।

গ্রীমতী





নেকে মনে কবেন যে শাণিতনিকেতন 🖣 চলাভবনে যারা শিলপ শিক্ষালাভ ক্ষরন তারা এখনও বেংগল স্কলের গণ্ডী অতিক্য করতে পারেননি, **অর্থাং তাঁ**রা এলন একাশ্ডভাবে অশ্তম্থী, বহি-ছাগতের চিত্রকলাধারার ভারা কোনও সংবাদ হাবন না। এই ধারণা যে ভল তা তরিতে ফ্লাঁকার করবেন গাঁৱা সম্প্রতি আকাডেমি গ্লেবীতে অন্যাণ্ঠত গাণিতানকেতন অপহক সম্ভ আয়োজিত শিল্পীদের প্রকারী স্বাহাজন। প্রদর্শনীতে নয়জন িলপতি পেণিটা প্রতিক ও ভাস্করেবি ৪০টি নিদৰ্শন দেখা যায়। এ'দের পায়াকই শাণিত্রিকেরন হলভেবান विकासक कार्यकर ।

ই দিপ বেট खना धिरुष्ट कर्णक दार প্রদর্শনীতে কলাভবনে শিক্ষাপ্রাণত দাএকজন শিলপীর নতন মনোভজনের পরিচয় প্রেছে। সোলাবাৰত সেদিন প্ৰদৰ্শনীয়ত পদাপ্ৰ করে অনেক্দিন পার - কলাভবনের বভামান অধ্যক্ষ খ্যাদেয়ালা শিক্ষণী লী দিনকৰ তেনিকের স্থেগ দেখা হয়ে গেল। কথা প্রসংগ জানতে পারলাম বঙা উপাদান মনোনয়ন, চিম্ভাধারা ও **অংকনব**ীতি বিষয়ে মিল্প শিক্ষাথীদের আক্তকাল স্বাধীনকা দেওয়া হয়-ফাল সকলেই আপ্ন ব**লবাট,কু** িজ্য রীভিতে প্রকাশ করার সাক্ষেপ্র পান। প্রদর্শনীর যে সাম্যাগ্র বৈশিক্ষা প্রথমেই টোখে পড়ে সেটা হল শিলপীদের স্বাধীন চিন্টাধার। ও সমসাময়িক শিল্পধারার ওপর डौरन्द शाधानामाना भिल्मीदा मकरलाई ^{ছর} ন। তেল ও জলরত তথা টেম্পারা মাধ্যম তার। কাজ করেছেন উপাদান হিসাবে একজন ভাঙা কাচ, কড়ি ও বিন্তেও ব্যবহার করেছেন। প্রায় প্রভেকের ^{কাজেই} প্রশিক্ষা করার একটি স্বাভাবিক ^{5প্রা}দেখা যায়। আবার করেকজনের রচনা দেখে মনে হয় সমকালীন শিক্স-ধারার বিষয়ে সচেতন হলেও তারা যেন বিদেশী প্রভাব থেকে একেবারে মৃত্ত হতে भारतनीन। वना वार्ना, श्रममानीरङ বিম্ত ও সম্বিম্ত শ্রেণীর কাজও দেখা

জর্থ পাল বিম্তে রচনার পক্ষপাতী। শিল্পী বিশ্বভারতীর স্নাতক, ১৯৫৮ শালে তিনি ক্লাভবনের ডিপ্লোমা লাভ



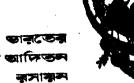
हेन पि शाटकान

-- অনিত বার

করেন এবং এখন সেখানেই অধ্যাপনা করেন।
তার রচনার চ্যাড়উইকের প্রভাব দেখা যার,
যেমন পেনিটং—২। বিশিপ্ত আকারের
সরলীকরণের জন পেনিটং—০ অনেকের
চোখে পড়ে। ধর্মানারায়ণ দাশপশ্রুত ১৯৬১
সালে কলভেবনে শিক্ষা শেষ করেন, এখন
কোনও শ্বুলে শিক্ষা শেষ করেন, এখন
কোনও শ্বুলে শিক্ষা গেষ করেন, এখন
কোনও শ্বুলে শিক্ষা গেষ করেন, এখন
কোনও শ্বুলে শিক্ষা গেষ করেন, এখন
করিছেন। শিক্ষারীর রচনা সমকালীন।
প্রচিত চিক্র ও তন্তুশাদের বাবহাত বিভিন্ন
পরিচিত চিক্র ও প্রতীক্ষাক অবলম্বন করে
তার রচনা ম্লেড গড়ে উঠেছে ও ভাঙা কাচ,
বিনাক্ত ও কড়ি সহযোগে রচনাক্ষেত্রে তিনি

বিচিত্র কার্কার্য সৃষ্টি করেছেন। এই প্রসংগ্য কল্পোজিশন ৫ ও ৬-এর নাম করা বার। অতি সরল ও সার্থক রচনা হিসাবে কল্পোজিশন-২ অনেকের চোবে পড়ে। শিক্ষার রচনার ভারতীয় ঐতিহা ও আথ্নিক শিক্ষার্থিত সুষ্টের সম্পন্ন সেঞ্চ বার।

গ্রাচরত দেব ১৯৬০ সালে কলাভবলে গিক্ষা শেব করেন। দিশেরীর কলরও ও টেশ্যারার কাক দেশে মনে হর ভিনিও প্রাচীন লোকচিয় থেকে উৎপ্রেরণা কাড



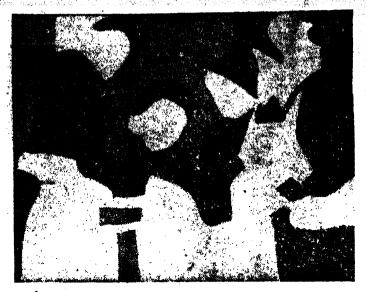
চ্যনপ্রশ

बाह्यदर्वटमाक विक्य देशामाटम श्राप्त



हारमध्यान मुख्य ७ श्रुवाकन गरि कानि, यवकम ७ शामसद्भव गीहात स्टान केनकांति । हिसक दिमार्थ निव्याक गावहारन स्टब्स रगोर्समा ७ क्रमका वृत करत ७ महीरवर्ष शृति माध्य कृतिया चाषाख्येत श्रुवमकांत्र करत ।

८नक्रम ८नक्तिकाराज्य विवेशका सार्वार कार्युव



কুকিং

—শাণ্ডন, ভটাচার্য

করেছেন। ছবির মধ্যে ফেনক গভেস উল্লেখযোগ্য। রেখা প্রধান রবোর্ড ছবিতে त्रवीन्त्रतारथत अक्ष्यम अथात अखाव राम्या यात्र। অমিত রারের রচনায় বৈশিক্ষা আছে। ১৯৬৬ সালে কলাভবার শিকা স্**মা**ত করে তিনি ১৯৬৮ সালে ব্রোদা শিক্সসংস্থ। থেকে স্নাতকোত্তর ডিপেলামা লাভ করেন। শিক্পীর রচনা প্রাচীর চিত্র জাতীয়, রঙ মিপ্রণ ও ব্যবহার প্রণালী লক্ষণীর। নীল কালো ও গেরুয়া রঙের স্কোশল ব্যবহার গালে তার রচনার কোলাকের বৈশিক্টা ফাটে উঠেছে। বেমন আউটিং ও ইন দৈ গাডেনি—২় পার্থপ্রতিম দেব ১৯৬৬ नारन कमास्र्वम एहर्ड ১৯৬৮ সালে বরোদঃ থেকে স্নাতকোত্তর ডিপ্লোমা লাভ করেন। শিশ্পী সোচ্চার, উচ্চাত্র রঙ বাবহার করেন এবং অঞ্কনরীতির দিক খেকে বিচার করলে দ; একটি কাজে আমেরিকার শিলপ প্রভাষ দেখা বার। বিশেষ করে 'ন্যাচারাল' ছবিখানির গাটে নীল রঙ বাবহার অনেকের ভাল লাগবে। লাশ্তন্য ভটাটার্য ও টিন্মর বার-দ্রুলেই গ্রাফিক শিল্পী। প্রথম জন ১৯৬১ সালে কলাভবনৈ শিকা সমাণ্ড করে প্রাফিক শিলেপ বিশেষ শিক্ষালাভ করেন। ১৯৬৮ সালে বরোদা থেকে স্থাতকোত্তর ডিপ্লেমা লাভ করার পর থেকে তিনি শাণিতনিকেতনে প্রাফিক শিশুপ বিষয়ে গবেষণা করছেন। এ'র লিখোগ্রাফ প্রিণ্টের বৈশিন্টা হল সরলতা ও রঙস্থমা-বেমন কুরিং। কেলাজ নিদর্শন ছিসাবে শিল্পীর ना फरन्कभ डेट्सथरवाजा। करना भूष्ठे-ভূমির পরিপ্রেক্ষিতে ছোট ছোট লাল রঙের আকারের মধ্য দিয়ে প্রাম প্রাণ্ডে কয়েকটি

দিক বিশেষ ক্ষেক 75.7 783 हात 30**6**3 অচিতে প্রকাশ করার জনা পিতক আনোকর ভাল লাগে। শিবভীয় জন ১৯৬৮ সালে কলাভবন থেকে স্নাত্ত্যেত্তর ডিপ্সেমা কাভ করার পারে গ্রাফিক মিকেপ উচ্চালকা লাভ করেন। শিলপার প্রিণ্টগালিতে প্রধানত নানা জাতীয় খেলনা ও পত্তেরে আভাস পাওয়া যায়—যেমন ৩৬ ও ৩৭নং প্রিন্ট। শিংশীর খেনেই কার্য সংক্ষা ও অনুভৃতি-শীল, এই প্রসংগ ফিল্সফার-এর নাম করা ৰ:ছ ৷

ভাসকর্য বিভাগে জরণ্য বিশেষ উল্লেখ-যোগা কোনত নিদর্শন চেতেথ পাড়েনি। বিপালকাণিত সংযাও ভাতুল বড়ার দাুজনেই



कृष्टित स्थान श्राहर श्विकश्यात मिर्चा (जानेत) - विश्वकाण्ड माश्

चान्कत् । ग्रामदारे कमाचवता गिकासक करतन। अथव क्रम शरत व द्राप्तात शिका गर करवना विश्वक्रकान्छ काल्यांत माधार প্রধানত প্রতিকৃতি তৈরী খাতনায়া দিকপী সোমনাথ হোডে প্রতিকৃতি অনেকেরই চোখে পড়ে। গুল ৰীভির দিক খেকে এটি উল্লেখযোগ্য। 'শামলা'-র মাখন ডলেও বালিকাসলম সরলতা লক্ষণীর। অতুল বড়ারার ক্ষেত্রি कटल प्रमकानीन दिशिको तथा वस। को বোলাই করে ও সিমেণ্ট জমিয়ে তিনি বিমার্ড ও সমকালীন করেকটি নিদ্দ্রি দেখিয়েছেন। সম্বিগত আকার গঠন প্রণ লী ও আয়ত্তিত সৌন্দরের দিক থেকে প্রেক প্রেকভার গঠিত ও একটে রক্ষিত ক্রপালিশন উত্তর যোগা। অন্যান্য নিদ্রানের মধ্যে সাইজাস ইন কেবস এর নাম করা চলে যদিও ক্ষত-স্থানের গঠন পর্ণ্যতি দেখে ধনরাক ভগারে ভাস্কর্যের কথা মনে পড়ে যার।

*

রবীন্দ্রনাথের মাত্রামিকী উপজ্জ আক্রেড্মি কর্ড'পক স্নাক্রডির ফ্রা পালারীতে রজিত ত্রণিরলাথের ত'ল **ডিতাসম্ভ**ারের মধ্য জোকে সালিল্ভিড ক্ষেক্টি ভবি জনসংধারণকে দেখার সাম্প দান করেন। কবিতা কোখার সময়ে রুজীভূ-নাথ নানাভাবে পান্ডলিপি সংক্ষেত্ৰয়ে। সেই নিজসৰ সংস্কান পুৰ্বালীর মধ্য দিটো ক্ৰির অক্তাতে পাল্ডলিপ্ত ওপর ও ন্ন বিভিন্ন আকার ফাটে উচ্চতা কে কথা সকলেই **कार्**नमा यो**ल्थे एउ**चा 'एमोलिक चिक्रि' e মনেক ক্ষেত্র বিহারে হাকারের দিক থেকে শিক্ষজনতে এনালি এক বিশ্ব খন **অধিকার ক**রের**ছ**। পরিবাত ব্যাস ববি কালিকলম তেওঁ ও তুলি তথাতাপে নাম চবি **অংপন,র ম**রে এখক ধার: নবনভৌগ্রে বিভিন্ন প্রতিকৃতি তিনি স্থি কামা তাৰে মধ্যে কয়েকটিকে অভীনিদুর রূপত আট ওঠে। ক্রেকটির মধ্যে তাঁর সহিত্য সম্ভারের কোনও বিশেষ চরিত্রেও সম্পন পাওয়া **যা**য়। ভাছাতা নিস্গ দ্^{দােড} আছেই—সেগ্রনির মধ্যেও স্থলে স্থলে ক^{বির} আত্মসম্ভিত রূপের প্রিচ্যু পাওয়া হায়। প্রদর্শনীতে কয়েকটি প্রতিকৃতি ও নিম্রা দ্**শ্য সকলেই উ**পভেগ করেন। ^{র্বীদূ} নাথের চিত্রকলা বিষয়ে আলোচনা হলেও মনে হয় একেলে গভীয় গবেষণার এখনও অবকাশ রয়েছে ৷ কবি চিত্রসম্ভার স,যোগ কর্ব আকাডেমি কর্তৃপক দেশবাসীর ধনবেদ चाचन इस्तर्दन ।

कूठ् थिक काानमाद्वत

ওষ্মধ

প্রাণেশ চক্রবতী

লালোগ্য কামি কামসার। প্রথিবীর
কত্মত মান্ধ যে এই রোগে আন্তাহত
কা মরা যাছে তার ইয়ন্তা নেই। কত কঠিন
কঠিন রোগের প্রতিবেশক আবিক্কার হয়েছে,
কিং তাজ প্রাণত ক্যানসারের কোন ওম্ব

সংগ্রন্থি একটি খবরে প্রকাশ, ইলিনারস ান্ত্রিসালয়ের প্রথাত জীববিজ্ঞানী ডাঃ ত্ত্ত স্থাইভেল্মান বিৰোটিটাকৰ আগস্ভ ্রিত এক্ষেণ্ড করার সমস্ব এমন এক জৈনিক (১০) তার আর্থিকার **করেছেন, যা নাকি** ्रा (मध) कानमारतर विश्*रा*ष **मध्यारा** ডকটি শতিশালটি ইটিউয়ার ইবে। তারকা ত্যার এ সংগ্রেক বিশ্বেক সামেরণা চল্লাছ। াজণ নার চলছে আমাদের ভিন্নরান্ত উপের ভেষ্ঠ কতা নিয়েও। উদিউদ-িজ্ঞানিক ভাষায় । **ভারই নাম স**ক্ষরিয়া #1091 SAUSSUREA LAPPA)+ প্রমান বিভারতে উৎপক্ষা এই কৃতা-এর মাণ কান্যাগের প্রারাধক ওকার পাওয়ারও াক প্রেট সমভাবনা রয়েছের উন্নেটি ইটার শ্-লাফ্টেরেল্ডেড এই দুলাভ বস্তুটির য়াও প্রিমাণ চালান চেত্রা **্রেছ**। টেলটের গতেখনতা গতে**ষণাগ**টের কুত্র নিয়ে ন্ন প্রক্রিনির্কিন **করছেন। ভারত এ**র ফাল কৰে। প্ৰকৃতিক **ব্ৰোপক মু**তা অভান

কালাল পাইবের ধারণা, ভানাদের হিসাবের উল্পাহিত এই কৃত্ গুল্কেই দের প্রথার কাল্যাবের প্রতিষ্কের আলিকের হার বেনান, তার স্থিবিশ্বাস, প্রকৃতির অপ্রথান ভিডক মান্বের অবজ্ঞা ও অবলেশার জনাই পড়ে রার্ভেন প্রভারের অলাংশার জনাই পড়ে রার্ভেন প্রভারের অভারে আলার ভাকে মান্বের কলাবেশ লগানে পারছি না।

কলেল পাঠক জানালেন্ করেক বছর তাগেও ক্ত্-এর এত সমাদর ছিল না এ অপুরো প্রকাতর উদমুক্ত ভান্ডারে আপন বেলাখ(লিতেই ওখন কুত্ জুল্মাড়। অপনা-আপনি বেড়ে উঠত এখানে-সেখানে। আর ফেষ্ণাসকের দল তার পাতা খেরে প্রতিত। কিন্তু যে মুহুচ্তে বিদেশীরা বিমাধ্যের অভিনা থেকে কুত্ জুলে নিকে গেলা বিজেদের গ্রেষণাগারে এবং নানা

পরীক্ষা-নিরীক্ষা শেষে যথম মন্ত্রানিসারের সম্ভাবা ওম্ধের অভাস পেলা বেড়ে। ভাই পরবেশে কুড্-এর মহিসা পেলা বেড়ে। ভাই অ.জ গোটা লাহ্ল-স্পিতি উপত্যক্ষ পরম বন্ধ সহকারে এর চাব হলে থাকে। আগছো কুড্ অজে অনেক চাবীর ভাগা ফিরিয়ে বিজেছে।

শাশবার এক-নেড় ফার্টের বেশী হর না
কুত্ সাছ। কাজের ফেরে পাতার অক্টেড
পেশ বড় ও গোলাফিডি। দেখতে অনেকটা
কুনড়োর পাতার মত। গড় সবলে এর পাতার
অসংগ্র স্ক্রে স্করা স্করা কটা আছে। মাল কাজের গোড়া পেকে ধানের শালের মত একগোড়া ফাল বেবোর। এই ফাল সপন
০০১৫ গোড়া ও০৬ মিটার কশন হর ডগন ও। কেটে নেওরা হর বিজের কন্যা। এক-একটি গছ গোক গড়ে প্রার আড়াইশো
বিদি প্রক্রা হয়। ধেরা প্রেছ্ক প্রার্কা



কুড ক্ষেত্তে কুড গাছ

হাজার বাঁজের ওক্সন সামানা, কম-বেশী এক কিলোগ্রাম হয়ে থাকে।

কুত্-এর শিক্টই সবচেরে দামী, শিকটেই রয়েছে ক্যান্সারের প্রতিবেধক। জ্বাং সবা্ক ভার রং। এক-একটি গাছে প্রার দেড়-পূই কিলোগ্রম শিক্ত জন্মার। ছা থেকে দশ-এগারে। হাজার ফ্টে উচুতে নাড়িপাগরন্মার নরম জমিতে ফুন্টা জন্মে। চা-এর মত কুত্ গাছের জনির উপরে অনপ-বিশ্তর ছারা থাকা প্রয়োজন। তা নাহকো কুন্টা জন্ম না। বাকা ও ফার গাছের ক্ষেত্র ছারার কুত্



কুত্ত-এর পরিভ

সনচেরে ভাল জলে। শ্ধা তাই নর, বে জনিতে বছরে কমণকে তিন কটে তুবর জনে একনতে সে সকল জনিতেই কৃত্ জন্ম থাকে।

বীজ লাগানো ছাড়াও শিক্ড পাতে
কিংবা কাড় কেটে বাসমেও কুড়া উৎপাদন
করা যায়। তার লাহ্লা-সিপতির অনেক
চাষ্ট্রীর সংগা কথা বলে দেরেছি, তারা
শিক্ড কিংবা কাড় কেটে লাগানোর চেরে
বাঁজ বংলা করাই সবচেরে ব্লিড্রেড মনে
করে। করেণ, এতে নাকি হাজানা কম্
খরচও হাব-একটা বেশা হরনা। এক কুইন্ট ল কুড়াএর শিক্ড উৎপার করাও পর্যার পড়ে প্রায় একখা টাকা। এক হেইর ক্মি চার করাত পারাল প্রায় যাই কুইন্টল শিক্ড ভারাকো উঠে আনে।

করের নাবেশ্বর মাসে অর্থাৎ বরফ পড়া শুরা ২ওয়ার আগে পাল সাগানো হয়। সাধারণত পনেরো সেনিনিনার গভীর গভী নাতে তাতে ছিশ সেনিনিনার অণ্ডর অণ্ডর করেকটি করেকটি করে বাঁজ পার্ডে দেওরা হয়।

ভারপর ধাঁরে ধাঁরে কুল্ গাছ বড় হরে
ওঠো সেই সংগ্র রাড়তে থাকে মাটির নিচের
শিক্তও। এইভাবে ভিনটি শাঁতের ঋতুতে
বেফের মধ্যে থাকার কলে বুল্ পরিণত হারে
ওঠো অন্তর্ম, বর্ডের নিচে থাকার সমর
বুল্-এর পাতা মার মেলেও আসলো গাড়ের
কোন ক্ষতি ইয়না।

তিন বংসর পরে আগস্টের শেষে জথবা সেপ্টেম্বরের গোড়ার বিকে গতি খাইড়ে শিকড় ভূলে নেওয় ২৫ ৷ ভারপর সেই সমস্ত শিকড় ধ্রে-ম্ছে রোকে শ্রিণ্ডরে

স্থাল শ্ৰেণাধনায়ৰ বিশ্বাভ উপন্যাস নওগাঁৱ প্ৰাসাদ ভি এল ০ বে ব্যুক্ত কথা ও কাহিলী

(সি-৬৮০৭)

	মণ্ডল বুৰ	ह हा छेन-अब बहे
		0.00
विम्यानागत तहनावनी	(চতুর্থ খ	rড) দেবকুমার বস, সম্পাদিত
বিক্ষ রোডেসিয়া		
	 ১২	
আর্ব-কাঁটা ইজরায়েল		•
		১য় খণ্ড) দেকুমার বস ্সম্পাদিত
	50	
ফেড ইন ফেড আউট	11	ইন্দ্রজিৎ সেন
শিৰাজীর গ্ৰপ্ন	11	স্মাট সেন
কেউ ফেরে নাই	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	শক্তিপদ রাজগ ুর ু
बामभाही अञ्चल		কৃশান্ বন্দ্যোপাধ্যায়
উনিশ বিশ	11	ডঃ অসিতকুমার বঞ্দ াপাধা য়
कामना । पन		00
THE PARTY AND THE		্তি দিলীপকুমার বায়
অঘটনের প্র্রাগ		••
. نویه د د د دوم برخود د د د د د د د د د د د د د د د د د د		00
ভূকি হারেম		স্বতানা চৌধ্রী
মেহেৰউল্লিসা	u	দ্বৈপায়ণ বিরচিত
বিবি যদি রাণী হ'ত		মোহিতকুমার বদেয়াপাধ্যায়
	9.	
অধিবাস		স্থাট সেন
त्रिंदका		দাফন দ্য মরিয়র
<u>X</u> 1 <u>4</u>	৬∙	
মতিবাঈ	H	<u> </u>
	&·	00
ছায়াপথিক	11	<u>শ্রদিনদন্ বলেদ্যাপাধ্যায়</u>
হাই সোসাইটি	u	শক্তি চট্টোপাধ্যায়
অনবরত'র আবিশ্বাস্য	11	মহামেতা দেবী
বিদেহী আত্মা	u	স্নীলকুমার গঙ্গোপাধ্যার
শ্ৰীবাস অঙ্গন	· n	শ্রীবাসব
শতাব্দীর শ ত কবিতা	r u	সমরেণ্দ্র ঘোষাল সম্পাদিত 🐇
	. 	
वादबाग्रात्री विवि	11 8	·০০ চন্দ্ৰন্প মোৰ্য
মাটি ও মান্য	11	দিগিন্দ্রচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায়
অলকনন্দা	11	নারায়ণ সান্যাল
হিটলারের শেষ বিচার	, II .	ক্শান্ বশেদাপাধ্যায়
নোনা গাঙ	11	শক্তিপদ রাজগর্বর
কালীঘাটের ঘরসংসার	11	অমরেন্দ্র দাস
	o·	00
রাইনের চেউ	u	পরিতোষ মজ,মদার
কুমারী কন্যার মন	n	প্রীতপ্র্ণ দেবনাথ
প্রানো সেই দিনের	কথা ॥	রাহ্ল সাংক্ত্যায়ণ
নীলপদ্ম করতলৈ (ক	বিতা) ২	·০০ সাুনীলকুমার গঙ্গোপাধ্যায়
র,পমতী (ঐতিহাসিক) . u	শ্রীমন্ত সওদাগর
কাঁচের আয়না		পরিতো ষ মজ ুমদার
The state of the s		মহাত্মা গাণ্ধী রোড ॥ কলি-৯
- ম'ভল ৰুক হাউস	11 46/2	बराया भारता स्था ७ ॥ क ाला-क

সরকার অনুমোদিত একে টদের কাছে বিত্তি

সাধারণত কৃত্ গাছের পাতা চামীরা গর জম। করে রাখে শীতের প্রাঞ্জাল। ত্রার-পাতের ফলে যখন চারিদিক তুমারে আচর থাকে, কোণাও কোন যাসপাতার চিক হার না, তথন এই জমানো কৃত্ পাত। তেওঁ-বকরীকে খেতে দেওয়া হয়।

সে যাই হোক, বতমিন নিজেল অবভারণার উদ্দেশ্য চিকিংসক, বৈজ্ঞানত এবং সাধারণ মান্যকে কৃত সম্প্রে অবহিত করা। আমি উদ্ভিদ্ন বা ভেষ্ক বি**জ্ঞা**নী নই ৷ বনৌষ্ঠাৰ সম্প্ৰেল অন্ত কোন জ্ঞানত নেই। তবে কোত্তুল একে শ্ৰোছ, ভারতবয়ের বিভিন্ন স্থানে কাল্যার বিসাচ ইন্সিটটিউট আছে। কুত্ নিজে সে সমস্ত গবেষণাগারে কোন গবেষণা হ'লছে ব হচ্ছে কিনা আমার জানা কেই। বিদেশে ত জিনিসের এও কদর, স্বদেশে সেই কর্ড যথার্থ মর্যাদা পাছে কিনা তা জাতে আগ্রহ হয়। বিশেষ করে বাংলা দেশে বং প্রথাত ভেষজবিজ্ঞানী রয়েছেন। এই কুর্ নামক বনৌষ্ধিটি পেকে ক্যানসারের গ্রাহ-**রোধকারী ওয়াধ পা**ওয়া যাবে কিনা তারা দেখেছেন কি?

তবে করেন্দ্র পাঠকের মত আমারও শুণ্
বিদ্যাস কুত্ থেকে ক্যানসারের ওপ্
পাওয়া যাবে। আমার ধারণা আরও বংশ্বাল
হওয়ার পেছনে থানিকটা যাস্তিও আছে তা
হল—কারপাট্ নামে হিমালয়ের একচি
গামের একজন বৃদ্ধ লামার কাছে শ্রোচ
যে, দেছের পচে যাওয়া অংশে বা দগ্রপ্
যা, যা বহাদিনেও সারে না, তাতে কুত্-এর্ব
দিকড় বেটে লাগালে নাকি কোন কোন কেরে
বেশ উপকার পাওয়া গেছে।

ক্যানসারের সংশ্য এ জাতীয় ঘটনার কোন সাদৃশা আছে কিনা জানি না, তবে আপাও-দৃশ্টিতে একেবারে নুলাহীন বলেও উড়িরে দিতে মন চায় না। তাই কুতা থেকে ধান ক্যানসারের প্রতিবেধক আবিজ্কার ২২ তা হলে বিশানুমার আশ্চর্য হব না।

শত্র-ইরার

11 2 11

প্রধের পাঠক শ্রীরঞ্জন বন্দ্যোপাধারে মহাণর, গত সংতাহে দেশ' পত্তিকা মারহত সৈয়দ মজেওবা আলী সাহেবের রচনাপ্রসংস্থ তাপনি কিছু অভিযোগ এনেছেন।

অভিযোগের উত্তর দেবার প্রে
আপনার রসবোধ ও স্পত্তকধনের ক্ষমতার
গ্রাস্থান করা প্ররোজন। হাঁ, অতিশয় সতা
কথা, হক্ কথা বে, 'শহ্র্-ইয়ারে'র গারে
গ্রানার প্রাচুর্যের অভাব বর্তমান। বা আপনার
ভাষার, "'শহ্র্-ইয়ারে'র স্টাইল 'চাচা
কাহিনী' ও দেশে-বিদেশে'র অসামান্য গদ্যলিপ্রের শোচনীয় দ্রাতেন্টি"। কিন্তু কেন
এই ভাভাব ? অর্থাৎ, কেন এই ভাষার
প্রতেন্ন?

এর কারণ বোঝাতে গেলে সবিনায়ে _{रलए} इत्र रा. भा**ध** खाली সाराव रकन. র্ভার গ্রেমের ম্বয়ং রবীন্দ্রনাথও এ অসম্ভব সাধন করতে অক্ষম। প্রমাণশ্বরূপ রবীণ্ড-নাথের চারটি রচনার কথা বলছি: বাণ্স-ক্ষেত্রক তোডাকাহিনী, কতার ই**ল্**য়ে কর্ম আর পঞ্চত । এ চারটি লেখায় র**ণ্গ-ব্যঞ্গের** আসর জমজুমার্ট। কিন্ত ভাষা ?—সে বেলায় কখনও কখনও সন্দেহ জাগে যে, এ চারটি কি একট লোকের লেখা! যদিচ প্রথমটিতে মেটা দাগের হা**সারস, স্বিতীয়টিতে হাস্য ও** বাণ্য, ততায়ে বাংগ ও জনচেতনার আহনন এবং চতুথচিতে হাসা ও দাশনিক জ্ঞানই ম্ল উপজীবা। তবেই ব্রুম্ন, ওপ্তাদের ওম্তাদ স্বয়ং রব্দিদ্রনাথও ভাষা বাবদে হিন্দীওয়ালাদের মতো সরলীকরণ করতে চার্নান। তিনি ইচ্ছে করজে চারটে রচনাই এক ধরনের গলে লিখতে পারতেন। কিম্ত এটাও তিনি জানতেন বে, তা হলে চারটেই খালাদা আলাদাভাবে পাঠকমনে এরকম ছাপ ফেলতে পারত না. এবং তাদের বিশেষ বিশেষ উদ্দেশ্য সাধনে বিফল হত। রবীন্দ্র-নাথেরও সাহিত্যগরে বিক্ষাচন্দ্রের দর্গেশ-र्नाग्नमी'त कथा स्थतन कत्न। आगमानी उ গঞ্জপতি বিদ্যাদিগ গজের কথোপকখনের ভাষায়, বা আপনি ষার ওপর জোর ^{निरहा}रहन, जर्थार म्हो**टेल, वश्किमहन्म जारावा** ও ওসমানের কথোপকথন লিপিবন্ধ করেন নি। অথচ উভন্ন কেতেই মাত দুটি নারী-প্রেষের কথোপকথন বিবৃত করা হয়েছে। এ থেকে বোঝা যার যে, বিষয়বস্তু অনুসারে বীংকমচন্দ্র তার ভাষায় ভান্সিমা, গ্রেম ও ^{গতিবেগ} দিরেছেন। (এ প্রসংশা পরে আরও বলছি)

এই সব ওস্তাদের ওস্তাদ, তস্য ^{ওস্তা}দেরা যথন পিছু হটেন, তথন মুক্তবা



আলী সাহেব আর কি করেন? ওস্তাদের ওস্তাদ তো দ্রম্খান, অন্চিতভাবে নিজেকে ওস্তাদ বলে জাহির করতেও তিনি নারাজ।

একটা বিষয় কিন্তু সঞ্চাণীর। রবীদ্রনাথের যে চারটি লেখার কথা বলা হরেছে তার
প্রত্যেকটি ত হাসারস ররেছে। তব্ তাদের
ভাষার পার্থকা বিপ্রেল। আর বেখানে দ্র্টি
লেখার বিষরবন্দত্র আসমান-জমিন ফারাক,
সেখানে ভাষাগত বিরোধ ততােধিক। বাংগাকৌতুক' বা 'সোড়ার গলদ'-এর ভাষার সংগা ছ্রি', 'একরাচি' বা 'ক্রিড পাবান'
ইতাাদি গলেশর ভাষার তুলনা করলেই তা বোঝা বাবে।

এতকণ বা বলা হল সেটা একটা ফর্মালা খাড়া করার জনা। ফর্মালাটি সর্ব-লোকে জানে, এবং স্বীকৃত। এই ফর্মালাতে বলে যে রূপ (form) নির্ভার করে বিষয়- শশ্বর ওপর, এবং বিষরশশ্ব বতই জোরালো হোক না কেন, ঠিক রূপ না দেওরা হলে তার আবেদন সাথকি হয় না। এজনোই রাঞ্চমচন্দ্র-রবীন্দ্রনাথের মতো রখী-মহারথী-রাও তাদের সব লেখা একভাবে লেখেন নি, রাদও প্রেই বলেছি বে, তাদের সে ক্ষমতা ছিল। কিন্তু তারা বন্দ্র ও রূপ বাবদে অতি-মান্রার ওয়াকিবহাল ছিলেন, এবং তাদের মান্রাবোধও ছিল অতি নাল্ক। পাঠক, আপনিই কন্পনা কর্ন না হুভোমী ভাষার কাব্যে উপেক্ষিভাগের নিয়ে লেখা হরেছে, অথবা হরিদাসের গুশ্তকথা স্বাই জেনে ফেলল পরিচয় প্রবশ্বের ভাষার।

সতি। কথা বলতে কি ভাষার ওপর
বেশী নজর পড়ে তখনই, খখন ভাবের
ভাণ্ডারে ভবানী মাতা বিরাক্ত করেন। ভাবাটা
আসলে অলংকারবিশেব। বে রমণী সেটার
যত মাননসই ব্যাবহারে পট্, সে নারীর
সৌন্দর্য ততই প্রকাশ পার। আপনি বে
উদাহরণটি আলী সাহেবের চিন্দ্রা' রচনাটির
থেকে দিরেছেন, তার ভাবার চিন্তকশগন্ধ
অত্যন্ত প্রবল। ফলে চিন্দ্রা'র রাতি ভার
সমগ্র র্পটি নিরে আমাদের কাছে ধরা

वर्धभान विश्वविष्णालय প্रकाशिष

কয়েকথানি মূল্যবান গ্রন্থ

সংস্কৃত প্রসার প্রশংমালা সিরিজ

বৈদিক সাহিত্য সংকলন	অধ্যাপক জি, মুখেপাধ্যার	शंध	र ∙ ৫0 o • ৫0 'बीवारें)
উপনিষদ প্ৰসঞ্	শ্রীমং অনির্বাণ	डार्घ	0.00
প্রত্যাভিজ্ঞান্দর ম্	ভধ্যাপক জি, মুখোপাদার সম্পাদিত	ដូច	₹-00
কৃষ্ণ কথাকাহিনী অন্যান্য প্ৰকাশনা	শ্রীদিলীপকুমার রায়	টাঃ	6.00
অহৈত মকল	ডঃ ব্ৰণ্দুনাথ মাইতি	টাঃ	٥٥٠٥٤
Aspects of Indian Thought M. M. Gopinath Kaviraj			₹6.00
Dr. Radhagobinda	autilya's Political Thinking Basak	हो ।	9.00
Vivekananda Comment Dr. S. K. Raichaud	oration Volume Edited by	शंच	6.00
Essays on Shakespeare	Edited by Dr. B. Chatte 1 -	होंचे	٥٥٠٥٤
Early Modern Chine mohan Banerjee	se History Shri Diptenca.	पेरा	\$0.00

ব্দাস্থ

হৈদিক হবর রহস্য প্রিডত অ্যোধ্যানাথ শাস্ত্রী Objective Correlative Dr. M. K. Sen A Study of Freedom from Metaphysical & Scientific Points of View Dr. S. K. Raychaudhuri. দিরেছে। তাই বদি কেবল ভাষার মারপার্টের জন্য সবাই সেটাকে মনে রাখতেন, তবে বলতে হত বে, লেখাটি রসের পরীক্ষার ফেল মেরেছে। পরম স্থের ও সোভাগ্যের বিষয় যে, আপনি সে, অভিযোগ আনেন নি। আর এ বদি সম্ভব হত, তা হলে সহজ, সরল, অলংকারবার্জাত অনেক বাউলগান ও বৈশ্ববকারা মধার্গ থেকে আজও কালের দরবারে নিতঃ হাজিরা দিত না: এবং তাদের চেয়ে ভাষাসম্পদে অনেক গরীয়ান কিম্পু অন্তঃসারশ্না, অনেক কবিতাই পরবতীয়াগে রচিত হয়েও এমন নিঃশেরে লোপ পেত না।

মহারথ-অতিরথদের ছেড়ে এবার আলী সাহেবের লেখার কথার আসা বাক। আপনি বারন্বার 'চাচা-কাহিনী—শবনমের কথা ভূলেছেন, বাল-লাত্রের বৈশিষ্টা প্রিথবে-ছেন। কিন্তু সারিরস লেখায় বাল-লাত্রের

নাদ সর্ম্যাত্র ভ্রিকেন मैब्रीकक्ष्य मैद्राालाक्ष्यां বিমলকর • আর্যভর্ট অপ্রয় • বশুদ্দী শচীন ভৌমিক • চিন্দমুপ্ত निविद्धन भान এবং আরও আনকে **একটি উত্তম** উদ্যোগ 8 চাদুনী চুক স্ট্রীট•কনিকাত

ভাষার অনুকরণের সম্ভাবাতা সাবদেধ काथा अरलन नि। 'ठाठा-काश्निती' वाल-লাতার গোচের। তাতে ভাষার **অবধ্**ধ স্বাধীনতার **সূযোগ আছে। 'শ**বনম' দুটি তরাণ হাদয়ের প্রেমোপাখ্যান। বিষয়বস্তু রঙান, কল্পনার শ্বারও অবারিত, ফলে ভাষাও বাধাবনধনহীন, উদ্দাম। 'শহর-ইয়ার' বান, গ্রুম্থ-রমণী, তার ওপর কিছ্-কাল হল তাঁর আবার ধমে মতি হয়েছে। তার কথা লিখতে বসে তে৷ রঙীন ভাষায় ততোধিক রঙীন চিষ্ট অঞ্কন করা যায় না। ত্র-লেখার বেলায় তাই সার্কাসে দড়ির ওপর অতি সাবধানে সাইকেল চালানোর মতো লেখক কলম চালাক্ষেন—ভাষার সামানাত্য মারপাটিভ যেন চিত্রে ঢাকে না পড়ে। একবার চাকলেই সর্বনাশ । তা হলেই ভাষার যে কারিকরী লেখক সারা জীবন করে এসেছেন, ফের তার দ'য়ে মজে থাবেন। শহার-ইয়ার হয়তে শ্বন্ধা ধনে ঘাবেন বিংবা আর্ও অকলপনীয় কিছা।

আরও একটা কথা এ-প্রসংসা বলা আবশাক। আপনি আলী সাহেবের যে ভাষার অর্থাৎ চাচা-কাহিনী-শ্বনমের ভাষার জনা প্রশংসা করেছেন, যার অভাবে আক্ষেপ করেছেন আলী সাহেব তো সে ভাষার জনো সাবা লেখক-জবিন ধরে নিশিত হয়েছেন। তাঁর ভাষার সম্বশ্বে ম্থানে-অম্থানে বহুবার খ্যাত-অখ্যাত বহু জন বলেছেন, হাঁ, ভাষাটি মনোরম, কিন্ত প্রচর গরেচন্ডালী দোষে দেশী-বিদেশী भ_को । তংসম-তণ্ডব, ইত্যাদির অবাধ মিশ্রণ তাঁরা সইতে পারেন নি তা সে ভাষা ষতই প্রাণকত, প্রকাশক্ষ্ম হোক না কেন। এবার মাজতবা শাশতর নংলা লিখেছেন। আরও দ-েচারটে লেখা বেরোক, দেখা যাক, শাুষ্ধ বাংলায় লেখাতে আগের মতোই তিনি **জেলা** দিতে পারেন কিনা, অথবা ফের আগের ভাষাতে ফিরে যান নাকি। যাই করনে না কেন, ইতোমধ্যে লেথকের ভাষায় শঙ্গেবতা আনার প্রচেণ্টাকে নির্ংসাহ করা উচিত নয়।

আপনি স্বশোষে দুংখ ও ক্ষোভ করেছেন আপা সাহেবের বৃশ্বংপ্রাণিততে। আপান দুংখ ও ক্ষোভ না করলেও এটা অবশাসভাবী—নরসের ক্ষেত্রে। তবে লেখার ক্ষেত্রে বৃশ্বংথর অভিযোগ হয়ত এখনও আনা বার না। প্রমাণস্বর্শ আমি আপনাকে সম্প্রতি-প্রকাশিত আলী সাহেবের রাজাভিজীর বইটি একবার পড়ে দেখতে অন্রোধ করছি। (আপনার চিঠিতে উম্বৃত আলী সাহেবের বই বা প্রবশেষ বাইরে রেফারেম্স দিতে চাইছিলাম না; কিন্তু আমি নিভান্ত নির্পার)

সত্যকাম সেনগর্প্ত

ৰুলিকাতা-২১

ধন্যবাদ জানাই আপনাকে এ সংখ্যার দেশ পঠিকার আপনার কোথা 'শহরে ইরতে এই চিব্রিণ পরিজেদ-এর শেষ অংশে আপারে আমি বে চিঠিটি ইভিপ্রে লিখে এবটি সংক্ষিপত ভবাব পেরেছিলাম, তার এক শীর্ষ ও বিশাদ উত্তর পেরেছি বলে: অবলা হার ধরেই নিই আখার চিঠিরই উত্তর বিহা

আনীয় আপনাকে বলতে চাইনি স্ভৰ্ন ধ্বীন্দ্রাথের লেখার অন্করক কা ব্রহান্দনাথ যেখানে হিন্দ্র বা মাসলমান উল সম্প্রদায়কেই যেন অতি সংতপাণ আলগেড i এতিয়ের গিয়ে বিশক্তে, নিরপেক এক অন ভাদার সমাজ বা সেইরপে সাহিত। সাধী বার আফ্রাদের কাছে দিয়েছেন, দেখার অপন ছিল্ল মাসলমানের মধো আপনার স্কুর **লেখার মাধ্যমে ্ব একটি মিল**ে জেত ক ঐকা আনতে সক্ষম এখানেই আপন্ত রচনার বৈশিষ্টা: আমি যে অপনাকে একটি চিঠি লিখতে উৎসাহিত বেখে করেছিলম সে তো এই কারণেই যে আমার মন হারেছিল আমি ধরতে পেরেছি আংনর লেখার সাপো অন্যদের লেখার প্রাক কোথায়। অবশা, আমি আপনার লেখর মন সারটা ভাদয়খ্যম করতে, কিছাটা বিদেশশ করে পোছতে চেরেছি আমার স্থাতে: **जर जकरे**। क**ेनरत** रहरूच महा शहरू আপ্নি বাস্ক্মচন্দের স্পো তলনীয় হাড भारतन क्रेका वन्धानत भएउच्छोर । धकी বিশেষ কারণেও এটা ভাংপর্যপূর্ণ মনে ২ই: রাজনৈতিক ও ধামিক নানা সম্প্রদাহক সংগঠন ও শব্দির বিশ্বদেশ সাহিত্যিকর এই প্ররাস বীর্থপূর্ণ ও অনেক বাধা াবে কাটিরে তেলোর এক মহৎ র**ড**। আদ আনন্দিত হে, জাপনি এ বিষয় সঞ্লত লভ **করেছেন। এ জন্য আপনার স**ভিটে ^{টু}ক প্রেস্কার প্রাপা। আপনি রাজীয় মহান পাবার যোগা। দেখলাম, আপনি যেন একট কলে হরেছেন। তাই লিখেছেন "লোৱে ভ^{াৰ}, হয়তো ঠিকই ভাবে, আমার নিভস্ব কোনো ভাব ভাষা নেই" ইভ্যাদি। কিন্তু কেনে। কিছুই নিবিচারে গ্রহণ করলেই কৈ ডার भूला वारफ ? वदः किन्छिभाशास शास याहरे করার পর সঠিক দাম ঠিক করা যার। ভ^ই আমি পরীকা করে দেখলম আগনার লেখার মূল্য আসলে কোথায়। রবীন্দুনা^{থেই} প্রভাব অনেকের মধোই ব্যাপ্ত। আমি তো হাদরা খলেই বলতে চাই আপনার কৃতি র পকথার বিশেষ स्था মতো সামান্য হাতিয়ার সম্বল করে বিরুম্ধ শক্তি ও সংস্কারের বেখানে বহ বিরুদেধ যদেশ অবতাণ হ'তে হর। ^{ছহং} धकि कमानकरी সাহিত্যের ভিতর উদ্দেশ্য থাকে. তা মাকসিস্ট না *হয়েও* ৰোধ হয় বৰু চলে: ৰেটি হল মান্^{ৰেয়} ভালো কিসে হয় তার অন্সেখান করা এবং এ বিষয়ে বিজ্ঞানের উদ্দেশ্য ও মহৎ সাহিত্যের ক্রন্দশা একই।

আমি আরো একটা কারণে আপনাকে

থাগের এই চিঠিটি লিখেছিলাম। কিছুকাল

থাগে আমার মনে হরেছিল বে বিজ্ঞানের

হাত উলভির বংগে শিলেশর স্বাদ্ধ্য দিতামত

ব অপ্রয়োজনীর হরে পড়তে পারে। একটি

বইতে এই magical qualityর অভাব
ভানত আধ্নিক সাহিত্যের নিজ্জন

বধ্যানের বিষয়ে একটি প্রক্ষান্ত পড়েছিলাম:

ইটি হাতের কাছে নেই, ভাহলে ভার সঠিক

উল্লেখ করভাম। ভাই, আপনার লেখায় নেই

বাস্ত্র স্পাশ পোরে, আমি হাউচিত্ত হরে

আপনারে পত্ত লিখেছিলাম। আপনি বে

অনেকেরই প্রতি ও শ্রুমা লাভ করেন, ভা

আপনার নিজ্জন গ্রেপই। আমার সেলাম

নেবেন।

বলা বোধ হয় বাহ্যুলা বৈ আপনার উধ্ত রবাঁগুনাথের অননকগ্রিল গানই বে গুরু আমার প্রিয় তা নয়, আমি ভাগাবান, বে, আমি সেগালৈ গাইতে পারি। নিশ্চয়ই আমার সবাই রবাঁগুনাথের কাছে নানাভাবে বাণী, তব্ ইচ্ছে করে রবাঁগুনাথকে নতুন অপলাতে আবার দেখতে। আপনার লেখার বাং। বে একজি পরিহাসের সার আছে, বেগাকে উইউ-এর মধ্যো দিরে উক্লাকে গাঁগত করে তুলতে বে চেন্টা, তা বানাডে গাঁ-এব লেখার মধ্যা পাই। সম্ভবত, সেই বাগার্য্যানই আপনার লক্ষ্য।

দিলীপ রায় কলকাতা-২৯।

জীবিকার সন্ধানে জননী

তরা প্রবেশর দেশ পঠিকার ছরেবাইরে প্রসংশপ জীবিকার সম্পানে জননী—
দেশে ও বিদেশে প্রবাদটি পড়লাম। লেখিকা
মার্কিন ব্রুরান্তে কর্মরতা জননীর সংসারে
স্থতানের অবহেলার নজির নিয়ে আলোচনা
করেত গিয়ে খানিকটা একম্খী সমালোচনা
করে বদেছেন।

গত দুই বছর আমি আমেরিকার ছিলাম, সেই সমর মোট ৬টি বিভিন্ন মাকিন পরি-বারের সপেগ বসবাস করার সুযোগ আমার ইয়েছিল।

বৈ সমন্ত মা ওদেশে চাকুরী করেন,
গিকানতরে বাড়িতে কেউ দেখাশুনার না
থাকে বা তথনও সেই সমন্ত শিশুর কুলে
বাবার বরস না হরে থাকে, তা হলে সাধারণত
ভাকে পাড়ার 'ক্রেসে' অথবা কোন প্রতিবেশীর বাড়িতে রেখে যান। ক্রেসাংলিতে
শিশুরা দেখেছি স্বা আনন্দ-উংফ্লে ও
কীড়াচগুল। প্রতিবেশীর বাড়িতেও শিশুরা
নোটেই বিমাড়স্ক্লন্ড ব্যবহার পার না। অনাথ

অথবা জারজ শিশুকে মানুষ করার জন্য ওদেশে ত কাড়াকাড়ি। পরিসংখ্যান অনুযারী একটি জনাথ শিশুর জন্য যুব্ধান্তে অততত দশটি পরিবার উদ্মুখ। অমি এমন একটি পরিবারে একবার ছিলাম বারা তারের ০টি আপন সংতান থাকা সত্ত্বেও একটি শিশুক্দা্রেক দত্তক নিয়েছেন। তারা বাদ আমাকে না জানাতেন তবে আমি কোন দিনই জানভাম না বে শিশুটি তাঁদের আপন সংতান নর, এমনই ছিল তাঁদের আগভাবিক দেনহ-ভালবাস।

নেহাং ধন্ট না হলে ওদেশে সারা দিনের জন্য বড়-একটা 'বেবী সিটার' কেউই রাখেন না। 'বেবী সিটার' শুধু নিগ্রেরা নয়, সাদাকালো নিবিশৈষে ওদেশে বেবী সিটার হয়। ক্যালিফোনিয়ায় আমি প্রথমে যে পরিবারের মধ্যে ছিলাম, সেই পরিবারের কর্তা ছিলেন একটি বিখ্যাত ইন্সিওরেশ্স কোশ্পানির 'বোর্ড' অব ডিরেইরের' চেয়ারমান। ধন্ট এবং অভিজাত পরিবার। তার মেরে হাই ফ্রেলে পড়ত, অথচ প্রায়ই সে 'বেবী সিটার' হত; যে পয়সা পেত তা দিয়ে সে নিজের জিনিস্পত্র কিন্তা। স্বাধ্বন্ধন ওদেশে একটা বড় কথা আর তার অন্শালন হয় ভোট স্পেকেট।

জননী উৎকৃতিতা হয়ে ছেলে-মেরেদের জনে শাধ্মান দরজার দাঁড়িয়ে থাকলেই কি দেনতের পরাকাতা দেখান হয় আমাদের আশপাশের বাড়িতে প্রায় ত দেখি, ছেলের কলেজ অথবা কারখানা থেকে ফিরতে দেরি হয়েছে, মা উৎকৃতিতা হয়ে দাঁড়িয়ে আছেন। ছেলে ভাঁত পায়ে, হণ্ডদণ্ড হয়ে সোরের মত বাড়িতে চ্কতেই মার লেন্ড-চুম্বনের (সেটা ওদেশে প্রারই চোথে পড়ে) বনকে ববিতি হতে থাকে অজন্র কট, গালিগালাল, বেগর্লি শুখু অভ্যায় নর, উপরস্তু ছেলের পৌর্ষ ও আছবিশ্বাসকেও সারা জীবনের মত নণ্ট করে দের। মাড়লেন্ছ ভুলনা করার জিনিস নর; দেশ, কাল ও পারের ওপরে ভা চিরদিনই অকৃতিম; কিন্তু আমাদের জন্ধ-লেন্ড আমাদের সংভানদের রেখেছে বাঙালী করে মান্য করেনি।

লেখিকা বলেছেন, ব্যৱসালে কিছা কিলোর ছেলেয়েরের চিপি চরে বাওবার পিছনে বরেছে কমবিতা জননী এবং তাঁৰের দেহেহীনতা। জেখিকার এই বিশ্বাস ছোটেই ঠিক নর। ওদের হিপি হওরার পিছনে ররেছে মোটামাটি তিনটি বহং কারণ : (১) প্রবল প্রাচর্বের মধ্যে একটা ভরছাভা বৈচিত্য খেজি: (২) ছেলেমেরেনের অপর্যাপ্ত বারিস্বাধীনতা ও (৩) চলতি সমাজ ও সরকারের প্রতি একটা বামপন্ধী মনোভাব। ব্রুরাজে নিগ্রো-সমাজের মধ্যে সমস্যা সব-চেয়ে প্রথর। দর্মরদ্য, বিচ্ছেদ, **জারক** সংতানের জন্ম, মদাপান ইত্যাদির সংখ্যা সাদা চামভাদের চেয়ে অনেকগণে বেশী: কিন্ত আশ্চর বে. নিগ্রো-হিপি কচিৎ-কদাহিং চোখে পড়ে: অধিকাংশ হিপিই উচ্চমধাবিক এবং আদে সংগ**্ৰসম্পন্ন** দিকিত সাদা পরিবার থেকে।

লেখিকা আমাদের দেশের মারেদের সারধান করে দিয়ে বলেছেন, **পোশচান্তা** সমাগের তীন-এজার প্রবলেম বেন **তীরা খাল** কেট ঘরে না ঢোকান'। আমার মনে হর,

— नकुन नापेक	প্ৰকাশিত হল —		
গ্ৰুগাপদ বস্ক	वामल अवकारत	वामल अवकारबब	
अक्तातित हाड ७ .४०	वाकि देखिश	િ ૦ ર્	
অন	गमा ग्रन्थ —		
অনেক দিনের চেনা	শক্তিপদ রাজগ ্র্	৬.০০	
ভূমিকালিপি প্ৰবিং	অবধ্ত	¢.¢0	
আলোকে তিমিরে	হরিনারায়ণ চটোপাধ্যায়	¢.00	
জোনাকির দীপ	হরিনারায়ণ চট্টোপাধায়ে	6.00	
মাটির দেবতা	নারায়ণ গণ্ডেগাপাধাায়	0.60	
মনচোরা	শর্রদেন্দ্র বন্দ্যোপার্ধ্যায়	0.60	
কত রঙ	প্রভাত দেব সরকার	8.00	
অালোর ইসারা	শিপ্তা দত্ত	9.60	
কালের ঢেউ	শিপ্রা দত্ত	0. 00	
— প্ৰান্ন প্ৰতক গ	তালিকার জন্য লিখনে —		
গ্ৰন্থপীঠ	त्रमातम बन्द इ। इ। छ। द्विषी	T	

ন্ত্রি-বার্ষিক ভিঞ্জি কোসের মেষ্ঠ পুস্তকাবলা

অধ্যাপক রাম ভট্টাচার্য ও অধ্যাপক চিত্ত বন্দ্যোপাধ্যায় কৃত

ভারতীয় সংবিধান ৭.০০

্[১৯৬৯ সালের জ্লাই মাস প্রান্ত বাবতীয় শ্রেণীর সংশোধন, পরিবর্তন ও পরিমার্জন ধারা অলংকৃত]

সংবিধানের কথা ५.०० রাষ্ট্রবিজ্ঞান ৮.००

িয়েট ভিটেন, মার্কিন যুক্তরান্ত, স্ট্রকারল্যাও ও সোভিয়েট ইউনিয়নের সংক্রিয়ার ব ্কলিকাতা, বর্ধমান ও উত্তরক বিশ্ব-বিশ্বাস্থানের প্রশান ও তার শাবতীয় আদশ উত্তর সম্বলিত)

অধ্যাপক হারদাস বন্দোপাধ্যায় কত

ভারতীয় দশনের মর্মকথা ৭.০০
দশুনি দীপিকা (General Philosophy) ৬.০০
নাম্মানের পাশ্চাত্য দশনের ইতিহাস (Western Philosophy) ৫.০০
(বেকন হইবত কাণ্ড)
নাম্মান্ত (Ethics—স্মান্তক সংকরের) ৬.০০

প্রকেসর পি সি বানালি এবং প্রফেসর শাস্তা ভট্টাচার্য কৃত Essays & Essay-writing 6.00

[For P.U., III-yr D.C. B A. & B.Com. students] (thoroughly revised):

By Prof. S. Baneriee M.A. Complete Notes on (For 1970)

 1. Selection of Essays
 Arts 4.25; Com.
 3.75

 2. Book of Poems
 Arts 4.75; Com.
 3.50

 3. The Strife
 ... 4.00

 4. Julius Caesar (with Text)
 ... 5.50

 5. Loyalties
 ... 2.50

5. Loyalties ... 2.50

Bengali Notes on : মেঘনাদবধ কাবা, সাহিত্য সম্পটে, রাজা ও রাণী কপালাকুন্ডলা ও সোনার তরী [একচে] 12.50

[প্রত্যেক্থানি বই ভিন্ন ভিন্ন বাঁধাইয়েও পাওরা যার]

B.U. III-yr. D. C. Complete English Notes on-

 1. Golden Treasury (with Text)
 ... 3.75

 2. New World
 ... 3.50

 3. Ivanhoe
 ... 4.50

FOR PRE-UNIVERSITY STUDENTS

By Prof. S. Banerjee M.A. Complete Notes on (For 1970)

P.U. English Prose B.U. English Prose P.U. English Verse B.U. English Verse

B.U. Bengali Notes

P.U. Bengali Notes

B. T. ছাত্রদের জন্য

বিভ্রঞ্জন গড়ের **শিক্ষার পথিকং**

•

7

গ্রীনিবাস ভট্টাচার্যের ১০০০০ **শিক্ষাসমীকা**

শকাসমীকা ১

বন্দ্ৰল-এর শিক্ষার ভিত্তি

₹.96

Indian Associated Publishing Co. Private Ltd. 93. Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.

(সি-৬৫৭০)

७.00

লেখিকা হয় বহুদিন ভারতনর্য ছাড়া আর নম্নত সমসনটিকে এডিয়ে গিয়ে আত্মস্তৃতি লাভ করছেন।

আমাদের দেশে 'টীন-এজার' সমস্ত্রা আৰু একটি নিঃসন্দেহে জালত সমস্যা আমি নিজে একটা স্পাড়ি প্রোগ্রামে ক্রছ কর্মছ: দেখছি, স্কুল পালান, স্কুলের এ জাতীয় সম্পত্তির ক্ষতিসাধন, দলবেশ্ন গা-ভাষী করা, মেয়েদের বিরস্ক করা, চরি করা ধ্যে ও মদাপান করা, অভ্যু আচ্বল প্রভাত কাও আজকের ভারতীয় টে এজারদের মধ্যে একটা সাধারণ বাপোর হযে দাডিয়েছে। লেখিকা শনেলে হয়ত আগর হবেন যে এনেশে শতকরা ৭৫ ভাগ প্রত টীন এঞ্চার। יתה פיומו מוזיים ביותי প্রবলেম কে আমরা এত দিন অবজ্ঞা করে এসেছি, কি-ত আজও যদি আমরা চোল বুজে থাকি তবে তার ফল আমাদের শীঘট কডার-গণ্ডার পেতে হাব।

ওদেশে আমি সোস্যাল ওয়ার্কে এইটা
ফিল্ড ট্রেনিং নিতে গিরেছিলাম। অভস্থ
প্রতিষ্ঠান, হোম. জনুডেনাইল কোর্ট প্রচাত
সমাজ-সেবাম্লক কেন্দ্রে আমাদের হাতেকলমে কাজ করতে হয়েছে। আমি যা দেখাছি
তা থেকে বিদি নিরপেক্ষভাবে সত্যকে স্বীকার
করতে হয়, তবে বলব, যুল্বরান্থে অনেক
সামাজিক সমস্যা আছে ঠিকই, কিন্তু
আমাদের দেশও ওই সমস্ত সমস্যা থেকে
ভাদের থেকে খ্ব একটা বেশী দ্রে নয়।
ভফাত শা্ধ্ এইটাই, ওরা আশ্চর্ব সাহস
আর সতভার সপ্যে ওই সমস্ত সমস্যাগ্লির
মোকাবিলা করছে, আর আমরা শা্ধ্
এড়িরেই যাছি।

তপনকুমার ধর কলিকাতা-১১

আইন অমানোর বিপদ

আপুনাদের ২৪ প্রাবণের সংখ্যা দেশ এর
সম্পাদকীরটি খ্বই স্চিদিতত। আপুনারা
লিখিরাছেন, "আইন ও নীতিকে দ্বীকর
করে না নিলে দ্বৈরাচারের প্রবৃত্তি আসে।
যুক্তফণ্টই হোক আর কংগ্রেসেই হোক—কোর
রাজনৈতিক দলই আরু অম্বীকার করতে
পারবেন না, আইন ভাঙা বহু ক্ষেতে একটা
সংকর্মা বিশ্লবের কর্মা বলে দ্বীকৃত হয়।"

এই প্রসংশা রবীন্দ্রনাথের একটি মন্তবা প্রণিধানবোগা। ১৯২৯ সালে মহাত্মা গান্ধী বথন আইন অমানা আন্দোলন শ্রে করনেন ঠিক করেন তথ্য গ্রেদেব রবীন্দ্রনাথের নিকট পাঠ দেন। রবীন্দ্রনাথ তার উত্তরে লিখেছিলেন—

Passive resistance is a force which is not necessarily moral in itself, it can be used against it as well as for it. The danger inherent in all force grows stronger when it is likely to gain success, for then it becomes a temptation

this is wher I pray most fervently that nothing that tends to weaken our spiritual freedom nay intrude upon your marching me, that marryrdom for the suse of truth may never degenerate into the self-deception nat hides itself behind sacred

..... দুল্ল বুল্লিন্নাথ আইন অমানোর মধ্যে মে বিশ্বদ আছে ত দিবদেশিউতে দেশতে ত্রাছিলেন। সেই নপ্সদ আজ **সর্বাক্তে**: নিলালয়ে, খেলার ২ ঠে, বাসে, **টামে এবং** আমেণারের প্রান্স আরম্বে দেখা ্লিছে। সাজকার িন্দার ওথা অরাভকতার প্রিচনে কোন নে কে বোধ নেই, কোন মুদ্রিক শাক্ত নেই তার ফলেই বিশ্বের ও এবাজনতা সমাধান হয়ে গেছেন অনেকগালি লোক দলবিশ্বভাবে যে কোন কক্ষাই কর্ত্ত ন কেন হা আৰু হ'ব অনায়ে বলে বিবেচিত ছের। আড ভুমিক-মালিক বা বিভিন দল্পত গোটোর মাধ্য যে সংখ্যান চলছে তার পিছনে কোন আনশ্বাদ বা নাডিবাদ Ethios, কেই, য়া সম্প্রভাবে লোভ, লার্লান্তক লাডের আহ দ্বারা পরিচালিত। এই ক্ষেত্রে বিপলব বা সংখ্যাম অরাজকভার গলস্ত্র হাত বাধা। এই নগতিবোধ জাতান্ত জানিনের থোকে অস্তাহ'ত, ভাকে গ্রহপ্রতিষ্ঠা করতে আম্মিক সাধনার প্রয়োজন আছে।

পৃথ_বীশ ভট্টাচার্য কলকাতা ৬৫

ভারতীয় গণতকে আরো সমতার প্রয়োজন

গত ও গালাইয়ের দেশাওর আলোচনা বিভাগে হাদেজ আমার আলির "ভারতের গণওতে আরভ সমতার প্রয়োজন" শামিক আলোচনার প্রভারের শ্রীস্নালিকুমার চরবর্তী ই আগদে সংখ্যার উক্ত বিভাগে ভারতের ম্যালমান্তরের সংখ্যাতি হসতারতার ভারতিয় নাগারিকঃ প্রয়াবে অন্তল বা গ্রাম-অধ্যানের সালিখিকেট প্রদান প্রচলিত আইনের প্রয়োজনায়তা সম্বাদ্ধ যে স্ব থান্তির গণতারণা ক্রেভেন সেই স্ম্বন্ধ আমার বিভা বক্তর আছে।

চক্রতী মহান্য মংহর। করেছেন যে, ভারতের বহা মুসজমান পাকিস্তান্যক নিজের দেশ বলে মান করেন এবং সুযোগ পোলাই তারা ভারতীয় সম্পত্তি বিক্তি করে গাকিস্তানে চলে যান। এইভাবে ভারতীয় অর্থ বিদেশে চালান কৃষ্ণ করার জনা ভারতীয় মুসলমানকের উপর সম্পত্তি হস্তাস্তরে এইক্সে বিধিনিষেধ থাকা সমীচীন। তিনি অবশা দ্বীকার করেছেন যে, ভারত থেকে টাকা পাচার করার বহু গোপন প্থ আছে, আর এটাও স্বার অবগ্ত দে, ভারত থেকে

প্রচর পরিমাণে প্রদূর। অবৈধভাবে চোরাই-পথে বিদেশে (পাকিস্তানে) চাপান যাকে। তা হলে সম্পত্তি হস্তাগ্তরে মুসলমানদের উপর বিধিনিষেধ আরোপ করেও দেশীয় অর্থ বিদেশে পাচার বংধ করা যাচেচ কি? ভার মতে ভারতীয় মাসলমান্দের সামান্য গণতাশ্রিক অধিকারাথে দেশের অথনৈতিক দিকে এত বড় ক্ষািতসাধন সহা করা সম্ভব ন্ম। গিলি হয়ত দাই-একড়ি নাজির দেখাতে সক্ষম হবেন, শেখানে ভারতীয় কিছা গ্রাসাল্যান সম্পত্তি নিরি করে পাকিস্তানে চলে গেছেন। তারা নিশ্চয় তানের সম্পত্তি ভারতীয় নাগরিককেই ২স্তান্তর করে থাকবেন। কিন্তু ভারতীয় স্মান্তরক্ষীনের সদাস্ত্রক দান্তিকে ফাঁকি দিয়ে কোনা পথে ভারা অর্থ চালান করবেন? তব্যুও র্যাদ করে থাকেন-ভা হলে আসল গলন কোথায় ন 5क्ष्य औं **भश्रमाग्र शिष्ठत काम्यीका**त कहरून गा যে ভারতের অভান্তরে জাতি-ধর্ম-সম্প্রদায়-शिवित्सास किहा अधिसाठी माग्य आह. যারা অর্থানোভে দেশীয় প্রচের বা অর্থ चारंत्रवस्थात रहाताई-भाषा विस्तर्भ हालान स्टिश ত্রের ত্রাদের প্রতি কড়া নঞ্জর রেখে, দ্যু-इत्छ छात्मत सहेत्राभ खाँवस कार्यकलाभ वन्स না করে দেশের এক বিশেষ সম্প্রদায়ের উপর আলাল করে একটা অগণতান্তিক আইন প্রণয়ন করে কি কিছু স্ফল পাওয়া যাচ্ছে?

চরবড়ী' মহাশর আরও এক জায়গায় भिर्पाद्धन एवं कहे आहेरनत नाशास পাকিস্তান সরকার বিচক্ষণতার পরিচয় দিয়েছেন কিন্তু আমি বলব, ভারতের মত এত বড় একটা গণতাশ্তিক দেশের পাকিদ্তানের একটা জগ্গী-শাসকের সহিত ওলনাম্লকভাবে আইন প্রণয়ন করে দেশের গণতান্তিক ম্যানাকে স্কান করা স্মীচীন নয়। তা ছাড়া ভারতের সরকারী কার্ষে বহ গ্রেছপূর্ণ পদে বহু মুসলমান কম্লিণ্ড অবস্থায় রয়েছেন। চক্রবতী মহাশয় কি অস্ববিদার করবেন যে এবা কমক্ষেতে যে সূব গুরুদায়িছ বহন করছেন তার ডুলনায় ভই সধ সম্পত্তি হস্তাত্তর ব্যাপার অতি ৩০ছে! যে স্ব কতিপয় সংখ্যালপ ভারতীয় মুসল্মানদের পাকিস্তানীপশ্বী বলে মনে হবে হিন্দু-মুসলিম কৌথ প্রচেণ্টায় তাদের মেই পাকিস্তানী দ্বিউভগ্যীর পরিবতান করে শিক্ষাদীক্ষার মাধ্যমে ক্রমে ক্রমে ভাদের মনে দেশাৰবোধ জাগিয়ে ভোলা উচিত বলে মনে করি। এই সব সংখ্যাপেশন জনা সমগ্র ভারতীয় মাসলিম সম্প্রদায়ের উপর একটা অগণতান্ত্রিক আইনের বেড়া স্কৃতি করা উচিত নয়।

দেশের কভি হতে পারে এমন কোন কাঞ্জ দেশের কোন স্নাগরিকই করতে চান না, সে বে-কোন সম্প্রদায়ভূত্তই হোক না কো। চক্রবডী মহাশর কি বলতে চান বে, ৰ্ভিক্স-পাঠকদের একটি অপ্রিহার্ম প্রত্থ

ৰাঙকম অভিধান

(উপন্যুস খণ্ড)

অশোক কুণ্ডু

ory site...

- (क) বাংকস্কাশের ভবিন ও জীবনী-সংকাশত তথ্য।
- (খ) বাংকম-উপন্যাসের নাম ও পরি-চ্ছেদের নাম সম্বর্ধীয় আলোচনা।
- (গ) ৰাজ্জ্ম উপন্যাসের চারির ও তং-স্কুডার আলোচনা।
- (ছ) বহিক্য-উপন্যাসের দরেতে শব্দ, ভৌগোলিক কথান ও বিবিধ বিষয়।
- (%) বাংকম স্ভাষিত।
- (চ) ৰহিক্ষ-স্বৰ্ধীয় আলোচনা-প্ৰৰেথৰ ভালিকা।

বাংলা উপনাদের প্রতিহাসিত ছা প্রীক্ষাই বান্দাপাধারে বংগন—"এইনিন পরে এক তরান শিক্ষান্তরী শ্রীয়ান কলোক কুড় প্রথম প্রপাদিকর প্রতি এই কসমানত প্রকাশকণ বা করে আমাদের লক্ষা নিবারণ করেছে। সে বান্দিক্ষা-কতিবানা নাম দিরে বান্ধার সম্বাদ্ধির বাব্যাস্থাসকরের এক কোবারণ বান্ধান্তর্ভাসকর্তীর প্রথম সম্বাদ্ধির বাব্যাস্থাসকরের করেছে। কর্মান্ধান্তর্ভাস্থাসকরের করেছে। করেনান্ধান্তর্ভাস্থাসকরের করেছে। করেনান্ধান্তর্ভাস্থাসকরে করেছে। করিব ভারত বিশ্বাসকরের করেছে নিবার প্রভান্তর্ভাসি প্রকাশকর করি এই নিবার প্রভান্তর্ভাসিকরের করেনার প্রথমিত করেনার করেনার প্রথমিত করেনার ক

ছাতীয় অধ্যপক ভাষ∋য**়ড: স্নীতি-**कुमान हरहे। भाषाक् दर्शनम् -- १ ४७१५ तदः वर्षः व्यवस् ্তাকনি ব্যক্তি হ্রভিধান প্রের্থকামে। সম্বর্গে বেশ পড়াশনে ক[ি]রেছেন।" ম্কুমন্ত্ৰক শীদ্ৰেঘনাথ বিশ্ব ব্যান-"এ বই আলে প্ৰকাশিত হ'ল *ৈ বিল*াসাহিত। পঠে e আপোচনায় আমা ধানক উপকার হয়ক। অবশা ভালেলতে কাজ **লাগরে** আশা রাখি।....ত্তিক চান্ত গ্রন্থাবলীয় স্পোই এ বই অমাদ গুম্মগণরে বিবাস করে বাঁধকম সাহিত্য প্রতির পথ আ**লোকিত** করবে। কইফানান গুলার ১৬য়া আবদাক। রত্মান ও তালেও পর্তস্থাকের জন। গ্রন্থকার যে পরিশ্রম প্রতির করেছেন সেজন তিনি বাছালা সনাজৰ ধনাবাদের **পাচ**।"

म्ला भनद्र होका माह

ভারতী ব্যক স্টল

প্রকৃতির ও প্রত্ত বিবরত ॥ ৬, রমান্ত হত্যবার স্থাটি, কলিচ ৯ ॥ ভারতীয় মুসলমানরা এথানে গণতাণিশ্র অধিকার থেকে বল্পিত হরে সাম্প্রদারিক ভেলাভেদ রেখে ম্বিতীয় শ্রেণীর নাগরিক হিসাবে বসবাস কর্ক! তাই আমার বন্ধবা হল, স্বাধীনতার আজ বাইশ বছর পরেও ভারতীর মুসলমানদের উপর ওইর্প একটা সম্বেহম্পক আচরণ করে তাদের মনে সলেহ, সংশয় না রেখে ভারতের স্ববিষ্কের, স্ব-সম্প্রদারের মত, স্ব স্থ-দৃংথের স্নান অধিকার দিরে দেশকে সত্যিকারের ভালবেসে দেশের সেবা করার স্বোগ দেওয়া উচিত।

> সেথ আসাদ আলী নাগরাকাটা জ্লপাইগর্মড়

রবীন্দ্রনাথের দঃখের গান

১৯শে জনেটেয়ের দেশে প্রকাশিত শ্রীমোহিতক্ষার মজ্মদারের পতের কিছ, মুদ্রবার সম্পর্কে করেকটা কথা বলতে চাই। তিনি এক জায়গায় বালছেন : সাহিতোর সভোর কোনো নিদিন্টি স্বাজনীন মান্দ্ভ **ट्राइ । जात करतक लाइन भरतूर स**ाग করেছেন "কবিতার ব্যাখ্যা কবিতাকে ছাড়িয়ে ধতদরে খুশী যাক....শুধু থেরাল র খা চাট এমন কিছা না এসে পড়ে বা সেই ক্ষিতার ম্লেভাবের বিরোধী।" ব**র**বাটা আমার ঠিক বোষগমা হল না। এক্ষেত্রে কবিতার "ম্লভাব" কোনটা? মোহিতবাব বা ব্রেছেন তাই? না কি. শ্রীআবু সংগ্রি আইয়ৰ বাব্ৰেছেন? ভাহলে মোহিত-বাব্রে "এ কথা অবশা দ্বীকার্য হৈ সব সমালোচকই কাবোর অর্থ ভার নৈজের কাছে বে রকম প্রতিভাত সেইরকম ব্যাখা करत थारकन"-वहे डांबत अर्थ की? কাব্যের যদি একটাই মাত "মালভাব" থাকে, ভাহলে ব্যাখারে বিভিন্নতা আসে কোথা থেকে /

আসলে মোহিত্বাব্ ঐ Encounter with Nouhingness কথাটাকেই সহা করতে পারছেন না। তার সমালোচনার ম্কেডাব এই অসহনায়তা। না হলে তিনি ব্যাত পারতেন শ্রীআন্ স্মান আইয়বের ঐ বাখ্যায় খুব একটা তুল নেই। ব্যাগ শ্বার বে বৃন্দ কবিতার তিনি উল্লেখ করেছন, তার শেষ চার পর্যন্তি হচ্ছে:

ভারপরে জানি যথে তাম চলে যাবে. আতৎক জাগার অকস্মাৎ উদাসীন জগতের ভীবণ স্তথ্ধভা।

এখানে ঐ ছোট্ট "জানি" শব্দটা লক্ষাণীর; বার জাগ্রত আবিভাব এই বিশ্বাদের জন্ম দির্মেছিল বে "আকাশে অগণা গ্রহতারা/অন্তহনীন কালে/আমারি প্রাণের দার করিছে দ্বীকার/' কবি যদি এ কথা জেনেই থাকেন যে সৈ চলে যাবে, তথ্য

কি উদাসীন জগতের ভবিণ স্থাধতাটাই বাকি থাকে না? তার সেটা কি Encounter with Nothingness নয়? এ কবিভাকেও বে কা করে সেব-মাধ্যের প্রতি অকুঠ বণনা ভাবা থেতে পরে ব্রক্তাম না সম্ভবত, রবণিপ্র অক্সাত মাপকাঠি করে রবণিপ্র মাপরা দিকে ভাকাপেই এ ক্সাত মাপকাঠি করে রবণিপ্র মাপরা দিকে ভাকাপেই এ ক্সাত হতে পারে।

অনাভাবেও দেখা যেতে পারে এটা। রোগ শ্যার ১৮নং কবিতায় "হিশ্ব" "দয় ময়" কিন্তু ৭নং কবিভায় জগত "উদাসীন"। ভার "ভাঁষণ সতম্বতা" আত্ত্বজনক। ১৮ নম্বরে বিশ্বৰ দ্যাকে বদিও "বিনিদ্ বাৰেল সংহত দেখা যাকে আহি পাতে" বোঝা ধায় ভার লিরপেক ছব: অভিতৰ আছে, তার স্বতন্ত অবস্থিতিতে কবি বিশ্বাসী যদিও কারো মাঝে তাকে "সংহত" হতেই হয়: কিন্তু ৭নং ক্ষিতার ব্যাপারটা সম্পার্ণ পাথক। বিশ্ব যে দর্মের, ভার যে প্রাণের দার ধ্বীকারের বিশ্যুমাট অভিপ্রার বর্তমান, এটা শধ্যেত কোনো মানবার মাধামেই জানা সম্ভব হছে: তার নিরপেক কোনো অস্ডিম্ব নেই। ফলে, য়ানবীর অণ্ডধীনের সম্ভাবনার জগত তার ভবিণ স্তথ্ত। নিরে "আতংক জাগার অকস্মাৎ:"

আমার তো মনে হর, এই দুই প্রাণভীর অনুভাতের মধানতী হচ্ছে ঐ শেষ কবিভাটি। এখনেও "স্থির অয়োছ শান্তি"র কথা বলেছেন কবি কিন্তু ওটা কথাই,—নিজে বিশ্বাস করতে পারেন নি। না হলে, বে কবির মধ্যে একদঃ ভাগত এসে কোলাকলি করত, তিনি শ্বা এক সেবিকার অন্ত্রপিথতিতে একেবারে আর্ড কল্পনায় উল্ডাণ্ড হরে উঠকেন কি করে? যদি অমোঘ শান্তির স্বতন্ত্র আঁস্ডম্বে বিশ্বাসাই পাকরে, ভাহতে স্থির একটি ক্ষানুমত কণিকার অন্ত্রাম্থান্ত এতবড়ো বিপর্যার ঘটাবে কেন? হয় বলুনে, কবিভাট সার্থ দেশিউদেশ্টাকা—গ্রের্ড দেকার দরকার নেই কিছা: না হয় তো দ্বীকার করতে হয় যে ঐ "সমর্থান" শাস্টা না প্রেলে বিশেবর অয়োষ শাণ্ডির কোনো অর্থ হয় না। অমেয়ে শান্তি থাকুক বা না-থাকুক ভাতে किहा धाल यात ता, यीन ता रतथा यात रव ঐ "তুমি"টি পাশে বঙ্গে আছে। তাই শ্রীআব্ সরীদ আইর্ব যদি বলেন এখনে "রবীন্দ্রনাথ অনুভব করছেন ভার মাথার উপর আকাশ শ্না, তার মানে বিশ্ব রুমাণ্ডই শ্না।" তাহলে কোন কারণে তা তথাকথিত 'ম্লভাব'কে সমর্থন করবে না? এই স্তেই বলে রাখা ভালো যে, অস্তিছ-বাদী সার্চ্চ যথন বলেন জোমরা স্বাট খনৌ' তথন যে নৈতিক সভো তিনি দাঁড়ান সেটা একাতই মানবিক, আাব্সার্ড তত্ত্বে বিশ্বাসী

কামা ক্ষান্তকে অর্থাহনি কেনেও, মান্তর প্রতি আম্থা রেখে যান; অর্থাৎ ভূমিতে বিশ্বাস Encounter with Nothing, নভগ-এর সংগ্ল অনিবার্যভাবে অসংগ্লান করেও শন্মতো কথাটাই আপোক্ষক কোন করেও শন্মতো কথাটাই আপোক্ষক কোন করেও শন্মতো কথাটাই আপোক্ষক কোন করেও শন্মতো কথাটাই আপোক্ষক কোন

> বীরেশ্ব চরুবতী⁶ কলকাতা ৩৮।

সাহিতা সংখ্যা ১০৭৬

গত করেক বংসর ধরে বেশ পরিকর কড়াপক্ষ গদেশ সাহিত্য সংখ্যা নামে যে বিশেষ সংখ্যা প্রকাশ করিছন, জন্মত ধারণা, তারা অথাশিত পারক সমান্তর কডজ্জভাভাক্স হয়েছেনঃ

জনের ব্যুর থেকেও সম্পাদকদভলীর এই মহৎ প্রয়াসের জন্য অকুন্ত অভিনান না জানিয়ে পার্রাছ না। আমার এই কর্ অভিনানন প্র হথন । আমারের ন্যারে গিরে পৌছারে, ধোষ হল, উম্ম এর কেন ম্না থাকরে না। কিন্তু কি প্রারু কর্ম নার জাহাজ ভাবে পরিকা পোতে প্রায়ের মানুসর মানু সাম্যারে।

এই সংখ্যান্ত, (১৩৭৬ সংগোর বিশ্ব সংখ্যা) "বিবর মৃদ্ধ" আলোচনা আগ আমার অন্যতম প্রিয়ু পোণক জীসমনেশ বা সম্পর্কে জীসোমনাথ জট্টা গোস্থান ভাষার ও ছালে মাত্রা বাবেছে। আর সেই জাকে জানাই অসংখা ধানবাদ। আর সেই জনাই মাধাম হিসাবে গ্রহণ করছি আগদার এই পত্রিকাকে। এ কথা আজ স্বাধান সহ জীসমারেশ বস্ত্র দশ্লি, বিবর থেকে ম্টি

সাজ সাহিতে। অক্টালভার প্রশ্ন উঠি।
এবং যার জন। আদালভার পদত গো
করতে হয়েছে লেখককে, এ যে বিচারের ব
বড় প্রসেন, সে কথা আজ প্রতি
সাভাকারের সাহিভারেশীই জানে। বিশ এ কথা সভা কালের বিচারে মন্ত্রে আলালতে শ্রীসন্রেশ বস্বাবেকসার খালা
—মিশ্পাপ।

সব থেক বড় কথা, আমার সেই শুরুই
জাবিন থেকে সমরেশ বস্ আমার ইট অধিকার করে থাকলেও তাঁর বাজিল জাবিন সম্পর্কে আমার বিশেষ কিছুই জাট ছিল না, লেখক সোমনাথবাব, মান, সমরেশকে মান্বের সামনে নতুন করে তু, ধরে সকলের কুডজেতা ভাজন হরেছেন।

> গোবিশ্লাল ঠাকু শতুক, গ্ল

সাহিত্যিকের প্রতি সরকারী কর্তব্য

তরা প্রাবণের দেশে শ্রীক্যোবিন্দ চট্টোশাধ্যার লিখিত 'নক সীকাঁথার ম্যুঠ্য কবির স্মিধে কিছ্কেণ কেখাটি পাঠ করিয়া আনদ পাইয়াছি। বিশেষ করিয়া কবি ছাস্মউদ্দিন প্র' পাকিস্তানের বতুমান স্চিত্তির ধারা ও সেখানকার সাহিত্যিকদেব সূত্র প্রাঞ্চলের ব্যাপারে। সরকারের অবদানের ্ বাপার যে সমগত উদ্ভি করিয়াছেন, তাহা সংঘ্রতার প্রবিধানযোগা। নিঃস্টেন্ছে र्शास्त्रास्य करिया-खनादाणी भारते अर्दे त्रव प्रश्राप कार्गीनत्त्व इडेर्ट्यमा किन्द्र कडे গ্রহণে অমাদের মনে দ্বতাই এই প্রদা জ্ঞে যে, আমাদের সাহিত্যিক-কবি e ভূতাদের প্রিবারবর্গাকে । ৪,৫সময়ে রক্ষার জন্য অ্যাদের সরকার কী গ্রেণ্ট বানস্থ। ক্রন্দরন ক্রিয়াছেন ? স্মতিতি।ক্রদের ছাধা যাত্রর সরকারী বা বেসকারী কার্যে নিয়াছ আছেন ভহিচাদের কথা ছাডিয়া দিকাম। কৈতে যাঁহালে চাকুলী ভালাজদুৰ সাহিতা কার্য ব্রহাত্সবহা**প হাত্রার আ**শাসক**যে** স্পূল সময় স্বিহত্তার কালে বাম করেন র্বালের আকাপ্যক কোন দ্যটিনা ঘটিলৈ, ভাষাদের প্রিয়ন্ত্রের্যান্ত্র জ্ঞালিক সংক্ষা টেটি বৃদ্ধা কর্ম । জনা কি স্বস্থার প্র**ক্ষ** रहेत् ग्रधान्य सायन्यः आष्ट्र सीयाता निरमद প্র দিন শ্রুতিরর র**ক্ত জল করিয়া মাম দেব** মনের বোধারক মিটাই**রতভে**ম, তাহিবদের 😅 র্তানান্ত পতিকার দর সাখে স্বাক্ষাদেশার পতি পুনি দিবার প্রা**রাৎ আমাদের সকলেবট** র্থিয়েছে। সর্কার যেখেও আমাদেব প্রতিভূ, সেইজন সরকারের কাছে নিম্ম-বিখিত আবেদন জানাই ঃ

- ১। সাহিত্যিক ও কবিদের প্রায় কনারে জিলাবেংসে স্কুল-কলেজে পাঁড়বার ব্যবস্থা।
- रे। स्टार्क विमा नास जिंकरम् । वासम्बा
- া অক্টেমক দ্যুটনাত্র বা রোগে শংগ্র ইটাল বা মৃত্যু ঘটিলে, তাঁহাদের পরিবার-বর্গতে মাসক পেকানের বাবস্থা।

সৈতেজু, সাহিত্য কামে সম্পূর্ণ সময় ব্যক্তি লেখক বা কবিদের সংখ্যা খ্য বিশী নাই, এইবাপ সাধ্যেগ স্থিধার

> এ.সরকার এশু সঙ্গ সন মাণ্ডে গ্রাণ্ড সঙ্গ জবলেট এম.বি.সরকার ঐ্যাডিশ্যনান পুরেলাস

১৭১)১**ও রাসবিহারী এতিকু** বালিগঞ্জ কলিকা**জ** ফেলন: ৪৬-৬২৪৮

ব্যবস্থা করা আমার - ধারণার পাব কণ্টকর হইবে না। ই'হাদের আর কি সাযোগ সংবিধা বাহতে পারে সরকার বিশিণ্ট সাহিত্যিক 🕳 গণৌদের সমন্বরে ঘঠিত একটি বোডেনি সাহাবে৷ এই ব্যাপারে जामाञ्चा कतिएक भारतन। रवाधक भार्व পাকিস্তানের সাহিত্য সমাজ ও জয়াকর স্হিতিকদের পরিপ্রেক্তি আমার এই বস্কুরোর অবতারণা, কথা উঠিতে পারে যে, প্রে পাকিস্ডানে পাঠক সমাজ তৈরার হয় নাই বলিয়া সেখানকার সরকার সাহিত্যিক-দের জন্য এইরপে স্থেত্য স্থিবধা দিয়াছেন। পশ্চিমৰণা ও তাহার বাহিরে একটি বড় পাঠক সমাজের অসিত্য স্বীকার করিয়া নিলেও, চলচ্চিত্র বাপারণের মাধ্যে গাড়ি ক্ষেকের 'লা প্রসা' করা ব্যাভিরেকে, ক্রছন সাহিত্যিককে ধনী ব**লা বাইতে** পাৰে ? हेंद्राप्तत अधिकाश्मदे आभारतत गर प्रशादिख শ্ৰেণীৰ ৰাহাদেৰ প্ৰতি আমাদেৰ দায়িছ অস্থাকাৰ কৰিছে পাৰি না।

চিত্তরঞ্জন নাগ বেংলা, কলিকাতা-৬০

বাংলার চালচিত্র

গাঁরে পন্জে, শহরে শহরতলিতে অসংশ্য
মান্বের মুখের ছবি আমাদের দৈনদিন
ভবিনের হিসেব নিকেশের থাতার আঁচড় কোট দিয়ে বার। কিন্তু তাঁরা আমাদের
কাছে অচেনা বার গেছেন। সেই অচেনা
মান্বগ্লিকে চিনে নেবার প্ররোজন আছে।
সাপের খোলসের মড জামা ফাপড় পরে
থাকা লোকগুলির বিশ্তর বর্ণনা বিশ্তর
মাহিত্যিক দিরেছেন। তাই কালি ও
ভলমের টানে প্রাম বাংলার হরেক কিসিপের
সাধারণ মুখ ও মানের বর্ণনা গড়ে আনন্দিত
হবারই কথা।

স্বঞ্জন সেনের নতুন বই

लारलायानी अर्रनत

यायला

তরাই-এর জন্পলে মহিষ্কার বাং**লোয় জো**ড়া খনের তদকেত তথা-সন্ধানী জগদন্যবাব কীতি-কথা, রোম**হর্ষক আ**কর্ষণীয় গল্প। পাঁচ টা**কা ॥**

এই লেখকের অনা বই

वा प्राक्ष्यमात ५.०० जानकारक त्र भठन ৯.०० रमक दिन थ्रन ४.०० थ्रनी जत्रा १.००

বিরুমাদিত্যের রোমাঞ্চকর রহস্য উপন্যাস

न्शाई ५०.००

বেদ্বেন-এর রাজনীতি-প্রধান উপন্যাস

শতাবদীর অভিশাপ ৮০০

রাজনীতির নেপথ্যে ৮·০০; খানার কালো মান্য ৮·০০ কমল বন্দ্যোপাধ্যায়ের তথ্যসমূদ্ধ প্রমণ কাহিনী

ভারত দশনি ॥ কেরল ॥ ৮.০০

ক্লাসক প্ৰেল ॥ ৩/১এ, শ্যামাচরণ দে স্মীট, কলিকাতা ॥ ক্লাসক প্ৰেল

আৰুলে জ্বার সাহের বার্লার চালচির।
শীষ্ট রচনার প্রারম্ভিক গ্রার্থটোর চিত্র
নিপ্র হাতে একেছেন। প্রক্রেটি পড়ে মনে
হয় স্মৃত্র বাাপারটা যেন বিবিহাট আর
উল্বেড়িয়ার উপর থেকেই লক্ষা করছে।
গর্ ব্যাপারীরা দ্ প্রসা লাভ করলে
টাকের কড়ি খসিয়ে লালপানি গিলে পড়া
মাত করে ফিরে—এ চিত্র হরবখাংই, আমরা

যারা গাঁয়ে থাকি, লক্ষ্য করি। তড়াপ গড়ন, চনবনে কাজলচোখো গর্ন। হলে জাম চ.৪ স্বিধের হয় না। ফসল ভাল হয় না। না হলে বাল বাজাদের কণ্ট হবে। তাই আবাদের মরশ্মে গর্ কেনাবৈচার ব্যাপারটা চিরকালই জমজমাট।

ব্রতে অস্বিধা হয় না নগেন কোরোংয়া আর জলিল মোলার মত লোকদের সংগ আক্**ল জ**কার সাহেরের প্রিচ্ন হান্ত্র বলেই ভার নগানা এটামানি এরাহে হয় প্রেক্তে।

দেশা পতি এব বাংলার চলচিত্র পত্ত ভাবছি হয়ত এনের মদে, যু এত নতে পতের তলার আকাধিকতে মানি পেতে এলছেন।

্যাজিম-উপ-দান-আহমেদ কলকত্ত্ত





্ৰকাৰী চিক্তে বংলাছে লাজন পৰ্যাপ, আহুৰ কটাকে বংলাকে বিশ্বাস্থ কৰু লাজনে ৷ কোনো আল্লান কোনাই নকাই গাল্পিকাৰ স্থান বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য কৰিছিল। বিশ্বাস্থ্য কৰিছিল স্থান কৰে কোনাই কোনাই নাম কৰে কৰে কৰে কোনাই

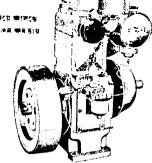
বলতে পারেন কি কোনটি আঙ্গল?

ছাল ছিনিধের নকল খুন ডাড়াড়াড়ি হয়ে থাকে। জার কখনত কখনত নকল ছিনিব ঠিক জাসলের মতে।ই দেখায়।

কিৰ্লোজন ৫ চৰ্স পাওলাবাএডিড ১ ভিছেল এজিনের অধুক্রন সর্বচাই হয়ে আসতে। এই অধুক্রণ হয়ে আসতে শুধুনা, গঠন, আওতি ও ভিছাইকের দিক খোকে। কিন্তু উচ্চনানের শুধুন, নির্ভর্যোগাড়ার, ও কর্মসম্পাদন ক্ষমভায় ক্রিলোজের এডি ১ এন অধুক্রন ক্রমন্ত অধুক্রণক্রোধের শক্তে সম্ভূব এয়া।

সকলাকে ন্যানজন একমান্তে মিলিপ্ৰায় নিৰ্দিষ্ট ছিকেল এজিন কিলেপিছন এজি ১ বনমান্তি ক্লিকাৰ্য ও আমলিক্সে প্ৰযোগেত উপযোগী। লাজি- নিৰ্ভিন্ন হোগান্তা, ক্ষম্ৰনাম নীৰ্ম্বায়িছ ও সংস্থামক্ষমক চাবে অসমজন কমসম্পাদনের কলো একক্ষে এক বিনিষ্ঠ (আমীর এজিন। ভাঙাজ্য এর সংগো বয়েছে জান ও কিলোপ্তবের উচ্চ ডোলীব বেসস্ব সার্চিম।





আসল কিলোন্ধর এভি ১ - ৫ হর্স পাওয়ার কিন্দুন। – নকল কখনও আসলের মতো উৎক্লপ্ত হতে পারেন।।

্রিলোস্কর অয়েল এঞ্জিন্স লিমিটেড, প্রাক্তিনটোন রোড, কিরকী, পুণা ০ (ভারত)

কিলোস্কার (R) হল কিলোস্কার প্রোপ্তাইটারি লিমিটেডের রেজিস্টাড' ট্রেডমার্ক', কিলোস্কার অয়েল ইজিনস্ লিমিটেডকে লাইসেন্ছ প্রদত্ত।

রূপ ও রুপেয়ার রুপকথা

শৈশির রায় চৌধরী

ত্ৰীর নাচ ভাল হলেই থথেন্ট। তার বিধান কর্মান নাচ ভাল হলেই থথেন্ট। তার ক্যাই নেই। পোনা যার, এমান নাকি এক রুপবতী নত্রী ছিলেন ভারতের পশ্চিম উপক্লের কেন এক মোকামে। ভার খ্ব-স্রুতকে কেন্তু করে গড়ে উঠেছিল বলেই মোকামটির নাম হয়েছিল সারটে।

রক্ষণাল তথা নীতিবাগাশর। বলেন.
ছাঃ, ছাঃ, তা কী করে হয়! অমন একটা
গ্রেখপ্ণা বলরের নামকরণ হবে একটা
নতকীর রপকে ভিত্তি করে? বিশ্বাসবেশ্য
তো নয়ই, বরং হাসাকর। আসলে, সরেট
শল্টর উৎপত্তি স্বাধার শল্ফ থেকে।
স্থের প্রে হল এই স্বাধার অর্থাং ভাগিত
ন্নী, বা স্রেটের পাল দিরে প্রাহিত।

অবশাই ইযোবোপীয় ভাষাকারগণ বলেছেন, ভারতের এই গোড়া হিন্দু, পশ্চিত-গলি একেবারেই নন-সেনস। সব কিছাই ধমাীয় প্রাণের রূপক দিয়ে ব্যাখ্যা করে। **धरे क्**श्रम**्हिक्त नल कारन ना रय. कन-**প্টাণ্ডিনে।পল-এর সলেভানের হারে:ম স্ত্রথা নামে এক নতকী ছিলেন। কেনে কারণে স্বভান ক্রমণ নতকীর উপরে নির্দায় হয়ে উঠলেন। একদিন তাঁকে হারেকের বাইরে ভাডিয়ে দিলেন। ব্যাপারটা জনতে পেরে রাজোর অন্যতম সওদাগর র্মি অতাতে বিপদের কারিক নিরেও স্কেথাকে আশ্রয় দিলেন। খবর পোরে স্কতান দৃজনকেই রাজা থেকে বহিৎকারের আদেশ দিকো। বিন্দ্মান্তও বিচলিত না ব্য়ে রামি তালপতল্পা বে'ধে সার্থাকে নিরে হিন্দ্রতানে যাত্রা করলেন। তাশিতর ভীরে রানের এসে ভিড়ল তার জলবান। কিন্তু ^{ভাকাতের} ভয়। রুমি এক দুর্গানগরী ভৈত্তি करत वादमा-वाशिका भारतः करत मिरमान । ব্নির ব্যবসা-বাণি**লা হতে সম্প্রসারিত হল।** ভারতীয় ও অ-ভারতীয় বংশকদল ক্রমেই সংখ্যার বেড়ে উঠল। আমেদাবাদের শাসক কাপারটা জেনে সম্ভূষ্ট হয়ে বুনিয়কে বথেষ্ট ^{কমতা} ছেড়ে দিকেন। রুমি এক নতুন শ্বরের প্রতন কর**লেন। প্রিরতমা স**্র্থার শাতিকে জাগর্ক রাখবার জন্যে নগরের नाम ताथानन मुताहै।

र्यान थ-७ विश्वान ना करतन, छा स्टान

শ্নান আরেক ইতিহাস। এক বিধবার গোপী নামে এক পরে ছিল। তাব সেই প্রের ফাসী ভাষার অসাসান ব্রংপতি ছিল। কোথাও চাকুরি জোটাতে না পেরে অভঃপর গোপী দিল্লীতে স্কাভানের দরবারে চাকুরির জনো হত্যা দের। এমনি সমর এক-দিন বছল সব রাজকর্মচারী বাড়ি চলে বার তখন রাজদরবারে ফাসীতে লেখা একখানা গ্রুডপুর্ণ চিঠি আসে। স্কাভান পর-পাঠককে ডেকে পাঠালেন, কিন্তু গৃণ্ডর তথন স্না। বিশ্ব কী উপাল-এক্নি চিঠিব মমোন্ধার আবশাক। দ্রোরানের হরী থ গোপীর কথা মনে পড়ে। গোপী তবন গোপীর বাইরে খুমোছিলেন। শোপীকে ডেকে আনা হল। মাত একবার পড়েই গোপী এক নিশ্বাসে সব মানে বলে দিল। গোপীর পাণ্ডিতো স্কাতান তথন অভাকত খুশী হলেন। গোপীর বরাত ফিবল। গোপী "মালিক গোপী" হরে স্বারটি শাসন করতে

বোড়শ শতাব্দীর দুই শতক অবীৰ স্বাটে মালিক গোপীর নাকি খুব প্রতি-পান্ত ছিল। গোপীর চেন্টার অনেক বিশ্বক স্বাটে এসে বসতি স্থাপন করে। প্রমাদ-স্বাদে গোপীবাড়ী বা সোপীপ্রার পাষর দিরে বাধান বিরাট প্রভারণী "সোধী ভালাও"এর কথা অনেকেই বলেন। মালিক গোপীর স্থাীর ভাগ্যে রালী বেডারক শ্রেট-



ভারতে ছিটিশ বাণিজ্যের স্তিকাখার হল স্বাট। ১৬০৮ সালে কাল্টেন ছিন্স্স্-এর আগলনের পর থেকে অনেক উত্থান-পতনের মধা দিরে ভারতে ইংরেজদের বাণিজ্যিক ও রাজনৈতিক কমতা ব্যি পার। বশ্বের উল্লেভিন প্রশিক্ত স্বাটই ইংরেজদের প্রধান কেন্দ্র ছিল। ছবিতে ঐতিহাসিক ইংরেজ ভূতির একাংশ দেখা বাজে



স্বাচন জার-শিশ্প বিশ্ববিধারত এবং জতি প্রচৌন। সামাজিক, রাজনৈতিক ও অর্থনৈতিক কারণে জাল এই কুটীর শিল্প বিশেষ অগ্রসর হতে পারছে না। চিত্রে একজন মহিলা কর্মীকে নিজের ধরে বলে জরি তৈত্বি কর্তে সম্পূর্ণ স



ন্দ্ৰটোৰ দক্ষিণ-পূৰ' প্ৰাণেডৰ ঐডিছাসিক "উধ্না দৰওয়াজা"। ১৬৬৯ সালে মাৰাটা সন্ধাজ্যের প্রতিষ্ঠাতা শিক্ষজী এই দরজা দিয়েই স্বাটে প্রবেশ করেন। তারপরে আরেন দ্বার এই দরজা দিয়েই নাকি মারাটারা স্বাটে প্রবেশ করে ল্টেগাট করেছিল। এই গেটের প্রশেষ্ট রয়েছে ভারতের স্বটেরে বড় কো-জগারেটিভ শিক্ষকেন্দ্র-উধ্না উদ্যোগনগাত

ছিল। ক্ষীর ক্ষাতির উপেন্যে রানীতালাও নামে অব প্রকারিকাও খনন করা হয়। কিন্তু কোপার তৈরী শহরের কোন নাম ছিল না। লোকে বলত "সমী জাগা" বধাং নতুন জারগা। বাই হোক, জ্যোতিবাঁরের সংশা পরামশা করে এই খনমী জাগা"র নাম

তৰে স্বেপিরে কেন স্থিয় হল, তার শেছনেও আরেক রুপকথা আছে। রুদ্দেরের क धनाण अञ्चलकारात माणकी जर्भ বক্ষিতা কতার সংশ্যে মতানৈকা হওয়ায নিরাশ হরে মকাচলে যাচ্চিলেন। মান মাইল খানেক পথ অতিক্রম করার পরে ক্লান্ত ছয়ে যথন তাপিত নদীতে মাছ ধরার দুখা দেখভিলেন, তখন এক ব্রাহ্মণের বিধ্বা প্রতীর সভ্যে আকাপ হয়। পরে এই বিধ্যাক মেবিক্য হিসা**বে নিয়ক করে**ন। বিধন্ত সততার ও খেদমতে খুলী হয়ে মুসলিয় মাল্কিন তাঁর সব গছনাপত্তর বিধ্বার করে পক্তিত রাখেন। হল সেরে ফ্রিএস দেখলেন রাহ্মণ নোকরাণী নেমকহারাহী করেনি। তাই গ্রহনাগ্যলো একেবারে নিগ্রে পেরে গেলেন। তা ছাড়া, সভগগরের স্থে পনেমি**লনের আনদে মেহে**রবান মাল্তিন স্ব দৌলত বিধ্বা ও তার পত্রে গোপাকৈ निरम पिटनमा । ज्यित रुन, धरे धमानीनाइन একাংশ দিয়ে দাতীর সম্ভিরক্ষার বারপরা গোপী করবেন। সেই জনোই মহিলার সংগ নামকে অমর রাখতে নতুন শহরের নাম রাখ হয়েছিল স্রেথপার। কিন্তু স্রথপার খাফ दिन्म, शन्ध धाकांत्र शुक्रदार्हेद ज्ञालटर সামান্য পরিবর্তন করে কোরাণের পরিচ্ছেদের সংলা মিল রেখে নামকরণ করলেন সরেট।

এখন কার কথা বিশ্বাস করবেন বলান? **जा**दरक म**म मय फेफिरब** मिख दरम छ स्व বাজে কথা। গোপী নামে এমন কোন লোকই ছিল না। তবে হাাঁ, নবাবের দুজন রক্ষিতার একজনের নাম ছিল গোপী। আর অন্য রক্ষিতা **ছিল, গোপীর জানে-দুল্মন।** যই হোক, নবাবের কিন্তু বেশী আকরণ ছিল লোপীরই ওপর। একবার নবাব গোপীকে धकरणाष्ट्रा क्षेत्रकरकन फेश्रदाल प्रमा। ८१३ অপর রক্ষিতার গোপীর প্রতি বিদেব্যর্জ জনলে ওঠে। সে প্রতিক্রা করে বসলা গোপীর का**ष्ट्र (४८क औ कश्कन स्वक्वारवहे १इ**:क, रूप হস্তগত করবেই। সহ-মাশ্যকার উদ্দেশ্য জনতে পেয়ে গোপী একখানা কংকন বিভি করে দিরে সেই টাকা দিয়ে গোপী-তালাও নামে এক গভীর প্রকরিণী খনন করিয়ে বাকী কংকনখানি ঐ প্রক্ষরিণীতে ছাড়ে ফেলে দের। অর্থাৎ কোন রুকমেই বাতে অন রক্ষিতার হাতে কংকনখানি না পড়তে পারে। রক্ষিতা লোপীর থেরাল চরিতাথের *ভা*নো এই প্রকরিণী খনন করা হলেও, সওয়া গ' व्हत थरत अथाम स्थरकर महत्राहर भागीय करा

ন্ত্ৰন্ত হত। এমন কি, বাদশাহ আক্ৰয়ৰ নতি এই ডালাও-এন কল ব্যবহার করেছেল।

নামের র পকথার মততেদ থাকলেও, ধনলোলতের র পকথার মততেদ তেমন একটা
দেখা বার না। আর সবাই প্রায় একরকম
দেলাগান দিরেই বলে, "স্বেং সেনালা ম্রেং"
— কথাং স্বোট সোনার ম্তি। কথাটা
কেবারে উড়িয়ে দেওরা বার না। কেনা,
দ্বাট বলি সোনার ম্তি না হয়, তবে
নওয়াল শা'ন্ কোটো"—মানে নওরাল শা'র
কটা কম্বারীর মতো ম্লোবান কেনারের
মাটে কী করে তৈরী হল? তা হলে
টোটা বান্না।

স্বাটের ধন-দৌলভের প্রাচুর্বের কথা हात प्रकार प्रकार कर विश्वास के देश ৪চব বেশ্র নিয়ে হাজির হল স্রোটে। কিন্তু के हभी क्रमांत कनवाद खरना कान स्मार्कत গ্রাগ্র দেখা গোল না। অভঃপর জুম্ব হরে গুলুটের শেঠদের প্রকাশ্যে নিন্দা শারা করে লৈ বনজারা। মরের দাওয়ার বসে নিমের চল দিয়ে দাঁতন কর**ছিলেন নওয়াল শা**। লভাব্যে নিৰ্দাতিনি ব্ৰদা≄ত ক্ৰাড প্রবেদ না। ম্নীমজীকে ডেকে তক্ষ্মিন চুড়া দিলেন বন্জারার স্ব মাল কিনে ংতে,-তা যে দামেই হোক না কেন। ভার-ধ্য সব কেশর কিন্তে বনাজারেরে সামেনেই তা মিশিয়ে দেওয়া হল বাড়ি তৈরীর মাল-ल्बाद माला। राजा दगकाहाक प्राक्र य র্বিজ দেওয়া হল স্কৃতিী ধ্যানর হিন্দুত মান গ্রহণ জেন্ত কতা। বন্**চা**রের **লক্ষ** ^{}কার} কেশর নওয়া**ল** শা-র দালানের এক হাশ্য গাঁথনিও নয়।

ভিগমে রহিয়া সোনীর বাদ্। রহিয়া সানী এনে এক দর্শকার দ্বিসা। সে নাকি দ্বান বাড়াকই সোনায় পরিবাত করাত গ্রহ থিনতু অফেসেসের কথা হল ১৮৯৩ গ্রের বিধানমের তাল্ডবলালায় সে ধ্রংস ্য ব্যাং নইলে স্ব্রোটকে মুড্ডে লিড সান্ত

সেহাই পাঠক, হাসকেন না, ৫ সব গাল্প দিন বারা এ সব কাহিনী বলেন, তালৈর ২উ কেউ হলত গাঁজা বা চরস খান, করু সব ঐতিহাসিকই এসব খান না।





স্বাটে অবস্থিত এই জৈন দশ্দিরের কাভের উপর খোদাই করা কার্কার্য দশ্কের প্রশংসা ও বিক্ষায় উল্লেক করে। ছবিতে রন্দিরের ভিতরের অংশ দেখা বাছে



গ্ৰেজনটের পর্বা নাচ ভারভবিষয়ত। জার স্বানটের তাংগি আদিবালীদের নাচ গ্রেজনটে বিষয়ত। উপরের ছবিতে ভাংগি আদিকালীদের নাচতে বেখা বাকে

তারা বলেন, এখানে উড়ত চোরাখি বল্দরর, বাউতো, অর্থাৎ চোরাখি বল্দরের পতাকা। আর তার নীতে জমা হরেছিল ইরোরোপ ও মধ্যপ্রচাচের সব জাতি। ১৬৬৬ সালে একমাট ইংরেজ ও ডাচদের কাছ থেকেই শতকর। ৩ টাকা হারে ১২ লাখ টাকা

শংক আদায় হয়েছিল। যে কোন কেনেই
সিম্পুক খুলে পাঁচ-ছ' লাখ টাকা দিতে
পারত। আর বহিব'ণিজ্যের জনো এই
বন্দরের ৫০ খানি জাহাজ ছিল। দ্রদদী
আকবর বাদলাও মসনদে বদেই এই "বাব্লামকা" (মকার খ্বার) দখল করে নিয়েছিলেন।



জাপ্তি নদীর ভীরে বিখ্যাত ঐতিহাসিক সরোট কালদের দুলা। ১৫৪০ সালে পাছুখ্যীজনের বন্ধন করবার জন্যে এই দুর্গ তৈরি করা হয়। ভূকী কালান বারা आहे पूर्ण गुरुक्किक दिना। ১৫৭৩ जाला आक्सते मध्य करेत्रम। किन्छ आस्टर्ग, मृत्यात मृताहे आत्मान करामा , नियामी अहे मृत्यात श्रीक श्रीकान करानी। ভারণরে ১৭৫৯ সাল থেকে আসে ইংরেজের অর্থানে। বর্তমানে রাজ্য সরকারের প্ৰায় স্কুডজন কণ্ডয় এতে নিয়মিডভাবে কাজ চালিৱে বাজে

ভবে তা নিশ্চরই হজের রাস্তা সংগ্র করবার জন্যে নর। পশ্চিম দুলিরার সাথে বাণিজ্যের রাস্তা প্রশাসত করতেই

क्षां कारकर बहुला । भारतीय **शब**ः भ⁴हिम भवता প্ৰতি শ্লিবৰ প্ৰকাশত হয় n এবারের সচৌপরে n দিবারাতির কাব্য PERSONAL MARTERS CO. म्पान रमन জন বলের ছোটগলপ विकासी ॥ समयानी कविरावानी <u>। जाकानवानी</u> बाबाबावी है बाँच है काई न ঠিকানা: ১২৩ লাটবাব, লেন কলকাতা-৬ ৷৷ ফোনঃ ৫৫-২০১৭

(সি ৬৯৭৪)

ভিনি সারটে দখল করে নিয়েছিলেন। আর শিবাজী ও তার পরবভী মারঠী শাসকরা অন্তত তিন্বার এই "মকা-ভাগোর" जर्थार मकात जानामा मुक्ते करती बर्णन। **ंी. पत्र উटम्मना मामनमान रखवातीला कर्म** क्या दिन मा। नार्केत जिम्मात्रहे नका दिन নানাভট ন মে ধনদোলভের আসল বাজারটি।

র্মামর মৈহবুবা স্বর্থার আক্ষণিই হোক আর ফালিক গোপীর পরেবকারই হোক, মধ্য প্রাচ্য ও ইরোরোপ থেকে কথেন্ট বণিক সমাগম হরেছিল স্বাটে। স্পেহ নেই তাদের কিছু সংখক নরনারীর মেলামেশা হয়েছিল স্থানীয় লোকদের সংখ্যা সেই মিল্লাপের ফলেই বোরা. থেজি৷ প্রভৃতি সম্প্রদারের লোকদের মধ্যে এত বেশী র্পকান ও র্পবতী দেখতে পর্ভিরা বার। কিন্তু পাশীদের কথা ন্বভন্ম। কারণ পাশীরা সাম্প্রদায়িক বন্ধায় রাখতে এন্তই সন্ধাগ বে অন্যান্য थर्मायमप्तीरमञ्ज भएका स्वध्य প্রচার তো দৰের কথা কোনও অ-পাশীকৈ ধর্মগ্রহণ করতে তার দেন না। তথাপি খাঁটী ভারতীয় হয়ে পাশী'রা আজো বে'চে রয়েছে। এর মূলে হচ্ছে পাণীদের উদার দুণ্টিভণ্গী তথা নিভেজাল জাতীয়ভাবোধ। র্পকথায় বলে, ইরাল ष्पक भागिता धारा भागीता यथन मुद्राहरे প্রথম আশ্রয় ভিক্ষা করেন, তখন স্রোটের শাসন-কর্তা তাদের আবেদন প্রত্যাখ্যান

৹বে দেশ। াদ্বভায়বার वर्षन जात्वम् আসে তখন সরোট শাসক সরোটে জাবের কথা জানাবার প্রভীক হিসাবে একেবারে কানার কানায় ভর্তি এক কাস দ্বধ পাশী নেভাকে পাঠিয়ে দেন। উত্তর भागी दनजा के मृद्ध ककरें, थ्यात् एएए मिरत मूर भूनवात स्थतर भाविता मिरला। व्यवात्र ज्ञाउँ भाजक व्यक्तन य भागीता **अनमधना। कांग्रेम** ना करत मन्तार्गेरक वतुः খুশবুর মতো আনগদমর করে তুলবে। অতএব স্কাটে পাশীনের আশ্রয় দেওয়া रुल ।

आक रहे विशास भारतभात नाह एक्ट কেউ অসে না। এই 'বন্দর-মোবারত'। কেউ কাউকে মোবারকবাদ জানাতে হাজিব হয় না। **আজ এই** "গেট-ওয়ে-টু-মেক্র" দিয়ে হাজীরা যাতায়াত করেন না জরি শিল্প ক্রমে গাটিরে আসছে, ঘড়ি মেঠাই বিশেষ বিক্লি হচ্ছে না। কিন্তু আধ্রনিক বন্দ্রপাতি সমন্বিত শিল্প-সংস্থা ও বিদ্যালয়ের সম্প্রসারণ যেমন দুতে গতিতে এই দক্ষিণ গ্রন্ধরাটের ঐতিহাসিক শহরে ঘটছে. ভাতে মনে হয়, এই রূপ ও রূপয়ার রূপকথার শহর আবার সকলকে টেনে আনবে।

হীটীঠাকুর সাঁতায়ামদাস ওক্ষার্নাথ মহারাজ প্ৰবৃতিত

আ ঠ। শাস্ত্র

মাসিকপরে বঞ্চান্বোদসহ মহার্য বেদ্যাস রচিত মূল

छ प्रशासक

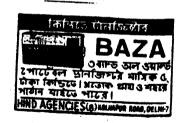
আবাঢ় ১৩৭৫ সংখ্যা হটতে প্রতাশত হইতে:ছ

বার্ষিক অগ্রিম সভাক গ্রাহকম্লে। ১৫.০০ আয়াণান্তে পৰে প্ৰকাশিত নিৰ্দালখিত গ্রন্থণ লি এখনও পাওয়া বার।

-)। बन्दनरहिका-৩.০০টকা
- **ः श्रीवान्धीक बालावन**ः 00.00 "
- 8। **ब्रीवक्श्वान-**-
- ৯.00 " धनम् छागवफ---
 - 82.00 " (ডাক মাশ্ল স্বতন্ত্ৰ)

जाब भागत

০৮সি, বিধান সরণী (বিবেকানন্দ রেচডের মোড়), কলিফাতা-৬ ফোন 🕯 ৩৪-৪৪০৮



भी बारखब এই শৈল শহরে

কিব্ৰশশ্কর মৈত

-গাভমিতে প্রায় বারেমাস্ট ক্লিউ হয় তা অলপ্রিদতর। শরের হয় সেই মার্চ-এপল থেকে সিতমিত হরে আসে সেপ্টেবরে। এখানে এখন ভরা বর্ষা। গ্ললবাজেবে মন ভোলায় মপ্রপে প্রাকৃতিক দ্রশার সমারোই। সকারণ ককাককে য়োগার, অপিসে বেরাতেই বির**বি**রে ⇒িল ব্যাস্থ্য ঘাৰে ক্ষান্তি **অপরাহ বেলায়** প্রহাট ক্রেরে ডাকা—রেম বাংলাদেশের ুলি লাবের ঘনক্যা**শ্য কাছের জন্মান্**ব লালালা কিণিং অতাৰ হলেও—'ফগ' লত কিবলৈৱে হ'চি মেশানো আবহা**ও**য়া क्यानः कथाना नास्तरक भाग कविर्धा तन्य। এজ্লে স্থানীয় আধ্বাসীদের কেউ কেট প্ৰস^{্তি}ভবে **যে-কথ**৷ বলেই--ভার ীলেগ করা থেতে পারে : আমানের নাগা-লাণ্ডকে ডচ্ছ ভেবো নাচ ইংলণ্ড স্কট-लान्छ द्यारकान्छ ऋष्टिकादनान्छ— ভার করেপারেই *নাগালয়াগ*ড়। কেতিয়ার ব্যাহরণে আমেত আমেত শহরের রাপ ফারেট উটেছে। যদিও এখানে শিলংয়ের মতে। টো অলপ্র পটেরের সারি, তবা এখারেও ফিলে সেনিল্যে পিথর পাইন-চেরি-কাউয়ের শাহলিক। পাত্যান্তৰ মাপাষ্ ব্যক্ষেল সূজ হৈছের আস্তর্প গ্ৰাৰ পাহাটেৰ প্রেক্ত প্রেট একটা নীয়েই সবাদ্র অথবা লাল-সপত ফেশ্যনো ক্রাঠের স্ফাড়িব্যালৈ ছাব্র (7/16/78) \$743 d\$11

কোরিয়ায় আধ্যাদী নালাদেরই প্রাধান বিশ্বী নিয়ন ব্যাক্রচাতে আভন লবের। কোরিয় মোক্রচাত-চ্যুখনসংগ্র-এই তিন কোরি নিয়ে বাঠিত নালাভূমির প্রার্থ মোক্রচালের কথা বারাশ্তরে বলবার ইচ্ছে বিশ্বী। লোগা বেংল্যা, চাকেসাত, সেয়া প্রতি উপলাতিরাত কোরিয়ার আশ্রেশ শিল বাস করেন। আংল্যামীরা শিক্ষা-শিল্য এই রাজ্যে অনাত্ম অগ্রসর উপ-লাতি। ল্রী তি এন আংল্যামী ভত্তপ্র ম্যান্ট্রী, ব্রম্মান মন্ত্রসভায়ও গ্রেম্ব প্রান্থ্যর বহন কর্মেন।

শিক্ষিত নাগারা প্রায় স্বাই খাণ্ট ধনাবলন্দ্রী। কিন্তু একথা বলা ঠিক নয় যে, নাগাভূমির অধিকাংশই খাণ্ট-ধনাবলন্দ্রী। এই রাজোর অনেক লোক এখনও প্রাকৃতিক শক্তির উপাসক। কৈট কেট নিজেদের হিম্পা বলেও পরিচয় দেন শনোভ।

কোহিমার উপকণ্ঠে পাহাডের উপদে

সায়াণস কলেজ, শহরের মধ্যে নৈশ অউস্
কলেজেও ক্লাস চলছে। সরকারী হাইপ্রল ছাড়াও আরো কয়েকটি প্রল রয়েছে—
এর মধ্যে উদ্রেশবোগা বিদেশী সম্মাসিনীদের তথাবধানে পরিচালিত লিট্ল্
ভাওয়ার'—শহরের একট্ দ্রে ছোটু একটি
পাহাড়ের চুড়োয়। কিছুদিন আরো স্কুলের
কাছে প্রাণিত হয়েছে মাতা মেরীর শ্রেমর্মার ম্তি, রাতে দ্র থেকেও দেখা যায়
তার বেদীর ভালোকমালা।

যদিও অফিস-কলেজগামী নিগোপুর্ব ম্রেপের শিক্ষানে সাধারণ নাগালের এবং দেখেনের নিক্ষানেগ সাধারণ নাগালের এবং উদ্যোগে রাউছ, কারো কারো গামে বাড়তি নাগা-কামা। পেরিবের চাদর এবং স্বাফা অধিকাংশ সমরই নাগাদের নিজ্ফর উপ-ভাতির নিদেশিক। যারা নাগালাদেও রবেছেন তারা পরিধের বন্দ্র নাগালাদেও বরেছেন তারা পরিধের বন্দ্র দদ্রেই বলতে প্রেন—কে আগামগাঁ, সেমা বা কুকী সম্প্রদাযভুক্ক।) অনেক আধ্যানকা প্রেরা ব্যবাশীয় পোশাক গ্রহণ করেছেন। তাঁদের স্বাচ্টের হুস্বতা এবং ব্যভা চলের বিচিত্র



जाश्तिक जाशामी ब्रुडी



ही हि उन जाशासी

বিনাস আপনার বিদিয়ত দৃষ্টি **আকর্যণ** কব্রেই। অতি-আধ্নিক তর্ণদের পরনে ভেন্সালে টতার্মি কম্প্রাদেশতে **পাবে**ন।

নাগালাগেড কেট প্রান্সপোর্ট রাজ্যের
পরিবরণ বাক্ষথার দায়িত গ্রহণ করেছে।
যদিও কোহিমা শহরে কথনো ক্থানো
টোটন বাস শিরোনামাগিকত একটি বাহনকে
চলতে দেখা যায়—সেটি নির্দিণ্ট সমর
সামার বন্ধনে এমনি বাধা যে শ্তরবাসীদের
প্রয়োজনের তুলনায় নিতানতই জাক্ষিণকর।
ভাষাকান্ধরণিতা নির্দিশেষ স্বাইকে সেই
আদি ও জক্তিম পদয্গলকে সন্বল করতে
হথ যাভায়াতের জনা।

শ্যন আশ্চর্য হবেন না—শহরবাসীরা যোগে বাইরে থেকে কার্ফোপ**লক্ষে এখানে** এসেছেন তাদের মধ্যে প্রায়ে সব **প্রদৈশের** মানাৰট আছেন তাৰে বেশীৰ ভাগ **বাঙালী** এবং অসমীয়া। সাধারণ্ড সম্পো ছা**টার পরে** বাইবে থাকেন না। কোহিমা শহরে **মাস**-ছয়েক আগেও সম্পোর পর দা'একটা মারা-মারির ঘটনা প্রায়েই ঘটত। কিন্ত বভামান ডেপ্ৰটি কমিশনায় শ্ৰী এম এল কম্পানিৰ কার্যভার গ্রহণ কর্ষার পরে শহরের শাণিত-শ্ৰুপলার উল্লাভ ঘটেছে। মি**লিটারীদের** নিয়মিত টহলও ফলপ্রদ। তবে বিশে**ৰ** পানীয় গুলুগুর ফলে নিশাস**য়াগুয়ে কারে** কারো যে হঠাং করিড প্রদর্শনের ইচ্চে জাগবে না--এমন কথা বলা যায় না। কিন্ত বিশ্বাস কর্ন চাই না-ই কর্ন : যদি কোনো মহিলা আপনার সংগ্রা থাকেন-রাতে রাসভায় বার হলে **সাধারণত কোনো** नागार वाभनारक **किंद्र** दलस्य मा व्यस्तक**ो**



উপ্জাতি গোলাকে অধ্যানী ব্যক

নিবাপদেই আপেনি সাংগ্রেমণ করতে প্রবেন। প্রতির অধিবাসী সহজ সরল নাগাদের জনাতম গ্রেশ—তারা মহিলাদের সংখ্যা করেন।

এই পার্বভা প্রদেশে সারা বছরই
শীত। মে-জুন মাসে দ্পারের রেপে
কথনত কথনত আপনি ঈবং গ্রম অন্ভব করতে পারেন এবং শুধু সার্ট পরে বাইরে

কিহিততে ধানজিম্ট্র



২৮৫ টাকা পদের পৃথ বাঁ বিখ্যাও না্নাল ডিলাঙ তুবাপ্ড জল ব্যাস্ড প্রোক্তেবল টার্যাজ্যার

মাসিক ৯০ টাকা কিলিডাড কিন্নে। ঐতি গুলমে ও শহরে পাঠান বায়। লিখনেঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar, PB 1045 Delbi-6 ব্যেরতে প্রেরন সোয়েন্টার ছাড়াও, জিতত সারা বছর গাইই রাতে আপনার নিতাসলা লৈপ অথবা রাঞ্চেট জাতীয় একটা-কিছা। তাই কলভাতার লোকেরা হথন গরমে হান্দান কর্পনে তথন আনক অপুণিপ্রব অস্থানিথে সাত্ত কোহিমার মনোরম আবহাওগাই অবানোর জনাই অবানা প্রান্ধানীর পানীয়) ও মাংস নাগাদের অবশ্য এবং নির্মিত আহারণ্থি এবং এই-সংগ্রা উদ্ধেশ—প্রায় কোনো প্রাণীক্ষেই এব্যা অখাদ্য মনে করেন না।

নাগাভূমির মেঘাছেল রাজনৈতিক আকাশে ধীরে ধীরে দেখা য**েছে মেঘম**্তির আভাস। অবিশা গ্মেঘম্তির এই বিশান্তি লয়কে চাত্তর করা যেত কিনা এবং এতংসংগু আমাদের জাতীয় সরকারের অন্সত নীতি কতটা নিভূলি—সেকথা তক্সাপেক। তবু বৃত্যানের শুক্ত- স্চুলাকে ব্যাগত ভানানেই উচিত।

এ-প্রসংগা নাগাঞ্মির সাংগ্রাতিক নিবাচনের
কথা উল্লেখ করা যেতে পারে। নিবাচনের
ফলাফলকে অনেকে সীমাদতর এই
পার্যতা রাজ্যের তথাকথিত রাজনৈতিক
সমস্যার সমাধানের স্চুক বলে মনে করেন।

도면 소비는 이번 사람들이 전혀 가는 독점을 가입하다면 하다고 <mark>되다. 그렇</mark>게 들어진다.

ভারতের দুইে প্রতাদেতর দুটি খহর বাশমীর ও কোহিমার মধ্যে অনুসদিধংসুরা কোনো কোনো দিক দিরে মিল খাছে পেতে পারেন। সীমাদেতর এই দুটি প্রক্রেপ্রি। তাই সরকার সদত্রহ কারো কাতে, অর্থব্যে অর্পর। শারে বিস্ফর্যেধ করতে পারেন, কিন্তু এর সতির যে কোহিমার তিখারি নেই সোরোর কাত্রহ অনুভব্যেগা এবং দুলির অনুস্থিত। অস্ক্রেশ নর যে মান্র কার্বির পরিকর্পনার নন তেমা উংস্ক্রেশ তার এই সাপ্রে অব্যক্ত হার এই সাপ্রে অব্যক্ত হার প্রিকর্পনার নন তেমা উংস্ক্রেশ তার এই সাপ্রে অব্যক্ত হার ক্রিক্ত্রেশী এবং ক্রিক্ত্রেশ তথপুর।

নাগাভানির প্রধান উপজাতি আঙ আজ্লেষ্ট্ লেখা, সেলা, সংগটিছ হারতাংশর, কলিয়াক, জেলা লাঙা ক্রেলিয়া**ছা ক্রি ফল্ডমা** চাখেলার প্রতি প্রায়েকের কাল্পান ভালা কাছে (এর মাশ চাক্ষমাধ্ৰ আনাৰ তিন্তি উপভাষ্ট। তথ রাজের সরকারী ভাষা শৈরেলী দেই 7777 BEETS 757757 JEE CEE মাধামীক ভাষার প্রাক্তন-নাগার্ভাগার বাইন সভায়ও **যান্দাী**য় স্বস্থাৰ আনক সম্য যে-ভাষার পুথা-পুডারগুরিত্র কলে। (মাস্মীজ আস্ট্র নধ অসমিং অসমনি।, যাংলা ও কিল্পিং ডিন্সাডাশ্য **সংগ্রিয়া**র বার নেতি। আব্দে-ভাগ সেই এ ভাষা রাম্বার পারেনা তাপ্রাস ট্রেম **ঃ** রাজের একমার চেতিয়ের কটন্য কেবিম হৈত্যে কেন্দ্র উপ্যতিক প্রধান প্রথম উপ-জাতীয় ভাষা হাডাও ইংগাজী ও লংক্রেডিটেই প্রধানত ভালভৌন প্রচার করে श्रांतका ।

ভাৰতের পার্গাল্ডের নালভিগিন রাজধানী এটা কোচলার সংখ্যাকভালী স্ভাষ্ট্র ও ভার আলেদ হিল্প ফেট্রেন ন্ম সংবংশীয় হয়ে আছে (TKohima War cemetery) आहमा मुख्या भार 😥 শহরের।) কলকাতা থেকে আপনি টেন (ডিমাপরে-মণি^{কর্} আসতে भारवन রেলওরে স্টেশনে নেমে বাসে সোজা 💞 শহরে), अथवा एकात हैन्कन, हेन्फन ए^{एड} বাসে। ভারতের এই অধ্যারকো সভেত হলে, মনে রাখ্বেন, আপনাকে Inner line permit নিতে হাব। কিম্তু যদি কথান অকেন-সীমানেতর এই শৈলপহরের দেখ বৃদ্ধি-রোদ আন্দোছার থ মারাভরা ই ক^{্রিন} म्या निष्ठब्रहे भ्राप्य कत्रत्य आश्रनात्कः।

' 'ল্যানেট নিউক্ক', অ্যালেন গীন্স-ব্যাগের নতন কবিতা

আলেন গ্রীন্সবাংগার নতুন কবিতার বইটি সম্প্রতি হাতে এলো। ১৯৬১ থেকে ১৯৬৭ সালের মধ্যে কবিতাগালি এতে সংকলিত হরেছে। এর মধ্যে অনেক কবিতাতেই বাংলা দেশের পরিচিত অন্যংগ আছে।

১৯৬০ সালে জ্ঞালেন গাঁন, স্বাগ জার্ধক প্রথিবী ঘ্রতে ঘরতে পারে ছোটে কলকাতার এসে পাঁছে ছিলেন, তরপর বেশ করেক মাসের জন্য আশতানা গাড়েন। এর কিছুকাল আগে তিনি ব্যাবের বস্যুকে বলোছলোন, একলিন ভারতরাহা হাবেনি সামে কিছু ভারত প্রবাস হার এই বলৈ করিছোবালাতে অভানত প্রথম বিশ্বের করেছে। তর ফল ধ্রে জালা হারতে কিয়া বল্লাভ সাম্যুক্ত কিয়া বল্লাভ স্থাবি না।

ধ্যালস্থাগৈ একজন খাটি আমেণিকান কবি গেটা আফেরিকা ভার নিচদৰ বস্তর্ভিটাকর মতন আপন এবং এই জামরিকা কোনো ভাব মাতি নয় তর বিশ্লয় শক্তির লাপটে ও অন্তঃসারশ্রনাতা —সংই তার কাছে পরিছিত এবং একমাত্র আমেরিকার মেনিথক ভাষেটে তার কবিতার শক বাজনা পরেজিলা নিধীক্ষার একমার উপচিবিট ভার **চিন্তাও আনুমা**রকারে দেশু করেই, ডিনি চান একটি বিশ্লব জনতে—যে বিষ্ণারে বর্তমান আমেরিকা ধ্যাস হরে এবং নতম আগেলকার ভাগা হাবা এবং একজন কৰিব বিশ্লেষ শেলাগান শৃত্র প্রতিক্রিকার করিতায় এই বিশ্বাবের বাণী বার বার ধর্নিত-প্রতিয়ে নিডা

এই রকম কবিতার মধ্যে কাল্টমিতা ও
গগা নহাঁর বদ্দনা, দশাদ্বামেধ ঘাটার
বৃত্তি, শিবান্ধদ স্বামার উপদেশ, ধানে,
বৃত্তি, কমা প্রভৃতির উল্লেখ থার মিশ থেতে
গারে কটি অবশা, এই ধরনের কবিতা
কতগাম সংগকি, তা এখন বোঝার উপার
টেই, তার হাজার হাজার অন্যুকারক জ্যো
গাই, তার হাজার হাজার অন্যুকারক জ্যো
গাই, তার হাজার হাজার অন্যুকারক জ্যো
গাই, তার হাজার হাজার অন্যুকারক জ্যা
গাতি ল কান ঝালাপালা। ইংরেজি কবিতার
এ রকম দুর্গ একটা আমাদের জেনা শলা
বিশাল হয়তো আমাদের আহাদির হতে
গারে, কিন্তু বাংলা কবিতার আনাবদাক
লাটিন বা ভাগিল শক্ষের মতন এগালেও
তি ইংরোজ পাঠকদের কাছে বিরক্তিকর
লাগার কথা।

এক সময় অগ্নতের গ্রীন্সবাগেরি সংক্রা আমাদের বাংলাদেশের অনেকের সংক্রাই শিরচর হরেছিল। এই বইরের বেশ করেকটি



কবিতা রচনার সময় (বখন তখন ডারেজিতে कोरका रक्षणा एवंत अवस्था किरता बालाव উপলক্ষেত্ৰ সময় আমহা উপস্থিত ছিলাম। TENN Last Night in Calcutta_ কবিতাটি, কলকাতায় এর শেষ রাত্র-কেটে ছিল ভরাণ কবি উৎপলক্ষার বসার বাডিডে, অমের করেকজন সেখনে কিছা সমস্ উপপিথত ছিলাম—আশ্চৰ, কবিতাটি কিন্ত আহাৰ এখন পড়তে ভালো লাগলো না। এর ইটিক কবিতা তার মাথে শার্বার অব্যক্তি শান্তিছে, এখনত করে ভারে তার ভ্রতি সারেলা গ্রহায় The Change কাবতার আলম্ভ : রাক মাজিসিয়ানস, কাম হেন্ম! অনেক কবিতা তথ্য স্তি भएना रमस्तिष्टम, এখন সম্পূর্ণ বইটি প্রভ তেমন ভণিত হলে। না।

ভিংকার ধনী লাইনের ন্নাংগ ধননি সালজ্য। তেওে শংকার বাবহারই গানিসা-বাথোর কবিতার প্রধান পরীক্ষা। এখন ভাতে ডিংকারটাই একটা বেশী প্রচলন লগে গাছে। গড়তে গড়তে একছোর লাগে। ভারি প্রাবতী নতুন কবিভার বইটির বিশেষ ভ্রাত গাড়ান কবিভার বইটির

ইতিমধো বিখাত হায়েছে, তার এমন কাষ্ট্রটি কবিভা এতে আছে। যেসম ছো উইল টেক ওভার দা ইউনিভাস" ডেখ নিউজ', দি চেল—কিওটো-টোকিও একপ্রেস, 'উইচিটা ভরটেকা সতে' ইত্যাহি। করেকটি ক্রিতা এককম ত্রাভ পারা হায় না, ক্ষেত্ৰীট কবিতঃ অগ্যয়েণ্ডা সাক্ষা। আমার প্রক্ত এই সিম্বারেত আসাই স্থিবিধা-জনক—এই কবিদ্ধ কোনো কবিত। হদি ব্রুছে পারি এবং কোনে৷ ক্র্রিডা পারি না —ত। হলে না বোঝা কবিতাপালো বাজে। ষেমন স্তোত্ত চাু ক'লী ডেসট্যার অব ইলিউজানসা: এর লাইনগালি এ রক্ষ: O Republic female mouth from which two politics trickle they who recite

the name they thy 28th star OMAHA subjugate hungers as creech under Gold Reserve host hordes

ভাষার করেছ বির্ণ্ডিকর ও অসহা মনে হলো। "দা চেঞা : কিও টা-টোকিও একাপ্রেস" কবিতাটির কিছা কিছা অংশ অবলা বিবাহে কলকের মতন স্কুদর।

In this dream I am the Dreamer and the Dreamed I ar

that I am Ah but I have always known—

Jooh for the hate I have spent in donying my image & cursing the breasts of illusion— Screaming at murderers, trembling between their legs in fear of the steel pistols of my mortality—

Come, Sweet lovely Spirit, back to your bodies, come great God back to your only image, Come to your many eyes and breasts.

অপর পক্ষে তার বহু বোবিত কবিতা

প্ৰকাশত হল

(मथ्र (मत्रश्रुव

विश्वव एम्ट्रम एम्ट्रम

া দাম বারো টাকা 🕽

ইটালী, ফ্রান্স, কশিয়া, লাল চীন, ভিষেতনাম, কোরিয়া, মধ্য এশিয়া, আফ্রিকা, লাটিন আমেরিকা, পূর্ব ইউরোপ প্রভৃতি দেশের বিশ্লব কাহিনী এবং ভারতে আগামী বিশ্লবের সম্ভাবনা সহ অম্মিয়া, সন্যাস্বাদী বিশ্লবীকের রেজে নামচা।

[প্ৰিৰীয় সৈৱা বিপ্ৰবৰ্ণনির জজন্ত ছবি দেওয়া নাছে।]

क्षकि हाक्यान त उपवापत

অশান্ত মধুকর

(পাম সাত টাকা)

আজাতর যাগ যথাগায় মানসিক বিকার-গ্রাম্থ হারে বাঁরা ভূগজেন ভাদেরই পথ নিয়েশান দেবে "অশাগত মধ্কর"।

জ্ঞানতীথ

৯নং বিধান সরগী, কলিকাতা-১২

The second secon

সতপ্রথ ও রাধানাথ পর্বত্যভিষামের পটভামকায় রচিত—

শঙকু মহারাজের

চতুরঙ্গীর অঙ্গনে

শৃতকু মহারাজ বাংল। সাহিত্যের একটি সুপরিচিত নাম। বিশেষ করে হিমালয়ান রচনায় তার স্থান প্রথম সারিতে। তব্য বলব, এমন প্রামাণ্য প্রবন্ধ তিনি এর আগে আর রচনা করেন নি। এবং এমন প্রন্থ ইতিস্বৈতি আর কোন ভারতীয় ভাষায় লেখা হর্মনি। অসংখ্য আলোকচিত, মানচিত ও গঙ্গোলী অল্পের প্রতিরোহণপূজী সহ। দান মুল ইকা

विश्ववी निकुक्ष ज्ञात्मत

বক্সার পরে দেউলী

শক্তিপদ রাজগ্রের মতুন উপন্যাস

मर्जिङ्गाम ७

ষদি জানতেম ১০০০০ ॥ জনম অর্থাধ ১০০০০ ॥ জলসা ২ রূপ বদল ৫০০০ ॥ অনেক বসনত একটি শ্রমর ২০৫০

রবীন্দ্র পারেস্কারপ্রাণত লেখক নারায়ণ সান্যালের নতন উ**পন্যাস**

তাজের স্বণ্ন ৮.

ক্লালকুমার কারা প্রাচীর ১০১

^{স্বোধ} গলপ মণিঘর ১৪১

রতনকুমার ঘোষের পরেস্কৃত নাটক

সিপ্ত ৩০০০ ॥ ফেরা ২০৫০ ॥ অম্তস্য প্রাঃ ২০৫০ ॥
সম্ভ সন্ধানে/পাপ প্রেণা (একাংক নাটক) ৩০০০
প্রথম মিনের একাংক নাটক ॥ আলো নেই/কণ্ঠস্বর ৩০০০
বাবীন্দ্র ভট্টাচার্যের ॥ আমার বাঁচতে দাও/সংবাদ বিভাট ৩০০০
পার্থ বন্দ্যোপাধ্যারের ॥ আদিম ৩, ॥ গোর শা ॥ গ্রিশ্লে ৩,
বিজন ভট্টাচার্যের ॥ দেবী গজনি ৩০০০

্রবীকু কাইরেরী: ১৫/২, শ্যামাচরণ দে দ্র্যীট, কলিকাতা-১২ : : ৫৪-৮৩৫৬

"উহচিটা ভরটের সূত্র" চেডাফাচ্ত ভারুণ

বস্ভূত্ত আমার এখনও মনে হয় নিরিবিলি আবেগের কবিতাতেই গ্রাম ৰাগের প্রতিভা সম্প্রণভাবে ফোট **চে'চামেচির কবিতা তার নিজ**ম্ব চায়ের কলে নহ। দেখেছিতে জোকটিকে দেখলে বার নিজেরও ডিখারী হলে সক হয়, নবী দেখলেই ইচেছ হয় ভারগায়ন করতে যার ধানের মন্ত "আগি ৮০ গাচ চাইনে মা, চাই শ্রাশ্বা ভার "- দেই মান্ত্রের পক্ষে বাটি বা হিপিদের নেড্ছ, তেন্ শ্বাধীনতা বা মাদক দ্ৰবা সেবনের প্রাধীনতা आरम्बनस्वत द्वाला एउस क्रिक स्पन प्राप्त না। একজন মান্ত্ৰ কি দিয়ে নেশা করতে কিংবা কাকে যৌন সংগতি নিবাচন করতে, **সেটা ভার সংপ্রে নিজ্**শর ব্যাপার ও নিয়ে কোনো আজিনালন করাবাএর প্রিবস করাই একমাত ভোলাগার বাগেরে মংক্রেম গীনসাবার্গ এর মধ্যে নিজেকে কেলভেম ৷

সে বক্স MALLINE S. এট বট্ডে **"তেথ** নিউজ" কবিত্তি। ভিনি হঠাৎ বিখ্যাত करि **ऐटे** जिला **উইলিরামস**া মারা গেছেন। কবিতা জগতে উইলিয়ামসা-ই গ্রীনস ব্রেগ্র প্রটারসনে কিলোর গীনস্কার্থ বেডেট ভার কাছে, লাজ্যক গলায় কথা বলভেন (**উইলিরামস**্এর চিঠিপরের এর উল্লেখ আছে।। এতদ্র বিদেশে সেই গারাপ্রতিম কবির মাতৃ। সংবাদ পেয়ে ভার আখতে ও বিমাটত। চমংকার ফাটোছে। তবি একটি সাক্ষর ছোট কবিতা সম্পূর্ণ উল্পাস करत बारमाहरा स्मर्व कर्राष्ट्र। क्रिक्टाछित নাম 'গ্রেরু'।

It is the moon that disappears
It is the stars that hide not I
It is the City that vanishes. I
stay with my forgotten shoes
my invisible stocking
It is the call of a bell

সনাতন পাঠক

এস. সেন. জে. পি মারিক রেজিলেট্রশন অফিসরে ১৮বি গামাচরণ দে স্টাট কলি-১২ কলেক প্টাট, মহামা গামী রোড কসেন ফেল: 34-6896 (Resi - 34-4045)

রেজিণ্ট্রি বিবাহ অফিস পূর্ব পাকিছান। আমিতাভ গণ্ডে। আনন্দধারা প্রকাশন। ৮ শ্যানাচরণ দে দুর্গীট কলকাডা-১২। বোলো টাকা।

वाश्मात माणि, वाश्मात सम, वास्नाति सद्व বত ভাইবোন স্বাইকে এক করার শপ্র নিয়ে যে স্বাধীনতা আন্দোলন সঞ্জীৰ চরেছিল একদিন তারই সমাণিততে আমরা পেলাম খণিডত বাংলা। বাংলার ভল অখণ্ডতাকে বিস্ঞান মাটি ও মান,বের দিয়ে '৪৭ সালের স্বাধীনতাকে স্বাগত छ गाउँ इन आभारमत । न्यत्नीत कारनत মধো ইতিহাসের এই নিম্ম পরিহাসের কোন তলনা নেই। কোরিয়া, ভিয়েংনাম, कार्यानीत कथा न्यतरण स्तरथ वना यात्र এই অপ্রত্যাশিত কৃষ্টিম দেশ বিভাগ-বাংলা ও পাঞ্জাবের বৃকের ওপর দিয়ে যথেচ্ছ এই টলা, অমাদের ব্জানৈতিক সীমানা খতাক্রিবাপী স্বাধীনতা সংগ্রামের কোন পার্বট আশৃৎকা করা যায়নি। আশৃৎকা করা যায়নি যে, এই বিজেদ বহিরাগত কোন সামারিক আক্রমণের ফল হিসেবে নয়, দ্বাধীনতা প্রাণিত্র শত হিসেবে আমাদের দেবচ্ছায় বরণ করে নিতে হবে। কেটি কেটি সাধারণ মান্ত্র OF. কুলিম দেশ বিভাগকে আজও মনের সংগে মেনে নিতে পারেনি তা রাজনৈতিক শাসন বা নির্দেশ যেমনই হোক না কেন। তাই দেশ ছেড়ে দলে দলে ভারা এপার বা ওপার বাংলার অখ্য নিলেও মনে মনে তারা তাদের পরিত্যম্ভ বাস্ভূমি বন্ধ:বান্ধ্র আত্মীর পরিজনের বিজেদে সদাকাতর। শৈশব বা যৌবনের স্মৃতি মমতার নস্টালজিয়ার আকারে আজ পূর্ব বা পণ্ডিম বাংলার ম্তি পরিগ্রহ করে। বলাবাহ্বলা, এই ম্তিরোমন্থন বিলাসিতা নয়, বাস্তুচাত মান্বের অনিবার্য বিধিলিপি।

প্র' ও পণিচমবণা সম্পর্কে তাই
সাধারণ মান্বের কোত্ত্লের শেব নেই।
দ্টি দেশের ধ্বরাধ্বর, অবাধ বাডারাতের
দ্বোগ বাঙালী মারেরই কামা। কিম্ত্
রাজনৈতিক পরিস্থিতির চাপে মান্বেরা এই
সামানা স্বোগাট্নকু খেকেও বন্দিত। পণিচমবংপার দির্ক খেকে বন্দিও এই ভাব ও হালর
বিনিমরের ক্ষেত্রে কোন কঠিন বাধানিবেধ
আপিত হরনি, ক্ষিত্ত প্র' প্যাক্ষতানের
দিকে বে কঠিন লোহ ববনিকার অভ্তরাল
গড়ে উঠেছে ধীরে ধীরে ভার বেদমাদারক
ফলভোগ করতে হচ্ছে উভর বাংলার
মান্বকেই। ভৌগোলিক বিক্রেণকে ক্ষমণ
চ্ডাম্ত ভারবিকেরদের র্শ দিতেই এখন
ভাই হরেছেন প্যক সরকার। এমন কি বে



ভাষা ও সংস্কৃতি উতর বাংলার নিবিদ্ধ সাব্দোর ভিতিত্যি তাকেও আঘাত করে খণ্ডিত করতে প্ররাস পেরেছেন ঐসলামিক রাম্মের সামরিক প্রভুব্দা। কিন্তু সংস্কৃতিপ্রেমী ব্যকের কোনদিনই অভাব হর্মান প্র'বংগা। পাক সরকারের ক্টিরেলর-বির্মেশ তারা বিয়োহ করেছেন, ভাষা ও সংস্কৃতির ঐতিহা রক্ষার হাসিম্থে আথবলি দিরেছেন।

শ্রীঅমিতাভ গণ্ডে তাঁর বিশাল প্রশ্বে অসমসাহ সিক পূর্বে পাকিস্ভানের সেই যুবকদের ভাষা ও দেশীর স্বাতন্তা রক্ষার कत्न धरत्राह्न। সংগ্রাম বিশ্বাসবোগ্যভাবে এগুলো ভিনি প্রধানত সংগ্রহ করেছেন প্রবিশের বিশিষ্ট নেতা ও সংকাশপতের মন্ত্রা এবং রিপোর্ট থেকে। আয়ুবশাহী ভেন্সগাড অমলের বিভিন প্রতিরোধের যে চাপা স্ত্রোভ বয়ে গেছে দেশ জ্বড়ে তারও ষধেষ্ট প্রামাণিক বিবরণ আলোচ্য গ্রন্থের সম্পদ। শ্রীগাুণ্ড দেখিরেছেন গণতকোর প্রতিশ্রতি কী শোচনীরভাবে নিম্ম একনায়কছের রূপ ধরে পূর্ব বাংলার ক-ঠরোধ করে আছে। বিশংশ ঐসলামিক রাণ্ট্র নির্মাণের অজ্তাতে কীভাবে প্র প্রান্তকে পশ্চিম প্রান্তের শাসন ও শোষণের একটি স্থায়ী উপনিবেশে পরিণত করার চেণ্টা চলেছে। এবং এই স্বাধীনতা ছরণ কীভাবে পূৰ্ব বাংলার বিশ্লবী মানুবকে জাগিয়ে তুলে নতুন এক বিস্তোহের স্কুনা করেছে। লেখকের আলোচনা সর্বচই যুৱি প্রমাণ ডিভিক। এ ধরনের একখানি পূর্ণাপদ গ্রন্থ রচনা বর্তমান পরিস্থিতিতে খুবই শক্ত। তিনি নালা স্তের সাহাবে। সেই শক্ত পারিছটি পালন कद्वदाहर । লেখকের এই পরিভাম ও নিষ্ঠা বার্থ ছবে না, প্রেবিণা চেমিক বাঙালীর সংখ্যা পশ্চিমবশোও কিছু অপ্রভুগ নর; ভারা मवाहे धरे शम्यत्क म्यागा कामार्यम ।

369/85

সপাতি শাস্ত

গভারা : লোকসপাতি ও উৎসব। একাল ও সেকাল । প্রদোতি বোব। চরু এশ্ড কোং। ৬৪বি, প্রভাপাদিতা রোভ। কলকাতা ২৬। পাঁচ টাকা।

गन्छीता शास्त्र मरभा मानावन मानाव्यक

জ্ঞান সকল পরিচয় থাকলের এর সংশ্য ৰুত উৎসৰ ও বিভিন্ন প্ৰতিয়া আচাৰ, चाहत्व चामारमञ् चरनरकारे वसाछ। बारमा भारतक राम। समयात्र, केणिया, ধর্ম এবং মানসিক্তার প্রবর্তনার এদেশে माणि श्राहरू-कीर्जन, भागामणी है. क्षाविद्यांकः मादि, बादि, छेन्ना, कवि, खदबा, আৰ্ডাই, পাঁচালি, গম্ভীরা। দর্গহতা ও সংস্কৃতির বিবর্তন ও বকিবদলের সংগ্রেও এদের স্থিতীর সংশক্ত রয়েছে। বিশেষ আত্মালকতা ও লোক সম্প্রেতির শাসনও द्राप्त लगर मानियोका नहा छन् म्लड দুটি মৌলিক স্তরভেদ আমাদের লোক-গ্রীভিকে বিশিষ্ট করেছে। শ্রুরভেথ না বলে হয়ত আবেদন ও ফলাল্রভির তারতমা বলাট অধিক সভাত। কারণ সাধারণভাবে ধ্যাপ্রিত গতি।ত্বক এই লোকসাহিত্যের একটিতে আমহা প্রতাক করি ভাবের জগং। লেই স্থগতে বিশেষভাবে পূর্ব ভারতের ভাছ ধ্য 💰 দালানকতার ভাবৰপেটি স্পে স্বভারতীয় প্রধান। এবং এর ধ্যারি মনীধার বোগ অন্না নর। কীতান, বাউল বা দেহতকোর গান বিশেষণ করতে গেলে সেই মরমীরা ভাবসাধনার ধারাটি আমানের এক বৃহৎ ভাবের জগতেই নিরে বার। অপর্যাদকে অনা এক প্রেপীর গানের মধ্যে বিশেষভাবে মূর্ত দেখি আমাদের ছরের কথা। বাশুলীর খর, সমাঞ্চ, পরিবার ভার সহত্র খ'্রিনাটি, কলহ-ঈর্বা, প্রেম-প্রীতি বেন স্বতঃস্কৃতভাবে প্রবাহিত চাৰে চলেছে এই লোকগাঁতির প্রবাহ করে। চ্ডী, মনসা, ধ্মঠাকুরের মান, পাঁচালি, সারি, ভাটিয়ালি সবই সেই ঘরোরা কথারই রকমফের। গশ্ভীরা গান ও ন্তা এই ধারার ঐতিহ্যবাহী।

গদ্ভীরা শব্দটির মূল অর্থ দেবালর। কিম্তু গদ্ভীরা বাংলার বিভিন্ন অপ্তলের

थना थना পড़ে शिन

ৰাংলা সাহিত্য পেরেছে তার নিজ্ঞৰ পকেটব্রুক সম্পীপন চট্টোপাধ্যার-এর

সমবেত প্রতিছক্ষী

ও অব্যাব্য • ০০০ এ সৰ গশের আছি নেই

জন্মা ১৭/১ডি, স্ব' সেন শাটি, কলকাডা ১২

(সি ৬৯৫৪)

পাজনোৎসবেরই একটি রূপ। আনা অগুলে
বা গিবের পাজন গোড়বংপার মাগদহে তারই
নাম পাজন গোড়বংপার মাগদহে তারই
নাম পাজনি। গিবেৎসবের লোক
সংক্ষতির সংগা বৃত্ত এই গান বৈ-সিবকে
নিরে মন্ত্র তিনি দেবাদিদেব বোলাক্ষেম
মহেম্বর নান তিনি বাংলাদেশেরই
বাউন্দুলে মান্ত্র চাববাসের দেবতা। ধর্মঠাকুর বা মঞ্চাল কাব্যের সংগা এর বোগ
বাকরেও গাল্ডীরা মূলত চাববাস, সমাজ
এবং আব্রনিকরালে রাজনীতিকেই বেশি
প্রাধানা গিরেছে। নাচ, গান উভি প্রভাতির

সমাহারে গঠিত গণ্ডীরার মধ্যে শ্রীকৃষকীর্তন'-এর নাটগীতের আল্পাও পাওরা
বার: ফলে প্রাচীনতমক্রল থেকে বে
মোলিক সংস্কৃতির ধারাটি আমাদের সমাজ
ও খরের কথা অবলন্দন করে বিবর্তিত হরে
চলেতে গশ্ভীরা ডারই একটি উল্লেখবোগ্য
রূপ।

লেখক তাঁর এই গ্রেবণাম্লক গ্রন্থটিকে গম্ভীরা ও ভার বিভিন্ন রূপে সম্পর্কে বিশ্বত আলোচনার লোক সংস্কৃতিপ্রেমী পাঠকের কাছে বিশেষ উপভোগ। করে

ভলেছেন। এর মধ্যে গভীরার গান জা উৎসৰ মণ্ডপ দিনলিপি, বিভিন্ন নতা এবং গদ্ধীরার ক্রমবিকাশের সংক্ষিণ্ড রাপ্রবয় তথা ও তও সহবোগে ৰ্বাণত হড়েছে। करवकीं शास्त्र संस्कृत विस्तर वारकस्त ছিল্পী পরিচিতি **ক** विकित মাধোনের পরিচরের প্রারা রচনাতি আকরণ বান্ধি পেয়েছে। দেখকের ভার অহেতক ভাবাবেগে দু একটি স্থানে কিচ ভবল। প্ৰেৰণামূলক নিৰ্ম্প রচমার ভাষা আবেগবান্ধতি ও দশ্ভী হওয়া বান্ধনীয় আশা করি লেখক ভবিষ্ঠতে এদিকে দক্ষি কাখকেন। Rulas

वर्कां विवि

বিগত ১৭ই ছাবৰ দেশ'-এর 'প্রত্তর পরিচর' বিভাগে শ্রীঅসীম সোম সম্পানিও "চলচ্চিত্রপা" গ্রুথনির আলোচনার আমার এক রচনার উল্লেখলালে আমাকে চিত্রপরিচালক বলে পরিচিত করা হলেছে। প্রাসম্পিকভাবে জানিরে রাখা প্ররোজন স্পের্থা বেলা প্রত্তাক্ষ মধ্যে বেলা প্রত্তাক্ষ যোগারের আমার কেইন্দ্রিকাশি মানুখাপোধান্য কলবাহন্ত

প্রাপ্তি স্বীকার

প্রতিবিশ্ব। তারাপ্রসাস ভটুডার্থ। কর্ম ভটুটোর্য: ৩৯, পি সি ব্যানাজী রেড, ক্লিকাতা-৫৭। মলো: ০-৫০।

সমবেত প্রতিষ্ণনী ও জন্যান(। সংগ্রিক চট্টোপাধ্যার। অধ্না : ১৭/১ডি, স্ব সেন স্থাটি, কলিকভো-১২। মূলা : ৩০০০। গড়ফে জনগান। জ্বল ভেনা। অনুবাধঃ জানবেন্দ্র বংশবংগাধ্যার। অনুবাধ প্রকংশদীঃ ব. যাগ্রকাকিশোর দাশ সেন, কলিকাভা-৬।

ম্লা ঃ ৫-০০ ।

এই জালো হাওরা রোলে। সংপানক ঃ
বিজিংকুমার ভট্ট হাঁ। কুভিয়াস প্রকাশনী ঃ
৬৬এ, সাউধ এন্ড পার্কা, কলিকাডা ২৯ ।
মূলা ঃ ৩-০০ ।

কুষ্ঠসেবা । প্রীপার্যতী সেন। পশ্চিমবংগ গান্ধী-শতবার্ষিকী সমিতি ঃ ১৬৯,
চিত্রস্তান অ্যাতিনিউ, কলিকাতা-৭। মুল্মঃ

সাংপ্রদায়িক স্বস্যা ও পাশ্বী। রেজাউল করীয়। পশ্চিমবংগ গ[্]নী-শতবাবিকী সমিতি : ১৬৬, চিত্রেরান আ্যাভিনিট, কলিকাতা-৭। মলা : ০-৫০[‡]

নীল পাধরের আকাশ: মণীপ্র গ্^{তর}। বিচিতা: ৬, হাঁৎকম চাট্রজ্যে কাঁটি কাঁল-কাডা-১২। ম্লা: ১০০।

লোমন ও ভারতবর্ষ। ভিলেম্ছন সেহানবীশ। কালান্তর প্রকাশনী ১ ১৯, ডাঃ শরং ঝানান্ধ্য রোড, কলিকভো-১।

COLLEGE BOOKS-1969

[Calcutta, Burdwan & North Bengal University Course]

For P. U. & University Entrance Examination

অধ্যাপক চৌধারী ও অধ্যাপক সেনগুশত প্রণীত 1. স্কর্ণবিজ্ঞান-প্রবেশ (Deductive & Inductive)— ওম সক্ষেরণ 6.50 (Recommended by O.U. and N.B.U. as a Text book)

Degree Philosophy Course (Pass & Hons.)

	अवशासक अध्यानकार्य जनगर्य जनार्य	
L.	কর্মানের ব্যাত্ত (ভারতীয় ও পাশ্চান্তা দশন একটো—ওম সংস্করণ	15.00
2	ভারতীয় কর্পন (Indian Philosophy)— তম সংস্করণ	8.00
3	ভারতীয় পশ্ন (২র প্রার) —for B. U.	2.00
4	পাশ্চান্তা পৰ্শন (Western Philosophy)— গ্ৰে সক্ষেত্ৰ	7.50
6		10 00
6	নীতিবিজ্ঞান ও স্মাজদর্শন— ৭ম সংক্ষরণ	15.00
7.	मीडिवकान (Ethics)— वश् मत्त्र्वस्य	8.00
	সমাজ্ঞদৰ্শন (Social Philosophy)— ৬৩ সংস্কৃত্ৰণ	8.00
9	बरमाबिका (Psychology)- ०३ तरकवन	15 00
10.	Handbook of Social Philosphy-2nd Edition	12.00
	भागमञ्ज नर्गातन नर्शक्य देखियान – बाधानक यन । तकम् – विकेस EDUCATION COURSE	6.00
	অধ্যাপক লাভেন্দ্ৰমার ক্য প্ৰণীত	

1. দিবলা-তত্ত্ব (Principles & Practice of Edu.) _ ২র সক্ষেত্তর থিকা সমস্রা (Indian Edu. Problems) - তুর সক্ষেত্রণ 12.00

অধ্যাপক দেনগণ্ডেত ও অধ্যাপক রাম প্রণীত 3. শিক্ষা-মনোবিজ্ঞান— (Edu. Psy. with statistics) — ২য় সংক্ষাণ 16.00

B.T. & BASIC COURSE

অধ্যাপক গোৰদাস চালদাৰ পণীত

1. শিক্ষণ প্রসক্তে সমাজবিদ্যা (Social Studies) 8.00 2 শিক্ষণ প্রসক্তে অর্থনীতি ও পৌরবিস্তান— (Eco. & Civing) 10.00 3 শিক্ষণ প্রসক্তে ইতিহাস (History) ... (ব্যৱস্থ)

1 শিক্ষা-তন্ত্ব (Edu. Pheory)— ১৪ সম্প্রেণ 9.00 2 ভারতের শিক্ষা স্থাস্থ্য (Indian Edu. Problem) — ৩৪ সম্প্রেণ 14.00

ৰধ্যাপক শেলগুৱা ও অধ্যাপক বায় প্ৰণীত 1 শিক্ষা-মনোবিজ্ঞান (Edn. Psy. with Statistics) —২য় সংক্ষাৰ 16.00



BANERJEE PUBLISHERS

5/1A, College Row, CALCUTTA-9: Phone: 84-7234

সাওঁলকক

৪। ব্যাড়ামন্টন শেলার সাটল-এর গুজন হবে ৭০ গেকে ৮৫ গ্রেনের মধ্যে (S-৭৩ গ্রেনের মধ্যে (S-৭৩ গ্রেনের ১) শাতলা চামড়ার মোড়া ১ গেকে ১ট ইপি নাস বিশিষ্ট কর্কে জটা থাকার ১৪ গ্রেকে ১৬টি পালক। করের বেস থেকে পালক থাকারে লাম্বার ১ট গ্রেক থাকার মালোর আকারে হৈরী উপরের দিকে পালক ব্যন্তাকারে এমনভাবে ছাভানো থাকার সা পালক ব্যন্তাকারে এমনভাবে ছাভানো থাকার সা পালক ব্যন্তাকারে এমনভাবে ছাভানো থাকার সা পালক ব্যন্তাকার পালক সা পালক ব্যাকের পালকর সাম ২ট ইপি গ্রেক থাকার ব্যাক্তর পালকর সাম ২ট ইপি গ্রেক ২ট বিশ্ব থাকা। পালকের সাম ২ট ইপি গ্রেক ২ট বিশ্ব থাকা। পালকের সাম হট ইপি গ্রেক ২ট বিশ্ব থাকা। পালকের সাম হট ইপি গ্রেক হট বিশ্ব থাকা। পালকের সাম হট ইপি গ্রেক সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার প্রার্তাকার সাম্বার্তাকার প্রার্তাকার সাম্বার্তাকার প্রার্তাকার সাম্বার্তাকার প্রার্তাকার সাম্বার্তাকার প্রার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বর্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার্তাকার সাম্বার

প্রনের কোনরকম কাতিক্রম না করে এবং গতি, ওজন ও চলনশালৈতা ভিক রেখে ছত্তি সংশ্যার অন্যুমেদন সাপ্রকৃষ্ণ সভাবতে সামান পরিবর্তন করা ব্যুত্তি

(৪) সেমন, আবহাত্তর বা সম্মন্ত প্রক সেকে শ্রানের উচ্চতার অর্থে সন্দি স্কর্তুগার কিছা প্রিবত্তি প্রয়োজন হয়।

্বি কিবা, বিশেষ কোন কার্ণ এবং জেলার জব্বতী প্রয়োজনে মুদি সংখ্যা ক্রিবর নের সংস্থান্ত জার্ম।

সাটল এর প্রতিবেশের মুখ্যপথিত। বেঝের দিখান এক বিনাক বাউল্ডারি লাইনের উপরে বিনাক বিশ্ব করা।
কাইনের আন্ডার-হ্যাপ্রেড অপর বানক বাউল্ডারি লাইনের দিয়ক দেয়াক করা।
কাবের আন্ডারহানেড উচ্চু করে দেয়াক করেল হান সাঙাল অপরান্তকের বানক বাউল্ডারি লাইনের ভিতরের দিকে এক ফাটে থেকে ২ ফাট ৬ ইন্দির মধ্যে পড়ে তবে ব্রেজত হবে সাটলের গভিবেশ চিক্ক আগ্রেছ। বানক বাউল্ডারি লাইনের এক ফাটের কম বা ২ ফাট ৬ ইন্দির নেক্রী ক্রিক সাটল পড়ে ওবে ব্রেগতে হবে সাউল্লাব এক ফাটের কম বা ২ ফাট ৬ ইন্দির নেক্রী ক্রিক নেই।

जा करा

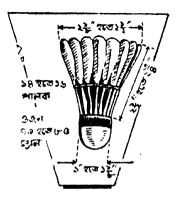
ব্যাড় ফিণ্টবের স্থাকেটের চেরে সটেল বার পলনা। স্তরাং সাটল ব্যবহারে বংগু সভকতা অবলখন প্রয়েক্ষন। সাজ করার জন্য একজন খেলোয়াড়ের কাছে সাটল দেবার সমর কথনোই জ্বোর বা পাটাওনের উপর দিরে মেরে সার্ভারের কাছে সাটল গাঠানো উচিত নর। সাটল-এর আরু কণস্পারী। সাটল-এর পালক একবার ভেগো গোল বা দ্মাড়ে গেলে সাটল-এর গাঁত নট ইয়ে সাটল অবেজা হরে বার। আজকাল ক্রাচিটকস-এর সাটল বৈরী হল্জে। খেলার জনা আভকাতিক ব্যাড়ানিটন মেডারেখন

ব্যাড়িমণ্টনের আইন-কান্যুন

জ্যাল্টিকস-এর সাটল সম্মোদন করলেও প্রতিযোগিতার খেলা বা গ্রেছপূর্ণ খেলা শালকের সাটলেই অন্তিতিত হয়।

Logistic

৫। (এ) পেলরার শাক্ষর অর্থে ভারেরই বে কাবে মারা ফেলায় অংশ গ্রহণ করবেন। (বি) ওবলস্ক্র ফেলা হলে। দাইজন



बार्फाक्र-हेट्सब मार्जेनक ७ कांत्र मान कांक

করে খোলায়াড় থাকবেন এক এক পক্ষে। সিংগলস এর খেলা হলে এক এক পক্ষে থাকবেন একজন করে খেলোয়াড়।

্সি) যে দল বা খেলেখেড় সাভিন্ন করবে ভাকে বলা হবে ইনা সাইড, আর প্রতিপক্ষ মল বা খেলেয়াড়কে বলা হবে 'অউট' সাইড।

_

- ও। থেজা আর্দেডর আলে দ্ব' পক্ষের দ্বাসন টস করবে এবং টসে যারা ক্লিডবেন ছারা নাতের লেখা তিনটি সিদ্ধান্তের খে-কোন সিদ্ধান্ত বেছে নিতে পারবেন।
- (এ) প্রথমে সান্তিসি করবেন কিনা, তাথবা (বি) প্রথমে সান্তিসি না করে সান্তিস
 - বিসিভ করবেন কিনা, অথবা
- (সি) কোটের কোন পালে দাড়াবেন।

যারা উদ্ধে হেরে বাবেন ভারা উদ্ধে জরী পক্ষের সিন্ধান্ত গ্রহণের পর বাহি সিন্ধান্ত গ্রহণ করতে পারবেন।

জাতব্য—তিনটি সিম্ধান্তের ব্যাপারে

ভাল করে অন্যথ্যক করলে বিভাণ্ডর কিছা থাকে না। যেমন টাস হুলী পক্ষ বলি জোটোর একটি সংশ বেছে নেয় ভারে জপর পক্ষ প্রথম সাহিত্য করার সিম্পান্ত নিজে পাৰে আবার প্রথম বিসিত্ত করার সিন্ধান্তও নিতে পারে। সমভাবে উলে বিজয়ী পক্ষ বৃদ্ধি প্ৰথমে সাভিসি করার সিন্ধান্ত গ্রহণ করে ভবে অপর পক্ষ কোটোর পাল বেছে নেবে. ভাদের প্রথমে রিসিভ তো করতে হবেই. যথন অপর পক্ষ প্রথম সাভিস করার সিংধাৰত নিতেছে। বলি টাসে বিজয়ী হরে কেউ প্রথায় বিসিত্ত কবার সিম্পান্ত নোষ ভবে অপর প্রভার একটভাবে প্রথম সর্গান্তাস করতে হরে। । এ কোনে পরাজিত প্রেকর কোটোর পাশ বৈছে নেবারও অধিকার থ্যকার।

हैन कवार निरम

বাত মিণ্টানর টস মান্তাক্ষপণের প্রারা হয় না সাধারণত এক পক্ষের একজন থেলাছাড় রাকেটের মাথা মাটিতে রেপের রাকেটের হাাকেটের হাাকেটের কালে একজনকে বাক্ষা অথবা প্রারাধ্য বলতে হয়। রালেটের পলার কাছে ফিং-এর ব্যান অন্যায়ী রাকেটের কোন দিক রাজ এবং কোন দিক সাথ বোঝা যায় এবং সেই অন্সারেই টসের জয়পর।জয় মান্তাংসা হয়।

ब कुल

্রামদ্যাল মজ্মদার প্রণীত

প্রাপাতা

তিন থকে প্রম্ভিত হইতেছে। ইহাছে
মূল, সার সংগ্রহ, টাকা, জনধ্য ও বলান্দাদ
আছে নেলার আছে প্রকালনার প্রকালকের
ছলে সকল লান্দার সমন্ধ্য করিয়া প্রতিদেলাকের ভাংপথা বাখন। এই লাবোর
বাগারই মনকর্ব বামনার মহারাজের অপ্রবা কর্মিন। সংক্রড টাকার লংকরাচার শ্রীধর
ক্রাজি। সংক্রড টাকার লংকরাচার শ্রীধর
ক্রাজা, মধ্সাল্য সরস্ভাতী, আনন্দার্গার,
বল্লের বিদ্যাভূষণ নালকার, বিশ্বনাথ,
হন্দ্রহণবামী, ব্যান্ত যোর ভাষা উলিকার
সারোধ্য চরন করিয়া বামনরাল সহারাজ
অপ্রেমালা গথিয়াছেন।

ম্পা প্রতি থাত ১৫.০০ টাকা। যহিরে জন্ম ১০৭৬ মধ্যে তাঁলে টাকা জমা দিরা নাম তাঁপকাড়ক করাইনেন তাঁহারা ১২.০০ টাকার গাইনেন। কাতিক মাসের মধ্যে প্রথম খন্ড বাহির হইবে। নিন্দালিখিড ঠিকানার যোগাযোগ কর্ন—

ভিত্তৰ বিশ্বসানন্দ, আৰ্থনান্দ কাৰ্যসিত্ত তথ্যস, বিধান সর্থী, কলিকাতা-৬ জন্ম : ৩৪-৪৪০৮ মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভওয়ার্ডস²এর বাণী

वाशवात वाकारक मुख वात मुशी तारथ

উভওয়ার্ডস

গ্রাইপ ওয়াটার

বংশার্মি ক্রমিকভাবে বৃদ্ধিমতী মায়েরা উভওয়ার্ডস গ্রাইপ ওরাটার দিয়েছেন নিজের ছেলেমেয়েদের। পেটব্যথা, অমতা, পেট ফাপা আর দাত ওঠার কটে উভওয়ার্ডস মুহুর্ফেই আরাম দেয়।





সভাজিং রাম পরিচালিত 'ক্ষরবেক্স বিস্বাহিত : আউটভেচরে ল্ল্ড নেওরার আগে কাবেরী বস্তু প্রিলা ঠাকুর ফটো-দেশ

कूरतामा ७ यात ''ই कित्रु''

1

সম্পতি জ্ঞাপানের যে ক্যাটি ছবি দেখানো इतिहरू । এই উলোপের জন্য পিরে শেশ্রীল **क्वकाडा** िदर्श्यकार्य धनायान्य । ठाउ अब কর্মট সম্প্রক আলোচনা না করকেও ইব্দিনাু-র কথা বলাতেই হাবে। ক্রারোসাভয়ার र्शिय तरमञ्ज्ञास्य वर्णवात भाउने स्रीय तरम । ক্রেসাওয়ার যে কয়টি ছবি আলে দেখেছি, "र्देकद्र" সেগ্নলৈর চোয় আলাদা। অভিশ্যক তে বটেই বিষয়সভৱ দিক পেৰেও। স্বাধিল্ডসত মন দেখনের চেলেও বাধিতে আক্রনত বাজির মানসিক প্রতিজিয়া रिभारता याचि आइछ कठिन-विश्लय करत এনন মামাধার ক্ষেত্রে যে অফিসের কাজ-ক্ম ৫ চলাফেরা স্বই করতে পারে অগচ ^{ভানে} তার **সায়, ফার আ**র ক্ষেক মাস। এই নিম্ম সত। প্রাণে ও বাসনায় জানাল নি হয়ে যাওয়ার পর মানুষ কী কবে? এই প্রতিক্রিয়া খাবই জাটিল, তাকে সহজে অন্যু-সরণ করা **হায়** না। কুরোসাওয়া জড়িলতার স্নেক্থানি আম্যুদের দেখতে, বেঝাতে পেরে ছন। তাঁর প্রোচ নায়ক (পোরসভার ৰড় অফিসর) সখন ব্রেলেন তিনি কাস্সারে ফরুলত এবং তাঁর জীবনের মেয়াদ মার আর করেকটি মাস, তথন তাঁব জাবিনবাসনা উন্বেল হয়ে ওঠে, জীবনকে প্রোপ্রি



উপরোগ বরতে চান তিনি। তারও আপে সংসারের প্রতি, দেশের প্রতি, দেশের প্রতি তার তার আক্রমনালাটের কছে ধেন তিনি ব্যতিকা কর্তুর মতেই অবহেলিত। এই চরিত্রের বর্ণনো, অম্পিক্টা ও অসহায়ত। ব্যক্তে অসারিধা হয় না। তা সম্ভব হরেছে কুরোসাওয়ার অম্তান্তি ও মননশালিতার জনা। শেষে পরিচালক জানাত্র নামকক্রে মানিক ম্লাকেরেছন। অথাব এই প্রতাম নায়কের মনে ক্রমেছেন। অথাব এই প্রতাম নায়কের মনে ক্রমেছে মরতেই যথন হবে তথন কিছ্ করে মির। মন্তব্যর আলে সাধারণ মান্ধের জনা সংগ্রম করে গ্রেকার আলে তিনি (একটি প্রাক্তিরর করেছে)।

অপ্রয়েজনীয় দৃশ্য ছবিতে আছে ঠিকই, ছবিটিও দীর্ঘা। কিন্তু মূলে বিষয়বপতু কুরোসাওয়া চমংকারভাবে বিশেলখন করে-ছেন। এবং জবাক হতে হয় নায়ক চারত্রে ডাকাশি শিম্বায় জভিনায় দেখে।

कतानी वर्णाकत छेश्नव

ভারত সরকারের তথা ও বেতার মার্যালারের উল্যোগে ইন্দো-ফ্রেণ্ড সংস্কৃতি বিনিময় কর্মসিট্টীর অণ্ডভুত্ত "ফ্রাসী চলচ্চিত্র উৎসব" গত জ্বলাই মাসের মারা-

মাঝি থেকে শারা হয়ে গিলি, ব্যাপ্যালের, লক্ষেট এবং বোদ্বাইয়ের পর কলকাতার স্কলাকিত হলো গত ১৫ থেকে ২১ সাগাস্ট প্রচাত লাইট্রাউস চিত্যারে ৷ ১৫ আগান্ট भकाल हैरमस्यद উप्प्यापन करतन शन्छिम-রাধার মাধামন্ত্রী শ্রীমজয়কুমার মাখো-পাধ্যয়। তথা ও জনসং**যোগ মন্ত্রী** প্রীক্রের্যাভিড্রণ ভটাচার' আধানিক সিনেমা THE PLAT আলোচন करतन । দেখনো ξij পিয়ের ভাত পরিচালিত "**ল**া গ্রালিয়ার"। **পরবড**ী দিনগালিতে প্রদাশিত হয় "লা পিসিন" পেরিচালক : জাক দেরে) "ল্যা ডিলম এ ল'ফাঁ' (ক্লোদ বেরি), "মাশেত" (রোবের (রস'), "অনেকজানুর ল্য বিরে" আরে" (ইউ রোবের) "জেতেম জেতেম" (আস্ক্রী বেনে), 'ঘল বিসাক দ্যু মেডিয়ে' (ক্ষীদ্ৰ কাইয়াত) ইত্যাদি চিচ্চাল।

ৰলা বাহনুলা, ফর:সী চলচ্চিত্র উৎসৰ চিত্রামোদী মহলে খ্যুক্ত সংজ্য জালিজেছে। ছবিগানুলি সুম্পত্তে পারে আলোচনা করা হবে।

॥ ि 50-त्रवादना ।।

बनरक्यारण्ना

প্রম ছবি "নতুন পাতা"-র পর "বন-ক্লোংশনা"-তেও (সঞ্চায়তা ফিল্মস) দীনেন গণ্ড তারকা-প্রথা বন্ধনের সাহস দেখালেন। তা ছাড়া, ছবির যেটা বহিরগগ দিক—যেখানে চাক্ষ্য সৌন্দ্র্য ও শট কংশাজিশন বা দৃশাগঠন—সে ক্ষেত্রেও "বনজাংশনা"র বৈশিণ্টা অস্বীকার করার উপায় নেই এবং মনে রাথার মত কিছ্ শক্ষ্যহাত রচনায়ও শ্রীগণ্ডে আগের মতই কম্পনাবোধের পরিচয় দিয়েছেন। লোকেশান নির্বাচন স্কুদর, ক্যামেরার কাজও পেরিচালক-কৃত) প্রশংসনীয় কিন্তু সব মিলিরে "বনজাংশনা" কেমন হরেছে কিংবা দশক্ষেরসের দিক থেকে কৃতথানি দিতে পেরেছে সে অবশা ভিল্ল পদন।

গলপ পড়ে আনন্দ পাওয়া এক, গলেপর
চিত্তর্প দেখে আনন্দ পাওয়া অন্য জিনিস।
"বনজ্যোৎসনা"-র গলপ (ম্লে রচনা ঃ
নারায়ণ গলেগাপাধাায়) বাংলার অণিনব্দের
পউভ্নিতে লেখা। জ্যোৎসনাবনে দুটি
প্রাণ কতই দবংন দেখতে পারত। কিন্তু
না, ভারা গ্লিভে মারা গেছে। বনজ্যোৎসনায়
দুটি মৃতদেহ পাশাপাশি, একটি বিংল্বী
মহীতোষের অপ্রটি শিউকম্বারি।

ছবির শ্রে বিশ্ববীদের নিরে। বনের ছধো প্লিশের দ্ভিট এড়িয়ে চলেছে করেক-জন বিশ্ববী, মাঝে-সাঝে গুলিবিনিময়। তদেরই একজনকে (মহীতোষ) আহত অবস্থায় ঘরে নিয়ে আনে শিউকুমারী। শিউকুমারী ও তার বাবা পরম সমাদরে তাকে ঘরে স্থান দিল। মেয়েটির সেবা-যর ও মমতার তো শেষ নেই। বিশ্ববী ধান ভাগি তপ্সার ফল শিউকুমারীর পায়ে উলাড় করে দিতে পারত কি? এতটা ভাবতে হল্পত আমন্ত্রা নাই। তবে

Market . . .

মহীতোবের মনে সামারিক দ্বেলিতা ও মারা-মোহের ইণিত ছবিতে পাওরা গেছে। গৈউকুমারীর পরিবর্তান ও অন্তরের প্রেমের কথাও দশকের জানতে বাকি নেই। ওই পর্যাণ্ডই। তা নিয়ে না কোন জটিলতা, না আবেগের নাটাকিয়া। অর্থাং ওই বাড়িতে থাকাকালীন মহীতোধ ও শিউকুমারীকে কেন্দ্র করে গণেপর শ্বাদ কিছুই পাওয়া গেলনা।

অপর দিকে, এক অসজবিদের যোর সংখ্যা প্রলিশের যোগা) সদা খোনদাণ্টি শিউকমারীর উপর[়] স্বামীর কোন ককম'ই ভার শিক্ষিতা শরীর অজ্ঞানা নহ। ৩ই মহিলার পাশে কিছাকণের জনা তার পার্বতিন বন্ধাকে দেখা গেছে। ওই চরিত চিত্রনাটো की উप्पन्नमा साधन करवरक वका मान्कव। এक কথায়, গুল্প কোথাত দানা বার্ধেনি, না ভট অসজবিতার ঘার (তার পরী অবল্য স্বামীর চ্তিত্তীনভাৱ জনাই হয়ত একবাৰ ফ'পিখে কে'দেছে। না মহীভোষের জীবনে। গ্রেপ্র দিক থেকে বিচাৰ ককলে শিউক্যাৰীয় বাডিতে মহাতিভাষের কয়েকটি দিন কাউলেন ষেন বাথা। অনা বিশ্লবীরাও জংগলে এক ঘরে শাধ্যই আত্মগোপন করে রইল। কেডিট টাইটেলের আলে এবং ছবির লেনে পর্নিলের সংখ্য ভাষের এনকাউন্টার দেখানো হয়েছে। রোমাণ্ডের উপকরণ তাতে আছে। কিংত বিপলবী যাগের পটভূমিতে এই ছবি দলত্তির মনে দেশাভাবোধের প্রেরণা কিল্ড তেমন করে জাগিয়ে তেনলৈ মান্তদশভার্কর কথা ভেবেই হয়ত "এ আমার দেশের মাটি" গান্টির বাবহার। ভাও কৃতিম লাগে গ্রিক্ত নিহত বিশ্ববীকে করু দেওয়া
দেখে—-জ্গালের পাশে যতথানি সময়
বিশ্ববীরা নিরেছে তাতে চিত্র জেলে
মতের দাহের বাবস্থাও সম্ভব ছিল্
(বনে কাঠ কি পাওয়া থেত না?)। অবদ্য
"দেশের মাটি" কথাটির সংগ্য মিলিয়ে যদি
কর্বের বাবস্থা হ'রে থাকে সে অনা কথা।
তা বাদে বিশ্ববীদের পিছা নিরেছে যে
গ্রুত্চররা তাদের পক্ষে প্রিল্লকে বিশ্ববী
দের গোপন আস্তানার সম্প্রন্ত্র দিয়ে
দেওয়াই স্বাভ্রিক, নিজের হাতে গ্রি

এই ধরনের হাটি ছবির স্থান্তিদ্বিক্তার বিচারে হয়ত তুক্ত। আসলে চিত্রনাটাটি (অজিতেশ বলে।।পাধার রচিত) কেমন বেন খাপছাড়া। সব ঘটনা কেমন আলতোভারে সাজানো। তবে পরিচালকের কৃতিছ, পরিমিতিরোধ তিনি প্রায় সবা দর্শাই সাজাল দেবলৈ। অর্থার রচের স্থান্তির বা নাটামানুহা্ট্র গড়ে ভরার আর্থার কিবলা ক্রান্ত্রাক্তার সংস্কৃতি বা নাটামানুহা্ট্র গড়ে ভরার আর্থার ক্রেন্ডার জন্তধান গ্রেছেন। তাতে অর্থার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার স্থান্ত্রাক্তার স্থান্ত্রাক্তার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার স্থান্ত্রাক্তার স্থান্ত্রাক্তার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্রিন্ডার ক্রেন্ডার ক্র

ছবিটি বিয়ন স্বাচলবিভ্রের জন সং **ক**ংটে না তেমান অভিনয়ত ন্য⊹ চাক মধ্যে কোন কোন শিলপী অভিনয়ের ক্ষাত্র দেখিয়েছেন, কিংড ডা ঋটেল লগগনি। কথ মাপোপ ধানারে (সাস্চরিত ছেন্ত্র ভূমিক্ত অভিনয়ত ছবিতে সকলের উপরে। তা চরিত্তির্বাহর নৈপ্রা লক্ষ্ণীয়। বিশ্লবী বৈশো শ্মিত ভঞা (মহাতিকাছ) ও ছাজ্তি वरम्माभाषाष्ठ, निदश्चन वाश निप्रांत एवा প্রমাথ বিশ্বাস্যোগা। শিউক্সারীর বেং মীনাক্ষী দত্তকে মানিসেছে ভাল তট অভিনয়ত সপ্রতিভা হ'দত কোন কো ম্ট্রে, বিশেষত প্রেমের অভিকরিটে তবি অভিনয় "স্থিকটিকেট্ড"। কজ গণেত, উমানাথ ভট্টোষ্, স্বিতা বস্পুর্ভ বিভিন্ন হরিতে স্থেভিনয় করেছেন।

ছবিতে গান্ত আছে। ক্ষেক্টি। স কলটির প্রয়োগ সমুচিনিত্ত মন্ত্র। খ্রন্থ বিচ লাগে ঘোষজায়ার বংখার মানে। গান্। তা গানের সার ভাল। সংগীত পরিচালন ক্ষেত্রখন নাঁথার রাখ।

কী স্পীপের রাজা

লোকায়ন প্রয়েজিত গোহিত চাট পাধারের ক্ষীপের রাজা' আমার মাজুফ্পণ মাজুম্থ হচ্ছে আগামী ২৫ অগ্রুট সেম্ব স্থান বটায়। নিধেশিনায় আছেন কর্র রায় ও স্পাতি প্রিচালনায় ইপে ইন্জারিকা।



এ সংখ্যা রাও পরিচালিত "মন কা এটিত" হিন্দীচিত এ-সম্ভাৱে মাজি পাছে-ছবির একটি দ্বেদ্য দ্বীনা ও সেঞ্জ বস্তু



ল সেন পরিচালিত 'মন নিয়ে' ছবি প্তায় ম্তি পাৰে—একটি ম্থে নারক-নায়িকা উত্তয়কুমার ও স্তিয়া দেবী



हाला मा **इलाल श्रासक**कानद्र ে হত পড়ে: ভুক্তোগাঁ জনৈক ক সেট্রন থশতব্য করজেন, "পরি-ষামায় ভূবিয়েছে। কত করে त्राम अप्रे कंदरवन ना, किस्ट्राटर कि ্" শানে আশ্চর্য হবেন, এই একই ক মহোদয় কিছুকাল আগে তারি াইটা ছবির সময় প্রেরি স্থেগ 🌽 বলাছলেন, "কেমন ভেবেছিলাম নইলৈ কি আর এমনটি হত?" ফিনি ভাঁকে বলেছিলাম, "পরি-্ড নিশ্চয় কুডিছ আছে।" বচিশ [া]ত বার করে প্রযোজক সেদিন জবাব লৈন, "আ**রে সেও তো** '**অ**ামার EXC. 1.1.

ইখন হিট্ করে, ভার কৃতিছের
ব হরে অনেকেই এগিরে আসেন।
ক বলেন, "আমি আগেই ডেবে।" নায়ক-নারিকা মণ্ডবা করেন,
আরিং এর দৌলতেই না এমনটি
ক্রিনীকার মনে ভাবেন, "বে বা
ল্ক, গণ্ডপর জোরেই ছবি হিট্
।" ক্যামেরাম্যান বলোন, "আমন স্ফার
বি না করলে দেখভাম…।" দুংএকভন
মাটিন্টকেও বলভে লুনি, "লাকি
ট এক সিনে নায়লেও ছবি হিট্
ভানি বা জ্যোজ্ঞ প্রজ্ঞানক ভখন

দেই বহাপঠিত কবিতাটা মনে মনে জাওড়ান কিনা, "রথ ভাবে জামি দেব, পথ ভাবে আমি, মুডিচি ভাবে জামি দেব, হাসে ভাবতামে":

অন্তর্যামী হাসবার মত নানা ঘটনা এই ইন্ডান্ডিট্রাড প্রায়শই ঘটে থাকে। স্থান্ডির রাজায়ে গোড়াতেই সংহারপর শারে হয়। মনে করান, গ্লেপ্র শতমিত আপনি ছবির একটি ভালো নাম ভাবলেন, "পারে পারে পথ": মাহাতে নামটি নাকচ হতে বেতে পারে প্রায়ন্ত্রক কিংবা পরিবেশকের একটি মান্ত কথায়, "না, না, অত বড় নাম ছবিতে অচল।" সচল নাম খাজতে গিয়ে আপনি দেখবেন, গদেপর মূল সার থেকে। অনেক দুৱে সূৱে গিয়ে শেষ প্ৰশিত আপনাকে शक्ति नाम ठिक कराष्ट्र श्राह्म । बरकार शत्न প্যায়ে পারে পথাএর নাম দিতে হবে 'বিপথ্যামী'। ছবির নাম নিবে বাংলা দেশের অধিকাংশ প্রযোজ্যকের মনেই নানা সংক্ষার। নামের আদ্য অক্ষর 'অমাক বর্গ' कामका के मुख्दार जे वर्ग नित्र मामकर्ग চলবে না। পাঁচ অক্ষরের নামের ছবি হালে ল্লপ করেছে, অভএব পাঁচ অক্সরের নামও নর। শাপম্ভি, সাড়ে চুরাত্তর হিট করেছে, সাভরাং নামের আদা আক্ষর 'প' ও 'স' লাকি, শ্রু হয়ে গেল ছবির নামের আদ্য অক্ষরে ঐ দুই বর্ণের ব্যবহার। পর পর ছবি হয়ে গেল সমাপিকা, সবার উপরে, শাপ্রোচন, সাঁকের প্রদীপ, স্বত্তারণ এবং আরো অনেক। আবার কোন আদ্যাক্ষর দ্পু করার পর তা অন্লাফি। উদারপন্থী প্রয়েজকও অবশ্য কেউ কেউ আছেন। ছবি হিট্ করতো পরে যারা বলে থাকেন, "নামে কি আন্দে বার! গোলাপকে বে নরমই क्टका, व्यामाभ-स्थामाभा

সামকরণের ক্ষেত্রে প্রয়োজকদের মধ্যে জনেকে আবার বিলিত্তী মতে চলেন। বাংলার বাই হোক, নামটি ইংরেজীতে বানান করলে বেন সাত অক্ষারের হর: বিশ্বাস কর্ন চাই না কর্ন, একাধিক সফল ছবির প্রয়োজক গিরুলিয় সিংহের সাফলোর গোপন চাবিকাঠি নিকি তেই। "মনিহার", 'বাছিনী' ইংরেজীতে বানান কর্নে, সাত অক্ষরই হবে। আনক ভেবে চিতে প্রীসিংহ একারেও এমনই কেটি নাম প্রছন্দ করেছেন—Mon Niye। "মন নিয়ো'র ল্টিং শেষ।

*

কিছা কাল আগে আমি একটি আনবাসংবাদ শানিয়েছিলান ' উত্তমকুমার শাঁচই
একটি ছবি পিরিচালানা করেনে, ধ্র প্রয়োজিকা ও নাধিকা হবেন শ্রীমান্তী স্থাপ্রিয়া। সক্রান্তি বিষয়টি আনকটা এপিকে বিষয়েছে। উল্লেখ্যির বিখাপে ক্রেমারেকসানা অবলাবনে চিচনাটোর কাজ প্রায় শেষ। ডিম্মিবিউটারেও প্রায় ঠিকটাক। শাঁরিই শার্টিং শা্রা হবে পারে। এখন সমস্যা কেথা দিরেছে উত্তমকুমারের 'ডেটা নিকে। পরিচালক নিজেই তার নিজের ছবির 'ডেটা দিতে পারছেন না ফলে প্রয়োজিকা স্থাপ্রয়া বেরী কেপ সমস্যান্ত পড়েছেন।

—বিচ≇

হীরের প্রজাপতি

ह्यांग्रेसिट कता क्षति दक्ष अको दस नार দেশ ক্ষেড়ে এত হড় সিনেমাহভের কি'ওং অবশিষ্ট কি শিশ্বের পেটে পটের নাই অভাব পূর্ণ করার জনাই निमा<u>्डिटव</u>द চলচ্চিত্রকার শানিতপ্রসাদ চৌধ্রৌ "হীরের প্রজাপতি'' (মূল কাহিনী ঃ দীলা করেছেন। হীরে**র** মজ্যুমদার) তৈরি প্রকাপতিও কি উড়ে বেড়ায় ? গলপটা সে রকমেরই। বড়ে। পিসিমার সেই হীরের প্রজাপতি ফালের টাবের ভেতর থেকে বেরিয়ে যে কত জায়গায় উড়ে বেড়াল তা নিরেই মজার গলপ। হীরের প্রজাপতি খাকে বের করার জন্য আবার ডিটেক**িড** রবি ছোৰ উঠে পড়ে লেগে গেছেন। এদিকে অন্প্রকুমারের নেতৃত্বে ছেলেদের আর স্ত্রতা চট্টোপাধ্যারের অধীনে মেরেদের নানা আড়ডেওার। গান-বাজনা-নাচ ডো আছেই। সৰ মিলিয়ে অনেক শিংশী নিয়ে কেশ মজার ছবি "হীরের প্রজাপতি" ং ছোটদেয় ভাল লাগবে এই ছবি, ভাল লাগৰে পিসিমাবেশিনী রাজলক্ষ্যী দেবীকে এবং সবাইকে। গানের সূরে দিয়েছেন নিম**্লেন্**র

গভ ৪ আগস্ট রক্তি মিনিরেচারে এক বিশ্বব প্রবর্শনীতে "হীরের প্রক্ষণতি" এবং



"হীরের প্রজাপাত ছাবতে লগ্ন কুমার, স্তেতা চট্টোপান্যায় ত

আরও দুটি অলপনৈথেতি বি াল জানের লিকেশী। (শাহিতপ্রসাদ চৌধ্রী কত) এবং রাজীয় প্রেদকারপ্রাপত ক্রিনকোর বি লাংবাদিকদের দেখালো হয়। আজাকের দিকেশী। লাখে করের টি চিতের একটি দিরিজ তৈরির ইক্টা চিত্রীয়াতার। প্রথম ছবিটি জাক্রমিকাকশী পরিতার সেনের ্লিফপক্ষাও তার শিক্ষাচিত্র ক্রমিববতাদের র্শটি সাক্ষেক্তাবে ক্রিটের তুলেছে। বংল্ প্রাণ্টির উপর সংগতি ও রেখার প্রেদিন ক্রিকার সংগতি ও রেখার (জানি-রেশক্র) প্রক্রপ দেশে মাধ্য হতে হয়।

কিল্বদলের ''মেবের পরে মেঘ''

গত ১০ আগস্ট সকগ্র রঞ্জহর রঞ্জাকর্মে ক্রিক্সন্তর প্রয়েজনার প্রেম্বর পরে
ক্রেম্বর নুক্রালাটি বিরিচালনা করেন ডঃ স্কুলিড
ক্রেম্বর করেন। গান এবং নাচ উভর ক্রেম্বরটা
ক্রেম্বরটানটি ছিল উপজোলা। গানগালি
গোরেছেন মিতা চাটাজ্ঞা, রফনা ক্রেনগালত,
ইল্প্রালী সরকার, নির্বেদিতা দাশগালেও।
ক্রেম্বরটার এবং স্কুলিড সেন। ন্ত্যাব্যালাভিলেন রুবি সিংহ, উৎস ভার্মা, বংকুর
গ্রহ, রারা চ্যাটাজ্ঞা, মনিক্ষী সিংহ, ও
ক্রিক্সারে হ্রাটাজ্ঞা, মনিক্ষী সিংহ, ও
ক্রিক্সারে চ্রাটাজ্ঞা, মনিক্ষী সিংহ, ও
ক্রিক্সারে চ্রাটাজ্ঞান, মনিক্ষী সিংহ, ও
ক্রিক্সারেন্ত্র

বৈছালা হাসপাতালের সাহায্যাথে সাংস্কৃতিক অন্তান

শাস্তাদী ৩১ আগস্ট বর্ণান সদদে কের্ছার হাসপাতালের গ্রেনিমানে সাহায়ের কর একটি বিশেষ অন্টোনে এন বি এন্টারস্তাইকের 'অভাতক'' নাটকটি অভি-রীত হবে। সপো একটি বিভিন্ন ভানেরও আয়োকন করা হারছে। সংশতাবকুমার ঘোষ ক্ষান্ত ''অজাতক'' নাটকের বিভিন্ন চারিতের শিক্ষা হার্মান চট্টোপাধ্যায়, অশোক মিত ৬ নিন্দ্য চ্ছামিক। বিচিত্রনাইক কোপ দেবেন স্বাচিত্র মিত্র চিত্রপ্রিম ম্বেমান প্রান্থ্য প্রতিপ্রান্থ প্রমূষ্ট্রিপিব্যক্ত।

न । नामस्थ्या । नामाका (पा

থাওড়ার শশিষ্যক রংগ্মাও শংক্র শবিরাজ বউ" নাটকটি নিয়মিত হাঁচা হছে। নাটারপে ও নির্দেশনা বির ভটাচাবের। নামভূমিকার হাঁচাবের হাঁদি ওর্গ্রুক্মার এ নাটকে বা কেরেছন। অন্যান্য চরিত্রের শিক্ষাই। আ ভট্টাহার্ব, কালিবাস গাশ্রুক্মী, বিয়ম বল পাধ্যর, ভান্ম চর্ট্রোপাধ্যায়, শুভু বল পাধ্যর, সাক্রেণা চক্রবার মাঞ্যার, সাক্রেণা চক্রবার মাঞ্যার সাক্রারণা চরিত্র মাঞ্যার সাক্রারণা চরিত্র মাঞ্যার সাক্রারণা চরিত্র মাঞ্যার মাঞ্যারণা চরির মাঞ্যারণা চরিত্র মাঞ্যারণা মাঞ্যারণা চরিত্র মাঞ্যারণা মাঞ্যারণা মাঞ্যারণা চরিত্র মাঞ্যারণা মাঞ্যারণ

"ভিনয়ণী মা"

ৰীবেদ্যক্ষ ভণ্ডের ব্যাইনী ১ জি
অবল্যনাম রাশক্ষি জিল্লের ভান্ত্র
ছবি প্রিন্যালী মান্তর ভিন্তের ৪১
মহরহ হাসতে সম্প্রতি ভারতিই
স্ট্রিভিন্ততে। প্রাণ্ডান্তর (১) প্রিজ্ঞান্ত ভারতিই
প্রিজ্ঞান্ত প্রথম বিবার (১) প্রাণ্ডালান্ত ভারতিই
আন্দ্রমান্ত্রী ৬ স্থিম জন্য।

छक्रवात, २२८म जागष्टे शिक-

ভাগাৰিডমিকত এক সংগীত সাধ্যক্ষ জীবননাটা



চিত্রনাটা : **বেবনরোমই গা্শ্ড** সম্পাদনা : **রমেশ বোশী** য়া প্রতাহ : ৩, ৬, ৯টা অবং প্রাচীতে হয়, ৫য়া, ৮য়টা য়

প্রাচী ৪ ইাব্দুরা ৪ শংশশী নত কৰ্ম ॥ জীয়া (এছনহ) ॥ কৈরা (ছ'ছছা) ॥ করা (তদাননগের)

ইনছাটী সিংসভা <u>৷ জীরামপ্রেটকীজ</u>

वाम्बारे विकिता

্ৰেৰ ফিল্ড-জগতে গুজন ইউস্কে ভাই विकारकत्। गुज्जरनाहे निरमन निरमन कारशाह अधाना क्रमीत्रहार्यक्राटन विवाक-যান। একজন ইউসাক জাইকে আসনায়া স্বাই চেনেন, আপনাদের কাছে ভিনি विकाशकाह नाम श्रीविष्ठ । जारहरूम টুট্ৰত ভাইকে বানেতে ৰাৱা ছবি তৈ**ৱি** करतन जांता जनाहे छ्यतन। अहे न्यिकीस हेदेश कार्रसम् चात्र चना कान नाम त्नरे। कारण हैनि रव काक करतम रमधारम मारमर्व দের ব্যক্তর বেশী দাম। ভাই এই ইউস,ক ভাইকে পরিবেশের চাপে নাম পাল্টাতে হয়তি। ইউস্ফ ভাইরের সঠিক বরস*ং*কলা লক। পরিভাষের পরিচর্যার দক্ত শরীর! কাতের সময় ছাজা ইউস্ফে ভাইকে কথনো দেখিনি; স্ভারাং পারের রঙটা ঠিক কিরকম लिये क्या महा हुन जाना, ना काँठा, वा সাদাকলোর যেশানো কিনা সেটাও বলা कतित । একবার ভিজেস করেছিলাম इंडेम्ट्रक छाटे. जाभनात रहतम कड ? খনিককণ মাথের দিকে তাকিয়ে থেকে ভারণর থানিকটা অপ্রশ্বত হায়ে জবাব দি লেন ীক বলতে পাৰ্য ं ना !' আছ থেকে कक पिन आदश, शादन কোন সালে, কভ ভারিখে, বা কি করে তার জন্ম সেটাও ঠিক খেরাল নেই। ইউস্ক ভাইরের হাতে সর্বদাই সমর এত কম বে, বয়ে কেতে যেতেও বয়ে যায় না। তাই ইউস**্ফ ভাই ররে** গেছেন। প্র'র তেমনটিই **ররে গেছেন। আমিই** ভো **আরু** প্রার তের বছর দেখছি ইউস্ফে ভাইকে। लिये अक्टेब्ब्ब हव किया। अंडक्स्य षाभनारमञ्ज निम्ठज्ञेष्ठ षानरक हैत्क कत्ररक ख. বে ইউস্ক ভাইকে নিয়ে এত ধানাইপানাই रत राजिति जामरत रक. कि. रकन, करव. काशाम ? क्लिक्क-रावजारवय रेडेन्स डार धक्कन याक शाउन्छ रणनीत, योत नाम इन्होंकेरवज्ञ नक नक मनकिया कार्नामन दमर्थन ना इत्थामी भगात्र, यमिव বা দেকে ভা হলে ভা মনে রাথবার প্রয়োজন हत ना-अमम अक्छा नगमा नाम औ बाक ^{হাউণ্ড} পেণ্টারের। কিন্তু **অনেক বা**ৰা ৰাখা শিক্স-নিদেশিককে পাগলের মত ৰ লৈতে লেখি ঐ ইউসুফ ভাইকে। नवरे इस रबिख। CHICE! কাল সকালে পদ্ৰতিং। ব্যাত व्यावेवा বাজে অথচ সেই ব্যাক প্লাউন্ড গেল্টার ^{ইউস}্ক ভাইলের এখনো দেখা নেই। दार्वाकक, श्रीब्रहालक, भिक्शनिर्माणक सराहे माथात हाउ निरम्न यरनरहा। न्येनीए कार्



স্থার অ্যাজি পরিচালিত আর ডি বনসালের 'টেডালি' ছীবতে বলক চৌন্তেই ও তন্তা।

এক শো কৃড়ি ফটে বাই এক শো আশি ফটে, তাতে আদিগতে 'সাহারা মর্ভূমির সেট লাগিরেছেন শিলপনিদেশক। এক শো দশ লরি বালি এসেছে। প্লাটফরম হয়েছে বাইশ শো ভন্তা এটে, কিল্ছু এত সব সত্তেও স্ট্ডিওর সাহারা ছেলেখেলা বলে মনে হচ্ছে।

বাঘা শিলপনিদেশিকের উপযুক্ত সহকারী বহু দুরের কোন এক স্টুডিওর কোন এক অংথকার কোণ থেকে ঘুমণ্ড



"নতী নাবিচী-সভাবান" (গভ সংভাহে অভি পেরেছে) ছবিতে জয়লক্ষ্মী

ইউস্ফে ভাইকে ধরে নিবে এলো। আল থেকে দিন ছয়েক আলে ঠিক বেমনটি দেখোঁছল ম ইউস্ক ভাইকে সেইবক্ষই (मथनाम । 4 চেহারা নয়, এমন ভি পবিচ্ছদ । একানে নেপধো বলে রাখি. ইউস্ফ ভাই মাসে এক দিন স্নান করার সময় পান কখনো কখনো সেটাও হয় না। হেদিন স্নান করেন সেই দিনই জামাকাপত চেঞ্চ করেন ইউস্ফে ভাই। আর **চেঞ্চ ক্**রা মানে একেবাজে ভাগে করা। ইউসাক ভাই জামাকাপড কার্চান না। নতন কোনেন। এবং একবার ভ্যাল করলে আর শরীরে ওঠান न।। ইউস্ফ ভাই আসতেই বাঘা শিলপনিদেশিকে সহজান ইউস্ক প্রাউ-ড ভাইকে বোঝালেন ব্যাক তার কিরকম চাই। কালার 🖚 ম। পারসপেকটিউ। ভাইমেনসন। হা করলেই হাওয়া বোঝেন ইউস্ফ ভাই, সভনাং বাঘা শিল্পনিদেশিকের ভাষাও টেলিয়াকিক ! <

ইউস্ফ ভাই অনেক টাকা রোজপার করেন দিনে। কিন্তু তার গাড়ি নেই নিজের বাজি নেই। কিছু দিন হল দুটি টাজি কিনেছেন। ইউস্ফ ভাইরের দুই বউ। নাটি বাজা। বাজারা ও'কে চেনে কিনা উনি কালেন না। তবে জনা তিনেক ছাড়া বাকি সব বাজাকে উনি দেখলেই চিনবেন এমন কথা বৃক্ ঠুকে বলতে পারেন না ইউস্ফ ভাই। ইউস্ক ভাইরের একপাল ভাস্ডে বন্ধু আছে; ভারা ইউস্ফ ভাইরের বেগলৈ প্রেক্ট ভাল নিজে মট্ডিওয় স্টুডিওয় ঘ্রে বেগ্লার। জন্দ পেলেই মাদ্র বিভিন্নে বসে পড়ে। ভাস, দিলমিদ এবং সংলার। ইউস্ক ভাই ফতুর। ইউস্ফ ভাইরের আলক্ষ্



य के काजरन

(男者 名(書)

स्माप्रवास । २०८० चामान्ये । वद्या : व्याविक स्टोरमानाम महीय । पूर्णम दायाविका निर्दर्भना ३ चार्च वास

(PF-9050)

আবার কেন্দ্রীর অভিনয় ---PERMIT

अकाश उ

निर्वणना-न्यानीन वानवास विश्वत नाम २८८म आगन्छे वहास

(M 420V)

তত্ৰণ আপেৱা কচ ক

আকাষী ওরা সেপ্টেম্বর সম্ব্যা ৬॥টার बहाकां कि नम्दन

श्चिलात्र"

আ—াগা—মী আ—ক—ৰ—ৰ क्लोबीन इटहेरभागास स्रीहरू ब्राक्ता ब्रामध्यादन ৰক্ত ৰাগ বচিত

टर्नानन প্রিক্রালনার — লো:-অবর বের

66-9525 ৰাত্ৰা জগং' পড়ন --

(সি ৬১৬৮)

্ৰীভাতপ নির্কাশ্যভ নটাশালা]

मफून नाइक।



প্রতি ব্রুপ্তিবার ও শনিবার : ৬॥টার প্রতি রবিবার ও ছাটির দিন ঃ ৩টা ও ৬॥টার

> u ब्रह्मा छ श्रीत्रहाममा u रमबनाबायन ग्रह

॥ स्ट्राबर्ड ॥ জজিত বল্যোপানান, অপৰা মেৰী, শ্ভেন্ **इट्डोभागाइ, भ्रह्मका इट्डोभागास, मीलिया रा**न् नजीन्द्र जड़ेकार्य, ट्यारशा विदान, माम नारा, প্ৰেমংশ_ৰ বস_ৰু বাসভী <u>চটোপাযায়, শৈলেন</u> म्हरवानावात, भीका दम । काम्ह वरन्यानावात কোন সহকারী নেই। উনি বলেন লহকারী মানেই নিমকহারাম। 'কোন শালা कान करत काक ट्रमाट्य मा, व्यथक—व्यंटक मिन कार कथा, कार्क कारन मा अथह भागारमञ् কাটের ঠেকার অধ্যকার—ওসব আপনারা শিক্ষিত লোক, আপনারা সহা করতে পারেন<u>,</u>

ক্থা কলতেও ইউস্ফ ভাইয়ের ভীৰণ भागींख। "कथा वना माटनहे त्रमन्न नग्धे।" कथा শনেতে আগতি নেই। "কারণ কথা শোনা मारमदे निका।" "व्याननात किहा वनात भारक बन्दन, आमारक किरस्कत्र कत्रदवन ना, आमात किंद् बलाव तारे।" "किन्छु आशनाव मन्दरम

আময়া পারি না ।"

व्यापि कानएक हाई-म्जूब्यार जाननारकी তো বলতে হবে **बिट्छ**यु "আপনি দেখাৰ নেহাত-ট আপনার নিশ্চয়ই নেই!" বললাম, "হাাঁ, ভা সভি। আনুৱা সতিটে বাজে লোক, কিন্তু আপনাদের মার লোকের কথা লোককে জানাতে চাই—ভাই—" "আমানের মত লোকের কথা জেনে লোকে কি হবে ?' "এক কখার জবাবটা দেওয়া শ্র:" "এক কথার যে কথা বোঝানো যায় না সে কথা বাজে কথা, হাজাররকমভাবে বলেও त्र कथा वाकारना वादव ना। आधि गुनः এইট,কু বুঝি যে, আমার জীবন যদি অন কারের উপকারে আসার মত জীবন হয় তা হলে সে সম্বন্ধে আমাকে নিজেকে কোন দিনই বক্ততা দিতে হবে না। ঐ তো প্রতিউসার, ডিরেক্টর, হিরো সব আছে, ওনের कारक याने ना, मन्या मन्या क्रीयनी भारत **লেখ**বার মত। **ফ্ল ফ্টলেই** তার স্গেশ বে:রায়। ফুলকে ঢাক পেটাতে হয় না।" এই দ্র' নদ্বর ইউস্ফে ভাই। **বদ্বে**র এক নদ্বর ব্যাক গ্লাউন্ড পেণ্টার।

সরল শর্মা গান্ধবীর সমাবর্তন উৎসব

আগল্ট গাল্ধবারি স্প্রয প্রতিষ্ঠাক যি ক উৎসব **অন্যতিত হয় রবীন্দ্রসরোবর প্রেক্ষ**গতে। পৌরেহিতা করেন কামী গ্রস্তানাল্য। শ্নাতকদের গশ্ধর্ব উপার্যিতে ভূষিত করা হয় **ब**क्त कं**डब्ड**न**ाट श**मन कहा हरू। ८हे উপলক্ষে রবীন্দ্রসংগাতির হয়ীয়েস্ নিল্পী শ্রীমতী কনক কিকাসকে গান্ধবীরি পদ থেকে সংবর্ধনা **জাপন ক্**রা হয়। এই পরিজ্ব সংগণিত ও ন্ত্যান্ত্ঠানে অংশ গ্রহণ করেন গাণ্ধবীর শতাধিক শিক্ষী। অদিনকার সর্বশেষ অনুষ্ঠান ছিল রবীন্দ্রনাথের বর্ষাসংগীত অবসম্বনে ন্ত্যান্তান "কৃষ্ণকলি"।



কাহিনী: নারারণ গলেগালয়ে

রূপবাণী-অরুণা

পদ্মন্ত্রী - অন্দোকা - পার্বতী - মামাণ্ট্রৌ बाह्य - शोही - बाननी - ब्यून्सियनी काळी - क्लानी

> বিশ্ব পরিকল্পলা বিশ্ব • পরিবেশনা भित्रामी विकास



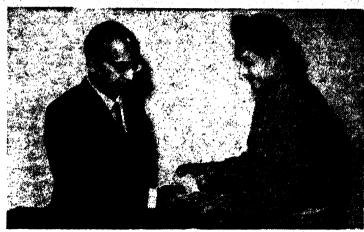
भागवीं मनावर्षन जन्देशन ৰুলক বিশ্বাল সংব্যিত

वक्षं अभारनावना

भिगारम्ब कना ্টেচ-এম-ভি রেকডে সম্প্রতি শিশ্বদের ন ছড়ার গান পরিবেশন করা হরেছে। रकरभनां निःमरम्पर माथ-वाटनस গা। এই সিরিকে গান বেমন আছে. कित बन्धारगीछ छ-हिमारनः विश्वारमञ् गरहत वर्ना"। "मारतन कर्ना" कि कवि-ত্ব "বীর প্রের" কবিভার সাংগীতিক n> কিছুবাল আগে শ্রীবিশ্বাস ও হ স্থানিল্পীরা "বীরপ্রের"-এর সংগীত-ল টুপ্সিত করে রসিকজনের অকণ্ঠ लगः शर्जन करहिंद्दननः आलाःहा ভাৰ্ম "বীৱপাৱাৰ" কবিভার উল্লেখ ह दिक्छ व कछादात इति अवना धरे दिनीत कथारे मत्न कतिता तन्त्र। तन वारे ক এই অকেশ্রি শ্রেষ্ট শিশ্রদের প্রাকেট ব্যক্তিয়ে ভলবে তা নর, বভদেরও तक तमरा। माधार वीन महत्वात स्व দেগেতি পরিবেশিক ভার অন্সরণে ি আখ্যানের স্বাদ পাওরা **যার। অর্থাং** ক্রিকা বাতিমত একটি গ্লপ বলেছেন--ত নাটকীর চমক ও জোমাঞ্চ ররেছে। ন্ট বোঝা যার, পালিক চলছে, প্রায় ছাড়িরে ্ছ ('গ্রামছাড়া ভই রাভামাতির পথ'— लंब गुत्र), काडा द्यम अधिभारत शक्त ভার থারের শব্দ ইত্যাদি। 🚇 বিশ্বাসের শ্র সরেও রাগাশ্রহী। এক কথার, গ্রি কভিন্দনবোগ্য প্রচেন্ট্য "স্বরের

সিবিভের বিশেষ উল্লেখযোগ্য রেকর্ড रक् गारसङ् भारते" (भारताना : गारनस খাপাষ্টা শিশুরা এই রেকর্ড শানে ংশানার আনন্দ তে। পাবেই; তার হও কছ কথা, তারা গান শিখতেও পার্যবে। গীতের পাঠ চিন্তাক্ষকি করে তোলা ্ছে রেকড**িতে—কল ছাটির** পর াদের গান শেখার পালার মধ্য দিরে **हें शहनते जानक ट्रम्बना अवर शास्त्रते** দেশর ভিতর দিবে ভাদের কিছ: চমংকার আইডিয়া-ব্দিও িও অৰ মিউজিক" প্ৰভাবিত তব্ এর ীয়তা অস্বীকার করবার নয়। সংগীত চালনা খ্বই প্রশংসনীয়। লৈলেন गंशियात्र कारमम्, की कंदर भिन्दरस्य अस करण दहा। शामक म्हन्मत शारहास्म ীরা মুধোপাধ্যার, অতসী ঘোষাল, ^{াণী} সেন প্রমাশ শিক্সীরা।

একক গান পরিবেশন করেছেন প্রেবী গিগধার ও মল্লু কন্যোপাধ্যর। প্রেবী গিগধারের গান—একটি হল 'কড়িংবাব্র র'' (যোগীলুনাখ সরকারের রচনা)— বই আদরণীর হবে হেন্টদের কাছে। গ্রীর গলার সরস, মেলাক ও স্বে



চিত্রভারনা বিশ্বজিং গড় ১৫ আগস্ট বরিত্র ছাত্রদের সাহাব্যের জন্য ১০,০০১ টাকার একটি ফেক ব্লাজাপাল শ্রীদশিনারারণ নিংহের হাতে অপথ করেন; রাজাপাল বস্ত্রভি হরিত্র ছাত্রবের জন্য এ কচি ভত্তবিল অলোক্তন

সবই আছে । গানের স্বেও স্বেরর দিরেছেন স্থান দাশগাণত। শৈলেন ম্থেগগথারের স্বে দেওয়া মঞ্জা বদেনপাধারের ছড়া মন আকর্ষণ করে। মঞ্জা বদেন-পাধার কঠিশিকণী হিসাবে অনেক উল্লভি কর্বন তবি এই দ্বি গানই সে প্রমাণ। তবি গাওয়া 'শিছ্ভ জন্মদিন'' শিশ্বদের খবই ভাল লগেকে।

অনা একটি রেক্ড "চলতে পথে" (বচন: সমর চট্টোপ্যধার) শিশুদের কাছে খুবেই উপজোগা লনে হবে ৷ গানের ভিতর দিয়ে তাদের চোধের সালনে অনেক চরিত

হেমতমুমারের বাবে তাঁর কলা রান্ বাবেশ-পাধার এবার প্রকার এইচ-এল-ডি রেকডে 'পূপ সভ' জাড়ীর বাংলা গাল গেলেকেন

এসে দাঁড়াবে, ভাদের কোত্হলও, উঠৰে চরমে। সব মিলিরে পথ চলার আনন্দ বা একটি আচেডেন্সারের স্বাদ পাবে ওরা । এই আখ্যানের রাপ দিরেছেন লিন্দ্র রংমহলের শিল্পারা—চন্দ্রকাণত শীল, জতদা ঘেষাল, স্থিয়া সেন প্রমূব। গাওরার গুণো রেকডটি বেলা মনোগ্রাহী।

ৰৰ**িচলংগ**ীত

বাইলে প্রাংশ উপলকে গ্রামেনেক কোলগানি কর্নান্দ্রসংগীতের করেকটি রেকট কের করেছেন। দুটি বেকটা আমারের হল্ডালত। একটিতে গ্রেমেনে চিন্তপ্রির মুক্ষোপাধ্যার অপরটিতে রয়েছে বীধীন বল্লোপাধ্যারের গনে। রবীন্দ্রসংগীতনিক্পী ছিসাবে চিন্তপ্রির স্থানিটিত। তিনি এবার গ্রেমেনে 'মোল বীগা ওঠে কেন্ সরের বাজি' এবং 'বাদল ধারা হল সারা'। দুটি গানেই পাই প্রাণের স্পর্যা, সরদও আছে। 'মোর বীশা ওঠে কোন্ সুরের কাছি' গাইছে হলে বে বিশেষ সপ্রাণ ভণ্ডির দরকার, তা শ্রীমুক্ষোপাধ্যারের গনে রয়েছে। গান ব্যক্তি

বীধান কলেরপাধ্যারের রেকর্ড এই প্রথম। কিন্তু তাঁর নিঝাত চঙের গান কলে মান হর না জিনি ন্যাগাড়। দুটি গালাই তিনি চমংকার গোরেছেন। দিকপী হিসাবে বে শ্রীবন্দোগাঞ্জার অভিরেই জনপ্রির হবেন ভাতে সন্দেহ নেই। তাঁর গলার মাধ্যতি কবেন্ট।

ন ভানাটোর আলিকে তাসের দেশ

প্রসাজ্ঞ সংগাতি হেত্ন, মোৰসাট, বিথোতেন প্রমাথ দিক্পাল স্কেকারদের রচিত সংগতি দিক্পাতাধিক বর্ষব্যাপী জন্তন্ত্র ধনিত হরে আছও এক-একজন কনভাক্টরোর নিপ্ন নিদেশিনার কত বেন্দ্র নব রূপে জনুরাজত হরে ওঠে, ভার

देशका देशके विकास क्षेत्रका स्थापन स्थापन विकास क्षेत्रका विकास क्षेत्रका स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था

অন্তীল প্রালোচনার আলে অবশা
একটা কথা বলে নেবার আছে বে, রবীপ্ররচিত ভাসের দেশ'-এর অবিকল উপশ্বাপনা
এটি নর। রবীপ্রনাথের 'ভাসের দেশে'
সংলাপ এবং সংগীতের সমান ভূমিকা।
আলোচ প্রবোজনার সংলাপ সামানা, প্রধান
আলা রবোজনার সংলাপ সামানা, প্রধান
আলা রবোজনার সংলাপ বলতে শৃহ্ গান
নর। ভার সংগে আছে স্পরিকলিপত ন্তা
এবং আবহসংগীতের বাজনামর ভূমিকা।
ভাসের দেশ'-এর স্কুন বাজাপ্রবণ বিদ্রপরসাক্ষক সংলাপসমূহ বজনি করেও ভার
বিশেব ভত্তিকে মর্মাসোচর ক্রানোর প্ররাস
এক দ্বানাহসিক পরিকলপনা, স্পেন্ড নেই।
এবং এই দ্রহ্ কালে রবিভীপ্র সম্প্রা

শ্রু থেকে শেব পর্বাস্ত শক্তান ও
গতিবেলসাশ্যম এই প্রবোজনার ক্রেকটি
মৃত্ত অবিশ্যমণীর ৷ স্মাড়ীর বাজনাবহ
শিলপাড়ান মুক্ত বেন চিন্রাপিত নিশ্চল
করেকটি মুডি—এইভাবে তাস্ববীপের
প্রথম অবভারেকা, কিংবা 'ওগো শাল্ড পাবাল
ম্রতি'—গানের পর তাস্ববীপবালাদের
অন্তরের নবক্ষক্রিত চাঞ্চলা—এই সব কিছ্
মিলিরে 'ভানের দেশ'-এর নিগ্রু ভত্ত এক

পশুমিনুম্ আনতা রারের

ছर्बा देव देव वा

निरम्भा : ग्रामीय वरणाणायास इ.व.पिष्ठ जामन व्यवसा | ६५ जामण्डे ५৯ | जम्मा ४॥ इ.स. गिलिये

(সি-৬৬৩২)



প্ৰাক্তীৰ সভুন নাটক

श्र ना भ

ন্তনা : নিৰ্দেশনা : পঞ্চিনা বাবল সক্ষান কৰিবাৰ ২৪লে আগত সন্ধা ৭টা হোভাপ মেলোকিয়াল হুল টিকিট ৯, ২, ৩, বৰিবান হলে

(PH-BYSY)

PROPERTY SERVER SEE BEFORE

को शीवकण्याति जनमा किल्लीय अद्दर्शाधकातं अधिक इतत स्रेटिट स्रोतिक मर्ग मर्गास मन गण्ड पान्य-मरगीय রচারত। শীনেশ চল্ডের নাম। প্রতিটি महाराष्ट्र अपन कि बारनत किएरतक कवि-पानिकार मात्र ७ व्हरण बामा मानवकारर জন্তি করে দেখার দ্বাতাত এর আংগ আর কোনো রবীক ন্তানটোর প্রবোজনার र्परचीह स्टान बरन नर्छ मा। अवह रमाधाव মত্রাবোধের অস্তাব নেই। এতট কু অভিশব্য নেই। আর এই সংগতিত সংশ্ব প্রতিটি পদক্ষেপ আর অঞ্ছেণ্ডিয়ে সম্ভারকার ন্তাশিশ্পীদের 'কৃতিখই কি কিছু কম! রাজগ্রের ভূমিকার শিবশংকরন, দাংতা বস্ত बारबद भग्रामधा अवर करती कार्यक्री হরতনী তো নি:সংগতে বিশেষভাবে উল্লেখ-যোগন। কিম্ভু এ'দের পাশে প্রতিটি ভূমিকাই বে সুনিপুণভাবে অভিনীত, ভাষের দেশ'-এর সামগ্রিক সাফলাট ভার

द्यमान १ कानाक क्या त्याच्य नारत, धरे केव मारतक इरवाक्यांक मरना मनावि तावह इरवा वारतक निकादित बाल ध्यापे, रीमचे बरत कुकारक वरवन कारतकारकारतत ग्रीमिन वासकारक करवन के टामराना फेरामच स्वाद कर्म

করিনেরে, ভানের দেশ নাটরে ন্ডানাটোর আগিশক প্রায়োগের সাথাকতা সন্ধ্র এটা, কু বললেই রাজেন্ট যে, এর অভানিছিল নাটারারেরীর বিশালে সন্ভাবনাই বালনে রাগানিত। ঠিক বেমনভাবে 'একটি বানার গালপার নাটাসম্ভাবনা রাগানিত হয়েছিল ভানের দেশ'-এ, স্বরং প্রভান হারেই এই নাভানাটো মাল নাটকের জনেক কিছু পরিকতান-পরিবর্জন ঘটেছে, এমন কি দু একটি নাভুন গানিও সংযোজিত হয়েছে বজ দেই বস্তুটি, বাকে হয়ত বলতে পারি রবীপারস, তার বিশান্যান্ন ঘাটাত নেই সপ্র

व्यानम् वधन

এনে গেছে — স্নাল দত্তর জত্যাশ্চর্য চয়কান ন্যাগত — নতুন জারকা — নতুন মুখ ঠিক বেমনটি চাইছিলেন আজু খোকে টিকেট বিভি



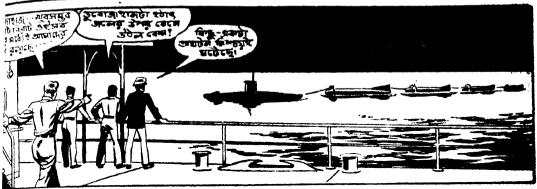
लाहात्र - स्नतका

(জাশনিক্ষণিত বিলানবহ,ল) ক্লব্ৰঃ ক্লব্যতার মার মুটি চিল্লগৃহে। ক্ৰব্ৰি একুটো কাজাভাভি বিকেট ক্লান

অাৱাণ্যদেশ্ব



ती ফक

















আসল রাষ্ট্রপতি নির্বাচনে দিবধা-বিভক্ত কংগ্রেস প্রয়লয়েনটারি বোরড ও তীদের প্রস্পারের ভাষিকা আনোন সংভাষের বিশেষভাবে উল্লেখখানা বিষয়। কংগ্রস-পূর্থী শ্রীসঞ্জীব বেডডি ও নিদল-প্রাথী জী ভি ভি গিরির মধ্যে রাণ্ট্রপতি প্রের জনা প্রবল প্রতিদ্বন্দিত। চলে। এই নির্বাচনে কংগ্রেস সভাপতি, কংগ্রেস প্রাথী শ্রীবেডডির অনুকালে ভোট দেওয়ার জন্য এম পি ও এম এল এ-দের প্রতি হাইপ দেওয়ার জন্য প্রধানমত্তী শ্রীমতী গাম্ধীক অনারোধ করেন। কিন্ত প্রধানমন্ত্রী বিবেকের নিদেশিমত প্রাধীনভাবে তেওঁ দেওয়ার পক্ষে মত প্রকাশ করেন এবং হাইপ দিতে অস্বীকার করেন। ফালে কংগ্রেস শিবির দ্বিধা বিভক্ত হায় ৰাছ এবং শ্রীমতী গাণ্ধীকে অপসারণের জন্য বিরোধী শিবিত কংগ্রেস ওয়ার বং কমিটির কাছে দাবি জানায়। এই সংকট এড়াবার জন্য প্রধানমন্ত্রীর সমর্থকরা একটি প্রস্তু ব উত্থাপন করে বলেন : কংগ্রেস ওয়ার্কিং কমিটি যদি আন্তেমানকভাবে বিবাতি দেন যে, প্রধান-মুদ্রীকে অপসারণের কে নরকম চেন্টা চালানো হবে না এবং একদিকে স্বতন্ত্র ও জনসংঘ এবং অন্য দিকে কমিউনিস্টাদের সংগ্রে কংগ্রেস কথান। কোহালিশন করবেন না—তা হলে এই সংকটের অবসান ঘটানো সম্ভব হাব। অবশা এ ব্যাপারের এখানেই পরি-সমাণিত ঘটে। **এদিকে পশ্চিমবংগ কংগ্রেস** পরিষদ দলের সভায়ত কোন স্ববিদ্যাসন্মত সিম্পানত গ্রহণ করা সম্ভব হয়নি। ১৬ অংগসট যথেমট উত্তজনা, উদ্দীপনাও তীব প্রতিম্বন্দিতার মধ্যে রাজুপতি নির্বাচনের ভোট গ্রহণ পর্ব শেষ হয়। ২০ আগস্ট ভোট গণনা হবে।

हमभी जावान

টালিগাল পাইলট দিকম অফিসের গাফিলতিতে এই অঞ্চলে অন রাসে আদার-যোগ্য প্রায় দেড় কোটি টকার পোর কর দীঘালাল ধরে নাকি আন্দারী আছে। মেয়র শ্রীপ্রশাসত শার এতে অনুধ্য হরে পাইলট দকীমের ভারপ্রাণত সাব এসেরকে বদলি করার কথা বলেতেন কমিশন বকে।

১২ আগসট—সমগ্র ভারতে পাঁচ লক্ষ বা তাব চেরে বেশী পরিমাণ টকোর আরকর বাকি ররেছে এমন আরকর দাতার সংখ্যা ১১০০-রের বেশী। ওাদের কাছে মোট পাওনা ১৬৭ কোটি টকো। ওাদের ছাড়া ১ কোটি টাকার বেশী আরকর পাওনা আছে, এমন আরকর সাতার সংখ্যা সাজের।

১৩ - আগস্য — শ্রীমতী ইন্দির। গান্ধী কংগ্রেস সভাসতির পর পর দাধানি চিঠির শ্রুমার আঞ্চ পরিক্ষার ক্লানিয়ে দিয়েছেন—র দ্বীপতি নিব্যাচনে কংগ্রেসপ্রাথনী ক্রীরেডডির অন্ক্রেল ডেট দেওরার জন্ম তিনি কংগ্রেস এম পি এবং এম এল এন্দের প্রতি ছাইপ দিতে ব্যক্তি হতে পারছেন না। ওই চিঠিতে প্রধানমতী অভিযোগ করেছেন, কংগ্রেসের নাতির পার্যাপারি বিরোধনী রাজেনিত্রক দলের সংখ্যা বংগ্রেস সভাপতি হতে হারলাজ্যন।

১৭ কারেসট—পশ্চিমবংগ পালিস আান্যা-সিয়েশনের স্থারণ সম্পাদক ভি.এস পি শ্রীসাব্যেধ দরকে বর্থায়ত করা যায়ছে। প্রকাশ, ৩১ জালাই বিশাসভাষ একদল পালিসের তাভ্যব সম্পাক্তি এই বর্ণাসেরে আসদশ দেহযা হয়। এই ব্যাপারে এই প্রথম ভি.এস-পি রাখাবের একাল্লয় পালিস স্থান্যাত স্কাল্ল। প্রী ঘটনা সম্পাক্তি ১৮ জনকে বর্ণাস্থ্য করা ছালাছ। গ্রেক্তার করা হয়েছে এদের প্রিক্তাক্তার

রেডডি না অবাধ ভোট-পশ্চিমবংগার



কংগ্রেস পরিষদ দল আন্ধ্র এ সম্পার্ক কোন সিম্পানত নিয়ত পারেননি। তিনম্পটা উন্থপত অংলাচন্দ্র পর মধন কংগ্রেসী এম এল এ-দের ভোটাভূতি হতে মাজে ঠিক তথন কংগ্রেস সংগ্রেম পরিষদেশ জনাপঞ্জাশক শানিকিক সাকে বেতভিত্তেই ভোট দিতে হবে—কমিউনিস্ট দালাল সিম্পার্থ রামের চালাতি চলাব না বলে চিংক ব করতে করতে দরজা ঠোলা সভাকক্ষে ঢ্যুক প্রভ্রেন। বৈঠক সংগ্রা সংগ্রাভেণ্য যায়।

১৫ আগস্ট—গ্রেমীয়টে মহাম্মা গ্রাফারীর সম্ভিবেদীয়ালে প্রথমি সভা ও প্রেপার্থ অপাণ, জাতীয় প্রভাষা উত্তোলন, রিগেড প্রাক্তনাড দেশাম্মারোধক সংগীতের আসর এবং উত্তর, দক্ষিণ ও মধ্য কলকাতার বিভিন্ন কংগানে কংগোসের উদ্যোগ ক্রসভাব মাধ্যে অক্ত ক্রাধানতা দিবস উদ্যাপিত হয়।

১৬ আগসট—শ্রীরেডডি বা শ্রীগিরি থিনিই জিতন রাজপতি নির্বাহনে কংগেদ দল লৈ ধাক। পোলাছ তা সামাল ওঠা কঠিন। উন্তেভন পাণ্ নির্বাহনের খোষে দালত নির্বাধ অমান কবে যোসর প্রাণী নেতা গিরির হবে প্রচার চালিরেছেন ভাদের বির্দেশ শাসিত্যালক বাকশা নেওয়ার কথা ভাবা হচ্ছে বলে শোনা বাছে।

প্রায় ৩০ জন সংসদ সদস্য করেপ্রস সভাপতি
নির্নিভলিংগাংশার সংগ্ণ সাজাং করে রাজীগতি
নির্বাচনে দশের নির্দেশ অমানা করার জন্য
প্রধানমন্ত্রী প্রীমতী ইনিমরা গাংশীর বির্দ্ধে
দাপিতম্লক ব্যবস্থা অবলম্বনের দাবি জানান।
কংগ্রেস সভাপতির সংগ্ণ দেখা করার আগে
প্রী এস কে পাতিলের সংগ্ণ তাঁরের কথাবাতা
হয়। প্রীনিজলিংগাংগাও টেলজেনে
প্রীমোরারজীর সংগ্ণ কথাবাতা বলেন।

১৭ আগস্ট—আজ থেকে প্রতিমনপ্রের তিন শ চা-বাগিচার প্রার দৃশ লক্ষ প্রমিকের অনিদিক্টিকালের জন্য ধর্মঘট শ্রু ছচ্ছে। ইতিপুরে বিরোধ মীমাংসার জন্য ত্রিগাক্ষিক বৈঠক বাথা হায়। চা-ভাষিকদের প্রধান হা জাম ও প্রামিকদের বভামান আন্তর্গতিক কমানো চলাবে না—অথাং যত সংখ্যক তা বছার অবসর নেবেন, তভ সংখ্যক ভাষিক কাজে নিয়োগ করতে হবে।

কলক তা নাশন ল মেডিকাল কলেছের প্র অডিট বিপোরটে এই সংস্থার নামপ্রকার হা বিদ্যুতি এবং গারাতর আর্থিক গালন পড়োছ। এ চাটা নানা প্রশাসনিক অবারম কথাও বিপোরটে উল্লেখ করা হায়েছে। উদ্ধ থাকে যে ১৯৬৭ সালের ৭ জ্বা এই বা পাতালটির পরিচালনভার র জ্বা সরবার প্র করেছন।

चार विश्वपादी

১১ আগস্ট—কোয়েরেনটাইনের রাজ্য থেকে মান্ত রায়ে আমেরিকার হিন্ত চন্দ্রচর আন্ধানিক নিজ ঘরে কিরে গৈলেন। একর বি আরা ভালের কোয়েরেটাইন শরা রহা রাজ্য আলমা পরিবেশ থেকে কোন কবিবলু বনে রা আনেন নি, সে বিক্তে নিংসদের রবার জ ভালের সমপকো এই সভকভি৷ অবলম্বন ক রবেছিল।

১২ আগস্ট কঠমানতার উত্তর ফেল্পেন থোক ভারতীয়দের এবং এথানকার ভারতী সামরিক যোগে যোগভারী গোর্গ্ডীক সরি নেওয়ার বিষয়তি নিষ্ঠে ভারত সর্ব্যায়ের স্থা আলোচনার জনা নেপাল থোক এবতি ইট প্রায়োগের প্রতিমিধি দল শাস্ত্রিই ন্রানিট অসাজ্যা।

১০ আগস্থা—আজ সিংকিয়াং স্থান বাশ ও চানা সৈনাদের মাধ্য জোব লাটা কা বাজেছে। আর এটা ব্যাপ্রান দাপ্রকাশ না বাজেছে প্রস্কারক। চানার অভিযুক্ত ভরজ্ঞায় ও এক ও সাজ্য গড়ি নিয়ে শত শত শত বালেনা। ফাল বহা, চালায়। ফাল বালেনা কালিবাং বালেনা বালিবাং বালিবানা বালিবাং বালিবানা বালিবা

১৪ আগস্ট—চেক ও সোভিয়েই সৈনা সংঘ্যর একজন চেক অফিসার ও পতিন নি নিহাত হারেজেন। থবরতি পুতার ক্ষেত্র তি চাইনা এজেনিস। থবার আরও বলা জোলি দ্বলানর রাশ সৈনাবাই ক্ষেত্র এক বাবে ক্ষেত্র করে। বন-এর এক বাবে প্রাণা হারেজেকাভোলিয়ায় ও ভার চর প্রাণ্ডিবলা সংখ্যক সেভিয়েও সৈনা মোভাবন কর হারেছে। এ কাজ শার হারেছে গাল সংগ্রেক

১৬ আগসই—নয়াদিলিতে পাওয় এই সংবাদে আনা বার—তিবতী বৌশ্বনের নেই পানকেন লামা চীন থেকে পালিয়ে বিজেপ্ট তিন সপতাহ আলে পাওয়া ওই খবরের সভাই প্রক্রিকা করে নিঃসন্দেহ হওয়া গিরেন্ড ইটি প্রকাশ।

১৭ আগস্ট তানজানির। থেকে মা বোষণা করা হরেছে যে সাড়ে সাত্ত লক্ষ বহ আগেকার এক মানুষের মাথার থালি উট তানজানিরার আলডুডাট গিবি সংকাশ পা পাওরা গিরেছে। মানুষের হাতে এখন পা প্রচীনতম মানব কংকাল। বিশালক বছন ফাশ এরা পূর্ব আফ্রিকার ছুরে বেড়াত বনল খু নেওরা কেতে পারে। गास्त्र रहे । अस्त्र यहे

নিম্পিকুমারী নহলানবিশের রবীণ্ড সম্ভিক্থা

কবির সঙ্গে য়রেরাপে

অসংফ ছবি ও কবির হস্তাক্ষরের চিত্ররূপ সহ ॥ দশ টাকা ॥ লেখিকার আর একটি স্মৃতিকথা

বাইশে শ্ৰাবণ ৬.

नीना महामनास्तर

ন্রভূম অবদান

স্কুমার রায় ৪॥

'আবেংলতাবোজোর কবি স্কুমার বায়ের জবিনী ﴿ ঐ পরিবারের ইতিকথা কেখিবার

রবাঁন্য প্রেপকারপ্রাপত বই

वात (कार्बायार ए,

ভাৰত তথা ৰাংলাদেশের সর্বাদ্রেগ্ঠ চিন্তাবিদাদের রচনা-প্রকার্যল

গান্ধী পরিক্রমা ১৫১

াৰপূজ ও•২, আলাগোডা কাপডে বাঁধাই

ন্তন কেম পড়া জানকের উপায়ালী •

গজেণ্ডকুমার মিতের

गान्धी जीवनी ऽ॥

গোল্ডব্রার ছিলের রাজর উপরেচ্ছ

আমি কান পেতে রই ১৪১

রাতির তপস্যা ৮, নবজন্ম ৪,

परन उ मी ° उ ७,

হা*ৰ* বিভয় কুলিয়া ভাতালাকাৰ

न्दश्रद्ञा ५,

সাত পাকে বাঁধা ৫. বি**ড**ি চম্প বলেলপ্যন্ত্ৰের

यात्रगाक का प्राप्त ७॥ मर्गाष्ट्रभूमी १९

রাধা ৮, যোগভ্রন্ট ৭,

লোহকপাট কে

20,

্মল নিহের কলকাতা থেকে বলছি ৬, উমাগ্রসাদ মুখোপাধ্যায়ের হিমালয়ের পথে পথে ৭, গঙ্গাবতরণ ৫,

নীরদচনদ্র চৌধরবীর

অচিভাক্ষার সেনগ্রেপ্র

গোরাঙ্গ পরিজন ১০,

প্রবোধকুমার সানচলের

এক চামচ গঙ্গা ৪, নগরে অনেক রাত ৪॥

সৈয়দ মাজতব। আলীর

রাজা উজীর ৮,

শঢ়ীকুলাল ব্যু অন্দিত

জাহাঙ্গীরনামা ৮, বাবরের আত্মকথা ৫॥

চিরকুমারীসভা ৪১ তিন শতকের কলক।তা ৬১

আশাপ্ণা দেবাঁর

প্রথম প্রতিশ্রুতি ১৪, স্বর্ণলতা ১৩, প্রথমাথ বিশীর উপন্যস

বিপ্লে স্দ্র তুমি যে ৭॥

অবনীন্দ্রনাথ ঠাকুরের

वात्रालो जीवत्व त्रस्भी ६०,

यात्रागात्व त्रासाय्य ५,

মিত্র ও ঘোষ : ১০, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা – ১২



व्याननात प्रथानि कृत्तत नानिष्ठत प्राठा जिल्ला अ मुन्दत करत व्रलाव निष्ठि छानिर्भिश कीप्त



শশুস ভাগনিশিং ক্রীমে আচে বিশেষ একটি উপাদান

ক্রিউমেকটান্ট--এতে জকের আন্তাব অটুট থাকে। পণ্ডস
ভাগনিশিং ক্রীম তাই আগনার মুখন্তী কমনীম, মসুণ ও তাজা রাধে।
আর ধুপোরালি ও রুক্ত আবিহারখার হাত থেকেও বাঁচায়।
ভূষার-শুন্ত ও হালকা পণ্ডস ভাগনিশিং ক্রীম এমনিতেই মুখে একটি
মাজিক্রী এনে দেয়; আবার পাউভার বেস্ হিসেবে এর ওপর .
মেক-মাণ ধ্রালেও ঘটার পর ঘটা নিখুত থাকে।

চীজ্তো-পণ্স ইনকপোরেটেড (শীমিত দায়ে মার্কিন মুক্কাস্টেড)

পৃথ্স ভানিশিং ক্রীম—বিশুত পাউভার বেদু

P-4932AB



বিষয়	ट्ना	থক		*	भका
রাম্মপতি শ্রীগিরি	•••	•••	•••	•••	822
ৰ্জিচিত্ৰ—	•••	***	•••	***	800
त्भामीत भरवामकाया-	•••	•••	•••	•••	802
বৈদেশিকী—দেবরাজ	•••	•••	•••	•••	8०३
म्भाभने श्रीनवात्व भ्राप्त		•••	•••	•••	800
म्बनम्ब जार्नाण-	•••	•••	•••	•••	804
দ্ৰান্ত্ৰিলাল (কবিতা)—	াগোর	কি শো র	ঘোষ	•••	809
না আমি ভোমাকে (কবিত	T)— ন্ত্ৰী	হৈনা হ	ानमात्र	•••	809
ঘণ্টা ধর্নি থেমে গেলে (ক	বিতা))—শ্রীপ	নাশ মিত্র	•••	୫୭୩
পঞ্চল্ড - সেরদ ম্জত	বা আ	नी			804
অলকাপ্রেশী—শ্রীসত্যোদ্য খ			•••	•••	৪৩৯

সংস্কৃতি-বিষয়ক গ্রন্থমালা

कालिकहे থেকে পলালী

শ্রীসতীন্দ্রমোহন চট্টোপাধ্যার রচিত। পশ্চিমীদের **প্রাচ্য** অভিযানের কাহিনী। দৃশ্টি মানচিত্র। [৬-৫০]

दिक्य **भगवन**ी

সাহিত্যরম শ্রীহরেকৃষ্ণ মুখোপাধ্যার সম্পাদিত ও সংকলিত প্রার **ठांड शाकांड भरमंत्र व्यायन्त्र शुन्ध।** [34.00]

ভাৰতেৰ र्भाक्त-माथना क শক সাহিত্য ডঃ "দাশভূষণ বাদগ্রের এই গবেষণাম্লক প্রন্থটি সাহিত। আকাদমী পরেস্কারে ভূষিত। [১৫-০০]

बामासन কৃতিবাস বিৰুচিত বাঁকুড়ার

সাহিতারত শ্রীহরেরুক মুখোপাধ্যার সম্পাদিত বুগোপ্রোগী প্রকাশনার সৌন্টব্যান্ডিড। ভঃ স্নীতিকুমার চট্টোপাধ্যাবের ভূমিকা। স্ব' রার অভিকত বহু রঙীন ছবি। ।৯.০০]

শ্ৰীকমিয়কুমার বন্দ্যোপাধ্যায় রচিড বাঁকুডার তথা বাছকার বাঁকার গ্রনির সচিত্র পরিচয় ও ইভিছাস। ৬৭টি আর্ট প্রেট। ১৯৫-০০ ট

छेर्नानव्यक्र क्षा म

र्मानव

প্রতির ক্ষাপাধ্যার রচিত উপনিবদ-সমূহের প্রাঞ্জ কাখ্যা। [9.00]

बबीम्म-कर्म न

শ্রীহিরপময় বন্দ্যোপাধানে রচিত রবীন্দ্রনাথের জীবন-বেশের সরল वााचा। (२.६०)

ঠাকুরবাড়ীর

জীবিরপার বল্লোপাধ্যার রচিত রবীন্দ্রনাথ ও ভাঁর প্রাণন্ত্রে ও উखन्दरायन मार्च बारणाह्ना। [১২-००]

हवीन्स्रताथ 📲 ७: म्द्रारम् विमन वर्ष्ट्रवात शत्ववनाम् लक मतन बारनाहमा। ৰৌছ সংস্কৃতি অধ্যাপক প্ৰবোধচন্দ্ৰ সেনের ভূমিকা। [১০-০০]

ভোটানট । অমলেন্ বালদ্ধে রচিত। প্রভূপেন্দ্রভূমার পরের ভূমিকা। (৩.০০)

কলিকাতা ১ **०२७ जाहार्य शकुशहरम् स्थाउ** ::

ন্তন হুপে ন্তনতর পটভূমিতে আরু একটি পৰা প্ৰকাশিত হল শ্রীস্বোধকুসার চরবতারি

রম্যাণিবীক্ষ্য

কণ্টি পৰ্ব (क्रमान-वर्गमक व्यय-कारिनी)

উত্তৰে ৰেমন হিমালর তেমনি দক্ষিণে নীৰ্লাগীর -- পাহাড়ের রানী উটাকামণ্ড কুন্দ্র ও কোটাগিরি। কর্ণাট পর্বের ষ্বনিকা উঠেছে এই নীলাগার পাহাছে। দেখান খেকে পাৰ'তা পথে বিভিন্ন সম্পদে পূর্ণ মহিসুর রাজ্য। একদিকে সোমনাথ-পরে বেলয়ে হালেবিড 🔹 প্রবণবেল-গোলার ভারতীর স্থাপতাকলার প্রেণ্ট নিদর্শন, অন্যাদকে ব্যামারণের ব্রুগের কিন্ফিছ্যা, বিজয়নগরের ধরংসাবশেষ ও টিপরে শ্রীরঙ্গপত্তন। প্রাকৃতিক সৌন্দর্যের আকর জোগ ফল্স্ শিবসম্ন্রম ও ৰ্ন্দাবনও কম আক্ষণীয় নয়। কিন্তু প্রমণের শেষ এইখানে নর। আধ্নিক ব্যাসালোর ও অন্দের ন্তন রাজধানী হামদ্রাবাদ হয়ে অপর্প গ্রামদির ইলোরা ও অঞ্চতার এই পর্বের শেব।

এ ছাড়া তামরা আরো ১২টি शर्व श्रकाम करतीह।

म्पन शकायन

वाश्वाय विश्वववाम

সংশোধিত চতুর্থ সংস্করণ-মূল্য ১০-০০

শ্রীনলিনীকিশার গ্রহ প্রণীত

বাংলা সংগীতের রাপ

₽.00

স্কুষার রাম প্রণীত

খ্যাতি যাদের

জগৎ জোড়া

निर्मातनम् सामकोभ्रसी প्रगीठ

ভারতের শিষ্প ও

वासात करा ५०.००

श्रीकदर्श मुक्तमात भटन्शा भागात्र (७. जि. गात्र नी) अपीठ

अ म्याकी ज्यान्य कार शाः निः २ विष्क्रम ठाएं। जी न्यू होते, क्लिकाका ५२





পরভ্রাম স্যানিটানী ওয়ার লাগিবে আপনার বাধ-ভ্যকে বিলাসবলা নবনীবন দান কলন। ফ্রেক কাইল, বাজিত ডিজাইন আর নবনাডিরাম ইতের জনোই এডালির এডো আদহ।

ইউরোপের খ্যাতনামা স্যানিটারীওয়ার নির্মাতা ক্রাত্মের পোর্লের-এর সহযোগিতার ছিল্রবিহীন, চিড্ রা-খাওরা তিন্তিয়াস চারনা অর্থাৎ কাচের মত চারে-বাটি থিরে তৈরি। পরত্তরার স্যানিটারীওয়ার আপ-রার স্পতি-ও সাধ্য অহুবারী ব্যবহুরুম আরার, রাপ ও রতে পাওয়া যায়। চিত্তাক্র্যুক্ত ও টেম্সই, এগ্র জিনিব বীর্যাগারে অভ ব্যবহুরুয়ার্যুক্ত।

বিভাগিত বিবর্ণের জন্ম লিখুন । পরভাষান পটারী ওয়াকণ্ জোং, লিং., মর্ভি, ইবিচা নিয়লিখিত খানে কারখানা আছে: মর্ভি, খানগড়, ওয়াঝানের, আংল্ঞা।



भवनुदाव गाविहाक्षेत्रकार



वियत	লেথক			প্তা
অপ্ত বিভূতিভূষণ-শ্ৰীস,	নীলকুমার চে	ট্রাপাধ্যার	•••	884
बन्धः इत्माम्न कवित्र-शीत्र	रीन्द्रनाथ नख	•••	•••	885
कम्द्रबद्ध मिक्कि-मत्दर्भ		•••	•••	862
জীবন বে-রক্স-শ্রীস্নীল		াধ্যায়	•••	863
িৰশ্ববি জ্ঞান—শ্ৰীসম র্ক্তিত ব	হর	•••	•••	869
মন্কোর চিঠি-গ্রীননী ভৌ	মক	•••	•••	862
পারাপার-শ্রীশীর্ষেন্দর মর	থা পাধ্যায়			८७७
ভারেরির হেড়াপাতা—ফাদার	ৰ দ্যাতিয়েন		•••	৪৬৯
দরে-ৰাইরে—শ্রীমতী		•••		890
ৰাং লার চালচিত্ত— শ্রীআবদ্ধ		•••		894
ডিভিচিতে নৰ অধ্যায়— ङीः			•••	895
শান্তনিকেতনে কৰি অসিয়	চক্রবর্তীর সং	গো কিছ্	क्रम	
—डीभ्रानाम उर्हे		•••	•••	840
রবীন্দ্রসংগতি প্রসংগে—শ্রী	भूरवाथ श्रह्द	ল্ য়স্থ	•••	840

স্নীলকুমার গলোপাধ্যার-এর একটি আশ্চর্য-স্কুর রহসাঘন গ্রেণ্ডচর কাহিনী

পাপী

প্পাই এবং পাপী! এই প্পাই -চক্ত ও পাপ-ঢকের বিরুদ্ধে একক সংগ্রামে লিপ্ত হ'ল আর্মোরকার এক নন্দর এক্তেণ্ট XX-I—ডেল ফিশার। তারপরই শ্রুর, হ'ল এক একটি উত্তেজক ঘটনা রোমাণ্ডক পরিস্থিতি, একটির পর একটি হতাা। আরও কত সব মর্মান্ড্রদ কাহিনী...... দাম পাঁচ টাকা জারুকার কাহিনী অবলম্বনে লেখা স্নীলকুমার গঙ্গোপাধ্যারের জার একখানি রহস্য উপনাস

वि**र**म्ही आञ्चा ७००

	નંદ્રન	વર		
শিৰাজীর স্বণন	n	সম্রাট সেন	11	\$0.00
वारतामानी विवि	n	চন্দ্ৰগ ৃপ্ত মৌৰ্য	n	8.00
क्ष्प हेन क्ष्म बाउँहे	u	श् म िकः स्थान	11	\$0.00
आवन-काँठी देखनारतन	u	₫	ll	\$2.00
पूर्वि हारत्रम		স্লভানা চৌধ্ র	n f	A.00
				

শণ্ডল বকৈ হাউস ॥ ৭৮/১, মহাস্মা গান্ধী রোড ॥ কলকাতা-৯

ভারাশকর বল্যোপাধ্যার ছায়াপথ >0.00 कालामाञ्चल वाड তঞ্চার জল 4.00 আর্ট 8.00 রুমাপদ চৌধরী ভারতবর্ষ 🔹 खन्यामा शहल 0.00 এখনই ¥.00 माज्य भाषाभाषात नाबरमब जार्याब 0.40 মৈপা দ্য কাচের সংসার ৭.০০ কালের পদধর্নন আশ্বতোষ ম্বেখাপাধার आलात्र विकाना 8-40 ग्हीन्त्राथ क्ल्याभाषात्र আনন্দ ভৈরবী ১.৫০ অপ্রিচিতের নাম দীপক চৌধুরী ঘেরাও 4.00 গোরীশকর ভটচার यशकारवात्र भः W-00 दम्हमिन्भी 4.00 প্ৰাণতোৰ ঘটক তিনপ্রের্য ১ম \$2.00 সদ্য প্রকাশিত ২য় বনফ ল शाभानरमस्बद्ध म्बन्न ... নারারণ গক্ষোপাধ্যার চাপার গন্ধ .40 জ্যোতিরিন্দ্র নন্দী ৰসম্ভ ৰঙীন... 0.40 আশাপ্রণা দেবী অনৰগ্ৰুণিঠতা 4.40 ডি এম লাইরেরী

৪২ বিধান সরণী, কলিকাতা-১



দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাদিক দ্রব্যের পূর্ন সম্ভার

শাধক্ষমে বং এর ছোঁয়া দেবার জন্ম-মগ, বালতি এবং টয়লেট সীট। রায়াঘরের জন্ম-গামলা, বাটি, ঝাঝরি, থাবার টেবিলে উৎফুল্লতার জন্ম-মাটি, গোলাস এবং মেট,গৃহস্থালির প্রযোজনীয় আরও জনেক কিছু—বাজার করার বাগে এবং বাভির শেছ—বেমন রংচলা, তেমনি সহজে পরিভার রাখা যায়। হাজা এবং অভকুর। নানাবিধ মনোহর রংবে। সবই 'গিলের' তৈরী—বারা প্রথম প্রান্তিকের শালভি তৈরী করেছেন।

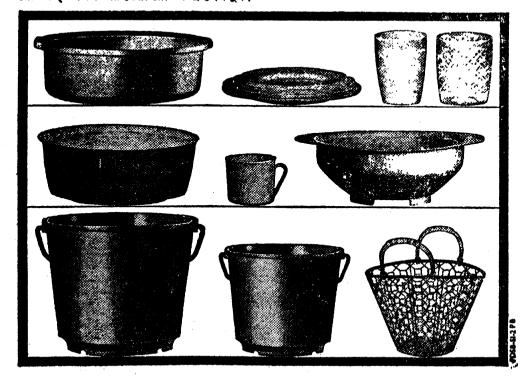
শিলের" তৈরী বাবতীয় জিনিব নির্ভরবোগা ও টেকসই। কেননা, এ গুলি বছকালথত্বে ব্যবহার। করার উপবোগী করেই তৈরী। **আয়ুনিকভার অল প্লালিকস—"নিল' এর ভৈরী প্লালিক জব্য কিন্দুন।**



সুপ্রীম ইগুাস্ট্রিজ লিমিটেড



ওল্ড লক্সমী মিলস্ কম্পাউও ওয়াডালা, বন্ধে-৩১।



ভিন্মিবিউটর : পশ্চিমবণ্দা, আসাম, বিহার, ওড়িখা, মধ্য প্রদেশ, অনপ্ত প্রদেশ, দেপালা, সিকিম এবং ভূটানের জন্য : জেলার্ড প্রেমমেটিং কর্পোরেশন, পি-১৫ নিউ সি আই টি রোড, ৩র তল, র্ম নং ৪বি, ইন্ডিরা একচেজ প্রেস একটোনন, অধিকাডা-১২। ব্রস্তা কলিকাডার জন্ম সেবার্গ জি পদর আন্ত কোং, ৪১, সার হরিরাম গেরেণ্ডা দুটিট, কলিকাডা-৪



বিষয়	78	খ ক			श न्धा
আথিক ভারত—শ্রীস্র	তু প্ _শ ত		•••		৪৯২
চিত্ৰপদশ্ৰী—চিত্ৰপ্ৰিয়	•••		• • •	•••	รมจ
थारनाहना—	• • •			•••	858
সাহিত্য সংৰাদ—সনাত্ৰ	্পাটক			•••	855
প্ৰস্তুক-প্ৰিচয়—				• • •	605
খেলার মাঠে —একলবা			• · •	•••	608
ব্যভাষণ্টনের আইনকান	्न 😜	ंज	• • •		any
রুগ্জগ্ং—			• • •	•••	005
अवगादम्य—	•••				655
সাংবাদ—				• · •	૯૨૦ ,

श्रष्ट्रनः श्रीवामानम बरम्नाभाषाम्

কমল বদেরাপাধ্যায়ের তথাসমূদ্ধ ভ্রমণ কাহিনী

ভারত দশন

মিশু পর্ব ৮: মাদ্রাজ ৮: কেরল ৮, কেল পর্বাট স্বাপ্তক্ষানত হব।

বিক্রমাদিতোর রোমাঞ্চকর রহস্য উপন্যাস্

न्र्भाटे २०००

স্রঞ্জন সেনের নতুন রহস্য উপন্যাস

लारलायानी थ्रान्त

यायला

ত্রাই-এর জঙ্গলে মহিমার বাংলোয় জোড়া খুন। তথাসন্ধানী জগদীশবাব্র রোমহর্ষক অভিজ্ঞতা। পাঁচ টাকা ॥ স্থরজন সেনের অনা বই ঃ ব্লাক্মেলার ৭্; ডানকার্কের গতন ৯; লেক প্লেসে খুন ৮্; খুনী তর্গী ৭্

ক্লানিক প্রেন ॥ ৩/১এ, শ্যামাচরণ দে স্ফ্রীট, কলিকাতা ॥ ক্লানিক প্রেন

विस्मानस्यत वह				
শ্বেদ্যালয়ের বহ শ্বেজকুমার রাজচৌধারীর ইপন্যাস				
ময়্রাক্ষা	8.00			
গৃহকপোতী	0.00			
সোমলতা	8.00			
মধ্মিতা	<u> </u>			
ফীবনে প্রথম প্রেম্	8.40			
প্রেমেন্ড মিত্রের ধরসা-উপন্তেস গোয়েন্দা হলৈন	1			
পরাশর বর্মা	8.40			
মণ্ডিশ ঘটাকত উপন্যা স				
কন্মবল তারকের বন্দেরপ্রধানের স্মৃতি	9.00			
विश्वरवत्र मञ्जारव	\$5.00			
কে, ৬৯, পর্নিক্ষারের উপন্যাস				
কেরল সিংহম্	6.00			
প্রিয় গুগোপাধ্যমের ফার্টিটি চলমান জীবন: প্রথম	हेंप ७.००			
স্থানির করণের দেশপ্রেমিক ক	-			
অরণাপ্র্য	8.00			
বালীপদ চটোপাধ্যায়ের উপন্য				
প্রেমিকা প্রি গ্রেগ্রাপ্রধান্তর লেখনী	৩০২৫ ভ			
মার আন্মানের অমর করিনা	•			
চাহার দরবেশ	03.0			
গ্ৰম্ভ মালার উপন্তেস লখীনদর দিগার	6 .00			
স্কলি জানার উপনাস	4.00			
ৰেল্ভূমির গান	७.00			
স্থাগ্রস শোশর সরকারের উপন্যুস	0.90			
शितिकन्ता	२.७०			
বেদ্ইনের উপন্যাস ও মর্তিচি				
পথে প্লান্তবে				
104 01004				
্প্রথম পর' ৩-৫০ খিতীয় প্র বৈগম নাজমা ফ্রাংকাইন	\$ · 40]			
যশাইতলার ঘাট	0.00			
অনুক্ত সিংহের প্রতিচিত্র				
অগ্নিগর্ভ চটুপ্রাম				
पाश्चाठ एप्रसाव				

প্রথম খণ্ড

বিদ্যোদয় কাইবেরী প্রা: বি: ৭২ মহামা গাস্ধী বোড: কলিকাতা ৯ ফোন: ৩৪-৩১৫৭

22.00

সারা পরিবারের পড়বার

জনপ্রিয়

সাহি ত্যক-সাংবাদিক

वियाउँ एष्ट्रीहायँ

্ সম্পাদিত

অনন্য সাংতাহিক

अष्रुन

ছ' মাসের চাঁদা ৩ টাকা আজই মনি অডার কর্ন: আমরা, ডি-১, জংপরা নিউ দিল্লী-১৪

ৰত'লাম ৰাজনৈতিক পট্ডালকায় বচিত নতন উপনাল

देवभाग्रस्तत्र

\$.00

বর্মাণের বাক্তথাস - পঠন জড়িল বহুস্য - উপন্যাস

রক্ত গোলাপ ৰাত 4.4O

রহেলে সাংক্তারণের নীহাররঞ্জন গুরেপ্তর গ্রেন্ট্রমার মিরের

সিংহ সেনাপতি পোড়ামাটি ভাঙ্গাঘর

B-05

ण्यका अन्धत

ভারেটেট পার্বালালা : ১৩, কলেফ রেণ্ কলিকাড়া ১

প্ৰকাশিত হল

হৈপায়নের *ঐ*িহ্যাসিক উপন্যাস

রাজতরঙ্গিণীর দেশে ৮০০ **এই রোদ এই বর্না**চ্ট ৫'৫০ रमालनहाँ शा अवाहे राज II 50 00 বিষের রঙ খুনখারাবি শুলু বিতান

ৰণালী প্ৰকাশনী (৭৩, মহাজ্ঞা প্ৰাণ্ড) ব্যাড, ক্লিকারা :

हर्ला फठकथा

নগশ, জার

कामहरूकाम महत्याभावतम ॥ ३

বাঘৰন্দী ডোরাকাটার অভিসারে

আদিগঙ্গা

অস্থিরপণ্ডক

রাতের ক্য়াশা

অপরিচিতা

क्षित्रनात्रात्रभ क्ष्रद्वीत्रभ्यात्र ॥ ७-००

माठे थ्याक वर्लाছ

मृजनात घत्र चाम्रकाम म्राचाभागम् ॥ 8-60

আঙ্গোলা-আফ্রিকার ভিয়েতন্ম

গানী ৰ্শালকাতা - ১

বিরহী বিহঙ্গ শাশাপ্শ দেবা ৪০০০ টুসীটারগাড়ির রহ্স্য চিরঞ্জীব সেন ৪০০০ ধুসর দিগত হারনার্যণ চট্টোপাধার ৬০৫০ পথ থেকে হারিয়ে শিবরাম চন্তবর্তা ২০৪০ সোনালি রুপোলি মাছ অল্ডাংশন্ত্র ৪০০০ চলো যাই দ্রদেশে নিল্লীপ মালাকার : সাসন্ন প্রবাশ

1⁵7 23543

েপ্ৰাশিত হ'ল ॥ - প্ৰথাতে কথাশিলপুৰি নিম্লিচ্নু হৈলু-এ**র চাওলকের উপন্যেস**

<u> अखदान</u>

পর্যাপরাস । ১ চিন্তামণি দাস লেন । ফলিকাতা-১

পৰ্বা - পদ্যিম প্ৰাধিসভানের এবং হাজ্জাতিক ৰাষ্ট্ৰীতক চলাবের প্ৰভূমিতে, প্ৰাধিসভানের সমস্থাহিক হালেলন - বিক্লেকের উপাদনে হাঁচত, ব্যক্তি নাল্ড উপন্যাস। ৷৷ প্ৰমান্ত তেওঁ প্ৰা

প্রগতিবাদী সাহিত্যিক সৌরী ঘটক-এর বাদতবধর্মী উপন্যাস

রক্ত রাঙা নগরী

ত ঘটোৰ কাল্ডখা উপন্নে। সৌরীন সেন-এর বই

৬ দম--১.০০ ৬ অজিত সেন-এর

िराउनाम ५०००	्रवमक्ता (बाहँक) । _{२०४०}		
ক্রে থেকে ফে রা ৮০০০	বনফ্ল-এর উপনাস		
াশ্য হার। (ঝাটক) ত তত	রারি ১-০০		
र्भावल दमन-এর	চাণকা সেন-এর		
স ্বৃহং উপন্নস	রাজপথ জনপথ ৭ ৫০		
एम्ब प्रकृष्टि	प्रशुद्ध भिरुत ५.००		
নতুন নাম ২০-০০	भीति व(२ नीव ५ ०.००		
*গ্ৰিয়ই	বেধাৰে		

শ্বানন্দ শামা রচিত হে অতীত কথা ক3 (১ম খণ্ড)

॥ শ্বাধানতা আন্দোলনের ইভিব্র ॥

নৰভানতী, ৮, শ্যাস্ট্রণ দে স্টাট, কলিকাতা -- ১২

শারদ সংখ্যা

উল্টোরথ

প্রকাশিত হবে ১লা আধিন

প্রদান আক্ষণি মাত তিন্তি উপন্যাস কিন্তু প্রকৃত উপন্যাস, তেতে উপন্যাস বিশেষ্টন

সুবোধ গোষ, সমরেশ বসু বিমল মিত্র

গত সংখ্যার সম্ত্রণ বস্তে উপন্যাস্থ বিজ্ঞা প্রিয়া বস্থ্যা রয়েছে। এটি প্রাং এটা প্রতাশিত বস্তা দাম হরে আন ব্যা করে স্থা মাকা।

স্বাধ ঘোষের

"ৰন্ধ**্ৰোপাল"** প্ৰসঞ্জো

হাত না চাবের এতি নাগাল হাতে সামের

নি নাগাল চাবে সালি এই সাবার

হিচাপে এল সংগীলঃ সাবে সালি সাবে

কালেন্দ্রিত তার নি নাগালি সাবে

কালেন্দ্রিত তার নাগালি সাবে

নি নাগালি সাবে

কালেন্দ্রিত স্থান সাবে

কালেন্দ্রিত স্থান সাবিদ্যালি সাবে

কালেন্দ্রিত স্থান সাবে

কালেন্দ্রিত স্থান সাবিদ্যালিক

কালেন্দ্রিত স্থান সাবে

কালেন্দ্রিত সাবে সাবে

কালেন্দ্রিত সাবে

কালেন্দ্রিত

কাল বিবাস সাহল সংহিত্যে এক হল সাল ক্ষিত্ৰ গ্ৰাহ্ম **ছিট্টা** কলিল হল ভূম লাহ্মে হাই হাই কলা হল ভূম লাহ্মি হাই হাই সাল সাল চলাগে বাংলা ক্ষিত্ৰ সাল ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ কৰা বাংলা ক্ষিত্ৰ সাল ক্ষিত্ৰ কৰা ক্ষিত্ৰ কলিল কৰা কিছিল কৰা বাংলা ক্ষিত্ৰ

একটি টুপনত্সপ্র ক'হ' প্রকা **লিখছেন**

শংকর

িন্তি বস প্রেপ লিখেছেন—

মনোচ বস; প্রমথনাথ বিশী আশ্রেতাৰ ম্বেখাপাধ্যয়

অন্যান্য ব্যানের পরি**চয় স্বাগামী বারে**

দাম পাঁচ টাকা

পুলকিত জ্যোৎস্নার স্নিগ্ধ স্থানা ফুটিয়ে তুলবে





উজ্ল দীপ্তির জনল মেত আপে। এবে দেবে চন্দ্রাক্যেক্যে নাধুর আজে। আপানার মুখবানি সাচিন প্রোতি কেন্দ্রন সাধুর নাধুরে ভাত ভঙ দেবুন। কছে মধুর হাজা এই ভাউক্সেবে আগানার খন সভ ভোটা স্কুলর মত ক্রনীর লাবাব্য ভাবে কিবেন। বেশসীপোলাব এই অনাধনীর মালাবী পাবনে নাব পুঁত চাকা পাত্রে নিমেবে।

সাচন যোগে এটি উজ্জল লেডে জাপনার স্থানী আরও জগরূপ র'তে উঠবে। চক্রা কিংগের পেডে কজ্ম নধুর মুক্তো-আভা। স্থানুত্বিক রঙের খারার এনে ধেনে পিলনারীয়ে।

ত্ৰিছ্ক মধুৰ আজাত মুখনীকে অগস্তুপ ক'ৱে জুনতে সৰ্বাধ ব্যবহার কল্প ন্যাক্ষেত্র স্থানি লো।

୯୪ାବଧୋ ଧାର୍ତ୍ତିପ (ଲା ୭ ସଦ ହା ଓଡେଅନ

8.00

স্বীলকুমার ঘোষ-এর একটি বিস্মারকর আবিশ্বার

কারা প্রাচীর

এ আর এক জগং, অন্য এক শোকের কাহিনী। এর দেওরালে দেওরালে আবর্জনার স্ত্রপ জ্যাপসা গশ্মে মাডোরারা। পোষের পাকে ফসপের ইসারা, শিশিরে ভেজা সকালের সোনা রোদের স্বাদ আর সৌন্দর্য করেদীদের দার্ঘাশ্বাসে স্লান। এখানের রাজা, উজির, সেপাই স্বাই জ্মিলের স্লোভে মরিয়া হয়ে ছুটছে। এরা বধিন—এই অন্ধকারার গিন্নগ্রিল।

শক্তিপদ রাজগারের নতুন উপন্যাস

भर्जिङ्गान ७,

বদি জানতেম ১০০০০ ॥ জনম অবধি ১০০০০ ॥ জলসা ২ রুপ বদল ৫০০০ ॥ অনেক বসংত একটি এমর ২০৫০

রববিদ্র প্রেম্কারপ্রাপ্ত কোন্দ্র কার্যান স্থানারোত নতুন উপন্যাস

তাজের স্বণন ৮.

লিভ : ১৮৫ • : ১৮ সালার

অবগ্রন্তান ৫, নীলাঙ্গ্রনীয় ১০, আধুনিক ৬,

কুশী প্রাণেশের চিঠিও, 🔻 ৩.৩ বেতার ৪, 🕦 আউক ২ ৫০

ডঃ ব্যক্ষালন চট্টাটোর নতা পুন্ধতিত **এল**গ বাহিনটি

বিপাশা নদীর দেশে ৬১

ं करी। श्रामाने स् ताहम रेक्टरन्तर रहना देशा |

ভূস্বগ কাশ্মীর ৬১

রতনকুমার ঘোষের প্রস্কৃত নাটক

সিশিড় ৩০০০ ॥ ফেরা ২০৫০ ॥ অমাতসা পারাঃ ২০৫০ ॥
সমত্রে সন্ধানে পাপ পালা (একাংক নাটক) ৩০০০
প্রশ্ব মিতের একাংক নাটক ॥ আলাে নেই কৈঠস্বর ৩০০০
বৰশিন্ত ভট্টাচার্যের ॥ আমায় বাঁচতে দাও সংবাদ বিদ্রাট ৩০০
শার্থ বল্দোপাধাারের ॥ আদিম ৩ ॥ গোর শার ॥ তিশ্লে ৩
বিক্রন ভট্টাচার্যের ॥ দেবী গ্রন্থা ৩০০০

ন্নীন্দ্ৰ পাইৰেনী : ১৫/২, পাত্মাচনৰ দে স্থাটি কলিকাত৷ ১২ : : ৩৪ ৮০৫৬

भारकाय नावेक

খ্যাতনামা সাংবাদিক - সাহিত্যিক

সতেবকুমার ঘোৰের

অজাতক

[প্রাঞ্জ

উংপল স্ত্র-য

ছায়ানট পরিমালিত। ০ ৫০

तारे (यन _{[यन्तर] ०.६०}

অগ্রম বহু অড়ার পাঠান

লৈলেশ গাল নিলেগীৰ <mark>অনশন ভঙ্গ</mark>াহ নিদ্ৰা ২∙০০

1000 医阿拉克氏管 1000 B

মাতুরে চোথে জল: কাল বিহস: কামধেনা ॥ ৩০০০

্র ১৮ ৬৬ গাছের (ক**হ**ক)

যান সাই প্রাণ সাই ত ৩০৫০ মন এন এন কালের

ধড়ের কাছাকাছি |প্রাঙ্গ]

·00

কৰাজ্ঞান্ত ভাল্ডাই

হায়েনার দাঁত (বহসা) ৩-৫০ কালজয়ী নাটা সংগ্রহ (২য়)

ক্ৰিপ্ৰত চু দীনবন্ধু মিল

বিশ্বন নি সালা আন্তারী বিশ্বন বিশ্বনার ভুলাসী লাছিড়ী
আলার লাইটি ং মনোরঞ্জন বিশ্বাস করে বিশ্বের বিন বাবের বিনটি শ্রেটি সাল বন্ধ : স্থানি প্র া মালা : ৬-৫০ মান বাবে আলা া গোলিক তিনটি নাটক, সোলার ক্রিটিল বিশ্বনার বিশ্বনার বিশ্বনার ক্রিটিক প্রায়ার স্থানিক বিশ্বনার বিশ্বনার স্থানিক।

বিদৰ্গ একাংক

নিনির অসংক্রান সংগ্রাট নাটক সংগ্রাম । সালা : ৫০০০ বেছি ১ তার সংক্রা : মনোরঞ্জন বিশ্বাস । স্থান : উপেল শস্ত । বাত করে এশ্বর বের : স্থানিল শুর ৪ এই সব শ্বরেডেরি : অভিত রক্তোপাধ্যায় । নানা বংগারে দিন : তাহিত্তল বংলাপাধ্যায় । বানাবার দরকা : মোহত চট্টোপাধ্যায় । কেয়াকুর : বিজুতি মুখোপাধ্যায় ।

একালের একাকে (৩য়) ৭.০০

লাতীয় সাহিত্য পরিষদ ১০ কামণ মজ্মলক দাঁট, কলিঃ ১

প্রকাশিত হল



বিয়ৰ যিন্তের নিশিপালন

সদ্য প্রকাশিত কয়েকটি উপন্যাস

শহর-ইয়ার

সৈয়দ ম্জতবা আলী ॥ ৮০০০

নায়কের প্রবেশ ও প্রস্থান

মাতি নক্ষী ম ৪-০০

क्गोवव

বিষ্ণাপ করা ৷ ৩ -৫০

ক্বেরের বিষয় আশয়

ज्ञाताच राज्यवासाह ॥ ३०-००

(প্রমিক

মনোজ বস্থা ৬.০০

স্টাদের স্বদেশযাক্রা

সমরেশ বস, ॥ ৪ - ০০

(वर्गामःशात

भारतिकृष्ट्, दर•पाशायात्र ॥ 8.00

নুনের পুতুল সাগরে

ধনজয় বৈরাগা ॥ ১০ ০০০

চতুর্থ মন্দ্রণ প্রকাশিত হল



म्बोव भाजाभाषात्रव

অর**ে**ণ্যর দিনরাত্রি

लाञ 8-00

বিশ্ববিখ্যাত চলচ্চিত্র পরিচালক সত্যালং রায় এ উপন্যাসটিকে চলচ্চিত্রে রূপ পিয়েছেন; এবং শামালা ঠাবুর, সোমিত চটো প্রধান, মিন্সি প্রভৃতি খ্যাতনামা শিশ্পা অভিনাত এই ছবিটি ম্বির ভিন্সন্তে।

উলেগ্য এ উপন্যাসটি গ্রন্থাকারে প্রকাশিত হাওয়ার মাত সাত মাসের মধ্যে এটির তিনটি মুদ্র নিংশোষিত হয়ে চতুর্থ মুদ্র প্রকাশিত হল।

এই লেখকের জার ককটি উপন্যাস •

আত্মপ্রকাশ

দাস ৬.০০



🚓 আনুদ্দ পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড

জনিক: ৫ চিন্তামণি দাস কোন। কলিঃ ৯ ॥ কোন ৩৪-৮২৪৭ বিশ্বসংক্রেন্ড: ৬৭এ মংখ্যা গণেধী বেণ্ড ॥ কলিকান্ডা ৯

নাংলা ভাষায় স্বাধিক প্রচারিত একমাত প্রথম শ্রেণীর সাপ্তাহিক

্**ড়িনিটা** ৩৬ বৰ্ষ ॥ সংখ্যা ৪৪

ভালিকার ১৩ ছাল ১০৭৬

দুশাদক শ্রীস্থাকেকুমার সরকার সংঘ্র সংগাদক শ্রীসাগ্রময় ঘোষ

শ্বরাধিকারী ও পরিচালক আন্দেশ্যাল পরিকা প্রাঃ জিল ৬ প্রদাল সংক্রম স্থানী, করিকাটা ৯ গোক টাপাটিংগোকুমান দাধ্যালুভ বার্ডক গ্রিড ও তাক শিত

> টলিকোন ২০-২২৮৩ ২০-৮১৪১

চালর হার কলিকাতার

হালিক ... ২৩,০০ হাড়েলিক ... ১২,৫০ বৈচ্চতিক ... ৬,২৫

515.3

বাহিক স্টাক ... ১৫-৫০ বান্মালিক ... ১৫-৫০ হৈমালিক ... ৮-০০

পা)ক্ষতারে

(ভারত যি মার্য)
ভারিক সভাক ... ৩০.০০
যাগ্যতিক ... ১৫.৫০
হৈম সক ... ৮.০০

ভারতের মাহিরে (জনোঞ্জনেক)

কাৰ্মিক সভাক ... ৫২.০০ যাণ্যাসক ২৬.০০ যাম্মিক ১১.০০

আসাম **তথ্যে** (বিমান ভাকে)

হার্ষিক ... ৩৯.০০ যাশাসিক ... ১৯.৫০ হৈমাসিক ... ১০.০০

দাম ৫০ প্রসা উত্তর্বদ ও আদানে অতিরিক্ত বিমান মাস্ত্র ও প্রসা

DESH .

Saturday, 30 Aug., 1969

হাৰ্থপতি প্ৰীগৰি

ব নির্বাচিত রাত্মণতি তী ভি ভি গিরিকে আমরা ন্বাগত জানাই। ভারত রাত্মের প্রান্তন রাত্মণতি হিসেবে ডঃ রাজেন্দ্রপ্রসাদ, ডঃ রাধাকৃকন, ডঃ জাকির হোনেন যে ঐতিহা স্থিত করে গেছেন গ্রী গিরি সেই ঐতিহার উত্তরসাধক হলেন।



পসক্ষত মনে বাখতে হবে ভারতের বে রাজনৈতিক অবস্থার প্রান্তন বাদ্টপতিরা ্রীদের দায়িত সাক্তাভাবে ও মর্যাদার সঙ্গে পালন করে গেছেন সেই রাজনৈতিক অবস্থা আরু নেই। বলা বাহালা নেহরাজীর আমলে তিনি একদিক দিয়ে সোভাগাবান ছিলেন। একদিকে তাঁব সমর্থনে ছিল শাক্তশালী কংগ্রেস দল আর অন্যাদিকে তারই সহ-ক্মীরা ছিলেন রাষ্ট্রপতি। সেদিন আর रनहे। धर्काम्टक विद्वाधी मन, अमामिटक ভুগ্নপ্রায় কংগ্রেস দল—এরই মধ্যে বলে যেয়ন দেশের বর্তমান প্রান্মন্ত্রীকে লায়িত্ব পালনে কুনশই এগিয়ে যেতে হবে. সেই রকম রাজ্পতি ট্রিগরিকেও নানা ল্যভার বহন করতে হবে। স্বভাবতই - শ্রীনিগরির সংগ্রে প্রাক্তন রাজ্যুপতিদের একটা ব্রু পর্যাকা প্রথম থেকেই থেকে যাচ্ছে। এ

সাঙ্ভ সামরা আশা করি, শ্রীগিরি তারি দীর্ঘ অভিক্রতা ও নার-বোধ নিয়ে এই দ্রোং কতবি সাঠ্যভারেই পালন করে যাবেন।

ভারতের রাষ্ট্রপতি নির্বাচন নিয়ে এবারে যে আলোড়ন ও উত্তেজনা সারা দেশের ওপর দিয়ে বরে গেছে ইতিপারে তা আর দেখা যার্চান। বাহত্রিক পজে, এই প্রথম—যগর্থ আগ্র্ রাষ্ট্রপতি পাদর জানা একটি উত্তেজনাপ্রি প্রতিক্ষিকে। দেখা দিয়েছিল। এবং দে প্রতিক্ষিতারে আমনা সমস্তিক্ষিতাও বলতে পার, নির্বাচনের জলাজ্যেই তার প্রমান। এই নির্বাচনের ভাংপর্য ও গারে গারের নামার্কম এব মাধা বিভিন্ন দর্শনের চন্দ্রনার ভাংপর্য ও গারেরও দেলক নামার্কম এব মাধা বিভিন্ন দর্শনের চন্দ্রনার কার্লার দেশের স্থান আহালমান কংগ্রেস লালরও আনাব্র কিন্তান প্রসাতে কিছা বিরোধী দলের স্থান জ্বালাসান কংগ্রেস লালরও আনাব্র কিন্তান অস্ত্রের্বাদিতা ছিল না। অর্থাং রাজ্বপতি নির্বাচনে দর্শনি গোলিয়ান বিস্কৃতিন কিছে আনেকের কার্ণার বিরোধী ভাল না মন্দ্রনার অগ্রাচননার বিস্কৃতিন কিছে আনাকের কার্ণার নামার কার্ণার স্থানের নামার কার্ণার স্থানির নামার কার্ণার স্থানের নামার কার্ণার স্থানের আনাকের স্থানের কার কার্ণার নামার বিরাচন করা অনাকের প্রক্ষেত্র নামার কার কার আনাকের প্রক্ষেত্র নামার কার কার আনাকের প্রক্ষেত্র আরক্ষিত করা বিরাচন স্থানের করা কার বিরাচন প্রক্ষেত্র আলাক্ষার করা অনাক্ষেত্র করা আলাক্ষর প্রক্ষেত্র আলাক্ষার করা অন্তর্কের আলাক্ষার করা আনাক্ষেত্র প্রক্ষেত্র আলাক্ষার করা অন্তর্কাত্র সাক্ষার করা করা আনাক্ষেত্র প্রক্ষার আলাক্ষার করা অনাক্ষার প্রক্ষার আলাক্ষার করা বিরাচন সক্ষার বালী করা যাহা আনাক্ষার প্রক্ষার আলাক্ষার করা বিরাচন সক্ষার করা আনাক্ষার করা আনাক্ষার প্রক্ষার আলাক্ষার করা বিরাচন

দেশের রাজনৈতিক ভবিষাৎ যাই থাকে শ্রীগিরি এই রাজের শীর্ষাসান
শাক্ষার। রাজ্বীপতি হিসেবে তাঁর একমাদ কর্ত্বীয় স্বদেশের জল্যাণ ও অগ্রগতির
লাল সম্পাণ আজ্বনিয়োগ। আমারা শ্রীগিরির হাতন অভিজ্ঞ ও ইলোগা মানুষের
কাছে যে আশা অবশাই করতে পারি। মান রাখতে হারে শ্রীগিরির কমাজিবির নানা
অভিজ্ঞতায় ভরা। তিনি আইনজা তিনি আইনসভার কাছে অভিজ্ঞা, তাঁর প্রেরণায়
সারা ভারত ট্রেড ইউনিয়ন কংগ্রেরের জন্মা তিনি এই প্রতিষ্ঠানের অনাথম
প্রতিষ্ঠাতা ছিলোন। সারা ভারত রেলকমাণ ফেভারেশনেরও তিনি গঠনকতা
ভিলোন। এছাড়া তিনি বিভিন্ন সময়ে মন্তিসভায় স্বসা হিসেবে থেকেছেন,
বিদেশে ভারতের প্রতিনিধিদ করেছেন সরবারী কমাণি হিসেবে; উত্তরপ্রশেশ,
কেরালা, এবং মহাশিরে রাজন্পাল হিসেবেও দীর্ঘাকাল নিম্ভ থেকেছেন। এত
১৯৬৭ সালে তিনি ভারতের উপরাক্ষপতি পদে নির্বাচিত হয়েছিলোন। ডঃ জাকির
হোসেনের পরলোকগমনের পর তিনি অন্থায়ী রাজ্বীপতি হিসেবেও সামায়িকভাবে
ওই পদে ছিলোন।,

নতুন রাষ্ট্রপতি নির্বাচনে জয়ী হয়ে শ্রীগিরি দেশের অধিকাংশ মানুষের সাক্ষা ও আনক্ষের কারণ হয়েছেন। আশা করা যায়—বিহুলী রাষ্ট্রপতি অভঃপর স্বদেশ ও স্বজাতির মঞ্জল ও কল্যাণের কর্মে নির্বত্তর সহযোগিতা কর্বেন। আমরা তাকৈ শুভেচ্ছা জানাই।



EXSM-CVB)

त्व गदारा अक्षारा क्या बाउड़ा कारक বা বল आभारमव নৰ্বনিৰ্বাচিড বার্ত্রপতি মহামানা শ্রী ভি ভি গিরি তা ফেথিয়ে ভাক কাগিয়ে দিয়েছেন। ফকাফক প্রকাশিত হতে দেখা গেল তিনি ভোট গোছেন কংগ্ৰেস, শ্বতন্ত্ৰ, জনসংখ, বি কে ডি সংযুক্ত সোসালিসট পাকটি, প্রজা সোসালিসট পারটি বাম কমিউনিসট পারটি, আন ক্রিটোনসট পার্রটি আর এস পি, এস ইট সি জি এম কে. ফরওরারড ব্রক, আকালি হল বাংলা কংগ্ৰেস, লোক সেবক সংঘ, মার-কসবাদী, ফরওরাড ব্লক, আর সি পি আই, প্রেরোসভ মুসলীম লীগ, ঝাড়খণ্ড পারটি এবং নিশ্চরট ভারও সব ইতাদি ইতাদি পার্বাটের চন্দ্রাটেদাতাদের ক্রান্ধ থেকে।

স্তরাং এই সিম্পান্ত নিঃসাংসতে আসা বার বে, শ্রীগিতিই ভারতের প্রথম সবাদনহাধনা রাজীপতি। শ্রীগিতির জর হোক। এবং দণচাক কীভাবে ভগবান ভাত হন, সেটা সাক্ষাজ্য-কভাবে দেখিরে প্রম্থান করার জনা কংগোল নামক একটি রাজনৈতিক সংস্থার সাক্ষারি প্রথমী শ্রীনিকাম সঞ্জীব রেভি ও ভার পরিবাধবর্গাকে আলভাবিক সম্বেদ্না জগাতী।

শ্রীগিরির জর নিঃস্পেনতে প্রগতিশীলতার জর এবং প্রগতিশীলভার জর অনিবার্ধতার ব্রক্তনটের আগমনী। পশ্চিমবশ্যের
ক্রক্তনটের বারালত ম্থামন্টী শ্রীজ্ঞর
মংখাপাধ্যর হৃষ্টীচন্তে আশা করছেন,
শ্রীনতী গাংধীও অচিরেই কেন্দ্রে ভার পদাংক
অন্সরণপর্বেক একটি ব্রক্তনট সরকার
গঠন করে ফেলবেন। শ্রীমতী গাংধীর
কথাবাতা শ্রেন ভারতের জনগণও সেই আশা
করে বসে আছে। এবং শ্রীমতী গাংধীর
জাগাণের দরজার দরজার ব্রের এইর্প একটি
মাজে বাণী তাদের শ্রনিরে বাবেন বলে
শিংর করেছেন।

গণিচমবলোর প্রগতিশীল জনগণের পক থেকে জনারাসেই এই প্রতিশ্রতি দেওরা বার বে. এই ধরনের ব্যাপারে আমাদের বরাবর্রই উংসাহ আছে।

বিশেষ করে কমরেন্ত স্পেরারা বধন সব্জ বাতি দেখিয়ে দৈরেছেন, তখন আর আমাদের নিব্ধা বা সংকোচ কিছুই থাকতে পারে নাঃ ক্যরেন্ড স্কোরামা মারকসবাদী



কমিউনিসট পারটির পালটব্রের সিম্বান্ত বোরণাকালে অতি স্কর্ভতবে বলেছেন, শ্রীমতী ইন্দিরা গাল্বী বলি কংগ্রেসের গাল্তান্ত্রিক গোল্টীকে নিরে সরকার গঠন করেন, তবে মারকসবাদী কমিউনিসট পার্মটি ভাকে সমর্থন জানাবে। শ্রী ভি ভি গিরির ভার চরম প্রতিভিয়াশীলাদের বিরুদ্ধে জন-সাধারণ রু গণ্ডান্ত্রিক শ্রির জর।

আবরে এই বন্ধবাটাও এই সপো শানে
নেওরা বাক : "শ্রীমতী গাণধী তাঁর দেশকে
সেবা করবার এবং একাশত প্ররেজনীর
সামাজিক ও অর্থানৈতিক সংশ্কারের
স্থানিগতি ও বাশতবস্থাত কর্মাস্টী
র্পারণের মাধামে তাঁর দলকে ঢেপে
সাজানোর এক চমংকার স্বোগ পোরেছেন।
এরকম একটি স্বোগ আর না আস্তেও
পারে।" না, এটা পলিটব্রের সিম্ধাশত
নর, সাম্ভাজবাদী আমেরিকার সব থেকে
প্রভাবশালী পহিকা নিউ ইয়রক টাইমসের

স্বেশ্য বখন সম্মতে ভখন আর তা
নিতে বাধা কি? ভান কমিউনিসট পার্নটর
সেনট্রাল সেকরেটারিরেট প্রকিশপন্থী প্রতিজিলাশীল শান্তর বিরুদ্ধে 'গণতন্দ্রী' কংগ্রেসীদের জেটে বাধার আবেদন জানিরেজন।

অবিশা বর্তমান লোকসভার দলগও
দারির যা অবস্থা ভাতে শৃথুমার পাণতন্টা?
কংগ্রেসীরা কোটে বাধলেই বে কেল্লা কতে
হবে তা নর, ওই সংগ্য প্রধানমন্তীকে আরও
গোটাকতক প্রগতিশীল দলের সংগ্য জোট বে'ধে বে কাজ হাসিল করতে হবে, এক্ল।
না বললেও চলে। ক্যা ইক্লে, কে
বা কালা এমন প্রগতিশীল?

পশ্চিমবশা ও কেরলে বে দুটো ব্রুক্তনেট সরকার আগাতত বহাল আছেন তাদের অবন্ধা ক্রমণই তো দেটা বাসের মউ হরে আসহে—বন বন ব্লেক ভাউনের আলক্ষা।

কেরলে বিধানসভা মূলতবি করে দিভে মাননীর দিপভার মহোদর বাধা হরেছেন। কারণ, কমরেড এ কে গোপালনের মতে কেরলে যুক্তমন্ট ভেঙে পড়েছে। কেরল কংগ্রেসের কোট বেসবজারি প্রস্তাব সি পি আই আর এস পি. মুসলিম লীগ এবং ভারতীয় সোসলিসট পারটি (এস এস পি'র ভালালে) সমর্থন করার এই সংকট দেখা দিরেছে। প্রিট্রারো দ্ব-সর দল পি সি পি আই-এর ষ্ড্রেকের ফাঁদে পা দিরেছেন, ভাদের সভর্ক করে দিয়েছেন। কমরেড গোপালন আশব্দা ক্রাছন সি পি আই ও অন্যান্যরা বুজাপালকে সরকার তেপো দিতে বলতে ক্মরেড अ स्मृतासः व्यक्ताचन পারেন। সরকার ভেঙে গেলে יפועיםי সংগঠিত করব।'

এদিকে পশ্চিমবশ্যে বাম কমিউনিস্ট পারটি ব্রক্তনত সরকার বিরোধী চক্তাকর প্রতিরোধ করবার জনা পঞ্চাশ হার্মার ক্বেক্সেসেবক বাহিনী গড়ে ভূপাছেন। এই ক্বেক্সেসেবক বাহিনী ব জপ্য নিরেছেন ভার মূল বরান ঃ "ব্যক্তনট সরকার বিরোধী চক্তাক কিছুতেই বরদাসত কবা হবে মা—ভা সে বে-যুগেই আস্ক্র না কেন"—

এতগঢ়িল বয়ানের যে গফলে সি পি আই-এর অবস্থা কী দাঁড়ার, তা দেখেই কি প্রধানমন্ত্রী তার নতুন সবকারের পারটনার নিরোগের কথা ভাববেন ?

भूना भूबान?

মারক্সবাদী কমিউনিসট নেডা
শ্রীজ্যোতি বস্ বলেন (বিভিন্ন প্রসতিশাল দল নিরে গঠিত) এই বৃদ্ধ মোচা
গঠিত হবে একটি শ্নাতম সাধারণ
কর্মস্টোর ভিত্তিতে।—ব্যাশ্তর, ২০
আগসট, প্নটা ১

বে নদী মর্পথে

বা হৈর থেকে দেখতে গেলে চেকোক্ষোভাবিয়াতে ১৯৬৮-র একুণে আগল্টে আর ১৯৬৯-র একুশে আগল্টে এমন কী ভফাং? গোল বছরেও প্রেসিডেণ্ট হিলেন স্ক্রোলা, প্রধানমন্ত্রী ছিলেন চানিক এ বছরেও তাই: তফাতের মধ্যে শাধ্য এই আলেকজান্ডার ডবচেক ছিলেন ক্যানিস্ট প্রের সেরেটারি, এখন ভার কারণার এসেছেন দলের কর্তা হয়ে গাস্তাভ হাজাক. জাতীর পরিষদের অধ্যক্ষ সেবার ছিলেন স্মরকোভাস্ক, এবার ভবচেক। আরও কিছ. রুণবনজ্ঞ, অবশ্য হয়েছে, হেমন পাটির প্রেসিডিয়ামে অধাৎ সভাপতিমণ্ডলীতে আর মিকিসভার। সভাপতিমণ্ডলীর সদস্য সংখ্যা একশ থেকে কমিরে করা হরেছে এগারো, পরেরদোরা কেউ বা আছেন, কেউ বা গেছেন। নতুনও কেউ কেউ এসেছেন। বলা বৈতে পারে এ সব হেরফেরে অবাক হবারই बा की बारह? वाशिखदर वा की वारह? অন্য দেশেও তো এমনই হয়, বে সব দেশে ক্ষানিক্ষা নেই সে সব নেশেও। বিলেভে আমেরিকার, ভারতবর্ষে, জাপানে—কোথার **না মাকে মাকে মন্দ্রসভার অন্সবদল হচ্ছে?**

ক্রিন্ড ক্রেবল বাইরেটা দেখে বিচার **স্বরলে রাজনীতি-কটেনীতিতে ঠকতে** হর. **ক্ষ্যানিস্ট দেশে তো বটেই, আনেক** অক্স্যানিস্ট দেশেও। ক্স্যানিস্ট দেশে ক্ষমতার সিন্দুক যার হাতেই থাকুক না **কেন চাবিকাঠিটি পাটিরি হাতে।** সে কাঠি ভাৰ হাতে গেন্ধ বছর ছিল বলেই ডবচেক ভার নতন উদার নীতির সাধাক রূপ দিতে পেরেছিলেন সরকারী কমরিম আর আইন-কান্নের মধ্য দিরে। একুশে আগস্ট পর্যস্ত চেকোম্পোভাকিয়াতে ক্ষ্যানিজ্মের বে **রুপান্তর ঘটেছিল তা স**ম্ভব হরেছিল পার্টির পরজা নদ্বর সচিবই তার মলোধার ছিলেন বলে। রাশীরা সে দেখের ব্যক্তর গুণর সৈন্যসাহত অস্তশস্ত্র নিয়ে চেপে ৰসার সংখ্য সংখ্যেই কিন্ত তার হাত থেকে চাবিকাঠিটি কেড়ে নেয়নি, ভার ওপর লোকের অসাধারণ টান দেখে। তাঁর আর তাঁর সংগীসাথীদের মাথার ওপর কামান বন্দাক উ'চিরে তারা কাজ হাসিল করার বাবন্থা করেছিল। ভবে ভারা সংযোগ খ্'জছিল ভুৰচেকের হাত থেকে চাবিকাঠিটি কেড়ে নেবার। সতেরোই এপ্রিন্স সে স্যোগ এলো। পলের নতুন পরলা নদ্বর সচিব হলেন হ্রভাক, ক্মতার চাবিকাঠি হলো ভুবচেকের शाउद्यापाः

কাজেই বাইরে থেকে দেখে বদিও মনে হল্পে এমন কী আর বদল হরেছে এই এক বছরে চেকোস্লোভাবিরার আসলে কিম্তু হরেছে জনেক কিছা। হঠাং বদি দকুল-ভাঙা আসন বৈগে পাগলপারা ছটে-চলা নদী



দেবরাজ

শ্কিলে বল, ভাইলে স্বভে জানি লেমন দেখতে দেখতে মরভেমির মত খাঁ খাঁ করে তেমনই হরেছে চেকোলেলাভাকিয়ার। কাইরের ঠাট ভার হয়তো বজার আছে কিন্তু কেতবটা करण शिखाक। शिखाक वना त्याम इस कन रामा- এখনও कालाइ। न्यायामा जानिक নিজের নিজের জারগার আজও আছেন তো জেলে কিংবা শিবিরে নেই! ছব্র কিন্ত ভারা হ ক ব भरधाडे । ठिक হোক. ভুল হোৰ নিজের পথে চলতে তাঁরা জার পাছেন না, ভাঁদের চলতে হচ্চে রাশিয়া ভাঁদের জনো বে সভক তৈরি করে দিকে তাই বেরে। তারা বে ছক এখন দিয়েছ তাই ধরে। বাঁদের হাতে আঞ্চ ক্ষমতা ভাঁরা উগ্রপাথী সকলে নন, কিন্তু মর্ল্যাকরানা করছেন মানকাভন্তা উপ্তপ্তবীরাই। হাজ্ঞাক ঠিক সে দলে পড়েন না ভৰে মানবিক কম্যনিজমের আদ্রেশ তাঁর বিশ্বাস নেই। শোনা বাচ্ছ তাঁকেও সরিয়ে দিরে কটুর মদেকাপদ্যী দুটুগালকে ক্সানে হতে ভার

র্শীদের মাশকিল ভবচেক-স্ববোদা-চামিক-হাজাককে নিরে নর, ভারা ফাঁপরে পড়েছে চেকেন্সেলভাকিয়ার সাধারণ মান্ত্র-দের নিরে। কিছাতেই তাদের কশে আনা যাছে না। একুশ বছর কম্যুনিস্ট রাজছের পর সে ফেলে তে৷ আর প্রতিভিয়াশীশ শোষক শ্রেণী বলতে কিছু নেই যে ভানের ওপর দেবে চর্লিয়ে দেওয়া বাবে, আঞ সেখানে বা হাজে ভারে জনের। বেংকে প্রতিষ্ঠেছে ছাত্র-ছাত্রীরা, তর,প-তর,গীর: করম নর মঞ্চারেরা। ভ দেৱ দর্গিত্রেছে দেখকেরা, সাংবাদিকেরা, রেভিওর ভাষাকারেরা। এরা সবাই উদারতার নদীতে উজ্ঞান বেয়ে চলেছিল প্রমান্দে। রুশীদের क्षाः जन्मामरात वांध वधन स्म नमीरक বে'ধে ফেললো—তার বাকে জেগে উঠালা চড়া—তথন তারা গোড়ার হলো হতভন্ত তারপর হলো হুম্থ। কিন্তু রাগ করে তরা कतरव की? এकालाद भारतगारकात मध्य তো আর দ্য-চারটে বোমা-বন্দ্রক নিষে পেরে ওঠা বাবে মা। ভেতরে ভেতরে ভার গ্রেমকে মরতে লাগলো। রুশীদের ওপর তাদের হলো বিজাতীর ষ্ণা। মাঝে মাঝে ভুক্ কারণে ভারা ভাই ফেটে পড়ছে ভীর

িবিক্ষোতে—বৈধলার মাঠে, মাতের জাসরে, সিনেমা-থিয়েকটারের হলে।

সরো চেকেন্ডেনাভাকিরতে আরু চরেন্ত দীরব প্রতিরোধ। অকল আলোগে লোকে वाचनीक्रम करत शिक्रामा निरक् मिरक्रास এপর নিজেদের স্বাভন্তা রক্ষা করতে পার্থন কলে। পূৰ্ব ই**উ**রোপে লিলেপ ভারাই ভিন সৰ চেরে এগিলে। এই এক বছরে গেটা দেশটা দেউলে হডে চলেছে। কলে কারখনার क्ष शरक वरते, किन्छ स्नारक कारक गर तिहै, कार्क्ष **डि**रशान्तित काल कालह পে¹ছলো বাছে নাঃ জিনিসপ্ত সৰ দ ল'ল হয়ে উঠেছে! কোনৰ কোনৰ কাৰণালে নাকি উৎপাদন শতকরা ৮০ ছাল কা গেছে। দোকান সম খালি। পোলাও থেকে আমদানি করতে হচ্ছে কাকা অস্থিয় रथाक रामकाहै। अवह को रामामन को দ্ৰটো ভিনিস্ট চেকেকোভ কিয়া ৰুক্টান করতে: উৎপাদন এভ বেশী হছো। খান্ত ন্দিনিসেরও অভাব দেখা দিরেছে! ছাংস্ আর ডিমের বোগান লারাণ করে গিবেছ। তৰে কারখানার ৰতটা অশানিত দেখা হাক মজ্বেদের মধ্যে ভত্টা ক্ষেত্থমেরে রেই ' ন থকলে কীহর, সেখানেও সর্বতী কড়াকড়ি আরু বিধিনিবেধ নিরে *চেংব* বেধেছে ৷ রাখ টেনে ধরার ফালে চাবীদের উৎসাহ কয়ে বাজে বা বাডছিল ভবচেকের উদার অর্থানীভির আমলে।

একুশে আগস্ট গোছে চেকোন্সোভা-কিয়তে রাশিয়া আর ভার সাপোপাপোনের অভিযানের হারিকী। মুস্কার **অ**শেকা আর পশ্চিমীদের আশা ছিল সেদিন একটা সংঘটিক কিছু হয়তো হবে। সে **জাশ^{6ক ৪}** সূতি। হয়নি, সে আখাও পোরেনি। বেকা গেল রুণীদের দাপটে মাথা ভোলবার শ[ে]র চেক আৰু স্থোভাকরা হারিরেছে। তই বলে ভারা হাল একেবারে ছেড়ে দের্মন প্রতিরোধের জাগানত একেবারে নিতে যাক্তি। সেদিন ভারা রাশীদের ধিকার দিরেছে শহরে শহরে, অহিংস উপারে জ্ঞানিয়েছে ভাদের অভিযানের বিধানেশ প্ৰতিবাদ। সকাল থেকে লোকে গাড়িতে ^{না} চড়ে পালে হে'টে গিরেছে ৰে যার কালে, প্ৰুলে, কলেজে ও কারখানার, থিয়েটারে, সিমেমার, রেস্ভোরার কেউ বার্যান, কারখানার কারখানার হরেছে প্রভীক ধর্ম ঘট। কড়া হক্র ছিল সরকারের সেদিন বিক্ষোন্ত না দেখাবার। বেশীর ভাগ লোকেই তা মানেনি। একসিন নর তিনদিন ধরে চলেছে শহরে শহরে বিক্ষেভ, গ্লিও চলেছে, লোকও লারা গেছে। নতুন করে কড়া আইন জারি করা श्राहरू क्रवाक्षा अनुभविद्धाक्षीरमञ्जू "भारतन्त्रा कतात्र जस्मा । जात्र अवसदे जमुरुकेत भरित न ভাতে সই আছে স্ববোদা, চানিকি আর ভূবচেকের, হ্লাকের নর, স্ট্রাজেরও নর! तिरमधी लीला स्थला

দেশীর আমানের বালনীতিতে নাক वि शनारक्त. छ जारका - এ প্রসা कांस्टबान वर्शामध्यतः। शामधिक व्यवसा এইবক্স অভিবোগের মাত্র কিছাটা কেডেছে। চত্ত্র সাধারণ নির্বাচনের পর্ট পারকানেনটে ্ত্রতার ও নিয়ে ভোর ছইচট হয়েছিল: বহ প্রজা বার্লাছকেন, নির্বাচনে বিদেশী টাকার হেলা চলেছে। রাগ্রপতি নির্বাচনের কারক-দিল আগে দিলিকতে করেকজন বামপ্রথী নেতা বিক্তাত দিয়ে বলেছিলেন আম দেব রস্কনীতিতে বিদেশী চাপ বাডছে। এবং এই সেবিন, রাষ্ট্রপতি নির্বাচনের পরে লোকসভার আবার বিদেশী টাকার অরাঞ্চিত জনপ্রেশ নিরে জোর বাকবিত ভা হার 75年1

আমানের রাজনীতিতে টাকা ঢাকার বা মাৰ গৰাবার অভিযোগ যে বিশেষ চুডানও তক্তি রাজের বিরয়েশ তেমন নর। অভিযে গ चारकहरे नारम—भाइकिन याङ्गलेखे दानिकाः চীন, পাক্ষভান প্রভাত অনেন্ত্রট নাম লোল গিরেছে এই প্রসংপাঃ খাব হালকা থেকে জভালত গারাজপাণাঁ, সব রক্ষেত্রই অভিযোগ উঠেছে একের বিবাদ্ধ।

ৰারা এই সর অভিযোগ তোলেন ভাঁচের মধ্যে জৰণা মোটামাটি একটা ভাগ ছিল এর আগে। কমিউনিসট এবং তাঁদের অন্সংঘীর অভিযোগ তুলভেন দাধ্য মার্কিন হাভুর্ত্নীর বিরন্তেশ। আরু অক্মিউনিস্টরা বল্তের কেবলমতে রাশিরা এবং চীনের নামে। সংগ্রতি অবশ্য এর কিছাটা হোরফের ঘটোছে। বেলন, সি পি আই (এছ)-এর নেডারা এখন चात भारा प्रातिकत गास्त्रताचीत राज्य वासर না। ভারা এই প্রসংখ্য চীনের নাম ক্ষেত্রাখ্যালিই উচ্চারণ করেন এবং রাশিয়া সম্পর্কেও প্রায় প্রকারণাই অভিযোগ আনেন। হণ্ডা পাঁচেক আগে সি পি আই (এম)-এর শ্রীরামম্যতি এবং এস এস পি'র শ্রীমধ্যলিমার: একটা ব্য়ে বিব্যতিতে দেশবাসীকে ব্যামান

ट्याक-ह-दर-कि"

-बारक चाजिएक नाबार्यमा) जार्यानक कन्द्रोड़े हीक हो। ए-६०

२। वैश्वीत्रमाननाम माना के 8.00

ৰাংলা ভাৰাৰ একমান বই मिथक ७ शकामक : श्रीमध्यात्मम सक्रायमस বি. এস. ই (মিশিগন), এম. এস (ইলিনর) ১৬ বি জি রোড, হাওড়া--৩, পণিচমবল षणीय क बरकमानि कन्तु विकि निद्याः

(সি ৬৮৬০)



বিদেশী প্রভাব সম্পর্কে স্তর্ক করে দিরে-রুমম,তিকে 8 60 ছিল্লান । হয়েছিল, অংপনি কোনা কোনা বিদেশী শ্লির কথা বলেছেন? সি পি এম নেতা कताच निरासिक्तमाः देशातिक, तानी, व्याधना সব। মূর ভ্রারত ব্রক সম্প্রতি খোলাখালিই লত্তিল এবং রাশী হস্তক্ষেপের কথা 2 6 3F 1

সি পি আই-র জভিবেগ অবধ্য শর্মে প্রতিয়া রাজ্বীয়ালির বিরয়েশ্ব। ভারা চীনের খোলাগ্ৰন্থ কাল্য। কিন্তু রাশিরা সংপর্কে তোৱা আজ প্ৰাণ্ড একটিও 'খারাপ' কথা টেলাবৰ কাংছেন বালে কেউ কথনও শোনন লি। তেমনি সি পি আই (এম-এল) চীতের িধ্যান্ধ কিছাই বাজন না। ছালের অভিবোগ <u>"অংকা-অংগবিকান সামাজাবাদ</u> X. K. রুশী সামতিক म्बाक्य वास्त्र 32.2 वितास्थ।"

দ্রভার এবং জনসাংঘর অভিযোগ প্রার স্থ সময়ই কমিউনিস্ট রাষ্ট্রবাল সম্পর্কে! ভাস্ফ অবসং পাকিস্তানের বিশ্বাংশও কড়া কড়া কথা ব্যৱসন এবং মাঝে মধো পশ্চিমা ছিল্য বাঁদের সম্পর্কাও অভিযোগ ভেবেলন। আৰু কংগ্ৰেস নামক বিচিত্ৰ রাজনৈতিক দলটিটত যে*হে*ভু এস কে প**িতল থে**কে অঞ্ন অরোরা প্যশিদ্ধ সক্ষেই আছেন, সাহরাং কংগ্রে**সর পক্ষ** থেকে লুই দিকের বির্দেশই অভিযোগ জানে:

আমানের সরকার কি বলেম 🕁 প্রসাপো 🖰 ভারি স্বস্থিনা স্বীকৃতি না জস্বীকৃতির মধাপাথ্য অবলম্বন করে চলেন এবং প্রতিবারই প্রতিশ্রতি দেন : বিদেশী প্রভাব থবা করাব জনা সর্বভোভাবে চেন্টা করা হচ্ছে, বিদেশী অর্থ আগমনের বিরুম্ধে কঠোরতম ব্যবস্থা অবলম্বনের কথা ভাবছি!

विरमणी कर्ष करा किरमां एका एक এদেশে চলে ভাতে আমার অন্তভ কোনও সদেহ মেই। এবং, আমি এ সম্পকেও নিশ্চিত ৰে পশ্চিমা এবং ক্ষমিউনিস্ট দুই পক্ষ আমাদের রাজনীতিতে বেশি করে নাক গলাতে উদ্যোগী হরেছেন। ভারত সরকারের

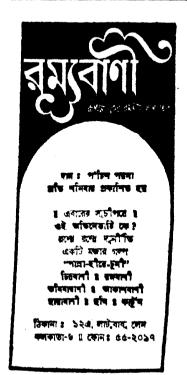
VD-0733 ক্ষরধার্মন বিলেকী চুক্তক্ষেপের

जन्दीकार करता मा।

কোনৰ বিদেশী দুতাৰাস ৰদি আইন-সিম্ম উপারে এদেশ সম্পর্কে খনরাখনৰ সংগ্ৰহৰ কেন্দ্ৰী কৰেন জ্বাস্থ্ৰ আপ্ৰতিৰ ভিচাই থাকতে পাবে না। এ বাক ছালের এতিয়াবেরট চেডবে। কিন্তু রখন ছবি। গোপনে খবর ভেওরার বা গোপন সরকরে ভথা সম্রেহের চেন্টা করেন ভবন আইনের সীয়া ছাড়িয়ে ব্ন-সম্পূৰ্ণ বে-আইনী वित्राक्नारम निष्क इत।

শ্বের এইটাকু বে-আইনী কাল করেও আবার আনেকে সম্ভুন্ট মম। ভারা নাক। আভাতত্তীৰ বাসাৱেও চস্তকেপ করতে खेटणाशी हम। अ ल्यांच बाह्ममाछि. অধ্নীতি সৰ বিভাৰেই প্ৰভাবিত করছে চান এবং সেই জনাই নানাভাবে আম.দের ব্যাপারে নাক গলান, টাকার খেলা খেলেন। এট ব্যাপারটাই স্বচেরে অপ্রতিজনক। এবং वारे एक्ना एवं एटएनरे विस्तृतीया हामारक পরেবেন দেই দেশেরই সর্বনাপ হতে বাধা।

বে দেশ আভানতরীগভাবে ৰক দৰেশি বার রাজনাতি যত অদিধয় এবং বালী-পরিচালকরা বত বেশি স্বার্থানেবরী বিদেশী-দের দাবাংকোর সারোগ সেই দেশে 🖼



(সি ৭০৬১)

বেলি। ইতিহালে বার বার বেখা গিরেছে বিভিন্ন বিবেশী স্বাহা এই সব সংক্রেণ নিরে নানা কেলের সর্বনাল করেছে। ভারতেও বে আরু বিনেশীবের লীলাবেলা বাড়ছে সেটা ভারতের এই সব গ্রহাতার সংবোগ নিরেই।

শ্বিদ্ধান বিধ এই বিদেশী লীলাংশলা বিশ্ব করতে না পারি ভাহতে আমাদের করতালা হতে বাব্য। আমেবিক ই হোক, রাশিরাই হোক—নিজের দেশের স্বলের আছেই প্রথম। বেখানেই ওদের স্বার্থের স্পেশ ভারতের স্বার্থের সংকা ভারতের স্বার্থের করতার আশংকা আছে বলে ওরা মনে করবেন সেইখানেই নিজেদের শ্বার্থে আমাদের কতি করতে এগিরে বাবেন!

ভারত যদি আফ্রিকার কোনও প্রান্তে একটা ছোট দেশ হত তাহলে অবশা এদেশকে নিয়ে বড় রাষ্ট্রগর্তা মাথা না মমিরেও পারতেন। কিন্তু ষেহেতু ভারতের এই গ্রেম্বগ্র ভৌগোলিক অবস্থান বেহেডু ভারত বহু কোটি মানুষের একটা বিরাট দেশ এবং বেহেডু শক্তিশালী দেশ হিসাবে দাড়াবার মত স্বোগ e সম্ভাবনা ভারতের যথেষ্ট ররেছে সেই জনাই বৃহৎ রাণ্ট্রগাল ভাদের নিজেদের অর্থ-নৈতিক, রাজনৈতিক এবং সামরিক স্বার্থে ভারত সম্পর্কে এত আগ্রহী—নিজ নিজ স্বাথেটি ভারতের বর্তমান ও ভবিষাত পরি-চালিত করতে ব্যগ্র। ভারত বন্ধি নিজের পারে নিজে দাঁডার, ভারত বদি দশ বিদ বছরের মধ্যে ব্যাপকভাবে বিদেশী বাজারে নামে, ভারত যদি শৃংখ্ নিজ স্বাথেটি ভার বৈদেশিক নীতি পরিচালিত করতে পারে ভাহলে যে বহু বড় রাজ্যেরই ভাতে কম- বোল কতি হবে নে সন্পক্তে সন্পন্ন নেই। সেই জনা এই সৰ বড় রাজা নিশ্চরই চাইনেন না ভারত নিজের পরে বাড়াক, বিজের নীতি সন্পন্ন নিজ স্বাচর নির্বারিত কর্ত এবং বিশেবর অর্থানীতি ও রাজনীতিতে এগিরে বাক।

এই জনাই, বে বড আলাদের সাহাবাই
কর্ন না নিক স্বাধের কথা কব সময় তাঁরা
ভাবেন এবং সেইভাবেই কাল করেন। ব্র খোলাখালি বললে বলভে হর, আমেরিকা হোন, রাশিরা হোন আমাদের সাহাবা করার পেছনেও তাঁলের স্বাধাব্যাখাই সবচেরে বেশি কাল করেছে এবং করছে। তাঁরা সাহাবা করছেন, আমরা নিশ্চরই কৃতক্স থাকব; কৈত্ কৃতক্সতাবশত আমরা বেন একবারও মনে না করি বে তাঁরা নিছক প্রহিত্তে প্রাণ দান করতে এগিরে এসেছেন!

*

সরকারের পক থেকে প্রারই বলা হর,
বিদেশীরা আমাদের আভ্যুন্তরীণ ব্যুপারে
নাক গলাচ্ছেন জানতে পারলেও তাঁদের ধরা
কঠিন। সাঁতা কথা; বহু ক্ষেত্রে বিদেশী
লীলাখেলা জানতে পারলেও ধরা ফঠিন।
কারণ তাঁরা হৈ সব খেলা খেলেন বহু ক্ষেত্রেই
তার কোনও প্রমাণ রাখেন না। ধর্ন,
নারকিন সি আই এ ডি এম কে বা মিজো
ন্যাপনাল ফুনটকে টাকা দিল অথবা র্শ কে জি বি সি পি আই-কে টাকা দিল—
এগালি আভালে ইণিগতে জানা গেলেও ধরা
অসম্ভব। কিন্তু সদিজা ও দ্যুত্রতিজ্ঞা
থাকলে সরকার নিশ্চরই বিদেশীদের লীলাখেলার স্বোগ অনেক কমিরে আনতে
পারেন।

mus wer, we facially acre winers create scenario for an नाराया निरमान परन ? रहा कि कि शामिता अवर डीटमंत्र कात स्वरंक कर महात निरम्बर ? किन्सू कविकेशियते हार्लंड समूह रक्ता गरक कथन सून वा डीगर किंग केंग्रं किरशक्तारम पाँडि स्थाप स्थाप निर्देशस्त ? अब वर्षः मानकिन गुण्यास्थे। ज्ञान अब भीव जाक्काकाक बाल हानात्काः किन्छ क्षाम ब्राम या डीम निरमात प्रायात নিয়েছেন ভিনি? প্রায়-ভূবত ভ্রালন ধ্যা আমেরিকার কাছ থেকে অক্রতিকা নিতে. ছিলেন, ভাষন তিনি ক'জন মার্রাকন সৈনা রাশিরার চুক্তে শিরেছিলেন সেই সংগ্র <u>এখন ৰে আধা-স্বাধীন (রাজনৈতিকভারে)</u> পশ্চিম আৰুমানী সেও কি ভার সং কলকারখানার ইংলেজ বা মার্যাকনীদের ध्वरचं स्वा३

আর জালাদের দেশে? হিসেব নিংক হরত দেখা বাবে প্রতি লক্ষ্য জনার বা হ্বল খল দেওরার সংশ্য আমরা একজন মারতিনী বা ব্লকে অকতত একমাস এনেশে বসরাস করতে দিরেছি: পাঁচ বছরেও আমাসের দেশের হেলেরা কলকরখানার কাষ্ট্র পরেও সব কলকরখানার বিদেশী বিশেবজ্ঞ অভ্যাবশার কিলেনী মান্তই গ্লেতর বা চক্লাককারী; তবে, এটাও নিশ্চরই সকলেই স্বীকার করবেন বে, নশক্ষন ভালো বিদেশী বস্বাসের অধিকার পেকোই মা ভার মধ্যে একজন খেলোয়াড় পাঠাবার স্ব্রোগ মেলে।

শ্বিতীয়ত, বে সব প্রতিতান বা গালপাঁরিকা কোনও বিদেশী পাঁজির হরে ওকার্লাও
করে বা তাঁনের স্বার্থে বিকৃত বা অসতা
সংবাদ সরবরাহ করে তাঁনের অর্থাগনের স্ব ধরা বার না? রাজনৈতিক গলের আরব্যরের
হিসাব চাওরা না হর স্ভব নর; কিন্তু জনা বে কোনও প্রতিতান বা প্রপাঁরিকার হিসাব নিশ্চরই আইনমতই সরকার পরীক্ষা করতে পারেন। আরেরিকান বা রুশ অর্থানিকেলা বে সব প্রতিতান বা প্রশাহিকা চলে স্পোলর আর বারের হিসাব বলি সরকার প্রকাশের বাবন্ধা করেন ভাগলেই আনসাধারণ ভাবের প্রক্রণ চিনতে পারেন।

এমনি আরও কৃতকণ্তি ব্যবস্থা নেওর। বার। বার কলে বিদেশী লীলাবেগা সম্পূর্ণ বধ্ব না হলেও ক্মতে বাব্য।

চ্ডাল্ড বিচারে অবলা একথা ঠিক বে বডদিন না দেশের মানুব জাতীর ক্রার্থ ব্রুবেন, বডকল না বিদেশী সাহারাপ্টে রাজনৈতিক দল ও নেতাদের সম্পর্কে সভক হবেন, ডডদিন বিদেশীদের লীলাখেলা কেউই সম্পূর্ণ বংধ করতে পারবেন না।

नवात्र्व गर्ञ्ड

रमवी हन्मुग्रु अ

बाद्गीन्सनाथ मारमदं नष्ट्रन উপन्যान । ४.००

পটভূমিকা যাপ্তবংগের, মোগল বংগের চেরে অনেক বেশী ক্লমকালো, কিন্তু ক্লীবনরকাণা ঠিক আজকের দিনের। ইতিহাসের নতুন পরিপ্রেক্ষিতে একটি রোমাণ্ডমর প্রণরমধ্রে উপন্যাস।

दबग्रेम - এর সর্বাধ্নিক প্রক্ষ

जाना यान्य कार्ला द्रङ

সভা খেতকারদের নাগপালে আবদ্ধ কৃষ্ণকারদের সক্ষর্ণ কাহিনী। সাম ৭.০০

সিয়া একটি গোপনচক্র

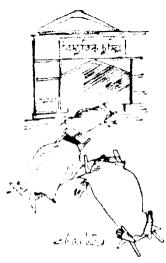
দেশে দেশে কর্মাচন্তল মার্কিণ-গোরেন্দাচক্রের কাহিনী। V.00

প্ৰাইমা পাৰলিকেশন্স । ৮৯ মহাত্ম গান্ধী রোভ, কলিকাতা ব

'সামাজিক দায়িছ'

কাল টেনর একটি ফার্টকাল কাষরার

(ব) আমি আরোহণ করেছিলুমা। অবলাই
নির্ভর প্রসাল নর— ও হলে এমন বোক্রমো
আনি কম্যাই করতুম না। কোনো এক
প্রতি স্পার অতীতে এই সব গাড়িতে
প্রাঠাখা বোধ হয় থাকত, গ্রনীত গাকত
বাল যেন সপ্রের হয় থাক। কোকাল টেনের
ক্রানী রামে চড় মন্তি বেলভ্রের কিছঃ
মন্তন কর, হস্যতা বা মধ্যিত
ভানিকর কিছ, মুনুস্ন্ত ল্যানন্য তা



জামৰা না মৰলে বৈদল্ভিক চুলিতে জং ধৰৰে মে

ইয়ে হৈই এনই নাইট্রেন সংকর্ষণ হ'ব ই বিলেশ্য কৈই এট্ড হৈছি জাক লগতে না কিই ইয়েকটা কেই স্বৰু আনন্দ্ৰা বিচছু বিলক এক উন্দিশ্য কোনে কালা নিল্লান ইয়েৰ সংক্ৰে লাখে না—ইচ্ছা স্থায় কটে কিই এবং কিনেয়া কাল ক্ষুক্তা নিয়ে উদ্ধানত কালোচনা কৰে।

আনর ভাতে কিছা আসে মহন না—
বিশেষ করে নিজের প্রসায় হথা চিকেট
কিনি নি: আর ট্রেন হথা ছিল সেকেও থেকে এক মিনটের ধেনি থানে না এবং ইলেকট্রক কোচের হেছে পা দানী নেই, সেকেতু গাড়ি থানবা মত্র যে-কোনো একটা মোলা দরজা পেলেই চাকে পড়তে হয়, প্রাণের দায়েই চাকে পড়তে হয়,

কিংছ রেলতত্ত্বক। আনি অন্য কথা জাজিল্যে।

সেরিন আমার কপাল খালেছিল। পর পর



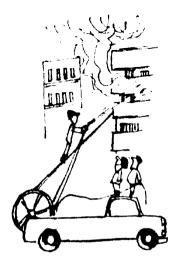
দ্যা দিন ছাত্রি, কালেই গাস্টতে ভটিত কৰি ছিল না, কালি কালত পেরেছিলান আনার সংগা এক সানে ছিলেন আর এক পতি, তার আর অসার নাধ্যতন খানিকটা খালি ভারতাত জিল।

নিবলৈ কৰাক এক ক'বা ছেওঁ ছেওঁ কথা নিহে কৰাব ল উঠিছিল। আনত সং সদাবসী কৈ কঠি, আল সহল একটি ডিটেই হালেশাই, কলে নিম্বাৰটো সাধা। দৃভি, কাল কিছেই হ'ব ব্যাক ডিং কল ক'নিক্ত ছ'বি ব্যাকীকল ডিলি, ডিন এবং ভাছা কলা, স্বামিকল কোন টিলিকল ক্ষিত্ৰ কলা কলা হ'ব সংক্ৰিটি

ত্য বিন্তু বংগাদাকে তেওঁ কর্মারী
মৃথা, কে তিনি কড় ক্সি কড়ি সংগ্ৰহাতী
কাৰে, কো তেওঁ তাই ক্ষেত্ৰিক আমিকাৰা
কিন্তু সংগ্ৰিকাৰী, শ্ৰেকী কোনে এবং কাকাল-ব্ৰেকা নিশাক্ষিত বিজ্ঞান এবং কাকাল-ক্ৰেকা নিশাক্ষিত হ'ব কাৰে এবং কাকাল-

্ৰমেয়াম, তিকি ক্রডেন্) । ২০,৮০, তৈয়ে। ব্যাস্থাক কিলে ক্রডেন্সাল

्रिके राज्या भेक व्यक्ता



আহাগুন না লাগলে কালার ছিগেড কম্মীরা বেকার হবেন

কোৰো বন্ধ তো গ কোণা কালে বসৰে গ

িলিঃসংশ্বহ। চলংখ শানে হৈ না বসকে ক্ষতিক তেও ভারই।

াজার মেকোত যে ফেলছেন, কেট পা**-টা** বিভাল---

বিদের বেলা কে চোখ ব্যক্ত হাঁটে মধাই ?—বেশ উগ্লহার বললেন, আপীন ডো বেশ বলে আগ্রহন, আপনার ডো কোনো অস্বিধে হাজে না। আধ রেলের লে কঙ্গা দ্বা আগ্রহী, ভারাই সাম করে বেরে এবেস। ব্যাইরা ডো একবার টার বিষয় আর একটা



কুলোকৈ বলে, বাংব না সরালে কন্ট্রান্টেররা সাংলাই দেবে কোণা গেকে?

হাৰ্য কৰিয়েই তিনি কৈছি কৰে **যায়।** কাম কমা বলাব নাজিয়ে

কেইবাৰে হাজাৰ জনোৰ হল। কাহিটা হা গ্ৰেব বাবাৰে স্বাক্ত কাহা কাৰিছে হা গ্ৰেব বাবাৰে স্থানি কাহা কাৰিছে হা গ্ৰেব বাবাৰে স্থানি কাহা কাহা ভাগাই, গৰিল নিকা লাভ হা কাইছে, এক-ভাগাই, গালোক বিকাল সাহাজাইছে কাইছে বাবাৰে গ্ৰেক সাহাৰ কৰিবলৈ হা কাহা হোৱাৰ বাবাৰে গ্ৰেক হাইছে কাহা কাহা কাহা হাৰ কাহা এক যা এক হা হাইছে স্থানি কাহা ভাগাৰ স্থানিক হা প্ৰথম কাহা কাহা কাহা ভাগাৰ স্থানিক কাহা কাহাৰ কাহা কাহা হাইছে বাবাৰে সাহাৰ কাহাৰ কাহাৰ কাহাৰ হাইছে বাবাৰে সাহাৰ

ভাষার, সম্ভিত্ত সমূহ যিয়েল, আন্তঃর হাডোবাই একটা টোতক বটিয়া

দাঁডিরে বাচ্ছে। আহ্বরা পরুস্পরকে কাজ দিতে তার কাজ বাডিয়ে দিতে ন্যারও কাধা। এই দ্যাণ্টকেল থেকে সেনিন পাথে আর একটি দ্শা দেখে, সভাটা আরো বৌশ উপদীব্দ করলাম আমি।

ছোট একটি শোভাষাত্রার পারেছালে জনৈক অসাবধান প্রেটমার। মাথার মাথে ভর রক্ত এক গালে চুন আর এক গালে কালি চল আধকি ক্যোনো প্রনে সংক্ষিপ্তভয় একটি *ল*য়ভাবাস। *বে*লকটিক এইভাবে সাজাতে অনেক অধ্বস্থা দর্কার হরেছে সন্দেহ কেই, একটা গাধা বেখ হয় পাওয়া ধার্মন, তা হলেই আয়োজনটা ক্ষাংলাটি হাত। পোছন থেকে, ন্যু পানা থেকে কিল-চড চলছে সমানে, পকেটমার রঙ্গের হাতে নিজেকে স'পে বিয়ে নিবিক ডভাবে এতিয়ের হাজেত। কোথায় যাকেত বলতে

পারলমে না, হয়তো খানার, হয়তো বা এক বালতি গোবর জলে তার অব্যাহন বাকী व्यापक काशासा ।

একটা সাক্ষ্যভাবে দেখলে বোঝা ঘাবে. এর মধ্যেও সেই সামাজিক সাহিত্যেত ক্রজ করছে। কারো অকারণে বসে থাকবার কটট নেই, তা হলে খাওয়া কম, সাত্রাং উছ লোকটিকে প্রেকট মারতে হচ্ছেন যাঁত প্রতট ল্যাণ্ঠিত হল ভার যদি কিছা বেলি ট্রান্ राम थाक थाक हा राम कई घरीछ. বাক্টেই পারণের জনো তাঁকে প্রাণপণ প্রয়াস বাডাটেত হবে এরপর অথাৎ ভার কর মান্ত নতন প্রেরণা পাচেছ: যারা প্রেরট্মারকে ধরে ফোলোছ, তারের অনেকেরই হাতে কারু ভিল ना, अहे करिक छाता शाक्षांग प्रधा करत उन्हों। মহৎ কতারে সিন্ধ হয়েছে এবং চন-কর্মল মাথা কাম্যনা—বিধিনতো প্রহার অভ



धानाव दरकर्ज जिक बाधाब स्टूना मार्टन शाय 'ফালস কেস' ধরতে হয়

উল্লিক্ত এই শেষ্টেস্ট্রের সভাবে সন্ধ ক্ষোদেল হীর্ডাহা হাজ্য। অহাদ প্রট লাবর ভার স্থাতিকা জাগিছ গাল্ড করে - প্রের্কর উচ্চ খন

্ৰট্যমন্ত্ৰী আপন্ত কৈ বিভাষ মূলে করেন ರಾಶಾವರ ಹಾತ್ರಿಗಳ ಚಿತ್ರ অংশ হ আপন ন স্তুলক । এক ইল্লেকটিকা কারেকাশন কার্টিল ্যা প্রান্ত ভাতিওড়া ও এবি শ্রেণি করে একেবারে অবর্শে হল জিন ୯ ବରି ନ ରିଅ ସିଶ୍ୟଫଳ ଅନ୍ତିଆ ହେଉଁ ଅଟ ছ র ভিয়াভে, সংগ্রেশ হোলি কে সংগ্ৰ মারে, মান এবং ঐকিলের কাছে গোলিং~ ভারণার কার্মেরিডেলের জার্মির্ড সির্<mark>কান উ</mark>রিক্ষা নাজের প্ৰেন্দ আন্তল্পের কিছে, প্রীয়ে দিয়ে ভাষের **শক্তিকে উদ্ধান্দ ক**য়াকেই আপ্রের অঞ্জ জাবিনয়ার্ড বাডিয়ারন বেশ রুসে পেলা যান আধোডীর হনুও মানী हरणनात **हा**केश ^{कि}राग्य क्षान्त्रमा करर र राष्ट्र है কল পূৰে হৈ এইছি এইছি । জুলা উটাটো অগ্তামে ৬ কে সংগ্ৰা সংখ**ু** এক সংক^{াৰ}ে র্ল্পটি এর ক্রিক্লেড করার **রা**গল া জালিলাত কাজান কন্যালে আ কাডে বুলী ভাৰমনী ঐতক নিয়েছ স্ট্ৰেন চাপট্ড পালাইৰ। কলিবে কার প্রেয়া বিজে হবে না।

ভাগাল স্বনিটো এমন কাজ করা দেকোর হণ্ড আনের কমানকি অবিলাদের বিকশিউ হয়ে ভাঠ। সংভাব--

এই আবিদ্রারের আন্দেস খেরালাই ছিলা না যে আনাৰ দেটশন সমাগত এবং পাঞ্ থান্ত্ৰ মাত্ৰিশ সেবেক্ডা - হাড্যাড কাৰে মামাত গৈয়েই দঙ্গা করে সেই শশার থে:সায় একটি দাধ্য আছেড়া

ফাল্ল, আমার ফুটির কথাশা**র** দিবগা**ব** উদেবাধিত হয়েছে। জামার রা হটিট্ডে প্রবল বেলে মলন মালিশ করছেন তিনি।

आशामी ५ ला अटहावत त ति ति नि ৩০শ বর্ষ শারদীয়া সংখ্য মালা ৩-৫০ সভাক ৭-৩০

प्र मात्रमीय मानवस गाँवा नियम्बन प्र

রারাদাশকর রাজ ॥ বিধেকাম্পদ মানেগ্রাহারে ॥ সান্ধাহকুমার রোজ ॥ দ**িক্রপা**রস্কা ক্ষ ক্রোটিবিন্দু নাম্বী । সানোক আঞ্চলিধার হ'ল নালাল সভ্তার । বরেন ক্রাঞ্চলিধার শিংলিকে অনহিজনী য় কৰা কথা য়ে জয় হাস- কলা ও এই কল্ম কথাটোলিকেই য়ে ৪৯ ছেনকা তাজনেশিকে । ভার বিশ্বনাথ কর । জারত জানাক । এবর থাকাছ আন্সামের নির্বাধ আড়ক কাক্ষণিয়ি আড়ে কেলটে ছবি

সংগ্ৰেক ঃ স্ট্ৰোধ মিল্ল সং - সংগ্ৰেষ : ক্ষাক্স কিন্তু কাৰ্যালিয়ে ॥ এ নাৰ্নান কুণ্ড কোনে । কেলিকেও ে৯ ॥ ্কান তথ্যসূচ্যত্য

(ઋ વડકર)

সুরঞ্জমা রবীন্দ্রসঙ্গীত শিক্ষায়তন

৯০, রাজা বসত্ত রায় রোড, কলিকাতা-১৯

(कामन्त्राज्ञाङ्केम ह्वाङ ७ आका বসভ বাল রোহেছর সংখ্যোপ্রার পাঁ•স্মা। নতন শিকাবদের জনা ভতি সরে, হয়েছে।

कार्याक्षम हविवाद मुकाक पहें। श्वरंक ६२-५७ मि: अर्थन्ड, मोगनाव विक्तक टहा (शहक हुई। ७ अम्सान्। मिन विदक्त हुई। ध्यत्क हुई। भवन्त खाना शहक।

রবনিদুনাথের শিক্ষাদশে সংগণিকবিপত পঞ্চববিক ডিলোমা পাউক্স অন্যান্ত প্রবালনিদ্যান্ত রবন্ধিসংগতিও শিক্ষা দেওয়া হয়ে হাকে। জাবশ্যিক বিষয়ে হিসেপে ভিন্দস্থানী সংগতি ও প্রচান বাংলা মান ভিয়োগা পা**ঠকমে**র **অন্তর্ভত। ভার**ভ নার্চন ও ফাঁণগারে পদ্ধতির সমধ্বয়ে নাতকলার পাঠকম সংপরিকাশেত। শিশ্যদের উভর বিষয়েই চার বছরের পাঠকুম। বয়স্কনের উভয় বিষয়েই পাঁচ বছরের সর্বাদার্শক পাঠকম। গাঁটার ও এস্রান্ধ শিক্ষা দেওয়া হয়। তা ছাড়া অগ্রসর ছাত্র-ছাত্রীদের জন রববিদ্র সংগীতে বিশেষ ক্রাশ মেন শ্রীশৈলজারজন মজ্মেদার। শিক্ষা-পরিষদে রয়েছেন। রমা চক্রবর্তী (শিক্ষা-আধকতী) নীলিমা সেন শিবানী স্বাধিকারী **উমিলা ঘো**র পারেবী বসা, পার্ণিমা ঘোষ, ছবি দাশগাপু ওাকুলকুমার দাস, দেবজোচিত দত্ত মজামদার বাস দেব ভট্টাচার্য চলিডদাস মাল যোননাঞ চট্টোপাধনর, অস্থারুমার **শস, প্রথ** সেন ক্তমন্ত দাশগত্তি, গৌরহারি কাঁওরাছে, থেকেন্দ্র মতেখাপালায়, শাভিময় দে, পাতমোহন নন্দী, বিভুতি সরকার।

ভাগিতবিলাস

গোৱাকশোর ঘোষ

দেখন, একটা কথা কলি
আবরা বিভান্ত
কিল্তু আমরা খাছি দাছি নিতুলি
নিরিখে নারীর শরীরে ডিম শেড়ে বাছি
যার কাছে
কিছু ধারি সমস্মতন তাকে
বৃশ্যাসমুঠ ঠেকাছি যার
কাছে কিছু পাই প্রাপ্তিযোগ
দেখে নিরে তার হারস্থাও হাছ ঠিকটাক
ঠিকানা আদৌ ভুলছিনে

যাকে ঘ্যা কৰি তাকে ছাতা আৰু কাউকে কৰছিলে ঘ্যা যে কাজ ফাঁকি দেবাৰ তাতে ঠিকে ভুল হচ্ছে না একবাৰণ

পাওনা গণ্ডা মেপানে বা কড়ার্রাণ্ডাতে উশ্লে করে নিচ্ছি এজবাবও কডার ঘণ্ডাছ না শ্ধে

আয়োনের দেবাৰ পালা ধুখন আসছে সেই তথনই আয়োর বলভি শ্রনছি দেখছি আয়ো কী নিদাব্য বিভাশত

না আমি তোমাকে

द्वना शलमात

না আমি তোমাকে যথাসবাদৰ দেব না ত্রি আব পারবে না দস্যতা করতে দেবজ্যতারী অজুলা পেন্ধে তোমার ফোরোরা যদি পাথেরের মাতি বরে থাকে তাই থাক। আমি তাকে জনস্ব জীবস্ত সক্তে আব দীক্ষিত করব না। আমি হাজের পাহাজ, থাকে থাকে বঙ্গ ভাগাব না। আমি রাশি রাশি হলুদ পাতার আগ্রে লাগাবো কিল্ডু কোন ব্রেড কুড়ি ধরাব না।

না তুমি আমাকে আর তোমার চক্রান্তে প্রবার তালিত করবে না বাদ্দণেডর অমোঘ নির্দ্ধণে ইত ভাঙো গড়ো কর পারাপার চাত্ত্রের সাকো হামি আর নীলপ্তা আনতে গিয়ে বিল্লান্ড হব না।

বৈননা জেনেছি এই মন্ত্ৰপত্ত জল: মরীচিকা তোনাৰ ভূপানে শৃধ্য অনুষ্ঠিত আকণ্ঠ ছলনা এখন এখানে আর কোনো দ্শো বিকার পত্তৰ না— পত্তিৰ না পাথারে জল, কিংবা হাড়ে রভের বিদাশে।

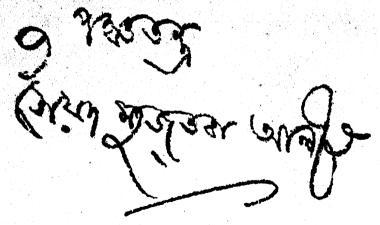
घन्डाधर्मन रेथरम राग्टन

প্লাশ মিত্র

চোনবেলা ঘণ্টাধনিব থামাব পৰ কে যেন ব্লোছকোন, 'আহনস্ফু কামায় প্রিয়ো ভবডি' আত্মাই পরম প্রিয়তম। ব্লেছিলেন, আত্মাই তোমার আত্মীয়।

ধ্পের মধ্য থেকে
একটি কালো হাত ইশানা করছিল। সাবাক্ষণ
ধ্পের ধোঁযা
চন্দন
রক্ষনীগ্রধার শতক্ষ
কালো হাতের ইশালা।

জাবার ক্টাধ্বনি কোনা বিয়েছিল। শোনা গিরেছিল সেই সম্দূর্কট : জাকাই পরস প্রিয়ত্ম।



হাসন বাজা (৩)

হরদের পরতে বেইমাম হাসন, ইনাম
হোসেন প্রাভ্তরের মৃত্যুর জন্য
শোক প্রকাশ করা হয় তাদের নির্মাম
হন্তার্পে ধরা হয় থলীফা বাদশা
আজিলকে। এই এজিদটি কবি হিসেবে
উক্তম না হলেও ছিলেন মধ্যমের চেরে
সরেস এবং মদ্যাশ। তার একটি কবিতার
ভাবার্থাঃ

"এক পার মদিরা পান করলেই আমার হয়ে বার অগ্রচুর ফ্রিড'। তব্ খাই শ্বিড়ীর পার— কেন?

ারণ মোল্লারা আমার স্রাপান প্ছবর
 করে না।

নিছক তাদের চটাবার জন্য খাই তথন ্ৰতীয় পাত্ত।"

হাসন রাজার সংগ্য জনা বাবদে খ লী ফা এজিদের তুজনা হয় না। শুধ্ব একটি বিষয়ে দুজনাই সমগোলীর। ফোলাদের নিয়ে নিভাদিন বাংগা-বিদ্রুপ করাতে দুজেনাই ছিলেন বিদংধ পরিপক্ত খ লি ফে।

হাসন রাজা বে "দেশে দেশে কান্ডা"
করে ঘরে বেড়াতেন সে-কথা 'প্রেই
উল্লেখ করেছি: একদা তার হদ্যমনের
কিলিং লেননেন হম্-দরদী হর এক
মোলার কন্যার সংগো! সেই স্ত্রে হাসনরাজা একটি গতি রচনা করেন :

"কারে বধ্ধ করিবে পার, থোলায় বিং, কারে বধ্ধ; করিবে পার? তোর বাপ করে নামাজ রোজা আমি গ্নোহাগার ॥" ১

আম গুনাহ,গার । ১ তোর বাপে দিনের তৈ নামাজরোজা করে, লোকসমাজে বসে কেন নিশ্লা করে,

া মারে ?২॥
তোর বাপে সর্বদাই করে এবাদং৩
মুই গুনাহ্গার লইনা কট্ মোলার৪ মত॥
চোধ থাকিতে দিনের কানার মত নাহি লই।

সাক্ষাতে যে কথা খড়ো, মোলায় বলে কই?
হাসন রাজার কথাকে মোলায় নাহি দেখে।
আজকোরও আদিধ লাগছে কট্ মোলার
আধি॥

(১) গ্নাহগার=পাপিণ্ঠ। ধ্যের বিধান অন্যায়ী জিয়কমা করে না। (২) যে-লোক ধামিকি অন্যুষ্ঠান করে তার তো উচিত নয় পরনিব্দা করা। (৩) এবাদং নামাজরোজা প্রভৃতি জিয়াকমা। (৪) কৃট্ন করে, কঠোর। কট্ মোজা বলতে বোঝায় যে-লোক ধ্যেরি স্মৃদ্যোত্র বাহিনক আচার-অন্টেনন নিয়ে মেতে থকে, অন্তরে প্রবিশ করে ন। অন্য এক ক্ষি এবই বর্গনা দিতে গিয়ে গেয়েছেন :

নরম না জানে ধরম বাখানে এমন আছয়ে যারা। কাজ নাই, সথি, তীদের কথায় বাহিরে থাকুন তীরা।।

হাসন রাজা বলছেন, ধরা বাবদৈ আলি এসব "কট মেলেরে মত" (অন্শাসন, छक्षिन, भिरुत्मश् । शहन कृति ना। । रहाश থাকা সভেও যারা "দিনের কানা" একমাত্র তারাই এ মড় গ্রহণ করে। জামি ভো দিবাকা নই। আমি তো আমার চেংখের সামনে স্পণ্ট দেখতে পাছি, আমরে কথকে (আল্লাকে), আর বটা মেরা তাঁকে না দেখতে পেয়ে শ্ধোয় তিনি কই?" (৫) ष्ट्राञ्चेम=१मध विठारतत् क्रिस्किक्शिवरावर=८७ अय् तिमाद्रकशनः। करो ध्याद्धाः खेषिद्रस्त ভয়ে এমনই বাহাজানশ্না, সেই ভয়ে তার চেৰে এমনই অধি লেগেছে যে ভার সম্মানে উপস্থিত আল্লাকে সে দেখতে। পাছে না। কিন্তু হাসন রজে৷ তে৷ আল্লাকে কথারটেপ दर्भ क्टडर्फ, रमय निहादबर निम अन्दर्भ छात्र कारना छर रनश्-दम्भः कि कथाना सम्भारक সজা দেয়!

*

হাসনে রাজা তাঁর তথাকথিত পাপাচারের জন্য তাঁর গাঁতে স্ব'দাই নিজেকে দেখোঁ বলে স্বীকার করেছেন। কিস্ফাং বা প্র জন্মকৃত পালের ফলভোগের নেহাই দেনমি।

"আমি ধারতে না পারি গো তরের আমি চিনিতে না পারি গো তরে। তে রে সামাইল১ আমার ঘরে। ধরতে গিয়া পাই না ভারে

শক্তে আর চড়ে।২ আন্ধাইর গ্রুধাইরত ধরের নাঝে হড়েহ,ড় গ্রুগাড় করে।

कछ दरभा छरभा स्म दव

রীঙের খেকা করে। বাজিকধের বাজির গঙ

খেলে তরে তরেও ৷ জাত্যা জনুতারে ধরলাম আনি যথন তভাবে

দেখতে দেখতে দেখি ধর্ছি হাস ন রাজনারে!! হসেন জানে বলে আমি

থাকিতাম হাছারে। ফেইখনে যাও তুমি সংগ্র নাও আয়ারে॥

(১) সামাইল - চ্কলো। (২) নড় চড় করে। (৩) আম্থাইর গ্রেখাইর গোও ব অধ্ধকারে। (৪) তরে তরে গুরো বেডার কামদায় নানাপ্রকার। (৫) জাতা জ্তা= জেতে জাবড়ে ধরে।

×

হার হাসন রাজা, ভূমি ভেবেছিলে, তোমার জবিনে তোমার সংস্কারে 'বেসব পাণাচার জনাচার হচ্ছে ভার জনা দায়ী তোমার কোনো এক দুশ্মন, বাইরের কোনো লোক। জশেষ কসরৎ করে যখন ভূমি ভাকে জাবড়ে যরে ভার মাথের দিকে ভাকালে ভথন দেখতে পেলে সে ভূমি নিজে।

তথন কুহাসন রাজা সাহাসন জানের আগ্রানিল।

এ,সরকার এণ্ড সঙ্গ সন মাণ্ড মাণ্ড সঙ্গ জেকট এম. বি. সরকার ট্যাভিশ্যনান পুরোলার্স

১৭১/১এ রাসবিহারী প্রতিস্থ শালিগঞ্জ নালিবস্থা শোল: ৪৬/৬২৪৮



বিষ্ণাক্তর অনুগানী টেলিভারের বাক্তর্যাক একটা মাজরাজ কি থাবোল লৈছে গোল কেন্দ্র বাসমাজনে কালি জনেককণ অরগালো, তেনলি অসমা কেলাল গানীকি এই নগীটা এই জলকাপ্রীর ওপর নিজে উত্তর থেকে দক্ষিণ একটান বাজ গোলাজিল । এই প্রেলফলারের কোন অলিক ভান ছিল। প্রেল্ডাক প্রান্ত বাস কলে। প্রেল্ডাক প্রান্ত কলি। প্রান্ত কলি। প্রান্ত কলি। প্রান্ত কলি। প্রান্ত কলি। ক্রান্ত কলি ক্রান্ত কলি। ক্রান্ত কলি ক্রান্ত কলি। ক্রান্ত কলি ক্রান্ত কলি। ক্রান্ত কলি ক্রান্ত কলি। ক্রান্ত বিজ্ঞান কলে। ক্রান্ত বিজ্ঞান কলে।

 আরেই একেন্ডে নিয়ে নাস কর্মান । এ প্রায়ে না হর্মেন, বাস্ফ্রিলির প্রায়ের ওপর সিন্ধায় (জিন) স্থান্তাকণ জিলা চাই টেন ক্রিলে ধেরা গেলার ৮১ ছিলা। বস্তা বার প্রিসাকাস এক শসত।

ভট শতকো দেশ কৰে এ গ্ৰামন চৌৰক্ষ পা লিকেই তেনে পড়া শ্ৰেম ক্ষেত্ৰ, বিজে মনুৱা। আৰু বাৰলাৰ কটিয় নাবেৰ কাগত দিনে তৈকী মুড়ি বেনে আছে। তেনেকাৰে পৰিবাংত আঁঠ, নাঠ লাঠ গ্ৰাম ক্ষান্ত আঁঠ মাঠ পান হয়ে এই গ্ৰামপ্ৰায়ত কৰে বাঁড়ালেই ন্ৰেম্মন্থি ন্তাই প্ৰক চোৱে পড়াত। একটা মেয়েদেন, অপন্তা জেলেনে। অসলে ন্টো সেইছেবন। সন্তা কাক্ষ্যালিকানে।

কুলের দক্ষিণ কোণ হেলিও তাশক্ষ মহাতের আলোর হেসে নামনিতি এরে জার মহাত কুরিয়ে গোলে নাম নিমার জালে জোড়া ঘুঘ্ এসে বসাত। সেই নিম্বার বেনার ম্যানাম্থি বুটো বাড়ি ছিল। এবটা আলাদের। অপরটা প্রতিনিধিকির। আশ্রামর ভাষায় সেবিকালিকের।

আসানের ভাষায় আনোদেরও সদেবাধন

ভূল—'রাজ্যন্ত নী'। তথ্য এই অব্যক্ত গ্লিকাল্য সময়ই রজা এবং লগামে প্রা জনগ পুলুমার। জান্দ্রে ভেজা স্থিনল কেন ও বাল্যিক ভাষণ ভয় করত। ভয় প্রেম এই জলকংপ্রীতে লিক্ষে বলে। শীতো অব্যক্ত স্থিনিয়াল ও বাল্যি লিক্ষে ভ্যাবার না। প্রীধ্যের সংবাম তোথ ব্যক্তির ভ্যাবার না। প্রীধ্যের সংবাম তোপ ব্যক্তির ভ্যাবার নি।প্রেম ভ্যাবিরের তালে কেনি কোন্যার নি।প্রেম ভ্যাবিরের কেকে ঘ্রক্তির

আনি ভাকাতান। প্রথমত জিরাকার্শ, সাংসভজন কার করে এই সংখ্যার নিজের করে। এই সংখ্যার নিজের করে। আগ্রাহার খাল্ডারে শাক্তবাকা বর্গেরা করে। করে নাল্ডার খেল, স্থানিনিল তথ্য এসে চার্কিড। বলত, সর্ব শাক্তবালার বা ভাই। বা ভাইন করিন। করেন্দ্র

अद्भाव राज्य शकात नाथा जाय देन राज्य राज्य जिल्हों क रमश्र करें।

কাশ্যা থামির দিতাম। কেলাকের শেষ শ্বন লার সভিত্ত রেখে সংনিমালের ভালে তাকাতাম। রমানচনা ৬ জাবন্চরিত

সম্পাদকের বৈঠকে

সাণারময় ছোর ॥ ৬٠০০

and the second of the second s

কাপান্ত্রী কৈউকো গ্রাম্থ মেন মার্মিকিক নের জ্বীনামর গুলিস্থান প্রেক **রেন** রুক্তে প্রেক্তন ও ক্ষেত্রন প্রেক মার্মিয়াক্তা কুক্তির এনে পাইককে উপরার নিক্তেম।

ন্দ্রক)কুরের আপন দেশে

রাণ্ড সান্দার ॥ S-00

া, জা, নাতে, এক তথাবাঁট্ট সোধ — উলি লাগিছা — বিজে পাড় শিশাৰ জনীন কোটাটাল নিজে সেবদাবাৰ স্বা নিজ, প্ৰভাৱ্য কাৰ্য্যেন স্থাপ্ৰিকা আংং আৰু জাৰ্ত ভৌৱালিক স্বাস ভাজিতে তাৰ জন্তিন কাৰ্য্যালিকা

रैल्लिखित वानत

शीखननाथ पख ॥ ७.००

থোশগরণ বং গালগরণ বলতে যা বোজার ইন্দুজিন্তর আল্রান্তর বচনাগানি ভা-ই। এই মধ্যের ও লাম্ বচনাগানি গ্রুপ-উপন্যাসর মার্কু ছব্মপ্রতাই, জ্বাচ বঙ্গ-উপন্যাসর মার্কু বিবাসনে গিবল পাবার বিবাসন বলং

वि(विभिन्न (वाक्यां)

अध्य चन्छ

শংকরীপ্রসাদ বস্থা ৩০১০০

ম্বাত এটি নিয়েলিত জালিনখন এলেও, উলিত শত্যা কেল্ড লিত স্তেপে যে,ডুজ বিশ্ব ভারতের সংক্রিড ইতিহাস জানতে জাল্ড এট জালার ক্রেটি ভাগারকার্য।

বিবেকানন্দ চরিত

সত্তেকনাথ মজ্মকার ॥ ৭.০০

থাংলা ভাকার নাচক ক্ষান্ত্রী নিন্দান্দ্রক্ষর স্বান্তক্ষা প্রক্রাথা জানিচারিত। ভানতের নিবিভার ভাষার জনাবিত; এবং কেনেক্সার নাবলা, ক্রেন্টেই অনাববিধ বিশ্ব সহজ্ঞানিক বিশ্ববিদ্যাত।



আননদ পাবলিশাস প্রাঃ লিঃ অফস: ৫ চিডামিগ নাম মেন : জালঃ ১ বিহুম্বেন্দ্র: ১৭ এ মহাবা গাদেশ যোড ক্ষেন : ৩৪-৮২৪৭ ত্রিকার চেখে, ব্রত এবর। বরজে, ভজ্ঞারণিকার---

535

১৮ গ্রেকার একটা। স্থান সম্ভানে নিকা ডাটা করে বলাং, কাছল, নাগুরেটী হাদাও ভালাসেন নাট

প্রথানত শাস্ত্রকা উচ্চালে কর্মান তানি নার ব্যক্তম, আমানের কাই হনিনা ভানত, আমানের শাস্ত্রকার শা লো ক্যানাল্ডর। ধ্যাপাল-এর ক্তের শপ্র নির এই ন্যান হাত তুমি বীক্ষা নিয়েত,

53, i

্যান্তের শালীর দেবতার মন্দির। আমলীয়ে করতে লাক । তাই না?

500

ভূট ভালাস শ্ৰ

সনিক ভাষাত।

তানি জনবাধ জেতা নির শাকাশ তাক হাম। তালিক ভাকিলে ব্যক্তাম, বাল জোহন, ভালেকটা, পরে আকাশের গালে অভান্ত পঢ়াল আকাশ আলো প্রিক র হাবে। নির্মাণ হাবে

বেদ বিজ্ঞান (১) ব্রিজার বদে গাকও জ্বিত্র (বিজিউ স্প্রেড্ড (১৮৮৫) দেহ সভাদ বাঁবলে এই আন্দের **ডার দেইবালের** ভেত্র স্থান ভিজা সং**প্রাণ বলে ও এই** জাতারের দেশিকার প্রাথিকার পাবে এনে প্রের জিলা। জ্বাহি স্থাক্তি পান স্থানত প্রেরীয় হালে।

্তিত বাহানি নেরাজ কী সানিয়াক ভার ও বাড়িন নায্যান সেনারি পাদান্দানি হাউছে কত্তিন সেরাছি তালপ্র প্রে হার নদীর পথ ধারাছে তরা করত বিভাগের হানে, অন্তির কানে বাহাছে ভারা চারিকানে মুক্তুন করে অনুটাছে। কৈভিয়ানি বাডির ওপর কেল বিভাগের ভারো হানে, ভিন্নার। সেই ভালার কোটা গোট কিল্বার ভার সামাহ এক সমত। নার্যানিক হানার হার কোজা এসে বুক্তা।

ভাটি ভাক,≰≱ ×

স্থিতিলি জাত, বছ ভার আরে ছবিয়ার। পালাটি একটা প্রিকার করে বিজে বছাছ, ভালামসার প্রস্থান আনিয়াল)

এই স্থিনির আমনের হ তই এই সের্ভানে এসেইছা অন্থ বালক্ষাই। অংক ভালবেসে। কর্মক ভালবেসে। অংক এই ব্যেন্থিক, মুখাক সেবা কর্মেছ সংসম্ভ ভালবেসে। বেন্দ্র এই সেপিক হি-সের মানকে জনানের লোকের ওপর পিরে এসেই। বেন্দ্র ভারবের ওপর পিরে আমানের অনাক চলে লোক। আমানের ভূলে গোহে। প্রথম বিষেট গ্রী সানিম প্রক করে ।
ভাগ বাংবাহিল। সানিমানের জন্তে
বালীটোত ভাষাটোত। মুন্তি বাহার আন্তর্ভারী বাংবাছিল। তাই বাংবা সমায় ভাষাট্র ।
ভাষাটা, পুলি, নিজ প্রকলিক চালা সানিমালা।

স্থানিমাল গোল ধনা হাস্টে সাচে সাক্ষা নেশাত লক্ষা লৈ কমা নামজান এটা মাঠা নিঃসাণাতা, এটা মাহাৰ স্থান তামত কিন্তু সিধানে একা বি চেন্ত স্থান কাম কিন্তু সিধানে একা বি চেন্ত স্থান

্টানকৈ মনে কিছে গোল সংগাঁ ভূমি । _{স্থি} ভূমি

কালে। অন্যাধিত উত্তর হিন্দ সানে কা জনক হারেছি জাই। স্থানিমাল বলেছে মার জি: এই নাই, শানিক শোভা, এটা আ আর হেন্দ্র নাই, জার ডেবের এপর বছর স্থানিয়া কিছু জেলেনেরে। অনার ভর্ লাগে সনিক্ষে।

তবাও অভিযাম আনতার গগান ভূমি জি আমানের হৈছে হাল যাবেন

ও সুপ্ত করে প্রকৃত্

कुंक कुल शहर कामहाराया

ए एए एक दशह गाः

্ণানিক এই ইন্সি শ্বেষ্ট্রাড়ি রয়ে আকলেন

डिया प्राथात *मा अनुसिद्धा*कार

্বলভাম, ভালের হাত্ত ভালেই পাকে ভালের এটা হিলাস স্কিল**ল**।

্রভক্ষ পরে স্থিতিলি বলত, জাজা, মুখুলী গামতে ভ্রেন্ডের, মাট

্জামি ছুপ করে পাক্তর। সংনিহাল বল্ড, যেতেরের জামি ফিবার

করি নাঃ

এইকং পার আলি সানিমাপের তাংগী

ধপ্র সার পারে বালি বালির জানে বালি
পোরে পারেমার জানে বালি

্ন। তাপ দিও স্থানিয়াল। ফাটেকট সাধ্যক্ষান্ত

: উট করে।

এটা তোমার জন্ম স্থানিদলি। তান দ্বাল সেতান আমি ক্রান্ত্রার একজন। দ্বাল সেতান জমিদ নাত্র মার্ল ইটিছি। জনার ছানিং, ব্যুব্র ক্রান্ত্রার্লিন ভার দ্বান ভারিন নিজেকে বিপল্ল তার ম্নিন্লাকে জসহার বাল মান্ত্রা। তান দ্বার আক্তান। জ্ঞানজন্মা নাঠ সম্মান পাড় আছে। বৈশাদের আক্তান্য ওপন ক্রিল্ শৃষ্ণভিল্ল ম্বার স্বারু পাক মান্ত্রি ভূজাত আন্তং পঞ্ছ সেন কান্সানের ম্বিরের চরকালে প্রেন প্রান্ত অনুস্থা কোন প্রতী এটক বিচ্ছা। পাস্থা, সেতাই, প্রাধান এই জনাপ এক ধ অসহার আন্থ ভূলা বিজ্ঞা কান্যান, সিতিকারের প্রেক্তিক তেওঁ এজন পানে বস্থাত প্রিম্বীতেওঁ ভূলি ভল্লা ভূলাই স্থানিস্কার। স্কার্যাত সাম্যাহ কর্মা

্র্নিয়াক সহতে, কাল সংখ্যার আনেক লামানি লোগানি কানিমানীগাছের চেত্র। দুরা প্রথমেটা স্থিনিস্থা সংগ্রিক্ত চুম্বীর । একা সৃষ্ণিস্ত বেপ্রাম কাল সাঁকোও **ও**পার গুলিক

্রিট্র উচু বার ধনাপালের স্থান বিজে ভারতে বটার নিজেকে নান্যাসর একজন ব্লানান বাল রসিক্তা করতান, তুলি তোম পাচ বাক সংনিদ্ধান নাধ্রী বহামার ভারবাস।

তার ৩০ কেন বিদ্যা বিদ্যা ক্ষম্পুরর হারে

উঠা ও বাজির ক্ষরাপ্রধানার মূপ। বান এ
বাজিনিক সতক পাহার। বিক্রো, প্রাক্ত ধ্রিদকিন্তু পূর্যাক হচাপে হচাপে রাখাত চাইছেন।
ক্রাক্তরতির ও বাজির ওপর কান রোধা
ক্রাক্তর, মান্ত্রী ক্ষাক্তরা নিবিক্তা ক্ষরবাধ্রার
ক্রাক্তর। বানা ক্রেক্তরা, চীংকার ক্রার
নাগ্রাক্ত প্রধানা করছে, চীংকার ক্রার
নাগ্রাক্ত প্রধানা ব্যবজ্ঞান।

তে বেশ মুখ্য ক্ষেত্ৰিকাৰির সাধ্য আয়ো গীলব বাল মান হাতঃ বালে ক্ষেত্ৰিক বাৰ ক্ষেত্ৰ শাহাতে শেতাস, এই জন্মন, অবহা---

37(7)

জনার ধার ধর্মপারের ছবি কট্ ? তাহ বিভিন্ন

্টা। সময় **সংখ্য পুপ**্ৰেষ **ই**ণীক সিক্ল কীকালে আন জন

€iii;}

্থাপ্ত জন শাদিত হোর আম্ব আম্ম নিজ বহুলাব।

সিংখানে এই বালক নিকা বিভাগ বিছি মান্ত্ৰন বাত না, ও বাজিল নান বৈটাৰ পাল লাম ও বাজিলে বাস নানেও, জন কৰা সভাৰা প্ৰিট বিভোগ কথানে বিজ্ঞা সভাৰা বিজ্ঞান সংগ্ৰহ স্থানিব। বিজ্ঞান বাৰী কৰে ন্যুম্ব পৰাৰ বাস্ত্ৰী। ভবিশ কৰা মান্তিক ব্যক্ষা ভূমি বিহাণ

বক্ষমিয়া ভারাত।

ি ক লোখ পাওছার বাজাছ। মাধা সনিবিদি গালার কারে জভিতালে সাধা হেন্দ্র লিকনিবর নামী জভি পড় মুখ্য থাকেবল কারে বিভোল সান্তল হাজাবে। এই নাজ কিন্দ্র নিক্ষীয় যান্ত্রপ্রধান হালে ইপ্রধানি কার্ত্র সেখা ছালা পালাবে। পার নাই

ভীষণ শান্ত দ্যুলিটাত ভাকায়। সংখ্যানা। বৈৰপ্তপালা ভাকেন, এই শাবালী ? বজাুন। জন্ম ভিত্তা ভিত্তা

্ত্ৰতং বিশ্ব চিন্তা কৰাৰ লাকজালা। প্ৰান্ধী ভাৰায়।

কল,স কিছা, মান আলট কলডাক জাকান। ভাগার এই নার্য কেল কলার, রক্তপাক্রিরির জারার, স্থানন্দ্র মান্সবিধান।

এরপর বিজ্ঞান্ত চুপ্তক স্থিতির আন্তর্ভন হত্য কোনিবিম্নির হার বিক্রে প্রথারেক্টির মৃত বরে ব্যাতন্ত্রান্তর হন আনা মন্ত্রের করেও প্রথা হতা ভাম কর জনের ভিন্ন কর্মক্ষরিত সভর করিত। ভার ফোনের জামরা সকলে এবানে এক্টিত

একট্রাল চোধ ব্রিক্তার থেকে বলানে, তারেও ত এট জনাথ দিশ্যোলার চোধ-ঘ্রারেও ত এট জনাথ দিশ্যালার চোধ-ঘ্রারেও নালারকের কটট এট সংস্কারে ধানিনা জার ব্যথিন্টির সোলে স্কাধ-বেন্ড লাজেও দাবারের নারকী স্থা প্রধানে নালা সূত্র কারিকের মত ওবের মাধান ভুলে বিক্ত থানিক ব্যার। ভাগনিন কোটো তারর ওপের কভিত্র অবেভি। ভাগনাও

হ'ল বৰ'লী ভাৰাল।

ওই নিকাপ ফ্লেন্ট্লোর আন্ত্রী ত হা, আহমেই ত বাস। সাফ্রা ওলেব চকাল, ধর্ম, সংস্থা, স্ব লিছা।

অ:ভে

की हाइ

÷. 1

না নানে ? তাৰে যক্ত মোজ মোজ ছাতাই প্ৰথম মুখাটো কাল্য নাজ্য না কোন ?

ক্ষমনত ভূব্র ৬পত গোক এক পেঠ এক নিজে মধ্যে উল্লেখনে মুখ্য সেবটো ভূগ্যে ৬পত তাবনে। প্রা নামিত ব্যবহ ৬সা হৈছে এত। তেন বল্ল, মানুধ্য প্রা ক্ষিত্র হত। প্রিক্তির সাহিত্র কর্ত্রের ক্ষিত্র হত। এই ব্যবহান, আন্তর্গ্যাত করে প্রত্রের ক্ষিত্র কর্ত্রিক আন্তর্গ্যাত্র কর্ত্র প্রত্রের ক্ষুষ্ট ব্যবহান

রচেতা বেলগাড়ি নিজ্যাত কাল কলেগালের ওপর উঠনে তার বিভিন্ন গাণালম
তাওরাজে বিনিম্পানির মানটোরনা বিভাগে
কেন্দ্র বেলা কাজন ধেতার তথ্য বিভাগে
ধেনা কোস বাফার সাওয়াজ এক
সম্ভ ব্যানভার নিজিয়ে ধ্যাত বাইলা।
বাবাছা বিশক্ষি ধ্যাক্য তাক্ত বাইলা।

বাছনৈতিক সাহিত্য •

প্রগতির পথ

গ্ৰম্পানি দুৱা। পান ৩০০০

প্রবাহ ও ইলাইও মাল শাহন, কালিছে স্থাপ হকা ও জালোচনা ব্যাহ জ্ঞানেত সোদ নিস্মতি বাছে আম দে ইন্দেশ্যেই ও নোমন অফ্ট্রান প্রাক্তি বাছে। মাজি ও তাল নাম্বাতি স্বাক্তি জন্ম।

গণযুগ ও গণওম্ব

ক্রমনার সভ্যান্ত ১০০০

মনাত্রী প্রতিক্ষা ধ্যাপ্রক কলতা সহ জ্ঞানত সিদান তিতিক কার্যাত সমস্থ লিয়ে এটা এই লেখ শুটু গ্রাক্তি তেওঁ এটা পুরকারকীতে জননা জনস্থালিয়াম সঙ্গে সাম্যান্ত ক্ষােন্ত্র

গান্ধীজার দূত

স্থার ঘোষ ॥ দাম ১৫٠০০

পরলোকগত আন্তন সংসদ-সদস্য স্থাবি মোকর সাক্ষম। "থাককিটার প্তো-থর প্রকাশ ভারতবাহার রাজনৈতিক ক্ষেত্রে প্রকাঠি ইলেগাসংগা ঘটনা। তার কালণ, এই মাজকথা কালুত ভারতবাহার প্রবিত-ক্রাট্ডিফাকের ইতিহ্যাকের এক ফ্রাট্ডিফা ক্রাট্ডিফাকের ইতিহ্যাকের এক ফ্রাট্ডিফা

তরু/ণর স্বপ্ন

সভোষ্টনদু বস্যু গুলম ৬০০০

স্তল্জনের স্থান ডিকেশ্বেটি চল ভারে সংসাধি নাহনের স্থানিধার সংসাজ সংস্করে এ হইটি: ও দ্যাদির মান্সেড়র কম্বাচার্সিন ফোন, আভাও চামেডি স্তাহারে।

काश्वात ं ५८

লংকলন || দাম ১০০০০

ে সালে মাধাতি সম্প্রস্তের প্রভাক বিরপ্ত। কাল্ডবেল্ড কাল্ডিড সম্প্র প্রিটি স্থেতি। কাশ্ডি প্রাচ্চ দ্বা ছাত্র মোলাবার্কে কছা দ্বালিক রাল্ড স্থা। মাধ্যাবিক ছিলক্য মাধিত্ব কোল্ডি কার্টব্রটা



জানক পাৰ্বালশাস প্ৰা: লিঃ জানকঃ ৫ দিজমাৰ ক্ষম কোন। ক'লঃ ১ বিচয়-মেন্ড : ৬৭০ মংকা গোলং বৈড়ে জেন : 15-১২৪৭

ু দিদিমণি চদন কাঠর ২ড়মে হন্তর জোতন নিলিমণি-কান উপাল ফেন্ম মুখা জোতী জাত নাগ্ডী এড় নিলিম_{ণি।} শব্দ তুলে শুভে **যেতেন ও ঘরে।** যেতে গিয়েও তবা গমাক দ**াঁড়াতেন। বলতেন, কি নার**ীই বল আর প্র**্বই বল,** দেহের ভেতর যৌন ব্যাগ্লিল পশ্রোজ। নাভা পেয়ে 5লন কাঠের খড়ম **থেকে গণ্ধ** উঠত। বাইয়ে কিংকিপে,কং **ডাক্ড। যেন রাতে**র জন টুপ্রার দিয়ে

আমে যেমন সংখ্যাল কলি কেলি দ্বিষ্ণায় ধত দিন জোচাত ভাউতে কেলা তাকে ত্তবিক মকের খেলাক দেও আসংবই। দিয়ার ระ ≽ำเเ

যোগ থিয়েও ভব: ব্ধে পঞ্চিচেন হৈও দিদিনাৰ। ডোখ ব্জিয়ে কী যেন ভাৰতেন বৈল্ডেন, কল, মাধ্যরীকে দেখাছি লা কাণ

বলারের কুপুথে পা বাছাল ছিলে Mire MIST GRAD তিনি ঘ্সতের নন। মান এবং জে_{নি কর}

্বিশ্রু হাণ পরে হয়, এই সংক্রি স্কুর ख ता हिंद रे. इस्का, कर की है অবলমিত ব্যাহিত জড়ে স্ফা



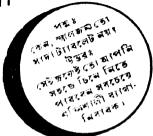
वाथा (बपताय जाकानु शल

স্যালজন মাথাধৱার যন্ত্রণা থেকে আরাম এনে দেয়। দাঁত-ব্যথা, গা-গতৱে ব্যথা, ফু ও পেশীৱ ব্যথাকেও সারিয়ে দেয়।



🐒 ব্রুরঙ্র

आल्फात



विज्ञान्ति, वि^{क्षि} छिणारि स्च्छ वाया-तिम्बा (यत्क वाजास भारत मिसा।

স্থিগ, স্ট্যানিস্টাট ৈরী

সুনিমলি বলত, জাচ্ছা, আমরা ত মানুৰ,

নার তাকাতাম। স্বীনম্বল ভুর্ কোকাত। একট্ থেমে বলত, মাধ্রীর জনো ২ড় ভয় হয়, ভারী দুঃশ হয় আমাকে জনা বড়া

স্থানমলি তাকাত বাইরে। কলমিলতার ফলের ওপর থেকে দিনের আলো কনেক মাগে মুছে গেছে। শিম্পের ভালে শুখাচিলের ছায়া নেই। বহুক্ষণ বাইরে হাকিয়ে থেকে স্থানমলি বলত, কাল কামরা এই নদ্বির চরে গিয়েছিলাম।

\$***1

সংখ্যাত দেখলাম।

\$ · (

আমি ওর হাত ধরে হাউছিলাম।

ত্র ব্যক্তিত থাবার ঘণটা শোনা গেল। এবং এক সময় ঘণটার আওমাজ স্থানিম লের এই কাহনীকে ভেঙে দিরে থেমে গেলে স্নিহলি আর নতুন করে ঘটনায় জের টানছিল না। আর কিছু বলছিল না।

স্নিমলি নিজের ঘরে চলে গোলে আমি
স্নিমলের কথা, মাধ্রীর কথা ভাষতাম।
তার তাবলেই মনে হত নিজোজানের দৌকো
মজ নদীর ওপারে নিরে গিরেছিল দিদিমাধ্রে। কুন্ডাপ্রমে। তথান খনে পাড় থেত বিনিম্নির কর্তাবাগ্রেলা। ইশ্বর,
য়েক, কান, মান্বিক্তা এস্বের কাখা। শেষ
করে নদীর তীরে খানিক দাড়িতেন। পারঘটার পালে, বেখানে বিভিন্ন ব্যেসের
ঘটা স্থেব একটা গালিকা পরিবার বেতের
স্বর। সাজিরে, দাড়িরে আছে। কৃথা,
মতি বৃথ্যা, জরারাক্ত মুখ্টার কাছে গিয়ের
ব্যক্তেন—"ত্রিভে"?

ত্রেথ দিয়ে জল গড়িছরে পড়ত বৃদ্ধার, ম'চলে মুখ ঢাকত। চম'সার প্রেটটা অঙলে ডলে দেখাত।

भूत करत शाउठी रहेरून निरम्न अकठी है। का शाउ भारक भिरद्धन भूषा रमवाभिनिम्नान्।

বৃশার সর্বাহ্ন কলৈত প্রথন করে। নিঞ্জালনের কৌকার এসে বসতেন হেড নিনন্ত্রি।

নিঞাজান হাল লাগাত জলে। ছোটু ছোটু চেউ উঠক। মিঞাজান অথকারে জালার দিকে তালিকা গানুন গানুন করে গাইত শামনের চাবি হারাইছি যে কোঝার খানিজ নিঞা, নাঝাগরিয়ার খানুজি চাবি ব্থাই বে ছব দিয়া।।

ঠিক। সেবাপ্রধানার টোখ জলে জরে উঠত। সারো জোরে হাল নারত মিঞ্জাল। জারে: জোরে গলা ভুলত—'মিঞা, বৃক্ষই বে ভুর দিয়া'।

ছাটাত ছাটাতে মার ফিনের প্রাক্তিটি ধর তাই ভাগরক করতে। মদের চাবি শালেতে কেল কোনদিন হয়ত এ খার এসে বাঁড়াতেন, যে খারে বালিশে মুখ গাঁড়েল মাধ্যনী শারে আছে।

কোন কথা বলতেন না সেবাপ্রধানা।
পাগের ঘরে চলে বেতেন, যে ঘরে পরবার
বসত অলকা, স্নাশা আর চিত্রা সেবাদিদিথ্রাগনের। অলকা বাসবদলির শহরে গিরে
নিয়মিত সিনেমা পত্তিকা কিনে কানত। দামী
এসেংস। প্রির নায়কের ছবি কেটে
আলবারম ভরে রাখত। কম্পনা কখনো
এসেংস ছিটিয়ে দিত। স্নাশ্বা বলত,
নিশ্চরই ভূই আমাদের লাকিয়ে লাকিয়ে

অলক। হাসত। বলত, কাগজের ফ্লে গধে নেই। গলা ছেছে হাসত অলক।। হোসে হেসে অলকা জড়িরে ধরে স্নেলাকে। ব্রের ওপর মুখ রেখে অনেককণ চুপচাপ পড়ে থাকত। কেমন একটা খ্যাতি **অন্তা**

চণদন কাঠের খড়মে খটাখট শব্দ আর স্থানর গণ্ধ ভূলে হেড দিদিমাণ ভড়কণে এগিয়ে আসভেন। ধমকাভেন, কী, কতিনিন না বলেছি, ওইসব গানের শ্রের ভালিবে না? কেন ভক্ষন গাও, শালাসপাড়ি গাও, কই তা তো গাও না? সেবাপ্রধানা এবার নিজের ঘরে ক্রিরে বৈভেন। স্থানক উ'কি দিয়ে বাইরেটা দেখে নিরে কলভ, আছা অলকা, ভোর তির নারককে ভোর দেখতে ইচ্ছে করে না?

করে। অপকা বলে, আশোকদা একবার বলেছিল, ওই নদীর চরে নাকি স্ফুটিং হবে। লাভ সিন। স্রেফ গাঁজা।

তার থালি **৪ই ফলো**কন। এদিকে ত বালস, তোর অলোকনা মাল থাম, বলৈস

ডঃ গোৰীনাথ শাস্চী প্ৰণীত

সংস্কৃত সাহিত্যের ইতিহাস

দ্ধঃ পোরীনাথ শাশ্চী রচিত ও Oxford University Press প্রকাশিক A Concise History of Classical Sanskrit Literature এর বাবো সংকরণ। পরিশিক্ত বৈদিক সাহিত্যের আলোচনা গ্রন্থটিকে প্রশাপা করে তুলেছে। সংক্রেপ লেখা অবর্চ সকল প্রয়োজনীয় ভব্য সমাবেশে সমৃত, সরল প্রকাশকলী অবচ উক্তমানের এই প্রশ্বটি সংক্রেক ও বাংলা সাহিত্যের ছাচদের পক্ষে অপরিহার্য, সাহিত্য-রসিকৃদের মহে অবব্যাপ্রটা ১

শাৰুপত লাইরেরী । ২০৬ বিধান সরণী । কলিকাতা ৬

(TH +340)



मः एहास्त्रत अभा वाविष्ठाव हिवि हैभव्क

শর্ৎ-সাহিত্য-সংগ্রহ

রাখার অভিনব ও অভাবনীর আয়োজন ২২**ণে ভাদ (৮ই সেপ্টেম্বর)হইতে ৫ই আছিন** (২২**ণে সেপ্টেম্বর) পর্যন্ত**

স্ম্ভিত রয়েল সাইজের রেজিনে বাঁধাই এই গ্রন্থাকলী ১৩টি স্বৃহৎ খণ্ডে সমাপ্ত।

প্রতি খণ্ডের ম্লা : ১২·০০ টাকা উপর্যন্ত ভারিখের মধ্যে ১০·২০ পর্যায় পারেন

আমাদের নিকট হ'তে এই প্রশ্বাবলী দ্বভশ্য ও সমগ্র খণ্ড যাঁরা ক্রম করবেন টুপার্ম্ম তারিখের মধ্যে, তারা শতকরা ১৫·০০ চাকা হারে ক্রমিশন পাবেন। যাঁরা বর্তমানে প্রকাশিত সমগ্র খণ্ডগন্তি ক্রম করবেন, তাঁরা কোন খণ্ড অপ্রকাশিত থাকলে তাহার উপরেও পরে সমহারে ক্রমিশন পাবেন। ভাক মাশ্লে স্বত্তা।

এম, সি, সরকার জ্যান্ড সন্স প্রাইভেট বিঃ
১৪, বন্ধিম চাট্ডেল স্ট্রীট, কলিকাতা—১২

না^ত তো কলক তাম দি হণ্ডার একবার করে কেন শ্বে আফে? স্নুন্না একটা থামে। বলে, না হর একটা সিনেমার ফানেজার। হয়, ভারী তো সিনেমা।

ঞ্ই, অশোকদা না মাইরী য়েস থেলে।
ক্ষাকা বলে, অথচ দেখ, স্নের একটা মন
আছে। গলপ লিখে লিখে কগেজে দের।
আমাকে কবিতা শোনায়। পৌব মেলায়
শানিউনিকেতনে বার। বাউল গান কত

হেড দিনিম্পি হাঁকে, শুরে পড় তিন মুক্তর শ্বঃ

্তালো নেবাতে নেবাতে অসকা বলে, খালি মুরে পড় জার মারের পড়। তিন সকালে কাকে নিয়ে শোবো। একটা দীর্মানবাস ভূলে অধ্যক্তরেই বালিখে মাথা রাখে জলকা। শোবো তুমাধা ফলুণা নিয়ে।

স্নাক্ষ বৰে, মাধ্যরীটা তব্ হা হোক করেছে। অক্তত একটা প্রেম ত ক্রেছে জীবনে।

্ডা ঠিক। **অলকা অ**ন্ধকারের ভেতর চোথ ব্যক্তিরে বলে।

স্কুদ্দা বলে, ওরা গতকাল নদীর চর গিয়েছিল। মাধ্রী বলছিল।

জন্ধকারের ভেতর চোখ খুলে জাবেজার করে তাকরে অলকা। ফিসফিসিরে বলে, আর কি বলল রে? পেট প্রশিত বিছানার কেনে শাই হাতের ওপর চিব্রুক রোখ জনকা উদ্ধাহয়।

্থলার স্থর নিছু করে। সন্দ্রা বলে, স্নিম্লি নাকি হাত ধ্রেছিল।

হা— ত ? লম্বা করে উচ্চারণ করে ফলকা।

শব্দ না করে অব্ধকারে সনেশা হাসে।
ইতেঃ

সব কথা মেরের। বলে নাকি? জলঞা বাতের ওপর খেকে চিব্রুক সরিয়ে নিয়ের বালিশে মাথা রেখে চিং হরে শোর। কোনারের কাপড় অলেগা করে দিতে দিজে বলে, নে শারে পড়।





স্থানন লোক। বাইবে জোওকা আবো সান। হাওবার কেমন শীভ শীত ভাব। বাইবে জোওকার ওপর স্কার কুরাশার বেণ্ মিশে গেছে। অংশকারের ভেতর দ্টি প্রাণী ঘস ঘস নিঃশবাস ফোলে। এক সময় স্বেশা বলে, তুই ম্যের ভেতর কান দেইখস না অপকা?

দৌখ। অলকা বলে, এক এক সময় এত ভাল লাগে। কালই দেখলাম বেন একটা ছবিতে আমি নায়িকার অভিনয় করছি। আমি ভীষণভাবে ভালবেলে ফোলীছ নায়ককে। ক্যোৎসন্দর ভেতর ছমুতে বাব কি. বাসে, ভিরেট্রীর বলল, 'কাটা। ব্যয় ভেডে গোল। চোয় দেখি ভোর এলে আমার ভানেলার পাধে দড়িজ্যে। তেও দিনিমণির প্রভাত বশ্বনার স্বেচার কলে।

অমিও দেখি। স্নান্দ্য একটা নিঃগবাস জুলে বলো। কাল ভাষণ ভব পেরে গেছিলাম। দেখলাম বীভংস একটা মাধ। বেন রাক্ষমীর মুখ। আমাকে ছায়ুঙ আসছে। ভার চীঙকার করে উঠলাম। এনা, হঠং ঘম ভেঙে গেলা। দেখি হেভ নিসিম্মণি ভাকি নিয়ে আমাকে দেখছে।

স্নেকা চুপচাপ শ্রে থাকে জনেককণ। বাল, আছো, এই জলকাশ্রী তোর ভাল লাগে? অলকা এই জলকা--

না কোনে নেই। একটা নিজিবাস তালে স্কোলা পাল ফিজল। পালের ঘারই মধ্যেরী। মাকে বাধ্ব প্রান্থা। দক্ষিণের জানলা সিরে হাওরা এসে অধ্যক্ষারে প্রান্তি স্কোল ছিলা। এক সময় স্কোল্ড ম্নিরে প্রভাব।

এই দিননাতির খেলার ভেতর একদিন
নাতুন দিন সংগা দিয়ে বৈশাখ এল।
কোদের প্রচাড তেল ছড়িরে পড়ল মাঠে,
কাপালে। নদীর চরে দিমালের ডাল থেকে
ধ্লো উড়িয়ে বাডাল খেলা করতে করতে
উড়ে গোল নদী পেরিরে। রোদের তেলে
বালাকণা ভোতে গোলে কিথিব দল বোপের
কড়োলে লাকোল। একদিন বৈশাখের এই
ভোরে সেবাপ্রবানা ভার জাগল না। খ্যের
ওব্ধ খের আখহতা করল।

সেইনিন ভোরে স্নিমালের মৃথও জার নেখতে পেল না কেউ। এই ঘটনা নিরে সেবায়তনের চার দেরালের ভোতর জ্বার বালো উড়ল। কৈউ বলল, জাহা, কত ভাল ছিল হেড দিনিমাণ। কেউ বলল, ভালই হল, নিজের লাক্ষা নিরে নিজে চলে গেল। ও বাড়ির কেউ কেউ কাঁবল। কেউ মাখ লাকিরে সমালোচনা করল। শাখা রজনা ধর্মাপাল পদাধিকারের লোভে নদী পার হয়ে কুটাপ্রমে সেবা করতে যেত।

क्टि, बर्पना, क्टि, काशमा अक माना कप्

চয়ে আকশেশ বাড়াসে কেনে বেডাছ। কেই বলল, দিনিমনি কত শাপী ছিল, কেউ কন্ স্নিমলৈ কত জনং ছিল। মুধ্ মাধ্যী কিছু বলল না। কেনিদিন মুখ খাদ কারো কাছে কিছু বলল না মাধ্যী

নেই থেকে দেখত হা, এই অসকাশ্রী ছেড়ে এই সেবারত এবং সশা ছেড়ে এত धारक नवाहे स्काम शानारक गरेएक। पाउमा হচাথের ওপর এক সময় পাপেশুলা, বিদ্রুপ কর শা কেমন ভিজে বার্ড হয়ে চেন। আন্ত আন্তে সৰ কেমন ভাৰ ধেল সবাই। শ্বে দেখতাম, এক একদি স্তিকার ওপর মাধ্রবী দাঁভিয়ে আছে। দীৰ্ঘদিন প্ৰেছনে কেলে এলে জাল বাজুচের ভারে ইবং নাকা। একটা মোটা হারছে। কেনরের ওপর গোটা তিনেক ভান্ন পাড়ক। আমার চেক্ষের ওপর শাহ্ম স্মৃতিগাসে জনগত। মাধ্যের সমৃতি। স্থিমারের ক্ষাতি। দেখতার সাঁকোর ওপর দ**ি**চার মধ্রী স্ব'শ্তে দেখছে। একা একা কোনবিদ নবীর চরের বিকে হেখ্য চালছে। চার সেই শিম্প আৰু নেই। শিম্পার শীর্ণ জাক বাব্ই-এর মাজনত বাসা ট্র করে খলে পড়ে **ভেলে ভো**ল ভূবে গেছে একবিন। তব্ধরানদীটা থেও জ্ঞ আজত। পরনো মাধের ভেতর জাম। ধর্মাল হয়ে বজন। মধ্যেতী।

কানিনীজ্বালয় সোঁৱ ভের তেবর জেনানিকালো জালেছে বেথাল ব্রজন বলত, জনাদি জনতকলে ধরে এই জেনাকিল্লো পিঠে করে বার বেড়াছে প্রেম। জালাবের ভেতর লেখা আছে শা্ম্ম কত প্রেমের গাল, মনি তোমার পঞ্চতত পারতম জনিকের?

চে.খ দিয়ে জল গড়াত ব্রহ্নার। অংস

ষাহ্বরে কথা নর। হতে পারে রছদা য**ত**্যাংসের মানু**ৰ কিন্তু অলকাপ**ুরীর এই অভ্যের ভেতর পদাধিকারে না ধর্মপাল? মান্যৰ সম্বাদ্ধ তখন আৰুত্ত ধারণা এত আমার। তখন একটা বোধ এই ভাশ্রম থেকে টেনে বেন রাম্ভায় ১০চ দল্ভি করাত। এই আলম্ জার প্রিবেটর স্থেগ ভখন কেন প্রভেদ থাকত না। সমস্ত প্রথিবীটাই एथन धरे अनकाश्यो दरन कान हर। মন্ত্রের ওপর তথ্য আৰক্ষত ধ্রেশা হত অসর। প্রিবীর ওপর। निष्ठा. ভালবালা এ সংসারে ফিছা নয়। সেবা, ধর্ম, সংযক্ত ভুরুপের তাস। তসরুফের সাধ্যাম COLUMN !

ত্ৰপনা চেত্ৰের জল মোছা গ্ৰহ হাত না উল্লেখ্য ভাকতাম, ধমপোল— উ'।

কেন জানি মনে হর রক্তনা, এই সাজানো জগৎ সংসারে সম প্রেরগালো এক একটা সচ্চত্তর লাল মাক্তনা, সম্ নামাই লোভী রামী মৌমাছি।

অপ্ত বিভূতিভূষণ

্সুনীলকুমার চট্টোপাধ্যায়

১৩২ সালের ১০ইমার্চ অপরাভিত-র ীশেষ ধৰ্মা প্ৰায় দেখে বিভৃতিভ্ৰন লিখেছিলেন প্রতিই স্মারণীর দিনটা।..... ইসমাইলপুরের **জন্দালে এম**ন ক্ত শ**ি**তর গভীর অন্ধকার রাগিত, ভাগকাপারের বভ বাসার এমনা কত আনের বউলের গণ্য-ভরা ছল্যান দ্বাপার, কত চৈত্ত-দৈশ্যাপ্তর জিল-হালর গৃশ্ব-মেশানো অলস অপরায়, বড়বাসার ছাদে কভ প্রিশমার জ্ব্যোৎস্কা कृति खग्र, मार्गा, गठे, मर्गक्ता, श्रीवस्त মার্লার এদের চিক্তার কাটিয়েছি।....আঞ श्रीकारे कर्ष हर्ला । जन्द, कास्त्र मार्गा, লালা-এবা এই সাদীয়া পাঁচ বংসারে অনোর আপনার লোক হয়ে পড়েছিল।..অভ রটো য়ে কভগানি নিঃস্পা ও একাকী লোধ করছি, ভার সম্পত্ন ভিতিতী জন্মেনা বিভিন্ন কংলো এমা দীৰ্ঘ পাঁচ সংসর ধার গ্রাটকতক চারিত্র সাক্ষাধ ভোৱাছন। —ভাবের সাধ-পাংখ, ভাগের আশানীরে শান্তানের জবিষাং সম্বর্ণে দ্রোধার। বক্ষে চিন্তা করে।ছন।।

বিশ্তত করে না জানলেও প্রায় স্বাই ছাতে পথের পাঁচালি-অপরাজিত-র নারক অপ্ বিভূতিভূবণেরই ছারাম্তি। হেমন ছারাম্তি শ্রীকানত শরংচন্দের, ডেভিড ক্পার্রাফক্ত ডিকেন্সের, ফিলিপ সমারসেট মমের। সংখ্ এরা কেন, আত্মকীবনীম্লক উপনালে প্রার সবলি নামক চরিপ্রই রচনিতার স্বাধিক খনিষ্ঠ ছার্ম্মতি জনান্য চরতের তিনি যদি হন ব্যাখ্যাতা, নারাক চরিতের তিনি বুচয়িতা। প্রচনা নিজের মনের শাধ্রী দিয়ে। তাই নায়ক সর্বাধিক ভারই। ক্থাটা মুরিয়ে ব**ললে দাঁ**ডার, তিনি সর্বাধিক নারকেরই বা নারকেই। বিভূতিভূষণও স্বাধিক অপ্রেড্টা প্রের গুণ্ধাৰারে প্রকাশিত ছ্বে বিভৃতিভূষণ স্ক্রীকান্ড লাসকে যে কলিখানি উপহার দেন ভতে ভিনি স্বান্ধর করেন জেপু' নামে।

একজন গণুগগুহী তাঁকে একদা জিজাসা করোছলেন, আছো, অপার কাহিনী কি সভি সভি অপেনার জীবনী?' তিনি বর্গোছলেন, 'কিছু সভি। কিছু মিথো। বেনন শ্রীকাশ্ড আর পরংচদ্রা' বিভূতিভূবণ নিজেও এক জারগার শ্বীকার করেছেন, 'সেছিল অনেকথানিই আমার সংগ্র

কিন্তু কতথানি ? বিভূতিভূষণ এক দিন-লিপিতে লিখেছিলেন, নডেলে.....শৈশব-কলের ক্লাভিরই পানরাবাত্তি কর্মিছ মাছ।' প্রথের পাঁচাজিতে বিভূতিভূবণের শৈশনের
সম্ভবন্ত আনিত্র সমূতির পা্মরবর্গিত
হল্পেছে সরংঘতী পাজের বিকেশে কৃঠির
মাঠে হরিহারের সপ্যো অপার নাঁজকাঠ পাথি
দেখতে যাবার ঘটনায়। সর্ব্যাতী পা্জের বিন বিভূতিভূষণ ছেঠালশারের সন্থো কৃঠির মাঠে
নাঁজকাঠ পাখি দেখতে গিরেছিলেন। গ্রামের
পারিচিত গশিভর বাইরে পা নিরে বালক বিভূতিভূষণের মনে যে ভব হরেছিল তার
কথা তিনি কথনত ভূলতে পারেনান। উত্তর-ভিরিশের এক নির্নালিপিতে ভিনি লিখেছিলেন। কেন্দার লেখা থাকারে এক মুখ্যমতি
ভারি বংসরের বালক জীবনে প্রথম গ্রামর উত্তর মাঠে তার জ্যাঠামশারের সপ্যো গ্রেমর এসে কি ভালক প্রেক্তিল।

হেলেকেলে বিভূতিভূষণত, অপ্র মত, ব বার সংখ্য কথকত। ও শিক্ষ বাড়ি যাতা উপলক্ষে তাম থেকে প্রামাণতার যুরে বেড়াতেল। তরি এই প্রামান্য জাবিকে আড়ংখাটা ঠাকুরবাড়ির ক্ষাতি বড়ো গভার। বোরার করণে ক্ষাতিমধ্যে আড়ংখাটার কথা

কি কথনো ভলবো? বাবা আ দেখাটা থেকে দের জনে অভিভৱ হার বাড়ি ক্রি र उत्तात डेट्टेट अथवा कथा नामि अपने খেকে কট খোকা—? অথচ তিনি সাম্ভিন জালি বেলিটাং-এ আছি। সেই অসাধ বৈতি আৰ ভিনি ভাঠননি।' পথের পাঁচনীৰ-অপর্যাম্ভততে এই আড়ংঘাটা ঠাকুরবার্টির উল্লেখ আছে। বিভাতভয়ণের জীবনের এই প্রথম খ্যোকের ছার বসম্বনে অপরে পিছ-স্থোকের জাহিনী রচিত। কথকতা উপদটেক বিভতিভ্যণ বংন ব্ৰেৱ মণে হাৰ্থী জেলায় শাগন্ধ-কেওটার আসেন তথন সেখানো থাকাকালে তিনি প্ততেন প্রসম গ্রেমশারের প্রাঠশ লায়। বিভতিভবণ এই পাঠশকাটিকে প্রথের পাঁচালিতে অবিস্মর্থীর করে রেখে-ছেল। এটি বাতীত অনু ধে-সমূহত পাঠশালার ভিনি পাড়ভিলেন দেগালির মধে। বনগাঁর কাছে তার স্বগ্রাম বারাকপারে রাজ্য গঞ্জে-মশান্তার পাঠশালা অনাতম। এই পাঠ-শালটোর পরিবেশের প্রভাব যে পথের পাঁচালির প্রসাম পরেমশারের পাঠশালার ভগর পড়েছে তা ভার দিনলি প পভাগ থানামান করা যায়। সেই ছেলেবেলার রাজ্য গ্রেমশারের পঠিশালার পড়তে বাবার সমর চারিধারের বাঁশবনে বেমন অন্তানা প্রেশ লাকিতে থাকত—গ্ৰুতধনের দেশ তেমনি

॥ মরোজ বস্ত্র ॥

ठीन एएट्य धलाय २४ ०.४० २४ ०.४०

ৰহা বিত্ত কি ত সংজ্য জাগানো প্ৰদথ। চীন দ্বেশত গতিতে এগিরে চলেছে। চীনের মহা-বিশ্বর সে দেশে যে অভূতপূর্ব জীবন এনে দিয়েছে, সেই ছবি এ বইরের পাতার পাডার। এ বই নজুন চীনের জীবনের স্পশ্বন জন্ভবের ব্যক্তা খালে দিয়েছে।

। नन् श्रकानिक नकुन वरे प्र

रयोवन निकूरक्ष	নিমাই ভট্টাচাৰ	n	8.00	ı
অসতী	च-ङ्-व	u	9.00	n
আকাশকুস্ম	विश्वक कह	B	≥.00	TI .
न्वग्नः नाग्नक	সন্ভোৰকুমার বোৰ	n	8.00	u
গলেপর মতো	অমিতাভ চৌধ্রী	u	8.00	11
यरका तथरक माप्ति	मि निजीभ मानाकात	u	4.00	u

বেলল পাৰ্বালশাৰ্স প্ৰাইভেট লিলিটেড । ১৪ বৃত্তিক চাটুলেজ স্ট্রীট, কলি-১২

देशकाराम द्यां विकृष्णिक्यां कथक स्वातः मेळ वामना हिमा। किन्यू कथकण द्य स्वातः मेळ वामना हिमा। किन्यू कथकण द्य सहदम जात द्यांण काथातः द्यांणात स्वातः शाद ककों किम नित्तं जिन रेक्स्मण कृति काम गृनितः क्रिका। द्यांन देशमण कृति काम गृनितः क्रिका। द्यांन दंगम अन्य स्वाता क्रिका स्वतः द्यां हुए नी, विद्यास स्वाति क्रिका स्वतः व्याप्तः वर्षः विक्रातः स्वातः स्वातः व्याप्तः वर्षः वर्षः

অপুর মন্ত বিকৃতিভূষণের কাছে বীকা কবি হিল অভ্যান্ত সংখ্যা জিনিস। তিনি নিকেই ন্দ্রীকার করেছেন, বানের কবির জন্মে আহেটো আমার চিরধাল সমান রইল সেই বাজ্যকাল থেকে।

ছেলেবরসে প্রায়ে খাকতে বিভাওভবণ কর্মনা একা, কথনো ভার বালাবন্ধ, ভরতের (নামাণ্ডরে ভারতের) সংগ্রে ইছামতীতে খারে বেড়াতেন, সমাদ্র ভ্রমণের বই পড়ে ভার প্রণা एमें एटन, म्थानीय द्यान थान वा वीक वहेरा-প্ৰভা কোন বিশেষ কাৰ্গা বলে কৰ্পনা করতেন। তালো ওইসব বাদলার দিনে **ক্ষেন নৌকা বেয়ে একা বেডাতম, ও**দিকে চালতেশোভার বাঁক, চট কাতসার থালের নাম রেখেছিল ম Oysterbrook (অস্টার-রুক)—তথ্য সমায় ভ্রমণের নানা প্রভাষ, সর্বদা সেই স্বণন দেখতম। সেই সমাদ্র e আমাদের এই ছোটু ইছামতী, ভার জল একই কালো জল।' পথের পাঁচালিতে পটার সংগ্রে অপার ইছামতীতে নৌকা শ্রমণের কাহিনী বিভতিভবংগর নিজেরই বাস্যকালের কাহিনী।

পথের পাঁচালিতে অপ্ বেসব গ্রন্থের সংগা পরিচিত হরেছে তার একাধিক উল্লেখ বিভূতিভূষণ তার বালাজীবন প্রসংগ করেছেন। ছেলেবরুসে অপুকে যে বইটি সবচেরে বেশী প্রভাবিত করে সে বই মারের মুখে শোনা মহাভারত। বিভূতিভূষণও বালাকালেই এই বইটির সংগা পারিচিত হন। ছেলেবেলার রাজকৃষ্ণ রারের পদ্য-মহাভারত ক একবার পড়েছিল,ম।' অপ দুপুর বেলার সঙ্গের পুকুর পাহারা দেবার পরিবতে বৈস্থ বই পড়তে পেড় ভার মধ্যে অহারান্দ্র জীবন-প্রভাত অনাজম। এই বইটির একাধিক উল্লেখ বিভূতিভূতবের নিনালিপিতে পাওরা বারে। 'মনে পড়ে বহু কাল পুবে' এই সমরেই দৈশবের সেই আধবীকদ্দল ও ক্ষীবন-প্রভাত'।' সেই রখুনাথকী হাবিদাদারের ক্রালা ভর্ব চোখ দুটি ও শিবাজির হাতের ক্ষণার্মান বলা মনে পড়ে।'

পথের পাঁচালিতে অপ্র বারা দেখার কাহিনী বিভূতিভূষণের বালাকালের গ্রামে বারা দেখার কাহিনী অবলম্বনে রচিত।

বারার্গলে বে ছেলোট রাজপুর সেকেছিল সেই সমবরসী অজরকে অপু বাড়িতে নিমলুণ করে আইরেছিল। এই কাহিনটির উল্লেখ বিভূতিভূষণ তাঁর এক দিনলিপিতে করেছেন। বারাদলের ছেলে ফলি বাড়িতে থেতে এল।

গথের পাঁচালির অপু বেমন বিভৃতি-ভূষণের বাল্যকালের, তেমনি অপরাজিত-র অপু তাঁর কৈশোর ও যৌবনকালের ছালামতি।

অপরাজিত তে বিভাতভ্রণের কৈশোরের স্ভ্রত আদিত্ম স্মৃতির প্নরাবৃতি হয়েছে অপুরে দৈনিক চার ক্লোশ রাস্তা হে°েট আড়বোরালের শ্রুল করার কাহিনীতে। গ্রামে পড়া শেষ করে বিভতিক্ষণ চোপ বছর বয়সে বনগাঁ হাই স্কুলে ক্লাস ফাইন্ডে ভার্ত হন। প্রথম প্রথম তিনি প্রতিদিন ছ' মাইল পথ হে'টে দকল করতেন। তারপর এই বছরেই তিনি অপরে মত স্কুল বেডিং-এ চলে আসেন। অপু বেদিন মন্সাপোতা থেকে দেওৱানপরে প্রুল বেডিং-এ চলে আসে তার আগের সংখ্যার সে কুডুদের বাড়ি মনসার ভাসান শ্নতে গিয়েছিল। বিভতিভয়ণের জীবনেও ঠিক এমন্টি ঘটেছিল। 'সেই ১৯০৮ সালে, এক সম্ধান বেহারী যোষের বাড়ি মানিকের গান হল— প্রদিন জিনিস্প্র নিয়ে সেই যে বেডিং এ এলাম।' থাড় ক্লাসে পড়ার সময় বিভৃতি-ভূষণের পিছবিরোগ হয় এবং বোডিং-এর খরচ চালানো তাঁর পক্ষে দুক্তর হয়ে পড়ে। সেই সমধ্যে স্কুলের প্রধান শিক্ষক ভারতেন্দ্র ম্বোপাধারের চেণ্টায় বনগাঁর ভদানীগতন সরকারী ভাতার বিধ্যভূষণ বংশ্যাপাধ্যারের বাড়িতে তিনি গাজেন টিউটরের চাকরি পান। এই সহদর পরিবারে বিভৃতিভবণ বাড়ির ছেলের ঘত বাবহার পেডেন এবং ভদ্রলোকের কন্যা প্রীতিগতা (ডাকনাম খিন,) তাঁকে থ্ৰ সেবা বন্ধ করত। এই সব অংশে অপরাজিত র পাঠকদের ব্রুছে অস্থারিধে হর না অপ্র স্কুল-জীবনের কাহিনী বিভূতিভূষণের প্রুল-জীবনের অভিজ্ঞতার ওপর নির্ভার করে লেখা। এই প্রসংগ্র करमा कर्ता त्याम चित्र हे चनत्रिक्त स्थान

অপাত্র কলেজকবিনের গণগও বিভৃতি। ভূতবের কলেজ-কবিনের কত আনুর্প।

वनगा म्बन स्थरक छान्।एव माधिक गत करत विकृष्टिकृषण महात्राधमाथ करनास । जाम विषय करनक) जाहें व क्रारंत की के उस কলকাভার গোড়ার দিকে ভিনি মদন্যেত্র নেন লেনের এক মেস বাছিতে থাকলে পরে মিজাপরে প্রীটের কলেক হলেও জাটা আসেন। অগতে কলকাভার এসে প্রথমে নার প্রধানন দাস লেনের এক মেলে, পরে ভাসের करस्कान जात जिल्ला एवं सामा-कामांस कर्त्वाक्रम रमशास्त्र रम खेले गता क्रमतांक्रण স্থান্ত ঠাকুর মামে এক ভাতৰাবাসাঁত **ছোটেলে খেন্তে দাম না দিতে পারার অগ**র লাভনার যে উল্লেখ আছে তা বিভাতভয়নে জ্ঞীবনের ঘটনা। '১৯১১ সালের জানারারি মালে আমি মিকাপেরে প্রীটের একটা উত্ত ঠাকরের হোটেলে দিন কতক খেতুম। উড়ে ठाकत्वोत गाम मान्त्र ठाक्ता। मान्त्र ठाक्ता रमाकारम **बारव शिरत नाहि एएकम-र**काश থেকে যে দায় দেব না ভেবে গেগেই যান্ধ. প্ৰায়ত যাছি। কৰেছে প্ৰায় সময় সাহিত। ছাড়া আর হে বিষয়ে বিভঙ্ভিলণের খাব উৎসাহ ছিল ভা ভিবেটিং। ভৃতীয় বাৰ্ষ প্রেণীতে পভার সময় কলেজের এক বিতর্ক সভাষ তিনি 'নতেনের আহ্বান' নামে একটি প্রবংগ পাঠ করেন। বিত্তের অন্যাপে উংসাহ ছিল অপার। সেও *কলে*তের বিভঙ[ে] সভার তে প্ৰদৰ্শন প্ৰভেছিল ভাৰ নাম 'দভোৰে वाश्चान'।

কৃতিখের সংগ্র আই এ পাস করার ^{পর} অথাভাবে অপুর আরু বি-এ পড়া হর্ম। সন্তর টাকা মাইনেতে সে খবলের কাগজের অফিসে চাকরি নের। বিভৃতিভূষণও লেখা-शक्षा क्टरफ मिरत किट मिरतत करना थवरवत काशरक्षत्र कांकरम हाकति मित्रीवरगत। কলেজের লেখাপড়া বাধ হালেও বিভূতি-ভ্রণের মত অপুরঙ প্রাণ্নের সংগ সম্পর্ক কোন দিন ছিল হর্না। ইম্প্রিরাল लाहेरतुतिहरू (वर्जनाम नाममान नाहेरतु_{ति)} তার নির্মাত যাতারাত ছিল। অপ**্র** বিশেষ আগ্রহ ছিল ইডিহাসের ওপর। সাধারণ মানুবের ইতিহাস সে জানতে নার। এ क्रक्बार्य विक्रीकक्ष्यरगत मत्नम कथा। जिन বলেন, 'গ্রীলের, রোমের যব ও গমের ক্লেডের ধারে ওলিভ বন্যদ্রাক্ষার ঝোপের ভারার काशाय ट्र देन्सिक्स कीवस हाकात हाकात वस्त्र शत्त ज्ञाम-जन्मा सांभेष स्टार्ड--তাদের সূত্র-দর্ভয় আশা-নিরাশার গলপ, ভাদের ব্রেকর প্রক্ষনের ইভিহাস আহি জানতে চাই।' ইতিহাসের আর বে রংগে অগ্ন কৌত্হলাক্তাতে সে রুপে মহাকালের বিরাট মিছিলের। আইজাণ্টাইন সাঞ্চাজ্যের



ভগস গিবন এমশ্যে কিশিক্ষাছেন, কি া কেই জনশ্ল লিখিয়াকেন ত বিষয় हित ७७ को छाइन गाउँ. राम ११६. ্ত্হপাক্ত মহাকালের এই বিরাট নাছলে। হাজার যুগ ভারেগকার কত রাজা, নিন্দ্র সভাত, মন্দ্রী, কোজা, সেনাপতি, বালক, ধুবা, কত ওপ্তানকলা উল্লেখ্য কৰু আঘালি স্ম রাঞ্পার্য—যাহারা তথের ৬০ন অণ্ডরংগ ক্ষার গ_েশ্তক্ষা প্রকাশ করিয়া তাহারক ছাতকৈর কুঠারের মাজে দিতে পিবধা বৈংধ মনে মট্ট চন্দ্র কালস্ক, দে ইয়ালের ভালিয়া যাভয়ার। বালবাদের মত মিদাইন। য়ান্তরে দিকটা। কোধায় তাকানের কথা মার প্রশাসনে ভাসের অঞ্জালকর হথারভাগ বিহুতিভ্যাণ্য ভাবনা ৬ ভারত গুলে অপরে ভারনা ও ভারোর হে [া]ন ভা**ন্**ড মিন তা ওছে, মায় সমূল এর প্রশাস্থান ক্রিটারর ভাষাম্প্র রকা হারণ গভার २०० हिन्द्रा सभारकत् ६५०। कार्य हरात ন্ত্র হচুক্ত বিকে প্রস্তৃতিলয়ে। কর প্রচে યુર્ણ જાણું કર્યો (જોક્ટ) જેન્જો છે. પ્રદ মান্ত্রী ভুর্ণী হ'লকে যাতার ভাশ নিক্ষার କ୍ରାନ୍ତ କର୍ମ୍ୟ ନ୍ୟାନ୍ତ ଅନ୍ୟର୍ମ୍ୟ ଅନ୍ୟର୍ମ ପ୍ରଥମଣ । শুলা, শুভা অভ্যালয়-উংপীড়ার, হারত, পার্লি জ্বলা আন্ত প্ৰাণ সৈতিয়া আন্ত বিষয়ে ভাগা হাড়িল, হালত কিবানে পাচ্ছ ^কনিকে ভাষ্ট ଅଞ୍ଜିୟ ଓ ବିଜନ୍ମ ଓ ଅଟିକ ପ୍ରତ୍ୟ କଥାଚିତ୍ର ଅଟିକ প্রক্রের ৩০% সংস্কৃত রহণু ভারে জন ১ ted to or account 18428 BARR মা^{*}টেকাল টেল জোল হেট এব ভূমিক হাজ লিকে পিছে কান্ত্ৰীয় চন্দ্ৰ ৰ্জাৰি নিঃ িছ স্থান্তৰ (ক্ষত ভাটার হাছাত হাজাভাভ আলুলায় হৈ <u>ভালের</u> \$P\$ \$P\$ \$P\$ 6 \$25868 - \$\$\$ \$\$\$\$ राहे ,काह रे एकाक दिल्ला सुरु हरू । विहास ester the firstly than to prisoner to শিক্ষ ভাগি হও কোন্ত্রল ক্ষাইছ ক— आह राष्ट्र दर्श इ.स्म इ.स्ट उद्दे स्थानायन 2. 27

ાજા_{નુ}તુ અંત્રજ્ઞસ્થારું કે Marsh & Carlington <u>৩</u>%র 15 5 5 14 W সাংশতিকীবানর নিশিত্তর পর্ভার । বিজ ণিখ-৩ পড়াত বিভূতিভ্লালর সংগ্রাজারীর বিবাহ হয়। তারি নয়স ভাগল তেইশা পোর বি ଫିଟ । ଅଷ୍ୟାଲ ଅଧି ଫେନିଟିଡେ ଓ ୧୯୧୧ ଓ ଅଧି টেকা স্পরে, তেললৈ তার সবভার ভিক মিটি। স্থান্ত্রার রয়ত নবন্দ্রতির रियानस हिलायन्य (२५२) विकास १२३ ^{দৈকে} চশিষক্তবার প্রতি হিভুতিভয়বের এত প্রজিতা। জোরী হার। হারার পর ^{কল}ণাতার চেক্সে থাকার সময় তিনি প্রতি দিন ^{স্কুর} এক প্রসার চাপাদ্রল কিন্তেন। পরিমস গোপর্মের একনিক দেখে ফোলাগে ভিনি স্থাত্য হালেয় বলেছিলেন তেনেজ নিনি।" অলুর্নিজ্ভনতে ছাল্পফ্রের সংগ্রে 🎙 📭 🐧 ক্ষাৰ্থ চিক এই একই কাল্ডণ এড

মধ্যে। পাঠ্যবস্থার বিষ্ণাত হওরায় লেখা-হাডার পাছে ধ্যাথাত হয় সেপ্রনা । গাঁড**ী**র बारा क्योर्टाका छीत काट्य द्वरण स्मा। वि-अ প্রাক্ষা হয়ে যাবার পর ১৯১৮ সাপের জ্ঞান্ত জনস বিভতিভ্যণ গোৱা ক নিয়ে হাস্ত্রতার্ভর করেছ পর্যালভর হাত্র থেকে ধারাকসভার জালেন। প্রথ এই প্রথম প্রস্পারের শার্ডপরাক এও কাছে পাওয়া। ত্য তথ্য য বহিষ্কালী থেকে বনগাঁ থেতে থাক रदाःसधाने विक एन्डेमान शर् छ दनवार ह दन्ते। বনগাঁহের গাড়ির এপেক্ষায় এইখানেই ব্রাটা क्षामका प्रशास उपादको वदलात । प्रशांकी, स्मर्व ৰা লাঁছের গাড়িয়ত াসা, সাই বোলাঘাটা বিজ দেওঁশানা আমানের প্রথম ৬ থেই গরকার, ক্রেট আয়না বর করে দেওয়া, ক্রেই চিসি ব্রু আর হাছয় ক্পালে ঠেকানের ওথা ହମ୍ମ ଅଞ୍ଚଳ୍ପାକ ଅହା^ର ଅଂମାଧ ଅନ୍ଧିତ୍ତ মনসাপোতা আনার সময় ভৈরণ নাদর ধারে প্রেট প্রথম সংস্থার প্রেটেডিল। প্রেটিটিক ও লোক পৰে সংবাৰ-পাৰে - কেইবানের উন্বেখিক ি চাতি ভ্ৰালের করেছা কি মধ্যের হয়েই তা ্যত কৈ স্থতিলৰ বিভাতভূমণ জন্ম আ এ র সের ছব। সহাক্ষরের ক্রের জনে। ্তি হাত চুচ্ছিতি কলকাভায় প্রবাদেরদের the regions became the second of a sections পুর্বিত্র সমুগুর জিল্লান্তর এবলাল প্রেরিক। প্রক্রের সংগ্রেছা, কেন্দ্র জার ন এক টেবর কাইটে জেরকম জিলা **১২**ই हुए जन्दरके हैं। जिस्सार होत् पुत्रम् खन्तेल ্বত ভিন্ন প্ৰতি হ'ল বলাল একে ্লিত সেই সেখি সেখাও এই এছাবট প্ৰেচিত সময় তামীটাক বাংগাৰ বাভি **থে**কে িত্ত হ'ল এক ভাই মানুষ্যালক পাতে কুল কুটা লিলি হাত্র হাল্য বিভাতি হয় পের Margary Gelter School Allering Miester Scho වෙනු යන විශාලී දෙසනුවන වෙරුණ නවා. වන්නැත জালিক সা সেটিলি শোককে এইফার জান। বিছ'ভিত্তাতে ১০৩ চন্দ্ৰ জালের জেলেকের সংস্থেপ সলা, এবা দিয়ে ইভাষ্ট সময় কটের হল। তার পার এম এ পাড়াই ইস্থাস্থা লিয়ে ত্রামীল জেলনত ভাক থাক পাড়াসেলির সভূষে। জনের ভিজে তিতি হাজ্য এবস শুরু, কারেন। ক্রেম্বরে কিছু দির স্থান্ধ অংশুর প্র গাল সেন্দ্রালয়ের হারিন্তি A87611

ক য়কখানি বেখ্যাত অং	वाम
এম. সি. সরকার জ্যাত সংস প্রা: সূবসমাজ ও কমিউনিজম	नि:
িচারত করনেল কমিউনিজম ও বিশ্লব	२ ∙००
্যক ও প্রন্টন রূপান্তরের দুর্গাম পথে	8.00
বাকু-সাহিত্য	2.00
এশিয়ার ধ্মায়িত অণিন	কাপ 🏻
কে জিয়ার	0.00
অথনিতি ও মানৰ কল্যা ণ	4
p.:0	8.00
প্রশেনাভরে আমেরিকা	
स्टश्च	ತ.೧೦
মানৰ ও সমাজ-বিজ্ঞান	
25.8 63.358	6.00
প্থিবীর অধেকি মান্য	j
,49°0	€.00
এশিয়া পাবলিশিং কোং	
উপনিৰেশ থেকে কমিউনি	
14 1 8 eW 5	\$.00
জিয়ের্কিঙ ভুগস্তা প্রস	2.60
আজিকার উত্তর ভিয়েংনাঃ	a
o (o €1.)	\$-60
নান্ৰাদঃ বিষয় ৰুত্তু ও	
কাৰ্য [*]	পৰ্যতি
জনশঙ্গার ও রাজ নি	3.30
ভিয়েৎনামের যুক্ক কেন?	
SEC PROCES	\$.00
িবশ্ববিধানের সন্ধানে	
दार हर है। सर्वेदाकार	€.00
লাল শহর কালো গাল	
ंश्य ७ भाग	0.00
পু লা তকা	
अस्ति ८५	0.60
প্ৰাগ'লন	
7 Σ(a Σ,ξe)	₹.00
<u>হোলাপথ। প্ৰকাশনী</u>	ĺ
গালিয়ে এলাম	1
<u>୍ର</u> ୍ୟୁ ଅନ୍ତି	2.40
হিউৰাট হোরেশিও হামফ্র	7
ોર્જી અ ધ	2.60
নানা বিষয়ে আরো অনেক ব প ৃষ্ঠকবিকেতাদের উচ্চ কলি শ	•
শ _্ শতক ৰজেতাদের ৬০৮ কাম্ শ ভালিকা চেয়ে পাঠা ন	'
আওই অভার দিন	
এম সি সরকার আন্ত সম্ম প্র	ाः निः

১৪ বলক চন্দ্র স্থান কলিক আ ১৯

বিকে চেত্র শ্বংচন্ত শ্রন্থীর প্রক্লিন্ত্র প্রথা পর্বাহ্ন সেই প্রক্লে নহখনে, সিন্ধেশ্বরাব্যাদর অফিসে কান্ধ করার সমর টেবলের জ্ঞারের বেখনা প্রক্লিন্ন থারন্ত। কাপ্রের ফার্কে ফার্কে চট করে একবার নার করে নিজে পার্য ড্রন্থান, স্ক্রেন্থান ব্যাদি প্রভারত ও ব্যাবশ্যাস চেত্রাক্রিয়া

ম্কুমের ডাকরি ছাড়ার পর বিচাতভ্যগ কিছা সিং কেলের ২ জেনেলয়ের জেরক্কণী সভার প্রভারতকর চাক্রি কার্ন। পরে জিনি পার্থনীরস্রাধানীর খেলাওড়ন্ত হোবের কড়িতে হথান্ত্ৰাম গাহলিক্ষক, প্ৰাইডেট সেক্টেটারি এং ଞାମନୀମ<u>୍</u>ଟ୍ୟକ୍ତ অধ্বাদ্যালয় থানিস্টাণ্ট হয়নেজার নিষ্ক অপর্য়াজভন্ত লগ্রে এল্লক্জারে বিন্তুন ভ্রাণর অর্ণার কেন্ত্র প্রান্তর প্রান্তর **উত্তর** ভারতে । প্রমণ করাত করাত তথাক টোটো মহাকটেলট । যে বিষয় সংলগে ২০ প্রত্যেত্র বিভাতিত্যণ ভাবে প্রভাক করেছেই তা ভ্রমারাদ-ইদমাইলপ্যারের । জংগারমহা । । দিনলৈপিছে লিখালন তেও অপনে চাত ভাঁপ্র মহাকালের এই ভাণ্ডৰ ন্তাছক শ্ল খাল ধরে রাজা, মহারাজা, সঞ্জা কহিনীকৈ উভিয়ে কোনে তিয়ে তাপন হান কোন বিশাল অন্তর্বর স্বান্ধ্রের গ্রুড বৈত্যের সংগ্র তাজ হৈছে ভালছে, মহাধ্যান ভারে মহান্থয়াল কাংগু অন্তর্জাল ধার 💖 **চলে হওটের উল্সাভেরতি হৈ ললকে** ত

দীয়া চাৰিক্ষা বছর বচন অপ্যানিনিক নান প্রাপ্ত ক্ষিরে জ্যান্ত । তথ্য প্রিয় লাকের প্রথা বাংলাক সাভিকার বস্তুত এই সমানেই নাকে : পথ তালিছে চলিক্তে প্রথম ধ্যান্তর ফারেন এর যেতিবৈনের সৌদন্যে সে মাণ্য হটক। গ্রেল। এই কম্পামান টেরনোপ্রারের ভারতের সংগ্র ভারনফ্রারে গ্রেষদ্র স্থান্ত। বৈশ্ব সেন মিশ্যনে আছে ক্রান্ত লাভ কৈছে লাভাৰ হয়, বড় ওঠে চাছেল কেটেল ছায়য় টেইছে-প্রের মতু আলেজার্শ্ববহিত্য সম হাত্ আমে কডাইতে আল্সাং আপা ভাগে, আহা, ভাষিক এই এদের কড় স্থাস্থার কড় স্থাকতার জিনিক! দ্রিয়ারে চাইয়া চ্ছাইয়া কেখে সমূহত বংগামের ভল্টা ধ্যমিতা কৌত্ৰপার চীংকারেটে বলাক-ব সকাতে ভার্য বিদ্যুক্ত "বিভাতি ভবণত জনেক কি প্র বস্তার হিন্তে একেছেন গাঁকি লিখারে किर्यपुरुष, एसक देवकारम कामरिन्धायोस राज् ভাঠে: তেম হয় রোজ রোজ।...সাম্প্র সাম-বাগাড়ের ওপাগ্যকে৷ ধারমান, কোড়কংর, চীংকাররত বালক-বালকতে ভার যার-সভাতেখ্যাসন্তিল। প্রেছর পাঁচনিলাত এই ভাষ্যাছতির উল্লেখ আছে), তেওঁলভেল ... স্মাসত বাসালে ধাতারাতের ধান পাড় ^{বিলে}রছে। ক্ষেত্রিয় থবা মোধের ছায়ায় ক্ষেত্রেপাড়ার স্বাই ---স্ক্রী-পারেষ-বাশ্ব-বাশকের। ধানা হাতে আন

কভাচের সৈথে অন্যার হেটার জন্ম এল । জানিয়ে এই এটার কাড জান্তানর, কাড স্থেকিডার জিনিসা নিশিচ্চিন্থারে সিল্লে দের ভিটোতে ভাকে আপার এন হারছে, এই বৈলৈ হল আ অন্ত বেখাক পা ধ্যাৰে ক্ষরকা ৰূপড় শারে প্রদীশ হাছে সংধ্য সিভে সাভ বজানন, আন্ত সংগ্রে করে করি ফিরাল মাপ্র লা প্রিভা**র** ভিটোত ভার লেখে প্রভার মায়ের রয়েও কছা, বিশ্ব চাতর ত্রকরে। এ একেবার ১ এই ି *ଗ*ିଞ୍**ଞ୍**ଜ୍ୟ **ଅ**ଣ୍ଡୀତ ଓଡ଼ିକର ଅନ୍ତର୍ `**S**555 বৈভাতে গিয়ে ছল মান-এক ট্রান্ডরা । বর্ণমারী সংখ্যা প্রতিষ্ঠা ব্রাক্ত **প্রস**াভ্যার হয়ত মুন্ত মনে এল মায়ের কচ্ছিতির সজে থেন মাখ্যা মা এই কৈবলে স্বাট ছেকে া ধানে ফসা কাগ্য প্রায় এলে জানা দের খনত বিজ্ঞো—এই ছবিটেই নত্ত্ত খনে জাতা। সতাল তাই সভান কৰে জাভা ক্ষেত্ৰ কভাৱ প্ৰান্তৰ কৰি হালীলে কুটা সংক্রেছ ছাড়া এক ছ Sec. 12

স্থান্ত বিভাগ বিভাগ বিভাগ সংখ্যা সকলের ইছামতীয় সারে সভিয়ে অবলা জকা মান্তার জানার্দ-বিশ্বাস করি সারায়র ভূতিরা -সাধির হাউলির উপক্ষিম করতে প্রের্ছ। কল⁸ৰ হালে আজিকান **এই জন্**প সমাজ মাভাল মহালেশ জে জেখিছে পাইলেং । মাজ হাইল ম্যাণ ষ্যাণে তে জন্ম মাডাওজ ক্ষেত্ৰ বিশ্বতালয়ে কুক্তিকিকেই কুড়ে আনাইছে কটাতের্ক্ত[—]ভিন্নি জন্তনা হেনাল জগীসহেন্দ কর কোন্ভাবকার *ভ*ীন্তঃ ভাজিত্র হার, কংলার জালমান্ত কংলার ও জীব**র** জন্য হিজিল অশ্ব রসস্থি—গৃহত্তর ভৌনত স্থির ৬টানিছা হাজার বছর আগে হরত কৈ জানিহাতিক প্রতীন উভিত্তী—সেখ**া**ন নজম ঘটা প্ৰিয়ে কেন্দ্ৰ ৰ চেন্ত্ৰীয়া নামৰ ଓର୍ମ୍ୟର୍ଥ ଓଡ଼ି ଅ**୫**୬ ମଣ୍ଡର ଅଧ୍ୟକ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ତ বাংগ ভাই কেবালে প্রবাহর সালে করে সে এক হাস্তু বৈশ্ব ক উইটা। হিস্তুহ — ভাব র হারত ভদ্য দিয় হিলা রাইন নস্টীর ধ্যান্ত্র—কার্কা ভানা, বার্ড ভা ব⁵চ বড়ের শ্রামল ছায়ন্ত্র বড়ান্ত্রী থারের প্রতিমি প্রসারেন, মধান্যায়ের আঞ্চলর পালি ভাষহাভয়ার, স্পের্যুগ সহীরের ল্লো লাজনে কছন কৰে আন্দুৰ্ভন্ত টুক প্ৰিষ্ঠিত ফিন্ত আক্ৰিয়ে ভগদ কি মনে পড়িলে এবারকানের এট ভাবিকটা :—বিধবা ্ক জন্ত আৰু হয়ত জ প্ৰিয়ালীতে ও সিত্ৰ মা—এই যে বউগাছের জারির মাথার ক্ষীণ প্রথম ভার টি ভাষের প্রমাত অঞ্চল জীবন ধারার মধে৷ হয়ত এবার নবজন্ম !--কভবার মেন সে আসিয়াভে…জন্ম হয়তে জন্মান্ডরে, মাজা হটাত মাজার মধা িরা—বহা, সহা দ্যুর অত্তীতে ও ভবিষ্কাতে বিশক্ত সে শগ্র সেন্ধেৰ কেখিডে সাইল…কত নিশ্চিশ-পরে, কভ অপণা, কভ দ্রগে দিনি—

ক্ষীবলের ও ক্ষমমূজ্যুর স্থীবিশ্যা স্থান क्रान्ड च जार्गिनम्ड काकास त्र कि स्रम्भ জানহার , শহুৰ, জ্ঞানতের, সৌৰ্জা, ভুগন शहारा स महार (भारत स मान्सिस) भर्तः अदेतः हम काञ्च न्हारका होत्। राशित भविनारेक भाव कर उपत्र स्था ্রেকটা অনুগ্রিক আন্তেদ স্থাত অনুষ্ঠততে, বহলের ফল ভবিরা ইফা প্রাণবন্ত ভার আন্দা, সে অমর ও জন केंद्राराज्य २ वर्षे समझाहात उद्योगकार भूपातकार िस्त धन्त्र काम-मान्स महान सीक्षां प्र স্ট স্টে বৰে খেন্তা সে ভবিও জনিকত্ব হইতে জাহকে কংগ্ৰেছ লাগ কৰিবাৰ শ্ৰি নাই—ভঞাৰ মনে প্ৰতাস দ[া]ল ১৯ **৬৯** এ**জ এজ--এটাপ গ্রা**ম এই ওল্ল অব্যাত্ত নক। সে জন্ম প্রকাশতারে প্রে জন্ম সূত্ৰ হইছে কোনা সাক্তৰ হৈ মতিন পথস্থীন পথা তার গাঁড় এই নিজু মতি ভক্ষা, আকলা ভাইছেছে সংভাৰমণ্ডকা ছাৰাপ্য নিমাল জনভাছ নীত বিকার **স্কারণ, বাহিতা**ল ভিত্তে তেন্ত্র মত সংস্থা মতাক্ষী ভার গান্তে চন্দ্র গংল ভার ও সকলের লাজুর কার্ লগের স িবর ট ভাশীবরটো নিডিটারের অহাস্মানুরর হয় Nic Sin Seigenz egal-tyt সামার বিভিন্ন কোলে গড়িল সলা আন্তর্ভাল মারোহ সংগীয়া ৮**উ**কার । জাতে সে এই ছফা; বৈভাতিজ্ঞান দাই উপজোজান

ि_किकोक पुर दिखाँका किलाव, किलावण किलावण र्ज भाजा दश **कर्मगा**ष्ट्रा**टक उ**र्माण दक्षीर হলৰ * প্ৰশীল হাহ**ত আ**হাৰীততি হাছে ইটাই त्र र कार पहार का १० कालगीहरू प्रीकारे ক্তিক চেন্দ্র হার স্থান সংক্রের চ^{ার} (Xilo) একে প্রতিনীত ভণ্ট কেল 💯 স্বারের হা, তবাদ, স্বাংশ, ভাই, ব্যাস্থানটো and say the fear thank the second of the second ভাতকাল পান্ধে জ্বাসার মার্টাটি বহারের জ্ঞা යුතුවීම යුදුරුවල ලද්ද සෑම සිට මේ දිර অংহর কোহার 5জো সাবে ওক জা*নাই জী* Cycle of Birth and Death 37 িত প্ৰিয় কৰা কৰা **আ**ছিছ ভাঁকে কাণ্যা ^{কাঠ} ি ক্লেডি ভিন্ন এক সভ নিশ্লী চু কৈ জ ୍ନ ଅଧ୍ୟର ଓ ଅମି**ଶ୍ୟ ଅନ୍ତ ଜନ୍ୟାପ୍ୟ**ା ^{ଓ ଅ} र करो रहेगा एवंद महित इ.स.स. मार डेलेड --- ওর সারিসাংশে একটা অস্পা গ্রহ হরতে ম্বার্ডে, ভার জগতে যেতে পারি...মতা ^{হয়} জ্ঞানি দ্বীল নত্ত, মুখ্যুই নত্ত্ত, ক্ষানুহ হয়, দিই গ্ৰসত জড় সান্ত নত্ন, তাতীয় ভাগমাক্তমাণ্ডনে প্রিক-জ কাণে সুর খোকে চকান স্মানুরে ^{হিছা} ন্তন পথতীন পথে **অমা**র গতি^{– এই} বিশ্ল বিশ্ব, এই বিশ্লেস নীল ভারিট খাগণা ফোর্নিডলেকি, এট সংস্থা^{স্থা} ৰাত্যক্ষী—জামার পারে চলার পথ নিংশী^ক শ্বন। বেকে সে গড়ি আমান ও সারা মান্টার ৰাগে বাগে বাধাহীন হোক।'

वन्ध्र श्रमाय्रुन कविस्

রবীন্দ্রনাথ দত্ত

🚃 মার্ল কনিবলৈ কালা আনার প্রথম 🎖 পরিচয় ১৯২৭এ। ইণ্টার্মাডিরেট 🕶 ক্রনে স্থেম্ভ 🗗 এ ক্রানে উঠ্ছ। ভাষা প্ৰত্যালয় বছর । **ভাষাই এম সি এ** জেল-গুটাৰত ৰাজে ফোলবাৰ হাছেছি, ছেলামালাৰ ভাগৰালাৰ জন্ম টেব্ল-টেলিটের প্রতি অভেগন ছিল খান: বছরখানেক প্রতি সদ্ধান প্ৰতিয়াত অভাস্থ কাৰে দক্ষাত এক **চ**ন বিছাটা। তাই তাল শোলায়ানের প্রেটিছ থাকত মাধ্যমনের চেপ্টর ৷ সেখালো ভংগ ভানভাৰ ছেন্তি টেনিখা-টোনিস কৰাবাদ্ধ ভিস্ন ংলেরে। ছাত্রিসালে জালি ভিলাল ভরি সাধানের অসার ক্লেডিয়া ভাষাবিদ্ধা রাজভিদ িশ্ববিদ্যালয়ের স্বাচার খ্যা**ড্যা**মা ছার : এন ও প্রত্যে সাত্রর প্রতাধার প্রতাপ্রতা দিয়েই কে আমাদ নতাক্রের লাইকে ৷ ১৯৮ ওক[্]না ভার সংগ্রে গ্রুভন স্মাহের। ভিত্র টেলা আন **একজন ন্ম**ভান ক্রেমন ইন্সার্ক্রের কাছে জ্বলে ডাল করেটা জ্বলি ডাক চাট্ৰেক্ট কৰে বসভায়। ক্ৰেনিয়া ছব্লিক সে আমাকেও নিয়েছিল—জিন্তু সমূত্রে ১৯। ংগা পের হাতে তাঁচার তাকে ক্রম্বান করে বস্থা, 'ভিম্বেটিঃ তারতে একচিয়া ক্রেচিট ইটো হারটে পারেল কিলা কেলের গা এট টেব্যালটোলকে মাধ্যমেই ভাচে আছা দেব প্রিউজা হয় ও জেপেনি ব্যাক জ্যুত্র 'ভূমি'তে চেক ভাক।

শ্বরে পারিবারিক সাতে চমই সাধ্বংর प्रतिष्ठेडह श्वा अवह (क्षार्थ कालक জীকাশীক্ষার ফে। তেখন বিসায়ত । জাই ষি এমাজন মে ভিন খনিজ কংল্। লাখ্যি লৈ বৈজ্ঞিতে ভাত সংখ্যা হাত্রতে জিলা। সে বাজির সনক্ষে ভারুক পরিস্থান্তর একভা বলেই মান করতেন। আমার দ্বারী স্কুমবিদ্রত কনিওঠ বোন কলেনে তৈক চেল নিজের ত্রতের মতই মলে করতো। আমানের বিদার হংয শির হয় তথ্য হয়ে হয়ে তথ্যসূত্রতার ইন্দ্রের বিন্তের ধবর প্রের। কসন্তর্গীকে ক্রেন্স চিঠিও স্পর্ভিড কবিড়া পাঠার ডা কনিওার তিত **ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ প্ৰ**ীডি ও ভাৰাকসাৱ এক ব্রন্থার। কল্যাণীদের বর্ণজ্ঞে গ্রন ^{করে} রেখেছে। কলাগীদের ব্যক্তিতে গ্রাহ বছনা কৰিছাপাঠ ও নিজের হচিত নাটক জীওনর ফিলে হলে।রচে আনক সময় কটোও। শ্বিনী**ল দেই সম**ত্ত **স্থ**ীলনের আভারহ ^{প্রিকিন্}ষ্টক পাষ্টা মাণারের সংগ্রেই পরি-শীনের সকলে একবার গিলিভি গিলেছিলেন। ইমায়নেও সম্প্রী হয়েছিল। ছারিতে স্বায় 🕶টে না। বিপিনবাব্যর ইচ্ছার হমেনেটের

নি ভার প্রেম্ম একটি সমিতিকান্ত বেল গড়ির ভাই বেপের, নিজে কটিনার করেন নিমানি ও গিরিভিন্ন সার, ভারেন্ত্র, তরুকার তর্মসান্ করে ইনিন্তা ভারতিকান্ত্র, নিম্নালি প্রজ্ঞার করিবলৈ, বর্মীকুলারের নিম্নালিভ প্রক্রমান জাভারতীক্ষা সেই বাসের বালিকান বিশ্



इ.स.स.न कांबर

উন্পূত কর্মিত জাজারে এই জ্ঞাক্ষের করেণ দেনা সার—শা**জার**ল নুলাইলা দে আমার সমল আরো প্রায়ে ফেডিনী মার্চ জাজার জাজারিল কোটা

> শভাগে ভিজার কাজন বজ উঠেছিল ফাটো আগল কলিক পুডাত আগার সামাণ

পুলি কড়ে **শ্**টেড এই জেশী হান্ত চন্দ্ৰ সংক্ৰাজ্য **১০৯ বিভাগ** হাজে মারে বলাওল প্রায়ন্ত্রান তামি এবার ভার ফাদট হাতে পালাব নালা কোলা কাহালা, তেই এডবং সূতবাত দ কালাকাত কিল ବିଶାନ୍ତ **ଅବନ୍ୟାନ୍ତିକ** । ইଞ୍ଜ ଅ**ନ**୍ଦ ব্ৰোপনী চে ব্ৰেছা মান্তী জাতি হাৰেটা " প্রিক্রেটিভ সে রেখেছিল। এনেক কাল গরে চে যথ্য স্বাধীন ভারত সংকারের নিক্ষান মন্তবের প্রধান উপ্যোগতা তথ্য কে যেন তারে বার্মার প্রকৃতি মধ্য হতে পার ডো ব্যবহর 🗥 উত্তরে সে । বর্গাছল – শহাস্থা, ତାହି ୧୯୯୬ ଫା ଅଧିକଥାଚିତ୍ର ବର୍ଷ ଓ হার্মাছল। একটনানয় বছর লে মাধ্যম করে গেছে। এই আছবিশ্যাস এর বজারার প্ৰেয়েক বেশ্ব কৰিব, ক্ষণিত জাইটে ভিন্ন।

३३७३८ इ.स.स.च अक. मारकारका

পাঞ্জি প্ৰাকৃষ্ণ চাহতি সম্ভিত্ত **রাজন[া]তি** ও ଅନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଓ ଅନ୍ତିକ୍ଷର ଅଟେ ଅଟେ । ଅଟେ ଅଟେ কোৰে আশিষ্ক কৰি এই সংস্থানিত আশ্ৰে চাৰ পাৰ্মান্ত্ৰা। জন্ম ক্ষাৰা ক্ষা **স**ুখু কাল্ডলামা ^{প্}লাম্ভট প্রাধ্যক্ত নাল **ছ**ই-**হ**য়েছেল সংক্ষেত্ৰভাৱে হ**ু** ছিল। ভাৰত হার্ডিয় ক ৫০১১১ ইয়ালেন্ড যাভালিল শভাৰতীয়াৰে ছাল্মভাব **সভ্**পতি তথা চক্ষ্যান্তা ইউনিয়ন তে সাইটি । কিবলৈ একায়ৰ স্মাতিক ছয় ক্রিভিত্ত কে এটাতি ছিল্প কেই কন্ত ছানুদর যে ভ্রাসভার প্রভাব উপফালিত ক্সা জ্বানটো হাড়, বাড়িশা সরকারের ভারত ছাক্ত নের্বাক সমূহাত করে নারণ বিদ্যান্তর হৈছে৷ কৈয়ে ছুত্ত কিনিকে কেই ভাৰা ওৰা লিছেভিছা প্ৰহণী দিপালা ভোটাবিকা ব্রেটি হয় জেগ্রাল্য স্প্রাক্ত জন্তম ক্ষাভিল লাম্ভনে কলির ভার ভোলে দক্ত ব্যুদ্ধ ও ১২০৬১ মি মানি সংবাদ क्रकामाक्रम् इंट्रहामीर शाहरकर ভারতীয় **ছত**ি এফ করেকে। ।বত্যাল हिंदू राजधानम्य हरूपियाच्या प्रभावता .c.s. 28. c r 181 (90 % \$ 158 66 ভাৰত প্ৰবৃত্তি 54-58 357 লুটি হুমের,ম কলি জেনি জিল পুষ্টুগারে পাঞ্জ সরল শতির উল্লেখ্য ভুৰে হাছে বৈদে কেইন উচ্চতিও হার্লারজ •১৪রাতর তা**ম**—ামেটারড তার আমার ও গমানের ২৩ ডিমান যাৰশক্তিৰ ভারত টেছত মহাল - হান্হান ব্রন্থ জনপ্রিয় ভিল যে, পার ধর্ম লে ইউ-নিয়ন **সোসট**িও সভাগ্ৰহণ প্ৰথ^ত এই ভ্রম ভার <mark>অর্মণ্যভার</mark> হারের । আমারহা জাড়ি **সংভক্ষ হ**য়ত **ভো**টের ^{দি}ল সেখ ব্রেন্ড সর প্রস্কৃত অব্যক্ষনিয়া এব উপনিয়া**ত হাজাত** জন্তরী আবেক তানে অনেকেই একেছিল। কেইজালে হি বাঞি-শ্সিত এক ভারতীয় ছোকর । ২৩% ১ **इति! अभगतः देशा महत्रात् प्रदेशतः ঐতিহানসারে ইউনিয়া সেসায়** লৈ সভা প্রিয়া পরে সাম্বাজ্যর প্রধননারী ১ ৬ : যা কোলো ভেটিকগার কার করে। ১৮৮ লেভি লভ এড টেম্বা লাজত খ্যুনতা, ১৩ ্তিন ভোটো প্রতিভাত হয়েছে ভাওী চনায পরাভারের প্রতিবাদে এর পর থেয়েটে ভাকে **भाष्ट्रत्य रक्तरेतिथकाय रथ क** र्याप्त - हरा হয়। সেই নটিত আলেও অনুসার্ভাত বহাল আছে। **অৱস্**ৰেল্ড' ছাৰুভে ক্ৰ ব্টিশ জাতীয় ছাত ইউনিয়নের তেত্তীত কিউঠিভ ক্ষীটিরও জ্বেল জ্বেজ্যি সভা

েতে ফিলে খ্যান্ত্র জিক্তন্ত্র প্রথমে কবিনার ৪৩ কলে নিজেছিল।

লিকাবিদা হুমায়নে কবিরের সম্বন্ধে বেশী किए वना निष्णायक्षमा वाक्षणीएक स কেনীয় মন্ত্রী হিসাবেও তার খ্যতি ক্রিদিড। ভবে মধ্বী ভিসাবে তার প্রিচন-বংশার প্রাথবিক্ষার ব্যাপারে ক্যাবিনোট প্রবন্ধ বিরোধিতা সভেও দ্যমেকটি সাহ'ক क्राइप्होन क्या रवास हय सामान्हें OF TELET না। সে যথ্য অসাম্বিক বিয়াল বিভাগের মশ্রী নিবার হয় তথন ভেট যাগের **माध्या । छात निवार १५८७ (अ**र्ध বিয়াল **Бगाहरम**ङ सना खान्वाङ स ন্যালিফা এরারোড্রোম দ্রটির সম্প্রসারত্বর 3132917 সম্পূর্ণ: দলদ্ম বান 905 (5)(0) **অধ্যেত** : টাকা নেই। হানায়ানের তথলে আন্দোলন ও অখন্ডনীয় যুক্তির B1021 টাকার সংস্থান হ'ব পোল। নইসে 100 মান্ত্রীয়র তথ্যক কলকাভা আড় 10.1350 ছলে মেজো। প্রবিবছণ বার্যখার ভাঙাব মালেলতের আন্না ব্যাসন বংগ ইবার স্বোলিও। মাখ্যমূলী ডঃ ভিবার রায় তাই 17(8) (4) क्रमीहे नामनीयः शास्त्र **हाह्यन** । शहर जी জ্ঞাক্ষন মনসাকোৰ জাগেট ভা তৈনি 🗯 গোল। সে বধন বিজ্ঞান গাবেষণা সাংস্কৃতিক দুক্তারের স্কুটি তথ্য 43,62. দেটের নীতি ভিজা কেবলমান ভেলা শহরেই भीवरहेकिक भक्ता १,७ शहरी। সেই

নীতি পালটিরে হ্মাগ্ন ভারতবর্ষে স্পপ্রথম মফ্সবলে, বেড়াচীপা ও বিক্পিন্তের,
পালটেকনিক খোলার। ভার পেট্রোকেমিক্যালস মন্ত্রীছের সমস্র ক্যাবিদেট ও ্
কংগ্রেসে দক্ষিণ ভারতীয়দের প্রবিশ্ব প্রতিপত্তি। ভারের দাবি ঃ দাক্ষিণাতে। আরেকটি তৈল শোধনাগার চাই। হ্মাগ্রেন চাম হলদিরাতে। অনেক বাক্বিতব্যার পরে

হামারালের চরিতের শ্রেণ্ঠ ট্রাম্প্টা ভিল ভার বিরাট হারস ভ উলার মান্বিকভা । এই প্রসংখ্যে তার কৈশোর জ্বীবনের তার্কটি ক্ষতার কথা মনে পড়ে। কথাগুর্লে ন্নে চন্ট তবে প্রথম প্রতির মুম্বি ছিলঃ ধলোয় অংশিঠত স্বস্থারা ফ্রা ভারাই ভোমার শ্রেণ্ঠ সম্প্রা bine fer. সেন্নাবনাও দেভিকালণ সংখ্যাত সংগ্রহিণ্টভাবে জড়িত ছিল। অভ্যানর প্রামিক নৈভালের অনেকেই যথন ছালাব-গ্রা সে তথ্য ভারতের তিনটি বছরুম টেড ইউনিয়ন (কলকাতা বন্ধর, দেক্সল ও সাম রেসভরে এবং নিষিধা ভারত আরু এ এব ক্রমী) এর সভাপতি ছিল। शाहाबन वट भाशामा कता किया छात हैर्ना क য়েভিদির একটি অংকা। তান 1550000 ভার ব্যেত্তর আপট্র ভিজা।

नःकीपंडा इत्राहरत বৈন্দ্ৰোৱৰণ্ দ্ৰভাৰবিক্ৰণ ছিল, তা ব্যক্তি বা ভাতিগত ह्यांक वा समितिहर ह्यांक। हिन्त, ग्रमणका नियः नामनी, १८९ जैकोग, सत् अधारात भरभार छात्र वर् पान्त्रतका तन्त् हिला वह कनाहे कतिनग्रत (नर्जभारत कर्न পাকিস্তানে) তাদের নিবাস হওয়া সভর দেশ বিভাগের সমরে হ্মার্ন ধ্যভিতি পাকিস্তান রাজ্যের নাগরিক না চয়ে 🙀 নিরপেক ভারতকেই তার জন্মভান বল গ্রহণ করে নিরেছিল। তার বন্ধারগ^{ে জাস} প্রদেশে নয়, সারা নিখেব আঙ্ও ছালে আছে। পাথিনীর যে কেনো জানেল ত সমাজে সে নিজেবক স্বাহাবিকভাবে মানিস নিতে পারতো। হামারনে কবির মান্যার মান্ত্ৰ বলটে চিনেছিল, সে-মান্তৰ কে:-ধ্যাতি বা কোনা কেশ্ব,সী চেঠা ৬০ লোগে ভিন্ন একাণ্ডট গোণ। ভাট ভারকে প্ৰেম বাংইপতি আহি স্থাহিক ভঃ ১৮. ককণ ভার সম্পেষ বাস্যান্তর জেন স্বামন্ত ভার উদার মানবিকভাবোধ এদং দেবিদে তিনি বাস করেন আৰু সাম্প্রিক উল্পন সভিত হিস্তার কারণ বেরের বরণ ব্য স্থানের অন্যতম বিবেশী বন্দ ইউটোলালো रेक्टलकेल रा≅कारकका तराउक भाकेरर करकारक – ্লান্ত তেলে হামারাল কবির মান্দ্রিত લંક કેપ્રલંગ હ્યા નાકા જામાં જાણી તાં કિંદ ক্ষেত্ৰ **প্ৰাচ**ীত হত্যাতি আন্তৰ্গতনত কেও क्षान्द्रत्भागेत रङ्ग्लोहे आभ्नार्ट्डात १..... ४.३-দিকভাষেক্ষেক উপস এই গভাবি - বিশ্বাসী ত্রি ও আমার ব্রয়েশের মার সাধ্যা.... ত্তি সংত্রণ সেমন তার **জ**না জান ভি.প্রেক্টে ধন। মনে করি।

ব্ভিব্ত জীবনে আমি তর কাই বি ভার সমার কানারক্ষে সাহায়। ও লাণতারক বংশাভার লিগেশন 7917121 মেমন আনোর কাছে, তেমনি আনার কাছেও প্রতিবাদে সে কিছা সর্নি। সে সকলকে দিয়েই গেছে। আগতেই একনিবার জন্ম কলকাতার তেনে সংখ্যে দেখা করবার আগ্রহে বার বার টে^{লি-} কলান আলার থেঞি করে। দুভাগা সে তথন আমি বাড়ি ছিলাল লা। আমার ^দৌ টোলনেল্য ধরে কিছু বিশেষ জরারী কাল আছে কিন্য জিল্পানা করায় ও বলেছিল জা, শাুণা, বেলা করতামাণ ভার**ণ**র ১৬^ই আগস্ট-এর শ্রেমা চিঠি ভার মাজুর Talle | Bal আমার হাতে এল। ভাতে সে ৩০শে সে আসছে ও তথন আনার সংগ্ হবে। চোখে স্মান অপারেশনের জুন্য আনুমানিক ঐ সম্র আমার হাসপাতালৈ থাকার কথা। ভাই হামায়ান লিখেছে সেখালে গিরেট আমার স্তেগ দেখা করবে। আমার দভেণিগ বে, ইহুলোকে ভার সংখ্য আমার আর দেখা श्चला ना।



चारदवत्र विक्री

আনক বিছ হাই হরে খেল। ব্যাস্থার বালি আনক বিছ হাই হরে খেল। ব্যাস্থার আন আর কাই। রাদ্যাপতি নিবাচন প্রটাও চুকেব্লে গেছে। তাকের বালি। আবদা ধ্যাস্থার বালি আগান বাজল কি না তা বলবেল আগানি বাজল করেনাথ সরকাররা: বিজ্ঞিন স্ত্রাগাক তারা যথন জ্বেড় জ্বড়, একচ করে দেখনেন তথন ২০০শ অগান্টের

لفافعا

প্রাণাগ চিত্র দেখবেন। কি-না বালিটা চোলে গড়ছে আমাদের। রগড়াতে গেবল ভাই বালছে বর্গনা আমারা গায়ে বংগচিততে মন্ত হয়ে রহেছি এবং সে-কালেন প্রতি-অপ্রতি। সাধারণ লোকেনির হিসেবটাই ক্ষাণকের। গতান্যুগতিক চিত্র রা চতুদিকৈর অবহাননায় আছরা আছল ব্যেছি কি না।

"জাঠামখাই" নাটক দেখছিলাম। ব্রাস্থনাথের চতুরকা থেকে একাংশ। তাতে চরিত শাচীনের মথে শুনলাম, খারা নিক্দা বরে তারা নিকা ভালোবাসে বলেই করে। সভা ভালোবাসে বলে নহ।

শ্নে কোথায় যেন প্রদণিত হয়ে উঠলাম। রবণিপ্রনাথ যেন পাশে, এই আমার নিকটে বসে ছিলেন। জাঠামশাই। শচীংশর জাঠামশাই। অমন জাঠামশাই কেন হতে গারেন না আমাদের সব বড়-রা!

নাটকটি মঞ্চত করছিলেন রাজধানীর
শনিচক। প্রজ স্কানর সাবলীল অভিনয়ের
এমন প্রাজাবিক নাউক বহুকালা জামি
লিলিতে জান্ডিত হতে দেখিন। লনিচক্র
কোনো বাইরে থেকে জালা নাউকগোন্ডী নয়।
এরা এই দিল্লীরই। 'চোথে কলি পড়লে
রগড়াতে গেলে বাজে বেশি;' বলুলেন
শার্চামধাই।

কথাটা মনে রাখবার মতন।

বড়মাপের শক্ষকানিগ, লিকে দেখতে দৈখতে অনেক সমগ্র আমগ্রা ছোটমাপের শিল্পজনে দেখতে জুলে বাই। অখন ছোট-আপের শিল্পতালা, লিই আমাদের দৈনশিলন জীবনের স্থায়ী সংপ্র। ভাগের দেখতে দেখতে মনে হয়,—কই এত বে ছিল তা তো আগে জালভায় না।

এখন এই রাজনৈতিক ভূমিকশ্পের পর চোখে পড়ল, আ-রে। এটা যে ভার মাস! রোদের রঙ গেছে পালেট; আকাশটা হরে গেছে আগের চাইডে আরো বড়া আর এই বিরাট জাকাশটা তো দাম দিরে কিনতে হয় না।

ব্যুন্টর পর দিল্লীর রাস্ভাষাটে,
এডিনা,্তে, ক্লেরারে, এখন কি শ্মশানেও
গ্রাছগাছালিগালিতে রঙবেরছে কত বে
নানাকৃতির তরতাজা টুকটাকে ফ্লে ধরেছে।
বাড়ির উঠোনে টবে ফলেগাছ। তাতে ফ্লো।
স্নাটের, আগপর্টানেও বাড়ির বালাকানিতে
গ্রেছগাল্ড টাটকা ফলে। সভ্তরেও ডান্টবীনের
গা ঘোষে ফলে উনি মারছে তাবংলিত
কোনো চারাগাছ থেকে। খেলার মঠে লতানে
ফ্লেরাছের বেড়া। বাজ্যালাগালোর ফ্লের
বাছার। পাড়ার পাড়ার পার্বারেশার হো
ফ্রেরার ব্যুক্তর। মন্ত্রারা ফ্লের

কটো প্ৰিয়ে সাধ সম্বাহ। কোনো কোনো বাল সম্বাহতে ইনিন্দ্ৰে তেনে বাসক। বাল সাধা বেহুন কাৰা হ'ব। সামায় কোন বাসক। তাৰ্থ। চিশেন বাইনাই বাল সামত চকলেয় হানতাভাবনাম।

গাছ ছৈকে থালোকা পটাপট ছুল ছেড়ার বাতিক এথানে বড় একটা চোলে পড়ে না। এয়ন কি দিল্লীর বাঙ্কালীরাক বখন তথন কুল ভূলে নের না গাছ ছেকে। তা হোক না কেন রাশ্তার বেওআরিশ গাছ। বিধবা পাবলিক পাকের ক্লগাছ। এমন কি সংগ্যা পত্তী অথবা বাশ্ববী থাকলেও নাই অথচ দিল্লীতে ভোমন কোনো কলের

অথচ দিল্লাতে তেমন কৈনে ক নোকান নেই। কেমন অধাক লাগে।

রাজধনীতে যা দ্-একটি ফুলের দোকান ত শ্বং দেবদেবীর মিলেরের সামনে। প্লোর ফুল। আর আছে দিল্লা-দের সৌজনো। ফুল ছাড়া ওদের জীবন কংপনাতীত। দিল্লানী বউ-বিরা বিকেল হ'ল কি অমিন খোপার বেলকফের মালা জড়াল। সাদা। কালোর উপর। এই দিল্লাতিও। ওদের দেখে খেণালানারাও খোপার ফুল পরে। তবে কেন দ্যাইল করে। ভাতে মানানসই রঙের শাভি-রাউজ-১পলা। ফুলের রঙে রঙ মিলিকে।

হাদের বাড়িতে বসবার হয় আছে তাদের বসবার হয়েও ক্লেদানিতে ক্রেন্ড গ**েড**।

প্রকৃত স্বাহিত্য - সংক্ষেত্রিক বুচি ও মধারার আপেরংন স্বান্তিটারী হিমাসিক



মৰপৰ্যায় বিভানি বৰ্ব প্ৰথম সংখ্যা প্ৰকাশিত হরেছে

श्चन्द्र । इनीन्त्रमाथ किट्टोनिया अकारम्ना

জন্বার : শংব বাব ভেলে বাই -- ভালে পার্ডি / সরোজকুমার রারচোব্রী জস্কেরের প্ররূপ : জবনীপ্রনাব / সভাজিং চৌব্রী জালের গ্রেণ্ড রাখাল / স্নীলকুমার নক্ষী প্রবিংলার গোকসংগতি / নিখিসকুমার নক্ষী স্নীলকুমার নক্ষীর কবিতা / স্মিডচণ্ড মজ্মদার

উপদ্যাস । জন্ম-জন্মান্তর/দীনেশ রার গলপ। মাজির রঙ/শস্ত্রীন্দ্রনারারণ দেব অনুবাদ কবিডা। শিকভ্নের ভানা : বংশ্বেন/শংশ বোব কবিডা। হরপ্রসাদ মিট্র স্নৌলকুমার নক্ষী সমারেন্দ্র শেনগ্রুড ইন্দ্রনীল চট্টোপাধ্যার মণিভূষণ জট্টার্য

> সমপাদক সন্নীলকুমার নগ্নী ২২ বনফিড লেন, কলিকাড়া ১। ২২-৫০০৩ প্রতি কংখা । এব টকা পঞ্চাশ সভাক । সাভ সক

> > ্যি ৭৩৪৯

জ্ঞান কি শোবার বরেও ক্লা। বিছানার শিরতে থকো। অবশা ক্রের স্বত্তরে করর জ্ঞার আভিজ্ঞাত। জ্ঞামা মসজিদ অঞ্জো। সেই বাদশাহী আমল থেকে। রুটি কিনতে বাজারে এসে তা না কিনে স্থোন জ্ঞানেক ফ্লাকিনে নিয়ে বায় বাড়িতে। ফলে অর জ্ঞাতর। আর ধ্যেপ্রতি।

ওই অপ্তলে কারো কারে। খানদান পরিব-খানস্থা এখনে। আছে ইরানী গোলাপসংহলর ঝাড়া পুটোখ মেলে চেরে নেখবর মতন সব গোলাপ। নাল গোলাপ। সাদা গোলাপ। কালো গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙের প্রশিভ গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙের প্রশিভ গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙের প্রশিভ গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙের।

তবে সবচেরে অপুর্ব গোলাপরাগান রাত্মপতি ভবনের মোগল গাডেনে। ওখান আম-জাদমির অবাধ গতি তে নেই হরবঙ। নাইলে দেখতে পেত সবাই হাাঁ গোলাপ বনকে বলে। শিরাজি গোলাপ। বাসনাই গোলাপ। ডামান্সকাস গোলাপ। বনা কি ভারিজি গোলাপও। সব যেন আগ্রয়ে অধীর হরে ররেছে। সে এক এলাহি বাপার। প্রতিতি পাপড়িতে যেন করছে কেনে। বিগলিত প্রাভিমরত। কবিতার মতন।



TAILERIA SANTERIA SANTER



মন্দিরের বেরগোড়ার থালি সম্ভা দে,পাটি আর রাশি রাশি গানিক্ষা ভার কাঠগোলাপের অনাশ্ভ পাপড়ি । ওদের দেরে মারা লাগে। কেউ পোটছ না।

ফ্রেলর দিকে ব্যক্তি পাঞ্জাবীদের ভেমন
নক্তর নয়। ওবের ভিড় চাটভজ্ঞালাদের
দোকানে, সকল বিকেল। মেরেরা কেউ কেউ
নাইলনের ফ্রল খোপার পরে। খোপাগ্রেলা
যেন কুডুখনিনার। ওবের শাড়ি রাউজে
ফ্রেলর ছাপ পতিমন নক্তরে পড়ে না।
ফ্রেলর ছাপ সবচোধ বেশি দিলীতে
রাজ্ঞানা

রাসভার ধারে ধারে, শহরভানির মাঠে মাঠে যমনো নলীর ভীরে ভীরে, এমন কি অভিনালিতের কম্পার্যালের দালে ভারে শার দ্যাতির লম্ভ লম্ভ দোলনা ঝলেছে। আর সেই সোলনায় লোল থাকে বাক্তৰানী বউ-বিবর। ওদের স্বাদ্ধে গ্রামীণ সেখাক যা িত। ভরা পরে থাকে রঞ্জনীতেও। পোশাকের রঙগালি মেটেমেটে এমন উচ্ছান ষে তা পথচারীয় চ্যোথে শভবেই। শভবে। গান গেরে পেরে ওরা অনবরত দ্রাছে জ্ঞানক থেকে ভানিকে, ভানিক থেকে জ্ঞানক। কেলো কোনো দো**লনার** হয়ত একটিট থ-কতা মেরে। কোনো কোনো লেখনের পাতি। ভো কোনো কোনো দোলনার একসংখ্য ভিনটি কি সংখ্যার ভারত ভাষক। একনল দোলনা ছাতে কি অন্য দল তথানি তাতে जरम कारक रहम। जन्ना हमाना हमान हमा বার ভলাটার একটি দ'ভর খাতিয়া ব'ধা। व्यान स्मेट चार्षिताह महन्द्रस्य गाँखन या स्मास বউ সকলৈ। একসংখ্যা। গাম গাইছে গ্রহত। সিনোমার গাম নর। গাম ছেডে একেছে সেই গ্রামাকীবনের সংখ্যাংখ্যে গান। র জম্পানে বছরের এইসময় ভীল পর্ব। ওরের সেরা উংসব। সমুহত বছরটা ধ্রাধ্র ধাসরভার মধ্যে ওরা অপেকা করে থাকে কথন একটা বর্ষা নামবে। বর্ষার পর একটা-একটা স্বক্ত। তাই এখন স্বক্তের মেলা ত্রিক রাজস্থানের সর্বত। এবং রাজস্থানীর। ধে বেখানে থাকে সেখানেও। ভাই পরেজানার্চা। ভাই অবাধ নাচগান। তাই আনক। মিশ্টিমংখ। ছেলেমেরেলের জন্ম মাটির খেলনা, বেমন আমাদের রখালোর।

বছরের এই সমার রাজস্থানীরা একরকম মিন্ডি বানার তার নাম ফির্না। দেখন্তে গোল গোল থালার মতন, তবে বানিরো। আর রস্কটা ঘিরো। এই মিন্টা, তবা বংশ্-বান্ধর আন্দারিসকানের মধ্যে তীক্ষণার্ব উপলক্ষে বিতরণ করে। নিজেরা তে৷ যথমা তথন ব্রেছে-ফিরছে থাক্টেই ফির্না। সমালত দেশের সমালত মিন্টারের চাইতে এই মিন্টি তাদের কাছে স্কুবাদ্য আর তেমনি দামেও সম্ভা। ওজনে ক্রেনে মত্যা ফিন্টা

ভাজা। এখন অবশ্য স্থাস্থা।

রাজধানীতে প্রায় এক মৃদ্ধ গুলু প্রবাসনী রাজদ্ম না। এরা কারে। সাঙ্গু ধাকে না। নি লেবের জাবনে বারি ম্ব সম্পূর্ণ। ওবের নার্নিগুরেম সকর উদয়াপত বেটে থাওয় মান্ম। তার পরি প্রমাকে ওরা গাকে মাথে না, তাই স্বান ওবের দালিও চেলে দেশবার মধ্য শ্রীরের কোনোগানে বাড়ভি মেন টেই মেরেপারেম্ব সকাপর ভিপভিপে গাঁস। তার বের কেম্বর্টা এত সর, যে কালিব্রু বর্ণানার সংগো বার্হা নি না ধার। ওন

রাজধানীতে নিতা নিতা হাজার ১৬০ বাভি তৈরি হজে নান্তবনের। সেই হ ব নাজেনের স্থাপত ইয় কাজে এবং নিছেন জ জালিলেগে করে রাখে। কেউ চার্ডায়ন তে। কেউ আরো**কছা। আ**বাল্যাক্র এই গাড়নিয়াণকয়ে সকলে সন্ধা ব্য তে। খাওঁছেই। মেরেনের কেউ কেউ বন্ধ বনির কার ইণ্ট বইছে। কেউ ইণ্ট গ্রাভিয়ে চিচে কেউ সিমেক্টের বোরা গালি করছে 🕬 সেই সিমেণ্টের সক্ষা চুন মিশিয়ে মধ্য তৈরি করছে। তো কেউ কেউ নদ্রবী ३%-গালোকে এক এক করে নিচ থেকে ছাত্তে দিকে উ'চতে ঠিক একদম বাজনিজাঁর সঞ্জ হাতের মাঠেন। ওনের কোনের কাশ্যের বাচনকাজারা কর্মস্থানের টেশ্র रमीन्दक महस्र करम भगका मास ^का চেন্তে দেৱৰ কথাকত বড়কেব। কিংবা শাই TO THE PLANT

রাজস্থানীরা ব্যক্তি বানিরে চিচ্ছে জা সকলে ভাতে খাদ্ৰে বলে। অংচ ভাৰে ছর বেখানে সেখানে বশ্ভিতে। কেন্ডিন মাথা গাল্লবার ঠাই। তব্ মাথে টেটি হাসিতি অভ্তপ্তর লেগেই আছে। হাসতে হাসতে হাড়খাটানিতে করেকটি বছা কাট্রে দিতে পার্জে ভারণর মন্তা। ^{কর্} করে, কিম্ভু হাসিমাথে থেকে, টাকা ক্রিট জমিয়ে শেষপ্রতিত ওরা যে বার প্রমে ফার যার। ফিরে গিয়ে নতুনভাবে ফের ^{সংস্কৃ} গড়ে তোলে। খেতখামার করে। নগরজীবনের °কানি ভূলে যায়। বিকশিত মন যেন তংগ **ভরপার। ওপের বাঞ্চির উঠোনে ফ্রা**গাছ মর্মর প্রয়ে এদের জীবনসাতা বেমন সংগ্ এবং সরল ভেরান ভারিশিটক। জায়াকা^{পর্} দৈমন ওদের রঙের বাহার, কি শ্রে^{ম বি} নারী, তেমনি কাহার একের ব্^{রুপ্র}ি প্রবৃট্রে। সর্বত ওরিজিনাল ছ^{বি} নিজহাতে আঁকা। আটিন্ট ডাকিডে 🕫 याता वादाम्यात करन वरण व्यक्त ছবি বাৰি না, কাৰা বাৰি ন' ভাৱা ব্ রাজস্থানীদের চক্ষে সরাই একটি নৌ

মর্ময় রাজস্থানীরা যেন ধ^{্রির} ধ্যাক্টাস-এর মতন কমনীয়।



অর্প আর দীপুর সপো কথা বলছে না, কিন্তু হটিছে পালাপালিই, জালার বার নি, ভার কাছেই ডিকিট। সময় ট্রাক্স পাওয়ার তো কোনো প্রাণনই ওঠে না। টার্লির জারগাটার বিরাট লাইন ৬ কট দ্বাথপিরতা। দাড়িয়ে থাকা বাস-গলৈড় পর পর ভিন চারটে পরণত মান্যুষ ঠাসনিটিস, করেকটা বাস গ্রন্ধনাকে ছাড়ার জনা, কয়েকটা সদ্ধ ছেড়েছে, ফিন্নে জাসছে জনকগুলো এ গলি ও গলি দিয়ে বাস, জইনে ৰাস বাঁৰে ৰাস, স্টাস্ট বিক্লা, পিত্পিল্ মান্ৰ, ফেরিওয়ালা, কুলি; कार कारार गावित, मायशास व्यक्तिकरकत वे क्षिक कर्माण्डेवन—मदाहे स्वप्ट शाकात सना শ্বল: এরই মধ্যে একটা সামানা টেম্পো রাস্তার ম্যোখানে একট; বেকে দাঁড়িরে ৰখাবাঘা দশ[়] বারোট**ে ভবল ভেকারকে** 1.44.6 সিয়েক্স। দেখতে টাফিক জাম[া] বাসের **ভত্ত-**[क्षित्र]क्श्व ৰাৱীৱা টেমপোওয়ালায় উদ্দেশে চোডাছে, এই শালা হারামীর বছা...মাইরি ১টা চলিশ বার গেল...এই কেকাচে..., প্রপর দ্বানিম লাল দাগ পড়ে গেছে...এই সমরটাতে রোজ থন্ত ঝামেলা, ও ড্রাইভার দালা, মারনে না বাম-তের পেছনে এক ধার...। চাইবাসা-হল্পেথ্রি থেকে এই সমরটার কাকভারে পোছালে একটা কর্মাণ কঠিন ধারা লাগে। মনে হয় সভিটেক কাকভার থেকে চাইবাসা অনেক ক্ষেক দ্বে ন্সেখনে পোটা পাছাড় বিভি ছব।

কৰ্মণ, আহার একটা আড়াচাথে দেখলে কলকাতার এই সব কিছা জড়ানো-মড়ানো গোটা দালটা এক হিসেবে মজারও বটে। হাতে সময় থাকলে, এক কোনে চুপচাপ দাঁড়িত —এতগালো মান্বের বেচে থাকার জনা হাটোপ্টির দ্যা দেখতে দেখতে বেশ মজা পাওয়া যেতে পরে। কিন্তু দীপুর এখন মজা দেখরে সময় নেই।

কলকাতার পা দিয়েই সে দার্ন অপ্পর হার উঠেছে। এখন বাবার কথা হাড়া আর কিছা মনে পড়ছে না। বাবা, মেজদি, দাদা— বাড়িতে ফিরে কি দেখবে দীপা? সেইশনের বাইরে এসে দীপা অসহারের মতন এদিক ওদিক তাকাতে লগলো। অর্পও উদিবশন ফেরার জনা, কিন্তু এক্ট্নি ফেরার কোনো উপারই তা নেই। গদভীরভাবে সে দীপকে বললো, বাসে না উঠে তো উপার নেই…। দাজনেই বাসের চেহারা দেখে নিরেছে অবশা, প্রভাক রুটের বাস পর পর চারখানা ভানত একেবারে গাদাগাদি হরে আছে, পারে বাসে উঠে কি কেউ প্রতীক্ষা কবতে পারে—যার বাবা বে কোনো ম্হুটের মারা বাবে?

বেসন টাছি যাত্রী নিয়ে চ্যক্ত, আগে থেকে তালের এক কে ব্যক্ত করের জন্ম জাটে লাটি করে ধরতে বিকে করে প্রাক্তিনের কাছে বকুনি খেলে। একজনমার ষ্টেটিকে নিয়ে বেরাজে একটা ট্যালি, দীপার প্রায় সেটার সামান কাঁপিয়ে পড়ে থামিরে বার্টিটকে বজালো, আপনি কি নার্থে বার্টেকর জানার বিশেষ ধরকার, আমানেকটা, কা্মহান্টা প্রীটের কাচাক্ষ্যি প্রেটিটেক বিশেষ ধরকার, আমানেকটা, কা্মহান্টা প্রীটের কাচাক্ষ্যি প্রেটিটেকে

লোকটি কজিনটা কাৰ্য্য কৰে আনিরে চোণের সামনে এনে আড় ফেন্টে বললো, না, দার আমি সাউধে বাবে।

সান কাঁস পরা লোকটার চোখ দেখতে পাছে না দীপা, তব্ ভার কোনো সন্দেই নেই, লোকটা যিখ্যে কথা বললো। দীপা, আবার কাতরভাবে অন্তরাধ করলো, দরা

প্ৰকাশিত হল :

ভটর অসিতকুমার বন্দ্যোপাগার প্রণীত

সাহিত্য জিঞ্চাসায় রবান্ত নাথ कार्य कार्य

(প্রথম খণ্ড)

[अव्यानक न्यीत्र्यात मानग्ध वक्तामाना]

রবীন্দ্রনাথ খাধা রসপিকণী ছিলেন না, রসপ্রমাতা সমালোচক হিসাবেও তার একটি বিশেষ মহিমা আছে। কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক তঃ অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যার এই গ্রন্থে "অবজেকটিভ সেওড" অর্থাৎ বিষর প্রধান রীতি অনুসরণ করে সমালোচক রবীন্দ্রনাথের এক নতুন পরিচয় উপস্থাপিত করেছেন। যুদ্ধি ও বস্তুভিত্তিক আলোচনার পটভূমিকার রচিত এই গ্রন্থ রবীন্দ্রপ্রতিভার সমগ্রতা বিচারে বিশেষ সহায়ক হবে।

কর্ণা প্রকাশনী, ১১, শ্যামাচরণ দে স্মীট, কলকাডা—১২

ক্ষার ক্লি একট, আমার বাজিতে খ্ৰ বিপদ

লোকটি বললো, পঞাল মিনিট সাইনে ক্ষিত্রে টাজি পেরেছি—দেরী হরে বাছে আমার—আপনারাও কাইনে দক্তিন না—

দীপনু গাড়ির হাণেডল হৈছে দিল। এক এক সমর মনে হয়, প্রত্যেক মান্বই প্রত্যেক মানুবের শতঃ। অর্প বললো, এখানে ইমপদিবল্—
হাওড়া রীজের ওপাশে বরং পাওয়া ঘেতে
পারে! দীপ্ ঝার দিবর্কিনা করে
স্টকেসটা তুলে নিরে ছটেতে লনালো।
হাওড়া রিজের ওপর দিয়ে মান্বের ভিড়
ঠেলে দৌড়োজে দ্লেলন, মাঝাঝাঝি এসেই
হাপিরে পড়লো অর্প, কিল্ডু দীব্র
কোনো হ'লু নেই। বিজ শেষ হরে বাবার

পরও সে ছোটা ছারাছনি, বেন সে এইরবন-ভাবে ছাটতে অটেতেই আলহাদট দুটি পোকে বাবে।

দৈবাৰ বছবাজানের মোড়টার কাছেই একটা ট্রাজি পাওরা গোল। তিনটি শ্ব্লাগানী রম্বণী ট্যাজি থেকে নামবর আগেই ওরা প্রক্রেন প্রতিক্র দর্ভা আকড়ে ধরেছে। উঠেই দীপ্র বল্লো

खाङ्जिङ्गि

ভারতে এই প্রথম

পুরুষদের জ্বরেয় বিশেষভাবে তৈরী ছেয়ার ডাই (চুলের কলপ).

ট্র-টোন

ছনিয়ার সব চেয়ে বড় ছেয়ার ডাই নির্মাতার তৈরী !



চুল পেকেছে ব'লে আগবাকে অকালে বুড়োটে নেধান্ত কী ? ভাববেন না, এখন চুলের ব্য়েস কমিন্তে কেলা বার । কী ক'লে ? খুব সহজে — ক্র-টোল লাগিনে। আন্তর্জাতিক সেরা হোরা ডাই-এর একটি এই ডাই, চুনিয়ার লক্ষ লক্ষ্ পুরুষ ব্যবহার কর্ছন—আলমিও করুন। খুব সহজে, বাড়ীভে বসে লাগাতে পারেন। চুলের রঙ্জ এমন বাভাবিক ব্য়ে ব্যুরে এ বে কেউ ধরতেই পারবে না আগবার চুল পেকেছে।

মনে রংখবেন, সরো চনিয়ার সব রক্ষ চুলের অপর পরত্ব কারে দেখে, বছ কঠিন বিসাঠের পর তৈরী হয়েছে— ক্রিটোল [

ছ'টি মাপে পাথ্যবা হয়ে --- বড় আরু মাঝারি।



र्टलत कार्षित्र

क्षा. क्ष. व्यवन काविता देवती

শিগাগর চল্ল, আমহান্ট স্ট্রীট! কোরে চলান! ট্যালিওরালা একবার বাড় ব্রিরের দেখে নিল, ওরা কোনো পলাতক আসালী কিনা!

অর্প থাকে পদ্মপ্রুরে, সে দীপ্রে নামিরে দিরে বাবে। গত রাত্রের ক্ষাড়ার জন্য ভার মূখ এখনও আড়ুল্ট, তব্ এ সমর ওসব মনে রাখার কোনো নালে হল না, ভাই সে এডকুণ বাদে একট্র সহক্ষভাবে ক্সলো, দীপ্র, আমিও নামবো তেবের বাড়িতে? থাকবো ভোর সংক্ষা?

—ना, ना, काक नवकाव टनरे। **कृरे वाकि**

—আমায় একানি বাড়িতে না গেলেও চলবে। আমি বানিককণ

-कात्ना मत्रकात्र ताहे

—তোর কিছ**ু টাকা লাগবে? আমার** কাছে এখনও বোধ হ**র ল' দুরেক**

-- ग्रेका? दक्न?

—এমনিই কাছে রাখা, বদি হঠাৎ লাগে টাগে

—না, টাকা নি**লে আমি আর শোধ দিতে** পারবো না

বাড়ির গাঁলর মোড়েই দীপ**্রচণিচরে** উঠলো, মেজদি!

হাতে একটা কফির টিন নিরে দীপুর মেজদি একজন ছাতা মাখার মহিলার সংগ্য কথা বলছিল। দীপুর দিকে তাকিরে বললো, এসেছিল? কোন ষ্টেনে এলি?

দীপ্ ততক্ষণে দ্বজা **খ্লে নেমে** পড়েছে। মেজনি আবার জিজেস করলো, টেলিগ্রামটা পেয়েছিলি?

-शी। वादा-

—বাবা বলছিল, টেলিগ্রাম পেলেও তুই আসবি না! আমি ঠিক বলেছিলাম

-বাবা এখন...

মেজদি মাথ ফিরিরে ছাতা-মাথার মহিলাকে বললেন, আছা অনুভাদি, আমি তা হলে আপনার সন্দো দেখা করবো পরে! তারপর দীপুর দিকে ফিরে, ভালো আছে এখন। তোর স্টেকেস কোখার?—মেজদির ঠোটের কোণে কি একট্ব হর্দাস ঝিলিক দিয়ে গেল?

অর্প টারিওরালাকে গাড়ি ঘোরাবার নিদেশ দিরে জানলা দিরে বললো, আমি চা হলে চলি রে, দীপা; দীপার মেজদি বন কি রকম, বাবার অসুথের ব্যাপারটার দ্রুছই দিজে নাঃ কি রকম অম্ভূত ধরনের গাড়ি ওদের? প্রক্রম টোলারাম স্পেলেও দীপা আঙ্গবে না, দীপার বাবা ভেবেছিল? অর্প বাড়ির সালনে মামতেই বেল একটা রবারে ভাব বোর ক্রভেট। বেখানেই বড়াভে বাও না বেল, নিজের বাড়িতে করলে বেরক্স আলার লালে—! একজন দির বার কর বিল রাড়ির সারনের রকটা মুছতে, অর্প তাকে একটা আদর-করা ধমক দিরে বললো, এই সিত্, ওটা রাখ এখন, সূটকেসটা ধরতে পারহিস না?

বাইরের ঘরে বাবা কথা বলছেন করেকজন লোকের সপো। করেক কছর আগেও
তর্গ কোথার বাইরে আজাদা বেড়াতে
গেলে, বাবার সমর এবং কিরে এসে বাবাকে
আর মাকে প্রশাম করতো। আজকাল
লাজা করে। তব্ কেরা মাল্ট বাবার সপো
দেখা করার রীতি এখনও মানে, তাই পালের
নরজা দিরে, না চাকে এলো কসবার বরে।
রক্তেশ্বর ঘোরাল ছেলেকে দেখেই অনাদের
সপো কথা থামিরে জিজ্জেস করলেন, কি রে
তুই এর মধোই ফিরে এলি? হ্' সম্ভাই
থাকিব বলেছিলি না?

—আমার বে বন্ধার সংস্পা গিরেছিলাম, হঠাং ডার বাবার অস্থের টেলিগ্রাম পেরে —ভালোই করেছিস। আমার শরীরটাও ভালো বাজে না করেকদিন ধরে...

-- কি হয়েছে তোমার?

—বিশেষ কিছুনা—কোমরের সেই বাখাটা, দু'দিন বেরুছি না বাড়ি থেকে। বা ভেডরে গিরে হাত মুখ ধুরে নে। কেন্দু টেনে এলি?

শুধু বাবার কর্মচারী নর, বাবার কথ্শ্বানীররাও জর্পের সপে থানিকটা থাতির
করে কথা বলেন। উপস্থিতদের মধ্যে
একজন সেই প্রফেসার দাশগপ্তে, দীপ্র
বাদ্ধ কথা বলেছিল। প্রফেসার দাশগপ্তে
জিজেস করলেন, ওথানকার ওয়েসার কেমন?
গরম গড়ে গেছে, না এখনও ঠান্ডা আছে
একট্? সামনের সন্তাহে আমাকেও
একবার জামসেদপ্র বেতে হবে!

—না, তেমন গরম পড়েন। আমি বে বন্ধরে সপ্যে গিরেছিল্ম, তাকে আপনি চেনেন। ডাক নাম দীপত্ন, ভালো নত্ত্ব দীপাঞ্জন সরকার।

—দীপাঞ্জন সরকার? কে বলো তো?

—আমহান্ট দ্বীটে থাকে। আপনাদের ফার্মে কিছ্পিন কাজ করেছিল—কোথার একবার ন্কুল অডিট করতে গৈরেছিল আপনার সপো—কাল রাত্রেই ও গলপ কর্মছল।

প্রকেসার দাশগুশ্তর মুখের একটা রেখাও বদলালো না। বললেন, ওঃ হো, রাসমোহনকাব্র ছেলে? রাসমোহনবাব্র অসুখে বুজি?

-सा

—তা ভদ্রলোকের বরেসও তো হরেছে। স্বাস্থাতি কিস্তু ভালো, এককালে থ্ব ভালো ফুটবল খেলডেন। এ ডিভিলানেও খেলোছকেন যোহনবাগানে

ঁ অর্পের হঠাৎ ইচ্ছে হলো, দীপ্রের টাকা চুরির গদপ বলেছিল, সেই গদপটা ভালো করে প্রফেসার বাদগদুশ্বর কাছে শ্নে নের। দীপ্ন নিকরই জনেক কিছে। প্রক্রিকেরে।

প্রক্রেসর নাশগুশ্ত নিজেই জিজ্ঞেস করজেন, দীপ্ ডোমার কতদিনের বশ্ব;?
—চার পচি বছরের।

—ছেলেটি বেল ভালো। তবে বস্ত ছটকটে। কোনো জিনিসে সন বসাতে চার না। আমার কাছে আটিক্লভ ছিল কিছ্মিন, হঠাং ছেড়ে দিল। লেগে থাকলে উলভি করতে পারতো। তাহলে ভোমানের বৈভানেটা এবার ইনকমশিলট রয়ে গেল?

অর্প থানিকটা অবাক হরে রইলো।
দীপুরে বংলছিল অন্য কথা, সেই টাকা
চুরি টুরি, প্রকেসার দাশগুশুত সেদিক দিরে
তো গেলেনই না, বরং দীপুর প্রশংসা
করকো। দীপুই মিখো কথা বলেছিল,
না টান বলছেন? অর্প ঠিক করে
ফেললো, পরে এক সমর বাবার সপ্সে
প্রকেসার দাশগুশুত বিকরে আলোচনা করবে।
বে লোক ঘ্র নের, তার গ্রপর তাদের
কম্পানির অভিটের তার দেওরা কি ঠিক?

অর্পদের বাড়ির সিভিগ্রেক্স সাদা রঙের। সারা বাড়িতেই সাদা টালি বসানো। দোতলার উঠে এলো অর্প, রা একম্ব হেসে বললেন, ফিরে এসেছিস? ইস্চোথ দটো অসে থেছে, রাভিরে অমেসনি ব্রিঃ?

অর্প কালো, রাভিরে টেনে ব্যোতি ইচ্ছে করে না আমার!—কার সমর অর্প ভাকলো, মা বদি শ্নতো সারারাভ ভিড়ের মধ্যে বাড়িরে দাড়িরে এনেছে সে, তাহলে মধ্যের মুখের অবস্থা কি রক্ম হতো! মা ডো ভাকতেই পারে না—

—ৰা, ভাড়াভাড়ি চান করে থেরে নে। তারপর দুরে থাকবি। আৰু আরু বেরোস না কেখাও!

—খাবার দাও, আমি চান করে আসছি।
নিজের ঘরে গিরে জামা কাপড় ছাড়লো,
কিপ্তু চান করতে গোল না। নিজের টেকিলে
কোনো চিঠিপন্ন এসেছে কিনা উ'কি দিরেই
চঞ্চল পারে আবার নিচে নেমে এলো।
দোভলার একটেনশান টেলিজেনটা তুলেই
শুনতে পেল নিচের টেলিজেনে বাবা কাকে

কম'থালি

জাপান আট শাড়ী টেরিলিন স্টিং রেডিমেড পোষাক শাল, নাইলনের মোজার অর্ডার সংগ্রহের জনা মাসিক ৬৫০ টাকায় অথবা উচ্চ কমিশনে সেলসমানে চাই। নম্নার জনা লিখ্ন।

Foreign Agencies (66) Dassan Street, Box 1456, Delhi-6. বেন ধমকাজ্বেন ৷ কাবা বলছেন, মাথা তো কাথের ওপর সব মান্বেরই থাকে, কিংতু আমি আশা করেছিলাম, তোমার মাথার মধ্যে একটা আধটা খিলাও থাকবে!

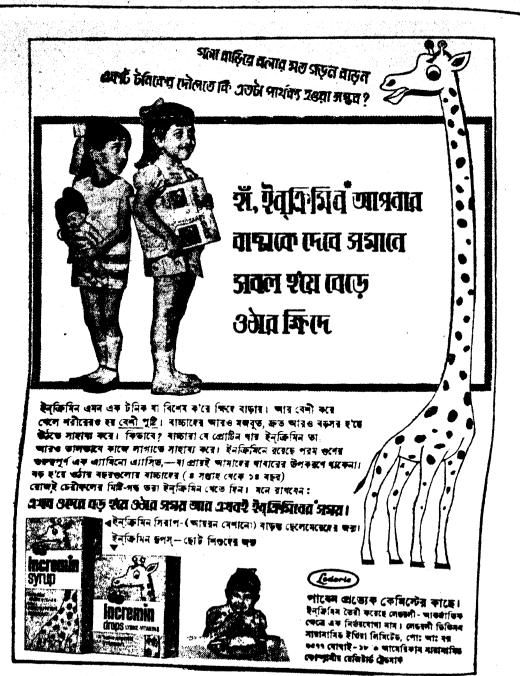
—না স্যার, আমি তো ভেবেছিল্ম ৰাজ্যজ সাহেব

—তেমাকে ভাবতে কে বলেছে? তেমাকে ভামি বা বলে দিয়েছিলাম, অৱুপ টেলিফোনটা নামিরে রাখলো। খানিককণ অপেকা করে আবার রিসিভার তুললো। বাবা তখনও কথা বলছেন, তোমার ছেলে-মেয়েরা ববি থেতে না পায়, আমি তাদের খাওয়া পড়ার ব্যবস্থা করবো, তব্ তোমাকৈ জেলে পাঠাবো অমি

—না, সারে, এবারকার মতন দরা করে। —অন্যার করকোই ব্যক্তি দয়ার প্রান ওঠে? অত দলা করতে গোলে আর এত হড় কারবার চালানো সম্ভব নয়:

বাবা খ্ৰই রেগে গেছেন মনে হছে। এখন বাবা সহজে উলিফোন ছাড়বেন না। অর্প তব্ টেলিফে নের আনেপালেই হ্র-ব র করতে লাগলো। স্বশ্নকে একবার টেলিফোন করতেই হবে।

STW.



মেরিনার—৬ থেকে জেলা সম্পালগ্রহের ৩৮ কিলোমিটার ব্যালের একটি পালতি। গছরে। গভ ৩১ জ্বাই মেরিনার—৬ কলক-প্রথমের ৩,৪০০ কিলোমিটার ব্র থেকে কক্ষপত অভিন্তম করেছিল।



সেই লোহিত জ্যোতিব্ব

হাৰিত্তৰিভি সেই লোহত জেচতিক, সাধারণের কাছে বার পরিচর কাল ভারা বা মধ্যাল গ্রহ, চালের মান্ত হয়ত সেও অমানের নিরাশ করবে। সম্প্রতি মাকিনি লেশর মান্ত-জাবোহাটান মহাকাশ্যান ফেরিনার ৬ এবং ৭ মধ্যালের আনুষ্ঠ কাছ থেকে পর্যবেক্ষণ চালিছে যে সংবাদ শ**িঠারছে ভার সারকথা : ম**লাজ চীদেরই মত কতকগলে গহররে ভরা। তার বাকে কোন থালের অসিত্ত সে খ**ু**জে পাহনি। সেখানে **অন্মিজেন নেই। স**ম্ভবত নাইট্রো-কেনও। বাদের এতদিন সংগ্র বলে আমরা চিহ্নিত করে এসেছি তার মাঝখানে এক বিন্দুও জল ধরা পড়েনি। এমন কি, মংগালয় মের্ অঞ্চলের শাভ্র মেখের মত যে ছারাকে বিজ্ঞানীরা এতকাল জলকণার সমাবেশ বলে বিশ্বাস করে এসেছেন তারও মালে কুঠারা-ঘাত হেনেছে মেরিনার-৭। মধ্যভাষার ও আগলেট সে মঞ্চালের দক্ষিণ-মের অপ্তল থেকে যে মেখের ছবি পাঠিয়েছে তার প্রাথমিক পরীক্ষার কাজ শেষ করে বিজ্ঞানী ডঃ রবার্ট লাইটন মন্তব্য করেছেন, এ মেঘ মসংখ্য সক্ষেত্র বর্ষেকা কৃচি দিয়ে তৈরি। ভবে সে বরফ জলের নর, কার্যন ভাই-অকসাইডের। বাকে আমরা ড্রাই আইস বলি, ভাই।' অভএব মধ্যালর ব্বক্ আমাদের মত কোন জৈবিক সভাতা এখন অলাক কংপনা।



্লাণানিক এবং বিজ্ঞানী দেপনসার-জেনস ভার প্রখ্যাত প্রকর্ম জাইফ ইন আদার ওয়াল ডসা এ মন্তবা করেছিলেন : মঞ্চাল গ্ৰাহ উদ্ভিদ-জগৎ বে আছেই সে সম্পৰ্কে আহি নিশ্চিত। আমার বিশ্বাস, বখন মুপালে গিয়ে আমর উপস্থিত হব তথন দেশব, সেখানকার জৈবিক সভাতা হয়েই বিলাণিতর লিকে এগিয়ে বাজে। ব্রীতিমত বিপরীত পরিবেশের মধ্যে পড়ে বেন থাবি থাছে। অসুর ভাবষাতে ভার এতটুকু চিহ্নও আর থাকৰে না। শেৰোভ মন্তবান্ধি পড়ে মনে হর, যথন প্রি**থবীতে সবে জীবন-স্পদ্দনের** শ্রু, সেই আদিকাল, অর্থাৎ প্রায় ভিন শ' কোটি বছর আগে**ই সে দেশে উন্নত** ধরনের জীব-সভাতা বিরাজ করেছে। কালের মদিনরার বিবত নের মধ্য দিরে ধিকিধিকি সেই প্রাণিজগৎ অভিতম মাহাতেরি ছিকে এগিকে এসেছে। মধ্যালে যদি এডটুক জীবনের অস্তিম অবশিশ্ট থাকে তা হলে এখন ভা শেষ **অভেকর শেষ বৃ**শোর মভ। থ্যনিকার আর দেরি নেই।

बन्द्रुष्ठ भशान श्रद सुन्तर्भ नवहादेख

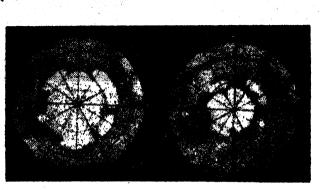
হয়কপ্রদ সংবাদ সর্বপ্রথম পরিবেশন করেন জোডিব জনী हे रहा जिस कि अकार्तन সিয়াপেরেলি ১৮৭৭ থাকিলে। ২১ সেণ্টিমিটার ব্যাসের একটি পুরবীক্ষণ বন্দ্র দিয়ে মিলান শহরের স্বচ্ছ আকালে প্রব্যক্ষণ চালিয়ে তিনিই প্রথম ছোষণা করেন, মুপালের বাকে তিনি কতক্যালি সরল রেখা দেখতে পেয়েছেন বা সেখানকার লালচে মর্ভুমির উপর দিয়ে গিয়ে পালা-পাশি দটি সাগরের মত অঞ্চলকে যায় করেছে। তাদের সক্ষা গড়ন দেখে ভার মনে হর ওগালৈ খাল, যা মশালের কোন উরস্ত ধরনের প্রাণী কেটে খাকবে। কিল্ড এই घर्डेनात भत्रवर्शी नम्न वस्त वर् राज्यो कर्द € এবং আরও উল্লভ ধরনের দরেবীক্ষণ ফলের माशासा भवरियक्त जातिएस औ बान बाह কেউ দেখতে পেলেন না।

কিন্তু ১৮৮৬-তে ইংরেজ জ্যোতিবিজ্ঞানী এস উইলিরামস সিরাপেরেছিকে
সমর্থন করে জানালেন, মণ্যলের ব্রক্তিনিও নাকি 'খাল' দেখতে পেরেছেন। ঐ
সমরে লাপলাসের কসমোক্রেনিক ল' বা
জ্ঞানেডর গঠনতত্তিকে সকলেই বিদ্বাস
করে নিরেছিলেন। এতে বলা হয়. গ্রহ
হিসেবে মণাল প্রিবী থেকে প্রনা এবং
সেখানে মান্বের চেরেও উন্নত কোন সভাতা
বিরাজ করছে। ফলে, তথাক্ষতিত ঐ খাল
মধারণের মনে ব্রর্থ কর্মাণ্য ক্রিটী

करत। अत भवते भि ल्या शरत नाम करेनक मार्किन क्रिनीजिविष निवादभारवित्व मर्भा भहानाभ करतम धरा चार्तिस्थानात प्रााश-শ্টাক মানমন্দির থেকে ৬০ সেণ্টিমিটার बारमब धकति श्रवनीकन वन्त्र नित्त नदीका ছালিরে বেশ করেকটি খাল পরিকার रम्बर्क रमाखरकन यक शांवि करतम। ১৯০৯ নাল খেকে নোভিয়েড জ্যোতিবিজ্ঞানী জি विकार भागकरका प्राममन्त्रित १६८क अव-নালাতে ক্ষেত্ৰ বছৰ মধ্মদেৱ গতিপ্ৰকৃতিৰ श्रामा परवारणा हामासः। धारे नगरत छिनि হুসন্ধানে প্ৰিক্তীয় মন্ত্ৰ অভূ-চক্ৰেয় আশ্ভিম बाक्षाः कटहरिहरमान । मार्का करतन, प्रशासकाः स्थाः व्यक्तात बद्धाका नेपन द्वान रमस्य पारक ভাষন ভার চার পালে রুমেই একটি অংথকার रमधेनी पिरत रमरन। अवरगरम এই जन्धकात বিশ্বত হয়ে এগিয়ে আনে নিরক্ষীর

উধ- কিলে কিলোমিটার ভাগমাত্রার পরিকর্তান হয় চার ভিগ্নি সেণ্টিয়েড করে। এ ছাড়া উত্তর মের অগুলে কতকগুলি মালভমিত্র তিনি ছবি তোলেন, বাবের গড় উক্ততা প্ৰায় এক কিলোমিটার।

ভবে বিংশ শভাশীর গোড়া খেকেই प्रभारतात राज सीवरमत सम्बद्ध मन्ध्रक वाताकर मानहे जानह स्वया मिर्क बारक। অভ্যত আৰু নিক পৰ্যভিতে প্ৰীকা চালিয়ে 5560 भव के विकासीता मन्त्रक जन्माक चटनक नकुन क्या मश्चार कंग्रद्रमन । अटनव गर्था উলেখনোগ্য जानिकात । मन्त्रात्मत হাকে পাঁচ থেকে প'াঁচৰ কিলোমিটাৰ केंद्रीकाण शब्देख स्व स्वरूपी ब्रह्मत ৰায়মেশ্ডল দেখা গেছে ভার মধ্যে প্রচুত্র ডাই-অকসাই ভর পরিমাপ ক্সাট কার্বন কেলাস বা ভিস্টাল। সেখানে জলের



वामनिरम्ब इनिरक वनरावद स्वत् व्यक्त ग्रह बहाक करन हरताह। छाम भारत राहे बद्धक भगरत, जात छात्र हात्रभाग स्थरक अकृति कारणा या जन्मकात जल्ला अभिन्द गाराह निषक्षके क्षक्रमा विरम्। अहे हिन गृष्टि क्रूटनहिरमा दिन।

অঞ্চলর দিকে এবং কখনও কখনও নিরক্ষীর অঞ্চলত অভিক্রম করে বার। এ থেকে बातमा कता इत, जन्डक्ड स्पन्न्-रनरमत थे **পত্ৰে অংশ মেৰ ছাড়া আর কিছ্**ই নয়। হয়ত বা বরফের আশ্তরণ। গরমের দিনে ঐ यत्रक शरम क्या हत्र। स्मरे क्यारकरे महत्र বেকে অন্ধকারের মত মনে হর। আর অন্ধকারের কিন্তৃতি মানে, করফ-গলা জলের বিস্তৃতি। ভবে কারের মতে, পত্চক্রের পরিবর্তনের সংগ্য সংগ্য সম্ভবত মধ্যালের হুকে মতুন গাছপালা গজাতে থাকে এবং ভারা ছড়িরে গড়ে। ঐ গাছপালার मत्नहे ७५न रक्न किए,हे न्यान व्यन्धकारत्र मक भरन रहा।

हेजियत्था वि माइपे नात्र करेनक व्यापि-विकानी महायोक्षण वर्णाद वर्षण्ये जरम्काद भाषन क्यारनन। मारा करतक रहेत्र जारंग আলপদ-এর তিন হাজার মিটার উপরে অবন্ধিত পিৰু ন্ধ মিদি থেকে গবেষণা हामिएत फिनि द्यमान करतन, मन्त्रातन रगरे 'আল' লোটেই সরল নর। বরং এবড়ো-इपब्द्रणा दिन ध्रमान क्वरणन, बनारण श्रीष

সম্পত্তক खात्तरकरे जिल्हान। মাঝে মাঝে সেখানে পিশাল বর্ণের বে মেছ দেখা যায়, অনেকের মতে সেটা হয়ত বালির কড়ে তৈরি হরে থাকে। এই বালির উপাদাম লাইমোনাইট। বা প্রথিবীর খনি**জ** পদার্থ আক্রিক লোহ রাউন হিমেটাইট বা লোহার অক্সাইডেরই অনার্প। কারোর মতে, এই মেঘ নাইট্রোজেনের অক্সাইডও হতে পারে। আর এই নাইট্রোজেন আন্নের্যাগরি থেঞে উংগর হওয়াও অসম্ভব নর। উল্লেখা, মণ্যলে জীবিত আশ্রেনয়গিরির অন্তিম সম্পৰ্কে একটি নিভরিযোগ্য সংবাদ পরিবেশন করেছিলেন জাপানের জ্যোতিবিজ্ঞানী টি नाट्यंक ३३६०-६३ मारम भरवर्षा हानिस्त्र। अन्त यस्त्रया, औ जभग्न भश्गातनम् यु 🗱 होंन नाकि ध्रमन सर्छन किन्द्र किन्द्र रमच ভাসমান অবস্থায় দেখতে পান। মাঝে মাঝে **छाता जान्या रक्ष यात्र। यस्य एत जार्य्यक**-निवित्र जन्म्दरभाराज्य मम्बद्दे छात्रा मृत्ये रक्षां रन ।

গত চলিশ বছর ধারাবাহিক প্রবিক্ষণ शीनदह प्रभारतह जावराज्या मन्भारक মোটামটি বে তথা পাওয়া গেছে তা চল । अश्रात्मत माणित व्यक्ति वात्रकाश मात्र ६० মিলিমিটার পারদশ্তদেশুর সমান। অর্থাং পাৰিবীর বাহ্চেপের দশ ভাগেরও আ। अब आवश्वाद्यात मूल छेनानान कार्यन छाउ-অস্তাইছ। ভারত পরিমাণ প্রিবীর বিগ্রা टमकाल हारेट्याटबन, हिनियाम वा नियतन क्षक देकाल कालका आगत बढ़ा गरण जि वरमाधाना चार्यन बावटक शहरा। विक्रो गाइटबाटबन बाकाक कामण्य नहा

क काका नर्शनियोग स्थाल मन्त्रालय छात्र-মাত্রা পতে ভিরিম থেকে চলিল ভির লেভিয়েত কম। নিরক্ষীর অণ্ডলের তাপমাল শ্বনোর দশ বেকে কৃতি ডিগ্রি নারে। সেখানে দিন এবং রাতের ভাপমাতার পার্থকা পঞ্চাল থেকে বাট ভিগ্নি। উত্তর মের অঞ্জ এই পাৰ্থকা এক ল' ডিগ্ৰি, দক্ষিণ মেরতে এক শ' কুড়ি ডিগ্রি। বাতাসে জলীয় বাংপর পরিমাণ প্রিবীর এক হাজার ভাগের এক ভাগ। অতএৰ এত শ্ৰুকনো পরিবেংশ জীবনের পক্ষে কি বে'চে থাকা আগে সম্ভব? মণ্যসের মাটির নীচেও জানঃ অস্তির ধরা পড়ে নি।

জীবনের মূল উপাদান প্রোটিন। তালে তৈরি করতে গেলে প্রয়োজন হাইড্রোঞ্জেন, অস্থ্রিজেন, কার্বন व्यवः नार्रेष्ट्राक्षमः। এ ছাড়াও ফুসফরাস, গুল্ধক এবং আরও কি**ছ মৌলিক পদার্থ**। এই-সমশ্ত পদার্থের সমন্বরে জটিল প্রোটিন অণ্য তৈরির জনী क्रम खरणाई हाई। एमरे क्रमरे यीप मणान না থাকে তা হলে প্রোটন অণ্য তৈরির श्चनरे डेठेएड भारत ना !

সোভিয়েত বিজ্ঞানী ড: এল লোখনা-লোজনাস্কর অভিমত : মণ্যলে হোটিন নিউক্লেয়িক অ্যাসিড তৈরির মত পরিবেশ নেই। অতএব পর্যিবীর মত প্রাণী সেখানে থাকতে পারে না। তবে প্থিবীটেই গবেষণাগারে মঞ্চালের অন্র্প পরিবেশ স্থিত করে দেখা গেছে, কোন কোন ব্যাকটেরিয়া বা উপ্তিদ ঐ পরিবেশে জীবিত্ত भाकरक वा वरभवांच्य कन्नरक भारत। উদাহরণ, नाई प्रिक व्याक्टर्रित्रहाम। এवा नाई प्रोप्कन আবহাওয়ার জীবনধারণ করতে শারে! এমনও দেখা গেছ, কোন কোন ব্যাকটেরিরা লোহার অক্সাইড থেকেও অক্সিজেন সংগ্রহ व्यावात 'हर्नाफडें-करवाद कमणा द्रार्थ। সোরিয়ান কোলপোড়া' নামে এক ধরনের সেণ্টিয়েড ডিগ্রি बाक्छितिया छितिम र्षरक महत्नात्र मौराठ अक म' विद्यानकारे फिलि পর্যনত তাপমালার পরিবর্তন হলেও বেটে बाबरक नारत। स्वर्ष्ट्य प्रभारन पिन-तार्थ অথবা ৰতুপাৰ্ধকো ভাপমান্তার ধাৰধান व्यटनक रवणी, बना रवटक शारत, रमधान औ ধরনের জীবজোব থাকলেও থাকতে পারে।

किन्छ केक भवादमंद्र आगी या किन्छन ह

বিশেষজ্ঞানর উত্তব : না। অংশতত প্থিব্নীর অনুর্প প্রাণী বং উভিন্তরের পংক্ষ মংগালে বেংচে থাকা সম্ভব নর। জি এন এ বা আর এন এ উচ্চ পর্যাতের জীবন স্থিতীয় মূল উপাদান। মংগালের পরিবেশে এরা স্থিতি ছতে পারে না।

১৯৬০র ফের রারিতে নৌভিরেত দেশ মংগল দশনে পাঠালেন মারস মহাকাশ্যান। প্রদিকে মার্কিন দেশ ২৮ নভেশ্বর, ১৯৬৪তে মেরিনার-৪কে পাঠালেন মুক্তল সংখানে। আর মংগ্রুম সম্পর্কে মীরা আশারাদী তাদেরকে ক্যে প্রচল্ড এক আঘাত হেন বসক এই মেরিনার-৪৭

সেই প্রথম মংগলের অনেক কাছ থেকে ছবি তুলে পাঠাল মেরিনার-৪। ংমেরিনার গ্রান্থ কার গ্রেক্তির প্রথম কারণ, তাতে মংগালের গৈঠে এমন কিছা কিছা অঞ্চলের সংখ্যন পাওয়া গেল যেখানে বিগত দা ল থেকে পাঁচ গা কোটি বছর প্রযান্ত কেবল প্রাকৃতিক পরিবর্তানই ঘটোন, পাথিবাঁতে জল, বাতাস বা ভ্রম্পন যেমন ভূপ্রকৃতির পরিবর্তান যাড়িয়, তেমন কিছাই ঘটোন সেখানে।

মেরিনার-৪ এটাও আবিশ্কার করে বসল. প্রিবার মত মংগলের উধ্বিকাশে ভান আলেন বেলটা-এর জনারাপ কোন আচ্চাদন নেই। বিজ্ঞানীদের যারণা, পারিবার অভাতরে লোহা, নিকেল প্রভৃতি যে সমস্ত প্লথ উত্তৰ তবল অৱস্থায় রুয়েতে প্রিবীর অনেতানের জনের জারা দারাণ-ভাবে আবৃতিভি হাছে, 50 'छ देशस्तरभा'द घडा। घरल, तिहुछ एक्शान স্থিট হতের প্রচন্ত শব্দিশাল্য বিন্তুং-প্রবাহ। এই প্রবাহ তৈতি করছে চনক-ক্ষেত্র। সম্ভবত এই করেণেই পরিবরী একটি বির্ট চুম্বক। এই চুম্বকের প্রভ্য উধ্যাকাশ পর্যাত বিশ্তুত হয়ে প্রিবাঁকে কেন একটা আবরণের মত খিরে রেখেছে ৷ স্যে বা সন্নয়ে নকত দেকে যে শক্তিশাসী মহাজাগতিক রুখিন যার গুলা উপাদান महिमाली रक्षाप्तेन कवा, निरास दिश्वि शरफ, ভার বেশির ভাগ অংশই ্যদ্রী করে নের উদ্বক্ষাশের এই চুম্বকাক্ষর বা ভান ष्मात्मन रवम्पे। कृत्म, ए।ता श्रदाक्रहादव প্রথিবীর ব্রেফ কোন আঘাত করতে পরর না। মণ্ণকো এ ধরনের আচ্ছাদন ন। থাকায় শেখানে মহাজাগতিক ধুশিমর ব্যাপ व्यवादित । अहे दिन्स शानी-स्कामस्य धरान করে দের। অতএব মধ্যালর ব্রুকে মান্যৰ্ ৰা অনুৰূপ কোন প্ৰাণী বাস, করতে भारत ना ।

আবার প্থিবীর মত নংগলের আকাশে কোন ওজন' গাদের স্তরও ধরা গড়ে নি। কলে, সূর্য থেকে আগত প্রচুর ক্ষমতাসম্পন্ন অতিবেগন্নী রশিম অবাধে মধ্যালের ব্রেক আবাত হেনে চলেছে। এই পরিবেশে
আনতত প্থিবনীর মত কোন গাছপালার প্রেক্ত সেখানে বে'চে থাকা সম্ভব নয়। কারণ এই রশিম উন্তিলকোবের পক্ষে ভীবণ কতিকর অর্থাৎ এই মুহুতে মঞ্চালে জীবনের অন্তিভ সম্পর্কে আমরা মোটেই

্ প্রদান উঠেছে । ভা হলে সেই থালের কি ছল ? মাণালোর ব্বে সালা থেকে অংথকার বা পিওলাল বাদের মেখ, এ-সমদত তা হলে কি ? বিশেষজ্ঞানের উন্তর । 'থাকা আসলে দ্বিটিন্রমা। নাপালোক ছবি প্রিবটির বার্টেডেরে এলো কোলোক ইবিতে অমন 'দালা এই বা রেখার স্থানি হলেছে। খার ভার ব্বেকে বাবে পরিবর্তন সম্ভবন্ত কোন রাসায়নিক প্রতিটিকারেই ফলা।

তবা অংশকা করতে হবে ১৯৭১ এবং ১৯৭০ পর্যক্ষঃ ১৯৭১এ মধ্যক স্থিবীয়

নিকটভন দ্বৈদ্বে মধো আসছে। ঐ বছর অভাত আহানিক ধ্রুপাতিতে সাজিরে নতন कार्य अशास्त्रकण हालानय करना प्रशासिक यात् काट्ड कर्कं बशकानवान गाठाटकन মার্কিন দেশ। আর ১৯৭০এ **ভারা পাঠাবেশ** 'অব্জারভার' নামে আরও একটি মহাকাশ-कात । लोगिक काकवारक प्रशासक पार नामित्य नित्य अर्रिकेट एएअ जिल्हा स्टब আমাদের দীঘা জনপ্রার বাস্তব রুপটি বি: প্রয়াভ কলেকাহিনীকার আখার ক্রার্ক ১৯৪৫ সালে ঘোষণা করেছিলেন ১৯৬১ৰ माना ह होएम शिर्य मानाय । सार्व ১১५०% माता रम अवस्तर कराव अन्। शहर अस्ति श्रम कवियास्थानी अकन इस्सरह । अनाह शर्मका विक्रिति मान्यात स्टार्ग वर्ष खान शर्मारे श**्नालद शक्छ दान्नीहे जानारहरू** कामा इरक बारव।

সমর্বাচ্ছৎ কর



বেঙ্গল কেমিক্যালের

शास्क्रत जामला (र्यात वर्यन

কী সুক্র ঘন কালে। চুল : (দখাল চোখ জুড়ায়। এমনি সুক্র ঘন কালে। চুল আপনারও হ'ত পারে। নিক্চাই—যদি আপনি চুলের এবটু হল্ল নেল জার নিয়মিত বেলল কেমিকানের গ্যোক্তন আমলা ছেয়ার অয়েল মাধেন।



কস্মেটিক ডিভিদন বেক্সকে কে মিক্সাক কলকাতা • বোলাই • কানপুর • দিল্লী • মালাজ

Progressive/BC(em)5/69

<u>সারা</u> <u>ভারতে</u> তারফ সেয়েছে সানাসা

সতাই কী চমৎকার সিগারেট। কী অপূর্ব স্বাদ আর সোনালীবর্ণের ভাকিনিরা তামাকের কী অপূর্ব গর। তাই ত' পানামা সারা ভারতের বত প্রির। আপরিও থকে আপ্রায় ধকার প্রির করে তুরুর।



পোন্ডেন টোন্যাৰে৷কো:, প্ৰাইভেট লি: বোগাই-৫৬ ভারভের এই ধরণের বৃহত্তৰ ভাতীয় উদ্যম্

67 (Pp-672 See,

(5) ব'লের রাস্তার ৫০ নাবর বাড়ি। বাইরে থেকে একটা রাশভারিই মনে ছবে। ভারি পাল্লার দরজা ঠেকো ভেতরে । कट्डरे रम्था वाटब माम्रास्त गाँक है किका ছবি সেই সংকা তললিপি ঃ 'আছি সব किष्टात कराहे वहेतात कारक वनी ए वी मिटक নাড়া মাথা মারাকভাস্কর একটা প্রকাশ্ত ফার্ট গাফ - কিছুটা কেন উদ্ভাস্ত। দিতে শেনিনের আবক্ষ মূর্তি, শেবত প্রথবের এক ছাট সিণ্ডি, বেটা উঠে গেছে ওপর তলার প্রেক্ষাগাহে অথবা সভা ক.ক। সেটা বড়ো হল ঘর। নিচের তলায়াংগরেকটি कांशातमा वत रयो। स्माटो। कारता निरुद চলায় নিজ'ন নিভত কাফে, বিলিয়াড বলের ধ্ব। মাঝখানের বড়ো হলটার একটা বড়ো-সভো বঙান টোলভিশনের সামনে বসে ক্ষেকজন ফাটবল খেলা দেখছেন। ওদৈকে করেকজন জন্ম গেছেন দ্বার। সারি সারি রাকে অজন্ত বই সাজখনা। সাধারণত সোটরেড দেখকদের সালে প্রকাশিত বই ওখনে থাকার কথা। এবার কিল্ড সাজানো দৈখলাম কোবল জানাবাদ বিশেবর নানাম ভাষায় সোভিয়েত সাহিত্যের হা ভভারা হারছে, ভার কিছা নমানা। একটা হাকে প্রেপ**্রি ভারতব্যের জন্য ভবে ৩ই** হলটার পোছবার আগে একটি স্থাত পেরিয়ে বেতে হবে, বার মিরাভরণ কলা গ্রন্থরে উৎকীর্ণ আছে গ্রন্থান, গাইডার লাপিন, নেমচেকো প্রভাত মদেকার ৮৩ জন ক্তী লেখকের নাম, গড মহাবাদেধ বাঁরা প্রাণ विद्यास्त्र ।

না বলগেও চলে হৈ বাড়িট এ দেশের কেন্দ্রীর লেখক জ্বন। লেখকেরা নিশ্চরা সবত্ত, এবং জবলাই কলকাতা, পার্নিরস বা মানকার জাভার ভন্ত। আর আভার জনো কোনো অভানত রেন্দেহারা, কোনো লাকোনা কারে বা অভিথিবংসলা বৈঠকখানা কারে কারে কারে কারে কারে বাজনীর ঠেককেও লেখক জবনের নিজন্ম রেন্দেহারাটি নিশ্চর ভোটে দিড়ালে জামানং বাজেয়াপিতর বিপদ ঘটবে না।

এইখানেই কী একটা সাহিত্য সভা উপলক্ষে এনে আলাপ হরেছিল তর্প প্রপতি-কবি ভ্রাক্তিননিক্র সংগ্রাহ চিঠির প্রতিষ্ঠা দেশ পরিকার ছোবের। কবে কোন একটা পরিকার ফোটোগ্রাফ দেখে কোনো লীবন্ত মান্ত্রে সংগ্রা কেই। কিন্তু বে কোনো সাংক্তিক বাপারে সদাই-কোত্রলী শ্ভমর আমার দিখা অগ্রাহ করেই নিঃসংশার প্রমার আমার দিখা অগ্রাহ করেই নিঃসংশার প্রমার করের বসলেন ঃ আগনি নিশ্চর ভবি ভ্রানেসেন্দিক ?*



সাঁবস্থারে দেখসাম বে, আমার চেরে আনেক অলপবরসাঁ, একট্ খেন-বা ঠেট চ.পা ছেলেটা কলকে 'ছাাঁ,' এবং শাভুমারের সংগ্র আলাপে মেতে উঠল।

আমার কাছে কিছু সাধা কাগল ছিল।
আলাপ শেবে তারই একটা শিটে
জলনেদেনিক লন্যা কার একটা সাারাব্যকা
আকলেন এবং ভার তলে বে দৃ; ছত কবিতা
লিখে নাম সই করেছিলেন তার বস্তবাটা এই
রকম ঃ

অগ্রিম রাকট, রত দ্রেই বাই, পারেটেরালরে পঞ্জে ফিরি প্রথিবটিটেই।

ভজনেসেনস্পি হয়ত তথনো ভাবেননি বে দিন করেক পরেই তরি দেশেই প্রথিবীর ই মাধ্যাকর্ষণ করে করা একটা গতিশব্ভির রকেট তৈরি হবে হা কোনো পারাবোলাতেই প্রথিবতৈ ফিরতে বাধ্য নর।

*

ছত প্রতী ফের ফনে পড়ল লেখক ভবনের বেশেতারার চার দেয়ালে চেখে ব্লোভ গিরে। এ এক আশ্চর্য দেয়াল, আছার দেয়াল, ভার সর্বাংগ ছাড়ে কেবল সরস ও সহাদর বাংগচিত ও শেলবোজি বা এপিপ্রাম। কনির্মানর পাত নিয়ে তর্কে বিতাকা আলোচনার উত্তেজনার লেখকের ফেসব ছভা কানি, পঞ্চন্দই হলে তা সংগ্য সংগ্রেই ছেলি দিরে একে দেওয়া হয় দেয়াল। আগো সেসব ছড়া দেখেছিলান, এবার দেখলান ভার কিছুই দেই, কেননা, কে না ছানে, আভার ভথ্নি শেষ, বর্ধনি তা একছের।

লোভ হলেছ, এই ধরনের দ্বারেকটা চুটকির নমনো দিই, যদিও জানি অন্বাদে ভার আসল মজাটা জনেকটাই ছারা বাবে। বেমন, মারাকভশ্কির এই চার ছর উম্পৃত করেছেন মিঃ হোভিরাক্ত ঃ

একটা কথা মনে হৈছে কিও,
ক্লাবে গেলে বেতিক সজে নিও—
ব্যক্তাহারে নকল করেন না—
পরের নর, নিজের জেনানা !
এম সিমরনভের একটা সদ্পানেশ ঃ

বদি তুমি এ ভবনে এসে থাকো লিখবে
বলে, তার মানে এই নর বে তুমি লেখক।
ক্ষি রবাট রজদেশত্তেনস্কির নাম আখা
করি আমাদের দেশে তত অজানা নর।
নবীনতর কবিদের মধ্যে ইনি বরোজ্যেত এবং
স্প্রতিত । ভারতবর্ষেও গিরেছিলেন কিছ্কাল আগে। তাঁর একটা চিমটিঃ

নৈষ্ঠ ভবনে বাদ ভোমার বির্মীত করে গিয়ে থাকে, তবে জেনো লেখক ভবনেরও বিব্যক্তি ধান গোড় ভোমার ওপর।'

আর নবীনদের হবো সবচেরে সোকার কবি ই রাজতুশেকো, বরি কবিতা তত না হলেও নাম অংতত বাঙলা দেশের জানা, ভরি বতবাঃ

লেখক ভবানে হোক সকলের ঠাই, যে বাঙাই যে রাঙাই না, আমারা সবাই, কারো মুখ চেরা কোনো শোশামোল নাই, তেমান হব না কেউ হিংসের কাঁই, এখানে চলাক শাসকার, রোশনাই, কশের তেজান তৃত্তি হোক বত চাই, শুগে—ভত্তিটা না যেন বডে ভাই।

বিদেশী অভ্যাগতরাও সম্ভবত এখালে ভাষের স্বাক্ষর রেখে মেতে গররাজী মন। লা স্ক্রেজা (নাম দেখে মনে হচ্ছে এদেশী মন) বিখেছেন :

> পান করা বার সব কিছা, শাধা জেনে রেপো থেন কোথার, কথন, কার পিছা, কতাটা এবং কেন।

আগাক বিবেশী এবং চুটকিগ্রেন। আগ্রহী লেখে রেলেভারীর পরিচারিকা অথবা আন্তম পরিচালিকা ভদ্রতা করে জিল্লেস করেছিলেন, 'আগেনি কিছু লিখবেন? বিধান না।'

অভ্যের মতে আঁতকে **উঠে বল্লাম,** পাগল নাকি: মনে হজিল ম্কান্তর কথা, মকোনত ভট্টাচার্যা, গোএকলা বেলেযাটার বিদ্যাত খড়ি দিয়ে লিয়েখছিল: প্রয়ালে



দেশনে এবং দেশান, আপনার প্রির চিত্রতাবকারা সিনেমার ৬ × ৫ পদার ক্রিক,
লড়াই, কাট্রনে আপনাআপনি চলবে, নাচবে।
মেলার বা পদশানীতে ইলেকট্রিক বা টর্চা
বাট্টিরি দিয়ে দেখান বাবে। প্রচুর টাকা
রোজগার কর্ম কিংবা নিজের বাড়িতে
বংখ্যাকের বা পরিবারের লোকদের দেখান।
স্পার শেশাল প্রোজেন্টান দাম ৪৫, টকা,
১০০ ফ্টি ফিল্ম, স্কুটিন, ফিলেমর ভালিকা
বিনাম্ল্যে। ডাকখান ও প্যাকিং অভিরিক্ত
টার ৬-৫০ প্রসা। অভিরিক্ত ১০০ ফ্টে
ফিলম ১০ টাকা।

প্রচাহদা আজই অভার দিদ Holywood Cinema Corp. Kalyanpura, Delhi-6. হারালে মনের থেরালে লিখি কথা। আমি তে থেকার পেটেছি লেখার দ্বাধীনতা।

আমাদের দেশে এখনো কি একটা লেখক ক্লাৰ গড়ে, উঠতে পারল না, মেখানে ক্লিয়াক না আকলেও (আকবেই বা না কেন?) বর্জনান ও ভবিবাত স্কাশ্তরা দেয়ালে ক্যোলে ভাদের আভার মেজাজ রাধ্বে?

*

এবার অবলা লেখক ভবনে বেজে হয়েছিল অনা উপলক্ষে। গড় বছর থেকে মন্দেরায় সোভিরেগু সাহিত্যের অনুবাণকলের একটি আন্তর্জাতিক সাক্ষাংকার চালা, হয়েছে। এবার হল ন্যিতীয় সাক্ষাংকার। প্রতিনিধি এসেছিলেন ইংলণ্ড, ফ্লান্স, ইতালি, অন্থোলিয়া প্রভৃতি ভিরিশটি দেশ থেকে। আলোচনাগ্রো চিন্তাকর্যকঃ ধেনন সাম্প্রতিক ব্লে স্যাহিত্যিক ভাষার ভী বাঁ
বদল ও স্টাইজের দিক থেকে বাঁ বাঁ
বৈশিন্দা দেখা দিকে, বা হরত জনেক সার বিদেশী অমুবাদকদের চোখ এড়িরে বায়।
অথবা করিতা অমুবাদের সমস্যা বা সব ভাষাতেই এখনো একটা অসাধ্য সমস্যা।
শেষ দিন পরলা জ্লোটরে হল আন্তর্গাতির
সাহিতা সম্পা। সভাসতির আসনে সূর্বত

अशारी कांग्रही

मुत्रात मार्क मिया এकवात धूलिये खता य-काता कात्रफ़-कान त्राष्ट्रजात मिया रे वात धूल यण्डा कर्मा यय -ग्रात हिया वन्नी कर्मा यव।





পরীক্ষাগারে বারবার ব্যাপকভাবে
পরীক্ষানিরীক্ষা করে এটি প্রমাণিড
হয়েছে। সার্কের ররেছে অন্প্রস্ক পরিকার করার ক্ষমতা। ভাই
কামার প্রকানো ময়লাও সাক্ষ
করে দেয়। ভারতের পেরা ব্যাওটি
কিন্তুন: অ্পার সার্ক (কেবল ছোট ও বড় প্যাকেটেই পাওরা বার, বার গায়ে লেখা ধাক্ষে

সুসার সার্ফ সবচেয়ে বেশী সাদা করে ধোর (নীল বা অশু কোন পাউডার মেশবোর দরকার করে না) त्वन दृत्का हृद्ध शास्त्र । चान्न कविकान গোল পেলেই বারা বে কোনো প্রকারে यासका भव मरशास्त्र त्यात्मे, त्मारे यसत्मद রুশী লোভার গোটা হল বর্টা ভরা। তবে वान्त्वर्गाटक करे म्यारक्कारक क्षेत्रहे. विभिन्न देवारक एता सामाम, ब्रामानार আর্মানি, ইতালীর এমন কি আমানের মালয়ালম ভাৰাতেও দৰেক বন্ত কৰে কৰিতা वा क्या किए भूनए वादा दक्षा मरबुद আসরটা যে শেষ পর্যশুভ একটা যেকেলীয় মিনারের আকার নিশ না, ভার কারণ সকলেই রুশ ভাষার রসিক। তরুণ মিশরীর ক্বি শোনালেন রূপ ভাষায় ভার নিজের কবিতা। মারাকভা^দকর সবচেরে সার্থক अन्वापक अ त्यों नि सा म **इ.र**गा-इ.रगा শোনালেন ভার স্বরচিত করেকটি ছন্ত। আর मानाइत्मा युट्या देश्टाक अहान्यादर् भारत করলেন কিনা তর্ণ কবি ভজনে:সনন্ক্র ক্বিতা অনুবাদে আবৃত্তি করতে।

কলাই বাহ্বা, এই ধরনের সভার কেউ কারো চেরে কম করতালি পান না। ভাহলেও গাঁটা গোটা, চিপ-কপালে রোজদেশ্ডভেনম্কর পর পর করেকটা কবিতার গ্রোতারা বেভাবে সাড়া দিরেছিল দেটা দেখবার মতো।

আসলে শৃধ্ কবিষশপ্রাথীদৈর মধ্যেই নর, সাধারণভাবেই কবিতা তথা সাহিত্যের প্রতি এবের এমন একটা মর্মাস্পাদী মহতা আছে যাতে মাঝে মাঝে আমার অবাক হতে श्रद्धाः এই বোধ হয় এक्सात तम विशास ক্ৰির মূতেথ ক্ৰিডা শোনার জনা শেউভিয়াম লোকে ভরে যায়। বইয়ের দোকানে কবিতা বা সাহিত্যের বইরে খালো জমবার সাযোগই হর না। প্রতি সেকেন্ডে ৪০টি করে প্রত্তক ও প্রিস্টকা প্রকাশের এই দেশে, গভ বছর যার মোট কপির পরিমাণ দাঁড়িরেছিল ১৩৪ কোটি ৪০ লক্ষ্ণ, বইরের এই অভাবিত বন্যার দেশেও নিজের প্রিয় দেখকের হালেব वरों किनटक रव म्यून-७७ रमीत कतरव. ভাকে ত্রিভই থাকতে হবে। ভাই বুই কেনার নিশ্চিত একটা উপায় এখানে হল বই বের,বার জাগেই বই কেনা, ছ' মাস, বছর, দ্ বছর আগে থেকে প্রকাশভবনে নাম লিখিনে, টাকা জনা দৈরে অপেকা করা। ল-ডেলের টিউব रप्रेमगर्रमात्र अक्षी বৈশিক্ট্যে**র** কথা ज्यानकर वन्द्रमः আগিসগামী বা কেরতা বাচীদের সেখানে শেখা বাবে গাড়িতে উঠেই ভাকাতি কা न्नास्वित्कनकाती चंद्रेमाद चवरत छत्रा খবরের কাগজের আড়ালে মুখ লুকডে। এখানকার বাস, প্রীলবাস বা মেট্রোর ওয়াসনে 'হোডদা' বা 'সাংধ্য মন্কো'-পাঁড়য়ে অনেক দেখা বাবে সন্দেহ মেই, তব্ সেই সন্দে এমন জন চার পাঁচ ছেলেমেয়ে দেখা বাবে (वनाहे दाष्ट्रना हादा) बाता ७ अस रदस क्लारना अक्को विकास या रहेक्सलीवन यह শড়তে, অস্তত দু, জনের কোলে প্রপ্রাাস বা সাহিতাপর, আর নিশ্চর একজন ভার পকেট থেকে বার করে প্রিয় কবির পরেট বই गरण्यमणीटक **कान्छा । क**ळवासी रका पन বেথে মলেকার উপকর্ণের ভার আর বাচা বনে চড়,ইভাতি ক্যতে গ্রেছ আমরা। ভার রসদশন্ত হিসেবে পাদা, পাদাীর, সাঁতারের শোশাক, ভলি কা ছাড়াও ইসেনিন কি ইরেভভূদেশ্যে, চাওলাকর একটা স্মৃতিকথা বা নিভাশ্ডই বুশী লোকসংগীভের একটা यहे. कहे यान शक्राल एका प्राचि मि। बाब লম্বা করে টেনে যদি কেউ বলেন বে দলটা হাজার হলেও ব্যক্তিশীবা, ভা হলে বলৰ কি সেই রোগা, ক্জেন গেলো পেনসদ-ভোগার কথা, বিরাজানের এক গাড়গ্রাবে বিনি আমার ভারতবাসী জেনে প্রণন করে-ছিলেন, আছা, ভারতবর্ষের চা-কুলীয়া কি ৰ্নতাই অতটা দঃৰাং

ম্ব্তরাজের প্রীট পাভা একটি কু'ড়ি' তিনি পড়েছেন।

কিংবা পার্ক কুলত্মীরর কাছে নতুন জোলা কাফেটার সেই পোশাক জ্ঞালার। শব্দটা বাংলার নেই, কেননা আমাদের দেশের আবহাওরার কোনো কাফে, রেশ্টোরী, থিরেটার বা সভাগ্ছে চ্কতে হলে টুর্নিপ ছাতা ওভারকোট রেনকোট কোনো একটা জালা বরে জ্ঞান দিরে তবে ঢোকার রীতিটা এত অপরিহার নর। বে'টে, চৌকো, স্চার্ খালা লাড়ি, নীলাভ চোখ, চেহারটো গভ শতকের ব্যক্তিনীর মতো হলেও ব্যক্তর বে কাজ সেটা ওই ওভারকোট নেওরা আর ফেরত দেওরা, আব্বনিক পরিভাষার বাকে বলা বাবে আন-শ্রিকাভ্য লেওর। অন্যনকটা আমাদের দ্রোরানা। আমার কোটটা নিরে চোখ কুটাক বললেন, আর্ব ?'

'না ভারতীয়।'
ভারতীয় ?' বলে বা বসলেন ভাতে
ভারতীয় ব্যক্তিকীবীও একট্ চমকাজে
পারে। হাাঁ, হাাঁ, আমি জানি। জহরবাল

নেহর, সম্পর্কে সেখা আমি প্রভাচ । বিজ্ঞানী ৷ মন্তেন বড়ো লোক । আমি জানি ? তিনি বে জানেন সেটা ভার সংস্ক পরবতী আম কটা আলাপে নিঃসন্দেহ নি হয়ে আমি পারি নি ।

অথবা আন্তেম সেই ছুটোর, প্রারই বে
আনে বাছির এটা ওটা মেরারত করতে?
নাম তার তোল্যা, কোদলের মতো চ্যাপটা
চৌকো মুখ, দড়কচা মারা চেহারা, বে কোনো
লোকের সপো বে কোনো ছুটোর খুরোখ্যীর
করতে এতটুকু আপতি নেই বলে মনে হবে!
একবার কাজের সপার্ক পের বলে হরে স্বরার
সপার্ক শরে, হতেই দেখলাম একেবারে জনা
লোক। কী একটা কখার বখন হঠাব বলে
ফলক, 'আমিও কবিতা লিখি'। দেখলাম
ভার ভরাবহ মুখখানা হয়ে উঠেছে বলকের
মতো লাভ্যক।

শ্ৰনবেন ?"

কবিতা সে নিধেছে আমানের সামনেকার সব্দ আভেনিউটার গাছগুলো নিরে।

শ্নলাম তার কবিতা, তবে বরে নর,
বাড়ি থেকে বেরিরে গিরে ওই গাছগালোরই
তলে বসে। সে কবিতা কোনো কাগালে
কখনো ছাগা না হলেও মান্বভারে কবি
বলে মানতে আমি আগত্তি করতে পারি
কি ?

কাব্য প্রসাগা শেষ করার আসে তাঃ আমির চরবতার কাছে পোনা একটা ঘটনার কবা বলি। আমেরিকা থেকে ইউরোপ ঘরে দেশে যাবার পথে ট্রুক করে একট্ মন্ফোও দেশে গোলেন। এটা তার তৃত্যীরবার মন্ফোও দেশে গোলেন। এটা তার তৃত্যীরবার মন্ফোও আরা, অহচ ইরাসনারা পলিরানার তলস্ভরের ভবন মিউভিরমটি তার দেখা হর নি। সে অভিলাম একার মিটিরে গোলেন। আর সেই সপো একদিন একটা টাান্ধি নিরে একা চলে গোলেন পেবেদেলকিনো গুরে। তিনি রুলী জানেন না, জাইভার বা ও জারগাটার লোকজনেরাও কেউ ইংরেজী জানে না। ভা হলেও কিছু ইশারা এবং পোশেতরনাকা এই নামটি করা মাত্র লোকে তাকৈ সমাধিকেটটা

नद द्वान

दाम्माना विश्वनाथस्यत्र नजून উপन्যात

भारधर दिश्रम

কিছা কাহিনী আছে সেকালের, আর কিছা আছে একালের কিন্তু শা্ধ প্রেমা বেন এ-কাল সেকালের। নাম ঃ ২-৫০

রুপমস্করী— (উপন্যাস) নরেন্দ্রনাথ মিত্র ৩-৫০
প্রশন্ধ বিচিত্রা—(প্রেমের গ্রুপ) শিবরাম চক্রবতী ৩-০০
শশী কবি— (উপন্যাস) ফণীম্প্রনাথ দাসগপ্তে ৩-০০

স্তীপর ৩৫-সি, স্ব' সেন সাটি, কলিকাতা-৯

হাখিলে দিলে। যাত্তা স্থাখিকেন, ভার ঠিক কোন জারগাটিতে কবিছা স্থাখি, ভা খাজে পেতেও ব্যাকিল হল না। জবল জারান জানা একটি লোক ভাকে সপো করে নিরে এলেন। এটা কোনো বিশেষ দিন নর, ভা হলেও জবির চরবভার ব্যাহে দ্বান্ড এসেহিকেন কবির স্থাখির কাছে দ্বান্ড বাভাতে।

্ত্রমির চরবতী আমার ফাছে তাঁর বিশার প্রকাশ করলেন। পালেতরনাকের সংগ্য তাঁর ব্যক্তিগত আলাপ ও প্রবিনিমর ছিল। তাই

রূপরিচিত্ত নির্কর্যোগ্য প্রতিষ্ঠান বিসলৈ ডেকরেটর ১২০ চিত্তরঞ্জন এডিনিউ,কলিও



স্কল জীবন্ধাপনের জন্ম বা প্রেরোজন গুকালায় তা পাওচা যায়। গুকালা অকাল বাধকা বোধ করে, বাব্দোর উন্নতি করে এমং স্বাচ্যের ঘেটা জন্মবী, যৌবনের বল ও বীর ফিচিয়ের আনে।

সারা পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোক আজা বল্পধিক তথা ক্ষতন্ত্রোদ্ধারেরাকী আধুনিক ট্যাবলেট প্রকাল্য ব মহার করেন। পুক্র প্র ব্রীলোকনের জন্ম পুষক পৃথক প্রকাল্য পাওবা যাব।

প্রকাসা – হর্মো – কার্না বিচ্চ লণ্ডুল– বার্লিল–এর তৈনী বড় বড় ওয়ুথের লোকানে পারেন অপবা সরাসরি বাদের কাড় থেকে পারেন :

OKASA CO. PVT. LTD P. O. BOX 896, BOMBAY-1,

3UA 380, SUMBAT

ভার আসার ভাগিদটা বোরা বার। কিন্দু, বলকেন

এই নিয়াভাগ একটা স্বাধি, জনত টাটনা ক্ষাও ব্যাহে দেশসান, কেট গিত্তে গৈছে নিশ্চর, ভার মানে লোকে স্মান বস্থানে, অ'তে ভোলে নি!'

কৰি ও কৰিতাকে এৱা দাভাই জালোবালে।

*

খন একটা ছাকাছাকি ভাকাডাকি নিয়ে খেব পৰ্যাত গ্ৰীন্দ্ৰ এলে গেল মনেকার। প্ৰতিটি মোড আৰু মেটোৰ কাৰে মিনাবেল গুহাটার আরু সিরাপ জানের বে স্পার্ট মেসিনগঢ়লো এতদিন প্ৰ'ল্ড ছলদে চোৰে মন-মরার মতো দাঁজিরে ছিল, হঠাং জিড কমে উঠেছে সেখানে। চাকার ক্যানো হল্ড মস্ড লোহার পিপেগুলোর কাছেও সম্বা লাইন : রাশিয়ার একটা প্রাচীন, জাভীর পানীত 'কোৱাস' জন্মদ্ব দেখা বাবে এখান। ব⊥ি এবং নানাবিধ লভাপাতা জারিছে ভৈরি জিনিস্টাকে ব্ৰুশীরা ভাদের কালো রটি, শটেকি মাছ আত শল সমেজের মতই ভারি ভালোবাদে। মদেকা নদীর 🖛 এতদিন প্রবিচ্চত ঝাপিয়ে প্রার মত প্রম হজিল না। আরু অবিরাম সিমের বাভায়াতের ফলে সে জলে একবার ভব দিয়ে **फेंटन** जाना शास्त्र रभद्रेरमद कारना श्राम्त्रभ बातरमंत्र दिशन बरभणे शाकरमं क करे छेलाम খোলা নবীটার কছরে মার দিন তিখোকের মতো ঝাঁপঝোপি করে নেওরার স্বাধ কি আর কোনো কৃতিম সাইমিংপালে মেলে? তা ছাড়া কাছেই যে লেনিন পাহাড়, রৌপ্রক্রেভীদের শ্রীক্ষেত্র। গোটা পরেভটা একেব্যরে নদীর ভট পর্যন্ত ভরে উঠেছে নরনার**ীর সাদা দেহে। বঞ্চাসম্ভ**ক থালি গায়ে রোদ পোয়াচের সবাই। বছরের এই কটা फिन दय वेंछ दतारम भटक वेंछ दर्शन छात्राहरू হতে পারবে, ততই ভার কাছে সাথকি মান इत्व श्रीन्यणे। श्रीन्य मात्नदे चत्र हात्छा. ছেটো, এসো বনে, পাহাড়ে, নদীতে।

অন্য রক্ম ভাকাডাকিরও অভাব নেই। शीन्य मार्ट्स रेड द्रकम अन्तर्भी जाद প্রতিনিধি। এই মুহুতে দেখার মডো তিনটে ঘটনা চলছে একই সংগ্যা; জনগণের পোলাপেডর ২৫ বছর প্রদর্শনী, আধুনিক ম্রণযদ্যের আশ্তর্জাতিক প্রদর্শনী, প্রাচীন শিকেপর প্রদর্শনী। নিক্সেকে অন্ধিকারী কলে যদি নিশ্চিত না জানতাম, তাহলে আন্চর্য সব রুশ আইকন ও অন্যান্য শিলেপর এই শেষোক প্রদর্শনীটি নিয়ে কিছু অবাচীন উভিত্র দুঃসাহস করা বেত। তাই বরং এ গ্রীন্মের সবচেরে ঝলমলে ঘটনা মশ্কো ফিক্ম উৎস্বটার কথা একটা বলি। রোসিরা হোটেলটার লাউঞ্জে এ কর দিন বেন পরীর হাট বলেছিল। **চ**ুক্বার

ক্ষেত্ৰ গৈণালৈ সভ্যে কাৰল কৰে ৭০টি বেলেৰ পাছকো আৰু আটোয়াকলোকা গৈছিল কৈছে আটায়াকলোকা গৈছিল কৰে কৰিবলৈ কৰ

আই প্রসংশ্য জালাপ হল ঢাকার প্রতিনিধি
দলের সংশা। সালাহউলিদন, হাসান ইমার,
আলোরালা সারের পরিস্কার মা পেরের
ভারি বংলি বে প্রের্থ বাংলার ছবি দেখির
করতে পারলেন। নিজেদের সমস্যার করা
করলেন। বছরে ০০টা করে ছবি ভোলা হয়
কিন্তু শহরের সিনেমা হল কর। উর্ন্ ছবি
প্রতিবোগিতা কাটিরে উঠেছেন ওারা, কিন্তু
দলকের সমস্যা মেটে নি। সমস্যা সমাধারর
একমান উপায় গাঁরের মানার। ভাই গাঁরে
মানাহের প্রির র্শক্ষাগালোকেই তার
চিত্রর্শ নিজ্কেন। প্রদল্পা সমারের ৭৬%
ভাগিই লোককাহিনাই।

কে জানে, হয়ত ভবিষয়ত এর একট ভারেন ফলই ফলবে।

অন্ত্ৰেই ব্যক্তি, কিন্তুৱে মুক্তের কাছে উৎসবের প্রধান আকর্ষণ ছিল ভারকারা । ভাৰে চামের কাছে ভারকার দর্ভি আর কতটাকু? আর উৎসবের ঠিক मोधा स्काहारतहे यथम रुमहे औरएव राज মানাবের পদপাত আসর ভল তথ্য সং म_{िन्सात} मटला शाणे। महस्कात भर ছেড़ F. & 4.2.4.4. वृहक 377 (W.O.) টেলিভিসনের সাম**নে। আ**শ্চর্য সেই দৃশটা रमथ**ना**च व्याम**ना ७। हो**रम्ब ७१४ मान्। मान হল ফেন° হাটিছে না. প্রায় ভাসছে। পেতি। হল আমেরিকার পতাকা....তবে ভারতের পাঠকদের কাছে তো তা সবই জানা। তা সভেও পনেরাভি করার প্রয়োজন বোধ করলাম এই জন্য বে কাগজে দেখলাম, ट्यांमरङ्ग्डे निकमन बरमरहम स्य. मृनाग्री সারা দ্বনিরা দেখলেও রাশিয়া দেখে নি। रथाँठा फिरक इरम कि भिरशाई वमार हरत?

্কর হোক জাতীয়কৃত বাতেকর! প্রাভানর, ইজতে তিরার, রেভিওতে টেলিভিসনে ভারতের ইদানীং কালের আর কোনো আভানতরীপ ঘটনাকে এত বড়ো করে এত বেশি কলম আর মিনিটে এত নিনাদিত হতে আর কথনো দেখি নি।

ননী ভৌমিক



(ক্ৰেন্দ্ৰ)

ত্র হামের মধে। অসপত কথা বলে পাশ
ভারন শাশবতী। মানা একটা হাসক
স্থানার ভিতরে।

হৈমণতার গাঁহের ওপর তার পা। তৈমণতা ঠেলা দিয়ে বলগ—এই, ঠিক হরে শে: এমার গারে ঠাং তলে দিচ্ছিদ।

শাদ্রতী ঘ্রামের মধ্যেই তাকায়, তারপর বিড় বিড় করে অসপন্ট কথা বলে একটা। বেন্ধ হয় বলে, তোলর। স্বাই শাদ্রতীকে ক্ষমা কোরে। এনিম কি ছাই ব্যক্তি আমার মন্য তোমাদের কাউকে যদি দুংখ দিয়ে থাকি-ক্ষমা কোরো।

প্রবিদ সকালে শাদবতী ভাবল, ধ্ব শীগগারিই সে একদিন ললিতের সপে দেখা করবে। জিজেস করবে—এতে আপনার কী শ্বাথাডিল? কেন আপান এখন কাঞ্জ করলেন ?

ললিতের সংখ্যা ঝগড়া করার মতো আনক কথা শাদ্যভারি মনে প্রয়ে। কেন আমাকে কৈউ মন বোঝার সময় দিল না! ধরে বেধে निरा राम भारतक-रतिकम्प्रोरहत्र काष्ट्र! की ম্বার্থ তোমার, ললিত! না, অভ পরেষ মান্য মিলে জোর করে কোথাও ধরে নৈরে যেও না শাংবভীকে। বরং তাকে আর একটা সময় দিও। আর একটা মারা করে। শাশবতীকে। শাশবতী কি ছাই বোঝে তার মন! আর তমি! শানোত. কাল টোলফোন ডিরেক্টবির পাতা ওল্টাভে ভোষার হাত কে'পেছিল, ভূমি দু আন্তলে সিগারেট ধরে রাখতে পার্রাছলে না। ভূমিও তে: জানতে না. লালত, তুমি কী করে ফেলছ! তব্ ভূমি জোর করে কেন বঢ়াতে চাইছিলে ঘটনাটা! তোমার মায়া দয়া নেই।

শাশ্বতী কলেজে যাবে কিনা তা তেবে
একট্ ইতস্তত করল। আজ তার কলেজে
বৈতে ইচ্ছে করছে না। শিবানী এসে বলল
—আজ কলেজে যাবি না? এস বির ক্লাসে
আজ পলিটিকসের নোট দেবে!

—ভাষ**লে ৰাই চল।** অনিক্ষায় তৈরী হরে নিল শাশবতী।

বাসে বসৈ শিবানী জিজেস করস—তুই তো করেজ থেকে রোজ ক্রিস—কাল কেটেছিল হ

- -2-31
- —কোথার গিরেছিলি? সিন্নমার । শাশবতী উত্তর দিল নাঃ
- —খাব উড়ছিল! শিবানী দুঃখ করল, নিঃশ্বাস ফেলে বলল—আর দাখে, অলক বে সেই চাকরি করতে গোছাটি গেল, একটা চিঠি প্রমণ্ড দিল না। প্রেছ্ম মানুষ্দের বিশ্বাস নেউ।

শাশ্বতী চুগ করে রইল।

কলেজের স্টপেজ এসে গেল। নামবার জন্ম বাসের পা-পানিতে নেমে একটা মাুখ বড়াতের শাশবতী দেখতে পেলা। কলেজের লাকনের মোড়ে বকুল পাছটার ভলার অবা রোগামতো একজন লোক শাড়িবে আছে, বেখানে গভকাল ট্রারি গাড় করিরে আদিক্ত অংগজা করছিল।

ু এ লাখা লোকটা কি আৰিছা? বুল খেকে ঠিক বোঝা বায় না। ভবে আৰিছা মুক্তয়া অসম্ভৱ নৱ।

শাদকতী পিছিয়ে **এল, বলল—আ**ৰি মামবো নাঃ

-M 41?

না। শাশবতী যাখা নান্তল—কারি

একটা জনা কারগার বাবো। কাল আছে হ

—কোধার ?

কোথায় তা দাশবভী তাড়াভাড়িতে ঠিক কাতে পারল না, বলল—আছে ৷..তুই পালটিকদের নোটটা আমাকে দিস, আমি টাকে নোবা ৷

্ আবার বাদের মধ্যে ফিরে এলে বসল শাধ্বতী। পরস্যা বের করে কণ্ডাকটরকে বলল—আমি রাসবিহারীর মোডে নামব ।

মনে মনে ঠিক করল শাণবতী কে রাসবিহারীর মোড় থেকে ফিরতি কাস ধরে
বাজিতে ফিরে বাবে। কিন্তু রাসক্ষিত্রীর
মোড়ে এসে তার থেরাল হল, এখান থেকে
নক্ষিণ মুখো কিছুটা গেলেই ললিভের বাসাং
ঠিকানা জানে না শাদবতী, কিন্তু বাজিটা
তার মনে আছে। তার মনে গতকালের রাগটা
থ বাত থাকতেই বোঝাশভাটা মিটিরে
আনা ভাল। বেশী দেরী করার
দরকার কী? ধেশক্ষিণ রাগ থাকে না
শাদবতীর, সহজেই গলে জল হয়ে বার।

— নাট**ক** —

সন্শীল ম্থোপাধ্যায়ের	वामन नवकाद्व	বাদল সরকারের	
আজকের নাটক 👵 🕫	वाकि ইতিহাস	० .२७	
मुद्दे नावि	নীহাররঞ্জন গ্রেপ্ত	0.00	
घर्1र्भ	শুক্তু মিত্র	9.00	
কাপুনর ণা	শম্ভুমিত ও অমিত মৈত	0.00	
মেঘে ঢাকা তারা	শক্তিপদ রাজগ্রে	0.00	
ৰাঁধ	স্শौल ম্থোপাধ্যায়	0.00	
উদাৰি'কী	স্শীল ম্থোপাধ্যায়	0.00	
कौरन किळागा	মণ্ট্ৰ গভেগাপাধ্যায়	0.00	
আজ অভিনয় বংশ	বীরেন্দ্র পালচোধররী	২.৫০	
পালাবদল	म ूर्वामा	₹.00	

-- প্ৰাঞ্জ তালিকার জন্য লিখনে --

ગ્રુજા જો છે

২০৯বি, বিধান সরণি, কলিকাতা ৬

शकांभम बन्द्र

यक्कारत्व वृष्ठ ०.६०

দক্ষিণদিকে উনহিল নম্বর টাম বাক্তে ককিং! নাশ্বতী উঠে পড়ল।

কাল রাভ থেকেই লালতের মারের মনে একটা সংশেষ ছাকেছে। এই বে রমেন নামে হেলেটা এনেছে লালতের কার্ছে, এ হেলেটার রক্ষটা কী? কাল রাভে যথন এক তথ্য যাত্রের একটা কতুরার মতো হাভকাটা পালাবি। সালে গোলে গানিবারির। কিন্তু মাধ্যানা দেশে মনে রাজ বড় সংকর হেলে। বড় সংশের বড় সংকর

বটে—রমেন ৫ বাসাতে অনেক একেছে বা,
থকে তুমি কতবার দেখেছো! কিন্তু
আঞ্চলাল চোখে একটা খোলা-খোলা ভাৰ—
কোনো কিছুই ঠিকমতো নজরে আসে না।
তা ছাড়া কতদিন আনে দেখা—অত কি মনে
খাকে।

সে বাই হোক, কিন্দু পাঁক্ৰ কাছিল হেলেটা নাকি সমানতী গৰনের, আল্লেম থাকে! এটা পোনার পর থেকেই ফাটা কোন বচ বচ করছে। এই সমানতী হেলেটা কালেতের ফাছে কেন এলেছে। কী গর্কার। বড় ভার করে কালিভের মারের। এ হেলেটা আবার ভূক করে বাবে সা জ্যোলাভকে! একেই ভো লালত উদাসী ছেলে, আন্ত্ৰ-ক্ষ্যাসী হরেই আছে।

काज सार्क अक विकासात पराव करन बाछ नवन्छ स्वता क्वा ग्यन क्या काहित। की देन कार कथा करनदा नीनारहत मा चानक क्रफी करतरह ग्रनरक। विन्तु ग्रन बटन ज्ञान, इसीन, राजनाई बदानका कर राज किट कारम कारजीन। जाना बाद करन के कारको ध्यम की जब स्विद्यस्य गाँगस्य अधिकारकात कामा क्षेत्र का करत जातार। লেই কৰে একটা বাল্টাৰীয় চাক্তি জাহিছে किया वाणिक अवस्था कारको का राजा। क्रियोक्ट टकारमा रहको छाई। क्टल क्र मनक कारीत गाउन द्वाकारन मिता वारणक किम कार्रिटक फाटन। क्रके रहन-वस्त ट्याडेस्ट्रीडे करत. केरनजनी स्टब क्य कि: कटड टक्टन मान्ट्य! छा काट्य मा. कि कारणारे करण-जामना रहा गुजन हिंद हता बाटन । बाटभन्न न्यकान । अन्र वाभ मानाने कौनम रचना-रचना करत भागन हिन गाहित মান,ৰকে চিনতেই পারত না। সে লোকী সারাটা জীবন কেবল আপ্তবাকা বলে গেল -- शतनाकिक निरंत की बन्न! के तिन करते। দিয়ে বন্ধ হাতি গলে বাবে, তব্ কোনে मकरणांक न्यर्भ बाह्र मा। बाभ कातर मुक्कारनसर्वे बासमा ८व वर्ष्टलाक इन्द्रसामेत वास किया स्मर्थ। कात एतत वरे कान, रबकारव क्रमरक क्रमाक। मॉनरफद वन्द्रता ওয় মতো বোকা নয়, ভারা সমর থাকতে বে बाइडो शृक्तिः निरुक्तः निरुक्तः ननिएडोहे ग्र्य-চ্চোরা। কোখাও খিরে পড়িতে গারে না. टक्टफकटक जासरक शादन मा निरमह कारबढ़िता अथि द्व बहरकाती। जारबढ़ বাভিতে বখন হরির কটে পড়ত, তথন कांकिक मीक्टिस शाक्क मृत्या। उत्र कार्यर সামদে অন্য সহ ছেলেমেরে মাটিতে পড়ে काळाकांकि करत बाकामा कुरफारवा। व भावस् ना। किन्स मृद्ध मीस्टब अभन **धारकामा करक सम कमर ए**एएगेला कि बदमा क द्वारी।

ं जिन्दाच्या व सम्बन्धा वकार् चना प्रकासका वियाली द्वरान्द्रम् क्या जीनारच्या प्रात्मका की कथा द्वादिन चट्टम बान प्राप्त व्यादकर प्राक्ति नाहुनी, खाद्य चला जायाव जारकर प्राप्ति।

স্কালে লাগত বাধনুমে গিরেছিল, সে
সমরে সমেকে একা পেরে লালতের দা
এবে বলল—ব্ধলে বাবা, লালতের গো
সংসারে মতি দেই, ছুমি ওকে একট্ ব্রিও
তোঃ দেখো যেন ওর আর একট্ লোভটোভ হর, টাকাকভির দিকে খোঁক আসে।
আর বেশ ও মেরেছেলে দেখলে চোখ ভূলে
ভাকার না—বিশ্তু ও বরসে ওরকম স্কাব
বি ভাল? তরভালা বরস—এ বরসে
বরসের গ্রে থাকবে না? ভূমি দেখো তো



व्यवाक शतन निर्फत तः (प्रथ !

গারের রং ভরসা বর বা কিছুটা চাপা ব'লে রাম রাম বীক্ষের আকশোস, এবার উাক্ষের ভাবনা সূর ভরবে ভারাকেলার বোরাইটনিং ক্রীর । গীর্থ গাবেরণার এবং বিজ্ঞানসম্মত নামা ফুর্ম'ন্ড উপকরণের সমস্বত্তে তৈরী এই ক্রীর,—তবু তুপর-ডপর প্রমাণ ক্ষার কাজ করে বা, রোমজুগ্রুর গভীরে থেরে এরম সব রৌল পরিবর্তন ঘটার বে আপনার রং হ'লে ওঠে উজ্জ্ব আর দিবে দিনে আপ্রি ভরসা ও আরো শুক্রর হ'লে ওঠেন।

जार्यादक्यात शियारैंगैविश सीय

माथल हाना बर एरव कतक हानात वक बुलरत

धर्यकारकः जारस्य जिर'ज्

'বিউটি ইফু ইওর বার্বরাইট' সুন্তিভার ক্ষত এবং আপনাত রূপচ্চার নানা সরভাত বীক্ষতের অভ আনাদের 'বিউটি কনলালটেউস্',পোট বল্প: ৪৪০, নিউ দিলী,এই টেকালাত লিবুন

Progressive/58-1/60 A

—দেখবো মাস'মা। ছেলেটা বাভ লেভে

—हा एरत्था, उत्र त्यन मरमादत मन दह। चामि अत्र कनत स्मरक भद्रकाँक।

हा-**ो ए**चरत उन्ना मुक्तन स्वीन्नस्त बाल्डिन. शांतरण्य मा जिटकान करक-टकाबार शांकिंग ?

—११ काट्यहै। नाटनत्त्र दशकान. विशासना याकि कांद्राकाष्ट्रिके बाक्टना । to the second

जाना! जाना! करकान गर बरमाद बाह्य । चाक एकव्या कान्छात निन । हात्तव रमकात्न, कृष्य, बार्छ । सम्राहरू चयत्र स्मर्थ লালত ভলসীকে ভাকিছে আনবে—ভারপর लाज हरत यमाव मवाहे...गुरहारना नियम লগা হবে কড় গা শিউরে উঠবে লোমাপে...

কিল্ড মাঝে মাঝে বাকের ভিতরে কী একটা খামতে ওঠে। আর কত দিন! কত্তিন আর! সে মরে বাওয়ার পরও चान्हा हमाद अथारन । औ शरमामात दमाकारन बाबवाद्दरनंत इटक, मार्टं, चार्छः। हार्गं, छचाना অবিকল একরকম খাক্বে কলকাতা। তুলসী হতির ওপর বৃতি তুলে স্কুলে মাবে, সঞ্জর গাড় চালিরে ফিরবে ভার রিনি আর গিকল্ব কাছে, আৰু ভভূদিনে হয়তো জানার ভাবসাব হয়ে বাবে আদিতা আৰ শাংবভার-ভরা দোকানের আকোর ক্রপাথ ধার অনিদিশ্টিভাবে অনেক দরে

প্রথিবীর বড় মারা। ছেড়ে ফেতে ইচ্ছে इत सा।

কাল রাতে এক বালিলে মৃত্থামাুখি नात तामगाक जब कथा वाल निराहर ৰাগত। শুনে র্মেন অনেককণ চুপ করে থেকে বলেছে—ডব্তোভোর এখনো ছ মাস কি এক বছর সমর হাতে আছে! এর মধোই তোর সব সাধ পূর্ণ হতে পারে... धरेतकम ज्य कथा।

দ্রে। কলিত কানে, ধরে জনেক আজগার্বি আশ্বাস থাকে। প্রীশ্রীচণ্ডীর শেবেও লেখা আছে এফলবার চন্ডীপাঠ कताल न्धिकिक्स बार्षि राज्य बाह्र। জনলে ওসৰ প্ৰে, চন্ডীর মাহান্তা প্রচারের चना रहाकरक रहास रहशास्त्रा। चामरह धनव किस्ट्रे एक मा। छन् एकसन देवन रनाष्ठ हरा। अक्याबाह्य छण्डी शाउँ करत रम्यरक हैरक इन।

कान बारक ब्रह्मारमंत्र कथा भागरक भागरक কেমন একটা আলা ভরুলা নিশ্চিন্ডির ভাব এলেছিল ভার মনে। গ্রন্থেন বলছিল—এই বে এডকাল ধরে তেতিল চৌলিশ বছর ভূই শ্ৰিবীজে যেতে আছিল এর ফোনো দাম भारत? अधकान घरत की करतहित छुटे? টা খেরেছিল, জান্ডা মেরেছিল, জনিক্টার স্রোহস সামসারা এক চাক্রি-এরপর হরতো একদিন বিরে করতি ছেলেমেরে বউ নিয়ে অভাবের সংসারে টেনেটানে চলতি আরো বিছাদিন-ভারপর অজাতে একদিন দুম করে হরে যেতি। দুরু 🗷 🗣 জ্ঞীৰ্ম? ভার চেত্রে এই তো ভাল-এখন ভোর জানা আছে মৃত্যুত্ব সময়, হাতে আছে হৈদেৰ ভৱা দিন। বে'চে থাভার এই ভো विक जमत-। नामक छेखत निरत्र नृत ! कृदे वर्षकार्या कथा वर्णाक्य-वर्ण किहा कारक नाकि! रक्ष्यत क्षया! भारत गरधन তার গারে হাত রেখে বলেছে—ললিড. व्यक्ति एवं क्यां काटल हाहे, रमणे अक्टाल कृदेदे बद्धाँद। स्थ्यमा कारह अक्याप्त कारह स्तावर अस ग्राम। चारा, स्रीवरस अस्म মান্য খ্ৰ স্পৰ্কাত্য হয়, সচেত্ৰ হয়ে গুঠে। তথন সে সাতদিনে একৰ বছরের कान नाफ केरत हरन रात्र।

নিতাশ্তই মামলো কথা। তব কেমন बाक खात ६८०। काम बाटक बाह्यरास्त्र কোল-যে'ৰে শানে নিশ্চিত মনে ছামিয়েছে ললিত। মাঝে याद्या গেছে, অন্ধকারে পাশ কেরার সময়ে সে অস্ফাট গলার ডেকেছে-রমেন! সংগ্ সাংগা উত্তর পেরেছে—ছেগে। আছি। বল। নাকিছাই কলেনি লগিত। সেংকবল সারারার ধরে মাঝে মাঝে জেগে উঠে নিজের অভাগেত রয়েনকে খালেছে। রমেন কাছে আছে জেগে আছে ভেনে আবার নিশ্চিতে হামিয়েছে।

र्गात्रक त्रकामहरूमा ग्रह्ममहरू जिल्लाम করেছিল—ছুই কাল রাতে খ্যোসনি?

1 175---एकस ?

র্খেন একটা মিশ্টি হাসি হেসে বলল-रकमन रमन भएन इरहाक्किन काडिएरका ब्राम ভেঙে গেলে তুই আমাকে খ'্জবি।

লক্ষা পেয়ে কলিত বলে-তার জনা ছুমোসনি? তই কীরে শালা, অভদুর য়েলৈ জানি করে এলি—তের টায়ার্ড কাগছিল না?

রামন মাথা নেডেছে—না রে। এমনিতেই আমি কম মুমোই। আমার দিন তোলের বিনের চাইতে অনেক বড়।

य तमन देश भिराहित-नितंत नाम-সে রমেন ফিরে আসেনি। এ যেন অনেক দ্ররের একটা মান্ত্র। কোন বহসামর चारमा कंगर स्थाक जामाच। ज रहारा এমন কিছা জানে যা ললিভের এতকাল জানা ছিল না। যে রমেন গাড়ি চালাতো, সজির দিত, ফুটবল খেলত কিংবা পিয়ানো বাজিরে গাইড গান আর বে রমেন কলিত খ'লেবে বলে সারা রাভ জেগে থাকে ভারা কন্ত আলাদা !

ब्राम्म काल भारत ताक छाटक युटकह महर्था नित्त भूरत दिन। त्र कथा एकर मकान-

दक्ता चाद्यरम जीनरणत अवने होंगे बांटम । चारनक कथा यहारक हैएक करत बरामरक शा, अदक वमा बात । अ द्यारक ।

ভার বাকের মধ্যে গ্রেগরে করে এটে क्षको कथा। जिल्लाम कारल हैता करत-नाच रामन जामान हान त्वट हैटक करन না। বল তো বাদ বেতেই হয় তবে কিরে **जानाह रकारमा डान्छा जारह किमा! बॉन** আৰু একবাৰ লালত হয়ে আলি ভৰে লেখিন, कामि चे नायशास भागता। कनवास का बार्ट्स ना, बार्रिश रहारहे निशासके रहेरून अन्हे कत्रव ना भवीत, जन्म अवः सम्बद्धः जन्मान रतर क्यान। यम रक्षा कानात काना बहर्न है কিন্তু জিল্পেন করে না সামিত। ভার

MARI ALE I

্লালিতের মা লোক্সার মরে ছল্ডের গাঁডো খালভে এগোঁছল। এমন সময়ে भावेश है करत शार करत करते रक रक्ता कहा

দরজা ব্লেডেই দেখা গেল, ভীতু জঞ্জে-সড়ে এক মেরে। হাতে বইখাতা, পদ্ধন **इप्रश्नात अवश्ना कत्रश्ना हांशा नाहि।** गाप्रमा द्रष्ठ, मुन्मद प्राचयामा । आह किम-ফিস করে জিজেস করল-লালভ...লালভ-वाद अदेशात शास्त्र ?

> পত্ত-পত্তিকা ও সুধীসমাজে সমালোচিত

> > शिवासकृष्य गारमञ्

हार्क वास्पादव॰००

সাধারণ মানুষের জন্য নৃতন রাজ-নীতি ও অৰ্থনীতি। **লেখক এক** বংসর পারেই ব্যাক্ত জাতীরকরন উচ্চান্কের নোটের বিলোপসহ অন্যান্য কর্মসূচীর কথা বলেছেন। বস্মতী বলেন - প্রতিকাথানি সমাজসচেতন বাজিমাতের কাছেই বিশেষ মূল্যবান হিসাবে গণ্য হবে।

धकि अभागशेव जला

कारिबो

8.00

इत्तहाड़ा युरगद्ध नमनानम्बन भर्छ-ভূমিকার কৌতুক্ধমী ব্লিণ্ঠ উপন্যাস প্রাপ্তিস্থান : মনোহর সাহিত্য মন্দির ০০ কলেজ রো, কলিকাডা-১

७१तर्फे स्वक्रमान्**क स्वकात्रम**्, **২১৬/এ বিধান সরণী, কলিকাতা**–১২

(পি ৭০৪১)

আহা, ললিভের সন্সে বন্ধ লানার। সুমে কোকেনে আসভোগ

स्मातीर सामान गाउन काम नानवन्द्र। कामानावाद्यास्

- अर्थे द्वरत्नारमा। जीव बदत अरम अक्ट्री द्वारमा। खदक माठाकि। द्वामी मृदत वालीमा।

্র চশ্পল জোড়া বাইরে ছেড়ে বরে এল পাশবতী। ললিতের মারের ছোট্টো চোকিটার একধারে এতট্কু হরে বসল। বাস দটপ ছেকে অনেকটা হে'টে আসতে হরেছে রোদে, শাশবতী ছোটু দলা, পাকানো রুমালে কপালের বাম মুছাছল।

ললিতের মা আলুরের গুলার জৈভেস করল—গরম লাগতে?

লক্ষর মধা নাড়ল লাদবতী—না। ললিতের মা একটা, হেলে পাথাটা খুলে দেয়।

ললিতের সা দেখল, এখন বেখানে মেরোর বসে আছে ঠিক সেইখানে অনেকদিন আগে একদিন দুশুরে মিতু বসেছিল। ললিতের বড় শছশ্ব ছিল তাকে। কিন্তু ঐখানে বসে মিতু কেনে কেটে অসবীকার করে গেল। ললিতকে বিয়ে করতে রাজি হল না। ঐ চোকিটা বেখানে মেরেরি এখন বসে আছে—ওটা অলক্ষেণে চোকি।

ললিতের মা বলল—তুমি ওখনটার ললিতের চৌকিতে এসে বোসো। এখানে বেশী হাওয়া লাগবে।

শাশ্বতী বাধ্য মেয়ের মতে। উঠে দালিতে চৌকিতে গিয়ে বসল !

লিলের মা মনে মনে বলাল-ঠাকুর, ঠাকুর দেখো এ বেন সেই হর বাকে লিলিত বিয়ে করনে। আহা, বড় লক্ষ্মীনত মুখ্-থানি। লালিতটা বড় মুখ্টোরা। কই, এতদিন বলেনি তো এমন একটা মেয়ের সংগা তার ভাবসাব চেনা জানা হরেছে! বোকা ছেলে তুই কাউকে পছাল করলে আমি কি রাগ করব? তোর পছাল জেনেই তো মিতুকে আমি ডেকে এনেছিলাম। মিতু রাজি হল না, আমাকে কত জ্বপ্যান করে গেলা। কিন্তু তাতে আমি দুখুখ পাইনি। তোর ব্যক্তর ভিতরটা বে প্রেড় গিরেছিল—তার চেরে কি ওইট্কু অপ্যান বেলী? আহা, লালিত, এবার বেল পছাল করেছিস।

কিন্তিতে দ্বীলভিত্তীর

VENUS

ত্যাদ্ভ ভাল ওমাল্ট

পোটোঁবল জীনভিত্তিই খাসিক ৫
টাকা কিছিছে। সভোক খামা ও শহরে
পাটান মাইতে পাটের।

VENUS SALES 1121 ROOP MAGAR DELM 7

মিতু সংশার হিল কিন্তু এর রজে রক্ত্মীয়ার ছিল না। বেল রে রালাভ, বেল।

---अकरे, हा चांच हा, जरण जाद ही चारव-नरकी किरक स्वरूप निष्ठे।

—না, না। সম্পান যাখা নাড়ে সাগবজী। কানের মাকড়ি খিকিরে ওঠে, কণালের ওপর এক খেকো চুল সোল খার।

হেলেয়ান্ব! কচি। মুখ্ হয়ে চেয়ে বাকে সলিতের মাঃ

শাশ্বতী এই ছোট্ট বর্ষানা দেখছিল। নিজ'ন স্ফার বরখানা, বাইরের জোনো শব্দ আলে না। জানালার ওপর ধারে আছে সব্জ, সভেন্ধ একটা পেরারার ভাল। পাথী ডাকছে। ভিতরে ছোট একট, উঠোন, এক পাশে তুলসীমগ্ত। বরে আসবারপর বেশী নেই। যা আছে ভাতে বোঝা যার এদের অকথা অনেকটা मान्यकीतम्ब মতোই। ভাই এই ছরে বসতে খাব একটা অস্বস্তি হয় না। সমান অবস্থার মানুবের সংখ্য মিশতেই স্বলিত বোধ করে সে। धकथा ठिक, भागवणी दकारनानिक ৰ ব विकृत्वात्कन्न चरत वर्षे इतत । वर्षे । विमान चतरतात, जरुतक जरुतका जानवाव, চাকর বাকর—এসব কোনোদিন ভবতে ভাল লাগে না ভার। মন খারাপ হরে ধার। কোনোদিন বডলোকের খরে গেলে শাশ্বতী হাঁফিরে উঠবে। সেখানে অনেক চকচকে জিনিসপত্তে চোৰ ধৰ্ণিধরে वास, शानद्वगद्रमाटक भूकुरमत घटला मारभ। रव चात्र वाजदावशत कम जिहेशास मास्य-গ্ৰেলার ওপর বেশী করে চোধ পড়ে, সহজ

ওপর দিকে চেরে লাশ্বভী দেশল ক্রেড়ার মাধারে মতো নড়বড়ে কানটা দ্রাছে। ওটার নড়া দেখে একট্ হাসল লাশ্বতী। ভূলে গেল বে সে ঝগড়া করতে এসেছে।

একটা ৰাজ্য ছেলে লোঁছে এসে গণেশের লোকানের দরজার মূখ বাড়িয়ে বলজ— ললিতদা, মাসীমা ডাকছে, একজন বসে আছে আপনার জনা।

রমেনকে বসিরে ক্রেখে ললিত উঠল, বলল—তুলসী ফ্লসী কেউ এসেছে। দাড়া, দেখে আসি।

বরের দরজার পা দিরেই লাখ্যতীকে দেখতে পেল ললিত। লাফিরে মোচড দিয়ে উঠল ব্ক। ধঞ্জাল দশ হল দরীরের মধো। হঠাং বেন বংশ হলে গেল বাভাল। পাষের নীচে দ্রেদ্র করে কেপে উঠল মারি।

—আপ্রীন !

শাশ্বতী উঠে দীড়িরেছিল। দালিতের ধারালো উচ্জনে মন্থখানা একপলক দেখেই চোথ নামিয়ে নিল শাদ্বতী। কোনরকমে বলল—আমি.. আমি একট্র এলাম।

ভারপরেই সে অবাক হরে টের পেল ভার

कार प्रकारना कार क्यांत प्राप्त । क्यां प्रकार कारण्य कारण्य निर्माण ने नामाण निर्माण वर्षाक्षक । कार कारण नामाण निर्माण फोरिकोस्क वर्गकाः

শাল্যভারি খ্য কাড়া করার করা। সে করতে একেছিল—কেল আপনি থ কাথ করতে গেকেন? আতে আপনার কী নাথ ভিত্ত

কিন্দু সৈ কৰা লা বলে সন্ধান কৰা কথা বলল খাদ্বতী, বললা—কাল আহি ওখান থেকে চলে গিরেছিলাম। আগনি ভাতে ভাগ করেননি ভোগ

উত্তরে কলিতের বলার কথা—কো আপুনি ওরকম করকো? থিঃ থিঃ বাংছা থেপে গিরে সক্ষরের স্পেটে লাখি মেরেছে, আমার গলা টিপে ধরেছে। কেন আপুনি আমাদের ম্যারেক রেভিস্টারের সামনে বে-ইস্কাভ করকো?

কিন্তু সে কথা বলল না লালিত, বংং অপরাধীর মতো মুখ নামিরে বলল-না আপনি ঠিকই করেছিলেন।...বিমানের সংগ এখনো আমার দেখা হয়নি, দেখা হল ওকে বলব—সাবাস।

শান্ততী হাসল। স্থার সাল: ছোটো ছোটো দাঁতে সকালের সভেন্ধ রোদ ভার শেরারা পাতার সব্যুক্ত রঙের একটা ভার বিক্ষিক্ত করে গেল।

हारहेद काम जात हिस्स्य खाकात (सर्वे हार्टें मा बरत हर्नका। मारहत म्र्ट्रे हिता हार्मि। वनवा—नीमांच, फूटे अकडें हा खाँव? करत स्मर्ता?

—না। ৰাজিত ব্ৰাল—রমেন দোৱানে বলে আছে।

মা শংশবতীকে চা-টা দেয়। কলে—একট্ বাধা এ বাড়িতে প্রথম এলে। ধাধা

চা রেখেই ললিভের মা ভাড়াভাড়ি চলে বার। মনে মনে বলে—ঠাকুর, ঠাকুর...

মাধ লীচু করে বলে ছিল শাদবতী। হঠং
মাধ্যানা তুলে বলল—দেখ্যনে, আপনার
অনুখ সেরে বাবে। আমার মেলোমশাইরের
একদম সেরে গোছে...

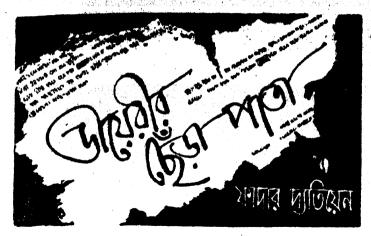
বাবে! সেরে বাবে! হঠাৎ বেন ব্কের
মধ্যে জল ছলছলিয়ে ওঠে ললিতের। আহা,
বিদ সভািই সেরে বার! সেরে গেলে সে
একদিন টোপর মাধার বাদ্যি-বাজনা বালিরে
গিরে গান্বভীকে বিরে করে আনবে...

শাশবতীর ছেলেমান্বের মতো সতেজ ম্থধানা আছিবিশ্বাসে কঠিন হরে বার, সে বলে—দেখবেন...

ধরকমভাবে বলি কেউ চার, ওরকমভাবে বলি কেউ বলে তাহলে ' কীভাবে মরবে লালত? কী ভাবে?

ঠোঁট কে'পে ওঠে ললিভের। চোখে জল এসে বায়। দুবলিভা! কই, এভজাল ভো এরকম দুবল লাগেনি নিজেকে?

(**골**회비)



অনিবারণীয় মাত্তা

ক্ষীকৃত কিংবা ঐ ধরনের গালভরা
কর্তা একটা নাম ওর ছিল অবশা; অজ্ঞ অন্তর্গাত থরে পড়ে আছে হারার সোক্রার সাটিফিকেটে, কলেজের রোল-রানর খতাত্ত, আর হারতো বা কবেন্সার সাট্টত। পাড়ার, ক্লাব, বলাদেও সাস্থাবিত কলমার, কফি হাউনের বর্ণহ্বিধ্য ব্যবহার কাছে—সে মাশ্রাচিত অধা-পার্বাচ্তর কাছে—সে মাশ্রাচ্

কার্যালে অনুমার, বর্মা দিনের কাব্যা, আমার ফেটের পার—এবং চাঁপ চাঁপ বাঁল, কর্মাণ্ডং শংকার কারণত বাউ। বিন্যু নোটিসে, সময়ে অসময়ে, দ্রদাম কার তার ধ্যেধান আবিভাব দরজা ঠেলে, পর্ছেরে নেবার একটাও ফারসভে না দিয়ে, আমার ঘরে ভার উন্সনাদ বাচিক -প্রবেশ: এবং অভিবাদন কিবে৷ প্রসংগালার সাধারণ রাভিনাতি মোপ নগালে: ধ্ৰমালাম টপাকে সোজা মাক্ষম থেকে তার কথাকাতার আরম্ভ, দ্বোর ভেড়ে। মিভ্যি-মৃতন স্বান ভার माथायः नामा विवासः नामान तकरमत वर्षे লেখার পরিকল্পনা : আঞ্চ আমেরিকার নিলো সমস্যা'—কাল আধ্যনিক সিলেশর ইভিং।স ও তাংপর্য', পরশা, বাংলা কবিতার ফরাসী সাহিত্তার প্রভাব দ

প্রোচ বরসের বার্ডাপন্ত নিরে জ্ঞামি পেরে

উঠি না এর জাগ্রহের সন্পো: শৃধ্ সমর্থনি
করলে বে চলবে না, জামার সজিয় সহযোগিতা চাই প্রতিটি বাগোরে। তবে রক্ষে
এই মাণ্ডার কোনো উৎসাহই তে রান্তির
পোরায় না, এক প্রকাশ থেকে জারেক
প্রকলেপ তার ছরিণাশানুর মতো অবার্ধ
বিচরণ, একট্ বেশি ছুভগতিতে।
শর্মেশ্বরতে ধনাবাদ।

जनारनक काटन

একরের লিরোনামা ঃ কানালের চোরে অন্তর্গ নেহাৎই অল্ডবভিনিলান নামকরণ, ফাইনাল নামায়ন এখনে। বিবেচনাধীন ঃ
বোল বালাও একটা টাইটল দিতে হবে,
ফানার; নেখানে মান-মার কাটডি')।
বইটইও বোগাড় হরে গিরেছে ভার—
কলেজ স্টাটের প্রেনিনা বইরের বালকান
থেকে সপতা দরে কেনা সব বই। সম্ভাবা
স্টোপারও টেরি। প্রথম অধ্যারটাই মান্তার
বর্তানা আগমনের হেতুঃ 'ফরাসীদের
চোগে বঙালারি।'। অন্যান্য অধ্যারগ্রেমার
নাম দেখিনি, ভবে আন্দান্ত করতে পারিঃ
'জালাপের চোগে বিভাগে সম্ভানায়', 'এক্সিমোনের
চেন্থে ওডিয়া সমাজ'...

शास्त्र प्रक्रोत এक्के वह लिए हा क्रिक्ट छ। প্রিভার্ডিত জান্ধীর সংগ্রেভারতে নামক १६५ मी १९५१ । इस्ट्रक हेरेमाम-राजे আমেৰেট আমেৰ ক্ৰিগ্ৰে সংগ্ৰু হৈকে ১৯৬৫ সালের ২৫লে জ্যাই নিজ্ঞাত হ হছিল, নোটবইয়ে আজও ভারিমটা লেখা রায়ছে ৷ অধ্যণ ছিলেন প্রেক্সার, নি, সাজনবাতা আপনাকে আলম প্ৰয়ে কৰব ন।। শুধ্ ভাবছি কি করে বে-কত হাত যুরে—শৃংখল-যাত্রার উপসংহারে প্রেসিডেনিস ক লজের রেলিঙের ধারে ভার গতি হল। এই গোরেন্দার্গারই হবে বেখে হয় মাতার পরবতী গবেষণার বিষয় ৷ বভামানে অবশা সে চার আর কিছা নর, শাখ্য তার উদ্দিশ্ট গ্রন্থখানির এক বাংলা সারসংক্ষণ-এবং লেখ্যকর মভাষতের উত্তরে আমার প্রতিকিয়া।

was after

वाद क विकास दिल्ला ১৯৩১ नारमाह म्माबर मिर्ड क्यानाधीयन देशक-स्थापन গাংশীক্ষীর সহবাদী হরে ভারতে আসেম ই বোদ্বাইন্তে নামার অংশ দিনের মধ্যে গাল্ধীকার সংখ্যা তাদের বিচ্ছেদ হয় ঃ প্রতিষ্ঠ এবে ছেপ্তার করে নিয়ে বর নহাভাকে। প্রিভা-দম্পতি তথ্য কিছু দিনের জনা আমেদাবাদে চলে আসেন: সেখানে থারা আতিথা গ্রহণ করেন আডেমিরাল স্প্রভের কন্যা গান্ধী-শিষ্যা মীরাবেনের। ভারপর ভারা একে একে পরিবর্শন করেন আল্লা ও কভেপরে সিক্রি বেনারস ও সারনাথ। তাদের সাক্ষাংকার ঘটে দিয়া ত বভন্নটের সংখ্য আরাক্পারে রবীশুন থের সংখ্যা সিংহল হাবার পথে । সিংহল ধেকেট ভারা কের জাহাজে ভঠেন। মহাবলীপার্মা ও মাধারাই রর মন্দির্গালি ভারা দেখে বান। সব মিলিয়ে এক মাসের কাছাকাছি তাদের ভারতে অকথান এবং কাল-পরিমাণ এত কম বলেই এই ২৪০ পষ্ঠার প্রমণকাহিনী রচনার প্রলোভন জর করা বোধ হয় তাঁদের পাক্ষ দরেই ছিল। এক পারো বছর থাকলে তারা হয়তো ২৪ পাতার বেশি লিখ্যতের নাং আৰু ভারতে দুশ বছর বসবারসর পর ভারতের বিষয়ে কোনো বই লেখার কংশনাও ভাগের মাধার আসত না৷ নিজের কথা যদি বলতে হয়, বলব, দেও বাগেৰেও বেলি হাত চল্লা আমি বংলা তেখের বাসিন্য ত্তা বাঙালীরা মাছ খেতে ভালোবাসে কিবো বাঙালীরা আন্তাপ্তির জাতি' গোছের সাধারণ একটা সমাচারত পারোপারি আত্মবিশ্বাসের সংগ্র निर्दे छैठेएड शाहि ना।

গান্ধী-চরিত্ত

গাশ্বীন্ত্ৰীর ব্যক্তিগুপ্রভাবে প্রিভা মুন্ধ।
গালিসের বৈ লোকগালি একে প্রেপ্তার
করতে এসেছিল তাদের আচরণে তিনি
সপ্রাথ সন্দ্রমভাব লক্ষা করেছেন; জাহাজের
কাপেতন ছিলেন যিনি, তিনি তো
গাশ্বীন্ত্রীকৈ খানি করার জন্য কতন্য করাত প্রস্তৃত ছিলেন, অঘ্য তাকৈ কোনো
কিছা করতে দিতে গাশ্বীক্রী ছিলেন তেমনই

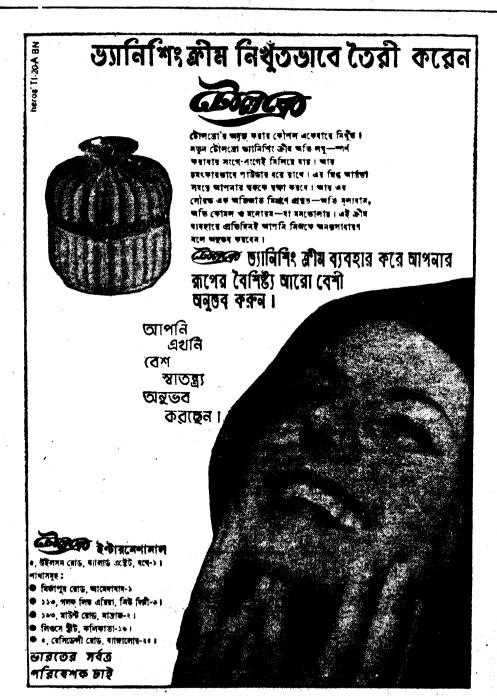
काः शका सवाव

বিবাহিত জীবন

ষিজীয় থাক প্রকাশিক হইল গ্ল প্রথম খাক ১০ গ্ল বিভাগি থাক ১০, মিলনের আসনভঙ্গা এই প্রেডকের প্রধান আকর্ষণ। প্রাইমা প্রাক্তিকশন্স । ৮১ মহাজ্য গাধ্বী রোভ । কলি: ব নারাজ—ব্যোতেন জাহাজের ডেকেই, চতুর্থ প্রেণীতে প্রমণের অভিজ্ঞতা থেকে বণিত না হতে দ্টেশংকলণ; আর স্কটল্যান্ড ইরাডের ঐ দ্বাজন ব্যক্তি, ইতালীর রিশিদ্সিতে সম্মুত্রত থেকে বারা তাঁকে র্মাল নেড়ে বিদার জানিরেছিলেন, "তিন মাস ধরে একবারও ভারা তাঁকে চোথের আড়াল করেনি, গারেনি তাঁকে ভালো না বেস;

ওনের একজন মারের মতো সেবা করেছিল তার, বনে বেড়াত তার বালিল আর চানর, পথে পথে তার চওড়া ব্রুক তাঁকে আগলে রাখত।"

জাহাজের উপরেও জীবনবাতা চলত আপ্রমের ধরনে: ভোর চারটের আর সংশ্ সাতটার প্রার্থনা, প্রতিদিনই এক থেকে দুং কিলোমিটার পরিমাণ সুতো কাটা, ফি- সোমবার মৌনতত প্রিক্তা বার আখা দিরেছেন রেসনা ধর্মঘটা। "কোনো রক্ষ গোলমালেই তাঁকে বিচলিত হতে দেখা বেত না!" প্রিক্তা জানাজেল "আর নিল্লাও তার ইচ্ছাধনি ঃ নিধারিত সমরের আগে কিছুতেই তার অ্যুম ভাঙ্কের না। ধলন জেখেন, কাল্লাছেকে মাছি তাড়াবার ফ্রেসংট্রকুও নান না, ভান হাতে ক্লাণত হরে গেলে বা হাতেই কলম



ধরেন। আর ডেকের উপর দিরে হাটেন এছ দ্রত বে সেই সমসে ভার সংগ্যে কথা বলতে গোলে বে-কেউ দ্র-দশ্ডেই হাঁপিরে ওঠে!"

প্রিভা বিশ্বিষ্
ত হরেছেন পান্ধীজীর
অফ্রুক্ত সমর্শদীভ আর লিখন-দক্ষতা
দেখে। রোমা রোলার মতোই তরিও
অভিমত ঃ "পান্ধী মতান্তরের সম্মুখীন
হতে ভালোবাসেন ঃ বত বেশি তার সংশ্বে আপনি দিবমত হবেন, ভত বেশি বাড়বে তার
বংধতো।"

গাংধীজীর রাজনীতিক দুন্টিভণিগর উদারতাও প্রিভাবে আকর্ষণ করেছে খ্রঃ দ্বাধীন ভারতের সপেগ রিটেনের সম্পর্ক তিনি অক্রম রাখতে চান বাতে ভারতবর্ষ ভবিষ্যতে দক্ষিণ আফ্রিকার নির্বাতিতদের সাহায্য করতে পারে। স্বদেশের স্বাধীনতা তার কাছে অপরাপর দেশের শৃংখ্লমন্ত্রির উদ্দেশে পদক্ষেপ।"

প্রিভা যেখানে যেখানে গিরেছেন, সর্বার তার সবচেরে মূল্যাবান পাসপোটোর কাজ করেছ ছ'-লাইন ইংরেজী আর তিন লাইন হিন্দাতে গাম্বাজীর লিখে দেওরা এক পরিচরপরের চিরকুট—ঠিক জাদ্রে মতোই অমোধ ও ফলপ্রস্থা

গ্যাধীজীর কি-অসীম প্রভাব সেই সব মেয়ের উপর বারা তার নাম নিরে মদের বারগর্নিতে মুরে মুরে সুরাসম্ভদের চেতনা-मणारतत शक्राम करत सन्दितारथ উপদেশে । 'छारे, এভাবে धरत्र कहरवन ना निस्मरक. নিজের দেশ ও জাতিকে, স্বরং মহাআ্রাজীর এই আবেদন আপনা**দের কাছে।' আপন** ম্নাফার শত্র হলেও এই নারীদের স্থ্যান জানাতে অপারগ হন না বার-এর মালিক. কখনো কখনো স্বতঃপ্রবৃত্ত হয়ে এপের জনে। চেরার পেতে দেন ছারার। বিদেশীরা অন্মানই করতে পারবে না, এইভাবে প্রকাশ্যে খোরাফেরা কোনো ভারতীর রমণীর পক্ষে কতথানি সামাজিক ঝারি। সপ্রশংসভাবে এ'দের মনোভাব লিগিবন্ধ করে গিরেছেন গ্রাম্পর অতিধিঃ ও দ্বা দেশপ্রেম নর; শুধ ভা-ই হলে আন্দোলনে আমরা এতথানি ঘনিষ্ঠ ও সন্ধিয় অংশ নিতে পারতাম না। আমাদের মূল প্রেরণা— আমাদের নেতার আশ্তরিক শ্রচিতা। সাম্বীক্রী আমাদের মধ্যে জাগিতের ভোলেন পরিপূর্ণ আন্ধা। আমাদের এত কাছের মান্য তিনি, এত আশ্চরভাবে বোজেন মেরেদের মন 'একাধারে তিনি পরেব ও নারী।'

नका ज्ञान सभी व्य व्य...

এ প্রদেশর প্রথম পাঠেই একটা সভা স্পর্ক ধরা পড়েঃ জারত ও ভারতীরদের প্রতি ফরাসী ভারত-পথিকের আবেগমণ্ডিত শিক্ষপাত। গাংধীর প্রতি তাঁর অপরিদের অন্বাগ গাংধীর ধেশের উপরেও সমান- ভাবেই বতেছে। সহান্ত্তির ও সম্প্রীতির রভিন চণমায় তার প্রতস্থিত দেশ-দর্শন ঃ

"এ-ও কি সল্ভব, এমন দরার্য ও অন্কণশী জাতির অলিতত্ব আছে প্ৰিবীর ব্রুকে? বে-কেউ বে-কোনোঝানে নিরাপদ, এমন ফি রাত্রেও। মেরেরা পর্যাত্ত। মেরেরা পর্যাত্ত। মেরেরা পর্যাত্ত। মেরেরা পর্যাত্ত। মেরেরা পর্যাত্ত। মেরেরা পর্যাত্ত। মেরেরা প্রাত্ত। মেরেরা প্রাত্ত। মেরেরা বিভাগে কর্মরাভ এক ইংরেজ ভালোকের মুখে শুনলাম, তিরিস বছর চাকরিতে আছি, এমন স্ক্রেরা একা একা বে-কোনো জারগার কেতে পারে, কোনো বিপাদের ভর নেই। পথে পথে পাহারাদার খাড়া নেই হরতো, কিন্তু লোকের হৃদ্ধে আহে সদাজ্যাত প্রহরা—আর সেটাই অনেক নিরাপদ প্র

সংবেদনের এক স্কা আবরণ যিরে রাখে বা কিছা অভীব ব্যক্তিগত। পাশচান্তা দেশের তুলনার এখনে গলা চড়ে কয়, অপমান করার দৃষ্টালতও বিরলঃ খুব বেশি কুন্ম হরে পাড়রে একজন তামিলভাবী তার আগন ভাষার সবচেরে তীরভাবে বা বলতে পারে, তা হল ঃ 'দেখুন, দেখুন, এবার কিন্তু আমি একট্ উর্ভেজিত হরে পড়িছ।' বন্তুত, ভারতবর্বের পালাপালি রুরোপকে মনে হর অমার্জিত। আর তা তো হবেই—বে সমরে ভারতবর্ব বড়ুদশনে নিমন্দ্রিত, আমরা ছিলাম তখনো পর্যন্ত বর্বরঃ ভদ্র ও শোভন আচার-আচরণের দিক দিরে আমরা বে দুং হাজার বছর পিছিরে আছি, সেটা আমাদের দোষ নর।"

কলকাতা সম্বশ্ধ প্রিভার অভিমত ঃ মিছিলে একটা ঘাষিরও বন্লা দেওয়া হয় না, একটা লোম্মও নিক্ষিণত হয় না, শাংশলার পরাকান্ঠা বিরাজিত এখনে এবং জনগর্ণ সাহস্কিত

প্রায় সব কিছুর জনোই তার আছে
উদার্যসিন্ধিত ভাষা: হিন্দু আর মুসলমানদের পারস্পরিক সম্পর্কে বে তিবাতার
আজ্ঞাস মেলে, তা তার মতে ধমার নর,
রাজনীতিক, বিলোতী প্রব্য বর্জনা আন্দোলনের একটি লোভাবাতার সম্মুখীন হরে
তিনি মন্তব্য করেন: "বে উন্দীপনা
মান্বের বিরুখে ভরাবহ হরে দেখা দিতে
পারত, এই বরকট তাকে বন্তুর বিরুখে
চালান করে দিয়েছে।"

मारक मारक बटडे हि'टड़ हिन जाता...

তব্ দাকিগাতে গাণ্যীকী কথািথং বার্থ হরেছেন বলে প্রিভার ধারণা। এক তামিল-ভাষা ভদ্রলাকের উত্তি তিনি স্মরণ করে-ছেন: 'গাণ্যীকী নিজে খাঁীখেঁর শ্থেতা অঙ্গান করেছেন, সে শ্থেতা এমন পরিপ্রণ বে কোনো মালিনাই তাকৈ ছাতে পারে না। কিন্তু আমরা তো আর এত উচ্চতে উঠতে পারিনি: সেক্ষেত্রে অসপ্শাদের সপর্শ করে কিভাবে শ্রিতা হারাবার, ঝাঁকি নেব আমরা?

একমার বে জারগাটি তাঁকে আনন্দিত করতে পারেনি, তা কালীঘাট। গাম্বীজাী তাঁকে বলে গিরেছিলেন, ভারতবর্ষকে তার পারপূর্ণ স্বাতন্দ্রো দর্শন করবেন, বাল দেবেন না ভার অন্ধকার দিকগঢ়াল। কলকাভার গিরে কালীঘাট দেখন—তা বলি আপনাকে হিন্দু ধর্মের প্রতি বিত্তৃক্ষ করে ভোলে, তব্ও। সৌভাগাত তা ছাড়াও অন্য কিছু আছে। মন্দিরের চেথে মেলা ব লই বেলি মনে হর কালীঘাটের মন্দিরকে;



बामानान कितिकताना, करियह बर्गिटक बारमत नर्वद्वाधश्व विकेश

বেরিয়ে এসে কি স্বশিত! ধেন প্রক্রমার প্রিভা ব্রুতে পারেন, কেন খ্রীট চাব্ত হাতে ম্নাফাখোরদের উপাসনাগৃহ থেকে বিতাডিত করেছিলেন।

द्यभारमामा छे किस कि

উংস্কভাবে প্রিভা কভিয়ে নিরেভেন রেল পথের বহু বিচিত্র অভিজ্ঞতার টকরে ঃ ভ্রামামাণ ফিরিওরালা, কাধের ঝালতে বাদের সর্বয়েগহর বটিকা, পেশিসল ভটা ছাতি কিংকা সাধান, আর সপো দিবভাষী প্রসাপেক্টাস: ব্যাপ্মিতার স্পেট্, নিজ নিজ পণ্যের প্রেষ্ঠতা ও কার্যকারিতা সম্পর্কো স**ুন্দর বন্ত**তা দের সপ্রতিভভাবে। অধে ক লোক লোনে, আর বাকিরা ঘ্রমোয়, বাকের উপর দ্র-হাট্ট তলে জ্বভাগ্নায়। আর ভারপরই উঠে এল অন্ধ গ যুক। এখানে-ওখানে ধরা পড়ে জনকরেক ডব্রা টি। বৈনা টিকিটের বাচী ৷ গার্ড এসে থেদি র নামিরে দের যাদের, আর তব্য বারা শেষ म,र, एक ठिक छेट्ठे शएड अकडे एउटन करा দিক দিরে..। কামরার সহবাদীদের কথা-বার্তা কান পেতে শোনেন প্রিভা, কথাবার্তার বিষয়বস্ত বেটকে বোঝেন ভাতে অবাক হয়ে বান : সতা, প্রকৃতি, সংসার মৃত্য বিবেক। রারোপে এসব নিয়ে আলোচনা শারা করলে আপনাকে অবধারিত পাগল ভাৰত স্বাই।

পথে যেতে যেতে প্রিভা লিপিবস্থ করেন, টোনের জানাল। দিয়ে দেখা কত ট্রেরো ছবি ঃ গর্র পিঠে বসে থাকা কাক, দেওয়ালে



কলসী মাধায় জল-ডরে-খরে-ছিন্তে-চলা মেরে

খাঁটের বাহিনী, কলসী মথোর জল-ডরে-ঘরে-ফিরে-চলা মেরেনের ছন্দসমুবমা-ভরা জন-...

তিনি লক্ষ্য করেছেন, ভারতে দিবারাটির সক্তে কোনো বিরতি নেই, দিন ফ্রোবার পরেই নক্ষ্য-ফোটা আকাশ, মাঝখানে কোনো যতিক্ষেদ চোখে পড়ে না। আরেকটি পার্থাকা অবশা হল ভারতের স্বাভ্টাদ, শিং দুটো বার উপর দিকে বাঁকা, চন্দ্রবিস্বার ধরনে, রুরোপে চাঁদের বক্ততা শুধ্য ভাল দিকে । অথবা বাঁ দিকে।

ভারতীর কালেন্ডারের ছবির বৈশিন্টাও প্রিডা উল্লেখযোগ্য মনে করেছেন ঃ কোনোটিতে সিংহবাহিনী দুগা। কোনোটিতে কারারুখ গান্ধী, আবার কোনোটিতে জাতীর পভাকা হাতে জহরকাল।

অণ্যক্ষহলে সামান্য উণিকথ কি দেবার অবকাশ পেরেছেন প্রিক্তা, টুকটাক বা দেখেছেন গেখে রেখেছেন মনে ঃ বরের দোরগোড়ার, দরকার দ্ব' পাশে ছেড়ে রাখা লাদ্কো ও চটির সার, রামা করার চুলা [বাকে তিনি বলেকেন পারিসের কাফে-গালিতে, বীন্দিকার ধারে, শীতবার ক্রালানো স্তাসেরো-চুলির এক ক.৪ প্রকরণ], সারা দিনবা।পী মেরেদের ক.চা-কাচি, ঘারাঘারি, ঝাড় পোঁছের পরিশ্রম-মত্ত ক্রঞাল সবই আশ্রম নের পথের উপব।

মেনেতে কিংবা পি'ড়িতে উপবেশন চত কঠিন লাগেনি প্রিভার, কিম্পু ভারি শ্ব ঠেকেছে উপবিশ্বী অবস্থা থেকে শোভন ও সম্ভেচ ভাবে গালোখান। এই বংগার ধ্যমে বাবা হয়ে বসা এবং অবলালার এ উত্ত প্রভাই হতভাগাকেও স্বাধান্থ করেছে ব্যাহার এই অক্ষমভানার মানে মানে ভাবি এই অক্ষমভানার মানে মানে ভাবি এই অক্ষমভানার বিশ্বর আমরা কেলেকার্টিক ভারতীয় কর্পত্র বাহিত হই না, বাহিত হই মানের বাব্ ব

সাধারণ প্রত্তরং

সময় অলপ কিন্তু ঔংসাকা তাঁধক—ফাল সাধারণাঁকরণের দিকে কোকি ন্বাভাবিক। প্রিভার মতে এ দেশের রাজনাঁতির কেন্দ্র বোম্বাই, সংস্কৃতিক কেন্দ্র কলকাতা এর মান্ত্রকে সবার উপর ধর্মাক্রমেরি তাসন; ভারতাঁরদের সময়জ্ঞান আন্যানের থেকে আলাদা—"গান্ধাঁকে বাদ দিলো, হিন্দুমতই সময় ব্যাপারে সম্পূর্ণ আচেভান…; ঠিকানা গালোও অলপ্রতা, সংখ্যাকে যেন ভাবের ভাষণ ভয়, ভবে বাড়ির নাম ওানের কউঠন্দ্র…; পরিচয় করিয়ে দেওয়ার ব্যাই ভাবের মেই…

আর সতি, মাঝে মাঝে বাড়ির নকরে বা
জালিলতা দেখি...১।০৬।বি-২ গোছের
মাথা-গালিরে-দেওরা ঠিকানার থেকে জনেক
বেশি সম্তিস্থ ও স্বিধাজনক বটতলার
মিন্দের বাড়ি' কিংবা 'মাধবী-নিক্জা' বল উল্লেখ। আর ধর্ন, সেই বাড়িতে জাপনি
থাটা প্রেক কাটিরে এলেন, গলপ করলেন
স্বাই মিলে, গান গাইলেন বাচ্চাদের সংশা.
একতে বসে বহুপদ নৈশভোজ সমাধা
করলেন, ভারপর পান চিবোতে চিবোতে বেরিয়ে এলে; বাড়ি ফেরার পথে ভারতে ভারতে চললেন, ঐ যে বড় ঘরের কোপে
কংস ছিলেন প্রোচ্চ ভদ্রলাকটি, উনি কি
গ্রক্তার মেজো শালা না কি গ্রিণীর
মামাধবশ্র...

"তাহলে", মানতা সুবোর, "তাহলে আমি লিখে দিই, কাদার, ওর মভামতের সংগ আপনি মোটামুটি একমত?"

"লিখে দাও", উঠতে উঠতে আমি বলি, "দেশ পঢ়িকার 'ভারেরির ছে'ড়া পাত!' পড়তে—আর কলেজে ঠিক মতো পেণছোতে চাও বদি, এক্রনি কেটে পড়।"



বিশুদ্ধ ও সুপরিষ্কৃত তিন ভৈল হুইতে প্রস্তুত ভল উঠা বন্ধ করে

মাথা ঠাণ্ডা রাথে

ডার্দ্ধ শতাব্দীর স্মুনামের উপর প্রতিষ্ঠিত

গুৱা আর আমরা

ক্ষিত্র সৌভাগ্যক্রমে স্বামী রঙ্গানাখা-প্রি _{প্রকরে} সংশ্য দেখা হয়ে গেল। ব্যামীক্রীকে ভারতবর্ষে অনেকেই ব্যক্তিগত জাবে চেনেন। রুলানাখানক আরু শিকাগোর विद्वकारमा योग्मदाव ভাষ্যানন্দ সুবে মিশ্যান প্রদেশের Ganges Township তের ফিরছেন। Ganges Township আমাদের জাজবীর নামের ছোট শহর। চিলিলানের কোনও গভনরি নাকি ভারতের প্রতি আক্ট ভিলেন। আরও দ্রাচারটি ভারতীয় নাম তিনি দিয়েছেন দেশকে। হাই হক আপাতত Ganges Township আলাদের মহাভৌর্থ। সেখানে লক্ষামী विद्यकानतमञ्जू नाटम मठे न्यानाज छिस হয়েছে। ভারই মহে।ংসরে পোরোহিতা করে ফিরেছেন শ্বামীজীরা। হাজার হাজার মানবে একট হয়ে ভারভের দিকে চেত্রে প্রার্থনা করেছে। শাণিত দাও, আত্মাকে স্থাক কর। এ প্রাথানা আজকের নয়। ১৮১৩ সালে স্বামী বিবেকানন্দ যেদিন শিকাগো শহাবের ধর্মা সম্মেলনে সাধীজনাক সংখ্যাহিত করেছিলেন সেদিন থেকে কেমন করে বেন এ প্রার্থনা ছড়িয়ে গেছে দিকে निरंद ।

শ্বামীজীর সেদিনের কথাও স্বাই World World Parliament of Religion-এর বৈঠক বসকে শিকালোতে। শ্বমাজীর নিম্নরণ ছিল না। ভরুরা ধরে ফালেন তাঁকে এ সভাতে যোগ দেবার জনা। রুজা মহারাজারা **অর্থ সাহাযা ক**রতে প্রস্তুত। তবু মহাপুরুষের মনে সাড়া আসহিল না। এমন সময় ঠাকুর দশনি দিলেন—নরেন তই আর। যেন ঠাকর সাগর পাড়ি দিছেন আর ভাকছেন নারেন पूरे आहा।' नरहरन्त आह स्विधा हारेल नः। শিকাগো পেণছৈ স্বামীজী দেখকোন বৈঠকের মাস দুই দেরী। হাতে পয়সা কম। ^{বস্ট্}নের এক সভদয় মহিলা স্বামীজ্ঞিক অতিথি করে নিয়ে গোলেন। থেকে হার্ভার্ড বিশ্ববিদ্যালয়ের গ্রীক ভাষার ^{অধ্যাপক রাইট সাহেবের সংক্রে অঙ্গাপ} ^{হয়।} দিন পনেরো আলাপ আলোচনার পর শানীজি বললেন ধ**ম সম্মেলনে** তো তাঁর নিমশ্রণ নেই, অথচ তিনি কিছ, বলতে চান। রাইট **সাহেবের তখন তা**র উপর व्यशास छोड बरम्बर्ट। दन्तन्त्र, "मृश्रादक কি কেউ আলো দিতে নিমল্যণ জানার?— তোমাকে ধর্ম সন্বল্ধে বলতে অনুরোধ করা (V) "asking the Sun to shine!" আবার শিকাগো, আবার গথে পথে ঘোরা। এবার থাকবার মধ্যে ছিল রাইট সাহেবের একখানা চিঠি বা পরিচিতি পত্ন আর বা



কৈছা স্বামীজি কলতে চাৰ ভাৱ একটা খসড়া। কোন রেন্ট্রেণ্টে বা হোটেলে তথন কালো মান্তবেষ প্রবেশাধিকার ছিল गा। क्रान्ड, चन्ड मन्नामी हरन সাগাবের মাত আধি পারা*বার* কোক মিশি-গানের কাছে পৌছে একটি গাছের তলার অবসর দেছে বসে পড়বেন। কছেই Dearborn Street a wave শ্রীমতী হেল। কেমন কেন তাঁদের মনে হলো ভূলে যরে নৈরে স্বাহার্থিজকে দেখে। গোলেন। স্বামীজির প্রেট থেকে ততক্ষণে মাসাবিলাটকে পর্যান্ত হারিতে গেছে। ভা হক। পার্লামেশ্রের বৈঠকে আহতে স্বামী বিবেকাননদ সমাবেত হাজার হাজার মান্ত্রক মুদ্রমাণ্য করে দিলেন। সেই সমেলনের সভাপতি বারোজ সাহেব তাঁর বইতে লিখেছেন যে, দিনের পর দিন সংস্থানের এত্যালি সান্য অধ্যিত্রকা চালছে। সমান আগ্রহ নিয়ে এতটা সময় বক্ত। मानरक भारत मा। कथनक वा অধিবেশনে সমবেত মান্যে ধৈৰহার৷ হয়ে এদিক ওদিক উঠে যাবার চেম্টা করছেন, বারোজ সাহেব ব্যাম্থ করে ঘেষণা করলেন. श्यक्षी विद्वकानम् अवस्य स्मरक दमारवन्। ভাষনি স্বাই চপচাপ বসে গেলেন। কথাটি নেই কারও মুখে।

সেদিনও নিজা মেরে সিসিলিরা শিক্ষ দরজা থ্লে বথন আমাকে বিবেকান্দদ মলিরে নিরে গেলেন, চারদিকে দেখলাম মার্কিন মান্ব। কে কোথা থেকে এসেছে জানি না। তবে এসেছে সভ্যের সম্পানে, শাল্ডির আহ্মানে। খগ্রেদের মহামন্ত্র মলিরের বাইরে লেখা—Truth is one. Men call it by various names.

বসবার ঘরে শ্বামী ভাষানন্দ এসে
বসলেন। দক্ষিণ ভারতব সী কিন্তু পরিজ্বার
ব্যক্ষকে বাংলা বলেন। বলনেন, আরে
জ্ঞাপনি যে বাংগালী। শ্বামী রংগনাথানন্দ ভাকি। শ্বামী রংগনাথান্দ এখন
বেলভু মঠে খাকেন। রামকৃক মিশনের
Institute of Culture-এ এক সময় নিভা
ও র দশন পেতাম। বহুদিন পর এখন
বিদেশে এসে ও র দেখা নেহাং ভাগা
বলতে হবে। কেয়ালাতে জন্ম শ্বামীজির।
বাংলা বলেন আপনার আমার মত। কত
আপনজনের কুণল প্রশন করে কথা
আরক্ত করলেন। রামকৃক আশ্রমের ১৬টি

रेक्ट बार्ड देखा बार्ट्सीडवार विकास <mark>ছলেছে আশানৱেশ। স্বান্ধী ব</mark>ন্ধানাথ নক ৰলদেন ওমের দেহ আছে কিল্ড আছার मन्धारम बार्फ संस्थात । विस्त मन्भम संबा-ক্ষতিত বৈজ্ঞানিক বিকাশ সব সভেও দক্ষি ভারতবাসীর কাজে অঞ্জীল পেতে চার আর কিছা। আমরা শত দঃখেও সেই আমার শান্ততে বিশ্বাস করে। আজও মরি নি। ৰ্যাদ সে আভাৱে উচ্চাহত হাখতে পাৰি তবে লোকিক জগতের বাশ্যিক উন্নতি হদি হরতো একদিন পাকো। অর্থাৎ আমাদের চৈতনামর সমার শেব হরে বার বাদ পশ্চিমের মত বিক্লিণ্ড মন সভাতাৰ আম্বা গড়ে উঠি তবে আম্বাঙ হাহ কারের মধ্যে রইলাম।

শ্বে তাল লাগছিল ব্যাষ্ট্রীকর করা শ্বেতে। সম্পা হর হর। স্বামীজিদের জন্য কাল আছে। উঠে আসতে আসতে ভাবছিলাম সমস্ত অধ্যারকা কেন, ইউরোপেও এই সমস্যা। শুমণ্ডের জভাবে

> বেলা দে প্রণীত সর্বভারতীয়

রামা ও জলখাবার

লয়—৩০০০ প্রতিটি স্হিণীর অপরিহার প্রতক

ক্ষিকাতা স্ভেকালর ৩. দ্যামাচরণ চদ স্থাটি, কলি-১২

চাণ্ডব্যকর আবিস্কার দৈনন্দিন একখে'য়েমি থেকে বাঁচুন

ভামেরিকার একটি ভাবিষ্কার — বা হাতে পেলে শেভিং ব্লাশ, সাধান আর **রীম আপনি** ছাড়ে ফোলে দেবেন—ভারতে এই স্বাপ্তথম প্রবাতিত হলো।

সবচাইতে মজার হচ্ছে, এই আবিস্কার কেবলমান্ত রেজর রেডের ক্ষেত্রেই প্রবোজ্য হচ্ছে—মুখের ওপর নর। কুইক-এন-ক্লীনা এর (জিনিসাটার এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হয়েলা সবচাইতে অবিদ্যাসা ঘটনা, অঘচ এই দিয়ে আপনি অভি প্রত ও চমংকার শেভ করতে পারবেন।

আপনার রেডের প্রান্তে এক কেটি।
কুইক-এন-ক্রীন ঢেলে নিন্, ভারপর মুখ
জল দিরে ভিজিরে শেভ করতে থাকুন।
আপনার কেজর বখন গাড়ির ওপর দিরে
কাপেটির মত কোমল স্পর্শ ইড়িরে এগিরে
বাবে, আপনি ভখন জীবনের সবচাইতে বড় বিশার বোধ করবেন। বারের দিব দিরেও
এটিতে সাশ্রম্ভ হর। এক বোতকে তিন
মনে চলে। লবাৰ উন্দেশপূৰ্ণ। উক্তল সভাচার
প্রকাশ কিলাপে কোথার বেন দার্থ প্রকাশ। আমি ভারতীর মেরে। মোটা-বুটি রক্ষপশীল আবহাওরাকে আনি। এই প্রাতা উপলাধ্য করতে কন্ট হরনি। সবার রুপে ঐ এক কথা। কিরাট এক কাঁকি ভারা নিকেকে দিকে প্রস্তির নাম ধরে। আর প্রস্তির ধেলার ইউরোপ আর্মোরকার মেরেরা ভোসেতে কেলেরে চেরে অনেক ধেশী।

अक्कारम छारात यह हिन, अधन रकाम क्यान नक्नारक वरिय मा। नवार रकाम जाठवर्गर निम्मनीत मत्र। नवर नवार रमस्म सम्बं क्या जातात्र ठान-ठनम निर्दे रूपे माधा बामात्र मा। करन छेळ्ण्ण्यम, जीमहीमछ, विम्च्यम बरम्काठाती रमहत्रा नरमाद्यत ठिताठितछ श्रथारक निष्टम रकरम जामरछ ठात्र। नवारे अमन अक्या वर्नाह मा। नवारे र्वामन हर्व रमिमन श्रमत बीमरत जामरव। मार्किन रमामान रकान-कृष्ठि क्रतरण राम्म, मार्किन रमामे जांकरम

আমোদের প্রকাশিত কয়েকথানি শ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

ব্যালীবিদ্যালয়ৰ স্বাহ্মন সন্দৰিত
 ব্যালীকীটনের প্রেরটিকস্ বা সাহিত্যকর

नाचा ६ जसालास्त्रा ৮०० Фत्रदुज्ञातम् राष्ट्रिकः ৮६०

● क्ष्यक्राति ताँठिक ०००० व्यक्त मुखबरकात सार अंगित

लेशितकळ टमला - देवकक ७-००

● বরীরচন্দ্র সেরের - কুরুক্সেয় ৬০০

বি.বি. ব্রাদার্স এও কোং ১৯/১-শাসাচরণ দে ক্রীট কলিকাতা - ১২ কেন: ৩৪ - ২০১৪

কোৰিজং ৫০ গ্ৰুবিলা পিশ্চল লাইনেশেল প্ৰয়োজন নেই। আনেবিকান ধ্যকা। চোৰ এবং বলা জম্পুত্ৰ হাত খেকে নিজেকে বাঁচান। পিকমিক প্ৰমণ এবং নাটকের পক্ষে উপযোগী। শ্ৰীকর

বাৰক্ষাসহ অটোমেটিক হালকা ওজন
একা চোৰ বাঁধান
আধান আ পানা কে
বিপান খেতে ভুকা

বৰ্ষা কে কৰা চিট্টে বিশ্ব বি

GEM ARTS (WD 15)
Dassa Mohaii. P B 1825,
Debii 6.

চিঠি ভাকে নিভে নেলে আলাপী সেরেরা
এগিরে আছে। আছা লো, ভোলাবের ভারতে
কি নৈনা, কি নংখা চক চক করে চেটে
ভাক টিকিটের আঠা ভিজিরে খানে জটিতে
অটিতে বলে, লোকদখ্যা নাকি এখন
৫০৫ নিলিমন! এ বরনের গারে পঞ্চা
সহান্ত্তি বহা করা লক। কোমর
বেথৈ কোলক করতে ইক্ষা করে। তেকে
কলতে ইক্ষা করে আমানের এভ নারিয়ের বা
সংবল আছে ভা ভোলাবের এভ নারিয়ের বা
বাইরে। আমানের নিরুম পরিবারের জননী
বে কি ভা ভোনারা ব্রুবে কি করে।

এই তো সেদিৰ সাজিত ভৱাতৰ কাগতে দেখলাম বাপ মারের বিজেদের পর ছ'বছরের টোনিকে চিপিনের জারাসে আশ্ৰহ নিতে হয়। প্ৰতিসে সে ৰাপ-মাতের পাত্তা করতে পারেনি। হরতো বা চিলিদের হেফালতে শিশুকে গছিরে ভারা ফেরার र उतारे यावियाच मान स्टताचा कि अकते। শিশ্বের্শন্ত অপরাধ করে কেলেছিল সে। তাই তাকে মরলা, আকর্জনাপূর্ণ একটি कार्छक बाट्स वन्य करत गृह्मान वाचा श्रतिष्टन । न्यानि क्टनारत्रण मनीत करतक मारेन न्द्रत, त्मारक्छ मत्रकृतिरछ। ১১० তাপমালার ৫৩ দিন **STATE** এভাবে বারা রেখেছিলেন ভালের মধ্যে দুটি মহিলাকেও প্লিস ধরেছে। লাকে জাত वटहे ।

ন,শংসভার এমন সব থবর আম্মা দেশে यरमञ्च यरथन्त्रे भाषे। जन्म अक हजकश्रम ব্যাপারের আভাস দেশে থাকভেই জেনে-ছিলাম। ইউরোপ পেরিরে আসতে **জাস**তে किए। किए। सकरत ना अरमर छा सत्र। মাকি'ন দেশে তো ব্ৰুম-স্কুম দেখে একে-বারে হতভূদ্**ব হরে গেলার। অবি**কাহিত কিশোর-কিশোরী, ব্যক-ব্রুক্তী স্বা**লী-স্থার** মত দিবি। একর বাস করে। এদের ভাষার वावन्थाणित नाम living together । जावनिक পরিভাবার বিশেষ অর্থবোধক শব্দ! দার-দায়িত্ব নেই, আছে আগুলভাপা অসংব্ৰু टेन्वताहात। यावा-मात्रा अनुष बहुत्व शास्कन। मा बारन व नास तारे। देवरणारतत नव सारे কামনা বাপ-মারের ক্নেছের নীড ভেকে উডে পালিরে বাওরা। বাপমারের সেকেলেপদা, ব্লিখবিবেচনাহীনতা খেকে দৰে না গোলে বদি প্রোপ্রি অগ্রগতি না হয় ভবে কিশোর-কিশোরী ভাদের নিজেদের সমাজে मान रमशादर कि करत ? किरमाजी रेकरमाज পরে করেও নবলব্দ স্বাধীনভা সহ সময় **ट्टि** एस ना। नहान्तिकास, living together নিয়ে বেশ সরাসরি লেখাও হয় : এক পরিকার পড়লাম living together ত্র আনশ্দে বিভোর এক ব্রভীর শেষ পরিশাম। প্রের্বটি বেশ কিছ্বিদ্য ভার অথে আমিরী करत, वांकी भग्नमार्हेक् छाता मिरत इंखेरताभ বেড়াতে গেলেন । বলে গেলেন Business.

এর সংগানে করেছে কবিল পরে চিন্ন বাশ্যবী ভারবোগে সংবাদ পেলেন ভার boy friend এক করালী কেরেকে বিবাহ করেছেন। সংখাদে অভিন্ত সারিকা কারেন, নায়ক দশানী ভার করে অভিন্তন জানাবার পরসাটাকু পর্যক্ত ভার কাছে বাকী রেণে বাসনিঃ Business ভালাই হলো।

शरबबार्ड करका साग्रत्वह मुत्तीक দেশলৈ আমল মড দক্রখী দেশের মেরেরও ন্তেপ হয়। জনার জজানিত মান্যের জেন मान द्वारे अवादन। शहरमा बहारमा बद्धा-र हो जर्भात रकारत किया जात्रारम कांग्रेगात कांग्रेगा করেন, আর বার ভা' নেই ভার জন্য আয়ে সরকারী বাষ্ট্রা। থেতে পরতে পারে माथात छेना हान जाटह, जज्ञ कत्रा **ংবরণর আছে। নেই শাখ্ আপনজনের** মৰতা। বেখানে আছি ভার কাভাকাতি একটা ৰুম্প-ৰুম্বার আবাস আছে। ধনী বৃদ্ধ-**बुच्चाः वीमा स्कम्पानीत मन्त्रक**रक विद्यार नाफिरक रहाते रहाते झाते करा अक्शाला राष्ट्रा मानाव अकत भारकन, त्वम अक विराध नन्द्रामात्र । कार बद्धा कार्यात लागा बदलाह ब्राइक एक ब्रह्मा अर्था अर्थक रागी। प्यदब्रहा माकि बाँक द्वलीमिन। काकार्य बान्धारना धनायनी **चरके वसमी** सदान व्यक्षन राज्यां वा नाव्यीमात्री नगरक राज से গতের অংশবিংশবের রেল্ট্ররেন্টে খান। नामरन ताथा महाच मना जात थाना, किन्छ চোথের ব্রুল্টি উদাস। ছেলেমেয়েরা কখনও খেজি নের না। একদিন এক বৃশ্ধা জ্ঞার দেশে এগিয়ের এলে জিল্লাসা করেছিলেন, তোমাদের দেশে শুনি মা-বাবাকৈ খবে প্রশা कतः अभारम किन्छ बृह्णा बामहत्त्व वर्ष অত্তর বেদনা। রোজ খানি সব sex murder_अब क्या। किन्छ छाই धरात কাগজে কলাও করে হ্ব সমাজকে চমকাবে। বত অপুপ বরুসের ঘটনা ততই নাকি চমক বেশী। খন্দের তোব্র সমাজ। বর্তমানে এবং ভবিষ্যতে। ভাষের সভস্তি দিলে তবেই তো বেচাকেনা চলবে। কাগ্যকর र्वाटकमा, काशास्त्रज्ञ विकाशास्त्रज्ञ भरशाह বেচাকেনা সবই। পণাসব স্ব বেনে সমাজের তাই এই হৃণিপাৰ।

আমাদের সরাজে পশ্চিমের প্রবেশ বাগবাল আগে আমরা বেন সাবধান হই।
জন্মের বে দার্প শ্নাগজ সাংসারিক জীবন
ভার কলে বে সব প্রতিভিন্না দেখা দিয়েছে
ভা থেকে বভিতে হবে ভো! এদেশে পাগল
হল ছেলের চেরে মেরে বেলা! প্রার দলে
দলে। অসপ বিশ্তর প্রলাপ ভো রাথাঘালার ব্যাপারই নর। মারন্দে বাওরা-আসা
করে কাজকর্ম চালান। আনাদের ভো রামাবরভরা গ্যাভেট নেই। গারদে বাভারতের
সমর কই?

দক্তিপাড়া মেটিরার্জ

वरवर गरम मिलाई कल हलाइ। वरत-হী লবে 'কামকাজ' হজে। প্রতিটি বাজির র্গালকে দলিকে। কালো একটা মেশিন, কারো বা দুটো-কারো আবার দশ বিশ্বানা। বাঁরা বড 'ওস্তাগার' তাদের পরেনো **ঢে'কিকল** हेरेन्त्रम स्थिम वांडिन रख शास । अलार সিংগার বা উষা মেশিন। স্থান্ধ দ্বিস্তু বাজারের চালানী 'রোডিমেড' মাল সাংলটে দেয় তাদের সেই মাণ্ধাতাকালের মেণিন काष्ट्र। जात्मत त्य कार्गात टमरे त्राणिमञ्जान. সেই আবার বিধ্যাল টেটকে নেয় জানা-রাউজ। বড় বড় ওপ্টাগনে দক্তি'দের পাকা যাতি। বাইরে দলিজভরা 'কামকজে'-এর रकाक। 5कारक करीं। (मंद्रिस्टान्ड अवाह কেণ্টা) চালিছে বড়েডা পাকা আটো অথাং কাটার থান কাপড কাউছে কাচ কণ্ড শক্ষে। ফিটার রা গজে ধবে মাপু নিয়ে পেশিস্ক অথবা লিবিমাটি দিখে দালিয়ে নিকে। কানে আতরগোঁলা পাকা দাড়িওয়ালা এলো গা, ভৌডের উপর চওড়া চামড়ার বেল্ট দেওয়া পাট করে সিম্প্রাপ্রিরী ক্রীম্প্রপরা ওসভাগার চা খেতে খেতে মান্টকে সভকা কলম্বন সাজে হিসেবের ভূবে কাপড় বাজে খন্চ না হয়। ক্ষ্যেল্ডা' কোটা ক'লোভাট কাপড়াগংকো দেখছেন। বারা ছাতের কাজ করছে অথাং হাতা খিলছে, পানেয়া লাড্যছ, পটি লাড্ডছে, বোডানের খর তৈথি করছে—তাদের ভাড়া ৰাগায়। বড বাডির সামনে মোটর দাঁড়িরে আছে, অথবা ঘোড়ার গাড়ি। কভা যাবেন কলকাভার দোকানে। অথবা কোনো সমাজ-कन्तारवद्वं भिष्टिश्टहः।

শাড়ার পাড়ার স্তের লোকান। মনিহারি আর মিডি দোকান। গোস্ত দোকান। খড়ম শারে দজিরি। চলেছে এ দলিজ থেকে ও দিলজে। ছোট ছোট ডোলানেরেরা ফিরছে মান্তালা থেকে। দজিদির বাড়িছরদোর ঘেরা। শ্কুরঘাট ঘেরা ছামাড় দিরে। নারীরা এখানে 'অস্থাস্প্শাণা'।

ক্ষকাতার পশ্চিমে ল্লিগ্, জগতলা, লগন নগর, চটা বাঁশতলা, রারপ্র, বাঁড্লেজ হাট, আখড়া, সন্তেবেপ্র, কানখ্লি, বটতলা, পাঁচুড়, কটালবেড়িয়া, রাজাবাগান, ধোপাণাড়া, হালদারপাড়া, থানদারপাড়া, মালপাড়া, হালদারপাড়া, কটলখনা, পাকিশাড়া, বাঙালী বাজার, ম্দিরালী—কলকাতা-১৮ আর কলকাতা-২৪—ক্ষেকটি খনার বিস্তীপ এলাকার মান্বরা শতকরা ১০ জন দলি । দাকিশিলপ তাঁদের একমার বীবিকা। লাক লাক মান্ব। শতকরা প্রার

মেটিরার্জ, বড়তলা আখড়া মহেশতলা, বগতলা থানার এই বিদাল ভূডাগ সারা



ভারতে একমার দক্ষিশিক্ষের আদি পঠিস্থান।

পारेश्रमतात्र, रतमामका, श्राह्म स्मामा,



यत्र यत्र भटम यदा यदा रमकादेकन हरनदर

স্বিক আলাং কমলালার, এল মান্নাক সন্তালত বে লোকানেই আপান দামী স্ট কিন্ন তার পিছনে মেটিরার্জের পাকা ব্রেটা করিব হাত আছে। ভাবের অনেকের শিক্ষা আবার স্কুর রেগানে। এ দেশে বন্দ লাকান্ত্রে সাহেব মেমরা রাজত করত তাবের ছিল বাখা দার্জি। সেই দক্রি সেলাই করত মেমেবের গাউন—সাহেবদের ফোট-পাাণ্ট। কোনো কোনো কোনো দির্জি বা ওপতালার দেশবন্দ্র ভিতরক্ষন, নেতালী স্ভাবচন্দ্র, বিশ্বক্ষিব রবীল্যনাথ প্রমুখ ব্যক্তিবের সন্তালচন্দ্র,

বাড়িতে কাল কর্তা। এক বাড়িতে কাল করনেই সংসার চলে বেত তাদের। জালা প্রকাহ হলে দাল তো দাল—উপরি বকসিশ। দেশবদ্ধর পালাবির সাজের লক্ষাভিকা নালি তথনকার নাজারে এক লো টাকা। আর সেলাইরের দাল দিতেন তিনি আড়াই শো টাকা। তার কাছে বদি একবার সাহসকরে কোড়ভাতে বলা বেত, 'হাজুর, আলার ভাগর মেরেটা বিদার করতে পারছি না—বড় টাকার অভাব…একটা হেলে ভাটেছে…'

। स्टेक खाक-राष्ट्र

সে নিমকাল আরু মেই। বড় বড় মিল-থালিক বা বাবসাদাররা এখন বিলেভ, প্যারিষ, নিউইয়ক' থেকে পেট্রো-কেমিকেলের কোট প্যাণ্ট আন্ছেন। বাঙালী বাব্রা কেন্ডিক বা আন্দির পাঞ্চাবি দুখানা আর ষ্তি চারথানাতেই সম্ভূতী। শীতে বভাষোর একটা সাজ আর খাল লাগে। ক্রিক টেরিলিন টেরিকট আমদানির সংগ্রে সংগ্রেট হিশিদের চুল্ড প্যান্ট আর হাওয়াই স্বীপের খাটো কোডা-জাতীর বাল সাটা আমলনি হওয়াতে দক্ষিদের ফাশন সম্বর্গের প্রেয়াতন মাটে বা কাটার পাট্টাছে। পুরাতন দলি-দৈ<u>র জাত গোল ভাত গোল। ভালের মধ্</u>যো रुक्तिमाञ्चार । जन्मीम रुपामारतात रुटे वाशामाती भाक देशीला काविर टकावेशाट केंद्र কাছে এসৰ অতি হান। ভখনা। এসৰ ছাত্ৰ শিখতে হ' দিন লাগে না—কিম্তু ইংলিখ কোটের কাজ দিখতে দল বছর জাগে। হাতির কাছে ছাগলছানা!

ব্ডো দক্ষি রশীদ মিয়া জেলে বেলর বেংগানে পিয়ে বম্বা মেয়েদের সংগ্রু ঘরকরা করে বিশ বছর পরে দেশে ফিরে বড় বড় বাড়িতে কাজ করেছে। হাড় পাকা ব্ডো। কোটা ধরে ধরে আঙ্লে খাটা পড়ে গেছে। সে কলকাতার বড় বড় নামজালা সাহেববাড়িতে কাজ করত। মেম পারিসের একটা আলবামা খ্লে নতুন ডিজাইন দেখিরে দিত। অনেক দানের সিক্ক কাপড় দিত। শুমু রেসিয়ার গায়ে সব্জ-আলো-



da cons

জনালা-খরে দাঁড়াত পরীর মতন। রশীদ মিয়া ফোকলা গারে স্তিমিত চোখে হাসতে হাসতে বলে ছাত আমার কাঁপত। মেমের যাখাভরা লোনালী চল। বেন আগুরের ৰলো। আর চালিশেও 'যেবন' যেন একট, টসকার নি 'করো।' ব্রকের ওপর দিরে ফিতে ধরে মাণ নিতাম। নিটোল পাছার মাপ নিভাম। শুধু নিক্সেস্ পরে থাকত। भाग शामाभी छेत् मृत्या स्वन हरिनद জোছ না ধোরা। এখানের মেয়েদের সৈ পাছাও নেই সে ব্ৰেণও নেই। থাকলেও সে দু' দিনের জনো। আজকের গাউন তার কালকে হবে না। মেম মাপ দিরে আবার পোশাক পরে কাপড় কম পড়বে কিনা ক্রিক্সেস করত। আমি কাপড দেখে কলভাম—'বেশিই আছে।' মেম হেসে বলত, 'তোমার লেড়কির ফ্রক বানিয়ে দিও ওশ্তাগার মিয়া। সেই মেমের একখানা গাউন তৈরি করতে লাগত পনেরো দিন। স্টোমে চডিয়ে 🔊 নদ্বর স'ই দিয়ে তিল তিল করে খিলতে হত। টেকেন দিতে २७। এकरें शामभाग राम पाए। रे मा টাকার কাপভ নন্ট হয়ে বাবে। প্যাণ্ড হোটেলে কিংবা লাটের বাড়ির কোনো ভোজসভার গিয়ে মেম যদি দেখে তারই মতো ডিজাইনের গাউন পরে এসেছে অন্য একটি মেয়-তথান সে ফিরে এসে দৃদ্ধিকৈ ডেকে তার সামনে পড়পন্ত করে গাউন ছি'ড়ে ফেলে দেবে। লেডিল কাজে কার, সঙ্গে কার, মিল হাতি পার্যে নি 'করে।' সেইখানেই ওস্তাদী। এ তোমাদের ছাচলো পাতলানের ছাচোবাজী নর। মেমের গায়ে পরিরে হাতে-খেলা গাউন পরিরে ট্রারাল দিয়ে আসতে হত। গাউন পরিয়ে দিলে সাহেব পাইপ টানতে টানতে মীল চোৰে যেন 'পরেমী' কষে দেখত। একট্ ভিরুটি' হলে দেখাত আঙলে দিরে। ব্ৰুক আর পাছা ঠিক করা-একেবারে সেম সেম থেলানো' কঠিন কাজ! কোৰাব তির্টি'—মন খেলেও সাহেব ঠিক ধরতে পারত। হেনে শুধোত, তোমার কেমন क्याशहरू रे

বলতাম, 'পাছা, কোমর, পেট, পিঠ ঠিক আছে পেরার'। ব্যক্টা খ্লতে হবে।

কোথার দেখাও—হরার, ফিক্সড বাই দা ফিণ্যার।' দেখাতেই হড। তারপর মেএ জামা



হাতে-খেণা গাউন পরিয়ে টারাল গিয়ে আনতে হত

খলেতে পারত না-কোধার বোভাম? অংশি খলে দিতাম। সেই জামাতে মজ্রী পেতাম দ্ম' লো টাকা। সাহেব দিত, উপরি প'চিশ **ठोका वर्धात्रम।...रम द्या हरम रभरद्य।** नर्छ শাক প'ই ডাঁটা চিৰোনো ৰাখালী সাহেব বাব্রা ভাদের মেমেদের বিবিদের বগলকাটা 'ছেলেখরা' রাউজ আর হ্যামিলটনের সারার গুপরে বড় জোর বেনারসি কিংবা ভাভের শাভি পরার। এখন আমাকে সাভ টাকা রোজ দিয়ে বড় বড় ওস্ভাগাররা মিলিটারী, প্রালস বা নেভির পোশাক কাটতে ভাকে! আরে বাবা, এসব তো ট্যাংরার মেশিনে বেমন গরু কাটে একস্পো পাঁচ সাত শো শুইয়ে দিরে, তেমনি করেক হাজার থান পাট করে কেটে নিলেই হর! আর 'মোকে' ভাকে হাওড়া মপালা হাটের রেভিমেট চালানী 'কাম' কাটতে। আমি এসব করতে পারব না করো'। পেটে ছাত নেই তো নেই। অনেকে পাকিস্ভানে চলে গেল। বড় বড় <u>রুকাগাররা সেখানে হোকান করেছে—</u> নামজাদা দক্ষিদের নি**রে চলে** গেছে কড।

আমি মাটি কামতে পতে আছি এখন। এখনে বাপ দাদার কবর। এসব ফেলে ব্র কোথা?'

রশীদ মিরার বাড়ির ফাটা ছাদের ফার্ছ দিরে, পানি পড়ে। ঘরে তিরিশ বছরের অন্টো ফেরে ফুলের মেশিন চালার। ছোল চারজন পরের দালিজে কাম কাজে যার। ভারা অসং—ভাল করে কেউ কাজ শেখেন। সবাই থড়ের বেগে মিলিটারী পোশাকের মেশিন চালার। পাঁচ টাকা বোজ। কর লোকের কাছে দেনা, টাকা নেম আর ফাঁকি দিরে অনোরে কাজে চলে বার।

মেয়ে সফিরার ওপরেই রশিদ গিয়ার একমার বাঁচা মরা নিভার করছে। ভাতে বিদায় দিলো বড়েডা ঋষে কৈ ?

সারা মেটিয়ার্ক অঞ্জ দুঃম্প অসুম্প দাবহাওরায় জরা। শতকরা ৯০ জন মান্ত্র দারিস্তা ১০ জন মারা ধনী ওপতাগার তানের কাজকাম করে পরিস্তরা। মারাবী স্তরের প্রিরা বড় বড় সরকারী অভার ধরাত পারে না। সেসব করতে গোকো পাঞ্জি চাই বড় বড় বড় দেতা বা মন্ত্রী হাতে থাকে চাই।

ভাই বারা দিন আনে দিন খার তাবের আনেসাসিরেশন গড়ে উঠেছে। ভারা পাঁবদের চাপে বসিত অন্যক্তর খুপরি খুপরি ফরে থেকে মশা, চারপোকা, ধোঁরা, ধুলো, কাল, নদমির মধ্যে সূখ শানিতর খোঁক মা পেরে কিন্তিনিন্দী হরে গেছে। কথার কথার ভাবে ক্ষেন্ত মালিক বা বড়াকানের বির্দ্ধেশ ভারা ভিন মাধ্যা হরে গেছে বুড়ো শুনুনের মতো ঘাড় মুন্তে বসে বসে সদি। টোনে সারা জানীন বাড়াকা, পেকে কাল্প করে করে।

মেতিয়ায়্ড় বউতলা, আখড়া, কানগ্নী, চটতে হাইবকুল আছে। আখড়ায়, বটতলার মাুসলিম গমীয় শিক্ষার পঠনপাঠানের বীতি আলো চলছে চিমে তালো। এখানের মান্মি-জন মাুসলিম পোশাক আলাতে অভাতে। তবে স্টে পালেও আথানিক আলাতে এখানের মান্মিলের শিক্ষার হার অতাতে নগণা। শতকরা দাু জনও হবে না। কেননা অধিকালে দরিদ্র পরিবার তালের সবে মাইছাড়া বাজালের হাতে পাুই তুলে দেয়। পরের দলি জ বোতামের হর কেলাই করতে নিয়ে বার্নী চার আনা পরসা পার তাতে দ্বাধানা চাপাটি রুটি অথবা দাটো লিক কাবাব হবে।

এখানের রাস্তাঘাটের অবস্থা চিরকালই জ্বনাত্ম। কীলখানার পচা রস্ত বখন গাড়িবোরাই হরে চলে বার তখন লক্ষ্মিক লোক দুর্গান্ধে করেক মিনিট প্রায় ক্ষানহার। হরে থাকে দম বব্ধ করে।

রখীদ মিরা বলে, মেটিয়ার্জের অবস্থা ফেরানো কঠিন। এখানে যে ইতিহাসের ফলংক লাট কেলাইড' সাহেব 'পেরথম' 'জাহাদ' থেকে মাটিতে পা দের! এখানে হাসপাতাল নেই। মানান রোগের ডিপো!



এটা দাহ খন গারদখানা। মেরেরা ভাগের আরু নিরে আজনিন থারের কোণে কদৌ। এখানে পাড়ায় পাড়ায় মসজিল আছে, নামাজ পাড়া হয়, মেজা মাসজী তানক কিন্তু কিছতেই মান্যের দাঃখ ঘাচছে না। স্পায়া হতে না চাটেই দায়তান 'নমবার' বাদলাকে জন্দ করার ভাগে থেমন খোলা মশার ককি ছেড়েছিল গ্রেনি মশা নামে এখানে।'

অধানিক শিক্ষিত ছেলে যারা সা চার ক্ষা বি এ এম-এ পাশ করেছে ভারা ধলে. গ্রেছিল গ্রেসল্মান বলে কোথাও চাকরি প্রতি না। (৪) নি**ভে**দের বাবসাপটিত**ও** ক্তক উঠাছ। হাওড়া মপালা হাটে মতা বাৰসেয় কৰাত <mark>তারা প্রতিব্যোগিভার</mark> প্রত্যার শিক্ষিত বিচক্ষণ লোকনের নত নাভাতে পাহা**ছে** না। সেখানেও ্রনের স্থামপ্রদায়িক' স্থান্ধানৈতিক' বাহিন্ত মক্তব্য ভারতা ভারতী তিভিঃ দক্ষী ভূটিবজিন ভূটিবজ্ট, সিক্ক সংক্ষ সংট ছাড়তে হয় পাই**করে।। পরের হাটে** হ'দ ওলেড চেডি টি, এটক, পাটনা, গ্ৰিপিছিং, বজবজ, কৈছাটি, ভমক্ষে বর্ধালন সমস্যান এসের জ্বাস্থাণ ব্যব্তে প্রারীকের না-এল ডে ১৯৯০ ছান্য হড়া টাফা আটকে পূজা। শূজার কোন্ডাইটা কেরেল <mark>না। ভারেলর</mark> র্ভিন্ত লাভাই উক্তে না। **স্টালে**ল ভাছে: **বাকি** ৭৪ক নগুলা হাটেছ **লালিক ভালা লাগিছে** ্বান প্রিমালিজের নিমে আর আর রা গ্রাম বিশে না থকাল নতুন আগ্রুতক-জৰ সামে পাৰে দিয়ে পাৰেৰে কেমণ দিবি মটণর ছেলে ঘষা **ক**াচের মারা **চোক** গাঁশ মেটেড। পড়া সাধ-নেমাম্বরী বার্মটেড শরেকে: এ ছেলে মেটিয় আক্রের দ্রিলাদের – শংশ লেখপড়া **জা**নে না। ভারই গৈটক মতানে দক্ষির কাঞ্জ আরে হারদা জিলাই থাছে। এই যে চাঁদ যাবার এন্ড বস্ত **७५३: ेट्डानिक कान्छ घाउँ एवल এथानिक** ফিন্টার মুসলমান্রা সাচ্চে বিশ্বাস করতে প্রতহ ন। চীদে গেলে নাকি আলা ফেলে লেবে! কোনা মধ্যে কোনা মেজাঙ্কে তারা বস করছে ব্রুন। সিনেমা দেকা**কেও তারা** 'शिंश काक्ष' भरन करता'

থাওচ হাওড়া মগান্ধা হাটের মালিক নিগেনির সরাব কিংবা কেবল চলি মিনানীর কাছে বেজি নিয়ে দেখান, শতকরা কত হারে মালিক দিলি তার বাবসায় ফেল মোরে হাট থেকে পান্ডাড়ি গাটিয়ে নিয় পিয়ে সাধারণ দিজ হয়ে কেনোরহম জাবিকা চালাতে বাব জেছ। আর কত বাড়ছে উন্নাস্ত্ শতাবার হিন্দা বাবসায়ী। হাওড়া প্রান্ড কিবলৈ বাড়েজ গালে যে প্রান্তন হাটিট আছে তার বয়স এখন দেড়া গো বছর। বালায় মালিক মারালীধির সরাব। এই বাজার ছাজার শটলওয়ালা লিক্ষ লক্ষ্বিসায় মালিক মারালীধির সরাব। এই বাজার ছাজার শটলওয়ালা লিক্ষ লক্ষ্বিসায় হৈনের মাজিব রাজাবারের পাঠিকথান-টিতে ক্থান সংকুলান হয় না বলো হাওড়া

এক নদ্বর প্রাশ্চ রোডে আর একটি হাট হৈরি হরেছে। এর বয়সও আং শতাব্দার উপর। মালিক কেবলচাদ মিনানী। কংক্রীটের গাঁথনি দোতালা আর একটি হাট তৈরি হরেছে সম্প্রতি। আড়াই হাত প্রকলের সালামী তিন হাজার টাকা। ভাড়া বছরে এক শো আদি টাকা। কিন্তু হাওড়া মধ্যলা হাট —বেটি মেজো—ভার ভাড়া বরিশ—জালে ছিল চন্দ্রিকা।

এই তিন হাটেও কুলোর না।
হাসপাভালের সামনে আরো একটি হাট বসেছে ছোট মতন। তার সপে হাট আসোসিয়েশনের অফিস। তব্ও শটল পার মাই বহু লোক। পথের পালেই লোকান ফোদেছে প্রকৃতি আর পালিনের হাতে নিজেনের মান ইব্ছত বা দার-দারিছ সমপ্প করে।

দক্ষিদের কী ভীষণ কট এই তিনটি হাটে তা দেখতে গেলেই টের পাবেন যদি আপনার পারখানা বা পিপাসা লাগে। পাঁচ মিনিট স্টলগালো দেখতে দেখতে বেরিরে আস্ন, যামে আপনি নেরে বাবেন। মনে হবে এ এক ভাবিরা দোক্ষণ।

এখানে খ্চরো বিদ্ধি নেই। ছজন ডজন, গাঁটকৈ গাঁট মাল পাইকিরি হর। ভারতের দিকে দিকে ছড়িয়ে বার এইসব জিনিস ঃ দ্রুক, শাঁট, কোট, পোন, ব্লাউজ, বনুমাল গোজ, গামছা, মুশারী, ভোরালে—নিতা



ৰাবহাৰ' হাজার রক্ষের জিনিস।

বার পাইকের এক না তার একগাক বাছি। আবার নতুন পাইকের ধরো। বিশ্বাস করে মাক ছাড়তেই হবে। সেও বার দুই দেওরা-নেওরা করার পর হঠাং হাওরা! কনাধানে মাল নিছে দেখলে—খরো লালাকে! তারপর হাতাহাতি—মারামার। বিচার-আচার। মালিকপক সুধোল পেলেই দিলেন লোকানে ঝাপ ফেলে। নতুন সালামী বিলিতে অনেক টাকা।

খ্যাতিমান দজিরা পাকিশ্তানে চলে বাবার পর বহু অস্থিবার স্থিত হরেছিল কিশ্রু কারো জনো সময় কাল বা কালানের গতির্ধু হয় না। লিভিড দজির চাহিলা এখন বাড়ছে, বেমন কাডিয়ের স্মার্টনেসের দিক থেকে তেমনি বাবসায় বাশিতে।

মেটিয়ার,ক্ষের হাড়পাকা ব্রেড়া গলি রশীদ মিরা, তোমানের মেন সাহেবরা আর কিন্দবে না—কালের জটিল প্রতিক্ষী গতিপথে বেখানে মোটর ছ্টেছে সেখান লাঠি ধরে খাড়িবে খাড়িরে হাটার ভিশারীই বনতে হবে—কাডএব সাবধান।

আবদ_ল জম্বার





dell file seme and upte, were after easily for a people in the file file seme easily and for a people delige file seme attempt for a people file file file file seme easily and a semi-

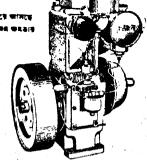
বলতে পারেন কি কোনটি আঙ্গল?

কলে বিনিধের সকল যুব আড়াডাড়ি বজে থাকে। আর কথনও কথনও বকল জিনিব **ট্রক** আসলের বডোট বেগরে।

কিবেশিকর ও কর্ম পাওয়ার/এডি ১ ডিজেল এছিনের অনুভারণ মর্কাই করে আসতে। এই অনুভারণ হয়ে আসতে শুধু রয়, গঠন, আকৃতি ও ডিজাইলের চিক থেকে। কিয়ু উচ্চনাধের ছবে। নির্কারনোধানার, ও অর্থানশ্যের ভয়তার কিবেশিক্ষার এডি ১ এর অনুভারণ কথানও অনুভারণকারীকের লকে সন্তব্ধ নয়।

নপ্রকালে নানজন্ত একমান্ত নিনিতার বিনিষ্ট ভিকেল এক্রিন নির্মোক্তর এতি ১ রকমারি কৃষিকার্য ও প্রমানিক্তে আন্মানের উপনোধী। লক্তি, নির্কর্ষণাথাতা, ক্ষমান্ত, দীর্ঘানিক ও সংস্থানক্ষকভাবে স্থাসক্ষস কমসন্পাননের ককে এ বংক্ত এক বিনিষ্ট মেন্টির এক্রিন। কার্ডাক্ত এক ক্ষরে ব্যৱহার ক্রম ও ক্যিয়াক্তরের উক্ত মেন্টির সেনস্ সার্বিস।





আসল কিৰ্লোম্বর এভি ১ - ৫ হর্স পাওয়ার কিতৃন। – নকল কখনও আসলের মতো উৎকৃষ্ট হতে পারেনা।

किर्लाक्षत आञ्चल अञ्चित्र लिप्तिरिक्ष, क्लिक्ना (बाउ, विवर), पूर्वा-७ (चावर)

্কিলে'দ্বার (টি' হল কিলোদ্বার প্রোপ্রাইটার লিভিটেডের রেভিচ্টার্ড প্রত্যাক, কিলোদ্বার কার্মে ইপ্রিন্ড, লিভিটেডকে কাইলেল প্রদত্ত।

ভিত্তিচিত্তে নৰ-অধ্যায়

অভিতকুমার দত্ত

লগার থেকে সভক সেতে উক্তর 🖫 দিকে। দু ধারে বেশির ভাগই ধ্সর রক্ষ চেহারা। পরমের দিনে স্কাল গড়িরে দুপুর শুরু হওরার আগেই সব বেন আরও गत्करना जात थी-थी छ्रहाता निरत्तरह। কিল্ড ভাতে পরোরা নেই। খাদা সংগ্রহের টুলেশো কটা-গুল্ম-সমাকীৰ বালিয়াডিতে লর বেডাকে ছাগল আৰু ভেডার পাল। माहेरकरम हरमार रमाम । रमाहरन काप्तिहारत চহত একটি ছাগল-ছানা আৰু সংশ্বে বাঁধা সংগাহীত কিছু ভাল-পালা: কিল্ড বড়িয়া এট তাগিদ শুধ্য ছাগল আর বাচ্চার নয়, নজরে আসে অন্যরত। উবর মর্মরতার मत्या इठार इठार किहा नवास्त्र रहाना মাথা তলেছে ক'টি বড গাছ ৷ ই'দারা আর পাশ্পের সহারভায় সেচাই আর চাম হচ্ছে। পাশেপাশে গা ঘেৰাঘেৰি কৰে গড়ে फेटेट वर्गाफ सन्तरमा

কত গ্রাম, কত বিচিত্র নাম—সংপোনীর, দীবা, গনের, বেলবা, চাক্স্ম নিরানী। অদ্বে এককালের রাজবণদীদের ক্যান্দ্র দেউলী। ক্রমপুর থেকে মাইল চল্লিদের গথ গেরিরে—বনস্থলী। নামেই নর, পরিচরেও ভিন্তর। ধালিধাসরভা আর নাভা

চেহারার হক্ত আলেগালের গাঁচের সপো তেমন পাৰ্থকা কিছু নেই কিন্ত বনস্থলীয় আৰু অন্যতম পৰিচয় এক বছং বিদ্যায়তনেত কেলভাম চিসেবে। বছর প্রবিশ আলে शासामक क्यांगाजी विस्तृत्व कार्यपक स्व শিক্ষারতনের সরেগাত হরেছিল, আৰু ভা সম্পূৰ্ণান্ধ এক মহিলা বিদ্যাপীঠের আভার शहन करहरू। अधानकात शक्ष्याची निकाद য়ানসিক তথা লাবীবিক বিকালের কার্যখাও ক্ষরেছে। প্রসংগত উল্লেখবোগ্য বে প্লাইডিং वा झाहेर-धव चारवाचटनक কত পক্ষের সমান छेरमाह। मार्माची थाक न्नाफकाखर পাঠরমের বাবস্থা বেখানে শিক্সণিক্ষা रत्रशास्त्र शाक्टवर्टे. ट्राकी स्वास इत क्या बाइ.स

আর এই শিক্প ব্যাপরেই বনস্বলীর আরু শ্বনীর এক বৈশিন্টো চিচ্চিত হওরা সম্ভব হরেছে। ভিত্তি বা দেওরাল-চিত্র, বিশেষত রাজস্থানী-জরপ্রী রীতি-প্রকরণ ও তার প্ররোগে উৎসাহ প্রদানের স্থারাই বিদ্যাপতি আরু এক নতুন পরিচ্চের পরিচিত কতে প্রেরেছে।

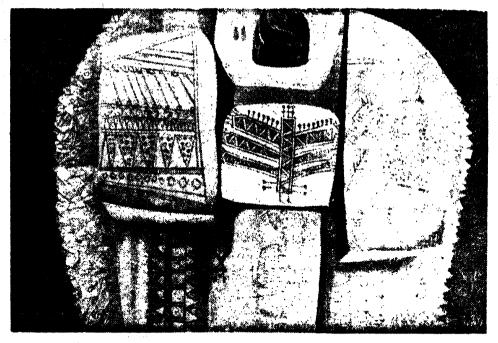
ভারতদিশে ভিত্তি-চিত্ত একটি বিশিষ্ট শ্বান অধিকার করে আছে: বছাকার,

পরোপ বা প্রাচীন সাহিত্যে ছবি জীকার উল্লেখ মিললেও পরোনো কোনও ছবিত নিদ্দান অমিল। হয়ত কোন**ে স্থার**ী शास्त्रक त्र विक्लाक कर्ता वर्ष ना । प्रदेश-भारत जीका किवायमीय मरभा जात्रास्त्र स्व श्रीतात पाते जाए तम त्वाचा वाव त्व ব্যক্তপত্তিৰ মহিমা বা ধৰ্মসভ প্ৰচাৰেৰ আকাল্যা যে ভারণেই হোত পিলপীয়ের সে বাবতে কাজের সংবোগ মিলেছিল। গণ্ডে আমলে অকস্চার এবং প্রার সমকাসীন বা किक्ट भारतम बाचग्रहास, बना स्वरूप भारत ভারতীয় ভিত্তি-চিত্র উৎকর্ষের চরলে পেশকে-ভিল। সন্দেহ নেই ও ধারা হঠে ক্রীমরাপ হার পাড়ভিল। হয়ত ছবির পরিকশ্সার कान्यर्थ-क्य-शामानः अने सनावत कारणा ভবে বেভাবেট হোক একেবাৰে কিন্দ্ৰ এছ বিল্যাপ্ত ঘটেনি: ইলোৱা, শীতনাজাল্যাল, এমন কি আৰুও পৱের অনেভ মণ্ডির ও প্রাসাদ-গাতে, স্বাদ্ধে কেরল পর্যাক ভিত্তি-চিয়ের বহ' সন্থান বিলেছে। ভারতের र्शान्त्रान्तरमः बाजन्यास्त्र अ यात्रा अवके বিশিষ্ট রূপ পরিপ্রাহ করে, বলিও মিনিরেডার বা ছোট আকারের ছবিই সেখানে অবিকতত জনপ্রির ভিজা।

উদরপ্রে, বিকানীর ইন্ডাবি স্বাদে রাজ-প্রানার প্রানাদ-লক্ষরে জন্ম হিসেবে ভিত্তি-চিচের দেখা মেলে। ভিত্তি-চিচের রেওরলা রুমে জোরালো ও জনপ্রির হরে ৬ঠে এবং জন্টাদশ শুড়ুদ্ধ নাগাল স্বরপুত্র



कानम शान्दि कुछ दरक्षाय-दिश



विकास कोहाराय क्या किंग्र हित

এ কাজের একটি কেন্দ্রস্থলে পরিণত হয়।

নুষল আমলেই জয়পুরী কাজ সুপরিচিত

হল। মুম্মল-মহিমা লুপ্ত হওয়ার পরেও কুল্

কাংড়ার নালা পাহাড়ী রাজ্যে জাজের জনা

জরপুরী শিশপী কারিগরদের ভাক পড়ও

হলে জানা বার। সন্দেহ নেই শ্বেড পাথরের

গাঁহড়ো, চুন, নানা ধরনের পাথারে ও মেটে রঙের সহজলভাতা ও সর্বোপরি প্রশাসরা জয়প্রী ধারাকে বিশিশ্টভা প্রদান করেছিল।

প্রধানত চর্চা ও পৃষ্ঠপোষকতার অভাবে ভিত্তি-চিত্তের জয়পূরী ধারাটি অবল্ঞিতর পথে চলেছিল। এ শতকের গোড়ার নৈকে শিলপগ্র অবনীন্দ্রনাথ তার শিষ্যদের এ ধারার সংখ্য সমাক পরিচয় ঘটানোর কথা চিত্তা করেন। পরে আচার্য নন্দলালও ছাত্রদের এ বিষয়ে শিক্ষাদানে সচেন্ট হন। শিল্পী বিনোদ্বিহারী মুখোপাধ্যারের এ সম্পর্কিত এক আলোচনায় উল্লেখ পাওয়া বার বে, জরপারী এক শিল্পী-কারিগর শ্রীনরসিং লাল বিশেষ আমদ্যণে কলাভবনে এসেছিলেন এবং শিল্প-প্রকরণ ও প্রয়োগ-বিদ্যার ছাত্রদের সহায়তা করতেন। কাজের পরীক্ষা-নিরীক্ষা, যেমন পাথরগ'রড়ো ও চুনের মিশ্রণে রকমফের বা রঙের বাঁধনি হিসেবে কখনও গ'দ, কখনও বা শিরীবের बावदारतन्न कथा, किश्का महे स्मापन नाकि চুনের মরলা খিতিয়ে পড়ে ও ব্যবহৃত রভের ঔম্জনুল্য বাজে ইত্যাদি বিষয়ও উল্ল जारनाञ्ना रथरक जाना बाहा।

জরপ্রেরী রীতি শিক্ষণ প্রচেম্টা নিঃসল্পেছে
কিছ্ লোককে ভাবিত ও উৎসাহিত
করেছিল। জরপ্রের শিশ্পী শ্রীদেবকীমন্সন শর্মায় এগদের একজন। বছর কুড়ি
আবে শান্তিনিকেতনে একবার গিয়ে বিষয়টা
ভিনি জানতে পরের এবং নিজেও এ

সংপক্ষে কিছ্ করতে বন্ধপরিকর হন।
কর্মসাতে বনধপলীতে থাকায় নিছেরত
কাজের অভিজ্ঞত। থাকার ফলে বিনাপতি
কল্পক্ষের কাছে তিনি ভিত্তি-চিত্র উৎসাহ
দানের এক প্রস্তাব পোশ করেন। তাতে
গ্রীক্ষমলালীন অবকাশে সংক্ষিণত এক
দিব-মাসিক শিক্ষাক্রম প্রবর্তনের কথা তিনি
বলেন। কাছাকাছি শিক্ষণী-কারিগর পাবার
অস্থিবধান্ত ছিল না। সব মিলিয়ে এই
শিক্ষাক্রম চলাই হতে তাই বিলম্ব হয়নি।
গান্ত বছর পনেরো বাবং এ কার্যক্রম কেবল
চলাইই তা নর, ব্যেণ্ট জনপ্রিয়তা অক্ষানেও
সেটা সক্ষম হরেছে।

बद् निक्नी, बद् ग्रानीत नमार्भन घरहेरक वनन्धनीरक विशंक करतक वहरत। অনেকে গেছেন নিছকই ঔংস্কা নিয়ে দেখতে। তাদের ভেতর অসিতকুমার হালদার, মুলকরাজ আনন্দওকে জি স্ক্রন্ধণ্যমের নাম উল্লেখকেণ্য। অ^{রেও} বহুজন সেখানে গিয়ে থেকেছেন, নিজেরা কাজ করেছেন। আরু প্রবৃতিতি শিক্ষান্তম অনুযায়ী কেবল ঔপপত্তিক দিক জানা বা একট্র পরীক্ষা চালানো নয়, হাতেকলমেও কাজ করতে হর স্বাইকে। ফলে, বিদ্যা-পীঠের একটির পর একটি ভবনের দেওয়াল, প্রানেশের পরানেশে আরু শিক্সজীর্মান্ডত হরে উঠেছে। সেসৰ শিল্পীদের মধ্যে रेगरनम रम्, विस्नामीयहाती महर्शाभाषात्र, এস এন বেন্দ্রে, স্থূপান্স সিং লেখোয়াত. ट्यांडि करें, मान्डि नट्ड, मीट्सम मा, मर्थ^{सर्} विद्या, आक्षत्रक भा, व्यक्तियां कार्य अवर नि अने



● ১০৮ টি দেশে ভাক্তাররা ব্যেসক্রিপণন করেছেন।

তি কোম নামকরা ওবুবের
 লোকানেই পাওয়া বায়।

DZ-1476 A-MN



বনপথলাৰ জ্যোকাশদেশৰ নমানঃ

ভারতের নাম উল্লেখ করা বেতে পারে। বিরোগত নেপাল ও সিংহলের শিশপী এবং বিনাপতির ভারতীদের কাজ তো আছেই। নান রক্ষারি পাইলে করা সব ছবি। মার্ডী, প্রত্থিকাত্তির ও মণ্ডনধর্মী নানা বাহারের সব কজ। সব মিলিরে বনপ্থলীতে গড়ে উটিছে এক বিচিত্র ও বর্গাচা গঢ়লারী। এবই ভারগার সাক্ষাতিক ভিত্তিভিত্তির এত বিশ্লিক ব ও বৈভিত্তাময় সমাবেশ আর বেগাও মেলে না। বনস্থলীর জনাত্তম বিশ্লিও বিশ্লেক।

ভিত্তি চিত্তের প্নের্জ্জীবন-প্রচেদ্টার ব্যবহার কর্মস্তির প্রেক্ষ ফলও বিশ্ব শিলা বাছে। আজ ব্যেরারার শিলাল-শিকালার ভিত্তি-চিচ একটি ঐচ্চিক বিষয় বিশালার ও প্রভিট্যেনর ভরফেও প্রতি বছর শিকালী লো প্রেরিভ হচ্ছে বনস্থলীতে। বাছরা বাছরা ক্রিক্সলার স্থোগমতো নিজের বেওয়াল-সম্লার স্তেট্টার লাসভকলা আকাদ্মীও ক্রিস্টার বিশ্বিন করের ব্যবস্থলীতে একটি গৈটোপা ক্রাম্প ক্রের্ব্র্ব্র্ব্র্যান্তি একটি গৈটোপা ক্রাম্প ক্রের্ব্র্ব্র্যান্তি একটি গৈটোপা ক্রাম্প ক্রের্ব্র্যান্তি একটি গৈটোপা ক্রাম্প ক্রের্ব্র্যান্তি একটি গৈটোপা ক্রাম্প

কান্দেপ আমন্দ্রক অংশ গ্রহণকারী ছ'জন কোন : কলকাতা থেকে গণেশ হালাই ও বিকাশ ভট্টাচার্য, মান্তাজ-এর (বর্তমানে দিল্লীর কাসিন্দা) কে ভি হরিদাসন, চন্ডী-গড়ের রপেচাদ, বন্দের পি এম কলটে এবং ইন্যারনের কে শেষগিরি লাও। গ্রীন্দের শব তাপ বা অনা কোনও কিছুই এ'দের প্রশাস্ত্রতাল বাধা স্ভিট করতে পারোন। ইন্যাস্ত্রতাল বাধা স্ভিট করতে পারোন। ইন্যাস্ত্রতাল এবং সর্বোপরি কাজের আন্তরিক উৎসাহে হণ্ডা ছরেক বেন কোখা বিল্লে ফ্রিলের থেকে। কেবল শেখা বা কাজে করা নর, এর। ব্রেছেন ও দেখেছেন আদেপাশের সব। কি সটাকটস্ব হন্মানজীর গ মদির, কি প্রায় ও লোকারত দিবপ স্থি, সবই তারা সমান উৎসাহে নিরীকণ করেছেন। তাই আদেপাশের গাঁরের দেওরাল-দরজার উপরে করা ছবি নক্ষাও তালের প্রেরণা ব্যিরেছে অনেককে। নিজ্প

ল্টাইল তো ছিলই। ফলে শিবির-অক্তে মৃত হয়ে উঠেছে প্রাণকত কটি ভিত্তি-চিত্ত। বনস্থলীতে নতুন এক সংক্ষেত্রন। কিংবা বলা বেতে পারে, প্রোতনের সঙ্গো নতুনের অভিনব এক সংগ্রুক স্থাপন।

বনস্থলীই তো আ**জ অগ্নগমনের নতুন** এক কাহিনী।

त्थ्रायत्र कारिनी ...



আর প্রিন্স রু ব্লেড কাহিনীণ্ডে রোমাধ সধার করেছে



পরিক্ষার কামাতে ও পালক-স্পর্শ পেতে ব্যবহার কর্ন **ক্লোরো কার্বন বার দেওয়া**







বহুক্ষণের জন্য এমন অনিন্দ্য উদ্ধ্ব মুখলী এনে দিতে পারে পণ্ড্স ফেস পাউডার

রেশবের মন্ত নোলারের পণ্ড স ফেস পাউডার বেথে
আপনার সুথথানিকে অনিন্যা- হালার আতার ভরিবে
ভূসুন। এ পাউডার বাবের সাথে ধুরে বার না, আবার
এথানে গুখানে ক্ষমেণ্ড থাকে না। পণ্ড স ফেস পাউডার
নারা ধুথে হালকা ভাবে ছড়িরে থাকে ভাই আপনাকে
বহুক্রপ ধরে অপরুপ সুক্রর দেখার।

৮ রকম জীমক্লাওরার রতের মব্যে বেটা ইচ্ছে বেছে নিদ:

ভাচেরাল, র্যাচেল, গোল্ডেন র্যাচেল, শীচ, নান টাান, ব্রোন্ল, হনি মো ও হোরাইট।

जिनवरुव गाँदिव शांख्या बाद : क्षांत्रे, मावादि । वक् ।

अचन ५ इक्स सत्वाद्यस्य इत्थः भारतव । भारत्वद्र इत्थः भारतव । भारत्वद्र इत्थः भारतव स्थारता द्रामनीत्र करत्व सूद्यस्य ।



পশুস ফেস প্রাউডার - বেশীর ভাব মেরেরই মুরা কেম পর্টেরারের ফেরে এটা বেশী পরব

शिषद्धा-१७ म-रेन्क (मीविष शांत बारविक) शुक्रवादि मन्त्रिक

শান্তিনিকেতনে কবি অমিয় চক্রবর্তীর সঙ্গে কিছ্ফুশ্

भ्वानन्द हर्ष्ट्राभाशात्र

ইংশ দ্বারণ স্কালে শালিভনিকেতন-ব্যুক্তিন্ত্ৰ STEETER লিক্ষেত্রন বাধিকীর জন্যুষ্ঠান শেষে দেখা লাল আছিল চক্ষাত**ির সংখ্য**া ক্রান্থ কলকলন প্রিভিড আশ্রমবাসীর সংগ্র আলাপতত তিনি। প্রান খদনবের প্রাক্রায়া, প্রাত-গ্রাহ করতে মাণ্ডিনিকেতনের লৈতিক উত্তরীয়। তেতিন অন্তর্গতের আর रकों है के फेलकीय भारत करतनीन-अधक প্রাসী কবি এখনও শাণিভবিকেত্নের উচ্চেবের সাজাটি ভালে যান্ত্রি! প্রণায় করে উঠে প্রতেই বল্লেন —"ভোমাকে আমার প্রয়েজন। ধরবের কাগ্রন্থের সন্দের যোগ আছে তেমার—কিছা খবর দেব তেমেকে। বাজিক একে আনি হ'ব।" সামান্ত তা**লি** হল্ল। বাইকো কাবল-এই পাণ্ডিক ভাষ সাহ্যয়' পাওয়াটা লোভনীয় মনে হল আমার CITE 1

শানিতনিকেতন থেকে যে-পথ গেছে গোৱালপাড়া লাম ছাড়িয়ে কোপাট নদীর দিকে—ভার্ট বা পালে উত্রায়ণ আত ভান পালে বাস্যাবেশ্যেজন কবি অমিয় চকুবভী^{*}। বড়ির নাম রাসাকা। সাপরিভাল বাডি— ম্সফিড ব্রেন। সেখনে পেছিতেই হাসিয়াৰে অভাথনা জানালেন কবির বিদেশিনী **প্র**ী—রবীন্দ্রাথ যাঁর না**ম রে**রেখ-ছিলেন—হৈমণতী দেবী। তিনি তথন বাগন-পরিচয়বি কাজে বাস্ত। জানালেন কিছ,ক্ষণের মধোই ডঃ চরবতী উত্তরায়ণ থেকে ফিরে আস্বেম—অপেক্ষা খনরেয়ে করলেন। বসার ঘরে নিয়ে যেতে বৈতে বললেন—"আল্ অপ্রেমে ব্লরোপণ হবে–বাড়িতেও অমি সেই বৃক্ষরোপণই করছি। প্রতিটি দেবদারের চারা হেরাপদ ^{কর্}রো আজ।" শংশিতনিকেতনী-শিলপ-বীতিতে সাজানে বসার খনে অপেকা ^{কর}ছি এমন সমরে হণ্ডদণ্ড হয়ে **য**ুৱে ⁰,कालम कवि । तमीत इत्याच कारमा मुख्य धेकांग करत शैकिटहशास्त्र श्रीगरंश मिरनान নিছেকে। বিষয়েদর সংরে থেমে থেমে বললেন—"উত্তর রণ খারে একাম। গাত ডিসেমবরেও প্রতিমা দেবতিক দেখে গেছি।

अवस्त भारत इस फेस्स्यूष्ट्रण दिन काका दाउँ। ওখানকার সব আলো নিবে গেছে। প্রাণহীন হয়ে আছে ব্যক্তিগ্রেলা। আমার জীবনের আনকগঢ়াল সভবের সংগ্যে উত্তরারণের যোগ। তাই মনে হয় উত্তরারণকে শধ্যে পর্যাতর भिक्षत करन वाश्राल हमार्य मा। वाष्ट्रिकामिएड ত্যিস বসানোও শোভন ন্যঃ সমুদ্দ উত্তরায়ণকে ক্রিয়ালীল প্রাণচণ্ডল কেন্দ্র করে তল্পে সবচেরে ভালো হর। পারিবারিক স্মৃতিটিছ সেখানে থাকবে ঠিকই—কিন্ত সেখানে যেন প্রধের স্পাদন অনাভব করা হায়। যদি প্রাণানো-গবেষণা ইত্যাদি काल रमधान हाल-कात-व्यवानक-शानवाकन দল সেখানে যতি ভিড করে থাকেন—ভক্তে উত্তবায়ণ আবাৰ প্ৰাণবৃদ্ভ সঞ্জীৰ হয়ে "। इच्छे

একটানা কথা বলার পর থামলেন কবি। জানি—শ্রীচক্রবতীরি কাছে আমার মতে। रकारकर किए, क्याद बारक जा। जिलिकी শাধা কথা বলেন আমাদের তৈয় ভবি কাছে নির্ভাৱ থাকতে হয়। এর আগেও দেখেঁ। কথা বলকে ভার ক্লান্ডি নেই—ল্লোডা থাকলেট হল। অসংখ্য বিচিত্র বিৰয়ে ভবি ভাবনা ভিনি প্রকাশ করেন এমন ভাষার ও ভালাত-বা আয়ার করে দশন ও কবিতার সমুদ্দত মানে হয়। নানা বিষয়ের অবস্তারণা করেন তিরি-সে আলোচনার জাল্পী-শতব্যবিকী পাটেতরনাক লাখার কিং. বুশ্বদেব বস্ত থেকে শরে করে আরব-ইক্রায়েল হাসংগ পর্যাত ওঠে। আমরা জানি তিনি পরে-পশ্চিমের মিলন ঘটিরে-ছেন তাঁর জীবনে। এই দটে মহাবেশের 'পর্থ পথে বিসময়কর চলমান পথিক' निकेटेबाक व ভিনি। বছ'মানে ইউনিক্সবসিটি 400 অব্যাপনা করেন। মাস সেন্ডেকের জনো এসেকেন ভারতবর্বে। পাতিয়ালার পান জাবি বিশ্ববিদ্যালয়ে এখন তিনি তলনাম্লক ধর্মতিত্তের উপরে বক্ততা দেবেন। ভাছার অল্যামী ৪ সেপটেমৰত খেকে সেখানে গৰে নানকের প্রথম জন্ম-শতবাধিকী উৎস্থ উপলক্ষেত্ৰ আলোচনা-চৰু বসৰে ভাগে বোগ দেবার জন্যে শ্রীচরবারী আমনিরস্ক इदिस्कृत ।

এ-সব কথার ফাঁকে কাগছের জনো বে-খবর দেবেন কর্লাছলেন দে-সম্বধে জনতে চাইলাম। উত্তরে বললেন,—'এবার দেবে

গান্ধী শতাব্দী প্রকাশন

স্বাসাধারণের উপযোগী সরল ভাষার গাল্লী-ভাষধারার পরিবেশ্ব

গাদ্ধী-কথা (জীবনী-কাবং): গ্রীপ্রভাতমোহন বদেয়পাধ্যায়	5.00
আর্থিক সমতা : শ্রীভবানীপ্রসাদ চট্টোপাধ্যায়	0.40
অম্প্রতা বর্জন : শ্রীনিশিকান্ত মজ্মদার	0.40
भन्नीम्बाम्बा : श्रीकानारेनान मङ	0.40
নারী-উন্নয়ন : শ্রীষোগেশচন্দ্র বাগল	0.60
জাতির জনক গাশ্বীজি (জীবনী) : শ্রীরঘ্নাথ মাইতি	2.00
সভাগ্রেছের কথা : শ্রীশৈলেশকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়	0.60
কুঠনেৰা ঃ ডাঃ পাৰ্বতীচরণ সেন	0.40
সাম্প্রদায়িক সমস্যা ও গাম্বাজি : অধ্যাপক রেলাউল করিম	0.60
গাৰ্থী-ৰাণী ঃ শ্ৰীমনকুমার সেন সম্পাদিত	0.60

बहै नर्नात्व कांत्र यह श्रकारनंत्र करनकांत्र

পশ্চিমৰক গাছী-শতৰাখিকী সমিতি, বহাজাত সংশ, ১৬৬ চিত্তরজন আহিচনিত, কলিকাজ-ৰ ফোন: ৩৪-০২০২ रकतात अरथ मरूका चारत धकाम। जिला-ছিলাম টলস্টারের বাস্তবন ও কৃষি ভবন ইয়,সনায়া পলিয়ানায়। টলস্টয়-সংগ্রহশালার काराक अन भाकिन गहर हाती । जनक প্রেমিকের ক্মতিবিক্ষািডত ঘর-বাড়ি, প্রকর বাগান, খামারবাডি—সব কিছুই তল তল করে আমাকে দেখাবেন। डेबाजनाक পলিয়ানত থেকে বিদায় নেবার আগে অধ্যক্ষ नाजित देशन्देश्वर वागात एएक अकवि कार्ष करनत हाता डेलशाब मिरनेन आशास्त्र। काम, रहाथ करालन के ठाता यार आधि मिलीएक মহাস্থাক্ষীর ক্মাভিপ্ত রাজ্যাটে রোপণ করি। ভাইলে তিনি ধনা কে। করবেন। विकारिक स्मारमञ्जू वाक्याकि विद्वारिक विद्वारी कर्ष्य वाजना कामि भूग करतीह। त.ग-ভারত সম্পর্ক নিরে জনেক খবরই ভো সাগলে বেরর। যে-রুশ মনীবীর প্রতি আমাদের মহাজাজির ছিল অপরিসীম শ্রণ্যা —ভারই স্মৃতিপুত বাগানের চারা রোণিত ছয়েছে মহাজাজী'র স্মাধিউদানে-এ-খবরটাও দেশের কোত্রের জানা দর্ক'র ^৮ বুল-ভারতের আত্মিক মিলন ঘটেছিল এই # ই তপদ্বীর জীবনে। টল্লট্র-সংগ্রহণ সাধ দেখে এসেছি ১৯০৪ সালে মহাত্মাজী ব বে-র্জনা টলস্ট্র সাগ্রহে পড়েছিলেন তা সেখানে সমানরে স্রক্তি।

মহান্তাকী-প্রসপো , আরেকটি খবর তুমি দিতে পারো। টলস্টর-সংগ্রহশালার অধ্যক্ষ প্রিক্তা আমাকে অনুরোধ করেছেন শত-ছার্মিকী বছরে উলস্টরের ঐ ইয়াসনারা পালরানার গাহধীক্ষী সদপ্রেক একটি প্রদর্শনী আয়োজন সম্ভব কি না জানাতে। ছবি এই প্রস্তাব সম্পর্কে দিল্লীতে প্রধাননার কাছে আমি বলেছি। এবিষয়ে তবি তো খ্রই উৎসাহ দেখলাম। ইন্দিরা বলেছেন—তার পক্ষে বা করা সম্ভব ছা করবেন।"

শ্বরের কাগজের সংবাদ প্রসাগটো শেষ হলে জানতে চাইলাফ এবার রাণিয়া-ক্রমণে ভার কাছে সবচেরে বৈশিদ্যাপ্শি কি মনে হরেছে। একটা থেমে বলালেন—"এই নিয়ে পাঁচবার আমার রাশিয়া-ক্রমণ হল। প্রথা-বার গেছি গা্রুদেবের সকো। তার মতোই

किंत्रिकाल ब्रोनिक्षिण्डेब



२४६ होका नाहा । भाषा को कि नाहा । भाषा भाषा के कि नाहा । श्राप्त । असे का का का का रुपारिका हो सी स्टिपी

মাসিক ১০ টালা গৈশিততে কিননে। প্রতি স্থায়ে ও শহার পালান বার। লিখনে।

Impex India (WD) Keflash Nagar, PB 1945 Delbi-6 হালিয়া-ভাগে আমার কালে তীর্থ-ভাগে তলা ज्ञारमञ् रति । भिकास-स्वारम्था क्रेम्स्र-म ৰাশিয়ানদের আমার ভালো লাগে। তাদের সামাগ্রক ইয়াভিতে চিরকালই বিক্ষয়বোধ করেছি। এবারেও মঞ্ছ হয়েছি তাদের সোজনো আন্তবিকভার ও সহাদরভার। তবে একটা ব্যালাবে সেভিয়েট-দুবলিতা প্রকট হারে উঠেছে আমার কাছে। এবারে শৃংধ টলস্টরের বাসভবন দেখে আসিনি- মহানা शकी भारत्वत्रतारकद वाहित रात्य करनिक। নোবেল প্রেক্ত বিজয়ী সাহিতিকের অবহেলিত বাভিত্র জীপদিশা দেখে বেদনা সেভিরেট সরকর অন্তৰ করেছি। প্রস্তর্নাকের বাসভবনটিকে বাহিরে রাখার চেন্টা করলে খাদি হড়াম। অথচ রাশ-জনমণের কাছে পালেতরনাক বে-প্রশা ও ভালে বাসা পান—তার পরিচয়ত এবার পেরেছ। গিরেছিলাম পালেভরনাকের সমাধিতে প্ৰশাষ নিবেদন করতে। ভাবনা ছিল সম্বি প্রাণ্যুৰে অসংখ্যা সম্বাধির মুখ্য হেলাটি পালে⊌রনাকের ভা চিনাবা কি করে। কিন্তু আন্তরের বিষয় সেখানে গ্যিয়ে খেজি করতেই উপস্থিত র শারি সপ্রশ্বভাবে আমাকে চিনিয়ে নিজেন পাছেত্র-নাবের সমাধিবেদী। বজৈ ভালোলাগালো —ভাবলাম, সভিষ্ট—মানাষের প্রতি বিশ্বাস ছারাবার কোনো কারণ ছটে নি।"--

এবার প্রসংগানতবে এলেন কবি। তারী
সামনের টেবিকের ইতসতত বিক্ষিণত কাবাজ
ও চিঠিগতের পালে রারেছে আব্ স্কানী
কাইর্বের 'আয়নিকতা ও র্বীন্দ্রন্থ'—
আর কবি 'স্থানিদ্রাথ দতের কাবাসংগ্র'।
দ্যাটি বই ই মানে হল নতুন পাওবা।
জানালেন অইহাবের বইটি তিনি গুলাও
সংশ্রা পড়ে উঠতে পারেন নি—তার আনা
ভবিষ্তে বইটি স্নবন্ধে একটি স্যালে না
বেশার ইছা তার আছে। বলালেন—
'আনাত সংজ্ঞা, আমারিক ও বৈদাংগ্য
অধিকারী অইহাব সাহেব আমার আগ্র

স্থীদ্যাথ দতেব কাবাসংগ্রেখনো হা ত তুলে নিকে প্রীন্তকবর্তী প্রথমের বর্তির স্থান শ্যার উচ্চাসিত প্রশাসা কাবলেন। বাংলা বইরের এনন স্বাদর প্রচ্ছেদ, বাঁধাই ও মানুলা তিনি নাকি বেশি চেখেন নি। তারপার স্থানিদ্রাথের স্মৃতি সপ্রাথ চিত্তে স্মরণ করে কারেন,—'বৈদাসিতক পিতার পশ্চিত ও মানুলা পরে ছিলেন স্থানিবার। অসা পাঁচজন সহারর গঠেকের মত আমিও তার বৈদেশা ও মানীবিতা সব স্থারে অনাভ্র করেছি। অনেকের মতে স্থানিদ্রাথার কবিতা দ্রুহ্—হয়ত তাই। তবে তার কবিতার রসাস্বাদনের জনো পঠেককেও সনিস্টভাবে পরিস্রম্ম করতে হবে। দ্রুহ্ণ এই বে, স্থানিবান্ত্র অভানে তার করিন্টভাবে পরিস্রম্ম করতে হবে। দ্রুহ্ণ এই বে, স্থানিবান্ত্র অভানে, তার বিদ্যার নিকেন, তার

কল্প আমাদের কারে বেশি প্রত্যাশা ভিন্

--সে প্রত্যাশা পূরণ করার, সময় গেলের
কট ?"---

क्यांक क्यांक स्थापतार्थ राम्धामय रामक প্রসংগ ভ্রাদেন : জানতাম ভিনি তা ভর্বন --জামেও বেংখছি বাংলা সাহিত্য প্রসংখ্য আলোচনা উঠলেই ডিনি উচ্চন্ত্ৰের সংখ্ दान्धानय-शामा जारम प्रता करता राम-रमस्यत किस्ति विस्माव कल। आवारत्व वनामन -"वाम्यानववाद्"ह धकान्छ अन् दाशी कात्रि क्षीत शर्मात्रहमा व्यामास्क नवरहरत जाकरे করে। তিনি আমাদের পলসাহিত্যকে আবে সম্ম্ব করতে প্রতেন। তই আপ্রেম हत—हिंस खाइता गनखुठना क्टब्स मा (क्स? ভার স্বংশরেছির দেশ'-এর এখনো ক मधानत रत ? भ्य गारमा तत्र-गुम्धानवः বাবা'ৰ ইংরেজী রচনারও বড়ো ভর অগ্নি হরত অনেকে জানেন না তাঁব ইংবেড়ী 'बथाथ'रे खार्यानक'।

ভবে ভালো লোগোছ এইজনে বে, বাশ্বদেববাবা নাটক রচনার প্রনাসী হাছেন। ভবি শহপদবী এ ভবিলাগী অভি চাল্ডার হারেছে—মাশ্ব হারেছে আমার। এভাবে তিনি বিন মান বারেছে আমার। এভাবে তিনি বিন মান কার্ডার একটা বারু খারেছ ব্যালার বিন বার্ডান নাটাসাহিত। অবশাই উপকৃত হবে বলো আমার ধারণা।"

धरें शास्त्रकृत अस्या क्रींट क्रीयर **চত্রবভারি সামিধ্য প্রের্ছিলার।** ভার মধ্যে টীকারে টাকারে যে-সর আলোচনা হয়েছিল - **छा है किया किया तिस्त्रय क**डनाम। उ আলোচনার রাজনীতির ছেতিয়াও ছিন। ব্যব্যতি লোন আবেব-ইসরাফেলের উল্লেখন। বেডেই জিলেছে—সমান ভূপ প্রক্রেপ হলে মহায়াদ্ধ অনিবার হাড় পাড়াব। প্রনারদারদা করি সোগেদে কারো বলকেন, ভিয়েজনামের মৃদেধ আমেরিবা ^{হা} বার কারছে—তার এক শতাংশও মার মান্তের মাল্লের জনা বাহিত হ'ল-এটা এশিয়াতে কোনা ফলাতো। মনাষের হ^{াত} কবি অমিয়চনের সংগ্রীর শ্রণা, অপ্রিটে ভাজে বসা ভূজগাধ বিশ্বসে। ^{বিশ্}ব-ভাষনাও তবি হারিয়ে স্বান্ন বিধার লেপিক मिटकस्टान वर्षे **अ**-धतानव मान्यत्वत महार्थ পাওয়া আক্রকের বংগে আর সংলভ নয়।

অথচ বিশ্বপথিক এই মান্বসংঘানী তাঁর জাঁবনের ঘট পূর্ণ করেছিলেন গাঁহিনাকেতনেই—বিশ্বভারতীর প্রভার আন্ধাতার জাঁবনের প্রতি পাঁপড়িতে পাঁপড়িতে প্রতিফলিত—প্রতিটি ক্যোঁ ও চিন্দুম প্রতিভাত! রবনিপ্রনাথের আন্ধানে হার প্রতিভারপে বিশ্বভারতীর আন্ধানে ব্যাব করে যিনি প্রথিবীর প্রভাবত প্রবেশ পাঁড় দিরেছেন—তিনি রবন্দ্রনাথেরই অব্ভর্গ ক্রেছ কৰি অমির চলক্ষ্মী।

व्वीम्प्रभागिक अन्दर्भ

স্বোধ প্রোকার্যথ

প্র প্রস্তান্তই দ্বীকার্য হৈ, স্বকা উপভাগের ক্ষেত্রে বল্ডছু সহজাত রাচি ও
সংখাই বিচরকের আসন গ্রহণ করে বাকে।
এই কারণেই একজানার বিচারে বা জনবদা
অপর আরেকজনের বিচারে তা-ই
অপাহের। একজনের পক্ষে বা নিভাগত
সংজ অপর ব্যক্তির পক্ষে ভা-ই প্রকাশক
হলের। সংগীত, উপাজনের ক্ষেত্রের
আন্তর্গ সংগ্রহণ সংগ্রহণ বা নিভাগত
সংলার। সংগীত, উপাজনের ক্ষেত্রের
স্থানার। সংগীত উপাজনের ক্ষেত্রের

त्रवीन्द्र-मश्मीदृष्ट्य होश्य म ষ্ঠীল জাল। ভা ট্ৰপদ্ধি করেছ 7 35 চবিত খাল গুলাখঃ-সংস্থার হাই পারেকা করণের মুক্তই কোন সভেতন চেণ্টা ষ্টিভারকেই পারেন। আর ঘারা ভা পারেন মা তারা কিছাতেই পারেম না, সম্ভবত কোগাও একটা জনতিক্রম্য বাধ্য আছে বা্লাই পারে। না। এই কারখেই, একই আসরে গ্ৰহণাৰ উপনিদ্য নাইছন গ্ৰেডা একই গ্ৰন্থ পৰি হয় প্ৰদেশৰ বিষয়েখী মণ্ডৰা করতে পারেন কে-সম্ভাবনা ব্যতিল করে বেওলা যায় নাং এলিকারে নঞ্চীরের অন্য-সন্ধান অন্যবহাকে। অহাস্থাপ একটি ব্যক্তিন গত জ*হিলা*ভা আমাৰ সমাস্থিভাত্তারেই TOS WIEL

বাপারটা ঘটেছিল আঞ্চ থেকে প্রায় ৩০।৩৫ বছর আরো, এক সংগীরতর আসারে। এক-একজন উচ্চাল্যসংগতি গায়াকর ঘণ্টা-বণপা ভান-বিস্তাধ খানেছিলাম আর মনে ইডিল, আশ্চর্য এনের ধ্রনিকে বলে আনার সাবনা! কেউ কেউ আবার কেশ্ন স্টেরলা কাঠের অধিকারী। এরা হলি এটটা উভেনা প্রকাশ না করে ধীর শাষ্ডভাবে ^{বুক্ত}িশেশীর মত*্রাগের*জিণ্টার কেবল সেই অংশগালিই প্ররোগ করে দেখাতেন খেলালো গটার কথার পাক্ষে স্বৈভিন্ন তবে কী সংবর্ট না হাত! কথাকে তেফ বাদ সিরে ম্রটিকে নিয়ে এমন দলাইমলাই-ই বা করচেন কেন! সারের মতই ঐদবর্য থাক, শ্ব্ৰ সূত্ৰে শ্ৰেই ধৰ্মনার সংগতি ৰৈ তো নর। ভেমনি শ্রাধ্র বাকা যতই বসাম্বাক থেক, আলংকারিক **ভাষ**র তাকে বড়গোর কথার সংগতিত বলা কেন্ডে পারে। এ বারের माध्य भिन्नगरकष्टे एका कन्छेत्रश्मीक वन्तरहा!

অবশা এ বিষয়ে যে মজাণ্ডর থাকতে পারে সৈটা জানা য জিলা। 'প্রশাণ্ড জনে উঠেছে' বিনার মণ্ডবা মাথে মানে কানে আসছিল। সে কথা থাকা একজন গাসক সবে মান গান গোব করেছেন, মাথে কিছ্কেল্ বিরতির পর একজন জনপ্রির শিক্ষপীর গান শোনা বাবে,
সক্ষেত্রই প্রতীক্ষার গারেছেন—সেই প্রকাশ
অধ্যন্তরিকার নারেছেন—সেই প্রকাশ
অধ্যন্তরিকার আগতের বলে শানত সমাহিত্র
কারেছিল গান বহলেন ভার নার্নিটি জানা
হয়নি কিল্তু সেই প্রবাহত গায়কের অপার্বা
কার্নেই কারিছ সংগাঁতিক আন্তর্কা
সাম্পীর্ষারা পার আন্তর্জান সাম্পীর্ষারা পার

মনে হল, বেন গানের দাটি মার পাংকি

থানেই উপন্দিওত প্রোত্তমান্তলী এক সহজ্ব
সৌল্যানার মহিলায় অভিভূত হার পড়লোন।
এনেও অন্তল হল, যেন এতজ্ঞন চোলধারানা ঐদর্য পরিবেশ্টিদ হাসে আজস্থলার উপলিও ছিলাম, সহসা নিমেবের
মাধ্যে ধার্যাল কেন নৈস্থিক সৌল্যানা
লোক উপনি হারছি। একটি মাত তারা
সেনা কার সমসত সংধাকাশ্যক নিঃশেশ্যে
বন্ধ করে থাকে, মান হল, বাবীন্দ্রাংগাতির
প্রভিতি কলা সার্যাল, গমাক স্পর্ধা সেথানা
সংধাকাশ্যে প্রয়াল

প্রে প্রাহের চ্যোত্থ-সার্থে মানুগ ভানজান্তা লক্ষা করে মানুর মানুর নানা কথাই শুস্বানের ছড় ছোগে উঠছিল। ভারছিলাম, পরক-সাধনার বাঙালারি ক্ষান কেয়াই কে লানাই সেমানেই থোক, সে সংগতিকে বাঙাগাঁ কথনত ভারে অন্তরের অন্তর্গারে ক্যান রেরনি যে-সংগতিত কথা ও সারের মালা-বিনামর হস্নি। বাঙালা যুগলা নেবতার উপাসক, সে রাধার সংগ্রে শাম এবং হরের সংগ্রে গোরিতিক মিলিসেছে।

গ্র কেষ হলে নিজের কন্ট্রটেট বাচাই কববার কেমন ইক্তে হল। কাছেই বাল-ছিলেন জনৈক সংস্থা পরিচিত বাজি---উচ্চাপ্যসংগতির অগারক সম্পরার। বাংসাহসে তর করে শোব কিনা তাকেই জিজ্ঞাসা করে কেল্লাম, তাইলে রবীশ্র-সংগতিটা আপনাদের কাছেও ভালাই লাগালা, ক্রী প্রক্রমান

একটা, বিসাদের, অভারত চিচ্নেজনে একটা কুনিঠত কবাল একো, "ভা... অসমানের… রবীন্দ্র সংগীতে তো কাবোরই জন্মন্তরার, মশাই!"

শানে মনটা খ্বই দমে গিয়েছিল। কিব্লু অধ্যোত এই ভোবই সাক্ষ্যা নিলাম, ভিত্ত-র্টিটি লোক্ষা। বিচার ভগ্গির পার্থকাছেতু উত্তরটা অনাদ্শি হবার উপায় ছিল না।

्र खान्नातात् । २५% ७ । । । १२० । । श्रामातात्र वर्षः १७व । विभिन्धे नमादकत স্বতিই কে কবীলাসংগীতের রস্থাতিগাই সংখ্যার অধিক হবেন সেরা্থা আলা করা মাজিবছে হর না। জিলা জিলা র্টির লোক জিলা ভিলা সংগীতের জনারাগী হতে থাকে। তেনান গীতিকারগার সকলেই-কিছা একই লোকিক হতে পারেন না।

शाबि मंड ग्रेन्ट्रड ग्रेन्ट्रड, शर्बी कनन कार्डेट कार्डेट रह-स्थानीय नामग्रील का-स्क कर्ण शास बात्र एरहेशरकाहे व शहरिकांव विक्रिक वाहि स्वामानीक अविवास रकान महामार्थेत कार्य (मेर्डे) अवह क्रीड्रेड डा.स.च-হীন ক্রেরছবিত বাকো ও সারে প্রবিত ওই मुकल शासिक स्य अकारि नवस्त्रा हम साहिक সেক্ষান্ত অনুস্বীকার্য। আর এক ধাপ উঠে এলে দেখি, সংগীত ভিন্ন রূপ পরিয়াই কারছে। হন্যান্ত্যার সালে উচ্চতর ভাব ধ ব্রচির সংক্রিপ্রণ করেই স্পণ্টতর হরে উঠছে। এই ধরনের গানগালি শানে প্রোভার মনে প্রভাবতই এর প অন্তেতি জানে এবেন ভর্ই অভিক্রতা, ভরেই কথা: কেনস গণীতকাৰ ভা সংস্থাত ও সংস্কুত-লাপ প্রশা করেছেন মাত। ফার ভাৰ-জাবিকাবভানত একপ্রকার সাখ অন্তেত হয় তেমনি, অনুধ্য তেমীর গান আছে হা মহানৱ ভাবের সংখ্যা পরিচয় ঘ[া]টার থাকে। কলে ছোডা যা লাভ কারেন তা সূৰ অংশক। উচ্চতৰ অনাভতি। সাহিত্যের পরিভারের তারে স্থাকেন্তর खानक (Transcendental joy) दका তোত পারে। ব্রুট্ননাগর সংগতি সালিতে এই শোষার প্রেণীর গামের স্পৌরেতর আভাবে গুৰে না:

আমি তেমার সংক্রা বে'বেছি আমার প্রাণ সংক্রের বাধরে।

আৰি ভোনাৱে পেক্ৰেছ সভানা সাধনে।
সে-সংখ্যার নিশিয়া যায় বুজুলগণং

সে-সংখনার মিলিরা বার কবির ছণ্ণ, ভূমি কামনা, চোকে রেগেছি ভোমার নাম— রঙীন ছারার আক্ষাননে ৪

তেমার অরুপ ম্ভিকিন–

ফাগোনের আলোকে বসাই জানি। বাদ্যী বাজাই লালভ-বসন্তে,—

স্মার বিগদেশ—

দে নার আভার কাঁগে তব উত্তরী গানের ভানের সে-উন্মাণনৈ।

এ গানের ভাষা ও স্থার মন ও মননকে একট সংগ্যা আকর্ষণ করে। এ গানে তত্ত্ব আছে কিন্তু সে-তত্ত্ব সৌলক্ষ্যর অন্যামনী।

পরেরাগ সাধনা তো নর মৌল্যসিধনই হচ্ছে করির সাধনা। এ বিশেবর সকল সৌল্যুখা কবি তার নাম রূপ পরিচয়ধীন অন্তরতর জনের আভাস পেরে থাকেন,

जन्छदान प्राथाते जातक जान कारता। जातान बाद्य बाद्य क्रमन्त्र छोड बदन वर क्रान्छत শাধ্যার বাস্তবভার আলোক কোথায় ক পথেট কলপনার রঙ্গীন ছায়া মার। উদ্ধাত পানটি এই মূল ভাবটিরই গাতির প। কবি ভাতে বলেকেন ভোষাত সংগা আমাত এ প্ৰাৰ এক গুল্পিতে বাধা পড়ে আছে সে-ৰাধনটি সারের। ভোমাকে গেরেছি এক অজ্ঞানা সাধনার সে-সাধনার সংগ্রে বক্ল-গান্ধ আর কবির ছান্দের কোন অফিল ঘটেনা। তব্ মনে হয়, আমি যেন তে মাকে এক রঙীন ছায়ার আচ্চাদনে রেখেছি। নব বস্তের শোভার মধ্যে তোমার অর্প মুর্তিটি আমি মনে জাগাই। পরিশেষের চিত্রকপটি সতটে অপর্প। সেখানে দেখি কবির বশিত্ত বাজছে ললিতবসম্ভরাগ: কখন সদার দিগতে ভোগে উঠেছে সোনার অলকান। কবির মনে হরেছে, বুঝি ভারই সেই বাশির ভানের প্রতিভাষণে দিগুণ্ডে সোনার আভার কাঁপছে তার 'অন্তর্ভরের' চ্পল উত্তরীয়খানি। কিন্ত পরক্ষণেই নিজের ভুগ শ্বাধরে নিয়ে কবি বলছেনা না তাম আমার কথা ভানও না। 'তুমি জাননা' এই হথা দুটি যেন সমুহত গান্টিকে এক অপাধিব অভিমানের সংধায় পূর্ণ করে ভোলে।

এ এক অতিস্কা অন্ভৃতির জগং।
এখানে তত্ত্ব সৌন্দর্যা একভিত হয়ে
এক অতীন্দির আনন্দমর পরিমান্তল স্থি
করেছে। সভাত শ্রোতা এখানে ন্যাগত।
অথচ আন্দর্যা এই যে কেমন ভ্রম জন্ম,
এয়েন ভার আপন অন্ভৃতির রাজা, এ
রাজ্যের ভিনিই অধনিবর এবং এর সকল
সৌন্দ্রা, সকল বদের তিনিই প্রস্তৃত

আসলে ভ্রোতার এই সক্ষানেভ্রতিটি রবীন্দ্র মানসেরই দান। রবীন্দ্রনাথের কাছ থেকেই উত্তরাধিকারসূত্রে এই প্রশাসিকী আমরা লাভ করেছি। এ উল্লির সমর্থান পাই যথন দেখি, সচরাচর রবীন্দ্রসাহিত্যের অন্রোগীরাই রবীন্দ্রসংগীত থেকে সম্মধিক আনন্দরস আহরণ করে থাকেন।

রচিয়িতাকে রচনা থেকে বিচ্ছির করেও বেসকল গান উপভোগ করা সম্ভব রবীন্দ্র-সংগতি সে-গালোর সংগাত নর! নিশ্চয় করে বলা কঠিন, রবীন্দ্রসংগীতের প্রাতা ঠিক কডক্ষণ একাগ্রমনে গানটিকেই কক্ষা করে চলেন আর কডক্ষণই বা কবির চিন্মর সামিষা অন্ভব করে থাকেন। আফাদের তো মনে হয় এই উভর্লিকরা কথনও পরপর, কথনও বা ম্বাপথ চলাতে থাকে। মনের এই বিমিশ্র অবস্থাকে বর্ণের ব্রারা প্রকাশ করতে গেলে মর্বক-ঠী রঙ্টির কথাই মনে

क्टनरक किकामा करत्र थारकन, वर्वीन्त-

নাথের মৃত থেকজন একাল্ড আখ্যাড ক্রির গান উপজোগ করা সাধারণ শ্রেডাবের পতে কডদরে লক্ষ্মবঃ রবীন্দ্রসংগীয়েকে মাল্ডিডের্চি শিক্ষিত সম্প্রদারের বাল বললে ভুল হবে কি?

व्यामारमत छेखत्वा अहे त्व. त्वीम्ब-मध्योजाक 'करला'मध्योज वांच काम्या করাই ভগ। কপর পান্ধে ক্রবাণের ভাল-नाशा मन्त्रभागः शास्त्रक कर्यारमञ्जूषात ধারে এমন প্রমাণও পওরা বায় না। সংগতি मकलाडे खानवारमन किन्छ मकलाडे अकडे কারণে ভালবাসবেন । গমন হাছি নেই। বেশিরভাগ লোকে সংরের ঘিষ্টভাটকেই আস্বাদন করে থাকেন এবং ভাদের শতক্ষা ৯০ জনই আবাৰ প্ৰথম প্ৰতিৰ গায়ক। প্ৰথম পংক্তির এই অংথে সে, এবা গলেটির প্রথম দাচারটি কথাই মাঝে মাঝে প্রেগাল করে কতকটা নিজ্ञত সারেই গোরে খ্যাকন। নানা দিক থেকে পান্টিক বিচার করে তার সামগ্রিক মলে।য়েনের প্রয়োজন বোধ করে থাকেন অংশ লোকেট। ভথাপ একথা মানবশিকেশর চেষ্ক্রাণারগর্কিটে অভি প্ৰণিত যে-কটী হুমজলানো ঐসধ অবিকৃত হাতেছে আন্মেছতার ভার কোনটীই সারের সমকক নয়।

বাশিওয়ালা বাশিতে একটাক্রে মিন্টি সরে বাজিয়ে রাজপথ দিয়ে চলেছে: গ্রুড লেতার মনোযোগ আকর্ষণ করাই উদ্দেশ্য। কিন্ত কী আশ্চয়ণ বেমনি সুকৃতি কানে उन्म.श.एड डेशकन 5 7721 আকাশে তথম চাদ উঠেছে প্ৰক্ৰ-লয় भाषित पन रस्टाम हरनार्क ्मडे म्हन्य স্রেটি বড়ই মধ্রে বোধ হচ্ছে। কিছা ধে ^{>পত}ৈ করেঁ বলছে, এমন নর। তর শিলার দেনহ উদেশকক। কাকলির ছতুই কী ভার আকর্ষণ , পালিত হরিণ লিক্টি কেমন করে পতিগ্রেগামিনী শকুতলার বস্তু প্রাক্ত ধরে টামছিল স্রেটিও ছেন ভেমনি করে আমার প্রাণমন ধরে টানছে। পড়ে রইল হাতের কাজ ভালে গেলাম আপন পরিবেশ। আমি বে সওদাগরী আগিলের একজন ছা-পোষা কেরাণী মাত এই মিকার प्रकृति गृह्यस्ट विकाल हेना। अक অনিকেশ্যা অপাথিব জগতে আপন করে কত-কী ভেবে কতক্ষণ যে মুরে বেড়াই, **टे**ठिक्नाई थाटक ना।

এমন কেন হর? উত্তরটা কঠিন নর।
চুন্বক বেমন আরতে পাওরা মাচাই লোহথণ্ডকে আকরণ করে থাকে সৌন্দর্যা ছেমন
ব্যক্তির অবভারণা মাচা না করেই স্মুন্থ
করে এও ঠিক ভাই।

কিন্তু প্রচলিত ভাষার বাদের ওচ্ছাদ বলা হয় ভারা বোধ হয় এ নিয়ন্ত্রের বাতিক্রম। কারণ স্বারের সম্ভোহিনী মান্ত ভারা ধেন অভটা কাব্য হয়ে প্রেম না। প্রশাসিই ভারের সংগতিসাধনার গ্রনা সংগতিধ এবং প্রভানিতেই তারা মুখ্ হলৈ থাকেন। সংগতিক যে এরও চার মহন্তর উদ্দেশ্য খালা উচিত একথা তারা বেন ব্রতে প্রদৃত্ত নন। এদের সংগতিমন্ত্রাকী না বলা সংগতিসক বলনে ভুলা পরিচর দেওয়া হয় কিনা ভারিন।

রাণাবিশেষ বাবহুত সুরগ্রিস দিয়ে হেরফের করার খেলার মধ্যে আছে এর वतालक जानका जात त्महे माराहे जात बाब क-टेक्कीफाश्यात्मा रम्थावाक क्षेत्रक्रमाभावा সংযোগ। কাজেই রাগটীকে থানিছত আছতে দ্মেডে কমিরে বাড়িরে এরা এমন স্ব का फ कतरू शास्त्रम यात करत था। আবেদন সাকাদের মেয়ে খেলোয়াডের চাইতে অধিক রমণীর মনে হয় না। খিলে। সন্মতিহানি, শ্রুপাকৃতি স্বর সম্পিট্র ছত্ত-ছডির মধোই এই জাতীয় সংগতির স্বা উৎকর্ষ প্রীকৃত। রবীপ্রনার্থর লাভ সংগীতের এরা স্থাপতি নন। বালি রটা ইণ্ট চনেস্রফি আর বিভিন্ন অকারের পাথরকচিই এদের কণ্ঠ-কামান পাক সগৰ্জনে উপাৰি হ'ল থাকে:

এদের মধ্যে भाकित्यस एवं ककर সাগায়ক আছেন তারা হৈতাকালে প্রয়োগ। ভাষের সংগতিত সংখ্যা ও প্রিমিতি কোন প্রয়াস স্পশ্তই লক্ষা করা হার। বস্তত, সহজ্ঞাত শিক্ষাবোধগাণেট ভারা উত্তে গিরেছেন। কিন্ত সাধারণত ওচ্ভাদী গান মাধ্যে বিশেষীন এমন কি বির্ভিক্ত। অনৈক আন্তার্থকিকপ সংগতি সন্তালন क मन्दरम्थ मरथमः। छेडि छेकादन कातरहरून সতা বলতে কি ওচ্ছাদলণ 'লা' বাতর একটি মাত্র রূপই দ্বীকার করেন সে রূপটি অস্মাণিকা রূপ। অথচ স্মিতি সাথক প্ররোগ জ্ঞাপকতা, সূবিহিত স্থাণিত অংশং একটি সৌশ্বয়ময় পরিবাম এ গুলোই বল মহৎ শিকেশর অন্তেম আবশ্যিক লক্ষণ। কৈ, সাহিত্যের বেলাতে তো পাঠকগণ এঘন সাবি করে বসেন না যে, লেখককে ভার গোটা উপকরণ ভান্ডারটি খালে, ছড়িয়ে দেখাতে रहर । विभि व**स्ताहक সহरखंडे अन्न**स्त अवः স্করভাবে সহজ করে তুল্ভে পারেন তাকেই বলা হয় প্রকৃত বাক্সিল্পী। সূর-শিক্সীর কাছে প্রোতাদের দাবিটা বিশ্রীত কিছা ইবে তেমন মনে করা যাভিযাত হয়

বন্দ্রসংগীতের সংশ্য আমাদের ভাষাহীন পরিচরটা অগভাা আমরা ন্বীকাল করেই নির্বোছ। কিন্তু কণ্ঠসংগীতকে তো বাজ্মরী বলেই জানি। ভার কাছ থেকে এমন কিছু প্রত্যাদা করি যা আভাস কিন্বা অনুমান ন্বারা বাণ্ডভ নর। সংগীত বলতে শ্ধু সুরুই বোঝাল এবং কথার মূল্য দেওয়া ভার পক্ষে মহাসাছানিকর একবা নেনে নিজে 'কণ্ঠসংগীত' কথাটার তাৎপর্য ংশুজ পাওয়া শক্ত হয়। অথচ কথার প্রতি ংশশ্তা প্রকাশ যেন ওস্তাদী সংগীতের ্বিস্ত লক্ষণ।

এস্ডাদী সংগীতের প্রবন্ধাগণ এ সব ক্রণার জ্বাবে সাধারণত তারার সূর্গ**্রিল**ই সাবহার করে থাকেন। সংক্রেপে **ভাদের** _{সক্রাণী} কতক্টা এই রক্ম **ঃ উচ্চ**ন্সা সংগীতে রাগস্বর**ুপই প্রকাশ্য। কথাকে** গুগার করে না বেডা**লেও উচ্চেন্স সংগীতে**ক _{শিবির শিবিছ লাত} হয় না। বেচেত পতিতি রাগেরই একটা নিজস্ব অভিবাদি ্রেছে, কথাকে গান্তে **প**ণ্ডে তার হরে ত্রলাত করবার প্রয়োজন নেই। **আ**খিতে ধরবার জনা লভাকে যেমন একটা কাতির হতে বে'ধে দিতে হয়, ভেমনি একটা ত্যুল ত্রুমন কথাকে সারের সপো ভাডে *লান্ডা বোমনা করে* েরহাট সংগ্রন্থী। কার্যনার পরেগালেশ **প্রজ্**ল করে দেয়া, নগ্রিক্তার ও তেম্মান্ডাবে ক্যাকে ছাপিয়ে কৈদ্ৰতে ভুম্ম তি সংখ্যাপ ক্ষেত্ৰ

বাংগারতা অ্বট সংবোধা নয়। কিন্তু এ বিষয়ে অনালের চিন্তাটাই কিছু ছিল্ডির রাগনিক্ষালের নিন্দুটি রেগ্রাচিত্রটি রগ্রাচা নিজেই তেন এগদে নিয়েছেল। বেংনোন সিংকারের সংগ্রাহ গানের এরে কর্মে ডুলিনাটি নির্গিত্ত বিচার সহকারে বারহার কর্মের রগন্পত্তী নত্তি বেনায় সাভাই হর্মের রবার সংভাবন স্থাকে।

হলপ্র, লগাল**েপ্রের** লিল্লেন জড়িছ-र्माक्ट व्यन्तदाको स्वयामास्य राज्यस्य स्था পরিচেটে সে হিছার অন্ভার্গত তের ছলট দ্বাভালিক। সংস্কারণতে অন্তরের ^{ভংশ}ত তাতে যথেওঁত বিদ্যালয়। **যো**টকণা, রগেহিশেসের ভিত্তমর অভিনারি ক্ষরতী নিজিং ছায়াল্ড ৷ ভার উপরে ভাষার ^{শু}োনিক সম্পাত না ঘটনো <u>কেলে</u>না টালে কোন সংগারক্ষাট ভাকার্তিই ভার দ্যালন ২০৬ পারে নাম এ বিষয়ে রব**ী•েসংগ**ীত তা স্থাস্থান ীয় 4.77 প্রসালগাল বিশিষ্ট ভাষা সার্রটিকে শ্রে ছার্ডাই করে না, ভার উপরে একটি ংশাগ্রন্ত ব্যাসায়ে দেয়।

এ কথার অর্থ অবস্থাই এই নর সে,
সংগতিত কথাই মুখা। আর সুরুর গোণা
শানিক স্থাইত সুরের না-ইরা অকলো,
অর্নারক ভার অর্নান অন্যা সুল্ছা
স্কেলিরের প্রাথম্যাধনীয় বলেই চাঁন নিজেও
স্কেলির হরেছে আর ন্যাকিলো, মেঘলোকে,
শার্কল বুলোর মালার মালার ন্যাথ্যান্থ ভার স্বাধন্যাধনীয় বলার ব্যাধ্যার স্বাধন্যাই
ভার স্বাধন্যাধন কোলেছে, বুলে সেঘটোই
ভার স্বাধন্যাধন কোলেছে, বুলে সেঘটোই
ভারা স্বাধন্যাধন কোলেছে।

্রজনির করে ভাষাধনীয় সন্ত্রন্ত বচনকে জনিবচিনীয় করে ভোগো। সার বড় কি কথা বড় এ নিয়ে শা্ধা সোখান বিতকট চলতে পারে। বাস্তবিক উচ্চরেই স্ব স্ব ক্ষেতে অপ্রতিস্বন্দ্রী। সংগাতৈর এ দ্টৌ উপাদান পরস্পর পরি-পরেক। রবীন্দ্রসংগীতে কথা ও সারে পরস্পরের ঐশ্বর্ষে অন্সাত্ত বলে সংগীত সেখানে পা্ণশ্রী নিয়ে বিরাজিত।

कथा ७ म स्वत व्यामर्ग-नाम्भ छारकहे সংগতি বলা সংগত সাব যদি প্রলা শ্চীর মত কেবলই একতর্ফা হাক্য চালাতে থাকে আর কথা নিরপোয় বেচারী ম্বামীর মত পদে পদে হানিতা স্বীকার করে তাই ভামিল করে বায় তবে সে-মিলনে কোন প্ৰক্ৰেই গোৱৰ বাডে না। কথা যদি কোন মাজাবান কথা বলে থাকে তাবে সারের উচিত নিপ্ৰো গ্ৰীণীর মতই স্ব্পুষ্টে এবং দ্বল্পত্ম উপ্ররুগে তাকে স্থাদর্ভ্য রূপে রূপায়িত করা। তেমনি সার *থবি* কোন মহৎ সৌন্দর্য প্রকাশের প্রেরণা এনভেব করে তবে সে-সাযোগ প্রভঃপ্রবার হয়েট দেয়া কশ্তত এই কারণেই দক্ষ গ্রীতিকারগণ গানের এখানে-ওখনে কিছু কিছা অবকাশ রেখে দেন: সার সেই শ্লোস্থানগ্রিক আপন স্কেমায় পূর্ণে করে তেলে ৷ বলা বাহালে, কথাও ফে-গোটাবের ज्ञानित गत भारत।

তান কন্তবিবেকই যাঁৱা সংগতিত ব সারবন্ধু বলে মান করে থাকেন তাঁরা বোধ কাঁব ভূলে সান যে, প্রাচীন আচার্যাদের সংগতি চিন্তায় ভানকন্তবির ভূমিনা ছিল অপ্রধান। কিন্তু সেই অপ্রধানকেই একনিন সর্বাপ্রধানরূপে কোম গোল-বর্ষানর গ্রেক গোজাঁই হরে উঠকোন সংগতি মানক গোজাঁই হরে উঠকোন সংগতি মানক। কলে সে-সংগতির বেহে মান মানকালিভার কোন চিন্সই তার বইলো না এভাসলান্ধ অসংকারের ভার তার স্বাণ্যি গেশে বসলো। মেনক্তিবকেই তার স্বান্থ লক্ষণ বলে ভূম করা হক্ষে। মানে ভার মানিলার কাঠানোই আজ অন্থানের বিষয় হরে মান্তিবেডে।

আছে পদানত মানসিক বিকাশ ও ব সামানটি হতেছো। গালের এক-অন্ট কথানে টেনে নিয়ে কথনত কথনত লে তার সংগ্রা নিজের প্রাচের রসকে লেখাতে চেন্টা করে থাকে বটে কিন্তু প্রকৃত প্রস্তাতে সভন্মগতিকভাবে কঠেজীড়া প্রস্থান করা ছাড়া সে আর নিজ্যুই নর। ইংনি গাইছো মাচই বিশেষ নিশেষ রাগের উপর যেসব কাজ দেখিরে থাকেন সেগ্রেলা বহাস্তাত। শ্রাকিপথত পাথাক্য তার সামানাই থাকে।

বে-শ্রেণীর রচনা ওপ্তালী গানের পঞ্চে নিশেষ উপবোগী তার নম্না তো এই :— সাথ! পঞ্চের কটিতে আমার আঁচল যে বিধে চিকেছে। কিছ্যুতেই তা ছাড়াতে পাছিলা, এখন উপার কী করি? আনার প্রাণ যে তার সপ্রো মিলিত হবার জন। বড়ই বা:কুল হয়েছে।

'ব্যাকুল হয়েছে' এ দুটা কথা নিরে
ওস্তাদ গারক যথন একট্- গ্রান্ট দুরে
থেলাতে থাকেন ওখন চত্দিক থেকে
সমকদারগণ সমস্বরে 'আহা আহা' করে
ওঠেন। রবীন্দ্রসংগাতের মুগ্ধ শ্রোতাদের
কিন্তু বাহবা দিতে দেখা ধারা না। গান
শ্বনে তারা যেন আপন মনের মধ্যেই তলিরে
ধারা।

কোন কোন সমালোচকের মতে বুরুর্তার শিল্পকেরে কোলানিনার নিদশনি হতে পারে না। ওরি বালন, কেতেও আনন্দলানই হচ্ছে আনের প্রধান প্রধান কালা, কর্তার কালানিক প্রধান কালা। কর্তার কালানিক কালা। কর্তার কালালাকর কালা। ক্রিয়া ক্রিয়া কালা। ক্রিয়া ক্রিয়া কালা। ক্রিয়া ক্রিয়া ক্রিয়া ক্রিয়া কর্তার কালা। ক্রিয়া ক্রেয়া কর্তার কালা। ক্রিয়া ফেলা নিতে আপতি ক্রিয়া না ধালি না অভ্যাসলভা বা নায়ে মহাতিত নৈপ্লাকেই শিলপগত উৎকর্ষা করা ভ্রা করা। করা

অসমধানীর হালও কলাই মিছা নর বা, ওপতাল মহালে মন্ট্রিং সংগীতের সংগীতপ্রবাচাত। স্বীকার লা করাটাই লেওয়াকা। কেট কেট আবার এমন ধারণাও পোসং করেন, সান ইচ্ছান্য সংগতি বাল ভাতিতি সংগীতটি প্রচান ম্যান-ধার্যদের ধান্তব্য সভা, সাত্রাং তাপ্রিব্রান্সিক।

উন্তাপ সংগতিক সনি ভারতীয় সংগতিতা করে কলাত হয় তবে সোকের বি হারে বিলা বাবে বে কারের মান্ত কলাই বলা বাবে বে কারের মান্ত এটা ডারুর জনাই বলা বাবে বে কারের মান্ত এটা ডারুর ডারুর জাই ডারাট ডিয় জিয় কারের মার্লিট সংগতিতার কেরটা সংকলিত। প্রতিটি সংগতিতার কার্লিটা সংকলিত। প্রতিটি সংগতিব রাম জিয় সংগঠিন পরিকল্পনাগত সাংগ্রিভ মুস্পটি। জনসাধার্ণের নিকট বাহ্লিটা মতা হবে না আশা করেই সেট্রুক সংক্ষেপে ব্যার হবে না আশা করেই স্বাট্রুক সংক্ষেপে ব্যার হবে না আশা করেই স্বাট্রুক সংক্ষেপ্ত ব্যার হবে না আশা করেই স্বাট্রুক সংক্ষেপ্ত ব্যার হবে না আশা করেই স্বাট্রুক সংক্ষেপ্ত ব্যার হবে না আশা করেই স্বাট্রুক ব্যার করা যাবের স্বাচ্টিক ব্যার স্বাচ্টিক স্বাচ্টিক ব্যার স্বাচ্টিক ব্যার স্বাচ্চিক স্বাচ্টিক স্বাচ্টিক ব্যার স্বাচ্টিক স্

ঠানের ২ল সেই জাতীয় সংগীত যেখনে রাগ-রাগদার ধেবল শ্রমিনার অংশগ্রনোই পরিবেশন করা হয়, মিষ্টভার মিষ্টার বিতরণ আব কি!

উপপার সংগঠত-কলায় বিশেষ করে দানাদার ভালকেই প্রাবান্য দেওয়া হংসছে। সমুরটিকে অন্তেথময় করে তোলার বেশ সমুরটিকে স্বাধ্যেম

তান ও গানকৈ সমার্থবোধক করে ভোলার কেপজোনা খেয়ালাই বোধ করি ছেয়াল সংগতিতের বৈশিশুটা।

সংগণ, শান্তবস, মাগোনভাগি এবং সাধে।পরি সংহাত সংগঠন পরিকল্পনার জনা প্রশাস্ত প্রেট বলে বিবেশ্চিত। জনেকের মতে, নাভিগত বিভাবে এটি রবন্দ্রি-সংগতিতের সংগাত।

তাতীতের স্থানিতগুলি পরিবর্গন-পুর্বন্ধ তার কল্যাল ও সৌল্পর্য বিধায়ক সূত্রেলাকে বর্তানালের মন্ত্রে ধারণ করার লক্ষ্য রোধ করি সম্প্রতি। সব গতিমান শিক্ষাই এই পথিটি অবলম্পন করে থাকে। সে হিসাবে রবীন্দ্রন্তরে গানগুলিকে প্রগ্রেবীন্দ্রিক সংগতিতর সংস্কৃতর্প বল মেতে পারে। বিবন্তিতির স্থান্ততেও ব্যানেই!

অতি তথ্ন বংসেই কবি হিন্দী টপ্টা থেয়াল এবং বিশেষভাবে গ্রুপদ্যান তেওঁ কিছু সংখ্যক সংগাঁত রচনা করেন। কিন্তু সেইসৰ গানের মধোও রবনিস্তর্সটিই প্রধান ও উপভোগা হয়ে উত্তেহে। তই সকল গানের র্গারণে কবি স্বামি অভির্নিত জন্মারে বিভিন্ন প্রেণাভুক্ত সংগীতের অংশবিশেষই গ্রেণথোগা দনে করেছেন। মাকী অংশ সম্ভবত স্বাম আন্দোর পরি-প্রকী ভংশ সম্ভবত স্বাম আন্দোর পরি-

কবির পরিণত বয়সের সানগটোর **মধ্যে প্রগদের সংখ্য, রাগসংগীতের আ**নেগ এবং বাউলসংগণিতের সহজ মুম্পেনিভিন সাস্থিকরণ অনুভব করা যায় বিশ্ র্বাহ্ম স্মার্গ্রালার বৈশিশ্ট্য কোন করি এই যো সেগালো কস্ত্রী ধ্রেণর গণের মত শ্রোতার চিত্তকে মহাতেই এক উচ্চতর ভারভূমিতে আকরণ করে নেয়া নেউ নেউ হয়ত প্রকা করবেন, 'কোন গাঁণে সে এমন গুণৌ' ই অথাং রব্যান্ত সংরোধ এ ছেন অন্তর সাধারণ গুরেণর তত্ত্বত ব্যাণ্ডের ফ্রিন আলোচ্য বিষয়টাও ভাই। এবং কারণ হিসাবে, পথ্যতে কবির প্রকীয় পরিকংপ্রা অনুযায়ী স্বযোজনার পশাতিটীই উল্লেখ্য। কিন্ত তৎপূর্বে ভেবে দেখা প্রয়োজন.--অন্যান্য সংগীতের পদাৎক অনুসরণ কেন্ট্ বা তার মনঃপতে হয়নি।

উচ্চাত্য-সংগীতের কথাই ধরা যান।
আকারে প্রকারে এটী সমাদ্রগামী জ্বাহ্যকের
তুল্য। ভিল্ল-বিরহ প্রভৃতি মান্য মন্যর
ভাতি পরিচিত কলবংগ্রালতেই তার
যাতার্যাত। তার কভা-কৃতিকে রবীক্ষ

সংগীতের উদ্দেশ্য সাধিত হর না। প্রচলিত সরেমেজনার রাজপথ্টিও বহুদ্রেগামী নর। ববীশুসংগীতের **লক্ষা**শ্ল দর্শন,— অলোহারামর: মনের রহসংখন সকল অনিতে-গলিতে।

ভান-বৈচিত্তে নগীন্দ্রসংগতিত তুলনা নোখান ? এখানে উচ্চত্তনের কান্যের কথার কথার সরে থেজাতে হারছে; কাজানি নিঃসন্দেরে প্রত্য হরতো পাশাপাশিই রয়েছে সুনি বিরোধী শব্দ, শব্দ দৃত্তিক ঘাজার দিয়েছ হারছে সমগ্রের হারতা থাজার দিয়েছ হারছে সমগ্রের হারতা কাজেই এখানে বিশেষ একটি রাগের ধরা বার। গতিবিধি আর স্থীমিত প্রবাদ ক্ষমতার উপর সাস সমরে তরসা রাখা চলে না। স্ক্র্যে কাজের জনা চির্লেশপানিক স্ক্রা ভূমির অর স্ক্রাতর হিসাবে নির্দিধ বর্ণার বানহার করতে হর বর্ণাল্স্যুবের শিক্ষার্য আনুর্গ ব্যক্তিই অনুস্তান চিত্রি

ন্ধীত্যগোষ্ঠি ভাল ব্যিল্ড এই প্রভাগত ধ্যমণার্ডি সভা দ্বা বিশেষ করে ভার উচ্চাল ধ্যমের সামগ্রিক সক্ষ্য করেশ ধ্যমিকার ব্যেক্ত সম্বর্গে করি মধ্যেও স্থাত্যারে সাম্প্রা সম্বর্গে করেছে প্রকাশ ভালের ব্যামনান্তি আর স্থাম ভাত্যার বিশ্বরা রাজকার মধ্যিম প্রাক্ত প্রকাশ বিশ্বরা ব্যামনার্ভি আর স্থাম ভাত্যার বিশ্বরা রাজকার মধ্যিম প্রকাশ করেছ ব্যাম ব্যামর করুত ব্যাম্ভিন স্থাম্প্রাক্তরা ব্যামর র্থান্ট্রারের স্থার্ডিন ব্যাম্ভিন ব্যাম্ভিন ভার্যার স্থার্ডিন ভার্যার

রবীশুনাদের স্থারশৈলী আর তরি স্থান কাজগালির অনুস্থান করছে হরে তরি অনতি সংখ্যক স্থারর অভিনব দিনাসে, একটি দাটি স্থারর আশ্চরা ভাংপর্যাপাল প্রয়োগে, তানোর সংগঠ ও সংখ্যক ব্যবহারে, কাশন্ত হোট একটি মাজি বা গ্রহকে, কাশন্ত বা ভাত্যিত একটি স্থানে

এ থেকে কেউ কো না মনে করে। স আন্ত্রি বলীশ্রদ্ধরের একটি _{বর্গাস্থ} ফেরমারে: স্প^{্রে}বজ্জারের চেন্ট্র: ভ_{্রি} ার জালা কেনা। ব্যাহিত সাক্ষার সৈ কেন নকাম কারকেশে নবীপ্রকানা থেকে ১০০ গার্টী কর শাক্ত জার আলংখারের স্কর্ম সমাতেশ ঘটাতে পারকোই জা বন্দ[্]তকাত হয়ে। উঠলে না। শিক্ষাসকের দের আংশটি স্বাল্ট শিক্ষণীর অবজ্ঞা কল এক ভানন্যধাননীয় প্রবিশ্বনটেই চেণ্ সাধিত হারে থাকে ৷ এই নিমিন্ত সাস্থ ভার নাম দেওর। হয় প্রাভেন্তা। সভার বিশেষকারে পথটি ছেডে দিয়ে ভারত দ এ কথাই বলতে হাবে, সার্নবিদ্যালের ক্ষেত্র जुलीग्राध एकार्डफाव्ड अस्ता ४००० স্তবাং তাৰ ঘলতাতি ছিল্পে ১০ NETHER OF LINE

মিতানত পালেক ব্যৱস্থা সংগঠিনৰ সাধ্ ক্ষাধিক সে-একটি ছান্ত্র স্কেন্তর চাত্র এচ **ଓରି ଆବ୍ୟ ସମୟର** ସେ ଅବଲ୍ଲ ଅନ୍ পারিণত হয়েছিল। তথন ফেল্ডেই ক্রিড ত্ত্ৰবাগ্ৰীৰ ভাষালীয় আৰু ১০০৮ কাল জোলাছে প্ৰি। আল্ডিন কা **पा**उद्योक्त असे भारत शांतक उत्तीन्त र ব্যাদানকৈ ভ্ৰমন্ত হৈ জ্বাল্য না, সংগ্ৰহৰণুম স্ক্রিয়া ভাষাভার্যান্ত্রির প্রাক্ত ভাগের সোচারে স্বাহ্মন্তির সে **প্র**চাঞ্জন **ক্ষেত্** হিত্তীয় ক্ষেত্ৰতে কেন ভ্ৰম্ভান্তৰ ঘটা প্রায় করতে প্রতির। ক্রুডের ভিন্ন তার প্রয়োগ। সেই কারনের ভি স্থারটোলা-ডে•বজার তেকে স্থার্ডর ফরে হর। **প**হালাংগী, ভাষ্টেশ্রীন, জড়িয়েড স্ত্রের সাক্ষার জার ব্রথকেই থিক্ট রণীপুসংগীতে মিজাবে লাং

ন্দীক্ত স্থানগুলি শাক্তরস জ্ব সাবলাল, সংগ্রু অহচ আর্বগ্রুণ জ্ঞাপদভালত জ্ঞুজনীয়া ন্রচারত কর পানের প্রতিটি কথাকেই হাসের মত কর্ম সোকার করে সেগাকো ন্যুঠে উঠেছে আ জ্যাকা করে সেগাকো ন্যুঠে উঠেছে আ জ্যাকা করে সেগাকো ন্যুঠে উঠেছে আ জ্যাকা অভ্যাকের অভি স্ক্র্যুক্তর্যাক্তর তিনি স্থোতার জ্যাক্তর জ্যাক্তর জ্যাক্তর

নিন্দু নিশ্বীত মণ্ডবাত না গোল পর জানা বল করের কারের মতে বলীর সংগাতির সারোধ্য দুর্যজন জানিক ভাগের অকাল সাক্তিটা এই যে, ববীকাল কড় কবি হতে পারেন, তপতান তো না সংগাতির কভ্যানিই বা তিনি জান্তো ফাঠ সাধনাই বা কন্ত স্কুলীপাক করেছিলেন? আমাদের বিশ্বাস স্বাকনার কর্ত্তবা স্থান্ত জান্ত ধার্ণার ব্যধ্বত করেই ভালা জাসব ক্যা বলে থাকেন। ভা লোধ হয় মানা করে থাকেন। মানাবা দোকর আবংশা স্বেভিক্ থিনি হত বর্ণ তে প্রাপ্ত করতে পারেন তিনিই ভাত বড় সনেকার। ধারণাটা কভগানি আছি-ভিত্তিক ভেবে দেখা দরকার।

ক্র্যাক্তাহীন ধুর্নের স্থাপ্রেই স্থেরে লাক: তাই সারের ভাষা বহাসকণেই ভালাল সা**পেক অথ**চ কথা ও স্থারের ত্রকাভান ঘটিও আবেদনই হল গাঁতিরস। স্তান্তরাং গালের **কথার প**রিপ্রেক্তিটেই ज्ञातम हेश्कन -अशक्त বিচ্হা অহাং ভাষার সংখ্যা ভাষাথীন সারের আকৃতির तक्षण श्रीज्ये। कतात्र मृतकारतत् किन्छ।-লীয় বিষয় এবং একমাত কর্তব্য। ভাষা-দিরগেক কাজ বহুতা মার আর বঙাবার সংগ্ৰা সংখ্যকেশ**ে**ন অগংকত ব্যক্য স্মান্তির সাধ্যে ভেকাংটা কোথায়া ?

রবী-স্পেণ্ডের 1975 ও সারের ভিন্ত ডি ডাড্ডর প্রস্তুক্ত আরেল সভেত্র মান মন আন্দা প্রকাশের ক্ষ্যভাগৰ ক্ৰমেই ক্যাগ্ৰাল বেল স্বভাই भात शता एकामा। स्रीय वह भारतह कासीने অবলীলাভমেই বিদ্যা সমানেলাহে তাবং 51-45 OR DE 1

নাজেৰে বিশ্বস্থাতা বৃষ্ণা গেনা কি গেলা মা বহুণিকার ক্রেনিকে আক্রেন্সও করচে।। गाः कानाकाम विकास**क्ष**िक साधानिक ৰাব্যৱ সম্পত্ৰ ভাৱ হৈ কোন সংস্কার ভিজা তেম্বা ক্ষেণ্য প্রথা ব্যাহা । তিবি স্থাসংঘ্যক গ্রাম কার্কোচিত স্থার ক্রমাত প্রতিঃ জালার কাজনিররের লেম ঘটেছে জন্ম। গাড়ের সংখ্যাও বিশন্তর। গাঙানট্র্যাতকাত। বলায়ের মাধ্যাস কবিকে। কংগ্র গাণ্ডে হয়তি। বরং চেডি, সর্বট্ট ছিনি দ্বক্ষি-র**ি**তর ক্রেকিট্রতা **প্র**মাণে সঞ্জাণ

রবল্টিনাথ ছিলেন স্মানের বার্কর। চৈৱৰীতেও তিনি বেহাগের বেকন জাগিয়ে। ভূলতে পারতেন, ভাতে গভার রাচ্য জিল-কংগতি এতটাক অন্যাহ্যাল হ'তবিমাল হ'ত ন।। বস্তভারতের না শহনকৈও তৈরাবন ভর। এ বসস্ত' গানের স্থাপের বেন্দর্যাই যোগো আনাই আমর্ অন্যুভ্য করতে পরি, কোহাও **এতটারু অদশ্য মানে হয় না।** রাগ্রেরণিত ষে পরিবর্তানসাধ্য—অর্থাৎ স্কুরকার তার 'বর্গকাের' আরোপ শ্বারা রাগ্রিস্টের ব্দ-ভাবের যে ব্যথন্ট পরিবর্তন সংধ্য করতে পারেন, রবীন্মনাজ্যে তথাকথিত কাল-নিরোধসান্ট সারগর্মাল তরা প্রত্যক্ষ প্রমাণ।

ব্ৰক্তি-পূৰ্বে বাংলা প্ৰদেৱ স্বেগত বিভাগ ভিল দুইটি.—'**অস্থা**য়ী' (স্থায়ী) আর অশ্তর।। দ্রটির অধিক কলিয়াও গানের বাকী অংশটি সধোরণভঃ অণ্ডরার স্ট্রেই গাওয়া হাত। সন্ধারী নামক বে-অংশটি অধ্যাতম বাংলা গানে প্রচালত হয়ে গিলেহে, প্রকৃতপক্ষে সেটি রবীন্দ্র প্রভাবেরই শাভকল। সংগতিজ্ঞাণ এই অংশটিক পত্রবিদেশন সহর বলে চিহ্নিত করতে পারেনা, বিশ্ব কাৰ্ডতে ও স্বেগত গৈচিচাস্পাবের প্রক্র এই যোজনাটির ছাল। অনুস্বারাধা। স্বায়ি কথাটার তাৎপ্রণ ডিক ভাই কিনা আনহাত বিষয়ে নিঃস্টেপ্ত ন্ট। স্বর্চত বংঘানর সারসাগার (র্গহমাংশাক্ষার দ্রার) রবাণ-সংগতির সঞারা অংশের অপারতা श्रुवीकात करत तकरास्त्र) সভত সংক রিল্**র সংগাঁজখাস্ত** a relieda (MA)

মধাশরও বলেন, 'মতলনীয়া। আমরা ভিতত এতদভেরের একর বাবহারেরই পক্ষণাভী।

ববাণ্ডসংগীতের সারগ্রালর একটি নৈস্থিক সারলা ও প্রবহমানতা সম্ভবতঃ এই কার্পেই ভদ্ভাদ-পণিধ্যণ রবীন্দ্রসংগ্রীতের প্রতি এক ধরণের আন্তাৰ-পরে ভার প্রেরণ করে মারেন। ভালের ধরেগটো কেন এই যে ্রিঞ্চান্ডেন্ত্র

मृश्वारमात्रक्षम स्वाद्यव

দুশক বিষয়েহের পর্যন্তমিশায় ক্ষেম্য রক্তান্ত করিবরী। পি সৰকাৰেৰ

रामाओं बादा है। बादा है এর জন্য সদক্ষরেক্স এবং রাগ্র কভারী নার্টা ই Cres (rugger sir)

বেদ্যটন - এর

পিকিং থেকে বলাছ ১০০০

যে ভিতৰত কমারড মাড সে-**ড়া-ভা**র ভিতাররের গঞ্জাবল সাক্ষাতিক বিভাবের স্থালি ক্রিনী।

বাজা আর टनर

মুক্রীপত্র

রাজনীতির দাবাখেলা

57 (3)

উপেক্ষিত ৰসন্ত P. 5 BA

গাঁতিকার শ্রামল গাড়ের

বাজীরাও সেন

বিহন্ত आला s.co তব, 8.00

आमाशाली दस्यी

সাধাংশারঞ্জন ছোষ

দিৰত ীয় अक्षाय ५.०० রাগবতী 8.00

ভারাশকের বাদ্যাপাধ্যয়

প্রেমেণ্ড নিত্র

মহানগরী

6.00 কাৰের নাম কুমতি 8.00

याम, करती

C-00

জেগে থাকে প্রেম

0.00

উভ্নেশ্যন্ত্র দ্ৰগ' খেলনা

° ৬·০০

অধধ্ত জনাহত আহু,তি

6.00

गौरावदणम भारकुव

কোষ্ণ গান্ধার ৮০০০ সূর্য মহল ৬০০০ উৰসী ৬০০০ লভিন্ম সঙ্গ তৰ ৬০০০ নিশিৰধ্ ৬০০০ চন্দনমালা ৪০০০ দরবারী ৩-৫০ নটিনী ৩-০০ খনে ভাঙার রাভ ৩-০০

ডুলি - কলম ঃ ১, কলেজ রো, কলনাতা–৯

び前柱 : 08-A2A0

সহজ্ঞ ইওয়াটাই জগতে সৰ দোৰ সহজ 'উচ্চাৎগায়ংগাতিতর' লক্ষণগঠিল **্রাজে না পেরে। রবীন্দ্রসংগতিকে কে**উ কেউ লঘসংগতির প্রায়ভর করার হাতি প্রদর্শন করে থাকেন। জগতে গরে, আরোপের একাধিক কারণ বিসম্মান থাকাতে **এ বিষয়ে গারাতর মতভেদ দেখা** দেওয়া আশ্চর্যা নয়। বার রূপ সহজ্ঞ তার রাগায়ণ একান্ত দরেহে ২তে পারে। শিউলি ফালের গঠনও সরল কিব্ছ রাগরাসকের চক্ষাদাটি ওই একরন্তির অকাল পাথারেই দিক হারিয়ে বসে আছে! এমন যে পশ্ম ফুল, তার শিক্সারনে তো প্রস্থাতর কোন সালোরানীর চিহ্ন দেখা যায় । না। ভই তো কয়েকটি রেখার সৌশ্রস্থা কিন্তু ভইট্রের জনাই **এত** ভাষ সমান্ত্র। একবর্ণ হয়েন সে โสโรกา

এমন মৃত প্রচলিত আছে, কাবদংকোর গমেণ্ট নাকি ব্ৰাণ্ডসংগীতকে এছন গণোশ্বিত মলে হয়। অভিত কথা! খণ্ছীন জল যেমন রভীন কাচপাচ্চির রাঙ্থ রভীন নেখার খেল সেইরকল একটা বদ্ভধল্পত ব্যাপার! গালের ক্ষেত্রে কার।।ংশের এডটা মাহাত। কি সভাই লক্ষ্য করা হার। আনাদের কিন্ত বিগরীত অভিজ্ঞতাই আছে। তমন বহুসংখ্যক 'জনপ্রির' গানের কথা আখানের জানা আছে যেগ্ডেন **সম্বদেধ ভাবলে সারে অবম্**তারণ মহিমা **सम्बद्ध्य प्रत्मह शादक** स्त्र । हदीरद्वराद्यत সারগর্মানর সম্বর্জের *হ*নিভাস্যালক উত্তির অসারতা বিনাতকে তংকণাং হাডেত হয়ে যায়, যদি কোন সমেকার যে কোন তক্ট র্বান্ত্রংগাঁতে নিজন্ব স্ত্রেল্ডনা করতে সম্ভাত হয়। সে ক্ষেত্র দেখা যাবে স্ভ⁵ কাবাংখের গোরৰ লাভ করেনি: উটেটা कावाःस्थत लोतवश्रीमत्रहे कात्रम १८१८५। রবীন্দুনাথ কেন **শে ত**াঁর স্যায়ের উপার সামান্তম হস্তক্ষেপ্তে বিপ্রত বোধ করতেন ভার হেডটা তো এই।

কালো কালো মাথে এমন কথা শোনা

গেছে ন্বীশুসংগীতে সংগতি প্রবাচা যদি কিছা থেকে থাকে তবে সে তার এই খান-কতক উচ্চাংগ ধাঁচের গালেই আছে।

সম্ভবতঃ কবির 'মন কানে মনোমোনে। আইল' ছেন্দীর প্রশোজের গানগুলির কণা কারণ করেই এর্শ মুন্তবা করা হয়। এই অপুর্ব গানগুলি আমানেরও একশ্ড তিয় কিন্তু উচ্চাণ্য ধ্রিচর রজেই নায়।

বিশ্বনায়ত্য ববীশ্বয় জিতের ভাষা সন্তর্থ যে অভিন্য এমন মর। কবির কেনা কেনা অবশ্বের আভিন্য করি এমত গামভামিনি মুণা। বিশ্বর সংক্ষৃত শব্দ ও দামিন সমাস্থানী বিশ্বর সংক্ষৃত শব্দ ও দামিন সমাস্থানী করে জাছে, এমন দেশ হাল। সে সব রচনাপাঠে সাহিত্যর সকলে বিশেষ জান্দ হাল করেনা, এ কথাও সভা। কিন্তু সমাসের ঘান করেনা, এ কথাও সভা। কিন্তু সমাসের ঘান করেনা, এ কথাও সভা। কিন্তু সমাসের ঘান করেনার সভাত কারে হাল হাল। করিবার সভাত কারে হাল হাল। এই। এই। এই। বিশ্বনার সভাত করিবার সভাত ও বার্থা হাল। এই। বার্থানী করেনার সভাত করিবার সভাতা ও বার্থানী করেনার হাল। করিবার সভাতার স্ক্রানার স্বান্ধার স্বান্ধ

শারণ সংগ্রার থিনিবরের ফরিক ফরিক বিশেশনের ভোগার সে-রা্থ ভার মালে অবছ চিনেরের ভারার কাছ নিশিনতে বিগ্রান্ত জনগাশিরে ভোগা ভার সেন্দ্রাক্ষার সৌল্যান্ত বর্গালর ভারার সন্তান প্রবার কাছার জারার জনতার সন্তান প্রবার কাছার কাছার তারত কারণ ভার মালে রাজাছ তারত সভালন ভারা সালিক স্বার্থনিকাল ভারা সালিক ব্যাক্ষার ভারা সালিক ব্যাক্ষার ভারা সালিক ব্যাক্ষার ভারার ভারার সালিক ব্যাক্ষার ভারার ভারার সালিক ব্যাক্ষার ভারার ভারার ব্যাক্ষার বিশ্বাক্ষার ব্যাক্ষার ব্যাক্ষার বিশ্বাক্ষার বিশ্বাক

র্বাভিস্ট্রেম্বার কেন্দ্র একটা একদেরে ভাব, সব গালেরই সেন এক স্ট্র—এর বর্গনা একটা কর্না সহলে প্রত্যা একটা কর্না সহলে প্রত্যা কর্না হার্ট পারে, হরত ক্রাভাতে ক্রিছ্মু সভ্য আন্তো কিন্তু সভাই কি ভাই রবীশ্রস্থেরে

বৈশিষ্টাগন্তো এউই ভীক্ষা যে, রবীও স্কু বতো চিনতে বিশেষ বিচার ব্যাপির প্রচারন এই মানিকার ক্রিকারে করেন একলেরে নিয়া যার বিকার সে বিকাস কিংসাংশ্রুত ওক্তরত ভালা।

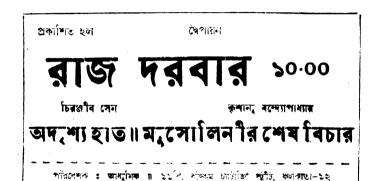
প্রতিভাগন স্থাইনারেরই একটা স্কেট্র প্রকীয় ছবি বা style থাকে। অভিনেতা শিশিরকুলারের ও অবশাই সেটা জিলা তার্ তিলি বে-বেশে, বে-প্রিলনাতেই অন্তর্গর থাতা, তিলি বে শিশিরকুলার ভিল অপর কেউ নাম সে ধণা জানতে গশ্পিকে নাটকের শেষ দৃশ্য পর্যাত অপেকা করতে হত না। এ থেকে বলা চলোনা সে তরি রাজের প্রামনা, মাইকেলের প্রামনা—নিবিশেকে স্ব-গ্রামনা, চাংকের প্রমনা—নিবিশেকে স্ব-গ্রামনা, চাংকের প্রমনা—নিবিশেকে স্ব-গ্রামনা, চাংকের প্রমনা—নিবিশেক স্ব-

এখানে শহাক ল প্রক্রির একটা ছট্ডা ইঠাই মনে উল্লেখন কোনে কাল্ড কোর হল ভার চেলা কবিক বিশ্বস্থাত মনে হল। ভারা, কথানি কিনিক্স স্পান্তন্ত্রী বিভাত হাক্স।

কৈছক উংল **প্রানি**তিন্তা কেছিল ভ সংখ্যে হার ছিলেন। এক ভর্ম গ্রহ প্রথম ব্যাক্তি করার কার্যার জ্বের ভিকর ৰৱ'ছফেনা 'চ'ন ছেছেছ এক্টন কন তক আনিশ্বজারকম ভন্যান্তার ভিন্ন স্থান িটেম্ব কাশকেই বিশ্বাস করচে প্রায়েকত া। শিবতীয়বার প্রক্র করে চেবরেও শংল সেই একই কথা লোলা গোল তাল কিছ**েক্**ণ **তো উভর**রভার মানের নিকেই ভানিরে থাকতে হল। উম্ভট ভায়ারের! ভাকে ভাকি দ্বাংল ব্যক্তিস্থাটিভ ভিন্ত লি**তে হলে, এই**লে ভার রেক্ডা ব্রাই এর না । দুখালোবশভঃ পাসকলাকে কেনি ও কংটাও ধলে নিতে হত্তছিল বে. તૈયી•દેશ,ઽથત શિજીન ભાળ હ મૃત বেওয়া পামগ্রীজ্ঞ হল রবীণ্ডুস্থাটি। িহাঁটা বরং ও বিষয়ে জনানিবান্তর (খ্রীজনানি র্ঘান্ডলার) সাজ্যে কথা ব্যক্ত দেখ্যুত স্থারেন।

ভাষানের দৃষ্ট বিশ্বাস, রবীক্সংগটিতের সঠিক সংজ্ঞা গারক জালারণ সকলেই অবগত আহেন, উক্ত গারক একক বর্গতক্তম মার । কিন্তু তংসাগে এও মলে হয়, রবীধ্যসারের সংখ্যোধনীয়তা স্থান্তধ ভেবে থাকেন এফা কিছ্সোধনাক গারক মিন্ডাই আছেন। নইটো, এই যে একটা অভিযোগ—রবীশুসংগটিত গায়কের শ্বকীয়তা জাকানের স্বাধীনতা শ্বীকার করা হর্তান—এটা তারা ছাড়া জার্ব কেন্ট্র বা করতে শাক্ষোত্র

সাহিতিকাকটের স্বচনার উল্লিডসাধ্যার অধিকার কেন্ট্র রা পাঠকের গাকরে না— এ মন্দ্রে আঞ্চ প্রশৃত কোন দাবি পাঠক সংগ্রাণের তর্মক থেকে উপাশিত থ্যোভে কিলা জালা বার না। সম্ভবতঃ তা করা হক্ষমি।



কারণ পাঠকাণ স্থানেন, একজনের দিনপ্রতির উপর অপরের আত্মপ্রকেশ অবাচিত এবং একাশ্ড অশোডন। এ সম্পরে কোন মতবা না করে শাম্ম এ আত্মাই করবো, উর অভিযোগের অশ্তরালে কতথানি অবিনর আর আত্মশুরিতা বে আত্মগোপন করে আছে একট্ম ভাবলেই অভিযোগকারিগণ নিকেরাই তা সমাক উপলব্ধি করতে

শ্যামা, চিন্নাংগদা, চণ্ডালিকা প্রভৃতি ম্ভামাটাগ্লির স্বরপ্রথম সম্বশ্ধে অন্তি অসম্প্রির : সেগ্লোও এক ধরণের ববীনসংগতি বটে:

ন্তানাটো যদিচ ন্তাকলারই প্রাধানা লাকিত, সংগতিকে বাদ দিলে সে অচল হরে পড়ে। গাঁতিহীন ন্তানাটা সর্বাজন ম্বিলিত বিষয়বস্তু বা ঘটনাবলাতিই সামাৰণ্য থাকতে বাধ্য। ন্যান্ত মোলিক চরিপ্রালর অভিনয় গালের সাহায্য বাতিবেলে, একক ন্তেবে স্থারা কথন্ত সাহ্ব নয়।

উল্লেখ্ড ন্ভানাটাগঢ়াঙ্গার স্ব रमानेम्प्रीते पर्वती भारत विद्याल करता हरना। একটি অবেগভিত্তিক। বেমন ব্যোদনভ্রা उत्प्रश्य कप्यामा आफ्रील वृत्ति आला। ধ্যাপর গালের প্রতাক্ষ আবেদন প্রোভার ংলজে। মাউকৈ বাণিত প্রপ্রাত্তি প্রতি যুরগালি গ্রোভাকে শরোক্ষভাবেই সহান্ত্র-ভূতিশীল করে ভোলে। দুপুণের উপরে পড়ে আলোক যেমন প্রথমে দপগকে এবং গরে—সে-আলোক যার উপরে প্রতিফলিত ইর ডাকেও গোচরীভূত করে থাকে, কতফটা সেইরক্ম। কিন্তু অপরভাগের স্বরগর্নার ভিত্তি গতিশীলভা। নাটোৰ ৰিভিন্ন **जिल्ला काम अहे भवानत जात-**गर्मात्करे मध्यम क्यांट रहा। असन कि, নটকের আখ্যানভাগকৈ, ভারসামারক।পূর্বক **हतम म्हत्य रंगोर्ड स्वात छात्र छहे** শ্রগ্রেলার উপরেই নাম্ত। কবি ন্তান্টো রচনার এই দুরুছ : অংশটিতে সৌক্ষা এনছেন শ্বিষি উপারে। একদিকে স্রাংগে বেলন অভিনর্থমিতা আরোপ করা হরেছে. অনাদিকে তেমনি ন্তাছদেও আনা হয়েছে ভাৰান,বারী খন খন প্রিবর্তন। দটেী নম্পূৰ্ণ ভিন্ন ৰাভীর চরিতের মধ্যে সংলাপ .. সম্ভব করে ভোলার কাজে 'ভালফেরভা' যে ^{কত} নিপ্ৰভাবে প্ৰবৃত্ত হতে পারে রবীন্দ্র-ন্তানাট্য দশকের সে বিষয়ে একটি পরিস্কৃত बाद्रशा सदस्य।

দেশী-বিদেশী স্বচচার অবকাশে জড়ি বালক বরসেই কবি এই শেষেত্র ধরণের স্বল্পিটা প্রেরণা লাভ করেল এবং গরে গাঁডিসটো বাল্যাকি-প্রতিভার সেটি গরীক্ষানেকভাবে প্রয়োগ্য করেন।

স্রহীন গানের সংশে ছিয়পক প্রজাপতির উপমাটি খবেই সাথকি মনে হয়। গানের সংখ্য প্রজাপতির একটি আদাত মিল লক্ষ্য করা বার। ডিবরুপে প্রস্ত হয়ে বথাকালে প্রভোজী শুকে পরিণতি লাভ, ততীৰ অবস্থার স্থীর লালালাভ **७**-पुष्टात्म व्यादम्य शता शतिकत्त् भ भावन এবং পরিশেষে প্রভাক কর্পে কাঁটের মধ্পারী স্রুপ পত্তেগ রুপাণ্ডর প্রাণ্ড –এই হল প্রজাপতির সংক্ষিণ্ড বিবর্তন ইতিহাস। গানের জন্ম-ব্রাণ্ডটাও হ্বছ অনর্প। প্রথমে গীতিকার বে-প্রেরণাটি লাভ করেন সোটি আকারছীন ভ্রেণ্ডল্য। ছাম রচারতার প্র'লব্ধ অভিজ্ঞতার পবি-পোষণে তার একটি প্রাথমিক রূপ জেগে ৰটে। পরবর্তী' স্তরে সে সৌন্দর্যের শাসন स्थान त्यक-निरक्षके नेत्रन करत् रहेश भएना गर्राहेका-संभा। अवः स्मर्टे स्वर्ताहरू सम्बन নিজেই ছিল করে ফেলে বখন সে বেরিয়ে আসে তথ্য সে সুরের পাধামেলা প্রেদ্সতর গানের প্রজাপতি। মোট কথা, প্রজাপতির দৈহের সংখ্য বেমন পাখার, তেমনি গানের কথার সপো সারের একটা কাণ্যাংগী অবিক্রেদ। সম্বন্ধ থাকা বাস্ত্রনীর। ভবেই সে প্রমাবকাশের স্থাভাবিক ধারায় সাথে 🦦 কথায় একটি পূৰ্ণে প্ৰিণত গান হয়ে উঠাছে

বিশ্বত বত্রমান বাণিজ্য ব্রেণ প্রমানজালনীভির জন্মসরণে ভূরি পরিমাণ সংগীত
উংপাদনও সম্ভব হয়েছে। গানের তলা
ভী হনে সে-নির্দোশ দিছেল একজন:
তিনি রেডিও প্রমোজেন অথবা চিচুনিমাণ
প্রতিগানের প্রতিনিধি স্থানীর বে কোন
বাছি হতে পারেন। বে-ন্বিতীর বাছি
লিখে দিছেল, অধ্নাতনকালে পাতিকার'
লব্দতি ভাকেই ব্যক্তির থাকে। মূর নিজেন
অপর এক তৃতীর বাছি। এ হেন ব্যক্তার
ম্কল কভথানি প্রত্যাশা করা বার, সহজেই
জন্মের।

ৰ্ণতজ্জিল গালের কুড়িটীকে স্রকারের ফ্লদানীতে স্থাপন করলে তার বিকাশে কথনও প্রাণবেত হতে পারে না। 'ক্ষাব্রুপে' কেনেই তা বিকৃতির উথেন' উঠতে সক্ষাহ্য না। ধ্ববীপ্রসংগতি সেরপে প্রভ্রেক্তারে তাসিদে করিম উপারে ক্রিটার জোলা ক্রান্য না। এ ক্রাটা ক্ষাবংশ্বার সভেত-সরস ব্লেত মুক্লিত এবং প্রশ্-প্রক্রিটার ।

দরকা ব্রাবে একজন আর পাঁজ খেতে
বস্পীনের স্তো বেরিয়ে আলবে অপর
এক কাজির আঙ্লের চিসের গ্লে, কলা
ক্ষেত্র এথেন প্রমাবভাগের আরা গ্লেক্র কথনো প্রত্যাপা করা বেতে পারে রাও গাঁতিকার ও স্রকার ছবেন এক এবং অভিম বাভি, ভবেই না সম্ভব ছবে ছথে সংগীতস্থি। শিবজেন্দ্রলা, অভুল-প্রসাদ এবং সর্বাপ্র শ্রমণ্য সংগীভকার কাজী নম্মর্ল রচিত গানস্থিকার মধ্যে আশা করি এ উভির জোরালো সম্বাদ্ধ বিস্তবে।

পরিপেবে প্রের্ডি বরণ করেও এই কথাটাই বলতে হবে বে, সংগীভরস হচ্ছে কথা ও স্কের ফিলনরস। বেখানে এর বে কোন একটি একাই আসর রাভ করভে বাস্ত সেখানে, আর বাই হোক, ফিলন ঘটলো করবো না।

ববীদ্দুসংগীতে ধর্নন ও বাণীর বেমিলন ঘটেছে তা প্রকৃত অথেই অপুরু
এবং অতুলনীয়। কম্পুত রবীদুনাথ কথা
ও স্বের এক দুর্ধিগমা মিলন লোকে
উত্তীর্ণ হলেছিলেন, একথা বললে রোধ হল্ন
হতিকথনের অপরাধ ঘটে না।

क्षातरमय निकास स्विका

मशिना

এবার ২০ ববে প্রাপ্ত ক্রাক্তা। মন্ত্র দল টাকার ১ বংসকের **প্রাহিক্য।**

र्मार्गा कार्याणकः

১২০/১, আচাৰ প্ৰকৃষ্ণক বোৰ, কলি-চ ফোন : ৩৫-৩২৫৩

उसार वावाउँ फिल प्रशांख यशाविमावय

(দি ইণ্ডিয়ান এসোসিয়েশন অব মিউজিক কর্তৃক অনুযোগিত)

व्यक्तिताल म्ला, भील उ यह निक्रम स्टब्स

(মসিতেও—স্রীঅজয়কুমার সিংহরায় (দেতাঃ)

३०६. मरमग्रमाथ सार्थ, क्षिकाणा—१४, ६९-०६६०

हा जिल्ला महक्छे

হ দিন আগে পাটাললেপ ছানিকরা कि सक्ता विश्व मावित्र धव'चडे क (र्दाष्ट्रांका । किंग्सी स श्रीकार्यम् अवकारतय श्राटक्षेत्र ध्राचरहेत মীয়াংসা হয়েছে তবং ভারতীর জুট মিল মাজিক আলসাসিয়েশন দ্রামকদের অন্তর্বতী হ ওমায় ব্ধিত মজারি দিতে প্রীকৃত ভাদের ধর্মঘটের অবসান হরেছে। সম্প্রতি कावात हा जिल्ला हाशिकत्मत वर्षाय करतरह । গত ১৮ আগস্ট থেকে পশ্চিমবন্দো ৩০০টি চা-বাগিচার প্রায় দাই লক্ষ্ণ প্রমিক ধর্ম ঘটে যোগ দিয়েছেন। ভারত সরকার যে-সকল ভিক্তে থেকে বেশা পরিমাণে বৈদেশিক মুদ্রা অর্জন করেন তার মধ্যে পাট শিষ্প এবং চা শিকেপর পরেছে সবচেরে ধেশী। চা রুতানি করে ভারত সরকার প্রতি বছর প্রায় ১৮০ কোটি টাকা উপাহল করেন। যে দুখু দুফা দাবির ভিত্তিতে চা শ্রহিকরা ধর্মঘট করেছেন তার মধ্যে আছে মজারি থার প্রেবিন্যাস করার দাবি, চা-বাণিচার প্রাণীর প্রায়িকদের নিরোগ করার দাবি এবং স্বংপ হারে খাদাশসের রেখন ব্যক্তা চালা কর র দর্যব ! শ্রমিকদের আরেকটি দাবি হচ্ছে ভূমি শ্রম অবাপতের (Land-Labour Ratio) পরিবর্তন করা সম্পাক্ত। ১৯৬৬ সালে কাদের নওরাজ কমিটির (Quader Nawaj Committee) স্পারিশ ছিল দালিলিং অপলে প্রতি একর জামতে ০.৮ থেকে ১ জন করে শ্রমিক নিয়োগ করা: তেরাই অঞ্চল এবং ভুয়ার্স অঞ্চলের জন্য এই অনুপাত ধরা হরেছিল ব্যাস্ক্রে



কিহিততে ট্রানজিম্টর

মাসিক ১০ টাকা কিন্তিত্তে পার্নাণ্ট ব্যক্ত বিষ্ণ বিখ্যাও ন্যালনাল - ৭০ ত বাল্ড, অল ওয়াল্ড



বান্ড, অন ওরমাজ গোটে বল ট্রানজিন্টর নিন। প্রত্যেক গ্রাম ও শহরে পাঠান বার। লিখনেঃ

MUSIC & SOUND (D.C.-10) Dassan Street P.B. 1576, Delhi



একর প্রতি ১ থেকে ১:১ জন
প্রমিক এবং ১:১ থেকে ১:৩ জন
প্রমিক। চা-চাগিচার মালিকগণ প্রমিকদের
দাবিপ্রিল মেনে নিতে না চাওয়ার ধর্মবিটের
আহনে ঝানানো হরেছে এবং ধর্মঘট শরের
হরেছে দেশের চারটি প্রধান প্রমিক-সংবের
সম্মানে।

চা শিলেশ আজ যে সংকট দেখা দিরেছে তার কারণ কিবতু শ্রমিক অশানিত নয়। গরং বলা সেতে পারে, সংকটের পরিণতি হংজ্ শ্রমিক অশানিত। কেননা, চা শিল্প ধান তার সংকটের মাল কারণগালি এড়াতে পারত তবে হয়ত শ্রমিকদের অকশা উল্লভ করার পথে অনেক রাধা অপস্ত হত। তাবশা শ্রমিকদের অনেকগালি দাবি চা শিল্পের বর্তমান সংকট থাকা সত্তে মিটিরে ফেলা অসম্ভব নয়। যা হোক, চা শিল্পের সংকটের মাল কারণ অনুস্থানে করা যাব।

চা শিংশের সবচেয়ে বড় সমস্যা হচ্ছে, য়ে হারে উৎপাদন বাডছে, সেই হারে দেশে চারের বাজার সম্প্রসারিত হাছে না। মরিসাস त्रास्त्रकत्व (Mauritius Conference) চারুতানিকারী দেশগুলি কত্টা চা রশ্তানি করতে পারবে তার পরিমাণ বা কোটা শিষর হারে যাওয়ার ভারতের পক্ষে রুতানি বাজার সম্প্রসারণ করা সম্ভব হচ্চে না। আবার চারের উৎপাদন যদিও দ্রতে বেডে যক্তে, দেশের ভিতর চা ক্ররের পরিমাণ ততটা বাডছে না। তার ফলে চায়ের যোগান বেডে যাচেছ এবং রুণ্ডানির ক্ষেত্রে চা-এর উউনিট দান কলে। যতেছে। ১৯৬৭ সালে ম্তানিকৃত চা-এর ইউনিট দাম ছিল কিলো পতি ৮-১০ পয়সা: ১৯৬৮ সালে তা কলে ১.৭০ পরসার দাঁডার: ১৯৬৯ সালে ভা য়েছে কিলো প্রতি ৭-১০ পরসা। যান ্তর আভাশ্তরীণ বাজার সূসংহত এবং রিব্যর্থিত হয়, তবে চা-এর ইউনিট দাম কমে এয়া প্রতিরোধ করা বেডে পারে। বিদ -এর ইউনিউ দাম বাড়ানো সরা, তবে তানির পরিমাণ কিছ. কম হলেও পুলিক মাস্তা অঞ্জনের পরিমাণ তত্তী মবে না। বতমিনে চা শিলেপর বা অবস্থা াড়িরেছে তার থেকে দেখা বার প্রতি বছরের গুনুরারী মাস থেকে জ্বুলাই মাসের ১৫ তারিখ পর্যদত সময়ের ভিত্তিতে ১৯৬৭, ১৯৬৮ এবং ১৯৬৯ সালে বৈনেশিক মন্ত্রা অন্তব্যে পরিমাণ ছিল যথাক্ষে ৬৫-৮৫

टकांग्रे ग्रेका ६५.५० टकांग्रे ग्रेका उत्त en es क्यांचे होना। व्यव्य हा-जर फेश्शामन शक करतक वहत थरत कराई वासक এবং সভো সভো রুজানি বাছার সম্প্রানিত লা হবার দর্ম ও চা-এর ইউনিট দায় কর লাওয়ার দ্বাম সংকটের সাখিট ছয়েছে সেকল চা-বাগিচার মালিকদেরও অস্থাবিধা হছে এবং অপর দিকে শ্রমিক অশান্তিও ১৯৮ বাতকো। এ কোনো সরকারের দায়িত চাঙ্গ এমন এক নীতি জনসেরণ করা যাতে চা-এন क्षेत्रेनिक पात्र (Unit Price) मा काम उस জনসাধারণের মধ্যেও চা-প্রের অভাস সম্প্রমারিত হয়। এ ব্যাপারে Tea Board-এর দারিত্ব হচ্ছে উপযুক্ত প্রচারের মধ্যম চা-এর চাহিদা মাতে বাড়ে সেই বাবস্থা প্রথণ করা। এ কথা সভা, চা-এর বিকল্প পানীকে **জন**প্রিয়তা ক্রেই বাড়ছে। ক্রি-প*ের* **ଜନ୍ମିଥ୍ୟତା ମୟ**ିଥ পুষ্ঠিয়বাজা সংগ্ৰ বেরভেছে। চা-এর জন্মিরভা বছার রংগ্র হালে উংপাদনের মান আরও উরাত করণে 2781

বৈদেশিক মূল স্ত ভিক্ত ভারাবের অভানের ক্ষেত্রে বিদেষ পর্বাঃপ্রিং সেই দিলেশ প্রমিক ক্যানিত কাঞ্চনীয় নম্বা সভ দুভ এই অঞ্চিতর নিশ্পতি হয় ৩৩ই ছাংগুল। সরকারের দিক থেকে প্রতিকলের মঞ্জারি নিয়প্তণ করার নাতি সাধারণভাবে গ্রুটিভ হাজেও সং ক্ষেত্রে এখনও অনুসূত হয়দি। চা-বাগিচার শ্রমিকাগাণ্ঠী অভীতে যাবেদ্ট শোষিত হয়েছে এ কথা অসবীকার করা ধার হয়। এখন একদিকে সেমন শ্রমিক অশাণিতর মলে কারণগালি বার করে বৈদেশিক মালা অজনিকারী এই শিটেশার উংপাদন ও রুতানি অব্যাহত রুখা দরকর. অপর দিকে তেমনি সরকারের দিক থেকে চা-এর দাম গাারাণ্টিকত হওয়া দরকার দেশে চা-এর জ্বাের পরিমাণ বাতে আরও বাড়ে সেজনা ব্যাপক প্রচার কমসিটো গুংগ তর। দরকার।

যদিও চা শিক্ষ বত্মানে সংকটের সম্মাণীন হয়েছে এবং সহিও বহা কেনে আমরা সিংহলের মত ছোট দেশের কংছেও B. 5.37 ষাকি. (273 প্ৰিয়োগিত য চা শিলেশর ভবিষাৎ তমসাবৃত নর। চা-এর **ऐश्शामन कराग्ये व एटह। त्य त्य अमृ**विधा বভাষালে চা শিল্পকে বিব্ৰত করেছে দেগ^{িল} উৎপাদন সম্পাকিত অস্থাবিধা অস্বিধান্তি প্রধানত দাম, আভানতরীশ চাহিদা এবং রুতানি বাজার সম্পর্কিত। र्य-द्यान अमृतिधार मृत कहा मम्छ्य श्र যদি সরকার চা-শিক্স সম্পকে প্ররোজনীয় নীতি গ্রহণে দ্যুতার পরিচয় দিতে পারেন।



কাডোম গোলায়ীতে সম্প্রতি শিক্ষী িতাই বস্তা শ্রীমতী প্রশা রায় দ্রাধ্রো তপুন অধিকারী যজেশ্বর ভানিরা ্দ্র প্রতীপ মাহা তাক যৌথ প্রদর্শনীর बाह्यका कारता। जाएनत मध्या एकडेरे हिक অনুষ্ঠানকভাবে কোনও আটা স্কার ভিক্ত লাভ কাৰে। নি এবং পোশাতেও এ'দের দেউ খিলেগী কর। শিলেগীদের মধ্যে কেউ ইলিন্নিয়াই কেট এখনত বিশ্ববিদ্যালয়ের ল্লান্ত হল শেলীৰ ছালী কেউ বা আবাৰ দৈশ্বক। আগত নিজ্পার্ডার প্রতি এ^চানর দ্বাহন আগ্র আছে, তাই এবা সকলেই নিক্ষী নিখিলেশ লাসেও অধীনে এবং তাঁটে স্টাডিভাত অবসর সমায় শিক্ষবলা-বিরাণিকা করেন। প্রদর্শনীতে এ'দের আঁক মেটে ২৪টি ২চনা দেখা যায়। ছবি-গুলি জল ও তেলারতে আঁকা বিষয়কশ্য স্থারণ, অর্থাং প্রতিকৃতি ও নিস্পাদিশা ত প্রতীক্ষেতিকে :

বলা বহালা, স্ব নিজ্ঞানই লিক্ষাথী-মূল্ড। তার দেখে মনে ধন্ন, প্রচারেক্ষ্ট নিউ, মাছে এবং অবস্বকালে নির্মিতভাবে মিশ্যকা। চুচা করে ধার্কন। স্কল্পট





াপাহাড়ী ল্যান্ডকেপ--২

—নিভাই বস্

অপন আপন চিন্তাধারা অন্যামী ছবি

একিছেন, কারকরনের ছবিতে আধ্নিক
ধারার বৈশিপ্টাও দেখা যার। তা হলেও

অনোকই এখনও প্রাথমিক অক্ষনবিনার
পট্ডলাভ করতে পারেন নি, ফলে করেক
কথলে রঙ বাবহার-বৈভিন্ন নেখা গোলেও

ঠিক রসস্থিতীর পরিচর বোধাও পাওয়া
মুখনি—অবশা সে আশা করাও ঠিক নর।

শিংশাদের হালে প্রতীপাহালা ও নিতাই বসরে। রচনা প্রথমে চেতেখ পড়ে। প্রাতীপ হালা যে নিয়মিতভাবে তেলয়তে ছবি আঁকেন সেটা তাঁর অধ্কনরীতি দেখে গ্রেম হয়ে। ব্রুমক্ষেত্রটি করেক ভারে বিভক্ত করে, সেগালির ওপর অন্য রঙের সাহায়ে শিল্পী কার্কার্য সাজি কারছেন, য়েলন প্রেপস্থ রচন্ড্রারাক্রার্ডর স্থেগ নিজ বছনটাৰ প্ৰাঞ্জভাবে কাখন করতে পারাল কাক অধুনকের চ্যেত্র পড়েত। 'एक दाव' अन्यरमध् के कथा वना **घर**ना। নিত ই বস্ভকারতে আনিকন্যদিও তার অস্কনপশ্ভি মিশ্র। করেক স্থলে বিন্দ্র-প্রধান বাঁতি (pointillistic) চেত্র প্রভা এই প্রস্তেগ 'এসকেপ'-এর নাম করা বার। তবে এ কোতেও শিল্পীর ছয়িং নিভল নয়, ফলে ছবিটি সাথকি হয়ে উঠতে পারে নি। परम इस निज्ञानिया क्रमांत निज्ञी व्यक्ति আছবিশ্বস্কুত প্ৰিচৰ দিয়েছেন—বৈমন বেলপাহাড়ী লয়ক্তকেপ। শ্রীমতী ব্রুমা রায় চৌধারী প্রতিকৃতি ও স্টিল লাইফ রন্দার পক্ষপাতী। শিক্ষার্থীস্কান্ত হালও তাঁর আঁকা প্রতিকৃতির মধ্যে একটি সহজাত ক্ষ্মতার সম্বান পাওয়া যায়, অন্তত 'कारेक' रेनरेथ खाहे भरत इस। निजेन नारेक-গ্রিল মণ্দ লাগ্রে না। তপ্ন অধিকারীর

বচনা অপেক্ষাকৃত দূর্বলি। যজেন্দরে ভূনিয়া
চাপা রঙ কার্যার কররে পক্ষপাতী। তাঁর
বচনার দ্বিরুমণে রূপ অনেকের চ্যেথে পড়ে।
বিষয়কত্বর দিক থেকে বিচার করলে বলা
যার যে, চাপা রঙ বাবহার করে দিবগাঁ
সংবিবেচনার পজ্যির দিরেছেন। ড্রারিং বা
রঙ বাবহারের দিক থেকে এগালিকে চিক্
রাস্তর্ভীর্ণ বলা চলে না, তার দূর্যাক্রির না
লাগে না। এই প্রস্থাপা প্রেপ্টুর্ল-এর নাম
করা উচিত। অতি প্রয়েলনীর প্রাথমিক
ভ্তকনপন্থতিইকু হথায়গভাবে অর্জ্ব করে
যি এই উৎসারী শিশিপব্যদ নির্ম্ক ও
নিষ্ঠা সহকরে মিশপ্রচা করে যান তা হালে
ভারা যে একদিন লাভবান হরেন সে বিমার
করন্ত সন্থেব সন্থেব

আনহাতনি অব ফাইন আউস-এর উদ্দোধ্যে অ্যাকারেনি গালোরীতে বাংসহিক মধ্যতাশৈকালীন প্রদর্শানী শ্রে হরেছে— চলবে এই সেপ্টেশ্বর প্রশিত। আলামী সংখ্যার এ বিহরে আলোচনা করব।

চিত্ৰ প্ৰ

এন সেন জে পি ন্যায়িক রেজিস্টেশন অফিসার

১৮বি গ্রামান্তরণ দে প্রতি বলি-১২ . কলেভ প্রতি, মহামা গালী রোভ জনসন কোল: 34-6896 (Revi 34-4045

রেজিণ্ট্রি বিবাহ অফিস

সংবাদভাষ্য সাক্ষর নিবেদন, সাবলে ধ্পদশী। এই মুনিলেও ক্ষেত্ৰ হণ্ডা সংবাদভাষ্য পড়ে ক্ষি ক্ষাক্ষ ক্ষাম।

> भवनित्रम्, यटना शामास स्मान्द्र

अस्यानकास्य ७ सःगान्तरे

प्राप्तक (कश्चन कर्ना) नारणावन प्रिकारन विश्वनकात क श्रानाची नीत क कार्याकात क्षेत्रीयकात प्रदेश अध्यक्त आक्षात किया अधि-स्थान कर्ष किटहेलासाम स्रोत किसिटक द्या धावन जरशा ेरम्हण प्रकाशिक मानगरीम मध्यानकाम व े**टीमवाद्या श्रीत्मात मागागर्ड' निरस जमा**रना-, इना करतरका अवर रमडे शमरण वरतरहन ट्यः 'जल्मक जारजवारक कथात घरा रश्रक रसकेक मानवन्छ भाक्या बाब क माहि बहुना रथरक छात्र भूक यक्या मृति।' अथारन 'आक-ৰাজে বলতে প্ৰীচটোপাধ্যায় কী বলতে চেলেছেন ডিক ৰোকা গেল না। আমি তো ग्रासम्मी व ध्वे अरकम्हाद्या क खे अरमाव म् भागाते अत्कवादारे किए, जात्कवाटक कथा দেশতে পাইনি পনেরায় পড়েও পেলাম না। স্**টিভেই বছৰা অ**তাস্ত স্কুপ্ট। অবশ্য একজনের বছবা স্তীক্ষ্য শেলবাগ্রিত, অপর-জনের বৃদ্ধি বিচারপূর্ণ, কিন্তু অস্পণ্টতা ৰা খান ভানতে শিবের গাঁত দুটিতেই किंद्र दे तह।

ষাহ্যেক, শ্রীচটোপাধ্যায় বলেছেন বে, বেদন্তি সাল বন্ধবা তিনি ওরা প্রাবংগর 'সংবাদভাষা' ও 'দৃশাপট' থেকে সংগ্রহ করতে
গৈরেছেন, ভা হোলঃ (১) 'ব্লেশালা সংবাদপদ্র সন্দর্শেষ সেব উল্লি করা হয় তা থিথা।
ও উন্দেশ্যপ্রগোদত', এবং (২) ব্লেশালাবিরোধী দলীয় সংবাদপলগ্রিণের সংবাদ পরিবেশন্য আরও অসং, চ্রটিপ্রণ ও উন্দেশালপ্রবোদত'। এবং ভিনি ঐ প্রথম বকুবোর
বিরুদ্ধেই তার সর্বপ্রধান ও প্রবশতন আগতি
উপন্থাপিত করেছেন স্বিস্ভাবে। আমিও
ভার-প্রের এই অংশ সন্দর্শেই আমার
আক্রেজ্যালা নিবন্ধ রাধ্বো।

শ্রীচট্টোপাধ্যার বলতে চেক্রছেন যে ব্রেলারা প্রেল মিথ্যা সংবারই দিরে থাকে, না দিরে পারেও না; কারণ এর ব্যারাই তার ব্যারা করিছা হতে পারে, সত্যা বারা নার। এবং এই নিম্মান্টের পোরকভার সাক্ষ্য হিসাবে তিনি হাজির করেছেন বিভাগের প্রতিক্রানার করেছেন বিভাগের প্রতিক্রানার করেছেন বিভাগের প্রতিক্রানার করেছের করেছের বিভাগের প্রতিক্রানার করিব। বিভাগের ব্যারাক্রানার কিটির। বিবাশের ব্যারাক্রানার কিটির। বিবাশের ব্যারাক্রানার করিব। এবং বার্টাণ্ড রাসেরের জিরোনার করেশের প্রতিক্রানার করিব। বিবাশের একটি চিটি নিউ



ইনক' টাইমস গাঁচকার বাধাকা প্রকাশিত না ব ওরার ব্টনাকে। একটা লাকা ক্রানেই নেথা বাবে বে এই স্বগালি লাকাই এক জাতের নর এবং স্বগালিই বুজোরা প্রেলকে মিথারে বাহক প্রমাণ করতে না। এবং এবই উপর ভিত্তি করে শ্রীচটোশাকার একটি অতি মারাক্ষক generalisation-রে পেশাছেতেন ঃ ম্লকথা, প্রাথীন বা মতে প্রেল ব্লে ব্রেকথাটা পোনা ধার, সেটা একটা বিশৃষ্ধ ধাণ্পা। প্রিথীতে কোথাও কথনও মতে প্রস্তিক না, আজও নেই—কি ধনতাশ্রিক দেশে, কি স্মান্তাভিক দেশে।

আমি প্রথমে মুভ প্রেস সম্বদ্ধে শ্রীচট্টোপাধ্যারের এই উদ্ভিতি বিভার করে তারপরে তার দেওয়া সাক্ষ্যালে প্রস্কোচনা कत्रदा। भरवामभरत्य भाषिकता हुव भरवामहक কিছুটো নিয়ন্তিত করেন না তা জনেকেই অস্বীকার করবে না, কিন্ত এও স্বীকার্ম যে 'মাৰ প্ৰেস' থাকলেই এবং আছে বলেই कारमा-मारकारमा अध्वामश्रह एथरक अक्छ তথা পাওয়া সম্ভব হয়। ধুনিক ছাছা আঞ্চ কাল সংবাদপত চালানা অভাণত কঠিন। কিণ্ড সৰ ধানকের দ্বার্থ তো এক নম্ব। যেমন ব্টিশ ধনিকের স্বার্থ ও ভারতীয় খনিকের স্বার্থ এক নয়। অবাধ্যালী ধনিকের স্বার্থ ও বাঞ্চালী ধনিকের স্বার্থ এক না হতে পারে: বাহৎ ধনিকগোন্ঠীর স্বাছের সংগ্র ক্ষা ধনিকদের স্বাথেরি বিরোধণ্ড আক্ষত পারে। একটা উদাহরণ দিই। ১৯৫০ সালে वधन वीत्रभारम हिन्द्रीतथन वस हरमाङ्ग छ হাজারে হাজারে হিন্দুরা সর্বাধ্ত হয়ে ভারতে পালিয়ে আসতে থাকেন, তখন আমি একটি ইংরেজি সংবাদপরের গ্রাহক ছিলাম। সেই সংবাদপত্রে—নিশ্চরাই তাদের মাজিক-গোষ্ঠীর স্বাথে-তখন এই স্ব সম্পিত্ত भरवामगारमा किए, निम अक्कवारबंधे व्यवस्थान, धवर धकता ध रिकट्स आधि किन्द्रकाल व्यक्षदे विभाग। शद्भ वन्ध्वान्धवरम् अरह এই বীভংস সংবাদের কথা জানতে পেরে এবং অন্যান্য সব ভারতীয় সংবাদপতেই এ সংবাদ বিশ্তারিত প্রকাশিত হচ্ছে তা-ও জনতে পেরে সেই সংবাদপত্তীর গ্রাহকছ व्यदिनास्य १६८६ निर्दे जयः अना जकति পতিকা রাথতে শ্রু করি। ভাতে বরি-मारणत घर्षमात भूगीमा विवत्न श्रीकृतिकरे পেতাম। মূভ প্রেস! একেই বলে। কোনো কেনো সংবাদপত্ত যা গোপন যা বিভূত

《《水》是4分。 कदात, कामा मध्यापनार जावरे महिक म्यत्व शकाष्ट्रिक म् अस्य अस्ट्य। धानर का कारकारण टक्टा हराइक बाटकः खाँहे स्वकारम रक्षान्त क्षेत्रक कार्यक जन्मा माजसाविकार क নিয়ক্তৰ মেই লেখানে সভ্যোৱ প্ৰকাশ অপ্ৰতি ट्याबा । अवर क्यानिन्छ क्रीटनंत्र अखानगत (क्षवर रहीकश्रदकक) रव प्रकृष जारभासा ठेड का**न्य आयोगा ७ ह**ेल सहारा अवस्था मध्याव मण्याच किर्ण सकत হলেভিক-তা আমেরিকর কৃতিত কল-धव नीवत स्कारना बटक ट्याल'ड स्त्र भिनास्य मा। मश्यामस्य स्थानमः **६ है** जिल्लामस्य বিকত করার সরকারী ও একচেটিয়া আঁথ-क त मृश् क्यानिन्छे सम्मानित । क्लीकास्ट সমরে রুণ বিশ্ববের ইতিহাস একজাত रमभ रामीकम, मोर्मामान्य र कार्यः मोर्गानामक भाषा ६ जरभानगरमय भार আরেকভাবে, ভাশ্চভের হাকুমে। এমনই **इत्लट्ड** ७ इन्ट्रंट छ्ट्टे अन हाट्यो।

কিল্ড 'ম.ড প্ৰেস' বলতে এ বোঝাৰ না र्य भव भरवामभरहरे भव थवब अप्रात कनाव করে বা গরেছে দিয়ে প্রকাশ করা হবে। বাভির ক্ষেত্রেও এ ব্যাপারে হেনন চিল্লায়া দেখা ৰাম সংবাদপত্তের ক্ষেত্তেও তেমনি--ब्रुफि ७ स्वार्थात शास्त्रहे व्यो रहा किन्छ প্রকাশিত সংবাদ নিভরিয়োগ্য নয় এ দ্বর্নাম রটে গেলে সেই সংবাদপতের পাঠকসংখ্য कराज धारक। छाडे छात्मय क-विवाद यथा-সম্ভব সাবধান হতেই হয়। দলীয় প্রগালি অবশ্য এ-বিবস্তর নিরম্কুশ। কারণ ভারা জানে যে তাদের পাঠকরা দলীয় উত্তেশনার খোরাকের জনাই ভাষের পদ্মপতিকা পড়ে সংযাদ পরিবেশনের অবিকৃত সভা জন্য নয়। বেখানে স্থাপ্ত একমাত সংবাদ পরিবেশক মেখানে রাজেট্র কর্ণধাররা কেট্র সংবাদ দেওয়া বা বতখনি অবিকৃতভাবে তা পরিবেশন করা যুদ্ধি ও স্বার্থসপাত মনে করেন, জনসাধারণ তাই প্রেম্ন থাকে। সেখনে **१८५३ तिल्हा इस एवं, अव अकार्ट जनजाबादा**वद স্বার্থরৈ জনাক্রা নয় এবং রাজ্যের কর্ণ ধাররাই বিচার করতে সমর্থ কোন সভা. কতথানি ও কীভাবে দিলে তাদের কতি इर्व मा।

এইবার শ্রীভাট পাধাারের দেওয়া সাক্ষাগা,লি বিদেশবাধ করা যাক। জাইনভাইন
কথন ঐ Why Socialism লিখেছিলেন
সে কি বল্লেভিক বিশ্লেবের আগে অধনা
পরে: এবং ভখন ক্যা,লিলিট লাসনে সভা
সংবাদ পাওয়ার মানুবের মৌলিক অধিকর
যে রাণ্ট কর্ভাক অপহাত এ তথা তিনি
ভানতেন কি না বোজা গোলা না। বইটির ও
লেখাটির তারিখ দেওয়া থাকলে এটা ব্যাত
সহারতা হোত। আইন্লটাইন বল্লেন বে.
ধনতান্তিক সমাজে ধনিক স্বাধ্যে নিমোজিত

সংবাদপর সংবাদ গোপন ও বিকৃত করে
ভানসাধারণাকে বিজ্ঞান করে ও ভানমভাকে
নির্মান্ত বারে এবং কলে স্বাধীনভাবে সব
সভা সংবাদ ও তথা কেনে ও বিচার করে
ভানগানের পাক্ষ ভানের রাজনৈতিক অধিকার
প্রস্থা করা আভানত কঠিল হরে পাঞ্চ
("extremely difficult.... to make
ntelligent use of his political
rights")

স্মাজতকুমানের ইউটোপিরান রূপ হাডা গ্রস্তা কল্লানস্ট রূপে সম্বর্ণের আইন-প্রাটনের মনে সঠিক ধারণা থাকলে কবনই তিনি এমন কথা লিখতে পারতেন না। কারণ হত্যালিক সমাজে ধনিকগোষ্ঠী পরিচালিত রিভিন্ন সংযাদপতে প্রকাশিত সংবাদের ্রিছন রা**প থেকে তলনাম্**লক বিচারের দ্বারা চেন্টা করলে সভাের কছাকাছি আসা ক্ষািন হলেও অসম্ভব নয়, কিন্তু ক্যানিস্ট লাকী সভা সংবাদ পাওয়ার উপায় ও আহ-লার হামগণের বাবের মা আকাম তাথের পক্ষে eট সতে। পোঁছানো কোনো কালেই স**ন্**ভব ন্য। তা হাড়া একন<mark>লী</mark>য় শাসনে জন-সংখ্যাকাল্য *যাক্রা*নিজিক **অধিকার প্রায়েরে**জন পদ্দর সেখ্যন নাই। এরপত শ্রীচ্যাটপ্রথয়ত রে**না** ভা**লার** বলকেভিক বিশ্বস্থান সমর্থানের বিভা**তের ফরাস্টা বা**র্তেশিছা সংবাদ-প্রগালির সাচরপের উল্লেখ করেছেন ৷ কিন্ত কী সে আচরণ, কে কি বিশিষ্ট সমালেচেনা, निया वस्या या द्यार किका का स्वर्धनीय । সৰ মত সকলেও পক্ষে--যে কোনো কারণেই एक नगान द्वाप्तिह नग्न शहे बहुबरहुद প্রিকাল স্মালোচন হত্তেই পরে। প্রতিকলে সমালোচনঃ প্রায়াই, কিব্রু মাতের क्षप्रत्य कारे। क्ष्मानिको हल्हम कारे श्रीह-ক্লি মতের সমালোচন। কর। হয় হা, একে-ব্যার 'রাকে আউট' করা এর স্করণাং চোপ लक्ष्य छ। दर्भाग्नारक्षय धार्मिहाद जिले সন্দেশ্বৰ ব্ৰতিশ ব্যক্তিয়া প্ৰেস বহি নিজনতি কর **থাকে ভাতেই** বা কী ক্ষতি ভারছে? সে-ক্রের **প্রভা**র তো করেনি ভার শ্রারা?

সার বাজোরা প্রেসের মধ্যেও দ্বাধীনত। আন্ত বাজাই আনেক পরগারিকা 'ওনিধ্যার তিত্তির মৃত্তবন্তে প্রশাসাও করেছিল—বিশেষ ভারতীয় 'ব্যক্তবিয়া প্রেস' তো যাউই।

पिक्षेण सरमामत जिल्लामाणियस्य विशेष प्राप्त स्थान विशेषमा प्रिकार प्रकारिक मा स्ट्रांत होतेषमा प्रिकार प्रकारिक मा स्ट्रांत होतेषमा प्रकारिक मा स्ट्रांत होतेषमा प्रकार प्रकारिक मा स्ट्रांत होतेषमा प्रकार प्रकारिक मा स्ट्रांत होतेष्ठ का प्रकार के जिल्ले का प्रकार के जिल्ले का प्रकार के जिल्ले का प्रकार के प्रकार के प्रकार का प्रकार का

Why I am not a Communist, Symptoms of Orwell's 1984, From Logic to Politics তিন্তি বচনাই ব্যৱস্থাত

Fortraits from Memory and other Essays, ১৯৫৬ সালে জর্জ জ্যালেন এয়াণ্ড আনউইন, কণ্ডন, কর্ডাক প্রকাশিত প্রত্যাক্তর আভ্তাতিনাই পাওয়া আয়ে। রাসেলের আছালীননীতেও এনিকাস দঢ়কণেও বাবে বাবে ধর্নিত গুলোছে।

Symptoms of Orwell's 1984 নিবশ্ধে বাকেল কি বাক্তেন শানন ঃ

"Russians are kept as far as possible in ignorance about Western countries to the degree that people in Moscow imagine theirs to be the only subway in the world." (জংগিং, রান্দির নালের পশ্চিনী দেশগালি স্ববাধ মধ্যসম্ভব অক্ত তার রাগা হয়, এমন কি হাসে মাসকারাসীরা মান করে পাহিনীতে ভালেরই ওংগনে একমার ভূগভান্ধ রেসপ্রে।) কর উপ্র মান্দ্রের নিশ্বাহাতন।

প্রকংকর **নী**ডাটাগ্যধাৰ स**्कर**ाङ्के সংকলপাত্র স্বাধীনভার উপনে রবটো লচিনস্কৰিশনের উপত্তি ভাল *প্রে*ছন িচের স্থপকে। এই কমিশন বলভেন যে, অভিনত প্ৰকৃতি বাধীনভাবে ভাও মভামত প্রকাশের স্থাবাগ নিশ্চিত করার বলপারে, ত্রাক সংকাষী ক্ষাত্রার অপশ্রহান্তর विदारम्य प्रका कदाहै घाषण्डे सह, भरदानशास्त्रव মালিক ও প্রকাশকরাও যে করির নতামত প্রবাহর মান্তাল নিম্নিত করে কোনা ব্যক্তির কথা, কোন তথা, কোন আইভিয়া কী ধরণে, জনসাধারণের কাছে পেভিনের তেও নিমানিক **ক**রে চের এরও বিভারে हेल्याक यायन्या कहा नदकात्। चादहे हिन् কল। হয়তো এই কমিশনের সংপরিশ মতো সংবাদপালৰ এই প্ৰকাৰ ক্ষমতাৰ অভিস্কা ও মপ্রাবহার ক্রে করা বা সংক্রিত করার निष्ठको ग्रन्थे। हर्साबन यक्क्सान्थे। ४१ ত্তিন্ত্ কমিশন কৰে ব্যুষ্ট্ৰ বৰং পাট ভট ধ্যালয় আনুত্র অম্পিন বাস্থিল বিনা তা আনি জানি নাং তলে কেবলেশ সভা জানা ও সভা প্রফাশের মেলিক হবিকার দ্বীকৃত এবং সুফ্লিত, সেন্দ্ৰে ক্ৰিন স্কৃতিক **স্বাধীনতার যে কোনো প্রক**ল বাবা বা গাল্ডা রোরের জনা এ জার্ডীর কমিশন या रिकास मार्च स्टब्स । यहका का ताल्की की চরে হাকে অব্যক্তরির আকৌ নর। ব্রং সংবাদপ্রগালির জাত্যীধক ক্ষমতা সেখানেই দ্যীনত করার ফেন্টা করা হয় এবং **ভো**ট তেট शह-शहिकाता किएक स्वाधीय उ स्वीमक्टर করার **জনা** বিবিধ **সরকারী** সাহামাও দেওয়া

লার একটা কথা, কমিশন কিন্তু বলছে না যে বৃহৎ সংবাদপত্তে প্রকাশিত সংবাদ-যাতেই নিংয়া। এ সব সংবাদপত্তে প্রকাশিত সংবাদ ও সভাসাত্তর প্রকৃতি ও পরিয়াণ ভাদেরই ইচ্ছার আনক্টা নিয়ন্তিত হয় একথা দাকিবা; কেনে দ্বীকার্য যে, বৃহৎ সংবাদ-প্রগানিই জনসাধারণের সংবাদ প্রাণ্ডর অনেকথানি ভারগাই ভাডে আছে।

विन्छ এও अन्दौकाद कहा याद्र ना स्थ এসর সংবাদপরের মধ্যেও প্রতিযোগিতা আছে একজনের মিথা আরেকজন ধরিরে দেওবার ডেম্টা সব সমারেও করে থাকে: তা ছাড়া, ছেট ছেট সংবাৰপ্তথ্যলি স্বাধীন-ভাবে সতা সংবাদ চেওয়ার চেডী অবিভাষ করে চলে, কারণ ভারা ভানে বে সাধারণের করে ভারের আদর এই জনাই: ভারপর, বারি বিশেষ পাস্তক-পাস্তিকা প্রকাশ করেও ৩ কাজ অনেক সময় করে পাকেন, বেমন ফালেমর Dreyfus Case-এ এমিক ছে লাব ভূমিকা. কিন্বা বর্তমান चारकीरकारकत ेहारांनाच सम्बन्ध सक्कारी নীতি সমলোচন। করে এবং সরকারী অনেক সন্ত্ৰা প্ৰকাশ করে, বহা, বই বেয়োনের তো বিরাম কেই: এবং পরিশেষে রাজেইর বেতার টেলিভিসন প্রেম বিজ্ঞান্ত ও নান্য প্রকাশনের লখ্য দিয়েও সতা সংবাদ বিভরণের চেট্টা যে না হয় তা নর। করেই। মতা গোপন ও মিখ্যা সংবাদ প্রচায়ে কোনো বাইং ন্যাল'য়ে সংবাদপত্র নির্ফেশ হতে পারে रा। दिस्क राजा टाराका, स्वशास **प्रशास** িতেরণের একসাও সার রাজ্যের হায়েত এবং দে গাওঁ চনগণের মত প্রদা**লের স্মাধীনতা** ও সতা সংবাদ জানার জাধকার দ্বাঁকার করে। ন, কেখানে অবস্থা সম্পূৰ্ণ ভিল্ল।

অধ্যাপক শ্রীক্ষতীশচন্দ্র ঘোষাল কলক:ত:-৩২

ফ্রী প্রেস

কী প্রেস নিয়ে যে বিভালার স্থিতী হারছে—'দেশেয়া' পাতার (০১ হারণ) সোনে সস্পাত যুক্তি ও প্রমাণ উম্পার করা হারছে স্বামের হার ফাশ্চ কথা বলা উচিত নয় - একথা দেশে নিয়েও কিছা বলাতে উল্লিভিড হজি।

প্রথমত, দর্শন বোরণর জন্য মার্কারের আছে পাঠ নিতে যাপ্যানী আভিযুক্ত নত্ত। তেমনি মার্কাস বোরণর জন্য রবীক্ষানতথ্য নিজ্ঞা-ভাষনার আছে যাওয়ানী অসমীচীন।

টি এস এলিয়েই হালগেয়া করাত হুকুতত বা কোনিয়া কোনো বন্ধনা বাদ্ধিগ্রাহা হতে পরে লা। নকশালপশার ভাল সক বিচরে আন্দির্ভাই কোনো ক্রিয়া আনমার কিলালে মানার করা আনমার নিংসালেই নিংসালিই নিংস

অপেন বছবা প্রতিষ্ঠা করার ছন্য মহতের

এনের ব্যবহার হা উম্বার জ্ঞানমাগো নৈরকা। দান্তি করে।

মার প্রেস মোথাও কোনো দিন ছিল না কলে বারা ভাবেন সর্বাধ্যে ভাবের একথাই বাধ হর মনে রাঘার দরকার যে ব্যাপারতার মর্থ এই নয় যে, রাজের আপামর জন-দাধারণ মান্তকছ হরে বছবা রাথতে সচেত্ট সরবা।

মুক্ত প্রেস বলতে মোটাম্টি হা ব্রি তা বেখ হয় চিন্তার প্রধানতা; বিরোধী কেবার প্রতি সহনশীলতা। বাজিমানসের জনিবটনীয় গ্রেবলী প্রবাশের স্বাধিক ম্যোল—বার প্রায় সমাজ পরিপাস্ট ও ঐশবর্ষান হবে। বিশেষভাবে—শব্ভবা রাংর নিরাপতা।' এ সবই গণতালিকে ব্রেপ্তাহ প্রতিভাগ্য এইপারান।

বংক্যান্ত আজ দাররাসোপর্য। শংকর-সর্যানিজ বিশ্বাস অন্যায়ী বন্ধবা রাংকেন। কেনের প্রতি দোষারোপ করে বাজেন এ রাজে ও-রাজোর শাসককুল, সব বন্ধবাইত প্রকাশিত হজে। দেশ আন্দর্যান্তার স্পৌস-মান সর্বাহই প্রচুর স্বাপাক্ষ-বিপাক্ষ নম্ভবা রাধা হক্তে।

এ প্রতিত "dangerous thought" হা "againt people" এসন হত্তার।
জারি করে নিবিচার গ্রেণ্ডার বা রাভারতি
লোপাট করা হচ্ছে কি এইদর? কিন্তু
হচ্ছোঁরা গ্রেসের ওপর হামলা কারা কারা
চলালো! আরা কথা হচ্ছে মৃত্ত প্রেম বক্তে
মাটিকরেক সংবাদসেবী বা সংবাদপ্র গ্রেম নর, এর গ্রেম্থ ও প্রারাজনীয়তা কারে
লাপ্রতঃ

এখন গণ চান্তর প্রতি আনতা কতাই অনুতিম মানোভাব পোষণ করি সেটিট কথা। এ সম্পাক বাঙালী টিনভাবিদ, ধিনি এ বাপানে ইভিমাবট্ট শ্রাম্বর সপো করিত, তিনি শ্রম্থের অসলান দন্ত। তিনি টিন Democracy-র ১৭ প্রে ব্যাহন : Democracy is not just a political system; it is a way of life, গণ-ভান্তিক স্থানন ব্যাহার"

"The greatest enemy of the democratic way of life is fanaticism.

Fanatics are rarely guilty of lack of idealism: forg
What they lack is tolerance.

সহনশীলতার অভাবে কি হয় : "Through his intolerance he extents the boundaries of that field in which, self-righteously, he acts in open disregard of morelity. Thus, the fanatical idealist, in the very persuit of his ideal, builds a world in which contempt of all ideals 'is law'.

পশ্ভিবাদের পক্ষে কেউই ওকার্লাত কর্মেন না: কিন্তু পশ্ভিবাদের দাসম্

ধনস করাত বলি Socialism প্রস্থাকার হয় তার Socialist Slavery করাত হার কোন

এ সম্পর্কে তেকোন্ডেলাভাকিয়া উল্লেক্ত এবং সমা দুখ্যাত।

আর হারা প্রাধীন চিন্তায় ও তার নিরাপতা সম্পর্কে কিছু বলেন, তাঁসের শেষ কথা ভলটেয়ারের অম্পান ঘোষণায় ঃ

"I disagree utterly what you say and will defend to the death your right to say it."

এই right-এ তথাক্থিত বত'মান জনগণ-মন-অধিনায়কেরা বিশ্বাস করেন কিন্তু প্রশাসন

"কোধার আছি"র জাশধ্যা ও উদ্পাদ হয়ত সে জনাই।

> দেবপ্রসাদ ঘোষ সাউথ রামনগর ২৪ প্রথকা ।

"শহর-**ইয়া**র"

والعيثان প্রিক্রায় থানার চিকলার প্রকাশিত "শহারা-ইয়ার" প্রত্তে অত্যুক্ত ভূ ল লেগেছে কেবলমান সৈয়দ মাজত্যা আলীর কেখা বলে নয়। রচনাটির একটি সম্পূর্ণ ষ্ণনা ধরনের মাথায়া আছে বলে। কেউ কেউ অভিযোগ কলেজন এটা বছনটোতে কৈয়দ দাহেরের আগের রচনাগর্লের বিদেশ ভাষা বিনাস খালো পাওয়া যায়নি এবং এটি বিহাটা নিদ্দালয়র রচনা লয়েছে। লেগকের স্ফিতা স্থাতির প্রতিতা হাস পোনাছ এনন बागध्याः बहराधाः काम श्रीदः। किन्छ এই ধারণা সবার নিশ্চরাই নর। সভা তটে, "শহার-ইয়ার"-এর ভাষা একটা হানা ধরানর। কিন্ত ভাট হালা, নিক্ণীত্র বাল ভাষ দেওয়ার মত কোন কারণট ঘটেনি। বংকা-দেশের অভিজ্ঞান মসল্লি মুদ্রে একটি दब्--- शानीन दास সম্ভাৱে ব্রেডমবীরায় য়ে অভুসনীয়া, ব্ৰীন্দ্ৰনাথের গালেৰ অয়াভ ধানার বার সমস্ত জনর পরিপর্ণে, সংস্কারের বৰ্ষৰ ও ঐশ্বৰে হৈ একাশত বিভাগ সেই "শহার-ইয়ার" সৈয়ৰ সাধ্যেকে "শবন্ধের" স্টুটে বেনে অংশে কন নয়। সংশ্ৰ ভিল পটভূমিকার এই বুট্ দীণ্ডমেনী নার্মীর আনবেখনা। ভাই পাঠক মনের প্রতিরিয়াও অনা র্কম হবে। স্থেপ্রের **अना**ना वर्ग तन्त्रा शहफ *७* है कना रिस দিনধায় বলতে পারি আঙ্গী **সাহে** বের প্রভাকটি ব্ৰুৱা প্ৰজেকটি পেকে আকার। তাঁর প্রাচ্য পাশ্যাতেয়ে, হিল্ম মসেলিম-খালিডীয় ভাষের অপারে তার রচনাতে প্রতিফলিত। নানা ভাষার ভাশভার থেকে নালা শাসের মনিমানিকা চয়ন করে তিনি জামানের উপহার দিয়েছেন তাঁর রচনাগঞ্জর ভিতর লিয়ে। "শহরে-ইফার" তাঁর অন্য ধর্নের স্থিট। এতে ন্তন ন্তন মকের প্রীকা নিবাঁকা হরনি। হরেছে এবটি নাত্র ভাব-ধারার। প্রভুগ বিলাস্টেড্ডের পালিতা এবং প্রাচান আলব কারদার বেড়াজালে আবদ্ধ একটি নারী—বার মার মন চার সংসারসীয়ার ধাহিত্রে কোন আগ্রয়। "শহর-ইরারের" ভিতর পাই একটি বৈর্গায়ের হলর—স্থান মাথানীর মত যে চেরে আছে প্রম শাণিত্যার দিশবরের পদপ্রাদেত। ভগ্রাদিনী মৈরেরীর মত তাই সে অননা।

এমন একটি অনবদ্য কাহিনী বাংলারেদর পাঠক-পাঠিকাকে উপহার দেবার জন্য সৈহন মূকতবা আলী সাহেবকে সংস্ত্র সংস্ত্র সাধ্যাদ জানাজি।

মাধ্রী চৌধ্রী

"ভাৰতীয় গণতক্ষে সমতা'

গভ ২রা অংগতের "দেশ" আমার ৫ই অনুলাইরের প্রকাশিত "ভারতের গণতাত আরো সমতার প্ররোজন" অংগতেনার উপরে উলিন্দাশীলকুমার চক্রবাতীয় "ভারতীয় গণতাতে সমতা" শবিকি আলোচনাট পড়লাম ভীচেকবাতীর বছবাতে কেন্দ্র ব্রেই আমি এই অংলোচনার সমতারণ করিছ।

স্দ্রীলবাব্য আমার প্রের আসেত্যার ধরবাব্যলির উপরে কোন বছলা রাগেলনি।
উমি কোন একটি পরেন্টের প্রতি কটাজ্ব করেকটি উদ্ভি করেছেন। আমার আলোচনার কেত্রের সমস্প্রসারিকতার কোন করে ভিঙ্কানা। যদিও আলোচনার্টি একটি সংস্কার্ট্রার বিশ্ব করেছে তারে করেছা আমার জারে নাম করিছে তারেছ কর্মার আমার জারে নাম করিছে টিকিব্রের। আমি কেবল বি একটি পরেন্ট দিয়েই আমার আলোচনা কেবল করিনি, আমি পর্যন্তরের কর্মেনিত বিষয় বেন্দ্রালির করিনি, আমি প্রক্রেরারে অপ্রির ক্রেন্ট্রার

विकासास्त्र - "यह शाही স্কীল্বাব্ জাপাতসাণীত একট ভালিয়ে সংখ্য द्वितिन्ते, धात्रत एउते क्याह राज राज হবে না" এবং **"গণতক্তের** আহিরে এইটা সহা হরা হবে না"। **উপরে**র উভিচেলি পড়ে জামি কেন হে কোন চিন্তাশীল ও মূদ্ধ মুদ্দিতকের মানুষে মানু কল্ডে পড়েন —স্নৌসবার, গায়ের জোড়। গণত[্]ণ্ক 3.733 বেশের ফিছা নাগরিকদের সংবিধানগত অধিকার হতে বাপিত করাই जिल्हा होत

বেগানে প্রথানিক নহানের ইণ্ডিনি নাগরিক সমানভাবেই ভূষিত, যানের ভোটন নহানি সমান এবং বে নেখে কোনাতা পাকলে নে কোন সম্প্রারের মান্ত্র প্রধানমন্তী তথা বাদীপতি হতে পারেন সে নোলার কিলা ডেগানি নাগরিকদেয়ে উপর এই এক তর্মা সমূহের এবত সংক্ষাক্ত ও বার্ট **জ্ঞানতে ইচ্ছে** মুহু হুটাক।

তাপুত প্রধান লিখানেন, শিবক্তের, ভারতের
নাগরিক, কমি বিজি পানিকতান চকে বারার
কনা গাভ না শা এই কথা গালি একজন গাণতারের সূপে নাগরিকের জনা কি প্রয়োজনে
কনা যোভ পারের সংখ্যালগাভ ভাষিকারে
প্রতা সর্বায় ভারতার নাথারিক, আর প্রকাতন চকে যাবার বাপারে অঞ্চল
প্রধান লিখে বিলেভ কেউ যান চোলা চালার
করে ভারতার সংবার কিলোন অঞ্চল
প্রথম তা কি করে ব্যবনা এ জন্মা
স্থান ভা কি করে ব্যবনা এ জন্মা
স্থান হার বিলেজ বানি ক্রিকেই
প্রা হয়। যেননা মেভিক্তির স্থানি বিলেজই

র চর্নার করে। কর নাট মন্তরের করের। করের।

ঠানা প্রসা, মাজপ্র, সম্বত্তাভাবে দেশের সংগঠ সময়েশ পাড়ার হাতে একেং প্রারো-ালে বলাবত থাকাৰ—একথা চোটাল কেন গালেই বালেণ্ড কলামে না এবং সময়খনও १८८ र अस्ट भस्य भस्य अस्य र्भावा वराच एक छ। छात्राज्ञात उन्ह ^१जिल व**॰४** कराता छाना छाडेनानायासी ^{হ্যাম}ন চহৰ কলা হায়েছে এবং ডা ব্ৰুপ্তাহত ^{ছন} দেশ **চেৰপো**ল্ট, গোলেন্দ্ৰ গিভাগ াং প্রতিয়েখ ব্যক্তিনী প্রক্রেয়ন এড মতকের করা হাজা**চ**্তাল্লন্দ ত্তিপার জগতা অঞ্জ প্রাচ্চ স্ভর্জ জন কৈনিজৰ বিভে হাবে মা। এফাড়া আমি ৬৯% নিমত আক্রোজনার জেলা জাকার ও পটার ক্যাক্ত থকোর যা রাগার আনাত্র ^{এরিনি}, কালি কলেছি কাবিকারের অলকানি হ 5. 3.

শ্রীক্রনার মাক্রেরের জন্মত জ্যার ক্রিটে বরা বেশের জনপদ বিরেশে পার্রার গুরা রামের ক্রেন পান্ত নাই রামা ক্রেটই লাক্র বিধ নাবারিকত নাই ভাষা ক্রেফ চিয়া, ব্যবসাধার এবং চ্যারা-ন্যাক্রারার

াণ্ডান্ত প্রতিরা স্ক্রীসমান্ত এই ইড়িও স্ক্রিক্ট নত ব্যবহু তাজি মনে প্রি: গুলান পাতিরের দেনে প্রশ্ন সার্ভ না প্রশ্ন হালা অধিকারের। প্রশ হাল্ড রোশ অধিকার ক্ষান করা অপরাধ রোকাস ভুল হার। বেশের নাগনিকারের সে কেন নারসংগত অধিকার করা করা আরা ব্যক্তিত অধিকার নাই। তিনি ইংনামন্ত্রী তিনি রাজ্বপতি হাই যোন না কেন দেশে। সাথে ছাড়া ব্যক্তি সাথে ও নেশের যে কেনে সম্পদে বা বিষয়ে হাডায় বিশ্বার করতে পারেন না। দেশের বিরাট স্বালা ছাড়া দেশের অথানৈতিক দিকের কথা এবং বিভিন্ন সমসারে কথা ওেবে প্রয়োজনে "শাভেক্তা" সকরম্বিতি স্নীমাবন্দ করা উতিত। গণতক্ষের প্রাণ হবাং। দিয়ে দেশের শাসন্যম্ভ এগোতে থাকলে নিশ্বর দেশ স্ব নিক দিকেই এগোতে থাকনে।

> হাফেজ আমির আলি এণ্টালী।

ভেম্মান্স বাগচী

কাশে (৩৩ বর্ষ, ১২ সংখ্যার) "কান্তার বাল্ডী শীখাক ভানের কোণা প্রদানীর নার। আনার একটা প্রাটি হারারে। কলান্তা ধ্যাক কোনা বর্ষাবার্ত্ত ডিভিখনি কাশে হয় কান কর্নানিবানের হার নাও কারণ ডিভিখনি ভানিও ৮৮১-৩৭ কনিক্রেণ নিখানার কাম কাশ খাড় হিসাবে করকো হয় ও সমার ভানি বর্ষান গাড়িত ওবা বংগর হাড় কেই সমার কান নিশ্বরং জনিবাছিত ভিলেশ লাও ভা লাও, ভিনি director of industries সাধ্যের যুক্ত ভিলেশ লাও

ভাষি বাষ্ণ্যকরের বিভিন্ন কেন্দ্রবাদি এবং প্রক্রমন্থের প্রকার প্রক্রমন্ত ভারা করে কেন্দ্রবাদি প্রক্রমন্ত ভারা করে কেন্দ্রবাদি ভারাজ্য করে করে করে করেছে প্রায়েশ করে করেছেন। করেছেন করেছেন। করিছেন করেছেন। করিছেন করেছেন। ভারা সহিছেন করিছেন করেছেন। ভারা সহিছেন করিছেন করেছেন। ভারা সহিছেন করিছেন করেছেন।

সমিরেশ্রনাথ সিংহ ভাষ

় বসিক হাসন রাজা

সৈয়ৰ মাজত্য আলী সাহোত্য বিখিত 'ইসিম হাসন রাজা" প্রবাধ সম্বদ্ধ তানি দ্ম এবতা কথা বলতে চাই। তিনি লিখেছেল- "বে বিলেগে । থাসন বাজার কবিতার)
পাঠিতি পেরেজিলেন এক জানামান লোকগাঁতি সংগ্রাহকের আছু পেকে।" আনার
ঘটনক সতীর্থ সিলোটের স্থানবাজের
অধিবাসী প্রীপ্রভাতকুমার শানা হাসন
রাজার কবিতা সংগ্রাহ করে আমানের ছাতভাবিনে সিলোটের মুরারিচাদ কলেজ
মাগোলিনে "নরমী কবি হাছন রাজা" নামে
করেকটি প্রবংধ লেখেন। পরে তিনি শান্তিনিক্তেনে গিয়ে "হাছন রাজার" কবিতাগালি কবিগ্রেন্ত্রেক সিরেছিলেন। তার মানে
শানিছ র্বানির্নাথ হাসন রাজার কবিয়া
প্রত থব প্রতিভ লাত করেছিলেন।

ক্সক্তেম Indian Philosophical Congress-এर अथर क्षांस्टरणान (रदाव एत ১৯২৫ (১৬ স.ন) - রব[†]ললাথ সভা^কতি**▼** তক্ষ। সভাপতির অভিভারণে তিনি হাসন রাজার "আলার নহন হইতে পর্ল **লাসমান** জ্মিন" এই কবিভাটি উপলত কৰেছিলেন। পরে ১৯৩০ সলে। রবীননাথ অক্সেরার্ড "ਸਤਰ ਫ਼ਬਾਂ (Religion of man) अस्तव्य हिंग हैं। तककारत्या । यह राष्ट्रका-থালা ^{প্}্লিজন হাত খানে ' নাকে প্ৰস্তুকাকাৰে ইংল্ডেড ১৯৩১ সনে প্রকাশিত হয়। ১৯৩১ জেকে ১৯৭৬ সন প্রাণ্ড এটা বট भौतिए ज्ञान्य हाराह्य ५८६ विस्तरं समाहित्य ত ডিব্লাশীল সমায়ের স্থানি কার কার ছ। বিভিন্ন হচ মানা-এ বলীকনা**প** লস্ত্র রাজ্য ত্রুটি ত্রিকার ইংরাজী ত্যাব্যুদ্ধ উচ্চাত্ত কাড় নিন্দ্রিলিভ মন্তব্য 47.50

"It is a village poet of Fast Bengal who rreaches in a song the philosophical doctrine that the universe has its reality in its relation to the Person, which I translate in the following lines:— "The sky and the earth are

horn of my own eyes.
The hardness and softness, the cold and the heat are the Products of my own body.

The sweet smell and the bad are my own nostrils". (Religion of man. Fifth Impression P. 11.)

সংগ্রার বিষয়—বিশ্বকবি ত্রির লগানিক চিন্তার মাধ্য সিলোটের এক গ্রামা ভাষতিগত কবিও বিভিন্ন কবিতা আনতভূক কবে তা বিশেষর সুখেলিমান্ত প্রভার কবেলেন।

্র শ্রীবীরেন্দ্রলাল সেন শ্র

বিশ্ববিজ্ঞান

শ্রীতর্থ চ রীপাধার ৩২ প্রারাপর দেশে আমার ন্যিত্রীয় ও ওতাঁর বো বেশের পাতার ছাপা হয়নি) চিঠির উত্তরে বা **লিখেছেন আ**বারও তার প্রতিবাদ করতে হচ্ছে।

তরু,ণবাব, নিজে কি লিংগছিলেন সুবিধামত তা ভুলে যান। তিনি লিখেন ছিলেন 'জি:তনবাব, বলতে পারেন ইংরেজীতে ultrasound e supersound দুটি শব্দ কেন ব্যবহার হয়?' এর অর্থ কি 'পরিশন্দ জিজেস' করা? বিশ্ব-বিজ্ঞানী ভরাণবাবা যে শকের শাুণ্ধ রাুপটি প্রাম্পত জানেন না তার প্রয়োগ নিয়ে কৌদল করেন। পবিভাষা চাইলে আগেই দিতাম। এখন জ্ঞাতাথে নিবেদন Supersonie-শবেদান্তর বা শবেদর চেয়েও প্রত-গামী, ultrasonie-অভিশাবিক। তর্ব-বাব্য আবারও শানে নিন শব্দ দুটি সমাথাক ন্য ৷

আতসকাচ অথাং লেনস সম্বশ্ধ এবাবে তিনি যালি খছেন, প্রীক্ষার থাতার ছাটেরা ঐরকম লিখলে শ্নো পেত। কোন লেনসকে convex বা concave বলা হ'বে তা 'কোন দিক থেকে দেখা হচ্ছে বা কোন ফল্ডে কোন দিকে কোন কাজ করছে' তা দিয়ে বৈচার ক্রা হয় না। concavo-convex লেনস যুলতে ব্যুব্যয় সেই লেনস যার একটা নিক concave অপর্টি convex কৈত লেনস্টি অভিসারী বা convex—খনীয়ে: भक्षाम्बात बनावाल (जनमाक) वेना एउ convexo-concave ব্লিউহা অপসারী অগাং concave -থ্যায়ি হয়। বাংলাতে আমনি হথে বাবহাত হবে পরিভাষা অহতকোত্রল বা উত্তলাবাংল। তর প্রাব্ লেনস সম্প্ৰে এই মূল ওড়টা ছানেন না যে কেন্সকে কোন নিক থেকে দেখা হতে সেই অনুযায়ী ভার অপসারী ও অভিসামী ধর্ম বা নামকরণ বদলায় না !

শ্রের সূয়া পরিক্রমণ সংপ্রেক স্বারীঘা ে আলোটনা ওর্পনাব, ক্রেছেন তার প্রার স্বটাকই আৰাণ্ডৱ- লয়েলেয় *সজেব তৈপ* সাগের বাদেবেলর সমপ্রসারণশালৈ মহাবিশ্ব হা জীনসের স্যাণ্টিভত্ত এস্থানিয়ে কোন প্রশা ছিল কিং ভরাণবাবার কাছে origin of the earth-এর তত্ত আমি শিশতে চাইনি বা শেখনীর দরকার হবে না। 'পাশ থেকে মা হয়ে সামনাসামনি শুকু ও মহাকাশ্যা**নের** বেখা হওয়া বা ভেনেরার শক্তে পেশছানর সময় সংক্ষেপ হওয়া এই তথাগালো থেকে শাজের বিপরীত গতি হয়ে সংখা পরি**রমণের** ব্যাপার সরসেরি প্রমাণিত হয় না, ভাই গটকা দায় হক্তে না। উল্লিখিত তথা থেকে শাকের স্থাপরির্না অথাং বাধিকগতির বিপরীত বাতি বিষয়ক সিংবার্ডটি তর্গবাধ্যে নিল্লাস্ব না হলে এতং সম্পর্কিত সরাসরি প্রামাণিক উম্পতি দিলে ভাল হত। তর্ম-বাব; আমাকে বিশ্বাস করানোর জনা ব্যুগানুবাদে (ইংরেজী হলেই ভাল ব্**র**াতাম

কারণ তর্ণবাব্র বাবহাত পরিভাবার অর্থ সব আমার জানা নেই) যে উন্ধাতি দি রছেন তার ভেতরে শুক্তের বাধিকগতির দিকও সুযোর এ অনা সমন্ত গ্রহের উল্টা' এর সমর্থক কোন কথা নেই বরং উপেটাটাই আছে মনে হচ্ছে। 'ঘূৰ্ণনৈ ১১৭ দিন লাগে. সে আবর্তন করে স্থের বিপরীত দিকে'-এই উন্ধৃতিতে ঘূৰ্ণন ও আবতন, কোনটি कि अर्थ वावश्र हरस्ट वार्याह मा। माणी একার্থবোধক নয় ধরে নিচ্ছি, ভা হলে ঘাণান ও আবতান দ্যটোই বিপরীতম্থী একথা কিন্ত উন্ধৃতিতে নেই। উপরুত 'সাযে'র বিপরীত দিকে আবতনৈ করে' এর সহজ অর্থ সূর্য স্বীয় অক্ষের উপরে বে পাকে ঘোরে শাক্তের অন্যোপ অবর্তন ভার বিপরীত দিক। দক্তে সূর্যকে পরিক্রমা করে। কিভাবে সে সম্বন্ধে কোন কথা এতে নেই। দিবতীয় উম্প্রতিটিরও অন্যুপ অর্থ হতে পাবে ৷

রাশিচন্তের নক্ষতের সাপেক্ষে দৃশাভ শংরের স্থা পারক্ষমার গাঁভ পাশ্চম থেকে পাবে হলে লাম্থক নক্ষতের অবস্থিতির সংশা নিলিয়ে তা পার থেকে পশ্চিমে হবে এটাও বড় বিচিত্ত মনে হচ্ছে। মোটকথা আমি বা জানাত চেয়েছিলাম তর্ণবাব্ এত কথা লিখেও সে বিষয়ে আমাকে নিঃসংদেহ করভে প্রেমনি।

বাধিকগতির দিক স্থেমি এবং **অনা সব** গোৰৰ উচ্চা একথা লেখবার সময়ে তব্ব গাব্ স্থেমি galactic year-এর কথা তেবিছিলেন, একথা কল্পনায় আসেনি বা এমনও তা বিশ্বাস করি না।

তর্থনাব্ আমার কোন্ বই পড়া উচিত বা কি জানা উচিত সে বিষয়ে বেশ ম্র্কিব চালো উপদেশ দিয়েছেন। মহাজনের চালো উপদেশ বিজ্ঞানের স্বিনায়ে পরামশানিছি পদার্থ বিজ্ঞানের পড়তে আরম্ভ কর্ন। কেনা চা হলো গতির একক 'সেকেন্ড/কিলোমিউ'র' একন ভূলগালি শোধরাবে। শব্দের বানান জভিযান দেখে শিশে নিন করেব DOZE, MARCHENT এগ্লোম্টাকর প্রমাদ বললে সকলে বিশ্বাস নাও করতে পারে।

জিতেন্দ্রচন্দ্র মনুখোপাধ্যায় কংবমগরে (পশ্চিমকংগ)

বাংলার ঢালচিত

"বাংলার চ লচিত্র" প্রবারে আন্দ্রল করেছে। বাংলা সাহিত্যে এই ন্যাগত করেছে। বাংলা সাহিত্যে এই ন্যাগত সাহিত্যসাধককে দ্বাগত জানাই। বিভিন্ন দৃহিটকোণ থেকে বেখা গ্রাম বাংলার স্বাজ-চিত্রের বাস্ত্র বিশেলহণে তিনি যে দক্ষতা দেখিয়েছেন তাতে মুখে হতে হয়। তাঁর **লেখা "চৰী বাড়ির স**র্গদিয়া"-র ভুলার চর না। অতি অলপ কথায় গ্রামা গ্রেছ মাসলমান চাষী পরিবারের যে নিখ্ত ভার তিনি একেছেন তা অনায়াদে একটি টংকেই উপনাসের পটভূমি হতে পারে। প্রে_{বিজ্ঞা} আমার বাড়ি। দেশের গ্রামে এবং শহারত বাড়িতে দরিদ্র এবং মধাবিত্ত মুস্কুল্ল পরিবারের ঘনিষ্ঠ সংস্পলে আসবার সায়ের আমার **ঘটেছিলো। মাসল**মান পরিবার সাধারণত পদানসীন হয়। সেখনকর অংদর মহলে হিন্দাদের প্রবেশের অধিকার লাভ সহক বাপোর নয়। কিন্তু বালাকল থেকে এক পাড়ায় এক সংগ্য মেশার ফলে কোন কোন পরিবারে ঘরের ছেলের মধান পেরেছিলাম। প্রসংগত মনে পড়ে ১১৫০ সালের কথা। মাসলমান বন্ধার বিশেষ কনের বাভির মেহমানদের আদর আপ্রয়ে করার ভার পে**য়েছিলাম**। দলেহার যজিতে অন্যান্য পরিচিত মিঞা সাহেবদের লগ একজন ধাতি পাঞ্জাবি প্রা হতে "मनाइ"एक इएए।इ. हि कदः थवतनाद करार **प्रतथ अवर कातार कातार अनी क्षेत्रन वर्ष**हा **অবদরে ঢাকতে দেখে মে**ছের ভর্কের মেচমানবা-তে তাতজব। प्रादरभागव दश জানলেন যে ত হজে দলেহণ্মঞার সকাতে পেয়ারা দেশত তথন ও'দের চোখের দ[্]ট **ধীরে ধাঁরে স্বান্তাবি**ক হ'বে এসেহিলো এবং টাপি মারিয়ে মন ঘন ২,ওয়া গওরও এখ হতেহিত্ত কোন

পার্যবংশার কবি জসীমউদ্গীন কল্ড ১% এসে সম্বর্ধনা সভার দাংগ করে গেডে এই বলে যে, হিশ্দু বড় সাহিত্যিকের, ফেন শরংচন্দ্র মানিক ব্যুদ্রাপাধায় তারাশ্বর মাসলমানের ঘরের কথা নিয়ে কিছা লিথকে নি। আমাদেরও থাব দাঃথ *হ*য় ^{হথন} দেখি যে, এই বিরাট জনগোণ্ঠীর মাশা আকা•কা আন•দ-বেদনা এবং সাঞ্চা-নৈরতেশায় কথা সর্বোপরি ধর্মাশ্রয়ী 🙉 সমাজের কথা আমরা প্রায় কিছুই আমি না কিন্তু কে লিগবেন ও'নের অন্তর মহতেও থবর ? হিন্দ্রে 🌢 ও'দের ঘরে আপন 🕬 ঢ্ৰুতে পায়ে? আর ভালোভাবে না ^{ভোনে} ভারাশ•করেয়া তেমন উপন্যাস লিখতে রাজী হবেনই বাকেন? তাই নিজেদের ^{কথা} প্রথমে নিজেনেরই লিখতে হবে। ^ড সৈয়দ মাজতবা আলীয় মত পণিডত ^{লেৎক} **পেকে শ্**র্ করে সৈয়দ । মুস্তক। সিয়াই আজিজ আল-আমান ^{এই} আবদ্ভা আল**গনুল** জন্বারদেরই এই ভার নিতে গ্রে। কেবল তাহকেই আমরা বাঙালী নাসন্মন সমাজের অন্তঃপ্রের আপন ব্যর**ি** পারে। **জব্দ দাহে**বের লেখায় তারই প্রতির_িট প্রেফি।

১৩৭**৬**' তবলার **ঘরা**না

০১ প্রানণ ১০৭৬, শুরু সংখ্যা দেকেকে ভবলা ঐতিহা ও কঠে মহারকে নির্দ্ধা-নামায় সংখীর বক্তপাপাধ্যারের কেখা কন্যাতি পঠ কালাম। সংখীরবাধ্র তথ্যের মধ্যে কিছ্ ভুলভাতিত চোখে পড়ল, সেডী অধানে ভলে দিলাম।

১ম: তবলার বে চারটি জ্বানার কথা বঙ্গা হয়েছে তার মধ্যে ফরজারদি ও বারাপাসীকে প্র' ঘরানার অত্তর্গত ধরা হয় ও এই দ্টিই লক্ষ্যে ধরানার ভিক্র লাখা। গ্রহাড়া কথাটি ঠিক নর। আসল নাম ২৮ মজরলো। এটা দিল্লী ধরানার একনার

পাখা। লোকার কৈনে মধ্য ত বৰন্দ্র (নামেনিক ছাই) থাকে নাজের বর্মনার প্রকা হিলেবে পাখ্যা বরা এবা প্রতেতকই দিল্লী ব্যানার হয়ে ত সংখ্যা বা সাহেবের পোটা।

স্তলাং দেখা বাদ বে শ্য দিলাই তথানার একমাত মূল মরনো। 'শাকাব' বরানার পাথেবাক্ত-এর বৈশিন্টা বর্তনান রয়েছে। স্তরাং তবলার দিক দিনে এই ঘরানা সম্পকে তিল মতের অবকাল রয়েছে। (ভালপ্রকাশ : লেখক ভগবতে লবেণ লনা 'সম্পাতালাকার' স্টো ২ ও ৩) ভবলা ভরণা : বি এস নিগ্র প্তা ৮৪) হর র করকারাল প্রনানর জ্ঞানিপার্ক হালা বিলারেও আলো থা। ইনি রজের প্রনানর হাল ও করকারাকের বালিকেই ব্রুপ দেওয়াতে এই ধরানার স্থানি হয়। বকন্দ্র হালা সাহেবের শ্বশৃত্ব। (তালাপ্রকাশঃ প্রতি ৩)

ত্য র কিষাণ মহারাজ কণ্ঠে মহারত্তর আতৃপতে। এনার পিতা পশ্তিত হরি-মহারাজ একজন মাতিমাসা তবলা ও পাখোরাজ বাজিয়ে ভিকেন।

কৈদারনাথ ভৌমিক ব্যরণসী

দ্টি দ্দানত নতন কবিতার বই

বি শাকছ্বাদন পর দ্বেনি সভিক্রের বলে কবিতার বই হাতে এলো। বংলা কবিতা বিষয়ে যাঁরা উৎসাহী তার, নিশ্চিত এই বই দ্বাধানি পতে আনারই মতন গ্রা চরেন। অন্নি অবশা, যাঁরা সম্ভিন্ ভূবিদ তাদেরও এই সং কবিতার বই পতে দেখতে অন্যুবোধ কবি।

্দ্রখনি বইরের কবিতাই তর্গ ক্ষিদের ব্যাহ্য যে সথ কবিদের ব্যাহস তিবিশের এপারে বা সদা ওপারে।

প্রথম বইটির নাম 'এই আলো হাওমা রেড্রি'। কাহসভূর বাবেজেন তর্প তর্পীর কবিতা আছে এ বইছে। সম্পাদক, বিজিপ্তন্দার ভট্টাগা। কবিতালালি সম্পূর্কে আমার প্রথম সম্ভাষ্ণ : বিক্ষারকর। কাছাড়ে এই বে কবির কবির দল কবিতা রচনায় মন প্রাণ সম্পূর্ণ করেছেন, এরা অচিরকালের মধ্যেই সাপ্রতিক বাংলা সাহিত্তার স্বক্রের উরেখ্যাল্য কবি গোড়েটী হিসেবে প্রাণ ব্রের যোগাতা রাখ্যা।

এই সংকলনে কবিতা লিখেছেন, শক্তিপদ বজানী, বিমল চৌধানী, বজেন্দ্রকার সিংহ বিভিংকুমার ভট্টাচার্য, উদরন মোল, লিনেন নাগ, উমা ভট্টাচার্য, বিশ্বজিং নেবিরী, রুচিরা শালে, শাতনা মোল, বগজিং নাস, মনোতোর চকবভী। এর মধ্যে স্বাচেয়ে বেশী কবিতা আছে শান্তিশার জন্তানীর। এর জন্ম ১৯০৭-এ, এবং এই বিশি বছর বর্ষক খ্বা ভাষার স্ক্রাভার এবং বংশিষ্ক ভাষা ১৯০৭-এ, এবং এই বিশি বছর ব্যাক্ত খ্বা ভাষার স্ক্রাভার এবং বংশিষ্ক ভাষার স্ক্রাভার বিধা বছর ব্যাক্ত খ্বা ভাষার স্ক্রাভার বিধা বছর ব্যাক্ত খ্বা ভাষার স্ক্রাভার বিধা বালিয়া আধ্যান্তি। ভার লেখা আমার ভালিয়া মানাশ ক্রিভার আর্শভ এই রক্ষার

"একটি হাছে তেমোৰ হাতে নিবৈধায় কেলেছিলাই

কিন্তু তুমি জার



একনিষ্ঠতার মূল্য প্রতীক্ষা করেছ। অন্য হাত অবহেলায় আস্বর্গা—সংসার ৬্যায় ছাগাছ চক্র ঘ্রিকেছি— একেই আস্কৃতি ভারে নিশায়েকর ভূমিক।

নিরেছো। বিংখা শ্রথন ব্যক্তিগত কারণে চিত্তপ্রতাত কারতার করেকটি লাইন ঃ তেখাতে নই, সামাতে এই, বিষয়ে আমি লিংত

লগোন-ছে'ড়া তিনটে খোড়া **ভীৰণ** রক্ত ক্লিংক

বিজন মাঠ বধাড়ীম ধংকে গেলাম, তখন জুমি সবে নাড়াও অধ্ববাহন, এবং বলনাণ্ড বঙ্কে-বাচাও মাতাল যোড়া ভিনটে সমান ক্ষিণ্ড।

উন্ধৃতি সৈতে গেলে প্রায় স্বার লেখা १थ(क्टे (मध्या स्थातः भारतः। छाहास ক্ষান্পাজিটার মহোবয় আফার ওপর ক্ষিণ্ড হবেন। কিন্তু এ কথা সমূভাবে বলা যার, সবার কবিতার মধোই একটা মিনিমাম কৃতিত তো আছেই, প্রার সবারই কোনো নাঃকোনো কৰিতা খন গ্পশ করে যায়। . क्य **श**्या W.TE লাইন ट्राना ट्रना XX.43 इ.स. भटन 2,51 অপর কোনো কবির বচনায় পড়েছি--বিশ্তু এটাও আমান কাছে কাশ্যভাবিক মনে दश सा। अप्तित शहरूएकक् स्टिक्टर्स कारम्यौरार्थि। काञ्चलकारम्य काशके हे लाहेराव **छेन शहल मिकि: मौरमदेव मर्व गाँछ क्या.** कामि केरियत डारमावाणि मा ।/जिल्क ठामहात धेरे स्याप्त जारू नेरू कि किस शकि (জন্ম থেকেই অহংকারী : বিজিংকুমার ভট্টাচার'): "অতল জলে ডোবা ব্যাপক রাজবাড়ি/হাজার অধিবাসী—হাদর জি সেরানা/নিজেই সেজেছিলে, দু' এক ভতিচেনা/মুখের পরিচরে!" (রহসামর আগাড়ক : উদয়ন ধ্যোক)।

র্চিরা শাটেসর করেকটি কবিতার মধ্যে
"শোক" কবিতাটি নিটোল বিষয়ভাষ্য,
তার করেকটি লাইন উম্ধৃত না করে শারা
যায় নাঃ

"এমন অপেকা করা যর যিরে নিশ্চিত

আৰাজ প্ৰদানে জড়াজজি জট থ্ৰাতে মাধা নাজে ক্ৰে,

ওৰ্ঘ বৰ্ষ ৩য় সংখ্যা বের ছল

আলোক - সরণি

॥ भवेगायात्रलव भावका ॥

জড়িন্যোপ্যোগী সম্পূৰ্ণ নাটক :

• নজুন ঠিকানা — লিখেছেন সঞ্জীব সরকার • গল্প, কবিতা, রমারচনা, সিনেমা ও বংগমণ্ড • শেষপাতা, কলকাতা বাঁচাও, সংরের আকাশ • নতুন নতুন আকর্ষণীয় রচনা •

প্রতি সংখ্যা ৭৫ পঃ ঃ বাহিক সড্যক ৯.
শারদীয়া বিশেষ সংখ্যার
প্রকৃতি চলছে

আলোক সৱণি

৬৫, মহাত্ম গান্ধী রোড, কলিঃ ৯ ফোন ঃ ৩৪-৮৮৭৯ এ বড় পিছল ঘটে, হাসতে গিয়ে শেষ

কীগত হয় তোমাকে বলেছি স্ট, জবা আনতে নদীতে বাবো না ।*

রণজিং প্রদের ব্রেস মাত্র উনিশ্ এব কণ্ঠ পরর পরিকার, কক্ষার তেজ অসামনে, এমন কবির সাক্ষাং পাওরা একটি পুলাভ ঘটনা। এবে একটি কবিতরে নাম : 'ন্ট হবার ব্রেস এলো; তার প্রথম ক্যেকটি লাইন।

ন্দট হবার ৰায়স এলে স্বাইনাকি শত্ব হাতে নাম প্ৰবী আকিছে ধ্বে, চতুদিকৈ সামাল সমাল

হে'কে এঠন গাঁও ব্যস্তরা, নগনন্থ

মধারাতে

শাভির নিচে কেই হেও না—
এমন পরিকারে উচ্চারণ যার, জামরা সেই
কবি সম্পাকে দার্ণ আশান্তিত রইলাম।
বস্তুত গোটা সংকলনটিই আমাদের প্রত্যাশা
বিপ্রসভাবে ভাগিরে দের।

দিব্তীর বইটি তুবার রারের খনাও

আপটার'। তুবার রারকে চর্ণ কবিদের
মাকুট্যীন রাজা বলা হার। কবিতার
সমস্ত প্রথাসম্মত রাতি তেঙে হার,
শ্বেমর জগতে একটা বিশ্লব ঘটিরে তিনি
সম্পাণী নতুন কবিতার জন্ম বিতে

চলেছেন। এখন কবিতার কাবিভাব কে বোনে। সাহিত্যের প্রেক্ট ্একটা শা্ড ঘটনা।

বাংলা কবিতার বইয়ের প্রতি প্রকাশকরা অন্যুক্লা নয়, অতি তর্মা কবিনের তোপ্রকাশক জোটা এক দ্বাভি ঘটনা। ত্রার রয়ের কবিতা, ইদানীয় এত সাড়া জালি য়াছে থে, তার কবিতারাক প্রকাশ করেছেন একটি নিতাশক অব্যাসায়িক প্রতিটোন। তিনটি কবিতা প্রিয় তর্মা নিছক শাগর বাদ ত্রার রায়ের কার্যার্থিটি প্রকাশ করেছেন, তানির সাধ্যেশদ জান্তী।

ুষার রাধের বহারের প্রথম কবিছো, দেন্থ। কেবেনা। তার ভারদভ এই রকমঃ

গাঁবনার বধাবেশ, বনগানে আঁচের মধে।
শ্যার এই শিখার রামাল নাজ নিজে বেল ল ভাই ঘোটে দেখে নোবন পাপ ভিল কিনা !"
বদত্ত পাপপাগের তোরালা কারনা না এই কার। কারণ ভার নাতে, "কবিতাই কুনাশঃ গেগার দাতো সাফ কবাত মধলা কালো।"

তুষার রায় কেন্স একদিরে সাক্ষা রাক্ষর করি, তেনিনি নান্যতা বোধ এবং সনাজ সভেতনভাভ তবি মধ্যে প্রেল নাতার উপশিলত। কেতুত, রাস্তার বাজ কেলালান কের, তাদের কম্নাই মনে করা উভিত নয় যে, কোনো করি তাদের কেল কিলা মান্ত্ৰিব দুঃ শ ক ছব। স্বশ্ন এসং ক্র বস্তে ব হালা।

্এই হাত কবিতার ধুবার রার কৈংছে,

এই হাত রক্তে তরা দ্যাপে,
বন্দ্র দায়েশ ধোরাতে,
এই মার্ড কমি খতম কবে ভাসতি

শান ছারিছে ক্রীপরে প্রেরা জ্যাকারতে এ আমার পতাগ্রেই উটেউ হতাগ্রহ, হতা, " "শিকার" কবিতাটি জীবনায়ক লাগ্রে একটা চালেকে বলা বার। কবিতার কোনো নতুন বিষয় নেই। নতুন একমাত ভাষা।

কালে বাছারার

তুষার রঞ্জ একেবারে মাণের চাযার কবিতার দার্থ ভাবে প্রতিটিটে করেছেন। গদেই থানেই তো কবিতাৰ একটি গাচার বিষয়বদ্ধ উপক্ষিত্র সূত্র চাটে উচিক্ষে।

শ্রেমারে প্রেম ও প্রতিষ্ঠান কাটে প্রাট মাজ যার কাশে প্রেশ সম ও স্কার্যথান

ওপর নিত ভাইকে বাঁহ সন্তাস স্মৃতিয়ে অন্তে সেক্ষয় ছালপেছৰ মন্ত্ৰ

তাবিভাগে কাকোনে। সংগ্ৰহ বিশ্বের বাব্যব ও বেজ

ন্তু দিন পারে মাজেরারীতেও ভাও বলাও। (জনিস্পায়েলাড

असारक शहक



भारकात करनक कारगई स्वतास्व

(Hesp

रतथक मधी :

हाताभःकतः *कारमाशास*स्य **रा**ष्टरस्य বসা, সাগরন্য ঘোষ সম্ভেশ বসা, বিমলী কর্ রহাপদ চৌধারী, জ্যোতিরিকু নক্ষী, शासाक वर्ते.. নরেন্দ্রনাথ সিত্র শিবরান চক্রবাহী , স্নীল গণেবাপাধার, শ্রীপান্থ, প্রফার রার, আশাপার্ণা দেবী, মহাশেবভা দেবা, সমুপণা সেন, প্রতিভা বস্ শতীন ভৌমিক, নিমাই ভট্টাচার্যা, পার্থ <u>চট্টোপাধারে, অজর দাশগণেত বিমল</u> চরবর্তী, উত্তমকুমার, স**্থি**য়া দেবী, বিশ্বজিং, অপণা সেন, বস্ত টোধুরী, স্বর্প দত্ত, মৃণাল সেন, **তর্ণ মজ্মদার, এবং জারও অনেকে**।

সিনেমা পরিকার কথো একটি উক্তরে নাম উত্তম উদ্যোগ : ৪, চাঁদনী চক পাঁটি ● কলিকতো ১৩ কোন : ২০৯৭১৪, ২০০১৪৬

অলোচনা: বিদ্যালাগর

विमानाग्रह। याःमा गानाह मूह्या 🖪 ছারতের নারী প্রগতি। শ্রীরমেশচন্দ্র ছে ফোর। জেনারেল প্রিণ্টার্স আন্ত প্রাসা প্রাঃ লিঃ, ১১১ ধর্মতলা শ্রীট, क्सकारा-५८। ध्रा होका।

ক্রাবিংশ শতাক্ষির প্রাতঃক্ষরণীয় মহা-ক্ষুত্রিরাস্থারের আবি**ভাব আ**য়াবের ছাত্রীয় জীবান এক ধ্রাস্তক্ষী। ঘটনা। পুর্বাধর মহাপ্রেয়ের প্রতিভার বিচারে বলী গ্রেছেন বভাষার ক্রেল্য অন্যতম এক ভ্রত্তির সম উপেধ্য রাজন্তনত আল্লেস্ট্র ছাল চু চুৰু কোট পিছেই বিশিষক egige প্ৰত, সম্ভূতি প্ৰকাশিত এই ০০০ চিত্তুক্ষ ক**ভাল**ী হঠাকেল ক্ষে নিহাসন্ত্ৰান্ত ভাহ<mark>ন্ত্ৰে প্ৰ</mark>নন্ত গৰিন সংগ্ৰ প্রত্যাহ । বিশ্ব সংক্রিকার করে । করে । করের ক্ষেত্র কর্তার সংখ্যা আঠ গাঁওটি বিষয়েশ্যন্তর নিক্ষা হোকে এটা বঞ্চতান সংখ্যান সংখ্যান করি ভারা ভারা কলা র্ভা তথ্য ব্রভান বেরলা গ্লাস্থানিতির ଫିନ୍ଦ୍ର ୩୯୭୮ ଅବସ୍ଥା ୫୩୯୩ । 'ଷ୍ଟ୍ରିମ ଓ ମେ इव्हर्न हर्ने दक्रा की स्कुल हर्नेत ମହା କରଞ୍ଜ 'ଭାଗ୍ରେଷ ଜାଣୀ ଅଟନ୍ତ'

গ্রেম্বর নির্বেখ্যামের লিকে নজর সংখ্যালট লৈকা কৰে, **ভীমান্ত হঞ্জ**নত বিক্রমালবের বিপ্তি বিষ্ঠুত ক্যাঞ্চিব্যুদ্ধ স্থালিক দিয়নে উদে লা হত্তি তিতি বিলাদ ম্পারের জাবিদার এডর ব্রতি প্রধান জাবিতার। 67 र जाल्या करा ७ जहहाडूका । जाल्या करायह ইম্ম ২০ হ' নিজ্ঞা ছিল্মতে সিদাল গতের ষ্ব্যা ভবং নারীমান্ত আন্ন্যভানে ভবি প্ৰথীৰ প্ৰচেম্বাট্য এই মৃত্যি নিকের ভগার ^{ঐবর ভারে}। কেলোছন। এবং এই বিচারে শ্রমের তার মেলিকভাভ ও প্রসংগ্র रेकियाराजाः। । त्राभकः खालासः प्रसादम् ५कः। ার মতে সর সারি বিদ্যাস্থারের গণারীতির ^{কিন্তু} কিংবা **স্থানীলক্ষা বিশ্ভ**ার ও বিষ্ণৱা বিধান প্রচল্পতের ভারি ভূলিকর সমগ্রেক ^{ভারতি} করেললি। বিরণসংগরের এই ^{টাবত} কীভি'র পরিপ্রেক্সিভটি রচনার ডি'ন ^{জারক}তর মনেযোগী হরেছেন। ফলত, বিলাস গর সম্পরেক আগ্রহণী পাঠক এই ^{্ব-২০} ঠ এমন একটি অভ্তপূর্ব দৃশ্টি-কেণের সংধান পারেকা, যা এই মহা-িব্যানত কল্লেখনার এবং সাহিত্য-চেম্টার ^{মার}ারটো নভুন দিগকেন্ডর সম্ধান দেবে। ^{সংক্রি}শত পরিসরে বাংলা ধলের বিদতকে**র** টে র্থরেখাটি লেখক জভাত বিধ্বস্তভার



লাজা চিলিড করেছেন ঐতিহাসিক তাপেছ হিক হেনে হৈমন, তেমনি বিস্থাস গরের গ্রারণীতির ভুলামালা বিচারে হারণ্ট সাহার্যা ক্ষরে। বহুত প্রকটিকাস্থার বার্থা গ্রেম্ বিব্রেশিল্রের সমাক প্রিস্ট ভিস বিদ্যাস গরের অসার্টেডর বিচার প্রতিগা হার প্রতি না হার হৌ করে কীয়**ে** 東新なアではと まずまと アルバカラル さ^{から}むける অনুহা কার এক দ্রাত সাহসিকতার প্রিয় সামায়েক। রাজ্য অসের ভারতিয়ার स्कृतिक क्षेत्रक स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट দ্যাকর ক্রেড ক্রেটা টার্টালয়ে ক্রেটের কানত্রহাত্রতে, বিক্রম্ভ হাড়জার ^{বিতর}্ बाक्कापुरत करान भारत धानाउँ एकार । कार्य লক্ষেত্ৰ বিভাগের বিভাগের বিভাগের ছানুয়া, আহা চাহাক ও ক হিতাক লৈ সাহাৰ্য **হ** করেছেন। হারশ। এই হার্থের নিবভাষি ভাষা, ଅଧୀୟ ଜାନ୍ତ୍ରଣ ନାମ୍ୟ ଅପ୍ରତ୍ର 250.40 আ (রাজেন) প্রতিবর কাছে অধিক রয় ম্যারিক ব্যস্ত বিষ্ঠিতি হার বার্থনা ক্রান্ত লগান ুক্তি আনুন্নার্থ বিরুদ্ধের বিরুদ্ধের করণ্ট । তেওঁলৈ এই বছা কলেও জাক লাভ ইছা হাট্ৰটো প্ৰ কৈতে ইট্টোছ ভৰ বিশ্ব ভৰী ∆ନ୍ତ୍ର ଅନ୍ୟାୟ କ୍ରମ୍ପର ଅ**ୟ**ତ **ଅ** ଞ୍ଚାଞ୍ଚ ଅଟେ ଅଟି ଅଟି <mark>ଅଟେ ଅଟନ ଅନ୍ନାଞ୍</mark> হিস্তাৰ হাভ কৰিছে হৈছে স্থাৰৰ কৃতিলে

বিচার করা ইনেছে। আলোচা প্রদেথ শ্রীবার ଅଞ୍ଚଳର ଅଟମ ବ୍ୟତ୍ତ ନର୍ମ୍ୟ ହେଉଛି ଅଞ୍ଚଳ করেছেন। বৈনিক যাগ থেকে ভারতীয় সমান্ত নার্বাঞ্চলিত্র স্থান এবং ভামিকার ইতিহাস বুজন করে একালা প্রনিত্র বার বিব্যুট্নার রেখানিত আঞ্চম করে লেখক 522(2)(9)(2) কভিডের তিন্তেপ্রসংগী হয়েছেন: ভালবদেশ যাগে ভারতীয় নারী, প্যাতিশক্ষের হাগে ভারতার নারী<mark>?</mark> রের জহর্লার বলে নারু≒-এই বিভারি অধারে ভারতীয় সমাজে এবীর অধিকার 🗢 কলে বিহাস জীয়ার জল্মনার মালাবান ভূগসহ বহা সাউপাছর উল্লেখ করে ভারতীয় নারীপ্রগতির স্বরাপ সম্টেত্র ক্ষানুষ্ঠন ভাই পানিস্তুলে পা তা ক্ষোন্ত ফার্ম এবর ভাষত্রি এরতিরগাঁড় সম্পার**া** ক্ষরতা ও সুকরতা ভ্রুত্তি স্থাপতি ধারণা প্রা**ড** ভুলাভে সহায় কলাব ভেম্ম বিলয়েকারেক অর্থিয়ের সংক্রার সংক্রারিত ক্রি <u>ର ଅଟମ୍ୟ ଅଟମ୍ୟ ନହନ ମ୍ୟିଟ୍</u> ସଂଖ୍ଞା ក្រកួត។ មន្តិសំខាង សម្រាប់បំផុស ខាងជាខ្យំ។ অংগ্রে পুশ্চান্ত ভারের এবং যুগর হৈছ ভ্রতীয় নলীপ্রতির সভীড় লোগটোৱ সাধ্ভীত বিশ্বসংগ্ৰন্থ প্ৰাথ্য সুম্বরার সম্প্রসংলাভ করেছে। এবং এটিটাই শ্রীয়ার নিজ্ঞানর বিশাস্থারের সম্প্র সাহিত্যকীটোক এক হাঁডজ এবং আনন্ত 5073 FUELER I

গুদের স্পত্ত সন্ধানী ঐতিহালিকের মির্পেক দ্বিভ্রা ৬০ প্রিরেশনে নিপাণ্ডা, বিচারপ্রথিতাত নিষ্ঠা 💩 সংস্কৃত্র পরিচয় প্রেট্য মন্ত্র প্রতিক্রিত दायह कर प्रशास उन्हें । दन्हें हैं । तुन **टा**

M. A. ENGLISH SERIES:

इम्माहन क्षित्र : आक्रम का भागक उप का राज्या

ভল্ড 📞 সেন্দ্রগিরার \$3.00 ।প্রসিধিত ২০ সংকর্ম)

> भूष अंशिक्षाद्वभागः हे. द्रम्यद्रोदन्यन

৩ রোমাণ্টিক

বিভাইভাল y 30 ৪ ক্লম ডিক্টোরিয়ান

ট্ৰভাৰ 58 60 ८ अस्ड देशीयम अन्ड ফিললাজ

6.00 ৬ চৰাৰ 25.00

1€ 1 ± 1 1 < €1; ್ಷಾತ್ರ**ಸ್ವರ್ಷ ಶ**∗್ತಾರಿ ಕೆಂಗ್ರೆಗ

ভল্ড ব কিটিসিজ্স \$ 00 ৮ সিলেইটেড এসেক ৮ ০০

🏃 अञ्च श्वादिमणन **२० दिन्छि एक देशीनम**

निर्मात्त्रहात (५०% अन्छ মিডিল ইংলিশ)

,, ১১ आन हेल्ब्रांडाकमन है. न्हेरेन आकरता नाकनन প্ৰাইমাৰ উইথ মডাৰ্ণ বেন্ডারিং এন্ড কম-প্লিট ওয়াড়' নোটস--

এম এ ইতিহাস ও জানানা শুস্তক তিলিকরে জন্য লিখ্য

চলন্তিকা ৭, মধীন কুন্দু লেন কোৱন্ত বোৱ ভিত্ৰেন, কলিকভা—৯

বিদ্যাসাগর-বিবরক আলোচনা-গ্রন্থপালির ডেডর শ্রীব,ত মজ্মুদ্যারের এই প্রন্থথানি শাধ্য একটি উল্লেখযোগ্য সংযোজন নর, শহক্ত কীতি হিসেবেও মধ্যাদ্য পাবে।

২৬৪/৬৯

•বিতা

বরে দ্বে নিগক্তরেখার। দিবসম্ভূ পাল। লাহিত্য পার গুংখা। কলি:৬। ডিন উকা। রবের ভিতরে রৌদ্রা গ্রেশ বস্যু। লিগনেট ব্যুক শুপা। কলক:৩:-১২। স্যুট্রারা।

জনের জনের ব্যক্তর সরে। তথার সরকার। গুলিক: পার্বাজনিং কে.৮গ্রেটি কলক ত:-৯২। সুটোকা।

সমাজ ও জাবিরোর অধ্যকরে বিক জধবা জেনা থেকে প্রেন্থনিতার নিবিত্ চেডনার ধানা ধরণা, ভাবনা ভিন্তা নিন জবির বিভিন্ন দুটিট্রোনার দ্বত্নভাবে উল্লেখন হয়ের উঠেছে ভিন্তি কার্ডান্থনি । জবি হাদ্যোর এই অন্তান্ধন্ম, বিদ্রু, বিজ্ঞান্ত সোল্লাবিত।

শিবশাস্ভ পূলা অনুষ্ঠিন 12 -2 **লিখাছেন।** দশক হিচেম্বে ভাগ কৰ্ডা **ভার্মিক পার্য কোন কান্ত বলেট ভিত্তি ক**ল বারে। মালে হয়, 'বারে দারে দিগতত রেখার' ভার প্রথম কার্যপ্রথম এ কার্যপুর্ণর প্রথম কবিতায় কবির স্বলতোত্তি একটি **লাতট কবিতা জিলে আলছি প**্ৰেটি কৈঃশক্তের ভিডে শানে থলকে যেতে হাজেও সমগ্র কাকালুভ্য পাড়ে মান হয় ঐ এক টি ক্ষরিভারে আংবয়াণ করি ভার ধ্রাপ্ত ডালি-**জন্মি** দিলে মনোর দর্জা থালে কবিত্র প্রশাস্ত্র ভারসায়ে প্রস্তেশন কার্ডেল-ন্যেরটার শ্রেম আছে নিখান কৰে প্রাণারক হুদ্দের আন্তর্ভান প্রার্থ সার্থ হালার করা র হৈতে কাষ্টে ক্রিড হয় বিষয়ে ধ্যান্ড

তব্য কথন যেন এ পোড়া হল্যের বিকারেশ শব্দের হিয়েবলিও ফ্রানের ক্লোডর মতনা উজ্জাল হয়ে ওঠে। কবির জতি স্পাট আ্ফাক্রন মালে-মধ্যে কবিতাকে জাল করেছে। শক্ষ্যান, ছব্দ সম্বর্থে কবি সঞ্জাল।

মামকরণ থেকে শরে করে বাটের কবি লাপ্য বসার চত্তথা কাবোল্লাপ্য কথা বলাব ধ্যাল সম্পাল বিপ্রতিয়া **বেলের ভিতরে রৌদ'-তে বক্**রে। **ক্ষ**ঞাতা তবং করিত্য ভারতের সামিত হৈছে ভারে সালে। প্রন্থ বিজ্ঞান প্রক্রে প্রভিস্থিত করিল হৰতে একটা গোট কবিয়া 'દારત કે વ 5755 477 NIGSTE TREESEN GIVE Fire ser die ere-tee ee সমত কলোগলক ধারত প্রতিত ^কলোগ ভাষাতি ভাল মাহেশ অম্ন/ভিত্তি গ্ৰ その前、2540/321前、7861前、2014、1株で支付 TOTAL TO SEE SEEN THE CONTRACT SEEDS হাটিছে গ্রেড ভেলাছেরে । এ পর্চিত ਹਵਾਲੇ ਇਕਤੇ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਹਨ। ਇਸਕ ਸਭੂ ਨੂੰ ਜਨ राज्य अक्षेत्रका कालता खेळदा प्रस्तास्त অধ্যাধ্য হাত প্রারা

ক্লাক বিশ্ব নিয়স্থল নাহকা কৰে চন্ট্ৰ সংখ্যা বৈয়েন-প্ৰেমণেও ফাল কেটা তে মনি অভিযেক হয়/পালীচত প্ৰিয়ে পাড় তেওঁল সিয়ত মহামগুল

शरका

প্রথের প্রেম। মাল কর্। চল্ট্র প্রথোলন্দ্রী। কাল্লচ স্থান মার্থার কলকাতান্দ্রিম স্থান্ত বিভাগ

নাটা কাষ্ট্ৰ শীশু কিব প্ৰত্যা হল আৰু ইছা কাষ্ট্ৰ স্কান্ত শিলা কাষ্ট্ৰ স্কান্ত শিলা কাষ্ট্ৰ স্কান্ত কাষ্ট্ৰ কাষ্ট্ৰ কাষ্ট্ৰ স্কান্ত কাষ্ট্ৰ ক

3/1.4

্**রবাদ্যমন। জীনসংগ্রার জন** বিক্রোপ্র ভারবেলী জুরার্ডি লিলান জন হর বা প্রধান বাজ, ব্যবাহ জন আন্তর্ভার

মেটে বারেখনি প্রবংধ বিনাসত এই
সমালোগনা-গুলেথ লোখক রবীন্দ্র থের কম ও ভাবনার বিভিন্ন অভিযাক্তি সম্পর্কে আলোগনা করেছেন। এবং এই আলোকা সম্পরত সর্বাত গুলিনাক্ত না বর্গান্ত প্রশংসনীয়া বিশেষত রেবীন্দ্রমাথ ও বাইল সংগাতি, স্বেশীন্দ্রমাথ ও বাংলা লোকিব ভ্রুপ্ত রবীন্দ্রমাথ ও বাংলার যালাম্বিতালি এই প্রবংধরয়ীতে লেখক যাথুন্টা মোলিব চিন্তার পরিচয়া বিস্তেছন। তার যেনি

বিনয়ে ঘোষ ও অংশকেরজন দাশগ**্সু** সংগ্রানত

ঈশ্বরচন্দ্র গ্রেণ্ডের কাব্য-সংগ্রহ

G < 3

ৰাংলা ৰ্যন্তর্চনা ও নক্শা সাহিত্য

(ভ্রানট্টরণ থেকে কালট্ডসর সিংহ প্যাণ্ড) বিস্তারিত সামাজিক পশ্চাদাভূমি সাহিত্যিক বিশেল্যণ, ব্যাখ্যা টীকা-টিম্পান-সহ অবিলন্তের প্রকাশিত হবে

> পত্তিকা সিণ্ডিকেট প্লাইডেট লিমিটেড পি ১১ সি আই চি ব্ৰেড কলকাতা ১৪



ভাষান ভেনোকাটিক বিপাবলিকের পঞ্চম িল্মন্যাশ্চিক ও কড়ি। উৎসৰে লিপভিবে মহিলাদের ভিমন্যাশ্চিক প্রশ্নী

এই দশ্যে সকল করা ছিল আনাও জনিতার এক কড় সংখ্য

হে কেন বড় সফেলের মটেল শ**ি**র ও গৈণ্যাপার অবশাই প্রয়োজন। কিন্তু ভার চোরও বড প্রয়োজন মানের জোর, সেই रुषाडे अपान करतरकम तम दिल।

পরাজিত করার প্রতিজ্ঞা

রন জিলের জারের স্বশ্নের মত তিটিশ ৰং জনপার লীন ডেভিসও মেপ্তিকো জান্দিপ্র আসেরে প্রজ্ঞের পর প্রতিকা ক্রেছিকের প্রথিবীর বড় লং জংপারকে তিনি একদিন প্রাজিত করবেন।

কে প্রতিবাধি বড় লং জ্যাদ্পার ? নিশ্চয়ই আয়েরিকার নিল্লো আর্থেলটি বব বীমন। মেন্ত্রিকাতে লং জ্ঞাম্প ভার আলাকিক ক্রীর্ড-যে ক্রীভিকে আছেলটি বিশারনরা বিংশ শত্ৰদীর অ্যাথলেটিকস জগতের হিসাবে চিহিত সংচেয়ে বড় কাঁতি কারণও করেছন। চিহিক করার শক্তির ছিল। কেননা কোন বিষয়ে পেণছে প্ৰায় শেষ সময়ে टगटन ভারপর সামান্যভম উল্লভিও অসাধারণ ক্তাতত্বে পরিচায়ক। সমরের স্ক্রাতি-राका छण्नारण वा शक-कार्व-हेणि किरवा মিটার সেশ্টিমিটারে সামান্য অংশের উর্লাত তখন আলোকিক কৃতিৰ বলে চিহ্নিত হয়। আন বৰ ৰীমন বিশ্ব ব্ৰেক্ড থেকে এক লগ্ড় প্ৰায় ২ ফাট অগিয়ে গিয়েছিলেন। লাফ্টোছলেন ২৯ ফটে ২ট ইণ্ডি।

দ্রতিকত অলিম্পিরের স্বর্গাপ্তক বিজয়ী এবং তখনকার বিশ্ব রেকডেরি অধিকারী প্রভিত লখিন ডেভিস্কা দড়িকে দড়িকে হারদের লাফ দেখে বলেছিলেন-'অলোকিক ভ⁶িদার ভাষকারী হালেও আনি মনে করি মা বর ব্যামন বিদেবর সর্বকালের প্রোষ্ঠ লং ভামপার। বীমনের চেয়ে রালফ বেস্টেনকেই অগ্নি বভ স্বাফিয়ে বাল মনে করি। বীমনক তালি প্রজিত করেই।।

ডেভিসের সেই প্রতিজ্ঞা সফল হয়েছে হট,টগাটো ইউরোপ ও আমেরিকার দৈবত আছে লাভিক্স লভাইরে। স্টাটগাটে ভেডিস ২৬ ফাট ৭১ ইলি লাফিয়ে প্রথম হারছেন। বৰ বীমন ২৫ ফুট ওট্ট ইণ্ডির বেশী লাফাতে পারেননি।

স্বীকার করি, সব প্রতিযোগিতা সবার পক্ষে অনুক্ল থাকে না। শরীর এবং মনের উপরও নানা কারণে সামরিক প্রতিক্রিরের স্থিত হয়। স্ট্টগাটের পরিবেশ হয়তো বীমনের অন্ক্ল ছিল না, কিংবা শরীর ছিল না প্ররোপ্রি পট্। তাই পরজের হরতো অপ্রত্যাশিতও নর ৷ কিন্তু কথা হচ্ছে, বে প্রতিবোগী অলৌকিক ক্ষমতার অধিকারী এবং বার মান্বের পক্ষে 213 প্রতিবোগীকে প্রাজিত ক্রার প্রতিজ্ঞার মধ্যে যে মানসিক সড়তা সৈঠাও প্রার কল্থনার বাইরে।

গোলেন্ডন গাল

অংশরিকা ও ইউরোপের নানের সংখ্য ভ্রনায় জ্যাথলেটিকস ক্ষেত্রে এশিয়া অনেক পিছিরে আছে। বিশ্ব অ্যাথলেটিকসে অংধকার আফ্রিকার সাম্প্রতিক কৃতিছও সমর্গ কর্বার হত। তাই এশিয়ার কোন ছেলে যা মেয়ে হ'ল আন্তর্জাতিক ক্ষেত্রে বড় সম্মান পায় সেটা অবশাই সংবাদ **হরে** बार्ज ।

ভাইওয়ানের গুণালেডন পালা চি চেপ্স আনেকদিন ধরেই আথেলেটিক জগতের সংবাদ। মেক্সিকোতে ৮০ মিটার হার্ডল রেসে পেয়েছিলেন রেঞ্চ প্রক। সম্প্রতি ভাবলিনে আরোজত ক্রনলফ হারিয়ার্স ই-টারন্যালনাল অ্যথেলেটিক প্রতিকোশিতার চি চেংগ ১০০ গজ দৌড়ে বিশ্ব রেকর্ড স্ভিট করেছেন। অবশ্য এই রেকর্ডে তিনি একক কৃতিছের অধিকারিণী च्युन्द्रीनद्वात अम উইन्डि अवश चार्ट्यातकात নিলো মেরে উওসিরা টাইউদের সংস্থ রাকেটে তার বিশ্ব রেকর্ড।

চি চেপ্সের ভাবলিনের সমর ১০-০ সেকেন্ড আরও উন্নত হতে পারত বাদ ফাইনালের পালা হত ভীরতম। হিটে ভার



নিউনিকে ১৯৭২ সালের বিশ্ব জালিংগকের জানর বসছে। তার প্রকৃতি চলছে জ্যোর-ক্রমে। জালিংগকের বিভিন্ন পেটভিরাম ও জান্দ্রপিগক কাজের জন্য বে ক্রমন্ত্রীক্রমন বোর্ড গঠিত হরেছে সেই বাোর্ডের ৪ বিভাগের ৪ জন কর্মী জালিংগক স্টেডিরামের ভিত্তিপ্রক্তর বরে নিয়ে বাজেন। গড় ১৪ জ্যোই ভিত্তিপ্রক্তর প্রাপ্ত

সহঁর হরেছিল ১০-৫ সেকেণ্ড এবং অতি
সক্ত্রী ও অনারাস ভণিগতে তিনি দেড়িক্রিনে। আশা ছিল ফাইনালে ১০
ক্রেকণ্ডে দ্রেম্ব অতিক্রম করবেন। কিণ্ডু
ক্রেড্র শেষে বলেছেন কোন প্রতিযোগিনী
অলার পিছত ডাড়া না করার সময়টা ভাল
ছর্মন।

ভূবে ভাবলিনের আণ্ডর্জাতিক প্রতিব্রেটিগতার নয়, তার তিনিদিন আগে করিউফের এক আণ্ডর্জাতিক প্রতিব্রেটিগতার এশিরার এই মেরে ১০০ মিটার ক ২০০ মিটার দেড়ি এবং ১০০ মিটার হার্ডল রেসেও বিজয়িনী হন। তার কিছ্ আগে লণ্ডনের হোয়াইট সিটিতে মহিলাদের আ্যামেচার অ্যাথলেটিকস চ্যাম্পিয়নশিপে ১০০ মিটার হার্ডল রেসে করেন ব্রুরাজ্যের মন্তুন রেকর্ড। ভাবলিনে ১০০ গলে বিশ্বরেক্ত করার পরের দিন ২২০ গল দেড়ি এইং ২০০ মিটার হার্ডলেসে বিজয়িনী হরে ঠিমকুট সম্মান পান।

न्नाद्रमत नतासम

পঞ্জাদের পরাজ্য বললে হরতো কথাটা ঠিক বলা হবে না, পঞ্জাদের প্রচেন্টাই বলা উচিত। তবে শক্ত সমর্থ জোরানদের চেরেও বলি পঞ্জাদের কৃতিছ ও নৈপ্রান্ত নজির স্থিতির কারণ হর তবে পরাজ্য বলতেই বা বাধা কোথার?

সপতাহ দুই আপের একটি ধবর ঃ বোন্বের নৌবাহিনীর হাসপাতালের রোগী মুরলিকান্ত পেতকার পাারাপ্রেলিক অলিম্পিক থেকে একটি সোনার মেডেল লাভ্ করে আবার হাসপাতালে ফিরে এসেছেন।

ইংলণ্ডের স্টোক ম্যান্ডেভিলের প্যারা-শেলজিক অলিম্পিকে মুরলিকানত বিজয়ী হয়েছেন ৫০ মিটার ফ্রি স্টাইল সাতারে। ভারতের একমার প্রতিযোগী বিনি স্বর্ণপদক প্রেছেন।

ম্রলিকান্ত পেতকার ছিলেন কোর অফ ইলেকট্রিকাল ও মেকানিক্যাল ইঞ্জিনিরারদের দাঁলোরা বাহিনীয় একজন দৈনিক। ১১৫৫ मारमय भाक-कामक मरकर्ष कात रमग्राहरू जाबारकत करण निकाला जनाव रस गा। ভারণর ভাকে ভার্ত করা হয় বােশের ন্যভাল হানপাভাল অন্বিনীতে। স্ট্রে বেরাণি তিকিংসার অপ্য হিসাবে তিনি अक्षे अक्षे क्रम मीकान कार्ये वारक क्टबन । महत्त्र महत्त्र बहेरा कारद राम লানা বৰুমের খেলাখুলারও বেওরার আক্র হর। শেলাবলোর প্রতি আগেও ভার बाबके जाहाब किन क्षेत्र मार्थातक वाहिनीए নির্মিত হেলাবলোও করেছেন। প্রা হরে পভার পর এই খেলাখনোকেই জীবনের ৰত হিসাবে কেছে নেম। কলে পাৰে:-শ্ৰেছিক শেষাউলের নালা বিবরে গ্র হাছর পদক ও কাপ। তবে আদত্তগতিত আসৰ থেতে স্বৰ্ণপদক লাভ নিশ্চরট ব্য কৃতিত। মুর্লিকান্ত এখনো হাস্পা্চার চিকিৎসাধীন। ভার আলা খেলাধ্রার হল দিরেই তিনি ভার সহজ্ঞ 🐞 স্বাভাবিক कौरत किरत जामरक भारतन।

শ্রেণ ব্যাপেডানের এই প্যারাপেলির ব্রারের (রোম ও টোকিও) অলিশিক মালাধন চাশিংল ইবিওপির স্থানের বেলাও বেলা কিলাও বেলা দিরেছিলেন পাণার অবস্থার। মাস পাঁচের আগে এক ভারণ মোটের স্প্তিনার অব্যাহর পর বিকিলাও এখন স্টোক মানেডানের চিকিৎসাধান।

প্রশানের অলিম্পিক প্রথিনীর বং পাণানে অংশ গ্রহণের উৎসাহ দেখে বিকিলার প্রতিবোগিতা করার ইচনা ক্লাগ্য তার दर्शादक सङ्घा । द्वीदक कमा भा खाँड अध्या गणे. इता **अर्कान। न्याका**विकलात शांके इन ক্ষারও ক্ষমতা নেই। ছোট বিকিলা ঠিক করলেন হাইল চেয়াতে বাসেই প্রতিব্যাপ্ত **করবেন। বিষয় হিসাবে বেছে নিলে** ধন্বিদ্যা। মত ৭ দিনের অনুশীস थर्माविभाव विकिता सवध स्थान रशाहरूम প্রতিবোগিতার পর বলেছেন, 'কোন ম্থান বা ৰুজ পরেণ্ট পেরেছি সেটা বড কথা না বড় কথা আমি আবার দেপটেলৈ অংশ গ্রহণ করতে গেরেছি। আমার মত এমন দ্রে^{টিন} অনেকের**ই ঘটতে** পারে। কিন্তু ভে^{লে} বা মুৰুছে না পতে ভারা যদি আবার সোল হরে দাঁড়াডে চেন্টা করে তবে নৈরাশ व्यक्तकारत्न रक्तं वादः।

সতিছে নৈরাখ্যকে জর করার ক্ষেত্র ধ্বেলাধ্লার এক সন্মোহিনী পরি আছে পণগা ও অশন্তদের সাফল্য থেকেই তা প্রমাণ হেলে। তাছাড়া বারা জন্মান তারাও তো দেখছি অসাধ্য সংধন করছেন কিছ্পিন আগের আর একটি সংবাদ ইংলন্ডের ৪ জন জন্মান্ধ সাতার্ রিবে প্রথার সাতার কেটে ভয়াবহ ইংলিশ চানেব অতিক্রম করেছেন।

১৩ ভাদু ১৩৭৬ ভারতের জাতীর **ক্টবন**

ভারতের জাতীয় **ফার্টবল বা সক্রেছ**ছান্তর হংলা এবার অন্যা**ন্তত হছেছ আসোলের**নভারি লাভারি ফার্টবলের এটি **২৬৬ফ**লাভারেন ১৯টি রঙ্গা এবং স্নেলাওরেক

৪ সভিসেস দল—মোট ২৯টি নল নিক্রে

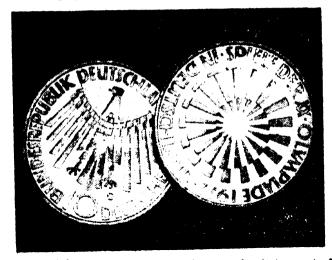
লাভার ফার্টবলের খেলার ভালিকা প্রস্তুত্ব

হলেছে। গভরতের খিজারী মহীলারে

লের রন্সা খালাকে ভালিকার দাুইনিকে

্বাতের ৪৬ ২৬ প্রতিকাগিতার মধ্যে ন্তু লাজের জালি হেলা হড়া রে.ভাস, ্ণ ভূত ১: এক এ শীক্ষেত্র শেলা ১ গুড় (৬ল ৬খনে) আছে। ফুটবলের ১১ সভাচর উপেরণা **িয়েই জাতি**র গুড়ারের আলোজন করা হয়, তারপর লামা _{সভার} ৪৬০টন প্রতিবৈচিদ্রার উপর **৫**০ম ে তে প্রতিয়ে তিতার ছাপ মারা হয়। ফার্ল রুন সূতা **এয়ার মন্দ্র প্রতিষ্কৃতি ভা এবং** ভ_ুক্তে সন্ভাষতে হৈ ক**্**বল কড়াই। িলেট ও ১ ফলো স্থানিবলৈর স্থান **কভিন্নি** ৪০০৮ সংখ্যা ভিৰা সংখ্যাই হাজা জা থেক কার । বিশ্বস্থী মান্ বি**হন্** ে ভুড়ের বিশহু এই মণ কোলা **ভার ন**িছু হো যুৱার পারি বৈদেশী দ্যার স্থান্য আমানুষ্ হতিবলৈত্য হতীয়ে স্কুলির তক্সি াল কাছে আহোমান্ত্ৰীক অভিনয় প্ৰতিষ্ঠ কৰিছে ক্ৰিছে প্ৰ ^{ত নি}াক সেইছ **ভ**ইর ভের **করেছ আ**লা কের ার্থী লেকে শেসেবিভাবে হার স্থাকার ^{প্রতি}। মার্লাভকার হৈল্পা **অন্ন**ালর মাগণা অধিকা হিলেছে। সম্ভূতি িটাং ওবশানা হেছাত হা**ক্ষণ কেটিকে**রে राष्ट्र प्रभागत सम्भागत क्षेत्रकार्यस्य ५-० ী যি গ্রভ্র ভ্রতীয় ক্রিব্রের দ্রাল্ডা িংশ সংগ্ৰহণ দিয়ে কে<mark>খিয়ে দিয়েছে</mark>। শ্রুপার্যা রস্পারপাস হে সালের জনত্ত সাত্র ^{১৮৮}ে গেলোয়াড় ভাষতের জাতীয় দলোৱ ें धेर्न देव करतराज्य परिकास स्वाधिकात शाहका ^{৪৯}৮০ জেলাল ভাচদর এই বিশ্বসায় নিশ্চয়ই উর্বাচিত ফার্টেনরেনার ক্রিচার। এই ি। কলেকর ক্ষেত্রে অনেক কিছাই হরতে ^{তর্ব সাছে।} আশ্রন্ধণীত**ক প্রতিষ**্গিতার বিশী অব্যোজন যে একটি উপায় সে বিষয়ে ^{িকার} সভেদহ নেই। **জভীয় ফার্টবল** বা ^{অন্তর} প্রতিযোগিতা কমিরে আন্ত**জ**াতিক ^{হৈত্ৰ} বাৰ**স্থা করতে হবে এমন কথা কে**উ ^{বল্}নে না। তাব দেখের মধ্যে পারস্পরিক ^{শড়াইনে} মান **উল্লভ হতে প**ারে না। বিদেশের মন এবং খেলার প্রথা-প্রকরণ সম্বটেশও ভাল ^{ধারণা জ}লেম না। আশোকরি ভারতীয় ^{ফ্টবলে}র কর্ণধারর। কথাটা ভেবে দেখবেন।

জাতীয় ফুটবলের বেকারে তারিন সমেও ভাষক নাচে ছাপা হলঃ



১১৭২-এর জালিব্যিক মটো এখন প্রেলিয়ে পশ্চিম জালানীর এটি টাকশালে তৈরী ছল্কে। প্রতি টাকশাল থেকে ১০ মার্কা মটেনার এই ধরণের ১৫ লক্ষ করে মটো বার হবে। মটোর একপ্রেশ ব্যেছে ১০তম জালিব্যিকের এইকি চিহা, জাতীর প্রভীক স্থিমের ম্তি

প্রথম প্রশ

<mark>১৯ রাউণ্ড—</mark>(ক। ৯৮ <u>শ্রা</u>প্ত ব্যাস্থা হরিব না ।১৬ চন্ট্রিকর

২ল রাউণ্ড—: ২০ **মহা**শিলে ব্যাহ্য নক নত্তর (১৯ছাটি ডি. মার্টেবর)

> তে । নিল্লাক ছে এইছিন্ত কেন্দ্ৰ ক্ষেত্ৰত নি

কোঃ কাইনাল— পাৰ বান গ ফিকতীয় গ্ৰাপ

১৯ রাউ•ড—: ১ ডিপ্রের কাম উল্পেট্র ১৯৯ স্টেড

> । তেওঁ ক্ষেত্র হা হা জনহাত্র কাম কি । ১৯৮৪ কের্কিন

২# আইব্ড—.২০ গ্রুড় বিংক্ত (ই) ২৩ গ্রুড় হল সেপ্টেল্স

(新) 大道 (1720年 - 1747年 - 174

ক্ষোঃ কাইনাল—কে। ও ধন্দ ক ভূতীর গ্ৰেপ

६**व बाक्रिक**—(८४) ७.७०८ टर ६ ८५४ र १५४४ है ।

(६५ उटाउटेस्टर)

২য় রাউণ্ড—্ট) মহারাজী ধন্ম ওছ (২১ সেচ্চেম্বর)

. ঠ। ৩-৫ বলম ব্যাস্থান

(६ वाई रहे)

दकाः कार्देगान- ७. ३ रहा है

চক্থা প্ৰ, প

১ম রাউণ্ড— ১ পি যা বনাম বেবজের। ১৯ অস্ট্রের।

হয় রাইণ্ড— গ্রাগল কাম ও ্গ্রাক্তির।

> ং ১৮৮৮ সাল সেক্টের '* অভেরের

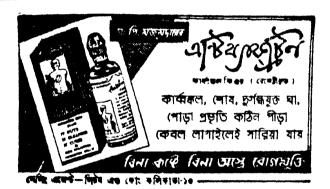
কোঃ ফাইনাল-- ৫০০ বেল ৩

্ৰেলি-ধাইন্ৰ

18 18 KEV 81

्रश्चाः क्ष्इनःश

(s) (s)



ব্যাড়িমণ্টনের আইন-কান্যুন

কেই ব্রিরের টস না করে মুলা
কেপণের ব্যারাও টস হতে পারে।
করে ব্যাভামিণ্টন প্রতিবাগিতার মূলা
ক্রেপণের ব্যারাও টস হরে থাকে। আবের
ক্রাকেট অ্রিরের টস কররে সমর রোফা বা
ক্রাথে না বলে অনেকে হেড অথবা টেলও
বলৈ থাকেন। রাকেটের যে সাপে চাপ
দেওয়া থাকে সেই পাশকে হেড বলে ধরা
হয়।

complete.

্র্রি। (d) ভাবলস এবং সাত্রাস্থ্য ক্ষিণালস্তর খেলার একটি গেম হয় ১৫ পীরেণ্ট ব্যাহত পরেরণ্টে। ১৫ প্রেরণ্টের প্রেম হাঁব, না ২১ পরেণ্টে ংগ্য জংব জা প্রতিযোগিতা কমিটি ঠিক ন্ধিতে পারেন। (সাধারণত সব জারগার ১৫ প্রত্যেক্ট গোম হাত্র প্রত্কে) ১৫ প্রত্তেক্ট গেম **হাঁ**লে ৰখন পয়েণ্ট হবে ১৩ 'অল', অৰ্থা**ং** দ্ধী' পক্ষেরই ১৩ করে প্রেণ্ট হবে তথ্য যে পাঁক প্রথম ১৩ পরেণ্ট করেবন সেই পাকে প্রেরণেট রেম 'সেট' করে নিতে পারবেন, 🕯কই ভাবে যথন ১৪ 'মল' হ'বে তথন বে কুঁক প্রথম ১৪ পরেণ্টে পেটছবেন সেই <mark>স্থীক্ষ ৩ প্রেরণ্ট গোম 'সেট' করতে প্রেরন।</mark> লৈম 'সেট' করা হলে 'লভে-অল' থেকে **টেকার** গোনা আরম্ভ হারে এবং ১৩ 'আলে' ৰ্দি গেল সেউ করা হয় তে পক্ষ প্ৰথম ৫ প্রেণ্ডে প্রেট্ডবেন সে পক্ষ জ্বী হরেন। শুমভাৱে ১৪ 'অলো যদি গেম সেট করা হয় ক্টা পদ্ধ প্রথম ৩ পরেনেট প্রেণীছরেন সে পদ্ টোম জয় করবেন। ১০—১০ পরেণেট্ট হক কৈৰে: ১৪—১৪ প্ৰয়েটেই হক্ত গ্ৰেম 'চেট' ক্ষীরতে হলে দেটিং। প্রেটেট প্রেটিছবার পর ক্রাভিসি করার আবেগ অবশাই 'সেট' করার ষ্টাবী জানাতে হবে।

্বি ২১ পরেণেট গেম হলে একইভাবে ১৩— ১৯৩ এবং ১৪—১৪-র বনলে ১৯-১১ বা ১৯০-২০ পরেণেট গেম 'সেট' করতে হবে।

্ব (বি): মহিলাদের সিংগলস গেম হর ১১
পরেণেট। এখানেও ৯ অল অথাৎ ৯-৯
পরেণেটর সময় বে মহিলা প্রথম ৯ পরেণেট
পোছবেন তিনি ৩ পরেণেট গেম 'সেট'
করতে পারবেন এবং বখন পরেণ্ট হবে
১০-১০ তখন বিনি প্রথম ১০ পরেণেট
পোরবেন তিনি ২ পরেণেট গেম সেট করতে

SCORE CARD

EVENTS Mens' Singles				ROUND Fina		
NAME_abc_		, VS	-	xyz		
1	1	1		1	1	1
2	2	2		2	2	2
3	3	3		3	3	3
4	4	4		4	4	4
5	5	5		5	5	5
6	6	6		6	6	6
7	7	7		7	7	7
1	8	8		8	8	*
9	4	9		4	9	4
10	10	10		10	10	10
11	11	11		11	11	11
12	12	12		12	12	12
13	13	13		13	13	13
14	14	14		14	14	14
15	15	45		15	15	15
16	16	16		16	16	16
17	17	17		17	17	17
18	18	18		18	18	18
M	ATCH	WON BY	15-9,	9-15.	15-9	

CHIEF REFERED

UMPRI

স্বাড়মিণ্টন খেলার ক্ষেত্র কার্ডা। তিনটি গেরের জনা তৈরী এই ক্ষোর কার্ডো লাষ্ট্র ২৫-৯, ৯-১৫ ৫ ১৫ ৯ প্রেণ্ডে খেলা নিংপত্তি স্বেখানো হরেছে। কিচ্ছু বেলন মেদন পরেণ্ট হবে জাম্পারাররা সেইভাবে পরেণ্ট কেটে বাবেল

্থিন)। বহি কোন পদ্ধ দেশ্য করার প্রথম স্থাবোগ গ্রেণ নাও করেন তবে দ্বিতীরবার স্থাবোগ পোল যে স্থাবার গ্রহণ করতে পারেন। প্রথমবারের প্রত্যাধানে দ্বিতীর-বারের অধিকার নাল হয় না।

(ডি)। হা ভিজ্ঞাপ গেলে সেটিং-এর নিয়ম নেই।

৮। হ'দ তালা দোল বাকদের বাবস্থা না
হরে থাকে ভবে দুটে পাক্ষের মধ্যে তিনটি
গোন খেলা হবে। তার মধ্যে বে পক্ষ দুটি
গোম জিতবে সে পক্ষ জারী হবে। প্রথম
গোনের পর দ্বিতীর গোনের আগো দুটে পক্ষ
কোটের পাশ পরিবর্তান করবেন। দ্বিতীর
গোনের পর বাদ ভূতীয় গোনের প্ররোজন হর
আবরে পাশ বদল হবে এবং ভূতীয় গোনের
মাকে নীচের লেখা পরেণ্ট আনুবারী কোটের
পাশ বদল করতে হবে।

(এ)। ১৫ পরেণ্টের গেছে ববন কোনো পক্ষ ৮ পরেণ্টে গেণছবে:

(বি)। ১১ পরেণ্টের গেমে বখন কেউ ৬ পরেণ্টে পেশিছদে: (সি)। ২১ পরেণ্টের গোলে বধন কেন পক্ষ ১১ পরেণ্টে পেশিছরে:

ছ্যাণিত ক্যাপ মাতের কৃতীর লোম গেন গরেণ্টের অবেঁকে পোঁছলে কোট পরিবর্তন করতে হবে। (কিজ্ঞাজ পরেণ্টের গেম হলে ভণ্নাংশের জারগার এক ধরে নিরে অংগ্র ঠিক করতে হবে। কেমন ১৫ পরেণ্ট গেম হলে ৮ পরেণ্টে কোট বলল করতে হব।

ৰণি তিনটি গেলের বদলে একটি গেই খেলার ব্যবস্থা থাকে ভবে ভৃতীয় গে^{নের} মানো বে ভাবে কোট পরিবৃত্তি কর। ^{হর} সেই ভাবেই কোট বদল করতে হবে।

বদি অমনোযোগিতা বা ভুলবণত আইনে লেখা পরেণ্ট অনুবারী কোটের পাশ বংল না হরে খাকে তবে বখনই ভুল ধরা পড়ার তখনই পাশ বদল করতে হবে। তের শেকারের কোন অদল বদল হবে না। ভুল ধরা পড়ার সমর বে শেকার খাকবে সেই শেকারেই খেলা চলবে।



চিত্ৰকথা

आवर्ष (तरन



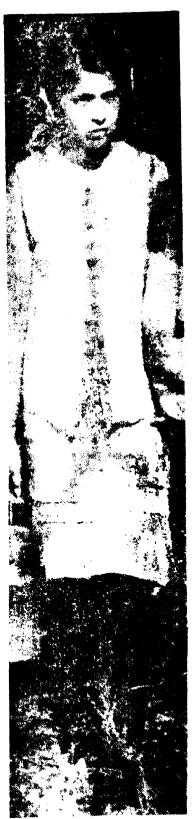
রোবের রেস'

3 GAIS

সদস নকতে হাবে। ত সকা দেশে বেমা ক জ্যালা থেনে বাদ বান্না। সসাম কুশাগালাশ হার করামী সরকার এই মুটি ছার জল্ভত পাতিরোছালান। কিছাকাল জানো কেভারেশন জব দি হিলম মোলায়েভিডের উদেশো এবারের চোর আনেক বেশা ভারা দশালা ছবি দেশাব মানেনা এবারের প্রদেশিতি ভার কিছা ন হোক লাই মালের একটি ছবি অল্ভত দ্বান পাবে জেবেছিলাম—বেটি তিনি করে কল-কাছার উপর জুলাছেন। না, সেদিক প্রেক্ত জারার উপর জুলাছেন। না, সেদিক প্রেক্ত

ক্ষেত্র-শেষ কবে ফিল্ফ সোসারেছিক এত ভাল ছবি বোগাড় করেছিলেন কেন্দ্রন করে? শ্বনতে পাই চিত্র নিবাচনে ক্ষেত্রশনের কিছটো হাভ ছিল। এই স্ক্রেগ করাসী সরকারও কি ভারত সরকারের তথা ও বেতরা মক্তর্কতেও দিয়েছিলেন? কদি দিয়ে থাকেন তারে ব্রুবতে হারে সংশিক্ষণ কর্তা-বারিরা চিত্র নিবাচনে স্বিবেচনার পরিচয় বিত্তে পারেম নি।

ন্দিতীরত, আগের বার উৎসাবের বাবস্থা হরেছিল অনেক স্কুলর। ফিল্ম আরি:



ম্পেড

সিয়েশন যাঁদের ভাজে কিংবা ঘাঁদের রায়েছে বিবেশী চিত সম্পাক সং আনুসন্ধিংসা ছোৱাই ছবি নেখবার সাধোগ পেক্রেছিলেন। এবার সমকার তারশা জনাসাধারণের জনা শ্বার উন্মান্ত করেছিলেন। কিন্তু সে ছিল একটি মার সিন্নেমা হলেও শ্বার। এবং সরকার বাঝতে পারেননি "আনসেম্সরড" ছবি দেখবাৰ জনা আবাহিত ও অবসিক দশকের কী পরিমাণ ভিড হতে পারে। এবং কোন একটি ছবি দেখাতে বলে যখন ভালের বিকৃত বুচি বিভাশবত হল তখন তারা হলে কীল্ডক্কোড শ্রা করল ভার বর্ণনা এখানে দিয়ে লাভ কেই। প্রেক্ষাগায়ের য়ালিকর। ক্ষম-ক্ষতির হিসাব কবে দিবভাষিকার এ ধরনের কোন উৎসাবের জন্য ইল ভাড়া দিতে রাজী হবেন কিনা জানি হা। এদিকে ফবাসী ছবিত সম্ভাবা নগ্ৰদ শা দেখবার জন্য উদ্মন্ত দুশকৈর ভিডের দুর্ন স্মতিকাল্ডের বিদেশ্ধ দশকের। সিদ্ধান হাদার কাড়েছ হেল্ডাড়াড়া সাহাস পাথনি। হারা বিশেষ প্রামান্তরে সিন্তর। কলের আসেন দগল করে নিল, অথক চিকিটের কালোবালয়ে ধরা ত্রশ দু প্রসা কর্মিরে। নিজা তার্চর লন। উৎসৰ সাহাত হত্যাটল ঠিত্ত। বিশ্ত ছবি ছবিল ব্যাহ্রের জীলন জন্ম ন্য শুরুষ্য করি। বিশ্বটে সংখনি লা তল্ব লা। ফিকা কামের कारतात्रत्व स्थाना कास्तान हमाहे यादम्या स्ट विस्ता । এটা অবশ্ত সংখ্য কথা।

রেস'র "মাশেত"

মারী ট্রেস'র ও আদার বালযাজার -এর সেই মেয়েটি) । ও মানেতের শ্বভাব ও সমস্যা পুষ্ণ অনুধ্প হলেও, রেসার "অল-ঘটোর"-এর গভারতা ও বর্গত "মালেশত"-এ চেই। রেস' খ্র বেশী ছবি করেননি। তার মধ্যে "বাল্পান্সর" ও



THE CULTURE FROM

"মানাত" প্রাণ কার হিলা দেবার জালিক द्वींट की क्षित्र की डॉड इंग्लू रेगकाला अर्थाद कथार दशक माहि एकथा स्टब्स साथ কথা কলে অথবা ধানি সংল্পের কড়বুনি পরিপরেক সে ধারণা আমরা পেরে কট।

হাতি ভাগর পাথকা মূলত প্রতীক্ষ মাত্রী ও বাল্থাজারের বিধাসত সন্তার করে পরিচয় টাকরো টাকরো করে রেস সক क्रीवाट क्र⁸फरह निरह्मिक्टमा। एक प्रश्न क्रिक প_ারে দুর্নিয়াটার চেহারা আমরা দেশক পেয়েছিলাম। "ম্বেশত"-এ বিশ্বরূপ _{টেই} পর্বিধরীটা যেন অনেক ছেট। _{প্রস্থ} 287517211 আজাবন অবহেলার লারিং (বিংশেষ করে পিডার কাছে) মানেতের সক যোন কমশ সংক্ৰিট হয়ে আসহিকা। _{স্ব} মার তার মায়ের কাছে এবং স্থেছিও শিশার স্থিতিয় ম্বেশ্র যের _{বিক্রি} স্বাভাবিক। এবং তই মুস্টেণ্ডিছে দর श्राद्धमण्डः काचितं करात्रमः विश्वहात् ४० ম,শোটের স্থান, মারের প্রতি সমতা এর अध्यक्ष अध्यक्षित विकास विकास विकास শ্বাল হাড়ির পার বাধ্যানের পাছে জানি হেতিভা প্রিবটির অভানতারের বিরুদ্ধ এর বেশটি **প্র**তিমাদ কাদেশের **প**ন্ধ இருக்கு இரு குறியு இருக்கு இருக்கு இருக்கு இரு ভাকের তার এর কায়েক স্থাক্তিরাস্থ্রত रेंग्योह प्रताबिक अधिक के करा श्रा নাট্ডার বিভাগ সংকলে। জাজান জাসাইত ক বাং বিক্ষার্শনার ক্রান্ত্রের হয় কালাছের Gira a ser fight in the reading of the ছিল। জনস হলত প্ৰভাৱত প্ৰভাৱত কৰে। স হা সাজনিক টক্ষা ওলে প্লিম গ্ল ্রারের জনুল লিনুস সংগ্রেষ **ম**া ক্ষাড়েভ সার কলে। জালিল না স্থী ক ০ জন্ম (কর্ডেড়েক) এই ত্রুগ **ট**র্ম তে ত্ৰুৰ আন্তৰ্ভ ৰ আন্তৰ্ভাৱত প্ৰতিট ৯ ্টী ভা সাল্যালয়ের করিলছা চেডিয়েছে ব্যাহার ৯৫ সার কিছা মার্যার জারতী থ বাব্যার। "মাজেরে" সম্পর্ক ওরাইমানা

রেনের "জে তেম জে তেম" "His (Alain Resnais) quality (surely that he escapes an

classification." আনের্ন কোন সম্পরেক উপারের ম^{ন্ত্র} ফ্রান্সের **এফোর। অভ**এব রেনের ^{স্থিপ} বেনে নিজে, তবি ছবির জগন চাল ত ছবির সংখ্যা স্মালোচকর। রেটের ^{ছবিন} "থমি অব টাইন" বলে বগুনা *করেছেন* বসতে পর্যার, রোনের ছবি অসেলে ফার मर्माय--वागःनाहरू 'क्लकोकः। स्टब्स ह বেন্দ্র দশনের ক্ষিত ব্পাং এ ক স্থীকৃত এবং আল্লোচত বেগসি^{*-রম্কি} প্রতিপাদ। বিষয় রেনের ছবিতে ^{চুট্র} "জে তেম জে ভেমা" চিতের কঞ্*ই* ধরা ^{নাব} ছ'বটি কি কাহিনীচিত্র মোটেই নী অথাৰ কাহিনীর সূত্র কিছুই খুকে ^{গাও} যাবে না ছবিতে। এক ব্যক্তিকে ^{নি} বিজ্ঞানীদের এক্সপেরিমেন্ট –ভাকে ত অত্যীত জাবিদে কিছ,কলেল জন্য পোটি

माभिक्रण विमालस्यत मारायादर्थ

থিয়েটারের

নাটকাভিনয় ও বিভিন্ন স্ঠান

ततील भरत १

ৰ্ভুদ্পতিব্যৰ ওটা সেকেট্ৰের ৬৯ सक्षाः सारक कृष्टी

वादेन : প্রাপ থিয়েটার

91101

ঃ হেমান্ত মুখোপাধ্যায়, স্মৃচিতা মিল, শ্যামল মিতু,

আরতি মুখোপাধায়ে অঘণ সেন

ः गम्छ भित्र, कास्त्री नवानाठी भिवप्रताला वरण्याशाधाव আব**ি**ত

হাস্যকোতকঃ রবি ঘোষ, তপেন চট্টোপাধ্যায়

विकित्ते 1 \$0.00, 6.00, 6.00

বাটার কেবলন -কালভ সিইও লিনাড়াকে সিইট গড়িয়াতাট লোক মানেটে। क अर्जनका - ५०० अक जिनामा को प्रस्ता एका इ. ८५ ५५४म

(সি ৭০৯৫)



দ্বন্ধান (পরিতালনা স্বাসীপ বলেন-প্রায়ে) হবিতে হাস্থ বলেন্যপাধ্যায় ও মহায়া খোৰ

एक्ट ग्रह किन्। दिख्य कर एक नियम रहीभारतक द्वार्टना का कार्या । देदारा । यसम মতীতে পেটিল কৈলে অতীক ও বতুমান १५२ এক জাবাভ**ত** প্রবৃহত্তর সভায় বিশক্তি-ভাষ্ট্র কায়ক্তি চাক্তের টাকার। ইবিল্যার সাবি ইয়েজ-এর মত নাভাস ইউই সমাদের চেয়েখর সংঘানে ৷ কী আংগ ^{ম্}টেম্ন কোনটা পরে—সম্ভের সে কব্যান **६**का सङ्ख्या रहत्याच सावह द्वारा रहारह । ধাই জাব্যানর ঘটনা তাখন পার্ছপ্যাবিহানি, ৬০ই ঘটনা বারেবারে ফাবর আসাছ: ^{ছালের} ঘটনা পরে, পরের ঘটনা আলে। ছবিভয়কে অনুমরা বিভয় রাপে দেখি ^{ছাং*}ত, বড়'মান 🍓 ভবিষয়েত্র কংশ বিভাগের এবং পথান-কালের বিভক্তিতে। "Pure duration is the form which our conscious assume when our ego lets itself live, when it refrains from separating its present state from its former states" (Time and Free will-Bergson).

বিগালার মতে, duration এর নিখাতির
ক্ষাণ থটো প্রমাতির ভিতর দিয়ে। প্রতির
ক্ষাণ থটা প্রাতির ভিতর দিয়ে। প্রতির
ক্ষান্তের তেন করে চলেছে, বতামানকে
স্ক্রির গা্ছিয়ে তুলছে। এলেচের
বিলানালা এর বোধ জন্মাতে পারে, কিবছু
তা কি আবার সমসার সান্তি করে না
ক্ষার কী করে নিশ্চিলত হব যে আমানের
ক্রীত আমানের ক্রমিনের স্বংগ পালা
নিরে চলতে পারে? আমানের প্রতি কি
মানের হছে। ও প্রয়োজনকে কর্যানর

করে না? বেনের "হিরেপিয়া মনামার"-এ এই প্রশাস্থাল নিহিন্ত। রেনে এই সমসাব সম্পান "জে তেওঁতে তেওঁ তেওঁ এ করতে পেরেছেন বিনাসে অলেডনা 'আকা-চ্ছেমিক" গ্ৰেষ্ণাবদত। ব্ৰুনেৰ ছাৰ বিন্ত "অ্যাকডেমিক" (অনেকে এন্ন মুদ্তব্য করে থাকেন। নয়। তিনি ফিকেমর মিডিয়ামে বেলাসা-দশানের ভত প্রতিমনিত করেও ফিল্মকে ফিল্মই রেখেছেন। আন্তর ধ্যেন "জে তেম জে তেম"-এ দেখি অভীত বার্মান, ভবিষ্ণং ও শ্রানের বিভাগ অবল্যান্ড এবং একটি নিরবল্ডিল্ল ও আদি-অন্তর্গন অভিত্যে প্রার্থিত ক্ষেত্তির ভিতৰ দিয়ে হায়া প্ৰথমে), চতমনি ফিচেম্বর প্রামেটিও হাজে পাই এলে(মালা কাহি ভিত্রের (নাম্ট্রেকর) মহুর।। তথ্যত নিটেঞ্চ গ্রুপ েট এক ট ভালিমের কথা আছে। কোমক दक्दा इस्ट >दशक्य self-explanatory ন্তুৰ এই ভানে আমাংসক সম্ভালন হল্ভ ্যাত হয়। কিম্ম দ্বনি ততু প্রতিভা<u>র হয়</u> গৈনেমার, ভারিনের স্বভাবলনো হা ধরাবাঁধা িয়মের বাইরে। "র**জ তেম জে তেম" দেখার** বাল ১০০ই হয় না এই ছবির কোন দিকপার হিলাও গভিত্তালিকা কন্যারু<mark>প</mark> তাপাই দেখাছিল প্ৰে তেম জে T 27" পরের ছবি। এদিক অনুমূক থেকে ব্রেনের বর্তমান ভাবনা এ চিন্তার প[্]বচর পেলম। এটা তার অভীতের সংলা মিশিয়ে একাকার করে দেখবার দরকার নেই ৷ মনে ২ লা তেনে (ছিত্র শিমা মনামাধ-এর পরে) আরও বেদটি বংগনিক তাত্র প্রভেষ্টেন সেই সংক্র আর্ক বেশী ফিল্মিক ভিলমত তিনি আমানের বিজেন।

উৎসাবে আর যে সব ছবি বেখানে। ইছ্ব বেলিনে পারক্ষরপ্রতাত লা ভিলম এ লাফা, লা পিসিন, লা প্রাদামার, আলেক-লাদর লা বিছ্লে আরির এবং লে রিসক প্রমাতিয়ে) কোন না কোন দিকে সব কর্মি ছবি উল্লেখযোগা। বড় কথা, ছবিগালি উপভোগা। কোন ছবিতে অস্কৃষ্ণ মনের প্রেমিক/অথবা প্রেহমহানিতাই তার স্বভাব (লা পিসিন), কোনটাতে বা নিংপাপ দিশার বান্ধ (লা ভিলম এ লাফা) কোন ছবি কমেডি (আলেকসাবির...), কোন ছবি/আবার মনসভবুমালক, 'আভোজসোকোণী' কেনে ছবি করেচাতন ও অপরিগামদশী' প্রেম ধেল বিক্স প্রমাতিয়ের)। হাদও এর কোনটাই অসামানাতার প্রবিল্ল প্রেম্বা

॥ চিত্র-সমালোচনা ॥

পালা হারে চুনী

বাংলা ছবিতে বিশেষ এক ধ্রানার
ক্রেন্টারটেন্সনটা বারা খোলেন—ভাল ভাল
লোকদের অবশ্বা বিপাকে এবটা কাদতে
চান নুজোন কোট বোলে স্বাস্তির নিঃম্বাস
ফোলেন সাম্বার সাম্বার গান পোলে থানী হন
—ভাবের জনা গগান হাঁতে চুনাঁগ নিনিমা
চিত্রমা। ছবিটি সম্পাকো আনো থেকে বিশেষ
ভালোলা স্থাক্তির ২ কবার কথা নত্ত। বড়
ভারকা ছবিতে নেই যাঁয়া ছবিটি টোর
করেছন ভাবিতে অপেকাক্ত নবগাত। এবোন



অমর ছারার "এক শ্রীমান এক শ্রীমতী" (পরিচালনা : ভাপ্পী সোনি) এ-স্ভাছে **ক্রি** পাছে—ছবির একটি দুগো, ববিতা ও রাজেন্দ্রনাথ

ছবি দেখে যদি সূখ মেলে তার নান। যাবও বেশী, অপ্রতম্পিত বলেই হয়ত।

অবশা এই ভৃণ্তিলাভির জনা দুশক্ষে জাপস করতে হয়। যুক্তিনিস্কাকে বাধ রাণতে হয়, যেন ছবি দেখার সময় বাংঘাত

उत्तर विकास

অপেরা

কড়'ক অবসরে 'খারাজগং'' গড়েন ম াউায়

একাবের বলিও নাটক

ক্রিচিনোব্র

ক্রেল্ডা রাজনোহন।
নোলন
১১০ এগান সংগীতে
ক্রিকা ক্রান্ডার

1.6 9.5 1

স্থিতী বা করে: চোখের সাম্যান ভাগে-বিভাবনার নামে যা কিছা ঘটছে তাতে যেন মাধা গলাবার চেণ্টা না করে। স্বাভোচা ছবির কথাই ধরা থাক। এর নামক গোপাল — ভুরাণ গায়ক—গ্রাহের যাত্রার দল (আসরে দে বিবেকের গান করত। ছে ও ভাগের সংখ্যাত কলকাতায় এসেছে ৷ বেগাৰোগাও হারতে যথাসময়ে, এবং জলপকালের মধো ফলনিয়ার সে খনতির শীষে'ও উঠেছে। এই অব্ধারিত ভাগেলান্ডর পথে কী পরিসাধ দার্লা ভাকে সহাতে হায়াছ কেণ্টা দাঘাটনার জন্ম হায়ে স্বাওয়া তার মাধ্যে একটি - প্রান্ত অবধা সাভিত্য 🛊 ফ্রিবে রশ্যমেছে) ভা লিছেই কহিনী তথা কেলোয়েক। সেংখন मात्र बीहरू।। **ब**रान महिलानस **अस**रहत् इसर এই ধরদের কাহিদেশীতে দিল্লভির সোলাই। দেওজ হয়। ভবিত্ত প্রেপ্তেইর দিয়ার বে খাসলে কাহিনীকার অথবা জিনাটালারেক ই 😢 ত। বলার সরকার নেই। সম্পান্ত,বিক

ৰাতে মধন কেখি, ছবিত জ ভার আ অস্ভব ভাল, যে লগত সে হাত্রদ_{্ধে} কে ভাল বালি সে বিক্সাত বাজি হালে রাজী নয়, থলচবিতের ধ্যা শেলেকে ক্রিশাস করে। পরের হান্য প্রাথপান বর্ষ মত বাজি (মালিত নালাকর দার্গ্_য জ্ঞানতেরশন কবিছে ফিলিয়ে সম্প্রায় কলির কাজ করতেও অপ্রেপ কে। জেন নাটকৈ অনুসং কুলোন নকেছে এন্ডাই জন্প ও প্রত্রেক । একফ ব্যক্তিকর সংখ্যে মাঞ্ **জ**ন্ম জনিন্তু কুইম্পরের কেপিরের হয় ওপ্র দশ্র কিন্তু হয়ে হয় হাত কুল্পু_{র্} विषयि देवार देवार कर वहाला है। क्षीचा करण उत्तर हाल हेशनहर box कुल TO MENT THE THE THE WORLD WEST জাকৈব কাষ্টেৰক দেশত প্ৰতি তাও _{কৰি} Summer of the restriction of the 5: . **ਅ**ੰନ୍ୟରେ ନେମ ବର ବ୍ୟର୍ଶ ନଥା । ଏହା ବ୍ରୁଦ୍ର **ា**ទ្រើ ១៩៤៧ ខេត្ត ស្រុក ស. ភភព <u>រ</u>ុំភ្

৩১শে অগস্ট রবিধার সকলে সাজে দেওঁ



নিউ এম্পায়ারে নাম্প্রিবার

न। ট্য কाরের সন্ধানে **ছ**-টি চরিক্র

১লা সেপ্টেম্বর সোমবার সাতটায়

প্রদিচ্চনবর্গে প্রাটন পিতারের তামিপারনর **উৎসারে স্থা**ননার্মির বা সেনের স্মাতিন উর্গোধন উৎসার বিভাগ

রবীন্দ্র সদনে বিশেষ ভাতিনয়

শের ক্রাফগার

নিবদ'শনা ঃ অভিতেশ সংখ্যাপাদ্যায় ॥ ভিলিও প্রত্যান্ত্র

\$ 4:44.

যার

াশীরারপ নিয়মিক নাটাশ লা]

.

नजून नाটक!



জাজনৰ নাটকের এপাবা নাপানগ! প্রতি ব্যাসপতিবার ও শানিপার ও এটাফ প্রতি রবিবার ও ছাত্তির সিমার এটা ও এটায়ে

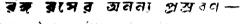
। রচনা ৬ পরিসফন। ॥

দেবনারায়ণ পরিপ্ত

॥ রংগ যাবে ॥

ভাজিত বলেনাপাধান, অপর্যা দেবা, শ্রেক্তন্ত চটোপাধান, সরেতা চটোপাধান, নালিমা লান,

সভীন্দ ভটাচানা, কেনাবো নিঝান, শানি আহা,
প্রেমাংশ্ কসা, বাস্বাই চটা পানায়, ই বেনা
মুখোপাধান, গাতা বে ও ভান, বলেনাপাধান



ভার্তের ফোলকট স্বলে থিছের স্টান্নটি চন্দ্র ১৮৮৮ এ। মুখ্তিটিক্তি সিয়ে গাঁকি ১৮৮৮ এ।



অপেরা – জেম – উদ্ধলা – খান্না – নাজ – গ্রেস

তসৰীরমহল: চন্পা : শান্তি : পিকাডিলি : অলক। : পি-সন (রালাবাজার) (ব্যায়াকণ্মর) (তাওড়া) শোলবিমা, (বিশেশ,র) (মেটেব্র্ড) চিত্রপ্মী : শ্রীকৃষ্ণ : আনন্দম : জয়া : চিত্রণার : মহাশীর বিথ্যিরস্বায় (জন্মক) (বনহাবেলী) বেলক চিউন) (দ্বাপাব্র) (ডিব্ডম্মিলি)

ক্রতে গ্রিফ কেলে হার। হদিও সে চোহ নছ বত কেল থেকে বেলিয়ে দাগা আসামীর হত এত গাল দটিড নিয়ে লাকিয়ে বেডায় গ্রাংগানে লোকের ভিডের মধ্যে দার থেকে লেপালের গান শোনে। তার এই আখ্র-গোপনের অর্থা—সাধ করে দাগী সোভ शकात कारण- विकासीयकार कारनमः कौदन-দ্বাধ্বজ্ঞিত চরিত্র প্রায় সকলেই। এবা লাধাই নাউকের চরিত্র—স্পাকের অস্থ নিস্কান ন হয় উৎপাদনের এক একটি শ্রিম উপকরণ। তাদের নিবে রাপক্ষাব aran प्रथम त्वम तकरहे थात् । एति मृद्धा ऐश्ड মান্দ্র এই মেন্দ্রতিকে-নুবে রকবান্ধ্র ছেলেদের সাল মিল মুক্তানির করে—নিয়ে দুর্গাকর ⊁মধ্ কটে খাৰ **ভাল**ং ৰণিত জানকটা क्षांतरराज्य परा सडे प्रतिरहत प्राप्त कियाते. হেন নাগ্রিক উপাদান আনছ। এই উগর পরে শংশ্র হারেছে: আননে হারেছে, **ভ**বির শেকে নাহ্যকর পূর্তি অন্তর্ভা ভাগের ১৮৮ই ব্যান্ত যে কেব্যান্য হয়নি ক্ষেত্ৰই যাড্ডাত

প্রেরে ধর্মছে লক্ষ্ ভরিভ প্রিচিড এটোরটেন্মেন্ট্র নাথক ব্যাহাত কাথক ছবিটিভ ডাই মিউজিকাল তা প্ৰস্থান--এই সৰ কাৰ্যেই হয় প্ৰস্তুত ছবিত চুন্তীৰ কৈকো উপভোৱা ভা নহ। প ব্যক্তনাৰ ল'বৰ আছে ছবিটো ভৱার পরিচালক অভল নত মেলেড মান্দৰশ্ব এই ছবিৰ জিল্মন্ত ক ক বৈত্যবিষ্ঠানে প্রয়োগ্রীরপাল ক্রেপিয়েছেন। ছ^{িট}াক তিনি মধ্যে হাত দেন নি এক ম্যাটেও নাশা থেকে দাশ্যাল্ডরে ছবির েত লক্ষণীয়। একোরে চিরুসম্পদেক ব্রেখ যোগীর কৃতিৰ অবশাই স্বীকার্য। ছবির ^{कारम्}ड सामार, राहार कामारह काले काले দাশের সংখ্যা ক্রেভিট টাইটেল ফুল্ল প্রেরক স্থাকারভাবে কাহিন্ট উপস্থাপন करदाइन। এই श्राह्मण उत्थवात प्राप्तः।

থতিনায় সকলেবাই ভাল। নায়ক স্থেশন বিষ্কৃতি হাঁই সাপ্রায়দাতা দিলালৈ বায় ও সংশিল্যনার এবং খলনায়ক নিবজন রায় থিনের অভিনাতি চরিতে বাতিনাত প্রাণমপুণার করিছন। যে করেশে করিছালৈ অনাস্ত্রতার নাই আনক পরিমাণে কেটে গোছে। সপ্রাণ গাঁহনায় করাক করেছেন ইগর্বেশ্নী রায়া গোষ লা অন্যান্যদের হাধা স্ক্রেভিনায়ে জনা করেছেন বালী গাংগালোঁ ও জাংকনা বিশ্বাস। ঘাঁনও জোংকনা বিশ্বাস। ঘাঁনও জোংকনা বিশ্বাস। ঘাঁনও জোংকনা বিশ্বাস। মান্ত্রি হন্ন শহরে।

গান, জাগেই বলেছি, ছবির অন্যতম অধন আকর্ষণ। গানের সার দিয়েছেন অভ্যান দান। প্রত্যেক্টি গানেই জনপ্রির হবার মত। নায়কের গানগালৈ কোনোলা নিত।

বাংগ্রেলী সারে পিশ্ট্ ভট্টার্যা ও শ্যামলা নিত্রর গানটি চমংকার।



"পালা হীরে চুনী": সুখেন দাস ও জ্যোৎসা বিশ্বাস

টল-চিল-স্থিনী

শবিনাদের পারিপাটো নারিকানের

চৈরে নারকের নিজ্যু কম যান না।
বালা ছবির একাধিক জনপ্রিয় নারকের
দেখেছি চুল নিরে অনোক ভাবনা। অনেকে
আবার পরচুলোও বাবহার কারন। নিতের
মাধার চুল হয়টো যথেও ভালো, কিন্তু
পরচুলো যেন একটা ফালান। স্বটের
আব কালাগে যথন দেখি শাটিং-এর সময়
দিশেশার অভিনারর নিকে যত না নজর, আর
টেরা অনেক বেশা নজর চুলের নিকে। চুল
মেন নারকের শ্লামারের এক বিশেষ
আলংকার। শটের আবে অধিকাংশ শিল্পাই
ছবি মেক-আপ ব্রেবার তেক-আপ করে

নেনা নজা মেন বেশী থাকে চুলের দিকি ।

উত্তমকুমানের চুলের ইয়েকে বাংলা ছবিশা
বিশেষ এক বাংলাব দশাকর বাছা
কিবনেনার চুলা কিন্তু খাবই সাধারণ, এবং বাংলা দেশের শারের; পঞ্জাকন লোকর চুলার কারে। উত্তমবারের চুলার কাইলা আনকাধন ভালা। ডুলাব প্রতি উত্তম-বারের হঙ্গালা ডুলাব প্রতি উত্তম-ক্যারের হঙ্গালা বাংলাব। শানিংক্রির সামেও তিনি এ বাংলারে অনেক ক্রম্

সংগতি একটা নিম্বিমাণ ছবির সোট আমার এক বিভিন্ন অভিজ্ঞতা হলি। কালকটা মাভিটেনে সেনিন শানিং ছিল উত্তরবারে। একটা ভালমানিক সিন। আকসিতে শী নিজের বেনের মাতা হরেছে, সেই সংবালটি দবীর পান্তীর কাছে বাছ কাতে হার। কোজ-মাপ ভোমে কামেরী। উত্তরবারা কেভি ছাবেছন টোকর জনা। পরিচালক শানিটি সাউন্ডা নিবোশ নিলেম।



শক্ষান্তিত নায়ক''-এর নায়িকা অপ্রণা ক্ষেন--সলিল গত্তর পরিচালনায় ছবিটির কাজ প্রায় শেষ কটো--দেশ

কাষে সাধা। সাইন্ডেও স্টার্ট হাল। রাচার কামের মানে চেচিয়ের উইলেন, কার্চার কার্টা। কাঁবলগার ট উর্ভান ফলাক এরে ভারালেন। কামের মানে সল্প্রেন্ডার নার্চার চুলটা টিক কার্ডে বেলেন। ট্রান্ডার চুলটা টিক ব্যাহিত বেলেন। ট্রান্ডার বিব্যক্তিয়ার ভারতবান কামের মালেন। বিনার ভারতবার বেলেন।

সংক্রী করার। প্রিয়নের ৮,টারন নাম্যকর বিজ্য বিজ, জন্য রেস, উদ্ধারণ্ড কাজ আর ব্যক্তি বর্তমান। কান্ড গ্রুত নাই হার বেছে। প্রিয়ালক স্থানভাতে নাকাতে বেজা কর্মান্তি প্রতিনান না। কর্মান্ত্র কালিকান করে বিজ্ঞান করে। কর্মান্ত্র কালিকান করে বিজ্ঞান করে। কর্মান্ত্র কালিকানাক করে বিজ্ঞান

প্রকাশীল ক্ষিণ কর্মত বিয়েছিল ছ নিউ থিয়েট সা এক করত প্রতিছার চ সেখানেই বিশ্বিয়ালে সংগ্র কথা এই ক্ষেত্রিয়ালে সালে ছবি সভাত এখন এই ক্ষেত্রিয়া সৈত্রীয়ে পাঁত্রিক হার্মন স্থানীর নামাজি। এবং নিকো হন্মান ক্ষেত্রি নামাজি। এবং নিকো হন্মান ক্ষেত্রি বিশ্বিত এখন প্রতিহাত বস্তু নাম্যান হার্মনাকি খান প্রেক্তর। ছবি নিধাহিছ ছানালেন সে কথা। বংলা বেশেও
অজার আছে একাধিক। কিবছু সহারের
অজাব উনি চুরিপাত সই কংগত পারকেন
না। তাই বলে বংলা ছবির মারেনিট নাট
হার বার এমন কোন কাল করতেও
বিশ্বজিং নারাহা। বাংলা বেশ থেকে শীন্তই
উনি আরেকখানি ছবি প্রযোজনা কর্মার
কথা ভাবছেন। ভালো পরিচালকের অধীনে
ভালো বোলা নিয়ে বাংলা ছবিতে অভিনার
করার নালাল ওবি বারারের। বিশ্বজিং
এখন একটি ভালো গাবপ খালোহন,
পরিচালক নিবাচন পর্যা হার।

বিশ্বতিভাৱন কথা নিয়াই বার নাজি ও জ নিয়ে একখান ছবি প্রাক্ষালয় করছেন, বিশ্বতিখ জানালন কে কথা উল্লেখ্য ছার্নাই পরিভাগন করছেন ওপেনাম ক্ষেতিন উল্লেখ্য স্থানি ক্রিল্ডাই এই সিজান। বিশ্বতিভার স্থান জন্মভাই এই সিজান। বিশ্বতিভার স্থান জাইপের জন্ম নাম গুলি বিশ্বতিখ জিলা জাইপের জন্ম নাম গুলি বিশ্বতিখ বিশ্বতিখ কালাবিশ্বতিখ কাল স্থানী জানাল নিয়েন্ত্র বার স্থানী জানাল কিলাই কালা স্থানী জানাল নিয়েন্ত্র বার বার হাজানী জালার বার স্থানী জানাল নিয়েন্ত্র বার বার স্থানী জালার বার স্থানী জানালায়, বার নিয়ালিখ্য জিলার বার জানালায়, বার নিয়ালায়

-- विक्र

তিংশ শতাৰদী

পনিধা শতাকালী (নাটক: বাসল সরকার)
নাট্র আপনিক প্রতা বর্ষণ এবং
নাট্রেডারেন প্রতা বিস্ফোরনের জন্ম
আন্তিব্যার অভিযান কর ভারতে। ব্যানা
কর্মা ভারতে বিস্তৃতিক্রন ভারের মন্ত্র

তেকে এনে কৈফিলত চাপ্যা গোছ।
একজন এখন ছোলে, স্তুলা ও প্রতিনিধিয়াপ তাঁর কানিক লানা বালে। দৈজানিক আইনক্টাইনবেও গোলা গোল বহু নি। যোনার জ্বাবততা বগনাও গোল কারকজন প্রতাক্ষণীয়ে মান্ত্র বিবাস দেওয়া হয়েছে। কেম পরে এ নান্তর নারক হিন্দু শতাবানীর মান্ত্রের কল্ড বিন্দু শতাবানীর এই পাশের কৈফিলত হালি। সি

আধানিক কিংবা হাইছেলছা, গুলার ভারতাহা সংগ্রাকা ভালাহের মালভানত বিল্লাহের মালভানত বিল্লাহের মালভানত বিল্লাহে সংগ্রাকা আবহিত। এ সংগ্রাকা হাইছে বাজার পার এক, বিল্লাহে বাজার বিজ্ঞানত কুলার ভালাহে বাজার বিজ্ঞানত কুলার ভালাহে বাজার বিল্লাহে বাজার বাজা

বার জনার ক্ষরে বিন্তু বন্ধুর বিরুপ্তর বর্গার বর্গার প্রিক্তি স্থানের ব্রিলিক বন্ধুর বর্গার বর্গার



াখণাজত কর্পা জাজবী ৰস্না" ছবির সংগীত পরিচালনার দায়িক নিয়েছেন পংকজকুষার মায়িক—গান রেকডিং জন্ভানে বারে সংগীত পরিচালক এবং তরি সংগ্যাস্থা বংল্যাপাধ্যায়, ভয়ুণ বংল্যাপাধ্যায়, জরুণ বভ প্রমুখ শিক্সীলের দেখা বাকে

বোদ্বাই বিচিত্রা

, त्वत भव किस्टे विक्ति। या किस्ट व्यासीयक दरा क्षेत्रिक का क्थारे अवारन শ্ৰাভাবিক এবং উচিত পৰিশ্বিতিতে অটে क्रावाद চিত্রনিম ছা না বেসব চল চত্ত্ৰের মাধাম নিবে নির্মিত প্রীক্ষা-নিত্তীকা করতে পারেন, কম পরসার কম সময়ে অনুষ্ঠাসে ছবি বানাতে পারেন ভরি। তা স্বাত্যবিক অবস্থার কথনই করতে চান মা: প্রপেজিশনের জটিলতা ব্যন জটিলতর গ্ৰহ প্ৰাড তথন এ'বা হঠাৎ এক্সপেরিমেণ্টের কথা ভাবেন। এবং ছাই নিয়ে বাবসা-বিধাসত চিত্তজগাতে এবং সাংবাদিকতাই ক্ষেপ্ত চই চই পড়ে ৰাম। বংশবর অনাতম বিধান্ত চিচ্চিমণিতাদের একজন বি কার তাপরা-মিনি চিত্তস্থাতে প্রবেশের পরের্ব ছিলেন। চেপরা একজন সংবাদিক পবিবারে একমার নারক-নারিকা ছান্ডা স্বাই আছন, এক ভাই প্ৰবেক্তক, আরেক ভাই কারেরাম্যান, অন। ভাই পরিচালক। গ্রুপ ্লখার **ভ**ন্য আ**ছে স্টেগির ভিপাট'মেণ্ট।** দীলেপতার ছবি '**আদ্মি আউর ইনসান'**



কে জাগিকের 'কান্ড জ্যান্ড গড' চিয়ে



স্বোধ ধ্যালি প্লোভাকশন্ত-এর "অভিনেডী" হিন্দী চিত্তে হেয়া **বালিনী ও** প্ৰশী কাশ্যে

খেৰ হবার পর, সেদস্য নাকি সে ছবিকে रक्टोंकुळे खद्दसद्द करत जिल्हाह । ज्याखडाः সেই ছেডাথেডি৷ ছবিকে রিপেয়ার করতে সময় এবং চিন্তার দূরকার: স্ত্তরাং इंडेनिनेटक बीजाब मा द्वार की कांद्र धकारी প্রাম্ভ এক্সপেরিয়েন্ট করে ফেলার কথা স্ভাবলেন শ্রীচোপরা ৷ সপো সপো একটি हेश्तको स्थाक स्मयता मधक गाकवाणी নাটকের স্বস্থ কিনে ফেলা হল। ভারপর একেন নায়ক নায়িকা রাক্ষেপ খালা এবং নলা। শ্রীচোপরার এই বোল্ড একপেরি-स्मर-ऐव कमा माझक माहिका मुख्य-एकरे अक-নাগাড়ে এক মাস ডেট দিতে হল। ভীরা দিলেনওঃ ভার ফলে অন্য বেস্ব নিমাতা বিপাৰে পড়বোন, তাদের কথা নেপথা-मार्चेक। धक घारत धाक्ठोमा त्राप्तिः कात्र একটি রঙীন ছবি শেষ হবে, তাও আবার এলপেরিমেণ্টাল, অভাত আনক্ষের কথা, वावर ছविएक माकि गाम-देसव धाकरह मा। স্তেরাং হরত এ ছবির সংগতি নির্দেশনা ৰোগা সংগতিনিদেশিক সলিল চৌধ্যেই कर्राट्य । जबहे छाना अवहे जानरमतः किन्छ এটু ষরনের এক্স:পরিমেণ্ট সাধারণ স্বাভাবিক অৰুপাৰ শ্ৰীচোপরারা কেন করেন না टमहेटाँहे कामडा ब्यूक्टक शादि ना। यस्न গভালকাপ্ৰবাহে হঠাৎ গিট বেংধ যার তখন দটদ গ্যাপ প্রভাকশন হিসেবে অনাদের বৈপদে কেলে, আপাতত বিপদ থেকে উদ্ধার শেতে কেন এই "বিপজ্জনক একপেরিয়েন্টা क्या त्महेरीहे स्वर्ष्ट अक्टे क्ये इस।

মন্দের আকাল বাতাস কণিয়ে ফরাসী ছবির উৎসব হয়ে গেল। এই উৎসংব্যে ছবি নিজে আক্ষামনা করা ঠিক নব। কিন্ত করাসী ছবির উৎসব উপসক্তে কৃত্যে বাজার বেরকমভাবে চণ্ডল হরেছিল, ভার ক্রি ইতিব্ৰ পাঠকদের না শোনাতে শা व्यापाद मानव हाक्का कमर्ट ना। क्यांसी श्रीवश्रीत वरम्बट्ट श्रीकरनात बारमहे रक्कन करत रचन ब्रद्धे रंगन रच, आहे स्थिन-विसेस प्रत्या करहकीं होंव माकि त्वन खामाचनके ভাবে উঞ্চ (হট)। বাস অমনি কমে গৰাৰ ছিভিস্নের (श्रुक्त । फिल्मान নাজেহাল। ফরাসী কনস**েলটের কর্ণারনের** কান ছে'ডা যার আর কি। বে প্রেকাগ্রেই ছবিগ্লি দেখানা হবে সেধানে কডকে খিরে মাছির মত বিভিন্ন বরসের বিভিন্ন পোশাকের নরনারীর ভিড। ব**েশর একজন** বিখ্যাত চিত্রপরিবেশক নাকি একটি ক্রাসী ছবি দেখবার জনা এক দা পাচিশ চাকা দিছে व्यविष्ठे शीठ होकाद हिस्कर किल्लरक्ता । সাংবাদিকরা সব কিছা ছেতে ফরসী ছবি দেখার জন্য অধীর। স্তরাং কিন্দ ডিভিসনে প্রতিদিন দ্টি করে একই ছবির শো। বদেবতে যে এত সাবেদি**ক আন্ত**ল এবং তারা সবাই যে এত চলচ্চিত্রালয়োগী ভা এর আগে অন্ভব করিন। **একে ফরানী** ছবি ভাতে আন-চেল্সরড, স্ভেরং **ব্ৰেড্ট** পারছেন। প্রথম শো স্বামী তবি বাশ্বীকে নিবে দেখছেন তে বিত্তীয় ৰো স্চী তীয় ভ্ৰুদের সংখ্যা দেখাখন। প্রথম স্মিটিভে ইন্সি বন্ধ সংস্থানত পিতাতে কেবা যাছে 🕏 দিন্দীল কোনুহে ভাঁৱ মাবতী কাণাকৈ কেখা**ত** প্রতিষ্ঠ অন্ধক্তে প্রেকামাত প্রবেশ ক্রতে। ফ্রাসী ছবিত দৌলাভ বিছা বিরল নাটক দেহতাত সাত্ৰতে কোলাছ আম**র। যে নাটক** লেক্সকা এবং সেন্সরের ভার কোন দিবী रमधा बाद मा। महिन्दे कि छात्रकस्वति



"এখানে শিক্ষর" (পরিচালনা ঃ বাচিক) ছবির শ্রিটিং জারশ্চ ছরেছে ঃ একটি ল্লা প্রবাসে জানে উত্তরসূত্রর ও বিজ্ঞীপ মুখার্জি জারশ্চ হুটো—বেল

অধিকাংশ লোক হিপোকিট! গত করেক ৰচবে ফিল্ম সোসাইটিগুলিৰ কুপার আমাদের দেশে নাকি একদল সচেতন চিত্র-দশকের আবিভাৰ হরেছে। বারা ফরাসী, চেক, সূত্ৰভিদ বা পোলিল চলচ্চিত্ৰের ইতিহাস গলে খেরেছেন। ফলে, জীদের মনে, পেটে বা মাথার ভারতীয় চলচ্চিত্রের জনা আর একদর কোন স্থান নেই। আজকাল ভালের কাছে সভাজিৎ নারও গ্রামণ হরে গেছে। তাদের মাথে আক্রকাল নিউওয়েভও একটি পরেনো ব্যাপার: ভারা আজকাল আনভার প্রাউন্ড মৃতি মৃত্যেন্টের কথা বলহেন এবং আনভার গ্রাউন্ড মুডি श्रुष्ठरम् । चाहात्र वावदात्रस्य निर्वाहत्त्र ৰ্যবহায়িক জীবনে টেনে এনে অপূৰ্ব এক একটি সং সেজে আমাদের দেশী সংসারে 📭 ফ্রালরে ছবে বেড়াছেন।

×

পরিচালক অসিত সেন করেকজন সহ-বালীর হাতে হাত মিলিয়ে একটি ভারকা-বহাল হিন্দী ছবি শারা করতে চলেছেন। ছবিটির ছিল্মী নাম 'সফর'। এটি ও'র প্রথম ছবি 'চলাচলে'র (বাংলা) ছিন্দীর্প। এ ছবিতে অভিনয় করছেন, অশোক কুমার, শমিলা ঠাকর, রাজেশ খালা, ফিরোজ খান, জাই এস জোহর প্রভৃতি। বন্দেতে *এ*সে অবধি অসিতবাব চলাচলের হিন্দী করার कंत्रा वद्यक्तात कार्ड डेश्नाव श्रकान করেছেন, কিল্ড গলেপর বিরোগাল্ড পরি-মতির জন্যে এখানকার প্রযোজকরাও ছবিতে হাত দিতে সাহস করেন নি। স্বাই নাকি একই কথা বলতেন, "ছবির শেষে ৰদি মতেকে বচিয়ে দিই, ভাহলে প্রবোজকের মৃত্যু জনিবার্ব।" এ কথার উত্তরে হাসি হোত। সেই হাসি নিয়ে হাসা-হাসি হোত কিন্তু ছবি হোত না। এখন **হচ্ছে। নুডরাং সুখবর।**

সরল শ্মা

শ,ভারুম্ড

গত ২০ আগস্ট প্রয়েজক আশিস রায় তাঁর নতুন ছবির কাজ শ্রের করলেন সংগতি গ্রহণের মাধামে। পার্থপ্রতিম চৌধ্রেত্রী এ ছবির পরিচালক এবং সংগতি পরিচালক। ইণ্ডিয়া ফিলম ল্যাবরেটরিডে সেলিন প্রতিমা বন্দ্যোপাধ্যারের একখানি অতুলপ্রসাদের গান এবং কন্পকুমার ঘোষালের একখানি রবীন্দ্র- সংগীত গৃহীত হয়। ছবির শ্রিং অবিলাদেবই শারে, হবে। অপণা সেন সম্ভবত ছবির নায়িকা।

২১ আগষ্ট ইন্দ্রপারী ষ্ট্রভিওতে মনর মিত্রের পরিচালনার তর্ব পিকচারের প্রথম ছবির মহারত সম্পন্ন হরেছে। মহরতের শিল্পী ছিলেন বিকাশ রার ও রল্লা ঘোলা।

छान अकाभ घाष्ट्रक मःवर्धना

বিখ্যাত সংগতিক শ্রীজানপ্রকাশ যের পেনসিকভানিয়া বিশ্ববিদ্যালয়ে ভারতীর মার্গা সংগতিতর সাময়িক অধ্যাপক নিয় ছ হয়েছেন। এই উপেন্দেশ্য আগোমী করেক দিনের মনেই তিনি আমেরিকা যার করেবেন। গতে ১৬ আগান্ট সেই উপলক্ষে তাঁকে সাবধনি জানানোর আয়োজন করেছিলেন স্ক্রেশ সংগতি সংসদ। শ্রী ঘোর উদ্ধ

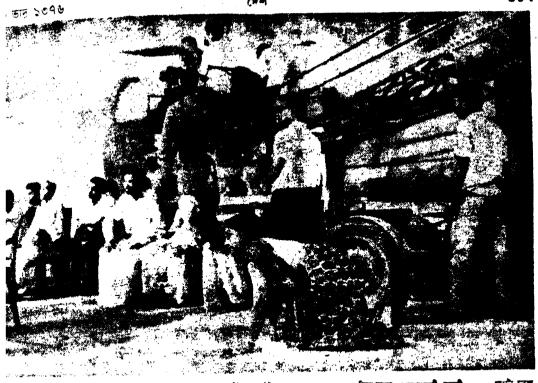
eই একই উদেশদো শ্রীজ্ঞানপ্রকাশ ঘেষের ছার ছাত্রীগণ তাকে সংবধনি। জ**িন্**য়াছন গত ২২ আগস্ট বিড়লা অয়কাতেনী ভবনে।

बालक शवाधक

ভীবাভারতী নির্বেদিত "বাল্ক লোগর" ছিনিটির মৃত্তি আস্থা। প্রমণ্ট্রের ছীনিন মক্ষানেরের বালাজনিবনরে কেন্দ্র কর এ ছবির ক হিন্দী, চিনুনাটা বচনা ও গরিচালনা করেছেন দ্রীজিহানি ছোষ। বিভিন্ন চরিছের গিলগী: শ্রীমান সোমিত, কুমারী চুমকী, ছাষা দেবী, গাঁতা দে, স্থপনকুমার, আমরেশ দাস, নৃপতি চ্যাটাজ্বী, বারেন চ্যাটাজ্বী প্রভাত।



ভাৰঃ ধ্ৰাৰি প্ৰিচাৰিত স্বস্থী চিতের "নৰবধ্"-তে সতীক্ষ্ম ভট্টায়ৰ ও ন্ৰাগ্ডা স্থানা বেৰে



গ্লেষ ও বৌদ্র' ছবির একটি বিলেষ দৃশাগ্লহণ পর্ব : আটিডে হটি; গেড়ে বেখছেন পরিচালকা অরুশাড়ী সেবী क्रहा-स्व

সজনের 'ঋতপত্র'

तव**ी**कताः **१** द मक्षेत्र दुए सम ংগু আল্লেন্ন 'ঋতুপত্ৰ' শবৈকৈ একটি চিন সম্প্র হল। 'স্ভান' নামক প্রের পক্ষ থেকে প্রয়েকিন্ত এই গ্রেমের পরিবাদশন্য প্রসংখ্যা নিশোশক র্ণার্ম সার্শেষ্ট জানিয়ে ভালো ছেন যে এখ মধো ন্তাৰাটা স্ভিটর নে প্রাস্থানই। কিন্তু ভাহালত পরি-দ্ৰ সুম্পত্ত কিছা অস্পন্টতা থেকে ্রবীপুনাথ ধখন প্রবিশো ১৮৮৬ া প্রার্থ বছর অবস্থান করেন ন তীরবড়ী অঞ্চল প্রকৃতির নিবিছ মাধ্য তখন জীবন সম্প্রিক স্ক তার টা উপলন্ধিকে প্রকাশ করে সায় শৈভ চিঠি লেখেন, বেগুলি পরবভী-ল ছিল্লন্তে সংকলিত। এই সময়কার किल्माक्षक शानग्रांत मिर्व अक्रि ল-ক্রনার অভিস্থারত বদি থাকে, ভাহলে है-रेनिहातात भरवाचे विवदाक जीभाविक कवा াকন? 'ছিলপতে' ঋতু-বৈচিত্যেৰ हाराम बाह्य मा ट्वाटब भएक काम ट्वाटन শ অনুভুত হয় জগৎ ও জীবন সম্বদ্ধে ^{বিরু} স্নিবিভ উপলব্যি আর ভার সংখ্য ^{ক্টা} অনিদেশ্য সৌন্দর্যবাকুলতা। আর ই উপলব্দি শুখু জো সেই সময়কার, সেই वित परिषक्त जीवायम्य यत्रशास मतः अ ক্ষুৰ আছে বিভিন্ন মাসে আৰু মতে কবিৰ

সমুস্ত জবিনবন্ধী সাধনায় ও স্ক্রাক্রে। জার তাই বাঁদ হয় তাহলে। জন্কোনটিকে ্ডিপ্রপর্যার সংক্রা হার কারে বিশেষভাবে চিক্লিড করবার সাথকতা কি? এর মধ্যে নভুনৰ ভোকিছা নেই-ই বৰং ওই বিজ্ঞাপনটাকু না থাকলে রসোপভোগ হয়ত স্ত্জাতর হত কেননা সেখনে অকারণ ছিলপ্র' খাছে হেড়ারার লর থাকত না। কেননা অনুষ্ঠানের পানপ্রিল স্থানিবাচিত এবং একক গানগালি সাগতিও। ভিজেন মাখোপাধার, কননী খেব, স্বপন গণেড এবং অর্ঘা সেন-প্রতেপ্তেই দরদ দিরে গ্রেরছেন। অবশা বনানী বেংকের স্বিতীয় গানটিতে শিল্পীকে কিছুটা আড়ণ্ট হ'ন হল। নাচ, পাল গাহের সানিপাণ ব্যঞ্জনাময় ন্ত্যভাগ্যামার কথা বাদ দিলে. রুসোন্তীর্ণ হতে পারেন। লোক-ন্তা-গুলি পৃথকভাবে ভালোই, কিন্তু সমগ্ৰ অনুষ্ঠানের সংখ্য খুৰ সামজসাপ্তা বলে মান হছনি। আৰু বাটল-নাডোৰ পানঃ-পৌনিকতা এই জন্ম্টানের রসস্থির श्रीतश्राम्थी-हे भूषा सत् अहे सारहत ज्ञाला নির্বাচিত গানের ব্রে ও ছবের (বেমন, আমার মুডি আলোর আলোর) কোনো মিলও খ'ডেল পাওয়া গেল নাঃ

অনুষ্ঠানের পদ্চাদ্পটের আলোর কাজ মুসান্দাদনে আৰু একটি প্ৰতিবন্ধকতার স্কিট ক্রেছিল। স্বারিপাড় কিংবা বছপাড---

ৰাস্তবের বিজ্ঞান্ত রচনা অথবা সৌন্দর্য সুনিট, কোনো নিক থেকেই সাৰ্থক না হওয়ার র্রীতিমত পরিভাদারক বলে বলে হয়েছে। এ সম্পর্কে দৌপচিত্রকারা কবিম্প म्मान कार अक्टे बहुमील श्वाब **अस**ाकेन WZE'

সারা বাংলা নাটাসংগ্রাম সমিতি

অপেধানার নাটা সংস্থারার আভাস্তররীব চিত্ৰটি কী মৰ্মান্তদ, ডা জানতে পাতা গেলা "সায়া বাংলা নাটা সংগ্ৰাম স্বিভি" আৰ্মেজিউ मारवाष्ट्रिक **मट्यमध्**न।

গত ২৫ জুলাইরের ঐ সম্মেলনে সমিভির পক্ষ থেকে জানানো হল, অপেশাদার নাটা-লোক্টীর নিকট থেকে সরকার বে কর আগার करतम का जनात, करवेडिक। अहे क्य হকুবের জনাই সমিতি আন্দোলন শ্রু करतरहरनः अदे छेरम्परमा मदद 🗷 प्रास्त्र 🕊 প্ৰাক্ত ডাব্ৰা এটি আঞ্চলিক আঁথবেলনে ৮৪২টি সংস্থার সপ্যে জড়িত প্রায় বাজে হাজার নাট্যকনীর কাছে তাদের বছৰ্ট পোছে দিয়েছেন। এইভাবে ও'রা আরও ৪৭টি অধিবেশনের মাধ্যমে সমগ্র পশ্চিম-ব্লোর বৃহত্তর অংশকে এ বিবরে স:চড়ব করবেন এবং সমধান কামনা করবেন।

প্রসংগত ও'রা জানালেন সারা বছরে গভে যোট অভিনয় হয় শহর ও শহরতলীতে ২৯



নারারণ চরুবতী ও বিমল ভৌমিক পরিচা লিড "দিবারারির কাব্য" হবিতে মাধবী, মুখোপাধ্যার ও স্বপন রায়

হাজারের মত একং মফঃশ্বল অন্তলে ০৬
হাজারের মত। স্বামোট ৬৫ হাজারের মত।
এই সমগ্র অভিনরের উপর সরকার
প্রযোদকর আদার করে পান মার ৪০ হাজার
টাকার মত।

স্তর্গং, সারা বাংলা নাটা সংগ্রাম
সামিতির এই প্রমোদকর মকুবের প্রশতাবটি
বাদ সরকার মেনে নেন তাহলে তাঁদের কাঁড
হবে মান্ত ৪০ হাজার টাকার মড, কিশ্চু সারা
বাংলার মুমুর্নু নাটাসংশ্থাগালি ভার
বিনিমরে টিকে থাকার ভরসা পাবেন।

সাংবাদিকদের প্রশ্নের উত্তরে সাঁমাতির পক্ষ থেকে জানানো হলো বে, সারা বাংলার প্রায় ২২ হাজার নাটা সংশ্বা আছে। এব সংশ্বে জড়িত নাট্যকমা, শিলপী ও নাট্যকারের মোট সংখ্যা ৪ লক্ষ ৪০ হাজারের মঙল। ডানের অমে প্রতিপালিত হরে বেটা আছে প্রার ৮০ হাজার মানব। এছাড়া মানুল, জাগাড়, লোহা, কাঠ ও বাল, বন্দ্র, নীবন, ডেকরেটের, প্রসাধন, স্টেশনারী, টিন, পাট, বৈদ্যুতিক সাজসংক্রাম ও বাদ। খণ্য—এতগালি বাবসায় প্রতিন্টান এই সব নাট্যাডিনরের বারা উপকৃত হক্ষে।

আবার "এণ্টনী কবিয়াল"

বিশ্বনাথ রুণামণ্ডে আবার বিধায়ক ভটাচার্য রচিত "এ-টনী কবিয়াল" নাটকটির নির্মাত অভিনয় হছে। ভূমিকা-লিপিতে দুটি উল্লেখযোগ্য পরিবর্তন ঘটেছে। স্বগতি জহর গাণ্যালি রুপায়িত 'ভোলা মররা'র চরিতে এবারে রূপ দিচ্ছেন অসিতবরণ (চলচ্চিত্রে এই চরিত্রে তিনিই অভিনয় করেছেন)। 'মামাবাব'র চরিত্রে এই প্রথম অবতীণ' হচ্ছেন মহেন্দ্র গুণত। এণ্টনী এবং সৌদামিনীর চারতে প্রোনো জুটি সবিভাৱত দত্ত ও কেতকী দত্তই থাকছেন। অন্যান্য ভূমিকায় আছেন জীবেন বস্, কালিপদ চক্রবতী, তর্ণ মিত্র, কল্যাণী ঘোৰ, সাধনা রায়চৌধুরী, সীতা মুখাজি প্রভৃতি। সংগীত পরিচালনার রয়েছেন অনিল বাৰ্গচি এবং আলোকসম্পাতে ভাপস সেন।

সিনে মেক-আপ আর্চিন্ট্স জ্যাসো-সিয়েশনের বার্ষিক সভা

গত ৭ জ্লাই ইন্দ্রপ্রী স্ট্রাডওতে সিনে মেক-আপ আটিন্টস আন্দ্রোসন্ত্রে- শনের বার্নিক সাধারণ সভা জন্তির
হলেতে। প্রবীধ রুপসম্ভাকর প্রীমদন পঠর
এই সভার পোরোহিত্য করেন। চলচিত্রের
রুপসম্ভা-শিকপীলের বিভিন্ন সমস্যা এবং
এই শিক্তপর মান উমরন সম্পত্তে আলোচনার
পর ১৯৬৯-৭০ সালোর কার্যকরা সমিতি
নির্বাচিত হর। নিন্দোভ ব্যাভবর্গ নির্বাচিত
হরেত্রেন। সভাপতি-শ্রীজভি সেন: সহ-সভাপতি-শ্রীলিলোচন পাল: সম্পাদক-শ্রীদ্যা
চট্টোপাধার; কে বাধাক্ষ-শ্রীজনাথ মুবোপাধার। প্রীমদন পাঠক এই সমিতির
উপদেশ্টা।

রজরাজমের "তটিনীর বিচার"

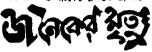
র্ণ্যরাক্তমের শিক্ষীরা উপহার দিলে ভটিনীর বিচার'। স্থান মারবেল পালেস। মণ্ড করে অভিনয় পরিসরও সীমার্থ। ভথাপৈ আলোচা সংস্থার লিলপীয়া দৌনত নিষ্ঠা ও আন্তরিকভায় বহ অভিনীত এ নাতকটির যে মণ্ডরপে পরিবেশন করলেন তা নিঃসম্পেতে প্রশংসার। এ'দেব দলগত অভিনয় যেমন স্কের ব্যক্তিগত চ্রিচ্চিত্র তেমনি উপভোগা। অনেক কেল উচ মানেরও। বিশেষ করে ডাঃ ভোস, সেত. সম্ভব ও ভাটিনীর চ্বিক্রভিন্তে ব্যবস্থ বীরেন্দ্র মল্লিক, সলিক সরকার, স্কুড়িড ব্যানারজি ও কৃষ্ণা রার এক কথার অপ্রে। চারতান বারী স-অভিনয় করেছেন শাহলী দুরগ্রুণত (ললিতা), লিখা মিলু (কুর-ভাষিনী)। অন্যান্য ভাষিকার ছিলেন প্রপন দত্ত, ভরতে ছোম নীরেন্দ্র মল্লিক, সমীর শেঠ, বিমল শীল অবৰণ ভোমিক মিতা কর প্রভাত। কণ্ঠসংগীতে দিখা মিশ্র ও र्र्जुाठ सामान-धद काक सुरुद्र। नाण-निर्मानात् कृष्टिष बीरतम् ब्राझरकत्।

रण्डभड़े मद्म गड़े...

শিলিক্তি থেকে প্রীংখকন সেনগণ্ড জানাঞ্জেন যে দেশপ পত্তিকার ২৭ আবাদ সংখ্যার "দেহপট সনে নট..." নিবংশ কাশীপুর শম্পানখাটে গিলিরকুমার ভালভির মৃত্যুবার্ষিকীতে একজনও অভিনেতা অথবা অভিনেতী উপস্থিত ছিলেন না—এ কথাটি ঠিক নর। জনৈক লোখিন অভিনেতাকে তিনি ঐ অনুষ্ঠানে দেখেছিলেন বলে উল্লেখ করেছেন। তিনি প্রীঠাকুরদাস মিশ্র।

এই প্রসংশ্য আমাদের বছবা ঃ প্রীঠাকুরণ্নি
মিশ্র ঐদিনকার অনুষ্ঠানের অন্যতম
উদ্যোজা। স্তরাং তার উপন্থিতি গিল্পীসমাজের অন্যান্য সকলের অনুপশ্যিতা
পরিপ্রক হিসেবে পথা হতে পারে না
বলেট আমাদের কিবাস।

ন্ত অলনে (৪৬-৫২৭৭) চতুল্ব বিদ্যাপন্ত নাটকের ৯৭তল অভিনয়



এ মাসের একটি মার আভন্ম

সোমবার | ৮ই সেপ্টেম্বর | সজ্যে সাডটার নাটক | নির্দেশনা ঃ অসীল চক্তবর্তী কুমান্সারে আগালী তিনটি প্রযোজনা ন্ডেম্বর ১৯৬১ — লাচ ১৯৭০ 1 Bertolt Brucht's Die Heilige Fohanna der Schlachthofe অন্প্রাণিত অজিত গঙ্গোগাধারের অথ লাসভী ব্যক্ত কথা 2 Bertolt Brucht's Mutter courage und ihre kinder অন্সরণে উৎপঞ্জ দত্ত রাচ্ড হিন্দ্রতবাই 3 Albert camus' Caligula অন্সরণে অসীয় চকুবতী হাচ্ড আলি একা

अपूर्य १ 85/5 त्वह जावेखी भीते, क्वि-5

(FF-9554)

ত্যাৱাণ্য দেব



ती क्रक

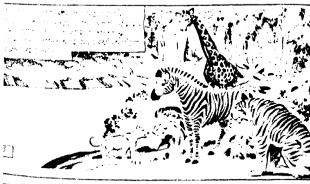




















ভারতের রাণ্টপতি নির্বাচনের পরিপ্রেক্ষিতে উন্ভত রাখনৈতক পরিস্থিতি এই সংভাতের প্রধান আলোচা বিষয়। এই নির্বাচন উপলাঞ্চ কংগ্রেস শিবির প্রধানমন্ত্রী প্রীমতী ইন্দিরা গান্ধী ও তাঁর বিরোধী—এই দুই ভাগে বিভক্ত হয়ে বায়। প্রধানমন্ত্রী দল নির্বাচনে কংগ্রেসপ্রাথী প্রীরেডভিকে পর্যথান না করে নির্দাল সদস্য প্রী ভি ভি গিরিকে সমর্থান জানান। প্রীগিরি নির্বাচনে জয়ী হয়ে রাজ্পতি নির্বাচিত হন। কংগ্রেসের উভয় শিবিরের মধ্যে একটা মিটমাটের জনা প্রী ওয়াই বি চবনের আপ্রাণ চেন্টা রাথভায় পর্যবিসিত হয়। রাজ্পতি নির্বাচনে কংগ্রেসপ্রাথীর প্রাজয়ের জনা দায়ী কংগ্রেস নেতৃব্দের বির্দ্ধে শাস্তিম্লক ব্যবস্থা গ্রহণে কংগ্রেস সভাপতি শ্রীনিজ্ঞাগণ্যা দুচপ্রতিজ্ঞ। ২৫ আগস্ট ওয়াকিং ক্যিটির বৈঠকে সংক্র কেটে গ্রেছে। ওয় কিং ক্যিটি সিন্ধান্ত নিয়ে হন—প্রধানমন্ত্রী ও তার ন্ট স্যক্মীর বির্দ্ধে কেন ব্যবস্থা নে হয়ে

द्रमणी अध्याम

১৮ আগাসট-লাউপতি নির্ভিনে স্থানতী প্রাথীতি বিলেতি লাভ কান্য কান্য কান্য কংগলে স্থাপতি ইনিছালিখালেও নাকি প্রান্থ মন্ত্রী ইনিছা বিশেষী, তবি নাজন সিন্ত্রি সমর্থক ইন্ফান্ট্রিলি আলি আমেন ক ইন্ফিলাজীবন বাম এবং নিয়াল, উত্তরপ্রান্থ ক প্রাজ্যে কংগ্রেস্থ প্রধানাদ্র কাছে প্রতিবিদ্যালন হ তিনি জানিয়ে বিয়েছেন যে, তাঁদের অব্ধ জ্যোতির কান্য বিয়েছেন যে, তাঁদের অব্ধ

শ্রীহ্মেন্স কবির অজ সংখ্যা পৌন সাতীব সময় নর্নিলিল্লর ওরেলিগ্রন নাবসিং লোম প্রলোজগ্যন কবেন। হারুলাগে আরুদ্ধ লাক আজ স্বালে তাজি ন্যাসিং লোম ভর্তি কব্ হয়। মৃত্যুক্তাল তাজি ব্যস্ত প্রায় ছল ৬০ বংসর। তার স্থা ধানিত কবির এবং ডাঁ বেলে মৃত্যুক্তাল তাজি প্রাপ্ত হিলেন। তার ছেকে শ্রীমান ক্রডার প্রাছেন।

১৯ আগস্ট—আপস রালর জন ঐটলনের বেক্টা সামুও প্রতিকাশ্যা রালাসে নার্থ্য প্র প্র স্টির্ভার আন্তর্গ প্র পর বাজির আরু বিশামনিয়ানি সংঘষ্ট আনকর । প্রিলামে সস্টের্গ থাবরেও অসকত্য নহা। নিজলিয়ালপা কিছা হটতে নারাজ। কিছারেই তিনি গোলাকজ নোটিসা প্রতারার কলনে না। মোলাজনিয় পরে আনকরি আসবল আমাজনিয়া। অপবিশ্বের প্রধানমন্ত্রীর আসবল আমাজনিয়া। অপবিশ্বের প্রধানমন্ত্রীর মনে করেন, বার্থ্য নিয়ের স্কল্পর সক্ষা অসম্ভর্গ, বার্থ্য নিয়ের সক্ষার আসম্ভর্গ।

বিধানসভায় ৩১ জ্লাইয়েৰ প্ৰতিষ্ঠ ছায়ল্য সংস্থাৰ ভ্ৰদত্ৰ যে গ্ৰত বহিতি এই ভ্ৰদ্ৰাৰ মত ৰাখ্য ৰাখ্য প্ৰিস অভিস্তাৱৰ কাশ-কলাপ সমালোচনাৰ ফোডা—এই সিন্ধ এত প্ৰেটাছেছেন ৰলে বিশ্বস্তু স্থাতু জানা বিধেছে।

২০ আগসট—রাথীপতি নির্বাচনে ১৮০%।
ফলফল থেকে জানা থায় যে, প্রথানাতীর
সমর্থাকনের প্রাধীন ভোটের পরিব ফলে ১১সনের
এবং বেশীর ভাগে রজা বিধানসভার বেশ বিশ্বন্
সংখ্যক কংগ্রেস সহস্কা দলের প্রাথী শ্রীসগ্রীব
বেছজিবে ভোট না বিজ্ব শ্রীগিতিকে ভোট
দিয়েন্তান।

ক্রীনিবিং ভয়লাভাকে প্রশাননতী ই'নেকা প্রাথমি নাতিব জয় এবং সিন্তিন্তেগীলোপ প্রিচিত কংগ্রেমীলে ভালি প্রভাষ বাজা নেশ-ব্যামী প্রণ করাজন। আরু কোন নির্বাচন নিয়েই নেশেন মধ্যে এত উংস্কে, এত উত্তেজনা বেখা দেশ্ব নিং।

২১ আগেমট—বার্ণার্গার নির্বাচনের উর্বেচনা চুল পাও্যার সংগো সংগো কংগোস নেতৃছের রাই শিব্যারর মধ্যে মিটমাটের জনা প্ররাজ্যনতী শ্রী ওয়াই বি চরন আবার টাঠ-পাড়ে ব্যেবাছন।



হার্থ্যকারী বিভিন্ন নার্থ্যকার করেও পার্ ক্রেড সিন্ত্রিকীরালক। কর্ত্যকার সভাগ ও ক্রিজিজ্ঞালন হলে হা ১৯ ক্রেডেস কর্ত্যকার করেওস ক্রেজিক ক্রিডিজ ব্রিক ব্রেজাইনে।

কাসেনিক বাহিত্যালয় টু টি লাব দকত আভ ৰাভ ৰাজ কাজ বাজন যে, সংক্ষা কবিনাল আলানিক না • সংকাৰা এই সিধান চিনিয়েছন ধ্ব, দিন্তা সংকাৰা কবিয়াল আনস্নীৰ পাণা ভালাৰ সভায়ৰ ধৰিয়ে ধৰিব নিজেৱ আৰু কৰ্মান

এই আগেদট—এবলৈ প্রয়েষ্টিই ব্যাস্থাই ও বিরক্তি কান্যন্ত নাজ্যবান কোনে কান্দ্র কিছিল কান্দ্র কোনে কান্দ্র কিছিল কান্দ্র কান্দ্র কান্দ্র কিছিল কান্দ্র কান্দ্র

১৩ প্রাপ্তম্প্রক্রিক প্রাপ্তি কর্মিক কর্মান ক্রমান ক্রমা

কলকাতা রাজীর পনিবহানের অবতাত এক হাজার চালা বাস (৫৫০টি দোতাসা ও ৪৫০টি একতাসা) থাকা দরকার। করেকটি জাইগার মাটির ন^{ম্ব}চে ট্রাম চালাবার সম্ভাবনা তোর দেখতে হাব। যোজনা কমিশ্যনের নেটরে,পলিটন প্রিবহণ দল তাদের প্রতিবেদনে এই কথাগোলা ২৭ আগস্থি—আন স্কালে সংস্কৃত্ব স্থানি হাল এও ব্যাচা আনুষ্ঠান ভালে তুল ক্ষাপ্তি শ্রীব্রছ গিছি দেকট নিতি গ্রু প্রথাপতি শ্রীব্রছ গিছি দেকট নিতি গ্রু প্রথাপতি শ্রীব্রছ গ্রিক অভিনালিত ক্রেন এর ক্ষান্ত্রপতি ভ্রাব্র চৌহদি থেকে ৩১ র ভোগ্রান হয়।

একটি অনুষ্ঠানে বেগা দেবা জন গছ মাদ্রে। শতবের মধা দিয়ে বাবাঃ সময় মণ্ডা কংগ্রস ও বাব কংগ্রেসের কাষেক্রন সক শ্রীকারভাকে কালোপারাক। কেনা ওব সিম্পানেট নিপাত হাক। সমজ্জানার ব্ ফিরে বনো পাল ধ্নিন দেব।

वार श्रियारी

১৪ জানানী—লাকেজ নাপনীক্ষা এই দ হাসপানাজ আন গোলান (৪ ৩৩ চিটি) প্রেটারণে—পাবে হার্থপান নাম (৪৮৮ চিটি) গোলাফা সাম্ব সেক প্রেপ্তিন—সাম্ভ (৪৮ নাস। ১৬১৮ সাজ্ব ১ জনাম্বানি বা বজাদ ভাগানে হার্থপান্ত বিস্কান সংখ্যা ব্যক্তিন (৪ বস্থা মুটানারণা হার্থ।

১১ আগেষী—নাজাগে এই ১০ প্রথ থাকি এই বাজার বছর জাগেছে এই বিদ্যান করেছ জালে বছর জাগেছে। প্রচাণিত লোক করেছ জালে এই প্রাথমিক প্রাথমিক করেছেই এই বিদ্যান করেছে বাজি করেছ।

হণ্ড কাৰ্যক্ষী— ক্যাপে । বিভাৰ প্ৰশাসি আন্তৰ্গত সংগ্ৰহ । পতি মতি । পিছা দ দাব্যত জাত পতিব্যাহ্যক । সাহ সংগ্ৰহ পূট ক্যান্তব্যতীক বিকাশক ক্ষেত্ৰ কটি প্ৰথম । যাওঁ ক্যান্তব্যতীক বিকাশক ক্ষেত্ৰণ কটি প্ৰথম । যাওঁ ক্যান্তব্যতীক বিকাশক ক্ষান্তব্যত্যক বছৰ কটি ।

২০ জাগাদ্ধী—সংগ্রাহ এর সংগ্রাহ প্রান্থ ।
কালনে বাহ প্রান্থা নাজ প্রান্থ । বীগা
সিমানিকঃ প্রান্থান মাধ্য সংখ্যা সংগ্রাহ ।
৪৫১ মাইল দাঁভা যে নতুন নাজা নির্ভাগ
হারেছে আগামনিকাল আনুষ্ঠানিকভাবে স্থি
রুক্তাটি থালে দেওৱা হবে।

১৪ জাগসট পর্ব প্রকিষ্টানের চলা ব্যাবক প্রচারেত দৈনিক সংবাদ প্রচিতার প্রবিধ্যার প্রবিধ্যার প্রবিধ্যার প্রবিধ্যার প্রবিধ্যার করেছে। বিব্যক্তি প্রসাধার করেছে। বিব্যক্তি প্রকাশ করেছে। বিশ্বক্তি করেছে করেছে করেছে করেছে

কুলাভর প্রায় পঞ্চাশজন শ্রেষ্ট চিভাবীরের বচনাসমূহ

গান্ধী প্রিক্রমা ১৫১

विक्री वरमाभाषारसम

আরণ্যক 🕬 ৬॥

গ্রেন্দ্রক্ষার মিতের

জন্মেছি এই দেশে 8॥

প্রবোধকুমার সানানকোর

নগারে অনেক তাত ৪।।

ନ୍ଦୁ ଶ୍ବର ।।

हाबार •क⊺तह

রাধা ৮, যোগল্পষ্ট ৭,

লীলা মডাুমলারের

আর কোনোখানে ৫,

রাধাকজ্ঞান্ত

ধার্ম প্রাচ্য ও পাশ্চাত্য ৫,

ধম ও সমাজ ১০,

বিমল মিতের

সখী সমাচার ৬,

নীহাররঞ্জন গ্রেপ্তর

অপারেশন ৭,

পুর'পার'তী ১১,

স্মথনাথ ছোধের

वंकिएसाठ १. बीबाखवा १,

- শ্টি কম্ড স্মৃতিকথা -নিম্পিক্যারী মহলানবীশেষ

কবির সঙ্গে য়,রোপে ১০১

ह जनश्या होत नक्ष्य ह

नीना अख्यमादवय

मन्क्रमात ताय हा।

আবোল ভাবোলের কবি, সন্দেশের সম্পাদক স্বকুমার রায়ের আশ্চর্য জীবনী

॥ न्छन वहे ॥

গজেন্তুমার মিতের ন্তন উপন্যাস

আমি কান পেতে রই ১৪১

बारित उभना ४, भरन दिन आमा ६, महन ६ मी १९ ५,

প্রবোধকুমার সানাচলের এক চামচ গঙ্গা ৪১

আশ্ৰভোষ মাখোপাধায়ের

দ্বরাজ বন্দোপাধারের

प्रवयः वर्ण ७८ विधा १८

সৈয়দ মঞ্জতবা আলীর

রাজা উজীর ৮১

অচিন্তাকুমার সেনগুপ্তের

গোরাঙ্গ পরিজন ১০১

শচীন্দ্রলাল রায়ের

জাহাঙ্গীর নামা ৮১

নকুল চট্টোপাধায়ের রোমাওকর সভা ঘটনা

চিরকুমারী সভা ৪১

नौतनहन्त्र कोथ्रजीत

বাঙ্গালী জীবনে রমণী ১০,

অবনীন্দ্রনাথ ঠাকুরের

যাত্রাগানে রামায়ণ ৯১

॥ न्ष्य गृह्य ॥ ध्याद्यनाम यृद्धाशासादस्त्र

हिमालायुक्त भाष भाष

9.

মিল ও বোৰ : ১০, শামাচরণ দে শ্বীট ঃ কলিকাতা-১২ ঃ ফোন ৩৪-৩৪৯২ ॥ ৩৪-৮৭৯১

প্রথম প্লাফিক বালভির প্রস্তভকারক 'সিলের' নতুন অবলান

দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাদিক দ্রব্যের পূর্ন সন্দার

ৰাখক্ষমে রং এর ছোঁয়া দেবার জন্ত—মগ্ন, বালতি এবং টরলেট সীট। রারাছরের জন্ত—সামলা, বাটি, ঝাঝরি, খাবার টেবিলে উৎফুরতার জন্ত—মাটি, গেলাস এবং প্রেট,গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাছার করার বাগে এবং বাতির শেড্—বেমন রংচঙ্গা, তেমনি সহজে পরিকার রাখা বায়। হাঙা এবং অভঙ্গুর। নানাবিধ মনোহর রংগ্রে। সবই "দিলের" তৈরী—বারা প্রথম প্রাষ্টিকের বালতি তৈরী করেছেন।

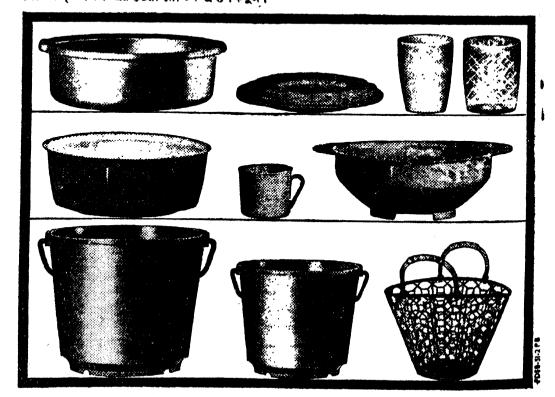
"দিলের" তৈরী বাবভীয় জিনিব নির্ভরবোগ্য ও টেকসই। কেননা, এ গুলি বহুকালধ্যে ব্যবহার। করার উপযোগী করেই ডৈরী। **আয়ুনিকভার অল** সাস্টিকস্—'সিল' এর ভৈরী প্লাস্টিক জব্য কিনুন।



স্থপীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড



अस्य नक्षमी मिनम् कन्ना है। अम्माना, वरष-७১।



ডিল্টিবিউটর : পশ্চিমবঙ্গ, আসান, বিহার, ওড়িশা, মধ্য প্রদেশ, জনপ্র প্রদেশ, নেপালা, সিকিম এবং ভূটানের জন্য : লেলার্ল টেড প্রোমোটিং কপৌরেশন, পি-১৫ নিউ সি আই টি লেড, ৩য় তল, রুম নং ৪বি, ইণ্ডিয়া একচেঞ্জ প্রেস একটেনসন, ক্রিকারান্ডে১। ব্যাহনে ক্রিকালের ক্রা ক্রেক্সিকি



বিষয়	লেথক		প্তা
दन्ता : भाजमर, भ	শিদাবাদ—	•••	((00
ৰাঞ্চিত্ৰ—	•	•••	608
मृ गाश हे—श्रीनवात्व्	ા જુ	•••	৫৩৫
বৈদেশিকী—দেবরাড		•••	609
স্নেন্দর জার্নাল—		•••	৫৩৯
র্পদশ্রি স্বাদ্ভ	ाश	•••	685
রাজার ট্রাপ—শ্রীম	তান বদেদ্যাপাধায়ে	•••	689
অদ্বের দিল্লি-গর			૯૯૭

রাজনৈত্রিক পটেভমিকায় **নিম'লচণ্দ্র মৈত**-এর উপন্যাস

अख्डाल ६.६०

সোরি ঘটকের বাস্তব্যন্তি উপন্তাস

রক্ত রাঙা নগরী ৯.00

সৌরীন সেন-এর অবিসমরণীয় বই

ভিয়েতনাম

भृयशा (नार्क)

20.00

......

কঙ্গো থেকে ফেরা ৮∙০০

ରାଣ ୍ଡ ଏହ ି	
শতর্পে শতবার (উপন্যাস) শ্রীপারাবত	8.00
আসম্ভ (উপন্যাস) অচিন্তাক্ষার সেনগর্প্ত	6.00
পদ্বল (উপন্যাস) বিনয় চৌধুরী	0.00
ৰিদ্যা স্ক্ৰের মালিনী (উপন্যাস) বিজন চক্রবতী	9.00
बाह्रि (উপन्যाञ्च) वनक _् ल	8.00
ৰস্থেরা জাগো (নাটক) অজিত সেন	₹∙७०
•	

শ্যিই বের্বে.....

সভ্যানন্দ স্বামীর (হ অভীত কথা কণ্ড

নৰভারতী, ৮, শ্যানাচরণ নে স্ট্রীট, কলিকাতা-১২

(भ १००४)

ন্তন ব্লেগ ন্তনতর পটভূমিতে আর একটি পর্ব প্রকাশিত হল শ্রীন্তোধক্ষার চলবভারি

त्र अं। पितो ऋं।

কণটি পৰ ১০০

উত্তে বেমন হিমালয়, তেমনি দক্ষিণ নীলগির - পালেডের রানী উটাকামণ্ড কন্ত্র ও কেট্রাগার। কণাট পরের যব্নিকা উঠেছে এই নীলগিরি পাহাডে। সেখন থেকে গাবঁতা পথে বিভিন্ন সম্পান পূর্ণ মহিসুরে রাজন। একদিকে সেমনাথ-পার বেলার হালেরিড ও প্রবশবেল-যোগ্য ভারতীয় স্থাপত্যকলার *হেন্ট* निस्त्रीत, अनिमुक्त बाराष्ट्रणं स्ट्रापंड কি-িক্সন্ নিজয়নগরের ধর্শেরশে**ন ও** িশ্যে ত্রীরজগত্তন। প্রাকৃতিক সৌন্দর্যের আবের ভোগে কল্স্ শিবসমটেন ও লকানেও বহু আকর্ষণীয় না। বিশ্রু লুমারল শেষ এইবারন নয়। সাধ্যিক गाकारकात्र ७ प्रतिश्व गाउन राष्ट्रधानी राष्ट्रपातक राह्य संभवना गुराक्रीकार ট্রল্ডা ও অহনতাম এই পরের **শেষ**।

> ক ছাতা আহল আলে ১২টি পূর্ব প্রকাশ করেছি।

> > ন্তন প্ৰদাশ

वाश्वाय विश्वववाम

সংশোধিত চতুর্ব সংস্করণ—মূল্য ১০·০০

শ্রীনবিনীফিশোর গহ প্রণীত

বাংলা মংগ,তের রূপ

R.0

স্কুমার রাম প্রণীত

भाषि याँ एत त

जन (जाषा वर्व

নিম'লেন্দ্ৰ ৰাষ্টোধ্ৰী প্ৰণীত

ভারতের শিষ্প ও

वाशात कर। २४-००

শ্রীঅধেশ্রিকুমার গণেগাপাধানর (৩, হি. গাদ্বনী) প্রধীত

अ भाषाकी अगण्ड कार शाः विः २ र्याच्का अगोनी श्रीते कनिकास ३२

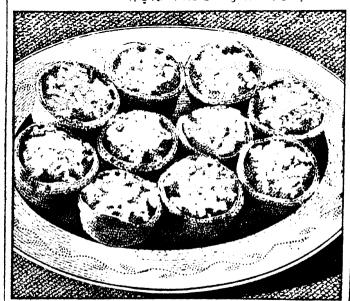


আমতী প্রমীলা লাল প্রথাতা পাকপ্রণালী বিশেষজ্ঞার একটি প্রপাহ ধাবার তৈরীর নিদেশনা

ফুটি কার্চটার্ড টার্ট তৈরী করবার জনা

वाऐत वध शलजत

ভ্যারাইটি কার্স্টার্ড পাউডার ব্যবহার ক'বের দেবেখছেন কি ? এই সুস্থাত্ব মিষ্টি খাবার আহাবের সঙ্গের বা চাহের সঙ্গের বাড়ীর স্বাইকে খুসী করবে।



ব্যা**উন এণ্ড পলসন** ভারেইট কর্মার টোন পুষ্টকর, সরের মত মোলাংমন। নানাচ বকামর কথাত পুটির ও ক্রমার টিন্টী কর্মার মত্ত টো পার্যাসর হার সংসময় মত্ত কর্মার্যাক

ত্র টিন এণ্ড পলস্ক সব্যাহে সেবল পার টাট কর্মান্ত পাল হল, ক্রমন সেবল সেব পাদ্যান তেথ্য এবং ক্লান স্বলাচ ক্রম্বন মার্কান্তর চন্দ্রকার জ্ঞানত স্বলাচ ।



EMETON:

- ্তেটি উট্টের **কক্**) ২৫০ <u>গ্রাম সমস্</u>য ২.৪ ডেটিটামুচ লবদ
- ১২২ তামে প্রতিষ্ঠান্দরণ চিলি ১২২ তাম মাধন ২ ডোট নিম ১ প্রাটেক্ট জ্রা**উন এন্ড প্রদান**
- ভাগেরেক্টি কাস্টার্ড পাউচার ১ কাপ টুকরেচকর) জাগেল ছাড়িরে পেবার জন্ত কোলো নাব্যক্তি
- না সৰ্বাহ প্ৰথম আন্তোচন চুবাৰ চেলে নিন্তু। কুম্মন চেলে নিয়েৰ মিলিয়েৰ নিন্তু প্ৰেচ ডিল্লেজন আৰু কেটিছে
- ৰংগৰ কোনো গোল গোলাৰ প্ৰদান চিংডা ভৰকাৰ আৰু কোন্ধৰে। নিবে খালা কবিত্ত মিলিছে দিন ২১ চালীৰ অসৰে অৱ একটু মধনাৰ প্ৰালেশ দালিছে মন্ত্ৰদাৰ
- यक शाहेना करेत (रोग जिंग १०० हैं कि मुक्त । के भागतात भागताकरत देशित हैं कि करेत जिन्न का क्रिकेरना है हैं जिन्न क्षणतरहाल जिन्न ।
- ত সাধ্যম আগে চেবাৰ নেদ। এং সেপৰাৰ পাটোৱে অপুৰ বুৰাৰ নেদান চামিনিট টেন্ক ফিল (৪০০ ডিগ্ৰী কাটেনজাইট) :
- (৪০০ ছেপ্ৰা কারেনগ্ৰহ)। বং পাকেটোর ওপরকার নির্দেশ অধুয় যী **ভাউন এক** প্ৰকাৰৰ ভারেটিটি কন্টেটি বেশ পুন্তনাবে
- नामान कार्याक्षक कान्यक (वन भूसक (व. जीसक मण पन केरड मिन ।
- । আপেলন্তলি চেলে নাছতে গড়ন।
- চা টাটোর আধারন্তলি ও সংস্টার্ট যাতা হতে ছিন। ৮। কাস্টার্টের মিজার দৈছে গোম্মির আধারন্তলি করে মিরে, তার ওপরে বেশ কারে নারকেল চড়িয়ে ছিন।

শব্দুপত কারে বিনামলোর বন প্রণালীর
 শব্দুপত কারে বিনামলোর বন প্রণালীর
 শব্দুপত কারে বিনামলোর বিশ্বুলিক কার্যালীকে বিশ্বুলিক কার্যালীকে বিশ্বুলিক কার্যালীর কার্যালিক বিশ্বুলিক বিত্ত কার্যালিক বিশ্বুলিক বিশ

े.54%

ই এই কুপন্ট ভাবে নীচেব টিকান্য পাচান। ইকন জোডাইস কাম্পানী (ই(ৰুয়া) আইডেট ইলিনিটেড,ৰী নিবাস হাটস, ব্যাভনী বোড, বোষাই ১ বি-আর। DES

আপনার পরিবারের স্বার মনেরমত এরকম ছারও নানান ধাবারের জনা এই পত্রিকার পাতায় দৃষ্টি রাখুন।

थम ठितिज थामा स्य ता थाग्रज्ञ, व्याता व्यायनाज जारे ठ'लता जनात!

কর্ম প্রোডাক্ট্রস কোম্পানী (ইণ্ডিয়া) প্রা: লিঃ 🛛



শ্রীনিবাস হাউস, ওয়াড্রী রোড, বোস্বাই-১ বি-আর



বিষয়	লেখক		•ा.च्ठा
জীবন যে-রকম—জী	ন্নীল গ্ৰেপ্পাধনয়		669
বিশ্ববিজ্ঞান—ভাস্থার	র্গিজং কর	•••	৫৬৩
বাংলার ঢালচিত—ইী	চনদ ্ল জব রে	•••	૯૬વ
ডায়োৰৰ ছে'ড়াপাতা	ে-সানের দেওিয়াসন	•••	<u>६</u> २७
পারা পার ভীক [্] ষেত		•••	ଓସ୍ୟ
গুটোৰ আসর—১ট	\$44	•••	৫৮৩
ঘৰে ৰাইৰে— টামত		•••	୯୪୩
নিউভিনালংভর চিনি	र—ई उपरशास देगदम	***	655
আথিকি ভারত— ^ই ু	ગાફ∮ ઈ.જ	• • •	৫৯৭
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী - চেত্ৰ	<u> </u>	•	629

মোস্মী প্রাশনীর বিভিন্ন স্বাদের কয়েকটি উপনাস

হী পারাবত-এর একড়ি বিশিষ্ট উপন্যাস

আমি আজ নায়িকা ৭.০০

s ওপ্রমুস এর প্রমুত চলচ্চিত্রিতার **জীবন করিন**ী

যুবক যুবতীরা	সনেজি গণেগাপাধাক	₹.00
ারেমের কোহিন্ত্র	देवशासन	७.00
উত্তর সন্ধ্যায়	কুশানা, বনেনাপ্রধায়ে	₽.00
গাঁবনের জাটলতা	মানিক বালেনাপাধায	8.00
পণ্ডম তরঙ্গ	ব <u>ির্চটোপাধায়</u>	8.00
কেন ভা লোবাসা	জন ্ম জয়	¢.00
^त ्भकथा	সমরেশ বসম্	8.00
তিন ভ্ৰনের পারে	সমরেশ বস্	୦ .୯୦
তামসপর্ণা	স্রত রায়	••••

সমরেশ বসরে বিসময়কর উপন্যাস

ভান্মতীর নবরঙ্গ ৯০০০

এ উপনাস এক অবিসমরণীয় ই**তিহাস**

মৌস্মী প্রকাশনী – ১৫/২এ কলেজ রো, কলিকাতা-৯

हारामध्यद राज्याभाषा ভায়াপথ অল্লাশ্যকর রাষ্ ত্ঞার জল & · 00 जाहें 8.00 রফাপদ চৌধন্রী ভারতবর্ষ 🤞 অন্যান্য গল্প এখনই B-00 **স্**টার লাখেলেগ नातरमत जारशीत Erg nerg কাচের সংসার ১০০ কালের পদধর্নন **অস্ট্রের** ম্রেরপ্রায় আলোর ঠিকানা माजीनहरा धः रहनगणाधराष्ट्र আনন্দ ভৈরবী ১.৫০ অপরিচিতের নাম দীপক চৌধ্যুৱী ঘেৱাও **6.00** (शोर्ड शक्ट सरेपार्च মহাকাব্যের পতুল W-00 দেহসিল্পী 6.00 প্রাপ্তেক হাক তিনপ্রের্ষ:১ ১২-০০ গোপালদেৰের স্বণন 6.00 নারায়ণ প্রস্থাপ্রায় চাপার গম্ধ 0.40 क्लार्रिजन नम्त्री ৰসন্ত ৰঙীন... C.40 আশাপাণা দেবী জনৰগ্ৰুণিঠতা 4.40

> **ডি এম লাইরেরী** ৪২ বিধান সর্গী, কলিকাতা-**৬**





विवन	লেখক		প,ষ্ঠা
পণ্ডতন্ত্র—ডঃ সৈয়দ	ম্জতবা আলী	•••	৬০১
आत्नाहना		•••	৬০৩
সাহিতা সংবাদ—সনা	তন পাঠক	•	620
প্ৰতক পৰিচয়—		•••	677
খেলার মাঠে—একলব	II.	•	৬১৩
ৰ্যাড়িমণ্টনের আইন	कानान-गाकुल	•	والاط
ৰু গ্ৰাক্ত গ্ৰহ		•••	७১१
अव्राह्मव			৮২৩
স।প্ <u>যাহিক সংবাদ—</u>			६ २८

প্রস্তুদ : শ্রীফ্রান্তম্ম দাশ

পাঠকদের নিজম্ব রুচির কাগজ

প্রতি সংখ্যার আকর্ষণীয় সূচী ঃ

নাহ/সমরেশ बना: তার কেখা সংপরে স্বতেয়ে বড় কথা তার কবিন অক্রেম্প। ক্পভাষ/লৈম্ভ মালতাফা সিরাল : আলেল্ডা উপন্যাস্তির প্রভাষ কাহিনীর বিস্তার এবং ^{ত্ৰি}বিধাৰি মান্সিক তা প্লিক্সেব মান্ত্ৰ *কৰু*ৱে।

শ্বাপ্ত। সমাচার : ধর্নির প্রতায় নতুন সংযোগিত। এই বিভাগে স্থাস্থ স্থাপ্ত নিয়মিত। ^{হাজেওনা} এবং প্রথবীতে সর্বাধ্যানক আবিষ্কৃত প্রতিষেধক সুম্পরে সভিচ সংবাদ। স্মান্ত্রর ওপাত্র থেকে/গ্রেমীণ বা : পাকিস্তানের রাজনৈতিক, অথ নৈতিক, সামাজিক সাংস্কৃতিক বিষয়ের সবাদেষ খব্যা, যা একমত্র ধর্মিতেই লভা।

লে ব্লের কেছা, একালের ইতিহাস/স্থার রালচোধ্রী : প্রেনো যাগের বিষণা িত্যাস লেখ্যকর কল্লয়ে উম্জন্ম হার প্রতি সংখ্যায় প্রকর্ণিত হাক্ষে।

कार्टें म क्रिकात/मन्यव वात मात्र विभागी।

এ ছাড়াও প্রতি সংখ্যায় থাকছে: মেধেদের নানা **জানা-জজানা সংবাদে ত**বা **জলব্যাহ্র,** বিশেষ নানা প্রায়েত্র বিজ্ঞান বাতা **'ৰিচিচ বিজ্ঞান',** শহরে কোথায় কি কি কিন্যাত ^{পুৰি} প্ৰয়া '**ৰাটেৰাজাৰে'**, আপনাৰ সংখ্যাহিক ভাগাফল **সংভাহেৰ ৰাশিচল, ৰমাকথা**, ভিতুশ**মার কড়চা**, ভাষাম দুনিয়ার সাহিতা সংবাদ **'সাহিতা সংস্কৃতি'**, নানান মঞ্জার मार्म् बात परेता निरंत रहमाजरहमा, आकर्ष नीय हिंह 🐞 बन्धानाक, बार्ड-बह्नारन धदः দৰ্শনৈ ভাৰত, দৰ্শনে বাংলা, বিশ্বপরিভ্রমা, বাণিজ্ঞা, গচপ, কবিতা এবং প্রতি সংখ্যার ৰামা প্ৰতিযোগিতা, আক্ষণীয় প্ৰজ্বৰ ও প্ৰজ্বৰ কাহিনী। **প্ৰতি সংখ্যা -৫০ প্ৰসা।**

সকলের থেকে স্বতন্ত্র স্বাদের পরিষ্ঠা 'ধর্নি'র প্রায় সংখ্যার জন্য আপনার এঞ্জেণ্টকে এখনই বলে রাখুন।

বর্নি কার্যালয় ঃ ৬০/২, ধর্মাতলা স্টাটি, কলিকাজা-১৩, ফোন**ঃ** ২৪-৫৩১৩

रेबटमरामत्थव वह

মোহিতলাল মক্তমদার

किं सीस्थुमुम्ब 20.40

সাহিত্য-বিচাৰ H.40 R·00 बारसाव नवस्ता 6.60 ৰ্বাংকম-বৰণ সাহিত-বিতান

ভক্তভ্ৰণ ভট্টচাৰ্বের व्यक्ति विका-मर्गन 50.00

সাপকাশ রায়ের

লাবানের ক্ষক-বিদ্যোহ ও

भगता हुक अश्वाक ह

76.00 পথা *র*ুচ ল:ভারঞ্জন *কেন্য*েপের

অলিম্পিকের ইতিকথা ২৫.০০

চ: বাশ্বাসক ভটাচাবের भावकर बार्यण्यम्मानम् W.00

५: दिशानपुरम् स्कीठाइस् সংশ্কৃত সাহিত্যের

ন পরেখা 5.00

শ্ৰীমন্তক্ষাৰ জানাৰ

W.00

(সাচী : ব্রীক্নাথ ও বৌদ্ধ সংস্কৃতি: রবীন্দ্রনাথ ও বাউল সংগতি: রবীন্দ্রনাথ ও যদ্যসভাতা; রবীন্দ্রদ্ভিতে সভারচনী: ভারত ও সিংহল এবং রবীন্দ্রনাথ: রবীন্দ্র-নাথ ও বাংলা লোকিক ছল: রবীন্দ্রনাৰ ও বাংলার যাত্র-সাহিত্য; চিত্রশিশ্পী ব্বশিদ্রনাথ: ব্বশিদ্রনাথের প্রমণ-সাছিতা: রবান্দ্রনাথ ও ভারতার ঐকা: মবীন্দ্র-ভাবনার মান্ত্র; রবীন্দ্রনাথ ও আর্থ্যনিক্তা।]

ডঃ সাধনকমার ভটাচাহের

নাট্যতত্ত্বীমাংসা 20.00

জানাই সামন্তের

\$4.00

খ্যোন্দ্রাথ মিছের

শতাব্দীর শিশ্সোহিত্য ১০-০০ প্রাণিত হাহাছ

কিশোর ও তর্বা জগতের সচিত্র মাসিক মুখপত্র

रमर केन्द्रम ১৯৬৯ ॥ मध्य ५६ भागा

विद्यापम लाहेत्वनी आः निः ৭২ মহাত্মা গান্ধী রোড ॥ কলিকাতা ১ কোন : **৩৪-৩১**৫৭

प्रकाशिक्षा अपन्य स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था

- ১ দক্ষিণ ভারতের সেরা কফিদানা থেকে তৈরী—১••% ভাগই খাঁটি কফি
- পৃথিবীর সর্বাধিক অভিজ্ঞতাসম্পদ্ধ ইন্ট্যান্ট কৃষ্ণি প্রস্তুত্তকারকের ধারা এই কৃষ্ণি ভৈত্রী
- ক্রিমন্ত বেষল ক্ষি চাই তেম্মি বৈরী করা

 চলে—হাল্ডা হা কলা—

চামচে 'ব্যু সরিমাণ

माशास्त्रकारम भूग ठामठ Ada elae,

কার এতে ব্রচারও সাত্রয় প্রয়োজনমত নেগ্রাফে নিল— কিছুই ফেলা যাবে না।





NESCAFÉ

तिস্কাফে – স্থাদে অতুলনীয় কফি

अल्युकारक-ल्युलाई रकती देनुकारक कावतं व्यावकार व्यावस्थ

CE-IDAR RAT

এ**क्ट्रे रिंडेत-कि**न्नु शॉं**६ क्टिति**श

্র বস্তমুখী একই টিউব বিজিন আপেকে'লাইট বেস পেন্টস্-এ উপযোগী। মনেরমত কিনিশ—নিমেরে তেরি। আর্বার মত চক্চকে মধ্মলের মত মসুব-মঞ্জাস্থামার, মেটালিক এইরকম ব কিনিশ।

এই সর জ্ঞাপজোলাইট বেস পেন্টসু থেকে বেছে
নির:-সিনথেটিক এনামেল, আাক্রিলিক ইমালসর,
তেকোপ্লাস্ট ওয়াল ফিনিশ, সিনথেটিক ম্যাট, স্থ্যামান

ও মেটালিক এবং আগতিলিক ওহংশবল্ ডিসটেম্পাই চ সঙ্গে সঙ্গে ইঙ মেলাবায় করা ম্যাক্ষিকটাচ

ग्राधिकीं।

मदम मदम बढ (मनावांत करा





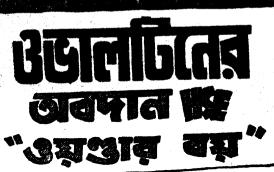
এশিয়ান পেন্টস্

দৰ বঙ কৰাৰ কাজে

अगिसान प्रानीज

LPE-AIYARS & 1924 BM





উদ্যম আর উৎসাহের সর্বেবান্তম প্রতীক



Ca अहे "अवशाय यह"। यालयहि पापा, wie wie Benten afegia-areis काम बसावरित का जानमाटक त्वांनाटक। প্ৰানের ইংস-সদা উচ্চল চাৰতে যাড়ডি যে উল্লেব প্রয়েজন ভাই পাবের ওভালটিনে। প্রতি পলে পলে জীবমাক উপভোগ করতে ওভালটিন আপনাকে জোলাবে অভূবত শক্তি कार काक देश्याहा च्छामहित्यद मदक बरनव मधनि এই "धरवाय यह ।" धवास्त्रीम नवम मुबाइ ७ अकास मृत्रिक्य : मदबस्य शास्त्रीय बालकाव स्वयुष्ट । ज्ञानकीय অযুদ্য হল্টের পরিয়াণ কর বে-কোনো कीश्यक प्रक प्रमा: चारक, स्वासिम, कारकी-शहाकुरे, किरोधिय आध प्रतिक नवार्य । সৰ কিছু নিত্তীত ভাবে ছেলালো। আভি कुशारण्य अब व्यापना प्राप्तित वानः क्कामतिम क्षेत्रक क केरमारस्य शहर केरम ।

প্রভোক্তিম ওতালটিম খেতে বাছো, শক্তিতে, উল্লেখ আৰু উলোহে নিক্তেকে অভিয়ে ভূপুন। ওজালটিম খাল-পানীত বিধে স্বচেতে যেশী বিক্রী হচ্ছে। পরিবাছের স্বার পত্তে পরস্ব উপকারী।



ভারতে তৈরী করেকন স্ক্রপাংক্রিক ইণ্ডানিট্র জা লিমিটেড কাবিপরী সহারকায় আচন এ এরাণ্ডার নিমিটেড, লঙ্কন একহাত্তে পরিবেদ্ধ : ভোলটাস নিমিটেড

ু গালুৰ মুজাৰ পুৰো বাঙৰ এক বাঁখাৰ ছবিৰ লগু আছেই চিঠি লিছুৰ। বিব**ছট হ'লো—**আহম, এস, এ, ই-ওছডাৰবছ।" আগনাকৈ তবু নীৰেত কুগৰে নাম ও ঠিজানা লিছে
আহা, ওছালটানৰ ভোটাৰ চাকনাৰ নীতে পাজনা যে সীলেৰ পাজ**ট হাতহে সেট**কোট এই ঠিজানাম পাঠিছে লিম।

লগৎবিত ইণ্ডান্ট্রিল লিবিটেড ৩৪, বিং বেভ, নরানিরী-১৪

नाम "

विदारितिऽ

िकामा

জ্যোতিরিন্দ্র নন্দী ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৮ ০০

"दबादधामस

দংকর ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৫ ০০

जमः लग्ना

্বনফুল ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩-০০

ভালোবাসার অনেক নাম

শিবরাম চকুবতী ॥ গল্প-সংকলন ॥ দাম ৬ ০০

পাতাল থেকে আলাপ

ব্দ্ধদেব বস্থা উপন্যাস।। দাম ৫.০০

टलाकढो

গৌরকিশোর ঘোষ॥ উপন্যাস॥ দাম ৩.০০

বেগম মেরী বিশ্বাস

বিমল মিত্র ॥ উপন্যাস ॥ দাম ২৫-০০

ব্ৰজদার গ্ৰন্থ-সমগ্ৰ

রূপদশী ।। গলপ সংকলন ॥ দাম ৬.০০

ৰন উপৰন

সুবোধ ঘোষ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৪.০০

খডকুটো

্রিমল কর।। উপন্যাস।। দাম ৪.০০

यस्ती

ারেন্দ্রনাথ মিত্র ॥ গলপ-সংকলন ॥ দাম ৩٠০০

जाबाना-अजाबाना

স্শীन दाह ॥ উপন্যাস ॥ नाम ७.००

जागिना बाराएणा

গৌর্কিশোর হোষ ॥ গল্প-সংকলন ॥ দাম ৪.০০

द्याभरकरम्ब विनयन

শরদিন্দ, বন্দ্যাঃ ॥ গল্প-সংকলন ॥ দাম ৪٠০০

প্ৰজাপতি

সমরেশ বস্ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৬ ০০

ঘরণীর বিকল্প

শিবরাম চক্রবভাঁি॥ গল্পে-সংকলন ॥ দাম ৩-০০

পরাজিত সমাট

রমাপদ চৌধ্রী॥ উপন্যাস ॥ দাম ৪.০০

विवर्

সমরেশ বস্থা উপন্যাস ॥ দাম ৫০০০

क्रम मा ७

সভোষকুমার ভোষ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩ ৫০

স্বৰ্ণ সজ্জা

মনোজ বস্থা। উপন্যাস ॥ দাম ৪০০০

यरनंत्र यान्य

শৈলজানন্দ মুখোপাধ্যায় ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩٠০০

ভারত প্রেমকথা

স্বোধ ঘোষ।। গদপ-সংকলন।। দাম ৭٠০০



🕰 গ্রানন্দ পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড

বাংলা ভাষার সর্বাধিক প্রচারিত একমাত প্রথম শ্রেণীর সাম্ভাহিক

(ক্ৰিন্য

৩৬ বর্ষ ॥ সংখ্যা ৪৫

ল্পাদক শ্রীসংশাককুমার সরকার

সংখ্য সম্পাদক শ্ৰীসাগ্রময় ঘোষ

শ্বর্থিকারী ও স্বিচালাক আন্দ্রান্ত্রে স্থিকা প্রাঃ জিল ৬ প্রথমে স্বাধার দুর্গীট, কলিকাডা ১ থেকে শ্রীদী তাংলাকুমার দাশাগণেও কথুক মুডিড ও প্রকালিড

> টেলিফোন ২৩-২২৮০ **২৩-৮৫**৪১

চাণার হার কলিকাতার

হাবিক - ২৫.০০ হামেনিক - ১২.৫০ তৈমনিক - ৬১.২৫

WINCE.

বাৰ্যিক সভাক ... ৩০.০০ বাৰ্মাসক ... ১৫.৫০ ত্ৰেমাসক ... ৮.০০

পাকিস্ভাবে

(ভারতীয় ম্রেয়) করিকি সভাক 🗻 ৩০.০০

ষাম্মানক _ _ ১৫.৫০ তৈমানিক _ _ ৮.০০

ভারতের বাহিছে (লাহাজ ভক্ক)

হার্থক সভাক ... ৫২.০০ হান্মাসক ... ২৬.০০ হৈমাসক ... ১৩.০০

ভাসত ভাগুলে (বিমান ভাকে)

বাৰিক --- 0৯.00 ৰাখানিক --- ৯৯.৫0 বৈমানিক --- ৯০.00

দাম ৫০ গরসা উত্তর্গক ও আনফো গতিরিভ বিদান মাস্কা এ প্রসা

DESH

Saturday 6 September, 1969

नमा । मानमर, मानिनावार

মানের এখানে বর্বা কিছুটা দীর্ঘানারী কড়: প্রাবণে তার বিবারপর্বের মোটামটি বর্ষার মেল কাটতে আদিবন শেব হরে বার। এর ওপর প্রকৃতির বাম-খেয়ালীপনা তে। আছেই। পশ্চিমবশ্যে এবার বর্ষা আসতে কিছু বিশম্ব ঘটেছে। এই বিলম্বের জন্যে কিনা কে জানে নিয়মিত বর্ষা নামার সাপো সপোই প্রবল বর্ষণ। ফলে আজ ভাদের মাঝামাঝি এসে আমরা দেখছি, পাশ্চমবশ্যের प्रार्थक क्षत्राका क्षत्रम कतात करान । प्रानमङ प्रानिभावाम शिक्य मिनास्त्रीत. কোচবিহার, মেদিনীপুর, চব্বিশ প্রগণার একাংশ ও নদীয়া থেকে নিতা বন্যার সংবাদ পাওরা বাচ্ছে। এর মধ্যে মালদহের অবস্থা বোধ হর সবচেরে গরেতর। মর্নিশ্বারাদেরও অবস্থা সেই রকম। মালদহ জেলার দুশটি থানার মধ্যে নরটি থানাই বন্যার কবলে, বন্যায় মতের সংখ্যাও তেইল জন। স্থানীয় লোকদের মতে গত প্রতিশ বছরে এমন বন্যা এখানে দেখা বারা নি। মুর্শিদাবাদ জেলারও ব্যাপক এলাকা বন্যার কবলে। গুণ্গা ও ভাগীরথীর জল বেডে চলেছে, জেলা সদর বহরমপারের সঙ্গে জ্বলাগ্রে লালবাগের যোগাবেল বিচ্ছিন। স্থাতীয় সভ্কও জলে ডবে আছে। মালদহেৰ বন্যায় ক্ষয়ক্ষতির পরিমাণ বা শোনা যাকে তা ভ্যাবহ, প্রায় সাড়ে তিন লক্ষের মতন বারি আছ বন্যার ফলে দুর্গতি ভোগ করছেন: আন্মোনিক দেও কোটি টাকার মতন ফসল নণ্ট হয়েছে। মাণিদাবাদের বনায়েও ক্ষতির পরিমাণ কিছু কম নয় এক লক্ষ লোক বনায়ে বিপন্ন, আশ্রন্থারা হয়েছেন শত শত পরিবার, জ্ঞাপুর মহকুমাতেই ধানের জুমি নুট্ট হ**রেছে প্রার** পোনে দুই লক্ষ একর। সমগ্র ভেলাতে নয় লক্ষ একর মতন ধানের জমি ভলমান। ঘরবাড়ি উভয় জেলাতেই নন্ট হয়েছে প্রচুর।

এই সংক্ষিণত ও আনুমানিক হিসেব থেকেই বোঝা বার—মালদহ ও মানিশালানে বন্যার অবস্থা কতটা মারাত্মক হয়ে দাঁড়িয়েছে। স্বভাবতই ব্যাপারটি আমানের উদ্বেগ্যের বিষয়।

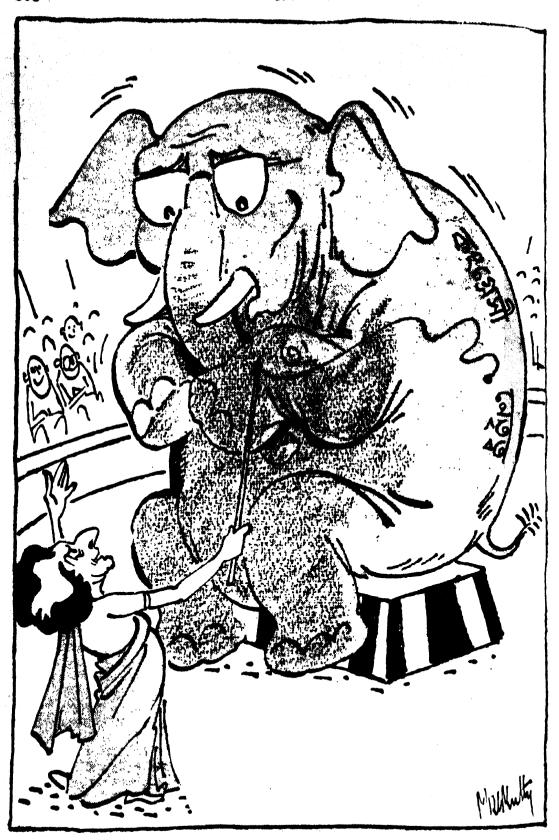
বনার ফলে যে পরিস্থিতি দীড়িয়েছে তাতে সরকারের পক্ষে গ্রাণকার্যের ব্যবস্থা করা ছাড়া আপাতত আর কিছু করার নেই। রাজা সরকার সে ব্যবস্থা করেছেন, এবং সামরিক বাহিনীর সাহায্যও নিরেছেন। তব্ শোনা যাচ্ছে এই ব্যবস্থা প্রয়োজনের তুলনায় সামান। বিধানসভার অধিবেশনে জনৈক যুক্তফুণ্ট সদস্য মাদিনিবাদের বনার উল্লেখ করে যে মনতার করেছেন তা মারাছক। বিপন্ন ব্যক্তিকেছ উদ্ধারের কাজে অবেজে সামরিক নৌকো পাঠানোকে তিনি প্রহসন বলে উল্লেখ করেছেন। অনা দিকে মালদহে বন্যা-দার্গতিদের মধ্যে যারা বিলিফ ক্যান্সেপ আশ্রর প্রেয়েছন, ভালের দারি খাদ। অভিযোগ উঠেছে, ওারা ক্যান্সেপ তিন্ন চার্যাদনের মধ্যেও ভারতর মুখ্য দেখেন নি।

সৌভাগোর কথা, বনারে জল জমশ সরে যাছে বলে থবর আসছে। বনার জল নেমে গেলে এগ-কার্মের স্বাবিধা হবে বলেই আশা করা যায়। তথন অবশ্য সমসা। আবঙ জটিল হয়ে দেখা দেবে : যেমন ক্ষতিগ্রুতদের আগ্রায়ের বাবস্থা করা, খালোর বাবস্থা করা। পীড়িতদের চিকিৎসা ও সেবা শুগুরার প্রশানিও বড় করে দেখতে হবে। উপরন্ত বনার পর মহামারীরও আশাব্দা থাকে, সেদিকেও বিশেষ লক্ষ্বাথা প্রয়োজন।

সরকারী হাণ বারস্থা চ্টিমান্ত হবে এমন আশা আমরা করি না। এই বারস্থার সংখ্যা বেসরকারী বারস্থাও থাকা দরকার। বিভিন্ন সেবা প্রতিষ্ঠান ইতিমধ্যেই শানেছি এ-বিষয়ে সভাগ হয়েছেন। বনাত দের রক্ষায়, বিপ্রদের দুর্গতি মোচনে লাণ এবং সেবার কাজ স্বরাদ্বিত ও সাস্ঠা হোক—আমরা এইমান্ত কামনা করি।

প্রসংগত মনে রাখতে হবে, মাঝ বর্ষার এই বন্যাই এবারের মরসামের শেষ বন্যা না হতে পারে। কাজেই ভবিষাতের জনোও সরকারের সতর্ক থাকা প্রায়োজন। ইভিস্বের আমরা বলেছি, আজকের দিনে বন্যার ক্ষরক্ষতি অনেকটাই নিবারণ করা যায়—যদি আগে থেকে বন্যা নিয়ন্ত্রণের ব্যাপারে সতর্ক দ্ভিট দেওয়া বার। সেচ এবং প্রে বিভাগের দায়িছ ওটা, চাণ বিভাগের নয়।

পদ্চিমবংশ্যের সেচমন্দ্রী শ্রীবিশ্বনাথ মুখাজি সম্প্রতি উত্তর বাংলার বনার নিম্নন্তন সম্পর্কে দিল্লিতে কর্তৃপক্ষের সপ্যে কথাবার্তা বলছেন। জানা গেলা, বনার নিম্নন্তন প্রকলপ কার্যকর করার জনো ১৮৫ কোটি টাকার দাবি তিনি জানিরেছেন। এ বাংগারে দিল্লি কী করেন দেখা যাক। এ বছরের বনাায় ক্ষতিগ্রন্থতদের জনো ৫ কোটি টাকা মঞ্জার করার অনুরোধও তিনি জানিয়েছেন। আশা করা যায় এই অর্থ পাওয়া যাবে।



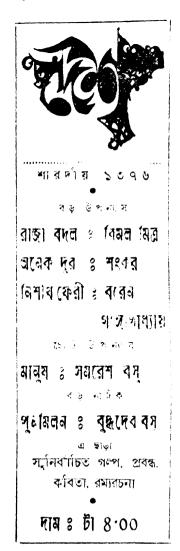
নিতে কংগ্রেস এবং বিভেন্দামে বৃদ্ধ বিন্তুল কংগ্রেস এবং বিভেন্দামে কার্মনীশান্তর বিনেত বিভেন্দামে বিন্তুল কার্মনীশান্তর বিনেত কার্মনিত বিন্তুল বিশেষক তারক। নেত রা নিতের বাবে বিনেতি বিন্তুল ব

ু জান কে চনুৰ্ভিত্তান ব্যাহ্ৰ এ**ত্ৰাত্**ৰ •৪৮ ৫০:৪৯ ৯১:৫ থাকার? কে ব্যক্তি ত্রের্ড্রের প্রধানমন্ত্রীর অমন সর মহাস ধ্যালির গরত এবং কংগ্রেস সভাপালির অভ চুজার সভেও ওয়ারাকং **ক্**মিডিটে **অবার** লংগ ৬-ট ভাউ - **হা**লে **য**াবে• : - ব্যাস্**য** ্রের কণ্যাই চন্ত্রা ভারত হার ভারত হার **ত** १ दोन्द्र भाग्य कराशक में हाला इन इसालक ভারতের অভিযোগে দলের **প্রথা**ং विश्वपुरुष १९७ । नायान डोंड हे एवं काणकरिन াতে যাত্ৰ ^{কি}শাৰ সংকাৰ সহা ব্যাবন, নি ধানির জুলু সংগ্রের জুলা। তুরুকা **ব**র্লিকা अवस्थित राजा प्रशासन कराइ इंग्रहर्स क्राफ्ना **र** 110 901 414 2141 BISSIE 1278-টিকে জাত্ৰমূচ হ'লে স্কুল ডিকিস্টেন্স বিভাগত বিভাগত **হৈ আন** স্থাক,ক্ষাকল For each the setting, section, where \mathbf{x}_{i} ^{া প্}টিপ্টিল উপত্র সংশ্ করেই সুক্ FOR FIRE \$ 14 \$200 GREET Turk (90**47)** (9

1500 1000 0000 18900 1 (48**0)88** শক্ষেত্র হার বিশ্বর বিভারতের কাল **মান্দ** প্রক্রা সংখ্যা । মুখ্যমন্ত্রী । স্ত্রীয় মুখ্যমুখ্যার আহলত কলেছিলেই লে হার্চ ছাত্রসভার ইত তবাংক। স্কল্য **ইনিজ্ঞান্ক**্রের **ও** এনাৰ কংগ্ৰেমৰ সাগে ২০৩ ফিলেয়ে **ডেনট** মত তেৱা পাওল ছটাবার চেম্টা । কলচেনাত ^{মান প্র}ে মুখনেশ্রার সেই তাভ্যো**গ** স্বান্ত উদ্যাসের পারতি সৈ পি এই 🗗 বিষ্কৃতি কড় ভুৱেল্ডিলেন এবং বিক্তারে নাৰ্ভিপত্তৰ ধৰা সৈ পি আই (এম) তক্তের বার বা**র ঘোষণা ক্রে**ডিজেন ^{ভিন্ন} এই অভিযোগ ন্র্যাপথ সহ প্রমাণ ্বতে পারি'? সহক্ষীরি বিরুচ্চের্ শরিক ^{মন} সম্প্রেক সেই মান্যা**থাক** জাভযোগ অং**জ** ^{এক বহ}রেরও **প**রেনো ব্যাপার। ভারপরও ^{বিষ}্ঠ কেরশের শ্**ত**ন্ত্রনট সরকার টি'কে ^{উচ্}চ! মাস চায়েক আগে কলকভেয়ে ^{মলের পরিগতিব}্রারোর এক বৈঠকের প্রস নাদ্বাধিপাদ সাংবাদিকদের কাছে **খোষ**ণা র সেলেন "সি পি আই এবং তাদের



বংধাদের চক্তানেত কেরবের যাত্তমনট তেনেল পদ্ধা কলো। মুদ্য কিন্তু এখনও আইটো কলভায় বিধান সভা বংধা গোপালন সংহাব বংগ্রন্থ দিয়েছেন "কয়েকনিনের মার্থা



আছার হয়ত বিরোধী হলে বসব –সি শি আই, আর এস পি প্রভাতরা কংগ্রেসর সংগ্রে হাত মিলিয়ে সরকার গড়তেনা, ভারপরত প্রায় একফার হয়ে গিয়েছে—ফার্ট সরকার ঠিকই চলছে! এখনও স্ব**ই** নিন্তাত নিট্মাটের ফলেশ্ল খন্ল,ছন।

এরে অর্থাৎ কেন্তে কংগ্রেস সরকার এবং
কেরলে যুভ্নেন্ট মিটমাট করে টিকে থাকুল
তাতে আমার কোনও আপতি নেই। খুলি
ওবের শ্রীবৃদ্ধি পটে তাতেও আমি কর্মনী
হব না। কিন্তু আমি শুধু চাই, ওবুলর
সপো সগো দেশের স্থারণ মান্দের্কাও
কিছ টা শ্রীবৃদ্ধি গোক। ওবির অস্থিতির
বিদ্ধান শুধু নিজেনের কলাপের জন্ম ইর,
বিদ্ধান স্থান বিজেনের কলাপের জন্ম ইর,
বিদ্ধান বিজ্ঞান কেন্তেগ্রিক শ্রাথানি শ্রের
উপেনাম। ব্য তাহলেই আমার ঘোরতির
অপতি তাথে। যে স্বর্গর শুধু সরকার
শ্রাধ্ গোটী স্বর্থা রাজ্যর প্রয়োজনে
ভবিত তাথি মান করি জনস্বাথের বিচারে
স্থান্তার থানের করি জনস্বাথের বিচারে
স্থান্তার থানের গ্রেম্বার বিচারে

এইসর প্রদান চরদা উঠতই না যদি বেখা যেত এব বাব দানিতে আহানিকের করেছেন। এক বাব দানিতে আহানিকের করেছেন। তা করেছে পাল্ডের না বালাই আজ নান্দা উর্ভেট । কর্লুকোট থাকরে না, এমন করা কেউই সলকেন না। বিরেখ যদি মতাদর্শ নিয়ে হয়, মতাভদ যদি জন্দানিকের পথে নিয়ে চাল এবং তার সর্বেশ হার বালাকের বা বেগ্রেসিত দ্বাবাসিছির পোলাকের বা বেগ্রেসিত দ্বাবাসিছির পোলাকের হালাকের বা বেগ্রেসিত দ্বাবাসিছির পোলাকের বা বেগ্রেসিত দ্বাবাসিছির পোলাকের বা বেগ্রেসিত দ্বাবাসিছির পোলাকের বা বেগ্রেসিত দ্বাবাসিছির পোলাকের বা বালাকের প্রায়ান করি বিরোধ বার বেশা বালাকের ব

সে যথ ব্যান, সেলভ কংগোল বা কেবলৈ যুৱজনটো যে কলায় ভাৱ ভেডর মতানালার কান্তর মতানালার কান্তর মতানালার কান্তর মতানালার কান্তর মতানালার কান্তর মতানালার মতানাল

শ্রীমতী গণতা ও তার সমধাকরা কলহিলেন, রাজগতি নির্বাচনে তার যা স্ব করেছেন সভার নাতির জনা বিবেজের নির্বাচন ভাল ব্যান কার্ যান হঠাং বিবেক চালা হয়ে ৩০০ ভাতে আমি আপত্তি করে না। বিশ্ব বিবেক চালা হয়ে উঠে আবার এত তাজাতাজ্ তা চুলসে পোল কোণ প্রামান মান্তীরা বলেছিলেন, শ্রীমিজনিল্লালা এবং তারি বন্ধরো শ্রীমজনি রেডাভ্রেক জেতালার কনা কংগ্রেমের আদলেরি থেরতের বিয়োলী দুই দল জনসাম্ম এবং শ্রতর গ্রিয়োলী দুই দল জনসাম্ম এবং শ্রতর বিয়োলী দুই দল জনসাম্ম

टकां पिरशंकित। धरत निमाध कथा**ने जला।** কিমত কদি তাই হবে আ হলে (১) পরে প্রধানমন্ত্রীরা জনসংখ এবং স্বতন্ত্র পর্টি ঘটিত সব অভিযোগ ভল বোঝাবুঝি' বলে তলে নিলেন কেন? এবং (২) সেই অভিযোগে কংগ্রেস সভাপতি এবং তার বৃশ্বদের কংগ্রেম থেকে বিভোগ্রিক করার मारि जागाला ना क्या अधारणी शीव লেই পথ ধরতেন, যদি তিনি ব্যক্তিব্যাপ্তাৰ কথা ভালে এবং গাঁদর মোহে এ'টে না থেকে মূল অভিযোগে ও দাবিতে অটল থাকতেন তাহলৈ মান্য ব্যুত্ত না তাঁৱা সাংগ্ৰ আদশের জন। লডছেন। সে লড়াইয়ে প্রধানমন্ত্রীরা যদি হারতেন, যদি কংগ্রেস থেকে তাঁদের বেরিয়ে আসতে হত তাহলেও মানাৰের সম্থান জারাই পেতেন।

কিন্দু বদলে ওয়া কর্মেন কিট বংগ্রেস
ভ্রায়বিং ব্যামিটিতে বসে ব্যামেন হ সহিত্য
ভূল ব্যাম শ্রেম কি ভূল ব্যামান্ত্রিটিই না
ভরা গিরেছিল! আহা, কটি খেল খ্রের
দল! একেবারে পরিন্দার ধরা পড়ে গিরেছে
এবার ক্রেফ ব্যায়গত ও গোন্টোগত স্বার্থে
ওই অভিযোগ তোলা হরেছিল: আবার
মধ্য দেখা গেল সর্কার গড় পড় মন্ত্রিছ
ষায় যায়, তথ্য গেট ব্যভিগত ও গোন্টাগত
স্বার্থেই ভূল ব্যামান্ত্রির অভ্যুহাত
ভ্যাবিদ্ধত হল!

শ্রীনভালগোপা এবং তাঁর তার ব-বাদের রেকড় কিট হাংকার দিলেন, জিলিপালার কার্যেটে এবং। বলাকার দালার শাংখ্যারজার ঐতিহালাণ্ডত নাতির প্রশা এটা। রার্ডুপতি নিবাচনের ফলফেল যথন বেরুলো যথম দেখালন ভিতেছেন প্রধান-মন্ত্রীর দল এবং ফ্রেল পারার ওদিকটা ক্রমেই ভারী কচেছ, তথ্য কিন্ত ক্রমেই সারে নর্ম হল এবং নিজেদের মধ্যে সভচ্চন বাজন। শেষ প্রাণ্ড, ওয়ার কিং কমিটি বসার গ্রাপ্তে যথন বাঝলেন, এখন ভিসিপ্তিরে চাপ দেওয়া মানেই বিভিন্ন রাজ্যে ও কেন্দ্রে কংক্রেস সরকারের পতন, তথন ভারের থাও পা ঠান্ড। হয়ে দোল এবং প্রায় সর্বসন্দর্শত-ক্সেভেই ভই প্ৰভাৱ অন্মেলিত হল। লিজাল্লাপে এবং তার বংধারা খান সতিই লড়ইয়ে নামতেন এবং শেষ প্যতিত থেরেও যেতেন তা হলেও মানুষ ব্রভ

কিহিততে টানজিম্ট্র



২৮৫ টাকা পানের প্রাথবী বিখ্যাও নালনাল ডিলা ও ত বাশ্ড অল ওরাল্ড পোটোবল ট্টার্নাঞ্চনীর

মাসিক ১০, টাকা 'কস্তিতে 'কল্ম। প্রতি প্রমে ও শহার পাঠান সায় ' লিখনেঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar, PB 1045 Delhi-8 ওরা একটা কিছু নীতির জন্ম **লড়ে** তেরেছেন—ওারা ক্ষমতালোক্তী বাকাবাগিশ তথ্যবের দল মন!

এইভাবে কেরলের যুক্তয়নটের বিরোধ বিশেশবণ করলেও দেখা বাবে যে, লড়াইটা ঠিক নীভির জন্য বা জনহিতের পদ্ধা নিরে নর। লড়াইটা প্রধানত দলগত এবং গোভীগত দ্বাথের।

সি পি আই (এম) বার বার বজাছেন,
সি পি আই ও তাঁর বন্ধরে কংগ্রেসের
সংশ্ হাত মিলিয়ে যাত্তভাত সরকারের
পতান ঘটাবার চেন্টা করছেন: ধরলাম
অভিযোগটা সতি। কিন্তু খনি এ অভিযোগ
সতাই হয় তা হাল প্রশান উঠার সি পি
এম সেই সর বংগ্রেস বংখ্যানের সংশ্ এক
হারে চলাছেন কেন? কেন সি পি এম একের
মানোশ খালে কিয়ে জনগগের কাছে আবার
র চাইছেন না? বার বার অভিযোগ ভুরো
ভানার সর ধানাচাপ্ত নিজেন কেন?

সি 'প আই আন এস পি এবং সমগের হিপের হাত্রের পার্বিতরে পার্বিতরে সালা করি। এই পারে তার্বারে হার্বারে পার্বারির ও তার্বিরের পার্বারির ও তার্বিরের পার্বারির প্রান্তারে পার্বারির ও তার্বিরের পার্বারির দ্যার্বার্তির প্রান্তারে প্রান্তার প্রান্তার করে হার্বারের স্বান্তার করেছেন। আনা দারের নক্ষারি ক্ষেত্রে দ্যার্বারিত তার্বারে করেছেন হার্বার ক্ষেত্রে হার্বারির ক্ষেত্রে তার্বারের কিছ্বারেই বার্লার ক্ষারের আন

এ অভিযোগ স্মৃতিও খ্রই গ্রেছপূর্ণ।
কিন্তু এখাদেও সেই প্রন্থা। স্মৃতিই যদি এই
মারাথক অভিযোগ থাকরে সি পি এম-এর
যিরাছে তা হলে সেই সব অভিযোগের
ফ্রেসালা না করে তার মন্দ্রিসভার পাক্রমের
কি করে একসংগ্রাহ গি পি এম-এর বিরাজে
তার-তো এ সব আভিযোগ ভুগাছন বং
দিন থেকেই।

4

কেন্দ্রের কংগ্রেস সন্তামার এবং কেন্দ্রের মুক্তুমান যে পোল গেলা করেও গেবে থাকে আমার মনে এব তার স্বত্তের বড় কালে। বালা, যে যতই বগাড়ে কর্ত্যু ক্ষাতা কেউই ছাড়তে চান না কে কোনও ভাবে স্বকারী ক্ষাতা আকৈছে থাকার অসন্যা বাসনাই শত বগাড়া সভ্রেও শেষ প্রাণিত ওপদের একা ভাইট রাখছে।

সিনিভানেট "ভিসিপ্তিন, ভিসিপ্তিন" করে তেনিকার গৈছৰ পর্যান্ত পিছিলে গেলেন, করেন তারা পরিন্দার ব্যক্তান আর এগেলে কেন্দ্রে এবং করেকটি রাজেন করেন স্বকারের পত্ন ঘটবে। করেকটি রাজেন ব্যক্তি পরিছেন ব্যক্তি পরিছেন, একবার কেন্দ্রে কংগ্রেস সরকারের পত্ন ঘটলে আর্থান্ডেও বেশ কিছুদিনের

জনা দলও ছবে বাবে। কেন্দ্রীয় কংগ্রেস সরকার তালের হাতে নেই বটে: কিন্তু কেন্দ্রে কংগ্রেস সরকার আছে বলেই দল এখনও বেন্চে আছে। এবং সরভারতার স্থারে দল না বাঁচলে রাজনৈতিকভাবে তালেরও আর খ্যুব বেশী দিন বেন্চে থাকরে হবে না। কেন্দ্রে কংগ্রেস সরকার থাকার য়ে ছিটেটেটোটা ভাগ সকল কংগ্রেস নেতাই প্র

এই জনাই চরম সংকটের মুখ্যুত জোট বড় সাব কংগ্রেস নেতা আরেরন জানিব্যাছন : ইউনিনিট্ ইউনিটি!

প্রধানমন্ত্রীরও সেই দশং। ইন্দিরা দেবী
মানে করই বলান, "আমি গাদের পরেলা
করি না", তিনিও খাব ডালা করে জানে
ভারতের বহামান রাজনীতিতে গাদের মাল্য
করে। আজ যে তিনি এতচা এগোড় প্রেরিখন সেচাও প্রধানমন্ত্রীর ঘান একরর
প্রেমিন সেচাও স্বধানমন্ত্রীর ঘান একরর
প্রেমিডানের বলাই। না প্রেলা এর্ডানম
তিনি করেন্য থাক্তেন তা অন্যান কর্ডার

প্রধান দ্বাতী এ কথাও জানেনা, এবনের করেছের তেওঁলো ছোলো জার ভার পাজে এব দালের এও জানেশ্বা মাজুলাটা করে বোরসভার সংখ্যাবারিকের। প্রধানমন্ত্রী এনা ভার বন্ধার ও বিশ্বাসন্তর্গা এবা ভার বন্ধার জানাল্যা এবা ভার বন্ধার জানাল্যা এবা প্রধান মানাল্যা এবা প্রধান মানাল্যা এবা প্রধান মানাল্যা এবা প্রধান মানাল্যা এবা সাক্ষা জানাল্যা এবা সাক্ষা জানাল্যা এবা সাক্ষা

এমনি বিচার করাল দেখা মানে বেবার ব আক্তনভারত আক্তি একমার একনালার ক্ষাত্র ভাত করাজ্যকটো মারমানে সংগ্র চলচ্চে রত্ব বড় অভিনেত্র এবং ব গর্গ অভিনেত্র উমাত্র কিন্তু দেখা প্রতিত চর কেউর ছাড়াছন নার্

দ্রগালি ভূ নেহাদের এই ফাটোর প্রকারণে গাঁদ একিছে গাবার বস্পট ভারাতের রাজনগাঁতের স্থানার টোর আন্তঃ ভারতের রাজনগাঁত রুগাই না ই ক্রিচারের প্রিবাতা প্রদিত্তিক হাট গাঁড়াছে গোঁদ নগাঁতের জন্ম না হায় না ই প্রদির জন্ম হছে । রুজনাগাঁততে ব্যাপক্তার ধাক্ষারালা এবং দ্যাগাঁতির অব্যাসকা ম্লেভ এই ভাষা গাঁদির মাহে।

আগে মনে হারেছিল, এই বার্যিতে শর্মি কংগ্রেস এবং কংগ্রেসীরাই আরুণত। ১৯৬৭ সমের পরে কিন্তু দেখা যাছে, না অ-কংগ্রেসীদের মধোও এ বার্যি বাংপকভাবে সংক্রান্ত।

ত বর্গাধ থেকে যদি তাবিলদের ভারতের রাজনীতি এবং রাজনৈতিক দলগুলি মার্ছ না হতে পারেন ও। হলে এদেশে আর বাই থাকুক গণতদ্য থাককে না।

নবার্ণ গ্ৰেত

লোবছর পরে এই প্রথম ভেড়ব,শ্ব ব্য একে ঘলায়। গোম্প্র কেন্স্ট আর চালেন্ডকে হিলিয়ে মন্তর পরন ্যা হল ১৯৫৭ সলে। তথন তার র শাসিত raine ogiothe **ur delte derete**ll ার ছল ঘানার একচ্ছে অবিপ্রা। সেতে ুত্র ১৯১১ প্রিয়ে হ । সেটা শ্বাস অন্যায় ০ল ৩(৩ ক. বিভিন্ন শাসকের **উচ্চে**ন राभिकत ६८ १०-१३८७ व्यक्तिकारणा ্ৰুট্ৰ কৰা স্বহাম হাবার পরা সাবাই पारक कार्य हाथ (कार्य कि.प्रार्थक्का) - ^रकाल প্রসালক তিনি করতে প্রেমনি। ক্ষান্ত ্লত প্ৰস্তাতিতি ট্ৰেলাটালী হলে। বাসং ্রভান নিরাস্থাটিরভিনের ধার ভিনি ১০০০ ১০০ গ্রহাত ক্রেন জানুষ্ট ১লা र प्राप्त हरू है है हो होते दुन्दर्भ झाले उनहीं है। and a single extension as the second section is sectional. 5 pm. 1/8 5 1 2 2 4 2 5 1 2 2 5 7 7 1 ৪০০ তেওকা কেব**ছ** ক্রেবের কল হো এই ন্দ্রভাগের সংগ্রাজন স্প্রীর্গ**ের জে**ল ମଧ୍ୟ ଅଟୟ ଶୁଖ প্ৰতি কেন্দ্ৰ কলে এক উম্মান জন্ম **স্থা**ন ভাৰতীয়। জোলেজৰ জান্ধল জনিল ভাৰতীয়াল। ভিল নিক্তির বহু হার হার লাক্তির ক্রিক ইবিং জনবেলার বন্ধ শাসন করার **স**ামার েলঃ তুরী সবিষয়েন **একেঃ সমতেটে**র টার সভার বর্গে নাম কেন্ডাভিক্রের চেরা

১৯৬৬ সাদের স্থান্ত্রার মার্লার **ড** Section Contributions for larger of the sec া ক হ'বন হলেও। বিৰুদ্ধ কেটা <mark>লাওভাই</mark> ংল ¹⁴ই ঘটার হাজ, চুল্ছ টুলুক, অস ভিতৰ হাজ কা ভিতিত্ত ডিক শাংক স্বলি একিঃ ক্ষেত্ৰ হয়ে কেছে: গৈটের ফোটেট ভূতির । **গ**ুলক্ষেত্র **কতু**ল্লেক শালাক কলিক বৈলেক া কৈ তারেই হার - বাস্থানে हुआ कर न जिल्ला अक्षार के होते के कि लोहका गाउ আন তার ওপর দেশ শাসকের ভার সিলেন িল্লা ক্রিয়ে। সে কউপিয়েল সংক্রিয়ত ^{হিন্তু} করা ভিন্ত, সলা দেওঁ ভেতুত ভিন্ ^{সভস্ত রাজনৈতিক - সম্প্রক লেকেইলো ধ্যা} ^{१६७०} वदाका। **उराष्ट्रा**यात करास्टरमान শিপসস্পতিত বাদ গোলো না। তবি ৺শে ভরজুবি। তিনি বটকার চেল্টা যে ^{হরেন}ি তা নয়। কি**ন্ত সাতেরে যে** পারে ^{উর্বন} তিনি তার জনো, এক গাছা **বড়ও** ^{ভার} চেত্রে পড়লেল না। যেটাকু চেম্টা তিনি ^{কর্}টন তা বাইরে থেকে। ভার প্রেরো ^{ও এই} আস্ফাজন। আস্বাস তাকৈ তার ^{१९६०} अत्माक्ष्ये भिक्षा जाडकाड भि**ना** किन्छ् ^{দিবা}া কামান বংশকে অস্ত্রশস্ত্র সেনাসামণ্ড। জতিরি মুক্তি পরিষদের ফৌজনী আর



দেবরাজ

প্রতাপ । তেওারা বিশ্বত ক্ষমতা হ'বত বৈত্ত '**द**ेख का कालगील एक एको **स**ी कालगाँड েৰে প্ৰকাষ হয়ে চিৱহাল বজাৰ থাকরে। ধরণ ভারত ধ্যক্ষাভাষেত্র ভারের क के एक बालन । कटा नहीं---धने क्यानित हैं যে প্রায়াভার জন্মান জন্ম করেছে তা সাম করা ভারপর হৃৎ সহত্রে প্রথত[া]ন্তক সরকারের হাতে শাসমের পরিছ তালা আবার ভূজা দেৱেন। ভারেনর ক্ষায় অবশ্য ক্রেট্র તાને જાતાંના ભાગ કરત નિર્દાણના હતી ন্ত্ৰার হা আলাক্র এই ভেলাকোনে কেপলা। का कि देखा ठाउन काछ १४६१ के स्ट्राइट एक करेड ভুলা মুদ্র ফুট্টেল আন প্রস্থ স্পান্তির রহার হৈলাক ব্রেন্টি গণ্ডারের দ্যে প্রভাৱিকে তার। উপাতে ফেলেভিয়েলন उक्ता १ क ६८४ स्टाइ छ १९ করেছেন। ভাতীয় মৃত্তি পরিষ্ঠার জগাই ভাৰত বিশ্বলিক্ষৰ অভিনয়ত *বলল ভা*ন মতেম ব্যাসন্ত করালেন ডেডাল**ি স**ামের ভারসাম হটার ৩০ কোটেনার নতন মান্সাছ হাতে এয় লাড়ে সেল গ্রহান্ত লাখির ভিরিক্ত _{সংক্র}ের প্রতি ক্রিক ক্রিক ক্রিক ক্রিক সাহারণ জিলাকে জনতা দিল্ল পদর্যভারে ৷

क विश्व का का विश्व के शहर हो है है ¥ाक्टाटः पुष्ट **अ**पुर 8 8 T T 6 সভালার ভিতর <mark>করি হার হারের ভ</mark>ার 400 1010 gen とともと ラダオ か(で) (イエア ভাৰতিক কৰে কেওম হ'ব **হ**লাগ বিমায় (प्रदेश) के दें के हैं के इंकिट के अपने अपने গড়হা ^কিব গুড়ার হড়ের ৷ হার ফিলল क्षणीत एक कथाई कहें। एक डमाइकात (୧୯୮୩-୧୯୭୯ ୧୯**୮୫**୫ - ୧୯^୩୭୮୭ - ୯୫୫୯ ଖ 154 64 17 m · en em উঠাল জাতেরেভেল এড়ার চারে ছাল্ড বিশ্বসাম্ শৃশ্যার পারি এক্স এরটা সগ গড়ের কিন্তুকে সলকে নিহিন্ত করে দেশুয়া হয় এই বাস যে, কেডি জাওন প্রমায় কন্তেনস্থ পিশভাস প্রিরিই বেন্মনর। ত্তরে তাঁর এককালের ঘনিষ্ঠা বনধ, আর সহযোগী গ্রেড্যার প্রতে নির্ভতনে যোগ দিতে দেওয়া হরেছে। সে দালর নাম ন্যাশনাক আনকান্ত্রেশ্য অব কিবার ন্যা অখাং উদ্যোগীতিকদের জাতীয় মিজিত দ্রম। আনেকে ভেবেছিলেন ভিনিই হয়তে। ত লড়াইয়ে জিতে মধ্যন। তা অধ্য হয়নি, সংখ্যাগণিষ্ঠ ভার দল হতে পারেনি। হলেও তিনি প্রধানমাতী হতে পরিতেম কিনা স্পেহ। এনস্কামার আমলে তিনি হিলেন

অধ্যানতী তার তথা তিনি সতেরে হাজার গাউতে আক্ষাং করেছেন করে প্রামন হরেছে। **এমন লোকের প্রধানমন্ত**ী হওরের সাহবিধানিক বাধা আছে নতুন ঘানার।

বিজয়লকতী প্রসর হতেছেন বরি ওপর তিলি হল্ডেন ডঃ কেটিছ বাদিয়া। পাৰ্কা-অস্তের ন্যাইটি 2003 Section ন্থক করেছে তার বল প্রোগ্রেম শ টি অর্থাই প্রত্যাত দল। স্থানার তিনিট স্থান্থন নতুন প্রধানমন্ত্রী সেনাপণিততন্ত্র গেষ হাওয়ার প্র। জঃ বর্ণস্থা ঘলার একজন প্রেরানো সংগ্ৰামী লেভ[া] হিটিশ শাসন টাচ্চাদেই চন। যে অনুন্দান্তর কেখানে চার্লাছিল ভারেও পারেভাগে তিনি ছিলেন ডঃ এনভানের মাতা। তবে তিনি ছিলেন এন্তামার প্রতিপ্রভাত আহলে বিরোধী দল ইউন ইটেড প্রিচ্চ হথার সংযার দলের বিশাহত ছিলেন কোনা কেই বিহ্নের ভাকে ফুল সমাস্ত্র জড়িত স্থানি তাংগাজি<mark>কান</mark> সহাত দিবাহী দক্ষেত্র ক্রেডা বল্লা স্থার হ ବୃତ୍ତି ହେଉ ବାଧ ଅନ୍ତ ଅକ୍ ଅଧିକ ଅଧିକ । বাদিংজাবিক ভাব এইনিটে ভক্ত হিনি কে ভিত্রভাবন ভা থেকে মান হাছে ভঃ এনগ্রমার ওপর হামার জোকেনের ছব্তি চাট গিরেছে। দেহাট হোক, নতন পালামেকে একটি ানুদালর একাংগেরা ছে থাকরে না ভা স্পত্ন আৰম্ভ প্ৰিটা গ্ৰহান্তিক সেখেন মত ক্ষেত্ৰত সমষ্টিৰ একনাক্ষকৰ মাক্ষাৰ কা আক্ষাৰ লক যি শাসন হাত ভাৱ হাতা নিভাৱ কর**েব** ෙම දෙනුන ද්යෝත **ල**ෙනුර

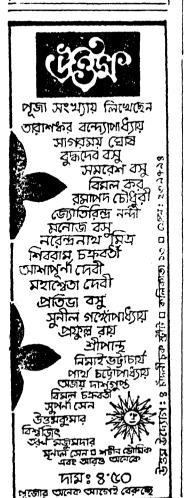
গ্রাস রিসাচন নিক্র সৈমেশীর সি**ম্ভর** ইট্ৰ ভয়স্য কল্মেণ্ড ট্ৰে প্ৰভাৱ লেখেলে জে চাপে কেল উঠেছে **১১০টা** ভাষ্টার জন প্রায় প্রায়েক Seo ্না কেটা হড় কয় কথা নয়। বিহা**ছনে** দলীয় নীতি কিংক প্রে**চারের ওপ্র** ুল্টাদ্রে সল প্রমন । পরে ৯ দেয়াল । <mark>সেমন</mark> ্রের প্রীয়েদ্ধ ক্রিডে **স্**নাম কা গ্রাস্থ্র প্রতিষ্ঠাল ইয়াতা বিজে ন্ধ। ^{প্}কাৰত কৈ কেকে। হাত্ৰীত প্ৰতিক্ৰী বন্ধান্ত আন্তর্নাল নিত্র সংক্রম কৈছল আর ৰকাভে হালে ^{ভি}ল্ভ তক[ি]ভ 5লাছে সেখাক মাুহের বুলিটেন) ভূবে কেনে হ'দ প্রাথটা সর কারিখত। সভতার ভপর ড<শী নজর দেয় কেটা ক্রাড্রল না ভাতে গণতাত্র বর্ণভটার ঘটোছে ? ভাবে সবাভারে ভারিফ করতে হয় বিগেডিয়ার অভিযান করে তার সহক্ষী'লের। ধাহাবলে ক্ষমতা দংল করে ভারণর ভা শেবছায় ছোড় দেওয়ার । নভির অভিকার ইতিহাসে তেতা দেই বিশেবর ইভিত্তসে আছে কিনা সংগ্ৰহ। তেখের ভালোর জনাই তাঁরা এন**জা**মাকে সাঁবার-ছিলেন্নিজেপের সংহাসিনিধর জনান্ত এর থেকে ভার আরভ ভালো প্রমাণ কী क्षा अस्ति ।

চাণ্ডল্যকর আবিস্কার দৈনন্দিন একডে'রেমি থেকে বঢ়িন

আমেরিকার একটি আবিদ্যার — বা হাতে পেলে পেডিং রাশ, সাবান আর রুমি আগনি ছুত্তে ফেলে বেবেন—ভারতে এই সব প্রথম প্রতিত হাজা।

সবচাইতে মঞ্জার হচ্ছে, এই আবিদ্দার বেবসমার রেজর রেডের সেক্টেই প্রবোজা হচ্ছে—মাথের ওপর নর। কুইক-এম-ক্লীন এর (জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হলো স্বচাইতে অবিদ্যাসা ঘটনা অগচ এই সিরে আপনি অতি প্রতি ও চনংকার শেভ করতে পারবেন।

আপনার রেডের প্রান্তে এক ফোঁটা কুইক-এন-কুনি ঢেলে নিন্ তারপর মুখ জঙ্গ দিরে ডিজিরে গেড করতে থাকুন। অপেনার কেজর যথন দাড়ির ওপর দিয়ে আপেটের মহ কোমল পশা ছড়িয়ে গ্রাচারে যাবে, আপনি ওগন জাঁবনের সবচাইতে বড় বিদ্যার বেধ করবেন। বারের দিক দিয়েও গ্রাচার সাধার হয়। এক বোতালে তিন মাস চলো।



বিভিন্ন পত্ন-পত্রিকার ও বিশিষ্ট ব্যক্তিদের প্রশংসাধন্য



অমিতাভ গুপ্ত

নারী ধর্ষণ, টগবণে ফ্রটণত জলে মাথা চেপে ধরা বা চোথ উপড়ে ফেলা ইত্যাদি নৃশংসতার কাহিনী নিয়ে নয় এ-গ্রন্থ। এ গ্রন্থ— পর্ব পাকিস্তানের সমস্ত গণ-আন্দোলন ও সাংস্কৃতিক প্রবাহের এক অসামান্য ইতিহাস। বহু দুলভি ফটোগ্রাহ্ন ও শ্রুকের বিবেকানন্দ মুখোপাধ্যায়ের ভূমিকা সম্বলিত ॥ ১৬০০০

এ ধরণের সামান্ত্রক ইতিহাসকে যথার্থ পরিপ্রেক্ষিতে সামান্তিকভাবে ফর্টিয়ে তেলার জন্য যে কুসলতা ও নির্লিশ্ব গ্রেট্ডাণ্ডার প্রয়োজন তা শ্রা গ্রেত্র ও ছে এবং তার ফলেই বইটি নানা দিক দিয়ে আকর্ষণির হরে উঠেছে। পার্ব বাংলার প্রতি আসাদের মান্ত্র দারে জন্য নর গণতানিক আন্দার্লনে ইতিহাসে পার্বা বাংলার মান্ত্র নির্ভেদের বন্ধ দিরে এই বাংলার মান্ত্রম করিছে। প্রতি গ্রেত্রা এই স্বৃত্র প্রতেগ এই সংগ্রেম্ব ওবর্গি হয়েছে। শ্রী গ্রেত্র তার এই স্বৃত্র প্রতেগ এই সংগ্রেম্ব একটি উর্লিভ্রামিক আলেগ রচন করেছেন। প্রাক্রমি একটি ভ্রমাণ্ডার এবং রাজনৈতিক বিশেষবাত্ত। হাক সাহেন, ভাসানী, মান্ত্রির জন্য যে সংগ্রেম করেছেন এবং পার্কিস্তানে গণতাত্ত্রিকার, মান্ত্রির জন্য যে সংগ্রেম করেছেন এবং পার্কিস্তানে ওর্ল সমান্ত্র নির্ভেদর রঙ দিয়ে যাকে মহিমান্ত্রিক করেছেন, লোখক বহু বঙ্গে ও আন্তরিকতার নেই কাহিমী এই বাংলার মান্ত্রের জন্য লিপিবন্ধ করে একটি প্রশংসনীয় কাজ করেছেন।

আলোচা গ্রন্থটিতে প্রেণক পূর্ব পাকিস্তানের একটি বিরাট চিট্র উপপ্রাপিত করেছে। সমস্ত মানুযের গণতান্তিক অধিকার সামের অধিকার এবং শোষণ ও বঞ্চনামুক্ত সমাজের অধিকার সেখানে ভূলমুণ্ঠত হরেছে। পূর্ব বাংলার অধিবাসীদের সর্বপ্রকারে বল্ডিত করে রাখা হরেছে। পূর্ববাংলা আজ বিদ্রোহের পথে। লেখক পূর্ব পাকিস্তানের নেতা ও সাংবাদিকদের কাছ থেকে এই সব বিরাট তথা সংগ্রহ করেছেন। গ্রন্থটি সম্পূর্ণ বাস্তবস্মাত হরেছে। বিদেশ্ব সমাজের কাছে বইটি আদৃত হবে আশা রাখি।
—মাসিক বসকেতী

আন ল ধারা প্রকাশ ন ॥ ৮ শালাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা-১২

'মোলিক অধিকার'

স্থাদ পর, রাড আটটা নাগাদ, উত্তর
স্থাদ পর কানো বিশিদ্ধ পতিকার
অফিস থেকে বেরিরে এলেন শশ্বা চেহারার
একজন প্রেট্ড ভদ্রলোক।

বাইরে তাঁর মোটর গাড়ীটি ছিল।
কিন্তু সেই মুহুতে উত্ত গাড়ীটির বনেটের
৬পরে আসীন হয়ে, কিংবা তার গাতে ঠেসান
নিয়ে সাধ্যা-সংলাপে মণন ছিল ভান করেক
স্থানীয় ওব্ল। পুরনে যথানিরমে সর্



দেওরালটা চুনকাম করিছে বিন পোপটার লাগিয়ে সুখে হচেছু না

प्रेरिकात, सूम मार्गे, काठारता स्थरक वास्ट्राह्म भस्म वस्त्रम्

ভ্রম্পের পাড়ীতে উঠে স্টার্ট দেওয়াওে উভ তর্গদের থ্র থারাপ স্পাগ্স, তাদের আভা শেষ না হওরা প্রথমত গাড়ীটা ওথানে অবদাই রাথা উচিত ছিল। অতএব কোণো মৌলিক অধিকারে বা পড়ল নিশ্চয়। তাদের মনে হল, এই ভ্রম্পোককৈ নিদার্শ দাহ-জনক, অতীব মর্মাখাতী গোটা করেক সংলাগ খানিরে দেওয়া দরকার।

কিণ্ডু কী বলা বার ? স্বা' দিরেও আরুও করা খেড, কিণ্ডু এরা আর একট্ নাংক্টাতক পথ ধরলা। পালেই বখন গীটকার অফিস, তথন, তারই প্রভাবে বোধ ইর সোলা চলে এলা সাহিত্য। এদের উচারণে আঞ্চলিক ইংরিজি 'এস'-এর



প্রভাব ক্ষরতে রাখনে সংক্রপের মাধ্যে আরো ভালে করে হদস্পায় হবে।

পরিকার অঞ্চিস প্রেক সংগ্রেররেপ্রেন, তথন লোকটি সহিত্যিক এটাই ধরে নেওয়া বেছে পারেন। তিনি বে বিজ্ঞাপনসভা হাত পারেন, তথান করিছাতের সংগ্রেনত তার অসা অসম্ভব নক্ষ- এসর তথন এপের মান এক না। অভএব বেক গালা চাড়ার ঃ

পোরেকার সাহিত্যকরা— ব্রুক্তি জাগেকার সাহিত্যকর।—পারে লোগে সৈত। টুলে চাপত। এখনকার সাহিত্যকরা মেটাবে চাড়।

'এখনকার সাহিত্যিকরা—স্বন বাটো মূদ খাষ।'

্তগড় সাংশ-সরংচন্দ্র-সরংচন্দ্র আন্ত বড়ো সাহিত্যিক, হল খেতেন, ডিখডেন কংলোপ

অঞ্চলত স্টিডিকেরা কেবল ফ খ্যা ^{(১}—একটা বে-শাড়ার নাম করে কললে, স্পেখ্য ব্যক্ত

যার উদ্দেশ্য এই সব শব্দভেগী
বাগ ছোড়া এজিল চিনি স্থিতিকে
তথ্য বিজ্ঞাপনপ্রতা কিংবা হা
গালি হোন নিবিকারভাবে গাড়ী বিরু চলে গেলেন, তিনিকারভাবে গাড়ী বিরু চলে গেলেন, তিনিকারভাবে গাড়ী বিরু ব্যব্যত্ত পার্য্যান কিনা সাদেহ। আমি অস্থিবতাী একটা সিগারেটের ক্রেকানের



সামনে দক্তিরে এই সংলাপ প্রবণ করব্য গাড়ীর মাজাসন থেকে এই তর্গদের অপস্ত করবার প্রতিক্রিয়ার গাড়ীররালাক কী ঘটল ক্রানি না, কিন্তু মারখান থেকে বাংলা দেশের সাহিতিদেকরা কিছু পালালা থেকেন, একটা অপ্রাপা ক্রানিজনেট পেলেন শরংচন্দ্র, বাঙ লী লেখকদের উপেশো এর পর শলার প্রয়ি শ্রে হল বাহ হল কিন্তু হার শ্নেতে পাইনি, অভারে সমর্ছিল না।

এরা কি বাংলা ধেশের সাহিত্যিকদের বিলাসিভার মমাহত এই তর্পরা কি ১৬ বা সাহিত্যিকদের চারে-বেক্সার সতীব উৎসাহী দ্বেব্যম ভাবতে প্রেক্সাক্সাম



कि जिस्के

ষাথাটিত থালি হতুম। কিন্তু লোভ-চরিতে
আমার হৈ বংশালন। অভিজ্ঞার আছে, তাতে
কার —এদের চেহার। এবং মুখতালার
মান্তি মকটিতার আমি সেভেরে আশালিকত
হতে পারলমে না।

অসেলে, অসমতে গাড়ীটা সরিয়ে নিছে,
তথের সিনেনা, থেকা। এবং অন্যাবিধ মাখবোচক আলেচনার বাধা স্থান্ট করে
মেলিক অধিকারে হস্তক্ষেপ করা হল।
ফাল বঙালী সাহিতিনকরা—যাঁরা
বেওয়াবালি ফ্টেবসের নতো মারে পড়ে
থাকেন এবং ফে-কেট মথন খালি কৈছু
করাত পারেন তাঁদের, সেই সাহিতিকালয়
প্রপর পিয়ে গার্ডাছ খানিকটা শাল্ড করা
গেল বোধ হয়।

তা হলে কথাটা পাঁড়ালো মৌলিক অধিকার। এইটেই—ষাকে বলে আপা্ল অব ডিসকর্ডা বোন অব কনটেনখন। এই অধিকারে না জেনে হস্তাক্ষপ করলেই জীবনে আরু শাণিত থাকে ন।।

সম্প্রতি আমানের পাড়ার একটি ডাসা পাটির উপয় ঘটছে: ব্যক্ত বিকেলে, সাঞ্ তিনটে থেকে ছটার মধ্যে অবতত ঘণ্টা প্রই দুটি ধেড়ে ঢাক, একটি বেডিড ঢাক, এবং আৰও কিছু বেকার আলক প্রাক্তপুর
কাগিলের, ডাগনীপতি পরিবৃত হইরা ছিলি
কবিশতি করিতেছিলেন। ডাহাদিগতে
আল, আঁ, নীতি উপাদেশ দিতেছিলেন।
কাহাকে ব্রুল, বাচা, বাতা, কাহাকে প্রমাণ,
প্রমের, প্রমোজন, পংশর, নির্ণান, ছল প্রজুডি
ক্তিত্তর, কাহাকে বিবতবিদে, কাহাকে বাহেক
ভাতীয়করতার স্পরিণাম ব্যাইরা দিতেকেন; এখন সময়ে তাহার প্রেভ্কৃত্ত জানমনা,
শিবর, নিশ্লক, শেহ মন্ট্রান্থির বিরহিন হইল। ব্যাতবিদ বিরহিনি কাহনে বাক্নিলেন
কতন্ত্ব আদিরাভেন।

न्यिकीय मान्यकाभाषी निर्काणकाभा। ভারতের রাশ্মপতি নির্বাচনে প্রধানমন্ত্রীর উক্তানিতে কল্লাস দলেত বিশ্বর এয় পি अब अन अ मनीय शाधीरक टकारे मा निया ভাহার প্রতিবাদ্ধীকে ভোট দেওয়ায় তিনি म, व्यमाख्याकावीतात खेला अहाथाच्या हटेशा উঠিয়াছেন। প্রিয়দশিনী মাঝে মধ্যে ভীমা टेक्सवी ज्ञ भारत करिया छोटांच छात्राता ভৰ্ম গৰ্ম করিতেছেন, তাই কংগ্ৰেস সভাপতি শৃত্যুলার ব্রহ্মত প্রয়োগ, করিয়া श्रमानमन्त्रीय मर्गाठार्ग कतियात कता লিশ্বিক্তরে বহিপতি ইইরাছেন। farer-[Sections] करमकीमन बहिता ক্ষাগভ भार्मभागाची करश्चम साहा বিভিন্ন सार्वाद स्वामन्त्री स्ट्राम करतात्र जसा-পতি প্রভৃতিত সহিত আলোচনা করিয়াছেন। ওরারীকং কমিটির ভাষাশাবজ্ঞে যোগ দিতে बारेवात जारन करतकक्षम मन्त्री नदेशा रेमना-ঘ্রকার পরামর্শ করিবার জন্য তিনি

নাছতে আনিকা বলিকেন। একল কাৰ্য্য আকাশ আলোকার হইছা উঠিক, আল নেই আপানিক বাজিবনী কালোকাল কালে কোলা কথা কথা, কোনাগতি, কৈলাকাল হৈ কোলোকা, নে কেইজানেই নিশ্বকা, নিশালাল কুলাকে বাজিবনি ব্ৰিকেন, অবলি ছিলিকেন্ত্ৰ লাগ চিপালবিকেন্ত্ৰ লিক উল্লেখ্য কৰ্মান ক্ৰিকাল উঠিকেন; কিন্তু ভাষাৰ উপানে ব অভ্যান কৰ্মান কৰ্মান কৰ্মান ক্ৰিকাল কৰ্মান কৰ্মান ক্ৰিকাল ক্ৰমান ক্ৰিকাল ক্ৰমান ক্ৰ

कार्य क्षेत्रभाषा अवस्थ सामेश्वर निर्वाष्ट्रिय मणीय शायींट्य ट्रांगो विका महा ण्यका तकात जानमं न्यानस कविया-ছিলেন, আশা ছিল কেন্দ্রীয় মৃদ্যুগুলুরের বিশ্তর সদস্য ও এর পি-বাব ভাইার পদাকর अन्तानत्रम कविदयम । किन्छ हात दन हिनान মিলিল না। ভাঁহার উচ্চাভিলাবের চৌবাক্তর न देति नानि निका क्ष क्रम प्रक्रिकास क्या. प्रिचितम, छाश जरभका ज्ञातक তিনি रवणी कल अवधि मालि निशाह बाहिय प्रदेशा বাইতেছে এবং সে প্রবাহের প্রতি আপাড়ত প্ৰিবদলিনীরই সিকে। তিনি সেই প্রবাহ ৰোধ করিবার জনা ভ্রমাণ্ড সংক্রেড্যুর শিশ্যা বাজাইডেছেন। এমন সময় আলোক भीउद्यास क्टेंग। इनस गाम न्यासिकास **७ व**्चिटलन। **साहिः बक्तान** অস্মত্তির অস্তির আসভতার विवादक শ্রিত হইরা *পাহিছে*লে। কিরংকণ পরেই কংগ্রেস ওয়ারজিং কমিটির ভাষাশা-অৰ্ডিনিদের হানাছানিতে দেখ ব_ৰি বার। ভাই ৰাজ্যাল হার হার क्रीब्राटरक्त । गारे शिवान । अक शिवारी रागरे बादसक दक्षाका ।

. . .

আজি ইন্সিলাপ্তকে মহাপ্রকার উপন্তিত।
আজি বদি রক্ষা হয় তবে ভারতে কংগ্রেস
বলিরা বস্তু থাকিবে। আজি কংগ্রেস
বলিরা বস্তু থাকিবে। আজি কংগ্রেস
ক্ষরকিং কমিটির ভারাণা-বক্ষা। কংগ্রেসের
ক্ষরকিং কমিটির ভারাণা-বক্ষা। কংগ্রেসের
ক্ষরকিং কমিটির ভারাণা-বিরুদ্ধি বাদির ক্ষরকার কর্মির ক্ষরকার কর্মানির ক্ষরকার কর্মানির ক্ষরকার কর্মানির ক্ষরকার কর্মানির ক্ষরকার কর্মানির ক্ষরকার ক্ষরক

এখন সময় রখার হারার ব্যালার নিকালগরাপার আক্রানার হারিছ। লেখিলেন ভিত্তি প্রান্ত হারিছে প্রতিত খ্রিতে পাড়িকেরে। ক্রেন্ডের প্রতিত ভিত্তি কর্মা

BITTIME T . WINE WIFE E TEI | WINE जकान । सायम कान श्रेण । अस्तात क विकास सामि देशावात है हुन प्रतिका क्रिक्ट क्रिकेट विद्यान । दर्गाध्यक क्रिके माला। भामगात इन्हें साहित होता will wein | will deals willen चागा मत्म त चार्क ? कामसब काव ? टमाबार्शाम ? नारिम ? नायम परना? with sw. calegon! CATALONA, COD -वावेटकीय ? अक्याच मान कांत्रातान द्वीब क्रमाच्या मिक्टो । अक्रमाय छोटाव क्रिय ছটিল। দেখিলেন, কামরাজ বোসার উপর চাপিয়া বসিয়া শীতল পাটি চিবাইভেন্তে मारत बीखाईसा छोरास स्व रमभावेरण्याम अवर शतम ग्राह्म जल्ला खाव প্রিরদর্শিনীর অচিলের আভাল হইতে ভেংচি কাটিভেছেন। ভরে ভার চট্টা कारात जलान इंडेरलन।

একবার ভাবিকেন, আমার সৃষ্টি কোখার? আবার জারার জন্মন। আবার ভাবিকেন, ভাহা তো গিরাছে। আবার জন্মন। কেন বাঘ হটতে গিরাছিলাম, কেন পলের শৃত্থলারক্ষার দার একা ঘাড়ে তুলির। কাইনাছিলাম, কেন সব হারাইলাম। এখন কোখার কাইতেছি, জানিনা। ফিরিবার শন্তি নাই। চাহিবার শতি নাই। আবার অজ্ঞান।

চনন অলোকিক শক্তিবলে নিজলিক্যাপনার দ্দেশা ব্রিক্তে পারিলেন।
তিনি আর মুহুত্মান্ত বিকাশ্ব না করিরা
লান্তি-প্রশ্তাবর্গী বীলা বাজাইরা গান
বারকেন, দেশু দেখি রে একবার এই বিশাল
বীর, এই প্রকাশ্ত তপাশ্বী, এই অন্ত্ত
নন্তা—তাহার কি দশা হইরাছে। জতএব
লার নর, এবার সব ভাই ভাই বল। আননি
নেই তামাশা-বজ্ঞাশ্বলীপ সকল মন্বোর
র্ধন প্রবীভূত হইয়া নোল। এবং চত্নিক
ইইতে ভাই ভাই বেল বোন শশ্ব উঠিতে
লাগিল। সেই রণাশ্বনে চবুনের ঐকান্ত্রে
বাহ্তিব্রে বেল রাখি-ক্ষান্তার ব্র পড়িয়া

101

भर्तत्र द्वाराङ मरवामभश्चमाद्द

क्रदश्रदम्ब दशक्तमान विद्ये दशक

न्द्र (नारामाण गणिका क्यानामा व्यक्तिक प्राप्ता (नोरामा क्षा नारामा क्या प्राप्ता स्था को क्षा क्षाका र स्था स्थान क्षाक क्षा क्षा क्षा स्था



বিশুদ্ধ ও সংগরিষ্ণত তিল ভৈল হুট্তেপ্রস্তুত ভূল উঠা বক্র করে মোথা ঠাওা রাখে

চ্চৈৰ্ক শতান্দ্ৰীন জুনামেন উপৰ প্ৰতিষ্ঠিত লের মত বছ জিছা সেনিল আকালের।

সূরুরা বিছালার প্রে ছিল। স্বুরুরা

রুল। বাবুল বারুলার রেলসাড়ী

চলাছিল। সভীল রথের সেলা থেকে

বাবুলকে রখ কিনে না বিরে রেলসাড়ী
কিনে দিরেছিল। রেলসাড়ীর চাকার সামানা

ক্ষ হজিল; পাখী ভাকছিল আকালো
ভারের সূর্ব উঠে আলহো। ক্লালার

পাতাবাহারের বাছ। বাহে কলে, নীল,

হল্ম পাতা। বৃত্তি হয়ে বাওরার পাতার

উপরে পরিছের ভাবঃ সভেল এবং ক্লিম্ম।

বাবুল গাড়ী ঢালাভে চালাভে ভাকত, বাবা
ভারার পাড়ীটা চলাহে বা।

সতীল পাড়ীটিতে হছি বাঁধা বেশল।
গাড়ীর চাকা খ্রেছে বা বালে কাৰ্ট বাঁধি
বার টলছে এবং চালাবার চেন্টা করছে।
সতীল নরের গাড়ীটা উন্টে বিলি। আর
পিন লাগলে পাড়ীর চাকা আবার খ্রেতে
থাকন। বাব্ল কোলাড়ীটা টানতে টানতে
পেরলে বেল হর পাণী লেখন, বোন ছর
পাণী উড়ে পোলে বেজালে সে নিজের ছারা
থেখে খেসে গোল এবং কেমন ভর পেরে
কলল বাবা ভূমি আলার পালে বসবে।

ব্ৰুছে না পেরে সভীল বাব্দের
মুখ্র দিকে ভাবিরে বাকল কিছ্কন। বড়ু
চোল বাব্দের। হাললে গালে টোল পড়ে।
কালো নড়। মুখের ভিডর চোল মুটোই
সার। ছোট করে ছাটা চুল এবং মুখেরিছে
কোন বেন বাদ্ আছে। বেন ব্রের কোন
মাঠে ব্লিগাতের পর সামানা জ্যোক্সা—
জ্যোক্সার ছোট শিশ্ম দুল্ল ছাড়েছ। বভাল মুটোই।
সভীল মুখের কাছে মুখ নিরে ফালা, কি
কালো?

বাৰ্ল এবাৰ গাড়ীটা ৰগলে নিয়ে সতীবের সামনে সোজা হরে দক্ষিতা। বলজ, এখনে ভূমি আমি বসব। বলে সে धनिक्रदनत्र मिक्टोट्ड न्याम निर्मिष्टे क्यरन সভীন বলল, যা কোথায় বস্থে? কৰা ग्रन बार्क एक्टर व्यथाम भएक लाम। भा शहरन ना बाचा शारन? रक शहरन কাৰে সে এ-মৃহতে কিছুই স্থির করতে शक्ति ना। अत्र क्रारथ-मृत्य क्रिके अक ^{ভাব ফুটে উঠছে।} সূত্রাং সতীল বলল, ছমি বেণানে ৰসাবে আন্তরা সেখানেই বসব। তেলার গাড়ীতে কে কোবাল ব্যবে ভূমিই ঠিক করবে। বাব্র এবার গাড়ীটা কেলে गरतत कारब स्ट्रिं रणका। ज्याचा अवनक दन त्यदक उद्योग। अब दस्ती करत कोत ঘটাল। বি আলবে। এবে সৰ হাভের नाव अञ्च निरम हम कामा क्यार । अप रिगटी की साम ककी जब जनता। जामाना निरादकस्थान व्यक्तात । अवर जनाएतमम् करणे गालक मध्य मध्य अस्य अस्य अस्य



তার। বাদ্দেল বিছানারা পালে আসতেই
স্ক্রমা রাখার হাত রাখল। কলল, তোরবেলা পালুটী নিয়ে খেলতে নেই। এখন
গভতে বোল। এমন কথার বাব্লা বিবর
হয়ে গেল। সভাবৈর দিকে না তাকিরেই
বলল, বাবা ভূমি আমার পালে বসবে। মা
বিষি গিজনে বসবে। ভোর হলে স্বা
ভালন রহিমার বেমন আন্দানে উঠে আন্দে,
এই বাব্ল, হোট বাব্লা সেইবক্ম বালাগি
ভাষা এই সংলার ভাষা ভূমিছল। ব্যার
কথার বে বিকাম হয়ে খেল।

—ভার পিছনে কে বসবে? কারণ
বাব্দের গড়ে। কার কামরার। সে এবর
কি ভাষণ। কারণার পাজনাহারের গাহ।
ভারপর পথ। এই প্রাসাদের রত বাড়ার
ভিতর এক কালি বর নিরে সভীশ ররেছে।
ক্রী স্বেমা ভারছে। এই বড় বাড়ার দ্বে
পালে ক্রেলর বাখানা। বাগানে কড বিভিন্ন
ক্রেল। এবং বাখান পার হলে প্রেক্স, পাড়ে
পাড়ে আবলকি গাহ। এখন কি আস
সভারদের ক্রেল। এবে আগাইকা রা। এই
আরলকি গাহের ছারা এবং বন ভার প্রে

আত্মচরিত

क उहरूमान त्नहत् ॥ ५२.००

বিশ্ব-ইতিহাস

প্রসঞ্

क्र खरतनान त्नरत् ॥ २०.००

শ্রীগোরাঙ্গ

প্রফুল্লকুমার সরকার II **৩**-৩০

জাতীয় আন্দোলনে রবীন্দ্রনাথ

প্রফুলকুমার সরকার ॥ ২ ৫০

कशिकः, शिन्मः,

প্রযুক্তকুমার সরকার 1 8.00

ভারতে মাউণ্টব্যাটেন

a. সি. জনসন ॥ ৮·00

আজাদ হিন্দ ফৌজের সঙ্গে

ডাঃ সত্যেন্দ্রনাথ বস্ ॥ ৪.০০

STUDENTS FIGHT FOR FREEDOM

Amarendra N. Roy. Rs. 6.00



আনদ্ধ পাৰ্বিদ্যাস প্ৰাঃ লিঃ অফিস: ৫ চিন্তামণি গাস লেন। কলিঃ ৯ ক্ষিম-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ মহাখা গাড়ী রোভ ক্ষোন ৩৪-৮২৪৭ মাঠ, মাঠ পার হলে রেঁল কলেনীর লাল ইটের বাড়ী এসব তার মনে আসছিল।

াব্ল তখন বলল, ভার পেছনে। দিদিস:।

-- আৰু কেট নর?

—তোমার ঠাকুমা ঠাকুদী।

এবারেও সে দিবধার পড়ে গেল। সে
কিছু না বলে গড়েটিকে টেবিলের উপর
রেখে দিল। তারপর একটা চেরারে বলে
ইতিহাসের পাতা খুলে পড়তে বসল।
রাম-রাবণের ছবি। রামের মাথায় রাজার
টুপি। বড় লদ্বা টুপি দেখলে বাবুলের
মনে হর এই বুঝি রাজার টুপি। সে
করাকে কতবার এমন একটা টুপি কিনে
দিতে বলেছিল, সতীশ বলেছিল, রংগর
মেলা থেকে কিনে দেবে। কিন্ডু রংগর মেলা
থেকে না রথ, না টুপি। সে লম্বা
এক রেলগাড়ী কিনে এনেছে।

বাব্ল কি ভেবে ফের নিবিণ্ট গ্রন্থ ছবিতে। সতীশ কি ভেবে জন লাকে পাতাবাহারের গাছ দেখল। আর স্বেফা দরজায় উকি দিয়ে দেখল কি ৯৩০০০। এসেছে কিনা। অফিসের সময় হায়ে যাছে। সে তাড়াত ড়ি উঠে বসলা। ক্রণত এবং বিষয় চোখ স্বেমার। বাই সন্তানের জনমী সরমা। চোখে-লাখে বিস্ববদের জাপ শ্র্ম। সে উঠতেই বাব্ল বলল, আমি জার প্রত্ব না মা।

—কেন পড়বে ন**ং**

—বাবা বলেছিল ট্রিল কিনে সেবে, রাজার ট্রিপ। ট্রিপ না দিলে আমি পড়ব না। বলে সে একটা খাতা টেনে ছবি অকৈতে কসে গেল।

স্রমা ধমক দিল এবার ।—বাবাল তুমি পাকা পাকা কথা বলবে না। এখন পড়াপোনা কর। কেবল ছবি একৈ খাতা নম্ম করা। সতীপ এলে বলবা, তোমার ছেলেমেরেকে বলে যাবে দুংপারের বাইরে বের না হতে।

এই এক ভর স্রেলার। স্বেলার কেন্
সতীশেরও: অভীর বাইরে ফ্লেবাগান্
বাগান পার হলে বড় জলাশর। জলে কালো
রঙের শ্যাওলা। এবং বড় গভীর। এত বড় বাড়ীর এক কোগার সতীশের জিন-কামরার ঘর। প্রাসাদের মত এই বাড়ীর কোন ভানাংশে কেন সতীশ এবং স্রেমা ভাদের দ্ই সম্ভানের প্রতি মেন্ছ নিরে জীবনের বাকী অংশট্কু কাটিরে দিছে। সতীশের ভর, বাব্ল একা একা—বখন স্রেমা দ্পুরে ঘ্নিরে পড়বে, যখন নিজনি দ্পারে পাতাবাহারের গামে কিছ্ পাখী ভাকবে—ভখন এই বাব্ল ভালপাতার ট্রিপ মাধার দিয়ে কাঁধে খেলনার বন্ধ্ব নিরে দৈতা শিক্তের ব্যে খ্যাবে। আরু সংক্রা থাকরে মিন্টা। দাই ভাইবোনে চুণি চুণি বের হয়ে ফাল ফল পাথীর জন্য দারোক্তনদের খাণার জন্য কর্মনা ক্রিক্তনা করে আমলক্রির বনে ছারিরে মার অস্থের সভাটাকে খালবে।

and the second s

এই বড় শহরে এসে স্বেম্র কমে ভেলো গেল। সতীল সেই 9000 বাহারের পাতা দেখতে দেখতে কথাটা ভাবল। এই বড শইরে বড় নিঃসংগ্রে। ক্রমে সে অস্থির হরে উঠছে। কার্থানার কিছু কিছু বটনার কথা মনে পড়ভে এ সময়। সতীশ একদা বিদ্যালয়ে শিক্ষকাল করত। সূরমা শিক্ষরিতী ছিল। বড় মাঠ ছিল সামনে। মাঠ পার হলে স্টেখন। ল্টেশনে রেলগাড়ী **এসে থা**য়ত। বার ল আর মিন্টা রেলগাড়ী এলে জীবন দংবেবি কাংধ মাঠ পার হয়ে। স্টেশনে উঠে যেত। বারস্পার ইভিচেতার থাকত। সার্জ্য এবং সত্তীল বসে বসে ওদের অনুলা হয়ে যাওয় দেখ<mark>ত। এখন কেন জ</mark>ানি সে সব ছবি প্রাক্তির মার মানে ইয়ে। এখন শাধ্ কার কারখনার ঘণ্টা পেটানোর লক ভেসে মাসে। কৈ যেন অন্যকারে সালা গলের মত এক অণিনাগে লাক ঝালিয়ে প্রথেয়ে এবং কারা যেন মাথায় রাজার ট্রান্স পর্যুর কলে ক্রমান্বর ঘণ্টা পিতিরে যাতে। এই ঘণ্টা পেট নোর শব্দ কানে একেই সভীশের হাত-পা কপিতে থাকে। কেবল মান হয় কারা যেন সব সময় হল্লঃ করে ওর পেছনে ছাট আনছে। আভ সোমবার। বোনাস সম্পর্কে শ্রমিক পক্ষ থেকে। কথা বস্তুতে আসছে। কথার কথার বচসা হবে। নানারকামর ভয় ভীতিতে ওর গল শাকিয়ে আস্থিত। সে ঝি মপালাকে ডাকগ; জল, এক পাস ভাল নিতে বজাল মঞালাকে। তার পর बनाउँ एक एक करत स्थर एकतन धरः সরেমারে উর্দেশ্য করে বললা আরে ফিরতে দেৱী হতে পারে। অষণা অমার জনা स्वर्व मा।

স্ক্রমা মুখ ফেরাল নাং বলল, ভোমতে একটা কথা বলতে ভূলে গৈছি।

⊸িক কথা?

—বাবার চিঠি এসেছে। অফিস ফেরত চিঠি সড়ে মাধ্য ঠিক র খতে সারবে না বলে দিউ নি।

সভীশ সামানা হাসল। —কটু দেখি
চিঠিটা। স্বেমা কলিছেশর নীচ থেকে চিঠি
বের করল এবং সভীশের হাতে দেবার সমর
বলল, এ নিরে ভূমি মাঝা গরম করবে না!
স্বেমা সভীশকে লপথ করাতে চাইল।
সভীশ কবার দিল না। চিঠির তাঁক থলে
সেই বৃশ্ব মান্বটির হুসভাকর দেখল।
হুসভাকরে সভেক্ষ সকল ভারটা
ক্রমে কেটে বাজে। প্রম কলাগেবর
—এমা এই শক্ষ্মাধ্য অধ্যান্তমে অধ্যান্তর

হয়ে আসহে। সভীপ গত হাসে বাডীছে ন্ত্ৰিয়াত যে টাকা দেৱ তা দিতে পাৰে নি। তার কোম্পানীর অবস্থা খারাপ হবার मन् । तास्त्रा त करम शारह । मूख्याः वरका कर्तित। वावा निम्प्रति किविया बन्द स्तर्भ প্ৰচল-ত্ৰী शिट्यक्त । हज 9584 न्द्रमिष्ट एटामाव ভবিষেচক হয়ে পড়েছ। ভাষ গঠিশত টাকার মত। আমাকে প্রতি ছাসে একশত টাকা দাও। আমরাও চারজন ভোমরাও চারজন।...এ মাসে সেই সামানং দান তুমি জারও সংক্ষিণত করেছ। এই বৃষ্ধ বয়সে অনাহারে দিন বাপন করতে গার ভাগতে কন্ট কারো। কল্যাপীর সম্পন্ধ এসেছিল। পত্রপক কলকাতার তেমার হাসার কাছেই **থাকে।...সতীশ[®]কে**মন **জন্ম**-ফুলকভাব চিত্রিটা পড়ছে। পারপকের থেজি-अवत कारत। निरम्न टिकान एम 6दा धाकना। গোর ভারও অস্পন্ট **করেকটি দব্দ। সতী**দ চেথেয় কাছে এনে উন্ধার করতে পারক। হতীনের আবার একটি মেরে হারেছে। তানা কি ক্ষেপে গেলেন। সভীল কেমন অস্থিকঃ গুলাহ না বলে পারল না এবার পারেব ছাত্ত নতৈ পোনঃ' এই শব্দ বাবহারে চিত্রি শের করেছেন। তমি লিখেছ একা তেমের প্ৰক্ষ সংসাধের দায়দারিক বহন করা ক্লাম কঠিন হয়ে পড়েছে। তুমি বলতে চাইছ. হলীন সংসদৰ সঞ্জান। সাহায়ে করাক। কতীন রেলে চাকুরী করে। সামানা তিনপাত টাকা মাহিনা। ছত্তি কন্যাসন্তান उ रः ওর দুজন। তাও বড় মেরেটিকে আমি এ-মাসে নিয়ে এসেছি বলে রক্ষ**।** তিনি যেন দয়া করে পত্র **পোর করেছেন। চিঠি**টা ষতীশ ভাজ করে সরেমতক দিয়ে দেবার সমর কথাটা না ভেতে পার্কা না।

বাবার এই এক অঞ্চাচার। সংসারে
সতীল সামান্য দেশী আয়ের চাকুরী করে
ববল এবং বিশ্বান বলে মর চাপ এই উপর।
দরেম সংসারে বড় ধর থেকে আসাড় এবং
মানাবার অমতে বিবাহের দর্ম সকলেই
দরেমার প্রতি যেন সংগোপারে আকে সতীল
শেষ কপদাক মাহের হাতে দিরে দিরেছে
ধবং সংসারে সেই প্রান্ত সার দিরেছে
ধবং সংসারে সেই প্রান্ত সার দিরেছে
ধবং সংসারে সেই প্রান্ত সার দিরে।
তি উটকো ব্বতী এসে সতীপাকে সংসার
পৈকে বিজিয়ে করে দিল। সভীপা চিতিটা
বিমার হাতে দিরে বলকা, তেবেছি বাব্লাকে
দাস্য কাছে দত্তক দিয়ে দেব।

म तमः दलका छात्र मारम ?

সতীশ হাসতে **হাসতে বলন,** দা**লন** শ্রস্তানের বড় প্রা

শ্ব না বলে বল কাথপির মান্ব।
ব্রমা কেপে গেল। এই মান্ব সভীল বেন উৎসগড়িত প্রাণ। সব দার দারিছ ভার। কৈন কাপ্—স্রমার রুণ্ম হাত-পা কপিতে ভাকল, কন্য দুই ভাই আছে তেজার, ওয়া কাল করছে। লেখাপড়া শেখাবার চেন্টার চাতি ও ভূমি কর মি। শানেছি ভূমি তিউপান করে, পত্তিকা হকারী করে ভোমার পড়ার খরচ চালিরেছ। আর ভূমি ছোট ভাইদের পড়ার জনা জি না করেছ—ওরা মানুব না হলে কার দার। সাজারা একটানা কথা বলপেই সারমা বড় বেশী কাতর হরে পড়ে। সে বিছানার উঠে বসল।—ওরাও কিছা কিছা করে বাককে সাহাবা করতে পারে।

সভীপ তেমনি সরল সহজ মাথে বলল, দেখলে ত মাখা থারাপ কে করছে।

স্বারমা বিছানা থেকে নেয়ে পরজার পিকে বেতে কেতে বললা, জামার বাব্লকে জামি পিতে বাব কেন?

—না বিলে দাদা রেস চালিরে ব্যবে। সতীশ ঠাট্টা করে বলল।

—েরেস চালালে পারিস্তা বাড়বে। তরতে

তামার কি: স্রেমা ক্রমে কিশত হরে

উঠাত। সভীদের ভারা লাগছিল স্রেমাকে
রাগিরে দিতে। বললা, লাগার কাতে থাকাও
যা মামার কাতে থাকাও ভাই। সভীল
বারাণদায় নেয়ে গিরে স্বেমার মুখ দেশতে
চাইল।

--বাবাক জামার। সংসারে তমি তেমার য়া-হারা দাদার জন্য সব করতে পার। জারি পূৰ্বি না। তেজার বা চাকরি—কবে কোর্লাচন সব বাবে আমানের। আমরা পথে গিয়ে দাঁড়াব। কি স**পর ভোমার বল** ? এত দিন চাকুরি করে কি করেছ তুমি? মিণ্ট্র ভাৰে দিকে তুমি একবার বড় হয়েছে। ভাল করে তাকাও। তোমার কারখানা, ভূমিক, মা-বাৰা দাদা ওরাই সব**। ভারপর** আর্ভ কি বলতে গিরে স্বেমা খেমে গেল। এই এক অভাসে স্রমার। রেগে গেলে সকলকে টোনে আনবে। কোখার বেন সূরেমা অন্তিচ্ছতায় ভগুছে। সভীশু নিজেও মাৰে মারে জীবনহাপানের নিরাপত্তাবোধের অভাবে ভূগছে। কারখনার ক্তির পরিমাণ কেড়ে शास्त्र । के प्र क्रांस क्षण वाष्ट्रांक अवर काव्यानाव নভিন্তাস উঠছে। সে বেন কোনদিকে পথ খাড়ে পাছে না। প্রোনো ফরপাতি **এবং** প্রাচীন সব পশ্বতির জনা প্রতিবোগিতার ক্রম ভারা হটে বাজে। ফলে করেখনের দুল্য চ্যের উপর ভেসে উঠলেই মনে হর, এক বড় অণ্নিগোলক, অভিক্রম করতে পারলেই রাজার মাধার ট্রাপ। সতীপ বার বার প্রাণপুণ চেন্টা করেও সেই জন্দিগোলক ক্তিক্রম করতে পারছে না। স্তীপ জাল-কাপড় পরার সময় ভাবল, বাব্লকে আজ হোক কলে হোক সে একটা ট্ৰাপ কিনে দেৰে। সে রাজার ট্লি পরে রম^{্জ}থবা রাবণ সৈক্ষে বাবাকে ভর দেখাবে। সে ভাকল, বাবলৈ ভোমার পড়া হরেছে?

কোপার ব্যব্দা ভবন বাবুল টেবিলের

প্ৰতিভা বস্তু

डे भ ना भ

স্থিত স্থা দ্বাপী

এক দ্বালচিত প্রেম্ব এবং বিপরতি হত্তামা
এক নারীর বিদ্যুত জীবনায়নের অবরুপানী
বাহিনী প্রেম্বর্জী এই ব্যক্তর উপদানটিঃ

রাটা ভাটা চাদি ৪-০০
বাচল ভিত্ত প্রেমর গভালকপ্রবাহত্তর
এক নতুন ধরনের কাহিনলৈন্দ্র উপন্তান
বাড়া ভাডা চাদ বাংলা কাহিতে এক
অভিন্ব সংবোজন।

ञामाश्राणी रमबीत

উ প ন্যা স

দ্রশ্বিক ভূষিকার ৫০০
বহু বিচিত্র চাইত এবং ভারের জীবনের
ব্বব্রেক জনস্থাবেলনার ভারতভাবে করে
ভার জনস্থাবিত এক ভারাভ এবং জন্মব্যাধার কারের স্বোক্তরার ভারতার ভারতার।

স্বীব্যুব প্রব্র ৩ ০ ০ ০ তেনিকার জন্যভার সম্প্রেক স্থানকাল সমর্বের পরিবাদে বিপর্বাভ কটি মান্যবের স্থানাবিজ্ঞান্ত কর জন্ম মান্যবিদ্ধান বিশ্বাভ কটি মান্যবের স্থানাবিজ্ঞান্ত কর জন্ম সম্প্রান্ত বিশ্বাভ কর সম্প্রান্ত বিশ্বাভিন্ন বিশ্বাভি

সেই ব্লাব্রে প্রই দিব ৫০০
সম্ভ আন উমিবা — একুল আন বোল।
ভালোবেলছিল ভারা; অবিক্লার করেছিল
অর্পকে পরক্লাবের মধ্যে। এই প্রাক্তরত প্রেমন প্রোতশিক্ষাটির সকল বালা উত্তর্গের
এক অপর্পে কাহিলী।

বাংশির পাখি ৪০০

নবশৈর প্রেক্তার বিক্রারনী আলাস্থা দেবী রচিত প্রাণপ্রান্ত্রশারী কামনা-উবেল এক ভর্মণীন প্রেমের বিকর্তনের এই জননা কাহিন্টিট বাংলা সাহিক্তার একটি সম্পদ্ধ করে গাড় হবে।

্শি(বিন) ৫ ০০
গ্রন্থীর এক সংকটের রশ্ব বিরে দুর্ এ উপন্যাসের কাহিনী। এর আকর্ষণ অপ্রতিরোধ্য হরেও, পারিবারিক অবিকল্প রালসিকতা ও হোটবাট হাসিকলের উপ্রক্রে। চলচ্চিত্রে রুপারিত।



আনস্থ পাৰ্থিশাৰ্স প্লাঃ জিঃ ছফিস: ৫ চিন্তাৰ্লি বাস জেন । ফুলিঃ ৯ ক্ষিয়-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ মহাত্ম তাতী ত্ৰেচ্চ কোন ৩৪-৮২৪৭ 25.

নিচে বাস মার অস্থের দৈত্যটাকে ব্রুক্তর হাতে কণ্যুক, কোমরে বেল্ট এবং উত্তে অটি। চকচকে লোহার পাত। স্ব নাত্তা দিরে মোড়া। মনে হয়, বাব্তা করিছ সৈনিক সৈকে এই সংসার থেকে সিব অমশ্যল দ্বে করে দিতে চাইছে। বের ইবার মুখে স্বেমা ফের সভীশকে বলল, করেছ ভূমি বারশ করে বেও।

সতীল বলন, মিশ্টা ছুমি বাব্যাক নিজে দুপুরে বেল্প হলে বাবে না।

वाब्र्स टेंग्स्टिन्स निर्फ एक्ट्स स्कल, ना वाबा, जामि दवत हव ना। मिमि जामारक टकवल दबरक वरता।

মিশ্ট্র কলল, হাাঁ আন্মি তোমাকে কেবল যেতে বলি। নিজে বেন বেতে জানে না। ওদের কণড়া দেখে সতীশ বলল, ভূমি बार्य मार्थ पृथि मार्थात कान ना। काल भरक रणरल टक्छ रहेत्र भारव ना। उत्तरभू कत दम्भारमात्र कना स्वरत, श्राकृतहेर् तर धक्को व्यक्तत्र ज्ञाभ व्याद्ध। यारव न रणरलारे टक्षत स्कल्पत् । धक कलागत्र म्राम्भा अकीमारक टक्सन कीक विराज्ञ करा त्रास्थ। व्यथ्या व्यक्तिर अभग्न अभग्न व्यत सन्द्र रस्त्र श्रम्भा भरत् व्यत

आत्रति कि आत्रवात निश्तत त्रुकित शत्र प्रत्थ खाल-जाता मनुके आছেत?



PHT 17-10. 14140 84

वियुषान निकारश्य अन्ध्री छैश्यके छेश्यास्य

THE CASE OF BUILDINGS NA NEW WINDS IN NO. OF SERVICE SERVICES. ---SINCE ELS! MORPHUM PRINT PURE CON ECO CHRISTINE CON PROPERTY ARE ARE TO WHITE THE PARTY (NO.)

श्रव त्वत हराहे विभागतिका अव वस रमहान अवर नमह देवते। अवते नाम रहार्थ वारत केंद्रक इस । स्त्रवास अक क्लेब्रजीय मूच, जात हाड शास्त्राच मित्रक र करके बारक। यहरत डाकिन स्तर्ह बार्डीय গুলিত দবের মত হাত পা মুখ; আৰু কী कर्ग देखा जात मा शहर अदर अभाग করার। সতীশ এখানে এলেই সামানা সময় দাঢ়ার, কিছু, সাহাবা দের।...তারপর বনি ছায় কোনাদন দ্যাখো সংসারের স্ব দ্বোস रहात्राय कता अर्लका करवा काटके? अवेम কথা মনে হয়, তথন ? সভীল তথন ভাটে পালাতে চয়, কিন্তু কে যেন তথন পাৰীৰ হত ভেকে ভেকে ফলে, বাবা ভূমি আমার इन्हाई हैर्रीन किरन एएटर ना ? स्ट्रीय सामारक क्छ भारते निरम् बारव ना ?

অফিসে চাকেই সভীৰ म्नम, रकाक eg mren रम्या कराव 7.00 টেকিলের ব'স WITE ! 7.74 উপর কিছা চিঠি পড়ে আছে रमाक मृजन বাইৰে ৰসে আছে। সে বেল টিলে অধিনালয়াৰকে ভাকাল। বলল, কারা এসেছে? কি চার ইউনিয়ন থেকে আলেনি তো লভীৰ अन्त्र प्राकाम। अदः सम्मनः आभीत वज्ञान व्यक्तिमनायः। अता धारल यमान, वि ६३? **बबा जवाद्य दमान, जााब रूनावे क्रिमटक हाई।**

সভীল এবার চেণ্ডিরে উঠল ৷—এখনে रणाउँ विकि इत ना। धानाहम रणाउँ किमा হর। সে কেন জানি সহসা মাথা গরম করে रम्मन । प्राचा शहर कहा द्विधारमञ्जू मुक्त নর। সে ব্র লাক্ট্রিক্ট বালকের মৃত হবে करत बरम बाकाब रहन्छ। करत रमनम, वना विक् क्यान दक्षीं कन्नदक्षः विकास थना मार्ज र्याम स्मार्ट । जात खरनक কোপালী ভ জাজজাল জোটা বের করে निकि करत शिर्मा

बामता विक्रि न्छ। अवह नछीन साहन मामकाम यावदारसम् १६८३ विकि साम । বিভিন্তে লাভ বেলি। কড়পকের বিভিন্ন । नित्व अवने रक्षीक आदेश अध्यक्ष अहे गर नियाकास्त्रकः वासकासिक कार्य बाल्ट्य । दुन विकास करते करते राज्य समाज, अवारत का रत ना। रमाम ग्रामन केंद्र रगरमह जनता प्रामादक महमदक एनका। अकटक विस्म विक्रमत विदेश कार्य कार्यहर कार्यहर TOTAL CHICA THE MES CHOSE SCHOOL

-THE PERSON NAMED AND POST OF REAL PROPERTY. at a second of the second of t वाकित्रकार्थे। एककार्याक राज केरह लाज्य । क्षा नामीनकर्ते वित्तरी-रामग्रहान क्षर - परिकार्तकात्र मानन्या प्रवास स्टब्स करान रक्षणास्य जानस्य मा। भूकीन जमा এক সহকারীকৈ তেকে কাল ওয়া সকলে गाहेरत रक्ता। बरवा रक्क्स रक्क वस्त्र, काम कारक कारण। जाति अर यामधा क्रांह ।

দুক্তন লোক তেওয়ারীকে হালপাভালে নিয়ে চলে বাছে। সভীৰ ওবের জেকে काम, बानाव रकामहा का कि कारत?

–সারে পাঞ্চিং মেশিন খারাপ ছিল। —ग्राहकारेकानस्य निर्मार्धे करतस्य STATE AND THE PARTY.

THE REPORT OF THE PERSON AS यन व्यक्तिकारण जन नवह अकारिक बार्ज । अधिक नाम तम नाम बाह्य विकास केंग्स रहायके सम्बद्ध स्व Marrier Drive on of free were, ser traffe freite stop to be नारकाम हान निया अवर वसका, वर्ड आह क अस्टा मा । हिक काटा स्मीतान । जिल रक्षकारी जनामनेक्षात काल कर्मका ভারণার লে চাবিটাতে হাত ভিলে হাজা क्रिक्ट शरिद्ध यात्रे करत रहरू । बार्ड करा গোলে মাৰে হাতে চাৰি বছৰে না ৰক্ষ কৰা शक्षात्र मण्डामना सार्ट्यः विकटा विकास ভার বৃক কাপছিল। যেলিন আতাই প্রচ रक्करक शरद । चना हाका सनर हरीन क्यांचा

मगीन्द्र बारमञ् मजून छेलनप्रम

रतकरणात नकून छलनप्रम

ष्ट्राता आत्वत्र तुत्व अधिकवाव

TH : 0.40

ज्ञान अल्ला अल्ला केन्स्राम

ৰীরেশুয়োহন আচারের

वायुनिक निका व(वादिकाव >>---<u> उ</u>धुक्था

TM : 0-60

জা লোকজন কলাট-এর ক্ষিকা স্ক্রিড

বেবল দেববর্মার রহস্য উপন্যাস রাত তথৰ দশটা

, चान्द्रकाव स्र्याशायाद्वत तञ्च ञ्लित है।व

WH : 9-20

98 ATM 4.00

प्रम सका सांह चाव रावा सम कीका वर्गार्थाव

4.40 4.00 ...

क्ष शकाना स्थानल म्बद्धान स्थारशायात विव्यवक्षेत्र विद्य

क्षेपाको म ভালবংগার অলেক নাম 8.00 R.

व्यक्तिमान्नाम् स्ट्रीन्यामान मरक्षाः, स्वाय 🧀

विकास विकास

अत लाम मश्मात गमन हा त 62 TH V.40.

叫《中京一出刊

(बान बिर्मान वृत हान वानाहर

वाद्यानाम्य सान-अत

महरतम् सम्ब

बर कर्

क्री कृष श्रीश्रीवर

वाशक की वय

FE STEE 24-00

AM 1 >4.00 चेशिक्षात बाग्यानामात, गण्या शामा कर, क गण्या रागातिक

वासम्बद्धाः स्वयंद्धाः हा

八百 可用

··· *** 1 8-00

मान-मारिका आरेएको जिमिलोड : ००, क्लब (सा. क्लिकारा-১

দিছে হবে। সে অজুহাত কের করার তালে
চারিদিকে কি খালে দেখল, কিছা ভাজাভাজার জংশ নিচে এবং নিচের দিকে চোল
কেবেই কাল, এখানে এসর কেন? নিচরই
কেবে থেকে পালিং চালাজিল তেওরারী।
সে জভিবোগটকে ছারির দিকে। সম্পূর্ণ
ছার্লি দিতে পারলে কোনো জভিপ্রথের
ক্রমন আকবে না। দার নারিছ সব প্রমিকের।
ইউনির্মের ব্জন পাশ্ডা লোককে ডেকে
চারপাশ্টা দেখালা এখানে এসব কি হর।
সে স্বারভাইজারকে পর্বান্ত শাসাল।
ক্রমনালিক এবার হুস করে কাক ভাড়ানোর

কা বিগোটো লিখল, কাকে আনার্ক্যক্ষতা এবং হুবাটনা। দ্জন কামেককে সাজী নিজে বিপোটা লিখে বিভেই প্রাণের ভিতরে কেমন বেন এক বছ-শোক জাব উদ্ধি নিজে কেন ব্যৱহা ভিতরে ক্রমেন ব্যৱহা ভিতরে ক্রমেন। আ হয়, প্রাণের ক্রেকে আনের

মলা বেশি, গ্রুই মুখ ভখন উনি লেকমিন্ট্, বাব্লের মুখ। রজশোবা জীব বেদ
এবার ওদের তেড়ে বাজে। বাব্লা একবার
ছবিতে রাম-রাবণের বুন্দ দেখেরিল। বুন্দ
দেখে বলেছিল, বাবা জামি রাম সাজব।
জামাকে রাজার টুনি কিনে দেবে বাবা।
রিপোটে সই করার পরই সভীশের
মেজাজটা কেমন রুক্ছ হয়ে গেল। রখের
মেজাজটা কেমন রুক্ছ হয়ে গেল। রখের
মেলা খেকে রাজার টুনি কিনতে হবে
দেকথা সে ভূলে গেল।

সে অফিসে বসে, অন্যমনস্কভাবে কন্তগ্রেলি বিল সই করল। চিঠি সই করল।
চিঠি অথবা বিল সই করার সমর অন্যানাদিনের মত সে সবটা পড়ে সই করল না।
এমন কি একবার চোখও যোলাল না। এই
এক বিশ্রী অভাসে তার, ভিতরে কেন
পাপবাধ কান্ধ করতে থাকলে সে কেমন
ভিন্নমাণ হরে পড়ে। সংসারের বিবিধ কারণ
শিক্ষরে তার সোনার কৃষ্টি রাখতে দিছে না।

त्म जामदान कार्च अक बान्द्र । छात्र कार्या देका किम मा एकधनातीत जिल्लाणे अस्म रदाका क्या कार्न कता, कृषि मृद्दे निभा-मण्डाम अदर ब्युक्ती सुम्मा मही जात मा वावा कारेर्द्रातम्ब क्या एक्टन लामात्र क्रांठि रम मिन्नद्रत नाम्बन मा। मय स्क्रमा मान्द्रत लागा

টাাক্সিতে করে হালপাডালে নিরে বাবার ममत ८७ छतातीत वर्डणे क्रीर्राष्ट्रम । बानामा দিরে সভীল সেই মুখ দেখল। সভীল হয়ে टकरण बारक। **अहे है**निस्त विनिस काता त्न नहा कराफ शत्राह ना। इत्स त्न जन्हार शक्त भाष्ट्र । तम केंद्रे मौकाम धायर व्यक्तिय ভিতর পারচ রি করতে থাকল—যেন সে माहन म**ख्या कतरह**। स्म व्यक्तिगरक स्टब्स वनना अरहत धराज स्थान स्थान काल काणि करत जात कि शहर। वस्त्र । সতীৰ এখন নিয়াল্য মানুষেয় হছ। সংসারের অধ্যকারে এক কালো ঘোড়া আছে **ए.एक क्टफ निवन्छव छाडे**नि-व्रक्तिंगे शहे পার হয়ে ৰাজেছ। মাঝে মাকে বেমন হয়— रकान माध्यस्य हरित, आहर्जान कर्ण सान -- নিরাপতাবিহ**ীন জীবিকা দেখলে কেনে** হর, সংসারে পাখী ওড়ে ন**া হর,ভুমির ম**ত माठे नाया मामरन. चात्र अक उठे-नीय भथ-বাহী নদী নালা বিহাম মাঠে অন্যৱত উট ছাউছে। সতীৰ তেমনি নিজেকে কিসের আশার ছাটতে দেখল। কারা বেন পেছনে ভাড়া করছে; ফুটপাখের বাসিন্দা, অনাহারে मूछ बानादकत इवि अवर मार्ट कुछत्ती। সে এবার চীংকার করে উঠল, অবিনাশ-वाद!

- —আজে আমাকে ভাকছেন সাার!
- ব্যাধনে ভ তেওয়ারীর বউটা এখনও ক্রিছে কিনা।
- —ना नात कौराष्ट्र मा। कथम ध्वा इतन रंगरक।

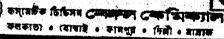
স্তীশ ক্ষেম্ লিফ্সিড মনে बरन गडन। दन गार्ट शाखरण शास स्तर्भ শরীর *সো*জা করে নিজ। কোনও দিকে काकाम ना। दानाम मन्मादक कथा कारड হবে আজ, সম্ভবত কেরাও ক্রবে প্রামকেরা व्यक्त व्यक्ति सानिमाधना निरंत हीरकार কে'চামেচি হৰে। সে নিজেকে ব্ৰহ্মা করবার कटना काञ्चानीय रव की कश्चनंत्र मृद्रसम्बा इनाट्स, जान ब-कारन क्यांका रतनीमिम काल कांनात्मा मादव मा, केरनावन मा बाखादन द्यांकरवाजिकाच कामें स्वरक स्टब्न अ मन नित्त নিজের মনেই ব্রভিডকের জ্বাল বিশ্তার করতে করতে কবন দেখা সভীন আর নভীন নেই—সে এক ভাল্যা বেলগড়ি হরে रमरह। अन्य मार्रेजिस स्वात स्वकारक गीन करकत रहेन का मामदन इत्हो दवत इत्ह बरकः त्र क्यांक स्माका इस्त काल क्या वणन, राव मा। समित्रकता क्लान, छा कि करत द्याः दन बनाग्, नांक बद्दत चानि एकामादन्य



ব্ৰেল কোন্ত্ৰীটোৱ

शिष्कित बाह्यला (२वाव वरतव

কী সুসৰ কৰা কাৰো চুক। কেবাৰ চোৰ ব্যক্ত। এবাৰি সুসৰ কৰা কাৰো চুক আপৰাৰত বাতে গাছে। কাৰি সুসৰ কৰা কাৰো চুক আপৰাৰত বাতে গাছে। বিস্ফাই—কতি আপৰি চুকাৰ কাই কয় নেব আছ বিহাৰিত বৈজন কেমিকমানত বোজন আছবা। হোৱাৰ বাবেৰ বাবেৰ।



Francisco Colombia

रतका कारण करबाँच, रकामना केरणायम अक विका बाजाब वि । काम्लामी ताई सन्तर छ शास्त्र नाम बाकारक नारम मि। जामना समन হেরে বাজি-বোল্পানীয় ক্রমণ ক্ষতির श्रीदेशन त्याप बारकः। किन्छ बना निरुक्तकः व्या किट्टे म्याद मा। छैरमानन बाखाद না। সে এবার কাল সরকার ভোমাদের वानात्मत त्व दब्रि वर्षात्व निरतास्थम छ।हे নাবে। মানে কোর অর করটি...বলে সভীপ त्यव कत्रत्य भारत ना। भमन्यत्व हरिकान स्थामा श्रम-जाशादनत माची मामटक स्टव। সভীল এবার অবিনাশবাবরে দিকে ভাকল। ভাষনাশ্বাব, বিনোপ্ৰাব্ত দিকে ভাকাল-बता जकरण रचत क शरह राज-मार्गावती र्वटक रशद क्या वनटक शामीका मा। इत अ-चन्द्रका चन्ध्रकात ज्ञाल चालव्ह ল্যু এইটাকু ওরা টের পাছে। ভোমরা দ্রকা ছেড়ে দাও—আমরা বাব। সতীশের বলার ইছে। হল। কিন্তু দরজার মান্বগালো चार ७ करे शाक्तिक वनमा विद्वार छता टिक्तातीत कथा कुलाव। कालात्मत कथा ভালব। সভীপ ভিতরে ভিভরে ছটফট করতে থাকল। বাব্রটা এখন कি কর ছ কে জানে! বা ছেলে। মা'র জন্ম বাদ্রেল ছেলের ফুল ফলের জন্য যেন আকরণ বেড়ে বার। সে এবার অবিনাশবাবার সিক ভাকিরে কাল, চলান ভবে উঠি। কিল্ড বারা **एतका चागरम यरम हिम छाता वर्**महे धकनः फ्रेंग ना टक्छे। प्रजीन चित्रामाक महासा ছেডে मिन गा। ७८मह দাৰী না মেনে নিলে সভীল এবং ভাবিনাল क्टि शहरव मा। कामत नगरमा-নতীশকে। সভীল **पेठरहः जनम मान ७१मत रमनान गरमहे हत्** ना नामामा क्याह अथन होन्हा दिवस त्मर्छ পারে। সে বৰাল, সরকা ছেড়ে বস। আফরা वार। अला ज्यातक वस हरत वजना द्दतान्द्रति चारोक निका। खाद्यारमक मार्वी यानट्ड श्टर-मन्नका जाग्रेटक निरम अभग कथा কতে চাইল।

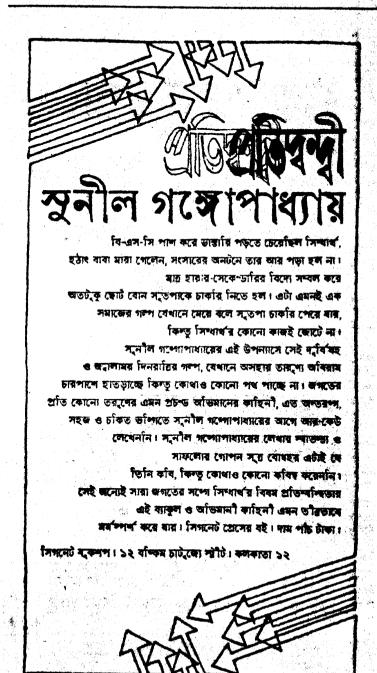
—তবে ভোমরা আমাদের আটকে বাগতে চাও।

—লে আমরা পারি সাছ<u>া</u>

্তি আমার বিন্তের অবভার সভাব বাবাই ক্ষেত্রত হুত্রতা কলে কেলা। সে বাব্যানাবার ক্রিকে ভাকাল্ড্রতা করেল। সে বাব্যানাবার ক্রিকে ভাকাল্ড্রতা। অবিলালবার বিকটা কালক কলা পালাক্রিক। ভারতার সেই কর বার্যানাবার ক্রিকে বার্তার করেলা ক্রিকেলাবার ক্রিকে এক বার্যানাবার ক্রিকে এক বার্যানাবার করেলা এক বার্যানাবার বার্যানাবার ক্রিকে এক বার্যানাবার এই বার্যানাবার বার্যান

বার্ল রাখনে হা হা করে হুটে আসবে।
সাক্তরাং অবিনাশ করে ভিতর উটের রাজ
অনুষটি ছুলে পারচারি করার সময় বিনাদকাব্যক সংক্তে কি সব বলে গিতেই তিনি
বের হরে গেলেন। প্রার একশত মুখ এখন
দরকার জনগায় কিছু কিছু মানুহ
সামতার মাঠের অধ্যক্তরে উকি গিরে আছে।

সাহস সভাবের জন্য এর সাকে বাজে বাজি দিজিল—আমাদের মানী জানতে হবে। বাজ ওয়া বাজের রত থাবা উদ্ভিব্নে বাসে আছে, অবিনান অথবা সভীল বের হলে আছে লাগিবে পড়বে। তথন বিন্যোগবাধ্ স্বর রাসভার হটিছিল—হতে আবেবনাক উই আর রংফ্লি ভানফাইন্ড। কে রাস্ভার নেত্রে



ann a

CHORIO SIKI

क्रिकार अक्रमात अस्तात इस अक्रमात अक्रमात

कारणां कारणाः कारणः, व व्यवस्थानसम्बद्धाः वाद्याः स्थानः सूत्रः स्थानः स्थानः स्थानः स्थितः स्थानस्य अस्तरः तुत्रः का अञ्चलका आर्थाः क्ष्यः व्यवस्थाः कारणां कारणां स्थानसम्बद्धाः स्थानं स्थानं स्थानं स्थानस्य आर्थाः अस अस्तरः कारणाः अस्तराः स्थानः स्थानः स्थानस्य स्थानस्य स्थानसम्बद्धाः सूत्र स्थानसम्बद्धाः स्थानसम्यानसम्बद्धाः स्थानसम्बद्धाः स SPECIAL

شر سدو

and Carly lift. Many later den mendend den dansen Mei.

्रथाताष्ट्र गया क्षणा हुई क्रमाणीय शांठ प्रत्य धर्मा आता । विकास अवस्थी क्या

আহে ! FIG AN HAM SEAT THE STREET क्या-अन्यत्ववीय कि क्यांना क्राव्यक क्या हाइत्ह । भावी भाउता व्यक्ति । क्रिक शह गणि शास मा। अस्ता क्यामीक रूप প্ৰদুদ্দ হয়েছে। সতীৰ ধাৰণাৰ কথা বোৰ श्र कामकारव ग्रानरक शामिका ना। टन বাবলৈকে দেখছে। বাবলৈ ভাক থেকে কিসর कार्टित भाग करण रक्टरभा गावारकः। াবার ভয়। পাদার সামনে খ্র জোরে সে মকও দিতে পারছে না। দাদা আহত হতে গ্রেন। সে থ্র নরম গলায় বলল, বাব্ গ্ৰিনীচে নেমে এস। পড়ে বাবে। পড়ে গলে হাত পা ভাওবে। বাবলে কথা নেছে না। জাঠামশাইকে দেখে ওর বজার সাহস বেড়ে গেছে। রাগে সভীশের थार रङ উঠে আসছে। তথন দাদা स्मालन. কলে ভোমার **আশার আছে। যদি ভূমি** ত না হাও তবে এ পার্রাটও হাত ছাড়া छ बादव !

সতীশের দা হাত **তলে চীংকার করতে** চাহল আমাকে তোমরা কি ভাব! আমি চুরি করব! আমাকে তোমরা চুরি করতে নছ। আমার কি **আর! আমি কোথা** ্ৰু এড টকা পাব। **সভীশ অথচ ক্ষেত্ৰে** स भ्रास्थ कवाव भिरुष्ठ भावन ना। तम নাপা নীচু করে ব**সে থাকল। এবং ধীরে** ^{ধানে বলপ}, দেখি কি করতে পারি। দাদা াল গেলে হতাশ মূথে **যরে চাকল সতীল।** রে চাখ হবে টানছে। ক্লাণ্ডকর জীবন এবং সারাণিনের **খণ্ড খণ্ড হঠকারী ঘটনা** এক কিছাতেই **স্থির থাকতে দিকেছ না।** বাব্লের উপর রাগটা কিছুতেই মরছে না। ^{বাত্}লের কাছে সতীল **ব্রিধ ধরা পড়ে** ^(গ্রেছ) কাপ্রে,বের মত **চোখ বার, বার** মাথা উচ্ নর—সে মে**লা থেকে কি করে** वकात है। भिक्तिताता स्म क्रिका कर्ताहरू ভেডরের রাগটা দ**মন করতে। ভেডরের রাগ** ^{সমন} হলে বাব**্লকে পড়তে বলবে। কিন্তু** দরে চ্কতেই স্রমা সতীশকে অভিবোগ ^{করল}, তুমি বারণ করে গেছিলে ছেলে-নিয়েকে বাইরে বের হতে। দেখবে কোন-िम्स खता **करण पूरव मरत शाकरव।भर्**न्द्रत ^{কেনে} ফাকে বের হয়ে গেছে।

সঙীশ এবার দ্ব-হান্ত **উপরে ভূলে হ**টে গোল। বেন সে মেরে ফেলবে বাব্লকে। त रमम, राज्यम जूबि बाहेरत जिलाहिरम, ^{প্রের} গিরেছিলে। সতীশের এক ভর নিরম্ভর এক ভর। বাবা আৰু ভাকে মারবে बद्ध वायन ^{বরোচ্}ধার চ**লে গেল। সভীল বারান্দার** शास वादम् चरत्। चत्र वात्रान्मा, ग्रहे ^{দর্জা} দিরে সামানা এক বাব্ল সভীপকে

साम कार मानाकात काविता भागता । नाना कान अक रेग्डा हता त्यारहः त्य बद्धीहरू जान वर्गाष्ट्रक, तानाः जात सन मा । , रणामान भारत गर्फोड नागा प्राप्ति कात नाव ना। ८५ शांधे शांधे कदा कोतीब्रु । अञ्चीन हरिकाद कडींकन, बादक कृषि क्रिकेट्स मा। बादक **७७ वर्गाहर, फ्रींस सामारक म्बद्धा मा वाबा** আমি আর বাব না। কিন্তু হার কৈ কাকে রক্ষা করে সভীশ ছটতে ছটতে সভি অমান্য হয়ে গেল অথবা এক দৈতা সে বাব্যলের চুলে হরে ফেলল, ভারপর দ-হাতে উপরে ভূপে, দোলাতে থাকল আর নিৰ্মান আৰু তে আৰাতে ওকে কজাৱিত करन। म्या स्टा धर्म धरत रक्नन छूमि কি পদ্ধ হয়ে লেছ, ভূমি কি ছেলেটাকে ट्रेमरत्र रममद्वे ?

মিণ্ট্ৰ তখন খাটের নীচে চলে খেছে। কারণ বাব্যলের হরে গেলেই বাবার মিণ্টার কথা মনে পড়তে পারে।

খেতে বলে সভীল বলল, ওদের দিলে না ?

—তেমাৰ দেৱী সেংৰ ভসেৰ খাইয় मिर्काष्ट्र ।

সভীৰ খালায় বড় পাঠি মহ ক্লাক रपरंच बनाम, बाह्य। एक बाह्य मिथा। कार्यक সভীশের মাছ সংভাবে দু দিন একজি ভিম এবং মুবিবারে খাংস। বাব্যক্তর माक ना करन क्षेत्र मा। किन्द्र मधीकरक বালেট রকা করতে সংভাহে ভিন ভিন নির মিষ থেতেই হয়। নিরামিক খানায় কথা। বড় প'্ৰটি মাছ দেৱে সভীল ভাল্ডৰ यत्न रमन।

স্বেমা বলল তোমার ছেলের স্কাক্ত পরের থেকে দারোয়ানদের কেউ বোষ হয় মাছ ধর্রছিল। ওকে তিনটে মাছ দিরেছে।

— GCक मिरहर्ष्ट, ना. छ राज्य करनरह । - त्य आबि कानि ना। श**ष्ट**ीमता वनन. একটা বাবা খবে। একটা আমি খাব।

সতীশের গলায় মনে হল ভাত আটকে বাছে। সূরমা মাছ প্রসংগা **এত বলছিল** যে সভীশের গলায় ভাত আটকে যাতে। कारना! मात्रमा वस वस काल करत बनाना वर्फ मोहणे वावा थारव। साह्ना! महत्रा



সেপ্টেম্বরের শেষে প্রকাশিত হচ্ছে

६ ि উপन्যान

रेनवकानन महत्वाभावात महत्वावकृतात त्वाव नवदान वनह आनाभूनी हारी नहनीय भावहूंबी ७ मञ्लामस्क्र स्थित

সাগরময় যোগ পরিমল গোল্থামী প্রাণডোব বটক মণীল্য রায় সংশীল রার নডুন স্বাদের $6 \times 0 = 56$ চি গলপ

প্রেমেন্দ্র বিদ্র বনকাল নারায়ার পাপালো জ্যোতিরিন্দ্র নম্পী নরেন্দ্র বিদ্র ক্যাপর কৌব্রী বিষয়ৰ কর আশ্তেজৰ মুখোপাধান বরেন গাংগ্রেণী প্রবেধবন্ধ্ অধিকারী গেডিম প্রে त्थाभाग नामण्ड त्ववहरू महत्वाभावात महिल्ला बहुत्वाभावात

জীবনের দূ**র্বল মুহ্রেড** ৫ জনপ্রিয় নায়ক। অভ্যন্ত **লম্জাকর মহের্ডে ৫ শ্রেন্ঠ** নায়িকা। অসহ্য **কর্ব ম্হেডে** ৫ সম্গতি-শিল্পী। প্রেম্কার ছাড়া ও পরিচালকের মৌরব্ময় মৃহ্ত । **অসহায় মহেতে** ভারতের ৫ জন খেলোরাড়।

भ,र,ज ગહ્ય ડે

[कूनाम मृत्यानायप्रम] मम्लापक-माखन, गाम

রসরচনা / কার্টুন / অজন্র সিনেমার ছবি ৪০০ পাডার বই দাম মাত ৩॥•

अरक-ऐता रवाभारवाम करान। **१/५मि, कामफिल्म रवाच रता**छ, कविन-७०। रकान ७७-२५०३

(সি-৭৪২০)

हर्व बन्दे निएक क्षेत्र देशक

মোশর সেনগুপ্ত



[দাৰ বারো টাকা]

(প্ৰেৰীৰ বিভিন্ন বিয়বের জন্ম ব্যুক্তাণ্ড ছবি দেওৱা জছে)

কেবন প্রাপ্তবয়সকদের জন্য

क्वीन्त्रमाथ बरमहाभाषाय

অশান্ত

মধ্বকর

[পাম সাত টাকা]

জ্ঞানভীর্থ ১, কান স্থান, কলিবাড়া—১২ ক্ষার ভালের বাটি প্রণিত্র দেবার লক্ষর
কর্মন, বিকেলে সারাক্ষণ হুটে প্রদে দেখে
সৈকে নাই বিকাজ বেখেছি ক্ষিনা—না
বেজালে বার্থাড়ে থেরে নিল—এর ভি উল্লেখ
এই নাছের জনা, কোবার রেবেছি কিভাবে
বেবেছি—কি উবলাই ছেলের—বড় মান্তটা
ভব্ন থেডে দিলে থেল না, ভোষার জনা
ভূলে রেখে দিল—বাবা থাবে।

সভীপের কি কেন কন্ট ভিডরে। এবার বৰাপ্ত গলার ভাত আটকে গোল। সে জন শেল চক চক করে। সে ভাতগুলো নিয়ে নাডাচাডা করতে থাকল। কোথার বেন এই একটা वाक WINE ! সতীশের ভীষণ কাঁনা পাছে। कि कह শিশ্র কি তার পরিচর—সারা সংসার জুডে সে বেন কেবল দাপাদাপি করে বেডার। এখন মনে হল সে নিষ্ঠার এবং ভয়ক্তর-ভাবে অসহার। যত অসহার বোধ করছে তত এই সংসারের সব কিছু অপ্রীতিকর সরমার রাণন মুখ, বাবালের এবং দাবদায়ের মত এই 7574 সংসার নিয়ত ওকে ভীত বিহাল করে দিক্ষে। সে ভয়ে থেতে পারল ন**া বাব,লের** প্রতি নিষ্ঠার আচরণে ওর ভিতরে ভিত্রে জলের স্তোতের মত এক কারা এল। সে অবেগে কেমন অস্থির হরে উঠল এবং বেশানে বাব্ৰ কাহতে কাহতে ছামিয়ে পড়েছ তার পালে গিরে দক্ষিল। ওকে ব্যকে তুলে বেমন অন্যদ্ন নিজের বিছানার ब.दक निर्म ***** म, शहर क्रेम्बद्वव **6175** CENA--OVE 77.3 সংস্থানের মূৰ C23(E গিরে মনে হল, পিঠে বড় বড় দালু ফালে 79175 অধ্যান হজিল: সতীশ সেই মানুবের মত, হার এক মান্ত্র—জীতদাস-প্রার মান্ত্র। স্তীল পাগলের মত ওর পিঠে মাথে ভালবাস্থে হাত ছড়িরে দিতেই চাপ চাপ রভ। সে ভার দুই নরকপ্রায় হাত নিরে **হুটে গেল**, দ্যাবো স্বেমা অমি কি করেছি। ক্ষত স্থানে হাত পড়তেই বাব্ৰ ককিলে উঠল। এক অমান্ত্ৰ, ভিতরে এক অমান্য কেবল খেলা করে বেড়ার। সতীশ দ্-হাত স্রুমার মুখের नामरान धरत हीश्काब करत छेठेन, व्यामि कि क्दर्बाष्ट्र माद्या।

ভারপর বাব্দের পাশে বলে আছত স্থানগ্রেলাভে নরম নরম চাপ দিলে দেখতে পেল টেবিলে নীল আলো জালছে। রাভ জানে গভীর হরে আলছে। কোথাও আর বেন রাভের কটি পতেপা ভাকছে না। ধরণী শাশত এবং স্থির। সে দেখতে পেল তথন নীল আলোর ভিতর পুই ছবি। রার রাবণের ছবি। রাক্রের মাথার রাভার টুর্নিপ্রাবণের মাথার কাক। নীচে বাব্রে ভাল

मार्थ करें कर्मा व महानित्र । मार्थ करा चात्रक मध्येत बरत चानदा। नहीत्म अवाम आवारिएकार बढेना धक ग्रंड करत बरत बरक मान्यत् । टक्कमाबीय बकेरा स्वापं रह बरन बरत क्यां क्रांतरह। मरनारत कि त चार कि ता समाय व मान ता किसी निवर्त कराएक शतिन मा। एकका एक्स वाहेरत बान्दरमञ् <u>दिलागार्थ</u>ीले त्वात्रकात गर्क बाद्य। क्यांकात्वत्र शांक - धरे खारन करे बात, करे नामा खाएना और जन्यकात । बान्द्रानत दलागाफीरक त्र रकन अथन अभा नतन जारह। तक रे रहे। जकरम श्रेक अक कह बार्फ करन किन श्रेक क्षकान्त द्वारत द्वारत त्वारह। त्व गुरु बर्नाकर्नेणे नित्त बार्छत क्रिक्ट क्रूका क्र दानगाणी श्दा श्राह ।

ভোরে ব্য থেকে উঠলে সে আর জেগাড়ী থাকল না। বাব্দের জন্য রভার
টুলি জিনে জনেতে হবে, স্তরং সহার
ঘরের সব দরজা জানালা বুলে দিল। সে
বে কীন্ডদাস এ সংসারে ভা আর মনে থাকদ
না। সে বাব্দেকে কাঁথে নিম্নে পাতাবাহানের গাছটার পালে দাঁড়িরে ভোরের
স্ব দেখতে লেখতে বললা, সামনের
দিকটাকৈ আমরা প্রে দিক বলি, ভানির
দিকটাকৈ আমরা প্রে দিক বলি, ভানির
দিকটাক এবং বাদিকে—তুমি বত দ্বেই চল
সাও না উত্তর দিক হবে। সভাশ ছেলেক
কাঁবে নিরে ভোরবেলার আভ কি ভেরে
দিকনিপার দেখাতে থাকল।

এস সেন জে পি মার্লিক রেজিস্টেশন অফিসার

৯৮খি পালাচরৰ দে পুটি কলি-১২ কলেজ স্টাট, মহাস্থা গাড়ী রেড জনেন ফোজ: 34-6896 (Resi 34-4045

ৰেজিণ্ট্ৰি বিবাহ অফিস

একজিমা রোগ

সোরাইনিক বৃষ্টিত কণ্ড বস্তুবার বাতরত মূল্যা, ত্রেড-বাগস্থ জারও জনেও কঠিন কঠিন চর্যারোগ-হইচে ব্যক্তিলাডের জন্য ৭২ বংশরের চিকিংসা জেন্দ্রে চিকিংসিড হউন। বার্ড কুউ কুটীর, ১৯ং রার্থ লোব জেন, খার্ট হাওড়া। জোন: ৪৭-২০৫১। লাখাঃ ০৬ রচাভা লাভী রোভ হোরিসম রোভ), কলিভাডা—১। পুরুষী সিনোরার পারে।

ः अपद्दन्न पिह्नी

তালের সংক্রা কামার কোনো বিবাদ নেই। তালের উপর মতামত ? বাত মান্ত্র তাত মতঃ —সম্রাট এবং কবি ইবনটেন বাকে ব্যেপনাশ্ড হত্যা করেছিলেন রভপ্রোহিতকুল। বাহু শহৈ ১০৬২

ज्ञान ग्रीक श्रीत करत जात्माकत कारक अर्थामा श्री क्रिका।

ভেট হোক।

ছান্দ্রাল অগাপ্ট শ্লণ্ডালবার স্বস্তির নিঃখ্যাস ফেলল রাজধানী সিল্লী। শ্লুভবাসন

لعافع

কর কোনো রাদ্রম্ভিত তেড়ে আসছিল বড়ের বেগে, ছাব্বিলে অগ্যাস্ট মঞ্চালবাব্রে মাব্যাব্য থেকে তা ফিলে চলে গেল।

আগের ক্ষিন বেংধ করি ব্রুদ্ধে। হরে বৃশ্বিস্পান দেশবাসী হাত্তই প্রাথনি। কর্মাজন,—হিতাহিতক্সাম ফিরে আসাক।

মানে বোঝা নেমে গোলে যে আনকা সেই আনক্ষ আমি নিক্সীবাসীর চোবেমাটো পড়কাম ছনিবলৈ অগান্ট মকালবারে : ব্যুন্ধ সক্ষার যে তনব্যটো সামজ্ঞমানিহাীন ভ্রাবত পরি-বিধার অভিযুক্তে ছাটো গিরে হারাড়ি গুগরে পড়াত যাক্ষিল ভার প্রভিত্তিকার ভাবিত হার বন্যবোধ হার আস্চিত্তি চিন্তাংগীল মন্বের ৷ সেই মান্য এখন সম্বিত্ত লোগতে স্বভিত্ত ৷

বন হঠাৎ করে জীবনের অসল দিকটা চোগে পড়ে গেল: সর বাধাবিপতি পেরিয়ে উট্টোর উপরে উঠাত কংগ্রেসী অধিনায়করা পারলেন তাহলে শেষ প্রবৃত্ত।

ও তো গেল ২৬লে অগাদেটর ছবি।
চাণ্ডলাকর ২০লে অগাদেট তারিখটাও দিল্লীবাসী আঞ্চীবন মনে রাখানে। সাধারণত
দিল্লী-নগারবাসীর রাজনৈতিক চৈতনা কলকাতাবাসীর শতাংশও কি না সন্দেই। তবে
রাখণিত নির্বাচন ফলাফল ঘোষণার দিন
রঞ্জধানীবাসীর বে উৎসাকা বে উৎকাঠা বে
ব্যামাতা বে শাভাশাভ চেতনা জেগে উঠতে
দেখেছি তা দেখেছিলাম মান্ত আরেকদিন।
বাইশ বছর জাগে শ্বাধীনতার সজাগ সচল
সজীব প্রথম দিনে। বাস্; অতঃপর
ন্দীর্ঘাকালে বাদে ক্ষেব্ন আবার।

সমাজনীতি, রাজনীতি, অধানীতি সবই যেন নিভার করছিল নিবাচন কলাকলের উপর।

কি শ্চী কি নারী সকলের সমান উৎকণ্ঠা সোনন বেংখিখনম। ব্যতিক্রম নকরে পড়েছে। ভা নপণা। এবং ভাতে করে দিনটুর আরে; ফল-মিল।

২০শে অগান্ট সকাল এগারোটা খেকে
রাত্রি এগারোটা গেশেন্ড ঘরের ব ইরে বাইরে
কারীল। কফি হাউদে জনজনাট ভিড়।
রেগটারেশ্টার্যুলার তিলধারনের স্থানাভাব।
কোকাকেলা স্টলগারেলার সমনে কটলা।
করাকারেলা ফালিবলে হাজিরা লিরে চলে
এনেছে। কলেজের ছাইজারীরা পালিবে
এন্সেছে কলেজ ঘেকে। বাবসা বাগিজা ছেড়ে
কেউ কেউ এলেছে। নিতান্ড নিবিবাদী
মন্বও আল রান্তার, কফি হাউসে,
নেশেতারাতে। সমন্ত মনটা ওনের পড়ে
রায়ছে রাদ্যাপতি নিবাচনের মাহামাহা
আগত লেটেন্ট থবর লেনার সিকে। ব্যত্ত
টানসিস্টার।

স্পন্টতই বোঝা বায় কেউ অস্থিরচিন্ত, কেউ ভেতরে ভেতরে শাস্ত।

সভ্তে রাশ্তার চৌম ধার খবরের কাগজ-গালোর আপিসে-আপিসে শ্পট নিউজ-এর সামান আগ্রহী পাঁচমিশেলি জনতার ভিত্তভ্তা সম্পত্ত দিন জ্মাউভাবে কোগে বারেছে তো বারেছেই। পশ্চারমান নরনাবীর क्रमार्थ क्रिका: कि-इटना कि-इटना वि

প্রিক্তিই চারের বাক্ষণা লোইত নমব্য করা রালা ভিড়া সেখারে বিউন্ নিসিপাল ইস্কুলগুলোর মান্টার, বাক্ষনার, অজনা লোক, করি, মুহারি শিক্ষা, ভিস্তি; টাল্যা-অলা বাসের ক্ষড়টার নিসেমার গেটকীপ র । সকলের বুকটা করছে দ্রে-ন্র । কথাবাতার ব্যবহারে প্রকাশ প্রেক্রির আসামান্টা। —কী হবে। কী হবে।

বে সব প্রশৃত এতিন্সের্নো সচরাচর অন্যাদন অনুনা সোদ্ধাৰ স্বাদ্য ফাৰা হলৈ ধ্যকে যে সৰ ব্যক্তপথের জনবিবলতা রাজ-ধানীর উচ্চতর শিখারে বড়সাহেবদের স্মর্থ করার ভাতে আরু পথ ভতি চলচের। বিশেব প্রয়েজন ছাড়া এই তল্লাটের বাসিদেরা কেট-ট বছ একটা কারো ব্যক্তিতে বাওয়া আসা করে না কেউ কাউকে বা চক্ষে দেখতে পারে না, উন্নোসকভার বারা কেউ কারোর ক্রাছে হার মানতে রাজী নয়, বানের প্রভাকের भगरकाञ्च कार्य माहि-এकवि-विमीहे . स्माहेत গাড়ি বসবার ঘরে টেলিভিশন, হাগানে কিংবা ব্যালকমিতে ফালের গাছে, বিছানার ভলার 🔹 অথবা বার্ডাত কোটগুলোর প্রেটে-প্রেটে বুলি একশো ভাকা নোটের মোটা মেটা বাশ্ডিল,-আজ ২০লে অগাস্ট ভারাও স্বার প্রয়োজনে সবার কাছে। সকলেই যাওয়া-আসা করছে পরস্পরের কাছে। সংগ্রহ করছে ত্তর ভর সংবাদ। মিলিয়ে দে**মছে নিজের** চেতনর চিত্র জনাদের মধ্যে। যার মানে এদেরও শরীর রক্ত মাংসের।

এই সমন্তিগত সামগ্রিক **উৎকণ্ঠা দেখতে** দেখতে আসহিলাম কন্ট**েশাসে, দেখলা**ম

रेमलकानम भार्याभाषास्त्रत

বিচিত চরিতের মিছিল

লোকরহস্য



আন্তৰ পাৰ্বালনাস' প্ৰাইতেট লিমিটেড কড'ক

শীঘ্রই প্রকাশিত হচ্ছে

वार्यात कारान्यतमा जा स्वयं वार्यस्थ (पर्ण इ.में नाव कार्य पाल्यक पार कार्यकाल एक गार्थस्थ्यक स्वावसार कार्य कार्य भगाव स्वर्गाल्यक राज्यक्य स्वयं पर्ण वर्षात्रमी अक्वम भयगतीरक पार्थव करत्व विस्थान कृत्यकर, राज्यके व्यव कर्त्याहरू,



দাম ভীষণ কমানো হ'ল ভিন মানের কমো

আপেরকার দাম ০২০, টাকা প্রতিটি এশনকার দাম ১০০, টাকা প্রতিটি আশ্চর্য ভারাল লাইটসহ প্রিবনী-বিখ্যাত সর্বাধ্যানক জ্বাপান মডেল ওরারলভভরের ০ ব্যাপ্ত অল ওরারলভ ট্রানজিন্টর কিন্ন। প্রতি গ্রামে ও শহরে পাঠানো বার।

আজই লিখ্ন বিনাম্ল্য টেরিলিন স্টে পিস All World Agency (EN) Kalyanpura Delhi-6.





बार्किफीश्व वाक विश

(ইংলণ্ডে সমিতিবছ)
হংকং ব্যান্ত গোড়ীৰ অন্তচন সকল
পতাৰিক বহুৱেছ অভিজ্ঞতা
কলিকাতাৰ প্ৰথম অভিজ্ঞতা
কলিকাতাৰ
৮, বেতালী সুভাব হোড, তলিকাভা-১
হানীর পাবাসমূহ :
৬ ৪৩এ, বিষ্যুলা বাই ক্রীট
কলিকাভা-১
১ সংগ্রুল প্রান্ত বাহু অভিজ্ঞান

 ১, বহাছা গাড়ী হোড, কমিকাজা-১
 ৬৫, শেলুপীরর সরণি, কমিকাজা-১৬
 ১৫, গড়িরাহাট রোভ, কমিকাজা-১৯
 পি-৩২৮, রুক 'ভি', বিউ আলিপুর কমিকাজা-৫৬

তেত্তেক আৰু শ্ৰেণিৰ-কা ছাত্ৰণ হাজাৰ ভোটে এখন ভিতৰেন শ্ৰেণাৰী অন্যানসক্ষাৰ বলচেন, ছা শুনেছি ৷

की? कार्यान आफ प्राणी हम मि?'
रहरण रश्रामा मर्गामकी। अने मही अपने
मार्गि स्वरूप केंद्रेन गिक्टरास्था।

পথচারী বলবেন, আমার উরৎ এখন হাসপাতালে কি না, তাই দিল্টা খ্র কট্টা আছে !

'গু:—আছা।' এই বলে মাধার পাগড়িটাকে
ঠিক করে নিয়ে প্রতিক এবার সমুমুখের রডে
তুলে নিলেন। নিরে বাই-বাই করে প্যাডেল
চালিয়ে মধুরা রোডের দিকে চলে গেলেন।
মধ্যে গান।

এমনই সধ অংশব চিত্র। সারা দিনভার দেখলাম। সকলকে বেন এক নভুন চেতনার অধিকার করে রয়েছে।

কেউই আৰু ব্যুত্ত দোকানের শোকেসগলোর দিকে বংকে পড়ছে না। চাট-এর
দোকানের স্মৃত্ব, দই-ভলার ভলৈর সামনে
আৰু তেমন মশগলে খলের দেখছি না।
নিতানৈমিত্তিকতার উধের উঠে বসছে সবাই।
তেবছ অংধরাও আৰু ব্রি অনা মান্য। অর
এই সবেতে একের প্রতি অনের বে
শ্ভেছা তাও লোক দেখানো নর। অদ্শা
একটা স্তোর গ্রাপ্ততে বেন মালা হয়ে
গোধে গেছে দিলির মান্য। সব মান্য।

এমন কি তর্ণীরাও তাদের র্পসক্ষা আরু ভূলে গেছে। গৃহস্থালীর কাল ছেড়ে গৃহিণীরা রোডওর পালে কসে উদ্মৃথ হয়ে ররোছন হার-জিতের থবরে।

পথে কেউ অপেকা করছে কখন বের্বে সাখ্য পত্রিকা। কেউ সমশ্তকণ ছুটোছুটি করছে একে-ওকে-তাকে খবর নিতে। খবর নিতে। কফি হাউসে দম ফাটা ভিড় দেখে সেখানেই কোনোরকম কাছাখোলা অবশ্যার দ্বেক পড়ছে। বেন এমন ভো আর দেখেনি, শোনেনি, ভাবেনি। কিছু বেন ধরাছোঁরার-মধ্যে আসছে।

কফি হাউসে সমসত দিন আছ অবিশ্বাসা ডিড়। কেউ বসে তো কেউ দাঁড়িরে। কেউ এক কাপ কফি সকালে আসামায় খেরেছে আর খেতে সমর পাইনি বিকেশ পর্যুক্ত, তো কেউ পাঁচিল কাপ কাঁক পর পর গিলেছে। টেবিলে টেবিলে ট্রাকিন্টার। কেউ উক্তেম্বরে ছড়ে দিছে সদাপ্রাপ্ত থবর অন্য টেবিলে অপরিচিত কার আছে, কেউ বা মুর্র থেকে চিংকার করে জানতে চাইছে,—কী? লেটেন্ট?

কেউ উঠছে। কেউ বসছে। অচেনা অস্ত্রানা এ ওকে আলিপান করছে। কেউ খবরের কাগজের সাধা অংশে কাপরেন্ট দিরে জিখে লিখে ভোটের ম্লোর ছিলেবনিকের করছে। কেউ কেউ আবার তা মিরে আলোচনা করছে সম্পূর্ণ অপরিচিতের मान्या। देखी और बद्धी त्यांत्रत नारक् प्रयासक स्थानत्त्रक ल्यांते मिकेटका मन्यात्, एका दक्की काम नारक् मानाद्रमध्ये शाकेत्रत विद्याः देखारमञ्जू सन्दर्भ नव प्रमाः वा कुम्मात सह।

त्वीमा काम जानरे हरेक छथा स ৰোনো মন্তামত। সলিভ সংবাদ। তত ভোটে त्व चिटलटक अक्टीन, अक्टीन खासाक বলো। ওদের স্থাপন বৃদ্ধি এবার বাস্তার র পাশ্ভরিত হবে। কেন কেউ স্থানে না তল প্রধানমন্ত্রী ইন্দিরা গান্ধীর মধ্যে ওরা অনুভৱ क्रताह अक नजून जाताना। त्मरे जातानात व्यमास्य करता निक्षमारणात् वृद्धिन्या व्यमास्य করছে নিজেদের ভবিবাং। ইন্দিরাতে ব্রিক্ত ওরা ধরাছেরিরে মধ্যে শেরেছে। মন্তাতের প্ৰচণ্ড অপমান দেখেতে ওবা। সেই অপমান বুৰি অতীতের ইতিহাস হবে। মুখ্নিরের অরাজক শক্তিমন্ততা থেকে এবার আসতে वृत्ति मृहि। अष्टीपन कारतभी स्वार्थर শিকার থেকছে ওরা৷ ব্যথিত মন দ্বন্দ দেখছে। ভারই ক্রি সংকেত ধর্নি আন্ত বাজতে সর্বস্ত।

বিষ্ট জনতার চোখে আগামী দিনের
রঙীন ছবি ভূলে ধরা হরেছে। বেমন তা ভূলে
ধরা হরেছিল আন্ধ থেকে বাইল বছর আগে
১৫ই অগান্ট। জনতা ধরে নিরেছে ডি ডি
গিরির নির্বাচনে দেলের সামীলক অবনাতর
এবার অবসান ঘটবে। ধরে নিরেছে ওদের
ভবিষাং এখন খেকে উজ্জাল হবে। ধরে
নিরেছে, এবার, এই এড বছর পরে,
স্বাধীনভার সভিজারের স্বাদ পাবে। প্রধান
মন্দ্রী ইন্দিরা গান্ধী এবার ওদের ভরকে।
তাই তার জিত খানে জনসংগর জর।

বলিত ওবের মনে না জানি কেনন করে এই ছবিটাই জবে সেক্তে বসেছে। বাস্। আর কোনো দৃশ্ভিশ্তা নর। বে করে হেকে ইলিরাজীর হোক জর। তাহলে বতম হবে কালোবাজারিদের সর্বপ্রাসী ট্রংগাত। বতম হবে ব্যুরার্কারর জ্বালার। বুতবে রাজ্যের স্বশ্বালারিকের প্রভাগের স্বশ্বালারকের প্রভাগের স্বশ্বালারকের প্রভাগের সক্ষালারকের প্রভাগের সক্ষালারক জনতার সক্ষালারক প্রভাগির জনতার সক্ষালারক প্রভাগির করেছেন দেশবাসীর চিত্তে এই প্রবালারন। ব্যুক্ত সান্ত্রকেও উনি জাগাতে সক্ষালারক। ব্যুক্ত সান্ত্রকেও উনি জাগাতে সক্ষালারক। ব্যুক্ত সান্ত্রকেও উনি জাগাতে সক্ষালারক। বুক্তে সান্ত্রকেও উনি জাগাতে সক্ষালারক। বুক্তের বালারক। বিজ্ঞানারক।

কৃষ্ণি হাউস থেকে বেরিরে হিন্দুকান টাইন্স পরিকা আপিসে বাজিকার। বাবরা আন শুখু কটিলি পরা রাজন্মনী বিনমন্ত্র একটি ব্রক্তী এগিরে এসে আবার উক্তরেল মুখে শুখুলো, সাহর আভ কৌন জিত রহা হারি?'

चामात्र भारमञ्ज महरतेषे स्टावेष स्माक्षे

COUNTY OF THE PARTY OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY. -

THE OF PERSONS ASSESSED. 400 TOR TOR THE THE WORLD ব্যাক্তে আপিস পালিকে ক্ষেত্ৰত পালিকে DESCRIPTION OF THE PARTY PROPERTY. हरती देशहरू नान्या नावस्था में वस्त्रकत काणाकांक। नात्क दलदन, नां, क व अकाम श्रद्धारमा जारवात । स्वर्धेन द्रम बद्धे । ार्वे अन्ते निर्वेश-धाः संस्ति सस्तिम्दर ब्रुवा कि गृत्य कि गावी। काल काल हत कात राष्ट्रह एका राष्ट्रहे जात्मात कार्य जनाशान्छ सिर्वाचन । जरवाने । अवनदे त्थाक कि कि विशिव्यक दशकान दकारण क्षीय स्त्रीक क्रीशस्त्र बास्क्रम स्वयमि মুখ্যে নিশ্তৰভা। সোনালী রঙের সিক্তের াডি পরা ফর্সা একটি ব্রতী ঠার দাভিরে রেছেন একমুখ খোচাখোটা সাজিখনা টেমভারের মতন দেশতে এক ছোকরার গা-ালা পালে। টিফিন-কেরিয়ার হাতে ভতা গাছের একটি বালক বাজিল বাকি কিছ কনেকেটে নিরে সেও সাজিরে সভল ভিডের ্রেশ। দাভিয়ে পড়ে প্রদা করল, গিরিকী एंड तहा हात्त,—मा?' क्षेत्र **अस्मब अयाय** বোর আগেই আলোর অকর ক্রডে ক্রডে ব্যুতে লেগেছে,—ভি ভি গিন্নি ভিত্তেন। মনি আকাশভরা **উন্নাস। কে বে কাকে** गोमभाद्य क्षीज्यत बताक कामारक राज ঠতে পারছি না।

পরের দিন বিভলা কোম্পানীর ছিল্পেকান ইম্স পাঁচকা যন্ত বন্ধ আৰুৱে যে ক্লা तालम : "देवें बहास है जिल क जिलका न চাট"-এমন জান্তত জনতা সভি দেখিন। লিবর কোম্পানীর টাইছার অব ইণ্ডিকা गथ्यम : 'गितित मिर्वाहरम निकाय जनीम (Helet I.

क्षा वा निषद्भाग स्मृति निष्क अकृति था। धरे एरथान स्थायां करकारना स्थारमञ है। कारक कारकहे जाबाद क्र:कादक जारश াগে বিকেতের মানচেন্টার গাড়িস্কান পরিকা व्यवनानीटक कानिएस निरम्राह्म, ज्याबीम লভার মামে হংকর, মতাম্ভ ব্যাপারটা ,कड। किन्दु छथा द्राला निहत भूतिह।'-टान्डे हेक क्ष्मी काले कालिस काल टमकदलक । व क्या साथ करेंच्य क्याना क्यानदस्त्रम मा, জ ও'রা নিভাগত আল্লালালার ব্হাবাসী रिनम, यथन बामव अकालाब बाह्र क्रेनाकन पन कर जाकर कथा समारक निवास किनारी वार्ड कार कार है बमार्डम शान शानरप्रविद्यान ^{अत्वत}, दारका किमि म्हलक्रिकान, अगर जिल्लाम बायरवान, ज्याचि छारणावर्गम

निक वहाताल वार्का वादिहात अर्का कर्णाकेट मात्र विकास करते विकासकार बक्रमात कोड मधान शक्य भागित । उना बनाव, बाबन आमान प्राप्त रिकास क्रम जाएक साथ बास्ता कार्यम ति । आवेर क्रमम प्राप्त देशिकारण আৰু কোন ভাৰতীয় ভাষায় লেখা হয়ন। অষংখ্য আলোকচিত, সালচিত **७ गामानी कावरमंत्र गर्नकाताहर्गमंत्री** मह ।

ৰকীন্দ্ৰ পাৰ্যক্ষৰপ্ৰাণ্ড লেখক নাৱাৰণ সান্যালের নতন উপন্যাস

मीनक क्रोद्रवीत

किना ४.

यश्यक ६.

नाव प्रदेशियागारम

निः तक भगाष्टिक ४, मृद्रित व्याकाम ०,

क्रिंक कि स्मारमा

ज्यालन आफ॰क ६८ न्रह्मा कुरहनी ६८

खासव नगरी द किरमन उम्राज १ श्रीवनावायम् हृद्यीभागादेवव क्षीबाकञ्चलक वर्गान

ফাঁসির আসামী ৪১ সতা অসতা ৫.

BIEIN MICHIGANICAN

উত্তরাংশ ৯, উত্তরক ৬, জীবনরক ৬.

जामान्द्रमा समान ब्रवालय क्रोब्ट्सीस

करन्ववन ६, मारे नाशिका ६, त्रमनी ८, त्रसामनी ८, नीमाञ्चना ७, माग्रुका ७,

রতনকুষার ঘোষের পরেস্কৃত নাটক

লি'ডি ৩:০০'ম ফেরা ২:৫০ ম অম্*ত*সা প্রাঃ ২:৫০ ম সমন্ত্র সম্বাচন/পাপ পূর্বা (একাংক নাটক) ৩:০০ क्षेत्रक विद्वार अकारक मानेक ॥ जात्मा (मारे/क रेन्वर ७-०० **ক্ষান্ত ভট্টাচাৰেতি। আমা**য় বচিতে দাও/সংবাদ বিভাট ৩-০০ भाष बरम्माभाषाध्यस ॥ व्यक्तिम ०, ॥ त्यांत नात ॥ तिन्ति ०, विकास क्षेत्रहाटस से एक्टी शक्त ०.००

क्योंच क्रोडेस्ट्रवी : ३८/२, नामाहबन दन मोर्स क्रिकाका-३२ : : ७४-४४४

शिविण बह्मावनी

ন্ত্রালাল ক্রিক্টেশ্র বেংসের সমস্ত জন্য-নাটক, উপন্যান, লগপ, কহিছা, পান, শহরীবাশি, প্রথম, বিভিন্ন শরণীয়ক ব্যক্ত আইছছ বাংলা সম্ভব স্মান্তই আহলা সংস্তা করে চার গণেও প্রকাশ করছি। প্রতি বংশত বে-সব হচনা সালিখিন্ট বলে, ভাল ভালিকা বেওল হল। क्रमा क्रमा मानावाम करताहन के प्रशीमानाथ हात व का रायीनान करेकार्य अनर कर बारण मारायाक्या रागीहनकरमात क्रमायानी क নাহিত্যকীতি আনোচনা মনেকো ওঃ ভট্টানে। জনা কুজন্মিতে বে-নৰ ক্ৰনা সমিধিত হবে ভারা সদসালনা ও সাহিত্যকীতি আনোচনা কালেন ওঃ ভট্টানে। প্ৰথম খণ্ড প্ৰকাশিত হল। বিভীয় ক্ষত প্ৰকাশিত হবে বৰ্তমান ব্যৱস্থান বেংকা নিকে এক क्रींक द्वीं बंच, क्रकींत के प्रकृष' बंच जाना क्रींत 5590 जत्मा मरशहे शकामिक हरन।

अवारनं छेत्रका, विविक्तरमात किन्द्र तकता माठान्छ द्वाराण दिन अपर नरकारण विमा, मानक बद्द बातारन का नरवार करव

বিভিন্ন পথে সমিবিশ্ব করছে।

दीहा शहरकी चन्छम् कि भावता मन्मरक महीनीक्छ दर्छ हान, करिन्द मान-विकास कामारन करिएम शावरक कमारतार करीह ! পর পর প্রস্তানি ক্রাই প্রকাশিত হবে, আর্ম্বর প্রকাশে ভাবের সে বিষয়ে অবগত করব। এ ছাড়াও বিভিন্ন পর্শতিকার প্রকাশন त्यानक विकारिंग्स हृद्य ।

র্মানে বালাবিকার ক্রম প্রথম ক্রমের ক্রমে করি টাকার কম মার্শ করা সম্ভব হল জা। আন ক্রমেরিকও আন পাতিক

श्राक्त वार्व कहा हरत।

चाला कांत्र, जितिकारणास्य तक्षात्र कांका शकानात्मत्र जामात्मत्र अ शतको शतकनामात्रत्मस्य मामास्य कांक कांका

প্রথম খণ্ডে সলিবিন্ট রচনা

सार्वेक : 51 जकानत्वस्य २1 त्याण-मीला छ। मीछार काराम 81 मीछारास ६। त्या नव्याच्छी ६। त्यांबर-संबात १। १८वी-नावकः व जन्मकान्य प्रशासिकः ५०। कारण करियती ५५। शिल्मा-दिकाण ५२। सिश्चाहे स्वाप्ति ५०। वस्ता ५८। वस्ता ५८। वस्त इन्द्रोतिक ता रहेत बाल्साहे ५६। व्यालापित वा व्यान्वर्या अशीभ ५७। क्षेत्रीय भिष्ठ ५०। भारता-असून वा भारितासः ५४। भारतन श्लीबर ३५। जिल्लाकरम्पीला २०। रशिकान २५। शास्त्रजा-का-छासना

भागास्त्रका : ३। रशीवाधिक मार्टेक २। मर्टेव चार्रवमम ०। प्रशासित ८। बस्तिम प्रशासित ६। मार्टे-प्रशिक्त ७। मार्टेकार

१। कारा ६ र म

ছিত্ৰীয় খণ্ডে সমিবিক্ট ৰচনা

बाह्रिक : ১। कालामनी २। क्यांच्या ०। जीकाव विश्वास ८। इस विश्वास ८। मिल्टइन ७। हाक्यांच्या २। व्यक्तिम २। द्वाक्यां व्य (माहित्त्र) ৯। क्यांच्यांच्यांचे ५०। टेल्टनावांचा ५५। द्वादाय हित्र ५२। मीर कालाव ५०। टार्क्ट ५८। प्रदासा ५८। एकमात ५७। माहाक्या ५०। बाङ्का मुख्या ५४। व्यक्ति ५५। कालाव ५०। व्यक्ति १५। ज्वाच्या २२। शीवात करण

উপন্যান : ১। बालाबाद राहिला २। जीना

शान्त्र : २। शाना २। कारून नावन ०। नान्त्राम ८। कार्य के ७। क्रांक्स विद्या १। महे

क्षक्य : >। कविवन व्यवस्त्रित नवीनकार एमस २। नवीनकार ७। कविवन प्रकारीकारक एमस ८। प्रशास प्रशास ८। व्यक्तिका 🔸 हैरहाक हाकरण वाक्या वा शहरू । अर्जु अर्थ पह व कारण सही सही क्षक्रित्स्ती 🦫 क्षिक्रस्ता अस्तात्स्तात्स ५०। देवकार कविता বড় অভিনেত্র হইডে হয় ১১। অভিনেত্র ও অভিনেতা ১২। বহুর্শী বিবয় ১৩। ন্ডাককা ১৪। সম্পাদক ১৫। ভারত-কর্ষের পথ ১৬। রাজনৈতিক আপোচনা

कविष्ठा: ১। প্রতিধর্নন

ততীয় খণ্ডে সন্নিবিস্ট ৰচনা

मार्थेक : ३१ व्यक्तिमान २१ इ.क्टिम्स ७। नन्परामान ४। शान्य त्या व्यक्तास्थान ६। श्रद्धान्यति ६। स्वापनान्यान ६। श्रद्धानी ४। इ.गमनाखन ३। कामाशिहाक ३०। सम्बद्धालयो ३३। इत्तर्शाङ शिवाको ३२। कानस्वतरहा (इन्छ) ১०। क्षक्रक 58। व्यत्नाक ६६। वामन 56। महनन मण्डम 59। मनिनमाना 5४। शीवक ब्युविकी 55। क्षांमिनी हन्यमाशीना शानाम हुन्यम २०। एकारे भ-छन २५। मण्डमीरङ विमन्दान

छेभगाम : ३। ह्या

क्षांबन्ध : ১। अन्यामादत्रं त्नरभा २। म्बनीति कर्यामाद्रमानव म्यूनक्षी ७। स्वनीति महत्त्वमान कम् ४। म्बनीति किल्लीनान हारोजनसास ७। न्यनीत करबातमाथ शार्टक ७। महोगिकणी संबनात व। न्यनीत कम्हलाक सिंह ४। विद्यानिमी कसी কৰিতা: ১। গাঁতাবলা (প্ৰথম খণ্ড)

চতুর্থ বন্ডে সন্মিৰিন্ট রচনা

मार्डेक: ३१ जरमाका २१ द्वाकानस्य ७१ जीवरर्नाका छ। ब्रह्मत कामान ६। ब्रह्मक छ। म्यून्स्य काम ६१ मनीबार ৮। কিব্রজ্ঞাল ঠাকুর ৯। সংলাম ১০। রালা প্রতাপ ১১। মারাবসাল ১২। ম্যাক্তেক ১০। শাশ্তি ও শাশ্তি ১৪। প্র-লক্ষ্মী ১৫। মহাপ্ৰেলা ১৬। মেহিনী প্ৰতিলা ১৫। শ্ৰেণের জ্বলা ১৮। বড়াবনের বর্ণালপ্ ১৯। ইটাকী গ্ৰুপ : ১১ একখন ২। নতে ০। কম্পনার মাঠ ৪। প্রেলর তত্ত্ব ৫। প্রারণ্ডির ৬। টাকের উবধ বা ধর্মালস ৭। পিতৃ

शावांग्रहे ४। मार्थव बर्ड

প্ৰক্ষা: ১। ঈশ্লাম ২। বহা ০। তাও বটে, তাও বটে গা ৪। ধৰ্মপাশক ও ধহাবাকক ও ধ্বা ৬। পূচৰ প্ৰৱেজন ৭। প্ৰাণ ना मछ। ४। निरुक्त व्यवस्था ३। द्वीतामकृष ७ विरवकामक ३०। बावस्तर ३३। म्बामी विरवकामक वा द्वीदीवामकृष्ट्रायद महिन्ह न्यामी विद्वकानदन्त्रतः अन्यन्त ५२। शतम्बरमदन्त्र निवारम्बर ५०। विद्वकानन्त ७ वन्त्रीत वृतकान ५८। वृत्वहात्त ५८। नान्छ ক্ষা। বিবেশসক্ষেত্র সামার এব। সেন্থান্তর বিভাগন প্রান্তর ক্ষান্তর সামার বিবেশসক্ষেত্র সামারক্ষ সামারক্ষ সিশনের সামার্যী বিবেশসক্ষেত্র সামারক্ষ সামারক্ষ সিশনের সামার্যী २०। किन्दान २५। किन्नात ६ करणाना २२। शहरूका ६०। बीनानाच १८। नाची नाक २६। कर्राना हाई ৰ্ম্বিডা: ২। গীডাবলী (২য় খণ্ড)

ना हि छ। न १ न म

৩২এ আচার প্রফুলচন্দ্র রোড ১৪ কলিকাতা ১



n o n

দ্ধিক াদকৈ গুলেক সিচিয়ক কাছে
দিটোকসটা দুফা কৰে নামিয়ে তেখে
কীপা থাকে কোটা পজালা। এব নামে কি ?
অন্যাক একটা ফলস টেলিয়াম দিয়ে ভেকে

ক্ষেত্ৰতি বললো, মিশ্বে। হ'বে কেন? প্ৰিটে তো ব্যৱার অস্থে হয়েছিল।

—এমন কিছু অস্থ হয়নি, যে জনা অমতে ডেকে পাঠাতে হবে!

 ভানি একা মান্য-প্রশানিন মেসো-মশাই এসে বলকেন-

 মানি এসেই ৰাকি হাতি যোজা করবে হৈলেমশাই বখন এসেছিলেন

সিগাঁড়র ঠিক বকিটার দ্বীপার বাবা বাসমে হল দাঁড়িছে। চাইবাসা যাবার আগো দ্বীপা তার বাবার চেহারা বে-রকম দেখে গৈয়েছিল, এখনও ঠিক সেই রকম। অস্থাখন চিহ্নার নেই। লখ্যা বিশাল প্রোবটি সিগিড়র ওপর দাঁড়িরে আছেন শভা হরে।

বান গণতীর করে বললেন, বদি দেখতিস আনার দার্ন অসম্ধ, তা হলেই ব্রি খণী হতিস?

দীপা বললো, সে কথা হচ্ছে নাঃ কিন্দু ক্ষম চাইবাসায় একটা স্বব্দী কাজে গিয়েছিলাম

-জর্বী কাজতা কি শ্নি?

—ংস্টা আমার প্রাইতেট ব্যাপার! কিন্দু এ রক্ম মিথে। টেলিগ্রাম পাঠিরে শ্রেম্ শ্র্মা

—पूरे हारेवानाम मा क्लाबाम गारतिशिन,

ৰাবার আগে আমাকে বলে গিয়েছিলি ?

দীপা কি ষেন বলতে বাছিল, মেলনি তাড়াতাড়ি তার হাত ধরে টেনে বললো, না, বাবা, ও বাবার জ্ঞানে তেনোকে খালেছিল বলার জন।। ভূমি সেনিন তবানীপানে নির্মেছিলে

—ভার আগের দিন বক্তে পারে নি! নাকি বাক্স বিহানা গাছিরে ভারপর বক্তে হবে? প্রকথ বজার লানে কি? একটা অনুষ্ঠি নেবারও গরকার নেই?

উত্তেজনার দীপরে বাব্যনা জনে জনে করে।
করছে। সে জানে, সে একটা কয়া বলসেই
বাবার সমসত রায় চুপরে বাবে। বাবাও
রোধ হর জানেন সে কথা। তব্ প্রার্পপনে
নিজের বাবিছ প্রতিন্টার চেন্টা করছেন
রাম দেখিরে। দীপা নিজেকে খানিকটা
সামকে নিরে বললো, জামার হঠাৎ বাওয়া
ঠিক হবেছিল।

—গত মাসে ৰে আসাম না কোৰাৰ গোঁল, সেবাৰও কলভিলি ?

মেজনি আবার বললো, বাবা, দীপা তা হলে এখন চনে টান করে তৈরি হয়ে নিক্। প্রক্তো নাটোর মধ্যে বেরুতে হয়ে—

দীপ**্ৰেথাক হলে জিজেস করলো.** কোষায় ?

—টেতার একটা চাক্**রির ইণ্টারভিট আছে আজ**

—ইপ্রিভিউ? **অ্টিম জো কোণাও** প্রথাস্ত করিনি

—সেকেন্ডারি ব্যক্তেরি সূহাস্থান্ত্র বাব্যকে কলেছেন, আজ ওখনে ইন্টারভিট আছে, ছাজন লোক নেকে—হোকে একেবারে

नील अभाम अवाक रम्भ

শক্তিশদ রাজগারের ভ্রমণ উপন্যাস ॥ আট টাকা

	The second secon		
वाज द्वशव वांकी ॥	व्यवस्तम् मान	11	\$≥.00
मर्डकी निकी ॥	अभारतन्त्र मान	n	R-00
जारमदा मंत्रिम 🕴 🐰	অমবেদ্র দাস	u	4.00
সিলভার লক 📗 🙎	স্নীলকুমার ঘোষ	H	A-00
মার্বেল প্যালেল ম	স্নীলকুমার ঘোষ	n	6.00
होदेशिको गार्का	স্নীলকুমার ঘোষ	П	8.40
श्योबरमञ्ज माञ्चिम ३	শক্তিপদ রাজগ্র	H	8.00
वानत्र शरील	मिक्किमम बाजगारा	n	8.00
चारमात पूर्वा १	শংকর সিকদার	11	8.00

প্ৰাধীনতার হাত্বদল

म्नीनक्षात द्याय-अत हाल्काकत तालदेनिङक काश्नी ॥ आहे होका

भागिक शकलानी, C/o. पूर्ण - क्या, 5 करनाव हता, कानकाछा - 5

क्ष्यान्ड निर्देश निर्देश विरक्ष करणाहरू।

दनदे अक नागातः। नावा मिर्ड्स कारमामित मक्ति करमा नि. माता कौबर्तः। এशन मक्ति करमा नि. माता कौबर्तः। এशन मक्ति कर्मात कर्मा अक्रो क्रियानिर्गति वास्त्र कर्मात कर्मा गागन अक्ताराः। इम. । क्रियानि क्रियानिर्मा अक्रो हारस्य क्रियानिर्मा क्रियानि कर्माक्रियानिर्मा अक्रो हारस्य क्रियानिर्मा ববে মাটির ভাড়ে চা খাছিল। একটা ট্রাক্ ছাইভারের কাছ থেকে শন্তেন নিচ্ছিল সারাপ্তা করেন্টের প্রথাটের ধ্বর।

দীপন ভেলবের সংগ্যা বললো, তা হলে অসুখ উসুখ কথা সৰ বাজে ?

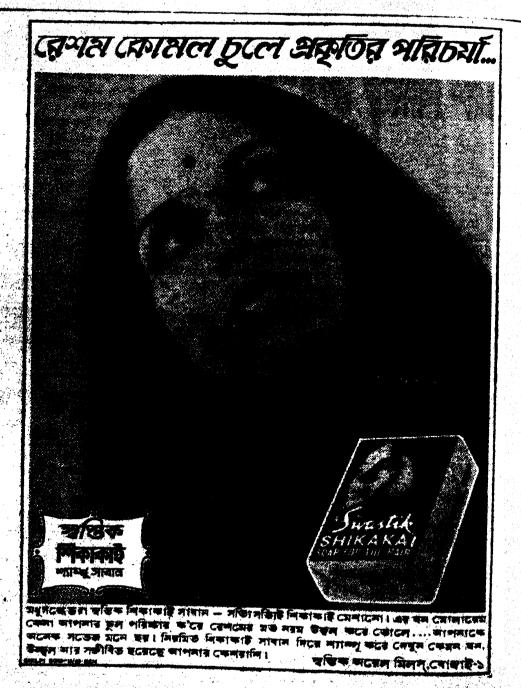
মেজনি শশবাদেত বলে উঠকো, না, না, শোল—

वावात स्टब्स भक्षमा अवनी कारना बाता।

তেতো গলার াললেন, দাখে প্রান দাখ আমি অস্তেম ১:র গোলেই আমার ছেল অুনা হয়

্মেক্তি তথনত বলার চেণ্টা করতে: বেন্ ক্তিন, প্রস্থাদন বাবা বাথবয়েন-

্দীপ্র শ্বনলো না। চেফ জানিরে দিন, আমি ইন্টায়ভিউ ফিন্টারভিউ দিতে বাবো নাঃ



বাবার গলায় আবার তেজ ফিরে এলো, চেচিয়ে বললেন, বাবি না মানে? বাবি না! আমি স্োলকে কবা দিরেছি

্যে-দেশে ' স্বান্ত চাকরি জ্বেটে না, স্থানে এ রক্ষভাবেই চাকরি বোসাড় করতে হর। তুই আমাতে নারে-অন্যান্ত লেথাজিন ?

--হাাঁ।

-- কি বললি?

দ্ব জান সোজাস্থাল তাকিরে আছে
দ্বালনের চোগের বিকো উত্তেজনার এমন
তাপছেন বাবা, বেন মনে হল নিশ্ভির
ওপর থেকে তিনি ব্রিক কাশিরে পড়বেন
দীপ্রে ওপরে। দীপ্র তব্ চোল নরবানা না,
বর দ্বিতিত ভাকিরে, আনেত আনেত
বললো আমার কাকে এটা অন্যার।

ভারপর বাড়িতে একটা ভূম্ব কাত প্র হয়ে গেল। সেকবি এতকণ মধ্যপতা করার চেতা করছিল, এবার সে গায়াসরি চলে গেল বাবার পকে। ক্রেকবি কবিও জালে, ভার ধনকে কোনো কাল ইলে না, কম্ বললো, সমৰ গাঁপা, ভারে বাড় বাড়ু বেক্তের ভারতার! ভূই ভেবেছিল কি?

বাবা ফালেন, বেলিরে আ নাড়ি থেকে। এক্টান বেলিয়ে বা।

मीन् चान्नाम स्थरक वनस्मा, का बरम जामारक हादेवाना स्थरक स्वरक चानस्म स्कार

—বেখান থেকে এলেছিস, সেখানেই বা ভাহতো! ভার কোনোসিন কেন মুখ দেখতে না হয়। বড়টা কেনিছেক সেকে, ছোটটাও ভো সেইদিকে বাবে। বা, নিজের পথ লাবে।

—मा, बारवा मा १ जामि नानात प्रकन जठ कारनामान्य तहें १

—गाँव मा मारम ? कुची शहरूत छटत महना शांत म कारमा ! काक छोड़े क्या रनते, जाशांत मुस्सत क्या क्या

मीन् निवा कार्य कार्यित तरे वा स्वाय निर्देश कार्या अक क्यात रा स्वार्य वाक्ति कुराल निर्देश भारतः छात हार्य जार्य अकार्यो का्न् अक्ट्री अस्ट्रिक क्या राहे बान रा निर्देशित संगद्ध मिक्कु अकार्य स्वार्य रा कार्य कार्य राजारिम बार्य मा। नीन् निर्देशित सरक कार्या राजी स्वार्थ किन्य भारत्य मान्यका । सावात कार्य्य राजाम राजात्व रा राजा हार्य अस्तिका स्वारक क्या कार्यका । আন্ধ নেই দেখেই ভি তার রাগ এত খেড়ে নাজে? দীপুর ইচ্ছে হলো, আর কোনো কথা না বাড়িরে নোজা নিজের খরে গিরে দুরে থাকে। কাল রাত খেকে থকা কম বার নি। কিন্তু ওপার উঠতে পারছে না, বারা বাড়িরে আছেম সিগাড়র ওপার খেডে ছলো বারার পাল বিয়ে খেতে হয়।

নীপ্ৰ ঠাক্তা ভাবে বললো, না, আমি ব্যক্তিটেই থাকৰো।

চেচামেটি চলচলা আরও কিছুকণ।
বীপা আর একটাও কথা না বলে, সিপিড়র
কপর এক পা ভূলে দাভিয়েই রইলো। শেষ
পরাক্ত বাবা সেই প্রেরনো কথাটাই আবার
বলচলন। মেলবির উপ্পোদা বলনেন, পানি,
তোর মেনোকে একটা খবর পাঠান্—বাভি
বিভি করে বিবে কলকাতার পাট ভূলে
দেখো আরি। আরুই খবর পাঠান্ ভারপর
বাবা চিটি কটকটিরে ওপরে উ ঠ সেলেন।

तीन् निर्मात कर धरम ब्राइसस्य व्याप्त व्याप्त स्थाप्त प्राप्त प्राप्त निर्माण निर्माण निर्माण निर्माण स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप

चान्त्रमं, मीन्द्रक्षः, शास्त्राष्ट्रे महत्र अक्टामाः हाएका एक्स्प्रात साहै जाननमात क्षा करें। स्म क्षा क क्षेत्रीक जिल्हा मान्यित मीन्द्र क्ट्राञ्च व्यवस्था चन हताब निर्देश दलाया विदेश देनाकी देना इस সভিটে বালিগমে বাজিল, সভিটে জানীর कार्थ क्रिय-मीग्र, टंडा बाह्य नाम ज्यांन नहीं रजाकरीत रहान रंगचरक लाव न, बरकरणा कि कात त्व त्म जिल्हा कथा कमत्य ? टकारमा शान्त्वहे जना भानत्त्वत्र नृत्व क्रिक क्रिक द्वारक भारत मा! कांत्र वावास कांग्रायक ब्रह्म कंडबानि. छा स्माक्को त्रावर कि করে? অনেক জোক জো মিখো মিখিটি যাবার অস্থ, মারের অস্থ বলে টারিচে क्षिक्ष होते । अक विश्वाद गीन्दक रका बिट्या क्या क्योंबन, ह्यू क्यम ना कानाकर, काम गामाक रका जीकारे वाग्य करत नि! भीना क्षेत्र स्थापकीय कारह बाम बाम क्या हाइटना ।

নামন ইটাছ করিছে। কাল্যে কাল্য কলা করা বলে জনো থাকটেও। নামন থেকী নাই বার কাছে ছাটো বেডে পারে। যক বিনে বাড়ছে। তক্ত ব্যুক্তের লগেন রাক মিলছে। না রকম জাললে, হাওড়া পেটলন যেকেই কিছু থেয়ে আল্ডো। ইপ্টার্ছিউয়ের জন্য টেলিয়ান। ইপ্টার্ছিউ সেবে না ছাই বেবে। বটারিয় ः जक्षांन श्रकाननीत स्थापं वेशनप्रम ः

ত্ৰখ ব্লেন্ত সাংগ্ৰহ সৰাধানক ভাৰ্ড ঐতিহাসিক উপন্যাস

र्विलामान्। विलाम ১०১

রাজনীতি যে কত জনকর, এ উপন্যাস ভার প্রমাণ। এ উপন্যাস নয়, জীবন গলিক

ব্যা প্রকাশিত ঐতিহাসিক উপন্যাস : বৈশাসনের ঃ

রক্তাক্ত গোড় ১০,

श्रकाणिक श्रास्त्र वास्त्रीयक केन्नसान इ.स.च्यासक्टास इ

श्रीनाकी सन १,

र देवनावद्यक्ष र जेन्छिक्।जिक केननाज

प्रदेशका समुद्रको ১०:

CONTRACT OF STREET

श्राप्तकातिका ३०.

MANAGEMENT STATES

ডিভিকা ১০,

व्यवस्थानस्य । सहस्र छेन्नाम

बायावा (वा रेबो (६)

এর পদের : ঐতিহাসিক উপন্যাস

विजिब वाय नववय 85

वीवकार्यः : क्षेत्रिक्शीनक छेनमान

ভাণ্ডীর বন কাদহে

गौबरे शकानिक श्र्व।

वर्णेशाकरमञ्ज । व्यक्तिकारिक सर्मा देशसाम

बाक्यनागिनी

नीको अस्तीनक स्ट्या

म बन्नपूर्वित, १९/००, करणक न्हेंकि वॉन->३

সতিই কী চমৎকার সিগারেট!
কী অপূর্ব স্থাদ আর সোনালীবর্ণের
ভাকিনিরা তামাকের কী অপূর্ব গর:
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
এত প্রির। আপনিও ওকে আপনার
একান্ত প্রিয় করে তুরুন।



গেকেন টোবাাকো কোং, প্রাইডেট লিঃ বোগাই-৫৬ ভারতের এই ধরণের বৃহত্ত্ব

কাৰ গেলে এখন কিন্তু বেংছে পাভয়া বেড। কিন্তু এখন আৰু দেই পাইকপাড়া श्वरंख व्यक्ति देख्य क्यार मा। आर्थ मान আরু সে এই একই যরে থাকতো। জানসার शाम वीयान दिन मास्त्र हरि, हरियाना शासके निरंत शास्त्र । नामा करण बा बताब फिन मीन किंमिका। जात्र मत्न दर्शक्त अल বড় প্ৰিবীতে দলা কোখার বেন হারিছে राज्य। उथन अदन्य मामात्र विस्त्रत कथा দীপুত জানতো না নিজের জিনিসপর গুলা কোনোদিন গ্রাছকে রাখতে জানে নাঃ ত্তলি এমন হারছে কোথাও কোনো विश्व मत्रकादी काटक मामाटक व्यटक करय-গোল কিবা আন্ডারওয়ার কিছাই পাওয়া য়াত না। সারা বাভিতে কি হালম্প্র হাত বাধিরে বসভো দাদা তথন। দাদার কৈত ধৈৰ্যত অনেক বেশী দীপৰে চেয়ে: হবে কি বিভিন্ন ভাষার অপমান করেছিল होतित राष्ट्र करत्र माना 'अकरो कथा ७ वर्ग ি শুধা বলেছিল, আমি এ বড়ি ছেড়ে চলে ব্যক্তি।

এক সময় ব্যাহার পড়ালা নীপা। তার ভিপাছাপ লাকা শরীরটা বিছানার ওপার ফোনার্টা, একটা হাতের ওপার হাত্যানার প্রথানা সামানা কাত করে উপাড় হয়ে ঘ্রাহাতে। সামা বাত টেনার জানালায় হাত্যা লোগ চুলগুলো এলোমেলা জট পাকানো। গাণ্ডের পাকেট থেকে কার্টানায়—প্রকাশিক বা হাত্যানা সামানা মান্টো করা। নাকের নিচে ছাটে উঠেছে করেক বিষদ্ধা মাম্যানা ছাড়ার এই রকম যাম হয়। মান্তের ছাগেটি সামানা জাত্র। কে জানে, ঘ্রাহার ছাগেটি সামানা জাত্র। কে জানে, ঘ্রাহার ঘ্রাহার সে কোনো প্রকাশ বিশ্ব ছামানা কাত্র। কে জানে, ঘ্রাহার ঘ্রাহার সে কোনো প্রকাশ বিশ্ব ছিনানা

সাভে বারোটা অলদাল মেছনি এসে তার বর চ্কেলো। প্রথমে নরে থেকে ভাকলো, এই দীপা, দীপা ওঠা। দীপার সাড়া পাওয়া গেল না। কাছে এসে দীপার পিঠে হাত বিরে অবার ভাকলো, দীপা, ওঠা, ধারি নাই

্ধীপা ভোগ নামেলেই বললো, না পাৰা নাঃ

- -किं? शांव ना रकन?
- थिए स्टि!
- শতা বলে অসমরে এ রকম খ্যেতি? উঠ চান টন করে কিছা খেরে নে, এরপর বিদ আবার খ্যোত হয়
 - -বলাছ তে। খিলে নেই!
- ্তুই আজকাল এ ব্ৰক্ম খিটখিটে হার গৈছিল কেনারে?
- ্মেশ্ববি আমারে জরালিও না এখন। মেশ্বনি আটের উচ্চু নিকটার শরীরের ভর নিরে দাঁড়িয়ে রইবো একট্রুণ। আঁচল

দিরে মুখটা মৃছলো একবার। গণত বোঝা যার, একট, আগে সে কানছিল, ভোগ দুটো এখনও লালচে।

পলা পরিক্টার করে মেজনি আবাব বললা, তুই শুখু শুখু আজ এত রাগারানি করনি। বাবা তো তোর তলোর জন্মী।

—আমার ভালোর খনা কার্তে ভাবতে হবে না।

—ভূই ভাবছিল্ তোকে নিথামিথা টোলগ্রাম পাঠিরে ডেকে আনা হরেছে! ভা কখনো কেউ পাঠায় ? ইণ্টারডিউয়ের কথাটা ভো স্হাসবাব্ কাল বিকেলে বলে গেলেনা প্রশালিন মান রাজ্যিত বাবা ব্যামর খোরে বাধব্যে বেতে গিয়ে অক্সান হরে পড়ে বান

–সামানা একটা আছাড খেলেই বুকি টোলগ্ৰাম পাঠাতে হয়? ওরকম একটা আধটা আছাড় খেলে মানাবের কিছা হর না! —দীপ্ত, ভূই অমন বিভিন্ন ভাবে কথা বলিস না! বাবা আছাড় খেলে অজ্ঞান হননি। এমনিই শ্**ষ**় শ্**ষ্ ক্রান হ**রে পড়ে পিরেছিলেন-ক্রেটকের মতন্ত্র প্রাণ্ড বলাভ পার্যাছলেন না—সেই রাতেই আমি পাশের বাভি থেকে টেলিফোন করে মেসোমশাইকে ভাকিরে এনে ছিলাম। 🖼 न फिरत (भारतहे दादा । दहलीक्टलन, मीभारक একনি টেলিগ্রাম কার দে ফিরে আসবার জনা! আমি একটা বড় বিভিন্ন দৰণন দেখেছি! অমি হৰণ্ ানখনাম---দীপরে একটা সাংঘ**িত্ত বিপদ চরেছে।** সেই থেকে আমার বাকটা আম্থর অম্থির

কর্মছল। একটা ভাক বাংলোর সামনে-

জনা বক্ষ কৌত্তলে দীপ্র ধড়মঙ্গ করে। উঠে বসলো। জিজেন করলো, কোষার? কোধার আমাকে ব্যুগ দেখেছেন বাবা।

—বাবা তো আন সকলেও সেই ক্পাটার কথা বলছিলেন। কি একটা ভাক বাংকো, চার পালে জপাল—সেই মাঠের মধ্যে ভূই পড়ে আহিস্—বাবার ধারণা কেউ তোর মাধার বারছে—এই স্বন্ধ ক্ষেত্র পরই বাধার্মে বেতে গিরে বাবা অস্কান হয়ে বাবা

দীপ্ অকটে ভাবে কললো, হেসাভি।
চাইবাসা থেকে তার আর অর্পের হেসাভি
বাংলোর বাবার কথা ছিল। সেখনে গেলের
কি তার কোনো বিপদ হতো? স্প্রেমন
কাবার কোনো মানে আছে নাকি? কিন্তু
দীপ্ত টেলিয়ামটা পাবার পর একবার
চোখ ব্যক্ত দেখেছিল, হেসাভি বাংলোর
পালে বাবা পারচারি করছেন। বাবা ভাকে
পাহারা দিছিলেন দেখনে? দ্বাপনর রখো?
কি মানে হর এর? দীপ্ বিষয়েভাবে
দেখতে লাগলো বেড কভারের ভিজাইন।

—নে ওঠা। চান করে নে। কণ্ড বেলা। হয়ে লোল, অবি না?

- এक्टे भरत्र।

—मीभू, टाइक क्रको क्या स्तारता, राणीय?

-50?

—বাবা ৰখন খাশী হন, ইণ্টারভিউটা দিরে আর না! এখনো ভাড়াভাড়ি চান করে খেরে নিলে গোঁহতে প্রারস্। চাকরি না হয় না হবে, কিন্তু একবার ভিত্তে দেখাভ কতি কি?

-511

(इम्ब)





Bensons | 2123 Ben

वृक्षित रेख्वा ञलाञ शृष्ट आधूर्तिक्याव जाँग्रा अत प्रय

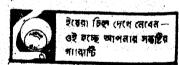
सज्रवुछ ३ हकहरक

ইরেরা পেলাসগুলি আপনার দৈনন্দিন জীবনে সৌন্দর্য্য এনে দেবে। বির্তুত পেলাসগুলি বিচিত্রকমেন হয়ে পাকা নতে ও ডিজাইনে পাওরা হায়। পেলাসের ধার্মজুলি অতি মসুণ এবং প্রতিদিকের ব্যবহারের ছোট্টাপ্রটেও ফাটল ধরে না। দেনা না ক'রে ইরেনা গেলাস, বেছে নিন্ধ—বিঃসন্দেহে স্বায় সেরা।

जनतकरमञ्ज जेनवरकत बढा मानावजरे देशाता कारात जिलित



প্রভাগনক : আনোছিক প্রাস ইপ্রাস্থিত নিমিটেড, ব্যোদা-৩। জ্বতের সর্ববৃহৎ সম্পূর্ণ ধরংচালিত কচকান্নধারা



লীখনেৰ 'আদি-অত্তে'ৰ হিসেধ

twent transition to the 'त्री कातकाँग्रे मानिकिक भरकम tefa হান,র প্রায়র 14 W TO MYS STAR टेडविब करण करमकाँ भएएमा प्रिक्ट करें। उपनेत्र, राज्या अवात र्री उपन अक्ष करब जिस्मय करब जरन समस्या मण्डन লার প্রতিভবিষাতে কোন একটি বিশেষ জীবের জীবনধারা বা প্রকৃতি কেন্দ্র ইতে পারে অথবা সাধার অভীতেই বা ভার চল-हमा एकप्रन फिला करकड़े। ठिकाल रकार्य है গ্রহ। এই মডেলগালির সাহায়ে। জীব-विकासीता आसर भारतस অভীত প্রিণীয়ে কোন কোন প্রাণী বা টেপ্ডিন ক্ষুল এবং কোপায় ীকভাবে ভদ্মলাভ are son , mailen com henten Giren ক্ষর বিবত্তিনর ছায়া কেনে এপেছিল কেন জ্যতা গ্রেম প্রিণ্ডান এম এটাই যদি কিলাৰে এলা স্থানিটাইটোৰ বস্থী আদি প্ৰাংশৰ সমাধান এবার তারি। ব্যক্ত করতে পারবেন। এফা বি নামারক্ত স্থীক্রণের স্থাধন ক্ষাৰ ভাষা বলে সিতে পাৰ্যবান শেষ প্ৰাণ্ড জাৰজন্তত্ত্ব প্ৰিন্তিটা কোম্ম পিনে দত্তিক প্রবি অর্থাং এক কথ্য সংক্রারটি যেনে চন্নকপ্তৰ তেখনি বেশ কিছাটো प्रामधकार संस्कृति

mile de আন্তেশ্যের **कृ**त्साम् 7779 रिकास सर्वा शक्काल श्रास्थ्य व राभारते এইভাবে ব্যাক্ষণত ব্যাক্ষ্য র মনে করান रेक्ट किया है। हि कराय करना विवाध अक्टी মধ্য হৈছি। করতে হাবে। সেক্ষেত্র প্রথাঞ্জি বিদ্যা কি কৰে থাকেন ? প্ৰথমে ভাষা ট্ৰ বিষ্ণাট যদেশ্বে একটি ছোট মডেল ইছবি কৰে নেন। স্থারপর সেই হতেলটির ক্যেকিবিয়া লক্ষ করে মাল মান্তর কাহালাবিত। ভতটা টাৰে হ'তে পাষে অথবা তা পিল কিডাবে কাজ চলাতে হবে তা দিশর করা হয়। मिटे मरण्या कार्यकर्णांका । शाधिरिक विरम्भ বা সমীকরণভা ঐ স্থাকিবলের কোল্টিক সমাধান করে বলা খাবে কত তাপমান্তার যত্তি ভালভাবে কাজ কনতে পরেবে। অপবা দিনে কন্ত ঘণ্টা ঢালা আকলে ভাষ একটি िरामध अश्म मुम्म बङ्गात्व प्राथा क्रम द्रार हो। रेडाएम। ब्रान्स्टिस याम्भारते किंग डाई। একথা ঠিক বিজ্ঞান কণতে গাণিতিক गण्डल क्यान दकान नजुन नश्याम नश्या নিউটনের বল সমান তর এবং ছরণের গুণ-"ফল, আইন্স্টাইনের শাস্তি সমান বস্তর ভার धार आक्रांटक व शिष्ट्य शालां व श्वास्त माञ्च बराहान देवन १ - हिन्द का है हिन कर ही -मान्यतिष्ठिक स्वार्ञात नभीकृतेन अथवा क्रिक्नमारबस नर्माकरण शकृष्टिन अप्रधारकरे



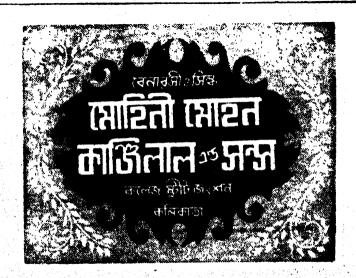
अक धकांते श्रामणकारी आनिटिक सम्हल। अरमक रम्बरम प्रत्म हड रहाहे अकृषि वात्कव एतम्ला या एटमन किছा। किन्छ वी कत-प्रकात प्रशाह निकित आहि मार्कित বার্চা হা দিয়ে ১৯ প্রতিষ্ঠী বা রক্ষাণ্ডের वह कर्मकावगाकडे त्याचान द्वारा भारत। आर्ग्यक्षे इष्ट साहनन महिनीकन वरस्टत সত্যাহা চিক্তিক করার আনক আলেট तिश्वान वा श्वादी शहर मन्यान विस्तानीता পোরেছিলেন শ্ধ্য অংক করেই। বাকে প্রলা হয় গাণিতিক মডেল। রেডিয়াম প্রভাত তেজ্যুত্ব মোলিক পদার্থ বছন আবিস্কৃত ত্যায় ভার অনেক আপেই শ্বা কতক্ষ্যি স্মীকর্ণের সমাধান করে বিজ্ঞানীরা তাদেও क्षांत्रहण अवर ग्रागावनी जम्भटक खटनक उपा प्रश्यक कराइक संबर्ध इसे।

কিন্তু প্রন্ম হল জীবজনাতের ক্ষেত্রের কি তেমন কোন গাণিতিক মডেল তৈবি করা সম্ভব? বছর তিনেক আলে জীইগর পোলোতেইয়ন্ত নামে কনৈক গণিতক্স কতক-গর্নেল বিশেষ অঞ্চলের গাছপালা এবং জীবজন্ত্র ক্ষীবন প্রকৃতির উপর ধারা-বাহিক গবেন্দ্রণা চালান। এদের ক্ষন্ম-মান্ত্রা করেন তিনি। একদল প্রানী করে কন্দ্র প্রানীকে কথ্য ভক্ষণ করে, কেনাই বা বিশেষ বিশেষ প্রানীকে তারা নিজেদের খাদার্গে নির্বাচিত করে, একই গোষ্ঠীর মধ্যে চলেচলনের প্রিবর্তন

প্রভূতি লক্ষ্য করে ব্যাক্তের্ক্টেক্স ক্রক্তক্রিল চিত্র কালিকেল ক্র্যুক্তল্প ক্রক্তি
মাপক স্মাধিকণ তৈবি করেছেন। প্রশাধ কর্বা, এই সম্বিক্তিলেই এক একটি মিশেষ কোন প্রাণী বা উল্ভিদ বংশের মড়েল। এই সম্বীকরণের স্থাবান ক্রনেই ঐ প্রাণী বা উল্ভিদের অভীত, বর্তমান বা ক্রিবাই ভাবন্ধারা সম্প্রেক অন্তর্মন বা ক্রিবাই ভাবন্ধারা সম্প্রেক অন্তর্মন বা ক্রিবাই

reieffa niem at Billiffug wiel-পেটভ নামে আহত দক্তম বিজ্ঞানী দ্বিশেষ ধ্যমের কৃত্রিম পরিবেশ সাল্টি করে কতক-গুলি এক কোবা প্রাণীর কলেব শিক बालावर्ता सका करवन। श्रीधवीद करक क्षान कि वसस्य अधिकारण अणि श्रंड আৰে অত্তীত বৰ্তমান এশং **ভবিষ্ঠতে তার** মাধ্য ফোন্টি পরিবর্তন থাকা সম্ভব কবিষ উপায়ে তা স্থিট কবে পরীকা চালান প্রায়েশ্র আর সেই পরীক্ষার ফল-গলিকেট ৰূপ দেশ্য হয়েছে বিভিন্ন श्रद्धान्त्र प्रदाविकारम् । अ'रमव्यक्त विन्दानः बहे সম[্]ক্রণগ**িল্র স**মাধান বের করে ভবিৰাৎ প্রাণী বা উদ্ভিদ্ন জনাং সম্প্রকে আইন থোকে কিছা বলা হয়ত ভেমন কঠিন वाष्ट्राव हार जा।

একথা ঠিক, পবিদেশের সংশ্ব নিষ্ঠ সংগাতের রথা দিয়েই জ্ঞীবজগতে আনে বিবর্তন। বিশ্বত কিছারে তা বটে, সে সংগারে ভারউইন লাম ক', মেনজেল বেকে গ্রেল্ করে বর্তমানের বহু জ্ঞীব-বিজ্ঞানী নানারকম তত্ব প্রকাশ করলেও ব্যক্ত করে কাটা কিন্তু আত্রও বহুসেরে তিমিবেই থেকে গোছে। এনন কি সনেক ক্ষেত্রত ভারও ব্যবাহিকভার



णिएणिए वड्या-विदता पूर कवाव उत्तर अकपाय जाडाञ्चट्था है मारेटनाकारेत कवा







নিমোক প্রকারের যন্ত্রপার নতুন বাইফোকাইও 'জ্যান্ড্রো' থাবেনঃ গণা-বেদনা নাথায়া - গা-বাগা - লু - এর-ফ্র ভাব - সাঁটে বেদনা - গ্যাবাথা -দাতবাথা ।

মাত্রাঃ প্রোপ্তবয়কঃ ছুইটি টাবলেট। এরোজন হলে আবার আবেন।

লিশুদের জন্যঃএকট টাবেনেট বা আপনার চাতারের নির্দেশক। করুম মাইফোফাইও 'জ্যাস্থো' ব্যথা-ব্রেমনা দুর করার সর্বাধুনিক উপায়।

বতুর মাইক্রোকাইও ভারাস্থেপের তাতাতি ব্যথা-বেদনা দুর করে

নিকোলাস-এর 😵 ভৈরী

ব্যামধ প্রমাণ আবিক্ষার করা সদ্ভব হব
নি। কোন বিশেষ করেণে বিবর্তন জীবলগংকে উমত্তর করে অথবা উমত্তর
কোন অবস্থা থেকে মোড় ছ্রিরের কেন
দুর্বল অবস্থার ফিরিরে দের বা ধ্রুদ করে তারও উত্তর এখনও সহস্র গ্রুদ্ধতে
ভরা। অথচ গবেষণাগারে বসে শুধ্ তব্
খাড়া করে স্থাবেক্ষণ চালিরে তার সঠিক
উত্তর সংগ্রহ করাও সব সময় সম্ভব নহ।

মান্দের কথাই ধরা যাক। মানবদেরের ক্রমবিবর্তনের আদিমাত্ম স্তুটির
বাশেরে এমনও জিজ্ঞাসার সমাণিত ঘটে
নি। বানর বা সিম্পালি, যে ধরনের প্রাণী
ধ্রেকই মানব দেরের উপতর হোক না বেন্
ঠিক কোন সময়ে প্রিপারীর কোন পরিবেশে এবং কি ধর নর পরিবর্তনের মধ্য
বিজ্ঞানীরা থাজেল তাব মধ্যাথ মিতির
নিজ্ঞানীরা থাজে পান নি। এমন কেন
ক্রীবাশ্যও পাওয়া যায় নি, যারা পরার সারত
কলা চলে মান্দেরর জৈবিক পরিবর্তনি
কিতাবে দানা বাধ্যত থাকে। অথচ তার
এই অভাত অধান্যটিকে জন্মতে প্রক্রে
মুক্তিই আমরা জেনে ফেলতে প্রভ্রেম

শাধ্ প্রশীন্য। উল্ভিনের রংশ, পঞ্জী সম্প্রেকি আক্রেকের বিজ্ঞ নীরা কয় আগ্রহী নন। ধান, যব, গম বা জন্তাপ শঙ্গের কথাই ধরনে। এদের বংশগতির ধারাবাহিকতা, বিভিন্ন নৈস্থিক প্রিরেশ কিভাবে এদের সেই ধারাকে প্রভাবিত করে কোন পন্ধতিতে কি ধরনের সংকর ফাল উৎপাদন **কর: স**ম্ভব, এ সলস্ত তথা যদি আগে থেকে জানা সম্ভব হয় ভাইলে সেই-ভাবে কাজ করে প্রয়োজনমত উৎপাদনও আমরা বাড়িয়ে তুলতে পারি। এখন সেটা সম্ভব হবে ঐ এক সমীকরণের সাহাযো। এই সমীকরণই এক একটি গাণিত্র মাডল। আলোক স লিয়েপ্নেভ জানৈক গণিতভা মান 417.4 করেন বত মানে বিভিন্ন প্রাণী এবং উশ্ভিদের উপর পরীক্ষা চালিরে যে সমস্ত গাণিতিক উপাত্ত ব৷ ডিডাকসন সম্কিরণ তৈরি করা হয়েছে বা হবে ভাদের সাহায়ে। স্দ্র ভবিষাতেরও জীব প্রভতি সম্পরে বহ' ाका ः भ,र, उटे जामता कारन स्कनारक भ तर।

ভৌগোলিক প্রিবর্তন এবং ছৈবিক
বিবতন এক সতে গাঁথা প্রয়াকবিজ্ঞানর উত্তরেতের উল্লিক্তর সংগ্র সংগ্র ভবিষয়ে ভূপ্রকৃতি, তার আবহাওয়ামণ্ডল প্রভৃতি সম্পর্কে নতুন তথা বেশ কিত্ আগে থেকে জেনে ফেলা তেমন কোন শক্ত বাপার হবে না। কৃত্রিম উপগ্রন্থ প্রাত্তর সাহাযো অল্পদিনের মধ্যে হয়ত আমরা মৃদ্র ভবিষয়তেরও আবহাওয়া সংসাদ,

মচাজাগতিক বশ্বি প্রভৃতি, তথ্ম প্রিবীর যাকে তাপসঞ্জারণ কিন্তাবে চলতে তার ওপত অনক তথা জেনে নিতে শারৰ। প্রসংগত বলে রাখি জৈবিক বিবস্তনে এদের প্রভাব खाराण्ड (वर्णी। विर्णाय विर्णाय खेल्डिन स প্রাণীয় ওপর ভাদের প্রভাব কবং অন্যামা আরও ফিছু কিছু কারণের কথা স্মরণ নেখে তথন তৈরি করা হবে এক একটি প গিডিক মডেল। তার কোনটি গানেব কেন্টি গমের বা মানুষের প্রভতি। উদা-इत्राप्त्रत्भ यमा हत्म, अक्टे भाष्ट्रत আপোলে প্রতি দশ বছর অণ্ডর গাণগত পার্থকা ধরা পড়েছে। এমন প্রমাণও পাওয়া গোচ এক ধরনের বার্লি গ্রম এবং গত-গালিত পদা করেক সার্য পর পরই গোদের অনেক মোলিক গণে হারিয়ে ফেলে। এমের ক্ষেক পরেয়ের পর্যায়ক্ত নিক বিবর্তন লক্ষ্য করে ভার গাণিতিক রূপ _{সম্প্রমা} তেখন কোন জাটল সমস্যা নাম। লান সেই সমঙ্গ সমীকরণ থেকে এটাও ক্ষা সম্ভব পাঁচ বছরে যদি তাদের এই হল হয়, পাঁচ শ বছার কি দশায় গিয়ে গ্রিটে পারে। লিয়েপ্রিস্থ মনে করেন, .a.चे प्रभावत वार्षकोत्रक भएकरकात । अ.च.एस আছব। আনোদের প্রয়োজনীয় পদা বা টাল্ডাদের উৎপাদন অন্তন্ত ৰাতিয়ে কৈতে 9/33/1

কিশ্ত এখানেই শেষ নর। বিশেষজ্ঞ-দের বক্তবা, মানাধের মনিতদেকর কার্যধারা সম্পর্কেন্ড আনেক কিছা জানা যেতে পারে. এই সম্পত মডেকের সমাধান বের করে: এবর শুধ্ আক কমেই বলে দেওয়া মাবে তার বত'মান এবং ভবিষ্ণাৎ স্নায়াতন্তের ভটিল কার্যধার।। আন্তকের পর্যিবর্গতে মান্য নিজেই তার কাছে যত বড় সমস্য ভার চেরে বড় সমস্যা হয়ত আরু কিছু নেই। অর্থনৈতিক, সামাজিক, পারি-প্রিক'ক, এমন নানা ধরনের চাপে মানাবের চিন্তাধারা তথা মননের মধ্যে আজ প্রতি দিন হাজার লক্ষ ধরনের বিবর্তন চলছে। এই মানসিক বিবস্তানের সংক্ষে তার কার্য-প্রণালী এবং বাইরের সম্পর্ক যে কত নিকটের আজকের দিনে সে কথা সরুলেরই জালা। মনের **সং**শা আসে দেহের পরি-বর্তন। তারপর পরে,ষান**্রমে** তারই ভিনতর রূপ পরিগ্রহ।দেহে এবং মনে। অবশেষে কার্যেও, এটাই বিবর্তনের স্বীকৃত ধরাবাহিকতা। বিজ্ঞানীদের চেন্টা একটি মার গাণিতিক স্তু—একটি ডিফারেন-সিরেল ইক্ররেশনের মধ্যে তাকে ধরে রাখা। বেন আরব্য-উপন্যাসের 'আছিক আয়না'। তার দিকে চাইলেই সমস্ত ভূত-ভবিবাৎ रिया सारत। बाल रिका बारा के कीव काशार हिन, क्यान करत वान। वा सीव আরও, আরও হাজার বছর পর কেমনভর. হরে। শুধু সমীকরণ্টির মধ্যেথ সমাধান

করতে পারলেই হল। আর তাহলে হরত বহু তানশ্চরতার হাত থেকে নিজেনের আমরা রক্ষা করতে পারব।

মানাবের ভারদাকানানে কারার অভীত वाया कविकार हुन निर्मा के असरमात है कि ম রাটা হয়ত 'এছিকস'এ বাধবে। কিন্ত 'हेंग कि भौ। भंभ अन अक्शिमहोग्न कि मात-ভাইবেল ভাব দি ফিটেস্ট'-এর কান্ডেন সেটা हाकारक रहाका रकान करेंड हरक हारा ना। কিছুদিন অপেকা কর্ন। দেখবেন ঐ সমুহত সম্বীকরণের একটি সংকলন হয়ত চন্দ্ৰা দত্তে বাজাৰে বিভিন্ন চাকে। ভাগন কৰক তার ভবিষাং বংশধররা কি ধরনের শসা श्रात द्व'ति श्राकरवन क्वान क्वाना বর্তমানের গরা অথবা ছাগল এক হাজার বছৰ পৰ কেমন দেখতে হ'বে কটো দাই দেবে অথবা আদৌ দেবে কিনা এমন অনেক তথাই আমবা জেনে ফেলব। তেমন কদলী গাণতক্তের হাতে পড়লে আপনি নিজেও ২য়ত একটি ডিফারেনসিয়েল ইকারেশন' বলে যেতে পারেন। ভার ভার সাহাযে। মাহাত্তীর মধ্যে জ্ঞান। হয়ে যাবে ভাপনার ভারসার বংশধরদের উল্লাভ এবং অধ্য-প্রতের হাষ্ড্রীয় সংবাদ। জীবন রহসোর কালগোল তথন সাধা!

সমর্বজিং কর

বিজ্ঞান-গ্ৰন্থ

বারেনন ইন ইনভিয়াল ফিউচর ই বিকাশ পাবলিকেশনস, ও দরিয়াগঞ্জ, আনসারি রোড, দিল্লি-৬। দাম ১৫ টাক। স্বাধনিতা লাভের দবীর বাইশ বছর পর এখনও পর্যান্ড ভারতের বৈজ্ঞানিক অগ্র-গতি সম্পর্কে তেশির ভাগ মান্ত্রই অজ্ঞ রয়ে গেছে। অথচ এরই মধ্যে দেশে বেশ কিছ্ সংখক গবেষণাপার, প্রশিক্ষণ কেন্দ্র এবং বৈজ্ঞানিক প্রতিষ্টান স্থাপিত হয়েছে। প্রত্ব বাধানিক্য সত্ত্বেও স্কাতীর স্বাধ্বে ভারের ভ্যাকার কথা, সেই স্থেগ ভারের সাধ্বজ্ঞান খবর আমরা খ্যুব ক্যাই রাখি। এই অজ্ঞভাই আমাদের বিজ্ঞান প্রতিষ্ঠান-গুলির ওপর সাধারণ মান্ত্রের অনাস্থার একটি বড় কারণ।

আশোচা গ্রন্থটি এই চুটি অপনাদনের
একটি বিশিষ্ট পদক্ষেপ। বিভিন্ন বিষয়ের
উপর মোট আঠারেটি প্রবন্ধ এতে স্থান
পেরেছে। লেককদের মধ্যে আছেন ভারতের
বিশিষ্ট বিজ্ঞানী এবং গবেষক। আজারাম
এবং এম এল ধর দুটি প্রবন্ধে দেশের
বিজ্ঞান গবেষণা সংপ্রেণ মনোজ্ঞ অংলোচনা
করেছেন। তর্ণ গবেষকদের কাতে প্রকথ
দুটি বথেণ্ট সমানর পাবে। এ ছাড়া উল্লেখযোগ্য রচনা এইচ এ বি পারশিরার খাদা
সংরক্ষণ পার্থতে, প্রতি সমসার উপর সি
গোপালনের এবং পরিষার প্রকণ্ণনার
উপর বি এল মইনার আলোচনা। বি কে

নালার এবং ক্ষানেশ রারকে ধন্যবাদ। বিজ্ঞান বিষয়ক সাংবাদিকতার শুটি এবং পরিসংখাদ এবং বৃত্তির মাধ্যমে ভারতের কোন কেন সংবাদপণ্ড কতটা বিজ্ঞান বিষয়ক সংবাদ প্রচারে উৎসাহ দিরে থাকেন ভার বে কর্শ চিত্র তর্বা, ভূলে ধরেছেন নিঃসন্দেহে ভা একাল্ড ক্ষোভের। বিজ্ঞান বিষয়ক সাংবাদিকতা প্রসংশ্য ভাবের বস্তব্য মন্তাবান।

॥ নিতাপাঠা তিনখানি গ্ৰন্থ ॥

भारता द्वार कुरू

—সম্মানিনী প্রীদ্রশামান্তা রচিত—
আদ ইণ্ডিয়া রেডিও বেডারে বলেনে—
বহাটি পাঠকানে গভীর রেখাপাত করবে।
বংগাবতার রামকক-সারদাদেবীর জীবন
আলেখের একখানি প্রামাণিক পালক
হিসাবে বইটির বিশেষ একটি রাজা আছে
সপ্তমবার প্রকাশিত ইইয়াছে—৮

(जो टो या

ষ্মাণ্ডর: তিনি একাধারে পরিরাজিক।
তপাণ্ডনী কমী এবং আচ্ছোন। বটনার পর ঘটনা চিত্তকে মুগ্র করিয়া রাখে।... গোরীমার অলোকসামান। জীবন ইতিহাসে অম্লা সম্পদ হইকা থাকিবে॥
পঞ্চবার প্রকাশিক ইইরাজে—ক

अ।धस।

বেদ, উপনিবং, গাঁডা, মহাভারত প্রস্থৃতি
শাশ্যের সংপ্রাস্থ্য উদ্ধিং বহু দেতার,
সাড়ে তিন শত বাংলা, হিন্দা ও জাতীর
সংগাঁত গ্রুপে সমিবিষ্ট হইরাছে।
বস্মতী বলেন—এয়ন সনোরম দেতারগাঁতি প্রত্ত বার্থার আরু দেখি নাই।।
প্রিগর্যিত প্রম সংস্করণ—৪,

की के भाइ (मश्रद्धाः आज्ञत

২৮, গোরীয়াতা সরণী, কলিকাতা-৪

(जि २०५४)



'এভারেডী'টর্চ থাকলেই নিরাপদ



ब इहामा अरवार

তাদের অকাশের শক্নদল বেমন
তাদের প্রবীন-চোখে প্রিবীর
মাটি ত পরিভাত, মৃত জীবজনতুদের দেখে
বড়ের বেংগ নেতে আনে তেমনি গাঁ-ববে
কোনো গেরস্থ-বাড়িতে সম্ভান ইলে কলকাভার টালীগঞ্জ, থিদিরপ্র, ধর্মভিলা,
টাংরা, ভালভলার ইস্তি বা ফুটপাডবাসী
হিলডেরা কেমন করে সংবাদ শেরে ছুট
আসে তা খেলা জাননা।

কোনো 'আনুসোসিয়েশন' না থাকলেও হিজড়েদের মধ্যে একটা বোঝা-পড়া আছে কে কোন্ থানার বাবে। আসলে তারা পাড়ায় নাচ-গান করতে এলে বখন সব মের বউরা রুগা তামাশা দেখতে এলৈ ভিড় করে দাড়ায় তাদের মধ্যে কার কার সক্তান হবার আদ্ দুক্তাবনা আছে তা লক্ষ করে আদে।

একে এ বছর চাষবাসের অবস্থা খারাপ. 'চাঁদে মান্য নামার পাপে' জল বীটিট হচ্ছে মা, ভাদু মাসের অধেকি হরে গেল, খাল বিল श्यक जाशास्त्रद जन पूर्व धान द्वाशा र छ. এমন দুদিনে হিজড়ের একটা দল এল शीस! या है या है देनाल गा कि अर्थ हन। চাষালের শিক্ষিত ছেলেটা গামবটে পায়ে, গায়ে ওয়াটারপ্রফ জড়িবর আলের ওপরে দাঁডিয়ে দাঁডিয়ে শবরের কাগজ পড়ছে। তার পাশেই একটা মানপাতা চাপা ট্রামজিস টর দেট রেডিভ থেকে ব্রবীন্দ্র সংগতি ইচ্ছে-দশ বারে জন জনমজার জমিতে কাজ করছে হামড়ি খেলে পড়ে। হঠাৎ হিজড়েদের আসতে দেখে ভারা হট হট করে চিৎকার করতে থাকে—যেমন পাগল বা মাতালকে বেখে নান্যজ্ঞা আমোদ পায়।

বাংগা,বাংলা আর ময়না তিনজন হিজড়ে পথ দিয়ে আসভিল কাওয়ালা গাইতে গাইতে। রুপো গাইছিল মূল গালটা—ধ্য়া ধরছিল ময়না আর বাংলা। ঢোলকে ভাল দিছিল ময়না আর হাতের ভালতে কড়া কিতৃ সুডোল আওয়াজ ভুলছিল বালি।

রংপা প্র্য-জাতের হিজড়ে। সে
আরনা করে বরে রোজ সকালে চক্তড় করে
কড়া দাড়ি গোইদ চাচে। বাদ্যি আর মরনার
দাড়ি গোইদ হ'র না। তারা দ্যুলন মেরের
লাতের। তিনজনেই শাড়িপরা, হাত ভরা
ভাদের কাচের চুড়ি। মরনার কোমরে
বিশ্বের গোহা। তাতে লকেট ফ্লেছে। রুপো
ভানের সরদার। গলার শ্বর মোটা। বরেস
পড়াল পড়ার হবে। গারে ব্লাউজ। কুলিম
ভবন। ঠোটো রঙ দেওয়া।

ময়নার পারের রস্ত ফরসা। তার বরেস বছর পাঁচল ছান্দিশ। মুখটার আদল কাঁচাকচি-নারীস্কান্ত। চোখ দৃটি মায়নায়। দেখলেই মনে ইয়া কোনো সম্প্রাণ্ড ছর থে.ক



এসেছে। ভার চলনভাগ্য এবং ক্ঠাবরও কিছু রমণীয়।

র্পোর কথার, 'মরনা আমার চলনা জার বালি হল কালনাগিনী কংকাবতী কালিলাী!

পথে একজন প্রোহিত রাজণ নামাবলী গারে জড়িয়ে বজমান বাড়ি বেরিরেছিলেন



চাৰীদের শিক্ষিত ছেলেটা গালবুট পারে, গালে ওয়াটারতা্ত কড়িনে ববরের কাগক পড়ছে

भ्रद्रकात, इंडोर भाषान हिकाएएएत रमहर्ष 'ताम ताम' करत छेटेरणन।

র্পো হেসে শুধোলে, 'বাগ্রানাসিত! ও ঠাতুর্মশার, হরি ঘোষালের বাড়ি যাব—এই 'পর্যু তৈঃ'

ঠাকুরমশার কোনো উত্তর না পিরে, তাবের বানিকটা দুর পিরে, মাঠে নেমে তাবের একেবারে ছারা এডিয়ে, প্রভ সরে গোলেন। মরনা তার সারা চাগিরে ধরে ঠাকুর মশায়ের পিছা, পিছা ধাওরা করলে ঃ 'হেই মরদ, শুনে বাও'… কিন্তু মানা জানে না ঐ রাজবাট কে?
রংগাও চিনলে না হার ঘোরকাকে।
অনেক বছর এদিক আসে নি। সে ঐ মানার
জনোই। এই রাজপুর গাঁরেই বে ভার জন্ম।
অবংশবে হার ঘোরালের বাড়ির গোরগোড়ার এসে মুগো হাঁক মারলে: 'ওলো
দিনিয়া, আর লো ভোরা! হালি হালি
বিদার দে লো, হালি হালি বিদার দে!'

ভারপর ভারা ঢোলক বাজিরে গান জুড়ে দিলে। পাড়ার বড় ছেলেনেরের ছুটে এল। ঘোরাল বাড়ির সামনেটা মান্বজনে ভরে গেল।

দোষ লাগিনে বিলে বাড়ালেন তাদের
পাকাবাড়ির দোর গোড়ার। তার ছোট নেরের
একটা খোকা হরেছে মান ভিনেক হল।
কচি খোকাটাকে নিরে আলতেই রুপো ছুটে
থিরের রমলার কোল থেকে তাকে ছিনিরে
নিরে শ্নেন্ড ছুলে দিরের আবার
ক্তিনিরে রমলাকে ফিরিরে দিরে গোল
ছেলেটা কে'দে কবিরে উঠতেই।

নাচ জুড়লে তিনজনে। গান গাইতে লাগলঃ

> মাটির ধরার আজ এল চাঁদ সে চাঁদ সোনারখনি কত রাতের গোপন চুমার তৈরি সে ধনমনি !

ভাদের গান শ্নে মেরেরা ছেসে গড়াগড়ি থার। মারে মারে হিজনেড্রা ভাদের সম্পূর্ণ আর্ উন্মোচন করে। বাটাছেলেদের স্থারের নিরে মেরেরা থিরে ধরে মরনাকে। র্শো বউগ্লোর চিব্ক ধরে অস্লীল কথা বলে ভামাশা করে। ভাদের সেটে ছাত নিরে দেখে। বাড়কুডু দের।

ভারপর তারা ঢোলক <mark>আর বনবানি</mark> ব্যক্তিয়ে কাওয়ালী জোডে।

ময়নার দিকে স্বাই তাকিরে থাকে। অবিকলা যেন ঘোষাল বাড়ির ছোট মেরে রমলার মতোই দেখতে, একই রকম মুখের আদল। সে কথা দু-একজন মেরেও বলাবলি করে।



वाकारणी जीत काल साह (प्रस्तक नक्षण एका कर्ने नृद्धि जीत न्यून्स मार्क वाल वाल्या विकास महाराज क्षण्या सुद्धि इतिहास कार्या स्थापना निर्मात नाराम व्यवस्थ वाल परम करिए साई क्षण करण १ मा विकास कार्या कार्यापन अपना निरम्भ गाव प्रसादमा नार्वित स्थापन साहस्थ स्थापन महाने स्थापन वाल मार्ग्य स्थापन CARANTANI MACON, TOSTANA AND

আ বা জোনার মতন আছে দেশক।
ব্যৱস্থাত বেছন করতেন কেবারালির।
বিটিন আগবরে ততন বেলেন। কুলোইনা হাল,
প্রিটন টাকা, পানস্থানির, মানেকটা বাভালা
আরু মানেকা এনে গাওকার বেলে ভিনি
আন্তেম গাতে বাভা ক্রেন ক্রিনের সংস্থান

स्वताः) जातः व्यक्तिक त्याः वा वि इतः ।

द्वाराण व्यक्तिक त्याः या वि इतः ।

व्यक्तिक कार्याः व्यक्तिक त्याः या व्यक्तिक व्यक्ति



davp 69/106

জনাথানক কৰি। কাল্ড কৰি কৰা নি কৰা না। বহা অভিনাম : কিন্তু কৰি কা...কাল্ড কোন কৰে...'

ন্ত্ৰলা ব্ৰুপানৰ আছিল আন প্ৰতিক জানলে। গৈঠাৰ জগতে আন অভিন বাছকে বুলো। যা মেৰ অনুত বুলোৰ কৰা নি-ছ নেৰে দেখাৰ সৰ্ভ বুলোকলা কৰিছ বুলো, তুই বে আনাম কৰাবাক নিজে গিলোকিন, সে কি ক মন্ত্ৰা

भा वा ता, देन कावा रमावा वान्यत

প্ৰতি। কৰা বন্ নাৰা, কাৰি বা, কাৰি চিনতে পেৰেছি। বা ভো কয় বেল ব্যক্তার হলে আলক।

র্পো দেখলে মহা ম্পনিকা! এ হল অছেন্য স্মেতের কথনে! ভার আসা উচিত হর্মন এখানে। কললে, তাঁ মা : সেই কমলা।' মা এবার ভুকরে কে'বে উঠকেন।

রমলা বেরিরে এনে মরনার হাত ধরে টেনে আমলে বাড়ির মধ্যে। সে কিছ.ই ব্রুডে না পেরে হাঁ করে রইল। বাঁশি বাইরে বসে বিভি টানতে লাগল। হঠাং বোরলাগিলী ছুটে এসে মরনাকে ভড়িরে ধরে কাঁগতে কাঁদতে তার মাধার মুখে চুমো থেতে লাগলেন। আন্ত বলতে লাগলেন, আমার কমলা! আমার মরনা! তুই আমার নাড়ী-ছেড়া ধন! ওরে তুই কোথার বাকিক! কত কট পাস:...

রংগা মাথা হেণ্ট করে বলে আছে। ভারত চোখ থেকে টগটপ করে জল পড়ছে নিমেন্টের ওপর।

त्रमणा कीमत्र ।

কিন্তু মরনা তথনো ভাল করে বেনেমনি। বড়ের বেগে সে বেন কচু গাছের মতো দলিতমথিত হচ্ছে পরম প্রকৃত এক দেনতে।

খোবাল গিলে বখন বলে উঠকেন, জামি বে তোর মা—ওই নালেগ তোকে কুড়ি বছর আগে আমার কোল খানে করে নিয়ে গিরেছিল'—তথন ডুক্জে কোদে উঠে মাকে জড়িরে বরে তাঁর বাকে মাথ ঘরতে ঘরতে এক সময় হঠাং বলে গড়ে অজ্ঞান হয়ে গেল মরনা।

রমলা আর মা ভার মাধার মধে জলের মাশ্টা দিতে দিতে ভবে আনে ফিরল।

মা বল্লেন, গুর্পো, বিকালে বাস বাবা, ভোরা স্থান করে পুপুরে অভরা-পাওয়া করবি। বা এখন বাইরে বাং

ন্দেশা চলে এলে বাশিকে সব ঘটনা বললে। বাশি বললে, 'শালা! তোর মাধার বাজ শড়বে। কেন এলি এখানে? মানার মনে আগান জালেবে চিরকাল। ভোম শালে ব্যাবাক কাঁচা-কা!

माहित बीलि, त्यानात कनम, आमि मरन करतीहरू, छता किनरन ना ! मा भागा, वा मानक फिराल वा ! व कि देवक किमी निरुक्ता ?

সুলো করকেন জোবরা বৃত্তে ভাল নাবিতা ভালনে কেনুকা টাকি থেকে সর্ ক্রেন্ডে বার করে কারা কারে। বালি ভাল কে উন্তে কার্কণ। ভোলনা কারে বালে ভুলো কর্মা ভাল একটান।

নমনা ভার হৈছে লিখনে ব্রের মনো
নিমে সেল। অটপালা আলাবার জরা বর ।
ব্রমানর ছেল্টোড়ে কোনো নিমা মহনা। সে
বহি বেরে হত এবনি আরব সম্ভানার হত।
ক্ষামী হত। বর হত। উল্লেখ্য নেমে কোবার
টালীগুল্পের বিশ্বতে আল ভার বাস। মশা
আর হারশোকার ক্রানার কোনো রাতই
ব্যোতে গারে না। নোহরা পরিবেশ। র্গো
মারে। নোঙরা প্রেতির লোকজননের কারে
ভারে ভিক্সের দিয়ে পরসা নের।...

मा स्टार पानक क्या विकास करता। पात करिका। मान पात हमा पाने जानक इस रक्षण माना मानकी रकत निर्माहरू पान बोलिए राज। नीत बानेना नीति प्राप्ति राज करिया

र्शत रमाहान , महामा करन नरीकार किया रमस्या रामस्य मन किमा बाम स्वास्था कार्य कार्या रामस्य मन किमा बाम स्वास्था कार्य महाराम कीत मामरा स्वास्था रामस्य वर्षा स्वरूपमान नीत निकास स्वास्था कार्याका कार्याक स्वास्थ्य स्वरूप सार्थ बर्गा स्वरूप

गण्यात हम याचा नामाहम ।

বাবার কণ্টাবর হছে। কালেন, তেরার কণাল মা! ভগবান'.....

আর কিছু বলতে না পেরে চোবে হাড় চাপা দিয়ে তিনি আড়ালে সরে নেলেন।

প্ৰকাশিত হল

देशभासन

ताक पत्रवात ১०.००

विश्वाचीय स्मन

क्यानः राज्याशास्त्रा

अम्, भा हा ज्ञा ॥ भा द्वा निनीत त्यव विहास

পরিবেশক ঃ আন্দ্রনিক ॥ ১১বি, বাঁকেম চ্যাটার্কে স্মীট, কলকাতা-১২

(TR 4808)



म . ९ हासूत भूगा वाविष्ठाव । तथि उभवः क

শরৎ-সাহিত্য-সংগ্রহ

রাথার অভিনব ও অতাবনীয় আরোজন ২২**শে ডাদ্র (৮ই সেপ্টেম্বর)হইতে ৫ই আহিন** (২২**শে সেপ্টেম্বর) পর্যন্ত**

সম্মান্ত রয়েল সাইজের রেক্সিনে বাধাই এই গ্রন্থাবলী ১৩টি স্বেত্ত থক্তে সমাপ্ত।

প্রতি খণ্ডের ম্ল্য : ১২·০০ টাকা উপর্যন্ত তারিখের মধ্যে ১০·২০ পর্যায় শাবেন

আমাদের নিকট হ'তে এই গ্রন্থাবলী প্রতন্ত্র ও সমগ্র খণ্ড যাঁরা কর করবেন উপর্য্যক তারিখের মধ্যে, তারা শতকরা ১৫·০০ টাকা হারে ক্ষিশন পাবেন। যাঁরা বর্তমানে প্রকাশিত সমগ্র খণ্ডগালি কর করবেন, তাঁরা কোন খণ্ড অপ্রকাশিত থাকলে তাহার উপরেও পরে সমহারে কমিশন পাবেন। ভাক মাশলে প্রতন্ত্র।

> এম, সি, সরকার জ্যান্ড সদস প্রাইভেট লিঃ ১৪, বঞ্জিম চাট্ডেল স্থাট, কলিকাডা—১২

मून्द्रत रिज्यसम्बद्धः चनित्तः स्तर्वे स्रतः भारतम् स्वासम्बद्धाः

त्यमा गोपुरत् राम स्टब्स् श्रमक विनारसङ्ग भागाः।

বাবা, বা, বোল সবাই কানতে লাগালেন।

জাবলেকে মইলার হাত ধরে র,পা জার
করে টেনে নিজে এল। সে কিছুতেই আনতে
চার না। 'যা মা'—বলে কেবলাই কানে।
আবার লোড়ে পালাতে চার। হাতে কামড়ার
ব্যোগা।

রংগো মার দের। গালাগালি করে। শালা হারামজালা মাগী! চল্। তোর বাপ-মা ডোকে নিরে কি ধুরে খাবে? তোর কি হেলে হবে—ভাতার হবে—আছে সে দব ভার? থাকলে লান্ব ভোকে আদর করত। মেরেয়ান্র বৈতই রুপসী হোক ভার বলি দেইটা বেকল হল—প্রবেদান্র দেবতা হলেও ছ'ডে কেলে দেবে। বেশা হলেও মান্বের সমাজে ভার তব্ বাম আছে। আমাদের কি বাম আছে? কেন বাম দেবে ভারা? আমরা ইলাম আতহে অভিশাপ?

কাঁনতে ফাঁনতে চোধ মুখ লাল করে এক সমর লাক্ত হয় মরনা। মুগো বলে বারঃ: আমিও তো এক ধনী মুসলমান বাড়িতে জন্মেছিলাম। মুর্বালদবাদে তাদের এখনো পাকা দালান কোঠা আছে। আমার বড ভাই

अका अकी बानात वह शासाचा। छाटे बाल कि काकि जिन्द्रम साम ? कामता दगरम कारमंत्र मान बाद । औं जीवरनगांत्र सावत हमचाटम मा-नद मान करे नापक cor? जामारमञ्ज कथा एक कार्य मा। दर्म शर्य अर्थ जामात्मन कथा काटब मि । जामना मनता न्दर्भ वाद ना नसदक बाद छ। दकारना शर्मान वहेटतं कामा स्मर्थ। सामहत्तव मानका कार्य ध्य दर्भक वामना माकी दर्छ भारत ना। আহালতও আমাদের মানুষ' বলে গুলু করে নি। তবে বত বরা, কেউ মারতে পারবে না। आमारमस बच्ची टनरे, मन टनरे, जबाब मिहे, मरमात मिहे, याभ मिहे, या लाहे, म्याबी टनहें, बर्फे टमहें, टबटन टनहें, टमट्स टनहें,-व्यामता हिक्स्प । नग्दरम्क । किन्छ व्यामात्रव পেট আছে, থিদে আছে, রোগ আছে, তাপ था:इ. वाजना-कानना खाद्ध। खाँच ताका করতাম, নামাজ প্রভাম, খোদার কারে কর কাদতাম-কিন্তু সে সব ছেডেছি। কি হবে ওসব করে? হিজ্ঞাের আবার ধর্ম। এই বেমন নকল মেরেমান্ত লেভে আছি। দুধের স্বাদ কী যোগে মেটে? বা হোক, ভোকে মা-বাপের মুখ্টা দেখিতে গেলাম আয়ার একটা ঋণ লোধ হল!

বাণি বললে, আমাকে তো দেখাস নি স্যাধ্যত ?'

'তৃই বাগদির খরে পরদা হরেছিল। তোর বাপ-মা পঞ্চাদের দ্বভিক্তে হরে দেচিল।'

ওরা তিনজনে গাঁরের মোড়ে একটা দোকানে চা খেতে বসলা। ছেলেছোকরারা মস্কারা করতে লাগল। মানার দিকেই তাদের সক্ষ। মান্ব কামনার কতখানি অধ র্পো তা বেশ ব্যতে পারে।

গ্রামের মোড়ে কোলাহল। ডিড়। লাল
পতাকাবাহনী ব্যক্তর। চিংকার করছে।
একজন বপতে, ভালে নামল যে সব বারিপ্রেবরা তারা এক একজন ১৯বার করে
আটম বোমা বিস্ফোরণ করে কোরিরার
মান্রদের যুগে করে এসেছিল—
কোরিরাবাসীদের হাত লা চুল চোখ খসে
খনে পড়েছে বছরের পর বছর ধরে। মনে
আছে ছিরোসিমার কথা। এই সব আর্মণ্টিং
কলিম্পরা সেই যুদ্ধে বোমান্ত জেট পাইলট
ছিল। চমংকার ইতিছালের বিচার।

রংশ্যে কথাটা শ্বে মাখা নাড়তে লাগণ। ঠিকট তো। হঠাৎ বলে উঠল, 'ইন কিলাব জিন্দাবাদ।'

সবাই হেনে উঠল। বুণো ভড়কে গেল। ভার ধর্নির কোনো বুলা নেই? ভারা বে হিজতে! কেউ ভারের নার নার

নাস আনতেই ভাষা ভিনন্তনে উঠ প্ৰভাগ।

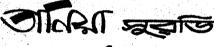
্মানা কেলে আলা প্রকৃতির দিকে তাকিরে আমার কানতে লাকল। ভার কম্ম-ন্যান, বাপ-মার দেশ-সা কোলে রেখে চলে

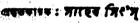


প্রথম প্রেমের মত শ্লিঞ্চ মধুর!



পুজান বেদিন প্রবাম দেখা, ও বালছিল, 'ভারী মিটি পছ তো'। আমি বালছিলাম, 'তানিয়া'। এবন ও আয়াকে ভাকে 'তামিয়া' ব'লে। আচ্ছা, তামিয়ার মিটি পাছ কি আফাকে ওর ভালে। লোগছিল, বা আয়াকে ভালোবাসই তানিয়া ওর এত শহুক—কে জাবা!





विवेदी हेक देखा वार्ववाहेंगे' गुव्हिकांच संख् अवर काशवाब वर्त-वृद्धीव नाया नक्कांच केवायत कक जांवात्तव 'विवेदी कंपनालाहेकेत्', व्यक्ति तक : 'कर-, निर्वे निष्ठी,—अदे क्रिकामांच लिव्हे ।

Progressive/SS- 2169

বাছে—আবার কখনো আসতে পারবে কিনা কে লানে! তার এক ভাই আছে নাকি— কলকাতার সদাগরী অফিসে বাব্যিনী কাল করে। তাকে লখনো দেখেনি—দেখালেও চিনতে পারবে না। মরনাকে দেখলে হঠাং ব্যার হরতো সরে বাবে!

বাসার ফিরে মুকলিয় হোটেল থেকে থাল কতেক চাপাটি আর শিক-কবাব আনকে রুগো। মরুনা কিছু থেল না। শুকো পঞ্জ আপাদমাতক বোলের-দেওরা-একটা-গাড়ি গাট করে মুড়ি দিরে। মাথার মুলে ভার মা জন্ন বোলের হাতের মধ্যুর গাধা পাক্ষে বেন এখনো।

বাদতবাড়ির পালে শ্রুর চরে বেড়াছে।
তালের বেথিখে লাল আমে নাজে মারে।
পালের হার থাকে বেশ্যারা। তালের
নিত্রকার মতো মুখখিশিত শোনা বার
অংগত। মরনার চোখে খুম আসে না। ছিটে
বেড়ার একটা ছোট্ট হর। বারো উল্লি ডাড়া।
বাশি আর রুলে। খুমোছে। নাক ভাকরে

মরনা উঠল। সে পালাবে বলে আচেত আচেত টিনের দোর ঠেলে বেরিয়ে পড়ল। মা আর বোম কাটা টাকা দির্ছেছিলেন আলাদা করে লেগ্যুকো ভার নাইকেচিড়ের খাটে বাঁবা আছে। মরনা এসে ট্রান্স উঠল। ভারণার লাপ্ট বাস ধরে কলকাজা থেকে আবার একালে লাকে।

রাত তথন বারোটা বাজে প্রার।

কেউ লোকজন নেই পথে। অপকারে বনকপা, সর মধো নিরে পথ ছাতড়ে হাতড়ে
পোল লে খোনাল বাড়ির দোরগোড়ার।
করেকবার পড়ে গোছে খানা-ডোনার। পাহাত-পা হিছে গেছে। রভ বার হাছে বোধ
হয়। ডা হোক। তবা ডো এসেছে।

্ষিপ্ত ভাকৰে কাকে? এখন রাভ বোধ হর দেজটা হবে। নিশ্চুপ নিশ্চিত প্রার। মাকে ভাকতে গিরে গলার পর কটেল না মরনার। কে জেন কঠ রোধ করে আছে ভার। পোরগোড়ার বলে মইল সে। বলে বলে কখন কন খ্মিরে পড়েছিল। ইঠাং খ্ম ভারে গোল কার বেম কাপির শব্দ পেরে।। ভার বাবা কাশছেন। রমলার হেলেটা কাদছে।

ভার হরে এল। ইঠাং মরনা উঠে পড়ল।
ভার মধ্যে ভাষান্তর এনোছ। মা বাপ ভাকে
রাখতে পারকে কি বিদার দিতে পারকেন?
রাখতে পারকেন না। দুদিন বাদেই চলে
বেতে বলকেন। নইংল সমাজ একখনে করতে।
ভার বাপকে আর কেউ প্রো করতে ভাকবে
না।

চোধের জল দ্বিদ্ধে গেছে মরনার। সে উদ্দেশ্যইনিভাবে চলতে চলতে নাগীর থারে এসে গেল। নগীতে তখন প্রা ভোরার। যুড়ছুড় খলখল দক্ষে করাল ক্ষারার পতে জল ভীমগর্জানে আবভিতি হচ্ছে। নগীতে খাপ দেবে বলে মনস্থিয় করলে মন্তন। কেউ জান্বে না, কেউ দেখবে না। বেংচে খেকে লাভ কী?

কিন্তু বড় ভর-বড় প্রবেশর মারা হয়।
মরতে এড ভর হয় কেন? জাবার সে কনিতে
লাগল। শেষবেলা যথন সকাল হয়ে গেল, লোকজন দেখড়ে গেরে ভার বেন থানিকটা ঘোর কেটে গেল।

আবার সে চলতে চলতে এসে এক সময় বাসে উঠ বসল! বাস এসংল্যানেতে এসে থামল। তারগর আবার সে ফিরে গেল টালীয়ালে মুপোর বাসার।

র্পো ভাকে ধেজি।খালি করছিল। মরনাকে আসতে বেংখ আপালমন্ডক একবার দেখলে। কড়ে বিধন্ত গাছের, মতন। কপালে হাত দিয়ে দেখলে ভাকৰ করে। অসেছে মরনার। কপিছে সে।

ভাকে শ্রের চাপা নিরে রুপো জড়িরে ধরে বলতে লাগল, ভাগিবল না, পালল হরে বাবি! আমারা অপ্তত এক জার। আমানের কথা ভাগানত ভাবে না তামিই ভার মা বাপ শামী ভাই-লব কিছু! —বাই তোর ধাব্য আনি।

মরমা বিশ্ব বুশোকে ছাড়জা না। ভার পলা জড়িয়ে ধরে উভরার কাদতে লাকা। অলভরা চোখ প্রটো চকচক করতে লাগল ব্রপার।

जारतीय जनात



হখন বিশ্ববিদ্ধান্ত বিশ্ববাদ্ধ (Cheiro)
নইগ্নিল জন্মের মত সহস্ক করে
অন্বোদ করেছেন পরীক্ষিত।

আট ব্যাশ্ড লেটাৰ্য পাৰজিশাৰ্শ ধৰ্মকুন্ম হাটম, কালকাডা - ১২





अरे क्लिकेट की आर ?



সৌন্দর্যসূষ্যায়য় তুকেররহঙ্গ !

ষক সাধারণত ভূরকমের হয়। এক হ'ল শ্বভাব-জাত সৌন্দর্যময় ত্বক, একটানা অক্লান থাকে বার প্রবমা। অস্ফটি ঠিক-জত-পুন্দর-নয় গ্রেণীর এবং এই ছকের সৌন্দর্যপ্রবমা ক্রমশ আরো বিকশিত হরে উঠতে চায়। নিভিয়া ক্রীম বিশেষ করে উভয় শ্রেণীর উপযোগী করে তৈরী করা হয়েছে। নিভিয়াতে রয়েছে আল্চর্ষ ইউসেরাইট, একটি বিশিক্ট উপাদান, যা আপনার দেহস্বকের শ্বভাবিক তৈলভাগ জোগায় এবং তাকে কোমল ও লাবণ্যময় করে ভোলে। আপনি বদি রূপবতী হন, তাহলে নিভিয়া আপনার ত্বকুকে মন্তণ ও তারলায়বণ্ডিত রাখবে। বদি আপনার ত্বক হয় শুক্ষ ও রুক্ষ, নিভিয়া সেই শুক্ষতাকে দূর করে আপনার দেহত্বককে আরো সুত্ম, কোমল ও লাবণ্যময় করে ভূলবে। আপনার দেহত্বক বেমনই হোক না কেন, নিভিয়া ক্রীম ব্যবহার করুন।

বিভিন্না –তাক্রণামণ্ডিত লাবণাময় দেছভাকের গোপনকথা।
ক্রিড ও নেভিন্ন ভৈনী



वर्वाण-महावाद्व

ি ক্রছিলাম রবীক্স-সরোবরে, কেথার টাগ্রেকা জন্য অনুপ্রেরণার থেতি। বাস্থিনাম এক বেখিতে, শল্পো সেবীর টব্যেস্টার প্রতিক্ষার বীশাস্থানি প্রতিসারে একেন না, এলেন চশমা-পরা টাক-পড়া এক ভরিরি ভল্লোক। বসলেন আমার পালে। বিনা বাক্রবিয়ে; বেভিটার কাঠ অংপত্তি-

লোকটি ন্যাসকার জানালেন, আমি
জানলান প্রতি ন্যাসকার। তিনি বললেন,
বেশ বোদ পড়েছে: আমি বললান, পড়েছে
বটে। তিনি বললেন, কালকে কিন্তু বৃষ্ণিট
আসতে পারে: আমি বললাম, কথাটা সম্পান্দি
ফভাবনাবিবহিত নয়। আর এখানেই বে ধ
হয় আমারের ওই মালারেন কথাবাভারে
ইতি পড়ত হবি না চলামা-পরা টাক-পড়া
ভারিক ভলগোকটির নজরে আসত আমার
বেশান থেকে কিজ্টা বের্ধিনে-আসা
রবশিনাথের পর্যাস্টি ক্রিগারের গদা
কবিতার ফরাস্টি অন্বাদে আমি সম্প্রতি
বিশ্বা

তিনক জিনাব্ তিনক জিই তার নাম—
জ্মানেক রবীণ্ডভন্ত দৈণে কিবো তেবে,
ফাণে আবেলমনিভত কনেঠ কোবাণা করকোন,
"রবীণ্ডনাথ স্ববিন্দের স্বাকালের শ্রেণ্ড কবি।" আমি অবশ্য স্ববিদ্দের স্বাকালের সাহিত্যের সভ্যে পরিচিত মই; তুকানাজক বিচার করতে সাহস্ট কিবো হঠকারী—ছব

"ওরি মতে আর কজন এ—ত লিখেছেন,
বল্ন? রবশিদ্র রচনাবলীতে কত খণ্ড
আতে জানেন? চন্দিনাগ্রা, অপ্রচালত
কিলাগ্রাল বাদ দিয়ে!" আমি নমভাবে
ইলাত দিলম যে, ওজনেই যদি লেখকের
প্রতিভা মাপতে হয়, তাহলে দ্যু শ' সাজামো
উপনাদের লেখক আলেকসাঁদ্র দ্যুনা
বিশ্বনাথকে অনায়াসেই হারাতে পারেন।

ৱাৰীশৈক কলকাড়া

তিনকজিনাবা আনেকক্ষণ চুপ করে থাকলেন, কেন ধাননম্প হরে, ভারপর ইঠাং বালে উঠলেন, গরবীন্দ্র-সরোপর ক্ষাটা কিম্পু মণ্ড নম্প্রাপ্র রবীন্দ্রসর্থি, রবীন্দ্রস্থন,



রগাঁলুভারতী কানে কত মধ্র শোনার বস্ন তে। আসলে কি জানেন, আমরা এখনও এত পিছিরে আছি কেন, বলতে পারেন : রবাশুনাথের আদর্শ ভূগেই গিরোছি বলে। দেশ উন্ধার করতে গেগে আমাদের কলকাভার আবহাওয়াকে রাবাশিশ্রক করে ভলতে হবে।

"ইন্টানা রেলওরেকে আমরঃ বাদ প্রেবী-তে নামাণ্ডরিক্ত কর্মডাম, তবে বাচীরা কি রাবীন্দ্রিক আন্দো অন্প্রাণিত ছরে উঠন্ত না, বিনা টিকিটে ট্রেন চাপত আরু ?...হণ মার্কেট বেউ ঠাকুরাণীর হাট'-এ নামান্তরিক্ত হলে দোকানদারেরা কি পারত বুলেরদের ঠকাতে? চারনা টাউনকে ছিং চিং ছট' নাম দিলে কলকাতা-নিবাসী চীনাদের আমরা কি পরে বলে মনে করতে পারতাম ?..."

তাই তো...আলু বনি ট্রাছ-বাস্কে 'ঝ্রান' বল্ডান, আর ট্রাছ-বাস্ বারীদের থলাতার জীরপার্ব'? ভারতারকে সনি বলাতার নির্দেশ বভা', পাসংপার্ট'- আনিস্তে বলি বসভান কৈতে নাছি বিধা আর ভেড-কোর-আনিসতে বলি বসভান এবার নিজাও বোরে', আমানের নেলে কত-না নৈজিক, আর্থিক, নামাজিক, রাজ-

অন্ধ আমাদের পালের বাছির সমধ্ বাচ্চাটা, সে একটা অচি সামানা হোগ এখনও পারে না কেন, জানেন? রাবীলিক পার্মানিত গেখে নি বলে। স্থির করলাম, এবার থেকে আমি ওর সংখ্যাপরিচরের ভার নেব ঃ একজন লোক, দুই বোন, তিন কন্যা, চার অধ্যার, পঞ্চ্ছ...

তিন্দুভিষ্য ভাষাকে থামিরে করণ করালেন বে অংকশিক্ষণে কড়ি-পদ্ধতিরও মূল্য আছে : "এককড়ি তিনকড়ি, পাঁচ-কড়ি, সাতকড়ি..." এই কথা ব'লে তিনি গালোখান করলেন, বেলিটার ফাঠ এবাই ম্ছিনিশ্বাস ফেল্ল।

अक्षा महाडे

ভাবতে সংগলাম রবীশুনাথের অভুলনীর কাশিরবার কথা। আর কোমা কোমা কেনা করি লামেকেন, তিরোধানের প্রার চিশ্ বংসর পরেও প্রতিটি অন্টানে বাঁর কবিভার আবৃত্তি অপরিহারভাবে অবাহত, বিদিয়া থেকে নাভনী প্রতিত করাদর, আকাশবাশীতে একেকদিন ন-বার আব্দ প্রার দ্বা বালা, প্রোত্তাক্র সালের প্রাত্তাক্র সালের বাঁক প্রান্ধ করা বাঁক প্রান্ধ করা করা বাঁক প্রান্ধ করা করা বাঁক প্রান্ধ করা করা বাঁক প্রান্ধ করা বাঁক প্রান্ধ করা বাঁক বালাক্রবাশের সাগ্রহ অনুরোধেই গাওরা হরে থাকে।

আনানা দেশের সাহিত্যভিহাসেও এরকর একছর অধিপতা বিরল নয়—প্রমাণ ইংলন্ড ইতালী, ভামানী। তার দেশনেও তো ভাষেন সেভাদেতস, প'তু গা লে কামোরসি, হলাটেডর ভাগেল—তিনভানেই আসন অগেন বেংল এভারেস্টের মতো অপ্রভিদ্দী। ফরাসী [বিংবা র্গ] সাহিত্যিক ভূগোল কিন্তু অ্লাল ভাতের।

ভারতে এই প্রথম

৩৫ মি মি হোম সিনে প্রোক্তের। নিজের লাড়ীতে কলে সিনেমা দেখার আনক



উপভোগ কর্ম। টেডর বাটারি বা ইলেকট্রিসিটির সাহারো আগনার পছন্দ-মতো চলভ কবি পদরি বেখতে পারেন। সিন্মো হলে বেমন দেখন বিক সেইভারেই পদরি পারে। সাইজিল ছবি চলবে, ভাতনার করবে, সাতবে।

শেশনাস কোৱালিটির দল্প ৪০, টাকা। এক বলি ফিল্ম বিদানকো। জড়িরিক ফিল্ম প্রতি ফিট্র ১, টাকা। Rolex (India (DC-44), P. Box 1574, Delhi-6. करित्र एकाहार लेकारतको त्नाहे. चार्छ काका-कर्णामञ्जून अक्टोशक काहिन्द्वा—द्यानित्तत्व, स्रोतस्य, कान्यान, जान्न त्मरेकाराहे त्याच १६ अवेन्द्रसम्बद्धान नवंबारीमध कनामीत्तन काटक व्यक्ति त्याच्याह १४ ता।

আই মানে সম্পা এই নর বে, ফরাসী
সালিক বৰ্ণিচুলাহিতেরে সংগ্য একেবারেই
মণরিচিত। আঁটে জিল, সিলভাা লেভি,
কোলা রোলা এবং 'ভারতের পাণ্ডেম'
নিরিজের সংলাদিকা আটেই কাপ্লেস-এর
কাস্টের ভাগরের' নাম ছাপেস অনেকেই
মনেজেন রেরানার জাে ইজা জিল রবাণ্ডনাক্ষের বিবরে তিনি একটি প্রাণ্ডা বই
জিক্বেন; ভার জনা তিনি ভারতে গিয়ে
করেকমাস কিবা অংতত করেক সংভাহ
কবিগ্রের এথানে থাকার কথাও ভেবেজিলেন।

कारण प्रयोग्यमाथ

ভাগর বলতে ফ্লাম্পে রবীন্দ্রনাথকে বোঝার; এমন কি অনেকের ধারণা 'ক্লীরের পুতুল'-ও .[বার ফরাসী অনুবাদ আছে] ভারই রচনা। মহবিকে কেউ চেনে না. ভবে প্রান্দ ভাগর' [প্রিশ্স ব্যারকানাথ] তার বিভানি প্ররোশ-বাতার, ১৮৪৪ সালে, ফ্লাম্পে বান এবং প্যারিসের অভিজাত মহলে উম্পেল অভ্যর্থনা লাভ করেন, তার বিদেশীয় ভাবভাগে ও দানশীলভার জনা; সেখনে অনেকেই ছবি গরণাপ্তর হরেছিল, কিন্তু বনক্মে ব্যক্তিবদেৱের চেত্তে সংগ্-সমিভিত্ত প্রতিই বিল তবি প্রকশাত।

১৯৯0 जारण कारण वर्गामसार्थय सम्बद्ध প্ৰাপৰ এবং সিদ্দ্ৰী লেভি ও বেগুলো-এর সলো ছবি সাকার। ১১২১ সালে ছিমি আবার আলেন-বিদ্যালে [আর এটাট্র কৰি গার্যে প্রথম বিমান-বার্যা, রোলার সংকর रम्या करबन, भगविद्य प्रकि **E**139 िवयं : शही-श्राहीतीय शिक्स जात ৰাউল।: স্টাস্বাগে, বেথানে সিল্ডা লেভি অধ্যাপনা করতেন, ভিনি বনধানী'-শীর'ভ একটি ভাষণ দেন। ভিছুদিন জার্মানীতে তার উজারিত উব্ভিত্ত জন্য ফাস্পে किस्ता वारमाध्याद मुन्ति द्वा ১১२८-० দক্ষিণ আমেরিকায় বাওয়ার পরে এবং ১৯২৬-এ ইতালী থেকে প্রতানত'নের শর আবার তার ফ্রান্সে আগমন। শেষবারের মডো আসেন ১১৩০ সালে, তার ছবির প্রদর্শনীর জনা।

ब्रवीन्य-माहित्यात सम्बाह

রাশিরায় ও জাপানে না কি রবীশ্রনথের সম্পার্থ রচনাবলী অন্ট্রাপত হয়েছে: ফরাসীতে কিন্তু রবীশুন্ত্রথের প্রেক্তার প্রাণিতর কাল থেকে শতবার্ষিকী বছর পর্যণত প্রিচন্টি নাত্র প্রথের অন্ত্রান প্রকাশিত হয়েছে: সেগ্রালিও আবার প্রায় সর্বদাই वैश्वकती जागायाका का नक्षण्यामा अवार्य गान गावना त्यात्र स्थ

ইংকেই কি ভক্ষা বেরিরেছে প্রার্থ প্রেরিরেছে প্রার্থ পরিরেছে সার পরিটির; ভাক্ষর বিষয়েশ কিটির; ভাক্ষর বিষয়েশ কিটির; ভাক্ষর কিটির; ভাক্ষরেশ কিটির; ভাক্ষরেশ কিটির; ভাক্ষরেশ কিটির; ভাক্ষরেশ কিটের ভাক্ষরেশ করে করেছেন কর্মান্ত কর্মান

নাটাকার হিলেবে রবীন্দ্রনাথ ফ্রান্স জনপ্রিয়তা লাভ করতে গারেননি। ভাকরর e 'किकामा' देखारू इंटबंट 20.797 ১৯২২-এ-তাও সাৰ্জনীন প্ৰদৰ্শনী নয় ব্যক্তিগাক বাৰ্স্থাপনায় ৷ बाराम्बाभमात्रकडे 'ভাক্তর'-এর প্রদর্শনী হয় ১১১৮ সৰ্বসাধারণের উদ্দেশে 'ডাঞ্চর' এর প্রধা व्यक्तिम वालाहे-अत्र 'बालाशहरीम वाही' নাট্যাভিনক্ষের আগে काराध-रास्त्रका अक्रि নামকা-সংযোজন হিসেবে : ছিল স্পাতি लाबिकान রচরিতা, কলেং প্রশংসা করেছিলেন



নগাধের বৰ্ণতি উপলব্দে নিলের প্রিচার পুরের প্রচারতান-এর সংক্রা আন্যাসক शासाम् विरमत्त्रके काकाव सम्बद्ध कर्य े शक् २५८२-६ प्रांतम अप २५७५-एवर जातकांक बांकनील एत्सर के मार्टकार । (DEPORTE WISHES 184-4 C '69-4 बर्कातम काल, '६०-ब छ '६३-ब म्योनन करत। ১৯১৯-ध आक्रीकरमञ्ज समा विश्ववाद्यान्यस्य स्टिस्ट स्थानकात्रः ১৯২০-এ গ্যায়িশ নগরীতে সাজ্য'-ভাক अक्रिन ।

केशनाम जन्दिक इस्तरक स्मार्ड कार्ड ह इत गारेत [১৯२२] हकूतना [১৯২৪ | लोकाष्ट्रवि [১৯२৯] अवर दशासा [১৯৬১]। চত্রপের অনুবাদিকা রোম্যা রোলার বোন. 'शाबा' अमृतारमं देखान छोत खिल ভেবেছিলেন বাংলা লিখে কালিদাস নাগের সাহায়ে মূল খেকে অনুবাদ করবেন—ভা আর ঘটে ওঠেন।

ছোট গলপ—রাবীন্দ্রিক ছোট গলেশর ত্তাতীত অতলানি ঐশ্বর সত্ত্রে-খ্র रिगी अन्ताम इसिट्स वना वास्य माः ইংরেজী মাসি' সংকলনের চোম্পটি গলপ ইংরেজী থেকে ফরাসীতে ভাষাত্রিত হরেছে যদিও ক্ষাধিত পাষাণ প্রভাত গালেপর ইগান্বাদ থাকলেও অজ পর্যণ্ড কোনো ধরাসী অনুবাদ বেরোয় নি। একেবারে সোজাসাজি বাংলা থেকে ফরাসী অন্বাদঙ আছে ন'টি গলেশর, যুগ্ম অনুবাদক শ্রীমতী রিশ্তিন্ বসনেত । ইনিও এককালে শাশ্তি-নিকেতনে ছিলেন। এবং শ্রীকমলেশ্বর ভট্টাচার্যা; পলগগঢ়িলার নাম অভিন্থি, গাুণভধন, मय ६ द्वीस, मृजामा, विहातक, महामाता. অন্যিকার প্রবেশ, সমাণিত, চোরাই ধন-সংকলনের নাম ভব্বনুরে । এই নামেট 'অভিষি' গ্লপটি অন্দিত হয়ছে।। ১১০৪ দালে ভোতা-কাহিনীরও একটি অন্বাদ প্রকাশিত হয়।

কবিতা প্রশেষর মধ্যে পরিভাললৈ ১৯১০ नात्नहे कर्यांन्छ हा इट्हः উद्धानवाना व लंदे मक्न मुद्देष्टिण ७ छात् वाम बाजा আর অনা অনুবাদ প্রকাশিত হয়নি; ইতালীয়ান ও জামান অনুবাদ বেরিরেছে ১৯১৪ সালে, ज्यामिन अस्ताम ১৯১৫ সালে। ভারপর ১৯২০ তে ত্রেমের মালী আর 'ফলের ঝাড়ি' এবং ১৯২২-এ 'কবীরের ক্ৰিতা গ্ৰেছ'। ১৯২২ সাজেই প্ৰকাশিত ইয় पारतकीं कावा मन्त्रमा भा कर्राक्रिक — वात जन्यानिका हरदबक्षी मध्यकारमञ्जू किन्द्रो। वान निरत्रदान क्षेत्र द्यान निरत्रदेवन करत्रकृति অপ্রকাশিত ক্ষিতা, বেগুলি ববীন্দ্রনাথ निष्यदे जीत काटक भाजिएत मिराविद्यान । **३३३० जाटन ट्यटबाइ फ्रेलीइयान छन्छ**, ३३००-अ क्विका। ३३२० माला भ्राम

CALLS AMEN'S AND SAME AND STATE AND कारियान साथ छ कांच निरंतन औं कर् [सनानी नाम फालररन]-हरासकी अन-कारमा ०२ वसी न्द्रती। न्द्रात्मा विकास क्वीन्त्रनाट्यंड स्वाटना "क्या काटवार" क्यानी জন বাদ ইয়নি।

खात चारह कीवनन्त्राचि [५५२८] अवर ह्यानुदर्म (३৯६०), कविश्रम (३৯२८) प्रकार किर्जातिक क्रीनीते जनः मानस्यम [5500] बाद जन्द्र कार्ट नागरक [3303]1

ৰে ভিনটি গ্ৰন্থ মূল থেকে অন্সেভ इरहाइ । अर्कां काया अकृष्टि नाग्रेक अर्कां है গুল্প সংকলনা সেগুলি একজন বাংগালী আরু একজন করাসীর বৃশ্ব প্রচেটা। জভ গর্মত কি বাংগালী কি কর সী কোনো चन व पकड़े अका मान कावा थ्याक अलाक অন্বাদে হাভ দেন নৈ। তাৰে সিলভা লেভি ১৯০৮ সালে পঢ়িটি অপ্রকাশিত ক'বতার অনুবাদ প্রকাশ করেছিলেন। অবশ। সিল্ডা লেডি নর লেস্নি-ই রবীন্দ্রনাথের প্রথম বিদেশী অনুবাদক। এদিকে প্রোভ সাহেব শাশ্ভিনিকেডনের প্রথম বিদেশী অধ্যাপক: তিনি শাণ্ডিনিকেতনে ১৯২৯ সালে আসেন, তার পরে আসেন চেক্-हमार्थन M winternits e V lesny. নরওয়ে দেশীয় S konov হালারিয়ান

Germanus est C formichi e G Tucci

১৯৪৬ সালে প্রকাশিত ক্যা প্রানি শার্মী প্রভৃতি টোপটি কলে মৌলড করানী त्रकता बन्ता त्यरक नात्ता। त्योशिक बारे कर्य ৰে ১৯২০ সালে ছালে থাকাকালে নাৰীক্ষ हाल अन्यतिका जारही जारही कार्गालम् अत कारम हेरद्रकीरक किरहेरे কর্মেছলেন।

न, नम्ह

গতকাল তিনকভিব ব্রু সংখ্য পজিয়াইটি के कारबंद कारब रमचा : या मारक रजाब करेब নিয়ে গেলেন ভার বাঞ্চিত। লক করলাব তার বাড়িটর নাম াকন্ড রবীন্দ্রন্মরণ খালপ্ত কিবো চৈতালি রাজে নি. রেখেছেন সাইট হোমা; আর ভার ভিন-जिनीहे कमाद नाम-मा, 'जिहा' नद्ग, 'मानजी' নর 'বলাকা' নর জলি, পলি আর ভলি া ছু বছরের ভালর সংখ্যা ভাব করে বললাম, परला एक बाकुर्यान के इक्की-कान्कर्विक्र লিনি শাশ্বভিন্ন পাঁচ বোন...

ছি হি করে হেস উঠে বড় গ্রেল বললা, 'e खाबात कि इसा, कामात ?...वम् एस **एका, गर्रोभारत एक कामाराक एकाएमत बरेरतम** কবিভাটা ঃ হামপ্টি ভাম্প্টি স্টে অন্ এ ওজন্...।

কমল বন্দ্যোপাধ্যায়ের তথ্যসমূদ্ধ ভ্রমণ কাহিনী

ভারত দশ ন

মিশ্র পর্ব ৮; মাদ্রাজ ৮; কেরল ৮, क्ष्मि भवति महाश्रकांभक रम।

বিক্রমাদিত্যের রোমাণ্ডকর রহস্য উপন্যাস

न्शाई ५०.००

স্বরঞ্জন সেনের নতুন রহস্য উপন্যাস

नारनामानी अर्रनद

खुताहै-ध्रम अन्नरम भीह्यात वारामात्र क्लाका यून। ज्यामकानी জগদীশবাৰ্র রোমহর ক অভিজ্ঞতা। পাঁচ টাকা । म् ब्राक्षम जातम् अमा वदे । ब्राक्टामार ५: छानकाटक त भड़न %; शाक दशरम ब्यून ४,; ब्यूनी उद्गर्यों ५.

ক্লানিক ব্যেপ । ০/১এ, শ্যামাচরণ দে স্থীট, কলিকাতা ও ক্লানিক প্রেশ



त्रुघतनीत प्राप्ता । घतकनाश अश्रासंशे ठाँशे श्रिक्तिण

Prestige

मवर्टा निवाशन : क्यानका मास्त्र व की धारत

অনেকটা জায়গা ও আপনার নিজের নামান গায় বা কীন

मोर्डिम 🐉 विक्रीय पर मायानायान मार्कित्मय सारका।

প্রত্যেক পরিবারের উপযোগী সর্বিক সাইক

সময় বাচার ইত্থন বাচার



वितासु (सः)

আগদার কুবিনার ক্স, একটি বাক্তি প্লাপ্ ও পিউল এবং রক্তন প্রণালীর একটি বই কার্টদের ভেডরে ড'বের কেপ্রনা আহে। ेको परास्य : हि है (क्षारितको) निर्नितिक वासार्यास—>७



(বাইশ)

শা শভীকে বাস-রাশতা পর্যাত এগিরে
দেবে বলে লালিত ভার সংগ্ বেরিরেছিল। গালির মুখটার এসে রমেনের কথা মনে পড়ল। রমেনকে চারের দোকানে বাসরে রেখে এসেছিল, তভক্ষণ সে একা বসে আছে। শাশবভীকে বলল—স্বভান, আপনার সংগ্রামার এক বন্ধার পরিচর করিয়ে দিই। খুব অশভুত বন্ধ—সম্মাসী।

–স্ব্যাসী ?

—হাাঁ, ওর বউ পালিয়ে গিয়েছিল [‡] ভারপর থেকেই—

—আহা রে! বউ পালাল কেন?

— কি জানি! ওর বউ ইরা ভাল মেরে। ছিল না।

শাশবতী তার কক্তকে ছোটো ছোটো দিতে নীচের নরম ঠেটি কামতে ধরল। ও
জানে না ঐ ভগনীতে ওকৈ কত সমুদর দেখার। মাথা ঝাঁকিয়ে বলস—পালানো কি
খারাপ? আমিও তো গত্কাল পালিয়ে ওপেছি।

কথাটার লালিত একট্ বিচালিত হল। মুখ ফিরিরে নিরে বলল—আপনি ঠিকই করেছিলেন। আদিত্য তো আপনার ইয়ে ছিল না—

—ছিল না ঠিক। কিন্তু আর একটা হলেই কালকের বাাপারটা হরে বেত। আর তারপর বদি আয়ি পালাতাম তাহলে লোকে আমার নিন্দে করত না? ও হরত সম্যাসীও হরে বেত আর তথন আপনিও হরত বলতেন—ঐ বালে মেরেটাই বত মতের গোড়া। এ রকমই তো হর সব ব্যাপার, লোকে ভিতরের কথা না লেনে নিলে করে—

ললিত এত কথার উত্তর দিল না।
জিজেন করল—জার একটা হলেই কালকের
বাগোরটা হরে বেত কেন? আপনি কি সই
করতেন?

একটা,ও শিবরা না করে বাড় হেলিয়ে শাশ্বতী বলল—করতার। আমি ভাষণ ভয় পেরে গিরেছিলান। মনে ছচ্ছিল, সই না করলে আপনারা ভরণ্কর কিছু একটা করবেন। ঐ বিশ্রী ঘরটার আমার দিন আটকে আসছিল। আপনাদের হাত থেকে ছাটি পাওরার জনা তথন আপনারা যা বলতেন তাই করভাম। তারপর বাড়িতে ফিরে এসে দী করেছি ব্যবতে পেরে কাদতে বসভাম। তারপর কর্মতে ক্রিন করাছ ব্যবতে পেরে কাদতে বসভাম। তথন আমার একদম জ্বান ছিল না। আপনাদের সেই বাতেজ-বাঁধা বংধ্—ক্রী হেন নাম।

—বিহান।

—হা । উনি বের করে আনার প্রও আমি বৃষ্ণতে পারছিলান না, আমি সভিটে স্ট করেছি কিনা।

ললিত কেঠো হ'সি হেসে শ্রুকনো মৃত্যু বলল—আমরা বলেছি বলেই আপনি সই করতেন? কেন আপনার নিজের পছন্দ অপছন্দ নেই? পছন্দ না হলে কেন সই করবেন আপনি?

—বঃ, আপনিই তোতখন সবচেরে বেশী জোর করছিলেন! কেমন পাগলাটে দেখাছিল আপনাকে। মাধার চুল উড়ছে, লাল উক্টক করছে মুখ, চোথ জালাছে—আপনাকেই আমি সবচেরে বেশী ভয় পেয়েছিলাম। আন্তিয়াকে আনি চিনি, এ বতাঁ রাজুক কৰাটো বুল অক্তমন কিছু বৰাতে পাতা আৰু কিন্তু আননাতে লেগে আন হাজিল, আন্তিন বেগে গোলে অক্তমন্ত কান্ত করতে পাতাল। —মী বাল্ড ?

The in the state of his way to be for its

—হয়তো—হয়তো—ধ্ন করতে পারেন আমাকে।

লাজ্যক মুখে একট্ হাসল লালিড।
বলল—মান্ত ডো নিজের মুখ দেখতে পার
মা, কাল আমাকে কী রকয় দেখাছিল কে
জানে! কিল্ডু বিশ্বাস ক্যুন, আমি মনে
মনে বোধ হয় কখনো চাইনি বে, আপনি
সুট্টা কর্ম।

—চার্নান? গাণ্যতী অবাক হর।

र्मान्ड शथा नाएन-ना। जात्रि घटन घटन চাইছিলাম, বেমন করে হোক আপনি ঐ ঘটনাটা থেকে বে'চে যান। আমার ঐ চাওয়াটা এত খাটি ছিল, এত ভীর বে, ভগবান আপনাকে বাচিয়ে দিয়েছেন। আমি অবশ্য ভগবান মানি না, কিন্তু দৈব বলে একটা किंद्य जारहरें। नरेल रंडार छेटे का বিমানকে কেন আমরা সপো নিরেছিলাম? হু হচি সপো না ছাকত তাহলে—আপনি रम्भन कमरकादी स्मरद्र-ठिक मरे करत ফেলতেন। কেউ বাঁচাতে পারত না। আমি ছে: নয়ই। কারণ বিয়ের স্ব্যানটা আদিতাকে দিছেছিলাম আমিই। ও প্রথমে বিরের কথা শানে বলেছিল বে. আপনি রাজী হবেন না। ত্ত্ত আমি অপনাতে বাজী করানোর ভার নিয়েছিলাম আমিই প্রদে করে ওর জানা-কাপড় ফুল আর আপনার জন্য শাড়ি ক্রিল্ম, আপনাকে ভূলিরে ভালিরে ট্যাক্সতে ভলন্ম, সঞ্জাকে সাকী যোগাড় করে—এত সূব করেছি আমি—কিন্তু সারাক্ষ আমার এন চাইছিল— যাকা গে, আপনি কি আমাকে বিশ্বাস করছেন?

শাশ্বতী হাসছিল। মৃদ্য চিকমিকে হাসি। মাথা নেড়ে বলল—বিশ্বাস করেছি।

দ্বণন আমার জোনাকি

গজেন্দ্রকুমার মিচের — নবতম উপন্যাস

ফিল্ম পাগল একটি ওর্ণী মেরের নেশা-ধরা ও নেশা-ছোটার অভিনৰ কাহিনীই এই গ্রম্থের উপজ্লীব।

ৰুণাভৰ বলেন ঃ—স্থামী দিবোলন্তে ছেড়ে গিলে বেন্সের এক নামকরা অভিনেতীর্লে প্রতিষ্ঠা অর্মানের এবং জনুলেপাড়ে গৃছনের মর্মাকথা।.......ন্দ দিবোলন্ত ও নিংলেবিভ স্নেলার মর্মাবেদনার ইতিব্যু অকিছে গিলে লেখক কাহিনীর বে ব্যঞ্জনামর পরিসমান্তি ঘটিরেছেন তা বিশেষভাবে আমানের মৃদ্ধ করে এবং বিশ্যরেই আমানের বলতে মন চার চলচ্চিত্রের নেপথা লোক নিয়ে এ ধরনের মর্মান্স্পাী চলচ্চিত্র বাংলা উপন্যাস আর নেই। মুলা ৫.৫০ প্রসা

কলিকাতা প্রেকালয়, ৩, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা—১২

-चार क्या ?

শাশ্বতী হাসিম্ধে অনেকথানি খাড় হেলিরে বলল—করেছি।

ভারপর একটা চুপ করে থেকে বলজ— আপনি কেন আমাদের বিরে দিতে কেনেছিকেন জানি।

—আবিতা আপনাকে কোনো গোলমেলে কথা বলেছিল আমাকে নিয়ে। না? কলিত মাথা নাডল।

শান্ত গুলা নীচু করে বলল—কিন্তু আমাকে বাঁচাডেও চেরেছিলেন কেন?

श्रमकोत सना अक्षम टेजनी हिन मा जीनको। दन म्डिन्डिंग स्टार राजा।

এখন তার সামনে জীকত, তরতাজা এক দ্শা। বন চুলের ভিতর থেকে বিকমিক ভরত্বে কানের রিং, পরনে কালো হল্পের সুক্রে কট্কী শাড়ি, নিকোনো উঠোনের মতো পরিকার রূপহীন মুখখনা। ব্যাদ এখন ললিত ওকে ভালবাসার কথা বলে ভাহলে লাজ্যক মুখ নামিরে সম্মতির হাসি হাসবে। এতক্ষের হাসি খুণা আর আনন্দের ভারটা रठार मारव निका भाषा-काशका मरका अक বিবাদ। দভাই ভো। যে কেন চেলেছিল শাশ্বতীর বে'চে বাওরা? তার ভাতে কী লাভ? আদিতাকে ছেলেবেলা খেকে চেনে ললিত। ফ.ডিবাজ আম.দে ছেলে, দরাজ সরল মন-তার সংখ্যে শাস্বতীর বিষ্ণে হলে কতি কি ছিল? তবু তার মন চার্যনি বিয়েটা হোক, বিশেষত ঐভাবে ঐ থালোটে ঘরে সরকারী ভাষার আধ্নিক মলাপাঠ करत। त्म हार्जान अष्टे काही काही मृत्यत শ্যামলা রঙের মেরেটির বিরে হরে যাক। কিন্তু কেন? কী লাভ তার?

ললিত চেখ ফিরিরে নিতেই শাশ্বতী বলল—আমি কিশ্তু জানি।

रण नतन. त्वाका स्मरत्रहो। को **का**ना

ष्ट्रीय ? वीत काटना, करत वरना ना काटनारियन।

-करं, वाशमात सन्द-रगरं गातामी }

লালিত গিলে দেখল গোকানে একা বনে আছে রমেন, জার দোকানের যালিক গণেল ভার কণ্যালারের ভূজার কারবার কী করে বিলোং-বাকি পড়ে কোনে গোল সেই গণে ধনেককে লোনাছে। ব্যব্দার গান্ত। বন্দেন। লালিত র্লেককে ভেকে আলল।

—এই আমার বন্ধ রমেন, আর ইনি শাশ্বতী ব্যানাজি।

ললিতের লাজা কর্মাইল। রমেনটা কী ভাববৈ কে ভানো কিছু লাগবতীর এর বেণা পাঁরচর দেওরার কিছু নেই। আর কিছুদিন আগে হলে সে বলতে পারত—ইনি নাদবতী বার সংগা আদিতার বিয়ে হবে। কিংবা সে বদি স্কুম্ব স্বাভাবিক হত ভাহলে হরত এমন কথাও বলা সম্ভব ছিল—এই নাদবতী বাকে আমি বিয়ে করব।

রমেনকে সরল একটা প্রখন করল শাশ্বতী—আপনি সম্র্যাসী?

্রমেনকৈ জ্লান একটা, হসল, বলগ—না তে। !

--- AH (

द्रायम याथा नाएल-नाः

<u>-et4</u> ?

ক্সমন এইসব প্রশ্নের সামনে বরাগর মুশকিলে পড়ে বার। সে ভিত্তেস করণ— আপুনি কৈ চলে বাচ্ছেন ?

শাংশতী বলল—হাাঁ, অনেককণ এসেহি। এবার যাই।

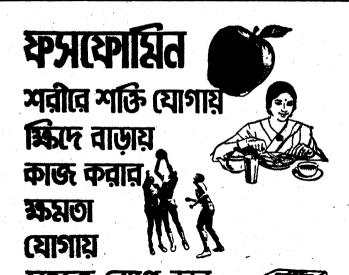
—ভাষকে চলনে, আপনাকে একটা এগিরে দিই।

তিনজন আপেত আপেত হাঁটিতে লাগস।
আনোরার দা রোডের মৃথ পর্যপত এসে
হাঁপিরে গেল ললিত। লক্ষ করে শাশবতী
ধলল—আপনারা ফিল্লে বান। আমি ডো
রাস্তা চিনি, বেতে পারবো।

রমেন বলগ—ভূই যা, আমি এগিলে পিয়ে আস্তিঃ

ক্লিউ একট্র হেলে লালত দাঁড়িরে গেল। অনেকক্ষণ দাঁড়িরে রইল। তারপর ফিরে এল আন্তে আন্তে।

শাশবতী শনেকে, কাগশার হলেও কেউ কেউ বে'চে বার, বেমন তার মেনোমশাই বে'চে আছেন। ও কি বে'চে আবে! মৃত্যুর ম্থোম্বি ও এখন বড় একা। একা বলেই মাবে মাবে নিকের ওপর বেরে বার। গতকাল ওকে লক্ষ্ম করেছে শাদবতী। একাম পাগলের মতো দেখাছিল এর মন চাইছলি না, তব্ জোর করে শাদবতীকে ছু'ছে কেলে দেওয়ার চেণ্টা করেছিল। জানে লরে বাবে—তাই ওর ছুব অহংকার, শাদবতীকে অবছেল। করেছিল। কিন্তু শাদবতীর একট্রও রাগ



সহজে রোগে কার্ব হ'তে দেয়না

ষ্প্রকামিন-এর কল্যাণে— বাড়ীর স্বাই স্মৃত্ত আর স্বল থাকার আনন্দে সমৃত্ত্বল।

কুসকোমির—কলের গড়ে ভরা সমুক্ত রংরের ভিটামির টারিক কি কুমপ্লেক্স আর প্রচুর বিসারোক্তসকেট্স দিরে তৈরি।

্ ই: আরু: কুইন এও সল ইন কর্ণোরেটেনে বেজিটার্ড ট্রেনার্ক প্রথম করি লাইসেল প্রাপ্ত প্রতিবিধি করন চার প্রথম চার প্রান্তিটেট দিবিটেও।

SARASHAI CHEMICALS

shilpl so 30/67 see

নেই। প্রেবনান্মকৈ ব্যুক্ত আৰু মিনিটির
সমা লাগে না। গতকাল অত সব সংক্রেগালের
মধ্যেত ললিতকে ব্যুক্ত গিরেছিল লাম্বতী।
ব বি মরে বাবে। কেন মরে হাবৈ।
ক্রান্সারের তো অব্ধ বেরিরেছে, আশ্বভী
পড়েছে কাগজে।

রমেন হাত ধরে শাশ্বভাবে রাশ্ভার বারে मीत ह जानका जिल्लामा अस्त इन मिक्किन अक्षेत्र शास्त्र, मान्यकी मानदक পায়নি। সে একটা লাজ্য হাসল। বতক্ষ লগৈত সামনে ছিল ততক্ষণ লোকটাকে ছাল করে লক্ষ করেনি শাশ্বতী। এথন লক্ষ কারে দেখল লোকটা একটা খামের মন্ত বঙা। গারের ফুসা রঙ থেকে রোদ ভিকরে আস্থে। স্পের চেহারা, কিন্ত পোশাকের কেনে। মুক্ত কেই। পরমে একটা হাক্ষ-হাস্তা প্রাধি আর ধ্রিটেন লোকটা বোধ হয় কথনো খেরাল করে নাবে সে কলেমনি স্কর। শ্রেবতীর ভাল পাগল যে সে রাসভার মার্ক্তান বিয়ে **অসাবধানে হটিছিল** হাল লোকটা ভাকে একটা ও ধমক দিল মা, উপ্দেশ্ব দিল না। শ্ৰেষ্ঠ হাত ব্যৱ সরিয়ে ভানে আহার নিবিকারভাবে **হটিছে। যেন** দরকার হলে আবার **হাত ধরে সাররে** আনবে, ধমক বা উপদেশ দেকে না।

শংশবতী জিজেস কর**ল—বললেন না তো** অপ্নি সংগ্ৰামী কিন্তু।

র্মেন শাশ্তভাবে বলল—না।

শাশবর্তী তাঁর দাঁহত তিরাট টেপা **সক্ষের** হাসিটা হাসলা, বললা—বিশ্তু আর্সান সম্মাসী হল থাব ভলা হও।

-(**4**2)

লসংগ্রেমানের তে: অন্যেক তৃকতাক তল্ত-মন্ত্র লানা থাকে। আছি তাপনার কাছ থেকে কালোরের অব্যুধ জেনে নিভাম।

तामन अवने शामन।

শ্রণতী চিণিতত মানে **ধলল—বিন্তু** বস্তুর মনে হয় আমি কাগজে দেখেছি কাল্যারের অধ্যাধ ধেরিয়েছে। তাই না ?

ार्विम भाषा नाष्ट्रमः स्थाति । इत्यान भाषा नाष्ट्रमः स्थाति (स्वित्सार्वः ।

শাশ্বতীর মুখ সামানা উচ্জন্ত দেখাল। বিগল, আপনিও দেখেছেন না ?

র্মেন একট্র চিম্তা করে বলক—দেখেছি বেধ হয়।

-বেরিরেছে। শাস্বতী হঠাৎ নিশ্চিস্তির ^{শ্}বাস ফেলে বলাল—আছি জানি।

রমেন একট্থে হাসল না। খ্য গণ্ডীর-ভবে বলসল—আমি অবশা একটা টোটকা অব্ধের কথা জালি।

-কী সেটা?

হাটতে হাটতে বাস-মাস্তার এবে গিয়েছিল ভারা। রয়েন বলল—আর একদিন বলা ধাবে। ঐ আপনার বাস-স্টপ্।

না, আপুনি বলুন। অধ্যাবরি দ্বার বলল লাগবতী। এদিক ওদিক একটা দৈখে नित्त कावा—धैवारम अवकी स्तर्केर्ड प्राची वारकः काट्य, अवकी वीत्रः

রমেন একটা ইত্নতত করে বলল— আমি কেন্ট্রেনেট কিছা থাই না।

—আছা, আৰি চা থাৰো। আগনি বস্তুকন। চলুন।

সকাল সাড়ে সলটার বেল্ট্রেণ্টা থ্র ফারা ডিল না। করেকলা ইতর ধরনের ছেলে ছোকরা এদিক ওদক ববে আছে। কেট্র জোরালো লিস্ দিছে, তার সংখ্য টেবিকে আছুলে ঠুকে ছুকলা বাজানোর দাবন। দেখেশুনে মুখ খুকোলো দাখবতীর। বজল—এখানে হবে না। বস্তু বাজে জারলা।

—সর স্বায়গাই এরক্ষ। আস্মা কোনো ভয় নেই।

ভিতরটা নোংরা অন্ধকার। ছেলে-ভোকরারা লন্দা একটা টোবল দখল করে রেখেছে বাদবাকী রেলট্রেন্টটা ফাকা। এরা আন্তা দের বলেই বোধ হয় এখানে তেমন থলের আন্তা না। বে বোকানে একবার এ ধরনের আন্তা বঙ্গে সে দোকান আন্তে আন্তেধ মিইবে বার টিমা টিমা করে ৮লে।

—ইস্, কী অসডের মতো ভাকাছে! ফিস্ফিস করে শাশ্বতী বলগ।

--वार्शिक छाकाम । करा भारतन मा

--- E12 1

রমেন তার সর্জা স্থায় চোথে তাকিরে ডিফা ছেলেগ্রেলার দিকে। প্রায় নিব্পলক-ভারে।

শাশবতী ফিস্ফিস্করে বলল-কী করছেন। এরা ভীষণ বাকে:

সে কথায় কান বিজ না ব্যেন। তাকিরেই রইল। ব্যাপারটা খ্র আপেত আনেত ঘটতে লাগল। কালো কোলো, রঙচঙে জামা পাপটি পরা ছেলেগ্রেলা বন বন তাকাছিল তাদের দিকে। হাসাছিল গা টেপাটেলি করে নীচু ব্যের কথা বলছিল। তারা কিছ্ কণ র্যেনকে লক্ষ করল, তার চ্যোখর দুন্দি কেরত দিল সমানে স্থানে। একছন বলল—মাইরি, আমানের তস্পান করে ফেলাই। তারা বার্তিত লাগল। কিছুক্লের মধেইে তারা হারতে লাগল। কিছুক্লের মধেইে তারা আর কেউ তারাছিল মা, নিজেনের আন্ডাধ ভূবে গোল।

রমেন শাশবভার লিকে মা্থ ফিরিরে একটা হাসল। ভারসার বলল—চোথের একটা কোনো শতি আছে। আপনি বলি কথানো এ সাব কেতেলে চোথে সাহাস করে চোথ রাংখন জবে দেখবেন এবা সেটা সহা করতে পাবে লা। ভারে খুক সারকভাবে ভাকাতে হয়, রেংগ লিরেও নার আবার ভারে ভারেও নান

-किन्छ् चन्द्रवद क्याता !

নমেন মাধা নাল্লস—হা। সেটাও চোখের অস্থে ছিল। আমার ঠাকুদার বাবা ছিলেন প্রায় অব্ধ মান্ত। দানু সেই অসুখ্টা সেরা প্রাসংখ্যা শারদীয়

ञ्जून्व

जीवन

৫টি উপন্যাস লিখেছেন সম্প্রেশ বসু জ্যোতিরিন্দু নন্দী অবধ্য

হরিনার য়ণ চট্টে প ধ্যায় ফীয়োদ চট্টে প ধ্যায় ২চি উপন্যাস্যাপন বন্ধ সম্প

> तुष्करम् त**ञ्** अञ्चरत्रम् मात्र

वृद्धि शक्ल

সভোষ ঘোষ, বিমল কর, শঙ্কিপদ রাজগ্রেন, শ্রীমতী বাণী রার, বিভূতি নিয়োগী, সৈয়দ মুস্তাফা সিরাজ, কুষাণ্য বন্দ্যোপাধ্যার

যৌর ব্যয়ক প্রবন্ধ ৩০টি

* আলে।ড়ন স্ভিকারী <mark>ঘৌল</mark>-বিষয়ক

म एख बेरबा ५०हि

* २८६ि क्टोशाकनर

প্রাধ্বের ৪শর ৪০ছ শত্যিক ফটোল্লাফ দ্র লাম চার টাকা একেটাল্ল বোলাবোল কর্ন

সংশ্ৰদ্ধ জীবন ঃ ১১৭/১, বিশিম বিহালী গাণহালী স্থাটি, কলিকাডা-১২। ক্ষমন্ত্র শেক্ষ্রিকা। বৌদনকাল বেকেই
তাক্ চন্দ্রার কংশা আতসকাচ কিংবা দ্বেবাদ বাক্ষ্যর করতে হছে। আবার নান্ত্র দ্বেই
হেলে, আনার বান্ত্র আর জ্যারামশার, আর
ক্রমন্ত্রে, আনার পিসীমা—এবেরও বরস
তিরিল পেরোনোর আনেই চোখের পৃতি
আপরা হতে শ্বে করল। আর চারেশের
আক্রমা বাজ্লা। সেই সমরে সমস্যা দেখা
দিরোহিল আমানের বিরাট বিষয় সম্পত্তি,
বাগ্যান, খাজনার হিসেব এ সবের দেখাশোনা নিরে। কে এসব দেখে? আমার ঠাকুমা
বরার ভিতর বাড়িতে থাকতেন, বাইরে
বেরোতেন না। কিন্তু শেষ প্রবাদক রখন বারার

চোর্থারাপ হতে শ্রু করল তথন

ঠাকুমাকে বেরোতে হল। আরু আভচবের

বিষয় যে ঠাকুমা খুব অচপ দিনেই সব

बारक मारक निरम्भ। यात्र निष्कु जारव-

এমন কি দাদরে চেয়েও ভালভাবে তিনি

অমিদারি চালাতেন। আমাদের বিরাট বাছি

বাগান সম্পত্তি সহ কিছুৱ ওপৰ ভাৱ ছবিছা চোৰ ছিল। সকলের দেখা তিনি একা দেখতেন। ভাই এড জীক্ষা হয়েছিল নোখ ছে বাগানের একটা ফলে কেউ তললে তিনি টের পেতেন, গাছের একটা পাতা পতে শেলেও তার চোখ এডাত না। প্রতিটি প্রভার মূখ ছার মনে থাকড। আমাদের वाकार अकट जिल्हा जानमादि बाद वाक পাটিরা ছিল-ঠাক্যা সেগ্রেলার ভালা একবার চাবি চাকিরে খুলতেন কথনো কোন ভালার কোন চাবি তা ভল করতেন না। এইভাবে সারাদিন চোখ করতে করতে তার চোথ ভরণকর তীক্ষা হয়ে যায় আৰু বিষয়সম্পৰিষ ওপৰ **करक्त बक्छा कामवामा** 00 ঠাকমা অশ্ভত ব্যাপার ঘটেছিল। ভার উল্লি হয়েছিল। ভার এসে ছল গ্যাংগ্রীন হয়ে পাচ গোড়ালির হাড় বেরিয়ে

नासीहरू । छाडावहा स्वाव प्रित किन्छ ठेकमा बन्नीबर्शन ना। वस्तिल मामिन करते वाकमान ग्रामा त्यात होताना में दक्षामा नहां शमा मयीत्वत स्ट्या अवसात ভার ভোগ দটোত ভিল দেখবার মাজে। সেই বস্তা বস্তা চোৰা, সেই টাক্সতে দুল্টি একইরকম ছিল, রোগের மகர்.க বলতেন—আমি মরে গোলে मिश्राय ? द्वाध दश मिहे कालानहे ইচ্ছাশব্দির জোরে তিনি ্যেতি আরো সাত আট গ্রাস। সেই বেক্ট থাক है। দেখার মতো দ, পারবেজা আমার কোঠীয়া ঠাক্যান শিয়বের দিকের আলমারী খালে কা ফে বের করতে গেছেন ঠাকুমা ঘাড় উল্ট **র্নোদকে তাকিয়ে ভিডেনে কর্মেন**-ব্রুব্র কীনিচ্ছ? ব্যাস্থী ভারস্থায় তার প্র বেরিয়ে গেল। আমারা চেটামেরি শাস লেভি গিরে রেখি অক্ডন্ত প্রশান স্থাত উত্ত

आशतात श्रिय शर्ख काश्रफ़ व्यक्तित!

भारत

हिरेत छाञ्चाव 😵

কৃষৎস্থার দোরা সেরা স্থাপত্ত—পণ্টান, জিলা, গড়েন্দ ইত্যাদি — স্থানা গানে। মারবুত, বানেক টেকসই ও অপদ্রুপ জিনিপের, বাতে অনেক খোলাইনের পারও নতুনের অভানই লাগে এবং জামনও কেন মারণ বাকে।



अतिति

'টেরিন' কটন শাটিং মিশুভভাবে বোনা কেছাদ্রবন্ধ কিনিব। নামারক্ষের বনোরম রঙে পারেন।



शास गायायद्ग

'টেরিম' মেশানো স্থাটিং স্বস্থা পুরুষ্ট্রে জালাম্মাণিক। উত্থল সালা থেকে হাজা ও প্রকার প্রশার বুসর বর্গের রক্ষারিতে।



এছডভারক: যাছুরা মিলসু কো: লি: মাতুরাই,



मानुकारीक व्यक्तिम

চাক্ম। এত বড় হড় চোখে আলম্মারিটার দিকে লেনে আফেন—একেবারে কারণ্ড সান্ত্রের মতে। খোলা চোখ, কেবল বা-করা মতেবার মার, চার্মা করতে নেই। সেই খোলা চোখ করতে আমাদের বেখ কণ্ড করতে হরেছিল। ঘতবার ব্যক্ষির দেওয়া হর ততবারই আন্তেভ চাকের পাতা খুলে বার, আর

—আহা। স্বভাৰত কোমল শন শাস্বতীর। তার চোখ **হলঙল করে।**

- यदायद् कथा है। की कार्यन ? ठाक्या হরে যাওয়ার পর আমি জনেক ভেবে সেখেছি ঠাকুমার যে মরতে অভ সময় লেগেছিল তার একটা কারণ হচ্ছে এ বিষয় সংগতির প্রতি ভালবাসা। বিষ**র সংগতির** প্রতি বেশী টান ভালবাসা গ্ৰহা ভারতী হয়। প্রভান করি না,-কিন্তু ए र বিহ্নসম্পতির মতে। খারাপ **জিনিসের প্রতি** <u>ঐ হালবাস ও ঠাকুমার আয়া বাডিয়ে</u> লিক্তিল। ভাহাল দেখান ভাল কৈছা সং বিছর প্রতি ঘদি সানাবের ভরকম ভারি ভলগেল গুলা, আনু ভাকে বক্ষা করা**র ভ**লা খনি মান্থ সজাগ লায়ে ভাঠ ভাছালে। ভারে মধ্য বেছে যাথে নাট্শাধ্য মায়া নয়, তার চেবের দ্বিট বেড়ে **যাবে**, বাছবে **প্রবণ**-ভ্যাতা, তেড়ে বাবে স্মৃতি । শা**ভ কিংবা** ভবিষয়ে গুলিউ। তথন আৰু **পতিভান যা** াহে না, যা শেষে না তার সব সে দেখাত বাশনেতে পাৰে। ভাই নাং

্রনেকথনি ঘাড় হেলাল শংশ্বতী, বলল – ঠিব।

তারপর একটা ইতসতত করে বলগ— তাহলে অংপনি বলছেন, আপ্রনার বংধা্র জন্মধনি সেরে হাবে ?

নিটনিট করে একটা, হাসল রামন, বলল— অপনর কী মনে হয় ?

গঢ়ে প্রধন। শাধবতী এক উন্তর জ্ঞানে ন। ললিতের উম্জন্ত চোম। মুখ্যানা সে ননশ্চক্রে দেখতে পার। মৃত্যুর মুখো-ন্থী একা একটা ्रताक। ताशी। শুস্বতীকে বজার করে বিলিয়ে দেবার চেণ্টা করছে। প্থিনীয় সংগ্য **সম্পর্ক চুকিয়ে** িতে চয় ७। ५.व'ल—ग स्वरीतक ভালবাসে- কিন্তু সেটাকে প্রাকার করতে ण्डेल सा. **उद्यस** व्यवस्यादी! वद्यादमञ् न्त्रत भटन **मः धश्र**मात भिटक रहस শাশ্বভীর ঠোট முகந் ्रक'रम् बर्छ। রদেরের প্রথনটার কোনো উত্তর দের না गाभाडी, किन्छ इठार न्यानिक शनात राज-याशीन अटक वीडिएम मिन।

এই থানের মতে। প্রকাণ্ড লোকটার সামনে কগাড়া কলতে। একটার লম্জা করে না শালাতবি।

इसन अवकी निस्तान स्कलना

্থক বাপ চা সামনে জাড়িয়ে বাজিল। শাদৰতী তাতে ব একবার ঠোঁট ছাইয়ে উঠে পড়ল, বলল—অনেক বেলা হলে গোড়ে—

্রাস্ত্রে এসে শাশবতী বলন—আপনি একটা কথা কাউকে রলবেন নাঃ

-की क्या।

—আমি ওকে ভালবাসি। রমেন মাথা নাডল—বলব না।

বাল শ্টপের ভীড় থেকে একট্ আলগা দাঁড়াল প্রকন। শাশ্বতী হাত দিয়ে রোদ থেকে চোথ আড়াল করে মাথা উচু করে রমেনকে দেখল। তারপর বলল—সাপনি বরং ওকে বলবেন।

--

শাশ্বতী লাজ্ব মুখ নামিয়ে বলল— বলনেন বে অমি ওকে ভালবাসি।

ভারপর একটা ইতস্তত করে শাস্বতী বিরত মাথে বসল—আমাকে যদি ও ভালবাসে তাহলে হয়ত—আসনি বা বললেন সেরকম—ওর আরু বেডে যেতে পারে—

রমেন একট্ছেসে যাথা নাড়ল—না।
নেরেদের ভালবাসা তো সোজা। সে
ভালবাসার লাভ নেই। বরং মেরেদের প্রতি
অতাধিক ভালবাসা মান্বের মধ্যে মৃত্যুপ্রম
ভাগিয়ে দেয়।

–কে কী?

রমেন শাবতভাবে বলল—আপনি বে কোনো প্রেমের কবিতা পড়ে দেখবেন, কিংবা প্রেমের গাব্দ উপন্যাস, তাতে দেখবেন মুড়ার কথা কিছু না কিছু ধাৰ্থবই। বানা প্ৰেৰ্থটো কৰে ভাবের কথাবাতী ক্ষান দেববৰী, ভাৱা দু ৰুদটা কথার পরেই একে জনকে কলছে—আমি বদি মরে বাই ভাহকে ভূমি কাবে? মৃত্যুর চেতনা ছাড়া কিছুতেই প্রেমকে মহৎ করা বার না। গুরুষ প্রেমে কি আহু বাড়ে?

- छात ? कारक ?

রমেনের মুখে উত্তরটা এলে গিরেছিল, কিন্তু দে উচ্চারণ করল না। 'ইন্দর' শব্দটা উচ্চারণ করার একটা বিশেষ সমর জাছে, নইলে তা মানুহের মনে তরপন তোলে না। বরং শুনে মানুহ হেসে ওঠে, মুখ ফিরিয়ে নেয়। কিন্তু কথনো কখনো এক একটা বিশেষ সমর যখন মানুহ রেললাইনের ঢকা ভারিতে দাঁড়িরে থাকে রেলগাড়ির প্রতীকার, যখন জলপাবনে ছেলে কোলে আগ্রর খাজে বেড়ায়, কিবো যথন—। তাই রমেন কথা বলে না। একটা হানে মাত্র।

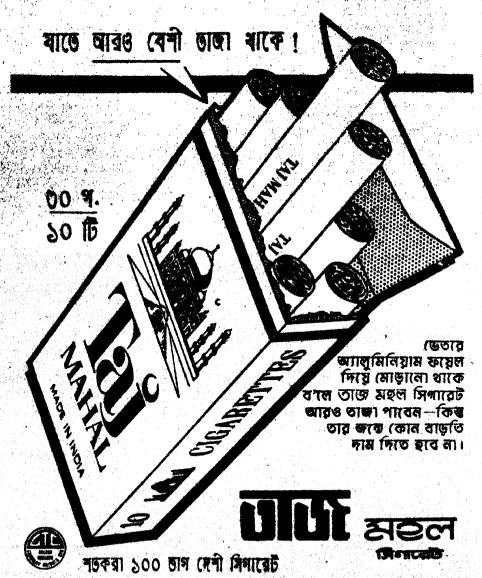
শাণবতী মুখ ভূলে রমেনের উল্লেখ্য চোথ দুখানা দেখল। হঠাৎ **জিল্লেস** করল—আপনার কখনো চোটেবর অসমুখ হয়নি?

—না। বলে মাখা নাড়ল রমেন, ভারপর একটা চুপ করে থেকে দুন্টা ছেলের মতো হেসে বলল—কিন্তু একবার আমি অব্ধ হয়ে গিরেছিলাম, করেক মৃহত্তের জনা... কিন্তু ঐ আপনার বাস এসে গেল।

কম্প



भारतिरिधिस्थिति।



लारकन कियादिन। क्नाः काहरको निमिटहेक, व्याचारे-६७ **शिकाहरकत क्रांडे** मन्द्रकत सूरक काकीय क्रिका

क जिल्लान यामारतक वक्की बन्छ वह निका र तत ज निका देखा कामक किस्ट्रेस्ट BECOM AT PER 1 A TEN DER WITE जाराहर शासन ग्राम स्वामित व्यक्ति जाना श्यित हम :- अमयक स्टॉन- आफ स्टाल स्थार अवद्या अनामन शासा किट्ड नार्टात. गाउन मता हा शित्रवानकान न्यान करिकार करव বসেছে। অভএব জোনটার কি ৰুবা ভা কে পিতে করবে? আমার মনে হয় মুস্যারণের দিকে লকা রেখে প্রভোক কালে কে বিবর্তন ঘটতে তার বিবিধ জিমিক পরিচয় অক্টা एवळाड् । अ स्टान्स कावासम्ब्रीक, अ स्टान्स मार्ग मध्योत व स्थाप त्यासमाधa अव विश्वतंत्र त्य शाम्बन्द्रीमा क्रीक्रफ शाम्ब कविवारक रमदेश्रीमधे कराव केविकारमा क्रिलामात । धामय शाल्या । व्यामका दक्कान सामा দিট না, ভাবি এসৰ লেখা আনাডিসের জন্য -शटक वीम क्यांटक विकाद स्वाटक विवादक । धनव वह धन रहमन नवादनाहमा मा जादना-চনা কোনটাই হয় মা—ভঙ্গ প্ৰাণিত স্বই খেকে यात । अठे कातान जन्मीराज्य रहेक म है यह आमारित राटन के कारतन नहा कि ट्रामि. সমসাময়িক স্পাতিশিক্ষী বা গাঁডকারদের कौरन काहिनौ या **शत शतिकाव' मारव मारव** প্ৰকাশিত হয়, ভার বিশেষ গরেছ আমবা দিই না বোধ হয় এই সব পরিচিতির মূল্য বিজ্ঞাপনের চেরে বেশী নয়। অথচ এমন একটা সময় আসতে পরে যখন এ'দের মধ্যে করুর कीतनी या श रुपात कथा कानवात शरहाकन খ্ব বেশী হতে পারে। যা আমরা নিতা চোখের ওপর দেখাছ তা এন্ত স্পদ্ধ এবং প্রতাক্ষ বে তা নিয়ে লেখবার প্রয়োজনীয়তা আমরা বোধ করি না, আর লেখা হলেও তাক অতি সাধারণ বলে ভাষজা করি। এই দ্ভিট হতেই সাধারণ দৃভিট কিন্তু আনার মনে হয় বারা সংগতি সম্বন্ধে চিল্টা করেন ভাদের আরও দ্রদ্ধি সম্প্র হওয়া अताक्रम ।

বিবর্তান বস্তুটা প্রতিনিয়ন্তই ঘটে চলেছে কিন্তু তাকে আমরা তেমন করে বোধ করতে পারি না। হঠাং এক সমর ঘটনারতা তান্ত্রক করি নিতাকারের প্রতাক বিবরে কথন একটা পরিবর্তান ঘটে কেন্তে এবং লে পরিবর্তান বড় কম নর। তথনই আমানের মনে এংসাকার বির্ভিত বা বটলা। তথনই আমারা এই জাবাদাকতা বোধ করি যে একটা বারাবাহিক বিবরণ বা ইভিছালে ধাকার কালা হত বা আনানের অনুমানের পরিবর্তান বা করের কালাকার বির্ভিত বা বা করিবর্তান বা করের কালাকার কালাকার বা করের কালাকার কালাকার বা করের কালাকার বা করের কালাকার বা করের কালাকার কালাকার বা করের কালাকার কালাকা



नाम दान

সাহিত্যার বিবহ'ন সম্বাধ্য বাঁরা অনুস্থান कत्रतम जोतम् अहे भव स्त्रमा सम्बद्ध हरद এবং ভাট থেকেই অপ্রদাতির মুল্যারণ করতে शरका को बद्धानंत बहुमादक समा काना नहन मद कान क्याम वर निक स्थाप कर গ্রুছণ আছে; একমদা সপ্রেটিটিড সাহিত্যিক কথা ভার কাহিনী লিখতে কনেন তথল তার লেখার লাহিতের সলে সমার বা চলমান জাবনবালার বহু চিতত তো প্রতি-क्षांत्रक वृद्ध। यक्षेत्राटन व्यक्तिक स्वाहित टबर्फे टबर्फे जानकाहिमी ब्राह्मा कंट्राट्समा সেণ্ডলিতে যে কেবল অভিনয়ের কথাই বিবাত হারেছে এমন নয় সমগ্র নাটা সমাজের কাহিনীই বিবৃত হুৱাছে। এইভাবেই সাস্গতিক বিষয়ৰ বড় একটা লেখা হয়নি, किन्दु लाया इलाहे साल इक. जनगीठ क्रमरण्ड वद् विवयं मिटे मेर स्मान स्मरक পাওয়া বেড।

গত ব্যাহর প্রবৃতী হাগের সংগতি সন্মেলনের সংশা স্বাধীনভার পরবভী বংশের সংগতি সন্মেলনের 'পার্যকোর কথাই ধরা যাক। এ পাৰ্থকা বড় কয় নৱ। মাত্ৰ দু-এক দশকের ব্যবধান অধাচ গায়ন ও বাদন পশ্তিতে কী বিরাট পরিবতন হরেছে। এম্পেটিকের বিচার আলাদা কিল্ড পরিবর্তন रव हरत:इ स्मिने अञ्चीकात कता वात्र ना धवर এটাও সভা বে এই পরিবর্তন বিবর্তনগভ। এই বিবর্তনটা আমরা প্রভাক্ষ দেখেছি বলে বহা প্রশ্ন আমাদের মনে উদয় হয় না কিল্ড যদি কেউ তিরিশ বছরের ব্যবধানে নতন করে क्को मत्मानता हठार क्रांम भएएक छाहरन প্ৰথম শ্ৰেণীৰ কোনও অন্টোনে তিনি বিক্ষয়কর পরিবর্তন পর্যবেক্ষণ করতেন এটা ठिकहै। এই मुधि ब्रुगत अक्रो वाज्ञवादिक ইতিহাস রচনা করা আজ কিশেব প্রয়োজন। ভবিষাতে সংগতি সংবদেধ গবেষণা বখন আন্ত অনেক ব্যাণিত লাভ করবে তখন এই क्षाबारिक ब्रह्मा भाउमा यात्र मा दान व्यक्तिक व्यक्तिम कर्द्राण एरव । मत्त्रमानद ইতিহাস মানেই সাম্পীতিক বিৰতনের ই ভিচাৰ।

প্রচলিত কাবাসপাটতের কে রও এইরক্মই একটা বিরাট পরিবর্তন ঘটেছে। এইখানেও আমি ওপেটিজের প্রধন তুলাই না, কিন্তু

কাৰাসপাতিত যে নানামিক সৈয়ে এলো चाएकान बर्धाय-धी एक क्यीनार क्षेत्राव केलाव संस्थे। यात्रमात्रीरस्य शासास्त्रा बरुटे भाक्स मा एक्स, बास राज्य गरब समार बनर रमारक का गरमरक रका नर्छ। अस मरना जानक शाम बारमासीनीक सरका। जनगीरकर ইতিহালে এই শিক্ষিতের মূল্য কছবানি সে বিচারও নিশ্চরই হবে। অভএব নিয়াল্যর जरका मरकार्य "किम म. हर्र्य मा" काही ছবিং বাৰে চলতে পাৰে ভিলভ ভয়নত मामन फरक मोता सन्यात कार्य हार्य स्त्रीत নিরাসরি নিরেই এ বংগের স্পরীক্ষে বিচার করবেন। এ ব্যাপর পারক, গারিকা, র্যাভিকার ग्रहकार-वादा योग निरक्षणं व्यक्तिकार्याव रियस्त श्रेणाम् स्टब्स् असः सात्रः स्टब्स् AMILIA DE BIECH CHAI AND MES प्रान्तको बरहको विजय बार्य अप BOWN HARD WOLLD WINDS WINDS - ERIO OR TON WARD WANTED WATER किन्यु अवने हरतन्त्रीरक **अन्यतिहरू** क रकामकरमरे **राजिए हरव हा। क्रीका**र এ যগের কাবাসপাতি নিয়ন সময়ের হবে এক তথনকার জনাও নিভাছ ৰাজ্য বিবরণী থাকা সরকার।

সংগতি সম্বন্ধে নানা আলোচনাই বুনিসেই একই ভাললাগা আর মন্দ লাগার কথা,
সেই করেকজন প্রখ্যাত স্বেকরতে নিরেই
আলোচনাকে সীমাবক রাখা। কিন্তু সমারাজ্যাল
সম্পতিকে বিচার, তাকে বাজিগত বুলির
উপ্রেভিলে বরার চেন্টা খুর করাই দেবজে
পাই। আমার মনে হয় আল কেই সমার
এসেছে বখন এই সম্কীন বুলিটকে পরিষ্ঠার
করতে হবে, একটা বিরাট প্রশালী নিরে কাল
করতে হবে বা সব প্রচেন্টার ম্ল্যারন্দ ভংশর
হয় নতুবা সংগতি সাহিত্যা কেবল ক্রিজ
নিলা এই স্টি বন্তু থাকবে, নিরাস্ত পর্যবেক্ষণ নিরে স্পাতিতর ইভিহাস সংগতিত
হবে না !



শ্রীতারাপদ চক্রবর্তী সঙ্গীতাচার্য

শিপরা মিলন ক্লী আল"—বোগিরা রাগের বেদনা বিধার সারের মার্কান মাথের শেব রাতের জনহান রাজপথে ছড়িরে পড়েছিল সেগির। রাজপথে ছাড়রে পাছারাওরালা ভূলে গেছিল সদালখ শিকারকে থানার নিরে বাবার সংকলপ। রাজপথে শারে থাকার অপরাধে বৃত কিশোরকে মারি দিয়ে গেল সে গানে মুশ্ব ছরে। বিহারের কোন অথাত গ্রামের সেপাইটি বোধ হয় সেদিন প্রথম শ্বীকৃতি দিয়েছিল আগামী ব্লের এক অসাধারণ স্পাতি প্রতিভাবে।

করিদপ্রে পশ্চিমপাড়া গ্রামের ছেলেটি
মর ছেড়ে উথাও হয়েছিল কিসের এক তার
আকর্ষণে। সংগতি আর কাব্য-ব্যাহ্মরণে ছিল
ভার জন্মগত উত্তর্রাধিকার। কিল্তু তব্
গ্রামের সেই ছোট পরিবেশে ভার মন ভরল
না সে পেতে চাইল সমাদের ল্বাদ।

অক্লে ডেসে পড়া সেই ছেলেটির প্রকৃত
সংগীত জীবন শ্রং হল কলকাতার আসবার
পর। নিঃসহার কপদক্হীন হরে মহানগরীর
শ:খ পথে ঘ্রের কেটেছে কতকাল; চরম
হতাশা আর দারিপ্রের মধ্যে শ্রুর দেখা
দিরেছে ক্লিফের সৌভাগ্য। মিলেছে আশ্রর,
—মিলেছে লিক্ষক। এরই মাঝে কিছুদিন
সে যুগের বিখ্যাত সংগীতবিদ সাতকড়ি
মালাকারের কাছে তালিম পেল তারপর পড়ল
ছেদ, এলো আবার সেই অংশকার। কিন্তু
তব্ এই জনিশ্চরতার মধ্যেও উৎসাহে ভটি
পড়ল না তার। নতুন করে চলল আশ্রর



তাৰাপদ চতৰত'ী

সন্ধান আর সেই সংগ্য সূত্র সাধনা। বিচিত্র সে সাধনা আর বিচিত্র সে সাধক। তাঁর কাছে একটি তানপুরা পর্যপত সে সমস্ক স্বপেনর ছিল। অদমা উৎসাহ, অসাধারণ শক্তি আর অপুর্ব কণ্ঠ, এই ছিল তার সে জীবনের পাথেয়। অবশেষে একদিন কাছ জাউল কল-কাতা বেতার কেন্দ্রে, তবলাবাদকের। গ্রাসা-ছাদনের সমস্যা মিউল, এবার তাই নতুন উদ্যুদ্দ শ্রু হল সংগতি সাধনা সবার অলক্ষো। বিধাতার কুপার এরই মধ্যে ঘটল এক অভ্তুত বোগাবোগ। বেতারে সেদিন অন্তান ছিল স্বর্গত জ্ঞানেন্দ্রপ্রসাদ গোদবামীর। কিন্তু নির্দিন্ট সময় দেখা গেল শিক্পী অন্- অননো পার হরে ভাকলেন তবলা বাজিরে ছেলেটিক। শোনা ছিল ছেলেটি নাকি একট, আথট, গাইতেও পারে। জিজাসা করলেন ভাকে বে একট, কিছ, চোরে নির্মারিত সময়ট,কু ভরে দিভে পারে কিনা। গাইল সে আর ভার ফল হল অভাবিত। সারা বাংলার রসজ্ঞ প্রোভ্যুক্তকী মুন্ধ হরে অভিনক্তন জানালেন এই নবাগতকে। বাংলা তথা ভারতের সংগীত ইভিছানে সংবাজিত একটি নতুন নাম—ভারাপদ চকুবলী।

এর পর চলে নির্মাত সংগতি পরিবেশন আর সেই সংখ্য কঠোর সাধনা। কমলা বিমার तरेलान किन्छु कुना कत्रालान वाश्रापनी। यहा আকাৎক্ষার পর প্রকৃত গ্রেরের সংধান মিলল এতদিনে। নিজের জান্ডার উজাভ করে প্রিয় শিষ্টক দিলেন গ্রে গিরিকাশ কর চক্রবর্তা। সে যাগে উচ্চাপা স্পাত্তির স্থা বললেই মনে আসত উত্তর ভারতের কথা। नत्या. धनाशायाम. त्यादम हिन मणीएक কেন্দ্র। বাংলার নিক্ষন্ত যে ঘরাণা ছিল তা প্রধানত প্রপদের। যুগের পরিবর্তনের সংগ্র সংশ্য তথন থেয়াল, ঠংগ্রীর প্রাধান্য এসেছে হিন্দুশ্বানী সংগীতে। প্রপদের গাল্ভীয়াক ভাসিরে নিয়ে গেছে খেরাল ঠংরীর স্কলিত মাধ্য । হিন্দুস্থানী গায়কেরা তথন সংগতি জগতের শিরোমণি, বাংলার ভামিক। সেখানে গোণ। তাই দ্বভারতই সঞ্গীতের ছাড্রপত্র পাবার জনা বাগ্গালী শিল্পীকে যে:ত হত লক্ষ্মো বেনারস, স্কেন্ডে হ'ল প্রাণ সংগীত সম্মেলনে। হয়ত এই অবস্থা ব্যথিত করেছিল আচার্য গিরিক শংকরকে। বাাকুল হয়ে তাই তিনি 🗨 জছিলেন এমন একটি প্রতিভাকে যে সর্বভারতীয় সংগীতের দরবারে বাংলাকে আপন মৰাদায় প্ৰতিষ্ঠিত করতে





পারবে। গ্রের সে আশা ব্যা হর্মি। বাংলার বাইরে সারা ভারতে আজ তারাপদ চরবতী একটি নাম। আর প্রচার, প্রসার যান এবং বিচারে সংগতিত্ব পঠিত্যান বলে প্রতিতি পেরেছে বাংলা দেশ।

নিকণ স্থিতির মূল কথা হল দীমার মাঝে জসীমের আবাহন। ভারতীর সংগীতে রাগ আর তালের বংধনের মধ্যে থেকেও নিকশী আরাধনা করেন এই জসীমের, উপালম্মি করেন তাকে। ধ্যানের মণনাতার মধ্যে দিয়েই আবে এই ভারব্পের উপালম্মি।

সংগতিচার তারাপদ চন্দ্রবর্তীর মানের মূল উপজীবা হল এই ভাব। স্কুরের বিশ্তার তার কাছে এক আশ্চরা সাধনা। সাতটি শ্বর তার কঠে বেন সাতটি দীল হরে জরলে ওঠে আর সেই দীলের আলোর ভাশ্বর হরে ওঠে স্কুরের শাশ্বত রূপ। শিশ্পীর সংগতাত পশা পার সেই অতিশিপ্তরের বাকে ধরা বার না, ছোঁরা বার না, বে শ্ব্রু অনুভ্রের।

দাঁথ করেক দশক ধরে বাংলার আকাশে বাতাদে ওড়িরে পড়েছে এই স্বরের ইন্দ্রজার। বালা ওথা সমগ্র ভারতের সংগীতশিপাস্থা ওত হরেছেন সংগীতচার্যের গালে। তার সমগ্র একে বংলার নবীন শিল্পীরা তেখা পেরেছে সাধনার। নিজের সন্তর থেকে করেপ। হাতে বিলাদান করেছেন তিনি। তার বাছে শিবের সাধার বড় যোগাতা তার এবাগ্রতার, তাই আগিক লাভ কতির প্রমান্তর বন্ধন বড় বরে ওঠে নি তাঁর কাছে।

ত্রতলে জ্য আতির এই নিলপীর সংগ্রা এলে সম্ভানের সপো মনে উল্লেক যে কিছাটো বিদ্যালের। নিজের যান এবং প্রতিভা বিশেষকার নিম্পৃত্ত গান্ত এই নারেটির চোথের জ্যোন মৃত্তের জনো দেশা নের আগানের জ্যা।

াবারা ভাষায় উচ্চাপা সংগতি কেন হবে বার বাংগালী সিক্সী কেন বথাবোগ্য বহার পাবে না বাংলারই সংগতিত্ব আসরে —এএন করে নিজেনের আর কত অপসান বহব আমনা বৈ একটি প্রশান সোকার হরে পঠ ব্যাপ্তাবী মানুষ্টির কঠে।

প্রতিবাদ, ভাই ড' করে চলেছি, বাকী
জীবন ধরে। বেখানে কেবলমঞ্ বাংগালী
হবার অপরাধে মর্থাদা খোলাতে হবে,
সেখানে বাবার দ্ভীগ্য জানার বেন ক্থনেও
না হয়।—এই হল শিক্ষাীর সংকল্প।

শিংপী হিসাবে জন্মভূমির সেবা তিনি করে চলভেন লীঅদিন বরে। বাংলার সংগীত স্থিতির ক্ষেয়ে সক্তির জংগ নিরেছন তিনি বৌননলাল থেকে। তার বাংলা গানে রাগান্টাতের ঐত্যবের সংগা সমন্বর ঘটেছে বাং, সংগীতের রসমাধ্যের আর তা রুপা পেরেছে তারিই রচিত বাংলা গাঁতি কবিতার

মাধামে। এখ নে তিনি সফল স্বচ্টী, গায়ক ও গ্রীতিকার।

পরিণত তাঁর জাঁবনের সংগ্রাকতার নিকটা।
লপত হয়ে চোধে পছে। কিন্তু সক্লতার
লিখরে পোঁছতে কি অপনিসাম মূল্য তাকে
লিতে হয়েছে লেট্কু না জানলে সংগীতাচার্বকে সম্পূর্ণ জানা হবে না। যে কঠিন
সংগ্রাম অরা স্কুঠোর সাধনার মধ্যে দিরে এই

পরিপ্রণাভা এসেতে তা হরত সরসামরিব সাধারণ মান্তের দৃষ্টি এড়িরে বাবে। কিন্দু আপা করতে দেবে নেই বে, ভবিবাতে কালের সপনীত-ইতিহাসকার সেই স্মান্ত কাহিনী সবছে আহরণ করে ভূলে রেখে দেবেন উত্তর কালের সংগ্রামী শিল্পীদের প্রেরণার অন্য। রেখা বভারা

রেখা বঞ্_নর। কলিকাতা-৪৫

প্ৰকাশিত হলো

न्यारमहासन त्यात्वत

नकभानवािष् ४.००

কৃষক বিদ্রোহের পটভূমিকরে লেখা রস্তান্ত কাহিনী।

थि. अनुकारनन

त्रयार्जावदत्राधी १.००

শ্বকৃতকারীরা সমস্ভার রাশ্ব রশের আজ বাসা বেকৈছে। তাসেরই অসংখ্য ঘটনা এই গ্রাম্বে বলা হরেছে।

दबम्दिन - এর

পিকিং থেকে বলছি ১০.০০

চীনের মহাম মেতা মাও সেতুং-এর চিন্তাধারার গণজাগরণ এবং সাংস্কৃতিক বিশ্ববের স্পৌর্য জাহিনী।

रेमरमम स्म-त्र

ফাঁসি মণ্ড থেকে ৬০০

্ৰুবাধীনতা সংগ্ৰমে বাঁরা শহীৰ হরেছিলেন জীবনের জরজন সেরে তাঁলেরই জক্ষিত সচিত্র কাহিনী।

তারাশঞ্কর বন্দ্যোপাধ্যার		উত্তমপ্রেষ	
अहानगती	4.00	न्वर्ग रथमना	6. 00
आमाभूगा सवी		नाप्रम गर्थ	
িৰতীয় অধ্যায়	0.00	আঁখাৰ আলো	8.00
বাজীয়াও সেন		জরাসন্ধ	
उन् निरुष	0.00	নমিতা ৩-০০ মানস	क्ना २.६०
প্রেমেন্দ্র মিত্র		म्यारण्डासम स्थाय	
क्रात्वत नाम कुमांड	8.00	রাগৰতী	₩.00
অবধ্ত		বেদইন	
द्वादस्य दशाय्ति	20.00	মন্ত্রীপতন	8.00
অনাহত আহ্বিত	6.00	बाका जात दनहे	A.00
	ৰীহারর	ान गर् ड	

স্থানহল ৬·০০ কোমল গামার ৮·০০ উবসী ৬·০০ নিশিবহু ৬·০০ কভিনু সঙ্গ তব ৬·০০ দরবারী ৩·৫০ চন্দ্দমালা ৪·০০ নটিনী ৩·০০ বুম ভাঙার রাড ৩**·০০**

ভূমি - ব্যাস ঃ ১, কলেজ রো, কলকাতা-১

रकान : ७८-४३४०

মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভঙয়ার্ডস'এর বাণী

वानवात वाकारक मुद्र वात मुशे तारथ

এাইপ ওয়াটার

বংশপ্রেক্সমিকভাবে বৃদ্ধিমতী মারের। উভওয়ার্ডস প্রাইপ ওয়াটার দিয়েছেন নিজের ছেলেমেয়েদের। পেটবাথা, অমতা, পেট ফাঁপা আর দাত ওঠার করে উডওরার্ডস্ মূতর্ভেই আরাম দেয়।



2 appe

বাঙ্গা ইণ্ডিয়ানদের মেরে

 नाम दीन। आमादनक केकाजरन उत्ति त्वत्रका त्मत्रकम नव । द्वीन-वा। गान वह शाकी। दिलामात्त्रक वस्त्र, त्यक. সেজ এইভাবে ভাকা বোধ হয় পাধিবীয় বহু জারগার আছে। নেপালীদের মধ্যে হনে शकारत किठी प्रादेशी देखानि नाम। काशी ছো প্রায়ই লোকেন। মানে কনিষ্ঠা। হীন-त्त्व डिन छारेखात्मक मार्थ्य सम्बा रहेगा। कीन, क्षणा, सारण। काणा क नीरवास बारन क ঐ রক্ম সেজ ফেছ কিছা ছবে। আমি োলয়ে ফেলেছি। ওরা অনেক কটি ভাই-বেন। এসেছে আসরে নাচতে। ওপের वावः हवगौ किन्द्रः करतन ना । । छाहे वास्तवाः নেচে গোরে গ্রীকেনর সময় বেশ ভাল পরসা বাহার। যা ঠাকমা খেটে খুটে সংসার চালান দেওঁরেটি।

হানর রেড ইণিচর ন। এখন সংক্রমত রেড নিরে মার্কিন মান্ত্র আত্তংক অন্থির! আদিয় আমেরিকাবাসীকৈও আর রেড অংখ্যা দিতে শোলত বার না। তারা এখন আমেরিকান ইণিডরান অথবা সংক্রেপে অমেরিচিত্রান।

সারা দূলিয়া এখন মার্কিন সেশের কালো मागः वर्षे कता एक एन काश्यित कथा दिशासा অদি আমেরিকারাসীর দল হয় সম্প্রা লংত হ'লে যাজে নতেন মাফিনের মাথে. नव छाता मारव माध्य माजिला मार्थ याःक দিন কটোছে। ভারা প্রায় প্রভিকের एकोराज भवारत भरक सारक। काम्क्य । এদেশ এককালে ওমের ছিল। উত্তরে धर्माकरमा श्रास्क निरंत प्रक्रिय चार्टमात्रकार সীমানত প্রায়ত প্রায় একট ভাতীর লোক কলাব্যস আমেরিকা আসবার আগে কাৰিপতা করেছে। আৰিপত্তো সহৰোগ रिया गा. मा.कामा विका सा. विका सा काश्रासिक गणाणात करनक किए, एवं, अता विस এদেশের রাজা। ভাই ভো শানি ঠাটা করে वना रह कारूमा जान-बटक बीम जाकिन धर्मामात जनको ना एमकशा इत छटन जामाबक हा आना मन्। मानाक एका जानाकक धावर योष्ट अन्धानिम जार्रात जाग्राम्क्य । अक টেলিভিশন প্রোপ্তমে ছিল রেড ইন্ডিয়ান विक्रित्रहरू जुटाना जाकाश्कातः। जाकाश्काती भाकिन मार्ट्स म्बाग्फ ब्लॉनरक बलरूस Welcome to the studios, care



अध्याना शहरक कामाज नामक ना Shiming feather

ইণ্ডয়ান বিদ্যা মণাই হেসে উঠলেন—

'Welcome to my country' এরকার
বহু গলপ আছে। 'কলন্বাস আমেরিকা
অংকিকার করেন এ কথার আমেরিকা
বলেন সে কি? একটা দেশ আছে। সেখানে
মান্যকন বসবাস করে। বেহেতু এক
শেবতকার ইউরোপার একসিন প্রথম সেখানে
গৌছেলেন তাতেই তিনি সে দেশ
আবিকারক? সেই যে এক ইণ্ডিয়ান
কুমারী নাম পোকো হাণ্টাস, এক ইংরেজ
সাহেবকে রেড সদাকের কোল থেকে বাঁচার
আর ইংরেজ তাকে বিরে করে ইংলণ্ড নিরে
বার সে মেরে কি তবে ইংলণ্ড আবিক্রার
করে? সেই তো প্রথম রেড ইণ্ডিয়ান
ইংলেড গদাপাণ করেছিল!

রেড ইণ্ডিরানরা করে কিন্তারে এদেশে বসবাস আরম্ভ করে তা নিরে অনেক এড অতে। কেউ বা বলেন দশ এমন কি বিদ হাজরে বছর আগো মধ্য এগিরার আলভ্যমি তেতে শাক্ষিয় উঠেছিল। গোৰি মন্ত্ৰির মান্য ভাই এগিরে চললো। চলতে চলতে বর্ষে জমা আলাকার সংগা সংবাহ সাইবৈরিরার বে ভূখাভট্ট ছিল ভাই বরে পেণছৈছিল ভারা আমেরিকার। কেউ বা राजन धारा अभारतहे हिर्दात्रम हिर्दात्रम কেউ বংগন নোকা ভবিতে নিয়ে এসেছিল একদল মানাবকে। দক্ষিণ আমেরিকার रकाम रकाम जानियानीएनड नएना मास्टि মিশবের প্রেক্তন যাগের মিল প্রাঞ্জা গেছে। আমানের সংগ্র মেকসিকো ও তার কাছাকাছি অভটেক, মারা ইত্যাদি সভাতার সাবুশ্য चारक रहत हमन्त्राण माहब अक रहायक চমক লাগানো একখনা বট লিবে প্রচার করতে চেরেছিলেন যে কোলকালে ভারত-नहर्वत महन्त्रा अदमहन्त्र स्वाध प्रक्रिका। त्र क्या अवना छः ज्ञानीक इत्होनाशास सामक देखा निर्देशकर !

আদি আমেরিকান বেখান খেকেট একে

अन्तरं शर्भ स्ताविः मर २०४०॥ जन्मरं शर्भ स्ताविः मर २०४०॥ जन्म गृह्म, शिक गृह्म, हिन् जाना बार्था, तूम हेम कार क्रम्ब क्रांत्वां प्रेक्षां , तृक क्षाला, प्रमाणि शाकाल जन्मी रेकामि कारम बिध्नय क्रम्बामः विकास प्रमुक्त (प्रमुक्तः अति क्रांति च क्रम्ब, ५ व्योगि क्रिक्त क्रम्बन्तः व्यक्ति



शीनता नाक्टब्-द्रमद्भव मदलव न.कः

একটা অম্ভত মিকা আছাদেব ভিৰুত য়ৈদেৱ এমন ক ভটিয়া. -הכלבי שם הכלבי שם 270 317451 দেখছিলায়। চীনবা আৰ করেকটি ছেলেমেরে ब्रि.क 76.65 চলেছে। নাচের সার প্যায়ের কাক্ত সব ভণ্ডিলাদের মত। নাচেৰ আসল ভাল ছাল সব ছেলেদের আর ফেরেরা নাচে তাদের পিছনে। নভাপটা নতকি যা রচনা করবে ভারই শেষের রেশ মেরেদের হাতে। ছোট বিক্ত कालें। **८७/सामस्यामय** PERE মেয়েদের পোশাকে বৈশ বাহার । হীন বে পেশাৰু পরেছে ভা দেখতে অনেকটা আমাদের পাহাড়ী এলাকা লাদাখ, ভিন্তত ধা সিকিমের মেরেদের পোশাকের মত। পোশাকের গারে রক্ষারি প'ৃতির নক শা। নক লা কিন্তু পোশাকের গারে ফ ল ভোলা মর। কাঁচের ছোট্ট পার্ডি পার্তি দিয়ে নন ভাবে গাঁখা নকাশা আলাদা তৈরি করা। कार्यभव रभागारकव शास्त्र स्थाकारमा । शीमत ঠাকমা নাকি এ কাজে অসাধারণ শিল্পী।

হুবিরা বেখানে নাচছিল তার পালেই रक्ष हे पहाल कह Trading Post এককালে তাদের সাদা মান্যের সংখ্য বেচা रंकनाय धकठि करत पाँछि धाकरणा। एता আনতো জীবজনতুর fur, তামাক, বাংশর ৰাছি, বেতের ছপছি। বিনিম্যে নিয়ে ষেটো লোহার হাতিয়ার মদের বৈতল আর বৃদ্ধি। Sir Walter Raleigh প্রথম এদের কাছ থেকে তামাক নিয়ে যান। এরও প্রথম চম্কে স্রোর পেয়ালায় দিয়ে তার নাম free fire water | a trading post পর্যটকের প্রেট হাতভাবার বাবস্থা है किहेरिक. বই আর কিছ: न्य । তীর ধন্ক, পাতির সলা, পালাকর শিরোভূষণ শথের খেয়ালে धनी भागत्व नितंत्र बातः। Trading post त्म्यागात्ना কর্মান একটি কেয়ে। নাম তার এথেল। এথেল। ক্রেম্ব সকলেরই একটি করে ইংরাজনী নাম। মেয়ে শ্রুষ সকলেরই একটি করে ইংরাজনী নাম জার একটি করে করজাতীয় নামের মানে Shining feather। আদ্ধর্যা, এরা প্রজাতীয় নামিটিও ইংরুজনী আন্বাদে বলে! আমেরিকার Wisconsin প্রকাশের যে শহরে আমেরা এই উংসব দেখছিলাম সেই শহরে আমেরিলিড্যানদের এক ম্থেলার থকেন তাঁকে স্বাই জানে Little Eagle নামে! তাঁর নিজের নামের মানে তাই। Little Eagle শিক্ষিত মান্য। আইন বাবসায়ী। আমেরিলিড্যানদের এককলে যা অধিকার ছিলা তাই নিয়ে



अक्षि जादमीति कतान विशि-कान्

মামল: চাবান। কৈতু নিজের নামটি ইংবাছী ভক্তমা করে বংলন।

এথেলের পোশাকত হানর মত বাচার। শংশিতর বদলে কড়ি দিয়ে সাজানো ভার সকলা। হানিদের নাচে দেখন লাখায় ভারে क्रविं करत Boud दा लाख शेंगि। क्रवला সে ব্যাপারে একট আধানিকতা এসেছে। विवटनंद्र वेमटन स्थापा कर्फ मिरश रथाना हत मामनादमा। कट्ट व धक वाश कट्टन वारक। মাথে সামানা প্রসাধনের চিক্ত লক্ষ করলায়। প্রদানী নেই। এক প্রভারত স্কর গোলাপী। নরকে কৃতিম প্রসাধনীর নীলালন ভাষা। এথেল। নাকৈ কিছাদিন ব্যু শুনুত্ব প্ৰসাধনীৰ দেবানে কাজ কৰেছিল, ভাই এ সতক্তা। প্রসাধনীতে বিশ্বসে কম এব **প্রজাতী**য় মোরেরা আনেকেট বিধ্বাস করে না। কিংত **প্রক**াটিভ গোলাপের হত কলেছ কাশিত জনৈক শেয়ের। এথেক বলছিগ Trading post_ত প্রথম সে বধন কাষে আনুস তথন তেবছিল **উপাজনির পথের মত এও এক পথ।** তার শ্বশারের শারিবারিক ক্রুমা এটা। এঘন আনসিম আমেরিকান অংগাংডার সংহ'তে সমব্যেশ তার এক কণ্ডত সাচত্ত্রা এক্ষে। এমন করে দলিও হয়ে কেন্ত্রা কল কটেটেই ? কেনই বা এখন কৰে সম্ভাৱটাৰ? ভাবের কৃষ্ণিটর প্রতিটি চিক্রতথন ভাবে মমতার ভারে তালেছে। এথেলেও স্বামাতি ভিষেৎনাম যাদেধ নি য় লিংগছিল। এখন সে **ছাড়া প্রেয়েছে। মাজি**র আন্তরে দাচার দিন মারে ফিরে বেডানর পরিকংপনা কবেছ। তার পর দাক্ষরে জেবল যাবে ভাগের চিরাতন সভাতার সমাক সংধ্যাহ। । জানি না কটো ভার কলপ্রাবিকাস কিন্তু কথাত ছিল যাপ্নী দরদ। আন্তর্ভেক, হায়ে। ইত্যাহি বাংগেও বহা আমোরীণ্ডয়ান সভাত: বৈশ উল্লভ ছিল একদিন। ১৮৩৮ খ্ৰীষ্টাবেদ যে চেয়েকী ই গিডরান্ত্রের বিভীষিকাম্য March এ টেনে এক জাহগার কাড়া করা হার্মছল তাদের সম্বদেধ এক শেবতকার বৈ^{থক} লি খ্রেন

The cherokees were civilized Indians; perhaps more civilized than their White pioneer neighbours—চেরোকীরা ছিল স্পেতা ইণ্ডিরান, সভ্তব ভারা ভাবের শেবভকার প্রথম আমেরিকার আগসভুকের চেরে বেশী সভা ছিল।

বাংগা ইন্ডিরানরাও ক্রিক্টু নারীর ক্র্যুন্ত এই চিরকাল মনে করেছে। এরে উপকথার প্রথম নারীর বিশ্ব স্থাত্বতার গলপ আছে। স্থিতীর আদিতে এক প্রেড ও এক নারী ছিল। নারী কেন্দ্র বলগের স্থানার করবে কে? প্রেষ্থ বললেন তবে দুটি ছেলে হবে। মেরের চেরে তারা কাজে লাগবে বেশী ছাই হলো। দুই ছেলে আর মা মাঠে কাজ

करतम चार राजा करतम करा चन्छ विकास स्टाल प्रति ताक करत वा दक्क देवाल दकावाल চলে যান কিছ কণের জনা। একসিন ভারা मात शिक्षाम शिक्षाम शिक्षा सम्बद्धा सम्बद्ध गाइ। जात्रत मा जान जा रगरन गांक स्थारक বেড়িরে আনে বিশাল সাশ। ভ্রমে সেই সাপ इत मह अक्षि त्यक्काल ग्राह्म। कारमञ মারের পরম অব্তর্শান্তা এই লোকটির मत्था। छात्रा **छात्मत्र वावादक वरना** स्मत्र । क्षान क्षांकर कविषयात्मक मृत्यू । दावना স্থাবরাও নাকি বলতেন নারীকে বিশ্বাস-तिव तिव ह। छेमादतम कि अक्छे।? माह श्रीकृत जामिएएटे कि असन क्योडिश ? नर्म ह Pontiac ভো দেদিনের কথা। দারনে সাহসী বার স্থার পণ্ডিরাক। তবা রিটিল ভাকে অ খ্যাসমপ্রে বাধ্য করলো। ভার নিজের ন্ত্নী এই অপমানের পর ভলবেসে ফেললো এক ইংরেজ যুবক্তে, নাম লার উইলিয়ামসন। পশ্টিয়াকের আেরতর আপত্তি এ মিলনে। উই লিরামসন জব্দা আরু এক রেও रे-िश्यान इशक्तारक वृत्व निरंत थून कर न न्मात्रक। यन्तक कि नारवाज्य। त টোমাহক (কুঠার বা পর্যানু) পণ্টিয়াকের আপন শৌর্বের সাক্ষী ভারই খারে খারেল হলেন তিনি। তবে সদারের প্রতি বিশ্বাস-বাতক্তা করায় প্রতিশোষ নিতে সুক্র দাঁড়িরেছিল ভার দলের প্রতিটি মান্র। তবন সেই নাতন**ী এলে ল্টেটের প**ড়েছিল উইলিরমেসন আর ভ্রম্ম দলের মাঝে। থছকে থেমেছিল আদিম মান্ত্রের একদল। নারী বলি কোন-পরেবের - জেনে এমন পাগুরু হয় লার এমন করে প্রাণ ভিক্স চার তবে রেড দের শালের সে পরেবেকে ছেড়ে দেবার বিধি चारकः। छेटेनिहासनस त्रका रशनः चातः रशनः রেড কুমারীর পালি কি**ল্ডু র**টে পেল নারীর নিন্দা। বেচারা পশ্চিরাক কি আর সাধে म्बत्यस्य विश्वान क्यस्क्रम मा ?

নারী কুছবিনা। ভাই ভাদের গানে,
নাষার কত কথা আছে। কুছবিনা কনা।
ভাপন কুছকে আপনাকেও আক্সন
করে ফেলে। তার গানে আছে।
ন্থ মাটিতে রেখে শারে আছি।
নাগর নাই বা এক। দুক্ট মাগরের পরোয়া কে
করে? গাইতে গাইতে কেকে আকুল ছরে
নাছে তবং আবার বক্তে এক কথা।—আমি
কি হিংসা পাই?

গ্তের লক্ষ্মী কিন্দু আবার দেই নারী।
বর বে'থে রেড সংপতি গৃহপ্রবেশ করে। কার্চ কৃতি আসুন অনুলার পূর্ব আরু নারী। লাতে হড়িরে দের ভূটার আটা। প্রাথনা করে

" হৈ অপিন, হে পরর পত্তি পরবেশ, ভূমি আবার সংসারে ভাপা আল, আরার সংভাদের স্ব আন।" জাল্ডবা, হে কুছ্ফিনী, সেই লাবার কল্যাণী।

শ্রীমতী

সমরেশ বসরে নতুন স্বাদের উপন্যাস ভাচিনপার ৮'০০

অপরিচিত ৬:০০ অগ্নিবিন্দ্র ৪:০০ অলিন্দ ৫:০০ রঞ্জন-এর

শীতে উপেক্ষিতা ৬ ০০

নিমাই ভট্টাচার্য-এর উপন্যাস মেমসাহেব ৮০০

প্রেমেন্দ্র মিত্র-র গোয়েন্দ্র কাহিনী
পরাশর এবার জহররী ৬.০০
শংকু মহারাজের ভ্রমণ উপন্যাস
গারো পাহাড়ের পাঁচালি

প্রশান্ত চৌধ্রীর উপন্যাস
খ্রজ ফিরি তারে ৮৫০
শ্রীবাসবের রোমাণ্টিক উপন্যাস
আনন্দী কল্যাণ ৫০০
গোমতী গঙ্গা ১০০০
বাঁধন ছে ড়া দাগ ৬০০
গ্রেবান্য ৮০০

। বিশ্ববাদী প্রকাশনী ৪ ০/০ বে বুক কৌর ৪ ১০ ব্যক্তির চ্যাট্যার্ক কৌটা । কলকাতা—১২

स्वभाषताह जागःर्थं उत्रूध, गण्या समावाह विल्या व्यापादना





करूर करत यन्त्रभाटक महामना, गात माना, मार्छ माना, गर्म वा क्-न करत कात्राला शतक विद्यालक ।

্ত ক্যাপস্থার আকারের ট্যাবলেট, সক্তে গেলা রার বিসেব ক্ষের্ডো পাওয়ারির এগ্রারারভিনিক ট্যাকিটর



व्यक्ति श्वश्यकारी : व्यक्ति कामान नामक त्यार विक्र

PW-4-242 244

বিশ্ব এখানকার মিউজিরনে প্রেবেশা

কর্ণি ও অপ্রকাশিত চিঠিপত ঘটিতে
ঘটিতে একটা উলেখবোগ্য বিষয় চোখে
গড়ল। বিখ্যাত ইংরেজ সাহিত্যিক চালাস
ডিকেন্সের সপো নিউজিল্যান্ডের একটা
ঘনিট সম্পর্ক ছিল—এ খবরটা এখনকার
অনেক নিউজিল্যান্ডাররাই জানেন না। অবশ্য
সম্প্রতি এ বিষয় নিরে একটা বই প্রকাশিত
চরেছে।*

এ দেখে ইংরেজ আগমনের প্রথম দি কর motie 5480-60 मार्टिंड घटेना। वर्टिंड দেখন ইংলন্ডের আর্থনীতিক জীবনে একটা माको हर्नाइन, यात गरन व्यत्मत्कई रम मध्य এ দেশে চলে আসেন নিশ্চিত জীবিকা এ নিরাপরার খোঁছে। ডিকেন্সের কাছেও সেদিনের ইংলাভের সমাজ আক্ষণ হারিত্তে ফোলছিল। তাই ডিকেন্সও নিউজিল্যাণ্ডে পাতি দেবার কথা ভেবেছিলেন। ভেবে-ছিলেন এ দেশে এসে একটা সাহিতাপত প্রবাশর ঘাধ্যমে নিজের সহিভাপিপাসা দার করবেন। সেদিন ইংলাশ্রের সামাজিক-আর্থনীতিক জীবন অনেকের মনেই হভাশা সূণ্টি করেছিল। ভাই অনেকেই নতন দেখা দেশ নিউজিল্যা তেকে নতুন আশার দেশ (the Land of Hope) त्रापी रामा (the Happy Colony) वृद्ध भूत कर्डाभूखन এবং ভেবেছিলেন, ক্ষায়ক্ষ্ম মুরোপের ভবিষাং অব্দকারাজ্জা হলেও মহাসাগবের অপর পারের দেশে (নিউজিল্যান্ড) ভার সভাভা 🖼 সংস্কৃতি নতন করে বে'চে থাকবে। এইবকম সময় অর্থাৎ ১৮৪৭-এর এক শীতের স্ফালে পঞ্চীভূত হতাশা নিয়ে চালাস ডিকেণ্স তার বন্ধ জন ফসটারকে লিখেছিলেন, 'এখানে কোন কাজে উৎসাহ পাচ্চিনা কিছু করতেও পারছি না। ভাবছি নিউজিলাতে বাই এবং সেখানে একটা সাহিত্যপত প্রকাশের কাজ শুরু করি।'

অবশ্য শেষ পর্যাপত আর তিনি আনেদ নি। লাওন থেকেই "Household Words" নামে এক সাংগ্রহিক কামজ সাংপাদনার কাজ শ্বে করেন। এই সাংগ্রহিকে সে সময়কার নিউজিল্যান্ডের জাবনের বিভিন্ন দিক সংগ্রেকে লেখা প্রকাশিত হও।

ধ প্রসংশ্য ডিকেন্সের সংশা নিউজিলান্ডের সম্পর্কগত আরেকটি ঘটনা উল্লেখ
করি। সেদিন উচ্চাশিক্ষিত অনেক ইংরেজ
ব্বক ইংলন্ড জ্যান করে জীবিকার জন্যে
নিউজিল্যান্ডে আসবার জন্যে মরিয়া হরে
উঠছিল। ডিকেন্সের ছোট ভাই আলবাট ডিকেন্স্য ও'দের মধ্যে অন্যতম। আলবাটের



সিভিল ইঞ্জিনির রিং-এ ভিন্তা ছিল এবং
তখন তিনি বামিছাম আদ্ভ ডারবি রেলওরে
কোম্পানীতে ডিম্ট্রিট ইঞ্জিনীয়ারের পূপে
ক জ করছিলেন। অভাবাট নিউজিল্যান্ডে
চ করির জনা হে দরখান্ত পাঠিয়েছিলেন,
তার সংখ্যা চালাস ডিকেন্সের একটা
স্ক্র্যার্থিপতও দিরে দিরেছিলেন। চালাস
লিখেছিলেন প্রটি ডার এক বংশ্ব ট্যাস
ফ্স্টারকে।

"A younger brother of mine, Mr. Albert Dickens being desirous to try his fortune in your new colony and being a District Surveyor and Civil Engineer of the First Class, I take the liberty of recommending him to you as a young man who is in every respect qualified to serve in that capacity."

"He has been educated for his profession under the very best and has been practically employed for

দাহিতা

श्रकाणम १

টেমার লেন.

8 W-7

the last four years without cessation on great public works. He is extremely intelligent, active and enterprising and I trust I need hardly say that unless I were well assured as to his fitness for the office I could in no circumstances whatever countenance his application."

কিম্পু বরস অংশ হওরার আলবাটের কাজতি হরনি। তবে তাকে সহকরীর পদের জনো দরখামত দিতে অনুরোধ জানান হরেছিল। দ্বংখের বিষর, অন্যান্য কাগজ-পত থেকে দেখা বার, ঐ কাজতিও আলবাটের হর্মন। যোগা দরখামতকারীর সংখ্যা অনেক ছিল বলে।

*

এখানে আসবুর কিছুদিন পরে এখান কার একজন বয়স্কা বিধবা ভদুমহিলার সপ্পে পরিচয় হয়। ভদুমহিলার স্বামী ছিলেন এই বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক। ভদুমহিলার বয়স ৫২, ডিন মেয়ে ও এক ছেলে। বঙ্ দুই মেয়ে বিবাহিতা, ছোট মেয়ে ও ছেলে স্কুলের শেব ফ্লাসে পড়ে। ভদুমহিলা সরকার থেকে বিধবা ভাত বাবত মাসে ৫০০ টাকা মত পান এবং বিরাট বাড়ির কিছু অংশে পেয়িং গোস্ট রেখে বা উপার্জন করেন তা দিয়ে সংসার চাল ন। অবশা অবিব হিত ছেলেমেয়ে দুটির প্রত্যেকের জন্যে ৫০ টাকা

ু অনঃ নাহিড্য প্রকাশন ছ				
আশ্বতোৰ মুখোপাধ্যায়ের	জ্বাসংশ্ব			
ন্তন উপন্যাস	জায়গা			
ৰাজীকর ৮১	আছে ৪,			
গজেন্দ্রকুমার মিচের	মহাত্মা পাশ্ধীর			
ন্তন লেখাপড়া শেখা লোকের উপযোগী যুক্তাক্ষর-বিরল	সত্যাগ্ৰহ			
शाकी जीवनी ।।।	॥ সাড়ে সাত টাকা ॥			
। বড় হরফে ছাপা ঃ বড় বড় ছবি ॥ । (সভাগ্রহ সম্পর্কিত বাবতীর রচনা)				
বঞ্চিমচন্দ্রের সাহিত্য বিষয়ক	নীহাররজন গ্রপ্তের			
সমগ্র রচনা সম্ভার	রাতি নিশীথে ১০			
সাহিত্য চিন্তা ৮,	। ন্তন উপন্নাস । প্রশাস্ত চৌধ্রীর গোধ্লি রঙ্গীন ৫,			

Charles Dickens and Newzealand
I. S. Ryan and A. H. Reed. Reed
Publishers, N.Z.

মত সরকার থেকে বে ভাতা পান, ভাও गरमाददव माद्यस्या जादम । এ दमरण दावा-मा প্রভোকটি ছেলেনেরের ১৮ বছর বরস পর্যান্ড সরকার থেকে মাসে ৫০ টাকা করে ভাতা नानं। अ श्रेषां (इंस्ट्रायात्रता ১२।১৪ बस्टांब शत स्थाक किए मा किए हेशास्त्र করার সংযোগ পোরে থাকে তা দিয়ে তাদের नरक्षे थत्रेष्ठ, जिल्ला एका, वन्ध्र वा वान्धवी বাবদ খরচ চলে হার। এই উপার্চ্চ নের একটা অন্যতম সূত্র হল-নাতে পরের বাড়ির শিশ্বপ্রেদের পাহারা দেওরার কা**ল**। একট খলেই বলি। এ দেশে পরিবার শ্র্যুমার বাবা-মা ও ভাদের ছেলেমেয়ে নিরে। বিরের পদ্ম ছেলেমেয়ে তাঁদের ভাই দুরের কথা, বাবা ও মার সপোও থাকে না। আধানিক সভাতার এদিকটা আমাদের জামা। আমাদের দেশেও এ রীতি ধীরে ধীরে প্রচলিত হক্তে বড় বড় শহরে। সে যাই হোক, এর ফলে, ৰাবা-মান্ন বাদ রাতে কোখাও নেমন্তর থাকে

বা সিনেরা থিরেটারে বেন্ডে হর ভা হলে শিশ্পুত্র বা কল্যাদের রাত ১১।১২টা পর্যাদত দারিছ নের প্রতিবেশী বা জাদাশোনা পরিবারের তর্গ-তর্গীরা। এটা নির্ম্বার্থ মর, এর বিনিম্নের রাত প্রতি ৫।১০ টাকা মত উপার্জন হর। ফলে, এদের জন্যা দিন সিন্মো-থিরেটার, কাফে-রেম্ভরা; বর ফ্রেন্ড-গার্লা ফ্রেন্ড বাবত জর্চ করার স্থোল জটে। বলে রাখা দরকার, এ দেশে ১২।১৪ বছর থেকেই প্রত্যেকটি ছেলেমেরের বর বা পার্লা-ফ্রেন্ড থাকে। পশ্চিমের সব দেশেই এটা রীতি। ছেলেমেরেদের জ্বাধ মেলামেশার এইটে একটা র্প। বাবা-মারের সম্প্রান্ত থাকে—থাকবেই বা না কেন, ভাঁদের বেলাভেও তো ঐ নির্মাই ছিল।

তা সে যাই হোক, ভল্লমহিলার সংসারে কোন অভাব দেখিন। জীবনমানেও, ভল্ল-মহিলার মতে, শ্বামীর অবর্তামানে কোন পরিবর্তন ঘটেনি। অবশ্য ভল্লমহিলাকে

দেশভাৰ সারা দিন পরিপ্রত করতে। সকল विण त्थरक बाख ३२में श्वांक छन्नमहिनात प्रथा विक कान ना कान कान निता वान्छ। ভ্ৰমহিলা লিকিতা, আৰু ও প্ৰতি দিন গড়া-त्मानाव त्रम कि**ष्ट्र मध**त्र त्मन दर्शक्षकार বলে থাকেন রাজনৈতিক ও সামাজিক সমস্যা নিবে। একদিন কথার কথার আম্বা বলেছিলাম ভদুমহিলাকে "এই ব্যাস্ত অ:গনার কর্মক্ষতা দেখে আমরা সভিটে বিশিষ্ঠ হরেছি।" ভদুমহিলা উর্বেষ বলেছিলেন ভা শানে অবাক হয়ে গিয়ে-ছিলাম। ভদুমহিলা অসংক্রেচে ব্লেছিলেন প্রেশ্ব, জামি নিজের ক্ষমতার বোধ হয় অপ চত্ত করছি—কামার মনে হর আমি বঢ়ি আবার বিশ্রে করতাম ভা হলে দ্রী বা গ্রাই-ৰৱা হিসেবে আগের মতই সাথক 🕬 भावजाम । मार्ट्स मार्ट्स मार्ट्स क्या । भारतीय বিরে হরে গেলে আমিও বিরে করি: টোমর ক্তিকল 💝

আমরা কি কলব? আমরা ভদুমহিলার কথা শ্নে হওবাক। ভদুমহিলা ভামানের উত্তরের জনো আপোক্ষা না করেই বলে বেতে লাগলেন, 'জান, আমি এ নিয়ে ভামার ছেলেমেরেদের সপো কথাও বলেচি: মেরে কোন আপত্তি নেই—তব্ ছেলের কথাট ভাববার। ও বলছিল, মা, ছাম বিষয়ট বত সহক্ষ ভাবছ—তভটা সহক্ষ নর। কেন্দ্র ছামের বিষয়ট বত করের ভিনি ভোমার বরসীবা ভোমার চেরে করুরে ভিনি ভোমার বরসীবা ভোমার চেরে করুর হবেন। আর ঐ বরসের প্রেব্দের ভোমার মত সক্ষীবভা ভাদের না থাকাই সম্ভব। আমিও কথাটা ভাবাহ, জানাং

আমরাভ কথাটা ভেবেছি অনেকরর নানাভাবে—আম দের দেশের পরিত্র ক্ষাত্ত । এই বরসেভ জীবনকে নতুন করে বাবহার করবার, উপলাভ্য করবার নানাবক (humanistic), ইচলোকিক প্রতার বেধে সভিটে খ্বে ভাল লোছিল। তবে সংকৃচিত বোধ করেছিলাম এই ভেবে এদের মতুন করে বাবহার করবার ধারণাটাও গুডানাগতিক ছকে বাবা।

উন্নত অথনি তির ফলে জানিকার দিক থেকে সম্পূর্ণ নিশ্চরতার দর্ন এ দেশর মানুষের অবশ বরুসে অর্থাৎ ১৮ 1২০ বছরে বিরের বাতি প্রচলিত। তার ফলে এবং বিরের পর ছেলেনেরেরা ভিন্ন হরে গিরে স্বতশ্য পরিবার ছিলেবে বসবাস করে বলে বাবা-মার প্রায় ৪২ 1৪৫ বছর বরসেই পারিবারিক (ভারতীর অর্থে) সকল কাজ শেষ হরে বার। এই বরুসেরও প্রায় ৫ 1৭ বছর পর আমাদের দেশের বাবা-মারা প্রথমে ছেলে-বউ, ভারপের নাতি-নাতনী দিরে জমজমাট সংসারব হা শুরু করেন। অবশা অবশ্বাই ক্রমণই পালটাছে।

व प्रदान वाबा-भार शतक विद्यार समा



86 **बर्**त्वक नाम चन्छाड ०० वस्त्र (अ (म्राम्य मान्द्रका भएजात् **५६ वह**न) व्याय न न्य मात न्यामी-नती दिरमस्य अकारी ভাটাতে হয়।

এ দেশে সামাজিক নিরাপতার নানা বাবস্থার প্রচশন ররেছে। জন্মকাল থেকে য়তা পর্যণত স্বর্কম অস্থার অবস্থার প্রতিরক্ষা বা নিরাণভাব জন্য সামাজিক বাবস্থা রয়েছে। জন্মাবার পর থেকে ১৮ বছর প্রতিত Children বা Family benefit অধাৎ পরিবারকল্যাণ ভাতার ব্যবস্থা, যৌবনে বেকার জীবনের অসহায় অক্ষায় সরকারী ভাতা, বিধনা ভাতা (Widow Pension) এবং বাষ্ধ বরসে Old age ভাতা এবং সরকারী বাসগ্রহ থাকা ও দেখাশোনার ব্যবস্থা প্রচলিত। এ হাড়া চিকিংসা, হাসপাতালে থাকা ও রুষ্পতের খরচও কারও দিতে হয় না।

বিকলাপা ও অক্ষমদের জন্য মানিক काराज (Invalid's Pension) ব্যবস্থা প্রচলিত।

অন খদের ভরণগোষণের erera (Orphan's benefit) সরকার দিয়ে क्षांक्रम ।

এ দেশে দাঁতের রোগ খ্র বেশী। আর এই কারণেই এ দেশে দাঁতের হাসপাতাল ও স্কুল প্রতিষ্ঠিত হয় প্রায় একশ' বছর আগে। সম্ভবত জলের জন্য অথবা এ বেলে সালভ ও মাখারেচক নানা রকমের চকোলেট, কেক ইড্গাদি খাওয়ার ব্যাপক অভ্যাসের ফলে দতি খারাপ হর খাব বেশী বলে অনেকের যারণা। ১৮ বছর বন্ধস পর্যাত দাতের চিকিৎসার বার সরকার বহন করেন। এমন কি, বাধান দাঁতের খরচও সরকার দেন। ফাল, এ দেশের মনাবের এক বড অংশেরই অলপ বয়স **থেকেই বাধ**নে দতি। দতি বাঁধাবার খরচ খ্র বেশী ভাই আনেক क्ल्टिट ১४ वहरतत्र जारन माज এकर् খারাপ হ**লেই** বাবা-মা ছেলেমেয়েদের সব দাত তুলিয়ে বাধান দাত লাগিয়ে নেন সরকারী **খরচে। বলেছি, এ'বের শ্র**মনীতে ম্কচ র**রের প্রাবলা বেলী।** অবলা এ'দের শক্ষেও বৃত্তি আছে—এ'রা বলেন, আমাদের ট্যাক্সের টাকা খেকেই ছো সরকার খরচ করে কাজেই সুবোগ আমরা ছাড়ব কেন? কিম্মু বাধান দাত বলে অসপবয়সী

ছেলেমেরেদের মনে খোন সংকোচ বা শিক্ষা নেই। বিয়ের বাজারেও দাম কমে ना, काइछ, बद्धर खोग आकरो म्याबर्थ वा भून বলেই পণা হয়। কেননা দাঁভ বাৰভ বিবাহিত জীবনে জোন খনত রুইল না, দৈবাং ^{বাদ} না বাধান দাঁত তেশে বা হারিয়ে যায়।

ম্যাটানিটি বেনিফিটের বাক্থা খ্ব ভাল। বিনা ধরতে হাসপাতালে পথ্যাদি. চিকিৎসা, দেখালোনা, সবর্ক্ষ ব্যবস্থা করা হর-জাতি ও আর নিবি'লেরে সকলের জন সমান সুৰোগ ও ব্যবস্থা। বিশ্ব জাত্যৰ পর বেশ কিছুদিন স্থান্তেট সোসাইটির (Plunket Society) ভ্ৰাৰ্থনে ভাৰে শিশ কল্যাণ ব্যবস্থার शाकारक करा সে সাইটির নিউজিল্যা-ডের **न्यार** का অবদান অত্যানীর। প্রিউজিল্যান্ডে শিশ্-মত্যুর হার প্রথিবীর মধ্যে সব চেরে কম। এবং এই কৃতিছের সবটাই প্ল্যুম্কেট সোসাইটির প্রাপ্য। নিউজিল্যান্ডের ভাস্কার ज्ञाद ग्रेवि किश (Sir Truby King) ১৯০৭ সালে এই সেসাইটি প্রতিষ্ঠা করেন এবং তংকালীন গড়নবৈর স্থার নামান,সারে সোসাইটির নাম **প্লা**েকট সোসাইটি। সোসাইটির নিজ্ঞ্য পর্যাততে শিক্ষিত নাস আছে। হাসপাভাল থেকে ফেরর পরে শিশ্বকে প্রতি সপ্তাহে এক দিন করে দেখে যান এ নাস'রা এবং প্ররোজনমত নির্দেশ দিরে থাকেন। অস**ুস্থ** শিশুর চিকিৎসার ব্যবস্থা করে থাকেন নিজেদের হ সংগাতালে वा हिकिश्तारकरम्म । वना दार्ना, अत करना এক কডি খরচা নেই স্তম্থের। অবশা কোন মা বাদ এ'দের উপনেশ নিদেশি অবহেলা করেন তাহলে এ'রা মাকে কঠোর ভাষায় শাসন করতেও দিবধা করেন না এবং অনেক সময় শিশরে কল্যাণের কথা ভেবে শিশুকে মার কাছ থেকে সরিয়ে সোসাইটির হাসপাতালের তত্তাবধানে রাথেন। এই নাসরা আমাদের দেশের ঠাতুরমা, দিবিমার কতবা করে থাকেন অবশা অনেক আহুনিক পণ্যতিতে। এ'রা কারিটানে (Karitane) নাস বলে খাত। ভানইডনের কাছে কারিটানে গ্রামে এই সোলাইটির কাজ প্রথম লারা হয়, সেই থেকেই এই নামকরণ। নিউজিল্যাণ্ডের প্রায় সব শহর ও গ্রামে এই সোসাইতির কর্মাকেন্দ্র রয়েছে। আভ-কাল উন্নত অথানীতির দেশগুলিতে এই সোস ইটির অনাকরণে খিশা কল্যাণ প্রতিষ্ঠান গড়ে তোলা হছে।

अटमटल इ সরকারের স্বাস্থ্য ব্যবস্থার আরেকটি দিক হল, এখানকার সব স্কুলের ছেলেমেরেদের বিনাম্লো দৃধ ও আপেল থেতে দেওরা হয়। ১১৩৪ সালে জর্জ বার্নাড শা বধন তার সোস্যাল লেবরেটারা নি**উজিল্যাভে** বেড়াতে এসেছিলেন ভব্ন তিনি প্রথম এই ব্যবস্থা করবার জন্য পরামশ দেন। ১৯৩৫ সালে বখন এদেশে লেবার পাটি ক্ষমভায় আসে, তখন খেকে अ बायम्था ठाला इत।

এর আগে লিখেছি, উনিশ শতকের মাৰামাৰি কাল থেকে এদেলে ভাগ্যান্বেৰণের **छरम्मरम्स देशम्ख स्थाक मरम मरम रमा**क আসতে থাকে। এদের অধিকাংশ নিন্দবিস্ত দ্রেণীভূত। স্বদেশের প্রেণী বিভন্ত সমাজের মর্বাদা ও নিরাপত্তাহীনতার হাত থেকে भूका मरबग्र

প্ৰকাশিত হবে ১লা আখিন

প্ৰথম আকৰ্ষণ

তিনটি উপন্যাস, কিন্তু গ্রন্থত উপন্যাস, **উপন্যালের নামে বড় গলপ নর।**

লিখেকেন

বিমল মিত্র স, বোধ ঘোষ ও नगरत्भ वन्

সমরেশ বস্ত্র স্বোধ ঘোষের উপন্যাসের পরিচর দেওরা হরেছে। এবারে অমর কথাশিদ্দী কিম্ল মিত্রের উপন্যাসের পরি**চর দেও**রা इतक।

শহর ছাড়িরে *তানক দা*রের **এক প্রামে চলে** আসনে। আমাদের এই দিলদারুণ্যরে। এখানে খৰৱের কাগজ পেণিছার না, সভাতার ছোরচ এখানকার আকাশ-বাতাসকে স্পর্ল করে না। তব্ এখানকার র গচীয মৌলিক ৰাছাকোর ভারে নারে পড়লেও বিপাদে আপদে সকলের থবরা-থবর নের। আর গোবিন্দ ভার মাদিখানার বলে তেল-ন্ন-মসলা বেচে, কিন্তু নিমকহারামি করে না। **এখানকার নিতাই বেকার মান্**র হরি**শদ এখানকার বনেদ**ী বেকার। ভব**ু** তাদের অভিযোগও নেই করের ওপর। मिनमात**्रदात** मान्य मातिमा-ज्ञाय-जन्नेन নিয়ে বেশ সুখেই ছিল। কিল্ড সুখ বেখ হয় এক আন্তর্থ সামগ্রী: ভাই সংখ ইতিহাসের স্থা হর না। তাই একদিন উত্টে-পাতেট গেল দিল্লারপারের। ইতিহাসের দাবাথেলার রাজা-মন্দ্রী-গজ সব বান্চাল হয়ে গেল রাভারাতি। এই রাজা-मणी-शरका यानहाम शरत याश्रास काश्नि লিখেছেন স্বনামখ্যাত শিক্ষী বিমল মিয় একটি স্বীর্ষ ও হছং উপন্যাস

'''एव हाज़िटब'-त्र माखटन

এটি পরেকাকারে প্রকাশিত হলে দাব হবে नम क्षेत्रा।

এ ছাড়া वयास्तरमा निद्यस्य कारान्यम रहा, महास्य भट्यानास्त्रा क्रीमान्य, क्रीरिय,भाषा ७ क्रिक्टम । राम भीठ ठीका। मकाक ६.१६ होका। ৰ্য্যান্ত ক্ষমাই বেলির ভাগ লোক প্রধানত প্রয়েশ এসেছিলেন। তাই নতন দেশে প্রতিষ্ঠিত সামাজিক ও রাখ্যীর জীবনের অন্যতম উদ্দেশ্যই ছিল সকলের জন্য সমান ছব'ল ও নিবাসনার ব্যবস্থা করা। ভাই সাধিব বি সকল ধনতালিক দেশগুলির মধ্যে নিউজিল্যান্ডে সর্বাধিক সামাজিক নিরা-প্রায় ব্যক্তা। প্রাকৃতিক সম্পদের তলনায় म्बर्ग खब्क मानक स निक्छ करमारथा-কাৰেই প্ৰাথমিক উৎপাদনের কেন্দ্ৰে সীমারিত ভাষিকা সভেও বিপলে আর ও সেই আরের বিনিষ্করে বিদেশ থেকে আমদানি করা উর্লেড ক্রীবনয়ানের উপৰোগী উপকরণের অধিকারী এদেশের অধিবাসী। জাই রাশীর হস্তক্ষেপে উদ্বন্ধ সংগ্রহের সাহাত্যে এদেশে নানান ধরনের সামাজিক মিলাপকা (Social Security) ব্যক্তথা প্রচলিত হল। ভবিবাং নিরে ভাবনা, ভাবিকা নিরে ভাবনা, সব কিছু, ভাবনার দার রাণ্টের। বাস্তব ক্ষীবনের প্রায় সব-রক্ষ আঁচড খেকে মানুবকৈ আভাল করে রেখেছে এদেশের রাখ্যীর এ আখিক বিধি-বাক্তা। কিন্ত এর ফলে এদেশের মানবে ক্ষণট উদামহীন হয়ে পদ্ধতে এবং আছ-কাল তাই এ নিয়ে অভিযোগ, আলোচনা-সমালোচনা শ্র হরেছে বিভিন্ন ক্ষেত্র। क्रामान्य Social Security वाकन्याव প্রশংসার কথা বলতে সেলেই প্রতিবাদ শনেতে হয় আজকাল অনেক ক্ষেত্রেই। প্রতিবাদের মূল বৃত্তি হল, জীবনসংখ্যামের সব কিছু থেকে আডাল করে রাখার বাকৰা মান বকে উদামহীন করে তলেছে---মানুবের নতন কিছু করবার, ভাববার প্রেরণা নেই কোষাও। তাই নিউজিল্যান্ডে থেকে নিউজিল্যাম্ভাররা নক্তন কিছা করতে পারেন না—অখচ এখান থেকে বাঁরা বিদেশে গিরেছেন তাদের অনেকেই জীবনের বিভিন্ন ক্ষেত্রে নতন অবদানের সম্মান লাভ করিছেন। এই প্রতিবদের সনোভাব আজকের নিট্রজিল্যান্ডের বাল্ডব অবন্ধাপ্রস্ত। অধার
ন্বিতীর মহাব্যুমের পর থেকে আগডরুণিতক
ক্ষেত্র প্রথমিক বাজার সংকৃচিত হরে
আসহে। আজকাল অনেক দেশের অধানীতির পকেই তা সংকৃটের স্ভি করেছে।
প্রাথমিক পণ্যরশ্তানিকারী দেশ নিউলিল্যান্ডও শ্বভাবতই তার হাত থেকে
রেহাই পারনি।

এই অবশ্বার মলে রয়েছে উন্নত অগ্ননীতির দেশগুলির অনেকেই বেমন
আমেরিকা, ইংলন্ড, জার্মানীর প্রাথমিক
পণ্যের বোগানের দিক থেকে স্বরং সংপ্রাথ
হবার মনোভাব। তবে এর চেরেও বড়
কারণও ররেছে। তা হল, ব্রেখান্তরকালে
আতি উন্নত উৎপাদন কোশল উন্ভাবন ও
তার ব্যবহারের সাহাব্যে একদিকে বেমন
কৃতিম কাঁচামাল তৈরি ক্রছে এসব দেশ,
তেমনি উৎপাদনের সমর্থ কাঁচামালের অপচর



প্রাথমিক পণা সম্প্রানিকারী সেশ নিউজিল্যাগ্রেকে প্রথমবাতই এই বিবভানের সুকল
ভূগতে হচ্ছে। ভাই প্রভিত্তিরাও পুনে
হরেছে। এলেশে ভাই প্রভাতিরাও পুনে
গারকপনা নিরে মাজা কাজানো পুনি
হরেছে। ধনী কৃষক প্রেণী ও প্রেমেশিক রাণজানিভার ব্যবসারী প্রেম্বীর ভাই
থেকে এই প্রচেন্টাকে প্রবল বাধার সন্মাধীন
হতে হক্ষে।

এনেশের সামাজিক নিরাপতা ব্যক্তমা স্থা সোসাল সিকিউরিটির একটা নিক নিরে স্পাত আলোচনা-সমালোচনা পরে, হরেছে। সেনিকটা হল, Children বা Family benefit জবাহ পারিবারিক কল্যান ভাতা (১৮ বছর ব্যক্তমের প্রতিটি হেলেনেরের ক্ষমা বাবা-মা বে ৫০ টাকা ভাতা প্রতি মানে পেরে বাকেন)।

অনেকে মনে করেন, প্রারোজনের ভুকনার ভাতার পরিমাণ জলপ, ভাই এব কোনও গ্রেছ নেই। কলে বেলির ভাগ কেরেই ভা ভাতা পাওরার দিন পাবা-এ অথাৎ মদের দোকানে 'boosing' অর্থাৎ মদের কোনে কোনেটেই বার হয়। ভাই এনের মড়ে এটা ভুলো দেওরাই ভাল। ভবে এর এই শারাপ দিকটা সংশোধনের জনো সরকার সম্প্রতি ধকটা স্বোল দিক্ষেন—ভাহল, এই ভাভার विवादित्य वांचा तारक न्याकार त्यादक क्षाक् कार्यात कर प्रमुख्या वटन निर्द्यम नामि कार्यात करमा क्षिप्त यान व्यव नामा निर्द्य प्रमुख्यात वर्षा वर्षा निर्द्यमध्यात वर्षा वांक्रिक क्षाचान द्वणी न्यानाटक वरण क्षायत्म कार्यात नामका नामक विवाद क्षाक्रमा

ক্ষাৰ বাসৰ পৰিভাৰত কভিভাৰতাৰ क्षा को कावा वास्त्रात करने न्यक्तपटी जारात्मक राहामारमहासा स्थाप साम्य नाम त्याक बाबा बात निवन्तराया नाहेरत हरन বাজে। ভয়ে পারিবারিক শাল্ডির অভাব बर्गेट्स । तही दश्रेष्ठ विष्ट्रदेश मध्याः छटन এব সাবে আরেকটি কারণত বোবছর যোগ क्षेट्रेड क्षेत्र-का क्षेत्र स्टाप्त क्षेत्राच्या रहरेन शाहरबाह समानीशिक्ट सम्मानहरूके बरचके एमकरमा ज्ञामीत विमा शहरकोरको गाउतार अन्यासमञ्जू साम्भवाम ह्यास्ट CAMPAIN MEATHER METERS CHEMENCACHE बान नर्छ कर्ता। असे नरम्य बाक सम भागित-यापिक महम्रोज । वावा-या अवर रक्ट्रमरेक्ट्रपत মধ্যেকার একটি লিখিল সম্পূর্ক। লৈগ্র-काम त्याको पात बावकाचा रहा किछ पहर द्य ब्रुटनाम मृद्यु द्योग्यात द्यान्यक विस्तत गरण गरण वार्या-यात गरण चित्र हरत শ্বভাষ পরিবার গড়ে ভোলার ভার পের। ब सम्बंधा स्मान स्मान क्या कार्य আবাবের এখনও বানসিক বলুণা ছোগ क्षां हुए। जाभनाता वर्णावन, जानवा এখনও সামস্ভতান্তিক কথানীতি ও জীবন-बाह्य श्रेष्ठांव स्वटक चामारत्व मामगरेक मन्द्र कारक शामिति। मा भागागेहे न्याकायिक— जामात्मक त्यांक जनाज मानत्यहे कि त्य मृक्षि बरानेट्स ? ग्राहि वचन बानेट्स—ख्यम अने गुल्ला(क्ट्रें कि अक्वाह नातन्या गुल ह्यान निएक इरव ? जना काम विकल्प वास्त्र्यात क्या कि छावा बात मा ?

নিউজিল্যাপ্তের সমাজের জাবার সে रामाहेश साहै। अभारम जामन्छछरनात रकास অণিভর্ত জোননিম ছিল না। উল্লভ খন-জান্তিক লেশ ইংলাভ খেলে খনভান্তিক कृषि-वर्षानीतिक विभिन्नकथा पर्यानिस्त बारन महन्त्राहण नवाय-वायन्याविद्दीन वान-विकास ट्वटनाड क्रेब'स मास्टिक ट्यानन क्या হরেছিল। প্রচালত কোন বিনি বাদশার गटना रकाम गरशाम स्मर्थ-विमा जान्नारमर्दे विभाग विक वेरशामिक हरतहरू। अ विस्कृत वाणिकामात्र अक्ट्रवत अविदे त्याक्रेय:वि न्योक्ष । क्यांन देक्ट जाना मान्द्रवर निवाशकात गाविक निदंध ब्रह्मात्र तामीत्व। এ জাজ আৰও সহজ হমেছিল সৌমদের Mother country winning have us TOCHERON WOOD

আল ক্ষিত্ৰ অৱশ্বা ক্ষিত্ৰতা পাল্টাতে মুন্ত ক্ষেত্ৰে।

शिमारकाय देशकत

न्या गर्

উटल्डोन्नथ

প্রকাশিত হলে ১না জাশিক ব নবজন বিশ্ব ক্লাব্র

সিটা উপ রার সভাল নিক্তেম বংশর বিভিন্ন লেখাট এক উচ্চাসের হরেছে বি বিভিন্ন এককন সাহিত্যিক বলা মধ্য।

বিছিত্র করু সম্বল্পে সিংকার্যন কংগ্রেকার করিবার্য

(एर्वेक्केट) विश्वाम जन्म जिल्लाहरू जीवजी जन्मा दलन

वैश्वेषुत्री जन्मरूप जिल्लाम सम्बूप-काला **पर्वापन बद्धपानसम्ब**

(ইউস্ট সুংখাপাৰ্যার নাজন লিবেছন হেম্ব-প্রাত জ্ঞানের্মার ক্ষেশান্ত

উত্তৰপুষার সকলে নিজেন উত্তৰ-প্ৰাতা ভাষ্যসূত্ৰৰ আৰু সবাৰ দাদা প্ৰশাস দা সক্ষৰ

লিখেছন বিশ্বজিৎ লিখ্যীর টালেডা লাখ্যক বিশ্বজিৎ, বা চক্ষ চ্যাটাজী •

वायवी छक्तवती

व शंका निवामिक निकास स्थला विव

ৰ্থিৰ নিচন্ত্ৰ দাম গঢ়ি টাকা। সভাক ৫ ৭৫ টাকা

नि माधिकम् न शाह निह ५६वन् परन्तनम् शाह जीवस्थान



াঁ যাঁরা স্লো মাথেন তাঁদের কাছে খুশির খবর!





चात्र धनकि पनंत्र हेर्शास्त्रं

শ্রেডিনির রু নীল জো বাবহার করক · · রাখার
নলে নকে নিজেই অভুক্তর করবেন, কী আশ্রেই কোনগড়া
এনেতে, মুখনী হরে উঠেছে কুটকুটে প্রকার ও
আভানর । ননীর মন্ত মরম রু নীল জোতে আশনি
রগলাবণো প্রম রুমনীয় হয়ে উঠবেন । মুখনীতে
লাবণ্য কুটিরে ভুলতে চান জো নিয়মিত বাবহার করম
রু সীল জো।

Single-old it have this the market spent makes পাশ্চমবংগার প্রতি আবার অবিচার

द्वार्शीकर शकः किनान्त्र क्षिणता ব সুপারিশ প্রকাশিত হরেছে। বিশ্বত চর্টি ফিনাম্স কমিশন **আয়ক্ষা বেকে প্রাশ্**ত রছদেবর বে শতকরা আংশ পশ্চিমবশ্যের জনা বরাশ করেছিলেন এবং কেডাবে গণিচমবশোর প্রতি অবিচার করেছিলেন তার সংগো পশুম ফিনাম্স কমিন্দ্রের मुश्रातिम इनना करात्म रमेची बारव. अवस्त्र প্তিচ্মবলোর কপালে আরকর মেকে প্রাণ্ড র্জন্মের আরও শতকরা কম বংশ জুটেছে এবং অবিচারের ধরাও অক্সর আছে। क्षिण्यम् স,শায়িশ एटयी किनाम्स অনুযায়ী আয়কর থেকে প্রাশত রাজদেশর গতকরা ৭৫ ভাগ রাজাগ লিব মধ্যে বাণ্টত হয়েছিল এবং তার নধ্যে পশ্চিমবংশের প্রাণ্ড ছিল শতকর। ১২·০**৯ জাগ। উত্তর্থ জিলালা** কমিশনের স্পারিশেও রাজ্যনালির মধ্যে वाप्तकर १६८क शान्य बाल्यन्य भावन्याः ५६ ভাগ বণিউত হয়েছিল, (আনার পর্যাত দিরে) এবং তার মধ্যে পশ্চিমবল্যের প্রাণ্ড किन गटकता ১০-১১ छात्र। एक सि धनर চত্য উভয় ফিনাল ক্ষণানের ক্ষেত্রের রাজাগ**্রালর মধ্যে আরকর থেকে প্রাশ্ত** রাজ্য বন্টনের সূত্র ছিল জনসংখ্যার ভিত্তিতে শতকরা ৮০ **ভাগ এবং আরকর** সংগ্ৰহের ভিভিতে শতকরা ২০ ভাগ। কিল্ড পর্তম ফিনাস্স কমিশন আরক্তর খেকে প্রাণ্ড রাজন্বের শতকরা ৭৫ ভাগ রাজাণ্টালর মধ্যে বণ্টন করার সুস্থারিশ **করলেও বণ্টন** বাবস্থার যে স্ত্রে উম্ভাবন করেছেন ভা প্ৰবিতী কমিশনক্ষিত্ৰ সূত্ৰ খেকে প্ৰঞ্ भक्ष किनाम्त्र क्षेत्रकटनम् मूभविक जन्दात्री दाकाम्स्लिय मरशः चासक्य स्थरक धा^{न्}ठ त्राकान्य यन्त्रेरमञ्जू मृह्य मृह्यस्र ১০ তাগ জনসংখ্যার ভিত্তিতে এবং শতক্ষা ১০ **छात्र आवक्त मस्त्राहर किविद्य । और** স্পারিশের ফলে পশ্চিম্বশ্সের প্রাপা गीक्टार गणकता ३-३३ काम। अहे सकून ব্যক্তার সপক্ষে পঞ্চম ফিনালস কমিলনের ৰ্তি হ **ছ এই বাৰণ্ডাৱ অপেকাকৃত** वन्त्रमत ताकाश्रीम छेशकुछ इरव। किन्कू প্রদান হাজে, অংশকার্ডত অনপ্রদান রাজা-ग्रिजन फेलनरान मना कि जानाका जर्ब व्याक्त क्या त्यक जा? भक्तिवराज्य स्व र्गातमान जातकत नारमाहीक वत का रन **बन्दरकाम बाटकाब** गरशहरू र्गतमारगड रहरता रवजा, न्यूबर जान्दे मह. नात्र व तकत त्याक हम क्रांचन्य अस्त्र के रत कार क्षत्र-शक्तासम्बद्ध स्वयी मान्यीक रा भौग्ठमस्त्रम् । एकपुर्गामस् व्यवस्थानिक बन बाहका स्थाक शानक शानात्त्वा मुख्यका



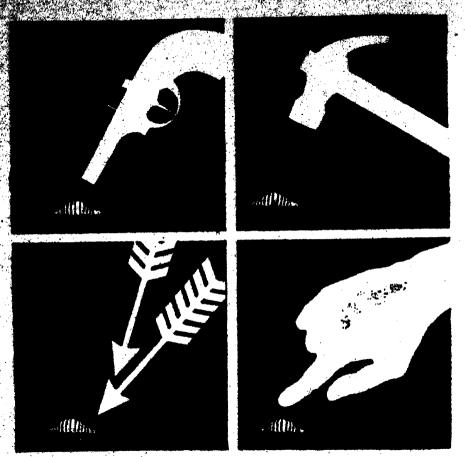
२.७ कास (कारात वड्ड वाम निरक्ष) वदान्य कर्मा दरसंस्थ

প্রকর্ম ফিনান্স কমিমনের প্রতিবেদনে विक्ति बद्धाव भर्धा রাজ্য্ব বণ্টনের म् भावित हरहा विक्रीनाचिककरव : जन्म ৮.০১ শতাংশ, আসাম ₹.৬**৭ সভাং**স विराय ३-३३ महारम, गुल्लवार्थ ६-५० नठारल, श्रीबद्रामा ১.४० नहारन सम्बद्ध । कान्यीत ७.१५ महारम् द्वताना ०.४० শক্ষণে, মধাপ্রদেশ ৭٠০১ শভাংশ মহারাজী 33:08 TORY, RETURN 6:80 WERES नागामा ७ ० ०४ मणः त्य केल्या ० ०० नकरम, शासाय ६-६६ मध्याल, सामन्यान ACA MERCH BITCHER BO-R मकारन, केंब्राइटाम ১৬-७५ महारम जन्द शन्त्रमञ्जूष ३/३५ महारू । केस्ट्रशासन अवर महासानी और गारे सारका भीनकातना रबरक व्यवस्थ का श्रीतवारम बाह्यकर म्हल हो के बन्ता महत्त्व ज्ञान दहान दली थता राजारह। ३৯५५-५२ मार्का रह जीवन আরক্ত্ব আদার করা হরেছিল ভার থেকে প্রাণ্ড রাজদেবর শভকরা ২-৫ ভাগ কেন্দ্র-माणिक व्यवस्थानिक व्यापा अवर वार्यामकारम चनामा बाजाग्रामा घटमा बन्धेनस वारम्या क्या हरसरह। अ वाक्कात स्मार्ट ७५১-५३ কোটি টাকা কবিটা হবে।

MAGS ACAM . (Union Excises) (पर्य शान्त बालरम्बर मञ्जूबा २० छात्र वन्डेटन (कामात्र पत्रह नाम विदय) न्यवर्धी क्षिमत्त्व मीडि, अवीर मेडक्दा ৮০ ভাগ জনসংখ্যার ভিত্তিতে এরং শতকরা ২০ জাপ কর জালারের ভিত্তিতে বভন করা, चन्द्रमञ्जून कता इत्तर वरण क्षिणम न्द्रभाषिन निरसरकन्। दिक्तीय कान्छ।मान्क स्थान প্ৰাণ্ড ব্যক্তব্য হৰ লড়ক্যা ২০ ভাগ বণ্টিত নুই-ভড়ীরাংশ 241 हर्ष जात म किए प्रत्य ब्राक्षान् निव टमहे মধ্যে মেন্দ্রীনিয়ন্ত পড় জনপ্রতি আর স্বভারতীর গড় অসমতি আর অংশকা ৰম। অব্যাশক এক-ভূজীয়াংশ ব্যাণ্টত হবে কোৰ অভুনের জনারসরতা কড ভার किविद्य । अर्थ सरम्बाह जन्दान्ति । यदि গ্রাম্বত কর্মন পশ্চিমবংগার জন্য बद्यान्य क्या व्याद्ध के ४८ मकार्य : जन्म चान, मनाप्रारमन, महानानो अवर উखरारातरनर बान्य महाभू कार्य क्यांटक नेपालक व ५६

महारम, ४ ८४ महारम, १ ५० महारम अवर ১৮.४२ गडारमः यसा वाद्मा, अहे बाषा-গালি থেকে পশ্চিমবংশে অস্তঃশালে আদারের পরিমাণ বেশী। কৃতিপর নির্বাচিত সামগ্রীর উপর বে অতিরিক অন্তরণকে বার করা হবে ভার থেকে প্রাণ্ড ব্লাক্ষণের শভক্রা ২-০৫ ভাগ বণ্টিত হৰে কেন্দ্ৰ-শাসিত অঞ্চল-गर्निएठ, ०.४० मफारम रमस्या हरन सम्बद्ध काम्यीय तालारक क्रवर ०-४ मकारण **ए**न्ड्या हर्ष नाशास**ण्ड**मः। खर्रामण्डे ৯৭-০০ শভাংশ বশ্টিত হবে রাজাগটোর মধ্যে। ভার মধ্যে পশ্চিমকপের পাওনা হবে २४०-८५ मण होका: छटन श्रवाहानेत পাওনা হবে ৩২৩-৪৫ লক চীকা, মহারাজের भाउना **श्रं**व ७०५-५५ **मक** केका. **उ**छत्र-शास्त्रात नावना द्वार ६५६.३३ नक होका. बार राधिनमास्त्र भारता एव २४४-०८ गक होका। अहे क्लेन ब्रांकुल बन्तानाज्य বেকে প্রাণ্ড রাজদেবর বৈ অবলিন্ট অংশ बाक्रय चार्छ गोन्डमर्रकाद आगा हर्र गठकता ४-१८ छाष: विष्णु सहाताचे क केन्द्रबद्धारम्य मान्यसः यस्य संयोगस्य नावस्था SO VS WERT ARE SESS WERE of the state of the second

Chief at all and a series of the series ৰণ্টনে ৰবাৰ পৰিস্বাহালৰ কৰি বিৰু ব্যাপ করা হয়েছে: ১ড়খ ফিনান্স ক্ষিণ্ড আন্ত क रक्ता निकानमारक भारतान्त्रीय बीक्ट कर्दाहरूका। भवत विभाग क्रिक्ट्रा স্পোরিশের ভিত্তিতে পশ্চিমকল কেন্দ্রীর সরকারের কাছ থেকে সাহায়া-জন্মান পরে ৮২-৬২ কোটি টাকা: কিল্ড আলাম ও छिक्या जनवमन्छात्र मानिए आहाया-जनमान भारत स्थाक्टन ১०১-৯৭ स्कारि होका क्या ১০৪-৫৭ कार्डि होका। क्लिक शन्दिय-বলের উৎপর্নিত চা স্বন্তানি করে যে ভারত সরকার প্রতি বছর ১৮০ কোটি টাকার উপর छेनाव्यन करबन अवर नाम्ह्यवरण्यत देखती **हर्षे इन्डानि-हे (व डावड अञ्चलातव देवर्गाणक** बह्य प्रकारनंत नवारभका बहुद्दक्ष्म् देश अवर अवन्त्र एवं शन्दिययंत्रा स्कान विस्तव আৰ্থিক সংযোগ অথবা আৰ্থিক বয়ান্দ शास्त्र मा, कीम्पन दन क्या क्रिका करतन नि। আময়া আশা করেছিলাম, মহাবীর ভ্যাবীর সভাপতিৰে গঠিত পশুৰ বিদ্যালয় কৰিলাৰ कमकाका बदानभरीत गुत्रनम्बा, बिटमन कटन बारे बहानमञ्जीत भविष्युम् ७ जन्म निम्कःमहन्त्र ग्रंबनका ग्रंब क्यांड क्या, स्नामिकान्छ केसव-ব্লোর অধিবাসীমের প্রকাশনের জনা, এবং সৰোপন্তি পাকিস্তান খেকে আগভ नत्रवाचीरवद्र भूनवीत्रस्तद् सम्ब अञ्चलः जन्दरादनव भविमान ज इंड बाज्यस्न।



बिरमारक हातरभावन ध्वरून क्याबाड रहत क्षत्र उनाइ ब्याह-वर-३३ विशेष !

নক্ষক শাস্ত কোন ছামগোৰা বাহাৰ कार्या दारत ३००% त्वत्रे काम दवत । बुत्रहे प्रतिकृषः चक्रव कर । (कारानिन रक्षम विदय भाषना करंद निम । किया ক্ষাৰ বিভে শাৰেন। ভাৰণৰে বাড়ীতে বিশীৰে কথুৰ—কেনৰ আৱাৰে সুব





बार्खीय गामाबीटक मन्द्रीक গুণিমকাল ন - इत्राधातावड मर्ज आकासीत गिल्भीतम्ब किवनमाक्कांत्र भविकत माधन क्या। जीतन्त्र जिल्लामा किसमराल मधन ক্ৰেল ভাষিকাংশ লিকপাট পদ্মনীতে যোগদান ক্রেডেন ক্ষেকজন স্প্রিচিত তর্ম শিশ্পীর সাক্ষাং এখানে পার্যা **যার্থন। কর্ত্তাতা ও** গংলা দেশের বিভিন্ন স্থান থেকে ৭৪ জন গ্ৰুপীৰ ভাসক্ষনিক্ষন त्रम ह्याहे ८८५६ वस्ता अस्थानीरक राज्या अस्य। নিৰ্বাচন ব্যাপাৰে ঠিক সাবিচাৰ কৰা ফানি। ছবির **সংখ্যা অপেকা কতাপক** হদি উপক্ষেত্ৰ নিকে সনোকোল দিলেন া হলে প্রদর্শনীর মান আরও উল্লেখ্যতে গ্রাফক ও ভাস্কর্যনিদ্র্গানের সংখ্যা অলপ। প্রদর্শনী দেখে মনে হয়, বংলা দেশের **অধিকাংশ শিল্পীই প্রগ**তি-বাদী স্থাৰ ব্রেগর চাহিদা অনুযায়ী ^{সমকাল}ীন বীতিতে **কাজ করেছেন**। গুদশনীতে বিম্ভা, সম্বিম্ভা, সার-গ্রিয়ালিদ্টিক ও **আধনিক নানা পশ্চিতে** র্গাচত অনেক নিদশন **দেখা যার। প্রদশনী**র বৈশিষ্টা এই বে. এখানে করেকজন প্রতিভা-শলী ভর**্ণ দিলপীর সাক্ষাং পাওরা যা**র। ^{त्र:(क)प्ठे मिल्लीसित क्रमा नय स्कटा} মানান্ত্প নয়—অনেক স্থলে প্রতিভাবন ভাবে শিলপীদের পালে ভালের দর্ব**ল** বলে मान रहा। व**र, छन्दन निरुती आसकात** নির্মিতভাবে **কাজ করে চলেছেন, সত্ত্**রাং मनकालीन अट्टन निम्मीरमञ्ज भरवा देवीनकी বজার রাখতে হলে বরঃজ্যেন্ড শিল্লীদের धक्ना-थिक नात्मद त्यार जान करत নির্মিতর**্পে কাজ করতে ছবে। সমকালী**ন छत्व मिल्लीमल जिल्ला ও সচেতन। কেবলমাত অতীত**লম্ম স্নামকে সম্বল ক্**রে চাদের মধ্যে স্বাভন্য বজার রাখা আদৌ ^{मण्डत} नत्र। **छाष्टाका कनमाबाद्धनतं व**्हि वनत्नारक् । विकासत्वाव द्वरक्टकं कविंक চর্বণ তারাও আর সহা না করতে পারেন। তিনটি দ্যালারীতে রক্তিত ছবির মধ্যে भूव भागावीणिहे स्त्रफं-धवाल क्राक्कन



डेटकाम केंद्र खरान्द्र खाहे

-सम्बद्धानामान क्रोदरी

ভর্ণ পরিচিত ও অলপ প্রিচিত শিল্পীর क्रिक्रथरवाचा निमर्णन एपवा **वाहः। शबर**मर्श চোৰে পড়ে সমর ভৌমিক, গণেশ হালটে, प्रशिष्ट के बार भरसर्व ब्रह्मा। दिवानिष्ठिक दला अभव ভৌনিকের ক্মপোঞ্জিশন ५-७३ मरमा পরোনো ও নতনের সন্দের সমন্বর দেখা যার। প্রধানত উল্ভাৱ লালরঙে মধ্যাস্থিত মতিখনি একে শিল্পী চাপা রঙে ইম্পান্টো ব্রীভিতে বচনা ক্ষেত্র নানা কার-কার্য সাল্ট করেছেন। ল্বিভীয়টির পূর্ত্ত-ভামতে কাচের কার্কার স্থি করে তিনি চাপা রঙ বাবহারে কৃতিত দেখিরেছেন। বদতত দুটি ক্ষুনাতেই শিল্পীর ভারতীয় ভাবধারা ও **আহ্**নিক রচনারীতির পরিচর পাওরা বার। জলরও ও রেখা মাধামে আঁকা গলেশ হাল,ইরের গোলডেন ফিল-এ প্রাচীন চিত্রকলার আভাস পাওয়া হায়। ছবিখানি বাহ,লাবজিত, কেবলমাত পাতলা জলবন্ধ ও রেখার সরলতার মধ্য দিরে শিক্ষী যেন এর মধ্যে প্রাণসম্ভার করেছেন। মহিম রুদু বিমৃত শিল্পী পরিচিত, যদিও প্রদর্শনীতে এবারে অনা-জালীৰ ছবি দেখা যাব। এ ফ্যানটাসি গ্ৰী মনে হর ব্যাক্ষার ভিত্তিতে রচিত— রিচার্ড ডরেল-এর একদাখ্যাত फब्रिर-ध्रेव मरून ध्रेव किए. সাৰশা व्यक्तका कार्य श्रष्ट्। न्य हेन अ जानि शादर्धन ख्रीकर हिमारव मन्य नह। जाल, নীল ও হল্পে রঙের ছোট ছোট চতুভূ'ঞ সহকারে **অন্যরেন্**ত চৌধুরী তার রচনার প্রাচীন চিত্রজাতীয় সরসতা অনার চেষ্টা করেছেন-এই প্রসপো ইডেনস ঈভ আও

চৌখন বিদেশী পকেট বৰে পাৰে একমাত্ৰ দাঁড়াতে পাৱে সমবেত প্রতিছৰ .३ जत्रात्र

সন্দীপন চটোপাধ্যায়-এর প্রথা ভাঙা গলেপর বই ৩٠০০

व्यक्तात्मा २३ वर्ष ১১म मर्स्क

গল্পকবিতা

পরের সংখ্যা : শুধু কবিতার জন্ম

১৭/১-फि. जार्च स्मान महीते, कनकाका ५२

(সি ৭৬০৪১



পণ্ডকন্যা

क्रिक्षण बाह्य

ৰাব্ৰা ফণিভৰণ আচাৰ্যকে ব্ৰেব্লয়াত কৰি বলে জানেন তাঁৱা श्रीक भारताभागित कारमन मा। তার উপন্যসগ্রিল বারা পড়েছেন, তারাই জানেন, তার উপন্যাসের কোথাও তিনি কবিছ করেন না। ভাবনের অজন্র ভারাচ্যেরা ও উত্থান-পতনের ৰছ, মুমান্তিক ঘটনার দুটা ফণিভবণ আচার্বের বিচিত্র অভিজ্ঞতার কথা জানতে পারা যাবে পঞ্কন্যার মূল নারক मृतुक्षात्व व-कन्याः। উনিশ শো তেতাল্লিশের দর্ভিক্সের সময় সে একা প্রথম কলকাতার এলো। রান্তার, পার্কে শ্রের সে ষিভীর মহাব্যদ্ধর সাইরেন শ্নেছে। ভারপর নানা উত্থান-পতনের ভেতর দিয়ে সে বর্ডমানে একজন কতী বিপোটার। সে দেখেছে, দেশ ও সমাজ কিভাবে ভাঙতে। সে দেখেতে, জীবনের মলেরেথ আজ কোথায়। তার সেই অভিক্রতার বাবে এসেছে बद्द विद्या हिंद्राया नवनावी। তার মধ্য থেকে মাত্র পাঁচজন লাখিতার কথা নিয়ে অত্যত্ত লাগিত ভঙ্গিতে লেখা তাঁর 'পঞ্চন্যা' সাম্প্রতিক প'চিশ বছরের ছিল্লভিল সমাজের এক দ,বিবহ বিব্যতি। क्रम बारका होका।

এই লেখকের অন্যান্য বই :
পূজাশ বনের গোখালৈ ৫.০০
সহারার নেশা ২.৫০
হল্মে পাখির ডাক [নিম্নেবিড]

त्रवीन्प्र लारेए बती

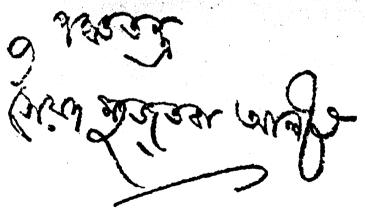
১৫/২, শ্যামাচরণ দে স্মীট কলিকাতা ১২ ফোন ৩৪-৮৩৫৬ ছাট আনেকের দুখি আকর্ষণ করে। निमंग मखत मुर्डि ছবির মধ্যে বারাণসী খাট উল্লেখ্যোগ্য। ইমপ্রেসানিন্টিক রীভিতে হলুদ রঙ সুকৌশলে ব্যবহার করে শিল্পী বারাণসী ঘাটের বৈশিশ্টাট্টকু ফুটিরে জলেছেন। বিমার্ড কানার মধ্যে বরেন বসার ক্মপোজিশনের নাম করা বার। ক্রাস জাতীর চওড়া শানেলের ওপর সালা রভের বহিরেখামলেক দানা বিম্ত আক্রার এটিকে বিলিফের বৈশিশ্টা দান করেছে। রথীন মৈচের আই ক্যানট ভাই-এর আবেদনে কবেকজন বে সাড়া দেবেন সন্দেহ নেই। আব একখানি ছবি অনেকের চোখে পড়বে—বি আর পানেসার-এর সেলভা সেল-ভাগিরা। হল্দ রঙের প্তভিমির ওপর নীল রঙের লম্ব্যান ও সাবলীল তলির টান দেখে শিল্পীর জলরঙে বন্ধব্য প্রকাশ করার ক্ষ্মতা বেঝা বার। কাতার্ন শাকলাতের সরেরিয়ালিশ্টিক রচনা অপেকা পার্ট অব মাই হাউস বেশী ভাল লাগে, যদিও এতে কিছ, আমেরিকান প্রভাব আছে। কাতিক পাইন দুটি ছবিতেই নিজ স্বাতস্তা বজায় রেখেছেন। দ্টিই স্রেরিয়ালিন্টিক, যদিও হল্দ রভপ্রান মিড্ডে ইন মিডসামার সকলের ভাল লাগে। নিসগদিশ হিসাবে শ্যামশ বোসের মনসান ওয়াশ-এর ভিন্ন স্বাদ। ছবিটি এ**রপ্রে**শানিস্টিক, ভ্যান গ'র প্রভাব লক্ষিত হলেও লিক্ণী ভার মত সমুজ্জাল বৃদ্ধ বাবহার করেন নি। এম-প্রেশানিস্টিক রীভিতে চাপা রঙে আঁকা দুটি ছবিতেই অনীতা রয়চৌধুরী তার স্বাতন্য রক্ষা করেছেন। পরিভোষ সেনের দ্টি ছবিং-এই তার অধ্বনরীতির বিশেবৰ বোৰা বাৰ।

উত্তর দিকের গ্যালারীতে খাকে জলরঙে আঁকা নানা ছবি ও নিসগদ্পা। অধিকংশই ভারতীর পশ্বতিতে বুচিত, অলপ কয়েকটি ছাড়া অনা কোনও ছবিতে কোনও বৈশিন্টা নেই। এখানে প্রথমেই চোখে পড়ে মণীন্দ্র-ভূষণ গালের প্যাড়ি ফিল্ডস। প্রধানত একটি রঙের শতরভেদের মধ্য দিয়ে বাংলা দেশের বিশ্তীর্ণ ও শ্যামলকোমল ধানকেতের এমন অনবদা রূপ আর কেউ প্রকাশ করতে পেরেছেন কিনা জানি না। প্রভাতমোহন বন্দ্যোপাধ্যারের ল্যান্ডন্কেপও এই প্রসঞ্জে উল্লেখযোগ্য। क्रम क्रमामाद-धव æ গোল্ডেনফিশ অনেকের মনে রেখাপাত करत। करनद मध्या विकित ও स्टीन नाना শ্যাওলা ও লভাপাভার মধ্যে কিভাবে ক্য়েক্টি মাছ আপনার মনে ঘ্রের বেড়াচ্ছে, রঙ ও রেখার নানা কার্কার্যের মধ্য দিয়ে শিল্পী সেটি প্রকাশ করেছেন। গোপাল খোবের দুটি মিনিরেচার নিসগদিশোর মধ্যে ন্বিতীরটি অনেকের ভাল লাগে। মেলিক बहन्यद्वीचित्र । ब्रियम क्रब धाकारमञ्जू राज्य হনারমান নীল রঙ্ক জ্যা মেহবৈচিচা দেখা গেলেও তরি কাছে আরও অনেক কিছু আশা করেছিলাম। অন্যান্য ছবির মধ্যে হনিকুম (রাখাল লাশ), ল্যান্ডন্কেল (প্রম-তোব মুখাজী), ও অ্যাপ্রোচিং নাইট (অনিল পাল)-এর নাম করা চলে।

পশ্চিম গ্যালারীতেও বিশেষ উল্লেখ্যালা নিদর্শনের সংখ্যা অকপ। তা ছাড়া সংগ্রিক প্রদর্শিত বিভিন্ন শিল্পীর অনেক করে এখন দেখা यात्र-त्मर्गान खरगा विहातव মধ্যে ধরিনি: কারশ, সেগ্রালর আলোচনা ইতিশবে হয়ে গেছে—বেমন ১২, ১৩. 93. 40 03. 80, 43 303 8 302 Rt নিদর্শন। **এই গ্যালারীর** ছোঠ রচনা হিসাবে স্থিং নন্দীর সেন্টিনেল-এর নাচ করা উচিত বলে মনে করি। পেরের 🖘 ও রিভেট জাতীয় নানা উপাদান সহকারে শিক্ষণী **স্বীয় বস্তব্য প্রকা**শ করেছেন। পরিকশ্পনা ও বিভিন্ন উপাদান স্কাস্থাপন করার ফলে পরস্পরনিভব্তি ক্যুপোজিল্নটি আধানিক হলেও সকলের কাছে সহজাবধা **হরে উঠেছে। এর পরে নজরে প**ড়ে ব্যবিদ গোস্বামীর 'ভাক'। সম্ভবত ইণ্ডিয়ন কালোক লি ও কালিকাফিক বেখা দৰে রচিত এই সাধারণ অথচ আধ্যনিক ছবিলিতে শিল্পী বেন তলি ও রঙ মাধ্যমে প্রণস্থার करतरहरू। मृत्यास्यास्य श्राह्मात्र । পরিমিত স্থানটাকুতে চাপা রঙের নানা লম্বমান টানের মধ্য দিয়ে সাবল পাল ভার দুটি রচনাতেই (পেণ্টিং) ইমেজারীর স্ভি করেছেন। **এ গ্যালারীতে** আর একথানি ছবিও অনেকের দুলিট আকর্ষণ করে— স্ক্রাজ টিকু-র অটাম রিফ্রেকশন। প্রদর্শনীর অপরাপর ছবির মধ্যে ছবি-রাগ দেশ (অনিমেষ সেনগাুণ্ড), কৈলাসপরে ^{(ইন্}য় দ্বগার), ইনোদেশ্য (জীবেন সেন), কম্পো-জিলন-১ (ধ্যুনাবাৰণ দালগুলে) বিক্লাইনিং ফিগার (যশে বৃষ্ঠ সিং বোধরা), দি মুন (নিসার আছিজ) ও ক্মপোজিশন (নিখিলেশ দাশ)-এর নাম করা উচিত।

গ্রাফিক ও ভাল্কর্য বিভাগ দুর্বন।
প্রাফিকের মধ্যে শ্পিং (হরেন দাশ) ও
কমপোজিশন-১১ (নিরামর রার) গ্রিণ্ট
উল্লেখযোগ্য। ভাল্কর্য নিদশনের মধ্যেও
অনকগ্রির ইতিপ্রের অন্যান্য প্রদর্শনীকালে আলোচনা হরেছে। অর্থাপ্ট
নিদশনের মধ্যে বিশেষ উল্লেখযোগ্য কেন
ভাল্কর্যশিক্ষ নজরে পড়েনি—তবে তর্গ
ভাল্কর সভ্যেন মজ্মদারের ক্মপোজিশন
(সিমেণ্ট)-এ আধ্বনিক গঠনরীতি ও
আরতনিক সমভার পরিচর পাওরা বার।
সমরেশ চৌধ্রীর ক্মপোজিশন (প্লান্টার)এ কানক বিশেষত চোধে পড়ল না—তার
ক্রেছে উৎকৃষ্টতর নিশ্বন আলা করেছিলান।

किर्वा था



হাসন রাজা (৪)

নী হটাওলে চাষা ভূষে দের ভিতর একটি দীবড় সংখ্য প্রথা আছে।

्यान **एषा योष विदत्त** করার কাহক গ্ৰামের ভিত**রেই দেখতে পার**্ লং প্রাব্দুই বুশ্চরি**রা তথন সে আপ্রাপ** মেধেটার **স্বভ**্ৰচারত 557 778 शाशासन कदात । वि**कस्फ** আ'পের 27 16 েছ যে ক্ষয়েটা জাত-ব**ন্দাত-বন্ধর ভখন** ে তথে শাশভেষি **কাছে যায়, কারণ**, গণ্ডী এ নেয়েকে গভো <mark>ধরেছে ভাবে</mark>ক বড করেছে, মা মেয়ের দবভাব ভাল করেই ছনে: একমাত্র সেই ব্রেতে পার্বে **হে** চর্যার সম্প্রতা **জীবন যে স্থেকর হ'ল না** ভার জনা দামী তার মেরেই।

চারী তখন শাশা, ড়ীকে কলে "আশ্মা, ড়িম তো সব জান, আমি আর পেরে উটিল না, তৃমি আমানের একটা তালাকের বনধা করে দাও এবং তৃমিই বেছে নিরে অমাকে অনা একটা বউ দাও।'

এম্বনে বলা প্রয়োজন, লাল্ডী হলি
সৈজায় তালাকের বাবস্থা করে দিরে
নিজ প্রখন জামাতার জন্য বধ্রে সম্থানে
বিবের তাহালে স্বাই অক্রেশ্য ব্যুক্ত হার
বৈ, এই তালাকের জন্যে চাষা দারী নর,
দ্বীতার বউ।

ংসন রাজা এই প্রধার সংযোগ নিরে ^{এবটি} গাঁত রচনা করেছেন। যে গাঁতিটি ^{টীকটিশ}শনী সহ একট**্ ব্**ঝিরে কলতে বৈ।

ক্রিভিডে জানাজ্য জান ভালেন্দ্র চিম্ন স্থান ত বাদত অল ওমার্ল্ড পোটেরল ডানাজ্য সর্বে মাসিক ৫ টাকা কিছিছে। সর্বেক্ত প্রাক্ত প্রক্রের সার্গান মাইতে পারের। HIND AGENCIES(a) মত্যাক্ষর করেও চেটান ভিনা শক্তের অর্থ প্রিবটিঃ ভিবজানা বে প্রিবটিকে জামরা 'জানা প্রাণ দিরে মহন্দ্রত করি। অথচ এই প্রিবটী কার্রেই প্রতি নিভাদিন স্প্রসাম থাকে না। - আজ একে রাজা বানার, কালা ভাকেই ফোর ফাকির করে দের। এই প্রিবটী অর্থাং ভবজান স্থিট করেছেন আল্লাভালা; বে রক্ষ চাবার স্থাটি ভবজানের জন্ম দিরেছে ভার মা।

তাই হাসন রাজা আল্লাকে উদ্দেশ করে গাইছেন,

শতুই মোরে কলংকী করিলা লো,
তবজানের যা।
তৃই মোরে কলংকী করিলা
ডোল মাইলা ভবজানকে
কেন বিয়া দিলে লো।
ভবজানের মা! তৃই মোরে কলংকী করিলা।
ভবজানের দেখিবা ডার রুপেতে মজিরা,
সব ছাড়িয়া রইলাম জামি,
তার দিকে চাইয়া।"

এরপর সেই ভবজানকে অভিসম্পাত দিতে তার উন্দেশে হাসন রাজা গাইছেন,

শতোমার বত রণীত নীতি,
জানিরাছি জারি:
বিন কতেক পর বর
নতুন নতুন সোরামী এ
কত কত রাজা বাদ্শা,
লাইলার তুমি বর:
জারের ছাড়িয়া কর,
ভূমি জানোর বর:

এরপর হাসন রাজা ভার শাশাড়ী ভবজানের যা অর্থাৎ আল্লাতালাকে কাতর জন্মনে নিবেদন জানাজেন,

্ হাসন রাজার তত্তি করে

তবজানের মার পাও (পারে)

শীল্ল করি শাশ্বেড়ী মাই,

তবজানেরে হাড়াও ম

(ভালাকের ব্যবস্থা কর)

এবং স্বৰ্ণেৰে হাসন রাজা সেই ৰুণ্চরিত্তা ভবজানকৈ শাসাক্ষেন, হাসন রাজ্যে বলে শিক্ষি, করবো না কো ভোর। হাসন রাজা সম্বন্ধে আমার দ্বতিনটি লেখা বেরোনোর পর একাধিক প্রান্ধন শ্রীহট্টবাসী আমি হাসন রাজার বে সব গান উম্প্ত করেছি তার ভিন্ন ভিন্ন পাঠ উল্লেখ করে কোন্টা প্রকৃত পাঠ কোন্টা প্রক্রিশত জানতে চোরছেন। জনৈক স্কৃতির তো দলিল দম্ভাবেজ নিরে দীনের কৃতিরে উপস্থিত।

শ্বরং রবীন্দ্রনাথের রচনাতেও—জার শেক্সপারিরের তো কথাই নাই—কোন্ পাঠ বে শংখ কোন্টা অন্থে তাই নিরে তর্কাতিকির অবসান নেই। হাসন রাজা তো এপের কাছে কিছুই নন।

আমার নিবেদন, হাসান রাজার জীবিতাবস্থাতেই হাসন উদাসা নাম বিশ্রের তাঁর একটি গাঁতি-সংকলন প্রকাশিত হয়। আমার তাবং উম্পৃতি তার বেকেই কর্পে কর্পে, অক্ষরে অক্ষরে।

নতুন

नाउंक

দিলীপ ভট্টাচার্যের না**টক**

का ता ति । ति । व

নেপথ্যে

দ্টি নার্বার্থান্ত প্রেম্করপ্রাপ্ত একান্দ্র নাটক। একচে ম্বান ৩-০০ • জনপ্রিয় নাটকার • তামর গড়েসাপাধ্যারের নাটক

অন্ধকারের আয়না

সামাজিক পূর্ণান্ত নাটক। বৃটি <mark>নারী</mark> একটি সেট। সাসপেক। **হ্**লয় ৩-৫০

रथमा _{वरीन्द्र छ्हे।हार्खन} काथाय जारना

সৌরীন্দ্র ভট্টাচার্য

গ্রিট নারীর্বজিত প্রেক্সারপ্রাপ্ত

একাক্ত নটক। একতে হল্ম ৩.০০
সৌমেন চট্টোপাধ্যারের নাটক

नागभाभ

हरूमा भूभाभ । अकृषि नाती e-ee

পরিবেশক: নবপ্রতথ কুটির ৫৪/৫এ ধনের পরীট, কলকাতা ১২

शकिला जवराव्य खाणां छ। ज्ञाता व्य-जवराव्य तिर्वाक्षाते थवर जवराव्य तिवाशप्र।

टकम मा

ভটেড নালেশর ভালের জন্ত জারগা আছে কেনী। কর । গাডেউ ক সেফ্টি ভাল্ড অনেক বেনীদিন ভৈতে। আর হকিলের ডিজাইনই ক্রমন নাডে ফুর্মটনার ক্রেম কর বাচক ব।

একচা প্রেলার কুকার আপনার অনেক সময় ও পরসা বাঁচিয়ে দিতে পারে—বিদ কবস্তা ওর ঘন-ঘন বেরামতি বা বক্তসালেক অধনবদগের মরকার না বয়। আপনার কেনবার পক্ষে হক্তিক হচেত্র কর্ততের নির্বহাটের প্রেলার কুকার। বাঁটি ক্রান্তনি বক্তে এট :



া ব্যৱহাত অধিকাশন প্রাম্পন্ন মুখ্যামেই আহাছের নাগার্ট আন্তর বাবে। কাছে বাবে বাবে বাবে, ক'লে আঁখ, চলৈ বাবিয়া বাবে বাবে। সেই কামানেই অধিকাল লোকই আল্তন এক জিলান নালনিৰ বাবু জিলানে হৈন্দ্ৰী, আন্তে কিবকাল বিভারতেই আন্ত বিবাহ কামে।

া পারার পানিকাশ রোগার চুপারে যে বোরা পারার রোর্ট্র ভাল্ত নিবার করে করে করে চালো করে কা উর্জু বাংশ ও বাং রোগার পারার নিবে বিটার নিবে পারার ব্যাপন আছত ক্ষেত্র বিভাগরার কর বোর্ট্টি কাশ্য বাংশ ক্ষান্তরের ক্ষান্ত



ন বাহাত অনিবান হোৱা চুকার করাছে (চা বাহাটো প্রতিবাহ চুকার বেকার বা বা করাছ নার পারের কারত প্রয়ে পালেনার কা বাং নির্বাচন প্রট বাহাটো করাই বাং প্রতিবাহ বাংকট সোক্ষারে কা বোহাটো হা বা, কালে কার্যার পালে কা বাংক কার্যার বাহাটো হা বাংকটা বাহাটিক হুটিল।



। অনুষ্ঠ বাবেও প্রায়াই চুকারেই, কেবার চান বাকরে চার্ডায়া বুলা সম্পন্ন চারকা বিভিন্ন কারিব কারে করে। বাক্যা চারকার প্রায়া করিব করে বারু ব্যক্তা বা চান সম্পূর্ব বিভাগন অনুষ্ঠা ক্রেমা আরো। কার্যা, বিভাগ ক্রেমার বাবে অনুষ্ঠান ক্রেমা প্রাথমবার করে।



া মন্ত্ৰান্ত অধিকালে প্ৰেমাৰ কৃষাৰে দেগাবেটৰ সন্পূৰ্ণভাবে পাছেছ।
সম্সে এটে বাত এবং প্ৰায়ত আপোৰ চলাচলের কন্ত অতি অৱই বাতনা।
বাবে। ব্যক্তিক দেগাবেটকৈ অবই প্ৰায়না বাবে আৰও আনভাবে বাল্য
চলাচলের কন্ত এবং আতে আগনার বাবার আরও আঢ়াভাতি ও আরও
স্বান্দ্রাব্যে বাবা হয়।



পাঁচ বকৰেৰ নাইন। বাকাৰি (৩.৭৫ নিটাব),সাইজেৰ নাম ১১৭ টাকা, টাল আনালা। ৫ জনের লভ নিথিত গাাবাকি। তাড়াটা সম্পূণ নিৰ্দেশবাধী মহ একখানি প্ৰেমাৰ কুকাৰের বই। আপনাও কাছাকাছি হকিলের লোকানে নিজে কিকেই বেণে আছেন।

> বৰিল ইউনিকাবস্যাল-এর প্রস্তুক্তিক ক্রেস্টান্ত ক্রুক্তান্তস্ ।প্রাপ্ত ক্র্যান্তন্ত ক্রেক্টান্তস্থলাই ক্রিক্টা ইউনাইট্র ইবিজ বিভিন্ত; ক্রিক্টান্তন্ত্র ব্যক্তি । ক্রুমি ইবিজ এও ক্রোমি । ইউ কে-র লাইসেক্টান্ত ক্রিমী ।

Hawkins

সব রক্ষের প্রেসার **কুকারের মধ্যে একমান্ত হকিঙ্গ**ই পেটেণ্ট ছারা সুরক্ষিত।

to Class

বিদেশে বাংদার বাংদার করিব নির্দিশ নার করেব নের বিশ্ব নার বিশ্ব নার করেব নার নার করেব নার কর

বা পাৰ্বটা পৃথিবীর আৰু ডি लिश्राह्मत् 764 a's লেখক প্ৰান राखानिक निकास करत वनर छ পারবেন किंग कृति ता। निर्देशक विकासी वर्ष প্রভাব করবার ধান্টভা নেই। তাবে গতে বিশ वार्टेम वष्टव धरव विश्वमञ्जालक **স্বীকৃত্ত** ক্সিনীদের কারও কারও কারাকাহি আসবার लोंगा इत्स्ट । छाड़ करत, अथवा দেহাত জীবিকানিবাছের জনা অস্তরীক (Space science- of a will विक हरना किया आर्थिन या) পৰ বৈৰ সামানা কিছু চর্চা করতে হর কলে, মনে হলা হয়তো কিছু মন্তবা কয়তে পারি। রে প্রদানিরে জার্জোচনা তার জন্ম খুব क विकामीत शरकाकत स्मेरे।

गरामथक ही नियानमानम বে উষ্তি দিরেছেন, সাধারণ লোকের 200 শ্ৰিবীর অকৃতির ভোটামাটি மகப் वातवा रहवात कता स्कान स्कान विकाली धे वक्स विदवन मिटन शारकामः। भृषिकीएक খানা আছকাল কমলালেক্স কালে পেরার (Pear নাসপাতি নর) এর সাধে ভুলনা क्ल्रहरू। हाद आहम क्लिक्ट ब मन दर् **উद्धा-शिक्त** किंद्रां हाना व शतनाठा कुल । विवायतभात काटक र्गाधवीत बाज, छन्नम, जीकन मूहे प्रात्त प्रकारत ठारेटक दवली। देवत्रहा निद्धान वाल वात २৯४ छार्गत धक्छान क्या धरे च्छन-मिक्टन हाना ट्यामटकड (Ellipsoid) ष्टेगत आवात नामा आहणात स्वीकि वा बर्काङ (depresion) बाह्य । केवर व्यक्त काटक मामानम् ५० विद्यादकः मान ^{छे}र अवर स्थित उसकात काटक आह ७० मिर्वेत मीष्ट्र। श्रे शास्त्राच च्यानम जानवात नामाना विकास आहर । दक्सन, अदमी खरा-निर्णितिसम् कार्यः का निर्णेशः वक्षः निर्णेशिक

Constitute and constitution of the constitutio

লেখক প্রীতর্শকুলার চটোপানার রুপ্
বিজ্ঞানীদের বে সব উম্পাতি দিরেছেন তা
কবেলার বা কি পরিপ্রেক্তিত বলা তা
আমার জানা নেই। কোন বিজ্ঞানী বর্ণন
বিদেশ সমাজের কাছে নিজের চিল্ডাবারা
পেল করেন, তখন তা বাকে কিছু তংগ
ভূলে নিলে, সব সমরে তিনি বা বলাতে
চেরেছেন তা প্রোগ্রির বোলা বার না।
বতদ্রে জানি, প্রিথবীর এই আছুতি
সম্প্রের প্রাণ বিজ্ঞানীরাক ন্মিমত নন।

শিক্ষতের কথা বদি বলেন, তবে
গ্রিবীর নানা দেশে একনও কিল্বর লোক সারকেন বদৈদর দৃঢ় বিশ্বাল বে প্রিবী সামতল (flat)। তাঁলের বারণার বিশ্রীত কোন ব্রিচ নিতে তাঁরা নারজে। বেশী দিন নর, গত ১৯৬৮ সালের ভারতীর কিজনে কংগ্রেকের করালানী অবিবেশনে পদার্থ বিজ্ঞান শ্যোর এই কোন্টীর এক-জনকে বস্তুতা গিতে দেখেছি।

चार्निक विकारमंत्र चलुंगकित मानार माबादरगढ छेभबाड छाबाड बना रवन कठित काछ । श्रास २० वहत्र चारण स्थान स्थ विकाम' महिकात श्रीवर देश्टबक्कीरक किंग्याचा रक्कोल खेवर **OMETER** रेश्टमक टिक विष्य देख সহজ্ঞান विकासिक क्कीतास क्षेत्राकारमे 🛎 जनसम्ब जावामा किन्द्र मानेता या गरमरक का रक्षरक याचि रमक्क कर्मकार, रक्ष शुक्रू कारकत कार मिरमाञ्चल । विकारमा स्टब्स कहानकिय ब्ट्राल टकान पाकिन्दिन्द्रपत्र भटक विकारमञ्जू अवल्य गाना शामानाम जिल्हारक अवद साथा गण्य स्थ। कामदे सामात्व (काम रकाम NO TO STATE STATE STATES

गुर्वाव स्थाप विश्वल भिष्ठ

नगरतम बन

र न्यूक्काकारत शकारितक दरम श्ररणानी केनमारमा सम्ब स्टब क्या क्टब सून केना है

5 वि क्षेत्रवास्त्राच्या गोर्च साम्य विस्त्रवास्त्र भारकत्र

5 वि महा-सामस्या महोन जिल्लास्य हाथका दलन

Mil century foreign.

বনক্ল অভিস্তাকুমার সেনগ্রুত প্রবোধকুমার সান্যাল জ্যোতিরিক্স নন্দী স্বানীল গড়েগাপান্যার নিনাই ভট্টাচার্য বরেন গলোপান্যার

ভেম্পের মির

क १४ : इस्रोवेशन जिल्लासम

জারণাশ-কর রাম, শ্রীশাশ্ব শ্রীবিব,শাক্ষ, শ্রীকলের ও নারামণ গলেশাধ্যার

আর্থ করেটা রচনা রিখাছন
বিবাহিণ - বাববী রচনা বিবাহিণ
বিবাহিণ - বাববী রচনা বিবাহিণ
বাবিহালী - বাইপকুলার - অবারেশাতি
ব্যোগালার - অবাধিশ ব্যোগালার
ভঃ গ্রোগাল ভটাচার্য - পরার সেন
বিভাগ নত্ত্ব - পালাল কর্ ও
ব্যোগাল স্থাতা করিবলারী
বিবাহি
প্রকাশিক হবে

5ला जाश्वित

ৰাম পাঁচ টাছা । সজাৰ ৫.৭৫ টাছা

स्वताम कृष्णा है रुका वृत्ते न्याकानिक। यीम रकान नार्क्षण का कृति रवाहरत सामग्रम रुको करतम, करव का मरुक्षकारच रमस्य स्वकार स्वाचन अवर रेवकानिक वृत्तिकानीव श्रीकानक। कार २००० सामग्रम् रूपाम सार्वाहना अवर किस्तिम सार्यकान श्रीवृत्त रूपान मार्ग कराल्यक विकि सम्पूर्णिक सार्यकान जाबादनत कारंच कियाणे भीकानामक।

এই সৰ আলোচনা দেখে, আন একটা কৰা তেবে একট, দঃখ হয়। কোন প্ৰশেসর উপায় সংলেহ এলে আমায়া বুল বা আমে-রিকান কোন প্রবস্তায় নজির দিই। বিজ্ঞানের সমস্ত শাখাডেই, উপাবৃত্ত ও ওয়াকিবহাল লোক আমাদের দেশে, এবং কলকাভাতেই, বংশক স্বয়েছেন, বাঁরা এই লমানত প্রবেশ লালেছের বাীনালো কর নিছে পারেন। অন্দেক্ত আছেন বারা এব একটি বিশেষ পাষার বিজ্ঞানতটা করে বাজেন বছরের পর বছর। তাঁদের নিজেনের চচার বিবরে বিবেশীদের চাইতে তাঁরা কর কর্মাক্ষিক্তার নন।

> অর্ণকুমার সাহা ত্রিক্রেন, জন্মেলিয়া

वर्ष जारी जारी

विপটेरतत तिष्ठक रचसन तथ एकति चाम



বিচ্ছা-আগনার গাঁথের মার হয়। চার্থন হয় চার্থনী আন। একা একা কিংবা অনুনায়ন্ত্র বিচ্চা---ব্যবহী আবন কথানই অহা। (এক বার্থেট বিচ্ছার ব্যবহার সাংগ্র গর কাণ্য কাল্য বর্ম করে করে চা।

LIPTON

विश्वकेन नकारको स्थाला हा

LAC-JASEN

PENGUINS First on the moon

16 July was the Car Festival day (Ratha Yatra) in India When Apollo 11 started hurtling towards the moon. 24 July happened to be the occassion for the Return Car Festival (Ulto Ratha Yatra), when Appollo 11 splashed down on the sea.

PENGUIN announce to publish INVASION OF THE MOON 1969. The Story of Apollo 11 by Peter Ryan 5s. Rs. 4.50; 70.000 words—16 pages of illustrations. Stock is expected in November. Kindly register your copy with your bookseller. In case of need, please write to:—

RUPA & CO.

15 Bankim Chatterjee Street Calcutta-12.

দ্বিতীয় সংস্করণ বের্ল

नार्वेक

জীবনধমী নাট্যকার জ্যোত বন্দ্যোপাধ্যায়ের নাটক

মুছেও যা

(बाद्धना

গিরিশ নাটা প্রতিবোগিছার প্রেণ্ট নাটক একটি সেটা গ্রিট নারী। প্রাক্ত ০-৫০ • নাটাকারের জন্মান্য নাটক

ब्रकुग्र २.००

নারীবজিত বিষয়ত একাংক দ্বিষ্ট ২০৫০

সামাজিক প্রের্ছ। দ্বটি নারী।
বিধ্বরণ
দ্বটি প্রাণ একটি মন
একতে দ্বটি জনপ্রিয় একাক্ত। ০০০০

পরিবেশক : নদপ্রন্থ কুটির ৫৪/৫এ, কলেজ শ্রীষ্ট, কলকাতা ১২

অদ্রের দিল্লী

প্রাসী দিল্লীর কঙ্গলী তাল হক্তাক্ত 'দেখ' পরিকায় দরবেখা লিখিত 'অদারের मिक्की' अखरे खेरम के हुई। किन्ड मार्खाशा বশত এই প্রবশ্বের উদ্দেশ্য ব্যোক্তা আছার পক্ষে দাঃসাধ্য। এতে প্রার্থনীর करमा ७ काँकारदात कथा। প्रकाम कि मका ? पित्रीर सम्ब रशाक ?शायास इ.स.च्या বে সমুশত সংবদে ও পরিবেশের পরিচয় লাভ করবার প্রায়ন্তন বোধ करिशीक 'अमृत्वद्व निद्धी' बादकर तम भर Scandals প্রচারিত হাত দেখে সাহিটে স্তাম্ভত হার গিরেছি। আমার নিচ্ছত বিশ্বাস এ ধবনের প্রবাহ্যর উদ্দেশ্য রঞ্জধানীর তংকালীন প্রিম্পিতির ছবি ফাটিয়ে তোলা –কংসা রটানো নয় ৷ শত্রা শত্রা লাগে লা তিন ব্যেকাট কৰে দিল্লী সংপাক একটা ধারণা পরিষেশন করে দ্বার্শ কি বাহারা পোড়ে চাল ও

গত সংখ্যার (সংখ্যা ৪২ ৩১ খাবের ১৩৭৬) বরবেশ 'চব্দু' িচ্ছে দেখুলাল বেল একথানা কড়িপত প্রভাগ क्तिर शरकत এবং ভালভাবে নিজের গতিবিধির জানিরে পিরেছেন। সেই সাতে দিলীর করেকটি কলেজের কথাও উলেখ করেছেন। দরবেশের ভাগা ভাল যে নিজীন কালাজন ভাগ ভাষনপ্র অব্যক্ত কৰি এবং বাধালী অধ্যাপক ণিকানের দরবেশের *লেখা* প্রভার সময় নেই। কিন্তু তিনি বেধে হয় शियाका व निकीत अपन स्थात व আছেন বাঁরা এসৰ কলেজের সংগ্রাবিশেষ-ভাবে জড়িত। স্বভাবতই এই স্ব খবর সম্পর্কে তাঁদের হাত প্রথম ক্রাগ দর্বেশ এক জার্গার লিংখাচন-

'মিরাণ্ডা ক্লেডের রাস্তাস ও হথন গাডিসা চেই নিল তথন আমি কললাম 'জাজা আমি বে শানি এখনে মালিলাদের ইন্টোলিও মদটদ নাকি একটা আঘটা চলে?' 'চললো প্রাপ্তি হ

'না আমি এদনি বলছিলাম আর কি!
খবারর কাগজে পাড়ছি নামকরা একটি
মেরে-হস্টেলের মেন গেটে নাকি প্রভাক
সোমবার সোমবার ভোর বেলায়
ক্রাড়িঅলাদের ভিড় জ্বমে বায়। খালি
গিলি কোতল কিনবার জনা। রবিকর-রবিবার
সাধ্যার নাকি খ্র জ্মে এই বড়লোকী
হল্টেল।'

রন্থবানীর কোন্ থকরের কাগজে

এরকম রসাল থবর পরিবেশন করা হর

আমরা জানতে পারি কি ? কারণ সিনের

পর দিন কলেজের ভেতরে থেকেও বে
জিনিস চোখে পড়েনি সে থবর দরবেশ

এত সহজে কাথা থেকে পেলেন ? দরবেশের জন্য কি একটি বিশেষ কোন গাণ্ডে

শ্ৰীমং প্ৰামী যতীগদ্ৰ ৰামান,জাচাৰ্য কৃত

গ্রুবর বলরাম

সিদ্ধ সাধক ও ভক্তজনের আরাধ্য শ্রীশ্রীবলরাম স্বামীজীর দিবা

জীবনকথা আর একজন <mark>অপর্ব ত্যাগী</mark>

এই প্রন্থে এক পরম তপদ্বী মহাস্থার জীবনকথা আর একজন অপ্রে তদ্যগী ও ভগবংকুপালের সাধকের লেখনী হারা লোকসমাজে প্রচারিত হইরাছে। আবাল্য গৃহত্যাগী সম্মাসী শ্রীমং বলরাম দ্বামাজার জাবনকথা, তাঁহার বৈরাগা সাধনা জ্ঞান তস্তি ত্যাগ ও নিষ্ঠার কথা এমন স্ক্রেরভাবে বিনান্ত করা হইরাছে যে, সাধারণ পাঠকও এই গুল্পাঠে ভগবং-প্রতি লাভের প্রকৃত্ট উপায় কি, তাহা অনায়েসে ব্রিকতে পারিবেন।

(প্রথম খন্ড--দশ উকা; বিতীয় খন্ড--হয় উকা; দুই খাড একার--প্রেট উকা]

শ্রীভগবদ রামানজৈ বির্হাচত

খ্রীভাষ্য

সহ

রক্ষয়র (বদান্তদর্শন)

[প্রথম খণ্ড—৪তঃস্তেই]

—মন্ত্রক-শ্রীয়ং স্বামী ষতীন্ত রামান,জাচার্য

বজাজার সংস্কৃত মা্ল, মালানা্থ স্বজা বজাম্বাদ, কঠিন শাস ও ^{বি}স্ফুসমা্হের বিশ্যন টাজাটিশপানী।

রয়েজ আউডো মাইজ—৪৫০ পৃষ্ঠা মালা—সমড় ছয় টাকা

_প্রাপ্তভান—

১। শ্রীবলরাম ধর্মসোপান

প্রেঃ বলরাম ধর্মসোপান, **খড়দহ**, ২৪ পরগণা।

২। —ঐ— কলিকাতা শাখা যতিরাজ ভবন

১০১ বিবেকানন্দ রোড, কলিকাতা-৬

(त्र १२७२)

বৰরের কাষাল প্রকাশিত হয় ? কারণ বেশের বছারান সংখ্যার (সংখ্যা ১২, ৬ ভার ১৩৭৬) দর্শেক একটি সন্দানত পরি-বারের কুম্মা রাউজে গিরে উলেখ করেছেন— কাগতো কাগতে তথ্নি গেওরের চিঠি তেপে বেরলে প্রথম প্রতীয়। শেথরের মারের ছবিও বেরিরে গেতে প্রথম পান্তার। মায়ের ছবি - কাগজে।'—অন্ততঃ আমারের

MINIME EN

जन्मा अकामगीत वहे

শক্তি চট্টোপাধ্যায় সম্পাদিত

পূৰে বাংলার শ্রেণ্ঠ কবিতা

এপার বাংলা ওপার বাংলা দুই বাংলায় ঘর কবিতা কল্পনালতা হইলেন স্বয়ন্ত্র

কৈ বলতে পারে হয়তো দ্বাংলার এই রাজ্যিক বিচ্ছিন্নতার জনাই একে অপরকে এমন প্রাণপণ টানে। নাক-ছোঁয়া পাঁচিলের দাগ স্বীকার করি, কিন্তু তাই বলে চোখ তোঁ আর কম দাথে না। ব্কের গভার পর্যন্ত চলে যায় তার আপন স্বাধীন দ্ভিট। সেই ছবিতে বভ বেশি মায়া লেগে থাকে।

পূর্ব বাংলার সমাহ কবিতায় কারিগার-পরোক্ষ, প্রত্যক্ষ শস্যশ্যামলের ছোঁয়া আগের মতো এখনো আছে। সেই শ্যামলের
উপর কখনো চেপেছে নৈরাশ্যের ঘনকৃষ্ণ রঙ-বর্ণ, কখনো পড়েছে
কলেশ্লাবী জীবন জিজ্ঞাসার কাঁতিখান ছায়া। রাজনীতি
সমাজনীতি ও দেশ বিভাগ-জনিত অভিমান অনেক রচনায়
ভাষর। আনেকেই উচ্চকণ্ঠ ৫ কার দেয়ে ব

আশিরপদনথ চণ্ডল এই কাণ্যারার শ্রেষ্ঠ অংশ, প্রায় প্রথম যুগ থেকে অতি আধ্নিককাল পর্যন্ত নির্বাচিত হলো। কবি-পরিচিতি ও পর্বে বাংলার কবিতা সম্পর্কে আদর্শ আলোচনা সলিবেশিত হলো। লিখেছেন কবি সেবারত চৌধারী। মনোরম প্রচ্ছদ একেছেন প্রয়োশ গ্রেগ্যাধার। পাঁচ টাকা।

अभाउ ८जिशाः वना ५०.

(নাগাভূমির পটভূমিকায় রচিত উপনাাস)

পরিবেশক ঃ সিগনেট ব্রেশপ ঃ ১২ বিজ্ঞা চাট্রেজা স্ট্রীট ঃ কলকাতা ১২

(সি ৭৪৯৮)

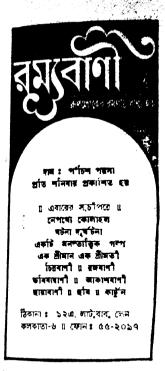


क शतका कार्य कोरा প্রভান। জানি ন मान्ति कटम्रा शर्मण्ड शास्त्र (भोक्षा कारण 'देश कार्यादाव भरतामक छाँव कार्य निद्या त्रोहत त्रश्ह. र्मिख बाज দিল্লীর মরে মরের গ্রেভানি খবরও তিনি পেরে বান। এই দিবাদাণ্ট দিয়ে তিনি বে প্রবন্ধ্যালি লিখছেন ভাষ উল্লেখাটা জানাই আমার প্রথম। একটা অভ্রেপ্রের দাম্পতা লোক চক্ষের সামনে রেখে তিনি যে করে উপকার সাধন করছেন তা তিনিই জানে। এ বোঝা আমার সাধা নয়। রোজ বহু আকর্ষণীয় ঘটনা ঘটছে বিশেষ কৰে রাণ্ট্রপতির নির্বাচন দিল্লীকে কলা করে রেখেছে। সে সব বাদ দিয়ে বাঙ্কা পাঠক কি সভাই প্রবাসী বাঙাদার আস্ভারুতিতর খবর জানতে চান?

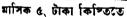
জনৈক অধ্যাপিকা মিরাণ্ডা হাউস, দিলী

জাবিকাৰ সম্পানে জননী

২ ৩৫শ আগ্রাস্ট্র 'দেশো' ভাপনক্ষার ধর লিখিত চিঠিটিতে তিনি জীবিকার সংবাদে জননী—দেশে ও বিদেশে প্রকথটি সম্বধ্যে বলাতে গিয়ে যেসব মত প্রকাশ করেছেন তার প্রতিবাদ করা প্রয়োজন : তিনি হা বলেছেন তা প্রধানতঃ এই যে আমেরিকার সমাজে ক্ষেত্র ভালবাসার অভাব ও নেইট বরং বেশীট আছে ৷ পশ্চিমী সমাজ স্থাপ্ আগার বাস্ত্র অভিজ্ঞতো কিছা আছে কারণ আমারত তদেশে কিছাদিন কাটানর সেভিগে হুপেছিল আন্নাৰ অভিজ্ঞতা থেকে বেখি য়ে ভার বক্তবা ঠিক নয়। পশিচ্মী সমাজে মান্য চাড়াশতরাপে আলাকেন্দ্রিক হয়ে পড়ার ফুলে, সেখানকার পরিবারের অবস্থা এইরকম দাডিয়েছে যে, একটি পরিবারের ভিতরেই প্রভোকে কেবল তার নিজের কথাই কোনকা ভাগের পিতা বা মাতা নিজেদের নিয়েই বাসত সম্তানের প্রতি নজর দেন না। আবোর সম্ভান্ত সেইর্^প বিবাহ কেবল প্রতিদানই দেয়। সেখানে একটি দৈহিক সম্পরের পরিণত হয়েছে, ভাই কয়েক বছর পর পরই ওরা স্ত্রী বা স্বামী বদল করে কারণ, একজনকে নিয়ে 'bored' भक्ति खता bored इट्ट शहा শ্বনে অবাক হবেন না ওদের অনেককে এই বিশেষ শক্ষাটিই বাবহার করতে শ্নেছি। ওরা দাদপতা জীবনকে এই দ্যন্তিভগাতিই रम्राच, करन विवाद विरम्हरमत्रहे नामान्डत हरा দাঁড়িয়েছে। যাই হোক, তাঁরা 'bored' হয়ে পৃথক হয়ে গেলেন, ইতিমধ্যে সম্তান যা জান্মটে ভাদের, 'হোমো' দেওয়া বলা হোমে দেবার পর কিছু বাবা-মা ভানের



(স-৭৫৬০)





ত্যা তা ভ' ভবল সিপকার ত বাণ্ড অল ওয়ান্ড সে,টো-বল উন্ট্রন্ডস্টর। যে কোনো জার গার

ীজি বার) TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Paharganj Post Bag No. 11. New Delhi-1.



थनम् प्राटबन् ्रनाकीता छाउ त्राटबन् सा। একটি বেলেকে সৈখেছিলাম,—ভার ২৬ नवत नतामदे हम छन्दीत 'सम्मृत माहब वत করতে এবং প্রের বির হজাত সুক্তানটিকে জন্মের পরই 'হোম' বিদার করে ও তারপর করেক বছর সে সভত নের নিয়মিত খবর बाधा मृद्ध थाक. এकवार्त्र (मधा अक्दान। छ त छाव रमर्थ मर्स्स हता. जन्हारमञ्जू सन्म দিরেই খালাস ভারপর আরু দায়িত নেই। रवनव रक्तरत ^दवराकृत हम् हा, रजवराज्ञ छ অনেক জারগার সম্ভ নের৷ কিলোর বয়স্ক श्राम, भ्यम बाजात चार्शहे वावा-बाद रक्षाक व्यक्त मा शास्त्र, रहेर मोन প্रकृष्टिक एकछ-সিটার' খেলিজ 4 39 বাবা-মার সংগ্র 'শ্বা**ধ**ীনত'' TO 521 ছে লেমেরের। -ক্লের গব্দী অনেককেটেই দেখেছি বাবা-মা আর ও দের দারিভ নের না: তখন হাদি তারা কোন অ থিকি কণ্ট বা বিপাদ পাড়ে তথনও বাবা-মার বিশেষ চিত্তচাগুলা ঘটে না। এমনও ঘটে আনক মেরে আধিক কণ্ট ও বাবা-भार अवरश्न व कना नारेंगे क्रास्त्रत नर्सकी বা কল-গালের কাজ নিতে বাধা হরেছে। ^{প্রতিম}ী সমাজে দেনহা-প্রেম-আন্তরিকতা প্রভাত উপ্লেগেছে, সবই হয়ে গেছ অফিসিয়াল-ফমাল: সেখানে মা বনি ছেলের ৰাভী আসে তহলেও 'আলপায়ন্টায়ন্ট' করতে হর। তিনি যে 'टन्गर-धूम्बद्भव' কথা লিখেছন ভাও থার গেছে ফর্মাাল, ভাতে দেনহ কভটক আছে সম্পেহ, তানের সম্পর্কোকান প্রাণের পূৰ্ব দেই। সম্ভান**ও সেই** প্রতিদানট বা-ধ বয়সে পিতামাভার একেকারে নিংস্পা **জ**ীবন, সুস্তান কোন নঞ্জাই দেয় না তিনি লিখেছেন, <mark>ভারতে</mark> জন্ধক্রেছ সংতদাক "রেখেছে ব্যস্তালী করে, মান্ত্র করে নি।" তিনি কি দেখেননি, কত ছেলে टिल्डाना, क्षेष्ठा विनी कात, रहेक रर्फात করে, গাদা গাদা টিউশনি করে নিজের পড়ার খন্ত চালার, সংসার পালান কার। এদেশের মা'-রা কি থালি গলিগালাকই বর্ষণ করেন,--পরেয় বাড়ী ঝি-এর কাঞ্চ করে সম্ভানদের মান্ত করেন এমন মাও व्यास्थ्य । পশাপাশি দেখি পশ্চিমী সমাজে সম্ভানের অসুখ করলেও মা সেদিকে দ্বাক্সাডও না করে প্রার্থকথা-एस्त्र माध्या मादेवे क्रांत्व करीका क्यांत्व दान। সেখনে স্বামী খেইরন जना व्यक्तरम्ब সাথে, দ্বী ঘোরেন জনা পরে,কদের সাথে---ভাদের মধ্যে কি সেমের সম্পর্ক থাকতে পারে, বাইরের 'sìrow' ট্রকু ছাড়া। প্রভাব সম্ভানের ওপর পড়ে এবং মানসিক

সমাজ সম্বৰ্ধে বা বললাম এর



^{কল্,হনের} বিক্যুর পাকিস্তান

কে নাে গোল্ডমাগ লারের যােগসা**জ**স পারে! -- ইম্কান্দার মিঞ্জার সপো কাসেম ভাট্টির সেই লেনদেনের সম্পক্ত ছিল। এই বইয়ে লেখক সেই চাওলাকর কাহিনীই তলে ধরেছেন পাক-রাজনীতিতে 27.50 আয়াবের প্রবেশ ও প্রদ্থানের নেপথা-ব্যাহনী, বালচে ও পাথতুনদের <mark>ওপর</mark> মাম্বী সৈনের ন্শংস অত্যাচারের কথা এবং আরও আরক ঘটনা। রাজনৈতিক উপন্যাস্টির প্রথম করেকটি লাইন পড়লেই ব্ৰুখনবাসে শেষ লাইন यवीर ना १८७ ७ता.सह ना। **वाला गेका** ৰিঃ ছঃ দাম আগাম পাঠালে বিনা ডাক ধরচায়ই আপনি বইটি পেতে পারেন।

নবেন্দ্রাথ মির

ब्रू भानी द्वथा

অচিন্ডাকুমার সেনগ্রে

४ मन यालिका

অমরেন্দ্র দাস

बंध वमलाय

সাহিত্য প্রকাশ ৫/১, রমনাথ মজ্মদার স্থীট কলি-১

(17-9448)

ব্যতিক্রমও আছে, কিন্তু বেশীর ভাগ ঘরেই। এই অবস্থা।

ওদেশের টীন-এজার'-দের উচ্চ্ ৎজাতা ও গ্রন্থায়ির একটি প্রধান কারণ, স্নেহ-ভালবাসার অভাব। পশ্চিমী দেশগালিতে প্রতিদিন যে পরিমাণ হত্যা ও ধর্ষণ হয় তা প্রথিবীর আর কোথাও হয় কিনা সংশ্রহ।

অনবগর্মণ্ঠতা

এছাড়া, আমেরিকায় রিভলবার দেখিরে ছিনতাই, বাস ট্রেন "hold-up" করে লাঠে, নিজা মেরেদের বংগছ অগমান করা, মেরেদের "panti-raid" করা, এসব হামেশাই ঘটে—শিকাগোর গাঁভোরা ত বিশ্ববিধ্যাত। দ্ভিন বছর আগে অতেরিকার এএটি বিশ্ববিদ্যাকারে একজন

ছাত ছাদের ওপর উঠে বেশরের। গ্রালী
চালিরে তেরজনকৈ হওা করে: তার এই
মানসিক বিকৃতির কারণ প্রর্শ বলা
হরেছিল তার পিতায়াতার অস্থা দাদ্ধরা
জাবন। ভারতক্রে এই ধ্রনের ঘটা
একটিও ঘটেছে নাকি বে তিনি তার্মেরিকর
সাথে ভারতের টানি-এলেরা স্মস্যাকে এক
করে দিয়েছেন। আঞ্জাবল ভারতে এ
সমস্যা বাড়ছে ঠিকই এবং তার করেন এ
পশ্চিমী সংস্কৃতির প্রভাব।

ভিনি 'হিপি' হওয়ার কারণ স্থপ্তে একটি অভত যাঙি দেখিয়েছেন--ব্যাপ্ত মনোভাব'। বাংলাদেশের ভেলেরা ভ আনক বেশী বামপ্ৰথী, ভারা হিপি হচ্ছে না কেন্ আর যেগালি পারোপারি বামপ্রথা চন্দ্র **সেখ্যনকার ছেলের। ত ছিপি হয় না** রা ভাষের সরকারও হিপিপিরি সম্থান করে ন। হিপি ইওয়ার কারণ হঞ্জেন্ত স্ত extreme L. S. Da কেশ্যে বিচি হয়ে ভারে নাংল ভাবিষের থেজি করে নচিক অ∗্ড হতালাকে সাম্ভিক্তার ত্রতে ১৯ ৮ হেলাঝা **মোটেট পরু** নয় ৷ প্রলেখন বলেচের সেখানকার সমাত্রসবামীলক **ওর বিরুদ্ধে স**্থিকভাবে ভোট করে। বাসত্র ভারস্থা থোকে ও মনো হং ১ প ভারা ঠিক পাথে ঠিকভাবে ক্রান্ত করা কার ঐ সমস্যা ত ব্যেড্ই চাল্ছে।

প্রথম প্রবাদটিটে দ্রেখিক থানানা বংশ ঠিকই কলেছিলেন, কিন্তু তথি মতে নালী দ্বাধানিতা, কমানতা জনানিত এব বংশ ওকতা ঠিক নয়। কারণ কমানত লগাঁচ্যাভিয়েও ইউনিবলন আনেক বেশাঁ বিশ্ব লেখনকার সমানের অবস্থা এন বংশ ভাসকা করণ ২ ছে তাবের মন্ত্রিক জ্বিয়ালিক।

ডঃ পদ্পতি **ম**ংচন ক্রন

কাভয়াবাভার ই•রুধন

ুদশ প্রিকাষ ধর বহিকভাবে প্রকাশক বা ওয়াবাঙর ইন্দুধন্য উপনাহন বংগান্বাদ সংগ্রহে পাঠ করেছি। জাপনি ভাষা থেকে স্বাসরি উপনাচেদর অন্তর্ব বংওলার সম্ভবত এই প্রথম। অন্তর্বাদ্ধনার আভিনন্দন জানাছি।

প্রসংগত, ইংদুধনা-উপন্যাসে কংগুলার জাপানী শব্দের লিপান্তরে যে ম^{হতি} আনুস্তি হয়েছে সে সম্পর্কে দ্ব-একটি কথা নিবেশন করতে চাই।

প্রথমেই উপন্যাংসর ভূমিকার ব্যাগেই জিডাই এই বানানে একটি জাপানী পাঁতকার নামোক্ষেথ কর। হয়েছে। প্রত লোখাকের মতে বাঙ্গলায় এই প্রতিকাটির নামের বানান হওরা উচিত ব্যাগেই

^{নিফোন্ন} রাজপথতীথ भाषा भन्म ५०.०० 6.00 11 A.GO জবাসন্ধ সম্পাদিত माघ्र त्नरे শ্ৰুজসংবাদ 6, 8.00 স্নীলক্ষার গঙ্গেপাধায়ে 11 6.00 निकरे म.ब n শ্রীপারাবত 11 8.00 क्रमद्य क्रमद्य আমি সিরাজের বেগম 6 0.00 মোগল হারেম n দৈবপায়ন 11 8.00 ৰাইজী থেকে বেগম جي 11 50.00 11 কণিতক জগৎশেঠের কাহিনী 11 50.00 11 नवाव निमनी घटर्गाठे 5 8.00 তাতল সৈকতে সাতর্গক সেন 11 6.00 n বিষাণ মিত क्रगमी भवदतावा 11 ৬.০০ দিলদার সম্পাদিত এই রহস্য কণ্ডে R.00

সে ভিল আমারেই সভীম নাম-না-জানা মেরে জারিল — নর্বার সিরাজোদরার আসরের বেগম ল্ডেনর বাহিমী। বিশ্বত তার অবজেলি হ তর্মনা বেগম কেব্রেসা আমি। নগারী হারের এরা একা জিডারে নির্মাণ জারিব বেরেরে এরা একা জিডারে নির্মাণ জারিব বেরেরে, তানি আর তার তিথা বেগম এ জ্বার মার্কির বাহিম কিডারে জারার হার্রেমে, তানি আর তার তিথা বেগম এ জ্বারাসার অম্বর্গ করিছিল, এ কাহিমী কেই জ্বোরোসার অম্বর্গ করিছিল। আমার আছে, প্রাণ আছে, যৌরন আছে। আর আর মার্কির, স্বান্ধ্যার স্বান্ধানি আমার মুর্থিনসূত্র মার্কিন ব্রান্ধান ব্রাহ্বির মুর্থিনসূত্র মার্কান ব্রাহান ব্রাহান করিছিল। ব্রাহান মুর্থিনসূত্র মার্কান ব্রাহান ব্রাহান করিছিল। ব্রাহান মুর্থিনসূত্র মার্কান ব্রাহান করিছেন ব্রাহান মুর্থিনসূত্র মার্কান ব্রাহান করিছেন করিছেন করিছেন করিছেন করিছেন করিছেন করিছেন ব্রাহানি স্বাহ্বির স্বাহিমার স্বাহ্বির স্বাহিমার স্বাহ্বির স্বাহ্ব

'আমি সিরাজের বেগম' পডেছেন তো !

॥ নীহাররঞ্জন গঃুত

হারেম থেকে বলছি ৭'০০ বরেন বসঃ॥ জঙ্গী ভিয়েৎনাম

নতুন প্রকাশক ॥ ১৩/১ বাংলয় সার্লাজ স্থাত কলকভা-১২

(TR-9660)

€.00



_{িলট'। 'বুন্গেই'} (সাহিত্যাদি ওলা literary arts) 'दान' ७ 'रगरे' करे माडि চানা ভাষাগত পদের (মুগে চীনা ভাষার ু কং-এর উপভাষায় **শব্দ দুটির** বত্তিমন উল্লেখ্য ব্যক্তিয় 'ওয়েন' ও 'ই' সৈলাস-হিল্পা জাপানী ভাষায় 2"- SINE _{চিংলবা}লার 'না'-ধর্নন **পর্বতী' সিলেবালের** ত্রাস্থত জিহুনান্তীয় ধ্রনিধ প্রভাবে ্রিডারাণ "ও"-এ পরিণত হয়। কিন্ত জগুলী ভাষার নি**জম্ব সিথিত** রূপ আমানা ও'-ধর্মান **প্রকাশক কেনও** চিন্তু দ্রার উচ্চারণে ব্যান+গেই=ব্র**ঙ্গেই হলে**ভ ছপ্রা ব্যাসে তা 'ব-ন-গে-ই', এই-ভাষেই সিথিত হরে থাকে। জাগুনী হরফে জিপাদ্তর্যায়ীধ-ভাষার বেলার লাক্তরে ভাই উজারণভেদনিবি শেষে স্থাস্থান প্রের তাশ্তবিশত 'না-কে 'n'-এর দ্ধনা চিভিন্ত করবারে ধারা প্রচলিত আছে। ক Bun Ka-Bunka (সংস্কৃতি কৃতি) Bungka ন্যা অনুবাদেই অন্ত 'গিনকো' বন্ন কেবা হারেছে 'গিংকো' কেখা হয়ন।

নবজাতক

সম্পাদিকা মৈতেয়ী দেবী

পার্ব ও প্রিক্তমনাক্ষর প্রথাতিশালৈ বচনার সংগ্রু বিনালিক সাহিত্যপত্র নবহনত করে ধার্ম বর্ম শারে, হল। একেন্ট চাই। তাল মানে দিয়া বিভাগ ভারিশ গালোট ভারিশন কেয়া। কর্মালয়: ১০/২ গাম এতিনিউ, ক্রিক্তম

াস ৭০১৮)

কিস্তিতে ট্রানজিস্টর

মানিক ২০ টাকা বিজ্ঞাত জন্মান্ট-য়েশ্ব কিব ফিল্ডাত লশ্মান - ৭০ ত কাউ, আন ব্যালাভ



গোগেন্য ঐত্তিকট্র মিন প্রচেন্ত ১ অশ্যাস প্রেম হয়। জিল্লুক হ

MUSIC & SOUND (D.C. 10) Dassan Street P.B. 1576, Delhi.

হার্বিয়া কাইকোররা, এ০ দিরা, রসবাও বার্ডাশরা, এশকার

ও আন্যাংগক ধাবভার লক্ষণাদি গুলে প্রতিকারের জনা আধুনিক বিজ্ঞানন্দেগদিত সিবংসার জনা প্রতাক কর্ম। পত্রে জাববা দিকাত বাবকা লউন। নিবাল রোগীর একমার নিভারযোগা চিকিংসাকেন্দ্র

হিন্দ রিসার্চ হোম

১৫, শিবতলা জেন, শিবপরে, হাওয়া কোন ঃ ৬৭-২৭৫৫ শ্বিতীয়ত, 'জিডাই'। 'ড' অক্সরের শ্বারা যে ধননিটিকে লিপ্রশ্তরিত করা হয়েছে, মূল ভাষায় তা দশতা। জাপানী ভাষায় ম্বণা 'ট' বা 'ড', এমন কি লতম্লীয় 'ট' বা 'ট' সম্পূণ' অনুপ্রিধিত। শ্বাটির বাতলা বানান 'জিলাই'' (মূল) ইওয়া উচিত। একই করণে 'তেভিক্ষা' লেখা বিষেধ।

এর পর 'আসাক্সল'। তের্গরকালর এই অণ্ডলটির নামে 5 **2** 3 সেলেব'ল অাসা-কু-সা। দিকতীয়টি দীর্ঘতম তার্ট প্রভাবে <u>তে ইয়াটি</u> इन्द्र । TO B কৈ নও জ্ঞাপানীয উচ্চারণ भवर्गाहरक শোনালেও শোনাতত পরে। কিণ্ড অধিকাংশেরই উচ্চারণে এই উ-ধনীন লোপ প্র मा। कारकड़े কোলান লিপাণ্ডরবিধির অনুসর্গে আস্কুসা লেখাই

'क्षिक्तिका' क 'शाकरा'। चेरवर्तकर शाक्ष জাপানীতেও অসপ্রাণ ও মহাপ্রাণ ধর্মারর বৈষ্কা অথান্তর ঘটার না, কিন্ত সাভবক্ষেত্র উত্তর ভাষাতেই হ-ধননি সংযোগের প্রগণতা লক্ষ্কর যয়। কিন্তু যে করেলে ব্রুল**র** chair বা Charles-এর ক্ষেত্র গছরার' বা 'ছালসি' না লিখে 'চয়ার' ও 'চার্লস' লাখা হয়, সে কারণেই ভাপানীর বেলায়**ও** "क्षिड्रका" ना जिस्स "क्षिड्रका" 'शास्करा" मा লিকে 'ভাকেল' লেখা সম্বতিন। তা নই'ল প্রত্যক্ষিয়ে '-র ক্ষেত্র প্রত্যক্ষিত্রতা 'টোকিয়ো'') লিখ্যত হল ৷ 'ক ভয় ৰ'ভাৱ' ফিডের ১ এই এই a-pirasion-এর ফরো 'হতরবাতা—এইভাপে উক্তারত 2 3 ঘাক। বিশ্ব অন্যবাদ্ধ কাওয়াবাডাই 78743 - \$18**13** (

পরিশেষে বিকিবরালি। বিশ্ববানি ক sildiant ইপরে ব্রুক্ত তাল লপ্তানী ভ্রাক প্রানিক বিশারে পারপত হল হল বিরোধিক বিশারে পারপত বর্গানি। এই কারণে বর্গানালো ব্রুপ তালা। ইতিয়া এলা পরে ব্রুপ্তালা অপপত্র লা। সী, হলা আস্মুকালা কোঁ। মূল বঙ্গালা শ. ব. ও স্ব, ভিনেরই উচ্চারণ প্রিনিতর মূলা হলান্ত বিরোধী শালনা লিপান্ডরে প্রান্তর ক্ষান্ত সাত্রপ্র প্রান্তর ক্ষেত্র প্রান্তর ব্যবহারই ম্ভিস্কালত।

বহুকা উপরে:ভ বিষয়গ,লি অন্যক্ষরে সৌক্ষাকে কোনওভাবেই স্থান্ন করে । ভ্ৰত বাওল সাহিত্যে অনু বা দেৱ কেত सरम ক্রমবর্ধ সাম ভখন লিপান্ডারের ব্যাপারে একটা নিধারিত র্বীতি স্থাপন করে সর্বন্ন তার অন্যসরণ করাই মধ্যক মনে কারে বর্তমান আলোচনায় প্রবৃত্ত হলম।

> কল্যাণ দাশগ**্ৰুত** মাহাজ-৩৫









বিষ্ণু দে'র ষাট বছর

ব্যাদক বাংলা কবিতার প্রধান প্রবীণ প্রজনের মধ্যে বিক্ দে কনিওতিম। ভারত বাট বছর পূর্ণ হয়ে গেল গত সম্ভাহে। অবশ্য, প্রেমেন্দ্র মিন্ত বা ব্যুখদেব বসুর মতনই বিক্ দে'-র শরীরেও বার্ধকোর চিহুমান্ত নেই, চিন্তার ভার্ণাও বিস্ময়কর। সম্প্রতি ভার নতুন কবিতার বই বেরিয়েছে, শস্ব সংবাদই কবিতা"।

গত রবিবার গ্র্প থিয়েটারের উদ্যোগে এই উপলক্ষ্যে কবিকে সদবর্ধনা জানানে। হয় বিড়ঙ্গা আকাডেমী অব আট আদেও কালচ র রঞ্গালয়ে। গণখধন্দি দিয়ে, চদদের তিথাক পরিয়ে কবিকে মঞে বসিয়ে সামনে সমবেত হয়েছি লন কবির অন্রোগারীর। সংক্ষিত ভাষণ দিয়েছেন হিরণকুমার সান্যাল। বিজ্বলৈকে কিছু বলতে অন্রেষ্থ করা হলে, তিনি স্বভাষসিধ্ধ চাপা হাস্যে জানালেন, বাট বছর বয়েস হওয়া মেটেই আন্তেশন বর।

দুশুদ্ধ মুখ্যোপ্তমানের বিখ্যাত উপন্যার ইম্পাত ওরা ভাঙবেই

(সি ৬৮০৬)

প্ৰকাশিত হল

আনিলবরণ রায়চৌধুরীর

চলো, গশের দেশে যাই ২,

কিশোর-কিশোরীবের জন্যে গণপ গণ্যতি অনবদা স্থাতি। খোলটি গণেথর প্রত্যেকটি অপুরে। শিশা সাহিতে। এক বিশেষ সংযোজন।

(সি ৭১৯৫)

এ.সরকার এণ্ড সঙ্গ সনমাণ্ডেগ্রাণ্ড সঙ্গ জ্বলেট এম. ৰি.সরকার ্ট্র্যাডিশ্যনান জুম্মেনার্স

১৭১|১এ রাসবিহারী এ**ডিস্ট্র** নালিগঞ্জ কলিবা**ড়া** নেনন: ৪৬-৬২০৮



अकृषि ग्राह्मभाग नाम

সম্প্রতি ভারতের স্থিয় কেট সাহিত্য বিবরে একটি গ্রেছ্প্র রার নিরেছেন। "রম্ভা" নামে একটি মারাঠী সাহিত্য প্রের এক সংখ্যা অম্পালতার দারে অভিযাপ্ত হরেছিল বোদবাই হাইকোটো। ঐ প্যিকার প্রকাশিত একটি গলেপর জন্য অভিযোগ; গলপ্রির নাম শানা, লেখক চম্প্রকাশত কল্যাল্য কাকোড়কর। গলপ্রির সংক্ষেপে সার বা জানা গেছে, এর নারক একজন করি, তিন্টি নায়িকার প্রেমে আসত, বাদের বরেস সতেরের থেকে প্রচিদ্য। কবি তাদের সংগ্র বরের রহসা আবিশ্বারে মণ্য ছিলেন।

নিন্দা আগোলতে রচনাতি অন্দালিত র অভিযোগ থেকে অব্যাহতি পেলেও, বোদনাই হাইকোটা পত্রিকান্তিকে অন্দালি কলে খোষণা করেন ও লেখক ও প্রকাশকের জারিমানা হয়। তারা আপিলা করেছিলেম স্মান্তিম কোটো। স্মান্তিম কোটা তালের সসম্মানে মার্তি নিয়েছেন। মান্দারি বিচারপাতি মন্তব্য করেছেন, যৌন প্রসংগের উল্লেখনাত্রই বনি অন্দালীল হয়, তাহলে তো ধ্যা প্রস্তুক ছাড়া থার বিছার পড়াই উচিত নয়।

ৰণ্গীয় সাহিত্য পরিবলৈ **আখ্**নিক সাহিত্য বিদয়ে সভা

গত শ্নিধনে বৃহগাঁর সাহিত্য প্রির্মণের উল্লেখ্য কার্মিক সাহিত্য ও নিঃসংগতান্ত্রের বিষয়ে ওর্ণ সাহিত্য ও নিঃসংগতান্ত্রের বিষয়ে ওর্ণ সাহিত্যিকদের একটি আলোচনা সভ ংরে গেল। অবেল্যানার উর্বাধন করলেন ওারাশক্ষর ব্দেরাপাধার, সভাপতি সোমেণ্ড চন্দ্র, আলোচনার অংশ ওংণ করেছিলেন অত্যীন ব্দেরাপ্রায়ার, সাহাদ মুস্ত্রেল সিরাজ, শংকর চট্টেপ্রায়ার, পার্থা চট্টোপ্রায়ার প্রভৃতি।

সবচেরে উদ্ধেশবোগা, বংগীর সাহিত্য পরিবনের পক্ষ থেকে এমন একটি সভার উদ্দেশ্য। ইনানীংকার স্থিতিম্থাক বাংলা সাহিত্যের সংগ্র সাহিত্য পরিবদের কেনে। সম্পুর্কাই চিন্দা না। সার্গুলার রোভ ও সাহিত্য পরিবদ স্থিটের ব্যাজিটির জভানতরে কোনো প্রাণের চিন্দা আল্লার বিশ্বাকার বাংলা সাহিত্যে পরিবদ বাংলা সাহিত্যে কোনো ভূমিকা নেয়ান। আল্লানেমী ফ্রান্সের কথা বানেই দিলাম, এমনকি ঢাকার বাংলা

আকাদেমি বতথানি ক্স্ক করছেন, তার ক্যা
মাত্র ভাগ উন্দীপনাও বংগার সাহিত্য
পরিষদের ছিল না। বাংলা ক্ষরিতা সংগ্রেক
সাহিত্য পরিষদ বহুকেল যাবং কোনোরকা
আগ্রহ দেখারনি (যদিও বছরের প্রেণ্ঠ করিকে
প্রেক্সকার দেবার কথা এর সংবিধানে আছে),
গঙ্গা উপনায়সের ক্ষেত্রেও যোগা প্রথের
সমানর বা দেশবাসীর কাছে তার পরিচর
করিরে দেবার ভার সাহিত্য পরিবদ্ধ কেনি।
এমন কি, প্রবন্ধ সাহিত্য বিব্রেও সাহিত্য
পরিষদ সাম্প্রতিক কালো কোন্ গ্রেক্থেশ্য
কাল করেছেন, সে সম্প্রেক প্রথন করতে ইক্ত

সম্প্রতি এই প্রতিষ্ঠানের কিছ্ পরিবতন দরেই হরেছে মনে হয়। এখন এর সভাগত হরেছেন তারাশন্তর বন্দোপাধানে। সম্পত্ত সোমেন্দ্রসভাগ নশ্বী, এই প্রতিষ্ঠানের স্বস্তার তর্গ সম্পানক। এবং গত মনিবারে সভাগি, বহুকাল পরে, একনি তার্নির সভিতি বিষয়ে সভাগে।

শনিবানের সভার আলোচনার খ্রান্থন ভারশেকর বলেনাপাধারেও উরেখ বর্গন, এই প্রতিষ্ঠানের সন্ধো ভারীরত স্বান্থন সাহিত্যিকরের বোলাকোরের প্ররোজনীয়তার কথা। সম্পাদকও সেই মত বল্প বর্গন। আন্ত্র ভারিষণ্ড বশ্পীর সাহিত্য লাবের ভারার প্রবেশন লক্ষণ বেগাত প্রভাগের এ রক্ম জাশা কর যায়।

জালোচনা সভার দুটি বিবহ প্রদান হার্নাছল। মান্ত্রের জনীবানের টানেশগ্রীনভাই নিজ্পাতা বোদ জালিত তুলাও
আশা ভগা, উল্লেশ্যবীনতা, সালিক
অসান্ত লেখকের নালে প্রভাব বিবহর
করেছে। জার একটি বনগার এই বাংলা
সহিতা এখনে বড় বেশী নাবর কোনিক।
গ্রানা শহরের বাইরের বাহান্ত দেশ সহিতা
কথান জন্মুশন্তি। সালিত। তুলাগতির
কথান লগার বলগী। এবং নিঃসংগতা ম্লিট
শহরের অসাধা।

সনাতন পাঠক



<u> ইতিহাস ও রাজনীতি</u>

कि अवधिकिन्ते कारमा (देन्सिम विकेटेस 2820 ज्यान्ड 2220)। का ब्रह्मान क्षिमाति। श्रीवारान्ते नश्मामम्। ५० हिल-_{সঞ্জন} এভিনিউ, কলকাভা-১০। দমে—১৮ हेका भा २०५१

বাজনৈতিক ভারতে বত মানে সাম্প্রদায়িক দক্তে ধরনের চরম পদ্ধার আবিতাৰ অনেকের ভীতির কারণ হিসাবে रश के जिल राधा मिताए। ८३ मार्ड খ্ডিখালী হওয়ার জনঃ আনেকে স্বাধীন ভারতের রাজনবিভিকে দারী করে। থাকেন। কিন্ত প্রজনীতির ক্ষেত্রে এই বটে ধার প্রভাব বিদ্যার করতে আরম্ভ কারেছে আন্ত্র ভাগে থেকে পারিস্ভান স্থির দ্বি উখাপনের আনেক আগে। উনবিংশ খতাবদীর শেষ দশক ও বভমিন - শতাবদীর প্রথম দশক ভারতের ধর্মা, স্মান্ত ও রাজ-লাভিতে চলমপদ্ধী মনোভাৰ কিভাবে শক্তি-স্থা করেছিল লেখক বড়মান গ্রুথ ভা সংক্রেপে আলোচনা করেছেন। ভারতীয়-দেৱ উপৰ পশ্চিমী জাবিন্যালা, খাণ্টধ্য ও ইউটিলেটির ম মতবাদের নৈতিকতা ও স্মাজিক মাজপুৰাধ হিল্মাধ্যেরি নিকট একটা চালেজ হিসাবে প্রতিব্যক্তির । সাভেবী জীবন্যান্তার অভাসত ভারতীরদের তলনার নিকোলের হানিমন্য বোধ থেকে গোঁড়া হিন্দাদের মধ্যে এক ধরনের দ্রেন্টারের জহামিকা গড়ে ওঠে। ক্লেথক ও ষাংগারে वीध्वयप्रमु, विज्ञक विद्वकासम्ब छ प्रशास्त्रक्र বছৰ। বিশ্বসভাৱে আছোচনা কৰেছেন। অন্যান্যাদের তুজানায় প্রিদ্যানী সংস্কৃতি ও চিদ্তাধারা স্ম্পানে" দ্বান্ত্র একেবানেই অঞ্ছিলেন এবং অনা ধ্যেরি প্রতি বরা-



. , এপ্রখার ফলোভাব পোবণ ক্যকে। লৈয়ন আহমন খাঁকে তিনি বেদের শ্রেণ্টর মেনে নেওয়ার জনাও একবার জনারোধ করেছিলেন। বেলের B 75 মুম্ম জের প্রেক্তিনের শ্রন্য তিনি আর্থ-স্থান্ত্র প্রতিষ্ঠ করেন। তার সতে, হিম্পানের মধ্যে প্রজাদীল, বালা বৈবাহ, অস্ত্ৰলিতা ধ্বংপিট্ডা क रकशक অব্যোজার জনা ভারত বিদেশীর পর ধনি হয়েছিল এবং এ দেখেগালে দরে করতে না পরেলে ইংরেঞ্চনের বির্যোধ সংখ্যামে কেন স্মান্ত্র পাওর। বাবে না। প্রান্তেপর চিল্ডা-ধারা প্রসারই উত্তরে ভারতে গো-রক্ষা স্মিত্রি এবং বিভামানে জনসংখ্যার ভাল-প্রিয়ভার একটি কারণ মনে হয়।

গত শতাব্দীর শেষ দশকে ভারতীর রাজনীতিতে মড়ারেট্রাই স্বেসিবা ছিলেন। ভারা ভাষাত্র ইংরেজরা স্থাতা সভিটো ভাষ্টের উর্লাভ চার। বিভিন্ন কারণে মোহত পোর ফলে অর্বিদের মত একদর্শ ভাৰতীয় দুখান ও সংস্কৃতির মাধ্যে উর্ব খাজতে লাগলেন, কৈন্ত্ গ্রারিববিড, মাজিনি, কোস থা ওয়াশিংটনাক অ দশ পারাষ হিসাবে দেখাত আলেভ করালা। ইংলাডের প্রজা-বিদ্রোহের ইতিহাস, আন্মেরিক্র প্রাধনিতার মুখ্ধ ও ফর স্থা বিশ্বর জনমানসকে ন্তনভাবে

শারদীয়া (১৯৬৯)

"আনন্দৰাজার পানকা" "विष्मान्धान नोगणार्ध"

> 49 "**''ट्रम्ब**''

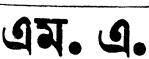
শারদ**ীয়া সংখ্যা** প্রিরেশেক সম্ম আনন্দর করে পতিকা হিল্ম দ্বান জীনভারত ভ দেশ আগামী মহালালার পাবেটি প্রত্যিত হাবে। আগ্রেমী ১৬৫০। সেপ্টেম্বর ১৯৪৯ তারিখের মধ্যে <mark>এই</mark> অনিকে ধেলেটা ভাক খন্তসম্ম নিক্ষাক গ্ৰাস সম্পাধ মুলা প্ৰথম জ্বল লিক উন্ধানে কাল কারদ্বিধা সংখ্যা প্রতিষ্ঠা হারে। আর্থনিক লাভা একা প্রেয়ে কেরন অভার গুরুণ করা হিম্বা ছি পি ডুল্ফ আন্নাদের কেন প্রকাশনী পঠার র নিয়ন নেই। উপারেক তারিকার পরে কোন মান্তম অভারে প্রহণ করা হবে মা।

রেজিন্টা গরচসর প্রতি সংখ্যার মালা ভারতে

আনন্দ্রাজার পতিভা — ৫-৫০ প্রাসা তিক্স্থান স্ট্রাল্ডার্ড — ০ ১৫ প্রস্যা ন্ত্রের ১০১৬ —

ভারতের বাহিনের স্থাহাক্ত ভাকে আন্দ্রভাব পরিকা - ৬.৫৫ গ্রামা বৈশ্বস্থান স্টাল্ডার্ড — ৪.৭৫ পয়সা 77.61 - ৫.১৫ প্রত্য

> প্রসার অধ্যক্ষ জানক্ৰাফার পাঁৱকা (প্ৰাঃ) জিঃ



ভারতীয় বিভিন্ন বিশ্ববিদ্যালনের সিলেবাস

HISTORY PREPARATORY SERIES (M.A. Modern History) रक्षमारतम आंख्येत : वि. स्वाव, अब-अ

ভগ্যম ১ হিলি আন বেলাল

(5900-5950) 55.00 २ विभिन्ने सक देन्सिया

- (246A-2784) (উইখ স্পেদাল দ্বেকা-रक्षण हैं देख्यान
- न्।ायमान म्हण्यानी) O कि जिल्ला के कि काब देन्हें, वि नावेश देण्डे अभिन्ना (देन नि नारे निवेसन 4 हैरसर्वाडेश दमसङ्ग्रिस्)

অন্যালী লিখিত।

ভস্ম ও কনভিটিউসানাল क्रम दक्षरे जिल्हेम ५८-००

- (५८४८ है ब्याक है उपटे) ८ वे को ब्रम्साम मान রিলে-
- ७ हिन्द्रि अक श्रीविकात थरे एक मानिवारकनी है त्याचने स्व
- . हेन्द्रोडसराभसास जगामहरूपम
- মভাৰ্ কৰ্মান্ট্টিউসালস --**५ महार्थ रेडेरबा**श (५४५५)---

वम, व. देश्ताकी ७ कम्यामा भारतक क्यानिकात क्रमा निध्न

চলভিকা, ৭ নবীন কুডু লেন (কলেজ রোর ভিতরে), কলিকাতা-১



রারবাহাণ্র প্রফলেকাণ্ড বস্ সংপাদিত

বাংলায় উপনিষ্

রেক্সিনে বাধাই, পাঃ ৮৩৪, মালা ১২ 🚩 কেন, কঠ, তৈভিৱবিষ, ঐতবেষ, কোষী-ভাক, প্রশন, মাভক, মান্ডকা, দেবতাদবতর, বাহদারণাক ও ছানেদানা উপনিষ্যানত বিভিন্ন মতান্যায়ী ব্যাখ্যা সহ বাংলা অনুবাদ। উদেবাধন বলেন, "घौटाता ম;्बा সংস্কৃত ভাষায় উপনিষদা পাঠে অসমর্থা বা শংকানিবত তাঁদের পক্ষে বাংলার উপনিষদ অভনত উপহোগী।"

महाम नाहेरबती

২/১ শামাচরণ দে স্ট্রীট, কলি-১২

(PR-5260)

---किन जानिकार वा केठक मारमह विकास कार्यक व्यवस्था अध्यक्ष मार्य विश्ववाद्ये वाक्या युग्यत चारणका क्षा करते । अवस्थारे कार्यनीयन क्रियशेषा दावनीति धवर म्हर्मागर ব্ৰিদায়কতা বাৰনৈতিক পৰি হিসাবে द्विकाम करत ১৯०६ जाएम वन्नास्टरनाव দিরে। বংগভংগর বিরুদ্ধে সারা 🎘 रव न्यरमधी चारमातम । विरमणी भवा ব্রুমটের আন্দোলন আরুড হল, বড'মান 🗱 সেই আন্দোলনের চরিত্র সম্পর্ক বিশ্ঠারিত আলোচনা করা PINCE I আধুনিতার আন্দোলনকে পপা, করার জন্য क्रम्बद वन्नारक मृहे छाना करत এकमिरक ক্রীবংশ্য ঢাকার নবাবকে দিয়ে প্রেবংশ শ্লীলম আধিপতা এবং অপর্দিকে বিহার ইডিশার সংগ্রে অবশিষ্ট বংগকে যাত্র রেন্ধে কলিকভার বাঙালীদের প্রাধান্য নভের ভেন্তা হর। প্রবিণে হিন্দু-ম্সলমান নার স্তেপাত ১৯০৫ সাল থেকে। ঐ ক্রি অনেক জমিদার যে চরমপদ্থীদের ক্রিন করেছিলেন, তার কারণ তারা বিভর বিশেষ চিয়স্থারী বলেন্ত বাতিলের ক্রিকা করেছিলেন। আবদ্ধে রস্থে নিয়াকত হোসেনের মত মুসলীম নেতারা

ब्रमाक्या विद्याची सारमागरम सींगरम গড়েন, আৰ্ল কালাম আজাৰও এক विकासी महास द्याना द्याना । वर्षे नामहास कार्किशरक प्राव्यक कर्द्राम स्थाप ग्रह বাধা অসম্ভৱ হয়ে গড়ে 🗎 আলিগড় करणास्त्र अशाक विस्तारकार महिन्दा अथरा এ ব্যাপারে সরকারকে সভর্ক করে দেন। পরকতী অধ্যক্ষ আর্চ'বন্ড ভাইসরয়ের रमाक्रोदी फासलन न्यिशतक किठि निर्दे সরকার থেকে ঢাকার নবাবকে দশ লাক भाष्ट्रेन्छ चान मिन्द्रशांत वायन्था करतम ध्रवश তিনিট মাসলীয় লীগ প্রতিন্তার উলোগী হন। এদেশের মাক্সবাদীরা মাসলীর লীগ স্থাপনের ব্যাপারে অর্থনৈতিক ব্যাস দেখিরে থাকেন, বভামান গ্রেথর পঞ্চম অধ্যার পড়লে ভাদের সে ধারণা একেবারেই মিখ্যা প্রমাণিত হবে। এদেশে হিন্দু-মাসলমান সমস্যার মনস্তাত্তিক দিক কথনও দেখার চেণ্টা হয়নি। তাই কোন্ছটনা কি জনা ঘটছে তা জেনে কারপ্রালি দার করার চেষ্টা হয়নি। সমাজকে আধ্নিকী-করণ করতে গোলে কোন ধরনের প্রতিভিয়া দেখা দিতে পারে, তাও জানা প্রয়োজন। ডঃ রিপাঠি সমসাময়িক সমসার উংস সন্ধান করতে গিয়ে আমাদের কৃতজ্ঞতাভাজন 808/69 इरहारहरू।

तर्वाच्छलाट्यत शत

13.1分别的人工编辑的类似。

हिनिशास कर्योग्यस्य न्योगा बाह्यान्यसान-छत् शरका अक्तिहार क्लाकाळा-५०। शाम-मण केला । न्योग-०००।

কৰিকে তাঁৰ জীবন-চরিতে পাওরা বার

না, রচিত প্রথম্থিতিতেও আসল মান্বের

সংখান মেলে না। প্রথানত প্রিরজন ও পরি
চত বাজিনের নিকট লিখিত চিঠিপতে
লেখকের সভিলেবের পরিচর পাওরা বার।

বিভিন্ন প্রসায় তাঁর মনে কী ধরনের
প্রতিজিরা স্থি করছে, কেমন করে তিনি
সে-সব সমস্যাল সমাধান খ্লেছেন, প্রির
জনদের নিজের কথা জানাবার সমর তা
জনেক সমর আপনা থেকেই বেরিরে অসে।

মান্ব রবীপ্রনাথকে জানবার জনাও লেখিকা

ভর বীণা মুখোপাধার কবির চিঠিপতের মধ্যে
আসল মান্বভিকে খ্লেজ বের করার চেণ্টা
করেছেন।

ববীশুনাথ সারা জীবনে অজ্ঞ প্র ।
লিখেছেন। অনেকগ্লি আসলে প্রই নার,
পতের গণিড পরিক্রে রবীশুনাথ তার বরুবা
বলতে চেকেছেন। চিঠিপত তাকৈ আনেক
সময়েই গ্রে-গশ্ডীর প্রবংশ রচনার ঝানেলা
থেকে ক্রি দিয়েছে। তিনি নিজেই
লিখেছেন, ''আমি বে-সব চিঠি লিখেছি,
ভাতে আমার মনের সমসত বিচিতভাব খেবকম বারু হরেছে, এমন আর কোন লেখার
হর্মন।" (প্রে ১০)

লেখিকা রবীন্সনাথের চিঠিপচগুলিকে তিন ভাগে বিভক্ত করেছেন—(১) ছিল্লপ্র ভান,সংহের পদাবলী পথেও পথের প্রান্তে, (২) পঢ়াত্মক প্রবন্ধমাল। প্রান্তির 1513 'পারসো প্রভারে (0) আতাগত চিঠিপ্রগাল ডাহেছ হৈ। প্রযাবেলাচন্য করতে গিতে কেথিকা যেমন অনেক কবিতার ব্যাখ্যা খ্রাক্তে প্রেছেন, তেমনি অনেক কবিতার প্রথম খসড়ার সংধানত চিঠিপতের মধ্যে মিলেছে। বইতির শ্বাদশ অধ্যায়ে এ-বিষয়ে বিশ্ভারিত আলোচনা আছে। বইটির চতর্দশ অধারে এদেশের ও বিদেশের পর সাহিত্য রচয়িতা-দের একটি সংক্ষিণ্ড পরিচয় দেওয়া আছে। রবীন্দ্রনাথের চিন্ডাধারা জানার বাংশারে **वर्टीं वरथण्डे जहात्रक हरत। 'बाःना वर्टा**ङ দ্বাভ 'নিদে'শিকা' এই প্লান্থে একটি **भिद्धां भरवा**ना **मरवास**न ।

(\$\$8/67)



ৰাংলা নাট্য সাহিত্যে আৰু একটি আলোডন

রমেন লাহিডীর

अरलस तज्त (फर्म

অগ্নিদ্তের— কিন্তু নাটক নয়

সম্পূৰ্ণ নতন স্বাদ ও আলিংকের

১টি সেট/২টি স্থা দাম : ৩.২৫

প্রেম্কারপ্রাম্ভ পূর্ণাঞ্চা নাটক।

(শারস্কারপ্রাশ্ত শাংশা) ৩১২৫

তিনটি একাংকিকা (দ্বী বভিত একাক) ০ পরিবেশক : নবগ্রন্থ কৃটিন, ৫৪/৫এ, কলেজ স্থীট, কলি-১২

নীলিমা প্রকাশন : ৪০, বিপিনবিহারী গাগগুলী স্মৃতি, কলি-১২ তয় তল, ফোন : ০৪-১১১৮

(त्रि-१५७७)

এবারের প্রান্ধার ছোটদের নতুন বই জ্যাতি বাঘের কবর — হরিপদ ঘোর ২০০০ একটি রোমাণ্ডকর শিকারের গদ্প হারা-কারা — হরিপদ ঘোর ২০০০ সত্য ঘটনার ন্যার চমকপ্রদ একগ্রেছ অসাধারণ ভৌতিক গদ্পের সংকলন এছাড়া আরও দুটি ভাল বই অনেক ছাসি — শিবরাম চক্রবতীর্ণ ২০০০ রুপকথার ঝাপি — স্বিজতকুমার নাগ

 ারতে না পারতাম তবে আমার সামেকোটক ববন হয়তে। ওখানেই শেষ হলে বৈত্ত । চাই বিশ্ব রেকত ক্ষমে চেকেক জামার। প্রাক্ত করা আমার কবিনের ব্যক্তরে স্মর্থীর ঘটনা।

লায়ারা প্রেস আাথলেটিক থেতে অবসর ज्याद श्रद नारमञ्जूषा वंधन ১৮-७० मिछान বে লোহার গোলা ছাড়ে নতুন বিশ্ব ত্রেক্ড হরলেন তথন আমলীট বিলারদত্র ভার চ্চিত্ৰ অতলনীয় কৃতিৰ হিসাবে চিহ্নিত করেছিলেন। যদিও মেক্সিকো **অলিম্পিকের** ক্ষা আগে মাপেরিটা গামেল ১৮-৮৭ विकेष मार्स काला के एक नारमकमात्र विक्य বক্ত ভেগো দিয়েছিলেন তব্ মেক্সিকোর नारम्बन है किरलन मायन मन्धायनामसी स्मरस । ক্ত ফেব্রিকায় গামেপের নিক্ষিত গোলা বিশ্ব ব্ৰেকড ছাড়েরে আরও ৭৪ সেণ্টিমিট র এগিয়ে যাওয়ায় নাদেজদার মানসিক শৈথ্য ্বলী হয়ে। হাই। শ্ৰেকি। খেকে লেনিনগ্ৰাদে ভিত্র একে ভাবার সাধনা আরম্ভ কারন কোচ ভিত্তৰ এলেকেভেবে অধীনে । ফলে, লার সাম্পতিক ক্রীতিবি লাজিব সংখ্যাই সিম্পির সোপন সে কথাই আর 5 5 3 0 প্রমাণ করলের নাচেক্সন। ডিক্সেন্টে,।

লীণ্ডহীন শৈৰত সকৰ

ভিতালে নিউজিল্যান্ড ও ইংলান্ডের তৃত্রীর টেন্ট ম্যাট নেষ হবার সংগ্র স্থেপ ইংলান্ডের কিকেট মরস্মের উপর প্রায় যবনিকা নেমে এসেছে। দুই একটি মাম্লি থেলা শ্যা ব্যিক।

প্রথমে ওয়েন্ট ইতিছাজের সংখ্যা তটি, পরে িউজিলাগ্রেডর সংগ্রে তটি—ক্রৈড়ে সফরের ৬টি টেস্টে ইংলন্ড মটিতে বিজয়ী হাছেছে। দ্টি টেপ্টের ফলাফল অম্বীমাংসিত থেকে গেছে। টেশ্টে অপরাজিত থাকার কৃতিত সমেত দুই দেশের বিরুদেধ 'রবারা কাভ করার ইংলপ্রের নতুন অধিনায়ক রে ইলিংওয়ার্থের অবশাই কৃতিত্ব আছে। নির্ভার-বোগা কয়েকজন খেলেংরাডের চোট আঘাতের ফলে ইংলন্ড কয়েকজন নতুন খে:লায়াড়কেও দ্র সিরিজে পরীক্ষ:-নিরীক্ষা করার সংযোগ পেরেছে। কিন্তু ক্লিকেটের দ্রভিটকোশ থেকে বিচার করলে বলতে হয়, এই শৈবত সঞ্চর ইয়েছে দীণিতহীন। ওয়েণ্ট ইণিডক সিরিজে ৰ্দিও বা কিছটো উংসহ উদ্দীপনা লক করা গেছে, নিউজিল্যা: তর সিরিজ হরেছে धक्तवादार आकर्ष गरीन।

লড্দের প্রথম টে.স্ট ইংগণ্ড অতি সহজে ২৩০ রানে জয়ের পর ট্রেণ্ট বিজ্ঞ টেস্ট ব্রিণ্টর জনা অমীমাংসিতভাবে শেষ হয়। গুভাল টেন্টের ইংলণ্ড অতি সহজে নিউজি-লাণ্ডকে ৮ উইকেটে পরার্জিত করে।

ইংলন্ডে ক্রিকেটের জনপ্রিয়তা ক্রমেই করে মাসছে। এবারের শৈবত সফর সেই



भूवं कार्यानीत श्वक श्वकीत छाक्तिनग्रम बटन व्याप्या क्रांत श्वि

নিব্যুৎসাহে একটাও উৎসাহের সন্মার করতে পারেনি। কিভাবে জিকেটকে জনপ্রিম করা ধায়, এখন আরুভ হয়েছে সেই গবেষণা। জি.কটের জন্মভূনিতেই জিকেটের এই হাল, ভিনেকটের উমাতির পথে নিশ্চয়ই শাভ ইন্পিত নয়।

ষাই হোক, ওভালের তৃতীয় টেস্টে নিউ-জিলানেজর সহন্ধ পরাজয় তাদের ব্যাটিং বার্থতারই পরিচয়। প্রথম দিন দিনের শেষে ভারা করে ৭ উইকেটে ১২৩ রান।

ন্বিভীয় দিন ১৫০ রানে নিউজিলাণ্ডের ইনিংস শেষ হ্বার পর ইংলণ্ডের ৫ উইকেটে ১৭৪। তৃতীয় দিনে ২৪২ রানে ইংলণ্ড ইনিংস শেষ। নিউজিলাণ্ডের দ্বিভীয় ইনিংসে ১ উইকেটে ৭১। চতুর্থ দিন নিউ জিল্যাণ্ডের ব্যাটিং-এ কিছ্টো দ্যুতার পরিচয়। ফলে দ্বিভীয় ইনিংসে তাদের ২২৯ রান। জ্বের জন্য ইংলণ্ডের ১৩৮ রনের প্রয়োজনের মধ্যে ওই দিনই ১ উইকেটে ৩২ রান সংগ্রহ। শেষ দিন ১টি উইকেট হাতে নিয়ে বাকি ১০৬ রান করা

ইংলন্ড থেকে নিউজিল্যান্ড দল আসহে ভারত সফরে। ভারতে তাদর: তিনটি টেন্টের প্রথম টেস্ট আরম্ভ হচ্ছে ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখ থেকে। দেখা বাক নিউ-জিল্যাণ্ড ভ.র:তই বা কেমন খেলে।

নীচে ওভাল টেন্টের সংক্ষিণ্ড **শ্বোর** বেড দেওয়া হল।

নিউজিল্যাশ্ড—প্রথম ইনিংস ১৫০ (জিটানার ৫৩. বি কডেন ২৪. বি হেদিটাস ২১; ডেরেক আন্ডারউড ৪১ রানে ৬ উইকেট, রে ইলিংওয়ার্থ ৫৫ রানে ৩ উইকেট)

ইংলন্ড-প্রথম ইনিংস ২৪২ (জন এডরিচ ৬৮, ফিল শাপ ৪৮, জিওফ বরকট ৪৬, টেলর ৪৭ রানে ৪ উইকেট, কানিস ৪৯ রানে ৩ উইকেট, হাওরার্থ ৬৬ রানে ২ উইকেট)

নিউজিল্যান্ড—দিবতীয় ইনিংস ২২৯ (বি হেন্টিংস ৬১, বি কংডন ৩০, জি ডাউলিং ৩০, জি টানার ২৫: ডেরেক আন্ডারউড ৬০ রানে ৬ উইকেট, আলান ওরাড ২৮ রানে ২ উইকেট, ন্নো ৫২ রানে ২ উইকেট)

ইংলক্ড-শ্বিতীয় ইনিংস (২ উইকেট) ১০৮ (মাইক ডেনেস নট আউট ৫৫, ফিল শাপ ৪৫: কান্সি ০৬ রুনে ২ উইকেট)

(देश्लन्ड ४ উर्देक्ट विक्रमी)

একলব্য

ব্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্ন

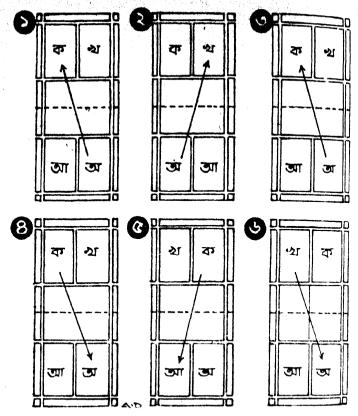
51 ত সম্ভাহে গেম সেটিং সন্বন্ধে বলা

র্য়েছে। ১৩—১৩ প্রেণ্ট বা ১৪—১৪
প্রেণ্টে (মহিলাদের ক্ষেট্রে ১—১ এবং
১০—১০ প্রেণ্ট) গেম সেট করার ব্যাপারে
আমর্শ মারেরই সংশ্লিণ্ট খেলোয়াড়ের কাছে
কিজ্ঞাসা করা উচিত তিনি গেম সেট করবেন,
মা সরাসরি খেলে যাবেন। তবে আন্পায়ারের
ভূল হলে খেলোয়াড়ও সেটিং-এর দাবী
ভানতে পারেন।

कावस्थात्रस रथसा

৯। (এ) কোন দল প্রথম সংভিসি করবে ভা কিম্পত্তি হবার পর ভাগাদকের সাতি'স কোরে অবস্থানকারী খেলোয়াড় কোন কুনি বিপরীত সাভি'স কেটে' সাটল সাভা করে থেলা আরম্ভ করবে। যদি সাটল পটোতনে বা মাটিতে প্রবার আগে শেষেক শ্রেলায়াড (বিপরীত পক্ষের ডান কোটের খেলোরডে) সাটল মেরে ফিরিয়ে দেন তবে **উন' সাইড-এর যে কোন খেলো**য়াডকে আবার সাটল মেরে অপর কেটে ফিরিয়ে ীলাত হবে আবার 'আটট' সাইভ-এর **একজন সাটল 'ইন' সাইডে ফিরিয়ে দেবেন।** এইছারেট খেলা চলবে যতক্ষণ না কেউ **আইনগত** ভুলত টি করবে বা যতকণ না भाउँन रथलात वाहरत वरन गग इ.च (वि अन्दर्शकम् मुष्ट्या)।

র্যাদ 'ইন' সাইড-এর কারো মারে আইনগজ ভাল বা রাটি হয় ভবে তাদের সাভিসি করার ভাষিকার চলে যাবে। কারণ যারা থেলা আরুন্ড করবে প্রথমবার তাদের একজনট সাডিস্থাস করার সায়েয়াগ পারে (১১ ^{নাম্ব}র আইন দণ্টবা)। এইবার বিপরতি প্রেম্বর ভার্নদিকের কোটো অবস্থানকরে পেলে য়াড় সার্ভিস করবে। যদি এই সাভিস মেরে ফিরি'ছ দেওয়া না হয় কিংবা 'অউট' সাইড খেলোয়াড় মারে, আইনগত ভল চাটি করে জ্বে উন' সাইড একটি পয়েণ্ট পাবে। এই পরেণ্ট পাধার পর ইন সাইড-এর কে থেলেয়াড সাভিসি কর্যালেন তিনি তান-দিক্তর কোট থেকে বা দিকের কোটো যেরে আবার সাভিসি করবেন কোনকুনি বিপরীত रकार्ड (रमफ़र्ड रकार्ड 'शरक रमफर्ड रकार्ड)। **ষ্তক্ষণ** ভাষের সাভিসিন নাট নাহার অথা ভারা টেনা সাইড হিসাবে থাকবে তড়কণ প্রত্যক্ষে স্ভিস্কেট ববল করে কোনা-ক্ষানি বিপরীত সভিসে কেটে সভিস করতে ছবে। এবশা ওখনই এবং কেবল মাত্র তথনই



ভাৰণাস-এর খেলা আরম্ভ ও কোট বদংলর নক্স। ১ নম্বর চিত্রে 'অ' খেলা আরম্ভ করছেন সাভিস করে। ২ নম্বর চিত্রে পয়েণ্ট পেয়ে বা দিক থেকে সাভিসি করছেন। ৩নং চিত্রে পয়েণ্ট পেয়ে জাবার ভান দিক থেকে সাভিসি। ৭ নম্বরে সাভিস নম্ভের পর জপর দলের 'ক্ষ'-এর সাভিসি আরম্ভ ভান কোট থেকে। পয়েন্ট পেয়ে ৫ নম্বরে বা দিক থেকে সাভিসি। ৬ নম্বরে 'ক্ষ'-এর সাভিসি নণ্টের পর 'ম'-এর সাভিসি ভাল কোট থেকে

সাভিসি কোটা বদল করতে হতে যথন একটি। প্রোট সংগ্রীত হবে।

(বি)। যে কোন দলের বা প্রের প্রথম বারের সাভিস ভান - সাছিল ফেট খেকে আরুত হবে। যিনি স্টিভিস কবেন জিন র।।কেট দিয়ে স টল মারবার সংখ্যা সংখ্যা সাভিপি করা হয়েছে বলে ধরা হবে। ভারপর যহক্ষণ না সাটল মাটিতে পড়ছে কিংবা কারো মারে আইনগ্রন্থ ভালতাটি না হ'ছে. অথবা 'লেট' এর (অইনগত কারণে আবার সাভিসে করা বিধানকে কেট' বলে) ঘটনা নাঘটছে, যা ১৯ নম্বর আইন অন্যোয়ী সাটল খেলার বাইরে বলে গণ। মা হচ্ছে ভতক্ষণ সাটলকৈ খেলার মধ্যে বলে ধরতে হবে। সাভিসি হয়ে যাকর পর যিনি স্বভিসি কর**ছেন এবং যার কাছে সাভিজ্য করা হ**ছে তারা ইক্ছে মত নিজেদের পাশের কোটের যে কোন জয়গায় দাঁডাতে পারেন। এমন কৈ নিক্রেদের পাশের কোটের বাউল্ডারি লাইনের বাইরে দাঁড়ানোতেও বাধা নেই।

১০। যে খেলোয়াড়কে সান্তিস করা হবে

কেবল মাত্র ভিনিই সাহিল্য মেরে খিরিয়া বদবেন। কিংকু যদি তার সহ থেলার জ্ব সাটেল সপশ্ করেন বা মারেন হবে উনা সুইট একটি প্রেণ্ট প্রাপ্ত প্রবৃত্তি সাহিল্য করেছ পর পর দিন্তি সাহিল্য অবশা বাহিক্য (১২ নদবর আইন সহ খেলার জ্বাতিক সাভিত্য কোটা কলের ভূলের ক্যা

১১। বে দল প্রথম খেলা আর্ম্ছ করবে
প্রথমনার তাদের একজনই সাভিচ্ন করের
সন্থোগ পাবে। তারপর সাভিচ্নের ক্ষেত্রে প্রতি
বারে প্রতি দলের দৃষ্টিজন পর পর সাভিচ্ন
করবে। যে দল একটি গেম জিভবে পরের
শেখে তারাই প্রথম সাভিচ্ন করার স্থোগ পাবে। তবে বিজ্ঞানী দলের যে কোর্ন খেলোরাড় পরের গেমে প্রথম সাভিচ্ন করতে
পারে এবং প্রতি পক্ষের যে কোন খেলোরাড় পারে এবং প্রতি পক্ষের যে কোন খেলোরাড়

36ms

চিত্রমর্ক্তির সমস্যা

প্রাক্তরণ চলচিত্র সংরক্ষণ সমিতি গত শাহলার (২৯ আগসট) এক সাংবাদিক বৈঠকে জানিরেছেন, 'পূর্ব চুক্তি লংখন করে এবং সম্প্রতি পশ্চিমবংগ সরকারের উদ্যোগে গঠিত ব্যরেজনের কমিটির (গগ্পী গাইন... এর মার্কি বিরোধ নিংপত্তির জন্য গঠিত) অন্যারেষ উপেক্ষা করে মিনার বিজলী-ছবিদ্যারের কর্তৃপক্ষ কদি "গা্পী গাইন বাংশ বাইনা ছবির পর "আরোগা নিকেতন" প্রদর্শনের জন্য রাজনী না হন তবে সমিতি জাবার প্রাপ্রধান শার, কর্বেন।

সমিতির অংশসালার পাঁচ-দক্ষা কমাস্ট্রী এইব্প : (ক) পোল্টার, লিফেলেট ও জন-সভা করে আদেশালারের কাবণ বিদেল্যকা (খ) সাহাত্তিক সাংবাদিক, শিল্পাী, ট্রেড ইউনিয়ন কর্মা ও চলচ্চিত্রলাকের বিশিশ্ট হাজিদের নিয়ে কন্যভনশনা (গ) নিনারে-বিজ্ঞলী-ছবি-ঘবে সামান শ্রেকার (৫ সেণ্টেশ্বর) গতীক বিশ্লোভ প্রদর্শন (খ) উক্ত চেনের সামান প্রতীক সন্দান (খ) উপ্রোক্ত কর্মান স্ট্রী বাথা হলে সভালেহ্য।

সাংবাদিক সন্মেলনে গ্রীঅভিত বস্তু, গ্রীস্থার মিন্ত, গ্রীবিজয় চট্টোপাধ্যায় ও গ্রীপারিজাত বস্ত্রিভার প্রদেশর উত্তরে তাদের বক্তবা পেশ করেন।

মনার-বিজলী-ছবিছার অর্বেতী দেবী পরিচলিত কে এল কাপরে প্রোডাকশদেসর "দেঘ ও রৌদ্র" মাজি পাবে বলে দোনা মবছে। এই বিলিজ চেন-এ চিত্রমঞ্জি নিয়ে নতুন স্থাসন্ত্র পরিপ্রেক্সিতে ব্যব্দ-জনের কমিটির আহ্যায়ক শ্রীএম এ এক বিব্ভিতে (১৫ া৭ ৷৬৯) ^{এই অভিযোগ করেন বে, মিনার বিজ্ঞান}-ছবিষ্টের কর্তৃপক্ষের অসহযোগিতাম্লক যান ভাবের পরাণ উক্ত চেন-এ "আরোগ্য নিকেতন" ম**্বির ব্যবস্থা**ু সম্ভব হল না। তিনি বিবৃতিতে আরও বলেন, ৫ মে ৰে ^{ছুতি} সম্পানিত হরেছিল সেই অন্সারে "গ্পী গাইন…"-এর পর মিনার-বিজ্লী-ছবিষরে সংরক্ষণ সমিতি নিবাচিত দুটি ছবি দেখাবার কথা, ভারপর 'মেছ ও রোদ্র"। এই প্রসংস্য মিনার-বিজ্ঞা-ছবিষরের দলিক পক্ষের এক বিষ্তিতে বলা হয়, ৫ মৈ তারিখের চুত্তির শতা ভপাকারী শৃত্যনকারী পৃতিচম্বত্য চুক্তিয়ে সংযুক্তপ



শ্রমার কা সপনা' (পরিচালত : হ্যাকেল ম্যাজি') এ-সপ্তাহে ম্তি পাছে—হর্ত্তি নারক-নারিকা বিশ্বজিং ও লালা সিন্তা

সমিতি, মিনার-বিজ্লী-ছবিষারের কর্তাপক্ষ নন। ৬ মে উ**র** সমিতি বারোজনের কমিটির कर्ताताथ व श्राप्तम्को स्ैननार करत ६ स्थ তারিখের চার লাখন করেন এবং "গাুপী গাইন..."-এর মাজির বাঘোত সাণ্টি করে সিমেমগাই ও মালিকের গাহের সম্মানে সভাতিহ ও অনশন আন্দোলন শ্রু করেন। অতঃপর ৫ মে তারিখের ছবি বাতিল বলে গুণা হয়। উক্ত চেনের কর্তপক্ষ আরও জানান, "গাপী গাইন…" এর পর উরু চেন ১ মার্চ, ১৯৬৮ তারিখের পূর্ব চুত্তি অনুবারী "মেঘ ও রৌদ্র" দেখাতে বাধা। তবে "মেঘ ও বৌদ্র"-র প্রবোজকের সন্মতি সাপেকে সন্মতি আদারের দারিত্ব বারোজনের কমিটির) "গাুগাঁ গাইন..."-এর পর **"অংরাগ্য** নিকেউন দেখাতে তাদের আগতি নেই কলে লানিয়েছেন।

แ िठ्य-त्रभादनाठना ॥

रेग्राकीन

প্রা কমিটির স্পারিশের করেক দিন প্রাক্ত "ইয়াকীন" (বিজ পরিচালিত) বিশানী চিত্রে দেখা গেল দামিল্য ঠাকুর 'দুটা' (তাও আবার বেশ ছোট) পরে বেশ শ্বাক্রীর ছুটে চলেছেন, তারপরেই নারক ধর্মেরের উৎপাতে (গান সহ) শর্মিলার কপট বিশ্বীত এবং ধরা-ছোঁরার বাইরে বাবার নকল চেট্টা। এটা অবশ্য নারিকার গোঁসা, মিটমাট। ব্রাক্তির পরেই।

প্রেম ছবির বড কথা নয়। আসেল ইন্ট ক্লাইম। এবং এ ছবিতেও আবার সেই শগ্ৰ বাজেব ব্যাপাব-জার্টা ভারতের একটি ল্যাবরেটরির গোলীন গবেষণার বসত (কী তা পরিচালকই জামেন) জেনে নিরে ল্যাবরেটরিটি উড়িরে দিক্ত চার। নারক ধর্মেন্দ্র ওই ল্যাবরেটরির একটন বিজ্ঞানী, রিসার্চ' ওয়াকার। তারই সর্ভ হ্বহ্ দেখতে এক বাজি (ডুয়াল রোল-এর এই পাচিটি হিন্দী ছবিতে নতুন আমদানি রয়েছে শত্রাজো। আগেও হিন্দী ছবিভে দেখেছি, আবারও দেখলাম নারকের ভারক সেই ব্যক্তি অবলীলার তার নীল চেৰ কালো করে ফেলেছে। এবং বেশভুষার নায়ক ধর্মেন্দ্রর মত সেজে ভারতে এনেত্তে নাশকতাম্লক কর্মস্চী সম্পাদনের জন্মা ভবে গলার ব্যর তো আর এক রকম হয়

৯ই সেপ্টেম্বর মঙ্গলবার অক্তে অক্সে ব্রায় साम्मीकात अर्याक्षिक

राशत . १ का

निर्म नमा । अक्टिक्य बटक्सानाश्रास এই সেপ্টেম্বর শক্তবার থেকে টিকিট পাবেন

(ति १७५६)

१३ रमरण्डेन्यत अन्धा ७॥हेत्य दनाविम्मदमार न हरहें। भाशास अब

ব্যু পরা

রাজা রামমেতন মাগামী নাউত

কড় ক

শশ্ভ ব্যুগার ट्यांनन

৯৯০ রববিদ্র সরববীতে ও মহাজনতি সদ্ধান

विक्रि । aa-9525 शहाकारि मनदन

অবসংর হাতা কলং প্রান।

(সি ৭৪৩২)

প্রযোজিত

একালয়--দ্ৰ্গশিকে একানয়-কল্যাণীতে একানয়--কোদপৰে क्रकानम्-रेष्टाभुद्रत

একানয়

भारत अवत

১০ই সোপ্টেম্বর স্থেম সাত্রীয় হলে টিকিট আছে।

(স ৭৪৬৭)

(শীতারপ লিখ কৈত নাটাশালা 1

নতন নাটক!

श्रीकाव नाउँका अभूव ब्राभाव ! প্রতি ব্হুম্পতিবার ও শনিবার : ৬॥টায় প্রতি রবিবার ও ছাটির দিন ঃ ৩টা ও ৬॥টায়

॥ রচনা ও পরিচালনা ॥

प्रवनात्रायण गर्थ

॥ র পারতে ॥

क्रीक्रक बरम्ताभाषात्र, याभभा तमबी, मृत्सम्मृ हरहे। भारताय, भूजाचा हरहे। भारताय, मीलिया मान, अक्टीन्ट करोहार्य, क्यारबा विश्वान, महाम माहा প্রেমাংশ, বস্, বাসজী চট্টোপাধারে, শৈলেন সুখোপাধ্যায়, গাঁতা দে ও ভান, বলেয়াপাধ্যায়

गा क है जक**ल जायत वर्ताक रवांता। क्षाल**क नायक-स्थितिका विके। (साधिकार क्रिके सम्र हर কতবার আর হিন্দী ছবিছে শুনেব) ধরেই নিয়েছে তার বল্লভ বাক শক্তি ছারিছে আবার তার কাভে ফিরে এসেছে। রিটার (লাম'লা) বিপদ অনেক বেশী, সে সংভানসংভব।। অতএব নায়ক ফিরে না এলে এবং পরে कथा जमायादी विद्या ना काल काव नर्यनाम। রিটার অন্তলেক্তা হবার কী দরকার ভিল? এই কারণেই নায়কের ছন্মবেলধারী ভিলেন রিটাকে খনে করতে পারেনি। তার উপর কতাদের ওইরকমই আনেশ ছিল। পরে व्यवभा जारक वना शरहाक, धरे धराजद कारक জন্তব্যত্ত (জনবৈগ) শোক্তা পাল হয়।

সে যাই ভোক, ব্ৰিক্ষান ও প্ৰসাহসী নায়ক যথাসহয়ে শহরে জোর কারাগার থেকে প্রতিষ্ঠ মধ্যসময়ে ক্রেম্প্রতির ভিনামাইত দিয়ে ভাতৃতে দেবার এক মৃত্ত चारमः। धरम रगरहः। फिरमम माम्बरत्रेशेत्रहरू পত্রত মারা গেছে। গোরেকা প্লিসের হাতে कामा नार्य छ थता भाकाक जारनत भाका একজন আবার প**্রিল**স অফিসার (এটা একটা সাসপেনস), বে শত্রপক্ষের হয়ে কারু কর্মছল ইত্যাদি বে-সব ব্যাপার ঘটেছে—য দশককে কোত্হলাক্লাত ও রোমাণিত दारथरक-- जातरे काँक काँक तरहरक मान्कत-জয়কিষণ সারারোগিত গান। এবং ইচ্ট্রাল ক:লারে রঞ্জিত অনেক স্ফের দুশ্র।

द्वकर्ष-नगालाहरा

গত ২৯ আগ দেব দেশ-এ কেড স্মা-লোচনায় ''সহস্ক গানের পাঠ'' বেকলটির সারকার-রচয়িতার। নাম উরেখ করা হয়ী। ওই রেকাডার পানের সার রচন্ত্র করিছ শ্রীমণীন্দ্র চক্রবতীর।

স্বপ্প-রঙান অনুপ্রম অঘ।

रश्चनतीत नवश्चमार्थातील नालमन श्रीकिकारमा उल्लाहनगरमा क्रांबाननश्चाधाव

অশোক কুসার-মালা সিনহা-বিশ্বজিৎ- জনি ওয়াকার হেলেন



পৰিলালনা হামীকেশ মুখাওঁই সংগীত ভিত্ৰগুপ্ত

भाराहारुम-कृषा । बना ग्लम-क्रभावा देखीता

ন্টিয়া (বেহালা) • ন্যালনাল (খিলিরপার) • খাডুনমহল (মেটেব্র জ) • নবভারত (হাওড়া) • অলোক (শালকিয়া) নৰর পৰ (কলমন্তলা) • কৈরী (চুচুড়া) • জ্যোভি চুদ্দনগর) • **চ্বাভিত্ত** (কোনগর) कत्रजी (बदानगत्र) • जीवा (नमन्म) • नीवा (यादाकभूत) • **कन्द्रतया** (न्दर्गाभूत) क्लानी (देसराधि)

होल- श्रिश्रती

.বশেষে বাংলা ছবিতেও ''চুম্বন'' সেক্সর র্থ কমিটির ছাড়প**র পেল। একটা নর**, লগ্টা চম্বনের পূলা **ছিল "মন নিয়ে"** জুনিছে। পরিচালক স**লিল সেন বেল এক**ট্ট जिल्हा हिलास मा**मा माहि निरास। रहेक** ব্যার পর একবার *চন্তবেছিলেন* এডিটিংয়ে বাদ সিয়ে দেবেন। **কিন্ত খোসলা ভ্রমিটি**র িপেটে বেরনের **পর ভরসা করে জা**র য়ত দেবনি। গত **শ্রহ**কার ছবিটির ক্রেড্র তাম হোল। "আনাকাটা-ইউ" চিক্তে মন িয়ে ভিতিত হল। ছবির চনবনের সালা ভিত্রে চেনের কর্মাক কোন **প্রদাই তুলালেন না।** र्गननरादाक रननार, "तिराह गालमा।" ্রতার টান বললেন, "বোচে গোলাম াবে আমার ছবিকে চুম্বনের নামা সুম্পার্গ নিক্সকারত বে বৈগ্রেপ্টিশ্র ।

স্থিতস্থান্তির কিঞিং নান্ত্র করা বাক্। ছবিতে উত্তন্নাত্তন বোল হি স্টিভিকের। স্থিয়া দেশীর সংখ্য ভালো-ক্রেস বিয়ে হাছাছ। বিরেস পর স্থাকৈ নিয়ে শংকা ভিতে বেড়াতে জালাছন স্থানিভিকে। বিজ্ঞান বাস স্থিতন। স্থানী পালে শ্যা। লিখাতে স্থিতাত স্কুঠাং স্টিভিকেন বি ধ্যানিভিক ব্যুম্ভ উল্লেখন স্থানিভিক ব্যুম্ভ উল্লেখন স্থানিভিক ব্যুম্ভ উল্লেখন।

মন পাড় দ্যাটি টেক কর ব নিন নিতথত আমি হাজির ছিলাম। পরিচলক প্রীসেন উভ্যবাব্র কনে কনে বলে দিলেন, তৌর করে রাখি, ভারপর সেপ্সর আপত্তি করে ফেলে নেব।" দ্যাটি যে সেম পর্যত নিত্র করি হব জন্ম পরিচালক এনে নি খ্যাই।

: 1:

িজা কিন্দ্র লাখেরের বীব কাণ্ডিনে সেলি।
ত্রেণ্ড্রারের সংশ্য দেখা। একলা চুপ ঢাপ
বস্থিতেন। জিজ্ঞাসা করলান, "শৃতিং রেই
ব্রিক্ত?" তর্ণ জানালেন, "গত নামে নার
দ্রানি শৃতিং করেছি।" শৃত্র এতট্কু অবাক
ক্রম না। বাংলা ছবির অথিকাংশ শিক্ষার
ভাতে এখন কাছ নেই। নতুন ছবি থাব
বিল্লা বাংলা কারণ, অনেক ছবি শেষ
কারবিলা হরে পত্রে আছে। হাউসের
কভাবে বিলিজ হতে পারছে না। এমনিভর
শোষ বার থাকা "আনরিলিজত্ব" ছবির
সংখা নাকি প্রায় একশ, তথাটি জানালেন
ব্রেণ্ড্রার। সেই সব ছবির প্রযোজকর।
বিভাবেই নতুন ছবিতে হাত দিতে



জরবিক মুখাজি'র পরিচালনায় "নিশিপ্সম"-র কমে এগিয়ে চলেছে—ছবির একটি দ্লো সবিতী চ্যাটাজি' ৪ উত্তমকুমার ফটো—কেম

শার্মিক না। তর্গকুমানের হাতে এখন
নার্ম হবি মাত তিনটো। তার মাধ্য ইল্পেন্ কোম ক্রোও। তার মাধ্য ইল্পেন কাম ক্রোও। তার্গ সংরক্ষণ স্থাতির একদেন স্থা সাংগালীর। ইল্পে সেন্সর হবি নাকি আসংরক্ষণ হয়েপর। ইল্পেন্সর হবি নাকি আসংরক্ষণ হয়েপর। ইল্পেন্সর হবি নাকি আসংরক্ষণ হয়েপর। ইল্পেন্সর হবি নাকি আসংরক্ষণ হয়ে হবি থেকে বাল দেননি এটাই প্যানরাম প্রমাণ করছে বালা ছবির জগতে এখন আর কোন দলাগলি কেই। কোন মাজরুপকে সে কয়ে। মাজিক হোস তর্গকুলার মাত্যা কর্লেন পরা। বিল্টোড্র নিবাশের গধা হিট্যুকু যা মালার

- বিচক্র

"আমপ্রকাশ" ছবি হচ্ছে

স্কৃতিক গোশাপ্রধানের বহুত্তিত উপনাস "আঅগ্রকাশ" ছবি গজে। দেশ-এর বিশেষ সংখ্যার প্রকাশের সংখ্য সাংগ্র উপনাস্তি পাঠকমতাল সাজা জাগিগ্রেছিল। জানা গোলা, প্রায়োজক বিজ্ঞা তালি পাধ্যায় কাহিনাটির চিত্রাস্বর্ধ কয় করেছেন।

স্থীর প্র

"দ্বাদা নিয়ে"-র পর প্রেণিন্যু প্রতীরবিদ্নাথের "দ্বারীর প্রত্যাজনার এই ছবিতে করছেন। প্রপদীর প্রসোজনার এই ছবিতে নতুন শিলপীদের দেখা যাবে। চিত্রপরিগলনাও চিত্রনাটের রচনার বৃশ্ম দায়িছ প্রাপ্রতীর। বাংলার দ্বাদাশী আন্দোলনের প্রচ্ছিমিতে এক সম্ভ্রান্ড গ্রেখ্র নার্মীর ক্ষম্মান্ত প্রতিষ্ঠার জনা ভাগা ও সংগ্রামের কাছিনী নিরেই "দ্বারীর প্রত"।

"র্পদী" ঘাউটডোরে

গত সংভাবে আউটাটোরে এ আর সি প্রোভ কণনের "র্পুসনীর মুটিং আরক্ত হরেছে। স্বরচিত কাহিনী ও চিনোটা সর্বাহনে ছবিটি পরিচালনা কর্তন আছিত গাংশালি। স্থান রার, মানিত তত্ত, বার্নি ব্যানাজি, রবি ঘোর, অন্তা ঘোর, লাই ব্যানাজি, তপেন চাটাজি, চিনার বার, বাংক্য ঘোর, স্বাহা চোধারী প্রমুখ ছবিব বিশিষ্ট শিক্ষণী। অনিল বংচারী সংগতিপাবচালক।

''দ্বটি মন'' ছবির চিত্রগ্রহণ শ্রু

গত সংভাবে এস এস ফিকসের "বৃটি
নন" গাঁবর শুটিং পাঁব্য বস্তুর পরিচ লনার
আবদত হরেছে। বিনর চাটালির কাহিনীর
ভিত্তিত ছবিনি তৈরি হছে। স্পূর্ণা সের
ছবির প্রয়োজিকা এবং নায়িকা। উত্তর
কুমারকে দেখা বাবে ছৈত ভূমিকায়। প্রথম
বিনের শুটিংয়ে এই বৃহী শিল্পী সহ ছায়া
দেখীত ছিললা।

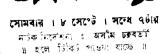
"আমি মন্ত্রী হৰ" রঙমহলের নতুন নাটক

তেনং লে আবার হাসির নাটক "আছি
নতী হকা। শ্রে হাসির নাটকই নর,
বাবেগরও। রচয়িতা। স্নীল চক্রবতী। গ্রন্থ
ত সেপ্টেশ্বর জন্ম প্টমীর দিন নাটক
অভিনয় শ্রে হয়েছে। সর্য দেবী, জহন্ত
রায়, সভা বন্দ্যাপাধায়, হরিধন মুখালি,
অভিত চাটাজি, বামবী নন্দী, নন্দিতা লে,
রয়া ঘোষাল প্রমুখ বিনিষ্ট নিষ্পীয়া
বিভিন্ন চরিত্রের রুপদান করবেন।

পরলোকে এস এস ভাসান

দক্ষিণ ভারতের বিশিণ্ট চিচপ্রযোজক ও স্ট্রাভিত্তর এবং জেমিনি প্রতিষ্ঠাতা শ্রী এস এস ভাসান অংশক ল বেলভোগের পর গত ২৬ আগস্ট পরলোক-প্রান ক্রেন্। ভৌব ব্যস হয়েছিল ৬৬। শী ভাষান বাজাসভার কংগ্রেস সদস্য ছিলেন। "আনন্দ বিকাতন" নামে একটি তামিল সাংতাহিক পৃত্তিকা তিনি সম্পাদনা করতেন। তিনি দটে বছরের জন্য ফিল্ম ফেলেবেশন অব ইণিডয়ার সভাপতি ছিলেন।

মাক্তাঞ্চলে (৪৬-৫২৭৭) চত্মুখ विश्वविशास माहेक्ट ५९७० सस्मिय



(जि. १५६७)

८८६ ट्याल्डेन्बर — ७॥डेस রহাজাতি **স**দন ভারতীয় শিপ্সী পাইসদের প্রীচিতন্য

১০ই সকলে ১ইয়া ডিকেট

बछभी व

550म ७ २५⁷म সেশ্টেঃ সন্ধন ৭টায়

(तत्र क

.9(में स

১০শে ৭টায় ও

तळूत (५१म ^{२६१म मार्ज् ७३}ः

काउँ ब आर्टिज इन नशामिली कारेक नियम कार्य : इसम नार्थिको চেনা মহলের কৌলনো

ित्र ५५७०)



শৌভনিক-এর অভিনয়!!

৬ই/৭ই ॥ আণ্ডিগোন ১১३/১৮३॥ ছर्बि, উপসংহার ও পাতা ঝ'রে যায়

১৩ই ॥ নোনা জল মিঠে মাটি ১৪ই ॥ এবং ইন্দ্রজিৎ **মৃত অসন ॥ ১২**০ শ্লামাপ্রসাদ মুখাজ**ি**

য়োড, কলিকাতা-২৬ ॥ ৪৬-৫২৭৭

(সি ৭২৭৬)



তা ছাড়া, তিনি চলচ্চিত্রজগতের আরও তক্ষিক সংগঠনের নেত্র ক্রেভন। ভারতের চলচ্চিত্রনিয়াভাদের অন্তেম নেতা <u>প্রিচাসামের মাতাসংবাদে কলক ত। ব্যাস্থার</u> ও মানাছের চলজিত্রশিক্ষেপ গ্রাটির শোকের ছায়। কেয়ে আনে। বিভিন্ন সংস্থার ফর্ণাধ রর। স্থেকবার্গী **প্রেরণ** করেন।

গ্রীভাসন ১৯৪১ সনে ছেমিনি স্টাডিও **স্থাপন ফ'বন। জেমিনি চিনুস্থানিবলীয়** খানিত লাভ কাষে "চন্দ্রেখা" ছবির মাধানে। তারপর অনেক হিন্দী চিত্র তিনি উপহার দেন। তার মধ্যে "সংসার", "মিঃ সম্পত", 'নিশান'' "আজান", "ই**নস**িন্যাং", "বহ**ু**ত দিন হায়ে", "শতরমজ" ইত্যাদি উল্লেখ-যোগা। মৃত্যকালে তিনি দ্বী, এক পত্ৰ ও এক কন্যা রেখে যান।

ব্যুমীকি প্রতিভা

অব্যক্ত করে নিয়েছে দক্ষিণীর শিশ্য শিংপারা। এত ২৪ আগস্ট সকালে কল:-মনিদরে তার৷ কবিগারার "ব্ৰহ্মীকি-প্রতিভা" নাত্য-গাঁডিনটোটি ফেরাপ দক্ষতার প্রথা পরিবেশন করলো তার তলনা হয় না। শিক্সীদের বয়স অব বেশী নয়। পাঁচ থেকে পদেরোর মধ্যে। কিন্ত কি নাচে আরু কি গানে তারা উপস্থিত দশকিদের মাণ্ধ করেছে, বিভিন্নত করেছে। শেষ প্রধানত উচ্ছনসিত করতালৈ আদেয়ে করে তাব ছেড়েছে। ক্তি ক্তি মুখ, ছোট ছোট হাত-পা, কিম্তু কি আনক্ষানে আরু কি এক্সপ্রেশনে বড়দের চেয়ে কোন অংশেই ছোট নয় তারা। গনেগালি শিল্পীয়া নিজেরাই গেয়েছে। এমন কি রাগাশ্রমী গানগালিও। এটা বছ স্ত্রু কথা নর।

মঞ্জের উপরে যাদের দেখা গেল ভাদের কে ভাল আর কে মশ্দ আলাদা করা দুষ্কর। তবে নিজির ওজনে বালগীক রোজবি চারেজা আর পেটমোটা দ্সাটি (রুল্র ছে। বেশী প্রশংস। প্রের।

এই **অসাধা**রণ সাজালা ছোটাদেৱ পশ্চ দাপটে বড় খারা আছেন ভালত ধনাবাদের পাত। অমল নাগের সংগ্রাহ পরিচালনা এবং আলো রায়ের ্যা পরিচলেনা প্রশংসনীয়।

30 উপহার্টির 501 TESO 9 গোষ্ঠীকে ধন্যবাদ জান্যচ্ছি। ধন্যবাদ জান:জিত আশিস মাখাজি, মঞালা গাড়-ঠাকরতা এবং শাভ গ্রেঠাকরতাকে। জাতে এই নিবেদনটি ভোলবার নহ।

তরুণ অপেরার ''রাজা রামমোচন' ও ''লেনিন''

তরণ অপেরার "হিউলার" হান্ডিক ইতিমধ্যে জনপ্রিয় হয়ে উঠেছে। এই সংজ্ঞা পরবর্তী দর্গাট নিবেদন "র গ্রে রাজতে কংশ (রচন: : সৌর্বা**ন্দ্রমাহন চটোপ**খালে *ত*ং "লেহিন" (বংলা ঃ শম্ভ ব্লান স্থি নাটকেরই নামভামকার শিল্পী শালি গোপাল। বহীশন্তারতী বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অধ্যাপক ভারর ঘোষ দটি মটকী প্রিচালনা কাবেন। আগেমী এ ফেপ্টেন্ট সংখ্যার মহাজোতি সদলে "রাজা এমধে :২" অভিনয় হয়ে। তার জাগ *ই*িচ[°]ন্ চেধিরেটিক সংবধনা **জ্ঞাপন** করা হতে। ৩৪.৭ অপেরা জ*িনহেছেন গাত* ৩ জানব গাঁহটলার" অভিনয়ের বিরয়ক্ষণ অগ্নাপে শিল্পীদের কলাগে দান করা হবে।

জামসেদপুরে "অজাতক"

জামসেদপানের "ফোসামী" নাটাসংস্থা দিতীয় বধুপতি উপলক্ষে ৭ ৬ ^৬ সেপ্টেম্বর স্থানীয় মিলনী মূপে (বিভিপ্র) দ্যেই দিন্যাপেটি নাটোপেবের আয়েত্ন বল হায়েছে। প্রথম দিন সংস্থার সভাসত। 🕾 কর্তি মের্লির ঘট্টাপাধ্যায়ের কেও্যাক্রীর স্ক'" অভিনীত **হরে।** দিরতীয় দিরে 🐫 কলকারের এন হি ৫০টারপ্রাটেল-এর প্রয়োজন। স্কোতাবকুমার ছেখে ^রাট "অজ্ঞের" **নগুম্থ কর**ছেল। এই কটালের নিবেশিনায় আছেন অশোক গিছ। আমে। মণ্ড ও সংগীতের দায়িত রারভেন ধ্যা*ড*ি স্বর্প মৃথজি, **স্বেশ** দ্ত ও ভা^{স্কর} ফিত। তিনটি মা**ত** চরিংত্রর এই ^{নাইকরে} শিংপী হলেন মহতা চট্টোপাধানে, ^{ছাংক} মিত্র ও নিমা ভৌমিক।

यम, बः म

প্রখ্যাত নাট্যসংস্থা থিয়েটার গিল্ড অ^{চান্} ১৩ সেপ্টেম্বর শনিবার সন্ধায়ে এক^{্ডিমি} অফ ফাইন আটসৈ হলে বিনল করের "यम्बर्भ" মঞ্চথ করবেন। সমীর লাহিড়ী উপন্যাসটির নাটা**রশে দিরেছেন।** অভিন^{্ত্র} যোগ দেবেন গিলেডর শিক্সীগোলিঠ।

वान्वाई वििष्ठा

, ত ছাবিশে আগস্ট সকালে ভারতীয় 5 _{চলচ্চিত্রের} একটি বহু, মোষিত নাম ্জু ছেডে চলে গেল। শ্রী এস এস দ্যান জীবনে প্রায় সব **কিছ**েই বহংভাবে **अर्भा करत**्हा জ কিছামকেৰ ক্রানিকসলেভ প্রচারাপ্রয়তা তাঁর **সহজাত** _{বিলা এ} ছাড়া শ্রীভাসান **ছিলেন প্রচণ্ডভাবে** জ্ঞান লৈ বিশ্বাসী। সৰ কিছাই ডিনি হা হল্য বিধারিত নাম্চা অনুযায়ী y - m এবং সংখিলগুট সকলাক করাত বাধা রত্যের করে ছবি**র কাজ আরম্ভ করাকন** arr ক্ষাৰ শেষ হবে এমন কি কৰে সে ভূত গুতির পারে **এ সনস্ত কিছাই জা**রো ক্তে ভিন্ন করে ফেল্ডেন এবং সেই গ্ৰহণী ভাৰ ভাৰত বিশ্বত সংস্থা প্ৰচাৰ ৪ ল জেলা সের। **শ্রীভাষান একাধারে** ৮০ াক প্রসাজক, **প**রিচালক, **পট্**ডি**ও** : es বল মালিকে বাবসাযের **অনাত্ম** ০০০ ভাগতায় জনায় সৈ কাজ করে গোছন ালাল স্প্র সংখ্যা হাধ্যা বাহনটিত্র ০০০ চাপার **সম্ভাধ স্থাপন করেছেন** খনত, আভাগলকে তিবিশ **ব**হারব**ও** ব্যান্ত আগে শ্লীভাসনে সহযোগী প্রায়েও বিষ্টালের চলচি**ন্ত্র ভারতে প্রবেশ** বালা এ সমায় জীভাসানের সাংবাদিকতার ্রভার প্রায় বাবের বছাবব। দ্বিতীয় মান্ত যে বছর **শার, হয় সেই বছরে** প্রিচ্ছ সংগ্রে শ্রীভাসান প্রবেশ করেন এবং হলত মন্ত্র মধ্যপত্র ভারতে উনিশ 'শ ০০০০ সাল তিনি ভারতের **অন্তম** ^{৩০ স}ৈও 'জেমিনী'র প্রন **করে**ন। ^{৪৯৮} প্রেল্ড <u>প্রথম ছবি (সহযেপ্রে</u>) সংক্ৰিক**ত**্য E 91772 ^{ক্ষতাত} ত্রিটিশ সরকারের কোপানলৈ াঁল মালের আলো থেকে থান্ডত হয়। এই ^{শত ই}ভাষান সম্ভবত সারা জাবিন মনে িটিন। তাই প্রয়োদ জ্ঞানীক মূখ্য করে ^{হা}েক এবং - জোলামের **প্রত্যে চাড়িরে** ^{জোর} পর একটা সা**থকি ছবি ক**রে **গেছেন।** ^{যান্ত্র} ভারতীয় **চলচ্চিত্রে ইতিহাসে** ^{ট্ডস}ের ছবি 'চন্দুলেখা' এক নতুন ^{এদাকের} স্থান্টি করেছে। স্টার ভ্যা**ল, ছিল,** ^{পড়ি, থাক্ৰে}। কিন্তু প্ৰভাকশন ভালেত্ৰ ^{ই প্রমান}গ্রাহ্য হতে পরে এটা শ্রীভাসানই ^{৩২ এ)}শকের চিত্রনিমাতোদের বোঝান। ^{কৈ সম্প্}ত" জাতীয় দাু-একটি ইনটারেণ্টিং ^{িও কল}েছন শ্রীভাসান। কিন্তু মৃত্যুর ্বেলীভসন কি করে 'শতর#'-এর মত [ি] করলেন এটা জ্যাদের **অনেকে**রই ^{গামে নয়।} তব**্ত শ্রীভাসানের মৃত্যুতে** গুটার চলচ্চিত্র এমন একজনকৈ হারালো



"লোনাই দীখি" ফিল্ফ হচ্ছে এবং তাতে বোদবাইয়ের প্রাণ ও জয় মুখাছিল অভিনয় করবেন—প্রাণকে (ভাবনা কাজীব ভূমিকায়) শিল্পট পড়াঞ্চন পরিচালক অসীন বানেজি

থিনি নেতা হারও প্রাছম ছিলেন, চিত্র-বারসামী হারও বিশ্বসামালা ছিলেন, সেপকালাইর হারেও ফিনি নিক্সান্যাহী ছিলেন, অভিভাবক হারেও ফিনি থাতিনক্ষনীর ছিলেন। ভারতীয় চলচ্চিত্র বাবসায় শ্রীভাসানকে সন্ত্রাসে ক্ষরণ করার শ্রার সংগা।

*

হিক্টা চলচ্চিত্তর আকাশ নানা রাশ্ব বংলীন মেন্দ্র সর্বাল মেহলা। বঞ্চকাপরে শাশতারাম, ডোপড়া, রালহাম প্রভৃতি প্রদাশতি চক্তাক চমকদার যোগে আকালের জনেক খনি আৰু । তারই ফাকৈ সাদা কালো মেয়ের উপিকথাকি বেশ আক্রাণীয়ভাবে চোটার প্রভাগের আক্রকারণ। করেবজন ব্যবসাধীও আছকাল ঐ সানা কালো মেখের মাধ চেয়ে বলে আছেন। মাঝে মাঝে এক আর্ঘটি ঐ সাদা কালো মেঘ থেকে অপ্রত্যাশিত সাফলা বৃধিত হকে। অধ্যা মুক্ত 'বালক' নামক একটি ছবি হাদ্ব্যন্ত বন্ধ অফিস-রেক্ডা করেছে। মাণ্ডা সেনের "ভবন সোম" **ভোনস ফিল্ম ফে**স্টিভয়**লে** সম্মানিত হয়েছে। এই সব খবরের সার ধার বাদ্রর বাবসাবিধনেত জগতেও বেশ চাওলা সাদট হয়েছে। **এই চাওলা নতন পথ**কে বতথানি সংগম করবে ত: বলা শন্ত। কারণ "কক্ষ" অন্যপ্রাণিত পথ এবং "এফেন্ট" অন্ত্র্যাণিত পথ এক হয়েও ঠিক এক নয়। কার**ণ 'কজ' অন**্ম্রাণিত পথে প্রভারের পদচারণা আর এফেট অন্প্রাণিত পথে লোভ এবং আশ•কার ঠগের বাস। ভাই বখনই "কম্ন" অনুপ্রাণিত প্রডাই বাবসা

কোরও সাথকি হয় তথানই ভয় হয়। 'ক**ল**ী বালসা সাথকি হাজ্ঞ তার ফ**লে কী সব** ছবির জন্ম হতে পারে সে ধারণা আমাদের আছে। একজন সাথাক সত্যক্তিং রায়ের আহিভাবের পর কডজন অসাথাক অসমর্থা সত্যক্তির জন্ম যাংলা দেশের চলচ্চিত্র জগতেই হয়েছে তার হিসেব আমার পাঠক-দের কাছেও খাব পরিক্রার। সেই জনাই বলছি পরিবর্তন আসছে বালই উংফ্রা হাত পার্বছি না, পরিবতানকে যতক্ষণ প্রিবেশ হন্তম করতে না পারছে ততক্ষণ স্বাস্তর শ্বাস ফেলা অসম্ভব। কম্পিয়া-লিছামের করম্বা আছে, আট্ঘাট আছে, বিশেষ দক্তিভাগা আছে, ভাগো বিশ্ব স আছে। কিন্তু এক্সপেরিমেণ্টাল বা আর্ট ফিল্ম-এর ক্ষেত্রে নিমাতার প্রতায় এবং যোগাতা ছাড়া আর কি আছে? আর এই প্রভার এবং যোগাতা যে উপযাস্ত এর বিচার ছবি তৈত্বির আগেই কে করবে? এটা একটা 5. - 4. 1

সরল শর্মা

"জল বিন মছলী, নৃত্য বিন বিজলী"

অগদী মাস তি শাবতারামের 'জল বিন মহানী নাতা বিন বিজ্ঞানী'-র আনক দৃশ্য গ্রহণ করা হারছে। লক্ষ্যীকারত প্যারেলারের স্বারহচনায় একটি গানের দৃশ্য তার মধ্যে একটি। গানটি নায়িকা সন্ধার মুখে, গেরেছেন লভা মন্গ্রেশকার। ছবির শ্রটিং প্রায় শেষ।

'পাঞ্জনা'ৰ 'কুমারসম্ভৰম্' : একটি ন্তানাটা

श्रष्ठ ह्यावनी अर्जियात जन्धा स कला-মলিকে "পাণ্ডজনা"র উদ্যোগে কালিদাসের ক্ষারসম্ভব অবলম্বনে বচিত নাতানাটোর অস্পোনটি প্রপদী কাব্যের সংগ্য প্রপদী লাডাকলার সাথাক সম্বর্সাধনার একটি রাসোক্তরের দৃশ্টাবত। সুক্তদশসগ সম্বলিত কুমারসম্ভবের প্রথম সাতটি সগই মাত্র কালিদাসের রচনা আর. অনেকেরই অনুমান পরবতী যে অংশে কাতিকেয়ের জন্ম থেকে আরুভ করে তারকাস্বর-নিধন পর্যান্ত বিভিন্ন ঘটনা বিবৃত্ত, তা উত্তরকালের প্রক্ষিণ্ড অংশ। সেদিনকার নাতানাটাও কলিদাসের মূলে অংশকে ভিত্তি করে হরপার তীর মিলনেই সমাণ্ড। কাবাটির ন্তানাটার্পারোপ, সূর-সংযোজনায় ও ন্তাপরিকল্পনায় এবং সমগ্র অন্ফানটির নিদেশিনায় নাটাচার্য শ্রীআনন্দমের সংগভীর



লাইট হাউলে বৰ্ডমান আকৰ্ষণ জ্যাতেগা

রস্বোধ এবং প্রশংসনীয় দক্ষতার পরিচয়

মালত ভরত-নাটানের আঞ্চলক উপস্থাপিত এই নাতানাটো উল্লভ নাক নৈপ্ৰলোর আক্ষণিই ছিল বেশী। দেব কথাকলির ঢঙে কে ধোন্দীত শিহের ভাল্ফে ন্ত্যের দ্বেশ্ত ছাল নরেশকুমারের প্রতিরি পদক্ষেপে আরু সঃনিয়ণিতত অংগ-সঞ্জাল বে তরণা ছড়িরে দিয়েছিল কিংবা মদনের ভামকার কেলা নায়াবের আশ্চর্য প্রয়েত্ত কথাক লির ন টারসালিত কাজ এবং ভাবাভিব্যক্তি যে রস স্থিট করেছে, তুর উপ স্থিত রস্ত্র দর্শক্ম ডলী আনক্ষিত্র মনে রাথবেন। রতির ছামকাটিও সোল্ফ. **মণ্ডিত ও প্রাণব**শ্ভ করে তলেছেন হল্প গ্রহ। অবশা কেলা নয়ারের সালে যাত্র-নাজ্যে ভাকে যেন কিছাটা পরিপ্রাণ্ড খন হতেছে। পার্ব**তী**রাপিণী ইকুনী বাং চৌ**ধারী দশকিদে**র নিংসদেশে পরিভার করেছেন এবং পশুমুখীতে পতিও বিভিন্ন ভালে ও ছালে তার মাভাপরিবেশনায় একটি নত্ন **ছদেনস্পদে**ও স্তেঠ্য ও সক্রে প্রয়ে গেরে পরিচয় ছিল। এই অংশের প্রার্মিভক শেলাকটি যদিও স্কুদর পরিবেশ ঘটনা করেছিল কিন্ত ক্ষিতি, অপ প্রভৃতি পাণতোতিক প্রকৃতির লোডনটি মৃত-পরিবেশনায় খাব স্পণ্ট আকার নিয়েছে বল হয়ে হল না।

ভূম রসভ্যব-এর নাতারগকে সাথাক হার তোলার বালোরে আবহুসগগীরের ভূমিকটি িশেষ উল্লেখয়ে গা। একদিকে ফেন শিবরপ্রনী, ভূপালী, বাহার, নালকেই হেমাত প্রভৃতি রাগাগ্রহী স্বারের স্পান একটি মনোক্তা পরিবেশ গড়ে উঠিছিল, আর এক দকে আবহু যথেত্র স্থান স্থাতে প্রতিটি নাতা্তা স্পান্দিত হয়ে উঠেছে। এ স্থানে দক্ষিণী নাতাকলার উত্তর-ভারতীয় রাল-প্রয়োগে যে অভিনবস্থ ছিল, তাও প্রথান উল্লোখর দাবি রাখে।

পশ্চাংগট এবং মূল মাঞ্চ আলোর থাই ভাল ভয়ে শিবের আসমটি একট্ন সুমন্তিত হতে পায়ত।

আনন্দবর্ধন

আলেয়ার আলো

মণ্ডাল চরবভাঁ পরিচালিত "বালেরর আলে,"-র শুটিং প্রায় শেব। সোমি চাটালি, সাবিধী চাটালি, অন্পর্মার সংধারানী, কালী বানাজি, মল, দে, ভার বানালি, শেখর চাটালি, ফোংসা ফিব্য এবং রাধামোহন ভট্টার্য ছবির বিভিন্ন প্রধান চরিতের শিক্ষী। সংগীত পরিচলনাঃ দারিছ গোপেন মলিকের।

জ্ঞ ক্রব রু ে সেপ্টেম্বর জ্ঞভার জিং!

ভারতীয় লোগিয়ে এই প্রথম সমানের **অতল জলের রঙিন দ্যা—!** প্রতিটি মাহাত্তি রংসা ও রোমা**তে ভরা—** অনিম ব্রিং ২-৯-৬৯ তারিখ আর**ম্ভ হইবে**



(म।माइँ हि - एक स - सूतलाइँ है - फर्भवा

প্রিয়া - ভারতী (স্বর্গনি ভাগনির্মান্ত বিদাসবহার গ্রেকাগ্ত্)

ছানা - জলকা - নারামণী - রিজেন্ট - অফল্ডা - বৈশন্তী - জন্মী - জননী নাটা লিনেনা - দশিপক - জন্মতী - দশ্লা - অমপ্শা (ব্যান্ডেল) - কেবদ্ভ (পিলিম্নিড্) বিহার (ব্যাস্থায়) - এলজিনস্টোন (প্যটনা) *

INT

নী ফক





















ভারতের উপরাষ্ট্রপতি নির্বাচন এই সম্ভাহের বিশেষভাবে উল্লেখযোগা ঘটনা। কংগ্রেসপ্র থা জিগোপালফবর্শ পাঠক ভারতের উপরাধ্যপতি পাদ নির্বাচিত হয়েছেন। জ্রীপাঠক তরি নিকটতম প্রতিদ্বাদ্ধী শ্রীজে শিব সম্মাধ্য পিলাইকে ২০১ ভোটের বাবধানে প্রাক্তিত

ন্দ্রেন। প্রীপিন্ধাইকে সমর্থন করেন ডি এম কে, ক মি উ নি স ট ও অন্যান্য বামপৃশ্বী দলগুলি। নির্বাচনে মোট ৭২৫টি বৈধ-ভোট পড়ে। তার মধ্যে প্রীপ ঠক পেরেছেন ৪০০ ভোট। পিল্লাই পেরেছেন ১৬৯ ভোট। পি এস পি এবং বি কে ডি স ম থি ত ভুতীয় প্রার্থী এইচ ডি কামথে পেরেছেন ১৫৬ ভোট। অনা তিনজন প্রার্থী কেন ভোট পান নি। রিটারনিং অফিসার ভোটপর্ব শেষ হওরার ২ ঘণ্টার মধ্যে ভেটের ফলাফল ঘোষণা করেন। প্রীপাঠক স্বচেরে বেশী বরুসে উপরাত্রপতি নির্বাচিত হলেন। এখন তার বরুস ৭৩ বংসর। গ্রীগিরি উপরাত্রপতি নির্বাচিত হলেন। এখন তার



বছর বয়াস। শ্রীজি এস পাঠক আজ উপরাজ্ঞপতির কার্যভার গ্রহণ করেন। রাজ্ঞপাত ভগনৈর আশোক হলে রাজ্ঞপতি শ্রীগারি শ্রীপাঠককে মন্ত্রগণিতর শপথ পাঠ করান।

क्रमी मरवाम

হ& আগস্ট—বাংগালেরে কংগ্রেসের বে সংকট দেখা দিয়েছিল, তা কেটে গিয়েছে, ওয়ারকিং কমিটিতে মিটমাট হারছে:—প্রধাননদাী ও তার দুই সহক্মীরি বির্দেধ কোন ববেশ্যা নেওয় হবে না। ফলে দলতাগা বা পদতাগা কিছুই ঘটছে না। এই বাপেরে সর্বসম্মত এক প্রস্তাবে দলের সংহতির জনা, দলের নীতি রুপায়পের জনা, রাজনৈতিক ও অথানৈতিক জেগ্রে দলের নতুন বলে বলীয়ান করে তেলের জন্য কংগ্রেসক্মীদের ভাক দেওরা হারছেছে। স্বতল্য ও জনসংখ্যা সংগ্রে

২৬ জাগসট কংগ্রেস সংসদীয় দলে শ্রীমতী ইন্দির। গাঁধারি বির্দেধ একটি গোণ্টী গড়ে তোলার জন্য কটুরপদ্ধীদের চেন্টা বাধা হয়েছে। ৬ই গোন্টী গড়ে তোলার প্রদতাব প্রবীণ নেতাদের মন্যুপ্ত হয়নি। অধ্য উদ্যোজার। তাদের প্রতিপোষকতা লাভ করতে চেয়েছিলেন।

উত্তর প্রদেশ বিধানসভায় বিরোধী পক্ষ সোমবার হঠাং হোটের দাবি জানালে সরকারের পতন ঘটতে পারে—এ আশুংকার স্পীকার নাকি সে-দাবি নাকচ করে দেন। তারই ক্সের হিস বে আজা বিধানসভার তুলকালায় কাণ্ড ঘটে। বিরোধী সদস্যরা সভার কাঞ্চ চলানো অসাভব করে তুললো শতাধিক এম এল এ-কে অপসারণের জনা প্রনিস ও সশক্ষ কনসটেবল বাহিনীর লোক ভাকতে হয়।

হ্

 জাগসই—বা।
ক র জাগীয়করণের
বিরোধীদের দিকে সতকা দাণ্টি র ঝার জন্ম
প্রধানমন্ত্রী দেশবাসীর প্রতি আহরান জানিয়েছেন। ইন্দিরাজী তার বাসভবনের সম্প্রে
এক বিরাট জনসমাবেশে আজ বলেন, "বারা বা।
কর্মানীয়করণের বিরোধিত। করেছিলেন তাঁদের
কন্মের কোন পরিবর্তনি হয়নি। বতামান
পরিম্পিতিকে ওারা যে মেনে নিয়েছেন সেটা
দেহাতই একটা চাল মারা। এখন ওারা আছেন
প্রোণের প্রতিজ্ঞার, স্বিধ। পোলাই সব বিছা
বানচাল করে দেওয়ার চেটা করবেন।"

একদিনে মালদহের আরও ২৫ বর্গনাইল এলাবার বনার জল প্রবলবেগে চাকে পড়ে। বহা প্রাম জলমনন। কালিয়াচক থোক থেজেবিয়াবাট জাতীর সঞ্চকের উপর মাথা সমান জল। রুদ্রায় বানবাহন চলাচল সম্পূর্ণ বিপ্যাস্ত।



২৮ জাসাস্ট—কেন্দ্রীয় মন্তিস্কা আজ বিজ্ঞানের ব্যবস প্রতিষ্ঠানগালির বির্দেশ আনতি অভিযোগসমূহ সম্পুকে তদনেতর জনা একটি কমিশন গঠনের সিম্পুন্ত নিরেছেন। দত্ত কমিটির স্পারিশের ভিত্তিতে মন্তিসভার এই সিম্পুন্ত। জানা গেল প্রস্তাবিত কমিশন হবে ভিভিন্নন বোস কমিশনের জনারংগ। ভিভিন্নন বোস কমিশনের জনারংগ। ভিভিন্নন বোস কমিশনের জনারংগ। ভালিমিয়ানজৈন গোষ্ঠীর বির্দ্ধে আনীত দ্রোতি সম্পুক্তি। দ্যোসের মধ্যেই কমিশন রিপ্রেট পেশ কর্বেন বলে আশা করা যাছে। শ্লিস্মব্যেগ পরিবার পিছা ভিন্ন একর প্রযাত

সা-সমর্থনা সারবার সেছ । তন একর স্বর্ণ ও জমি বাজনা-মূল্ল করার বাবস্থা পাকা হল। এর ফাল প্রায় বাট লক্ষ পরিবারকে কোন খাজনা নিতে হবে না। আজ বিধানসভাষ সংশিক্ষণ বিস্তুতি সর্বসম্মতিক্ষম গ্রেটিঅ হয়।

২৯ জাগসট—বড় বড় শিলপাগাণ্ডীর চ্ 9বিচ্ তি, অন্তিত কাজ এবং ভূলজানিত তদগত
করার জনা কেন্দ্রীয় সরকার ১৯৫২ সালের
তদনত আইন অন্তারী একটি ক্মিশন গঠনের
সিধানত করেছেন বলে শিলপ উলায়ন ও
কোপানী বিষয়ক মন্দ্রী শ্রীফকর্নিশন আলী
আমেদ আজ র জসভার ঘোষণা করেন।

চের্জালেমের আল্আক্সা মসজিদে অনি-সংবাগের প্রতিবাদে আজ প্রিচমবংশার ম্সলমান সম্প্রদার হরতাল পালন করেন। বিকালে কলকাতার শহীদ মিনারের নিচে লকাধিক ম্সলমান এক প্রতিবাদ-সভার মিলিত হরে মসজিদ অপ্রিত্ত করার ঘটনার প্রতি ভীর ধিলার জানান।

eo আগদই—কেন্দ্রীর সরকার নিব্রভ বিশেষজ্ঞ কমিটি কলকাতা ডকের ৪০ থেকে ৬০ বছর বয়স পর্যাত প্রমিকদের দেবচ্ছার অবসর গ্রহণের জন্ম স্পোরিশ করেছেন। এই পরি-কল্পনা অন্যায়ী ৮ হাজারের কিছু বেশী ডক প্রমিক দেবছার অবসর প্রবেশে সুবোগ পাবেন। ওই ৮ হাজার নিজে কলকাতা তকের প্রতিক সংখ্যা ১৮ হাজার। কোন প্রতিক্রক অবদ্য ছটিটেই করা হবে না।

আজ পৃষ্ঠিমবংশার ব্যায়ন্ত্রশাসন মন্ত্রী প্রীসোমনাথ লাহিড়ী বেণ্গল চেমবার অফ ক্মারস ও বেণাল নাাশনাল চেমবার অফ ক্মারসের প্রতিনিধিদের জানান, বংগীয় গৌর (সংশোধিত) আইন অনুবায়ী বার্ষিক তিনলক্ষ টাকা ম্লোর শিক্স সম্পদের উপর যে বধিত কর চালা হয়েছে তা পরিবর্তম করা হবে না।

৩১ জাগ্যই—গত ৩১ জালাই বিধানসভা ভবনে প্রিলমী হামলা সংপ্রেই বৃদ্যুত্ত জনা গঠিত আর গাশত কমিটি তার দীঘ বিপেন্ত এপালাসর আই জি এবং প্রেসিয়েনসি বিভাগের ডি আই জিব কার্যকল্পপার কঠের সমাজ্যেতা করেন। এ ছাডা গোলাকা বিভাগের ডি আই কিয়া করেন বৃদ্ধিত বিশেষভবে উল্লেখা করা ভাগেতা।

ঢ়া শিক্ষেপ ধর্মাঘট নিয়ে তিপান্ধিক ঠৈঠক আজ সকালে বার্ধাতায় পর্যাবিদ্যাল রয়েছে। প্রয়েমক্রী শ্রীকাশপদ ঘোষ সাংবাদিকদের বালন, ঠৈঠাকের অনগতির সাংগা সাংগা মানিকপক এত-পা এগিয়ের না এলে এক-পা পিলিয়ে গোলোন। ভাব মীমাংসার জন্য তিনি তবি চেন্টা চালিয়ে বাবেন।

वारुशर निश्चरती

২৫ আগস্ট — ওয়া লংটন পোনাই পানার বলা বাশাল, গলকোশচাবীবা চাঁদ খাকে বা ববল পথেনকচি কৃড়িয়ে এনেছেন বাসায়নিক বিদ্যালয় সোণানির বাদে ৪৫০ কোটি বহরের কাহাকটি বাল ধনা পানাছ।

২৭ জ্ঞান্তার সাভিত্রের ক্রেড্র ইউনিয়ানর মাধ্যকর নির্টারেনারনারা গোচ্চনিয়ার এক প্রাথের দারি করা রক্ষেত্র হা ১৯৫৫ থেকে ১৯৬৫ সাল পর্যাবহু দীয়ে আভার কোটারও গোলী ব্যাবহুক নিজিক করা হারছে। সংবদ্ধ সংক্রা তে সা এই নির্দার্থনির উল্লেখ করেছেন।

২৮ আগস্ট-তার কমিউনিসট পার্টির নেতা গাস্তান তাসাক আজ সর্বোচ্চ সোভিয়েই ও চেক সম্মানে ভবিত হারেছেন। মাত এক স্থতত আগে তিনি ওরারস চুবিভাই দেশগানিব চোকাদ্যাভাকিরা আক্রমণের বার্ষিকীতে শাংগাদ্যাভাকির।

২৯ আগস্ট তাংকং এ প্রাণ্ড সংবাদে জানা গিরেছে, সোভিরেট ইউনিয়নের সংগ্র খ্যেথর আগণকার চীত জনসাধারণকে সংহত করছে। সম্ভাবা বিয়ান আজ্ঞাপের আগণকার করেছানা গালিকে ম্থানাতেরিত করছে, খাদা হছাদ করছে এবং সীনাশত অঞ্চলে প্রচুর সেনা গাঁটছে।

অসমত জাপানের ব্যক্তগানির সংগ্রহ

হার ট্র শতাংল বাড়িরে ৬ট্ট করা হরেছে।

মালাম্পীতি রোল করার উন্দেশ্যে সত্রভানানক

বাক্ষা হিসাবে স্বলের হার বাড়ানো

বলে মণ্ডবা করা হ্রেছে।

বলে মণ্ডবা করা হ্রেছে।

es আগেনট সিরিয়া সরকার আনাছেন,
আরৰ ক্ষানভোরা গত শাক্তবার যাতীবাহী যে
বিমানটি জোর করে এখারা এনেছিলেন তর
বাচীনের করে। ৪ জন ইভারারেলী মহিলাকে
হৈছে বেওয়া হছে।

भूजात न्छन वहे ॥ 424 8 ENTINE SEINE নির্মান কবির সঙ্গে যুরেরাপে ৭৫ আট প্রেট সহ মহলানবিশেষ কবির সঙ্গে যুরেরাপে বিপ্ল বই त्नका, त्रुम्तरी त्नका ৰস্ব **इ**भनग**न** त्रिक्ती 8, क्लारक शिनश्रन 811 र्शननात्रायम् स्वाप्तिक स् मक्रमारतम निक्यात ताम 811 214 रेगालमकूमात्र भग्गाभाशास्त्रत्र शक्तिकीत গ্যান্ধীজীর দর্শিটতে कवामी अजाम **टटो भा**शास्त्रत वाश्मा ७ बाझानी ६. १ विक्रम ১ম খণ্ড--৬ গান্ধী রচনাসম্ভার গান্ধীর हडाउँद्वत गण्ल न्यधनाथ स्थास्त्र দ্ৰেলতা রাও-র नीना मक्त्यमात्त्रव किरमात अञ्चाववो ८, **(নগোর বই 8.** নুত্বভুর গণ্প ৩, श्रावणी ७, विक्रीमधा ७, नीहात्रतक्षन ग्रिश्र जननीम्ह्रनाथ ठाकुरवड जान्द्रकाव भ्रदेषाभागारमञ् श्राक्षणमञ्जात मिरहत আমি কান পেতে রই ১৪, न्बब्र:ब्रंडा ५, ब्रोक्तिव फ्लन्या ४, घटन हिन जाया ७, नगब भारत ज्ञानगत ১৮, नीवरहण्ड क्रीयाबीत व्यक्तिसम्बाद रमगगुरश्व रगोबाका भविष्य ५०. बाज्याणी जीवटन ब्रम्भी ५०. লৈয়দ মূজভবা আলীর श्रावायकुमात्र मानगारमञ्

. अक हामह शभ्या ८,

न्यामा हत्रन

नों हिं,

কলিকাতা - ১২

बाका डेकीब ४,

त्वाव

50,

মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভঙয়ার্ডস'এর বাণী

one that make the second the second s

वाशवाद वाकारक मुद्र वाद मुशी दार्थ

উডওয়ার্ডস্

ঞাইপ ওয়াটার

বংশাস্থ্র মিকভাবে বৃদ্ধিমতী মায়ের। উভওয়ার্ডস গ্রাইপ ওয়াটার দিয়েছেন নিজের ছেলেমেয়েদের। ্রিটবাধা, অমতা, পেট কাপ্য আর দাত ওঠার কটে উভওয়ার্ডস মুহুরেই আরাম দেয়।



নিরাপদ থাকুন '(ইনিভিত্ত থাকুন স্বসময় এক্সিন্টি কাছে রাধুন উত্তরার্ভন প্রাইপ ওয়াটার শতাধিক বছর ধ'বে বৃদ্ধিতী মাধের। ব্যবহার করতেন

AT. 10 BM



বিষয়	লেখক		প,ষ্ঠা
নতুন উপরাণ্যপতি—			
ৰঞ্জেচিত্ৰ—			- 609
			- ५०४
म् गान्य — श्रीनवात्र ग्रम्			- ৬৩৯
ब्लमभौति भःवामकावा-			- 685
বৈদেশিকী—দেবরাজ		1.50	- 685
भूनम्मन जार्नाल-			- 680
म् जूरत रबाका-शित्मयम म्रूटा	ফা সিরাজ		- 686
यम् द्वतः मिक्रि-मन्द्रतम			- ৬৫৫
পণ্ড ক্র—ডঃ সৈয়দ ম্জতবা	আলী ়		- ৬৫৯

ब्राज्यानी श्रम्थ्याना

र्वाञ्क्य स्ट्राव**ली** প্রীবোগেশচন্দ্র বাসল সম্পাদিত। প্রথম থণ্ডে সমগ্র উপনাস (মোট ১৪টি)—টা, ১২-৫০। বিতীয় খণ্ডে উপনাস বাতীত সমগ্র সাহিত্য-অংশ—টা, ১৭-৫০। তৃতীয় বণ্ডে সমগ্র ইংরেজি অংশ একতে—টা, ১৫-০০।

बिटका<u>न्स</u> बठनाव**ण**ी ডা 'ন্থীম্পুনাথ রার সম্পাদিত। দুই খণ্ডে সমগ্র রচনা। প্রথম খণ্ডে (এটি নাউক, এটি প্রহুসন, প্রটি কবিতা ও গানের হাম্ম ও ২টি গ্রান্ত্রনা)—টা ১২-৫০। দ্বিতীর গণ্ডে (৮টি নাটক, এটি প্রহুসন, প্রটি কবিতা) রুম্ম, ২টি গদান্ত্রচনা ও ইংরেজি কবিতা)—টা ১৫-০০।

मध्न्य कानावनी

ন্তঃ ক্ষেত্র সাংস্কালিক। একটি বল্কে ইংরেজি-সন্থ সমগ্র রচন্য (৪টি কাবাগ্রন্থ, ২টি কবিতাবলীর স্থল্ম, ৭টি নাটক ও প্রথসন, ৮টি ইংরেজি রচনা)—টা, ১৫-০০।

मीनवक्षर ब्राज्यान তঃ কেল গতে সম্পাদিত। একটি থাতে সমগ্র বচনা (৮টি নাটক ও প্রহসন, ২টি গ্রহণ উপন্যাস, ০টি করে। ও কবিতা ফ্রম্ম)—টা ১০০০।

देवक्य इडमावली

সাহিত্যরত শ্রীহরেক্ত সংখালায়ার সম্পাদিত ও সংকলিত প্রার চার হাজার পদের জাজার প্রথা—টা, ২৫-০০ঃ প্রতি বচনাবজীতে জীবনী

প্ৰতি ৰচনাবলীতে জীবনী ও বাহিত্য-সাৰ্থনা ভালোচিত

नाहिका नश्नम

৩২এ আচাৰ প্রফলেন্স রোড ঃ কলিকাতা ৯

ন্তন সংগ ন্তনতর পটভূমিতে আর এবটি পূর্ব প্রকাশিত হল জীন্বোধকুমার ভক্তবভূমিত

রম্যাণিবীক্ষ্য

কণ্টে পৰ ১০০০ (উপন্যাস-ব্যাসক ক্ষম-ক্ষিত্ৰী)

উভরে বেমন হিমালর, তেমনি পঞ্জিলে নীক্তিত্বি - পাচাডের বানী ইটাবাহণ কুন্র ও কোটাগির। ক্রাট লবের ৰবনিকা উঠেছে এই নীলগিছি পাছতে **৷** সেবান থেকে পাৰ্যছা পৰে বিভিন্ন সম্পন্নে পূৰ্ব মহিসুর রাজা। একদিকে সোরনাথ-পরে বেলনে হালেষিভ ও প্রবন্ধেল-গোলার ভারতীর স্থাগতাকলার দ্রেও निवर्णन, अन्तिवर्ण बाजाबरम् बहुराव किष्किकाः, विकासमध्यस्य धरुरम्बद्दम्य 👁 টিশ্যে জীরসপ্তন। আয়তিক সৌলবের অকির জোয় কল্স বিবসমূহের 📽 दानगदनक क्या जाकवागीत सह। किन्छू श्रवानत रमय अध्याद्य नवा वावानिक राज्यसम्बद्ध के सामन राजन राज्यसमी शास्त्राचान शरा चनत्र न नृश्यानित्र हेर्लामा क सामन्याम तहे भूतिम रमय।

> এ হাড়া আমন্ত্রা আরো ১২টি পর্য প্রকাশ করেছি।

गरि ग्**छन अकार्यन**

वाश्वाय विश्वववाम

नारनाविक हरूथं मल्बजन-स्का ১०-००

बीनानगीकरनात नार अमीठ

वाश्वा मश्त्री एवं क्रथ

rive.

সংক্ৰাৰ ৰাৰ প্ৰণীত

খ্যাতি याँ एतत

्र**७१९ (जाएं।** १.४०

निर्माणन्य, बाबदगेयाती शर्गाक

ভারতের শিপ্প ও

वाबाद क्या ३०.००

शिकदव न्ह्रकृत्वास शरण्या नावराक (व. ति. शास्त्री) समीक

क मानाकी करान्छ त्कार शार किश २ विष्का कार्णकी क्षेत्रि, क्लिकाटा ১२



ছলের সময় শারার ওজন ছিল খুবই কম। জন্ত এক বেবি-ফুড ছাড়িয়ে ওকে আম্লজ্যে বাওয়ানো গুকু হয়।



আগনার বাজা প্রথম বছরেই সবচেরে ভাড়াভাড়ি বেড়ে ওঠে। এই সমরের মধ্যে ওর অবের ওজনটা ভিনপ্তণ বেড়ে বাওরা উটিছ। আয়্রুল্প্রে'তে বে বাড়তি প্রোট্টন আহে ডা' আগনার বাজার পরীর ক্রত পূট করে, ভুমবে। আয়ুরুল্প্রে ভৈরী হচ্ছে উনত্যরণের প্রে-ড্রাইং প্রভাতে। বাকিন ব্রুল্গট্টে সরক বেজি-ছুড তৈরীতে এবন এই প্রভিত্ত ব্যবহার করা হচ্ছে। প্রে-ড্রাইং প্রভিত্তি অপেলাক্ত অর ভাগে হুটা শুবিরে নেওরা হবে। আরম্ভাতের। আর্টনের ক্রপ সংস্কৃতি বাক্রে আরম্ভ ভালতারে। আর্টনের ক্রপ সংস্কৃতি বাকরে আরম্ভ ভালতারে। আর্টনের ক্রপ ভাল এক স্থাম বাবার। এটেড আর্টে ভিটামিন, ক্যার্কোহাইড্রেট, ধনিজ্ঞাহার্ত্তিক

এক কথার ক্রড ক্রছ সবল হরে বেকে উঠতে আগনার বাজার বা-বা গরকার দবই আছে আয়ুল্পোতে । হাজার হাজার বারেরা উালের বাজাদের জন্মের একেথারে এথেন নপ্রাই থেকেই সুক্ষের-চুধের বিকর হিসাবে বা এক নবিশ্রক বালার হিনাবে আয়ুল্পে থাওরাজ্যে। আর ভাই-বাজারে বেলবার নার ছ বছরের ইথ্যেই ভারতের বেনি-সুভগ্রনার লথ্যে আয়ুল্প্যে-ই বিক্তী ব্যক্তে লগচেত্র বেলি।

क्षाक्ष्य अक स्थापकोड विकस

in turing



বিষয়	লেখক	•	•খে
পারাপার—শ্রীশীর্ষেক্দ্	ম,খোপাধ্যার		৬৬১
ৰাংলার চালচিয়—শ্রীআ	म्ल अन्यात	• • • •	৬৬৯
রে স্নের চিঠি বির্মা		• .	७9७
জীবন যে-রকম—শ্রীস্ন			৬৭৯
বিশ্ববিজ্ঞান—শ্ৰীসমর্রজ		•	643
यार्थिक ভाइত-शीम्द्र	ত গৰ্প্ত	· 5	649
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী—চিত্ৰপ্ৰিয়	ing dia kacamatan dia kacam Kacamatan dia kacamatan di		৬১৩
ডার্মেরির ছে'ড়া পাতা —	ফাদার দ্যতিয়েন	• •	৬৯৫
ঘরে বাইরে—শ্রীমতী	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		905

नज़न नाएक 🍙 नज़न नाएक 🐟 नकुन नाहेक 🍙 नकुन नाहेक সজন কাত কেলাপাধার সম্পাদিত ডঃ অজিতকুমার ঘোষ ভূমিকা

সতেরোজন জনপ্রিয় নাট্যকারের সতেরোটি বিখ্যাত একাংক নাটক যানের নাটক এতে আছে 🍨 অমর গ্রাপোপাধ্যায় 🍍 অনুনা সর্বাধিকারী 🝍 জাগ্রন্ত তিরণ মৈত্র 🛧 জ্যোতু বন্ধেয়াপালার 🛧 দিলীপ বস্ত্রক 🌂 পার্ছাতির ভৌধরতী 🌴 বিমল্ কর মনোক মিল্ল 🕈 মোহিত চট্টোপাধার 🔻 মার্টু গালোপাধার 🍍 রবীন্দ্র ভট্টচার্য 🍍 রামন লাহিড়ী * সমর মুখোপাধ্যে * স্নীত মুখোপাধ্যর * সৌমেন চট্টোপাধ্যর * সজনী-কান্ত কাম্প্রাপ্রধার। মূল্য ৪ দশ টাকা

অমর গভেগাপাধ্যায়ের নাটক अक्षकार्त्रत्र आक्रमा

শ্র্ণাঙ্গ সামাজিক। দুটি নারী। ৩-৫০

শেয়া • রবীন্দ্র ভট্টাচার্য সোরীন্দ্র ভট্টাচার্য • কোথায় আলো

দাণি নৰেবিনিয়াভি প্রেম্বারভাণত একাংক गोनः। अकार स्मा ७.०० 🗎

তানপোন্দাম্ই এর নাটক न्द्रभ्न अजीहिका

বলিক্ট প্ৰাঙ্গ। একটি নারী। ৩ ০০

स्त्रोट्यन हट्याभाषाद्यंत नाउँक নাগপাশ

अविधि मात्री। क्वारेम भागावा। व-००

দিলীপ ভট্টাচার্যের নাটক कारणा रमग्राण • निगरधा .गाँउ भारम्कारधाण्ड नार्<mark>दायक्रिक अकारक</mark> *श*ोदे ।े अक**रत म्हा** ७-००

মণ্ট্র গণেগাপাধ্যায়ের নাটক ৰাচতে চাই নার বিজিতি সিরিয়াস প্রাজ। ৩.০০

भरित**्वभक** ! **मन श्रम्थ कृति**त ৫৪/৫এ, কলেজ গাঁটি, কলকাতা ১২

ভারাশকর ব্রেশ্যপাপার ছায়াপথ . 20.00 অল্লদাশক্ষর বাষ তম্ভাৰ জল ... जाहें 8.00 রমাপদ চৌধারী ভারতবয बन्यामा ग्रहम .00 এখনহ F-00 ্ৰ**সভাৰ ম**ুখোপাধাৰে नात्रपत **जार्या** ब 0.40 मिश्रा गर कार्ट्य नः मात्र व.00 कारणब अन्यद्वीन আশ্বতোর ম্থোপাধার बारमान विकाना 8.60 नहीं सुनाश वर्गानाशास थानम **८७३व**ी ०.४० অপরিচিতের নাম 8.40 দীপক চৌধারী रघना ७ 4.00 গোরীশব্দর ভট্টাচার্য মহাকাৰ্যের প্রভুল F-00 क वाजन्य দেহদিকপী .00 প্ৰাণতোষ ঘটক তিনপ্রে 25.00 मना धकामिल 6.00 বনাফ্র गाभागस्यतं म्बन्न 6.00° नातात्रन गट्याभाषात्र চীপার গুম্ম 0.40 क्याणितम् नम्मी বসনত রঙ্গীন... 0.40

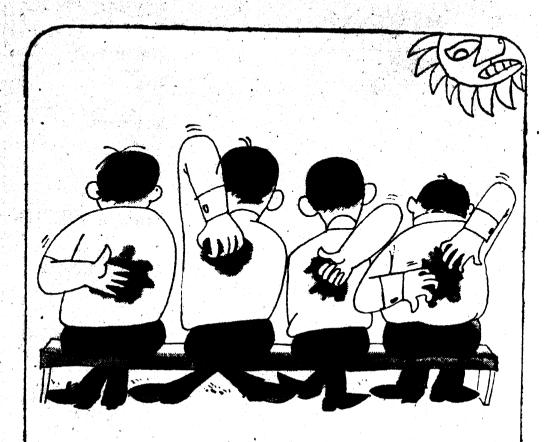
আশাপুৰা দেবী

फि अभ नारेखनी

৪২ বিধান সরণী, কলিকাতা-৬

6.40

অনুৰগ্য িঠছা



व्यणि वष्टरतत सामा

बवः (कमत क'रत ठा कूर्णाठ इह

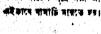


ৰাষ্টি। 🕸 বিন্ধী গোটা গোটা बर्चम, प्रवादकारक प्रवादकारक रुप्तान । अनगमन् जिक्ति शीर नाबान এवः खिक्ति शीर्ड পাউভার ভাড়াস্তাড়ি বাষাটি সারিছে লেছ। त्व. वेयविष्कं अनुसनम् जिक्ति ही है सावान বিলে যান কলন। ততে বোৰসূপের জালার व्यक्तिय त्रम, मध्यामन त्याच करकः



ভারপরে পা ভাকিবে নিচর ভাতে গ্ৰিকলি গাঁও পাউডাৰ

लकार्व कारक । मृद्ध-मृद्ध कात्राम त्यम



জনসনস্ প্রিকলি হাট প্রোডাই, স্





বিষয়	লেখক		প,ষ্ঠা
	1 1	1 * 1 Z	
बालाहना—			906
সাহিত্য সংবাদ—সনাতন	পাঠক	•	१५०
প্ৰতক পরিচয়—		•	१५७
খেলার মাঠে—একলবা		-	959
बार्फाभण्डेत्व बाहेनकान्	ন—মৃকুল		920
खंद्रभारमंब		•	१२२
রজজগং—		•	१२०
শাপ্তাহিক সংবাদ —			१२४

প্रচ্ছদ : शैवामानन्य वर्म्माभाशात

পৃথিবীর সংগ্রামী জনগণের মধ্যে চে বেচে থাকবেন।
আব্যোৎসর্গে প্রস্তৃত ভিরেতনামের ম্বিরেম্পাদের মধ্যে, কপ্যার
ম্বিকামী মান্বের মাঝে, আন্দিজ পার্বত্য গ্রামাণ্ডলে, পানামার
ক্যানাল জোনে ও হাইতীর তুলোর খামারে চে বেচে থাকবেন।
নিগ্রো অধ্যাধিত হালেমি-এ, র্নিভারসিটির ছাচছারীদের মধ্যে
আছেন চে। থান অণ্ডলের অন্ধকার ভূমিগ্রেভে মেহনতী মান্বের
তিনি প্রেরণা। চে বেচে থাকবেন তার অভুলনীর রচনার

বলিভিয়া মারান সেন ১২০০ তৃতীয় মূদুণ প্রকাশিত হল

মধ্যে। অতিশয় প্রিয়দর্শন, ততোধিক নিজ্কল্য জীবন, আদর্শে অবিচল, অকল্পনীয় সাহস ও দ্বর্দমনীয় সহাশারের এক অতুলন ব্যক্তিসন্তা। হাজার হাজার মাইলব্যাপী লাতিন আমেরিকার ব্বকে, আন্দিজ পর্বত্যালার শিখরে শিখরে ও ক্যারাবিয়ানের শানত জলরাশিতে এই অশান্ত বিদ্যোহীর পদধনি কানে বাজে। সিয়েরার জ্ঞালাকীর্ণ নিজনি পথে চে-র নিষ্ঠ্র হাঁপানোর তপ্তশ্বাস ধর্নিত ও প্রতিধর্নিত হয়ে ফেরে।

জান কথারা প্রকাশন ॥ ৮ শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা – ১২

॥ अक्रि विस्नव स्थायना ॥

...বহুদিন পরে আমি অনামধেরা
এক কাহারও নিকট হইতে একটি
চিঠি পাই। রেজেস্টারী করা; খাম
খ্লিয়া দেখি ভিতরে কাগজে মোড়া
একটি নীলা পাথর। চিঠি বলিরা
বিশেষ কিছ্ নাই, ছোট একটি
কাগজের ট্করায় লেখা — 'এইটি
বাধিরে পরোঁ।

আংটি করিরা অনামিকার ধারণ করিরাছি। বথনাই সন্দেহ হর, এই বিষের রং-মেশান হীরার দিকে চাই—
মনে পড়ে, সত্যই একদিন ঘ্ণার সপ্তো মেশানো ভালবাসা পাইরাছিলাম,— এই হীরার মতই নীল, এই হীরার মতই থাটি।"

বিভূতিভূষণ মুখোপাধ্যারের

নীলান্ধুরীয়

ু দায় দশ টাকা মাত্র

একদা মন-পাগল-করা হে দ্বভি
উপন্যাসখানি সকল শ্রেণীর পাঠকপাঠিকার হৃদয়ে এক প্রচণ্ড আলোড়ন
স্থিত করিয়াছিল, এক দ্বিবহ
ফলার দাহে নব-মোবনকে পরিরেছিল অম্নি-টিকা, সেই অবিস্মরণীয়
উপন্যাস বিভৃতিভূষণ মুখোপাধ্যায়ের
নীলাংগ্রেরীয় রবীল্ড লাইরেরী থেকে
নতুন কলেবরে, অভিনব প্রচ্ছদ-সম্জায়
সযঙ্গে প্রকাশিত হলো।

अहे रमधकत जनाना वरे

আধ্ননিক ৬.০০
কুশী প্রাঙ্গণের চিঠি ৫.০০
অবগ্রন্ঠন ৫.০০
অতক ২.৫০
নাটক নয় নভেল নয় ২.৫০

त्रवीन्द्र लाहेरब्रती

১৫/২, শ্যামাচরণ দে স্ফ্রীট কলিকাজা-১২ :: ফোন ৩৪-৮৩৫৬

1365

এ**क्ट्रे क्रिंस्ट-किन्**र शॉंक क्रिति≈ा

বক্ষ্মী একই টিউব মিজি আপেকোলাইট বেদ ক্রিপেন্টিস্-এ উপৰোগী । মরেরমত জিরিশ-নিমেরে তৈরি । আরুরার মত চক্ষ্যক সংমালের মত মসুবক্ষম্মেরে চামারে মেটারিক এইচক্স ৫ জিরিশ।

ত এই সৰ আপক্ষালাইট বেস পেকুস থেকে বেছে নিব :-সিনথেটক এলামেল, আাতিবিক ইয়ালস্ব, ভেক্ষোপ্তাত ওয়ান কিবিল, সিনবেটক মাট, হ্যামান ও মেটালিক এবং আজিলিক ওয়াশবল্ ডিসটেলার এ সংক সর্ভ রত মেলাবার কল মাজিকটার

साविक्रीएड

गरक गरक ते (मनावात क्रम

নব রঙ কবার কাজে প্রান্ত পেট্টসূ

अगिसान एत्रनोज्



LPE-MYAREA 1924 BN

উদ্যম আর উৎসাহের সর্বোভম প্রতীক



(क वरे "क्षकाम नष्ट"। मानकी प्राची, ufe uie benices affeiffe-acuse कान क्यामध्य वा वासमारक व्यानास्य। शार्यक केरम-मधा केवल प्राच्छ मानकि हर উদ্ধেৰ প্ৰয়োজন, ভাই পাৰেন কভাৰ DER 1 क्षांत्र भाग भाग भीवनाम क्षेत्रकाम स्थाप ওভানতিৰ আগবাৰে জোগাৰে অনুষ্ঠ কৰি चार चमक करनार्। क्लानहित्तर महक करनव ममनि वह "क्ष्मकात वव ।" क्ष्मानामिक পরন সুধায় ও একার পুরীকর ৷ সবং যাভাবিক বাস্ত্রণে করপুর। করা অবুলা মন্টের পরিমাণ অভ বে-কোলো भागीरक्य करव स्वनी । अस्य **चारक है।हेका** कीरमञ्ज मक इव : चारक, स्थानिक, कार्रवी-शरेएकरे, किरोबिन जान चनिक लगार्व । সব কিছু বিশুভ ভাবে বেলাবো। **অভি** क्रेशारमध् असे मानुभक्त बरुकेस साम । क्यांगांत्रित केम्बर क केरणाद्वत नवास केम्ब ।

1

প্রভোজনিন করাসক্রির বেডে রাজ্যে, গজিতে, উন্নর আর উংসাহে। নিজেকে জাইতে ছুম্বুর । ওজালানিন রাজ-পানীয় বিজে সবচেতে বেশী বিক্রী হচ্ছে। পরিবারের সবার পক্ষে শক্তর উপানারী।



ভারতে তৈরী করেবেন ভাগতিক ইংগ্রান্ট্রিক লিমিটেড ভারিবরী নহারভার বাহন এ ওচাভার লিমিটেড, বঙ্গ একমান পরিবেশক: ভোলচান লিমিটেড

লাজৰ মন্ত্ৰান্ত পুৰো ব্যৱহাৰ কৰা বীধান ছবিব জলা আন্তই চিঠি লিখুন। বিষয়ট হ'লো— ''এইড, এল. এ. ই-ব্যৱহাৰবৰ।'' আগনাকে শুৰু নীচের কুপনে নাম ও ঠিকানা, লিখে এবং ওভালাইনের কোটার চাকনার নীচে পাওলা যে সীলের পাওটি বারেছে সৈটি কেটে এই ঠিকানায় পাঠিছে দিন।

जनश्किक देखानिक जिलिहरू de, बिर व्याप, नवानिही-६8

Ciaran :

धांशक्र क्रि



চ্ছিল সৌন্দর্যে চিরে রাথে ছিন্তীল্প পিওর সিল্কের পাড়ী

বিচিত্র-মুন্দর রঙের রকমারি, কোমল ও বিকমিকে উজ্জল, চলতে কিরতে চেউরের মত লীলায়িত ছন্দ জাগিরে ভোলা—বিনীর জর্জেট, শিক্ষন এবং শট সিক্ত। শাড়ীর স্থ্যমায় একটি গানের কলির মত মনের মণিকোঠায় আপনি চিরদিনের ঠাই করে নেবেন।

-

জানো, রাস্তাঘাটে আমার দিকে তাকিয়ে কারো পানক পড়েনা...



তোমার দিকে না হাতি,
তোমার পোশাকের দিকে।
বিমাল বার সাবারে কাচা জামাকাপড়
নিশুঁত নতুনের মতো ধ্বধরে দেখ্যায়
তার তাইতেই সবার তাক লেগে যায়।
তামালে, কেরামতি তোমার নয়—
বিমাল আর আরা আমার।



ু **কুমুম প্লোভাস্টস লিমিটেড,** কলিকাতা-১



माय ६.00

কিছু কিছু লেখক আছেৰ বানেৰ কল্-উপন্যান সভতে পভতে পাঠক কথন বেন একসমূল সময় এবং আছবিকতে এক মন্তম্ভ লোতার পরিষত হরে বান; আর লেখক হরে ওঠেন এক মারাবী কথক, বিনি ভার অমোঘ এবং লক্ষাডেদী ক্ষার মারক্ষালে পাঠকদের শ্বে, মারাম্মেই করে তোগেন না, তাদের নিখাস ফেলার স্বাধীনতাটুকুও বেন হরণ করে বসেন। এমন লেখক খবেই কম: ভব্ও আছেন ঃ প্রবীন শৈলজানন্দ, মুজতবা আলী, বিমল মিচ, এবং আরও কেউ কেউ। এ'দের লেখা পাঠককে বখা করে—বন্দী করে ফেলে।

্শৈগজানন্দের নতুন বই "লোকরহসা" এক দক্ষ চিত্রীর স্বস্থ-নির্বাচিত চিত্ররাজির এক **অম্ল্য জ্ঞালবাম যেন।** বর্ণমির পরিপ্রেক্ষিতের ভূমিকাহীন

देनलकाननम् मात्थाभाषप्रदान

বিচিত্র চরিতের মিছিল

লোকরহস্য

প্রক্স কিছু, রেখার টানে স্পরিস্ফুট এবং দবিপ্ত করেকটি অন্পম রেখাচিত্রের সালবাম। সামান্য কিল্তু সবল ক'চি রেখা—আড়ন্বরহীন এবং বর্ণাচ্যতা-হীন-অথচ তারই মধ্য দিয়ে বৈশিষ্ট্য এবং বৈচিত্রনায় ক'টি ব্যক্তিত্ব এবং চারিত্রের উক্জনল উ**ল্ভাস। স্বল্প প**রিধিতে আবদ্ধ, তংসত্ত্বেও এতই জ্ঞীবস্ত বে, মনে হর এরা আমাদের খুব কাছের মানুষ, খুব চেনা মানুষ, অহরহ বেন এদের দেখাছ আমাদের চারপাশে ঘ্রতে ফিরতে কথা বলতে, হাসতে, কাদতে। এরা বেন আমাদেরই প্রতির্প, কিংবা আমরাই।

এই লেখকের অন্যান্য কই ।

মনের মানুষ ৩.০০

প্রেমের গলপ ৪-০০

সম্তোষকুমার ঘোষের

जन माउ

FIN 0.60

भौरविन्म, भूरथाशास्त्रत

ঘুণপোকা

পাম 8∙00

প্রবোধকুমার সান্যালের

সৈয়দ মুজতবা আলুীর

শহর-ইয়ার

সদ্য প্রকাশিত। দাম ৮.০০

প্রেম

म,'श्राता চতুথ মন্ত্ৰণ ॥ দাম ৪০০০ বিতীর মন্ত্ৰণ ॥ দাম ৭০০০

বিমল করের

পরিচয় श्रुव

কশ্রতি প্রকাশিত ॥ দাম ০০৫০ তৃতীয় ম্রেণ ॥ দাম ৪০০০ তৃতীয় ম্রেণ ॥ দাম ৪০০০

সমরেশ বস্তুর

এপার ওপার

কশালব

मुट्टे खत्रगा

विवन्न

ष्ठीत মন্ত্রণ ॥ দাম ৫.০০ তৃতীয় সন্ধূৰ ॥ দান ৬.০০ নবম মন্ত্ৰৰ ॥ দান ৫.০০ বিমল মিত্রের

जनम जनम रम চতুথ মন্ত্রণ।। সাম ৪.০০

শর্রদিন্দ, বন্দ্যোপাধ্যায়ের

প্রেম পরিণয় ইত্যাদি রং বদলায়

करशन कवि कालिमात्र চতুর্থ মন্ত্রণ ॥ নাম ৩.০০

সম্প্রতি প্রকাশিত ॥ দাম ৭০০০ শংকর-এর

পশ্চম মনুরপ ৷৷ পাম ৩-৫০

ব্দ্ধদেব গ্রহর

व्यच्छेम भूप्तन ॥ भाम ८-৫०



त्रातनम् भावतिमात्रं आः तिषिरहेष

অফিস ঃ ৫ চিত্তামণি দাস পেন । কলিঃ ৯ ॥ ফোন ৩৪-৮২৪৭ বিক্লম-কেন্দ্র ও ৭০০ মহাজ্ঞা গাংধী রোড । **কলিকাজা ১**

বাংলা ভাষার স্বৰ্গাৰক জনাৰত এক্ষাত্র প্রথম শ্রেণীর সাম্বাহিক

দেখা

19

৩৬ **বর্ষ ॥ সংখ্যা ৪৬** শনিবার ২৭ **জন ১**৯৭৬

সম্পাদক শ্রীঅশোককুমার সরকার সংব্রু সম্পাদক শ্রীসাগরমক ঘোষ

ক্রমাধিকরে ও পরিচালক ভানেদ্যালার পরিকা প্রাঃ লিঃ ৬ প্রফ্রে সরকার স্থাটি, কলিকাতা ১ থেকে শ্রীদীতাংশ্কুমার দাশগণ্ডে কর্তক মান্তিও প্রকাশিত

> र्वि**नरका**न २**७-२२४० २०-४८८५**

চাদার হার কলিকাভার

বাৰ্ষিক ২৫.০০ যান্মসিক ১২.৫০ লৈম্পিক ৬.২৫

WIECE.

বাৰিক সভাৰ ... 20.00 বাৰ্মাসিক ... ১৫.৫০ তৈমাসিক ... ৮.00

পাকিতানে

(ভারতীর ম্যায়)
বার্ষিক সভাক ... ৩০-০০
বাংমাসিক ... ১৫-৫০
বৈমাসিক ... ৮-০০

ভারতের বাহিরে (জাহার ভাকে)

বার্ষিক সভাক ... ৫২.০০ বাংমাসিক ... ২৬.০০ হৈমাসিক ... ১৬.০০

জাসাল জগুলে (বিমাদ ভাকে)

বাৰিক ... ৩৯.০০ ৰাশাসিক ... ১৯.৫০ বৈমাসিক ... ১০.০০

দাম ৫০ গ্রন্তা উত্তৰত ৫ আনতো অতিনিক বিমান মান্ত্ৰ ৭ গ্রন্ত

DESH

SATURDAY 13 SEPT. 1969

নতুন উপ-নাথানাঁড

বিশক্তি নির্বাচন সাহেন প্রকা উত্তেজনা কোট বাবার পর উপ - রাজ্বিতি বিশিক্তি করে কেন্দ্র প্রকাশিত পরে নির্বাচনত পের হরে কেন্দ্র প্রায়েশ্য পাঠক উপ - রাজ্বিতি পরে নির্বাচিত হয়ে এই গ্রেছপূর্ণ পদের দারিছভার গ্রহণ করেনে। প্রীপাঠক হিলেন করেনে মনোনীত প্রার্থী। ভার বির্দ্ধে বিরোধী দলক্তি দৃটি আলাদা ভাগে ভাগ হরে প্রীপিরাই এবং প্রীকাষাধকে এই পদে প্রতিক্ষিতা করার জন্যে দাঁড় করান; অবশ্য ভার ফলে প্রতিক্ষিতা রে তার ইরেছে তা বলা চলে না। এই নির্বাচনের কিছু আগেই করেনে আকটি বাপার বিশেষ্ট্র মিটে বাওয়ার রাজনৈতিক ভাপ উত্তাপও সঞ্চার হরনি। তব্ একটি বাপার বিশেষভাবে লাভ্যার রাজনৈতিক ভাপ উত্তাপও সঞ্চার হরনি। তব্ একটি বাপার বিশেষভাবে পক্ষে করা গেছে: কংগ্রেস সন্সাদের প্রেরা ভোট প্রীসাঠকের পক্ষে পড়েবি, কিছু ভোট প্রীকাষাধের পক্ষে পড়েবে। অনুমান করা হলে, পারাদ্রাধির বাতিরেনের মতন কংগ্রেস সংসদ-সদস্য দলীর নির্দেশ না নেনে শ্রীকাষাধের পক্ষে ভোট দিরেছেন। রাজ্বপতি নির্বাচনের সমন্ন বিবেক ভাটের বে ক্রো উঠছিল ভার স্বোগ বে এখানে নেওরা হরেছে ভাতে সন্সেহ নেই। কারেনা অন্তর্ধন্থ আগেভাগে মিটমাট করে না নিলে উপ - রাজ্বপতি নির্বাচনে, ক্রী ক্রাক্স হত, ভাও বোধ হর অনুমান করা বার।

শ্রীপাঠকের সাফলো একটা হয়ত খাত থেকে গেল, তব্ কংগ্রেক্ট্র তাতে কতি কিছু হয়নি। আমন্ত্রা নবনির্বাচিত উপ - রাজ্বপাঁতকে অভিনালন জানাই। তিনি প্রবীণ ও অভিজ্ঞ ব্যক্তি, রাজনীতিতে তাঁর দক্ষতার অভাব নেই। ক্রেল্ট্রীর, মন্টার্পে কিংবা রাজ্যপাল হিসেবে তাঁর অভিজ্ঞতার কথা বাল দিলেও বলা বার, গ্রাইনজ্ঞ হিসেবে তাঁর অণেষ স্নাম আছে। দেশের বর্তমান রাজনৈতিক অবস্থায় নতুন উপ-রাজ্বপতি তাঁর সাংবিধানিক দায়িত্ব স্কুত্তাবে পালন করবেল, এই কামনাই করি।

পরলোকে 'লো'

গণতাশ্যিক প্রজ্ঞাতশ্যী ভিরেতনামের রাণ্যপতি হো চি মিন গত ও সেপ্টেম্বর পরলোকসমন করেছেন। গরেতের হৃদ রোগে তার জীবনাবসান ঘটে। প্রার আশি বছর বয়সের মুখোমুখি হয়ে প্রেসিডেন্ট হো চি মিনের এই বিদার অম্বাভাবিক না হলেও নিজের দেশের এবং স্বাধীনতাপ্রির সকল মানুষের কাছে তাঁর মৃত্য একটি গভীর আঘাত ও বেদনার বিষয়। আজকের জগতে রাজনৈতিক নেতার অভাব বড় নেই, কিন্তু তেমন নেতা দূলভ যিনি দেশের সকল মানুষের কাছেই হৃদরের ধন, বিনি দেবতাজ্ঞানে প্রক্রিত ও আদর্গীর। হো চি মিন তেখনই একজন মহাপ্রাণ ব্যক্তি। এই রহস্যময় মানুষ্টির জীবনকাহিনী বর্ণনা এখানে অপ্রাসন্পিক। তব্ মনে রাখতে হবে, স্কলে বিদ্যালাভ শেষ করার পর य छत्न त्रिक रताक्शास्त्रत करना काशास्त्रत भागाना एक এक ठाकीत निरंत्र कीवन-সংগ্রাম শরে, করেন, তিনিই শেষ পর্যন্ত কোটি কোটি মানুষের কাছে আৰু শ্রেষ্ঠ সংগ্রামী, বিপ্লবী ও দেশসেবকর পে অভিনন্দিত হয়ে উঠেছেন। হয়ত একথা বলা চলে, দুটি মহাযুদ্ধের মধ্যে তিনি বহু অভিজ্ঞতা ও সাধনায় নিজেকে এবং নিজের আদর্শকে প্রস্কৃত করেছেন, গঠন করেছেন স্বদেশের স্বাধীনতা সংগ্রামীর দিতীয় বিশ্বৰাদের অভে জাপানীরা আত্মসমর্পণ করলে তিনি তীর দলীয় সৈন্যৰাহিনী ও শ্ৰমিক কৃষকদের সহায়তায় দেশের স্বাধীনতা ছোষণা করেন। করাসীরা ভেবেছিল, এই স্বাধীনতা তারা অপ্ররণ করতে পার্বে সে-আশা ভাবের সকল হর্মান, ফরাসী সাম্রাঞাবাদকে বরাবরের জন্যে পাততার্ভি গটোতে হয়, সেটা ১৯৫৪ সালের কথা। এ-সময় হো চি মিনের সাহাবো ভিটেন ও আমেরিকা এগিরে আসে। খণ্ডিত ভিরেতনামের উত্তর অংশ—উত্তর **ভিরেতনাম হে। চি মিনের নেতৃত্বে, নব চে**তনার জেগে ওঠে। কিন্তু ইতিহাসের কী অল্টুড লিখন, মার দশ বছর পরে সেই আমেরিকাই হো চি মিনের শ্রুরপে দেখা দিল। মার্কিন বোমার আঘাতে আঘাতে উত্তর ভিরেতনাম সদ্যুষ্ঠ হরে উঠল। তব্ব, না তিনি, না উত্তর ভিয়েতনাম মাথা নত করল প্রবল শত্তির কাছে। অপরাজিত, অনমনীর, আদর্শপ্রাণ এই প্রশাস্তমুখ মানুর্বিট সমস্ত এলিয়াবাসীর কাছে আজ তাই কীতিমির প্রেব, রহসামর প্রেব। তার মৃত্যু — মানবতার: अक्टि क्राम क्या बर्लाई - प्रमा



বানলারী এখন কী কার্যকারী
ভারতের রাজনীতিতে কাল এইটাই
সবচেরে রজ প্রকার এক, এই প্রক্রের
কর্বের উপর শুখু বে কংগ্রেস রাজনীতির
প্রর সম কিছু নিজার কর্মার ক্রেন্স নর,
নিচার করতে ভারতের গাঁকলপালারী এবং
মুগদখা রাজনীতিরও ভারতার। ত্র
খোলাখালি বলতে গোলে, প্রধানকালীর
গ্রেতী পাদকেপ সামগ্রিকভাবে বর্তমান
ভারতের রাজনীতির গতি অনেকটা নিশারপ
করতা

প্রধানমন্দ্রী কী করবেন, এই প্রশের ভবব খাজেতে হলে জামালের জবলা, লব কিছুর আগেই তেবে দেখতে হবে, প্রধানদ্রুলী কী কী করতে পারেন; বিচার করে
ব্বতে হবে, গ্রীমতী ইন্দিরা গাল্ডীর সামনে
সম্ভাব্য কোন্ কোন্ পথ খোলা আছে।
১ট অ স্বা জামের প্রথমেই পর্যালোচনা
করে পুথি, প্রধানমন্দ্রী কী কী করছে
পারেন।

প্রথম সম্ভাব্য পথঃ প্রধানমন্ত্রী এখনই কংগ্রেস সংগঠন দখল করতে এগোরেও গারেন। তিনি সেজনা শ্রীনিকলিওগাপশকে গরিবে মনোমত কাউকে কংগ্রেস সভাপতি করর চেন্টা করতে পারেন। এবং সে কাজে সামলা অজনি করলে নিজের কর্মাটি ও পারসান্দেনটার বোরভ পানগতিত করতে পারেন। কর্মাটি অগ্রেস মানেটার বোরভ পানগতিত করতে পারেন। কর্মাটি অগ্রেস মানেটার কর্মাটি অগ্রেস নিথিল ভারত কংগ্রেস ক্রিটি অগ্রেম ওরার কথা আছে প্রধানমন্ত্রী সেই সমন্ত্রই কংগ্রেস সভাপতিকে সারাবার চেন্টা করতে পারেন।

ষিতীয় পথঃ প্রধানমন্ত্রী ঠিক এখনই
কিছা না করে সাংগঠনিক নির্বাচনের
সংবেগের কনা আগামী বছর পর্যপত
কংশেকা করতে পারেন। সেই সমর তিনি
নিজের মনোমত প্রাথীকৈ কংগ্রেস সভাপতি
করার চেন্টা করতে পারেন এবং সেই
সভাপতির মাধ্যমে নিজ্বপ ওরার্কিং ক্ষমিটি
এবং পার্লামেনটারি খোর্ডও তৈরি ক্ষরিরে
নিতে পারেন।

ত্তীর পথঃ প্রধানমকী আপাতত, তথাং অনতত বছর দেড় সুই সংগঠন প্রেরা নগের বাপারে তেজন রাখা না খালিরে প্রধানত জনসাধারকের রখো নিজের নেজ্য প্রতিষ্ঠার ভোগা করতে পারের। এবং এইভাবে আপান বাজির এ জনজিরাকের সাংগঠনিক নেজাবের কুলনার আনেক উর্বেটনির গিরে ভারপর অন্বিন্ধান্তনে ভারের।
নিমে গিরে ভারপর অন্বিন্ধান্তনে ভারের।
চালাবার ভোগা করতে পারেন। এবং

স্থা পৰঃ প্ৰথমন্ত্ৰী স্মাধিকভাবে সাংগঠনিক সেভাসের সপে কোকৰ কভাইছে



না গিছে একে একে বৈছে বৈছে ভ'বের শুক্তম করার চেন্টা করতে গালেন।

আইনসালে একটা কথা অছে, মন্তন্ত জানে না কার মনে কী আছে। তাই, কার মনে এটা ছিল, এমন কথা ধার নিরে ভার বিচার হতে পারে না। প্রধানসভার কেরেও বাগারটা ভাই। প্রধানসভার মনে কী আছে এটা সাধারণ মানুহ অকতত জান্নে না। সেইজনা প্রধানসভা এইটাই করবেন বা এই পথেই মার্কন, এমন কথা ধার নিরে পারিস্থিতির বিচার করা আনার। পর্যাবক্ষরতা অবণা ভবিব্যুগণী কর্তে পারেন, বিস্তু ভাতে বংগট বিপাদ আছে। সে ভবিবং বাণী নাও মিলতে পারে— বিশেষ করে প্রধানসভাী কথন সেই দেবা ন কার্ণিতা গোমীভূত।

কারও একটা ব্যাপার আছে। প্রধানমকী এট লাটকেৰ নামক (নামিকা নন!): কিম্ছ তিনিই একমাত চরিত নন। এ নাউকে অনেক পু ধর্ব চরিত্রও জাছেন এবং সেই সর পার্শ্ব চরিতের ভামকাও নগণা নর। ভাষের গতি-বিধিও প্রধানমক্ষীর গতিকে বেল কিছটো প্রভাবিত করতে পারে । ধরুনা নিজ্ঞালগাংশা क्या दा स्थाताहरू के कामदाक महरवर्गिक स প্রধানমক্ষীর সংখ্যা ও আই সি সিজে এক হাত লড় ইর জনা এগিছে গেলেন। প্রধান-মশ্বীকেও তথ্য একটা কিছ করতে ছবে: তিনিও চপচাপ বলে খ কতে পারবেন না। अथवा धत्न, याव ज्याक्षीयन ब्राह्मत প্রধানমন্ত্রীকে জালটিমেটাম সমর্থ কর দিলেন 'আমাদের নেডাকে উপপ্রধানমন্ত্রী করতেই হবে"। তা হলেও প্রীমতী গাল্ধীকে কাম প্রোক্তাম প্রকটাতে হবে।

আমি বলাছি না, ভারা এই সৰ ক্ষা করবেনই; ল্যু ক্ষাল করিছে দিছিছ, ভারা এমুন কাল করবে পরিন্থিতি পালটে বাবে এই তথ্য প্রথমনাশ্রীকেও সেই পরিন্থিতির প্রট্রাকারই চলতে হবে। ভাই, প্রথমনাশ্রী নামক হলেও, নাটকের পরিন্থিত ভারা এপর বহুলাশ্রেল নিক্ষাল করেনেও, সাইটার নিক্ষালা ভিনি নান। প্রায়তী বানলী নিজে বেভাবে এগোড়ে ভাইবেন, শুটনাপ্রবাহ ভাইন বিশ্ ভিন নেই প্রথম এগোড়ে নার দিয়ে পারে। হল্মিকারই ভ্রামনাশ্রী বিশ্ ক্ষা ক্ষাক্রে त्नहें कर्यकार वा किता नक्त निकास कर्य रक्षा के के त्कान नद्य क्षानातम की की की मुस्सि वा कम्युनिया।

প্ৰথম প্ৰশেষ্ট প্ৰথম আসা বাৰত প্ৰধানমন্ত্ৰী বলি এখনই সংগঠন সংক্ৰা ক্ষমত এগোন, বলি আগানী এ আই লিটুল অবিবেশনেই শ্ৰীনিজলিখনাপাটক সহিত্তে ননোমত কংগ্ৰেম সকাপতি বসাতে চান ভাতে প্ৰধানমন্ত্ৰীৰ কী কী স্বিধা, আস্থিয়াই বা কী কী?

শ্রীনিকলিগ্যাপ্পাকে সরাবার দুটো প্রাথ হাত পারে : (১) সেই প্রকল পরিপিটিত সংখ্যে করে তাকে পদত্যাগ করতে বাবা করা বার: এবং (২) তার বিক্রন্তে অন্যাশ্যা প্রশাসন করা বার।

প্রধানমতী এবং তাঁক সমর্থবদের পাক্ষ এর বে কোনও পথে সাক্ষা অলান্ট খ্র কঠিন বাগার। অরপ নানাভাবে অপরানিত করে পদতাগ করতে যাথা করতে চাইলেই বে নিজলিগগাশা পদতাগ করবেন ভার কোনও গারোভি নেই। ধ্রুন, এ আই সিনি, একটা প্রশুরার পাশ করে কলন, কর্মেন সভাপতিকে এই এই পথে চলতে হবে থির কোনও কংগ্রেস সভাপতির পাক্ষেট এটা অপ্রানজনক বাগার। কিন্তু তিনি, ছবি বলেন, "ভাল কথা, এ আই সি সিত্র নিজেশগালি শিরোধার করে কামি এই ওই ভাবেই চলক" তা হলে কান্ট্র কিছা করার থাকাত পারে না।

এরকম কিছু বা জনান্ধাল্পক একটি প্রস্তাব পাশ করানোও খ্র সহজ কল নর। কারণ, কংগ্রেস সভাগতি এবং ভার সমর্থকরা কংগ্রেসের ভেতর অভ দূর্বল মন। রাম্মণডি নিবাচনে প্রধানমন্ত্রী প্রচন্ড প্রচার ব্ৰ চালিয়েও, মুসলমান এবং তপণিলী-দের নানাভাবে সভেমতি নিরেও কংগ্রামী ভেটের শতকর ২৫ ৷২৬টির বেশী ভাগ্যাত পারেন ম। দলের এম এল এ এম গি'দের সধ্যে প্রধানমন্ত্রীর মত প্রস্তাব, আই সি সিব্র : প্রতিনিধিবের মধ্যে ভার ভার চেরে বেলি প্রভাব वारक बरन वास कवात मनाक रकाम कार्य कारे। अवसम्बन्धी अक्छे। दक्ष क्रास्ट्रेस्स किएएएक ए वे जात मध्यक मास्त्र कि हो। बाजा न्याकाविक। किन्तु धारे जनस्य-ब मिन मरमान भातमास्मनहोति छेरेरमा सकाह बरके क्लों, माशार्थिक एकता एकता र्भीक्षणात्र मेश । को श्वक्ष **अवना** भून ব্যাভাবিক নর। কারণ পারজ ক্রেন্টারি উইলোর সনস্কা, বিশ্ব হরে এই-পিক্স, के विका महस्वाद्यक्ष करते भरताम महाशास्त्र कुरानास क्षेत्रमध्याति केंग्स स्टब्स स्टिन निक्र सम्मील।

स्वार्ध के विश्व क्षेत्र के क्षे

প্রশাস কর্মান সভাগতিক আবাত
কর্মান বাশ্যরে অবশ্য প্রকালকারীর বিশেষ
ক্রমান্ত্রিক স্থানিক আছে। তার সবচেরে
ক্যু স্থানিক, জানাগতি নির্বাচনে জরের
ক্যুক্তরা, প্রকাল উপার প্রকালর ভাজা।
ক্রিক্তরা, সামান্ত্রকেট নার্মাক কর্তুটি
ক্রমান্তর্গা কর্মান্তর্গা ক্রেনান্ত্র্যা কর্মান্ত্র্যা কর্ম

প্রধানদানতী কদি এখনই কিছু না করে नकीत नियक्त भवक्त अर्थका करता । বলি তথ্য তার নিজন্ব প্রাথীকে সভাপতি कतात क्रमी करता? निश्मरकरः, अध्येष्ट বংগ্রেস সভাপতিকে সরাকার চেরে ভবিষয়ত নিকের লোককে সভাপতি করার ক্রাপারটো ক্তকাত্ৰীৰ দিক থেকে সহজ। কিন্তু ভাতেও ক্তগালি অসুবিধা আছে। সবচেরে বড় व्यम्दिक्या इक, सिर्वाइटन करी १७शह साभावने। जय मर्गदरे द्वींकि अश्लोक गांद शएक मणीत निर्याहरतन्त्र चौत्रहे मार्विशा কংগ্ৰেসে এই ব্যাপান্তল আরও স্পদ্ট। বিভিন্ন অফিস দথল করে অছেন তিনি ভূরা সদস্য করেই নির্বাচনে জিতে আসতে পারেন। ৰদি অধিকাংশ প্ৰদেশ কংগ্ৰেস কমিটি নির্বাচন পর্যত্ত নিজ্ঞালপাণপার লেকদের शास्त्र थारक टार्टल श्रथानमन्त्रीत भूक उटे रणार्छीटक हातात्ना कठिन।

প্রদেশ কংগ্রেসগৃহীলকে নিজ্ঞানিগণাপার পেছন থেকে সরিরে নেওয়া মার দৃভাবে : (১) প্রদেশ কংগ্রেসের প্রধান পরিচালকদের দলে টেনে: এবং (২) আমন্ত হক কমিটি কলিরে প্রদেশ কংগ্রেসগৃহিল নিজের লোকদের দখলে এনে। এই দলে টানাটা কতকগৃহিল ক্ষেত্রে সম্পত্ন হলেও কংগ্রেস সকল্পতি এবং ওয়ারনিং কমিটির সম্পতি ছাড়া আন্ত হক কমিটি করা অসম্ভব। কংগ্রেস গঠনতম্ব জন্মাত্রে প্রদেশে আন্ত হক ক্ষতে পারেন একমাত সভাপতি ও ওয়ারনিং কমিটি।

দলীয় নিৰ্বাচনে নিজেৱ লোককে

THE CHARLES AND THE PARTY OF TH

এখনই হলক করে করা কঠিন প্রমুখ্টি কলরা সম্প্রিচাতভাবে কেলও প্রমুখ্টি লিকে প্রধানকারী তাদের হারতে পালকে কিন্তা; তবে, আমার মনে হর, প্রধানকারীর প্রক্রে গরে নিজক কংগ্রেস সভাপতি নির্বাহিত করার চেরে জনেক বেশি কঠিন হবে এখনই কংগ্রেস সভাপতিকে সরানা।

धरे अमरणा जातरकहे बाजन अधानवकी হয়ত নিজেই কংগ্রেস সঞ্জাপতি হথার চেণ্টা করখেন। কোনে, একদা তাঁর পিতৃসেব প্রধান-মন্ত্ৰী ও কংগ্ৰেস সভাপতির দুটি পদ্ধই দখল করে ছিলেন। জন্মার কিন্তু মনে হর না ই স্কেও সেই সংখ পাকাড কো: এখন নয় বে. বর্তমান প্রধানমক্তীর দুই প্র অধিকারের প্রশ্ন নাতিগত কোনও অপতি आरक्ष। अधना अस्त स्त मार्ड अरलद माहिए श कर क्यार भागतक सा बटक रिमि छन्न পান। এর আসল কারণ হল, বতুমান রজনৈতিক পরি**ম্পিভিডে, যেখনে বহ** हारका अक्राधमी मतकात. रमशास श्रथान-মতীই কংগ্রেস সভাগতি হলে তার জাতীয় নেতা হওয়ার ম্বান ভূলে বেতে হয়। কংগ্রেস পরলাক্ষেত্রীর পারতির লেতা হওয়া এক জিনিস, আর কংগ্রেস সভাপতি হওয়া অর এক জিনিস। তার চেরে প্রধানমন্ত্রীর অনেক স্যবিধা হ'ব, যদি তিনি একেবারে হাতের লোককে সভাপতি করতে পারেন।

প্রধানমন্ত্রী যদি আরও অপেক্ষা করেন?
ফাল আগনতত বছর দৈড় লুই সংগঠনের
কাপারে থ্র না মাথা ফামিয়ে লুধুই
জনসমকে নিজের ইমেজ ফাজিয়ে ফাওয়ার
চেন্টা করেন? এবং যদি আপন ব্যক্তিও ও
জনপ্রিরতাকে সাংগঠনিক নেতদের চেরে
অনেক উথ্র নিজে গিয়ে ভারপর অংগ্রিলহেলনে তাদের চালাবার চেন্টা করেন?

শিক্ষার নেহনুর অকলা এই অবদ্যাই কিলা। তিনি সাংগঠনিক নেতালের পরোজাই করতেন না। উলিওনজীর পর সরকা কংগ্রেস সভাপতিই তাঁর অংশালি হেলনে চলেছেন। নেহরুর অবশা একটা বিলেম স্থানিমা ছিল। তিনি অনেক দিন থেকেই—কংগ্রেস হাতে পূর্ণ কর্মান্ত প্রাক্তিয়ার বহু প্রেই—কংগ্রেম নেতা ছিলেন। প্রধানমন্ত্রীত দংলা করে তাঁকে জাতীর নেতা ইওরার চেন্টা করতে হর নি। বেন্দাটি কনাকে করতে হকে।

न्दर्त जातक अकरी ऋविधा विका

कांव सामान कर्य क्रवारको कराको हिए क्रिक्ट क्रिक्ट क्रवा हाई छम स्मारका क्रिक्ट क्रिक्ट क्रवा हाई छम स्मारका क्रिक्ट क्रिक्ट क्रवा हाई छम स्मारका क्रिक्ट क्रिक्ट क्रवाक गत क्रवा स्मारका क्रिक्ट क्रिक्ट क्रवाक गत क्रवा स्मारका क्रिक्ट क्रवाक क्रिक्ट क्रवा हाई स्मारका क्रवाक क्रवाक क्रवा हाई स्मारका क्रवाक क्रवाक क्रवा क्रवाक स्मारका क्रवाक क्रवाक क्रवाक व्यक्त स्मारका क्रवाक कर स्मारका क्रवाक क्रवाक

একটা জিনিস গরিকার, অতত আহর করে । ইনিরা বতই ব্যাক ন্যাশনালাকৈ কর্ম, হতই সমাজততার কথা বন্দ, খব বড় লোকমের সংগ্রা এখাই সক্ষাধ সারে নামারের সংগ্রা করে। তিনি প্রায়ার্থাসর করেরী কর্মকেও খাব বেনি ঘণাতে চন না। তবিদের ক্ষমতাকে এখনও ভার করে। প্রধানমারী বাই কর্ম, বৈশ্বাধিক পরিভিত্তি স্থিত করতে এখনও আনিছের:

প্রধানমান্ত্রী কান্ধ "ডিভাইভ কান্ড র্রন" নীতিতে, চলেন? কান্ত একে একে সিশিভকেটের নেভালের থতম করার চেন্টা করেন?

এই নগীত অবন্ধ তিনি প্রথম থেকেই অবসম্পন করেছেন। প্রধানজন্তী হওচর পর থেকেই তিনি এইস্তাবে এগোছেন। কিন্তু এ ব্যাপারে এখনও তিনি খ্ব রেণি স্থান হ'তে প্রেম দি। তাঁকে স্কই এত বেশি ব্যুক্ত গিরেছেন, জেনে ফেলেখেন রে কেউই জার বিশ্বাস করতে পারছেন না!

*

নান্য অস্থাবিধা সত্তেও প্রধানমণ্ডীকে
কিন্তু একটা কিন্তু করতেই হবে। কানে, ।
বেশিনিন অপেকা করতে দকের ভেডরে তার
সমর্থকির হভাল হরে পড়কেন। তার, গেটা
দেশে তিনি বে প্রতাশা কাগিরে ত্লেছেন
তেমন কিন্তু কাজের কাজ না দেখালো দেটাও
প্রচাদ্ভাবে আহতে হবে।

শ্রীমতী সাম্পার সামকেও আই বিরট প্রাণন ই ডিনি এখন জোন্ পাও এগোকে? বে পথেই এগোন, বিষাট খানুকি আবার ডাকে নিতেই হবে। পাতকাপ করতেও বিপদের আগংকা, কিছু না করতেও আবার বিপদ ডেকে আনার সাভাকনা।

্প্রধানক্ষরী একার কী করেন সেইটা শেখার ক্ষুদ্র ভাই: স্বক্ষা রাজনৈতিক শ্বন্ধিকক অধীর কারাছে অংশকা করছেন।

मवाद्रान गः उ

বালাকার পথে বার্টে বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ

কলণ, একমায় কলক আ গথকেই বিশেক্ষ সর্বপ্রেক্ষা বেশীলংবাক নাবালক-ন্যালিকরে বাস ৷ কলিও রাশীলক্ষের প্রক থেকে কলকাভার নাবালক এবং নাবালিকরে প্রকৃত সংখ্যা কড তা নির্মুপ্রের থানা বাণকভাবে আদমস্থারি চালাবার কোনও চেন্টা আরু পর্যালত ইয়ানি, ভবে নিশ্নেকজ-গণের অদেনজ (এবং কলা ভালা, এই আলাক্ষ স্যামপেল সারভের ভিত্তিতেই গড়ে ভোলা হরেছে) কলকাভার ন গরিকদের বিশেষ কলে বংশাভাবী নাগরিকদের শভক্রা

ছে:লগরারা বেছে বেছে **建新华 图**语 ৰাণাৰ্কী মহধান্তিকৈতেই কেন যে এড হানা মারে সেই রহসেরে উপর এই স্বাম-পেল সরভের রিপোটটি মহেণ্ট রাজ্যাক্তপাত कत्ति वाल प्राप्त हत्। डेक जिल्लालेंड राजनाउँ नावालक कारक बरम स्म अन्भरक বিশ্তারিত আলোচনা করা হলেছে। একুশ বছর বয়েস বার হর্তন সে-ই নাব্লক রিপোটের রচরিভাগণ প্রথমেই এই প্রচলিত সংজ্ঞাতিক খারিক করে দিরেছেন। ভারা বলেছেন, শারীরতত অথবা মনোবিজ্ঞানের ৰায়৷ এই সিম্বাস্ভটি সমন্তিত নয়, তাই **এই मरक्का फर्टरक्कानिक। छौदा रदार रास्ना** ভারার অন্যতম শ্রেষ্ঠ অভিধান রচ্নিতা হিরিচরণ বলেগ্যাপাধ্যার ক্রত "বে বাবহার-रमाना दसाक्षाण्ड नव"नाव बाटकम धरे অর্থাটর উপরই পক্ষপাত লেখিরেছেন।

দ্ধ্ ভাই নর, রিপেটের রচারতারা কে "বাক্স্রেলেগ্য করপ্রাতিত নর" ফতকগ্রিল বাক্স্রেল আরা তাকে চিছিত্ত করেছেন। বথা ঃ (এক) পদমতনিভার, (পুট্র) বিশ্বাস-প্রথা অর্থাৎ চিক্রে কান নিজে গোলে এই কথাটি শোনামান্ত বে স্বাক্স্যে হাত না ঠেকিরে চিলের পিছনে দৌড়ার, (ভিন) কিন্তুক্ত (ক্রেক্রে ধর্মাই হজে কিচারক্ষ্যি বাল্লভ করা), (চার) গোলে ক্ররিবাজে বার অত্যাধিক আলভি, (পাঁচ) অন্তিব্রম্ভি, (ম্বরু) ইঠকারী, (সাভ) অ্বস্রিবায়নগানি, (আট) প্রতিক্রে গ্রিবেলে বে স্থ্য প্রকাশ



কনিক্ষ্ক, (নর) ক্ষম স্থানিক্ত (নন)
ন্থি কলে রক্ষা পৌকানিক্ট কর অভীন,
ক্ষম (এগান) বাল্রে ভিতরে সংখ্য গুণের ক্ষম (এগান) বাল্রে ভিতরে সংখ্য গুণের বে বিপদ প্রভাতে স্তরে। নাব্লকের প্রই প্রকাশন সক্ষণ।

এই একানশ লক্ষ্যত নাবালকের সংখ্যা অংশপাকত কম বলেই অন্যান্ত্রী মুখলার



চেলেধরার উৎপাত অংচর অকভারে আনুপশ্বিত। অভএব কলকভার বাংগালী
নাবালক মাহাদরগণ সাবধনে। পারতপক্ষে
বাড়ির বাইকে পা দেকেন না। সদাসর্বাদ ক্ষাবি আচলধ্যা হরে থাকুন। আর নিতাশত অফিস-কাছারিছে ক্ষেত্রে হলে পারি কছ থেকে চিরবিদর নির্মেই থাল করা লেম। কে থানে নিকটার দ্বাম অধবা বাস ভিপের ভিত্তের মধ্যে কেলেধরা হরত আপনার জনাই ঘাণ্ডি মেলেধরা হরত আপনার

निम् निश्वानी ट्राज्यका

শ্বিশ্বরাদী হেসেবর কল্কভার আসহে, এ সংবাদ রটে বাওরার শর থোক পশ্চিমবংগর রাজনীতিক গ্রহদে এক মিগ্র প্রতিভিয়ার কৃষ্টি হরেছে। শোনা বাংগছ, এই ছেলেবরা নাকি বিশ্বট এবটা বলি পশ্চিমৰ পার বৃদ্ধ দ্রুপী এহাকের অন্তর্গক দেখা দিয়েছে। কম কমিউনিন্দ মহাক ছোল পাই বোৰণা করে নিয়েছেন বে নি শি আই নিস্কৃতিকজালি কেকেকার কপার পারে করে হারা ক্রেন্ডিন। বাংলা কংগ্রেস সম্পাক্ত ভারা ক্রেন্ডিন। বাংলা কংগ্রেস

সম্প্রতি বর্ষানগরে সি পি এর এবং সি আউ-এর স্থানীর নেতাপর शास्त्रात स्वीत्वत अस वाहेन्य साहितीं प्राप्त থেলা এমন এক মারাত্তক পর্বারে পৌতে গিবেছে বাৰ কৰে স্থানীৰ এক সি পি আই तिहा **७ चना बक्कन महित महना ग्रह्स-**তররূপে আহত অক্ষার হাসপাতালে ভতি र्टाराहन। अब करण जि शि चार्ट-जि शि ভ্ৰম-এর সম্পর্ক কোন পর্যায়ে পোঁছেছে ভা সি পি আই-এর ব্রানগর লোকাল কমিটির পকে প্রচারিত এই ইশতাহারের করেকটি वेण्डनारे कानिता निएक। रेण्डाराज का হারছে, 'জনসাধারণ জাটনন বে মারক্সবাদী ক্মিউনিস্ট পার্টি স্বরাগ্র দুস্তরক্তে সামনে রেখে সারা পশ্চিম কালা ভাতে সমস্ভরক্ম নাজনৈতিক পলের উপর এবং নিরীহ জন-সংগ্রেপর উপর বর্বতম হিংস আভ্নেপ্ हानितः गा**र्ड**ा...काशनक शस्त्र करान स्व. জ্যোত্ বস্ত্রাভিম কলের স্কর্ত্রমানী, না মারক্সবাদী গ্রন্ডানের রক্ষাকর্তা স্বরাদ্ধী-মশ্রী।" এই ব্যাপাদর প্রতিকার দাবি করে সি পি আই ব্ৰু ফ্ৰণ্টের বৈঠক প্ৰশ্ন বছনি करका अन्य ।

এর উত্তর সি পি এম বলেছেন, মারামারি তো নতুন নর । ও তো চলছেই, চলকেও। হঠাৎ সি পি আই নতুন স্ত্রে ধরছে কেন? এ আর কিছু নর, নিল্লিওরন্সী ছেলেম্বর তুক। প্রেলেসিভিরনার ফ্ল দ্বিরে সি পি আই ক ম্লির ভিতর চ্কিরে কেলেছে, তাই সি পি আই এই ধরনের অভরাজ ছাড়ছে।

পশ্চিমবংশ্যর বাম রাজনীতির আকর থেকে অনবরত হাঁক উঠছে: ছেলেবরা অসংখ্য হাু—শি—রা—রঃ

THE WATER OF THE PERSON I have me we become on that THE RES WITH THE PARTY LAND WHITE THE THE WHITE STREET COURSE क सम कार्तिनः वाहेगातः छत् गुरुर मोक्स তীন ক্ষাপ্তের তীরে বে অক্টার রামহে क्रिका हाटक काटका क्यानी हरक्कि। ব্যরা আরু ভারেশ পোরেরতে তারা ইম্পুরে करें गायके माथन्य करत अत्मार, मामीहरतक को नमेर जाया बाबरका। टन धनानम ছিল পঠিটা ভাল-কোঁচন-চীন, আনাম हेरीकर काट्याणिका जात माध्य। ट्यानिकात क्क्षणी माधारकात धरे क्वांक्रन-गीन, जानाम जात हिर्दिश क्रिक्टिस टेर्फान श्राहरू अक्टरकत किरक्टमामां बधेरे २८क व जननिविद नारकरी नाम का कारक कृतरक तरनिकत कतानी जिनित्विमक्छावास्त्र माभएरे।

कारमञ्ज मीमवर क्रिकिट्स अटमेक्टिमन विनि ভার নাম নোগ্রাক্ষে টাট খান বাকে তত্তীয় मण्डक भारिता लाटक कार्यका त्राश्चरत আই ক্য়াক, অৰ্থাং দেশভত নোগায়েন বলে আর দর্শনরার লোকে জানে হো চি মিন অধাং আলোকদতে হো বলে। সতিটে তিন क्टिनन रहण-जन्छ शान, जारका रक्टरको इरकन কলেশের আন্ধবিকাতির গভীর অপকারে। देख्यारमत विम्मक्राति कटन करन एवं निर्देश একটা কাতের মর্যাদা উন্ধার করে তাকে নিজের মহিমার প্রতিতিত করা একটা অসম্ভব ব্যাপার বললেই হয়। সেই অসম্ভব बार्शनात्करे मन्छ्य कार्त्राहरता रहा कि प्रिम শতিক পরম প্রথমে আর আলকে ভিরেত্যামীরা ভাৰতো চাচা হো বলে। একটা মনা জাতকে শ্রেক্তর দেওরর, একটা ভালে বাওরা পভাতাকে বাঁচিকে ভোলার অনুন্য গৌৰুক water 1

বেশীর ভাগ দেশেই উপনিবেশিকভাষাদের শ্মশ্যনশাল্যা তৈরি করেছে অবিচার আর অনাচার। ভিরেতনামেও ভাই হয়েছে। তার নেশের লোভেদের ওপর যে অবিচার ফরাদীরা করেছিল, যে অকথ্য অত্যাচার ভাবের ওপর চালিরেছিল ততে তাঁর ব্বক जाशून करण छटेंग्डिन। क्यांशा स्वयन শরশাশাশের থাকৈ থাকে ব্যক্তিরছিল, তেমনই তিমি দেশে দেশে সামলের মত चाराहर न्यांवीनका कितन कार्तित नन्यात्न বতে তার মরা দেশ আবার জেলে। ওঠে। শাস ফরাসী মন্তেকেই তিনি পাড়ি নিরে-व्हिटनम मारा अकुमा वहन वन्नटम काशाहक टकरिन वह अर्थार कामनाज धूनम्बात क्रकार्ति निद्धाः क्रिक्टकाला भारत देशीलान সাফাল পৌরিরে বিসেতে এসেও নিল কতক চাৰ্ক্সগিরি করেছেন। ভারপ্রা ফিরে এসেছেন ফ্রান্সে। সেখাহেই তিনি দক্ষি দেশ



(प्रकास

ক্ষমবাদী কছে। পরিগত বসলে তিনি বে ক্ষমনিদট দুর্নিরার একজন দিকপাল হিলেবে স্বীকৃতি পোরেছেন ভার স্কুল্পত রুশ-বিশ্বকের অংগই ফুলুস। ক্যাসী ক্ষমনিদট নলোর স্থল তীর সম্পূর্ক ১৯২০ সনে ভার প্রেরর সকল তেকেই।

महत्त्व किंत वान ३३१२ महन। नकुन



করে ক্যানিজমে জিনি পাঠ দেন দুনিয়ার প্রথম সাম্মবাদী রাজে। দু' কছর পরে ভাকে চীনে পাঠানো হরেছিল সামাবাদ প্রচারের জন্যে। তথন দেখানে জাতীনভাষালীদের ताक्ष । विसार कार्ष्ट रगरकत मर्टना क्रम्यानिका-নের বিক্রেন ভখনও স্ক্রেনি। স্ক্রোবানে প্রগায় বিশ্বলৈ থাকলেও সারা দ্যানিরাতে রাম্মীবশ্ববের পথ প্রশাস্ত করতে হো চি মিন ভতটা উৎসূক ছিলেন না. বতটা ছিলেন নিজের নেশে স্কাধীনতার জগারিথীকে বইরে লিতে। চীনে ভার প্রধান কাজ ছিল नरशामी जिटहरूकाक जह गटक नरगठेन शटफ তলে ফরালী উপনিবেশিকভাবাদের প্রপর চরন আৰাত হানা। আন্তর্জাতকতার তাঁর বিশ্বসে ছিল না এমন কা বিশ্ব তার থেকে অনেক কেশী অনুস্থা ছিল रनटभाग अभाव। आस्मान्यरमञ् श्रास्त्र भागः ৰে সামাজাবাদ, জার ভাকে নিমুল করতে ना ग्रान्त्रण देव गुट्डाएना जनाम-स्थापन वनरम नकुन महाक नरफ रकामा बारव सा ध প্রতার ভার ছিল। স্বদেশের মধ্যকের জন্য ভিনি ভাই নিজেকে উৎস্গ' করেছিলেন আর ट्र मन्त्राज्यक्टिक र्शं क्लमान कटलाई महाकान

SCHOOL SEC SHAND PROPERTY.

steer was outs feetly selected THE PART PART SER WORK, BU बराजा न्यायीन रामकान्तिक जित्रकार शकारतात काविक है। एवं महिन्स १०० क्रमीक्स किरमञ्जाहम काम चारणीमात हिन क्सम्म मिर्विटम्ह्रेन क्रान्स स्मारकारी म्य লাভীয়ন্তালালীয়া আলু ক্যুনিন্টরা তথ্য হাত মিলিরেছিল। ইউরেপে ভালের শতনের শর ১৯৪০ সলে জাপনোরি দংল कटब्रीक्का इरम्बरुगैन, अक्टो कुटबा स्वार्थीन সরকার ভারা সেকানে পঞ্চাও করেছিল। महाबारका लाव कान्य वर्डरे श्रीगास कामार व्याशास्त्रा उन्हें त्नथा निम ठालीमत्क दिना विमा व्यान व्यतासकटा - देखेदबाट्यंड, व्यागसाट्ड মিত্রশাজিলের কাঁধে তর দিরে ভাল্স আবার ফিরে আসতে চাইলো তার প্রোল জমিনার**ীতে। অকারণ রক্তমন্ত এ**ড়াতে রঙ্গী राजन दश कि जिस देरमाठीन शहतार्थंड দ্বাধীন অংশীদার হিসেবে তার প্রজাততা <u>चिर्तरनाम्</u>क গাইড CONTROL WITH **কিন্তু তার কথার কেলাপ করলো।** তারপা का रवात छाडे रहना—वाधरमा महारे। छात প্রথম পর্কের শেষ ডিয়েন কিয়েন ফাডে क्सामी वाहिमीत स्मातनीय भस्तक्यः।

ফরস্থাক্তি যাক্তর পর আসরে এলো व्याट्यातिका। ১৯৫৬ मध्न य जिल्लाहरूम চ্চতি হরেছিল তার একপক্ষে ছিল ফর সার আর একপক্ষে হো চি মিনের দল ভিয়েতমিন। পেছন থেকে মণ্ড দিয়েছিল विस्रोके प्रमात कः विश्वा। किन्छ क पृष्टित घटन হো বা চেরেছিলেন তা পরেরাপর্যার পান দি। শ্বাধনিতা পেলেন কটে পেলেন না জাতীয় সংহতি। ভিয়েতনাত্র হলো দু'ভাগ। উত্তরে তিনি ক্লালেন ক্লালেণিত হিসেবে সবেশবর। দক্ষিণে হলো জাতীয়তাবাদী-নের আধিপতা। হোল আশা ছিল নির্বাচন হ**লে ভাঙা ভিরোতনাম আকার জোড়া লা**গবে। কিম্ছ না হলো নির্বাচন, না প্রেলো ভার दैराक. छेगार्ट काथरमा मादाई छेखराज मरभा দ্বিকণের। দ্বিকণের স্থার হলো আমেরিক। গোড়ার মার্কিন ফোজ ছিল আড়ালে আবডালে। তারপর সরাসরি নামলো যুক-टकरत । किन्छ टनरे विकाधे प्राकिन वर्गारनीरक বেভাবে হো আর তাঁর কোনাপতি গিয়াপ नारकर्णा करतरका छात्र स्वाटना पूराना ইভিছালে নেই। হোর সাক্ষা ছিল ব্যাধীনত। ATT ! CHEMPA স্থাধ নিতা তিনি দেখে বেতে পোরেছন বটে, কিন্তু সাহতি এখনও অনেক দক্ষে। ভাতে কিন্তু তার মহিলা কিছুমার হাস পারনি। ভিয়েত-मार्ट्स स्वित्रायक कहे मिर्कीक रवाम्पादक বিশ্বের নিপাঁড়িত মান্য ভিরকাল মনে 414C4 1

বৃদ্ধি দিয়ে অবৈধি।

ব বাংলার একটি বড়ো শহরের কোনো

প্রাণ্ডসীমার, একদা রাভ এগারোটা
নাগাদ, পরিপ্রণ চন্দ্রাক্তাকে, আমার
পনেরে-কৃড়ি হাড সক্ষনে একটি অপ্রগামী
বাভি অকক্ষাং ইংরিজী মতে 'স্ক্রে বাতাসে'
ফিলিরে গিয়েজিল।

ভৌতিক ব্যাপারে আমার আতণ্ক ছেলে-বেলাতে কখনো ছিল না) আজও নেই।



গোশাক শীত গ্রীন্ম নিবারণের জনা, কিল্ডু ব্যবহাত হয় শীত গ্রীন্মে কন্ট পাওয়ার জনা

আনেক রাত পর্যাকত একা শমশানে বাসে থেকেছি, যে জংলা পেনাড়ো কবরখনায় সাহেব-ভূতের সজো দিনের বেলাতেই নাকি দেখাশানো ঘটে—সেখানে নিশিরাক্তে একা ঘ্রেছি—শেরালা ছড়ো আর কেউ-ই দশান দেনিন। কিন্তু আমি যখন বিশ্ববিদ্যালয়ের ছাত্র, মাথার ভিতরে ফাটেনত রাজনীতি এবং সামারক সাহিত্য, ছাটিতে দেশে ফিরে—অনক রাত পর্যাক্ত আছা দিয়ে ফিরতে কিরতে—ইঠাং এমন কাউকে দেখতে পাব, বে নিজন পথে জনতত মিনাট চারেক ধরে আমার আলো আলো যেতে যেতে—বিনা নোটাখো—একটি ছোট মাঠের ভেতরে প্রেফ হাওয়ার মিলারে যাবে— এ অঘটন আমার কাপনাতেও ছিলা না।

খ্মের চোখ অবশাই নর, কারণ সে বরসে রাজ একটা-দেড়টা দুটো পথত যা খ্লি পড়বার অভ্যেস ছিল আমার: ভূল সংবার কোনো কারণ নেই—বেহেতু তিন চার মিনিট ধরে আমার আগে আগে যাচ্ছিল স। লোকটির হঠাং লাকিয়ে পড়বার কেনো



ভারণা ছিল না—কারণ মাঠের ভেতরে একটা ছোট কটি থোপ পর্যস্ত নেই—একেবারে দ্বপ্রের রোদের মতো পরিশাটি জ্যোৎশা সেখনে। অথচ—

ওই 'অথচটা নিরেই মুশকিল। আজ্পর্যতি ধার্যাটার জবাব মেলেনি। সেই লোকটি যদি কোনো জাদরেল ম্যাজিশিয়ান হয় এবং সে রাত্ত আমাকে বিনাম্লো একটা খেলা দেখিয়ে খাকে, তা হলে অবশা আকাল কথা, আরু তা নাইলে শেক্সপীররের ভাষার বলতে হয় : 'হে হোরেশিরো, স্কর্গে মতেন এমন আরো জনেক কন্তু আছে, আদের'—ইত্যাদি ইত্যাদি।

ভটা যা-ই হোক, অনপ নরসে এসব জিনিসকে আনৌ পান্তা দিইনি আমি। কিন্তু যতই বয়স বাড়াছ—তওই দেখতে পাক্ছি—ব্যাধ দিয়ে বোঝবার চেন্টাটাই পশ্চপ্রমা বন্দত্ত: কিছুই বলতে গেলে বোঝা যায় না—এবং বতই অবোধ্যতা বাড়তে থাকে, ততই স্বোমাক জাগে (সে রাত্রে বেমন চকিতে আমার মাধার চুলগুলো পর্যাত কদম্বক্ষরের মতো প্রকিত হয়েছিল), বিন্মরের রসে মন আগলুত হয়়, কম্পনার দিগত খ্লে হয়, জীবনে মনোটনি আসতে পায় না এবং রোমাণিকদের ভরসা দিরে বলা যায়—কোনো ভাবনা নেই, তোমাদের উৎস অন্ধ্র অফ্রেন্ত।

ট্রামের ভাড়ায় কৌলীনা আসবার পরে পারতপক্ষে ওটিকে এড়িয়ে চলি, বাসই আমার বাহন। কিম্ছু প্রশাু দারে পড়েই



ডাম্টবিন আৰক্ষান রক্ষায় কল্য, কিম্মু ডাম্টবিন আৰক্ষানা ছড়ায় বেশাী

চাপতে হরেছিল। রাজবিজার থেকে লোক বাগানের মুখ—দশ পরসা ভাড়া নিমে কার্থ কারে।

আজ ও সেই পথে—সৈইখানেই লোছ ক্র্ পরসা বারে। ফেরবার সমর ক্রাকটার বললে, 'তেরো পরসা।'

जाम्हर्य हरत्र कार्यास, भूभ शतना**हे रखा**

কজক্তার সেই দ্বিউতে জাজার নিকে তাক্লো, ছাপরা কিংবা মন্ত্রকরপুরের পাঙ্



ক্টপাৰ পালে হাটার জন্য, **লেখালে খনে** বাজার

সে' দেহাতী মান্ত্র কলকাতার প্রথম এলে যে দ্ভিটতে তাকে দেহতে হয়। কললে, 'উয়ো সেকেন কেলাসমে। ফাস্ট কেলাসমে উঠ্নে হি তেরো প্রসা।'

তেরে পরসাই দিতে হল, তিন পরসার ক্ষতি এমন মমাডেদী নয়, কিল্তু সংগা সংগ্রা আমার বৃশ্বি একটা মারাত্মক হোঁচট খেলো। বাওরার সময়, আজো, দশ পরসাডেই দিবি বাস পড়া গেল, আর ফেরার মুখে উঠনে হি তেরে পরসা?' মার আড়াই ছণ্টাতেই ট্রামের ভাড়া বাড়ল? কিংবা সন্থো সাড়েছ ছটায় চিপ ইভনিং' ছিল, রাত নটার রেটন্মাফিক? অথবা এর আগে আমি সশ্ভার জনতা ট্রামে চেপেছিল্ম, এটা রিরাল স্থাপ্ট ক্রাস?

ভাষতে ভাষতে মাথা গরম হরে গেল, নিজের দটপ ছাড়িয়ে আমি শেরঞ্জারার পেণছৈ গেলুম। না—আর ট্রাম নর, এবার লোজা রিকণ। রিকণ ভাড়ার কোনো জটিলতা নেই, ভার রেট নিভার করাছ আমার আর রিকণ-ওলার নৈয়ায়িক তকোঁর ওপর।



दमार्वेतवाष्ट्रि हरू हनात कना किन्द्र सारेदत दंतती इत दवनी

ষাস্তবিক, অনেক কিছুই বোঝা যায় না। এবং—ৰতই বোঝা যায় না, জীবন ততই রোমহর্ষক হয়ে ওঠে।

ক্ষিত্রদিন অমগে পথে বেরিরে হঠাং
আক্ষণভাঞ্জা বৃণ্টি। আমার ছাতা ছিল না,
কারণ থাকলেই তন হারায়। ছুটে
কাছাকাছি একটা মসজিদেই ঢুকে পড়সাম।
ভগকানের কাছারোর চাইতে ভালো জারগা
আমার কী আছে।

আমি ছাড়া আরো জন দুই চাবী মানুব সেখনে আগিছত কোনো কাজে গ্রাম থেকে শহরে এসেছে। চাববাসের আলোচনাই চলছিল। আচমকা একজন জিজেস করলে, 'বাব' সারেব, একটা কথা বলতে পারেন?'

কামি ফিরে চাইতে বলজে, 'এই যে সব পোকামরের ওব্ধ দিছে, এতে তো দেখছি পোকা আরো বেড়েই ফাছে ফসলের। বরং আগে যেসব পোকা ছিল না, তারাও এসে যাছে। ব্যাপারটা একট্ব ব্রিবরে দেকেন?' আমি কী ব্রি বে কোঝাবো! কোকা-মোকে প্রাজ্ঞের নীরব হাসিতে পরিণত করস্ম।

ম্বিতীয় করি কসজে. পোকা মারা ওষ্ধ থেয়ে আরো তেজী হচ্ছে পোকারা। কিন্তু জান্তের মরবার স্থিতে হলেছে খ্ব. কী বলো মিঞা? আগে গলার দড়ি-টড়ির অনেক লমঠা ছিল, এখন এট্রখানি ওব্ধ খেরে নিলেই—ব্যাস!

আনার সোলোক-ধীধা। বুন্ধি দিয়ে
ব্যাথ্যা করে কে? ফসল কাঁচিনে মান্ত্র
বাঁচানো—পেশকামারা ওব্ধের এইটেই
উদ্দেশ্য দ্বিস বোধ হয়। কিন্তু ভাতে করে
যে মান্ত্রের মারবার রাশভাটাই পরিখনার
হয়ে বাবে—একথাটা জানলে বকরাপী ধর্ম
ভার অহনাহান ভূতানি র মধ্যে এটাও জ্ঞ্জি

ना-किट्टे दाका यात्र ना। कार्वाचि প্রদানার পতে কর্পোরেশনের রাষ্ট্রাটা মন্দ ছিল না, হঠাৎ একদিন এসে সেটা সারাদিন খেড়াখ'্বড় করে-ভাকে দুগায় করে চিরকালের মতো পরিত্যাগের রহসা যে কী, তা কেউ জানে না: কেউ বলতে পারে না-কোন্ গঢ়ে গভীর কারণে ভাস্টবিনের স্থানিকপঢ়ীঞ্জত আবন্ধান পথে পথে বিকীর্ণ করে এমন বিশ্ববাদিত ঘটিয়ে দেওয়া হল ৷ আফার এক কথ দৈনিক একবারও তৌলফোন করেন কিনা সন্দেহ—তিনি সংপ্রতি এক হাজার টাকার উধেন একটি বিল এবং অবিলন্তে তা জয়া দেকার নির্দেশ পেরে বিশ্বয়ের যে অতলে ডুবেছেন কে তাঁকে সেখান থেকে উপার করে? জনৈকের একটি চাকরীগত ইণ্টার-ভিউন্নের চিঠি কলকাতার এক প্রতে পোষ্টেড হরে অপর প্রাণ্ডে পেণছেছে একমাস সতেরের্গদন পরে, অথচ ইন্টার-ভিউরের তারিখটি ছিল একমাস আগে। কিশ্তু ডাক-বিভাগের রহস্য তে৷ অন্ত-কালের মহাতামদে ঢাকা, মহাকবি দাণ্ডের কৰপনাৰও সাধা কীয়ে ভাতে স্চীভের

আজ বদি পথে বেরিরে হঠাং জনতার চেন্থে ছেলেধরা' বুপে প্রতিভাত হয়ে, সামাগ্রিক প্রহারে আমি পঞ্চ পাই, তা হলেও বুন্ধি দিয়ে কিছুই বুঝতে চাইব না। দেখছি, ও চেণ্টাই পণ্ডগ্রম!

ৰাগৰ্য প্ৰকাশিত

বি-এ অনার্স ও এম-এ পরীক্ষার্থীদের অবশাপাঠা গ্রন্থ অধ্যাপক অমূল্য সরকার প্রণীত

রবীন্দ্রনাথের সাহিত্যতত্ত্ব ৪০০

রবীন্দ্রনাধ্যে সাহিত্য' এবং সোহিত্যের পথে গ্রন্থের প্রবন্ধগর্মার বিশেষণ এবং রবীন্দ্রনাথের সাহিত্যতম্ভ সম্বন্ধে প্রথম প্রণাণ্য আলোচনা। অধ্যাপক সরোজ দম্ভ প্রণীত

त्रवीन्प्रनारथत्र 'विक्रित अवन्ध' २∙७०

অধ্যাপক সরোজ দত্ত ও অলোক রার প্রণীত

রবীন্দ্রনাথের 'কালান্তর' ৩.৫০

অধ্যাপক সংখেন্দরেশর গঙ্গোপাধ্যায় প্রশীত

সমালোচনা-সংগ্রহ পরিচয় ৩.০০

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় প্রকাশিত সমালোচনা সংগ্রহ গ্রন্থের নিবাচিত প্রবন্ধের আলোচনা ও বাংলা সমালোচনা সাহিত্যের ইতিহাস। ভূমিকা—ডট্টর অস্তিকুমার বন্দ্যোপাধার।

বিক্তর কেন্দ্র—এবেল পার্লাকেশন্স, ৬৭/২ মহান্ধা গার্লী রোড, কলিকাতা-৯ বে ব্যক্ত ভৌন, ১৩ বঞ্জিম চট্টোপাধ্যার স্থাটি, কলিকাতা-১২ নেতাজী
নিবাচ বাবোর
নিবেদন
স্কাষচন্দ্রর
ভারতের
মাজি সংগ্রাম
১৯২০—৪২
শ্বিতীর খন্ড ১০ টাকা

দিবতীর খণ্ড ১০ টাকা প্রথম খণ্ড নিংশেষিত পরিমালিতি দিবতীর সংস্করণ বল্ফথ পরিবেশকঃ কথা ও করিনী ১৩ বহিক্স চ্যাটালী দুলীট ভালিকাতা-১২

মার ব্যস হথান ন বছর, একদিন আবিকলে স্কুল থেকে ফিরে দেখি লবে দরজার ক'ছে মা দাড়িরে আছে— द्वारी नाम भाव करना कारता. रहान হাটো ভিজে। হা অনবরত ফোসকোস করে হলাবের ছোপ লাগা আঁচলে নংক বার্শ্নার-পর্ভার পাশেষ্ট মোডায় বসে আছে লোক। முகம் লোকটার পরনে ডে রাকাটা লালিন, গারে জীয়ণ ময়লা সাদা হাফ**শাট** গোছের বেটার কাঁধের দিকে কোন কলার নেই। তার পারে কোন জাতো ছিল না। পাবেডা হলদে আর বাঁকাচোরা পায়ের অভাল-নালা। ফাটা হাজাধর বিজির পা দটো দেখেই অমার সামানা অভিজ্ঞতা বকে <u>चित्र अहे स्वाक्त्रों निर्वाट शारोघाटों</u> ব্যবাদায়ে জলকাদায় দিনের পর দিন ে'টেছ। আঙালে আঙালু আঁকডানো হাত ব্যটোও হেমনি কিছিবি হলদে, ভীষণ পার, আর থসথসে। প্রচন্ড বাধা পার হতে হতে যে জিনিস্টিকে এগোডে হয়— সম্ভবত সেই জিনিস্টিকে চালিছে বা ঠেলে নিয়ে বাবার জন্ম ভার **হাত দ**ুটোর এ দশ্য



हरत्र थाकरव। काउन, श्रेट वक्रम खाकडे अक्तकत्मत्र कमडा कमात विका या नित्स খ'্টিরে সব বিছা বৃক্ত করতে পরতার। বিচার-বিদেশবদ করতে পারতাম। বেশির ভাগ কেত্ৰেই আমার এ চেকা সভাের কাছে পৌছে দিও আমার। এই বে লোকটিব হাত পা দেখছিলাম, তার সপো সহছেই ইতিহাসের ভোলান ধরাব্র शास्त्र भारत তলনা করা থেছে। চকের হারকা রঙলাগা আঙ্কা বেশ লবা আর হালকা ডিমের মত সাদা চেটো—ভাজে শিরাগলো **अर्थार कराराधा गुन्हे श्लम्धे साम्र लामाशी** –বিশেষ করে ৫'ব চাতের চাপ সরতে আমার অনুভব করতেও হরেছে—হাতে টের পেয়েছি খবেই নরম। ওবা হাত দটেন धवर महत्त्र भा मृत्यो छवित्व कृत्व मित्न **এक्ट रक्य शहरा क्या लाइ। छा बा**स्स লাস্ট পিরিরডে কেদিন ইতিহাসের 🚁 🗷 किस ।

বাদামী কেচিকনো শিরাবহাল দেহ নিয়ে বে লোকটি মোড়ার বলে ররেছে, ভার চিম্ক-গাল সাদাকালো দাড়িতে ভরা, কেবল গোঁফটা বছ করে কামানো। ভার



রাধার ভালের মন্ত বিধারর গোলা কতকটা এন্টালো বাটির সাইজ, একটা কালো টুপি। পরে এর সজো বখন দেকে হজিল, জেনে নির্মেছলাম, এই টুপিটা ভালগাছের বাগড়ার নীক্রে বে জালের মত জড়িল শন্ত শির্মানুলো থাকে, ভাই দিরে সে নিজেই তৈরি করে নিরেছে। লোকটি আশ্চর্য ক্ষমন্তার অমার ভাক লেগে গিরোছিল। বেকে বেতে ভারপর আরুও বা সব শোনা- জিল, চারপাশের পাড়াগোনে তের প্রথিবীর খাটুনাটি জিনিবে কত সব রহস্য, কি মজার মজার ঝাণার ররে গেছে —আমি তো ওকে মনে মনে আমার মাণ্টারমালাইদের চেরে জনেক বড়, জলেক মহৎ, অনেক শবিমাল বলে ভাবতে শার, করেছিকাম, প্রতিটি পাক্ষেণে জোকটি জানিবের দিক্তিল বে, প্রথিবীতের মোটামাটি দ্ব জাতেরই মান্য আছে—এক জাতের মানুৰ লৈ নেকে এবং অনাজাতের মানুৰ হজেন ইতিহানের ভোলানাথবাব। আমি কোন জাতের, ভা জানতে চাইলে নির্মাত লে জবাব দিত, ভূমি এখনও খুব ছোট তো— ভাই ভোনার মানুৰ কলা ঠিক হবে না।

খ্ব গোলমালা করে ফেলালাম কি?
আন্তে অনেকগ্রেলা দিন ভাবতে হরেছে,
ঠিকঠাক প্রপরন্পরা গোছালোর চেন্টা
করতে হরেছে; কিন্দু লিখতে গিরেই সব
আমার বড় মুশ্বিকা, এই গানপটা লিখবার
প্রশিক্ষ সংম্ভাসত ও সরলভা আমি হাত্তিরে
ফেলতে বলেছি।

এর কারণ কিন্তু একটাই। স্মৃতি ভীষণ দুশ্মন। স্মৃতি বড় ঈর্জাকাতর। স্মৃতি কলছহির। বদ্দেজাজী থিটাখটে কট্ভাৰী। তাকে আমি বলব একটা রোগা হাভিসার রোরাওঠা নেড়িকুরা—বে আমরে কত কিছু নিয়ে আগলে বসে আছে, এশপের গলেগর দি ডগ ইন দি মানজার—নিজেও থাবে না, আমারও খেতে দেবে না।

*

বারান্দার উঠতে গিয়ে সেদিন আমি ভড়কে গিরেছিলাম। সচরাচর এই গড়নের ব্য চেহারার কোনও লোককে এত । থাতির পেতে দেখিন। ওকে দম্ভরমত একটা মেডা दम्बक्ता इंद्याष्ट्र ! अकडे, शृद्ध्य दमार्ड हत्र। আমার দাদ, মুসলিম সমাজের এক ধর্মগ্রে। ইনলামধ্যে বদিও বা লাতি-वर्गाञ्च तारे, जव भूजनमानरे मान्य হিসেবে সমান, বাদশাহের পাশের আসনে পথের ভিষিয়ীও বসার অধিকার পার— অনুশাসনের সংগা প্রথার কিম্তু ফারাক আছে অসামানা। কালগুণে সব ধর্মের গত ইসলামের একনা হাজার বছর পরে প্রথাকে **খ্ৰে বড় করে দেখা হাছিল। ফলে** অভিচাত নিম্মলত মান্ত্রা চিহ্ত হতে থাকল পূথক পূথক চিছে। আমাদের বংশধারা **অভিজাত। যা**র দর্ম আমারও পাড়াগে'য়ে সমাজে লোকেরা খ্র সন্মান দেখাত। বিশেষ্ড আমার দাদ, ধর্মগার, মৌলানা। আর ব্যাখ্যার দরকার হবে কি ? তা হলে তো গল্পটা আর লেখা হয়ে ওঠে না!

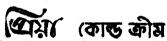
দীপালি শ্বশন দেখছে—সম্দ্র কত দ্রো গতি৷ শ্বশন দেখছে— সম্দ্র কত কাছে! কিন্তু সম্দ্র? তার চোখে কিসের দ্বশন? এর উত্তর দেবে

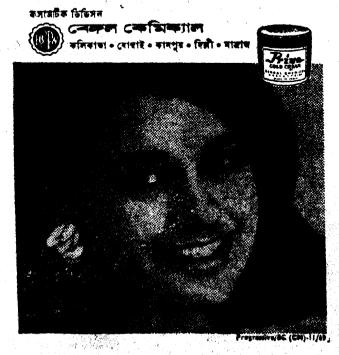
অজিত গাদ্লীর নতুন স্থি

সমন্দ্রের স্বণন ৪.০০

কলিকাতা প্ৰতকালয় । ৩, শ্যাসাচরণ দে শ্বীট/কলি-১২

ছাকর দঙীরে জল বা সাবান যায়না ব'লে সেধানে মহলা ছ'মে ব'লে আগনার ত্বক কক্ষ, বিবর্ণ দেখায়। বিজ্ঞা কোন্ড জীল সেই গড়ীরে চুকে বুলোময়লা পরিকার ক'রে আগনার ত্বকর তারুণ্য, লাবণ্য, করণীয়ত। অক্সর রাধে। তাই রোজ রাজে স্ততে যাবার আগন বিজ্ঞা কোন্ড জীল মাধুন। সকালে উঠি দেধবেন আগনার ত্বক ভোরের তাজা মুলের মতই উন্দল বাবণাময়।





উপন্যাসের সেই বালনাত্ শাত্রিসায়ের ছত— বে রাতের পর রাভ বিবে করে আরু প্রতি शकार कारक दक्ता करत प्रस्ता नामी ক্রতির প্রতি ক্রোধপরবদ হয়ে। না, অতটা बन्डव हिल मा माम्यत भएक। कार्यम, छिन्नि दातग्रह तन कवर दमछ। विक देशस्त्रक वासका अपनिम वस्त्रीतिक अक्ट नरुना छात्रहरू বট রাখা বার। দাদ, চারটে হিসেবে দ্বোর দটো একবার এবং পরি:শবে মাত এক-कारकरे विस्त करविष्टालन । अहे रणाव दछे हैं ছাড়া স্কলেই বিদ্যুটে রোগে মারা গিয়ে-ছিল। সেকালে সামান্য জনরজারিরই ওবাধ ছিল না ভালো অতি সহজে মান্য গ্রম গাছে মুদ্রে পাছত জার ঠাপড়া হয়ে। বেত। জন্মৰ ঠাৰুমা দাদৰে শেষ বউ। খাব খাটি। ্টি লক্ষ্য করার মত ক্মান্ত ছেলেবেল্ড ন থাকলে অমি তো জানতেই পারতাম না যে জামার এই ঠাকমাটি এক নিদ্দাবংশীয় হিন্তর মেরে—বাকে ব্রতী বয়সেই ডাইনী बान गोरहेंद्र रनारक रकार्यमा करहे रहरू ছিল! লোকের অপরাধ আমি খ'ভি না। দে যাগে মানুবের সংখ্য প্রকৃতির যোগা-যের হত বেশীই থাক নাকেন, ভার: প্রকৃতিকে ভীষণ অসংগ্রেল আরু রহসাময় बरम करन कर छ। अथन, अरे स्वाहित करण

নাকি প্রকৃতির যোগাবোগ ছিল একটা ভিন্ন বক্ষের। সে সাধারণভ রালিচারিণী ছল—গভীর রাত্রে করেবালাডে ভাকে চপি-হটিতে. श क्रमामा-माधि-स्टब्ह জানোয়াব-পোকামাকডের স্বেকা ফিস্ফিসিয়ে কথা বসতে লক্ষ্ক করা গেছে। কেউ লেখেছে সে মাথার বাতি নিয়ে অন্ধকার ফাকা মঠে भिष्कः द्वारि अथार भिष्कारक निर्माहरक কোপায় উধাও হয়ে যায়। সে ছিল বিধবা-তাদের জাতে সাঙা বা প্রেবিবাহের প্রথা ছিল। কিন্তু সে আর পরের বাচেনি। একটা গাইগর, দটে ভাগল করেকটা ছাল-মরেগি (মরেগিও সে-জাতের মন,ৰ প্রেত) আর উঠানের সর্বাঞ্জর হাজা কি ব্-চারটে ফলমাকডের গাছ নিয়ে ভিন্ন ভার **সংসার** চ হা, একট ডাহাক পাণির বাচা একবার বাশবনে কড়িয়ে পেরেছিল সে। বন্ধ মারার তাকে পর্যোজন। পাশার গারের হা**ট থেকে** খাঁচ কিছে একেছিল। ভাহাকটা বেল বড হল একদিন। গভ_{িত}ু রুতে নিশ্চয় সে ... er#. ङ*क*ड--वृद् कृद्<u>...कृद्..</u>.कृद्! ঠাকমার পাশে শাহে এইসর গলে শানতে শ্যুনতে আমি দিব স্পাট দেশতে পেতাম, শ্ৰেতে পেতাম এবং কেন কে জানৈ, কুব ... कृत्...कृत्...कृत् अक्को अन्याम क्रालेरे নান হত, কে নিৰ্ভি রাতে জাচমকা একে আমার ব্যুক্ত তিত্তর জাঙালা গলৈকে কলাজের খোচা গিছে এবং...না না! বল্পানর, ভীষণ কাতৃত্তু পেরে হিছি করে বেলন হাসছি। ঠাকমা বলতেন, ভূই হাসছিল খোকা, কেন রে? ...এখন ব্যক্তি, কে জিলা ঠাকমার দৃহখের গলপ। কারণ জামার হাসি দেখে ঠাকমা একট লীবিশ্বাস কেনে শুন্ধ বলতেন খুমো। রাত তরেছে।

ভারপর কী কেন একটা ঘটোছল। সেই গাঁৱের কোন বছবাৰ, না ছোটবাৰ্যর ছেলের রঙ ছিল করের মক্ত সাধা। একটা লাউ বেচতে পিরে রহসামরী যুবতীটি আরু লোভ সংবরণ করতে পাতর্বন। উঠোনে ব্লোর ধেলতে বসা খোকান্টিকে কোকে ছলে বলে-ছিল, আহা হা, মানিক লোনা, ছোৰ নিকে কাররে মন নেই রে। ছই কি বালোর रथलताह धन ? एहे धार्कीय कि ना वाया-यमारहर बाडेभानरक्वत माना मन्यात परक मामा (शाकाबादाँ है है)। भीत इस ब्राह्मित ब्याउट अपन बात भएक कम् प्रांत कथा! বাংলা দেশের সেই সমর্টা জলপাডাগাঁরে या अधना मा दिल। छात्रिक नात् स्त्रीयन रमनाप्त श्रामनकाशभाषाम् निवासीय सम्मारा গেড়েছন! অহত ব্ৰচীটকৈ

(MX

শারদীয় ১৩৭৬

॥ মহালয়ার আগেই প্রকাশিত হবে ॥

বিশেষ আহবণ: ববীন্দুনাথের প্রথম হিন্দী বকুতা ৰহ্মাটক:

প্নমিলন: ব্রুদেব বস্

र छ छ भन्ता म इ

রাজা বদল : বিমল মিত

অনেক দ্র : শংকর

নিশীপ ফেরি: বরেন গজোপাধ্যায়

क्षा है के शाना न :

भागाय : अभारतम यजा

ৰি লেখ ৰঙনাঃ

শব্দছক: সত্যজিৎ রায়

नाम : का ब्र. हो का



এ ছাড়ার বিখছেনঃ

অক্তি দত্ত . অহাদাশ কর রার অমিয় চকুবতী क्रमीय स्मीन জ্যোতিরিন্দু নন্দী पिट्नम माँग नातास्य गत्माभाषाः नौरत्रम्प्रनाथ চক্রবর্তী প্রতিভাবস, প্রমধনাথ বিশী বনফুল বিমল কর বিষ্ণু रम ब्रमाशम क्रीय, वी मांड क्रियो-প্রায় শরংকুমার মুখোপাধায়ে म्योम গঙ্গোপাধায়ে স্ভাষ **अ**, त्याशायाय স্শীল রায় সৈয়দ মুক্ততবা আলী হরপ্রসাদ এবং অনেকে আরও

रव्यक्तिके सारकः भौड जिसा

কর্মার ক্রিটা হোটামাটি মুক্তের স্পুত্রারিক সাল্যাক মাট নির্মেতিকার মানসার কর বানুকে মুক্ত অন্যান্ত্রী করে করে করে কর এক হিন্দু অন্তান্তর প্রতিত লাম্পটের সম্ভাব হাট এবং আগ্রান একটা করে নিশ্চর করা হর্মোকর মালীপকে অন্তানিটি মাট মান্তর স্থানতে প্রেটা করে সাল্যান্তর স্থানতে স্থানত প্রেটার করে বান অনুবারীটি মাল্যা কি জানেনার নাল্যা स्व । वक्ष्यः (क्षेत्रांकाः व्याप्तः केष्यान् वाहरः व्यापाद केम्बाक्षं कृष्यः गरिक्षः करहाद्वार कृष्यः वर्षः करहाद्वारः व्यापाक्षण्यास्य एकः कृष्टिः व्यापादः गरादः कृष्यः स्वरुद्धः कामानकः करहा

এখন ব্রিক এ ছাড়া কোন উপার ছিল না ঠাকমার। ভারপর জার কী। নতুন বউ সংক্য নিজে সনলবলে জাকিলে বাড়ি কিলেন নার। সুস্তুর হল কুলসুম। ব্রেন কৰ কৰে উঠাৰ প্ৰস্থাকন। ৰাসেত উচ্চ ন লড়ৰ ৰাজ্যনাটিৰ বেলিন। চীপাগাছে চীণা কুটৰা। নিউলি বাৰ্ডে নিউলি।

कवार बाल, दिन्त्य वाणि, मूजनमाहित शिखा मास्मे स्वयत्न अक श्रेम, स्वयत्नव वीरणावणा करणा कर्मन । नाम्य त्याःश द किया बाकाबारिक महम्बद दर्श होता। উঠোনে কলেকলে গাছ, ককবকে বাভামনিত লেপন সব্যানে। যেকানে থালি গা গাড়ান नाहा नक भावरमध्य काल अकार ना। सक মকে বাসনকোসন, ছিমছাম রামা রাতে শাষে करतात शाथ मांकरण मांकरण चांचाता बाहा। उद्ध ब्राम व दा। भारत-हार्ग, ठाकमात्र ট্রেনি**ভের দরকার ছিল। মাস**থানেক থেকে গোলেন দলের বেন। নন্ন যার করে গোখাকল পোলাও-কোর্মা-কালির -কো•তা কাবাব গুরুর কারণ পাদ্ধর ভেজনবিলাদের কোন মত্র **ছিল না, ভাছাড়া শৈংকেন আরবী** ফরসা কেতাৰ পড়তে, শেখালেন ফোরাণ পাঠ এবং ন্দাকে ইতাদি অবশ্যপালনীয় ধ্যাত্রের বোৰালেন হাদিষ অর্থাৎ অন্যাসনের নামাৰলী! আশ্চৰ ক্ষমতা হিল ঠাক্যার : কিছ**িদ্ৰ পরেই, ধ**খন দাদা মরে দেই, অকিমাক জরবে কোন ব্যাপারে **অর্থাং অন্যালনের বিভিন্ন ক**্রিলার জনো লোকে বিবিসায়েকার কাছে নিতে অংস ৷

জার একটা কথা ভাষাত বলাক লাবল ।

নাব্র ব্য়স তথন বাং লাকি পণ্ডল সাধানার
ব্য়স বড়জোর তেইশা কি পণ্ডল সাধানার
নালতা প্রেমের রুইসা কী? আমি কানি না,
ব্রিমা না। তাঁরা কি অস্থা ভিলেন
প্রমেপর? বলা মুক্রাখা। এই না বছর বিয়ন
করে বজানীয়ন কোনা দ্রমেতা কলার
আসলা ভারে দেখি না। খাবই বিনাতি বন্ধ
আরেশ ভিলা তাঁর। শিক্ষাতি সম্পান শেবে
সার্ বিবালে ঠানান কোনে সকার সাধান
তাঁর পাব্তোর চুম্ন (অবাধ ক্রাম্বার্থ)
তার পাব্তোর চুম্ন (অবাধ ক্রাম্বার্থ)
তার পাব্তোর চুম্ন (অবাধ ক্রাম্বার্থ)
তার পাব্তোর মান হতা উনি কাগ্রার লিক্সা
ভাবিনের ভারাল বন্ধাতে চ্না, ক্র্মিই আন ব

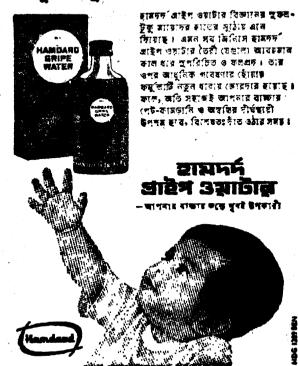
*

ঠাকমা মরে বাবার পর দাদু একরকম বাড়ি আসা হেড়েই দিয়েছিলেন। পরে। একটি বছর আর ভার দেখা নেই। তবে মাঝে মাঝে ভার মুরীদ অর্থাৎ শিব্রাড়ি থেকে লোক অসভ এক কলসী গড়ে কিংবা কারক সের ছেলেন্দ্রমূরি কি প্রটানারকোল নিরে। মা দাদুর প্রপর খাংপা ছিলা করন, মানুর কোল আরই আমরা অর পাইনে। বাবা দাদুর মত মোলানা না হরে নিজের চেলার কুলো পড়েছিলেন। এনটালস প্রস্কুলে পড়েছিলেন। এনটালস



सारम्बा

अथन वाकात अत्य এই চমৎকার बञ्च कर्मुनात शाहेश अग्रामात विन



২৭ ভার ১৩৭৬

FICH-RICH CS STOTE - 1 कामार्वेद कानम्बद्ध प्रत्य माह ।"

CFE 44 4869 WINDHIR SITE WINIS TPECO COCACEM-IN PRINCE HANT ENTH शामात बढ़ा देखा कड़क स्वरक। बिरमंत करह शाम हत्य यावास श्रम सारक्ष्मात्य देशासीक-কোমা থাবার ভ্রথকার সময়গলের আর व्यामहित मा। मानद्व बद्धव दाव द्वाद हेकारना निरकग्रहनारक महना अमारमहनव हाँ । अस करत करन एक एक किन হুড়ের। একসমর হাড়িসালো কোন না कात माथाएमा भाग त्यात्वरका माम, क्षीयन काकर्मावनामी किलन कि ना।

সেদিন স্ফুল থেকে কিন্তে, লেকটাকে লেও আমার থ্য খ্লী হওরা উচিত ছিল —কেন না, এতে করে নিশ্চর কোন গাড় নারকোল কিংবা স্থেম্ব উপহার আলা करत। किएक धार्मी संकारक राज्य करतीक्ष्य বিসময়। লোকটি মো**ড়ার বসার উপব্যক্ত** নর-এবং না কাদতে প্রভার আফলে! की घड़ेरह ?

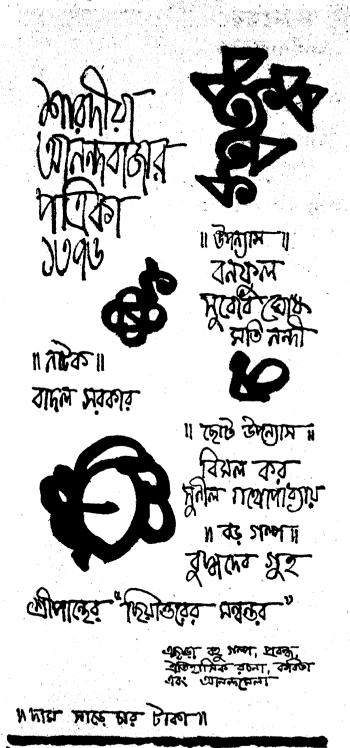
জামি এগিরে **বেতেট্**মা কামার দু হাতে ব্যক্তে ধরকা। জারাপর চাপা স্বর্থে वलल, रशका, राजामात्र नामः, माता रशका।

মার। গেছেন। দভি। বলতে কী, মারা যাওয়া সম্পরেলা তথ্য এক **অস্ট্র ধরে**লা তালি পোষ্ণ করি : আমার বরাবর্ট বিশ্বাস ভিল্ল হোহাড় জন্মের, মৌলানে; এবং কুল্ল-ातपुरतके चंद्र--काशास**न्त व्यवस्थारे मा**ता যাওয়ার উপাই কেইন জার মালে, আমরা--জানি বাতা দানে মা ও ঠাকুমা ছাড়া দ্বনিরার সবাই তে। শিষা বা মার্রীল সানা্য। ওরা সাধারণ, আমরা অসাধারণ। তা না হাকে কোই বা লোকে আমার মত কানে লোকটিকেও এত ভবিদ্রাখা করে! কাছেই ক্রমরা অবশাই বে'চে থাকব। ঠাকমাক मत्राक रमरथा क विभवान स्वारक्रीत । कातन, ठेकमा रका दिनम् ছिल्लम।

মারের কথাটা শতেন ভাই আমি ভাঞ্চিলা बकाम करत बाम खेठेलाम, माः। एक बालाह ? मा बनन, ७१ लाकपि भवत्र अस्ट्रा অস্কৃত চেচিত্রে বলাম, ও মিথ্যেবাদী। বলার সময় লোকটির দিকে আড়চোখে তাকিরেছিলাম। দেখি, সে বেন হাসবরে চেণ্টা করল—মাথ টা দোলাল—ভারপর আফ-কেন্তৰ জিভে চুকচুক শব্দ করকা মতে।

মা জামার মুখে হাত চাপা দিয়ে वशन. हुन, हुन। बनएड करें। स्थाना তেমের নাম, সভি। মারা গেছেন। তেমের বাবার এসিকে কোন খবর পাজিনে—মাসের গোড়ার মানিকডার এলেছ—ভতে কুপান অল্প একট্ৰানি চিঠি ছিল। কী হল, কিছু ব,কাত পারছিলে—ত র ওপর এই বিপদ।...

मारक हुन कतरक स्तरब जाति बननाव,



THE TO PERSON

भाषा है। सम्बद्ध । ६ ००

नहें प्राहेरे

नक्षत्रीयमा रम् ॥ ७-००

॥ পৰ'ত ফুভিবনে কাহিনী ॥

दर्गायस त्रक्ष

বীরেন্দ্রনাথ সরকার 🏿 ৩-৫০

नम्मकाग्छ नम्माघ, ग्रि

গৌরকিশোর ছোৰ ॥ ৫-০০

এভারেন্ট ডামেরী

স্থাংশ,কুমার দাস ॥ ৯.০০

কাণ্ডনজংঘার পথে

বিশ্বদেব বিশ্বাস ॥ ৫-০০



আন্দদ পাৰ্বজন্মৰ প্ৰা: জি: অফিল: ৫ চিডাৰ্ডৰ বাব কোন ৷ কলি: ৯ বিক্ৰ-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ মহাভা গাড়ী নোড ফোন ৩৪-৮২৪৭ The state of the s

दर्शः कामि नार्वः काम् कामिकाम ना । को खानमित क्षेत्र काम्य वाचे द्रोक्ता नाम एक रेक कर्षः क्ष्म वाक कामिताः वाक राज्यनाक क्ष्म क्ष्मिकाका काम्य माना रस्त्य प्रता काम्य कर्षः काम्य काम्याहे सम्बद्धाः नाम्य कर्षः रस्त्यो वात्, स्वा निर्मार क्ष्मकार्यः काम्य कर्षः रस्त्यो वात्, स्वा निर्मार क्ष्मकार्यः काम्य कर्षः रस्त्ये वात्, वात्माक्षम् वर्धे वात्व क्षम्यान क्ष्मे एक्ष्मे

্থবরে ইনকেটা কার্ব উন্নেশে ছার্থ খালা। আগনার মান্ত্রাক্তর বরার সময় আগনাকে দেখতে চেরেছিলন। আর জোনাক ইছে ছিলা, স্কা আগনি তেনার কবনে এই কিটের চাটি রাটি দিয়ে জাসেন।

না বছরের ছেলে অতি। জানার আবিনি প্রতানির অবাক হবার জিলা না। পাড়ার বিনির জান মানারই আমার অংশনি বজার জিলাছ এই লোকটির কবাসালো পানে আমি ক্ষার হলায়। মারার কছ থেকে সারে দরভার পাশে এলৈ দড়িলাম। বললাম দাপুর ইছে।

জী হাঁৰ ব্যেক্টি সসন্তাম নুহটা नाम न । निर्देशक भारतक पिरक कावितक बनान, হ্তুর সাহেব ইছের কথাটা আঞ্চ ভোর-বেলার জানিরেছিলেন। তথনই আসা উচিত ছিল। কিন্তু থে দার ইছে। বড় আফুসেস - नामान व्यक्तित अत्र ती कक हिन। ক্রাবলাম ्रक्छ (शहक रिक्ट द दिक्ति শুকুৰ। 1000 ৰাব্য তা (समान \$ 100 mm 2 7/5 আমার কোতের কাজ আধাআধি হয়েছে बंदन राम छीन भारत है स्वर्धन । रगानीय रात रंगन, की कत्रवा

লোকটা কপালে করাখাক করাত থাকল।
তাংলে আমার এক্রিন ওর সাংগ্য বৈতে
ইবে সংগ্য কিছু, মাটি নিরে। দানুর কথার
দিতে ইবে। তা না হলে নাকি দাদুর আত্মা
লান্তি পাবে না! মা সারা গালে কলোমত
কাপড় কড়িরে লোকটার পাশ দিরে
বেরোল। উঠোনের কপালে রালাহর। তার
ল গোরা একটা ছোট খরে নাল, থাকতেন।
একটা কটারি দিরে থানিক হোঝের মাটি
ভূলে অভিনে রাজল মা। তারণর বলল,
ধোকা, তাক ধ্যক্ত এই পাটিরাটা ন্যা।

পার্টিরার ঠাকমার কিছু কাপড় চাপড় ছিল। একটা প্রিক্তার ন্যুক্তর রেশ্মী পাড়ি তাকুম বলাকেন, এর নামানর রক্তাতী পাড়ি, ওবি বিরের উপহার—আমার চোধের সামনে THE RELEASE STATE OF THE PARTY OF THE PARTY

वा स्वयं हात्त्रकः ए विशव व विश्वास्त्र यह करत रविषय करता । स्वयं क्रियं स्वयं क्ष्मा राज्य कर्मायं क्ष्मायं। स्वयं ज्ञान त्र स्वयं पात्रक क्षित्रों क्षा क्रियं स्वयंकत्र था। स्वयंक्षा संस्थितिका नाम करता स्वयं

ठिक अञ्चलने कामात्र वास्त्राहो गृज्

नमस्ये किन कर्मान नस्यक्षान । सर्व यानव बार्क दर्गावरक किन्न बाह्मकता निह-সে^মতে অলেপ্তে আমর। যারা শ্রু করলাম। আকাশটা ভিল খন উল্ভান নাল ভাব বাণ্টিখোৱা। : কেবল মাঠের শেকে দগলে य्जन क्टब्स कुतामा हमधा के किया संभित्र সূর্যে কেন্দ্র কামরা কোনাকুনি চলেছি। ৰাভাস বইছে শনশন করে। পারের জাতো चामाक दरक वादवाद-वादम (काशास কে পাও কালা জাম অন্তঃ হটিতে নাচেটা মাসের ফালে কটকট করছে। বানবার ১/ত वाक्टिक वाक्टर विद्या धारमह द्वाकृत रक्टरत कर्मना कथा अन्य कर्माक। সেই GMCকার প্রত্তি অঞ্জ পোক আরু কানে মাছ ছোটাছানি করছে। কোথাও বা খামাক শক্তি ব্যক্তিয়ে ঘটেসর তথা। স্পর্শা কবছে।

মাঝে মাঝে এইসব দেখবার জানে।
লাডাতেই পিছন থেকে লোকটা তাড়া ।
নিচ্ছিল, জলানি চলান, জালদি। আনকটা নার বেতে জাব।

কত বছ মাঠটা গলে, হতে হতে বেখানে
কণীছলাম সেখানে শুখা কল কর জল।
বানের ক্ষেত্র থেকে বেরোডেই সামান হঠাং
বিশাল উচ্চাল উত্তরণ জল—প্রচন্তে হতে।
থমকে দক্তিরছি সংখ্যা সংগ্যা। পারের কারে
তেউরে ফোনা আর খড়কুটো দলেছে। কলকল ছলাছল আনে ভুনকারী, ধ্যনিপালের
কাছে নিজের কঠেবর খুখাই জসহায় জান
কবন ঠেকল। কলিছলান, আনরা কোবার?

পালে এসে দক্তিরেছিল লোকটা।
আমর ভয়তে কঠেবর বানে সে তার বড়বড়
বল্নে দতি খালে হাহা করে হাসলা বলল,
ভর কাপছে? পানি পেরোতে ছবে না।
আমরা এবার বিশের ধারে ধারে হাব।

বেনা কাশকুশে ছেন্টবড় কোপের পাল দিলে উচ্ পগারে জালরা বিলটার সমাস্তরালে কিছা দ্র ছেটে গেলাম। কটি। জোপে স্থানর স্থানর প্রভাপতি উড়ছিল। ক্ষেকবার হাত বড়োলাম ভানের ধরব র জনা। একবার খাখু সামানা একটার জনো হাত, ক্ষকক পালাল একটা। পারে দেখি

[माम मण ठाँका]

धरे रमधरकम

चान निर् जाउँ ठीका

चाउँ जेका

রাজনীতির भावाद थना

इस डोका

উপোক্ষত বসন্ত

शीं होता

कृति-क्सन करमान हिए. कमकाका->

TON THE ST COUNTY AND NAME OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE TINGS WITH CARTS INTOINED DIN TON WHEEL WHEEL THE ! WITH of the last state of the same HE'S SEC SHIE SECOND SEC प्रदेश देखा करके करक विकास कालाय मा। क्लिक ब्रह्म बार्स मान क्रम व्यक्ति विकारिका क्टब-स्थातः विदेशिकातः वार from the most was thing - or for माद्ये भा ठामान।

क्रकरम प्र चामरबाद यामन श्रापंत मानाव्यमः कायमा अध्य ब्रेट्सिस अर्थेगर रनाकामाक क्ष्मानीक नाक्ष्मीकर पास-কৰিব সাপ আৰু বালের মুলিবার ক্ষেত্ৰৰ প্ৰাঞ্জনী হয়টো टबटक करने? टकानात मिटक नाटक कार्या है? शका क्षीक्यांटम चाएटहाट्य शिवटम बाचा वानीयमाम । भूति हाभाउ नाविकास । धर प्रावका राज्यस्या एकार ना महारा-विकित र्वाकाद्वाचा स्माप्ते करत्रकते व्याच्या स्टे भागत्यो माहासीयम कर्णाम श्रेष्ट वार्माम সৰ বিভিন্নি নুগান পথ হে'টেছে এবং जामात्रक कि जर्मन क्टब होंग्रेट संग्र टम? चात्र चाण्डम, अहे शब अहे निहित मानिता जन्मदर्क क्षत्र विम्मुमात क्षीं एतहे, विन्यत নেই, আশ্চর্যারকর নির্বিকার সে। চোধ-দুটোর শেষবেশার লালচে রোণ প্রতিফলিত इरक् कम (बरक धामन्त्रत केन्द्रताला ज्राम न्टिइ छटे त्तामः मृच्छित्क मित्रक् धौरिदा-खबह रत्र ठिक्दे शा दक्तरह, यात्रि हेर्नाह । त्यात निषय करामाय, वी भारत करनात निरक আয় ডাকাব না।

इसम् नथ मामदंन उष्ट्रांड উঠে हान। **এक**हें शरतरे मिथ-नमी।

मनी! ननी तमहे वहता वाव जितनक श्राष्ट्र रमरकीष । आशास्त्रत भीरत्रत भारम रकान নদী নেই। পিলীর বাভির পালে নদী দেখেছি। সেই নদীটাই ভিনবার মাত। ভার-भव नमीत कथा कुरशारम शरफ्री । स्मर्ट नमी रगरबाटक रूप्य :स्य !

একটা জোডবাঁধা ভালডেগুরে মাঝি जाबारमञ्ज भात करत मिन्। अभारत शिक्ष পরসা চাইলে লোকটি আমার পরিচর দিল र्जीवर्णव। मान्द्र भ्राष्ट्राज्ञारवाम कार्नाल। गाम प्राप्ति विक्रविक करते की वनाउ बनाउ रक्षकार्ण रकेटल जिला । बहुब प्राचाक लागन । आधे राज हमान रकके रकाम यांचा निरंक ना বেন । সবাই পথ মতে রাপতে সাহায্য করছে।

रवना त्नव । जावकामा कन करत कुलाक বিশ্বত নীলাভ সুয়াগা—ধানের ক্লেতে, গ হ-পালার, গ্রামের গ্রপদ্ধ-সবখানে। বেন খ্ব यत्र करत कृतामा मिरत राज्य राज्या हरक म्युनिसाधारक। द्वन ? प्रयुक्तिनाधि मका क्याप



वस्तिष्य वश्व

रुक्ती स सर्वात्रनी सर्वाते हात व्यक्ति ৰুশাকাৰা। এক অপাশবিদ্ধ তরুণ কৰি-কুমার এবং স্বর্থপ্রতিয়া পর্ম কল্যেন্ডী এক বারাসনার প্রোবোড একটি প্রাক্ত कर्राष्ट्रनीटक स्वनामधना कवि रास्ट्रस्य वस् এ নাটকে এক অসামানা সিচ্চর প দান करवरहरू। रमप्रकृता बारक काम नाम मिरह निताम करत बादक, जातरे श्रकाटन मृत्यम मान्द्रव, मूर्पेष्ठे नंतनाती, **रकमम करव भट्टमा**ब भाष निकास इक — नावेकवित क्ल विस्त इम धरे।

দাম ৩.০০

 अहे रमध्यक्त जनामा स्ट्रे কলকাতার ইলেক্টা ও

গোলাপ কেন কালো

সতাসন্ধ 6.00

4.00

6.00

তুমি কেমন আছো 4.00 পাতাল থেকে আলাপ



আনন্দ পাৰ্বালশাস প্ৰাঃ জিঃ व्यक्ति : ৫ हिन्तामीय गुज स्थल । कव्या 🏖 विक्रम-रक्ष्म : ७०७ महाचा गावी साम **CPIA 08-858**

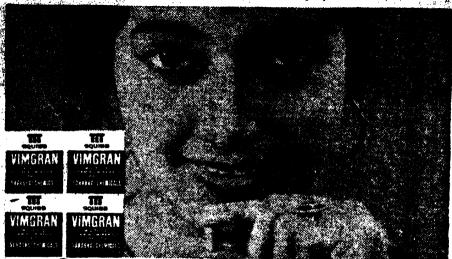
ENTREME OF SECULO SECUL

स्य करतार महित्र होतून काला करणा करता जाम ह काला अकाहरी मार्ड होता काला राग काला काला राग महा देश प्रकारण वाला काला राग महा देश कालक महान काल काला राज राहि। काला महान काला राज काला राज केकाला राज महान काला राज काला राज केकाला राज STATE WEST THE STATE STATE OF THE STATE OF T

মুক্তর থেছা ক্রীরখনত। ক্রারের নাচে গোকারাকড় আরু প্রকাশতিকের ভিন্ন উচ্চ দ্যোকারা বিভাগিক ক্রারে গোলালা কি প্রক্রের বার্ত নালিকে প্রক্রিয়া প্রক্রের না বাব

िछे। विव ३ श्विक भश्यं जाभवात भतिवादात अक्टबर शास्त्रत सवा अकार श्वासवीय

ठैंडा कि का बरबंदे महिसार भारकव ?



মৃত্র ! ভিমন্তাতি বিবিধ ভিটামিন ও

ভিটাসিম ও বনিজ পদার্থের জভাব বাণনার পরিবারের কননের বাহ্যের ক্ষতি করতে পারে। করনার, মহি, ক্যানোপ, পায়নাবি, চর্মনায় ও বারের বয়স-এনব-নাবারণক ভিটারিক ও বনিক পরার্থের ক্ষার থেকেই ক্ষতি।

ভবু ও বিভীনিকা ও বাজিকা পানার্থ কালাকে প্রায়েই ইন্দ্রিকার কোষা কোষ, এবনকি বা বারে নার পরিক্রিয় আহার্বোও। নন পুটকা বার্ডাই অসম্বত্ত বাহি বাত বহু বহু প্রকারেও আহার্বোর মধ্যেই কিটানিক ও বনিক পার্মের বাইকি বাককে পারে। উন্নেল আদনি কেম্বন করে নিশ্চিত বাত পারেব বে আগনার পরিবারের স্বাই একাড প্রয়োজনীয় বাবহীয় কিটানিক ও বনিকা পর্যার উক্ষয় এবং চিক-টক অৱশারে পারেব হ

व्यानमात अतिवादन आछारकरे बाह्य चीरक

অভ্যোজনের অসুগতে এইনৰ একার একারনীর পুট্টকারক পথার্থ বিভিত্তকারে পেতে পারেন, নেইকারেই অনত কোরু বিশ ভিন্নপ্রাাঝ—খুইবের বিধিব বিভাগিন ও অধিন পথার্কিক ভাগেনট—প্রতিধিন একটি ভ'বে। এই বায়াকর অভ্যানটি আঞ্চ থেকেই ক্ষম ক'বে বিন বা কেন?

ভিত্তভাৱে আগারট আভোক্তনীত ভিটারিব ও
আটি বলিক পালার, পর্যার পরিবাপে আছে। নাম রক্ত কোন পরে ভোননার করু ও পরি বিভিন্ন আবের নামার করবার করু নোর—বার ও বার বক্ত রাখার করু আটারিক্সার— নার রাজবার করবার করের করু ভিটারিক্স কি—কার্য ক্লিবিক্ত ব্যুর সার্য ভিটারিক্স কি—কার্য বিভাগের কর্তার ক্লিবিল্লা কর্তার কর্তার সার্য কর্তার কর্তার কর্তার অব্যার কর্তার কর্তার বিভাগের কর্তার করের কর্তার করের ক্লিবিল্লা কর্তার আপনার পরিবারে নক্তরের করের কর্তার কর্তার করি সার্যার বিভাগের নক্তরের কর্তার করের কর্তার করের কর্তার কর্ত

<u> जिस्थात</u>

একটিয়ার ভিষ্ণপ্রাদে আপনাতে সারাদিন কর্মই ভারতে

W Courses

SARABHAI ONEMICALO

of the pir of an institution of the pire o

Shirp-SC-256 Bed

नीटिंड वारास्थ्ये स्ट्रांस्ट स्ट्रांस स्ट्र स्ट्रांस स्ट्रा स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रा स्ट्रांस स्ट्रा स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट

THE PART OF THE PA

লোকটা হাত বাজিক কৰাৰ ক্ষেত্ৰ কৰিব আমান। আলংগানে কৰা কৰিবলৈ কৰিব বিদানে নিক। বাজন, আমা ক বিলালনিক কৰা নিয়ালাব। বাজ, বাংলাক আন্তৰ্ভাৱ কৰিবলৈ কৰে বাজি থাকেন। আহা ক্ষান্ত কৰাৰ্য্যৰ কৰিবলা

কে এই লোকটা। আৰক্ষকে কুরাণার
মর্ট্রা বুলে বিজে ক্রাজ্ব আরু ক্রাজ্ব হাবে
কর্ম চ্যালিটার চিনালিটার কর্মালিটার করিছে। কালাং কালা বা কেলে ও
চুড়িছিল ভারণার করেন্ড আর্ল্যুক কাজিকার।
ব একটা সভিভাগর বোড়াক মন্ড সৌক্তে
গ্রে করেছে। বভদ্যের পথ আম্প্রা এসেছি,
সবাই আমানের সম্প্রামে পথ ক্রেড়ে দিরেছে
সরে গেছে। এবার ভারও প্রতি বু পালেছ
সরে বেতে থাকল ক্রে লারও প্রতি বু পালে
সরে বেতে থাকল ক্রে আরব্যান্তের।

ভারণর অধ্বার সম্ভন্ন মাঠ কুয়ালা পথ গ্রাম পেরিরে—কড দরে দ্রোল্ডর পরিভ দিরে ও এগিরে ব**াজ্ঞা একটা ক্ররের উদেশো।** ক্ৰমে সব একাকার হলে বাচ্ছিল। দুশাহীন काला सूनिकाता रक्षणा किरकात कर्राहरू কিছ, পেটা, কডিগার শেরাল আর হাজার नक दकावि नश्य हीन दशकामाक्टपुरा। বিহ্মুণ পরেষ্ট্র মাধার ওপর নৃক্তময় व्यक्तांकील ए.व शाना। क्रथम द्वार वक्तां जन्मकोत्र ग्रहात शर्मण क्यामा जामता। वामि देवनद्र-रकाकारमा वावमाम अक्छा रवास्त्र গলা অভিনে সেটে রইলাম। এক হতে ठाक्यां देशमधी न्याप्ति है क्टबाड़ वीक्षा नान्द ভিট্রে কিছে মাটিং সাতি সাতি করে সারা कौर्वजन्म समन्तरम ग्रां भारत महत्र स्टब्स वाच्छा ।

क्रावाम भएनमा अमारमदे एनव।

ক্ষে কি কোন ছডিবাস বানে ধছন থেকা নেই পাঁচ প্রকাশ নার ক্ষেত্র নেই গাঁডর অনুক্রের জোলার প্রতিক্রনার সভ সেহে বা মনে কিলো লাক্ষেন্ত কর বিক্তাল করে কোনে আক্র, ভার মানে—আপানি কিলা লাভিয় ওপর নাজিয়া, সতে বা পুরের থেকেও রভিয়ার সেই সাল্লী বাড কেকে নিক্ষাভ প্রাম না—আমার বাল্লিয়ার সেই করা।

ক্ষিত্ৰৰ সময় হয় হয় হুলে থাকি—
বান্ধ্ৰের ডিডে বা পরিকানের মধ্যে—কিবো
কালে বান্ডভার নায়িত্ব পাল্ডন আকর্শবাবে
বাওয়ায়াওরা সামাজিকভা কভ কিছুভে।
কিপ্তু বখনই একলা হতে পড়ি, ন' বছর

वारमं अक नामकारित (राहे वर्गकारात विकास केरिया केरिया मानकार प्राप्त किर्या केरिया के

উদ্যানেতা কাল্পত চেকে বাজে বাল্পানার জানিব কর কলি থানা বাল্পান জানিব কর কলিবলৈ বাল্পান জানিবলৈ বাল্পানার কলিবলৈ বাল্পানার করে বাল্পানার করে কলেবল করে কলেবল করে বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বাল্পানার বা

ा राज वंशा गढ़ को न बहुद स्वराहे करेनन के बुद्धा गांधनीक केलाक के पानि एक केला गांधनिकात !

क्षारका ग्रह-न

গোরীশকর ভট্টাচারের

नावसाय जानासम्ब

तक्र तसा

त्रकृष्ट्र सारा विद्व

वागम्ला

নভুন ধরনের বালক উপন্যাস ৫-৫০ নতুন উপন্যাস ১-০০

শ্রীদেবেন্দ্রনাম্ব বিশ্বাস-এর

सावत कलाएण तमाराव 🗝

বিমল মিয়ের

আশ্তোৰ মুখোপাধ্যারের

कथ। छात्र छ। वन

यसमध्र छ छिक।

00

माम 4.00

मछीताथ विक्रिका क्रिका

70| 6| 4 | 1

मिन स्वास सम ५-०० अश्रिक्ती ১५७ मः ६-६०

শরৎচন্দ্র চটোপাধ্যারের

सीकार शिल वेगारै

कामावार

নিফু উ

ON 6.00 6N 6.60 HIN D.O

হেরস্ফল্ কলেজের (সাউথ সিটি) অধ্যাপক রখীন্দ্রনাথ রারের

হিসাবশাস্ত পরীক্ষা(Auditing)

कानिकाका, क्यांगन, केंब्रानेक्या e र्याकाणि किन्दीवमानातात्र प्रत्या जिल्लाम कान्याती विकास सहारका कमा न्यांग्या वर्षा करे। याम ১০-৫০

বিম্লকুক সরকারের

देशबंकी मार्थिताव देशिक्छ ७ स्वावन रेग म

প্রকাশ ভবন ১৫ বাঞ্চম চ্যাটালী পাঁটি। কলিকাতা—১২



वार्टे स्टिवंत्र मिन वाबात ब्र्यानि वाक्यं (काबव ह वावनाबत्र स्त हैं ठेव !

৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা জারার ক্যাকাণে বিষয় সুধ নিয়ে কি করব ভেবে धर वयाँच यहिता विव

नीजिल्लाय मा, जाबाह समीत्मात मत्म विरम्पत छिलारत बनाटक सरव आह । साटि > मिम वाकि । त्कार कृत नाहेंना; अन्य नवड हानी छात कवा बदम शरफ राज ! । करनकिन, गंधन-धव । सिरम क्रमनाबरगात गतिकत्वनात क বাসুর কার পেরেছে; টক করনাম, আমিও ভাই করব !

नडिक्डमा ३ ठाउँ कास

अक मक्षा ब'त्र त्वाक वासित्त शक्यांत्र नव, प्रवास কারে পাঙ্স কোন্ড জীব মাগতে লাগলাম। এবংক ভপরকার ব্যক্তা ও বেক-জাপ উঠে গেল।

দি ভাষনাৰ ক্ৰীম লাগানেৰ সম্বত্ত কটে উঠল রূপ।

क्रिकेश मृत्य और माथनाय-माशनावरगात्र (यम पूर জ্যাতল : এই ক্রীৰ চাৰড়ার পুব ভেততে গিয়ে এখন স্ব कुक्टमा बहुमा दवन क'रत पिन, कन छ नाराम यात मानान शास्त्रा । जूनकी श'रत केंद्रेश कवनीय केन्द्रश ।

বিশেষ সম্বাটি আমার সমনীয় হ'লে রইল---ত্নীল ক্ৰা, আৰাম বুংখন দিকে চেয়ে নাকি পলক পড়ে না ! প্ৰাৰ কোন্ড জীন আমি লোক রাতে ছবার সাবি। चाक बाक स्थामहे शक म-धन १-मिरम संशंहीयरगान শ্ৰিক্ষনা কাজে নাগান-আপনার মুখবানিও হঙে किंद जान्त्र (कांचन जात नाराना जता



나는 사람들이 되었다. 그 사람들이 바람들이 바다를 다 가장이 되었다.

পশুস কোন্ত ক্রীম — গুনিবার এই মুখন্লী নির্মনকারী ক্রীমই কাটনিতে সনাম ওপনে

हीम्दानाकृतं देवचानात्वरहेक स्थितिक शहा वाकित प्रकारोहे अन्योत

थम, रत्नत्र मिल्ली

শ নির্মা নেশকরে ইক্রান্সম নির্মাণ নির্মাণ নির্মাণ নির্মাণ করিব নির্মাণ নির্ম

لعافك

কি শাধ্ পথেষাটে নাম, কড়িগাকোর নিচের তলতেও একব্রু জল। আর সেই কলের সংগ্রামেশানিশ নাদ্যার লোংরা। এখানে এখানা জাতে মন্যায়। ইনজেরশানের বন্দ্রা জাতিব্যান্ত। উন্নামে কর্তার বন্দ্রে শ্রেমা কাঠ। বেশ কিন্তু কড়িতে এখানা বেশসিন লাজন।

এখনে যে কোনো সম্বার বে কোনোলন যে কোনো হেনেটাল এখনো প্রেয় একটি গে)-তরঃ লাও বাওলা আছু পালাল সমসার। বেকবালের ব্যাল কা কিন্দা: ভাতে বড়-মাপেনা কান্যাল কালি সান্ত্রিটি আর

শংক গুনানাম করে জাপনা মনে তেওঁ আওচাজে তার কেনেনা প্রিন কবিতা। পরে ক্রেন নোকাল। আওকাল নোকান। বইনের লোকানা প্রনের তেনেকাল জাওছা করে চারি-চারি কবিকাল করে। করে করিচ গাড়গড়ার ভাষাকের ক্রেনেনা করে করে। করে করেনা

প্রির ব্যক্তে বি রাজধানীর এই শাহসানাক্ত আনার হাতে ব্যক্ত নিকটো। অজার ক্তব্যাক্তর একং বছু আন্তা তার বেশির আধার রাজধানীর এই আভিয়াতা ব্যক্তিক স্বাভাৱি আয়ু ব্যক্তিক ব্যক্তিক।

पाक वर्षका सक्त आहे ज्ञानाता र राजित्मका स्वर्धक वाक्तका व्यक्तका हरत स्टब्स्ट अकाकानाक अपनेत्र प्रीकिन्स रूगरेशक स्वरूपकाम महत्र निरंत। स्वर्ध মহাতীখোঁ কৰা আকুলা অস্থিক নিরে।

তে ক্রম্পিক ওসের কাছে মন্তার কার্য-র পরেই
পরিক্রম। আরু সেই আরু অকুলা মস্পিকের

বাই দাউ আগুলা অনুগিল পিরেছে ইহুদি

এক কর্মেরীলয়লা। এসের সমস্ভ রাগ গিরে

সংক্রম ইকরেইল রাকের

উপরা, কর্ম্য-শিত্র

আগচর্য গহরতিক। শক্রেছ্মা প্রশামিক এই
আগচর্য গহরতিক। শক্রেছ্মা প্রশামিক এই
আগচর্য গহরতিক। শক্রেছ্মা প্রশামিক
এথানে উচ্চলিত হতে গ্রেক্রমা স্কেই
ক্রেহান কা উচ্চানিত হতে গ্রেক্রমা স্ক্রা

মধাৰ্থীর শাহক্ষানাকার এলাকার কইরেও অল অক্যা মনজিদ নিয়ে নিনার্থ বিক্ষাভ প্রিভূত হরে উঠেছে ফার্কানারীর সমশ্ভ ম্নেলমাননের মধ্যে। মসজিচ্চে মসজিদে একজত অলোচনা—তল অক্যা।

এনের সংগা জন্তেন জন্মনজনার। সকলেই ফেব্রেজনামের লিভে জানিব্রের সকলেই ফেব্রেজনামের লিভে জানিব্রের সমেকেন : সেখানে নতুন কি মন্তবে জন্তব্য এবর : ফের কড়াই?

এবটা সময় ছিল ক্ষুদ্র-নূই জাগেও কথন এই প্রদেশন ক্ষুদ্র জানের প্রনতে পেড্যা করায়ে শহর থেকে, বংগদল থেকে, ভাম ক্ষ্যা থেকে। কিন্তু জাক ওয়াও বিশ্রীতাবে জাহত হয়ে ক্ষমতে ইয়াণী ক্ষা ইক্টেইনের দংগঠ। স্কুলং ক্রান্তকার কটেটিকেও ব্যা দিগগৈনি কুলে নেতে ক্ষাত্র বান্ত হবো, ইউনাইটেড দেশনা-এর ক্ষাত্র স্টেড্র।

কান্য মনীজন একান্য বেগালৈ ভিনাকে
কান পরে প্রতিনিক বেলীকা আন্তের। পানিপাথনি কেনকের করে থাকে—ভিনাপনি
মাননা কক ভুকা আর কান্যানার, সেবাসে
এই বছর পূই আগে বিধানত উপা্ কবি
মানন্তক প্রথম নির্মাত বেগাছিলান।
ভারত আগে প্রথম নির্মাত বেগাছিলান।
ভারত আগে প্রথম নির্মাতিকার প্রথম কান্যানারাক্রমান। চার্যানার্যানার প্রথমিকার প্রথমান হার্লানার্যানার প্রথমিকার ক্রিকার, স্বর্মা স্করের—রভ্নার
অপ্রেক কবিতা, স্ব্রা স্করের—রভ্নার
উভাত। কবিতানি উলি বিধেছিলান
১৯৪২-এর অগাস্ট বিশ্বাকের এক রক্তার
প্রভাত।

এই এখন এবর দেখনাম ওছন-ভতেন না: ওর মৃত্তবেহক। কবি এক এবা পড়েছিলেন ইনউইন হাসপাত লের ফেনারেল ওলারে। পানে না ছিল কেনো কবা, না কেনের আন্ধীয় সংক্ষা। কেউই না। তলাপর ওর মৃত্তবেহটা এল হাসপাতালের এমরেলিল ওলারেটা। মন্তেও বেন উনি কলাকন, কেনা, এই তো কেল।

ভারও আগে ব্ছর করেক আর নির্মিত ও'র ব্রিক জ্যুট্টো না কোনো প্রতিকর থানা পর্যপত। কবিতা লিখে জ্যুটিকর ভার কোনো সরেত: হর না। কেইজনাই লিখছিলেন ব্রিক একর একটি উপন্তর,

॥ नम् अकाथिक नकृत वहे ॥

ठटला छण्भटल यारे आन्द्रकात बद्दशालांगात ॥ ७-००॥ পথ दक बृथदिव बद्धाय नम् ॥ ५-००॥ श्रिक्षिण नम्द्रका ॥ ५-००॥ वन्ता देनसम्बद्धाय निवास ॥ ৮-००॥ मृद्धादक मृद्धांमस्न ॥ ৮-००॥

ভয়ংকর বছাশ বর্ষণ ॥ ৫-০০ ॥
বেশকের নতুন রোমাঞ্চর মহনা উপন্যান।

আধ্যানক শিক্ষাউত্তৰ গলৈয়নোৰৰ আহল' ১০-০০ পরিবধিত অন্ট্রা মুদুধ

শিক্ষার পটছুমি, পরিবেশ ও পদর্যত

करवारुकुरात महकार, अम अग-रि, वि-ति, क्यांकी विकल-विका करशहर ११ के सहक रक्तक वार्यक्रियार्क क्या क्रिकटके, 58, योवसम् क्रान्ट्रिश ज्वेति रः ११ ५० माहिलाहम जिलाम । विवस-ध्राक आत्माप्रतात अत्थम राज्ये ्राध्नाक त्व की

শেষর সেনগুপ্ত

SAMBONAGES DAS 1015



দাম বার টাকা

গত শতাব্দীর নাভিয়াস থেকে জব্ম যে অজন্ত অন্নিম্ফুলিকেন, তাদের মৃত অভি-প্রকাশ বিশ্ববের রৌদ্রহাত স্টেচকাগারে।

र शक्या नव नव शक्यशाया मानिष्ट তলোরারের মড়ো সম্পের, স্থেপি মড়ো ভাস্বর **আগটেনর মতে। নির্মা**ম। ইতিহাসের সমস্ত ভঞ্চালকে জন্মলিয়ে প্রভিন্নে খ্যক করে দিক্তে যে আয়োম রন্তরোম, ভারই সাহিতাস্থেদ র পরেখা।

बद, मण्डाका क्रीय अहे बहेरबन के फ शांत्रक भूमाद्वादयत माभिन । व्यान्त्रम अकृत ।

ফণীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধারে

দাম সাত টাকা 🔗 🏲 🥕

জ্ঞানতীর্থ' ১ বিধান সর্ণী কলিকাতা-১৯

निकार ग्रेडियक र। १७३ जिल्ही का काल অস্থির। তা আর জেখা হলো না শেষ। লেব প্ৰকৃত উনি নিজেতে প্ৰাঞ্জিৰ কৰে Marie Carlo

मध्या कर्म कासाबाद विकास সাপ্ৰ' তিরিশ বছা। অজন্ত কবিতা ও'র क्लाम : १९८० जनवहरू वहरू मा : जरह त क'ि कविका मिर्यहरून केन-महिर्द्ध का न्याद्री हरत धाकन । श्लाकत नत् अस्ति हरा का कही।

গাকিত্নী সাহিত্যিক কথ্যাথক সাংবাদিক পরিচিত্রা, একাধিকর প্রাক্ত স্থানর আহ্বান জানিরেছিলেন "বর্ষদর্ভার জন্য"। কবিতার লিখেছেন এর জনাব মখদুম : "এই আমার হর, ক্রম জাহার हिण्यान्यातनं, धरेणातनंदे यात्रि शांकनः।"

মৃত্যুর পর মৃতদেহতা গোল জন্মন্তান दात्रक वारम। ट्राप्टेनरन श्रद त्रम्छव छिछ श्टर ७'त माज्यमर्गेटक अक्गे, स्मक्तान कर्ना क्षा करा

ও'র তাজা কবরের উপর পড়বে গ্রেছগাছে य है कल।

अथि कीतरमञ्ज भरका यान्य करत करत জীবনকে ছিনিয়ে নৈকার স্কার চিত্ত ভাও দেশলাল এই সম্ভাহে। ইনিও প্রথাত কবি। মালয়ালাম কবি মাধ্বন নামবৃদ্ধি। বয়স মাত ছতিখা

দেশকাম **ও'কে কেরালা ক্লাবে। পে**শার মেটকাড়ির ডাইভার। ওার কবিতার প্রথম সংকলন ছেপে দেরোর ১১৬২-তে।

সংত্র বছর বরুদে কিলের মাধ্বন জন্মন্থান ছেড়েছিলেন। ইম্কুলে গড়ে**ে** শোন্য করার তো অথসংস্থান ছিল না, সেণিকে সহযোগ সম্বাৰধ্য ও করে উঠতে পারেননি। বর্গড় ছেড়েছিলেন মোটর মেক্তিক হবেল এই। অসার। এর চেরে বড় দ্বন্দত্ত উদি দেখতে তথলো গেথেমনি। কিম্ভ মেটের মেকানিকের ক্ষান্ত বিখেতে শিখতে হলেন কবি, ডুইছার শিক্ষলেন মেউর গাড়ির ৷ হক্ষেন দোষার ৷ দেশরার টাইমে পড়ভেন कि जिल्लामा 2000 বাক্ষ**িক। ইংরেজি স**্থিতের **জ**নৈক व्यवस्थान अपट एम एक्पान जरफन धरा धक्या भाष्ट्र कि कि মালানলাম অন্যোদ। ১৯৫৪-তে একজন সাংখ্যাদৰ-সাহিত্যিক গ'র ক্রিকা নিয়ে লেখেন "মাতৃত্যি" পঠিকার একটি নিক্ষ। ফের তিনিই এর এই নতুন চাকরিটি অ্টিরে দেন, ইণ্ডিয়ান এরের লাইলেকা বোঝাই গহরে গাঁচে**লার** কল-ড্রাইভার। 'ষ্কাইনে ভালো। প্রচুর অরসর।' জাই বেশি করে কবিতা। বেশি করে বেকে MI GARAGE

विन्द्रीयमप्रमादात् अस्मात्रामा সাহিতা বিভাগের অধাপক ও'র কবিতা নিরে धवात झाटन फालाक्ना कंग्रदका टम्पादन

कति विवासिक्ष । जिल्ली विवर्शनामात्त्व ब्रास्त्र विकास रह ? कारण ---

TROUBLE . HE DE THE SELLER BEAUTIFUL द्द नाम्मातात प्रयास व्यक्ति हिल wom fe" whereas arefus बटरांग्य व्यक्ते चन्द्रम तथा। ६८नत हर्स राज्यात्म एक गाज गाज ज्याति हिन । तत नमा क्लो काला महाम होहेका. ए.का

signia affance

टेनमीनाम अमरनाटकीम स्थापन गाँउन बारमीतकात अकीर्य कारिकात - वा शास्त्र रगटन रमेकिर बाल, मानाम बात क्रीय बार्गान **ই**ড়ে কেনে নেবেন-ভারতে এই সব'প্রথম প্ৰবিভিতি জনো

नवस्ट्रेंट क्यान ट्राइ को सारिकार क्रिकामक दावन खाउन क्रिकेट श्राहर व्यक्त-अप्रता बना महा कृष्टेव-अस-क्रीस अत । किनिमारिक कर मात्र) सारगारक करें जिल् हता। मंबहारेट कविवामा बर्जन सक्त वर् দিয়ে আপনি আভি প্রাপ্ত ও চমংবার শেভ क्या भारतिया

আশনার প্রেডের প্রাক্ত এক কোঁট কুইক-এল-ক্ৰীন চেলে নিন্ ভারপর মুখ জন দিয়ে ভিজিয়ে শেশু করতে ধাকুন। আপ্নার রেজর বখন পাত্রির ওপর দিতে কাপেটের মন্ত কোরত প্রপাশ ছাড়িরে এগিকে ৰাবে, আপনি ভখন কবিনেৰ সম্ভাইতে বড় বিশ্নর বেখ করবেন ৷ বারের দিক দিরেও এটিতে সাভার হয়। এক বোডলে ভিন E199 5201 f



১৭ জান ১৫**৭৩** लेक्स्टा साम्छ। क्ये हैस्सक, स्क्रे शाल्ये अक्षत । एक्ड लान्काकारमत रहा रक्छे কনাডার। কেউ আঞ্চৰত জাব্য বাসী ছো কেউ সিশাপ্তের मातरकल रादकावीर फार्टा एकडे जालरड ভারত মহান গরের মাঞ্চলাস স্থাপ থেকে ভো त्त्र । क्याराम शहरता एक्ट्रा एक्ट्र**म । दक्के** তারজানিয়ার তর্শী কো কেউ কিনিয়ার। कित कित्वारी, सिक्ति **अंबर अक्ट**ी ভরতবাসীও। আন ছিল সাহের সাওকা ग्रांका रापन्नस्रात्कांच स्थारन, **टाउकरण्याः एका** स क्ट्रमी। कृष्टिंग তরাণ, হারত্যাম্পর ক্ষুক্ত ক্ষুত্র ক্ষুত্র ক্ষুত্র ক্ষুত্র করে तालक एराक नदा मध्यानाटच स्थाधाना साम हेटन समाने स्माप अधिका अधिका अधिकार न बरत ियोर बर्गाइन कंग्निकालय प्र जान्यमान दश मिर्ड । ३५,००० बाहेम হাক-হারে তবে দিয়ার। পরেটে পরসা থকলে তো অনেকেই আলতে পাৰে। ওরা সেভাবের আন্দ**্ধ আনো**ন "কলেৰ" গাঁভযানে **ভারত্তি আনতে গ**ারতে ধরে ब्रहे प्रत्या वर्रीकृता क्वीन क्रिक्ट वजा भूतशारण **कारुगा-सन्दर्**स अंडिक**रस्त** তর্ব। 'বরসাটা আছিকা মার' *বালা*ছন ভাগর দাপুণিত **লিও**লেল গ্রেলরী। বিভিন্ ত যিতি বিভি এককালে ছিলেন কৰেল। ত কে আভিমান সংগ্ৰেছ ভীন চিনতর প के करहर के स्वाहर में कारण निर्मेश्व के के महास क्षानाता वालाचित्रका । "क्रांक्क प्रथम" নিক্তি এপে**ছিল চর বছর ক্রান** তথন ार विका का**रोबार्ड महत्व बाग एकर**का **बार**वा प्रशेषक **'छानारमस्त्र, काचा । घटन शास छाना** মর গণ জার**্জের পান। রক্ট 4লগ**র ক্ষিত্ৰত বৰ্ট বল্ড দিব**নৰ বৈশেন নাচ।** त्वमें कतात चत्र विश्वमात्र । **त्वमें मा**टन খ্য নাক্ষা বারে**ল**ে রাজারে**ত। এই একন** कारना ना कारना अवने किया श्रामी शरण তাব বন্দেশ্ব অভিযানের সমস্য হওকা 74001

উঠেছিল এসে ধরা ব্রীক্ষ রকাশাল্যর। প্ৰে লেডের পাৰে বেখালৈ বাজস্থানী जजरमी भाराचे प्राथा स्टेटन सम्बद्ध दग्र क्यांकी भारकात ध्रक्ता ध्रक्त क्या ছোট-ছোট ভাঁহ কাতিরে। ভারতীয় যুক্তবের সভেগ মিলেভিলে। নাতত গ্লে-ব'জনা করত, আর মেকামেশা পরস্পরে। করণে অকলেশে হাসতে পারত ওল খ্ৰ।

क्षात्रम हेरमबंधे दर्शनम ग्रह्म हरना बजागराई १स स्मरण्डेच्या मन्यास, विन्य-एकटी कियोजनामस्य स्टब्स-**एक्ट्रीस र**हेर. ऐरमत एक्ए**ए अक्सब हरन रमन**।

কারণ বাই হোক, কিন্তু আস্তবিক্ট কি छाट्छ दिन छल्द्रलम् स्कर्मा स्ट्रीक ? मन्त्रे चलान एटस ट्सना। होर्मानहरूत **उन्हों इत्हार लाकान बटन बाजा वर्ग बर्ग बर** वक्षता, हा वर्गाच्यामा व्यक्तीन एएका व তির কর বছরের মিশ্টার লোভ ভানে দার भूत्मात्क। नात त्यां मानामात्का वर्षे शक्दरित दक्तिकरूप दक्षक दक्षक अदल्या **ए। इटकर वामात्माल ५७७**१० **८५०**० रमक्रका क्रम ।

भौजीं कालाकता. नाष्ट्रिकाचीन।

मान, ग्रहणा अप्रारक्त अक्ति श्रीकरकन আৰু কাৰে হা বাব সাক। সাকত পথট मान्य द्वाप्रोद्धनः। द्वाप्ते द्वाप्ते देण्डास्यम হরে, তারল শহর হরে, ই-পাথান হরে, এই मिली अका-दक भारत होते भट्टम । **ट्याम्बरमञ्जू विद्याविक विद्या अस्त** क्षिति स्थात-र्वाणक क्षा क्षा क्षा मर्गामन थाक्टरुन । अकीयन द्वीयदा शक्रामन दक्त HOUSE CHICA MICHA FOR 1 THAN A कामधी किटाई नत छ है, मन्धी हिंद र त ब्बाधाव एकोरी खामन क्यां - अरे ब्या वामन क्रिके केर्द्ध कार्यान हात्यान त्रान शहर शेक्टबन्द लाकनीटक मार्ग जलन চরের দিয়ে শব্দা পরে এক ছাটে গিরে TOPPO STORE FOR THE PARTY

मूर्य काँमरण रमाना ॥ came निव ॥ ১৫-००

मकुम अनिकृत्व काण अनवनः हि.शाक्षमध्य छेलन्यलः विकासक ब्राह्मा ७ काव्यीय माण्डिक अवर भिष्यीय माविद्याक कम्या। अपि निम्मराभार स्थाप्तम् भितान अक्षि स्थापं नानि।

वनद्वार्भा । नात्रावन शक्ताभावात ॥ 8-00

॥ करहकां हे नहन छेपनाम ॥

এখানে পিঞ্জর 1 V.00 **ৰিছিমিছি** 1 8.00 **जा्टब्रट्ड जा्ट्यान्य** सरक H 9.00 **ण्वीशायु**व जान्द्रकाच मह्त्वानावप्रव क्तानी रमभाहे 1 9.00

नकुम कामिलामा कना निधान।

9.00

॥ वनीयछन्मीन ॥

ৰক্সী কঁৰোৱ মাঠ ঠাকুৱবাড়ির আঙ্টেনায়

নতুন চীনের কবিতা 👓

বিপ্লবী নতুন চীনের শতিখান কবিদের অগ্নিবর্ত্তী কবিভার সংকলন। অনুবাদ করেছেন প্রেমেন্দ্র মিত, সমুভাষ মুখোপাধ্যার, মনোজ বস্তু, মণীন্দ্র রার, সমরেশ বস্তু, সংস্তাবকুমার ঘোষ, স্থানীল গ্রেলগাধ্যার, थक्त तात ब्राह्म ग्रह, शर्म वन् थ्रम्थता।

গ্রন্থপ্রকাশ । ১৯ শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট । কলিকাতা—১২

कि टाश्वं खावाप्रचारी कि टाश्वं जुन्तव...

क्ष्या लिवि धरे अवलव

এই অপূৰ্ব বিজয়কর কাইবার ছিয়ে। আপনার সৌন্দর্যকে আরও উচ্চতাত কোনে ছুসুন। এবংর তৈরি এই ওলননু ভারি কুলর হাতা আৰু সরুষ। আর দেখুন কতরকদের রঙের হড়াছড়ি। এ থেকে বেছে নিন ৰেটি আগনাৰ গছল হয়, আগনায় কচিয় সঙ্গে খাপ খায়।

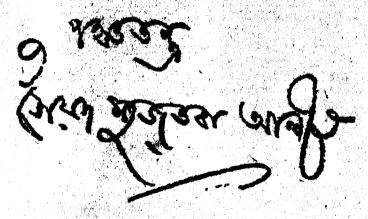
এব'ৰ ছৈরি ভরলনের বছ নেওয়া নিডাভ সোজা। বডবার খুলি स्था का बार करा के विभिन्न पुनिता यात्र। कुँठतक थाएँ। ना इस्ता नवस्य भागानी स्थान देता

अन्य बेटमा विमान् आहेटके मिनिएक, (यायाहे->० लोग लागिर अस्तरेंग:





ৰ নিজৰ আজীলিক কাইবাজের টেজনা**ও** চ



তাল নাসজিল কিলা আক্সা

তালি তাৰ কিলা মুসলিন প্ৰয়ালত
ভালার বরকাবাতে, অনীমার প্রগালকে
ব্যালের প্রতি সামান প্রথানে করন্তে এবং
ততীয় লেব্জালেক ক্ষানে ইবানি, খাণ্ট
র ইসলাম তিন মুবের সমন্তর হয়।

প্ৰকৃত লাল্ড বিধান অনুবাৰী কিল্ড विन्व श्रामानादक दय-जिमप्ति ' श्रामा कृषि শ্বীকার কাতে হয় ভাছ একটি মন্তার কাশা এবং ভারগর বে দুইটি পুণা স্থানের উল্লেখ কৰা হলেহে ভাৰ দুটিই জেব-कारनारमः। अतः श्रेषमधि अकारिक मारम পরিচিত। ইংলিভিতে একে ভোন আৰ পি রক (রক=প্রশ্তরের উপর নিমিত ভোম= গলকে), ঐতিহাসিক প্রাণ্ডবল্ড ওমর মস্কৃও বলা হয়: আধুবীতে এটিকে কুক্ত **ग्**त्रथता (कृष्यर=**८७।म: तथ्**ता=श्रन्**छत्र य**ना रत)। अधिक देशान अल्यान माननमान সকলেই সম্মান প্রদর্শন করে। কারণ এই ভিন ধৰ্মেরই সম্মানিত রাজা সংক্রেমানের প্রাস্থ मन्तिम धकना ध-न्थरमहे न-छात्रमान विमा। अहे नगमन्त्र एक् भन् अकृषिक वास विन्छे इत এবং সৰ্বাদেৰে সম্পূৰ্ণ বিন্তু হয় ৭০ प्रकोटन स्त्रामासम्बद्धाः अध्यक्तिस्य উপর তাবং শহরের ময়লা শত্পৌকৃত হতে থাকে প্রার সাড়ে পাঁচ শ বংসর ধরে। ৩৩৪ খ্লীৰে ম্সলমানদের ন্বিতীয় খলিকা रकत्र अम्ब बाकोन्टम्ब हाछ श्वास জেনুজালের অধিকার করে জঞ্চাল স্থিতে একটি ক্ষান্ত মদাজৰ নিমাণ ক্ষেম এবং এর শক্তাল বংসর পর জামানের লাহ জাহাসের মত বিভাগালী ও স্থাপতের স্ক্রিসস্ক্র পলিকা আব্দুল মালিক লেখানে বে প্ৰিৰীয় জনাতম জনবদ্য ইয়ায়ং নিৰ্মাণ করেন সেইটিই ১২০০ বংসর ধরে সেখানে परिते अकार जनस्थात मीक्रिज किनकटन्त्र সৌন্দর কুডি ও প্রকাজনি গ্রহণ করছে। আমি বভানন জেনুজালেনে ভিনুম ভার প্ৰায় প্ৰতিদিন একবাৰ মা একবাৰ একা একা रता रता श्राविता श्राविता का विवाद

আর্রাকটেকটনিকাল - বৈত্তর থেকে করেতন অলম্পন্নত দেখে মুখ্য হতুম।

(১) কাবা, (২) উপারে উলিখিত এই ন্সন্তিদ—তারপরই আসে (৩) রস্তিদ-উল্-লাক্সা, সংক্রেপে আক্সা ন্সনিদ। এই আক্সার উল্লেখ কুরান শরীকে আছে (স্বা ১৭ ঃ ১)।

এ স্থালে কিজিৎ ইতিহাসের প্রয়োজন। আৰুৰ ও ইহুদি একই সেমিতি বংশ -(রেল্) ছাত, একট রভ ধারন করে। আরবী এ হ'বি (ইছ দিনের এই ভাষাতেই ভাষের बाहेट्सम ब्रांडिक) खावा मुद्दे खन्नी, वाब्रांश कर्गात्मणे । अवर जय ८५८वा वर्ष कथा, बाहेरवाल बागिष्ठ हेर्दी शर्दकीय यथा, बाहारेस, দারণে, সফোমান ইতাাদি করান শরীকেও স্বীকৃতি লাভ করেছেন। হজরৎ নবী ডাই যথন ইস্লাম প্রচার করেন ডখন ডিনি ইয়ুদি আরবের কেন্দ্রভূমি জের্জালেমের গিকে ग्रंच करत नामाळ गण्डल कावण्ड करवन। কিন্দ্ৰ হজনতের মদীনা শহরের বসতি न्धांभमा क्वात ग्रंह बरमत भत काम व चारमरण मकात मिरक मूच करत नमाक गरहन -এবং আৰও সেই ব্ৰীভ প্ৰচলিত আছে। এরই ফলে জের জালেমের সলমন মন্দিরভূমি মুসলিম জগতে ন্বিডীর স্থান পোল বটে তব্য কোনো কোনো জাত্যাতিমানী আরব সেটিকে বহু দভান্দী ধরে প্রথম স্থানেই ट्रार्थाइटनन-विटमबङ **डेन्स**ई (क्यादेताङ्) श्रीमकाद्या। व्यवस्थात नित्न क्रिक्ट ग्रूजनिय জহান প্রথম স্থান দের মঞ্চার কাব্য সরীকলে अपर न्यांकीय स्थान त्यांत्वात्वात्वात्वय महायन মালারকে বার উপর প্রতিষ্ঠিত জালাবে মালিক নিমিতি এমারতের বরান এই মাত্র गिरताह धाना धान गरतके नालाह, कृष्टीत भूगहस्य मन्धिन्-केन्-काक्ना।

কিন্তু তৃতীয় হলে কি হা, এই আক্সার সংশ্ব বিক্তিত আছে বিশ্ব হুসলিমের নোমহর্শক উল্লেখ্যনালারী ঐতিহা, প্রথানার সংশ্ব কান্যানার সন্মিলিত হবার

কৰিন্দাৰণীয় অভিবাদ এবং ভার ভার করা প্রাণিক নকাং, সোক, মহা পরিনিবার, বা-খালী বলতে পারেন।

কুমান শ্রামে এ-অভিযানের বে-বর্জন লেখা আরে কুমান ভার বে গাঁড়াটিপনা আরে ক্রান হিন্দুলের বেদশানীয় প্রভি: হদশিকে স্মৃতিকালের ক্রেণ সভ্যানের ক্রানা করা হয়, আলা ভার কেনের না) দেশকাল করা ক্রানা করা করা করা অপরাধ নেকের না) ক্রেলের করা সিভি সিভি পরিষান নিক্তে ব্যক্তের করে ভাগতে হবে—বিজ্ঞানর বাদ নিরে। বস্তুত ইরোরোগীয় ভাবের ইতিহানে ইনলানের এই অন্যুক্তির ভারের ইতিহানে ইনলানের এই অন্যুক্তির ক্রেলির শিক্তির করে। বাতের মহাকার। "ভিজ্ঞাইন ক্রেলিড" এর বাতে ক্রা—বাদ্যানিত ইরোরোগীয় আরের হিত্তিরাল ভারা-সাহিত্তার

-প্ৰোয় অভিনয় কর্ম-नाहेळ मण्ड मिट्डन मीराकासम् गृहस्य অন্ধকারের রম্ভ ১.৫০ नारण जनस्यात বাকি ইতিহাস 。.২৫ न्यान मृत्यानावादवव वाध 9.00 আজকের নাটক উৰাৰি কী শব্দু নিয় ও জমিত নৈত্রের কাধ্বনব্ৰঙ্গ मक्तिमा बाकम्बद्ध মেবে ঢাকা তারা ৯.০০ मचे गट्यागायाखात कौरनक्रि**का**ना 0.00 বারেন্দ্র পালচোধুরীর जाक जीकनव नह 2.60

গ্ৰন্থপাঠি। ২০১বি, বিবান সর্নাদ, কলিকাভা-ৰ

"कानमबाकाइ गरिका" 'বিশ্বাস্থান স্ট্যান্ডাড'''

भागपीता शरका P. Commercia THE PARTY. অনন্দৰভাৱ পৱিকা, হিন্দুভান গ্যাভাত जागायी सहालहात भारत है वालामी ३५८म 578 লেক্টেবর ১৯৬৯ জারিখের মধ্যে এই करियान श्रासको पाक धराहनक जिल्लाह शास्त्र जन्मदूर्व स्ट्या खिश्च क्या निरम উল্ল বে কোন শারদীয়া সংখ্যা পাওয়া বাবে। আংশিক মূল্য কমা পেরে কোন অভার প্রহণ করা কিন্যা ভি পি ডাকে আমালের কোন প্রকাশনী পাঠাবার নিংম নেই। উপরোধ ভারিখের পরে কোন न्छन कडांत शहर कता रदर ना।

রেজিম্বী থরচনহ প্রতি সংখ্যার মূল্য खास छ

আনন্দ্রাজার পঢ়িকা - ৫.৫০ পরসা হিন্দুস্থান গ্ট্যান্ডার্ড - ০-১৫ পরসা – ৫.০০ টাকা

ভারতের বাহিরে ছাহাজ ভাকে व्यानमनकातं भीतका - ७-७७ भतना হিন্দুস্থান স্ট্যান্ডাড - ৪.৭৫ পরসা PM

- 0.54 MIN প্রচার অধ্যক্ষ

আনন্দৰাজ্ঞার পাছকা (প্রাঃ) গিঃ

॥ नखन नखन नाहेक ॥ त्कामा परसद

ञ्ब १न

द्रेभात्रा

Ø.00

2.00

0.00

মিছির সেনের

উমানাথ ভটাচাৰে'র

बन्ध भृष्रु

भूष' তालिकात क्या निध्य **লিপিকা:** ৩০/১ কলেজ রো. কলিকাতা-৯

(সি ৮০৩৫)

অচিন্ডাকুমার সেনগুপ্তের

অননাসাধারণ রচনা

ववृष्ठभू इन्ध

স্র্ হচ্ছে আলোক-সর্গণতে

গ্ৰাণীজ্ঞানী আলম্বাহিক সন্তিত এই মত रण वन करतम।"

কুরানে আছে প্রগাহর সাহিব মনাত্র ইসলাম প্রচার আক্রম্ভ করার কিছা ঝালের মধ্যেই স্বরং আল্লাভালা ভারক পরিশ্রেশ জ্ঞান এবং পরম সতা ধর্মের নিগ্রেডম ততে দীক্ষিত করার জনা তার প্রধান ফেরেশভা -("एनवम्ड"-देशीद्राक्टिक "कारक'(अम" किन রাউল-গেরিরেলকে পাঠান মাহম্মানকে (Ps) তার সমাধ্যে নিয়ে আঁসতে।* কুরান শরীফে अभागोत्राह्य राजा इत्याकः

"সেই (বাজিই) ধনা যিনি এক কু**তেই** অন্চরসূহ मनकिन-डेश-श्ताम (অর্থাৎ মন্তার কাবা থেকে) একট রাচে মসজিন-উল-অক্সা পর্যত (জের্জালেম) দ্রমণ করেন, যার চতুদিকি আমর। পতে করেছি। এবং যাতে করে অমরা তাঁকে আমাদের চিহ্ন দেখাতে পারি।" (করান শরীফ; স্রো ১৭:১)।

অন্বয় এবং টীকা: "দেই ব্যক্তি" হজরং। **"একই রাত্তে"—ভখনকার** দিনে যানবাহন যা ছিল ভাতে করে মকা থেকে জেরজালেম পেছিতে অন্তত (উটে চডেও) প্রারা দিন मानात कथा। এটা আমার অনুমান মাত্র। কম তো হতে পারে না: বেশীই হবে।

"আমাদের চিহ্ন দেখাতে পারি"—অথাং আলোতালা স্বয়ং তাঁকে সভাধমের গভাঁর ভত্তে দাক্ষিত করবেন—প্রেবাস্ত নঞাং মোক ইত্যাদি।

এপথলৈ প্রখন মসজিদ উল-অক্সা কোন শ্বলে অধিনিঠত? মুসলিম অম্সলিম (অমুসলিম এই কারণে বগছি, প্রচলিত থে অহিন্দু মাক্তম্লার যে-রক্ম বেদ নিয়ে গবেষণা করেছেন ঠিক সেই জিনিসই করেছেন একাধিক ইয়োরোপীয় অম্সলিম পশ্ভিত কুরান হদীস নিয়ে) সকলেই তার অধিন্ঠান জের্জালেমে ছিল বলে পিথর নিশ্চর—তই আমি অন্বাদ এবং টীকাতে একই রাচে মস্কা থেকে জের্জালেম ভ্রমধ্র কথা বলৈছি।

পণিডতদের বছষা, মন্ধা শ্রণীফের বাইরে এমন এক জারগা যেটি আল্লা স্বয়ং পতে পবিত করেছেন সে-শাধ্যজর্ভালেমই হতে পারে। কারণ ইসলামের প্রথম অভাদ রর সময়ই হজরং নবী ঐ বিকে মুখ করে নাম।জ পড়েছিলেন। অতএব সেই ভেরুঞাগেয়ের সল্মনের মণ্দিরের সংগ্রে সংযুক্ত ভূমিতেই আছে মস্জিদ্-উল্-আক্সা।

পূৰ্বেই বলেছি, খলিফা ওমর সলমন মদিনরের সেই ভানস্তাপ পরিব্রার করে নিমাণ করেম একটি মসজিদ এবং পর্যতী কালে জাম্বলে মালিক নিৰ্মাণ কলেন ডোম

শ্রুরান শ্রীফে জিব্রজিলের উল্লেখ নেই। এক।ধিক হদীসে স্বিশ্তর আছে ।

অৰ দি মুক্ত আৰহ ভাতে আছ काःतकष्ठि व एकक विशाहे मनकिम-वान नाम बर्जाक्रम-डेम-आक्रमा।

COM THE PARTY 6817 ठणीन'त्व गणा शरहीस्का स्टूल म्थर्गाज रमिंदिक ठाकाव कामान समासाथी समान-बारमत क्रमा विवार्ष - क्रस्तुवन विदेश भारतत নি। ভাই তিনি সোষ্ট্ৰে করেছিলের সম্পূর मध्यः व्यवना मजिल्ला हर्णाम् कि नित ছিলেন প্রশাস্তভন অঞ্কল (এনেশের মন্দিরে সংকীপ গাড়া পাহের চতুদিকৈ যে-রক্য বিশ্রেণি অপান বাখা হয়), কিণ্ড গ্রীক্র-কালে, জের,জালেমের দিবপ্রহর রোচে त्रिकारकाद व्यक्ता**का निष्ट श**्काकात-द्रशास মুহতকোপরি স্ফের প্রতাপের চেরে পদত্যেলর পাষাণ তের বেশী পীডানায়ক-সেখানে জুমা নমাজ পড়া অহেতক গীড়া-দারক হবে বলে ডিনি নির্মাণ করেছিলেন তার প্রাণ যা চার সেই পরিমাণে বিশ্তত, মসজিদ-উল্-আক্সা।

কিন্ত এহ বাহা।

আসলে বিধ্ব মাসলিমের কারে মসজিদ-উল্-আক্সা তাবং প্রাভূমির মধে সং চেরে রোমাঞ্চকর।

করান হলীসের সংখ্যা যে মাুসলিনের সামান্যতম পরিচয় আছে, সে-ই আপন মনে করপনা করে, দেই স্নের মক্কা থেকে জারা ভার প্রিয় মবীকে রাভারতি নিয়ে একেন মস্ভিদ উল্-অংক্সাতে (শন্থে মকা रथाक "भवरहरत मृत्त भागएकाह " सम्पान ভার জনা অপেক্ষা কর্রছিল, 'ব্যরাক' নামক পক্ষীরাজ অস্ব্এবং ভার মূখে মচন্দীর নায়—সেই অনের সোহার হয়ে নবীজী পেক্রিলন বেংহশ্ডের স্বারপ্রটেড।

এই নিয়ে সে মুদ্র মনে কন্ত না কল্পনার হলস বোরে। ধর্ম: আল্লার সংগ্রেসনারীর माकार!

*অবশা এ-কথাও সভা বে বহা মাসবিদ प्रामंत्रिक, भूकी (इहामानामी कंक्चीवरिवेट) এ প্রশন বারবার শ্রিধারেছেন, এই যে হজরতের স্বগারেরাহণ এটা কি বাস্ত্র না স্বংন: তিনি কি স্বরীরে স্মার্গ গিলে-ছিলেন না তার আখ্যা মাট্ট मन्द्राचीन इत्साहरकन? ক্রিন্ড- মোলাকাই त्य इत्योष्ट्रिया त्म-मन्तरम्थ भवादे निःभरम्पर। *

या है इहाक, या-दे शाक,-अहे अम्बिन-**छेम**्जाक्ता थ्यःकरे, आझाछामा श्रक्तश्क দিয়ে স্থাপনা করলেন মন্ত্রাভূমি ও স্বর্গ-ভূমিতে যোগ-সেতু।

সেই সেতুর পাথিব প্রাণ্ড পর্যাভ্যে দিয়ে সে-সেতু বিনাট করার প্রচেন্টা অভ্য বিভা বে-বেনো ম্ললমানকেই বিচলিত করার कथा।



(তেইশ)

বা সটা সামনে এসে দাড়াতেই কিন্তু শাশ্বতা পিছিয়ে গেল, ব্লল-ব্ছ ভাড।

রমেন একট্ চিন্তা করে বলল—তাহলে চল্ন রাসবিহারীর মোড় পর্যাত আপনাকে স্তোটে এগিয়ের দিয়ে আসি।

শাশবভীও তাই চায়। এ লোকটার সেই
অন্দ হয়ে যাওরার গলপটা তাকে শানতেই
হবে। সদক্ষে একজন লোককে এতদ্রে
খনেখা হাতিয়ে নিরে যাওয়া হে কেমন মেননে তা তার মনেও হল না। বলল— বেশ হবে। চলনে। ওখনে থেকে আমি মনবগরে যাওমার বাস ফাফা পারে।

কিছাক্ষণ তার। নিঃশব্দে হাটল।

যেউপথে নেই বলে রাস্তটা বিপদ্জনক,
অবিবল গড়ি যাছে। রাস্তার নিকটার
রমন, রাস্তার ধার ঘোষে শাস্বতী। থানিক
দ্ব হেণ্টে শাস্বতী হাটার গড়ি কমিরে দিয়ে
বলল—এবার সেই গল্পটা কল্ন। সেই
অধ্য হয়ে যাওৱার গণেটা—

রমেন সামান্য একটা হাসল। বলল— রাম্তা একটা ফাক্স পাই, ভারপর—

রেলর জি পেরিরে যাওরার পর চওড়া স্কার রাস্তার ফ্টপারে উঠে এল দ্রুন। লাম্বতী এতক্ষণ কোত্তল চেপেছিল, এবার ম্বানে ফেলে বলল—এবার—

ন্দেন মাখা নেড়ে কলল—আমার ঠাকুমা মারা বাওয়ার পর একদিন সম্পেবেলা খেলা-খলো সেরে ফিরেছি। আমাদের কাড়ির সামনের দিকটার বিরুট হলভবের মডের একটা বৈঠকখানা। সেই বৈঠকখানার সম্পের অংশবারে দেখি দাদ্ প্রকাক পিরানেটার পালে বনে আছেন। হাতের অংকসকাচ দিরে পিরানোর গায়ে কী বেন দেখার তেন্টা করছেন নীচু হরে। অগ্রম তাঁকে টের পেতে না দিরে পা টিপে টিপে বড় বরটা পৌরবে কাছিলাম। এমন সমরে দাদ্ খ্র আন্তেভ জিক্তেস, করলেন—কেই আমি প্রাটিবের

কললাম অগম। দাদ একটা হাত সামনের দিকে বাড়িয়ে—কেন আমাকে কোৰো त्तरवन-श्रमसारव वस्तरमन-स्टाम ! कारह এসে তেন। করেছ কেতেই উনি আমার কাঁধে হাত রেখে বললেন—আমার সামনে হোসো। জামি হটি. মেৰেয় বসলাম। দাদ, আমদর মুব " হাতে ভলে বললেন-দেখি রমেন ভোমার মার্থখানা। আমার মুখের ওপর আতসকাচ ধরে দন্দু অনেকক্ষণ ধরে আমার মুখ দেখলেন। তথনো ঘরে আলো দিয়ে যায়নি, ঘরটা অন্ধকার। অবহা একটা শেষ বেকার আলোর সেই আত্রসকাচের ভিতর দিয়ে আমি তাঁর দুটো প্রকাশ্ড চোথ, নাকের উ'চু হাত, ঘন দ্র, আর কপাল দেখতে পাচ্ছিলাম। দেখতে দেখতে হঠাৎ মনে ছচ্ছিল সেই চোখ জ্বোড়া আমার ভিতরে অনেকথানি দেখে নিচ্ছে। তথন আমার বয়স দশ কি এগারেয়, তখন আমি আমার প্রথম বয়ংসন্থির খারাপ স্বর্ণনটি দেখেছি, আর একদিন দুপ্রেবেলা অলি

नाट्य धकरि हारत हात-हात स्थान नाहत म् कुम्बद पानिषदः अभ्यकारत क्रिकात আমাকে একটা চুম, খেরেছিল, ভবন আমার गारवा এकपि मुचि तन रम्था मिरक्। छारे দাদরে সেই ডোখ জোভার দিকে চেরে মনে হচ্ছিল তিনি আমার সব কিছু স্পন্ট দেশতে পাছেন। আমার ব্রুক কাঁপছিল। কিন্তু দাদ, সেদিন আমাকে অনারকমভাবে দেখছিলেন। অনেকক্ষণ ধরে দেখে তিনি শ্বে অস্পন্ট গলায় জিজেন করলেন—রমেন, ভূমি কি খবে বেশী কিছু চাও? খবে টাকা পরসা, বড় জমিদারী, অনেক কড়ি-গাড়ি? সে প্রশেবর উত্তর দেওয়ার মতে। তথন আমার वरत्र नय। मान् व्यत्नकक्षम हुन करत्र १९८क নিজে থেকেই বজকেন—তমি কখনো খৰে বেশী কিছ, চেও না। লেয়ক ফেন একদিন তোমাকে ভিথিরির পোশাকেও ঐশ্বর্যবা**ন** কলে চিনতে পারে। এই কলে দাদ, আতস-কাচ সরিয়ে রাখলেন, জলভরা চোখ দুহাতে মুছে নিয়ে একটা অপ্রশতত হার্নি হেলে वनातमन-काथ वर्फ भारत मृन्धि करत। ८१ ঘটনার পর্রাচন দার্দ, দুপ্রেবেকা একা একা ছাদে উঠে গোলেন। তারপর আতসকাচের ভিতর দিয়ে ভরদ্পক্তের স্বেরি দিকে চেয়ে দেখলেন। তাঁর দ্রটো চোধই একদম নন্ট হয়ে গোল। এই ঘটনার আমি খাৰ তম পেরে গিরেছিলাম। তার ওপর আমার ম মদৰে মাৰে আমাকে আডালে ডেকে জিজ্ঞেস করতেন আমি চোখে কীরকম দেশি। আমি ভালই দেখতাম, তব, মার मरम्मर एष्ठ नः, क्रिएक्षमः क्राएटन-डो ए রক্ষাপাত্রের ওপর দিয়ে নৌকোটা যাক্ষে— কলতো এটা কী নৌকো কখনো 🍓

স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়-এর

নতুন উপন্যাস প্রকাশিত হ'ল

ब्रिशाली भानवी ७००

मभरतम बमात

वर, ठाक्षमाकत जेशनात्मत २३ म्मून शकाश्वि रल

অপরিচিত ৬০০

চলচ্চিত্রে র্লায়িত হচে।

বিশ্ববাদী প্ৰকাশনী
C/o. লে ব্ৰুক ক্ষোন ॥ ১৩ বছিকম চাটোলি প্ৰীট ॥ কলি—১২

Bear Trained in the Rate and Statement and Statement Sta

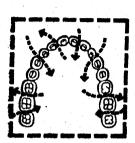
राज्ये करकामः। बाँग रंकारमास्य गाँउवे कार्य हरत नावे करन रक्त क्षेत्रके स्वाचित्रका गाउरके मा क्षतः। धावे रक्तको क्षात्रक कार्यक धार्यभागः क्षेत्रकारः धावेन धार्यक कार्यक रहोत्रते रचरत नेपारक, क्षित्रका रक्तका कार्यक कार्यका मन्त्री विका केन्यक महाः कार्यकाना कार्यका मन्त्री विका केन्यक महाः कार्यकाना कर्मका मन्त्री विका केन्यक महाः कार्यकाना कर्मका कार्यका। रम्

न्यान कार्याम् सिंह क्षेप्रका, स्वतंत्र्य स्वास्त्र इत्तर स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र सेव्यस्त्र स्वास्त्र सिंह स्वास्त्री स्वास्त्र स्वास्त्र स्त्रिक स्वास्त्र हृत्य स्वास्त्र स्वास्



त्रिशतराल <u>२८ घको धं</u>द

आत्रताइ फाँठक द्राज्ञ कत्त्व



त्रिंशक्तरात्मस् लाल ब्रान्नात स्थारकं क्षत्रवाद्यम्बार्कितं या इत्स्ववनती वीउत्तर्तुद्धः अस्मवाद्य विर्मृल कप्त स्वस्ता।

টুগরাল বে সব জারণায় পৌছতে পারে না, দিগলাল গতৈর সেই সব থাক থেকেও ক্য়কারী বীঞাল বার করে দেয়। এর জোরদার ক্ষেণার গ্রুণ আপনার মুখ সারাক্ষণ পরিক্ষা ও ক্ষরকরে ভালা থাকবে।

স্বচেরে বড কথা, আশ করবার ঘন্টার পর ঘন্টা ধ'রে সিগ্রাল দাতকে মট্ট রাখে। আব কোন সাধারণ একটি টুখণেই কি এমনটি পারে ?



हिन्दान विकासक अवृति केरके केरवाहन

59 SIE 5045 একা আমাদের বাইকার শার্মিকার কারে পিছে THE THE ES PRICE MINERAL BOARD आग्रस्तर वर्गक्ष वारेटला वर्गत न्तर जनकी वाक्रकारण यास क्रिक स्त्रे क्रिक निकास महिल्ल লিস দিত আমি এর স্থান দিয়ে চোৰ दर्ख रुद्देशस्य विकटेक ग्रांक आवेद्याः **এই छ द्वारे जामात्र वर्षम ट्ठीन्न ग्रह्मदत्ता बस्क** ব্যাস তথন আমি ব্যাতে পারদার যে আহার আত কোনো ভর নেই। একর আছি আমার অংধকার দিনগালোর জন্ম প্রস্কৃত। (तहे त्रभारतहे धकांपन **च**हेन है। चहेन । आधि ह्याल चार स्थारत करते कावेरण निरह ্দোড়েতে কেন্দ্র মাঠে। কলটা মাটিতে গাড়িয়ে দিতাম অরপর সারে সারে কল নিয়ে মাঠের চারদিকে 5क्द्र । व्यव्यक्तात शाकरत आभाव लोख गाउँ इन्ड भारेके दक পাঁচ কি ছবার পাক দেওকার পর আজো ফুটেড। রোজই এরকম হত। একদিন খ্য ভেরে উঠে দৌডোতে গৈছি, वल-त्मीद्रजारक प्रमोद्रजारक भाक भावित भारतेत চার্যদকে। ক্রমে ক্রমে এক দটে করে সাত আট দশ ঝার মাঠটা ঘারে একাম। কিল্ড দেবিন ভোর হচ্ছিল না। অংশকার জমাট বে'ধে বুইল। কিন্ত সেদিকে আমার খেয়াল ছিল না, আমি বিভেন্ন হয়ে দৌড়োতাম এবং প্রায়ই সে সময়ে আমার চোখ বন্ধ থকত। কিন্ত হঠৎ এক সময়ে আমার পা থেকে বলটা একটা জোৱে গভিয়ে গেল আমার আয়তের বাইরে। আমি থেমে চে.খ খালে বলটাকে খাজতে গিয়ে দেখি চার্নাদকে নিরেট **ঘুটঘুটি অন্ধকার। ফাটি**র দিকে চেয়ে দেখি জয়াট অন্ধকার: আকাশের দিকে চেয়ে দেখি চাঁদ তারা কিচ্ছ দেখা যাকে না, চার্বাদকে চেয়ে দেখি কোনোখানে কোনো আলো নেই, খাপসা গাছপালা নেই। কিচ্ছ, নেই। আমি চোখের কাছে তলে অমর সাদ্র হাতটাকে দেখর চেণ্টা करनाम, दरथनाम किष्कः स्मरे। मस्म शक्तम আমি মাঠটাকৈ অশ্ভত দশকার পাক দিয়েছি তব্দেদিন ভোর হয়নি। আমি এক জারগাতেই স্থির হয়ে দাঁভিরে রই**লা**ম। অমি যে চোৰ বাজে হটিতে শিংৰছিলাম, কিংবা শিথেছিলাম দিকনিগ্য করার কৌশল সে সব কিছুই তথন আমার মনে পড়ল না। আফার স্ফল্ড শরীর ঠান্ডা হয়ে গেল ভয়ে। আমি আর এক পাও এগোবার সাহস পেকাম না, দিকনিশ্য় করতে আমার ভয় হল-ৰ্যাদ ভূল পথে চলে ৰাই? ভাই ভখন আমি শ্ব অসহায়ভাবে আন্তে আন্তে হটি, গেডে বসলাম। আমার চোথ কেরে জলের ধারা নামল। খুব তুল্ভ কারণেই তখন আমি কাঁদছিলায়—কখনো হারানো বলটির कना, कथरना कीन मारम रमाई स्माराधित कना, কখনো বা ঘরে বাওয়ার মেঠো পথটির

णना। आधि कि आह कंपरना किंद्दे राग्यद

मा ? अरहणका भारत व्यक्तीय या निका स्मार्थीक किरना के किए आयात राज्य बहुनि करीय সেই সম কিছার জন্য কথিছিলমে। এইভাবে অলুকি, অসম্ভৰ করেকটি মহেতে কেটে গোল। এর জাগে অমি কথনে ভরবানক क्षांकिनि काकाद महकाद इहाँन यता। बट्टा मगरत बन्धेक आहे गाँकि यहकता के दरत बारव वेदम क्या-कार्या वस्त्र वस्त्र क्यान क्यान होसार्ड শিৰ্থেছিলাম তেৱো কৰব বল্লসে শিৰ্থেছ গাড়ি চালাতে পনেকে যেতের বছর বছলে भिरंथ शिव्र की करते हाथ । **बरक स्मार** হর। আমি তো সব কিছুর জনাই নিজের ওপর নিভারশীল তবে ভগবানকে আমার কী দরকার। যে নিজে নিজে চলতে পারে তার ভগকান দিয়ে কী হবে? তাই সেই অস্তত সময়ে সম্পূর্ণ অস্থ হরে মাঠের মধ্যে বসে থেকে বখন আমি ভগকনের কথা ভাষতে চেণ্টা করলাম তথন তার কেঃনো চেহারাই আমার মনে এল না। তব্ আমি व्यारुल इरह दललाय- वृष्टा करहा. खायारक तका करता-आभाव एक: थ किविस मन्छ। সেই আকলতার মধ্যে বোধ হয় একটা কিছ ছিল, আফার মনশ্চকে ভগবানের একটা চেহারা ভেসে উঠল। কেমন জানেন? সেই অংশসকাচের ভিতর দিরে আমি দাদার মূখ যেরকম দেখেছিলাম অনেকটা সেই রকম। সে যেন দদের মতোই আমার প্রির কেউ, যে আমাকে বড ভালবাসে, সে ষেন একটা আত্সকাচের ভিতর দিয়ে মিবিড ভালবাসায় শেষবারের মতো আমার মুখখানা দেখে নিক্ষে। যেন কলছে—আহা, ভামি কি

আমার বানে। আমার বানের বানের বানের।
তারের ম্পথানা। অমেনরী বানের বানের।
তার ব্রুণ। আর আমি দেবার্থানার, চারী
ম্বের সেই প্রকাশ চেন্দ প্রটার ভিতরেই
বেন পাহাড় পর্যন্ত করের আকাশ। এরকর
করেরতা মৃহত্ত কেটে গেলে শীতের উত্তরে
হাওরা হৃহত করে বরে গেল—মাহপালার
চারাদ্রের সেই করেলের শাশ হল। সেই
বান্তাসটাই আমার কোলোর কারে পাড়িরে
আনলা আমার হারানো কল। আরি দু হতে
বৃদ্ধে তুলে চেপে ধরলাম কারা। চারা চেরে
দেবার্ম চারাদকে আলোর অবলা—আর
স্বা উঠছে।।

্লাদকতীর পা কথন থেমে গিরেছিল। সে মুখ ভূলে দ্বাস চেপে জিজেন করল— সভি।?

্রমেন স্থান হাসল জাবার, বলল— স্থাতা।

—আগনি কাউকে এ গলপ ফলকেন না?

—আমি দাদদ্যক এই ঘটনার কথা বলেছিলাম। দাদ্য তথন ছিলেন সম্পূর্ণ ফল্ব,
তাই আমার বিশ্ব স ছিল দাদ্য সেই ঘটনাটা
অবিশ্বাস করবেন না। তাই সেদিন সম্পোবেলা দাদ্য তার আহিক সেরে এসে বখন বড়
ঘরটার আরাম কেদারার বসেছেন তখন অমি
তার পালে মেবেতে বসে সকালের ঘটনার
কথা কলামা। শ্রেন দাদ্য আমার মাধার
নীরবে অনেকফল হাত ব্লিরে গিলেন।
টের পেলাম তার হাত থরথর করে ক'লাচা।
সেজবাতিটা কমিয়ে দেওরা ছিল, তব্ সেই



मद्रश्रास्त्र भूगा चा वर्षाव हित्र है अवस्क

শরৎ-সাহিত্য-সংগ্রহ

রাখার অভিনব ও অভাবনীয় আয়োজন ২২**শে ভাদু (৮ই সেপ্টেম্বর)হইতে ৫ই আখিন** (২২**শে সেপ্টেম্বর) পর্যস্ত**

স্মৃতিত রয়েল সাইজের রেক্সিনে বাঁধাই এই গ্রন্থাবলী ১০টি সূব্যুহৎ খণ্ডে সমাপ্ত।

প্রতি খণ্ডের ম্ব্যু : ১২·০০ টাকা উপর্যুত্ত ভারিখের মধ্যে ১০·২০ পরসায় পাবেন

আমাদের নিকট হ'তে এই গ্রন্থাবলী স্বতন্ত ও সমগ্র খণ্ড ধারা ক্রয় করবেন উপধ্রে তারিখের মধ্যে, তারা শতকরা ১৫·০০ টাকা হারে ক্রিমশন পাবেন। ধারা বর্তমানে প্রকাশিত সমগ্র খণ্ডগ্রিল ক্রয় করবেন, তারা কোন খণ্ড অপ্রকাশিত থাকলে তাহার উপরেও পরে সমহারে ক্রমশন পাবেন। ভাক মাশ্রল স্বতন্ত্র।

> এম, সি. সরকার জ্যান্ড সন্স প্রাইডেট লিঃ ১৪, বন্দিম চাট্জো স্ফ্রীট, কলিকাতা—১২

जानवात विद्युख बानशाधुतीत खटनारे घत्रशित्र!



সারাদিন নারনারে থাকুর... স্বিষ্ণ থাকুন... শোডন থাকুব!

নতুন চারমিদ্ আপনাকে সাবাদিন সিন্ধ শীক্তম রাধ্যে। নতুন স্পৃত্য টনে চারমিদ্ পাবেন। এর ধর্ম সৌরত আপনাকে এক আক্র্যা রাহার থিবে থাকবেঃ এর স্বাতি বাহ্মরের মত আপনাকে স্ক্রীবিত ক্যে তুলতে, চাই চারমিদ্।

চারমিস্

মনোমুশ্বকর সৌরভে ভরা ট্যালকাম পাউডার

@4,TP.G.138N

करन आवादक एन्स्नाम छोत् गाल व्यव CORNE ME MINES MINES STREET চপ কৰে থেকে তিনি আদেও _{আদে} समारात केनेवारेनव कथा कार्यक किए ভার কেন একজন মান্টের কল্প कारका सरमार ? कंगतान कि मानाय ? वर्गाव **এর উত্তর পিতে পার্যাম না। কিন্**ত সান मन्द टक्टर सम्थाम-माजाहे टका. _{स्टावारा} कपि मान्द्रस्त्र मटकारे रमका रहा उदा अल তের ভাগকান কিন্দের ৈ তব**্ল** আমি ম_{েখ} कामाय-बान्द्र स्टाउ रत श्र अकार মান.ৰ? ঐ আকাশ প্ৰদেত মাপা, আর ভার চোডের মধ্যে যেন প্রত্ত मयान क्यार इस्तरक। भारत भारत हात्र कारमा कान्य श्रकाफ इत्यादे कि जनत रत? श्रकान्छटाई सीन एन्ट्रान्त नान **তবে ভূমি আক্রাশ, কিংবা পা**হাড় বিভা मध्रम किरवा धम्य या विष्य शिलाह ह প্রকাণ্ড চরাচর ভাকে ্ভগব্ন ভাবলে ন কেন? কিংবা তুমি তোভ করে প্রার **যে তিনি এ সবের অতীত** একটা দাৰ চল্প এই কথা শুনে আমি ভেবে ফেবলাম বে লা **इत्यातः भाराष्ट्र आकाम विश्या अ**न्त को **করে ভগকন হতে—ভারা কি অমার** কর শানতে পেয়েছিল? তাদের কি মন চাল হৈ আমার কথা ব্রাবে? তা ছাড়া ত্রি ভার যে মাখ দেখেছিলাম তা আনত্য কর্ **মতে ই - যিনি আ**মাকে খবে ভাগন জন। **च्यांक्र एसड़े कथाड़े शहरूरक** अवस्थार अस्प **পুণ, আর হাসলেন না**, এণ্ডীরভাবে চুপ **करत तरेलाम, ए**एतशब ७०० सम्हा ४००० – রুমেন, অনেকলিন আলে ভলবন এবলা **যন্তেছিলেন যে তিনি বাধু বাবু প**ূৰিবলৈ আসক্রেন। যদি সে কথা সভিভাগে 🦠 এठो ठिक एवं छिनि नात वान श्रीशरीत **আসহেন। হ**য়য়তা এখন এ ম,্ভাউঙ **তিনি আছেন প**ৃথিবীতে। কি*ত্* মন্ত্ **टम कथाओं वि**श्वास करत मा वरनाई लीए कथरता था एक रक्षाथ मा। किन्दू एवि ८,७ **দেখো। ভূমি** ভার কথা মান্যকে বে^ল বোলো যে ভূমি ভার কাছে যবে। ও^{ু এ} কেউ না কেউ একদিন ঠিক তোম কে ৬ ব कारङ निरम्भ वएव।

বংশগাসে শাশবতী জিজেস করত -ভারপর--আপনি কি ভাকে খড়েত বেরিরোছকেন ?

রুমেন সে কথার উত্তর বিজ্ञ না, বিশ্লন বিশ্বতু আমরুর কোথায় এসে পড়েছি দেখেছেন?

শাসকতা দেখল, রাস্ত্রিহারীর মেডা: ভার মন খারাপ হয়ে গোল, বলস—আপনার অনেক দেবী করিকে নিলাম।

. सत्यान स्मृत्याद्व समाम-समाग्नी दर्शन रहा? कातमात्र माम्यकीरक व्यक्तार क्रवारककारी कृतमा मिराम समाग्ना। গত বাত প্রায় একটা প্রক্রিক বিরাদে গতিল পড়েছে। পারিবার অন্যতম প্রেক্ত কবিতা তার কাছে। পড়তে পড়তে হ'ল হল বখন মাথার পিছন কিনে তার একটা মাতাগ দেখা দিক হঠাব। ভাগন বই রেখে বাতি নিবিরে দিক বিরাদের। কিন্তু পুরুতে গিয়ে ব্রুক্ত ঘুম আন্তর্ক না। খুম কন্দ্র্যা আন্তর্ক একটা আন্তর্ক না। খুম কন্দ্র্যা আন্তর্ক একটা ব্যাপের বিরাদ্ধে একটা ব্যাপের বিরাদেওজাটার এপর দিরে বে একটা ব্যাপের বাংগুলা হাওয়ার ব্যাবে বিরাদি দিক। ভারপের বিরাদ্ধে বারিয়ের পড়ল।

িমান একটা **ইতস্তত করে বলল—** ৪৪ঠা চাকে মায় পা**ওয়া যায়!**

জেপেট মাৰ অক্ত**ক হলে বলল—ছে।** প্ৰতন্তমাক **কে একজন ভিত্তেল** কংক— তেন্ত্ৰ

কেলেট মাখ ফি বিশ্বে কলল—চা চাইছে। গা-আ-আ-ক্ষে একটা হাসির শব্দ হলা। যাও একজন বলল—নিয়ে আন, চা খাইছে বিজি:

জার একজন বল্ল-হার্ট, খ্রেওয়াও হার কি-এমন প্রসার মা**ল কেন্থাকার কে্**র মতকে—

্যাং, মান ক উকে বিভিন্ত কাৰতে যেই,
পাপ হয়। শচে, নিয়ে আয় ভালেলাককে—
মাপর মধ্যে তথন এমন একটা নপদপ রস্ক বভয়ার শালা হংছে, আর এমন নৈটন করছে
ট্রিটা চোল যে বিমান ব্যাপারটা খ্য ভালা ব্যাতি পারল না। এরা তাকে মদ খাওয়াতে চাইছে। দে কংগো খার্মান। কিন্তু মথা যার চোকের এই অসহা খান্তপার কিছা একট করা দরকার। খাদি খ্য দেশা হয় ভালা সে হলতে। খানিয়ে পাড়বে।

প্রেলগানে খ্র থারাপ নয় সে এগোডেই
বিনেন বেসরি ওপর একটা সরে বসে
তার জন্য জাগুলা করে দিলা। বসায় পর
বিনেন দেখল ওদের দলে—কী আদ্রহান
এবটা মেরেও রামেছে। চেন্তেটার মুখ
জ্যানিকে ফ্রেন্সা, তাব্ একপ্লাক বেশ্লেই
বিনেন বার মেরেটা একেলারে রন্দিন। মুক্রে

ক্ষতিবিত্ত পাউডার, খ্যা সদতা কলমালে একটা পাড়ি। হেকেগালো ওর দিকে ভাকাকেও না, খ্যা সম্ভবত আসন গরম করার কনা, ওকে নিরে এসেহে ভাড়া করে —ভারকর স্বাই ঠান্ডা মেরে গোড়ে। বিহান চোল ফিরিয়ে নিজ।

ভাতি প্রথম চুমুকটা দেওয়ার সঙ্গে সভেই তার সমস্ত শরীর পেট থেকে জিন পর্যন্ত কো নিঃশান্দে চেটিরে উঠল—না, না, এ জিনিস আমরা নেবো না, এ জিনিস আমাদের সংখ্যা খাপ খার না। বিমান মান্ত্রের মধ্যে টেকিটাকে রেখে বঙ্গে রইল; গিলাতে প্রেল না। কেলাতেও না।

তার পাশ হোবে বনে আছে সেই সম্বেদনাশীল ছেলেটা, যে তাকে ভেকে বাস্পেছে এইখনে। সে ছেলেটা তেমনি আদর বধার মতো গলার ভিজেন কলে— তেমন লগাছে?

বিমান ঢোকটা গিলে ফেলস। কাশ্রি দমকে চোধে জন্স এনে গোন ভাব। অসম্ভাত-ভাবে বনসা- ভারণ কাম আর ভেব্ভা-তেতো —এতে কা আছে?

—কী জানি! শালার। কত কিছ্ মেশার! কারনাইছ থাকাত পারে কিংক কোকো প্রথান। কিবতু ওস্থা সারে থার। ইম্নিটিট ফর্মা করে গোলে কিছাই আর হার না—আমি তে বিলিতী জিনিস কত খোরেছি কিবতু বাংলা মালের তুলনা হায় না —আহা, বাংলার মাটির জিনিস, বাঙালীর হাতে বৈবি—

বলতে বলতে ছেলেটা কলা থালিয়ে গান-গান করে গাইতে লাগল—বংগা আমার জননী আমার, ধাতী আমার, আমার—

— ও আমার সোনার বাংলা— হার একংন আব-চেতন দরের গায়, তারপর হেদে এঠে। ফেই সম্প্রেনাশীল ভেলেটা নীচু গলায় জিজেদ করে—কোমার বেরিয়েছিলেন। —ত মার কড় আবা ধরেছিল।

-ক্ষেত্রে নিন। আবা যে আছে টেকই
গাবেন না। কোখার খাবেন ১

—कर्ष्ट्रहे।

-2007 >

一套1

্ছেলেটা হাসকা। তারপর কারের করেছ মুখ এনে বলল—তা হলে আপনার জন্ম আরো ফার্লট ক্লাশ বলেন্দেকত করতে পারি। ঐ যে মেরেটা—ওকে ঘরে নিরে হন। ও আপনার মাধা টিপে লেবে, পর্যাক্ষম করবে, ছাম পাড়াবে—দর্শ একপাট মেরে—নেরেন মাধা ট কর বেই, ওকে কিছু লিতে হবে না। টাকা প্রসা বা দেওরার মান্যা দিয়ে ব্রেছি—

নেছে! মেতে দিয়ে বিষ্ণান কী করবে! শ্নে সে ভবিশ চনাক ওঠে, ভর পেরে প্রেশ লন্য, না, তার দরকার রেই—

শ্যেন হেকেটা ভীষণ হতাল হয়। কলে—
নিম না। মেলেদের যা যা থাকে ওর সম্ব
আছে বংলও এমন কিতা বেশী হস্তনি।
কেবল আম দের কায়ে একটা প্রেলো হার
গেছে—বোল আসে তো, তাই—কিন্তু
আপনার কাছে বেশ নারুন লাগাবে—নিয়ে
বান—বলে ছেলেটা মুখ ফিরিয়ে মেটো কৈ
ডেকে বলে—পার্ক, এই ভদলেন্ডের সঞ্জে
যাবে? যাও না—খ্য ভাল লোক—

সেইটো ফিল্ডেও লেখে না। আর বিমানের ভবিশ ভর করে। সেই ছেকেটা বলে-নিন না। আপনার ভালোর জনাই বলচি-

বেদণিটাকে থিরে অবো সাত আট্ডনন বসে পটিটো ছিল। অন্ধকারে তাদের কারো মানই ভাল দেখা যায় না। তাদের মধ্যে কেউ একজন চেচিয়ের কলল—কৈ নেৰে পার লকে? কেন শলো! আলু পার্বা আমরে।

ভ্যাদিমির মায়াকোভ্চিকর ভ্যাদিমির ইলিচ লেনিন

সিশ্বেশ্বর সেন অনুদিত

কেনিনের জাবিনাবস্থান (১৯২৭) মাধ্যকোত্ পিক বাচিত "আপিমির ইজিচ লেনিন" এক ঐতিহাসিক মহাকারে। এই স্থাবি কারে পরে পরে পরে উল্মেট্ড হাজেছে শোষিত গাজাবিবী মান্টেই সংখ্যা ও বিজ্বের বারা, র্লা দেশে বিশেষর প্রথম সমাজতাল্ডিক মহাবিপ্লারে বিজয় এবং কাল্ডিম্বা, মাধ্যুজারী লোনিন। সম্প্র কারের মধ্যে প্রকাহিত হয়েছে অবিশ্লাম, উত্তাল বিপ্লার জন-ভরজ। দাম ভিন টাকা পঞ্চার প্রসা।

লেনিনের জন্মশতবর্যপাতি উপলক্ষে প্রকাশিত

· **সারুশক লাইরেরী ঃ** ২০৬, বিধান **সরণী ঃ** কলিকাতা ৬



खाश्रतात यपि উल्लिथयागा कात श्रतिकन्नता थाक जाश्ल खाद्मता खाश्रताक खर्थ त्राशया कत्तव

আপনার যদি কোনে মুদূচ পরিক্ষনা, আবশ্যকীয় কারিপরী ক্যান এবং সাফন্যজনকভাবে কাজ চানাবার দক্ষতা থাকে, তাহনে আমাদের কাছে আমুন। আমরা আপনাকে আপনার নিজয় কুদ্র শিষের পদ্ধন ক্যানে সাহায্য করবো।

সকলের সেবায় ষ্টেট ব্যাহ্ম

क्या शाम हिरामको ७ भाग व्याप्त केट भागत्मा मास्या गीवामा। यम करत सम्मानदेशम काकि स्मार्टम क्रिक शास्त्र यद बना शास्त्र स्मार्टम क्रिक श्रीम यद्व स्प्य सम्बाग क्रिके क्रिके स्टूर्ग व्याप्त स्प्याप्तम मन्द्री

মেরেটা কটকা মেরে কেলেটার ছাক্ত সরিরে দের! কেলেটা তথন দেশদারীরের কাঠি ফেলে দ্ব ছাত ব্যাড়িরে খিমচে ধরে মেরেটাকে। রে-রে' করে ছালে। মেরেটা ভানা কাপটানোর মতে। শব্দ করে।

ककें, जार्था-अन्धकारत 分配[四] आशासी हमूट शहक। व शाएतीय ভদলোক কেউ থাকে না, বটগাছের উল্টো দিকে একটা পোডো ফাঠ-ভার ওপাশে विष्ठ। व्यारमभारम मर् এकটा शरीय-भूदिश्व मौन-महिल यामा स्टाहरहा। विश्व কোনোখন খেকেই কোনো প্রতিবাদ আংস मा मात्र प्थारक हाटके जाएन मा दलाक। रहाएक क्षे अव काञास याता धारक छाता जन्मकारत জানালার থড়খড়ি খালে দা্শাটা দেখার **क्रिको क्रम्बर्ध निः=रब्न, इ**स्राप्टा अस्रक ফিসফিস করে কলছে—কী ক্ষাণ্ড হাঞ্চ रम्भ रग-रमहे यम रहर्तनग्रामा रगा-वकते। মেমেকে...। বউ হয়তো ঢাপা রাগেব ধ্বরে বলছে—তা তোমার ভখানে সরকার কী? भिनका**न जान ना. जा**नाना दश्य करत करन CONT...

এবার ভাঁড়ের ভরল পদার্থটার কোনো एट्डा-कर्डे स्वान रमल ना विद्यास । एक-**ঢক করে জালের মতে: খেয়ে নিজ। কিংকু** সমস্ত শরীরে বিদাং চল্পক মেঘ ডেকে फेटन राम। काम प्राप्त राज्य दर्भक्षा বাজনা বৈজে উঠল। মতুন প্রত্য গোল **विदक्तन एम अकड़े। एम**एसएक वर्षिडसाइट। সরভা, শিশ্বে মতো একটি মেছেকে। নেয়েটা कारिक्षा अव स्मरहरू कारता रकताह মান্ধের জন্মের রহস্য বাধ্য আকে ভারেই আঁচলে। সে জানে, তাকেই সংহানের ভার बरन कबरङ हरद, वश्च करण्डे धन्य भिर्ड शस्य। ভবে সে কেন বহন করাবে গেমন ভেমন শৃশ্তান-সে কেন চাইবে যে খালি সংতান দিরে থাক তাদ্ধ গভে ? বরং সে মনে মনে ष्यात्रका करत एक्टरे धककम भारत एवत-यारक সে হর তো কখনো পায়, কখনো পায় না, কিন্তু অপেক্ষা করে ধাকে। যদি শহ শ্রুবেও ভার দেহ ছি'ড়ে থার ভব্ সে ব্দভাবে থাকে একগামী—যাকে সে হয়ভো कथता प्रत्यान स्मरे स्मर्थ कक्तन भारत्य ভার অন্তরে ন্রামী হরে খাকে। ভাই रमदत्रमान्द्रवरक नग हिन्दम छाटक कच्दना **र**्ट तह। किन्कु मूर्च ठावात भटका वर्षे-गामी भारताय माहि सा हिस्स वीक माहिस्स ৰার। প্ৰিকাশ্ত কত মান্ত ভাগের क्किरिका क्वीरम्स क्वाश्यक क्रम साम

নিজের অক্সতে। কৰ্মা কেবে না একটি প্রতিক্ষা হত দরে স্বনাশ নিয়ে আমে।

কান্যক কাড়িরে একটা দুরেই কাণকারে বাতি নেবানো একটা ট্যারির গাঁড়িরে আছে। ট্যারিটা বোধ হয় এনেরই ছেলেটা পার্লকে সেই দিকে টেনে নিমে বাজে। অনিকার বাজে পার্ল, তাকে বেতে হবে কলে। সে টাকা নিরেছে। অন্য ছেলে-ব্লো চুপচাপ বনে বাকে।

মাধার মধ্যে তীর বশ্বদাটা হঠাৎ কেমন ভোঁতা হয়ে আসে। এক ডেলা মার্টির মতো অথহান লাগে মাধাটাকে। বিন্যানের হাত-পা অবল হয়ে আসে। মাধা বিম্বার্থি করে। সে হঠাৎ পাশের ছেলেটাকে ফিস্-ফিসা করে বলে—আমি ওকে—ঐ পার্লকে নিয়ে বাবো—

হেলেটা হেলে ওঠে। চেণ্টিরে কলে— গাল পার্কাক হেড়ে দে, এই ভন্নলাক রাজী আছেন—

ছেলেটা বলে—ফোট্ শালা। আজ গার্ল আমার। আমার হাত কামড়ে দিয়েছে পার্ল, ক্মিন্ট দিয়েছে গালে, তব্ আমি ভালবাসার জবেল বাজি—

—শ্নেকেন তো, ও ছাড়বে না। আপনি বান না, ওর সপ্তেগ লড়ে কেড়ে নিন পার,লকে। যদি পারেন তবে আমারা সবাই ক্লাপ দেবো—বান না—

ছেলেটা ভাকে ঠেলে ভূলে দেয়। স্বাই হাসে, চাপ্ম গলায় বলে--ধান না, মধাই যান--

বিমান উঠে দাঁড়ার, কিম্কু ঠিকমাতা দাঁড়াতে পারে না। পা অবশ হরে অংসে। সে আরার পড়তে পড়তে সামাল নের। এমন অশালীন, কুংসিত একটা দাশানে আর কথনো দেখেনি। বহু পরেষের মধ্যে একটি মেরেকে নিরে উননটানি। আজ্বিকেলে সে একটি মেরেকে বাঁচিরেছে। যে মেরেটা বাঁচতে চেরেছিল। কিম্কু হার, ঈশ্বর এই নশ্ট মেরেটা বে জানেও না সময়নাতা কে'দে উঠতে। একট্য পরেই ওর জ্যের নশ্ট হয়ে বাবে—আর ভারপর—

হঠাং দ্ব' হাত ওপরে তুলে বিমান চে'চিয়ে উঠল—বাঁচাও—বাঁচাও—

কিন্তু কিছুই হল না। গলার স্বর ফুটল না তেমন। হতাশভাবে ভীত চোবে বিমান দেখল অস্থকারে ছেলেগ্রেলা স্বাই ভার দিকে মুখ ফিরিয়েছে। তাদের সিগারেট জ্যালছে।

কিন্দু কেউ কিছ্ করার আগেই বিমান খ্য ক্লান্ডভাবে মাটিতে পড়ে গেল। চোখ বোজার আগের মৃত্তে তার মনে হল—সে একা বড় অসহায়ে। বিপক্তের শত্নেল বড় প্রকা। একন খ্য শতিমান, খ্য প্রকাত কেউ যদি ভার পাশে থাকত। ভারপর আশেত আশেত **হামিরে পাড়ে-**ভিল বিমান।

খ্ৰ ভোমে ভার খ্ম ভাঙাল, ব্রেক্ট প্রথম অপ্রলাটি চেবে গাড়ার সংশ্ব সংশ্ব। শিকাণ বেগে গণদপ করছে মাখার শিরা। ভাল করে চেম খ্লাভে সমা লাগাল অলেক। চেরে দেখল সে গাছতলার পড়ে আছে। ভার চার্রাদকে ভাঙা মাটির ভাঁড়, শালাপানতা, করেকটা দোলী মদের বোহাল, ম্লোম ভাতের ছাপ। দ্বু একজন কৌত্রলী লোক পথ চলতি না-খেমে ভারে দেখতে দেখতে চলো বাছে।

খবে ফিবের জন্যা খনে ভিতরে চ্কেডেই
সে একটা ভিনিস টের পেল। বহুকাল
বাবে ভার মাধার ভিতরক আবার করিব
লগেছে। সে মাধা ঝকিল, কিলু পাকী
টের পেল মাধার ভিতরে অফলদের একটা
অংশ চাবেক জাছে। কেরোছে না আব্দের
অংশত বেলা বাড়তে লাগল, আর সে টের
পোত লাগল কোন স্নার্র থেকে আকাশের
শ্বাতা তৃষারপাতের মতো নিঃশন্দে ভার
মধ্যর ভিতবে খনে পড়ছে।

খ্য বিষয় হয়ে গেল বিমান। **আর মারা** করেকটা বিনা। তারপারেই সে **আবার কিছু** দিনের জন্য পাগল হরে বসবা। পাগল হরে বড়েগার তাগের এই সক্ষণগ্রেলা তার খ্যা চেনা। এখন পরিচিত স্বাইকে এই খবরটা তার জানিয়ের দিতে হবে। তেমারা স্বাই স্বাধান গোকা, আমি পাগল হরে মার্টিছা।

স্বার আগে **খবরটা জন্মনো দক্ষার** অপ্রতিত। সে হরতো **একদিন ন তেবে**হার্ট্ করে চলে আসবে। তেবে-চিন্তে
অপ্রতাকে একটা চিঠি **লিখল কিমান**অপ্রতা, আমি অনেক দিন ভাল ছিলার।
অভ স্কাল থেকে টের পাক্ষি আবার আরার
সেই পাগলামিটা আসছে। করেক দিন ভূমি
আর এসো না। অমি ভাল হরে গেকে

চিত্রিটা ভাজি করে সে **উঠন। আছ** গাড়ে দিয়ে ঠিক দুপুরুর<mark>কায় সে কেরিরে</mark> প্রভান।

একজিমা রোগ

সোরাইসিস ব্যিত কত বক্তমেৰ বাজনত দুলা, বেত-দাগসহ আরও কলেক করিব করিব চমারোগ হইতে মাজিলাজের করে বহু বংসচের চিকিংসা কেনে চিকিংসা কেনে চিকিংসা করে করে করে করে করে করে চিকালাজা করে হারজা। কোনা চব্দ হারজা। কোনা চব্দ হারজা করে বাজা করে হারজা। কোনা চব্দ হারজা করে বাজা হারজা হারজা বাজা হারজা হারজা হারজা হারজা হারজা হারজা হারজাজা—১। প্রেণী সিনেরার পার্যা

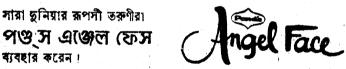


নতুন যুগের নতুন মেক্-আপ পশুস এঞ্জেল ফেস ব্যবধার ক'রে দেখেছেন কি ?

শিভস এপ্লেল কেস'মেক্-আপের পক্ষে নিধুতিঃ বোক ছড়িছে পাড়না। ছোট হাতবামৰ রেখে তাহাড়া চের বেশী মোলায়েম শাউডার---

বিশেষ প্রক্রিয়ার জীম মিশিয়ে তৈরী। শন্ত্র একেল ফের লাগাতে কোনো আমেলা तिहै। प्रात्न वि शाक शाक छाड़े निया छन् बुलिए सिव। शलाक खाशनाव सूधवी दाव **डि**हेर व खर्त चुन्द खाई (प्रडे क्लबाल लावापाइ জ্ঞাভা **ঘণ্টার পর ঘণ্টা খেম**নটি তেমনি থাকার। পভ্স এঞ্জেল ফেস কথানা কোটোর ভেতর

विचारत सूनी हलारमञ्जा कञ्चन । नलाक नहीत মতো মনোহারিণী হতে চানতো আজই পঞ্স এঞ্জেল ভেস সাধাতে উক্ল ককুন। **চমংকার নীলে - সোমালিতে মেশা वही**त कोछि। भारता वाह । कर्रवाक चुन्ततीत्मत श्रुवित त्राक्षत प्राम आवासप्रहे हातक त्रक्ष वड भारत्व।



बायहात्र करत्रन !

डीक्टबा-পश्न रेन्क (शीविक शरह मार्किन वृक्षमार्थ मत्म्रीक)



তিয়োর বোনে বাঁশের আটল

প্রিল তিরিল হাত লম্মা এক 'কেগেজ'
সা মোটা 'বলিনী' বলি পাঁচ সাত মাইল
দরে থেকে কাধে করে বরে আনতে 'হেংড়া
দেকে' যায়। গাড়ি টানা গরুর কাঁধের
মতো কড়া পড়ে যার কাঁধে। এক হাটি, কাদাদেকি ঠেলে এগোতে হয় এই বর্ষাকালে।
পাঁকাল মাছের মতন পিছল এ'ঠেল মাটি,
হালার বড়ো আঙ্লে টিপে টিপে চললেও—
বিদ একট্ পা 'হড়কা'র তো চিংপটাং। বলি
সমত পড়লে কোমরের খিল ছেড়ে বাবে।

'ছ'নি', 'আটল', ম্গ্রি', কাঝ্রি, প্লালা তৈরির জনো দুর্বার বশিনী আরু 'তল্তা' বাঁগ। একথানা বাছাই বাঁশনী বাঁশের काम जिन होका। 'छल्छा' इटल म्-होका। ফটোৱী হাতে 'তিয়োর' বা 'ডে মে'রা বাঁশ বিনতে এসেছে দেখলে চাষীরা কামত দিয়ে দর ধরবে। নইলে ঢালি ভেলাকো' 'গােণিড ভেলকো' বাঁশের দাম একশো পাচিল টাকা শ। প্রমাণ বাছাই বাশ। সরু তভ[ে]প বাঁশ ষাট টাকা। মাঝারি আদি। 'ভেলকে: বাঁশ रवीम मक कारक्षय वीमा। 'इसक्सर' वीर्मन গাঁটে গাঁটে হয় প্রড়র কবি। সেপ্রেলা ছাড়ের মতো চার্নাদকে ছডিয়ে পাকে ভিয়াক রেখার। 'জাওয়া' নালের বড় একটা উপক্র পাওয়া যায় না, ভবে জাউ, সিম, বরবটি, কুমড়ো পালা ঝিঙে কংলা ইভাচি লভান গাছের ছবিলার জনো এ বান খ্যে কংজে লাগে। কণ্ডি বেশি সাল এর ভাউলাইয়ে গাছ ভার 'শাড়ি' বা আঁকাড়ি জড়িছে বে'র চারীপকে প্রসারিত হতে পারে।

বেশিনী। বশি পাকলে। প্রেড ললে হয়। তিন পো এক হাত ছাড়া পাব হয় এর। কণ্ডি হয় পাতলা। তিন 'স্তেন' বাঁদা ঘরের কাজে লাগে। কাটারি মেরে সেরে ফাটিয়ে 'ছাচিা' তৈরি করে 'আগোড়' বা দোর অথবা र्दिषा करा इस। शुर्णानेत कारखन्त सार्ग न्हरैंन গোড়ার দিকটা। নচেং এ বান ফ্রাপা। জেকেরা ইলিশের জালের চোঙা তৈরি করে এ বাঁশ বেকে। 'ভল্তা' একেবারেই ফাঁপা। চলচলে নরম প্রকৃতি এর। এ বাঁশন্ত চোভার জ্লনো জেলেরা ব্যবহার করে বদি খুব মোটা হর। এর জটা বা ভূ'ইফেড়ি খেকে ভাল 'ছিপ' হর। মাছ মারা চৌকির 'ছড়' এবং আডেবাঁশি তৈরি করা হয় ভেল্তা বাদের সর: ভূইফোড় रथटक। भूव वारमात्र मान्यता 'एक्फा' वीगरक भागि वीम वरता। मानि वीम श्वरक স্পর স্কর ছামাড়া দর্মা তৈরি করতে ওস্তাদ পদমাপারের মান্বরা।

চাৰীবাসীদের ভাছে বাঁশের চাইতে উপ-কারী বশ্চু আর শ্বিতীর কিছু নেই। কথার বলে হলে বাঁশ মলে বাঁশ। সম্ভান ক্ষের শুর ভার নাড়ি কাটার জন্যে চাই বাঁশের



ভাগিরটি আর মরলে চাই ছরিবোল দিরে কাঁধে ভোলার জনো বাঁশের 'বাট্লি'। আর ম্সলমানদের পিছনে তে। বাঁশ ধাওরা করে একেবারে করর প্যতিত।

'ঢ়াল ভেলকো' অথবা 'গা'ড়ি ভেলকো' বাঁশের চাহিন ই বেশি সংসারে। ভাই গ্রামে গ্রামে প্রতি চাষ্ট্রবই তা বাঁশের কাড় থাকে। 'বাঁশনী' বা 'তল্ডা' তেমন কোনো ক'জে नार्श ना करन बास्ड भरूछ थ्याक भ्याद यह। ভোম বা ভিষোরদের দরকার হয় এক সনের वा मा-मानत कोठा वीमा कोठा वीत्रा चान शत — তাই ষর বাডি তৈরির কাজে পাকা বাশ চাই। কিন্তু পাকা বাশ এখন পাবে কোথা ? পান করে জ আর কঙ্গকাভার বড বড় ইমারত তৈরির কাজে সমুস্ত কাঁচা এবং মোটা মোটা এক সামে দা-সামে বাঁশ গাড়োরান খদেরচের নাভর বাবসায় 'মালে হাব'ভ' হয়ে হাজে। कराक्षरे कांठा वांटम चत्र देखीत करता. चार्रीहे व्यासकाठा, 'नाम ना' माउ, अतमान পাড়েনান দাঁতানে, বাখারি, বাটাং করে। স্ব ष-मारमरे याम बाद रका**छ ग**करना

শুধু দিনের বেলাই নর প্রতি রাত্রে-এই বৰ্বা কলেও-গাড়ি গাড়ি বলৈ বাছে আৰ থেকে শহতে। পাকা বাস পাবার উপার নেই। তিন সন পাব না হলে বাঁগ পাকে না। পাঁচ সনের পর বাল দ্বিরে যার। শহরের ব্যাপারীরা মোটা আর লম্বা বাঁশের বেলি দাম দেয়। ভাষা কিছে দিয়ে গোড়া भारत। कारकडे कारते काँका वाँच। आह कीवाँ বাঁগৰ বেখিদিন টিকবে না—তাতে বাবসার लास र्राम । काँठा वाँग काउँटम बाराउन भर्दनाम इह। किनना **धक मत्ने**ह धरा मू-সনের বাঁশের মাল বা "মাডো" খেকে 'তেউড়' বার হয়। তিন সনের হয় না। সেটাই কটোর নিরম। এহ পর ভোমের ছেলেরা কণ্ডি কিনতে এসে যদি মাতক শ্না বহং কণ্ডি বিশিষ্ট 'কাক মরা' বাঁশের কণ্ডি কেটে নের আডাই টাকা তিন টাকা পদ দরে ভবে এক রাতের গালোনি কড খেলেই কাডের সমস্ত বাঁশ ভিটকে পড়ে হাবে চার্যদকে ছত্রখান इत्य ।

ভথনকার ব্রেড়া বাপ ঠাকুরদারা বলত, 'গুরু কাঁচা বাঁপ কেটো না, পাপ হবে। শনি মংগল বাবে বাঁপ কেটাত নেই।' কিন্তু এখন কে সেন কথা শোনে! কিন্তু মুসলমান গাড়োয়ানরা ভানের আড়াই সের ওজনের ভারি কাটারী মেরে এক কোশে মতই কাঁচা বাঁশ কাটার ডোম বা ভিরোররা ভা করে না। তার বাঁশ চেনে। তব্ও লোকে বলা, 'বাঁশ বাগানে ডোম কানা!' তার মানে একটা বাঁশ দর নিরে কেবোরা, ছুবড়ি, কুলো, খ্রুমি, চালনিরী তৈরি করবার জনেটিক করবার জনেটিক করবার জনেটা

ঃ প্রম, প্র, 'বিশ্বর পার'র জ্বা বি ব্য প্রয়োজনীয় ঃ ভঃ আশ্ভোষ ভট্টাচার্য লিখিত দীর্ঘ ভূমিকা সম্প্র

এবং জন্মাপক শ্রীসভোষচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যার—প্রণীত

পশ্চিম-সীমান্ত ৰঙ্গের লোক-সাহিত্য

উংস ও অভিপ্রায় ১০ সংশূপ কৈলানিক দৃশ্ভিতে এবং ওলন্দ্রলকভাবে লোক-সাহিত্যের আলোচনা প্রশা

> কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের রবীন্দ্র-অধ্যাপক ্রন্তঃ আশ্বাতোৰ ভট্টাচার্য-প্রণীত

नाष्ट्रकात श्रीयथ्र मद्दमन ४.

मामाम अन्य दकार । ১/১७ विन्यम गामिकी मोरि । क्रिकाणा ১২

बहेकि। किन्छु शाका तीम जंगहे रहता।

বিজ্ঞান আৰু জ্ঞোন এ দুটি সংগ্ৰাহ কিনা কৈলোক সংগ্ৰাহ নিন্দৰণে হিন্দু। কা বান বৈজ্ঞান বান্ধি কৈছে সহা সহা কাম বা কাটি বিজে নাম ধরা খানিং, কাম কাম কাম বালিলা, প্ৰাক্তা কামাৰ তৈনি করে হাটে-নালারে বিভি করে। কামাৰ এবং জ্ঞান্তা বান বেকে এসব কামাৰ হয়।

্রতাম সংগ্রদরের লোকরাও নিভাবণ কিন্দু। এরা তুলি ভেলকো বা পাছি ভেলকো বেকে তৈরি করে বেড়িন' কুলো, কুবড়ি: ভাডারী, 'ব্রুনী', ভাকনি জালের কেতে উজাদি।

ক্ষাতা থানার উত্তর পূর্ব দিকের বিপতীর্ণ ক্ষাকা ক্ষেত্র সতোল, কলাসা, হরিশপ্রে, রামনেশা, কলাগাছিয়া, হিন্দেবেড়িয়া, দেবত-কালানা, ঢোলা ট্রকারী করেকটি প্রথম প্রায় বৃশ্ব হাজার বর ভিরোরের বাস। এদের উপাধি মালা, সরদার, দাস, মণ্ডল, মালিক প্রামানিক ইত্যাদি। পাশের গ্রামাগ্লিতে বাস করে ভোমেরা। পশ্চিম পাশের গ্রাম বৃক্তে, লোপালাপ্র, সরার হাট, সোনাড্রা, মোহন-প্রে ইত্যাদি। গ্রামে সতেবো শো গর মুসলমান কোলার বাস। তারা নিজেরা চরকার স্তেরা পাক দিরে হাগতের ভাভ



भारतपुरवता करिक्ष वीक निरंत काहि बारकात रभीते वरस निरंत कारण

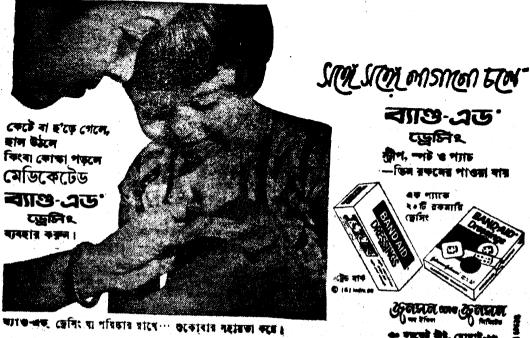
চালিরে গামছা, মশারী, ধ্রীন্ত, শান্তি বোনে।
বেথানে তিরোর সম্প্রদারের বাস সেসব
জামগা এখন বর্ষার জলে ডোবা। পথঘাট বিএল। দ্ব-চারটি কাঁচা মাটির কর্দমবহলে আল পথ। পাড়া থেকে পাড়ার যোগ। জার বর্ষা হলে সেসব পথঘাটও ভূবে যার। শালিতি বা ভাল গাছের ডিঙি তথন ভ্রসা।

काल निरंक शादमत शव शाम, बार्टन शव शर्व सन्दर्भ काम रक्षरण्य निर्मिनका रिमन्त्र। मारक बरमा दबावे रकारे आम-कान-नानरक WIN-WILL CHICA-STRONG CHIP! BOILD क्रान्यक कारण हम वर्ग व मह स्वार वकारतीय विक्रिक कहा। साकि नवत (रहकार बहाकार रमनामा कान, जीव कान, दावीन कान, टनारमा निर्देश माद्य समात्र कार्य। मान अस्ये, जन-वानम, स्रोत किरत्व चार्ट, जात्त्व আছে বাঁলের আড়। গাঁরব গোরস্থনের গাঁচ माठ बारेन गरन स्थापन गीन किएन करिए करा ৰৰে আনতে হেড়ো লেকে বার। ক্ষি কলে **७**छैं। के बाखा सामग्रह वा स्मारमग्रह রবিবারের হাট থেকে বাল বিলভে হর। চারদিক ক্ষেকে প্রচুত্র বাঁশ জালে শালাভি করে ক্ষথকা কোনা বেতিই ক্ষলের ওপর নিরে টেনে टिटेन । दिन्ता नवः। नाटमदः यक्त वायमाः, विन টাকা ভারাই সেসৰ বাল কিনতে পারে।

শাড়ার চ্কেলে দেখতে পাকেন থোকা বোবড়া কুড়েবর। খড় বা উল্বে ছাড়নী। খোলা বা টিনের যর বালের ভাদের অবস্থা মাঝারি। পাকা যাড়ি এক-আব জনের। সভোল গ্রামে আছে একটি হাইস্কুল। দেবছ-কালনা, ঢোল ট্কারী আর সভোল গ্রামে বাস করেন প্র-এফ বর বাস্থা। ভারাই প্রিভা-আন্টা করেন এদের।

ম্নি, আটল, ঝাঝার, ম্পরির মাল ভৈরি

ज्ञाधित वूँकि तितित ता!



চাল মেরপ্র বৈ মিলে কাছাকাছি দ্র' মাইল খেকে পাঁচ সাভ মাইলের মধ্যে মোহমপত্রে अवाह राष्ट्रे. लागामण्या र्वात्रमञ्जूषा याचनात हार्ते विकि क्वरक काटन । श्राह्मका काटन वाक निरंद शासामादनक मदला मतीन मादनक रशिं वरत निता जारत विक्री सागरक बारक हमात जाटम जाटम । देगदेशका श्रीक त्या अन কাপত বাশ্চিল কর'র হতে। "ডিভিবাড়" বা 'आहे। त दाया माधाव मिट्स कामा-एमाछ क्रिक कन है माजिए माजिए बारेट बार हुट करतः। अनिवारतक्ष हातै धत्रवाय करना তারা ব্রুপাতি, প্রেবার ভোর বেলার দংগল **छात नथ क.एड इ.डेएड थाटक। कथरना** কথনো হাল্লাক হয়ে গেলে বউতলাভ বোঝা নামিয়ে থালের জলে নেমে কোমর পর্যাত एकाहरक' वा 'किहाकिति' स्वदंत छहा काना धात नितंत प्रकरण अप्रैनः करत छेत् शतः वान বিভি টানে। **রায়পারে ভিন্নে তবে নৌ**কো ধরার। তারপর **যাবে দল মাইল** দরে উল_ে বেড়ে। সেখানের হাটে বদে মাল ব্নবে চাহিদা মতো। একটা আডাই হাত লদ্বা, দেড হাত চওজা পাঁচ সাত টাকা দানের ঝাঝারি বা **আটল হলে তৈ**রি চল হাদ সবাই খান কুড়ি করে রাখে তবে হাটে জারগা পাবে কোথা? পাঁচ সাত শেং তিয়োর আসে যে প্রতি হাটে! চোদ্দ নম্বর হল্টের পাইকের-দেরও কেউ কেউ মাল পাইকিরি দেয় হাদের হাটবাজারে ধাবার **লোক নেই**।

সত্তোল থেকে পাঁচ মাইল দরের সরার হাট -- এ হাট ব**সে বৃহ>পতিবার আর র**ণিবার। দা মাইল দারে শাকাকুর সোমের হট গোপালপ্রে। আরু মিতা হাট অগাং বাজার বসে পাঁচ মাইল দুরের হরিণ ডাঙায়। মেংলপ্রের হাট বুধ রবিবারে। রাথবার হাট বৃহস্পতিবারে। আর আমতলার হাট मध्यात गनिवास्त । स्काथात माल स्वास्ट यास्व শও-প্রতিদিন হাট আছে। সমাজকতাদের ^{দবারা} এসব হিসেব করে দিন ঠিক করা আছে সেই মহাভারতের যুগ থেকে। হরিণ ডাঙায় যাবে ? চালের দাম সম্ভা। সহতে ভিন টাকা 'দোন' বা 'পালি।' পালি মানে আড়াই সের। মাল বেচে চাল ডাল নুন তেল আনাঞ্চ কিনে আনতে হবে সারা সপ্তাহের মতো হাট থেকে। কিছু ফুরোলে আর পাবে না। গ্রামের খ্লে খ্লে গ্লেকটা ম্লি দোকানে যাও—সাতকে সতেরো দাম।

পাড়ার পাড়ার বিশ্তর হাঁস আর মুর্রাগ চরে বেড়াছে তিরোরদের। মংস্য বাবসারী হিল্প সম্প্রদার হল তিরোর আর মুসলমান হলে তানের বলা হয় নিফিরি।' [ফলড়া থানায় 'পাইকান' গ্রামের ঘন ঘন, গারে গারে লাগোরা বাসত হল ফরেফ হাজার গোরালা-দের—তারা গরু মৌষ পোলে দুবের কারবার করে শহরের ছানা ঘোগান দের প্রতিদিন শত মণ করে। কাছেই ফরেফ মাইল দুরে বজবজ



निकार बांचांत्र काकृष्ट माहित्व बुद्धा

খানার বারপার প্রামে সব চাইতে পাতলা (এক শ' খানায় এক কেজি) পাপর তৈরির আডত বড়বাজারের আগরওয়ালা বনেবান-लक है कार बाल फेट्रे महा कारएटर मिट्क ছড়িয়ে যায়। পাপরের निरक অ: স কলকাত **6795** - মাসকলাই ম,গ कलाडे **काकिट**य 78 क्लाइ डेस्ट्र अपना भ, भ, ब বাজ্ঞপান তার পাশে বিরুল প্রের বিহার থেকে। কোটি টাকার চটকল-কোটি প্রতিষ্ঠান : কিছু দুরে বছবছের কেরোসন ভোলর ভিপো। বাটা নগরের জতোর ক'ব্ৰনা। ক**লেজ স্মীট মাকে'টে খেজি নিশে** জানবেন, সব চাইতে ভাল কলসী তৈরি হর বজবজ থানার ভোঙাডিয়া গ্রামের কুমোর পাড়ায়—আর নার্সারীগালোয় কলম বা উবের গাছপালা যোগান দেয় এই থানার মাচিসাহা গ্রামের লোক।

তিরোর, ডোম, **ম্নিচ, মালি, জো**লা গোয়ালা—সব সম্প্রদারের মানুহরা আজ পত্তপোর মতো পে টর জনালার ছটেছে জাত-বাবসা হেড়ে কলে কারখানার। সুস্ট রোগের মতো তাবের দেহে কাব্লী না মহ জনের দেনার করণা—মুখে লাল কা-ভার জরধনি। বর্ষায় নার্য থেকে বালের জলে বেদন কোটি কোটি কোলে। (কাজ্যার বাছা) এনে ছেবে বার চার্যাদক—ভানি সর্বার, সমাজের অলিভে গলিতে রাজনীতি ছেবে গোছ আলা বেখনে অভাব দারিয়া ত্লাভ সেখানেই রাজনীতি।

বাজে মাহিল মাল কাটারী চালিরে বাঁখারি ফাডতে ফাডতে গালাগালি করে ঃ শোলা একটা জন পাওয়া বায় না বে বাশ ফাঁডৰ। মেরেটাকে বলি আমি চেরা বলৈ তলে धर्तीक छुटे द्विते काले जी भात । छ। तम काले जी চালতে কেয়ে শালীর বেটি দিলে ফাডা বাঁশের ভিতরে হাত চালিরে। কেটে ফাঁক হয়ে গেল দটে। হাত। খাসী কাটার মতন রঙ্ক দেখে আমার পিতমরি লোগে গেল!... পাড়ার চা দোকানে কে বাজা হবে কে উজির হবে তাই নি'র 'গাডাই' মারছে ছেড়ারা 'রেডিও কল' বগলে নিয়ে-কাজে ভাকো. বলবে সাত টাকা ব্যেচ্ছ দেবে? আডাই টাকা রোজ, সাত টাকা চাইবে। ক'টা কাঁঝবি আট লর মাল বুনবি? আর কাজন জানে ना किছ्। क लाजु भव। काउँ क दिकार করে দিলে! ভাল যারা কাজ শিখতে চার **अट्टिंग भाष्ट्रा**ह भट्ड शास्त्रह बा**ट्ड**!

মাহিন্দ ব্র্জের বরেস নাকি চার কুড়ি পাঁচ। তব্ এখনো কামর ভাঙে নাই, দাঁত পড়ে নাই, মড়মড় করে খেসারি কলাই ভাজা চিবেয়। চোল্টা ছেলে আরু সাংটা মেরে তার। ছেলেরা, ছোট দ্বটো বাবে স্বাই

नील त्रयाम त्रवाक रम्भ

শক্তিপদ রাজগ্রের দ্রমণ উপন্যাস ।। আট টাকা

ৰাঈ ৰেগদ ৰাদী	n	অমরেন্দ্র দাস	u	25.00
নত'কা নিকী	u	অমরেন্দ্র দাস	lì	A 00
जारनदा मीश्रन	u	অমরেন্দ্র দাস	u	¢.00
সিলভার লঞ্জ	n	সুনীলকুমার ছোয	u	A-00
भार्त्व भारतम	N	স্নীলকুমার ছোষ	u	6.00
होर्हे भन्छे भान	n	স্নীলকুমার ঘোষ	ıı	8.40
रबोवरनत्र नान्निका	n	শক্তিপদ রাজগ্র	u	8.00
ৰাসর প্রদীপ	n .	শক্তিপদ রাজগ্রে	lì -	8.00
जारमात्र क्या	R	শংকর সিকদার	u	8.00

প্ৰাধীনতার হাত্ৰদল

স্নীলকুমার ঘোষ-এর চাঞ্লাকর রাজনৈতিক কাহিনী ॥ আট টাকা

चलांक श्रकाननी, C/o, कृति - कतम, ১ कामक रता, कालकाका - à

আলাদা। মেনেদের জ জনের বিয়ে হরে
গেছে। তার সংসারে এখন বউ হিপেলতা
নিরে কালিদনী আরে ছোট ছোল দুটো
কাছে। তারা উল্বেড্র মাল নিরে গেছে।
বরোস তাদের কুড়ি একুলা। প্রতি বছরে
একটা করে ছোলা বিই রছে হিপেলতা।
একুল ছোলের মা সে। মার্রাল বেমন রোজ
একটা করে তিম পাড়ে এমনি। সে তব

ভোরা চোম্পটা ডিম পেড়ে খাশত হর—এ একেবারে পাঁচ গাণ্ডা একটা। আজো তাগা্ডাই চেহারা হিঞ্জেনতর। ছেলে বা বউদের সাথে বচসা লাগালে নাল কোঁচা মরে হাটে যেরে লড়াই লেগে বাব। তুলে আছাড় দের জেরান মন্দ ছেলেনের। সে কোমরে অচিল কভিয়ের যোগো চালিরে বাঁথারি থেকে সর্বা কাঠি তৈরি করে নিরে ভাল চোচা দিরে পাটো বুনছে। পাশাপালি ছেট ছেট থোপ মরের ভিটে ব ওয়ায় পি'তে বা ১ট পেতে বসে বারোটা ছেলের এউ আর তারের ছেলেমেরেরা 'পাটা', 'চিডিখাড়া, 'চালা বুনছে। বাখারি ফাড়ছে, কঠি চাচছে ভাল ডাটার বাগড়া' গিবে খে'তো করে বোচ তৈরি করছে। চক্ষবদানী বাড়ি। মাঝখানে উঠোন। প্যাচপেত্রে কারার হাঁস মুর্নাগ চরে



বৈড়াটেও। হাঁসাকোন কলের মূখ ছাকিরে চরচর করে শশ্দ **তুলাছে**।

মাহিল মেটা থাটো চেহারার লোক।
দ্টা কাষে কড়া পড়া কালো লাগ। পারবট্টিজম নোক তার ছেলেনেরে নাতি নাতকুড়
নিজে। সে এক বিরাট মহারিকের ম্লা।

भा रुम वर्ल यात : 'आमात ठाकुतमा हिन সংখ্যা 'নোকা'। কেতের বাধন দিয়ে কলে शंबर्धि एउट छेग्रा निरंत शा**र्डनी करत अवनी** ্ট্রলারি করা ভাষা আটচালা বেংধছিল পাল্যুগাড়বে খ্যেউ। জামিলারের নারেব আর বড় দারোগা এসে সেই আটচালার বসে নাকি হ লাভ্য - খা•! এ যৈ সাহেৰ-পছন্দ কালো ! ভ সেই বাংলো ব্যক্তির ফ**লে বাঁথারি তৈ**রি মততে প্রস্থিত নাকি স্পের্বন অঞ্চের तका लाक। व अनुसाद स्माक अक्रे, मार्माग्ड धतुराज इत्। देशसा आधारमञ প্রথমে যারা খনী আসামী ছিল ভাবের ছাড়ান দেবার লোভ দেখিছে সৌদর্**বন** অবাদের জনো পাঠিরেছিল। ভাদের রচের ८३ ७५। रमाक्षे अवादेरक 'क्ट' वक्छ। **७७७ म. मनकाम । स्थाति कारकत स्थाक । क.म** বাঁথারি এমন সংগাল করে সে চাঁচতে পারভ যে দেখলে অবাক **হতে হয়।** কিল্ড সারা লেল্য সে ভিনটের বেশি চাঁচতে পারত মা। তাই একখনা বাঁখারি নাকি আমার কপ ভেলে ফলে। তা সেই সোদরবনের বুড়ো করতে কি জানো ? **ভাঙা বাঁখনির দিয়ে দিলে** यः कटस्क कथितः। श्रीकृतमा स्थाक्नीटक वका-रोव केवर एम हरन शिन। अन्त कम ना। িণ্টু ফ.ল বাঁথারি **চাঁচবে কে** ? কেউ^{ল্প}ারে म १८भग-धादा कराज। 'कास्त्रात' एमीशाल'। শেষে বেটাকে হাতে **ধরে: 'কসার' মেনে** ভালতে হয়। এই যে এক **আন জন কাজের** েত সংসারে পরেয়া যায় তার আরু নাট 初期 初飯!

মাইবৰ কিব্দু ভোট দেয় কমিউনিস্ট নেএই। কাৰণ ভাৱা নাকি গাঁৱবদেৱই বন্ধা। বংগুল বড় লোকনের। যানের দালানকৈ ঠা আছে ভারা কর্মক না কংগ্রেসী, ভাতে ভার আগতি নেই।

ছেলের সবাই গেছে উল্বৈড্রে হাটে মাল িয়ে। ব্রেড়া ভব্ দ্রটো একটা মাল বেচবার ছবন অভ্যত্যাড় করে। সোলখোলীয় কবি ১০র কলে রেখেছে খান দ্ই ফাতর করে বেরার করে।

্ডা গামছা পরে পার্টা, চাল, চিড়িবাড়,
চার্চি প্রর ছারি নিয়ে বেরিয়ে পড়ে। ডিঙি
বের রেয়ে লগি ঠেলে থান বন চিরে এসে
ওঠে নেহনপণ্রে। সেখান থেকে হেন্টে হেন্টি নোল থালী। ভোলাসাহার কন্মোল আর
ম্নিগানার সামনে—বেখানে পাক্ষীবপ্তরা
বেধারার থাকে—সেখানে বাবা পঞ্চান্থের চাতালে বঙ্গে গাঁজা টানছিল খবি
অধিবারী। মাহিল এসে বাবাজীর প্রায়ের কালা' নিরে জিবে ঠেকিরে (বর্বাকালে বাবাজীর পারে খালো ছিল না) গাঁজা কলকেটা নিরে বার কডেক গম সেরে বল্ বল্ করে কড়া কট্যান্থ দীলচে থোঁরা বার করে নাক মাখ দিলে।

ক্ষমি ঠাকুর বলে, 'ডোলার আসতে দেরি হল হে মানের'পো! দাও দুটো বড় আটল তৈরি করে। পোলের মুক্টাতে সমাব।'

ক্ষেত্র কাজে দক শুট্রেল খুনি এক টাকা, থাঁঝার পাঁচ টাকা, খুনি সাড়ে তিন টাকা, আটল ছোট দেড়ে টাকা, কড় অড়াই টাকা করে বড় মুখার দশ টাকা। পাঁচ টাকা করে দশ টাকা দিতে হবে ঝাবাজাঁ আজই নগৰ।

'হাঁ হাঁ—ছুই কর না। এই মে, টাক্ষ নো।
একনি সাংশ কাটা রোগাঁ দেখে উপার করে
অন্ন্। শালা, ধাঁঝারতে বড় 'ভেকটি'
(ভেকুট) মাছ পড়েছে মনে করে পশ্দানদের
ছেলেটা ভেতরে হাত টোকাতেই দির্মেছ
খাবার কনো বাঁঝারির ছরো। ভাল করে
দিরে এলাম। মনিরাজা গাছের শিকড় দ্রাধারির খাইরে দিরেই বিষ নের্মের
গারের হাটিরে খাইরে দিতেই বিষ নের্মের
গোলরে হাটিরের ছাঁড়ান্লোকে একেবারে
শ্রার ছেড়ে দিরে এন্ হে মালের পো!
আমার নাম হল হবি ঠাকুর! হে হে...!'

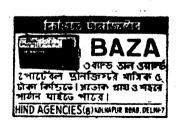
মাহিন্দ বুড়ো বলে, 'বাবাজী, 'গোড়িভাঙা কেউটো আমাদের ওদিকে বছ বেশি। বেখানে মাছ ও কালা সেখানে আছেই। তবে বেশি আহার করেছিল বলে কেখ হর বিষ তেমন জ্যের ধরেন।'

হাহত করে হালে কবি ঠাকুর। মুখে তার লাড়ি লোক। মধ্যের কব চুল। এলো গারে মোটা গৈতে। পারনে গোরুরা কাপড়। মাহিক্র বর্তকা লুখেনা কাপড় তিরি করে লের 'এটো' চাপনা, জান, 'পারীর' পারেছ, ভালা চেটি দিরে বেনে। লাক্ষার পারেছ বলে থাকে। ছেলেরা ভার কিরবে হাট থেকে এই পথেই। ছালের সপো বাবে। ছাভক্ষণ বাবা পঞ্জাবদের কোরি চাতালে বলে করভাল বাজিবরে ক্ষমি ঠাকুরের সাংগ্র-পাংগালের সংগ্রাহিকাম করতে বলে।

কড় হেতো লক্ষণ ফিল্লাল, ফাহিন্দ উঠে
পড়ে স্বাইকে প্ৰশাস জানিয়ে। হ্যাবিকেন
জনালে লক্ষণ। ক্ষম ডাইরা ভার আলে।
ছেটি ছেলে নন্ট্ আরু মন্ট্ হিসেব কেছ়।
দেড়লো টাকার মালা বিভি হরেছে। লক্ষণের
আলেছে স্বাই পেলেও বুড়ো মাহিন্দ ভার সপো কথা কলে না। তার সপো বড়োর 'ফোজদারী' মামলা। বড়ের ধোরাড় ফেকে মুর্মাণ চুরি করে নিরে নাকি লক্ষণ ভার দোর লোড়ার পাতে কেখেছিল।
কুকুরান টেনে বার করে কেলে। মুর্মাণ নিরে মাগড়ার পার এই কাল্ড করে কক্ষণ। ভারপার বাপারটার মানাক্ষারি। খানা প্রতিকা।
ক্রেটি কাছারী।

আগ্রমানিক মামারে দিন আছে। বাপ-বৈটার তারা বাবে এক দৌকোর। আজ টাকার বেলায় হয়েছে দু-পক্ষের ।

जावग्रेस कचार





गाभाग जात्सक्तवा जावत्क 219615

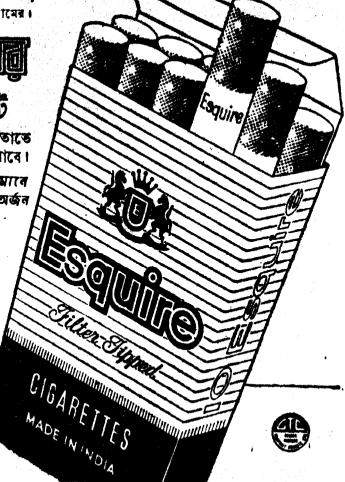
ভাজিনিয়া ভাষাকের অপরুপ মিশ্রণ की सामाराम, की बातारमत।

क्विंगेत निनाति

এসকোয়ার সিগারেট থান, তাতে विदम्नी गूजा दवैंद्ध मादन। विरमभी मूझा वाँछान घारत विरमभी मूखा जर्कन

CC 9.

रगास्छन छोतारका काः **लाइर** इं नि:, ताशाहे-४७ ভারতের এই ধরণের রুহত্তম জাতীয় উন্তম





GT (P)-1 SEN

বিশ্বাদণীর মোহ ও মারা কাতিরে আল রেগনে থেকে বিশাস নিকাল।

ক্রাচার্ক নোপার উক্তের, ভার পর ভেসে চললো মাধ্যকের পাবে। আৰু আমি रमाम चिरत याकि, विक्कु छन् व्यक्षात मरन क्रकें वानक स्तर, **उच्चक**ा द्वरें। कायन আমার দেশ? ভারতবর, না এই বর্মা? ভারতবর্ষকে আমি নিজের চোৰে দেখিনি <u> ज्या भ्यत्भा करणाना करतीय। धारे का</u>र्ग দেশের জল, বার্, মটৌর সংশে আমার জাবন মিশেভিলো। এই দৈশেই আমার জন্ম, এই ছিলো আনাম ভিটেমটৌ, কামা-হাসির অভিনয়ের রশ্যমন্ত। আমি ছিলাম ক্রার ভারতীর। কোনাদর্শ এই দেশ ভাগ করবো করণনা করিন। তেবেছিলাম এই দেশ খেকে চিরান্ডরের ঋতের বিদার নেবে গোদন আমার মতে হবে। কিন্তু আমার वाजना भूग हरला कहे?

আৰু বৰ্মার নতুন রাজনীতির প্রোত বইছে। তাই ব্যাধিকা ক্যাকের: আমি ভারতীর, কতএবে আজু আমার এই দেশে ঠাই নেই। তাই আজু আমি কতীতের স্মৃতিট্রু বহন করে ভারতবর্ধে রুওনা ইছি। ক্ষাতে পারেন বিদেশ বালা কর্মছ। আবার আমাকে নতুন করে জীবনবালা শ্রা করতে হবে। সমাজে শ্রাম করে নিতে হবে, মানুহকে চিনতে হবে। আজু আমি ভারতীর হলেও আপ্রনাদের কাছে অতিথি, পরদেশী।

প্রায় দুই শতাক্ষী আরে এই দেশে এমেছিলাম। আমি আর্সিনি, আমার বাপ-চাকুদারা এসেছিলেন। বছরের ছিসেব রাখিন। করেণ কোনদিন বৈ এই দেশ ত্যাগ করবো কম্পনা করিনি।

স্পোদন ছিলো ইংরেজের শাসন, গোরা-পল্টনদেৱ রাজ্য। টমসন-ডিকিনসন-হিগিনসনের সংগ্র আন্তর প্রণিতামহুরাও বর্মার এসোছলেন। কাবন্দা করতে, কড়ো বড়ো সাহেব কোম্পানীর ঠিকাদার হরে। प्राचात व्यनहासह आयोज-न्यक्टनेता कर् একে এলেন। ভারো কতো ভারতীর এলেন তার হিসেব কেউ রাখেনি। কেউ বা দোকান-শাট খ্ৰাজেন, কেউ বা সরকারী কেরানী হলেন। দিনের বেলার ওরা কালি কলম নিরে হিসেব করতেন আরু সংখ্যা হলেই লাসর জয়িরে বরুবরুম করতেন। স্বসড়া-বিবাদের মীমাংসা করভেন উকীলবাব্রা। आमार**पत्रहे रनरणक रनाक। आहे**नकान्दन अरमक मृत्य रमरगरे थाकरका। ऋषा शांक्य हिलान मारहर, मान सूथ। व्यासारमंत्र वाम्य रत्न ज्ञानंत्राय्या यात्रा नातात्र बाजरकत। वहरवासा ब्यूटन शक्टका। दक्ताम्



জ্যাকাডেমী বা চেটিয়ার স্কুর্লে। এশতার স্কুল বিবলা, কুলেজ বিবলা কর্মার। এমনি করে বর্মা শহরে ভারতীয় সমাজ গড়ে উঠে-চিলো।

দিনের বেলার ডিফিনসন-হিগিনসন সংহেবরা টাপাল্প চড়ে হাওয়া ক্ষেত বেরুডেন। ক্ষিতবেলার ঐ পেগ্র কাবে নাচের আসর শ্রে হড়ো। বিরারের শ্লাস হাড়ে নিরে সংহেবরা গান করতেন গাড় সেড দি কিং।' আমাদের মন্ধ্যাক্ষা বস্তুতা দ্গুগোবাড়িতে কিংবা কালীবাড়ি বা শিশ মন্দিরে। স্তেবেদের ও আমাদের পানে ক্ষাজিরা সম্প্রম দ্তিতৈ তাকিরে থাকতো। তথন কী ওদের পরোয়া করেছি। ক্ষাজিক মনে মনে ক্লাতে আমরা হলাম ক্ষা। ওদের দেশকে ক্টে-প্রেট থাছি।

ওনের কাশ্যনা কিথা নর। এই কাশ্যনিকার করেছি। কাজি করেছি, ঘর বানিজেছি, ধননেশিক সরক্তি ওদের টাকার। তথ্য এদেশে কিশ্তর স্থাছিলো। মণিমনুতা কিনকেন মৃথাক শামিত জলের নাম আর চাল দুটোই জলের দামে বিক্তী হতো। কলকান্তার কাশিশারা ধনী কাউকে দেখলেই কলতেঃ ওরা কাশ্যি খাকে।

আৰু ভাগার উজান বহৈছে অনানিক।
সেই রামও নেই, বাজেজও নেই। ব্যুম্থর
শৈরে বেই সাহেবরা এদেশ থেকে চলে
সেলেন অমনি জামাদের ভাগোর পরিবর্তন
হলে। একদিন যে ক্ষাভা, ঐপকার কাই
করেছিলাম, সবই আমাদের চলে সেলো।
দেকিন ব্যুক্তে পরকাম হৈ ভূজের কাইছের
বর বেংগছিলাম। আজু আমি বিভ্নু
মুগারিচিত এক ভারতক্ষী। আজু একটা
বুলু একটা সমাজ ধুসে গোলো।

কিন্তু আৰু কেন এই দেশ হৈছে কল ৰাছি: কোনদিনই তে ভাবিনি শ্না হাছে দেশে ফিরতে হবে? এই দেশের নাগরিক হক্তর চেন্টা করেছিলাম। নিজের মান্তভাবা ভূলে গিরেছিলাম। আমার মূথে বমীলি ভাষার এই ফ্টেলে। ধ্তি চদের হেছে ল্বাণা পরতে শ্রা করেছিলাম। আমার ক্তী বেনেরাও লালি পরতেন। কিন্তু পোশাক আর নাম প্রতেই কর্মা দেশের নাগরিক হবার অধিকার পোলাম না।

ভিকিনসন-হিগিনসন সাহেব চলে গেলেন। কিন্তু হাবার সময় গুলের চোধ দিয়ে এক ফেটা জলও পড়েছিল। ওরা মনে প্রাণে ছিলেন ইংরেজ। কেন্দিনই এই

श्रवटाटक कथ नाटम दमता नात्रमीया मःथा

আলোক-সর্রাণ।। আলোক-সর্রাণ

रबत हराइ ५मा जरहोबत, ७৯

• তিনটি সাড়া জাগানো উপনাস • অনেকগ্লি গলপ • নটিকা • প্রকশ্ব • কবিতা • কার্ট্ন • চিত্রবিচিত্র নানা আকর্ষণীয় ফিচার • বহুবর্ণরঞ্জিত প্রক্রম

म नाम माठ रमक गांका ॥

। जाकरे जर्जान मिन ॥

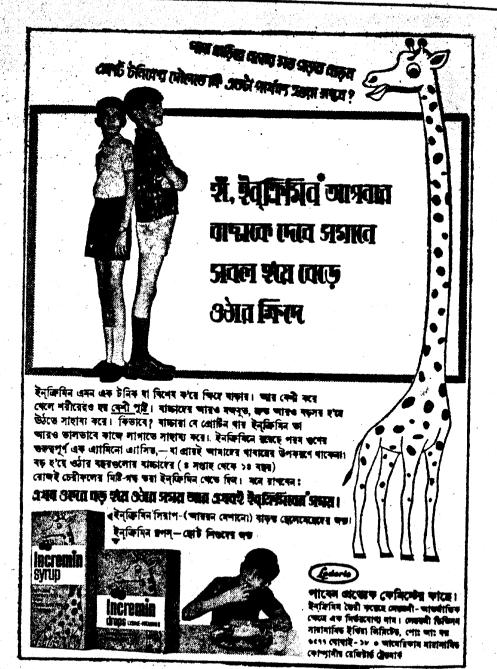
আলোক-বর্ধ । ৬৫নং মহাত্ম গাধ্বী রেডে, কলিঃ ৯ । ফোন ঃ ০৪-৮৮৭৯

দেশে বালা অধিবার সংক্রণ করেননি। এই দেশে বাবনা করতে এলেছিলেন। যেদিন ক'নের টাকা রোজনার করা শেব হলো সোদন ও'লা দেশে কিরে গেলেন। কিন্তু জনারা বন্দের মতো নিজেদের সম্পত্তি জালালে বইলায়।

ব্ৰুব শ্ব হলো কিন্তু আমরা কর্মাতেই করে গৈলাম। এতিয়া বিশ্লের মুনোও একদিনের জনোও বর্মা ছেড়ে বাবার করা জনবিন। ব্যক্তর শেবে ভাইবেনেরা, বারা দেশে কিরে গিরেছিলেন, আবার বর্মান্ত করে এলেন। আবার আমরা অভীত জীবনক কিরে পেলাম, আমাদের ভাঙা ভারতীর সমাজ আবার নতুন করে বড়ে উঠলো। জামাদের ব্যবসার শ্রীকৃতি হলো, দোকানগাট স্কোলাম। কিন্দু হঠাৎ একদিন দেখতে

শোলার বে অজ্যেকর বয়াতে আমরা হরেছি অপলিচিত, অবাছনীয়।

একর কমাজিরা কেলের লাসনতকের তার নিজেবের হাতে নিলো। দেলের সমাজে ও লাসনতকে অনেক লারিবতান থালো। দেলে বহুস আইন-কাল্য গঠন করা হলো। এবার আর্মারা আমাদের নিজেবের ক্রীবনবারার বাধা দেলার। ব্যবসায় রুসা পঞ্জো। আম্বা



বমাজ নাগরিক নই তাই চাকুমীতে ইত্তজা দিতে হলো। এবার মুক্তে সারলাম বৈ বর্মা থেকে আমালের মাধ্যম দিন জনিয়ে এসেছে। ভারপর ঘেলে সামারিক শাসনভন্দ কারোমী হলো। এবার জামালেই ত্যক্ত ভারার কলা হলোঃ কুইউ বর্মা।

ভাই আৰু আৰুৱা হেশ্যুন ভ্যাগ করে ভারতবর্বে চলে বাছি। একবরে ভাবি গেলাম, ভাগোই হলো। সেই অভাতির নাম পাতে গৈছে। চালের দাম মাছের দাম প্রভিবিনই বাড়াছে। ভার জীবিকা গজেরাম করবার জন্মে জনামা কিন্দ্র চোডার কামি কিনতে ভারে মহলা কামিটির কছে বান। ভিনাপন ধনা দিলে একবানা কাপড় পাবেন। ব্রটির শোকনের সামনে লাইন বেধে দাঁড়ান। তবে ব্রটি পাবেন।

ছেলেমেরেদের কোখার পড়াকো কল্ন?
একদিন এখানে বৈশ্বল আরাজেডেডী
ছিলো। বর্মা সরকার শ্রুকটাকে নিজের হাতে
নিলো। ঐ শ্রুকে আরুকাল আর ইংরেজী
পড়ান হর না। বাংলা ছিপ্পী তো দ্রের
কথা। ভাষার উকীল বাব্দের পসার কমে
গেছে। স্বাই এখন দেলে ফিরবার জনো পা
ক্তিরে অচ্ছন।

আর যাবরে কথা ভাবলেই জাহাজে বা শেলনে চড়া যায় না।

ভারতবর্ষে ফিরে যাবেন? প্রথমে ভারতীর দ্তাবকে জাজি পেশ কর্ন। বর্মা ভারতীর কংগ্রেস ও দ্তাবাসের কর্তারা জাপনাদের আজি নিকে বিচার করতে বসলো। আপনি ভারতীর নগরিক। জাপনাদের কেশে ফিরবার অধিক ব অভে। কিশ্তু আপত্তি, বাদ ভারতীর অধ্য বর্মা দেশের নাগরিক হ'ম ভারতো দেশে ফিরতে অপনাকে অনেক হ'লোমা পোয়াতে হবে।

এবার আপনার আন্ধি বর্মা সংকারের কাছে গেলো। ওর: আপনার কাছে ইনকাম টাজের হিসেব চাইলো। পাওনা টাকা আপনি মিটিয়েছিলেন হয়টো। কিন্তু হেই আপনি দেশে ফিরবার কথা কলেছেন অমনি আপনার কাছে আবার বর্মা; সরকার আর এক দকা ইনকাম টাজের হিসেব পাঠালো। পাওনা টাকা শোধ করলেন জো খাবার অনুমতি মিললো।

দিকত বাৰার আগে অপেনার বাড়ি সরকারকে দিরে বেতে হবে। হোক না আপনার নিজ্ঞান ৰাড়ি। জাবনে তো কোনদিন দান খররাত করেননি। আজ বর্মা থেকে বাবার আগে বাড়ি আর বাকী সম্পত্তি দাম করে না হর খানিকটা প্রাণা করলেন।

এই সব হাণ্যামা আমাকেও পোরাতে হরেছিলো। বাবার অনুমতিপত্ত নিরে সকাল থেকে জাহাজ ঘাটার দংশ্রেক ছিলাম। মতেতা বড়ো লাইন, প্রার হাজার দেড়েক বারী হবে। প্রথমে প্রতিরের থাতার গিরে নাম লিখতে হলো। প্রিলিস আমার বাবার অনুমতিগার প্রথমিশ্পুত্থ করে সরীকা কর্তো।

এবার গোলাম কাল্টমসের পরবারে—কী নিজ্ঞা সংগ্যা

পরনা। অসম্ভব। দেও ভরি সোনার বেলী
নিত্তে পারব না। ওটা কী? ওরাল ক্লব।
ক্লেইনসের ক্ষেকতারা আমার বড়িটা এক
পাদে সরিরে রাখনেন। বললেন ওই বড়িটা
নিরে বাবার আমার রেভিটি জিনির দেখেই
ওরা একই স্থে বলতে লাগলেন না...না।
কালটমসের বেড়াজালা কাটি র আমি বন্দন
কাহালে উঠলায় তথন আমি বিজ্ঞ, ধীন।
ন্ধ্ অভীত ব্যা দেশের সান্তিট্রু সংগ্রা
নিরে অভ দেশের পানে রঙনা দিলায়।

আজ আমাকে বিদার দিতে কলকাভার কেটাতে কেউ এলো না। বহু বছর আলে ক্রমার বাপ ঠাকুদা যখন রেপ্র্নে এনে-ছিলেন তথ্য এই কলকাভা কেটাতে বংধ্বাধ্ব অংখারি দ্বজনে গমপম করতো। আজ এই পাড়াটা একেবারেই নিঃক্ম হরে গেছে। জাহাজে উঠবার অংগে পরিচিত কার্র মুখ্য দেখতে পেলাম না।

প্রতি বছরই ছটা করে জাহাজ রেপ্যনে আদে বাচাঁদের ভারতবর্ধে ফিরিয়ে নেবার জনো। এই জাহাজ করে আমরা মাদ্রাজে বাই। বর্মা সরকারের কড়া হাকুম বে আমনের সবাইকে দেশে ফিরডে হবে। আজান হয় কলে কিবো পরশা।

জাহাজে উঠ শেষব রের মতো রেপানের পানে ত কালাম। জীবনে হয়তো আর কোন্দিনই রেপানের মূখ দেখতে পাবো দা, শুখু আমার জীবনের হিসেব নিকেশের বাতার দেখা থাকবে—ফামি এই দেশে এসেছিলাম, এই দেশের প্রেম পড়েছিলাম কিন্তু এই দেশবাসীদের হুদর জর করতে পারিদি। এই হলো আমার জীবনের খেদ।

আৰু বাহার আগে ভাবলামঃ এই দেশের
পরিস্থিতির কী কোন পরিবর্তন হবে না?
একদিন মনে মনে আশা ছিলো যে হরতো
আবার হারানো দিনগালোকে কিরে পাবো।
কিন্দু আৰু মনে হলো আমি শুধ্ স্বংনই
দেখেছি।

জহাজ জলের ব্রু কেটে চলেছে। প্র থেকে ইজিনের শব্দ ভেসে আসংছ—থক্-থক্-বক। ভেকে চার্নাদকে ছেলেমেরেরা ছুটোছুটি করছে। স্বাই হিসেব নিকেশ করতে বনেছে, কে এসেছে, কৈ আসতে প্রক্রি।

আমি নিজের মনে মনে ভাবতে লাগলাম এই দেশে কী পেয়েছিলাম কী পাইনি।

ধারে ধাঁরে রেপানে শহর আন্তর কাইছ কপণ্ট হরে এলো। অতো বড়ো শহর আন্ত একটি ছোট বিশ্লু মতো হরে গেলো। একদিন এই শহর আলের থলমল করতো আন্ত সেই আলো নিংপ্রভ হরে গেলো। কোথার গেলো আমার প্রির শোরে ভ্যাগোন পাগোড়া, মুগল স্থাট, কালী বাড়ী, কালো বস্তী। সবই আন্ত আমার কাছে অভীতের স্মৃতি হয়ে দক্তিলো। অংধকার নেমে এলো রেপানের ব্যকে।

এক যাস পার হার আমি আর[্]এক যাসে এলাম। তাই নিজের মনে মনে বললাম ঃ বিদার রেপনে।

বিক্রমাদিতা

নতুন আবিষ্কার বিনা অস্ত্রোপচারে অর্শ অপসারণ ও আরোগ্যের জন্যে প্রষধ

এই ঔষধ চুলকানি বন্ধ করে অবয়েক মিনিটেই জ্বালা – ষত্রণা উপশ্য করে!

মন্ত্ৰীয়ৰ্ক— বিজ্ঞান এখন এক নতুন নিবাদয়কারী শলংগ্রে সকলে পেবেছে হাতে অল্ অপসারেশের অভান্তৰ ক্ষমতা রবেছে যুক্তা প্রেছে বে এই ঔবধ হারা ওকের পর এক বহু অল্বিরা আবেলা লাভ করেছেন লেখা গেছেবে এই মদমটি প্রবেগের কলে আলাব্যরণা তুলক্তির উপশ্য হয় এবং একট সময়ে অল্পে মল্মটি এতই ক্লপ্রস্থা বারা আসলে, মল্মটি এতই ক্লপ্রস্থা বে বোগীরা । প্রশ্বাসার সংগ্রেছাছেন/অল্বি চিকিৎমা আর ডাহলে কোন সমসাটে নর ।

অতে নিলাউল্লেক্ডারী, অলুড্ডিনাপ্র বা কোইরেরক জাতীর কোন পদার্থ নেই।
আপনার কেমিইকে বারোড-ডাইন- বুক্ত
এই নোক্ষম ঔষধের প্রায়তপ্রবাদারী "এইচ"
সংগ্রে জিপ্রেক্ ক্ষনা। ৩- গ্রাং ও ৫০
গ্রাং এর টিউব (আাপ্লিকেটর সহ)
পাওয়া বায়। আবো অনিক জানতে হক্তে
বিনার্লা পুরিকার করে নীতের টিকানার
লিখুন:—ডিপাইমেটা১০ই ক্রেকি ব্যানার্ক্
এও কোলে লিং গোর বন্ধ ১০১০০ বাস্থা ১।
বি, আর

61-PH-82 **694**

वित्रं-त्यक-व्यात्र दियं व्यात्र जिका छलद्वता

(जानवात शातान हाँठ कार्स नरुरवहै)

মার ১৭ বছর বয়স হলেও, সময় এখনও পার কর্মন : যেসব এসিড দাঁতের এমানেল নই করে বরণাদায়ক বিজ্ঞী গড়' পৃষ্টি করে ডালের বিক্লতে ব্যবস্থা জ্ঞানন্দ্রন করুন। বিনাকা কুরোরাইড বৈদল্লিন ব্যবহারে দাঁতের এলামেল নিয়মিডভাবে শক্তিশালী হবে, বীতের করেও গড় ইওরা বছু করবে।

সাম্প্রতিক গৰেষণার এটাই প্রমাণিত হয়েছে যে বিনাকা সুয়োরাইড-এর অভ্যন্ত কার্যকরী সুরোরাইড উপাদান, সোভিরাম্-মনো—সুরোকস্ফেট (এস্-এম-এক্-পি) গাভের এনামেলের সাথে মিলে নিয়ে তাকে সুদৃঢ় করে তোলে এবং ত্রি-বিধ প্রতিরোধে দক্তকর বন্ধ করে।





নাতের কর প্রক হর
আদাকণা থেকে
উৎপাদিত এসিড
থেকে। এই এসিড
বিত্তের এন্যথেল নই
করে দক্তকোর বিদীর্গ করে। সমীর প্রায়
ভিন্ন বারা আক্রান্ত হরে গর্ড স্কুটি করে।



বিনাক। কুণোগ্রাইডএর উপরেছি উপাদার
এন্-এম-এফ-পি
বিজ্ঞো এমাথেলের
কৃষ্ণিত এক্স হতে,
এলিচ-কৃষ্ণিত ক্ষম উ
ক্রিব্রেশ করে।





প্রাথমিক করে

বিদ্যাক।

কুলোরাইড-কর

কুলোরাইড-কর

কুলারাক্র কুলারাকর

কুলারাকর

কুলারাকর

কুলারাকর

কিরামর করে ব

वश्चनामार्थ गुरु व मेराज्य करत वि-विध विज्ञास्थ्य सना

Binaca Flaoride



n e n

শি বানিলা সেরে দ্বৈ স্থী গণণ কর্মজন বানের কলে। হাতে চারের কাপ।
আজ চা বানিয়েছে মাধ্রী। শুদ্র বললো,
তুই কোন্দোকল থেকে চা কিনিম রে?
লাকি স্টোস'? আমার চারে তো এমন
ফ্রেডার হয় না!

মাধ্রী কললে, প্রভোক মাসের চা ও নিজে বড়বাজার থেকে নিরে আদে। চাটা একটা ভালো না হলে ওর আবার পছল হর না।

–দাম নিশ্চয়ই অনেক বেশী?

-বারো টাকা কিলো

—উরিব্ বাবা! নীলাঞ্জনদার শ্ব আছে কিম্ত।

—এই শুখু চারের বেলাতেই! এদিকে দেখিস না. দুখিন তিনদিন কালারেই যার না—মাছ-নাংস না হলেও কোনে আপতি নেই খাওরার সমর। আমার অবার একট্ মাছ না হলে একসম ভালো লাগে না!

—নীলাঞ্জনদা বাসত থাকে: তা ও বর্ষন বাজারে যার, তুই ওকে বলে দিলেই পারিস?

—বলবো বলকে জবি কিন্তু রতনদা এত স্কাল সকাল বাজার বায়—থেয়ালই থাকে নাঃ

—ঠিক আছে, বলে দেবো, ক'ল থেকে তোকে একবার জিল্পেস করে যেতে

কোনো চুক্তি নেই, তবু বিকেল বেলার চা-টা দুক্তনে পালা করে বানার। আজ মাধ্রী চা তৈরী করেছে কাল বিকেলে দুলা বলবেই আমাকে তো দুধ গরম করাব জনা দৌক ধরাতেই হবে, আজ চা-টা আমি বানাচ্ছি। মাধ্রীর দামী চা, দুলা চারের সংগ্যাদ্ধ বিশ্ব বিশ্ব কানে। বিকেশবৈদ্যা চানিয়ে ব্যাশায় বসা, দ্বাসনের অভোস।

পাশাপ্রিশ দুখানা থরে দুক্তনের সংসার, এক বাধর্ম, আর এই বারুল্লাটাও দুক্তনের। কিল্পু রারা হয় আলাদা। নালাঞ্জন বাড়ি কেকে অগড়া করে চলে আসার পর রতনাই কলেছিল, তুই এসে আর্মার সংগো থাকতে পারিস। আমার তো দুটো থর লাগে না তা ছাড়া ভাড়াটাও আমার পক্ষে বেশী হয়ে যাক্ষে। দুক্তনে হাফ হাফ দিলে ঠিক ম্যানেজ হরে বাবে! নিলাঞ্জন তেক্ষেশাং রাজী হয়ে গিরোছিল।

নীলাঞ্জন আর রতন অনেক দিনের কথা।
ভাগান্তমে দাুজনের বউও আগে থেকেই
পরস্পরের স্থা। মাধ্রী আর শাুলা পড়াডা
আশ্তোবে, এক ইয়ারে। মাধ্রীর বিয়েটা প্রেমের, শাুলার বিয়ে হয়েছে সম্বন্ধ করে।
রতন নীলাজনের চেয়ে অনেক বেশী
প্রাক্তিক ল মান্য। এরই মধ্যে সে করে দেখনে বাড়ি কমাবে তার ঠিক নেই অবশ্য, কিন্তু ভারমণ্ডহারবার কাইনে কোলা টোন কারও বাড়ানো উচিত, এ বিবরে সে কবরের কাগজে প্রায়ই চিঠি লেখে। রতন নীলাঞ্জনকে বলেছিল, দ্যাখ, মেরেতে মেরেতে বতই কবছে অকৃক প শা-পালি সংসার করতে গেলে একদিন না একদিন বগড়া লাগবেই! নীলাঞ্জন কলেছিল, বাঃ কি বলছিল, শ্রান্ত আর মাধ্রী দ্রভানে দ্রভানকৈ এত ভালোবাসে—।

রতন চোগের একটা বিচিত্র ভণিগ করে বলেছিল, মা বলছি শানে রাথ না! তেরে চেরে আমি চের বেশী চিনি মেরেছেলেনের—

নীলাঞ্জন তথ্য সবেষতে বিষে করেছ, নিজের দ্বাকৈ মেয়েছেলে হিসেবে উল্লেখ করার বাপারটা তর গারে করে। সে ক্ষাভ্রত বিদ্যাল করার বাপারটা তর গারে করে। সে ক্ষাভ্রত বিদ্যাল বিষ্ণাল বাগারেই—সে এত স্ক্ষো কারণে বে তার আমার রে বাছ সাধা কেই! কিন্তু তথন কেন তোতে আমাতে কোনো পুলীবেরাক্ষি না হয়! তথন কিন মুক্তনে দ্রটা অলান বাড়ি দেখে উঠে গোড়াই হবে। যতদিন এক সপেগা চলে, ব্রুলি না! রাম্লাবাম্লর বাপারটা এক সপেগ করলে কস্ট আর একটা কিন্তু কম পড়তো কিন্তু ঐ অর একটা কিন্তু কিন্তু। বাহার বাপারটা এক সপেগা করেল ক্ষাভ্রতা কিন্তু বিজ্ঞান বাগার

নিজের স্থাকৈ মেরেছে'ল হিসেবে উল্লেখ করলেও, ভ সবাসে খুব রতন। মাকরাতে শাচার একটা পেট রাখা হলেও রতন ডাঙ্কার ভাকতে ছোটে!

এই দেড় বছরের মধ্যে কগড়া কিন্তু হরনি একবারও, চারজনের বন্ধছে একটুও ফ টল দেখা দেরনি। রতন আর নীলাঞ্জন বখন বাড়িতে থাকে না তখন দৃই সখীতে ট্রিকটাকি সংসাবের কাজ সরতে সারতে গলপ করে। নীলাঞ্জনের চেয়ে রতনের রোজগার কিন্তু শান্তার বাবর্হারে তা কোনোদিন প্রকাশ পার নদ।



বারাকা নির্মান কার্মান বাক্তার কারে তারে তারে বারাকারে কারের কার

রাসতা থেকে ওদের বার কাটো সব দেখা বার ফলে, ওরা রেলিংরের অনেকখানি কাপড় দিরে চেকে রেখেছে: মেড়া পেতে বসলে এখন শাধ্য মাখ দেখা গার। দুপ্রের ঘুন থেকে ওঠার পর এখনও ওবা গা ধোরনি চুল বার্গেন পাছানের লাড়ি রাউজ আলাগাছ হয়ে সংছে। সাধারী এখনও তব্বী, কিন্তু দুপ্রের ঘ্যিরে খ্যিরের

শ্ৰের চেহারা এখন একটা ভারীর ^চনকে শেটের কাজে রাউজের জেন্টামটা লখটা থেকে বিকেল পাটটা পর্যত নিয়মিত খেলা খাকে। শীক্ষ স্থাম সব সময়েই শহোর বগলের কাছটা ভিজে। গায়ের রংটা বেশ ফর্সা ছলেও সম্পরী বলা মাল না শ্ৰোকে চাপা নাফটাক জনাই म चया প তল-প তল प्रिकास শ্রম্ভাকে দেখতে ভালো লাগে ভার মাখ-ছেলেমান, বী மன்ற भाषास्त्रा। मान्यती शतक माधाती नाधा क गामकी नस. एम्बरलाई रवाका बाब ८३ ধরনের মেয়ে অন্তত চল্লিলা বছর বয়েস প্রবিত সম্প্রী থাকবে। মা**ধ্রীর ব**য়েস এখন মত তেইখ-চাৰ্ক্। কিন্তু মাধ্যুৱী ভার রূপে সম্পরেকা উনাস্থীন ফার্টিতে পা মেলে এখন ব্যেছে শাভিত্ত থেকে আনক-খানি শ্রা হৈরিয়ে পড়েছে—6ওড়া গেস বসালো শালা—বিয়ের আ**গেকার।**

মাধারী কললো ঐ লাজ ছাতা যাপার কৈন্টেটকে দেখেছিল? রোজ এই সমর মার—বৌধ হয় কোনো ইম্পুল কাজ করে। "এতা কললো কে জানে কোনো ইম্পুল লাজ করে কিনা—তবে দেখনি হখন এ পাকেরি কোন্টার কবে, একটা ভেল ঞালিরে আসকে ওর দিকে। রোজ।

—কই, ছেলেটা কই ধে? —আসবে, দেখনি, ঠিক জাসবে।

দ্বেজনৈই উন্থানিভাবে চাথ দিরে

অনুসরণ করলো মেরেডিক। লাল ছাত্রমাজার মেরেডি পাকের কোনায় লিলে চালা পাজার মেরেডি পাকের কোনায় লিলে চালা এলো মা। মেরেডি রাজ্জালে ভালার এলো মা। মেরেডি রাজ্জালে ভালার রাজ্যালো এদিক-ওদিক। ছেলেউ প্রান্ত এখনভ এসে পোঁজারিল। কিন্তু ১০০০ রোড় মেরেডির খ্র কাল খোঁছে বিলিভাব দ্বাজ্যাভেই মেরেডি চপ্তলভাবে একত্ দরে কোলা, প্রেটিডি ভাষন ক্ষর্যভিভাবে ভার প্রকাতে লাগালো—। মার্টী এর ব্রা পরস্বর চোখালো—। মার্টী এর ব্রা

মেনিক পোল চোল ফিলিয়ে শাল কললো, তুই এ সংস্কার্যর জন ন আন্তর্গানস্কালসং

—হা ভাই, কি বিভিন্ন সংগ্ৰহ ক্ৰিক

--চাল ছেত্তে দিলেই পালিটো চাটটো হতা প্ৰায় ঐ দক্ষেই একটা চাটা পালিটা কটিছ আমি হতা শুধা চিনিটো অফিটা

—ভালে। সাম করিয়ে দি চিচ্চ র রভনদাক কলাত হয়ে আনানের কর্ন মানিকট ভালে চালা বিজে আন্তর্ সামনের সম্ভাবে ওর দ্যালন ক্ষা, এন শব্দ এখানে—রভনদা বেশ কোর শক্তি ভিনিস্তর কিন্তত প্যার

—ঐ তেন, বাজনার করাকী ওর নেকা : এক ঘণ্টার আধ্যে বাজার ধেকে বিবরতে চলা না ! জিনিস্থাবিন্যাক লা বিন্যাক দরদাম করা ৮৪ :

—জাও ভালো কিন্তু! ও চতা ৩টনট করে বাজারে গিয়ে সামনে ফটা পাছ দেটাই কিন্তু ফোলে।

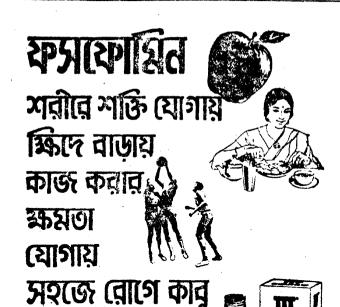
্নীলাঞ্চনদা কাল বাঁধা কপি এনেছিল না ৈ এখন তো হাঁধা কপিল কেশ সাম

— औ एवं दक्षनाम, माध्यस उत्तरशतक वहाउन

—শোনা আমি মানের কাছ থেকে শিথেছি বাঁধা কলি বাঁদ অলগ একট্ খানি দেশ্ব করে তারপর শ্রীক্ষে দেশে নিম, তা হলে অনেক দিন্দারে খাওয়া সায়। স্বাসত—

মাধ্রী হঠাৎ হাসতে আরম্ভ করলো।
শুদ্রা হকচাকরে জিজ্ঞাদ করলো।
হাসছিদ কেন?

্রিয়ের পর সভিচই মেসের। অনেক বদলে ধায়। আলে আমানের ভঙরকম গণপ্



থাকার আনন্দে সমুজ্জল।

ক্ষাক্রামিল—কলের গত্তে ভর। সরুজ রংহের ভিটামিল টানিক
বি কমপ্লেজ্ব আরু প্রচর প্রিসারোধসকেটস দিত্তে তৈরি।

ত ই আৰু সুইৰ এক দল ইন ৰপোৱেটেন্ডের বেলিইটি ট্রেড়মার্ট

ব্যৱহার করি গাইনেক আত্ম ব্যক্তিনিধি করম চাদ আৰু চাদ

ব্যৱহার করি গাইনেক আত্ম ব্যক্তিনিধি করম চাদ আৰু চাদ

ব্যৱহার গিনিংটিড

SARABHAI CHEMICALS

হ'তে দেয়না

ফসফোমিন-এর কলাাণে-

বাড়ীর সবাই স্বস্থ আর সবল

shipl sc 50/57 Res

hosiomic

III.

Phosfornin

हिल, अपन प्राप्त वीकार्कीण जात होराना कोवन

খনোও হাসকে কাৰ্যনা। কাৰ্যনা, সতি ভাই, আলে মা-ফাস্ট্রিক নেৰে হাসতুম, এখন ডা মরা নিকেন ও ঠিক এক-রক্তা কি করে যে আপনা-কাপ্রনি মনে অসে ঐ সব কথা—

্তার মনে আছে, একলিন আসরা কলেজ থেকে বেরিকে ব্যুক্তদেব বস্ত্র নাটক নিয়ে কি তক' করেছিল্ম, প্রার দ্যু খণ্টা ধাব ?

—এখন তো বাই পাড়ারণত সমার পাই না! নীলাখনপা আন্ত কখন আসাবে রে? চল, আন্ত একটা সিনেমা দেখে আসি, ওর ভো ফিরতে ফিরতে রাভ দলটা

—ও সাতটার আগে ফির্নে না! নাইট শোর কি আর বাওরা হবে?

—বেশ তো, সেই মেয়েটার **কাছে সেই** কেনেটা এসেছে কি না?

শাল ছাতা মাথার সেই সেয়েটি তথনও
পাবেরি কোণার নাঁজিয়ে। তার প্রেমিক
এখনও আসেরি, বোঝা যার, খ্রেই পারিছল্লানারি। কিগতু চরে পাঁচজন লোক
ভোগো পি'পড়ের মতন এখন মেরেটার
অংশপ্রেণ ঘ্রঘ্র করছে। শালোই প্রথম
দেখার পেল দ্বিশ্বে। বল্গানো ঐ দ্যাথ,
ভোর দেশ্ব আসাছা

ম ধ্রেটী ঝাট্রেক পর্যন্ত বললো কেম্পার ? ব্যান ওটেলা কেম্পায় বাইরে বেড়াতে গিমেনিলা এর মধ্যেই ফিরে এলো?

—দীপা কিন্তু দিন দিন বেশ **লাশা** হচ্ছে। নীলক্ষমবার চেয়েও বেশ**ী লা**শা, মাবে?

- হার্বী, ও ওর কারার চেলারা গেরেনছে। বৈশ স্কুদর স্বাম্প্য হরেছে দীপরে।

অনামনম্পভাবেই মাধুরী শাভি টেনে শারা তেকে দিল। আঁচলটা ঠিক করে ক্যলো। শা্রাও ব্যুক্তর আঁচল পরিপাটি করে নিল, কিন্তু প্রেটের কাছে এটেডার খোলা বোডামটা লাগাতে ভূলে গেল।

ক্যাক্ষীর বারাক্ষার এসে আর একটা মোড়া টেনে ককেই দীপ্য ক্ষাকো, কৌদি, চা করে। দুর্ঘি বামাও, দোকাল খেকে মিন্টি আনতে দাও, পার্মণ থিকে পোরেছে।

মধ্যেতাৰে ঠেটি চিপে হেসে মাধ্যে কিলো, ইস, ওনার জন্য এখন আমি লামি লামি লামি লামি লামি লামে কামে কামে কামে কামে কামে কাম

- वाक म्भूति थार्रिन!

- टक्न, म्र्निट्स चार्डीन टक्न? क्यन कितरम?

- ফিরেছি সকালে। মেক্সির সপো ক্যাড়া করে দ্পুরে ধেকুম না!

—আৰু আকার মেক্সদির সংখ্যা ঝগড়া

कारका ? कि जिल्हें बगला रहना !

দীপত্ন হৈছে। কুচকে কালো, তেনাকে তা কাকে কেন? আমানের বাড়ির গোপন কাপার তেলাকৈ জানাবো কেন! ভূমি তো আমানের বাড়ির কেউ নও!

—আহা-হা, শুৰু খাওয়ার বেলার বৃধি
আমার সংগা সম্পর্ক? তৃমি মনের
আনত্দ র্ফেলাদর স্তেগ বগড়া করতে আর
আমি তোমার খাওয়াবো! মেক্সি ভাবংন,
আমরাই তোমারে আম্বারা দিভিঃ।

—আ: আমি কি চেতামার কাছে সে জনর ভৈতে চাইছি। আমি থেতে চাইছি, তোমাকে একটা স্কুৰ্মর দেবো তার ববলে শুদ্রা জিজেন কমলো, কি সংখবর?

সাধ্রী-কালো, ওর কথা একনম কিবাস করিল লা ছে! ও রোজাই ঐ রকম একটা না একটা কিছা কলে—

দীপ্ন বললো, এই শ্রোদ, তোমার ফা বে নারকোল মাড়্ পাঠিরেছিলেন, তা সব ফারিরে গেছে! দুটো দাও না!

— ওমা, দে তো ফারিয়ে গেছে দে-ই ক-বে! তুমি তো এদেছিলে দেই দশ বারো দিন আগে

—আমার জন্য দ্রটো নাড়া রেখে বিতে পারে নি!

—কেন, তোমার জন্য রেখে দেবে৷ কেন? ভূমি কে এমন নাড়গোপালা!

দুই সধী হা-হা করে হাসতে লাগলো।
দীপ্যু মাখবানা ক হৈছে আরু বেক। বেকা
করে কেখে ওগের আরও হাসার স্থেগ দিল।
মাধ্রী হ'স আমিগে কললো ও বেলার
চাট্টি ভাত আছে। গ্রম করে বেবো, মাধের
কোল দিয়ে খাবে?

—ধ্যাৎ, এই বিকেলবেলা ভাত কে খাবে? বলছি তো লাচি টাচি কানাও!

—ইস্ **ল**ুচি বান তে বহে গেছে!

শ্বা কালো, এই তো সুগির এসেছে। দীপর, তুমি আমাদের আজ সংখ্যকো একটা সিনেম্য সেখাও না!

দীপা চোখ গেলেগেল করে বল্লো আমি সিনেমা দেখাবোট সামার কাছে একটা প্রসা নেই! আমি এসেছি বৌদির কাছ জ্ঞেকে পাঁচটা টাকা ধার চাইতে!

মাধ্রী হসাতে হাসতে গড়িতে পড়ে আর কি! বল্লো ধার! ডিকশ্নারিতে ধার কথাটার মানে দেখে নিতে পারো না? এর আনো আর কতবার নিজেছো?

—স্ব লোধ করে দেবে।! সব। দাথে। কি একটা ভয়ংকর কান্ড করছি শিখাগিরই

—সে তুমি হা-ই করে: তোমার দাদা তোমাকে টাকা দিতে বারণ করেছে

मीशः अदक्तारत शकां न करत छेठेरणा.

हमा-छोटे मा! जामि छा दरण मन्यादेत
कारक वपनाम करत रवणारवा रवीनित कनाटे
पाम किरुपे हरत हमहा पाम बाद आमि

क्का क्कार प्राप्त संस्था शांकी कामहरू करते। बहुते। केका किक-क्का संस्था जिला करत-

আধ্রীর ব্বে রুপের চিত্রত চাই।
ভাব্রী বে কোনো কথার তেতারে বর্গিনারে
থাতে পারে। কালো, সে ভূমি বা-ই বালা,
তেতার পালা আমাকে বলেতে, বখন উবল
দীপ্তে টাফা দিও না। ও কি করে না করে—

—একটা দ্য**ড়ি কামবার রেড পর্বপত্ত** তেই আমার

নাড়াও, চানের জল বাসরে আনতি ্ ছাধ্রী ভেতরে বেতেই দীশ্র বেজ্ব থেকে উঠে দাড়িরে রেলিব-এ বাকে দাড়ালো। আছও টাল্য টানেক্স শেকনে মেছ-পাহাড় জমেছে, সেই দিকে ভাকিরে দাল্লাকে সংপাপ উপেক্ষা করে রইলো।

শুদ্রা নিদ্দানবরে **ভিত্তেস করলো, ভোর** কটাকা সরকার?

মুখ না ফিরিরেই দীপ্র কালো, আমি ভোড টাকা কেকো লা।

—কেন, আমার টাকা নিতেও দেল?

—তুই আভাকে কেন জনালাতন করছিল বল তো শ্রো?

— टुरे वन्ड स्वरण न्याहिन गीनः!

—আমি রতন লাকে বলে দেবো বলীছ একদিন!

-- কি বলবি ?

মাধ্রী ফিরে আসতেই শ্রা কলবের বললো, মাধ্রী, অমরা যদি টিকিটের দাম দিই, তা হলে দীপ্ আমাদের সিনেমক নিয়ে যেতে পারে না? অনেকদিন বাদে স্টিচা সেনের বই এনেকছে—

মধ্রী কললো, কি দীপ্র, বাবে?

শ্রো বললো, চলো না ভাই! একদিন
না হয় আমাদের জনা।

দীপা এবার মাখ ফিরি**রে বললো, না,** শালাদি আন্ত আনার একদম সিনেমা দেখার মাত নেই। তোমরা নিজেরাই বাও না।

(ক্লম্শ)

গাঁলড়ং ৫০ গুলির পিশ্তন

গাইসেপেসর প্রয়োজন নেই। **আনেরিকান** এডেল চেন্ত এবং বন। **জন্তুর হাত থেকে** ১৯জাব বাচান প্রথমিক **প্রথম এবং** এডাকর পক্ষে উপায়েমী। গা **যালির**

ব্যবস্থাসত আটোকে টক হলেক প্রক্রম এব চোম্বার্থী ল লাগ্য জাপুনাবে ক্রম্ম থকে ব্যক্ত ক্রম্মে হলে ব্যক্ত



মাজিস্ট বা ৩৩ গ্রী ১০ ৫০ আন্দোল মাজেল না ১১ গ্রী ১৫ ৫০ ' ভি পি পি লৌভ গ্রী ২ ৫০ ৷ গ্রেম্ভার কেল ব গ্রীকা মাতারের প্রতি একশত গালি ৫ গ্রীকা। GEIM ARTS (WID 16)

GEM ARTS (WD 15)
Dassan Monati P. B. 1825,
Delhi 6,

বাহুমূলে চুল থাকলে এ রূপের কী দশা হত ভবুন তো...

কুদ্ধিত, আৰাজিক চুলের জনো আগনার আমন সৌক্ষ কেন মাটি হতে দেন ? এই বালাই এখন আপনি আনায়ালে দুব কবতে পাবেন। উচ, ক্ষোরকর্মের যার লিগেও যাবেন না। ওসব পুকরদের ই সাজে। ডাড়েডাে ক্যোলে চুল ভাচাত।ছি বাতে.. কডাও ১য় বেশি। রীচ করবেন ? লোকে দেখালেই যাব নালাব। লাব ত আলাল দুর করবি চের সহজ নির্গাদ এক রমগ্রের উপায় আছে। সে হল মৃত ভ্রাসিক আনান ক্রেফা হলার রিমুদ্ধর।জগু একটু লাগিয়ে দিন। ভারপর মিনিট করেক প্রে মৃত্তি কুল্লেই...বাামা আগ্র নেই। সপ্যাহের পর সপ্যাহ একেবারে রক্ষাকে ভক্তক শ্ব মৃশ্র ভ্রেছিছ।



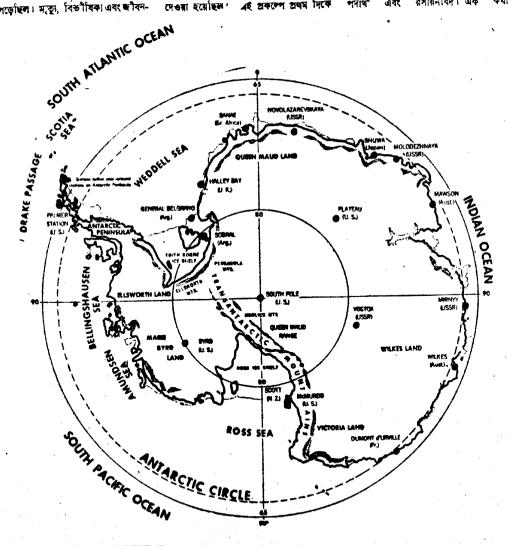
. कटमत्र, जन्मादन

Great God, what a horrible place!

क जन्म हिमानीकन नीवादादन काानाकन त्राक काानका क्याने ৰে দিনলিগিটি আৰিক্ত হৰেছিল ভাৰই এক জারগার এই করটি মর্যান্তিক পক नित्य तार्थ शास्त्रम न्यूडे। रमाधे सामद्रासी, ১৯১२ इसा जातक शांत अरु मान जात्न, ১৬ फिरमन्दद, ১৯১১एडं सदछरतत चर्छ-ৰাৱী ক্যাপ্টেন রোয়াল্ড আমাণ্ডসেন দক্ষিণ মের কর করেন। তারও দ্যাল্টতে এই कक्कांग्रे अकृषि क्यायह कृतिन श्रीतर्यं बर्ज्य ধরা পড়েছিল। মৃত্যু, বিভীবিকা এবং জীবন-



ধারদের এড প্রতিক্তা পরিবেশ ব্রবি প্ৰিৰীতে আৰু একটি খু'জে পাওয়া ভার। জ্বলাই ১, ১৯৫৭ থেকে ডিলেম্বর ৩১, ১৯৫৮ व छ-भगार्थ वरमदब्र महना दब তাতে সর্বপ্রথম কুমের, সম্পর্কে বিভিন্ন বৈজ্ঞানিক অন্সন্ধান শুলানর ব্যাপারে জোর मिल्या इत्सिक्त । अई श्रकत्म श्रथम मित्क ক্ষ্মিট দেশ পার্ত্পরিক সহযোগিতা ক্রেপে কাল শ্রে করেন। এর। হলেন আর্জেণ্টিনা, चर्चीनद्रा, त्वर्नाक्षद्राम, हिन, क्रान्त्र, निष्ट-জিল্যান্ড, নরওরে, ইউনাইটেড কিংডম. মার্কিন এবং সোভিয়েত দেশ। পরবর্তী এক দশকে জাপান, দক্ষিণ আফ্রিকা, পোল্যান্ড, চেকোন্সোভেকিরা, ডেনমার্ক', বেলজিয়াম, নেদারল্যান্ডস প্রভৃতি আরও বেশ করেকটি দেশ সন্মিলিতভাবে কৃমের, অভিযানে অংশ ग्रद्भ करतरहरू। नक्छे ध्वरः व्यामान्छरम्न-धन দেখা মানবহুৰ পরিবেশে আৰু হাজারো মান্বের ভিড়। এ'দের মধ্যে আছেন প্রাণী-বিজ্ঞানী, নৃতত্ত্বিদ, আবহাওয়া-বিশেষজ্ঞা, अवर त्रमासर्नावमः। अक



मार्नाहत । कुरमहर विन्तर्रे मीविया मान्य प्रया अक्ट विरम कारत थाकरण भारत । राजी जेवत निक । प्रक्रिम जात कारह म् म् अपर-भीत्रमः मिनिकः। अयानकात्र मृत्यं अवके मनकात्र स्मारका। कार

উত্তর অধবা ভূ-প্রভৃতির গঠন সম্পর্কীর আন্তর মতন তথা।

সম্প্রতি আইজন মাজিল ব্রুক্তনাই ক্রেক্তনে অক্টুড়া প্রাথানত কর্ম প্রক্রেক্তনে আক প্রক্রেক্তনে করে হাত দিরেছিলেন? করে ক্রেক্তনা জিল ইক্তিনা করিব আইজনা করিব আইজনা করিব লাভিলতম মের্। এখানে লীবা লাভিলতে তারা অভিবাহিত করেন শ্লোরও নীচে প্রার উননন্দ্রই সেভিল্ডেড ভাশমালার। মান্ব এর আগে আর কথনও এত নিভা ভাশমালার এত বেশা সমর ধরে কথনও বাস করেনি। উচ্ছ জারগার অভিরিক্ত লাভ এব



একটি প্রেম আডেলাই শেপাইন তার সন্ধিনীর ভিয়ে তা শিক্ষ

নির্দ্ধনিতা মানব মনে এবং দেহে কি ধরনের প্রতিভিন্না স্থিতি করে এটা জানাই ছিল এই বিজ্ঞানীদের উদ্দেশ্য। সংক্ষিপত সংবাদ । এ ধরনের পরিবেশে তাদের মনে হরেছিল পার্থিব কোন সামগ্রীর প্রতি তাদের কোন মোহই বেন নেই। একটা অন্তুত অংক্ষ সংঘর এবং মনোবল তথন তারা অন্তব করেছিলেন। সেই সংগ্য একটা নিবিকিশ্য ভাব।

কুমের্র ভূ-প্রকৃতি সম্পর্কে আজকের भःताम : **এখানকার সব কিছুই** যেন এক অশ্ভত চরম অবস্থার মধ্যে বিরাক্ত করছে! এর সারা অকল জুড়ে সর্বদা বরে চলেছে প্রচণ্ডতম মডের ভাণ্ডব। উপক্লবভী এখানকার সারা অঞ্চল প্রে বরফের আশ্তরণে যোড়া থাকলেও সে বরফ শৃংকতার কেন মর্ভূমির বালিকেও হার ষানিরে দের। আবহাওরা এত অনার্র, বার সংখ্য তুলনা চলে একমাতঃ সাহারা বা গোৰি মর,ভূমির। মান্বের পক্ষে এমন ধরনের জলীর বাম্পবিহীন পরিবেশে বাস করা রীতিমত দুঃসাধ্য ব্যাপার। কুমের; পৃথিবীর শীতলতম মহাদেশ। মেরু-অঞ্জের মাল-ভূমিতে অবস্থিত সোভিয়েত দেশের গবেষণা-কেন্দ্ৰ ভোশ্ভক' থেকে সৰকাৰীভাবে বলা হরেছে, সেখানকার সর্বনিন্দ তাপমালা শ্নোর প্রায় ৮৮-৩ ডিগ্রি নীচে। কোন কোন অঞ্চল বরফত্রপের গড় উক্তডা সমূদ্রতল থেকে দু হাজার মিটারের বেশী। বরফের পাহাড় এলসওরাথেরি উচ্চতা পচি হাজার এক ল' চলিল ফুট। দেড় কিলো-



আমার বৃদ্ধা সুভাব

भिनीशकुमात्र सात्र ॥ ७.००

नजून भानव मभाक

बार्क मारक्कामन ॥ 8.00

হ্যানয় থেকে সায়গন

विष्कृतेन ॥ ७ ०००

প্ৰাহ্মত

कालिमान बाब ॥ ७.००

व्यामात्र भान

वम्द्रेन ॥ ७.००

প্রেত প্রেয়সী

অদ্ৰীশ বর্ধন ॥ ৪০৫০

কুহেলি রাত

ब्रक्ट मिन ॥ ७.००

অভিসারের লগ

र्शतनाताम् इट्ढोः ॥ ৯.००

ध्राप्त दिल

मिनी भक्तात बाद्र ॥ %:00

। বিশ্ববাণী প্রকাশনী ॥ কলিকাতা—১২ मिनेदार वर भारात्कर भरवा। करवर म'। क-काशते बहरक - DT-011 1 ভলের ক্ষেত্রকা এক কোটি ক্রান্ত লক वर्ग मिहातः। आब कहे बन्नत्स्य भविमानिहे কত? বলা হয়েছে যদি এখানকার সমশত বরফ গলিরে শুখ্র জলে রূপান্ডরিত করা ৰার তাহলে সেই জল সাথা প্ৰিবীর জল ভাগের গভীনতাকে পঞ্চাল থেকে বাট মিটার ৰাভিৱে দেবে। এতদিন অনেকে ধারণা করে अरमाह्न करमदात वत्रस्य नीटा भागः বিক্লিণ্ড কতকগুলি বীপ ছাড়া আরু কিছ নেই। কিল্ড সাম্প্রতিক অনুসেশানে জানা গৈছে, খণ্ড খণ্ড শ্বীপ ছাড়াও মহায়েদ্বর মত এখানেও অবস্থান অথন্ড বিস্তৃত এক স্থল ভাগ। তবে লক লক্ষ বংসর বরফের চালে এই স্থল ভাগ ক্লমান্বয়ে ৰসে বাচেছ। ইতিমধ্যে প্রায় ছ শ মিটার বসেও গৈছে। ধাতু-বিজ্ঞানীদের অংশ লক্ষ্য সেই ভূত্তকর নীচে। কারণ, সেখানে সংধান পাওয়া গেছে প্রচর পরিমাণ আক্রিক পদার্থ। যাদের মধ্যে আছে সোনা বেরি-निवास, शौतक, एटकफ्रिस भागर्थ, व्यष्ट, গ্রাফাইট এবং নানা রক্ষমের মাল্যবান পাথর।

আর জীববিজ্ঞানীদের কাছে কমের, যেন দ্বর্গ। এখানকার প্রাণী এবং উন্ভিদজ্ঞাং আজন আদিমতার প্রথম পর্যারকে অতিক্রম করে বেশী দরে অগ্রসর হতে পারে নি। লক্ষ লক্ষ বছর আগে বখন এখানে প্রথম বরফ জমতে শুরু করে সেই প্রাচনিতম কালে তারা যেমনটি ছিল, বেভাবে তারা জীবনযাপন করত, ভাত ধারাবাহিকতা আজও তাদের মধ্যে যেন অপরিবতিতিই থেকে ষেখানে মাটির কঠিন আবরণ প্রোথিত রয়েছে প্রায় চার হাজার আট শ মিটার বরফের নীচে। ভাষতে গোলে অবাক হতে হয় সেখানে আজন্ত এমন কিছু কিছু স্থলজ-উদিভদের চিহ্ন পাওয়া যায় বাদের অণ্বীক্ষণযন্ত ছাড়াই খালি চোখে দেখা সম্ভব। মাত্র দু ধরনের সপ্তপক উম্ভিদ এখানে পাওয়া গেছে। একটি ভেসকাউইপসিয়া নামে ঘাসের অনুরূপ। অপরটি কলোবাউথাস নামে এক ধরনের লবংগগন্ধী উদ্ভিদ। এদের দ্টিকেই প্রচুর পরিমাণে দেখা যায় কুমের, উপদ্বীপ এবং ব্যানানা বেল্ট অগুলে। অনেকে মনে করেন, এ দুটি উদ্ভিদ অতি সম্প্রতিক কালে কুমের, অঞ্চলে দক্ষিণ আমেরিকা বা কাছা-কাছি কোন ছ-ভাগ থেকে এসে থাকবে। এ ছাডাও সেখানে আছে খেওলা সপ্তপঞ্জ ছত্রক। হিমবাহের বয়ে আনা পলির স্তুপ, শুকনো উপতাকা, পিঠ বের করা পাছাড় বা পর্বতচ্ডার এদের বাস। কিছু কিছু স্পুড়পক ছন্ত্ৰক মের্র চার ডিগ্ৰি কাছাকাছি অঞ্চলেও দেশা গেছে। তবে भविमार्ग कम। विख्यानीया मरन करवन.



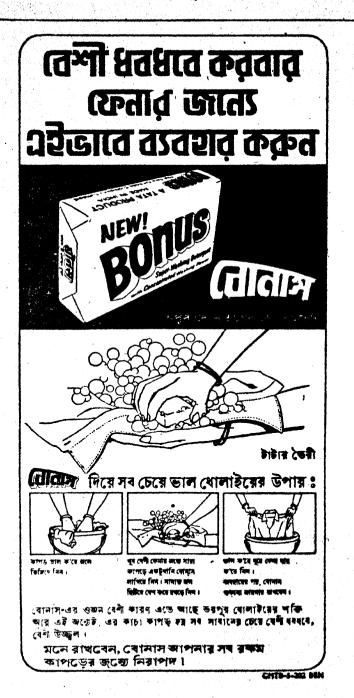
আতি নিজ ঠাপতাই এর কারণ, নর। আসংলা আতাত অন্যাইতাই বেরব, অঞ্চল উপিচনের পকে বে'চে থাকার ব্যুক্তাইকে বড় অভ্যার। শ্রুক্তাইর মাণীর মধ্যে আছে সামানা বীর-গতি-প্রাণী টার্ডিয়েজা এবং প্রার বাট রক্ষের সন্ধিপদ প্রাণী। এরা হল কোলেমকল। কিছু গোলাকৃতি প্রাণী এবং প্রজীবীক আছে। খালি চোকে ক্রের দেখা বার নাঃ একের বেশির ভাগই সাধারণত বার করে সাঁল কথবা সাম্ভিক পার্মির ব্যবের ভগর :

্ষিক্তু শ্রেজানের অভাব বেন প্র'
বংরতে জনচর প্রাণী বা উল্পিলর।
এখানকার জলে বাস করে প্রচুত্ত
পরিবাধ সমন্ত-শৈবাল। ফলে, বড়
বড় প্রাণীনের পক্ষে জলে জবা

প্রায়েশ্যের আন্টোলেক বারে বেড়ান গান্ত নর।
তিনি, ভাজনের ইত দেখতে ওরেডডেল সাঁল,
লরণাইজ জাডেলাই প্রেণ্ডাইন বা কতকটা
লক্ষ্যিনার বিজ্ঞান পাঁলি সকুরা। এনের
বাল বহুতার। জার এবের জীবনের সক্তরভ একটি আইনই যেন চিরস্তনরপে বিরাজ
লবে চলেছে। সেটা হল, হর অপরকে বাও,
ভাষবা নিজেকে কাউকৈ থেতে দাও। তাই
মের, অগুলো পা থিলাই আপনার চোলে
পড়বে কোমাও হিংস্ত তিমি আড়ি গেতে
অপেকা করছে নাঁলের কশনের জনো,
নেকডে,-দাল আপিয়ে পড়তে পেতাইনের
কপর। আর হতজ্ঞাড়া পকুরা সত্রভাতর
সংগ্য কৌশলে চুরি করে চলেছে পেতাইনের
ভিমা বা ছানা।

যে-সমুস্ত कौर्यायकानी লাবগতির উপর ধারাবাহিক গবেষণা করতে চান তানের কাছেও ক্ষমের একটি স্বৰ্গ। বিবৰ্তনের ম্পূর্ণ এদের আজও অনেক পেছনে ফেরে রেখেছে। জৈবিক পরিবর্তনের বহা পরেনা প্ৰতি হয়তে৷ এদের মধ্যে আমরা আবিশ্বার করতে পারব। এখানে এমন কিছ্ কিছ্ উদিতদ বা প্রাণীর সম্ধান পাওয়া গেছে ষাদের প্রথিবীর অনাত্র আর কোথাও দেখা ষায়নি। এতে পরিকার বোকা যায়, দীর্ঘকাল কুমের মহাদেশের স্তেগ অবশিষ্ট প্রথিবীর **रकान त्याशादगाश** फिक्ष ना। **७** थतदनद शाब সাড়ে তিন শ' রক্ষের সাপাম্পক ছতাক এবং বেশ কিছা মাছের সম্ধান বিজ্ঞানীরা পেষ্টেছন। এ'দেৱ ধারণা, এরা প্থিবীতে জ্ঞাবন স্তিট এবং ভার বিবভানের উপর অনেক নতুন তথা যোগাতে সমর্থ হবে।

সম্প্রতি করেকটি চমকপ্রদ সংবাদ : নের অঞ্চলের জ্বলের তাপমান্তা অন্তত্ত সমতা রেপে বিরাজ করছে। সেই সংখ্য তার অক্সিজেনের পরিমাণত অনেক বেশী। ফলে, যে-সম^{স্}ত মাছের দেহে রম্ভ কম তারা অনায়াসেই এই স্থালে বে'চে থাকতে পারে। এমন চালিকথারাইডদ গোষ্ঠীর কোন কোন মাছ শাদের দেহে এক ফোটাত লোহিত কণিকা নেই, তারাও বহাল ত্রিয়াত এখানে বাস করছে। একটি বিরাট প্রশ্ন, হিমানেকর নীচে ভাত কম ভাপমানার সেখানকার মাছের প**ে**ছ বেচে থাকা কি করে সম্ভব? সম্প্রতি জাবিষ্কৃত হয়েছে, এই সমস্ত মাছের দেহে এমন এক ধরনের রাসারনিক পদার্থ আছে, ৰা শৈতোর হাত থেকে তাদের বাচিয়ে রা^{ৰে।} প্রদনঃ দক্ষিণ মেরতে স্তন্যপায়ী প্রাণী প্রেডডেল সীল বাস করে। দীর্ঘ রাতে ভারা খাদা শিকারের জনো বরফের मीटि एवं मिर्देश वदः बद्ध नवन्छ हरन वाम। শিকারের পর একটানা অম্বকারের মধ্যেও পথ চিনে আবার সেই বরফের ফোক্সপথে বাইরে বেরিরে আসে, নার ফাব্দ দিয়ে সে ভূব निरम्भिका। जन्मकारसङ्ग भर्मा किकारन अभन





পাথায় বটকা ভূলে শিকারের দিকে এগিয়ে আসছে কুমের্র বাজপাথি স্কুয়া

পথ চিত্ৰ চলা তোৰের পক্ষে সম্ভব ? বিশেষভার মান করেন, বাদাভের মত এই সীলরাও শব্দ অনুসরণ করে চলতে পারে राजरे करे। प्रमुख्य । किन्ना निमा सार्थि सार्थिन ফে নিম্নি বিশ্ববিদ্যালয়ের কয়েকজন গবেষক অর একটি অদ্ভুত পরীকা চলান ভৌগোলিক দক্ষিণ **মে**রাছে। மகிர ভুগ্নের মধ্যে কিছা हे म्डन প্র নিয়ে এ'ড়া ড্রামটিকে ঘোরাতে শ্রে করেন প্রিবৌ**হে নিক-বর্বর আবত**িন বরে, ঠিক তার উক্টো দিকে। অর্থাৎ প্রতিষ্ঠা যেমন ভার অক্ষের চার প্রেশ পশ্চিম থেকে পৰে দিকে ঘারে ভ্রামটি ঘ্রেছিল ঠিক তার বিপরীত দিকে, প্র থেকে প্রিচ্ছে। প্রথিবীর আর্ভন উণ্ভিদজগংকে কিভাবে প্রভাবিত করে. এই পরীক্ষায় তার উপর বেশ কয়েকটি নতুন তথা পাওয়া গেছে।

তব্ কুমেরর বিজ্ঞানীরা আজ চিন্তিত।
মেরর এক কোটি স্বীল এবং এক কোটি
পেগ্রেইন এতদিনে যেন সত্যিকারের
বিপদের সন্মাখীন হয়েছে। সে বিপদ বরফ
বা শক্ষা পাখি নয়। তাদের বিপদ আজ
মান্য। সেখানে গবেষণার জনো বঢ় বড়
হেলিকণ্টরের আতানাদ অথবা ব্লভজারের
গর্জন তাদের শানত পরিবেশে বিঘার স্লিট
ক্রেছে। সেই সংগ্র গ্যান্সের ধোরা বা
মান্যের বরে নেওয়া আবর্জনা তাদের
বাসন্থানকে করছে কল্যিত। কে জানে,
মান্যের কৃতিম পরিবেশ হয়তো প্রকৃতির
চিরর্জিত এই প্রাণীদের অবল্যন্তির দিকে
ঠেলে দেবে না?

কুমের্র আরও একটি উল্লেখবোর্য অঞ্জ বায়ারড। পশ্চিম কুমের্ অঞ্জের এখন থেকে বিজ্ঞানীরা চৌশকীর বিপরীত বিন্দ্র তথ্য ব্যাবেশ্ব। এখানেই প্থিবীর চৌনবর্কীর বলরেখা প্রথিবীর প্রতিকে ছেদ করেছে। এ ছাড়াও এখানে গবেষণা চালান হচ্ছে এহাজাগতিক রুশিম, ভূ-চুম্বক ক্ষেত্র, িভিন্ন কম্পনমান্তার তড়িং-চৌম্বক তরংগ, নের্দেশের শতিকালের প্যায়িত্ব, অরোরা বা মের্প্রভা এবং সেখানকার বাতাসের এক ধরনের প্রভার উপর।

এখানকার অভ একটি উল্লেখযোগ্য ব্যাপার হল এক ধবনের শিস ধর্মিঃ মাঝে মাঝে আমানের রেডিও গ্রাহক যথে। যা আমরা শ্বনে থাকি। যখন নিশ্ন কংপন মাতার ভডিং-চৌদ্বক তরুপা ভু-চুদ্বকের একটি যুক্ত বিনদ্ধেকে অগত চুন্বক বলরেখা বরাবর অগ্রসর হয় তথন শিসের ঐ শব্দ শোনা যায়। এর ওপর গবেষণা চালিয়ে ভ-চন্দ্ৰক, উধ্বাকাশের বায়্যুস্তরের আবর্তন সম্পর্কে অনেক নতন তথা সংগ্রহ কর। যাবে ৷ এই তথা আবহ:ওয়া বি**জ্ঞান**ীদেরও যথেষ্ট সাহা<mark>য্য করবে। সেখানে শ্র</mark>র হয়ে গ্রেছ বরফ খেড়ির কাজ। বিভিন্ন স্তরের বর্থে কতথানি মহাজাগতিক ভুম্ম জমে আছে তা পরীক্ষা করে বলা যাবে, কখন কতটা পরিমাণ ঐ ভদ্ম দুরাকাশ থেকে প্থিবীর বৃকে ব্যিত হয়েছে বা হবে। আবহাওয়া এবং মহাকাশ গবেষণায় সে তথাও বথেণ্ট সাহাষ্য করবে। বিশেষজ্ঞদের অভিমত, প্রথিবীর এক মেরু থেকে অন্য মের পর্যত বার সঞ্চালনের ব্যাপারে মহাজাগতিক ভক্ষ এবং র্গিম যথেন্ট প্রভাব বিশ্তার করে।

দক্ষিণ মের্র আসল অবস্থান যে জারণাটিতে তার নমে দেওরা হরেছে আমান্ডসেন-ক্ষট স্টেশন। উচ্চতা ২৮০৪ মিটার। তার উপর দাঁড়িরে ২৬৯৭-৫ মিটার প্রের্বরফের আন্তরণ। জার তার চার পাশে কয়েক শ'কিলে,মিটার বিস্তৃত অগুল নিশ্রাণ বেন বর্যের মহাভূমি। ১৯৫৭তে মানুৰ এই মের্র দিগণেত সব্প্রথম স্বাশ্ত্রে প্রতাশ সোভাগা অজন মের বিন্দ থেকে ভাষে मत्रान्छ-धव **ल्हार** श 92°58 বিশ্তত অঞ্জে আছও মান বের পদচিক প'ড়িন। একে জানতে হবে। শেলটা দেটালন, যার উচ্চতা ৩৫৬৭ মিটার, এটাকেই বলা হয় পাৰিবীর শীতল-মের। এর রহসত আজন মজানা। জানতে হ'বে বিহারজমোর হিম-বাহের দুর্গম পথ। একসমরে এটাই ছিল দক্ষিণ মের, গমনের রাজপুথ। বরফের এই নদীটি ছিরানশ্বই কিলোমিটার লখ্বা. 5ওড়ায় আটচল্লিশ কিলোমিটার। এর এক প্রান্ত গিয়ে উপশ্বিত হয়েছে রুস বরফের ধাপের মাখ বরাবর। সন্ধান নিতে হবে মের-দেশের সম্প্রতি খ'্রে পাওয়া কাচের মত দ্বক্ত মাবেল পাহাডের শ্রেণীর প্রকৃত প্রত্যা এমন হাজারে তথ্যার সন্ধানে কমেরাকে মার্খারত করে রেখেছেন আজকের বিজ্ঞানীরা। কারণ দক্ষিণ মেরের সন্ধান আৰু শেষ ভৌগোলিক অনুসন্ধান। বিশেষজ্ঞরা মনে করেন, অবশিষ্ট প্রথিবীর বিশ্বতার পরিপরেকরূপে হয়ত কমের কুমারী আমাদের অনেক নতুন আশার বাণী শোনাতেও পারে।

সমর্ক্তিং কর

প্র-প্রিকা ও স্থাসমাজে সমালোচিত

श्रीतामकृष्ण मार्ग्यत

हात्क वात्मावन ••••

সাধারণ মান্ধের জনা ন্তন রাজনাতি ও অর্থানীতি। লেখক এক বংসর প্রেই ব্যাংক জাতীয়করণ, উচ্চাঙ্কের নোটের বিলোপসহ অন্যান্য কর্মান্টীর কথা বলেছেন। বস্মতী বলেন — পর্নিতকাথানি সমাজসচেতন ব্যক্তিমাতের কাছেই বিশেষ ম্লাবান হিসাবে গণা হবে।

একটি প্রয়াণহান সভ্য কাহিনা • • •

হলহাড়া য্গের সমস্যাসংকুল পট-ছুমিকায় কৌতুকধ্মী বলিও উপন্যাস প্রাপ্তিস্থান : মনোহর সাহিত্য মন্দির ৩০ কল্ড রো. ক্লিকাডা—৯

अरसम्हें दिश्रम ब्रंक रमणाहम्, १५७/अ विश्वान महणी, क्लिकाटा-५२

(সি-৭০৪১)



মসুণতা ও নীতলভাব ব্যস্ত ''এডারফেশ' বিশেষভাবে মিত্রিত। কাজেকরে, খেলাধুলারে, সারাদিন সহস্ব-ভাবে পরে থাকার উপযোগী বস্তু হল "এভারফ্রেশ"। ণ্ধাাকারসী'র একারক্রেশ"—সূচিং ও সাটিং।

এছাড়া আমাদের বস্ত্র সন্তাবে বরেছে 'গাভারসী'র-দি ছিন্দুস্থান স্পিনিং ও উইডিং কোম্পানী লিমিটেড দি ইপ্রিয়ান ম্যামুক্যাকচারিং কোম্পানী লিমিটেড

व्यं व्यं नामाल नामान क्रीडि. क्रांत

दरि, श्व काशिव हे लाहि।

লালীয় শ্রম কমিশনের প্রতিবেদন তীয় শুম কমিশন সম্প্রতি যে প্রতি-(7) FORTH THE TREE STATES का अवश्वत महत्वा शां**नकत्वर मन्मार्क गान**ाहत कारतार्थन इट्ट आणा करा माहा विश्वस्थ _{विद्यारस्य} सिम्पीख प्रकादि निसन्धन, जमाक _{তীতা} লামক সংখের **উ**লয়ন প্রভৃতি বিভিন্ন স্পাৰ জাতীয় শ্ৰম্ম ক্ষেশন একটি প্ৰতি-ত্রসন বিয়েছেন। **ভারতের সক্রিম কেটেব** ভ্রণ্রে প্রধান বিচারপতি সীতি পি নাজন গ্ৰহণাবৰ সভাপতিকে ১৯৬৬ সালে ্ত্ৰ হ'ব কমিশন গঠিত হয়। এই লাল্যালের সদস্য ভি**লে**ন ১৪জন। ভারতের ল'লৰ ভালেনকালৰ ইছিতালে এই ধরনের ০০ট জালীয় শ্বাহ ক্ষিশ্ৰ গঠন উভতপূৰ্ব, ্ত এই কমিশালর সাপারিশগালির পারারও ত্ৰত্তত্ত্বৰ হয়ত কৃষ্ণিকেৰ **স্ব সংপ**ৰ্ট্ৰণই ন্ত্রভারত হতে হত কিংক সাপ্ততিশহালির তে তা অভিন্তঃ **অবেড সে** বিষয়ে **স্তেব্য**

•০০ তেন সভাৰত্ত্তি সৰভাৱৰ দেখিয়ায়ায ল্লান মানুহ ব্লামানিক দল। বিভিন্ন ক্রেলা জিল্প জন্ম**র সরকার পঠানে ভরস্বতা** ল পুলী ভালৈত **মাজিল সম্পর্য সংগ্রা সংগ্রা স**ংগ 入 (2017年 - 1995年 1998年 - 新日本 1997年 - 新日本 ក្រកន្ត ខាន់ទៅទេ **សង្គ** ភ្នាំភ្នំទៅទីបែ NEW T সভাল সংক্ৰম **কল**াৰ সম্ভাল লক্ষ্যা ্ৰত পৰা ক'ত ১৯১৯ চনৰ চলেড্ৰাফ কাৰ্যা**ন্ধ**্যি The grant come manager of farming লতি কৰি লৈ ছেছত এক হাত্ৰ স্থাপি গুলায় লাজায় গ্ৰিন্ত ক্ষাত্ৰ **ভাষিক অধ্যান্তিক** ি সা জালে জন্তবিষ্ঠা হয় জামিলন বিভিন্ন reary represent the different मु चित्रभागी। Inflation Relations Commissions ATE Was SERWAY! (Labour Courts) গ্ৰন্থ কৰাৰ সাপ্ৰবিশ্ব কাৰ্যন্তেন। **প্ৰ**মন্ত্ৰিক শিংল সম্প্রতা ক্রিক্রন্ত দিব মারা কাজ ২০০ ভিন্তি । ১৯**) দিল্প বিভে**র্গত বিচার সের ১৯১ আপদ মীমর্কার মুখ্যার দিল্প-িকারত সার জালার বাবেষ্যা গাইল করাতে এবং গ্রিন্তার ইন্টিনিয়নকে প্রতিনিধিয়-মালক ^ইিখন হিসাবে স্বীকৃতি প্রথম করা। NO SI SINDITES ক্রীয়শ্র গঠন বৰ্ণবন কেন্দ্ৰীয় স্বাস্থ্য **এক** মুখন ত্রুল বিশেষ ক্ষেত্রে এ লাভীয় কমিনন গঠন ^জ্ দ্বিকার অনে ক্রবেন ভগনই সেই ক^{্র}শন পঠিত হবে। রক্তাগ**িলর কেন্**ত ^{িল}ংগ সম্পূৰ্ক কমিশন তঠন কথাৰে **য**ঞ্চ প্রকার। ক্ষিশনের সদস্যদের হধ্যে বিচাব-বিভাগীয় এবং বিচার বিভাগ বহিন্ত সদসা থাবাবন এবং এ-জাতীয় কমিশন সরকারের শ সন বিভাগের আওত। থেকে মৃত থাক ব। এই ধ্যানের কমিলনেও বিচার বিভাগীর



সদস্যাগণের হাইকোটের বিচ রপতি হবার যোগাড়া থাকরে। প্রম আদালতগা, নির কাজ হবে বিভিন্ন আওরাডের ব্যাখ্যা প্রদান করা, প্রমিকদের অধিকার ও কর্তবা সম্পর্কে আভ্রাতের বিভিন্ন ধরা কাম্মকর করা এবং বিভিন্ন আইনে প্রমিক্ত স্বাধ্যা সম্পর্কিত যা বা বিধান আছে সেগালি যাতে ভিক্তাবে অনুস্তে হয় তার বাবস্থা করা। নারসংগত কারণে এবং বিধিসন্মতভাবে ধর্মার্য করার আধর্মার প্রতিক দর আছে এটা জাতীর প্রমান করিলন মেনে নিরেছেন। কিংকু ধর্মার্যটের মেরাদ নির্দিষ্ট করে দেওরা হয়েছে এবং বদি আপস-মীর সোর মাধ্যমে প্রমিক-বিরেধের নির্দেশি তার বিচার করার জনা এগিরে আসবেন বে-আইনী ধর্মার্যটের জনা করিলা প্রসিত্র বিধান কমিশন সমর্থান করেছেন।

প্রত্রিক সংঘগ্যালি যাতে যৌথ দর করা-কষির মাধ্যমে (Collective bargaining) মালিকদের কাছ থেকে নিজেদের দাবি দাওরা আবার করতে পারে তার ক্ষেত্র প্রসমূত করার জন্য কমিশন প্রতিষ্ঠ সংঘের বধ্যভাম্লেক



तिस्रक्षिण व्यवस्त कनस्त क्वरान्त्र पृथक्ष्ट सांक्रित भालस्यात्र ७ फॉएव क्षस त्वाध कत्व

ক্ষরহাক টুগপেট মাডির এবং গাডের গোলবোগ রোধ করার জন্তেই বিশেষ প্রক্রিয়ায় তৈরী করা হরেছে। প্রতিদিন রাত্তে ও প্রদিন স্কালে করহাক টুগ-পেট দিয়ে গাড মাজনে মাড়ি সুস্থ হবে এবং গাড শক্ত ও উজ্জ্বস ধবধরে সালাহবে।

माण्डित यक्ट "मानाग (उ	" अहे कुलानंद	াংল। ভাষা য় কা সভে ১০ প্রসার ট ব্যুকো,'লোই ব্য ট বট প্রাক্ষে।	। ট্রাম্প (ভাক্ষা	उन सार्व)
নাম ঠিকানা			- वहन	
ভাষা			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	D1



64F-102BEN

করার প্রয়েশনীয়তা জাতীর প্রম ক্ষিশনের বিত্রিকানে তিলেশ করা হরেছে। সেজনা প্রজিক সংগ গঠনের উদ্দেশ্যে সবনিন্দাগংখ্যক সমস্য লংগ্রহ করা, প্রমিক সংক্রের উপর লাইরের রাজনৈতিক নৈতাদের প্রভাব কমানো প্রবং স্বস্থাকের দের চাদার সবনিন্দা পরিমাণ জারও বাড়ানোর উপর গ্রেছ আরোপ করা হরেছে। প্রমিক সংবগ্রাক্তকে বেমন বাধ্যতা-

ম্লকভাবে রেজিল্টার্ড হতে হবে, মালিক সংবস্থিতকও তেমান বাধাডাম্লকভাবে রেজিল্টার্ড করার অন্ক্ল কমিশন অভিমত প্রকাশ করেছেন।

জাতীর প্রম ক্মিশনের প্রতিবেদনে বলা হরেছে একটি জাতীর স্বানিন্দ মজ্বরি (national minimum wage) দিধর করা সম্ভবও নর, বাঞ্চনীরও নর। তবে বর্তমান अक्षात आधिक छिछि। तर्निस्न मञ्जि নিৰ্মানিত করা থেতে পা র। সব নিদ্দ মজানি धावर श्रामान-किविक प्रश्नावित गाया वर्षा পার্থকা প্রায় কমিশনের প্রত্বেদনে ওরা करबटक अवर वना इस्तरक प्रव^रतामा एक वि নিশারণ করার ক্ষেত্র মালিকের কড়টা মজারি দেওর র ক্মতা অনুষ্ঠ তা বিচার कतात न्त्रकाड रह मा । किन्छ आराजनawifa (need-based wages) দেওয়ার ক্লেন্তে মালিকদের কতটা মহাতি ক্ষাতা আছে, এবং তা শিংপ-रिप्रकारी क्रिमारमत कार्ष्ट अथवा विद्य বিভাগীর কর্তপাক্ষর কাছে গ্রহণ্যাগা কিনা **তাও দেখতে হবে। বভামানে** যে সকল হজ-িব-বোড (wage Boards) আছে সেগুলি বজায় রাথার অন্কেলে ক্রিম্ন অভিনে **करतरहरू। व्यक्ति प्रक**िटनसम्बद्धाः সদস্যগণ সকলেই এক মত হয়ে হড়বি নিধারণ করেন জবে ভা মালিকানের পাত কার্যাকর করা বাধাতামালক চরে। হ'দ মতারি বেডেরি সনসালর মধ্যে জ্লেতি নির্ধারণের ক্ষেত্রে মতভেদ দেখা যায় করে বোডেরি সভাপতির অভিমত্ত গতির হবে। কমিশন মনে করেন চাকরিব ক্ষেত্র শাধ্য স্থানীয় লোকদের নিয়োগ করা ভারতে **এক নাগ**রিকভার আদেশেরি বিখেবী। তবে কভিপয় স্থানীয় শিলেপ অপটা স্থানীয় শ্রমিকদের কাজে নিয়োগ করা যেতে পারে। **কেন্দ্রীয় সরকারের** কর্মাচার**ি**সের জন্য যে প্রামশ্দ তা সংস্থা (Joint Consultative Machinery) আছে তার কিছা সংস্কার করার পক্ষেত্র কমিশন অভিনত প্রকাশ করেছেন। কমিশন বলেছেন, শিংপ-বিরোধের নিম্পতি করেপ বিকল্প বার্যথা না করা প্রথপত ধর্মাঘট নিষিদ্ধ করা উচিত হবে না। যদি বিরোধ নিংপত্তির বিকল্প ব্রেম্থা কার্যাকর হয় তবেই ধর্মাঘট নিষিন্ধ করা

কর্মচারীদের প্রভিডেণ্ট ফাণ্ড সম্পার্ক প্রবীরুতির সংপারিশ প্রদান করেছেন। যদি কোন শিল্প প্রতিগানে ১০০ছন ভদ্ধি সংখ্ক শ্রমিক কঞ্জ করে. প্রামিক সংখ্যক বাধাত মূলক স্বীকৃতি দেওয়া হবে। যদি শিশেপ নিয়োজিত ম্লেখনের পরিমাণ একটি নিদিশ্ট সীমা ছাড়িয়ে খায় তবেও প্রামক সংখের বাধাতাম্লক স্বীকৃতি দেওয়া হবে। যে শিলেপ একাধিক শ্রামক সংঘ থাকবে সে:ক্ষতে বিভিন্ন শ্রমিক সংঘের সদস্য সংখ্যা বিচারে অথবা বিকশ্পভাবে লোপন ব্যালটের মাধ্যমে অধিকাংশ শ্রমিকের সমর্থনে একটি নিদিশ্ট শ্রমিক সংঘকে প্রতিনিধিমলেক শ্রমিক সংঘ হিসাবে বাধাতা-ম্লেকভাবে স্বীকৃতি দেওয়া হবে এবং শিল্প-সম্পর্ক কমিশন সেই সার্টিফিকেট দেবেন। श्रीमक मश्य जारमामनरक जातव रकातमात

উচিত হবে।



পরিকার কামাতে ও পালক-প্রশ পেতে ব্যবহার কর্ম

रक्षारता कार्वन धात रम७शा



এবার প্রা সংখ্যার প্রতি-যোগিতার বিউটি কন্দিটিশনে নিলেলেকে প্রথম



॥ आ॰कवम्कदम्ब कन ॥

॥ ২০লে সেপ্টেম্বর পা্জা সংখ্যা প্রকাশিত হবে ॥

: বিশেষ আকর্ষণ :

ওকস্টালি ছবি ইয়োবোপ ও আমেরিকার এবল তুমাল আলেণ্ড্র সুন্দিট করেছিল, সেই চণ্ডি বিবসনা নাহিক। সুন্দেরীব্রুটো প্রতি বামেনের চণ্ডলানের জাতিনী (মা ফাল্যোডা জোলাভিয়ালেও হার মানার) লিগ্রেন চির্লাবি কোন

वाभाव बाम (१७ वा। मात

এ ছাড়া লেখকস্চীতে আছেন:
সমরেশ ৰস্, বিমল মিত্র,
আশ্তোষ ম্বেখাপাধায়, শক্িপদ
কাজগ্র, হরিনারায়ণ চট্টোপাধায়, স্নীল গণেগাপাধায়
জৈলাতিরিক্ত নক্ষী, ক্ষীরোদ
চট্টোপাধাায়, বিশু ম্বেখাপাধায়।

যৌন বিষয়ক প্রবন্ধ লিখছেন : ডাস্তার ও যৌন ঘিশেষগুণ্ণ

সুকরীদের দুঃসাহসিক রাঙ্ক ছবির টেনার

॥ প্রথম সংখ্যা নিঃশেষিত ॥ শক্তা সংখ্যার দাম ৩ ০০

बरबन्धान स्वानास्थान कर्न । म्यून्य । ७९नर रेक्टेकथाना स्त्राफ, कविकाला-५

জাতীৰ ভয় কমিলন একটি মালাবাৰ म् भारतिम करतरस्य । क्रीयमानव প্রতিভেণ্ট ফাল্ডে দের টাকার পরিমাণ আরের শতকরা ৬-২৬ জাশে থেকে শতকরা ৮ ভাগ পর্মত বাভানো উচিত। আর বেশানে चारवर । नकारम श्रीकाकने कारण श्रमान করা হয়, দেখানে 🖟 প্রদের অর্থের পরিমাণ আরের ১০ শতাংশ পর্যক্র বাজ্যনো উচিত। *ज्याचित* शिक्तक काल्कर किया साम অবসর গ্রহণ ও পরিবার প্রশাসন প্রকালপ স্থানাস্তরিত করা বেতে পারে। শ্রমিক শ্রেণীর एकान-मामशीय भागा माठी कर्मायायी मार्था ना ভাতাকে বেজনের সংশ্য একচিত করে দেওরার সংগারিশক কমিশনের প্রতিবেদনে উল্লেখিত হরেছে। সরকারী কর্মচারীদের জনা অবিলাদের একটি পে-কমিশন (Pay Commission) গঠন করা উচিত বলে কনিশন অভিমত প্রকাশ করেছেন।

ভাষ্টীর প্রম কমিশনের সা্পারিশগালি সদপ্রের এট্রক বলা চলে যে, মজারি নিমন্ত্রণ, প্রভিডেণ্ট ফাশ্ড, সরকারী কমাচারীদের জনা পে-কমিশন গঠন এবং প্রমিক সংঘণ্টালকে ভারও শক্তিশালী করা প্রভৃতি নিশ্চরই জনসাধারণের কাছে গ্রহণযোগ্য মনে হবে। তবে, ধর্মাঘটের মেষাদ নির্দিট করা এবং শিক্স-সম্পর্কো কমিশন গঠন ও ভার উপরে গ্রেড্রপূর্ণ ক্ষাত্র আরোপ করার সাংগালিক প্রমিকলোপী হাতীমনে গ্রহণ করতে পারবে কিনা সংদেহ। তবে মোটের উপর, কমিশনের সাংপারিশগালি যে সংগ্রহজনক, ও কড়া নিশ্বাধার বলা চলে।

খেরাও সদপকো কমিশন মাশ্চন। করেছেন বৈ তার ফলে শ্রমিক আন্দোলনের ভিত্তিকো তাঘাত করা হয়। তাছাড়া, খেরাও-এর ফলে শিল্প উৎপাদনের ধরা ব্যাহাত হর বলে কমিশন মান করেন। এক্ষেত্রে কমিশনের উদ্ভিগ্যালি বিশোষভাবে অথবিহ এবং উল্লেখযোগ্য

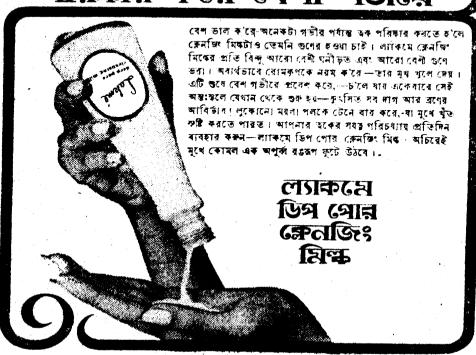
"We deprecate resort to 'gherao' which invariably tends to inflict physical duress on the person (s) affected and endanger not only industrial harmony but also creates problems of law and order."

"If such means are to be adopted for realization of its claims trade unions may come into disrepute. It is the duty of all union leaders therefore to condemn this form of labour protest as harmful to the interests of the working class itself."

त्वाथ शायः अगस्य े कि उनामालान्य हैं ब्रम्स तिर्थान गरकत. भाषाः ब्रांगाला गाहेक लिख्याकृ ुष्ठानका सम ७ कि वेष जैन्य निस्रास्त यताक वश् जमधनाथ অন্তিতায় মুখো वात्रत शासामानायः निमार ७ शिस्स प्रिय क्रयार्डना निष অৱদাশকর বায় খাপাই नात्राधा गलानाका विश्व रामा जिलाहर मण्डित्रा महत्त्व विकि प्रकृत का भवत्त्र हा सम्मान हवाहार्थः (परंत्रक विदान न्यान श्रद्धाः (मन् रतकृत गरण भारतिक शुर्माणा रम्ब हैत्वानावाड नक अविद् মুখোপাধায়। উত্তৰ বৃহত্ত পাছ কর কুমার এইদান দা পাই বিভারিং হয় কানারী পথত বিভার হত। বারিও জ प्रांक भागात वर्षे । किया हिला राज्या राज्या अलम् जानेले भाग (जानेत व सक्ता । वेदेविक विकोश के आसाई। मार्ग निर्मा के किया । मार्गक के



लगकति क्लिलेडिश शिक् वियो यिक्याली वियो गाए। शतिक्षात करत विथी गडीदा



শি রাখার বাদ আকারের
পালারীতে সংস্থাত এক প্রকাশীর
আরাজন করেন। গৈনাগিন
জীবনের পরে অবসর সমরে ছবি একে
বারা স্নাম অর্জন করেনে ভালের রুখে
রুখাল সামের নান উল্লেখনোগা। কর্মনাভা
গারবহন সংক্ষার ক্ষেত্র করে করেন
সময়ট্রুতে শিল্পী হৈ সিন্ধ ও লিভা-



कारनात मना

--आपाण राज

সংকারে ছবি **একে গেছেন, প্রদশানীর** ছবিগ্লিল দেখে ভা **বোঝা বার**।

দিলেশী পালেটল ব্যবহার হরেন এবং তার কাজ দেখে মনে হয় এই মাধামে বঙৰাট্যক ডিনি সাদেরভাবে প্রকাশ করতে শিলপীর বিষয়সক্তগর্নাল আমাদের সকলের পরিচিত-বংলা দেশের পদ্মগ্রিম পাছপালা ব্যোপ্যাড় আঁকাবাঁকা পায়েচুকা পথ ও উদার উদ্মান্ত আকাশ--धनः भारम्बेरमा **यसा निरम धरेग**ीनरे তিনি রুপারিত করে**ছেন। বৃহৎ** পরি-গ্রেকিডে রচিত ছবিগালি দেখলে শিল্পী গোপান वाका बारा. অনেক ক্ষেত্ৰে সেই প্ৰভাব আত্তম করে তিনি নিক বৈশিষ্টা বজায় রাখার চেন্টা করেছেন। বস্ততঃ, নানা উদ্ভানল রঙ বাবহার ও অঞ্চনরীতির গ্রে ^{ক্রেক্}শেস তিনি গ্রাফিকের স্কা কার্কার্য ফ্রটিয়ে ভুলেছেন—যেমন হল্পে, কালো ও সব্জে রঙ প্রধান ২৯নং ছবি। দ্'এক কেতে একচিমায় উচ্চনৰ রঙের ভারতম্যের মধ্য দিয়ে শিক্ষণী স্বীয় রচনা-कोगम अकाम करताव्यत। এই अत्राप्त



कामकः अधान एकोरिक-धर मात्र क्या চলে। প্রদর্শনীর দুটি ছবি ভিলম্বাভীর। प्रत्य ग्राम इस भिन्नी कना दीकि व्यक्त করার চেণ্টা করছেন। এগর্মেছা রঙীন (लाहा) काशरक्षत्र ७१३ चौका। शासकरीय श्वानके बारित हरूव जिल्ली कानाटकरहरू सर्वामध्ये अ्थान दक्कार्ड दक्कार्ड शारमदन विकास करत किस तेएक करत राज्यासन, करन वीक्ति पिक स्थारक शाहीन म्बद्धार्माहरू জাতীয় হলেও এগালির বোলাজসম রুপই সকলের দুখি আকর্ষণ করে। ট্রলাহরণ হিসাবে ২২ ও ২৩নং ছবির নাম উল্লেখ করা যার। তবে পরিকাপনার দিক ভোকে সমক্ষানি ও সময়োচিত হলেও ছবি দুটি, বিদেশ করে, ন্বিতীরটি হুলোত্তীর্ণ হয়নি-কারণ দীর্ঘতর আকারে আৰুলে পিল্পার মনোভাব স্পণ্টতর হরে ফ্রাটে উঠছ। তবে পরীক্ষা ও প্রচেম্টা তিসাবে মুটি নিদ্ধানেই শিল্পীর সঞ্জির ও সচেতন মানের পরিচর পাওয়া বার।

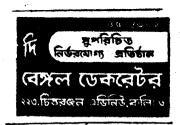
4 আক্রভেমি পরিচালিত শ্টাডিওতে বে স্ব ছোট ছেট ছেলেমেয়ে নিয়মিত ভাবে শিক্ষেশিকা করে গড় সাড বছর যাবং কর্ত্তপক্ষ তাদের করের বার্ষিক প্রদর্শনীর বাবস্থা করে আসছেন। সম্প্রতি কড় পক্ষ অভটন বাহিক প্রদর্শনীর আরোজন করেন। প্রদর্শনীতে সাডে চার वश्मत वहम प्रांक मात्र करत 58 वरमद वश्यान (कालारमातातात ১०२ हि निम्मन দেখা যায়। শিক্ষাথীরা অধিকাংশ স্থলেই হালরঙ্ক ও প্যাপ্টেল বাবহার করেছে এবং বিষয়বস্তু নিবিচনেও বিভিন্ত পরিচয় পাওয়া ক্রপ্রাধারার সমকালীন পরিপ্রেক্ষিতে যেমন করেক-জনের ছবিতে মিছিল, বন্যা, রথষাতা ও প্রাধানা চোখে পড়ে তেমনি অনেক কোন্তে আবার শিশ্মেলভ বিচিত্র মুডি বা নিসগদিশোর সকং পাওয়া যার। ছবি দেখে মনে হর সকলেই আপন আপন খ্লীমত কাগজের ওপর রঙ ও তলির মধ্য দিয়ে মনোভাব প্রকাশ করার एम्पे करत्रक। सं भव क्लामरतत इवि ভাল লোগেছে তাদের মধ্যে নাশার ভট্টাচার্ব (বয়স ৯), অভিজেৎ চলবতী (বঃ ১১). म्,िक्ता तम्ब (वः ১২), मुक्तश त्रव भर्ख

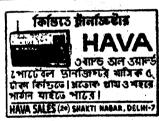
বেঃ ১০), দালিনী গ্রেকাল বিঃ ১১), লিয়া হরিরাম (বঃ ৮), চিচলেথা মুখালি (বঃ ১২), মনোলা মল্মদার (বঃ ১১), গাঁতা মালহোতা (বঃ ১১), তাশন নোল (বঃ ১২), স্নীতা ভাল্মদার (বঃ ১০), কোরা রার (বঃ ৬) ও ম্থানারী মুখালি (বঃ ১২)-র নাম উল্লেখনে লা। প্রদর্শনীর একবানি ছবি সকলের দুখি আকর্ষণ করে —১২ বছর বর্ষক ব্যক্ত স্থান্ত স্থানার উল্লেখনে দুখা। ছবিটিছে ভুলির উল্লেখনের বিলেণ্ডতা ও রঙের ভারতম্য দেখে সক্তাবতাই সম্পেষ্ট লাগে লাগে কিল্পুত হলে ছবিখানির জনা জন্ম কুরির সকলের প্রদান বাভ করকেন।

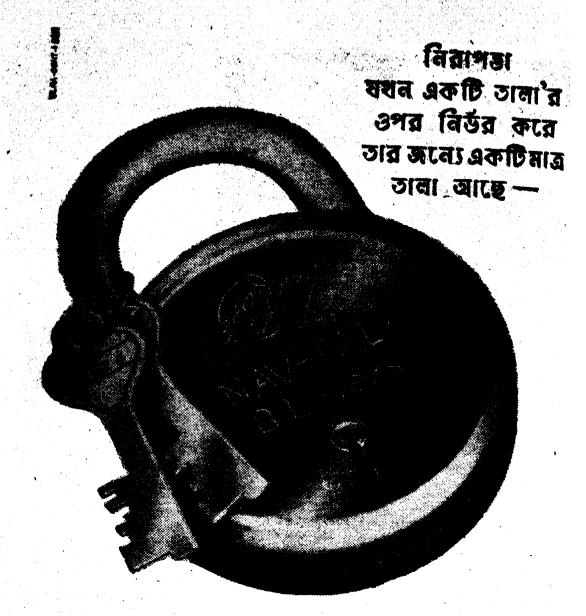
পাপুর ছবি
"পাপুর বই'রের ক্রিই-লেড্ড এবং পিলেট পাপু আরু সরকের চেনা। ভাল নার



ছিল তার স্কৃত সরকার। মত সাড়ে আঁ বছর বেচেছিল সে এই প্রিবীতে। তার আঁকা প্রার পাঁচ শ' ছবি থেকে ৮০ খানা নিয়ে এক প্রদর্শনীর আরোজন করেছেন একাডেমি অব ফাইন আর্টস তালের গালেরিতে। প্রদর্শনী শ্রে হবে ১৩ সেপ্টেম্বর। চলবে ১৯ সেপ্টেম্বর প্রবিত।



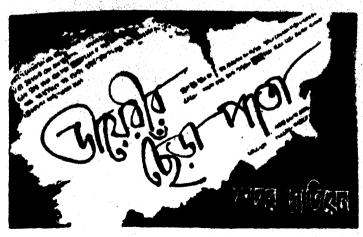




वाक्टान दन-त्का मा अधि विकारकाता । স্থা এম কারিগরী, প্রতিটি ভালা'র करना जानामा जानामा नकरमन ভাৰী ভৈরি হয়, ভাছাড়া নব-ডাল নিরাপভার সরজান ভৈরি কয়ডে এমন ভাবে ডিজাইন করা— যাদের আছে ৭০ বছরেরও कारक, शूटन का रक्टन होते कहा ... रक्ती कांक्सका।

मा यात्र. छत्रि मय-छात्र (मय भवत्वाद বেশী নিরাপভা। পেতল আর ইন্সাভের ভবন খান বাকে ব'লে এটি দারুণ মহাবৃত। धि छित्र कत्राहम श्रीमद्वक-यात्मत्रं व्याद्धः १० वद्धावत्रक

किम माहेदक भारतमः ৫০ মিলিমিটার (৬ লিভার) ७१ मि: मि: (१ मिकास) भ्य वि: वि: (भ विकास)



গঙ্গাতের আলোকে

পার সংগ্য কাড়া হরেছে। হার রে বি
কালা। মেরেটি এসেছিল এই ব্ডেরে
কাছে জনালিজমের ক্লাসে ভতি হওমার
খ্যুত সংবাদ জানাতে; আর আমি কি জানি
কোন দুবাসার অভিশাপে অভিশণত হার
ভাবে অভিনালন না জানিরে ঠাটা করে
বলিছিলম, "জনালিজমা ?...মেরেরা কি ভা
পারে? ওতে যে নিরাসক দুলিউভিগে চাই।"
গোপা সংগ্য সংগ্র উত্তর নিরেছিল ঃ
"ভাইলে আপনি বলতে চান সতাদুলিউভ
একলা প্র্রদেরই মনোপলি?" কিংবা ঐ
ধরনের খোচা-দেওরা জোনো কিছা।

তথানে আমার উচিত ছিল [এখন অবণ্য
ভা অন্তণত চিতেই স্বীকার করি । গোপার
নতুন কেনা ব্যাগের প্রথমেন করা, কিংবা
নিজেরই বেতো পারের থবর দেওয়ু কিংবা
ব্রেজেন্টের পালিসির কথা পাড়া [গোপা
আবার রাইট কমানিকট], আর আমি কি না
মারীদের সংখ্য তর্কা পারহত্বা' চাণ্টের
প্রসিধ্ধ স্লোকটিকে ব্যালাম ভুলে গিলের
আমার বন্তবের ব্যাখ্যা করতে গোলাম...

গোলা করে চলে গেল গোলা।

আমার মণ্ডবা না শুনে সে কিন্তু মুপ্রধান কিছু শোখার সুবোল মিসু করেছে। মণ্ডবাটা এই মে, নিরাসন্ত দুন্টির্ভাপা এবং সভা দুন্টির্ভাপা এক জিনিস নর। সাংবাদিকভার বৈশিষ্টা ভবশা হিম ও নির্ফিত ভবানিন্তা। সব কেনে ভিচ্ছ সভো শৌহোবার পশ্যা এটা নর। আমি বরং বলিঃ জনেক কেন্তে আবেগের উন্তাশেই সভ্যের আগ্রম করেল ওঠে।

হোটবেলা থেকে আমরা শিখি বটে, বাচাই করতে হবে, বাজিরে দেখতে হবে, ওজন করে দেখতে হবে, ওজন করে দেখতে হবে দ্বিক, পক্ষ নেবর আগে সভর্কভার প্ররোজন গদে পদে। আমি কিম্ছু বাপ, বা-ই বজনুন, পক্ষপাতেরই পক্ষপাতী। আক্ষীবন পক্ষ নিয়ে এসেছি—শৈগ্যের বাবা-

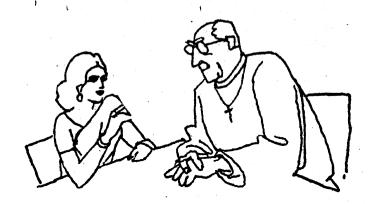
মার', বালো সনবরসী বংখানের কৈশোরে
নিজের কলেভের, অ র তারপর, বলব কি,
বংগাভাবা ও বাংলাভাবীনের । সক্ষ নিরে
লোকে ঠকে বলে শানোভাবী । আমি ঠকে ঠকে
শিখোছ, মান্ত্রক আর মান্বের সমাজকে
চিনতে হলে পক্ষ নিতে হবে।

कारहेरभोटन क्रमक

প্রকাতে অনুর্বাহ্মত বলেই এই যে এক ফরাসী তর্শী সাংবাদিকার লেখা ভারত-দশনের অনবদা ব্রুক্তিট কামি পড়ে ভর্ণী হরে, বিসময় বার অফ্রেড, জানাবার ও ব্যবহার উৎসাহ যার অসীম।"

খুখু দেউছু কিন্ত ও সতকতা প্রয়েশন, সেউছু উভারিত হয়েছে : "নিশ্চিত ভত্ত করতে গেলে একটিই—অভিরিত অনসংখ্যা; বাকি সক্ষ দুখিকোনের উপন্ন নিভারশীল। অল্লান্ড হয়ার বাবি আমি করি না। ভারতকে বেভাবে দেখেছি, অন্তথ্য করেছি। ব্যাহািছ পর্বতে, মর্ভুমিতে, সর্বক্ষার প্র্যাপীনিস্ক্রে: গিয়েছি আধুনিক নগরীতে, হতন্ত্রী প্রাম্ভাবে; অনিভ ধনকন আর বিভ হতভাগোরা দল—উভরের সংগাই সক্ষাং হয়েছে; কিন্তু এনেশের গাঁচ কক্ষ করেছ হাজার প্রামের একটিতেও তো সভিয় সভিয় কথনো বাস করে ক্ষিতিন,,।"

এনন স্চলা আখা জাগার নীরল থকরের
সমহার নর, "জেন-ইনস্পেটকো রিপোর্ট"-ও
ফিল নেরে-র ভারতনিক্লাকটিকভ কুথাত
গ্রন্থ সম্পর্কে গাল্বীক্লীর ক্রিকার ফতকা ।
নর, সাজিই জিল স্থাকের একটা ক্রিল পার
ন্দমর সংক্রেন ভরা, ভালো লাগার গলেও
ভরপ্রে, ভলো না লাগার প্রকাশে অকাজ,
সহান্ত্রির অঞ্চনে আঁকা এক প্রশেকত
কাহিনী। কর্তমান লেখিকা সে আখা পর্বেক্রের



चार्गाव काटड हान मडाम्बिटड अक्ना भूत्रद्वा बटनामीन?

উঠলাম, ভাতে বেখেছে সভার স্বা।
সাংবাদিকের লেখা হলেও সাংবাদিকস্লফ
মাধার্যাপনার বড়াই নেই কোযাও, ভুল করার
ভয়ে গা বাঁতিরে চলার ফেন্টা নেই, বারিগত
ভালো-লগা-লা-লাগার ফন্টরোধ করে
নৈবাছিক সাজার চেন্টা নেই, বরং গোড়াতেই
সোজাস্থি ব'লে দেওরা আছে, 'জনাটিকসম
মারু ক'রে দের বটে বহু দ্বার, রুম্ম ক'রে
ছাড়ে তেরনি অনেক হলর। ভাই বে
পনেরে মাস আমি ভারতে ছিলাম,
ভাগাগোড়া ছিলাম নিভেন্টাল এক ফরাসী

বইরের নাম "আর্মানার ভারত", লেখিকার নাম মিল ফ্রেনিন কানেছে ভারতীর কানে থটোবটো ব'লে কেনেছি নামেই ভাকে ভাকত বানেকে); একেশে সে এসেছিল টো-এন-লাইরের ভারত প্রমণের কালে, বখন নক্ষা পরসা প্রথম চালা, হয়।

"ACT CHENCE SIGHT HIGH"

প্রথমেই অবশা একটা হোঁচট এসেছিল দিল্লীর কান্টমস-এর কাছ থেকে; "ঐ বিভাগটাকে আন্ধান্ত আমি শাপানত কাছেই" অসেছি। ফরাসী কাণ্ট্রসকে নীতিগত তাব: ইংরেজ কাণ্ট্রসকে প্রতিটিব ইই এরা আন্তাকে অণ্ডত একটা সাট্টকেস খ্লাতে বাবা করেছে বলো; মার্কিন কাণ্ট্রসকে আড়া তিনটি খাট বসিংম রেছে শেষ পর্যাত ওয়া কিছাই খোলেনি: আর দিনেমার কাল্ট্রসক আমার ছোট গাড়িটার বামার ট কা আমার কাছ থেকে ভবল করে আলার করতে চেয়েছিল। কিণ্ডু দিয়ার শাক্তক বিতরের রাতে আন অনমার পরিচালনার খান্তরে এমন উভার আর হহান কেবাও..।"

্রিকন্তু ভারপর ্বিনান-কন্দরের চৌহন্দি ছাড়িয়ে সভাকার ভারতের মাটিতে পা দিয়েই ভালে লেখে গেল এই দেশ। ভালো লেখে रशक माडे निक्षी-सर्चन आह भारतारेगाः रव स्वाई. कारका स्थात (5) EN SEPTED. ৰ প্ৰালেৱ সহীপাৰ আপায় বাৰ্তিকাৰ ভাল: অব কি সন্দের লৈতিলে ধাৰ্ম সেই পথ "সারা ভার তর সব-সেরা সরণি". আৰু কাণ্ডিকত । ভার মতে যা ভারতের मदिश्रके रेनम नगती। एत्रभर जनका-ভাবে অজ্ঞানতটো-সভাবনা মধারার সেই মাডিছম-স্যায় ক'রে ধেখনে স্থাপত ররেছে পা মুখা-ইড..."অভ্যানীর ব্রেশ্বর মুদ্ভক তর্মাটোর মতো সার করে রাখা"। আর স্থাপডেন্ড লীলাম্মেত

পার্থেনন ছাড়া আর কে তকে ছাড়াত পারে? আর ধঞ্জরাইো—গেট চরতে আর কি আছে তার চেরে অপর্পা? তারের নিশ্তাপ নিশাত স্বানা মনকে পদা করে ব জারাতো শপা করে ত্দর ও ইন্দির্যার।

माजिविश

কিংছু বংলাদেশ ? আছে সভিনিত্ব যাবার প্রত্যকার আদ্ভৱ কেজনা জনবং কথা, আছে, লাজিলিন্তের স্ভাবন্দ – ভারতীর মানের জুলনার কি পরিক্ষার-পতিজ্ঞার ঃ প্রকাশন ক্ষারা স্বত্য হত্ত একটা কাগজের খলি নিয়ে ঘ্যার হৈ ত্রতি কক্ষাকে রাস্ভাব উপর ফোল লিভ বেশেছে ।" ঘ্যাের সন্যাসীদেরও জনের আছে, একটা সিগারেট লিলে ভান্ত গরা ক্যান্দেরার সন্যান পড়িয়াত বর্তি হয়।

আই আছে নেপালীনের বহু এছার পাথিবীতে নাক অমন হাসাম্ছ জন জন **धवरिंध एउटे : "रा:ची काराउ**" साराज সর্বত খারে বেডানোর পর এই একটি চালত সালো সক্ষাৎ- যানের ছবে ৩২ স বাঁ সাম স্থী! কি ফাছিল क्वीपाँउमा (१४०) र এটেরভ বিশ্য **চেহারের** হাভ্যার চিত কেই।" একথা আরও প্রয়োজন থেড় দেশ ল আৰ সিউনের আনতে: ভুস্ট সহাল্য ডিক্ষার সমূহত কোই সভাপনী চাল চাল ভারতে পদর্ভ একা বিরাহ করতে অপনাক **এক নত দিয়ার থাকচেত** ত্রার লাভ ভালত দেশে দেশে অপ্রি কর্প্য গদ চানে বৈত্রকা হাবেল বিভয়িত্ত ভাব ভাবেন ভাবের ফিলে জাসেবেন স্করেপনার চন্ট্রিটার গ

कमका का

িক-৪ খণ্ডি বংলাচেন আৰু যাভাগাণের প্রস্থাট আডেন স্তর্গলং ব্যুক্তিন রবিশাংক্তর ভার্বা নাজ্যাই কাভারণী কাবার কথা বলা হব্যকে, সিল্লাব্ড যুগ্দর সংগ্র সংগ্রহ: 'প্তর্মালক ব' এক উল্লেখ্যে গা म् इत्यान्ति संदर्भ क्षात्रास्य अतुभाव दार्वेष्ट ক্ষেতিন্ত্র : জ্বান্তব্য গ্রামীর জাপ কার্ব যায় হাওড়া গেওখন স্বাক তার হাল ^{হাত} বিষ্যুট এক বিপ্রয় হটে যাওয়ার পর তাড়াত ডি কান্ধে থালেনফেলা এক সেবাং কেন্দ্রের ছার্ড্য ু 'আছোন্ড্রা, পশিস্কর্নীদের। কাছে স্টেশন শ্ৰে এক ফাওয়ার পথ, বড-ছোর ঘণ্ট শানে**কের কম**খিনি অপকাশ-যাপনের পথল: **এখানে এদের** কাছে দেখ[ি]ছ অনুদ্র সার স্থানের আন্তেই স্টেম্কর একটা থাকার জায়গা: যেখানে আহ র-নিদ্রা রখন স্বই চলে..."

আর নজরে পছে—না পছে পারে না— ফাটপাতে শারে থাকা মানুষগারি, যানের ডিলিয়ে ডিলিয়ে পথ চলতে হয়: সর্বি-বাাপী দালে দাশেলার এরাও বেন প্রতীক। এই দাদেশি যে কন্তদ্রে প্রশিক্ত রাণত তা



অবাক ছবেন নিজের বং দেখে !

লায়ের বং করমা নর বা কিছুটা চাপ। ব'লে মান মান ইদের আকাশাস, এবার কাঁচের ভাবনা দ্র করার ভার্মাকেয়ার ফোরাইটনিং ক্রীয় । দীর্ঘ পারষণায় এবং বিজ্ঞানসমত নানা তুল ভ উলকরাবের সমন্তার তৈরী এই জীন,—বুদু ওপর-ওপর জালপ দেবার কাজ করে না, রোমকুপের পভীরে যেয়ে এমন মর মৌল পরিবর্তন ঘটায় বে আপনার বং হ'য়ে ওঠে উল্লেক আর দিনে দিনে আপ্রি কর্মাও আপনার বং হ'য়ে ওঠে উল্লেক আর দিনে দিনে আপ্রি

ডার্মাকেয়ার হোয়াইটনিং ক্রীম

মাখনে চাপা রং হথে কনক টাপার মত সুনরে গুরুতকারক: সাহের সিং'স

'বিউটি ইস্ক ইওর বার্বনাইট' পুন্ধিকার জন্ত এবং কাপনার রূপহচার নানা সমস্তার উত্তরের কন্ত কামানের 'বিউটি কন্সালটেউস্',পোউ বল্লা : ৪৪০, নিয়ী দিল্লী,এই টীকানাত লিপুন

Progressive/SS-1/69A

হ্মতে পারা যার কথন আনিকার করতে इत, "छो शाब कुम्र अन्ते अन्ते अन्तिकार्व ज्याः त्य कात्नाथात्नदे खण्ना मण्या विकाद —এ বেন প্রভাগিতই হরে গাঁড়াল, **তা**র स्वार्खारक **बाटन निरमन** कारह. অবশাদভাবী। তারশার হঠাব থেকে থেকে চ্মক লাগতে শ্রু করে; বিমৃত্ আশক্তার সংগ্ৰাপনি কলা করেন ওতে অভুসত হ'য় গেছেন, এন্ড অভাসত বে দ ভিত দুরাশার উপস্থিতি আপনার **এ** শিক্ষা ধরাই পরে ना...। श्टरे छेश्म्काक्रमक द्वाक, जीवहरू म বাস কার্বই এখানে বেধ হয় ক্রা উচিত নয়-পাছে হারিয়ে ফেলতে হয় 200 কুম্য ও বিরক্ত হওয়ার মান্যের গরম অসহস্মতা ভাষাবহ দুর্শ গাকেও মেনে নেফার নিশ্বির মনোভাব णाभनारक रभरत वरम।"

> श्रूक्ष्यव श्रयाज्यत स्रिटीय **अका**त्रा



সকল জীব্যবাপ্রের জক্ত বা প্রকাজন ওকাসার তা পাওরা বাব। প্রকাসন ক্ষকাল বাধকা রোধ করে বালের উরতি করে এক স্বচন্নে বেটা জক্তবী, রৌবনের বল এক বীর্ব ভিত্তিতে আরে। সার। পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোক আরু বলবর্ধক তবা হুডবালোক্ষারকারী আধুনিক ট্যাবলেক প্রকাসা ব বছার কমেন। পুনৰ ও বীলোক্ষের জক্ত পৃথক পৃথক ওকাসা পাওয়া বাব।

ওকাসা – হর্মো – ফার্মা বিঃ লণ্ডন–থালিন–এর তৈথী বড় বড় ওধুধের বোফানে পারেন কণ্যা সরসেরে ইংবের ফার্ড থেকে পারেন :

P. O. BOX 398, BOMBAY-1.

এই ধারণার পরিপ্রেক্তিই ক্ষাক্তর সম্প্রেম ক্লোদনের অভিনত : "ক্ষাক্তা, আকড়ে-ধরা, গালবিক মোহিনী ক্ষাকার্ডা— ক্ষেনে কেচে থাকটেই এক মহান্ট্রন, সেখানে তার এই দুমার প্রাণারি আমার চেন্তে এক ভ্রতিমিলিত সম্ভাম জাগার।"

দ্বাধ হর, এমন একজন সংকেশশাল তর্গী সমর, স্বোগ ও পরামশের অভাবে কলকাতার আর একটা রুপ চিমে উঠাত পারেনি, বে কলকাতা আনেক বিদেশনী প্রবাসীর চোধে ভারতের সংচারে কোত্রলান্দ্রীপক হার্ন্ন্য অর প্রাণম্পণিপত নগরী।

নেহৰ

পাণিতবে লিকের E . W. भाषां (प्राप्त के का का का का का का का का का পরিচালনা-পশ্যতি ও ভারতীর সংসদের ক্রান্তিকর ও 4120 ৰাগ্ৰিত**্ত** क्ष्रिक्टब—धक्षात ব্যতিক্রম নেহরু। ভারতীর রাজনীতিক ও বন্ধ দের মধ্যে সত্যকার প্রাণকত আশাতীতের আঘাত হানেন, অপ্রতাশিতের অকেন। ভার আৰু স্মিকতা আপনার মনেমতো হোক না হোক, ভার বিষয়বৃদ্ভু আপনাকে আকৃষ্ট করাই না कत्राक, जीत्र कथा जाभगाटक भागाएक श —এकाश अफिनिस्तरण। स्टारट, प्रांकिन ম্লেট্রে গেলে ক্রেটিন কেখে, "নেহর, হৎন অন্তপশ্বিত, সারা ভারতবর্ষে যেন স্থানিতর

নেত্র্র রেখ অজ প্রায় কিংবস্থীর মতো। ক্রেদিনের ভাষার "অহিংসার এই প্রতিভূ ব্যক্তিম...কত ভূক্ত একটি ঘটনা ভার অসম্ভূতির উদ্রেক করতে পারে! আর ভাতিনি প্রকাশন্ত করেন ভার ভাগতেও কিন্তুনা, ভার গলা চড়ে না কথনত, জোপেও ভিনি আস্থামবানিবোধ হ'বান না, শ্যম ভার গলার করে ও মানের ভার করেন যার৷ আর সংখ্যা সভেগ প্রতেকে ভিটা

सवकरवांत्र हृष्यम

নেহর কে খাব কর থেকে দেখার স্থোগ আলে একবরা। ভারা-নাঙাল পরিবর্শনান্তেওঁ টোন চেপে ফিরে আসছের চো আর নেহর, দিনটা নববর্বের প্রেনিন। সাংব দিকেরও সে যাতার, সপাী রয়েছেন। আগো থেকেই তারা ফোলিনকৈ চ্যালেজ করে বলেছিলেন। "প্রধানকারী চোকৈ নববর্বের চুন্দন দিন না লেখি-চালেল তো ওটাই প্রথা।" রাভির বারোটা হখন বাজল, ফোটোপ্রাক্রেরর। উচ্চ-বারোটা হখন বাজল, ফোটোপ্রাক্রেরের। উচ্চ-বারোটা হখন বাজল, ফোটোপ্রাক্রেরের। উচ্চ-বারোটা হখন বাজল, ফোটোপ্রাক্রেরের। উচ্চ-বারোতার ক্রাম্যের ফোকাস করে। এইন সমর আক্রিমকভাবে, সব প্রিকশ্বনান তেন্তে বিরে ফোলিনকে টেনে নিরে তার বাঁ গালে

অমন্ত সাহিত্যের নুতন বই

উপল্যাপ

भरजन्मकुमान निटान

त्रभणीत यन ए,

अवध्रकत

একাঘ্মী ৪॥

প্রশাস্ত চৌধ্রীর

(शाधित देशीव c.

আশ্ৰেতাৰ মুখোপাৰ্যালের

বাজীকর ৮১

নীহাররঞ্জন গ্রেক্স

রান্ত্রি নিশীথে ৭. সুযঁতপস্যা ৮,

अवम्ब

মহারা গান্ধীর সত্যাগ্রহ সম্পর্কিত সমগ্র রচনা সংকলন

मञ्जाश्यर १,

5599

म्द्रवाधकुमात हरूवजीत

कृषिन

कुभायद्ग ७५

व्यवस्था माहिका शकानन व. टोमास रेनन, कीमा-১ সংশার একটি চুম্মন এ'কে নিজেন নেয়ন্ন!
কোটোরাম্বারেক্র বিকাশ দুশাটাকেও ধরে
কাথকা অধকাশ পেল না কেচারীরা। খবরের
কালকে এক করাসী তর্ণী সাংবাদিকাকে
কেরের চুম্বদের সংবাদ শক্তে বাবা-মা
চিত্রি লিককান ক্রেটিনাকে, 'এ মেরেটি কি
ছুমিই?"

পার ভারেনিতে নেহরতে উল্লেখ করে ক্রোনিন লিখলেন, ভিয়ার বিষ নেহর, আমার ভান গালটি কিন্তু ক্রিড বরে ব্যাহার ৮

दिया-स्थाना-स्था

ভার সেই ভরেরিতে কেথিকা ভার দৈনন্দিনকার অভিজ্ঞভার কথা গাটিরে W. files ferfrene was carried

ভাষাক্রমান্ত্রিম কার কাছে তৈকেছে ।
কিন্দানকর নিক্ত কারে নামানকলের এতট্ট্
ক্রিটিভ না কটিকে, কারের সমানকালে বাছ দ্বিতের কারে কার্যাকর কারে কার্যাকর কারে কার্যাকর কারে কার্যাকর কার্যাকর কারে কার্যাকর কার্যাকর কারে কার্যাকর কার্যাকর

कारका इक्तिकाल दकारमा अनगर्नाहर Bकिक्क इवात जारवाम कात बरहोंग: कनर ক্লাণ্ডকরভাবে দীর্য আর অহেতৃক চাচা-त्यिकित्व **कता' हिन्**मी खिल्म जातर्हीह व्यक्तित मन्भारक जाटक বিভক্ত ক'নে पूर्वरह। अक्क इस्त रखरनरह, "अनिरम्ब मृद्ध्यस्य बा-किस्ट्रे सागृक मा क्रिस নারিকারা অমন বখন তখন নাচে কিংবা গানে किरका मुख्येरकहे स्मरक बस्ने एकमा १९४३ হিংকা, হতাশা—সবেরই প্রকংশর বাহন গান...। প্রেষ কওঁ তব্ সহনীর কিত্ ट्यस्तरमञ्ज क केन्द्र राम আগালগাড়াই সম্ভয়ে বাধা—যত চড়ে, তত বাড়ে প্রেক্ষাগ্রহ कत्रकाशित बहुत।" आह हातै, मृह्ताशीम দশকি হিসেবে ভারতীয় ছবিকে তার মনে হরেছে "অভিমান্তার chaste : চুম্ব্যার मृत्रा अदक्कातके वतनाम्छ कता क्य मा।"

বেশ্বাইরের রজিন ছবি ক্রেনিনের মনেরজন করতে পারেনি, ভারতের রতের উৎসব হোলি কিন্তু তার মন রাভাতে পেরে-ছিলা। ভালো লেগেছিল তার এই উৎসবের সামাজিক সামাবাদী চরিত, প্রভুভ্তের পারদপরিক বাবধান ছাচিরে রঙানিনিয়ন : 'কিরে ধখন এলাম, জামার মাথাটা একেবারে লাল, চোথ হলদে, জার নাকের উপরে গাঁট ইরে বলেছে সব্জ রওর ছোপ।"

এলেশের বাসে চড়ার অভিজ্ঞতা সে ভূলতে
পারেনি; দশ গুল বেশি লোক নিরে বাসগুলির নিবিষ্য চলাচল, উপরুদ্ধ এবই
সংশ্বে গালগানি ঝুড়ি-চুপড়ি-মুগি অর
ব্যঞ্জার মারের পিটে; মেরেরা দাড়িয়ে,
জার তব্ প্রের্ল্লের নিবিশার ব'লে থাবা
—ক্রেনিনের বিশার; এক ব্ডির লনা
জারগা ছেড়ে দিরে ক্রোদিনের গারোখান—
ক্রেরালের বিশার। জার টেনেও
পার্বেরা পারোদস্কর বিছানে পেতে
গর্ন, বউ-মেরের জন্য ক্রেয়ে একটা চাদরের
বিদ্যান্ত্র

দিনপঞ্জীর পান্তার পাতার বিকিশ্চ

ইকারো ট্করো ছবি, চলাক্বির সমারেহিঃ
উত্তাপ, জবসার ক'রে দেওরা দুংসহ
উত্তাপ, ছার, বৃশ্চির জনা সাগ্রহ প্রতীক:
শাসেলােই জানের মধ্যে জনালান এসে না
পেশিছােলে সর্বস্তবাাপী উল্লেখ্য বেনােরা
ভারিখে বিদেশীয়া বিকে নিরে প্রস্তুত;
সভেরাে ভারিখে বিদেশীয়া বিকে

कलाशिं गावशव काव सूथिव पूर्गक पूत् 3 त्रावापित पख्याश विधि कक्त!



the sea since-sound about supera

न्त्र इनारह इनारक व्यक्त-वास्त्रक वता प्रतेरका करा, वाका-वाव्यक वान वारी—वास कि वाकुक कराव वाच्य वर्षा कराव करित : "वार्तेन्द्रक, वाकारत, रातकारत, क्षाका कि इनाराद्रिकाकक क्षा वृति, वारक क्षा इस वारा

रकाम एकाम किस्तिकरणाणी मारिक एर्ग्डामान कार्या का क्याप्टर । विरक्षाणी १ कार्य एकार अक एर्ग्यीत केर्याप्टर ऐरमिर्गाण कार्या एवरक एर्ग्डामा श्रीकृत एकार्या शाक विद्याचित्र, बाह व्यर्थ एर्ग्यी का स्थाप्टामा कार्याप्टर ।...कार्य अप्टरप्टा श्रीकृत एन्ट्र एर्ग्ट्र एका श्रीका-एन्ट्र, अकर्प्ट्रम्म, विद्र एर्ग्ट्र एकार मराका-एन्ट्र, अकर्प्ट्रम्म,

-

चन्द्रचीतम् त्रास्य वास्य साम-स्यापनाः शीखाः प्रवासनं प्याप्यक्षः चन्द्रचीतस्य त्राप्य-प्रविक्तं गीखाः प्रवित्ते चन्द्रस्यस्य त्राप्यक्षः प्रविद्यक्षाः विक्रिक्तं चन्द्रस्य स्वयस्य स्वयस्य

ক্ষ বিজ্ঞা প্রক্রের ক্ষমেন যে তাকে বিজ্ঞান প্রক্রা কি ভার নাম, কোনাম দেশ, পোনা কি, বারন কর, কোনাম কেন্দ্রের ভাইবোর কাজনা আরু ভারতের করে। কাজনাই বা কাজনার প্রক্রা করে। কাজনার বাজনার বাজনার বা কাজনার করে। কাজনার বা কাজনার করে। কাজনার করি। কাজনার করে। কাজনার করি। কাজনার করে। কাজনার করি। কাজনার করে। কাজনার করি। কাজনার করে।

वान् प्रमा- तमः विन वानिकः प्राप्तिकृत्वेत्तमः वाकिनावः ५४६ नामकार तः वीते कान-३२ प्रमा वीते ज्ञाकं तानी ताम काना प्रमा 34-6898 (Red - 84-4045)

रबोर्कान्द्रे विवास

आविकिशिक्ष भटना कि उनामा समानः! व्यक्तिकार द्वाराचे. व्यक्तिकाराक्त्रका केंद्रम्तेत्वः अविद्यास्य अन्तरिष्ठे स्टबः "बारबीवका एकान महानहार ?' अहा चान्छर्' रहा, बीन जानमात्र कार्य देशांन तर बंबाल आक्यांन -करत मूर्वी हताब बचान स्थल कारण সক্ষণ আপনার চেই। করা অবাক হতে कारत, कीयमबद्धात अर्थ केंद्र माग जात जार्थीय श्रीतक दक्कार्य मामा भूषियोदि ? चार कारकीताम न्याकारिकामी करा पारमा किथिर क्यारिक , मार्च जानरन शाक मामद्रामालन बदल भएक वचन एकाएना क्षासामा विभागीय काट्य ट्याटन, जात्वत বেশ অগতের স্ব-সেরা দেশবলৈর অনাতন। क्रीकॅमीका नवात्र क्षण्या ७ जन्दान পাৰৰ আৰুক্ৰী, কাৰ কেটা তালা ভাষের धान्य मंख्यदे मध्य कार्यः चार्यः चाराजीतात्त्रः रावि राज किट्टे छाटे; छन् याँत स्वास ভিনৰ্মেশী মানুৰ গভীর ও আন্ডরিককভাবে कारान राजान कारमारका शास, राहोरक ভাষা অপ্রভাগিত উপহারের মতোই বিদ্যাভ ও কৃতভাবিত প্রহণ করে। ভাই চলিপ ক্যেট ভারতবাসীর উল্লেশে এই রইল আমান বিদানী উপহান আৰি ভারেনেক विसाम ।"

"कावि कृतिय मां, कावि क्यू कृतिय ना"

কোনো কোনো বিদেশীর বুনে কোনির গ্রেমির প্রেমির প্রান্ত কর্মার বাবের কানোর কানোর কানার কানার

কোলন, প্ৰপাতী ক্লোনন, সভাববিদী ক্লোদন একৰাৰেৰ জনাও এ চোৰে চেবেনি व राष्ट्रक : जाबाह जाहर रणशह दन, जाजिएका, जाक्योंने ज्या एका, राज्याहर দুৰ্গায় পৰিকীৰ'; সনুৰাহিত কৰে, বিকাৰ कटा । जारमा नावाब, विकृष्ण सामान, विश्वविद्य करत त्या स्था, किन्दु गर्वश्रहे छोटन शास्य। जानसः जानज्यानीया-जानाः गर्व क्षत कर देवका एका विकासकार, एकान कारमायाज्य रक्षमध्ये कामात्र क्षेत्रीयात्, क्या दश्राका सार्य मा, किन्दू कंतहरकात शहीतान। এখাঁট কথা সন্দৰ্ভত আৰি কিন্তু নিভিতঃ जामा जारक-रूपम जामात रिन्तरीकारक भीतर्गाष्ट्रं करतास्य । मन्त्रम् । प्रतिहाः त्त्रोक्य व विक्रम, किन्न क बागरनवाव-আলো বেজাবে চৰেডাৰ এই সৰ, জার ভা क्रबटेड शाहर मा क्रांस्मिम !"

क्ष थानि

জাপান আট পাড়ী, চৌৰলিন স্ট্রীই, বেডিয়েড পোৰাক, পাল, নাইন্সেই সেবাৰ অভান সংহতের জনা বাটিনক ৬৫০, টাকার অকবা উভ কমিশনে সেবানবান ভাই। নাব্যার জন্য বিশ্বসং

Foreign Agencies (66) Dassess Street, Box 1456, Delhi-4.





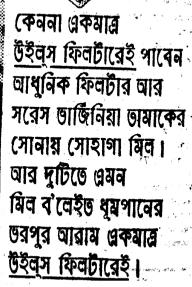




यवन क तकन छेड़ेद्र शिवक्तित न्याप्त प्रक्रिश अभिग्नाञ्च समर्थात अभि नामित

सियोज निवास्त्रित्

২০টি ১ টাকা ৮০ পরসা



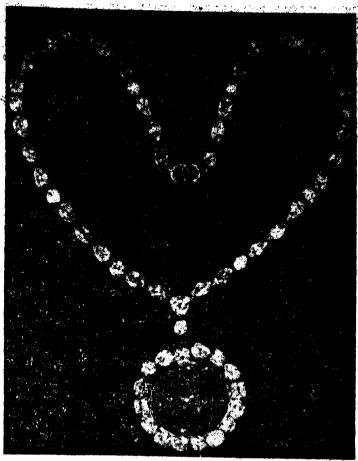


र्मागतरकत दाला

প্রিম্বরণ প্রেম্বর বাবে প্রার্থ বিশ্বরত প্রায়ের জালা ছিল লা গুলালিকা হলে বেলাম। কি আকুরা গুলার করিব নালিকা করিব বিভিন্ন বাবের মতই হোপ হারের বিভিন্ন বাবের মতই হোপ হারের ফান্দ্রমাহালার প্রব্ধ করিব বাবির ক্রায়ের ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্র ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্রার ক্রান্ত্র ক্রান্ত

ক্ষা ভরা চ্লিমণি, সাগর দেচে, মাণিক বৈছে, পরে কেন জয়?

জভত ব্যাপার । ভারতবংশর কোহিন্তর গার্ট মোগল হোপ ডায়মন্ড কোনটাই আল আর দেশে নেই। কোহিন্রের কত কাহিনী ইতিহাসের করাণ রুজানোর সংক্ষা থিকে। ব্যাহ্য। আবার ত্যোপর আকর সদব্যের দিখর নিত্রে হয়েও কোন পথে কি ভাবে সে এমন পর-বল হয়েছে জানা যায় না। ১৬৬৮ সালে ফ্রেস্ সমুক্তের মুকুতে যে French blue লমক দঢ়তিমান হ**ীরেখানা হোগ ক**রা হয়, মেই French blue চতুদ্ৰ লাই এর কাছ এসেছিল ভারত থেকে। ভারতের দারিদার কটকে ফল **क्षाक्र** 200 727913 উপক্র বিচ বিভ नदिष्ट ছারতবাসনি একদিন দরিয় জিলা না। তাদের সব সম্পদ লড়েট্ড বলেই আজ সে পরিদ্র। ১৭৯২ সালে হোপ হারে অবের ছবি হয়ে যায়। কভদিন যে ভার ছদিস रहाति छात्र विकास रुद्धे। आर्थेट्स बहुद পরে ১৯৩০ সালে কছেরে কেটি গভীর নীল হীরে ্মেখা দিল। হীরেটি **७**ज्ञान सम्ब द्वात স্থান 137 বিশ্ত: **ছার মতই: স্**দরর। নানাভাবে পর্বীক্ষা করে দিক্ষাণ্ড হয়েছিল যে French blue চুরি হবার শর তাকে টাকরো করা हरवाहन वृद्धि अविधे वक धे करवा। हेरलरूखत হেনরি মোস হোপ নয়ে এক ভদ্রলাক এটি क्ट्रमन। खाइ नाम हाला ह्यान ए समन्छ। হোপ সংহেবের হাতেও হীরে রইল না। হীরে ছরতে ছরতে চলে এল ধনী মাকি'ন दारकात निष्ठ देशस्त्र ।, Mrs Evaly Walsh Melean स्टा क्य प्रश्नित मन्भीत (शरक क्रक वावनामी श्रीटकान री ति मधार करोलन उ পরে मिणे जिसे मारक छे भरात . मिलन । AND MARKETTE COMMENTS



अमान्दित्सन माम्बदन क्रिकेट दहान काम्यक्ट

মিউজিয়ামের ক**ক্ষে প্র্যান প্রেয়েছ ভাবতের** অভীত ঐশর্যা।

কেবল সে হোপই দেখলাম তা নয়।
ভারতের বর্মণি দারা দুনিয়ায় ছড়িয়া
আছে। হারে মাপকাঠি মতা ফরামা
প্রতিক ট্যাভানিয়ে যেবিন হোপ হারৈর
জনক করামা সম্ভাটকে নিয়ে নাম নিয়ে
ভিনেন French blue কৈদিন

ক'জনইবা জালতো তার জন্ম কোথায়। বৈচিত্রো আর সৌন্দর্শে আজও হোপ হাঁরের তুলনা নেই। আকারে বড় অবশ্য কিম্বালির কলিনান। কালিনানের নাম হয়েছিল সারে টমাস ক্লালনানের নাম থেকে। এ হাঁরের খনিটি তিনি আফিকার করেছিলেন। পরে অবশ্য ট্রানসভাল সরকার সপত্য এডওয়ার্ডকৈ হাঁরেটি উপহার



रमंत्र। दरिवार कामन कामन अवदा शाक्षका । कात आरक आंक 'नार्चा a त्वरक रक्टो ... विकिम जाक्**नर**फन Star of Africa being state atomes क्रमाद्रक एम क्षीरक गाम जनस्थात रचनी Stellen Bie fen Bieufe ofter 1 2242 माराम कारमीयकार क्या मीलाह्य क्यांडे क स्थीत शीरवर साम केंद्रीवन ०५६,००० STATE THE BATE II

S Traffic factor and "Idols Eye" to with BIECOT (BIA PPOR was free त्या का विकास विका

after with the wire therein. महाक पार्टन विकास प्रदेश प्रकार कर चौत्रन केंग्रस्त भरतार होता कार्यस महिला नावि नवस्त्र छोवा छात्र प्रथा शीराव हा

कारकार कार्रात अवस्थारक 1000 cut स्था त्य राज्य क्यां ह्यांत्रं कीतात क्या मर्गाक्रक एनहें rose out-का अवन सक्ता क्य कालक्ष्यस्य । स्कानम् वहरसम् क्ष्मम् सामान् कात्रक त्यारेक निर्द्धा कान्यका क्षीरत। हेकेस्तरना within the later out on week wie wen with dur friege with towns raceful cost rose cut des wast. क्षेत्रकटनव कार्रिकटक्त साम कार्य ।

मनाके केरवान, अवावणी बाक अवर मनवादात केंग्र নিবিৰ ভাৰত কটোৱাক প্ৰতিবাহিতা, ১৯৬১

नर्मा केवारन, नकारकी सक्ष क नर्मनायक केन्द्र मिर्ग का का करणातक व्यक्तिमानाम (माना क करना) बना बीचे बार्ट्स क्या बरेटकर । कर्ती-शासना मित्र महार मन्निकेस्तान, भवातकीताल । महनार सर्व महीर वाल जारना क कर्मालाम श्रीक्कीनक रक्ता हारे अवर केराक और मानक विकास अक्रकार क्रितातिक रक्षा व्यवनाक ३ १क) नर्नान्डेक्स्यत । नवनारत्व क्वान्यती, बाह्यरक कात असीता चेनकुर हम: (व) नर्मान्डेकायून कर्मनाडी सरीता बहिना ब मिन्द्रापतं यह मध्यतः; (ग) महिनातम् वास्कीतं भक्षात्वकं कास्यवः; (व) अञ्चातक निर्केष्टियम क्यों ग्रही व्यविक वालाशकाः (६) श्रवारक्षक अवर रहावेषाठे रहाः (६) বাৰেটিং ও প্ৰদেশিং সমবাৰ অধীনে কাজকৰ': (ছ) জেডবংগাৰ সমবাৰ-कांडिक: (क) अश्मानीयीयात महस्ता।

मध्यमिक वीचीवर्रामा समा मिन्योगीपक्षक महाँहे, ब्युक्तका प्रदेश व्हेर्द : sen others soo sint frank where soo her well others ६०० क्रेका अवर की मान्यमा नाजना शासका शासकी ४० क्रेका।

श्राकाक अधिक गार्रेति कीम मिरागिक मह भागेरेरक रहेरत। परहेशाय-गानि विश्वकाकनत्त्व केन्द्रताभी ३७ मि अव × ०० नि अम कानाराव कानि शिक् इहेट्स इहेटन। श्राह्मक करणेशासका विश्वकीय निटक श्रीस्टिकारीय मात्र के विकास धार किमन विकास क्या स्थान (श्राप्त, इस्न/मक्षप्तक, एक्सा क सम्बा) दिया, কটো তোলার জারিব ইডায়াি উল্লেখে কিবল কাপেশন (হাতে লেখা কবন্ধ প্রাথক কাগতে টাইপ করিয়া কটোপ্রাকের পিছন দিকে স্টিটিয়া দেওরা) থকো এই। द्रीक्टवर्शिकाम स्वामानकांनी स्व-स्कान करहेत्याक अवर देशम निर्माणिक श्रामकान श्रम कथवा माद्रे भाम, जारगाकीमा अवस्मितिएक साथान बना वाक्यात कहा हारेरव। भूक्षणबद्धान्य करणेयाकार्तम धवर देशसम्ब निर्माण्डमस्य सावद मनकारम जन्मीय होहर अबर त्व त्कामकात्व अबर त्व त्काम केत्यात्वा जेग्हींग विद्याकनात्वव অধিকার ভারত সরকারের উপর বর্তাইবে।

क्टोशाक्गाणि झाएँकार्व भाग कतिए दहेरव। क्षेत्राणित हामावेस वावता का करित के कहार कता कार्यक नक्काद गावी इहेरदन मा।

त्मान गृहिष्टे अकृतिक शृह्मकारक कविकाती देवेरका मा। अवना स त्मान र्याच बक्रीयक जीचे शकेरेटच शहान। एकन कीचे की मारे।

্মান্তভাৰে সমাপৰ কোনো জনাত সমাজানের সিন্দানত চ্ছোলত কলিয়া ধাৰ श्रदेश ।

क्रिकेटींग को विकासन गाउंस :

faculte (cefre facileuse)

विविधि सर कृत, वीश्वकातम, क्षिकिविधि स्वरक्ष्मध्या साम्ब स्वरक्षमाराम

(क्रिक्ट वर्ष क्रिकेन्टि स्टरक्यकार व्याप स्थापनासम्बर)

क्रीय क्यम, महाविश्व-५

विन्ते नाक्षरिया रमय जातिय । २ माक्रीयर, ১৯৬৯

_ fee fe fe ep/200_

থানক প্ৰাৰ্থ হিসাবে হ'বে ভাইন। धील बार्डन कॉर्डन शवार्थ । शीलाको शील with were the Graphite and the কাৰান কিন্তু নতুত্ব। পেনসিলের সাম বৈতি ex Graphite cere : eliza cere Carbon परिवास पट्रण, इट्रॉम क बरेका আড়ীয় পাধর হচ্ছে এবই গোড়ীর नाम फाइ Corumdum। नर्गवरीय ट्टाफे इति इट्डा वर्षा एक्टन। शत शहेक पारतक क्षाप्तक प्रति शतक क्षाप्तक छाउँ हानि। **शास्त्रा शिक्षांक्षिण वर्गा काल**्य। ১৯৫৫ সাল থেকৈ মাকি চুনির পরিষ্ণ जर्ता करम जाजराते। धावनीक वती क লিংহাল প্ৰতি আগের হছ আর হান भावदा बाद जा। रमधना वह धवर बान हैन्द्र मात्र अथन शीरत्व राष्ट्राक रामी। मीना रा Blue stphire of the water with ভারতে। কাশ্বভিন্ন নীলা কিবলৈভার। saphire गर्याजे वर्ष स्टब्स "नीत।" इत saphire काकीत शावत क्या वर-वर्ड देते। चींहे Corumdum वर्ग विद्यात । इति य भग्रज्ञानकीय हरक Corumdum-43 म्हब्स त्राज्ञाला Chromium-अप । विद्वार । रक्त লাধ্যক জোৱাৰ মিল্লৰ টোবাৰ বা Titanium er cam abuce afene et इव । तीनाव इन्हारवर मध्या मीन या नान-এর সংখ্যা নালভ দেখা বাছ। রভম্পী পালার নানা কাহিনী, আমরা গালে থাকি। পালা, ধারণ করা সম্বাধ্য সাক্ষালভার গাস্প্র আছে। নীলা করেও জীবনে বানে লেভিয়ে বারর ' कारक के कारम अवसान व स्तरहर বিশ্বানের সমান সক্তর্ত > হতে মীলা বারণের कथा जारतरक करमाना जातात वाविनाव व्यक्ति धकीं पूर्वेना प्रकृषि । अपि विश्वास्तात (व जारवाधिक त्याकेत । स्वक्रमान बा<u>चा स्व</u> वा बाल्याकी बाहरे बाटनन । बाहरे मू-हाडीयन चार्या अक चालात् राज्य कराक करा होर क्षियाम रामकान की इसका करी। चारिकेटक सक्ष्याची मीमाहि चान्या। अवस मीककाक्ट जीन क्षीक्टन स्तीनिम । बनाजन. बावन् करतारकम् अन्य करतः। एकार्वकरी जन शय मंद्रक स्वारते विवास निरामिता क्रीयन-न्यक मीलकान्छ यनि श्राप्त दशस्य स्वतः हान भारतम् बर्गनाम् सम्बद्धान्यस्य बीताः स्म बार्गान believe from nest are are rec-नामा काम का कि उन्हें सक्ता में मिण्ड

জাতিব গণনার ভুল প্রয়াশ করে দিল ?

কি জানি। হয়তো বা এমন সব বটনা
থেকেই নীলার নামে আপনার জারার মত
স্থার্থ মান্তেও সাবধান হয়। অপিরজের
মানে প্রিবীর সব দেশের মানুত ভিরকাল
এক রোমাঞ্জকর ইপিছে পার ৷ আতে জার
কিছ, হটক বা নাই হটক, মণিবার ধারণ
তারও নোহমর হয়।

বেশ্ব পাথর বা Opal শব্দটিও প্রাচীন চারতীয় শব্দের অপজেংশ। সক্ষেত উপল या भाषत कथा स्थातक Opal-अन फेरमाख। হার কেথায় প্রথম ম্বার্ডন উপর পশ্চাক छ तम प्रदश शहर कार्न ना. करन যোগান অমঙ্গে প্র' ইউরোপে ছিল Opal-এর আদি অবস্থান। সে সমর ভারতে এই টুপল এসে এই নাম হরতো পেরেছিল। চ্চানে থেকে জ্যোতিষ মতে ওপাল আশার হাতক। **হ**ুভাদান্ট আশা করে এই উপল ধ্রণ কর হত, তাই তার নামই হয়ে গেল টুপল হা ওপাল। উনবিং**শ শতাবদীতে** _{অস্}র্গালয়াতে কালো **ওপাল আবিদ্কার হর।** সাধারণত ওপাল বলতে আমরা সাদা ভুপুরাই বুলি। অণি **উপল-এ একট**ু কমলা লেব্র আভা আদে এবং প্থিবীর দলে কেন দেশে পাওয়া বার।

গাগীন ভারতীয় চিচ বা ভাসকরে শক্ষণে থকবেন অসংকারের অনেকাংশই ন্তারের গাকরেন অসংকারের অনেকাংশই ন্তারের দেরি। থাকবেন অরে ভারত এ রন্ধও অকদিন বাগোপসাগর এবং ভারত সহাসাগরে প্রার্থন পরিসার কারত পারাসার নার। ভিল স্বার্থনি ভারতীয় ভূবারি ভূকভো একদিন সাগর সেতে। গাক্সার শক্তর পার্লার ভারতীয় ভূবার অ্বার্থনান। সেকালের ভারতবর্ধে পাক্রার মান্তার জাকান সাগর সেতে। গাক্সার মান্তার মান্তার জাকান সাগর সাক্রার পাক্রার অভ্যাব ভারতবর্ধ পাক্রার মান্তার জাকান সাগরি সাক্রার সাক্রার মান্তার সাক্রার সাক্রার মান্তার সাক্রার সাক্রার মান্তার সাক্রার সাক্রার মান্তার সোলা সাক্রার মান্তার সাক্রার সাক্রার সাক্রার মান্তার সাক্রার সাক্রার সাক্রার সাক্রার সাক্রার সাক

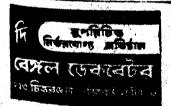
किंग्डरक होर्नाक्रण्डेन



२४६ प्रेका नातम्ब भा च वी वि ना छ ना न ना न छि ना क व नामक कर्म वसाम्ब रमाठाँवन दोनकिन्द्रेस

যাসিক ১০, টাকা কিলিডার কিন্নে। প্রতি আমে ও শহরে পাঠাম রাজ। লিখনেঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar, PB 1045 Dethi-6



আম্বা ঢাকার প্রক্রের গোলাপ। মুক্তা। কালোর তো কথাই নেই।

এতকণ মণিরক্রের আলোচনা করলার কেবলমার ভারতের অতথিত ঐকবর পারণ করে। বাধারণ মানুবের অলকেরনের ঝানা ৩,০০০ কছর আগেও প্রস্পম্কোর বিক্রপ ছিল। সৌস্মর্বাসিকের বিক্রপের ভাল্ডার বেড়েছে বই কমেনি। ভূবগহিসা ভারতীর মেরও আল আর মহাম্লা রঙ্গের আলার অলকোর ধারণ বাদ দের না। তবে সব ঐতিহার মত অলকোরও ইতিহাস, ঐশবর ও ঐতিহার অংশ। দুঃথ এই বে, সে ঐপবর্ষ এখন সভীত গৌরব অলতত বহুলাংশে। ঘরের সম্পদ পরের দেখার মত কণ্ট কি আর আছে?

डेर्जक्डेर्जिक

দ্ধ সংগ্রহ করাই একমার শন্ত কাজ নর। বাড়িতে দুধ বহু করে রাখা খ্য দরকার। সংগ্রহম্পলে হরতে। দুধ বীজাগুমুক রইজ কিন্তু মরে সাবধান না হলে বীজাগুমুক খাকবে না।

এজন্য প্রথমত দরকার দাধ পরিকার, ঠাতে। ও ঢাকা অবস্থার রাখা। বদি রেফ্রিকারেটর না থাকে তবে ঠাতে। জলে দ্যাবর পাত বা বোতন রেখে মুখে পাতলা। কাপড় ঢোক দেবেন।

রোদে বা গ্রমে দুখ ফেলে রাখ্যেন না।
দুখ নণ্ট হবার ভর তো থাক্বেই, তা ভিন্ন
দুখারণিমতে দুধের কিছা ভিটামিন ন্ট ইয়
এবং দুধের স্বাদ্ধ ও প্লাণের পরিবর্তনি হয়।

পুধ সহাজই অন্য জিনিসের স্থাপ গ্রহণ করে। কাজেই উল্ল গলেধর সামনে না চাকা পুথ রাখা কোনওজনেই বাস্থনীর নায়। পুথ বিদ বোতকো আসে, কথনও সে বোতল পুথ ভিপ্ন জন্য কোন কাজে ব্যবহার করবেন না। পুথ তেলেই বোতলা পরিক্ষার করে ধুরে রেখে প্রেন।

বোতল থেকে দুখে ঢেলে আর সে বোতলে ফেরং রাংবেন না। দুখের পার্রাট ব্যাসম্ভব পরিক্ষার রাংবেন। একদিনের দুখে জন্য দিনের সংগ্রহলাবেন না।

রেফিজারেটর না থ,কলে যেখানে দুং রাখ্যনে তাতে যেন হাওরা চলাচল করে ও অন্ধকার কোণ হলে ভাল হর।

চারের জনা বা কমির জনা বে দুখনানি বাবহার হবে তার সুখে প্রশশ্ত হওরা দরকার ও নীচ অবধি ভাল করে হাত প্রেছানো দরকার।

প্রথমও প্রতিকর থানের তালিকার দ্ব প্রথম। দ্বের এতটাকু কেলা বার না। দ্ব থেকে নিরে পাল করা দ্বটাকু পর্যাত জনতত সহজ পাচা। টালাটানির সংসারে জেঠাই না বানিলে দ্বটাকু দ্ব হিলাবে শর্চ হলেই বার হন্ন উপকার বেলী হয়। অচিনপরে ৮০০ অপরিচিত ৮০০ অগ্নিবিন্দর ৪০০ তালিক্দ ৫০০

त्यम नारह्व

নিমাই ভট্টাচার্য 🏿 ৮-০০

শীতে উৰ্গোক্ষতা

ब्रक्षम ॥ ७.००

পরাশর 'এবার জহারী

अध्यक्त मित ॥ ७.००

গারো পাহাড়ের পাঁচালি

भक्क महात्राक ॥ ६.००

গোমতী গঙ্গা 🦗 দেওয়ান বাড়ি

শ্রীবাসৰ ॥ ৯-০০

ध्रमदन र्नाडन

দিলীপকুমার রার 🛚 ১-০০

অভিসার রঙ্গনটি বিষনাথ দে সংপাদিত ১২-০০

कुरश्मी ब्राड

॥ विश्ववानी श्रकाननी ॥

কলিকাতা-১২



জীবনকে মধুরতর করে ক্যাডবেরিদ্ !

Castury's

বুৰী জীবনের প্রতীক এই ক্লেন্সেট ৰাড়ীর স্বাই থেতে ভালবাসে। কারণ, বানিষ্ট ও পুটিকারক এই ক্যাতবেরিস্ ক্লোনেট গাঢ় হুধ দিরে তৈরী। প্রত্যেকেরই প্রিয় আধের অভ এই হকোনেট হুরটি বিভিন্ন রক্ষে পাওরা বায়।

अिंछि छ का ति छ



न्धत अप उत्भूत!

LINE ALYARS CZ BN

০১শে শ্রুবন, ১৩৭৬এর দেশ পত্রিকায ত্যান্ত ব্যাচী **শীষ্টক প্রন্ধ**ি প্রত ্রাল্ড বাধ্য হয় হ। হেম্ডন্ড ভবান**ীপর** ল্পেক্ত ইনান্ট সেনে ১৯৪১ সংকর প্রভ ডিলেন্ পেন না **অ**র্থিম ১৯৪৩ সংক্র াঠ ত্রুপ্তিত ভাগি হাই এবং প্রথম দিনই ওমনত সমাসের জালে সাংক্র সভারত লকের লগত মধ্য আছে। তাঁর পার্যা র্ন্ত্রক চেছারে আমার হয়ে বেশ ছাসেব সলাহ ভারভিল। **কেন** না, অন্তিপ্রের্য আন্তেম ক্রাম শিক্ষাকের প্রচার্ভার নাম্না ভিছা তথ্য ধর্ম ভালাম। বেলবার ক ক্লাসে ভারত নিভালে গণপগতের ও গোলমাল করত। প্রভেগর প্রধান **শিক্ষক হত শ**র আনা কিছবের রূপে গোলম্মা হার এসে হারকান এবং নীর**ন ভংসা**নার নিক্ষককে क्षेत्र क्षणक्षात्रमः किन्छ द्रामनान्त्र क्रायन ভিনি কখনও খাসাতের মা।

ভ্ৰম্যুক্ত অভাত **দেবংশীল** ভিলেন प्रिको ७ गाम स्वर्द्ध राज्य सम्बर्धन छ।त छ त ত্যাপ্ত গভার ভা**তির মধ্যে প্রসাতা**, खेकम्ब**ा**त একটা হিল্প e ं इस । • जिसि কবি চালার পান ব্যব্য থাতো 😸 পেনসিল হাংগ তাঁকে কবিতা লিখে দিশত অন্যার্থ কর্জাছ ে তিনি মাধ্য হাসতেন, বলাতন, নিজের পড়ো কর । **একবার আ**ন্ধার নার্মার সতে হিল ফিলিয়ে দু**লাইন** লিখে বিয়ে-ছিলেন অন্তর আনত **যা। প্রতিকার সন্য**্রে**ন**-লাগ পাড়া থাকলে আহ্নাের ভারি সালিধ १७. १८३४' करेंस इलका उसके। केचन दश्या रात ापल उस व्यासारमञ् करेरथ व्याप्तरा কারেন উত্তিহিস কেন, য' প্রতিস নিয়েয় লেখ, দৰে কেসেট <mark>কেন</mark>কাক, মিন কৰে गण्या नाम राज्य हात राम राम राम १८७ मा । छरक दकान विस्ताय जनसम्ब লেশতে হয়ন। হয়ত কৈন্দ্ৰ উদ্দেশ্ব শেৰে ष्टिति १त रामस**्यास स्टब्स्यस्य स्टब्स्य** ও মান্ত বুলিয়াল।

শুভ হয়ে কলেল মুন্তা পড়ে দেখি
নান ল যে হিতসাল প্রেনেন্দ্র নিরা, বিশ্বলান্তানের সংগে একট স্থানিতে জিলা কেমসংগ্রহ
কমে কলেলের নিগক তকি সমান প্রাথন
কমে কলে কালেজন। প্রায় নাল বাবে
বাব আলে সিলানেই প্রেন্সের বিজ্ঞাপনে হেমকালেন নিপ্র উল্লেখ্য ক্রিন্সিক লা ভাগানি
ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান
বাবে ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান
বাবে ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান
বাবে ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান
বাবিকালেন বান্তানিক ক্রিন্সান্তান ক্রিন্সান্তান
ক্রিন্তানিক ক্রিন্সান্তান ক্

হার রচনায় কল্পে ল যাগের লাটি প্রথম বানন : অধ্যালিকতা ও উরতো একেকচাই ফার্ডিকত। প্রেম, বিরহ, জীবন মৃত্যু এই চিত্রাসীন বিষয়গ্নিকাই তারি রচনার



উপজনি । তবি কবিন নস বিজ্ঞান সংক্ষ্য ত ১৮৪৭ কিন্তু এব বংশান্ত আশ্চর্য সোগের বৃথিবি মত বানাস লি ভোমল নিশাবে মীড়ের মধে মিলিরে বেতে চার। "প্রিমার বেত্রীন চ্বানারি কাবেন" জ্থান a glow warm golden in a dill of dew.

Scattering unbeholden

its aereal hue--তব উপ্ল^{ম্}ধর সারকান র্বীন্দ্রনার ও শেক্ষার ১০০০ হেম**চ**ন্তেবত ছিলা।

স্থানি দ্রনাথ সিংগ বংলার প্রবাধন আক্তিবিকতা ও আপনার পতিকার দ্যান্ত্রণা এ ম্বোর পঠকের লিজাসাকে ট্রুকানিত কর্কে, ক্লেড্ডের রচনার নতুন মুন্সালন বোক এই কাল্ডিন করি।

> শ্রীকান্তি চট্টোপাব্যায় ক্ষেত্র—৭১

0 5 A

আন্দ্র ভন্দারের শান্তলার চলচিত্রশার্বক রাম্রকনাগালি করেই গড়ছি। ততই থানক হছি । আনরা প্রামে থাকি প্রামান্তলার বাকে এমন চিত্র সর্বাহ্বক রাকে এমন চিত্র সর্বাহ্বক রাকে এমন সাধারণ পার্লীকথাকে, এমন সাধারণ পারীকথাকে, এমন সাধারণ চিত্রিতাক করে সাহারণ করে সাহিত্যের উপজীব্দ করে ভোলা সম্ভব । বাঙলা দেশের হামনপদ্দর নিভৃতে পর্পাদশত হচ্ছে প্রামান করালার বিশত্ত অপগনে—বাঁরা এই প্রামাণি করাভার নিয়ামক তাঁদের নিয়ে সাহিত্য রচনার চোটা কারেলেন সাথাক হামেন্তন এমন কেথকের সংখ্যা অকপাই, নিয়েস্টেক্তর আলোচা রচনান বলার লেখক তাঁদের সাহাস্টাহীর।

প্রতিটি চবিত চিত্রণ বেজন বাংতবান পা তেলানি নিখাতে ও যথায়থ। আনার কোটা সব প্রথম ভাল লেগেছে তা হ'ল ক্ষেত্রও কোল অভিনন্তন নেই একটি ক্রিল্ডের বিশেষ নিক নিরে উল্লেখ আন্তর্যাক করান কোন ইচেন্ট্রে নেই। ক্রিল্ডেন্ড্র সকলে-সম্বে

দাপতি সাহিত্য সাঠকের কাতে গৈলেশ জনীটাৰ

এনটি প্রিডিড নাম । তিনি মাল্ড কবি, কিছু উপ্নাস-গল্প বেখার হাছেও স্থান বক্ষ। তার সংগতি প্রতাশিত উপন্যাস ঃ

ग्रात्थत ब फ् का ए 🏎

্লেংকের বহু বিত্তিকতি উপনাস ঃ গ্লেগ সংকলন ১ कड कथा गत्न भरक् किछ, थारक अरमधा

8.00

প্রিবেশক : সিগমেট ব্রশপ ॥ ১২ ব্যিক্ম **চাট্যে স্থাটি, কলকাতা** ১২

(সি. ৮০০৯)

EEPG

ভারত গঙঃ রেজিঃ লং ১৬৮৩৪৪ অল্পান্তর, পিডা শুলে, লিডার ব্য থা, মুখেটক ভাব তেকুর ওঠা,বমিডার,বুক জ্বালা, মন্দান্তি, আহারে অরুচি ইড্যাদি রোগে বিশেষ ফলঞ্জদ। বিফলে গুলা, ফেরুৎ। প্রতি কৌটাওটাকা,ও কৌটাটাঃ ৮৫০: ডাং গ্রাহেও শাইকারী দর গ্রুক

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH





and viete atthe toff on, was after every on a small force of the base backets rather onto

বলতে পারেন কি কোনটি আসল?

জাল বিনিধের নালন পুথ ভাঞ্জাত কলে থাতে। জার কথাত কথনত নালন চিনিধ দ্রিক জাননের নডোট বেধার।

কিৰ্মোগ্ৰয় ৫ মৰ্থ পাণ্ডিয়াবাঞ্জি ১ কিকেন এডিনের কলুক্তরণ মান্টাই করে আন্তেই। এই কলুক্তরণ করে আনতে উবু হয় গাইনা আনুষ্ঠি ও ক্রিকাইনের'নিক কোনে। কিন্তু উচ্চনাগ্রয়র কালে নির্করণোগ্রায়। ও কর্মসম্পান্ত ক্ষরতার কির্মোক্তর একি ১ এর কাশুকরণ ক্ষরত অনুক্রণক্ষরীকের পক্ষে সক্ষরতার ।

বছৰাংল বাৰ্ষ্যত এখনতে নিলিভ ও নিনিপ্ত ছিলেও এতিন কিলোখন এতি ১ বৰ্ষাত্তি কৃষিকাৰ্য কু আমনিকে একোনেত উপৰোধী। দক্তি, নিৰ্কাবোগতো, অন্তন্যত, বীৰ্ষাতিত ও পজোবচনকত্তিৰ স্থানালক অম্বন্যত্তিক ভালে এ চল্লে এক বিনিপ্ত কেন্দ্ৰিক এতিন। বাচাড়া একানাংগ সংগ্ৰহত ক্ৰম্ভ ক কিৰোখনেও উচ্চ জেন্দ্ৰিক ট্ৰমন্ নাৰ্ভিন।



afs 1 - 4 saf Triestes formation

আসল কিলোভর এতি ১ - ৫ হর্স পাওয়ার কিমুন। -নকল কর্থনও আসলের মতো উৎরুঠ হতে পারেন।।

किर्लाकः आयम अजिन्त्रं लिप्तिक्रिकः, म्यान्यकार (तारु, विवर्ते, पुना-० (वारक)

কিলোস্কার (৪) হল কিলোস্কার প্রোপ্তাইটারি লিমিটেডের রেভিস্টার্ড টেডমার্ক, কিলোস্কার অরেগ এলিনস্ লিমিটেডকে লাইসেন্স প্রদত্ত। Faces Sea.



भूका गरेगाः धर्माग्य स्टब सरामसः वस्य

লিগতেন
তঃ গ্নেহিকুনার করিবানার
তঃ রলেগতার কর্মানার
তঃ রলেগতার কর্মানার
বৈলকারণ ব্বেলাপানার
বাজিপারকান বন্
শাজিপা রাজগরে,
কালা মক্ষেণার
সোহিনী চৌব্রী
পার্থ চট্টোপারার

बनक क णः कालीकिश्वत स्वमग्रा<u>ल</u> डाः नीरावक्कम ग**्र**न्ड काः रगातार्हाण नग्मी कवितास वशनाकुमान सस्त्रामान ्षाः विभवनाथ बाब সম্ভৰ্মা ज्ञानम्बद्धाः श्रमी णाः अत्रवक्षातं गर बर्गाण कविद्याल ডাঃ নিম'ল সরকার काः जनीय मृत्याभाषात ডাঃ অমিরকুমার হাটি ডাঃ পার্থসার্থি গাুস্ত णाः अनुन निरमाणी धाः क्षकण्ड राज ष्ठाः निविद्याम नवीद

আগেকিচিত্র ডাঃ শচীমোছন মুখোপাধার ডাঃ বিমল বোধাল ডাঃ প্রেশিক্ বোধ

ভা ছাড়া নির্লিত বিভাগ ই কুইনাইন নির্চার, স্থার জব্ জিক জন্পানন্ ও হালক বনে।

माम : २ होका

সাতে পতি চাজ্যৰ এইল জ্বানা চম্চান হাব। যাবন নাজা ন্দায়িবন নিজিক হানা শাহৰদেন জড়িনিজ আন্ধা নাগাবে না। গাহৰ হয়ার চাদা হ'বানিকাজ সন্ধান ত ঠাকা

হৈছ জাফস : ১০১ ডায়ম-ডহারবার লোড, কলিকাতা--০১ সিটি জাফিস : ১১৬ খনং বস, রোড, কলিকাতা--২৯ শূলপ্তেৰে আননভাবে আভাসাৎ কৰে অধিহাত কৰেছেল এবং বিলিন্ট বাচন-ক্ষানিক ভালের ক্ষান্তন্তন্তনার ভালের লালিক্সমেন বে, শহুতে শহুতে ক্ষান্ত ইয়ত হয়।

শারণে কিবন গ্রাম্বাশ রচনার তিনি মে
বান মারার কথা বালেছেন, এর কোন
বৈজ্ঞানিক তিতি খালে পাওরা বার না সংস্কৃ,
কিন্তু প্রামে এই আন নারার কলে বহু
আন্তর সর্বানাল হাজেছে এখন নারার বহু
আছে। সালাভের চলানি সালের যে ভ্রাজাতিন সংগ্রহ করেছেন, সেগালি সালার
ব সাবলীল। বিব-খাইরে গার্ মেরে ভার
চামাড়া নেওরার লোভের কথা জারারা গ্রামে
প্রারহী শানে থাকি।

আর একটি বিষয় লকশীয় এই বে.বে
সব পরিবারের কথা বা ব্যক্তির কথা লেওক
লিখানের কথা বা ব্যক্তি মুসলমান—এতে
আমানের একটা বাড়তি লাভ হ'রেছে। বে
করণেই হেরক মুসলমান পরিবারের অনেক
আচার-বাবহার আমানের জানতে ও ব্রুতে
আমার মুসলমানার্কর পরিবারের অনেক তথা
লানতে পেরেছি—"চাববিরাড়ির স্মান্ত্রিশ তাই
বেমন চাববিনারীত আর তার পরিবারের
রোজনামচা, তেমনি পরিবারের চিব্রটি বেন
উপরি পাননা।

যাই হ'ক বিশ্হত পউভূমিতে প্রাক-শ্বাধীনতা ও উত্তর শ্বাধীনতা হাগের প্রমী বঙ্লার যে চালচিত্র সংগ্রহ লেখক করেছেন, তার জন্য তাঁর অকুষ্ঠ প্রশংসা প্রাপ্ত।

> স্বপনকুমার মনুখোপাধ্যার রত্যারী গ্রাম, ২৪ প্রগণা

11 2 11

হানেকদিন থেকে সহিত্যকার গ্রাম বাংলার মানির গান্ধে ভরা বাংলার নিংশবাস নেওয়া বাংলা সহিত্যকার ছোট গাল্প উপন্যাসে নান্ধা ধরতের পরীক্ষা চলেছে। ভাষার নানা চমকে মানিশিয়ালার পরিচয়ও পাওয়া যাছে। কিম্ছু সেই চিরকালের গ্রামীন মান্ধ্যসূলোকে তেমন আর আশান করে যেন পাওয়া যাছে না। বাসত্যভিত্তিক নানা কাহিনীর মধ্যে গ্রামের মান্ধ্য আশাদ্র কিম্ছু ভারা যেন তেমন স্থানি আশাদ্র প্রাশ্বন্ধ নানা বাহিনীর মধ্যে গ্রামর মান্ধ্য আশাদ্র বিশ্তু ভারা যেন তেমন স্থানি আন্তর্মার প্রাশ্বন্ধ বিশ্তু ভারা যেন তেমন

াংগর চাজতিতার হাতে করেকটি সংখ্যা গ্রে সংখ্যানর হণ্ড হে নতন দক্তের লৈখা গ্রি সেকা প্রকাদর কাতে পেণীতে বিজেন। শ্রে স্তাই তিনি স্কাল্য সাধ্বিদ প্রেম

চলচিতের লেখক আব্দুল ভাষার সত্তেত্তে ধনাবাদ। তিনি যে খবে কাছ থেকে গ্রামের মান্বের ছবিগালি এতকছেন

Section of the second section of the section of the second section of the section of
William States and Angel
an. be, sporte metr ster die Ste
Traffest-
All the state of the state of
स्रवासं अल्पेन क्षेत्रकः
TAIN 100 - 0-00
बाच-माहिका
Twis-
ANN OF ORDERS 8-00
वाबानगरी—
আনির সিন্ইরাত্তিক - ৩-০০
September 1994 1995 1995 1995 1995 1995 1995 1995
জীবনের বতিয়ান—
্ত্নবী জেম্ব — ৩-০০
মৰি ডিক—
হারমান মেলভিল 👚 🕒 🕏 👓
মহানদের পাচাল্যী—
मादक छोटहरू 4-00
ब्रुणा कान्क द्वार
প্রেম এক মন্ত্র— 🔭 🤺
হেনতী কেম্স — 8-40
धारम गूर्य-
भारकाकात्र - 8.60
প্রেসিডেন্ট নিক্সন—
মেছো ও হেন - ৩-৫০
नारिकासम
আদানোর ঘণ্টা—
হুন হারসি 8-00
वर्षाच्या वर्षानगा—
न्धेक्ष्रिनद्दक — ७.००
नामा रुजिय
জেম্স থারবার - 6.00
পলাভকা
পারল বাক - ৩-৫০
প্রীভূমি পরেলিখিং কোং
-
আমাদের শহর—
থরন্টন ওয়াইলভার — ২-০০
কেনেডি-মানস
পেডারসেন — ৩.০০
माना विषयः जाता जातक वरे :
শ্রতক বিক্রেন্ডানের উচ্চ কমিশন
্তালিকা চোয়ে গঠেন : আছই অর্ডার দিন
्टारणका ८०:स. गाठान इ जानस् जाना । नगा काकृतित असाम सम्मित
ल्ल्याच अस्तान साराम
and the same of th
जनारे त्यथा न्यायीय
স্বাই ৰেখা ব্যায়ীন—
Success 6 - 5.60
ি গাড়েকট — ২-৫০ জ্যা ডভেণ্ডারস জব
ি গাড়েকট — ২-৫০ জ্যা ডভেণ্ডারস জব
িগতের্কট — ২-৫০ আডেভেণারস অব হাকলবেরি ফিন—
নিচেত্ৰক ট — ২-৫০ জ্যা ডভেণানস জব ছাক লবেরি ফিন— মন্ত উদ্ভেদ — ৫-০০
িগ্ৰেক্ট — ২-৫০ জ্যাড়ডেণ্ডাৰস জৰ ছাকশৰোঁর ফিন— মান্ত উল্লে — ৫-০০ মান্ত্ৰের কাহিনী—
নিচ্ছেক্ট — ২.৫০ জ্যাড়ডেন্ডারস জব ছাকলবেরি ফিন— মানক উল্লেন — ৫.০০ মান্বের কাহিনী—
িগ্ৰেক্ট — ২-৫০ জ্যাড়ডেণ্ডাৰস জৰ ছাকশৰোঁর ফিন— মান্ত উল্লে — ৫-০০ মান্ত্ৰের কাহিনী—

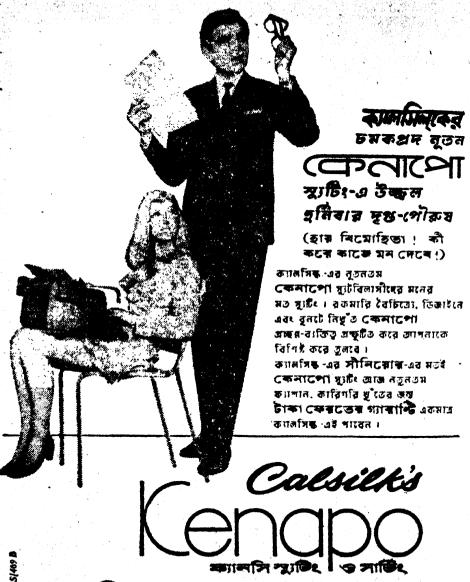
क्षामानकार करना दोत कात रचेत Marin Indian

विकास के देन त्वकात शक् श्लीत कारियो गराहे कामहरू साराक करताह।

का करेंग्रेड अपने के जाता करने की करने करने के जाता के जाता के जाता के जाता की जाता की जाता की जाता की जाता की अन्य किन्ति प्रतिको पर किन्नामध्यमा छात्रा त्य व्यक्तरम् कर व्यक्ति कार्यक स्थात का ज्यापक एमिएएएकमा नमीत हिर्दे करने न्यास्त्र कारका स्वरक्ता स्थानी हेकिन ধরবে। ক লিমের সেমস্ত মেরে অব পাতা-गोलास माध्यास गटन कोटो दर स्मरत । इत्या

W water Will Beit April : Re-Right कारतीय कारता के जन्म कनाएक देशांना देश क्रांस्टिक के स्टब्स्ट्रन्स क्रीयन महशास्त्र विका विकार बाधा शक्तक कृतित गेल প্ৰতিৰ বাংতৰ ছবিবটোল প্ৰাৰ্থ

সাপ্তাদ উপর জাজদের জীবনের ব্যা



हि कानकारे। त्रिष्क मानुकाक्रमाविश कार लिए। कनिकाछा-५

श्रीष्ठमस्य अमाकात छौनातगर :

মেদার্শ নহাদয়াল ত্রেন্টাদ প্রাঃ লিঃ; বক্ষালয় লিমিটেড; নীতিন টেক্সটাইল; ভাভিত্মা ট্রেডং কোং: বিমল্ডুমার সানীসকুমার, কলিকাতা। अध्यानेन : त्मनान दक्त, वि. त्मचानि ज्ञान्त स्वार, ३८, म्ह्यून स्नादिता स्नन, क्रिकाडा-व



সন্ধিকণ, জনক ইনসন্তার বলিন্ট চরিত্ত বিভৃতিভূষণ ও দীনকথ, মিডকে স্মরণ করিরে দেয়।

করেকটি জারগার লেখক বেন একট্র অসংগতি এনে ফেলেছেন। পরোক্ষ এবং প্রতাক্ষ উভির কেন্দ্রে দ্ব'' এক জারগার, গর্মাফল দেখা কার। ছোট ছোট টুকরে। ছবি সংযোজনের কোন্তে লেখক তার একট্র সচেতন হলে খালী হবো।

> মোহাম্মদ মারসালিন, জগমাধ নগর, ২৪ প্রগণা।

৬ই ভাদের পদেশ এ প্রকাশিত
অক্ষ্য জব্দুরের বাংলার চাকচিয়র জনা
আন্তরিক অভিনদন জানাই। গ্রাম বাংলার
একটি দরিদ্র চাবীর জাবিনালেকা লেখক
যে ভাবে একছেন ভা সভাই তুলনারহিত।
এর প্রের্থ আমরা নানাভাবে বাংলার
চাবীর সংগে পরিচিত হরেছি, কিল্তু
এননভাবে একটি সাধারণ চাবীর সংগে
সহাজ একাবা হতে পেরেছি বলে মনে
হয় না

একটি রগচটা প্রকৃতির মানুষের মধ্যে যে একটি মানুষ্য কথাই প্রকাশ করেছে, ইনসাম চরিচটি সৈই কথাই প্রকাশ করেছে, পরেছে। আরু পরীবানার দাংখা সেতো এর বাংলার প্রতিটি মারের দাংখা দিক্ষিত মানুষ সম্বাধ্য আমারের ধারনা কিবতু একেব রেই অমানুষ্য নর। গ্রামের একটি মাুর্থ ছেলের মাুর্য লেখক একটি বাহুর্থ স্বতাল করেছেন। মানুষ্য প্রকাশ করেছেন। মানুষ্য ভানার বাহুর্য রাহ্যের বাহুর্য রাহ্য রাহ্যের বাহুর্য রাহ্যের হার্য রাহ্যের বাহুর্য রাহ্য রাহ্য

তপনকুমার মিত্র জনপাইগর্মাড়

11 8 11

'দেশ'-এর পাতার সম্প্রতি প্রকর্মণত ভর্ন স্হিত্তিক আবদ্ধে জব্বার শিখিত নিয়মিত ফিচার কালের চালচিত্রর প্রতিটি লেখাই মনে যোগ সহকারে পড়ছি। বেশ লাগছে। একটি রচনা পড়ে সাধারণত কোনো লেখক সম্পর্কেই মন্তবা করা যায় না। ভাই কয়েকটি লেখা পর্যাত অপেক্ষ করতে হয়েছে। ৪১ সংখ্যার চাষী ব্যক্তির সাদিয়ায় লেখক নিজের ব্যক্তিগত জীবনের বাস্তব অভিজ্ঞতাকে পরি-প্রণভাবে উজাড় করে দিরেছেন। রচনাটির মধ্যে ছোট গলেপর স্বাদ প্রতি ছত্তে বভামান। ৪০ সংখ্যার 'জনক' রচনা সম্পর্কে'ও ওই একই কথা ঊচ্চারণ করা যেতে পারে। বস্তত লেখকের প্রতিতি ফিচারের মধ্যেই গলপ-রসের উপাদান রয়েছে। উপরুত্ত কংলা দেশের নিৰ্নাবত মুসলিম প্ৰমজীবী-কৃষক পরি-কারের এমন খ'্টিনাটি ক'ল্ডব চিত্র ইতিপ্রে কোনো লেখকের লেখতেই দেখা যায়নি। সেদিক থেকে এ ধরনের রচনা প্রকাশের জন্য 'দেশ' সম্পাদক নিঃস্দেশ্য धनायात्तत भाषा



২×২ ভরেল ও লেনোস, প্রিণ্ট পপলিন, ২×২ কটন, 'টেরিন'/কটন, সাট, লাট' ও নানা প্রকার পোষাকের কাপড়।

উত্তর ও মধ্য কলিকাতার নিন্দালিখিত অনুমোদিত শো-র মঃ—

> ২, রাবোর্ল রোড রক্সী সিলেমা বিক্ডিংস

श्रकाभिष्ठ रम ॥

'প্লাশীর যুন্ধ' প্রকাশের সজ্যে সংগই বাংলা সাহিত্যে স্থারী আসন পেরেছিলেন তপনমোহন চট্টোপাধ্যার। তিনি আনজেন হল্মবর্ণ শ্কনো ইতিহাসের মধ্যে সাহিত্যের সব্তে রস, সজীব জাল। প্রচুর তাঁকে লিখতে হয়নি কিন্তু খ্যাতির মালা পরতে হয়েছে প্রচুর। পলাশীর যুন্ধ শেষ হলে লিখেছিলেন তার প্রবেডী আখ্যান 'প্লাশীর পর বকসার'। আবার একবার সাড়া

মানদণ্ড ছেড়ে রাজদণ্ড

তপনমোহন চট্টোপাধ্যায় ।। 8:00

পড়েছিল পাঠক মহলে। তারপর হাত দিরেছিলেন বকসারের পরবতী অংশে। ভারতবর্ষের মাটিতে বেনিয়া ইংরেজের রাজা বনে বাওয়ার রোমাঞ্চকর অধ্যায়। কিন্তু আমাদের দুর্ভাগ্য নিজের চোখে তিনি এ-কাহিনীর ম্বিদুতর্প পারলেন না দেখে বেতে। এই বই বাংলা সাহিত্যের চিরসম্পদ।। ৪০০০

जा म म था ता अ का म म ॥ ४ माधाहतन, दन म्येडि, कनिकाछा-५२

(जि. ४०५४)

শ্রীবিশ্বনাথ কবিরাজকৃত

"मारिजा-मर्भाशः"

(মুখা, সম্পূর্ণ বংগানাহাদ ও ঐরোমচরণ তকবাগাঁদা-কৃত টাঁকা সহ সমগ্র প্রধা বাংলা অঞ্চর মান্তি)

সম্পাদনা ও বংগান বাদ : অধ্যাপক ডঃ শ্রীবিমলাকান্ড মুখোপাধ্যান্ত,
এম-এ (ইংরাজী ও বাংলা), ডি-ফিল (সংস্কৃত) কাব্যতীর্থ
কথাম খ-জাতীয় অধ্যাপক ডঃ শ্রীস্নীতিকুমার চট্টোপাধ্যান,
ভূমিকা—অধ্যাপক ডঃ শ্রীসাতকড়ি মুখোপাধ্যান, এম-এ পি-এইচ-ডি
স্কেখি উপ্তর্মাণকার সংপাদক কর্ডক বিষয়বন্ডর মনোর আলোক্ষ্যা।

করেকটি অভিনত:--

ভঃ জানকীবলভ ভট্টাবৰ্, এম. এ., পি-এইচ-ডি, রাভার, সংস্কৃত বিভাগ,

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়।

এই গ্রন্থের সম্পাদক ডঃ মুখে:পাধায় সহজ্ সরল ও নিভারিয়াগ্য **রুপ্য ভাষার** প্রথাতির অনুবাদ করিয়া একটি অভাব দরে করিলেন।

শ্রীননীলাল দেন, এম এ., ডি লিট, অধ্যক্ষ সংস্কৃত বিভাগ রবীল্ডরেডী বিশ্ববিদ্যালয়। ডঃ ম্থোপাধাারের শব্জন প্রাঞ্জ ও তাৎপর্যগ্রাহী অনুবাদশৈলী প্রশ্বীটকে নিঃসন্দেহে উপভোগ। করিয়া তুলিয়াছে।

্ক্ৰীবিশ্বনাথ ৰন্দ্যোপাধ্যার, এম এ., পি-এইচ-ডি, কাৰ্ডিং, অধ্যক্ষ, সংস্কৃত বিভাগ, বিশ্বভারতী বিশ্ববিদ্যালয়।

বাংগা ভাষায় অন্বাদ-সাহিত্যে এই ন্তন সংযোজন তহিতে বিশেষ যশ ও থাতি আনিয়া দিবে।

প্রকাশক— "প্রতক্ষী" ১০/১ কলেজ রো, কলিকাতা-১

দাম--প^{*}চিল টাকা।

(সি-৮০০৬)

আন্ত্র ক্ষান্তের লেখার গ্রাপ এই বে, তার স্কান্তর আছিলাবিসের সলে বাদের ক্ষিত্র পরিকাশে পরিচিতিত আছে, তারাই ক্ষানেল তর, লেখাকের জীবন বিচিত্র অভিকাতার ক্ষানেল তর ক্ষান্তর ক্ষান্তর বাইরে এক পা-ও ক্ষান্তনা ক্ষান্তর কার্যার।

ন্র্ল ইসলাম মোলা মুলিদানত

कानगादात ७व.४ **७३ कार गर्रवास "एरएन" शिशालन इंडरडीं व "कुड स्थर कालगा**रवर स्थ" নামৰ প্ৰবশ্বের উপর ক্রিছ্ মণ্ডবা করতে চাই। তিনি বলেছেন ৰে "তারা (চান্বা জেলার काश्रजीया) काटम मा অভশত কৃত काटक काटिश ।" ব্যবিগত অভিজ্ঞতা निरम्ब বলছি ৰে 7744 শেষের দিকে আমি লাইলেন্সিভিতে স্ভক নিৰ্মাণের কালে বাই এবং সেখানকার চেড-কোরাটার "কেবং"-এ বেশ কিছুদিন থাকি। তথনই আমার কৃত-এর (আমি অনেককে "কুট" উচ্চারণ করতেও শানেছি) সহিত পরিচর ঘটে। এই উপতাকার লোকেরা কতা নানা রোগের প্রতিবেধক হিসাবে বাবহার করে থাকে। এমনকি কাণ্মীরী, পাঞ্জাবী এবং কুলুমানালীর লোকরো গেটে वाङ, शिख्नाम अवः मानात्रका वाशा दक्तात কুত্র হামেশা ব্যবহার করে থাকে। ওদের দেখদেখি আমিও আমার মারের গেণ্টে বাতের জনা কিছা কুতের মূল পার্শেল করে পাঠাই। তার ব্যবহার প্রণালী গেল,রাম বলে ওই অপ্রলের একজন চাষী আমাকে বলে দের। ভাতেই বুঝা বায় বে ক্যান্সার প্রতি-বেধক হিসাবে বাবহার না জানলেও বিভিন্ন রোগের প্রতিবেধক যে কৃত্—তা ওদের ভাৰভাবেই স্থানা আছে। লাহ,লিস্পিত অঞ্জে এখন ব্যাপকভাবে কুত্-এর চাব হয়. হয়ত অর্থানৈতিক কারণে, কিন্তু অনেক দিন श्याकरे कुछ - अब किस् किस् वावशात अपन জানা আছে। আৰু অনা একটি জাগ্ৰহের উক্তরে আমি বলব-কৃত্-এর বাবহার কাশ্মীর, পাঞ্জাব, হরিয়ানা ও হিমাচলের কবিরাজদের বিশেষ জানা আছে এবং ডাদের নিষ্ট কুত্-এর বিশেব সমানর। তবে কুত্-এর উপর নানা বাধানিধেধ থাকার হরতো ওরা পরীকা স্বোগ পান না।

প্রলিনবিহারী চক্রবতী

বিদেশের চোথে পথের পাঁচালী
গড় ৬ই ভালের 'দেশ'-এ প্রকাশিত
'বিদেশের চোথে পথের গাঁচালী' নামক
রচনাতি পড়ে কো আনন্দ পোলাম। গ্রীচিত্ত-রঞ্জন ঘোর ঐ প্রবংশ বিদেশে বাঙলা উপন্যদেশ জনপ্রিক্তা সম্বংশ মনোগ্রাহী
আলোকনা করেছেন। উন্ধাৰণে শহকে বাংগার meine | ferret mil लिकार्य प्राधिकात विकार्य स्थापन क्रम्य क्रम्मीत क्षेत्रा श्रामण्डे स्टार्टर मारणाहणां बायस्य विकृषिक्यात्मा बन-भागतम् कारिसीरकं "केन्सारमत साधार का पाक्षी कमी" कांका चांचक निराददन।

SQ THE

विश्व गाहिएका यान्त्रमस्य कावनामः। विश्व गर्नी सामी ममीबी द्वार्गम् सावक এন অৰোগাধ্যমের কর্তমান বই

অপরিণীতা

वहर छेभनाम । ३५० भाषा। गाम व्यक्तिया है।का

वाणामा ও वाणामीत मधनागूर्ण स्वीतानत নরনারীর ভ্রেম-আন্দোলিক হাদরের, ন্তন চিল্ডাগারার ভারতীর ভাব ও বিশ্ববোধের क्षक चार्च क्रमवना जमार्यम।

অস্ত্ৰ গাঁতিকাৰা। ৩৫০টি গল। ২১০ প্ৰা। দাম পাঁচ টাকা।

वर्वीन्त्र-मञ्जीरकत्र माधकरम्य कर्यमा गाउँगीत्। ববীন্দ্র রসমারার ক্রোডবাহী প্রকাশ।

ভবন ভিনাই ১৬ পেভি এপ্টিৰ কাগৰে धानारे ७ म्हाना वीवारे।

पि बाक बांधेन, ५६, करणब एकातात. ৰালকাতা-১২

(বি ৭৫১১)





ions of the Road (Ten vispel)

बाम्या गराहे धवात न्याना जीवा with the US A DIMERSIA!

छल यार छाएत एएट

ভতপ্র এমিরিটাস প্রয়েসর স্বয়মাপদ চরবত ন क्षणांत्र काराक्षत्र क रणोज्य करतर केनर कारायान प्रजा

4.00

बद्धांका भन्न मुर्जाबका वाणी सरस्र

সংসার সমুদ্রে

8.96

\$0.00

হোমান্দুর আতথ ীর गाजाबागारना जेशन्सान

মহাস্থবির জাতক

\$4.00

[हास चटन्ड जनान्छ : अक्टर वीशारे] ग्रांक श्रांक बरका सम ७.०० होका

जावक करतकथाना मानावान शन्य : छेभवारत जनवना :

নিকটিশকুমার রামের উপন্যাস	41 4441346
जबहेन जारका बढहे	৬٠০০
प्राथ्डेटमञ्ज पर्छ।	9.00
विकृषिकृषक् बद्द्यागासग्रदस्त्र र	টশন্যাস
काश्रमग्रहण	9.60
ব্ৰক্ত্ৰা-এর উপন্যাস	
शिवर्ग	20.00
ভার্থের কাক	4.00
স্কৃতিকুমার নাল-এর উপন্যা	7
भरनव जारनाव रन्या	4.00

की भी किया	ৰে ১.০০
মহাদেবতা দেবীর ভাষ ্ত সঞ্জ ইতিহাসেক পটভূ	৯০·০০ মকার র্যাচত উপন্যান I
অভিতত্ত্ব বন্ধ নহিদ্দী লোভ গর্মদন্ বন্ধোপায	8.00
रवामरकरणत व विमन मिलान	
ग्रम्म मिनिः	8-60

ইণ্ডিয়ান অ্যাসোসিয়েটেড পাবশিশিং কোং প্রাইভেট লিঃ ৯০ মহাত্মা গাম্বী ঝোড, কলিকাডা--৭ (ফোন : ৩৪-২৬৪১ CH : WINDS] ..



क्व शबब **विकाद क**

পাকিস্তান

যে-ঘইরের নাম সকলের মুখে মুখে।
এরই মধ্যে মালায়াম ভাষার অন্দিত
হরে কেরালা খেকে প্রকাশিত হ'তে
চলেছে। প্রস্থাত সাহিত্যিক মনোজ
বস্তু, চিন্ত-পরিচালক তপন সিংহ,
সাংবাদিক - সাহিত্যিক আমি তা ও
চৌধুরী, সাহিত্যিক প্রফুর রুল,
ডক্কর বুল্ধদেব ভট্টাচার্য এবং আরও
তানেকে বইটির উক্করিসত প্রশংসা
করেছেন।

वौतः व्यक्तेनायायात्त्रत्रः विभव्नायाम्स्याप्तस्य वश्वायाम्बर्धाः वस्यक्षकत्र वश्वाभी ०००० व्यावान्त्रितियन ६ वासि

সেই মেয়েটি ও কাগুলারাদের কাহিনী

সাহিত্যপ্রকাশ ১, রমানাথ মজ্মদার শাঁট, কলিকাডা-১

(পি ৭৮৪৭)



সাগৰিকা পৰেলিশাৰ্স ম ২৪ রিপম স্মীট । কলকাতা-১৬

ফোল — ৪৪-৫১২৬

(সি ৭৮৫৮)

201 18 THE

The fact of the factories of the factori

ত্যা-তি মিল প্রকৃত আছে কমি ভিলেন।
লান্তনে প্রচারিক কমে তিনি হেনেটা কর
বিংবা অনালের হোট কম করে জানিকা
ভার্লন করান্তন (অনেকলিন ক্ষান্তর ক্রেটেনি),
তথান থেকেই লিকান্তন ক্ষান্তর, তাতে ছিল
লোমানিক স্কু-প্রস্কতীকিলে রণাপানে
বাচত থেকেও ভিনি ক্ষান্তরেক বিকাত
হানি। তিনি উম্পীপনার ক্ষান্তনও
লিখেকেন, কিন্তু ক্রেটেল নিজক ভ্রেচান
নার, আ আন্তরিক্তানর স্পর্লো সার্লাবিত।
হো-তি-মিন শেব ক্ষান্তর ক্রেটন করেছেন গত
করে।

বস্তুত, হ্যো-চি-মিনের চেরে বাস্ত মান্ব

৷ সাহিতাবিষয়ক মানিক পরিকা ৪



জানৰ সংখ্যার বারা লিবেছেন ঃ
তঃ বিলপীপ মালাকারে ॥ চুনীলাল রার
॥ স্থাংশ্লেছিন বল্দোপাব্যার ॥
প্রিলনবিষ্যারী কেন ॥ বিমল মিত্র
দেবনারার্থ গ্রেছা ॥ ক্রেয়ব্রা গ্রেছা
থাবা নিরোপী ॥ অনিলবর্থ গ্রেছা
পাধ্যার ॥ অচ্যুত চট্টোপাধ্যার ॥ চিত্ররত পালিত ॥ স্কুষার ভট্টাবা
পোর আপিকব্য ॥ ছবি মুখোপাধ্যার

সাধারণ সংখ্যা -৭৫ শঃ বাংশাসিক ৪-৫০ বার্ষিক ৯-০০

প্রকাশ ভবন : ১৫, বালক চাটুলো পাঁট কলিকাতা-১২

> এ.সরকার এও সঙ্গ সদস্কাও মাও সদক্ষেতি এম. বি.সরকার উদক্তিব্যানাল পুরুলার

১৭১/১-এ ব্যাসবিহারী এডিয়া ব্যানিখনে থালিববর্তা ব্যানিখনে ৪৬-৬২০৮



জান প্ৰিকীতে কজন ছিল, কিস্তু কথনো তিনি রসিকতে বেষ কিংব কিংল প্রতি হার্মননি। নিজের তেখের জান জীবন উংসার্গ করেও তিনি স্কান ব্যুসা ছিলেন, শ্বেনো সম্যাসী হলনি।

अकी नाहेक निता खन्कुछ कान्छ

লশ্ভনের 'মে ফেরার' খিরেটারে চ্নথানের হছে নাটকটি, নাম ''লা প্রশারের অব পরেশ্টন'। এই নাটকের মূল নাটাকরে একদিনাও নাটকটি দেখতে যানানি, তার গাই ভাই আমেরিকা থেকে সম্প্রীক লংখনে এসেছিলের বিশেষত এই নাটকের উদ্বোধন রজনীতে উপস্থিত থাকার জন্য, ত'লেকও বেতে দেননি, এবং কথ্বাংধন সংইকে দেখতে বারণ করেছেন।

নাটকটির প্রত্যেক অভিনরের অংশ ম্যানেজারকে এসে বাধাতাম্লকভাবে নাট্যকারর একটি বিব্'ভি শে নাটত হয় দশকিদের। নাট্যকারের নাম অধ্যাপক রবার্ট ম্যানজন মারাসা। তিনি এই বিব্'ভি দিরেছেন: "অমার নাটক", দা প্রত্যোজস অফ প্রেটা"-এর রিহাসাল গত ৩৯শে এই বিহুতি সেমান নাতেও মাণালে হয়েছে দেওল হয়েছে প্লাচনি পরে। ভাইনতাত ও আর্থিক চুবিত্র কার্টিনভাল নাড়কারের পরে নাটকালির কার্টিনভাল কব কতে নেওলা পাতেব হয়েছ না।

বরপারটা হরেছে বি, নাটবটাকে অব্যাত্তা জন্ম পরিচলাক মানাই নাটাকারের অব্যাতি কিয়া হেনরি কোনারের নাটাকারের অব্যাতি সংলাপ ও দৃশ্য হারিকার দিরেরেন। এবং এ সম্পার্কে তার কার, বাসতভার জনার তিনি নাটকারের সম্পো ও বিকরে আলোকার কারার স্থানের পাননি। এবং মধ্য হছে এই সব সন্তেও নাটকাটি দাবলৈ জনার সেকে, দশাকার হন বন কারতালি কিরে অভিনাদন অনিরেন্দ্রন আভিনাতনের।

জ্যোতির্যায় দন্ত সম্পাদিত **ক্ষাক্তর্যা**পালকার নতুন সংখ্যা কেরিরেছে। **এই**পালকাট বিশেষ আলোচনার দাবি রংখে,
কালে ইন্যনাংককের গ্রেক প্রিরুতা,
হাজিহান মাত্যমাতি উদ্মদন্তর মধ্যে

৩০শ বর্ষ প্জা সংখ্যা ম্ল্য ৩০৫০, সভাক ৪০৩০

• गाहि मागृहर উপनाम •

বরেন গঙ্গোপাধ্যা য়র

মোহন মিলের

बागी द्योगां ए हैं वनवाज

বল্প লিখছেন

জ্যোতিরিক্স নন্দী ॥ স্নীল গলেশাধ্যার ॥ শিশির লাহিড়ী ক্শা বস্তু ॥ আরও অনেকে

● প্রকথ লিখাছন ●

আম্বাশকর রায় ॥ বিবেকানক স্থোপাধ্যার ॥ সংস্থাবনুমার বোধ ॥ বন্ধিবারজন বসু ॥ দুর্গালাস সরকার ॥ বালস রামটোব্রী ॥ ভাঃ অর্থ রামটোব্রী ॥ ভাঃ মদন রাখা ॥ ভাঃ বিশ্বনাথ রায় ॥ ভাঃ ব্রেশুরুমার পাল ॥ আরও অনেকে ॥ এবার থাকছে অনেক বোন অ-স্থের নির্দেশ ॥ শিশ্পী ঃ ভিন্ন সরকার

সম্পাদক সংবোধ সিত্র কার্যালয় •
 ৭ নবীন কুজু লেয়, কলি—১ ॥ কোন-৩৪-৮৮৩৬

(TH ANDY)

STATE CANCER WAT

CONTRACTOR STATE OF THE STATE O क्षणी विद्वास्थाना काणात, व्यक्त शक्ता काना दन क्या जानकारिक क दक्षकी प्रदेश श्रीता - THE DRIVE OF STREET

U4 with more कारकारक अवस्थित है। विश्वविद्या सूच कारेन प्रारम्भ कारकारिक कारकारका ET HERES HER SE SPINE ET Course with Marine THE REPORT OF STREET E 17 mars & -18'45 All-48 ELAKA

The state of the s THE OWN DESIGNATION OF The deplete of the conparty সাক্ষণ এর জন্ম ছাশানা কইবে প্রকলিক ইংবার ভিনি বিকৃতি নিরেছন विजीत कर्यात कर्या कर्या हमार्टन कर्या ह 'বেদ্নি। (ইয়তো সভিটে অন্মতি নেওয়া

कारणहे काकाशीक कारहत दक्त दनस्का को दक्का सभा रख ना श्रद-ज नन्नरको नवकाली श्रम्भ विकास অর্হীন। কৃষ্ণিজীকীলের পক্ষে এটা একটা কিন্তাট কথা। তিনি ত্রকাশ্যে এর কিরোধিতা করবেন। তিনি करकारकन, छोत्र कहे 'हिनासकान्ग्रेशित स्त्रीन' हे সাইবেদিনা" ভিনি বাশিকার ঝইরে ছাণ্ডে भाकेद्दन, बान्म इंटर क्षेत्र निरम्बत नाटम उदा একথা ভিনি জাগে থেকেই कान्दित रहरकन । अकान्यरक निर्दर्भ দেকেন, ভবি প্রাপা রয়ালটির টাক যেন क्रमा रम्भा इत्र स्माध्यक्ति एउँ। बाद्य वा (মারা সোপনে কট ছাপতে পাঠান তাঁদের **केल्स क्या इत क्रांगितात वाटेरद्र**त वाटेन्ट, **टमप्र**कास संपटना निहममा समस्त अरवा स्तरे **ांका रक्षण कर**का ।)

আমলবিক একজন রেগা প্রেগা মান্ত্ৰ, আৰু স্থানীনতা এবং আধুনিক শিংশার সামর্থনে বঞ্চতা দিয়ে ইতিসংগই দ্যান্তি আক্রমণ করেছেন। ইতিসধ্যে তিনি এক বছর সাইকেরিয়ার নির্বাসন কড ভোগ करब्रद्धन ध्वर जाङ्ग करहरूकान भू निरमन नकारत शरकराम्।

কৰিতা পৱিকা

প্ৰো উপলব্ধে বিপ্লোকার পরপতিবাদ গ্নিকা উল্লেখ্যপূৰ্ব বেৰ। কিন্তু टकार्याक्तव एकानिमान मटक्क दस्त् क्याकीर উল্লেখযোগ্য সাহিত্য পরিকার বের হয় এ गमा । असर सदस्यकि निम्मून्य स्वीयकात शिक्या। आक्रम ट्राम, बर्जामन श्रेम श्रीता सक्त जन्मतीनार "ध्राभनी", दक्काका क्रोधाती সাপাদিত "কৃত্তিবাস" এবং তারাপন স্ব मन्भा निष्ट "करसम्बद्धार" भिन्निनासरे जायात रकार्ता धनः त्वक्राक्ट, त्रवीन्त कृरकाल नाव 'देवियाक कवियात' के विष्णू दत नार्वात ।

न्याचन शर्कन

खब ४, ७

বাংলা সাহিত্য-আসরে উল্জব্ন নকর

हे श्रा ठे इश्री

ভরিই ভাস্বর প্রতিভার অন্যতম স্বাক্ষর। জীবন্যবরণার বিচিত্র স্বাদ বিচিত্রতর গণ্পকথন ভঙ্গিতে পরিবেশিত। সাভ টাকা ॥

ৰিক্সাদিতে।র

ज्ञारे 50.00

অভিনাতিক গোমেলাচকের রোমাঞ্চর কাহিনী

जिंका (मदनब

त्म नीं दम नीं ५५'००

म, थामकी

50.00 একান্ডে ৬.00

न्बक्षन रम्बन

वात्वाशांनी थुत्वत्र सामवा ७-००

ब्राक्रिलाর १००

थरती ठक्रभी १.००, तनकरभ्राप्त थरत ५.००

ডানকাকের পতন ৯'০০

ক্লানিক প্রেম । ০/১এ, শ্যামাচরণ দে স্থীট, কলিকাতা ।। ক্লানিক প্রেম



সাংস্কৃতিক পরিচয় : উত্তরবঙ্গ

পশ্চিমবশ্যের স্কা-পার্য । ক্রমা (প্রথম খণ্ড)। অংশাক মিশ্র (সম্পাদনা)। ক্রমান্স অফ ইণ্ডিমা, ১৯৬১। দি মানেক্রের রব পার্যালকেশানস, সিভিল লাইনস, দিল্লি। নম ১-৫০ টাকা। প্র ৩২০।

ভারতের জনগণনা দশ্তর উত্তরবংগ্রের পার্চতি জেলার মোট ৪১৮টি গ্রামের প্রেল-দ্র্রণ ও মেলা সম্পর্ক তথা সম্পিরত এই গ্রন্থটি প্রকাশ করেছেন। পঞ্চিমবংশর মধ্যে উত্তরবজাই একমার স্থান, যেখানে ভিন্ন নভোৱ ভিন্ন ভাষী অধিবাসীরা এসে নিজে দৰ ধৰ্ম সংস্কৃতি নিৱে কাংগালীদের প্রাপর্যাশ বসবাস করছেন। **জলপাই**গরীড় MINT. দিন জপার, भाकि विश ভেজায় ্যাট ৫৮ থানার বিভিন্ন মেলা, প্রজা-পারণ ও ধর্মস্থানের বিবরণ মেলার সময়, কোন করে এই সব জায়গায় বেতে প্রভ**ি তথা বতুমান গ্রন্থে স্থান পে**য়ছে। কোন স্থানের বর্ণনা সিতে গিয়ে সেখানকার প্রোতন ইতিহাসও বেশা শেব ভবি 272 2099 স্থাক वाकान्द्र र বাবস:হাী ΦQ জাহাজ রেখমী বস্তু নিয়ে রাশিয়া যাতা করেছিলেন, ডিস্ভায় কভবার বন্যা হয়েছে, কেমণভাবে ভিস্তা খাৱে থাত পরিতাগ করে নাতন খাতে প্রবাহিত হচ্ছে, বাংলার ম্সলমান যাগোর স্থাপতঃ শিলেপর সর্বাক্তেন্ট বিদ্যান মালদহের আদিনাতে মিলবে—এমন বহ_েতথা বইটির সর্বন্ত ছড়িবের আছে।

শশ্চিমবংগর বভামান প্রভামকী প্রাচীন মন্দির ও মস্ক্রিদ সংরক্ষণে উদ্দোগী হয়েছেন। উত্তরবংগার কোথায় কোন মসজিন, মণিদর ও বৌশ্ব বিহার সংক্রমণের ক্যবস্থা করতে হবে, এই বই থেকে তা অনায়াসে জানা যেতে পারে। পশ্চিমবজ্গ পর্যাক-দশ্তরও এই বইটি কা জ লাগতে माजिक्षिकाः भारतम । কেলার বিভিন বৌশ্বিহারগ্রির **≥6**.... MESICO. বাহাস্থা প্রচারের হলে পর্য টকেরার मर्गक निः শহরের বাইরে ঐসব স্থানে বেতে পারবেন এবং তখন ম্পানীয় অধিবাদেশীদের হাতে কিছা অর্থাগমের সংবোগ হবে। ফরাব্ধায় গণ্গার উপর বাঁধের কাজ শেৰ হলে উদ্ভৱবংশে ৰাতায়াত অনেক সহজ্ঞ হতে এবং ভখন নিস্মবভগর অধি-वानीका ध्व कम धन्रद्व याएक मामनएश्व লশনীর মসজিদগ্লি দেখতে পারেন, লেজন্য প্রতিক দশ্ভরকে এখন থেকেই উদ্যোগী হওরা প্রয়োজন। এই ধরনের একটি মূল্যবান বই প্রতিটি লাইরেরিকেটই রাখা উচিত। মালদহের পাচটি মসজিদ পাজিলিংরের সাডটি বৌশ্ব বিহার, দুইটি হিল্মু মলির ছাড়া বিভার সমরে বিভিন্ন ধর্মা সম্প্রদারের আলোক্চিয়ুও এই প্রথে সন্মিবেশিত হরেছে। মালদহের 'গশ্ভীরা' সম্পর্কে দুটি অধ্যার বর্তমান গ্রন্থে সংযোজতি হরেছে। কলকাজার থে-২০টি দোকানে বইটি পাওরা বাবে, শেবের দিকে আরও একটা তালিকা দেওরা হরেছে। এই বইটির জন্য প্ররোজনীয় ভবা অন্সংখান ও সংকলনেয় জন্য প্রীঅর্ণকুমার রায় এবং তত্ত্ববধ রক প্রীস্কুমার সিংহে কহিব দাবি করিতে পারেন। জীবীরেন সিংহের আলোকচিচগ্রালিও স্কুমার।

(225/65)

সংক্ত জনাসের বজান্বাদ দৰ্শাদত অধ্যাপক সমরেন্দ্রনাথ ব্যানাজণ এম, এ

বানভট্টের কাদশ্বরী কোটিল্যের অর্থশাস্ত

8·00 6·00

ৰি-এ সংস্কৃত অনাস পাট ওয়ান, পাট ট্ৰ ছুদ্দা চক্ৰবতী এস-এ

ডঃ এস সি বালাজী, এম-এ, ডি-ফিল ক**ত্**কি সংশোধিত

চলগ্ডিকা।

৭, নবনি কৃত লেন (কলেজ রোর ভিতর), কলিকাতা-১

প্রকাশিত হল

ছৈপায়ন

চিৰ্জীৰ সেন

क्षानः बल्काशासास

অদৃশ্য হাত॥মুসোলিনীর শেষ বিচার

পরিবেশক : **জাধ্নিক ॥** ১৯বি, বহিন্দ্র চ্যাটালি**র্কা স্ট**টি, কলকাতা—১২

(ति वऽ२४)

6.00

ৰহ'লান ৰাজনৈতিক ও অৰ্থনৈতিক পট্ছুলিকাল লচিত নতুন উপদ্যাল

देशमाहानव स्थिता अ

াসংহ সেনাপতি রাহাল সাংক্তায়ণের R-00 পোডামাটি ভালাবর নীহাররঞ্জন গুপ্তের ₽.00 গোবিষ্দ বর্মণের রক্ত গোলাপ রাড 6.40 গজেন্দ্রকুমার মিতের <u> শ্বংন সম্ব্যা</u> O-00 বিৰণ পলাশ অমরেন্দ্র দাসের ₹.60 विष्म, विष्म, নরেন্দ্রনাথ মিতের ₹.60

ভারেইটি পাবলিশার্ল ঃ ১৩, কলেজ মো, কলিকাডা-১

(গি ৭৮১১)

शांधि न्दीकार

হাল্টার । ব্যাল্টার র নারারণ বলের-শার্মার । শার্মানী বলেরাপাবলর : ৯এ, ক্রেশার বোন লেন, কলিকাজ-২০। মুলা ও-ও০।

নাটির প্রদীপ। বনুপতি বোষ। প্রশাসকার ক্ষেত্র নশ্বর ২১, হাউস নশ্বর ৪, প্রশাসকার, পাটকা—৪। মূল্য ৩-০০ ৷

প্রকাশত দ। মনোরশ্বন খোব। অভূদার প্রকাশ মণিক: ৬, বল্কিন চাটার্কি স্টাট, কবিকাজ—১২। মুলা ০.৫০।

হাদিও-শিক্ষি। শ্রীমনেরজন ক্স্যো-পার্বজ্ঞা আর্মজন্ম, এস পি। মুগা ৪-০০। ভার্বি ভ্যাক্তিন। অন্যেক সেন। শ্রীভূমি পার্মাজনিক কোন্পানী: ৭৯, মহামা গাল্ধী ক্সেড, কলিকাজ—৯। ম্বা ৭-৫০।

কালের নিকর্ম দুরা। কৃষ্ণ ধর। দেব-কুমার করে: ১৯ পশ্ভিতিম টেরেস, কলিকাতা-২৯। মূল্য ২০০০।

সমরেশ বস্ব আঁখির আলোয়

6.00

অতীন বন্দ্যোপাধ্যারের শেষ দৃশ্য ৬-৫০ ইবনে ইমামের দীলা ৰাজ্যার ৭-০০ নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়ের দাল মাটি ৫-৫০ ডিমুকরবেটের

জ্মকরবেটের
টেশপা টাইগার ৫-০০
গোলাম কুন্দ্রসের
বাদী ৬-৫০
সন্বোধন ৪-০০

রাহ**্ল** সাংকৃত্যায়নের **বিস্মৃত যাত্রী** ৪-০০ তারাশঞ্চর বল্যোপাধ্যায়ের

গ্ৰুপ্ৰসামাৰ ২০০০০

বিশ্ত ক্যাটালগের জন্য লিখনে

ৰকুল পাৰ্বালদাৰ্ল, ৮৮, বিধান সরণী কলিকাতা-৪॥ ৫৫-০২৩৪

(সি ৭৮৫৩)



ভাষার আলো। সমর দস্ত। মনি প্রকাশনী ঃ ০১বি ডেণ্ট ফিলা রোড, কলি-কডে-২০। হ্লা ২০০৭

ঠেবৰ। শ্রীক্ষাকৃত কর্তাধ্রী। শ্রীক্ষা দেবী: ৪৭ ছে ক্ষাপ্রসাদ মধ্য-নার দোন, হাওড়া। ম্বা ০০০০। ক্ষেত্রৰ আইন কান্ত্র ব্যাস সম্বাধ প্রীকৃত্তি পরবিদ্যালং কোল্ডালী ঃ ৭৯ মহার কার্মী ক্ষেত্র, কালকত্য-১। ম্বা ০০০০।

জালীবাল। কিবল কেন। বিচিয়া প্ৰকাশনীঃ ও নালীল কুন্তু লেন, কলি-ক্ষজে-৯। মুক্ত ০০০।

विष्यं प्रतिहतः स्वाम्यकम् ठक्तवर्णः जनव-कात्रकः १ स्नाः कानकार्णः, स्वता स्मिननीनद्वाः स्वतः २०००ः

् मञ्जून वरे !	नगरतम यम्ब	मकुम वर्ष
भाषक 8.00 म्र	र्गा ०.०० वान	1 4.0
সম্ভাট সেন	চিরঞ্জীব সেন	
अभीकात्र ५०० ना श	क-आधिका उक्त	37 7
AM 1414 8:00 A14	य-ना।अका श्रह	7) 6.
म्बन्या भरिथवी या	श्रव नाम	\$0.00
বীরভন্ন	নারারণ সান্যাল	ĭ
रगब्रुया कन्या १.००	সত্যকাম	q .0
মহাশেবতা ভট্টাচার্য	অমবেন্দ্র দাস	
_		
তিমির লগন ৪-৫০	भवमा ना	20.00
শুম্থনাথ বিশা	गर्जानम् वरम्मा शा	गाय
वि ठित সংলाপ ४.००	बा क्टमार्	ن ٠٥
	थाक्र ((९४ र र)	
410140 411144	। धानाधन (डब मर)	5 ∙0
	কনিক	
বাড়খন্ড সীমানেত ১৫.০০		٩٠٥
গোরাকুপ্রসাদ বস্	পঞ্চনন বেবাৰাল	
ৰণ্ণ থেকে সত্যি ,8.00		9.0
শরিপদ্রজেগ্রে ফোহদি ৮০০	হৈপায়ণ জিলংউলিসা	9.6
অমিরকুমার বলেন্তাশাধ্যার	্যা প্রস্থান বা। রাহাল সাংকৃত্যারন	7 - 0
্পমতী নগরী ৫٠০০	অণিনস্বাক্ষর	9.0
প্রবংশ ও ই	জীবনী গু ল্থ:	
ড: অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়—	সাহিত্য জিজাসার রবীদ্রনা	
ডঃ অর্ণকুমার মুখোপাধ্যায়—	কথা সাহিত্য জিজাসা	9.00
অধ্যাপক অবস্তী সাম্যাল—	প্রাচীন নাট্যসাহিতা প্রসংগ	
অধ্যাপক প্রশ্বরঞ্জন ছোষ—	विद्यकानम् ७ वाःना	\
শ্বামী নির্লেপান্স—	্ সাহিত্য	
And I said alleran	প্ৰাম্মীকী প্ৰমৃতি স্থানন রাম্কুক বিবেকানপদ	6 ⋅00
-	नामकृषः । वदवकानणः क्षी वमारणारकः	w.00
	ভারতের সাধক (৮ম)	3.00
गष्करनाथ तात्र		

পরিপ্রেকিতে, গঠিত তথ্যান্দেখান কমিটির মাতবা ও সমালোচনাকে ভারভীর জালান্দেক আাসোসিকেলনের সভাপতি রাজা বলীলার সিং অনাার এবং অবৌতিক বলে মাতবা করেছেন। শাুখা ভাই নর, মেলিকেনের বার্থতার আই ও এ-র সভাপতি দারী করেছেন সরকার এবং সরকার স্থাপিত নিখিল ভারত ক্রীড়া পরিবদকে।

ইপেকার অভিযোগ

বাজা বলীব্দার সিং স্বাথহিন ভাষার রলেভেন সাধারণভাবে খেলাধ্লাকে এবং বিশেষভাবে হকিকে সরকার ও ক্রীড়া পরিবদ উপেক্ষা করার কলেই মেক্সিকোতে ভারতীয় র্লাক দলের পরাজয় ঘটেছে। অভিযোগের সম্বাদন বলাদ্যার সিং বলেছেন, হকি খেলোয়াড়দের কোচিং এবং দল গড়ার আনুর্যাণ্যক ব্যাপারে পাকিস্তান যেখানে ৮ লক টাকা বায় করেছে সেখানে নিখিল ভারত রীড়া সং**শ্থা ভারতীয় হ**কি দলের জন্য বার করেছেন মাত মেক্সিকো যাওয়া-আসার ভাডা। অভিযোগ থাবই গারা ধরনের। বিব্যাপে অভিযোগ ? না সরকার ও সরকার স্থাপিত ক্রীড়া পরিষদের বিরাশেধ, দেশে খেলাধ্লার উল্লভির জন্য যে পরিষদ গঠিত। কার অভিযোগ > না, স্বয়ং ভারতীয় অলিদ্পিক আনুসাসিয়েশনের সভাপতির। ব্যক্ত ফ্রন্ট এবং কংগ্রেনের দলীয় কোন্দলের म्डरे होणा भौतानामक 🕾 भ्रश्मिकतम्ब अरे দলীয় কোন্দল। কিংবা বলা যেতে পাৰে কেন্দ্রীয় সরকার ও রাজ। সরকারের রেষারোধর আর এক চিত্র। কেননা বিভিন্ন জাতীয় ক্রীড়া সংস্থার প্রতিনিধিদের নিয়েই নিখিল ভারত স্পোর্টস কউন্সিল। অবশা জাতীয় জীড়া সংস্থার বাইরের কিছু সদস্যও আছেন দেপার্টাস কাউন্সিলে। তারা হয় অতীত দিনের খ্যাতন মা ক্রীড়াবিদ, না-हरा रथलाध्कात विद्मवस्त वृक्त भ्रतिकृत। মতেরাং সমুহত জাতীয় ক্রীড়া সংস্থা নিয়ে গঠিত অলিম্পিক আনুসোসিয়েশন, অর লীড়া সং**স্থার প্রতিনিধিদের নি**য়ে গড়া েপার্টস কাউনিসকের সম্পর্ক পার্ডপরিক সংযোগিতার। উভয় সংস্থার উদ্দেশাও খেলাধ্লার উন্নতি ও প্রসংর। 7年1月 পরাজয়ের পরিপ্রেক্ষিতে পরস্পরের প্রতি অভিযোগ বা দোষারোপ খেলাধ্লার বদলে খেলাধ্লার অবনতিকেই ডেকে সানবে।

আমি আগের সপতাহেই বলেছি, যতদিন ভারতের হাক খেলোরাড়রা নৈপুণা ও দক্ষভার জােরে জগং সভার গ্রেণ্ঠ আসন দথল করে এসেছেন ততদিন কোন কথা ওঠোন। ওঠবার কথাও নয়। আজ অনাানা দেশ হাকি খেলার অনেক এগিয়ে গেছে। ভারতীয় ইক্রিয় মধ্যে এসেছে সাম্যায়ক দুর্শাভা।



পরাজরের প্রতিভিন্না স্বাভাবিক হলেও সেই পরাজরকে কেন্দ্র করে কান্য ছেড়িছ'ড়ি নেশের বেলাব্লার পক্তে মোটেই শুভ রক্ষণ নর।

আই ও এ-র স্কাপতি রাজা বলীন্দার সিং ঠিক কথাই ,বলেছেন। চিরদিন কারো আধিপতা বজার থাকে না। বিরাট সাম্লাজোর বেখানে পতন ঘটে সেখানে হিশ-চাল্লাশ বছর ধরে বিশ্ব হকির অজের যোজা হিসাবে বিরাজ করবার পর বিজর গোরব হাত, ছাড়া হবে এটা এমন কিছু অপ্রত্যাশিত নর। তবে শ্রেণ্ঠত লাভের জন্য অবশাই চেণ্টা করতে হবে। তার জন্য অন্যোগাচনা করে লাভ নেই।

উত্তর কলকাভার স্টেডিয়ামের দাবি

কলকাতার বভ আকারের স্টেডিয়াম আজ পর্যাত গড়ে ওঠেন। কলকাতা ইমপ্রাভ্যোত টাদ্ট বচিত দক্ষিণ কলক তার ববীশ্র সরোবর সংলগন ছোট আকারের স্টেডিয়ামই শহরের একমার ক্রীডানিকেতন। ইতিমধ্যে উত্তর কলকাভায় স্টেডিয়ামের দাবি উঠেছে। তার জনা উত্তর কলকাতার ক্রীডামোদী ও ক্রীড়া পরিচালকদের নিয়ে একটি কমিটিও গঠিত হয়েছে। কমিটি তাদের প্রথম প্রকাশ্য সভাষ টালা পাকে দেটভিয়াম তৈরির দাবি তলেছেন। সন্দেহ নেই সংগত দাবি এবং এ দাবি বড আকারের স্টেডিয়াম গড়ার প্রতিকাধকও নর । প্রণাণ্য বড স্টেডিয়ামের প্রয়োজন অবশাই প্রথম। কিল্ডু এত বড় শহরে একটি বড স্টেডিয়াম খেলাধ্লার প্রয়োজন মেটাভে পারে না। তাই উত্তর কলকাভায় কেন পূর্বে কলকাভায়ও ছোট আকারের স্টেডিয়ামের প্রয়োজন আছে। স্কল কলেজের ছার্দের আঞ্চলিক যুবক-যুবভী-দের খেলাধলার উর্যাত ও প্রসার এই সব স্ফৌডিয়ামের মাধামেই হতে পারে। ইউরোপে কলকাতাৰ চেয়ে অনেক ছোট শহরেও তিন চাবটি করে স্টেডিয়াম আছে। কলকাতায় সবে ধন নীলমণি ওই দক্ষিণ কলকাতার স্টেডিয়াম! খেলাখ্লার উল্লভির েয়া আমরা সব সমর হাহতে।শ করি। কিন্তু থেলাধ্লা করার যথেন্ট স্যোগ ছাড়া যে খেলাধলার উন্নতি হতে পরে না এ কথাটা দেশের কর্ণধারদের মগজে ঢোকে না।

हाता भ्रवंशायी

প্র-পশ্চিম-উন্তর-দক্ষিণ ভারতের চার দিকের ফ্টবল আসরের মধ্যে প্র দিকের আসর অধাৎ কলকাতার ফ্টবলই ছিল সবচেরে গোলবোগপূর্ণ। এবার ক্লাকারর কর্টবল লাগ স্কুড়ভাবে শেব হরেছে, লাগত শেব হরেছে। কিন্তু কল্যাভার ক্টবলের গণতগোল সরে গেছে আরও পূর্ব দিকে—আসামে। বর্দবাই ইফির ফাইনাল খেলা প্রোপ্রির শেষ হরনি, বিদ্ধান্ত সসমাপ্ত ফাইনালের বিভারী ইংসালে মহমেভান পেণাটিং ক্লাবকে ইফি দেওকা হরেছে।

পোহাটি স্টেডিয়ামে অভ্যাৰিক স্পান্ধ সমাগ্ৰিই খেলা পোন না হৰার প্রধান কারণা গতবারের বিজ্ঞানী ইন্ট বেশালা ও লাক্ষারের রানাস্য মহমেডান স্পোটিই-এর মধ্যে এবারের ফাইনাল খেলা দেখার জনা এত দর্শক সমাগ্রম হয়েছিল—প্রতিবাগিতার ১৮ বছরের ইতিহাসে বা হরনি। গালোরের সমস্ত আসন ছাপিয়ে । দর্শক মঠের মধ্যে নেমে এসেছিল এবং টাচ-লাইন ও গোলালাইন অতিক্রম করে ক্রীডাপানের চোইন্দির

ছোটনের ভালো বই পড়ান সন্ধিল সরকারের ইতিহাসের

२। ७२। ८ गत्र गल्भनल्भ

२∙९०

রণ্টুর ডাইরী

2.R

मत्र ब्र हाछेत्र

১৮বি, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা-১২

(সি ৭৭৬২)

মাসিক ৫, টাকা কিস্ডিডে



শ্টা শ্চা র্ড ওবল চিপকার ৩ ব্যাশ্ড াল ওরাল্ড পোটে-'ল থ্রানজিল্টর। বে কোনো জার গার

পাঠান খাও। TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Paharganj Post

Bag No. 11. New Delhi-1.



(সি ৭৩০৬)

STORE LINE WANTED

दिनके विकास पह प्रवास सहस्ताम के अन्तर प्राणित करते अधिर महाता कि अन्तर प्राणित करते अधिर महाता कर्म क्षेत्र के राज्यन स्था स्टब्स मिल केस्ट्रांटिक संदेश पराज हिल। कारण, कर्म सार्ट्ड स्थानात स्थाप राज्य क्ष्य क्रिक्स स्थाप स्थाप राज्य क्ष्य क्षित्र स्थाप स्थाप स्थाप स्थापना क्ष्य क्ष्याक स्थाप सार्ट्ड स्थापना स्थापन

जानारे गरंबर कराम घटनावक्षन वाराव ১। जानिक नमारकत रेजिराम 6.00 ३। देखिहारम्ब मर्मन 8.00 **७। देखिरान की ७ क्वन २**-७० 8। मर्थन की थ कन 3.60 ৫। क्लिक्ना यन्त्र की • टकन \$ · 60 ७। कश्चिकिक भार्ति की ७ कत 2.40 ৭। ক্ষিউনিন্দ বিপ্ৰবীৱা কোন পথে 0.90 প্রাণিতস্থান হ व्यवस्था अकायनी ১/২, জ্যাকসন লেন, কলিকাতা-১ ইউ এন ধর এণ্ড কোং প্রাঃ জিঃ विक्य गांगेली गोंगे, क्रिकाला-५२ (সি ৭৫০১)

किछिए द्वार्थिक

পোটোৰল ভানজিম্টর শাসিক ৫

द्रोका किञ्चित । अत्याक धारा अगहरत

VENUS SALES (12) ROOP HAGAR, DELHI-

भागेन यादेख भारत।

उनाम्छ जल उनाम्

हारतीय जरणा जनसहस्रक आसीत सामा कारतीय । सन् विद्या रचना जावनक करतास्त्र स्रार किया संस्था प्रदेशकारीक स्रोत हमानक श्रीका करतारमा । जातनक कार्य रचनाम अन्य स्रोत करतारमा । जातनक कार्य रचनाम अन्य

মাঠে দর্শক ছোকার জন্ম স্থিব।
অন্থিয়া অবলা দৃশু পক্ষেরই সমান ছিল;
তব্ প্রশন ওঠে, টাচ-লাইন এবং লোল-লাইন
অতিক্রম করেও বাদ দর্শক ক্রীড়াম্পনে চুকে
পড়ে তবে খেলা চালনো উচিড কিনা!
আইনত উচিত নর। কিন্তু অকথা বেধানে
হাতের বাইরে এবং বার জনা দারী
প্রতিবোগিতার পরিচালকবৃশ্দ, সেখানে
থেলার পরিচালক সম্ভবত অসহার হরে
পড়েছেন।

এখন কথা হ'ছে. বন্ধলাই টুকিতে বে নজির স্থি হল তার প্নরাব্ধি ঘটবে না তো! ছারা যে প্রণামী, তাই স্পেহ। মার্সিরানের মৃত্যু

ফুতী টোনিস খেলোয়াড় রাফেল। গুস্নার বিমান দ্বটিনার মৃত্যুর পর গত ৩১ আগপ্ট বিশ্বজয়ী মৃত্যিকালা রিক মার্সিরানোর বিমান দ্বটিনার মৃত্যু নিঃসন্দেহে বিমান বাত্রীর অনিশ্চিত জ্বীবনের কথা মনে করিয়ে দেয়। কিন্তু মহাকালের ভাক্ক কে শুক্তন করতে পারে! মহামৃতিবৈছ্যা মার্সিরানোর এটাই ছিল অদ্দেটর লিখন।

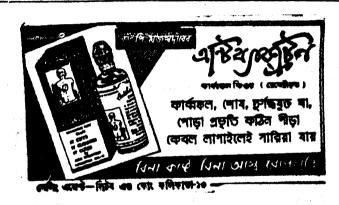
মার্সিয়ানো ছিলেন ছেভিও:ব্রটে অপরাজিত বিশ্ব চার্টিশারন। বিরাট দেছ এবং শালপ্রাংশ বাহ্র প্রচণ্ড মুন্ট্যাঘতের জন্য লোকে তাঁকে 'রক' বলে ভাকত। ১৯৫২ সাল থেকে ১৯৫৬ সাল পর্যণ্ড জীবনের ৪৯টি লড়াইরের মধ্যে রকি জোন লড়াইতে পরাজায় শ্বীকার করেননি এবং বিশ্ব চ্যাম্পিরর গোরব অক্ষার রেখে মুন্টিব্র থেকে অবসর নিরেছেন। মান্ত ৪৬ বছর বল্পসে বিশ্ব থেকেই অবসর নিজেন অস্ত্রের বিধানে।

ইপ্পাত ক্রটক্স

ছ্রটির দিন রবিবার (৭-৯-৬৯) মরদানে তিনটি মাঠে আই এফ এ শীকেডর ঠালা কারেক কারি কা কোনত নামলেও ওব্ধে কারিক ভালত কাম পাল্টানো বা না বাজিকে বা হোল কিছু। গিরেছিলার নবীপা প্রেলেক প্রেটিজানে হিন্দুবান কানিক অন্তর্ভার পূর্ই ইন্পাত কার্যানার ক্রেকা লড়াই বেখতে। একনিকে আলার ক্টেকা লড়াই বেখতে। একনিকে আলার ক্টাল প্রাণ্ট, অন্য দিকে নুগাপুর প্টাল। কাজকারবারের খাতিরে দুটিই গারে গারে লাগোরা ইন্পাত সংস্থা। একটি খোল নুগাপুরে, অসর্টির কার্যানা প্রের প্রেলন ভ্রাতিকার।

टक्का ट्रायटक त्रवीन्द्र मदतायत ट्रिकेकाताव প্যাতিবিয়নের সামনে ট্রফি ঘিরে বেশ কিচ দশকের ভিড ছিল। তা হাডা অন্যান্ত্রা ছডিরে ছিটিরে স্টেডিরামের উচু সিডি ধরে দাঁড়িরে ছিল, তেইপটি চাক্রিয়া বঞালী **टच**:नाताटखब क्राउंदन टचनात विहासत ভূমিকার ছিলেন ব্যক্তিয়ান রেফারি প্রওল চক্রবর্তী। নৰ্বাই মিনিটের এই ফটবল আসরের মান কলকাতার ফার্স্ট ডিভিসন লীলের চেত্রে কোন অংশে কম ছিল না। তবে वर्षाय त्वटछ छठा जन्दा चात्र, मार्छत महे-काम প্রভতি প্রাকৃতিক উপদর্গানুলিও খেলার গতিকে রুখবার চেন্টা কম করেনি। প্রতি-শ্বশিতার মোটামটি ছবি হিসাবে বলা বার মিল্ল ইম্পাতের করোরাডেরিং মাহামতে বিপক্ষ গোলে হানা দিয়ে তিনটি গোল करतरह । अबरे याँक मार्गाभाव अवधि गाम করে ব্যবধান कश्चिदत्रदङ्गः। मृः मरनद **শেলোরাড়দের মধ্যে কলকা**ভার মরদানে বহ পরিচিত মুখ মুডাঞ্জয় ব্যানাজি ও সুখেন কৃত্তকে দুর্গাস্থরের হরে খেলতে দেখা গেল। তবে দ্রাজনের খেলার সেই আগের প্রকর্মা আর নেই। এ ছাড়া খেলোরাজদের থাকে মিশ্র ইম্পাতের অনাত্য শ্ভদ্ভ সোঁরেন রার ও ধর্বকার লেকট উইং ফরোরার্ড কমল মুখ্যার্জ দর্শকদের মন কেভেছেন। কলকাতা মরদানের বাইরে থেকেও এ'লের ফুটবল তংশরতার এত পালিশ সভিয়েই প্রশংসনীর। আলর স্টীলের অধিনায়ক বিবেচিত বেল্ট শ্লেষার কর্ণা মুখাজি তো ভাল খেলেছেনই।

ও'দের জনত ক্রীড়ারীতির খেকি নিরে জানা গেল, দ্বিট দলই প্রাক্টিসভ সাইডল। তবে জ্যালর ন্টীলের তংপরতা জারো একট্ব বেশী। কারণ, করের। এরই হয়ে খেলারাড় বোগাড়, কোচিং চালিরে এক পক্ষকাল জাগে তারা আসাহের লোকপ্রির বরললেই ইনিতে কলকাতার পর্বিলালী ইন্ট বেপালের সপোপ্রায় সমানে ব্যেক্তেন। বড়ু কথা, উতর দলের খেলার মেজাজে এমনি একটা প্রাক্তেন হাণ ছিল, বা কলকাতার দুই অফিল লীগ নক্ষ্



क्रम्ब

n প্ৰকাশত ব্যাস

अक्राजन न्यामीय

হে অতীত কথা কও

ন্ত্ৰীপান্তালালালালালাক্তিক কুমিকা কহ সাম্ভাজনালানি সংগ্যা কৈঠক করে, হাড পেতে ব্যাধীনতা মেলে না। আপোনে পাওৱা ব্যাধীনতার জনালার আব্দ আমরা দিশেহারা। লেখক নানা প্রামাদা ঘটনার অবভারণা করেছেন এই প্রক্ষো ক্ষেত্রতা প্রথম পর্বা শেষ। ১৬০০০।

রাজনৈতিক পটভূমিকায় লেখা নিম্পিচন্দ্র মৈত্র-এর

অন্তর।ল

g.60

মোরি ঘটকের নতুন উপন্যাস রাষ্ট্র রাঙ্গ নেগরা ১.০

সোরীন সেন-এর **ডিরেডনাম** ১৩·০০ **কজো থেকে ফেরা** ৮·০০

গুয়'হারা

((নাটক) ৩-০০

চাণক্য সেন-এর রাজপথ জনপথ ৭·৫০ নম্ম শিহর ৭·০০ ধীরে বহৈ নীল ১০·০০

অভিত সেন-এর নাটক

वनुष्रता जार्गा

₹.60

॥ আরও উপন্যাস ॥
রাত্তি বনফুল ৪·০০
শ্রীপারাবত
শতর্পে শতবার ৪·০০
অচিত্তাকুমার সেনগঞ্জ

আচভাতুমার সেনাত্রে আসমনুদ্র ৫·০০

বিনর চৌধ্রী পদৰ্শ ৩-০০

विषय प्रस्वार्थी विकासिक्सम्बद्धाः आस्त्रिनी १०००

নৰভারতী ৮, শ্যা**নাচরণ দে প্র**টিট, কলিকাতা-১২ कात्रवित्त जनना जर्भा

শ্রেষ্ঠ কবিতা গ্রন্থমালা

ভারবি-র জনন,করণীয় শৈলীতে চি শ টি খ শ্ডে রবীন্দ্র-সমকাল থেকে সাম্প্রতিক কালের চি শ জান প্রেণ্ট ক বি র

সমগ্র কার্যসাধনার শোভনস,ন্দর সংকলন

সভাতার শ্রেণ্ঠ উত্তরাধিকার কবিতা, এবং আবহমান বংগসংস্কৃতির সেটিই নিজস্ব সম্পদ। হাজার বছরের চিরায়ত ব্রতচর্যার বহুশাখারিত বৈচিত্রো আধ্নিক বাংলা কাব্য আজ বিশ্বসাহিত্যে উচ্জনেলতম কম্পমণি। কবিতা-প্রেমিক বিদেশ পাঠকের জন্য একটি নির্দিশ্ট মানের গ্রন্থনার, সংযোগ্য নির্ভূল সম্পাদনার, বাংলা সাহিত্যের সম্দার উল্লেখ্য কবির শ্লনির্বাচিত কবিতার এই সংরক্ষণীয় গ্রন্থমালার পরিকশ্পনা। প্রকাশ-বন্টনের স্ক্রবিধার্থে এই গ্রিশটি খন্ড তিন পর্যায়ে প্রকাশিত হবে। প্রতি পর্যায়ে সমভাকে নবীন প্রবীশ কবির সমাহার। প্রথম পর্যায়ে রয়েছে

জাবনানন্দ দাশের শ্রেণ্ঠ কবিতা
ব্দেধদেব বস্বে শ্রেণ্ঠ কবিতা
মোহিতলাল মজ্মদারের শ্রেণ্ঠ কবিতা
প্রেমে দ্র মিত্রের শ্রেণ্ঠ কবিতা
আজত দত্তের শ্রেণ্ঠ কবিতা
নারেন্দ্রনাথ চক্রবর্তীর শ্রেণ্ঠ কবিতা
বারেন্দ্রনাথ চক্রবর্তীর শ্রেণ্ঠ কবিতা
শঙ্খ ঘোষের শ্রেণ্ঠ কবিতা
শঙ্খ ঘোষের শ্রেণ্ঠ কবিতা
স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ঠ কবিতা
স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ঠ কবিতা

সর্বশ্রেণীর পাঠকের স্নৃবিধার্থে এই দর্শটি খণ্ডের মূল্য, এককালীন অথবা এইর্প তিনটি কিস্তিতে অন্তিম পরিশোধের শর্ত-সাপেক, ৬৫.০০ টাকার স্থলে মাত ৪৫.০০ টাকা নির্দিষ্ট হরেছে: ১০ অক্টোবরের মধ্যে ১৫.০০, ১০ ভিলেম্বরের মধ্যে ১৫.০০, ১০ ভিলেম্বরের মধ্যে ১৫.০০। ভাকে বই নিলে মোট মূল্য ৫৪.০০ টাকা। উল্লিখিত সময়ের মধ্যে ১৮.০০ টাকার তিনটি কিস্তি অথবা এককালীন টাকা পাঠালে সম্পূর্ণ ভাকবার বহন করা হবে। প্রথম কিস্তি জমা দিলেই প্রথম দুটি খণ্ড, এবং সম্পূর্ণ মূল্য পরিশোধের অনতিবিলন্দেব অন্যান্য খণ্ড দেওরা হবে।

ইডিমধ্যে প্রকাশিত 'জীবনালক সালের প্রেণ্ট কবিতা' করে। সংগ্রহে থাকলে তৎগরিকতে সমম্লোর প্রকাশ-প্রভীকিত প্রণ্য সময় ভট্টাচার্য-এর 'কবি জীবনালক সাল' তাঁকে কেওয়া হবে। পচ দিলে বিস্কৃত নিম্মানকা জানালো হবে।

ভারবি।। ১৩।১ বিধ্কম চাট্রজ্যে শ্রিট, কলকাতা ১২

ইং বাদ ভূলবশত বে খেলোরাড়ের
নাজিল করার কথা সে সাজিল না কংর
ক্রমার কথা সে সাজিল না কংর
ক্রমার কোটা থেকে সাজিল হয় এবং সেই
নাজিলের পর রালিতে ইন সাইডা পরেন্ট
পার ভবে পরেন্ট গণ্য হবে না। আবার
নাজিল করে খেলা আরণ্ড হবে যদি পরের
নাজিল করার আগেই ভূল খেলোরাড়ের
নাজিল বা ভূল খোটা খেকে সাজিল করার
করা বেলটা এর দাবী করা হয় কিংবা
আশ্পারার বেলটা অনুযোদন করেন।

ৰে কোটে দাঁডিয়ে সাভিস বিসিত করার



আভিস করার সময় সাটল কোমরের লাইনের উপরে থাকাতে যদি রাকেটে ও লাইনের সংখ্যত হয় তবে 'ফন্টস' চবে

কথা সে কোটোঁ না দাড়িয়ে ভূল কোটো দাড়িয়ে যদি কোন খোলায়াড় সাভি স রিসিভ করে এবং ভারপর রাটালতে আউট দাইড' পরেওঁ পায় তবে একইভাবে পে পরেওঁও বাতিল হয়ে আবার সাভিস্পির আগের সাভিসের আগের পাড়ি পের সাভিসের আগের পাড়ি পেরের সাভিসের আগের গাড়িয়ের অগের সাভিসের আগের পরের সাভিসের সাভিসের সাভিসের সালার পরের সাভিস্কার সাক্ষারার পরের সাক্ষারার সাক্ষার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষারার সাক্ষার সাক্ষারার সাক্

ভূল বৈলোয়াড়ের সাভিসি, ভূল সাভিসি কোট থেকে সাভিসি করা এবং ভূল কোটে দাঁড়িকে সাভিসি রিসিভ করার এই সব ক্ষেত্র মাদের ভূল হবে ভার। বিদ র্য্যালিতে পাঙ্গেট না পার ভবে ভূল ভূল হিসাবেই থেকে যাবে এবং গোম শোষ না হ'ওয়া প্র্যাণ্ড জ্লোয়াড়দের ভূল অবস্থান সংশোধিত হবে না।

বাদ অন্যান্তকভাৱনাত কোন খেলায়াড় সাভিস কোটা বদল করে এবং পরের সাভিস হবার আগে বিস ভুল ধরা না প্রেড

ব্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্মন

ভবে এ ক্ষেত্রেও খেলোয়াড়ের ভুল অবশ্বন ভুল হিসাবেই থেকে যাবে । এ ক্ষেত্রে লেট'-এর দাবী করা যাবে না, আম্পায়ারও 'লেট' অনুমোদন ক্ষরবেন না। গোম শোম না হওয়া পর্যাত্ত খেলোয়াড়ের অবস্থান্ও সংশোধন করা হবে না।

১৩+ সিপ্সালস-এর খেলায় ১ নশ্বর আইন এবং ১২ নশ্বর আইন-এর সকল ধারাই প্রয়োজ। হবে। ব্যক্তিক শুধ্যঃ

(এ) ইখন পরেণ্ট থাকবে শ্লো বা কোন জোড় সংখ্যায় তখন খেলোরাড় তার তান প্রতিস কোট থেকে সাভিস করবেন এবং যিন সাভিস রিসিভ করবেন তিনিও তার ডান সাভিস কোটো দাঁড়িয়ে সাভিসি রিসিভ করবেন। আর ইখন পরেণ্ট থাকবে বিজ্ঞোড় সংখ্যায় তখন খেলোরাড় সাভিসি করবেন তার বাম সাভিসি কোটা থেকে, প্রতিপক্ষ খেলোয়াড় সাভিসি রিসিভও করবেন তার বাম সাভিসি কোটো দাঁড়িয়ে।

(বি) দ্বাজন প্রতিশবন্দাই প্রতি প্রেণ্ট সংগ্রীত হবার পর সাভিসি কোটা বদল কর্তেন। অথাৎ প্রেণ্টের সংখ্যা জন সারে হয় তান দিক থেকে হাঁ দিকে যাবেন, না হয় বাঁ দিক থেকে ভান দিকে যাবেন।

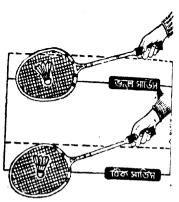
क्ट∮त वा बाहेनगढ जून

১৪: 'ইন' সংইছের (সার্চিসে বা খেলায়) যদি আইনগাত গ্রুটি ক ভুল হক তবে সার্চিস করার অধিকার চলে বাবে। যদি 'আউট' সাইডের খেলার আইনগাত ভুল-ফুটি হয় তবে 'ইন' সাইছে পরেণ্ট পবে।

यादेनगढ क्ल-त्राहि:--

(কি) সাহিত্য করার পর সাটল যদি ভূল কেটে পড়ে (অর্থাৎ ছিনি সাহিত্য করছেন তার কোনাকুনি বিপারীত কোটো না পড়ে), কিংবা সাটল যদি শাট' সাভিস লাইনের আনে পড়ে অথবা লং সাভিস লাইন পেরিসে পিয়ে পড়ে বা যে সাভিস কোটে সাটল পড়বার কথা সেই সাভিস কোটের সাইড বাউজারি লাইনের যাইরে সাটল পড়ে ভবে ফল্টস হবে।

(সি) পরেণেটর সংখ্যা অন্যায়ী বে সাভিস কোট পেকে স্থাভিস করার কথা, সাভিসের সমস্থ সেই সাভিস কোটোর মধ্যে বলি সাভারের দুইে পা না থাকে কিংবা এই কোটোর কোনকুমি বিপরতি কোটো দাড়িয় বার সাভিসি বিসিত করার কথা—স্থাভিস



দ্টি চিত্রের উপরের চিত্রে সাভিস করর সমর রাকেটের মাধা হাতের লাইন থেকে উপরে উঠে গেছে, এটা ভূল সাভিসি, অর্থাং ক্ষেম্ট্রস'। নীচের চিত্রে রাকেটের মাধা হাতের কোন অংশের উপরে ওঠেনি। এটা নিক সাহিসি

না হাওয়া প্যবিত তোঁর দুই পা যদি ওই কোটোর মধ্যে না থাকে তবে কন্টম হবে।

(ডি) যদি সাভিসি করার আগে বা সাভিসি করার সময় কেন খোলায়াড় ভড়িক দেবার চেণ্টা করে বা প্রতিপক্ষেব বাবা স্থি করে তবে 'ফল্টম' হবে।

(ই) যদি সাভিদ্যের সময় বা থেলার সময়
সাটল কেটোর বাউ-ভারির ২ইরে পড়ে
কিংবা জালের নীচ দিয়ে অথবা জালের মধ্য
দিয়ে যায় বা জাল অভিক্রম করতে অসমর্থ
হয় অথবা হলের ছাদ বা দেওয়াল হলার
করে কিংবা স্পর্দা করে কোন থেলায়াড় বা
থেলায়াড়ের পোশাক তবে ফল্টস হবে।
সোটল যদি লাইনের উপর পড়ে তব কেটের মধ্যে পড়েছে বলে ধরতে হবে।
সাভিদ্যের সময় স্পত্তিস কোটের বাউ-ভারি
লাইনের ওই কোটোর অভ্তর্ভু

बद्धुन

विश्ववाक्षणकरण दिशिरमत्र निरम बारणामहिरका नव अध्य

পি সঙ্গমে

প্ৰকাশিত হচ্ছে

— -নতুন উপ্নাস

নগশ্জার

ब्राग्टिंग ब्रायामाश्राह ॥ ७.४०

অপ্রিচিতা

রাতের ক্য়াশা र्शाबनाबामन क्राह्मेस स ६-००

সৌৰীন সেন ॥ ৭-০০ नवर्तन ॥ à.00

আদিগজা

দ্জনার ঘর্মাঠ থেকে বলছি

আশুকোৰ সরকার ম ৮٠০০ - আশুকোৰ দিখো: ম ৪٠৫০ -আজোলা-আফ্রিকার ভিয়েতনাম

जरूत वन: 1 8-60 ডোরাকাটার অভিসারে

44.4 414 N 2.00

শের জন্মান: সভাৰ নাৰো: 11 ৯.০০

ৰ পৰেখা

অসীম সোম সংপাদিত চিত্রী চিত্রক

৭৩ মহাতা গান্ধী রোড কলিকাতা – ১

(সি ৭৮৪৩)

'আমি সিরাজের বেগম' পডেছেন তো ! সে ছিল আমারই সতীন নাম-না-জানা মেয়ে জারিয়া- নবাব সিরাজদৌলার আদরের বৈগম লাংফার কাহিনী। কিন্তু তার অবহেলিত প্রধানা বেগম জেবালিসা আমি। নবাবী হারেমে একা একা কিভাবে নিঃসংগ জীবন কেটেছে, নবাবজাদা কিভাবে দিন দিন আমায় উপেক্ষা করেছেন তিনি আর তার প্রিয় বেগম লংফার মতিক হাসি দিন দিন কিভাবে আফায় ধ্ৰুয়হীন করেছিল, এ কাহিনী সেই জেব্রেসার অনবদা কাহিনী। আমার মন আছে প্রণে আছে, যৌবন আছে। আর আছে স্কর স্বাস্থাবান, স্পার্য স্বামী। আমার মুখনিস্ত মর্ম-वाथा त्भामान कत्रासन 'কোটিলা সেন'।

জরাস্থ সংপাদিত

नाभ दनशे

8.00

শ্বভ সংবাদ 8.00

निक्छे प्रव ५०००

जनय जनस्य

মুঘল মসনদ ॥ সাত্যাক সেন ১০০০

निर्धी ॥ विश्ववात ७, **ग्राधल शादित्र ॥ रेप**भागन ४,

जशी फिरम्रश्नाम রাজপথ তীর্থপথ

নিগ্রোনন্দ

\$₹.00

ৰজুৰ প্ৰকাশক a ১০/১ বণিকম চাটোছি স্থীট, কলকাতা-১২

(TR 9882)

কবিতা কবিতা

প্রশাস্ত হৈতে अकाष्क २.00

त्र भनी पर

र्नाननी २.०० মনোরঞ্জন ঘোষ

কর্মিণী ৩.০০

দেব কমার বাগচী ফোটাফল ঝরা পাতা

অসীম কমার বিশ্বাস মৌসনীম ২.০০

কমল কৃষ্ণ মুখাছি পূৰ্ণে ৰাসর ৩.০০

কেদার ভাদাভী

भृकता क्रम ७.००

বিধান পরেকায়স্থ

र्षा जातात जुनन २.00

চির রঞ্জন বায় বৈতানিক ৩.০০

ডি লাইট বুক কোঃ

১৭০/০, বিধান সর্রান, কলিকাতা-৬ ২৪. অরবিন্দ সর্রান, কলিকাতা-৫ ছিঃ পিঃ-তে ভার্ডার দিন।

ক্ৰিডাৰ বই প্ৰকাশ কোৰতে চাল? বিশ্তারিক বিবর্গের জন্য লিখনে।

(সি ৭৪৬৯)

বিনা সঙ্গোপঢ়াবে আবাম পাবাব

शालका

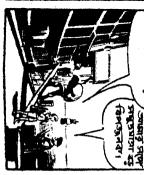
ব্যবহাব কক্তন ।

1001-137 BEN









कानन्त्रं ज्ञाननम् अर्थः। ज्ञावे ज्ञाननम् अर्थः। ज्याद्यादक दबदबन १

जा निद्य मार्के । कि

ज्याचि विभन्दक

डा भार मन



















'आचं कारणर' (गीवक्रममा : म्यूनीम ब्र्याणि) हवित अकडि म्यूना म्यूनिहा सम्

॥ हिन-त्रवादनाह्या ।

প্যার কা সপনা

9]]] ^র, শব্দ বিশিশ্ট নামের হিন্দী চিত্র মাত্রই যে বাটিন-মাফিক প্রেম্ ও ভিলেনির ব্যাপার জবে এখন নহ। হৰ কৈশ সংখ্যাজাৰ 8777 <mark>কাসপনা তাই প্রমাণ করে। তা</mark>র শ্পার" বশতুটির এমন দলা হরেছে হিণ্দী ছবিতে যে জয়ীবাৰার ছবির নামেও 'পার' দেখে আর কেউ না ফোঞ্চ ব্রচিবান দশকিরা প্রথাম আবড়ে ধ্যতে পারেন। অবশ্য মডার্ন পিকচারস-এয় এই ছবির কাহিনী-বস্তু ৰে খাব অংখানিক বা জাবিনস্থাত তা নত। তবে হিল্লী সিনেমার "প্রার"-জগতে কিছ্টা তোনতন ষ্টেই। ভা ছাভা হ্ৰীকেশ ম্থাজির পরিচালনার গ্রেণ তে। অস্থীকার করা বার না। অবাস্তবতার সংখ্যত রস্-স্থির ক্ষাতা ভার আছে:

ভারুত CZ-रा हिकारक নিরে যে সিনেমারেই মেরে, মাটির জগতের নর। এবংগের ভর**্গী, রোজ গাঁতা** পঠে করে, সংক্রত কাবার সে অধারন করেছে, এক কথায়, সংস্কৃত সাহিত্যই তার পাঠাবস্তু, टैश्तकी वंकाक "देक्कण" व "रना" बाका कर किह, कारम ना। क्रथंह रंग क बारशबंदे रमरह, জ্বানের দশ্হা কিংবা সাহিতাপ্রতি খাৰলৈও সে সংস্কৃতের বাইরে কোন কিছা অধারন করতে ব্রুকি নার্জ। অধাং নারিকা স্থাকে তৈরি করা হরেছে ভারতীয় নারীর চিরণ্ডন আদদেশির ছাতে। ভার বিশ্ব ছরেছে तरमाना नारमा—स्य निर्मातकत रंगारक अन्थः वालको मछाना स्थातहे जान शहना। सरमागर वावा टकान करन कारक विरन्न निरन्तरकन महभान সংগা। সে কোনালিন স্থানি মুখের দিকে टाकप्रीम, गाँद शनाव स्वतहे स्ट्रनटके। म अविन्तित सरवारे एन वर्षेट्य द्वाप मेन्डान শালি য় বার (আসলে বিলৈড বাবার টাকার লোভেই লে বাৰাৰ প্ৰশ্বনে স্কৃতি



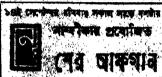
িক্ষেত্ৰ)। চিরকুটে লিখে ৰায়, বিবাহ-

এর পর স্থার জীবনে একের পর এক
নাটকীর পরিদির্ঘিত। স্থা হরেছে স্বমা—
তথাং পিতৃপ্রতিম আগ্রহদাতার (অংশাককুমার) শিক্ষা-দক্ষিরে স্থা একেবারে
প্রোপ্রির আধ্যানিক। স্বমা হরে উঠেছে।
র্মেশের থেজি স্থুমা গোছে লাভ্রেন।
স্বমার র্পাণ্যুণ দেখে তার প্রতি রমেশা
প্রথম দ্থিতিই আসক। তারপর আন্তব
করেছে, এমন ঘেরের অংশক্ষাতেই সেছিল।
তারের মিলান হরেছে অবশা দেশে ফিরে।
স্থা তথা স্বমার আগ্রহদাতা অভিতাবক
চেয়েছিলেন, রমেশকে বাভ্রিত এসে
স্থাকই গ্রহণ করতে হবে, স্বমাকে নয়।
তার পরিকল্পনা অন্যায়ী হ্রেছেও তাই,
এর মধ্যে কিছাটা সাস্প্রেস্-এর আ্যেজ

সংঘা ও স্বমা তথা নামিকার দুই র্প ও পরিচয়ের মধ্যে কোন ববল দেথা দিরেছে কি? সামান্য আভাস অবশা আছে কিব্লু স্বাশা চিত্রাপাদার মত স্বমাকে তো আর বিভাশিত হতে হয়নি তাই ধার-করা র্প ও গ্ল তার কাছে বোঝাও হয়ে ওটেনি। বরও চি য় কাছি নীর এই অংশে পিগমালিয়ন-এর প্রভাব বেশী। আর ম্ল বশতু যেটা—ঘাইরের আকর্ষণে তাড়িত নামক আর অনতরের সৌক্ষমে শিথত নামকা এবং পরিবাদে কল্পাপের পথে বিভালত নামকের প্রভাবতনি—গ্লপ-সাহিত্যের উপকরণ ছিসাবে তাও বহু

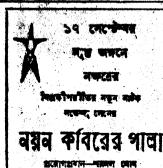
প্রেন। তব সহিত্যে উপাদান কিছ পরিমাণে ইতস্তত ছবিতে ছড়িরে ররেছে। হিন্দী ছবির কতকগালি সামালি নির্ম সেগ্লি নিয়ন্তিত না হলে কিংবা মোটা मारगात नाहे।तरमत बन्छ ना हरत छेतरण ছবির ঘটনাপাল জভটা তনে হত না। **তা ছাড়া বহ**সং**গ্ৰ**ক मर्गाक्त भारतावक्षरमञ्ज कमा माठ-शाम (श्वाम লণ্ডন ও ফেনিভাতেও বাদ বায়নি) এবং অতিরিক চরির ও ঘটনা সাক্ষাতে হরেছে। তাই বহ, জংশে ছবিটি গতান্তাতিকভাৱ অধীন, সাহিত্যের উপাদান সভেও কাছিলী হরে উঠেছে অবিশ্বাসা। **ভবে হারীকেল** মাথাজির পরিচালনা বে ভাতে কোন কোন भारतार्ड जिल माता या जारे मात्रमान औरम जित्तरह डा आताई बरलहि। केलबर्बना টেনে নায়িকার **বিভার বিরের রেট** माध्यक्त । ७३। शास्त्रीत कार्केटिंग गुजू नासिकात घटना बिल्लावन । जानक द्या, र्शन है नावेक कामदर, अन्त हारे, इतिहैंब উপভোগা। হিন্দী ছবির নির্মি**ত দশক্তক** "পার কা সপনা" নতুন স্বাদ কো দেবেই। देण्डेमान का**ला**ट्य विस्तरण्ह वहिल्लास চমংকার তেকা **থয়েছে।**

অভিনরও সকলেরই ভারা। নরকনাচিত্র।
বিশ্বজিং ও মালা জিংই, অলোককুমার,
হেলেন (নতুন ধরনের চরিপ্রে) বিভিন্ন পাত্র প্রমুখ সকলেই স্থানর অভিনর করেকে। জনের দিন পর ভানি ওলকার কর ভার লাগাবে। সংগতিপরিচলনা করেকে। চিচাপ্তিলার করিব।



বিশ্বেক্তির করিবেশ কর্মক্রপান্যর নিউ অস্থানেরে ২ টিকিট প্রভার বাচক্

(TY 9V85)



(जि even)

बस्त्री व

১৯বে ও ২১বে সেপ্টো

বেন জু আমেন

गन्धा वर्धन

'**ଲ**ଆ ନାଦନ

२००१ व्यक्त ११मा अलिस तरूत

२५८न जरपंध ०वेल (जि(अ)

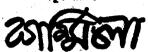
নাটক ও নিৰ্দেশনাঃ স্থানৰ কাহিড়ী কাইৰ আউন বিজেটার, নর্মানিল্লী চেনামহলের সোজনো

(नि १४००)



্ৰীভাতন নিৰ্মান্যত নাট্যদালা 1

मचन नाडेक।



প্রতিষ্ণ নাটকের জগ্র' ব্রুগারণ ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও শনিবার ১ ৬৪টার প্রতি রবিবার ও হাটির দিন ১ ৩টা ও ৬৪টার

> ह ब्राज्या क श्रीब्राज्या है जनमाबाद्यं ग्रह्म

ध स्नावस्य ॥ व्यक्तिक क्रमानामाम, जनमा स्वरी, म्ह्कम् इद्योगसमा, मृहका इर्द्योगसम्ब, मीनमा मान, मृहक्ति क्रोडमा, स्वस्ता निकान, मान माना, स्वस्त्य, बन्द, बानकी इर्द्योगसमा, देनस्य-स्रुवानामास, नीका स्व कान्, सरम्प्राभाषास



भानमण झाणी: बाट्यण्यनाथ ७ कत्वा देवानि

আনমল মোডী

र्वाजन्छते **T** 3 "আনহল মোতী"-র পত্রপাতীরা সম্পন্ন করেছে তা, পরিচালক এস ডি নরেং ভাল করেই জানেন. একভার অঘটনাকটনপটীয়সীর কুণা হাডা সম্ভব নর। তা-ই ছবির শ্রেটেই মন্দিরে দুর্গামাতার মাতি বেশকো হয়েছে, এবং মহামারার অনাগ্রহপ্রাথী গোকুল নামে বে ব্যক্তিকে (নায়িকার ঠাকুরদা) দেখানো হয়েছে ट्रम युष्य वहारम क्षेत्र क्षक्यात समृद्ध यां भ দিয়েছ এবং জলের তলা থেকে সকল বিপদ তুক্ত্ করে আনমাল ফোড়ী নিরে ফিরে আসছে। ডব্রি সম্প্রদারের নেতা গোকুল (জয়ণ্ড) সম্যের নীতে গেলে আর ফিরবে ना এই আশम्कास क्यारे खास्त्र दर्शास्ट्रान । ভার অসুস্থতাও আগে দেখনো হারছে। বিশ্ছু গোকুল দেবীর কুপার অবলীলার সমাদ্রেতন থেকে মোণিত কুড়িরে এনে ब्राज्यसाद्धि क्**रत्याक श्रास्त्र ।** विशरान्त अहे ঝ'কি ভাকে নিতে হয়েছে ভার নাতনি ब्रुभार (योद्धा) मरभा क्षीमनावभूत विकासर (জীতেশ্য) হিরের অসম্ভব শত পালনের क्षम । क्षाक्रिशासकान् कामरङम, क्रान्थर शरक क्षेत्र **गर्व १८३१ क्यान्य**रवरे चनन्दर। কিবল বৰ্ষক তা সক্ষাৰ হবা তথ্য তিনি আৰু
এক কৰি পাতলোৰ। বিব্ৰেক বিন গোলুলের
ক্ষোতি চুকি হক, প্রতিক্ষা কানুবারী কিবল
বাধ বোগাতে লে ক্ষাৰাই আপি দিল গোলুল,
এবং কাৰা মোডি বিশ্বে কিবল। লীতেল্যবিব্ৰুৱ হিলন হল। পরে ক্ষানা নীতিকথা
রয়েছে বে, আন্তবল মোডী আসলে সভ্যা
মন্বাই বা গোলুক্ষা আছে। কুটলী ও
লোভী কমিলকেও এই সভ্যা দেনে নিয়েছন।

छ तटकत अध्य "कान्छात श्रमाहेल हरि" धर्भार करनत उरनत प्रकेशहे रक्षी। अस्तर পারতালক এস ডি নারং বনি একটি বাডাকডি করে থাকেন ভাতে দেশে কী। বে-সর হটনা **শ্বলে ঘটতে পারত—বেমন, নায়ক**-মায়িকার প্রের্মাকলাল **অথবা মেরের সং**পা মেরের ও পরেবের সংশ্য পরেবের মারামারি কিংবা শেষ সময়ে অট্টোপাস বধের ভিতর দিয়ে न ग्रांक व वौत्र मान्य किंग्र कल शरांतरक । कार्त्राय-व्यकार्त्य न शक-नादिका জলে ঝাপ দিয়েছে: অক্সিজেনের বাবস্থ: ছাডাই ভারা **জাল বছকেণ মারে** বেডিয়েছে। কী প্ৰাভাবিক আর কী অস্বাভাবিক, কী সম্ভব আৰু কী অসমভব ইজাদি বিচারের কোন বালাই বাখেননি পরিচালক। জলের ভলের ব্যাপার, তাই নিজ'লা 'দের' দেখাবার সাবোগ**ও পেরেছে**ন তিনি খাব।

তবে অস্থীকার করার উপার নেই, আনমল মোতীর ভুবারিরা হত অসংধ্য বাপে বুট সাধন করে থাকক আস্থান সম্বাধা **সংধন পরিচালকেরট।** "আন্ডার ওয়াটার" मार्गास्य रहेकीसम्बद्धाल कक्क करतरमञ्जू सर्गाकास्य ভাষকে করকে। ছা**ৰুর** টেকনিকালে কঞ व्यागारम छाटे के इन्स्टब्स, कारभद्रामान ও प्रिय-अस्थान्द्रकत्र कास्त्र विकासकत्। अस्य धरे, এত সব কৃতি**ৰ কিলের জন্ম**? ক[্]হনী কি বিশ্বাসায়েপা হতে পালত না? অনাদিকে ববিভাবে ভব*ারর কন*য় পেরে ওরা হরেছে (क्लाक) यहन त्यादन दमक्सा कहा कि? **अ**हे রুপ, সফিসটিকেশন, বেশবাস (ভার গায় অংধ্যনিকার ফ্রাউজ), কথা বজার ভাগা ও প্রেম নিবেদনের ধরন কি কখনও ড্বারি-कनात शरक बानानमध् । यानक किहारै যুত্তিসংগত নর। তবে ছিন্দী চিত্রে খান্টার-টেনমেনট' বলতে যা বোঝায় তা "আনমল মোতা"-তে প্রচুর **আছে।** আর রুয়েছে সা^{নার} मृत्वत भाम-त्य-र**ाष्ट्र कृष्टिव ए**पिट्याएन সংগীত-পরিচালক ক্রবি।

क्रमांकट्ट "डक्रमा"

র্পদশীর বহুপঠিত রসরচনা "বঙ্গার গ্রেপ-সমগ্র"-র নারক রজনা হবিতে অ.অ-প্রকাশ করছেন। "গ্রেপ-সমগ্র"-র চিচ্চার কিনেছেন সংগীতশিশসী শ্রামা দে। এটাই হবে তরি প্রথম ভিত্রতবিজনা।

৳लि-ििश्रती

নেক দিন বাবে আবার ছবিতে গান
গাইলায়", বললেন পাহ ড়ী সান্যাল,
গমানিকের (সভাজিৎ র.র) ছবি, জরণার
দিন রাতি।" উত্তমকুমারের বার্থা-ভে পার্টিতে
ভাচমনা কথাটা উঠল। গাত ও সেপ্টেমার
উত্তমবার্র জলাদিন উপলক্ষে স্তিরা দেবী
ভার মহরা প্রীটের বাড়িতে এক রাজকীর
পাটার অহরাজন করেন। পার্টিতে একজন
পাতাড়ীবার্কে গান করাত জন্রোধ করেন।
প্রস্কালম পাহ ড়ীবাব্ ঐ কথা বললেন।
শেষ গান কোন ছবিতে গেরেছিলেন?"
জিল্পান্ন করলাম। স্বভাবস্থাত ভণগীতে
ভীসান্যাল জবাব নিলেন, "দ্র ছাই। সেকি
ভার মনে আছে?" "বোধ হয় "শাপ্নাচন।"
মন্তব্য করলেন উত্তমকুমার।

ছবিতে পাহাড়ী সান্যালের গাওয়া গান একন লোকের মাধ্যে মুখ্যে ফিরত। জনেক কল উনি গান গাওয়া ছেড়ে নিজেছেন। সম্প্রতি সভাজিংবাবার অন্যারেধে আবার গান করলেন "অন্তলার দিন রাতি"ভে। "কা গান?" ভিজ্ঞাসা করলাম। "অভুল গাস্তরে "সে ভাকে আমারে...।" পাহাড়ী সান্যাল জানালেম, "কোন মন্ত্রসংগীতের সভাবেগিড়া ছাড়া শ্রেম খালি গলার গাইতে চাহাড়।"

পতিতি পাহাড়ী সান্যাল ছাড়া ছবিব কথানে বিশেষ কেউ ছিলেন না। নিত্তত ছিলেন না বললেই হয়। তবে বাইরে থেকে উপ্তার এসেছিল প্রচুর। ফলে ফলে সারা বড়ি ছেয়ে গিরেছিল। উত্তম হাসছিলেন, সকলের সন্দো প্রাণেখালে গল্প করছিলেন, ওতে ভবিশ স্বাভাষিক লাগছিল। একজন একটা মালা নিয়ে চ্কেনে। মালাটি উত্তম-বাং, "ভরত মুনিশ্ব (বিশ্লীর জ্যাওয়ার্ড) স্টাচুর গলার প্রিয়ে দিলেন।

রাত দশ্টার পর প টি আনটেন্ড করাত এলেন ওর্ণকুমার ও স্বতা চন্ট কাঁ, সরেতার কেদিন ক্ষমান্টমী উপলকে ন্টারে শো ছিল। শোরের পর পার্টিতে শ্রাকেন। তর্ণ একে ভার নাদাকে বললেন, 'ওঃ কীদানই ভূট অনেছিলি? শ্রীকৃক্তে ক্ষমাদিন। প্রায় ক্ষকে দিলাপ ভট্ট চার্য ও অসামা ভট্টার্য এলেন ভারেরা পরে। ভখন চারমানিরম খোলা হল। অসামা দেবী গান ধরলেন। 'টোরংগাশির গাম। পর পর ভিন শনা গানের পর সকলে উত্তমক্মানকে গাইতে অন্তর্গেশ ক্ষকেন। রাহির তৃত্তীর



"প্রেম বিষ্কার্ট" ছবির একটি স্থার রহণের আরগ করন রাম ও জান্য ব্যানাজিতিক নির্দেশ বিজেন পরি চালক কিলোমনুমার

যামে উত্তম গাইলেন, "জামি জেনে শানে বিৰ করেছি পান।"

ভিদিয়বিউটারদের অফিলে কত গ্রুপট না হয়। ইন্ডান্ট্রি ব্যবতীর ম্থরেডক গলপ হামেশাই এখনে শোনা ৰ.র। ডিলাক তাল করে কর কথাই না অংকচিত হয়। আলোচনার যুটিত নাডিও বছ অভিনৰ। সেদিন-**জনৈক ভিশি**বিউটৱের অফিলে বলে শুনছিলান, জনৈকা নারিকার হাতে কো কম ছবি ভার করেপের কথা। क्षकान वनस्मान नःविकाधि मास्डिक। मान्छक्छाद प्रयुक्त नाकि थे नाहिकाक निस्त কেট কাজ করতে চার না। "কিলেম কাজ পেতে হলে নিল্পীকে করে-বাইরে সর্বত্ত অভিনয় করতে হবে। কাউকে ভাগো না লাগালের ভার সপো টে'স করা বেলাভ श्या" এकजन माबि क्यानन। खवाक श्रत বললাম "অর্থাৎ একটা মাথোশ পরে চলাভ হবে বলছেন?" পরিবেশক ছরেবের হেসে ভাবাৰ দিলেন, "হা**ী মুখোল। ভ**দুভার मार्थान ।" "कह रामहै समाक नाविक व रारक এখন অনেক ক কা " আয়েকজন সভব্য ক্যুকোন ।

-[468

কিশোরকুমারের 'তের বিতাট'
কিশোরকুমার একটি বাংলা ছবি
প্রবাজনার লামিক নিরেকেন। সংগীত
পরিচালনা এক চিকনটা জননার ক্ষতিকার
কার্যার লাভ ৪ লেন্টেন্স কলাক তার বিভাগকুমারের প্রথম কংলা ছবি 'তেম বিভাগকুমার আপার্যা কেনা, ছান্যা বাংলাকার
করার রের, র্মার বোলা, জন্যা বাংলাকার
করার রের, র্মার বোলা, জন্যাবাংলাকার
করার রের প্রথম বিশ্বাকী। ছবির বিশ্বাক্তির গ্রেমার করে।

त्यथ कार्या

পি এক ফিল্ডাসের "মের ক্রেলে" ছবিটিয়া
প্রথম প্রের প্রতিং লের হরেছে। এথন
চলছে বহিন্দার প্রহণের তোড়াজোড়।
নীহরেজন গ্রেণ্ডর কর্মিনী অক্সান্তরন
ছবিটি পরিচালনা করছেম স্পাল ম্থাজাঁ।
বিভিন্ন চরিতের শিশপী : স্চিন্না সেন,
বসন্ত চৌধ্রী, ছারা দেবী, বিকাশ রার,
মালনা দেবী, বনানী চৌধ্রী, স্রভা
চাটাজাঁ, শিশির মির, বেচু সিংহ, রবীন
বানাজাঁ, গীপিকা বানাজাঁ, অসীর
চলবভাঁ প্রড়িত। এ ছবির প্রবােজক ও
সংগতি পরিচালক প্রিত চট্টাপাক্ষর।

ৰোম্বাই বিচিত্ৰা

খোলকা কমিডির বিশেষ্ট প্রকালিন্ত হ্বর সপো সপো চলচ্চিত্র স্বগতের বিভিন্ন মহল থেকে বিভিন্ন সংক্রম গুজন উঠেছে। रक्रमा महकता सम्बद्धी प्रस्ति समाजव ক্টানির শিক্ষর হয়, সহরাং 'সেম্পর কেড' धक्त केमान वर्षा थ स्थापना महत्त अवस्तात **उरमाज करणक किया किया के अर्थ शरहरूर।** একলে তো সেজা কলছেন বে. "এবংর দেসরের কটি ভে'তা হয়েছে আর काबादम्ब शास दक। कानामका रामदक्त 'ফেল্সারের কবিত মোটেই তে'ডে রহনি ওর अयाद कीं विजिल्हा करतर एका करत ধেশুলা বিলয়টি পাড় দেখা ওপর ওপর উদ্দেশ্য দেখিয়ে ভেনের কেন্দ্র জাতা नव हरसद्य एक्क्या दरफं। क्षे न हर्द्ध है केश जाद हाराम द्वारंग हान्या है संस्थाहा या **प्रमान किए उन्हान उन्हान तहा है।** 'श्राह्मजन द्वाप, क्याजेल राष्ट्रपार द्वारा तह ক লাখ্য কৰে কৰল চন্দাৰ্থক নাম-কল অভিনয় কৰিছে কিলিক। জী व्यक्तिका विकास का किर्देशका विकास रत्मक एक्स करियक हैटमकर सम्मान एक्सिक स्मेर्ड कल्लाट छात्र मा। दान क्राक्षान मामक्ता अधिकाल अधिकाती क्राक्ती गर्नास <u>इम्बद्धमा</u> सिस्ट्राप्थ, मण्नाठात निकारणा कर्णभाग कारण्या तारण मान करण বে খেললা কমিটির বিপোট প্রকশিক र बाह्य क्षेत्र चाल जेक गड़न की व निगर्रोटन क्षाबादका । अहे माठून ग्रीत मिनाप्रेरम्य माम नामांत्र, रवीन डिस्डबन्धः। यौरमस वर्डमारम नाम ध्वर मान कार्य- जीता धरे नन्नका धवर रकोन केरबचना स्थाप मारत भागात চাইছেন, আর ফাদের দলে কম এবং নাম কেই ভারা এই নালভা এবং যৌন উত্তেজনার সিশিক বেলে অধা-সহমীর চিলে কোঠার कोला म्यन्त रम्याहन। रहाकेमत्र धरे म्यन्त बस्टान्स कराइ महत्त्वराज्यस्य गाउ।

ক্রেক্তন নায়ক/নারিকা যারা ক্রিছিত. करमा अमहाक्षा छोला কৈৰিক জীকাৰপনে যতই পাশ্চাভা मकारुम शक्य थाक, कथात कथात करिएएड ৰতই ক্ষতেৰ পাটিৰ আয়োভাল হোক-क्षत भावीनक हेट्सरकत शब्द कारत उपन शाह मकरणह श्राप्त थे अक कथा, "शाम छैन দেশকে বালী হৈ জিল দেশ যে গণ্যা বহতী हाति।" मृख्यार यूबरकरे भावरहन।

দুক্ত ক্লেকেনের মুখে শ্নকাম খোশলা অভিতিত উদ্ধে বিশেষ্ট পাঠ করে স্বচেরে दिना क्रमाञ्च इद्यादन, क्रीक्टनडा-माध्य-ट्राइक्क श्रीकाशक कारा ही जारे अन ত্যোহর। সিনের স্কেন্দ্র খবর যাঁর। क्यातेक्ट्रींडे ब्राट्यन कीता स्वाहे कातन स প্ৰীক্ষেত্ৰ 'বা কিল' বা চুম্বন নামে একটি



बिनाकी निरम्बात प्रमुख की अपनेक क्लाव-वीवरण जाजितिका मान्यकता

শত ফিল্ম তুলতে শরে করেছেন কিছুদিন যাবত। এই ছোট্ট ছবিটির ভৈরির কথা গ্রীজেন্তর মুখ্যত তেবেছিলন ভারতীর সেস্র পর্যাতর সংখ্য এক হতে বড়কর कृता। अथन टीज्यारस्त्रत मन्न रहक स्व कारकीय स्टब्स भाष्ट्रीय स्टब्स क्या সুতরাং ডিফাই করার সেই চার্ম করে ब्रहेरना मा। रमहे कारान शिक्त एत नाकि বেশ হ'তাশ হয়ে প্রাক্তরন।

সরল শর্মা

र्गाम्यक बन्धारन कितश्रमणंती **७ न**्डानाहें।

মহাস্থা গান্ধী এবং গোনরেজ-এর প্রতিষ্ঠাতা অন্তেদেশির বি গেনেরভার জন্মগ্তধৰ প্ৰতি উপলকে গঠ ৩ ट्या केला करा एक न कर कर कर है। তাতে দুটি অংশলৈম্বার চিত-'এন রজেনস অব গ্রেখী' (গ্রাম্বীর জাবিস্তাব) এবং 'দি लातराज्ञ एन्डेरीक'-एनथारना दस।

দক্ষিণ আয়িকা থেকে ভ রতে আসমনের পর থেকে ১৯২১ সদ প্রতিত সাল্ধীভার

waltene Generalii abeile febere গাল্বী-ভিত্ততি নিট্নাড । বিশ্বত এই ভিত্ত মহাকার্কার চলচের ভারতের স্বাধীনতা-करणकारका गानिवर्वति गानना यात्र। क्षेत्रील करकेता मध्य निरंत क्यीन्स्ताम व शास्त्रीक्षीत সম্পূৰ্ণ বেমন ছবিতে দেখনে চালাচ एटमनि कारण्डत भारत-वारण्यकारण्य करमकार्धे क्यावनीय बर्धना काल दाहारा । त्या ক্ষাকে, সংগতিতালিত এই ছবিটি দুৰ্গতেও सन्दर्क दनम् बार्ट्सर्थ जन्मा करता মহাস্থাতীর জীবন ও কাণী সংগ্রে कारवात अंक्यान (प्रश्न

"मि रुगामदर्श्व रुगेरिय"-एक रुगामरराज्य-महाक्रीय विवाधे छेरशाननयर्कत शीरात **রবেছে। সেখনেকার ক্যাতি**। এবং ভাসেব श्रीक्रमात की-धरदनत मृद्याश-मृदिधार कीरन নিৰ্বাহ করেন তাও দেখনো হয়েছে।

विक्**ञानांन काफाल "व**न्डानिका" गारा-माठी किया ७३ जिसकात अस्केशस्य दिस्य আকর্ষণ। "চম্ডালিকা" সম্পূর্ণ মঞ্চর হয়নি: হলেও কতি ছিল না। কাৰণ নতা-**ন্টাটি সকলেরই মন জ**য় করে। চিভাগ্র হতেখাপথের (আনন্দ), স্পাল মহিক দেই-**७हान्य ७ एफ्टिशना**), कुमकुम जननाश्वधार (প্রকৃতি), সেরা ভট্টার (মারা) প্রমণ **নিক্শী**রা দরদের সংখ্যা চণ্ডালিকার গন আরন। আনক্ষের মাথে গান 'জল লাও' শ্রেক্তানের জাবিষ্ট করে। নাডও খনে প্রশংসনীর হয়। বিশেষ কৃতিঃ বেণিয়েতেন দ্ববিস্তা চট্টোপাধ্যার (প্রকৃতি)। অন্যান্যাত্র মধ্যে প্ৰক্মণি কৃতি (মারা), শ্মিতকার (ন**ই-ওয়ালঃ) ও পশ্**ষনান্তন থ**ি**শ ছেটি**e**द्राता) **डेट्स**श्रदागः।

সাদ্ভক্ত সংগীত অনুষ্ঠানের স্কুনা হয়: স্কাশ্ত ভাষণ দেন গ্রী এস পি গোলকে। প্রধান অভিথিয় ক্ষাব্য পরিচ্ছারশ্যের মুখ্যাক্ষা ভীত্রকর-**কুমার ম্বেলপ্সমান গাংশীজী ও নে**তাজীর काल्यान कथा हरनन।

त्रवीम् अपरन यावा

व्यक्ति जनम श्रीव्राज्य নিছক ভাড়া দেওয়ার উন্দেশ্যে রবীক সদনকে বাবহার না করে নিজেপর বিভিন অপোর মান উল্লেখনককেশ নত্ন পরিকল্পনা शंदश करतरक्रम। खडे छे, ज्याना है कि भूरव खेता नारकाशमय, मिन्द्रनाका छेश्मय, नक्षत्व জন্মেংসৰ ও রবীন্দ্র জয়নতীর আরোজন क्दबिस्त्रम् । अवास्त्र উत्मानी इरक्रइन यहा प्रशास ।

जानामी ३७ स्मरन्डेन्यन स्मरंक ३ जाहि।वन नवांच्छ ১६ विमन्।। नी बाह्य छेरमहन ह्यान



रभागरतरम् कार्कारम् 'क्रकानिका' ग्रामारोता वकीरे ग्रा

मिक्कत बाश्ना म्हाना अकि विनिष्ठे मन। হতে তর্ণ অপেরার हिश्मव भार "চিটলার" দিরে। ভারপর ব্যালমে জনত। আপবার "ফাঁসীর মঞ্জে". শ্রীরাধা নাটা কোম্পানীর "পথের ছেলে", নবরঞ্জন অংপরার "_{মাইকেল} মধুসুদন", নিউ প্রভাস অপেরার "বাব দ" সভাদ্বর অপেরার "দিণ্বিজয়" অন্বিকা নাটা কোম্পানীর "চম্চীতলাং ুলিব", নিউ আর্য অপেরার "নেতাজী সভাষ্চন্দ্ৰ" ভারতী অপেরার "মাতাঞ্চয়ী সূৰ সেন", মাধৰী নাট্য কোম্পনেইর "আগুনে নিয়ে **খেলা", স**ুশাল নটা কোম্পানীর "বতে রাঙা হাস্মলিডাঙা", নিউ গুণের অপেরার "মরেও বারা মরে না" বৈকণ্ঠ যাত। সমাজের "পতিঘাতিনী সতী". নিউ রয়েল বীণাপানি অপেরার "এক ট্রকরো রুটি", নাটা ভারতীর "আদেশলন", এবং শেষ দিনে নট কোম্পানীর "শ্রীরামকৃষ কারদাম্পি"।

এক সাংবাদিক সংক্ষেলনে উপবেক্ত তথ।
জানালেন ববাঁন্দ্র সদন পরিচালক সমিতিব
পক্ষ থেকে প্রীচিকার চট্টোপাধারে প্রীসাধী
প্রধান প্রীনেপাল নাগ, শ্রীয়তী অমল শংকর,
প্রমাধ।

রবান্দ্রসংগীত, নত্য ও আলোচনা

স্ত্ৰপামাত্ৰ বাৰ্ষিক উৎসৰ

বরণিদ্রসংগতি সংগতির শেষ কথা নত্ত্ব বরং তা হল ভবিতের বহা গানের একটি স্বিশাল উৎসা—রক্ষিত্র স্বরের মণ্ডে অন্তিটিত স্রেণ্যার বার্ষিক অন্তিনে শ্রীয়াঞ্জা লীলা মছামদারের সময়োপানগো ভাষণের অভতগতি উদ্ধৃতি মন্তবালি বিশেষ তাংপ্যবিহা। অবশা তার এই সংক্ষিণ্ড ভাষণিটির পারে শ্রীশৈলভারঞ্জন মছাম্মদারের স্পৌর্ঘ বন্ধতার ভবিষাং স্থিটির কোনো ইণিতে ছিল না। রবীন্দ্রনাথের গানে তারি যৌবনে ধ্যমন শিখেছিলোন, ব্যমনভাবে পরিবেশন করাতেন, তার উল্লেখ করে রবীন্দ্র-স্বাণীতকে বিশাল্প ও অবিকৃত রাখবার সম্পার প্রতিই তিনি গারা্ছ আবেংশ করেন।

ভাষণের পরে স্রুপ্নমার শিলিপবাদ রবীন্দ্রমণগতি সহযোগে একটি বেষামঞ্জান অন্টান উপাহার দেন। গানে নীলিমা সেন এবং নতে। প্রিমা বেষর তাদের স্নুন্ম জন্মারী দক্ষভার পরিচর দেন। কিন্তু বেশ করেকটি ন্তাগীতে, সম্ভবত কিছ্টা বেঝাপড়ার অভাবেই, সংগতি ছিল না বলে সমগ্রভাবে অনুষ্ঠানটি কেন রসোজীণ কতে গারে নি। স্রুপ্নামার কাছে কিন্তু আরও উমত প্রারের জনুষ্ঠান প্রভাগিত ছিল।



পীৰ্য বস্ত্ৰ পরিচালনায় "দুটি মন"-এর শুটিং আরম্ভ ছয়েছে—একটি দুশেও উত্তমকুমার ও স্পূৰ্ণ সেন

বৈতানিকের উৎসব

বৈভানিক এবারে ৩১ আগদট থেকে
পঞ্জ বিবসবাপে যে অনাড়বর উৎস্বের
আয়েজন করেন তার দিত্রীয় বিনে বর্বালপি
সংক্রমত সমসা সমপ্রিতি একটি ম্লাবান
আলে চনাসতা অন্তিত হয়। প্রীরাজেশ্বর
মিতের অন্পশিগতিতে এই সভাষ
সভাপতিত্ব করেন প্রীসোমন্দ্রনাথ ঠাকুর এবং
বক্তা হিসেবে উপ্পিথত জিলেন প্রীশাভ গাহ
ঠাকুরতা।

ব্রীনেশুনাথ ঠাকর, কাঙালীচরণ সেন প্রমাথ স্বরলিপিকারগণ কর্ত্তক ক্রত স্বর-লিপিসমাহোর হলচ্ছ পরিবর্তানের কঠোর সম কোচনা করে গ্রীসোমোন্দ্রনাথ ঠাকুর এর সংকলপ প্রতিবিধানের <u>।</u> शरावत क्रम সংগতিজ্ঞানর aবীন্দানা**র**াগী আহ্যন জানান। শ্রীশাভ গ্রহঠাকরতা বভামান ক্ষেক্টি অপ্পত্র স্বৰ্গলিপ-পদাত্ৰ প্রতি দুলিট আকের্বণ করে সভাপতির বরুবোর **সমর্থ**ন করেন। স্বর্জিপিতে উপ্যান্ত লয়-নিদেশের অভাব, আবার তাল-বৃহ্ছিত গানেও চার-মাতার ব্যব্ধানে তালজাপক চিহ্ন বাবহার প্রভৃতি অসংগতির উল্লেখ করেও তিনি বলেন, সংগতি আসলে গ্রেম্থী বিদ্যা—শ্বরলিপির সাহাংয প্রকৃত শিক্ষা সম্পূর্ণ হতে পারে না। প্রসংগত, সভার মধ্য থেকে 'ছিল্লপত্র ছন্দ প্রভৃতি সাহিতা-গ্রেম্থরও প্রনস্পাদনার অভিযোগ আসে এবং বিশ্বভারতীর কর্তপক্ষের এ জাতীয় ঔদাসীনা সম্পর্ক সভায় একটা ভীত্র অস্তেম প্লেইভূত इस ७८५।

আনন্দ্বধন

রাজধানীতে রুণান্তী

বেনজা, আমেন ও এলেম নাতুন দেশে নাউক তিনটি প্রয়োজনা করে রংগন্তী সংস্থা ইতিমধোর খাতি অজান করেছেন। নরানিল্লার চেনামহাল নাটা সংস্থার আমন্তাপে ও উলোগে ১৯, ২০ ও ২১ সোপ্টেম্বর তিন
নিন্নাপী নাটোংসবে রংগন্তী সংস্থা ঐ নাটকগ্রিল মন্তাপ করাবন স্থানীয় ফাইন আটা সংস্থা নাটক, নির্দোশনা ও অভিনরে আটা সংস্থান লাভিছী।



त्वीम् मत्त्रावद शक

५८१ ७ ५४१ ह<mark>म्स हेन्दर</mark> अन्यत वही

শতাব্দী-র নতুন নাউক

व्रवाश

রচনা ও নিদেশিনা : **বাগর সরকার** টিকিট : ২., ৩,, ৪,, ৫, 'মধ্যুলালা ও অভিনয়ের দিন **চলে**

(FR-9680)

তর্ণ অপেরা কর্তৃক

৯৩ই সৈপ্টেম্বর **মহাজ্ঞাতি সম্বে** সোধীন চট্টোপাধ্যার-এর

"রাজা রামমোহন"

প্রিচালনা—**ভদর বেছে**শ্রেঃ—**দান্তিগোপাল**তর্ব অপেরায় ও মহাজাতি সকলে
টিকিট। ৫৫-৭১২৬

(TE SASE)

উহাস্তু পনের্বাসন মন্ত্রী শ্রীনিরঞ্জন সেনগ্রণেতর পরলোকগ্রমন আলোচা সংভাতের বিশেষ-कार्य फेटमश्रदाना घटना। श्रीरमनग्रन्क राम किक्नानन बारक नाना तारत सर्गाकरसन्। तर সোমবার-১ সেপটেমবর তিনি র্মকুক মিশন সেবা প্রতিষ্ঠান ভতি হন। ম সেপটেমবর ৰ হস্পতিবার প্রভাবে তিনি উভ হাসপাতালেই শেষনিশ্বাস ত্যাস করেন। মৃত্যকালে তার

বরস হরেছিল ৬৫ বংসর। নিঃসন্তান শ্রীসেন শ্রী, ৮৪ বংসর বর্গকা बुका भाषा ध्वरः क्रमामा वर् काचौरान्वक्रम स्तर्थ शिराहक्रम । ध्वरे দিনই সম্বায় রাষ্ট্রীয় মর্বাদা সহকারে কেওডাতলা শ্মশানে ভার শেষকতা সম্পন্ন হয়। ব্যিনাল জেলার ভার্কিটি গ্রামে ১৯০২ সালে ভার জন্ম হয়। তারা ছিলেন ছ' ভাই। ছাত্রাকথাতেই তিনি বিখাতে বিশ্ববী দক অনুশীলন সমিতির সংস্পাশে আসেন। কলেন্ডে অধায়নকালেই তার ও তার সহক্মীদের অক্রান্ত চেন্ট র বাংলা দেশে প্রথম ভার আন্দোলনের গোড়া পরন হয়। মেছ ছাবাজার বোমার মামলার ৭ বছর কারাদক্তে দণ্ডিত হরে তিনি আন্দামানে প্রেরিত



ছন। তার পরের তিনি করেক বছর বিনা বিচারে আটক ছিলেন। আদদামান ব্রকালে। ত্তিমি কমিউনিসট মতবাদে বিশ্বাসী হন। ১৯০৮ সালে তিনি কমিউনিসট পার্টির সভ্পদ লাভ করেন। ১৯৫৭ সাল থেকে তিনি আইনসভার সদসা। কিছুক্ল তিনি ক্রিউনিস্ট পার্টির মুখপ্র জনসংখ্য সম্পাদক ছিলেন।

रक्षी अस्ताह

) **চলপটেজনর—আজ**্থেকে পশ্চিমবক্তের ৩০টি কাপডের কলের ৫০ হাজার কমী দশ मका मार्वि व्यानारस्य উरम्मर्गाः व्यानीमच्छिकारमय জনা ধর্মঘট শরে করেন। বলুচালিত স্ভাকলগুলিকে ধর্মঘটের আওতা থেকে বাদ দেওবা হয়। এগালির সংখ্যা দুশ-বার হাজার। কলকাভার পোরসভার স্টোর গণেরজ লবি এবং জয়াল বিভাগে চরম অব্যবস্থার সেই ইডিলন সমানেই চলছে বলে ক্ষিণনার সহ ফলট নেতারা উদ্বিগন। বিভিন্ন **স্ট্রান**্ডিং কমিটির চেরারমানে, ফুনটের প্রতি-গোষ্ঠীর নেজা একং কমিশনাবকে নিয়ে অর্থ-কমিটির যে বিশেষ বৈঠক কলে ভাতে এই অবস্থা ধরা পড়ে। এজনা ব্যাশীয় সময় বহিবিভাগীর পৌর কর্মধারাকে ঢেকে সঞ্জার সিদ্ধানত হয়।

 रननरहेमवत्र—य्डक्टनरहेत आस्टरकत देवेटक সি পি জাই-এর কোন প্রতিনিধি যোগ দেননি। ৰবাহনগৰে স্থানীয় নেতা শ্রীশিবপদ ভটাচারেব উপর আক্রমণের প্রতিবাদে সি পি আই-এর রাজ্য-পরিবদের সম্পাদকমণ্ডলী ওই সিদ্ধানত

মেশালের উত্তর সামানত বহাবর ভারতের তা শতেরটি বেতার্থাটি আছে দেগালোকে আগামী **অহ্**রের শেষ নাগাদ সরিয়ে আনতে ভারত বাভি स्टार्ड, एरन क्टेंगर चार्विद करवर्की अ दहरदत् শেষ নাগাদই সরাতে হবে। তা ছাড়া নেপালে ভারতীর সামরিক সংযোগরকাকারী মিশনও ভারত গটেতে রাজ।

🕴 🔸 লেণটেম্বর—ক্রাহনগরের ঘটনাকে কেন্দ্র करत बाह्यक्रमरहे त्व मश्कारे एमधा मिरायरक, एम সম্প্ৰে আৰু একদিকে ৰেমন একটা মিটমাটের চেন্টা হয়েছে, অন্যদিকে তেমনি সি পি আই ছাড়া আরও করেকটি দল সি পি (এম)-এর বিরুদ্ধে "হামলাবাজি এবং দলীয় স্বার্থে প্রিলস ব্যবহারের অভিযোগ ভুলোছন।"

ি সংগণিতে ইসপাত কারখানার কাানটিনে ভুরা কুপনের মাধ্যমে প্রায় ৭ লক টাকা আত্মসতের এক অভিযোগ সম্পরের কেন্দ্রীয় গোরেন্দ্র বিভাগ সি বি আই তদশ্ত করছেন বলে জানা ৰায়। কালেটিনে আরও নানাবিধ দুনী'তির অভিযোগে দ'লেন গ্রেফতার হরেছে।

৪ লেপটেনবর—মধ্যপ্রদেশে 'বেকারী সেনা'



न स्म अक नद्दा स्मना शर्तन कहा श्रुका। अहे নতুন সেনা হবে বেকার যাবকদের বাহিনী। সংযা**র** সমাজতাতী দলের ক্লীবিঃ এর সংগঠক। ২ অকটোবর থেকে বেকারী সংতাহ পালন করে হবে।

রাজ্য সরকাবের কর্মচারীদের নানাতম বেতন কত হতে এ নিয়ে বেতন কমিশ্যের স্বস্থানর মধ্যে দ্বিমত দেখা দিয়েছে বলে বিশ্বস্থাসাৰে ছানা গোল। কমিশনের একদল সদস। মনে करतम मामाण्य रवजन ५०७ है।का इ.७११ है जिल्हा আর একদল মনে করেন ১৬০ টাকা হলেই চলে।

৫ লেপটেমবর—আন্ত বিকালে নাব্যকলভাগার মেঘলবাগান রেল কোয়ারটারস ও মতেল বর্ণবক লৈন এলাকার ডাকাতির বাপেরে। সংগ্রহভাজন পলায়মান দ্বাই ব্যক্তি এবং গোরেষদা প্রালস-বাহিনীর মধ্যে মৃহামুহিঃ গালি বিনিময় চাল ! প্রতীর বিজ্ঞারটে নামে একটি বোল বছাবের ছেলে মারা মার। শেষ পর্যান্ত স্থেনহভাতন ও দুই বাজি শ্রীহিরশম্ম গাংগালী (ভরফে ডেনা ওরফে ঠান্ডাল) ও শ্রীলেমনাথ ব্যনার্জ প্রেতের আহত অবস্থার জনতার হাতে ধরা পড়ে। অপরাক্র পাঁচটার মেডিকরের কলেজ হালপাতালে শ্রীগাণগালী মারা হান।

কেন্দ্রীয় সরকার ১৯৪৭-৪৮ সাল থেকে ১৯৬৭-৬৮ मान भविष्ठ स्ट्रांग न्यास्या मन्त्रीष्ठ যা কালো টাকার **খোল** করতে গিয়ে ৪১১ কোটি ১৭ লক্ষ টাকা উদ্ধার করেছেন। একটি সরকারী রিপোরট থেকে এই খবর জানা

লেপটেনবর—সোভিরেট <u> श्रधनात्रका</u> শ্রীকোসিগন আজ নয়াদিলি বিমানবন্দরের ट्रियमान नाप्नेन्द्रस यदम क्षिणान्धीत मान्धा क्रवचनी আলোচনা করেন। এই বৈঠকে পাক-ভারত প্রদন্ত ওঠে। বৈঠক শেষে শ্রীকোসিগিন नाःशामिकामत कार्ष वरमन : छेखत मिर्गत সমস্যাবলী ও আন্তর্জাতিক যেসব বিষয় সোরা বিশ্বকে জালোড়িত করে তুলেছে' দেগালি

নিয়েও ভারা **জালোচনা ক**রেন। তিনি বালন —ভারত সোভিয়েট মৈত্রী সম্পর্ণকে আরু সদেও ও সংসংহত করে তোলার জনা সোভিয়ে देखीनसम यशामाधा एक्की करत बाद्यमा

আজ ৰডদহে সি পি আই ও সি পি আই (এম) সমর্থক দু'দল প্রমিকের মধ্যে প্রতিট সংঘর্ষ হয়। দু: পক্ষের ৮ জন আহত হন। প্রলিস পাঁচ রাউন্ড কদিনে গাস ব্রহার করে। বিরোধ বাঁধে ম্লভ ওই কারখানার-ইনডিয়ান অক্সিকেন মালিকপকের সংগ আলোচনায় প্রতিনিধিত করার দাবি নিছে।

৭ সেপটেন্তর-প্রতিমবন্ধ ও ক্রাক্তাক পর্লিসে বড় রকমের রদবদল আসল। প্রশাস্তিক वारम्था म कार्नात कनाई धार तम वन्त करा হচ্ছে বলে নিভার্যেক। মহল থেকে জন 20120118-1

আজ বিশেষ পারেড গ্রাউন্ডে এক বিশ্ব স্মাবেশে সি পি আই এম-মেত্রক্দ ব্লেন: কেরল ও পশ্চিম্বরে ধ্যন মান্ত্রের ভ্যুষ্ণা শরে হয়েছে সি পি আই সেই সময় যাত্ত্যুক ভাগার চেন্টা করছে। তারা আগ্রে নিয খেলার বিবাজে সি পি আইকে হুখুলিয়ার করে

विराजभारी प्रश्ताक

- **১ দেপটেমবর**—বলি ও সোমবার দ্রাদিক প্রিটের দাটি রাজেই সামরিক অভাগান তাই গিয়েছে—দক্ষিণ আমেলিকার বাছিলে ও টুফুট আফ্রিকার লিবিষয়ে জন্ম শাসন কালেন ইয়েছে।
- र रमभरतेमबद्ध-दि वि भिन्य भारतक स्वया যাম, চাঁনের নেতারা সোভিয়েট বাংয়া বিরাক্ষে এই অভিযোগ এনছেন যে, র্লির মার্কিন শ্রের গেট্র স্কে যোগসাঞ্দে উত্তর-चित्राहरूपात्र १७९३(क दानकाल करत शिक्षा)
- **० रमभाजेमबर्स—का**क शामग्रह अक देश्डाहात বল হয়, কয়েক সণ্ডাই ধ্বেই প্রেসিডেনট গো চি মিনের স্বাস্থা ভাল হাছে না। নিশিট তিবিংসকের। সার্গদন-রাতি ধরে তাকে দেখ শোলা করছেন। প্রেসিডেনট হো চি মিন এই वहर ১৯ म ५৯ वस्मृति भूमार्भाव कारम।
- 8 **বেপটেমন্ন**িচয়েতনামী কমিউনিজামৰ द्धाः हेनामाजीतनः प्रांत आहम्मानासः शास्त्र নেতা প্রেলিডেনট হো চি মিন গ্রকাল ভারতীয় সময় রাত ৭টা ১৭ মিনিটে হদরেলে আলাভ ইয়ে প্রস্লোকগমন করেন।
- 6 **বেপটেন্ন্রন**—উত্তর ভিত্রতন্তন সংগ্রেণ হানয় থেকে যে ছোষণা করা হায়েছে ভাতে জানী যার:--২৬ জনের একটি কমিটি দেশ চলাবেন এই ২৬ জন্মৰ প্ৰথম ১০ জনের ৬ জন মনি হয় মসকো পণ্ণী ও ৪ জন পিকিং ঘোষা।
- লেপটেমবর—হানয়ে ডঃ হো চি নিজে **শেষকৃত্তার অন্ম্রান শ্**র, হয়েছে। অগচ ছ क्षन नारेश्वर निष्ठा कर बनाकात स्थाप দেওয়ার জন্য যে চীনা প্রতিনিধিদল হানয়ে গিডে-ছিলেন গতকাল ভারা পিকিংরে ফিরে গিয়েছেন। কোসিগিনের নেতৃত্বে এক সোভিয়েট প্রতিনিধি গল হানরে গিরেছেন। চীনা প্রধানমণ্ট সোভিয়েট প্রধানমন্ত্রীর সঙ্গে সাক্ষাংকার এড়াতে **ठान रामरे दश्रह अनमदाम स्टाप्ता शांक एका।**
- বেপটেমবর—রাশিয়া ব্রংগাদলাভিয়াকে তার সার্বভোম**ও** ও স্বাধীনতা রক্ষরে প্রতিশ^{্তি} দিরেছে। গত বছর চেকোশেলাভাকিরা অভুনাণ করার পর থেকে যুগোদলাভিয়া রাশিয়ার কছ থেকে এই আশ্বাস চেরে আসছিল।



বিষয়	লেখক		প,ন্ডা
শ্রীমতী গান্ধীর কলব	নতা সফর	•••	909
্ৰুপদশীৰ সংবাদভা	4 j—	•••	908
দ্শাপট-শ্রীনবার্ণ	૧ ૄ જ	•••	90%
रेवरमिकी-रमवदाख		•••	985
স্নন্দর জার্নাল—		•••	980
ল্যাম্পনে (কবিতা)-	-শ্রীহরপ্রসাদ মিত্র	•••	986
	বতা)—শ্রীপ্রণবেন্দ্দ্দাশগর্প্ত	•••	986
আমি ভাণ্ডায় গড়া হ কোন দিন কেউ শত	—শ্রীশন্তি চট্টোপাধ্যার	•••	98¢
क्ष्मान । तम् (क्ष्म नष	ভান (কাবতা) —শ্রীমতী বিজয়া মুখোপাধ্যার	•••	986

ছোটদের সেরা বই

भाभाव वहे

সাড়ে-আট বছতে শিল্ফ পাপ্তে অবিসমরণীয় সাহিতাকীতি। क्रीफ प्रातावध महस्क्रान्।

er er ভিল শেষাল দিংশী শ্রীপুতুল বলেনাপাধারের ছবি ও লেখার অরণাের পণা্-भाषीरमञ्जू कीवनवातात कीव।

विकास माथी

ক্ষপনব্যুড়োর রচনা, শ্রীসময় দে-র বর্ণাক্রী ছবি। ভারত সরকার [8.00 . 8.40] ৰভাৰ প্ৰদাসভ।

न्यायका-नीविक ইশান-কোণে

ডঃ 'শাশভূষণ দাশগণেতা ছালে ও ত্রীস্থা ভারের ছবিডে [00.5] SEPER I

क्रीवर (पंगा দ্রীবাদল সরকার রচিত ও চিচিত ছোটদের বাধার বই। বাঙলার अपन वहे श्रवमः

(BIBCH'S विश्वनम 'স্পতা কর রচিত শ্রীস্থ'বার চিহিড সেরা বৌশ্-গদেশর 15.401 সংকলন।

হৰিতে প্ৰিৰী > (जानिम ब्र्या) २ (शन्कव व्या)

শ্ৰীমনোমোহন চৰবতী ৰচিত গ্ৰীপ্ৰভুল ৰন্দ্যোপাধ্যাৰ চিহিত দুই ब्रुट्स्य संकीत किटा नत्रम विवसन। शिष काम ३-३६]

बारण बारण **बाह्य विक्रम**

প্রীপূর্ণ চক্রবর্তা রচিত ও চিত্রিত ভারতের বিচপানদশনের देखिशान । यह, स्रीय । याधनात व्यान्त्रकीत वर्षे । [9.00] প্ৰস্তুত ভালিকার কনা লিখন

मिन,

সাহিত্য সংসদ প্রা: লি:

৩২এ আচাৰ' প্ৰকৃষ্ণচন্দ্ৰ রোভ # কলিকাভা ৯

মুভান রূপে ন্তনত্ব পটভূমিতে আৰু একটে পৰা প্ৰকাশিত হইল। श्रीज्ञात्वाधकमात क्रवकीय

কৰ্ণাট পৰ

উপনাস-রসসিত **চলকা**হিলী 🛥 ছাজা আমবা আবে: ১২টি প্ৰ প্ৰকাশ করিয়াছি।

श्क्रम श्रकामन

वाश्चाय विश्वववाम

সংশোধিত চতথ সংস্করণ - ১০-০০ **बीर्नाननीकित्यात शृह धनीछ**

বাংলা সংগীতের রূপ

6.00

স্কুমার রার প্রণীত গ্র্যান্তি স্থাদের

खगराजाजा व.40 নিম'লেন্দ্ৰ রাষ্টোধ্রী প্রণীত छ। ब्राह्म विश्व विश्व

जासात कथा ५०.०० s. সি. গাঙ্গ**া** প্ৰণীত

मार्थमात रूपम भारत्कान शक्तीनक हरेता।

भात ए छ छ

শরংসাহি তাবিষয়ক সমাকোচনা প্রশা

कः मृत्याधरुकः स्मागृञ्ज সর্বস্তরের পাঠকপাঠিকাদের জন্য

শাপ্ষত ভারত

দেবতার কথা : ঋষিত্র কথা অস্বৰেৰ কথা : উপদেবতাৰ কথা শ্রীস,বোধকুমার চক্রবর্তী প্রণীত

क्षे क्षार्थ स्वयंक्ष्य स्वयः ছোটদের জনা ভারতের বিভিন্ন বাজা নিরে এক একখানি স্বরংসংস্থা ভ্যাণকাহনী

ज'सारम्त (म्य

कें जिया: अन्ध: महिन्द ncame affer eta তামিলনাড

প্ৰতি খণ্ড মূলা ২-৫০

প্রকাশক : এ, মুখাজী আণ্ড কোং প্রাঃ লি: ২ ৰণ্ডিম চ্যাটাজী স্থাটি, কলিকাতা-১২



वार्हे पित्वत्र पिव वायात्र यूथशवि वा कर्षे कायव ७ वावणायत्र रस छैठेव !

'৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা

আমাৰ স্যাকালে বিষৰ্ণ সুধ নিৰে কি কয়ৰ কেৰে পাজিলাৰ না, অবচ চনীলের নজে বিশেষ ভিনাবে बराठ करव आहा स्थारहे । जिस वाकि । त्यरव कुल পাইনা, এখন সময় স্থীভাৱ কথা যদে পড়ে সেল 🕯 ও বলেটিল প্ৰস-এই ৬ দিয়ে প্ৰপদাৰণোয় পরিকল্পনায় ও বালা কার্ড পেরেছে : ট্রক কয়লাব, আবিও ভাই করব ৷

धर वष्ठव घिएय पित्र

পরিকল্পনা ৪ ভার কাজ

এক সন্ধান হ'বে বোজ রাজিবে একবার বাং ছবার ৰে প্ৰস ক্ষেত্ৰ ক্ৰীৰ মাধ্যক লাগলাম। অধ্যে রুপরকার মধ্যা ও ক্লেক-আল উঠে গেল।

घराधनात छोत्र *मा*श्रहमान সময়ই ফুটে উঠল রূপ।

বিভীরকার মূখে ক্রীয় মাখলায়---রপলাবলোর বেন গৃয জাঙল ৷ এই ক্ৰীৰ চাৰড়ায় খুব জেন্তার লিয়ে এমন সৰ कुकरम् बन्ना त्वत्र क'त्व क्रिन, क्या क मानाम मान मानाम भागमा । मुख्यी १'रम क्रिका सम्बन्धि केन्द्रत ।

विरुप्त प्रकारि जाश्व प्राथित ह'ता बहेग--- प्रतीन na, আয়ার মুধের ক্লিকে জেরে বাকি পদক পড়ে বা !

चाल पाक त्याकड़े शब्भ-वर १-तिस्य क्रमशायागर ল্বিকলন। কালে লাগান—আপনার সুববালিও হংগ किद्द जान्त्र्व (कामन जात मान्त्र्य: कता !



পট্স কোন্ড ক্রীম — গৃথিবীর এই মুখন্ত্রী নির্মবকারী ক্রীমই কাটনিতে সবার ওপরে हीब्द्रा-१७ र इसक्त्रीत्रहेड मिकि कार माकि शुक्राद गरबीक



विवस छापक		न्दर्भ
णान्धिनिदक्षद्वतः शक्ता अन्द निन्नकानकीतं कनिकार		
— श्रीवरगाक त्रप्र	•••	989
जन्दनत निज्ञ-नन्नदनन	***	RO?
ৰ্শবভা—বনফুল	2	960
জীবন বে-রকর—শ্রীস্নীল গণ্গোপাধ্যায়	•••	966
বিশ্ববিজ্ঞান-শ্রীসমর্বজং কর	•••	995
भाषाभार्त स्थाभार्य न्यः भारताभाष्यात	200	999
गात्नद्र जानद्रमार्ज एमय		984
बारनात हार्नाहरू-श्रीजायम् म अन्यात		947
ভারেৰির ছে'ড়া পাড়া—ফাদার দ্যতিয়েন	***	929
আৰ্থিক ভারত—শ্ৰীস্ত্ৰত গণ্ড	***	A02

	लाब वरे
क्षकां पण	रेटरमाकानाथ स्ट्रांशायास्त्रत केलनाल
ন্মর্বাক্তং করের বিজ্ঞানাপ্রকার উপন্যাস ভয়কর সেই মানুষ টি	क्कावर्ण •••
৩-২৫ জীক্ষকীকুরের প্রাচীন ভারতের গলগ	আশ্তের বন্দেরপাধারের উপনাস বিজ্ঞানের স্কুল্বপন ২-৫। গোগেল বন্দ্র রছসা উপনাস
বিব ভারত ক্রক্তা ০০০০ বিক্ষাসমূল্য হটাপাধারের উপন্যাস	শ্বশাস্কুট শিবরাম চরুকতীরি গ্রুপ-কংলন
बानन्यन्ते [स्हाउँदम्तः] २-०० गोरनगञ्च ब्रह्मेशूमास्त्रत	বাষার ভাবুক শিকার
क्षण्यस्य क्षीयन-क्या २-२७ व्यवस्य निवास क्षेत्रसात क गण्य सुद्धविभिक्की क-००	চোরের পাচার চকর্বর্ভি ৩-০০ সময় ভট্টারের গুটি বড় কল
बक्द्रबुची . • • • •	नाविक शक्तभूद्धं ७ भागत शक्तकता २-००
नन्भ जात गरुभ २.२७ मृद्धा वाता जिल्लीहरू ०.००	न्यभनवरकार गण्य-जनसम्म ज्यभनवरकार कोषुक काविनी २.४८
क्रामत्त्रक निरम्याम २.२७ ग्रामण सूर्य-वह मन्त्र-शस्त्रमा वाविषुविद्र (मृत्म् ०.००	ग्रामीन बातात नत्य-गरकात शक्यास्य जाउन

काशानका कालाला	JF4E
हाम्रागय	₹0.00
অসহাশক্ষর রার	
ভূকার জল	6 .00
	9.00
जाहें	8.00
রমাপদ চৌধ্রী	
ভারতবর্ষ •	
अधीवी संस्थ	0.00
এখনই	
·	R-00
म्हणाय म्हणाशासास	_
नाबरमब छाट	र्धाव
TIND IN CIT	0.60
निशा गर	
काराज गःगा	9.00
कारणा अस्यान	t -00
কালের প্রথ নি আন্ফোর ম্থোলার	स्त्र
mens fla	
जारनात्र ठिका	41
শ্ৰু শূলনাথ কলোপা	8.40
	_
আনন্দ ভৈরব	10.40
অপরিচিতের নাম	8-40
দীপৰ চোধ্রী	
(चन्ना ७	6.00
গৌরীশক্ষর ভট্টাচা	af .
यशकारवात्र भ	, जुन
	¥-00
क्याम्ब	Ţ- "
বেহুশিলগী	.oo
প্ৰাশতোৰ ঘটক	
তিনপ্র ব্র	\$2.00
লগ্য প্ৰকাশিত ২য়	\$-00
व्यक् रण	
रभागानस्तरबद्ध व्यव्य	6.00
नात्राक्ष्य श्रद्धारम्बाह्य ठीयास भ न्य	
জ্যতিরিক্স নক্ষী	6.40
नम्ब ग्रहीय	0.40
আশাপ্ৰণা দেখী	, =
जनकर्रा छेजा	6.40
कि अन मारेदार	ñ
a> विश्वास जवनी स्वीतः	



প্রক্ষাত্র নতুন বিনাকা টপ এমন একটি গোপন সম্প্রারণদীল উপাদান দিয়ে ভৈত্তী বা ট্রুপেটকে আপনার মুখের ওপ্ত আনাচে কানাচে হড়িরে দিয়ে স্কারিড জীবাধুর সাথে সংগ্রাম করে। কলে আপনার মুখের আছা বজার প্রাক্তেন্দুধ সারাদিন পরিস্কার ও ডাজা থাকে।

প্রমান আদলি নিজেই দেশতে গাড়েন। গ্যান্ডটোরীয় পরীকা আল বার্টভেই করে দেখুন।



केतान शास्त्र कर असूर काम स्वरूप कर्म कामा क कोस स्वरूप क्रिय क्रिय केला क्रीय क्रिय



বিভাগ ট্রপ সামার করে। বিশিয়ে, তার এক কেটো কালে পারের করে। — বক্তবুলা বেশুটা।



mint was pour, fame by it was about relates when one, was relates one on form and we was related west a



शिताका छिथा... इत्या पूर्व पतिवात त्यापन क्या।

Annual to Annual and



		-
		-6,00
पता-गरेता-क्रीक्टी		ROG
	- 0 0%	e a construction of
क्ति अर्थानी-किर्वाधित	4+4	427
পশুভদ্ধ—ডঃ সৈরদ মাজতবা আলী	***	A20
	*44	474
সাহিত্য সংবাদ-সনাতন পাঠক	•••	442
भर् चक भौ का —	***	440
रंगात बार्ट- धक्लवा	***	450
ৰাজিল্টনের আইনকান্ন-মৃকুল		454
वृक्तकगर—	444	423
जबनारण्य		HOG
নাপ্ৰাহিক সংবাদ		409
	•••	•

श्रष्ट्र : धीन्द्रशन स्मन

শিবঠাকুরের পোষাপা্রার বেদ সব, নেশা-ডাজে উইটশা্র এল এল ডি, বারিজা্রানা, গাঁলা, ডাল, চরল আর চাড়ু বেবাক টেনে-টুনে সব পরজাট 1

আরেশ্যস, কাতারে কাতারে বিলিভি ছিপি যুবক-যুবতী, এদেশে এসেছিল মহিব মহেল ইপ্রাীর মন্দিক। হতে, দেৱের মুলা তো কানাকড়ি, দেলেদের গা-খালি পা-খালি, মেরেদের আদুড় গা নামাবলি লালি গলার কঠি, বাোম ভোলেনাখ, দেখে রঞ্জন মজ্মদার হেন ভিক্তমবাজ ছেলেরও চক্ষ্যির, কাশী-বেনারসে নাকি তার বিক্য অভিজ্ঞতা ছলেছে, আর লিখেছেও বটে, গোড়া গেড়ে টান মেরেছে যেন, কলে মার কৈলাস এফেই হরেছে, পড়ে রোমাভিত হবেন কখনো, কখনো বেদনার শুক্ত।

বিশ্ববাউ-ভূলে ছিপিদের নিয়ে বাংলা সাহিত্যে সর্বায়ধ্য

त्रक्षन मङ्गमात-अत

शिश अञ्जदम ५००

। প্রকাশিত হল ॥

র্পরেখা ম ৭৩, মুহান্ধা গান্ধী রোড, কলিকাতা—৯

The second of the second

(14 ACOP)

এই প্ৰিৰ্থাটা
একটা পাগলের কারখনা।
ভাঃ সদাবকনীর কর্ণানরী
সাভেচুরাবিতে হারা বোড়ার
তারা তাদের কলন ? বাইরে হারা
হুরে বেড়ার, ডাঃ সদাবকনীর
স্থিতে, তাদের অধিকাশেই
ভারে নরবালে

তাজের

অনেকে জীবনের ব্ণিপাকে
ব্রুতে ব্রুতে তার উদ্মাদআপ্রমের উপক্লে এসে
ভিড্ডেছ। তিনি পরম
দেনহে এবং প্রপ্রার
ভালের সব কথা
শ্নেছেন। শ্নেছেন
এবং ব্রুছেনে তাদের
অস্বাভাবিক তারণ।

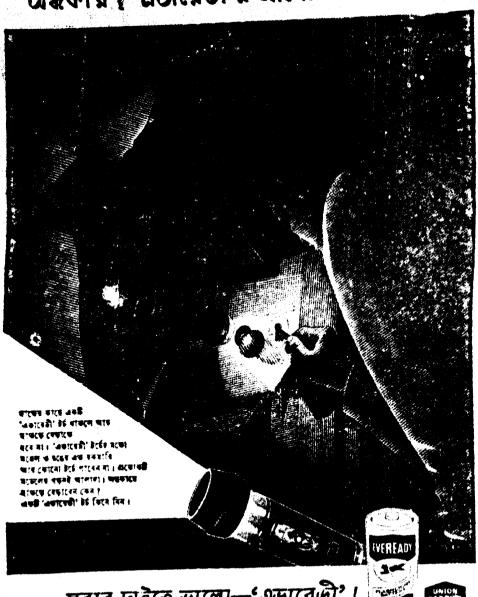
श्वश्न

नाबादन मानग्रन १ वर्ड हेका स्ट ॥

'তাজের স্থান क्वन भ चल-म्यार শাক্তাহানের দ্বপনই নয় क्रारम्य वर् गामारात्नद्र । স্বাংন। সেই সৰ স্বাংন ম্মতার আকর্ষণে জাবনকে টেনে নিয়ে গেছে এক দিগতত থেকে অন্য দিগতে — প্রস্কার-বিজয়ী লেখক নারায়ণ সান্যাল সব সময়ই নতুন-নতুন বিষয়ের সন্ধানী। 'दिक्ष' इन्बनास्थव অন্তরাল থেকে বেরিয়ে এসে নারারণ সান্যাল এবার नकुन कारिनी भागिता ছেন তার পাঠকদের তার তাজের **স্ব**গ্নে।

> ৰ্শীন্ত লাইৱেরী কলিকাতা ১২

व्यक्षकात ? 'अठाद्मिने' ते व्याला स्कल (मः 🗔)



त्रवात **हारे** हाला—'अहाति हो'!





🖫। 🕊 'এম' — সেরা বেঙেড শার্চিং

87/8117A

क्षेत्र हुन्। । अन्तर निर्माणका के कि एक मुक्ति के प्राप्त के कि एक कि



अवस्त्रच — हमश्कात तुन-नाहैः

ভিত্তিত্ব _{প্রমাণ্ডল} বিভ্রান্থর প্র ক্রেণ্ডেড শার্তিথ ও বুশ-শার্তিথ

पामा कार्य नारकार । किन्न कार (हर्स कान पानमार विरक्षक भक्तन करक राजा । क्षि कानक किरम रक्त्य। रून-नार्वे देखी कडिएक म'रत राष्ट्र । राष्ट्रक भारत्य भागराक्षीत कहिनार बाह ছতোর তেখন নিখু'ড বিল খেছে। बाहराह १ जावरात जे कार्यकृष्टे निरामन क्या विराम कार्य ह बेपारवरे रहा विवीद कामरहब ग्राह्मश्री।

विनीव स्थाती हुन-नाकि मद्दद कर क्वारे (डा



একটি পৌরবোক্তর 🕮



আপনার জন্য বাড়ির সকলের জন্য

ব্রিটানিয়া থিন এবারুট



जिलिया मात्रवे (महा विदूर्व

BOC 1330

প্ৰকাশিত হল



MIN R.00

বিতার ব্যার ও প্রাধানতার পরবতী বছরগালিতে নাগরিক বার্ডালী জীবনে গু ভিশ্তাধারার বেলন পরিবর্তান ঘটেছে, ব্ভাদের বস্ত এই উপলাসে ভারই জালেন্দ্র क्ष एक्ट्रक्त । विक्र गानि केन्क्रका, वित्रवेगानि शामवन्त, बहेमाग्रानि शमव । द्वसमान । छेन्नारमस अध्य e विकीस चटकत मत्या नन वक्टतस वावधान कारक-क्षे नन क्वटत প্রতিটি চরিত তাদের নিজ্ঞ নিজ শ্বভাবের সপো সংগতি হৈছে বেভাবে বদলে বেছে, লেখক অতি নিশ্বভাবে তা ক্তিয়ে তুলেছেন।

किन्तु नृत्य आत्मथा मह, वर्रिएट कर्कारे गणीत । शक्त वहवा बाह्य । नृत्य পরিবতনি নয় - সব পরিবতনের অন্তরালে একটি স্থির কেন্দ্রবিদ্ধ গোৰাজ্য मन्धान । तमरे त्कर्श्वांचन्य — ताथक त्राथ हम वनत्र हान — मान्द्वत ब्राव, जाव

बान्धरमब बनाब

আধ্নিকতম উপন্যাস

প্রেম বা প্রেমের আকাংকা, অনা কোনও মান্বের সংগ্য ভার একাছবোধ। अकाश्वराध मय मन्ना आत्म ना, व्यथिकाश्म स्कट्टरे म्थानी रान्न ना, उद् स्मनकन कातकीर भारास्थित कनारे नारक-नारिका धारमत क्षीयन भाषीक यान मानाह। व्याद छाष्ट्रे छात्मत्र ६ भाष्यां प्रतिवृक्तात्मत् यय यार्था छ। दामना ६ आर्थाधकात्र सन ६क स्थान कर्तानात म्मार्ग म्मिन्स हरत छाउँ। सारमत प्रथा मिर्ट व ब्राह्मत देनतामाविकस भाग्रेरकता নিজেদের আর একটা নিবিভাভাবে উপলব্ধি করতে পার্বেন তাদের মনে হবে স্ব বাহ্যিক বিশ্ প্ৰদা ও অনিশ্চয়তা সত্ত্বৈও প্ৰতি মানুষের জীবন ম্লাবান।

अहे रामश्यक समामा यह

কলকাতার ইলেকট্রা ও সতাসন্ধ ৫০০০ গোলাপ কেন কালো ৫০০০ তমি কেমন আছো ৬০০০ পাতাল থেকে আলাপ ৫০০০ তপদ্বী ও তর্রাঙ্গণী ৩০০০ কালসধ্যা ৩০০০

জ্যোতিরিন্দ্র নন্দীর

বিমল করের

প্রেমের চেয়ে বড

केननाम ४ माम ३६.००

अकमा क्याभाय

শংকর-এর

डेशनप्रत्र ४ सम ४∙०० ब्रह्मा-केशनात्र ॥ माम ७:०० - केशनात्र ॥ माम ५:००

भरनाक वम् व

श्वर्श अन्छा প্রেমিক टवाट्याम्य সেতৃবন্ধ

উপন্যাস ৯ দাম ৬-০০ - উপন্যাস ৯ বাম ১২-০০ - উপন্যাস ৪ দাম ৪-০০ - উপন্যাস ৯ বাম ৩-০০ গৌরকিশোর ঘোষের भागील गरभाभाशास्त्रत

সাাগনা মাহাতো লোকটা অরণ্যের দিনরাত্তি আত্মপ্রকাশ

११९० मा प्राप्त ।

উপন্যাস ॥ माथ ०-००

े9नात्र ॥ पत्र 8.00

केमनाात्र ॥ शाम ७.००

कालक् छे-धन

मभरतम दम्ब

কোথায় পাৰো তাৰে প্ৰজাপতি न्व किद्रां ख

ह्यन-উপन्यात्र ॥ माम २०:००

উপনাসে ৷ দাম 6.00

উপन्यात्र ॥ श्राम ४:००

উপন্যাস ॥ দাম ৩.০০

প্রেমেন্দ্র মিত্রের

मार्याथ ब्हारवद

প্রাতধ্বান ফেরে আগ্ৰা যখন চলমল

वक्ताल्य ॥ मात्र 8.00

উপন্যাস ॥ शम ६.००



আনদ্দ পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড ক্ষিম-কেন্দ্র: ১৭এ মহাজা লাশী রেজ। ছলিকাতা ১ অফিস ঃ ৫ চিন্তামণি দাস দেন। কলিচ 🛦 🖁 জোন ৩৪-৮২৪৭

ৰাংলা ভাষার স্বাধিক প্রচারিত এক্ষাত প্রথম শ্রেমীর সাম্বাহিক

(দ্ৰাজ্য

06 वस् ॥ श्रद्धा ७५ मानवार ० वाण्यन, ५००६

গ্রন্থানক শ্রীঅপোককুমার সরকার সংব্যুক্ত সম্পাদক শ্রীসাগরমন্ত্র বৈঘব

ক্ষাধিকারী ও পরিসালক অন্নেক্ষাকার পরিক। প্রথ লিচ ৮ প্রকৃত্ব সরকার ক্ষাঁট, কলিকাট। ৯ থেকে শ্রীক্ষাকান্দ্রমধ্য মনেগণেও কৃত্বক মৃত্যিত ও প্রকাশিত

> টোলকোন ২০-২২৮০ ২০-৮৫৪১

হাদাৰ বাৰ কালকাডাৰ

ৰাতিৰ __ ২৫.০০ ৰাতালিক __ ২২.৫০ লৈচালিক __ ৬.২৫

GISCS

বার্থিক সভাক ... ৩০ ০০ বাংলাসিক ... ৯৫-৫০ ভৈয়াসিক ... ৮-০০

প্রাক্তিয়ারে

(ভারতীর মুদ্রার)
বাহ্মির সভাক ২০-৭০
বাহ্মানক ২০-৭০
বৈদ্যানক ৮-০০

कारक वर्गहरू (काराक शहरू)

বাহিক সভাক ৫২.০০ বান্ধানক ২৬.০০ দৈয়ালক ১৩.০০

জানাল জখলে (বিমান ভাকে)

বাৰিক ... ৩৯-০৩ বংখানক ... ৯৯-৫০ বৈথানক ... ৯৩-০০

দাৰ ৫০ পানসা উভাবন ও আনহার অভিনিত বিদান মান্ত্র ও পানসা

DESM

Saturday 20 Sept. 1969.

শ্ৰীমতী গাছীর কলকাতা সকর

বানমন্দ্রী শ্রীমতী ইন্সিরা গান্ধী তাঁর কলকাতা সফর শেব করে ফিরে সেছেম।

এই সক্ষরকে কেন্দ্র করে একসমস্ত গাঞা কংগ্রেসের রাজনীতিতে যে রকম জট
পাকিরে উঠেছিল তাতে আশুকা হরেছিল শেব পর্যাত্ত না প্রধানমন্দ্রীর সকর
সামানিকভাবে ব্যতিল হরে মার। তা অবশা হর নি, কোনো রকমে একটা মিটমাট
করে নিয়ে প্রধানমন্দ্রীর সকরকে নির্বিদ্যে করা গিরেছে। কিন্তু পশ্চিমবন কংগ্রেসের
অভর্ষান্ধ এতে মিটে গিরেছে এমন মনে করাও ভূল। আপাতন্তিত বে বোরা
পড়া দেখা যাক্তে—সে-রকম বোরাপাছা আরু কংগ্রেসের ওপর মহলেও। একে বধার্থভাবে ভিলন বলা যার বলে মনে হয় না।

রাষ্ট্রপতি নির্বাচনের পর শ্রীমতী গাণ্ধী এবং তাঁর অন্পামীরা কিছ্টা উৎকুর ।
কিন্তু এই থানির ভাব বজার রেখে নিশ্চিতে বসে থাকতেও তাঁপের সাহস হর না।
কেননা অন্য পক্ষ সক্তির নর এমন কোনো কথা নেই। আক্রেই, শ্রীমতী গান্ধী ও
তাঁর সমর্থনকারীরা চান—বে স্বোগ তাঁদের হাতে এসেছে তার পা্র্প সন্ধাবহার।
সে চেন্টা প্রেই শা্র্ হয়ে গেছে এবং ইন্দিরাজীর কলকাতা সক্তরেক সেন্দিক
থেকে বিচার করাই ভাল।

একথা ঠিক, কংগ্রেসকে রাজনৈতিক দল হিসেবে আনার পারেনেনা গৌরবে প্রতিষ্ঠা করতে হলে তার পানর্যজীবন দরকার। এটা আদপেই সম্ভব কিনা সে প্রদান আলাদা, তবে কংগ্রেস নিশ্চর সে-চেম্টা করতে পারে—এবং বলি তা করে তার মধ্যে নিস্দানীয় কিছা নেই। শ্রীষতী গাংধীর সাম্প্রতিক কথাবাতী থেকে বেশ বোকা বার, এ-বিষয়ে তাঁর আগ্রহ দেখা দিয়েছে।

কলকাতার শ্রীমতী গাংধী অনেকগাঁল সভা সমাবেশে বোগদান করেছেন।
প্রতিটি সভাতেই তিনি যা বোঝাতে বা বলতে চেনেছেন তার মনা হল কংগ্রেমের
কিছা চাটিবিয়াতি নিংসন্দেহে ঘটেছে, আর এর ফলে জনগণ থেকে কংগ্রেমের
কিছাটা বিজিয়ে হয়ে পরেছে। এখন কংগ্রেম চেন্টা করবে সেই চাটি দা্ধরে নিছে।
বাবে জাতীরবরণ তারই অনাতম একটি ছোট পদক্ষেপ মাত। কংগ্রেমের আসক
লক্ষা গণতান্তিক সমাজতলা প্রতিতীয়। প্রধানমন্দ্রী ইলেছেন, সামাজিক স্থাবিচারের
সপ্রেম সমাজতলা প্রতিতীয়ার প্রথম গালতান্তিক পদ্ধিতিত, বহুসংঘাক
লোকের সমর্থনে এই আধর্ম সম্বান করা বেতে পারে। দারিদ্রা রাতারাতি দ্বে করা
বাহ না, এক একটি স্থাই, অথকিটিতক পদক্ষেপ বারা ক্রমণ তা দ্বে করা লরকার।

শ্রীমতী গাণধীর বস্তুনা এমন কিছা জতিল নর বা নতুন নর বে, ইতিপ্রে ভা শ্যোনা বাহ নি। বনি ধরে নেওয়া বার তিনি এই পথেই কংগ্রেসকে আবার ভন-মন্যাস প্রতিষ্ঠা করার চেন্টা করছেন তবে জামরা তার সবিক্ষার প্রশাসা করতে পারি, তার উন্যামর সাফলা কামনাও করতে পারি।

বিক এই মৃহতে আরও একটি বন্ধ প্রশন ররেছে এবং সেটি পশ্চিমবক্ত করেছের সম্পর্কে। আনন্তও না আছে এমন নর, তবে পশ্চিমবক্ত খ্বই প্রকটা পশ্চিমবক্তর করেসের পারের মাটি কমলই এমন আলগা হরে এসেছে বে, একে আবার শ্বন্ধ মাটিতে পাঁও করানো কন্টসাধা। এই মৃহতে বিদি সে চেন্টা প্রবৃত্ত করা না বার তবে পরিগাম কী হবে কন্সনা করা সঃসাধা নর। মনে হর, শ্রীমতাী ইন্দিরা গাছাকৈ কল্যাতার এনে অততে কংগ্রেসের কিছু নেতা সেরকম একটি চেন্টা করেছে চেরেছেন। কর্মকান্তার শ্রীমতাী গান্ধী যেরকম বিপ্রা সংবর্ধনা পেরেছেন—কিবর্ধা বিগেও পারেও গ্রাউন্ভের সভার বে বিশাল জনতা সেখা গিরেছে ভাতে পশ্চিমবন্ধ কংগ্রেস কিছুটা লাভ্যান হরেছেন। নিতাসত কৌত্রল ছাড়া বান্ধি মানুবের মনে আবার কংগ্রেস সম্পর্কে সামানা মান্ত উৎসাহ দেখা দিরে থাকে তবে ভাও শুভা লক্ষণ। এখন প্রন্য হলা, নলীয় রাজনীতির লাভ-কতির হিসেব কুলে পশিচ্মবন্ধ কংগ্রেসের নেতা এবং উপনেতারা বি সতিই একর হতে পারবেন? ভান্ধের কীল্যা পান্ধবিই শুভায়তি হবে? কাগজ-কলমে একোর গ্রুমতার কিছুনা সাম্বরি ক্লাক্তরে করের নেনিকত হতে পারা বার। শ্রীমতী ইন্দিরা সাম্বরি ক্লাক্তরের করের নেনিক থেকে কিছুটা রাজনৈতিক প্রবৃত্ত অহুরাপ করেছে।

ব্যালার কুপার বাংক জাতীরকরণন্পী ক্রান্ত লাভ করে পশ্চিমবংগর ছন্তওপা ও ভণনহ্দর কংগ্রেসীগণ দেবীর আবাহনের নিমিন্ত মহোংসাহে আবার মিলিত হলেন। কিন্তু গ্রহবৈগ্ণো দেবী আরাধনার মহামন্ডপে পৌরোহিতা করার অধিকারী কেন্দ্রলেল কংগ্রেস সভাপতি অথবা স্থান কংগ্রেসের নতুনদার মনোনীত কেউন্ প্রত্যান প্নরার গাহ্যমুখ্য অনিবার্থ হরে উঠল। ব্যুধান দুই পক্ষের তাপ উত্তাপ নিনাদ নির্ঘোধে জল পথল অন্তরীক্ষ প্রিত হরে উঠল।

এই অবস্থার একদিন সাভিশর বিভাগত করেকজন কংগ্রেমী নতুনদার ভবনে গমন করলেন। গিরে দেখেন একজন গাহত্তা নতজান্ হরে নতুনদার সাল্যাব্দার পরি করে করে ভুলতে। আর নতুনদা একদল দলনিপ্রাথীকি কংগ্রেসের সমাজতাল্যিক নীতি বিশেষকণ করেছন।

নত্নদা বললেন, সমাজবাদের মমাথি জামদের সমাক হাদরগাম করতে হবে।
ভারতবর্ব আজ ম্ভিনের স্বিধান্ডোগী এবং জাগিত বলিত—এই দুই লিবিরে বিভঙ্ক।
এক দল প্রভু আর অনা দল ভ্তঃ। গ্রুভ্তাতি এবর নিবিভটিতে নতুনদার স্চিকাল
পট্টান্তা গিলো করতে লাগল।) কংগ্রোস
প্রধানমাতীর বলিন্ড নেড্রে আজ বে সমাজভাল্ডিক কমাস্টী গ্রহণ করেছেন তাকে রাপ
পিতে পারলে মান্তে মান্তে এই বিভেদ
ভ্তাতে স্বালমাতা অন্যালের
এখন প্রধানমাতাকৈ অন্যারণ করতে হবে।
এর জনা চাই নতুন প্রাণ, নতুন রস্তু, নতুন
উল্লেখ্য

আনুগত কংশ্রেলী: যে ন্তন, যে অনেক-বাহ্-উদর-নেত্র-শালী অন্তর্প, তোমাকে সবঁত দেখছি। কথনও দেখছি তুমি ক্রেল্ডরাকার জন্য হিললি দিললিছাটে বেড্নাজ, কথনও দেখছি সমাজবাদের কর্মস্তী নিরে নতুন ধনার আমাদের জালিরে দিতে চাইছ। তুমি কংগ্রেসের উল্লীবন চাইছ, আবার ক্রেলেস সভাপতির নির্দেশ ক্রেলের উড়িরে দিক্ছ। যে সবঁ, তোমাকে সবঁত দেখছি, কিন্তু তোমার অভত মধ্য যা আদি দেখতে পাজি না। তোমার অভত ম্থাসকল দেখে দিক জানতে পারাছিনা। তোমার আলত ম্থাসকল দেখে দিক জানতে পারাছিনা। তোমার আদিক্রর্প প্রকাশ কর।

বৰুষদা: আমাতে চিত্ত অৰ্থান কর, আমার
তত্ত্ব ও উপাসক হও, আমি ডোমার মোহ
বিনাশ করব। সর্বাধমান্ পরিভালা
মামেকং সরবং ক্রভ। থবরদার, সিনাডিকেটধরালানের শংপরে পাড়ো না। ওলের ইমেক
ভাল নর। ভাই তো দেবী আরাধনার্থ রিগেড
বিনাজ প্রতিষ্ঠিক হৈ মহাবারের অনুভাল



করছি তার তিসীমানার সিমজিকেটপদখীবের বে'বতে সিচ্ছি না। এবের নেতা অভুলা বোবকে আমল্যবই জানাব না। প্রবেশ কংগ্রেস সভ:পতিকেও প্রথমে আমার বণ্যতা স্বীকার করতে হবে, তবে তাকৈ এই বংক্ত পোরোহিতোর অধিকার দেওরা হবে।

অন্যত কংকোঃ বাৰ্ণতি, ক্টব্নিতে এ মহীমণ্ডলে ভূমিই তোমার
তুলনা। আমরা অতি ম্লেডি। মহতের
রীতি নীতি সবিশেষ জানি না। হ্তরাজা
ফিরে পেলেই আমরা ভূডী। লাবা, আমানের
লাহা কে, মিলাই বা কে? সিনভিকেট অথবা
যাল চনটি?

মতুমলা ঃ ওবে পর্ নির কেলাভেদ তর্
নিতাল্টই অনুপঞ্জিক। উল্লেখ্য সিম্মিট প্রুব।
হ্তরাজা ফিরে পাওরাই আমানের উল্লেখ্য।
অতএব ওইটেই প্রুব। যে পথে যে বিষ্যু দেই
আমানের শারু, যে সহারক সেই আমানের
মির। অতএব কৃতনিক্ষর হরে গাতে শাস্ত

ভন্যত কংলেলী: মহাভাগ, বিলিত এই
বে, পিতামহ এবং অতুলা ঘোৰই আপনার
এই নব উত্থানের সহারত। তাই আপনার
পক্তে তাঁদের পথে বসানো কি এক
অন্তিত নজির স্তি করবে না?
প্রাণে বংগ্রেস সভাগতি বলেজন, কোনও
বংগ্রেসীয় কংগ্রেসের সমাজ্যবাদী কর্মস্তাীর বিরোধী নন। অবচ আমরা আরাদের ইমেজ উত্তরে করার ক্রম আনেক দল
কংগ্রেসীর ভারম্তি এই বলে মলীলিশ্ত
করাহ বে, তারা স্বাজ্যবাদ্য ক্রম্নার।
দানা, এর্শ বিধ্যান্তরণ কি অন্তিত নর?

নভুনদাঃ ওহে, রাজনীতির তবু লাভ চট करब श्राप्तकाल करा बाह नरः। ध यक गाव ঠাই। সভা বলাই ধর্মসপাত, সভা অংশকা শ্ৰেণ্ট কিছা দেই, এও ঠিক: কিন্তু জানবে বে, সভ্যাননোৱে কলের অনুষ্ঠান উচিত কিনা তা শ্বির করা বৃত্ত। বেখানে মিধ্যই সভাতুলা হিতকর সেধানে জিব্যাই বলা উচিত। দশচতে অকুলা বোৰের ভাৰত্তি আঞ্চ কৃষকালটিত প্ৰবীসত। অভএব श्रम थिएम त **STA** ভোমরা यरम्. मिरक गुल्डि मा निरंत करण्य छैनास नियन কৰ। সেইটেই আমদের পালে একা উচিত काल हरन

THE SET BEET STATE THE PARTY.

ইএরাজার আন্তের করলোন, হাওরা প্রকাশ ।
একাল কর্মী গৃহবুশ্ব নিবারণের জন্য প্রকাশের প্রকাশের প্রকাশের কর্মানির কর্মানির কর্মানির ক্রিকাশ্বর করে।
ত্বে অবন্ধা বারোলা হরে উঠেছে বে, অনুষ্ঠানই বৃথি গণ্ড হর।

পিতামহের ককে প্রবেশ করে সভুসনা দেখলেন, একদল কংগ্রেসকমী মহাকোলাইলে ব্যাপ্ত। পিতামহ আরামকেদারার সমাসীম।

পিভান্নছ বললেন, কোলাহলে কল'নত হর, তোলনা পাণত হরে ঐক্য স্থাপনের উপার বার কর। নতুবা আমাদের বিনাশ অনিবার্থ'।

প্রবীণ কংগ্রেলীঃ পিতানত, কিলে আয়াদের খাভ হবে সেই চিল্ডা কর্ম। এখন বজান আয়াদের কডাবা কী?

শিক্ষারতঃ দেবী আরাধনার মহাবজে লৌরোহিতা করার যে প্রথা আছে, এ ক্ষেত্রেও তাই রক্ষিত হবে। প্রবেশ কংগ্রেস সভাপত্তিই লৌরোহিতঃ করবেন।

মভুনদাঃ বিষ্টু তিনি তো প্রধানমন্ত্রী সম্প্রে তার কট্ডি প্রজোহারে সন্ধাত জননি।

শিক্তমতঃ বংস তেমার তর্গমতি স্থা এবং স্থ্রব্ধি শাপাধর মিতের কুপরামাশ মতিক্তর হতেও তুমি ধরাকে সর জান করত। ওরাবনিং কমিটির ঐকা প্রস্তাবের পর এসব করণতর প্রথম উত্থাপনা করে বৃথাই কল কোলা করত। তেমেরে অভিমান প্রতি তেমার অভিনাব উক্ত, কিন্তু প্রেল্ড প্রতি তেমার আভ্রাব উক্ত, কিন্তু প্রেল্ড প্রত্যান কংগ্রেল স্ভাপতির উপর টেলা মারা তোমার কর্মা নর। তিকৈ শৈবত্তে আহ্রান কানিবে তুমি ম্বতিট প্রকাশ করেত। তুমি রাহ্রে নার বৃথাই চন্ত্রকে প্রাস করতে চাইছ। রাহ্রেরসে চন্ত্রকে প্রতাশহীন হতে কে করে লেখেকে?

নভুনৰা কোনে চক্ষা বিষ্ণানিত করে বললেন, ব্ৰেশ্ব বচন লোনা উচিত, কিন্তু অতিব্ৰেশ্ব নয়, তীয় বালকের স্বান। উনি ক্ষীবিত থাকতে আমি কন্ত ধারণ কর্মব না।

পিভাৰতঃ অৰ্চিনি, ও সকলে আহাসেই কৰা কেল হওৱা অন্তিত, ভাই ভূমি টিকে বুইলে। ভূমি বদি আহাসের প্রামশ প্রহণ না কর, তবে আহি আর কোনও ব্যাপারেই নেই। এই আয়ার প্রতিক্ষা।

অতঃপর পিডামহের এই ভীৰণ প্রতিকার কথা কংগ্রেসহহলে রটে বাওরার পর একন চাপ স্থিত হল যে, নভুনদা প্রতিকার বহিষাকে সাদরে বরণ করে নিজেন। এবং অন্যত জনদের এই উপদেশ দিলেন । প্রতিকার এই বাংল কর্মান্ত করা করা— ভগরানের এই বাংল ক্ষান্ত্রনার করাই এ সুন্তে

The state of the s

তার কলে, দেবী বীদ বোজার আনেদ ভারতো ফল হর হতভেশা। দে বংগে এরোন্ডেল্য হিল না, প্রশাসকথে দেবীর আগমন হতলে ফল কী হতে পারে পালে ভাও লোখা নেই। কিন্তু এবার পশ্চিমবল্যে দেখা গিরেছে; দেবীর অর্থান প্রধানমন্তীর বিহানে আগমনের নাটি কল 'ছাত্তভগা'।

আমি বলছি না, পশ্চিমবপা ছন্তপা ইলেছে। এ কেন্তে শুখু বংগ্রেস দল সন্পর্কে কথাটা প্রবেজ্য—ইবিদরা দেবীর আগমনের কলে হন্তপা হরেছে কংগ্রেস দল। রাজ্মপতি নির্বাচন নিকে সর্বভারতীর বংগ্রেসের সপো পশ্চিমবপা কংগ্রেসেও বিক্রের দেখা দিয়েছিল; কিন্তু এবারের মত্র ক্যাড়া সেবারও হর্মা। পশ্চিমবপা প্রদেশ কংগ্রেসে এত কলচ্, এত বিব্রুতির লড়াই, এত পারস্পরিক দেবারোপ হাল্ফিল তার ক্ষাও হ্রেছে বলে তামার অন্তত মনে হর্ম

দেবীর প্রমানর সংলা সালে হ সে বিরোধ মিটে গিরেছে তেমনও নর। বরং নতুন পর্যার কলছে প্রের হচ্ছে। তালেল কংতেসের এই পর্যারের বিরোধ দেব প্রতিত কোথান গোরে গাঁড়ারে এখনও কেউই তা জানেন না। লাপক কি সন্মান্থ সমরে নামারেন? তাতাপ্রাব্দ্ধা কি সিন্ধার্থানার্ভ্যার বিরোধে তালেন কাটিত কালেক? না, দেব বির্বেশ তালেন কাটোত কোলেক? না, দেব মাহাতো আবার সব মিটাটোত কোল বাকেন্দ্র স্বাব্দ্ধা নিতে এগোবেন? না, দেব মাহাতো আবার সব মিটাটোত কোল কংতেসের স্বাব্দ্ধা নার্বাক্ত নালাবার এখনই ও তালেক কংতেসের স্বাব্দ্ধা নার্বাক্ত নার্বাক্ত মান্ত্র কাটি

কী নিমে এবারের বগড়টো হল ? কোনও আদর্শ নিমে? না। বগড়া হল্যে জনসভার সভাদভিদ্ধ নিমে, অভুলাবার সভার উপস্থিতি প্রসংগ্যা এর সংগ্যা নীতি

শ্বন জালৈ ক বিনামন জে স্থানা সর্বাহের ইতিহাসের স্নাস্ক্র স্নাস্ক্র ব্যুর ভাইরী ১০৮০

मार युक शकेष ১৮दि, मासासम एर मेरि, बॉलकका-১३

(M-VOGA)



वा जागराय खानाखान क्लाबाहर

প্রথম বিরোধটা বদি বা মিটল, শ্বিকটির কগড়াটা কিল্টু থেকেই গেল। প্রাক্তির সেন সিম্পার্থবাব্যকে কে চিঠি দিরেছেন তার রেল এখনও চল্লো। মনদান অভিক্রম করে, প্রবেশ করেল করম ভিল্পিরে এখন সে বিরোধ গিরে পোছিছে কেলার জেলার কর্প্রেসীসের মধ্য।

সভাপতিবের ক্সভাতী কেন্দ্র ছেলে-ग्राम के किया करणकार चल्लावर इ উপন্থিতিত বিরেশটাও তেমনি ছোল-প্রভাগবার প্রদেশ করেবে সচাপতি থাকতে পারকো, কিন্তু পশ্চিম-হাজ ভাগোলী জনসভার তিনি সভাপতিছ करात भागारम मा! जन्नावार, बहार्जाकः কমিটির সন্সা থাকতে পার্বেন, কিন্তু कः भारत काका कममहाद शाद कार्ड दिस्ट भारतक मा! हकान मान्य डाक्टेनीटक गर्म এমন বণাড়া কেউ কুখন কুশ্পনাও করতে भारत मा। विषष्ट कराहारम अपन कारणा হয়: হাজ এবং আরও হবে। করণ কংগ্ৰেমের নেতারা এখন আর সম্পে নেই: ০ক্টার ক্ষমতা স্থালের ক্যান্তার তারা মান্সিক ভারসামার হারিরে কেলেছেন।

অখ্য, কণ্ডাৰাটি বলি না করতেন, বলি স্থেতিভাবে প্ৰবানমূলীৰ ক্যাস্ত্ৰী হচিত হত, ভাষ্যল কিন্ত জীয়তী গাল্ধীর এই পশ্চিম-रुका उपनाम स्रीता कालकारको कारक माधारक शाबरहरनः श्रीदा कादेश दश् क्रमणकः क्रद्रास शाक्राक्रमः, माला एवं माकृम माकृम एक्टामाहः ज्यानाह প্রধানমান্ত্রীয় সভেগ ভালের একটা ব্যাপকতর বৈঠাকের বাবন্ধা করতে পারতেন, দলীর দৈনিক সংবাদপদ্ধতি প্ৰেয়প্ৰকাশের ব্যাপারে প্রধানমন্ত্রীর সংক্ষা স্বাই মিলে কথা বলতে পারতেন: কিন্দু সে পথে কেউ গেলেন না কিছু মাৰসায়ীকে, কিছু আইন-জীবীকে, বদিতবাসী সাভিয়ে কিছু বদৈত্তর মালিককে, ভর্ব চিন্তাশীলর্গে চনপাল इन्हर्म्ड ध्यर विभिन्धे मानानक राम्मी किन्द्र 'कीमा लाजकानाहक" असलकातीय भरवाहरू त कल्ली रक्टम करन मरद्यानस्य भूमद्राच्योविक क्या एका वा भगकाण्डक

সমাক্ষানকে কিউটা জীগটো সৈজন সংক্ষা হল কেন্দ্ৰ ব্যক্ষা

বাপালা দেশে আর বাই হেন্দ্র পরেই বালি ভিত্তিক দল যে পরি অলান কহতে।
পারে না, এটা রাজ্যের কংগ্রেস নেভারের পরিকার বােরা উচিত। শ্রীরতী গাল্পী বে বারিগতভাবে বর্তামান ভারতের অন্য সকল কংগ্রেস নেভার চেতে আনের বেশী জনপ্রির ভাতে আনার কেনও সম্পেহ নেই। কিন্তু শ্রুহা শ্রীরতী গাল্পীকে দেশিরে পান্ডিরবংশা রাজনৈতিক দল হবে না। বি নেভার বা নেভারের বারিগতে পান্তারিটির উপর পান্ডিরবংগা দলের করিব্যুশ্য নিভার করতে।
ভাতলে এ রাজ্যে সি পি আই (এর) এত পরিকারতী হতে পরেত না।

এখনে বলেও পরিবৃশ্বি করতে হলে প্রথমেই চাই একটি পরিবলালী আবল্ধিক পরাধানালী বাঁলা প্রথম বিবলেও বলেও বিশ্বা ক্ষানিবিক সংগ্যা সমান্তালে ক্ষানিতিক লড়াইরে ক্ষানেত পাক্ষেন।

国市局

भूश वर्ष : भूका गरका '46 800 भाग 60 वर जनक

৪টি উপ্নাস নলেল্ডান নিং জলাপ্রা দেবী, হারনারকা দটোপারার, গ্নাল সলোপানার
গ্রুপ, ফিচার, রুমার্চনা

প্রত্যা, ব্যক্তরে, প্রথ্যস্থান্ত নক্ষেত্র, প্রেক্তরে হৈছে, বিভূতিজুলন ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তিজুলন ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরার নেক্ষালন্ত ব্যক্তরাবারে, প্রবান বালাল্য, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারে, ব্যক্তরাবারিকার কর্মন্ত্রী, ব্যক্তরাবারিকার কর্মন্ত্রী, ব্যক্তরাবারিকার বিশ্বরাবারিকার বিশ্বরাবার বিশ্বরাবা

নালো, বাদের ৪০ জন বিরুদ্ধিপীত ছবিসহ জোলের জাবিনের গোলের কাহিনার, কিবানা হ' কোল — স্টান্তিক রিপেটো লাম—০-৭৫ এ সভাক ৪-৭৫ র স্থাতির জীমকী/২১, ওলটোলো, স্টান্ট, কলি-১ ফোন ঃ ২০-৪৬২০ এ গোল বন্ধ—২১০৬

শিক্ষণীরত চাই পরিক্ষার আদশ—ৰে
আদলে সাধারণ মান্বের কল্যাণ হবে।
লান্ত্রে বোঝান চাই, হ্যা, কংগ্রেসীরা ওই
আদলে নিক্টাঝান, তারা সতিয়ই ওই পথে
এলোতে চাম। শ্বা কথার ক্লেক্সিতে এ
বাজের লোক ভোলানো বাবে না।

ভূতীরভ চাই, সভিদালী প্রচারকর। ভিত্তৰ প্রস্তিকা প্রস্তিকা ছাড়া এ বংগ কোনও সাঁভ্যকারের রাজনৈতিক দল চলতে পারে না। বাবসারী সংবাদপতে নেভার বা নেভাবের বন্ধৃতা বা ছবি ছাপলেই বে গলের ভালো ইন্দ্রে পারে না পশ্চিমবংশার কংগ্রেস নেভারা কি এখনও তা বোকেন নি?

চাই নিশ্চরই আরও অমেক কিছ; কিণ্টু এই তিমটি জিনিস সবার আগে প্রয়োজন। কংগ্রেসের সেতারা বলি এখনও নল গড়ার কাছে হাত না দেন, যদি গুৰুত্ব আন্তৰ্কানত হয় থাকেন, তবে হয়ত কিছুদিনের মধ্যেই দেখতে গাবেন— স্বাচাগ আর দেই, ক্ষত্যা করতে করতেই সকলে গারাপ্রাণ্ড হরেছেন।

তথ্য দিলি খেলে জীনতী গাশ্বী বা জীনিকলিগাংশাৰে ডেকে এনেও আৰ বঁটা সামে না

নবার ণ গতে

এই ঢা-ই আমি ঢাই

निপট्रस्तत तिएक रशसन तथ रजसनि चाम





রিচকু আপনায় হাসর হাত চা । বোলা রং টেমনৈ খাদ। একা একা কিংবা বন্ধবারত নিক্তে—খবনই থাবেন তথনই হছা। এক পাকেট রিচকুতে গাবেন কাশের পর ভাগ, কাশের গর কাদ আচের চা।

UPTON

Service SURVEY SURVEY IN

TAC-MARK!

इतार देवनेक

ল বুনিয়ার বুই নিকশাল দেশ বুলিয়া আৰু চানেত প্ৰধানক ৰখন বৈস্তুত্ত বদেন ভখন সেখানে আজি পাজবাৰ মেখী করে বিশ্বসূত্র হারা সংমাবাদে বিশ্বাসী ভারা, ষারা নয় ভারার। কিল্ড চালভিন পিক্তি ভালের যে তৈওঁক হয়ে পেল ভার খবনাই কাক পক্ষী টের পার নি তা আভি পাণ্ডতে আসেবে কে? সে বৈঠক ব্যুদ্ধিক পিকিংছের বিমান কদৰে কেন্দ্ৰ একটা গোপন আছার ১১ মেপ্টেম্বর। হর্গজন্ত ছিলেন রাল প্রধানমধ্যী কোলিমিলা আর **डीलित अधानमधी ६ कम लाहे। जारून-**भारम स्केटेंट किस ना एड्डिक बाजन कर পারিষদ জাড়ার তবে চাঁলের নাই উপ-প্রধানমধ্যী লি গুলিয়েন নিরেন করে গুলিয়েন ফা is ইবটাত খেল ভিলেভিলেন কলে লোনা যায়েছ। এবা কেউই কিণ্ড চীন্মৰ <u> भरदार्थभन्दी सन्। लि इस्क्रम सर्वादनरी</u> আত হাসিতে জননিতাপ্রামন্ত্রী। ইবার্যালক দশতর এখন জন ইর হালত। কবিট নট বৈঠকে বেওগাজ মাজিক থাকার কলা। তিনি না ভাকাতে কার্ব কার্ব ধারণ হারেছে তাঁর দশতর দার্গালরেই পার্যালয় ত'র শান্য অনিচ্ছ বস্তরন হয় লৈ কিংবা হাস্থান এপের হাজনের একজন।

সে পরের কথা পরে হাবে। <u>চীয়ের</u> মণ্ডিসভার বদবদল নিয়ে আপ্যান্তত কেউ বিশেষ মাহা ঘামাজে নাঃ কোত্তর মাধ্য-বংশ: এখন দুই সংমাব্যদী প্রধানমধ্বীর हेरेर देवहेक निहर आकाल-आहराहमा ক্ষতে সময়ত ভারা নেহাত কম কার্নান। কৈমিলিন অসেছিলেন পিকিলে সকলে এগাবেটা মাগাদ আর দেশে প্রাড় দিয়েছেন বিকেল সভড় ভিনাটেয়। ভারতে সভড় চার ৰাজির মত সময় তানের হাতে ভিল। সে সময়ট ভারি চ্ছা আরু মারা প্রেনিনের নাম ঞ্জ কৰে কটান নি কিংবা খোদগ্ৰুপ করেও নগট করেননি। তার জানে। হানর থেকে মদেকা ফেরার পতে বারা পালাট পিকং ছাট্ৰেন কেন কোসলিন আৰু সৰ काम स्कारत हु अने सादै है का बाहरे जामारान কেন শহৰ থেকে মাউজ দলেক স্তুত বিভান बस्पाद ? मा पुन्तामा प्राप्ता क्रीम छा पान प्रज হারহা_বর অক্টো টা ইন্টেন্ট প্র ইচ ক্ট ছিল। কিন্তু বছৰ দশক ছে৷ জ্লেন্ত 如何也有一种代码的图像的 একে প্রসংবর इ. क्रिकेट हो के जिल्ला के क्रिकेट के जा। গোডার গোডার তথ্য ভো ছিল মাজা मास्ति । एवन मार्च एक्ट्राक न्यून्य कट्सर्क রীতিমতে তণ্ড বৃশ্ধ দু দেশের সীমান্ড क्रमाकाता का इत्म ?

এই তা হলের জনাব শা্কছেন দ্মিরার সংবাদ শিকারীরা দেশে দেশে। এ ব্যাপারে



দেবরাল

कश्किन्छे अवस्थितिन्छेत्स्य स्टब्स स्टाहरू তফাত নেই। বাল-চীন খেউড বতই প্রয়ে উঠাছল তত্ই থালীতে ভলমণ হাজল ชายมา (PHISCEPT) বিশেষ কৰে আয়োরকা। ভাদের রাম হাজন বাডের শতা বাজি বাজে মারু বাল ভল্লাক লাল **চ**ীনের ভ্রাগনকে পার্টিচ ফেলে: ভারপর বধন শারে হলো জোটু একটা ব্যক্তি নিচে উদ্ধি নদীর মেতানার লয়েও কথন कांक्ष्रभी कावाकादहण्य बावका प्राच्या बाज-চীন <u>শৈবরণ রূমেই পরে</u>য়ারর রুপ্ত লড়িগরে। দৈশ গোলো <mark>কে জন্মন মিছে নহ</mark> । অগ্ন क्याल हिराला साम-प्रिशंककार मौधारणका ও এলাকার একটি বিলেম ব্যব্রেছ আছে লংল গ্রীনের কাছে, কেন না ভালের পারমার্শাবক প্রবীক্ষা নির্বীক্ষা চল্লাভ এই অপুলেই ওখানেই ভাদের পার্যাগনিক অসংগ্ৰহের ছাটি। জন্তের জন্মেকের সংখ্যার হলে: ব্লিয়া চাইছে সে ছাটি নদ্ট করে িতে। চীনেরও বেষে হয় সেই ভয়। ভারা সংক্রিয়াং অকলে আয়ও সৈনাসায়তে নিরে তো গেছেই, লেনা বান্ধে, পারমার্গবর্ক প্ৰীক্ষা কেন্দু আৰু হাটি ভাৱা সহিত্য নিক্রে বুল সমিলত খেলে লুরে, হিমালারের ওপর তিবাতে।

বুলিয়া আৰু চীনের জাধা বল্ল বলাচৰ क्षकते महादे स्व बाधान अस्तर करनाने भाषाका तथात्वार देशमार श्व साराहर ভাদের ধারণা চীনের ওপার ব্যালিয়া এমন **5**एरेक रव सारक जिल्हा मा किएड ब्राप्टाट सा। मा एमरमान महना हातकक बाकासन লড়াই চালতে ভাতে অভি বড় কম্বানিক रियायाची एमण्ड शब्दा चएएक। एक नेस সংক্ষাৰ কলাই ভাতে ভোলা নেটাই 72.3 Bild Ellebaf imies Es ebien ব্লবিদ্য লোগনবদ্বীদের 4.5 राम्यकात कालाः हाराज राजकात गाँव क्षित्रक क्षेत्रपूर्व काक उक्का १९८१ वर्ष हो सार करात बाक्कारक विस्तामक साम्बर्गकराय পোপন থবৰ নাকি এই, ব্লাকি চীনের বিবাসেধ অভিযান চালাবার জানে৷ টেবা হাক্ষে পিকিংটের বৈয়াদীর ভাষা আহু সহা করতে নারাজ। গ্রীনাদ পারহাপরিক ভাত্তি ভেত্তে এমনভাবে দারা উদ্দিদ দিয়ে চাই ৰাচেড কোনক দিন চীনারা আরু মাখা क्रमाख मा नारत।

F groups refrance following fact ভানতে বাকী নেই। কাজেই ভাৰাৰ ছৈবী হতে নিজেদের বর সামলাবার আর হান বচিবের জনো। ভারে রাল মাগ্রের বে চীনে গদার চেয়ে অনেক বেশী ভারী আৰু পোর ভাতে ভল নেই। সভিটে কলীয়া যদি চীনের ওপর হামলা করে আরু লোক-লক্তর ভর যাঁহ তানের না প্রাক্তে তারালা भरता फाफेर कार्य शहर होता शहरानीयक অস্ত্ৰ চুটানেবৰ প্ৰচাৰটে আছে ৰাট্ৰেল্ড বুলা আন্তব কলে সেলালা তো নেহাত इंग्रान्ता । काकडे श्रूम-शीम सहाई बारास रमके देहर ममार्ग ममान दाश्व नदा श्रवहरूत সালে। ন্রাভেদ্। আরু **প্রজ এখানে** রুলিয়া, দ্বাল নিংস্কেত্র রীনঃ ভাব চান কাল্ডালভুবৰ ঘনাৰ কী 🗦 হণ ই লড় ইতে বুলিয়া জিত্ত চীন্তে দখল করাস্ত তে আন পাৰ্য নাং চীয়নত পাৰ্য গাঁবক ষ্টি ধ্নদ কংগ্র ব্লীক ক্ষরে। প্রাব্ বিষয় কার্ণিনের কান্যে 😸 বিশ্ব একারার ৰে আদত্ৰ কাৰাছ ভাৰ কাছ ছোকে ভা ভো व्याव (कर्ष्ट क्रिक्ट व क्रा व क्रा व व्याव है दाण-চনি ভাতিক বিবেল্ডর **ফরভালা ভো** ভার र्भाक्त राष्ट्र भारत स् खात्र हो साम्भव আগনে একবার ভালালে কোনও খিনট নিক্ৰে না।

হত্তো এট কৰা মান কাবট ব্ৰুচিবিন লৌডেছিলেন পিতিব্ৰ আৰু ভবি সংকল कामान कार्याच्या स्वाप्त हु 🚓 माहे আপত্তি করেন নিং প্রির্ভিত এ ব্যাপারে বে করেছে ব্যানিষ্টন উত্তর ভিরেতনাম एक द्वारम साराजहरू। टेटहक **एवं अव**दी इंग्लंड (मारे हैं यह क्या : किइ)हे (म ट्रेस्ट्रॉक हराम अध्य कथान (भार करत स्था दाव না। কিছা যে হালেছ ধরীকে তার কোন**ও** भुकान करना पाई। चित्रशासकेक स्वयम চলভিত্র রেমনই ওলাভ ন্তেন্তেই। কিবর ित होते करते शहर माडे अधान हर कथा रामाप्रम हाडे क की क्या कका? विक्रिते द्यागाहर प्रमुख भारत या इन्तर हेन्द्रेफ तद्वा करेड क्षा का वास्तु । इस कुल्ला देश में নালাভ ক কট তাও নহ। হয়তা किर्मिन्द्र क्षात्र हात गुरु गुरु से बाब স্পাট্টেড[্]ছট তালাম্বন ঘটানত ভাল ন্য राज्यां क्षांचा कार 'रहप्रांक केल्यांक प्राप्त বর্ণশাস্থার এক কাইন্র ক্ষান্ত কথ্য क्सोस । उत्तर व का कार्यकारिक प्राप्ता देशान्त की विकास स्थापन स्थापन हैमापनीह ল্লেলত যাল মন কলতাত চলুক হত্তী बाजानाजित दासितस्य दाक सारहरू चिन তে ভাগৰ মধ্যে ক্ৰেছে। ক্ৰয়েনিক্ৰাছ পুণ দেশত হতা সমান বিশ্বকোট জাজেই ভাবেত্র মানে এত কাশেনে পরও একট আপদ চওয়া अदिन्यादि चन्न-७व सद ब्रहाई देश्म द्राक्त ।

उपपितित्र अवपात हर "अग्राम बग्र"

উদ্যম আর উৎসাহের সর্কোন্তম প্রতীক



তে এই ''বছৰাৰ বছ' । বাল্যন্ত জাছা,
প্ৰিক্ত আৰু উৎসাহেত্ব প্ৰতিমূক্তি-প্ৰথম্ভান আৰু বছৰা কিনাহেত্ব প্ৰতিমূক্তি-প্ৰথম্ভান আৰু কিনা-সমা ইন্ধান হাৰ্যন্ত বাল্যন্তি বে উন্ধানৰ প্ৰযোজন আই পাংসৰ বাল্যন্তি বে উন্ধান প্ৰথম কৰিবলাৰ উন্ধান কৰিব কৰালালৈ আপনাৰে জোবাৰে অকুবৰ প্ৰথম কৰেব সমাৰি এই প্ৰযুক্তাৰ বহু ' কৰালালীন প্ৰথম সুখাছি ও প্ৰযাভ সুক্তিবৰ ' সম্বাক্ত আৰু সমাৰি এই প্ৰযুক্তাৰ বহু ' কৰালালীন প্ৰথম সুখাছি ও প্ৰযাভ সুক্তিবৰ ' সম্বাক্ত আৰু সাহায়িত প্ৰযুক্তা কৰাক্তিয়া আৰুলা মানেইৰ প্ৰযুক্তা কৰাক্তিয়া জীবোৰ মানুহাৰ প্ৰযুক্ত কৰাক্তিয়া কৰাক্তিয়া কৰাক্তিয়া কৰাক্তিয়া বা কিন্তু বিশ্বীক আৰু প্ৰশাসন কৰাক্তিয়া কোলোৱা এই অনুশাস মানেইৰ ক্ষিত্ত কোলোৱা ৷ আছি প্ৰযোজনী কৰাক ক্ষিপাহেত্ব প্ৰযুক্ত উন্ধান ৷

প্রভাবনিক কয়ালটিন বের ভাজে, শক্তিতে, ইজন বাবে ইবলাকে নিজেকে করিছে মুখ্যন ১ বজালটিন বাক্-লানীত বিজে স্বাহতে বেলী বিজ্ঞী হচ্ছে ৷ পরিবারের স্বাত পত্তে পরব উপকর্মিন



ভানতে তৈনী কাৰকেন ভাপতভিত্ত উপ্তানিকৈ জিলিটেড আজিনটা সহায়ভাত আজন এ বহাণ্ডাৰ নিৰ্মিটেড, লক্ষ্য এজনাত্ৰ পঢ়িবেলক ১ ভোলটাল নিৰ্মিটেড

हात्मन प्रचार पूर्वः वर्ष्ण के वर्षा वर्षाव क्षेत्र कांक्षण क्षाक्षण कि विश्व र विवयत्ते कांकाः— । (अष्टेडः अत्र. अ. इ-क्षण्यवस्थाः) कांनामात्म प्रवृत्तीरका कृत्यम नाम के विकास मिद्र अक्षणकीरम्म (कोंक्षणकाम नामात्र नीरह नाक्षणः वर्षे नीरमण नाक्षणे करस्य वर्षे कांत्रे अपे विकासम्बन्धाः कार्वित्य स्थितः

জনংজিত ইডাবি জ লিখিটেড es, জি লোচ, লচাবিটাএচ

माध

Charme



'eriali vaca'

श्री व्यक्त प्रतिक विशेष दशिष श्रीता । स्वाप्ति श्रीतिक स्वाप्तिक स्वाप्तिक

শুকো এনে নাল নাকি? এছ ভাজ-জাতি?

আৰি বীৰ বাংলাদেশের সাহিত্যিক হতুৰ, আ হলে ভয়া আৰাচেই পাৰ্যবীয়াৰ জন্যে লিখনে বলে বেভূম; বীৰ সম্পাদক হতুৰ, আ হলে বৈশাধ খেকেই আটধানা



रबरबारक क्षत्राम विदासमध्य नगत करा बाद

উপন্যাসের জন্টরখীকে পাকড়াও করত্য: বদি বাবসারী হতুব, ডা হলে এব মানাই বোভামে প্রোর কটক জাসতে গরে করত: বদি বারোরারীর কর্মবীর হতুম, ডা হলে চীনার ব্যাপান্তঃ পরিভাড়া আরম্ভ হরে বেত: বদি পাইরে-টাইরে হতুব, ডা হলে এখন থেকেই বারুনাপপ্ত নিরে—

বিশ্ব আমি এ-সব বিবাই নই, নিভাশ্বই কমনমান স্নদদ। প্রতিমার কঠানেতে মাটি বলতে দেখে আমার প্রোর বরচার কথা মনে এল, বোনাসের ভাষনা এল।

ভাষের আকাশ ছিড়ে কথানা কথানা উর্ণীক বিজ্ঞে শরকের নীলা, কিন্দু পোব বর্ষালের উৎসব শেষ হর্নান এখনো। মাজে মাজেই বৃল্টি। জন্স ভরেছে এই গগনের মীল নরনের কোগোণ ভোষের জলের পালা এখনো মিটল না।

প্রথ পারিপেটে কাবা—ববো মধ্যে জিরোম বিরে বৃশ্চির পদলা। ব্যক্ত ভারী ব্যাল আর ছাতা নিরে চলেছি। প্রেভর কথা মনে পড়তে, কতান্য কলভাতার বাইরে কাইনি ভা মনে পড়তে,



বারে শরতের সেনোলি নাঠে রোদে-হাওররে
সেতার বাকরে—সে কথা বনে পড়ার । কিন্তু
ভাবনার তাল কাটল। কলেছ শাঁটি আর
কেশব সেন শাঁটের মোড়ে—ক্টেশাবের ওপর
মারে মারতে একটা।

टाएका सन्दर क्लाक्क्रेस-मजीदर कड़ी লাভ লাভা আৰু কিছাই নেই। ব্যৱস বহিল থেকে বারাম—বা কিছা হতে পারে। চিং हार शास बाह्य कार्डभारयत क्यतः महान क्षकरे। त्यारित प्रता त्राहरू, त्या मण्डा-কর। হাতার ভাতে বর্ষাতা নাকভার प्रताह की अवदेश करन काराव कान नाकिएक আছে বোধ হয় গায়ের স্থামা ভিল ওটা, কোনো অসহ। লাব্ৰীবিক কলবার টোনে আল ফোলছে। আপাতত একেবারে নিরাস্ত— ছোলা চোৰ দুটো ওপরের বিমর্থ আকালে ছড়ানো—বাধা সকাতে জিলা মতে কিছা वनाइ बान वह-काका कावान गुरहो नदाव क्षकी-कराकात क्षेत्र स्नारका स्नाक्तीव দহিন্দ্রা অব্যভাবিত বাদা কেন মেলে রুরেছে হাসির ভশিয়ত। বেখে ছল মহবার আগে দেন কী একটা বুসিকতা মনে পড়ছে रकारहोट ।

মরছে। পাঁচ মিনিট—ক্ষ মিনিট— প্রের মিনিট—ক্ষো জের আধ্যন্ট। লোকট: মরছে।

একটা ছোট ভীড ভাকে ছিলে—বেমন



जनरात मृक्षा वर्षि कृष्यय विरुत्तीता जारन, जामारात नाक रेसर्रान्क मृह्य

स्ट्रा बाटणा किन्सु अवसात पारिकारी प्रातास्य महा स्टब्स स्मा

क्ष को शामिन जानि महेरक भारत्य मा—प्रत्न हम, जानारमहें किर्म करता।

বাংগের ভাবে ক্লান্ড হরে, হাত র কাপ শিরে চলতে চলতে ভাবলুক—বরবার আরো নিশ্চর আর্ব্রেলেল আরো বা, আর এলেই বা কী হবে? প্রিবীর কাছে শেষ রাসকতটো ওর শেষ হয়ে গোলে—অরো



জনাহারে জনহার ল্ডুটক কেন্দ্র করে কবিটা কবিতা লিখে আনর জনান

এই দশক এই দশক এই দশক 'এই দশক' অস্বীকার করা মানেই এক দশক পিছিরে বাওরা

শাল্ড কিছেখা ছোটসকেন্দ্র

প্রিকা

স্বা-প্রকাশিক কথা সংকলদে লিখেছেন:
ইমানাথ রাই অমল চন্দ বলরাম বসাক
সমর মিত আলিস বোৰ কল্যান সেন শেষর বস্তু মোহিত চক্তবতী অর্থেন বাব

এই বনক-এর বানকারকে ৩টি মই দলটি গলা ৮ শেখর বস, ৪ ৩-০০ সমর ৪ আলিস খোষ ৪ ২-০০ শিশুড়ে হাতি ৪ বসর ম বসকে ৪ ২-৫০

শাসনী নই শাস্ত্রবিরোধী গ্রুপ-সংক্রম

१४४-८ बाहर्स श्रमहाराष्ट्र सार्व-५

(in 1992)

कार वि-त सामग्र सवा

প্রেম্ঠ কবিতা গ্রন্থমালা

ভারবি-র অনন্দরণীর বৈজীতে

রি শ ভি খ লভ

রবীলু-সমকাল খেকে লাস্থ্যতিক

রি শ জ ন জেন্ট ক বি র

কাব্যসাধনার শোভনব্যকর সংকলন
প্রকাশ-কটনের স্বিধারে উল্লিখিত
রিপটি শত তিন পর্বারে প্রকাশিক হবে।
প্রতি পর্বারে সমভাবে নবীন-প্রবীপ
কবির সমাহার। প্রথম পর্বারে রয়েছেঃ
জবিদ্যানক্ষ সাম্প্রের

ट्सप्टे क्रिका १-००

बाह्यस्य बनाव

रहार्च कविका ४००० स्माहिकवान वक्तमनस्त्रह

ুৱেড কৰিডা ৭-০০

প্রেমেন্দ্র নিজের শ্রেষ্ট কবিতা ৭-০০

অভিচ দৰেৰ

শ্ৰেষ্ঠ কৰিছা ৬·০০ স্ভাৰ মুখোগাধ্যমের

প্ৰেণ্ড কৰিতা ৬·০০

নীরেন্দ্রনাথ চক্রতীর

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০ ৰীৰেন্দ্ৰ চটোপান্যাৰেৰ

ল্লেষ্ঠ কৰিতা ৬-০০

नव्य स्थादवत

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০ স্নীল গজোপাধ্যান্তের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬٠০০

अरंदि

५०/५ वर्णिय हार्हेटका निर्देहें, क्लाका ५२



हेर्ड देवरबादा माता रगटन कावाची वातरब निकामाटक मावाचा दक्ष

খানিককণ জল-কালার পড়ে থাকবার পরে ৩কে ভূচেদ নিয়ে বাবে মর্গো। ভারপর—

হঠাৎ আমি অন্তৰ কাল্ম, এই
চলাকটার এইকাৰে মরবার গরকার ছিল,
ভীবৰ বছকার ছিল। বেচে থেকে ও কী
করত? রাল্ডার পাললামি? কিবো ভিজে?
গ্টোই ডো পাবলিক ন্ট্সাল্স। স্নীন
সিচিত্ব অন্তরার—লোকের চ্ডাল্ড বির্থিক
কারণ! সন্দেহ মেই, ন্ট্সাল্স কমে গেল
একটা।

কিন্দু তর মাতার গরেছ আরো বেলি।

কিছানিন আগে সেই বীভানে মামলাটা

পড়িছিল্ম কাগজে। হাসপাতালে কোন্ মাত

ল্ভাগার আজ্জনের এসে পেণিছতে একটি
দিন দেরী হরে গিরেছিল, সেই স্তেবলে
মধ্যে ভোগের ভাবে বেওয়ারিস ভোবে

মাছাটি কেটে নিরেছিল কোনো ভারারী
ছাত্তকে বেচবে বলে। খ্যু সম্ভব গুরু
কোটা দ্রকার ছিল ভারী ভারতবন।

কিন্ত এই লোকটা মরে খিলে আর **अको विक्षी शामनात सन्छातमा दन्ध** करत **निरम । व्यक्ति क**िन, फा**हादी** काटरनंद ादना निरक्ष मान्द्रस्य राज् किनएड १४--१/न-¹ পাত্রে**ল** আন্টেমি-ফিজিরেলফী দেখবর **জনের বেও**য়ারিস বাডি লাজের এই স্ব नामर्गाहरीन मान्यग्रहाः भरत भरत भरत মরে কলেই বড়ির অভাব হর না—স্তানের **চচা চলে অব**ণহত। যদি এভাবে বভি না পাওয়া যার, ভাহলে হাসপাতালে ভিসেকশন रमधारमा स्टब की करत-शासका स्वर्धाः পাৰে হাড় কেমন কৰে পাশ কলাব আনোঠমির ভাইভাব? স্বাই তো দাশনিক रक्रतिमि दरम्याम या शएकत देवस्थानिक रख-वि-अत्र शामाधम मन एवं ऋएनत चलुर्गाहत **ब्यारा मध्यतः एमर्शाग्रेस्क ताम कान्न रागरतमः!**

মনে পড়ল আমানের নবীন ঘৌরনে সেই পঞ্চালের মন্দ্রুতর। সেদিন রাক-আউটের অব্যক্তারে কলভাতার ফটেলাথে মড়া উপকে নিভিন্তে চলে যেতে অভাত হরে গিয়ে-ছিলুম্ব আমরা; কিবো সেই বীভ্সেত্য সান্দ্রাধারক বাংগা ঃ সা হোট কালকারী কিলিং।" কোথার গাঁল-ব্লাকতে ব্লেক্সর এনে করে এনে করে বাংকার ওপরহুরায়ে প্রকরে কাঠ ব্যক্তে-ব্লুক ক্রেক্সর করে। মধ্যে কাঞ্চ এসে বন্ধত কার ওপর।

সেদিন উছলে পড়েছ হাসপাডানের
সম্দিধ। শ্বা ডাডেই ফুগোর মি। বার্থা
দেশের প্রানে প্রানে গোরে নেনের করেন
জড়ো হরেছে মান্নের হর্ডের ব্যাক্তর, করের
সব এসেছে খোন মিলা খেকে, ট্রাক ব্যাক্তর।
হতেবভি, মার্ক টোরাইনের বাক্তপ নেই
মৃত্যোগ্য ভারারের কর্যা ক্ষমবানা করেন
মৃত্যেহ চুরি কর্মতে বিরে বার ক্ষপবাত
থাল। সেই ভারার-এই বাংলাকেনে, এই
ক্ষমবাতার ক্ষান্তরের হাবে

करनक न्योद्योग कार्यनास्थ औ स्थ रमाक्या मनत्व चामाच्य. अर की बरहादिन আমি জানি না। কিন্দু এটা নিক্তম বে গেট ভৱে **অবলাই খেতে গেত নাঃ বভক্ষ** বেডেছিল, ভডকৰ লোকটা পাৰ্যালক न्देशास्त्र, कानाकविक साम विकास का किन्छ विवसासिम शहर बहेगाल महनार नहन इतेश चलकर्याम श्लाकाम इत्र लाग। বে ছাত্ৰ ওব জেন কৈনে দেবে, ছাক্তে বেশ কিছা দাম দিতে হতে; আমার এক আছীর ভাৰত হতেছে--বেল মনে পত্ত লোটা ৰাটেক টাকার হাড় কিনেছিল লে। ভা ছলে--অনি ঠিক বলতে পাৰছি না—লোকটা— বৈতি খেকে যা দাম দানেঃ মধ্যে বিয়ে वर्डड कार्नो हेक्ट महन्ता म्लानास इरक डिकेम ।

আৰু ৰেচি জৈৰে এই আৰ্ট্ডিট্টোকা ব্যবি ও পোড়া 2

কাত সংবা-সেই টাকার অস্থেটা লেবে ব্যাহা থবা হাতে পারে আছো কিছুলিল বোচে থাকাত পারত। কিছু কী লাভ বাতে? ও তো লবরের সেন্টিলেন্ট বাজিয়ে বোহা কেবল। মান্য কল্লাল সান্দোলনে কথন সারা ভারত আলোভিত, তখন ওব মাতা তো স্মোলভ। সাংটিটি অব বাইক? এই ভারতবরোঁ? মাধা মারাপা। ভার সেদিক বেকে দেখলেও তথা ও মতুন দ্বাতি।

শরতের আকাশে এখনো রোকের কর। কিন্তু প্রে: আসরে। বাওরার শেকালীর শ্বশাপথ, টামের চাকার প্রেরের চাকাঃ এই লোকটাও কিছা দিয়ে গেল সেই উৎস্কেন। ভারতের বেওরালীর নভুন জালা-কাপ্তর, মুগলে, গুলার কোভলে।

न्याम्भ्रम

হরপ্রসাদ মিত

কালের রাখাণ ?
নাকি কশ্পিউটন ?
বে হও, সে হও,—
আমিও খাুজেছি লানে।
ভূমি তবা নির্ভের রও।

অপুর অধিক অধ্য তুলনার কপিল কগাদ।
এতো দেখেছিল কেউ — নড়াচড়া গলদ প্রমাদ?
সমসত পিশিড়ে পোলা কানামাছি কাগামাছি সব
ভূমাতে-খণ্ডেতে এক,—আমিও কি জানি না দে-সব?

আলেৰ আলোকৰৰে যতে। কিছা প্ৰতীপ প্ৰতীতি, ৰাজতে ৰাজতে ধরা অঞ্চলন নিখাতে শাসনে। পরিণামে রাপ রস! কেন? সে কি কলিত ইশারা? ৰটনার অভিকৰে আমিও কি মানিনি নির্যাত?

বোধ হর ছাদর এক মারিক বাংগার, সে কেবলি বাধা দেয়। ছে ঈশ্বর, ভূমি কম্পিউটর।

কেউ কি আহাত হালা? কেউ হালা খান? তোমার ইপয়ত হাত খট্খট্ লিখছ কাপেন্ন।

বধ্যভূমির ছড়া

ञनरवन्त्र मानागर्

যাতক হ'তে চাইছো, হ'ও যাওক, আমি কিন্তু হ'ইনি মহাপাওক।

মিছো? যদি বড়িরে কাজ হর— মিছো ভূমি ভ্রাতে নিশ্চন

ভাষিভয়া, খেতথামার, বাড়ি, বিকেশবেল। হটি,-আভাস শাড়ি

मवरे विन क्षेत्राध्ये हारत आहम... की द्राव जात्र बार्च जातिनवाहम ?

चान कताउ हारेका इ.६ चानी, बाक्तित भिर्दे कौकन ७क्यूनि॥

আমি ভাডায় গড়া মান্ৰ

णांक ठटहोत्राकात

মারানী এই আলোর ওড়ার নারা ভাশভার কান্স যে কম ছিল গোড়ার, ভাকে পাড়িরে মারে নান্য আর বারা সব পথিক, শ্যা ভার পিছনে চলে মান্য গিরে ছোঁ মারে সেই এক মারি সম্বল— ম্বেচাচারী স্বাধীনভার, ভার মানে একিকে কভিয়ে করা বহা; বেমন করেছেন বাল্মীকি!

মানুৰ কাকে বচিয়ে ?

যতি এমনি কায়ে গাঁচায়

গোৰে পাখিত চেত্ৰেও থালৈ

নিবিড, নরম গেরস্থালি ?
ভাষার ভর করে, ভর করে
কেবল ভর করে, ভর করে

যতি নিভেই ভাকে মারি...
এবং এটাড় তো পাগিই, আমি ভাডার গড়া মানুরঃ

द्यानीयन दक्षे भर्जहीन

विक्रका स्टबानाथाक

হাজার বছর ধরে বে'চেছিল ৩ই মান্বটি মাডিতে চিবাক পাজে: মাডি মাতে পাবে কেরোসিল ভারপর জয়াগাবে বভিজা, প্রথিবীয় ভাস্থর প্রদীপ।

হাজার বছর পরে বোন একবিন
প্থিবীর শত ডেডেও
টেলে নিবে দু হাতে পর্বাত্ত
সরে এল স্বেরি হঠাং কাছাকাছি,
বলে উঠল,
হাজার বছর ধরে প্রিথবীকে বলাতা নিরেছি
এইবার আমি দড়ালার
অন্য গ্রহে একবার।
ভোমানের অচন্দ্র আবাত্র
কলাকে ভরেছে এ শরীর হাজার বছর ধরে
পাথিবি সেসব পাপ
ধ্বাংস ভোক এই প্রথম নিজ্জি নিরুদ্ধ

এই বাধ দে মানা্যতি গ্রহান্ডরে খালে ফেল্ফ রক্ষার পোলাক। ম্লোর কথা না ভেবে নিভাততই ছবীনদ্রনাথের ছবীবনাদ্দেরি প্রতি আকর্ষণকণত
বেস্ব পরিকর গাণিতনিকেতনে হেলেকেরে
পঠাতেন তাঁদের সংখ্যা ছিল নিভাততই
সক্ষিপ্রকথ। তাঁদের কান দিরে অভিভাবকদের হে বৃহত্তর অংশ পড়ে থাকে তাঁরা
গাণিতনিকেতনে মেরে পাঠাতেন ঠিক সেই
ছল্যেবাকের ওপ্রথার বে প্রেরণার এক

বর্মের পরিবার বাজিলিং বা দেরাদ্রের পার্বাক ক্ষুলে ছেলে পাঠন। পাল্ডি-নিক্তেনে থেকে তাঁকের কেরেরা আরম্ভও করত ঠিক সেই গ্রেগকেনী বারা বিশেষ চাহিলা ররেছে কাবনিকা পরবতী ভারত-বর্মের নকেন্ডিরা উক্তমধাকির শ্রেণীর পরিবারের নিধ্যাপিকা গ্রেক্তীর ভূমিকর। অভিভাবকদের এই সামাজিক চেহারা, এই ब्रालाहबाहधन दशायना बाकान नगान हमकाहता বিশ্বভারতী নিছক বিলাস্টার মান্দল্ভে त्रवीन्त्रनात्थर केकाना न्यान कराड नार्काम। রবীলুন্ত্রর প্রকতীকাঁলে জন লোধ ছয় कटबरेखा दवान विकास्मारे वरफीन। बाह-**रक्षा दा**खे। PIN UP कार्तात क्रांत कर्मक अमातका स्टारक। रमोर्विका भवितासिक क्रीमकाक स्थानस्मादक मरक्षा कर्प्यक् ध्रक्रम्बलात दालामाना स्थान-त्यास्ट्रहा करे श्रीवराष्ट्रीय अरण्यष्ट स्माहे. काशांभाकरे कारेंदि দেৱতাৰু দেৱে বৈচাৰে প্ৰাম্ম কেৰে কাৰেই এ विश्वतक इंग्डिंग के देखादव विश्वतिकास তেওৰ স্থাত্ত আছে কিট বিশ্বভাৱতী मीम केराने याद एक कायस (कामन

कुरुराग्रीहरू माहिकारम क्षक प्रेसर एक्टर (वटह হিলেম্বে ফেখ্যন্ত পান্ত এক প্রতির প্রস্তার প্রত্যাস্থার প্রতিষ্ঠিত প্র चारको जिल्ल 2.44 किंग्स (८४%) ডিশিক্তে রাহার কি বংশিকারেশর স্মাতিক প্রতি প্রথম প্রদর্শন করে হয় **অংশঘানই ক**ৰা হয় ? তুৰ[†]শ্ভনাথ চুব সাত্ৰী #বীকা শিক্ষাত স্বাস্থা গৈছে : এট প্রতিষ্ঠাননিকে পাড় ভুজনার জন্ম ভিনি যে তিরে ডিকে নিজেবক কটোর ক্ষেত্রণ-**জিল্ড**নে, কাস্ত্ৰসমূহ ভিক্ষার ক্রিজ করিব নিয়ের বিশ্বস্থানিন জাবন জিলেন, সেকি শ্লু কল্মন ककरणीत्र शतः । चात्रक নিজের নাম ব্রুত্ব হতত রবারিদ্রালীয়া হিল্পেত্র হালি । রামতে হস হতা তার কলন সিশ্বভারতীর A SEED প্রতী এসবই সূত্র স্থায়ে প্রিশেষণ ভার होपा राह्य एकार गांकाम्यात भौतत्रकार कुतुक्त क्ट वर्_ड महक्तित **शक्र** विद्यार । भौतत्रकार्णतः क्षता एउर ्राज्यकात् स्टान-শ্বংগের ভিত্তর ক্লাস বসামত প্রয়োজন হর্মান। লালিতনিকোতনেই কাজাৰ প্ৰয়োজন কিং टर्नीमानारमात्रः स्था ध्रवद्यसम्बद्धी विक्रमानिस् म्हतकम् अयर् हैरमर व्यस्ति। अर्थाक्ति मासी পরিভালনার ভার একটা সমিভির হাত্ত ष्ट्राम निर्म गरकाभित्मक समारक कि । इसाम জভাববোধ দেখা দেৱে ৷ যে অগ্লিড লড্ডার নাঞ্জালী প্রতি বছর ভিড়ে করে প্রশাস্থালেকার উংস্কে মাতটে আসেন, তানের উংস্কেই कि विश्वासाय क्षेत्रे अञ्चल ?

প্ৰদুটাকে অন্যভাৱে নিজে কোন শিক্ষাকৈ



সদি আর ফুডে অসুস্থ হ'রে পড়লে আমার চলে না। বলেন জনৈকা প্রাইভেট নাম শুমতী এঞ্চেন কানেতিক

্ত্রী অ্যানাসিন <u>কড়া গ্রমুধ</u> ব'লেই আমাকে দ্রুত আরাম এনে দেয়।



অ্যানাসিন <u>একান্ত নির্ডরযোগ্য</u> এমনকি বাচ্চাদের পক্ষে**ও**।

আানাসিক কড়া গুৰুণ, কাৰণ নাতা বিশেষ আকাৰণ।
কাকা বেগনার উপল্যে বা বা সুপাবিতা করেন—কাটি
একে বেলী ক'বে দেওবা আছে। এই একান্ত নিউছাযোগা। কাৰণ, ডাক্যবের দেওবা গুলুবর মতই বিভিন্ন
সৈমজ, এতে দেওবা আছে ঠিক পরিবাধ মত। আর ঠিক এট কারণেই বাধাবেরবার উপল্যকারী পুরুৎক্ষের
আনা ভারতে আনোগ্যকের বিজ্ঞী-ই স্বাচ্চের বেলী।
আনোগ্যক—নাবাধরা, সভি গ্রুলু, সাংসচের বাধা,
কন্তুলুজ আর পেনীর মন্ত্রপার ক্রন্ত আবার এরে বের।



Stage User: Goodray Harnest & Co. Life

त-वक्रश

वका र भारतम शक्रमकाकाव विकासीय देशांगीय रिक्टीसमालक (अरमायहे 1448 6214 आर्थकटा शाक्टर हा एकम ? जब रिम्म-विज्ञालको एका किन्द्र शक्त रहागीय विश्व-विमालक शहर भारत मा इब इकाम इम्हल्ये পথতা পোৰ্বায় विश्वविद्यास्त्रक প্রোক্তন বেমন আছে তেমান প্রতীয় ততীয় रक्षणीय रिक्यरिया**मस्यक्त आर**ङ का मनस्य शकन्दालय प्रात्नया निकालांक कराउँ गाउँदे বা কে থাব? দেশব্যাপী যথন শিক্ষা रिकार के किया के विकास कार्यां के किया कर कर कर ज्ञात रकात विश्वविद्यालय अन्तरकार के किया पर क्यांच भाषांचात काला एकाक भारत कि करत ? ব্ৰুং জাৰ আহতন যাল্যির কথাই ভাষা হৈছে

िकार अवेडी हाहार स्वयोगारे स्वयं यहार यारामराम्य अन्तर नाराय ना शकासार विशेषा বিস্তারত বহু লিঃসক্ষর প্রার্থক্ত আছে উপ্ত বিশেষ কোন প্রায়েপার্প ভাষিকা ান্ত্রভারতীর আক্ষয় কারে লাভ ক্ষেক্তল লাকায় ^{কি}লা বিস্থাবেত জন্ম যা **প্ৰয়োজন** TO STREET PROTECT 78.20 লিসালগার **হয় বিশ্ববিদ্যালয় বা**দের धारमागण शाह क्रमारश्क्ष स्थापन स्थापीह চাধিবাকবিদের **ভূতপ্রভারে হৈ** ক্ষেত্ৰ সহস্থ সংখ্যে অসমতিকভান র নগ[্]যার সার্ধাব্দ্রাক সাক্ষাক্র, স্থায়ন্ত্রি, ভাষাক্র প্রবেড় কাড় শাণিত্রিকেরন মেরেড ন্ত্ৰিক পদীৰ পুৰুকে মুখেৰ ক্ষেত্ৰপত্ন পত্ত 2 4 5 774 term and arise. াকভানের কলেক ছাত্র বাহিস্পালয়ের কথা ্ৰাল বা সংখ্যাত ভাৰত বুট িৰসভাৱস্থ⁸শুভ কণ্ড **ভুন্দারণক্ষর সং**থয় প্ৰায় হ'ল বিশ্বী হয়টো বহুন আৰু আৰু বিশ্ব এই হাজ্যন পৰিচিত্ৰই স্মান-দ কারণ ছার্ণার্টাই স্ব্যিকে আর 7% ট্রাফা **ভারতির্থার স**ংখ্যা রাজ্যন্ত হাট্ডন্য ব্যৱসংখ্য কাষ্ট্ৰ কৰিছাৰই নিশ্চয়ই ্রা ^{বি}শ্বাবারশথারই ম্রের্যার্ডারের একনার মনান্ত হয়ের পারে। মার কিন্তু নিক্ষা-লিম্পান্ত আল্লে**ড্নাছ প্রিয়েশের ক্**র ছেল।ও বেদ উপায় নেই। বর্তমান বিশাল রড়ীয়ের এল র ক্রাকে করেকটি লার বিভাগে প্রার বিশ্বিত অধিক ভার্ছটো হাত অন্য অনুষ্ঠ বিভাগেই জাতুহানুহীর সংখ্যা গালাও কম্লাএকজন মার ছার হয় এমন িভেগেও আছে। কলে বিশ্বভারতীয় জন্য ভাতদের মাথা পিছা খরচের হার ভারতথ্যের ार १७ में रिनर्स विसामास्यत कारहरे जान**क** 5580 3.2

প্রিয়াণের দিক্তে বখন বিশান্তারতীর প্রে সেন্দ্র শিক্ষার ক্ষেত্র কোন অবসান রখা সম্ভব না তখন গালের ক্লিক ক্ষিত্রই তার মাধ্যনিয়াত কলাত বাবে । ক্লার গালের হিচাবে বিশ্বভাষতীয় স্থান বার্ডালীর

श्रकामि छ इन

লক্ষার কুপালান্ড বাচালার সাধনা দিক্ত

বির্নাচ্ড

লক্ষ্মীর কৃপালাভ বাঙালীর সাধনা

বাছালীর ইতিহাস নেই এই কথাটি বাঙালীকৈ প্রথম মনে করিয়ে দিয়ে-ছিলেন বঞ্জিমচন্দ্র। বাবসা-বাণিজ্যের অক্লান্ত সাধনার বাঙালীর স্থিতিশীলী অবদানের ইতিহাস লিখতে গোলে উপানানের যে অভাব নেই এই কথাটি হতে কলমে আমানের প্রথম মনে করিছে দিলেন বিশ্বক্ষা।

এই বইয়ের খণ্ড রচনাগালি দেশা পতিকার হৈদিন প্রকাশিত হতে
ধার্ব্য, দারা দেশের পার্টকার্যাল সে এক উদ্প্রিষ উংকাঠ উত্তেজনার
দার। মধ্যে মাথে প্রধন: তে এই বিশ্বকাশ, ধার কলমে রস, বন্ধাবে
তথা, বিশ্বেষণে বৈজ্ঞানিক দৃশ্যি। মনে নানে আবত গতীরতর জিজ্ঞাসাঃ
এই রচনায় কি স্থিতিই প্রমাণিত হাব হে, ক্রজ্ঞানীর কুপালাতের সাধনায়
বাহালীর উদোগ ইতিহাসের বিচারে প্রাচীন, অর্থানীতির বিচারে সফল
এবং অগ্রাতির বিচারে বহা প্রতন্ত্যভাবের মধ্যেও আরু লক্ষ্যে শিহর।

প্রমাণিত ইয়েছে। তার প্রমাণ এ বইরের ভূমিকার **নৃথানাত্তী প্রীক্ষাক্র**কুমার ম্থোপাধণ্ডেরে দবীকারে। দিং ".... বাঙালীর ব্যবসা-বাণিজ্য সদ্প্রে
এ রইটি যে সম্ব্রোপারাণী প্রতাশন সে বিষরে সন্দেহ নেই।বাণিজ্যে
লক্ষ্মী বাস করেন-এটি আমানের দেশেরই স্পুচ্চীন উক্তি হলেও ব্যবসা-বাণিজ্যে বাঙালী ব্রসমাজের দীর্ঘদিনের অনীহা অনেক দুংখের কারণ হয়েছে।.....এ বইরে বাঙালী পরিচালিত বিভিন্ন প্রেণীর যেসর ব্যবসা-প্রতিষ্ঠানের নিবরণ আছে ভাদের অনুক্রপ্রারেই উপত্র হরেছিল আচার্য প্রজ্যচন্দের প্রভাক প্রেরণায়। ব্যবসা-বাণিজ্যের কোন কোন ক্ষেত্র সমগ্র ভারতে বাঙালী প্রিক্ষ-এর মধাদাও দাবি করতে পারেন।বারসা করতে গেলে বেসর গ্রের প্রয়োজন, বেমন সততা, উপ্ভাবনী ক্ষমতা, সংগঠন-নৈপ্রা কঠোর পরিশ্রম প্রভৃতি, বাঙালী চরিতে ভারও যে অভাব নেই সে পরিস্ক এ বইরের পাতার পাতার ছড়িয়ে আছে।দেশের কল্যাণকামী মানুষ এ বইরের নতুন চিন্তার খোরাক পারেন। নির্দোশ-প্রথ ছিসাবেও এ বইর্থানির মান্যা হরে বলে আমি অংশা করি।...."

বহা অস্ত্রান্ত অথচ জ্ঞাতের তেখের সমাবেশে, সাবেশনৈ প্রকাশভিদ্যায় এ বইটি বাঙালীর স্বন্ধানীর কুপালাডের রোমাঞ্চর ইতিহাসট শাখা হয়ে ওঠেনি, হরে উঠেছে বাঙালীর এক বিশেষ সাধনার গৌরব-গাখা।

চার শতাধিক প্টার বই ॥ ডবল রাউন আইটো সাইজ ॥ বহিশ প্টা আট প্রেট ॥ দাম মার পাঁচিদ টাকা ॥

প্রাপ্তিছান : **আনন্দ পার্বালখার্স প্রা: লিমিটেড**। কলিকাতা ৯

স্থাজনিকান কে ব্যক্তিনে কোপাম প্রায়ে खारवर्षे द्यारसाठमः कर्याकः भ रथाः भक्तते। ন্য উঠেই পাছে ন্য এড খণ্ড কলে এই বিশ্ব-বিদ্যালয়কে ডিবিল্য ব্যাহ্ব কোন সংধ্ৰতা আছে কি

প্রদান ওঠা উচিত এই বাল শারা করেছি: কিল্ড উঠেছে কি: বিশ্বভারতীয় সংখ্য হারা ঘনিষ্ঠভাবে যার তাবা অবশ্যই এই

নিয়ে চিণ্ডা ভাবনা করে। খাকেন। কিল্ড আহি বল্ডি বাঙ্গালী সহাক্ষের 300 ব্যাঙ্গালী শিক্ষাহিদ কান্ডা**ল**ী স্থিতিক বাড়লী রাখ বা বাছনৈতিক নেতা- অভাং বাংলা দেশের ভবিষাং গড়ার माधिक वीरमंत्र हाराङ । खोरमंत्र भरका कि বিশ্বভাৱতী সাক্ষেধ কোন প্রথম কথমও इप्रदेख ? इस्ति। **५८ वर्षे** অংকচিত

आक्ट्रबांड कथा करे ता विश्वकातको जन्माक হাজালীর মনোভাব সম্প্রিভাবে ভাছিত চেল্লেট্ৰি: একলিকে কান্য ছাড়া জ্ঞেন গাঁত দেই তেমনি স্বীন্দ্ৰনাথ ছাত্ৰা বাঙালীর সংস্কৃতি বলতে কিছা আমানের কান্য চচারে পরিবি সক্ষতিতা बाधारम्य शाम क्लारक मृत्य दशक रक्लार्य হোত রবীলু সল্গতি, ত্রবীলুমেলা কর্ছি:

व्य जित जिन्नर्यं श्रश्च ऋष-ऋष फार्ग ताती सत त्त्र जित छरवाव लिती कियादाद जित छे शामत

)। मुरचन वढ भविकास कान केन्सून सामगात केनास की न

GIO CERTER NICHTER WAS ALERS MITTER BLANC क्रम किन्ना हो मुस्तन सरिवात बार का किन्नु अवना बाद हाक अला जावजाने हरूकार सर्वाय वास बाहर होता with Box and once organ card and with one are seen क्षेत्रे मुहबारमा प्रक्तः (बहब हुववाबे त्याप्त बहत हवाक बहहत्त ৰ্বাৰ প্ৰতান কৰিছে। এই জাত বাৰ জাত বাৰ বাৰ বাৰ কৰিছে। আৰু প্ৰতান **ভিত্তান্ত**্য এই লেখনে ক্ৰিছ চুক্তানিল বিষয়ে সংস্থায়। ্তা আন্তর্ভাব করে বাংলার করে বাংলার প্রকর্ম করে বাংলার প্রকর্ম করে।
কর্মনা প্রকর্ম করে বাংলার প্রকর্ম করে বাংলার প্রকর্ম করে।
বিজ্ঞান করে ভারত :

CREMAIN CRIMI CRIME MAN RIMEL IN MCMA MAINT ত্তা কাল্ডা - আলনাত কলের আজানিক কোলা আছ তিকে ভারে নই কাছে কোল একট অ'লে জনিয়ে বাবার मान मान मानवाद कर दृष्ट क्या मानवारीय । कार्ड, cere ercu Burgi atfaffer cute alle unge -centu ्रवाटक जानमात्र मुख्य करण किन्त जामरण वासाविक अध्यादनका जान व्यक्तिक

হ। 'প্ৰাভিদ্নৰ কৰবাৰতাত' মুখেৰ নৌনৰ্থা কৰাছ । কং মন্ত্ৰিই কোনো বালকা পাইনাৰ কোনাৰে চ হাৰথাৰ উপায় কী :

famet mein : Bereit attfafer Bis : ermine un शामका ब्रह्मका का नागाः शामका माहव व्यवक स्थाप नामका प्रति शास्त्र करीत ना कर्णाः वात करणान ----



वितासला गामव वसवा



सरीमानक कर्राष्ट्र क्यीन्त महत्रावहत सरीन्त স্থাপতে চ্ছাদ্ৰ ব্ৰীপ্ৰনাথে একেবংর একাকার। কিন্ত যে শিকা প্রতিষ্ঠ নটির জনা জীবনের লেব দিন প্রতিত সেই ভান-न्यानक बन्धीरे केल्बरन क्षत्रीत बहेरनम छाउ জনা এতট্ক চিম্তা এতট্ক প্রয়াসও কি याक्षानीय भरका रहका मिटतरक? कारदल क्रमण कारण खवादाकी साक्षत्रवर्ग रिन्द-ভারতী সম্পরে যতটা দায়িত ব্যেষ্টে পরিচয় নিষ্ণেত কংলানেশ ভার কণাওঁকও দেখার্থন। অবাহালী নেত্র যদি না এগিরে এসে বিশ্ব-ভারতীকে কেন্দ্রীয় বিশ্ববিদ্যালয়ে পরিশত कराया अस रहमारिक अदकार कीम ना এড়বিন বিশ্বভাষতীকে অনা যে কোন বিশ্ব-বিন্যালয়ের চেরে অধিকারর হাতার দলিকা প্রশার করে স্কাস্ট্রের হয়। বিশ্বভারতীর আজে কি দশ্য হাত কলা হার না। কিন্ত याका रमान्य भरकात अवन्ति है दिन्हें सक হৈছি কৰে ভাষণকামী পোছিন বাৰ্ণদীৰ থানিক সাধিধ্য করে দিয়েছেন - মার, আর दिख है कदात कथा एस्ट्र भागीन या दर्गीकर-माएक्टर उद्दे निका समारमद स्थित राक्षामीत প্রকার **একটি স্মারক হলে থাকার** পাবত। শুখু সরকারের কথা বলি কেন। তানক करा इ.क्टी क्यी दावि समयाम दार शामित-নিক্তান অভিন্নিলালা করে নিয়েখন, যোগেরের ভার্যস্থাক করে নিয়েছেন: এমন তেনে হাছালী মাজা কি ছিলেন না⊸া স एकान या क्रिके बंधेन या एकान जनका है बंधेन -किमि एक्टेनक्य विकास करते हाउँ राहकी डिटमार भिटनाक स्नाटराध कराउँका ^२

ছায়ে ফিলে কেই এক কথাতেই জিলার হয় – বাণিতলিকেতনকে নাভালী কটেন্ত জনহাত ছিল্মাত উৎসাদন প্রিস্থান ভিস্তের গুল্ল কর্মাছ, বিশ্বভাবতীকে য়েবেদের বিবাহনেরভা বাভানত উদ্ধান হিচ্ছের ইচ্চেট্র বিষয় লিক্ষাকেন্দ্র হিচ্চেটে সম্মানের সংখ্যা প্রছণ ক্রেনিঃ ডাুস্সি করত, হলি কে কাছির ভবিষ্টের সংগ্ ভিজ্ঞান বিষয়ভাষ্ট্র ভ্রিয়ারত করত হো অবিষয়ার করার যে বিশ্বভারতীর যি ভবিষয়ের সম্ভাবনা তা নিব্রীয় ব্রগীর বিশ্ববিদ্যালয় ভিচ্নেরে ক্লেড্ডে 🖰 🖰 शाका गया का डेन्स्सान राजी कर्ना है है है है कतास किरुपांकटम दिएमएक देश्कारकाटर शाह क्षेत्रह सह एम मनकारमा क्रम्म । এव हेकाटम ब्राह्मद निकारकान्त्र महिनाह ब्रावशाद यह ভরতানের শিক্ষাকেন্দ্র বংল্লানের কেন সাভা ভারতবরেও হয়ছো একটিও নেই।

ধরা যাত বাংলা দেশের প্রেণ্ট লিক্ষারিবদের নিরে একটা সমিত্রি করা হরেছে, তাঁদের উপর ভার দেওবা হরেছে বংলাদেশের দিক্ষার মান উলারন করার জনা পরিকল্পনা করার। তাঁদের ক্ষমানা অনেক কিছার হাংয় একটা বা ক্তান্তি হবে তা হল বংলাদেশের জনা একাধিক উক্তথ্য মানের শিক্ষাকেন্দ্রের কথা ভাবা, বেসব শিক্ষাকেন্দ্রের মূলে পাক্ষা হবে তত্টা জনকিতরণ নর বতটা জান আহরণ—বিলাধ চটা, বিজ্ঞানে প্রকেশা, শিক্ষাকে বিশাশ সাধনা।

প্রথমের প্রদান ওঠা উচিত, নাতন কোন কোলুর প্ররোজন কি? কলকাতা বিশ্ব-কিলালর কি নেই? কলকাতাই কি বাংলা- দেশের সারক্তে সাধ্যার প্রাথকের নাই কর।
কলকাতা কিবাকিনালারের করে করী
নার এনে বঙালী নেই। কিব্লু কলক ভা
কিবাকিনালারের বে আর সেনিন নেই
সে করাও নিক্তাকানাতের সলো ব্যুত সকলেই
ভানেন। এক্লিন ছিল বখন ভারতকারের
প্রথম প্রকাত বাকে ক্ষোবা বারোরা পায়তে
আগত কলকাতার, বখন ভানানা প্রসাধন



পাঠতেদ-সংবলিত প্ৰশ্বমালা

রবাদ্দনাথ যে তার অধিকাংশ রচনায় বার বার পাঠ-সংক্ষার করেছেন, রবাদ্দ-সাহিত্যের অনুসন্ধিংসা পাঠকের কাছে সে কথা সাবিদিত, এবং এই সকল পাঠ-পরিবর্তনের পার্ল বিবরণ পেতে পাঠক আগ্রহান্বিত।

বিশ্বভারতী রবীন্দ্রনাথের বিভিন্ন প্রশেষর নাতন সংস্করণে এই সকল পাঠ-সংস্কারের আন্প্রিক ইতিহাস রক্ষা করতে উল্যোগী হয়েছেন।

महाामः शत

এই পুৰুষালাৰ প্ৰথম গ্ৰন্থ সন্ধাসংগতি, যে সন্ধাসংগতিই আমার কাবেত প্ৰথম পৰিচয়।

এই সংস্কারণে বিভিন্ন সংস্করণের পাঠপরিবর্তন সহ, বিভিন্ন কালে এই গুলং খেবেক বঙি ত কবিতা, সামায়িক পতে প্রকাশস্ত্রী, বিভিন্ন প্রসঙ্গে সধ্যসংগতি সম্বাস্থ্য কবির মধ্যবাধ সংকলিত হারছে।

স্থাসংগতিরর কবিতরে দৃশ্রাপ। পাড়ুলিপিডিরালিতে সম্জ। যাল্যু সাত টাকা।

हाव সংহ ठाकरत्व भगवदी

এই প্রথমালার বিতাঁর প্রথম ভান্সিংহ ঠাকুরের পদাবলী শীষ্টই প্রকাশিত হবে। সন্ধাসংগাঁতের নায় এই প্রশেষ পাঠ-পরিবর্তান নির্দিষ্ট হয়েছে এবং এই গ্রাম্থ স্করেছে কবির মন্তবা বিভিন্ন সমরে গ্রম্ম থেকে বিতাত কবিতাও সংকলিত হয়েছে: এডাড়া প্রথম সংকরণ থেকে প্রদাবলীর রাগ-ভাল, এবং সে শান্সের এথ সংকলিত হয়েছে। ১২৯৯ প্রাম্বন সংখ্যা নায়ভাবিদনা রবীকুনাথ বিনাস্বান্ধরে ভান্সিংহ ঠাকুরের জ্বিনী নামে ধে বাছর্তনা প্রকাশ করেছিলেন সেটিও এই সংক্ষরণে প্রমান্তিত হয়েছে।

বিষভারতী

৫ খারকানাথ ঠাকুর লেন । কলিকাতা ৭



ৰাড়ী সুস্থ ও সবল রাখতে. মুখের তুর্গন্ধ দূর করতে

বিয়ে এর উপকারিতা

হাজার হাজার বহরের পরীক্ষিত

গাঁও ও সভৌব পাকে ভিত্তৰ বহুত্ব পৰীক্ষিত আহোপকাৰী কিছে-এব গৃহ অধ্য সক্ৰিয় উপাদান
কিলি কৈ টুখ (পাট-এ আছে। ভাছাড়।
কিলে টুখ (পাট-এ বাহাছ 'দুৰাইড' এবং
আধুনিক দ্ভ-বিজ্ঞান-সভাত অভাত উপাদান।
কিলে টুখ (পাট-এব ভিত্তৰ দেনা মাড়ী সবল ক্রে, মূখের ভূগাঁও পুর করে, গাঁতের ক্ষর ও পাৰোগ্রিয়া নিবারণে সাভাষ্য করে ও গতে

সক্রাক করে।

ক্ষিক্ষ টুৰ পেক-এং সৰ্বপ্ৰ-সম্ভৱ মাৰ্গ্যোজিক লৈ পাউডাৰত প্ৰেছ। ৰাষ্ট্ৰ। ক্যালকাটা ক্ৰেমিক্যাল জানী গাণী বাজিল কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ৰ পাছালা বেতানৰ ক্ষান্ত পাছা নিৰাজ হাত পোছাও নিজেবের ক্ষান্ত হাত পোছাও নিজেবের ক্ষান্ত হাতব পাজি না বাজে ক্ষান্তা বিশ্ববিদ্যালয় ভারতবাল প্রেটি দানী ক্ষান্ত পারে। প্রদুর্ভ ক্ষান্ত জালাক বিশ্ববিদ্যালয়ে বাজানী হাত ক্ষান্তা নামান্ত্র ক্ষান্তা হানি নাম্ভ ক্ষান্তা নামান্ত্র প্রভাগান বাজানী হাত ভারতবালনি ক্ষান্ত বিশ্ববিদ্যালয়ের গালা নাজান।

কলক।তা বিদ্যবিদ্যাগরের এই অধ্যগতনের করেন থি, তার অন্যুক্তারে
আগতভূপত হব না। তবে একট জিনিস্থ
লক্ষণীয়, কলকাতা বিশ্ববিদ্যাগরের এই
ক্ষণেতন্য সভ্তের ২ ৯ গাঁর নদাঁবা এগনাও
পিছিরে পার্ভান হয়, বাঙালী ভগাপুর
বাংগ্রেমের বাউরে ভারতবারার বাইবে
জড়ির রাজ্যেন। খিন্তু কলটে বাংগ্রেম্য এই রাব্দনা বেলগিন চকাতে পারে নার
বাংলানেনের যদিনা বেলান্তন জান চ্যাবি
বাংলানের যদিনা বেলান্তন জান চ্যাবি
বাংলানের যদিনা বেলান্তন জান চ্যাবি
বাংলার বাংলার বাংলার

*ন্যান্তন কৰে বা এক, বিক্যা প্ৰাণ্*নায় প্রায়ালনীয়ত স্থাীকার করে। নেওয়ার পর द्रम्या ८६५ सम्बद्धाः । इत् ४४% नेष्य ५% লয়ে দেওয়া যায় : কলকাত্য ভিত্ৰে নিশ্যসূত্ৰী নক্ষা শহায় হিম্মেখ্য কলকাভে ওচন একটা ভবস্থায় উপ্লেট্ড হয়েছে কে: RESIDENCE AND A STATE OF PER LETTE এছারা বাস, উস্পট্য রাজ প্রায়ণ এলকার THIS TIPLE, THE PIETE, KITCH TITES তিড়িয়ের মায়েছের এই ধন্তাস্থ লাহে ও উল্লেখ करिका एकका कम्महर दक्षे धारणक्षे प्राप्त সংখ্যা রাজানৈছিক। িশ্বস্থানে শুসত্ত ৰিণয় **ল**ে ওঠার মন্ত্রেশ মান্যাওল ২ট ধ্যুগালের মাধ্যে আন্যুখ্যিকার

ব্যস্তার প্রায়ার কার্মার বিষয়ে বিজ্ঞান বিষয়ে বিজ্ঞান মা নালেটি মনিছিলে সাংগ্ৰহ বছক ভান্তৰ क्षकर का अर्थिकात्यामध्य हैन भारते ने द्रावन รมาเครื่องขางกระการสารทางใช้ ตริสาภ এত সময়নি, ভাতে শারীরক *ং*তত আছে, স্থায়বিদ্ধ স্থাত্র**ল**ে ১০৮ চান্সির বিক্রোপন্ >काक्क डेशांशस ≼७ (दश्री ह्र फंटे डीका যাপন কৰে কেনি সংল্ড **স**ুল্ভ সমূহ ব শা**ন্ধ ব্যব**াট পরিমারে ব্যবশী **থা**কা নয়। কিন্তু মহানগরীর ফ্রীমন বেল্ফ **ব্রে** ិមានស្រុក្ខខណ្ឌអូច្នេ कारका क्या भावतः वाप गाः स्थापका জীবন প্ৰবৃত্যকে সম্পূৰ্ণ বিজিলা হাৰে প্ৰায় আৰু চড়া मिक्ट ग्रह हाथ शर। कार क्वार एकारटर कारण कराया राज মহানগৰী খোক খাব হারেও আক্ষাৰে তাৰ ভিতারও নার। কথাং কলক'ড়া খেকে শানিতনিকেতন যতী: দাৰে कार्व प्रति । क्रिके शहर । अक्सत हार्तिगाक काकिएक एएक्ट्रिक्ट्स एएका

बादि, विरम्प्यक रहाको स्थान ५६ ७ रक्षकारा जा মহানগৰীৰ দংগো ডিক এই মাদ্ৰা বাৰ্ণেৰ महावाला बाक: काबाकार्या क /वंग्लिक লাভানের থোক, হাভাচে, এন ভাই টি. ক্লান্বয়া প্রিণ্যটন প্রভাত ভারে রিকার প্রেন্ট विगरिशालक्षात्रील निष्टेशका धरः (राष्ट्रेन বেকে ঠিক এখন ব্যৱহাৰ কৰ্যান্ত্ৰত হৈ জ্ঞান-সাক্ষরের বংল ইক্সে মার ন্য এক কটার পথ অভিয়ম করে মহানগরীয় জীবনাস্তাত ক্ষ্যাল্য ক্ষ্তে আহতে প্রায়ন, মানার क्रान्ड हास शक्ष्यकर बासनायगात निरुष्ट करक श्राप्ताप्ताची करता गाउना

ভবিষয়েত্র বাংলাই জন্ম প্রিকলিগাড় উদ্যৱস মানের বিক্রাকোন্ডর ভারসংখ্যার প্ৰক্ল পাৰিত নিৰ্ক্তনাত উপৰ্য বৈভাৱ প্ৰথম रक्षात्राम क्षत्रमाञ्चय कार्या छात्र ४.हे **মানেলটিয়া বহুবিয়ালিক হোল। এন ৮**বটো ভলবাড়ার কথা। বে প্রাকৃতিক ভাবর ওয়া এবং নৈস্থিতি স্টেক্ট্রেড উন্তারান্তর জমিক সংখ্যার বাঞ্চার্য নান্ত নিকেছন্ত্র স্বস্থানিকস্ত হৈছেবে দেখাছ শারা করেছে, ডিক্ট বিরোধন ছাড়া ডার মনা कररेक्क का व. . . तमध्यः । क्रमाराष्ट्रः । इतः মান্ত্ৰের কমাক্ষমভার হাবে। ছনিণ্ট - ১৩ বর্তমান, কটিভার গ্রেবমার, হামে বা এটাত 4াবু ইটো শাস্তাত হয় গেদবাৰ্ম কারে এবার ডি. কোনা প্রয়োস প্রতারতী **व**राकाक्ष शयः । क्रम्बन्धः इते क्षूक्रास्यः । इत्याप হা,শিহৰ হত্যাৰ প্ৰয়েশ্প কাছে তথ্য अबन दिक्ष स्थापन श्रमीत शहरी प्राराहत शाह जैतेगा उन्हों पूर्ण होती कहा कहा गरी हर হাম উঠাবত পাৰীছে বাসকালে আছে ৫০ বৰ্ষালৈ সেংগীয়া সাক্ষা এছল এক চলচ্ছ জালেম কৰকৰ কার উঠেছ গাছের পাছা कार फारहारत पृथ है जिस्स द्वान । दक स्वास्त्राह হাত্রস বিষয়ের কে হাত্তর হল আরু ভারতে ব্যার নিয়ে রাশ্রেক বেনিকে পাড়ার কেন্ড প্রস্তুত্ব মন্ত ছাটার পর ছাটা ছাত্র ব্ৰতিক্ৰিয়া প্ৰিটাব্ৰস্থান ভাই ম্বাড रहार्शक: उक् अवस्ति वस्त कार मार मनको করে বড় কালে, কথবা পথ চকাছে এক নেপ্র স্বাসের ভাটল স্কারণত্ব থেকে ছাড়া প্রেড रा १९५७ करा ६४ सह सा सार सार পাছার মিলিছ গলের দ্বরা মান্তর্ভাই কথ্য কংলৰ সাম্ভাতে একাকী চ⁸>া ম্ভিড জ্যাক্যাশ্ব নাগৈছ গোলিক এক ভাৰত জ্ঞানছাত্র জ্ঞানেজ বিভাগের রাজ্য রাজী ক্রী লয় কিন্তু পুরু পুঞ্জ বিশাস্থ **জ**ন গুলার भागात राज बाह्य इक्का राष्ट्रित । वर्षेत्र ४४० লাটিড়ানিক্সায়ানার **প্রকৃতি** নির্মিশ্বর কা **প্রনে**ক তদৰ ভাৱত জনাকৈ ব্যক্ত আহিছে কিলা ভটাৰ हकारत्व भएक यात्र श्राप्तार सम्मान्तः ।

বিদ্যা চুচাত কেন্দ্ৰ প্ৰকাৰ কাৰেও একটি বিষয়েৰ প্ৰায়পণ্য পতা বাবিতনিগ্ৰহন প্ৰা

করে । জানী প্রাধী ক্রান্তানত বাদ কেক जिल्ला कर कर राष्ट्रात कास्त्राच कार शाका । १५ তে। নিত্তনৈতিক পাহিৰ প্ৰয়োজনাতে জনাতীৰে যত ৰখাণ্ডি ৩ সময় বঙ্ করছে হয় তত্ত ভাল। অখাং ন্নাংম किया गाणीतक आक्षणताक्षणमञ्जू राजन्या सः পাকলৈ কোন শিক্ষাকেন্দ্রের পাক্ষে পর্গালার র ফলপ্রস্থিত সম্ভব নার প্রতিক প্রেক गाँग्हों गांक द्वाराय सामन्त्रा अवकराया । को कररामा বৈহানে । এটেট্রক ছোটে ছাবেল ও লাবে। ক্ষরতার জন বিলুক স্থাপ্ত প্রাস্থ ছাঁট্রেম বাংক, সেকেল। বাজার ভারাবেল। এমন বিজ্ঞালৈ কট যাত আভাবে শহরে তাস ৰাত হাতাপত বাছাৰটা বেনে অস্ত্ৰিধা ছোৱা তাৰতাপত **ও মহিন্দেলটোলত ব্যক্তি**ত

रह करे का यह स्थान क मिर्टा नाकस्थान প্ৰে ঘটে বৈয়েটিছক কাভ ৰাছেৰ ছেছে ेटावरे तरणी करकात तेपा बाहा। किक्कू ্রস্ব অটি বভাবের ম্বেট নকঃ ভারতবার गानाम काकार e श्रद्धात्वः नगर श्रीरक्तश्रदात्रः প্ৰক্ৰেটা সভাৰ হৈ চতুনি হা নয়া কিল্ড সে কলাণাঁর সিকেই ভাকিলে দেখা **যা**ক লার চাডীগাড়র বিকেট ভারত হাত একই हीरीय राजिपादियोग कराता कार शहरत। १६^६८७ साहराज्यस्य केराहीलः का SET T কণ্ডচিকে 20.4.5.6 ma "switze ব্যৱস্থানীয়ে প্রেমে এই ঘটিকের দেনের ব্যৱহৃত্তী, ক্ষাত প্ৰাণ্ডত প্ৰাৰ্থক এতই, আহে, ৩ মুখ্য, এইস্বৰেছ চাপ্তে **ভাচৰে পৰিক্**ৰিপ্**ত**

कः बाक्तामय क्रवेक्टार्यात এইচ, জি, ওয়েলসের শ্রেষ্ঠ গল্প লালিক কালেৰ লক্ত উপলেচস ष्ठ्रं ता जात्वत तुर्व ऊगम्दल २३ महर ३४-०० दशक्ष विश्व सवागद - द এর নাম সংসার समित्र श 58 E.F. 3-30 : FFF 3-00 ०त्र शहर इ.**००** भारकत् उद टावली পাত্রপাত্র **লপতাপস** SK TIPE 8-00 304 F.E. 4-20 कार्यानक विकास महर्गावक्कान ३३-०० दौरस्टामस्य कागर् কথাকোৰিল্বৰণিয়নাথ 6.00 नाडाहर शाकाश्रास्टाह ইপনংসের স্বরূপ \$ - GO ভঃ শিশিরকুমার চটোপাশার ভবনে ম্যাথাপাষ্ট্র सम्बाद अहारेग्ड 0.00 विश्वनादिकात न्ही भन न क्रिक्ड 8.00 भवरहरम् इरहे भाषतरसङ् वश्रकामिल तप्तवावनो (म्बाभाउत्रा মাণ্ডোৰ ক্ৰোপান্যায়ের **हालका दलदनक** बनभूरमञ् অধিক লাল নতুন তুলির টান শুধু কথা FA : 1:30 P¥ : 5.50 PT : 9.00 গ্ৰেণ্ডকুমার মিতের बनक्षत्र देवतागीव পাষ ফাগুনের পানা काला इरिव (हार 00.06 PEZ PO 84 WES 4-50 बाक् नाहिका आहेरका जिल्लाक ७०, कानक दर, कीनकाठा-১

शाक्षेत्रपादवय सना निर्वाधिक वरे

रमध्य रमनगर्छ

विश्वव ८५८भ ८५८भ 🚥

क्रमीन्त्रमाच यटकारभागासारवय

অশান্ত মধ্কর

9.00

व्यक्तिका सम्बद्धानाम्य

रथनात्र त्राका

कृहेबल

· 6.00

क्रिक्ट रथनात्र

आहेन कान्यन 8.00

वीनदर्गाद्य

रमथा नारमथा ७.००

मानीन इस्हे/भागात

ভাৰত কন্যা

[क्रुंग्ला

4.00

नि**ग**्डानम

वाबर जान विवि

मकल मन् उग्राङ्गान

নগৰী

\$2.00

50.40

ভালিকাচার্ব কৈরবানস্থ

ষিবৰভাৰ সীত:কুড ১০০০

करम्य गड

ভারতের সাধিকা

চিৰঞ্চীৰ

বিশ্ব ফুটবল ৩০০

ভারতীয় ফুটবল

ब्राटवार्ग (थरक

रेटिंग्स

>.00

কুমাপতি বস্

উব'শীর নরক ১০০

ভবে বাসরে রাভির`ভি

রণজিংক্ষার সেন

মহাকালের স্বাক্ষর

F-00

िष्ठतक्षन बटम्हाभागामात

म्द्रा-नाद्गी-नगद्गी

স্কুমার রার

नील नव्रक्त नही

4.00

অগ্নিমির

बोद (द्री(क्ट्र एवि। ४-००

कुणानः, बद्रणाः भाषात्र

ৰরণীয় মান্ধের সমরণীয় প্রেম ১০০০০

জনেতীর্থ ম ১, বিধনে সর্থী, কলিবায়া-১২

हाकिका धार ग्राम्या एक का केंद्र के बद्धे रा रकाम शक्ष कारण क्रिके होगा मारिकीर काम धारण कास्य रहाते किंग्रु रकाम हास काम धारणे, केंद्र हात केंद्र रहाते बहात गरिका हा काम किंद्र संगक्षिक ग्राम विश्वास कामगीमा गरणा मरणा काम-मार्गित रमान क्रमान व हैटसकान कामिकीय शास मर्गित करा बारण कारणा रकाम किंग्रुक मारिकीर रकाम स्वास कारणा रकाम किंग्रुक मारिकीर रकाम रकाम साम साम।

शकृष्टि दयर हे के कार्रज शहरहे जाता शान्य सर्थाः मधास्य श्रीहरूनम् । शक्तिकारी विकास के लिस करका बाज कराड রার প্রতিসং শিক্ষা ও সংশ্রুতির মান, खोरन्तु श्रहाएरात् भिकारकरम् भिका गिरह দ্বা থাকানে ভানের পাক অভিনয় গাড়াখ-नावाः क्षत्रिक लिखाः नामिकतिस्कारमञ् ল্বী অধুস্থা। একদন রবলৈনে বিজে रटक तराव किया भागी किया याँकि गाविसक रियास क्रथामकाद सक्ष एकर शासने करहे कालन । দেশিয়া আরু দেই, আছাকের স্পিত্নিকেজনে হাস কারন হাঁবা তাঁবের মাধ্য থাকে বা प्रभावताच क्षाप्रास्थल क्षांच क्षाप स्वर्णी स्वर्थे। আন্তার ভূপর লিখার এখানে এখন অধিক अरब्हाक रामधान गरा विरुद्ध गिरुहाकाका क्षक्या प्राप्तात्वे प्राप्तः नातकाम्भाकः मानिष्ट-লৈক্ত্ৰতাৰ সময়েই ERTE FIRE E अपन्यासार इस्त अन्तासर अवस्यास परिवेड क का विकास समार । अस है न का बना, आहे एनका कार्झ भिक्ष र गह डाफम्लागांडा स्पर्ध अहै লৈক্ষাপ্রশাসনের হাষে। প্রতিক্ষাপ্রভান ভাষা रिक्कार मध्यप्रेत हे•स क्रहे अवश्वकार **सम्ब** ভাজে সভাগতে লগতেগত ইলেট এই সমটে সমান কেন্দ্র নিজক লতাওি জিনিসভী **এখা**জ প্রায় কেই। সংস্লেশের জন্ম যে কেন <u>র যে সা শ্রারে কে কেনা লান্যাকর স্ফণিনীটে,</u> য়ে কেন উল্পান জন্মন্তিনে পাদে পাদে কৈ ম্পান্ত বিকৃতি বাহিল প্রিচ্ছ প্রভার আছে। শানিত্রিকে ভানর জীবন তা যে জ সংশাধান রাকে পরিকার্টনত।

অপ্রবিদ্র বার্তাই ভুলাকাত্র শিক্ষার ধ্রধন মতুট সভাত্যে একটি গছালত বিনার হওরার বে ফড়িছিল শাণিতনিকেতন ভাও প্ৰক্ষাটিয়ে ধ্যাড় ধ্পায়ডো শাধিত-নিকেতন এংল ভার শ্রুট বাংলার হাকের উপর ভাসনান বাব্য কাল্ডারের হাউস্বারী নত। চতুলিকের পালী সমান্তের <mark>সংশ্</mark>য ফাল্যের শাণিত্যিকেতানর সমাজ কিছা সাক্ষয় কৈছা কাজে নানান বোগসাংক আছে বোলপারে ও শাণিতনিক্ষেত্রের মধোও আগৰাম যাও উঠোছ এমন একটা প্ৰস্থাৰ-নিভারতা যা উভারের। প্রক্রে, স্বাস্থাপ্রদা বহু ভারজারী कारमान्य रमात्र कालाल राष्ट्रक প্ৰভাৱ আসে, বহা কথা বিজ্ঞান কৰেছ আন্তেমন । বিশ্বভারতীর চোটা প্রাণ্যম এখন কলেক পরিমাণে হলে দ**িফরেছে হ**াল

कानारमध्ये नव्यूत्व माला चल प्रकानगण्डय जावी शालात संस्था रामकायिकात खांभक्रः।

नार्गिटीमरक्ष्टरमञ् कावन्यासमञ्ज 95.4 व्यक्तिकार विकास विकास क्षाणा कारमय क्षरकाकिये बना क्रिका मानसाम क्रक জিনিস, ক্ষিত্ত সাহিতনিকেত্নের সপ্তে সৰ্বদেৰ ও সৰ্পপ্ৰধান হৈ হাছি তা ভার হাওয়ার একটা গণে বা ধরা ছেভিয়ার व्यावस्था वाहेत्व। क्षत्र क्षत्रो व्यावसाय ভারবার কক্ষনা কক্ষন এক ধরনের বিশেব गान बादक। हैशहाल कार्याहरूकात कांच সাহিত্যকরা বে পারী শহরে পিরে ভিড কংছেন তার করেশ হিসেবে ধরা ছেভিয়া ৰাওয়াৰ মত যা বিকা দেখান বেলে পথত সাত পরও পাছে থাকে এমন একটা কিছা বা নাকি পারীর হাওয়ার চিঞ্ থাকে ৷ আবার পারী কোডে যে ফরসোঁ ভিত্তত্তে সন্ধির गाएक गाहा बराव बंदिय नहांद्र देवर भिन्न (midi) अनुसूत् ५३ विरुद्ध सारकात क्या रक्षास्म, का कि मास्ट है। विकरितक আকোৰ কৰা নাকৈ ভাৰত সংক্ষা এমন আৰু ad बारमाय करा रह बारमा विकासिक हार এই ভিন্তালয় মান্যাহর জারানার কা প্রাক্ত লে মালো ছবি অবিব মতু কাজারে ভাল-राज्यः सम्प्रदर्शन्तरं कर्षाः दुक्तन्त्रज्ञः भवाद्यव প্ৰেম চাও দেৱা বৰম বিষয় একটা কি ছন্তান करी । इरियम्बाद वासाम मिलेके निवरवान নিচেখিকেন এখনকার জ্বনক বিকাচেবি ছাটোয় সলিও হাছেছিল <mark>এ হে নাও</mark> জান্তেন ডিনিও কি কেন্দ্ৰিড়া কা দিছেই ्रांच कारण या **६ छात्र**काले सारामा **क**रणा বা ভাক্তি ক্রাভ কা পিতালিকা ক্রেছে घारत क्या २४ ६ कारताके स्थान विकास গাঁলাডের পর্যান্তম সমস্যাত্ত সমাধানের চেন্টাম্ব িজেত্ত কটেয়ে মেন্দ্রত জন: উল্লেখ্য

শানির্ভানকের নার্ভানের এই বক্স একটা বি গড়ে একং^ক এককম কেলে বচুৰ राजितात्राचार ६८० तकामः अकारता काकारण বা প্রাচন কৈ ইন (জা এই কালে সাম কথা रक्षांकः द्वारंश कि ครั้งที่สายสูตสูล और दादाद कथा नन्ति। । अस्टिंग एका दाउँदै, কিংডু শুহা ঐভিতাই না। লাদতনিবেডানের दा**७**यात अर्थ हेर्ब[्]लप्टेर नाम् । द्रवर्षस्त्रगाध्य লাবিন্দেশ বা শিক্ষান্তাই স্ট্রাবেশ্য নয়, ব্যস্কালীর সংস্কৃতিক্তে হা কিছা প্রেণ্ঠ, বাঙ্কার ধান ধার্লার মাধা থা বিছা ৰ লক্ষ্যী ডাই ফেন স্থ গাড়েল গাড়েল হয়ে এখানকার বাস্তাংস উদ্ভেবসভানে এই বাডাসে নিলবসে নিছে বাছালী আছে-প্রভাষ অন্ভব করে। তথ শ্ভবের সংস্কৃতি বলাত কবিতা লেখা বা নাটক অভিনয় কবা বা গান বাজনা শোনা বেখার সেই সভারের সংস্কৃতির কথা বৃহত্তি না, সাণিত্নিক্তান্ত शास्त्रात को देव देव कालेएक आणि दकान विकास-ভারতীয় পণ্ডিত অধ্যাপকের জানগার্ভা প্রকাশ প্রকাশিক হতে দেখিনি বা নিশ্ব-ভারতীয় প্রবোজত কোল ন্তানটোর অনুষ্ঠানে ক্ষারত হতে দেখিন। আন্তর্গ গভীরতার অথা সংক্রতি, বা জীবনের সংপ্র নিলে এক হয়ে জীবনকেই এক অন্য বং কনা চেহারা দের ভার কথা কর্মান্ত, করা প্রকাশ দেখোই কারও বাড়ির লিড্রিয় পালে ক্যেটন কোন ক্রেন বা কোন সাইকেল রিকশাওলার লাম নিরে নরাদরি করা বা না করার ধরনে বা সন্ধ্যার অন্ধ্রান্তর ব্যব থেকে তেনে আন্য কোন ছাত্রীর খোলা গলায় গাওয়া গানের সংবে।

সৰ মিজে শাণিতনিকেতনে নিজা চটার অনুক্ল পরিবেশ বা এখনট ররেছে ভার তুলা পরিবেশ বাংলাদেশের অন্য কোনগানে দেই বা তৈরি করে নেওরা স্পত্রপর মনে হর না। স্তেরাং কলকাতার বাইরে একাবিক উক্তম মানের শিক্ষাকেশ্যের প্রয়োজনীরতার কথা আগে বা বলা হারেছে তাদের একটিকে পাণিতনিকেতান প্রাণিত ইতেট হবে। এখন

ঘটাশ বর্ধন ভয়ংকর শালকি হোমদের	6.00	वषूब होरबङ	কবিতা
গোলক ধাৰায়		महा हीएक विकिध	ক(শন্তের বিশ্ববরী
1	11 8·00 II	ক বিতার সংকল	es 5.00
সমরেশ বস্		লাশ্যেত্য ন্যেপ্থ	<u>-</u>
্যাহিমিছি ্	# 8.00 #		# 6.00 #
त्थव महवाब	# 8.00 H	দ্ব ীপায়ন	# 6.00 · H
र्याचनी	# 20.00 #	রাণ শ র	# 7.30 H
মনোঞ কম্	menter manus anno como pero ai	নিবাহণ সাকলে (বিধ	per)
भष क ब्रायद	11 25.00 II	मन्छक भरवी	8 2.30 E
<u>कानी</u>	11 0.40 E	न ील काय नील	: 8.00 t
ছবি আর ছবি	# A.00 !!	প্রথের মহাপ্রস্থান	8.00 H
সভেতাৰকুমার ছোহ		নার্যন গ্রেক প্রথম	
श्वत्र श्नात्रक	li 8⋅00 li	नन ् छ।। हन।	3 8.00 W
बद्द नगी	11 2.00 H	<i>কু</i> ≉⊌েছা	7 8.00 E
बाहेरत म्रा	1 8.40 H	হিন প্রব	S - 60 2
জসীমউন্দীন	# .00.00 #	ब,करमव ङ्योहाय	f : S.oo
নক্সী ক	াঁথার মাঠ	চাঁদে যাবে	ান যাঁরা
		ক্ষকটি লিখিট চন্দ	
প্ৰাধীন জীজগাস্		दस्य राष	
নক্ষে থেকে মা		দিলীপ মালাকার	B 0.00 E
পঞ্চন্ত ১৯ ৫-৫৫		সৈয়েশ হাজাংকা আ	
नक्षानगां ।	রাজনৈতিক আ বত	ি কুছিলস ওয়া	1 4-00 H
সহচরী জ্যাসৰ ৮ ৫-৫	্তি আই ত নিশাই স্কল্প		[편기 대 Fra a 5:00
भिकात श अत्याककृत्रात शतकात	টেভুমি, প জ্যাস্থল	ব বংরেদ্রমেরন স্লাচ বিবেশ ও প	শদ্ধতি জ্ঞান
ৰেম্বল পাৰ্যলিশাৰ্দ	প্রাঃ লিমিটেড, ১৪	ব'লম চটোলে প্টট	कोसकारा-५२

আলেওনা করব, সেই শিকাকেন্দ্রের আকৃতি এবং প্রকৃতি কি রকম হতে পারে।

গিকার ডিনটি অকা। এক হল বাকে বলা হরে থাকে সাধারণ শিকা—শিশ্ব ও বালক-বালিকাদের মন ও চরিত্র গঠনের কাজ। আমাদের দেশে প্রথমিক ও মাধারিক শ্রেণীর বিদ্যালয়ের শিক্ষাকে সাধারণ শিক্ষা বলা হলেও অন্যান্য অধিকতর অপ্রসর দেশের ছাইন্স্থের ছেলেনেরের। বা গেখে তা আফালের দেশের বি এ পাস কোসের লিক্ষণীয় নিবারের দশে ছুললীয়। সাধারণ শিক্ষা বলতে এই ধারণাই মনে রাথছি।

এর পরের ধাপে আসে সেই শিক্ষা বার মূল লকা হল অথনীতি এবং রাণীবলার প্রয়োজন মেটাবার জনা বিভিন্ন সক্ষতাসম্প্রম কমান প্রদৃষ্টিকরণ, ইংরাজিরে বাকে করা হয় professional training । আরক্তরে অধ্যাতিক পরিকল্পনার আলোচনার human resources planning বলে কেন্টা বিষয়ের অবভারণা দেখা করে। এই ন্তিকলাতৈ কৃষির জন্য সারের প্রচালনকে বেভাবে দেখা হয়: কৃষিবিজ্ঞানকেও বিক স্ক্রিয়ারে প্রহণ করা হয়, সারের জন্য

আরো ভালো, কারণ চুল চটচটে হয় না

ক্যালকেমিকোর ক্যান্থারাইডিন হেয়ার অয়েল ক্যান্থারলৈ

(ce mil 15 (36 9)4)

এই আধুনিক ছেব্লার টানিক এখন খেকে আকর্ষণীয় নতুন কার্টনে পাবেন।





कामकारी (कविकास-अर-देवरी

Marie Tible!

কারখানা আর ক্রিক্টালের কান করি-কিলালারের উকলের প্রস্তাপেই একই ধরণের কর্মানিক হিলালের অব্য করা হয়। সর্বপ্রকার কারিবারি বিনারেক তো এই হিলালের সেখোঁকে আনা কর্মানিকালারেকারে সেশের ক্রিকালারনালারে হাম বা আর এ ক্লালে যে শিক্ষা দেওবা হামে বা ক ভার প্রকা স্বাস্থাই শিক্ষার এই ধারণার পরিবিত্তে সঙ্গো আরি এই শিক্ষার বালের শিক্ষাকে শেশালারী শিক্ষা আনা সেব।

ভূতীর বালে শিক্ষা হল বিন্যা বিভরণ নর, তার আহরণ কানিবিজ্ঞানের কেন্দ্র গবেষণা ও অন্যুক্তান, জিলেগর ক্ষেত্র সংসাধ

এই তিম আপের মুখ্যা বিশ্বভারতীর বে উপার্থানিতা তা প্রথম ও ভৃত্যীর আপে। দিবতীর অপেরা ক্ষানা বিশেষ কেন উপার্যাগিতাই তার সিউ। সংধারণ শিক্ষার সম্পর্কের একয়া বর্ত্তা পারে বিশ্বভারতী এই বিভাগে হে মান অকান করেছে বাংলান্দালর অন্য ক্ষানা বিশালকেই তা বাংলান্দালর অন্য ক্ষানা বিশালকেই তা বাংলান্দালর অন্য ক্ষানা বিশালকেই তা বাংলান্দালর অন্য ক্ষানার সম্পর্কা আমার বন্ধবা, এখনও শ্রম্পতি। প্রশাহণ বাংলার ক্ষানা বিশালকেই হাইছার করে নেওয়া ক্ষানা বাংলাকার নেই হাইছার করে নেওয়া সম্ভব্ন করে।

कारियाद कामसक्ष्यक विभाव डेम्प्टरती অবস্থা বিশবভারতীয়ে হার্যা সম্ভব নাম এ প্রশত ব হস্তাহা সহাজেই মাদা হাবেও কারিবারি रिसात क्यान्त जिल्लाहरूत करा छ राष्ट्र शहर निष्क्रको किन्छ छात्र हेन्स्टर्श करन्यन প্রের হার জাস্তাহার মূলাপ্র-জাতীয় क्षवाला । कोर्राहर दिला क्षाप्त है प्रशेषकार কেল্টেল্ডেই জিল্লা সম্প্ৰেই জানি মত তকাশ করেছি যে ভালের উপায়ে বট কাবেশ্যা বিশ্বভারতীয়ে করের ক্রেণ্টা করা উঠিং নত তা এই ঋরুণে যে পেলাদারী লিক্ষার কোটে कर १९८५ करते. साथ देशाल १४ राज erry (serificts with benefit cost analysis राष्ट्रा सा करायाहै सह । शहारण শিক্ষা তথা উচ্চতর গালেকা এবং শিক্ষা-স্বাধনার ক্ষেত্রেও খরতের ছিলেবট করতে হাত পারে, ক্লিডু দেই ছিলেবটা ভালের कांग्छम म्बास्टनस् भएक स्त्राहरूप्यं सह। বিশ্ব পোলায়ারী লিকার কোন্তে লাভকভির হিসেক্টা অনিবার্ষ। একটা হিসেব কর্মাই দেখন বাবে হে, পেলাদারী শিক্ষার কেন বাক্ষাই বিশ্বভারতীর চৌহন্দির ৎরচে रभावत्व मा। काबन राष्ट्रे अक्टे, ३ कारन উল্লিখিত হরেছে। পরিমাণের পিক খেকে **এट क्य সংখ্य हाटशाटीत शिका वाक्या** এখানে হ'লে পারে যে, জন্মনা বড় ও ভাল रिक्शितमानक इन नाश्यक निक्क ६ दर श्रीवद्यान कामनाय क स्थानाचि अक्नकन ছাত্রের ক্লানের প্রন্য লালে সেই পরিনাপ উপাকরণ বাবছাক হাজে প্রশ্নম ছাতের, গাঁচজন ছাত্রের এজন কি একজন ছাতের ক্লানের উপার। এ নিছক জাতীয় সম্পানের জগানের।

সাধারণ শিক্ষার ক্ষেত্র বিশ্বতারতীর জনা বে প্রেক্তর দিবি করেছি ছা জনেকে নাও মানত পারেন। সাধারণ শিক্ষা কলতে বলি লাহা "three Rep" বোরান হর তো কলবাতার এবং গার্লিলিং-এ জনেক ইংরিজী মিডিরাম বড়লোকী ইন্ফুল আছে মানেক ইংরিজী মিডিরাম বড়লোকী ইন্ফুল আছে মানেক ইংরিজী মিডিরাম বড়লোকী ইন্ফুল আছে মানেক ইংরিজী মিডিরাম বড়লোকী ইন্ফুল আছে বাহের মান্বারের বিকালে সহার্জা ব্রকি তো বিশ্বতারতীর শবনে তালের উধের' হবে। এই গারির সনকে অধিকতর স্ক্রার বা ব্রিজ থারা করেকটি তাবার বিদ্যাল করেকটি তাবার বিকে ভাকিরে দেখালাই হবে।

शहरू अवाभागिता। विष्यस्यस्थीत ছোল্পমেকেনের পাঠাপাশতকের বাইনে সংঘটিত, নটক চরাকলা প্রভৃতি শিবের বা তথ্বরো প্রভাষ্টিরত ছাওয়ার যে সামোগ পার ভা भवाज्य कालाज्य कन्टल्वे व भवाज्य ইয় দিক পাৰীক্ষক দকুলের স্থাৱস্থ চালিক ও নাগালের অনেক বাইরে। যে উৎসব অন্তেট্যানর আহিশহা উচ্চতর বাংগর ছাত্র-ভার্তিদর অধ্যান অধ্যাপন্যকে বিশ্বাস্ত্রী করে, সাকুমারমেতি বালক-বালিকারের মনের পক্ষে ভাও বোধ হয় খুবই উপকারী— ক্রীকাকে উৎস্থান ঐপবর্থানা ভাবে দেখাত ্ধ্য হর তা সাহাত্র করে: অথ১ শার্টার ১৬% কে অবছেলি_ট হয় তাও নয়। শাণিছ-নিকেডনে থেলার জন্ম হত বড়বড় মঠ হছে: হাও ফেন জনা 'কোন বিদাৰতে পালা সম্ভব নয়, বিশ্বভাৱতীয় শিক্ষা शतकात गाहा, व्हाकारत मत, व्हाहारय ३ জাহাম ও ক্রীড়ার উপর হে গারুছ কারোপ ৰতা হয় তাও সাধারণের ভাষের। এমন তেন মেলেলের সকুল বা কলেজ কি আছে বাংলাদেশে ৰেখানে সহিত্ত বাধাতামাজক এবং সাঁচর কাটার **সময়ে উপযুক্ত ক্**ণ্টাম পরার বাংগভামালক?

শিশুনিত, ছারছারীদের নিজেশের মধাের, অধাাপকদের সপে এবং লানিতনিকেতনের সমাজের সপে তে স্পাকের বালা। একেবারে লিক্ট্র বিজ্ঞায় থেকে শ্রের করে পি-এইচ-ডি প্রান্ত ছার্ট্রের এবই ছার্গার লিক্ষার বাবালা থাকার এবং অধাাপকদের গ্রেহ ছার্ছাটীলের অবাধ গতি থাকার ছাত্ত তথাাপকে বিলে একটা বেন একারবভী পরিবারের স্থিতি হারছে। অনাার বে কোন সমাজের ভুলনার শানিতনিকেতনের সামাজের ছাক্ত ইংলিকীতি ক্রেন্রেশের স্যাপ (soneration sap) ব্ল,

প্ৰকাশিত হল



रैनवङ्गावन स्थानायगरत्रव

লোকরহস্য

বিশ্ব বিশ্ব ভাষক আছেন বালের গালন উপনাল পড়াত পড়াত পারত কমন কেন একসমল সমল এবং আভাসমূত এক মতমুছ তেওঁটার পরিলাত বার মন। জলা পেমক হার ওটান এক মতালী কথার, বিনি তার আমাম এবং লাক্যক্তরী কথার মাজালালে পাঠকালর মধ্যে মাজা-মারত করে তোলেন না, তালের নিশ্বার জনার করে তোলেন না, তালের নিশ্বার জনার প্রতিন্তিন্ত্র হেন বরণ করে বলেন। একজন ত্রকজন লোমক প্রতীপ উপন্তানকান।

দৈলজান্যদের নতুন বই গ্রেলকালালা এক দক্ষ তিশীল সংস্কৃতিবাতি চিত্র-বাজিক এক অনালা আলপানা ক্ষেত্র-ক্ষম্মক পরিপ্রেক্ষাত্তর ভূমিকার্যনি শ্রেক্ষ কিন্তু ব্রেক্তি নিশ্বাস্থা কোতির ভ্রাক্তির ক্রেক্তি অনুসাম বেগাতিরে কালেকার। সামানা বিশ্ব সংক্রু কালি রেগা— আফুম্বর্যানা একা বর্গানাত্রসামি—ক্ষম্ম ভারই রুগা লিকে বৈশিক্ষিক ব বৈভিন্নের বাতি বাজির একা চালিকার উশ্বাহন উশ্বাস্থা ৪ শ্যা ৫.০০ ৪

এই বেশকের অন্যন্য বই
 সনের মান্ত্র
 ৩০০০

প্রেমের গণ্শ সারারাত 8.00 6.00



জ্ঞানক পাৰ্যজ্ঞান প্ৰাঃ জিঃ জড়িস: ৫ চিন্তামণি লাস জেন। ৰাজ্যি ৯ বিষয়-বৈশ্ব: ৬৭এ মহাছা গালী য়েছ জেন ৩৪-৮২৪৭ অর্থ তর্প ও বরস্কলের মধ্যে ভাব বিনিময়ের প্রণালী শ্বিকরে বাওয়া, সেই ঘটনাটা কম ঘটেছে। শাস্তিনিকেতনের শিশ্ম বাওয়া, সেই ঘটনাটা কম ঘটেছে। শাস্তিনিকেতনের শিশ্ম বার্থাকিবর বরসের ছারছারী এবং ভাতাধিকতর বরসের অব্যাপকদের স্নেত্রের বেন্টিত হয়ে ছেকে এমন একটা মনস্তাত্তিক নিরাপতা উপভোগ করে যা ভাদের মনের পক্ষে প্রতিকর। এই সম্পর্কটা অধ্যাপকদের পক্ষেও উপকারী। কারণ এম-এ ক্রুসে পড়ানর সময়েও বেবহেতু অধ্যাপকদের চারি-দিকে শিশ্মদের ক্রকাকলি নিনাশিত হয়

সক্তৰ নৱ বে শিকা বাশেরটার মূল ককা মন্বাছের উদ্যোধ, শূৰ্ মাধ্য সকতা অকমি নব।

বিশ্বভারতীর ছারসমাজের আর একটা
সংপদ ওরে অন্তড়ুক্ত ছেলে ও মেরেদের
মধ্যে সংপ্রের প্রকৃতি। বিশ্বভারতীই
বোধ হর ভারতবর্বে প্রথম বাগক সহশিক্ষা
প্রবর্তনি করে। এবং সহশিক্ষার বে সাক্ষা
লাস্থিতিকেতনে পরিকক্ষিত হয় ভারতবর্দের জনা কোন ছারসমাজে তো মেই ই,
আমার বেশ সন্দেহ আছে নুমিয়ায় অমা
খ্র বেশী জারগার আছে কিনা বেশামে
বিদ্যালারের ছেলেমেরেরা এত স্কৃত্র সহজ্ব-

कारन कारेरवारमञ्जू अक मिल्लीकरण नक रूप। क्षक्र वाशास्त्र अत्या विकासकीत बाहमधास वारनाटनटम अपूर निनिष्ठ, कावन बारमादमस्य अध्यक्त आदमक बार्डिक स्वादकर STORE STORE COCHERCISCO CHARGEST ব্যাপারটা একটা বিভাগিকাশ্বরূপ চকান क्रांग्रे एकटम च क्रमाँग्रे स्थलाटक मिक्टर বেভাতে দেখাল বাংশ্য হাদলেপা হ'লতাত উপ্তম হয় বিশ্চ হৈ স্ব বাঙালী तवीलुनाथ गागा भट्डमदेनि, भट्ड किया ক্ষেণ্ডক্ষেন ভারা উপলক্ষি করতে পার্থেন ৰে, সহলিক্ষাৰ ভোগ্ঠ যা ফল ড: লাভিত্ৰ-CHICACACRES মৈকেড্ৰের ट्रमारबट्ड : एक्टमारम्स सम्भारको अस्म स्थापन-टुम्ब शामिकपे; शायकाँक शरह ७३। स्टाहरस স্থািরধ্যে প্রভাবে ছেলেনের থানিকটা ভন্ত ও ছালিকাত হয়ে ওঠা এবং নাধালৈরেয়েবর श्रम्भावति गामाम कविता नित्कत माता विशेष নিছকই সংক্র ও মধ্য হার আসবাদ্যান कहारक इ.सर:--धरे धरेमार्ज घरेगा।

ভাৰতি মহাধান বিক্ষান প্ৰসাধন একে প্রথমে বিল্লেশ্য কথাটো সেরে নিটা কথাটা সংক্ষেপে সাধ্য যাত্ৰ, কাৰণ বিষয়টা सिष्टकोष्ठा इसका अराहा । सम्बन्धान स्थापिक स বিভাগের মাধ্য কলাবিভাগ ও সংগতিবিভাগ खालीतात तरावन रहायोगस्य । व्याधिकातः এনেয়েছ, ভবিষয়েত্র সংভাবনাও ভাষের সেই অনুসারেই সময়ন 48.25 লিকেতানর যে বিশেষ হাওয়ার কথা বঙ্গাঁছ ভার রাল্য রাম সংগঠিত, তার সংগ্র কাংল কলা। এমন কিছু কিছু স্থিকিত ক্ৰি িবশ্ব কারে ছ**ি** সে আংছেন বারি মান করেন কলাও স্পতীতের যে স্থান ভাতে বহুলা আল্লে ভাতে সংক্ষিত কার জন। ইচিং। এই মতের বিপরতি একটা মতেও জগছে যা ্জাণ্ডিপ্ৰেল নত ড, হল এই ছে সংগতিকলা, বড়ফোর দশান সাহিতে। প্রশ্রীর द्वपरिवृत्ताद्वपञ्च विकास । काम्युमात भागतः भाग বুখবুত কাবের, কিন্তু বিজ্ঞানকে শাণিষ্কন নিকেন্ডনের ঐতিহানে সংগ্রেকেন সন্ধেনা। হুব্যাপ্রভাপ্র ভিজে কবি সংগতিকরে একা कमाचित्र किर्मान जरमञ्जू रहेरे, विषय विशेष বি**জ্ঞা**রনর ম্লা নিধারণ করতে অপারগ ভিলেন এই ধারণাটা ভূপ তে: বটেই রবীল্ড-ন্তুধর স্মাতির প্রতি অপমানকরও বটে। জ্ঞানবিজ্ঞানের ভোন বিভাগের প্রতিট রবীন্দুনার্থর আধ্যানক মনের পক্ষপাতির ছিল না, কোন বিষয়েই তার উৎসংহ কম ছিল ন। স্তরাং জন্মান্য বিদ্যার পরিকে কলা ও সংগাতিতার গারেছে খবা করার কেমন প্রদান ওঠে না, তেমেনি ব্যক্তিনাকের দোছাই নিয়েৰ জন্ম কোন বিষয়কে বহিস্ফুত ৰা স্বীমারত্ব করার প্রস্তাবও গ্রাহা নর।

আরও একটা কথা বলার প্ররোজন আছে। কলা ও সপাতিকে যে ভারতবর্ষে বিশ্ব-



familian familia direction am statut का करणाई स्थापक शास्त्र । किंग्स कारक विन्यां नाम शरमाहे के बाउँदक का अहे ता बीच ৰণ্ট। যাটিন মাধ্য নিময় অনুসাৰে ইতিহ স या भटनाम राष्ट्र तमात्र तम त्यु क्यांक चार्ट ভাকেই জ্বোৰ করে সংগতি এবং কল পিকার केशह हाशाम शर्मा । सम्बद्ध बद्द रह कर्मा বা সদৰীত বিশানদ না হয়েও একথা কি जहरूके लाखा यह मा (व. अकारत अवाराह काह काह बार्म विकासरमध शहरास्थ জনানে বিবারের বেলার প্রাক্তর লিলেপর কোৱে বা প্ৰয়োজন তা সময়তে ভাল বৈতে পারের মত গভারি ধানে। তানপারার তার বাঁধতে বাঁধতেই তো ক্লানের পারতালিল मिनिके दर्शकाब बारम, एडका करक मिनिया रख হৈতি করতে পারার অংগই তে। অন। ক্রাস্ शक्षा इ. वर्गे भएक वर्ग । दशा ७ मधारिक ভবিষয়তের বিশ্বভারতীয়েও প্রথম দেশীতে জ্ঞাসন গ্ৰহণ করবে এই মত পোৰণ করাও

এवाद्यं व

भ्य



আবিভাবেই

শহর কাঁপাবে

২৫শে সেপ্টেম্বর নির্দাৎ বেরুছে। সাম ॥ চার টাকা

কলিকাতা পরিবেশক :
পাডিরাম পারিজা
কলেজ দুটীট (জং)

নায়িকা পাৰ্যালকেশন ২০ ১ ট্ৰুবন মিল কোন কলি-১ সংস্থা এই কথাটি আমি একটাও মনে কর্মীর্ছ সা বে, বিশ্ববিদ্যালয়ের অনেজুত ইবস্কার জন্য এই দাই বিদ্যাকে স্বয়সমূত হতে হবে।

ভতীয় মধ্যের লিকায় লিকল সম্বন্ধ পালাপালি অবস্থান করে গ বরণ । গরেবণার प्रत्या गाउँ विकाश-शास्त्रीशक शास्त्रकः खना विभाग्य गार्वस्था। शार्वाचिक गार्वस्थ र स्मर् ताभाव विश्वसक्ति छेनावानिका ह हाक का इस बारकारमध्य भागी महारक्षत्र जाम म "नाकत क्षेत्रक भारवस्त्र । পদ্মী ব্যালাত কথানীতি, সমাজ সংগঠন প্রভাতর উপর অনুসদধ্ন তথা সংগ্রহ এবং দৰের ভাতিক বিশেষণ করার কালে বিশ্ব-ভারতীর বিশেষ উপরোগিত। শ্রে এই কারণে নর হে তার অবন্ধান পদ্মী বাংলার একেবারে ব্যাকর ভিতর, এক রাগ্রে বুটে বি. পল্লীসমাজের স্থান হতিকা বেলা বছার বাৰা ব্ৰহীপ্ৰনাপের শিক্ষার আগপেতি অন্যতন প্রধান ধারা, তে জানপাড়ে তিনি কারতি হাল বিহেছিলেন জীনিকেতানের প্রতিভাগ इ.सहर १ वर्षे द्यापन हरूहा सामक गाउ মলিনতা প্রণত হারেছে বিশ্বভারতীর সংক্ষ পক্ষীসমাজের সাক্ষার হোগা হয়টো কার্লার্ডন আণ হতেছে কিন্ত এই সংযোগৰ भागत वस्त्रीतर मध्यत करत करना

হাতী পড়ে থাকল বিশান্ধ বাবৰণা। ঠক এই প্ৰসাধ্য আমার হা প্ৰস্তাৰ। তঃ খানকট অভিনবত মাট এবং এই প্রস্তাবিত সদভাবন ট আমার চেতুর বিধ্বভারতীর সাভাব। ভবিষয়তভ মাধ্য সবচেরে গ্রেমার-भारती विकास प्रतिकार काम रिक्ट-ভারতীর কলা হিলেবে যে জাতীয় উচ্চতঃ য়াত্র ক্রেক্টের করা আমার হামে ইরেটে ভার মজির ভারতবর্ষ গোকে। নিতে পার্ড লাং। আলো দেখা থেকে কিছা দিয়েই পায়েই। 2003.04 Gar 433 Institute of Advanced Studies 23 —क्षाप्रेक्टोरेन क्रम स्ट्राह्म (Von Neumann) 67%मध देशाङ 2274 একেবারে সবাচেণ্ড মনীয়াীরা য়ে প্রতিষ্ঠানের আন্তাপ্ত খোক ভাঁতের স্কানচড়ত করে গোরেল। এই সম্পোদ কেন বিষয়গান্ত বিভাগ নেই, ক্রেন অধাপনার বাবন্ধা নেই ছব্চি ছণ্ট। द्वित्रिक्त यक्तदेश रुव्हें, एक्के शरवराकता হাত তাদের উল্ভাগ প্রতিভার বিকাশে हुबान व सा ना भाग, बाषक शहरवना हा অনুসংখনের স্থাপ্তকার স্তেব্যা-স্থাবিধা পান ভার ব্যবস্থা করাই এই সাম্বোনর একনত कका। अस्पन्न क्षेत्राच कहाई भारत क्राह्मस ding of prox (College de France). এর। পারীর সর্বন্ (Sorbonne) বিশ্ব-বিসালকের সংখ্যা সংখ্যাত এই কলেজে অধ্যাপক পদে নিব্ৰত্ব হতে পার্যাক ফ্রান্সে চাড় শ্রু সম্মানের চোটার পের। ইয়ে রাজে। क्षेट्र कालाइम्ड काम दिवस्थान विकास सहै। दराम अधानमान बायन्था मारे। यहात ह्याती-

नाउंक

ध्यमत गरमानाबारतत माहेकः

चंडकारात चारता

প্ৰেশিক সামাজিক বুটি নাৰী। ৩-৫০

খেয়া ● রবীন্দ্র শুট্টাচার্য কোথায় আলো ● সৌরীন্দ্র শুট্টাচার্য গ্রাট নারীবার্জাত প্রকারপ্রাস্ত একাব্দ নাটক একচে। মুল্য ৩০০০

অম্বেদ্ সাম্ই-এর নাটক শব্ম সর্বাচিকা

বলিষ্ঠ প্ৰাম্প। একটি নারী। ৩-০০

িল্লীপ ভট্টায়েবের নাটক কালোকেরাল ● নেপথে

দুটি গ্ৰেম্ব্যৱস্থাত নাৰীৰী**ৰতি ওকাত** নাটক। একতে হা**ল**। ৫-০০

নৌমেন চট্টোপাধারের নাটক নাগপাশ

জ্পরাবহুলর প্রাফাঃ ৯ নারীঃ ৩-০০ বাহতে চাই • সাভু গলোপায়ার নারীবরিশত সিরিয়স প্রাফাঃ ৩-০০

ছলনা ● সমর ম্থোপাধ্যার মহিলাদের জনা প্রশাস হাসির। ০০০০

বিৰেহীর ৰপৰ • আচিত্ত্য নাধীৰাজ্য ভোটিক একাৰুন। ২-০০

ৰক ● অভন্য সৰ্বাধিকারী প্ৰাণ্ড কইমা একটি নারী। ৩-০০

জন্মছারা ● কিরণ মৈত্র
নারীবাঁকাত সিবিয়াস প্রাাজ। ০-০০
কর্মা ● শৈলেশ গাহ নিরোসী
সামাজিক প্রাাকা। বাটি নারী। ০-০০
কর্মী ● সুমৌত মুখোপায়ার
নারীবঁকাত সিবিরাস একাদ্ধ। ২-০০
কোনার ছবিশ ● শচীন চট্টাচার্যা
প্রাাশ সামপ্রেম। একটি নারী। ০-০০

পরিবেশক : নব প্রতথ কৃতিছ ৫৪/৫এ কলেজ স্ট্রীট, কসকাতা ১২

(PA-VOGO)

নতুন আবিষ্কার বিনা অক্টোপচারে অর্শ অপসারণ ও আরোগ্যের জনেঃ ঔষধ

क्षरं क्षेत्रव प्रमकानि वक्ष करतः न्यातः 'प्रिनिटिवे खाना - वत्रभा खेल्लम करत

মিউইস্কর্ক-ভিক্তান তথ্য এক নতুন নির্গেছছাটা পদার্থার সক্ষান পেরেছে ছাতে ক্ষান্ট অপ্যার্থের ক্ষান্ত ক্ষান্ত রারছে। কামা প্রেছে যে এট নীবৰ ছারা একের পর এক বছা ক্ষান্ত গ্রীকারটো রাহেপের কলে ক্ষান্টার্থা ওচনকারট প্রায়েপের কলে ক্ষান্টার্থা ওচনকারট প্রায়েপের কলে ক্ষান্টার্থা ওচনকারট ক্ষান্টার্থা করে একটি সম্বোধ্যান্ত ক্ষান্টার্থা করে একটি সম্বোধ্যান্ত ক্ষান্টার্থা করে ক্ষান্টার্থা বিশ্বান্ত করে ক্ষান্টার্থা একটি ক্ষান্টার্থা বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যান্ত ক্ষান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যালয় স্থানির বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যালয় স্থানির বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যালয় ক্ষান্ত বিশ্বান্ত ব্যাহ্যালয় স্থানির বিশ্বান্ত সংগ্রাহ্যালয় স্থানির বিশ্বান্ত ব্যাহ্যালয় স্থানির বিশ্বান্ত স্থানির স্থানির বিশ্বান্ত স্থানির স্থানির বিশ্বান্ত ব্যাহ্যালয় স্থানির বিশ্বান্ত ব্যাহ্যালয় স্থানির স্থানির বিশ্বান্ত ব্যাহ্যালয় স্থানির স্থা আনু ভাষ্ট কোন সমস্থাই এই বি এটা নিল্টিডেক্সানী, অনুক্তিনাপ্তৰ না ক্টানেকে জানীয় কোনপ্তাপি নেই : আগমান কোনেকে বিভাগ কাল্ডিল বুক এই মোজন কৈনেকে বিভাগ কাল্ডিল কিটি কাল্ডিডিস কাল্ডি ক এটা ক বা আই এব ভিত্তিৰ (আল্ডিকেটৰ সভ পান্তৰা হাৰ । আ হো ক্ষাক্তিকানাত লগ্ন নিন্দালয় প্ৰিকাশ কাল্ডিকানাত লগ্ন বিন্দালয় প্ৰিকাশ কাল্ডিকানাত নাম কিট্ডিলাক্টিকান্ত ই ক্ষাক্তিনানাল হ বিন্দালয় প্ৰিকাশ কাল্ডিকানানাল হ কাল্ডিলাক্টিকানাল ই ব্যাহিন হ'ব আছে ১ বিশ্বাস্থান

4 4 973 5 334 4

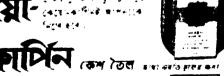
61-PH-82 MV

টক যেমন্ট্ৰ আমি চাইছিলান!

ক্ষম একটা মাগান ক্ষেম আনি চাইছিলান আ চুটুচটো কৰেন, জামাকালকে কাল লাগবেন্দা আবার আর গজচীও কবে মনেংকৰ কেন্দ্রো-কালিন ঠিক একনি একটা সংখ্যান ক্ষেম



হুল কোমল, মসুণ ও প্ৰবিশা বাম্যুক্ত কোমোনকালিনেৰ জুল নেউড সুক্তর ধন চুল চান একা কেছেডকালিনেউ জ্ঞাপনাচক নিশ্ৰে কৰে।





করের বার বার্ত্তা দি তে হর জিলাক করাপের কেন্দ্রিকারের গাবেরণা প্রসাম করের উপর মার্ড কন্য কোলা পররের নর দি এই বার্ত্তা প্রমান করিছ পারে বে কেউ) বার্ত্তা বার্ত্তা প্রমান করা পর্যার নির্দেশ্যার করালা গাবেরকার গাবেরণা করে বার্ত্তা করালা বার্ত্তা সক্ষানিকার স্বার্ত্তা করের হবে ভা সক্ষানিকার করে। বিজ্ঞান বিক্রেনার উপর নির্ভাব করে।

ভারতবার্থ ও ভাঙাঁক উপেশা ও মানের বেকলু একনও কোজাও শানিক হানি । এই মানের এক প্রকাশন কাল্যানিক। এই মানের ভালা কে হানিক তা নক। বেকলা কর কাল্যানিক আন্তর্গানিক আন্তর্গানিক আন্তর্গানিক। করে কাল্যানিক। করে বাল্যানিক। করে

autation in a sale rana yan^a un unta petu (are un a कार्याक्षा गानमस्य । अक्टब्राह्मार काहे हे । क्यान ም '4 ± 554 ም[™] \$58 ± 5644 MAN TO THE PROPERTY OF A STATE OF की रक्षापर परवंश कराइ अपने अपने कार्य है । সৈয়েল ভালসকলে নিক্তিন কলেও মানাম্বর ভূল হর্মীয়ন रस्यम् अक्षा कावस्य कालक विषयम् । १५० सि আছে, কিল্ড ভিন্তে এভস্চ প্ৰথীয় ভারতবাসরি ইংরেজ ভারসরস ি করা হাওম ব বৰ্ণৰো যে হাত্ৰা গেলন করতে খেতেন টাট্ৰী যোজন চাজ যে যাগেল সাহেব নিনি জ दशकारमञ्जूषा तक कार्क्याच CONTROL WILLIAM कटार कारारम् राष्ट्रे शक्तर कि कहा সম্ভন বৈশ্বাস জাতনর চর্চা ?

তিমলার বা যেই লাগিকনিক্রান্তমে তা আছে। বসমূহে বে জাতীর উচ্চতম মানের গানেরণ কেনেরর কথা বলা হয় তার উপন্যন্ত পরিনেশ পর্যাব্যানিকেছমে কন্তটা আছে জারাহারের লার ক্রোহার তা মেই। এই ক্যা মেনা নেরারর পর বিশ্লভারতীর ক্রমত বিভ এই নামেন অন্যার ভেষ্যর টা কি बका देख हैं। यातक अवते या देख देश मार्क साहम दकार क्योंके दिवास्त्र हता साय- दक्का व्यक्तिक विद्यारक व्यक्तिक क्षका अवस्था विन्यविषयात्राहार र विक भाषा कर्मात्रक करा हत अहे अन्दर्शिट टकारको या कि मौदि जगामतम कहा शान where Creams named water SPETTER FEET 7 27 23 1777 i ধরা বাক্ক কোল বিশ্ববিদ্যালয়ে মনসভারত বিভাগ ডেটা মন্ত্রাসর একটা গৈতাল খেলার কথা ভাগা হাছে। সাধারণভাবে ভি बदायत क्षांच प्रदेश क्षांच कालक र जागोजा है। अधिरकक रहा एक एकान का का विकासित काराओं মান্ত্ৰিক দিও গ গোল আনৰ ভাষতৰ এই বিশ্বতিবস্থালয়ের শাকা উচিত্র বিভাগ TREET BERTH GARE PER ME L'E RICH TO THE LAND THE PARTY OF T MINDE AND PERSON 22 - 13249 C • है। इस विकास इस कर अमार्थक का का का का ভারপর ছন্তর্ভ প্রেম ক্ষ্মা পিল্লান্ড ১১ ১১ করা হয়। প্রস্ত^{ার} র[্]ক্র স্থাতিত erry margary for all militario दिक्त क्षेत्र का किया के प्रकार के प्रकार कर देशर विश्वति बहुत श्रीप्रविदेश राजा व जिल्हा 33 ET SE IN THE PROPERTY OF AN IN SE 198 JAN 10 8748 • 5 b ்கத்து ரங்கு அடி ஜுருக்கு சக

Contract to a few contracts COMPANY OF THE YES ABBREAU THEMSE HER BUT 2. 4.75 ନ୍ତ୍ର ପ୍ରେକ୍ଟର ପ୍ରଥମ 😹 😭 💥 କୁନ୍ତ୍ର ନଥ THE SECTION OF THE SECTION OF SECTION OF हर एक के बन कार उद्देक्तक रह இயற் இரு சுட்றுக் கூடி இரும் சூரு இறிற POTRIC ESS CISTO PLES AND SINGE क्षीर्वार्थक कालाइन, मीट वारवगर इन्स

্ লক্ষ্য হয়, ক'কে কেন্ত্ৰ ভিন্ত হয়ী বিশ্ব হ' কোনা সংক্ষেদ্রসংক্রের প্রায়েজন। এয় अधिहर সৰকার जिल क्लिकिक हें एक - क्यो 8. 742 5 8 BELL TI- 48-3418 46-3468

शा बीक करनवन है जब गुरुवाध-गरिया THE MAINER LANG MALAGE HAS PIETS term with from franche menes were SHE SEL STE . MEET WHEN AN WINCE MINISH THE STREET STREET AND IN STREET COURSE IN THE PROPERTY OF THE PR के श्र शास्त्रक सामार्ज्यक अन्य शास्त्रकाः कार रमवसा क्यर सीच नात्रवनात कारण हर WENT TO BE SEE SECURE SECURIO SECURIO SECURIO कर । जिल्हा को के केवा केवा करा करान অনুসারে কাছকালন ছাত্রের বা বছগার পরি-सर्वाच्या स्टब्स विल्लं क स्टारम । अस्तरम (4)_দিবাশসম্ভাক আনে: ক্ষমত না হ'লে ঐ ্রান্ত্রন ভারতভারের উত্তর জারা করেবার 🕻 🕬 কাৰ অস্ত্ৰাল্ড একাখিল কবিস্থান গ চক লেকে টু নিয়ন ব্যৱস্থা ছবিত হ'বক 47 / E 47 / E 7 भारत्यों काफ़ा दिश्ला का नामक ा हिए के साम दिए पड़ें इतन पड़ें स्थान श्रेस है। टाइक्ट करा कार दाए

38 9000 BOD SER BOY 4.80 কৈ বুটার বিলয়ে সংক্রম এবং করে জান কট A PARTH A COMMENTE AS SEE TO PROCEED - कारू को अध्यक्त का रहे । **अध्य**हारण । स्ट 1 to 2 75 1 1 5 5 5 7 2787 762 6 I a graphy with the second of t උදෙන ද නර්නුනුද ණණයා දීමුණ such extre

DATED BERT TRANSPORTED A SER ন্তুর **ছালেল। ভূমন ভ্রম**ীল্ডের তুর মাছিলেল। ଞ୍ଜୀତ ସମ୍ୟାନ ଅ**ବସ**୍ଥିତ ଅଧ୍**ରତ** ହଞ୍ଚା नार रहते कर निका आहे । असीरासी gy Particana gia 1971 - 1972 - 1935 ত্তিহাৰে ভবিষ্টেষ্ ভুরতীর মুক**্রে আবি**র্গম - ভূর \$78 B একলিক সম্পূৰ্ণ শিক্ষা অপস্থানৰ উদ্ভৱন হাত্য সংগ্ৰামন ক্ষেত্ৰ ও সাক্ষেত্ৰ উপাধুকী লাভাস্থা লোভা কৰা **হয়**ে এই দিক হোকী ্রে ভারিয়ালয়র বিধন্তার্যুদ্ধি করিবেলেনা ক লগীন্য বহল জাহি লিখেবত স্তুমির আচলবার প্ৰতি নিৰ্মাণী মান কলে। স্বাছে সংক্ৰম ৰিন্দু কেন বিশেষ আননি হাকের । তাতি ভালাগভূত আহার ক্রিরেক্টার মাল ভেলে চল্মান জন্ম সং ক্ষিত্রকট দল্লাভ হয়। ফলল নিয়ে লোনর তরী চলে যায়, কামল কেটেছে যে ভার ঠাই ভা ভ ୧୫ ଲୋ - **ଅଟଣ୍ଡ ଅଞ୍^ଲିଅର** ବିଶ୍ୟର ଉତ୍ୟକ୍ତ ଓଡ଼ିଶ তে রুপে **ছিল ভাতের ২**০৫ - রাখ্য সংহাদা ভাৰ ফিবিড জনার প্রাচটা কর্ম হাত রক্র লামার পরিকাশনার ভিত্তিত শ[্]ণত िक्षप्रकृति व स्ट्रा. एके वास्त्र के शिक्स সমন্ত্র কৈ চাত্র **সম্ভব** নতা, এই ভিতা আমার

भार ५०० केंद्रिकात सरकारा নক্ষা দেনত স্বৰ্গাধনিক প্ৰকৃতি ব্ৰয়েক PER SISION BIOLS

হাতিক নাঃ কৈলাগেও বাল এক . ୬ ୯ ୧**୯୧୫**ଅଟେ ଅସିଥା

গ্ৰেপ্ত কৰিছে প্ৰায়ণ কৰি প্ৰক্ৰাট বাংলাক 12 P. 3566

जारिक इस्प्रहास

১ কথা জেল জেল কলক,তা ড

7 48669

भारकरदे राज्यादरराष्ट्रा ड र्याच किहा কিছু নতুল বই কিছুল **ব্যাক্**য এম্বর शाक्यात स्टब्स स्थानात रहे :---

সূত্ৰী দুক্তি **স্থানীল গ্ৰেছাপাৰার** স্থান্থীয়ন্ত ত্ৰতাৰ ক্ৰেম্বৰ্ডসৰ ২৭টি কেপ্তে বা ঘটাপত FIRST BIBION 1179 8-00

বংলা কথাসাহিত্যের বংসক্রম শারের স্কুণিয় চট্টোপাধ্যৰ এপ ল্লেখন ধই প্ৰথম খালন প্ৰেটনাুক जबादक श्रीकृष्णको । कमाना १०००

कराजका कार कार्याक्रमा गाउँकार **बरैद्धकुमाध शक्ष्माभाष-**८८ स्ट*ि* ভালদক্ষ্যেশ প্রভাটত নাট্র - একচে ৷ महाडे / जभारतमन कालेग्डोम ६-००

এক ডা অধ্যন্ত পরিবেশিক উপন্যায় बनीव हारवह स्थानाब रूप 8-00 ७ बीरबण्याच शक्ताभाषाच-८४ मानेक **দ্বীয়ার্ড** িত্রতি একটো ৬-০০

এখনটা আশ্মানে অকাশান বই-দোকানে বা অম্যান্ত ভ্রার নিনঃ ক্রিশ্ম ভ্রে

स्थेना

५५/५ कि कार्या कार्या अहे हैं। सम्बाधकार्या - ५३

মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভঙয়ার্ডস'এর বাণী

वाशवाद वाकारक गृष्ट वाद गृशी द्वारथ

উডওয়ার্ডস্

প্রাইপ ওয়াটার

বংশাস্ক্রমানকভাবে বৃদ্ধিমতী মারের। উভওয়ার্ডস গ্রাইপ ওয়াটার দিরেছেন নিজের ভেলেবেরেদের। পেটব্যথা, অমতা, পেট কাঁপা আর বাত ওঠার করে উভওয়ার্ডস্ মুক্তেই আরাম দেয়।





মালা থেকেই ভাবছিলাম কি নিয়ে কবিত। লিখি।

মাধায় কিছুই আসছিল না। দু কাপ কফি গেলাম, অনেকবার নিসা নিলাম, চোথ বৃজ্ঞলাম, চোথ গ্লুলাম, চোথ গ্লুলাম, ভানলা দিয়ে চেয়ে দেখলাম সামনের মাঠে একটা কালামাখা মহিষ চ'রে বেড়াচ্ছে। তাকে নিয়ে দু লাইন লিখলামও—হে যমবাহন মহিষ, আছে কি ভোমার সহিস। ভাল লাগল না। ছিড়ে দেশলাম কাগজটা। তারপর ইজিচেয়ারে গিরে শুয়ে পড়লাম চোথ বৃক্তে। খানিকক্ষণ পরে তন্দ্রা এপ একটা। কিন্তু উঠতে হল, দুয়ারে কড়া নড়ছে। ইলেকট্রিক বেলটাও বেক্তে উঠল।

কপাট থালে দেখি একটি মেরে দাঁড়িয়ে আছে। বব-করা চুল, গালে রং, ঠোঁটে রং, চোথে কাজল। পেট কাটা রাউস, পিঠের অনেকথানি দেখা যাজে, নাভির নীচে কাপড়। গলায় পাউডার। পায়ে ছাঁচলো লাল সাল্ডোল। হাতে রিক্টওয়াচ।

কিম্কু ভারি রোগা মেরেটি। চোথের কোলে কালি, গালের হাড় উচু, চোথে ক্ষ্যতি দৃষ্টি।

"কে আপনি?"

"আমি কবিতা। আমাকে তো ডাকছিলেন আপনি—"

নিবাক হরে চেরে রইলাম। মেরেটি কর্ণ কন্ঠে বলজে—"বড় ক্ষিধে পেয়েছে। বাড়িতে থাবার আছে কিছু?"

"বিস্কৃট আছে-"

"डाई फिल।"

মেরেটি আমার সঙ্গে ঘরে চ্যুকল। খাবার টোবলে বসালাম তাকে।

বিষ্কুটের টিনটা এগতে দিলাম। সতে সচে সে

ঢাকনিটা খলে ব্যাংলার মতো খেতে লাগল। টিনে
খান দশেক বিষ্কুট ছিল। সব খেতে ফেললে। তারপর আমার দিকে চেনে বললে—'ক'বিন খাইনি।
খাব ক্ষিধে পেয়েছিল।

"খান নি কেন?"

"প্রসা নেই∋"

াকিন্দু আপনার পোদাক গরিক্ষর চেতৃৎ তে। মনে হয় না আপনি গরীব -

"পোশকে পবিজ্ঞান একটাও আলাও নয়, সব ধার করা।"

"ধ্যর দিলে কে-"

"'উলস্কিনী' ৷ তার এনেক পরসা ৷ আমি কিংত উলস্কিনী হতে প্রতি নি, তাই খেতে প্রতিভ্না ৷ আর কিছু খাবার আছে অপনার ?"

"হয়তো পাঁউব্চি আছে ও ছলে ৷ দেখি জামও আছে হয়তো—"

"নিয়ে আস্ক-"

পাশের ঘর থেকে পাঁটবাটি আর জন্ম নিয়ে এসে দেখি মেয়েটি টেবিলের উপরে মাথা রেখে কদিছে। অধোর ধরে কবিছে—:

थकरे िंडेव-किन्नु श्राँ**६ क्रिति**≈ा

বছমুখী একই টিউব বিভিন্ন আগপকোলাইট বেস
পেন্টস্-এ উপৰোগী । মনেন্মত কিনিশ—নিমেৰে
তৈরি। আমনান মত চক্চকে মধমলের মত মঙ্গণমাঞ্চাসার, মেটালিক এইরকম ৫ কিনিশ।

এই সব আগেকোলাইট বেস পেণ্টস্ থেকে বেছে
নিন :-সিনথেটিক এনামেল, আগক্তিনিক ইমালসন,
ভেকোপ্তাস্ট ওয়াল ফিনিশ, সিনথেটিক ম্যাট, ইগামান

के (प्रकृतिक अवर क्याकितिक वहारणक्त रंडमां हेणाई

🗅 जान जान वह स्थलानास कल मार्गिकारी

स्राधिकविरा

महा महा बढ़ त्यमावात करा

সর রঙ করার কাজে এশিয়ান পেন্টস

এশিয়ান প্রেন্টস





ক্ষা কললো; চল মাধ্রী, ভা হলে ছুই তার আমিই নাই লিনেময়। হেলেকা সপে না থাকলে ভি অফলা বেভে সাহি কা নাভি?

সাধ্রতী একটা চিন্তা করতে লগেলা। কোনো কিছা চিন্তা দলত সময় ভাত চোপ পুটো একটা লখনীটাতা হয়ে বাত্তা

वास्त्रीरकं मयाराज म्यूण्य रम्याव वस्त्र वाज्ञित युरमामाव भारम्, निवानाम् भूराव मयात्रीविशवा रक्षाव मात्रा मरमारमामाव मरम्य विरामस्य थावाव मात्रा मिरम्य मरमाया पर्यक्ष रमायाः भारत्य मात्रा वर्षाम्याः हम-भूरम्य रमायाः थारम्, रमये मया मरम् यत् प्रथम् भिराव यूण्यं रमरम्य स्वरम्य मार्ग्यः वास्त्रवि । व्यवस्थान् विभवे विरामय रमायाः मीमावाम् अर्थे मिराव वर्षामम्य रमायाः मार्ग्यः सम्याव्याः सार्वित यूण्यं काम्य सम्याव क्याः अक्योयः स्वर्णास्य व्यवस्थाः स्वरम्य प्रयक्ति प्रयक्ति यूण्यं स्वरम्यः व्यवस्थाः स्वरम्यः मिरावश्य व्यवस्थाः मार्गिः व्यवस्थाः स्वरम्यः व्यवस्थाः स्वरम्यः विभागः वीन्त् यूण्यस्य रमायः व्यवस्थाः स्वरम्यः विभागः वीन्त् यूण्यस्य रमायः व्यवस्थाः स्वरम्यः विभागः वीन्त् यूण्यस्य रमायः व्यवस्थाः ।

मार्डी ग्रंप काला, खं, क श्रामक रहः किन्दु गोव्यक वर काला? ७ व्ह कालार जन्में कालो--

-रक्त, गौन्द्र सकुक सर

বীপ্য কৰলো, হাই আনায় অপতি কাই। বাবার সপে অনেক বিন গেনা হয়নি, আবি বেখা করে বাবো আজ। ভোনরা নিকেন্দর বাব, আমি বারাপের কনে বান বই গড়কো। কিন্তু বউলি, বাবার আনে আনাকে প্রকলি উল্লেখ্য করে কেও ক্লিক্ট্র —বালে কথা ভাষো বাৰা কাকেনো বলোন। ভাষাৰ কাহে জ্বাকা চনট নেই কথাটা কাভে কাজা পালের কোনা প্রাচ্চিত্র কাহ থেকে বার করে বার !

একট্ সংগ্ৰেছ হবে গেল সংহ্রী, কিন্তু এবারও সংবেধ ভাব সংক্রেছ সারকার বাং জাখিল এই সবর এক কলক হাকোর এনে থায় চুল ও অভিন একারকার করে করে অধ্যা আ অক্যান্তর করে ব্যক্তা with the country received the country with the country wi

--वर्गन किंद्र वर्गन ।: ग्रहानिक कार्यः संस् मन्द्र मेका चाटक, चात्र करता मा, कार्यः ।

पद्भा पण्डम, पामान स्थान मन मना हैन्से बदर ? जामि कि बहुन्य ?

প্রান বাঁড়িয়ে জারে রাশ্যার বিদ্যু পোরান করে, পোর নিবেলের পদক্ষে কাল জারার কো ভার পরীর কো করে জারার। ভার কর্মা ব্যুপালা ক্রোসেন্ট মাল্যের মাজা পেরারে। প্রাা রাশপাল কেন্ট্র কার্যের শীশ্র ক্রোপ রোপ কেল্ডে, যীশ্র কাঁড়ার জারা কারণ করে।

मान्द्रको मन्द्रमा, क्षण्य, त्रकासास सम्य मानिक सार सम्बद्धा राजमा ?

ं —मानन् राजामात्रः चाति जनके स्ट्राच्या सरदाः निवर्णनारं प्रति स्वतः निवर् केयाः च्याचाः

चारांक विकास चारांक व्यक्तिकार बाद्द्रीह ग्रुकोर वर नरमान्ताः। चुह्नाक केन्द्रीय रहत केंद्रमाः। शीन्द्र नगरमा, कव कारेन्द्रामि गाँको विकासका विकास

যাব্রীর ম্ববন্দ সম্বে স্কর্ম স্কর্ম হতে সেল। ঠাকাজাবে কালো, ভোনার করে বাড়ি বিভি কাবেন, ভাবে সামানের কি?

ं—रः, रागः स्ट्राट्टम, सम्र **वर्षः केरणः** क्षमे स्वराह सहस्र सः।

--

—ना शरम ! क्या चीन विश्व मा हाह, चामि क्रिक स्वाह क्या चानाह क्या हाही,

স্বাধীনতার হাতবদল

म्जीनकृतास एका-का अक्षाक्त साम्रोजिक कारियी । कार्न हेका

गरे राज्य गीरी	B	जबरबन्द्र शत	1	>≠.00
मकंकी निकी	1	कार रुप्त काम	1	A · 00
चारमञ्ज गीवन	ı	অন্নরেশ্ব দাস	ì	4.00
निवकार वदः		<i>न</i> ्न <i>ीलक्षा</i> त्र त्याव	ı	A-00
गारपंच पाणापं		ज्ञीलकुषाव स्थाय	ı	4.00
वेदिनने सर्वाः	L	স্বীলকুষার বোৰ	K	8-40
रावेषास मानाव		मिक्किनम् बाक्काद्द	k	8.00
पाना अर्थाप		मक्तिगम बाकगद्द	1	8.00
THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH		नरकम् जिक्नात	t	8.00

नीन नम्राप्त नवर्क रम्भ

पीक्रमा बाक्यादाव क्यम केमनाम ॥ व्याद केसा

पार्टीक कार्यपनी, C/a. पूर्वय-प्रथम, ५ करमध रहा, कनियरण -- ५

—ভোনার বাবা বিজে চাইলোও জোমান বাবা বেবে না।

—टमरण मा र्यक्त है वालाज बावेट जाटक— —टकामात्र ताला वीलाध मा निर्फ हात्र, जार्ये मात्रण करत दोराया। जार्थि विकारकोई निर्फ देशस्त्री मा।

মাৰ্কীৰ প্ৰায় আওয়াতে কঠিন দৃঢ়ভার শীশার এত ভালো সাগলো। বউলি একেবারে र्योद्धेत ग्रेज्यको स्थरकः ग्रेट्टा करना क्षमनकारन नगरकः शाकरका ।

—का बर्ग भारत मा गाँठ होका? किय वार्ट्स, माना चाम्यक, संशत काम स्थाप रहेरत स्वरूप

्यान्ती असद म्हिन एट्स बनामा, स्तरे एका कारमा। कथीर माथ्ती बारमे, नीन्द् रकारमामन मृथ मृत्ये नामात सारेह नमना চাইতে পাছে বা। বত হান্তালৈ সম ভাই কালিৰ অধ্যা

्रम्हा सम्बद्धाः, प्राथ्याः जिल्लान योग यान एका, प्रस्त, रेपता यरत रतः। भरतः रत्नरम् भाव कि विक्रिते लावना यास्त्र ।

मान्त्री केरनाहिक हता स्वत्ना, दिक कारक इन का हता। नीन्द्र, कृति साकरन कार





and a capacital tall an according access and a second and a second access to the second acces

বলতে পারেন কি কোনটি আঙ্গল?

কাল ফিনিখের সকল পুন কাঞ্চার্ডার্ড হয়ে খানে। খানে কথানার কথানার নাখন ছিনিব ট্রিড আন্তরের মডেন্টি বেখার।

তিৰ্বোচনত প্ৰকৃতি পৃথিন্তাৰান্তিতি চুতিকেল নাজিনের অনুক্ষান সকাটি কৰে আসতে : এট অনুনত্ন হয়ে আসতে ; স্কুৰু হয়, গঠন, আকৃতি ভু ডিজাইনেছ দিল থেকে। কিন্তু উল্লেখনের স্কুৰে, নির্মন্তবিদ্যান্ত্রাধ, ভু কর্মসন্দানন কর্মন্তর্ভ ; তিলোক্তে নাজি চু নার অনুক্ষান কমন্ত্র অনুক্ষানতারীয়ের গতে সম্ভাশ মহ।

আহুকাকে মাজ্যান্ত একসংগ্ৰ নিনিপ্ত'ৰ বিনিষ্ট উচ্চেম্ব এতিন কিলেখিক এতি ১ ব্যৱহাটি কৃষি দাই ও আমানিক্ষে আক্ষোপের উপযোগী। নাজিং নির্কিচযোগান্তাং আক্ষাৰং নীর্বাশ ক্ষিত্র ও সংস্থান্ত মন্তর্ভাগ স্থানাক্ষম অসম্পানকোর করে এ ক্ষেত্র এ ক্ষান্ত এক নিনিষ্ট জেনিব এতিন। কান্তান্তা এক নাথে চাত্রেরে ক্ষান্ত ও ক্ষিয়োগান্তেন উচ্চ জেনিব সেলদ্ নার্তিন।



স্বাসন কির্দোষ্টর এতি ১ - ৫ হর্স পাওরার কিতৃন :-নকল কথনও স্বাসলের মতো উৎক্রট হতে পারেনা।

किली कर आयुम अधिवृत्र निप्तिरिंछ, श्राव्यक्षेत्र लाए, विवर्धी, गुना-० (काव्य

R) BEPRESENTS THE REGISTERED TRADE MARK OF KIRLOSKAR PROPRIETARY LIMITED OF WHICH KIRLOSKAR OIL ENGINES LIMITED ARE THE REGISTERED USERS.

--

—ৰাজাৰ, ভোষাকে চা নিজি। ব্ৰানি আহে, পৰিবাটি নিমে বাবে? ভোষার দানা এনে বাব বাবাবের কথা বচন, বলো লোকান কৰে বিজ্ঞা আনিছে নিজে।

—কি ভাবে, ঠিক ভাবে, ভোবরা বাও লা

--म्यूडा, पूर्वे च्यारा नावस्था गाँव ? रकार राज च्याचि त्रा स्ट्रांस स्ट्रांस

--ना करें, चारि अक्ट्रें श ना श्राह रसद्द्रक नास्त्रा मा? अक्ट्रीन श्राह श्राह । चारि शैन्युक चारातके निरंत गांक-पूर्व कर्मा नत्त्र श्राह करें। क्राह निरंत ?

—টিক আছে, ভূই লিয়ে বাধবুৰে চোক ভোঃ এক কটা লাগাস নি আবার।

নাম্বা হাকে সেল বাগবানে, লালা লেল নিজের বাবে ভাগাড় বালাচেও নীপ্ চামচ লিয়ে হালনির পের সানাটা পরাপ্ত থাটে কোন সেলাসাটা একেবাবে থালি করা চুম্ব জিল কলে। এবার একটা সিপাবেটা ভোগ লল বাই না। বাসিং পরেটা সিপাবেট বেশলাই ভাগে না। বাইদির বারে চাকে

पं करणाः प्राप्तास रकारमा विकासकार्यम नाइरकरे भटक बादक किना। दारे। इक्रमता छोन्।द्रका भावित्व चार. मातार चात त्याम स्वत्वा টোব্যাকো আৰু ভাৰত পাৰ্কয় বেতে পাৰে। पीप्ट राम मा। पट्टा मिरम_{य अ}क मारह जिलाहा दे के बार के के किया कार त्यत्वदे त्यत्वद्व। भूत्वन्तव्यव वावित्व कारम क्रेस्टब्बर मार्ट्स स्ट्रम्टस्टबना मा संबद्धि बटन टन चार नद्या अवही निवासकी प्रोटनस राज्यतः। पद्धाः शीनाम् अवनी शास्त्र स्वरतना क्या निवा त्या कारणा। त्यीमा शब्द ब्राकेक पट्टा पट्टाव यूक स्ट्रांड स्ट्रप्रीक्स দীপ্ৰাভি ব্যাল্ড একটা কয় বেশালো कारणा जाना...मध् कार्ड मत् कुळकरणस्य कि क्य क्रिया। भारतीय कार्य क्रम्बावाय একেবাৰে অভিভাত হয়ে গিয়েছিল, ভার মনে ब्राह्मका, माह्या भाषामा अकडे, मन्ना क्लाकरे ग्,ग्रहरमात् शहन्य भवतः हन्नरमद् वस्त श्चाहमञ्ज हरत नात्र !

দীপ ভাষার বারাম্যার এসে নেভার বসলো। দেখতে লাগলো রাস্ডার বান্তবের ट्याप्ट । मट्या अध्यक्त का बानिएक विका ना। मा विक राज्यका किया ताहै। अवदना व्यतक সমন্ত আছে। ওদের তো আর সিনেবার বাওয়া হল্পে না আৰু ৷ একা একা বাড়ি পাহারী एकार करनहे मह **गी**न्। **का शान कर** चारनरे स्कट्टे शहरता। किन्द्र स्न बारन, बजा আল সিনেবার বেতে পারবে সা, বভই ভাড়া-गुरका कराक। शर्त शीला कारतः। लहरून কৈ কৰছে এখন চাইবাসায়? অফিস থেকে হুৰ আন্তে আন্তে সাইকেল ভালিয়ে বাড়ি ক্ষিত্ৰ: কেন্দা, বাড়ি কিয়েও ভো কিছ ভবার নেই। সামনে একটা বিশাল সম্বে ও রাভ পড়ে আছে। পরচেশ কি একা একা ৰোৱো নদীৰু পাৰে বেড়াতে বার? অহলা টারের নার করে পরামশ ইয়তো টাটানগরেও চলে বেতে পারে। আছা, এই রকম নিঃসপাভা कक्षेत्रम क्रमाहे इस्ट्रा शहरमन्दर हेश क्ट्रा क्रिक कार रक्कारक ब्रावः अध्या नवीन्त रव-মেরেটি পরকেশের জন্তেনা, ভাত্তক ভাষন কি जारमाई मा बामार्य।

দ্বোর বারর বরকা খালে সেকা। এবই
হারে সভা বদলে নিরেছে শ্রো, অবলা
হারের গাউডার এখনো ছারলা করে হারেনি,
ব্যাউডোর সব বোডার লাগারনি। আলা
হারের রা-টা দেখা বাকে। নীপা চোখ কিরিকে
নিলা। শ্রোর বাক দেখে এক সময় ভার বাক
ভাপাছে। এখন আর ভা দেখাত ইন্দ্র করে
না। শ্রো আক্রালা রাক্ত রাক্ত বাঞ্জনা
বাজি করে।

গীপা অভিয়েলা ভাবে ফললো, এই ভা বানিছে নিজি না?

— তিন্ধি, বাব্যৰ স্থাপ কি: বেশিস, স্থানের চোটে কেট বাস লা বেন!

ভাজতাতি হা নিবে আর। ভোগের অর বেশী সময় সেই!



व्यक्षत माहिलाउ নুতন ১ই श्रामगुरुवात विद्यार त्रयणीत्र यन ए. একাঘ্যী ৪॥ প্ৰদাস চৌধৰীৰ গোধূলি রঙ্গীন ৫. वान्द्रदेशाच्याच्याच्याच्याच्या ৰাজীকর ৮১ त्रावि निर्मार्थ १ मूर्येष्ट्रभा ५. মহান্তা গান্ধীর সভাগ্রহ সম্পর্কিভ मयच बहुना भरतवन मजाश्र १, मृत्याधकमार हरूवर्दीय

জমর সাহিত্য প্রকাশন ৭, টেমার দেন, কলিঃ-১

कुभाग्रद्भ ७,

यदिगद्म



কারণ আপনার বাচ্চাকে স্বস্থ ও হাসিখুশি রাখার জন্যে মরিসন্স-এর অনেক সুন্দর সুন্দর নতুন পরিকল্পনা আছে।

কৃত আনন্দ হর জেৰে যে আপনার বাচ্চার জন্তে থারো কেউ ভাবছে। ভাবছে আপনার বাচ্চার কি কি জিনিয় চাই। ঠিক এই ব্যাপারটাই মবিস্কা করে। স্বস্ময়। কলাফল। স্যত্তে তৈরি লিগুর ধরকারি রক্মারি জিনিয় যা এক্মাত্র মারের পশ্বকই বোরা স্কাব। শীপণীরি মরিস্কা আপনার বাচ্চার হাক্তে আরও হরেক-চক্ষ জিনিম এনে হাজির করবে। আপনার, এবং আমামের বন্ধে বাচ্চা জানবে যে মা এবং মরিসনা হচ্ছে স্থাসেরা বন্ধ। (আর হাঁ)। বাবাঞ।)

· de and



মা এবং মরিস**ল বাচ্চা**র সবসেরা বন্ধু।

अरे अस अस्त्रा। भारतः कात त्रक्तात्र व्याप्तः विद्यान कारणावाला। वक्कि वारणाव्यानः विद्यान कारणाव्यानः विद्यान कारणाव्यान् विद्यान कारणाव्यान् विद्यान कारणाव्यानः विद्यान कारणाव्यानः विद्यान कारणाव्यानः विद्यान कारणाव्यानः विद्यान कारणाव्यानः विद्यानं कारणाव्यानः व्याप्तानः विद्यानः विद्यानः विद्यानः व्याप्तानः व्यापतानः व्यापत्यापतानः व्यापतानः व्या

ভারের কাপ গীপুর হাতে দিরে প্রা একেবারে ভার গা খোলে গাঁড়ালো। নিতাপত কথার করা হিসেকেই কেন কালো, এই, তুই একা করা সপো তেনে ভারতিস রে।

--का भिरत एकात मक्कार कि?

প্রতেজ অন্যোক্ত করে গাণ কালানা। গালার গালার গাণ কালা থ্য ভালে করে চিনাচো দীপা, সেই কাটোরো বছর বরসে থেকে। ফিল্ফু এখন কেই গাণাটা পালে না, এখন এবটা উরা সেপেটা গাণা।

—एकार याचि **अथन** नानकार प्राप्त प्राप्त

শ্রহার টনরে কাষ্টো ছাতে আছে দীপরে কবি: সিলেগর কাপঞ্জ পরেছে পাচা। সিল্লের কাপড়ের ছোক্তির এমনিগতেই একট্ পরের লগের ডাছাড়া আকাদা একট ট্রাপা।

ক্ষণাত মান্তি কাক ক্ষেত্ৰৰ মান্ত্ৰৰ নিৰ্দিদ্য ক্ষান্ত্ৰৰ ক্ষেত্ৰত কাল্ডেঃ স্কৃত্ৰ একট্ড ক্ৰাক্ষণ মেটঃ

নতাজ গীপা আৰ্চা, পাৰ্চাত কি
আয়াৰ চোহ আনত কেবী স্বাহ দেখাত?
বা্ডাৰে সম্পূৰ্ণ অহাৰ কৰে পিছে বীপা উত্তৰ নিজ ধে নালাখ? সাম্ভাৱ চোহ তুই
আন্তৰ্ভ বেগ্ৰী স্থানতী।

শ্রে কারেডাক। চেন্ধ তালিক কার্কের লীপ্তে লিকে। তে কেন আনার কার্কিক, নীপ্তের বংগ সাংপার্কে কর্বে। কাক্ষা জপ্তানক্ষাক্ষ কিল। ক্ষেত্রে কর্বে। কাক্ষাল তে। এইকার্জ্যাক্ষ ক্ষা করে ও। সাংশ্র জালেক স্কাক্ষ তুই এক্ষান্ত আন্তারে স্থাব লগত সাংস্কা

--बाः, इन्ह्या सा (कर

টক কৰে শব্দ হাজা বাধায়েই ডিটিকনি গ্ৰহণত ভাৰণ ভাৰত প্ৰায় একটি সাৰ গোলা বাধায়ে কান্টি কানি সাৰ গোলা বাধায়ে কান্টি কানি কাৰ জোজা না দ্বাকাটি সালা আৰু কান্টি কানি কাৰ জোজান না কাই। কান্দি কান্টি কানি কান্টি কান্দি কান্টি কানি কান্টি কান্দি কান্টি কানি কান্টি কা

- 阿爾!

मीन्द् केंद्रं बोक्स्प्रक सन्त्राह निरम बद्ध करतः। जीको केक्स्प्र देखस्य अद्वेत्स्य स्टमा ना क्ष्मारमः।

শক্তে আবার বিজয়ে একে কালো, দীপত্ন, আমি তোকে বস্তু অনুনাঞ্জন করি, না রে? —হাট। বউলি বলি জানতে পারে—

—সতি। ধ্ৰ অনুলাই? ভূই বুৰি আর আমাকে একটাও ভালোবালিস মা?

—তেনে কি জানেও আৰি ভালেন্দ্ৰসমূদ কৰি।

-दार्मीक मा?

--শ্ক্রা, ডালোবাসা কি রে? কার্র জনা মন-কেমন করা, না কার্র ব্রুকের ব্যৈডার খ্লে দেখার ইচ্ছে? কোন্টা?

—किः मीन्द्-

गौर्यः कारक कारक केरणाः गौर्यः कारका निरूप करिया गुरुः स्ट्री হালিক ক্ল' ব্ৰচ্চ পারকো। একটু লাক্তকাৰে কললো, সতি একা কার এলা কথা কলার কোনো, কালে হয় না। কিল্ফু নাল, পুটু আলার চেয়ে এক কার করেন হোট, ডোর কলেল কি আমার কিলে হতে গারকো?

—শানার পাগলামি। জামি তেকে কোনোগিনক বিয়ের কর্মুদ্দ না। রক্তন্য কর্ম জালো লোক

—वार्षि क्षिप् ट्वाट बनान-

ं मध्यो सम्बद्धा त्याक त्याद्धां पद्धा अपने, तथा विवेदा सित्यान क्याला, गील्ड्, पुनि साथ अपने, जा त्याला?

-771

্যুখনেরই স্থান্যাক্ত শেব, একট্রন বৈজিরে পক্ষে, তন্ত্রীপট্র বিশ্বন হছে সং। ওলের তচা আক্ত সিনেরার করেরা স্থান করে। সে এক স্থিতিত জালিরে আছে বাব্রীর মুখের দিকে। বউলিরেও কি কোন আগেবার প্রেমিক আছে? আহা, বাকসেও সে বেচারা এখানে আলার স্থোগ পার না।

কাৰ্বী আৰু শ্বে কেহতে কৰে, এই সময় দীসাক্ষদ ৰাজিতে চ্কেলোঃ

(344)

न्नीन गट्याभाषात्र-अत

নতুন উপন্যাস প্রকাশিত হ'ল

त्रभाली मानवी ७००

সমরেশ ৰস্ব

বহু চাওলাকর উপন্যাসের ২র মন্ত্রণ প্রকাশিত হল

অপরিচিত ৬:০০

ভগতির রূপারিত হছে।

বিশ্ববাদী প্রকাশনী C/o, যে বুড় শ্রেটার ৪ ১০ বজিল চাটার্লি প্রীষ্ট ৪ কলি—১২





মুস্থ চকচকে চুলের জ্বা....



वीपात मा वीपारक धतिरह दिरहित्वव

प्राप्तित् मूश्राह्मळ काकाताप्ट एयात् खायल

বিচক্ষণ নারের। জানেন বে টাটার কোকোনাট হেরার অনেল বিভঃ নারকেজ ভেল। অতে চুলের গোড়। গাই করে, চুল ক্লব, চকচকে, লীর্থ ও ক্লমন করে ভোজে। টাটার ক্লভিত কোকোনাট হেরার অবেল তিন রক্ষমের জনোর্য ক্লগান্ধ পাওলা বায়— গোলাপ্য, ল্যাভেন্ডার, চাবেলী।



तङ्त यूक्त्य (वाङाल ७ माई।क भाउसा यास ।

है जरवान त

451201 পাৰ্যাপৰিক COCONE 218 TH-MATE বিভয়গদ বিজ্ঞানীয়া একটি বালাই কয়ৰ मन्त्र रेकीय करवार्यम । कामारिन्यय करना वर्षे कार देशकावेस क्षेत्रक काल समान **ष्ट्राव । ब्रह्मकाण अट्यक्ता आहमार्गाटक होता.** বিমানশিক্ষা এবং বিভিন্ন क्छनाछित देव ममन्छ जानाव शांगरत बामारे क्यांक स्टाना शहनक केसारमद शरपासन व्यथना एवं जन्मक जनार्थ आसाहे-क्षेत्र जन्म DIE MITE MITE मान्स महासहे बानावीनक विक्रिया करते छात्रद एकता कडे क्क करकने माहाबा कहरत। क्रेप्टाचा भवतान শিক্ষেপর অন্তগতি এবং সম্প্রসারবের সংশ্র मर्ल्य बालाहै-এइ कारक देशकरहेत दर्गमय প্রয়োগ দিন দিন বাড়তে শ্রু করেছে। প্রমাণ্ড চল্লিতে প্রচর তাপ্রস্থ বা আর্থত বিভিন্নপাল পদম্পত প্রয়োজন হয়। কালাই করার সময় হবি এই সমস্ত প্রাচার মধ্যে नामानास्य बाह्यमङ द्वार्ष । शहक शह তা হলে শাষ্ট্রাটাবই বে ক্ষতি হতে পারে ছা নৱ, প্ৰচল্ড বিশেষাৱৰ বা অন্যোপ কোন र्**ट**िना ७ वहें। कमण्डव सह : माधादण्ड रव महान्त भवादर्द एकात दिएसम् मण्डिय अहाकम शहा यस कारकालह कलायीरयाम. টাইটেনিছাম বিশেষ ধরনের আলেটিমনিয়াম-माकड बाजू, शक्**ट**ा

बक्छिर कार्य स्थान्ती एटमन कविन नमा।
अन्न करना गिरम्पेटनर अकि एवाक करनर
राज्य करना गिरम्पेटनर अकि एवाक करनर
राज्य करन राज्यमधीन स्थार । राज नम्म
हेरनकातीन वन्ति। अया राज पर्याप्तिन
कार्या करार राज्यमधीन स्थार । राज नम्म
हेरनकातीन वन्ति। अया राज पर्याप्तिन
राज्य मर्था रेम्प्रिये रिम्प्र गिर्मे करन्ति
औ हेर्निम वन्तुपिर देन्ति गिरम गिर्मे कर्मार्थि
केन्त्र हेरनकारित्तन क्यार्ग्यस स्थान राज्यम्य
केन्त्र हेरनकारित्तन क्यार्ग्यस स्थान राज्यम्य
केन्त्राम्मार्थि वस्त राज्यमधीन क्या मन्त्रमः
हेरनकारीन वन्तिमार्थ स्थान्य क्या मन्त्रमः
हेरनकारीन वन्तिमार्थ स्थान्य राज्यमधीन क्या स्थान

ভারতীয় বিজ্ঞানীদের ইতরি এই বল্রে ইলেকটোন রনিম-প্রক্রেপক অর্থাণ ইলেকটোন গান এবং বালাই-এর বলতুটি একটি বার্হীন ককে রেখ দেওবা হর নকটির হল ভালে ৬২০ মিলিমিটার বাংসের লেইনকেল লিউলের একটি ভক। বাইবে থেকে ভালাই-এর কাক্ষ দেখা বা নিয়ল্যা করার বাক্ষার বাক্ষার আছে। ক্ষেত্র এক ভাগ করার বাক্ষার হাজার এক ভাগ করা। ভাকি বিজ্ঞান কিলো ভোকটা বিজ্ঞান কিলো ভোকটা



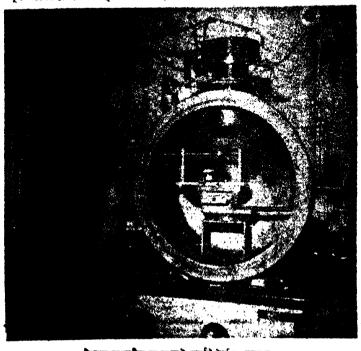
ৰণাটি তৈথি কৰাৰে বেট পাচ পাছতে এক লক প্ৰতিৰ হাজাই টাকা। বাইতে খেকে আনতে পোলে এই আৰু ব' লক টাকাৰ উপৰে গিলে পাঁচাক।

ইতিমধ্যে নানা মুক্ত দ্বাপন্য এবং বিভিন্নপাল প্ৰবেশ্ব উপর প্রীক্ষা করে এর কার্যকারিকা সাপ্তরেশ বিজ্ঞানীরা নিশ্চিক্ত হয়েকো। এক নিশিনিকার প্রে, পেইনলেস নিউলের মল, টানেইনিকারের নল, প্রত্তি অকট স্ক্রেডা বজার রেশে বালাই করা সাক্ষর হয়েছে। এ হাড়া এই রাম্মর তীরতা প্রতি বল সোন্টানিকারে বল কোটি ওরাট প্রশাস ভোজা সাক্ষর হ ওরার বেশ্বনেটি কজাই করা হর তার আলগালের অংল হঠাং খ্র বেশি উদ্ধান্ত হড়ে পারে মা।

এই সাকলা ভারতীয় বিজ্ঞানের স্মান্ততি ছাড়াও বৈলেশিক হল্লা সোনার হাত থেকে বেশকে বাঁচড়ে সাহাজ করবে।

রিটেনের করেকজন জীববিজ্ঞানী একটি অস্তত ধরনের রোগ বীজাশ্র আসল স্বর্গ জানতে গৈৰে বাতিনত হিমানৰ ক্ষেত্ৰ ষ্টেছন। বেংগটি ওভডার চলক্ষি। 📽 🍇 मनान त्यारम चाडान्ड श्रम रच्याचा रवभरताताकार्य मा इसकार बारका जान-भारत या किए भार छात्रहे मर्म्य मा पर्या भट्ट करत रहता अत करण कारमक समा कारमञ् भारतय रमाम केंद्रे मिरत वह सबर्ध भारतः अपन्य भारता किन स्वारतिक व्यक्त কারণ এক ধরনের ভাইরাস। কিন্তু আগবিদ क्षीर्वायमान प्रत यदा शरवन्या झाँगात अवस केंद्र पत्र भागवेहरू मृद्ध करवादन । वैशाव बहुना, क्रोट-एक्टरन शृचि धनर कार्न कार्यायलीय निवन्तरमय बालार कि अन अन्य ভাষ্ট্ৰত আৰু অনুস্বীকাৰ্য বলে বিৰেক্তি गाहरू । चथ्र रक्ष्यार को स्थान-कार्डेस्टन चारते कि अन क चारह किना रन क्या নিশ্চিত করে বলা **এখনও সম্ভব হয়নি।** ও'বের অভিমত হত'লাদ দশকে জীববিকাদ एकरा अस रह अ**ध्यानक अवसाद गणिय** क्लि क्लाको ज्ञान

ব্যাপারটা শুখ্য ধরা পড়েছিল ১৯৬৭তে।
ঐ সময় ব্রিটেনের কৃষি প্রেক্সনা সংকার
করেকজন বিশেষজ্ঞ পশ রেপের ক্রারণ
অনুসংখান করতে গিলে নতুন ধরনের এই
ভাইবাসের ব্যাপারে আগ্রহী হন।
ঐার বেখালেন, শা্ধা ভেজার ভুলকানি
রোগাই নই, ঐ একই ভাইরাস মানুবের কিছ্যু
কৈছ্যু ক্রটিল স্নার্বিক রোগেরও কারণ।
আরাণত শেভাত দেহ থেকে ভারা ঐ ভাইরাস



् क्षेत्रसङ्ख कुनामीया हव कामाई-मन्त्रीते देशीय करतरहरू

कर्मा क्या वीर्यमान करा घारात कर्मक काम राहरू राजका हम। किन्छु रम्या राजा. केवान घारात क्षीयनी मांच मन्द्र कराव भारतीय। अवश्य के छादेवाजरक क्यान्त छोता क्यांतीलराज प्रचार वाचरान, क्यान्त छराव सराहत केला मिरकान क्या हम छोत व्यक्ति राज्यानी बीन्य। किन्छु अक नरवा भावक क्यांनी कार्यकार रमा चित्रस्य राज्य রইল। খণচ প্রস্ত উরাপ, করনালিনের ভার ক্ষাসারনিক প্রতিভিন্ন বা অতিকোনো রনিকর প্রভাবে ভি এন এ-র পজে সন্তির থাকা কোন কতেই সক্তব নর।

এরা নিশ্যাত ভ্রলেন, এই ভাইরানের জীবন-অণিতছের মূল চাবিকটি ভি এন এ নর, ভিল্লতর কোন জানারনিক সামগ্রী। উল্লেখ্য এই ভি এন এ-র মধেই খাকে ভাবতোৰে প্ৰথম সংক্ৰম ন ভাতটেও কোড। প্ৰতিষ্ঠ এক বংশানত নিজৰে জাইন নাসাবনিক পদাৰ্থ-বংশী এই প্ৰথমন সংক্ৰম কোষ বিভাকনে সাহাৰ্য করে।

শুরু হল বিরাট চাকলা। কারণ এ পর্যাক্ত যত রকম ভাইরাস দেখা গৈছে ভার প্রত্যেকেরই মূল উপাদান ভি এন এ অথবা ভার সপেন কিছু পরিষাণ আর এন এ।



'ৰাড়ীতে অনেকেই ঘৰা-নাজাৰ সজা কৰ্কণ শাইডাৰ বিজী কয়তে আলেন,' বলেন শ্ৰীনতী গোৱে, 'ভবে আমি একনাত্ৰ দেয়াৰ-কেনায়াত ভিষেত্ৰ ওপত্তেই নিৰ্ভন কৰি। এটি শলকেই আমাৰ গছবোৰ স্বক্ষাকে ভক্তকে ক'বে ভোলে।' আগনিও দেয়াৰ-কেনায়াত্ৰ ভিষ্মি। ভিষ্মেত্ব বংযুদ্ধে সৰ্বান্ধিত্ব কৰাকে ক'বে ভোলাৱ অভিত্তিক ক্ষতা। ভিন্ম হাত ঘোষাৰ বেদিন, বাস্ম মাজাৰ বেদিন, চীনামাটিৰ বাসন, বাতুৰ্ত্ত বাসনপ্তি, কাচের সামগ্রী, গ্রেব মেবে সবই শলকে পবিভাৱ, ক্ষমেত্ব ক'বে ছোঃ হী৷ বেৰাৰ-কেনায়ায় ভিন্ন নিমেবে স্কক্ষকে ভক্তকে ক'বে ভোলে। বিশেষভাবে পরিভান্ত কৰাকে আপনিক ভিন্নই ব্যবহায় কল্প।

क्रिसमास घाव वलसाल घाव ठारे दिस

Marine Company of the Company of the Company

ক্ষিত্রত কল কর্ম কেনেটিক কোন্ত এবং ভাকে ক্ষিত্রত কিছালৈ হোটিল, এটাই তো ভাইরালের ক্ষামিক জ্যানিক কোন্ত কান্ত চারা কোনে ক্ষামিক কোনেকে ক্ষাম্যক করে ভারা কোনেক ক্ষাম্যক হলে তথন ভাবের হাজনন সংকেতের উপর আবিপ্তা কিছার করে এবং কোর্বটিকে বাধা করে ভারা নিজের কাজ কল রেখে নতুন ভাইরাস কলা হৈছি করতে। এইভাবে ভারা বংশ বৃদ্ধি করে। কিল্টু বুলকনি ভাইরাসের ক্ষেত্রে মনে ব্যক্তির করতে মনে

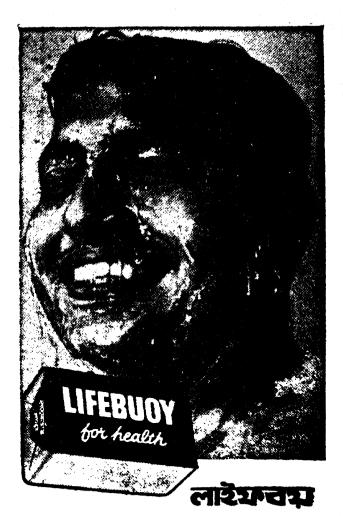
ब एष्ट एष्ट एष्ट यह कहाला, उन्नष्ठ वा वि धम धन्न मण्डे प्रमा एका ह्या हिन पह मण्डे प्रमा एका हिना एष्ट मित्र पह मण्डे प्रमा कहाला हिना एष्ट मित्र पह कार्य प्रमाणका धारापाडां प्रमाणका धारापाडां प्रमाणका प्रमाणका धारापाडां धारापाडां धारापाडां प्रमाणका धारापाडां ध

প্রদার তাহকে কিডি এন এ বা প্রেটিনের অন্তর্গ কন কোন রাস্কনিক বৌগ থাকা সভ্তন বা ওগের মাত নিজ্ঞান ক্ষাতার প্রজন্মন কাঞ্চ গাঁলের াবতে পারে, অথ্য ওগের থেকে অনেক বেলি বাধা বিদ্যুর মধ্যের বৌতে থাকাত পারে?

মানা রক্ত পরীক্ষা চালিতে বিভিন্ন তালআন্তর সাম্প্রীন হারেছেন গাবেধকর। কেউ
কেউ জনে করছেন ম্পান্ত কাবেজিটিয়েটিই
এই ভাইরাসের মূল উপাদন। আবে এই
আবোছাইক্রেটির ধর্মা বালেন্টা কাভিনিকর
কর। বিভিন্ন মেডিকেল বিসাচা বাউপিসলের
বাগাটি কিম্মু আবেও ব্যালিস্টা। এবা
কলকেন, একের পোহও ডি এন এ বা আরে
কন এ আহে। চবে এটি এন এ বা আরে
কন এ আহে। চবে এটি এন এ বা আরে
কন এ বার্কিটি আন্তর্ক। চাকে কেন করে
কাবেজিটিক্রেটির আন্তর্ক। চাকে কেন করে
কর্মান বা অভিবেসানী ব্যান ভেডরে লিরে
ভাবের আন্তর্ক। আন্তর্কা। বা অভিবেসানী ব্যান ভেডরে লিরে
ভাবের আন্তর্কার আভিবেসানী ব্যানা ভাডরে না।

অভিন্য, ১৯৬৮ তে পদ্ রেপের করেকজন গবেক কিন্দু একেবারে নতুন কথা
লোলকেন: এপের বছনা ভেড়ার চুলকনি
রেপ্রের পেছনে জাসলে কোন বজিলাই
নেই। প্রের রাগানটোই পদ্দে জাতে ভেড়ার
কেন্ত্রের বছনা ছৈবিক বারুবে ভার কোন
কোন কেন্ত্রের হঠা
ক্রান্তরিত হরে বার। তথ্ন ভানের গা
ভূলকতে বারে। এ ধর্মনের বটনা জনা
প্রাণীদের ক্রেরে সম্ভব। ভবে জবাগাক

ই ক্লে কিল্ড এবং ডা ডি এইচ আডানন বে তথ্য প্রকাশ করেছেন অভিনবছের বিক নিরে নেচাও বড় ডা নর। এ'সেরু মতে এই বরনের ভাইরান মুখাত বুই অলে বিভন্ত। প্রধান অংশকে কলা হয় সাব-ভাইরান। বে কোন প্রাণীর বেহে অনিবিশ্বি সকর প্রবিশ্ব এই আলে অকচেতন বা নিক্ষার অবন্ধার অবন্ধান করতে পারে। অগর অংশটিকে বলা হরেছে গিতকে বা সংবোদকারী। এর ব্যক্ত গাঁরতা এখনও অধানা। তেলকারে এই সংযোগকারী ববন অনিসেহে প্রকেশ করে তথ্য সাব-ভাইরাসের সংশে করে কিলা ঘটে। তৈত্রি হয় একটি প্রোপ্ত কর্ইরাল। এই সংযোগকারীই বাইরো বেকে ক্লেক্সর সেই প্রবেশ করে চুলক্তি কাইরাস তৈত্রি করে। পরীকা করে দেখা সেহে অধিন সংযোগ-



যেথাৰে স্থান্ত্ৰ্য সেখাৰে

निर्मित्त (माथ कात क्यांतरे जाका क्यांतर शाका । और प्रयश्यात पूर निर्मित जान (मामरे क्यांतर क्यांतर क्यांतर वानासक मनकिंद्र जन (ठा कारकेर तारेकनरह, ठावराज (वनोध को (यत जारह)

लादिकवसं भूकावसमान द्वागवीकार्त् भूक रूक

क्षिण्याव विकास देखी

STATE OF THE PARTY.

<u>नावा</u> डावरा जावक (त्रहार्ड् **आता**प्रा

সভিটে কী চমংকার সিগারেট।

কী অপূর্ব ছাদ আর সোরাজীবর্ণার
ভাকিরিরা ভাষাকের কী অপূর্ব গত্ত।
ভাই ড' পানারা সারা ভারতের
কচ প্রির। আপরিও একে আপ্রার
কলন্ত প্রির। করে কুরুর।



গোজে টোলাকো কোং, এটেকেট দিঃ যোগাই-৫৩ আয়জের এই ব্যাপের কৃষ্ণের প্রাক্তির উল্লেখ TO PREMION STATES

কার্যাটিকে বংশে করা খুবাই বাঁঠিল। বাঁহ এই কটাট প্রমাণিত হয়, হয়ত সাল্বের নানা ককম কটিল ন্যায়নিক ছোগ উপল্যের ব্যাপারটাকে সহজ্ঞত্ব করা সম্ভব হবে।

কিন্দু তারও চাইতে বড় প্রণন ঃ ভা হলে ভি এন এ বা আর এন এ ই-কি জীবন আন্তিকের বলৈ কথা নর? জীবন সংক্রেড সন্পর্কে আন্বারিজহালে গ্রহণ করা হরেছে কে জারে, হরত সেটা একটি পর্নে শ্রহণ অরই একটি নতুন আন্তেক্ষণ।

*

প্ৰতি বহুৰ মহাকাশ কেন্তে লক লক আলেশত উদকা পাৰিবটির বাকে করে পাছে। জ্যোতিবিজ্ঞানীদের বরবা, এই বর্থ প্রতি তেরিল বছর অশ্তর একবার করে। প্রবল काकात बात्र काउ। एवन कान हम्र (बन হাতের আকালে আকোৰ কালভাতি দিলে কে क्लिकाली (क्लारबा) गांड ১৯५५एड के सहस्तव वर्षन इवाद कथा विका । किन्ह शामाग्रीहरू बारको कराबक कार शहा व कर हार्याकर ৰাল্ডৰে চেমন কিছা ঘটনিঃ ভাৰে এ बानाएक ५४०० बान्डेशक्य सक्ताकारकीय क्रिक्क किएक किन्द्र कालको इधरका राष्ट्रक পরিচয় পাওলা হায় ৷ ঐ বছরে ভ্রাবের ট্ৰেছের মার আকাল কোক জালনত ট্রেকা करिताल काच काफ़िक्स करेगल जिल्ली नाडे ৰাল্য জালার টানে চিরস্থায়ী কার ক্যেন্ডন। क सदरमञ्जू केरका वांग्येत कामा जामाहत **३**৯৯४ वर्षक्ष काराय कालका सदाह हात। 31

ভাগ ক নিদ্যে পরি উৎপাদন ছাড়াও
সাম্রতি কোন বোনে হেজান্তির পদাধ্যে
এথন থনিক পদাধ্যে অনুসংঘান আক লাগান হজে। কাবার্ত্তির দির দিরে এনের ববো অন্যতম ফালিকোনিয়াম-২৫২। প্রক্রীকা করে দেখা গোভ এই পদাধ্যির সাহাযো গা্বা ভূগানিক থনিক পদার্থই নর, সমার্টের নীচেও বে সমাস্ত থনিক পদার্থ কাছে ভাগের পর্যাপ এবং প্রিমাণ গা্ই-ই কান্যা কোন্ত পার্য। উল্লেখ্য ক্রিমা উপারে ইতরি এই পদাধ্যার প্রিমাণ কিন্তু থ্যই

বিশেষজ্ঞানে বছল, ক্যালিকোনিয়ান১৫ ২কে বছন সোনা বা হুপোর কাছাকাছি
আনা হার ছখন ভার বিজ্ঞারিত নিউটোন
কাপবার আঘাতে ভারা তেলাখ্যির হরে পাড়
এবং বিভিন্ন ক্ষালা লাভ করে। বিশেষ
এক বরনের গ্রাহাক বলা সাভ্য কি বিলিগদ বরে
নিয়ে গরীকা করে বলা সাভ্য কি কোলাছ
সোনা বা রুপো অবাদ্যান করেছ, এবং ভারের
পরিষ্কার কড়। দেখা গোড়ে এক টন আক্রিকে
বাদ ভিন্নের বল আটনস প্রিয়ার সেনাবার্ত
বিশ্ব ভারের এই প্রীক্ষার সহক্রেই ভা বরা
বিশ্বে ভারের এই প্রীক্ষার সহক্রেই ভা বরা



जिल्लीय कृतिहरू ১৮००-तर केन्द्रा बोर्ल

প্রচ্ছ বার। আর ব্র্পোর ক্ষেত্রে এই পরিবাদ টন প্রতি অথ অউপন। বিংশবজ্ঞরা বলেন সোনা এবং ব্র্পো হাড়াও অরও তিরিকটি প্রদর্শকে এর আরা সন্ধান চালিরে বের করা বেতে পারে। এই প্রার্থান্তির মধ্যে আহছ ইউরোনরাম, ভানাভিরাম, ভাষা, আলন্দ্রিনরাম, ভারা, টিন, সিলিকন, লোহা এবং সোভিরাম। আনক্ষে মতে ভূমভান্দ্র জল বা তেলের সন্ধানক বোগতে পারবে ক্যালিজেনিরাম ২৫২। বতামানে এর প্রতি পাউদেরর দাম ৪৫০০০০ মিলিরন ভলার জর্বাৎ ৩,০৭৫,০০০,০০০ টাবা। ভবিষতে এক প্রামের এক কোটি ভাগের এক ভাগের দাম পড়বে সাড়ে সাড় লট কার মত। ওতেই অন্যাসকানের কার চালান সম্ভব হবে।

সমর্বজং কর

ভারত-ভগিনী নির্বেদিতা

(क्रिक्सनस्थान समा) दर्शासन गौगरे ३०-००

দ্ৰুত্ব ক্ষুত্ৰ ১—ভাষনী-নিৰেছিভায় শভ্যৰ'প্তি'র শ্বরণিভা ছিসাবে প্রশ্বভাব বিবহ সমাজের নিকট প্রশ্বেষভানি উপন্তিত করিয়াছেন ১, প্রশ্বেষভানি পাড়ার কেন পিপাসা মিটে মা, আরও পড়িবার ইছা হয় ১..প্রশ্বেষভানি বাংলা সাহিত্যের ক্ষেত্রে বিশেষ স্থান অবিভার করিবে সম্পেহ নাই।

কলিকাভা প্রেকাশর । ৩, শ্যামাচরণ দে স্টাট । কলিকাতা – ১২



। वर्ग विकास क्रम ताइत समर, क्रिसाहे(तस এক রতর পরিবি। চি লি এম-এর ওয়াশ 'এর' ওয়ার পপলিবের ওপর क्षिके अवर व्यवस्थ हिंदा क्रवादेशन जारशास्त्र-महाद खासभाव করে জুলেছে। এ আন্দোলনে আপবিও বস্কুলঙিছে বোগণার ককর।



क (व कूलाइ) ज कारण प्रीति क्षिति रक्षादे वादक क्षृत किंद्र मा किंद्र वरक शास्त्र



(S)44)

পুরে থাওয়ার পর কিছা, কলের মান্টের পুরি অন্ধান বলার কলার মান্টের বুকি ভিরে উঠে আর্থাকন । একট্র পরেই বুলি বার বছরে । লালিক করে হারে পুরের, পরাই) কে মান্টকে বালিলে মান্ত ঠোলে বোল বারার করের স্বাহের স্বাহের স্বাহের স্বাহের স্বাহের স্বাহের স্বাহের না বারার বারার না বারার না

মা ছাব ছিল নাং তা বহু শৃতি বংশাকে ছারখানা কোড় গৈছে মা জাল প্রতিবেশীদের জারো বাড়িয়ে গোছে এট্টিনের আন্দর্ভ হ হয় বিভিন্ন নাম তেলা সাংখ্যা কোনাত কিন্দাত লালাতের বিব্লের কথা বলাছে হলাতা। কোনা সাংখ্যা লালায়ীনালত একটা মোলা এটাছিল আন্দ্র গালাহে বাবীবের ধরে। এ নামেই লালাতে আন্দর্যে অক্যান্য বই লালাহ

লালিত বালিলেল মূৰ গালেল এবটা লাম্ট আছাকা লক্ষ্ কৰেল, ভাবেপৰ আচীৰ প্ৰজ্ঞ জাকেল-ৰমেন ট

च्छाको छात प्रवास शत अक्ष्मे चारावे वर्षाम दर्शिरहाइ । शृश्य प्रयाके अक्ष्मे भूरतारामा श्लामे कारणेय किशि मिर्ट छाट रम्भा अक्ष्मे शिकामा एत्योक्स, अक्ष्मात छाटक विश्वास कारण शरित्र ? स्त्रीम शत जिन्छो रहाधात कारण शरित्र ? स्त्रीम शत जिन्छो श्रद्धामा अक्ष्म स्त्रीस्थ कार करत व्याका सरकाणे चात म्या चत रम्भा । श्रद्धान चिकाले कारण्यात अक्षा स्वम्मा ची ची करत । सृश्यात कारणे चिकाला चाराव चारकीम स्त्रीम स्त्रीस्थ करत यम अक्ष्मे सारा । स्थान्तिके छात स्वास्त्राम्य करोड सारा । स्थान्तिके छात स्वस्त्राम्य करोड सारा । स्थान्तिके छात स्वस्त्राम्य करत यम अक्ष्मे सारा । स्थान्तिके छात स्वस्त्राम्य करत यम अक्ष्मे सारा । स्थान्तिके छात सिक्ने कथा गरम शरक,

নলা বৃদ্ধ অন্যতন ভালে বাছে। ব্যি ছবে। একা এই আন্যতনঃ ভালো নিবে ভতকৰ বৃপাৰে কটোনো বাব। কোবাও বেভিজে পছডে পাৰলে ভাল হত। কিংবা ষ্ঠি রমেনটা থাকত। এজনা কি, বিদেশেও যা জ ভার ছবে মেই। সংশচ্চু থাবারু নিচে গিটো ফিবে এসেটো

পূর্বে হিন্তুর শ্রে ক্রিল্ড । জনানার বিকের ভিতর নিয়ে ছরে এসে মুখ্ বাজুবেছে পেনার সার্ভ্যার ক্রিছে। ক্রান্তম্য, প্রার্ভ্যার ক্রিছে। ক্রান্তম্য, প্রার্ভ্যার ক্রিছে। ক্রান্তম্য, প্রার্ভ্যার ক্রিছে। ক্রান্তম্য, করের সার্ভ্যার ক্রিছে। কর্ম জনেমার প্রার্ভ্যার ক্রান্তম্য ক্রান্তম্য ক্রিছাল ক্রান্তম্য ক্রান্তমের ক্রান্তম্য ক্রান্তম্য ক্রান্তমের ক্রান্তমের

ত একটা আদ্দৰ্য বাংগরে। মান্যবের ম্যাধর আদল প্রার সাধ কিছার মধ্যেই কাক করা ধার। ঐ যে প্রোয়ানো পাথাটা ব্যুড়োর মধ্যে মাতে নাড়াছে এর মধ্যেও একটা হে'গো-কেশো রগতী ক্রেয়া ক্ৰা টেনিনের ওপর সাধা নুইরে আছে টেনিজা-ল্যান্পটা। কে কলতে ওটা পোরো মেনের ম্ব নর! কক্ষার রাশ্তনা মেটিসম্ভিত্তও সামনের দিকটার হাখের আগল লাভ করেছে লাভাগ

ঘরের চারনিকে চেরে সে নানঃ থিনিসের মধে। মাথের জানল খাড়াছিল। আসলে নিজেকে সংগতিন ভারতে ভাল লাগছে না। সে প্রকেশক ভালা, স্টেবিলে জন্সের গলাস, মার ভাল খাড়ারবা ছাট্ট পিতলের ঘটি, পারোধো জন্মকেছেই ঘ্যালগনি—এই স্বৰ্গত করতে করতে ক্রণত হার চোগ ব্যক্তি। আগত জাগেত তালা এসে মাছিল। বান্ডি হারতা শেক প্রকেশ হার না।

এমন সমলে টের পেল কে কেন নিঃসাডে ঘার এল : কিবত নিরাণ, হত্তর ভারে কলিত চোথ থালল না। আপকা করল একটা। তার মানে হাজিল, মাজেন ওপন কারে পাড়ে रक रहन छाएक रमश्राष्ट्र : ४२ फ दश्य करद तहेन ক্ষিত হৈ এনেতে সে বেক হয় কেলো স্তিকোত্ত ভাষাৰ ময় পাস আসলৈ **এনেছে** ঐ পর জ্যে**ক—হে** পরে ভাকে বেতে হয়ে। হোৰ খাললেই সে নেখতে পাৰে একজন একটা টিকিট এগিলে ধাৰ বে**বেছে ভার** भाक एक बनाद-एडायाद विकि**व स्टाहर एकटन** আহাত হাড়তেও আর দেরি নেই। **এবার** উঠে পড় : কিংবা এও হতে পারে, বে এলেছে দে হয়তে: একজন মান্ত: ইছতে। আদিতা। সে চোখ চাইলেই বলবে—ট্টোর! লাগবভাঁ**ৰে** ফিবিয়ে লও।

– ললিত। একটা চমকে চোং খ্লক ললিত।

ঃ প্লম, প্ল, 'বিংশব পাল্ল'র জন্য বিংশব প্রয়োজনীয় ঃ ড: আশ্তোৰ ভট্টামার্শ লিখিত দীর্ল ভূমিকা সম্প্র

অধ্যাপক জীনভোৰচন্দ্ৰ বলেয়পাধ্যায়-প্ৰণীত

পাশ্চম-সীমান্ত বঙ্গের লোক-সাহিত্য

উংসাধ অভিস্তায় ১০, সম্পূৰ্ণ বৈজ্ঞানিক দ্বিতৈ এবং তুলনাম্পকভাবে গোক-সাহিত্যের আলোচনা প্রস্থ।

> কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের রবীন্দ্র-অব্যাপক ডঃ আশাতোষ ভটাচার্য —প্রণীত

नागुकात श्रीयथर भरमन ४,

সানাল এক কো । ১/১এ বণ্ডির সাটাজী স্থীট । কলিকভা ১২

—पारत विवास । की क्या ? वाल केटी बनाम । इरक् नहां जिलारमध्ये पान्द्रण बद्दा रक्टाब्ट्स क्षात्र । राजी रक्टाम विवा । समुम जिलारको क्षात्र । विवासका विवा । सम्बन्ध्यात् । पान्य वाला वाला वाला । सम्बन्ध्यात् । पान्य कृति वा करहारी, रक्षात्राक जानाज विरक्ष इस । पारव स्पारमा, वीलरक हरान वरणस्य, प्रामारम्ब franc weight come week and come were story and assets

—पारम् शां। परमाः त्योपरंतरः अपने, अस्य परमाः

ीरवाम ज्याव बद्दच क्येचे, स्ट्रांग ज्याच— वर्ष ज्यावस्थ क्षत्रस्य स्ट्रां

-744 ₹

—मानि जानार शामन दश्य शामि। जान

निर्म पानी पाद वहर माणाको। सावि विद्यादिनात गौजन त्यान द्वि हम्मा महा। मात्र ह्यातिम्ब पहन गरना हम् अस्त महान दिन गोनात कहन त्यन हा।

्रा की । जीवक इन्दर्भ यात्र-स्टेश्ट

-वी जाति। बार्य बार्य वर्गान्हे वर्ण इस् स्थारमा काम बार्य मा। मानाह करामा

श्राणि व्यवस्थतं हृत्यतं स्वतः [भा-भि त्राम्भू (सर्व भपः!



क्षात्मा स्वाहता अवदी। शाका स्वतम क्री। इत्र । व्यक्त वारक क्षात्रि क्षेत्रहो स्वरतस्य श्रीहारमास्य स्वाती वेस्सीकाम्बर।

্ৰালিক সংক্ৰেছে ৰলে, বলে—কাল বিক্ৰমেণ্ড ক্ৰমি একজনতে ব্যক্তিয়েছে।

আৰা নীয়ু কৰে একট্ কৰে থাকে বিমান।
আৰক্ষ বলে—এতে বাঁচালোটা তার চেয়ে
লাম বিকা। কাৰল, এ বাঁচাতে চাবাঁন। ঐ বে
কলাক্ষলাৰ বাঁনালো বেলা আছে, ওখান অনেক্ষল কোলে, কুলো লে কলেছিল— আনেক নাতে—অন্যক্তির আমি তার মুখও লেখিন—

্**লালত বড় ব**ড় চোধে চার, বলে—আই **বাল্, বিমান**, এটা বে লচীবালের আন্তা, ওরা **কমলে ভোলাই** বাড়:

বিশ্বাস নামা নাছে, কলে—জানি।
কোনেটাকেও ওবা ছাড়া করে এনেছিল, আমি
কানজার। তা কোন্ত ব্যক্তিয় আমি ওপের
পারায় পরে বিবেটাকামা। কিন্তু তারপর
কথন একটা ছোলে সেই নেহেটাকে টেনে
নিরে ব্যক্তিয় তারদান ব্যক্তিন তারনই
কার্যার কর পোকমাল তার বেলে জানি
কার্যার কর পোকমাল তার বেলে জানি
কার্যার কর বাক্তিন এনেছে, ৬টাই ভার
কার্যার বাক্তিন বাক্তিন বাক্তিন বাক্তিন
কার্যার ক্রিকার ক্রিকার বাক্তিন বাক্তিন বাক্তিন
কার্যার ক্রিকার ক্রিকার বাক্তিন বাক্তিন

ক্ষাক্ত কিব দিনে চ্বাচ্বা কৰে একটা ক্ষাক্তিয়াকৰ পৰ্য কৰে বাংগ্ৰাচি ক্ষা প্ৰতিকী পাৰেই বিশ্ব চাৰত

विकास क्रांक्टी बराज एकाल राजन-व्याचार **একশ্ব হয়। অনুধ্ আ**ট্য কর নিবর্তি ছিলাম, বা কিছা ডেবেং পড়া ডা থেকেই **জ্ঞান কিবিয়ে** নিয়েল চিন্মান ভাবনা চিন্দহার **ক্ষরে ভূবে বেত্**মে কে⁰ন তথা কর্মে কেমন **ব্রেলি মনেকে** কিন্তু কলা হতে ভাতি ক্রেণ্ডিরে লোক ভাকভিলাম সংগ্রহণমান बीहर है, इस इकारात वाल्या- । एक्ट उस ना কেই সাঞ্চৰ বিশ্ব না বিষয় নিশ্চাই অনেতে সেই ভাক প্ৰতিষ্ঠান তাং কেই **অনুস্তি। কেন জ**ন্ম গোৱা স্বাচী অম্বেট মত নিৰ্বাহ --চেন্ত্ৰৰ সামতে জনাত দেখাত ্কট ক্ষেত্ৰ ব্যুগ रक्षां विकित्य स्था **চাংকার কথাত ক**টেন হ'ল গুলোচনেম ^ভজামি এককাল স্বাইকেট আগার গ্রেছ সংযোগী আছে প্রিমান ভোক্তি। কিন্তু ব্যা, কেউ का महा

লালিত একটা হোল বলে তিবৰু আমি ভোষাৰ ভাক শ্যাতে শাহীন ।

-रन्यम की कतरह ? वाहर

-किल्डाई।

—আৰ ব্যন লিনে দেখাত হৈ আমি
কণ্ডকন্দো বাকে জোনৰ হাত খোক একটা
নৰ্ক জেলেকে উজাত কথাত যোগী কৰ্মতি
অধ্য কী কথাত ই কান্তত ওপের
সাংসাই

বিষান উভোজভাবে লাগিছের একটা বাত বার কার্থান সেক-নাও না ফেন? —সেটা পান্ধান হাড । ঐ চেলেন্টোন ঐ-কম্ম সেটেটিও ঐপকা—সেধানে আমানের

तस्य, प्राप्तकेक क्षेत्रका प्राप्ताप्त बामाप्ततः यो क्यार क्षत्रकः

-रनदे! विवास क्ष्णान क्ष्य-रनदे रचन। प्राप्त कि करनव मार्क्य क्या ?

ললিত হা কুছিক উন্তেজিত বিমানকে এবটা দেখল, ভারপর বলল—না, সমর্থন করি না। কিন্তু বলা বে খাব একটা ভানার কর্মিল ভাও জো নয়। কেউ বনি নিজেব সালোয় মন বার, ভাড়টি মেরেমান্ত নিরে ফাতি করে ভাতে আমার ক্রী? মন বাওরা বারল নর, প্রতিটিউটাদেরও লাইনেশন ভাতে—

ন্দতিক। কিন্তু ভোষার মন কী বলে।
কল বিকেলে নেবছিলার ছবি আদিতা আর
শাদবতীর বিত্রে দেওরার চেন্টা ফরছো।
দেবতীঃ বিতর করতে রাজী নর বে কেনো
কাংগেই হোক সে ভার ছুল ব্যক্তে
শেরেছা। তব্ ছবি ভাকে লাকের জোর
টোন নিজে মাজিলো। ছবি মনে মনে
নকতে শাবছিলে এটা অনারে, ভব্ ছবি
ভোষার অহকোর বার নিরপেকতা বজার
রাখভিলে। আমি এখনো জানি না ঐ
মোহটার সপে ভোষার সন্পর্কা কী! ভব্
আমার বিশ্বসে ছবি খবেলা কালি বার জোর
কালিছলে এর ওপর। ভোষার মান্ত্রশালার কালিছলে এর ওপর। ভোষার মান্ত্রশালার কালিছলে

শাশ্বতীয় জন্য আন্তর ততনী কর্ত-হর্তন একটা বতন তোনার জন্য হাজন।

गोमक काप गोमज श्रेमक का का का व परेमक गण्यां की ?

বিধান মূল, হালন, বলল করা বাধি আনিও তোলার দক নিয়ালেক বাকরার কা বলে আরু চুলি হাত কালড়াতে, চুল বিশ্বতা, লাল দিতে নিয়েকে। চুলি অভ নিয়ালক বেক না, ডা হলে একদিন তোলার করে চোর চাকরে আর ভূমি দেরাকের বিকে মূশ করে প্রে থাকরে।

লালত যাথা নাড়ল—ভিন্তু বলে, বালকেঃ মেনেটাৰে ভূমি বাচাতে মেনেডিলে

বিষান নিজের মাধার হাত বোলাতে रवं लाएड ध्यत्नक्षमं हुन करत्र हरिन । शाहनत यशन-स्थम यो देख्य हरूमही मन्छे स्माराहरू টোনে নিয়ে যাঞ্জিল, তক্ষ্ম মেরেটার কোনো উপার ছিল না। সে সভী নয়, **মধ্যে ম**উ নয়, চলিশ কি পঞাল টাকার সে কেবা ইয়ে গেছে, ভার গছন্দ অগছন্দ নে**ই, যে ফিলবে** মে ভার। কিন্তু আমার মনে **ব্যক্তি নে,** সে মেরেটা এরকম চাইছিল না। **কেট ভাকে** কিনে কিনিসপত্রের মত কেমন খালি কর্মার कदाक--धी एक प्रारं। सामान महम भएकाँकम বিকেলে পাশ্বতীকেও তোমরা টেনে কিরে বাজিলে, সেও বাজিল, সে **হয়তো সইও** করত, কামল সে ব্ৰুতে পার্রাছল ৰে, ভার অর্ন্ন উপন্ন নেই ৷ ন, ন, ভূমি **রাগ করে**। না, দাংবতীর সংগা আমি সে মেটোৰ ভূপনা কর্মাছ না। কিন্তু আমার কাছে

জেনারেলের শারদীয় অর্ঘ্য

কলিতীর্থ কামারপ্রকুর

विरवकत्रक्षनं चढ्रोहावं वित्रहिष्ठ

ও ব্ৰুপের প্রেম্ন তামার কাম্যরকর্ত্র। মধ্যে, নদার, জ্যোলা, কাল্যাকন্ত্র, বেশেলহের বাব মঞ্জা-মন্ত্রনাত্র ওক করেরে বাংলার এই নিক্ত পরাী। কাম্যরক্ত্রের বাবিশিকা আদেকের হিম্মেত উপমত্ত, কর্মিকার আন্তর্জন আন্ত্রাকিত প্রিক্তির একরের আন্তর্জাক চাত্রিক ক্ষিত্র বার নতুন জাবনান-শ্বত মতে তত পথা তারই ক্রিকার্যাক ক্ষিত্রিক ক্ষিত্রাক্তর্জাক ক্ষিত্রিক ক্ষিত্

भारतकार अञ्चल । अर्ग्युक श्रम्थात । अर्ग्यका वर्षास्त्रकार ॥ अर्था २५ में में स

[জেনারেল প্রিণ্টার্স রাণ্ড পারিশার্স প্রাঃ লিঃ প্রকাশিত]

जिनादिल व्यक्त

এ-৬৬ কলেজ প্ৰীট মা**কেট** কলিকাতা-১২



American Select Acres

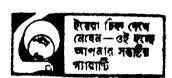
शज्रवूछ ३ छक्छरक

ইবেরা গেলাসগুলি আপবার দৈরশিব শীবরে সৌশবা এরে দেবে। বিশ্বী মেলাসগুলি বিচিয়াক্ষরে হারী পালা ছতে ও ডিলাইনে পাওয়া যাব। গেলাসের বারগুলি অতি সমূব এবং প্রতিদিবেশ ব্যবহারের লোটসাপটেও জাটন এর বা । পেরী না ক'নে ইবেরা গেলাস বেছে বির—বিক্রেকেন্ডে সবার সেরা।

गरतकरतत उनवरकत सरा बाबावगरे रेखाल सराम विकितः



প্রত্তকারক:
আগলেধিক প্লাস ইতান্ত্রিক নিমিটেড)
বরোদা-৩।
ভারতের সর্ববৃহৎ সম্পূর্ণ বসংচারিত ক্যানসার্থনা



व्यक्ति कार्यकी तक वार्याय। विद्यक्ति नान्यकीरक रुवान रहरवीय, वार्तिरुवास के रबराकीरक क्षेत्रक केंद्रकारे रहरवीयनाम— केंगावरीन बर्गा कारक क्षेत्रन निर्देश सारम्य विकार रमाकः

সালিক একটা গভার স্বান ছেলে কাল--ভার পারক।

বিষয়ৰ একট্ডিৰ হোৰে মাজে নাম নাইল।

হাৰে হাত্য একট্ হাতি। ভাত সাৰাত সংখ্য

চৰকাত্ত নিয়াক আকানেৰলা অন্তত আতে

হাকে মাজে। সাধাত আতত খোক বৈতিত
কলে সৰ্ভিত্য প্ৰতিত সংগ্ৰহণ

লীলত অসমীত বোধ কান। পাছে দধ কামবার। ভারণার একামবার বিমানের পাছে বাক্ত বিশ্বে কাল্ড-ক্রী ভারত্র। ?

वर्धेन करियाला यह सम्बन्ध महार हा हाथ नीमू बरेब यहा-चामका की कराड शारि करा

विवास काका माकुल, क्रांगा- विवाह मा ।
काल बाटक कावाब करम करकांका अत्यक्त काल बाटक कावाब करम करकांका अत्यक्त काल बादका काम्यालक कक्ष महत्वका । विवा सम्मान्यका अक कारक बाटक काम्यान आहर काल के स्वादकी काकारते । स्व काम्यान अत्यक्त काल्यका के स्वादकी काकारते । स्व काम्यान काम्या । कार्यका स्वादकी कारकां कार्यकां काम्या । कार्यकां का माक्षता कार्यक काम्याक काम्या । कार्यकां कार्यकां कारक । कारकां काम्याक कार्यकां ने ने प्रयक्त कारक मीकारक, बाका क्ष्य का म्यांगाना कार्यकां कारकां कार्यकां वन्यतः द्रावे द्रावे वालाः श्रातः पातः पातः पातः प्रति।
प्रति वन्यतः द्रावे विद्यान् श्रीत्याः द्रावे।
प्रति वन्यतः द्रावे विद्यान् व्यवस्थ शासः
गा। एकतः वक्यतः प्रात्यतः वह ग्रेक्टागर्भादे एकतः वक्यतः प्रात्यतः प्रतानः
प्रति वन्याः वर्षाः विद्यानः प्रति विद्यानः
पात्रि गाद्य-पाति वाल्य-पाति विद्यानः
पात्रस्य गीवाः

লালত হালে-কোবার পাবে?

নিবালের চোধ ডিকারক করে, হঠিছ মনে—বাদ না বছক, ভবে একজন বাউকে তৈরি করে নিছে হবে।

বিমান আন্তে আন্তে আন্তঃ আন্তঃ বিমান আন্তঃ আন্তঃ কৰে। ভাৰপত কৰ্ম মূল আন্তঃ বিমান—আন্তঃ একটা উপভাৰ ক্ষান্তৰ ?

·····#* ?

गरको एकाव कामग्रीक रामका विकित्ताना एका करता विकास । कामा—कोरी विकासका एकारोगरक विकास एकारोगरका । काराव निर्देश मित्रकीय, विषयु व्यवस्थ सीवितः व्यविकारको स्वकारक मार्य क्रिकि व्यवस्थ प्राय भारत कालभा समा वृष्टि निर्देश मानास का सरकार

লালত অবাত হয়, বলে—কী কমে। আমি একটা অলেন লোক, কলেত বাহিকে—

বিমান বাবা বিয়ে কলে—না, বাহিছে লাই।
ভিত্তিতে একটা কোন সন্দর্ম দেওবা আহে।
আনে একে কাল কালে, কিন্তু নিজে কলে
না, প্রেবেষ লগা শ্লাম এরা অপশারে
ক্রেকে সেবে লা। ছবি বার কোনো নেরেকে
বিরে কোন করিও। অপশা কোন হাতে
নিলে ছবি কথা কাবে। বাহিন বাইরে
কোবাও একটা আপেনেউনেট কলে নিও—
ব্যব শক্ত না, কবে একটা কালেনার বাপার।
পালার।

- -विव निवास स्थान का स्थल है
- -नर्व । अस जामारक स्कल्पे स्वर

 - -पर पारित पाला मा

खाइरहेक स्नोक्यं धनावती

- * पाहेरतेत (काक्ना)
- · witche felve
- * पारेट्डेड क्याका रचने



Distributors for West Bengal & Orison:
Misr PRAGATI DISTRIBUTORS,
M-C. Dr. Sureeh Sarkar Road, Calcutta-14.

स्त्रीयक अपने, रेजन्त्रक क्षत्रनः। जातन्त्र कृष्ट स्त्रीवृद्ध रिजिंग निवा विस्तान नग्ना— स्त्रीविक्ष रिवा एकः। क्षत्रमः कार्यक

আনুষ্ঠিত একট্ আগেই দানিত বাবে আনুষ্ঠিতর বেরোলো। শশুর ছোটো আনুষ্ঠিত একা বিশক্তিত বাবে विशासकोत पुरस्कात नामको सुन्ताहर सार्च स्थापन सा स्थान वाधिका सार्च स्थापन

—में दर्जा, बालनासराव जाड़ि। —नदस्त्र आधिने स्टिंग सामीप? योजन, विचारक अधने, दर्गत ब्रह्म

वाक दर्शनाता ज्ञांचना निद्धा दर्शटक राजन

হানিক বানিক ক'ব হানিক। কথ্ঠন কথা ব্যক্ত কথকে কান্ত আনহাৰ। ইটিছে লোক পা কপিছে। পানা হান্ট ব্যক্ত বাতৰ হাকে। আমি কি পানবো দেন কৰিব। ভাৰৰ কনিক। ভাৰপন নাতে বাৰ হাত্য লোকালোক বা কোন পানক হাত্য কোনা ক্ৰিয়ে এপন নাইকো বাহে

वाथाः विष्तास्य भारतार राल



স্যালজন মাথাধরার ষত্রণা থেকে আরাম এনে দেই। দাঁত-ব্যথা, গা-গতরে ব্যথা, মূ ও শেশীর ব্যথাকেও সারিষ্টি দেয়।

তাৰাকেও সাম্বা

जातिजत

নিরাপদে, নিশ্চিতভাবে দ্রুভ ব্যথা-বেদনা থেকে আরাম এনে দেয়।



त्यस्य हे एक मान्यस्य एक भाषा है। त्यस्य स्वयस्य केस्तरः प्यत्यस्य किरम स्वरक्षः स्वयस्य स्वरक्षः स्वयस्यस्य भाषास्यस्य

श्वित कार्राविकी देवशे

তাতজন ক্ষাংকার পাগমে তার। ক্ষিত্র লয়বি বিক্রে সা।

একট্র বুলে কিন্দ্র-পট্টেডএটার সামনে একটা টার্মির থালি বুল্ফে: প্রেকটে হাত লিলে সে টাকা করটা পুনে দেবলা: পচি টাকা জার কিন্দ্র বুলুলো আছে: বুলে আনহারভাবে বুলি বুলে ভূলাল লালভ: মনে মনে বুলাল —হে ভাগবার, তার জন্য কটা কেন এটাকে করে সামে, আর জন্য কেট কেন এটাকে করে সামে, আর জন্য কেট কেন এটাকে করে সামে, আর জন্য কেট কেন

টাবিভয়ালাটা দেশতে লেবেছিল ভাঙে बीस बोक्टक मान्या करम बोकाम । है।। बार्क উঠে লিভিটেড আড় ছেলিছে লিয়ে চোৰ ब्याज बढ़ेल कांच बात शहन अक्टे खारन क्रीरिक्रकेस क्षमा हम क्रमाहान क्षमाह क्षम्याम माठम असके कालीक राज्यस्य रक्षरकरहा रम अकडी शुप् **हेर्नाच्छे एन रनारक्षरक क**रव अवाद कि क्षमबानदेक किन्याम् कदर्व ? कदर्ड प्रशुक् बारक का देखा है। किन्ह एका सर्वन्त করা বার সা। কিবাস কর্ক আর না কৰ্মে, কৰ্মাৰ কাৰ্যনের ইফের সে **ট্যান্তিটা পেরে বাকে তবে তাকে তার** একটা মনাবাদ দেওৱা উচিত। ভাট সে কিস্তিস করে বসল কাবেল: ভারপর निरमय कार्ट्स्ट्रे सन्का रनमः

পঞ্জিরাকটের কাছে টার্রিরটা ক্ষেত্রে দিল লীকম ৷

कार्यामस्य चारम्य टॉन्स्कान करार कारणा सरस्य। किन्छ अधन पदकार अक्ट्रम स्वरक्षकः किन्द्र स्पर् পাৰে লালিভ? কাছেই লাগ্যতীয় কালভ, কিন্তু শাল্বতী আৰু লালতের বাসা খেকে करमार्थ्य किरहर्ष करन भरत इव ना। हा दाका अवदमा अस शकारमा माम्पाठीय मारमा দেশা কাষ্যা সামা হয়লৈ। এপানা হয়লো **चारिका मानकीरक बाह्य रास्टरका प्राप्तः। स् अका माध्यतीत काराया काशक किए महा शरफा स्टाइ**ः कार्यितस्य क्या करा अवस्थि क्रमें क्यान हरह जना। **अन्य पर्रामकाटक** इंडेल त्वचार स्टब्स क्ष्या केट्र महिल्हा स्टब्स नहत्त्व स्टब्स **कर्जनरमा १८८**०रमा सन्दर्ध कर्जनरमर **তেলা পালবতীয় জন্ম সেই কর্ডাল্নর একজন** क्ष्यादिक श्रीवाल दल। काल त्वरक अन्त नद पर्वना पर्छ रक्षा भव भव रव वर्गमहार क्या मान शक्का मामारे शाहीय हर । अस्य अस्य **प्रका भारीका सम्बद्धाः इति**तः प्राणिताः क्या का बाल नाइएक। एनई विकित 🕐 मार्च লোলিটা ভাতটা আৰু জেনে দিন ললিত म्प्रस्थ किया एक ब्राह्म। नामा श्राहरू **विकास मार्थ्य (का**र्ड (नवा :

ক্ষিত্ব এখন মেন্তে কোখার পার পরিত ! একটি কেন জন্ম সভা, নাসত এবং চাসকে সেরে! দলিত জাগন মান 'এবট, হাসা, তাসপর মান মান কাল-কাইরি জাখান, এবটা সেরে ক্রিটরে মঙ চেরিং, যে মেরে কথা কাচত তালেই হা, কৈচিবারে মা, তেকে আসবে মা, তেল বর্জাই গোটের একবান...

আন্চরের বিজ্ঞা, পেরীল প্রদেশর জানালা লিরে টেলিটেলন টেনে এনেল বাইরে লিজিয়ে কোন করছে একটা মেরে। টেরের চলারা, হতত কট্না, হল্ফ পরিক পারা, বেশ বারলো ব্লিখার চেহারা মেরেটির। কথা কলতে কাটত হাসছে। মিনিট হাসিটি। লিজত নিয়শলে তার অব্বের গিরে কাবেল-ভবে গভিলা। অপেরা কাছতে লাগান।

সেকে বেশ কিছুকৰ কৰা কলন, ভাষণৰ এক সময়ে বাছ বুলিয়ে ভাকে এক পদান বেশে টেলিকোনে কলন—এই, বেকে দিন্দি, পিছনে প্ৰোক্ত আপোকা করছে... আন্ধা!

সেরেটি পরস্থ দিরে ব্রে গাঁড়রভেই ললিত পথ আটকাল।

--न्नीक, बीन क्रकों, केनकाइ करहरू। क्रकों, व क्षत्रकृत मह टाइटकों, महार बट्टब रमान--कर्मा

—একটি মেরেকে একটা ফ্রীকাকেরনে বাবি জেকে চন। ওর গাজিব্যানকা—

মেরেটি বিলিক দিরে হাসল, বলল—
ব্যেছি। নাম্বরটা দিন। অর নামটা—
ললিত বলল, ভারপর গ্রাস বদ্ধ করে
অপেকা করতে লাগল। মেরেটা প্রত কলাত হাতে ভারাল ব্যারে মিন্টি প্রভার কলা—হাতে ভারাল ব্যারের মিন্টি প্রভার কলা—হাত্রা—অপুনা অর্ডে ?...আমি মীরা বর স্পো... সেরেটি বাউথপিনে হঠাং হাড় জনা পিরে লালভতে তীক্য পলার বিজ্ঞান করল—কলেজে পড়ে জোঃ

--

-CHIPC HOTH!

তে ভগৰান! বালিত মনে আন প্রত্থ বলান, 'কোন্ কলেক?' হঠাৎ বিশহ্ত-চনকের মতো অনে পড়ে সোল, ন্ত্ৰন বলাকিল চনতী প্রথবেন।

एन-एनकी सारवार्न।

তেরেটি বিশ্বি গলার টেলিকেয়ন কাল— হার্ন, অসম এক ক্লানে মানীকা।..কে, অগণা? এই যে ভাই, কথা কানে—অবি কিন্তু মীক্ত—

মিন্টি একটা হালাল মেরেটি। বাঁলার হাত কড়িয়ে টেলিফোনটা নিয়ে আন্দারী শবরে জালা—কভবান। সেরেটি বাড় হেলিরে চলে কোন।

चला (चटक प्र जठक अह् अको प्रशासक काम-को छ-प्रीख?

লালতের পদা কাশছিল, সে বাবছে ব্যক্তিল। কল্ল-কামি কিমান র্যাক্তের কব্ছ। অমার নাম লালত।

-र्रो. शी. का ना।

—বিষ্ণান একটা চিঠি দিয়েছে আপনকে। সেটা কোথাও এসে আপনাকে নিতে হবে।

—ইস, লাখ তো, কী বিজিনি সময়ে কালি, চাসটে কেন্তে গোছে বিকেনে আবার আমার মিউজিক ক্লাস—বোধা থেকে ক্লোন করিছন!

প্রবীণ কমিউনিস্ট নেডা আবদ্লোছ রস্কের ন্তন প্রাদের উপন্যাস

आवाम ५२.००

विसारी कवि काली नलग्रन देशनास्त्रव উল্লেখযোগ্য প্ৰশ

विषय वांभी ध्याक्य भव् भव्याञ्कत

D.AO

2.60

2.40

কৰি দুৰ্গাদাস সরকারের ন্তন কাৰ্য্রেণ্য

একটি গাছ একশ ফুল 👓

কবি গোলাম মোলতাফার অনবদ্য স্থিত

विश्वनवी ५६.००

-मनबाक्क श्रकावन : C/o. त दक त्कीत, ১० विकास आलेकि मोठि, क्रिकाला ১২

(मि १६६५)

অস্থানত বোধ করে লাগত ব্যাল, প্রতিক্ষম হা

—আছা, শোল মীরা, আমি ক্ষাছ্ণি ছোর বাসার, আর আধ ঘণ্টা পর, মিউজিক কাসে কওরার পথে।..ইস, তুই আরুই *পাকেঃ*। বাছিল আগে বালিসনি তো! হঠাং ঠিক হরে গেল?..ফোন করে ভাল করেছিস, পি এস-এর নোটটা না হলে একলম প্রিপায়রখন হড় নয়..

দালিত হঠাৎ ব্রুক্তে পারল মেরেটা ভাবে সমর দিকে। একার ভাবে একটা জানানার নাম কলতে হবে। সে দুভ ভিত্তা করে কলল—হিন্দুস্থান মাটের ভিতরে যে চারের দোক নটা আছে—এখানে। সাক্ষে চারটো

—ইস, তেয়কে কি আৰু চিনটত পারকে, ৰা মুটিয়ে ফিরবি লক্ষেটা থেকে!

ৰালিত ইণ্ডিড ব.খল, আৰু—অপনার পোশাকটা কব্ন। আমিই অপনায়ক চিনে

— প্রশ্রেদিন যা একথানা শানীড় কিনেছি না রে, দেড়ুশের উকাও বালবি সক্তা। জামদানির ওপর পিগক বাজিকের কাজ। আৰু পরে যাবো দেখিস।...আছে। ছাড়ছি... কেন্দ্র।

টোলফোন রখার পর কলিত টের পেলা ভার কপাল যাত্রছে!

আরের আধ্যান্ত: সমস্স আছে: বিশ্তু একটা যে এদিক ওদিক স্বারে বেড়াবে লালিতের সে সাধা নেই: তাইসে আজে আন্তে হোটে হিন্দ্যখনে মাটের

निक्र ते हाटहर त्माकामधीयः 4 FATE বসলা: এক **2079**7 অপেকা করতে क्यानांका । कर्तार WIE. महान भएका व्यक्तकाता व्यक्ती भावता हत अथन्त्रा इक्टिस रसम्रामि । क्रिक मधास रम ठिक ट्याकिटक रश्यत शिक्षांक्रम छोल्डिकम क्याव জনা, আৰু অপৰ্যাৱ কলেজেৰ নামটাৰ মনে পড়েছিল ঠিক সমরে। মুদ্র একট হাসল লুক্তি আপন মনে তারুপর একদম ফাঁকা রেন্ট্ররেণ্টটার একটা চোপ ব্যলিরে জনক ফিস্ফিস স্বরে বলল—ধনাৰাল তিমি খুব TEST I

উত্তেজনাটে বড় চলংকার লাগছিল লাগিছতের। এখন তার ইছে করছে জারো বহুবার ঐবকমা রহসামারভাবে সাক্ষেতিক ভাষার অচেনত মেরেদের জোন করে দুশ্রুর-কোনা এরকমা রেজ আসে করে দুশ্রুর-এরকমা রেশ্ডরার কারো জনা অপোলা করে। এরকমা কত কিছু হতে পালত জীবনে—চিক ভান অলোকিক কান্ড সব।

একট্ অনামনত ছিল লালিছা। হঠাৎ
তিলানেউ ধরিরে মাখ তুলে দেখল চমৎকর
লাভি পরা একটি ব্রেলা কর্মা মানে
লাভিয়ে আছে সামনে। মাখখানা লানাটে
একট্ কিলোরীর মতে মাখ্টা। চোধ
দুটো বড় বিশ্ব একট্ জম্মী—খুন কদিলে
ক্রেনা চোধের চেয়ারা হর। তবে এ নেনাটি
কদিনি—তাব দুটোই ব্যুক্মা। মানে
ভাতিত্ব দেখে মান হয় এ খ্যা কেন্দ্রী
ভাতে না কথারা। অচিকা ভানধার দিয়ে

ব্যবিদ্যে একে সমাত সম্বার্থী কেকেছে।

একট্ হেলে কাল-স্মাণনির্মী কলিছ।

পালিত মানা নেড্রে কাল-স্মানী।

काल । कार्याय अकरे, विकार द्वारण काल — एटेंजरकार अध्यक्ष क्या गर्म प्रमुख रहरंजरकार काल क्या गर्म, कालकार गांका तेरका मिश्रम । को किरिया क्रिया रूप गृहे गांग्रेस्थ किरि, क्या बुरका काल पूर्ण भिरत श्रीकारण टारस्थ काला करव शक्षीतागर शक्षा अर्थां। गृष्णास्य करव शक्षीतागर शक्षा अर्थां। गृष्णास्य करेश कालो क्या गर्म हिरिते। वर्ष रोश कालो क्या काला हैरेस क्रिका करवा—काणमि क्य किराका क्या-गरांगामाः

যদিও মিলে কথা, কৰ্ম, কৰিছত সাক্ষা— আনুষ্ঠ দিনের সেট কালক লাট্ড পাকে। মাক্ষাতন দেখাগোটে কিলা না, এপন কাছা-কবি কলা।

— ২০০ কন ? সমসেকী সমীৰ স্থানিক স্থানিক। সম্প্ৰাম কিংকাল কনক।

কলা উভিত হতে কা কৰা প্ৰক্ৰমন্ত্ৰ মটনা কিচ ভাগৰ না কলিছে, শুক্ ক্ৰম— এ অনুস্থা উত্তিভাগ হল:

ক্ষায়েকট কানাই চুক্ত ক কোকো চাইছে কাৰক নিক্ছুটিনা আনি কো কোন চাইকট্ছন জাবে বাসাকে এব নাম আন কান কান বাবেছে। বাহেছে এ নামি মামানুক নাম কানে বিজ্ঞান কোনকান চাইটি

্ধালিত স্থান শিশিকে আহি সাম স্থান । স্বালেৰ বাংলা ওবজাক হ'লেন ফল প্ৰাছ যেৰ মাজা কোড়ে বাংলা ক'কিনি

ছাঠাৰ অপশার ভেকান চল গ্রাহ ক্রিক্সার দর্শনি ব্যক্তার ভারত ভারত করা করি লাভা গামার বাব ইন্দে করালা করা করি লাভা গামার বাব ইন্দে করালা করা হারত বিশ্বাস করালা করাল

- soft of my Sub.

— নাঃ আগণা মাধ্য নার্কার হারকার আসাদে আগ্রাহ কথেন আমি কথেক ক্রমান্ত্র সংখ্যান বাবার সর সম্পত্তির আমার। ক্রিক্ট্র ভারত ব্যাহা বাবারা শান্ত নাই আগ্রিম রকেই ভারতাবারা আ বা ক্রাইনে ক্রমান্ত্র

ক্ষাজ্যিত হঠাত কলকভোৱা সক্ষা ক্ষা ক্ষা ক্ষা বলক্ষাত্

মেগেটা চোগ নগাঁচার চেকা [†] টেবি**নের** নানের কেটাটা এবটা নাড়াডাড় করে, **বচন** —কী জানিশ আমার **কেকেট আন হয়** আমানের কেন একটা বিক্রান আমার্যক্র—

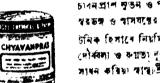
(Molada)



ভারতের আদিত্র রুসার্ক

চ্যররপ্রাপ

मास्ट्रंटमाक विख्य विशामाटम श्राप्त



চাবনপ্রাল ফুডন ও পুরাতন সন্ধি কালি,
থ্যতন ও পাসহান্তর পীড়ায় বিলেষ উপকারী।
টনিক হিসাবে নিয়মিত বাবদারে দেবের
পৌর্বসা ও কাড়া নুর করে ও পরীবের পুরি
সাধন করিয়া কাড়ে নিয়মিত পুনক্ষরার করে।

বেক্সক কেসিক্যাল ক্ষিকাতা ব্যক্তাই কালপুৰ ্পত ০১ আগত শ্রীআগেকসুমার সরকার আন্তর্নার কলকনে অনিপ্রান্তরার প্রবাধ কডিমনিক্ শ্রীনক্ষিকদের প্রকার প্রতির কণ্ডেমর "রসোক্ষার" পর্যান্তর পর্যারগত কডিনের অনুষ্ঠান করেন। সাধারগত অন্যানে সেব বিকারে পরকারী কডিনে গ্রেন আকি তথ্য মধ্যে 'রসোক্ষারণ' পার্কার্ট পাওরা

বার নাং এর নানা
কানদ আছে, তাবে
প্রধান কানদ এই তে
একালত রস্পিত বৈদন
পুরু বিশ্বিকার
পুরু বিশ্বিকার
বিশ্বে
বির্বিকার বিশ্বে
ব্যার্থিত বিশ্বে



কালদ হাকে এই কে, বল, কাভানসংহকের
কই পালার উপান্ত গানাগুলি জানা নেই—
ক্রিন ক জনন গানে চজা উপান্ত কাজা
স্থানসংগ্র প্রকাশনে নামা পোঁছে দেবার
স্বামাশী আনেকের নেউ। কাভান তা প্র্ গ্রামাশী আনেকের নেউ। কাভান তা প্র্ গ্রামাশী আনেকের নেউ। কাভান তা প্র্ গ্রামাশী করাকের নেউ। কাভানতা একং অভিনারকর সম্বেকা। বাক্রান্ত্র, গারন-কালার একং নমান্ত না হালে কাভিন্ন কুলল হারক্র বার না। শ্রীখ্যার নাপাক্রান্তরের মধ্যা এই ভিনাটি পালার কর্তামান।

त्रमीकास्त्रास्य भागास्य प्रकृतिकाशस्य सार्व्याकस्य हर पल्याध्यक्तीह रणन्यस्थन अग्रह क्षेत्रको ক্ষবিকা ভবি চালেন স্থাতি কাৰে - বাসক-इ.स.मान श्रीकरकद मधीद अन्यस्य कारिनी একটির শার একটি বিবাস করায়ন। 22 क्षा का वर्षना MINK S PROCESS. rg:::jer BERMA राक्रामध्य शर्माक TO THE REAL PROPERTY. अकादाकार एक्ट्र CHARA PORT ! স্পাতিস্ভেন্ন महर्श्वामका अदर स्थानकमा क्रेन्ट्र सर्वाहर है। क्षेत्रका क्षकृष्टि चार्टाकार चक्क किलाकर क প্রসাম আনুষ্ঠানে কিশের প্রের্ডাগণ গভার व्यानम्य अक्त कृष्टकारा व्यापन करवनः

কার্যকু হল থকা কিন্দু এ সংক্রথ করে করে আছে।

কার্যকের করেকা করিক তে আজ কর্যক্রিকার করেকা করেকা



नाम दिन्य

কাৰ একা সাহিত্যকে বলি আমর৷ এই চন্দ্ৰভটের মৰ্শান্ত শিক্তে পর্যার ভাইলে প্ৰা**ক্ষ্যী কীড'নকে কেন চে**ব না? <mark>তথা</mark>কথিত প্ৰশাসিক হাত জেকে ক্টাৰ্ডন বলি কয়েক नसनी थत चाचरका करा ५८७ । शास তাচলে ভার প্রদর্শন্তির কি এউট অভাব ঘটেছে যে একান্ড বিরেখছীন অবস্থাতেও তার বিলোপ ঘটবে? আসলে এন্ত বড় একটি অটসপটিত সম্বন্ধে আন্তনের অনুসন্ধিংসর ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰত। চৰণিক ক্ষেত্ৰ মণাল-পাঠা, অপাঠা রচনা कास सम्बद्धाः स्ट अन्याम खळाएला छेरमाक का प्राहे. काम्हरम्य कान्यक्ते अते अतं विवरस्त शरम्य डेडिंग एक बाडिन्डिंड कर, काशाद निराहे माख আনিয়ে অবেদ। বিশ্বত পদাবলী কীতানের বিকাশ কিভাবে কটেকিল তার এতগালৈ थान रक्षमान काराड किन्छए १८४ छन्-ভাষের বিশ্বতি বাখেট বাংলাকেন--গোষ্ঠীগালি অভ কীতানের ধারকদের কেনের কোমার কর্ডামান, এ সব প্রথম নিবে আৰু আৰু কেট মাথা ঘামান না। সাহিত্য- का शिश्रकार ब्रायश्यक्तात वह गांधकार पाँछ क्षरीन कोंच त्थाप रहा. अपने ब्राह्मकन বারা তানের জ্ঞান কথানালৈ লিগিক্স করে रावा काम बाका कामा नगीय-क्लार्ड कींग भीन्यक कार्यक्र व्यव अपन য়াত থাৰতেল বিনি সূত্ৰ জীবন কীতনি এবং কতিনাপ্য গাস সংগ্ৰহ করে শিক্ষার ব্যবন্ধ্য করতেন **স্বর্গার্গাণ করতেন এবং** ইতিবাস নিধাকা কৰাতে অহলে মেৰ কৰি প্ৰাৰক্ষী কীড়ান সম্প্ৰাল অন্তালে ভাসেক জস্মারত হাত একা **খানিকটা হচা হত**। প্রংগর বিষয় তেমন কোন**ং করি কলো**-দেশে উদিত হন্তি। অফলত অলেন্ড মির মহাপর পদকেশী কীতান সন্দেশ উৎসহী ছিলেন। **ক্লিড উপন্ত প্ৰেৰণা** তিনিট বা দিতে পেরেছিলের **বট** ? **অব্ভ** প**্রথের** কিবর হৈ বাংলা আমরা **র্জারত্তি** ভার সংগীতকে রক্ষণাকেকণের ক্ষনা আমরা **ং**ৰ সচেন্ট: কিন্ত ৰে বালো আমাদের নিজ্ঞান ভার একটি বিশিষ্ট স্পাতিনিক্সকে हरनाव शहर**ा जामा**स्ट्र या**क कर्के क** কৰে নঃ পদ্মাপানের লোকসাধার কবি এখনে ভইটো পান কিন্ত এখনকৰ প্ৰাচীন স্পাতিকলার ধরুত্ব এবং বাহকেন্দ্র কেনেও সম্মান প্রত্যাশ্য করতে প্রাক্তন লা। বিশ্ববী থেকে নানা জাতীয় গানের জন্য স্কলার্যাপন কিণ্ড কভিনের জন নেই। কলকাভার কেতার পদা**বলা ক্রী**ভানের প্রচারের জন্ম কি তেমন চিল্ডা করেছেন?



দি ৰচ্ছে আশ্ কোং প্ৰাঃ লিঃ ৰচ্ছে-৩

বছত প্ৰকল্পী কৰিবলৈ বিভূতিৰ প্ৰচল সন্তান নালা অভিযোগৰ কৰে বাবে আন্তানৰ বুৰতে আন্তান। নালাকদেন বাব বহুলভাকে বিজ্ঞানা ক্ষেতিলাৰ, তাৰ পাল অকলকানীতৰ প্ৰচাৰিত হ'ব না কেন? ভিনি বজাছিলেন, তাৰ পলা প্ৰচাৰেন উপযোগী না এই কাৰণে তিনি আকাশ-ব্যাতিত ঠাই পাননি। কিন্তু একটা কৰা বাল। পানপা বার্ডার অনিনিক্টেডার করে আবার অনুপোর্বানিক্টেডার সাহতে পানতা করিব বার্ডার বার্ডার

हर्ण्या सहामा कार्य नगरी जाव उन्हें रण्यान सहामा हा। इस्त्या या कान्य जावनारीत अपने दंगरीकाता अध्यान विराम, जानाव दंगवाथ अद्यापात राग नाम करते उन्हार रण्यामा विराम चौराव महाराध उन्हें अपन क्या कान्या मन्या जाका उन्हें। जात, जीराव जान्यकारत उन्हों यात करिया इन्हारीय किन्यु जानता अन्य रणवारता



davp 69/106

নিভিত্ত ক্রজনে মানা পর্নীন তারা সেজারে নামেন নাম করি মনার্থ ক্রজনেনারেক চালের কারে এর চৈয়ে নামান্ত কারিক করিছে। এইটাই চেলেড কার্ডনের ক্রজনারে না কিরে একের না হর—এইলর নির্দেশ্য হাখা হল—স্ব মন্ত্রেকই তো কার করিন করনো ক্রন্তিনাথরে ব্যক্তি করা বাব্য না

अके विक्रिक्त रच भगावती और्जन जन्मक वात्वयना काल बारमाच जन्मीराज्य देखिनाजय श्रीविष्णाचे हरवः अवायकी and Walle ভাতাম মধন পরিক্ষণত হয় ভাষাত बारमान इ.मा.मच एउँ चारमांन वरमा सामाव বিশ্বাস ক্ষেত্ৰৰা পণ্ডিছ ছাঞ্চত সংগ क्षाबन बारमाव एकमन महानान पार्टीन। কাছাদের ভালগালি এবং মান্তাগ্নাপ্রতি অভিনৰ চিত্তাৰৰ'ত। এত দীঘ' বিলম্পিত काम क्षमा मर्गकन्द्र अन्य निकास सर्काणक ভাল আৰু কোনৰ সপ্তীতে মেই : এই মালা ধননার পশতিক প্রাচীন পশ্চতিই নিম্পান। कारन माला कम्युकासी शास्त्राका धरर शास्त्रस প্ৰসাৱলপত্নীক প্ৰশেষ বা ক্ষেত্ৰাকৈ ভাৱন প্রচলিত নেই ৷ প্রচীন মার্থসন্দর্ভিত এই ধানের নাদ্য পাশ্বতি শ্বিকাঃ প্রচলিত ভালের সংস্থা কীড়ানের গুলুলর পার্যকং কীড়ানের বিভিন্ন ভালের নাম কিভাবে প্রতিতি হল---अग्रीम सबदे विल्लाह गर्यस्तात विवदः 🚜 ছাড়া কডিট্নৰ এলেখটিকস একটি ফ্লন্ত रख दिवस ।

আনা দেশ বলে এই বৰ্ম একটি সন্দান্ত-দিল্প নিয়ে ব্যব্দী চচা এবং আলোচনা হত কেন্দু আমানের লেন্দ্র চিপ্তাবারাটা অন্য ক্রম: বত দেখনি ততেই মান হাজে সে চিপ্তাব আমানের নিজের দেশটাই যেন গৌন হয়ে দক্ষিয়েছে।

পৰলোকসভ মেডারী, ট্রীর্যাপনচপ্ত বাদ আতীৰ দুঃখেৰ সভেগ জানাভিচ্ছে আমাৰ बाब्र मरवरिष्ट विकासी स नाक-क्षांतर । हेन-वराप्तराज्य कार्याक्षय राज्याक्षीयम अन्यान বিশিনরুকু হাস কীয়াকার কাপেনত রোগ क्षित्राच राज्ञ शक्त ५०३ व्यानाची '७५ स्थान कावाद स्थि राष्ट्री रक्तेवीक्ट्र शहस्मित्र প্ৰ' পাজিস্তামে ৩৩ বংসত বছসে হাৰা গেছেন। উনি ভংকালীন श्चासक्याद व অনাতম লেণ্ট সেতারী ওপ্তাদ এনারের খাঁ সংযোগের প্রিচ ছাত ও দিয়া ছিলেন। রুস্চার रचम : रशोद्रीनाहर क्षनारहर की जारहर SCHOOL STATE म्बर्गा देश টোবারীর বাভিত্রে অবস্থান কর্মার্থকন তব্দ cacag andie since (परकरें তিনি সংগতিখিলাক क्षिया व वीरक्षा-सर्गामा Section 1 बाबराजेर की ह সহিত্য 40 MM 1 .078 47 OCIEP-SE ्यम्ब्रेटभागाम कानावी. GPER महरू रक्द 本式系 (अमान

नावा चावरत्व माना न्याद्य, काका क्षीवनाद्या गाणिक गिक्स मरनीय करायाम केसान সংগাঁত ও সেভার বাজনা পরিবেশন করে गाम प्रवास क्षाम । का हाका ब्याकापदानी কলিকভা ও জকা বেকে আকাশবাদীয় শিশ্পী হিসাবে নিয়মিত অনুষ্ঠান করে বল। ভারণা দেশ ভাগের পর ন্যারীভারে °ে পাকিকানে বসরাস করেন, চাকুরিরার णाराव निकाल गाँ**क शाका अरक्षत । सामि**का शास्त्रक बार्ग एक ब्रीकान एक निर्म নিঃম্ব অবস্থার বিদা ভিতিৎসার ভিন সেয়ে, हार व्यवस ७ कारता करिया वट जापी-न्याम । कर्पायम त्राट्य क्रिके साम ग्राम । भव २६८म जानमें '65 श्रांतरण निक বাটীতে প্রাথবাসৰে ভাষার আভির প্রতি द्यापा बागाए वह विभिन्ने वाचि । मस्त्रीक निक्ती केर्गान्यक किलान। कौराहा बन्कार বিশিল পালের ভারতের এ জাবনের নানা দিক আলোচনা করেন। ভাষাের ওলাার

> শীহাররজন দাস কলিকভা-০১

শিল্পী প্রভাতী মনেশাশারের সালকের रक्ताम विद्नवसाद विक्रिक ह्वाब स्वाता। भौबहित्र विक्शीरम्य प्रदेश काम दशस्त्रकाम সন্ধা মৰোপায়াৰ ('গাঙীত' বাগে বেলা दक्ष ठे.र्राङ), क्षण्डल व्यक्तिराचिम कामस (বরবারী কানাডার আলাপ ও ধামার), মীরা ৰন্দ্যোশ্যব্যার (আভানা), প্রস্কুন বন্দ্যোশার্যারর (विद्यार्ग) अवर कशाब श्रामाणाशाब (मन्त्र)। क्लामाशीएक कि कि स्वार्थन दमस्यासक स्वरत লোকসচেতনতঃ কিছু বেদী ছিল বলে মলে হল। তিনি হাততালিও পেছেছেন **ভালই**। বাছাদ্তে পৰি দ্ববারী কনোভার আলাপটি বেল জবে উঠেছিল কিল্ড ভার পরিপর্নে विकास ना घडिएड e aft ভানা (कित्रवाणी) वाकाःमान क्या दाका रशका ना । ওশ্তাদ ইময়াং খাঁর সেতারে মালকোৰ খ্ৰেই মমান্দালী লোগেছে তবে তাৰ বাজনার বিশ্বটৰ বতটা ছিল, বৈচিত্ৰা ভাতটা কটে

বিভিন্ন অনুষ্ঠানে কেরামপুলা পাঁ, আফার হোচেন, চন্দ্র চাট্টাপাধ্যর, লামক মস্ প্রমুখ দিংপীয়া সংগত করেন।

আনন্দ্ৰধ ন

বভে গোলাম আলি সমরণে

বিশিল বাদের গ্রেকাই সংগীত বিলায়ৰ ও

প্ৰবাস্ত সেভাৰণি প্ৰীৰ্ভ বিভেন্নযোহন

रमन्तर्ण्ड ७ क्षिप्ड विकासमञ्ज शाह-

कोर्डी समास्त्र।

কটি ক্ষম অভিয়েকত। বড়ে গোলান प्रकारित केराव कार्यक कर्ड न्डब्स श्राक्षण्डः। स्टब्स्य स्थलः च्यान्तीनातः সংগীত সন্দিলনীর অনুষ্ঠানে উপন্থিত বেকে উপলব্দি করেছিলাম, রুসম্বন্দ শিলপীর ওজন্দী কণ্ঠ বাহ'কেন জীপত্যকে তজ করে ক্রীজাবে সানা রাগের কর ব্যক্তির বিষয়ের সামর ককে। পক্ত ৩০লে আলাসট इनीन्त्रज्ञास्त्र अहे व्यक्तिसहसीह निस्तित ম্ভিবাৰিকী অনুষ্ঠানে অংশগ্ৰহণকারী विकार निकारिय शानवाधनात करिक करिक ्महे इन्हेंहे एक जनएका जन्दर्शनाठ रहा উঠাতত বাত কৰে। বিশেষত, তাৰ আৰক धन्छात्र इत्याचन चालि पातनः इरमदानिह रक्षाल क्षम राष्ट्रे मूर्शनीतिष्ठ देशीन, व्यास না বালৰ স্মৃতির প্রবীপটিকে বেন স্বিগ্ণে Descripte was fresten :

বৃত্তি সম্বাহ অনুষ্ঠানে বালোকর বাস বালা এবং শিকাকভার ভাবণ হাড়াও বোলাজন বিকশী কঠ ও বাল সংগীত পরিবেশন করেন। সংক্ষিত অনুষ্ঠানের রবো এ'রা প্রভোকেই সক্ষতার পরিচয় বিরেছেন, কিন্তু অপেকাকৃত সক্ষপথাত



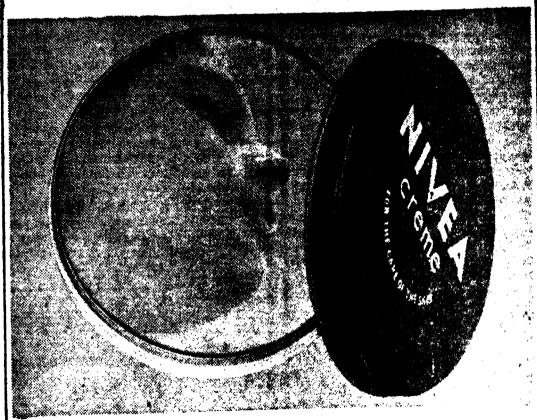
यार्किकारेत गाक विश

(ইংল্(ব সমিভিবর) ব্যক্ত বার বোরীর জনতান সকত ন্তাবিক হচ্চের অভিনত। কলিকারতে এখনে অভিনত। বিলাবিক বাইন

৬, মেডাজী মুডাৰ লোভ, কমিডাডা-১ ছানীয় গাধানমূহ : ১ ৪৬এ, নিম্তল্য আই **উট**

- ভানিবাজা-৬ ৫ ২, মহাজা গাড়ী ভোড, ননিবাজা-৯ ৫ ৩এ, শেক্ষাব্যুহ সহণি, বুনিবাজা-১৬
- প্রক্রিয়াট যোত, তলিতাভা-১৯
 শি-০৮, ত্রত 'ভি', ত্রিউ আলিপুর
 কলিতাভা-৮০
 - ক), ব্যাও ইাছ ছোড, হাওলা
 ১০৬/২, বেলিলিবাম ছোড
 তব্যতদা, হাওলা
 মেত ছিলোডিই সভার পার্থন

अर्थे क्लिटिंग्ड की बार ह?



(जीन्दर्यत्रुषशाश्रग्न वृत्कत्तत्वरुज्ञ !

ক্ষ সাধারণত তুরকবের হয়। এক হ'ল স্বভাব-জাত সৌন্দর্যবার কক, একটানা অক্লান বাকে কার ল্যা। অস্তাটি ঠিক-তত-সুন্দর-নার জেপীর এবং এই ছকের সৌন্দর্যস্থার জনশ আরো বিকশিত হয়ে উঠতে চার। নিভিন্না জনীন বিশেষ করে উভার জেপীর উপবোগী করে তৈরী করা হয়েছে। নিভিয়াতে রয়েছে আন্চর্ম ইউসেরাইট, একটি বিশিষ্ট উপাধান, বা আপনার দেহস্বকের স্বাভাবিক তৈলভাগ জোগায় এবং ভাকে কোনল ও লাক্যানয় করে ভোলে। আপুনি বনি রূপবতী হন, ভাহলে নিভিন্ন আপুনার ছককে নালে ও ভারল্যনভিত রাখবে। বহি আপুনার ছক হয় ওক ও রুক্ত, নিভিন্না সেই ওকভাকে দূর করে আপুনায় কেছককে আরো মুখ, কোনল ও লাক্যানয় করে খুলবে। আপুনার কেছক যেননই হোক না কেন, নিভিন্না ক্রীন কাবহার করেন।

লৈভিড্না –ভাতুণামভিত লাবণামত দেহতকের গোপনকথা।

शास्त्र माम नक्ती

नवा कार्यक महानाम काल समा वर्षी 🛚 नामन बातन गरिवटन। जीकोबाल बाल शरकीबान राजीन । फानार नगरक रेस्टीय करव कार्य प्राप्तिक करते कार्य गरिन राज्य MINIST CHE "CHE "THE SHIP CHES CHES WAS rem marefulat fare WHITE CHA बाजा है। केश दशान्त्रदृष्ट बान्स्ट्रेस काल CALC MILE AND A TALL SOCIAL IN প্রতিদিন্ত করতে সংখ্যা। গুলুকানন कार्के स्थापाद राजक शक्तिक प्रति क्ष्मार्क गत्र मरका रम बन्ने कु नार निक्षा अपन मार्ग्य बाना स्थारा करण मा and when to ecous? wiscom bred REM THE PROPERTY AND CHARGE CACH. हर क्षेत्रांट शक्ष रणाह न्त्रना करहा एक জ্ঞান তোর পালিক্সাজি, স্বাচে সাত সিনে অপ্যাতি । অপ্যাতির দিন পর্যাত প্রায় আলাভ যে পৈল্ফমির মাটি সাড়ে সভে হতে निष्ठ कोच 'स्टब्स करवा नग्रामाच्या कुम्बरी, ক্ষেত্ৰী হতে। বিশ্ব তথ্য আধুনিকা माधिकारिम्ब भएका मासारमाब साकारम क्षांबरण बहेनाः एतः धूरण भाग ध्यान— CHROSE ELECTION CHEN ALTON METALES THE WEST THAN : THE WORLD THE ele feire des exfectal presia des cura करर : भाका बाह्यका पर्यकालका साकागढ লেহ সম্ভার অহতেল জলে এই লেলেও ভার राम्यः क्राह्मम एतप्राध-रामादै अन्तः रायाना वराक ব্যোজানী দিয়ে জাপা করেও মার্গাক পাশ লিকৈও চন্দ্ৰী স্থাৱেল হেটাড যে নিবাস **করে** THE SEE MADE! ON REAL PRINCE WITH भाष राज्य कांकार होने कार गरावेगा व रहते। REPRESENTATION OF THE PROPERTY STREET **674 केन्द्रांश कि इटब्र् ब**्राल फार्क्स इटब*्*ना, THE THE ATTENDANT OF THE PARTY THE भारतं एकरम्बरकः ऋकानतीकरात स्वरह তিভাৱে ফকৈ: মাল যে ENLANCE MEN POLE MEN MEN AL रकार - रास्टरहर भारता। सन करान भारत গৈছে। অধিয় যদি লুক্ত্রাক ট্রেকর ধনন কিনে বালি এখন সেই ধান কালামী সনে বৈটাৰে আনুষ্ঠ বৰ্ষাল লাভ পাৰ। না হাজাই भारत कराया के केवल प्राप्त स्थाप केवल साथ বল্য অভিনয় বেলাক লাটটা বিষ্টাংকে কালের । **ক্ষাবার** প্রচার কবিকের বাকা সে मान ६ भी क्षाप्त को मा अस्त कारास मान्य । किया एक एक एक प्रमुख्य के विश्व किया met and i district the seas care i my (छ। नाना, शांस-साक्ष्मा कात, नाता क्षां। **चकेतर, फोरमांड कामान् , एकोरका , रमार्थ्य,** कामा काम प्राप्त काच्या रकारक काच्या रकारक काच्या रकार में जानकार क्षार कार्यक नार्व गाँउ



বেধে নিয়ে এসে বংসছ জনৈমের দামকড়ি দেবে বলে সেরত চেপিছলে—এসব কেন? না, চল চুপাতেই হবে এক সম্ভান্ত আবে নার চল চাবার কাল থেকে জন্যাম দিনা দাকিরে গারে নিরে না কাল ভোর কোনেই সাকে পড়ে—ভাই! আতে বাবা কানে আতা ছাড়ভে পারে; জনা বছর বন টক পানো বেরের ভালর মানের দেবে রেরা দেব করে তথান কর্মান্ত ফ্লান করে, ভালর আন আন করে, ভালর আন আন আন করে।

সারাশিনের হাড় ভাঙা পরিভামের পর পাকা রালভার জোড়ের হা লোকানগঞ্জাতে पाठा तंत्र प्रश्नीयाजीया। स्मानात स्मानन बार्ट्या। स्वयं स्वयं वर्णाय स्मानन श्रीवर विद्यं पाठा। श्रीवण वर्णाय स्वरंगा स्मान्या स्वयं । श्रीवण वर्णाय स्वयं । स्वयं यर्णाय स्वयं । र्यामार्था रामान्या व्यवं स्वयं स्थित स्वयं कार स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं । पाठे होत्य स्वयं। यस स्वयं वर्णाय स्वयं पाठा स्वयं पाठा स्वयं स्वयं वर्णाय राष्ट्रिया स्वरंगाय स्वयं स्वयं स्वयं राष्ट्रिया स्वरंगाय स्वयं स्वयं स्वयं राष्ट्रियामा स्वयं पाठा स्वयं स्वयं राष्ट्रियामा स्वयं पाठा स्वयं स्वयं राष्ट्रियामा स्वयं पाठा स्वयं स्वयं स्वयं राष्ट्रियामा स्वयं पाठा स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं

হেলো হয়তো ফালে, 'বরৰ কাপ কালেও হবে না, পায়, 'আলা' দেৱে কাছে, কল সেই সেখেনের দেবো, বিকেলের হাল পাবে না। পালা, নিজেরই জমি পাড়ে বারেছে, সেই কথার বলে না, 'বার্মানা কর কবিন'—সেই দশা আমানা'

সকলো এক বৃশ্র হলা চলতে 'একখনা' হলা। বিকেলে চলতো 'আকথানা'। একখনা হালে আট টাকা আবার বিকেলে চার টাকা। কিন্তু চালীর লাভ বিকেলের আকথানা হলো। বা পিতে চার না হেলো। নিকেরটাই চার করে। বার পাড়ি পাই আহে কল্টোলের বা ম্বিশানার, মাল আনা বালে বাজি দিনপ্লো হালালক করে ভিনে বারো টাকা বোলাবার করে।



मा कृतिक। क-विरास या केनात? अवन बाग करा : जीवा है दिनमां मार्ग,

द्व क्षिम चार्य काम करत रवट नाथ ।

स्वाचान एमरवद स्तामा यारन निव्हान
गाहरव कारति रूपरव । काम्युरव
व्याचा व्याचा कारति । काम्युरव
व्याचा व्याचा चीका किमा मा
व्याचा रतावना चीका किमा मा
व्याचा व्याचा ।
प्राचा चीका कार्यक व्याचा
व्याचा व्याचा ।
प्राचा व्याचा ।
प्राचा व्याचा ।
प्राचा व्याचा ।
प्राचा व्याचा व्याचा व्याचा व्याचा
व्याचा व्याचा व्याचा
व्याचा ।
प्राचा व्याचा व्याचा
प्राचा व्याचा व्याचा ।
प्राचा व्याचा व्याचा
प्राचा व्याचा व्याचा ।
प्राचा ।
प्राचा व्याचा ।
प्राचा ।
प्राचा व्याचा ।
प्राचा ।
प्राच ।
प्राचा ।
प्

ধান ক্লাবার মুখে বনি মাটিতে জল না আক্রে সাধারণত থাকেই—এবং আকাশের জল না পার তবে শিশিরেও অনেকথানি কাল দের। তবে সেসব ধানে অনেক চিটে হবে। অপরিপত্ত হবে ধান।

কাতিকের কড়কে সহ চাইতে ভর বেলি। কাঁচা কসলের ভারে আমন ধানের হাত-দ্ই-আড়াই গাছ যদি সঠান লম্বা হরে কলের এপর শ্রের পড়ে ভাহলে ভরা বিকামসে



नांड नांड चान कान्य का

শোলাত নেজে খলে খাপ দেওবাৰ স্থল অক্তা হবে? পতে ভাল-ভালে হবে বাবে সম্ভাৱ বান এবং আইও! ্ কৃতিক কাঠনে আন কর নেই। আর কাবটা করা আঁটো, 'পানে বানে মই'। এব আব, হওলা জিনিল মাট করা পরা বই টেলে পোলে পাকা বান বাবে বাবের ' কর, এ ছারা জাঁনতে জল মা আকলে পাক বান বালের করা ক্রমতে কেই পোর বান। কর্ম ক্রমতা করা ক্রমতে কেই পোর বান। ক্রম ক্রমতা বান ক্রটতে হর বড় বড় পালের সৈতে; করা উপরে বানের বিকৃতিশা রাবতে হর বালের উপরে বানের বিকৃতিশা রাবতত হর বালের উপরে বানের বিকৃতিশা রাবতত হর

मह् यात्र श्राहणात्मा श्राहणाव्ये वसी यात्र । स्वयंत्र श्रामणीत, हासदर्भाग, दीवः कूमानी, स्रामणात्म, क्षणाव्यापि हेलागि ।

ं आकारित थाम काम इस व्यवहासांस्त्र एकाम। भागेमाहे, विरामणे, काममः, मृथ कमान, व्यवहान-भागा, कामकङ्का, जानानार्थाः

পোৰে কটো হয় মাছিল বান । মোটা। পাল কলল, স্থাম্থী, হোললা, হামাই, কলা মোডা ইংযোদ।

আমন ধান পথক শীতকাকো: কর্মে ভোরে কেনা কর্মের নিবে শিশিক জিলে প্রকের হাড় ক্রাকন করে। প্রান্তেই এক ছিলা। প্রাক্তি ক্রিটা ক্রিটি-সাহলা পর পর প্রেটার গ্রেচিক ফেবা রাখতে হয়। প্রাচিপ্রিচ গ্রেচিক ফেবা



(सावाण शूलासवृत्ती कस्राव ता,कत (ताब भग्रहभग्राह हाव ता-



কয়ারের পা-পোতা

পেতে নিন —এতে ঘরের শোদ্ধাও বাছবে

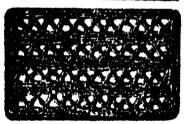
স্থাতে-বোনা কয়ারের পানপাশ একেবারে স্লামুলি জিলিস নয়। কয়ার কোন জলহাওয়াতেই সহজে নই স্থার না। স্লাস্ত্রত ও টিকসই। নিথুতি পাকা রঙা। এই পা-পোশের পুলোসকলা সহজে ঝোড় কেলা ভাঙ্গ, আর পুলোসকলা ফাঁকে দিয়ে তলার নিরে জাস ব'লে ওপরতা বেশ পরিভার পেবার।

কয়ারের পা-পোল কিবুক— ভারর জনুস বাড়িয়ে ভুনুক



কি করার বোর্ড, এরাকুলয়, কোরীয়-১৬ কবিশ করেত





বোসায়ি ক্লাইয়ার কেটে কাসে ব্রটো করে। বাল ক্লাইকে বা ক্লাকলে ক্লাইলো কাটলে কাড়ো ক্লাইলে বায়ালো কাশেনা বাদ চলে বাবে।

ीम् कारणेण शास नन गार्थकात शास आरोक्का कर्मार मानि संगटक कथना भागोतिक स्टम। अन राधका गा्करता शास बाद सूर्ण निर्द्ध विराम द्वाराणीतिक ग्राटक बाद शाम स्टाह वीट्रम निर्द्ध प्रत्केणी बाद शाक्षणक स्टाह केल स्टब्स बादो स्टब व्यक्त स्टब्स द्वाराम स्टब्स स्टब्स क्या स्टब्स स्टब्स

বিবেৰনে ব-আনিতে পৰা নিয়ে ভানা বাবুকত বংগৰ মধ্যে কোনা স্বামিকে ভানার ভূচের নিয়ে এনে পানারে কোনা। ধান করার হলে ক্ষিত্র বা পানা নিয়ে নিজে বাবে সাম্পান পর। এর চম্বাচ্ছ বাড়াভ বাবে সাম্পান পর। এর চম্বাচ্ছ বাড়াভ

ভারণের নাম ফালানে বান ফারার পালা।
পারী আ বাঁপের অনার্যে বানে ফারার পালা।
পারী আ বাঁপের অনার্যে গুটো করে আহি
ক্রম সপো বার আথার বান্ধ লিয়ে যালিয়ে
ক্রান্তর বানের আহি থেকে বান ক্রেড়
ক্রান্তর বানের জিলে যাল বেরা করে।
ক্রান্তর বানের জ্বান কর করে করে
ক্রান্তর করে।
ক্রান্তর করে আরা আনার এনা জার করা
ক্রান্তর বানের ভার আনার এনা জার করা
ক্রান্তর বানের ভার আনার করে করে
ক্রান্তর বানের ভার আনার করে করে
ক্রান্তর আনার বানের বানিক্রান্তর বানিকর বানিকর
ক্রান্তর আনার করে
ক্রান্তর বানের বানিকর বানিকর বানিকর
ক্রান্তর বানের বানিকর বানিকর
ক্রান্তর বানিকর বানিকর বানিকর
ক্রান্তর বানিকর বান

अकारक बात (ब्यान काल हिर्म कर्तन सम्मा । काल कर्म स्थान स्थान काल स्थान वाल स्थान काल स्थान काल स्थान स्थान

স্থানিক্সি হোলেক আৰু সেখাপ্য নিবেছে। বাবেল পাবে নিবেছে। পাবে এখন ভালেছ সেৱপছ বেলাসের গাড়ো কাপাছের বার্ট সম্ভাৱ ইকোর ছাত্রা ভার চৌবেলাটার পাল্টা। ক্যানে হোমানিক ক্রানার নার্ডার।

লক্ষণ কৰা ভালের ভালেনিভাগ কাম, আন ইপানাস সিম্নান্ত বুলে বিভা হয়।



कार-अपन्यास बार कामान पाना

বলে, বিনারা, বড় বড় বটু থার পড়ার সব— আন পার্ক বিবাহ হাজে? এগার বটুরে বি লেগে? কারা লোকে? দেশের কার্য, মানুবের জীবনবারার করা সাজ্য করে এসকে লোগে তো?!

ছেলের বলে, চেন্ডে ক্টিক ট লক্ষণ কলে কচ, কচু চেন্ডে। আক্ষা এই লক্ষা দেশটা আনেয়া কেন, চেন্ডে? কই বলা কেন কমা কেন্ড্ৰান্ডৰ ক্ষেত্ৰক অন ক্ষমণ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰক ট সভার থারোর বেলে ক্রেন্ডার এক-এ পাশ, সে ক্রান্ড চুলকের। হরের। করে, বাং কেট সেবেন্ডার।

मचन दश दल चानक त्या सार्वा जे 'कामकाके हम आस' 'काबाटन 'क्टान्स way salve was some forces क्षान्य कल्लाव इन्स्ट्रिया प्रतिव प्रमाद সর সহ সংক্রেম মতন শিকভাগুলে জানিয়ে বিজে। এ ভাষা কৰিব। অস্কেৰকাৰী কোনো ভয়কোপতি নয়। যালন বাধালী महिर्देशक, रूपम विकासी, रूपम श्रदमाय, र प्राप्त अन्ती-काम क्षत्र प्राप्ते परत पान সিয়ে বেশিয়ে শুধোও এটা বি খান খানা THE REPORT OF THE PART WHE क्ष्याच्या औ एक एक्टमक क्ष्मा किन्छ জাপানের একজন স্মহিত্যিক একজন মন্ত্রী মাটা কর সংক্রান: ভাড়ে ভবানী, क्षीमान यह यह सहाराज्य शिक्षा भार अर ৰাঞ্জীয়া। আৰে ৰাবা তোমাদের একজন কে লিখেছে, হিজনের জবার জনভার হ এক মূল পূৰে এক ফোটা চেন্দা কেলে লিলে ক্ষেত্ৰ সৰ নাউ হয় এও তেমনি। ভোমার ने कार माठेन (मचड़ दिन्हा लाम फीड चारनी चारना ना श्राम बारमारक। -क्षान्त एवं नदा कृत घटन प्रमा হিজন পাছ মোটা হয়, তেতিল আৰ শিরীবের মতন। জলাভ্যিতে হর। PERMIT NOW HE WAS THE WAY

লগ প্ৰকাশিত

पत सत्यक क्यांनक कर्रा स्थाननार्थ केन्त्रातः **डीत्करशानाम बनारक**द्व

¥.00

শমবেদ্ধ গাসর শাধ্যনিকতম উপন্যান দীলপাদ্ধের জ্ঞালপন্য

8.40

रवाठे वड अक्टलब डेन्ह्रकाती

ি... ৩°৫০ - মাৰ্কাসম্ গোকী — অনুবাদক অন্তদ্ভুমাৰ হোষ কুলগোপাল বসকেৰ স্নিশ্য হয়ত অভিয়ত সমস্ভিতের মমাপ্রাণী উপনোস

শেষ বিচার

55.00

যীপালী বৃষ্ণ বাউন -- ১২/১, ব্যক্তিয় চাটেটিরা দুটাটা কলিবচ্ছা-১১

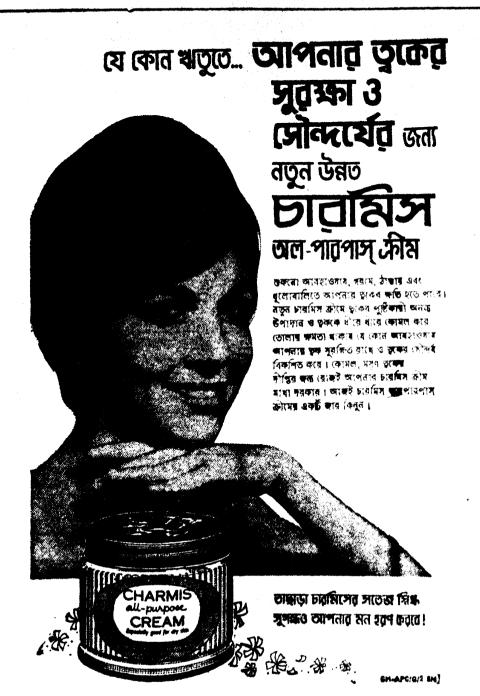


विकितः रक्ष्यका रक्षा स्वयोतं करिएतं रहरतः। रक्ष्यका रक्षाः 'शंतनशरस्य क्षयतः म्ट्रा रक्षरकातं स्था स्वेटनं सन्दर्भ स्तः रसकतः-विकामी स्थानि-चर्ततः स्वर्गि सहभनतः।'

्यु-स्थाति प्रत्य गायस्य नाय नारमः गायस्य । नामन् साय नीतात् शायस्य शायस्य वाष्ट्रातात्र गाँवे स्थापस्य सार्थाः सम्बद्धाः प्राची सम्बद्धाः सार्थाः क्षेत्रप्ता रामोज मान समीच-निर्देश मां क स्टान मान कडाका चारा चालारास रारण ?' रंग कुर संस्ता करा, निर्देश, नारतन,

পোলাও, চিংড, আই হয় ঃ
আনকামিলা, বালকাহী, গোলাপানত,
বালকাডোন, ভোকিন কুলানী, পার্কভিত্তে,
কাল্ডিকে, কপ্রিকার, পোনারাই
সেকালে, কনকাডো গ

ভাত, চি'তে, কই, হয়।
হাটারী ভোতা, কমল তে গ, ব্যানিভার,
গোলাল ভোলা, বিশোলী ডে.গ: নান তলসী,
চামায়নান, সভিনালা, হ্পানালা, বিভেলালা,
ক্লাক বিভেনালা, কেউটেনালা, সম্মাননালা,
ক্লাকানালা, কল্যানালা, মান্তনালা, জন্মানালা,
লাভা আ নামানি, আম্নিনালা, আমানালা,
লাভাতিশালা, পালকানালা (একটি মানের মান্তে



বুলি ইন্না ইয়া এই থানে), এডানাল, বিবেশনাল, বিবেশনা, নেবানা, বেবানা, বেবানা, বিবেশনা, কালি বিবেশনা, বিবেশনা, কালিবানা, কালিবা

Miles am es ans

হামাই, হোগাক, পানগাঁও পানওচত ভাষাক্ষম, ভাষামানিক, বাচাক্ষম, কা (১৯) ক কো বাভি, কাবল, খোঁও কানা (পাজাক্ষয়, পোঁড়িমা, টি, কামকন্টই, পাতে বাচাও পানবাত, কাছিলাই, সালামেন্টা, কালা বোল্ড সেনেত, মালাপালিত

> ক্ষেত্ৰী, কৰি কেনিয়া হয় চল আনুস্ ক্ষিত্ৰী আলুনিক চল চলঃ

ক্ষেত্ৰ একাকী, মাহিতিত তাই ক্ষম এইটা তেলছাত্তী, তেইছা ব্যক্তীতি ক্ৰেন্ত্ৰ তিকাশিশাতি, এ সং কৰে নাম মামি শিকাৰিক

ক্ষাপ কাল বাল কাছে মাখ্যু নাম গাছেব নাম, মান্ত্ৰিক নাম কালেব নামেব দেও ডেই। কাল্টিডিয়া কাডিক লৈ লাভ লোক। কালে নাম কাডিক কালেব কাছা বৈলি বাল কাছিল কাক কাজানিকা কাল্টিডাই কি লোক। কাজানিক ছাবে কোলাৰ কাজানিকা না, বাল লাভব ছাভবে কোলাৰ কাজানিকা না, বাল লাভব ছাভবে কোলাৰ কাজানিকা লোকানিকা বিনালা কাছা জাজানি চাল্টিকাল লোকানিকা কাজানিকা কাজানিকা জাজানিকা কোলো

विता अत्यंत्रभगत् . **अर्थ** स्थल्क जातास भावाद जातास भावाद जाता **स्थाप्टित्रा** तावशत् क्रस्ट শালানভানা হাৰক। মিকটারাম আছে কি দু পভারণাতের জনের এ পাব ভাই-ই। কবি কাপারে লেখাপান শোবার জনে বিনেশে বাই সামার, বিশ্ব সামানের রাপ-ঠাকুরালারার কি কি থালের চাব করে ভার ভাত থাইরে আমানের মানার করলে ভার বেঁজ রাখি লা। প্রতিবারক এম-এ ভিন্তী ভার আমানের সেনেই হতে পারে। নাভি বে কোনো গোলই মানার ছেলেকে এপ্রিক্তালাক হাসের করে বিনেই হবে? কভ বানে কত চলা হব জারা তা লানে? বৈশ্ব রাশ থানে এক মা চাল, বাকি জাধ মান ভাবিকাশা গোলা, চাপানী চরাই, সারে, প্রস্তেপ বানে-শাল, কালার, স্থান-কাল্যক্তমান মান আছে। গানে ভানতে শিকের গাঁকা পাইনো করে হবে না।

লক্ষণ বাস বিভাজণ চুপ করে থাকে।

তাথ শটো তার ধন্দাবল করে, বেন ব্যাপর

পশ্লিততে করেল। তেবন্ধি করেরে কড়বাদাব হাড় পাকানে মানুর। তারে সবাই
তাপা করে। চা খাওজর। বিভি লেরও

তার্বাস, মামলা মোকদামা, রোগালাক, প্রেজাপর্যান মন বর্গালারে প্রমের মানুররা তার
ক্ষে ব্যার্ক নের-সলাপরামার্শ করে। বিভারে

তার তার্বাত করের-করের দিত্তে পারের

তার তার্বাত করের-করেরার ব্যার্ক। তার

বাদ্যান মান্ত্রাত করেরে।

शकर राम कार्ट बाह्य: गर्द खाईन् স্থিত, বাজনীতি, ইতিহাস বাই ফল্য-এদেশে অবাস**্তবের এসর অ'স্তাক্ত। জ্যাকর** ্ৰতিৰ বাছাই কলোড হাৰে। মাকে মাকে ६६ भारत्वे **कारणन सकारे करा निरंत कान** অক্তর অনেক্ষকরা তথ্যের সাব প্রতিবারে হত: স্বাই স্থান হয়ে বন্ধ! বাজারে হাও ্সর বাক্রলসা চাল দ্টাকা মেটা ভাল কলম প্রশা এক টকা করে। আনর (এ)জা কেন ভফাত কেন? বিশ্লৱা का_{ंड} इंड एका करता निरम्ब मान्य, माहिन সংপ্রানর **স্থো হানের স্থো, খানের** সংখ্যা, নইকো বৈথা হাবে গানের পশর**া**! ও লালা, আছে ছুমি কি ধানের চাকের ভাতে ফ্লান্ড 'অসাধারণ' ्यास्त्रहः मानगुरस् উপন্তাস পড়াৰ আৰু মিনাগত পাপক্ষম কবাবে ্বংশ্যানেকটার অন্তর্গে তেন্ত তেনেরেই ছে! ভাৰ চাইটে ৰাষ্ট অনেক হল, পথ হাডড়ে इंट्रिक प्रता क्टल शहन थरत गरे—स्ट्राह মাজন গমের পরার চামজ্বর মতন বাটি ভিডিতে সাধারণ তক্তার সারে সাতের राज्याच् डार्भ्डोम्बस्ट करह धन ज्यास जिह লক্ষ্য কল : সোক্ষাভিত্য ধন্ন, ক্ষেত্ৰভাতক পত্ৰ প্ৰতিভাৱ **হাছ তেখি কেপে**ছে কালে পূৰ্বে কৰা লাগতি কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ৯০ বুলু কে বাৰা পুর জনগাঁতের বিকা**র হতে** হ'ল কহলী !

আবদ্ধ জনার

বাংলা সাহিত্যে বেমন বিচিত্র 'নীলক্ষ্ণ্য' চবিত্ত তেমনি বিচিত্ত তার রচনা-সাফল্য। তার সেই शाख्यात अकीमत्क दिन मृष्टि-শব্রির অনন্যতা, অন্য দিকে ছিল স্থিনীত্তর অনুমাতা। শাণিত এবং ডিয়াক দুদ্দিপাতে তিনি অনায়াসে অভিসামানা ঘটনা-বলীরও মর্ম স্পশ পারেন: এবং সেইজন্যে তিনি 'नीलकर्र'। আবার তির্যক স্বকীর প্রকাশভাশ্য দিয়ে তিনি অবলীলায় পাঠকের অন্তর স্পর্শ করতে পারেন: এবং সেইজন্যে তিনি নীলক-ঠ।

नौसक्र के

नीलकन्ठे विकिना

: मन **हैक** मन ॥

বাংলাদেশে নীলকণ্ঠ এক-জনই। কিন্তু বিচিত্র তাঁর বিষয়-নিব'চন। 'রবীন্দ্র তিরস্কার' বিবেকানন্দের অসুখ', 'প্রতি-বাদের অভাব'. 'ক্তৰুম ম তা বিবাহ', 'মুখ', 'পাগল ভালো কর মা' ইত্যাদি রচনা নীল-কণ্ঠে**র দা**রাই সম্ভব। তাঁর রচনার ম্বারা তিনি সমাজের খারা**প** দতিগালেকে ফেল**বার চেণ্টা** করেছেন। তাতে অবশা সমাজকে কিছুটা ব্যথা পেতে হয়েছে। সেজনো নীল-কণ্ঠ দায়ী নন। তিনি পাকা ডেণ্টিস্টের মতো খালাপ দাঁত-গলো**কে** উপড়ে ফে**ল**তে পেরেই নিখিটেক ।

दवीन्द्र लाहेर इती

কলিকাতা-১২

"দুধ আর চিনি দিই?"

"তা কেন ? মিক্ষমেড দিলেই তো হয় !"



'বিশ্বমেড'--ংনগ্লের বৈদী আর্ড কন্তেনত বিজের বেভিনার টেতনার্ক

विकत्वछ बात्वर विष्टि विभाता पूर्

বেল্লের বিভাগে কন্তেল্ড কিছু যাগৰ-লা-্ডালা ্ডাল-আনা বাঁট চুক আর পথিছর চিনি বিলিয়ে তৈ হী । তা ব কলিছে দিছে বান—্ভাছা লাব্যে । টাইলা ও সপাইলার ব'লে এতে পুলিং, দীব বা ববলি ভালীত নিন্ধী বাবান্ত বান) হয় । টাইলা যন নিন্ধী বুধের উপপূর বাবান্ত এতে পাবেন— চিনির বাছলি বয়চ বেচি বাহে বাবে। লাবারণ হবের চেরে বিভাগের চের কালো—'এ' ও 'ডি' ভিটানিনে সমৃত্য । বাজ্জা বিভাগ বাবি আভি-প্রযোজনীয় লকি বোগাছ । আগ্রান্তা নিন্তি, নির্দেশ্ব ও স্থাবান্তা হবের কালি বিভাগের কালি বোগাছ । আগ্রান্তা কালিছে নিন্ধ,—বেববের একটানে আন চিনিয়ার নিন্ধ। বাবি বিভাগের বাবে । বাবি বিভাগের বাবে ।



আপুরার পরিবারের সবাইকে মুস্থ ও মুখী রাখবার জন্য 'প্রদের খেতে দিন

হোরাডল কুষাত্র ভিটামিনপূর্ণ পৃষ্টিকর টনিক

স্মত্বে পরিকারত আহারেও একান্ত প্রয়োজনীর ডিটামিন ও খনিজ পদার্থগুলির ৰাটতি থাকতে পারে। কেরাডল আদর্শ থাক্ত সম্পূরক যাতে যাবতীর একান্ত প্রাফেনীর ভিটামিনগুলি ও খারর্ন ররেছে সুস্বাস্থ শক্তিস্থারক মণ্ট বেস্ এ। ক্রোডল কুখা বৃদ্ধি করে, শরীরে উন্তম এনে দের, খাপনার পরিবারের স্বাইকে বাড়তি শক্তি এনে দের এক সারাবছর কৃষ্ট রাখে। চুধের সঙ্গে অথবা টোস্ট বা ক্লটির ওপর মাঝিরে কেরাভল দেবেন — এর মণ্টের চম**্কার স্বাদ শিশুদের অভি প্রির।** আপনার পরিবারের স্বাইকে নিয়মিতভাবে কেরাড্ন খেতে দিন-কুম্বাচ ভিটামিন-পৃষ্টিকর টনিক।

পাক ভোভিস

ब्टे९शापन

ফেরাডল নাত্রা পরিবারের স্বান্ধ্যের ক্ত্র'

LAISONS 7269 BEB



ও-পাভার প্রদর্শসাহিত

শিল্প ও পাড়ার কাব্য-এরং আন্তর্ভে চিত্র নির্ভিত্তিক ওদের বাংসারিক প্রদর্শনী পরিস্থানের কানে। দেখলাত সব—বোলার প্রক্রা কাব্যাক্তর ফাল, এটেল অন্তি, কেলান, মুকো ইনিরে বলত কলা নানান ডিজাইনের ফালানানি, পোনিস্তাল জ্বীকা লগবাই ক্রিডি নিয়ে তৈরি এক হাওড়া বিজা।

> চাওলাকর আবিক্ষার বৈদানের একবেরেডি থেকে বঢ়িন

অনুমানকার একটা আচলাকার নাম গাটে কোরে জোলা রুগ্ধ সাবাম আনে ক্রীম কর্ম হ মটেড়া কোরে কোনে-ভারতে এই সংক্রীম অন্তিটি বাজান

সময় ইবে কাম হাছে, এই আগন্দান কেবলাড় বেছৰ প্ৰেক্তে কাৰ্টে জান ক হাছে—আগন ভাষৰ নায় কুইক-এম-বানি এব নাছনিজানিক এই নাম চুকা কাৰ্টি ইনিট হাছো সৰ্ভাষ্টাত কবিলালা কান্য ক্ষাস্ত এই দিয়ে আগনি আহু প্ৰান্ত ও আধ্ৰান শোহ কৰাছে প্ৰান্তন্ত্ৰী

জাপনাপ ছোছের প্রাক্ত এক ক্রেটি কুইও-এন-ক্রেটন হোকে নিন্দু, ভাগেলার মাই কল দিকে ডিজাকে কেন্তু করাই শাক্তনা জাপনার কেন্তুর কমন কর্মিক কালা দিকে কাপোটের যাত ভোয়োক পার্কার কিন্তুর নিশার বাব, জাপনি ভাগান জীবনার সাম্ভাইটিত বহ বিসম্ভ বেহন করাবন। ব্যক্তির দিকে দিকে এটিটের সাক্তর হয়। এক বোজাক তিন মান ভাগে। পর এক । করণা কোখোক আনে, বাংলা গোল কোখার কোখার ধান পালে ভালো, তার কোখার কোখার আরু করের কেন্টা।

অভাৰে টাৰ্মান্ত হোগাইল কাৰ্ডাই —



्क हर ? बारबा स्वास्थ वर्डक?

ভিক হাজ প্রতেজ মিডিনে উৎসাহিত জনভাব মতে। মাকে মাকে সিছন সেকে আসাছিল মারেনের কান্টাবর হা পকি রে... বাংলা সেকে কান্টাবর কান্টাবর হা পকি রে... বাংলা সেকে কান্টাবর কান্টাবর বাংলা কান্টাবর আন্তার কান্টাবর কান্টাবর

সভাগের অটোকাফ থাডার নিজের নাম লিখলাম শ্রমণ ও স্থাতিরা মিতের নামের পালেই। বাজি কৈরে এব। পাড়ার রাধ্যেরে লোনারে: 'কানিস, এক সাহেবেরু সংকা দেখা হসেছে...ইয়া সম্ভ দাড়িওরালা এক কালরা!'

designation for

নিম্পুল পরে লেখা ছিল : ছটার সমর আন্টোন : সাড়ে সাডটা বেলে বেছেও বখন লেখা গেল সভাপতি বিংবা প্রথান অতিহি কেটাই এজেন না, রীভিমতো প্রশতবিত ও সর্বসম্মতিক্রমে স্মান্তাভাষ্যমেশ সমার্থিত হল যে আমারই উভর গনিকে (একটা অবলা ছিল থেড়ি) অলম্কৃত করা দুস্বার।

শাধ বাজনা, বালি বাজনা, পঠকা কাটনা, আইক জী—কা কৰন, পদতি খালনা না। বৈভাৱী কৰো—এ-পজি টাননা, ভ-পজি টাননা, পদতি খালনা নাছেই ছিলেনা, ক বাতিকে ঠেলে সাবিকে পিয়ে বিজেপ ই পজিতেটান বিজেপ। ভালোগোলনা পাৰেব লোকে বজাছে বজাতে হাবে গ্ৰাহাৰ প্ৰতাই প্ৰতাই কৰিছে বজাতে হাবে গ্ৰাহাৰ প্ৰতাই প্ৰতাই কৰিছে বজাতে হাবে গ্ৰাহাৰ ভালোগানা কৰিব কৰিছে বজাতে বজাতে কৰিছে বজাতা হাবে আইকা কৰিছে বজাতা চুলিভ খালে পজনা। বজাতালা বিজ্ঞানিক কাঠে ঘোষণা কৰেলোনা ই উপ্লোধন-সংগতি।

বাজ্বরা গাইল শেষ গজ্ব ধার সং বল ধার, স্মানের মন্দ্রা, সমিতির সমানতি সমানর মন্ত্র, শেকামার এক সামারের বংশা হার্ক বলে ব্যক্তপ্রতীর মোটোর মাইক অসহ-যে গিতা করতে থাকর।

দ্ধি ফিনি-ক্ষটা পরা কচি মেটা এলে ক্ষেত্রক ব্যাপক সভাপতি ও প্রধান কতিছির মালা প্রালঃ কিখেনে কর্মান ওলের নাম কি (কলি কার মান্) কেন্ ক্যুদ্ধে পারু (বিহারতা), কোন্ বিবার

ৰাহিৰ হইল

শ্বপন ফেনগ্রপ্তের মধ্য-সফল সংগ্রামী নাউক

करव वगन्न वागरव

০০০ট প্ৰক্ৰেন্ত্ৰান্ত (১০টি প্ৰক্ৰেন্ত্ৰান্ত

গৈলভাক ম্বেক্সায়

ननी बरस वास २.५०

বিধারক ভট্টাচার' **মন্দার্কানতা**

রাক্ষাক্ষাক্ষা ২:00
বিষয় কলে ডিনটি একান্ডিক। একরে

রীক গ্রহসন্মেলন/অন্তরালে

চলি ভৌমার লোন্ ভালিকাভান≿ চলবভা এণ্ড কোং কাঁচা ['আন্মতে']। গণণ কমছিল বেল।
হঠাব দেনিং, কাঁল আন্নার হাতে হাত বালিকে
লাম্কে কি বেন বলছে। বললায়, "কি
বলহে?" নিবাং করল না, লাক্ষা পোল না,
দুব্ধ কালা, "কি হরসা!" বাকাণেত্র
কিব্যুক্তিক চিহটা স্প্তই শোন্য গোল।

শহিমে কাছে খ্ৰ:"

अस्ता किन्दु स्टक्किंग निवशं कत्रम अकरें,

লক্ষাও গৈল সামান্য: মেখ না কুলে বেন কোন্যালাওল থেকে উঠে-আসা গলাল বলল, গলা

তবে গোন : কালো চক্ষড়া হল ঠিক দুখের কতিবের মতে। দুখের কতি খেমন ভাঙলে নতুন কতি গজিরে ওঠে, তেমনি কালো চক্ষড়াকে সংগ্রা ক্ষান জেলে জোর কোরে ব্যবদে যে নতুন চক্ষড়া ওঠে গেটা किन्छू माना काव्यकाः विदन्दनस् बादससा कासना

"देशि ?" कार्यस्याच विकास ७ व्यक्तिसम् भारते जेतेल गुरूदसङ् "जारक्त्यरह गर्स !"

ানা, গো; গাল না, বিশ্বসূদ্য, সতিও পরাথ কারেই দেখ না!"

পঠিক আছে, মাতে বল্ব টেপ্টা করে



এলাহাবাদ ব্যাক্তে আপ্রনাকে স্বাগত জানাই

, এলাছাৰাদ বাছের একজন অফিস্বে ছিলেবেই আহি আপনাকে একথা বপছি, আপনি আহাণেও ব্যক্তি একটি আনকাউন্ধ পুলুন। দেখনেন, বাছে সংক্রান্ত স্বৰ্গক্ষ কাজের সুযোগে সুবিধা আহাণেও কাছে পাৰেন, বেষন সেচিংস বাছে, বেকাজি জিলোজিট, সিক্সচ্ ভিলেজিট, বৈদেশিক সুহ। বিনিষ্ক এবং সেফ ডিলোজিট প্রকাষ। আর কি পাৰেন।—আর পাবেন স্বস্ক কাজেই বিনীজ ব্যক্তি, কৃষ্ণা ও ব্যক্তিগতে সেবায় পরিচ্ছ।



ERRETAR" Efe erm fine freie teler MIN Y STATES!

শক্ষার ভূমি মেনসারে(বর মারে ফলুমা बरब श्लाम जामादक कि चावशास्त्र राज rafe >"

cuceft for their face enforce chie बावन केंद्रबाधम-मन्त्रीक एसटकाइ राजाः না, গানটা শেষ ইয়নি, যেতেহাই পান, তেন देन्द्रम तीन स्थान भद्रमा ६८३। प्रत्यकृत एकाक किया, एकवे करन भाव त्यके आध कथा भटाका भानती दक्षेत्र करता रहा।

লভাপতির ভাবব

इक्षिकिस वन्ध करह बारकला देशलत. remain water, was not not the প্রধান অভিয়াপির ভাষণা। হার হে ভর্তনা। আমুলি হেৰ জেলক, বছানই, ভার ওপর ভাৰণের ভিন্য আমি আন মেটেই কুচ্চত श्रद्ध व्यक्तिमा कि क्लन छ न्यानिक प्र इक्रेड স্থান্দ্রালয়ে কটেই (অসাম প্রায় এক লে কচি কাঠ, কিশ্ব চলা-এর প্রতিধ্যানির জনা হতে হজিলে আরও অনুনক বেদাী। সবাই সাজ উঠক, "নিজের কথা কল্য নিজের কথা 64ER

মাবড়ে গোলাম : নিজের ফলা-নুস বি লেভা কথা। পূর্ব প্রার্থনের <mark>কথা বা</mark>দ निरश्च कमाएक कम हशादिकारोः राष्ट्रदात कथा। প্রস্থান করলাম। "ইন্টার্লাভট জেওমা ছেকে। हरामाहरू यहकरू जन्म कराया जन्म भारता बाउमाउ वर्गक्यात मा शहन बार्ग्य केखब 722 17

व्यानका प्राप्तांन कारको छन्। वक्तन ¥15 : भारत भ न तक्ष्या व THE PERSONAL PROPERTY.



किरणान कारलम मा, न्कृतन **च**ित्र कीज বিলাম কোনা বিষয়ে (এটা অবলা জতাপত यांच्यात झरण्या महारहा।। इंसर हिम শ্ৰনিয়ে বসকোন, "কৰে থেকে ভাততীয় ভাষা শিক্ষান কাতে প্ৰেন ?"

PUTELS SIZE-WISE

সংশা সংশা মতে এল কম দিনের কথা। অতি তথ্য দেলে—অভয়েতে—বি এ পড়ি। ৰ গুটত উক্তবিদ্যালয়ে ছ বছর লাভিন শিংখছিলাম: ভানতাম ভারতব্যের হ'ব, ^{ভি}থর করাজায় : এখার সংস্কৃত লোখ যাক।

क्ष्मान क्षिति स्वाहत्यः विद्राल 'धार वरे कामा का कामास्त्र माहिताहरू धक्या हात काक्स्म हिमा हाताला हा भ मा করে টাকে নিত। উৎসত্ত ছিল খাব। লিখাড় বিশেষ জন্মবিধা **হয়নি—ক রক** আর বিচার ডো আমাদের মাতভাষাতেও আছে!

एर्ट बद्धान किहा, जन्म क्रेक्स, वर्ता। যেমন ধরুন, ইতিতা শর্মণ একটা ই-বর্ণের गुरे इ.भ-कक्त बात हिन्दर बात हम्हे শ্বর্তিকর বিন্যুষ্ট বা কি বিভিন্ন : কোনটাৰ লেখা হয় বাজনেব 97.747 [অকরে], কেনেটাকে উপরে 1একরে 1 505 । डे कला 37 ৰ জনাংশতৰ জ-ধর্মনটির পান্তা পান্তয়া ব্যব্ত শ্বধ্য কামে, দ্বাস্ত বেমালাম নিশিস্ক।

मुख्यात्व कथा गामा मन्द्र : এक भारता পাতা লেখতে কেন একডিমার শব্দ ! কেনায় শব্দ আকৃত্য হয় আৰু বিভাবে দুটি পদ্দ জড়বনা আছে, কে ছানো প্রবাস করে নীল মিশ্বলে বেমন হয় সব্জা, তেমনি আ ভার ই যায় হলে দেখা দেয় এ—ঠিক কেন রস্কানের क्षर्यानाः। यात्र श्र्याना न निरत्न कि वेरम्बाः 'हाशाहर नाम्बद अथव अकाइद अका दहे দের অন্ধরের পরিবর্তম। আরু অস্থিত-काराजन्त वनाद्यम् वश्रुडीहि जमात : ध्रयनश्र प्राप्त कार्य बराकदालद स्मारे छेमाइयुम-বীতিকাভদতনিতবিহগভোগকাঞিত বা।

বিদেশী ছাত্তৰ চেত্ৰে দেবতাৰৰ আৰ এক অকের্যপীয় বৈশিশ্টা হল কান:ছক शब्द [रक्षान नामन, कृष्टना कर्मका...] এক বর্ণনাম্বক প্রতিশব্দের প্রাচুয়া : লাতিনে কিংবা গ্রীকে প্রকৃতির অন্যান শিখলেই হল: সংস্কৃত অভিযানে কিন্তু স্থেরি প্রার সাড়ে চার লো প্রতিলক্ষ্ম **পাওর বার**। আর कार्य करना एउदियहरू भरूका कारक প্রয়োগ, তথা লবারিক গৌলাবের বর্ণনা ১ রক্তার, নিজনটি, গ্রেনিড্বা...

क्षांक्य कृष्टक्य

ভাত্তিক ব্যাকরণ বেলী মিন পড়িনি, স্ক সণ্ডাহ বেতে না বেতেই ভগবন্দীকা হাতে '81' CT-I **40. (40)** সমবেকা' रावश्रीत्रक वसक्यापर माणा राष्ट्रणाय. 'द्दरनवः'-अथ'र किना द्दरन् गढ़्छ।

प्रशासिक शिक्स \$ অভানের প্রতি ংশীয় ও বেচারী যে 'হাতল, Market II লা লকদেব' মাকতে মাজিলেন! তাৰ তবি সংখ্য প্রথম খেকেই আমার কগড়া বাধন ঃ তিনি কেন কিনা ক কৰে, বিনা কভিতে, বিনা কোনো কৈফিয়তে কুক্তে নিৰিপ্তেৰ ভাবেন গোকিদ মাধ্ব, কেশ্ব, স্থনাগন, মধ্যেক্তি বলেও বেদৰ বিদেশী ছাত্ৰ মিছিমিছি অভিধান ঘ'টবে, তিনি ক তদ্যের কথা একটাও ভাবতে পারেননি?

বংলা ভাৰে নিয়ে তব ভালোঃ মা তৌ তাঁর আলরের খ্কাক তার পরকা ভাকনাম ধারে ভারতক। পিলিয়া ভারতক। ভার লোকরা ভ কনাম ধারে: পাড়ার মেয়েরা ডাকরে তাকে প্রেলা ভালে নামে আর সকলের দিবিমণিরা প্রক্রের খাতার লেখা তার নেসের ভালেট ন্ত্ৰে: ভাসমতিন ও ন্যুমপাত, বিশ্রুট <u>त्वन, रक्षान एरीश ७ वर्ड (बाक आहरक्वनत्व</u> विश्वित नाम ४ए८ उ.काद ?





अक्षा की बर्द्या भारत व कक्ष का अध्याक्षित একালার ৩: পাওয়া বার : ওকালা ककाल शालका दशक क्टब, काटकाब डिडाफि करत जनः मनस्रदार राजा कलती, स्रोद्यानत वन क बीब कि विदेश ब्यादन । সাধা পথিবীর লক্ষ্য লেক্ষ্ আঞ্চ रमस्य छन। ५७ चार १ । कास्यादी कार्यु निक हे। १४१**न हे अकामा** व रहाद करतन र नुकर के द्वीरमाक्तरर बड़ा नुषक नृतक क्षांत्रा नाक्षा शर क्षमान-सर्वा-सर्वा सि

गुक्र-शामिय-अप रेजरे रक वक् अवृत्यंद्र (शाकास्त्र भारत्य व्यवश लेबालीर बीरक्स काइ (बर्टक नारस्त्र : OKASA CO. PVT. LTD

P. O. BOX 396, BOMBAY-1.



লাটি চলেছে। উন্নালের উন্ধান-চ চলট করেনটি ক্লি কুলে নেবার রক্ত চলম্পান আহোজন। এইও বিশেষ লাহাযো এই পাটীর আন্তানর মুম্বটিকে আপনি কুলে বার প্রেলি নিন আলানার মটোর আলানারে। অইও বিশ্বের প্রপার ভোলিনিন্দ বিব্যাত : আলানার রাপালটের সেমানারনি এনলার্চ করেন্ড চাইলে মহা প্রবিবে। আলানার মাটা ভালারই ওইও কিবা সক্ষম আলানারে অবেন করা বনারে পরেবে। এইও কিবা—ভানার হোনোক্রাটিক ভিপারিকের ফ্টোল্কিরভান বিশ্বর ক্রিয়া টাল্যান ডেনোক্রাটিক ভিপারিকের ফ্টোল্কিরভান্ত বিশ্বর ক্রিয়া উৎপান্তর।



OR WO

পরকোতঃ প্রস্তার কিবাস্থা ইউনে ইউনিট, মাসাল ক কলিকার্জা প্রস্তার কোউতেট কিনিপ্রেটজ, গোপ ই ও দিল্লী নাম্যকারক: ডেল কিবাকেলিক উল্পেক্ত, ্

ভেগ কিন্তুকেন্দ্ৰিক উদ্ফেক দি কাৰ্যাল ভেৰোক্যাটিক বিপাৰ্শ্বিক

SAISONS 12069



খান্দীতির পরিবর্তন সংগ্রে জনপ্রা

TOTAL MERCANNING Color Connect Monarton era de WITH SAME WINDOW TO COUNTY & **कार्ड करन मात्र मीत हाम तो छ उन ५८०** ক্ষিক শক্ষের উৎপাদন হবে ভাল হবে। ১১৬৮-৬১ সালে খালাগুসের উপ্লেচন ভাষা SCHOOL STAN WALL FORCE | POINT মিলিকে উন কলেলস। হাম*া*, কর ছাটে ছিল্ ১১৬৯ সালে কেন্দ্র ভারতান MURUS Bed A MARI GREE CHARLES & & 整新年 多流畅 第二分的生 经过分 发光 REPORTE PROPERTY GREAT AS 1970 ক্ষাস্থাৰ্ভ কৰিছে ক্ষেত্ৰ ^{কি}ল এক ৪৮০ কৰু সংগ্ৰ শ্ৰামানের প্রায়ণ নি গল্প তথা সম্ভূত হ'ব **শশ্ব**নিত কেন্দ্ৰীয় জনসং উপন্যালন ভাষানুদ্ৰ कांश्रासकः राज्यास्त्री प्राह्मात् १८५७ ক্ষান্ত্রান্ত্রন । বৈশ্বে হাজা হাজা হাজা হাজা হাজা হাজা **सक**्षित स्थान केर्ने केरत के नामक निरामेक्स ক্র হার কিন্তু যে প্রভান ট্রাল্ডর ক্ষামান্তৰ ক্ষাৰণ্ডৰানে। উত্যাহিত ভাগেতিক শাসামার্থী শ্রেষ্টার করেবছেন। চাত্রের বছরের क्रिक्म प्रभा क्षांका किराह्म इ.स. १ ४ ८ एएड **ब्राह्म सामग्री ५५ हा एक राज्य ५ अस** अध्यक्ति स्थान स्थानकार्य । १८५ । १९५० ह **ক্ষিয়ন হৈ এলেচ্চের চলতে সাক্ষা**ী প্রস্থাত স্থাপন উল্লেখ দেৱেল ১০০১/১১১ সংখ্য জ্বাভি জাগেলির#র ৩২৮ ইণ্ডর ২১০ তুর্বাটে ট্রাক্সর পরিমাধ মার্শসন্তে নকন MAN PROPERTY MICH. THE CARLEST A প্রিমাণ প্রিয়ের্য প্রায় ১২০ কেটি টকা। ১৯৬০ সামে ক্রে ক্রেণ্ডেম্ম এর ক্রীন্দ্ররা ১-৪৩ ফিলিয়েন ট্রা এল-০*স* সংগ্রহ করেইক্স, ১৯৬৮ সালে খাদ্পাস সংগ্ৰহ ক্ষিত্রাক দ্বীক্ষারাভ ও ২০ ^{ক্ষিত্র} টেট্ট চাল মিলিকান উক্তরও বেলি *মান্তান হ*িও कार्याहरूम जब देन्स्य १७ ४४७ विस THE !

শেশের অস্থান্তব্যের উন্নতির স্টেন করি করেছে ১৯৬৭-ছার সাল কেরেছে তার পরি স্টেন করিছে বার্থিক প্রকাশিক করিছে করিছে বার্থিক করিছেল করিছে করিছেল করিছেল

অবধ্ত

বাংলা সাহিত্য-আসরে উচ্জবল নক্ষর

उ०भा ठेदरीत

ভারিই ভাসরে প্রতিভার অনাতম স্বাঞ্চর। জারনমন্ত্রণার বিভিন্ন স্বাস্থ বিভিন্নতার সম্প্রকাশ ভাসতে পরিবেশিত। সাভ জারায়

ৰিকুলাদিতে। ব

न्राइ \$0:00

আ ওলাতিক গোলেনসভাৰে কোলগুৰুৰ কাহিনী।

हानका स्मरत्नु

रम नींद्र रम नींद्र ५५'००

মুখ্যমাতী

50.00 এकार 5 ७.00

স্বেপ্তন সেনের

वात्वाशां भूतित सामवा ७-००

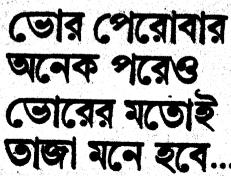
ब्राक्राक्राक्र १ 00

थर्जी उक्ष्मी ५.००.

(नक्रांत्र थर्न ५.००

ডানকাকের পতন-৯'০০

ক্রাসক তেস ॥ ১/১৯, গামাচরণ দে স্থাটি, ক্রাস্কাতা **৪ ক্রাসক প্রেস**

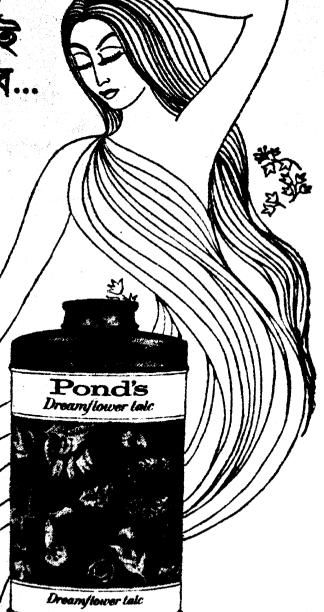


ভাব স্থানৰ ক'বে স্থা ভোজে সংকৰ
পাইচুকি অনেকবল গ'বে রাখতে পাৰেন
আগনিক—লঙ্গ জীনলাভয়ার
টালকার পাউভার মাধ্য: পঙ্ স
জীবলাভয়ার টাল্কের হাল্কা বিটি গ্রহ
বছকা পরীয়ে জড়িরে থাকে…
গঙ্গ জীবলাভয়ার টাল্ক গায়ে
বাখতে বা-বাখতেই যার টোনে নের।
ভাবাট গরনেও জিভ-সংকর ও
হুগতে ভরপুর রাখে—আপনি
ভাতে থাকলে স্থার ভালো
লাগে। বছরের বে-কোল স্থরই
এই টালকার পাউভার
ব্যানে গরতে পারেন।

প্রপ্রস

শ্রীমজাওয়ার ট্যাল্ড্ —এর চেয়ে লোলারেন নৌবীন ট্যালকার আর বর না।

চীব্ৰো-পণ্ স ইনুক ব্যবিধ গলে বাদিও প্ৰভাৱ নবিভিত্ত



কণপদার প্রথম বছরেও কার প্রে হরেছে
পত এচিকা মানে; এই করটি গ্রাসে বান্
বেশ্যর অপতিনতিক প্রেন্থ্যনীবনের পরিচর
কানার দেশতে পোরে থাকি, জবে তার প্রধান
কারণ হক্তে খালাশানা উৎপাদনে শিশ্রতিকারতা অক্তনি।

कृति-मानाहः साम्यानकीकतम् सम्मादाः त्यः कार्याकेः प्रीकरमम्

পরিকাশনা কমিলনের আহিছিল সভিব तमर बाह्यामा क्रीय-क्राफ विद्यानी मुक्त तम আৰু সেয়েৰ সভাপতিৰে একটি কৃতিট্ৰ अन्त्रीष्ट कृषि कामान व्याद्यानकीकरून अन्त्राह्य काइकीर्ड गांदापनानां प्रानादिक समान काद-ভেন। কমিটির মতে কবি-মান্তব্যলিকে আধানিক বিভাগতির সাহাযে। ইয়াও ব্রে ভোলার প্রচালন প্রাই বেলি: কৃষ্টি উল্লি অনুৰেপ্তলৈ উপাদানের উপর নিতারপাল। এই উপলোলগালির মধ্যে যদি ভবতে একটি ইলাদ্যার শৃক্ষাল। কথবা আকরে। হয় তাব ক্ষুদ্ধির উল্লেখি ব্যাহার হয়। তাই ক্ষেত্র কমিশন ছানে জাবন কবিত আধানিকীকাৰ অবাছত রাধার রুমা একটি পরিকাশনা প্রদর্ভ করা मधकाद, क्या कहें का मानी समाचारी गरम ধৰ্মেৰ ক্ষিত্ৰত উপাদান প্ৰয়োগত বাৰম্ব াগকটে হাক क्षाश[े] सक धर्मी हें हैं राज्यसम्बद्धाः एकम করিপ্রেটিকট্ড এই নায়ন ব্যাসকলে । নিকেব্দর থাপ বাইছে নিচ্ছে পাবে। কমিটির ETT:

"What is needed is to organise a system on a process for continued agricultural modernisation which uses new components of development as they become available, and adapts likely to the changing needs of the developmental process at the local

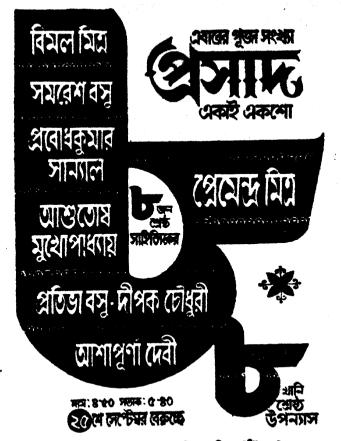
ক্ষিত্র ক্ষিত্র উর্যাহত ক্ষেত্র ব্যক্তর ও তাজেনে ভূমিকা সাক্ষাক্ষ আহলক প্রত্নাক্ষ সাক্ষাক্ষ ক্ষিত্র ক

विक्र हात्वन क्रान्य स्थानिक मार व्याप्ट कार्याक हो। विक्र क्षान्य क्रान्य स्थल स्थानिक क्रान्य স্তুক্তেশলৈ বাজন প্রিয়াণ প্রিয়ালী বর্মান। টাকার অভার তে। আছে-ই। তা ছাড়া আহে উপৰ্য় কারিদারিক্ষতাসংগর ক্ষাঁরি অভাব। কৃষিত্র উর্লেড্ড জন্য বিক্রিণ্ডভাবে ক্তিপত প্ৰকাশ ভাৰ্কৰ কৰাৰ আনক অস্থিয় আছে কেন্দ্রীয় সমুকারের সংক্র রাজা সরকারগালির স্বশিষ্ট্র সহলোগিতা ন্য থাকলে ক্ষিব্যবস্থার মেজিক পরিষ্ঠান क्या जन्छर इट्ड वा । रहांमदम देव शकाद्वाडी राक नागन्ता चाटक छात्र जाहाचा स्मक्ता दबरक আৰু মিক কবলেৰ क समायम्बरस करका काविनांत क्यांन्यकीय निरम्यन अवः কাৰ্যকৰ কৰাৰ কোনে পঞ্জান্তভী বাজেৰ ভামক: সামিত লাকা উচিত কৰে না। কলিটির স্পারিশ অন্বারী জেলা পর্যার প্ৰকেই অভিসাতের পদ্ধি ব্ৰেই গ্ৰেছেপ্ৰে এবং তা বছার রাখা উচিত।

কৃষিবন্দভার আয়ুনিকীকরণ করনে সকুন মলুসাতি প্রবৃতিতি হবে। আনেকে আলক্ষ্য করেন হরতে। একনা বেকার সমস্যায় সাক্ষি

হতে পারে। কিন্তু যদি পর্যায়ক্তম ক্রমি-ব্যবস্থাত আধুনিকীকরণ করা হয় পতিত জাম উন্ধার করে ও বছরে একাবিক-বার ফসল উৎসাদন করে উন্বান্ত প্রকারিক কাজে কাগানো হয় ভবে বেকার সমস্যাহ চিত্তা কৰি অমায়ের আধুনিকীকরণের পৰে बाधात जुन्छि कत्रत्व मा। कृषित स्वर्गात अवर গ্ৰাহ্মীৰ বিচেপৰ উল্লেডৰ মধ্যে যোগসূত্ৰ থাকা দরকার: কেচবিংশনে একটি অপরের পরিপরেক উপস্থাবিকা হতে পারে। জাপানে ্বভাবে ভবিবাৰকাতে আধুনিক কলুপাতি উচ্চত ধরনের উৎপাদন পর্শাতর দ্বারা नमान्य कता इरसरक, बहुर रक्छारत अकटे সলো আছে ও কৃতির লিচেপর উল্লভিয वायन्था कता हरहरू, जामताव जन्दर्भ क्यांन्ही क्रम क्रांट गाँव। साक्छ कृषि-ব্যবস্থাকে আহুনিক করার কেন্তে সেন क्रीवर्षिक श्रीकृत्यम्य भूपदे ग्राह्म एर्ग परम न्योक्ट श्रम

ग्रहण ग्रन्थ



প্রসাম প্রেস এণ্ড গারনিকেশন। ৪২.ইণ্ডিস্কান সীরর ষ্ট্রটি, কলিকাতা-১৩



आधानिक शश्रायाता

कटाक श्राह्मश्रीक देशदर्शकर भव शादकीक मारहरवर महका भरमाना । यस হালো মানুষ্টি কানে বেল খাট। কিল্ড आकारमञ्ज रमर्थ कामारित, कामार्थ्य प्रवटकीय ভিৰেষ্ট্ৰ মাত্ৰ অধ্যাপৰ কৰে হোৱা উঠালন। ভারতীয় বেজিমেশ্রের কার্ডাকাডি কাল क विराधकामा श्रीवार प्राचीत राष्ट्रीय राष्ट्री । एवं राष्ट्राणाव भारत निर्देशिकाम स्टीप्ट उक्सन श्राम উঠালন, শতুমি না ভিমিয়ার মাছেও ছিলেণা असका देखी काएकांक माहरूपार महा १४ सा। ेंक शब्दन समाम करवारा हम दहनाद करत हरर है भवत्त्राम् त्रमः सम्बद्धाः सम्बद्धाः त्रामित्य ভাষাকেন নামা পোশাকে ও নানা লগাতিহ देशकरन्द्रकदर्शीय क्षीत्र एक्टराइन एत्यान ভূজা কে**ত্য** নিশ্ব বাহেশার পাড়ে শ্রাণ্ড व को अधिकालका दिव से कवास्त्र । रागीय কল হতুক বেলটী কেবা হলা ভিনি উটনকলৈ इन्डिक्टर बार्यकोक मारहाएक होन्हास्ट মাক্রবিকার স্বাধীনতা সংগ্রামে রাজ্যর হয় ছিলেনে: স্বান্ধীন আমেবিকার বাস ভাগে িলার ক্যানায়ের এক কোল ল প*িলা*ক এলেন । शाकराष्ट्रांक भावत करेंद्रा सम्भावत गावत आसी या এনেভিসেনা অস্থাম ব্যক্তির মান্ত হ প্রপৌরতে বাহিছে হোখাছে। অপনক্র १४६ छाडे कार्ड अस्तिति অবস্থন হয়: চারীঃ রূপীর **ছবি স**র্ভিত্র रक्षाक आहर्काक भारतहरूवर राजाहरूवा राजाह 4037B (

সংক্রমের সংসাধা কি লাবার বিভাগনালয়।
ভাল নাকি আন্তার টেডারী কালে। তার
বৈষয়ে আর বোডার ভারতে আরু চারনিরে
বারান্ত জারগারে কডেজার গালের টারনির
ন্যালয়ের হার উঠেছে। বাসনা বোরর
বালি রালি, বাসনার আরু কলা বালিল শান্ত
ক্রমার উপর কলাল বালিল শান্ত
ক্রমার নার। ব্যবলায় করা করে বেন্টারে
বিলালার। ব্যবলায় করা করে বেন্টারে
বিলালার নার। সার্থায় করে ব্রেটারে
বিলালারীয়ারার মান্ত্র পার্লা বিলালারীয়ারার মান্ত্র পারতা বিলালারী
বিলাল বার্লায়ার। ব্রেটার ক্রমার বিলাল কর্না
বিলাল বার্লায়ার। ব্রেটার ক্রমের বেন্টার করা
বিলাল বার্লায়ার। ব্রেটার ক্রমের বেন্টার করা
ব্রেটারার অর্লায়ার। ব্রেটার ক্রমের বেন্টার সার্বা



মাধে করে উল্লিখ্যের আশার বেরাফেরা করছে। তব্ আপ্যার্গ্রের অভার নেই। কফি বাধয়াকেই। অভ্যত কফির শেরালার আকর্ষণৈ আলসভূক বাঁব ব্যক্ত বসে বার।

গণণ করতে গুলিরে যার কথা তথে
স্থানীয়াত করে বিশ্বার করে তালেনএই ছিল কাহিলার ছবে উপার্থার।
দেওচানের গারে সোটা রেখারেল স্থানির।
দেওচানের গারে সোটা রেখারেল স্থানির সব
বংশের পোলাকের নার্না, তার পালে বর্তার
বংশার পোলা বালে বই বিছা আরে, তার
এ একই বংল গারা। মনে হারনারার্নার
গাগাবারার মন্য মার। হরিনারার্নার
বংল অলাকের পারে দেব বর্তার করে। তব্
তো এলাকের বালে বালাকের। স্থানের
বাল কর্তার বর্তার বালার
সাক্রের হরতার একা বরে রালার ছবি,
চার্টারের আর কর্তারলার বালার
মারের হরতার একা বরে রালার ভবি,
চার্টারের আর কর্তারলার প্রাক্তিকার
মারের হরতার একা বরে রালার
মারের মারের মারের মারার

আন্তরালে। তাই তেন মান্ত দেশলেই কাড়িরে ধরেন। উঠে আগতে মানটা কেনল করে। নিশপ্রক গৃহি চোগে ইল ইল সকল গৃগিও, গৃহি হাতে স্বাইকে ক্রেন্সনি করে চেরে ভূইলেন কলেন্ব দেশা গেলা আন্তরে।

ম্যাকেনি সাহেব তব্ এই ভালবালে।
প্রদার জভাব নেই। বৃশ্ব বৃশ্বানের
ভাগান্তে ভাতি ইওলার দ্রের একা জানিও
ভাল। জনতত ওবি তাই বিশ্বাস। বৃশ্ববৃদ্ধানের একর রাখার বেলব রাজনিক
ভারোজন আছে ভাকে এমন জাতান্তের
অবশ্বা মনে করতে বৃক্তার শেব করতে
আপ্রাক্তনালী একাকী জীকা করণ করেও
ম্যাক্তির সাহেব করা কটাতে রাজী, কিন্তু
ছাত্র কেনা খাঁচার বভ কানী বৃদ্ধ-বৃদ্ধার
প্রতিউল্লেক্ত ক্রমণার ভার জানা নেই।

প্রতিটালন্ত্রক বাবশ্ব। হবে হবে বেশা আমার বহুলিনের আমার। বথনাই স্বেশ্ব প্রের বেশা আমার বিশ্বনিক হবের হেলেনের আমার সমার বর্গকার জন্ত কি উল্জেপ কাজন দেশবার চেন্টা করেছি। আরোজনে সমার করেছি। কিন্দু আমার ম্বানিক আমারালিক আরোজনের ক্রমারী ক্রমেন আরোজনের ক্রমারীনের আমারাজনের ক্রমারীনের ক্রমারাজনের ক্রমারীনের আমারাজনের ক্রমারীনের আমারাজনের ক্রমারীনের ক্রমারাজনের ক্রমারীনের আমারাজনের ক্রমারীনের আমারাজনের ক্রমারীনের আমারাজনের ক্রমারাজনের ক্রমারাজনের

गात्रमीत्र सिंहिक्री

২৫শে সেপ্টেবর

ক্ষীকা, বৌৰন, হেল, ফলাৰালা, বহুলা, ইতিহাল, ব্লাক্টনীতি, গা্পত্তরক্তি, লিকাৰ, প্রথম প্রকৃতি বিভিন্ন পট্ডালিকার বিভিন্ন শহালের

पर्भावे উপन्যाস ও একটি नाটক

লিখেছেন : বিষল মিচ, আশ্তেজ ম্বোপাধ্যান, নিমাই ভট্টাবাৰ, হারেলভ রবিনসন, পিবোন্দ্র পাজিত, বৈদ্যাথ ম্বোপাধ্যার, অচীশ বর্থন, হ্বেজ্যোতি রায় চৌধ্রী, বিশ্বনাথ বস্তু, গ্রেশান নন্দা প্রভৃতি।

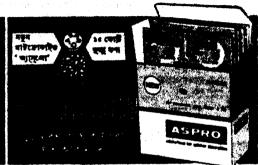
জনানে বচনাঃ শাচীন ভৌনিক, উক্তাত দেন, শংকর চটোপানার, রজন জন্তানার, আপন হৈছ এবং আহো জনোক। এচাড়া উল্লেখানাথা করেকজন ভিত্তাভাষার খোপন জ্যোকর কাছিনীঃ ভালখানা এলো ভাইনে/আলাক্টের নার থেকে রোমহর্থক বাজ্যি গুলের কাছিনী / বিজ্ঞান সিনেমার গলে। গিই গানের প্রচালি / প্রিয় কাউলিক্সীদের ছবি / চিত্রান্তান্তান্তান বচনা / বোন্তাই, কলকাতা, আয়াত ও হলিউডের অসংখ্যা ছবি

वह शहरू ०७० भागत वह : हात हाका वात

প্রচাবপরের কম। একেন্টগণ সম্বর বেংগ্রাবেগ কর্ম বরেজা। ৭৯/৫বি, জাচার্য কাগদীলচন্দ্র বস্যু রোড, কলিচ-১৪

णिएणिए वड्या-विषता पूर्व कवात जतड अक्यान 'जरडाञ्च्या'रे यारेट्याथ्येत कवा





विद्वांक कार्यस्य स्थानिक म कृत मा है द्वानिक है के 'क्यांम्द्वां' शादनाः गणा-तन्त्राः । गर्याच्याः गा-गणाः हु । का-व्यः कार । नीति त्रत्याः गणागणाः । नीक्यानाः । मान्याः क्यांक्यनम् । प्रश्ते गादनः । स्यानन्त्राः भागाः ।

শিশুকের জনাঃএকট সাধানট বা আপনার ভাজারের বির্দেশক। শক্স আইক্রোকাইশু 'জ্যাস্ব্রো' বাখা-বেলসা বুর করার সর্বাধৃনিক উপার।

বত্ব মাইক্রোকাইও ভৈয়েস্ক্রো তাতাতাতি ব্যধা-বেদৰা হুৱ করে

निर्वागाम-अस 😥 रेक्सी

काक्षिक्रम करवास भिन्दा कारमव करक. कामक छाडे। PRITE WITERIA धन स्वायम क्लो । साम ना दहे बाल्डासा ट्रब्ट्ड ट्रम्ब्सा ट्रब्स्ट्र अक कारिकालक सार्वजन (कार्य) क्षात्र । क्षम्य स्थान । मास्ट मीन मोदारक्ष भटका भावता गीमारमा रकाशांक या कार्यस्य हिं, रकाशांक माथ क्या লিক্তীর জীকা ছবি, दक्तवान शामि समिन यमयात बर्ब यमा हरे राष्ट्रा जामि क्षिक निरंत की का करन अस्ति 通用形式 পৰাবাতে একদিক পলা; তথ্যকলে করে र्यम ८इ ४८७ हमात्र कार्यः। जल्हाम करहाइन ।

রোলা হবার জন্য এক মহিলাদের
বারামের আখড়াটে একটি মহিলা পুর আটা জন্ম কাপটে আসাত্র। আখড়াটে নিপেলি ছিল স্বাই বেন চিলোগেলা জান্য পরে আলেন। এই মহিলাকে আখড়াল্যরা আপত্তি জন্মাল মহিলা বেলা গোলেন— গ্রহীর জান্য আমার চিলেই থাকাব, তবে জার প্রসা ধর্টা করে বারামের আমলাতে বাবো ক্রেন্স। ধর্টা করে বারামের আমলাতে বাবো

WATER I STATE ৰাজিক কলৈয়, কেৱাল্যাসিনী নাসাং ক্ষমন্ **লালি**; কৰলে, মুখ একট্ कामा द्रपटक ठावेटकमा एमडे मामासका कुरमादक कामान प्राचात हम हिल्ला ভাতেই কি ছাটি পেলাম ? CORESS CORESS MINISTERS बर्ग व कराह कार्यम करावा । शहरू करा ভাষাক সলিভা # W.78 6年2年 नारक्त बाम्य मादा इत्य सम्ब ৰুজাতত বুলা চেটিডে PATE . 'लिकि, बडे ता भूनद्वाहर चाक्स क्षित्र वाहीन वस्तात्वर शास्त्रामा नव मिथा। याद्यक्रम अपूर्व क्षांकि क्षाचानाः লতের মঢ়োর খেকে ব্যেয়। কেন কে সের্গিন



Jana Salahan Jana

urusus main) elikuvu gin niciki mile usiin ulun min iniciki kuristi

নের প্রক্রীকা করি নিয়ে সন মুলা সবার করেই বা আনারোলার হুল আছে। প্রায়েম্বর জানাকা আনারের দেশের করিব উপসেন। ইফারাক জিল্পু এবন বারণার ক্রেক্সি। প্রক্রীক জীবালো এবন করিব ক্রেক্সাক করেব করেব আনু এক মুগ। আনারের করেবে করেব আনুক্রী।

Britte The

ल्लीकर स्वीक्षक्यमा स्वासास स्वास्त्र ৰালে এল ভারতবর্ষের নিন্দা। বহুকের ধরে ब्रह्म द्वारक्ष्यदेश कारण चहुन महिल्ला। WIE TOWN WIND PARTY **ल्डिन**े कर्मानकः क्षणमा श्रीत करण्या स्टा कारकाकारवाम । असम वाकित्यावीमकाव স্বলৈলে। ভাৰতে ভি ৰাট ভাৰ বৈত্ত ভিত क्षत्री अवस्था करेक भारत मिराबार करन ना महाराजा विभवास कहाहात्र सा। एटर दूस ही रमात्रारक रक्षा कामता कृतिया। १५३ कमाही रकरह स रिराम्ब कान्छ कारण रा अवदी श्व-ৰতে হ'ল পাছিৰ জাহাত চেটে। সামালিকভাত या नवारे म कारक शकानाक व प्रावाद । शा कामारक क्षारम करकार कारक कार् किया महत्त्वह । कावत अहे हराहारय गीएट नवा বাল বাজেন, ভারতের করি করি হয়লের হ माहित्रकाराक ब्रिक्शाम रहा काइटे शहरोगन ভাষের পরম জানুরের নেশাঃ কৈ সাক্ষিত্র ৰখা! একেবাৰে উম্যেত্ত পিল্ডি গালের मा छ। निरम्बद्ध करना कि प्रदेश करन कर व ?

এখন ছে: বলাত গোল ম কিন স্নালিক करिक हालभागतीय स्ट्रेगीः श्राहर काराक्षणमा स्थाप निराह स्वीतिकित्तर १८०३ करण क्षत्र प्रशास हैदेहें ब्यान कराइन्ह প্রসার আভাবে প্রাষ্ট্র আন্যা প্রেরের চার্নারক हबाहरी बदाब अति बच्छा करिक गा। बराहरू मानः शरदीक द्वारा श्रष्ट - ऋगागीन काराजन व काबलसङ् दस्है। दसल्लासङ् रूपनामङ क्यार बद्धन सा। कार्ड निहारी कि कारण उनार पर। मन्द्रीक कामन महाद्व क्रांगरदन्ताकः ৰাপাৰ সামানা। ছেবাৰ অব্ভৰনাসৰ ^{ব্ৰহ}ন न्यवित्र क्षत्रंत कि गा। क्याति या महम यहक বাদের সিক্টি ছটাক এজনটাকুর ভারও ভার काब स्माप्त मा। स्मारको न। कि कात? विशिष चात्र विकितित ब्रह्मा अरोकान्सरतः न १ ভ্রম কর্মারার প্রেটারাবে বটক।

বোট প্রার্থ হয়ট কালক। তাতে কালিকাশকর হুইচুই। মা হলে কালে কালে কেন? কালেন স্পানিকা বলাক hm কি ইজ-এর ছিল? বাজি বটে। জালম নালী ইজ নাজি জালানের পাড়ের বজাবন বালে করজেন। স্বান্থ্যের পাথকানি যেক hrs বা corset-এর রুপর। সে শ্রের বর্বের করে। ১৯৬৪ সালে Rudi Geru-দুর্বের করে। ১৯৬৪ সালে Rudi Gerureich কা-লমের এক বোলা ক্রেল্ডের রুপ নহিলাবের নারে। Toplem-এর রুপন হলো। মাজিল হেরেরা হোকে বল্লাকন, ''He wanted to tree the American women. আমেরিকান ব্যারকে রুপ্ত করাই হার ইম্পেনা দু

কাপন বচৰিতাৰে বান প্ৰায় বাপনিকো কছাকাছি। কাকেই বচৰিতাও কান বিদেন, "My philosophy is unique. Not wearing a bra is a statement of freedom, আমাত নপান অন্যান্যকাশ । bra না পৰা প্ৰায়নিকাৰ ক্ষীকাৰবাণী।"

রা বাবসারীরা ঘোষহার রাজার হাজ দিরে বাসংঘদ। নিউ ইয়াকের জ্যালন প্রেট্ড মান-হাটান স্বাচিশ মেরোর। নাজন জ্যালানের জ্যান মন বিয়োলন। ভার ভলার জ্যালানের

Majvers | week Miles with a martin দের সংখ্যা সংখ্যা আময়া আবিকি অসালসভাই रात्मा प्राचित की बद्ध करीत । बद्धा वर्ष-हो करान प्रक कार्यात कार्यातः विक का SUCHE STATE STREET, IN STRUCT CASH टकाबार कराहे के जिल्हा नास्त्र अस्टितका क्या गाउँ। मन्द्रवर्ष अ समाद्रे सामस्टर्श प करता क्यांकत त्यकात ब्रह्म क्यांके नारम । होत यहार अस्त्र अस्त व्यवस्था विकास जापानर गाँउ जपा दिक रिकारिका एक्ट्रारकारित निर्मा किंद्र हमेरे नाम कि चारमाञ्चा । त्यान चारमाराष्ट्र त्यामा कार्मी ET S TO THE SHE SHEET STREET IN कामानरका कर्जाना हो कार अक्टे रकाराज्य এনে ভাষের পারের উপর চাশিরে বিকেন। क्ष थरते। स्थाव क्षत सानामा हरू।

Bनकी :

বেদ্ইন-এর চীনের সাংস্কৃতিক বিপ্লবের প্রভূমিকার

পিকিং থেকে বলছি ১০-০০

म्बारगातका स्वारस्य कृषक विकास्य ब्रह्म काँकानी

नक्यानवािष्

F.00

रेनरलन रम-त्र विश्ववी नशीनरमञ्ज अक्षिक काहिनी

ফাঁসি মণ্ড থেকে

6.00

পি, সরকারের সমাজের দৃশ্রুতকারীদের কাহিনী

न्रयार्कावदनाथी

9.00

প্রেমেক্র মিত্র ভারাশক্র বন্দ্যোপাধ্যার ক্লাবের নাম কুমতি 8.00 - महानशरी 4.00 ব্যামল প্রেম্ক वानाभुषा स्वी বিক্তীৰ কাষ্যাৰ स्रोधाद सारका 8.00 0.00 বাফীরাও সেন ভব সন্ধ डब, विरुष्ठ ७∙०० ন্মিকা ৩:০০ भानम कना २.६० অব্ধ্ত উভ্ৰেশৱেৰ স্বৰ্গ খেলনা **₺** · 00 ভোরের সোহলি 20.00 সুধাংশুরুজন ঘোষ বেদ,ইন

রাগৰতী ৮:০০ সম্মী পড়ন ৮:০০ রাজা আরু নেই ৮:০০ রানী বেগম ৬:০০ রাজনীতির দাবা খেলা ৬:০০

নীহাররজন গতে

স্থান্থৰ ৬-০০ কোনল গাণার ৮-০০ উৰসী ৬-০০ নিশিবন্ ৬-০০ করিন, সম তব ৬-০০ করবারী ৩-৫০ চন্দন্যালা ৪-০০ নিটনী ৩-০০ খ্র ভাঙার রাভ ৩-০০

पुरित-समात्र : ५, बर्गिक (ता, कनकारा-५) रकान : ०८-४५४०

প্রথম প্লাফিক বালভির অভতকারক সম্বেদ্ধে মতুন ভাষান

দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাড়িক দ্রব্যের পূর্ব সন্দার

আৰক্ষে বং এর টোরা দেবার জন্ম—মগ্ন, বালতি এবং টনলেট সীট। রারাগরের জন্ম—গামলা, বাটি, বাঁকরি, খাবার টেবিলে উংস্কৃতার জন্ম—মাট, গেলাল এবং মেট,গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাজার করার বাগে এবং বাতির শেভ্—বেমন রংচকা, তেমনি সহকে পরিভার রাখা বার। হাছা এবং সভস্র। নানাবিধ মনোহর রংবে। সবই "দিনের" তৈরী—হারা প্রথম প্রান্তিকের বালতি তৈরী করেছেন।

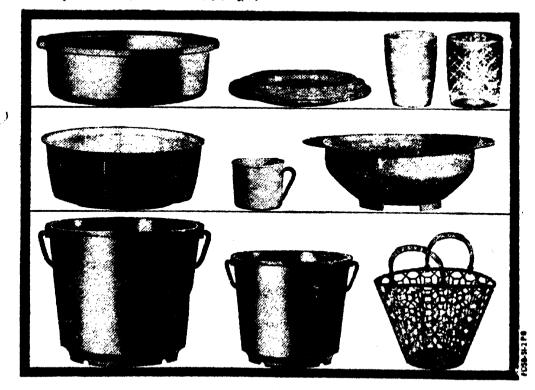
"দিলের" ভৈরী বাবতীর জিনিব নির্ভরবোগা ও টেকসই। কেননা, এ ওলি বহকালখনে বাংকার। করার উপবোগী করেই তৈরী। **আবৃধিকভার অল** মান্টিকস্—'সিল' এর ভৈরী মান্টিক জব্য কিবুন।



স্থীম ইণ্ডাস্**ট্রি**জ লিমিট্রেড

SIL

७% गवारी जिलम् **बन्ला है** छ खराडाणा, **वरष-०**३ ।



ডিলিগাইটার প্রতিষ্ঠান কাস্ক্র, বিহার, প্রিকাশ, মধ্য প্রচাশ, অন্ত প্রচাশ, কেন্দ্র, কোন্দ্র, জিন্দ্রিয় এবং কুটাটার জন্ম**র লেন্দ্রালি** টৌজ প্রচাশানি ক্রেটাটারকান, পি-৯৫ নিউ সি আই টি গোড, এক এক, এচ এটা, উল্লিখ্য প্রচালিকা প্রচালিকার আইটার ক্রিটালকা ক্রিবারে ১২: এ্যাত্তর ক্রিকাটোর জন্ম **নেন্দ্রালি পদ্ম এক্ড কোং,** ৪৯, সার প্রিরাম গোরেশ্যে, <mark>প্রটিট্র, ক্রিটালকাক</mark> এ

चम्द्रव्र मिल्ली

কালকাৰে উঠি ক্লিও চাত্ৰ-ছতি ইটাই কৰা, কোলা ভাৰতেলঃ —আমিৰ চেন্তৰ্ভী

তে সংঘাতে নিয়াটিত ভাষত specific NAME SHIPS PARTY TO A হাজের জনমাত আমার কাছে। একবি পাতে হাহাত জার হারবহাতী হটত বাদ ১০ 明明新日 朝 解於 医髓 制工的名词复数 家 হাঁহ কলিছে) ফেল্ডান্ন - হ'লে - হ'লে চ 東京本等年 利 ちゃ ・シャ・ラく どっと চৰুৰাষ্ট্ৰীটৰ কেমজাম মানি ক্ৰেন্ডান্ডৰ প্ৰচাৰন ទ្ធាទោ គ*ែ*សុ ត្រូវក្នុង ភព - សភាគ្ន ATA MATE MINING THE THE BELL হ¥পছী মাধে হটুছ ঋলে সেলেভি ক্তিনাত এক্টিক সম্প্রে স্থাতি হয় সামে । তেওঁ **র্জান্ত ভারতী হিল ও ১৮ ৮**৮ sament trible forther to be being on the te FROM THE RESERVENCE OF THE PARTY AND সংসা *শাংকার*ু **শ্রেক্স** এই রাস সম্প্রে EN L'ESTRINGUES ALCO

ভান ইণ্ডিং হুছে স্পন্ত ই ডাছানী সমাত ভাস জোনি জোটে ডাক চেল ত ডা স্কান চোঁকো জান্ম গ্ৰেপ্ত ইছিল ইছমাক জুলা স্বভাম ইছিল এক ক জনসভ্য চুমুকা চুলালী নেত্ৰ চন্দ্ৰ ন গাত র জধানীর প্রপতিকাগ্রালক প্রথম প্রায়েক স্পেক্ষিত করেলভ কবির স্থিতি ই পান সোহমাজ ভাগণ, প্রথমতি করেলায় গার্গ বিভাগতি ইংক্ষিতে কোনো সংবাদপতেই প্রিয়েশগ্রাক। বিহেতিত ইছনি এব কার্ণানি স্পান্তই স্বাভাগিক।

Lelet

না নং যা বাধানৈ সংজ্ঞা ভাষে ভ্ৰমৰ পাছে

না সং সময় সুঠা সোণ্ট্ৰমন্ত অন্যালনার

প্রানামন্ত্রী বিন্দান আন্দ্রীক সম্মানা হৈছি

বাধানিক ন্যান্ত্রী স্থানিক সিং ভ্রমি

বাধানিক বাধানিক স্থানিক সংস্থানিক বিশ্বাসার

কালাক বাধানিক বিশ্বাসার

কালাক ভাষা কালাক ক্রমান্তর

নালাক বিশ্বাসার

কালাক ভাষা কালাক ক্রমান্তর

কালাক বিশ্বাসার

ক্রমান্তর ভ্রম্ভানিক ক্রমান্তর

ক্রমান্তর ভ্রম্ভানিক ক্রমান্তর

ক্রমান্তর ভ্রমানিক ক্রমান্তর

কর্মান্তর

তা নিমনীর সদপাদকীয় প্রবাদন্য এবছ পালানোটো আলে চনারও বিষয়বদভূ কেননা ভাগেও আছে আপাতে আবেদন এবং আজেনিক। সাধারণ পাঠকের কাছে বা নেই স্থানর কোনো কবিতার, ছবিতে, চিন্তম্মী বছাবে। আর দেইজানাই আনির চরনাতীর আন্টেন বিশ্ববিদ্যালয়ের টালোর হলে অনুষ্ঠিত হলেও আছে আধাকেনাও আদন বিস্নাশভাবে থালি পোক

্তা পাকুক এবং এই অসমপ্রতি সার্ট বং তাতে স্বেরতার নিব্ভরণ প্রতীক। তানি ভূল বল্লাম?

থাকে পছাওঁ কাম ছাপানা পরিকার তত্তি প্ৰতিষ্ঠাত লাখ লা প্ৰভাৱ নতন অন্সান্তর পরিনিধোলি উন্তেখ ক্রোয়েলার 🖟 ঋষে সহায়ত্ব হয় জ খেলেকে সোধীছলাম দিল**ি বিশ**র্গিদালারর বলগীয় **স**্থিতী প্রেম্পুর উরেপের কবি অভিয় চলুবতী াল স্বর্গরের কবিয়া প্রার্থ এবং কবিয়া বিষয়ে বিষয়, বজাবন। স্বাসন স্বাসন স্বস্টে**ত** डिय कार्डेफ्टर एथकरा काल्डिय इंडएक। হলেক হোৰণাট পড়েল ছালি কেন লিছেৰ জ্ঞানবহাক বিশ্বাস করাত পারিনি ভেক্সনি স্বায়ধ্য ভাগাপ্ত ডঃ ব্রীলক্ষার र मणापराक के सारकार करा जारहा शासक-বিশিক্ত হার্ডিলাক। ছেকেডিলার দেই একই मन्धाद रिक्टीरमाजाहरू स्थान विकास ভানেকাণে "কবিভার সাংগ বিক্লান এবং ধরা সম্পর্ক এ এক ঠি ভাষ্ট্র সুমার স্থা প্র অভিনয় সুকুৰত টা

: अथन सक्षांत शकामनीत वह मारन स्थापं वह :

: বহু, প্রতীক্ষার পর প্রকাশিত হল :

মন্বেণ্ড দাসের: স্বাধ্নিক শ্রেষ্ঠ ঐতিহাসিক উপন্যাস

दिदलायाती विलाम ১०,

রার 😂 ১ ৪০ এন ১ ১খনের ও উপন্যাস তার জনার । ত উপন্যাস ন**র, জ**ীবন *ছবি*লার

সংগ্ৰহণীৰত গ্ৰহণ : **ৰাপ্ৰংক্ষেত্ৰ** : ৪০০, নিং উপন্তৰ

কুমাৰত চলেছে : **বৈদায়দেৱ :** জড়িলাটিক উপন্ত

भीनाकी भन १.००

রক্তাক্ত গোড ১০১

বৈপায়নের : ঐতিহাসিক উপন্যস রম্বদনাতা মধ্যেতী ১ং

स्मानकातः : स्टब्स् हेश्यः अ **साहावी स्माहिनी** ५ শীনৰকুমধেৰৰ : ঐতিহাসিক উপনাস **মণিহাৰা চিডোৰ** ২০

ইবাপকের: ঐতিহাসিক উপনাস নটার নাম শবনম ৪ কমরেন্দ্র দাসের: আধ্যানক উপনাসে তিতিকা ১০

ন্টৰাজনে । ঐতিহাতিক রুক্ষে ইপনাত ব্যক্তনাথিনী শীষ্ট প্রমাণক হবে।

•'onea : **নৰ গ্ৰণ্য কুছির ২**০১/৫০, কাজত গ্∂ি, বলকাতা⇔২২

কাগর পারে দ্ব-প্রাসী কবি অমির
চলকতী একাধিক মহ কবির নিকটসালিখো
একেছেন। তানের কন করেকের কবিতা
নিরে আলোচনা করলেন তিনি তার ইলিরেমন মাড্ছার রা। প্রোতার মানের গছনে উনি
প্রতিভাত করলেন সেই নৌল্যা বা চিরাতন
আনলের বসতু। যে বসতু অর্পকে ব্লেপ
দের তার মমান্দর্শিতির। পরে ভ্রেতাদের
ভরকে ওাকে বখন ন্বর্গিত কবিতা পড়বার
আন্রের্থ করা হলো, ওার সান্দ্রাত এবং
বিনভাতা ভূলবার নর, এাদের কবিতার পালে
আমার তাক কবিতা?

কিন্ত্ৰী না হলে বুকি কবি হওৱা ৰাজ না, বাহ না কোনো অধাপক হওৱা। তেও বিষ্ণান

দশনি বিভাগের ভাষণ্টিতে হলমব প্রার্থ পরিশ্রণ ছিল। ভাষণ ইংরেজিতে।

কোনন ও ব্যতিমর সে ভাষণের মন্ত্রিণি করের বিশন্মত সাধ্য অবতত আমার নেই।
কনির বহমেনি প্রতিভা, বহিলিলাকের বিভিন্ন আভিজ্ঞাতা, ইমপ্রেশনিক্ট ল্টিভগাই, সাধ ভূলিরে দেওরা অব্তাদ্ধিই, আসামান্তরীভূকপ্রিমতা করে শ্বনেকারের। এইসর এবং কনামা জারে আনক কিছু, বেন ভূরারব্ধির এক শীতের কনকনে সব্ধার প্রতাক স্থান্দাত কর্মছল। বিজ্ঞানের স্পাক কবির এবং কবিভার কি সম্প্রাণ্ধ মধ্যের সংপা কী সম্প্রাণ্ধ এই প্রেণ্ধ এই

মাসিক ৫, টাকা কিল্ডিডে



শ্টান শ্রান্ত ভবল দিপকার ৩ বান্ডে মল ওরান্ড পেন্টে । বল ট্টানভিদ্যর। বে কোনো জার গার

পাঠান ব্যয়। TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwaian, Pahargani Post Bag No. 11. New Delhi-1.

ভারতে এই প্রথম

৩৫ মি মি হোম সিনে প্রোজেরর। নিজের শাড়ীতে সে সিনেমা জেবরে মানেক



উপজেল কর্ম। সৈতে ব নাটারি বা ইলেকর্মিসিটির নাহারো আপনার পারুদ্দ-কাতো চমকে ছবি পদরি দেখাত পালেন। সিন্দান হলে বেমন দেখান ঠিক সেইভাবেই পদরি প্রেরা নাইক্রের ছবি চম্পুর, মান্তিমর করবে, নাচবে।

তেওঁ বালিটার দাম ৪০, টাকা। এক কাঁল ফিলম বিশেষ্ট্রেট। অতিবিক্ত ফিলম প্রতি মিটার ৯, টাকা। Rolex (India (DC-44), P. Box 1574, Delhi-6. ভ্যাচিকে উদ্যাটন করছে গিছে কৰি কো বিশ্বপরিকাম করিয়ে অন্তান প্রোভালেরকে। ওর সংকা কথানা হলান আমন্তা নক্তর, কথানা বা লোজা চলে থাকাল প্রোভারত প্রেনে কথানে আছে আলোর উল্লেখন উলো।

অধি-কবি দেশারান্তন দাজির একজন বংশ কর্মেছালন জমার পালে, জঃ ব্যক্তের ব্যনাজি, দেশলম উনি একনই ডন্মর বে দেব প্রতিত কথন বে ইল্ডাটা খালি হরে গোল ডা উনি ব্যক্তি টেরও প্রেক্তন না।

কবির বছবা শন্নে মিকা-মেছ-ভান-ছলন। স্বই-বৃদ্ধি একে একে ভূলে বেতে চর, চনের কোনো মান্ত্রত বলে বছ নিকটবলা।

সকলের ফলাকে আফিও বেরিরে পাড়-ছিলাম শানেতের সংখ্যার। জাঁকা জাঁকা নাগভার। বেরিয়ক করেও সাংখ্যার ক্ষেত্রত স্বাবির টাবির টাকলেজ, হাস্ট্রল, থেকারে মাঠ। চার্নির্ক সবজে জার সঞ্জীবস্তা।

এপানে ভারতের স্ব ভারভাষী ছাত্র-ছাত্রী: এবের মানের জাকালাভ বিভিন্ন প্রকারের।

প্রাপ্তার প্রতিয়ে ব্যাহার নিজে ব্যবিরে প্রেলাম আনের প্রকান ক্ষাহার একজন স্থাবিকাত অধ্যাপক। এবারে একজন কর্ এবটা প্রাম এবারো শেবারো রুপিতা, কবিতার মাতো।

*

লবংকালে লবং অনুত্ব লবদীর উংসব।
দিল্লীতেও আসতে দ্বাগ প্রজা হার
কাকিরে। তাই-ই বাঙ লীদের সংশ্রুতিক প্রতিষ্ঠ নগালি এখন ক্ষমক্ষাট। পাড়ার পাড়ার আনন্দের ভাকরে বান, হবে সাঞ্চারর মানের প্রজা: সবস্থাত তা প্রার চলিকাটি প্রতীমা। চলিকটি প্রজা। এক লক্ষ বঙ্গী।

কলকাতার বাবোরারি প্রান্ত আর প্রবাদে ব'বোরারি প্রান্তর সবচেরে বড় বা প্রান্তর তা হলে। লিনে প্রবাদার মাজুপ্রান্তর বংগজাচ রাদের উপপাত আর উজ্জ্বপাতা প্রবেদ।। অল্ডত তা আমার নজরে পড়েনি কথানা।

নিয়ারি প্রায় নানাবিধ সাংক্ষান্তিক অন্তেইনও জন্মিটিত হয়। যেমন কবিতা-পাঠ, নাট্যাভিনর, বাহা, এমন কি স রারাড ধরে চসন্তিত উৎসব পর্যাত। এমনিতে তো আমরা বংল ইক্ষা ই উ করে বাংলা সিনেমা বৈধা থেকে এজেবারে বাঁপাত। স্তেরাং চল্ডির উৎসবটা নাট্যাভিনর উৎসবের মতনই জামা গর করে অভি আকাশিকত। অকশিকত হবে না কেন।

সতিত কেমল বিশ্যর লালে, বারাপসী কর্মার এসে কংলা ছার ছবিদর্মেল বাই করে ফিরে বার কলকাভারে। কেন দিলারি বাঙালালের অভিনতে এরা সাক্ষয়ন। द्यम आग्रता व प्ला कावांते क्षाम वाकि माः
दिस राक्षाणी अधिम आग्राहतते काटव
काकात्यः कर्त देयमे स्थापता न.६मा कारव व्यवस्थान्यः कर्त देयमे स्थापता व एका द्वित व्यवस्थान्यः राक्षिमः विश्व क्षाम द्वित्त व्यवस्था स्थापाः क्षित्त-द्वित्तकाता वालांक न द्वित्य द्वित्य कार्याद्वत न्यान नार्यो द्वित्व क्षास्थान्य वार्या क्षीत कार्ये काम द्वित्व क्षास्थान्य वार्या क्षीत कार्ये काम द्वित्व क्षास्थान्यः

অহত যথমই বাংলা চলচ্চিত্রের এখানে অকলমণ উদত হয় তখন ল অনিবাযাভাবে বন্ধ-অপিস চিটা যদিও তা বনিব কের সকালে দেশবার একমার সামের গাটা বিকেলে, সংলাল সিনেমা হাউনগালিতে বোলাই ছবি, বোলাই ছবি, আর শ্বেদ্ধারী ক্রিকার না কামী লাভামী গালোমারী ব্যাংরামী। গালিকারক প্রেম্পাগারে ইংরেজি।

হত্যই পিল্লীতে বংকা ক্রিম কাসে আর মে ফিকা তৃত্তীয় গ্রেণীর হলেও অবাডালী লিক্ষিডকানের কাছেও হা লাদবলীর। সত্তিকিং রাম, তেশন সিংচ অভিক কটক এই জিন হার বভাগের প্রদানন নাম গোটের লিক্ষা। অতি সাধানন-নাম্ভালী পরি-চলকের সাধানতার চলচিত্ততেও দেখোছা আয়াভ ক্রীদের জিলাম করে বিদেশী দশাকের, আনমা শ্রীবান্তা।

ক্ষিত্ব বাংলা ছবি দেখানার প্রকা বােষ্
হত বােলাছ লি হাও কাহে বাংলা নেই।
ক্ষেত্র বা্হালা লা্নি নাকি বােলাইঅলানের
ইকিতে বাঁহা। স্তুত্রং কামরা হাবা
ক্ষেত্রকার বাঙ্কালী ভারা স্বস্বান্ত এই
লবক লানি উৎসব প্রাণ্ড সন্তাতে আল্ভা করি ক্ষারকটি বাংলা ডলভিত দেখার কালা মিটোনের ভালিদে, বানিক আমরা প্রে
ভালোভাবেই কানি দেখন আমরা প্রে
ভালোভাবেই কানি দেখন আমরা প্রে
ভালোভাবেই কানি দেখন আমরা প্রে
ভালাভাবেই বাঙ্কালীদের দেখন প্রেম্ব বাঙ্কালাদের বাঙ্কালীদের দেখন প্রেম্ব বাঙ্কালাদের দেখন প্রেম্ব বাঙ্কালাদের বাঙ্কালীদের দেখন প্রেম্ব বাঙ্কালাদির দেখন প্রেম্ব বাঙ্কালাদির দেখন প্রেম্ব বাঙ্কালাদির চালা।

रजिल्हा भारताह करा।

শিক্ষীর সন্তাইতে জমট পারেলা-উৎসব বছ নয় শিক্ষীর কালীবাড়িত। তারপাকই বোধ হাত করেলাবাণ অন্ত কংশ্রেকী বর্ষক্রাজার পারেলা।

কালীবাড়ির অতিথিকালা আর করে লবাব বলাীর সংসদের তাতিথিকাল ছ ত্রথন
ছরলম নবাগত বাঙালীদের আনক্ষম্থার
সমাধ্য নমেয়াত দক্ষিলায় এই দাই
আতিথিকালায় বাঙ লী বাতীদের আহার
বিহারের স্পের বাঙালাগা আর কলীবাড়ি
অক্ষারে করেলবাগা আর কলীবাড়ি
অক্ষারে বাঙালাদেশের মতান দেখাছা
এইজনা আমার কাছে ক্ষারের এই সমার্
বার্ণারনাই প্রির । নাতুন নাতুন আনেবের
সংশা পরিতে হরে বার, কার্-কার্ সাধ্যে
তা জন্ম উঠি খন হরে, বেনা আধ্যাতে উঠে
কেথি হাক-বাড়ি হাতে নার, বেলা আক্যানের উঠি



मकाका साम्राज्ञातात स्वत्त्व हेट्टा १९ 🐠 /বিভুলা আকাটোমতে সংপ্ৰতি একটি প্রসারস্থীয় প্রশানীর অপ্রাভন করা হয় Indian Painters 69 22 200 िहरमध्य प्रशासक्तालय सन्दर्भ कार्नार्थक क्षांत्रकाहीः काः रक्षणशास देशस्यादाकारस উপ্তিয়ন্ত ভাষ্ট্রে পার্ডন নি গ্রাহ কুম্মটারবাধ্য প্রস্থানীর পরিস্থানন **光明1966 - 花园的 1868 - 新田野町学の E-6-14** সভ্রম্মেন্ন প্রান্থ কিন্তু শক্ষা ভূ"প্রা[©]ল WESTER RES Market Ware क्षणात्वस अन्तरः है। स्थल क्षीर्यानिक ভূপের সংক্রমারের নিজ্ঞানিক এবর করে। প্রস্থারটারে আটে মুক্তানি ছবি ক্র হয় ஒருக்கு இருக்க தெலக்கில் சென்னது கொகியம

কল বহুকা বিশিষ্টের বিব থাকে প্রকাশ নিজিও কা জিলা বিশ্বিক কল লোক ব কলা এল জন নিবাহিত বিশ্বিক কলি লোক ব কলা এল জন নিবাহিত বিশ্বেম কলাজন কলা একলিক প্রকাশ কা কলালে বিশ্বিক সক্ষাৰ ক্ষাত্র কলালিক বিশ্বিক কলা কলালি কলালে কলালিক কলালে কা কলালিক কলোলা এক বিশ্বিক কলালিক কলালিক কলোলা নিলাক কলালিক কলালিক কলালিক স্বাহালিক কলোলিক কলালিক কলালিক স্বাহালিক কলোলিক কলালিক কলালিক কলালিক কলোলিক কলালিক কলালিক কলালিক কলোলিক কলালিক কলালিক কলালিক কলোলিক কলালিক কলালিক

হালেন নাতি ছবিশের এগ বছ বসহাত সালাছন লগ নাতিরে ছবি বিশিষ্ট জনকার্যাত এ বিশেষ কার লাগ্র প্রকারকারি পরিরুগ পর্যাত জান্ত্রস রাধারকি, সাবলাল বছবিছার হয় নিটা বাহর বিভারশিক। সাভাবিক গোলাল কাছকার ফোলার গুলাল কাছল পালা বছলারে জাকা ছিলা, ছবিব লাগ্য কার বেশালাল জালাল রালাল রাজাল বেশালাল জালাল বছলা লাভ্যাত জালা বিশালাল কালেল বাহর ও লাভ্যাত বিশালাল কালেল বাহর ও লাভ্যাত বিশালাল কালেল বাহর ও লাভ্যাত কাছক ইয়েকা। ছবি বজার জালা বিশিল বাছ কালেল কোলাল হার বজার কালে



वादावन

-44 44 EUR

হ'ল সংপ্রিক্তম হয় তহাল প্রগালিকে চালাল্ড্রান্থলা জালান্ত হাতিশাবের ভার টুংকাট্র নিন্ধান লেছেছি : ১৯৭৮ বছেই ্রান্ত হুল দিয়ে ভিনি <mark>স্থায় বস্তুরা প্রক</mark>াশ লগার চেদ্যা করেছেন সেটি কিবছ সব ক্ষেত্রে ১৮০) চাহ etgin যদিও ক্যাভাশ্কশ-২-এই ্ৰান্ত প্ৰত্যাহ্য ভাল 4.5 रतपुरका अहिपुर ४,३०६ हैर्डकाई एनका सहर নাম পুতালৈ ভূ ছেওঁ ছেওঁ ছবিব । **আ**ংশ স্মানিত কোলজ্ঞাস বছনা ভিন্তিতে স্প গ্রান্ত ক্রিছেন ছার্কে উট্নেছেল ক্ষেত্রিস এস ১৯২৬ সম্প্রতিক কাল্ল গৈছিল ভিল্ল _{से कुण्}ति संदेशक हिन्द काल हैह কার্নাছকাছকার বছনা কোকে তিনি ক্রেকেল লভ ক্ষাত্ৰ হ'ব ও কড়ল চেটো পড়ালিও ্যান্ত সিহাবলস্থা স্থান কথা <u>ও</u> কুরাওছারে ভারকারে হ'ল পাড়ালে সার্থ পুর পোর না বি নিদ্রান্থী সাধারণ : राष्ट्रान्स्टर राज्यार्थं स सहस्रकारः विस्तर यात इक्ष ७ ७७ स्ट म्यूडिंडिटी दिक्स ६ ক্ষেত্রিকে এব ব্যালপথতির স্থান্য ক্ষাছ সংক্রমান হয় যাকুমানে কতিন ও নিক্রার शहर आभ भाइ प्रमुख और सहर सहस ্ডিয়ার নিকেশীয়ে হাজের ক্লেসিন ভবিত্ত ্র_{ক্রম}িক্রটি হাখা, ক্রবে চেটে, করেছেন। gizether's one subject AIFACS হ তে জিত শিবতীয় ফাস্তলাতিক প্ৰদৰ্শনী- ভূত খাতনামা ভাপানী লিক্ষী নোৰ্জ্য থাবে ব বচনার কথা মনে পড়বে। প্রদেশ পরিনের তিনটি রচনাই ইতিপ্রেব দেখেছি। বচনাক্ষেত্রে ওপর এনপ্রেভিং-এর মত স্ক্রের ৮ সংকর ভার্কারের সক্ষের ঘটিয়ে তিনি বেন করেছকের কালি বার্ছান। জি বে স্তেভ্যানের রচনা ভিন্না প্রতিটি প্রতিশ্ব করে। প্রতিভূমিটাকু বিক্রম শাতনপ্রিটির মন্ত একে কমল ও সালা রঙে লাব্যান নানা স্ক্রমঞ্জ ভারার স্থিত করে বিল্টা করে বিল্টা বচনা বিজ্ঞান

कार्टर करे अथम

তে মি মি হোম দিলে প্রেচেকটার। নিজে ভাউতে তাপ সিনেমা দেশরে আন্দে কি উপ্রোগ করনে। উটো



বিশ্বাসা কর্ম। কর্ম।
বিশ্বাসা কর্ম। কর্ম।
বাটার বা ইলেকটিনিকি
নারাবো আপনার পছলমারো চলতি ছবি পর্বার বেশাত পাকেন। সিকের।
বাল বেমন বেশেন ক্রিক সেইকের ছবি ক্রাব্রে অভনার কর্মর, নাচবে।

ক্ষেত্রটোর বেরেলিটির পাম ৪০ টাকা। এক বিল বিজয় কিন্যাংকা। ক্রিটিয়ে বিজয় পু ব মিটার ১, টাকা।

Super Sales, Dasan Street (DC-40) P. B. 1165, Delhi.

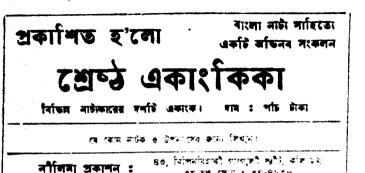
প্ৰকাশ করেছেন। ছবি নাটির নিছক সরসভা गणगीतः एक म्यामीनावतन्त्रः वि काडेकसम च्यान्क मि रवाहोत हतान तरहर शहायी स न्यान जमादिन ग्रान कक खनहान हमीनगढ़ करत केंद्रेटक । अम कि बाम्यास्टरक बहुनाशक टकानक विरमवंक तकरत शरकीन, पार्व জ্যান্ট্যাসর লোকচিচত্ত্বল ও ছালভা সৰ্জ র্ম বাবহার কৌশল মধ্য লাগে না। ক্রপেন খাককার-এর প্রার-সার্রররালিন্টিক রচনা बाहि मर्गक दिरमस्बद काम बालारक मारद। বীরেন দে-র রচনার ডিজাইন অপেকা বিভিন্ন বঙ্ক সংমিল্লকের অপুৰে কোলাকর পরিচর পাওয়া হাছ: প্রিটোর সেত্র ফিলার ইন বা ইতিপাবেটি ভার একক প্রদর্শনীতে দেখোর। এটিতে তার বৈশিশেটার ছাল ব্যক্তলভ জড়িই তাঁর প্রোপ্ত বচনা মান এক না। জেবাম পাটেল কানছাত্ৰ

Place with a continue surera करकाम अवर क्षात्राक्रममक एक क्षेत्र माकारमा न्यानियानक भाषिक प्रवस्थारक क्रमाजिका मुक्ति ब्रह्माता बाह्महे हेरेना बकास कारमत्त्वव राजात्व भारतः। मानीक मारमव मान्द्रीतिक काटक नामानाम प्रशासन रकोषशके विश्ववेद्य रव प्रचेदा। आहे शाकाक इनिट्डरे डिमि विवाहे शाकेकीय माना दहरू ভারই মধ্যে প্ররোজনীয় স্থানট,ক্তে প্রাচীন লোকচিত ও পজোপাবলৈ বাবহাত নানা চিক ও প্রভাক এক্সেছেন। বিলেব করে করেক স্থলে সিদ্ধে বন্ধ বন্ধচার করে ভিনি প্রচালত ভারতীয় আচারের ওপর প্রাধান। নিবেছেন। এই প্রসংখ্যা মাট-ছল আট-১ केल्लियासारा। करव अवधि वका। काल्लाक. শ্ৰেৰ দিক খেকে এ কাখানি অন্নেক্ত ভোগে পজালভ ভিত্ত প্রদেশনীতে কিবেশ থালাব

funti free in far free and run शक्ता प्रकार हुन हा त्याचा त्याच्या MILION PRED THE TEAM PROPERTY जिल्लीय रहता चन्द्र'यक करता अन्तर्भाति। অধিক প্রতিনিধিম্বেক হ'ত সংক্ষেত্রটো

লিচলাপুত্র অবনীপ্রনাথ ঠাকবের ১৮৫৯ क्रम्यादिकी क्रेन्सरक सदगीमा भविष्य व बयोग्स काइकी त्मामाहे कि केरनात्म बनीन्स क देली विश्वविद्यालय शासाबीटक खनगीनक-ন্যাখন ভবিত্ৰ এক প্ৰকৰ্মনীৰ বাৰ্যখ্য কৰা হয় ৷ ভারতীয় খিলপ্রকার প্রের্জাবিনক দেশ বভাষ্টান প্ৰকেষ্ট্ৰ প্ৰথম ভাগে বিভান কৈ বিশেষ অংকনহাতির প্রতান করেন কেট রীতিই এককলেন সামা দেশে ৮ বিলেশ PRINT BIRL 6062 183 578 88 **সাল প্রেণিত** তিনি ভূপনিশিক্তন কলক*্*তা সর্বারী জাটা প্রক্লের উপাধ্যক ভিন্তর 💩 काराष्ट्रीय मिक्कयकार नदाक स्वप्नातन समा SEOR FOR BIRERS OF FOIL THE ক্রমিমেরটালা **জ**্বী স্থাপ্ত কারে । লোভল স্পেটামানেল হাবত ভিডি হাবসাহিত ভিডাস-**বলাৰ উল্লাচ সাধা**ন। লাকনিয়েও কংবন अवर क्षे**रणे स**र्वाहाक स्थाप स्थापनार्थन स्था ভাৱ বহা কৰা বিশেশী চাল্ড বিভিন্ন কলা-भिकासदान सारायाचे बाद कारहीय विरास SPIG PISTE BISTOL ক্রিভাত্তর বিধান ক্রাড বন্ধন সংগ্রা **ভাবে ভূপতে ব্যে**জন তুনি ক্যাপাল বজরে তা ভের ত্তি জন্মবালিকী উল্লেখ্য 化基氯基 英国政府 大家 医抗性 医皮肤 化气气火焰 SSAS FOR BORDONINA GROUP. কৰিকী সম্ভট্ন কৰ্ম বহাত মূল পাৰ ිපස්දී ස්පල **₹* 3!** মাকে ফেনি**, নিমিক হাতত এল ভাতত CATEACS মাকেল্ডেমি কাল কাট্য ভাউস তিহাৰক) কৈন্দ্ৰ ভাষা - ৰঞ্জকাভাষা দুল্পবিচাৰ সমাজ্ঞিত কম্পত্তি টেডাই করে ভিতৰপ্রত্তিত कर्तनारमञ्जूषा कर कर कार्यक्रिक न्यापन सामान्य स একগনি তথাৰতাল আৰক্ষণ প্ৰচাৰতৰ दाराञ्चल खरागार ।

अत्यानीहरू अवसीयम्बाहरू क्रांपः क्रम मार्गिका, देवक्नाराध्य, कुक्काभाव, इंगुप्र क দিবলা ডিলেলা খেকে। নিৰ্যাচিত কল্পেক্ট करि रहेका बाहा। काश्वसम्बाहात, क्राह्मक दाल्यहाउ বহাল পদ্ধতি ও বিশেষ করে ৪০৯৪ **न्द्रस्टम अ्धित निकारकारक छ**ीरस्रीक নিছক ক্লানিক ধনী : বিলেষ কার প্রেট্ **ল্যাম, পাল্যা, করারে**য়ের নাদী ও বিরহণী হাক্ষর **ছবিণাটিক সকলাকে প্**নেধার দেখনে স্থানাত লন কৰে উলোপখন সকলেও কৃত্ৰজনাত জন CALERY!

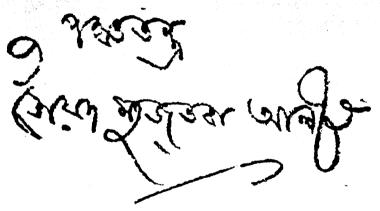


CE-EM COFF : CS-8358

5 82821



किए। श्रम



সিংহ ম্বিক কাহিনী

চিন্দ কৰের বছনের ছাত্র বেল্ছ চিন্দের চন্দ্র কিন্দ্র চন্দ্রের কর্ড ক্রম্মা কর্ডে ক্রিন্দ্রিন্দ্রের চন্দ্র আকাক-কুল্ফ চন্দ্র করের করের চন্দ্রের রে চ্যামের জাবিদ্যালয়েই স্বর্জ চন্দ্রের স্বাধ্যাম জাবিদ্যালয়ের চার্চ্যা ব্যাহর চন্দ্রি

পি**ৰপত্ত আৰু সংখ্**য পেন ডিটন ডেকে ডাল-¥ाक्ष प्रञ[्]षत कार्य ओच्दराईराष्ट्रय ं∙्यार প্ৰতিষ্ঠান কৰে লাভ কৰে কৰা কৰিব কৰে কৰিব মাজিকে সকলে এসে উপস্থিত এক ব च्छा द्राप्तक प्रकार प्रमुख का प्रकार । प्रमाणे । प्र and after applied that interest and दक्षा दक्षा भिक्क प्रदेश एक *387* रह হেৰেছে শাক্ষিক আদি ইকে বলে এই ်မှုမှ က်မှ ကောင် আন্তিশ্ব প্রতিনি, সাদম্ভাত करका इस का कि को कार्य है । इस हो है । ⁶এম উল্ভেখ উপর ঋর করে সভ্য, লিংকু একেবছের কুম্বান ও কুম্বনীয়ে এনবাই ভাষ ভাষ ফিন্তে প্রেক্ত-ক্ষরকে। এবং সভা সে এটি সাজ্যি চাল ইয়াবন্ধৰ উপন্ধ স^{মা}ভাষ্যন্ত । সুধন ভি हर की दक्ष हर क्षेत्र हरून करोब कारणान्य **क्षरे प्रकार क्षर्माश्रह एक्टर** स्था राजना ফোটকো ভোলা পোলা গোলোন ভালা বান राधरम-का दशः दश्वदशः दिलः काका १७४०मा १ अवस्य १ প্ৰেক্তৰতান্ত কা কাৰণ ৰাষ্ট্ৰতা বিশ্ব ছিল ছেবে বেওল[ি]বল জাব কৰে কেচ আজালি লিয়ে ধরে ধরে আগন লাগন গ্রহানুত্র প্রাক্ষরী ক্ষরেলন । এম নে মাধ্য क्रको विक्र *दश्चा*क्ष-क्षरमध्ये क्र^तसार तराष्ट्र कार, महावि कालक कारकारि हेशर रेकी कर **एक विकाम कर्म १** कर्म १८४० छेट*े* বাধ্যে এমন সধা বাধ্যক্ত দেও চল ক দেশকোলা দেই বানের জাল টা জাণ্ড প্রতিক্ষণতা করে তথ্যস তেখাস চাগাইট CAN ALLE PART PART IS THE NEW YORK করতে প্রেছিলে। তবে মাট্ডমা এসব म्राक्षण-पूर्वात्र श्रीके मुक्त करणह कारण গোল খিলিচারে ভারতা কুমারী যেওক গোলেগামর ঠাং কাম্য ধরে বহনের ভক্ষ লগুটে গালে এখন এইসব বেওরাবিশ লগুটিন এল্ড কাম্যান ধরে সেগ্রেক্যকে নগাঁব অধান্যানিকত গহনের নিক্তে মাওরা ডো এটারের কাষ্টে ক্লুনির ভগরাক্তর লিক্সিরের মত নিবোর সরক সরকা কিবর বন্ধান গাঁবন অভ্যানকারীর বিক্তরার্বির অন্যান্যান্য হাওরাই ধর্মানে কাম্যত যাপন চল্য শিয়ে মান্ত কর্ত্তা ভ্রমণ

সংগ্র কিছেল শাঠক হস্ততা ভাবছো,
হ মান্তে সেই হালাসার কোনো হিছেল
গ্রান বাল বংখাবমনার নাজ শহুপ্তেন
ব্যাব বাশালেও ছিলটোকটা জাটেছে ।
ইবনের প্রশালেও ছিলটোকটা জাটিছে ।
ইবনের প্রশালেও ছিলটোকটা জাটিছে ।
ইবনের প্রশালে কিছিল শেষ সাদী
ব্যাব কালাক বালি মালিক নাইই
সানা বলাকে শী বালা বালাকে , এলখালে
বিশ্ব কালাকে যাব সংস্রান্তরের বানাকের
বংলা তালাকে মিনাপ্রসায়ে আত্র না

দিলেও ভাষৎ আভরের বাছ ভাষা ভাষা হৈছের বাধ রাখলেও বাভিমার বে আন্তরের বাছ লালার নালিকা বাভ্যার নালিকা রাজ প্রকেশ করছে, সেটা ঠেকাবেন কি প্রকারে ?"...এম্বরেরও ভাই। এ মহাজনরা বাণাল বাইল বংসর ধনলেরতে ভারা গোড়া ভালেক লোহার সিন্দারেকর উপর ভবল ভারালিপালোতে বিনিপ্রবামিনী বাংসা করেছেন ভবাপি এগালো বাব্য হরে মাঝে মাঝে এলের বালাত হর, ভাবন পাকা বেলা ফোটে গিরে বে কাককুল প্রবাদনান্ত্রারী এ বাস খেকে বলিত ভারাও ভার হিস্যা পেরে বালাত বাবাও ভার হিস্যা পেরে

उदे श्रद्धा गा किन्द्रांत्य व्यटनकात कथा। এক টাকার কুমীরের উচ্চালা হরেছে ভিনি সমাক্ষেও যেন গুণমান্য ব্যাপ্তরতে উচ্চাসন লাভ করেন। হঠাৎ একদিন আয়োর ক্টিরের সম্মাধ এসে দীটালো এক বিরাট মোটর গাড়ি। ভার দৈখা এমনই বে সেটার ন্যজ্যাড়া করতে হলে। অর্থাৎ পিছনের ক্যাণক কেবিয়ার থেকে সময়াখর বলেটের ন্ত অবধি—বৈখনে প্ৰাধিকারলক প্তাকা পং পং করে, এর গাড়িতে অবলা প্রাক্তা ছিল না-হেতে হলে আরেকটা মেটর গাড়ি क का कतरह इस! है। इस बादे द्वाद, बादे থাক, সেই ফক্ষ (অবশ্য ইনি কালিদানের একদর্যানন্ত বিরহী হক্ষ ন্ন-এর নাকি ভুমাতে আনক: থাক, "লংকরের" চোরপাট পদা) এটুস এই অধ্যক্তি অভিনেতা করে একখনা চেয়ারে আসন পিডি হয়ে दम्युकारः ।

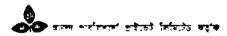
निक्तिशिष्ट तमानाभ इन इ

া হন্ধা: আপনার সংগণ সাক্ষাং পরিচয় হওরতে বড়াই আনন্দিতে হন্ধা: আমি বহাকাল ধরে আপনার একনিন্দ্র পাঠক।

সত্যাজং রায়ের

ছোটদের উপন্যা**স**

বাদশাহী আংটি



শীঘ্ৰই প্ৰকাশিত হচ্ছে

প্ৰকাশিত হ'ব

मक्षत्र दमन-अन

निशाल थिक

.00

থ্যশ্বের মাধ্যমে আমরা দেখেছি—ভিরেতনান, কলো, আরব ও ইজরারেল, রোডেলিরা।...কিন্তু শত শতাব্দীর সম্পর্ক জড়িও আমাদের নিকটতম প্রতিবেশী রাষ্ট্র "মেপাল থেকে..." পারিনি আহরণ করে আনতে বিসমর-হর্ষের প্রক্ত সম্ভার।

সাহিত্যের আসরে বঙ্কিম-শরং লেখন-শৈলী মথিত "লাম্ম লোক" আসছেন "নেপাল থেকে" উল্মাটন করতে বাংলা সাহিত্যের অন্য এক দিক-দর্শন।

न्तीतक्षात गाकाभाषात्त्र तर्गाजनक भ्रवन कार्यनी

পাপী

A-00

भागवीभू

ইন্দ্রজিং সেন	u	विकृत्य स्वास्त्रिका	78.00
B	11	आवन-कांडा देखनातान	25.00
à	n	কেত ইন কেত আউট	\$0.00
नहारे टनम	11	শিশকীর স্পন	\$0.00
3	n	ৰ্জাৰবাস	9-00
শক্তিপদ রাজগ্র	n	टक्डे टक्ट ब नाहे	\$0.00
कुनानः वरनगाभाषात	11	वानभाष्टी जननप	\$0.00
ग्लांचाना क्रोध्रती	1!	कृषि रारमभ	V-00
শান্ত চট্টোপাধ্যার		हाहे लागाहें।	4.00
नाय न मा भीतरात	n	রেবেকা	9.00
দিলীপকুমার রায়	R	अवहेटनव भूव वाल	7.00
মহাশ্বেতা দেবী		जनवर्क'त जनिन्दाना	4.00

নিবিশ্ব সমাজের ওপর লেখা চন্দ্রসমুশ্ত লোব-এর

वादबायाजी विवि

ভটর অসিতকুমার বব্দ্যোপাধ্যারের •

উনিশ-বিশ

20.00

এম, এ, বাংলা সিলেবালের অত্যত্ত্ব প্রতথ

সম্পাদনা দেবকুরার বস্ ্ ভূমিকা ও বিস্তারিত আলোচনা ভটন অসিউকুমার বন্দ্যোপাধ্যর

বিদ্যাসাগর রচনাবলী

প্রথম, বিতীয়, তৃতীয় প্রতি খণ্ড ১২-০০ চতুর্থ খণ্ড ১৬-০০

क्षण्यमं बाक हाकेन • ५৮/১, महाचा भाग्यी दहाउ, • क्षिनशका-७

Without "Withatian" to the "farmati" উপ্লোস আহি পড়েছি, কত্যার প্রেড करण टबाब कवटक भावरता सा। का! की कारान, की अग्रवां कवि हुए, फ्रीक्ट नका। कार्रित १ (कारम कारम) नगर्मगण । हेरिय আয়াকে কবিবত নজালে ইসলামের সংগ্র ्रात्रवरमाठे करत्र रकरमरहरू। रव छमः भाने-मालाव क्रांकवाक योग कर शहर राम शहर हेन्स्ट्रांच बामवर्गक भागतात्त्रत काटक रवयक्षक भाषामी। क्षम्भार बक्तरत यहाकः, "बिह्माडी" कविकाधि माकि प्रेममाल अवर टर्नाडे मास्त्र वक्के कर्तन चार मन्द्र : क्रन्स्टर च्याचि कवि की। एक साकि गामाइक (अञ्चलका कार्यका दशरूप गणन अधी उत्तर्भव उपाक्त (এ ম্বলে কাজী কবি-কবি-প্রিক্ত ৰেন অপৰাধ না নেন আছি নিয়ক ৰাপ্তল্প मित्वम्म कशीका ट्रम नशीक काबाटक एका दहरूरे ना देशकारक काम ना । है विषया

ৰক্ষ : (শিত্ৰতাসে কৰে) আপনায় বন্ধ ভাই দৈনৰ মাণ্ডাফা শিকাক--- ঐ তিনি ভাৰতালৰ মাডনামা প্ৰতক প্ৰকাশক---তিনিও আমাৰ ছোট ভাইৰেৰ কমছ প্ৰাৰই আনেন। বড় অমাত্ৰিক বৃশ্ধ: শ্ৰেছি, আমানেও বাজিৰ পালেই তবি বিৰ্ট ভোৱনা বৃত্তি।

হুটি হে, ভূমিই সভা: ভূমিই সভা:

wife : (BSA BIA) af mune wiene স্থাপ্রথম আহার পির্টাম্ভ স্ট হার্ডার্ডার্ড ডিভ বছলো। তাৰ যদি সভাই হ'বল ভাৰ करिक माको हराय अहे हसावही विकास **সংখ্যাল বেলছেও করে মাজে আন হিলি ট**ু क्षण कराव्यम मा. उत्हों कि सकारक इस ? ভালতক প্ৰিয়াক বিজ্ঞা কটাট বিদেশ্ব ভাত্যৰ ষ্ঠি, আৰু আন্মি সৈক্ট্র যাজন সাজালত ৬ক স্থানে জামার কোটো আছেবিছে: দেই--शाकरण निग्डलडे नगामा समाध्य करणमा। व्यवका व्यवका तवाहे काश्राप्त तरहास: त হিলেৰে তিনি আমার অংশীয়া তৃত্পটি বেছারী প্রেম্ভর প্রকাশক নার, চাইস, বাডিক ভার চাই, ৰক্ষার জালি। আহারই মন্ত দিন-व्यामि निम्म-शादे हार्केड्ड भ्याता-भाषा नाटबंदनकी। असर नाम्हा ेन्याक्र-एव আছার পরেরে ইরসী—সে নার্ডিক আছার **पश्चम** द्वार ै राम्य ! A. M. ঠাকো ্ৰেলাল কিব এ জেখন কৰাজাীয় ব্যাভর হলে ডিনিও কেন স্বাস্ক্রীর নারে আফালে ফাঞ্চ করে চেবেন: ট্রেইডিছবের भूगार्वा भ

ৰক্ষ হ (জ্বীৰ দেওবা গিবনিধ-ভানতীলা ক্ষত নিনিধ সংবাদ হো আহাকে একগ্য ক্ষতাক কৰে দিহেছে সেইটে উপলালি কৰে, প্ৰায় প্ৰিয়োৰ সহাবাহে। আন্ধান্ত আপান কি কালিছনিকেকান প্ৰথাপত্না কৰেছিলেন। ?

আনীয় (মাসে মাসে, যাক মিখোর জাতার



মন্তাষ্ট্রস্মাত (ধাষ্ট মম্বেশ এমু আশাফুণা দৈরী গোতামপ্রমাদ এমু মুজাষ মেন মুজাষ মেন মুজার কোপার্থায়া মনন গুলোপার্থায়



वानव प्रायि इषानाप्र श्रुषा मर्था येषाकषा-यव विद्यान व्यायार्थने । य हाड़ा आव विश्वाबह स्थाय विद्यापतः।



डेमनाप्त डाल्म कविग्रा श्वातः अनाना वहनाव वर्षः वाज्ञतमार्थाव वप्तन वकाषे म्रस्था या (प्रत्य प्रणि? ज्यामनाव प्रत्य राव



प्रमायाचा->> १८ विभन स्थात भाराविद्या भावस्थिगाम् उत्पा जाव्हावव । विभागाः हावे होताः विभागाः শালার চভাতে এলে ভিজাটা টেডেছে। আজে হা। তবে বিশেষ জলোদর হর্মি সে তো শেখাতে পাজেন।

-- व्याहा कि दब कंटमन । व्याह्म वालनाव हाट्ड ज्वाचा नाकि इतिकेक्टब बाट ?

—অন্কংশ করেছিল্ছ। সে স্কর্ দেখার কাছে আয়ার দেখা কি কল্ফিনকালেও পোছতে পারে?

—আ আ; কিন্তু আপনি নাজি হাবছ; ছবি
নাম সই করতে পারেন? একবার নাজি ছার
নাম সই করে জুরো নোটিশ মরেকর আলমাক একদিনের ছাটি দেন। পরে নাজি আপনি
নি জই সেটা জ'ল করে দেন?

আমি শ্বীতিটি অস্থানা ভর্তমে নাঃ
বিশন্ত বজরাজ কোন্ দিকে নাল চালাজেন
সোটে বসে, জনালা বরজার বিকে যোর
এবারে চেরার ছেড়ে তরপোশে আমার গা সোটে বসে, জনালা বরজার বিত্তে থোর
সন্দিশ্য নার্য তাজির জিসালিস ভারে
ভাষার কানে কানে বলালেন, বাবা, ভোরার
বাল তো শেশতে পাজি। ভোরার বা পরসা
াবে; আমারও ফারলা হবে। কিন্তু
কান্তর্ভাকির পোজা-পরিন্দারও বেন জানাতে
না পার।

আনার প্ররেক্তন রবীন্দ্রনারের একখানা সার্টিকিকেট। আনি যে তরি ছার্টিকারকর র গোপনে গোপনে দেশসেবা, পলিটিকার কর্জা এবং কিক্ডারুতীকে সাহাবা কর্মারুলার সেই মর্মো একখানা চিঠি। শেষ বর্মসে তরি প্রার সব চিঠিই ইংরিভিডে টাইপ হত, তিনি স্থান্যার সই করে নিতেন।

আপদাকে কিছাটি করছে ছবে না।

আমি সেই করাকীপ উইপরাইটার মেলা

জাপের সপে নিলামে কিনেছি, অবলাই

ললাল মারকং। আমার কপাল ভালো। ঐ

মর হাকিলাবির ভিতর তরি প্রাচনিদিনের
একপ্রেয় লেটারছে সমেত হলকে বাকিলেনে
একপ্রেয় লেটারছে সমেত হলকে বাকিলে
নোটপেপারও পেরে গিরেছি। এখন
এটা ঠিক ১৯০৮/০৯/৪১-এর মতই ছাপা
ফোটর। আমি পাকা লোককে দিরে
সাটিভিকেটর হ্লাবিলা করাবো, টাইপ
কর্ববো। তরপর কবির লন্ডখটে হরে
গেলে নলালিটি রেখে দেব আব্যাড়া চালের
বল্ডার ভিতর। কাম! আর দেখাত হবে

মা। টাইপের কালি, লন্ডখডের কালি সব
মাণ্ডামটে মেরে গিরে ১৯৪১ সানর চেহারং
নিরে বেরহার সেই খানদানী চেহারা নিরে।...

এই ছাড়ালেড় পেশিছে বন্ধ হঠাত থেকে গৈছে আহায় ভিকে জালাড়াল করে তাকিরে বইজন।

সংসারিক বৃশ্বি অমার কটে আছে, এচন অপবাদ হে-সর পাওনালবদের আমি নিভিনিতি। কাঁকি দিয়ে অসাবধি বেচেবতোঁ আছি ভারাও বলবেন না। তৎসত্তে এ- ह्या, स्याप्त्य न बहुद्धं क्रम्या साक्ष्यः रूपाम क्रम्यास ह्याम्ब्रिलिसि



নৌরামপ্রমাদ বর্মর পূণাস ব্যের ভূপে ফার ভূপে ভূপে ফারমাম ক্রদের।



সমূদ্রতেওঁ বাদ্যি বার্বাদ রাম্য বার্বাদ বোষের বেগুগার সম্প্রাম্থ তানাও



उत्तराठी-के जारावायां क्रिया जारावायां क्रिया जारावी क्रिया जारावी क्रियां जाराव নাউরের শেষাপ্রেক আমি কো অঞ্চলার অনুনার বিধান্তি প্রসাদাং কুকাবতারের বিশ্বরাপ দেখতে পেরুম।

"সংক্রেপ বলতে গেলে হিং টিং ছট।"
অধাং প্রেবান্ত দলীলে আমাকে লাল করতে
হবে কবির সিগানেচর, স্বাক্তর, স্পত্থা।
সম্ভা কথা দাক্তির অধা হাত বের বেকে

সম্ভালা এনেছে); আহাতে কৃত্যুক করতে হার না, করতে হবে কৃত্যুকত—স্বাধি কালা করে হাতে কত আনতে হবে।

আন্তার মনুখে কোনো কথা জোরালো মা

বক্ষ কললেন, জাপনার দক্ষিণা কি পরিমাণ হবে ?

অবহেশিত বালক। অস্ট্রিয়ার জন্ম। দারিয়ের নিশ্পেরতে শৈশবের নিশ্চিকতা থেকে বণিত। মারের প্রতি শিতার চরম দ্ববিহারে দিশ্-চিত্ত বিভূম্বিত। শিতার নায়িরজ্ঞানহানি তার মানসিক শ্বৈ বিপর্বত। এমনি-ভাবে অতিক্রান্ত হল শৈশব—এগ বরঃস্কিক্ষণ। শ্ব্যু বিরাট এক রিক্তা, চাড়াক্ত অভাববোধ।

শৈশব তার চিত্তের কোমল ও সংক্ষা ব্ডিগ্রিলকে বধাবধ বিকলিত হতে দেরনি। ফলে প্রথম প্রেমের কেন্তেও সংকোচ আর বিধা ভার বাধা হত্তে দড়িলে। এরই প্রতিক্রিরার্গে দেখা দিল বিক্লসংসারের প্রতি তার বিজ্ঞাতীয় ক্রেধ। প্রতিহিৎসা! স্কোগ পেলে সে দেখিরে দেবে।

अका भिड इन ॥

নাৎসী-নায়ক হিটলার

তীর্থংকর গুপ্ত

সেনিন সে নিছেই জানত না তার মধ্যে ল্কিকে ছিল এক বিরাট বিশ্যকের প্রতিছা। সম্পত পৃথিবী একদিন হাত্রাক হয়ে দেখল, জাল্ট্রার এক অভি সাধারণ দৈনিক কীভাবে তার অত্যাদ্চর্যা বাংমীতা, অসমানা ব্যক্তিঃ ও অভ্তপার্য সংগঠনলালিতার মাধ্যমে অভি লুভ জালানীর একনায়ক হছে বসল। আল্পদিন পরেই জগতের ওপর নেমে এশো বিপ্রের কালো হারা। তারই মংগ্রিল-হেলনে স্বোহণ ছিতীয় বিশ্ববৃদ্ধ। লক্ষ লক্ষ মানবস্তান প্রশ্ হার লা। কোটি কোটি মান্ত্রের নামন হল অপ্রতিক্ত।

সেই নাংসী-নায়ক হোর বিউলারের জানিনের বহা কথিত এবং **অক্যিত** কারিনী, তার প্রেম্ন এবং পরারম, তার নিজ্যবতা এবং **জাল্ড-জালে-এঠা** কোমলতার কল্পনাতীত পদসন্ধার ব্যুট্ডে এই প্রস্তুকে ॥ ১০০

জান প ধারা প্র কা শ ন ॥ ৮ শ্যামাচরণ দে প্রীট, কলিকাতা-১২

(जि. ४५८५)



জায়ার যাখার তথা সলরাজনেরনিদান্তি কলি চুকেছে, অধাং লুখৌবান্দি চেপেছে। দেখিই না, প্রাদ্ধ কত লয়ে গড়ার।

রীড়ামরী কুমানীর মত--কিংবা বোওরা ভুলসী পাতানির মত্তও বলতে পারেন--ক্ষিতিত্বলে দুখিও নিক্ষেপ করে নিবেদন করলাম আপনিত বলান।

সংলা সংলা না ভাকিবেই জন্তুভৰ
করলাম বাকের স্বাপের লিহবন রোমান্তন
উত্তাল তরপা ভূলেছে। এক সহকে বে নিবাহি
একটা লোধক এটো হেত্বলাকীছে বাকা
হতে, এন্যুবালা তিনি জনগোই করেন নি
হতে, ভিলাবালা জানাকে বাবুধ জলাইনলাই
করতে হতে। সোনালে করতেনা, গতিল।

ক্ষমি পুলসীপাতাৰ ক্ষমেল, ব্পতি সংলা সংলা তাৰ কৰে, স্তেতীক্ষ্য ত লপাতাৰ আকাৰ ধাৰণ কৰে, বছলল্য আপনি কি ভাগাঁৱ দৰে হাতি কিনতে চান ৷ তাৰ চাইতে বান না কে-কোনো আদাধ্যক্তৰ সামকে বউঙলাবা। পাৰা কালিয়াত পতিতি উকায় ঐ ক্ষাতি কৰে দেকে।

আমার ৮ট কটা হাজার।

আমি পেল বৃধ্য পিরে**ছিল্ড সক্ষ** প্রায়েশন ক জালিয়াওব ক **চে** বেছে সাম মা। ক্রয়া মেলেট ডুফা কপল।

ইতিমধ্যে এই প্ৰথম থেকি কাবিক ল' সপ্ৰতিভাৱ কোটো চিচ্ছ ডিটি চাৰ গোজন স্থান্তত হ'লচন্দ্ৰ কিছুক্তি ল'তে বাম-ইচ্ছেলটোৰ মাৰ বিভাবিভ কৰে বিভাবন

** 5 8" # 8 2 2

আমি সংকা সংকা বলক্ষা করে জারের মালিতাক পিরে ভাগনার ক্ষমে সাল করাছে ক্রেন্ডাঃ বিকট ক্ষেত্রনাং

আন্তঃসাধ ক্রেমারে স্টেট্ডেল ইনেভ্রুথ থানিকজন কর আমিট সভকায়ে আকান আছি সিংহ চিত্তা কর্ম, আতীত ওভার ইটা। আমিও তেট কর্মেন

কামি জানানুম এ স্ব বাড়ুবানের সবচেত্র বড় গণে এনের গৈবলৈ তেই এই গৈবলৈ কাজে লাগানার ফ্রেম্ব মোকা কোনেই এবা সোক্ষান্ম নাজী ফরত গৈবলৈ লাভা ব্যস্ত ক্ষান্ত এবা ফ্রেম্বান্তের প্রস্তবন্ধ ক্ষান্ত ক্ষান্ত লাবে।

কাৰ আমাৰও টো কোনে দেখক নেই। এনেৰ ইগ্যা কলি আন্তৰত হ'ব ভাবে ভাষাৰ ইগ্যা অনুষ্ঠ ৷ নেখাই যাক না প্ৰান্ধ কল্ব প্ৰভাৱ!

*

ভাই বেংকাতেই স্থানিকার সন্মান্ত মার নগণগণেশ্য এ সর ছি।টেকেটির স্থানাগ পরে কিপ্র হার: --থার অন্যান্ট অর্থা নেই কার কাগলে শ্বর মান্তব্যু ইন্দুরাগতি ক্রেটি ক্রিটে একে সে মুখা ওক্ষা হার নগতিবিদ্র কণার ধ্যার: পিনে এসে বেগ্র ক্ষার্থা সন্ধর্মন ক্রেট্ডা, এই স্কার মান্ত ছপ্লার র



রবীন্দ্র সংগতি প্রস্থাে

স্বোধ প্রকারশের "রবীশুসংগতি প্রসংশা" দেশ (১০ ভাচ) মনোজ রচনাটি রবীশুসংগতির একটি সামাগ্রক সামারোচনা সংশ্রক দেই। রবীশুসংগতির কথা ও স্বের অপ্রে সমশ্বরের যে স্কার বিধেসংগ্ চোমক দিরেজন ভার ম্কা অনুস্বীকর্ম।

ভবে লেখকের বিষয়ককুটি ব্রভিতর্থ আরা প্রমাণ করা সংভব নর। কথা রববিদ্ধ-সারা, স্বারের দেখানে শ্রেন্থ-এ কথা রববিদ্ধ-সারেটি সংশারে বিশেষভাবেই প্রসাজ। রবীদ্যানগোঁত একাতভাবেই স্পূর্ণ করে আরাদের যুলরক। স্মাতরাং তার যে যাখার ক বিশেষকা ভাও অন্যভূতিসাংগক। আলোড়া লেখকের ক্রনাতিকে অন্যভূতি নিয়েই ব্রভাত হার, It is more suggestive than expressive!

मतार्रिशंक्ष काउ-उत 2100E काकरण और केंद्रिक अध्य यांकरण सन **উটোন এখন কখ্**লো হয়টো ব্যৱস্থ **ऋत्वरिष्ठभासन्।** स - अस्तिकृत्यान्तिकृ क्किप्ति कामपूर्व मन्तराक्षरा । राज्य प्रान्तर সম্ভ ভারে প্রথমর মেল্ড আছে। আমার **कटन देश, सर्वोध्यम्पराज्यात्र कर्नामुम्ह स**र्वा ५५५ दक्षि कार्रकार क्राज्यसम्बद्धाः रागेम्बद्धाः मरभक्ते महाध्या भित्रकातः । एकापारः । संसर् ভালি নি⊜ পাছাতি। পারে। আলব ভ্রাং আছিল নাৰে মুক্তের পাত্র, কিংকু চহার গান बान्यामीरक गाहेत्वहे १५८ ব্ৰক্ষিয়নতে আন্তেখন কলাক কলা কলা সাধ্য হ'ল **ब्लाइक केट्रोडाक-- "मरह करत हमाल देवल क**ेत हा MINN BER STATE

পৰিলেৰে এ কংই বলব বৰ্ণান্ত সংগীতের যে সমাসৰ ছওল উচ্চত এগনো আ হলে ভটোন । এ পথে এ লাড্ডী বেশ্য দীপ্ৰতিক্য ছোক।

अर्डिता दर्जनात्राक्षात्र दर्जन्य

1 5 1

কৈল পরিকার (৪৪ সংখ্যা ১৫ই ৯৪ ৯৩৭৬) প্রকালিত প্রসংগ্যা প্রবাংশ রুচিত গরবীলুসংগতি প্রসংগ্যা প্রবাংশ লেখক রবীলুসংগতিতা বিভিন্ন বৈশিক্ষার লিকে বেভাবে জালোকশাত করেছেন ও ল্রাচিকিছা। কিন্তু এই লাগোচনা প্রসংগ্রা ভিত্ত প্রবাহনে প্রথমানে লেখক ভারতীর শাদ্মীর সংগতি সম্বন্ধে বে-সমন্ত ফতব্য করেছেন তা অভান্ত অপ্রাসন্ধিক সংব্য-হীনতার পরিচারক কলে হনে হরিছে।

প্রত্যেক লিলেপরই একটি লবকীর বিশিল্টা আছে—সংগীতের ক্ষেত্রেও তাই। রবীন্দ্র-সংগীত তার নিজ্পন্ন মহিমার উল্ভান্ত। রগসংগীতও তার লবকীর মান্ত্রের ত্রেতিভিঠত। এর একটির উবকর্ম ও বৈশিল্টাকে প্রতিভিঠত করার জন্য অনাটির প্রতিভিক্ত করার জন্য অনাটির প্রতিভিক্ত করার জন্য অনাটির স্থিক করার স্থানির প্রতিভিক্ত করার জন্য অনাটির প্রতিভিক্ত করার জন্য অনাটির প্রতিভিক্ত করার জন্য অনাটির প্রতিভিক্ত করার জন্য অনাটির স্থানির স্থানি

ভারতীর রাগসংগীতের বে-কোন প্রোত্তাই ভানেন বে, এর রলবৈতিয়া অতুলনীর, শুংখ্ ভারতকর্বে নর, বিদেশেও এর প্রভাব কমবর্ধসান। অখ্য লেখক বখন বলেন— "সাধারণত ওলতাদী গান মাধ্রবলেন্দ্রীন, এমন কি বির্যালক্র", তখন একটি প্রতিষ্ঠিত লিলেন্দ্র প্রতি লেখকের এই অপ্রাধ্য প্রকাশকে বন্দ্রনাদারক মনে হয়।

বন্দার মাধ্যমে বে সংগীত প্রকাশিত হর তাই 'বন্দাসংগীত', তেমনি কণ্ঠের রাধ্যমে বে সংগীত প্রকাশিত হয় তাই 'কণ্ঠসংগীত', তার মধ্যে কথার প্ররোগ আছে

भूका मः भा

সিনেমা জগৎ

প্রকাশিত হবে ১লা অক্টোবর

উপন্যাস 🔓 हि शिर्शस्त्र

বনজুল
স্নাল গলোপাধার © জ্যোতিরিক নক্ষী
কালকুট
লীয়াররল্প গ্রেও © লীপক চৌধ্রী
আশুটেডার স্বেখাপাধ্যর

বহুৰেপৌ লিখেছেন একটি দুৰ্দানত উপন্যাস 'জ্যোতি বসু জবাব দাও'

गत्म वृ हि निष्यद्दन

বিমণ মিন্ত

 জ্ঞানত

 শক্তিপ্ত রাজগ্রে

প্রকৃষ্ণ রাজ

 সারা বন্

 জ্ঞান বন্দেশ্যব্যর

নারারণ গজোপাধ্যর

बन-बहना 🔰 हि नित्पद्दन

तमहाक निवहास स्क्रवर्डी

সিনেমা ও সসীত-লিগণীলের সাবছে নানা বিভার, সমল্ড নির্রায়ত বিভার য় বান সাড়ে চার টাকা 📍 সভাক পাঁচ টাকা পাঁচল পালনা য় আকল্প ছবি ও ছবির বিভার

দি নাগালিবন্ প্রাঃ নিঃ / ১২৪বি, বিবেকানন্দ রোড, কলিকাতা–৬

कि छाई, काइ केशव कर्तनात्रीहरूव कारणव निकाय करव ना। व क्या नका देखा कर्तनात्रीहरूक कारणवा ना, नार क्याव सक्या द्वारोषे कारणवात्र ना, नार क्याव श्रीक द्वाराक्ष श्रीका व्यव क्यावी कर्तनीहरूक क्रिकारक न्यादिक्य नाट्य कारणीहरूक। केकारक म्यादिक्य नाट्य कारणीहरूक। केकारक म्यादिक्य नाट्य कारणीहरूक। केकारक म्यादिक्य नाट्य कारणीहरूक। केकारक म्यादिक्य नाट्य

धारः धरे क्षण्या देशारे, केना क रणाला बारतव रम मस्त्रा निरम्धान्य, रणाम क गानरक मसापरिदायक बरह रकामात रमगरताता रणालावे, राज कांत्र, रणामा मस्त्रीरका रिवानका"—देखानि मन्द्रस्तात क्रिक्ट निरस् रमण्डक क्षणावीमका क मीनावणका शको वर्ष केंद्रेरक।

কাৰ্য বাজিনত হুতি ও হতানত সভলে ভিত্ৰ কৰাৰ নেই। ভিত্ৰ ভার বছবেন किन्त निर्देश सकत जर्कीर श्रीकिकेन जिल्ला क निरुत-रमाकीय श्रीक कालचा श्रकान वास-क्या राजेर कारकारी श्रक नकलाश अरुकृतिक रमस्य श्रद्धनाधिकात अन्यरूप आरुद्धि करवा श्रद्धनाधिकात अन्यरूप आरुद्धि करवान श्रद्धका

> ম্পাল ঘোৰ মেন্দ্ৰ

অণ্ড ও বিভূতিভূবণ

क्षिम्दर्भीलक्षात्र इंटकेलाबात 'অস্ত্র ও বিভূতিভূষণ' পঞ্চলায়। ফোনাটি दर्काक्ष हरमान्त्रीनकः ৰচনাটিতে প্ৰচৰ অক্সান্ত ভাষোৰ নথাকেশ লেখকের পরিয়ালের স্থাকর প্রকলিত। 'नरपत्र गीठामी' क्षेत्र 'चलक्राक्रिक' अन्य गर्हाठे বিশ্বতিভয়নের আসাহরেণ म समीन विश निमर्गन। धरे अन्य प्रतित সমে यादानी পাঠকের এক সংগভার সহায়রভার সংগক বহুকাল বাবং স্প্রতিন্ঠিত। বাংলার विशव बान्टव क्षीवर्याच्य और शन्य ग्रांगिएक পরিষ্ড। তিরিদের লেখক সম্প্রদার যথন বাংলা স্বৰ্গহতো বাস্তবভাৰ প্ৰাৰ্থনা স্থাপনেৰ कटना द्ववीनप्रविद्यास्य म्हाना करवीकरणन ভখন বিভাতিভ্ৰণ অনান্তমে দুট্ট লিবিৱের প্রশংসাভাজন হয়েছিলেন। বাস্তক্তার সপের जन्द कार-करनमात्र मर्गायान विदेशीवरमान यानरे एवं कामा मार्चक रार्याकम । जानमाहर ত্ৰীচটো পাৰাৰ বিভাতভাবনের বিখ্যাত এই প্রশ্বতরের স্কৃতিপ্রিত চরিত্রস্কৃতির बान्टन किन्ति देन वाचेन करवरकन । बान्स्यरक সাহিত্যে কী উপারে একজন শল্পিয়ন লেকজ নৰব্প কম কৰেছিলেন ভাৱ প্ৰিচয় পেছে আফালের কৌত্যেল জান্তত হয়।

তবে শ্রীচটোপাধারের এই লেখার জনাতর উল্লেখনানা চরিত্র জীলা। প্রদণটি জন্মনিকত বাজার কিন্তুটা জড়পিত থেকে বার। যে শতিকান লেখক একেন্সি চরিত্র-চিচপে বাশতর উপালান কাবছার করেছেন— তিনিই লীলার কর একটি বিশিশ্ট চরিত্র স্থিতে বাশতকো সহারতা কোন নি, তা বিশ্বাস করা পর; বিশেবত, যেখানে লীলা-চরিত্রের প্রতি লেখকের স্পোতীর সহান্তুতি ও ব্রশিতা অপরিক্ষাত বাকে নি। স্তর্ভাগ এ বিশ্বের সম্ভাবা তথ্যের ইপিনত বাকলে ভা আলোচনার অপ্রস্থাত হতে পারে।

> खानिया करा मच्न शिव्र-

कानिनार्त्रत स्वास

ভিত্তী আহের দেশা-এ প্রদেশ চ্রুবভার্টি লিখিত "কুড়া থেকে কানেসারের ওব্রশ দারিক প্রকল পড়লার। কুড়া সম্মন্তে তব্জ-বিজ্ঞানীরা অন্তর্হিত মন। কুড়া বা Saussures lapps. C. B. Clarice নিরে গবেশণা দুরু হয়েছে গড় পড়ালাই

'थनधाटनार'

পরিকশবা কমিশবের পদ্ধ থেকে প্রকাশিত

৩১লে আগদট ১৯৬১ বাচক রাশীয়করণ সম্পর্কে বিদের সংখ্যা প্রকাশিত ছটবারে।

এই প্রতিতে বেরন জাতীর উল্লয়ন প্রচেণ্টার খবর দেওরা হয় তের্মান বাংলা দেশের কৃষি, দিলপ সংস্কৃতি এবং আর্থিক ও সামাজিক উল্লয়ন সম্পর্কে তথ্যাদিও পরিবেশন করা হয় ৷

শীলার হার—প্রতি সংখ্যা ২৫ পরদা বার্ষিক— ৫ টাকা খিবার্ষিক— ৯ টাকা দিবার্ষিক—১৯ টাকা

গ্রাছক ও বিজ্ঞাপননাভাগদ নিন্দ ঠিকানার বোগ্যবোগ করনে :--

বিজনেশ্ মানেভার
পাৰ্জিকেশনস্ ডিভিশন
পাতিয়ালা হাউন,
ন্তন দিলী—১

davp 69:257





উঙ্গৰ কলে মহাদেবিয়া এণ্ড মেহ্তা

भगुजात जावाजाजन जिल्ले भगः नात

২ ম ২ অন্তেল ও লেনোল্বিশ্রেকী পাণলিল, ২ ম ২ কটন,
'টেরিল'কটন, পুট, সাট ও
লালা প্রকার পোনাকের কান্ড।
মধ্য ও উত্তর কলিকাভার ওলা
অনুযোগিত লোকম:

১ প্রাধোপ রোড
 মুস্ত্রী সিমেম। বিশ্বিং

থেকে। কৃত্-এর শিক্ত বার্নলাক ও
কাকারক। হাঁপানি, কলোর ও কটিল ক্লরোপে কৃত্-এর শিক্ত বাবহার হয়। উত্তর
কারতের প্রিপারা ম্লাবান পোলাকাদি
কাটের হাত থেকে রক্ষা করের কলা দাপেথালিনের বদলে কৃত-এর শিক্ত বাবহার
করেন। কৃত-এর শিক্ত থেকে আর পর্বত বহু রাসার্লকে প্লার্থ পাওরা গোমানউপক্ষর, তরল ও কটিল তার্লিন প্রেণীর
পান্র ইলালি। স্নাল্পের দেশে কৃত্ নিরে
গ্রেকণা প্রে করেন বিধ্যাত তেকল-বিক্যানী
রামাধ্য ভোগরা: প্রথম গ্রেকণা-প্রতথ্যর
ভালকার ১৯২৯ খ্রীন্টাক।

কৃত্য কেকেই জানসায়ের গুরুথ পাওলা বাবে এরকম পঢ় বিশ্ববাসের পশ্চাতে কোলা বাবি নেই। কোলা একটি গুরুথ ক্ষতিল চর্মা-রোগ কালা শিলে সেটা কালাসার সারাজ্য পারার এইকম থাকো করা সভাত নর। কারণ, চমারোগ সংগ্রের বাকেটেরিরা-নাগর গুরুথ কালার সারাজ্য কিন্তু কা মাসারের উৎপত্তির সাঠিক সূত্র আমানের জানা নেই। স্তুত্তাং ক্লাসারের গুরুথ কোনা নির্দিট্ট স্থান আন্দ্রের গুরুথ কোনা বাকিল্য কালা বাকিল্য কালানারের গুরুথ কালানারের গুরুথ স্বির্দ্ধের গ্রুথ স্বের্দ্ধের গুরুথ স্বের্দ্ধের গ্রুথ স্বের্দ্ধের প্রেণ্ডার প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধির স্বের্দ্ধের প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধের স্বের্দ্ধের প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধের স্বের্দ্ধের প্রের্দ্ধের প্রের্দ্ধের স্বির্দ্ধের প্রির্দ্ধের স্বির্দ্ধের স্বির্দ্ধের স্বির্দ্ধের স্বির্দ্ধের স্বির্দ্ধির স্বির্দ্ধের স্বির্দ্ধির স্বির্দ্ধের স্বির্দ্ধির স্বির্দ্ধের স্বির্

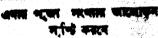
কুর-এর মাও ভেষজনার বিমালটের জানেক গাজেরই আছে সেইসন বাছ পোক নিজনালিত নিভিন্ন কদাধা লাখেসার রেপ্টর কাশর প্রয়োগত মাকে মাকে হার পারেন। জিল্ফু রাভিত্রে কানেসারেন ওব্ধাবার হারে বালা প্রথার কানিবর।

> প্রতাপ চট্টোপাধ্যার ব্যক্তিল

অন্তের দিয়াী

ক্ষিণ্ডেৰ নিজাৰ ওপৰ জ্যালাছনা বিভাগে জনৈবা সদা পৰাৰ পত্ত শাড় সংখ্যা ৪৫-৬ই সেণ্টোৰৰ ডি৯০ থাব ক্ষেত্ৰীক বোধ বৰ্ণত্ব- প্ৰসাসী বাড়াল্টী ক্ষেত্ৰীক্ষা স্থানেশৰ ৪২ সংখ্যা ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰীক্ষা ত লাগনা বহুতে শিক্ষা ক্ষেত্ৰীক্ষা তে পাইলালা ক্ষাৰ্থ স্থানী কথাটা বাছ দিয়ে শ্ৰুণ্ডালালা ক্ষাণ্ট হ'বক জ্যালাচন্য শ্ৰুণ্ড গ্ৰুণ ক্ষেত্ৰীন

নরবেশ সংবেদিক হিসাবে বা লিখেছন ভার আশে সভাতা না থাকাল এভাবে জাখা খাব বলে আমার নতে ইং না। ভারতে ফা খালি লিখে পর পরে জারগা নত—কাবেগ্ সে কেউ প্রবেশকে Court of Lawing টোল নিবে সোভ পারেন—এইকু জান জালা কবি নরবেশের আছে এবং সেজনা তিনি গাল লিখ্যা ভা নিশ্যা তথানিভার বালাই গান হয়। ছাত ছাত্রীবের চরস খাওকা নিজে আলোচনার অধ্যানিপ্রার এত রাল—বেন বিশ্বর





 ३०१न ज्ञारकेच्या भूका मस्यप्र अकांबाड क्या ॥

প্রাপ্ত বয়ঙ্কদের ্রজন্য

বিশেষ জাকৰ্যৰ

এছাড়া একটি যৌনধমী জাত উপন্যাস তেটা প্ৰচাসংখ্যা সংলকীতে প্ৰকাশিত হলে অলোডন স্থাতি হবেঃ লিখেছেন

विवय विव

বিবসনা নারিকা স্থারী প্রেণ্ঠ হৈছি লাম্যারর চাপুলাক্ত ক্রীক্ষী (বা আলবাতো মোরাভিয়াকেও হার মানার) বিশেষ্টন ভিরক্তীব সেন

वाबाद बाब (शंख वााबाद

এ ছাড়া চারটি উপন্যাস, আটটি বড় গলপ, দলটি যৌনবিষরক প্রবেশ লিথেছেন: সমরেশ বস, আশুডোষ মুখোস্থার, স্নীল সজোশ্যার, ফোডিরিল্ট নল্বী, বিল্লু মুখোপাথার ইরিনারায়ণ চট্টোপাথার, শক্তিপদ রাজগ্রে, ডাঃ নির্মাণ সরকার, ডাঃ ভাকর আলম, ডাঃ অমল খোম হাজরা, রখেন গ্রে, রামকৃষ্ণ রায়, এ ছাড়া আরও অনেকে।

স্বেদরীদের স্বাদাহসিক ছবি, এছাড়া ছবির দ্বিয়া

প্তা সংখ্যা যাত্ৰ ডিজ টাকা সংপাদক বেপী মজমেদার বেগাযোগ কর্ম

्ट्यागाएमाध्य **कहान मृत्यती** ७९२२ ट्रिकेमधाना ट्वाक, कॉलकाचा-১ works Evening News Hindusthen Times Delhing gir wised back-off कार्याकीय के के सामास्त्र दरे जामार्थे. 2242- "Drug Taking Swings in affinent students" faque n'il "afrai অব্যাপিকা" অহাদয়কে পতে দেখতে অনুব্রোধ करि । का दाका यक ग्रंस न्यासून कारण क्षाक्षणकास्त वर्षे मिता एक्ट्रे एरत्र । मासकार प्राप्तन त्याम मासम मरवाद शीव-द्रमान क्याप कृष्टिक शाँव कप्रटल भारतम मा । भाव संशामिका एवं कामरकार कथा विरूप करत केटाप करतावन-वार्यार त्यथारमह केर्नि च्यानिक वस्तावद साथ भएक प्रत्न हर **উনি কলেজের** পাল দিয়ে বেতে বেডে renew association of thought (wrent, বর্তবলের মনের কথা বলতে পারি না)। হৰ সংবাদ প্ৰজিশ জানে—সে সংবাদ যদি সাংবাদিকরা বোগাভ করে পরিবেশন করাত **না পাৰেন-ভৰে তি**নি সংবাদিক পুণবাচা सन । **पद्धारण द्वार दार दार क**केंट स्टल करवाइन **্রকৃতি মেরে হলেট্রের মেন্ন গেটে নাকি প্রত্যেক সোমবার** সোমবার ভারবেলার কাবাভিওরাক্রদের ভিড করে হরে"—হত দার

কিশ্ভিতে ব্লীনজিশ্টর

মানিক ১০ টকা
কিশ্চিতে গালাকি

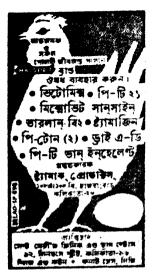
মন্ত বিশ্ব বিশ্বাত
ন্যালনাল - ৭০ ০

বাল, কল ওয়লাক
শোটেকল ব্লীনজিশ্ব নিন্দ্র প্রান্ত বাম

ব শব্বে পাঠনে বস্তুঃ জিখ্ন:

MUSIC & SOUND (D.C. 16)

Dassan Street P.B. 1576, Delhi



विक्रम ६ लग्नामन रकन्छः— ६०, इनक छोन्लन रग्नास्, क्रिकाटा—क्रम

सरम नरक कागरस नरकियाम रामानास नस् इतियास जयराम । नदरम देखा काराम जरामाच्या करह निरंह नारका । देगीनक नरकामन्द्रसार करह वाग्य वाद विक्रिय समय द्रामीस कामकवामासा कि जानकामुक्ति परिस्थ काराम ।

ব্যাবশের বেল গাল্য বাবলের জানারণ প্রবাশিত হল বলে পালা সেই। ব্যাবশে সংবাদ বালায় করেন বৈনিক সংবাদপর বা সাংবাদিকা কেনায়ে করেন বাকেন কেনায়ে করেন বাকেন কেনায়ে করেন বাকেন করেনে পালায়ের করেন বাকেন করেনে করেনি ক

का एनाएसम कि है

OF STREET COME STREET, SHIR PRODUCT "SEPARATE (SE' SHE SUR H -क्रिका संशामिका संशानक स्टब्स सार क्षींक स्वारकत मा। देवीनक कालरक स्व महबाब स्वट्रपात छाटछ कटेनक स्ववारिकाच केशकाब इस किया कामा उन्हें-करन बाबा काशक शरक केशकाद कारगढ़ क्य बरमाई शरक। আৰু বিভিত্তে "ব্যাক্ত বহু আকৰ্ষণীৰ ঘটনা कोटक"-मिन्छन कोटक कार दन विवस वर्ग-रवानाव "कागारवध विकि"राज्य वाकरकः। दव मरबाह **करे**नका खकाणिकाच शहाँडे ट्वजिट्सट्य टमर्टे मरकाव "सन्ट्राव मिन्नि" श्रीक शर्फ एम्बर्फ कम्टरहाय करिया शाहे शक्रको गरमाब-'माठेमामा' क्यावा गरावा-ভাবে गाम आकारता काम-गास मारिया काल हकारते लिएक सद ।

> অশোক বস**্** ন্যাগিলা ১

ভামি সিরাজের বৈশ্যা প্রেছেনে তো! সে ছিল আমানই সভীন নাম-না-জানা মেরে জারিরা—নাব সিরাজানেরিরে জাগরের বেগাম গ্রুফার জারিনী। কিছু তার অবচেলিতে প্রধান বেগাম জেবারিলে। আমি ৷ নাবাই রারোম একা একা কিছুরে নিমেশন জারিন কোটেছে, নাবাকাণঃ বিভাবে দিন্দিন আমার উপ্লক্ষা করেছেন, তিনি আর তারি প্রিয় বেগাম লাক্ষার মাডিরি হাসি দিন্দিন জিওবে আমার হুপার্মীন করেছিল, এ কারিনী সেই জেবারিলার ত্রন্ন করিনেট আমার মন আছে প্রাণ আছে হোবিন আছে। আর তাছে স্কেন্ স্বাস্থান্য স্ক্রিছ দ্বামী। আমার মাথনিস্তে মমাবাধা র্পানন করলেন, 'কোটিলার স্ক্রা!

হারেম থেকে বলছি ৭:০০

🖦 রাজপথ তীথ[ে]পথ 🤢

ोमकाम त **े प्र**

7/3/74 (7A)

नहां ७∙००	भ्रम्भाव भगनम् २०.००				
নাম নেই	n	জরাসক সম্পর্ণিত	II	A-00	
শুভসংবাদ	I.	<u> 2</u>	ü	8.00	
निक्रेम्ब	11	স্নীলকুমার গঙ্গোপাধার	U	4.00	
कन्य कन्य	u	শ্রীপারবত	11	8.00	
আমি সিরাজের বেগম	n	<u>&</u>	11	0.00	
মোগল হারেম	11	देश ग्रस	11	A-00	
ৰাউক্ষী থেকে ৰেগম	11	<u> </u>	11 1	00.00	
জগংশেঠের কাহিনী	11	ক পিছক	11.	20.00	
नवाब निष्यनी घटनछि	R	ď	\mathbf{r}	8.00	
তাতল সৈকতে	Ħ	সাহাকি সেন	\mathfrak{u}	\$ · 00	
क्षशकी भवरतावा	E	বিষাণ মিও	11	ტ∙00	
এই রহস্য কুণ্ডে	a	দিলদার সম্পাদিত	\mathbf{r}	A.00	
অনৰগৰ্মণ্ঠতা	11	नौद्यावतक्षम ग्रन्ट	ħ	4.00	

জঙ্গী ভিয়েৎনাম ॥ বরেন বস্তু

নতুন প্ৰকাশক ৪ ১০/১ বহিৰম চাটোলা পাড়ৈ কলিকাস্তা-১২

नबादगाठमात्र नुमादगाठमा

साव मन्दार चाला नामक विका कि मान्डाहित्व वहेत्वत्र महामाहमा । সমালে চকলের বিষয়ে একটি চমাকার লেখা व्यक्तिकार का दिन्दा के अपने का का श्रक्षाः रणनीय । स्कृतं सः, स्वाह्यास्ट त्यायस बाबन्यः जन्मदर्वः स्टास्क्यांन जिल्ला हारः। कोवा कार्यम वह बगाहाद बांकाद कार कामारम्ब रमसमावे काक वात विकास-আমেরিকার সব নিশ্ব লাগেলার নির্মান্ত্রত क्षेत्रक क्ष्मरक, कई रक्षभावि एईएम सम काकारक कार्यके आहे या कहार । / अप्राक्त-ভাল্ডৰ বেলে প্ৰদেশ প্ৰকাশনাত ব্যালারটা नवहे महकात सिर्वाण्ड -- मधारकाट भारता পর্যাত আমানের জানা দেই। দেখনকর **लाभक्तम् विद्या**स्ट्रतः स्था ग्राप्तः ग्राप्तः काशासिक कारण करण SWE PLENE श्रीकृष्टिका सामार्थक मन्त्रार्थ सम्राह ।।

শ্যেমীক প্রশংকারতা যতই প্রদীপ ও বাহিমান হয়ে ওঠিন, ততই ভাগা কেবা সংগ্রেছ উলৈও নাজহ কমে হত। ওগৈর ক্ষেমা ইয়ের সমালোচনাত যদি প্রপুর প্রশাসত বাদে, তার তা ভারাই করেন না—এর কৈবাং নিকে কার্যাক ১০০ হন বিশ্বাস্থ বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ বিশ্বাস্থ্য বিশ্বাস্থ বিশ্ব

किन्द्र नदौर्य विदेश संदर्भ समामान **অনুসাধ পরিভাগ ও** বিভাগনার পর এল ৮ বই **製事 中 集製技術に 使じまかけ できじょ サーディッド シックス** প্রত্যাপ্তিকার সমায়ক্ষ্য লোকি প্রয়োগ বার মান क्षका दही, महात्राहरूक इक्षर र रहे हैं । ए क्रिकेट प्राप्ति केट क्षिके अग्रह कारण कारण **পর পাছা এটে** গুছ গৈছে অভিন্ত লাভ স্থাত। সারা কেবছে ডিনি উল্লেখ্য ভাষ্য লাগার रहातम एकई कुल्धन इद्योगानी । शासन्त शास बरास्त्र पत्र प्राप्त शृहीं शृहा राष्ट्र का कि । नक्षत्र महिन्द्रस्य भारतः। जिनस्य मध्याना हतः स्टाट **শাস্ত্রেই ক্ষেত্রত ন**্ধ হংমন ছিনি, রলভারত **गरिहर हालाक शहल स**्वारतन् कणत् तर रेक्टब्ब्ह्रस्य अपूर्वा अपूर्वा अकार्यास নিজ্যেক প্রাপের কোক ছাড়া অংশ আবাকে পি**ভ**ে কেছ নত্তিবাল সমত্রাস্ত তিকা विरम्ब-मङ्गा (क्यांग (क्यांनर गण गण **ৰক্ত ভালনা, ই**তানিও অনুষ্ঠিন **ক্ষাকান্ত্রের হেল্ডে হল্ডা** গুলার ক্ষার্থন ডেন্ট **ম্নেন্ত কাচেন্ত ম্বানিক্ত জোলাড় বল কর** कि सा, बीट्क निर्देश के जल मांत्रकार राज्यान्य **या महाद्वाहकद्वार ह**ै। एवं कर होता 🎉 **टिं। रेसमा खाद्यासम्बद्धाः रमानस**्प्रहाः

মান্দ্ৰকল পতিকার প্রথং বিভাগের সংগাণ ক বাইনে জোনেন রাসকতা করে বাস্থেত। ভোলানে একটা জিনিসভে অন্যাক স্নোতার মধ্যে জালে বেবার একটি চমংকার উপায় ইকো, সেটিভে বই ভিলোব ভাগিলে তেলা। ভ্রমান সংগ্রমান সংগ্রানিটার A REAL

কথা সনাই জুল লাবে। পি ভিনি এই কথাটো
বাব সিবং বালনা নি, আমেরিকার পাড়ে
টুটি বছর মেটামুটি পানবো থাজার বই
বিবেল, তার সাধা অধিকাংশ বই-ই সমালোচনার ছাত্তিও লেখন না! বেংলা দেশে
বাড় ততি বছর বই বেরোর তিন হাজারের
কাছারাভিন্ন

সম লোচনার প্রতি লোধকনের আগ্রহের বারণ ব' রকম । প্রথমত, অনেকের ধারণা, বনালাচকের প্রথমিত বেবলে পাঠকের বালিট বইটির লিকে আরক্ষ হবে। ন্বিতরিক্ত, ছ বাতিমানী লোধক ভালতে পারেন, পাঠকরা আমার বই কিন্কে বা না কিন্ক আমার বৈছা আসে হব না—কিন্তু রাসক বিজ্ঞানের সেটা ভালোর লাগে বলৈ তা হালাই ব্যথমটা। এক্ষেত্র সমাজাচককে তিনি ঐ সব আধার ভাবত করছেন। সাত্রকং যে টেই সমাজোচনা না বেবলৈ —ভবি পক্ষে কর্মকর মিলিচত।

হার্থকার বার্কি পানেরে হাজার सरे १४७ - ४१स · 3 324 हेरिक स्थ 2.88.2 71 77 50 **新香油 产** 1 XY 28 इ.स. १ श ইংক' টাইমস প্রক্ষা ক্রতি ভূবিকার <mark>ভিজ</mark>-নতৰ শতাৰ একটি আৰু গুৰু জ্বান্তান্তৰ र्रे भिक्षा हो सहस्र कार्टर । **१व्य प्राप्त्र**स्त हम्स्**लस्** টিনিক সংবাদেশ্যোজয়ত এ বৃদ্ধ বিভাগ ६ म. क्षेत्रिक । फिल्किंक । क्षेत्रक (धरह क्षेत्रिक) লাভাগিকে বছরে জাড়ার লো খানা বইতের সমাক্ষানা কোৰত মাত্ৰ "কেল" পতিকাতে ও क्षां भारते के कथा । वहेरहद **नवारना**इना (४)इ.स. काबार सङ्ग्रा ।

পরিকা তামিস থেকে বই সমালেওকালর বাছে মাল কি ভাবে : প্রভেজ সংভাহে বিভাগি সংগালের নেতিকা এলে জমা হর গালে থাকে বাই : তিনি কিছা বই বেছে পালির দেন সমালেভকালের কাছে, কিছা বই গালে বাছ আছা গালেওকালের প্রভিত্ত সাবিভাগে করের জনা কে-কজন লোক লাগের বংগা বাছ। বাছার বাছার বংগা বাছার বাছার বংগা বাছার ব

ও গেশে নিউ ইয়াল রিভিউ অব ব্যক্ত।
এব সম্পান্তর কাছে প্রতি সংভাবহ প্রার
অ ডাই ছো বই আসে। বে-কোনো সমাস্তরাল
লাকাল—চেয়ার, টেবিল, জামলার বেলী,
ফাইল জাবিনেটের মাখার সেগালো ভবি করা
লগ। প্রায়াল রিভিউরার আবে থাকে
প্রিভিউরার। তারা বইগালোডে চোধ ব্লিকরে

डिम म्हान, रकान, गरे रकान, नमाहनाइरक কাছে পাঠানো উচিত। (ব্ৰুপ্টাৰ বসুর अक्टो शहरू जाहर, "बारबाह राष" **बहे** নামের একটি বইরের সমালোচনার সমালোচক निचटनमः, 'कारमा त्रापदा' सद्यान एकशान টাইগামদের আচার আচরণ ও শিক্ত প্রতি সংগ্ৰুত এজন মনোক্ত প্ৰথা পূৰোঁ আৰু রটিত হল নাই ৷ আস্তেল বটটি সার অংশতে বের জীবনা !) হাই হোক বিট ইরক টাইমনের ৩ রক্ম সাত্তম মাইলে কর প্রিভটরার প্রছেন, বারা বই বাছাই করেন। ভারতে কি সব বই পত্তে বেখতে প্রেন্ন ? হে-বই এর মদ্যাট যত বছ বড় कथा रहणा भारत, स्म रहेडे द्वानी काथ वित्तन। **এইकनाई कार्याहरू न स्टेडाइ बनार्य** অতিশ্যোভিত ছড়াছড়ি ! কেউ হলি নাম করা লেখকের সাঁটি ফিকেট ছোগাড় করতে পারেন, তাহণে . তাঁর ভাগা খালে বার। (পাল্প

Suite

किंग्डरड होर्नाक्ष्येत



२४६, होका शहस शृक्षियी विश्वास सालनान डिनाक टबाल्ड जन कार्ला रुगोरन बेस्टिकोड

ছালৰ ১০ টাকা কিলিচাত বিনান। ত্ৰীৰ হাম ও প্ৰাৰ পাঠম বাজ। বিশ্বনঃ Impex India (WD) দ Kailash Nagar, PB 1045 Delhi-6



ইন্টাৰ্ন রবার ওয়াক'ল কলিকাডা-১৫ আছে, রবীন্দ্রনাথ কোনো বিখ্যাত নোরানের দই চাপছেন, হাতে নতুন লেখকের একটি वहे। ब्रवीम्सनाथ मू बात समरमान कारमा. कारमा । रमरक्रोपि महेराब रमाकरम । अन्य-কারের কাছে দু' খানা সাটি কিকেট পাঠিরে रिट्नम, इरीन्स्नाथ व्हनद्दम, कर्मा !)

मनारकारका शास्त्र रशिक्राको स्व मन वहेरबन्न नयारमाध्या बरव. काब रकारमा मारम त्महे। गमात्माहत्कत्र शक्तिश्व स्थान याणिय क्रमासके करनक किन्द्र निकास करता निके देशक देशिक्ता वक्षान जनारमञ्जू कर रमनाव निरंपक बद्ध न्योकात बरवरवन.

कीर शबा एक्टन कन्यादमात के हार में न बारम बिनि न्य निम् भागम काडीव झरम्बद्ध मबादमाहमात छेश्नावी इदा छेर्छ-किरमान । व काका, करमत रमरूम कारक. श्रकाणकरस्य शक्ष स्थान रममञ्जाद बाकस्टाराः करका बन्दाव टोजिटकान, बामात बमाब टाना क्लाक्रीवेव को मन्नदर्भ अवदे कटना याता विराम विकास । ज गत्या याता. महारमाहक वक रकात वहें है गरक रमपायन. काव बारतहे दय शामरणा क्यारमा, का मख

अञ्चलक कि महात्माहमा विकास हामादमा केंडिक | जिल्हा मा। अरकाम बहेरबतरे करना वा बाबान नवाकारमा ना दशक कारिकात कारक। करन, महिनस नवे राजन नवांन्स जमारताहिक इस मा, कति। कार्यम, क्यारम दावि ह्वाहरा रहराष्ट्र हम्स्ड ! अ मानास्क व क्रम दक्तमार्क वानदक्षम "मबग्रनाक्रमाव वालगारव वक्षत्रम् केम् किए स्टि दक्ष कामना कार क्षत्रात्रस्था । ' निवर्गक गमार्ट्यामाह करा रम्हाराम्बराम्य उत्पादाध अञ्चल सन्। कार अकड़न प्रशासक अप प्राथमन স্পাতিৰ ধারতেন, সমালোভক নিজে খেতুক दम बढोंचे कारेरवस, एसचे विकासको । स्टीटक দেশা উচিত নর ৷ বাংগ্রের লোখার পিঠ ছালড়ানি এবা যাগে পছল ভাহি না তাকে खिवार प्रयाप करें। महाबाम सामाप्राप्त कवा উ'দিছ ∶

क्षत भारत जामहोतुम्हा चामहामत हमामन সংক্ষা ওদেশের কোনেটে ভিকানেট ওলেগে আন্তেই শ্যু প্ৰচৰ সম্ভেল্ডন বিশ্ৰ ক্ষণিৰকা নিৰ্বাহ কৰেন চত্ৰা নিউক উইকা অভিযোগ করেছেন, এর জন্য পরিস্তাদক राभको रमध्यः इस माः साईक मरावर्शकाम कार्याना मारमञ्जू अक्षि अवश्वनामात क्या দের জাড়াই হাজার উকার মতন ৷ সানকে वैदेशमा एक्ट कारहे क्या 'याचा महाक मा**क** राजा धेका ' म्' इत्तक्त जावकता महत्त्वाहक करणा বেশী পান! হারপার ম্যাগ্যাজ্যনর আরভিং टका बक्रत बाह्य कृषान्तः। बर्वेटहरू समाहनाहना रमधात करा भाग- भावतिम हाकाव केका। নিউক উইক' পতিকা নিকে কর কেছ, হা অবশ্য লেখেনি :

कार (क्र्रू (प्रांक न्यून्डक प्रधारकाक्षमां क्रमा है।का १७ वहाँ है अकड़े। काल्डब्रा बहेमा । कामाक्रक बादना, क्रि दहे भाश्याहे बद्धन्ते। देश्याव टकरना भटिका कृषि भटिका है। बा सिका সেটাকেই সেভিলা ছিলেবে প্ৰা STE: ! श्रीके स्वीकात ह

স্বাসভাই আনে বিজ্ব দ সংগলিতি অংক্যাচনার ভার মন্ত্রন বইটির সাহ খুলা লেখা व्यक्तिकाः वर्षेत्रेत्रं साध प्रश्याम् ब्राह्मक कार्याः कुण बानाशासाह सह सामाह।

সমাত্রম পাঠক

नहाडे राग छाञ्ची			6 00
हाक टमरेगाड	R	স্নীলকুমার ছোৰ	9.00
बाम्बा 💮	n	नमरत्रभ वन्	4.00
म्बर्गीमध्य शामार्य	I	कानक ्ष	8.00
শভাকার	u		9.00
बहाकारणत्र श्रीन्तत	n	d	A.40
নগৰীৰ অভিশাপ	u	পঞ্চানন্ ছোবাল	9.00
লাগ্রত ভারত	11	્ હો	9.00
জিলং উলিসা		रेष भारत	9.60
ভুরুত্ব ভূরণগা		कृशान् वरमाशाधात्र	€.00
প্ৰিৰী যাহার নাম	n	''	\$0.00
ক্রিওশেটা	u	<u> </u>	७ ⋅०
পথের ভীর্ষে	11		9.00
শ্বন্দ প্রক্রে স্থাত্য		গোরাঙ্গপ্রসাদ বস্	8.0
এলো মৌস্মী	11	3	₺.00
इत्रग ्रमा	n "		\$ · & (
ছারা লোকো	11	শ্ৰীবাসব	8.30
नौनभाक्षा नान बातना	II	নিগ্ঢ়ানন্	6.0
ৰ্পমতী নগৰী	11	অমিরকুমার বলেদাপাধার	
গণাক্ষি	11		A.00
অণিনদ্বাক্ষর জিলেবিক্ষা	n	রাহ ্ল সংস্কৃত ্যারন কণিষ্ক	9.00
বিশ্বাবিহলী		th I al mets	9.0 36.0
থাড়খণ্ড সীমানেত স্বস্থানা	n H	_	\$9.00
সরদানা বিচিত্র সংলাপ	n	r •	R.00
विश्व वरणाय वक्र ीय हिटक हे	n 11		ક્ર∙0
সাহিত্য জিল্লাসায় রবীকুণ		_	2.0
ক্থাসাহিত্য জিল্ঞাসা	וו וו		₺ ∙0
वदीग्रावाधिक गान	n		8.4
-বামীজী প র্যাত সঞ্জন	11		4.0
ভারতের সাধক (৮ম)	n		2.0
ভারতের সাধক (৯ম)	u	<u> </u>	≱.0
नमद्भा व	17	্ব পাতক	8′

ব্যাধীৰতা সংগ্ৰামেৰ টাড্যাস

भवायीय - कामरक्य Mile . Menter : Alle aftere bes to on this are never वीनका गामीकि भौति, कनकाश-५५। कार देखा लगान ।

পৰাৰীন-ভাষতের মাতি সংগ্ৰহণ গ্ৰন্থ-কৰিতে লোকৰ জীততে হৈছে সংক্ষেত্ৰ কলাচাল ভারতক্ষি এক ব্লেপ্তেখা জংকলে স্বাস্থ कारकारमा । क्यानेत्रम् विकास अन्यासीत कारम्बत পার থেকে নেতাজীয় নৈতাে আজন বিভাগ বাহিনীয় অভিযান প্ৰাণ্ড স্কাৰ সংগ্ৰ বছৰে পাৰীনতা অংশেক্তৰ ৫৫টা সংক্রেপিত ইতিহাস লিভিবন্ধ চল্লাত कारबाहा कान्या कर है है हमान ভারতবর্মের মারি সংখ্যমত স্বালাটা tigger ag शासाह देशको तस সংগ্রামদালৈ আদেশবানগঢ়বিদ এপার জেখন कार्यकाम भारत PLEBURE FORTER 3123 2 10 EN W 2 क्षात्रकक्षात्र कलको अस्ताः THE STY PE **অনুবলপ্রবল ই ও**য়ার কলিছি মানুনারগত ভূত্রর হত্তহাল্য হাহালে পাছনি চুব্ধ क्षाबतका मान्तात्वर फिरायको समाभाग १७५५ **त्राम अक्षारित शहरत केंद्रतेदक**ा प्राप्त प्राप्त अस्त्र अस्त्र क्यांक क्यांक्रशक्ता क्षेत्रस्था (१४२४ क्यांक्रफ्रे १४ वर्गन के कारहाराजा करा इत्राफ्त है। जिल्लाकर குறினுறுது. கூறிகுதல் சடி சிறுது குறுக நெழ்ந **प्राक्ताहरू** अस्य स्ट²र शहरण अञ्चल प्रकार **思対的 400 1 - 7月88年 40759 4074 1844 - そむ**[পু**রুর ক**রিবেশন করেছেন er et ere ক্ষেক্টিয়াজ্বাক্ষাক্ষরীপ্রকার ভাষতের মার্কিক্টা ক্ষেত্র देश<mark>िक्षप्राप्त सर्</mark>कार करहाह निर्मेश हकतात मर्ग्नामा र संरक्षांक रिरम्कार्यो क्षत्राक जनगएका कारणाहरू কাছেছেন ৮ বহিৰাংকছে মু'ৰ সংগ্ৰাম সংগ্ৰা वसाहालकारत जेरहारा 😜 🗸 排作 至水 ধরতের সংক্ষীপতিঃ দেখে প্রপর্যান্ত চ্টিই,উ and the factors and the factors সাম্প্রতিক ভারতকারের বাজানাতিক কলি দিশ্বতি বিষয়ে এমন - কিছা মণ্ডল কাণ্ডেন का स्वतानीकाक असर सर्वाष्ट्र १ १ १ माना १ क्रमध्यतीमदक तम्बदक्त तस्त्रताच्या अना दे दे र र





সচেত্নতা সমাগ্র উচ্চাক্ত, বা প্রশংসারোগা। আজান ভিস্ম ব্যতিনীৰ অন্যতম নাৰ্ক দেবনাথ সামের ভালেকা প্রশংখনির মধানা বাশ্ব কারেছে। 491 PZC

পাঁচকা

स्वासः। जम्भाग्यः स्वन्द्रासम् स्वासः। ্রাড কলিকাতা-১৪/১ বেলয়াটা ক্রম 20 - \$75 0:50 PENIS

७ किलाबारत क्या धरे सद-প্রভাগনির একটি বৈশিক্তা *** * *

আরে। তা হতে এর লেখক জেখিকানের মধ্যে অধিকাংশই ৩র বেকে ১০ফ ছেপীয় ছানুছানী। সম্প, কবিতা ও বুপারস ও ধবি। ছাভার অভান্ত সহক ভাষার জেউসার कानवार प्रत्या प्रकार प्रकार स्थाप स्थाप कराव व्याप পরিবেলিত। ছোটনের লেখা হলেও বেশ একটা মান বজাব চেন্টা সেখা বাব : পহিষা-বানি বাবের উল্লেখ্য প্রকাশিত ভারের काम मानाव ।

Forum : ज्रम्भावता : अक्षीय वन् । পশ্চিমবঙ্গ সমবার কৃতাক সমিভি : ৩০ টালিগভ সাকুলার রোভ, কলিকাড়া-৫০।

मार्थार्छ हरकाकीट्ड ध्वर चिनां क्रमां करे ভাষাতে হলেও এই নবপ্ৰকাশিত সামানিক পাতিকাথানির অধিকাপে রচমাই বাওলা স্তাব্য । প্ৰকাশিত প্ৰকাশ কবিতা এবং গলেশৰ मान दरम छे हे महरतम । हारबामस्थन मान-গ্যাণ্ডর মহাবিদ্রোহ কি জাতীর বিভাই

क्षवात्त्रज्ञ भ्रत्का	। ছোটদের নতুন বই	
জ্যান্ত বাঘের কৰ	রু – হারপদ হোষ	ર∙૦૦
একটি রেম্ব	gक्द चिकारकः शक् य	
ছায়া-কায়া	– হরিপদ কোৰ	২-০০
शहा शोसाह साह व्यक्तक धक	্ছ অসংধ্যাণ চৌৰুক গলেশৰ	न्रका म
८ हाते ज	৯৬ বুটি ভাল বই	
জনেক হাসি	— শিবরাম চরবতী	' ₹ ∙00
র্পকখার ফাঁপি	— স্ঞিতকুমার নং	म
₹ ₹98 •	ৰ, সূৰ্ব সেন প্ ৰীট, কলিকাতা	

M. A. ENGLISH SERIES:

- ভৰ্মে ১ বেশ্ববিয়াৰ \$2.40 (পারবাধত **২র সংস্করণ)**
 - ३ प्रम अभिकारवधान, हे: रबण्डहोरब्रमन
 - ্ ৰোমাণ্টিক বিভাই ভ্যাল H . G O
 - 8 क्रम किस्ट्रोविकान हें ब्रखार्ग \$ 60
 - त क्षण देशीय अन्य V-40 ক্লিক
 - 24.40 ७ हमास

ভারতীয় বিভিন্ন বিশ্ববিদ্যালয়ের সিলেবাস অনুযায়ী লিখিত। ভেনারেল এভিটা ঃ প্রাফসর এন চ্যাটাভি, এম.এ. (ডবল)

- ভালে ৭ কিটিসিক্স 2.00 जिर्माहरकेक अरमक
 - **अञ्चला**क्षिणन
 - ১০ हिन्दि अरु हेर्राजन निहोदकात (क्य अन्य মিডিল ইংলিশ)
 - **३५ आम हेटचेकाकनम है**; भारेतेम् आवरमा मारकार প্ৰাইমার উইখ ম্ভার্ণ carolist dro mu-चित्र क्यार्क स्मार्कन -

এছ এ ইতিহাস ও জন্মনা প্ৰতক তালিকার জন্ম সিখ্ন

চল্ডিকা ৭, নবীন ভূকু লেল (কলেজ রোহ ভিতরে), কলিকাতা—১

ালয়ে প্রকাশিক काकवारमात्र कर्माश्रम माठेक धनकत देवतागीत

रकंका ब'खरक मान 0.00

शंकारण वज्राह विन्दादमस माजा

2.00

न्यान ग्रह नियानीत क्टब्र बर्ट्स बाब नाम 2.00

শতিপদ রাজগ্রের भराकाकाम निवादम्बन > KO

আলো অনেক নতুন নাটক প্ৰকাশিত হাছে। मन्त्र में महत्र एतिकात क्रम नियम।

निहि बुक अस्मनी ৫৫ মীপ্রারাম খোব শীর্ট কলিকাতা-১

धन दान का नि ম্যারিক রেজিপ্টেশন অফিসার ১৮বি লামাচরণ দে স্ট্রীট, কলি-১২ कारमा महीते, प्रशासा भाषी दताक करमन zwa : 34-6896 Resi 34-4045

ट्विकिंगि विवाश ত্ৰা ফস



का है(न

হালৈয়া বসনতে একালয়া বাতলিয়া কল-জার ও আনুযাসিক বাবতীয় লক্ষ্যানি স্থায়ী श्रीठकाद्वर क्रमा सार्वानक विकामान्यस्थानिक চিকিৎসার কল প্রচাক কর্ম - পরে জখবা माकटण वारका सहैन। मिहान वानीव একমার নিভারবোগা চিকিংসাকেশ

হিল্দ বিসার্চ ছোম ৯৫ খিবস্তুলা লেন্ খিবপুরে, হাওছা 00PF : 69-2966

क्रिज ?' अंतर विका स्थात्वक "वामिता दरेंगाव" टक्टेंक्स ट्रांके जन्मटक दाक्क कार विद्यापन कारव केटमध्याना । स्रवि क्रमीमकेचीरमव महत्त्व द्वारभरमस्य मान्यस्थात्व बार्कि विवरण क्षत्र कवित क्षत्र अवस्ति कविता माबाबामिक महत्त्व बद्धाः। औ मत्ना ग्राकाय महत्त्वानावाता महिल इटकेनायात অমিত্যক দাৰগাণত প্ৰভাতৰ কবিতা, সৈমৰ মুস্তাকা সিয়াজের গ্রুপ সাহিত্যরাসক পাঠক হঠকে পত্ৰিকাখানিকে সমাল্ভ কৰে ভলবে।

बारका बद्धांक भीतका। जन्मानिका १ বনানী বসু। সাহিতা সমিতি : বলপুরে करमञ्जू समान्द्रतः।

তে কোন শিকাতকম কোকে প্ৰকাশিত श्रीतकावकीत प्राप्ता स्वयंकाता श्रीतकावानि একটি বিশিক্ত স্থান ক্ষাধকার,ক্ষতে পারে। राजनारकीय भारतार निक एक्टक अंगर काल्यिक ार्गफेरर श्रीवकाशांति **७३ करनासर गा**रिस স্মিতির কৃতিখের পরিচারক।

ह्याकारक वारवा। मधील हरूवर्थां। कसानी सकाननः ०, ब्रिप्टिन देन्छित्रान न्द्रीते कनिकासा ५। म.ना १ ४-००।

Occupational Mobility and Caste Structure in Bengal by P. K. Bhowmick, Indian Publications: 3 British Indian Street, Calcutta. T De 15.00.

লল মীলে এক চকৰ। ইবলটিয়া বাঁ। ফাডুমৰ্ পাবলিলিং চাউস : ৭ জিলাবাচার প্রথম [MA STAT-21 配明 6.00]

ब्राप्त बाक्षा बाक्षणया छात्रकनाथ छप्नेतार्थः बारकम् माहेरहरी : ১०२ का निर म्बेरि. क्रिकासा-५। श्रामा ०.६०।

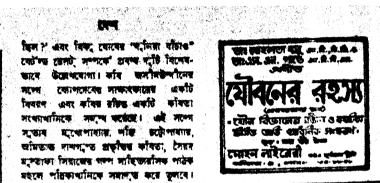
बारबा बर्जन। देववादिश थी। ১৬২ थाम-হ-ভী আবাসিক এককা, ঢাকা। মূলা

মহাসংখ্রাম। বিফলেন্দ্র চক্রবতী । পতারন ঃ ২২ ।২৫ হাগবাজার শাঁটি, জালভাতা-০। E 61 4-001

काळाड बदर हव कम जाहे। छाः कला। गी एक्टी: शिक्ष भार्यक्रीमर एकस्थामी : ५३ মহাজা গাণ্ধী য়োড় ক**লিকতে-১। ম্ল**য় 100·\$

ह्याडेक्शास्त्री हामादक हाई। समीदशानाम চক্ষতী ৷ শ্ৰীভাছি প্ৰতিখাং কেলপানী ঃ ৭৯ মহাম্বা সাংগ্রী রোভ: ু**র্কালক**ছেন্**৯।** 100.00 F

विद्यकामन्त्र-भिना न्याहरू-प्रन्थः। अवन्य-দ্না : অমিশ্বক্ষার মজামদার প্রশ্বরশ্বন ছোর। বিকেন্দেশ-শিকা স্মারক সমিতি, পণিচম্বত্য ঃ ৬০।২ ব্যাভনা পাঁটি, क्विक्स-१०।









(5x 4004)

अप्रिक्ष प्रभाता वावत्राशी लक्रीमाताष्ट्रमे जाशास्त्र



विश्वकाण प्रवाद त्यवा लाग्धीतावाघात जाणाव THE RESTRICTION OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

প্রথম ত প্রকাশ প্রথম। নিশ্বী হৈ
বাহ্যা করকা, বারেই বাব্দ্ধ-ন্তানাটা
সাথক, সেই অকল আনি মানতে পারিম।
কিল্টু নাডার বাব্দি হে পারের কাল, বা
লিয়ে তাল কলা করতে বছ, সেই মুখা
তাল বাব্দিরের এবং তালের উপরে
সাংহানের অবাশ্চনতা সার্ভ পালানা
জলন্তানাটা ভার নিজাশ টেডনিকে জনবদা
সাথক বা্ল পোরেরে এবং সে কৃতিতে
পারকাশনাকার থেকে প্রতিতি স্তিরে
নাত্যালাকার বাব্দে প্রতিতি স্তিরে
নাত্যালাকার বাব্দে বাব্দিকাতে পারেন।

शास्त्रक किलिए, का सक्ताबर, स्थापनर, करि-धानक शक्कीककात या करिय करणानाह (श्रीलक्षणक-त्वे श्राक्षणे दशक मा दक्स, ভাবে করে ই: ব্যক্তির্ভেত্ব স্থানে এনে ভারতে ও বাজ্যর করে তেলেট অভিনয় (कांकनवांक वर कनकिनहम्)। रहाई हिरहरव काल कर्राप्टेंड मात्रा गर्भ । शकाकार हरह ছবির টোর বরতে সাক-আউজন নগ্রবজীর জ্ঞা বাপ দিয়ে কৰু তেলপড় বহা, কৰ্মৰ ৰখান্তমি ও কাৰণোৰ, শ্যামাৰ মধের ন্তা-লটিত ও শ্যামা **বস্তুদেনের প্রেম ও** সংখ্যাত किएमर किसर इंबराएंड सरम्प्टब्स म्योकप्र কাৰে নিচে চকা মাজত ও পদতি ভাষা যেমন প্ৰভাৱেমনি হও ন্তুনটো পামা 🔸 কল গাড়ানটো সংখ্যার ভাষার যে এক চ্বে मा ४३ विकास । जामा 🗪 मानामाहोद ীবছার করতে হবে। মে বিছরে পানে। ফা্ল হাক্ত পেথেনত নিচসকেন্ত। ভাসে হৈচাড়াকৰ নেৰ কবিবাচাক্ষাতে যে সৰ সাহায় কৈট্ডাই জোক দেও ইয়েরতে তা সহজে মিলে বৈষ্ণে কাইলেটির সংপাদ-একেবে কারে চাপালের বৈক্তি এমন একবার**ও মনে হ**থ লাং মার্যার পালাক পার কাফিরে জল ডোভ উচ্চের ঠে মটি মেতে পড়া নৌকেজ সামা 🛊 গ্ৰামনের নদী পার হওয়ার প্রাথটি এক

লীভাব্ৰা সাহাতের ন্তাংল লিখিবছেন, লতসংখ্যন, সৰ্ধস্থালন, ম্মতীপা ও ৰুপালি ম্টা নিভাৰ হবলৈ নৃত্য পিথিকে-মন স্নুল্লা সেনগাণ্ড ও গতিত বস্থা গুলিকের সম্প্র হাছছে জনব্দ। স্পাতিত ৰুপালিকে সম্প্র হাছছে জনব্দ। মধান্য, ব্যালা হলেও ভার বৈশিক্টা কিহা নেই।

মীনাক্ষী কোশ্বামীর ছাচিনত গ্রুতা প্রতিষ্ঠিত কৰে সাহার শৈথার ব্যাসের কনেক পরে সাহার লিখে তিনি কল নাতা-লাটা করেম ভার জনা তিনি কতিবিছ অভিনদ্দদ পাঞ্জার বোগাঃ বীণা চলবতী, এককালে বিশ্ববিদ্যালয়ের সাহার চ্যাপিনন বলেও বছাবাসে লুক্টি (একটি মাস ল্যোকর শিলানু) সম্ভানের জননারিকো তান সংক্র প্রতির লিক্ষের প্রভুত জন্মালিন করতে বলেছে, লুক্তনের বোলালিক ব্যাকা মন্ত্র বাতিরে প্রথমিক প্রাক্তিক। প্রতিষ্ঠা স্বেত্তর কোট ল'ও চমংকার তেটে অন্যান্য চরিত্রও দাব'ক চীম-ওলাকে 'দাহাবা করে।

ৰশাক্ষণের মধ্যে সেদিন ছিলেন জোটির বন্ধ। তিনি বলেন, কি বে বেখনো জাসবার আগো মনে প্রথম ছিল, তবৈ এমন ছিনিস কথনো দেখিনি, কলনোও করিন। প্রথম বলনি জাই এল এস এস ও ছোট জল माराजाते श्राम्था भगहेरक दहे अक क्यारे कारक हरन।

স্থাৰের বিষয় বছারে চার্রাদন ক্লাবের নিজস্ম জলানে বা দেখানে।র স্বেনাগ, ভাই জনপ্রিয়াভা সীমাবাশ হতে বাধা।

একলব্য

পশ্চিমবন সরকারের সচিত্র সাপ্তাহিক পতিকা

পশ্চিমবঙ্গ

विखालन প্রচারের উপযুক্ত মাধ্যম

(यहँभान क्षात्र - मर्बा ५२,०००)

বিজ্ঞাপনের হার

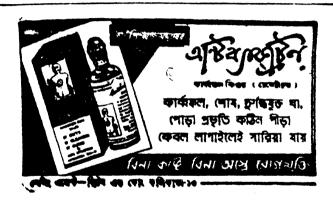
তৃত্যি প্ৰজন ... ২০০ টাকা

माधावन भून भूको ... ১२६

সাধারণ অর্ধ পৃষ্ঠা ... ৭৫

বিজ্ঞাপন প্রকালের লভাবেলী সদপাকী নিচের ভিকানায় বোলাবোগ কর্ন

বিজনেদ স্মানেজার, তথা ও জনসংযোগ বিভাগ, পশ্চিমবদ সরকার, রাইটার্গ বিশ্ভিংস, কলিকভো—১



জ সংভাহে ১৪ জাইনের সি জন্তেনে সাভার ও সাভিস বিসিভার-এর পা কোটোর মধ্যে অবস্থানের কথা বলা হরেছে। যদিও ১৬ নন্দর জাইনে বিষরটি জারও পরিক্ষার করে বলা হবে তব্ এ স্পার্থে ব্যোগারিক প্রবাহন।

াদৰ সমরই মনে রাখ্যত হাবে বে বাটাডারী কাইন কার্য সাহিচিত্র কোটা সামারক । সে কাইন সাহিচিত্র করার সমর কোটোর সারহারুত্ত করা। কাটক কাইনের উপর পড়ার ব্যাপ্তর



লাভিলি করার সময় গুই পা ববি ভোটের মধ্যে থাকে ভবে দেহ বা হাতের কোন অংশ কোটের বাইরে বেরিরে গেলে ক'টস হয় না। হবিতে ভাবলস-এর খেলার নাভিলি দেখানো বচ্ছে

আবদ্য লাইন কেটোর অবভার্ত। স্থার ব লাভিসি করার সময় সাভারি বা বিজিভার বলি লাইনের উপার পা রাখেন কবে ফাটাসা করে। সাভিসি তার বাবার পর বিজিভার এবং সাভার অবলাই বেখানে ইচ্ছা বেতে পরেরন। কিন্তু সাভিসি না হওয়া পর্যাবহ ভালের নিচ্চ নিভ সাভিসি কোটোর মধেই সূই পা নিস্কাল অবস্থায় মাটির সংপা মিলিকে রাখাতে হবে:

প্রান্দ উঠাতে পারে, সাজিলের সময় সাজার 🥜

ब्रार्फ्श्यक्ट्रिन्ड आहेन-कान्त्र

ঝ বিলিভাবের হাত বং দেক্তর কেন কংশ সাভিতি কোটোর বইনে বেডি ম মেতে পারে কিনাং হাট, নিশ্চরই পারে। পার্যদি সাভিতি কোটোর মধ্যে খাকে তবে হাত বা লেহের কোন কংশ কোটোর করিছে বেডিয়ে গোলে সেখে নেউ।

সাভার এবং বিসিত্তা—দাভানের আইন গত ভূকে জাবভাগিতক বাডেখিওন কেয়া-বেশনের ভাষা বাছেঃ—

বলি স্থিতিস হবর আগেই বিভিন্নর
নড়াড়া আরম্ভ করেন ডিংবা নিচেত্র
নিশিষ্ট স্থিতিস কোটোর এখা আইনের
নিশেষ মত না আকেন এবং সাভাগত তবি
স্থিতিস আইনগত বুল কারন তবে অস্প্রসাধবতে বাবে সাভাগের:

লাব বলি বিলিছার সমেত জন্য কোন বৈধান কাল স্থিতিক। সাহাটিক কাৰ ইচ্ছা কাৰে বিভাগ কাৰে কালিক। তাল দেও কালিক। কালিক।

३८ कार्यस्य कार्यम् अत्र सम्मानः पहेना

(এক) গুলুগৰ সমীৰ সাট্ৰ মটি গাট্ট ছতিক্ৰম কৰে নিকোদ্ধ কোটে মাচাও জাগেই দুইবৈৰ দুইক কৰেন চাব ব্যাসা হবে: জবদা সাট্ৰ চেটা অভিক্ৰম কৰে

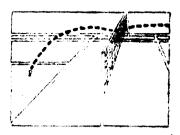


সাভিত্য করার সমস্ত কোন পা রাচি বা পাটাভন থেকে উপরে উঠে ইনলে কণ্টন হবে। ব্যবিতে দেখা বাহন্ত ভাল পা নাচি স্বাচন উঠে দেয়া

নিজেকের সাইডে আসার পর স্থাইকার বলি সাটল-এ প্রাইক করে প্র ইকের সেই ব্যক্তিছে রাচকেট নোটের অপ্রানিকে চালনা করেন অধাং রাচকেট লিয়েন নেট রাস করেন করে কর্মান করে নাচ

(জিঃ খেলা চলার সময় বলি জেনে খেলারাড় নেট বা বার সংলা নেট আটানো আছে তার কোনে সংলা সপলা জারম তার ফাটস তার। সপলা আথে স্নাডেট লিকে, লামীরের কোনে অংল লিয়ে এবং স্পোলাক প্রিজের লিয়ে সপ্লা বোঝার।

(এইড) ডেলার সময় যদি একটা





প্রিচ চিতের উপরের চিত্রে ফেরার লাজিল। সাজিলের সময় সাইল নেউ-এর উপরে কোণে কোটোর মারা পড়ালে গোল নেই নীচের চিত্রে ফল্টল সাজিল। সাইল লেটে কোণে সাভোস কোটোর বাইরে পড়াল

কৈলেড জালাল প্ৰত্যাস **স্টোল দাইক** कारम देवारा अम्मसाय श्रीडेक कारम एको के तेल हिंदे (६.भ. इत शहर आहर **अस्ट्रेस प्राह्म** । भागिन भागिताहरू सारकार्यन प्राप्ता कार्यास स्केल विकास शाहर विकास **४ वर्ड माण्ड**र ব্যাসন ব্যাবে হ'ও ৮ হ'ও সংগঠ ব্যবহারত শত শত শত শত্তিক স্থান সংক্র ইনিকেও স্থানিক হবে নিয়োৱন ভিট <u>রাক্ষাছ</u> a take the letter are mentaring किंग्डिस शाहित अंदर काफ़ र खतर कांक्स विद्वाद ক্ষাই ৩ টিপ্র : এক সেকেটের স্কেটিয়া উপি প্ৰশাস কৰিও হৈছে প্ৰেছত স্থান্ত স্থান ক্ষান্ত ৰাজ্যক ক্ষিত্ৰ বা ক্ষেত্ৰ সাইল-এৰ भागक मालमा, भारत कह हिन्द्रेक शर्तकरावते ८४१त जात मध्येम क्षांमाट इसः हैहरहेड wish a cal excess alarge man lay (有等) 气体 明整 用象);

33 years

র্মানীয় চলচ্চিত্র উৎসব

গায় মালে ফরাসী চলভিত্র প্রদর্গতি রুল্ল ভারশন রামানীর ভলাচ্চর 💆 🥫 🕏 **উৎস্বেরই ব্যবস্থাপক ভারত** সবকারের ভুগা ক বৈটার সাধান্ত গলাস্থাল একটেল। क्योत्रको सम्बद्धी कादब तर कव रिहर्गी চিত্রর উৎসব। ভারতের অন্য প্রধান ভর্মে প্ৰদীপতি হ'বৰ প্ৰাৰ্থ-ছৈ ছবিলাল ८३ क्षेत्रहरूस हाल आस्त्रक प्राच्छक ক্ষেত্ৰেটাম্বৰ সময়তে মাত্ৰেটাইক ডিব্ৰুচাৰ এই STATES STATE ALIE TO E PIECE THAT উপমাৰ্থকতী প্ৰীলেগতি বস্বাধন কোৰ मभाक्षक्रांसिक एएएसद । क्षांट्रान पुरे एनान्य केलका अब करें हरता के सरक रहे का एक उ থাকাৰে এই আনহা আদা ক্ষান্ত গাঁচ এক রামানীক ভার কেছে র দেকের *১০বিক* ব্যাদিয়ার মান্ত ও সমাঞ্চলগুৱা চাণ্ডু শাবাসন অন্ত্ৰাশভাসে ৫ মেশ্য ভূতিৰ **মুম্মানিকার ৮** স্থানের কুলুত কলত এন্ডারের **সাংক্রেটিক ভারতিনিক্রে আ**ত উমার ভারে।

সংক্রিক চন ক্রিটেন্ট্রনির স্থানী রহ ব্যানিকা ও ভারতের জাতীর সংগতিত ব্যানিকার চেল্টি বৌল বিলেচনাটিটির টী এম নের্কা ব্যানীয় ভিতেত তার্থানিতে বিজে বালন, ছবিও প্রানিকার সিন্মার কর্মানীর সিন্মান ব্যাহ্ পাছিল ব্যার বলা ব্যানিকার স্থানিক ব্যাহ সাহিল সাবই ব্যানিকার সিন্মান নিয়ে নাকে লহাকান নিয়েকার চল্লেড নিয়ে নাকে লহাকান

অনুষ্ঠানে স্থাপত ভাষণ দেন বঁতি ওও সংকাৰ ভাৱতভূ ফোটাইড ভা সম্পাৰত বান বিষয়ে সেন্দ্ৰ ব্যাড়াই বিলৈওন্ত্ৰ ক্ষিত ই বিজি কে সরক বঙ

উল্লেখন জন্মুখন দৰ আদানাখনৰ জীব প্ৰেক্তি কৰা উইন্টাৰণ এবং কৰি। ই টিয়া প্ৰেক্তি অইন্টাৰণ এবং কৰি। ই টিয়া প্ৰেক্তি কট্ৰাইন্টিলিটো ক্ৰেন্ত্ৰ্যায় হয়।

জনসংখারবের জনা ব্যানীর গির্প্রদানীর ব্যান্তর হয়: বিলয় সুলাবের সভানের ছবি দেশায় ব্যান্তর্ভাৱিক।



গত শ্রুবার হিন্দী হাই স্কুলের অভিটোরিয়ামে "এ-টনী কবিয়ালা" নাটকের অভিনয়ে উপস্থিত হিলেন প্রধানমন্ত্রী শ্রীমভী ইন্দিরা গাগেনী, ভার সপ্রে নাটকের নিদ্দী ও কলিব্দেন

वाहा-प्रपात्नाह्या

ৰাংলা নাটমণ্ড সংস্থানের সাহায্যাথে কাৰার বহার্শীর "রাজা" ও "পতেল খেলা"

বাংলা নাউমণ্ড প্রতিষ্ঠার উদ্যাগ শার্ম্য হাগ্যেছ করেছ মাস হল: অথা সংগ্রহের বাশ্যালা একটি নাটো বহার্লী সংকথা প্রাছ প্রতি মাসেই একধিক নাটক এই উদ্যোগ্য ও বরার বাঁলি অভিনীত হরেছিল। এমাসেই ২ ৬ ২০ সেপ্টেম্বর কলামালিরে বাহ্যুগাঁ পরিবেশন করবেন গরাজা ও পর্কের খেলা।

গত ও আগদেও কল্যমনিদ্রে বহার্শ্রীর বিজ্ঞা বৈশ্যে তাবে আবার অন্তর করলাম্ নাটাপ্রযোগ—প্রযোগকলা বলে বদি কিছা থাক সেক্ষেত্র—বহার্শ্রীর জ্বাড়ি নেই। বিজ্ঞান কথাই ধরা ধাক। নাটাকে কী আছে দশক্ষাতেই জানেন। কিন্তু বহাশ্তিত কর্মিনী বেমন চলজ্ঞিত্র প্রযোগ ও প্রাপ্তিকের গ্রেন নতুন ভাইমেনশনা পার্নাটাকেও তেমনি একটি উপরিপাওনা আছে। পাঠাবদতু শহুর প্রতিগোচর হলেই নাটক স্থাক ছব্ নাট ভার একটা

सिमाराल दा धका**द आहरमन शास्त्र** महम भारत मध्याकातात् । **अक्टो स्वरकाण**क থেকে যায়। যিনি **এই স্থিটার কাছে সক্ষ** र्भ उत्कादत নাটাপবিচালক। "ব্ৰহণ" নাটকে শশ্ভ <mark>মিত প্ৰমাণ করেছেন</mark>, ক্তিবে নাটক **অভিনয়ের সলো সপো** অতিরিষ্ট একটা স্থানির কা**জ চলে, কোলার** নাট্রের জিরেটিভ সম্ভাবনা। "রা**ভা"র** कम्धकारदर राज हिरद स्मरे आर्द्धनाम-"काना, काना करे?" **—छात्रभावरे** অংলোকিত দশ্দিক, কম্চণ্ডল লোক এর মধ্যে মানাবের অগতারর **অধ্বভার এবং ভালোর** অভীপার চিত্রটি বেন মহাতে চোধের माम्यत्न साम्यत् राज्ञ स्टें। माम्यानाव सर्वे আত্নিদ্ হেন বিশ্বমান্বেরই আত্নিত্ ৰারা জনলার সম্পন্<u>ন ঘারে বৈভাছে।</u>

এরপর রাজার কাহিনী তার জনিবার্থতার এগিলে চাল শেষ উপলাজির
বিষ্ণাতে। রবীন্দ্রনাথের নাটকের রস ও
বন্ধনা হৈ আমরা প্রতি দ্যো ও অফের
অন্তব করি, অন্তব করে দিছরিত হই
তার কারণ নাটাপরিচালক নানারকর
ফিজিকাল ইমেজ-এর মধ্য দিরে এবং এক
একটি নাটাজ্ঞণের "ম্ভো" অন্বারী পারপার্থনিক বিভিন্ন "আপেলা"-এ উপরনীত্তে দাঁড় করিরে নাটকের অফ্রেলীন
ভাবের্থা দুশাকির চেতনার সহজ্ঞাহা করে
তোলেন। হরা বাক এই দ্যাতি, বেখালে
মণ্ডের মার্থান নিহে এক প্রাণ্ড বেকে
অপর প্রাণ্ড বাছবেদ্যী ক্লাউন্ বাছেছ।



বাস, ভট্টাচার্যের হিন্দীচিত্র 'অন্ভেষ' এখন শেব পর্যাত্র—ছবির একটি দ্বেট ব্রী লগুবিকুলার ও তন্তা

ইন্দুজিং' ও বল্লভপ্রকী রূপকথা এ দুটি नाएकरे स्थानीय मगकरम्य घटन गाए माग কেটেছে। দুটি নাটকই সুপ্রিচালিত এবং অভিনীত। দুটি নাটকই নাটকোর বাদল সবকাৰ লিখিত। ব্লছপাবৰ ৰাপকথা শ্নলাম এখনো বাংলা ভাষাতেও অভিনীত হয়নি। এবং ইন্দজিং' কোলকাতা ছাড়াও বিভিন্ন স্থানে এবং বিভিন্ন ভাষায় মঞ্চল **इरत्रदक्, याँ**ता বিভিন্ন সংস্থার "এবং इन्तुक्तिर" एए थएक वीएम्स याज भागानम कामान भविज्ञामिक अवय देन्यक्रिश्टे नाकि *(श्रुप्ते । जारान्य जानात्मन कथा । हिम्म*ी নাটকও যদি কোলকাতা খেকেট ৰসো-স্ক্রীণভার দিকে এগোম ভাহকে কোলকাডার গৰ্ব বাডবে বই কম্বে না।

বিখ্যাত নাটক 'ফল মাই সান্স্'-এর হিন্দী নাটার্শ 'মেরে বাচেচ'। বদিও রাজ-শ্নেনী মহিলা কভলের দেওয়া কাগজের

र्मात

্লীতফ্রপ নির্মাশ্যত নাটাশলা 1

नजून नाडेक!



অভিনৰ নাইকের অপূর্ব রূপারাণ ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও পানিবরে ঃ ৬৫টার প্রতি রবিবার ও ছাটির দিন ঃ ৩টা ৩ ৬৫টার

৪ বছনা ও পরিচালনা ॥
 দেবনারামণ গড়েও

॥ র্পারণে ॥
অঞ্চিত বংক্যাপাথারে, অপর্ণা দেবী, শ্তেক্র
চট্টোপাধার, স্তেতা চট্টোপাথার, নীলিলা দাল,
স্থান্দ্র ভট্টাচলাঁ, জ্যোগরা বিখাল, শ্যাল লাবা,
প্রেলাংখ্যু বস্তু, বালভী চট্টোপাধার, লৈলেন
স্ব্রোপাধার, গীতা দে ও ভান্য বন্দ্যোপাধার

বিজ্ঞাপন সেথে আমাদের ধারণা হয়েছিল বে, এটা "মেরেদের এবং বাচ্চাদের জনা" লিখিত বিশেষ কোন হাল্ক; নাটক। "মেরে বাচ্চে" নাটকটি আসলে কি সেটা না জেনেই এরা আলনাকে বিজ্ঞাপন দিজ্ঞিলন এই খলে যে "মেরে বাজে" কেবলমার মহিলা এবং বাজাদের জনা। এবং বিশ্বাস কর্ন নাউক্তর দিন দেখলাম সাত-আটশ দশক্তির র্থাে তিরিশ-চল্লিশজনও প্রাণ্ডবর্ষক প্রেক্ত নেই। সতিট্র এদেশে সবই সশ্ভর।

শ্বনামিকারে সদস্যদের অভিনশ্বন জানাতে স্থানীর মারাঠী সাহিত্য সংস্থ নিজেদের সম্মেলন হলে অনেককে আহ্নেন জানিয়েছিলেন। এই জমারেতে বল্বের লাট্য আন্দোলনের প্রথম সারির একজন সক্তাদেব দ্বে অনেক কথার মধ্যে একটি কথা বললেন কটা বলে আমিও শেব করব।

"অনামিকা এবার বন্ধে এসেছেন রাজ-শ্বানী মহিলা মন্ডলের লহু নিমাণিকদেশ চাঁদা ভোলায় সাহাব্য করতে। তাই মোটা চাঁদা দিতে অপারগ নাট্যমোদীরা এদের নাটক দেখতে পেলেন না। আশা করি, আবার অনামিকা কন্ধে আসকেন এবং চাঁদা ভোলার সাহাব্য করতে নর নাটক করতে আসকেন।" স্বাই হাতত লিল।

। जुल भारति ।

यथा मतरलत श्रालि जानक जागरत जाननात निमञ्जन

ब्रवीन्द्र अपन

অপ্রয়াক্ত

১৬ मिनवााभी 📑

ाधा देश्यात

১৬ সেপ্টেম্বর থেকে ১ অক্টোবর প্রত্যহ সন্ধ্যা ৬॥টার

শীভতাপ নিয়লিভ

১৬।৯ তর্ণ অপেরা হিট্**লার**, ১৭।৯ জনতা অপেরা / **ফাঁসীর মণ্ডে**, ১৮।৯ শ্রীরাধা নাটা কোম্পানী পথের ছেলে

১৯ IN नवतक्षन व्यापता / **माहेर्कम मध**-সনেন, ২০ I৯ নিউ প্রভাস অপেরা **বার্**নে, ২১।৯ সতাম্বর অপেরা/**দিণ্যজয়**, ২২।৯ অন্বিকা নাটা কোম্পানী/চণ্ডীতলার **র্মান্দর, ২৩।৯ নিউ আর্য অপেরা/** নেডাজী সংভাষচন্দ্ৰ. ২৪ ৷৯ অপেরা/মড়ে**গরী শর্ম সেন** ২৫।৯ মাধবী নাট্য কোম্পানী/আগনে নিমে খেলা. ২৬ IS সূশীল নাট্য কোম্পানী/**রঙে রাঙা** হাস, লাভাজা, ২৭ Iঠ নিউ গণেল অপেরা/ मद्भ व बाबा भटब ना, २४। ५ देवकु के याता সমাজ/পতি-খাতিনী সভী, ২৯ ৷৯ নিউ রয়েল বীণাপাণি অপেরা/এক টকেরো ৰুটি, ৩০ Ib নাটাভারতী/**আন্দোলন এবং** ১ ISO নটু কোম্পানী **শ্ৰীরামকুত্ব সার্গা**-

त्रवीग्ध अमरन ⁵¹⁵⁰

বাঙলা ও বাঙালীর নিজস্ব অভিনয়কলা "বাচা" শত শত বছর ধরে আমাদের দরে ঘরে পে'ছে দিয়েছে নায়নগীত ধর্মবাধ, বাত্রা দিকা। বাচাশিলেপর কথা মাটি মান্বের কথা, বাতার আবেদন সকল বাঙালীর হৃদরে অম্লান। এই আনন্দ-উৎসব ভাই সকল উৎস্ব পরিবারের আনন্দ মিলনীতে পরিণত কর্ন।

গৈনিক গিৰিট : ১, ২, ৩, ৫ ও ৭ টাকা। নিজন **টিকিট বন্ধ করেকটি ২৫ ও ৬০ টাকা** প্রত্যন্ত সকাল ৮টা থেকে রাত্রি ৭টা পর্যাত্ত রবীতা সদলে জাগ্রিজ টিকিট পাবেন

স্থায় প্রতিশ্রুতি

শ্বনকোংশনাশার পর পরিচলক দীনেন গাণ্ড তৈরি করছেন "প্রথম প্রতিরাতি"। আশ পূৰ্ণা দেবীর ক হিনী অবলংকনে ছবিটি তৈবি হচেছ। আগামী মাসেই ছবির নির্মিত শাটিং আরুত হচেছ। নায়িক। চরিতে একজন নতুন শিংপীকে দেখা যাবে। তা ছাড়া, বস্তুত চৌধুরী, শ্মিত ভঞ্জ, ভাষা দেবী, কাজল গণত, উমানাথ ভট্টাংখ, গাঁডা দে পুনুথ বিভিন্ন চরিতে অভিনয় করাবন। সংগতি পরিচালনার দায়ির নিয়েছেন নতিব রার।

न डानाटोड बागद কথাকলি উৎসৰ

নশ্ব এবং সাধির হলে মাত্রমারা তীব্ৰ অখাত, ক্যুঠ কৰ্ণাটি ব্যাণার অন্তত্তিচনা একটি বুণ্টা ধ্বনিকার অস্ত্রালে বিভিত সাজে সন্মিত শিক্ষীদের ভাগমন, এবং গ্রে-প্রণাম আব ভারপরে ন্যতার ত্যাল ভালে কম্প ধর্মকা অপুসারের কর ক'লেব এই 'চরচি'বত প্রথার শ্ব, হল ধ্বনিভূস**দ**নে আহেন্দিত কেবলোৰ বিল্লিক্সব্ৰিক্ৰ ৰামায়বের কাহিনী অবলম্বনে কুম্ম্যাপত গ্রামণ্টার এন্টানঃ ক্ষা-कलित अपा उत्सामा छात्रहीय ग्डाक्टाब প্রহাকা এই যে কথাতালির প্রধান আর্রদন ন উন্তমত - প্ৰতিপ্ৰক কৰ্মিন্তিৰ এক-একটি ভাগে সেরের বিভিন্ন ঋণা প্রভাবেশনে क्राक्रम् द्रमान्द्रस्य क्षेत्रम्य अपन्तरा



'क्रिक्रकमनम् हेन **अ शास्त्रकन माहे'** निर्के अन्नावाद वर्षेत्र व्यवस्थ-वात्रकाल बारन्या • जीनकादन्य क्रेनब



मृद्धा भ्याम गान रमणायन वेश्नमा स्मन तकर्छ दश्यन्तकात्वर 2011年间

ৰাজনার ফাটে উঠে যে ছদেশামৰ নাটকেব স[্]নট ক<u>ৰে.</u> তা জনায়াসেই দশকের বিস্ময়াবিশ্ট মনোৰোগ আক্ষণে সম্প্র। চুৰ্মানকার অনুষ্ঠানে বাঁবা উপস্থিত ছিলেন, তারা তেমনই একটা বিশাসের রেশ নিরে প্রেক্ষাগ্র থেকে নিম্কুমণ করেছিলেন।

পঞ্চবটোবনে সাপেশ্যার আগমন থেকে कारम्छ कात्र वालीयम् अम्बन्ह सहेग्रस्ती भिन्न कर्नाम्स्य - अव्याक्ति स्था वया-কলি উৎসবের প্রথমদিনের অভিনেম বিষয় ছিল। এই কাহিনীৰ প্ৰতিটি ভাষকা স্-ব্রীক্রাস্থ্র खांस्था । इंग्लंडीइन्स्स ক্লা-কৃষ্ট্ৰী সংবাদা-স্থা গ্রহান্ডার্যান্ত্র ফাতিমার অংশবিশেষ প্রিরেখনা সম্প্রেও **९६ अक्ट्रे क्या** वका क्या अवास्तिक भाक्तभ्रम प्राप्तर्थन हर्गेलुक्रम प्राप्त (६०) একটি নিখাত দেশীয় অন্যন্তন এর সালে ब्द्र दरणी **इंड**नि ।

क्षेत्र केलक करूनव कन्द्रकोताचे भावतकना कारतक्रम क्रीक्कितम अवः क्रीलमानः

भौडिवीधिकात भागत्माहन

রবীন্দুনাথ ভার প্রনাচ কাবাগুলেধ্য অন্তর্যাত কাপ্রয়েচনা কবিতাটিব ফাকে ফাৰে গতি হোজন কৰে যে সম্বাহ তাক **्वर्षि क्षांभा** सहानाहोद প্রিছেলেন্দেই সম্ভে (১৯০২) ভবি গানের ভাগভার কান্যে কান্য প্রি সেখান খোক নিজের ইচ্ছেমত প্রেট্ড বচনা-গুলি চুখন কাৰে দেবাৰ - কৰাধ অবকাশ ভিজ ভারিং ভারী, রবীদ্রনাথের আব কোনো গীভি-নাটা বা ন্তা-লাটো জিংল গ্ৰীভি-আপোশ্যতে ব্ৰীক এমন মন-মাচানন গানের সমাবেশ খটেনি। এ কথা মার্থ অন্তব করলাম গত ৬ই সেপ্টেম্বর বংগ্রিস্ত--4 44 4 4 4 1 4 FFFA

चाराफीकः (करारा, बीहा ध्रेड शानगरीन राष्ट्री-गौर्डब बाधारम পরিবেশন করলেন, ভীক্স मा भारताकरताव विकिस हित्य बन्ध-गुरमसास হে বসাভিবাতি দিৰেছেন, তা মন্তে নাজ **इ**ंदरहर स्थल्ड িলেছে। কমলিকার काएदण की एका बाल्मा भारतादसद करके সোদন অন্তৰিংত হাৰছে অৱ্ৰেশ্বৰ লিভেই কেন মাধ্য হাছছে তাৰ স্কৰ ব্যক্তির নিয়ে কেম্বত মুখোপ্ধান্ত্র গানের fraz frez :

স্চুচিপ্রা ুসনগ**়**পট ना हमस्य ख (ক্যালকা) খাৰ নাগ (অৱশেষত এবং सम्बद्धाः । म्युर्गक्रमाद स्मोद स्मिन অপ্তির অধুদ কমির চটোপাধানের কঠ ergan wed more courts

সংগতি ও ন্তা-প্রিচলনার চিনের হথাৰুত্ৰে বাবুল চেনগাংশত এবং লাখি নাম্বৰ

बाहरभाव मरगीक विवासमञ

গত ৩০খে জাল্পট, পদবপ্ত সংগীত বিদ্যালয়ের বভাত জয়ণতী উৎস্থের স্পিতীয় ित्_{र अ}क्ति समयम रलाकगाउन क्लाक्स्माड ब्याशक्रम करा शर्शाश्चन । स्वी<u>श्</u>र महास्वरहत त्कुक गाहर । दिस्स न्यासक महस्य विकास ল্যের ন্তালিক্ক মণিশ্রী নতালিকী ্রীলেক্সনাল্যাল সিং ভরকা ও পাং ব**লার** লাতে দলকমণ্ডলীর অকঠি প্রশংসা **অভান** ক্রেন ভ্রেকার অনুখ্যান শ্রীমতী ভারতী ক্ষেত্ৰত নমও বিশেষভাব উক্তৰ্যা द्यागाता कराह्य मा दिलाग्डल द निकाधी स আগ্রেষ্ কারেন সংগতি পরিচলেনার हिक्स है। इर्ड बांबर देश उद्देश गराइ।

<u> ६१ डेल्स्टर कालन कर्फानम्हौर</u> মাহা ছিল প্ৰাৰুন ছাত্তাতীলের 'বহানিকালা', ছ-জালকা ও 'হলমা' ন্তানাটা। এর হথে প্রথমের অনুষ্ঠানে মলি রামের এবং



(সি-৮০৭৮) ৰুলা-মণ্দিরে 'অন্বেষা' ২২লে সেপ্টেম্বর/৭টা

নাইক-পদাপদ বন্ (ও'নলৈ থেকে) निर्मानन-न्दरम्भ वस्

(সি ৮২১৪)

প্ৰিল্লার অভিনীত কবিগারের

१८ मार्शिया इस

ৰবীন্দ্ৰ সরোবর মণ্ড

्रता चाट्टोनन, '७১ সছ।। १०। हिंकिये—२,, ०, ६ ६ । ड्या-रब-वि (मानार्न कारण्न्द)

(मि ४५४१)

छक्रन जाभग्र

আগামী নাটক শশ্বু ৰাগ রচিড

टलाव প্ৰিয়ালনা—কৰর বেশ

(সি ৮৩৩৭)

नाम्मीकात्र

তিন পয়সার পালায় এক পয়সার গান মোহিনী মোহন দেব

र्घाहिनीवाना प्रदी পুরুত বসে মদা পড়ান, 'ভাং বং চং কং' আমরা বলি, 'হোলো কিসে? ৰদ্ধে মামা মধ্যে পিলে?' শ্বনে ভারা বল্লে হেসে,

'विवाद्र! किवादर!!' নিৰ্দেশনাঃ জজিতেশ ৰন্দ্যোপাধ্যায়

(সি-৮৩৭৪)

আয়া আৰতি গণ্ডোর ম্ভাগারকাশা श्चनश्चनीय ।

উৎসবে সভাপতি এবং প্রধান অভিথি-হতে উপশ্বিত ছিলেন ব্যাহ্নে সৌবোল্ড-নাথ ঠাকুর ও গ্রেমেন্য মির।

चानप्यथं न

द्वकर्ण त्रभारनाहना

राहे ल जारन न्यर्गन क्रर्यास्कान কোম্পানি বে-করটি রবীন্দ্রসংগীতের রেকড रवत करतरहन, ए त भर्षा बनानी स्थाव । रशादा भवाधिकातीत शास ब्रद्धारकः वनानी খোবের গানের সম্বশ্যে মতন করে বিশেষ নেই। রবীন্দ্রসংগীতে ভার পারদ্দিতা ইতিপূর্বে প্রমাণত। এবার তার গাওয়া দুটি গান (আজি তোমার ক্ষবার हाहें ग्राह्मातारत/म्रह्य व्यक्ति, मृह्य व्यक्ति) চিত্তাকৰাক হয়েছে আর বেশী এই কারণে ৰে

भारती वृत्ति शास्त्रहे चन्द्रकृष्टिय न्नान कार निएक रशरतरक्त। अक्षा नवाशक दहक দিল্পী গোৱা সৰ্চাধিকারীয় গান (প্রৱ **छान अरमा चरत/शामि रकम माहे । तह** जन्माक' कारतको वना हता। एउ कि विभि कर्मकीयन अवर मेलगीडमध्यात प्र বিশ্বভারতীয় সপো বাস্থানের গ্রহি बाक्सर्वत श्रीष्ठ कविक स्तारहानी । ছল। এটা কেবের নর, বলি তার স প্রাদের বোগ খাকে। ভার গলা ভ ভবিষ্যতও প্রতিপ্রতিসম্পান বলা চলে।

जाबर्जनक शान

উन्दरवाश्य आश्चिक गामित हार (खीयकी नाट अधायत/ धरे माहि नीम कार সব বেরিরেছে। নির্ময়ফিক একটি গ হাক্সা স্বরের, অপর্যিট রাগভিত্তিক। ব बार्का, स्टबर गानिए-शियाती माए प्रश्व —রসভা ভোতার বেশী ভাল লাগাবে। দর গলার উদরবরণ গানটি গেরেছেন। সূত্র काम भिरतरक्त रेगरभन मद्राचानायात्र।

রাজা আসছে ১৯শে সেপ্টেম্বর।

बाक् कालवानरका अक बाक्षकृताबीरक-कात बाक्क्वानी कालवानरका अक রাজপ্রকে:ভবে 'স্বাজ্বান্ত ব্যক্ত কি জাকালকুস্ট্রেই পর্যবাসত হল?



প্রতাহঃ ০ — ৬ — ৯টার ০

ম্যাজেস্টিক - জেম - বসুস্রা - বাণা

্সৰ তাল নিৰ্দায়ত বিলাসবহুল প্ৰেকাণ্ড 🕽

श्रुव म्रो एम.वीवयश्व পদ্মমা युणा त्वा मात्रात्रभी 🏞 कमन (टर्माग्रेहार्य्य, 🖛) क्रियाणमः (गर्गांगरतः) वक्षण्डा (दवहाना)

অন্বণ্য দেৱ

নী ফক





















কোসিদিন চু এন-লাই সাক্ষাংকার এই সংতাহের উল্লেখযোগ্য আলোচ্য ঘটনা। সোভিয়েট প্রধাননন্দ্রী কোসিদিন ১১ সেপটেমবর হ্যানয় খেকে মসকো যাওয়ার পথে আকাস্মিকভাবে শিকিংকে গিয়ে চীনের প্রধানমন্দ্রী চু এন-লাইয়ের সংগ্য সাক্ষণ করেছেন। দৃই প্রধানমন্দ্রীয় মধ্যে কিছুক্ষণ খোলামনে আলোচনাও হরেছে। সোভিয়েট ও চীনের বর্তামান রাজনৈতিক সন্দর্শের পরিপ্রেক্ষিতে এই ঘটনাটি বেমন আকাস্মিক, তেমনি নাটকীয়। মসকো থেকে সরকারীভাবে এই সাক্ষণকারের সংবাদ খোবণা করা হরেছে। জানা গিয়েছে, সোভিয়েট প্রস্থাব অনুষারীই হঠাং এই সাক্ষণকারের ব্যবহণ্য। উভয় প্রধানমন্দ্রীয় মধ্যে কি কি বিষয় নিয়ে আলোচনা হয়েছে ভা জানা যার নি। তবে অনুযান করা যেতে পারে যে, র শিয়া-চীন সীমান্ত বিরোধ এবং ভিরেতনামই ছিল আলোচনার মুখা বিষয়। পর্যালোচকদের মাত কাই দেশের সম্পর্ক স্বাভাবিক করার উদ্দেশ্যেই পিকিং বৈঠকে রাখিয়া উদ্দোগী হয়েছিল। এই আলোচনা মুই দেশের সংক্রে করের বাদে আবার নুই দেশের প্রধানমন্দ্রী প্রস্থান করা হছে। নোভিয়েট-চীন বিরোধ শুরু হওরার সাড়ে চার বছর বাদে আবার নুই দেশের প্রধানমন্দ্রী প্রস্থানের মুখো-মুখি হলেন আলোচনার টেবিলো।

1717

द्रमधी जावान

৮ সেপটেমবর—প্রায় পাঁচবাটা আলোচনার পর অজ ব্যুদ্রজনটের বৈঠকে প্রক্রাইনতা প্রিক্রোতি বস্বা শরিক দলগুলিকে আন্বাস দিরেছেন, বরাহনগরের ঘটনার জড়িত দোষী ব্যক্তিদের বত তাড়াভাড়ি সম্ভব গ্রেকভার করা ছবে। করাহনগরে ঘটনার প্রতিবাদে সি পি আই গত মধ্যকরে ফ্রনটের বৈঠক বজনি করেন। শেষ পর্যাপত ব্যাহনগর নিরে আলোচনার জন্য জর্মনী বৈঠক ডাকা হয়।

প্রধানকদান জনসভা নিরে বে জটিসতাব স্টি হরেছে তার পরিপ্রেক্ষিতে ৩ঃ প্রতাপচন্দ্র চল্দ্র যে বিবৃতি টেডারে করেছেন তার বরুবা ঃ প্রধানকদার জনসভার আমার সভাপতিত্ব করা উচিত কিলা তা নিরে এক তির বিতরেরি স্টি হরেছে। আমি চাই তার সভা নির্বিদ্যা সম্পন্ন হেছে। ভাই স্থির করেছি, এই সভার আমি সন্ধাপতিত্ব করবো না, উপস্থিতত থাকবো না।

৯ লেপটোবন সংখ্যামী, মেরেদের উপর হাজান, লটেপাট ইতাদি অপ্রীতিকর ঘটনার মধ্য দিরে গতকাল রাতে দিরিতে রবীন্দ্র রংগণাল ম প্রথম কমনওরেলথ ব্যব উৎসবের শোচনীর সম্মাণিত ঘটে। একদল দ্বান্ত করেকজন ছাত্রীর উপর হামলার চেন্টা করে। এই থেকেই গোলে-মালের স্তেপাত। প্রিলস লাঠি চার্জা করে বিশ্লম মেরেদের উম্থার করে।

প্রতিমবশ্য সরকার এক প্রেমনেটে জানান, নিজেরা অধিকার অভান করেননি এমন জামতে বাড়িখর নিমাণে করে যে বিবেটে সংখ্যক গরিছ ভূমিহানি পরিকার বসবাস কর্তেন, সংকার তালৈর উচ্ছেদের হাত থেকে কো করার জন্ম আইন প্রণায়ন করার ব্যবস্থা করেছেন।

১০ লেপটেমবর— অক পণিচনবংগ কংগোস পরিবলীর পারতি সর্বাস্থ্যত প্রস্থান গুল করলেন এবং আর এক রাউন্ড আলোচনার পর দলের বহা এম এল এ ও নেতার উপাস্থাতিতে প্রদেশ কংগ্রেস সভাপতি ঘোষণা করলেন : সকলের অন্তর্মের এবং দলের ঐকোন স্বাম্থা আমি প্রধানমন্ত্রীর জনসভার সভাপতিত করতে সকলে

দিলির বংগশাকার মেরেদের উপর বাসকাধ প্রস্থা নিয়ে আজ পশ্চিমবংগা বিধানসভার দুশেলে কদ-প্রতিবাদ, ডিংকার, শেকে ধদতাবিদিক-ধ্যানাথালি চলো। কেন্দ্রীর সরকারের বিভাগে ধ্যানাথানিক ক্রিদের শ্রামান্ত্রী প্রাই বি চবনেক



পদত্রগ্রন্থ দাবি এরা রয়। ধেষ প্রাণ্ড স্থানির প্রদর্শনিটির জন্য অবিবেশন ম্পেডুবী করে দুদ্দন

১১ সেপ্টেম্বে-চ্ছাত বছরে প্রথম ৪ মসে প্রিস বংলাত ২ বছরে ৮ শত ৭০ সন আবংকা করেছে। এই বাজেন ১৯১৭ এবং ১৯৬৮ সালে আক্রান্তর সংখ্যা ছিল ২৭। সমে ৪ বাজার ৬ শত ৮২ এবং ও বাজার ৬ শত।

কলক তা হাইকোরটের আদিম বিভাগে ১৯৩৬ সালের মামলা এখনও আমমিটোসত অবস্থার কাছে। এখনে ক্রমে থাকা মাদলার সংখ্যা বহুমিনা ১৬ রাজ ব। আজ পশ্চিমংপা বিধানসভাল সিটি সিভিল কোরট (সংশোধন) বিলের উপর ব্যালাকার বিধানসভাল এইতথ্য প্রকাশ কালে।

১২ দেশটেমবর—আজ বিকালে বিগেও
পারেড মান্দের করেক পক্ষ লোকের সমানেথে
প্রধানমন্ত্রী প্রামাতী ইনিদরা গান্দাই ভানত প্রথাক প্রবিবীশ সম্প্রকা উদ্ভেদ করের জন্য স্বাহ্ম প্রধানির লোককে এক থাকে কক্স করেছ আহান ক্রানান। তিনি বালান, জনগোই কংগ্রেমের পান্ধর মূল ইংসা। বিয়োজিত ক্রান্ধ্যাই প্রথানের কংগ্রেমের কিন্তুটি প্রতিবিদ্যাই খালাভা। প্রভাগের কংগ্রেম জনস্বাহ্ম বিকার করে প্রধান করে পর্যক্তির শা একথা স্বাহ্মিকার করে প্রধান করে প্রক্রম লাক্ষ্য করিছা করেছ রাক্ষ্য বার্মিকার বার্মির ইন্ডেড তার মূল প্রক্রম প্রবিদ্যা বার্মিকার প্রথম প্রক্রম আরু ম্বাক্স প্রবিদ্যা বার্মিকার

১০ লেপটেমবর প্রধানসাধী শ্রীমতী ইনিবর গানধী আজ কলিকাভাষ পরিবলার ঘোষণা করেব, এখন বা ১৯৭২ সালে ধোনাও কেনা লিখন সরকার গঠনের কোন প্রধানী ওঠে না। কংগ্রেসই ভারতের জাতীয় দল। সাত্রাং কংগ্রেস পরি-চালিত সরকারই ভাষাত্র চাতীয় সরকার। যাঁরা ভাষার সমচিবতাভাগাঁ, প্রধানমন্ত্রী রবং তাদেরই কংগ্রেস যোগা দিয়ত আজ্বান জানিরোয়ন।

কেন্দ্রীর খান্য ও কৃষিমন্ত্রী ইণ্ডগজ্ঞীবন রাম বলেন যে, কলকতে: এবং সংশিক্ষ শিংলাওল, বেছবাই ও মান্তাক বেশন এলাকায় খাদ্য নিয়াবাদ আদেশ কিছু শিক্ষিক কলায় ক্ষা তিনি ভাবছেন।

১৪ সেপটেম্মর ভারতীয় সংবিধান সংশোধন না করেই সমাজতালিক নীতি কাষ্ট্রিরী কর সম্ভব বলে প্রধানমন্ত্রী লীম্বতী আজু সকালে কলকাতার এক সাংবাদিক সামোলানে ভারতীয় ও আন্তেজাতিক নানা প্রদেমর জনার দেন।

প্রধানমারী শ্রীমতী ইন্সিরা ধারণী কলকার। উল্লেখনে অথিক সাহায্য এবং পেরিসভান্ন নতুন আহর সংখ্যানর থানা পারবে প্রতিভঙ্ক কর বসাবার প্রস্তারতি বিচার বিবেচনা করবেন বলে নেয়র শ্রীপ্রধাতে শ্রেকে আশ্বাস গিরেছেন।

বিদেশী সংবাদ

৮ সেপটেনবর—হানায়ের প্রপত বিভ টিত্র দিনের জন। অবল সংবেধ আজ নাবিকন ও ধাঁকণ ভিরেতনাম বাহিনী ধার্র সাংপক্ষে মেনে নিরেছে। ভার বলা ধারাত্ ক হিটনিস্টাবে ক্ষি সমানের চল্লার রেখাল প্রয়োজন-বেশে প্রতি জলানে। হলা।

১ লেপটেমবন - ভিনেতনাম নিউল একোনিপ এন এবন মত জানা গলে উল্লেখি ভিনেতনামন মন স্বী প্রতিনেট রাম্বাছন ভাইস-প্রেসিভেন্ট তন নার থাবা আগত ব্যক্ত ৮৯ বর্গটো ভিনি বর্লন ধনে কলিটিনিস্ট প্রতিতি মাছেন।

১০ বেশটোমন - পিকং তাইতার প্রতি-কিনে আন্তানে শ্রাই তে মাও নিদ্যালয় ধানি কা ইড়ে বিজ্ঞানি তার ই নামালাম দ্রু সেকা ইড়ে বিজ্ঞানি মাও হ'ল প্রি ধনের হিচিত্র জাও হেনে মাই বাল বিজ্ঞা শ্রাইতার কলা ববছেন। তার ভারত সংখ্যা মাতহ চলি সাধানগ্রাহ ও বাহাত বাহাত্রদান জ্ঞানতাই কমিত বেছা হ'লাছ

১১ সেপটেমবর সিনাই এব ইন্তবলার্থ একাকায় ইয়ার কেনে মানিন ইপার আচ্চ মিদানীয় বিমান মোট ভিনলার বোলা বর্ষাণ করে। মোট ৩৬ মানীর এই নিমান আক্রমণে ইন্সক্রয়েকার ক্রমাসনিক সদর দক্ষতণ, একটি বাব্যাকর ব্যাদাম এবং একটি বৈভাব যাদ নিধান্ত হায়েছে।

১২ লেপটেমবন-ইলাডসাধিয়া পরিকার এক সংগ্রহ ভাষাকার বিধেয়েলা কে, তাঁনা কমিটোনেই প্রতিক্রি সোলগাম মাও ক্রেন্ট্র, একটি নম্য প্রতি চাত্রর স্থেচ কর্মেনা: ইপেন্ট্র, প্রতিক্রম-মন্ত্রী বিধা বিধাও তথা ফোরের প্রভাষ হ্রাস করে।

১০ সেপটেমনর—বার্যাপে ভারতের বেন্দ্রি তথা নগতের বার্ট্রান্ত্রী তথা নগতেরে বার্ট্রান্ত্রী তী তথি তথা গ্রেপ্তর বার্ট্রান্ত্রী ক্রান্তর ক্রান্ত্রীর নিম্পান্তর তিন্তর ক্রান্তর ক

১৪ বেপটেমবর নগমটের পর ধ্যামট চলতে থাকায় সিংহল সরকার সমস্ত লেও আগংকালীয় অবস্থা যোগলা করেছেয় এবং তৈল ৪ বিন্যাং উৎপাদন সংস্থাগুলির গাবাছ-প্রো কেলুসমূহে দথল করতে সৈনাবাহিনীকৈ আনেও বিক্রেম ____

HHY

नियं जक्षाती बहलानियम्ब

কবির সঙ্গে য়ুরোপে

৭৫ থাৰে আট ্প্লট সহ, বিপুৰ প্লছ

ৰাস্টেদৰ ৰস্ক

(तक।, मुन्दती (तक। ए,

উপন্যস

विश्रम करत्र

দভোষকুমার ঘোষের

मित्रती ८, विवय्व 8

इतिनाबायण हरहाभाशास्यक

युङामखवा ए,

নীহাররঞ্জন গ্রেপ্তর

कन्याकुभावी ७

प्रदिसक्षाः

लीला अक्तुममाद्वत

সুকুষার রায় ।

*415

रेभारतभक्त्रात वरम्माभाषास्त्रत

গान्धीजीत गठनकर्म 8॥

ভবানীপ্রসাদ বদেনপাধনয়ের

गाक्कीका व मृष्टिए वाश्वा ७ व. ७ वी . ७,

গান্ধী রচনাসম্ভার

(S) (B)(R)

ল জিল কলাম্যাকের নিজ

(तरभात वह णा

স্মধ্যাথ ঘোষেৰ

কিংশার গ্রন্থাবলী ৪,

मुख्य वह

नीना भक्तामनादतत

वात (कात्वाशात्व ह,

॥ ন্তন চতুথ ম্দুণ প্রকাশিত হল ॥

নীরদচন্দ্র চৌধরেীর

बाढामी जीवरन त्रमणी ১०.

व्यवनीन्त्रनाथ ठाकुरतत

याद्यागारन ब्रामायन ३,

(সচিত

श्वामी मिताखानास्मत

श्वां का जिल्ला है।

श्रायायकुमात भागातालातु

উত্তর হিমালয় চারত ১১,

অবধ্তের

नीलकर्छ रिमालय है।।

জেনতিকুমার চৌধ্রীর

यानगरात अर्थ (य ष्यत । ।।

শাক্ত মহারাজের

गहन गिति कम्मस्त ७, नील मार्गम ७॥

পঞ্চয়াগ ও্ উত্তরসাং দিশি ১০

গ্রহেন্দ্রকুমার মিত্রের

বিভতিভ্ষণ ব্ৰেদ্যপাধনায়ৰ

पृष्टिश्रमीश लक्ष्म व,

সৈয়দ মাজত্বা আলীর

রাজা উজার ৮, বড় বাবু ৭.

আশ্রেত্তার মরেখাপাধনয়ের

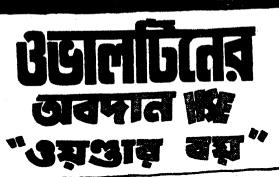
यश्रव्वा ७. माज भारक वाँधा ८,

অচিন্তাকুমার গো াস পরিজ্ব ১০

মিট ও ঘোষ : ১০, শ্রমাচরণ দে স্ফ্রীট, কলিকাতঃ ১২

花花:1 **********

58-8622



উদ্যম আর উৎসাহের সর্বোত্তম প্রতীক



প্রভোজনিন ওজানটিন (থার হাছে), শক্তিকে, ইনার আর উংসাতে। নিজেকে ভরিছে ছুসুন। ওজানটিন থাল-পানীয় নিজে সবচেতে বেশী বিজ্ঞী হজে। পরিবারের স্বার পক্ষে পর্য উপকারী।



स्थात है

ভারতে ভৈত্তী করেছেন জগৎজিত ইপ্রাস্ট্রিজ জিমিটেড কারিপরী সহাযভায়ে করেন ও বহাঝার লিমিটেড, লঙ্ক একমাত্র পরিবেশক : ভোলচাস লিমিটেড

লালেন অভাৱে পুৰো ওছেব একা বাধাব ছবিব জন্ধ আকৌ চিটি ই লিখুন। বিশ্বস্তী হালো— শিএটা, এস. এ. টা ওখনাৰবয়ালা আপনাকে ভুৱ নীয়েৰ কুপনে নাম। ৩ টিকানা লিখে এলা এছালটিনেত কোটাৰ চাকনাম নাহে পাছেল। তে সীলেম পাছেটি বংকাছ সেটি কোটো এটা ঠিবানাম ভূপি হাছ দিন।

জাগত জিল্প ই প্রাক্তি জা জিলিটেড ওড়ালি বোচ, নচামিটালড



विषय	লেখক		भाषी
इंटर्फ दिन —		•••	482
ৰাক্ষচিত্ৰ—			AGO
দৃশ্যপট—শ্রী নবার	द्रान बर्भु	•••	802
র্পদশীর সংব	मिक्टाबा—		५ ६०
বৈদেশিকী —দৈব	রাজ	•••	448
স্নদ্র জানাত	T		AGG
এই मन्त्र हिठिश	ুলি (কবিতা)—শ্রীজগলাথ চক্রবর্তী		409
ভুল (কবিতা)-	-শীশরংকুমার মুরেখাপাধায়ে	•••	४७१
बक्रकादन-ब्रारग (কবিতা)—শ্রীতুষার রায়		469

সংস্কৃতি-বিষয়ক গ্রন্থমালা

कानिकहे থেকে পলাপী

শ্রীসতাঁন্দ্রমাহন চটোপাধারে রচিত। পাশ্চমীদের প্রাচা অভিযানের কাহিনী। দশটি মানচিত্র। (৩.৫০)

विक्य भगावन न

সাহিত্যরত শীহরেরুক মুখোপাধারে সম্পাদিত ও সঞ্চলিত প্রার जाद शास्त्राद भागद व्यावत क्षम्य। (२०.००)

STATE OF र्वाज-माधना छ ৰাজ সাহিত্য

ভঃ শাশভ্যণ দশগাপের এই গবেষণাম্লক প্রশানি সাহিত व्याकारमी भूतस्कार्य संध्यतः (६४-००)

बामासन <u>ক্রিবাস</u> বিৰ্ভিত

সাহিত্যের তীহেরেকুক মাুখোপাধারে সম্পর্টিত বাংগাপ্রাগাঁ প্রকাশনায় সৌষ্ট্রমণিডভ। ডঃ স্নীতিক্মার স্ট্রেপার্যা হয় ভূমিকা। স্যা বাহ অভিকভ বহু রঙীন ভবি। ১৯-০০।

বাক্ডার धनिष्ठ

শ্রীআমিরকুমার বলেলাপাধারে রচিত বাঁকুড়ার তথা বাঙ্কার রান্দর গ্রালির সভিত পরিচর ও ইতিহাস। ৬৭টি আর্ট প্রেট। ১৯৫-০০।

উপনিষ্দেশ্ব मर्च स

श्रीविद्यास्य वरम्पाशायाः इतिङ छेर्णानवन-नम्पूरम् शाकाः वाचाः। 19.001

इवीम्प्र-मर्ग न

ক্রীতিরভাষ বাংদালোধায় রচিত রবীন্দুনাথের **ভ**ীবন-বেংশর সহস্ काला (३ ५०)

ঠাকুরবাড়ীর

मिडियामा वर्तमाभाशाय रिष्ट वरीन्त्रस्थ । हाँद भ्यांभाद्रः । डेंडरभ्डाखर मार्च कारणहरूमा। (५२-००)

ৰবীশ্রনাথ ও ৪ঃ স্থাংশাবিষক বড়, যার গ্রেষণাম্কক সরক আক্রেচনা। ৰৌদ্ধ সংশ্কৃতি অধ্যাপক প্ৰবেশচন্দ্ৰ সেনের ছমিকা। (১০-০০)

ভেটিনিউ । অমালেন, নাশগ্রের রচিত। শ্রীস্থাপেনুকুমার পরের ভূমিকা। তে-০০1

হৈ তা

৩২এ আচার প্রকল্পন্ত রেডে কলিকাতা ১ ::

ৰ্ভন ৰূপে ন্তনতৰ প্ৰভূমিতে बाह्न अकाई भवा शकामिक हरेगा। श्रीमृत्याधकुमात ठङ्गवर्शीय

त्रशार्गितीकः

কৰ্ণাট পৰ

উপন্যাস-রস্মিত ভ্রমণকাহিনী এ ছাড়া আমরা অধ্র ১২টি পর্ব প্রকাশ করিয়াছি।

ন্তন প্রকাশন

गश्नाय विश्वववान

সংশোধিত চতুর্যা সংস্বরণ শ্ৰীনলিনীকিলোর গৃহে প্ৰণীত

वाश्वा १९गोएवत क्रथ

স্কুমার রাম প্রণীত

श्वां छि श्वां एक व

कुश्रुखाउँ। व.४०

निर्माणन्य, बाबक्कोश्रुबी अगील का ब्राह्मक विषय अ

कामात्र कथा ३०:०० s. नि. पान्नी প्रगी**छ**

मर्वकात स्था मान्यक्ष अकाशिक वर्षेत्र ।

ग द ए उ छ

& · OO

শরংসাহিত্যবিষয়ক সমালোচনা গ্রুথ कः म्(बायम्सः मनग्रु

স্বস্তরের পাঠকপাঠিকদের জনা

শাশ্বত ভারত

म्बिडा कथा : कवित कथा অস্ত্রের কথা: উপদেবতার কথা শ্রীসাবোধকুমার চক্রবর্তী প্রণীত

बे बक्दे लियाकत लिया ছোট্রের জন। ভারতের বিভিন্ন বাজা নিয়ে এক একথানি সংখ্যসম্পূৰ্ণ দ্ৰহণকাহিনী

जासारम्त रम्य

উডিব্য: অন্থ: মহিস্তু नायमात वाहित हरेन তামিলনা চ

প্ৰতি খণ্ড মূলা ২-৫০

এ, মুখাজী জ্ঞান্ড কোং প্রাঃ বি: ২ ধণিকম চাটাজনি প্রতী, কলিকাতা-১২





বিদা		शका
খোলাসকুচি—শ্রীমিহির মাখোপাধ্যার	***	442
अम्द्रत्व मिल्ली मत्रद्वम	×	447
न्तामित्र िठि—शिधीहतम्प्रनाथ मख	***	440
জীবন বে-রকম—শ্রীস্নীল গঙ্গোপাধার		899
বিশ্ববিজ্ঞান শ্রীসমর্বজং কর	***	ANO
भावाभाव-श्रीमीर्संनम् ग्राथाभाषाय	• • •	842
ঘরে-বাইরে—শ্রীমতা		474
আর্থিক ভারত—শ্রীসেরত গ্রেপ্ত	*1*	902
ৰাংলার চালচিত—শ্রীআব্দুল জব্বার		200
ভাষেরীর ছে'ড়া পাতা—ফাদার দ্যতিয়েন	•••	220
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী—চিত্ৰপ্ৰিয়	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	229

विरमघ रघाषणा

আগামী ১২ই আদিবন পণ্ডিত ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যালাগরের ১৫০তম জন্মবাহিকী উপলক্ষে আমাদের প্রকাশিত 'বিদ্যালাগর রচনা-বলী'তে পাঠক সাধারণকে এক পক্ষকাল ১৫% হিলাবে কমিশন বাদ দেওয়া হবে। মহান্দ্রল থেকে বারা অগ্নিমস্থ অভারে পাঠাবেন তাদের ডাক মাশ্যল জি।

विष्ठात्रागत त्रहनावनी

मम्भापना

ভূমিকা ও বিস্তারিত আলোচনা

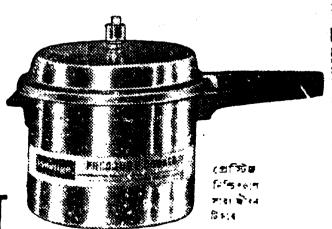
प्रवक्षात वनः

ড: অসিডকুলার বন্দ্যোপাধ্যার

প্ৰথম দ্বিতীয় ও তৃতীয় প্ৰতি খণ্ড—১২·০০ চত্থ' ও শেষ খণ্ড—১৬·০০ টা**কা**

भण्डल बुक हाडेन ॥ १४/১, महाचा शासी स्त्राङ, क्लिकाडा ১

ভারাশকর বন্দ্যোপাধ্যার >0.00 অল্লদাপকর রার 4.00 8.00 त्रमाशन क्रोध्दरी ভাৰতবৰ समामा शरभ a.00 এখনই H-00 স্ভাব মুখোপাধাার नाबरमब जारशोब 0.40 मिला मस कार्टात मरमात ०.०० কালের পদ্ধর্নি আশতভাষ মৰোপাধায় वारनात्र ठिकाना 8.60 माठीन्द्रताथ वटनगाभारतस आनम टेंघ्यवी ०.४० অপ্রিচিতের নাম 8-60 দীপক চৌধারী **.घबा** ७ 4.00 গোরীশকর ভটাচার मश्कारवात्र भ, जून F.00 দ্রেশিক্পী 5.00 পুলেন্ড্রাম ঘটক \$2.00 সদ্য প্রকাশিত ২য় शाभागरमस्य म्बन्स 8.00 চীপার গণ্য 0.40 क्यां जिङ्गा नन्ती ৰসত্ত রঙীন... 0.40 कानाभागी स्वी অনৰগৰ্মণঠতা 4.40 ডি এম লাইদ্রেরী ৪২ বিধান সরণী, কলিকাতা-৬



श्रुधत्नीत् घतकनाश अथरमर

Prestige

मवर्त्राहर निवालिक है निवालका मनाहास (सभी सामका

অনেকটা জায়গাঃ আদন্তে নিজেই ননেন গতে ৰা কীৰ

সার্ভিস ে বিজীব শর সার।ভারতে সাভিদের বাবকা।

সংয় ৰাচায় इन्धन वांहास প্রত্যেক পরিবারের উপযোগী সঠিক সাইজ



বিনামূলে আপনার সুবিদার কথা একটি বাড়ভি প্লাণ্ ख भिन्छेम जनः ब्रह्म क्षमानीय जक्रि वहें कार्षेत्वत (छड्दत छ'दत (मश्रता ष्मारङ।

टिडी क्राइडिन : षि षि (आ**इ**टक्डे) निमिट्डेक वाकारमाय--- ५७



विवन्न	লেখক		ণ্ডা
পঞ্চল্য-ডঃ সৈয়দ ম	জতবা আলী	•••	222
ज्ञादनाठना—	•		252
সাহিত্য সংবাদ-সনা	ন পাঠক	•••	202
প্রেক পরিচয়—		,,,,	200
रथनात भारते-अकलवा		***	209
बार्छामन्हेरनद् आहेनक	ন্ন—মৃকুল	•••	280
রক্জগৎ—		•••	782
खत्रगरमब—		***	284
সাপ্তাহিক সংবাদ—		•••	288

প্রচ্ছদ ঃ শ্রীদিলীপক্মার দাশ

रलधरमद बहे

শোনক গ্ৰহণত্ত্

বিক্তম্ব । ই এয়ায় আজন প্ৰতিক্ৰসাধান্ত্ৰের কাছে লগ্ডিড**ে। যে বিপলে সাভা** তে প্রকোষ জন্ম আছতা পর্যাছ, আমা কাঁর গ্রন্থতি প্রকাশিত হবার পর তার ক্ষেত্রতা প্রধান্ত্রতা স্থাধিত হবে। **গুলার মৃত্যুর পর ব্যাঙের ছাতার মতই** িছবিলালৰ প্ৰা'ৰ জীবনীয়ে বাজার ছেয়ে যাবে হয়তো: কিন্তু বহ-িবলের ক্রিটা পরিস্থানের ফল শোনক গ্রেণ্ডর হো-চি-মিন বাংলার রাজনৈতিক হার্মী সাহিত্য এক অভিতায় স্থান অধিকার করে থাকবে। হো-চি-মিনের হুবিন্নী বল্পত এই পুৰুত্বী হয়ে অপ্রিকার্য।

ঞ অব্যাহ্য <mark>তাদ্বিতীয়া</mark>

চেকোশেলাভাকিয়া ১২.০০

সমাজ ৪৫৮৪ৰ পুৰ্ন চন্দ্ৰান্ত হবি এই বাস এই না ব্ৰহ্মনাক্ষ**ৰ ঘটনা আৰু দুটি নেই।**

সানীল গাংগাপাধায়ের

৫٠৫0

নাভানতের আবেলমে চিরানাত্র **হয়ে থাকবে।**

नरतम्मनाथ भिरत्व मिश्रेड

গিড়ারে ও গভীরতার এ উপন্যাস পাঠকের মনে চির্রাননই দ্বিতার স্থান আবকার করে থাকবে।

श्रीत्रात्मक-कथा **७ काहिनी**, ६८, वश्किम ठाऐरका भौषि, कनि

(त्रि ४९५२)

बिट्याम्ट्स् बहे

यमस जिरहरू क्यांटीक्टन

স্রোভক্ষার রাজচোধ্রীর উপন্যাস 8.00 मग्रु जाकी 0.00 **প্রকপোতী** 8.00 সোমলকা 8.00 গ্ৰহ্মিতা 8.40 জীবনে পথম প্রেম भीवत ग्राकाभाषात्वद लायनीरङ ম্বীর আক্ষানের অমর কাহিনী 0.40 DIBITE RECOM

নারারণ বলেনাপাধ্যারের ক্ষাতিচিত্রণ

विश्ववित्र गर्काव ১०.००

প্রেমেন্দ্র মিরের রহসা-উপন্যাস शास्त्रमा हत्नन পৰাশৰ বৰ্মা 8.40 তুল[©]ল ঘটকের ইপন্যস্ 9.00 कर्म श्रम

পতিত প্ৰজ্ঞাপ্ৰয়াহৰ ক্ষাতিচিত্ৰ চলমান জীবন: প্রথম

স্থোঁর করণের দেশপ্রেমিক কাহিনীগজে

অরণ্যপরুষ ·8.00 कालोभन हाते।भाषाहरू हेभनाहर প্রেবিকা 0.26 সুৰাল ভানার উপন্যাস বেলাভমির গান 8·00 স্থ গ্ৰাস 0.94 কে, এম, পাণিকারের উপন্যাস 6.00 কেরল সিংহম

* শির সংকারের উপন্যাস शिविकना 2.60 গ্ৰহম হাজার উপনক্ষ

6.00

বেদাটানের উপনবেদ ৬ কাডিচিত্র পথে প্রান্তরে (প্রথম পর' ৩-৫০ মিত্রীয় পর' ৪-৫০)

ৰেগম নাজমা ফ্ৰাংকাইন ৩.৫০ यमा ३ ७ वा त घा है

विष्णामध जाहेटबरी श्राः जिः

৭২ মহাত্মা গাফী রে.ড ।। কলিকাতা ১ ফেন : ৩৪-৩১৫৭



मक्ष्यं कत्कत श्रि.धेत.वि.ख আপतात जेका प्रकुछ दाथवात উপयुक्त म्रात



त्राश्वाव त्यानातात् व्याक्ष

১৮৯৫ থেকে জ্বাতির সেবায় নিয়োজিত

ভব্যবধায়ক: এস. সি**্ত্রি**ণ স্থায় ভারতে *৫৮০* টির বেলী শাখা





अनिक ओलर्ध हिन ऋशी श्ना कन ?

খন খন মাধা থবে আর গ্রম হাওয়ায় চুল ভাকিরে
বার বার ল্যাকার লাগিয়ে নিকেকে সুল্বর করে
সাজিয়ে তুলতে অনেকেই বাজা। এতে কিছুদিন
আপনি অনেকের মুম্ব প্রশংসা অর্জন করবেন সম্পেহ
নেই, কিন্তু ক্রমেই আপনার চুল তা'র সম্ভাত
সাবলীলতা হারিয়ে য়ান হয়ে উঠবে। এ সর্বনালা
প্রধ্যক্রেরেই ক্রপ্রামী। চুলের সৌন্ধ্রিক ধরে
রাখতে হলে নিষ্ঠার সঙ্গে নিয়ুলিবিত করেক্ট্র সম্ভাবিরর আপনাকে মানতেই হবে।

- [] अधिवित चन्छः प्र'वात कान करत कून चाक्कारमा
- शि फिरक इन का वांथा
- ভি স্থানের আগে অস্ততঃ পাঁচ মিনিট কবারস্থ তেল মালিল করা
- 📳 মন্তাহে মাত্ৰ একলিন মাধা হয়৷



নি. কে. নেন এণ্ড কোং আইকেট নিঃ ভবাকুয়ে হাউস, কলিকান্তা-১২



গান্ধী শতাব্দী প্রকাশন

গান্ধী-রচনা-সম্ভার

(৬ খণেড)

প্রকাশিত হইতেছে ২রা অক্টোবর প্রথম প্রকাশ

प्रजाः श्रांड थण्ड ८ होका.

৬ খণ্ড ৩০ টাকা।

্সাইজ-ভবল ভিমাই নু প্রতি খণ্ড ৫০০-৫৫০ প্রেটা।

১৫ই আক্টোবরের মধ্যে তাগ্রিম ১৫ টাকা জন্মা দিরা নাম রেভিন্মিষ্ট কবিলে ২৪ টাকার ৬ খণ্ড পাওয়া **বাইবে।** বাকি টাকা দাই কিমিন্তে দিতে হইবে।

টাক। জমা দিবার ঠিকানাঃ—(১) গাংধী শতাব্দী পুস্তক ছাংডার, মহাজাতি সদন, (২) সর্বোদর প্রকাশন সমিতি, সি-৫২, করেও স্টাট মাকেওঁ, কলি-১২ (৩) দাসগাংত প্রকাশন, ৩, রমানাথ মজামদার স্থাটি, কলি-১. (১) খাদি গ্রামেনাগ এবন ২৪, চিন্তবঞ্জন আন্তেলিউ, কলি-১২, (৫) সর্বোদর বৃদ্ধে স্টল, হাওড়া স্টেশন, (৬) মিত ও গোস, ২০, শামাচরণ দে স্ট্রীট, কলি-১২ (৭) মলীয়া গ্রন্থালয়, ৪/তবি, ব্রিক্স চ্যাটাজি স্ট্রীট, কলি-১২, (৮) ওরিনেওঁ বাক বোর, সি ২১-৩২, কলেত স্ট্রীট মার্কেট, কলি-১২, (১) ওরামীপার বৃদ্ধে বৃদ্ধে, ২বি শ্যামাপ্রসাদ রেডে, কলি-১৭, (২০) জেলা গ্রন্থা শতর্বিজি সমিতির কার্যালয়গ্রিস্থেট।

প্রেটকবিক্টোগণের জন্য উপযক্তি কমিশনের বাবস্থা আছে।

॥ বাহির হইয়াছে ॥

ু সর্বসংধারণের উপযোগী সরল ভাষার গাংধী-ভাবধারার পরিবেশন ॥

গা•ধী-কথা	আর্থিক সমতা ০-৫০
(अर्गवनी-कावा) ১ ००	পল্লীম্বাস্থ্য ০ ৫০
अन्भाजा वर्जन o. co	জাতির জনক গাণ্ধীজি
नात्री উन्नग्नन ०.७०	(জণবনী) ১ ০০
अ जाशरर्व कथा ०-६०	कुष्ठेरत्रवा ०.६०
नाम्अमायिक नमना। उ	भाग्धीवाणी o:eo
गाग्धीं ज . ० ६०	গ্যন্থী-গলপগ্যুচ্ছ
भाषकम्बा वर्जन ०.४०	0.60

॥ এই পর্যারের আরও বই প্রকাশের আপেকার ॥

গান্ধী-শতৰাষিকী সমিতি, পশ্চিমবঙ্গ

্ন মহাজাতি সদন, ১৬৬ চি**উরঞ্জন আচে**ছনিউ, কলিজাকাতা-ম ্জনঃ ৩৪ ০২০২

প্রকাশিত হল



माय 8.00

विषयाण क्रमिक्ट-शीतकामक अर्जाकर जात्मत माम एक गा कारन। विरम्प करत वारमा দেশে! পরিচালনা হাড়াও চলচ্চিত্রের বিভিন্ন বিষয়ে — যেমন, চলচ্চিত্রের কাছিনী ও সংলাপ রচনা, চিন্তনাট্য নিমাণ, সংগীত পরিচালনা প্রভৃতি - ভার অধিকার ও त्मभूगां मर्वजनन्वीकृष्ठिमा। क्यामिताल आधिको रिमारत थिन एक निक्रमराभरत অন্বিতীয়। এ হাজাও কিশোরসাহিত্য স্থিতিত এবং পত্তিকা-সংপাদনায়ও ডিনি হথেট কৃতিছ দেখিলেছেন। কিন্তু তাঁর বহুমাখা প্রতিভা যে শ্বাসবোধকারী গোরেন্দা-উপন্যাস রচনারও অপ্রতিষশ্বী, তা কে জানতো! বিশেষ করে সেই গোরেগ্না-উপন্যাস যখন আবার শুধুই শ্বাসরোধকারী নয়, দস্তুরাহতে: স্বীহাতবে,প্রিংবত ও বটে : একমাত্র শর্মিন্দ্র বন্দের্যপাধ্যায় ছাড়া আর কোনত বাঙালী সাহিত্যকের কলম থেকে আজ পর্যন্ত বা বেরোয়নি!

नजां जर बार्यव

अननामाधात्रं रशासम्म-छेलनगाम

वामभारी आर्रि

স্তাঞ্জিং রায়ের গোরেল্যা-কাহিনী প্রস্থাক্তি আর্ডা সাহা সাহা ব্যবহা এক জিনিস। যদিও এটি কিলোরদের জনে লেখা তবাও আলাগান্য নিবিলেখে স কোনও বরসের মান্যবের কাছেই এটি একটি পরম স্থেত্নত উচ্চ

একে তো রোমাঞ্জর ও ব্যক্তি-ধাধ্যনে। ঘটনাস্থিতির রোভ ১ কট্রনার আ**কর্ষণ প্রচণ্ড, এবং আশ্চর্য সাবলাল ও** স্বন্ধুন্দ এর রচনভঞ্জি ভাব ওপত বংগ্রেড **সতান্তিং রারের নিজের আঁকা বহারতা অপরাপ প্রচ্ছ**স এবং লাখ*ি পা*রের প্রত **ইলাস্ট্রেশন: স্কুতরাং বোঝাই যায়, নিষ্কে প**ড়ার এবং অপ্রধে পড়ালার মন্ত এমন বই, এ**বং উপহার দেবার মতও, শুধ**ু এ পালেন্য কেন, ভালানী কলেক পালেনত :वत्द्रद किना **भरम्ब**र।

ষিতীয় যান্ধ ও স্বাধীনতার পরবতী বছরগ**্রলতে নাগরিক বাঙালী জীবনে** ও চিন্তাধারায় যেমন পরিবতনি ঘটেছে, ব্দ্ধেরের বস্কু **এই উপন্যাসে ভারই আলে**খ্য এ'কেছেন। কিন্তু শুখা আলেখা নয় বইটিতে একটি গভীর ও **প্রছম বস্তবা**ও আছে। শ্ব্য পরিবর্তান নয় — সব পরিবর্তানের অন্তর্যনে একটি স্থিয় কেন্দ্রবিন্দাও লেখকের সংখান। সেই কেন্দ্রবিণ্যু – লেখক বোধ হয় বলতে চান – মান্তবের হাদয়, ভার প্রেম বা প্রেমের আকাঞ্চা, অনা কোনও মানাষের সংগ্রে তার একামবোধ। সেই একাছাবোধ সৰ সময় আসে হা, অধিকাংশ ক্ষেত্ৰেই স্থায়ী হয় না, ভব; সেৱকম করেকটি মূহ্যুতের জনাই নায়ক-নায়কা তাদের **জাবন সাথকি বলে মানছে।** আর

व्यन्धरमव वन्नात

আধুনিকত্য উপন্যাস

তাই তাদের ও পার্শ্বর্চারপ্রগরিষর সব বার্থতা, বেদনা ও আর্দ্ধারকার বেন এক অমল কর্ণার স্পর্ণে স্নিশ্ব হয়ে ওঠে; তাদের মধ্য দিয়ে এ ব্রের নৈরাশ্যবিক্ষত পাঠকের: নিজেদের আন একটা নিবিড্ভাবে উপলম্বি করতে পারকেন, তাঁদের মনে হবে স্ব বাহা বিশ্পেলা ও অনিশ্চয়তা সত্ত্বেও প্রতি মানুষের জীবন মূল্যবান।

লেখকের অন্যানী

কলকাতার ইলেক ট্রা ও সতাসন্ধ ৫.০০ গোলাপ কেন কালো ৫.০০ তুমি কেমন আছো ৬.০০ পাতাল থেকে আলাপ ৫.০০ তপদ্বী ও তর্রাঙ্গণী ৩.০০ কা**লসন্ধ্যা ৩.০০**

প্রকাশিত হল



দাম **৮**.০০



আন্ত্র পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড ক্ষিক: ৫ চিভার্মণ দাস দেন। কলি: ৯ া কোন ০৪-৮২৪৭ ক্ষিক-কেন্দ্র: ৬৭এ মহাত্মা গাণ্ধী রোড। কলিকডো ৯

বাংলা ভাষায় স্বাধিক প্রচারিত একমাত্র প্রথম শ্রেণীর সান্তাহিক

্রেফা

ত**৬ ব্য**া। সংখ্যা ১৮ লাকবার ২০ জাল্বক, ২৩৭৬

সংশাদক শ্রী অশোককুমার সরকার সংঘ্র সংগদক শ্রীসাগরময় খেংয

সংখ্যাদিকারী ক্রাপ্রিচালক পালস্থাকার পরিব প্রায় বিচ ডুড্যাল্ল সদকার স্থাতি, করিবতাত ডু জেনে ট্রাপ্রিচান্ত্রনে প্রত্যাহ কহুকে ম্ডিড ও প্রক্রিট

> টেলিকোন ২০-২২৮০ ২০-৮৪৪১

চীগৰ হার ক্ষালকাতার

₹ ⁵ 7'#	 \$1.00	
हाद अद	 \$2.30	
ধ্রেই সৈত্ত	 9.3	

जान: ड

V17.		
বাধিক সভাৰ		\$6.00
বামাসক 🙀	,	\$4.30
Personne		v r.a

শাকিল্যানে

(%) तहास	E 5.18 y		
প্রিক স্টাক		\$0	্ৰ
878. Bd		10	10
77 X4		ы	.00

Giaros affera

(জাইনিক)	্লকৈ !
राधिक महाक	44.05
হাজালৈক ্	\$5.00
Sent inter	\$5.00

কাসল সপ্ত

(বিমান ভাকে)
বিভিন্ন ৩৯.০০
যাগেনিক ... ১৯.৫০
টোমানক ... ১০.০০

দাম ৫০ প্রসা উর্ভেখন ও আনামে অভিনিত্র বিমান মাস্ত্রা ও প্রসা

DESH

Saturday 27 Sept. 1969

ठक्रदबक्र दबन

বিলেশ্য কাজকরের রাশ্বীমন্দ্রী শ্রীপরিমাল ছোব জানিরেছেন, কলকাতার চক্তবেছ । এটি সংসংবাদ সন্দেহ নেই। কিন্তু ইতিমধ্যে দফায় দফায়, মাস কয়ে অন্তর চক্তবেড় রেল সম্পরেদ সরকারী ছোবলা, কিংবা সিম্পানত আমরা এতবার মংনেছি যে, এই ধরনের সংবাদে আয়ে উংফ্লে হয়ে উঠি না। গত ন' মাসেই—খনত বার তিনেক কলকাতার চক্তবেড় রেল সম্পরেশ কোনো না কোনো সরকারী ছোবলা আয়রা শ্রেনছি — কিন্তু এয়াবং তার সামানাতম কাছভ শারা হয়েছে বলে জানি না।

কলিকাতা মহানগরীতে চক্তবেড় রেল স্থাপনের কংশনা বা পরিকংশনা নাইন নার। শ্নেকে জারাক হতে হবে সেই কবে—১৯১৪ সালে, দৃই সাহেব—মার্ল আর মাকানেলান শিরালাদর-কচিরাপাড়া সেকসানের সাতে শেষ করে যে রিপোর্ট দিরেছিলোন ভাতে ডালহাড়ীস স্কোরার প্রবিদ্যাল রেলপথ বিদ্যালিরের স্পারিশ ছিল। ১৯২৪ সালে আবার এই দৃই সাহেব স্পারিশ বেনে, রেলপথিক কলেকার মুপারিশ ছিল। ১৯২৪ সালে আবার এই দৃই সাহেব স্পারিশ বেনে, রেলপথিক কলেকার মাহানগরী প্রয়ণ্ড বিস্তৃত করতে হবে। ১৯২৭ সালে এই বাপারে রেল-প্রত্ত বিষ্কৃতির গ্রে, হবাকান করেন এবং তাদের স্পারিশ পেশ করেন। প্রকৃতপঞ্চে চর্লপ্রেম চিন্তা বা পরিকল্পনার গোড়া তখন হেকেই। বে, ১৯৪৭ সালে ওারীনালাল ফোসিলিটি সানিটার জন্মন্থান ও প্রস্তার মতনাই চলবের বেনের কলেই স্বানির জন্মন্তার করিব সালে ভারত স্ববার এ বিষয়ে ভেরেছিলে দেখার ক্লেনে একটি কমিটি গঠন করেন, এবং সেই বালি গান প্রত্ত স্বানির জন্মন্র প্রভানত দেন। সামান সংশোধন অবশ্য ছিল। বেপোর ভারত প্রান্ত প্রত্তান বিচর কলেই গোড়ে দুক্তবা দুক্তবা ক্রিটি হয়েছে থম্বার বিত্তা হালের প্রত্তা বিচর তিনিটার কলের বেনের বিচর কলের হালের কিছে কল্পকার হালের থম্বার হিলা সেই তিনিটার কলের বেনের বিদ্যার বিছন কলের প্রান্তা

বংগ্রেলী গ্রামকে প্রিচন্দ্রকার স্থান্তরের যাত্রীসমস্থার একটি ভয়াবহ নিং তালে পর্যোজ্ঞান। চিন্তুটিতে বলা হারেজিল-বছারে সম্পত্ত ১০ কোটি যাত্রী এই শংরে যাত্রাত্র করেন। অর্থাৎ অফিস-আন্দের্জিলিকেই জনসংখন বৃশ্ধি এবং নেই মন্পত্ত যাত্রীপ সংখ্যা যে হারে বৃশ্ধি প্রক্ষেত্র পরিবারে পরে তারে ইন্মন করা নায় নাথানী বছল এই সংখ্যা ১৫ কোটি ছাজিয়ে যাবে। তার বৈশিও ইতি পরে। এই অবস্থা যেখানে সেখানে আ্লাম্যী দশ্ম বছর পরে কি হতে তা সংগ্রেটি অন্যান্ত্র

ভাগন সামান এই সৰ ভথা থাকা সম্ভেত্ত কলকাতার চক্তবেত রেল নিয়ে ১৯.১ ডিলবাডামা চালাদে। এই টালবালানা দিয়ার। বাংজই রেল রাজ্যমন্ত্রির ১৮৫টিক সোসন্যা লাগনা বিশেষ প্রাক্ষকিত হতে পার্বাচ্চ না।

ত্র প্রত্যা সংগ্রহ রেল সংগ্র এবার নাকি বাস্তবিকট কাজে হাত লাগাকেন।
তার প্রথান নিকার কথা কোলো করা ছাড়াও বেল স্থাপনের জানে বেল-সংগ্রহ নাকি
তান সংগ্রের কাজে তাচিরেই আতা দেবেন। প্রথম বছর জান সংগ্রহ ও রেলতাটার স্থান নিবাচন করাত কেটে বাবে। তারপার কাজ সারে হাজ আলা করা
তাজ, বছর তিনেকের নাধে। তা শেষ হবে। জান সংগ্রহর দায়িছ বাজা সরকারের
তাল তামি সংগ্রহের বংগোরটি নিতানত তুক্ত কাজ নাহ, এবং এ কাজে নানান
বাবান তা সায়েও আমবা আশা করব, বাজা সরকার জানি সংগ্রহ তবংল হাসেন।

একটি কথা বৰা দরকাৰ। ইতিপ্ৰে আমবা শ্লেছিলামা—আগতিত চক্ৰেড় বেলাৰ বৰলে অধ-চঙ্কেড় বৈল স্থাপনেই সিন্ধানত লেওয়া হাছেছে। ইতিহানেই সংগ্ৰহিক উদ্ভি থেকে এ বিষয়টি প্ৰিক্ষাৰ কৰে ৰোঝা গেল না। আমবা ধৰে নিচিছ প্ৰ' সিন্ধানত মতনই কাজ হবে। নেই মামাৱ ছেমে কান্য মামা যে কিছুটা চাল ১০০ আৰু সন্দেহ কি!

কলক। তাৰ চতাৰেড বেল স্থাপানের স্বিধার জনো, যতদ্র মনে হয়, পশিচ্ছাকাপ সরকার এমন একটি প্রস্তাব করেছিলেন যাতে তাঁরা বলেছিলেন হো, পোর্টা কমিশনাসেরি বিজ্ব কিছা লাইন-এবং চালা ফিছা লাইনকে এই বাবস্থার স্থাপ যোগ করতে পারলে কাজটি স্বিধাজনক হবে। অর্থাৎ ডক ইয়াটোর এবং এখানকার চালা বেলপথ যদি বাবহার করা যায় তবে কম সময়ে এবং কম খরচে লাপাতত একটি সারকুলার রেল চালা করা সম্ভব। জানি না-নত্ন প্রিকাশনায় বেল স্থের কা বাবস্থা নিরোজন। যে সাক্ষা নিয়ে পাক্ষ চল্ডের রোলার বাজ যত প্রি সম্ভব মারা হলেই আসরা কিছাটা স্থিতি পাবে।



महायाना बाकाशाल

মাদের নতুন রাজ পালের জনা অ লি

দুর্গথত—ভদ্রদোক কলকাতার পা

দিতে না দিতেই এমন কতকগালি কথা
ব লাজন বার জনা হরত কিছুদিনের মধেট
তিকৈ কিছুটা অস্বিধার পড়তে হবে।
ধওরান সাহেব বলি আর একট্ অপেক্ষ করে
নিতেন, আরও কিছুটা দেখে লানে বাঝে
ত রপর পশ্চিমবণ্ডের রাজনৈতিক পরিস্থিতি
সংপাক কথা বলতেন তাহলে বেধ হর
ভবিরতে প্রভাবার আশ্রুকা কম থাকত।

বংধা বাধ্যবের কাছে শানেছি ক্রীশ নিজ-পরর্প ধ্রয়ান বেশ ভাল লোক। পান্ডিস ম নার, ঝাট ঝামেলা পছন্দ করেন না এবং পড়াশানা নিরেই নাকি বেশি থাকেন। এমন মানার ভাল করে না জেনে শানে কতকগালি কথা বলে বিপাদে পড়তে বাজেন ভাগালাই কথা হয়। বিশোষ করে নাড়ন র জাপালকে নিয়ে ধ্যান ইতিমধ্যেই দিলিতে বেশ কিছটো ২০১১ হয়ে বিভাগে

অবশ্য দিল্লিতে ন্তম বাজ প্রাক নিয়ে যে বাক বিত্তা শার, হার ছে অ মি মান করি মা তার মাধ্য শার বেশি বেশিকতা আছে। দিশিতে বেউ কেট বালাছন, ধত্যাম সাহেব কমিউনিক্ট ভালাপদ ত ট তাকে পশ্চিমবাগের মত এক না বাজেব ব লাকেব করি তাকে বিত্তা হয় নি এই বকরে ব প্রেশি হোকে টোক না ব্রহাকিন্টা বিভাবপাত হাত প্রাক্রমবাগের বাজাকাজ ল হাত পারেক মি তাক কাজান বার্টার বিভাবপাত হাত প্রাক্রমবাগের বাজাকাজ ল হাত পারেক না কেন্ত্র

রাজ্ঞাপাল পদে বাস ভিন্ন কমিউনিসভিবের এবউ বেশি লাই নেবেন । তার তারভবে সাবে টার করেল দি বাকে দে পর জন গোন ন ও এইসর কথা যার বারের তার ভূপি শাল বিজ্ঞানি করেলীয় সরকারে সম্পান ন পেলের রাজ্ঞানির ক্রেন্সীয় সরকার মান্য করেল রাজ্ঞানির হাল ও লাই ৷ যান করেল রাজ্ঞানির সরকার মান্য করেল রাজ্ঞানির সাবার দিতে পারেন। রাজ পালা ক্রেন্স্র প্রতিনির্দিশ করেল পালা মোর্টাম্টিভাবে কোন্তর নির্দেশেই চলেন। বার্টাম্টিভাবে কোন্তর প্রধানমন্ত্রীর করেল ভার কেন্ত্রীর প্রধানমন্ত্রীর করেল ভার কোন্তরির প্রধানমন্ত্রীর সম্প্রতিভাবি ভ্রান্তর্ভারী প্রধানমন্ত্রীর সম্প্রতিভাবি ভ্রান্তর করেল ন ব্যান্তর করেল ভার করেল ভার করেল ভারি করেল ন ।

বাজ্ঞাপাল খবরাখবর ঠিক ঠিক মত
দিল্লিক জানাবেন না ? এটাও অহাত্ত্ব ভঠা।
দিল্লি শাধা রাজ্ঞাপ লের মাধামেই খবর সংগ্রত
করেন না। এ বালারে তাঁদের সবচেরে বড়
সত্ত কেন্দ্রীয় গোরেণ্ডা দেফতর জাব, র জাপাল যদি তেমন সাুলারিশ নাও করেন, তেমন রিপোটা নাও দেন তাহলেও রাষ্ট্রপতি
(কেন্দ্রীয় মন্তিসভারই প্রাম্যোপ্তি কতকগুলি



অ শংকায় যে কোনও রাজ্য সরকারকে বাহিঞ্চ ক ব নিতে পারেন।

আমি বলাছি না, রাজাপালা পদের কেনিও
গারেছ নেই। কিন্তু রাজাপাল রাষ্ট্রপাত নন।
রাজাপাল আনলে কেন্দ্রীয় সরকারের মনোনতি প্রতিনাধ। তার বিশেষ কতকগালি
ক্ষাতা আছে বইকি: কিন্তু চাড়ানত বিচারে
কেন্দ্রীয় প্রতিনিধির্ত্প তিনি কেন্দ্রীয়
সরকারের নিনোলে চলতে বধা। তার হাঁ,
ইচ্ছা করলে যে কোনও রজাপাল কতকগালি
পরিশিপ্তিতে সাম্যান্ত্রকভাবে কেন্দ্রীয়
সনবারকে কিছাট বেকায়ন্ত্র ফেলাতে
প্রনে।

আর একটা কথা, ধারা রাজ্যপাল পরের উপৰ থাৰ বেছিল। গ্ৰাভ আবোপ কৰণত চান ত[া]রা ভূলে যাম গণতাল্ড নির্মাণিডত সত্ত তুই প্রধান ৷ আন্মানের সংবিধানের সারও ভাই ধরান, এর জেন ্ট্রিজনতি বস্পোপনে অলিহিত এ কম দিকেন্দেন্দেশ ধ্কলিউনিস্ট-দেরই সরকারী চাকরী পাও'' ই মনুন করান শুহিবেক্স কৈ হ'ব ভবি সময়ৰ এখন একটা গোপন বাবস্থাক্রকোন্যে সিজিকিক লে কৰা ছাড়া আৰু । কেটু সৰকাৰ্ত্তী জা<mark>ন্</mark>ন পোলন না অহব হসি ট্রীবেশবনার মারেন শাধা সি পি ভাট-র প্রাকের 2 5 2 স্পাবিশ মতই টিউবভারেল বসাবার বারস্থা 572 756 (6) -**मे**रक्र क्रिकेट स्ट ব লাপ্রী বা ট্রীমিন্ মাস্থিনকে কিল্পে বাসের বজাপলা কর্মেন ক্ষেত্র সূর্ব। ছবে না। এর স্রোহা করতে পারেন একার জনগণ। গণতপের বিধানে এর প্রতিকার হতে পারে একম হা ভাতট।

রাজাপাল মণিচসভার প্রামাশ চলতে ব্যাহা।

:

কিন্তু নতুনু রাজ পালা কলক তা এদেই থে কথাগালি বলৈছেন সেগালি তিনি মাধ্যসভার পরামাণা বলেন নি । তিনি নি জ কোন ভাল বাবেছেন তেমান বলেছেন এবং আহারে হনে হর কতকগালি কথা তিনি একটা বোগাই বাল ছন। ধঙরান সাহেব সব জোনাগানে বলালা বোধ হয় ভাল করতেন। নতুন ব্যালাকা কমিউনিস্টনের দেশ-

ন্তুন রঞ্জিপান কমিউনিস্টনের দেশ-প্রেমিক বলার বা ভারতিবাব্যক বির ট দাটিজিকেট দেওয়ার আমি নোটেই ক্ষাব্য মই। নিশ্চরই তিনি এমন কথা বলাতে প্রেন--শান ফো দই বিশ্ব সংসেই কথা বলার পূর্ব ধ্বাধনিতা তার নিশ্চরই থাকা উচিত।

এ ব্যালের বহা মন্যত কমিউনিসী দর দেশের শতুরিকান্দে করেন নাংহদি 🖭 অবশ্যের প্রতাল বিশ্যেষ্ট কমিউনিস্টর। এত ভেট পেতেন নাংকেট ঘদি মান করেন কৌ দি পি এই সি পি অই স্পাক হৈ সক অভিযাল অনুন্ধ কুমেন পাদ দি আই পুণানত রাণ নিদেশি চলে") অথবা সি পি আই সি পি এম এর বির্যাপ্ত কথা বালন । যেমন । "ওরা চাঁনা পাড়িক নির্দেশেই ভারতীয় কমিউনিস্ট - প্রতি (ছাপেছিলা) /সংগুলি সংই ভল ৬ অসত। তথলৈ কামি होत हर दिस्तामात झालिक कर र 51ई ने।। ভাছালে ডিনি সিম্মাই মান করণে পারেন, ∌ী ভুৱাহ কারণ[©]নালাদেল ₹्रिस বিবস্থন এড়ই—বিসেশ্রীকথয় চ'লেল না

্রে ডিবর প্রাস্থা সমাস্বল **লাক'.** প্রত্যাস্থা সর এই এইফিস্টেই আজ-বিহ্যাট্টেই ভ্রেটে ব্রুগেলে অব আসেন

পাঠডবনের নতুন দাখানি বই

ভারতবয়ীয় উপাসক-সম্প্রদায়

অক্ষয়কুমার দত্ত

অক্ষাব্যালের ঐতিহাসিক একে বহুছিল। দ্বিভাগে হাক্স পর প্রতিভাগে হাক তিরিক বৈবি শাস্ত প্রভৃতি ক্ষেত্রশত উপস্থিত-মাতুল এই বিবর্থন প্রভিত্য নতুন আহতিও তথ্যসংখ্যালন্তির বস্তালি **বিনয় বহুছে সম্পাদিত । মধ্যে** ২০ **টাকা**ণ

বাংলা সাহিত্যের রেখালেখ্য

অলোকরঞ্জন দাশগুণিত । দেববিপ্রসাদ বন্ধের্গাধ্যয়ে নতুন দাদ্যতে নতুন ভাগাতে ভাষা বাংলা সাহিত্যার ধ্যাব্যবিত্ত ইতিহাস—৩০১৯ মুগ থেকে অম্মূলিক মুগ প্রাত্ত । মুলা ১৫, টাকা।

পাঠজনন । ১৯/১ বহিন্দম চ্যাট্যভিগ স্ট্রীট । কলকাতা ১৯

নি"— এসৰ কথা কালকাটা ক্লাবে, আলি-পরে বা চৌরপাী-পাক' দ্বীটো ছেরা সাহেৰ পাড়ারও হামেশা শোনা বার। ধওয়ান সাহেব লণ্ডনেও তাই শ্নেছেন। তিনি মুখেও সেই কথা বলেছেন। এতে জন্যার কিছু করেন মি, আশ্চনেরও কিছু নেই।

ধওয়ান সাহেব কলকাডার ইপা বংগ नमारकत मान्द्रस्त नरका कथा वन्ता रव জ্যোতিবাৰ, সম্পৰ্কে আৰুও বেলি ইয়প্লেস্ড হবেন আমার তাতেও সন্দেহ নেই। कालकाणे मार्टेमिश क्रायत मीलाफ भारत শ্ৰীরাম চ্যাটাজি কিছু সাঁওতালকে সাঁতার কাটতে নিয়ে যাওয়ার পর জ্যোতিবার, যথম ওই ক্লাবে দাঁড়িয়েই প্রকাশো রামবাবাকে ভংসনা করেছিলৈন তখন ক্লাবে সমৰেজ ইংগ-বংগ সমাজের ভদ্মছোদ্র মহিকাদের মধ্যে যে জ্যোতি বস, প্রশাস্তর বন্যা বয়ে গিয়েছিল ধওৱান যদি ভা শানভেন ভাহলে নিশ্চরই আরও চমংকৃত হতেন। ভাহলে তাঁকে আর লণ্ডনে শোনা কিছ ইংরেজ বাবসায়ী বা ব্যাকারের কথার উপর ভরসা করতে হত না।

রাজাপাল নিশ্চরই কিছ্বিদনের মধ্যে ক্যালকটো সোসাইটিতে শ্নেতে পাবেন যে এই দ্বিনিও জ্যোতিবাব্র মত মান্বকে পাওয়া কত সোভাগোর বাাপার; পেখতে পাবেন, ওরা প্রাক্তর সেন বা অক্স

ৰাখিক ৰিলিমিল

3096

দাম ৩.৫০ ক্লি পি কিংবাগে ৪.৫০)
বিখ্যাত ক্ষেত্রত ও দিক্সীকের কোখার ও বেখায় স্কৃতিকত হয়ে শান্তিই কেরাকে। বিন্যায়কো। ৩৫০ প্রভাব এই কার্যকাটি প্রেত হলে অক্তর্ম ৬.৫০ প্রং পাক্তির বার্যক হার্যক হও। একোটনা যোগাযোগ কর্ম।

শ্ৰী প্ৰকাশ ভবন

১৯ শ্রামাচরণ কে প্রতি, কলকাতা-১২

্রাস ৮৫৩২)

এ.সরকার **এও সঙ্গ** সন মাণ্ডে ফাও সঙ্গ **জনভাট** এম. বি.সরকার ট্যোডিশ্যনাল পুরু**লার্**

১৭১|১**ও রাসবিহারী এতিস্থ** বালিগঞ্জ কলিক**তে** ফেল: ৪৬-৬২৪৮ মাধোপাধার, অভুনা বেদ বা প্রযোগ দাগগন্তকৈ কম অপায়ন্দ করেন এবং বিধানবাৰ,-জ্যোভিবাৰ্টের কম প্রশংসা

ভাই, ধঙ্গান সাহেৰ ক্ষতিনিভলৈ দেব দেশপ্ৰেমিক বলান গা জ্যোতিবাৰ্কে বিনাট সানটিকিকেট দেওৱান আমি ফেটেই বিচলিত নই। এখানেও অনেকে এইসং কথা বলোন। নাজ্যপালও ভাই বলেছেন।

নাজ্যপাল ব্রক্তন্ত সরকার এবং পশ্চিমবংগার রাজনৈতিক শিশ্বকতা বা দেওবিলিতি
সদপকে বৈস্ব কথা কলেছেন আমি শাংখ্
সেই জন্য আগংকিছ। আমার মনে হয়,
সমগ্র গরিন্দিটিত ব্রেস্কুরে কথা বললে
তিনি হরতো এ ফল্ডবা করতেন না যে,
"পশ্চিমবল্যে রাজনৈতিক শিশ্বত। বিরাজমানা ব্রক্তনেত সরকার স্পিন্ত। আমার
দ্যু বিশ্বাস জনকল্যাণের কাজে এক্যোব্যা
চোল্টি রাজনৈতিক সলের অঅনিরের প্র
জনসাধারণকেও এই দ্যুটান্ড জন্সেরণে
জন্যথাণিত করবে।"

ধঙ্মান সাহেব বলি শুখা তাঁব জাশা বাজ করতেন ভারতো জবাগা আছি তাঁব জন্য মোটেই চিন্তিত হভাছ না। তিনি কে জাগ ও জনেকটা এগিরে বলে জারেনটা এগিরে বলে জারেনটা এগিরে বলে জারেনটা এগিরে বলে ভারতান একালা ভারতাদি, ইডাালা এইগালি কি বালতার পারিন্দির্ভিত্ত জানেকটা অভিরক্তন নাম এলব বজনা হৈ ভুলা, ঘটনাপ্রবাহ ধঙ্কান সাহেবকে কি জানিবার ভালি ব্যাক্তির জানিবার হারেন সাহেবকে কি জানিবার ভালিব্রিকার ক্রাপারিকা কিবরে নিতে পারবেন।

চণ্টাবলিটি নিশ্চরই বিরাজ্মান। কিংচু
এমন স্টেবিলিটি তো কেনলেও ব্যেছে।
সরকারী সল বা গোপনীর বিধানসভা বা
লোকসভার নিরক্ত্য সংখ্যাগরিপ্রভাই হ'ন স্টেবিলিটি বিচারের মানস্ট হয় ত'হাল নিশ্চরই কেরলে এবং নিরিতে বাব ভাল স্টেবিলিটি আছে। আমার সূঢ় বিধনাস, এমন স্টেবিলিটি আভতত ৭২ সন্ প্রণিত পশ্চিমবংগ্র খাক্রে।

কিম্পু স্টেবিলিটি মানে বাদি দিথবড়া হৈয়
ভাহতে কি সেটা দিলিতে বা কেবলে
আছে? না, সেই জিনিস পদিচমবণ্যে আড়ে
ও থাকবে বলে কেউ ভরসা করতে পারছেন?
বারা একটা খোলখবর রাখেন তারা সকলেই
ভানেন গদিচমবংগার ব্যক্তনটিও ধারে ধারে
ক্ষেত্রের বড়ে শরিকরাও ঠিক ওইভাবে
ওগোবার ক্ষ্যাই প্রস্তুত হচ্ছেন। তার।
সকলেই দ্বু পা এগিরে এক পা শিভিয়ে
ক্ষেত্রের ক্যা এগিরে এক পা শিভিয়ে
ক্ষেত্রের ক্যা এগিরে ব্যক্ত। খিনি সন্য

বিলাইতি ভোষোকেলি লেখে আলেছেন ডিভি কি বলবেন এইটা ভেটি ভিডি-এই সরস্থার ভাষাপথতাত

ধন্তমান সাহেব বলেছেন, 'ভিচ্ছ দশ্য কেন্দ্রন জনকলাবে এক'ছে' এবং তি'ন পণিচন্নবংশার জনগশকেও এই জালেন' উদ্দেশ হওরার জনা উদান্ত আহেনি জানিরেছেন। আমি বলাব, দোহাই ইওর একস্লোনসি, অনে বাই কর্ন, জনসংখারগতে আপনি ওই ১৪ দলের 'একছেতা ও জনকলাবের জালান' উদ্দেশ হতে বলবেন না! রাজের সব মান্ত কদি এই নাই বাগেরে ও'দের পদানক অনুসর্গ করেও ভারা করেন ভাহেলে অরে আপনার রাজ্পে মান্ত ভিক্তে পারবেন না!

ধ্যমের গত্রকাশ্বাহণা মহন কৈ জাননা মন্তর্য সদস্য শ্রীহারেকুক্ত কোঞ্জারের শুক্তম গত্রতার মারক্ষারি করি কাটিকারি করি আবাদ সর নিতিকো ফ্রেলিয়া ভার্য দেশি রাজ্যর সর্বাহী তার তালার ব্রাজ্ঞানি তার্য তার্য রাজ্যর স্বাহী তার তারার ব্রাজ্ঞানিত তার্য ভারতার কর্মিনির ন্যালার ভ্রবল প্রাশ্রমার্যারর জালারা কি করে ।

STA R. FORTOK BERFES 200120 লাঞ্জেলী হাসণার কাছে হয়ের ্যাপ্তি এই ক্সাক্ত প্রপায়ক (মার সভারী করাত সলকা ক লাপত শ্র্ভিনামুছ দল্ভিত **লাপ্ত**ে ভার 14-11 4.100 48 ्रे भ द्वारा के **स**र्वेश के क्रिक्ट देश है (बर् ୍କାର୍ଥରୀ ଅଧ୍ୟ ଅଧ୍ୟ ार्श्यन, दो प्राहेश रोज अल्लेक हरेन्द्र है ব্যু জেলালিককার স্বর্গতা সক্ষতির ব 类型医学部件 化油 চু মুরাজ্ঞান 72 riped med ब्रीभेट क्षेत्र दशक विका (中国 は、 なんかがいり けかは こまで断 型d#、類似、(3.52) (4.6) (3.5 A) (元) त्रदासमा क्रिका व अपनार्वेशक है। N/V 54 9 (# R & Jak) & Pie (P औरिक्समार भारतीको ता ३: कामादी सङ्गीतर বা শ্রীসাংশেষ বানাজি জনগণের কোনভ ভিড তথ্যত প্রণিত কারিছেন ডাইকো আমি আমার গ্রাট স্বীকার করে নেব:

অন্ত্রি অবশ্য এই সাত মাস ধরে দেখছি, ভার: একে অপরের বিরুদ্ধে অভিযোগ আনজেন যে, সে যার পারতিকল্যাণই করে বাজেন, জনকল্যাণ কিছাই হাজে না।

রংজাপালের কাছে ভাই আমার বিনীত আনুরোধ, আপনি দয়া করে ব্যাপারস্থাপর একটা বিশ্বে মিনা—ভারপর সাটিখিনেকট দিতে নামান। না হলে হয়তো ঠককেন্— আপনার মত একজন ভাল মান্য মনে দ্বেথ প্রাবেন!

নবার্ণ গ্'ড

প্রতিবাদের উত্তরপূর্ব কররেড পোর্যিত বস্তে ইওরোপ এবং আমেরিকার প্রিক্রণতি, শিক্পণতি এবং লাংকগতিয়া বেশ সাইক করেন আমাদের तक्त राजाशांक शिमान्डिम्बर भ शांदराटनद क्षवांगिए क क्या कामरक स्मात करे बारकात क्रम्भार्गत मिक्त्रहे श्र आह्यान हरत। दक्न-না সাহেবেরা বৈ লোক চেনে, সে কথা वाशानीत्रव कार्य कार्य चात्र व्यक्ति ह जाकाच्या बामाजादगरक फिल्मिका, विमा-সাগৰতে থাতিব কৰেছিল ব্যক্তিমন্দ্ৰতে মার্কার দিরেছিল, রবীন্দ্রনাথকে প্রাইজ দিরেভিল ভারপর আমরাও রামমোহনকে চিন্তার বিদ্যাসাগরকে খাতির কর্যাম. ব্যক্তিয়াকে আৰি এবং রবীন্দ্রনাথকে গরে: বানালায়। আমর। বে আর্ব, সভাবিং রায় ভাল ফিলিম ভলতে পারেন এবং প্রবিশক্তর ভাল সেতার বাজান, সেটাঙ আমরা সাহেবদের মথে শোনবার পর খেকে বিশ্বাস করতে শরের করেছি।

কটেনীভিজ আমাদের রাজাপাল শ্রীধাওয়ানকে ধন্যবাদ বে, তিনি মোক্ষম সমূরে মোক্ষম বার্তাটি জানিয়ে দিয়ে দেশ-বাসীর স্বিশেষ উপকরে করে দিলেন। কেন বলি। বভামনে কমরেড জ্যোতি বস্ব সময়টা বিশেষ ভাল যাছে না। যুক্ত ক্রনটের শতিকদের মধ্যে পর্যুক্তপতি ্মনে দিশা পাজিপতি, প্রতিকিল্লীল, ক্যায়েমী স্বাৰ্থা, কংগ্ৰেম এবং সি আই এব চর বাপকভাবে ভাকে পড়েছে। শ্বা ভাই ন্য এট্যার চ্ছাণ্ডকারী শ্রভানের যাই ভালমান্য শীর্ষ-क्रमार्केट अधिकार ভাষাদের বিপ্রাচত করে একাকে আনোর বিষ্ণুদেধ লড়িয়ে দিছে: এবং ষেহে ই নেতারা ভালমান্য তাই তারা অভিনর সরল হতে একে ভাতের বিষ্ণুশ্ব লড়ে যাক্ষেনা পরে সকলের যদ্ধ কর্বিং ফৈরে আসছে, এবং ফলফেল খাঁডয়ে দেখা হজে, তথ্য দেখা যাজে বেশির ভাগ ক্ষেত্রেই লড়াই হছে সি পি এম কাম অন্যানা শারকে। এবং প্রালস যেহেতু কমরেড ক্ষেণ্ডি বসরে হাতে (এবং তিনি নিরপেক্ষ-ভাবেই পর্নিস্কে পরিচালনা করছেন) সেই হৈছে অন্য শরিকদের ভালমান্যে নেতারা অতিশয় সরল মনেই প্রিলস্পতি কমরেড दित्र एष टक्रमाधिक প্রিসবাহিনীর গক্ষপাতমূলক আচরণের অভিযোগ ভুলছেন। যার ফলটের শারকের। বিশেষ করে সি পি আই, ফরভন্নারভ রক, তস ইউ সি. এস এস পি প্রভৃতি ব্রুডেই



গারছেন না বে, এই বিরোধের আসল কারণ
কাঁ! ব্রু ফ্রনটের অনেক শারকই নিজ
নিজ কমিদারি ঠিকভাবে চালাতে পারছেন
না। সি পি এম স্বিধাজনক শতেঁ
অন্যানা শরিকদের এইসব আন-ইকর্নামক
হিসাগেলো বরাবরের মত লিজ নিরে
নিতে চাইছেন। নেশের স্বার্থে, সাজা সোস্যালিজমের স্বার্থে এবং জনগণের
স্বার্থে ব্রু ফ্রনটের অনান্য শরিকদের
উচিত অবিলম্মে নিজ নিজ হিস্যা সি পি
এমকে সোরসী পাটার কব্লিরতে পতনি
দিরে দেওলা। তা হলেই লাাঠা চুকে যার
অ্থাং যুক্ত ফ্রনটে শরিকনী শ্বন্ধ ঘ্রুচে
বার।

কিম্ভ সংখ্যের বিষয় 21-15-9FE ্মগাং দিশাঁ পঢ়িছপতি), প্রতিক্রাশাল, কারেমী স্বার্থ, কংগ্রেস, ব্রেজোয়া সংবাদ-পত এবং সি আই এ-র চরেরা এই সহজ সমাধ্যনের বির্দেধ ক্রমণেড চক্তান্ত করে যার ফ্রনটের পরিকী বগভাকে জিইরে রেখেছে। শ্রহা জিইরেই রাখেনি, কমাগত নানা কৌশলে এর ভীরতাও বাড়িবে চ্যুলাছে ওবং পালিসপতি কমারেড জ্যোতি বস্তুকে ফ্রনটের বৈঠকে অভিমনত্ত্র মত সংভরথীর আক্রমণ সহা করতে হচ্ছে। এইরকম নানা ধারায় পশ্চিমব্রগার এই উত্তমপ্রেষ্টির ভাবমুখিখানির জ্যোভি যে সময় কি'লং দৈত্মিত হবাৰ আশংকা দেখা দিয়েছিল, ঠিক সেই সময় সাগরভার থেকে ধারমান বাতা পশ্চিমবংল প্রেণীয়ে আপামর স্বাইকে জানিয়ে দিল, ইওরোপ ভ অনুমারকার পশুক্তিপতি, শিংপপতি ভ ব্যাংকপতিগণ পশ্চিমবংগর কামউনিসট পুলিসপতিকে দেখে আগ্রহার। বিদার স্কুরকে দেখে বর্ধমানের প্রেবাসিনীদের য়ে দশা হয়েছিল—'রাপ দেখি বামাগণ বলে হার হার। আহা মার ব্রেপর বালাই লয়ে মরি॥ কিবা বা্ক কিবা মা্থ किटा माक काम। किटा महासद केव কর্মি লয় প্রাণাঃ" –সংহেবদেরও নাকি

অবিকল সৈই দিশা! পশ্চিমবংপার কমিউনিসটর (সি-পি-আই এবং সি-পি-আই-পে-এল সহ) কমিউনিসট হলে কিছু মূলে তো বাজ্যালী, তাই তাঁরা নাহেবদের কথা ভূড়ি দিরে উড়িরে দিতে পারবেন না। তাই আশা হর, কমরেজ জ্যোতি যে পশ্চিমবংগারই জ্যোতি, সাহেবদের এই মত মেনে নিতে তাঁরা আরু দ্বিধা করবেন না এবং "কে রর ভূলে তোমার মোহন রূপে" বলে বন্দানগাঁতি গাইতেও আর ভাদের বাধা থাকবে না।

विनाम ला मांड ७ हममा

র যে বিষয়েই মততেদ থাক না কেন, শেক ফনটের মন্ত্রাদের সরকারী থরচে দতি ও চলমা যে অবিকাশ্বে দেওরা প্রয়োজন, এই বিষয়ে ফনট মন্ত্রিসভা নাকি সর্বসম্মত সিম্পানত নিরেছেন। বহিল দকা কর্মস্থানীর জার হোক। যাক ফনটে যে পরিমাণ কামড়াকামড়ি চলেছে, তাতে মন্ত্রী-দের দতি ভোঁতা হার বেতেই পারে এবং ভবিষয়েও আত্মরকা ও পালটা আক্রমণ— এই উভরবিধ প্রয়োজনেই বহিশ পাটি ধারাল নতি অভিন্যা আবদাক। সে বিষয়ে অবলা বলার কিছাই নেই। কিন্তু তাঁরা বে এত শীঘ্র সোধ্যের মাধাও খেরে বসে আছেন, এটা ঠিক ব্রেত্ত পারা বার নি।

কেবলের বৃক্ত জন্য সরকার যেখানে
মান্তই বেকার ভাতা চালা করেছেন, সেখানে
প্রশিচনবংগার জন্য সরকার জনগণের মন্তিরগাকে সরকারী হর্ডে পতি ও চশ্মা যোগান দেবার ব্যবস্থা করে বৈশ্লাবিক কমাসচ্চীকে যে কত হাপ এগিয়ে পিলেন, নিজেদের যে কতা জনপ্রিয় করে তুললেন তা ভাবা যায় না।

প্নণ্ড : 'ষ্তে জনটের বিভিন্ন শরিকদলের কংগী কমীদের জন্য সরকারী থরচে কৃতিছ অংগ-প্রভংগ সরবরাহ করা হোক''—যুক্ত জনটের জাগামী কোনও বৈঠকের জন্য অংগাছ

ৰিউটি

াখ্যমতা **যান্ত চনটো কগড়াও করছি,** আবার ভারও করছি, ওইটেই আমাদের বৈউটো —ভূমি ও ভূমি রাজনব**মল্লা** কমরেও হারকক কোটার।

তালপাতার সেপাই

- শ্ৰেৰৰ মাসের চাৰ তালিৰ বেজিলের সে র জধানী রিও ডি জানেরিরেটে মাঝপাৰ গাড়ি থামিয়ে চারজন লোক যথন সেখানকার মার্কিন রাখ্যদ্ভ চালাস বার্ক একত্রিককে দিনের বেলা দিবি৷ চুরি করে নিয়ে গেল আর গমে করে রাখলো ভাকে ওই শহরেই তাদের গাণত ঘাটিতে কেউ ভখন অৰক হয়ন। আবার ৭৭ ছন্টা পাৰ বখন সেই শহরেরই এক টাছি ডাইভার রাস্ট্রা থেকে তলে নিয়ে তাঁকে পেণছে দিয়ে এলো তার বাড়িতে, তথনও অবাক হয়নি কেউ। এমন ধরনের ব্যাপার দক্ষিণ আয়েরিকার रमाम स्मर्थन कर कार्यमाने करक त्य की ম্বলেশে কী বিনেশে ভাতে কারার চে খ কপালে ওঠে না। এলব্রিক তো বে'চে ফিরে अम्मार्क्त-कशालके थानिकने काले य खरा ছাডা তাঁর আর কোনও চেটও লাগেনি। কান্তেই বলতে হবে তাঁব বরাত ভালো। তেমন বরাত কিন্ত দক্ষিণ আমেরিকার সব কটেনভিকেরই হয়ন। ঠিক এক বছর আগে গ্রেটেমালার মার্কিন রাষ্ট্রদাত ক্রন গড়ান মাইনকেও অমনিভাবে গ্রম করার চেণ্টা হয়েছিল। স্ট্রেধ কলকের মত তিনি আত্তাহীদের হাতে ধরা দেননি বৈমন দিয়েছিলেন এলবিক। প্রতিষ্ TELE চেয়েছিলেন তিনি তাদের কাছ 7974 সংখ্যা সংখ্যা গালির আঘাতে তার প্রাণহীন দেহ লাগিয়ে পড়েছিল মাটিতে।

সে কাহিনী এলবিকের মান ছিল বলেই তিনি ন করেছেন গণতাধণিত না চেরেছেন কাউকে অবর দিতে। রাণ্ট্রন্ত মাইনের দেশগালিতে যে সর মার্কান কটেনীতিক আছেন তাঁদের নিরাপতার আনক ব্যবহণ করা হয়েছে। তাঁদের বিরাট কাডিলাক গড়িতে টোলি ফান বেতারে গবর দেওরার ফর টেপ রেকডার—আনক বিকটার করের করের আবার সলস্থা দেহরক্ষীত আছে। এলবিকের ঠিক আগেই রেজিলা মার্কান বিভাগতা আছে কিন্তুর্ভিলা মার্কান বিভাগতা আছে কিন্তুর্ভিলা মার্কান বিভাগতা আছে কাল্ডান্ত্রিকান বিভাগতা আছে কাল্ডান্ত্রকানি আছে। এলবিকের তিক আগেই রেজিলা মার্কান বিভাগতা তিনিও বিভাগতান মার্কান বিভাগতা তিনিও ব্যথিছিলেন। তুলার করে চিনিও ব্যথিছিলেন।

এলবিককে যার। বংশী করে রেখেছিল ভারা অবলা। তাঁকে বিনা লাভোঁ ছোড় দেরনি। দিলে সমস্থ বাপারতী পাগলামি থার দাঁড়াভা। কিন্তু তাঁকে যারা গারেব করেছিল তারা পাগলাম না ভারা হাছে বে করেছিল হারা করে করেছিল। র খুন্তকে ভারা যথন জের করে ধরে নিয়ে বায় তথনট ভারা রেখে গিরেছিল তাঁর থালি নোউরে নিজেদের পরিচর আর তাঁক মাছি দেবার ভাদের লাভা। কাজান করেছিল রেজিলের দুটো বায়পথনী সংগঠন এক হয়ে। তাদের একটির ন্ম ন্যুল্যাল লিবারেশন আরক্ষান প্রশ্



দেবরাজ

অর্থাৎ জাতীর মাজি সাধক গোণিঠ অর একটি মাজিমেন্টে বেজলচিয়েন্ট্র ৮ আগস্ট ১৯৬৭ সংক্ষেপে এয় আৰু ৮. অর্থাৎ ৮ অ.গ্রুট বিশ্ববী সংগঠন। এই ৮ আগস্ট ১৯৬৭ সনে বলিভিয়াতে প্রাণ হারিয়েছিলেন কিউবার বিখ্যাত বিশ্লবী त्तारा ८६ शासार**ङ्या । नामार्ड अक्**म शास्त्र তাঁর আদংশ' ধারা বিশ্ব সী তাদেরই দল ওই এম আর ৮। এলবিককৈ মাজি দেওয়ার শত ছিল দুটি। এক, ১৫জন ব ভবন্দীকে ছেতে সিতে হ'ব আৰু ভাগেৰ পাঠিছে সিতে হবে মেৰিকে চিলি আৰু আলভিবিয়া এই তিন দেশেষ যে কোনওটিতে। গটে সরকার বিরোধী ৯৫০ কথার একটা ইম্ভাহার *ব্রেক্সিলের* সব খবরের কাগ্রেঞ্জ বের করতে হাবে আছে প্রচার করতে । হাবে সমস্ভ বেতার আর টোলভিসন কেন্দ্র থেকে।

কিলু খেলেয় কিলু হজন করলেন ব্রেজিল সরকর। মেনে নিল্ন ওই সব শতা। তার নাকরেই বা উপায় কঠি তহালিটোল্য প্রদেশ্র চাপ উপেক্ষা করার সংগ্রেশির নেই। আমেরিকার কল্পে তার্দর চিকি বাধ্য ভারাই ভালের বল ভ্রসান এর প্রভিছলেন উভয় সংকটো । যদি ত্রট্মটোনর নিদেশ ভারি জ্ঞাহাকরেন ভাঙ্ল দিহাত এলব্রিকাক মোর ফেল হাবে ৫২০ আমেরিকা হয়ে উঠার ২০০০ টাকার ভ অস্ত্রশস্ত্র থাবারদাবার কিচাট ভার কড় থেকে আর পাওয়া হাবে না, আর নেশের **হরে যোর ল্রেফা**। জার ভালের কড়ে জেটা আরও বড় কথা-- দেশে হয়তো ঘটার ৫ র্ঞ-বিশ্লেষ যে বিশ্লেষে তাঁরা হারাবেম গাঁদ ক্রাক্রেই আক্রেবিকারে না ছাটিয়ে ভারা ভার হাক্ষ ভাষিণ কর্পান—মেনে নিপোন বিশ্বব্যাদের শতা। তাতে লোক হাসলে কাঁ इस खीरन्य भीन हड़ा रहेरमा। हम घणी সময় দিয়েশিক তাদির ওকা যাদের তারে शांकिन बार्षेन्छ हिलान स्टून (वृङ्कि) हार क शक्त काशक रवद्रारली छात्मह देम्छ शाह्र, छ। ৰোলা গোল বেপুৰে আৰু টেলিভিশন মাৰ্ফত। ভারপর একট সংপার মাকেটের முகுடு বাজ্ব পাওয়া গেলে। পনেরোজন রাজবদণীর নাম। তাদের পাঠিছে দেওয়া হলো সমরিক বিমানে মেস্ক্রিকোতে। চর ঘন্টা পরেই ছাড়া পেলেন একরিক।

কেন এমন একটা অপভূত কাণ্ড ঘটলো তেজিলে? কারা ধরে নিয়ে গিয়েছিল মার্কিন রাষ্ট্রন্তকে? এত দেখ থাকতে তাদের সব

বাগ গিতে কেন পড়লো আমেরিকার প্রপর > ফালের ছেডে দিতে **রে সল সর্**কার রাল্য भागाधन औरनव भागा वा गण्ड कथानिकः আছেন আবার কাশোভর বিশ্ববী আছেন। কিল্ড তাদের আধকাংশই প্রজ্ঞান বিখবাসী স্বলেশ প্রেমিক। এবা অনেভেট काम तः जनगणका डौटमद **सम्ब**न्ध ভৌৱা চান প্রেক্সিলে গণতালিক সামন। সেখানে এখন চলা আছে ফোলীখলা। বাণ্ট্রপতি মাশাল আৰোৱা ছা জনান এ সিল্ভা কদিরেল জেনারেল। তিনিক আবার এখন অসাম্ব। সমুদ্র ক্ষমতা হাতে নিরেছন তার অস্পেতার লোচাট দিতে रिन मार्थादक श्रथान। **मर्श्यक्षा**स श्रावणा ्रं भागर अवता चार्ड, करायमक चारक কিবত ভাত অধিকেশনই হয় না নিৰ্বাচন জেন भारतद कथा। रमचारन ना चारक रकारकत নাগরিক অধিকার না **আছে কর**ল নিরাপত । আইনের কিংবা বিচারের কোনও राज है। एउटे । बाटक शांभि बरव टकारम रसावा রাচ্চ অনিনিন্ট কালের জনা। **এলভিক্তে** যাবা ধরে নিবে গিয়েছিল ভারা যা কলেছিল रम्हे कामडे कराइन भवकावन जान स्रोत्स्य একটা ক্ষমতার ভ্রমা আছে, বিপারীদের

মটিকান রাগীল্ডাকে **যারা চুরি করে** बा. करता एका इंडल इ.स. त्यनीय स्टाहाई र्दि जिस्सान दिका एक जो प्रति सक्ष । का का 🚜 🚓 🕏 কার^{্ডি}ছল ভানের দেশের সারক্ষক সংক্র ন, মিয়াকে চেবৰ আন্তাল সিয়ে কেবিয়ে কেবাৰ হলে যে জোহাছতিল্যান সাইলে এছে স্বাধ্যম ত্র ভেত্রটা যে একেবারে ফেলিরা ভার এরে ক্রমান প্রমান নিসেকে নেপ্রকুর করে সর টোতৰ টেভান স্থা ৰেম্পৰ্য আৰুজন বার্থনারকে জনিন নালারে **প্রক্রিসের** আর ক্ষেপ্টেট্রনে নার্কের ১্লার ভুশা**র দিয়ের চু**রি কার নিয়ে । সং ১ পারে ১ জারগাী নেডোরা মাসেলে এলাপাঞ্চ স্পত্তী **ছ**ডে_ল হয় আই किन्न,दी रोग ए कहता एक्षिएस मिहारका। 3 503 8150 8150 a a margia **mentra** a करनक द्राध्यकौरीक। एकम मा क्राप्टिसक् কোনভ প্রধনিতা নেই - নেই অপ্রিয় স্তা বলাভ অধিকার। ত'দের আনেকেই দেব**জ**ায় (मन १८ ७ ठाल ^१गाहरूइन यातकाक <mark>व्या</mark>वाह ত্রাভিষ্ঠের দেওয়া হাচ্চ। আমেরিকার ওপর ভাদের রুগ এই জানো **যে সেই হটে**ছ ফৌজীত শরে খাটি ৷ ১৯৬৪ সলে যখন সামরিক অভাখান খটে তার শেখনে ছিলেন রখনকার মা^রকনি রাষ্ট্রাত**্রিক্ন গ্র**নি दल्डे व्यानक्_{र भारत}्य। क **माल्यह व्यात्र** পাকা হয়েছে রেজিলের জগ্গী হাকুমতের সংখ্যে মার্কিন সরকারের দহরম মহরম দেখে। নতুন রাণ্ট্রন্ত একবিকের ভোগাণিতর ম্বিল আছে ফোজাতেশ্যের কর্ণধারনের সংগ্যে তাঁর দেশের মাথামাখি।

শরৎ সেতু'

ক্রাটা-কবে হাইওরের ওপর রুশনারারণের সেতৃটির নতুন নামকরণ
হল শাবং সেতৃ।' এই উপলকে বাংলাদেশের
কিছু কিছু সাহিত্যিক আমণিতত হরেছিলেন
মনে হচ্ছে, অবশ্য স্বাই-ই বোধ হয় নন,
ভা হলে সমবেত লেখকদের নামের তালিকা
আর একট্রাড়ো হতে পারত।



ভার ক্তিরকার জনা এই সধ বাড়ী থেনে কেল্মে সারে

महरहरमुद्ध मार्गेष्टरक छेरक्षाम करत हारा —এ তেন মহৎ কাজ, কেবল ক্রালী নন, যে কোলো ভারভীয়ই এতে ছাগি হংকে। কারণ সারা ভারতবলে (এবং পরে পর্কিণ্ডান ভো বটেই--সেখনে সম্প্রতি নতনভাবে 'রেবদাস' উপন্যাস্তির ফিল্ম ভেলা হতেছ) শরংচশেরর জনগ্রিয়তা বোধ হয় আর কেউই পান নি, এমন কি বাংকমচন্দ্র-প্রেমচান্ত নয়। আধানিক সাহিত্যের প্রতাক্ষ দাবিতে প্রে-পামী শেখক কিছা ম্লান হবেনই, তা নিয়ে **टक्छ टका**ड कद्रदान ना। किन्छु शहरहन्द्र সেই ভাগ্যবান শেখকদের একজন—যারা প্রোনো হয়েও দুনিবার হার বিমুখ পাঠকেরা বয়ে আসছেন বংশানক্রিক ধারার। তিনি প্রথম গ্রেণীর লেখক কিনা. এ নিয়ে কংলা দেখেই আমরং অভাব খননশীল আলোচনা করে থাকি, কিন্তু আমি অন্নহীনা ক্রমন্মান স্নান্দ ভারতীয় পাঠক সম্পরের সামান্য যেটাকু খবর রালি,



ভাতে জানি ভারতবর্ষের সমস্ত প্রধান ভ যাতেই শরংকল মৌলিক ক্রতীর মডো আপন—হিন্দীতে ভার কোনো-কোনো বই বোলো-সভেরো জনে ক্ষান্ত অন্বাদ করেছেন, ভা-ও শানেছি।

স্তেরাং শরংচন্দ্র সর্বভারতীর চেপ্ক।
জাতীর সভ্কে জাতীর সেতৃ তাঁর নানে
চিহ্নিত হবে এ তো স্বাভারিক। আর এইভারেই তো শরংচন্দ্র ভারতবর্ষের হালরে সেতৃ
বেপ্তেক।

কিন্তু আমি ভাবজি, দুভেগামী মেটার মারা দীঘার সমতে দৈকতে বেরিছে পড়বেন তথ্যা আরো দ্রে-দ্রাণ্ডর ভাকে উল্ভান গতিতে ছুটে চলে যাবেন, শরং সেতু' নামটা তাদের ভালো করে চোখে পড়বে তো?

বিবেক্ষনশন সৈত্কৈ দারে পড়ে চিনতে হর—কারণ টোল-টালে দেবার জনেঃ বুলাতান্ম্পকভাবে নাঁড়াতে হয় সেখনে। তব্ব বালা বিজ্ঞ চিরকাসই ব লা বিজ্ঞ: হাওড়া বিজের নাম নকি রবাঁণর সেতু—এইরক্ষ একটা জনশুতিও যেন কানে এসেছিল। কিশ্বু এই রুশ্বশবাস সার্কাটিকে ঘাঁরেস্থাসেও সাহাই করার উৎসাহ আমি তাওতে যাত্রিক পাই নাঃ মেটাইকে লাণিতানিকেন যেতে আমি কারেকারই অজ্ঞারের ওপর মানারন সেত্তি পার হারছি, তারও একটা নাম্ম আছে রোধ হছ, কিশ্বু মোটারের



না না, তার বইনের স্কুলত সংক্রমণ করবেন না। বই কেউ পড়বে না, পোকায় কাট্রে। বারা পড়বে তারা ক্রমণাট্ডে বাবে।

গতির সংগ্য সংগ্য সে নামটিও পাক খেতে থেতে শালবনের মধ্যে হারিরে গেছে !

র্পনারারণ রীজ যা ছিল তাই থাকবে, পোশাকী নামটা লেখা থাকবে ফলকে এবং কাগজপরে। যারা দ্' বেলা পারে ছেটে সাকো পের্বেন তারা নামটা অবসীলার ভূলবেন—যারা কখনো গাড়ী থানিরে র্পন্রায়ণের ছবি তুলবেন, তাদের হয়তো



এপনও কিনে নিন সারে, তার প্রতি সঞ্চান জানানো হবে।

कात्रात कात्रात वर्तेषः भाग शास्त्रः । धार साम संतर रामकु—कारी २०३१

শরংচণ্ট ভাগাবলে এই সেতু তাঁকে অমর করবে কিনা, তা নিমে তার দ্ভাবেন নেই। তার সেতুবংখন সারা ভারতবায়ার হাদরে হাদরে। তার তার সংগতে একটা কতাবা করা গেল, এই আত্মপ্রসাদটাকু আমরা অশ্তভঃ ছাড়তে যাই কেন?

আমার আর একটা ৫২। এই প্রসংগ্র মনে পড়ে গেল। শবং সেন্থার মাঝামাঝি জারগার সাঁডিরে ডানসিকে পানে তাকালে চরের ওপারে যে সা একটি প্রামের আঙাস মিলবে, ভারই একটিন নাম সামাভারেও। এইখানে শবংস্টার শের জানিনার আনক-গ্রালা শিশার দিন কেটেছে—বেং নাবসার নয়, অদ্বনী দন্ত রোজন্ত নয়, এখানকার বাড়ীটিতেই ছিল তার মানস-মুক্তি। তথন বাড়ীর কোল ছু'রে রুপানারায়ণের বিশাল জল বয়ে যেত. জায় রের দোলা এসে লাগত তার সয়য়য়য় ভাইটির সমাধির কাছাকাছি, প্রামের "ছোটালাক"দের দানাঠাকুর হয়ে, তাদের সকেগ মিশে গিয়ে শারংচন্দ্র তার আনন্দিত দিনগ্রেলা কাটিয়ে যেতেন এখ মে। গ্রামের সম্পান্ন তদ্রপ্রভাশী— বামুন কায়েত-মাহিষোরা ছোটালোকের সঙেগ তার এই মাখামাখিতে তাকৈ শাসিয়েছিলেন—'আমরা অপনাকে একঘরে করে।' উন্তার শারংচন্দ্র বলছিলেন, 'আপনাদের আর সে কন্ট করবান্ধ নরকার নেই, আমিই আপনাদের

অদ্বে মোটরবিহারীদের জন্যে শরং

সৈতু' ঝকঝক তকতক করছে—তা কর্ক। কিন্তু কিছুকাল আগে আমাকে একণ র বেতে হরেছিল ছে টলোকদের সেই দানা-ঠাকুরের প্রমে। দেউক্টি স্টেশন থেক থানিক দ্রে প্যাণ্ড রিক্শায় নিবি'যা ম্যাকাডাম রোড। তারপরেই রূপেন রার্ণের বধি—তার ওপর দিয়েই যাতা, অন্য পথ নেই। সময়টা বোধ হয় এইরকম শেষ ভাচ অথবং আদিবনের প্রথম—সাত্রাং বাংধর, কাঁচা রাস্ভায় জল-কান্য এবং প্রতা-শাস্থ করের নয়, প্রিবীর যাবতীয় রথ5জই গ্রাস করতে পারে। রিকাশ সেইখানেই বিরস হল৷ অভএব দীর্ঘ পথ আছাড় ব্ডিয়ে হন্টন যাতা, প্রতি মুহাতে ভাবতে হাজ্স 🕾 পিছাল কখন পালের চাল বেয়ে নাতের খানা আর ঝোপ-জন্সলে গড়িয়ে পড়িং

क्का कत्रत्वन कीश नत् माध्य-शामाश আমানের মতে কমন-মানের চে খটাই বলি হয়ে গেছে। তৈরী এক । ডি শানে ডি কর राज्य स्थायकाल समा जना छेरम्स ४०<u>४</u> রাজনীতিক-শাংডত সাহিত্যিক 2013 হতে পারে <mark>কছা ভ</mark>াগ 为果民意議 ষ্ঠুট্টে কোন্সায়। কিন্তু আছিছ হ'ন তাপ্ততের অংশকার এখাং জ্বার থাকি ও, হলে জ্ঞানি সালোকত করে জালান জ্যার স্মার্থ ক্তি উৎসর্থের ক্লাবেরে পারিধর প্রভাৱি পার্কা হরে রেরছে, রাজ্ঞ স্পেন্থরে বিদ্যুত্ লীপন, যে কেউ. ব**ছবের** সোনকাটো সম্ভ চোগ ব্যক্ত-বিক্**লায় সাইকেলে,** *চু***ল্**টেন এবং বিষয় প্রদেশশান ভাষে প্রত্যাহ গ্রেট কোনাদর নালাককের কেই কালে পোঁছাতে 7(15)

কামরা বাস্তালীরা-একদা সাংক্রিক। कार देशतकांक कामना कार्राक्रमांना अध्या কার ব্যামজীবারা अपुनारकहे अतामीपुरत সাংগ অভিয়ক ঐক। অন্তেব করে ভাকেন। খ্য ভালে। কথা। কিন্তু ফ্রাপে ছেয় সাহিত্যের জনো বছরে শ-শ্রেক প্রস্কার আছে জানি। বাংলাদেশে পরংচাশ্রের নামে কোনো সাহিত্যিক। প্রস্কার আছে কি 🖯 সাহ বহুলিশিস্ত কলকাতা বিশ্ব^তব্দালবুট্ দেখাই जनसम्बद्ध **५**८दे शासन्यः ज्यानस रक्ष्याः ज्यान क्रकड़ि भारत्मस् सारम्याः काराज्ञमः, স্বক্ষারের কিছাই করণীয় (১ই.৮. বল^চর সাহিত্য সাধ্যাসের অথাটোর ডা জানি: কিন্তু ট্রাইকেন কিলেবে প্রতি বছর শবহরণা স্মানতে একটি ছোট বৈতিত কিংবা ভান্ধক্ষকত তি তক্তন্য কৃতে কথা লিক্ষণতিক ছেবিত নিজে প্ৰায়ণ না ি কৈছে, কৰছে শ্ৰাৱন না কৰ্মান্ত ভারতী, মানবপ্র ব্রামান (রম্বারিস্কার ১ राप्ता कार्यक्क काष्यामान्त्रत प्रक्रमा समाम् 💰 त সাহিড⊓স**লা**পাহিত তাইসায়ি বহা এই5 ইয় হা থেকে একটা সভান का रक्षकार छ । क 可产生的 好家 40 计参加的 女性医性生殖病 的复数维尔斯 স্বাস্থানত হৈ স্বাহানক भेषामा जिल्लाहरू कर तमार्थ : । कारकारकार ५ जना कर्ड के अंक के किया का दें हैं। आपका कार्य के जाते ्ति अध्यान्द्रे करावर्

শ্বংচ্পেন্ত এটি বেধ হওছে বিনহীত ত্রম জন্মব্যিকী ভাব শত বছা পূর্ণ হিছে মার সভাবচর বাক্তি নহামনে জনপ্রিয় সরকার কি পারেল ব্যশিন্ত শতবাহাকিরি মাতো শ্বংচ্পেরত সমগ্রপের্যার একটি স্লেভ সংক্রমণ প্রকাশ করতে দারকারী যতের টাকা শ্বভাবত্তী মন্প্রত্যা—এখাই কি তার উদ্যোগ্যবে গ্রন্থান্ত্রম কর্মী মাত্র এখনকার বাজাবে ব্রভাশ্বংচ্যের বহু শিয়ে মাংসালায় চলকে।

অথব:—দ্বিদা কিংব: আনো গ্রেষাতী ফোটর বহারীদের জনো শ্রং সেতুই হয়তে। বংগুড়া

বরেণ্য রাম্মনায়কের ক্মাডির উল্পেশ্যে আমাদের প্রকাঞ্জাল

एगिसिल

ভিয়েতনামের প্রিয়তম নেতা—সমগ্র বিশেষ কোতা্হল ও জিজ্ঞাসা যে ব্যক্তিরে ভাবে এতাদন আবলাচিত হরেছে...তার রোমাঞ্চলর জাবিনী এই প্রথম প্রকাশিত হল । বানাকাল থেনে রাষ্ট্র নামাকার পদে উত্তরশের প্রতিটি অধ্যায় আন্তর্যা গিলিকুললভার রচন। করেছেক্রীনাদল চটোপাধ্যায় । বা প্রতিটি পাঠকের অমতর স্পান্ধ করে। স্প্রব মূলন লোভন বাধ্য। আক্রমণীয় প্রজ্ব। দুছ্পাপ্য আটাপোটা দাম ও০০০ টকা।
প্রকাশক : কিলোর সাহিত্য সংখা ৭০ স্বামাক্রী সর্বাট্ কার্ক্ত্রেন্ড

পরিবেশক: সান্যাল **৫৭৬ কো**ং। কলিকাতা-১২

প্রকাশিত হোলো

শারের প্জার প্রেণ্ঠ ডালি জ্যোতিষণাশেত বিশেবর পু**লাল**্রোঠিত

आदलन लिउ'त

পাশ্চাত্ত্য মতে জন্মপত্রিকা বিচার ১২.৭৫

অন্বাদ—প্রীক্ষিৎ ও নিদ্দতা মংখোপাধ্যায় আলু পর্যতি বাংলা ভাবার জ্যোতিষ্যাত্ম কপকে এত ভালো বই প্রকাশত হয়ন। জ্যোনা আরু নেই। ৫, টাকা এক্ষানি Money Octor করলে ভারতাল্য গ্যাগ্রেনা। এক্ষান সংগ্রহ কর্ম।

॥ কিরোর জম্লা গ্রন্থরাজি ॥ হাতের গোপন কথা—২·৭৫ আপনি করে জন্মেছেন ২·৫০ হস্তরেখা অভিধান্—১০·০০ হাতের ভাষা—৫·০০

আর্পান ও আপনার হাত-১২:০০

আট রণেও তেট.ব' পাকলিশার্ম, জবাকুস্ম হাউস, কলিকাত-১২

تعدول المتناوا

এই मन्त्र िं विवेग्रीन

ব্দগন্ত্রাথ চক্রবতী

এই দস্য চিঠিগলের হাত থেকে আমার উত্থার নেই। সম্ভাহের পর সম্ভাহ রুম্ধন্বাস, আমার ব্যক্তের মধ্যে হংপিণ্ড চপ. সম্দ্র-ধোরা নীল খাম লেটারবক্সে এসে দাঁড়ার, আমার কাছে কী যেন চার, প্রার্থনা করে না ভর দেখায় জানি না। व्याचि रक्षमी स्मरत् छावि, धूनर्या ना, धूनर्या ना, कथा बनर्या ना: ভাবি ময়দানের মান্তমেলায় কৃটি কৃটি ক'রে উড়িরে দিরে আসবো: रेतक करत, निच-धरेमव डेक्ट्रिम्ड विश्वक खामि विश्वाम करि ना।

अन्दाद्भत भव अन्दाह दक राम मौत आकान होटत माधिन स्मात करत. স্বীল্যোহর-করা সমন লটকে দের আমার পরজার: বসন্তবাতুর ভলাণিরাররা জিদ ধরে, আমার মনকে দুর্বল করতে চার, চেরীর ভালে মন্তরী, বেড়ায় বোগেনভিলিয়া, কার্নিসে মৌমাছি যেন অগণিত পতাকা ও নিরবীধ স্লোগান. আমার মনের ওপর দখল নিতে ওরা কমাপত এগোর। वामि कानी स्मात, छावि, सम्भावा ना, गुन्तवा ना, गुरी ना किस्टर्ड वामि निर्देश

সব দস্যাতাই এক এক ছাঁচে গড়া। চীংকার ক'রে বলতে ইচ্ছে করে—এসব মুখোনপরা শব্দকে আমি ভর করি, 'বস্ত্ত', 'ভালবাসা', 'হৃদয়', 'যদিদং হৃদয়ং মম', এইস্বে আমার আদে বিশ্বাস নেইঃ

ভারতে ভারতে সম্ভাহ কাটে আবার লেটারবন্ধ খুলি, আবার সেই অবিশ্বাসা ভয়ানক ব্যাপারগালি ঘটতে থাকে, সম্প্রের ডেউ-লাগা তোলপাড় কথাগুলি আমার ব্রকের মধ্যে মাথা রাখে, आगात कार्ट्स की एवन हात. शार्थना करत ना खत एतथात सानि ना।

সুশ্তাহের পর সশ্তাহ, মাসের পর মাস, প্রস্তাবের পর প্রস্তাব। ব্রাতের ক্রোঞ্চ অন্ধকারে গলা ডুবিয়ে মনে মনে থসড়া করি। ছাদের কানিসে মৌমাছি, বেড়ায় বোগেনভিলিয়া— দুস্য চিঠিগুলির হাত থেকে আমার বুঝি উচ্থার নেই।

ডুল

শ্রংক্সার মুখোপাধায়ে

এক জোডিষী ছোটবেলায় জানিয়েছিল : যৌবনে তুই এমন একটা ভল কর্মবি, মারাম্মক্, যে-ভূলের মাস্ক সাব: জীবন শাখতে হবে।

যোগনে সে জোটভষীকে ধালোব মতো মেড়ে ফেললাম। ((अडेड) कि इन? खरमा ना।) ভারপর ভো প্রতি পদক্ষেপ ফেলেছি ভেরেচিন্তে, হাসার সম্ব ঠিক হেসেছি. যখন কালা চিলের মাতন গলার মধ্যে উঠে এসেছে তখন চোখের জল ফেলেছি—দ্ব-এক ফেটিা, (সেইটা কি ভুল ?) খখন ইছে হয়েছে—এবার চরম একটা আঘাত হানবো তক্ষান বন্দ্ৰ ছাড়েছি থখন ক্ষমা চাওয়া উচিত বিনা ন্বিধায় পায়ের ওপর শক দুটো হাত রেখেছি—ক্ষতির কথা ভেবে দেখি নি. (সেইটা কি ভল! সেইটা কি ভূল!)

হে জ্যোতিষী, কতো মাসলে শৃধতে লাগে সারা জীবন ?

অন্ধকাৰে-ৰাগে

क्यान नाम

অগিন সীমানত-চেরা অন্ধকার দেখে ফাসে উঠি রাগে, क्रमम अणित आएम अन्यकात, चूरि भारित, छेटन ना काट्डे ना ভাল্লকের মতো অন্ধকার ক্রান্ধ নাচে লাফার হাসে বৃষ্টি হয়ে করে পড়ে চারিপাশে.

স্বল্প সোডা-মেশানো মদের মতো অন্ধকার ঝাঁকায় কুটো কুটো হয়ে ওড়ে এবং ছ'টোর মতো গর্ভে সেথোর লাফায় নাচে ঠোকাঠ কি ধর্ষণ বলাংকার বমি অন্ধকার বাম করে অন্ধকারে কন্ধকাটা ঘোড়ায় চড়ে কলার পাকডে গলা চেপে ধরে অন্ধকার অন্ধকার আমি কিভাবে যুন্ধ দেবো ভাবতে জোনাকিকে দেখি আহা ওরা প্রভুর বাঁধের জন্য বালি বইছে কাঠবেরাল আমি তো জোনাকি নই হে অন্ধকারে স্বয়ম্প্রভ কিংবা কোনো জন্মলামাখও নই যে আগনে ওগরাবো আমি তো প্রদীপও নই বে প্রণামের মতো জনলবে আমি কেবল দেশলাই জেবলৈ পাছ পাতা কাঠ ও भाषकार्त्व निरक्तत गर्दीतरकरे रक्तारम निर्देख भारत.

আমি তো দীপ্ল সূৰ্যকে ভাৰতে ভাৰতে ঘ্মিয়ে পড়ি

ই,
তা
আ

গ্রামে
গ্রাহে

গ্রাহে

শংখামা
তা প্রাহে

বলোভিলো
করবার বর

একঘরে কা
অন্তরে

| 1तातुत भाराठते | 1ताति जपस्पप एजा मश्या

O Par

দাম মাড়ে চাব্র টাকা মাগ্রিকা পাব্রিশাস ২৪ রিগন স্টাট ক্রকাতা-১৬ ৪৪-৫১১৬

মদ্যাদক বৃবি বৃদ্ধ শিল্প নিদেশক দুর্ণেদু দুর্মী ত্তিত্তিত্তি দক্তোষ্ট্রশার (আন্ত

144

माठाष्ठ्रमात (चाष माठाष्ट्रमात (चाष जागांष्ट्रमा (पंची जागांष्ट्रमा (पंची गामल जालापाय) जावाययामाप वसू जावाययामाप वसू जावाययामाप वसू

/ ३ मूनीय शाषाणाधाार

মুবেধি ঘোষ
দিবরাম চান্বর্তা বিমান বার অবর্ধত দিবোন্দু দানিত দুর্লেন্দু দানী ইন্দুনাথ কবিতা সিংথ

3 (201

মেনেক মিত্র মূভাষ্ট্র মুখোদাধ্যায় কামাক্ষার্থ্যাদ দ্র্ট্যাধ্যায় শক্তি চড়োদাধ্যায় মান্স বায়চৌধুরী মাহাত্তময় ঘোষ কাগদা গাথ চটোপাধ্যায় মুজাতা মুমবাজং কর চিমুব্যস্ত বিমন বায়াচার্বুর

तु इंडमकुमार्वः स्मरायुः उन्न कानम् (पूर्वी मार्थना मुस्थामार्थारा मार्थनाठीम (कोर्डून:

व्यमिन्यस्य जामणं त्यन राष्ट्रन मजूमपार जामिय प्रानाति राष्ट्रीन मजूमपार

धनिर्वन

মতি নন্দী কুমন ভট্টাচার্য কুরুণা ভট্টাচার্য অজয় দাশস্ত

এ চ্বাড়া আরও বস্পুর্বিঠ বচুনা চুবি, কার্ট্নুন ইত্যাদি। বেকুবে অবটোবরের প্রথম মন্তাবে।



স্ত্রজন্দেরের। অকাশ মেছে মেছে অধ্কার।

এক চিলতে উকি মেরেছিলেন তথন বেলা मृभुद्ध ।

ছোরপর ভারত ক্ষেন-ত্রমন। সেই একাঘ্যে ঝিবঝিবানি। এক এক দমক দামাল ছাওয়ার সংখ্যা এক একবার ঝেখিপ আসে, ভারণের আব্রে সেই টিপিস টিপিস। একেবাতে কর্মান্ত নেই কথ্যমা। এরপর এই कालत बर्धाः अहे स्थंतार्धे त्वलात बर्धाः व याम्ब सकत भएकिक छात्रा भए कानारमाना গোপীনাথের। ভাদের ওড়াউড়ি দেখেই মালের হণিস পাওয়া বায়।

অনেক উ'চতে উঠলেও ভালের নজর থাকে ভাগাডের দিকে।

সেই শক্নিদের করেকটাকে জলাজ্মির উপর চরার মারতে দেখে খালক দাড়িরে পড়েছিল গোপীনাথ। কাছেপিঠে জনমান্য रमहे। बराम रिका कारना कृडकू:5 अवनी সাপের মত বনগাঁ রোড।

मा भार्य नाव न क्रीय। स्मर्ट क्रीयरक कन জমেছে। কোণাও এক হাট_ন কোণাও এক (क्वित्र ।

জোয়ান মরদের দিল টাটে বায় তা হলে তো দুনিয়ত্ত কাজকাম কিছুই চলে না, মন গমেরে থাকিস না. দরকার হয় আরেকটা বিয়ে কর---

-ফের সাদ-এবার ফেন একটা **হাসি** कावेन भागीनास्यह गाकरता छोछि। माध्यव হালি।

তেবেডবন গালে খেঁচা খেঁচা দাড়। মক্স মাছের মত চোধ।

লছমিয়া মরেছে আজ এক মাস। এ সমর অনা কেউ সাদির কথা বললে চটে যেত [भागीताथ।

किन्छ वर्धे,वादात कथा आसारा। वर्धे,वादा ভার রুজি-লোজগারর মালিক। ভা**র** পাইকার।

রোগা হোক আরে যাই ছোক্ত লছমিয়া ঘারর কাজকাম করত। জ্বান্ত ধাকাত ধাকাত মেয়ে আগলাতো। ঘর পাহারা দিত। আর त्महे नमात बार्क भारते बहुत बहुत बहुत बहुता बहुत कमा बाल बहुक टबकाड त्यानीमाथ।

निहरू क्या होड़ छानान एन । जना जारमाहारक होड़ स्तरिका स्वाचाह हरत व्यक्तवाहील बान बरव हारड़व कावपानात बात । स्वाचीनारबढ़ बड़ करता करतकाम जारह केरोबार व किंक्ये।

বার্র্যা জানোরারের লাশ খাঁতে বেড়ার।
শারলা-কুমুরে ভেড়াহে ডি কারে আগেই
হাড় ছাড়িলে গ্রুটনার কানো, ভাতি করে কট্কান্তর গ্রাহ্যা নিরে জানো। মালা ওজন দিয়ে
হাতত হাতত দাবা নিরে বারা।

ৰাক-বক্ষার কারবার নেই বট্বাব্র।
দর কিছ্ ক্য দেখেন, কিছু সব নগদানগদি।
--ইতনা হাজ্ডি কোন কাজ লাগে
বাব্জী--একবার জিজেস-করেছিল গোপীদাধ।

—ফসকেট টতর হয়— —ফর্সাফট কা চীজ বা—

-- তেনা আন্ত খোঁজে নরকারটা কি, সার ব্যাসনে বাপ্, এখন ওজনটা দাখ--

হত্ত্ব ওজন মত দ্যা হয়। শ্বা হত্ত্ব দায় বেলী, ওজন কয়। ভেলা হাড় ওজন ভারী বটে, কিল্ছু বটুবাব্ গালাগালি ক্ষাবেদ। ভেজা হাড় নেবেন না তিনি।

বিভিন্ন হটি বাঁচাবার জন্য রাস্চার পাশে একটা কোনুন গাছের নিচে দাঁড়াল গোপনি

আক্রের প্রথম উচ্চ একটা ভাগ্যা কমি।

জামর উপর বাঁপ কাড়, কাছেই একটা জাব্দ গাছ।

সেই বাশঝাড়ের পাশে স্থার্ক গাছটার কাছাকাছি জলের কিনারার কিছু একটা পড়ে

গর, কিংবা মোবের লাশ মালনে হচ্ছে। কাজে নত গোলে সম্বন্য মূশ্বিল।

বাঁশবাড়ের উপর দুটো শক্ন পাক খাছে।
আরো দ্য়-তিনটো নিচে নেমেছে। করেকটা
কাকও এসে জুটেছে। কিন্তু ওখানটার
পোঁছেতে হলে অনেকটা ফল ভাঙতে হবে।
মাঠ ভর্তি জলের মধ্যে কোখার ডোবা,
কোখার খানাখন, কিছুরই হদিস মিলছে
না। একা হলে ভাব তো না গোপনিষা।

কোলের মেরেটার ক্ষাই ভাষনা। চার বছরের মেরে আন্র নেড়া মাখা, হাড় জিরজিরে চেহারা। দলাপাকানো ডেজা একটা পা্ট্রিলর মত বাপের ব্রেকর সপো মিশে আছে। মাধার একটা গামছা চাপা দেওরা। গামছার সপো একটা বাগড়েব ঠোঙার মধাে খানিকটা ছাড়ু বাধা। সেটা বলুছে আন্র পিঠের উপর। গোপানাথের পরনে খাকি রঙের ভালিমারা হাফপান্ট, গারে ছেড়া ফডুরা।

মাধার উপর ভাজ করা একটা চটের থাল।
কাঁধের সংগ্য ঝোলানো আরেকটা থালির
মধ্যে গোপনিবেধের ফতরপাতি। ছোট বড়
ভারি দ্যা তিনখানা। একটা কাটারি, করেকটা
গভাল লোহা, পাটপাকানো দভি, আধংপাডা

যোগবাতি। হে'ড়া বৰ্গতি ব ই,ক্ৰেক্ট জড়ানা ন' বাভিনা বিভি আৰু একটা সেপ্টাইবের বালা। তান হাতে ব্যুক্ত নবান উদ্ভূ একটা বাগের বাটি।

গোল পরাব্দিন একেনিকেন বইনাব।
গোপনাথের অবস্থা দেবে গতিটা টাকা
আগাল গৈরেছেন। আকলোন করে বলেছেন
—হাাঁ রে, গাুপী, বউ ভি আরু কারো লয়ে
না, বউ ফরেছে বলে হাজ-পা গ্রিকে কেট
কি কলে থাকে তোর হড়, আর ডোছা বাঁদ
ভালে না নামিল, মাল সাম্পাই না ছিল,
তা হলে আমার তো বাবনা ছুলে নিকে ইন্ধ

ভারণার বর্ট্রাছ্র দেরা সেই টালা দিরে
চাল ডাল কিনে এনেছে গোলীনাথ। বাপ-বেটিতে বিচুড়ি থেকেছো। ভারণার বরে
লেকল ছুলে দিরে কাল পর্যথ দুট্টে দিন
এই বিলি মাথার করে বুরে বেড়াছো। এই
বড়জলো দেরাল-কুকুর-ও পথে নামতে চায
না। আর গোপীনাথ মেরেটাকে কোরো নিয়ে
পথে পরে যুরছে। মেরেটাকে কারো কাছে
রেথে আলা বার না। মেরেটা ভারক ছেড়ে
অনা কারো কাছে থাকতে চার না।

সেই থেকে দ্'লনে ভিজছে। বিবৰ্ণিক জলের মধ্যে ভিজে ভিজে ছাত্তে বেডালেছ।

কথনো জোল্ল চেপে এলে কোন গাড়েব নিচে কিংবা কোন বোকান ববের ছেচ্চকার দাড়িয়েছে।

আবার সন্ধি বরাবর বরে ফিরেছে। আজ তিন বিন। এই তিন ফিনের দৈন দুপুর



रक्ता र कि बामकाव किसना हम : आव अव्यक्ति केव्या दारमागाई-अन्त बाटकान चट्या विदय कार्त । बारमा किए ना कारेरन श्रामिन इक्ष किन्तु अपन क्रम एक्ट वर्ड गोनकारक्ष काटक बाक्सा नाम कि क्टब ।

ARREST 1000 中国 1000 中

লেগনে গাছটার বড় বড় পাতার সিচে शीक्रत जीवन-क्षीतक काकार्रिका त्याणी-#18t i

ছখন বিশ্টির জোর একট, কমেছিল। অখন ইল্লেণ্ডাড়ির মত অলপ অলপ পান यद्यांक्रम ।

हर्ते। नक्दत शक्का अक्टी क्क्ट्र कड़नाव भारता स्नाटम बाटक । क्षेट्र काटनाव शटन्य शटन्य **बहे पिएक उटनटक**।

গোপীনাথও কুকুরটার পেছন পেছন জাল मामनः। मार्यस्त नाठि उत्तक ठेतक ना TIGIT I

কুকুরটা আগে আগে সমূদত শ্রীর ভূবে शाकि । गृह्य नामा जात वासमी बाहद মাথাটা জেগে রয়েছে। জলের মধ্যে পা দিরে টের পেল গোপীনাথ, একটা আলপথের মন্ত ख्य नागर**ः**

পাষের নিডে পথের হাসস পাবার পর चाद एकमन अमृदिद्ध इन नः। एदर कन ब:डल ।

এক পা এক পা করে এগেছিল গোপট-माथ चाद्र अक्षे, अक्षे, काद्र हम र एरिएम। অপুর অপুর কুকুরটা প্রায় সেতিরে কেটে চলে কেল। উদ্ধ ভাগেরে উঠে গা বাজা দৈল। ভারপর ভকাভকা করে শক্ষ্য কটাকে হাজ্য

লোপীনাথ ডুখন মাঝ প্রে। হাত্র **ভাত্তিয়ে জল উঠাছ কোমারে কছাকাছ।** শাণ্ট ভিজে গেছে। আন্যকে তলতে হয়েছে কাঁশের উপর। কছাকাছি অসতে মলান হল, বাঁশ ঝটেড়র পার্টেশ জালের কিনারার আশ্ত একটা ভাইস। তাল ছাডালো। ছালখানা বেশহর মাচিরা নিয়ে গেঙে ৷ আৰু সকালের দিকেই হয়তে। ফেলে গেছে। কারণ টাডকা লাপ। এখনো পচ ধরেনি। ছাসে পচা গ্রহ रकारहीय, कारन राष्ट्रभ रहान शरा बरहीय। তবে জোলো হাওয়ায় একটা ভ্যাপদা ভার-জ্ঞার গল্প। একরাশ মাছি জ্যাটেছে। পেটমোটা নীল নীল মাছি। চার্রদিকে জল পই-পট। **धत भारत है कियम क्यान कात होते १९११ एड** ওরা। ভাজ্জাব কি বারে।

তিনটে শকুনি ঠিক নাচৰে কামদায় লাগিছে প্ৰদিশ্ব থ নিবটা সাধ গোল। তাৰ একর ব্যাভিল মাষ্টার থলগাল পেটেব উপর পেটের অনেকথানি ফাটো করি নাঞ্-ভুড়ি টেনে টেনে বার করছিল। সেটা কিন্টু নভল না। পড়ির মত মোটা মুস্ত একটা নাড়ি ঠোঁটে চেপে ধরে মাখ তুলে কুকুরটার দিকে ভাকাল। নাড়িটা ঝালে রয়েছে ঠেটি থেকে, কলে পড়েছে যাসের উপর। কুকুরটা ছটে।

বিংগাৰ আন্তৰ্গ ক त्रवीन्त्रतारथत्र अथम हिन्दी बङ्गा

১৯২০ সালে जान्यीकोड कारावरक द्वीनाताच गाकवारी मादिका महत्वकारन প্ৰথম হিন্দীতে ভাৰণ দিয়েছিলেন। সেই ৰ-প্ৰাপা ভাৰণ ও প্ৰসংখ্য স্বৰীন্দ্ৰ-माध्यक स्माया गाम्योखीत खटाकर्रमण भगावमीत मरकनन।

भागीर्जान : बाह्यस्य बन्ह

যালো নাইকেঃ পাঠক নেই দীৰ্ঘকলের এই অনুকাশের মূল কারণ হরতো धारे त्व, बालाह नाएका ताथा शताह, किन्दु नाप्रेलाहिका ऋक धटीन। बास्ताव वजारे के बारण जबाराधम, करा बना छात्र क्षेत्र करूक छन्छेत, माणे-সাহিত্যের পাঠক গতে ভালছেন—নাটককে উল্লাভ করেছেন নাট্যসাহিত্য। ভার এই দার্ঘ সারকটি সে করা আর একবার সম্ভাগ করবে।

গৰাহক : সত্যজিৎ বাহ

ব্যাসকৃট বেষন, ছড়ার ধাঁধার জের্ছান নিহিত এক একটি শব্দ। ছড়ার জট ছাড়িয়ে ওই শব্দ বের করে প্রণ করতে হতে পাক্ষক'। 'শব্দকক' সত্যক্তিং নারের এক অভিনয় স্থান্টি—যা পাঠকমহলে তচণ্ড উত্তেজনার সন্তার করবে। করেণ, ছড়ার সূত্রে শব্দছক' এই প্রথম।



୬ আগর s লিখছেন ●

আজিত দত্ত অলদাশংকর রায় আমিয় চক্রবতাঁ জসী-गुम्मीन एकार्रिनम् सम्मी मिर्सम मात्र नरसम्बर्माष মিত নারায়ণ গঙ্গোপাধায়ে নীরেন্দ্রনাথ চক্রবর্তী প্রতিভাবস, প্রমথনাথ বিশী বনফ্ল বিমল কর বিষয় দে মূণাল সেন রমাপদ চৌধ্রী শক্তি চট্টোপাষ্যায় শ্বংকুমার ম্থোপাধ্যায় শিবরাম চক্রবতী সবিতারত দত্ত স্নীল গঙ্গোপাধ্যায় স্ভাষ ম্থোপাধ্যায় স্শীল রায় সৈয়দ মৃজতবা আলী হরপ্রসাদ মিত প্রভৃতি

বড় উপনাস :

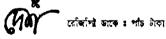
ताका बन्न : विमन मिठ बारतक ग्र : भारकत्र निर्मीथ रक्तिः बरबन गरकाशासास

ছোট উপনাসঃ

भागाय : नमस्त्रम बना



দাম : ছাত্ৰ টাকা মাত্ৰ



গিরে নেদিকটা কামড়ে ধরল। শাকুনিটাও সহজে হাড়বে না। দড়ি টানাটানির মন্ত এই আজব ব্যাপারটা করেক পলক জবাক চোকে দেশল জানা। ভঙ্গদেশ জলোর কিনারার উঠে এসেছে গোপানাথ। মাখার উপর লাঠিটা ব্রিরে হাঁক দিল—ভাগ্ ভাগ্ শালা, হ্স

এবার পালালো শকুনিটা। লাফিন্নে

মাটিতে নেমে নৈচে নেচে সরে গেল।
কুকুরটাও মাড়ি টানাটানির লড়ই ছেড়ে
করেক পা পেছোল। লাঠি হাডে মানুষটার
দিকে ভাকিরে ভিক্কুকের মড অলপ অলপ
লেজ নাড়তে লাগল। কাকগুলো জার্ল গাছের ভালে বসে চেণ্টাছিল। করেকটা এদিক-ওদিক উড়ে যাছিল। সকলের শেবে গোপীনাধ এসে দাডিরেছে। স্বজনের আনক আগেই ক্ষেত্র সংখ্য ভূব বিষেত্রন। শকুনির দল, জাকের পাল আর কুকুরটাও পিছ, হউলো। শৃহ্ পোলার মাছিগ্লি, পেট-মোটা নীল নীল মাছির ক্রিক চারপালে ভনভন ক্রছিল।

আন্তে জারলে গাছের নিচে বসিরে দিল গোপীন থ। এখনে পানির ছাট কম লাগবে। গামছার পাট্রিলিটা খ্লে ছাত্র টোভা



भागता वाचेल। এक है,करवा खास्मव चाहाव थानिको सन्तर इत्याह । किष्टा अको श्रावाद भाषात ना दायल चान चान कराद कारावे। কোন কান্ত কৰণক দেবে না।

চারদিকে একবার তাকাল গোপীনাথ। ওপালে বাঁশঝাড়টার ভেডারে কি আছে দেখা যাছে না। আর তিন দিকেই জালে ছেবা ক্ষেত্র। ভেন্সা ঘাসের উপর বসতে পারছে না আন:। উঠে দাঁডিয়েছে। ভরে ভয়ে শক্তি ক'টার দিকে ভাকাচেছ।

গোপীনাথ একবাৰ বললো—ডবো মতা रविति देवते मा-

ভাষপর কি ভেবে ছালের কিনারা থেকে বড়গোছের একথানা কচুপাতা ছিত্তে আনল। ছাত্র পটেলিটা রাঘল কচপাতার উপর অব গামছাখনা পেতে দিল ছারলে গাছটার প্রভিত্ত কার্ড সামানা একফালি ঘাস क्रिक्ट। मान्ड इट्ड वसल बाना।

ত্রবার অস্তরপাতি বার করন গোপনিম। ফোষটার ভারপাশ একবার দেখে নিজ।

হারপর বরাবর ধেমন করে বড ছারি দিয়ে থলগুলে পেটের কাছটা সাম্বালন্ধি ফেটে দিল নেচ্ছিভ'ডি সৰ চৌনে টেনে ৰাইৰে অন্নর মদত একটা ছবির মত প্রেম্ঘলি, ফোটা মেটো মডিং মাত হোট বছ অভেথা রাণি দুই হাতে তাল জলের কিনারায় রেখে এল ১৯বাবে স্বটা প্রেল ন । সারারে ছেলে আলতে হল। হাত উপায় নাডিগালৈ ম বিতে কাজাতে আলেতে ব্যক্ষ। ব্যক্ষ ক্ষেত্ৰ ভাগায় ভদ্ম ককল্লটা। শস্ত্রান কটার্ড নক্ষেত্রাভ

প্রভার তেনে। বিভিন্ন শস্ত্রিটার সাহস ংরশ⁸ : রাজেটা জোকে হাতে ভারেক সাঁকে বেসং

বংশগৈড়েক্সৰ বাড়েল বাগেটা ক্ষেত্ৰৰ ভাষে ক্ষমতাল গ্ৰন্থতা জন্মিয়ে বাস থাকে। বাসে বাসে লাহা কপিছে। টিক সম্ভি বসে সাহে শ্লানটার একটা একটা হাথা নাড়ছে।

ন্ট্ৰেম সাধান্ত্ৰন জলনি জলনি কাজ হাসিল কথার নগর নগর পথসা পর্বি আহার হয়ত বাধা বাধির কারবার নেই—

ঠিক বাছ বট্ৰাব্র।। প্রস্থা সুটো **কম**। দেবেন, কিন্তু সৰ হাতে হাতে: বাকি ফে প্ৰ ब्राह्मक नाम दक्षा एठकात फाय गा-डाव है का আগ্রাম হোবেন। এমন পাইকাল্রিম কাজ করেও कालका

কিন্তু একরেখা মাছির ফার্নটা বস্তু ভন-ছন কর্মছল।

জলদি হাতে তুরণত কজ হাসিল করতে করতে আপনমনেই গভগভালে গোপনিয়ে— ইছনা মাকৃথি কাহাসে আগলৈ রে--

কাটারি দিয়ে কুপিয়ে গপিয়ে পেছানর 🖭 भर्रहो रकरहे आलामा करव निला।

হাড় থেকে মাংস চেচি সাফস্ভেরো কবে গ্র্ছিয়ে রাথছিল। সব একসংখ্যা ঝোলায়

अका भि उ र न

বিশ্বক্যা

........



বাঙালীর মালিকানায় ও পরিচালনায় যেসব শিংপ-বাণিচন প্রতিষ্ঠান স্ব স্ব বাবসা-ক্ষেত্র দেশবাপী সনোম ও প্রতিন্ধা অজান করেছে সেবকম পাষ অর্থাত সংস্থার উভ্তব, অগ্রগতি এবং প্রতিষ্ঠালাভের রোমাঞ্চকর ইতিব্*ত "লক্ষ*ীর রুপালাভ বাঙালীর সাধনা"। **এই কাহিনীগ্**লি ষ্টিও তথাগভা, এবং মালত বাবসা-বাণিছোর প্রতি সাধারণভাবে অনীহ বাঙালী যাবসমাজের মনে আত্মবিশ্বাস ও উৎসাহ-উদ্দীপুমা ফিরিয়ে আনার প্রচেণ্টায় রচিত, তথাপি এই রচনাগ্রনির সরসত। ও সাহিত্যগণে পাঠককে একই সংখ্যে আকৃষ্ট ও মাুশ্ধ করুরে।

যেসব শিল্প-বাণিজ্য প্রতিষ্ঠানের কথা এক্সিয়ে আছে সেগালি হল:

রেডিয়াণ্ট প্রফেস, ঈগল লিখোগ্রাফিং, সরম্বতী প্রেস, বৈক্ষর ক্রু বাই ভিং, কলিকা টাইপ ফাউন্ভি, বেঘনাথ দক্ত, মডান ব্ৰু এভেগ্নী ও ব্রুলান্ড, হিমালয় পেশার খ্যান্ড ব্যেড মিলস্ স্টডিও প্রতিক, স্টেল্খা ওয়াক্স, আরপ্রেণ কটা মিলস, গোপাল হোসিয়ার रिकेन देशीय कारक अन के रिक्सा, के देना के लिए के ना कार्य के कार्य (त्रन वरात्म, नरमनाम जार्गाच सम्योग कार वराष्ट्रीट जिल्लाक करूर ফিলিকেট আনত গ্রাস, প্রিলেন ইন্ডাস্ট্রির প**ণিকং শ্রীস্তাস্**লর দেশের প্রচেটাসমূহে, নাশনাল বাধার ও ইন্ডেক টারাসা, বেপাল ওয়টারপ্রায় ওয়ারাস, ফল ট্লাস মান্মন্তন্তির, কুলজিয়ান সাভিয়া, কলেকান ফলন, সার-নিয়েক্ত্রী-কুমার, শালিমার ক্রেমিকলে, সি আই সি এম ও লাস, রার জ্ঞান্ড চ্যাটান্ডি, মিত এম-কে কুল্ড কেলাক, ক সংকার, আহা বেকারি, নাস রিপ্রোল্লাফকস ও দাস জিলারমানি, কালকাটা কেমিকাল, দেক মেডিকাল, ইস্ট ইণ্ডিরা ফার্মা-সিউটিকালস, বেশাল ইমিউমিটি, এবং বেশাল কোমকালে।

এইসব প্রতিষ্ঠানের সমধ্যমী ও সহযোগী বিশ্বির প্রতিষ্ঠানের, এবং এই-সকল সংস্থার অগ্রগতি ও বিস্তারের ম্য ল অনলস ও উদ্যোগী ক্ষারি জ্রান্ত পরিশ্রম ও স্কিয় য়ছে তাদের কথাও বিশেষভাবে উল্লিখিত হয়েছে এ গ্রান্থ

॥ ৰাঙালীর বাৰসা-বাণিজা সম্পকি अ वहीं सम्ला ।

চার শহর্মধক পাণ্ঠায় বই। **ভবল ছাউ** নটোডো সাইজ। বহিন প্ৰচ আট প্লে

ঃ মাত পাচিট मा म

প্রাপ্তিস্থান : আনন্দ পার্বালশার্স প্রাঃ शिक्षिरটেড । কলকাতা ১

ভরবে। মাংসের ট্রুবরোগ্রি ছ'্ডেছ'্ডে দিতেই এপাশ-ওপাশ থেকে করেকটা কাক ঝাপিয়ে পঞ্জা।

জাবলৈ গাছের মাথা থেকে দুটো লকুনি হুসহুস করে নেমে এল। মাটিতে যে ক'টা কুসেছিল, নডেচডে উঠল। আবাত ভয় পেল আন্। ভরে ভরে চাকল—ব্রজী—
—আরে ভরে মত্, বেটি—মোলায়েম
স্রে কথা বল লও চোখ ভূলে তাকাবার
ফ্রসং নেই গোপীনাথের। দিনের আলো
ফ্রিরে বাবার আগেই কাজ হাঁসিল করতে
হবে।

	ক্নায়িকা রহস্য	७ ∙00
नद्वाहे त्त्रन अञ्	ीकाब्र	₺ · 00
न्नाक स्मिरेनात	॥ স্নীলকুমার ঘোষ	9.00
वान्मा	॥ সমরেশ বস	9.00
न्यभीनभन्न आश्रात	॥ কালক্ট	8.00
স ত্যকাম	॥ নারায়ণ সান্যাল	9.00
महाकारलव मन्दिब	n 💁	9.40
নগরীর অভিশাপ	॥ পঞ্চানন ঘোষাল	9.00
ৰাগ্ৰত ভাৰত	ા હે	9.00
জিলং উলিসা	॥ দ্বৈপায়ন	9.00
ভূরক্ষম ভূর•গী	॥ कृषान् तरनग्भावत्य	¢.00
প্ৰিৰী যাহার নাম	u স্কন্যা	\$0.00
ক্লিওপেট্রা	ા હે	৬.00
পথের তীর্থে	॥ বীরেন্দ্রনাথ সরকার	9.00
দ্বণন থেকে সত্যি	॥ গৌরা ঙ্গপ্রসা দ বসূত্	8.00
এলো মোল্মী	॥ প্রফল্ল রায়	৬.০০
চরণরেখ্য	।। শৃঙ্কু মহারা জ	¢ · ¢ O
ছाग्रा मारन	॥ শ্রীবাসব	8.40
নীলপান্না লাল বাদশা	॥ নিস্ ঢ়ান न्দ	6.00
ন্পমতী নগৰী	 অমিয়রকুমার বলেদপোধ্যায় 	¢.00
গ্ৰুগান্ধদি	॥ শক্তিপদ রাজগ ু র	8.00
অণিনদ্বাক্ষর	॥ রাহ ্ল সং স্কৃত্যায়ন	9.00
वन्धाविह्रजी	৷৷ কণিষ্ক	9.00
ঝাড়খণ্ড সীমান্তে	11 🗳	\$6.00
त्र काना	॥ অমবেন্দ্র দাস	\$&·00
বিচিত্ৰ সংলাপ	॥ প্রমথ নাথ বিশী	F.00
রমণীয় ক্লিকেট	॥ শঙ্করীপ্রসাদ বস্	৬.০০
দাহিতা জি <mark>জাসায় রবীন্দ্</mark> ৰ	নাথ।। ডঃ অসিত বদেনাঃ	2.00
कथात्रारिङ किछात्रा	৷৷ ডঃ অরুণকুমার মারথাঃ	७ ∙००
ৰীন্দ্ৰনাথের গান	॥ সোমেন্দ্রনাথ ঠাকুব	8.60
বামীজী শন্তি সপন্ধ	॥ म्वाभी निर्द्वाशानम	6.00
নরতের সাধক (৮ম)	।। শঙ্করনাথ রায়	2.00
ারতের সাধক (৯%)	॥ खे	2.00

সমরেশ বসর পাতক 🤻

[প্রতক ভালিকার জনা লিখ্ন]

कक्षा श्रकामवो

১৮এ, টেমার লেন, কলিকাত্য-৯ ১১ শ্যামাচরণ দে দুরীট, কলিকতো-১২ এত বড় লালের কাজ শেব হতে সংস্থা

কাটারি দিয়ে কেটে কেট পাঁকরার হাড়-গ্লি আলাদা করল। সমন্ত লাগটা নড়ছে, ক্রাপ্তে।

মাথটো কাভ হয়েছিল স্বাসের উপর। क्रकेंगे रहाथ स्थाना। छहे खाँस्थ्य हिस्स তাকিয়ে একটাকাল বেমন আনমনা হ'হ চোল গোপনিথে। শেষ সময়ে লছয়িত্ত আৰু দাটো অমনি কোলা ছিল। হাতে পাৰে তথন সেক দিছিল গোপনিয়ে। তথন মত দশোর। একটা কেরোসিনের ভিক্_{যি ভালে} किन। वरमीत भा कामधिन, इसक भारत সেক দিতে: একটা মাটির ভাঁতে করে গ্রেশ্ব আগনে এনেছিল ব্ভিঃ সারারাভ ঠাছ ব্দে ছিল। ঘরের বাইরে নিমগাছটার ভুলার বাস বংলী, মতিয়া, বুধন গালগাল কর্ছিল। পাড়া-পড়োদা অ দ্বাম আওরং আরো দ্রা-চার্যান এসে উ'কিকার্যাক দিয়ে গেছে। গ্রেপীর বট-এর পতিক সাবিধের নয়: আজ রাডট: কণ্ডাৰ কিনা সংখ্যা : গোপানাৰ কিন্ত आडडें। बाकारक भारतीय के करें। प्रश्ना सका হবার পার থেকে বছর দেক্তেক ধার আমান প্রায়ই ভূগতে। দ্রা-চার দিন শ্রের থাকত। ভারেপর আবার উঠে ছারর কাঞ্চক্তম করছ। গোবর কভিয়ে খাটে দিত। কটকুটো কভিয়ে छैनाम दव्य । छाउ श्रीषाठ किस्सा आधि প্ৰত। গোপীনাথ তথ্য কলৈ কলি মাল্যক ছাবে বেডাড : ছাবে ছাবে বছারবের গ্লেমের জন্য মালা যে গ্লে করে অনতঃ ভুটাপোল খেতে ভালবস্ত मध्यिया । रहाभौनाव कराना एके निषय अस বহাত পাশ¹ হাত। কেই মানা**ষ**টা এমন ত জ্ব-ভাঙি তাল মতেৰ ব্যৱতে পাৰেনি লোপনিছে। দেক্ডর পাটে,লি করে হাতে পারে সেক নিক্তিয়া। কার্ন বংশবীর মা।

নিজানের ছামায় যে নিকটা আন্ধবনের ছিল্ কৈনিকে শেছতা কাঁথার উপার ছামে মান্তিলে হান, তিখন জোবা জোবা এক একবার শ্বাস টান্ডিল লাভ্ডিমিয়া। ছিল্ডর জামটার বাক গোলা। শক্তিবার হাড়েগলৈ কালো বালে উইভিলা। ছালে ভুগো বাকে মানিষ্য আম্মি মান্ত্র গোছে। শা্মু বাকের মানাথানে ভুমার মান্ত্রিটা ওঠানামা কর্মিলা।

ইঠাং আন.ব চেচিনি শ্নে চমকে
উঠল গোপনি।থ। বৈইমান কুকুরটা একথানা হাড় মুখে নিয়ে পালাজে। এত মাসে
প্রেরেও আশ মিট্ছে না, শালা হারামিষ
হাড়ডির লালচ। তাড়াতাড়ি লাঠিটা তুলে
পেছনে ছাটল। চারপালে জল, জলে
ডোবা ক্ষেত। কোথার আর পালাবে
বদমাশটা। নির্পার কুকুরটা জলে ঝাঁপিরে
পড়ার আগে পিঠের উপর এক ঘা সসিয়ে
দিতে পারল গোপনাথ। জলের কিনারার

हासके स्थल क्षे क्षे करत लब गाविस পালিরে বাঁচল কুন্তার বাচ্চা। চলে গেল না। জার্ল গাছটার ওপাশে, দীভিয়ে লেজ নাডতে লাগল। হাডখানা কডিয়ে ফিরে এল গোপীনাথ। এই ফাঁকে গিলি শকুনিটা এগিয়ে এসে মোবের চোখটা খবেলে নিরেছে। তা' নিক। চোখ ৰা কান ৰা নাক ৰা চবি মাংস সব খাং THE FIRE ক'থানা পেলেই খুশী গোপীনাৰ।

কিল্ফ এই হাড় শকুতে সময় নেবে। সাছটা রোদ খাবে, তবে মাল ওজনে केंद्रव ।

শুখা হাডডি ছাড়া মন ওঠে बध्रेवाद्व। इरतकत्रकम कहेजर छति।

--ছারে, গুপৌ, মন্দ্রী শক্তোর তেলাভাব কাটোন, কেমন মাল আনলি তই আমি চাই পড়খড়ে এতকাল কান্ধ করেও আমার পছলটা ব্রুজি না, কোম্পানী কি আমাকে এমনি এমনি পরসা দেবে---

জলো এক কম্পানি সিখে লিয়েছেন বট্রাব্। কথার কথার কম্পান কিরিয়া। একটা বিভি ধরালো গোপীনাথ। মূপে বিভি কিল্ড হাতের কামাই নেই। আবার লাশের পেটের মধ্যে হাত ঢোকাল। পঞ্জিরার হাড়গুলি সাফ করতে মনে হল এই মোষটার প্রেটের মত ঠান্ডা হতে ফাজিল লছমিয়ার হাত পা,পেট ব্রুক। বংশীর মা হাউমাউ করে কে'দে পরও কেমন বেন বিশোয়াস হয়নি গোপী-**নাথের। লছমিরা** দেই। আর কোনদিন मिथा हरद ना। कान कथा वलाव ना। দরজার সামনে বসে ভুটাপোড়া থেতে থেতে **लाक क मृत्य अवस्त शामा**त साः तरभी মতিয়া বুধন ভাড়াতাড়ি ঘবের **এসেছিল। তথনো তাকিয়েছিল লছ**িয়া। ठी**-छा व्यक्तिह**ि स्थाला। रक स्थन । स्थरव দ্যটো ভুলসীপাতা এনে ঢেকে দিয়েছিল। ত্রেপর নতন কাপড়, খাটিয়া, দাঁড় যোগাড় इराहिन। किहा मान्य क्राप्तिन। रश्मी, মতিয়া, ব্ধন, হীরালাল-ভরাই সব বাবাত্থা করলো। কেমন আছ্যার মত চুপ-চাপ ওদের পেছন পেছন হালিশহরের শমশানে গিরেছিল গোপনিথে। দেই শেষ-রাহির অন্ধকারে আগে আগে যেতে যেতে ওরা একসংশ্য একনাগাড়ে বলে যাচ্ছিল-রাম নাম সত্হয়ায়, রাম নাম সত্হয়ায়--আন, আৰার ডাকল-বাবজী, পিয়াস-ছাত খাবার পর পিয়াস লেগেছে আনুর। কিন্তু এখানে আর পিনেকা পানি

কেখার।

७वे मार्छत कनरे जॉनला करत मृह्याक থেয়ে আবার এসে গাছতলায় গ্রটিশর্টি स्यद्ध यमन जान्।

গোপীনাথ। স্মানে হাত PISICAS

সমানে মাখার মধ্যে নানান কথা কিলবিল

আচ্চা লছমিয়ার হাডডির ওজন কত ছিল? হালিশহরের ম্মশানে সব ছাই হয়ে शास्त्र। धानद्वत्र शास्त्र असन मदत्र कना-বেচার রেওয়ারু নেই। কেউ পোডার, কেউ মাটি চাপা দেয়। মানুষের হাডডি কেনা-বেচার রেওয়ান্ত থাকলে শালা অনেক নাফা কামাত। আর গোপীনাথের মত এজিপ্টরাও কিছু পরসা পেত। **রাম**, রাম এসব কি ভবছে সে। ৎকে করে अक्पना थ्रथ, स्मरन व्यवस्थी विश्वि ध्रान

। নরেন্দ্রনাথ মিত্র॥ ॥ তারাশধ্কর বন্দোপাধারে ॥ উপনগর 9.00 1 ধানী-দেৰতা · n 2.40 11 8.40 1 হাসলোবাকের উপকথা ১০:০০ পরম্পরা সপ্তপদী 0.00 H भ्राम्बद्धम् । ॥ 0.40 B । প্রবোধকুমার সান্যাল।। 0.00 H বসস্তরাগ বনহংসী n 8.40 1 **BRITE** 8.00 1 8.40 1 তারাশত্কর শ্রেষ্ঠগলগ ৰস্ভুৱাহার 4.00 । মানিক বন্দোপাধারে ॥ ॥ वनयः न ॥ भव्यानमीय मानि ॥ 8-৫० ॥ জন্ম ১ম ৩য় ৭ ৫০ ঃ ১১ ০০ বনফ_লের বাঙ্গ-কবিতা ১০০০ मानिक ट्रान्डेगर्ग 8.00 ণু সংবোধকনাৰ চক্তবতী । ॥ বিভতিভ্যণ মুখোপাধ্যার ॥ উমি-আহ্যান 11 9.00 11 11 8.00 11 একজন লামা ও মানসসরোবর **উ**ख्यायन বিভূতি শ্ৰেষ্ঠগণপ 4.00 6.40 ॥ সুধারঞ্জন মুখোপাধ্যায় ॥ ॥ भरनास वस् ॥ ছবি আৰু ছবি A.00 II अमिक्न 11 8.00 1 9.00 1 প্রাশ্তর রখ্যা 11 0.00 1 নিশিক্ট্যুন্ৰ ॥ আশাপূর্ণা দেবী ॥ >¥ 8.00 জীবন প্ৰাদ ₹# B.GO \mathbf{R} 8.00 H মনোজ গলপ সংগ্ৰহ 8.00 দূই মের্ 11 8.00 H

कवि कत्री यह फीत

সোজনবাাদয়ার ঘাট

কৰির অন্যতম শ্রেণ্ট কাৰাগ্রন্থ। জার্মানি, চেক, ফরাসী ভাষায় অনুবাদ হয়ে। विस्मय नमामब लाक करत्रकः। এই कावाधान्धव

ইংরাজী অন্বাদ ২০,০০০ কপির বেশা বিক্রী হয়েছে।

<u> ৰক্সাকাথার মাঠ চাক্র বাড়ির আঙিনায়</u>

8.00

নজরুল কাব্যসঞ্য়

तळूत छ त्त्रत्र कविछ।

বেদৰ পাৰ্যালাপা প্ৰাঃ লিমিটেড, ১৪, বহিক্য চাট্যেয়া প্ট্ৰীট, কলিকাতা-১২

গোপীনাথ। এক পাশের পাঁজরার হাড়গ্রনি সাফস্তরো করে ঝোলার প্রকা। আরেক পাশের কাকে এবার হাত কাগাবে। বিভিটা কেন আবার ক্রেপ এবা

কাক-শকুনির দল ঠার বসে আছে।
কুকুরটা নেই। কথন কোনদিকে চলে গেছে
শেরাক করেনি গোপীনাথ। এমদে মেয়ে
তেমনি অঞ্জার। দিনের আলো ফ্রিরের
শক্তে।

জার্ল গাছের নিচে তেজা গামছার উপর
ব্যিরে পড়েছে জান্। বিরবির বৃদ্ধি
মূখার করে জুরণত হাত চালাজে গোপনিবাধ।
প্যাপি কছুরা ভিজে জবলার। সকালবেলা
বানিকটা হাতু পেটে পড়েছিল আর এক
কংপ চা। এখন কিছু খাবার কথা ভাবতে
পারছে লা লে। জম্বনার হবার আগেই কাজ
হানিক করতে হবে। কাজেখিগটে জনমান্বের

সাড়া নেই। অনেকক্ষণ পর পর এক একটা মোটর লরী কিংবা বাইশ নদ্বর বাস বনগা বিষ্ণে ক্ষরতার এটা বাক্ষে। অধকার এগিলে অসার সপো সপো একটা একটা করে শকুনি জলার উপর দিরে উড়ে যেতে শ্রু করল। করেক ধাপ ছাটে গিয়ে জানা মেলে শ্রেন লাফিরে উঠছে। দ্বের মোহনপ্র বাজারের দিক থেকে একটা-দ্রটো আলো টিপটিপ করাছল।

বাশঝাড়ের মধ্যে জোনাকির থেল শরে, ছরেছে। মেথের আড়ালে আডালে ডুবে গেলেন সরেজদেব।

এ সময় এক ক'প চা পেলে বহুতে আছে। হত। চা-এর কথা ভাষতেই গোপার গলার ভেতরটা যেন আরো শাুকিয়ে উঠল। আরেকটা বিভি ধরাল। আধু মাইলটাক দুরে মোহনপরে বাজার। ক্রেখানে মদন সাহা। চা-এর দোক্ষা। আর খেটুকু কাজ আনে আর ইণ্টার হরে বাবে। ভারপর মদন সংগ্রি চারের দোকানে গিরে আরক দিয়ে এক গোপ চা খেছে হবে।

जक काल हार्यस हार मन लक्षणा अव किमित्र भाषा शरका विष्ठु वर्धे,बादः भारतः रवह वाष्ट्राध्यम् मा। किलाव माम भावरमा मा আমাছিল এখন পনের প্রসাঃ অভ্য কেদ্পানীর কাছে মাল গেচেন আঠাল পরসা কিলো মারা দিন বিভিটতে ভিজে এক কাপ চায়ের কথা ভেবে মেজাল পাটা ইয়ে জেল লোপনিথের। দাপরে বৈলা লাশের ছাদিস পেয়ে মনটা বাশ ছিল। তথন ভেৰেছিল বঢ়বাব্র মত মান্ব হয় না। সাকা আপ্যী। একটা পয়স। বাকৈর কারবার নৈই। দরকার হলে হলাছ লেক। আৰু এখন এই সবি বরাবর ছমখনে অধ্যকারে সারা দিন বিশিট্ডে ভিজে ভিজে মনে হতে ৰটাবাৰটো হক হিচম। একটা পয়সং ৰাডডিভ ছেবেন না। বৈটে ব ভালে চাইকো মোলগ্ৰহণ কৰে কলেন--রাবে বাপে। ধার তে: পরসং চিনেছিস আমার পালটাই তেজা বেশী দেখাল অসংড়ে বসংড় ছারে হত্তবের আর কি পারেকতার থেটে মাল জলে বিয়ে খাতে হ'তে প্রসানি যুখ্যস, সুদ্ধর আমার কড় कीं के रूभ गाएंत उस तम मिक रूभीरका आज লাভ কুলি ভাড়া দাও প্তিটা **কোকে গাটে** ভাগেৰে মহায়বি নাভা যোগালগৈ হা প্ৰায়োগালীয়েছ পান হৈছি নাও সারোমন কৈ প্রাশিক্ষ করে, मन देश सहै के हैं। में अध्यक्त अध्यक्ति महिकाल

নিঠা নিঠা বালি নট্বাৰ্র: কাডডিক কার প্রার কো মেই। কাজা ছার্মেটী।

শাস্থ বাংলাফ হুবি হাই মে বাম রামণ নিনের শোবা বেংশনাই অব্যাক্তির ওপাংক নিলিহে যাজেও বাঁশ আবাড়ক দিকটা জ্ঞানী বাংশকাক। ভোগাকি উভাক্ত, ক্লোমাকি ভালোহে বিশ্ব মুভিব দশকোই, বাধা কোজে।

কাৰেৰ দলও ১টি শাধ্য সূত্ৰী শক্ষা আস মাজ জ্বলে - গাঙ্টৰ মণাড কে কেখনে

অনেজা দিয়ের অন্ধান

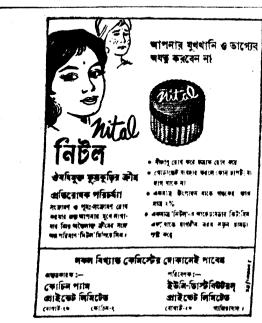
স্বা দিন পেটে স্নাপানি নোটা। দ্টে হাতের কন্টে লগদি লংগের ছবিতে কাছা-মাধি, তেখাড্গো: আছ্টোগ্রেলা এমন হাতহাড়ে হাবেছ । যে শক্ত ম্টোর ছবিট্রা যেন ধবা ধাবছ না।

এখন শালা ক্রী, বার এক কর দেকে বাকে গারেগভাবে পারী এলে গালাস কর কিন্তা। স্বান্ধ যোগারেল করে। স্বান্ধ বাকি ক্রোলার পারল গোস্থীনাপ। এখন শা্ধ্য শিবদান্তিটা বাকি।

বড় কটে নিটা লগতে নিগে শিক্ষাজ্ঞ কুপিয়ে ট্রকরে। ট্রকরে। ক্রন্তে লাগল গোপনিগে।

প্রথমে মংপ্রটা আলগা করে নিক। হঠাং নজরে পড়ল বাঁশঝাড়ের ভেতর থেকে কি





ডিলেন্ট্রিউটর : দি প্রিমিরার লেডিক্যাল সামেটিক জ্ঞান্ড স্টোল

88/8৫ এজরা স্টাট, কলিকাতা-১, ফোন : ৩৪১৫২৬. • পান বাজার, গোহাটি

একটা ারিয়ে অসছে। খাড়ে-গদানে ধ্মসো দেহারর লেজমোটা একটা শেয়াল। অথি দুটো জ্লুজ্জাল করছে। পেছনে আর একটা তর পেছনে আরো গোটা তিনেক।

বিড়বিড় করে বকলো গোপীনাথ—শালা, গৈপুৰত আ গিয়া—

দুটো ধাড়ি তিনটে ছানাগোনা। তারলে গাছটার ওপালে বাশিখাড়ের কিনারার ঘার-ঘার করছে। একটা একটা করে এগোর আর মান্যটা এক একবার মাধ তুলে তাখালেই পিছিয়ে যায়।

थाँ ए महरोत आश्या ह्या । आहमको काकाकोक हरमा ५ हमा । अर्थानर उहे हमकाक बाह्रो हहाकिया। अथन अहे शिथएनहुमाहक स्मर्थ आहता थिहरस् श्रम।

লাঠিটা হাতে **ভূলে হাঁ**ক দিল গোপী— জাগ ভাগ শালা—

একট্ গৈছিলে গেল ওরা। তরেশর আবার গাতি গাতি ফিরে দাঁড়ল। বাঁশঝাড়েও,র ভেডর থেকে আরো করেকটা বেরিয়ে এল। মোট সাত-আটটা শেলাল জরাল গাড়টার এশান-ওপালে, বাঁশঝাড়ের আনতে-কান চেছারা মত খ্র খার করতে গাঁগল। কোনদিন বা হয় না। এই সাঁক বরাবী আবছা অংশকারের মধ্যে শেরালগালোকে সেখে গোপারৈ গা কেমা। ছমাজম করে উঠল। কুকুরটা এখ্য থাকলে ভাল হছে। কুকুরটা এখ্য থাকলে গিন্তের দাণ্ডল কাহে ধ্যেবতে সাহস পেতে না।

জার্ল গাছের নিচে খ্রিয়ে আছে আন্ত রোকা প্রজা মোগেটা ব্যবহারণ আন্তেত

এখন একে ভাকতে গ্রেন শেষ কর্না, কু গাছিয়ে নিয়ে ভাকতে লিজনভিন ট্রাপনি হ। গালি বোলার মধ্যে নিজ লোগেনি হ। বোলার ম্থা বাধ্য করল লোগের মধ্যা নিয়ে কি করা যায়। একবার এবন ফোলে রেখে চাধ্য মধ্যে কিন্তু এই বিষ্ট্রালা ভাষতে পার্ট্য লিখে সাবে। এই শালানের কিছ্যা সোর্ট্য লিখে সাবে। এই শালানের

মে ধেব মুখটা হাঁহায়ে আছে। কালো **জিল্ডটা ম**ুলো কয়েছে : মাগ্টির চেত্র 'মল্ আছে মঞ্জা আছে: কেসৰ সাক সাতিটো ক্ষরণের সময়ত জ্যাগারে। এখন সময় নিই। এরপর অভ্যক্তরে আর নজর চলবে না हाज्ञभार्म जन्धकात हुए हाराल धानाहर মসাবি ভাল যে এখানে জেকিবৰ উংপাত নেই, সংগ্রু নভাবে প্রভান : ভাব অন্ধকারের স্পের্ স্থের "ব্রহন্ত্রালো আরের বেপটেরারা **হরে উঠবে। অগত্যা কৈ** করলো গেপৌ-নাম, মোহের মগাটা জালের নিচে পাঁকের 华田 牙包耳 চন্ডভর পাতে রেখে মাবে। সকলে এসে তুলে মেবে। জন্মগ্রি নেহাৎ অচেনা নর। আধু মাইলের মাথায় মোহন-প্রবের বাজার। আরে: মাইল তিনেক গোলে য়েল লাইনের ধারে ভারের বাস্ত। মাটির দেরাল, বাঁশের খ্টি আর খাপরার ছাউনি দেয়া তাদের বাঁশতর খঞঃ

याथाहै। या है हाएल निरंत खेळे सीख न গোপীনাৰ। জলের কিনারার এসে স্বে গড়িয়েছে, আচমকা আনার অভনিদ শানে ঘারে তাকাল। ধাড়ি শেরালটা জানার একখানা পা কামডে খরে হিড হিড করে ঢেনে নিছে বাচ্চ। গিধভের দংগলটা ওকে প্রায় ছে'কে ধরেছে। একটা হিল্লে হাঁক ছেডে ছটে এল গোপীনাথ। দুই হাতের সমস্ত टकात निःव स्मार्थित संचारी क्षेत्रस मात्रम । ধপাস করে, মাখাটা পড়লো দলটার মধ্যো ওয়া একটা পিছিলে গেল বটেঃ কিন্ত যাডিটা তখনে। আন্ত্র গা ছার্ডেনি। বভ কাটারিটা হাতে নিয়ে স্বাগিরে পঞ্চা लाशीनाष्ट्र। बाद्ध मारमदका, बाद्ध मारमदका। যাড়ের উপর পরজা কোপটা দিতেই আনরে গা ছেভে গতি খিটোল লেব লটা। একসার থকবকে দাত। মংখ্যে তেতরটা যেন লাল মালাম হল, বোধ হয় আনার বছ।

মার পালেকো। আর একটা কোল মারল দোলা মাথের উপর। এবার পিছা হটলো ব্যুমাল গিখভ।

বাঁশবাড়ের দিকে সরে গেল প্রের দণ্গলটা: আন্রে ভান পা দিরে গলগল করে রঙ্গ করছিল। মেরেকে ব্কে ভলে নিল গে পাঁনাথ। রঙ্গে হাত ভিজে গেল, ব্কের কাছ ফতুয়া ভিজে গেল।

দ্রোহনপুর বাজারের কাছে বনমালী ভাগনেরবাব্রে দ্বাখানা। যত ভাড়াতাড়ি চোক যেতে হবে সেখানে।

তার জালে একমারে। মাস চিবিরে মেতের কার গ্রেডা গ্রামাধার ফালি নিরে মেরের পারে কাডাল গ্রেপী।

ভাঙ: গলার বারকয়েক **ডাকল—আন**্ধ অংশ্ আন্ধারেটি—

আনু বেহাল হবে গেছে। গোপরিও বান কোন হাল নেই। কোলা ভাঁত হাড়, অস্তরপাতি, লাঠি, গমছা, ছাতুর পোটলা— সব পড়ে বইল। মেরেকে ব্কে নিরে এক কোমর জল ভেঙে কেমন কেমন করে বৈ পাতা রাস্থার উঠে এল গোপনাথ, নিজেও কোন থেয়াল করতে পারল না।

মান্হটাকে পালিরে যেতে দেখে শেরাল-গ্লো যেন একসংখ্য ঠাটুার স্বের চেচিরে উঠল—ক্যাহ্রো, কা.হ্রা—

আর গোপীনাথ তখন পাগলের মত ছাটছে। তার পায়ের নিচে কালো কুচকুচে ভেজা সাপের মত বনগাঁরোড। মথার উপর অংধকার আকাশ আর কির্বাধির বিন্টি।

সেই আকাশজোড়া মেঘ আর অথকার আর বিশ্চি মাথার নিরে গোপীনাথ ছটেছে, ছটেছে।



শুভ ইংসন বরুলা মহাদেবিয়া এণ্ড মেহতা

তপুজার আনন্দোক্ত দিনে বক্ৎনাৰ গ্ৰন্থ'-এর দৌখীন বন্ধ সন্তার। ২ x ২ ভয়েল ও লেনোস্,

২ ম ২ ভরেল ও লেলেণ্
প্রিক্ট পপলিন, ২ ম ২ কটন,
'টেরিন'/কটন, স্থট, সাঁট ও
নানা প্রকার পোষাকের কাপড়!
মধ্য ও উত্তর কলিকাভার জন্ম
অনুমোদিত শো-কম:

- ২ ব্রাবোণ রোড
- तस्त्री जित्नमा विन्दिर

मासी जासाकाश्र



২)জেটীল দিয়ে ৰাড়ীতে যু'লে নিরাশদ আর ধরচ ও লা AND WINES WHE आज और नगमा



क्रिक्टोर्ड (बाहारण मिठाणम, प्रारं बत्र रचने

ক্ষেত্ৰীল কিছে খ'লে বৰচৰ-কঃ ৷ এক বোডলে ৩৫টি কাশক বোডা বায়, অৰ্থাৎ কাণড়পিছু থক্ত মাত্ৰ ১৫ পছসা। (क्वीम, विदाशन, चयह बढ़ा व क्य. चाक्षे शरब क'ता त्रवृत ।



ক্লেটীল, বিলেম্ব প্রক্রিয়ার কৈনী এক নতুন ভরল ভিটারজেও। এ দিরে আপনি जिब, छेलन, नाहेलन, (इयन, (हेरीन रा जन्न যে কোন রক্ষের ধারী জারাকাশড় বাড়ীডে चनावारम भूक भारतन। क्वकीन पिरव ধু'লে- বোমার পরও কাপড় নতুনের মত बीद्ध, जात हाका छादा खात्रा हत बाल, কাপড টে কেও বেলা। সিধের শাড়ীতে জরী আছে ? বেল তো, জেন্টাল দিয়ে ধুয়ে जिम, सदीक्षणा वामधन कदाव ।

দামী কাপড় নিরাপদে বাড়ীতে ধোয়ার জন্ত বাক্ত সংস্ক্র বিশ্বন, বোৰাই।

चमद्दत्रत्र मिल्ली

কট শোস থেকে কাৰ্মন ব্লেড হরে বে প্রশাসত রাজপানটি সোজা ইণিডারা গোট আগুলেরা দিকে নাকবরাবর গিরেছে, সেই রাজপথের এদিকে জনবিরল, কিন্তু জনরব-বহুল হেলি রোড। এই হেলি রোডে পশ্চিম-বংগা সরকারের যে বংগাতবন নামের অতিথিপালা ভাতে ক্ষ্মে একটি কৃঠিরতে শ্বেংগাল এসোসিরোপন" নামে প্রতিষ্ঠান।

কেপাল এসোসিরেশন পশ্চিমবন্দা সরকারের কোনো উদ্যোগ নর, না কি বেণাল এসোসিরেশন অবসর বাগনের জনা "উচ্চ-শ্রেণী" বাঙ্গালীদের কোনো ক্লাব। এমনকি সাংস্কৃতিক প্রতিষ্ঠান বলতে সচরাচর যা বোঝার তাও নর, এই বেশাল এসোসিয়ে- বোকাতে চাইছি। মারাঠী, গ্**জরাতী, ওর্**র তো সংখ্যার আরো অর্নাধক।

कथाणे किश्विर गृहिटत वनीह।

লর্ড কার্ছনের কালে কলকাতা আরু চাকা
শহর থেকে তুমান মেলে সোক্তান্ত্রিক পার্মাকেন্ট চাকরি নিয়ে প্রাাজ্বন্ত্রেট বা মার্যার্থকুলেট বাঙালাবীবাব দিল্লী ইন্টিন্দনে একে
পেন্টিলেন সরকারের তিনি পদানক ভূতা
হলেও নির্মা পদার্পন্যান্ত ললাটে ভার তোলা
বাদহতো বলতে গেলে জামাই আদর। দিল্লী
জংগনে এসে তিনি পেন্টিলেন "পাশ্ডববজিতি" ইন্দ্রপ্রদেশ। একটিই মান্ত তথন
স্গাটফর্মা ছিল রেজন্টেশনে। ইন্টিন্সন থেকে
তাল্পতেশাসমেত বের্লেন বঙালীকর।
ভাকে দেখে অমনি বাজল প্রালিসের

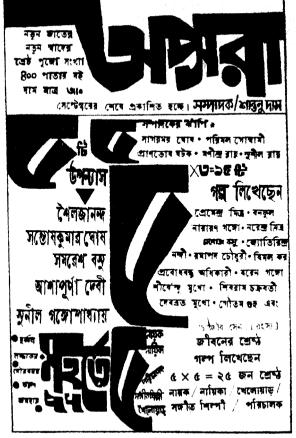
বাইনাল। সেই হাইনাল পানে বানালাক সাজ্যেরার ব্যান্তার টালা পার টালাসান্তি নিরে তথালাই হাজির। হাজির হরে নালা-পত্তরসক্ষের বাঙ্গানীবার্তে, বিদ সপো বউ-বাজা-বের্ডালাহানা-টিরেসারি থাকে, তাদের সকলকেই পুলে নিরে সটান পোছে দিল বাংলালা দুবাওরালার ভেতর-ভেতর বানা-ভারে ভিজারপারে নির্দাণ্ট সরকারি কোরাটারে। কোরাটারের নিবটে সেতে-টারিরেট্ বাংলামেরেদের জন্য বাঙ্গাভারার মাধ্যের ইন্কুল, বস্তদের জন্য বাঙ্গাভারি তব্য ভারত সারকারের রাজধানীতে। জন্মন প্রদেশকারীর অন্প্রবেশ তথনো বাঙ্গাদের ব্যানাভার।

মোগলাই দিল্লীর শেষ চিহা, ক্ষেপ্র নাগলমান গাড়েলান এ-কথা আমি বর্গাছনে ৷ কিন্তু তথাপি ঐতিহাসিক কারণে বাস্তবিকই মোগলাই দেহলী বেমন গারেব হরে গেছে বিশেষ কোনো এক স্বংনরাজ্যে, কার্জেন-কালো দিল্লীও বিলক্ত্য হারিয়ে সেছে

Loles

শন: প্রতি সম্পারে ড.ই বেশাল এসোসিয়েশন
নামধারী কুঠ্রিতে বসে না কেনো গালগদেশর আসর। পারতপক্ষে কোনো বাঙালাই
এখানে তার পামের ধ্লো তেমন দেন না;
এমন কি এই এসোসিয়েশনের ফিনি সাধারণ
সম্পাদক নামে অভিনিত তিনি নিকেও এখানে
সম্ভাইর একটি দিন মান্ত আসেন, তাই
আমার তিনি বলাকোল জানিবার ধাশার
আরো দশ্যী কাকে তিনি বস্তান

এমন কৈ দিল্লীবাসী বাঙালাবদৈর মানিইমেয় ভনাক্ষেক ভাগাবাল হার। এসোসিয়েশনের প্রকাণিত মুখপ্র ांक्क्षीट दाख्यां " ৰান্মালিক প্রিকটি বিন্মালে। পান্ ভারি। ছাড়া অনেকেই এই এসেলিয়েশনের অভিছয় मध्यपुरेश मञ्जाल अञ्चल । किन्स एरमाई খাৰ খোলাখালিভাবেল আমি বলছি দিল্লীর ৰাঙালী এবং বৃহত্তর বাঙলার অনেকৈ না জানজেভ এই বেজাল এসোসিয়েশনেব স্থারিত্ব আর এর স্কুট্র কমস্চী, ব্যবস্থাপনার নৈপুণা, এবং পরিচালনার উপর নিভার করছে দিল্লাবাসী বাঙালীর সমাজ-জীবন: অবশ্য দেহটা বাদের শুধু বাঙালীর, চিত্তের যোগ ইউরোপের সংপা ভালের কথা আলাদা। হার, বাঙ্গার জনসংখ্যা দিরীতে निहाल किहा क्या नहा। मिक्किशा स्थ स्कारना প্রদেশীয় মানাষের চাইতে আমনা লক্ষ্যণীয়-कारव সংখ্যाधिक। शक्तिभी वनटङ मानवानम ভাষিদ্র আর তেলেগ্যভাষীদের আমি



চ্ছাছিত্র : কুশাল মুখোপাধ্যার ছ একেন্টর। যোগাযোগ কর্ন। ৭/১সি, কালীচরণ যোষ রোড / কলিকাতা-৫০ / ফোন : ৫৬-২১০২

শ্বিতীর বিশ্বব্দের সংখ্যা সংখ্যা সংখ্যা গেছে বাঙালী-মহলে রার্ম হব রার-बाहाम्यत्रतमत श्रामानात । उताहे छ र, हिरकान ু বাহক। সাহিতা-বাঙালীসমাজের একছর ধারক ব আগিলে ক্লাবে কালীব:ডিভেট বাসরে বিরেবাড়িতে প্রামঞ্জে এমনকি শ্মশানেও তখন ওদের करत है বাঙালীসমাজকে ধনা ু কানাৰ कामायः। यः स्थाखतः ताष्ट्रधानीहरू দিল্লীর তংকালীন চরিত্রটা দাটিস

निरंश, अक्लाब नारको रगन । न्यायीयनीसङ দিল্লীর এই ততীর দশকে দিল্লীবাসী বাঙালীকে রীতিমত টিকে থাকতে হচ্ছে জন্মনা বিশটা প্রদেশী দিল্লীবাসীর সংখ্য প্রতিযোগিতা করে। সেই প্রতিযোগিতার ক্রমণ আমরা যাঁরা বাঙ্কালী, ভারা হতাল-জনকভাবে পিছিয়ে যান্তি। আমচেডনা চারি-দিকেই ভীর। অন্যান্য প্রদেশবাসীদের পারুষ্পরিক অভিযাতে বাঙালীয়ানা আর সেকালের বাঙ্গারীয়ানা থাকছে না। অথচ ভা

বাংলা সাহিত্যের চাণ্ডলাকর রহসা উ র্জনার স্নোলক্ষার ঘোষের আর একটি

আমেবাসাড্র

কাহিনী গ্রন্থনার আর রহসা পরিবেশনে দেখকের ত্রেষ্ঠ কৃতিখের সাক্ষর। बाध मार होका धात ॥

अन्याम्य द्रश्याः উপन्यान

স্নীলক্ষার ঘোষের

গৌরাসপ্রসাদ বসার

উত্তরাধিকারিণী

4.00

ितकीय स्मानव

माथ कर ठीका माठ

थानीत एम तिरे

करमको है र छा। उ

शाहेमा भावनिदक्षनम् । ४५ भटाषाः शाक्षी ह्याउ क्रीज

দিজেন্দ্রনাথ ঠাকুর ন্ম,তিকথা

ग्रामाः ছয় होका

প্রতিভার বহুমাখী প্রকাশ বিজেন্দ্রনাথের মধ্যে বেমনটি দেখা বার, তেমন দৃশ্টাশ্ত সচরাচর দৃশান্ত। 'তিনি সভাই ছিলেন अक नजून धतानत, अक नजून कारजंद मान्य।' मू था का नज রায়চৌধরেরী তার গ্রন্থে সার্থক চিত্র অভিকত করেছেন

বিক্রেন্দ্রনাথের।

স্ব পন প্রয়াণ

चिटकम्प्रमाथ ठाकृतात क कारा वारका कार्यामाहिएका असना निका सूचन...क्रथमंख भूजांचन হর না। মূলা: সাত টাকা পঞাশ পরসা

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম রামতনঃ লাহিড়ী অধ্যাপক আচার্য দীনেশচন্দ্র সেন বংগ-ভারতীর একনিষ্ঠ সেবক। তাঁর আশ্তরিক প্রবঞ্জে

খরের কথা ও ব্যসাহিত্য माना : वात गेका

বিশ্ববিদ্যালয়ের উচ্চতম শ্রেণীতে বংগভাষা ও সাহিত্যের পঠন-পঠন প্রচলিত হয়। আলোচা প্রশেষ দীনেশচনের সাহিত্য-সাধনার পরিচয় গভা।

সঙ্গাতে স্ম্পর

প্রখ্যাত সংগতি-তত্ত্বিদ্ হ্যান্সলিকের পি বিউচিযুক ইন মিউজিক' প্রদর্শানি ডঃ সাধন-কুমার ভট্টাচার্ব অনুবাদ করেছেন। 'এই-জাতীয় অনুবাদ সপ্যতিকলা শিক্ষার অভাদরের ञ्जना একাশ্ডভাবে আবশাক। মূলা : পাঁচ টাকা

কাশ্তগীতলিপি মূল্য: পাঁচ টাকা

এই গতিলিপির সংকলক শ্রীদিলীপকুমার রায় এবং সম্পাদক শ্রীপ্রফারকুমার দাস। কাল্ডকবি রজনীকাল্ডের গান একদিন বাঙালির প্রাণ ভরেছিল, আমাও তা ভরবে।

কলিকাতা : ১

किखाना

কলিকাতা : ২১

আমরা মেনে নিতে কৃতিত ছাত্র: কলত-**८७३ जामहत्त्र स्थाहत्त्र का**ड রেখেছে। পর্মীকাতনতা এখনে অভাতত फारव खामारण्य भावितिक श्रमायन। এখনো আমাদের মথে বেশকে যায় জনা মান্বের অন্য প্রদেশের অন্য দেখের সোভাগ্যে। কোঅপারেটিভ ক্ষাব্যের কাকে वरम छाउ वावशास अथना आभारमस खकाना। আন, এই বিকয়ে মুল্ডবড় একটি তথা হলো বাঙ্গাভাষীদের চাইতে দক্ষিণীদের সমাজগাঙ কবিন ঢেন বেশি উয়ত ম'নের কোঅপানে<u>-</u> ডিভ। বাহুলাদেশের অপ্রবাসী বাহুলোলি क्रम क्रम शक्ट ध्रहेलन इग्नंड क्रम क्रम थाकरण भारतन। मिस्रीय क्षयामी याद्यामीत পক্ষে সেটা আত্মকেন্দ্রিকভার সংস্থাই এবং ঘণা পরিচয়। মানুষে যে একা একা কোনো নিরাশঃ স্বীপবাসী ইতে সারে না দিয়নীপ্রবাসী দক্ষিণারা নিতা আয়াদের ट्याट्य आह.मा सिटा टर्मायटा सिटकमा अद्याप জাবিনে দক্ষিণী দিল্লীবাসীয়া দিনকে ভিন क्रमण क्रीणाट्य गाएकमा, श्रातक व्यक्त भारते। प्रकास एक यान्य कार्यन तकारमा-रम्पदर्भव देभकला भर्तिकाकानात वाःश्वत्ये । কাদর ইস্কল্গ্রেম স্পার্থাক্তি । ভাবে সেগ্রেলা পটন কুলো কেইছে হাজ যাক্তে না। বেলাভ হওয়ের অনানাম নির্দ্রী প্রশাসনের পালায় পড়ে এইন্দী নিট্ডরামে শিক্ষাণে নিজ নিজ মাড়েভাষয় ন্যালেট ওচের तिक्रिक्तिराहे अस्तिकारमञ्जूषा विश्वित स्टापत राम्यमात पात्रामयः जाकांतर সংখ্যানে নিয়মীতে এসে ফ্যা-ফ্না করে ওকা भिशाकाता करता **घ**.रह वाक्षा इस न्ता। ভাষের সাহিত্র নির্দ্ধী ভবের সমাজের দেবজাবাত । প্রিরা প্রত্যক ভাষাভাষীদের न्म विकास के फिलाहेर विकास করে গেষ্ট হাউস অংছ। সেগ্রাল প্রতিতি পাড়ার পাড়ার। নামমার অথ'বারে তাতে নবাগ্রুত্রকর মাজ খরচ চলে যায়। এই সর দেশ্যমাটো বিশ্বস্থানে শ্ভেসাক্ষ্মীর মন্ত্র কোকিলক ঠীরা সংগতিনা ভারের লক্ষ্য টাকা সংগ্রহ করে ওদের হাতে সানক্ষে তুলে দিয়ে যান। এই ধরনের নানাপ্রকার **म, बम्**रिवासन मुन्दन नातञ्जा আপন-আপন সমাজের স,বিধের জন্য করতে পারেন। যা দির্মীবাসী বাঙালী আছরা এযাবং করতে প্যারিনি, করবার কথা নিয়ে খ্ৰ বেশি যে ভাৰতে বসি তাও নয়। ভক্তি ভার্ক বিস্তর হয়, শেষ-পর্যণ্ড সব বান-চাল হয়ে যায়_, 'সভাম-ডাপে বহু জনালামহাী বকুতা শোনা যায়, কিম্ভু কম'ম্থকে লোক পাওরা আতান্ত দান্তর, এই ব্যাপারে বেজান এসোর্নি সরোশনের সাধারণ কথাটাই আমি উন্ধান্ত করে দিলায়। অরুণ-বলেছেন. লোকের অভাব হয় না, কমস্থলেই শ্ধ

ভাসের অনুসন্ধিতি দেখি। বস্তুত, ক্রমীর ভাগেকা নেতা অফরা সংখ্যার তের বেখি, বেমন শিক্তিতের' চাইতে নিক্তবের' সংখ্যা ভরাবহ, এও তেলান। সমাজকীবন? তা নিরে নিক্রীবালী আফরা পারতপকে মাধা আমাইকে। বস্তুতি নিজ নিজ সম্ভানস্কতির গন্তির বাইরে বে বাঙালীসমাজ তার জন্য আমানের কোনো টান আছে, আসল সমরে, তা ব্রবার জো নেই। মুশ্বিল, এ জিনিস দেখানো বার না, আপনি শিখতে হয়।

বাঙালী কাব দিল্লীতে আছে তা চালেকেও অধিক। ভাদের মধ্যে কোশর ভাগই শুখু নাট্যাভিনর নিয়ে থাকেন। কারের वा गाय अकृषि कार्यस्यार्ध वा श्रेतानाव একছার আকর্ষণ। দ্রগাপ্তকা, বাণীঅচনে, वर्वीक्त क्रकांटिकि, अहे भवरनव भागकरमा मकरमारे धार्माराकारक अवत रन। एरव हात-পাঁচটি ক্লাৰ এখনের অন্তত্ত বেগটোল বে-কোনো সমাজসচেত্র বাঙ্গারি পক্ষে গর্ব কৰাৰ মতে। প্ৰতিষ্ঠা[ং]। নাট্যাভিনয় বঙে প**ী** मारम्कृष्टिक स्वीदरमंत्र म्लप्टेटचे এक्षि यण्या। তা ছাড়াও সমজনেবার প্রের কারে আসারে কাজ্যাত এই কাড়ি প্রতিষ্ঠানের অবল্য প্রজনীয় কর্মা যাত্তে মান্ডেষর জ্ঞাতিত্ব ধরা পড়ে। বাঙাকীদের সংগ্রকম অপা ভরসা, সাধদাংখ ও আনক্ষরদনার ভাগাী হন মত্র এই চারটি কি পাঁচটি বাগুলী ক্রন। এনের মধ্যে সক্তেয়ে যেওি প্রভান তার নাম বেংগলী ক্রবে কামেমরী গোট। আর সংসাইতে যেটি নতুন অথচ স্বার সেরা ভার নাম করোজবাণ বঙ্গাীয় সংসদ। সামাগ্রকভাবে সমাজগঠনমূলক সমস্ত কাজেকমে এরা সদা-স্বলি এক পা এগিয়েই ব্যয়েছন। এই কাবের পরিধি সম্বাধ্য পরিচয় কিভিং এতেই মিলাবে, প্রতি মানের তিন হালের টাকা এরা ব্যক্তিভান্তঃ দেন ক্সাবের, এবং রাবে সংক্রান্ত কাপারে, যেমন ইম্কুলবর্গড়, অভিপিশ্সা। **খলেছেন এবার এরা** ফ্রি ভিসপেনসারী।

एत्व प्राम्बङ शासास वांशवांसकाराव প্রস্তাকটি ক্লাবাট পাড়াবেকন্দিক প্রতিষ্ঠান। এদের না আছে উপযাত্ত অথাবল, না তেমন জনবল। এদের বর্তমান কর্মস্চী জেকে একটা এগতেও গোলেই অর্থাবল জন-বলের অনিকার প্রদান। ছড়িয়ে ছিটিরে বেভাবে দিল্লীবাসী কভোজাীদের বসবাস ভাতে সকলের পক্তে সর্বত এগিয়ে আসাও প্রার অসম্ভব। এইসব ভেরেচিতেত বেপাল এস্মেলিয়েশন-এর প্রতিষ্ঠা, যে কেগল এসোসিয়েশনের প্রস্থা আমি এই নিক্ষের গোডাতেই তলেছি। ছোট-বড সন্নস্ত বাঙালী क्राकार्त्रांन करे करमामिसम्बद्ध करम उपन নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধিদের মারফত সকলে এক হরেছে, ছোট-বড় সমস্ত বাণকগালি বেমন **এक श्राहर दिकार्ज वार्ष्क अस्म। दवश्रम** करमाजित्समन-वत छरम्ममा, अरमत कर्म- পাশ্চীত লেখে তাই মনে হয়, আনাভারকৈও সাভ্য করে ভূগাকে। কেন এই কেব আ কনের কর্মান্টীয় একটি বিষয় নিয়ে উদা-হরণ দিজি।

নিলাতে আটটি ইস্কলের শিক্ষার সাধায বাঙলাভাৰা। এই ইম্ফুলগালি দিল্লী প্রশাসনের কাছ থেকে অর্থসাহাক পার रवाक्त कानगाना काजाकावीरमय हेम्बलगाना নিয়মিক পেয়ে থাকে কেন্দ্রীর শিক্ষাবিভাগের पार्रेनाम् गारतः। किन्छ त्रारे प्रथानारावार्यः कृ এতই হালাকরভাবে অলপ বে. বর্তমানে ব্যক্তনাভাষা মিডিয়াম ট স্ক ল গা লো ৰ নাতিশ্বাস ওঠার চক্ত অক্স্থা। বাঙালী জন-সাধারণের কাছ খেকে চাঁদা উঠিরে কেনে-প্ৰকাৰ কৰ্তপক্ষৰ ওলের আন্তব্যৱের হিসেব মিলোন। কিল্ড এইরক্স নাভিশ্বাস দূর্বস্থার আরু ক্তাদিন যে বাঙালীদের এই हेम्कनगृति जिंदिक शाक्टर नमर्थ द्वार हा এখন বলা দুম্কর। খবে সম্ভব অর্থান্তাবে শেষ পর্যাত এই আটটি বাঙালী ইম্কুলই একে একে দিল্লী প্রশাসনের হাতে চলে বেতে বাধা হবে। তখন দি**র**ীর বা**ঙালী ছেলে-**নোয়দের মাতভাষার শিক্ষার একদম বারেণ্টা বেভে যাবে। হিন্দী ভাষার পড়তে হবে অ-আ ক-খ। রবীন্দ্রনাথ অচল হরে হাবে! পাগলা দাশ্যকে আরু চিনতে পাবে না অহাদের শি**শরে।**। मिद्री প্রশাসন व[ि]क्यत्क्छ एएतम् ना। क्**म्यीत् क्**रिक् প্রাক্তন মন্ত্রী মহালর সেদিন বিশ্বস্কলকে নিয়ে আলোচনা সভায় কললেন ক্ৰিকমের भारत राक्षमान्त्रवा हिम धकी है। हेरेवान नारगासक।' मानाम शास की?

বেশ্যল এসেসিয়েশন এই ইম্কলের বাপারে একটা ট্রাস্ট গড়ে তব্দতে চান। আর এর ট্রান্টের হাতে সেইসপো ইম্বুলগ,লির সমস্যাল্যলৈ কেও ধরিয়ে লিতে চান। অথচ प्रेम्ठे वानारतात कना ठारे व्यर्थ, क्यारी । ग्रेकात প্রয়োজন তা প্রায় এক্ষ্মি কুড়ি-পাচিশ লক টাকা। এতে ইস্কলগুলিকে বচিরে রাখা সম্ভব। বেশাল এসে:সিয়েশন-এর **সভাপতি** কেন্দ্রীয় মন্ত্রী ডঃ হিগলে সেন। ডিনি ম্বয়ং এ বিষয়ে উঠে গড়ে লেগে স্বদিক দিয়ে ভাশ্বর করছেন বলে শ্নেল্যাম। আর আপাতত পশ্চিমবঙ্গা সরকারের কাছ থেকে কিছা আথিক সাহাষ্য যা গাল্ডেন এলো-সিয়েশন সেই অর্থ দিয়ে ইম্কুলস্থালিকে টারটোর টি'কে থাকার সাধ্যমত রুসদ বোগাকেন, বে রসদ নাম্মার।

বেশাল এসোসিংমানন নানাভাবে সদা-সর্বাদা দিল্লীর রাঞ্জালী সাংস্কৃতিক সংগঠন-গালিকে প্রেরশা দিছেন। বাঞ্চনাদেশের রবীদ্য-ভারতীর ধরনে বল্পা-ভারতী নামে এরা উচ্চালা সন্দাীতের একটি বিদ্যালয় খ্লেছেন। এই বিদ্যালয়টি অদ্র-ভবিষ্যতে সম্ভবত রবীশ্রভারতীর সংগো ব্রু হলেও

প্রক্রকুষার সরকারের প্রবন্ধ-সংগ্রহ

नन्नावना के मरकवन इ नकुक सदस्थानाथात्र ॥ ६०००

ঝরাগাড়ার ঝাঁপি

मार्गनेत्र स्थार ॥ 8.00

शास्त्रव

শ্ৰীপান্ধ। ৫.০০

शाक्ष को त पृष

স্ধীর খোষ ॥ ১৫.00

ত্রকণের স্বপ্ন

সভাষ্চনদ্র বস্থা ৬ ০০

ठंशी

श्रीभान्ध ॥ ५ ०००

বাংবারবৌ কিক দেবতা

(রবীন্দ্র প্রক্রেকারপ্রাপ্ত) গোপেন্দ্রকৃষ্ণ বস**ু ॥ ৬**০০০

कामा त्र '७८

मःकलन ॥ ১०·००

মেঘ বৃষ্টি রোদ

রঞ্জিত বন্দ্যোপাধ্যার ৷৷ ৩٠০০



আনন্দ পাৰ্বিশাস প্ৰা: বিঃ অফিস : ৫ চিন্তমেশি লাস লেন। কলিঃ ৯ বিজন-কেন্দ্ৰ : ৬৭এ মহাখা গানী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭ হতে পরের। বর্তমানে এর দ্টি শিক্ষাকেন্দ্র।
শহরের দক্ষিণে বিনরনগর ইন্কুল, আর
প্রিচনে করেলবাগ বংগাঁর সংসদের শিক্ষাভারতী। স্বাধীন তৈকটি সমিতির উপর
সংগতি বিদ্যালয়ের পরিচালনার দায়িত্ব, বার
সভাপতি দীপালি নাগচৌধ্রী। বাঁকে কলকাতার সংগতিপ্রিয় মান্বমতেই চেনেন।

বেঞ্চাল এসোসিরেশন একদিকে গরীব

মেশাৰী জনাছায়ালৈর অর্থ সাছাবেক জাকশ্যা বেজন করছেন, অন্যাগিকে এরা তেখনি করতে চাইছেল অসজ্ব ব্যুবজ্যুবতীদের হাতের কাজ শেখানোর ব্যক্ষা।

শ্ব কি এই? আলো অনেক। এবং বে কথাটা এবার আমি কর্লাছ তাতে প্রবাসী-অপ্রকাশী কছালামিতেরই উৎসাহবোধ ছবে। বেংগার এসোসিয়েশন শিগ্রিগরই ইংরেজী ভাষার একটি হৈছাসিক গাঁচকা ছাশালোর ইক্ষা প্রকাশ করেছেন। বার উদ্দেশ্য গাঁগুম-বংগার সংক্রতিকে 'বিশ্ববাসীর নিকটে' তুলো ধরা। এই গাঁচকাটির সম্পাদর করকো দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়ের স্বাবিশ্যান্ত অধ্যাপক তঃ রবীশুকুমার দাশগান্তে। অবশা এই প্রচেন্টারও স্বাবিশ্বাই নির্ভন্ন করছে কার কতথানি ভেতরের তাগিদ ভার উপর।

अधित (भारते अधित मुल्पत्र, कुला**यत**



CMAG-117-208



मून्या साम्यातः **हैते ।** साम्यातात्वरेत इतार मान्या साम्योत नामा साम्या गरिताः ! क्रिकेट होता अपने सुन्य शत्क वर्ष (तक, आपने आप अनुक प्रशेष्य का

- ওব্ তিক্ষত আৰু ক'লে কলটি টিপে বিন। কোনো হিসেবের বাবেলা নেই—

 কল করার ওয় নেই।
- প্রজেক '১২৯' রোলে ১২টি বছ ছবি (৬×৬ সেটিমিটার)
- এতার-রের্ডি বেল্, পোট্টেট কেনন্ ও ক্ল্যাল গান আলাদা লবে পাওয়া বার ৪
 আবকার তরাব্যারে বার্ত্তকাবক: দি নিউ ইভিনা ইভাক্রিক লিনিটেক, ব্রোদা
 র

ক্ষাৰ পৰিপেও: আগকা-গোডাট ইতিয়া লিখিটেড পোনুই • বিউ মিনী • বিগলাভ • বাবাদ



খন হড়ো হয়েছি-একম অকপটে वि न्योकात कीत रन, स्मरतास्त्रत स्ट्रिय कीर्यंत নীচ হোতে শেক্তালির ওপন পর্যান্ত অংশ-টক কিলোম কাস খেকেই খ্ৰে রহসমের লাগত। ৰোধ হয় সব পরেবের তাই লাগে। टकराक माहाच्या, मार्गाकेमा स्मरत नगः, स्व-स्काम देकट्नाट्याखीर्नाम न्हाटसम् ट्नाफ (calf) দেখাৰে **পোনৰ পৰী**ৰ শিউৱে উঠত। আমাদের ভারতীয় মেরেরা শাড়ি পরে কলে এখনও তাদের হটি,র কারোর দ্রভিলোচর সচবচর হয় না। জামার বেবিল প্রভিত দেশের মেরেনের মথে, হাত ও পারের পাতা প্রাণ্ড দেখতে আমারা অভান্ড ছিলাম। ্যোবন যখন বায় হায়, তথ্য বাংলা দেশে বাক প্রবিভাগের চালিও নাভি থেকে গোডালি প্রাণ্ড ঢাকা শর্মাড প্রাণা চল হল। এই প্রাঞ্জ থেকে কোমর (midriff) দেখান मोहेल त्यम श्राह्मकिकायनाकाती भरन হত: ছবিতে **বিদেশী মেমেদে**র বিকিনি (bikini) পরা মাডির চেরেও মিডরিক নেখানে শাভি-চোল পরা ভারতীয় মেয়ে-দের চেহারাই বেশী ইপ্রিগিং লাগত এবং ্রহার লাগে। আঞ্কাল অবশা ভারতীয় আধানকার বাকের ভার ও নিতেশ্বর খাঁজ माधादरभक माणिरगाठक कक्टल गाजा करतरहरू. কেউ কেউ। জানি না, এতে ভারতীয় তর্ণ-एमत 'दक्क भारक तक आधाराता' रहा किना, আপে আমাদের বেমন তরগোদের পারের গোছ দেখাত পেলেই হ'ত। আমার ধরেণা নার্নীদেহ যত দুশামান হয়, তত্তই ভার পুরে, ব-চিত্ত-চণ্ডল করার শান্ত কমে আমে। ১৯৫৩-তে তো বটেই, ১৯৫৭তেও স্রোমি দেশে মেয়েদের ঞ্কবাস্কার্ট হটি.র नीरहरे हिन। ১৯৬०एड मधनाम, श्रीत ইণ্ডি খানেক উপরে তা উঠেছে। এবারে দেখছি শ্কার্ট বা ফ্রক উর্রে মাঝামাঝি উঠেছে। কোন কোন সাহসিকার স্কার্ট কেবল-মাত্র নিতম্ব ঢেকেই ফ্রিয়ের কাছে। আফালের পাঞ্জাবির বা ঝলে ভার চেয়ে এদের স্ফার্ট কা ভাকের বলে বেশা নার। পার্যে শাতিও नीयायनम् प्रेरान्त्रभारतन्ते नाष्ट्रेनरनत् स्थाका क्षाका नौक्रम निक्या मन्भार्ग व्यसक्छ। काउँदक क्राउँदक किरकार करतीय.

দিকে ত ফারের মেটা ওভারকোট গরেছ,
নীচের দিকে শীত করে না?" তার বলে—
"সরে গেছে। ধ্র ঠাপ্তা কাগলে তার একটা
দাটি ও হটিরে নীচে পর্যাত আর একটা
মোটা মোজা পরে নিই। আমার তো পথেঘাটে ক্যামপাসে মেরেদের রম্ভার, দেখে দেখে
চোখ এমনি অভাশত হয়ে দেছে যে, নারীচদহের বৈচিতা সম্বদ্ধে আর কোন কৌত্রলা
জালো না। তর্গদের জাগে কিনা জানি না।
কিশতু মনে হয়, যার আভাস মনে চাঞ্লা
আনে, তা আনাব্ত হলে মনকে আর নাড়া
দের না। এদেশী মেরেরা ফাশেনের অনুসরশ

করতে গিরে নামীনেট্রে বহিনাকার্থ হারিরেছে। ক্যাপন নামীনেহকে সোক্ষানি করে দেখাতে গিরে প্রেক্তের ক্রেখে করা (callous) পঞ্চিরে দিক্ষে। এর চেরে পালর-দেখান স্টাইল কেশী ক্রেক্ডেনার। তকে দেশে যে স্থা স্থানাগানী এরক্জ সাক্ষেদ, তালের মিড্রিকের জারগার মোটকের টানার বাঁধা করে মনে হয়।

এদেশে বোগ শেখাতে এসে আমার জন্মানতরৈ বিশ্বাস কমে দ্যু হছে। বে ছবি কটা পাঠাজি এই সপো ভার মধ্যে দ্টোতে আমার একটি হারী (নাম—রাইরা) কর্ণগাঁড়াসন ও পাশাসন করছে। এ সেরেটি বন্ধ পাশাসনও করতে পারে, বা আমি আজও পারি না। ন্যানিজনৈভিনার জিমনাসিকের বেল চলা আছে। সর্বাস্পাসন, লাবাসন, হলাসন এরা চট করে শিথে নের অনেকেই। পাশাসন শেখালই কঠিন, কারণ এরা হটিই ভাল করতে মোটেই অভালত নর। বরং বক্রাসনে বসতে পারে, কিন্তু অর্ধগাঁখাসনও করতে পারে, কিন্তু অর্ধ-



রাইয়া-পদ্মাসন

क गण्डाह कारण राज्यात गांत की हाँन राज्या राज्या। अर्थ कारणात, "श्रीत कारणा कारण मिण्डल स्वार्थिको हिर्द्या। छा ना राज्य कारण कारण अर्थ कारणीयत कारण करत कि कारण कारण कारणीयत कारण कारण सरकार "शांत्रका" कराणे मारक कारण कराण कारणात कारणा। मारन किरकार कराण कारण कारणात कारणा। मारन किरकार कराण कारण कारणात कारणा। मारन किरकार कराण कारण বা পট্যুছ।" এ যেরেটিও প্রারম্পের জনাই হয়র এত জনারাসে এত কম সমরে এই আসনকরেলা করেছে। তিন্দো নামে একটি ১৮1৯১ বছরের তর্গ হতের এসব আসন করতে পারে। অবচ হামে-ক্রমেশের বড়নার (আমার জনাতম ছাত) একটা পা লালা করে বলে আর একটা পা উর্ব ওপরে তুলতেও পারে না। कारण रारपीय ३० वि स्वान-निकासी द सर्था यह रकत अवस्थि रारम भावती यात वाकि ३ कार्य भारपा छात्र कार्य कार्य विभावित । को ३ कार्य द्वार छात्र कार्य कार्य निर्माध्यक्षित कार्य व्यवक कार्य सर्था। कार्य किरकार कार्यन कार्य कि कारण भारत या। कार्यन कर्यन कार्या कार्यार सामक ब्राह्मक कार्यमा कार्यान व्यवक्र कार्यार

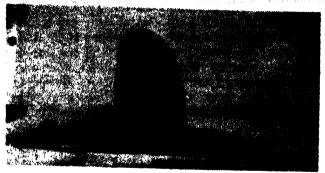


কান্তা স্থান্ধি যেখে আপনি নিশ্চিত থাকতে পারেন। সন্তলোটা কুলের যত আপনি সৌরত ছড়াবেন। আপনি পাশ দিরে গেলে হৎস্পানন ক্রততার হবে; আপনাকে সকলেই ব্যনেতে দেখবে। হরত তেমন কারো দর্শনও মিলে বেডে পারে—যার কাছে সেই মধুগন্ধে ফ্রন্থরে অঙ্গর আসন পাবেন মধুর শ্রীমন্ত্রী আপনি !

ভ্যানভাটা কেনিভ্যান-এর ভৈরী

ECKA 2998

नकल थ्यक भावधान। निर्धावाका माकान थ्यक किन्द्रन।



রাইয়া-কর্ণ পীড়াসন

প্রচলিত। তাতে কিন্তু প্রবদের খবে ভিড দেখলাম। ফিনল্যাভের জ্বেদা এসো-जितागरमञ्ज रहवात्रमान माज सम्मान अव-দিন একটা কারাতে ট্রেনিং কেন্দ্র দেখাতে আমার নিয়ে গিয়েছিলেন। দেখল ম এক काभागी अञ्चभार्षे भन्न भन्न मृहरो। मुलहक প্রাথমিক ও এডভান্সড কারাভের লেশন দিলেন। প্রায় ৫০।১০ জন মা দলে দিখল —সবাই পরেষ। আমি ছাড়া ৫।৭ জন समिक शिका, छात्र भारता २ ।८⁶हे स्थारता য়েনসেনও এড ভাগ্সড গুলে কালাতে শিখলেন। ইনি 2-dan জ্বাদা একুপার্ট अधन अम्हानद श्रदान क्राप्त निक्रकः জ্বালের প্রোটেড এবে মের্দিত ও ভান চাট্র क्षेत्रम इत्यात शामभाजात्व धाकर इर्राइक বেশ কিছুদিন: তারপরেও পিঠের ও হটির তাড়গ্রেটা না সাধায় আমার কাছে আসেন যোগিক প্রথায় যদি আড্নট্ডা সারে। মাস দ্রত ক্ষমন করার পর সেরে গেলে তরি লেখা একটা বই আছাৰ উপসার দিয়েছন বইটার নম-Judo : উপতার কিতে লিখেছেন "To my Yoga teacher Mr. Dhiren Dutta thanking for the cure of my back." शैन I C. I.- Synthetic fibre এর সেলাস্ত্রগানিটেজার ও এ'র স্ক্রী এলিজাবেথ ইংরেজ ছতিকা। এলিজা-১৯৬৩-১৬ কিছাদিন যোগাসেন সিংখেছিকা ৷ ভারপার এর ততাঁয় সন্তদেটি লক্ষায়। তার প্রসাব এত সহজে ও বিনাকণ্ডে হরেছিল যে এবারেও সে আমার ক্রাসে নিয়মিত আসে. যদিও যে সৰ আসন ক্রাসে শেখই, ছয় বছর আগে ভার অধিকাংশই এ শিখেছিল। এরই প্রভাবে ম্যান্ত পিঠ সারাবার জন্য আমার কাছে প্রথম আসে। পিঠ সারার পরে राम, "धान कड़ा भिधा हाई" वननाम, "ধানের সময় প্রাণায়াম করে মন্ত্র জগ করতে হয়। আমি ত পায়তী মন্ত জপি, সংস্কৃত ভ ত্মি ব্ৰৱে না। "Our father which art in heaven" মনে মনে জপ কোরে:"। মাাক্স বললা 'পারতী উচ্চারণ করতে শিথিয়ে দাও আর মানে বলে দাও"। ওর আগ্রহ দেখে তাই করলাম। ও এখন মাঝে মাঝে

আমার চিঠি লেখে ও নাম সই করার আগে লেখে ও ভূভূবিঃ ন্য:। আমি ছেলসিংকিছে রাত্রে থাকলে মাার ভোর ছটার আমার ঘরে এসে আসন করে ও আমি আপত্তি করা সত্ত্বেও বেদিনই আসে ২০ মার্ক (=80,) দিয়ে বার।

এদেশে স্ট্যান্ডার্ড অফ লিভিং এই বোল বছরের মধ্যে যথেন্ট বেড়েছে। প্রতি ছরজন লোকের একটা মোটর কার আছে। সাধারণ নিন্দমধাবিত্ত ঘরেও একাধিক রেডিও ও একটি টেলিভিদন সেট আছে। এদেশে ফার্মা-গ্লো সাধারণত বেশী বড় নয়, কিস্তু ট্রাক্টর দেখছি প্রায় সব ফার্মেই আছে। ১৯৬০-তেও দেশেছিলাম ৪টের মধ্যে ১টা ফার্মে ট্রাক্টর। প্রায় সব শহরেই বড় বড় অফিস, বাাকে প্রভৃতিতে এন্ফেলেটার এবারে এসে দেখছি। ১৯৬০-তে হেলসিংকিতে গোটা দুই দেখছিলাম। অনা শহরে দেখিন। প্রিবীয় ধনধন দেশগ্লোর মধ্যে ফিন্-ল্যান্ড এখন ক্রোদশ।

এদেশের বড় শাহরগালোকে বলে কাউ-शर्शक, एहाई महदग्रामारक वरम काउँग्यामा ও গ্রামকে বলে কাল্যা। কয়েকটা প্রদেশে এদেশ ভাগ করা: প্রদেশের গ্রামাঞ্চল আবার কভা (Parish)-তে বিভর। প্রত্যেক পাৰ্যাৰূপে অন্তত একটি কান্সাকোল্য বা প্রাথমিক বিদ্যালয় আছে। যে সূব বাড়িতে এসর স্কুল সেরক্ষ বড়ি আমানের বাংলা দেশের কোন বিশ্ববিদ্যালয়ে নেই। অন্তত ৮ বছর প্রভাক ছেলেমেয়েকে এই স্কলে পড়তেই হয়। ইংল্যান্ডের ইটন, হ্যারের মত কোন প্রিভিলেজ্ড ক্রমের স্কুল এদেশে নেই। কাম্সাকৌলুতে পড়া শেষ হলে-অধিকাংশই ৰায় আম্মান্তিকৌল (Technical স্কুল)-তে, আর বারা হাইরার এড়কেশন নেবে তারা গুণ্পকৌল, বা লাগিৰতে যায়। এ দুটো আমাদের হাই শ্রুল ও হাইয়ার সেকে-ডারী শ্রুলের সম-পর্যারের। তিন বছর এই ম্কুলে আরো পড়ার পরে স্টুডেন্টাশপ বা ম্যাণ্ডিকুলেশন পরীকা দিতে হর। সে পরীক্ষা পাল করলে বিশ্ব-বিদ্যালয় বা হাইয়ার টেকনগজিকাল স্ফুলে

क्षांकेलब नावा नावा वर

रैठूव (थ(क रैछामि

শিবরাম চক্রবতী ॥ ৩٠০০

দেবভার পাহাড

নকুল মুখোপাধ্যার॥ ৩.00

यठूव वास्य शुठूवि

শৈলেন ঘোষ ॥ ৩.০০

वाबारमञ्ज विरविम्ह

मध्कत्रीश्रमाम वम् ॥ ७·००

রাজার রাজা

মৌমাছি ৷৷ ৪০০০ (অথণ্ড) তিন খণ্ডেও পাওৱাৰার ৷৷ প্রতি খণ্ড ১০৫০

অরুণ বরুণ কিরণমানা

শৈলেন ঘোষ !! ২০০০

र्षे वर्षे वात (गावर्षे व

শিবরাম চক্রবতী‴ ৷ ২∙৫০

পন কুর ডাইরি

भवनावाना भवकाव ॥ २.००

(ছतिएव वित्वकानम

সত্যেন্দ্রনাথ মজ্মদার ॥ ২০০০



আনন্দ পাৰ্বালশাস প্ৰা: লি: অফিস: ৫ চিডাৰ্মণ লাস লেন। কলি: ৯

বিক্তর-কেন্দ্র : ৬৭এ মহাত্মা গান্ধী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭ লোকার আঁথকার হর। এই স্টাড়েন্টলের মণাল-মিছিলের করা আলোর বারে লিখেছি। প্রকা মে-তে বিনের বেলাতেও স্টাড়েন্টরা ভাবের টালি পরে মিছিল বের করে। এতে প্রোনো স্টাড়েন্টরাও অনেকে বোল দের।

অন্ধ, কালা, বোবা, খেডিা ছেলেমেরে-দেৱত সাধামক শিক্ষা আব্যাধাক। কিন্ত कारमञ्ज करा छिन विमानात आहा শারীরিক অক্ষতা ছাড়া বারা mentally retarded অর্থাৎ বয়স জনুপাতে বাদের হান্ধি বিকলিত হয়নি, তাদের জনাও চলাও ৰাক্ষা। প্ৰতি প্ৰদেশেই এইসৰ ফেটিন त्याद्यानस्य कना अक्षे कृद्ध श्रीक्ष्यान शादणंत्र द्वारमण करास्त्रसार्वात्रत প্রতিষ্ঠানের মেট্রন মিসেস অর্ভোক্তি মেডা-লাইনেন ১৯৫৭-তে ভীন্তাকিভি ইন্টার-ন্যাশনাল ফোক হাই স্কুলে আমার ছত্রী ছিল। বোগ শেখেনি কিল্ড। আমি আবার এদেশে এসেছি শনে আমার ভার বাডি গিয়ে ক'দিন থাকাৰ জনা বাহবাৰ চিঠি লিখছিল। মার্চের মাঝামাঝি কুসানকোস্কি ৰাউপ্যালাতে গেলাম তাদেব বাডি। ১১৬৩-তে দেখে গিয়েছিলাম অর্ডোক্তি এক জাহাজের এঞ্জিনিয়রের সপো এনগেজ্ড। নিজে তথন হ্যামেন্তিকা শহরের মান্সিক

বালপাভালের অমাতহ মার্ল। এবার দেখলায जाब बिरा शहरता । नारि त्वान शहरता (बद्रम-६ बहुद छ ५) बहुद)। एन छ छात्र न्यामी ১० किलामिए। व गत्व ताल ट्रिंगतन নিজেনের পাড়ি নিয়ে এসেছিল আমার রিসিভ করতে। দেখলাম তার স্বামীটি চমংকার বাবক অভেণিয়ার চোরে ব্যুসে কিছ. ছোট। নিজেদের সন্দের তিনতলা বাডি-त्मन्त्रील क्रीविश आहा । भवनिन अएक किन शक्तिक प्रथात निरम शास । ५० विकेश इडारना ১৬টा यक यक वाक्रिक ६०० মেশ্বীলী বিটাভেডি ছেলে-মেরের আবাসিক श्रीष्ठिकात । एथन २००३ किए स्थाय পেশেন্ট ছিল-২০০-র ওপরে ভাতার, নার্স, শিক্ষক ও জন্য কমী । পেশেণ্টদের अत्नर्क्हे आवात् physically handicapped: ১৫:১৬ বছরের ছেলে-মেরে দেখলায় ১৫ দিন ব্যুসের শিশ্বে মত অসহার। এদের মধ্যে যারা একটা ভাল, তাদের ছবি আঁকা, পতুলা করা, হাতের তাঁত চালান প্রভাত শেখান হছে। এই প্রতিষ্ঠানের বার্ষিক বজেট সভয়া কোটি মাকের ওপরে অথাৎ আডাই কোটি টাকা: বিশ্বভারতীতে প্রায় চার হাজার ছাত্রছাত্রী আছে। ভার বাজেটের চেয়েও বেশী। এই

প্রতিষ্ঠানের হেলেনেনেবের শতকরা ৭৫ লার কোনান শা-নিকর হতে শারনে না, লাতেরির কলন। ভাকে ভিজেন করলান, পোরা কিনলান্ডে কি এই একটাই প্ররুম প্রতিষ্ঠান ?" নে কলন, "মা, এগারোটা ল্যানি বা প্রদেশের প্রত্যেকটাতে এরকম একটা করে আছে।" অভোঁকির শ্বামী মাটে এই প্রতিষ্ঠানে চীফ এজিনিরারের কাল করছিল। মাইনে ও perquisites অনেক বেলী বলে সে মানে আবার কাছাকের চীফ এজিনিরারের কাল নিরেছে।

া আলাই বাসে দিন পদেরের আটি ছিল।
কর্মের অবার তার বাজিতে বেতে নিম্মান
করার উ০ দিনের জন্য গিরেছিলায়। তার
করায়ী তখন তার জাহাজ নিরে ওরেন্ট
ইণ্ডিকে। সকালে বেক্সান্ট খেরে ৭ইটার
মধ্যে অভেনিক কালে চলে বেড, বিকেল
৪টা নাগাদ ফিরভে। আমি সারাদিন ভার
ছেলে দ্টিকে নিরে থাকভায়। একটি মেইড
ঘরের কাজকর্মা, রামা, ছেলে সামলাদের সব
করাত। বাজির গিমী ফিরকে চলে বেড।
ভারপরে ভিনার খেরে কোন কোনদিন
বেডাতে বেরোভায়—ভারভীর দাদ্, ফিনিল
মেরে ও দুই নাত। সন্ধো বটা খেকে

ত্র আলেই ছোট ছেলেটি খ্যেতে বেভ।
ভার আলেই ছোট ছোলেটি খ্যেতে বেভ।

এদেশের সভাতা একদিকে নাীতিকান जीन जात এवं हिन्द permusive : आहेत्यान বেদটি পরিমাণে এবং এ দেশেও কৈছ্যুদ অবাধ বৌন-মিলন এখন প্রায় খোলাখালিট হত। কাগতে পড়লাম সাইত্তেদে বছর ২ ৩ আগে এক ছলিন্ড-বিসমে গ্রীক্ষকাল সকলের দাণ্টির প্রেচরে মোটরের ছয়েত্র ভগরে দক্ষেন যেনৈ কলিন সম্প্রদান করে চিলা যাগল একিবিশনিক্ষয়ের ১৬৫৩ নিদশ্নি সাইডোন প্রতি দশ্টি নবজাত শিশার মধ্যে একটিব মা অবিব্যালিতা। তথ ব্যাকণ্টেল স্থান্তের স্ব কিছা জানা স্তেও গতের্ভি সাল্ভান ধারণ করেছে ফেবছার । করেণ্ড্ সৈ দেশে অন্য দেশর মত অবিশাছিত। মা বা জারজ সংখ্যানকে সমাতে হ'ন হয়ে থাকতে क्ष मा: कोगोर्गिकोस निरम रमभा *र*गरक স্টেডেনে দৃশ্টি বিক্তিত। মহিলার মধ্যে আটটিরই প্রাক্-বিবাহ যৌন অভিজ্ঞতা হয়। স্যোমিতে এরকম অভিজ্ঞতা কিছু কম হলেও খাব কম নর। আমি যেখানে অছি সেখানেই রয়েছে এরকম একটি মা ও ছেলে। ছেলেটির বাবা এখানকাব এক প্রাক্তন दर्कानग्राम भाव। अथन त्र म्हेकश्रद्धा व्यथाग्रम বরছে। ফাঁক পেলেই সে এখনে আসে। এবারে আমি আসার পরে সে দ্যবার এসেছে —্ষিত্রীয়বার এক ইন্টারন্যাশনাল সেমিনারে। পরের চিঠিতে সেই সেমিনার সম্বধ্ধে লেখবার ইচ্ছে রইল।

भौतिम्प्रनाथ पख

প্রকাশিত হল ভাষল দাশগ**্**পর

यानद्रवत ठिकाना

পরিবধিতি নিজুন সংশ্করণ

মান্য কোথা থেকে এল, বিবর্তনের কোন্ কোন্ ধাপ পার হয়ে—মান্য কি করে মান্য হল, যৌথ জীবনযাতার কী কী পর্ব উগুলি হয়ে—কিসের গ্লে মান্য জীবজগতে শ্রেষ্ঠ, কী তার কৃতিছ, ইত্যাদি বিষরগালি এই বইরে বহু চিতের সাহায়ে গলেপর মতো সহজভাবে উপস্থিত করা হয়েছে। দাম দশ টাকা।

এই লেখকের আরো তিনটি বিজ্ঞানের বই মহাকাশের ঠিকানা (৩য় সং) ছ টাকা ॥ প্রতিবীর ঠিকানা (৩য় সং যন্ত্রপথ) ॥ প্রাশের ইতিব্রে পাঁচ টাকা ॥

লেখাপভা । ১৮বি শ্যামাচরণ দে স্ফ্রীট, কলকাতা-১২

(সি ৮৪৯৯)





ৰা বাৰী কলম্বরে বলে উঠলো, ওমা, তুমি আৰু এত ভাড়াতাড়ি ফিরলে যে?

নীলাঞ্জন মুচকি হেসে বললো, কেন, একে তোমাদের কোনো অস্থবিধে ঘটাল্ম নাকি?

মাধ্রী মাঝে মাঝে উন্টো পান্টা কথা বলে ফেলে। মনে মনে ভাবতে এক রকম, কিন্তু বলার ধবনে অনারকম হয়ে বায়। রীভিমতন অন্যোগের সারে সে বলালা, যেদিন ভোমাকে ভাড়াভাড়ি ফিবতে বলাবা, সেদিন কিছাতেই ফিরবে না। আর বেদিন নিজেই বলবে দেরী করে ফিরবো, সেদিনই...।

নলিঞ্জন প্রজন্ম কোতুকে বাতিমতন অতিমানের ভাগা করে বললো, ঠিক আছে, ভাড়তাড়ি ফিরে বখন অনার করে ফেলেছি, ভখন আবার চাল যাজি: এত সাজগোজ, বেবালো হজে বাঝি কোপাণ?

শ্চো বললো, নীলাজনদা, আপনি ৰখন এয়েদ পড়েছেন আপনিই আমানের নিয়ে ছল্ম সিনেমায়।

— সিনেমার :

—হ্যা। অনেকদিন সিনেমা দেখিনি। চল্নে, চল্নে।

—তোমরা খবর লোনোনি ব্রিণ হাতি-বালানের মোড়ে বার্ণ গণডগোল হচ্ছে। টিরার পাস চলেছে, এডক্ষণে পা্লিও ছেড়ি৷ হরেছে কিনা ঠিক নেই।

—বাঃ । সতিঃ >

—হাাঁ—! বাস ট্রাম সব হারিছে দিকে: আহি তো বাসে বসে বাসই টিয়ার বাসসের ধৌরা ধেলাম। এখনও চোৰ ক্যালা করছে। ভাগিনে তোমরা বেকিরে পড়েন। আমি ভাবলাম, ভামরা রানী রোভে প্রণব-প্রবণীদের ওখানে বাজে।

—না, প্ৰাৰণী তো বাপের ৰাজি গেছে। আৰু আবার কি নিয়ে হলো?

—প্রথমে হকারদের সংগ ছাতদের লেগেছিল কি যেন যেন গাড়গেক। ভারপর বা হর, জনতা ভারসি প্রিলস।

শ্রো নীরস ভাবে বললো, ধ্বং রোজ বোজ এই এক বামেশা।

নলি জন বললো, তোমরা সাজগোত করে ফেলেছো যখন, তখন চলো কাছাকাছি কোনো জারগা থেকে ঘ্রে আসি! —মার, অসার আর বেতে ইছে করতে মা। আপনি মাধ্বীকে নিয়ে ঘ্রে আসত্তর মাধ্বী বললো, তা হলে আমিও আর বের্বো না। দীপ্ এসেতে।

ষারান্দার বসে বসেই দীপু শ্নিছে পাজিলে সব কথা। বউলিদের শেষ পর্বাদ্ধ সিনেমার বাওরা হবে না শ্নে সে নিশিক্ত হলো। ওরা সিনেমার গেলে গীপুর হৈ কোনো আপত্তি হিলা, তা তো নর, শ্বেত্ত কন জানি না তার মনে হরেছিল, ওরা আজ সিনেমা দেখবে না। সেই মনে-হওরাটা মিলে কেতেই দীপুর থনি।

নীলাঞ্জন বারাল্যায় বলে **ভাতোর ফিডে** খলেতে খ্লতে বললো, মে**জ**ড়ি কেমন আছে ?

বছর সাত-আট আগেও ওরা ন্' ভাই ভিন লাই বন্ধার মতন। দীপা ছিল দাদার অন্ধ कत । यक इरह कि इरि मौभू ? जबन ब কথা হবি কেউ জিজেস করতো ভাকে. ভাহলে সে নিশ্চরই মনে মনে বলভো, দৃদার মতন হবো। বাদিও হীরো ইবার মতন তেমন কেন্না গণে নেই নী**লাজনের**, পঢ়ালানের মোটামাটি ভালোই ছিল, কিন্তু কথনে: ফল্ট হরনি, খেলাখনেলার দিকে কোনোদিনই তেমন মনোবোগ ছিল ना। একটি মাতু গাুণ ছিল তার, সেটাও এমন কিছা নয়, লেগুকর চেত্রখ পড়বাদ্ধ মতন নছ, কিল্ড সেটাই কম ব্যেপে দীপাকে সবচেয়ে আক্রষণ করতে। নীলাজনকৈ কেউ কথলো মিথে। কথা বলতে শোনে নি। ভার অনমনীয় ज्ञरूका दिल जामाकवरे कार्च **अक्**गेर অদ্বস্তিত ব্যাপার। খবরের ফাগজাওয়ালী মাসের প্রথমে বাম চাইতে এসেছে। মা তৎৰ



हत्ता शक्त कर्कालन द्यारमध्यादेश माला । जानामा । या कानाउन किछ जिल्हा जानमानि पानाए इत्य और इतन गीनाक्षात एक्यांन राजाका, जागाण कामरमा या मीनारक वलामन, या छ। भीना ভকে বলৈ আহু সামনের রবিবাত আসতে, তে নালাগুন এই প্রভাবটা পেরেছিল আ জ ব্রেরো নেই! কিন্তু কাছাকাছি কে ছানে। দানর মতন আগ কানে। গাবাহণ नौनाश्रमदक रम्दर्भरे आवात समहत्रम, जाका ठिक काटर, राजारण शरू ना, प्राचि जारह থেকে যে ভালিয়ে

अगाडे आका, गा পাও আমি ভাশিয়ে আনছি। কোথা থেকে বা চেনাশ্যনে লোককে এমন কঠোর সভা-্বাদী হতে দেখেনি দীপা। নী**লাল**ন যে নিকেই শাধ্য মিখো কথা বলভো না ছাই

मत कार मामान अना करा करा है ভেটেখাটো মিথে বল বত উপায় ছিল না श्रक्ति गीभा मेंद्र भरत विक कर्य किल সেও বাসার মতন াবে, ভতদিন সে সংগ नाशव प्राम्य क्षत्र । चिन्द क्रम्पी नगर त्राप त्त्र नव वानामस्कदे नहा प्रदेश हैं है क 4 44 (M)



সংশো ভার একটা ব্রহ হৈরী হয়ে বেডে লাগলো। জা ভাড়া নালাকানও বাছির বাইরের বাংপারে এক বেশী ভাড়িত পাছতে লাগলো যে বীপরে সংশো তার বেখাল্লোও হতো কম। এখন ব্ ভাই-ই ব্রুলের কাছে একটা আড়ুল্ট। যে নালাকান বাইরে রাজনীতি করে, বে-নালাকান মান্ত্রীর শ্বামী, নে-ই গাঁপরে লাগা হিসেবে কথা বলতে গিয়ে লগার আক্রাকটা একট্ বদলে ফেলে।

मीभा केंग्रज निम, कारमा कारम।

—বংশ্বা আর কোনো চিত্তি দিরেছে? —বোধ হর দের দি, দিলে জানভে পারতম।

—রুশুলাবে এমন অমানুৰ হবে, ভাবিনি কখনো!

—হরতো র্শ্দার প্রো দোব নর। ফেজদিকে বদি তখন পাঠানো হতো—

—কি করে পাঠাবো? ট্লট্লের তখন ছ মাস বরেস: তা ছাড়া টাকা পাঠান নি।

মেজদির শ্বামী वर्णन इते।९ कको শ্বকারশিপ পেরে চলে গিরেছিল পশ্চিম জামানি। মেজদি তথন সংতান-সম্ভবা। কথা ছিল, বছর খানেকের মধ্যেই রুগন নিজের স্ত্রীকেও নিয়ে বাবে। কিন্তু টাকা পাঠাতে পারে নি. ওখানে ভয়ংকর থরচ, স্কলারখিদের টাকার নিডেরই চলে না-এই স্ব লিখেছিল। অবদা প্রথম প্রথম বংল্য থাব লম্বা লম্বা কাত্র চিঠি লিখতো, धका धाकरक धाकमा छाटना नार्य मा মাহকে থাব দেখতে ইচ্ছে করে, ইচ্ছে গ্য এক্ষানি দেশে ফিরে হাই-এইস্ব। বছর দেড়েক বাদে চিঠি কমতে শরে করে এবং কানা**ঘ,যো শো**না যায়, নিঃস্পাতা কাটাবার জন্য রুণেন একটি ঘেম সাহেবকে বিয়ে করেছে। মেসোমশাই যেবার বিলেত যান, সেবার জার্মানি ছারে আসার সময় নিজের চোখে দেখে এ**সেছে**ন। তার পরও বণেন চিঠি দিয়েছে অবশ্য, এবং বিয়ের কথা অশ্বীকার করেছে, কিন্তু মেজদিকে নিয়ে বাবাব কথাও কিছা বলে নি। সাত বছর হয়ে গেল, আর তাকে ফিরে পাবার আশ্ ब्रहे क्या

নীলাঞ্চন বললো, বাক গো! ট্লাট্ল ইম্কুলে বাজে তো? দেখিস ওর পড়াগানো বেন ঠিক যতন হয়।

— ট্রলট্রল এবার ক্লাসে ফাল্ট হয়েছে।

 —ভাই নাকি: অনেকদিন দেখিন।

একদিন ওকে নিরে আসিস এখানে। মেকদি

আপত্তি করবে? মেক্সদি এখানে এখনও

আসতে চায় না?

--ना ।

নীলাঞ্চন একটা উদাস হরে গোল ্লালমনা হরে তাকিরে রইলো কিছুক্ণ। তারপর আবার কথার কথা ছিলেবে কালের, ছোট মাসীরা আনে-টাসে?

গীপ, জানে, বাবা নিজে থেকে কিছ্তেই বাবার কথা জিজেন করবে বা। প্রতীক্ষা করতে, কবন গীপু নিজে থেকে বলবে। গীপু ভাবছিল, এখনও বলার সময় হরনি, আরও কিছ্কেশ ভণিতা চলার কথা। কিল্ড পরক্ষণেই সময় হয়ে গেলা।

নীলাজন জিজেস করলো, ভূই ভাহলে এখন কি কর্মায় ঠিক করেছিল? উল্লেখ্য এড়ানার জন্য বীপু সলে মণ্ডে কালো, বাবার অসুৰ হয়েছিল, তুমি ববর পাওনি?

नीमाधन गार्डक हता काला, मा एका कि इस्टोडिस ?

—किंक त्योक सत्तः। अवकी स्थान स्टाप बक्रक करत केंद्रक शिक्षा

-- वाम सार्थ ? कि व्याम ?

অবধ্ত

বাংলা সাহিত্য-আসরে উল্জ্বল নক্ষ্য

ढे॰शा ठेदरीत

তাঁরই ভাস্বর প্রতিভার অন্যতম স্বাক্ষর। জাবনবন্দ্রণার বিচিত্র স্বাদ বিচিত্রতর গল্পকথন ভাসতে পরিবেশিত। সাত টাকা।

বিক্রমাণিতের

≽পাই ১০:০০

আন্তর্জাতিক গোরেলাচক্রের রোমাঞ্চকর কাহিনী।

519का मित्रब

रिम नींद रिम नींद ५५'००

মুখ্যমন্ত্ৰী

১০.০০ একান্ডে ৬.০০

न्द्रज्ञन সেনের

वात्वाशानी খूरनत सामवा ७-००

ब्राक्रिलाর १ ००

थर्नी ठक्षी १.००.

लिक (क्षरत्र थ्रत ४.००

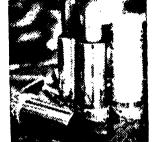
ডানকাকেরি পতন ৯'০০

ক্লাসিক প্রের ॥ ০/১এ, শনমাচরণ দে স্থীট, কলিকাভা ॥ ক্লাসিক প্রের



तवीतछस क्रीसद् सर क्यमत प्रसीद्द्र सर क्या सिमिटिक





38 कि कामकारमा (अस्ट

লাক্ষের আটা লো ককেবারে বছুন কক লিশান্টক ৷ শ্রীক্ষের মন্ত হোলাক্ষের, বেশ-মের মন্ত নরম ৷ ১৬টি বলিট উজ্জ অকলালা পেডে ৷ কাকা গোলাপী খেকে মধুর ধর্ম আর বছু বাঙা বাছারে ৷ আটা লো প্রটুষ্ণানকে আরও করুর ক'বে

THE CALL WITH THE PARTY OF THE COURSE

यानाएक धक बारा के जार जाना जा मा नीनद्वाः अन्नान ब्रद्ध वन्ताना, वावा व्याप्त राज्यक्रियान, महामारम बार गालि চালাকে প্ৰিল্ তমি সেখানে একটা মাউণ্টেড প্রলিলের সামনাসামনি

भूद्रा अक मिनिए इन करत दहेरता নীলাজন। পকেট থেকে লিগারেট বার করে ধরালো। ভারপর হখে ফিরিয়ে বললো कि भाषाती, हा नितन मा? चाउन एक उन रथरक भारती कानारमा, पिकि! नीमाक्षन আবার বললে, কিছু খাবার-টাবার দিও, थिए एमस्सर्छ।

এইটাকু সময় নেবার ফাল, নীলাঞ্চন ব্যবার স্বাংন একটা খাত ধরে ফেল্লো। বললো, পলিটিক্যাল মিটিং ভাঙ্কবার জন্য মাউত্তেও প্রবিশ পাঠার না-

—ৰাবা তো ভিড বলতে খেলাৰ *মাঠে*ব ক্পাই ভাবেন এখনো। তাই স্বংন

—এখন ভালো আছেন?

—অনেকটা। আমিও তথন কলকাতায় फिलाय ना।

–মেজনি আমাকে একটা খবর পাঠতে প্রস্তুত্র ১৮০

—তমি আমাকে বক্ছো কেন? সে কথা মেজনি জনন। আমি তো ছিলাম না কলকাভায় ৷

—বাবা ব্যাঝ এখনও ইচ্ছে মতন ফাতা খাবার খেয়ে বেডাচ্ছেন!

-মনে তো হয়। মামার কথা কি काल भट्टनहरू ?

—মিণ্টি থাওয়া কমান নি?

- যক্ষ জান বেড়েছ।

—তা হলে কি করে কি হাবে? নিজে খনি নিজেবটা না বেটকন এখনও...গলমেব গণ্ডাগোল হালেই লোকে আছেবাজে স্বাদা

স্যাদের কথাটা শানে নীলাম্বন বেশ থানিকটা বিচলিত হয়ে উঠেছে, কিন্তু দীপাকে সেটা ব্যক্তে দিতে চাইছে না। দীপ্ত অবশা তল্লতন্ত্র করে দেখাছে বাধার श्चा मुख्य धक्ते स्था हलाह।

ভারপর দালন বয়স্ক পার্য একজন **क्टांटबार** निहास হেমন্ডারে আলোচনা করে, সেইভাবে ওরা বাবা সম্পর্কো क्या दक्षाचा किहाक्या मा एक्से माडि नित्व करम भाधावी मौभारक वनता, मारथा, শেষ প্রশিত তোমাকে লাচি থাওয়ালমে विक ।

দীপা বললো, ইস, আমার জন্য তো আর করো নি!

বাথর মে খ্যাস্থাসে শক্তে বাসন মাজছে ঝি। শৃদ্রার ঘরটা নিঃশব্দ, আলে জনলাও হয় নি। মাধুরী আচিল দিয়ে মুখের ঘাম बहुद्ध दल्ला, वृष्टिंगे नामत्व नामत्व करत्र मामद्य ना!

এখানে থেকে যা দীগ্র। রাল্ডার গান্ডগোল হত্তে-নাকি, সেজার চিস্তা করবে। পালের বাভিতে একটা কোন করে দিতে পারিস?

मीनः উঠে मी**ण्डिय बनाटमा, मा, आधि** চলেই ষাই।

शाध्दरी बनारमा बारव कि करत? बीव धन्ता शन्यताम द्वारा

দীপ্রতে দ্বানা উচ্ করে কৌডুকের সংখ্যা বললো এক লাফ দিয়ে সমুন্ত গণ্ডগোল পেরিয়ে চলে বাবো! চলি আৰা!

নীলাজন বললো, বাবা কেমন থাকে, একটা খবর দিস। **অফিসে টেলিকোন** করতে পারিস।

একদিন দাদার এখানে ব্যক্তিরে খেকে গিয়েছিল দীপা। একখানা মাত্র হর, বেশ অস্ত্রিধে হয়। অস্ত্রিধে বে কিছু হচ্ছে না—সেইটা বোঝাবার জন্য বেটি এমন বাসত সমসত হয়ে পড়েন বে সেটাই হয় একটা অস্বস্থিতর ব্যাপার।

রাসভায় বেরিরে দবিশ্র করে খাড়া করে একবার শোনার চেন্টা করলো. বারান্দা ণেকে বেটিৰ ভাকে ডাকছে কি না। ভাকে নি, দীপা, হনহন করে **এগিয়ে গেল।** বেদির এখনও মনে পড়ে নি. বখন মনে প্রভাবে তথন কি বক্তম আফুশোস বে করবে. সেই ভেবেই দীপা মু**জা পেল। ঠাটা করে** रा-इ वलाक ना रकन, मीभा भौड़िया केंका ६०३८ल १८८० ना—धमन स्मास्ट्रे नद माध्यो। নির্দাং ভলে গেছে যখন মনে পড়বে. তথন লক্ষ্যয় একেবারে জলে-পড়া মান্ত্ৰের মতন ছটফট করবে। বৌদিকে সেই লাভার ফেলার জনাই দাঁপ, ভাড়াভাড়ি স্নাম্ভাটা পেরিয়ে চলে গেল। তার পকেটে এখন মার দুখ প্রসা।

মোডের স্টেশনারি দোকানটার শক্রা 🗣 সব বিনাছ। দীপাকে দেখে জি**ভেস করলো,** 57 T. 73

- इसी ह

-रमन् अकडे में म

-আবার কি?

–গ্রীপা, ভূই শাসতার **সংগ্রাভাষার** একদিন দেখা করিছে দিবি?

যখনট কোনো কথার মানে ব্রুতে পারে না, দীপরে শরীরের সমস্ত **স্নার**ু **একাপ্র** হয়ে ওঠে, যেন সে শরীর দিরে কথাটার মর্ম ব্যব্যত চায়। সেই **রক্ষ সজাগ ভণিগতে** সহা চেখে ভাকিয়ে ধললো, কেন, শাক্তার সংখ্য তোর কি দরকার?

-किइ. ना. धर्मनदे ?

- अर्थान मारम?

—যে মেরে ভোকে এখন ভালোবাসে, তার সংশ্য একটা কথা বলতে ইছে করে।

—শাশ্তার কথা ভোকে কে বলেতে কল লে?

धकरे, बाल मीनाक्षम बनालां, के काल कि काल कारा कारकाकिन टकन? का ना वाका अक्षिम रमधा कीन्द्रहा आर्मान अक्षेट्र গাল ভাষে। তই তো তরে আমাকে कारमायांत्रम मा। करे अधन बारक कारमा-ব্যাসিক, জামিও ভাকে ভালোবাসবো—

- बाज बीकर मा! बाछि वा रखा!

- अर दारे चाराकार क्या गान्जाक किट क्लरना मा।

দীপ্ত এবার হাসলো, বললো, ভুই আর কি ৰক্ষৰি! আমি নিজেই তো সব বলে দিয়েছি! কিন্ত আমি বদি রতনদাকে বলে

—ব**ল** মা. ছেলে সাহস হবে?

—**ভট বেশী** বাডাবাডি করলে ঠিক अक्रीनन करन रमरका। या वाफि वा, ब्रङ्गमा क्षकारिय जागरव

—ইস. es তো ফিরতে ফিরতে সেই कार प्रणासी

পত্রোকে ছাভিয়ে দীপ্য চলে গেল টাম রাস্ভার। দ্বীম-বাস সকই তে 5लाइ । কলকাভাৰ গোলমাল কখন ফাসা কারে থেমে গেছে। দীপরে কাছে দশ প্রসা, এতে भारता काण्डा बा**ट्या वाट्य ना** । भारतासाव পর্যান্ত হোটো গোলে...ধ্যে এসব হিসেব করতে क्ष बारक कारण !

श्रीवेष मात्रा स्टब्स्ट मीना, विक्रिय **ওপর একটি অব্ধ ভিথিতিকে** দেখলো। বাজা द्धाल, माडि काथहे दाका. भागता अकी নয়কজা বিছিরে নিঃশব্দে বসে আছে। **আগেকার ভিথিতি**রা গান শিখতে বাধ্য **হতো। এখন এই ভিজে**র ওপর টামের **কৰ্মণ আওয়ালে কেই** বা গাল শুনাবে। দীপত্ मन भरताको भरको एएक रात करा मा-একবার ট্রেকি মেরে ফেলে দিল ভিখিরিটার সামনে। বাকু নিশ্চিক্ত। এখন পঢ়ারা **क्रान्डाऐंद्रे जनाबादन दर्श्वे या**ध्या यादा। কালকের দিনটা কিন্ডাবে চলবে, তারও ঠিক নেই। ভব দীপরে শরীরটা হাক্তা লাগছে। পকেটটা একেবারে ফাঁকা হয়ে গেলে বেশ লাগে কিন্ত। শেষ প্রস্তুটার ব্যসের টিকিট **কেনার বদলে কার:কে** দিয়ে দেওয়া অনেক **कदना। कि धक्छो फ़नात बाह्य इर्घटर्यन** নিজের জাম্য-কাপড পর্যশত দান করে নিতেন না! সপরকে দান-টান আসলে গালভারী कथा. जन्मकरलाक निम्हेबरे निःश्व इदाव নেশার পড়ে গিয়েছিলেন।

(ক্রমশ্র)







ম্মতি থেকে মাতি

ঠিক এখনই নর। তবে ভাগ্যাতে বি ব্যাপারটা ছটে বেতেও গারে। তথন है 155 क्यांकर जाभगात श्रामातन कर्णिकर्णकर বৈছাট। আলে অপ্রাক দান প্রিটে পাববেন। প্রায় ভাষা আপারের কাছ খেতিও আপানীর জ্ঞা কিছাট স্মতিশন্তি যোগনে অসম্ভৱ ল্যু নাঃ এ কলা ভাবৈ রসায়নবিদ্যার : ভূ'রা মান করেন, ভবিষয়াত একজানর পা তি-শক্তি অপ্র যে কোন হান্যবের মধ্যে সঞ্চিত করা হয়ত সম্ভব হতে পারে। হার ভা করা ছবর নিজেপর বা**সা্যানিক পদ্ধ**তিতে। देशाक्षकभाग करत स्थाप प्रतिकटण राज्या ४४-कराव रवणश्रक कहा दश क्रिक में ठकरे ভাবে প্রয়োজনীয় স্মাতিস্কি ইনাজবর্গনার স্তেপ্তা কার্যার পেরে ড্রিজ ভারে একে: ছাৰু বুলিং চতিত ভাষ্টক, বিভাৱৰ দিকালয় क करती कहा हाला गुर हरती रह दहर

प्रदेशक राज्य के तुम्बदा शिक्षण **१**०८३ 医基套性 化原子 化双氯化 解肾经验试验的 机重氮 পর এতি সম্মানী আজি হাপার ১০০০ৰ হাৰু হ'ব প্ৰেক্ষা কৰে কৰে। সাহ, র রাজা এম কেব হার **জাফাসাসে তার**েরের এছল কু ভাৰত নিজেৱ **সংখ্য ক**ছা-কেতেতে হৈছা সভাসাধু স্ভিদ্ধ বাসে সাক ে, দেব দিয়ার কারণ হয়ে উঠেছেন, তাব 35 9°€ manger maggin store (10) (10) 70 . S19-115 1887 **** ****** काभगात हरेल 7515年7月7 42. Š ভাল্যাত ভালিয়া আপলি একটন কাই**ী ছাই** রবং ব্ভিল্লীরী হয়েও **স**াপন্*র চালী* त्रीभरत क्षत्रोत् बाल देखद १४६ - १८६ পুনুকু সিলু চাচুকু পার্কেন না: সে যা ≁কু ভূচেদ খোলেনেও হা কৰেও ছিলি হাক অহিছে, কুল হৈছে কেটি চাই ব প্রাণ্ডিকটির ভার্ণত কমা। তাকর প্রাণ্ডি য়নি স্থপ্তর চাল সঞ্জিত করা সম্ভব হয় এ ধৰণাৰ সংস্থাত হাত হোকে আনাজেই আম্বল কলাই কোন্য হৈছে।

নিকা লৈচে স্বত্রীক ক্রিলাফনা হানাফনির হাসাও প্রীক্ত ক্রিটে স্থিত প্রক্রির প্রকাঠ সমি জানবা সংগ্রহ করার প্রকাম তা দিয়ে হয় ১ চার হ'লাপ প্রত্র ক্যাক লক্ষ্য বিশ্ব বেলা সম্ভব হ'ল। এই শহ্তির কিইটো তার



ভাগতন কোশ্পান মান্বের মগজের এই মডেলটি তৈরি করেছেন। শব্দ এবং জালের দৈনবিদন অন্ভূতি কি ভাবে জামবের মনে গোখে বার, প্রয়োজনে কেই শ্লুতি কি ভাবে জামরা জাগিয়ে ভূলি বিদয়েশ্চালিত এই বন্ধে সেটাই দেখান কৰে

কুন্ত্রী পুরিয়া হা রিক্লেকস আনক্ষানর গভিন্নতা কিছা ভার চটার করে কর্ম ১৯৯০ - কেন্দ্র **স্টোকলে ১**ছা, টাই**প যাল্য** কাচ করা অথবা সংস্কৃত বাবেরণের সমাস-রারাকর পা**রুপ্যা সংপ্রা না**র রা**র্থা** প্রভৃতি। আরু এক ধরনের সম্ভিত্ত অমাদের মনে লেখি থাকে: ক্ষমন বহা <u>শ্রানা কোন খটনার হাবহা বিবরণ। করে</u> কোন একটি লোকের সংগ্র তাপনার সাক্ষাং গ্রেছিল, তখন তার পরনে কৈ ছিল, কথা বলাব সময় কৈজাবে সে হাভ নাড্ছিল, रकत् रूप छोटिहे कारता छात्र क्हरा, धड সংস্থা কিছা যে ধরনের স্মৃতি আমানের ম্নত গ্রান সংক্রাক্ষত রাখতে সহোষ্টা করে র্থা দরকার **হালে ভ**াদের আমারা নকল করতে প্রতি এটাই সেই ফ্রিডি ভার লক্ষে হাজনুৱা স্মৃতি যাত্ত কোন লাগিডিক সমসা, ধাৰণাত অস্বিধের সমাধ্যা মোগায় স্থাবা ত্তমন কোন মেতিক ডিক্তান কোট মনকে স্থায়েও পারে চাল্লন করে। সান্ধ ছাড়াও ্ধ সংগ্রন্থ প্রণধার গ্রন্থ বালে কোনে বস্তু ্যতি ভাষেত্ৰ মধোত এমন কৈছা কৈছা সভ্যাত দেশ হাম মতে মান হম লাইবেৰ চাঁচজৰাক সন্তিব্যুৎ ধৰে রাখরে ঋনতা হ প্রি≎ আছে।

বিশ্ব স্বচাইতে বড় প্রশান, আনাদেব যাবতীয় অয়াভূতি, শিক্ষা, শীক্ষা এবং ক্ষান, যাবিভাব, নামক ব্যক্তিব যাগে ভাবা থাকেই বা বিভাবে হ অথ্য ঠিক যে নায়াতো বে অভিজ্ঞার বা অন্যকৃতিক দারণ কর র সেটা করি একান্ড অন্পাতের মত তার আমানের মানসপাট ভেসে এটি একটি অভিজ্ঞতাকে আর একটি অভিজ্ঞতার সপো সামজনী ঘটিরে কি করে সদতর একটি নতুন চিতাকে রপে দেশরাট গাত দা ছাজার বছর ধারী এমন হাজারো প্রদেশর সমাধ্যনের বাপারে দার্শনিক এবং বিজ্ঞানীয় মাধা শ্রমিয়ে



আসহেন। স্মাতির অস্তির এবং ভার কাৰ্যক্ষণ সম্পৰ্কে তত্তত্ত তৈয়ে হয়েছে का । जारकीर **ास्ट्रेड एउटल अस्** शास्त्र Of the help scapes wis-क्षात्रमीयर का समाज क्षेत्र साव आव था । भारत भारताभाविकत्व कात्रत नाविष्य सामात नदः। বিশেষ বৈশেষ कामजीतक स्वीरभव भरता शानीव स्व-रकात অভিনতা কাতিরপে সংবক্ষিত করা লম্ভব। ব্যাপারটা শব্দ বা ছবি বৈক্ষা করার মত। প্রয়োজনে সেই স্মৃতি **একে**ব থেকে অন্যের মনোজগতে স্থানান্তর ভরাত বেতে পারে, করের কোনরকর ক্ষতি না

बाद। এक दिक अविते तकर्ष त्थाक सान একটি বেকর্ম তৈবিব মুখ। আৰু এই স্থানাল্ডর শহে একই প্রেণীর প্রাণী নয়, এক দেশী খেকে ভিন্ন দ্রেণীর প্রাণীর महार्थ कहा त्यत्क भारत्। এক ধরনের ইপারের ক্যাভি ছোট এক कारण्य दे नारत स्था श्रायन कतित धरे য়তব্যাদক সভাতার বিষ্ণুটা আভাস তারা 79/8/BH 1

বর্তমান পতাব্দীর গোডার দিকে ফরাসী বিজ্ঞানী রিচার্ড সেমন একটি ভত্তে বলেন, আমাদের বাবতীয় স্মৃতি পথক পৃথক কতকগালি সাক্ষ্য পদাধ' দিয়ে তৈরী।

তা যদি হয় মণক থেক এ সংক্রা জ:ল. वार्तिक किया किया द्वारित वाम प्रितंत নিক্ষত কোন কোন স্মাত আমরা চারিতে रक्कार ? श्राकीराज्य श्रेणाक भरमाविकाली कार्य क्षत्र, मात्रस्म या भावते निरंश सार ডিনি লক अजीका-जियोका हजान। করলেন অপারেশন চালিয়ে স্মাতিশার ब्राट्स कवा वास। किन्छ स्माप्तान समा ম্মতি সংবৃদ্ধকারী সেই পদার্থের কোন ছদিস কোথাও খ'্লে পাওয়া গেল না। এটার তিনি লক্ষা কর্পোন, মগজের কিছা जारमा रकार्त वाम मिलास भारत कार वस्त्र কঠিন কেটে ফেলা সেই কোৰ ঠিক কোন ধরনের স্মতি ধরে রাখার কাজে নিয়াভ ছিল। চ্যেথে দেখা ক্ষত্ত্ব স্মৃতি, কানো হেখনা ক্ৰেনৰ প্ৰাডি, বা অন্য কিছাত্ত্ব সূত্ৰি মান হল হলি নিলিখিট অভিজেখনে জমানি ধনে রাখার মন্ত কোন কলিকা খাকেত ভাষে কথনট মগ্রভার কোন বিলেম ষ্মাধকার করে বাস করে। না সমস্ত স্বায়াকেলের ভানের হার্ম র্লানের

অংশ সিমার যাত্য ক্রিক্সেল্ডর কঠা, এবং ভাদের কার্যালের্ড সম্প্রের নামন সমর MIGNO THAT I WISTATION NOW, WALK हाल क्ष्मीप्रतिहे क्षणकार शास्त्र । विलास कहारास्क्यार চলিনঃ জন্ম জেল, মাহাসের হাহারতহ **৩**২০ চলি - বিভাৱৰ প্ৰতিবাহন প্ৰতিবাহিছ সংক্রিকে তার চান্ত্র মারিলেজ জন্ম কব্রে কাশ্যেস্ক শেষ্ট কবিব্যাহর বিভাগত কোছের মধেকার কলেয়েনিক প্রাক্তির মান্ত শ্বিবারণি আন্তর জন্ত পালে জাবীরারণাস্ত আৰম নামানকাম ক্ৰিনিক অক্তৰ ভাৰতে। সাধ প্রভাক্ষ তা পরোক্ষয়বর জাবিসর রুম্মর্জন হৰাক প্ৰতিৱেখা ক্ষমত , প্ৰচাটন কলা । ইড়ান প্রভূতির যাপেরে সভাষ্ট করে। আহিংকার হল ডিঅকসিলিকে নিউকেসিক আলসিভ ক 'छ कर का। तथा इस बहु कि कर क है প্রাণের মৌলক উংসঃ এবই ভেডর দিয়ে জাবৈক্ষণত ভারে চার্বিধিক ইরাশান্ত বংশ-প্রম্পরায় স্থাবিত কবে চল্লেছে। শাস্ত এই নয়। এ'রা আবিজ্ঞার কবলেন **জ**ীব-কোষের আবিও এক ধবনের অমালা সম্পদ হৈরির চ্যারকাসি পড়ে আছে ছি. এন. এ র হাতে সেউ বিবো নিউরেহিক আসিড বা আর. এন. এ.। এই হার এন. এ.-ই দেহের জ্ঞারক রস, অণ্ডংগ্রাম্থ নিঃস্টে রস বা ছরমোন এবং নানারকম প্রেটিন-জাতীয় পদার্থা তৈরি করতে সাহায়। করে। তকান কোন জীব-রস্তোম্বিদ এখন ছানে কাব্যস্থান, कारा, जर्म का या व्याद्ध, करा, का-व रेस्टवी প্রোটিনই স্মৃতিশক্তিকে সংবক্ষিত করে রাখে। এপদের বন্ধবা, আমরা যা করি, যা দেখি যা শ্নি বা অনুভব করি তার সমুদ্ত

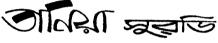
অভিজ্ঞতা প্রথমে বিদ্যাংশক্তিতে রূপান্ত্রিত रहा। **दलरे किन्दार भ्नाह्य घर**मा भिरत





कुकात विभिन्न अवाम (प्रथा, छ वालकिल, कारी मिटि नह তো'। আমি বালছিলাম, 'তানিয়া'। ভখন ও আমাকে साक 'लाविया' द'ति । खाल्हा, सावियात मिटि बाह्य कि खामाक उर साला (लापहित, ता खामाक साला/राप्रहे कार्तिया श्रद कर नहल--- क साहि।





প্ৰস্তুত্বাৰক: সাহেব সিং'স্

'विकेषि हेम हेश्व बार्ववाहेडे' नुश्चिकात समु अवर चानवात सन-চৰ্চার নানা সমস্তার উত্তরের অস্ত আমাদের 'বিউটি কন্সালটেউস', (गार्के वंद्ध : ३३०, बिंके विश्वी,-बाई क्रैकामात्र शिवृत्र ।

Programina/SS. 2/66

প্রবাহিত হরে উপশ্বিত হয় মন্তিতাক্ষর সনামন্ত্রাহে। অবশেহে সেখানে কতকগালি কালারনিক সম্প্রতির মাঞ্চার এন এ-র তৈরী প্রোটন কশার মধ্যে। অভিজ্ঞাতা তথন রালারনিক বস্তুর্পে আমাদের মধ্যে থেকে বার । তরই নাম স্মৃতি। বলা চলে আমাদের বারি কবিনের অভিজ্ঞাত মুলিত। বাইরের কোন উন্দীপনা এই রসামনিক সম্ভিত্রে বথনই বিদ্যুৎগাল্ভিতে র্পান্তরিত করে তথন আগের অভিজ্ঞাতাগ্রি আছারা সচেতন মনে ফিরে পাই।

এই প্রসংগ্য ভি. এন. এ.-র ভামকার উপরও এবা ধ্যেষ্ট গ্রেছ আরোপ করে-ছেন। এ'রামনে করেন, প্রাণী ভার বংশ-গাতির মধ্য দিয়ে যে সহতাত প্রবণতা বা প্রবর্তি পেরে থাকে সম্ভবত তাদের ধরে স্থাপাই ডি. এন. এ-র অন্যতম একটি দায়িত। ম্মেতা, আত্মরক্ষা করার চেন্টা প্রাঞ্তির মালে রয়েছে বাইরের জগতের भरमा दाक्किनैनस्तद सम्भवः छात्रीरहर প্রাণিজগৎ নিজেনের অভিজ্ঞান মধ্য দিয়ে ব্ৰেশ্ছিল প্ৰথিবীতে নিজেনের অশিতার বজার রাখাতে গোলে এদের প্রয়োজন আছে৷ এই অভিন্তান্তে যেন এক কাচিল ছাপার ইরফের মধা দিয়ে পেরে পের ভানের দেইকেন্দ। বংশগতি সেই ছাপ্তে **प्र**्रेषण लाज्यका कृति । कार्यकार्यक प्रश् লিয়ে কিছুটা মেলিক, কিছুটা সংশোধিত সংস্করণের মাত বরে নিরে চলেছে দেহ ডেকে দেহপতকে। এই ছাপই হল পা্রনো অভিভৱতার অনুতি। যার তাবে এক নাম <u>সুবলভা</u> 20 B 75 m 3 বিশেষজ্ঞরা মনে করেন দেই স্মতিকে को कि अर का है जानी नुसार र प्रशा स्थित স্পাধিত করছে পরেষ্ট্রান্ট্রাম আংটিত থেকে ভাৰষাতের দিকে।

বিজ্ঞানীদের ধনগা, যদি সাথে সভিষ্ট জী ধননের কাউল নাসায়নিক প্রদার্থ আমানের সম্ভিকে ধরে রাখার ক্ষমতা বাথে, ভা হলে একজনের দেহ খেকে জনা কর্ব দেহে ঐ রাসায়নিক পদার্থ চ্যুক্তর দিকে সেই সপ্রোধানক পদার্থ চ্যুক্তর দিকে

নেহ সংশ্য তার স্মান্তাত সে প্রের বংব প্র কর্মান্তার উল্লেখ্যালা পরীক্ষার খবর পাওয়া বার ১৯৫০তে। গ্রেক টেকসাস বিশ্ববিদ্যালয়ের বিজ্ঞানী জেমস ভি মাক-জ্যোলা এবং রবাটি টমসন। এবা পরীক্ষা চালিয়েছিলেন খলানাবিরাম নামে এক ধরনের ক্ষাক্ষ প্রাণীর বৈপর। এর ক্ষন্যে অত্যুক্ত উচ্ছ-ল একটি আলো রাখা হয় তাদের সামনে। মাঝে মাঝে সেই সংশ্য তাদের গামে হারে এবং সেই সংশ্য তাদের গামে হারাক্ষা বিদ্যালিক শক। শক খাওয়ার সংশ্যে সংশ্য তারা কুকিড়ে যেতে লাগল। সমুস্ত কিছু এমনভাবে নির্গিত্ত করা হয়

বাতে করে বখনই আলো করেল শ্বে তথনই তারা তড়িতাহত হতে পারে।
কিছুক্ল এইভাবে চলার পর দেখা গেল ক্যানারিরামগ্লি অক্ত একটি অভাস রুত করে ফেলেছে। শেবের দিকে ভড়িতাহত করার আরু প্ররোজন হত না। আলো জনালার সংশা সংশা আপনা থেকেই তাদের দেহ কুকড়ে বেত। কতকটা গ্যাভলতের কুকুর নিরে পরীকারে মত। এরই নাম কনভিলনত রিক্লেকস বা প্রতিবতী প্রভিয়া।

মানকোনাল এবং টমসন অবশেরে ঐ
ক্যানারিয়ামনের দ্ব খণ্ড করে কেটে
কেলনে। এতে তাদের মৃত্যু ঘটে না।
বরং অধাংশগলি এক একটি প্রণিজ্প
প্রণীতে পরিপত হরে বার। ওবা লক্ষ
করলেন, লাজ বা ভগা, বে অংশ খেকেই
তাদের করু হোক না কেন, নতুন প্রানানিরামের প্রতিবতী প্রক্রিয়া ধরা পড়েছে।
করু না দিয়ে শ্র্ম আলো ক্রাললে এর।ও
ক্রিড়েও ওঠে।

এ থেকে সিন্ধানত করা হর, আলো
ভারার সপে। সপো শক খাওরার বে
অভিজ্ঞাতা, সেটা গ্লানোরিরামদের সেহের
কোন বিশেষ অন্তল জুড়ে নিশ্চর হাস
করে নি। সব জারগাতেই ছড়িরে ছিল।
ভাই ্করোগ্লির মধ্যেও তার অস্তিছ
ধরা পড়ে।

মাককোনাল এবং ট্রাসন এবার মতুন করেকটি জানোরিয়াম সংগ্রহ করলেন। আলো এবং বিদ্যুতের শক খাওরার কোন অভিজ্ঞতাই এদের ছিল না। ও'রা ঐ শ্রুরনো জানোরিয়ামদের দেবের ট্রুকরো ট্রুরেরা অংগ ফেলে দিলেন এদের সামনে। এবার রাতিমাত চমক! দেখা গেল নাতুরের দল তাদের শাধ্ খাবার হিসেবেই খেল না। সেই সংশ্য খাবারের মধোকার দ্যুতিও। কারণ, খাবার খাওয়ার পরই দেখা গেল অংগকার স্লানারিয়ামদের মত একেবারে সম্পূর্ণা এই স্লানারিয়ামরাও আলো জালার সংগ্য সংশ্ শক্ত না খেরেও নিজে-দের দেই কুকিড়েতে শারু করেছে।

এই ঘটনা থেকে ও'রা সিখ্যালত করলেন, মগজ ছাড়াও সম্ভবত কোন রাসায়নিক পদার্থের মধ্যেও স্মৃতিসন্তিকে সংরক্ষিত করে রাখা সম্ভব। এবং প্রয়োজনে সেই স্মৃতি অন্যের মধ্যে প্রবেশ করান বেতে পারে।

মনোবিজ্ঞানী আমলেন এল, ভেকবসন মাত্র বছর ভিনেক আলে চালিরেছিলেন আর একটি ব্যাশতকারী পরীকা। একটা বড় জাতের ই'পুর রুখলেন ভিনি একটি বাব্দের মধ্যে। বাস্থাটির কোণে রইল একটি পাত্র। ঠিক হল, ক্লিক করে একটি শব্দ বাহির হইল স্বপন সেনগড়ের মণ্ড-সফল সংগ্রামী নাটক

करव वमष्ठ वामरव

0.0

[১০টি প্রস্কারপ্রাপ্ত]

रैनतकातम्य मूर्याभागात् नमी बरस् बास २-७०

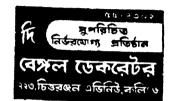
বিধায়ক ভটাচাৰ

মন্দাকান্তা

₹.00

বিষদ করে তিনটি একাজ্কিল একচে ব্রীজ/গ্রহসমেলন/**অন্তরালে**

চক্রবতী এন্ড কোং ধ্যি টেমার লৈন্ কলিকাভা–৯



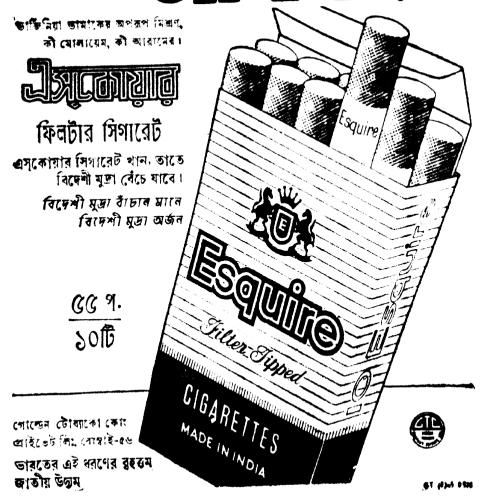
সরোজ আচার্য সরোজ আচার্য সাহিত্যে শালীনতা অন্যান্য প্রবন্ধ

বাশিধদীপত ও রসসিত রচনার একটি সাথাক নিদর্শন। [৬٠০০]



র্পা জ্যান্ড কো-পানী ১৫ বাংকম চাটালি পাঁট, কবকাতা-১২

आह्यहायाः आह्यहायां आवदन्त्र आह्यहायां



कता ठ व । मान्स मान्स क्र के करता शतान গিলে পশ্বৰে পাৰের মধ্যে। আর তথক हेप्रजिति हार्छ अस्य का स्थरा स्वरव। वारम्थामण कामच छनना किन्द्रकन्। त्नारस म्बा काम, मन्य महत्तरक महतरक दे महत्ति धामन व्यक्तम्क हता भरक्रा एवं, थाराहतुत्र धेकता मा *रक्त*न न्द्रश्च नन्त करामहे स्त भारतात्र कारक कारके करतात्र । একই ভাবে আরও করেকটি ই'দুরকে শিক্ষিত করে তুললেন জেকবসন। ভারপর হত্যা করে ভাদের মগলগালি বের করে निरमन। ये भगकर्शन न्यास्टरक स्वरते এক ধরনের রাসারনিক নির্বাস তৈরি করা হল। এর মধ্যে আরও ানেক পদার্থ ছাড়াও আর. এন. এ.-র ভাগ রইল বেশী। অবশেষে সেই নিৰ্যাস সম্পূৰ্ণ অনভিজ্ঞ কতক্যালি ইপ্যয়ের পেটে ইনজেকশন করে इ.किट्स प्रथम हरू।

এবারও প্রচণ্ড চমকা নতন ইপিরের মধ্যে পরেনো ই'দ,রের অভিজ্ঞতা পরিকার कता जिल्ला কোনরকম অন্যোগন ছাডাই ক্রিক শব্দ শেনের সপো সপো এরাও থাবারের পাত্রের দিকে ছাটে গেল। **জেকবসন পরে শ**ন্ধ ব্যবহার না করে আলোর সংকেতের সাহায়ে এই পরীক্ষাণির श्चानदार्वास कटान्य एतथा शान यात्रा व्यादमार भरतकत रामस्य थानादहर कार्छ छएछै বার ভাদের মগজের নির্মাস নতন কোন ইপারের মধ্যে তাকিরে দিলে তারং শাধ্য व्यात्मात मराक्ष धाउँ काञ्च कतरह लाए। ভাদের কাছে ক্রিক শব্দ নির্থাক। অধাৎ বোঝা গোলা ইপারের মত যথেক্ট উচ্ ধরনের প্রাণীর মধ্যেও ইচ্ছেমত কোন স্মৃতি ঢ়কিয়ে দেওয়া সম্ভব। আনেকে পায়রার ক্ষেত্রেও এ ধরনের পরীক্ষা চালিয়ে সাফল্য অজন করেছেন। এমন কি এক ধরনের প্রাণীর প্যাতি অন্য ধরনের প্রাণীর মগঞে **স্থানা**•ভারত করাও সম্ভর ইয়েছে। বিশেষভারা এটা করে দেখেছেন বড় এক জাতের ই'নুরের স্মৃতি ছোট এক জাতের ইপ্রেরর মধ্যে চ্রাকিরে। মগভের নির্যাদের সপো কিছ্.টা হরুং-এর নিয়াস মিলিরে কোন কোন ক্ষেত্রে আরও ভাল ফল পাওয়া CHICK I

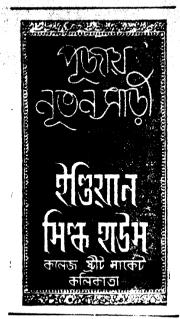
আর. এন. এ. বা প্রোটিম-কাতীর কণা বৈ সম্ভিকে ধরে রাখার বাাপারে কাজ করে সেটা জানার জন্ম নানা পরীকা চালাক্ষেন প্রীব-রসায়নবিদয়:। এ'দের মধ্যে উল্লেখযোগ্য কাজ করেছেন বানারও আ্যারানফ:। ইনি এক দল সেন্সলী মাছ নিলেন একটি জলের আ্যারের মধ্যে। আ্যারটির মধ্যে রইল দুটি অংল। মাক্ষানে সর্বু পথ। ভারা সেই পথ দিরে একটি অংল থেকে যথন আর এক অংশে সাঁভার কেটে ঢুকতে গেল সংগ্য সংগ্যে জনুলে

फेरेन जात्ना। जाननाई देना किन नक। করেকবার চেন্টা করবার পরাই ভারা পিতে নিল আলো জুলার সভে সভের লক বেডে পারে। শিখে নিল কিভাবে সেই বাবা कांग्रित जमा करान बादबा बाद। जाबादकर প্রেরা ব্যাপারটা শিখতে ভাগের সময় লাগত প্ৰায় এক দিন। এবং কিন্তাৰে শক এডনে বার সেটা স্মন্ত্রণ জানতে সময় লাগত তিন দিন। দেখা গেল আন্দ্ৰীলনের ঠিক পরমহাতে ওপের চোয়ালের মধ্যে रेनटकक्मन कला दीव धानिको भिष्ठेटहा-মাইসিন চ্ৰাক্তরে দেওৱা বার তা হলে সেই অনুশীলনের কোন কিছাই ভারা মনে রাখতে পারে না। অখচ অনুশীলনের এক খণ্টা পর ঢোকালে ঠিক আগের মতই তিন দিন পর সমস্ত স্মৃতি ভারা মনে করতে পিউরোমাইসিন নামে রাসার্যানক বৌগটি জন্ম এন. এ. যা প্রোটিন তৈরি হতে বাধা দেৱ। এ খেকে মনে হর, ম্মতির যাকতীর রেকর্ড ঐ আর এন. এ⊹র পক্ষেই করা সম্ভব। কোন কোন গবেষক মনে করেন শিক্ষিত কোন প্রাণীর মগজ থেকে জার এন এ: সংগ্রহ করে অনভিজ্ঞ কোন প্রাণীর মগজে তা ঢাকিরে দিলে ঐ প্রাণীর মধ্যে সন্তারিত হবে শিক্ষিত প্রাণীটির ক্ষ্তি। আর কি কি ধরনের প্রোটিন কোন কোন অভিজ্ঞতার স্মৃতি ধরে রাখে সেটা যদি জানা সম্ভব হয় তাহলে তোকখাই নেই। বদি কেউ কবি হতে চান, বে অভিজ্ঞাতার স্মৃতি থেকে কব্যে সৃষ্টি হয়, কোন কবির মগজ খেকে তার কিছুটা সংগ্রহ করে নিলেই কাজ শেষ। যদি **আর কিছ**ু হতে চান হয়ত সেটাও সম্ভব হবে। ইতিমধ্যে বেশ কিছু সংখ্যক জীবের উপর মোটামুটিভাবে এমন পরীক্ষার কাজ শেব হরেছে।

তব্ প্রশ্ন : তা হলে আরু এন. এ.-ই কি জীবনের বাবতীর স্মৃতি মান-বের সংক্রমণের চাবিকাঠি? ना चना कान रश्याचिम-कबा ? হয়ত নিকট ভবিষয়ত এর উত্তর আমরা পেরে বাব। হরত ইচ্ছে করলে গবেবণাগারেই ভালের আমরা তৈরি করে নিতে পারব। আর ভা বদি হয় বহু: জটিল মানসিক রোগ নিরামর করা एयन स्मार्टि मह रहत ना। सिर्टे महला महना-বিজ্ঞানের অনেক সমস্যার সমাধান হরে কে জানে, তখন নানায়কমের যাবে ৷ স্মৃতির রঙ-বেরঙের ব্যেতল ওব্ধের দোকানেও আপনি পেরে খেডে পারেন। কারত্রে গারে লেখা সাইকেল সমৃতি কার্র বা ক্যালকুলাসের। ভা থেকে করেকটা বড়ি খেরে নিন। অর্মান एथरवन, कानज्ञकम जन्मीनन ना करतरे হয়ত তথ্নি দক চালকের মত আপনি সাইকেল চালাতে পারছেন।

कालकूनारम्ब नमन्छ वर्षे बहै मा नफ्टडरे चार्यमञ्जू बाधात करनद मछ नहेल हरत बारकः

সমর্বভিৎ কর









े प्रमद्ध कोवातप्र शास....

আপনার ঘর সাজানো দেখেই আপনাকে বিচার করা হবে

মুতরাং ডানলপিলো ব্যবহার করুন

যরদোর সাঞ্চালের উভর নিচেই আগনার
সুক্রচির পরিচর পাঙরা যার: জীবনকে
আরও সুকর ও জারামের করে ভুগথার
জনো আগনি কভখানি জারহী ভা একাশ
হরে পড়ে। আগনার কনের বাড়ো
পৃহসঞ্চার ভানলিনার ভূদি নেই:
গানর সেরা ভানলিনার ভূদি নেই:
বার না । খুব হাচকা এবং শরীর এলিরে
নিলে দিরং-এর মড়ো লাকিরে ওঠে !
বহুরের পর বছর ব্যবহার করা চরে,
সুতরাং ভানলিনার শ্রাহার করা চরে,
সুতরাং ভানলিনার শ্রাহার করা হবং
প্রিরজনদের ভানলিনার স্বাভ্যার এবং
প্রিরজনদের ভানলিনার স্বাভ্যার বং





লাম ঃ কুশন ১১:০৩ টাকা থেকে এবং বালিব ১৮:৪০ টাকা থেকে গুরু ৮ (চাক্ষমার লাম এবং হামীয় কর অতিরিক্ত ৷)





(পশ্চিদা)

লিভ একট্ অবনক হরে জিজেস করল —কিসের বিপদ?

অপর্ণা প্রথমে উত্তর দিলু না। নতমাথে টোবলের কাচে ভার সাদা প্রার ব্রুলন্ত একটি আঙ্কা দিরে করেকটা গোল চিছ্ অবৈলা। ভারপর ভার বরসের ভূলনার ভারিকা। তারপর ভার বরসের ভূলনার ভারিকা বিষয়া মাধুখানা ভূলো বলাল-করেকদিন ধরে দেখাছা আমাদের বাড়ির সামনে দিরে একটা কলোমতো ছেলে ঘ্রের বেড়ার। বেভে বেড়ের আমাদের বাড়ির সামনে দিরে একটা কলোমতো ছেলে ঘ্রের করে করে গোকে। আমি কথা কলেজের গোলেও খালেছ। করেকদিন ভারে কলেজের গোটনএর সামনেও দেখোছা।

চা খাওরার পর ললিতের অধ্বক্ষের ভাব বৈড়ে যাজিল। বাধা করছিল ব্যক্ত আর পিঠ। কেমন একটা খ্যম-খ্যম ভাব, খ্যে পুড়তে ইচ্ছে করে।

অগণার কথা শানে সে একটা হাসল, বলল—ভাতে কী? ওরকম কভ ছেলে পিছা নের মেরেলের, ভারণর বোধহাঁথ ইলে আবার সরেও কার ৷ ওকে বেলী পান্ধা দেবেন সাঃ

একথা যথন বলছিল ললিত তথন ছাল্ল জমোষভাবে মিডুর কথা মনে পড়ছিল। মিডুও হয়তো নিজের বাবা হার কাছে বলত বে একটা ফর্সামতো রোগা ছেলে বাতারাতের পথে দীভিরে থাকে, কাড্জানহীনের মনে চেরে থাকে ভাদের বাভির দিকে।

মেরেটি কাজতের উপদেশ শনেল কিয়া
বলা বার না, বলল—পিছ্—নেওরা ছেলে
আমি অনেক দেখেছি। কিন্তু এ ছেলেটা
ভীবণভাবে আমার কাছে আসার তেওঁ
করছে। একদিন দেখি আমাদের লারোরানের
ক্ষা থেকে দেশলাই চেনে সিগারেট ধরাল,
ন্যার দাঁড়িরে দাঁড়িরে কী একট্, কথাও বলে
গোল। পরে দারোরানকে জিজেন করে-

ছিলাম। ছেলেটা নাকি তার কাছ থেকে করেকটা ফ্লের চারা চেরেছিল। আমি দারেরানকে বারণ করে দিরেছি ওর সংল্য কথা বলতে।

লালিত সাম্প্রনা দেওরার ভগানীতে বলল— ভাতে কী? ওতে ভর পারেন না।

टमर्सार्वेत मृत्य कार्य अक्टें उन्नामा দেখা বার; নিঃশ্বনস চেপে খ্রে আন্তেড আন্তে বলল—ছেলেটি আমাকে লক্ষা করে আমদের মোটরগাডির মধ্যে একটা কাগজের দৰা হ'তে দেৱ। খালে দেখি চিঠি। ভল বাননে লেখা অজন্ত আজে বাজে কথা। আমি কাউকে বলৈনি। তা ছাডা আমার विन्वान धरे ह्हलोरे छीनकान कर्त्राहन আমার হবেকে। আমার কেমন বেন ভর করে। এমন অবস্থা বে ব্যক্তি থেকে একা বেরেতে পারি না, ছেলেটা ভীষণ ডেসপারেট—কী জানি কী করে বসে! रेंगेनाकारम वावारक वर्णाक्ष्म स्व छत्र वामाद कारकरे नाकि धारक अकरे भाषार । स्वरी জানার পর থেকে আমি আর ওর কাছেও सारे ना ।

পেটের মধ্যে কল্কল্ দান্দ হচছে। ছাতের মধ্যের মডো গলার কাছে খোঁচা

নিক্তে জন্মন। হঠাৎ পেটের মধ্যে শন্দটা এত জোরে হল যে লালতের ভন হতিহল মেরেটা শন্মত পাজে।

লালত উঠে গাঁড়াতে গাঁড়াতে অস— আমিও ঐ পাড়ার থাকি। বাঁগ একা বেতে ভর করে ভবে আমার সংগ্য চলুন, কোনো ভর নেই। আপনি গোলে বিমান খা্নিশ হবে।

মেরেটা আনে হেসে বলল—কিন্তু ও বে বারণ করেছে।

ললিত বলল—কিন্তু একট্ আগেই ও আমার কাছে এসেছিল। তথন দেখেছি ও নমাল। কথাবাতা ভালই বলছিল। এখনো ভারের কিছা নেই।

মেরেটি একট্র চিন্তা করে হঠাং উঠে দাঁডিরে বলন—চন্দ্র।

অপর্গাই তার অভিজ্ঞাত ভগণীতে কেবল-মার একটি ভর্জানীর সংক্তে খালি ট্যাবিটা দাঁভ করাল।

দ্ভন দ্ কোণে বসল। মাঝখাদে অনেকটা ফাঁকা জারগা। অপর্ণা বাইরের দিকে ডাকিরে। আর ললিত তার বুক আর প্রেটের অক্ষানিটা থেকে রেহাই পাওয়ার জন্য একট্ গা এলিরে সাঁটের পিছনে মাঝারেখে। বাঁমটা হয়তো হবে। এক লাশ জলের পর এক কাপ চা খেরেছে ললিত। খাওয়াটা ঠিক হয়নি।

অপর্ণঃ মুখ ফিরিরে ললিতকে বেখে বলল—আপনার কি শরীর খারাপ?

-वा।

একট্ব অনামনে চুপ করে থোক অপর্ণা বলল—এখন আমাদের সমর ভাল যাছে না! কিছুদিন আগেই বাবার কারথানার কর্মচারীরা বাড়ির সামনে এসে জমারেং হরেছিল একদিন, বোনাস আর কাজের সিকিউরিটির জন্ম। ইউনিরনের লাডার এক ছোকরা এক বাবার সংগ্য কথা বলতে।

প্রভাত মুখোপাধ্যারের ভীষণ-স্নদর বিস্ময়কর বই

ক্রন্দসী কাশ্মীর

এ ব্লের এক অধিতীয় সাহিত্য - কীতি ! দাম—দশ টাকা লেম্ম বলের ঃ লেখক স্বাচক্ত দেখেছেন সাকিন্তানের কদর্য পাশ্বিকতা ৷......বই-এর দারিকা রুজায়া পূর্ব ইর্মানীয়া স্পেরীই নর, দাকিয়ে রাখে পিন্তল, দেশের স্বাধীনতা সেবার কাজে বার জীবন নিয়োজিত !.....মনে মনে লেখকের সঙ্গে করমর্দন করেছি দেই স্ব অংলে বেঘানে আমাদের অ-ক্রেবার রাখ্যনারকদের বার্যতার প্রস্তুহাড়ির চাকনা তিনি অকপটে থ্লেছেন। লেখসাহেব, ও বন্ধী গোলাম মহম্মদকে তিনি স্বক্ষ আমনর সামনেই দুড়ি করিরাছেন।....লেখক তাদের ক্যা এমন স্পুট করে তাঁর বই-এ খ্না দিরাছেন। শুরু এর্ড জনা ক্রম্মী কাম্মীর সার্থক।

কলিকাডা প্ৰেডকালর, ৩, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাড, -১২

লে আমাদের বৈঠকখানার বসে বাবার সপ্পো কথা বলতে বলতে তরি সামনেই সিগারেট থাছিল। যলে কাবা সেনিন ভীবণ রেগে বার, আর নার্ভাস হরে পড়ে। সেই কটনলর পরেই বিকেলের নিকে বাবার ব্লাড-প্রসার অসম্ভব থেড়ে বার। স্লারে একটা কৌকের মতে। হর— লালিত বলে—সে কী। ছেলেটা সিগারেট খেরেছিল বলে?

অপর্ণা মৃদ্ একট্ হাসল—উনি প্রোনো আফলের লোক। কর্মচারীঝ সামনে সিগারেট পাবে এটা উনি বরণাস্ত করতে পারেননি।

र्गामराज्य कथा काराज करा राज्यमा जरा

দে কাল—কিন্তু এরকম হওরাই ত্যে স্বাভাবিক। দীর্ঘকাল পেটমোটা, অসং, অতিরিক্ত মুনাফাখের মালিকদের সন্মান করতে করতে ওরা এই মাান্দরিক্তমকে আর বিশ্বাস করকে ন্য

এই অগ্রির কথাগালো একজন মালিকের মেরেকে তার বলার ইচ্ছে ছিল না। কিন্তু কথাগালো এমনিতেই বেরিয়ে এল। তাই একট্র গাল্ডা করছিল লালিতের।

অপর্পা বাইরের দিকেই চেয়ে ছিল।
টার্মিটা একটা ডবলডেকারের পিছু পিছু
আলেড আলেড বাছে। অপর্পাং মুখ না
খ্রিরেই বলল—ইউনিননের ঐ ছেলেটা
আমাদের এক জ্বাতির ছেলে। বখন সে
চাকরি চাইতে এসেছিল তখন বাবার পা
খ্রে প্রণম করেছিল। তা ছড়া আমার
বিশ্বাস সে সিগারেট খাওরার দরকার বলেই
সিগারেট খারনি, সে খেরেছিল ইচ্ছে করে,
খ্রাবাকে চটিয়ে দেওরার জনাই—

ললিত একটা উত্তেজনা বোধ করে বলে—
কিন্তু আমি কাগজে ভবি দেখেছি কুড়ি একুশ
বছরের বাচ্চা নিয়ো ছেলে জামেরিকার
প্রেসিডেন্টের সপো তাদের দাবীদাওরার
কথা বলছে—তার হাতে সিগারেট, সম্মনে
মদের প্লাশ—খব ইজি ভপাী—

অপর্ণা হাসল বলল—আমি ওসব জানি
না। আমি ছেলেবেলার আমাদের কারখানার
কর্মচারীদের কাকা কিংবা দাদা বলে
ডেকেছি, তারাও বাবাকে কখনো জাচীমশাই
কখনো অনা কোনো আজ্বীয়তার সম্পর্কে
ডেকেছে। আমাদের মধ্যে খ্ব একটা দ্বেছ
ছিল না। কিস্তু ঐ ছেলেটা বাবার সামানে
সিন্নারেট খেরে সেই দ্বাছ তৈরী করে দিল—

লালত ভিতরে উত্তেজিত হরেছিল, সেই উত্তেজনা তার গলার স্বরতে অজ্ঞান্তে তাঁর করে দিল। বলল—দ্রেছ ছিলই। হরতো কাইরে থেকে বোঝা ব্যাচ্ছল নাং। দ্টো প্রেণী, তাদের প্রস্পর বিরোধী স্বার্থ—কী করে তারা প্রস্পরের কাছের লোক হর?

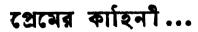
অপর্ণ' এ কথার উত্তর দিল না। অনেককল বাইরের দিকে চেরে রইল। তারপর বিষয় মুখখানা ফিরিরে বলল—হলে ভাল হত।

লালিভ হাসতে কাছিল। ঠিক সেই সমরে ভার পেটের ভিতর থেকে একটা 'ওরাক' উঠে আসহিল। সে তাড়াভাড়ি সিগারেট থরিরে থোঁরার মধ্যে নিজেকে ভূবিরে দেওরার চেন্টা করল।

অপর্ণা স্রা কৃতকে ভার দিকে জকার।
কর্ত স্থানর কেবার ভাকে। বলে—আপদার
কি কোনো কর্ত হচছে?

লালিত বলল—না, না। আপনি কৰা বলুন।

অপূর্ণা কলল-বাবাকে নিরেই আমার ভর। এখন বেশী উত্তেজনা তরি পক্ষে ভাল



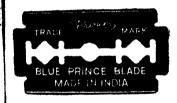


আর প্রিন্স ব্ল ব্লেড কাহিনীতে রোমাধ্য সধার করেছে



পরিষ্কার কামাতে ও পালক-স্পর্শ পেতে ব্যবহার কর_ন ক্লোরো কার্বন বার দেওয়া





মা। গতকলে বাত থেকে তাঁর কর্মচারীর शास्त्रात कावणात्रात्र औरक कांग्रेस्ट स्वरक्रान्छ । এখন পর্যাত্ত ভারি কোনো খবর আমর भाडेशि ।

ললিত জিলোস করল-কেন অভিক 201878 2

অপ্রণা মাধ্ ইন্সিম্ধে ক্রে—িংলি প্রার नव्यक्षेत्रक इतिह कार्यका।

मांगड दक्षे, ठमाक छ्ये-- न्यर्कारक। ভট অভবেকণ্টের ফিনে !

অপ্রা) মাথা নেড়ে বলল—বিশ্য ভারের বিশ্বছ নেই। বাবা ন**লাইজনকে ছ**টাই কলতে bie मा । और श केडिंगग्रास्ट्र रक्षांगा । याद सरक्या आहेरा क्याहारवक--क्ये हुन्। भीत्र-জন্যক্ষ বাবা ভাড়াতে চাইছেন : কিন্তু সর -স্থি ঐ প্ডিজনাক সর্ধনা থ্র মুখ্কিল। <u>अ.इ. २ व्यव्हेज्य-१क ५ विकेरस</u>ह দিয়েয়েল ডিনিং এখন আন্দেশন হলে एकाएकोको हत्य न्द्रेश्टेक हमस्यः। छाद यावा আন্তে আন্তে ভালের সামীর কাছ হার प्रतीकात कतरह शाकरका: सन्दर्शकास्तर ভারগায় আশীজন ভারপর সভ্রজন--এডাবে সংখ্যা কমাটে থাকবেন। খেম প্রাণ্ড প্রাচাল্ভানকেই আবোর কর্মনার ক্রেন ত্রাব্র জারপর বলকেন ডেমের্সর দাববিশভয় क्षाध्र जतहे एक। इम्रास विकास, रक्तम जे उनम প্রস্কারক বাদ লাভ ভাদের নিতে পরবো নাং ভূমন ইউনিখন চনধাৰে যে ভাই মাজিকের কছ থেকে। প্রস্তাস্থাই সাধ্য কৰে নিতে পোৰাছ—তাদেৱই ছয় হাসাছ --জাত প্রাইক চা**লিয়ে** সাওয়ার নালে ইয়া साम्मर्कातमारमः भारका_र कराः सा १५७६ আছে নতুন জন্মকাপড় কিন্তুত পরিছে না-কাছেই ভার: মিটমাট কার নেতে : কিন্তু কারা ঠিক হে প্রভিন্নকে ছাউট কর্মার টেটার-ছিলেন, ডাদেরই ছটিই করবেন, কমচারকৈ हमझे कामात्री वाबाउडे शताय गाः खारा ৰুত্ত্র স্বাংগ নবংইজনের ₩ ₹৬০৯ পাঁচজনের ছটিটে মেনে নেবে :

শালিত একটা, ছটফট করছিল ভিতরে ভিত্রে। বলল-এটা তো শহতে।

অপুণা হাসল--হাট **ভাৰণ শল,ভা**। আমানের মধ্যে অংশ একটাও অংক্টিটের ভাব নেই। কিন্তু আপন্যক ৩৫ কথা বল ्रताथ इह ठिक इतक मा।

লালিত মূখ ফিরিয়ে নিকা।

অপশা মৃদু গলায় বলল, তবা বলছি, কারণ আমার মন একদম ভাল নেই। বাবার হাই রাডপ্রেসার, ভার ওপর এইস্ব **छेट्खब्रमा। এथन यान जोड़ अक्छो किए, ाँट्स** ষার--আমি সেই কথাই ভাবছি--

ললিত চাপা গলায় বলল—ডখন আপান মালিক হৰেন।

खन्नवी भाग्छ जनाह रमग.—ठिक। ^करण्यू ভখন আমি আন মা কী ভবিণ এক৷ হয়ে কাৰে! তথ্য এ সৰ ক্যাচাৰীয়া চৰি অনিটের থেয়াও করে বাথে। ছদি এসাহ এসে হামলা করে। মা গো, সে কথা ভাবতেই ব্ৰের ভিতরটা দাকিরে বায়।

অপ্রাণ্ড আবার অন্যম্মক হার ফর একটা ক্ষাণ্ডর জনা। ভারপ্র খাব সংক্রেচ ক্রেডাক গলায় বলে—তাই বাবা প্রাণপূরে সমার निष्यत करा छन्छ। कतरकरा। दाबर ८३ एडा প্রচেন কোন পায় খ্রান্ডারেন আমার ধাবা : ইণডাইগ্রালিস্ট্র-বংশ প্রম্পরায় হাদের মালক হওয়ার অভিজ্ঞান্ত অনেছ-এমন পাত্র সে ছেলে চাৰৱহাঁন বা মাতাল হলেও কিছা যায় সাধ্য না বাবা ওস্ব বাছবিচার করবেন নাচ আরু মুডিন আন্সের আ্ধাই আন ব বিষয়ে ভেটা ঠিক হাছে মন্ত্র আছে। শনি ওরকম ফোলের সভেগ আহার বিহে হয় ভাগ্যক কোনেপিনই আছ কমচিত্রীর সংখ্য আন্নের শতাতা মিউরে না।

লজিত বলল আপনি কী চান 🗸

অপ্ৰা একটাও না ভেতে বল্ল আমি ५ डे आमएम्ड प्रांतिक चात्र अधिकरमञ्ज प्ररद्धाः अक्टे स्टब्ट कड़ कर्नुक। स्टब्स्ट्रिय प्रदेश বোকাপড়া জার ভালবাদ্য থাক।

ললিও প্রণেশ্য ভার বমির ভারটা अप्रेंदर द बाद १५ की कहाँ हम । एमई एउटा ह कार क्रांच कर अल्हा क्रम अपने. 5 '75 PT 37 ST 57 BM

অপশা ^{বি}জা**জেস করল**, আপনার কাঁ 2.72.16.2

জলিতের ইক্ষেত্রল অপ্রায়ে আন্মার कर होता । जेस्त जिल्ला **काल**-- क्री 727 এইকল একস্থাল স্থাস কারেও আমার শব্রটার সংখ্যা কোঝাপ্ডা বা ভালবাসা इंडीमा क रकरन आधारक कम्मे रम्बद्धार समा জ্ঞান্ত এর স্থাপান্ত আলাত স্বাহার হৈল

ीतरह एक कथा का बहुत अधिक दशक.... শ্রীবটা ভাল বেইন। কিল্ডু আং পনি কিছে, ভাবদেন না, ও ঠিক হরে বাবে। কিশ্ছ আপনি প্রমিক মালিকের এক স্বাথের কথা কী যেন বলভিলেন। **ভীবেন বেঝাপভা** আর ভালবাসার কথা।

অপ্রণা ল্যক্ত্র ম্যুখ মাধ্য নামিছে नमान—६): धानाह ४,७३ क्यो ४ (१५)मा আস্ত্রের ব্রাধ হয় জালানের সাগের কর্মচারী-रमर मधाना रकारनामित्र प्रिकेटर सात्र वि**न्छ** ওবের শহা ভাবতে কমার ভাল লাগে না। উচ্চে করে তদের সব নাবাদ্যভয় মিটিয়ে নিই। কিংত ভোৱে দেকেছি, শহুতে টা **এমন** এক জ মধাস প্রশীয়ে বেগ্রে যে, দাবী মিটিকে নিলেও তরা মালি হবে না∈িভৱরে ভিডা**র** গ্ৰাহার উঠাব-একন একজন প্রোক্ত ভারাপের গালিক হ'বে আছে ৷ কেন তাকে আনেয়া সম্মান করব ? কেন ডার সামনে **অমর্** সিংগরেট খাবে না? তবজন মান্ত এখন অত কিছাৰেট অনা একজন মনাৰেট অধীন হাতে চার না: কেননা মান্যে ভারই অধীন হাত পাৰে যাকে সে ভালবাসে :

ললিভ একটা ভাবার হায়েছিল অপশাস্থ करः गामः। এकवि वान्त्रपरानौ प्राप्तत क 📜 एम এतका करन कामाडे कहाँगा। हरू काहरू এসব কথা ইয়াত। ভাক বিমান লিখিয়াতে,

ट्यायाता

(एक एक एक एक निवास कर ।

শ্রীস্তান্দ্রনাথ মতেথাপাধারের লেখা বই প্ৰকাষ্ট্ৰাবল প্ৰস্তৃত্বভা ক[া] ் ஜர்ந்து நாகார প্ৰেকা এল নাজৰ ডিকান্ডেড ডেল্ড একের পর এক আন্তরণাল ছেটে গস্স সকলে হি.৪০ ছাজ Mile Wille

ল সিণ্ডকেট

্নৰ ভেতিকৈ স্থাটি কলকাতা 🥫

ित्र ४६४९)

नावम সংকলন

০ মহাল্যার ০ শাসদ প্রথমনাত ০ ০ পেপার-ব্যাক বাধাই ০ জাগেই বেরেছে

গালা : শাঁষোল্যু ম্থেম, অত্তীন ব্যালন, ব্যবন গ্রেন্ড), অভন্য সাধ্যয়েশত, বর্ণাঞ্জ সিঞ্চার, আশেকে কেনগাৰে, **জন**ন ভট্টাৰ, কুমার মিত্ত নগৌৱত চক্ততী, আলোক লিছে, কলান **১৯বড[া], দৈয়া মুদ্ধান** সিকা**ল, জ**ব্বী সদাংর

প্রথম মাজাবিকুমার রায়, রগাঁক ও বায়চোধ্রী । কাণ্ড এম ভাম মাণুমা, মনানিদ্র রাষ্ট্রক ধর, **তর্গ সান্যালা, শক্তি চটো**, অমিততে *সটো, শিহবন সটো, বাস্যাহর দেব*, কমিডাভ দাশ্লারের, পরি**র মামে, তর্প মামে, ত**র্ণ সেন, সভা গৃহ, মাকুল গ্রে, সন্ধ্বরেল প্রা স্নীল লক্ত, ফিরোজ ডোধ্রেই, রগজিত দেব, চুল্লন মঞ্মদ্রে

সম্পাদক : কল্যাপ চক্লৰতী । প্ৰাচ্চ : বিশ্বরঞ্জন দে **ম্বা: ২০০০ ।** সম্প্রকীয় রণ্ডর : ৩০ ধ্যাত্রা স্থাটি কলি-১৩



জীবনকে মধুরতর করে ক্যাডবেরিস্ !

Castury's

মূর্বী জীবনের প্রতীক এই চকোলেট বাড়ীর সবাই বেতে ভালবাসে! কারণ, স্বাধিষ্ট ও পৃষ্টিকারক এই লাভবেরিশ্ চকোলেট স্বাচ হব দিরে তৈরী।
প্রত্যেকেরই প্রিয় স্বাদের কল্প এই চকোলেট ছয়টি বিভিন্ন বক্তমে পাওৱা লাব।
প্রতিটি চিবেয়ালেট ক্রিমের ক্রিমের বিশ্বের স্থানের ক্রিমের বিশ্বর বিশ্বর

LPS-AIYARS CO NH

এ কৰা হরতো ওর নর। সে ব্দু গলার বলল—ব্যক্তিগত মালিকানার ওটই তো দোব। মালিকানা বদি রাজের হাতে বার— বে রাজী সকলের প্রাথে কাজ করে—তবে সেই রাজে এ বাংশার হবে না।

অপর্ণা হাসল—আপনি কি কমিউনিন্ট? লালিত উত্তর দিল না।

অপশ্য মৃদ্ গলার বলল-কমিউনিন্ট্ ফিনা এই প্রশন করলে অভবাল অনেকেই চুপ করে থাকে। কিন্তু আমি জানি আপনি কমিউনিন্ট।

र्जान्ड इत्सन्न को नात खासलस र

অপ্শা বলল -- অবশ্য আমার জুল হাতে পারে । তাব, মনে হার আমেরনিন আগে আপানার কাঁট, বিমানের কাডে আপানাদের কারকজনের কগা শামাত্যা।

ক্ষািত ক্ষািপ্রত্যের স্ত্রে ব্যব—ভাই মাঞ্চি

অবলগা মানু হাসেল—এক সময়ে ও আয়েত্ৰ প্ৰাংগ ভ্ৰম ও কলেভেই ছ'ল ৷ খাৰ ভাৰা হ'ল ছিল, কিনতু কলকা সংখ্য कथाराष्ट्री अभाग श्रीह सा । यदा छाक আনুমূল বুলে কাষ্ট্ৰ অমানুক সভাতে ক্লি ক্ষারিক্তেক্তিকে প্রথম প্রথম ভূপার্যার্ডা না **চুপড়াপ রা**স পোর । বর্গত নাড়ডাড্রা **করে** উঠো বেয়াছ্য বিশ্ব আলি ছপন আছা কেছে, ক্লক পৰিব, কন্যাতি পুৰাধ হয় আআয়েক ভাৰেশবী विस बार्च्या करण रात काएनड काएनड कथा **बन्दर म्यूड**्र कटल, किन्दू श्राप्तक **क्या गर। দ্বান ও মা**ণুক মাণুক কালিত নামে একজনেই ক্ষা স্লাভ ্লেই লাল হ'ছল কমিটানকী **इंडे**बिक्टबर १८४ - १ ४ ५:अवस्पुट डिविस হাংকোটে জাট হৈছে চালিক্ষানে আপনি নাম बन्द्रमध् एचाहरी जाहाद राज्ये स्वीमेटलय कथा মনে পড়েছিল, রাছাড় আপটিও জ্যা ওর **কলেন্ডের বংধ**ু কল্লেট মান হতেও আপনি रमंद्रे किंक्ड । 😂 ?

ভালিত একটা অপুন কিংবিত আন্দ বৈষ্য করক: আপ্ডাই ক্রুপ্র কোগার চকে গৈছে ভার পরিষ্য: এই মোরাইও মনে রেখেছে ভারে: ফালিলেব বড় জানাত ইচ্ছে করে অবরা কড় দ্বের। আবে কোথায় কোখার লোকে ভাকে মান ব্যোক্ষঃ

অপশা বাড় হেলিয়ে তাকে একটা দেখল।
তারপর রহসামর একটা তেসে বলল—
আপনার বধ্য এক সময়ে অপনার খ্য প্রভাবে পড়েছিল। প্রায়ই বালিগত মালিকান তুলে দিয়ে বাট্গত মালিকানার কথা বলত। আমাকে বলত—তোমাদের কারখানার সম কংপিটালা খেরটা ভাগা কার
প্রায়কদের মধ্যে বিলিয়ে পাও। নইকা একদিন প্রমিকদেব বাজে তোমাদের বিচার
হব্যে এইসব কথা। আমি তথ্য প্রোট মেরে, ওর কথা শ্লান কথনো হা করে চেটেই
থাক্তাম, কথনো হাস্তাম। কিংলু মনে মন্দি ওর সব কথাই আমার সতা বলে মনে হত— —কেন? ললিত হঠাং জিজেস করে।

অপর্ণা সমানা একট, রাঙা হয়ে কলে—
খ্র ছেলেবেলার ওর সপে। একবার আমারে
বিরের কথা হয়েছিল। ওরা আমাদের
জাতি, দেশে আমাদের বাড়ি ছিল ওদের
বাডির পাশে। এসব ক্ষেত্র অনেক সমরে
রেমন হয়—বাবা-মারেরা ছোটো ছোটো
ছেলেমেরেনের বিরে ঠিক করে রাখেন—
আবার বড় হলে ভূলে ব ন—অনেকটা
ডেমান। কাজেই ও যখন পড়াতে এল তখন
আমি জানতার বে এই লোকটাই একদিন
আমার হথাস্থাত্ব—

वरणहे हुल काह राज्य जनमा ।

कोवाङ हानि रहर्भ दक्षक-दक्ता।

অপগা একটা ঘোর লাগা চোকে চেরে থোক বলল—তাই ওর সব কথা আমি মনের মধ্যে গোথে নিতাম। কিছা ভূলতাম মা। দেখনে না, আপনার নাম আমি আঞ্চও মনে রেগোল।

- ठिक। बीमट घड़ माड्न।

অপণী মৃদ্হাসি হেসে বলল—
আপনাকে দেখে ও একেবরে কমিউনিদট্
হার গিরেছিল। অমার কাছে আমার বাবার
নিদেশ করত। বলত অমাদের রাজর মধ্যে
বিষ্ধেকে হাবে এই মালিক দ্বাধের। তাই
একদিন নাকি আমাদের মেরে ফেলা হবে।
—শানে আপনি বাধা করতেন নাই

অপূর্ণা মাথা নাড়ল—না। বরং ভর ইত খুব। ভারতাম ও বা বলুছে ঠিকই বলুছে। আমার ইচ্ছে হত বড়ি ছেড়ে, মা-বাবা ছেড়ে এর কাছে চলে হাই। ও বেন অমাকে বাঁচর। কিব্লু এর এই মনোভার বেখাদিন রকৈ না।

টালিগল রেলব্রীক পার হয়ে টান্তিওরালা মুখ ফেরাল—কোন দিকে ব্যবেন?

ললিত বলল—আর একটা ভাই, তারপর আনোরার শা রোড—

অপণার দিকে মুখ ফিরিয়ে বলল— ভারপর?

অপর্ণা বলল—ও তখন আর একজন বাধ্রে প্রভাবে পড়েছে। সেই বন্ধটি ছিল জমিদার—প্রবিষ্ঠলার কোথাকর যেন— পার্টিশানের পর সব ছেড়ে বিস্তে চলে এসেছে—তার নামটা কী যেন—

ললিত আগ্রহে বলল—রমেন? রমেন্দ্র-নারায়ণ চৌধারী?

— ঠিক। অপণা উজ্জ্বল মুদ্ধে বলল—
বামন। সেই বন্ধার সংক্র পরিচর হওয়ার
পর একদিন আমাকে এসে বলল—দেশ,
আমার এই বন্ধাটি বড় আন্তুত। কলকাতার
বর যে সব প্রজ্ঞা-উলা আছে তারা এখনো
বাক খুব সম্মান করে বর বাসার বার, ওর
খোল খবর নের ঠিক কেন আন্থারের
মতো। রাস্তার খাট দেখা হলে প্রণাম বা

कार्यान्य करण वर्ष

শ্রেষ্ঠ কবিতা গ্রুথমালা

ভারবি-র অনন্করণীর শৈলীতে চি শ টি শ শেড রবীন্দ্র-সমকাল থেকে সাম্প্রতিক চি শ জ ন শ্রেণ্ট কবি র

কাৰসোধনার শোভনস্পর সংকলন
প্রকাশ-বন্টনের স্বিধাপে উল্লেখিত
চিপটি খন্ড তিন পর্বায়ে প্রকাশিত হবে।
প্রতি পর্যায়ে সম্ভাবে নবীন-প্রবীপ
কবির সমাহার। প্রথম পর্যায়ে রয়েছেঃ
ভবিনানস্প দাশের

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৭·০০ বৃদ্ধদেৰ বস্থার

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৮০০০ মোহিতলাল মজ্জেদারের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা **৭**.০০

প্রেমেন্দ্র মিতের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৭.০০

অঞ্চিত দত্তের

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬·০০ সুভাষ মধোপাধ্যয়ের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬.০০

নীরেন্দ্রনাথ চক্রবতীর শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬০০০

वीरतम् हरहे।भाषात्यव

শ্ৰেষ্ঠ কবিতা ৬·০০ শৃংখ ঘোষের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০ স্নীল গলোপাধায়ের শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০

এই দলটি খণ্ডের মালা, এককালীন অথবা নিন্দার্প তিনটি কিসিত্তে অগ্নিম পরিলোধের লাতা-সংপেক, ৬৫-০০ টাকার স্থানে মাত ১৫-০০ টাকার স্থানে মাত ১৫-০০ টাকার স্থানে মাত ১৫-০০ টাকার নির্দান্ত করেছ হবর মধ্যে ১৫-০০, ১০ নভেন্দরের মধ্যে ১৫-০০, ১০ ভিলোধেরের মধ্যে ১৫-০০। ভাকে বই নিলে মোট ম্লা ৫১-০০ টাকার ভিনাটি কিস্তিত অথবা এককালীন টাকা প্রান্তিনটি কিস্তিত অথবা এককালীন টাকা প্রান্তাল সম্পান্ত অব্বান করে করেছ করিছা করেছ বান্তাল ভাকের তার করেছ করেছা করেছা করেছা করিছাল করেছা করিছা করিছাল ভানের ভারির সক্ষয় করিছারের করিছালকেছ লালা বহুটি দেওছা হবে।

अविव

১০/১ विष्यक ठाउँ:का श्रिक्टे क्लाकाका **১**२

মন্ত্ৰণাক করে জীয়ে বাসে সাঁট ছে ড দের।

জাৰত করা শ্রেছান্ত্রণান প্রজাবের শোকা
করে জাসছে। জাম জিল্লেন করতাম—
ভাতে কী ছল ? ও উত্তরে বলত—হর ওর
প্রজাগালো নীবাকালা ওণের সম্মান করতে
করতে নিজেদের একেবারে দাস বানিরে
কেলেছে, নরতে। ওর সাভাই ওকে
ভালবারেন। ভারতার রমেন এসে বললা না,
ওর প্রজারা ওর সংগা আন্তরিক বাবহার
করে। ওটা ঠিক ম্যানাসাঁ নর। মোটর
আ্যাকাসভেন্ট করে ও ব্রুকের একটা হাড়
ভেঙেছে, সেই শ্রেন ওর এক প্রজা মা
কালীর কাছে কালো পাটা মানত করেছে।

কোন স্বাধে সেটা সে করবে? এখন তো আর প্রর জয়িদরী নেই বে সেই প্রজার একট্ স্বৈধে করে দেবে! প্ররা সাত ই ভালবাসে প্রকা আমি কিছুতেই বুখতে পাছছি না কী করে দ্টো প্রেণী তাদের প্রাথ ভূপে—এবং সমাজ বিশ্বাব ছুড়াই একে অন্যাকে ভালবাসঙো!

্লালত সামান। গণ্ডীরমূথে বলল- ৫টা হয় ড একটা এলুসেপখন। হয়তো রমেনরা বেশী চালাক ছিল, প্রজাদের প্রিয় হয়ে তালের আরো বেশী এক্সন্তর্গে করার চেন্টা করোচল।

অপূৰ্ণ মাথা নেড়ে বল্ল—সে ধাই ছোক।

র কিন্ত আপনার প্রভাব কার্টিমে উর্জন। त्वाचा का-वार्षित है आहेगा का मा थात न सवा की विकश्चात व्यक्तिक सत्त मारका त्थानी अतक व्यसारक লাকে বাঁদ ভার: পর্কণার প্রস্পারের স্বায়া करत जीकाय-चार सीम **कालर**्भ अन्यामा পায়-তাহলে জামদার আর ভার 7100 চয়ংকার কমিউন গড়ে ভুলতে পারে। আমি ভ্ৰম এর কাছ থেকেই কথা নলতে শিংখাছ. वक्षमाध-धात नात्पहेत श्रीक्षकामात की इत्ता क होति केला वसमा मात्र वन्ये हरू जक्छे বন্ধা কর কৈ কর্মনা ভালবাসতে পারে। খানার ভাতকাপত্তির তৈতিও মানাবের ভাক-ব সং বেশা হয়ে। ব্যেন আর ভার প্রভাবের शहरा मुख्यक' हन्द्र व्यक्ति व्यवस्क द्वार हनाँछ। क्रथानः सह अकारत्य (क्रेडे (क्रेडे (क्राउ) ক্ষানেক না বলো মেকের বিয়ের সংবংশ নিক িকন্তার সমতে চাত্রলস্ক कात नाः क्रीप्र बर्ग्याटक ह्यांश-वाकाकेटक वाप्रसम्बद्ध कराष्ट्र তারপর উকিল ডাক্সর বা জাসগ্রা একটিন অসাবে ক্যায়ট্টন বা বুবুকর ভিরেইর—সংখ্যে কৈ প্রতিক সা প্রভালে খ্যি ইবরণ ভাষ্ট্রের প্রায়েক প্রক্রিক ক্রেক <u>ব্ৰহ্মেক সম্ভোগ বিশ্ব বালাইয়ে কিংবা কেবল</u> হয় কার্যাপ হর্মেই সার কর্মে ছতুটা স্থান্য জ্বাড়িয়ে যাত্র এমন কেউ একপন প প্রতার র কোনো ব্যানের ও কি ভাগতেলে কাছে তাওঁ r proje

শত্র জলিত আদি চল না আগতে বাবে বজালা বিশ্ব জহাতি ভিত্ত বজাত ত্রিকা ঘোষ প্রতিত্ত জলাক বিশ্ব কালা বিশ

কাপপা একটা গাণ্ডীর হতে বলকা—সেই
কানাই আমি এমন একটা প্রাণ্ড ছিলাম
সতে আমি আর আমের সমাদ্রবীর সেই
রামনের মতেও একে অনোর প্রয়োজন করে
উঠি। আমি জোর করে মালিক ওবেং মা
কিন্তু ওরা আমাকে ওবের প্রত্যোজনে কলাবদে মালিক করে রাখ্যে—আমি ওবের সে রকম স্বার্থ হলে উঠিতে পারি কিনা— এ রকম একটা বাংগাটে ইচ্ছে আমার মাকে
মাকে হর!

ললিত হাসতে থাকে। শ্রু থেকে বানর ভাষটা সরে যালে এখন। সে বলে—আসন র শ্রু মালিক থাকার ইচ্ছে।

অপর্যা, জ্বান : হ'সে—না ; আমার কেবল ঐটা পরীক্ষা করার ইক্ছে যে দুটো স্রোণীকে



कूरन ना निरम अरक चरनात न्यार्थ एखा वृत्त किसा: चानरम चानात व्यव के बरमानक वर्ष्ण अक्कम १८७ १८१६ करता। चान्यरम नीनरकत यून करण शहा। निरमारमध्ये कृरन चारक रूप। ग्रेमिको यौरत बीरत चारमानात था स्माप्त च्रत्त ग्रुटक बरमा

লালিত ৰাজে ৰাজে বলল—্ভটা বোধ হয় আপনার স্বলিতা। আপনি চাইছেন রালিকানা চলে কেলেও যেন আর এক ধরনের রালিকানা এসে বার হাতে। একটা শেব সম্মান রেকে দিতে চান—ভাট না ?

অপশা একট্ উদ্ভালেতর মতো চেরে থেকে কলে রমেনও কি তাই চেরেছিল?

ললিভ ষাড় নাড়ে—বোধ হয় রমেনের বাগারটাও তাই। ওর মধ্যে বংগান্ত্রিক একটা ক্ষিদারীর ভাব থেকে গেছে। ওটা হেরিভিটার, এড়ানো বার না। ভাঁমগারী কিবো মালিকানা চলে গেলে মান্য তখন নেতা হবার চেণ্টা করে। ভারতবর্ধের অনেক নেতাই এপেছেন অভিজাত সমাজ খেকে। মান্য তাদের তাগের মহিমা কীতান করেছে। কিক্ত কখনো ভোব দেখেনি ভারা সেই বংশান্ত্রিক আভিজাতার কাছেই নতুন রকমে মাখা বিকিয়ে দিল।

অপশ্য অবাক হরে বলে—তা কেন? বে ভাল ভাকে ভালবাসতে দোষ কী?

জালত অধৈবের ভগানীতে মাথা নাড়ে—
তা হবে না। এমন সমাজ হয়তো তৈরী
হবে ৰখন মান্ত মালিক বা ভামিদারের এই
ভালবাদাকে ঠিক বিশ্বাস করবে না। ভাদের
কাছ থেকে একট্ও সম্মান পাবেন না
ভাগনি। তখন বে কেউ সিগারেট খাবে
আপনার সামনে, ইচ্ছে হলে সেই ছোক্যা
আপনার কাছে—

বলেই থেমে গেল ললিত। সে বলতে বাজিল আপনার কাচে প্রেম নিবেশন করবে নিভারে।' কিন্তু সে কথাটা বড় নিচ্ছার। বলার নয়।

অপপার মুখ এখন নানা রতে রঙান।
মাধ্যের রেখা কেমন পালেট যাকে: হঠাং সে
মাধ্যাবাদে বলল—আমি সব ছোড় দিতেই
ছো চাই। আমার এসব একটা ভাল লাগে
না। এই কারখানা, শ্রীইক, কমচিরীদের
সপো শ্রাভা—এসব মনে হলেই আমার বাক
কাপে। ইচ্ছে করে চলে যাই কোথাও।

ৰালিত শাশত গলায় জিজেস করে— কোধার বাবেন ?

অপশা আন্তে করে কলে—সেই ছেলে-বেলার বেমন ওর কথার ভর পেয়ে ইছে হত ওর সপো বাড়ি ছেড়ে চলে যাই, ঠিক ভেমনিই একটা ইছে হর আমার। ও আমাকে এই সব গোলমাল থেকে টেনে নিয়ে যাক। কিন্তু ও কেন পাগল হরে যাছে—ও কেন—বলতে ককডে ঠেটি কেপে গেল অপশার।

অন্যের স্বার্থ হওরা । বাধিত মনে ললিত চুপ করে থাকে। সে ত্যামার এখন ঐ নিজে বে কথাগুলো কলেছে সেলুলো হতে ইচ্ছে করে। অতাশ্চ নিন্দুরে। না বললেও হতঃ

কিম্পু এ কথাটা সে কিছুতেই মনে মনে সহা করতে পারছিল সা বে এই মেরেটার মমেনের মতো হতে ইচ্ছে করে। কেন, রমেনের মতো কেন? এ মেরেটা তো রমেনের চলেও বা।

হঠাং খ্ৰে হানের মতো একটা ভাজ করল ললিত—বার জন্য পরে সে অন্তাপ করেছিল। সে হঠাং অপশাকে বলল—রমেন তার প্রজাদের কাছে হয়তো দেবতা ছিল। কিন্তু নিজের স্থার কাছে? আপান কি জানেন বে এর বউ পালিরেছিল বলে ও হঠাং সম্মানী হরে গেছে।

ভীবণ অবাৰু হল অপৰা, বলল— নিশ্চরই বজে মেরে! নইলে ও রক্ম লোকের কাছ থেকে পালার!

ট্যান্সিটা এসে গাঁড়াল সেই বৃট্টগাছটার তলার বার চারনিকে বাঁথানো বেলী—বেখানে বিমান কাল ছেলেদের পালার পড়েছিল। ট্যান্তি এই পর্যস্ত আমে. এরপর হে'টে বেতে হর। লালাত ভাড়া দেওরার জন্য পকেটে হাত দিরেছিল, অপর্পা ভাষণ রাজ্য হরে বলল,—না, না, চ্যান্ত্রিটা আমিই ডেকে-ছিলাম...ধ্ব সক্জা আর সংকোচের সংকা বাধা দিরে অপরাধার মতো নিক্তেই ভাড়াটা দিয়েছিল।

কর্ণা! ললিভ মনে মনে হাসলং

বিমান শারে ছিল। ললিতকে দেখে উঠে বসবার চেন্টা করে বলল চিঠিটা দিরেছো।

ললিত দরজার দাঁড়িরে, পিছনে অপর্ণা। হেসে বলল—দিরেছি। আর উত্তরটাও নিরে এসেছি।

—কই ? বলে হাত বাড়াল বিমান।

ললিত সরে গেল, তারশর জোরে হেনে উঠল।

কিন্তু ললিত ব্যক্তে পারকা হানিটা ওদের প্রশাধ করেনি। ধীর পারে অপলী ঘরে এসে দড়িতেই বিমানের সপো অপলীর চোধ পরশ্বর গোঁধে গোল। নিশ্পক হরে রইল দ্ভেনে। কিন্তু সেই নিথরতার মধেও ভাদের মুখে বেন করেকটা রুড় কর্মণ রেখা কোমলভার বোকে গোল। ইপ্লিভমর ভাববাহী হরে গোল ধরের বাডাস। ললিত ব্রজা ওরা কথা না কলে, চেন্টাহীনভাবে পরশ্বরকে গভীর ভালবাসা জানাতে পারে।

হ'ট হল ললিতের । বিমানটা পাগল।
আর এ একজন কারখানা-মালিকের মেরে।
কিন্তু মনে হয়, ওয়া প্রকানই ভিখির--অকিন্ডন। ওপের প্রকানের ওরা প্রকান ছাড়া
আর কিছু নেই। প্রেটাই পাগল।

তার ইচ্ছে হল অপণালে তেকে বলে-যাঁদ কোনোদন ভাবিব্যতের সমাজ মালিক পক্ষকে অবলুম্ভ করতে চায়, সেদিন আপনাকৈ কথা কথা হবে, কেন্দ্রা জ্বাপনি এই পাগলকে ভালকোজনেন।

লালিত স্কোৰে ঐ আক্ষার হারেই ব্যাররে এল। বাইছে থেকে প্রকানী সাক্ষাল টেনে ভৌজরে দিল।

00.0

B-00

্ৰণ প্ৰকলিভ— বলিও ও জনপ্ৰিয় নাইক

পার্থপ্রতিম চৌধুরীর

मनमत्भ धाजुत्भ

শক্তিপদ রাজগুরুর

প্রজাপতি

কিরণ নৈত্রের

কে চে গণ্ডুৰ

(ক্ষীবন্ধিভ) ২.৫০ বীরা মাখোগাধ্যারের

अपन वापन

0.00

कलात्वत मकून फालिका द्रान्त

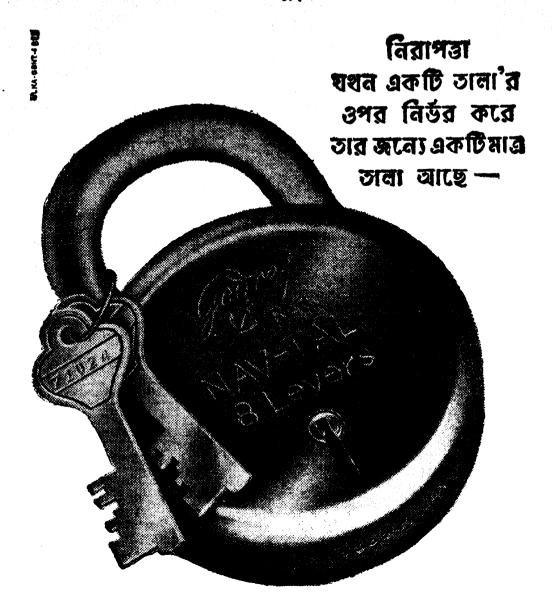
সিচি ব্ক ওজেন্সী ৫৫, সীতারায় বেবে শ্রীট, কলিকাডা—১

এস সেন, জে পি
ম্যারিজ রেজিপেট্রদন জড়িসার
১৮বি শামাচরণ দে স্টাট, বলি-১২
বলেজ স্টাট, মহাজা গালী রোভ জমেন

রোজাণ্ট্র বিবাহ অফিস

रमात: 34-6896 Resi 34-4045





আরু, কার্যানা আর ওদাবে ব্যবহার হয়—কেন না এটি নির্ভরযোগা। ভূদ্ম এর কারিগরী, প্রতিটি ভালা'র এটি দারুণ মন্তবৃত। ভানো আলাদা আলাদা রক্ষের চাবী তৈরি হয়, ভাছাড়া নব-তাল নিরাণভার সরস্বাম তৈরি করতে এমন ভাবে ডিজাইন করা--খাতে, খুলে বা ভেগে চুৱি করা

পা বায়, তহি নব-তাল মেয় পদ্ভেৱে বেশী নিরাপতা। শেতল আর ইম্পাতের ডবল খাল বাকে ব'লে এটি তৈরি করছেন লোগরেজ-যাদের আছে ৭- বছরেরও বেশী **অভিন্তভা** ৷

নব-তাল

জিন সাইজে পাবেন : ৫০ মিলিমিটার (৬ লিডার) ৬৭ মিঃ মিঃ (৭ লিভার) **५० वि: वि: (५ विश्वार)**

प्रिकेश (गामद्राक्त धर्दै भवनवत्र क्यांक्षत्र खाक व्यक्ति

শিশ্র নিরাপত্তা

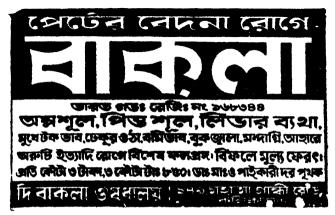
भा बनन्छास्तिकवा करनन, रहाछेरनत मि स्रोक्सवाद्या निवद्शास्य १७वा वाक्सीतः। ভাষাতা শিশ্বদের মনে নিরাপতার অভাব বোধ আগতে দেওয়া কোনোক্তমেই উচিত মত। নিরাপ্রায় অভাবের স্টো দিক আছে আৰিক তো বটেই, মানসিক নিৱা-প্রার গ্রেছও কম নর। ভত্তার গ্রেছ সন্বদেধ সন্দেহের কোনো অবকাশ মেই। কারণ সাজ্যি তো, লিশ্ম বণি আথিক অভাব অন্টনের মধ্যে মান্ত হয় তাহলে ভার স্বাভাবিক মানসিক বিকাশে ব্যাঘাত হাটবে। শিশু যদি অনবরত তার চোখের সামনে অবাস্থনীয় বা অগ্রিয় বটনা ঘটতে দেখে ভাতে মানসিক প্রতিক্রিয়া ভাল না চওরাই স্বান্তাবিক। আজকাল আংনিক শিক্ষার কল্যাপে আমরা এই সাইকোলজী নিয়ে কথার কথার বড় বেশী মাখা খামাই। অনেক সময় এইসব ভের' নিরে বে খ্র বাভাবাভি বা বেশী মাখা ঘামানোও না হয় তা নর। অভাবের দিক দিরে নিরাপ্তার कथारे यदा याक। दबरमध्यदारमद शहराजन মত খেতে পরতে দেবার সামধ্য মোটামটি আমাদের সকলের আছে। এই প্ররোজন-মত' কথাটার মধ্যে কিণ্ড অনেক মারপাতি আছে। একটা ভিখিরীর ছেলের প্রযোজন দ'কেলা দুমাঠো ভাত। তার পকে ওটাই गर्थको। भताम अवने किन्द्र शाकालहे इन! কিন্ত আমাদের ছেলেমেরেরা তে: আর ভিখিনীর খরে জন্মায়নি! কাঞ্চেই তাদের "প্রারাজন"-এর মাত্রার কোথার শাব্য জার কোপায় লেৰ তা আম্বরা নিজেরাই গ্রিচরে रफोन। ७१७ छान स्थाय महरू करत भारा ভালিকায় আইসরু ম **हरकारमधे प्राथम, होक, खार**भग, 25 2 27 কোনাটাই অপ্রাঞ্জনীয় संद তালিকাভর যে কোনো একটি বস্তুত্ অভাবই শিশ্যুর মনে নিরাপতার অভাব ঘটিয়ে ভার ভবিষাৎ জীবন ছারথার করে দিতে পারে, এই আশংকা কতদ্র ব্রি-সংগত, তা বিচার করে দেখা উচিত। পরিধানের বস্তুর তালিকা নিঃসালেতে খালা তালিকাকে দৈৰ্ঘে অনেক পিছনে ফেলে ষাবে। সাধারণ স্তৌ বন্দ্র থেকে শ্বে करत्र रहेतिहास, रहेतिकहेन, सकता श्रीभा, नकन हुन, भत्रहुन। हेछ्यामि वह विध উপকরণ পড়ে। এর কোনটির অভাব বিশ্বর **ঘটাতে** मुक्त्र বলা শ**ভ**। বেসব পিতামাতার ^{ক. ক} হেলেমেরেদের এ জাতীর সর্ব "অভাব" মিটিরে পরিপূর্ণ মানসিক নিরাপতা বজায় **রাখা সম্ভব ভা**র নিশ্চয়ই ভাগাবান। ভারা মনে করেন তাঁপের পারিবারিক আর বা



গৈতক আর বা ভাতে ভানের ছেলেমেরে-দের ভবিবাং জীবনে চিল্ভার কিছা নেই। সভেরাং আকালের চাঁলের বারনা মিটিরে क्षीया क्षातासाय कानर' भावाभ कराम मा বলেই তাঁদের বিশ্বাস। ভাছাভা তাঁদের ব্যান্ত হল, সারা প্রাথবীতে বখন জীবন-বালার মান উচ করার চেন্টা চলছে, সেই ক্ষেরে থারোকা ছেলেমেরের বেলার এত কভাকতি করার কি দরকার? কিন্তু প্রথমটা পু.ধু. অর্থের সক্ষলতার মধ্যে সীমাবন্ধ থাকলে সভিটে চিন্ডার কিছু থাকতো মা। ছেলেবেলা থেকে না চাইডেই সব কিছ পাৰাৰ যে অভ্যাসটা হা বাবা তৈৱী কৰে দেন ভার ফলে ছেলেমেরে কথনো না পাওরার দঃখ ব্রুতে লেখে না। জীবনটা শুধুই যে 'পাওয়া' নর দা পাও**য়া'ও** এর একটা অক্সিক্ষেয় অপা, ডা ভাবের ব্রুডে দেওরা হর না। আসলে তারা কোনোদিন

নিত্তে' 03 DO रमास गा। ভবিষাং জীবনে তারা অনেক অপ্রত্যাশিত আছাত খার। চোখের সমেনে বাঞ্চিত চাকরীটা বখন যোগ্যতর ব্যক্তি অর্জন করে তথন আশাভপাকনিত আঘাতে সে মাটিতে লাটিরে পড়ে। এইভাবে জীবনটার ওপর ভার বিভক্ত ধরে ধীরে ধীরে। কিল্ড এই অৰম্ভার জন্য সম্পূর্ণ দায়ী মা বাবা। ছেলেবেলার মাধে মাঝে আইসজীমের অভাবৰানিত শোক পেয়ে যদি তার মনটা তৈরী খাকত, বড হরে, বা চাওয়া বার সব পাওয়া বাম না-এটাকে সে জীবনের **স্বাভাবিক ধর্ম বলেই মনে ক**রত। আমাদের দেশে আধিক সক্ষণতাবিশিশ্ট পরিবারের সংখ্যা অভানত কম। কিন্ত অনেকের মনেই এই ভত্তগত আশব্দা বন্ধমূল। ছেলে-মেরের মনে কেন কোনোমতে নিরাপতার অভাব না জাগে! এই কারণে তীরা ছেলে-মেরের ফাছে লব কিছু লাকিরে চলতে চান। আইসজীয় আর পাাদ্রীর জোগান দিতে, গ্রীন্দের ছাটিতে পাহাড়ে বেডাতে ৰাবার শরচ জোগাতে, আর ছেলেমেরের নিত্য নতুম 'ড্রেস' আর প্রার্ট'র বারনা**রা** মেটাতে ব্যাক্ত ব্যালাস তো শুনা হয়ই







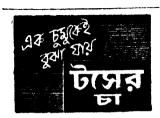


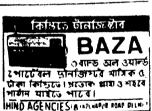
- বেট্টাকে। বাছাই কর। উচ্চমানের গো-ত্রপ্প থেকে শ্বের জাতীর
 পদার্থ বাদ দিয়ে বিশেষ প্রক্রিরায় এমন ভাবে ভৈরী বাহা
 শিশু সহজেই হজম করভে পারে।
- ইহা পুটিহীনতা, আদ্রিক গোলখোগ ও এলার্জি প্রাভৃতি বিশেষ বিশেষ ক্ষেত্রে ব্যবহার।
- বেট্রাকো অস্তি এবং সন্তানসভব। যেরেদের একটা বিশেষ অরোজনীয় বাছ।
- উচ্চমানের প্রোচীন ও ভিটামিমে ভরপুর বেট্রাকো

 আবালনুদ্রনিভার একটা মতি পুরিকর বাছ :

(तक्रम क्रिक्टिश कर्ट्यादार्थम । ७.८, बविन महकाद (मन. क्रिकाका-७

क्षेत्रकृष्ट बाकारव अक्षेत्र बाब रहमा दरह भएछ। किन्तु रक्टमरम्बद्धारक क्षीता कथटमा कमत कामार्ड लम्म मा। कारमत कारक मा वावात প্ৰকৃত আধিক আৰুৰাটা অক্সাতই পেকে बाहर करम, बा नामात्र महत्र हवालाहार कार्याच्या है स्वार्थ मा। जाना कामाकर्त्वा क काल क्यांक्ष कार हारत खाउँ, क्ट्रेस्ट विश्वकत जान जानिसकोरे बाबरेफ स्मार्थ। कोरहार অভাব অভিযোগ বাখা বেশনা এবং সহাত্ ভাতর দিকটা ভাদের করেছ চালেক্সত 7814 বার ৷ THE WAY TO বাৰা মাৰ আধিক সংগতি ব্ৰুতে পানলে काम्मात्र करत मा नरमध WATER OF আয়ার বিশ্বসে। অশ্ভত তাদের সেইভাবে निका मिटन ভাল পাওরা বার। ভেলেমেরেকে সুখ সংখ্যে সমান ভাগাঁ ছতে শিক্ষা দিতে হবে। তবে ভার ভবিষাং **জীবন সংখ্যে হবে। অয়থা লাকেচারর** ভাষ্ সৰ ব্যাপাৰে একটা ফিসফাস আর লোপনীয়ভা রক্ষা করার মনোভাব মোটেই ৰাজনীর নর। ছেলেমেরের স্মান্ত অনেক भा बारा कथा कड़ेकाड़ करतन मा। १६८७-মেরের মনে ভাতে বিরূপ প্রতিক্রিয়া হতে পারে বলৈ ভাঁনেত আশক্ষা। এটা বোধহার ক্ষবিদে কথা কাটকোটি মনোমালিনা চেচা হচেটা পারেচা স্বতিক্ষর শুলি এটা সম্ভৱ ভাবে শুধা মা বারাল্ল হবলায়েত্রই নাম কেনা ৮ কথা কাটাকাটির পর क्षा वायात्क यभग ম্বাভাবিকভাবে ক্ষায়াডাং বলাডে, সৰ কিছু করতে দেখাৰ অধন ছেলেমেয়ে ব্রুখনে এটাও জীবনের ্ছেলেয়েয়েকে সব কিছা সংভাবিক-ভাবে গুরুণ করতে মানিয়ে নিচে শেখানো উচিত। জাবিদের শাধ্য আলোর দিকটা ভাদের দেখাঙে দিলে জীবন সংগ্রে একটা প্রালন্ত ধারণার স্থান্ত করা হাবে ভাদের মান। লয়স্যা আস্থাক, বাধ্যবিষ্যা আস্থাক, প্রগালেরে ध्याकाविला कडाउँ इत्र किछाउँ टा रमधावाद





লানিষ্ঠ আ বাবার। সমস্যাকে তাঞ্জা করলে থেকেমেরের জীনে পার্শন ভাত করবে না, কোনোসিমই তানের মনে হাথা-বিশ্বাস জাগরে না। অপ্থা প্রগা, মন নিরে জীবন মুখের তারা সহতেই পর্যাক্ত ধরে। মা বাবার দারিষ্ঠ থেকেমেরেক শেখালো, জীবনতা লোলাপের বিছানা নর, এতে কটিার খেচিত আছে, তার জানা প্রশত্ত গাকতে হবে। আগ্রানে পা্ডুলো

हे. किशीक

- ১: সালা কাপড় ফ্যাকাশে বা লালচে হরে গেলে সাবান জলে ১২ ঘণ্টার মত তিজিয়ে রাখবেন। সাবান জলে টাপেণ্টাইন মিলিয়ে নিতে হবে, অন্-পান ১ গ্যালন জলে ১ কাপ টাপেণ্টাইন।
- ২। জেসা কিংবা দেউা-এর পরদা কৈচে ধরে ফেলার সমর জলে এক চানচ মেথিলেটেড সিপরিট মিলিরে নিন। কাচার পর দেখকেন পরদার নেতিরে পড়া ভাব থাকবে না, বেশ কড়। মনে হবে।
- ৩। ইন্দ্র করা কাপড়টোপড়ে অনেক সময় জরগার জারগায় ইন্দ্রির চকচকে দাগ টোখে লাগে। এই সব জারগার ওপর খানিকটা খবরের কাগজারেছে ওার ওপর গ্রম গ্রম ইন্দ্রি খারিয়ে খিবিসে নিম। চকচকে দাগ তক্ষামি মিলিয়ে যবে।
- এ। পিতলের জিনিল মেটাল পালিপা দিয়ে পরিকার করার পর কাপড় ঘয়ে পালিল ভোলার সময় সেই কাপড়ে কয়েক ফেটিা কেরোসিন ফিলিয়ে নিন। পিতলের ওপর আও্রের সাল পাড়ার না ভাছাড়া জিনিস্টার বেশালিন করুষাক থাকবে।
- ৫) টালি বসামের বা আনজেটকা করা মেলে ধোবার সমর কলে এক ৪০০৮ কেরেইমন মিলিকে নিকে বদংক্রন মেলে বেশ কক্ষককে দেখাকে:
- ৬। রাল্লাঘর এবং ভাড়ার ঘরের দরজার ফারে ফারের তাকের খারে আর আনাচে কানাচে টাপেণ্টাইন ছিটিয়ে দিলে বা ক্ষেত্র' করলে পোকামাকড় এবং আরলোলার উপপ্রব ক্ষরে।
- মাবেলি বলানো মেজেতে লোহার মরচের দাল ধরলো পার্নিতলেবা কেটে ঘরলে সাধারণত সেই দাগ উঠে যার।
- ৮। পিট্রের কলম, কালির আয়সিতে করে যায়। কালির পোরাতে বা শিশিতে ক্রেক ট্রেরো লোহার পেরেক কেলে রুবলে, কলম রক্ষা পরে।

গ্রীমতী

অমৱ সাহিত্যের নুতন বই

हे भगाम

भरकण्यकृषात्र विद्याद

त्रभणीत सन ए॥

क्षव १ र र व

একাঘ্মী ৪॥

প্ৰশাস্ত চৌধ্যুৱীর

(शाधृति तन्नीब द

कान्द्रकाच म्द्रचान्यम्बद्धम

বাজীকর ৮১

নীহাররঞ্জন গ্রেণ্ডর

त्रावि विभीए १

[রহস্য-উপন্যাস]

मूर्ये जभगा ५०,

প্ৰথম

মহাত্মা গাম্ধীর সতন্ত্রহ **সম্পর্কিত** সমগ্র রচনা সংক্**লন**

সত্যাগ্ৰহ ৭॥

584

স্বোধকুমার চলবতীয়

কুটিল

क्यायून ७,

অমর সাহিত্য প্রকাশন ৭, টেমার লেন, কলিঃ-১ ত বছৰুৰা একই টিউৰ বিভিন্ন আাপকোলাইট বেস পেউস্-এ উপবোগী । মনেরমত ফিনিশ—নিমেরে ভৈত্নি : আর্বার মত চক্চকে মধমলের মত মস্ব-বাজা,হ্যামার, মেটালিক এইনকম ৫ ফিনিশ।

এই সব জ্বাপকোলাইট বেস পেউস্ খেকে বেছে
 রির:-সিরথেটিক এরামেল, আাক্রিলিক ইমালসন,
 ডেকোপ্লাস্ট ওব্লাল ফিবিশ, সিরথেটিক মাট, হ্যামার

ও মেটালিক এবং আঞ্জিলিক ওয়াশেবল্ ডিসটেম্পার ত সংজ সংক বঙ্ক মেলাবার করু মাাকিকটাস

आहिक्छाए

সঙ্গে সঙ্গে রও মেলাবার জন্য

স্ব রঙ কবার কাজে এশিয়ান পেন্টস্

for use with SUCCESS COMES WHICH

এশিয়ান প্রেনটস

LPE-AIYARE A. 192A BM

শহর-জগতে সম্পত্তির পরিমাণ স্থামিত রাখার তোভজোভ

बरबार क्यार्टिनीक्टक वायत्रकात कारवक्ती 9 ৰবেশেশৰ পরিবর্তন আসল বলে মান হতে। জানা শে,ছ পরিকল্পনা কমিখন লচয় অন্যলের সম্পত্তির সর্বোচ্চ পরিয়ান লাচ লক্ষ টাকার সীমিত বাধর স্পাবিদ ক্রান্তন। ১৯৬৪ সালে নিখিল ভারত कर्शका कौशीं श्रे की वी विश्व विश्व की विश्व की विश्व की সালস বিভয়া ভাষাৰাৰ উপাত তি সাবে শতৰ অন্তাত সম্পত্তির পরিমাণের উপর সীমা আবোপ ক্ষার প্রয়েজনীয়তার কথা উল্লেখ कार अकीरे अण्ड व शहन कार्राशानन। বিভাতে পাঁচ বছর ধরে এট প্রস্তাবটি বাস্ত্ৰে প্ৰশাষিত হয়ন। কংগ্ৰেসের অধি-বেশনে গ্ৰীভ প্ৰস্তাৰ চিন্নকাল প্ৰস্তাৰ তিলসৰেই আকৰে, ৰাশ্তৰ ৰূপে পাৰে না, এই ভরসায় বারা নিশ্চিক্ত হনে দিনভিপাত ক্রভারন, ভারা আরু সচ্বিত হারছেন। मिश्रफी हेन्द्रिया अन्धी एवं महम वर्धार्मिटक নীতি অনাস্ত্ৰ করার নীতি গ্রুপ কার্ডেন তার অনাতম কমসিটো হাছে শহর অঞ্চল সম্প্রির স্বেচির স্থীয়া নির্বারণ করা। পাঁচ লক্ষ টাকার উপর সম্পত্তির অধিকারী যদি কেউ হুন, তবে তাঁর উদ্বান্ত সংপত্তি সরকাব বাজেয়াপত কর্বেন এবং এ জনা শতকর ৫-২৫ ভাগ স্তেদ তিল বছর মেয়াদী বন্দ্র ক্ষতিপ্রেপ বাবদ দেওরা ছবে। নগদ টাক র ক্ষতিপারণ দেওয়া হালে। মাদ্রাক্ষীতির চাপ বাডাতে পাৰে এই আশংকায় বণেয়ৰ মাধাম ক্ষতিপারণ দেওয়ার সাপারিশ করেছেন পরি-कत्थाता क्रिम्मतः रामिकाम्बक् दश्वभागितः জাতীয়করণ যে জনসম্বর্গন প্রেয়েছে তা-ই शुधानप्रकटी के बड़ाव काकाल मध्या हुई मार्च क সীমা নিধারণ করার প্রেরণা দিরেছে কলে মান হয়। ভারতে প্রায় ৪০০০ কোটি কগল: টাকা আছে বলে অন্মান করা হয়। এই কালো টাকার একটি বিরাট অংশ শহর অন্তরের সম্পরির মধেই নিহিত আছে।

বদি এই কালো টাকাব ভুমবধ্যান পরিমাণ সরকার নিজের হাতে আনাত না প্রেন্তহে সম্ভেত্তিক অথুনীতির वानिवाम शक्षेत्र करा अम्ख्य शख ना, बाह 👁 धरमञ्ज रिक्सा क्यारमः साथ मा अया रमण्ड অথানৈতিক পরিকল্পনার অথাসংস্থানের একটি সানিশ্চিত উৎস থেকে বাঞ্চত হৰে i কৃষিকেত্রেও কোতদারদের সর্বোক্ত পরিমাণ জমির সীমা নিধারিত হরেছে এবং উদ্বাস্ত শিম গরীর জামিছাীন চ্বীদের মধ্যে বাউন করা হচ্ছে। গ্রাম ক্সলভ ধখন বিশেষ একটি ক্ষেত্রে আরের সাবোচ্চ পরিমাণের উপর शास काला व अकृषि जीशः खारशांशित शास[™]≅. শত্ৰ অন্তল্ভ অন্যৱপ্ৰতাৰ বিশেষ একটি ক্ষোৱ আরের স্বোক্ত সীমা পরে কভাব নিধারণ করা সমটিন হজেছে; কারণ একটি



অপ্তলকে বাদ দিয়ে অপত অপ্যালত প্রতিত পক্ষণাতির এ কেন্তে প্রদাশত হয়নি। অবদা সম্পত্তির সংবাচ্চ পরিমাণ স্বীয়ক্ত করে रम्बहाद कथा कारबंद अर्थाक शांद्रश्राम সীমিত করে দেওয়া নয়: কারণ সম্পত্তি बाजा वाराय कान केश्म बाकरक भारत करा অন্যান্য উৎসের গরেম্ব বর্তমানে বেড়েই বাল্ড। সমাজতদেয়ার আদশা অনুযোগী চলতে গোলে এই ব্যবস্থা গ্রহণ্যে গা; ভবে হয়ত কোন কোন ৰাখি মনে কর্বেন যে এই ব্যবস্থা চলা হলে ব্যক্তিগত প্রচেটা 👁 উদ্যমের মূলে কুঠারাঘাত করা হবে। কিন্তু পাঁচ লক্ষ টাকার পরিমাণ সম্পত্তিও তে কম কথা নর। অস্ততঃ পাঁচ লক্ষ টকার পরিমাণ সম্পত্তি অর্জন করার ক্ষেত্রে বে উন্ম, অধাবসার এবং চেণ্টার হাটি হবে না, এটাই স্বাভাবিক। বরং এ কথা বলা চলে, সংপত্তির স্বোচ্চ সীমা নিধারিত হ্বার পর रय काला है।का श्रकामा श्रव अवर रव अन्तर সরক রের হাতে আসবে তার যথোপরার ব্যবস্থা করলে দেশের অর্থনৈতিক উল্লয়নের প্রচেম্টা আরও জোরদার হবেঃ কিন্ত সমসায इराइड, बीम करे बायन्था हाला, इस, एरार रव পরিমাণ সম্পত্তি ভারত সরকারের হস্তগভ হাবে ভার সংস্ঠা বন্টন বাভে হয় সে ব্যবস্থা टक कत्रदयन?

মনোপলি কমিশনের প্রতিবেদদ প্রকলিত হবার পর জানা গেছে ভারতের মুখ্টিমের কতিপর বাবসা প্রতিষ্ঠান এবং বাবসারী বিপ্রেল পরিমাণ সংপদ নিজেদের হ'তে রেখে দিরোছন, এবং তার পরিমাণ দিন-দিনই বাড়ছে। এই বাবস্থার পরিবত্ন করতে হলে শহর-অঞ্চলের সর্বোচ্চ পরিমাণ সন্পরি বাজি-বিশেবের কোর সীমিত থাকতে

ब्राह्क **कार्डीतकारमङ्ग कटन वन**मान नीजिङ अहिनकानः

বাংক জাতীয়করণ নিমে অনেক হইটই
হরে গৈছে। কিন্তু বে জাতীয় কংগ্রেস
বাংক জাতীয়করণ প্রসংগ নিমে দিবদা বিভঞ্জ
হরেছে, সেই জাতীয় কংগ্রেসই ১৯০০ সংশ
করাচি অধিবেশনে বাংক জাতীয়করণ কর
সংশংক প্রস্তাব গ্রহণ করেছিল। ১৯৬৯
সালে ভারত সরকার ১৪টি বড় বড় বাংকবে
ভার স্কোন বে বাংক্রা গ্রহণ করেছেন
ভার স্কোন হওয়া উচিত ছিল জ্বভ
আলে। বাংক জাতীয়করণের ফাল দেশের
ক্তিটা স্বিধা হবে অথবা অব্টাতিক

উলয়নের পথে কত দ্রত এগারে থেতে শারবে তা বহালাংগে নিভার করকে রাখারত वारकगानिक किसाब काल मानाका दाव ভার উপর। আমাদের কৃষি, ক্রুপ্রশিক্স এবং বুল্ডানি লিলেশ্র উম্বভিত্র জন্য হাচর অলেখন श्राकत। ১৯৬५-५व मान अवंग्ड स्वया গেছে বাণিজ্য-মতাক ব্যাংকসভালর মোট দাদনের মধ্যে শতকরা ৬৪ ভাগেরও বেশি পেয়েছে বহুদায়তন দিলগঢ়াক: অৰচ কৰি-ক্ষেত্ৰ পেরেছে মার শতকর। ২ ভাগ। চতুর্ব পাঁচসালা পবিকলপনার বাবেগটোর ক্লবান নীতির পরিবর্তন হবে **বলে সম্প্রতি বো**ৰণা করা হয়েছে। ভারত সরকারের অর্থ বশ্তর মনে করেন চতর পাঁচসালা পরিকশনাকালে द वर्षे हरू सारक्शानित तथाक स्मार्ट ३५०० रकाहि है।का व्यक्तिक व्यक्तिक जन्मर रिट्मान भाषता बादा। बाच्यावस नारकगानि ভেত্ত যে অভিবিদ্ধ অভিতি সম্পদ পাওয়া বাবে বাজা সর্কারগুলিও ভার অংশীদার इत्। वाक्ष्मित्र साहे कामानका द স্তুত্ব ৩০ ভাগ নগদ টাকার বিজ্ঞার হিসেবে থাকার কথা, তার মধ্যে শতকরা ৫ ভাগ থাকাৰ অনুমোদিত সরকারী সিকিউ-বিটিব মাধ্যম এবং এই সিকিউরিটির কিছ অংশ হবে রাজ্য সরকারের সিকিউবিটি! ব্যাংকগালির নতন খণদান নীতি অনুবায়ী প্রতি বছর প্রায় ৫৫০ কোটি টাকার বে আমানত ব'ডবে বলে আশা করা বার তার তেকেই কৃষি ক্ষান্ত শিক্ষ এবং ক্ষান্ত ব্যবসায়ী-एन्द्र अन एए उहा रूप । विष **अहे मीडि** কার্যকরী হর, তবে ব্যাহক্যালি কর্তক প্রদন্ত মোট অংশর শতকরা ২০ ভাগ বাবে কৃষিক্ষেত্ৰে, শতকরা ১**৫ ভাগ হবে বাবে** বধাক্তম ক্ষু শিল্প এবং ক্ষু ব্ৰসায়ীদের কাছে। চত্তথা পচিসালা পরিকল্পনার বিভিন্ন সরকারী প্রকলেশর অর্থনৈতিক সংস্থানে রাম্মারত বাংকগালির ভূমিকা খ্রই গ্রেছ-পর্ণে হরে। বিগত করেক বছর বরে লেটী ব্যাংক কৃষি এবং ক্ষ্মুলিল্প উলম্বনে অর্থ-সংস্থানে প্রশংসনীর উদায় দেখিরেছে: আশা করা বার ১৪টি রাশ্রীরন্ত ব্যাংকও স্টেট ব্যাংকের পথ অনুসরণ করবে।

महरू गाल

কিভিততে ব্লানজিন্টর



২৮৫, টাকা বামের পুশ্বনী বিবাস নাশ নাল ভিত্তার ত ব্যাপ্ত অল ওয়াকট প্রোটেবল ট্রানজিস্ট্র

মাসিক ১০ টাকা কৈছিতাত কিন্দ। প্ৰতি জন্ম ও লহঙে পঠেন বায় লিখনে হ

Imnex India (WD) Knifosh Nogor PB 1045 Dethi # णाशनाव शिव्यस्तिक स्वित्र छेलाव

णाताप्रत शतप्र णाशल ताथुन-पारि <u>अव श्रथप्र</u> উल्प्राक् श्रिष्ठ क्रि



তিই সেই সবার সের। সরাজ্য নিশ্ন

উল — জন ১০০% পিওব উল। কি
মোলায়েম আর কি আরামদয়েক, কি
মিষ্টিমধুর গরম। এ জিনিব বহুকাল পরা

থায়, সহজে খোয়া যায় — সতিটি
পরিবারের ছোট বছ সকলের জনাই
একেনারে নিছক উপস্কা। মনে রাখবেন
একমতে যত রকমের এব উল আছে তার
সরেতেই, সবরকম রঙে উলমার্ক ছাপ আছে।
তিন রকম—৩ স্টার, ৪ স্টার ও ডবল নিট—
এবার জেনে গেলেনতে। আপনার
প্রিকানেরার সকলেরা জনেন্য বিক

ধ্ৰৰ উলেন মিলস্ আইভেট লিমিটেড, বোৰাই – ১০ সোল সেনি: একেটস্: ক্লে.ড্যাণ্ড পি.কোটস্(ইণ্ডিয়)প্ৰাইভেট লিমিটেড

লাগৰ-বহিপৰ মহাক্ৰম

পারের বাটিপীর বদর বদর দ কেনে হ্লালী নদীতে ভাটা পড়তেই বাভখানা বছর নোকোর পাল ভূগে দিলে মানিমারাকা সামসকের গরনকাঠের মহাজনের আড়ান্ত থেকে। তিরিশক্ষন লোকের মা-বোন-বউ-মেনেরা কেনেপর কল মাছতে মাহতে ভাকিরে রইল কভক্ষপ না নোকো-পালো নলগাড়ির বাকের আড়ালে চলে বার।

प्रमाना खला न क्या म मानदान प्रशासदा rena । পাশ্বর কোদা নিবেট চেহ রা তার। বালি-ছাতা করল চোব। তিন্দিন আংগ एम **अट्रमट्ड** दहेत्र निरंत स्वट्ट । সागराम्यील অর জপালের সে হল 'গাইড'। তার বাপ है कमी है।कमीड़े बाल खर्खार 'शतनामा' सदाहे বাঘের সংগ্রে কড়াই দিয়ে, ভাগাল ভারাদ करत नजान कार्ट्स भग्नाकनरम्य एमरमानिती ক্ষাৰ অথকা দাৰ দৰিয়াৰ শ্ৰেটি-মৰা মুকি-দের সরদারী করে। ইণেডকালা করেছে। 'প্রদাদা' ভিল মুখ্ত ড্রেন্ড, খুনাই আসামী। ক্ষাবৰজ্ঞীৰন ভাষ জেল প্ৰয়োগিল ইংলেজ আমলের প্রথম দিকে: থালাদের লোভ <u>চ্ছতিতে সংক্ষেত্র ও কে সংশব্দন আবাদের</u> জনো পাঠিয়ে দেয়। এমনি আরো অনুনবকু দিত। কেউ কি এমনি প্রদের মাধা ছেডে বাদের হার্ড 'জার' দিন্ত অনুদ। জেল-থজাসাঁও, ভাদের লক্ষের গলম কাটাতে; বাচের সংখ্যা হাজালী করে ! স্থান্তান কি এমনি আব্দে আছে ৷ সাম্দ্রব্যের অদিব সী-দেব ব্যক্ত কি দৰ। দ্যাধাৰাত। এলোছে এমান-এমেন বিজ্যালয়লে বলে ভাবতে হানী হারর। সংগ্র আসাম্বাসর ব্রহণ 78 আলাদের হয়।। ভারের বদদনা করে বদা করি। আমার বাপু ফেলে আহির কয়াল জন্মল रामका साथ साथक कंभारत काराहा राष्ट्र এনে এর পারের করে হার্মান্ড থেছে বদানো পোষা বেডালের পানা!'...

অন্ত্র্যা করালের কথা শোনে সকলে।
গরাণ করের মহাতন তোরার রফারন মিট্রিট করে হাসে নেটকোর গটাভার ভিতরে তাকিরে ঠেস নিয়ে গনিবত বাস। গালে তার কাল বাক্স। হাতে সিগারেট। অল ওরেভ রেডিও সেটা দ্যানলা বন্যার। এক বাক্স কাত্রকা। পাঁচ হোলের দ্বাল লাইটা কভকগ্রালি দ্রাই বাটারটা ওপালে রাধ্যালী লাল্য খানসামার আঁচ, দেগ্রেটি, চাল ভাল আটা মাললা, কালা, তোতুলের ভাড়, নোকোর খোলে বস্পানা মিঠে জলের দুটো জালা। বাল্ডি, করাত, কটোরী কভ কি!...

এক ভটিয়ে র'য়পুর, গদাখালি, নলদাড়ি কটিাখালি, ব্ডুফো, ফলতা, ন্রপ্রে হয়ে ভারমণভহারকার। তারপর জোয়ার উঠলে মশ্পর করে থেকে রালা-খাওয়া সেরে নিতে ইর। জোয়ার উঠতে তিন্দান্য, আবার



নামতে তিনমণ্টা। নামার মুখেই আবার পাল তলে দও। প্রতিক্ল বাতাস থাকলে বড়ি উনতে হবে। ভরা ভটিরে টান নামলে



महिमान शीर शीर बमत बमत

তারের বেগে ছুটিয়ে নিরে যাবে নৌকো।
সাগর ফেন টেনে নিরে চলেছে তাদের।
শিবতীয়ে ভটিয়ে ভেরের দিকে এফে বহরকে
আবার নকার করাতে হল কাকম্বীপে।
তারপরের ভটিয়ে বড় তলা নদী দিয়ে নামখানা হয়ে একেবারে ফেজারগঞ্জ।

সেনো মহাজন সবাই নেমে যায় কজারে।
যার যা দরকার নিয়ে নেয়: মিঠেজল
ফ্রোলে টিউবওরেলের জল নিতে হবে জালা
ভরে। নান তেল মরিচমশলা পান সাপারি
চুণ যা যা দরকার সব নিয়েও নাও। পরে
আর পাবে না।

সেদে। রার দক্ষিণা ক্লারের প্রেজা দের। বদরগাজি আর ঘোড়ামারা দ্বীপের বাবা মসলন্দরি পীরের মানত সোধে জল-প্রিলসের দক্ষরে যেতে হর মহাজন তোরাব রুফাদানকে। ফরেন্ট অফিসারের ছাড়প্র

रवकारक वृद्ध। सम्मादकत लाहे(मन्त्र मिकारक হয়। সবাই চেন-জন। তেরাবকে সবাই मन्यान करतः प्रशासन्त करतक नगरकर সিগারেট খক্ত করে ভালের পিছনে। ভারা बरम, जरवीक्छ धनाकार गांच कांग्रेटन मा. श्रम् शांच आवारक ना। काराव नवक वर्ष. इक्टिनंद भारम बाह्य क्ल्क्ट्रनंद फिन्न निरम য়াবন। কতন্ত্র লেক বছক আপ্নার? कि कि नाम-छिक ना ? फिरिश्न कम ? ह-बान्स क्षकामा भागीण जोरका ? १ द्वारा भाग দেও হাজার মণ করে মাজ ধরে এক ক্রেখানা भाग तार्छे ? प्रथातन হের ব शहराहित प्रस्त अवादि का जनगृहिक रलाक चार्टेरक व्यामस्यम मा। ध तकवल वारचव লোৱাছা বন্ধ বৈশি। কেন প্ৰীপে আপনাক্ত গরাণ কাটকেন ? গোস ব'নদী আর হ'রণ-ভাল্যা নদীয় স্বাক্ষের প্রীপটাতে তো ? আছা আমর। লক্ষ নিয়ে একদিন রাজে ধাব। হরিশ খাওয়াবেন তো ?"

ভোৱাৰ বফাদান হ'লে দাভিতে হাত বলোতে ব লোতে। অনেক টাকার লোক সে। নোতকা পাকাবাডি, নিছের স্থীর, ट्यान, स्मरतास्त्र नास्म करत मार्गा विस्य क्रीम. मृ-थाना रम्मृक, इश भारकींछे अकथाना পারফিউমারি দোকান, সেখনে থাকে বি-এ रक्न-क्दा वर्ड ছেলে, মেজো ছেলে ह्यानिसाद-मिविट्ड भट्ड पट्ठो स्मात भट्ड करनानः ধানচাল কাঠের আড্ড, হাস্কিং মেশিন চলে मृ-थनाः करतक नाथ ठोकात प्रांतिक छ। ভাকে চেনে সরকারের বড় বড় অফিসাররা, থানার দরেরাগা প্রক্রিসরা এমন কি মন্ত্রীরা পর্যাত! আজ অর্থ প্রতিপরি হলেও বে গরাণ কাবসায় তার উল্লাড--বাপকেলে একটা টিনের ঘর আর একখানা নোকে পেহেছিল মাত সে-সেই কঠিন দঃসাধ্য ব্যবহু সে

বৈতানিক প্রকাশিত

त्रवोद्ध अमञ्

৮ম বর্। ১ম সংখ্যা।

ববীন্দ্র প্রসংশা পরিকা বাংলাদেশে গত আট বছর ধরে রবীন্দ্র চর্চার একটি ধরাতে অব্যাহত রেখেছে। কেবলমার রবীন্দ্রনাথ সম্পর্কে এই একটিমার পরিকা বাংলা ভাষার প্রকাশিত হরেছে

৮ম বর্ষের ১ম সংখ্যার কলেন্দ্রনাথের দ্টি কাব্যপ্রক্ষ মাধ্যকা ও প্রাক্ষী সম্পূর্ণ মাদ্রিত হয়েছে।

সম্পাদক সোম্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর ম্লা ১০০০ - ৪নং এলগিন রোড

কলকাতা-২০ প্রাণ্ডস্থান :

সান্যাল এন্ড কোং, ১, বিক্রম চাউাজী প্রাটি ব্রুকল্যান্ড, ১, শব্দর ঘোষ লেন, জিজ্ঞাসা, ১০০এ, রাস্বিহারী আন্তর্নিউ

(সি ৮৬১০)

ছাড়েনি। জাপালে প্রতি বছর সে দ্বেরার
করে বছরে আফ বিশ বছর হল। এর মবো
বাবের হাতে, নোনা জনোর ভেদবারতে, সাপে
কেটে আর কুমারের মুবে প্রাপ হারিরেরে
তার বহরের জন পাঁচিপেক মানুব। জব্
মন নরম, জদর দুবেল, গরীর আহিল
বার কালাল বিদালে যেন ভার এক মকমের
লেশ হরে গাঁভিরেছে। বহু গার্ল্বেরের সেনো
সেনো আর বাউলা, মারি-মার্লারা ভাবে
ভার করে। প্রথা করে। তারাব মারা
কথা বলে কম। টাকা প্রসাধনাকা ভারী
লোকের যেনা কম। টাকা প্রসাধনাকা ভারী

ফেন্দানার থেকে এবার জেন্সার ভাঁটা না মেনেই বহর ছাড়তে হয়। ভীরের জোল বেরে বহর চলে। সমুদ্রের ভাঁম গর্জনে নোকোণ্যলো মোচার খোলার মন্ডন দ্লেতে কাকে। আকালে চৈত্র-শেবের কালো মেধের চুড়ো ভাসতে ভাসতে এগিরে আসতে। তিরিশক্ষন মান্ধ সাগরের ব্বং পটকুমিকার নিকেনের অভিনয়কে করে থালিকদার মডোই মনে করে। বিশাল প্রকৃতির করে ভারা তত অসহায়।

कार रगरहारमध् मान याना। देवणारभग्न প্রথম দিলে বছর পরেদিকে সম্ভন্থী, ঠাকুরদা, মাতলা, ভাঙাড়নি, গোসাবা নগী भाव रहा अप्र लान्य मनीत गाउँ छाटक নিবিত্ত জন্মালভয়া স্বীপের মধ্যে চলে এক। এই স্বীপের পতে হরিকভাপ্যা নশী। ভারপরে भ्रामा रक्षमा भ्रा পাকিতানের সীমান্য। ঠাকুরাল নদী আর याख्या नमी जनराज्या ६७७। मृहेरास्य मार्य रहारे रहारे न्यीन। नद्व व्यवसानी। মাভলার ভীরে বাসন্তী, ফ্যানিং পোর্ট । বালিগঞ্জ থেকে সোনারপরে হরে ক্যানিং পর্যন্ত রেল লাইন আছে। মাতলার আর এক শাখ্য বিদ্যাধরী নদী। ছরিণভাপার भाषा नमी ऋदेकाम जात कामिनमी।

২৪ প্রগনার বড় ম্যাপ খালে মহাজন

क्यांकेटक राज्यात्र क्यांत्रत्व कारान्यातान्यवाही। कम्मारमा कोहात्र निरक्ष कार्यः सार्थः।

निष्यस्य महत्य कामारम्य स्ट्या नगीत योटक क्ट्स ट्रानेटकाण्युरमा नग्नस क्ट्सा न्रद्र समी। द्वसम्बद्धाः स्था क्ट्से श्रम्कः। दक्कारे धाक्योत्स हमार क्ष्मस मान्यः। ट्राप्टे साहाक्ष् चाटक ट्रानेटकास श्रम्सः।

পান-পায়রা, আনুজ, শাম্ক খোল,
মানিকজ্ঞান, জল আনুক উড়ে চলে
জলালের মাঝার ওপর দিরে সন্ধ্যা সমাগত
দেখে। পায়ির জাকে মাত হরে আছে
জলালা কালবৈশাখার ঝড় ওঠার পর
বৃত্তি এল কমকামরে। সব্দে অরণা রুমে
জারাক্ষম হতে হতে অংশকারে ভূবে যাছে।
ভারে শারে পড়ে আছে আসংক্ষা ছোট বড়
কুমার। দাঁঘা করাতে সালে বেলে চলেছে
জালের ওপর দিরে।

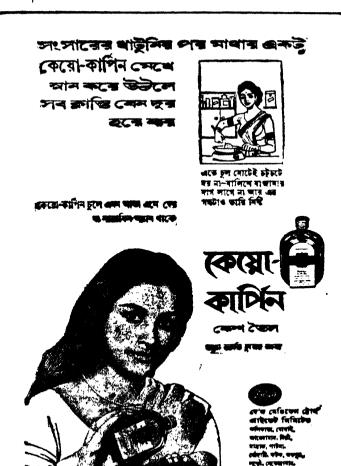
কড় কল থেকে যান একট্ পরেই। গাড় অন্ধকরে। নতুন লোকেরা ভয় প্রেম পরস্পরকে ভড়িয়ে ধরে ব্-ব্ করে কলিতে থাকে। যদি কুমীর কিবল সাপ নোকোর গল্ট বেয়ে উঠে আসে?

विभाविभ करत प्रारक्ता बादलहरू उनोटकाय । रा डेरब्र গঞ্জন। বৈশ্যেশ্ব মাকরতেও কাঁঘা-কম্বল মাড়ি দিতে হয়। গ্রনকাঠের মহাজন ভোরাব म्-समा दश्स्क रहेडी छटा निरा अटम **রেখে খাতা লিগতে।** রেভিত্তে ব্পর্দ **সে**ণ্টারের মাুর্জাজ্যত সংক্রের পরিত কে.রচান শাঠ হচ্ছে এক প্রভাষাপ্রণ অনুস্তঃ শারমেকা তলেয়ের, বল্লম, সংক্রি, ত্রাকি, টারি, কাটারবিগ্যাল্য ছামন্ড মানা্যজনকের পালে পালে রয়েছে। - ६-४०मा - इस्टरहेर তিরিশকন মনেত্র মহাজনের বলন্ত আর ব্যরমের ওপর ভরদা রেখে প্রাণ হাতে করে ম্যানেকে। চার প্রচিদ্দের পরিশ্রদের ক্লাণ্ডিতে সবাই অবস্থা। এই গভার রাডের সমূষ্ণিততে বহা বছরের স্দক্ষ অভিজ মহাঙ্কন তেরের রফালনের ডোগ নাটেরত স্থান ম্মের মের লাগে তাহলে সকলে এতায় হাজিরির সময় দেখা যাবে একজন কোক 4 . S. S. S.

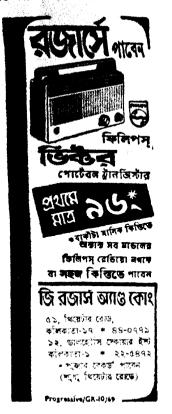
সেনে অঞ্চলি কথাল কলে, জানিক তেরোব, শালারা সগাই জেগে আছে। শাহ শের আলিটা নিল খাছে গাল হা করে। বেচারা! ওর মা কী কান্তেছালো বল্! বোল বছরের চিগলো ছোড়া। ওর বাগজীকে গত সনে বাঘে লিয়ে গেল! তথ্ ছেলেটা কেলানাতিতে চিতিরে পড়েছে! জ্যার নাম প্যাটের' দায় শ

) অন্ধান কয়ল স্বাইকে 'তুই' বলে। স্কুল্যকনের মান্ধ্রা তাই কলে। জাতিতে অন্ধান ম্কুল্যাল।

পাঁচ সেলের ক্লমণ লাইট মারে রফাদান।
অপালে ক্লড়াকড়ি নিকিড় গাছপালা। মোটা
মোটা কড়া এ মুণী মনসা, হে'কলে, হরকেড্র



DEFECTION STREET, ENGINEER





ইন্টান' রবার ওয়াক'স কলিকাতা-১৫ তেকচিল বন ঝামা, লংকালিরে, মনসা, বালবরণ, পান লিউলা, জলা ভূমার, মাড়া মারা, দেখাকুল, বাইচির জাটাভরা বোপ-বাড়। আলো দেখে ভর পেরে পর্ম কানের মতো নরম নধর সাদা খরগোলগালো ভূড়াক করে ছটে পালার। বিরালভ হরে কেউ-ন জলের মুখে এসে পড়ে। মুখে আড়-টাংরের কথলা নিরে কুমার ভার কোলাপার বেলাভামির ভিজে বালিমাটিতে।

সন্পোরবনের মধ্যরেতির শব্দ বন্ধ ভর্মকর! চেউ আছড়ানির শব্দ, জপাল-জোড়া গড়ীর তানের ঝি'বির ডাক, মাবে মাবে বন-মোরণের চিংকার, শিরাল-খরিশের ভাক পাণিদের কল-কাকলি, হন্মান-বাদরের চিংকার, বাবের গর্জন, গোসাপের ফটফট শব্দ এবং কোনো আক্রান্ড পদরে ভয়তকর আর্ত-ভিংকার-সব মিলিরে ভরাবহ, রেজ-হর্ষ : জপালের বাস-প্রা-গাছ-জীবজনত-পোকা - মাকড-সাপ - কমীর-মাটি - জাদা-শিক্ত-কটিা - জল-মাছ-আকাশ-মেঘ-ভারা-জোয়ারভাটা - খাডি-অসুখবিসুখ - ঠান্ডা-গ্রম-সমস্ত কিছার নিখাত বর্ণনা দেওয়া দ:সাধা। এর জনা করেক বছরের পরিপ্রম প্রয়োজন। আর পরিসর চট্র মহাভারতের চাইতেও বেশি। সে **অলিখিত মহাকাষ্ট্রের** জনক একমাত বিধাতা, বিনি সৃষ্টি করে <u>इराध्यक्त म्युन्तवनारक मृत्यत्र काव क्रव्यत्</u> করে। সেই ভরৎকর সন্দেরকে উপভোগ করবার সাধ্য কী ক্ষাদ্র মানুষের অনুভাতি দিয়ে! বিশ বছরের অভিজ্ঞতায় ভোরাব মহাজনই-বা তার কতটাকু জানে! ভার কাছেও তো সেই অনাচি অরণ্য আজো তেমনি চিরন্তন। চির দ্রুত দ্রুমা!...

হঠাং কর্মছই বাদের গজনি পোনা গেলে স্বাই উঠে বসে। অস্থ্যপাতি হাতে নিয়ে তৈরি থাকে। মহাজন বন্দাক ধরে ক্ল্যাশ লাইট ফেলে। সেলো ক্যানাস্তারা পিটতে বলে। অজনি ক্যাল গালের মধ্যে পেট্রল ভবে নিয়ে হপাকা আত্স-বাজির মত্যে রভান্ত অগনে ছেড়ে দের বার ক্তক।

আলো বা আগনে দেখে বাথ তর পার।
আর গর্জনি শোনা যার না। ফাঁকা দুটো
বংশকের আওয়াজ করে মহাজন। তার চোখ
চারদিকে ঘ্রে বেড়ার তাঁবভূমি ধরে।
স্ক্রবনের বাঘ অতালত অড়েল। ধাঁরভিথর তার গতি। চোখের পলক ফেলডে
না ফেলডেই কোথার কোন্ গোলপাতা
শর্থাড় আর হোগ্লা হোতালের জললের
মধ্যে ন্টি মেরে ল্কিরে পড়ে কারো সায়
নেই খা্লে বার করে। নোকোর সবাই
হ্মিয়েছে ব্রুলে আন্তে আন্তে নিঞ্গলে
জলে নামে। চোখ কানট্রু জাগিরে
সাতরে এসে নেয়ে বাড়িরে ধরে লোকের
গল্ই। তারপর কিছ্মুক্ল অপেকা করে
চাব দেখে নেয়। মহাজন ডল্যার চ্লেছে

भारकाम नाहेक

শ্যাতনামা সাংবাদিক - সাহিত্যিক সংক্ষেত্ৰকথাৰ খোৰের

অজাতক

[পূর্ণান্ত] ৪০০০
চন্দ্র হাদি, পরন প্রেক
প্রার বৃশ্দো রাত্তি ধরে অবিবত হাস্টহক্তোড় তোলার পর পরিমার্তিত ও
পরিবর্ধিত আনসারে প্রকাশিত হাস্টপ্রার্থেধকম্ম, আফকারী ও
শৈকেশ প্রহা কিরেলাবীর

সেমসাইড

প্রাঞ্জ — ০.৫৫ **উৎপূল দত্ত**-র

ছায়ানট [পরিমার্কিড] ৩-৫০

बारेटफल [क्लाफ्] ०.८०

অগ্নিম সহ অভার পাঠান

শৈলেশ গ্রুহ নিয়োগীর **জনশন ভক (হাসির) ২**০০০ মনোজ মিত-র ৩টি একাম্ব

মৃত্যুর চোখে জল:কাল বিহল: কামসেনা খ

কা**ন্যেন**্য ৩০০০ উমানাথ ভট্টাচার্যের (কৃষক)

শন্ন চাই প্রাপ চাই ৩٠০০ মনোরঞ্জন বিশ্বাসের সেগ্রামীট

ঝড়ের কাছাকাছি ৩-৫০ পার্থপ্রতিম চৌধারীর

হারেনার দীত [রহস্য] ৩.৫০

কালজয়ী নাট্য সংগ্ৰহ (২য়) নীলদপণ : দীনবন্ধ, মিত্ত গেলনাট্য সংঘ অভিনতি]

দ্বেশীর ইমান ঃ ভূলসী লাহিড়ী আমার মাটী ঃ মনোরঞ্জন বিশ্বাস

কৃষক বিচাহের তিন বংগর তিনতি প্রাক্ত সম্পাদনার: স্নীল দত্ত। মূল্য: ৬.৫০ ১ম বংশত আছে ৷ গোকির তিনতি নাউক, মোভিরেট প্রকারপ্রাম্ত দিগিন্দ্র বন্দ্যো-পাধ্যারের বা: উমানাথ ভট্টাস্থেরি নীতের বহুল; স্নীল দত্তর বানব। [৬.৫০]

বিদ্ধ একাংক
৭টি একাংক উংপল দক অভিতেশ ৰুদ্ধোপাথান্ত সুনীল দক অভিতেশ বুদ্ধোপাথান্ত সুনীল দক অভিতেশ বুদ্ধোন্তান বিশ্বাব আহিত সুক্তীপাথান্ত অনোরঞ্জন বিশ্বাব বিচ্চিত অ্যোপাথান্ত। ৫-০-১ একালের একাংক (৩য়) ৭-০০

জাতীয় সাহিত্য পরিষদ ১৪, রমানাথ মজ্মদার দ্যীট, কলি: ১ দেশলে দট করে একট্ উঠেই কাছের মান্বটার গলার নালাতৈ কামড়ে দিরে ট' দেশ করবর আগেই টেনে কলে নামিরে এক ভূম দিরে ওঠে দিরে অনেক দ্রে-তারপরে পিঠে করে ভূজে নিয়ে চলে যার জ্ঞালের ভিতরে।

कार्य ताट्य महत्कम वा ट्यटमात्र च्ट्याटना नितंदाः काक कारात कटना 'याकेमीटनव' বোরা মধ্ সংগ্রহ করে) মধ্যে একজন মাথার বাবরি চুল, বাহুতে রুণোর পদক, গলার বাধা রুপোর তিভ, লখিলর গাজি—অপুর্ব সুরুরলা গলার পার্থি পড়ে। সবাই মন দিরে শোনে। ভার কাছে এক স্টকেস পার্থি আছে। 'কাসাসল অনিবর্মা,' হাতেম ভাই,' 'জংগা শাহানামা,' 'জংগা বদর', 'ছাঙ্গো অহেদ', 'ধররল হাসার', 'গোলসানে র্ম কেজার দীল খেল' কতন্ত্রের পারি। পার্থির গালের মতো গদা আর হয় না। বাগুলার ম্নেলমান সমতার মধ্যে পার্থি-সাহিত্যা নামে একটি উদার কলনা এবং অপ্র মঞ্চাদার কাহিনীর জাণং আছে যার খোজখবর অনেকেই (বাঙ্গা-সাহিত্যের পান্ডিতেও) রাখেন কা। গারাশ কারের মহাজন, গাডা-গাডা বাধ-মারা নিশার নিষ্কুর

(छती ब्रमस श्रिष्ठाशिष्ठाञ्च विक्रश्चीरम् ज नास रघासवा

এবস ভিনট পুরকার বিজয়ীদের নাম : প্রেক্স পুরকার ঃ জ্যামবাসাভর গাড়ি

विरक्षका: कुम्म किटमान थाला, ১१७ निधना नाथ, पाक्रमीह, शक्रमान :

দিতীয় পুরুষার: ল্যামত্রেটা স্থটার

বিজেতা: সৌন্ত্ৰী শংকর উপান্যার, বোধপুর পলিটেকনিক, বোধপুর, রাজস্বার।

ভূতীর পুরভার: ফিলিপ্স্ রেডিওগ্রাম

বিকেতা: মোহন পাতেও, অবধায়ক-পি. এব. পাঙ্কে, ইয়ার্ড মান্টার, ধানালামপুরা

(উত্তর রেলণথ), সাহারাণপুর।

শব্যাপ্ত ৯৭টি পুরস্কার বিজেতাদের ভাকযোগে জানিয়ে দেওয়া হবে।

বিচারকমগুলীতে ছিলেন:

শ্ৰীপি. এগ. ভাটয়া, কেন্দ্ৰ অধিকৰ্ডা,

बाकानवानी, कनिकाछ।।

জীপি- এশ- মাপুর,

बाहात उपरम्की जबर क्या क क्रमेशरघाश कविकर्छ।

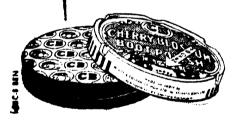
পশ্চিম বন্ধ সরকার।

শ্ৰীস্ক্ৰণ কান্তি ঘোৰ, সম্পাদক, যুগান্তৱ, কলিকাতা।

विश्वासक्षणी श्रेगांवनीत स्मन अवेषारंव निर्वातिक करत्रहरून ह

8, 30, 4, 4, 5, 4, 55, 50, 4, 58

বিচারক্সগুলীর মতে লিচে কেওয়া বাকা**টি মের্ড বলে বিবেচিড হয়েছে ঃ** চেরী ব্লস্ব ক্তোর পালিশ ভারতে সবচেয়ে বেশি বিক্রি হয়, কারণ এই পালিশ *লাগা*রু কুডোর আর যত্ন করার দরকার হয়না। (বিজয়ী ইংরেজী প্রবেশণত্ত থেকে)



ভারতে সর্বাধিক প্রচাগত তৃতোর পালিপু চেরী ব্লসম প্রস্তুতকারকগণ এই প্রতিযোগিতাকে সাফলামণ্ডিত করার তন্তে অংশগ্রহণকারীদের সকসকেই আন্তরিক ধ্যুবাদ জানাছেন।

(छदी द्वभय

ভূতোর আনে আমনার নতো ক্লেক্সই

প্রকৃতিত মান্ত্রের তার কেডিও কাদ প্রের চুল করে কাদে পাটিগর কারিকাট লোকে তার ভিনালেট ফেটকে একটার পর একটা।

ভোৱ হয়ে একে মোনগের চিংকার শোনা হায়। প্রাক্তিশা কুয়াশার চার্নাক ঢাকা।

থানিকক্ষণ দ্রানে তেওঁ চলে। তারপ্র সকলে বতল সেনের মাতর পড়ে জল ভিডির প্রপানে মার্টিটেই নামে এবিকা খালি চার্টেট ! সেন্টিংগুলার করে। কাপাল-বংলা। পাইতে গাইতে ভূমিক যাম জলালেল নামে সভ্যানি ভারেগারে মধ্যে আছকটো হারে। সেই গলিড ব্যুক্ত কান্ট্রে সেনেত গোলে সেনে, স্থানে যারে। ভারণা মাইতেনে নিজে যদি ত্রিণ শিকারে যায়। সেনে। অক'নি কর্যান গাইতে ১

শাংসা হর জেন র্যারেল বছ সম । । বিরো নিকে ভাতিকা হলক অপনক চেইম। ফাঁকা আন্তর্গ করে স্থা একটা কাছকাঁছ इक्षाइन राष्ट्रहरू कहान ब्रह्माइल । अस्तिकारी এমন ওপুরা কুম্বালাক কুম র বিয়েছে। करो स्टब्स् जिल्लाम स्ट्रांट राज्याकाला কু এটি মুস্লালে। প্রিকার **ট**েই প্রতি প্রতি হলে কপ্রজান ক হল ককলি কর भारतकः *-- तुम्रक्तसः । तु*रुवार 2.2 7.37.3 क्षिकाराने प्राप्त हो इन्हरून । कुन्न । বুদ্ধ প্ৰেক্টিৰ। শুজিলেশ অন জেকেট চারের মধ্য। অহাত্রীরায়াদ সংধান পোলাও নিজেন সংখ্যাত্তীল হারাণ সময়বনা থাকালৈ ছুপ করে প্রক্রো। স্বাধারণত নিবর ফেলিন জাগালে কেণিছাৰ মেদিন সেলে হাডা ক্ৰাৰ কৈউ নোকে। থেকে নামতে না^{। কিন}তু মহাজন বৰণ,ক হাতে নিয়ে বেকে বাহ সোনোর পিছকে পিছকে—ভখন ফৌকোৰ স্থোকগঢ়কা অসহায় বোধ করে। স্বাই জন্ম নিমে

াজ থাকে। সেনে। পাছে শাসালের খাবর গ্রেল হয়, তার মন্তে বিশ্বাস নেই কলে নহাজন জাকে পাহার দেয়। কাপারতা কিল্টু সেনে। জানতে পারকে মহাজনের ওপরে ক্ষেপে থার। গালাগালি করে। মহাজন গুণ করে থাকে। হাসে।

কুরাশ। থাককে লগতে গরাণ কাউতে
নামতে দেরি হয়। কেলা পশতী কেছে যার।
তার আকে থেকেলেরে নের সবাই। তারপর
কানাসাভার পেটে। করাত-কাটারী,
কাঠি-বর্মাসভৃতি, কলাভ নিরে সকলে
নাম আসে আলত আলত দল বেধি।
নামে নামে বালিরাড়ী চোরাবালিব দহ।
সাল্বীর ভ্রম্কর গালালা চারদিকে। সেনো
তার মহালন চলে সকর আলো আলো।
নামী পরে নামার জানা সকর আলো
কটি গাছ তেউড় সমলত কাটারী চালিরে

কোট ফেলা হয়। পাঁচল চিল হাত টাই
ভাষণাকার ভাষনাল চাক। তিলটো ভাষনাল কামড়ালে একটা কেউটে সাপের বিষের সমান বফগা হবে। বড় বড় চ্ছাকার বেলাহার চাক। গাছের ডালে ডালে মধুর চাক। বাউলীরা আগনে জনলে। ভাষনাল বোলতা মোমাজি তে ডো দব্দে আকাল ভেরে উড়ে পালাতে থাকে ভালের বাসা ভেড়ে ভানা পড়ে বাবার ভরে। প্রিফালি আর লখিনর গাজি বাউলী দ্যালন মধ্ সংগ্রহ করা বালাভি ভরে নোকোমে পাটার। স্বাট মধ্যু খাষ যে ব্যটা পরে। বেশি

গ্রণ গাছ কটা শ্রেইজে বার।
দ্যাদ্য কৃত্ব চলে। সংগ্র সংশ্র ডালপ লা
ছিইজে ফেলে কাঁধে কাঁধে নোকোয় উঠে বার
সেই গাছ। সেনে বিরাট ফলার চকতাক

नक्ल प्रचेषे गङः लहाती विकिष्

পাইকারী ও ব্যুচরা পাওয়া বার ।
নিক্ষালিও গোলা সেপটেম্বরে ও অক্টোবরে আন্তিত এইবে—
নালাম, পঃ বংগা, রাজস্থান, হরিরানা, পাঞ্চাব, জন্ম-কন্সীর,
তামজনাত্যু, মহারাষ্ট্র, উত্তরপ্রসাপ, রধ্যপ্রদেশ ও কেরালা।
একমাত নিভারবোগ্য অন্যুম্মানিত পরিবেশকঃ

এম, क्, नान्

C o. নান এণ্ড কোং (প্রাঃ) বিঃ

১০ ডালালোঁকি কেলার ইণ্ট কলিঃ ১।
গ্রাল: NANKADKATA (ফানঃ ২২-০৭১৭



শ্টি স্ব্ছং উপন্সে

वरत्व भाषाभाषाग्यत

মোহৰ মিন্তের

রাণী মৌমাছি 🕸 বনবাস

তেও বিভাগের

 যা

স্নাল

গাসেল

গাস্ত্রি

স্বাহ্

স্বাহ্

স্বাহ্

স্বাহ্

স্বাহ

স্ব

স্বাহ

স্ব

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

স্বাহ

কণা বস্ ৪ আবাও আনেকে • প্রবাধ বিভাছন •

আন্দাল-কর রায় ॥ বিবেকান-দ ম্তেখাপাধায়ে ॥ সংস্কাৰকুমার ঘোষ ॥ কজিবারজন বস্ ॥ ন্থানিস সরকার ॥ আনস রায়চৌধারী ॥ ভাঃ অর্প রায়চৌধারী ॥ ভাঃ এদন রাবা ॥ ভাঃ বিশ্বনাথ রাব ॥ ভাঃ বা্লেন্দ্রকুমার পাল ॥ আবেও অনোক ॥ এবাব থাকাছ অনেক যেনি অ-স্কার

সম্পাদক স্বোধ মিশ্র

क्यार्किक नमी

• **कार्य**)गड •

৭ নবীন কুন্মু কোন, কলি—১ 🛭 ফোন—০৪-৮৮০৬

(সি ৭৮৬৮)

বান্নম হাতে নিরে চার্নীদকে খোরাফেরা করে।
মহাজন বংলাক নিরে পাড়িরে থাকে। কড়া
মোটা গাছে করাত টানতে হর। তবে গরাপ
গাছ বৈশি মোটা হয় না। অনেক জারগা
তথনো জলে ভোষা। সেখানে মোটা মোটা
হিজল আর সাপেরী গাছ। তলার চুলি গাছ
আর তেউড়ভরা। হিজলের সর্ কার্ ঝালর
ফালে তার তলার মাটি লাল হরে আছে।
জংগল জলে জলমর হরে গোলও হেতাল,
অলডুম্র, হরকোচ, স্প্রি, গরাণ, পানশিউলী তোকাটাল গেরো, বাজবরন,
লংক শিরে, ফণীমনসা বনবামা, মাড়োমারা,
বাইচি, ঢোল সম্দ্র, শ্যাওড়া—এসব গাছ
মরে না।

গরাণ খ্ব শন্ত কড়া গছে। এর খ্টি ছয় ডালপালা জনালানি হয়, ডাই গরাণের ক্ষর বেশি। স্প্রি আর গরাণই স্ক্র-ব্ন বেশি। শতক্ষা ৮০ ভাগ।

বেলা চারটের পর জপালে ছারা নামলে সকলে কাল ছেডে নোকোর চলে এসে বালাত করে জল তাল গা-হাত ধ্যয়ে খেরে নিরে শারে পড়ে। লাল, খনসামা আগেই রামা করে রাখে। দুপুরে যখন একঘণ্টার জন্য সকলে কিছা জলখাবার খেতে এসে বিশ্রাম करत. जयम हतिन निकारतत मारवान जारम। তাই সেলে আরু মহাজন সব্তে কতুরা সব্ত লুপ্রি পরে কাটা গাছের পাতা থেতে আসা হারণের দলের অপেক্ষার হে'তাল অথবা শরখাড়র কনের মধো আত্মগোপন করে থাকে। সিগারেট বিভি খাওয়া বা গণ্ধ তেল সাবান মেশে হারণ শিকারে আসা নিষেধ। হরিণের ছাপশান্ত ভরৎকর তীর। কিছু গুম্ব **टलरन** इतिन स्ट्रिट नामारम। जनराया जः या वानिशाष्ट्रि शिष्ट्रत शर्था मन्यत्वरत প্রচুর মাছ থাকে। সাপ গোহাড়গেল ঘুরে द्विष्ठ है। द्विशास्त्र माष्ट्र स्मार्थन्ट मान्। माष्ट् খাবার লোভে আসে 'কে'দো বাঘ'। বছু

যাব সেই ভোবার ধারে জল-খেভে আসা

হরিশের জনো ওং পেতে থাকে শরখছি বা

হেতালের জগালে। বাঘ এক সতক' স্বে

দখিনে হাওরা বইলো সে থাকবে উত্তার।
কেন না সে জানে তার গারের উপ্র গশ্ব

যাতাসে তেসে গোলে হরিণ সেই গশ্ব পেলেই
পালাবে!

কথা বলাও নিষিম্ধ। করতে, মাটি গোখরো, গেণিডভঙা কেউটে বেম্বে रामरब—हाम याक-रकारना भाषा करता मा। সাপে নেউলে যাশ্ব লাগলে বসে দেখো। নেউলেভ ভীক্ষা নথের ধারে যদি লাফ দিয়ে भाभग्रे। 17----**गास** যার, তবে কোন্ডেই **डिक**रसरे অংশটা নিষে সে ছাট श्रीदृत्य । নাভিয় পরে কাটলে সাপটা পালাবে। 1361.96 কামতে দিলে নেউল ছাটে গিছে উপরেমাল 'হার্কোচ', 'ম'ণ্যাল অথব: গগলেল জ দুবি একরকমের লভাগাছের মূলে প্রত্যে বার করে চি'বোরত থাকবে।' আ সেদেরে কথা। **এ** কথার মহাজন হাসে।

কাঁচা কচি পাতা থাবার ভানে। চাঁবিপ্
আন্সে ব্যক্তর মাহন নি বাট্ডি ব্যার আনপ আবল
ভাল পার হাবে। পাঁচটি নগাটি মুখে পাতা
নিয়ে চনবনে চোবে গাঁকিয়ে থাকে। কান
খাড়া করে বাখে। গোবার বাফানেন বনদ্রক
সোজা করে বাখে। গোবার বাফানেন বনদ্রক
সোজা করে বাখে। মানবার বাজা পাকরে বলে
সোনো পিছনে অনিবার্থ বাদ পাকরে বলে
সোনো পাজন বাবে গ্রামিন্তা। বাদর
মন্মানেনর দলা একে লাফালাভি কারে বাড়
হিজ্লালাভের ভালো ভাল।

হঠাং গ্রহান করে দদ্দ হয়। করেছা লক্ষা ক্ষান্ত্রের হাবলাগ লক্ষ্য নিয়ে ছিউকে পড়ে। দ্যালের সংক্ষা স্থান্ধ করেছে হরিছা গ্রেলা চকিছে কেন উত্তে হর। হঠাং দুদ্ধা বন্ধ জ্যানের শিক্ষান বাদ হুটো ফোরে। কাছেই কোছাও ওং পোরে ছিলা। গ্যাসর বানের দানিকটা ফারিং জ্যাগার উপন্য বিশ্বেদ-কল্মকাকাকার। বিশ্বতানি। সেই বাহ্যর শিক্ষার স্থান্ত্রেক হয়ত্ব সংগ্রহা ছেব না প্রথাছ তাকে হয়ত্ব সাল্যন্ত্রের করিন।

কিছ,ক্ষণ পরের ৬নিচার করা চরিবটার কাছে আসে প্রচান গল 15 প ধরে সেলো। পকেট পেকে ছবি বার করে জাবাই করে ফোল রফাদান। মায়ামার বড় বড় চোপ দুটো বার করে গরগর করে কাগতে কাগতে ঠান্ডা হরে বার চরিবটা। তাকে কাথে ভুলো নিক্রে চলে আনে সেলো।

হরিপের মংসে, মংছ, ভাত, মধ্য,
মার্রিপার ডিম বে বতপানি পাবে পেরে নিরে
সবাই সম্পার সময় শাহের পড়ে। একটা,
বামিরে নের। মহাজনও বামোর। সেলো
তখন প্রচরী। বাতে নটার পর মহাজন কেরে।
উঠে রেডিও চালার। সকলে গলপ ক্রের।





निवंद्रलक केनातानी विष्ताक		
बारका जन्दान		1
সাহিতাকৰ		- 1
গোশো		
যারজনে		0.00
नाना र्होत्र		0.00
		!
পারবার	_	0.00
गांखराका भागिन गर	412	
এড় ক্লেটন	_	₹.50
जानिक जनग मन्धन मन		1
চারজ্স স'		₹.00
अपूर्ण अवाग मानव		Ì
আ্ডভেগ্ডারস অব হাক	गर	र्भव
घ न	••	
		4.65
गाहक हो।साम		6 .00
गम्भ स्थान		
चामाजन	_	२∙६७
হেনরি ফোর্ড		
নাইহারট		₹-৫0
भ्देशार्च निर्म		
ই ধি হেন্তাটট		₹.20
এশিয়া পাৰ্যগাঁশং কোং		
नान, भारतहे मका		
्रवकात	_	2.40
বাপীৰ গ্ৰুপ	_	3.50
TS CONTRACT	****	2.00
নিজনি প্রাণ্ডরে		
আইফ্কট		6 +60
আমেরিকার কাহিনী		
क रणस		₹ - 60
লোহার ৰোড়া চালালো	या	न्
ম্যাক্তল		₹ - 60
আবিশ্কারের অভিযানে		
রালফ ই ল্যাপ		\$ · C ()
শরীরটাকে গড়ে তোল		
এন্ডেটান্যক্ষী ও বার		2.60
লেলপিখা প্ৰকাশনী		
त्नहे वानक फानवाद		
িজন সংগ্ৰহ	****	2.00
তর্পের সংগ্রাম		
दशक्षकाच्या इ.स.च्याका		2.00
উপकथाब नाग्नक अर्गा न	5 4	ान्द्रनिष्
श्रीताबाध द्याताहरी		\$.00
শ্ৰীভূমি পাৰ্বালনিং কোং		
টিপি লকলিন		
<u>কোলেক</u> মিয়াগার	-	8 00
মহাকাশ অভিযান		
নে ওয়েক		₹.00
ন্না বিষয়ে আরো		
শ্ ভক্ষিকেভাদের উচ্চ	412	KA Nasa Fast i
তালিকা চেয়ে পাঠান : আজই	অর	919 17º
এম, সি, সরকার জ্যান্ড সন	्न :	थाः निः
১৪ वश्किम शहेदका च िष्	`c	

প্রিথ পড়ে কাথিকর গাজি। সবাই মন

পিরে শোনে পারের হাতের কটিা বার করতে

করতে। কার আমাশা ধরেছে কার-বা সদি
মহাজন টা বলেট দের। নোনা জলের আব
হাওরার হঠাং কলেরা ধরবার ভারে সবাই

তেতিক গোলা জল খার। রাতে শীত করলে
কাঁথা কম্বল মাড়ি দের।

দিন দশেক পরে এক রাত্রে আনে করেন্ট অফিসের জলপর্নিসের লণ্ড। মহাজন দা-হাত গালের ভাতে এনে জোরে চিংকার করে তালের ভাক দেয়—'ও-ও-ও-ও-ও-ও-হোই-ই-ই-ই-ই সচে লাইট ফেলে ভারা আভি-পাতি করে নেখে নিয়ে কাছে আসে। দিগারেট খায়: মধ্য হরিশের মাংস, কছদেশের ভিম, বনমোরগ ইতাদি নিয়ে চলে বায়।

জংগলে কডি দিন প্রকার কথা। পনেরো দিনের দিন সবাই যুক্তি করে কাজ বৃদ্ধ করার। সেলো অভাতি ক্যাল মহাকারব তরফের লোক। তার রোজ সাড়ে তিন টাকা খোৱাকি সমেত এবং কাঠগোলায় পেণীছে পর্নি ট কা উপরি। 🗷 কাজ করে মা গাল-গলপ মারে তার পাহারা দেয়—জঞাল বাদনা গায়। হাজার দা হাজার লাইন ভার মণতরের ছড়াং বিশ্ত বারা প্রাণের ভর তৃষ্ঠ করে কটিা - ছোক - ডাস - ভীমরূল সাপের কামত থেরে হাডভাঙা পরিশ্রম করছে তাদের রেজ আডাই টাকা থেকে তিন টাকার বাডাতে সেলো প্রথমে অরান্<u>নি ছিল।</u> পার সেও যারে গোল। সে-ই যেন আগো পারে পাতলে দিয়ে। কগড়া বাধ্যতে চাইলে। পাঁব তাল ক্ষিপ্ৰৱ গান্ধি, ক্ষাই ক্রাতি বলাই দেশ, ইসমাইল ঘরামি, লাল; খনসামা, পরাণ তেকি বনমালী যোড়া, বিশা হাজরা, নদ্মাঝি, এবাদত সরদার সবাই এক ঐকা।

সেলো বললো, 'কাঠের দাম বিজেছে, সকলের রোজ বাড়াতে হবে, মইলে আজ থোক সবাই কাজ বন্ধ করবে।'

মহাজন বললে, 'অসম্ভব। হৈসেব কর,
তিরিশজনের রোজ তিন টাকা করে হলে
দিনে নম্বাই টাকা। আর খোরাকি। নৌকো
ভড়া, লাইসেস্স ফি, ছবে, ভোমার উপরি
পাওনা, এসব ঘতিরে দেখে তবে কথা বলো।
আমার লোকসান করতে চাও কি তোমরা?
হঠাং তোমাদের বদি সাপে কাটে কিম্মা
বাবে ধরে নামখানা না হয় কাগনিং হয়ে
কলকাতার হাসপাতালে পাঠাতে খরচ দেবে
কে?'

স্বাই নীরব। মহাজনের টাকার বার্ম্পার দিকে লক্ষা। তাদের গতর-মাটি-করা টাকা। মহাজন লাখোপতি টাকার মান্ত্র।

মহাজন মনে মনে সব হিসেব করে।
দেও হাজারী বোটে ছ-খানার ন-হাজার মণ
মাল ধরবে। এক হাজার মণ শা্কনো হলে
কমবে। দ্-নোকো খুটির দম আলাদা।
চাব নৌকা গ্রাণের সাড়ে তিন ঢাকা মণ্

भूवं भाकिसान

অমিতাভ গ্রে

পূর্ব পাকিস্তানের সমস্ত গণআন্দোলন ও সাংস্কৃতিক প্রবাহের
এক অসামান্য ইতিহাস। বহু দুর্ল্ভ
ফটোগ্রাফ ও প্রশেষর বিবেকানন্দ
মুংথাপাধ্যারের ভূমিকা সম্বলিত ॥
১৬০০

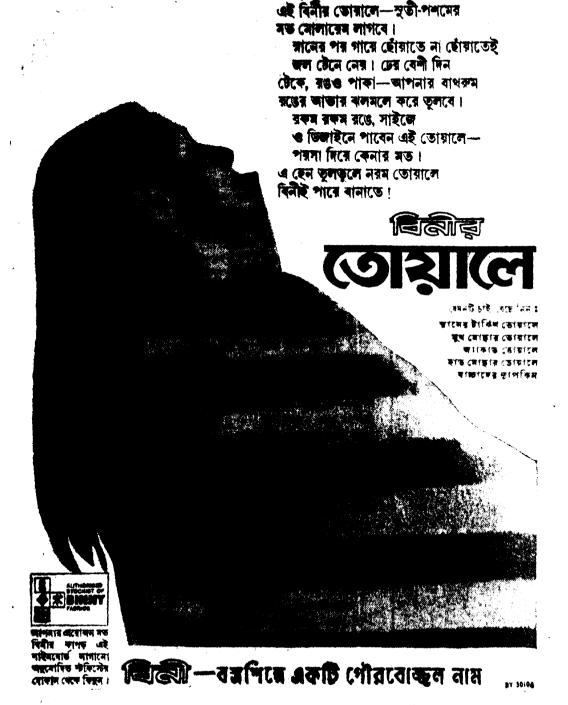
এই বই সম্পর্কে **শ্রীষ্ট্র পাল্লালাল দাশপ্রশ্তর** অভিমতঃ

প্র পাকিস্তান সদবকে আনস্কিংস্থ পাঠকদের কাছে এই বইবানা আমি সানক্ষে অনুমোদন করতে চাই। প্রায় পাঁচশত পাতার বইখানিতে প্র-বাংলার সাম্প্রতিক চিত্র পরিকার ফুটে বেখিরেতে।

জনজীবনের প্রায় প্রতিটি বিষয়ের উপর বিশ্তত আলোচনা আছে -তথা সহ। পূর্ব পাকিস্তানের উপনির্যোগক দাৰ্শন ভাৱ ৰাঙালী জাতীয়তাবোধের বিকাশ - সাম্প্রদায়িক অন্ধর্ণার থেকে মাভভাষার সাধনার মধ্য দিরে প্র वाध्यात वाक्षातीरम्य (विका-अन्मवासान) জাপন ঐতিহাসিক পরিচর ও পারসেন-निधित या वाडिएक अन् महान र्टाट-ভিষাৰ বিষয়েছ প্ৰগতিৰ অপৰে সংখ্ৰাম ছাত আন্দোলনের নতন দিগত, কবক ও মন্ত্র ও নতুন মধাবিত ব্যক্তিবিদের রাজনৈতিক নবচেতনা, নতন সাহিত্য, বাংলাভাষার বিকাশ ও গবেহুশা, অং-নৈতিক শোষণের বিরুদ্ধে সংখ্যান ইত্যাদির যে ক্লাসক সংগ্রাম ভ-দেশে চলছে ভার ভূরি ভূরি পরিচর এই বইতে পাবেন। কেবল প্রগতিবাদীদের কাৰ্যকলাপই এতে লিগিবছ আছে তা নয়, ওখানকার প্রতিক্রিয়াশীল হোর সাম্প্রদাহিক স্বৈরাচারী অনাচারী শাসক-বগেতি কাৰ্যকলাপও অলপ করে দেখানো হয়নি এবং প্রগতিবাদীদের জর অদ্ব ভবিষাতে সহজ লভা বলেও দেখানে হয়নি তবে ওদেশের প্রগতিবাদীদের যে অপ্র' সংগ্রাম — ভয়ানক প্রতিক্ল সামরিক শাসনের মধ্যে থেকেও ভার সাধ্কতা এদেশের প্রগতিশীলনের ও জনসাধারণের বোঝার উপর অনেকটা নিভার করে। দাই দেশের প্রগতি-শ**ীল**দের পরস্পরকে বোঝা দরকার।. এ जनां करे वहें यहें थाना कर्माम कर शहर হবে বলে আশা করি। দাংখের **বিব**র এ বই পূর্ব পাকিস্তানে যেতে পারবে না ওদেশে গেলেও এই বইখানা সমান সমাদর পেছে। এ বিষয়ে সন্দেহ নেই।

আন ন্দ ধারা প্রকাশ ন৮ শ্যোচরণ দে স্ফুটি কলিকাতা-১২

नत्रम, शुक्र ७ जाति जातात्मत



STORES AND SERVICE

ফাড়াই চেরাই আছে। তব্ ইচ্ছে করাল ওপের ডিন টাকা করে দেওরা বয়—তব্ও লাভ অক্রে। মললে, আচ্ছা, তেবে দোখ, কাজ করে স্বা

टमटना वंकाटना, 'आभारतय এक कथा।'
,श्रदाकरन्य कृत फारथ क्किएं रंथला कतना। रमटना का वृत्तका ना। श्रदाक्रम निय-त्राक्रि करत कथा निर्माण रान। काक्र कनना। मृथ्यूट्र श्रद्धका रनात : 'आक्र अक्षा हतिन निकात कत्रद श्रद्धन क्रिक्श क्रम

লেবের ইচত ধারালো বল্লম। মহাজনের হাতে বাদ্ক: দ্ভানে গেল ভার ভংগালের **ভিতরে। अवंधे कल ग**रहर भारत साकान বসল। সাপ বেয়ে চ লছে জলের ওপর দিরে। কথাবাতী নেই। আধ্যক্ত পরে এল ভিনতে হারণ। পিছনে গেটো পাঁচেক। क्षम रथरू व्याभन जाता। मात्र रथ क कारहै আসার পর ক্রাণ্ডিতে সব ধাকিছে। একটা করে জলা খয় সেরে আমচান করে চারদিক ভাকার: কী অপার স্কর ডোখ অর চাহনি ভাদের। মায়। হয় মাবটে। একটা গালৈ ছাড়িলে তোৱাব রজানান। যোগায় नाशन। चाह्रभाक स्माह भागा नास निहत উঠে ছিটকে পড়ক। অন্যাল্ডকা পালিয়ে গোলা পালকের মধ্যে। রফালনে ইদরে। করলে সেলেক ছাতে গিলে হারিণসাকে कासटल, बदाव कारणहें त्यम काराहे करा राहा

इमद्रमा कार्षे उथका कान्यरकार घरमा मिरहा ছবিশ্টাকে ক'ধে তাল হাতে ভারা কলম নিয়ে ষথন সেলে অসছে মহাজন হঠাৎ গুলি ছাড়িকো≀ বললে তেই অজ্ন—বম তের শেষনো প্রসাল চিংকার তার উঠে ধ নিকটা ছাটে এমে পড়ে গিয়ে ব্যক্তবেল ফডিড্যত কামড়াতে লগেল। সে মাল গেলে তাকে राजेल इराम क्याँग्रामाना कान्याना प्रत्या राज्या দিলে তেরের বফাদান। ত্রতেবে রকের চিক্ ষা ভার গাল্লে লেগেছিল জবাই করা হাঁরণের ताच जा अकाकात इत्त (१७५) व तमधात निरहं रनोएकास् विषय कत्र महास्ता। दनानः 'দুখেটিনা খটেছে। সেনে অজনি কয়ালকে বাঘে নিয়ে গোছে ! শিক্ষরং প্র সে যথন হরিণ আনহতে একা ছাটে গৈয়েছিল, ইঠাৎ ভার ওপরে বাদ্র ঝাপিরে পড়ে। আমি - গ**েল করলায় ব**টে, কিন্তু বোধ হয় লাগে **নি। বাষ্টা ভাকে যাত্তে ভুলে নিয়ে সাঁ করে জন্মলে চাকে গোল।** ভারে ভরসার অগিয়ে গোলাম। সমস্ত শরীর ভার থর**থ**র করে কাঁপছে!...যাবে নাকি তেমের ?

দ্বাই নীরব। শ্বা লখাই গঞ্জি বললে, 'চলো হাই—দেখি শালাটুটো... কিম্পু কৈউ নড়ল না। মহাজন একবেলার ছাটি বোষণা করে দিলে।

মহাজন সৈগারেট ধরিরে বললে, গকানো-মতে ছয়িশটাকে নিয়েই পালিয়ে এসোছ।



লেগের হাতে বারালো বলম। মহাজনের হাতে বলক

কী ভয়!...আমার ভর করল, তোরা হলে তো কাগড়ে চোপড়ে করে ফেলাইস কিন্দা জন্পালেই বেহােশ হরে পড়ে থাক্তিস।

অতএব দামকড়ি বাড়াবার আর প্রশন নেই। দংসাংসী সেলো ছাড়া কে আর কলা তুলবে? নিমরাজি হলেও মহাজন আর কি দেবে? সেলো নেই, কিন্তু তার জন্মল-বল্পনার ছড়াগ্লো সব ইরেল্ল মনে প্রভাব বিশ্বার করে রইল।

প্রতিদিন পারই—হিশ দিনের দিশ—নাকৈ ছড়ে হল। ছ-খানা গাদা থেটি বোঝাই মাল। একখানা পানশি নৌকোর মালপ্রতা মহাক্তন আরু লোকজন। স্বারের বাড়ি ফেরার অনন্দ। দাঁড় গড়ছে কাশাক্ষণ থপাঝপ শাক্ষ। সমন্তের ফেনান্ডান্ডা গর্ভামন তেউ ঠেলে হলদে পাল ভোলা নৌকোর বহর চলেছে ভার ধার পশ্চিম। আকালে মেখের বিচিত্র পাহাড়া

মহাজন সজানো কঠের মাধার একে বিসে আছে ছবির মতন। মতেও তার সক্ষের দাতি। মাধার ট্রিপ। কোলের এপরে কেরেআন শ্রীফ। সূর্য অলত বাজেঃ...

कानदेवभाषी कारना स्पन्न छेन्द्रेट

কড় হতে পারে দেখে মহাজন তাড়া লাগায়। গোসাবা থেকে দ্দিনের পথ নামখান। ডারমণ্ডহারবার, ফলতা, ব্ডুল, বাগাণ্ডা, নলদী ড় হরে শামগঞ্জের কাঠ-গোলায় পেণীছতে তাদের আরো দ্দিন লাগে জোযারের জনো অপেকা করে করে আসতে। গোলার মাল তুলে দিয়ে সবাই দামকড়ি নেবার কনো বাস থাকে। দরিবার ধারে এসেছে সবাইয়ের মা-বউ-মেরে-বোনরা। শুখু সেদো ভজ্নি করাল ফিরতে পারে নি। সবাইরের গারে বিবাস্ত জলের 'পানটিগা' (ক্স্কুড়ি) হারছে। গারের রঙ পোড়া কাঠের মতো হারে সেহে নোনাজলের আবহাওর র। মেরেরা সবাই কড়িভাব আর মানসিকর বাভাসা এনেছে।

সেনাের অন্পশ্বিত সন্দেশ সবাই গ্রেমান্স করাছ দেখে মহাজন ব্রুতে পরে সেদেকে বাথে নিয়ে বাবার ঘটনাটি ওরা বিশ্বাস করে নি বােধ হর। ভাই চার আনা করে প্রতােককে বেলি দের। সেদাের উপরি পাওনা বেটা। নইলে আগামী বছরে আবার লােকজন পাওরা বাবে না।

দ্মকড়ি টাকৈ খাসে নির স্বাই চলে বাবার সময় শাধ্ অনেক প্রির পঠেক ক্ষিপর গাজি বলে, শালা, গরাণ সংগ্রহ-কারী স্পেরকনের মই জনের চরিত্র স্থার-বনের বাজেছ চাইছেও ভর্তকর।

আবদ্ধল জব্বার

পু জোর উৎসবের দিনে ছোটদের হাতে তুলে দেবার মতো প্রাটি আনকোরা স্বক্ষকে নতুন বই অলোক্তমন দাশগ্রন্ত

দেবীপ্রসাধ বল্যোপাধ্যার ক্ষুণ্ডিজ

সাতরাজ্যির হে'য়ালি

শি-বিদেশের প্রচিনি ও আধ্নিক কালের প্রচলিত-অপ্রচলিত ধার্যা ও হে'রালির বিদ্যারকর স্থাত্ত। পাতার পাতার অসংখ্য মজাদার ছবি। আদ্যোপানত ছন্দে লেখা।

नाम ग्रं होका गन्ताम शहरा मार्ठ

কু জোল ব্যাগর জন্যতম কবি । জাঞ্চত দ্বার্থিত

দ্রাপ্জার গলপ

স হজ ভাষার ছোটদের জনা চণ্ডীর
সাপন বলেছেন লেখক অসানান্য
কথকতার, ভণ্গীতে। যা বড়োদেরও
ভালো লাগবে। অজন্ত সন্দর ছবির
সমারোহে বইটি বণ্টোম্ভন্ন হয়ে
উঠেছে।

काम मू डोका माठ

🎾 য়লা অক্টোবর প্রকাশিত হচ্ছে

প্রতিকা নিশ্চিকেট প্রাইডেট নিনিটেড পি ১১ নি আই টি ব্যেড কলকাডা ১৪ টেলিজোন ২৪০২২১



जानतात्र स्थानि कृत्वत्र नानिष्ट्रत प्राठा रनस्य ७ त्रमत्र कात जूलाव निष्ट्रि छानिमिश कीप्त



প্তৰু ভাৰিশিং জীমে আছে বিশেষ একটি উপাদান "
ছিউমেকটাকৈ এতে অকের আজু ভাষ আটুট গাকে। প্তৃদ
ভাৰিশিং জীম ভাই আপনার মুখ্ঞী কমনীয়, মসৃণ ও ডাভা গাবে;
আর ধুলোবালি ও কক্ষ আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচার।
ভূষার-তক্স ও হালভা প্তৃদ ভাানিশিং জীম এমনিতেই মুখে একটি
বার্তিভঞ্জী এনে দেয়; আবার পাউভার বেস্ হিসেবে এব ওপর
কেক-আপ ধ্রালেও ঘটার পর ঘটা নিধু ত ধাকে।

চীজ্যো-পঞ্স ইনকর্পোরেটেড (শীবিত দারে বার্কিন মুক্তরাক্টে সংগঠিত)

পণ্ডুস জ্যানিশিং ক্ৰীম—বিশ্ব ত পাউভার বেস্



-

চী ভার সাংখ্যবেশেই ইভি টানলাম,
ধরলাম কালিদনের পদ্ধভা।
প্রভীচা মনীবানের অকুপল স্থৃতি নিবেদন
গড়েছিলাম: উৎস্কা ছিল খ্ব।
লামাতিন্-ই না লিখেছিলেন ঐ মাটকে
ঘটেছে বাইবেলের রাখালিরা (Pastoral),
আফিকলাস-এর কার্মন্য আর রাসিন্-এর
মমতার তিবেলী সক্ষম?

अथाय अक्षे, जामहर्य जानाज वरहे: আমরা তো পাশ্চান্তা নাটাকলার সপো পরি-চিড, পঞ্চাম্ক নাটকের বি-ঐক্যে অভাস্ত। আর এখানে দেখাছ সব ওলট পালট। স্থান কাল সুটোই চলেছে লাফিরে मारिएर । এक अकृष्ठि कारक्ष्य क्रीरक आन् বছর, বলে কেটে বেডে পারে : ভতীর অংকে সংব্যার শক্তরভার বিছে প্রেকাম পঞ্চমেই সে গভিশী, আৰার সপ্তম অঞ্জ তার ছেলে বেশ ভাগরটি হয়ে দিবি৷ जिरस्ट्र जर**्न रथमा कतरह** । खाद म्थान ? বোধ করি চিত্তুবনব্যাপী ভার জ্ঞামতাঃ তশোবন থেকে স্বাক্ষপ্রাসাদ, রাজপ্রাসাদ स्थित स्वर्गा खान्न अभन्न देशव चर्छमा-हे वा কড! রাক্ষমদের বিদ্যাস্থিত **উল্লেখ্য অশ্বরীরী বাণী, শকু**শ্রলাকে তপোৰন-দেৰভাদের বস্থাদান, শকুণ্ডলার **স্বলোচ্নরন...। এদিকে গতিকে তে**। পরে भरम विचित्र करत्र वर्गनाष्ट्रक वर्ष एक्साक, ঠিক হিলি ফিলেম বেমন গান।

কিন্দু সবচেরে অবাধ হলাম কথা-বার্তার চঙে। মার্কিত, শোধিন, একট, বা কৃতিমই ঠেকে কথুল পাশ্চান্তা কানে, অনস্ত্রা বখন রাজাকে কোথেকে আসা হল ?' কিংবা 'দেশ কোথার ?' বা অর্থান কোনো কিছু প্রশন না করে প্রতিস্ভগ অল্ফুড ভাষার জিজেস করেন, 'কভমঃ আবেন রাজবিবংশ অলংক্লিকতে?' আর বাজাও ছোটো সহক ভালো আবেন তো?'-র বনলে শ্রেমা, অণি তপো বর্গতে?' [উত্তরজনে রবীন্তনাথের 'শ্বন্থ' কবিতা পড়ে নারিকার সান্যায়টা প্রদেশ বিশ্বত হরেছিলার ঃ শিপ্তাভীরবাসিদী মালবিকা কবির অংশত হল্ড রাখি/মীরবে শ্রেমাে দ্ধা্ সকর্ণ আমি/ছে' বাদ্ধা, আর তো ভালো?'] খ্ব কেড্রিক সাগত এই কথা তেবে বে ইহ্নাীরা বেখানে 'শালিত' প্রতিকরা 'আনন্দ' ভার লাভিনেরা শ্বান্থা' কামনা করে অভিযানন জানার, ভারতীরেরা স্পাধ্যে তপোবশনের কথা তোলে!

আর ওদের বৌ-এরা কতীকে আর্থ-পটে বলে ভাকে! এখনও মমে আছে বন্দা-দেশ-ক্ষের আমাদের অধ্যাপকের মন্ডবাঃ আঞ্চলকার দিমে ওরা আর্থনিত্র আর काल जा, जांचा काल 'काली'; काल व्यक्तावर्ष काल जीवनवर्षका

শউনকাশ্যে সিমানো কনো নুন্দ্রকারণ দালাভিবের এই উভিন্ন ব্যাশায় করে জিনি বালাভিবের, প্রান্ধবাদী রাপ্তলবিশ্বও আগণ্ডুককে সরক্তীর' আহাৎ প্রকুরবার পর্যাতে রাগারে কেয়। নির্মানী জালো, জার জারিও জাজকাল জাতী করি: জারানের বাভিন্ন সারকে বে গণনাজকের সালা। কলটা জারে, সেখান প্রক্রিড জারি জারানের বিশিক্য অভিনিবের প্রভূপনান করে আনি।

बार्मीयक चारपका

आर्थिति मार्गिक्त वर्षे देवाम-स्वाम शान्तक मा देक्त, चात्र मध्या व्यवसा अवन बच प्रामयीय कार गर्फा करतीकराम स প্রকৃতিই কিবল্পনাম। কর কোক আনাদের ब्रान्थ करवीक्रम, मरनक्रफ मा क्रांमा कन्द्रतम সাৰলে আৰ্থিভ ক্ষমেভ আলোবাসভাৰ िवता अवना आवादरव है।ती सबाह, पणच, 'লোহামের ঐ নেবভাবার অ-আ হাজা আর रकारमा न्यमपर्ग रमदे।"३: चाष्ट्र चावि याव ন্যাভিশক্তি সমুদেশের কুলোর সভো ्रिकारे द्वामा भाषात श्रीकाराक द्वान. প্রাধের বৃদ্ধে নার প্রতিত বার বার ভলে বেভার) সেই জারৈ কাণ্যসের দুটি रण्याक श्रीवर् श्रीवन्त्र करवेविनाव । जना-ভাষা শক্তভোতি, কর্ম নেতিবৈত্র गासामः...'। गाहि त्यापने वामन यस গভীরভাবে যাগ কেটোছল। সংস্থৃত নাটা-



र्जान ज्ञान वर्षक ?"

কলার বিশেষক করাসি গাঁকিক সিল্কার্ট লোক বৰন চলকেন, 'শক্তকানটেনটিতে ভারত করা রাল্য সমাজই প্রতিবিশিষক' ভার ব্যালার নির্মাণ হেরেনা অন্নির্মেক ক বুটি শেলাক।

সংক্রত ভাষা অবারনের সংগ্য সংগ্য আমন্ত্রা ভারতীয় সংক্রতি চর্চার সংবোধ ভিত্ততী পেরেবিলাব। পড়েবিলাব, সংক্রত সাহিতা বন্ধ সৰুশ্ব হোক না কেন, তব্থাজা ইনিপাস' প্ৰভৃতি টাৰেতিক
কোনো বিজ্ঞানত নাটক ভারতবৰ্বে নেই;
প্ৰীক কিবো লাভিন ঐতিহাসিকের
কোনো ভারতীর লেখককে ভুলনা
বার না। আর একটা অভাব কিন্তু আরি
নিজে বিশেষভাবে অন্তব্ব ক্রেছিলামঃ
ভিরোভিনাস কিবো সিসেরোর ভাবশের

মতো কোনো কাৰণ কি কোনো ব্লে সংস্কৃত সাহিত্যকৈ অসম্ভূত কলেছে?

আলাদের পাজনোলা এগিরে চল্ল, প্রকার উত্তর রামচারিত ও রামানা, মের-ন্ত ও অভুসংহার—আলাদের সংকৃত প্রকলাদারে সাহিত্য নিল্পান হলতে এ-কটিই ডিল সম্পন। অন্যান্য ক্লানে একট



স্থানের স্বর এক অপরিসীম আক্ষেত্র মন ভরিয়ে কেনে। লাভেণ্ডার ভিউ— অফুরস্ত কোমল ফেনা ভার নেই সক্ষেত্র মনমাতানো মিন্টি গছে ভরা নাবাব। মানের সমর আপনার মন কেড়ে মেনে, আপনাকে মাতিয়ে রাখনে। আমলানী করা ফ্রেক্ ল্যাভেণ্ডারের ভূরভূত্রে গছ মানের গরেও বছক্ষণ আপনাকে যিরে ধাকবে। লাম মাত্র ২.৫০ টাকা!

উঁ চুন্দরের প্রসাধন সাবান তৈরীর জন্ধ স্থপরিচিত ক্যালকাটা কেমিক্যাল-এর একটি নতুন অবদান ফাঁক দিতাম, আর সেই চুরি-করা সমরের
ফাক-ফোকরকে কাজে লাগাতাম মনে মনে
প্রাচ্য ও প্রতাট্ট্য সভাতার প্রতিত্তানার,
প্রাচ্য ও প্রতাট্ট্য ভাষা ও সাহিত্যের
সাদৃশ্য-বৈসাদৃশা নিম্কাশনের নানারকম
মজানার খেলার।

এমনি এক খেলার কথাই বলি।

সংস্কৃতের বিভিন্ন 'ন্যারের' மகர் প্রালকা হাতে এসেছিল, কিছ FAR. প্রাদ্ত ইতিমধ্যে ধীরে ধীরে শিখে উঠছি। চঠাৎ একদিন মাধার **এল ফ্**রাসি প্রবাদ প্রচানর পাশাপাশি এগালোকে মিলিয়ে দেখলে কেমন হয় ডিখন অবশা বাংলা জানতাম না: বাংলা ভাষা যে জ্ঞা চল প্রাদ-প্রচানে কত ক্ষ্মিনান ফৰ সৈৱ ভলনায় কত সরস ও স্ফার—তা ছিল काशनात वाद्यात । वना वाश्वना अभन खानक ফ্রাসি প্রবাদ আছে বার কোনো সংস্কৃত প্রতির প আমি পাইনি, যেমন ধরনে-

থেতে থেতে থিলে আসে; পিউতে পিউতে কামার হয়; সাপ মরে তেন বৈৰত মরে; থিদের কান নেই; বিভাল থেলে এনে নাডে; চিমে বাণিতে বাড় হাম। গুলারর ব্যক্তিতে বালা আটকার না:

বাতেরে বাজি, কড় ফ্রুল: এক বার, ন্য অনুষ্ঠা, বথা জ্ঞাল তথা বিদি: ধরতে যাবে ধরা পড়বে: যোগন যদি জ্ঞানত, বার্থাকা যদি পারত: টাকার আবার গণ্যাক্ষ

পাক্ষা হৈ চাহ, চাহ হৈ উপায়, সূতে গেছে চাও খোড়াকে বাঁচাও; গুমালেট গড়াত হলে ডিস ভাঙতে হয়; মদত অস্থানের মদত গুরুতা নেই খবর ছো ভালো খবর, প্রথম সন্তেশক্ষণই কাটেও; অংশদের বালে।

॥ শারদীয়ার শ্রেষ্ঠ প্রকাশনা ॥ 'সভাবান' রচিত

তশ্ত্র পরিচয় : ৬-৫০

তক্ষ সংপ্রেক প্রতিষ্ঠিত লাভের জনা এদেশে জাগ্রহের স্থামা নেই। এই দিকে লক্ষ্য রেখে লেখক নিপাশেভারে গাংগর ইংল তক্ষের রহসা উদ্যোজন করেছেন।

পঠিক-মহালে সাড়া-জাগানো এই জেখাকর আরু একটি অমবদ্য প্রথ

विम পরিচয়: ७-००

লি পিকা

৩০/১ কলেজ রো, কলি-৯

(जि ४६६७)

কানারাই রাজা; মরা সিংহের চেরে জ্যাণত কুকুর ভালো; সাজা মনের বিজ্ঞাপন লাগে না বিংলার আছে বাট 'চেনা রাম্নের গৈতে লাগে না : নেকড়ে নেকড়েকে থার না বিংলার নাকি আছে 'জোঁকের গারে জোঁক বসে

এমনি সব বোলো-আনা ফরাসিরানার মধ্যে বিচরণ করতে করতে প্রথম আলোক-বিশ্ব দেখা দিল সাধ্যাের : টেকের চির্নি! সিশ্বতারবতী প্রপিতামহেরা একই কলা আরো মাজিত চঙে বলেছিলেন: অশ্বদ্পশ্নার।

সাহিত্যগাণে দেখা যাবে আনেক ক্ষেদ্রে সংস্কৃতেরই ভিৎ। ফরাসিতে বালে 'একই ছড়িল আখানে দুই আখানেট'; সংস্কৃতে 'আয়াসকলিখ্ডপণি': অংশ ও পংলা উভানে উভানে সাহানাটাভাবে 'অংশ ও পংলা দেবি চলা আসাছে; সংস্কৃতি পালে, ফরাসিতে সাদানাটাভাবে 'অংশ ও পংলা বালেই প্রবাদনি চলা আসাছে; সংস্কৃতি বালেশেই কি আনের চিত্রমানী করে ভোলা হল 'দেভাশ্বন্ধর্থের' সভাবন্ধানে বিবাদ, সাংস্কৃতিও পণ্লাব্দ্ধা আছেই ।।

श्चानबालास अन्भकौ

ক্রতিটি ভাষার প্রবারে পথা পাথির একটা বিশেষ স্থান সাছে। সংক্ষাত গাড়ারিকা-প্রতা ফরাসী চোগে কেকটের সার: টেংগাত্রনগোরারের ফরাসী প্রতিষ্ঠা: ফোকলা সৈংহ, আর অধ্যান্তরী গ্রহণনিন্নিত অসমভারার কি ফ্রাসবির ব'লে থাকে মা্লির দতি।

কোনে কোনো প্রবাদে আবার শুর্ম ফরাসীয়েই জলতুর উল্লেখ। 'ভাল্কে মারার আগেই ভাল্কের চমড়া বেচা' মানবিক বুল নিয়েছে সংস্কৃতে 'অভাতপ্রেনামাংক হাতান বিশ্বেক রূপানির প্রতিনা বিশ্বেক রূপানির প্রতিলাকের এই আশারাক্ষক প্রতিন্তুরি সংস্কৃতত তথুকারী 'দক্তমেকবা সংস্কৃতি তথুকারী দক্তমেকবা সংস্কৃতি তথুকারী দক্তমেকবা সংস্কৃতি বুলি বিশ্বেক বি

এদিকে আবার 'বরমনাকপোত: দেবা
মহারাং' | অর্থাং কিনা, কালকের মহারের
চেয়েও আজকের কাপোত-ই প্রার্থানীয়।
ফরাসীতে প্রোদস্কুর আমৃত : "দাই পেরে
পাবের চেয়ে এক 'এই নাও' প্রের "
ইংরেকী রুপ্টি অবদ্য পাথির উল্লেখে
সংক্ষতান্সারী: ঝোপে দুটি পাথির চেরে
হাতে একটি পাথিও ডালো।

এবার প্রাসংখ্য প্রতিবেশিক্ষার বিচসচলতে পর্বভাগ্ত প্রাসংখ্যা বাংগ পরিষয়ে বিষয়েত



প্রকাশিত হয়েছে

একটি রোমাঞ্চল্য কাহিনী বা পাতক ও বিবরোর চেরেও চাঞ্চল্যকর লিখেছেন—

সম্বেশ বস

একটি স্নীৰ উপন্যস, উপন্যসটি প্জা সংখ্যস্থেরীতে প্রকাশিত হবার সঙ্গে সঙ্গেই ভূম্ব জালোড়ন প্রিট করেছে, লিখেছেন---

বিষ্ট্ৰ মিন্ত একটি ভর্মী সেরের চাওলাকর জীবনী নিরে এক স্বৌর্ম ফাহিনী লিবেফেন

म्बीन भामाभाषात्र

প্রা সংখ্যার দাম—৩.০০

—কর্মানর—
বেণী সম্মেদর

৬৭নং বৈঠকখানা রেড, কলিকাডা-১
হৈডিল্যানারের চাক্লাকর জীবনী (বা
আলবার্ডো লোরাভিয়াকেও হার নানার)

চিরঞ্জীব 'সর আমার নাম হেডি জ্যামার

এছাড়া চারটি স্দীর্থ উপন্যাস,
গাঁচটি বড় গণপ, ছ'টি ছোটো ঝণপ,
দর্শটি যৌন বিষয়ক প্রকশ্ব
গিথেছেন: আশ্বডোষ মুখোপান্যার,
শাঁতপদ রাজগ্রে, ছরিনারার্থ চট্টোপাধ্যার, কিরপকুমার রার, বিশ্ব
মুখোপাধ্যার, জ্যোডিরিন্দ্র নাবা,
শ্রীদর্শন, বেশী মজ্মদার, ডাঃ জাক্ষর
আসম, ডাঃ নির্মাণ সরকার।

স্কেরীদের দ্যেনাহাসিক ছবি, এছাড়া ছবির দ্যিরা

(गि ४२२७)

मास तम दिन भाग दिश्व ५००

নেপালের শটভূমিকার লেখা বিংশ শতাব্দীর সাহিত্যে উল্লেখ-যোগ্য গ্রন্থ। **ভটর অসিড** বন্দ্যোপাধ্যারের ভূমিকা সম্বলিত

न्तीलकुमस्य भटकाशस्त्रास

भाभी

₽∙00

विदन्शी आपा

6.00

इन्स्कि टमन

ফেড ইন ফেড আউট ৯০০০ আরব-কাঁটা ইজরায়েল ১২০০০ বিক্ষার রোডেসিয়া ১৪০০০

চন্দ্রগন্ত মোর্য

वादबायात्री विवि

8.00

শক্তিপদ রাজগারের

কেউ ফেরে নাই

20.00

≥.00

9.00

স্লতানা চৌধ্রী

সম্ভাট সেন

তুকি হারেম ৮০০ শিবাক্তীর লাগ ২০০০০

দিলীপকুমার রায়

অ্ঘটনের পর্বরাগ

দ্বৈপায়ণ

नाक्ष म्। भौतस्त

य्याट्बर्डेन्निमा ५.०० द्वर्वका

वरवका

সমাট সেন

শ্ৰীবাসব

অধিবাস

9.00

श्रीवात्र अक्रन 🕬

দেবকুমার বস, সম্পাদিত

विष्णानागत त्रवनावनी

১ম. ২র, ৩র প্রতি খন্ড ১২.০০ 🛮 ৪র্থ খন্ড ১৬.০০

রণ্ডল বকৈ হাউস ॥ ৭৮/১, মহামা গান্ধী রোড, কলি-১

मान्या-देशाय्या

হ্বহ্ অনুবাদ মেলা ভার, কিন্তু
মানতে হবে কিছু সাদৃশ ভাৰণ খাছে
পাওরা বার, মোনং সম্মতিলক্ষ্ম্ আর হে
কিছু বলে না, সে রাজি'; ভেশ্ডং তণ্ডের
সংব্যতে আর মিল বাদের ভারা-ই মেলে;
ফলেন পরিচীরতে আর শিলেই শিল্পার
বিচার: চিল্ডামণিং পরিতাজা কাচমান
গ্রহণম্ আর ভারার জন্য কারা ছাড়া—
বলার ভাপাতে এরা বেশ খানিকটা হান্তা
নর কি ?

সংস্কৃত উপজাবিদ্রাধ্যক্ত এর
পালাপালি পড়্ন সংসপতোলট নাত্রাক বালা করে এই ফরাসী প্রবাদটি মেল ডফাং ভটটুকুই মতটা তফাং ভট্ডে গ্রাপ ভল্লাদটাক্ত

আৰ ভাই মঞ্জাটা চেম্নান, সংক্ষাভ বাবে
বলো সেনালাং সন্পোলনতা, ফ্রামী ভাবেই
বলো মেনালাং সন্পোলনতা, ফ্রামী ভাবেই
বলো মেনালা বলো চেমান বেলা কিলা অপনালী গ্রেটা কিলা মার্লান সৈনাত গাসা বলো সাধানাবাবেলা, ফ্রামীন নিদ্যাত গাসা বলো সাধানাবাবেলা, ফ্রামীনে নিদ্যাত বিব্রুল দ্রিটার ভ্রুল-শ্রেব কৌল, বাব ব্রুলিকা দ্রিটার ভ্রুল-শ্রেব কৌল, বাব ব্রুলিকা করে প্রবাদে মুক্তে বাবে মান্ত ফ্রামীনে ক্রেটারেলার প্রামান করিলা। গ্রেমাব্র বাঁকা রেখার সোজা করিলা। শ্রেমাব্র বাঁকা রেখার সোজা করিলা।

বাইবেলে চ'ডেও সংক্ষত নারের সাথ কিছা কিছা সাদশা পাওমা যায় কাষের উল্লেখ্য নির্মেষ্ট্র কিছার্ট্রেকি সা লোকের চিকিৎসকের প্রিয়েক্তন নেই প্রশ সমূচ্টে জন্মনিশা ন প্রায় পান্তোব্য ভাইরের চোথে কুটো দেখছ, নিজের চোট কড়িকাঠ দেখছ না; ভাকেদেকং কুলসাতে জাভির বিনালের চেরে একজনের মূড়া প্রেয়: বালসা প্রদীপকলিকা ক্রীডারের নগব দাহং/কভট্যুক্ত অভ্যিকত বড় এক অরণাটে জালিরে দেয়।

একদিন লাইরেরিতে প্রবাদ সংকল খ্রাছলাম হঠাং দেখলাম—বাংলা ভাষা এক ব্যাকরণ...

(ক্লমণ



পু! বাশমার অভি আদরের প্রাজ্ঞান্ত পোশাকী নাম সারত সরকার। দুটি চোখে তার রামধনরে ছারা. রকে দর্শমনীয় আশা, হাতে পেনাসল ও কলমের বাদ্যকাঠি। প্রকাশতির মত দে हमाम-रमास रवछात. श्रीव औरत. क्विंडा লেখে, সেই সভ্যে লেখাপড়া করে। অথ মান ৮ বছর নয় মাসেই সেই পাপা ভার বাপমার কোল শ্নো করে প্রথবী থেকে বিদায় নিল! মাত করেকদিন আগেই সে त्याप्रेत गाष्ट्रित मृथाप्रेगात क्रक्णांग घरि चौत्क. নীক লৈখেছিল—পাপা! অনুষ্ঠের পরিহাস, নিঞ্জের বর্তির সম্মাণেট সেই মেটর ল্ছটিনাতেই দে চিশ্লনিমের মত চেপ ্ৰাল্ড : শোক্সদত পিতা নিখিল সরকার বল্লান—প্রবল আন্তান হতে গিয়েছিল, বিংশ্ব মারাম্মক কোনও চোট লাগেনি। হাসপাত্রেল করেক ঘণ্টা পরে জান হলে প্রতি হাবার জন্য বার বার কাকভি জানার। প্রে লব পের হয়ে এলে—রেন হেমারেজ! এবং সেই সংগ্রেই অকালে প্রিসমাণিত ঘটল স্নিদিচত সম্ভাবনাময় একটি শিশ*ু*-প্ৰতিভাৱে ৷

আকাশের ব্যুক্ত স্বল্ভ স্মান্তভাল চাঁবি,

চাণ্ডলাকর আবিম্কার দৈর্দান্দন একখেলোম থেকে বাঁচন

আমেরিকার একটি আন্তানকার — ধা গাড়ে পেলে পোজিং ব্রাশ্ সাবান কার ক্রীম আপনি মুড়ে ফেলে দেবেন—ভারতে এই স্বাপ্তথম প্রবৃত্তিত হলো।

স্বচাইতে মজার হচ্ছে, এই আবিক্ষার কেবলমারে রেজর রেডের ক্ষেত্রই প্রযোজ। ইচ্ছে—মাধের ওপর নায়। কুইক-এন-ক্রীন এর (জিনিস্টির এই নাম) বাপারে এইটিই ইলো স্বচাইতে অবিদ্বাস। ঘটনা, অংচ এই দিয়ে আপনি অতি প্রতে ও চমংকার শেড করতে পার্বেন।

আপনার হৈতের প্রান্ত এক কোটা কুইক-এম-ক্রীন চেলে নিন্, ভারপর মুখ কল দিয়ে ভিজিয়ে গোড করতে থাকুন। আপনার কেন্দ্রর রখন লাড়ির ওপর দিয়ে কাপোটের মত কোমল পশর্শ ছড়িয়ে এগিয়ে বাবে, আপনি তথ্ন জীবনের সবচাইতে বড় বিশ্মর।বোধ করবেন। বারের দিক দিরেও এটিতে সাপ্রয় হয়। এক বোতলে ভিন মাস চলে।



मील होन

बिल्मी: भागः

শ্দ্র আলোকছটার চারিদিক ভরে গেছে, তিনটি ছোট নৌকা হেলেদলে নদীর ওপর দিরে ভেসে চলেছে, মাঠে একদল ছেলে মাটবল খেলছে, প্রেভাগে পতাকা উড়েরে বিরাট শোভাবারা চলেছে...বিষয়বস্তুর নিক থেকে এগালি নতুন নর, যে কোনও শিশ্চাচপ্রদর্শনীতে এ কাতীর ছবি দেখা বাবে। তবে আকাডেমি আরোজত প্রদর্শনীতে গাপ্র আকা ধে সম ছবি ও শিক্তবলিং দেখা গোল সেগালি ভিন্ন শ্রেণীর। পরস্পর বিচ্ছিন্ন হলেও এগালির মধ্য দিরে সমগ্রভাবে ধন পাশ্রে বিশেষ ও একাশ্ড মনোক্রগতের সংখ্যা গাওরা বার।

পাপ, ছয় বছর বরস থেকে ছবি আঁকতে শার করে এবং এখানে-ওখানে ছড়ানো ওর ছবির সংখ্যা হবে \$000-₹€ অধিক। তাদের মধ্য থেকে থানি নিৰ্বাচিত ছবি, তার আঁকা ছবি ও কবিড়া স্থালত প্রকাশিত 'পাপরে বটা ও ভার একটি শিংরচিত প্রদর্শনীতে রখা হয়। প্রদর্শনীর উদ্বোধন করেন শ্রীদেব**ীপ্রসাদ রারচোধারা। পাপ**রে ছবি, কলম ও পেশিসলে আঁকা—অধিকাংশই ডুডুলজাতীয়। তার রেখা স্ক্রেও অনেক ক্ষেত্ৰে ভাষ্ট্ৰা, ভাষা সংক্ষিণ্ড কিন্তু স্**॰ १९ हो। याद्य करत्रक**ि हे**. कर**ता द्रिया दा বিদ্যুর সাহাবো পাণ্ড জটিল ও সমসাময়িক বিষয়বস্কুগালি সান্দরভাবে ফ্টিয়ে তুলেছে ৷ শুধু ভাই নর, রীভির দিক থেকেও এই শিশ্লিক্পীর কাজে সমকালীন চেতনা-रवार्थत शीवहत शाखता वात-विश्व करत নভারত দুটি মুভি⁵ও সি'দ্ধ রভের লাল চিশ্ল-এর কোলালে। স্বণনা ছবিটির भतिकम्भना ७ विषये तथावेन स्मर्थ বিস্মিত হতে হয়। বিভিন্ন ছবি দেখে মনে হয় সমকালীন পরিদিধতি পাপার মনে গভীরভাবে রেখাপাত করেছিল এবং এটিকে সে মেনে নিয়েছিল। মিছিলের পর মিছিল চলেছে थ्रोम वाम शास्त्रहः, रथनात्र मार्क लानमान गाउँ राम्यः, यादौद जानाव রাস্তার পাশে সারি সারি রিকাশ দাঁডিয়ে আছে বা ছোৱা হাতে কোনও ডাকাত তেড়ে আসছে—এগালির সবই যেন তার পরিচিত। তার সংগ্র ছিল প্রচ্ছলভাবে ল্কেরিত শিশ্-ক্রিমন ও ভগ্রানের ওপর অগাধ বিশ্বসে। নীল আকাশে চাঁদ দেখে সে মাণ্য হত ছি মনে আন্ড ফ্লওয়ারস), সংগতির মার্ছনা তার প্রাণে সভা জাগাত ফোকেম্ব্রী -ব্রবীন), আবার মহাকালীর বিচিত্র **র**প ভাকে অভিভূত করত। পাপরে আঁকা करहकीं कालीमांड जभूर'। 'भाभात दहे' প্রকাশ করে প্রকাশক সকলের কৃতজ্ঞতা অভান করেছেন এবং পাপার আঁকা ছবি সকলকে দেখার স্বায়াগ দান করে আক ডিডম কর্তাপক সকলের ধনাবাদভাভন হয়েছেন।

প্রিক্তিবিজ্ঞানের সর্বপ্রেক্তি আধ্যনিক বই শ্রীমতী স্ক্রিমণী দেবী প্রণীত

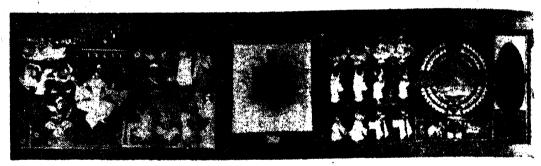
সীবন ও কাটিং শিক্ষক ৪০০০

চন্দ্ৰদেৱ সৰ্বাহ্যেও বার-ব্যাহ্যর বই
শ্রীক্ষরগোপাল সাহিত্য-শাল্ডী প্রণীত

র্তু দ্র্পূর্ণ (বিজয়া পর্যন্ত) ২-০০ বোনবিজ্ঞানে সর্বাধ্নিক প্রত্তক শ্রীপ্রকুদ দাশগ্রে গ্রণীত

প্রিবার গরিকণ্ডনা ২০০০

এস সি শীল এ'ড স'স ১৯নং স:কিল্লাস জেন, কলিকাতা⊢১



देक्सन बदर्बाद श्रथम क्रीथांक्क्स भाकाभाव विवक्रदानदाव क्रीवदानव क्रकेमावनी क्रावनप्तान केन्द्र ग्रामात क्राव्यक श्राकीय क्रिका

ভারতের অন্যানা শহরে পপ্র চিত্র-প্রদশানীর ব্যবস্থা করলে তার স্মৃতির প্রতি যোগ্য সম্মান দেখানো হবে বলো আ্যার বিশ্বাস।

*

আক্রেডেমি গ্রালারীতে সম্প্রতি শিল্পী

বি আর প্রনেশর তাঁর প্রদর্শনীর আয়েজন
করেন। গত করেক করুর বিভিন্ন প্রদর্শনীতে
বোগদান করে এই শিল্পী অনেকের দ্বিত
আকর্ষণ করেছেন। আন্তর্জানিকভাবে শিল্পশিক্ষা না করলেও শিল্পের প্রতি তাঁর ঝাঁক
আছে এবং নিন্টা ও অধাবসায় ফলে তিনি
ম্থানীয় শিল্পীসমাজে প্রিচিতি লাভ
করেছেন। ইন্ডিয়ান স্ট্যাটিস্টিকাল ইন্সিট্
টিউটে কাজ করার পরে অবসর সময়ত কু
তিনি নির্মামভভাবে শিল্পচর্চায় নির্যাদিত
করেন। প্রদর্শনীতে জলরতে আঁকা তাঁর
২০টি ছবি দেখা যায়।

পানেশরের সাম্প্রতিকতম রচনা দেখে বোঝা যার যে, তিনি বিভিন্ন জলরত অধকন-পৃথ্যতিতে নানা প্রক্লিয়া করে গেছেন এবং অনেক ক্ষেপ্রে সাফলালাভ করেছেন। মিশ্পীর রচনার তিন শ্রেণীর নিদর্শন দেখা যায়— ইমপ্রেশানিস্টিক স্কেচ, স্টাভি ও বিমূর্ত

এবং সমবিমতে জাতীর কাল। প্রয়োজনীর রঙে তলি ভরে নিরে কাগজের ওপর সেই তজিকাসপ্ৰোক্ত মধ্য দিয়ে ডিনি বিভিন हेरमकातीत मुण्डि करतः इन-रवमन एटारम খন ও পিৰালিয়স প্রেরেস। এই প্রসংগ্র विद्रास करत नान्ते स्वारतेन केळाच कवा हरता। নাল সক্ত ও কোনো রঙ সংমিশ্রণ স্বারা শিল্পী স্থান্তর একটি নিস্পালোকের ভারতারণা করেছেন। করেকটি ছবিতে शिक्षी **धारमावरमय का विरमय रका**नस স্থানের আসম্থান আঁকার চেন্টা করেছেন। মাখ্যত দ্যাতি জাতীয় হলেও কয়েক স্থলে স্বত:প্রণোদিত রাপায়ণের আভাস পাওয়া ধায়। উদাহরণ হিসাবে ৫. ১৪ ও ২৩নং এর নাম করা ধার, যদিও প্রথমোশ্বটি কৃতিমত:-দেয়ে আড্ডী বিভিন্ন কর লব্মন তাল রেখ্য সাহায়ে ফাটিরে তলে শিল্পী বিঘার রচন্য করেছেন র্বাভির দিক থেকে দ धकारी मन्त्र नार्य गा। एएव करतक एकएट পৌনঃপ্রনিকতা দোৰ ধরা শতে: এ বিধয়ে সতক্তা অবলম্যন করলো শিল্পী লাভবান **इरवन। कारङक्छि कारख** अखीन कारङङ বৈশিষ্টা ফাটে উঠেছে। পাতলা রঙ্ক বাবহার করে আ অনেক সমধ্যে তেকে দিয়ে শিশ্পী

द्रबंधवर्त्त करतकि विमार्थ हेरास्वाहीत मृष्ठि करतक्ति। अहे श्रम्पन मद्द्रम् भौत छ कारमा तक श्रमाम ५० तर के कारमा दकामी ६ हामकः मद्द्रक कहरदाम माक्षमात काल विरम्मकारक केंद्रसम्बद्धानः



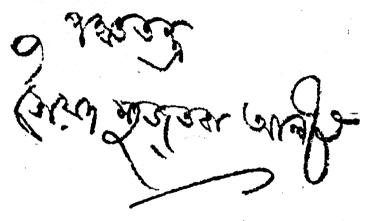
বড়বাজারে জৈন সংখ্যানকর বিস্তৃতি দেশভান্তর পঞ্চ মাত্রী মাধ্যার একটি সংখ্রতি রচিত প্রচারি চিতের উল্লোধন করা হাল। প্রচারিচিত্রটি এটকছেন স্থারিচিত দিশগাই ইন্দ্র দ্বার

ভারতীয় শিক্ষকলা মাধ্যর জাত আহিচন নিম্মের কন্য করে হার ন্যারে ভিত্ত জন্মতের এক শ্রেণ^মর কাছে বিশেষ আন্তঃ grippoperation in increase in the presence অজান করেছেন: প্রমু ভৌমার্কত বিশ্বভ ক্ষেত্ৰৰ শাভ জন্মগ্ৰহণ কেন্দ্ৰ শাভা কৰে ভাই দীক্ষাগ্রহণ ধ্যাপ্রচার - ১৮৮ নিবাণের, স পর্যাত্ত বিভিন্ন মান্য বলটে (মালসাট ভূমটি প্রাঠীর ডিবের অধ্যানিকে সংকরত নত । বল ন করেছেন। ক্রিন কলপ্রাত্ত অবল্যাক্তন কাচত স্পৌর্য প্রচারতির কান্ত তিন্তি প্রস্কারে বিভয়। প্রথমটিতে বিষ্টান্ত্র শ্টেকক তার মান্তার স্বাধ্যান্ধান্ত ও নামা প্রত্যিক সিং**হাস**ন আৰুবাছণ ও সীক্ষাল্ডেণ দ্বতীয়টিতে নিৰা**প্ৰ**চ্চ ও **ত**ুলীয়টিটে বাজ্যা শিষ্মদের শিক্ষা ও ভাষ্ণদান এক রাপ্তসার বিবাভ হয়েছে। স্থামি প্রচীর ্রতি ক্ষমারে ডামা ডেম্পারা মাধ্যমে আঁকা ও চল ক্ষরনাবারে কন্ত ফলোন্যান ও প্রকাশ পামিপেরের (শক্সার্গ ভিনারি সাধ্যন্ত্রের মধ্য নয়েই উলবান বিষ্ণুদেৱের প্রেম্ম প্রিচ ीयराज्य अधान घडेनातम् । तालाशिक करत ন। স্বভাবতই শিল্পী ভারতীয় চিত্রকলা ীতিতে প্রাচীবচিত পরিকল্পন্য করেছেন ও াকেছেন এবং বিশেষ করে নিবাপলায়ভক বর রিহ্ভনেবের ছবিতে তিনি প্রম প্রিচ-विदेश करिएम उरमारका। कविषयः योग अन मन्त्रित यादवन, छोता निल्मीत स्रोका शाधीर्वाध्विष्टि एत्य यानमनाङ क्यारकः।



भिर्माश्चमम् द्यार्थमः।

-वि आह भागवह



नाकाया

তি বংসর আন্তিঠানকভাবে স্ভাবর

প্রাথমিক শিক্ষা, পাঠশালার মান্টারগণাইনের প্রাবস্থা, শেশ থেকে কেন
নিরক্ষরতা দ্রি হাচ্ছে না এই নিয়ে বিরাট
বিবাট মান্টিং হয় বিস্তুর চেল্লাটেলি হয়,
ম() ঘটি চোরের জল ফেলা হয়। তারপর
সর বংসক নিশ্চপা।

এ যেন কজ,স শবশ,বের জামাইম্বর্ডী করার মন্ত্রা নিত্তাশ্র না করলেই নয় বলো। ভারপর পরিপ্রাণ একটি বংসর কিপটে মাধ্যা নিশিক্ষিত।

রহা, তুলনাই টাড টিয় নিজ্ঞাল না
নান্ধ্য মন্ত্রী রাজ্ঞাল কৈ না
কেন্ত্রী জানাই মন্ত্রী আন্তল্প লোক না
কেন্ত্রী জানাই মন্ত্রী আন্তল্ভ একা
কেল্ত্র মার্ভানি কোনা কোনা
কাল্ড্র পারা কোনা কোনা কোনা
কাল্ড্র পারা আমি মুসলমানা
কাল্ড্র পারা আমি মুসলমানা
কাল্ড্র পারা আমি মুসলমানা
কাল্ড্র পারা
কাল্ড্র পারা
কাল্ড্র পারা
কাল্ড্র পারা
কাল্ড্র পারা
কাল্ড্র পারা
কাল্ড্রা
কাল্ড্র

তে আমার প্রতি অক্ষণ সংগ্র স্টাক, হাঁবা আশ্বনগুপাশকথ শ্রেই ভালবাসেন প্রাদের করে অব্যাহর একটি ঘটনার উল্লেখ। আমার বন্ধ পিতা তথন ভেট একটি মহাকুমায় আনারারি হারিক। কর্মান আদ্লেভ থোক ফারে নামার বললেন, প্রাদ্ধ, আজ আদ্লেভ কি গ্রেছিল, জানিসার এক মুখা মারেক গাহার বিব্রেশ্ব মোকক্ষমা এনেছে, এ দোশবাটা নাকি ভাকে সক্ষর রাল্ডায় পালো বলে, গালাগালে দিয়েছে এত্রভিন পরে আমার ক্ষর মনে কেই সেটা এব্রুজিভ লানগ্রেইক

পাছেন, বাটা সম্পর্কে আমার বভকট্ম-শ্যালক) আমাকে জামাইকঠীর দিনে সমর্গ করে নাঃ করেণ তার পিতা—অন্মার ঈশবর ধ্বশার মহাশয় তাঁর সাধনোচিত ধামে চলে যাওয়ার পর এই শালেকটি ভার পিতার তাবং দ্ব গ্রহণ করেছেন নাভা করতে করতে ানতোর খাতিরে অনিচ্ছায় বলচ্ছি দাতাকণ ধ্বশ্রমশাই বিশেষ কিছা রেখে বান নি. এবং সামানা বেটাক ভদ্রাসন রঙ্গারে সেট্রত পাটি-গিয়েছিলেন 376 মান্ত্রেকেন হম্ভচাত হয় বেশ STREE. **श**्व इस्स**्ट**!!) কিল্ট পিত্রদ্বের দারদারিত বেবাক এটিতর গেছে: ভাই সে (সম্পাদক মহাশ্যা, অপ্রাথ स्तादन ना. প্रতিবারেই আমার গালগালাজ করতে ইচ্ছে যচেছ, কিন্তু আপনার পত্রিকার

মা ভিষ্ণেমশ্য ছিল-লেখৰ।" ভার পর रायः रहात्वन जानामौ शक्षत्र माहारतत বক্কবা, যাকে সে পালা বলৈছে সে সম্পাকে স্তিট্র তার শা**ল**া: **অ**তএই কোনো অপরাধ হয় সিং বিপক্ষ কৈন্ত বলছে, রাস্তার উপর ুড়িত আসামী বখন শালা বলেছে তখন গ্রহান্তবা সোহাগ-পোরা সে শালা কলেনি: হাল্ডে অপ্যান করার জনা। ইতিমধ্য বাস্থ্য মগ্রিবের (স্থার) নামাজের জনা ভলুব জল এসে গিগেছে। স্থামি তাই ভাভাততি শ্ধলমে, 'কাপনি কি কম "मृहे शक्काक ফিলেন।" ৰাবা ব**ললে**ন অনুন্তত থেকে দূৰে দূরে করে তাড়িয়ে দিল্ম। বলল্ম, ম**ংক**র। করার জায়গা প্রভূমি!"...আমার মনে এখন সন্দেহ জাগে. ্বর এই হ্রুম ঠিক আইনসমত হরেছিল কি না। ভবে এ কথা জানি, দুই পক্ষই কোন প্রতিবাদ না জানিয়ে সামেসমুড় করে বেরিয়ে গিয়েছিল। কারণ বাবা ছিলেন রাশভারী. আচারনিষ্ঠ বৃদ্ধ। আসামী ফরিরাদী ্যে ছার স্বাইকে দেখেছেন উল্পাবস্থার আমাদেরই বাড়ির অভিনার খেলাখ্লো कदार ।

সন্মান আছে, প্রতিন্টা আছে আগনি এ-সৰ
ছাগাবেন কি করে?—আন্মো আপনাকে

এ-কদ্পদেশ দেব না) জানাইবন্টীর একমান

আগের থেকে এড়িরে চলে। হিন্দু কারদাকান্ন আমি জানিনে, কিন্তু স্মাম যে

অঞ্চলের ম্সলমান সেধানে রীতি, দ্বশ্রে
গত হওরার পরই তার পরে জ্লানাইরের

দ্বশ্রে হয়ে বান। হয়তো হিন্দুদের ভিতর

এ-রেওরাজ নেই। আমি জানবো কি করে?

কিন্তু আমাদের এই হিন্দুম্সলমান,
ভারতীয় ঐক্যবিধান নিরে বধন সন্ধাই মাম্মা

ঘামাছেন তখন উভর সন্প্রদারের মধ্যে কি

কিঞ্চিং লেনদেন গিড্-আন্ড-টেক্ করা

উচিত নব?

এই দেখুন দা, প্রাত্দিতরিয় সময়
আমার দ্ তিনটি হিন্দু খোন আমাকে
নেমণ্ডর জানার—'নেতণ্ডর' কথাটা বোধ হর
ঠিক নয়। আমাকে তথন তারা ভাক দের—
হক্ক হিসেবে, আজে ৫ মাটোর অব্ রাইট।
আমি তখন বিশ, পচিল টাকার সাভি নিরে
আই।

কিন্তু আমার জোণ্ঠ পরে, প্রিন্স্ অব্
ওরেলস্, ফিরোজ মিঞা বডই বোর
আত্মাতিমানী। সে নিমল্রণ পার তার তিন
চার হিন্দ্র বোনদের কাছ থেকে। আমি
বিলক্ষণ ব্রন্ধি, সেই সরলা হিন্দ্র কুমারীরা
মনে মনে ভাবে, সব হিন্দ্র লাড়িভিতীরার
সারব করছে, আর এই ছোট্ট ভাইটি একা
একা দিন গোরাবে? তদ্পার একথাও তো
সভা, এই কুমারীদের কোনো কোনো হিন্দ্র
ভাই মুসলমান ফিরোজের চেরে কোনো গুলো
প্রেন্টিতর নয়। আমার মনে পড়লো,
ঐ ফিরোজই ভার কোন এক দিদির জন্ম-

জীজীটাকুর সীতারাসদাস ওক্কারনাথ মহারাজ প্রবিতিত

আর্য্যশাস্ত

মাসিকপতে বজনা্বাদ সহ মহাৰ বেদব্যাস হচিত মূল

ঞ্জীম হাভারত

আৰম্ ১০৭৫ সংখ্যা হইতে প্ৰকাশিত হইতেছে।

বার্ষিক অগ্নিম সভাক গ্রাহকম্কা ১৫-০০ আবাধান্তে প্রতিকাশিত নিশ্লিবিত গ্রুথগুলি এখনও পাওরা বাব।

- ১। মন্সংহিতা ... ৩-০০ টাকা
- ২। বিংশ সংহিতা ও শন্তি ২২-৫০ "
- ा श्रीवान्त्रीकि बाधासन ... ७०-०० 🚆
- ৪। জ্রীবিকুপ্রোণ ... ৯-০০ "
- ৪। শ্রীমন্তাগরত ... ১২-০০ ;
 (ডাক মাধাল স্বতদত্ত)

আর্যাশাস্য

৩৮নি, বিধান সর্গা (বিবেকানন্দ রেছের মোড়), কলিকাডা-৬ ফোন : ৩৪-৪৪০৮

দিনে ভার প্রিয় ফুল কেয়া আনতে গিয়ে শাল্ডিনিকেডনের দক্ষিণ দিকে গোরালপাডার কেলাবানত মাধাবানে গোখাবা সাপের ভোবল ব্ৰেতে খেতে বে'চে যায়।

অতএব বাব, ফিরোজ আমাকে বললেন. "আৰু: আমি ভ্ৰাতন্বিতীয়ার ব্যক্তি। কিন্ত कात भारत मिनियमत कना किए गाफि কিনতে হবে। আমি দালাল কোম্পানিতে काकि ।"

সৰ্বনাশ! দালাল কোম্পানি অকাতরে সব দেবে। অবশ্য বাজা ফিরোক্স কেন, ওরা काউक्ट ठेकात ना। छत्व कि ना. व्यामि ওদেরকে একবার ঠকিরেছি।

কত টাকার বিল এসেছিল, জানেন? ३४० होका।

*

্ সাঠক হরতো ভাবছেন, আমি কি নিয়ে আরম্ভ করেছিল্ম, আর কেথায় এসে ल्योबल्या । द्वित्य विल । এ-ल्यापि यथन আরম্ভ করি তথন ভাষণ রোদ্র, দার্ণ গ্রম। তারই সংখ্য তাল রেখে আমি বন্দ ভথ্য বাংগরসের অবভারণা করি। কিন্ত দ্র' লহমা লেখার প্রেই হঠাং অধ্কার করে নামলো ঝমাঝ্রাম বৃণ্টি। ভারপর মোলারেম রিমবিম। তারপর ইলনেগ'ভি। সাজা সাজা বাদরসের অত্থান : বাসনা হলো আপনাদের সংখ্যে দু" দণ্ড রসালাপ করি, একটা থানি জমজমাট আন্ডা জমাই। অবশা সম্পাদকমশাই যদি এ-রকম হাক্রামী পছন্দ না করেন, তবে সেটি তিনি ছাপবেন না। ফাসার দড়ি তো তার হাতেই। তবে कि ना एमठी अकड़े। दिक्कर्ड दिक कहा शर्व।

কারণ গত কৃডিটি বচ্ছত্ত ধরে তিনি আমার কোনো লেখা "প্রপাঠ" ফেরত পাঠাননি। ইতিমধ্যে আবার চক্ষতে রোদ উঠেছে। ফিরে ঘাই সেই র. দুরুলে।

*

অত্যাতে যদি কেউ শুধোর, অগ্নি কোন্ জিনিসে স্বচেয়ে গ্রেম্ আরোপ করি তবে निकटिय वन्द्रवा.

faissi i কোন শিকা? প্राहेमादि न्कन, अर्थार शाउँगाना। ভারপর ?

হাইস্কল। তারপুর? কলেজ, বি এ, এয় এ। তারপর? পি এচ ডি। আমার আন সকলেত বিবৃদ্ধির সঞ্চার হয়, বর্থন দ্বৰুৱৈট করাৰ জন্য কেউ আমার কাছে এসে आहारा हारा

পাঠক অপরাধ নেকেন না, যদি এ-স্থলে আমি কিন্তিং অস্কৌবন প্রকাশ করি।

বংগসাহিত্যে আমার যেটকে সামানা লাস্ট रवरमाव आजन कार्रोटक (अर्था) आयात अपम প্রেচ্ডক "দেশে বিদশে" প্রকাশিত হওয়ার পূৰো) আমি একটি নাতিদীঘা প্ৰকথ লিখি. মরহাম হামারনে কবীর সাহেবের "চতুরকে" ১৯৪৮ সালে। প্রক্ষতির নাম "প্র পাকিস্তানের রাখীভাষ।।" আমি প্রমাণ कदराज राजस्त्रीकृताम, या याहे वना, क ना रकन, আংখরে পর্বে পাকিস্তানের রাশ্রভাষা বাঙলাই হবে। কিন্ত এহ বাহা। আমি তথন প্রাইমারি এড়কেশনের উপর সবচেয়ে रवभी रकात मिस्स वीन :

"আফাদের পাঠশালার পশ্চিতমশাইদের

किছ किছ समिलमा गारक न्या बारक কিল্ড সে অতি সামানা, নগণ্য। কেউ তেট हाम व धरव थारकेन । जबर एरमहरू होता त्य की निमादान नाजिएसाई क्रिक्ट निर्म कौरन यानन करतन रन निर्माप कांचनी কানা করার মত ভাষা ও শৈলী আমার নেট। লেখাপড়া শিখেছেন ব'লে এবং জনেত श्यालके केन्द्रम विमालिन करत्रहरून हरते আফার শহরে বলে সঠিক ব্রিকন-গ্রামের আর পঠিজনের তলনার এ'দের সাক্ষ্যানাড্রি স্পর্শকাতারতা এবং অ সম্মান্তান হয় অনুকে কেশী। মহাজনের রাচ বাকা জামিনত टकारुमारतव वर्षठका क्रांटमव श्रमस्यास আৰাত দেয় ঢের ঢের বেশা। এবং টেজ-শিক্ষা কি বশত তার সংখ্যান তারা কিছাটা রবেন বলে মেধারী পরেতে অর্থান্তার _{বিচা} শিক্ষা না নিতে পারাটা এ'দের ছাবিনেব সবচেয়ে মারাভাক ট্রাফেডি। "ইছিহান" "আঞ্জাদ" (পশ্চিমক্পোর বেলায় বধাবো "আনন্দ্ৰাকার", "দেশ"—এটা এখনে হাস্দ দিছিল -লেখক। মাণ্ডা মাণ্ডা এগদের হছদেশার हार वाले को वा का लिए एक सक्तार राजी भ्याभ्यानियासम् वद् एकत्वः निरुद्धः उत्र হয়তে৷ ভার সবিষ্ট্র আশাসালী কানাও क्टिना विकासकीशाल डॉका करक्कम दक्त ভারপর অলাভাবে ডিকিংসাভাবে পরে এথবা कना। यथन यक्ष्मणदार्था राजरशत आधारन रिनरल ভিনেতা মারে ভাষন ভাষা কি কবেন কি ভাবেন আমার ভানা নেই: বাইচ্ছলি काराज वनगढ डेक्स गास "धना साहाता चक्क কারণ ভাহাদের দুঃখ াত্র**া। পাঠ**শালাব श्राह्ममा हेर्डत दुलनाय श्रीपत आह श्राहका यथन छाटन सा. स्वास्थानियात्र (एमएनऐविद्यापः) সাপ না ব্যাও না কি, তথ্য^{*}তারা ফক্রা-রোগকে কিম্মটের গ্রিপাশ বাকে ফ্রেন নিয়ে নি**ছকে সাক্ষ**না পিত্ত প্রে। হতভাশা পণ্ডিত পারে না "

×

किंग्ड अन्त, अवरम्धव रगाष्ट्रारख्ये काकारे-ষাঠীর কথা তুলোছিল্ম কেন

শ্বনেছি, সঠিক বলাত পাৰবো না, গাঁহের প্রতিভাবনের নিমণ্ডণ করে বছরে একদিন শহরে এনে ঐ যে বিরাট বিরাট সভা করা হয়, ঘটি ঘটি চোগের জল ফেলা হয় তথন জামাইফাঠীর দিনের মন্ত ভাদেরকে এক পেট स्थरटेख रमध्या हम ना

এবং ভংপর ৩৬৪ দিনের গোরসভানের নীবৰতা :

*

धेरे रभव नहां श्रीकान ना। ऋत्याश পেলে আরেকদিন আরেক হাত আমি নেবই

ন্বামী বিবেকানন্দকে গ্রেম মেনে, সান্দী क्टन ॥

व शेल्डावकी विश्वविद्यालय श्रकाममा

শীরতন্মণি চটোপাধায়, প্রয়র্গন সেন, শ্রীন্মলক্ষার বস, গান্ধীমানস (গান্ধীচচ'ায় নতন সংযোজন)

শীতিবল্ময় বলেনাপাধায়ে ২০০০ দি হাউস অব দি টেগোরে। ভার শিবপ্রসাদ ভটাচাৰ্য ৫০০০ পদাৰলীৰ ভত্তলোশ্দৰ্য ও কৰি ৰবীশ্বনাথ। ভট্টৰ প্ৰবাসভাবিন চৌধরে ১০-০০ শ্টাভিজ ইন এশ্রেটিকস। ৮-৫০ টেগোর জন পিটারেচার জ্মান্ড अरथिकिका एशारभन्दत वरन्याभाषात्र ३६००० नक्षीकिम्बना। क्रमेत ननीनान एमन ১৫·০০ এ क्रिकि अर्फ मि थिखीब्रक अर्फ विश्ववेत । एक्टेर धीरतन्त्र एमवनाथ ७.०० तबीन्त्रनारथत माण्डिक माला। फहेत भागम ताग्राकोशद्वी ३৫.०० कोण्डि ইন আর্টিশ্টিক ক্লিটেডিটি। শ্রীবালকৃষ্ণ মেনন ২৫-০০ ইণ্ডিয়ান ক্লালিকাল ভাস্সেস। ভত্তীর অমিতাভ মুৰেখাপাধায়ে ১৬·৫০ বিষয়া **জ্ঞান্ড বিজেনাবেসন** ইন বেলল, ১৭৭৪-১৮২৩। বৰণিপ্ৰ-রচনার উদ্ধৃতিসভার ১২-০০ বৰণিপ্ৰ-স্ভাষিত। ভটুর শোভনলাল মুখোপাধ্যায় ১৪-৫০ সোলিওলাল অভ প্লানিং।

বেনিভেন্নে ক্রেচের শিক্সপতত্ত্ব ও শিক্সতত্ত্বের ইতিহাস' গ্রন্থম্বরের একতে প্রকাশ। ভক্টর সাধনবুমার ভট্টাচার্য অন্,দিত। এদেথটি**র চর্চার মৌল-আলোচনা।**

রবীন্দ্রভারতী বিশ্ববিদ্যালয় । ৬/৪ দারকানাথ ঠাকুর লেন, কলিকাতা ৭ পরিবেশক : জিজ্ঞাসা ৷ ১এ কলেজ রো ও ১৩৩এ রাস্বিহারী এন্ডিনিউ, কলিকাতা

অল আক সা

৪৯ সংখ্যা দেশ'-এ 'পঞ্চতত' দাীয়'ক कल-प्रजीकन-देश-वाक मा' श्रवत्थ नियम আলী প্রির 5 6 6 6 1 माहात्व rকাব**আনের ১৭ নম্বর সরোর** ১ নম্বর অ্যাত্টির কোটেশন দিয়ে তেলা বাংলা অনুবাদটি পড়ে বিশিষ্ঠ হলাম। এই জন বাদ ঠিক নয়। তার উম্পতি:

"লেই (বাহিই) ধনা বিনি এক র*তে*ই ুৰৈ অনে,চয় সহ মস্ভল-উলাহৰম ্তথাৰ মন্ধার কাবি৷ খোকে একটা বলম प्रभावित - केला - व्याकामः सर्वाग्यः । एकद्राक्षणस्यः, ভ্রমণ করেন, যার চতুদিকি আমরা প্রভ করেছিল এবং বাতে করে আমা ভারে জাফানের চিহ্ন দেখাতে পারি:" [১৭:১] এই উষ্পতি কার? তাক বারেই---্রকট ক্রাডে দ্যোত কেন্ট্র জ্যার ভারেডির স্ত কোষা গোক এল 🖯 'প্ৰমহা' প্ৰভ ব্যবস্থি, আম্ব্রা ভাকে ভালাদের—এস্ব বং বহন আয়োধ বেধায় প্ৰিয় কোরজানে ক্রেছিড আছে কি? আছোর বহারেটন আদে হাবে না ; এমব গ্রেভর বাপার ভট্ট আলীৰ মতে। প্ৰভিত্ত ধৰ্মকুৰ চেল্প এ ভাষে গোল কেমন কৰে ল আৰু এমন কলি অন্যাদ ডিনি গ্রহণ করলেনট হা কিছাবে? আন্বাদ্ধি হ'বে এইবক্ষঃ

্যতিমা ভার যিনি ভার নামকে এক বাড় নিয়ে বিয়েছিকেন প্রিয় মস্ভিদ (মঞ্জার) হোক मादव**्** श्रम् करन াজব্জালাম। হার পরিমান্ডল আমি ব্যন ভাগি ভাগে ্পান্য কার্ড্র দেখাটে পাবি আহার বিভা নিদ্রান। িংস্কেই তিনি ছোডা 野(三)" 1:4:১ | অন্তাদ: কাজী অবেদ্র 9272

গত অটোনটে তিনি বালাছনঃ ্বিন শ্রেটাফ ফিনের্ন্ট্রনের উল্লেখ নেই চ এটা ঠিক নয়। ভিভিন্ন শব্দন্তির উল্লেখ िने किन्द्र क्रिकित्सव केनुस्थ निन्ध्यो আছে। ৫৩ নদংর সূত্র আভা-ন্ডাম (लक्ट) भारत कदात :

খা প্রভারেদশ্য ভারিক (মারাম্মদ্রে) ^{হি}িগমেছে এক প্রবল শক্তির অধিকার**ি**, (Fish)-1 00: 0]

'একজন বীষ্ঠিনত, ভারপ্র সে স্পুণ্ট দ্ৰামান হারছিল: | ৫০:৬ |

'ভারপর সে ছিল চক্রবালের উক্তরম PRIDE (60: 9)

ভারপর সে কাছে এসেছিল আন अवस्त्रम् करति**स्म**' (८०: ४)

বৈ প্যশ্তি না সে ছিল দুই ধনাক ন্ত্রে অথবা তার চাইতে কাছে, | ৫০ : ১ | জার তিনি প্রত্যাদিশ্ট করেছিলেন তাঁর



দাসকে বা প্রত্যাদিক ক্রবিছালন । 1 45: 50 1

হদ্য মিখ্যা বলে নি যা তা দেখেছিল (१४ अस्ट्लिस), | ५६ : ३५ |

তবে তোমর কি তার সংগ্রে বিতক कबरव था उस उन्दर्शाञ्चल उस सम्बद्धाः ?' 1 40: 52 1

... ... অন্বেদ: কাজী আবদাল ওদাল

ড: অলী স্কেলনের 'ছ'বিদ্ৰা' বলৈছেন। অস্থালন বলতে বাধা কি ছিল। াৰ≼ল বেদ-এর মাতা তাতি এবং তালিস প্ৰতি-জাতীয়' এই তলন) না দিয়ে **বলা** যেত 'কোরআন' আল্লার বাণী **বা হভরত** কেম্মানর কাছে প্রায়িদ্যুত **ভিত্তিল** এনেছিল এবং ত্রিসা তাই যা হল্পরত নিজে ব্যক্তের। এতে অম সলমান পঠকদের ব্রুতে আদৌ কণ্ট হত না। ত্ৰ, জলী সাহেবকৈ ধনবাদ যে, ভিনি অল্-আক্সা সম্বাদ্ধ ঐতিহাসিক অনেক কিছা আমাদের জানিয়েছেন।

আব্দুল জুব্বার

হিজলের তপভাম

৪৭ সংখ্যা দেশের বাংলার চালচিত্র ফিচারে জনাব অর্দ্রে জন্মার হিজলের অবাধ তুণভূমি বাৰুটি প্ৰসংগা কিছু মন্তবা করেছেন। প্রথমে স্বীকার করা ভালো, বাৰুটি এই বেচারার কলমে ইভস্ডত লেখা হরেছে এবং **খ**বে তির বাক্যও বটে। হিজল মানে তথ নর' সেটা অনেকেই জানেন। হয়ত 'তৃণ মানে ঘাস' তা কার্র জানা ছিল না। এ গ্রেমশাইগিরির জনা ভাৰে ধনাবাদ ৷ ভবে জম্বার সাহেব একটা ভল করেছেন। 'হিজ্ঞল' শব্দের আরেকটি ব্যবহার আছে। নদীর অববাহিকার নীচু বা নাৰাল মাঠকেও হিজ্ঞল মুরশিদাবাদ জেলার কান্দী মহকুমার ছারকা নদীর অববাহিকার বিশ্চীর্ণ নাবাল এলকার নাম হিন্তুল মৌজা। কিছুকাল আগে হিজন এলাকা একটি পঞ্চায়েতী 'অন্তল' হিলেবে সরকারী নথিভুক্ত হরেছে এবং তার যথ রীতি একজন অঞ্চলপ্রধানও নিৰ্বাচিত হয়েছেন। সেদিনও আনন্দ-বজারে কালী মহকমার হিজ্ঞলের গ্রামে সংঘর্ষ' শীর্ষ'ক খবর বেরিরেছিল এবং এ অধম ওই পতিকাতেই সে বিষয়ে সামান্য ফিচার লিখেছিল। শুধু কান্দী মহকুমা रकन दारमा म्हणा वर, अकुल नमीत অববাহিকর নাবাল মাঠ বা সহজেই জলে ড়বে যার, তাকে ছিজল বলে। কবি **जी**यनानम দাশব কবিভার প্রের

শত্তিপদ রাজগারে রচিত স্বৃত্থ উপন্যাস

অৰ্তবিহীন পথ 76.00

গ্ৰমৰ মালা রচিত সদা প্রকাশিত উপন্যাস

অসামাজিক **৫**·৫0

প্রতিভা গণেতা রচিত আন্দামানের কাহিনী

সব্জ দ্বীপ আন্দামান 8.00

'আমি মন্ত্রী হবো' নাটকের নাট্যকার

স্নীল চক্ৰতী ৰচিড

অপাংক্তেয় অফুরস্ত

... ७.६० | बीर नाकी

७.०० | भूद्धी भूद्धी जामा ... २.৫०

ডঃ ব্ৰুদেৰ ভট্টাচাৰ্য প্ৰচিত নাটক

গকাঁ 7.60

ইণ্ডিয়ান প্রোর্গ্রেসিড পার্বালিলিং কোং প্রাঃ লিঃ ৫৭-সি, কলেজ শাীট, কলিকাতা-১২

হিজলে কথাটি ব্যবহার করেছেন একই জথে। বে হিজলের কথা মনে রেখে আমি হিজলের কথা মনে রেখে আমি হিজলের জবাধ ভৃণভূমি বাকাটি বাবহার করেছিলাম, তা একাত বাশতব। তবে এখন সেইলৰ হিজলগড়েলা বাঁব বা ঘের দিয়ে বন্যাম্ছ করা হরেছে—সে তৃণভূমিও এখন অনেকটা মুছে গোছে, সেখানে জেগছে কলের মাঠ। এবং এ সবই বাশতব ঘটনা; কাল্পনিক নর। তবে হিজলে প্রচুর হিজলগাছ ক্ষার। হিজল ক্লের মালা গাঁথা সক্ষব না হলেও পর্বনা গানে তার মালার দেখা মেলো। মোট কথা হিজলা শব্দটার একটা রোমাণিক বাাপার আছে। পাড়াগাঁরে

বেপরোয়া দ্বেশত মেরেকে মা-মাসীরং গালী দেন 'হিজ্ঞাকনোং বলো।

শ্ধু একটা বাপারে ধাঁবা লাগে।
জন্মার সাহেব ফিচারটি ভালোই লিক্সন।
ক্রিক্ট্ লিখতে লিখতে দুম্ম করে সাহিত্যসাহিত্যিক নিয়ে জনালাকর বাচালতা
করেন কেন্ গ্রাপের ভারালাকর প্রসংগা কিছ্কল আনে তার বিদ্যোজক মনতবা কানে বেজেছিল। শুখু রান্তের চল্পবে ডা সাপ নয়, সব জঞ্জার চল্পবেড়াই তাঁও শিস্থিত পারে। তা ছাড়া চন্দ্রেয়ার বাঁলে চন্দ্র ব্যার্থা অবাস্তব কাঁ আছে?
এটা লেখ্যকর ব্যার্থাত অবাস্তব কাঁ আছে?

हार भारत। सम्बद्धा रहा गाउँदे—बास हि वारमञ्ज जान निरन्न काववाब, ए ता रक करतार চন্দ্রবোদ্ধা সাপের বালে চড়ে বস্ বিভ भारतवना करत रमस्याद ? कीनलगर्छ प्रवटे त्रमञ्ज्ञ । का बाका वारमा मिनाही । जानव বড়। কেবল বজবজ অঞ্চল নিয়ে বংকা त्तम नव। **अवर क्षीम्यनी बी**टकर क्षेत्रकण একটি বাস্তব চন্দ্রবোদ্ধার ওপর দ্যান্ত নেই-সে সাপটি কাহারকুলের প্রান্ত্রি হাসিক কালের বহুমান অব্যক্তার সংস্কৃত্রের জনিকত ও জাক্তব স্লোভধরে৷– সেটি এই প্রভাক। নতুন কাল ভার উৎস্কে হাক कवर्ड ठाइँग-स्मर्ट मफार्ट विद्या रक्त श्राहरू डेभनामिति। कार्छ श्राहर हर रवाका की करत मा करत, भार्तक रिक्रान का नित्र क्षेत्राहित प्राथायामा क्रिक 🕾 আমরা একটা ভরক্ষর প্রতীক্ষে দেখে চমার উঠেছিলান। ভাষ ভারি শিস্ধানি 🖛 🔊

ভয় পেয়েছিলাম।

বাংলার চালচিয়ে পাড়াগাঁয়ের অকে **हैनएनएमण्ड कन्याव महद्दात वामहद्दन ।** कार र ম্বীকার কর্মছা তাঁর বচনাটি ভাল কিণ্ড অত্কাতে কারের প্রতি ভচ্তারের বজিতি লামা মারাম্বির হতে তোমার ৩০ আধুলাইন কেখায় কেখা গেল ও **जारनो कारना ना राजनाः नाकः दे**रतीर বাকাপ্রয়োগ-বিশেষ করে। সন্দোধন পদটি কবিয়াল ও কবির লড়াইয়ের কথাই মান কবিয়ে দেয়। উপদেশ দেবার সাধা দেই। তবে আশা করছি৷ জনবার সাতেব ভালে বেয়েঝন যে, সাহিতে মার ইনফরমেশনাস এক নয়। কভ রক্ম বাশ আছে, কড রকম ধান ইত্যাদি না ছেনেও যাব 'बानकाठी इक भारा' या 'बनबाहन भट्टाप्ट छा: **লিখেছেন, ভাঁ**ৱা বাংলা সাহিত্যালই প্ৰাণ্ড প্রেষ: লক্ষণ বাগ বা আবদ্ধা জনক কিংবা এ অভাজন পট্লেখক কে*য*া আছেন? একজন তিয়োর বা ডোম ফেন-অনেক বাশের খবর রাখে, তেমনি জানে কাটারি তুলে কেমন করে কোপ নিতে হয় याहरू शाक ना काहरे। किन्दू क्रम्यात माहरू কি তাঁর কলমের গতি সম্পর্কে সচেতন द्यारहरा ?

এ প্রসংগ্য আর একটি কথা নিবেদন করছি। বাংলা সাহিত্যের এ-ধ্বংক ল শনবাণীয় বরণীয় সান্টিগ্রাল প্রধানত প্রথেব পটভূমিকায় লেখা। এবং সেই স্রুফটানের আমর। সংহের আসনে রেখেছি। ওরিঃ হয়ত বাঁশ-ধান-মাছের খাটিনাটি তথা জানতেন না—কিন্তু যা না জানলে বাংলা সাহিত্য হয় না অর্থাং বাঙালী মান্থেব বাজিসন্তা, সেটাকে বিলক্ষণ জানতেন। প্রেকানচের ইতিক্থার শশী যে একজন ডাজার, ওষ্ধ বা রোগের খাটিনাটি তথা মানিক বন্দোগাধ্যায় না জানালেও আমব তাকে স্বীকার করেছি। শহরের একজন

म, बारम, बक्षन घाटवत माफा कागारना अन्ध

नकभानवािष्

b.00

কৃষক-বিক্রান্তের প্রত্তিমিকার উপন্যাসোপ্তম স্থাত্ত বচনা। এতে আছে ক্ষিদার কোন্তেদারদের বাংলাব্যাপী লোক্ষার ইতিক্যা। কোত্রদার ও প্রিলাদের সঙ্গে বিপ্রবী কৃষ্ঠকরে বীর্ষপূর্ণ সংগ্রাম ও গোরিল। যুক্তা। বিপ্রবী থামিউনিস্টানের সম্পর্য স্বামিতি ও পরে ভৃত্তীর কমিউনিস্ট প্রতিব গঠন। প্রভৃতির প্রাক্ত ইতিবাস।

হাঁসি মণ্ড থেকে ৫·০০

পি, সরকারের সমাজের দ্বুক্তকারীদের কাহিনী

সমাজবিরোধী

9.00

প্রেমেন্ডে মিতের তারাশ্যকর বলেনাপাধ্যাদের ক্লাবের নাম কুমাতি ৪٠০০ জেগে থাকে প্রেম ৩٠০০ মহানগরী ৫٠০০ অ্লাপ্রণি দেবী বুজারিও সেন ্ শামল গ্রেপ্ত

দিভীয় অধ্যায় ৩০০০ তব্, বিহন্ন ৩০০০ আধার আলো ৪০০০ জনসদ

ৰ্মিকা ৩০০০

মানসকন্যা ২০৫০ নীহাররঞ্জন গুলুপুর **দ্ৰগথেলনা** ৬ ০০

স্থানহল ৬০০০ কোমল গান্ধার ৮০০০ উৰসী ৬০০০ নিশি-বধ্ ৬০০০ দরবারী ৩০৫০ ঘনে ভাঙার রাভ ৩০০০ প্রথাত রাজনীতিবিদা বেদ্টেন-এর

পিকিং থেকে বলছি ১০.০০

চীনের মহান নেজা মাও সে-জুং-এব নেত্তে গ্রহজাবন — চিয়াং কাইজেকের প্রাচন এবং সাক্ষেত্রিক বিশ্ববের প্রোজ কাহিনী।

ৰাজা আৰু নেই

উপেক্ষিত বসন্ত

আট টাকা

পাঁচ টাকা

মন্ত্রীপতন রাজনীতির দাবাখেলা

আট টাকা

ছয় টাকা

ভূলি-কলম : ১, কলেজ রো, কলকাতা-৯

ফোন: ৩৪-৮১৮০

BANK SEATTLE

কেবালী ভি সেলসমানও বিস্তৱ ভাগা ' কৰাৰ সাহেৰকে ভাক লাগিয়ে দিতে পাৰে। बारको. ज.सम बाह्यानी मारिश्वाकत्क 'अक्स की करन थान निरंत एमिया मार्था e. की कि बान बटना एका देश वाली-वाला एका कार्य मर्द्यंत काम स्मय्यम'- ध मण्डवा এক অবাচীন ভাষালা! কিছা না ভানলে তো চলেই লা, নিশ্চর জানা দরকার সাহিত্যকের। কিন্তু সেটাই সব নর। তা ছাছা বভামান সময়ে সাহিত্যের দুলিই প্রক্রো থবা থানে নয়, জীবন্ড ধানগাছের গভীবে---ভার দর্শেম জনকো মানাবের পেশাগত খাটিনাটি বিশ্তর জান। হয়ে গেছে, দেখা হয়ে গেছে ভিকতিল বহিরণা, অজ সাহিতা ভাষতে ব্যক্তিমানসের জটিল গভীরতার— তালে শহরের মানুব হোক বা গ্রামেব। গ্ৰাম বলতেই কেন ধান-বাদ-মাছ হাত্মাভ করে আসতে? প্রকৃতি জীবজগৎ মান্ত্র ইতিহাস সমর: এই তো সাহিত্তার বিষয়! গ্ৰামকে পট**ভাম** করে যে মহারথীবা লিখেছেন, তারা এই মূল বিষয় নিরে লিশ্বেট আয়োদের নমসা গাবে। হায়েছন। জন্ত্র সংহোর লক্ষণ বংগের মুখ দিয়ে ভীদের भवाहे 'कह हमार्थ' श्रीकाश खाउरखनः करो আশাভন বাড বাডি মনে করি। পাংখের স্থাপ স্বীকার করতে বাধা হাঞ্চি, ও'রা যখন ক্তব কারবারী, জন্মতে সংগ্রে ভূমন উদের গদখালদ্বীর সময় আনক এটাবংকাল পরিতার ও অলক্ষালালিত বন জগালের ব্যান্ত কচার কারবারে মেতে উঠেছেন যেন। এই শেষের शकाद कह शक्ष्मा कार्य गला हलाक र :

> সৈয়দ মুস্তাফা সিরাজ কলকাতা-১৪

शिक्तीय म्बिट वन्गरमम

বাংলাদেশ ও ব প্রালীর প্রতি বিদ্দী প্রকাশকদের এক বিশেষ দ্যুন্টিভগারি পরিচয় পাওরা সেলা দিল্লীর ব্যাজপালা কোপোনীর প্রকাশিত কৌ সুন্দর আমানের এই দেশা নামক প্রশতকে।

ঐ কোশপানীর ম্ল বই, ভাগংশরন উপাধ্যায় লিখিত 'কিতনা স্ফের দেশ হুমারা' থেকে বাংলায় অন্বাদ কারচেন হংসকুমার তেওয়ারী, এবং ঐ কোশ্পানীই বইটি বাংলায় প্রকাশ করেছেন। বইটি বাংলাদেশেরই এক সরকারী গ্রন্থ গাবে পেরেছি। ছাপা, ছবি এবং প্রচার সবই ভালো। শানৈঃ শানৈঃ ভারা কত দ্রে অগ্রসর হছেন, ভারও প্রমাণ এন্ড মিলবে।

বটটিত ভারতের নানা প্রদেশের গোরবের কথা উল্লিখিত হরেছে। বিশেষ করে রাজ্জ্বন উন্তরপ্রদেশ ও গা্জুর টের। অসাম ও বাংলা নিভানত অবহেলিত। সমুষ্ট বইটিতে বাংলাদেশের কোনও ব্রের কোনও

यानमन्छ ছেড়ে ब्राक्षमन्छ

পলাশীর বৃশ্ধ প্রকাশের সংশ্য সংশ্য সংগ্র বাংলা সাহিত্যে স্থারী আসন প্রেছিলেন তপনমোহন চট্টোপাধ্যার।। তিনি আনলেন হল্পক্র গ্রুক্তনা ইতিহালের মধ্যে সাহিত্যের সব্ক রস, সজীব প্রাণ। প্রচুর তাঁকে লিশতে হর্মন কিন্তু খ্যাতির মালা পরতে হরেছে প্রচুর। পলাশীর বৃশ্ধ শেষ হলে লিখেছিলেন তার পরবর্তী আখ্যান 'পলাশীর পর বকসার'। আবার একবার সাড়া পড়েছিল শাঠক মহলে। তারপর হাত দিরেছিলেন বকসারের পরবর্তী অংশে, ভারতবর্ষের মাটিতে বেনিরা ইংরেজের রাজা বনে যাওরার রোমাঞ্চকর অধ্যার। কিন্তু আমাদের দুর্ভাগ্য নিজের চোখে তিনি এ-কাহিনীর মুন্তিতর্গে পারলেন না দেখে যেতে। এই বই বাংলা সাহিত্যের চিরসম্পদ ॥ ৪০০০

नारत्री-नाग्नक हिएलात । जोपरम्न गरफ

বিশ্যাকর প্রতিভা। সমস্ত প্রথবী একদিন হতবাক হয়ে দেখল, অশিষ্টার এক আতি সাধারণ গৈনিক কীভাবে তার অত্যাশ্চর্য বাংমীতা, অসামান্য ব্যক্তিছ ও অভ্তপ্র সংগঠনশীলতার মাধ্যমে আতি দ্বত জার্মানীর এক-নারক হরে বসল। অল্পদিন পরেই জগতের ওপর নেমে এলো বিপদের জালো ছারা। তারই অংগ্রিল-ছেলনে স্ব্রু হল ছিতীয় বিশ্বহৃশ্ধ। লক লক মানবস্ভান প্রাণ হারাল। কোটি কোটি মানুহের নয়ন হল অগ্রুসিত্ত।

সেই নাংসী-নারক হের হিটলারের জীবনের বহু কথিত **এবং অক্থিত** কাহিনী, তার প্রেম এবং পরাজম তার নিষ্ঠুরতা এবং ক্ষণিক-**মলনে-ওঠা** কোমলতার কম্পনাতীত পদসঞ্জার ঘটেছে এই প্রক্তকে ॥ **১০০**

বলিভিয়া ৷ সোধান সেন

প্রথিবীর সংগ্রামী জনগণের মধ্যে চে বে'চে থাকবেন। আজোংসর্গে প্রকৃত ভিরেতনামের ম্বিত্যাখাদের মধ্যে, কপোর ম্বিত্তমামী মানুবের মাঝে, পাগমার ক্যানাল জোনে ও হাইতী র তুলোর খামারে চে বে'চে থাকবেন। নিয়ে অধ্যবিত হার্লেম-এ, র্নিভার্নিটির ছার্ল্ডার্টিদের মধ্যে আছেন চে। থান অগুলের অক্ষরের ভূমিগভে মেহনতী মানুবের তিনি প্রেরণা। চে বে'চে থাকবেন তাঁর অভূলনীয় রচনার মধ্যে। অভিশয় প্রিয়দশনি, ততােমিক নিক্লন্য জীবন, আদর্শে অবিচল অকল্পনীয় সাহস ও দৃর্পমনীর সহালবির এক অভূলন ব্যারস্ক্র। হাজার হাজার মাইলবাাপী লাভিন আমেরিকার ব্বকে আদিজ পর্বভ্যালার শিখরে শিখরে ও ক্যারাবিরানের শাহত জলরাশিতে এই মধ্যাত বিদ্রোহণীর পদধর্নন কানে বাজে। সিরেবার জঞ্জালাকীর্ণ নির্ক্তন প্রথে চেন্র নিষ্ঠ্য হাঁপানাের ভস্তশ্বাস ধর্নিত ও প্রতিধ্বনিত হয়ে ফেরে য় ১২০০০

জ্যেত্রের ঝড় _॥ আচন্ত্যকুমার সেনগ্ৰেত

বাঙলা দেশে নজর্গই প্রথম কবি, যে বদন্ত কাঁধে নিয়ে যুম্থে গিরেছিল এবং ফিরে এসে হাতের কলমক বদন্ত করে ইংরেজের বির্মেধ মেতেছিল নতুনতরো যুম্থে। নজর্গই প্রথম কবি যে দেশমুভির জনো কবিতা লিখে করেবিরণ করেছিল। তারই কবিতায় ও গানে প্রথম গণজাগরণের উত্তেজনা সামাবাদের সার্থক উচ্চারণ। নজর্ল সব্দ্রেণ্ঠ স্বত্তা—একদিকে ইসলামী গান, অন্যদিকে শ্যামাসগ্রীত ও কৃষ্ণকীতন।

এর বাইরে আছে মান্য নজর্ল — যে গ্হী যে বাঁধনহারা, যে প্রেমিক, যে আছাভোলা — যে পরার্থপর বন্ধবংসল, অস্যাশ্ন্য। সর্বোপরি এ-বইরে আছে নজর্লের যোগসাধনার ইতিহাস। সংসার্যোগী বরদাচরণ মজ্মদারের বাণী ও পর্থানদেশি॥ ১২-০০

का न मा बा अ का मा न ॥ ४, मा। बार प्रेंडि, कलिकाठा-১২

मान्यस्य गरिका जारे। पारतात कानक निक्न जरम्बद्धि बरमंत्र कथान सहा।

बकारतको विरक्षका रहमिक्श-बन्ध नाम मना बदबाब एकन जिल्हा । यहा स्टार्ट-**"एकाको जाउकाम जान नान्नजामा—धरे** शक्तिपानीरे वारकती महत्यारकारे मान। आक

रमरे वन जाभारमंत्र साफीत रंगामाक ।" (शह २७)। त्रवीन्त्रनारवह एडवाह बार्व रहवा क्रमार्य' देखानि क्रतकि गाईम এकन्यारम উল্লেখ করা হয়েছে। কিল্ড রবীপুনাথের नाम रकाषा ७ दनहै। वास्त्रारमम अन्वरम्य न्य अहेरे के बना हरसरक-"विदारमध्य जारन

बारमाहतम । क्षीनकाका कार्य आक्रमाती। क सरकत अवरहरत यक अवस्थ कविश्वाका र्भाग्डरम्ब टारवदा बार्गाटम्बर्क संसाहे हर कराज। तनाज, शहर (तथ बाब्सामा। कारतर विक्यात्र त्व त्म त्मरमञ्ज त्मरत्वता वान्द्र सात्। অঞ্জ অনেক লোকগাঁতিকে লোনা বাহু বে टमटबर्गा निटक्स न्यामीटक नाक्सल कटब निटक -- प्रथा तक बारमातातम हत्म तक ना रमधानकात स्मातका माग<u>ः</u> सारम । सीछ स्मात रक्षका करत सावद्या !"--(न्द्र क0)।

धरे विवास जात कामक जन्मका मा कार. वश्राच गर्दाशनमारकत काह्य विवसीते छेटाएथ করলাম মার। এর প্রতিকাম করার চেন্টা फेंक्टि कि ना, अबर कीकाटर कवरीय, जा जीबाहे बन्दन !

भगीनमुक्क छछोठावा কলিকাডা-১৯

अम्दात्र मिली ৬ই সেপ্টেম্বর 'লেশ' পরিকায় 'দরসেশ' লিখিত "অদ্রের দিল্লী" শীর্ষক কল্মে প্রকাশিত দুইটি নিবল্ধের ওপর 'ছেনৈকা অধ্যাপিকা"র মন্তব্য পড়লাম। মাননীরা অধ্যাপিকা অনেক মন্তব্য করেছেন, যার সংখ্য নীতিগতভাবে আমার কোন বিরেধ নেই। তবে তিনি "পরবেশাকে বাঁকিগড়ভাবে অভ্যাণ করলেন কেন বোঝা গোল না। সময়ের ভাল জিনিস রিপোট করা উচিত না সমাজের থারাপ জিনিস রিপোট করা উচিত এ নিয়ে তক' **লে**গেই অবছ। ভাষ দেখা যার যে সকল লেখক সমাক্ষেত্র ভাল জিনিস নিয়ে লেখেন তাদের লেখা কেউ পড়েন মা এবং যে সকল পরিকা serious 'ব্যুদ্র निरंग जारमाहना करह समग्रमा छैभवा छन-সমর্থনের অভাবে কথ হয়ে বার। আমেরিকা देश्यमस्य ग्रह करहात ৰংস্বেব 78 করেকটি পর পরিকা व दश्रद्ध তাদের নাম পড়লেই এ বছবোর यथार्थाः जन्मकर्षकः जात्मकः शाकरत गाः। বাংলাদেশেও এ নির্মের ব্যতিক্রম মেই। অংবাড়াবিকতার প্রতি জনমানসে_ই र्खात्कत्र कार्यन कि छ। शतन विस्तानीता नकारक পারবেন। ভবে আমি এই সভাতির প্রতি মাননীয়া অধ্যাপিকাল দুন্দিট আক্ষাপ করাছ ठारे। माञ्जार "प्रतादन" याम पि**ला**हि অপ্ৰান্তাবিক কৰিনয়াল্লার দিকে **অ লোকপাড়** ৰূরে থাকেন। **ভ**ৰে তাঁর "পতিনিধি" नम्भारक करे क कन्नाद रकान कार्यम थारक सा । তা ছাড়া যদি ব্যক্তিগত জীবনে কে কি কৰেন দেট মাপকাঠি দিরে সাংবাদিক অধ্যাপক, खालान, नवकाकी कबंगावी अवर वास्त्रभीक-নিদ্দের ^{শ্}ৰচার করা হয় তবে তাদের ক'ভাল ভালের নিজ নিজ পাদে বহাল

शाहरूय ? अहे शाहेगारखंडे अक्कान प्रशासक

कामार्थनंत महे नार्ठनंदक कृषि राज्य : हार्डानारतत रशोतन ग्राप्ति करत

षामारहत नष्टन वरे!

जानहा जनारे अनाह भूटजान डॉटनह टनटन ट्विड्टन जानि !! ব্ৰহাল-প্ৰেক্তাৰপ্ৰাণ্ড প্ৰাৰ্থ "আকাল ও প্ৰথিবী"-ৱ লেখক শ্রীমুক্তারস্কাসাদ গুহের কিশোরদের উপযোগী আকাশের চাদের কথা

इन बार्डे हॉटम्ब एम्ट्स ७.७०

প্রয়ের চাঁলে বেড়িয়ে আসার জানন্দ দেবে।

ভতপূর' এলিরিটাস প্রফেসর খ্যামাপদ চরুবভারি একথানি কাৰ্ডিছ ও সোলব'ডব্ডের উপর অসাবারণ প্রশ্ব

कारवात रूप उ 4.00

मारमध्यम वाभी बादबर बक्यांन जनवना क्रेमलान

मिदक

8.94

পরিতোৰ মজুমদারের উপন্যাস

मरमान मभारप्र

দিলীপুকুমার রারের

প্রেমান্কুর আতথীর সাড়া-ক্লাগানো উপন্যাস

মহাস্থাৰর <u>का</u> जिंक

\$2.00

\$0.00

্চার খণ্ডে সমাপ্ত : একতে বাঁধাই] প্ৰক প্ৰতি খণ্ডের দান ৬-০০ টাকা;

अवाब भट्टमात्र द्यावेटमत्र शटक करम स्मवाब श्रक করেকটি বই : উপহারে অসবদ্য

भाषां टक्षरमञ्जू विद्वार बनावा इकुन व 20.00 बबारात गर्भ 0.40 बनानाहक टंबार्ड निम 9.00 চাৰ ভাষা জোনাকারা 9.40 [TGT] শিক্ষাম চরুবভানি म्बद्धमा त्यामत्याम ₹.00 জোডাপাধীর পাক্ষান 2.56 লিশারটার জলবোগ 2.60

टनबाबाद न्यर्ग 2.96 **ट्रिंग्स्यूमात्र सारब**त्र द्ध देखिहान भरून बदना २.००

ইভিহালের রক্তান্ত প্রাণ্ডরে

जीवा मक्त्रमहारस হলদে পাখীর পালক 2.00 **हेर जिर** 2.94

দ্রীথেলোরাড়ের

विभवजीकालस्य न्यत्रगीय यात्रा

(১ম) ৩ ৫০ (২য়) ৩ ৫০ [२पि भारता जाएक अध्यक्त क्षीयल-कथा इ धानगंत, तर्नाकर जिल्ही, क्य गामा भारतातान, कार जेन प्राथ दुवर, स्थित धर्म, रका महर रधन, भारका न्यामी, सार्याचीर, सारारितरणक কনি ওরেসমূলার, রাড়ম্যান। ম্যাথক সোরেন, জনসদ, উইলস, ব্যানিস্টার, স্যামিলী টমাস, রিচার্ডাস, বাজ, ওারারেন, ছোপ ইত্যাদি] बसक् अ-धार

कहरी २.०० ब्रमाना २.६० দ্বপ্ৰব্যুদ্ভান্ত २.00 निर्म कथा ₹.00

ইণ্ডিয়ান জ্যালোসিয়েটেড পাৰ্বালশিং কোং প্ৰাইডেট লি: ৯৩ মহামা গান্ধী রোড, কলিকাড়া-এ

(পি ৮১৭৯)



সদির শুরুতেই ডিক্স ডেপোরাব লাপান। সদির সবরকম ভোগাঙ্কি আপনি এড়াতে পারবেন। বুকে সদি বসার ডয় থাকবে না।

ধকন, বাদ্ধাৰ সৰ্বে সদি জেগছে, —নাক দি**বে জল পড়া শুরু হবেছে—গলা ধুস্ ধুস্ কয়ছে। তফ্রি যদি এর একটা** ব্যবহা না কবেন ভাহলে এই সদি বুকে বংস পিবে শুরু **হতে পারে নানান্ধানা – নাক বছ হবে নিম্নাসের কট, বা নাধা,** কাশি - কিছু স্মান কাকি থাকবে না - স্বথা কট **ভোগ করবে বেচারা।**

সদির শুক্রব দেবা দিলেই যদি ভিন্ন ভে**পোরাব লাগানো বার, কোনো কই পেতে হর না— ক্রু সদি বসার ভর থাকে না।** আর একটা করণ ভিন্ন ভিপোরাব লাগাতে হবে সেই সব **জারগার -বেখানে ঠান্তা বেশী লাগে, -বেমন নাকে, গলার, ক্রুড়ু** পিঠে।

ধুবই সহজ্ঞ কাজ। তেতো ব'ভি বা, বিচ্ছিরি মি**ল্লচার ধাণ্ডবাতে হবে না।** ভিজ্ঞ ভোপোরার কাজ করে সঙ্গে সঙ্গে,— সদির ক**ই খেকে আ**ল্লাম **দের দু'ভাবে** —





বাইরে থেকে পাষে - (ডতর থেকে নিম্নাদের স**দে**

৯) বুকে পিঠে লাপালে গাবের বেদনা দূর করে-১) গাবে লাগাতেই ভিন্ধ গলে যে ভাপ বেরোর তাতে ভিক্রের যাবতীর ওয়ুধের গুণ বজার বাকে। এই ভাপ নিশ্বাসের সঙ্গে ভেতরে গিবে, গলা আর বুক্রের সদি প্রবিধে দিরে আপনাক সুহ ক'রে



मिर वमाल (मारव वा ! मिर एक रामरे छित्र एएपाताव !

ক্ষ ল বা করে বিজ্ঞা নিমেনেশ বার পর্ক তার মেনি নাইনে বার নি- ন্তুক করাপক তার মেনি নাইনে বার নি- ন্তুক করাপক তারেক করেনে নাইনি নাইনি

বিভাৰ বিষয় "নরবেশ" বা নিধেছেন তা সভা কিনা। আমি নিনীতে থাকি নাং

कारे निकाश कान विवत नित्व कारलाहना क्या काम व गरक कर्ना छ। छत्र करनक द्वराच नात्न अकेन्द्र त्वाथ वत्र क्वारक नावि त्व. करमारकम् काराबाद्यीता कि करत छ। सन्। गत द्वत शरक गीतग्रामं छारव वामा जन्छव सह। क्षणी मुखीन्द्र निर्दे । क्षणानकाद्व क्षण क्षणी वरिना करनात्वत क प्रकृष्टि वार्ती निवृधिष काम अकृषि स्टार्टिन स्वड-क्रावनम बहिनागटणम् मारुवर्गं कर्तन्तं समा। रहार খনরটি কলি হরে শহরমর চাশ্রলা স্থিত कताब भारत ना करनारकत किए. অভিভাবকগণ ं काननीया साम्बर्क रभरतिक्रमन! ज्याजनाः অধ্যাপিকার জ্ঞানবহিড়াত বলেই যে কোন करेना जन्मूर्व काल्मीमक का मास हटक

कामारमंत्र करनरकृत मर्था अमन अक्टी

ছালনীয়া অধ্যাপিকার সংখ্য আমি এক মত বে, মান্বের বারিগত জীবন নিরে **সংবাদপরেগ্রিতে যত কম**ু আলেচনা হয় ভটেই ভাল। বিশ্ব এখানেও বিবছানের অমোদ বিধান অন্যায়ী আমর: 2 15 ক্ষমান্দ্র <u>ৰহিম্</u>পী privacy ও তেওঁ কমছে ৷ আমৰ দেখতে পাই যে, ব্টিশ বাগাঁৱ কোরে সংহান-সদত বাহ ওয়ার মত নিতাতে বাজিগত ঘটনাত বিদেবর সর্বার প্রচাবিত হয়: পারী যথন সংসার ছেড়ে চলে যান শেবভায় বা অনিজ্ঞার क्रथम ए। यएके इंटरन्यमाध्य घर्षमा 💐 🗗 তা নিতাৰত বেদনাৰতক ব্যাস্ট্র জনচিয়ে মাধ্যম হয়। 🚓 🗀 malice হ' হন কোনে তেওঁৰ নাও প্রাক্তর পারে। সমতারেলা জিতিত স্ত্রাহে zকান factual error হাছে কৈ লা কমি बक्दार शहर मा। प्राधात व निष्ठहरू राव **मर्म्या इंख्या** डैंडिय एटर खरलस्य हो चीनाव क्षत्र शिक्ष कार्य करना प्रयास्त्र क्षत्राहै **ভাকে মাহিত দি**তে অভি প্ৰব্নাংকারণ "ছত্ত্ৰলা ও স্থা: জাম্ভ আনক আতি ভারণতের কর্মের করণে দিউ পড়াগিতে প্রকেজিপাত দলকাৰ শ্ৰেণ ঘটনাটোত নিজে যাত্ৰ শ্ৰান্ত ই-স্মত ভাষাৰ একটি হাস্পত্তী। কাহিনী

> স্ভান্তন্দ্র সরকার প্রকাত

11 2 11

অনুরের দিল্লীর লেখক দরবেশকে আমার আংশরিক অভিনাদন জানই তাঁর
নিজ্ঞীক সমালোচনার জনা। আলোচনা
বিজ্ঞানে জনৈক অধ্যাপিকার পরের
আমার কিছা বন্ধবা আছে। আমার বিশ্বাস,
দর বল বেসব তেথ কথিত ভূলা ও কুংসা
রটনা করেছেন তার জবাব দরবেশই দেবেন।
কিংতু আমার মনে হয়, প্রলেখিকা তার এই
পরে দেবেশার মতো পত্রিকার কিছাটা মর্মাদান
ক্ষুদ্ধ করেছেন। ক্রেল, দেশোর মতো একটি

প্রকাশিত হল

जत्रुमां श्रकामनीत वरे

ञभाउ जिन्साः स्ना

নাগাভূমিরই একটি ছোটু ট্করো জেলিয়াং কিল্ডু বৈরী নাগাদের বিদ্রোহের পটভূমিকার রচিত এই উপন্যাসে এই ছোটু ভূখভটিও কোনো বৃহত্তর সভারে প্রতিভাস হরে উঠেছে। দিগলত আগনুনরাঙা, দিনগুলি অন্তর্যান্তে ছিল্ল. রাতের অন্থকার ভরে রুখেন্বাস—অথচ তারই মধ্যে রচিত হতে থাকে মানুষের জন্মমৃত্যুর চিরল্ডন নাটক, বেখানে প্রাণ পার নাগা উপজাতির প্রোবৃত্ত ও কিংবদল্ড, ইতিহাস ও অতীতগাখা, বেখানে এখনও মান্য ভালোবাসে, ঘুণা করে, সুখ পার, দুঃখ দেয়। বৈ-না-ভাব এটাই প্রথম উপন্যাসেই উপনাস, কিল্ডু সহজ ভঙ্গিমা ও সহান্ত্তির দর্ন তাঁর প্রথম উপন্যাসেই একজন শক্তিমান কথালিকপীর আবির্ভাব ছোবিত।

আশ্তোৰ ম্থোপাধ্যামের সার্থক উপন্যাস

যার যেথা ঘর ৫॥ প্রতিবিশ্বিতা ৫১

স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়ের মিণ্টি উপন্যাস

त्र्य अत्र्य ७, स्त्रानील मृश्य ७,

জ্ব ভের্ন। মানবেন্দ্র বন্দ্যোপাধায় অন্দিত

গড়ফে মরগান ৫, স্টীম হাউস ৫,
সমাট সেন

অগ্নিটে সংগ্রাম ১০১ তার্ভিশপ্ত সুন্দরবন ৪॥

শান্ত চটোপাধ্যার সম্পাদিত

পূর্ব বাংলার শ্রেষ্ঠ কবিত। ৫,

পরিবেশক: সিগনেট ব্রুশপ: ১২ বি ক্রম চাটুজো স্ট্রীট: কলকাতা ১২

(भि ४६९४)

প্রথম প্রেণীর পৃত্তিকার ভিত্তিকানি কোন তথ্য প্রকাশ নিশ্চরই ইয় না এবং এই পত্তিকা কোন সম্প্রতা বাহ্যা কুড়ানোর মাধ্যম নর। অপ্রির স্থানেক সহা করা বার না, কিন্দু ভাকে অপবীকার করা বার কি?

প্রেশের আমি নির্মিত পাঠক। অধীর আগ্রহে অপেক্ষা করি পরবতী সংখ্যার জন্য। রাজধানীর বৈস্ব বাঙালী অধ্যাপক-

५৯-এর সেরা

भूका मध्या



এই প্রথা বিরাশ সাক্ষানের অভিনর
আকর্ষণ — ৫ টি ভিন্ন স্বাদের
সপ্শি উপান্যাস। ৭ টি অন্যশ্ম
বড় গল্প। ১২ টি আকর্ষণীর
দেয়ত গল্প। 8 টি বস বচনা

· 安川市市 (2008年)本文 7年年

যাদ্সয়াট পি. সি. সরকার •
সত্যাজং রায় • তর্প মজ্মদার •
কর্মতী দেবী • সৌমত চটোপাধায় • শ্তেফ্ চটোপাধার •
রবি ঘোষ • মপণা সেন ও
যাই বলেয়াপাধার

ছালে পাতাৰ বই। পাতাৰ পাতাৰ ছবি। কাটুন। দাস কিল্ডু মন্ত ভাৰ টাকা ॥

सोत्रा अकायन

১০/১ রমানাথ মজ্মদার স্টাট, কলিকাতা-১ ৩৪-৩৬০৮ আবাণিকার দরকেবর কোনা পঞ্চর সমর পান না তারা নিক্তর আদুসেই 'দেন' পঞ্চরই সমর পান লা।

প্রবেশিক্স আডাবে জানাই বৈ,

জীমতী কল্পনা নাইছুর অভ্যানের থবর

জামরা কলিডাভার -জনেক প্রথম দ্রেপীর
গাঁরকার দেখোঁছ। দ্রিংস পাঁরকার (মধারব সংখাতির উল্লেখ করতে পারলাম না, সেজনা দুর্যাক্ত) জীমতী নাইছুর ছবি ও ভার শুরের তিতিখানি দেখার দুর্ভাগা আমার
হরেছিল।

> ইলা চৌধ্রী বিজ্ঞান কলেজ (উল্ভিদ বিভাগ) কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়

বাংলার চালচিত্র

দেশ পঠিকার নির্রাহত বিভাগে বাংলার চালচিচ'র অন্তড়ুছির জন্য সম্পাদক-মশ্চলীকে ধনাবাদ জানাই প্রথমে। আর লেখককে জানাজি আন্তরিক অভিবাদন।

আমাদের জনজীবদের প্রার উপেক্ষিত বঢ়ে সম্প্রদারের যে অন্তর্পা জীবনীচিত্র লেখক বেরকম প্রেমানপ্রেপ ভাবে লিখেছেন এবং লিখছেন তা নি:সন্দেহে প্রশংসনীর। **এট সুব লোক य.दा "চিরকাল চানে দটি ধরে** बारक हाना जात "माठि माठि वीक रवाल, भका धान काछे"-अप्टरत मध्याप्य व्यामना ভানিই বা কতট্টের। এদের সংখ্য আমাদের নিস্তা সাক্ষাং, কিন্তু আশ্ভরিক পরিচরের লেশট্যকৃত নেই। লেখক সাহিত্যের মাধ্যমে অমাদের জ্ঞানের বিস্কৃতি লাভে, ছানরের প্রস্তার সাহার্য করছেন। জীবনকে খির ্য সাহিত্য তিনি লিখে চলেছেন, ভাতে ব্শ, রস, গন্ধ কোন কিছুরই অভাব নেই। নির্মাল হাসারসের পালেই কর্ম অলুজ্ঞলের লেখা। এর মধ্যে কোন অসতা নেই—দিবা-*লে*াৰের মতোই ভা উ**ল্ভা**সিড—তাই গ্ৰহাংলার এই রূপ আমানের জাপ্লাভ করে नदम् अत्म नद्भं चामान्य । जामान्य नद স্তিভা বধন শহর:শ্ররী হরে পড়েছে, িশক্ষিত মান্যের চিশ্তার সমস্যার বশ্চণার বিবরাণ আকীণ হরে পড়েছে, সেই সময় সকল শ্যামল বাংলার মাটির মান্তেরে বে স্থিপুৰে ছবি পেলাম লেখকের ভাবার ভা ভাবিত করে মনকে। আর হা স্বচেরে কর্ণ বোধ হলো ভা বিগতে বিলে ভার সংখ্যার চালচিত্রটি। সমাজের বোধ করি স্বচেরে অবছেলিভ এবং ছাণিভ এই ব্যল্লাদের প্রতি আবাদের দ্ভিডপারী কি এकट्रें भाग्डीरव ना अहे ब्रह्मां भिष्व व পরও? নির্মায় আখচ মুর্মাণিডক এ কাহিনী আলকের নয়, বর্তমানের এবং হয়ত ভবিষয়ভরও। আলা করব নিছক অদ্যেতীর পরিহাসে বারা জাজ এরকমভাবে অপাংক্রে नवारक करनव सना सांवारनव सना बदरनव

क्षयम मध्यद्व वि त्यविष्ठ साम

শেখর সেনগ্রেতর

विश्वव एम्ट्रम एम्ट्रम

(দাম বারো টাকা)

প্রথিবীর বিভিন্ন বিশ্ববের জন্ম কটো বেওরা জাছে

যে বই আজ ভারতের বিভিন্ন
প্রদেশের বিভিন্ন ভারার জন্দিত
হওরার আয়োজন চলছে এবং
দেশের প্রত্যেক বিদম্প চেতনাসম্পাদ
মান্বের মনে সঠিক বৈপ্লবিক
চিন্তাধারা পেণছে দিরেছে। বিভিন্ন
সাহিত্যিক, নাটাকার, সাংবাদিক
রাজনীতিবিদ্গেগ কর্তৃক উদ্ধ

ফণীন্দুনাথ বিন্দোপাধ্যার

অশান্ত মধ্যকর

(মাম সাত টাকা)

खानकीर्थ / ५, दिशन अत्रवी, क्लिकाका-५३

অনুভতি জাগাত, চিল্টাখারা জালো প্রকর্তিক ক্রিক্টালিক ক্রিক্টালিক ক্রিক্টালিক সম্পাদন অনুষ্ঠিত ক্রিক্টালিক ক্রিক্টালিক করে চল্ল

প্রণ্য চক্রবর্তী বারভালাদ, প্রেলিয়া H & H

'দেশ' পাচকার আবদ্ধ জন্মারের আবোর চালচিত্র' পড়ে খুবই জালো লাগে। জন্মার সাহেব তার প্রতিটি রচনার গ্রামীণ বাংলার সত্য, শিব আর স্ফরের বৈচিত্রমাণা বে ছবি আক্রেন তা সভিত্র প্রশাসনীর।

গত সংখ্যার 'দেশ' পরিকার (২০শে ভার)
'বৃহর্কা সংবাদ' আমার মনে গভীরভাবে

পূজা সংখ্যা



প্ৰাৰ ৰাজাৰে আলোড়ন স্ভি করতে আসছে

ेला अस्टोबर

वित्व काक्ष्य

িটে তপ্রাস। লিখেছেন বনকুল, কালক্ী, জ্যোতিরিন্ধ নকী, সুনীল সঙ্গোপাধ্যায়, দীপক চৌধ্রী, নীহাতরগুর গুপ্ত ও আশুচোষ মুখোপাধ্যায়

बह्राज्यी द

MATERIAL STATE

'स्क्यां वित्र, खबाव पाउ'

পিটি গল্প। বিখেছের বিমব মির, জ্রাসক্ষ, শতিপদ রাভগুক, প্রকৃষ্ণ রায়, মায়া বসু, অতীন বন্দ্যোপাধায় ও নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়

১টি রসংচনা। লিখেছেন রসরাজ শিবরাম চল্লবর্তী

এ ছাড়া সমস্ত নির্মিত বিভাগ • সিনেমা ও সংগীত-শিল্পীদের সম্বকে নানান রচনা ও অজন্ম ছবি দাল সাড়ে চার টাকা ● সভাক পাঁচ টাকা পাঁচশ পরসঃ

দি ম্যাগাজিন্স্ প্রটভে**ট গিমিটেড** ॥ ১২৪বি, বিবেকানন্দ রোভ । কলিকাতা-ও

লাল কেটেছে। ছবেশা, মনলা, বাঁশির মৃত্যু আমন সংলাপ দেওবা হলেছে যে, তাদের চারত বাবাতে একটাও অন্যানিধে হয় না।

"আমাদের মন্ত্রী নেই, বঁলা নেই, সমাদ্র নেই, সংসাদ্ধ নেই, বালা দেই, বা নেই, ব্যামা নেই, বউ নেই, ছেলে নেই, মেলে নেই, আমগ্র হিল্পেড়া, কিন্দু আমাদের পোট আছে, খিনে আছে, রোগ আছে, ভাপ আছে, বাসনা-কামনা আছে।" রুপো, বালি, মননা এনের জীবনের টাজেভি বেন অন্ধ নিমন্তির নিপারে খেরাল। বাভিজনিবনের এই নিশ্রের খেরাল। বাভিজনিবনের এই নিশ্রের আসহারভা দেখে সহান্ত্রভিতে অমাদের মন ভারে ওঠি—ভাদের কাজকে বিচার করার ইক্লে হয় না। বেন্টি থাকবার জনো যানের নিজেনের এই বড় নিন্দার বিভ্রুমান ভানের বাজেনের এই বড় নিন্দার বিভ্রুমান ভানের বাজে মাত্রা ভগবানের আলীবাদ বাল মনে

লক ব্যাগর হাসিকলো জাব স্থা দুংশের সংগীতে গাঁলা এই প্রথিপীর মান্দের জীবনে কত বৈছিল কত বিভাগ, কত প্রেণীবিনাস। মান্দে চার অপ্রথার মধ্যে সংগ্রাভার জাভাস সংগীতের নাগ জাসীমের সার ৷ জীবনে যা পাওয়া গোল না ভাল সে খ্যাকে জোব।

বাংশা, বাংশি, মহদাৰ ছালিনে অপ্রাথি।
বেদনা, বিচুতিৰ বিদ্বাদেন যে সভিবতি ।
ভাষাদেব সমানে অভি সংগণাল গোটা ।
ধবাৰ ছানা কোকৰাক ধনাবাদ জানাই । বাং
বানায় সাহিতিবাৰ মানা প্ৰতিষ্ঠাত ও উপাৰা
বাভাষানি ভাছে ডা নিয়ে প্ৰতিষ্ঠাত ও সমানা
চক্ৰব ই ভক্তা বাংলা, বিশ্বু সমাসামাই
কাল্য কোকদানৰ মাধ্য ছালাব সংগণ ।
ভাগিনই ছানা প্ৰথম্ভাৰ ক্ৰিয়া বিগলৈ ।
ভাগিনই ছানা প্ৰথম্ভাৰ ক্ৰিয়া বিগলৈ ।

প্রসেবিধি উট্পর ব্রু

সংবাদভাষা ও দুশাপার

সংবাদভাৰোর মতই দৃশাপটকেও তিনি সতোর সাথে বিশ্লমান সংবোগ নেই এবং আজেবাজে কথা ভতি বলে অভিযোগ ভূলোছন। কোনো যুক্তিবাদী বাজি নিশ্চমই এর্ণ মুন্তবা করার সাথে। নিজের বলব প্রতিতিক করার প্রয়োজনীয়ত। স্বীকার ক্রমেন। অমিতাভবাবু সে তেওঁ করেন নি হয়ত সম্পন্ন নর বলেই। উপরুক্ তিনি নবার্থের বা এবং রপদশীর উপর বাছিগত আন্তেমণ চালিরে অনার ও অসহিত্য বিশেষ্ট অমের পরিচয় দিয়েত্বন।

নব র্থবাব্ গ্নিয়ার সংবাদপত সম্পর্কে কোনো সায়িত্ব নেন নি বা বস্তবা রাখেন নি। কাজেই অভিভাতবাব্র রাসেল, রবীশুন্ত এবং রামা রা'লার নাম প্রসংগ-বহি'ভূতভাবে



বিশুদ্ধ ও সুপরিষ্কৃত তিল তৈল ঘুইতেপ্রস্তুত

চুল উঠা বন্ধ করে মাথা ঠাণ্ডা রাখে

ডাৰ্ক্স শতান্দীর সুমামের উপর প্রতিষ্ঠিত

ব্রণ

षृत् कत्वात् जता लिएन तत्रा



- ১০৮ টি দেশে ভাকাররা ঝেস্ফিপশন করেছেন।
- তে কোন নামকরা ওবুণের
 কোলানেই পারেহা বাহ।

DZ-1676 R-BEN /

উখাপন করে পাঠকদের প্রভাবিত ভরার চেণ্টা অন্ত্ৰিত। মনে র খতে হবে নবার্প-বাব্যর আলে চন্য একটা বি:শব ঘটনার পরি-প্রেক্ষিতে তার প্রেণী বিভৱ পরিকা নিরেই। অনিভাভবাৰ: হারিসভাভ কল্প করতেন, বাদ ভিনি নবার,গবাব্র শ্রেণী বিভৱ বিশেষত আনন্দবাজার পত্তিকার প্রকাশিত গোটা করেক ইচ্ছাকত মধ্যা বা বিক্ত সংবাদের নমন্য িতে পারতেন। প্রমাণহীন **অভিবে**গ অভিযোগের ভিত্তিহীনতাই প্রমাণ করে। Free Press ताई त्याता काता किया वा এন Free Press কথাটাই খাংশা এড বভ সামী সিম্ধান্ডৰ প্ৰয়াণ পিয়েছেন ? নাকি Press সম্বদ্ধ তিনি যে উদ্ধতি দিয়েছেন তাতেই ভা প্রমাণিত মেট কথা Free Press সম্পর্কে বিচিত্র সম্ভবত গ্রিতাভবারার ধারণাটাই কথাটার অর্থ জানা নেই বলেই। তব্যুৱ £कश वेना महकाद (कारना मध्याम**णा**टन মিথা বা বিবাতি সংগদে পরিবেশনের সং**থে** Free Press-এর হাড়ার কোনো ফোল নেই।

বিকৃত ও মিথা সংবাদ প্রচার নিরে দেকীয়া এবং নিরেপেকা পতি নার মধ্যে তুলনা না চলার কি কারণ থাকতে পারে বে কা গেলানা। বরং দেকীয় পতিকা হালাই রু ত রু রিখা বা বিকৃত সংবাদ পরিবেশন ও তদারা দলীর লোকোরের অসাধ্য উপারে প্রভাবিত কর উচিত তার এই বন্ধানা তালা যে, দলীর দিউকোর প্রেকে ঘটনার বিদেক্ষণ হাতে পারে ঘটনা হৈরি হতে পারে না। তাই দলের দর্বাধা স্থানার বিদ্যান্ত করেছা দলীয়া দেকার দর্বাধা স্থানা হৈরি হতে পারে না। তাই দলের দ্বাধা স্থানার বিদ্যান্ত করেছা দলীয়া মাকা। বর বেই লোকার করেছা দলীয়া মাকা। বর বেই লোকারে স্থানাই অপার ধ্বী হতে হাবে দলীয়া প্রিকারে ল

অবিভাভবার্ত্ত কথা অনুষায়ী থানি
ভূলনা করাও হয় ভাবে তো কোনো পতিকার
সংগ্রি অন্য অন্তর্কটার ভূলনা চালে না।
কালন ভার আয়ে অব্যানিক পৌরানিক
ইন্ডালা সর্বপ্রালা প্রেস্ ম্লেগনের পাইকা
রেগ কমচারী সংখ্য তা আবার সারো, আবা
রা অবৈতনিক কিন। ইভানি মেপে দেখাত বেগ সংবাদ নিয়ে সংযালগনের বিচার না
করে ভার অন্য গালা দিয়ে তা করাত থাব এব চোর সমা গালা দিয়ে তা করাত থাব এব চোর স্থাম্থ আর কি হাত পারে। এই কার্যে নক্ষক তার যারা ক্যানিটিক প্রিটিক ভোট দিয়েভিগ্রন ভার ও গণ্যভিগ্রেমন না,
ব্যারণ গণ্যভিগ্রন ভার ও গণ্যভিগ্রন্থন না
ব্যারণ গণ্যভিগ্রন্থন প্রারণ বিচার করে না।

মানিক সেনগ**়**ণ্ড দ্যোগ্রে-৪

হেমচন্দ্ৰ বাগচী

ালেশা ৩৬ বর্ষ ৪২ সংখ্যার প্রকাশিও খ্রীহার সমীবোদনাথ সিংগ রারের **লেখা** াহেসচার বাসচী পড়ে সবিদ্যারেই একজন





तिरस्य ने स्ट्रीसात्रीं ज्याम् स्ट्रिंस ने स्ट्रिंस ने स्ट्रिंस ने स्ट्रिंस ने स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस ने स्ट्रिंस स्ट्रि स्ट् स्ट्रि स्ट् स्ट्रि स्ट्रि स्ट्रि स्ट् स्ट्रि स्ट्रि स्

विद्यवी विश्वीत स्यास्त्रव श्वाप-जावत तित्व विश्वा ठेमन्त्राज्यव स्टाव्य

र्वामीयक्यं वहना प्रिप्टिंग्ड न्याष्ट्रिं मिन्नोप्पयं विश्वा वयः मिन्नव्याके प्रभारक ज्याताहरा। व जुड़ा उद्गारे विस्मिव बक्तायं विद्या

क्षाता कराता रंगितित रिसेंग ३ रंगितित रिसेंग ३

प्रस्त हमस्या स्टब्स्य हमस्यानाम् अनुस्य हमस्यानाम् उत्स्तानाम् स्यानाम् अनुस्य स्यानाम्

त्रुगुर्वागी

ताम । ६६ ०० ०५ भाग १८ वाडू ताम भाग १८ वाडू ताम भाग १८ वाडू ताम भाग १८ वाडू ताम

(\$ 405)

 $4.5, 3.99 \pm 0.009 \pm$

বিশংশ কবির প্রারবিদ্যুত কথা নতুন করে
আমাদের মনকে আলোড়িত করলো। কবি
হেমতন্দ্র বাগচী বে কলোলবারুগর প্রশেষ ও
প্রথিতবলা কবি , ও সাহিত্যিকদের সপে
যনিষ্ঠভাবে সংযাভ থেকে আপন সভিনতী
প্রতিভার ও ভিন্নতর রচনাগৈলার দীপ্তিতে
উম্ভাবল ভিলেন সে কথা সেই ব্যোগর
আনেকের জানা থাকলেও এখনকার অনেকেরই
সে সম্প্রথান প্রয়ান। অস্প্রয়াপ্তমক এবং
ব্যোগজীপ কবি আজও যে বতানা থেকে

প্রথিবীর আলো-বাতাল গ্রহণ কর্মান-এটা ভগবানের কর্মা আর আনালের পরম ভাগা। বিশ্ব ভিনি আরু কিন্তাহী কবি নজর্লের মতই শত্রের কোটিতেত ভাশ্বর হরে উঠছে না। এর কারণ শ্রীব্র সিংহরার মশান তাঁর লেখার অভাশ্ব স্করের এবং প্রতিকারের সমর এখনেও বে উত্তীপ হয়ে যার নি-এ কথাও আমাদের ও স্বোগরি লোকভির ব্র ফ্রান্ট সরকারকে শ্রহণ করিরে, সভ্লিকারে উদ্যাপা হয়ের প্রথমনার একজন একশান বিখ্যান্ত করিকে আবার শ্রমাহারার প্রতিভিন্তত

করতে আহনীন জানিকেছেন। মাত ৭৫ টাকার সরকারী মাকেছারা বে কতেখানি সাহারের আসতে পারে—এ কথা বোধ করি কাউকেই ব্রিক্তর বলার অপেকা রাথে না। আছি জালা রাখি, পশ্চিম বাংলার সাহিত্যানারাগী জনগণ এবং সরকার এ বিবন্ধে উপযুক্ত আগ্রহ নিরে এগিরে বাংলা, কবির প্রতি তরি প্রাণা প্রকাশ সকান প্রবেশনিকরে গ্রেণাগ্রিতার পরিচর রাখনে ও তার শহীপাণিবতাকে সহল খিখাল প্রকাশিত করে তাকি পাদ প্রদাশিণ প্রতালিত করে তাকি পাদ প্রদাশিণ উল্লিখ্য করের প্রাণ্ড প্রাণ্ড করার প্রয়াস প্রবেশন

রবীস্দ্রনাথ ভট্টাচার্য রাউপ্রকা-১

বিষয়বৈচিতে। অভিনৰছের দাবী নিয়ে অক্টোব্যেই বৈর্ছে — দীপালি সংখ্য

अन्यती **८७७** अन्य अन्य अन्य

टेन्प्राधित्रक

সংশাদেক : **জন্মভূমার ভাগ ক্ষার** কার্যা**লকে : কে ১/৫১, সিন্দ**ি (৪ নবাস)

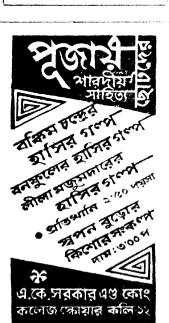
(সি ৮২৩৬)

মাসিক ১০, টাকা কিছিততে কিন্ন



জ্ঞান ক্রাডি স্টান্ডিডি এ জুন জি স্টার ডেবল স্টিল্ডি ডবল স্পিক্র

স্থানীক্ষণৰ মাইও লগতে ভিড়া কৰা। দায়া ও ৩১০, ওাৰা। ভাঙাৰ দিবৰ সময় বেবল ইংৰেজিকে লিখান। Globe Agencies (D.C.) R P. Back, P.B. 100 1006



बाह्रीत्तान्तः

কসেংখ্য চিচ পোটাত ও বহু, তথ্য সম্প

'দেৰভূমি হিমালয়ের দ্যুগম তীর্থপথে'

स्रिति जीथमासोत वामात्रशर्य वर्रे — ए ए०

N. - 43072 2

পুৰাণক : উৎপদ্ধ **প্ৰভ সৰক্ষত**ী : ৮৭/৫ কেন্ডিস লি মালিক বেন্ড কালিকন্ত্ৰিক ফোন্নেলৰ ৪৬-৪৪০৭ : কংগুৰু কাহিনী : ১০ কালিক চাণ্ডিল স্ট্ৰিকাসকলে ১১

প্ৰকাশিত হল

ৰৈ পায়ন

রাজ দরবার ১০:০০

চিৰ্জীৰ সেন

कुमानः, नरमराभागाय

অদৃশ্য হাত॥ মৃক্সোলনীর শেষ বিচার

প্রিয়েশ্যর : **আধানিক** য় ১৯নি, প্রাধেম চাটটেরা কর্মি, রাজরারেন্ডেই

MARKET

সার্থক একটি উপন্যাস বলতে কি বোঝায়?

শ্ধ্য মাত স্থের একটি গণে বা স্থীর্ ঘটনা বিনলস কিংবা গভীর রাজনৈতিক প্রাজোচনা বা যেনি আবেদনই নয়। আরও কিছ্—

टेनटनन बारबन

তরাই

ৰাক্ সাহিত্য প্ৰাইভেট লিমিটেড

- ७८, कर्मक रहा, क्रीमकाखा-५

পূর্ব বাংলার কবিতা

"আমার প্রে বাংলা অনেক রাতে গাছের পাতার বৃথ্টির শব্দের মতো কথনও ম্দেশ্য ১ঠাং কথনত বেহাল — তক সময় বাঁশির সূর যথন রাতে এককী ঘ্য ভাঙ

ক্ষমবরত কোমল কেলেইলে শ্বশেষ মতে পাভায় পাভায শ্বশেষ দেখি ''

এই কবিতা লিখেছেন সৈত্ৰদ জালী আহসান, পাবি বংলায় বাদে। বিশ্ব এমন কবিতা বংলা ভাষায় কাবিটা লিখতে পাবেছেন, নদী মাত্ৰ প্ৰাবাহলা স্বাবই প্ৰিয়ণ বাদ্ধে বাংলা স্বাবই প্ৰিয়ণ বাংলা গ্ৰাহ প্ৰায়ণ বাংলা প্ৰয়ণ বাংলা প্ৰায়ণ বাংলা প্ৰয়ণ বাংলা প্ৰায়ণ বাংলা প্ৰয়ণ বাংলা প্ৰায়ণ বাংলা প্ৰয়ণ বাংলা প্ৰায়ণ বাংলা প্ৰায়ণ







পরেছি না, তাঁর সেই গুলেষও প্র' বাংলা বিষয়ক এমন বিমাণ্ধ আবেগময় কাবতা বেশ কয়েকটি আছে।

চটে পাধ্য য়ের সম্পাদনায় সদ্য বে'ব্যুয়েছে "প্রের বংলার শ্রেণ্ঠ কবিতা" তিনি নিশ্চত তামাদের কৃতজ্ঞতা ভাষ্ণ হবেন, আম্লেদর তিনি এক সংগ্রে এড্সা স প্রে বাংলার কবিতা পভার স্থোগ করে 10/3/01 1 দিয়নী-রাভয়ালপিণিতর কলা-কৌশলে আমরা ঘরের পালের ভাই কাধ্যদের মার পেরতে। পাই না, কণ্ঠদবর শানি না। জামানিতে এক সময় নিশ্যেশভর যান্ধ হয়ে গোলা আজ ভোদের সম্পক প্রজ্ঞান আরু দ্ব ধানি ভার বাইশ বছর 95.18 অমানের মধ্যকার দেখাল क रेन इसका

পূর্ব বাংশা ও পশ্চিম বাংলার কারতার
নাধা ভাষা ও সাহিত গত বাংপের বলাত
গোল কেনো তজাং-ই নেই: আমেরিকা ও
ডিটেন সানন ন রক্ষা ইংরেজি সংহিত। গড়ে
নিটেছ কিবে সেশন ও লা তিন আমেরিকার
গোনন আলানে ধরনের স্পানশি সাহিতা—
তেমন কোলো বার্ধানও নেই এখান প্রে
বংলার কবিতাগালি আমানের খ্রেই আপন
এবং প্রির বলে মনে হচ।

এ কথা দ্বীকাম কৰা উচিদ্ৰ যোগাযোগের অভ্যাব, কিংবা পর পরিকা ঠিক ছাত্র পাওয়া হার না বলে পার্বে বাংগার আনক কবিত্র বালি প্রিচয় আমাদের কম জানা। জানি না আনেকেটে বয়েস বা লেখার নিজস্ব ধার টি কি। আমি শাধা কবিতা নয়, কবিদের সম্পরের এই সব খার্টিনাটি জ্ঞানার ২০প্যারত আগ্রহী। অবশ্য এই সংকলনে এমন বেদ কয়েকজন কবি আছেন, ধরি শাংখু পার্ব বাংলার কবি 'হাসেবেই আমাদের কাছে পরিচিত ননা সমগ্র বংলাস হিতে। ভালের আসন আনেক আগোই স্থানিদিন্ট হ হ গেছেং যেমন জসীমাউদ্দীন বদেন আংলী মিয়া শামসার রহমান প্রমার । পরিচিতদের 2541 <u> উद्भाश शास्त्र</u> সিদ্দিকী এবং অন্পদিহত আশরফ এখান খোক প্রান্তশক্ষার রায়। অবশা, পূর্বে বাংলার সমস্ত উল্লেখ্যে গা কবিতা সংগ্রহ করা যে কত দরিহে কাজ তা সহজেই পারি এবং সম্পাদক সে অনুমান করতে কথা বারবার স্বীকার করেছেন।

পুষা বাংলার আধানিক কবিদের মধ্যে

আল মাইম্ন একটি বিশিষ্ট নাম। এই কৰি
দ্বাস্থ তেলাঁ এবং স্কা সংবেদনশাল কবিতা লেখেন, করি অনেকগালি কবিতা পোর শ্বে ভালো লাগলো। এর করেকটা কবিতা থেকে কিছু কিছু লইন উন্ধার করাছ।

"—বাতাসে ভেসেছে থেপি।, মূখ তোলো, হৈ দেখন হাসি

তে দেবন বল তোমার টিকলি হয়ে হাংপিশ্ড নড়ে পরে-পরে

国 用语

৮ম বর্ষ : প্জা সংখ্যা '৭৬ ৪০০ পাটা ৫০ চন লেখক

৪টি উপনাসে নরেন্দ্রাথ মিচ, আলা-প্রো দেবী, ভরিনারারণ গরো-পাধারে স্নৌল গরোপাধায়

১৫টি গশৈপ, বনজলে প্রেমেণ্ড ছিব্,
বিক্তিকুষণ লাগোপাধার, শানিকা বন্দোপাধার, কালন্তোর লাগোধাক, নারারণ গগোপাধার, সমরেশ বস্ বিজ্ঞা ছিব্, প্রবেধ সানাল, শৈলকানন্দ স্বামাণাধার মহাধেবতা দেবী, শিবরাম চক্রবর্তী আভা পাকভালী প্রম্

157-49551

একজিমা বোগ

সোবাইটাসস কামত ক্ষান বাধানত বাত্তক কুলা, ক্ষেত্ত-পথ এই আবান আনার ্রাফন কামিন চমারোগ ১৪০০ টোনলগানের জনা এই বংসারের চিকিংসা কাম্যে চিকেংসিক গুটুন হাওটা কৃষ্ট কৃষ্টীর ১না মাধ্য ছোহ কোন ব্রেট হাওটা ফান ৬৭ ২৩৫১ গাখাঃ ৩৬ মহাখ্যা চাঙ্কী বাদ হাট্যসন বাডে। ক্ষাক্রতো ১০ প্রেষ্ট স্থানমার পাক্ষে মণ্যল কুলোর বাদা ধরে আছে সারা গ্রামবাসী উঠোনে বিনিয় থৈ, বিছানার আত্তর জগ্রেন। (সোনালি কাবিল)

নীল বইচা মাছের মতে: চোৰ
ন্বংশ আমার কুশল পুছে রোজ—
ভালো কি আছো? হাররে ভালো থাকা
নগরবাসী কে রাখে কার খেজি!

ফিরতে চাই, গাবো কি সেই পথ ভরমুজের খেতের পালে বর; লক্ষাহীনা ফাজিল হু'ড়ি এক ভীবৰ কালো, হাসতো থরথর!

মহাকালের কালোর চেরে কালো রাভ বরণ রুপসী সেই পরী... আমার তো পুরের কবিতাটাই উত্থান্ন করতে লোভ হচ্ছে, এত চমংকার। এই সংক্রানের

माठीन्स्रमाथ बटनगाभाशास्त्रज्ञ

তীরভূমি

সংসার-সম্দ্রে দিকহারা নাবিকের মর্মস্পর্ণী কাহিনী — ছায়াচিতে রুপায়িত। একখানা চিরারত উপনাস ॥ ৫,

यां विक श्रम्थावनी

(১ম ও ২র খণ্ড)
মানিক বন্দোপাধ্যারের শিক্সীজীবন
বিচিত্র পরীক্ষা-নিরীক্ষার দঃসাহসিক
অভিযান। মানিক সাহিত্যের মূল্যারন
ও প্রশ্থ আলোচনা সহ এক দুক্প্রাপ্য
প্রশ্যাবলী। বিদন্ধ-জন সমাদ্ত।
স্দৃদ্ধা বাধাই। ৬০০ প্রতার উপরে।
প্রতি খণ্ড ১২,। ভিঃ পিংতে ১৫,।

—अमामा वहे—

जाक काम भन्नम् ॥ निवक्षन চক्रवर्गो ॥ 8.

ভিনৰনাম ॥
ভারাশব্দর বলেনা, বিমল মিত্র
ও শচনিদ্র বলেনাঃ ॥ ৪১

किटनात विकिता ॥

भागिक वरम्या ॥ ८,

সাহিত হিচিতা 11 বিষ্ণু মিত

11 25

গোৱা কালাৰ হাট ॥ অশোক গাহ

11 F-60

া। **গ্রন্থালর প্রা: লি: ॥** ১১এ বব্দিন চাইছেল স্টাট, কলিকাডা--১২

बाक्ति प्राथमभ्य किर्थातम् त्रवातक क्रोधार्तीः কিছুকাল আগেও পূৰ্ব বাংলার ছিলেন। তিনি জানিয়েছেন এই দুই বলকে नार्व वारलात कविकात हाइहि भवीदतत क्या। প্ৰথম পৰ্বায়, স্বাধীনতার আনন্দ উন্দীপনা क जर्बाभागित स्वाकातक स्वास्थित जन्छादा স্বল্পদর্শনের আশাবাদ। স্বিভীয় পর্যারে ইসলামী আদশা মুসলিম মানদের বাণাীয় ঐতিহ্য অন্বেষণ, ততীয় পৰ্যায়ে সমগ্ৰ বাংলা সাহিত্যের ঐতিহা স্থীকার করে ভারই অনুসরণে ধ্যানিরপেক সাহিত্য স্থির প্রবাস, চতথা পর্বারে বিশ্ব সাহিত্যের নানা আন্দোলনের সংগা সপাতি রেখে অভি আধানিক সাহিতা প্রৱাস। সংখ্য বিষয় এই সংকলনে ভতীয় ও চতথা পৰ্যাৰের কবিভাই স্থান পোরছে।

শামস্র রহমান এক সমর "কবিতা" পরিকার অনেক কবিতা লিখেছেন, আল মাহম্দ, আব্ল ফকল সাহাব্দিন লিখেছেন "কুত্তিবাসে", এখানকার কবিতা অনুরাগীদের কাছে এ'রা অনেকখানি পরিচিত। শামস্র রহমানের কবিতাগালি বড় অভিমানের, বড় গাঢ় বেদনার। তরি করেকটি লাইন খেকেই এ কথা স্পদ্ট হয়ে ওঠে :

'মাচার অপিতি। <mark>লভা জানে বার প্রীক পরিচর ভুলাবে। কি ভার নাম ^২ সুব্রে কাছে একই</mark>

হাওয়া বয় গ প্রসায়িত থালোর নিংসংগ পথ রেখা কাকে দেখে যারে যারে উঠোনে কুকুর

কাঁদে একা ? থাঁচার সংহাটিভ সাথি সেও কাতে চাল অজ্ঞান কোথাৰ— গড়ে গড়ে মুঠা ভাষা, স্থিবীর সমস্ত জাকালে

> ৰেলা পড়ে আস। (ছিল সে-৫)

থবদার খোকা ভুই কোনোদিন নিজেপর ম্গতে দিবিনে খোবতে চিসীমার বাং ভিডিয়ে বেড়া ভাষা, টীকা, দলনের মহানদের নিশ্চিন্তির দেৱা

বাধিদ মনের মতো।

(আমার ছেলেকে)

খ্ব বেশী উন্ধাতি দিতে গেলে আরতন অনেক দীর্ঘ হয়ে যাবে এই রচনার। অনেক কবিতাই সমগ্রভাবে সম্প্র, মাঝখান থেকে দ্বা চার লাইন উন্ধাতি দিতে গোলে সে-গ্রেলর প্রতি অবিচার করা হয়। তবে, শহীব কাদরী, যার মাতৃভাষা উর্বা এবং শার্ব বাংলার একজন বহা আলোচিত কবি, ভার করেকটি লাইন না দিরে উপার নেই।

শীভার্ত নিঃশভার কিন্তু বাঁচে না কেব বোচে থাকা ছাড়া:

(अहे मीरण)

ভালোবাসার আরম্ভ মাকড়
কাল রাখে খ্যে আন্তে এই সর্বেসবা মাসে,
 রভোজ্যাসে:

লার্ণ বিদেকারণ এনে দিল ক্ষা; সম্ভাবনার চিত্তনার চ্যেত্র

এই কলে ছিল যামড়ার দুর্ভি, উর্ব জুর্নিয়া, খ্রণ্ড পা

চকে মাধ্রী জোগার, তরে দের অশাদত

নিষ্ঠার জাগরণে। (মোহন ক্ষাধা)

সনাতন পাঠত

ক্যাকটাল-এর জন্য স্ট্যাম্পসহ কবিতা পাঠান—এ/১২৪, কংকর-বাস কলোনী, পাটনা—১

পি অম ২৮৮১

भागिक ६, होका किन्छिट



শ্বী আন আৰ্ড তবজ সিপ্ৰকাৰ ৩ বচন্ত্ৰ এল ভ্ৰৱকেড প্ৰেট্ডি-বল্প ফ্লিডিক্টেড ক্ষ কোনো জাবো বা ব

भावान सम्

TOKYO AGENCIES (WD)
Kaseruwalan, Pahargan: Post
Bag No. 11, New Delhi-1.



कर्म थालि

জাপান আট শাড়ী, টেরিলিন স্টিং, রেডিমেড পোবাক, শাল, নাইলনের মোজার অডার সংগ্রহের জন। মাসিক ৮৫০, টাকায় অথবা উচ্চ কমিশনে সেলসমান চাই। নম্নার জন্য লিখনে।

Foreign Agencies (66) Dassan Street, Box 1458, Delhi-6.

স্বাধীনতা আন্দোলনের পটভূমি

বাংলার বিশ্ববাদ। জীরাগ্রীকেশার গুছে। এ মুখার্জা এড কোং প্রাঃ লিঃ, কল-কাডা-১২। দশ টাকা।

'बार**लाव ेविश्लववाम' शश्य**भागित आरंबर বাঙালী পাউকের পরিচর সাদীর্ঘকালের। প্রতথ্যনির প্রথম সংক্রেণ প্রকালিত ত্র ১৯২০ সালো। তারপর, প্রতিটি সংস্করণে ন্তুন নতুন তথা খটনা এবং ব্যাখ্যা সহযোগে পরিমাজিত এবং পরিব্যাধিত হতে সম্প্রতি গ্রন্থাটির চত্**র্থ সংক্ষরণ আত্মপ্রকা**শ করেছে। বাঙালী লাভীয়া চরিতের সাহস্কিতঃ এবং দুমার **প্রাণক্তেনার কথা স্থাক্**ন বিভিন্ত। লেখৰ প্ৰভাত প্ৰম নিষ্ঠাৰ সংগ্ৰাভালী বিশ্ববী চেতনার স্বর্গ ংগ প্রসাদক ক্লমৰম্ভ করে বিবাস্ত করেছেন আলোনে গ্রন্থ। সিপাছী বিস্তোহ থেকে সাভাষ্ঠকের মেতার জ্ঞান ভিন্দ ফোডের অভিযান প্রাণ্ড--मामीबाकारमञ्ज वारमात्र विश्ववी প্राप्तराज्ञ একটি প্ৰেথানাপ্ৰেথ চালচিত্ৰ বচনায় লেখক প্রকাসী হরেছেন ৷ এবং এ বিষয়ে লেখ্যকর নিষ্ঠা এবং মনস্কৃত। শ্রুষ্কার্য।। প্রায় সাহি একশত বছারের যাবতীয় বৈশ্লবিক আক্রে-জনগণ্যালির ভবং সমান্ধ র্পারেখা চিগ্রাণ কেখক। তংশর হারেছেন। সিশাহী বিদেহে নাল বিষ্ণেত্র, গুণ্ড বৈশ্বনিক প্রয়াস, প্রথম মহাল ষ্টাৰ এবং ৰাংলার - বৈংলাকী প্রয়াস, গণর ल्लान दि**श्मद ५ काश (दश्न**ितक डेट्टारा) আজিপার বড়মণ্ড আমেল ্ বংলার বৈংলারত ্রিক্তা ভারেছভালের সামারেক্তানার র মের ভারাকা, জাপনগড়া <u>সমূল্য – প্রা</u>ড়ীত ্লাক পরিচিত ৰাভ্ৰেটে বিশ্বৰ প্ৰয়াকের পাশপানি ডিবি **্রেড টাডেটে বৈশ্ল**লিক 42.42 কোড্ডকোদনীপৰা ንጭ የጠፊ ললবিধ **আংলাকপাতে করেছে**ন। যেমন স্বলেকী সংগীত বেভমার হুমাক, ডাকচির কথা, প**্রিসী তংগরতা, স্যা সে**লের ফাঁসর পর তদশ্ভের নমনো, একরার করাইযার পদাতি, ষাহারা প্রাথ দিল কিন্তুকেই মনে ব^{িহল}ে. --ইত্যাদি অধ্যারসমূহ। শ্রীমূর গার সংগ্র বাংলার বিশ্ববী প্রয়সের সংগ্রে ঘটান্ডভাবে ब्रुड (क्टलन) करल, अपन किस् दर्गड० र অভিনয়তা প্রশেষ স্থান পেরেছে যা এ জাতীর অন্যান্য ঐতিহাসিক গ্রাম্থে একান্ডই নালভ। প্রজ্ঞদশীর বিষয়দের মত ঘটনাগালি গালে সভাব क्षिप्रकृत तहना র্পাণকারিত হয়েছে এবং এ বিষয়ে তিনি এক জনন। ক্ষমতার পরিচয় দিয়েছেন। তা হল কোথাও ৰঙালা, বিশ্লব প্রচাদের ঘটা 🕒 গ্লিকে অভিবিশ্ব আবেগে কুয়াশাক্ষা করে তেতেশন নি : অথবা ভখাকথিত ঐতিহনীসকের লৈব্যক্তিক বৰ্ণনা এবং তথা ধারায় প্রশংগীন করে কেলেননি। খ্রে অনায়ালে, সাবলীল- ।



ভাবে ঘটনার সরস বিবরণ দান করেছেন। ফলে, গুদ্ধখানি সর্বাগ্র উপন্যাসের মত স্থে পাঠাতা পেরেছে।

গ্রন্থের ভামকায় লেখক স্থিনয়ে স্বীকার করেছেন, তিনি মূলত তথা নিভার ন্ম। বিক্রবী আদেন্তানের বিশ্বসত এবং মথা-ত্রি অভিপ্রেড নর। যোগা ইতিহাস বচনা বদত্ত, বাংলা দেশের বিশ্ববী প্রয়াসগালি রজনৈতিক কারণেই অনেকক্ষেত্রে প্রক্রম ছিল। সাতরাং সঠিক তথা খ'ভে বের করা নাব্দর। তথাপি এ ক্ষে<u>ত্রে</u> কোথকের কৃতিম্বের কথা উল্লেখ করা উচিত। তথ্য সমাবেশের বা।পারে ভিনি খাব পরিশ্রমী হবার সা্যেগ পেলেও প্রভ্যেকটি অধ্যায় লেখকের এবং বর্ণনালালি বারিগত অভিক্রতা ইতিহাসের মর্যাদ। পেয়েছে। বসতুত, বিশ্লবের বাংলার বিশ্ববী র্ডাত্তলের বচনান্য<u>্</u> आफालास्य प्रांकश तहरा कराई लाभकित উদেরণা। এবং এ বিষয়ে তিনি এক বিরুল

STOCKS STORE THORSES SHOWING SH धरे विकारन धरे जन्मक्रीता विकास किंग शामीभाकसादर नामा पर्वेमा । BERTHIN BREEK! & SIMILE BREEK विषय क्षेत्रम्थानम मिनाना वट्यके विक्रम्मका श्रीकात्रक श মন্দিতার மக்க বিষয়ে তেখক প্রথপেয় করতে भारतन । ভাইগ. and the বি**শ্বাবহাণের** जारमात्रमा श्राम्टका কখনও প্রাদেশিক মনোভাবের দেন নি। পরাধীন **ভারতকরে বৈকা**বিক আন্দোলনের দরে ক্লিকত প্রক্রেনার্কাক সর্বদা পরিপ্রেক্তি হিসেবে करण, करणात्र विकासी शतान का वर्षका । चारता शर्दा । अर्थामा स्थातकः। जान গ্রন্থের সবচেরে কর্ড কৈশিশ্টা হল এই বে, ক্ষেত্ৰান্ত তিনি আবেগভান্তিত হ**রে রচনাকে** অক্ষা বাস্তক্তার উধের নিশিকত করেন নি। রাজনৈতিক বিকেনা এবং বিচার সন্দেরভার সাহাত্যে প্রজ্ঞেকটি বিশ্ববী প্রয়ালের ভালনার বিচার করেছেন। কলে, প্রত্থখনি একাবারে ইতিহাস এবং ৰাংলা দেশের বৈশ্লবিক অন্দোলনের জীকত আলেখ্য হয়ে উঠেছ। \$ 28/62°

প্রেম-পিপাসা

পাঁচ টাকা বার

শ্বৰ সংহাত বলিষক এই কিলোৱন**প্ৰম**ননিবেশন **উপন্যাস্তি পণ্ডিয়া পরিপ্রে** সেই ধানধ্যই সংগ্ৰাহ **অধ্যাধিক মুক্তন চরিত্র ও পাট**।

প্ৰতো-মোহনীমোহন কাঞ্চিলাল

৬০, বজা বসতে রাজ রোড, কলিকাতা-২৯। মুহাবন-এবং আঁলম প্রেড়ে ডাকু ধায় — ডি; বি: বজু না। বি:৫৪:-শাসগ্যের এন্ড কোং, কলেঞ্চ স্মাটি, কলিকাজা।

नि ४२४३)

সংক্ষত অনার্সের বজান্বাদ দাবলিত অধ্যাপক সমরেন্দ্রনাথ ব্যানাজী এম. এ

বানভট্টের কাদশ্বরী কোটিল্যের অর্থশাস্ত্র

8.00

4.00

ৰি-এ সংস্কৃত অনাস্পাষ্ট ওয়ান, পাষ্ট ট্ৰ ছন্দা চলৰতী এম-এ ডঃ এস সি ৰানাজী, এম-এ, ডি-ফিল কৰ্তৃক সংশোধিত

চলবিতকা । ৭, নবান কুডু লেন (কলেজ রোর ভিতর), কলিকাতা-১

মধ্য ভবা। সমূত গ্ৰেড। আনন্দ্ৰারা প্রকৃত্ন, ৮ শ্যামাচন্দ্ৰ দে শ্টাট, কলকাতা-১২। ১২-৫০ টাকা।

[18] 의 교통 그는 문화를 하면 적절을 받는데 그는 것이다고 했다.

ৰূপা তথা আন্দেলনই ভারতবর্ষের আন্দোলন সংগ্রাম পরের প্রথম সাধক আন্দোলন। ঐকাবন্ধ উন্তাল বিক্ষোভ ও ছাল সেনিন বার্থ করে দিয়েছিল লার্ড কার্যনের ক্টেনিভিক চকান্তকে, ইংরেজ

ৰাৰ চটোপাণ্যান সম্পাদিত সাংভাহিক ৰাংলা কবিতা

প্ৰতি শনিবার বেবংকে শদাম ২৫ প্রসা প্রবলে: শ্ৰেণবৈধা ৭৩ মহাথা, গাদি সেউ, কলি-১

कित ४३५३)



সরকারের বড়মন্টী থাবাকে শোরেছিল ফেরাতে। এই আন্দেলনা শ্রাধানাতা আন্দেলনার ইভিহাসের এক গ্রেছপার্থ অধ্যায়। শ্রাদেশীয়ানার বীক্ত শ্রাধিতি ভারতবাসীর হাদেয়ে ও মনে সাথাকভাবে উপ্ত করেছিল এই আন্দেশেন।

আরক্ষেত্র যেমন অংক্ষণ্ড ছাকে প্রদীপ-জ্যকার পিছনে সলতে-পাকনোর ইতিহাস, তেমনই বুলাভাগ এড়েশকার সাফালের নেপথা চিচ্টির অন্তর্মা করিচয় ছড়িয়ে आहर विकिल ग्राम्थ स आवासीवनीव ग्रीन ধুসর অধ্যক্তর ভারতের প্রাধনিত সংগ্রম নিয়ে কোনো প্রাধ্য ইতিহাস ত্তনৰ বৃত্তি হয় লি। সমূদ গুণ্ড ভবি ক্রমের বিশ্বেষ্টিয়া ও ক্রেন্স বিশ্বর সংগ্রহণ অনুস্থান্ত ভাষা ভাষা সহাধীনাতু আনুসনাধানেই কুমার অভিন ক্রিয়া ভিত্ত স্থানসভূতের জন্য **ছিল না কৰে গোক** (কম্মন কৰে কেই কর एकाल क्रिकेट कार्य घटन १८८६ ७००) हर्दाहर्षक्षम वारसाय क्रांच्याकाल करा उन्हें কট্রেল ব্যক্তি হলে সিম্মুছিল স্থাপনত सर् काल भाग कुल निर्माधन म्युटीन প্ন: কাকা এই - শংসাটো এখন ^{নি}স্কৃতিল *** MUTS *5 3 श्रुष्ट्रान्द्रवादः विकास ক্ষালয় ক্ষায়েত ক্ষান্ত প্ৰতিষ্ঠ নিত महे। केडिकारमध्य गाँउ अक्टिन विभवसम् । कताव निरंक भा र छ है । 🧐 হামাৰ কালে সেখিম ছিল্মেছ। এ চালে ও চালে হেতক যেখানে কটেউক। মধ্যে সিয়েছি এনি काञ कालीइ अवने हाक है।

मधास गान्छ, नक्दछ नक्दछ श्राहर rmented अरमक, कानिरश्राद्यमेख अराज काहिनी। कारबंगा ग्रह वह, एका हरह NIVE AT MINOR BOHMING PIECE नित्व किंति समा काना किन्स उश्योग्य Bergen with in wan the se क दिशाहि शक्त-मधीर छ। असा उनसारम्य (Stee शिम्ब्रह्मके 'मन्त्राक्रका' मान्ना a दश कार्यक्रवात मध्ये ब्रावः २५०० (ब्रावः १८५५ AMERICA SILAME & CME : TOPE LE SIME প্রতিমিকার সমায় প্রত সমায় আংক करकाश्चर्यः अध्यक्षमञ्जले व्यवस्थान्तरम् । दोन्यः big mitt, amaitem Grieffe, frieder रिकार्वाम्ख्यः, <mark>ज्ञतीवस्त्रः वाद्यीस्त्रका</mark>तः, तर्रोक शास कारमीन्यसम् सम्बद्धाः <mark>राम, उ</mark>क्तरीर स् NINGHAM SE-ANGE MIEIGE Auf. ভালের **ক্ষাবলত ছবিহারে ম**তে মতে ১৮ ০০ ব্যাক ক্ষেত্ৰ সংক্র কম্পন্ধক্ষ । একটি বিশেষ সংগ तरकात राष्ट्रकारक, **भाषा**किक भारत । They was the second of the Comment of State Attack of the a 大変を かきます 単次数 原本できる またす when you wear moved that a letener Bes e ceres

অনুষ্ট সাহিতী

आधारमा । जन्मेन्द्रम् ५०% वर्षम् सन्दर्भ भीत्रा भागा (१४ १४) ६ ६००० हेन्द्र ।

ব্যৱস্থা গুৰুত্বসংখীতৰ অনুসংসৰ প্ৰভেটিক

বিশ্বৰাউণ্ডুলে হিপিদের নিয়ে ৰাংলাসাহিতে৷ সৰ্বপ্ৰথম

क्रम म अस्म नारत व रि भि मक्रिय १००

नगम्द्रात वाघवन्मी

আন্থরপণ্ডক অপরিচিতা

स्थान्त्रकाच्या अंत्राच्याच्याच्या त्या के.क्षा के.क्षा के.क्षा के.क्षा के.क्षा के.क्षा के.क्षा के.क्षा के.क्ष

matan E.S. oz.

च्योत⁸स कास ॥ ५०००

আদিগঙ্গা রাতের কুয়াশা

ডোরাকাটার অভিসারে

অ শ্.ভার সরকার ॥ ৮-০০

হারনারায়ণ ৮৫টা ও ৫৮০০

《明春 新新 : 弘和 (8 月) (8 円) 第7 刊 (8 **以 - 0** 0

माठं थिएक वर्लाष्ट्र जा

অ্যাঙ্গোলা-আফ্রিকার ভিয়েতনাম

অভর বস, গ ৪-৫০ **দ্রুলার ঘর**

ননের মত মেয়ে

বর্গ রয় ৷: ৯-০০ **সৈকত স্বদরী ও বহ**ু **প্রেবি**

আশুতেয়ে মুখো ॥ ৪-৫০

নিবর্ম রেশতী 🖟 ৪-০০

कोक टक्स रम् (य. इ. ४) ॥ ८-००

চলচ্চিত বিষয়ক একমাত প্রামাণা গ্রন্থ

চলচ্চিত্ৰকথা

অসীম সোম সম্পাদিত ॥ ১৫-০০

র্পেরেখা ॥ ৭৩, মহায়া গাণ্ধী রোড, কলিকাতা—৯

ত্ত্বস এক শ' বচ**রেরও বেশা। কিল্**ড বিগ্রন্ত এক ল' বছরের বাংলা কবিতার ভাষাত ও আহিলাকে বে-পারবর্তন বটেছে, পেরপীতারত আন্তর্যার তারি সা**র্লের পা কোলে সমা**ন জালে ्याण नि । अथव निष्क नावेक जन वारस्य िक्क देशीक्ये: शिर्द्ध शास्त्रिका । संग्रहकृत ুংকালীন জনপ্রিয়তা এবং ভাষার সামা-तम्हला निम्हताई श्रेष्ठ श्रीकृष्ठी कात्रथ। जागीका গালায় আলোচা প্রশেষ ভাষকত এ-প্রাংগ আলোচনা করতে গিয়ে লিখেছন ঃ -উনিশ **শতকে, বর্ণন শেক্ষপীররের** নাটক ভিক্তিৰ ৰণ্যালী-সমালকে মাতিছে তলোচল জন্ম শে**লপীয়ারের** মাটক অনার সভারত অংশত্রিক 😸 আপ্রাণ চেণ্টা স্বেভ ्शक्षशीहरतत मानवे कमावारमय रक्के छन्छ। লার্বার্থান বলে জানা মেই। শেরপটিরবাঁহ সংশাটর **জীবন**াশ গ্রাম্ভাশা বংশক হ ১খনে অনাবিক্তত। এবং, আয়ার অন্যান, তে কারণে সনেটের অনুবাদ হছনি, তেই কারণে হয়মলেট ভাপেলো, লীয়র, মাংক্রেথর মাতা টাজিক চরিতের ভারসংক্ষেত্র মাতাতা-ব্লি—বা কাৰি।ক বিচাহে সনেটের সহ-েত্রি—অন্বাদে ধরা হ'ব নি।" বিশ্ত এব প্রেও লেক্স্টিয়ায়ের নাট্রেক কন বাদ ১১% যে তেমনভাবে হয় নি ভার করের খন ১৮ অন্তাদ কলোর দারাইভা। সংখ্যার চান্ত্র নিঃস্টেদ্রে আয়াস সংধার

স্মেলি স্ট্রেপ্সংহ-এর । বস্তম্ম পুন্ধট্টি প্র হাতীয় অন্কার প্রাচেণ্ট : ক্ষেষ্টামরের শনকাস শুসাংগাল ভূতি ৪ কনে ৪ কন হাজিত প্ৰিডাই ডিডিন বিজার এভাবে ত বাছেল। জল্পানে ভিনি জাপিকে ১, ৬ ত সংখ্যাল বিশ্বস্থানুৱ সংক্রেন্ত্র প্রাণ 3.0 4 (\$ 19) - 90% (32) 5 යක්දී ක්රුතුද , මතු හෝ නොම මම මා ই চেডিয়াল ভারবন্ত জিলাল ডিডি ভার সাহাল্য ^ক মাসকাল ক্ষান্তান্তম । এবংগুলার ভা, লোক গ্রিন জ বিশ্বল প্ৰিক্ত ও এছবল্য ব্য বাবড়েল ভা নিজেপেন্ড ভানি অন্যাস ভালেও - 1978 27 150 F (新) লাব যা সালভারে প্রয়োভা ক্রমারেন হৈছে। বেছেন তান্য অনুষ্ঠার প্রথম সাম্পরিঃ

> ভাবে জারে; জনাভুট, বাজ জিবরাঁ**ছ** মুদ্রা রেমাক এ ব[া]ডর ধারে আস্বিনা,

रम का कथा रहाक दार्माक रहा कहरात. পাবি নাকো আমাৰ মেরেক।

বিকা, দে-র মাুখবংধটি সুখপটো সংকোজন : ७२५ । ३४

প্ৰাণিত দ্বীকাৰ

Magic Healers in Homocopathy by Dr. Natabar Naik, Sm. Sarat Kumari Naik: Village Sanketpatna, P.O. Sanra, P.S. Tirtol, Cuttack, Price Es. 3.60. Science in India, A. K. Biswas.

Firma K. L. Mukhonadhava 61A. Bancharam Akrur Lane, Calcutta-12. Rs. 16.00.

अथरना मन्य सार्छ। हीवरीमसाथ बाव। **जिक्सम तात्र : ১०৫७ विक्रम द्वाप काम** 4 ST-58 | ATM 5-261

क्षत्र गरदनावन

গত সংখ্যা দেশে প্রকাশিত দাঁভ চটো-পাধ্যারের কবিতা আমি মানার'-এ সর্বাচট ভাম্ডা স্থালে ভাঙা হবে।

'अवर्गियक क्रमा'

गर्वातम मार्चीर

১৯১৮ সাল থেকে ১৯৪৭-এর ১৫ই আগস্ট পর্যক্ত ভারতীয় রাজনৈতিক ইতিহাস। পালালাল দাশ-গ্ৰেত্র ম্ল্যবান ভূমিকা সহ সচিত্র দলিল গ্রন্থ। "প্ৰায় ৫৫০ পাড়ার বই, দান বোল টাকা নাড়"। n अथव नर्व n

নির্মালন্ত নৈত্র-এর নির্ম্ভীর উপন্যাস

ሲ·ሉ0

ভারত পাকিস্চানের রাজনৈতিক পটভামিকায় লেখা বিস্ময়কর উপন্যাস। প্রপতিশীল বলিন্ট লেখক সৌরি ঘটকের নতন উপন্যাস

লোৱীন লেন-এর ডিনখানা জবিস্মরণীর প্রদথ

उप्राच्याज

प्रगिश्वा (काल)

0.00

9.00

करता स्थातः स्वता

हाथका एकत-अब

बनक् ज-अब উপन्। श

রাজপথ জনপথ

সমাদ্র শিহর

৭.০০ পারাবছ-এর উপন্যাস

वीदा वर्ष्ट नील ५००० भेडतरून भेडवात 5.00

নিজন চরবতীর উপনাসে তাচিত্তা সেনগ্রণেতর উপন্যাস

সাবোধ ছোৰ-এর

বিনর চৌধ্রীর স্লিল সেন-এর

विकामान्मद्वत आंजनी আসম,দ্র

& · 00 नवीन भाषी ₹ . ৫0 O-00 **পাৰ্যটা**

इन्सन अक्छि नज़न नाम ५०.००

॥ অন্দিত উপন্যাস ॥

জাজত সেন-এর নতুন नाप्रेक

পোষ্ট্রাট

পাৰ্গৰাক ৮ ০০ क्रब्रां कार्रियामा चिकान कार्रेश

कर्ता कारतामा न्निकान जारेग ७.०० व्यक्ति । जिर्दा २.७० थाम्क रेडे कोक्स नि. जि. वडराडेन ४.०० व्यक्ति । जिर्दिन २.७०

নৰভারতী, ৮, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট্র কলিকাতা-১২

(₹-866**2**)



নত্ন যুগের নতুন মেক্-আপ পশুস এত্তেল ক্রেস ব্যবহার ক'রে দেখেছেন কি ?

তাছ।ভা তের বেশী মেলোছেম পাউভার— সেধানে পুশী চলাফেরা কঞ্জন।

বিশেষ প্রক্রি**য়ায় জীম মিশিয়ে তৈয়ী**। পঞ্স এঞ্জেল ফেস আপাতে কোনো ঝামেল) প্রত্য এঞ্চেল কেস মাধ্তে জ্ঞেক বেটে : সঙ্গে যে পাফ খাকে তাই দিয়ে ওধু বুলিয়ে নিন। পলকে আপনার মুখলী হয়ে। উঠাৰ অপুৰ সুক্ষর আর সেই বলম্বলে লাবণোর আভা ঘটার পর ঘটা ষেমনটি ডেমনি ধাকার : প্রসূত্রপ্রেল ফেস কথানা কৌটোর ভেতর

সারা তুনিয়ার রূপদী তরুণীরা পণ্স এঞ্জেল ফেস

वावशत करतन !

চীজ্ঞো-পুণুৰ ইনুক (দীনিত কৰে মাৰ্কিন মুক্তৰাট্টে সংগঠিত)

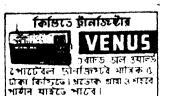
'প্রস এঞ্জেল ফেস'মেক্-আপের পক্ষে নিযু'তঃ । সোক ছড়িছে শভেনা। ছোটু ছাত্রাদৰে রেপে ्कोर्डाञ्च **भावमा यादः। कश्र**तास्य **भूक्य**तीरम्ब मृ(यंत्र ताक्ष्य प्राप्त प्रासासप्तरे ब्राह्म हक्ष्म इंड भारत्त ।



भौग्य कार्टगारमात प्राप त्वाका किया है। तायाचनाना दश्काम अकृषि रणालहे रमभारत शकीं मार्थ में मामत भरनायम रहतेना मिराह करबारे राजधारन फिलीडे रवारक शिकाय প্রভাগে প্রাথ করে কিছাই আকে না। তব্য मध्यादर ७-० रशास्त्र भग्नारगामी हेम्छे-বেলাল শিক্ষীয়াথে প্রাণপণ প্রতিশ্বলিতা করেছে। শেষদিকে একটি গোলও শোধ দিয়েছে। ভবে এ গোলও মোহনবাগান গো**লয়ক্ষক কলাই দে-র একটা ভূলের** ফল। कड़े द्वाक. दमाबदावित कथा द्वादक मित्र शास करेन्द्रेहे वना यात्र स्माहनवाशास्त्रव ७-५ हिल्ल कर स्थारणात स्थान सम्भाग राज ভূমিকার ইপ্টবেশ্যলের মরস্থের প্রথম পরাক্তর। প্রসংগতে উল্লেখ্যোগন এবার নিয়ে ह्यादेशवात्रास के वात्र भौत्य छत्र करता। क्र বাবের নথো পাঁচবার পেল ভাবল এব जन्मान ।

স্থ্য সমাণ্ড

গান্ত বছর —লাগৈর খেলা এবং প্রথপর দুই বছর শাগৈজের খেলা অসমণের থাকার পর এ বছর নানা সাম্পেই এবং অবিশ্বাসের মধ্যে ফলকান্ডার কার্টবল মরস্মা মের ইল। এর জনা আই এফ এ-র নতুন সভাপতি বিচারপৃতি শ্রীনিধিলা খালাক্ষার, ম্যাম্পাল্টা এবং পরিচালক সমিতিব প্রতি সভোরই গ্রাব্যেধের করেন আছে কলকাত্রা বেফাব্রেক্রের অবদান আছে কলকাত্রা বেফাব্রেক্রের অবদান আছেবার করেন আছেবার করেনা আছেবারিক প্রতি প্রতিব্যাহর করেনা আছেবারিক বিভাবের করেনার আছেবার করেনার করেনার করেনার আছেবার করেনার আছেবার করেনার করেনার করেনার করেনার আছেবার করেনার করেনার আছেবার করেনার আছেবার করেনার করেন



VENUS SALES (12) ROOP NAGAR DELHI-T

একাদখাী করলে প্রাণ্ড নেই, না করলৈ পাপ। কেথারিদের ও সেই অবদ্যা ভার্গভাবে ধ্রেল। পরিওলেনা করলে কেউ ধনবাদ দেবার জন্য এথিকে অন্সে না। পরিড্রোলনার পান ধ্রেকে চুন থসলে ভারের প্রাণ্ড নিয়ের ট্রানটানি।

প্রান্তার ব্যত শীন্ড খেলার সামগ্রিক প্রালোচনা সম্ভব হল না। সম্পত্র খেলার ফলাফল দেওয়া হল ঃ

প্ৰথম রাউন্ড

কুমারট্রলি—৫ : হ্**গলী জেলা**—২ ২৪ প্রগণা—১ : চন্দননগর—০ **ডিডীয় রাউ-ড**

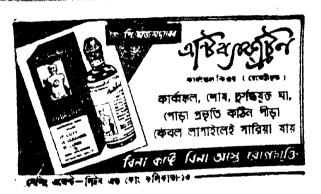
रम्भाष्टिः इडिनियन-० : क्याव**े ल-**२ দিলি একাদশ-ত : বি এন আর-১ বালী প্রতিভা--০ রক্তেপ্রান---৩ হতঃ স্পোটাং—০ : **জামসেদপ্রে—১** ব লাঘাট-২ : ইণ্ডিয়ান এয়ার ফোর্স-১ গোৰা দেন্টার-ত বাটা-- ১ डेम्डोर्स ख**ल**—১ ≱৪ পরগণা--০ বার্ণপরে ইউনাইটেড-০ : খিদিরপরে-১ श्रमाञ्चलम् ८ 1 পোর্টকমিশনার-১ : এ এস সি সেন্টার-০ कर्षक कम्बाहेन्फ-- १ डेग्राफ-> ٠ জজ' গুটিলগ্রাফ--১ इतिहाना-0 ुक्रीय बार्डेन्ड

নোহনবাগান—৬ : কেপাটিং ইউ:—১
নালগনে—২ : দিলি এফ এ—০
নাথা কেপাটিং—১ : কালীঘাট—০
গোখা কেপাটাং—১ : বোশবাই দেউই বাচক—১
ইপ্টান কেল—২ : পাঞ্চাব এফ এ—১
নাগপ্তদশ—২ : বাগ প্র—১
ক্রান্ত কাবাইন্ড (৪: ৪:)

শেট কমিঃ কেনচেড) কৈট্বেন্সল্ভ চ জল' টেলিগ্রাফ—০ চতুর্ঘ রাইন্ড

মেত্র নব গাল—৪ : বাজস্থাল—০
মতঃ কেপ্রতিত হ : গোখা সেত্তীর—০
১৮৯৯ মেজ— ৫ : মধ্যপ্রদেশ—০
১৮৯ ম্বল্ল ৫ : কটক ক্সাইন্ড – ০
স্থাম মাইনাল

१८ रामर १९११--३ : ४६: १७९१ व्हेर--२ १९५ १४११:सम्बद्धाः १, ८ : इन्हेर्स स्टब्स्--०: ०



काडेगाल

মোহনবাগান—(৩) ইন্ট বেগাল—১ (কানন) গেল লাজ্পলী—২ ও এস ঘোষ দক্তিদার)

্যা সদ্য প্রকাশিত হল ॥ দিলীপ দৌলিক ও শান্তিরয়ান চলবডী সন্পালিক

আজকের একাৎক

भाषा : **५**.००

এতে আছে ঃ অমর গ্রেগাপাধারের এই প্রিবী, উমানাথ ভট্টাটার্ফোর দিবারাত, কিরণ মৈতের কলোম, কোটু বন্দোপাধারের বাগ্যর-সকলে, ভোজা দত্তের মেলা, মনোজ মিতের উক্ষক, মোহিত চট্টোপাধ্যায়ের বালপামি, রাফ্ট্রিন ভট্টাটার্ফোর বালপামি,

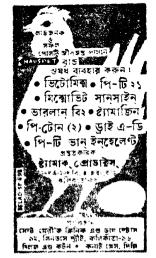
া নজুন নজুন নাটস ।

চোলা দত্ত : দ্বগ্ন নর : ৩০০০
(চলাচলের বহু রজনী অভিনীত।
১টি সেট, ২টি নারী চরিত্র)
মিহির সেন : ঈশারা : ২০০০
(ছোটবড় স্বাই অভিনয় করতে,
পারে। দ্যীভূমিকা বজিতি)
উমানাথ ভট্টাচার্য : জন্মস্তু : ৩০০০
(১টি সেট, ১টি নারী চরিত্র)

প্ৰ' তালিকাৰ জনা লিখ্ন •

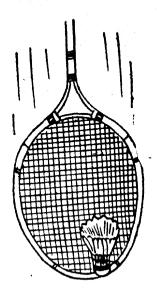
লিপিকা: ৩০ /১ কলেজ রো, কলি-১

্স-৮৬৪৭)



বৈত্রত্ব ও পরামশা কেন্দ্রত— ৫০, তেক নিশ্লন বেছে, কলিকাত্য—২৯ ভালিতনৈর ১৪ নাবর জাইনের আইনের তিইচাউপধারাটি খ্বই গ্রেছপূর্ণ। প্রায় প্রতি বছরই আগতন্তাভিক ব্যাভালিতন কেডারেপনের সভায় এই আইনের রদ-বদলের কথা ওঠে।

এই আইনের ধারার আগে ছিল—বিদ পরিক্ষারভাবে রাকেট দিয়ে সঞ্চল হিট করা



উচ্চশট এখন আইনগ্ৰাহ্য। ছবিতে বেমন দেওয়া আছে এটভাবে বাকেটের জেমের পরিক্ষার হিটে সাটল চালিত হলে ফুক্স ইয় না

मा कर किरवा माउँल-এव । दन द्वारकछिद्र क्कार भाकते दा द्यारफल निरम्न आचार करा इय उद्ध क्रकोत्र इद्ध। अधीर बाला डेंड-गाउँ कुल्छेम हिमात शना शह। উछम्छेदक बाहेमशुद्धा कत् त कमा भागम ১৯৫৯ (९८क ১১৬২ পর্যাত্ত পর পর চার বছর প্রাহতাব পেশ করেও সে প্রস্তাব পাস করেতে भारतीन । कार्रग, आश्राहे यांनीह, व्यान्ड-জ্বাতিক ব্যাড়মিণ্টন ফেডারেশনের বাধিক সভার উপস্থিত সন্সংক্রে দুই-ত্তীয়াংশের সমর্থন ছাড়া কেন আইন পাস হয় না। শেষ প্র্যান্ত ১৯৬২ সালে উড্সটকে আইন-গ্রাহ্য করার জন্য মালয়ের প্রথমবারের প্রদহার ৬০-৩০ ভোটে। পাস হয়ে যায়। ख्यान स्थारक दशहक **धेत एय एकान व्यश्म नि**रस পরিক্রারভাবে স্টল হিটও আইনপ্রাহ।। এমন কি, পরিকেবভাবে সাটল-এর বেস এবং চ্ছেদ্রের আঘাত কর**লেও ফরটস হ**য় सा ।

S8 ख*ेरन ग*ोंग-श्रद्ध **खन**ाना विषय

(আট) যদি খেলাব স্ময় কোন খেলে য়াড় ঠিকভাবে সাটল মেয়ে ঠিক মত

ৰ্যাড়িমণ্টনের আইন-কান্ত্রন

ফিরিয়ে দিতে না পারেন, কিংবা সাটল বহি থেলোরাড়ের গারে লাগে তবে ফটস হবে। থেলোরাড় কোর্টের মধ্যেই থাকুন অথবা কোর্টের বাইরেই থাকুন, সাটল তার গারে বা শরীরের যে কোন অংশে লাগলেই ফণ্টস

(জে) যদি কোন থেলোয়াড় প্রতিসংকর বাধা স্থিট করেন তবে ফটস হবে।

(কে) ১৬ নম্বর আইন রখারথ পালিত না হলেও ফলটস হবে।

५६ नम्बद्ध साहेन

প্রতিপক্ষ প্রদৃত্ত না হওয়া প্রথার সাভারের সাতিসি করা উচিত নব। তার সাভিসের পর প্রতিপক্ষ যদি সাউল ঘারার তেন্টা করে তার ধেলোরাড়কে প্রদৃত বালে ধ্বতে হরে।

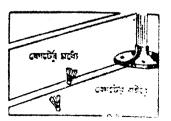
১৬ : সাহিন্দ ক্ষার সহয় যে খেলেয়াড স্থান্তিস করছে এবং যে ব্যক্তিয়ায়ত স্থান্তিস বিসিত্ত করার দাইজনকেই সাভিসি না হ ৫০০ পর্যাত নিজ নিজ নিশিন্ট সাহিস কোটোর মধ্যে দুইে প্রের কোন ন্ কোন আংশ माजिब मान्य जिल्ह्यास्थ्य । साधिय गान्यार द्यादः। । सर् कदर भंडे आहिन सर्वेन, एमनीहर लाहेंस कदर माहेफ लाहे(सर भव दा भ⁵त-বেহিটত কোটাই সাছিলি কোটা - সাহিদি হবার আগে বদি সাভারে অথবা বিলিভারের পায়ের কোন, অংশ সাভিসি কোটোর কাইন স্পর্ম করে তবে পাশ্যর অবস্থান সাভিস रकारतेव वाहरत वरम धतरह इरव। शासीत ध রিসিভারের সংগাঁ থেকোয়াড় নিছে দের निटक्द रथ-कान कामगार गौजारङ भारतमा छात छौरमत अधनकार्य मौक्रार्ड इस्त घरड श्रीहभरकत गणित वाषाए मा दल किया बना कामहाद श्रीवशक्तव दाश मुन्धि ना 281

আত্রৰা—সাভিসি কর ব সময় পা নিশ্স
অবস্থায় থাকবে বলৈ যে নিদেশি অছি তা
কিছাটা বিভাগিতর সৃখি কবাও পাথে।
ইংরাজী আইনের বয়নে আছে—সাম পার্ট
অব বোও ফিট হব দিছা পেলয়াসাঁ মান্ট
বিমেন ইন কটো ই উইথ দি গাউপদ ইন এ
ফৌশনারী প্রভিশন অন্তিল হি সাভিসি
ইছ চেলিভাডি"।

পা এর এই সেট্শনারী পজিশানের বাংগ কি গুলুই পা কি নিশ্চল অবস্থায়, থাকার গ না, বাংখায় বলা হয়েছ, সাডিলি করার সম্ব পারের গোড়ালি মাটি থেকে উঠে সেলেও পারের আগত্বে বদি মাটির সংগা লেগে থাকে তবে ফাটস ববে না। সমকতে পানের জালানে মাটি থেকে উঠে গিল্পে শোড়াল মাটির সংকা কেকে থাকতে পারের ফোটের উপর দুই পারের কোন না কোন অংশ অবলাই মাটির সংকা লাগিলে রাখ্যে হ'ব এবং পা-এর ম্কুমেণ্টও করা যাবে। কোন পা মাটি থেকে একদম উঠে বাবে না।

DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF

ফাটনল খেলার জো-ইদের আইনের সালে এই আইনের অনেকখনি সংগতি আছে। জে-ইনের আইনেও দাই পারের কোন না কোন আলা মানির সালে কালিয়ে বে বা বর্গ



সাউল কোটোর বাইনভারের সাইনের ইপ্র পড়কো কোটোর মধ্যে পড়েছে বলে ২৫:২ তবৰ জলটন হয়ে না

প্রে করার ব্যা ভার গ্রেমিটের চালি করার সময় সাভিসা বেটেন এ গাও লাইন স্পাধী না করে সভিমা বর্গ গো মার ফ্রেমিটের লাইনের টুপ্র ভালি কিবল মার্টের বাইকে হৈ কারণ ভালি কারে ব্যা মার্টের ব্যা ভালি স্থা

५५ जम्बर सहित

সাহিত্য বা বা লিক সময় হ'ল । । । ।
কেটে কোনে হুপুন নিকোনে বা নিও নাই । । ।
তবে কোন হু, দি হয় মান নেটেল নু । লাই ।
লাই কোনেই বাইবল নিতা সালি । । । ।
মলি হুপুন নিকেই কোটোৰ মধ্যে বা লাইন ।
ইপুন প্ৰায় হা কালেই (কালেই) দি হয় মা
ভাৰ কেন্দ্ৰ হিবল নুষ্টিন হু হা কালোৱা (লাই)
ভাকতে প্ৰাৰ্থন হ

সাছিদি বা বালির স্থায় হবি সাউল রাট পার কবার পর নোটের লাহে বা লোটেন উপার মাটকে থাকে ভাবে কোটা ভাকাতে ভাবে :

হয়ন প্রেটা ভাষা হবে দ্বান গাঁচ সালিছি ছিল সেই যোগায়েটে আবান সালিছি করে খেলা আবান্ত করেনে। আবেল সাভিতি বা খেলার বোন মাজা থাকার সাভ

५५ सम्बद्ध आहेन

স্তিস কলার সময় স্তেলি স্নুস্থিত রাজেই সিম্প্রিম অস্ত্রেক করে স্থান স্থান করে জার ক্রেম হার স্থানিক করা হার এ বালে ক্রেম হার ।



স্মান্ত্ৰীল/মাধ্ৰী মাংলাপাধান



এখনে পিলব: উত্তমক্ষার সপ্যা সেন



মায়া/স্মিতা সানাল



॥ ि 50-अभारलाहना ॥

ৰাজা সাৰ

সঞ্চলত মু^{ৰ্} সাহাস্ত্ৰত এক ১২স্বাক the granience our own alternia रे वाल छन्त्रको नकुरक्ष और हुर्नु १८८० । स এর তেজিয়াক্ষ এবেও ইড়িয়া আনুস ১৫৫ RRIE GRE BAS BASTATA D'EMINE SE MORE CONSTRUCTOR FOR FIRE চাইনুম টোকে চুমুনু সংক্ষাপিত এক ସ୍କ୍ୟେନ୍ଟିଶ (ଜାନ ଅନିକ୍ର୍ୟର୍କର ୧୯୯ 中國、住村中國的 總本 中門 纏 মালে ধুলি এক তিলাপীড়িয়েই সংভব এই **৯**০৯ ক্রাণ্ডবর সংকৃত কিন্তু বংগ সাধারক উল্লেখ্য কল, যা**য়** না ত বিশ্বসেয়া অনুমার রলকারেই ছবিরে সাহি সংকর ভুটো বিভয়েমটায়ক ধর্ণ ভৌরক্ষেত্র ছড়ছেডি। এব এলন ক্ষেক্তি **চন্দ্ৰ**ৰ মুহা্ছ'ড ছবিতে কাই. বিশেষ করে প্রেমেন 🔞 সংগঠিতে কেরে, या ख्याक्तीबाच । ४०%(स्ट्राहीतरः । दिस्स^४८% অবশাই নতুন। শ্যব যব ফ্লে খিলে "-র

en etabel de la locale 👢

বিল্পীজ ভা তথা বিশ্ব বিশ্ব স্থাপ স্থানী কপ্ত ও নদাতে যদি নশাত্র ভাল বেশের এলা বেশের এলা বিশ্ব কথা করে। তার নামার করে করে বিল্পান বিশ্ব বিশ্ব করে। তার করে বিশ্ব বিশ্ব

শশীন্দার মিলনের মাহাত্রগালি পরিচলক স্বেজ প্রধান স্কান্ড বে গছে
দুলোলন: ডিটেল এর দিকেও তেরি নজর
এর দক দালে দেখা গোছে—হাটি
বেসেওবাঁই ফেবান খলেবেল কথা হালিবের
লাম কোনে গানের অসহাত্র আওপ্রজ্ঞান কোনে জাছে তেনা স্কান্ত হালার
কার্যান্ত হেমান জাছে তেনান স্কান্ত হালার
কার্যান্ত হেমান জাছে তেনান স্কান্ত হালার
কার্যান্ত হিমান জাছে তেনান স্কান্ত হালার
কার্যান্ত হিমান জাছে তেনান স্কান্ত হালার
কার্যান্ত হিমান স্কান্তর্গ্রান্তর
তেনা রাজেন্তরাখনে ভারান্তর্গনিক্রান
কার্যান্তর্গনিক্রান স্কান্তর্গনিক্রান
কার্যান্তর্গনিক্রান হালার
কার্যান্তর্গনিক্রান স্কান্তর্গনিকর
কার্যান্তর্গনিক্রান কার্যান্তর্গনিকর
কার্যান্

দ্যেতটি নাটাম্হাতের সংগীত ১০ হলার সংগীতপরিচালকদনর কলাণকটী-২০০৮টো সেখানে ভারতীয় ফারসংগীতের সংগা নিরেছেন বলেই তা অরেও িন্তু দলাক। গোটা ছিন পান মহা জন্মিত্র হারেই।

শুলার কংপার ও নদ্দার অভিনয়ও বেশ প্রাধ্যকর ওবল গাড় মিলানের মুহানুতে শ্বজন্দভাবে প্রশোরের বৈশ্বস্থিয়ে।
ক্রেন্ডেন্সা নদ্যকে প্রশিক্ষেত তাল,
ক্রিশেষত ক্রেন্সা তার নাজী আর্থা
কর্মা বেশ্বই সম্প্রিত একটি নাজুল
করেস্তি অবত করেছে—কর্মানী সেপ্তে
নালার ক্রেন্সা করিল, বংলা তার অব্যক্ত ভ্রম্মানে ধারর করেছেন অবা তার্থা
ভ্রম্মানে ধারর করেছেন অবা তার্থা
ক্র্মানেশ ধারর করেছেন অবা আ্লা সারের ছল্পা
নেম্যাক হেম্মা একবার আ্লা সারের ছল্পা
নেম্যাকর হেম্মা একবার আ্লা সারের ছল্পা
নেম্যাকর হ্র্মা সামান্য এম স্থানির ক্রমারী
ব্রম্যান স্থান্য এম স্থানির ক্রমারী
ব্রম্যান সমান্য এম স্থানির ক্রমারী
ন্ত্রমান্যাক ভ্রমা ক্রমারী। কিন্তু নালিন
ন্ত্রমান্যাক ভ্রমা ক্রমার নিম্যান্যাকর ম্বাল্যক ভ্রমা ক্রমারী
ন্ত্রমান্যাক ভ্রমা ক্রমান্যানি।

ताहा-प्रयात्नाहता

महाक्रीत "अलाभ"

নার্টাকার-পরিচালক বাদল সংকরে থাল দিয়ে ভালই করেছেন যে পুল পা নার্টাকর প্রশনগ্রিক মালা যদি কেউ নাভ দেন, অন্তত হাসিট্যুকু আনদদ দেবে গা পুলাপা-এর প্রশনরাজি মালত মালায়ীন এবারা জবশা আমরা বলাছি না, তবে এর কাট্যি-মালা যে অপরিসাম তা অস্থাবিদ্যা ব্যর্ভ ব উপায় নেই। বাবল স্বক্ষারের হাসির

जाबरमन्त्र उन्धी **ে এটেম নতুন দেশে**

ख्यात्मस

ी (विश्व **अर्वाविक्तव** नाठेक निर्मानना : ब्रायन नारिकी विजनीटक जन्धा वर्णेव

(FR-4660)

্ৰীতাতপ नार्के शास्त्र है

नक्त नाइक!



क्षांक्रमव नाहेरकत क्षणार्व वाणावन ! প্রতি ব্রুস্পতিবার ও শনিবার : ৬॥টায় প্রতি ব্রিবার ও ছাটির দিন : ৩টা ও ৬॥টার

॥ दहना ७ शहिहालना ॥

रक्षवनावास्त्र ग्रह

n 表 25頁(5 1) अक्टिक बरम्माणावाम, अल्ला स्वनी, नारकम्म চটোপাধ্যার, সারভা চটোপাধ্যার, নীলিলা দাস প্তীক্ষ ভট্টাচাৰ, ফেনংলা বিশ্বাস, শাম লাহা रक्षमाःमा बन्, बानखी हरहानाशास, देवरतन লুলোপাধ্যাল, গাঁডা দে ও তান, ৰদেন্যাপাধ্যাল

fercing

বিচিত্রাবুষ্ঠান

इश्रद्ध था (भठाउ ॥

वण थाता ॥ জ্যোতিভূবৰ চাকী स्टा श्रीतिहासना । इ.वी एक (म्कून इक्वकी

थारक प्रकृति ।। **गौरनग स्त्र** वन्ते प्रकृति ॥ विनीम इक्वरे

वादिति श्रीवे ॥ स्मारिक्ष्य गर्भ

प्रकृति को बठायमा । मृतिक्**ता स**नन भूतेशात है **सम्बद्धान बर्ग्याणायात**

वार्क्ट्री ॥

মলাব

4 0500 न किंद्र माथ

(fm-8654)

৪ঠা আক্টোবৰ '৬৯ द्ववीश्व भाव ॥ अभा ७-०० मिः

গ্ৰিকিট দ ২০, ৭, ৫, ৩, ৪ **ন্নান্ধ স**ৰন মপ্লাৰ 🖟 ৪ শ্ৰন্থন্থ পৰিভাৱ স্থাণ্ড, কলি-২০ नाउँक आरगछ प्रत्योद्ध, अवर सक करहोड़. হাসির মূলা তার কাছে তত্ত ক দশকেব মনে তা ষত্টক প্ৰদান জাগায়। আখাৰ আট ফর আটস সেক-এ বিশ্বাসী কলা-কৈবলাবাদীর মতন তিনিও হালি-শ্র-হাসিষ্ট-জনা-নীতিছে ভব্ত হাসি স্থিত এক অব্ভুত গকতা क्टे नाग्रकादात चाहि। क्यर দৃশক্ষির উপরিপারনা। অতএব "প্রজাপ" নাটকের মৌলিক প্রদা বলি দলকিকে নাডা নাও দেয় অন্তত ছালিট্ৰ নাটাকারের म्माकरक निग्ठमहे जानम আশান বায়ী रमत्व ।

আর মৌলিক প্রশেষর যে দিকটি নাটকে প্রলাপ সংলাপ, জালাপ ও বিলাপের মধ্যে বিধ্যত তার ভিত্তি মানবের জীবন। মানব চরিতকে বোদল সরকাব নামৰ একটি অভিনীত) ঘিরে নাটাকার ভর্ণ ও ভারই কোটির গবেষণা চালাছে অন্তেহৰ নাউকে! মানব ভবিনের WK" খাজে বৈর করার জনা প্রায় অন্যস্থিত্য চিন্তে ভারা প্রক্রের পর প্রকান করে ৬লেছে। উত্তর খালেছে। বাংগবা काराको। साक्षारोतित कास्त्र प्रत्याः क्षारी জাবৈকে নিয়ে যেখন নিসাম একাণেরিমেণ্ট ভাল সূত্রমীন ভূচিক নিদায় গাবেষণ মানাবের জীবন নিয়ে। সংঘাসেধে ঘন্ত মান্ধ-জাবিদা দ্বান দেখোছে, আন্দেশ তার ভিন্ন এক[্]নলা প্রেম ছিল। पुराक्षत्र अस्त्र^{के}क है। 47756 अश्चारम <u>र</u>वज रहरव ছেড়েছিল, জেলেও যেতে পারত. ভালবেসেছে, কোনদিন অন্যায়ের সংখ্য



"अ_{र्ज्यार}ेत कारमा" (श्रीतकाममाः अभाग চকুৰতী') ছবিতে লোলিত চটোপাধান ভ अधिक गान

720 N. W. W. W. W. 2006 MICH MINNIE 2041 महा महदार । निकानीत धार्ट সভাতে আবিংকার 4 575 576 BUSH runfe : মানবের এতদিনের চিন্ত: विद्नामक्त WICH W নিৰ্দাহৰ সভা গ্ৰহণ করতে সে আনছঃ বিশ্বাস ৰদি চলে যায় হ মানৰ দক্তিৰে কিলের উপর তার পাল क्रमान प्राप्ति स्वयं मस्य बास्कः १४ ३ THIN COLON MEG I ON WINCE STE काव क्रीयम निवर्षक। ife nefe to किसाना वक्त छटन छक्त वर्गत छ क्रिकाविद्याल मा**लि**में भटके पड़ी -ছালিক খোৱাক জোগায়। এবং <u>১</u> **ম্বাভাবিক ও অগভাবি চি**ৰ্ভা এল চ **অবহার ও অভাসে অন্যার**ী পরেল व्यक्तिकारका काला खाना वास्ति ६०७४ - raistia i

হল: স্কৃত্যু নাউপটি নউলে जिल्हा किस्टाइक max with the ভাৰট মাঞ অংক্ষেদ্ধ ক্রীকন 2778 6 হিলিয়ে একাকার কবি राष्ट्रक (कुरुका) नावैक्यि, इ. १७७७ ह சார[்]கு ந**ச**்சுக் **தோகர்கு க**டி சி.சி.ச BUTTE WOOD বিলক্ত ভিনিবাল অংশকার ভারা প্রকাশ কালাড় অ বিশ্বক মোনেটিই নাডন নাম 🗀 😗 শ্রু করার নাউক অধাং কাঁনিটে হবে তা নিয়ে ভাবনা অথবা নাউকেব বিশোষের বিভারেশলৈ নিয়ে নান্ধ মুখা কিছাটা নতুনত অবশাট আছে এক**্ট্র বা**নে বানে ম**ণ্ডে**র টিপর ^{টি} পদাৰ উপ্য "প্ৰধান", 'সংগ্ৰহণ' 🦠 115/10 TO · टालाभा 14:41 গলামার্থ জাবিদ্যা গলাম্বার্থ দায় ই কথাবিশিষ্ট বলাস্টার ক্রিকের ওলক্ষ এই কাম 🕬 🖰 म्बेल्ड सम्बन्ध किर्मा अविदेखन क्रिक মনেধ্যক দাল্লেষ কুলে সান্ত এল ব হাত্রসহলে হলেবের দ্রাধের काकाक के कांद्र सम्बद्ध कर শেৰে দশ্ৰিকে কি স্বাভাবিকভাবে বাদন করা হৈছে ল'় মাঞ্চে এক'ঃ রাশা হরেছে, তার ভিতার সন্ধ্ एय-माग्रेटकंस भागतकहैटम दिए হুভাশার সূর ও নেতিবাচক স্ব্রি टमधान्त क्रष्ट्रे रहात्त्व क्षण्यास्त्र्-दाश्च বাড়ালেই সৰ কিছু খাৰ ভিডৱে " याग्र-धकर्षः स्वयानाम नगः कि ?

এবার গোড়ার কথায় জাসি।



ইন্দর সেন পরিচালিত "প্রথম কলম ফ্র" ছবিতে লৌমির চ্যাটাজি, তন্জা, স্তেতা চাটাজি ও অনুভা বোষ।

সম্প্রিক্ত সমস্য ও প্রথম নিব্য হাংল ছামানে। কিংবা ভীবনের অর্থ কেভিক অধিকার সকলেবই আছে ভুৱাৰ ভ ক্রেছিবর আছে। বিশ্ব এখন ভিজাসন যদি কোন বিশেষ দাণ্টিভাগি বা যাও বা প্রতিবিয়া এবং নৈরাশা থেকে উদ্ভার হয অর্থাৎ জিল্লাসের বা সভাসন্ধানী যদি আবে रशासके रक्षानसाम सरस्या साध्यमण स्थात প্রভাবিত থাকেন ভবে সন্তব মেলে কি হাৰবা স্থাকের জিল্লাসার হাত্য হয় করি। रअरक्षण्डल अधिक देवन द्वारल सा उर इस চাই বিজ্ঞানী ও যুক্তিবাদীর টকা্ড ও ির্ভুপক মন। আভএর জারন-সংগ্রাণ্ড ক্রমেন্ত্র দিক জেলের নাউকে ক্রী প্রেলাম সেটা तक कथा नया। कदा करें एकाई स्मार्टक ছাতাও মাছাত্ত হয়, কারণ একবার বলা হয়েছে পুলাপের মত পত্পত্তি যথন कक्ष दक्षण एका शांक राउ। ५.५५५ -্বিয়া লেকস ভাষেত্র ক্রাণ্ডালি নাজি क्याक्रममा केत् प्रस्ता १८०० स्था १८६ মগ্যক্তের উপর চাপ পড়াসেও বাগালাসের সিক रक्षाक रहा गाउँकाँचे आसम्भ नियारक उन्हाना हर्राहरण दर्शका

শুক্তাপাত্রর হানা ব্র শিংগতিনের

তিমান্তর্কার হালালের প্রভেলকরই উচ্চারর

বিশেষ করে লাগল সর্বারের প্রান্তর
বিজ্ঞান সরকারের ছালা এবং প্রান্তর
মূক্ষীর ফটিক পুটি স্বান্তরিক চলিত।
দুই শিক্ষাবিই চরিছচিত্র বিশেষ
শুক্ষাবির বিশেষদার দান তেরার। এবং
দেবেন গাংগালি (জেটেড) নিজ্ঞানীর
নিদায়তার মান্ধের জীবনের হার্থ মট্টারে
তেরেকেন। ক্ষমন্ত বা তেনের মার্থ
বিশেষতার ভ্রান্তর

ব্তিক অভিনীত "ন্ট্নীড"

আজকাল শৌখিন মণ্ডে অনেক ধরনের
নাটক অভিনীত হয়। অধিকাংশেরই না
গাকে কোন অর্থা, না থাকে কোন বন্ধনা।
দেশিক থোকে বাতিকি-লোফী যে রবীন্দ্রনাথের একটি ক্লাসিক রচনা মন্দ্রাল
ভান বৈছে নিয়েছেন সেজনা সাধ্বাদ
ভানের অবশাই প্রাপা। এবং এই সাহস
সকলেবই অন্যারণের যোগা।

বহুক্তিক বছর "ন্তুক্তি" উপস্থিত করেছেন বার্ত্তিক সম্প্রদায় ।৯ সেপ্টেম্বর, ধর্মহর্ল । নার্নরাপ দিয়েছেন সম্ভ বস্তা। ্নতনাড়ি"-এর সবটাকু রস এই নাটকে িলেছে কিটা না, পারোপারি **মেলে**নি: ৯-তত শেষের দিকে তো নয়ই। কিন্ত ্নত্নীড়"-এর ধ্বাদ যতটাক পাওয়া গেছে াতেই দশক অভিভত। **প্রথম ভাগ পা**য় হলপাৰ মালামাল: ৩ই <mark>অংশে রবীন্দু-</mark> নাথের সংলাপত অটাট। **মাল সংলাপ** হথাসমূহর পারে। নাটকেই রক্ষা করা হাজ্যাভা ভাবে শোষের অংশে নাউকে কেমন ্বন মোটা আঁচড এনে গৈছে। যা প্রয়ে খনক কিংলা অস্পতি থাকতে পারত তা ভাতিমাতায় বাতু ও স্পণ্ট্যমন চার্ব ভারতিংপণ্ট ভালবাসা রীতিমত রোমাণ্টিক প্রেমে পথার্থাসত। অবশা চারা ও অমালের জনরংগ্রার মহোরাপালি নাটকে চন্নংভারভাবে দেখানো হয়েছে, এবং সেই স্তুল ভূপতির মনের শ্নেতাবোধ।

অভিনয় নাটকের অক্ষেণি অনেক পরিমাণে বাড়িয়েছে। প্রধান তিনটি চরিতের (ভূপতি, চারা ও অমলং) রূপ দিয়েছেন যথারমে সৈলেন মা্থোপাধায়, বাস্ত্রী চট্টেপ্রধার ও সোমেন চক্রতী। পৌছতে পেরেছেন, তবে একেটে রেশী
শ্বাচ্চণদা দেখিরেছেন গৈলেন মুখোখারার
ও সোমেন চক্রবতা। তালের কথাবার্তার,
আচরণে, চেহারার এবং আভিন্যান্তার
সক্ষণে রবীশ্রকাহিনীর চারির অনেকথানি
বিশ্বাসবোগ্য হরে উঠেছে। বাস্পতী চট্টোপাধ্যার চার্কে শেবের অংশে বিশ্রকাথা
করে তুলেছেন, বেখানে পোক ও আবেছের
চিহ্ন বেশী। উমাপদ ও মন্দানিনীর
ভূমিকায় ব্যাক্রমে শর্মিশ্ব মুখোপাথার ও
ইরা বস্থারচালিত এই নাটকে গার্নভাবে স্থারিচালিত এই নাটকে গার্নপাচীদের বেশভ্যার প্রতি বিশেষ দ্বিতী
রাখা হয়েছে।

্রবিষল্লার-এর ''শাপজোচন^শ

কলিকাতার প্রথাত রবীক্ত-সংগীত শিকায়তন পকিবীয় প্রাচন শিক্ষাধীদের প্রতিষ্ঠিত ও পরিচালিত সংগতি সংস্থা "ব্ৰিম্লাৰ"-এৰ ব্ৰিক্টীৰ বংসর পূর্তি উপলক্ষে আগামী ৩রা অস্টোবর ১৯৬৯ সম্খ্যা সাভটার "র্রাব্যালার"-এর **শিল্পীরা রবীন্দ্রসন্তোবর** মণ্ডে কবিগরের "শাপ্ষোচন" নুভানাট্য মণ্ডম্থ করবেন। প্রবী**ণ চটোপায়্যারের** নিৰ্দেশনায় সংগতি বোগ দেবেন 🗟 সংস্থাব খিলপীবা। **অসিত চটোপালাবেব** নাতপেরিচালনায় অর্পেশ্বর ও ক্ষালিকার ভূমিকায় রাপদান করবেন জীচটোপাধ্যার न्दशः ও अनकानमा ठाक्नामात्र। श्रम्भना 🔹 অবহসপাতি পরিচালনার ভার নিরেছেন যথাক্রে আঁমর চটোপাধারে (আকাশবাণী) ও দীনেশ চন্দ্র।



"ম্তিশ্নান" (পরিচালনা: আছিত গাণ্যুলী) ছবিতে স্ববিতী চট্টেপাধ্যার ৫ অভিডা চট্টোপাধ্যার

আনুষ্ঠ কৰা—ব্যবিদ্ধ কৰেছি কৰে
স্পানীত ইপিজন কিলা স্থাননেটানতে
প্ৰৱন্তা কন্যাশ ছবিন ক্ষেত্ৰটি বান নেকত ক্ষাপ্ৰৱন বেনেকেন ক্ষেত্ৰত অনুৰাজি ও কালী ক্ষাবন্ধত । "কালা কন্যা" প্ৰিচালনা ক্ষাক্ৰ সন্ধাল বোৰ। বিল্পাপ ক্ষম সংবীক্ষাবিদ্যালক।

> इत्क जंगरत १ हजून १० तथातीयाः सामगाः

हमा व्यक्तिक विद्यानकाः / कहत् वास्त्रहा विद्याने साथका साम्रह

(JA-MPER)

वरीत प्रमान ७३ वाकानन एक्ट्रन आश्रद्धाद्ध (१६-५)२२

हिंग्रेवाज

২৮লে সেপ্টেম্বর রবিবার সকাল ১০॥টার



নাৰীকান প্ৰবেচিত

(PT 8955)

बाह्य कार्य

সন্ধাৰে ছ'টি চাবৰ

নিদেশনা : অভিতেশ বন্দোপাধার বিষ্ট প্রশারারে ৷ চিকিট পাগুরা বাক্তে

(TH-WOCK)



একটি ব্যাহ স্থি-----হ্গাভ

भावीत्रक छेन्द्रणाने क्वास मञ्जा —बातन्त्रयाक्षःस स्वास्त्रीतक माने-बारमाक्ष्यस

क्षीडे केट्सप्राणां —कार्य

्राष्ट्र शह्यम्

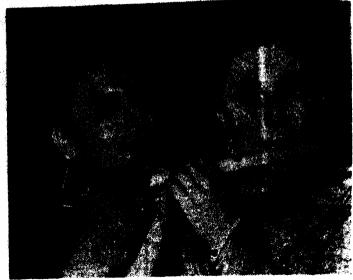
প্রবোজত

अक वश

५३। छाहि वह वश्र भाव

नकान माएक मनाग्रेस। हरन विकिंग।

(त्रि ४७३३)



জার তি বনসালের "হৈডালি" (পরিচালনা ঃ স্থার মুখারি") ছাবডে বিশ্বলৈও ও জন্মা:

টল-🍞গ্মনী

শ্বন মনে হচ্ছে, সেটা ছিল শাপে বর। বি ফিল্ম ফিন্যান্সর টাকা নিয়ে শেষ অর্থায মাণাল দেন নিজেই ভূবন সোম-এর প্রয়োজক ছালেন। অংশিং শেষ প্রশিক্ত সম্পাণীভাবে নিজের মনের মড় ধ্রাধীনভাবে একটি ছবি कदरमा । भविषि याःमाद शदिधामाकदरै गाउँ। নয়, ভারতের চল চচ তরও মান বাভাল বিশ্ব-চলচ্চিত্রে অসেরে। অথচ এই "ভবন সোম"-এর প্রিণ্ট ও এডিগিং-এর কাজ কলকাতার করা সম্ভব হয়নিং করতে হয়েছিল বোৰবাটয়ে। শেষ নিন, শেষ মাংগার্ড भवनिष्ट प्रापालयात् प्राप्तभक्ता कार्राक्र लगाः কলকাতাত বসে কৈ আমার ছবিব ক'ল শেষ করকে পাবর না । কে শোনে কার কথা। থাতার নাম লিখিয়েছ কি? তখন যে চলজিও সংবক্ষণের জনা ভাষণ ভোডজোড। কলক ভা থেকে নিজনি শিল্পী চলে গোলন य हैरत । रामास्क्रभारम ऋषित काम कताउँ হত। তব্ তার তলিপ-তল্পা গটোর বইরে চলে যাওয়ার মধ্যে ব্যক্তি ছিল নির্বাসনের সার। "ভূবন সোদ" কে কোম্বাই ⁶চত রূপে bिक्रिक कराक । हार्नाम भाषानावाद, "कृतन দেখা বোদ্বাইরের নয় ও। তবে মাণলে-বাব্যর ভাগা একটা সদয় হল-বিছা "छारिए"-এর काङ कत्रवाद সংযোগ পেলেন कनकारणाः। तकनः? साः। 'दराष्ट्रादेशाःत প্রেডিটসর" ম্গাল সেন কথন আবেদন

করেছেন তখন তাঁকে ভাবিং-এর জন্মতি দেওয়া হোক।

আরু "ভূবন সোল"-এবাই কর। বেমন হয় হল "গাপেই গাইন....."এর। দাি ছবিরই প্রিণ্ট কোন্দাইরে তৈরি। "ভূবন দেমা" দেখার আগ্রহ সকলের। অসমৈ দত্ত কিল্টু ভেনিং জারেই আরু কালেই "ভূবন দেমা" এর বিষক পরিকেশ শাভূবন দে মা", তার মধ্যে একদন আবার কোবা। শালেশাম স্থানিং বাব, ছবির খাব প্রদাসা করেছেন। বাবাই দেখেছেন ছবিটি তারাই প্রদাসায় পঞ্চমান সকলের মাথেই স্থানিনী মালের প্রশাসার কোন্ত দিছেন নাল্ডাই কালিয়া কালি প্রদাসার কোন্ত দিছেন নাল্ডাই কালিয়া কালিছেন। বাবাই দেখেছেন ছবিটি তারাই প্রদাসায় পঞ্চমান। কোন্ত কোন্ত কোন্ত প্রশাসার কলেন্ত দিছেন নাল্ডাইন ভাবার বলেন্ত দিছেন নাল্ডাইন ভাবার বলেন্ত দিছেন নাল্ডাইন ক্রের ছবি আছে।

*

জীলেন পৰিচালিত শেষ ভাব (বাংলা ংহাকেশে কুসাম"। বলাবাধালা, 6 8 3 ব্যবস্থিক আন্তব্যা ३ हिम्स्या श्वा**लवावा वाम धारक**रीन । अक्रि ានស្រឹង្គ នាកែង ។ क्षीय काम्बर्द्धनः ছ'ব'ট 2) Q W MINITE. প্রশাসিত্ত হয়েছে। अध्यद्भि ভেনিস **থেকে বো**শ্বাই ETT ENGINE ফিলে এসেছেন। राम⁰मन रम्या গৈয়েছিলাম 6.4 **अ**्भाः বললেন্ "ভেনিস ফেণ্টিভাবের ফভিজাতাব মাল। আমার কাছে অনেকখনি।" তিনি জানবেন, "ফেন্টিভাবে ভালো-মন্দ স্ব রকমের ছবিট দেখেছি। ছবির সম্ভান रप्रेस्फ्। प्रस्वत्थः सङ्ग शहरा निष्यं किति এলাম। ফিলেমর দে বলা, ভার ল্যাধীন

বাৰহার আনকে লাক থেকে ভদবক্র করেছে। আক্রুলালিটিকে ধর্বার জন্য ওদেশে এখন লাকুলিঙকে বজান করা হছে। ভাধকাংশ ভবি দেখে মনে হল, ওদের ক্যামেরার অবাধ পতি যেন ব্যাত্তা। লেট তৈরী করে স্কুটিং করার কথা ওরা এখন ভাৰতেই পারে না, করমেরা নিমে বেরিরে পক্তেন। খরের দৃশ্য খরেতেই ভোলা হয়। এটা দেখে নিজের ভবিবাং সম্বাদ্ধ আমি জনেকটা আলান্বিত হরেছি।

প্রমণ্ড জীলেন অংরা একটি নতুন
থবর শোনালেন। চিলজেন ফিল্ম
সোলাইটির হরে তিনি একটি ভাবল ভার্সন
(বাংলা ও হিন্দী) ছবি করেজেন মাত
দ্মানেন। সম্পূর্ণ ছবিটির শ্টিং শেষ
হতে সমর লেগেছে মাত আঠারো দিন।
ভার মধো পানেরো দিনই আউটভার।
লোকেশন ছিল বার্ইপ্রের ছ' মাইল
দ্রবহী এক অক্ পাড়াগা। বাকী
দ্দিনের ইনডোর করেজেন নিউ থিরেটার্স
দ্নন্বর ক্ট্ডিওতে। রবীন্দ্রনাথের 'ইজ্জা
প্রেণ"।

/- Test

পরিচয়

বিষয়ল করের "প্রিচ্য" কাহিনী আবলম্বনে ছবি হচ্ছে। ছবিটি প্রিচালনা কব্বেন নিমাল মিটা অসীমকুমার দৃত্ত ছবিটিব প্রবেশক।

পাঠকের চোখে

िक्टल्य हुम्बन ७ नग्रह्म

্ষিল্ম সেক্সব্দিপ তদ্যত কমিটির স্পান্ধবিধ এবং সে-সম্পাক্ত ভিত্তাবকাদের প্রতিক্রিয়া প্রকাশিত হবার পর পঠিকদের অসংখ্য পত্র আমাদের দণ্ডার এসেছে। সর পত্র প্রকাশ করা সম্ভব ময়। তার ক্ষেক্টি সংক্ষিণ্ড আকাবে সিতে দেওয়া হল।

মহাশ্য

ফিলেম চুম্বন ও নান্দেহ বিষয় বা লেখা হাষ্টেছ তা নিয়ে দুয়েকটি কথা বলতে চাই। প্রীউত্তমকুমার ও প্রীয়তী দুগ্রিমার উল্ভিতে বজুই বাথা পেলাম আমরা। বোন্বাই লিক্টেন্ডাইছে তা আমরা দুগাকদের যে কি দিতে চাইছে তা আমরা সকলোই ব্যুক্তে পাবছি। সহত বাজিমাং করে প্রসা বোলগার ছাড়া সোজা কথায় একে জার কিছুই বলা যায় না হিল্পী ছবি আমরা প্রবাসী বাঙালীবা প্রায়

हाताजिनित "व्यक्तिक" (श्रीतकाणना : श्रदण्य मतकात) : मानिती प्रदेशभागात ६ विकास वास

দেখিইনা, সকলের সপৌ বসে দেখা বার না বলে, শৃথ্ বাঞ্চালীদের ডোলা ছবি ছাড়া। বাংলা দেশের কি এমনই দৈন্য হরেছে বে, পরসার জার দেখিরে বিদেশের জেন বেটে পার তুলে এনে শিলেপর ফোটিং দিরে সকলের পাতে পরিবেশন করার জনা বারা উদ্যন্ত হরে উঠেছে তাদের অন্করণ করবে বাংলাদেশ?

कार्षे अग्रीकविमान, शाक्त्वारमा, बाद भारतम् एक नव। भिरतमान शक्त सामारणद ঘরের পরিবারের সমাজের প্রতিছাবি। সিনেমা মানুষের আচার বাবহার বুটি স্কুর শোভন করতে পারে। নংনতার চাৰ্ক মেরে শোধরাতে কাউকে পারবেনা, বাঙালী উদ্পদত। আরও বাড়বে। সিনেমায় এতটকে অবাস্তৰতা সহা করতে भारतमः नमीवरक खत्राम नाम्रिकात भारतत माला वध्य अक्शामा वाक्या खाक एठे, कि अभरः जाला। वास्वारे या कतः कत्क, वारका रामाणव अध्याक्तक भविष्ठालकामव कार्य কৰ্কোঞ্জন্রোধ এ মোহে যেন তীরা না পড়েন। ঘরের মা বেংনের চরিতকে সংস্মাক ন্থাদেহে উপস্থিত না করলে হদি খিলেপর শত পালন করা না হয়, তবে তানা হোক্। ইতি-প্ৰিপতা ঘোৰ, প্রতিমা সান্যাল, লোবী মুখার্জ, কল্পনা ছোৰ। দৰহ্পনগৰ, কানপ্র।

ब्रहाम्ह

যার। চলাজিতে চুম্বন ও নংনতার স্পানিশের বিরোধিত। করে মতামত প্রকাশ করেছেন তাদের সকলকে আমার আহতারক ধ্যাবাদ জানাজি। খোসলা

কমিটির স্পারিশকে কথনই সমর্থন করা বাল্প না। কারপ ভারতীয় ফিলেম বিদ চুন্দন ও নান্দাশা উপস্থাপনার জনাব স্বাধীনতা থাকে ভাহলে তা সমাজের সভাতার অপ্রগতির পথে প্রধান জনতারার স্থি করবে। চুন্দন ও নান্দা বাতীভ কি উন্নত্মানের ছবি তৈরি করা বার না? তিমির দাশগান্ত, বেলেবটোঃ

মহাশ্র সম্প্রতি ফিল্ম সেন্সর্বাশপ ভদনত কমিটি ফিলেম "চুন্বন ও নানদেহ" প্রদৃশনের যে স্পারিশ করেছেন সে সুষ্পকে বিচক্রের "উলি-টিশ্সনী" (দেশ/ ১৬ই আগস্ট, '৬৯) মার্ফত জানা গো**ল** উত্তমকুমার, সংগ্রিয়া দেবী, সাধ্বী মুখার্কি, র্সন্ধ্যা রায় ও আরো করেকজন চিত্রভারকান দের হব-হব অভিনত। সুঞ্জিয়া দেবীর মতে এটি একটি "বোল্ড ভেটপ", "**প্রসডির** গতিপথের সংগ্য স্বাইকেই স্মান **তালে** পাল্লা দিয়ে চলতে হবে বৈকি!" — অর্থাৎ তার মতান্যায়ী ফিলেম নপনতাই ছ'লো প্রগতির মাপকাঠি: এবং ষ্ট্রিন প্রতিত অ্যাদের <u>সিদ্রমার</u> ্ন॰নতা"-কে স্বাভাবিক বলে মেনে নিতে না পার্ছি ততদিন আম্রা নি**লেদেরকে** প্রগতিশীল বলে দাবী করতে পারবো না। -- বিচক্রের লেখা খেকে মনে হ'লো স**্ঠি**য়া एनवी क कथाई वलाङ हान. क्या माजिहा দেবীর মত তিনিও একই অভিমত পোৰণ

সাহিত্য-সিলেপ নগনতা তথা **অম্লীলতা** নিয়ে দেখে দেখে। বিম্তুর তক্ষবিত্ক হরেছে। সে বিত্তকার গোলকথানার প্রবেশের আকাশকা আমার চাই। বছবা শুখু এই যে—সাহিতাশিলেপ নানভাগ বাড়াবাড়ি প্রকৃতপকে সামাজিক অবক্ষরভারত অনিবার্য প্রিকৃতি।

and the State of t

প্রমণ্ডঃ অনেকেই কোনারক খাল্লরাহোর মিথ্ন ম্তিগ্রেলার সৌন্দর্যের
কথা উল্লেখ করতে উৎসাহ বোধ করকে।
সেগ্লোর হয়তো সতাই একটি শিচ্পগরিমা আছে। কিম্কু পশ্চাতে বে কি
পরিমাণ অন্ধনারময় ইতিব্তু ল্কায়িত
তা একমাত অনুসন্ধানী ইতিহাসের ছাত্রাই
ভাত আছেন। জনৈক খ্যাতনামা
ঐতিহাসিকের মতে—

"The images help us in forming an idea on the prevalence of corruption in the contemporary society."

হাজার রকমের অশ্লীলতা ও ব্যথেক্
যৌনাচারই আজু সাংস্কৃতিক ক্ষেত্রে প্রগতিশীলতার মাপকাঠি হরে দীড়িয়েছে। অওচ
এই "প্রগতিশীল" পুষেই একদিন
"দেবদাসী", "কুমারী পুজা" আর "ভোগের
মাধামে যোগের সাধনা" করতে গিরে সমগ্র
জাতির মের্দেশ্ডে যে ক্ষর রোগের সঞ্চর
হরেছিল তার অনিবার্য পরিপতির কথা
আমরা জানি। সমাজে নৈতিক শক্তির
অবনতি ঘটলে তার ফল যে কত স্দৃত্রপ্রসারী হয় তার প্রমাণ পাওয়া যাবে আরো
অনেক দেশের প্রাচীন ইতিহাসে।

শ্যমল দাস, কোচবিহার।

য়তাশ্ব

খোসলা ক্মিটিব বিপোট সম্বন্ধে বদেবর কয়েকজন শিল্পীর মণ্ডবা থেকে সাধারণভাবে এটাই মনে করা যেতে পারে যে মহিলা শিলপীরা এই স্পারিশকে স্বাগত জানাতে পারছেন না কিব্ত পরেষ শিক্ষীরা এটাকে অভিনন্দন জানাচ্ছেন। আমাদের সাধারণ অভিজ্ঞতা থেকে এটা বললে বোধহয় ভুল হবে না যে, সিনেমায় नग्नापट वलाउ भाषातग्राप्त महिलाएन्डरे প্রয়ে-নাম দেহ দেখা যায়। বিদেশী ছবিতে অনেক সময়ই দেখা যায় যে, একদিকে প্রেয়ের পোশকের অতিশ্যা আর তার াশেই মহিলার পোশারেকর অস্বাভাবিক স্বলপ্তা-একটা দ্লিটকটা বৈষমা। পরেষ প্রভাবিত সমাজে এটাই বোধহয় স্বাভাবিক নিয়ম। এমনিতেই হয়ত মুনাফালোভী প্রয়েজক পরিচালকরা মহিলা শিল্পীদেব স্বক্স পোশারের ওপর জোর দেন। সেম্সর ব্যাদের ভয়ে তানের ইচ্চা পারাপারি भक्क कहा भग्छव इ.स. ७% मा। किन्द्र একবার যদি সিনেমায় নান্দের দেখানে র অনুমতি পাওয়া যয় তাহলে অগলোডী প্রয়েক্তক পরিচাক্তকরা মহিলাবের ওপর চাপ স্থিট করবেন। এই পরিপ্রেক্ষিতে



শ্রংচনের "অরক্ষণীয়া" অবলাবনে তৈরি 'মা ও মেরো' (পরিচালনা : স্নৌল বলেনপাধ্যর) ছবিতে মৌস্মী চাট জি

बिल्लीरम्य মতামত विट्**×ाव** মহিলা প্রণিধানযোগ্য। তাদের পক্ষে আশাধ্কত হওয়া বেংধহয় স্বাভাবিক। এই সকল চিতে অভিনয়ের জনা কোন কোন মহিলা হয়ত এগিয়ে আসবেন, কিন্তু বহাু গণী শিল্পী আয়ুসম্মান রক্ষরে জন্য সিনেম। জনং থেকে সরে দক্ষিতে কথা হবেন। এর ফলে আমাদের বেশ বড়রকমের একটি ক্ষতি হ'বে। মনে হয় না এই সঞ্পারিশ কথাকরী হলে মহৎ শিলপস্থির পক্ষে কিছা অবদান যোগাবে। শাধ্মাত কিছা স্মাজদ্রেহী ব্যবসারী লোকের স্বাধীনতা বড়বে, প্রকৃত শিক্ষের কোন উংকর কাভ চাব না।

তানেক সময় শোনা **যায় যে বাহিরের** সেক্সপ্রধান নশন্দেহ সিনেমা**র দশকিরা** —সভারত চৌধারী **কলিকাত** —০০

মহাশ্য

ব্ৰহাত্ৰ প্ৰকৃষিত্ৰ প্ৰিক্তে ছিল্ডেছ **শ্রেড চুম্বন নাম্যেত্র গ্রিম্বরক ভালে**জ हरादि अध्यक्षात्रक स्विकारकार ধর্ম— অপ্নার আশ্বর াসবাধানিকার অপ্রাবহার না ঘটে", করণ "তাদেশে ম্বাধনিতা বা গ্রন্থতের সংগ্রা মুখেছে:-চাবের সংযোগ বড় নিবৈড"। এছাড়। মাছে ভারেস্বাসীর স্থান্ত্রিক প্রক্রের ও জন্ত এবং সাক্রিপ্রি *স্না*শ্র Dieen"1 অন্মসের দেশে সম্ভেত ক দেশের কল্পেরত কথা কথনের ভাবেন ? যদি বা কেউ ভাবের তা দ দিনের ছালা। দাদির द्यांक-भ्रतकार्य हैं है। प्रति 2173 চিত্রীয় বিষয় এবা নভিমাং

ভাষাদের দেশের সংকরণ ঐতিহা

কলতই আমাদের নিজেন। তা মেনে
চলাউই গ্রের, ন.মনাতে বাহাদ্রী
কিছা নেউন সমাজের স্বাহে দেশের
স্বাহে, জাতির স্বাহে প্রচালত কভকবালি
রাহিন্দীতি প্রচা দেশের আইম-কান্টেনর
মতই মেনে চলাতে হয়। নিজের গ্রেব ম্বারো নিজের প্রচে সম্ভব নয়। সেই
কার্নেই ভিচা বাছিনে সিভাবের আসান
ক্ষাতে হয় এবং বাছিন্দ্রাধীনতাও তাই
স্বীমার্শা।

ইতি—কালোবরণ যোষ

কসলবাতার মারি মাসল

শর্কান্তরের বৃত্ত পঠিত উপনা স 'শ্রীকংতার চতুর্থা পরা অবলদনের হৈরি 'ক্মললতা'র শা্টিং শেষ। ছবিটি এখন মাজি প্রত্যাক্তাং। ছবিটি পরিচালনা করেছেন হরিস ধন দশগ্রেত: নামভূমিকার অভনর করেছেন স্মৃতিচা সেন। উত্তমকুমার হরেছেন শ্রীকালত। নির্মালকার গহর। পাহাড়ী সান্যাল, ছারা দেবী ঘাই বানাজি, জহর রার শ্রম্ম ছবির অনান্য বিশিল্ট চরি হর শিল্পী। ছবির সংগতি পরিচালনা করেছেন রবীন চট্টেপধ্যায়।

আৱাণ্যদেশ



ती क्रक

















ত্ৰুপ এফাৰণত চটপট জানীয়



পশ্চিমবংগা নতুন রাজাপালের কার্যন্তার গ্রহণ বর্তমান সংতাহের বিশেষভাবে উল্লেখ্যাগা ঘটনা। ১৯ সেপটেম্বর শ্রেবার নতুন রাজাপাল শ্রীপাশ্তিস্বর্প ধাওরান কলক তায় আসেন এবং এই দিনই রাজ্যবান শপ্য গ্রহণ করেন। লগ্য গ্রহণের অববেছিত প্রেই তিনি এই

আশা বন্ত করেন বে, পশ্চিমবাপো যুদ্ধকনত সরকার স্থিপত হবে।
তার আরও বিশ্বাস জনকলাণের ক'জে একলোণে ১৪টি রাজনৈতিব
দলের আত্মনিরোগ জনসাধারণকেও এই দৃষ্টাস্ত জন্মসরণে জন্ম
প্রাণিত করবে। এদিন নতুন রাজ্যপাল এক বেতার-ভাকবে সাংবিধানিক
দিরিত্ব পালনের ও রাজ্যের জনগণের সেবার আ জনিরোগের সংক্ষপ
প্রকাশ করেন। তিনি বলেন:—আমি শৃপত্ম নিরেছি যে, সংবিধ ন ও
আইন অক্ষার রাধ্ব, তা সমর্থন ও রক্ষা করব এবং রাজ্যের জনসাধারণের কল্যাণ ও সেবার নিজেক নিরোগ করব। আলোচন।
প্রসংগ্য কনৈক সংবা স্ক প্রী ধাওয়ানকে বলেনঃ—আয়ার্য ব্যালনী



প্রকৃতি বালছেন বে, "কমিউনিন্টরা দেশের সংহতি বিন্দুকারী" তাঁদের সংগ্র আসমার দহরম মহরম আছে এবং এই কারণেই রাজ্যপাল পদে আপনার নিয়োগ বাতিল করে দেওয়া উচিত। আপনি এ-সম্বাদ্ধ কি বলেন। উত্তরে প্রী ধাওয়ান বালেন—ওইসর বাজিদের প্রাদে কমিউনিন্টদের দেশপ্রেম সম্পর্কে আমার আগ্রা আনক বেশা। প্রীলোভি বস্তার প্রশাসা সাপার্কে জানক জনসংঘ নেতার কটকের প্রতি তার দৃশ্টি আকর্ষণ করা হালে তিনি বলেনঃ—বহা পালিজপতি—ইয়োরে পিয়ান এবং আমেরিকান লগতান আলোজনাক কে আনের কাছে প্রীবস্তার প্রশাসা করেছেন। প্রী ধাওয়ান ইতিপ্তির্ব জনতান ভারতের হাই-ক্রিনার জিলান।

दिम्यी शःबाह

১৫ সেপটেমবর—গোন্দ বান্ধীরকবণের পর কি কি বাসেথা নোওয়া যেতে পারে প্রধানসভাগী জীমতী ইন্দিরা গান্ধী তাই নিয়ে জাতে তাঁর মান্দ্রসভার করেকজন সহক্ষমীতি সপ্রো জ্ঞাসোচনা করেন। জ্ঞাসভান অসমাতে থাকে। ইউকে উপস্থিত ছিলেন সর্বাহী ওয়াই বি চুকন, জন-ভানির রাম, ফেক্রেলিন আলি আয়েদ, থি জার ভাগা তা তিগাগা সেনা ও ডা বামস্যান্তর্গা সিং।

মাত্র পদিচ্যবাদ্য বিধানসভার বর্তমান আধিবেশনের দেয়া নির্মান ধেষার প্রবাহন প্রভিন্ন
কালট জি নিজ নিয়ে নিত্রতা বেশ কামে ওঠে।
বিজ্ঞানি উপাপন কালও পেষ প্রমান উপাপনকার
কালিগায়ন পদা নিয়ায়ালিভাগোঁয় মন্ত্রী প্রীভানিভ্রমান পদার প্রভাগের করে কাল। এব প্রমান্তর্গার কিলাল নির্মান বিশ্বাসাল বিভাগের কালিগায়ন প্রসান কালিগায়ন প্রসান বিভাগার কালিগায়ন প্রসান বিভাগার কালিগায়ন প্রসান বিভাগার কালিগার কা

১৬ সেপটেমবর—কেন্দুনি তথা ও গালেক জালা সমন্ত্রের বার্থানার্থী দ্বী তারা বেও গালেকে জালা স্থানার্থানার কার্যার সংক্ষার বিশ্ব করিবলার সংক্ষানার কার্যার বিশ্ব বিশ্ব জার বিশ্ব করিবলার ইটারেটার নিউল্লেখন বিশ্ব জার বিশ্ব করিবলার সমান্তর কার্যার ভারতী প্রকাশ করিবলার করিবলার সমান্তর করে। বিশ্ব জার স্থানার স্থানার করেবলার বিশ্ব করেবলার বিশ্ব করেবলার বিশ্ব স্থানার স্থানার বিশ্ব স্থানার সম্বাদিক স্থানার সমান্তর বিশ্ব বিশ্ব স্থানার সমান্তর বিশ্ব স্থানার স্থানার

ন্দ্রীশালন ক্ষান্তান ক্ষাক্ষর প্রশাসনিকর স্থানিকা রাজী কাক্যা হাত প্রতিকাশক্ষেত্রী ন্যাত শাসনাজ্ঞান ক্ষাক্ষ রাজ্যার করে ক্ষান্ত প্রধানন কিষান সংগঠিত ভারতিয়েরের কর্মকান ভিত্তি প্র



জাই (এম) পির কবেছেন বে, টুলিগঞ্জে দ্যান্ত্রে বিজ্ঞান্ত্রি প্রাস্থ্রিক বেন এবং বাহনান্ত্রেরে প্রাথী হাতন উচ্চ কলেন্দ্র সং

১) সেপ্টেম্বর—ব্রাসন্থ করিছি গ্রিপার্ট তিপিন্তার তথ্যিত বিশ্বিক প্রতিষ্ঠিত বিশ্বিক বি

২০ বেশুটোনর ক্রাকার সম্ তিজ্ঞান বিশ্বর প্রামণি ও জৈব বসায়ন বিভাগের ক্রানের ক্রিনের আজা তেনের ক্রানের ক্রিনের আজা তেনের ক্রানের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রানের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রানের তার তার তার তার ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রানির ক্রিনের ক্রানের ক্রিনের ক্রানের ক্রিনের ক্রানের ক্রিনের ক্রানির ক্রিনের ক্রানের ক্রানের ক্রানের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রানের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রিনের ক্রানের ক্রিনের ক্রি

শিশ্য উন্নয়ন ও কোনপানি প্রথমক দাস্তরের নাবাটী শ্রীকেকান্দিন কালি কামেন আজু বলেন, নাবান যে বৈশ্যাকি নাতি বচনা করা হাজে তার মোল সামাজিক কক হজেঃ আয়ের বৈশ্যা হাল, মানিবিমামর হাতত হাত্তিনিভিক ক্ষমতা কেন্দ্র চতুর হত্তা এবং নিক্ষাস্থানাক করি কর্তাক উপলক্ষ্য ব্যাস্থানি নিক্ষাপুল কোষ।

ই) দেশটেজবর— জল্প পিতালৈ প্রায় দ্বালার বিজ্ঞান জনত। তালিপার পিত্রালা বিজ্ঞান প্রায় দেন। তালিপার বিজ্ঞান বিজ্ঞান প্রায় দেন। তালিপার করে করে করে করে করে করে করে করে বিজ্ঞান বিজ্ঞান করে বাংলা বাংল

विद्रामणी प्रश्वाम

১৫ বেশ্বটেমবর শান্তান লাকার ৬০ব পান্তান বিশোপুর উর্বাধ ছার্যা বিভাগর জন্মান্তাত স্থাপন নিব্রে র্টানা স্কার্টার্যান্তা ব্যক্ত প্রাক্তির ব্যক্তিবিদ্যান ব্যক্তিবিদ্যান্তা হিন্দ ক্ষেত্রত এক ব্যক্তিই বিষয়ের ব্যক্তিসভান ব্যক্তিব পান্ত্র বিশেষ্টে দলাই লাকার যদিবত ম্যুক্ত কার্ড ব্যক্তি

৯৬ কেপ্টেম্বৰ্ণ—চাঁদে প্রথম রামান প্রতিত্ কানে চাইনামের অনিকারে স্থানীর রাখানার কার্যাক কর্মানীয়ারে প্রেম্বর করেপ্তেও - রার্ মান্ত্রাকীর মাধানী ১৯৮৪ সাল্লেল প্রত্যাহ তার কিবার কার্যানী মান্ত্রা মামান্ত মহালের তার কিবার কার্যানী শার্তিম আলাক্ত মহালের তার কার্যান ক্রিকার্যানী বিহ্নালয় ক্রিয়ান বিশ্বন্ত্রা

\$4 সেপটেন্ট্ৰেন জন্ম জিল্লীত প্ৰাণ্ড (এল কান নালাৰ কাৰ্ক্যক আন্তাল প্ৰকৃত্য হ'ব। নালানিক ভা নিজালোক্তাৰ প্ৰকৃত্য এই কান্তা নালাক্ষ্যক লগত অনুকৃত্য এই কান্তা কি না বাহ্যকত লগত অনুকৃত্য এই কান্তা নিজালৈ জন নালাক্ষ্যক ক্ষ্যক কান্তা কান্তা কি কান্তা কান্তা প্ৰকৃত্য নালা কান্তা কান্তা কিন্তা কান্তা কান্তা কান্তা কান্তা কান্তা কান্তা নালাক্ষ্যক কান্তা কান্তা কান্তা নালাক্ষ্যক কান্তা কান্তা কান্তা নালাক্ষ্যক কান্তা কান্তা

ইউ ক্লেপ্টেম্বর-নিজ্ঞ (জ. % ব ক্রিপ্টেপ্টেম্বর জন্ম জন্ম ক্রিপ্টেপ্টেম্বর জন্ম প্রিপ্টেশ্য ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর বিক্রাপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর ক্রেপ্টেম্বর

ইয় সেপটেম্বর এক বিজ্ঞানের করে প্রতিক্রিক সংগ্রাক করে প্রতির করে প্রত্রেক সংগ্রাক করে প্রত্রেক সংগ্রাক করে প্রত্রেক সংগ্রাক করে সংগ্রাক করে সংগ্রাক করে সংগ্রাক করে সংগ্রাক করে সংগ্রাক স্থানিক স্থা

১৯ সেপটেমবর—নিজ্প ভিষেত্রতা গংগা মার্বিন জেনা অপস্থাপের নিজ্যাত তথ ভিষ্কানমী সেনা অপস্থাপের গণ, আহিন বাজ্যাভা যে প্রস্থান বাদ, ইন্দ্র ভিষ্যালয় ভা স্থান্ত ক্রেড্ড গ্রেম্ম প্রান্তিন সেন স্বান্ত্রী বিবাধিত লগা গ্রাম্থন সেন স্বান্ত্রী বিবাধিত লগা গ্রাম্থন সেন স্থানার্থ নিঃপ্রতিত্রতা গ্রাম্থন

॥ भूजात न्जन वहे ॥

ENV & BUTTON VALUE AL

मरणामीयरमा कवित्र मुद्ध युद्दार्भ

৭৫ আট প্লেট সহ ১০

गण्य त्नका, त्रुम्द्री त्नका

নেফার ভয়•কর সোন্দর্য

C.

উপন্যাস

करतत माझनी हर

वाक्त शिनश्न 811

कांबनाबाधन व्यक्तिम्बना स्टब्स् व्यक्तिम्बना हिः

गराया कन्याक्याद्री ७८

क्रोपन - सम्बद्धकथा

लौंगा भङ्गायमाद्वेत

मन्कूभात त्राय 811

শ্বমা দিবগ্ৰাগ্ৰদের ভাৰত ভ্ৰমণ কাহিনী

শ্বাভীথ ভারত ১০,

বহা চিত্ত শোভিত

পুৰশ্ব

শৈলেশকুমার বংদ্যাপাধ্যায়ের গান্ধীজীর গঠনকর্ম ৪॥

ভাকিক রেয়াসন, স্ব'পজাী রাধার্কণ, জরপ্রকাশ, কুপালেনী প্রমান ভারত-ননীবিশ্য ভাতিক লিখিত গান্ধী পরিক্রমা ১৫১

গ্ৰহণাৰলী

মহায়া গাজীৰ গান্ধী রচনাসম্ভার

১ম খন্ড--৫১

रष्टाक्षीमञ् शहस

लीला भट्यमाखन

রর সুখলতা রাও-র

স্মধনাথ ঘোষের

(न(भात वर्षे 8.

নুতনতর গণ্স ২

किरमात श्रञ्जावती 811

একটুট প্রাক্ত একটি হোলের মহাত লক্ষ্য

্লেখিকাৰ স্বান্ধ অবদান

স্বয়ংবৃত্য

ंगमः व्यक्तिय कारियाः ६ डेल्साकः

নীহাৰ্যজন গ্ৰেত্ৰ

শ্রাবণী ৩, বহিলাশথা ৩,

ৰিভূতিভূষণ বল্ডোপাধ্যায়ের

पृष्टि अनी प

9.

গ্ৰেণ্ডুকুমার মিতেৰ

यत हिल वामा ए.

আচিত্তকুমার সেনগ্রেকর গোরাখণ পরিজন ১০, সৈয়দ ম্ভিত্তা আলীর রাজা উজীর ৮,

আশাপ্ৰা দেবীর

क्राणिकाषा रवाम ७.

আশ্তোষ ম্থোপাধ্যারের

नौतम्बन्धः क्षीय्त्नीत ∶बाश्याली क्षीवटन समगी ५०,

> श्चरवाबकुमात जानगरमञ्ज अक हामह शक्या थ.

याञा গানে

कवनीन्द्रनाथ ठाकरवव

वायायन

1 4 577 7

মিত্র ও মোৰ : ১০, শ্যামাতরণ দৈ শ্মীট, কলিকাতা -- ১২



প্রতি বছরের ফালা

এবং কেমন ক'রে তা ভুড়োতে হয়

বামাতি। এই বিজী গোটা গোটা এতন চুলকেণ্ডে চুলকেণ্ডে কৰবাম। জনসন্দা লিক্টি উচ্চ সাবান বো লিক্টি টি পাউডাৰ ভাডাভাতি গামতি গাডিব। কেং আৰক্ষে, উৰ্থিযুক্ত কনসন্দা লিক্টিট সাবান লিকে আম কলন। প্ৰতে বোক্লুগেৰ আলাহ আহ্বাম দেহ, সাক্ষমেণ বেল কৰে। ভ্ৰমণ্ড গা প্ৰিচে নিং তাতে ভ্ৰমণ্ড গা প্ৰিচে নিং তাতে ভ্ৰমণ্ড গাৰাম গান নিং প্ৰতে এক বিশেষ গামাতি নিংশাশাক পদাৰ্থ আছে। সংস্থান্ত অংশং প্ৰেমণ্ড কইন্তাৰ পামাতি মান্ত হব।

জনসনস্ প্রিকলি হীট প্রোডাক্ট্রস

) 2096 A BN



	Velue .
	369
বাৰ্ণাচত-	POR
म्बालां	247
রুপদশীর সংবাদভাবা—	564
रॅंग्फिकी	268
그 집에 하다 아니다. 이 아이들은 이 사람들은 아니는 사람들은 사람들이 되는 사람들이 되었다. 그렇게 하는 사람들은 사람들이 되었다.	264
স্নশ্ব জার্নাল—	
এখন তোমাকে (কবিতা)—শ্রীপিনাকেশ সরকার	264
ছেলেবেলার ঘাতক (কবিতা)—শ্রীঅর্ণেশ ঘোষ	264
অসাড় (কবিতা)—শ্রীমতী স্কতেতা ভট্টাচার্য	269
এই নির্মাল খাঁচায় (কবিতা)—শ্রীমতী দীপা সেন	264
পণ্ডতন্ত্র—ডঃ সৈয়দ মুক্তবা আলী	606
	,

প্ৰথম খন্ড প্ৰকাশিত হল

शिविश व्राचनी

নাট্যাচার্যা গিরিশচন্দ্র ঘোরের সমগ্র রচনা—মাউক, উপান্যাস, গলপ, কবিতা, গান, ন্বর্লিপি, প্রবন্ধ, বিভিন্ন পার্লিকা থেকে বা-কিছ্ পাওরা সম্ভব সমস্কই আমরা সংগ্রহ করে চার খণ্ডে প্রকাশ করছি। প্রথম খন্ড প্রকাশিত হরেছে গামর কুড়ি টাকা]; শিবতীয় খন্ড প্রকাশিত হবে বতামান বংসারের শেবের সিকে এবং বাকি দুটি খন্ড প্রকাশিত হবে ১৯৭০ সনের মধ্যে। উল্লেখ্য, গিরিশচন্দ্রের কিছ্ রচনা একদা বাজেরাণত ছিল এবং অভালত দুন্প্রাপ্য ছিল, আমরা তা বহু আরাসে সংগ্রহ করে বিভিন্ন খণ্ডে সমিবিন্ট করছি। প্রথম খন্ডের সম্পাদনা করেছেন ডঃ রখীশুনাথ রায় ও ডঃ দেবীপদ ভট্টাচার্য এবং এই খন্ডে সমিবিন্ট গিরিশচন্দ্রের ভাবিনী ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেছেন ডঃ ভট্টাচার্য। অন্য খন্ডানিরভ সম্পাদনা ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেনে ডঃ ভট্টাচার্য। আন্য প্রকর্তী খন্ড-গ্রিল পাওরা সম্পাকে স্ক্রিনিন্টত হতে চান, তাঁদের নাম-ঠিকানা আমাদের আগিসে পত্র্যারা জানাতে অনুবেন্ধ করি, প্রকাশন-বিজ্ঞান্ত ভানের পাঠান হবে।

अथम भट्छ - २५ हि नाइक ७ वहि अवन्य।

विजीत बटण्ड — १२वि नावेक, २वि छेननान, विवे बच्न,

১৬ हे श्रवाय ७ ५ है कविकाशन्य।

एकीत पटफ — २५6ि नाडेक, ५6ि **केन**मान, ४6ि स्रवन्य

७ ১ डि कविडाधन्य।

डचूर्य परण्ड — ১৯টि नावेक, ४টि शरण, २**६টि श**रण

७ ५ वि कविकाश्यम ।

গিরিশু রচনাবলীর সম্পূর্ণ তালিকা ও আমাদের জন্মনা প্রদেশর তালিকার জন্ম লিখনে।

नाहि छा न : न म

০২এ আচার্য প্রফারন্দ রোড ॥ কলিকাতা ১ [০৫-৭৬৬১]

aren en repres abelare una aris un genire etan Anconstanta successo

वसा निरोक्ता

448 44 ...

- Sept store that performance of the control of the

गश्चाक विश्ववदास

नारगर । व महानावर प्रमुख्यान । क्रिनोक्सीक्स्माइ चुर धनी

वारवा भ्रश्ना एउ क्रम

मृत्यात सम् संगीत

थाछि वैद्यास्त्र

ন্তাগ*্***। ক্র। কু।** ব্-_{ট্}চ নিশ্লেশ, রারচৌহারী প্রণীত

डाबाटब चिन्न उ

জ্ঞ। মার কথা ১৫-০০ ৩. সি. গামনী প্রণতি

गरवसक्त रचन गरच्यान क्षणांचक हदेण।

শাওচন্দ্র

শরংসাহিত্যবিষয়ক সমালোচনা প্রশ্ব ডঃ সুবোষচন্দ্র সেনপুঞ্জ

সর্বাহ্তরের পাঠকপাঠিকাদের জন্য

শাসত ভারত

দেৰতার কথা : শবির কথা অনুরের কথা : উপদেৰতার কথা শ্রীসুবোধকুমার চক্তবতী প্রদীত

ঐ একই লেখকের লেখা ছোটদের জন্য ভারতের বিভিন্ন রাজ্য নিশ্র এক একখানি স্বয়ংস্পূর্ণ প্রথমগাহিনী

जाशास्त्र (स्य

छेड़िका: अन्त्र: अहिन्द गरकात गरेत रहेन छात्रिमनास्त्र

প্ৰতি ৰণ্ড ম্লা ২-৫০

প্রকাশক: এ. মাখাজী জান্ড কোন প্রাঃ বিঃ ২ বাংকম চাটজী প্রতি, কলিক:৩।-১২ MARKE SHOULK

(बराहत कि-बाज কয়েকটা দিন ভারি অস্বস্তি ও যন্ত্রণায় কাটাতে হয়। मातिएव पु व्यवस्य वश्र काहिए। শ্ধু যে আরাম এনে দেয 이-친 해?— म्बीबर्धि वाववारव हाना करेत रहारन । সারিডর

(



km cove	1780
বাঙলা, বাঙালা ও গালীকা-জীভবানীপ্রসাদ চর্ম গালাপার-জীশীর্ষেপন্ন ম্থোপাধ্যার	>X0
বিশ্ববিজ্ঞান শ্রীসমর্গজ্ঞং কর বাঙ্গার চার্গচিত্র শ্রীআবদ্ধ জন্দার	3008 3008
ভারেরির ছে'ড়াপাতা—ফাদার দ্যতিরেন গানের আসর—শার্গাদেব	5055 2006
জীবন বে-র্কম—শ্রীস্নীল গ্রেগাপাধ্যার	>0>b
আথিক ভারত—শ্রীস্ত্ত গ্রেড চিত্রপ্রদর্শনী—চিত্রপ্রির	১০২৭
अम्रद्रत मिझी-ननरवय आरमाधना-	2000 2049

প্ৰকাশিক চল

বিজন চক্ৰবতী

গোড়ের শেষরজনী

ইতিহাসের মধ্যেরের পর্ত্তীক এবং মর জ্লাদস্যুদের নৃশংস্ক্য অভ্যাচারে বংলার আকাশ-বাতাস ভরে উঠেছিল হাহাকারে। এ কাহিনী ভারই মর্মান্তুদ্ ঐতিহাসিক কাহিনী। দাম ছয় টাকা।

প্ৰ' বাংলাৰ লোক সংগীত: ৮.০০

(न्बर्बार्माभ नर)

अल्लामना कातरहन : मीरनन्त्र कोबर्त्री

बरतन बन्द

ब्रुडब्रिं ३०.००

লো: জো: বি এল কলের The Untold Story-র বঙ্গান,বাদ

অক্থিত কাহিনী

अग्रान्क : विक्रम इक्रवर्डी

গানালে এণ্ড কোং ॥ ১/১এ কলেজ কেনায়ার ঃ ফলিকাতা-১২

ভারাশক্ষ বিস্থাপাধার	
empa.	0.00
SECTION SIN	
The state of the s	
PAIN MA	B-00
916	8-00
Serion Coloral	
कारकवर क	
चन्यामा भरू	Ø 00
এখনই	F-00
kana sa Marana ing Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn Kabupatèn K	e (a fa
স্ভাৰ মুখাপায়াছ	
नाबरमब जारब	T.
	0.60
শিখা শম্ভ	
कार्छत्र मःमात्र	9.00
कारणत अभवति -	&.00
আশ্তেষ মুখেপাধার	
आलात ठिकान	41
	8.40
महीरम्बाध वर्गनाशासा	42
আনন্দ ভৈরব	0.40
অপরিচিতের নাম	8.40
দীপক চৌধ্রী	
रघता ७	¢ -00
গোরীশশ্বর ভট্টাচার্য	•
মহাকাৰ্যের প্	তল
אוי ענבמובוצה	
ভার সম্ থ	A-00
रम्हामनभी	8 .00
প্রন্তের হটক	
তিনপ্রুষ্ফ	\$2.00
· ·	
স্দঃ প্ৰকাশিক ২ন	\$ · O 0
বন্দ্ৰ গোপালদেৱের স্বণ্ন	F-00
নারায়ণ গ্রেসাপাধ্যায়	9 -00
চাপার গণ্য	9.60
জেনভিরিশ্র নন্দী	
ৰসন্ত রঙীন	9.40
वाशास्ता स्वी	
জনৰগ্ৰে-ঠতা	6.00
कि अभ मारेखन	1

82 दिशान **मतग**ी, कॉलकाका-७

क्रीयाव्रेखालव

बारकीय देशानक्षित मानकी कियी बजाब क्या क्रीकानकीरमब नाम विचार अनः स्नाविष्ठित। रक्तमा, आर्थावर्ड विमिन्हे नवान मक्त्य, निक्तरवाचा धवा क्रिकार । मात्र। ताल शकात कालात शृक्तिता, का बातकात कताकता आत्मकातालत काति-গরী অভিনতা ও ককতা প্রায়েগে প্রভিটি জিনিব তৈবী। সংসারের কাজের কন্য ক্লীরারটোনের ইলেকট্রিক সামগ্রী क्षित, नाम क्रेक्स इत्त जानता

ভারতের সর্বত্ত, ক্লীরারটোনের ১৫০০ ভীলার হড়ানো আছে-বার জন্য বিজ্ঞান পরবর্তী সাভিসের ক্ষোণ অবিদাৰে পাওয়া বার ৷



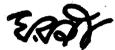
ন্যাশনাল রেভিও আরও ইলেক্ট্রনিকন্ কোঃ লিঃ (বেশারেল রেভিও আরও আরারারেখেন এর বিভাগ)



বিষয়	লেখক		गुर्श
সাহিত্য সংবাদ- 🖺	<u>টিসনাত্র পাঠক</u>		2002
প্রুষ্ঠক পরিচয়—		•••	\$085
থেলার মাঠে - একং	নব্য		2080
ব্যাড়িমণ্টনের আই	न-कान्न-ग्कूल	•••	208A
বংগজগণ		***	\$088
অর্ণাদ্ব—		•••	2000
সাংতাহিক সংবাদ-		1	5065
4	क्रम स्टारे • बीतीराज्य जि	798	

श्रष्ट्रम करण : श्रीवारतन मिश्ह

मदम भविकल्थनाम् अन्धान जालाम् स्तरमञ्ज भाजा अरथा भाश बहिलाएमत कना ?-ना। शताबता अकर्यन!



মহালয়ার আগেই প্রকাশিত হবে ॥ দাম ৩·০০ ॥ সভাক ৪·০০ গায় নাগাঁয়ক প্রণাল উপনাল ক্ষাকাল্যনীয় সংকলম **নয়-এবাবের দাবদীয় সংখাবে** প্তিব্যাপন্য প্রায়ের এন্সভারের যাতে এই সংখ্যাতি **যাতিসাল্যর প্রভারেত্র করেই প্রিয় ও** কেন্দ্রীয় হয়ে **ভ**টো।

অভিনৰ নানা বিষয়ের একটি

ফ্যাশন প্যারেড

সাজসংজায় ও রাপচচায় আধানিকতম ক্যাশনের সচিত্র বিবরণ ্ত্র হিজ্ঞাপন প্রবাশন পর অনেক পহিকাই এর জনকেরণ করার ক্র ভারতের গ্রহতে: বিশ্ব আমানের ফ্রাশ্র প্রেড অন্নকেরণীয়) আর হাজার **রাপচর্চা কেশবিন্যাস গাছসক্ষা সেলাই রালা ও** বং বিধ সচিত্র আক্ষণীয় ফিচার

इति मन्भार्य छेभनाम । इति वङ्गरम । ५०**वि गरम** । ४**वि ब्रमानका** বিখ্যাত্যা বাংলা ভাষার **প্রসিদ্ধ লেখকরা**

লালা মজ্মেদার আনাপুণা দেব**ী শিবরাম চকুবতী** ভেলতিরিব্দু নব্দী নরেব্দুনাথ মিল হরিনারারণ एर्टानान्त्रः त्रानम् रहोस्यती प्रशर्म्वना रम्बी দিবেলে পালিত বারীন্দুনাথ দাশ বাণী রায় সুজাতা অমিতাভ টোধরেী বৃদ্ধদৈব গ্রেহ সৈয়দ মস্তাফা সিরাজ রক্ত সেন প্রভৃতি

তংসহ চলচ্চিত্র রক্ষমণ্ড সঙ্গতি ও সংস্কৃতির বিভিন্ন বিষয়ে রচনা

খরণী ॥ ২৪৬ মানিকতলা মেন রোড ॥ কলিকাতা ৫৪

विद्रमत्त्रप्रस्थ बडे

শীমুদ্রক্মার জানার

34 M 999 H.00

कः शिक्तात वरम्याभागात्त्व प्राप्तित : 'হতামার প্রকার্টিল স্টিটিকট, স্টিটিএট तर शकाव छाव-विकासम्बद्धाः ... विद्नवेष्ठः ব্রবীন্দ্রনাথ e বেশ্বিসংস্কৃতি', 'রবীন্দ্র-म किट्ट म हारहम्म 'हिट्ट मनमी दरीम्हराम' -প্রবন্ধণালৈ নিপাল তথাসংগ্রহে ও প্রকাশ-মাজ,তার থাব মনোজ হতেছে। আশা করি, ত্যি বুবীকুনাথ স্থাবহার আরও অনেক প্রবন্ধ এইভাবে আলোচনা করে সমগ্র কবি-ব্যক্তিকের উপর আলোকপাত করেবে।" ভঃ সাধনক্ষার ভটাচারের

वाह्याबादमा ५०.००

ভঃ বিমানত দু ভটাত হে'ব সংস্কৃত সাহিত্যের

র পরেখা

5.00

8.00

ডঃ বাস্ধাদ্র ভট্ডাযোর পথিকং ব্যামেন্দ্রস্কর

রক্তেকমার মাথেপিপাধ্যাক্তর

দ্ৰুল ও কলেছের গ্রন্থাগার र्भावागलना 0.90

ড: সভাপ্রসাদ ক্রেন্সাক্তর

ইংরেজী সাহিত্যের সংক্ষিণত ইতিহাস 9.00

মেহিতল্ল মজ্মদারের

ক ব শ্লামধুসূদ্ৰ 20.60

সাহিত্য-বিচার H. (0) बारलाइ नवयाग 8.00 সাহিত্য-বিতান 5.40

ৰ্বাঞ্কয়-বৰণ 8.40 **इक्ष्णक्ष्य** उत्तेष्ठ हर्यन

व्योग्ध मिका-मर्गन 50.00 শ্বিতর্ঞ্জন সেনগ্রেশ্বর

অলিম্পিকের ইতিকথা ২৫·০০ मीका**ग5न्म ५**। छे भारताहरू । **मरक**क्र ।

বিজ্ঞানী ঋষি

क्रशमीयहरूम 5.00 কানাই সামণ্ডৱ

कित्रमर्भ न সাপ্রকাশ রামের ₹6.00

ভারতের ক্রমক বিদ্রোহ ও গণতা স্ত্রিক সংগ্রাম

প্ৰথম খণ্ড

28.00

विरमग्रमय मारेखनी श्राः निः ৭২ মহাবা গান্ধী রোড ॥ কলিকাতা ১

ফোন : ৩৪-৩১৫৭



ক্ষে এমরস্তারি কাপড়ে ভারতের ব্যবহ প্রস্তুতকারক ও রপ্তানিকারী ক্ষ্যান্সী কর্পোরেশন বিঃ, তৈরি এমরস্তারি করা কাপড়ের রেজিস্টার্ড টেডমার্ক। ১৬, জ্যাপোলো শ্বীট, বল্ব-১।

প্রধান প্রধান ভীলার :

বিষ্ণাস্থার শিবসুমার, ১৮০, মহাস্থা গান্ধী রোড, কলিকাতা—৭। রাধাকৃষ্ণ কাপ্রে, ২৬, যম্নালাল বাজাভ শুটি, কলিকাতা—৭। বাসাধান্ধ আদেও কোন, ১৭, নরেমল লোহিরা লেন, কলিকাতা—৭। কুইনি, ১০৯, নেতাজী স্ভাষ রোড, কলিকাতা—৭।

ट्लान्धा

ठाशाक है। ठिक वाल हिंदा हित्य हाल !

ক্রান্ত কাটিভিন দিক দিলে এলেলে তো কটেই, ভারতের বাইবেও রপ্তামি স্বার সেরা দিগারেট ভিলেবে (লক্স. বাজি বাং করেছে। (লক্স. দবার সেরা—না ধুব মিঠে, মা ধুব কড়া। (লক্স. এর আদেশ জাছু দেইখানেই।

সবার সেরা তামাকে গড়া • • • না খুব মিঠে, না খুব কড়া • • •





वार्डे फित्वद्र फिव वाबाद सूर्यावि वाक्यं काबव ७ वावणाबय रात्र छैठेव !

৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা এই অঘটন ঘটিয়ে দিব

আমার কাকাশে বিষর্গ মুখ নিয়ে কি কৰব জেৰে भाकिताय मा, कथह क्रमीतात मरण वित्यव डिनारव बमाफ क्रांच काव (बाहि + पिन वाकि । क्थांव कल পাইনা, এমন সময় *অ*নীতার কৰা মনে পড়ে (গণ । ও बरलाइल भवम-अव । जिस्स क्रमलावरगाव शविकक्रमार छ ষাক্ষণ কাজ পেয়েছে ; ঠিক করলাম, আমিও ভাই কর্ম।

পরিকল্পনা ও তার কাজ

এক সংখ্যত ধ'ৰে বোকা বাক্তিৰে একবাৰ নথ, ছবাৰ রে প্রুস কোন্ড জীম মাধ্যতে লাগলাম। প্রথমে ভপরসার মালা ও মেক-আপ উঠে গেল

দিভীয়ৰার ক্রীম লাগাচনার সময়ই ফুটে উইল রূপ !

विक्तिवात भूरव क्रीम माचलाम-- नशलावानात रगन एव ভাঙল ৷ এই ক্রীম চামড়ার পুর ভেতরে পিরে এমন সর লুকলো মহলা বের ক'রে দিল, জল ও দাবান বাব নাগাল शासना । मृथकी इ'ता छेठेल कमनीत छेन्छल ।

বিদেশ সন্ধাটি আমার অর্থীর হ'লে বইল - জনীল **লেল**, আমার মুখের দিকে চেয়ে নাকি পলক গড়ে ন। ং প্ৰস কোন্ড ক্ৰীম আমি রোজ রাতে ছবাব মাৰি। আচ বাত খেকেই প্রুস-এর ৭-দিনে স্প্লাবণোব अधिकश्वमा कारक मानान-माननात्र मुख्यानिक श्रः **दे**श्य भाग्वर्ष (कामल भारत नावव्या भरा !





পত্রিস কোন্ত ক্রীম — গৃধিবীর এই মুখন্ত্রী নির্মবকারী ক্রীমই কার্টভিতে সবার ওপরে

চীজ্বো-পশুস ইনকপোরেটেড গোদত গামে নাকিন মুক্রারে সংগ্রেক)

लखाहिसा

साविक

ह्युजारिंग्द







खनावा सर्वाधन पानि सरस्त

Control of the Contro



सरका है-नि - b- 38



২ ব্যান্ত ১৭০ টাকা মূল্য একাইক ভিউটি সংগঙ । অক্সান্ত কর আলাদা।



अवाति । अवाज्यासः । २ नहात् २२ - हेक्ना



मिलियान **स्टब्स्ट ३२१ डोका**

- ভিমভান, ভুজর, সংবেদনক্ষীল ৩-ব্যাপ্ত ট্রামেজিন্টর—
 পৃথিবীর বে কোন ক্রেন্সল স্পষ্ট ধরা বায়।
- ুটাশ্বাস নে ভাষা ও বিক্টাইন এরিয়ালে।

 ইটিশকোশিক আয়াকেনা ও বিক্টাইন এরিয়ালে।

 ক্যুনাইজ সহল ন্থান উচি সেল ব্যবহার করে।
 প্রান্ধিন ট্রানাজনীর আইবীকে কাল্ড এবা এব পেছনে
 আছে ২০ বছারের স্বের্থা, বিশেষ জান ও কার্থারী
 নৈপ্রা

वृत्रमूत स्वति, (मस्टाउ) वतुन्त्र, त्यस कात





প্রকাশিত হল



माम 8·00

বিশ্বখ্যাত চলচ্চিত্ত-পরিচালক সভাজিৎ রারের নাম কে না জানে! বিশেষ করে বাকো দেলে! পরিচালনা ছাড়াও চলচ্চিতের বিভিন্ন বিষয়ে – বেমন, চলচ্চিতের কাছিনী ও সংলাপ রচনা, চিত্তনাট্য নিমাণ, সংগীত পরিচালনা প্রভৃতি – তার অধিকার ও নৈপ্ৰাও সৰ্বজনস্বীকৃতিখনা। ক্মাসিরাল আটিস্ট হিসাবে তিনি তো নিঃসংস্থেই অভিতীয়। এ ছাড়াও কিশোরসাহিতা স্ভিতিত এবং পত্রিকা-সম্পাদনারও তিনি হতেক্ট কৃতিস্ব দেখিরেছেন। কিম্কু তার বহুমুখী প্রতিভা যে স্বাসরোধকারী গোরেশ্বা-উপন্যাস স্কুচনারও অপ্রতিহন্দী, তা কে জানতো! বিশেষ করে সেই গোরেন্দা-উপন্যাস ৰখন আবার শুধ্ই আসংরাধকারী নর, দকুরমতো সাহিতাগংগানিবতও বটে। একমান্ত শর্দিন্দ, বন্দ্যোপাধারে ছাড়া জার কোনও বাঙালী সাহিত্যিকের কলম থেকে **बाक भर्य है वा खाताग्रीन**!

मर्जाङ ब्राट्सब

खनमामात्रग शास्त्रका উপन्याप

সভাবিং বারের গোয়েশ্য-কাহিনী "বাদশাহী আংটি" সতি। সভি। এমনই এক জিনিস। যদিও এটি কিলোরদের জনো লেখা, তব্ভ মেয়ে-পার্যে নিবিশেষে যে-কোনও বয়লের মান্তের কাছেই এটি একটি পরম লোভের বরু।

একে তো রোমাণ্ডকর ও ব্যক্তি-ঘাঁধানো ঘটনাসন্নিবেশ হেত এ কাহিনার আকর্ষণ প্রচণ্ড, এবং আন্চর্ষা সাক্ষালৈ ও স্বচ্ছল এর রচনাভঙ্গি, ভার ওপর ররেছে সতাজিং রারের নিজের আঁকা বহুরঙা অপর্প প্রজ্ঞ এবং বারোটি প্রো-পাতা ইলাস্ট্রেশম: স্ভরাং বোঝাই যায় নিজে পড়ার এবং অপরকে পড়ানোর যন্ত এমন वरे, धवर छेनहात रम्यात मण्ड, भाषा ध भारतात रकन, आगामी कराक भारतात छ। रवद्भरत किना मरणह।

महब-हैयाब

সৈয়দ মুজতবা আলী ॥ দাম ৮٠০০

শৈক্ষিত ও সংক্ষৃতিবান মাসলয়ান স্মাজের পটভয়িকার রচিত লেখকের এই বিভার উপন্যাস্টিরও কেন্দ্রবিন্দ্র, তার প্রথম উপন্যাসের মতই এক অসামান্যা রমণী-নাম তার শহর-ইয়ার। সদ্য প্রকাশিত।

কুৰেরের বিষয় আশয়

শ্যামল গঙ্গোপাধ্যার || দাম ১০-০০

বাউ-সুলে ও পারা ভবছারে কৃবের সাধ্যা বৈত্তবের মধ্যে আদ্রর প্রভোষণ। কিন্দু বিষয়ে মগ্ন হতে হতেও সেই প্রকৃতিপ্রেমিক ব্রেখ-ছিল আগের মতই মাথায় কোনও শেড নেই তার। সদ্য প্রকাশিত।

न्रत्नंत्र भर्ष्ट्रेण मागदत्र

ধনপ্রয় বৈরাগী ॥ দাম ১০ ০০

ত্যতিৰ্থেৰ কত্ৰিকত এবং জীবনজিজাসায় পাঁড়িত এক সং সাহি-**ভিক্তের আন্তর্গাসের এক মহান আলেখা কর্নাপ্রর নাট্যকার ও** উপন্যাসিক বনজন্ধ বৈরাণীয় সম্প্রতি প্রকাশিত এই বৃহৎ উপন্যাসটি।

সেতৃবন্ধ

बद्भाक वन् ॥ नाम ५२.००

ৰে সাংগ্ৰান্তৰ অৰ্থানৈতিক ভাঙন মধ্যবিত সমাজকৈ গ্ৰাস করে ফেলতে ছাইছে, এক রক্ষণশীল পরিবারের একটি ভীর, মেয়ে কেমন করে দ্ভিতিত বাংলা দেশের যে-কোনও সাধারণ গ্রামের মতই একটি গ্রামকে

নায়কের প্রবেশ ও প্রস্তান

মতি নঙ্গী॥ দাম ৪٠০০

এই সন্য প্রকাশিত অনন্যসাধারণ উপন্যাস্থি বর্তামনে কার্গের নিক্ষা-মধাবিত্ত নাগরিক-জীবনের চরম ধরতেমর খির্তেন প্রবল সংগ্রামে হারতে হারতেও হার না-মানার এক অনবদ্য আলেখা।

जनः लग्ना

वनकृषा ॥ नाम ७.००

'অসংলয়া' নতুন বাঁতিতে লোধা এর অক্সচপ্রশ উপলোস। বিহাত কতকগালি ভাৰ ও কল্পনাতে খাডিড খালেল কান লেগালি অবলম্বনে সাভ্ট এই উপন্যাস একটি বিশিষ্ট স্থান্তর ম্বান্। লাভ করবে।

ગૂર્વ અગૂર્વ

বিমল কর ॥ দাম ১০٠০০

উপন্যাসে মতুনতম চিন্তা ও পরিদাীলিভ শৈলীর উন্ভাবনমূলে বিমল করের খ্যাতি আৰু বহু,বিশিত। নতুন পটভূমিকার এ-বাবং অপ্রিচিত करतकि प्रतिष्ठ मिता बिष्ड 'भाग चाभाग' एकि दशके जेभागात्र।

वनशलाभित्र शमावली

রমাপদ চৌধুরী ॥ দাম ৮.৫০

সরল অথচ বলিও কাব্যময়তার, গণ্ডীর মহতা ও অপ্রে বিজেবণী দ্বারু সন্দো পালা কবে আত্মপ্রতিষ্ঠা করেছিল তারই অপ্বে উপাধান। সমঞ্জীবিত করে তুলেছে লেখকের এই স্বিধ্যাত উপন্যাসটি।



সানলদ পাবলিশাস প্রাও লিমিটেড অকিস: ৫ চিন্তামণি লাস কোন। কলিঃ ১ ॥ কোন ০৪-৮২৪৭ ফিলানেটেড বিজ্ঞানিক : ৬৭এ মহাত্রা গাণ্যী রোভ। কলিকাতা ১

শাংলা ভাষার স্থানিক প্রচারিত একমার প্রথম প্রেশীর সাস্তাহিক

(দ্যোগ্য

৩৬ বৰ' ॥ সংখ্যা ৪৯ ক্লিব্ৰ ১৮ জাৰিন ১০৭৬

সংগ্রেক শ্রীঅলোককুমার সরকার সংগ্রেক সংগ্রেক সাসাগ্রময় ঘোষ

ক্ষরাধিকারী ও গাঁবিচালক জানাদ্বাকার পতিক। প্রাঃ কিঃ ৮ এফার সরকার স্থীতি, কালকাতা ১ থেকে শ্রীনতিবাদাকুমার দালগণ্যত কর্মক মা্রিত ও প্রকাশিত

টোলকোন ২৩-২২৮০ ২০-৮৫৪১

চাদার হয়ে কলিকাডার

বাহিক ... ২৫-০০ বাহে সক ... ৯২-২০ হৈছাগৈত ... ৬-২৫

STEE B

বাহি'ল সভাৰ ... ৩০.০০ বাহাসিক ... ১৫.৫০ বৈহাসিক ... ৮.০০

পাজিসমাস

(ডাবড যি মান্ত)

হালিক সভাক ... ১০.০০ যালাসিক ১৫.৫০ তৈমালিক ৮.০০

wiecze effect

(ক্রেক ভারেক)

বার্ষিক স্টাক ... ৫২-০০ হাত্মিক , ... ২৬-০০ দ্রুমাসক , ... ১৩-০০

-

(विभाग एएक)

হার্নিক ... ৩৯.৫০ হান্মানিক ... ১৯.৫০ হৈমানিক ... ১০.৩০

দাম ৫০ পয়সা উত্তৰক ও আনমে অভিনিত বিষয়ন মাসনে ও প্ৰসা

DESH ;

Saturday, Oct. 4, 1969

महापा गाम्बी

প্রীজনির জন্মণতবর্ষ পূর্ণ হল । মানবসভাতার স্কৃদীর্ঘ ইভিহাসে কডিমির স্কৃত্বিরাট প্রুব, মহাশারিধর রাজনৈতিক নেতা অথবা মানবহিত্ববী কমিনি প্রুব অবশ্যই আছেন; সংখ্যার এবা একেবারে নগণাও নর । তব্ গালধীকী আধ্নিক মানবসভাতার এমন এক অম্লা নিধি বার জন্যে সমগ্র বিশ্ব নিভ্তে এক শুদ্ধার আসন গোথে রেখেছে । ইনি সেই মানুব বিনি বিবেব, অ্যা, মিধ্যা ও ছলনা পিরে সংগ্রামে বিজয়ী হন নি, কোথাও মালিনা ও কলক্ষ রেখে বিজয়মাল্য প্রেন লি । এই কার্লেই তিনি মহাখ্যা ।

ভারতের রাজনৈতিক ইতিহাসের বিগত একশোটি বছর নিতালতই ক্লালিতকর নায়। বিশেষ করে গত গতালার শেষ থেকে বর্তমান পর্যতঃ। গালেজিরি আবিক্তির রাজনৈতিক অথে এই গতকের একেবারে গোড়ার। তব্ হরত বলা বার, তার প্রার্থির আবিক্তার রাজনৈতিক অথে এই গতকের একেবারে গোড়ার। তব্ হরত বলা বার, তার প্রার্থিক কালেক কালেক কালে নার নিতিক চারিচিক এবং নিজন্ম মনোভাগিকে এমন করে গড়ে তুলছিলেন বাতে মনে হর তিনি কোনো একটি বিরাট আরক্ষ ক্রের জনো প্রস্তুত হাজ্জনে। সেই কর্মভার তিনি ক্রেদেশ ফিরে এসে তুলে নিলেম প্রথম মহাব্দের পর পর। তারতের রাজনৈতিক ইতিহাসে এ এক স্বেশির। তারগর পরাধীন ভারতের ম্বাধীনতার জনো তার অবিশ্বাসা সংলাম শেব হর ভারতের ম্বাধীনতা লাভের পর। কিন্তু সর্বজনেই জ্লাত আছেন, নিছক আ্লাভি গাধবীজীর উন্দেশ্য বা লক্ষ্য ছিল না, তিনি আরও সংগত, আ্লাবিক মানবাধিকার চেরেছিলেন সকলের জনো, বেখানে মান্য নৈতিক দিক থেকে নিভার, জীবনবাপনের দিক থেকে কাল্ড, আ্লাভিবিক ও স্ক্রের।

মহাত্মাঞ্চীকে কেউ কেউ ভারতীয় আত্মার মূর্ত প্রতীক কলেছেন। কেউ কেউ বলেছেন, এই বিভাঁবিকা ও উরেজনার জগতে, বেখানে বিত্ত ও কমতার হৈছেও লোভ মান্সকে হাদ্যহাঁন ও অধ্য করে দিকে দেখনে গাংখাঁজাঁ এক বিরাট বিদ্রোহ, আজ্মিক বিলোহ। এই আজ্মিক বিলোহে তিনি বিশ্বাধ করে নকনৈরাশ্য-বাদীদের অদতভূত্তি।

গাধেছিলীর রাজনৈতিক চিনতা অন্যান্য রাজনৈতার অন্ত্রাপ নর । রাজের শাঁভ আপেকা তিনি নান্বের অন্তানিহিত শাঁভ—ভার শা্ভাবেধ, চরিত্রপ্র, সভানিহার ওপরেই বেশাী নিভবিশীল ছিলেন। এবং এই আছিক শাভি বে কভ বলবাম ভা হার অহিংস প্রতিবোধ নীতি বাবে বাবে প্রমাণ করেছে। আল এই অহিংসার প্রতিক্ষার সভাত সভাত।

মহান্তাভাগি শিক্ষা আমরা গ্রহণ করেছি তথবা করি নি সে প্রথন আলাদাই তার শিক্ষার বিষরগালি কিন্তু আজও আমাদের চোশের সামনে পড়ে আছে। এর মধ্যে প্রধান হল : মানবপ্রেম সর্বমান্বের জন্যে ভাতৃত্বোধ : ধর্মব্যেধ বা সেই ধর্মভাব ধা মান্বকে আছিকভাবে উল্লভ ও মার্ভিড করে। গান্ধীলী কথনও সেই গোলিক আচরণীয় সংকীণ ধর্মব্যেধের কথা বলেন নি. বা প্রায়ণই মান্বকে গোলাও উপ্র করে তোলে। তিনি তার শিক্ষার বলেছেন : আহিংসা, সভা, গারীরিক শ্রম, নয়তা, সর্বধ্যে সহিক্তা, অসপ্শাভা বর্জান—ইত্যাদি আমাদের বত হওরা উচ্চিত। উদ্দেশ্য সাধ্ হলে উপারকেও সং হতে হবে, অসং প্রধানিয়ে উত্তম প্রধানাভ করা বায় না।

বর্তমান ভারতের যে অবস্থা তাতে মহাস্থান্তীকে অনুধাবন করার মতন লোক থবেই কম। এমন কি মহাস্থান্তীর সেই জাতীর কংগ্রেস আরু কোন অতলেত তিলিরে বাচ্ছে তাও আমাদের অজানা নর। গান্দাকী নিজের শেব জীবনে কংগ্রেসের এই অধঃপতন, তার মধ্যে ক্ষমতার শ্বন্দ ও লোভ দেখে এই দলের প্রতি নির্প্সাহ হরে পড়েছিলেন। কাজেই বর্তমান কংগ্রেসের সপ্পে মহাস্থাকী কংগ্রেসের সপ্পা মহাস্থাকীক কংগ্রেসের সম্পত্তির রাখা ব্রিম্মানের কাজ নর। কংগ্রস বাই বল্ক, গান্ধীকী কংগ্রেসের সম্পত্তির রাখা ব্রিম্মানের ভাজ নর। কংগ্রস বাই বল্ক, গান্ধীকী কংগ্রেসের সম্পত্তির না—সকল মান্বের। তার জীবনসাধনার কথাগালি বলি আরু আম্বর্জা বিশ্বেষ্টা করি তাতে উপকৃতই হব। গান্ধী সন্মান্তর্গতীর শতবর্ষ প্রতিতি আম্বর্য এই মহামানবকে আমাদের অত্যক্ষের প্রশা ও প্রথম নিবেহন করি।



PERIOD PRINT

আ আনাবাদ বে জিনিন বুটে গোল ভাতে আনাবের সকলেন্দ্রই স্কুর্নিভ ও লাভ্যক হওয়া উচ্চিত।

বিক ক্ষ মান্তের প্লাণ গিরেছে, ক্ষাবেই
নাশংস কাণ্ডগালি কিউবে কটেছে বা ক্ষাব কত সংগতি পাছে ছারধার ইরেছে নে
বিবরণ এখনও মাজনা। কিডাবে এই
হানাহানি শার হল কেনই বা এড প্লাভ তা
ছড়িবে গড় ত পারল এবং কেন গালের ট সরকার সমন্ত্রমন্ত আরও কটোর বাবন্ধা শিতে
পারকার সমন্ত্রমন্ত আরও কটোর বাবন্ধা শিতে
পারকার মান্তর্নাও বিশ্তাবিত ভুলভেও
এসর প্রদেশর সাহির ক্ষাব পাওয়া যাবে
কিনা সন্দেহ। তবে, এটা আমর সকলেই
জানি বে আমেনাবানে এফটা ভরাবহ
সামপ্রদায়িক লাগ্যা হরে গেল এবা এই
নান্যার ব্যাহত শাচাবেক মানলম্বার প্রাক্ষাব্য বি

হানাছানি জিনিসটাই খারাপ। সভা মানুষ মাত্রই হানাছানির মধ্যে আবার সবচেরে নেলারকমের হানাছানির মধ্যে আবার সবচেরে বেশী বর্গনৈচিত হল সাম্প্রদিয়ক ও বর্গতিত্বিক হানাছানি। এই সব দক্ষা মান্যকে থাব প্রাত একেবারে পশ্র করে তেপুল। শিক্ষিত ভদ্র মান্যকেও বার হারের সকল ম্লোবেধ ভূলিয়ে বের। সমগ্র সমাকের করিবানক শীঘা নিয়ের ক্লা বিষক্ক করে বাবে এবং হানাছানিটা থাম্লেও তার কের সকলে সমটে না।

অধ্যানবাদে হানাহানি বংধ হালেও চার জেল অনেক দিন থেকে হাবে। সংগ্রীতি দারের কথা—গাজেরাটে হিংলা মানকানে শার্ষপরিক বিশ্বাস ফিরে আসনেই ভানিক অব্যাক্ষিত লাগ্যের।

প্রথিবী আনেক এলিবছে সান্ত্র 6'দে
বিভেও পেণিড্ছে কিব্লু সান্ত্রদ হিক বা
বিলাভ্যিক পাণ্যাহ কালে কিছাতেই থামাছ
না। যে দেশে এত মহাপ্রেছ এত বাণী
হুচার করে লিবেছেন সেই ভারাতও হিন্দু
মাসলমানে মারাম র হয় যে আমেরিকা
স্থিবীয় হার চাদ ভার করে এসেছে
কেথানেও সালায়-কালেরে হানাহানি চলাছ
এবং যে ইউরোপ নিভ্রেক সকলের চোরে
সভা বলে লায়ি করে সেই মহাদেশেও খ্যেতীর
দ্যুট অন্থামীসক্ষেক্ত মারামারি থামাবার
ভাল এখনও সৈন্য নামাতে হচ্ছে।

্তানা কোথার কোন সাদপ্রদায়িক বা বর্ণাভিত্তিক দাংগাহাংগায়া হিয় সে বিতকে
অ পাতত যাওয়ার কোনও প্রয়োজন নেই।
তখন হল, আমানের দেলে কেই খোক
থেকেই হিন্দা মানলমানে এই মারামার্কি
হচ্ছে সকলের এত সনিচ্ছা ও এত বালী
এবং সরকারের এত ব্যবস্থা সত্তেও কোন



গোটা দেখে হিলা, নাসকলতে কেনও পাৰাপালি সম্প্রীতি পথাপন করা বাজে না?
এবেলে হিলা, ও গুলটানে এবং খ্যাকলন ও
খ্টানে মারামারি না হলে কেন প্রধানত
বিধান মারামারি না হলে কেন প্রধানত
বিধান মারামারি না হলে ?

खात्राच क्षेत्र हार अस्ता कार्का स वट হতটা দাহী ভার চেয়ে আনেক বেলি দায়ী বিল পাঢ়িল হিল বছর আগের ভারত। ইংরেছ ভংকালীন রাজনৈতিক নেতাদের বিশেষ করে কংগ্রেম ও লাগ নেতা দর সম্মতি সহ ভারতীয় উপমহাদেশে হিন্দু শত্তা ও পারস্পরিক STREET TO জাবশ্বাসের যে পার্ম মেনট সেটল্মেনট বা ভিন্তলভূপী বাস্থাবসভু কবে দিকে গিয়েছে ভাষরা এখন ও প্রধানত তারই ফল ভোগ কর্মি। আমি অবশা সেজনা একবরেও বল্ছি না, আজাকের এই মরামারি হানা-হানির জনা আজকের ভারতবাসীর কোনও দর্শির কেই। এজনা নিশ্চরাই আমাদের লাক্ষ্ণত হত্যা উচিত এবং এই হানাহ'ন বংধ করার জন্য সকলের প্রশংগ চেন্টা করা উচিত। কিন্তু এই সাংগ এই বাস্ত্র সভটো कृत्म रशाम हमारव सा 📭 असम अक्छा প্রিম্পতি মুদ্রি করে রাখা হারেছে বেখানে 'ছংলা-খ্ৰট নেৱ 27.00 তিক্স মাসক্ষান भारतम्भातिक हिरासाभाष्टा हा दिश्य हेम्ब আবহাওয়া সূখ্যি করা অভাশ্য কঠিন।

ভানি, আমার এই বছর। গানে আনাকই ক্ষাপ্ত হারেন। কিব্লু আমি মনে করি এটা বাস্ত্র সভা। এবং বিশ্ব স করি যে বাস্ত্র সভার অস্থীকার করে কথনও কোনও সমসারে সমাধান করা বার না।

বেউ কেউ হয়তো বলালান বৈ চিন্দুথান্টানে বা মুস্কামনে-খান্টনে এত দাবামারি হয় না তার কারণ খান্টান্দের স্থাপ ওই দাই সম্প্রদায়ের কোনেও ঐতিহাসিক ধার্মীর বিরোধ নেই এবং ভারাত থাব বেলি খান্টান বসবাস করেন নাং এই লাটে বছমাই ভুল। হিল্পু ও খান্টানে ভেমন বড় কোনও ধার্মীয় লড়াই না হলেও খান্টানে ও মুস্কামানে কে প্রথিবীতে বছু লড়াই চারে গিয়েছে ভার তানাক নজির আছে ইতিহাসে। কিন্তু ভারাত্ করার স্বাসক্ষমন খান্টান্ন মার্মানি হরেছে? কেরজে বহু হিল্পু- ক্ষান্ত ক্ষিত্ৰ বাৰ্ত্তাৰ বুল সংখ্যালী কৰাৰ প্ৰে কাৰ্ত্তাৰ ওপানে ক্ষান্ত কুলাকান কৃতিৰে কাৰ্ত্তাৰ ক্ষান্ত বিহায়ের বিশ্বত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্তিৰ বিশ্বত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্তিৰ বাৰ্ত্তান ক্ষান্ত বৈ হানা-ভানি হাছতে?

উপানহালেশে হিন্দু বাসকলাকে হৈ বারাম বি কাটাকাটি ভার মুক্তে ইংকেল। ইংকেল তার শভিকাইজ আলপদ বার্লাগিওবাই অনুবারী কচকের পর করব বারাজ্ঞানে হিন্দু সুসকলা ন কণ্ড কালিকেছে, লীল তাদের সাহাবা করেছে এবং কংগ্রেম তা প্রতিরোধ করতে পরে নি। পরে ইংকেল ধ্রুম কালার ভিত্তিতে শিক্তাভিতত্ত্ব লীজ করে তাকে চিকেলাই বাপ লিতে এলিকে এলা কংগ্রুম নেতার। তা মেনে নিলেন। সংগ্রুম কংগ্রুম নেতার। তা মেনে নিলেন। সংগ্রুম কংগ্রুম নেতার। তা মেনে নিলেন। সংগ্রুম কংগ্রুম নেতার। একটা শহাম ভিলা সভার, প্রেছির করবা রাজ্ঞানন ও তা বিভক্ত হ'ব পাকিস্তান মেনে নিজ্ঞি, কিন্তু শিক্তাভিত্তর মনি না।

এর ফল হল কি । কল মারাছক: (১) ঐশ্বামিক রাজ প্রকিন্তানের রুক্ত হল। (২) সেই বাজে বহা ছিল্লা পোল ব্যোলন এবং (৩) ভারারের আনেক ম্মুস্কনিন বইজেন।

शाल रहरा कि हिनार सीलाउ किस দ্বিক ভিত্তি করে স্তত্তবর্ষ বিভয় হার্ডেল > একটিই সম্বাছিল লীগেরঃ ভারতবাহার মাসলমানক অংলাদা ভাতি: एर्डिन्ड क्रमा हाई काल र दार्च हार्छे। धार्डे केंद्र कर्म वान्ये অন সংক্র भारिक हार्यात कर्या 253 ভারতবয়ের দুই প্রারত ঐপলায়িক ব্যাপ্টর কুলা ব্যানে নিহর মহামান। নেডারা করে নিক্ষেম এনেশের যে মাসলমানর। বছরের পর ব্দুর্ ধ্রে প কিস্টানের জনা আক্সাকী করিছেন তার। ভার ত থেকে কেতে বাধা ছলেন কলেট পাকিস্চানের প্রতি ক্রিক हिमान श्रीकार शकत ना खीता ताखाना क ৰিজ তিত্ৰ ভূ'ল গিয়ে হিল্ল**্যুসলা**মান এক ল'ভ বলে মে'ন নেবেন এরং নেভাদের সেক্লাহিজায়ের বালীতে আন্বদত হার মনে কর্বন—ভারত হিণ্দু রাণ্ট নর ৷ মহামানট

किन्तिक दोर्जाकन्देर



२५६ पीका नारमक न् चर्चा त्व बार ३ जा न जा का कि बाउ क ० नारक व्यक्त क्षांत्रका रकारों तका दोलाकार्य

ফাসিত ১০ টাকা কলিতাত কিন্দ। প্রতি গ্রাহ ও পতার পাসান গাড় কিপ্লের।

Impex India (WD) Kailash Nugar PR 1045 Delbi 4 द्रमेखां वा वा वा वा कि कि कि कि कि পাকিছাৰে থেছে বেছে বাৰা ছলেন উত্তাৰ भाकिण्ड महक मिरकार रमन नरम दास सारत निर्देश मान्द्रदश्च १

বিজ্ঞাতিত এবং পাকিস্তানের সালি বে कड देश्यकारमध्य की विष कॉक्ट्स द्वरण ব্যেকে তা এখনও আমরা সকলে প্রেলিটির केश्वास्थ करास त्यातीक वाल बास एक मा। रूटे चित्रत क्रिया वा व्याचारमत जात क হত কৃতি অংধারিত বলেই আমি আশুকা क व ।

নেতারা খবে জোর গলার বলেন ভারত ধর'-মিরপেক রাণ্ট। কিল্ড বাল্ডব ঐতিহাসিক কারণে একজন থাটানের পক্তে এই জিনিস্টা মেনে নেওয় হত সহজ धक्कम भूजनभारतं शक्क तह्यांने ग्रहण করা কি ৩ত সহজ? জর সংবিধানে বা জাইনে সেকলারিজয় থাকলেই কি দেশে वयक्तितरभक्ता वदान दरह यह ?

ধর্ম, অভিত দোম নামক একজন ভরতীয় খান্টান বললেন ইংলান্ড বা कामितका रक काल ताकी। अधिकारण दिल्ला কি বজাবন ? কেউ মনে করবেন, ওই রাণ্ট্র मुर्जि थुन्तेस श्रमास तलारे एमाय छेलासित दरे कावर्रीय स्कोतन्त्रं यहार साहत्य कर প্রশংসা? অথবা ধর্ম, তিমি বলাশেন, প কিস্তান বড় ভাল রাষ্ট্র। কেট বলবেন, रक्षाकते। भारिकम्हारमञ्जू हुद्द ? विम्स दर्श कथाते। হাঁদ হ্যক্তিবর জাহেমদ নামক মৌলালির ক্ষেত্রত মাত্রত মাত্রত প্রতিষ্ঠ । আপেনার ই ভেবে দেখান, কে কি বলবেন। এমানভাবে আমি নবার্ণ গাঁত যদি

বলি কাৰমীয় লাডাই পাকিসভানে বাবরা টাছত ভাহলে কেউ আলার মধ্যে সাল্প্রণায়িকতা খ'ডে আবিন্তার করবেন বা ক্ষেষ্ট জামার ভারতীয়ত সম্পর্কে সংক্র প্ৰকাশ করবেন ? কিন্ত কমাটা বনি হাওডার ट्यानक संधिक छत्रकमारतक बाट्य मानि ? ट्यां ट्रम्थाना जावता जीवकारण कि नवार।

अध्या श्रंता कामक अक गांत मारहर वेसकेटम कार्नीयाध्यित मामराम निवस विस्ता स्मेटक ना लिगानाक क्युटनत । आस्त्री क्षशिकाश्माठे शत्त हत्त्व भाष्त्र भाषामा । म्हान জন দুচারটে চডচাপড়ও বসিরে দিতে পাৰেন। ধাৰ বেশি উগ্ন কেউ সমনে থাকলে একটা খুনও হয়ে বেতে পারে। কৈন্ত ও নিরে কলকাভার হিন্দ-খন্টানে দাশ্যা লাগতে পাৰে কি? কিন্ত হদি লাগিগাপৰা লাড়িওরালা কোনও ভদুলোক আলা আলা बनाए रनाए केन्क्रान्ट खरेतान काकरण कार्यन । शनासन कि राज भारत कार्य # V. T.

ভারত দেবুলার রাক্ট-কিন্ড ভারত সরকার হিত্যুদের সংখ্য কেম্ম কবছার ক্ষেন্ ম্সলমান্তন সংখ্য তেমল প্ৰেছাই कहाए नारहर कि? नहकार दिग्रा तकाष ंचित्र भाग कातरहरा स्मानं है है हरते. व वाकारिक विवाद आहेगड निविक। किन्छ स्टाप्रमाधि तमाछ तिम अध्यक्त दल मि त्यूम है ब्राफ्तकारास्त्र एकाक এक भिक विवाह हबाद्या हैगरी करहाड सर्वकात जीगात कार्यस्य मि दुक्त ? अत्र दुशकरम् अक्षि भागीमक्षाहरू काक करहा मा कि, मिक्क हारामाक माता যার, বিশ্বু পরের ছেলেকে শাস্থভ করা উচিত নর?

winder wittig amerikanten meng mei gene wienen fren Bule ত্ত্ত প্ৰতিটা কৰাছ ভাৰত কেবলাৰ WINTER PROIS STE-PIPE साम्ब्रे । ঐশ্বা বিক म् वि AL PROPERTY OF formation within want (form at जहकारहे कि रकामक दिग्न, महाजानकार करन चारक श्रीकिमीय मक्रीरम्म ? ना किए एक्ट शांतारका मा। कतना क्रम कारका ক্ষেত্ৰা মতা কৰেন ভাইলো ভাৰতের সাত रकारि जामनजान, संबंदि शास मारक ^रफन ca कि स्थापेशाचा मतम कप्रत्यम, खाडाउउ PREMIUS THE

কিল্ড এত চেণ্টা করেও সচকার ভারতের क्रम शक्त प्रामनपारमय भाग की घनी कारताल त्यारकाका एवं खोलास सहै काराज्य <u> इसकार भाषीस वा दिलाई मेटहे लग</u>र कांभकारतह न श्रीतक ?

প্রাকিল্ডানের প্রস্থা করি ইছা করেই क्यालाहरू करलाव सार कारण ५३ क गान्त्रेरीयक एकावना अस्टे जेन्साविक अन्ते --বিষয়^{কা}র প্রতিশাস বেমানে কার্কর। ক্যাফাৰৰ চৰ্বাভ মতন শ্ৰাভ প্ৰকিশ্ভাজ ल प्राप्तकपार प्रकाशको (प्राक्रम् इ.स. 7 30

বিদ্যুত ভারতে ভা নীয়া ভারতের কাল্টান रिक्रमा कार्रिको, इत्रांका, **रेक**गादा इक्के साहस्या सा এ দেখের একজন বিক্ষার সমান ক্ষাধনসভার মালবিক ডিনি মন। হিন্দুরা জাডিলভভাবে স্থান্ত্রস্থিক হাক জনাগে ধ্যম্ভ মণ্ডিক সংশ্ৰে ভাবের হানাস্থানি হত। কিংলু তা 5'E 3'

তেই উপসংগ্ৰেম্ম হিন্দ্ৰাস্থ্যালের দ্ভাগে। বিদেশী শত্ত এবং স্বদেশী নেভারা এমন একটা পরিবেশ সাণিট করে রেখেছেন এমন বিষ ছাজেছে রাখ্য কাছে ষে লাই ধ্যমার খান্যবের পাক্ষ এই উপমহা-দেশে সম্পর্ণ স্থাস্থাকর পরিবেশ স্থিট হওর কঠিন। বিদেশে করে, ধ্যমের ভিডিক্তে পড়া রাণ্টটি যত্রিন সেই ধমীয়ে ভিত আটাট রাখাছে।

शाम एकएक निरम कारणा हमस्य मा। करे উপমহাদেশে যাতে সকলে সকলকে মাসভ মান্ত হিসাবে দেখতে এবং ব্রুতে শেখে দেজন। সকলকে সভেষ্ট হতে হবে। ছদি আন্সরা ভা না,করতে পারি, বসি হিল্ফু ও মাসলমানের আলাদা বিচারে মানাক্তর দেখতে থাকি ভাহতে আমাদের হানাছানি रक्षे एकान छीनम नम्ध कतरह भारत्य मा। উভয় সম্প্রদায়ের স্থাতি এবং দার্শলা আরও

নবার্শ গ্রুত

প্রকাশিত হল •

ব্ৰুধদেৰ বসূৰ শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা

পৰিব্যিত পৰিমালিত সংক্ৰণ

বুম্পানৰ বস্ত্ৰ জীবনবঢ়পী কাৰ্যসাধনাৰ সূত্ৰৰাছিত **অং**শ। প্ৰাৰ্ভী প্ৰা**ন্** কবিতা' সংস্করণের বিশিষ্ট কবিতাসমূহ এবং তংপুরে প্রকাশিত সমাদ্র উৎকৃত কবিতার সাবাহৎ সংকলন। প্রকাশন-সৌক্ষে জনন্য। মালাবান আট কাগভে প্রেণিন্দু প্রী-চিরিত স্বর্ণাধ্বত-প্রতি প্রজ্ঞা: উপহারে জনবদা, অভুসনীয়া

সভাষ মুখোপাধ্যায়ের

विभिष्ठे का बा श न्थ

काल यश्यात्र

(প্রকাশন-পর্বরপ্রটে) রাষ্ট্রপতির প্রথম প্ররুকারে সম্মানিত) ষিতীয় মানুৰ । ৩.৫০

ভাৰ বি ॥ ১৩ ।১ বহিক্ষ চাট্ভেচ স্ট্রিট, কলকাতা ১২

ক্ষমদাশকর বার ক্যোতিরিক্স নন্দরী নরেন্দ্রনাথ বিত্র নারার্থ সঙ্গোলাধার প্রতিভা বস্তু প্রমধনাথ বিশাই বন্ধুল বিমল কর রমাপদ চৌধ্যুট শিবরাম চকুবতা শীবেন্দ্র মুখোপাধার প্রভাত।

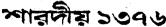
● अवस स्वभावतम जिब्हान

কাবেরী বস্মূণাস সেন শলিত ভঞ্জ স্বিতারত দক্ত সৈয়দ মুক্তবা অলো।

• क विका जिले कि ने

আজিত দক্ত আমির চক্রবর্তী অনুগ্রুমার সরকার কামাক্রীপ্রসাদ চটোপাধার জস্মীমুদ্দীন দিয়েন দাস নীরেন্দ্রনাথ চরবর্তী বিষ্ণু দে দক্তি চটোপাধার দারংকুমার মুখোগাধার স্থানীল গ্লোপাধার স্থান মুখোপাধার স্থানীল বার হরপ্রসাদ মিত প্রস্তৃতি।







1 2 × 200 × 1

■ বাধিলেয়ে হড়কা

वाका वमस : विश्वस शिव

वातिक पृत । भरकत

কাল্ডুর জিনিজ্যের জানের সময় আছে ছেবেছ বৈজি হাই না; ভার জানে। যেতে বাম প্রায়ে জানের প্রবিদ্যা সৈতার হাই বেলিয়ের সংগ্রেছন সাহে সাভি নির্মান্তন সাংবির সংবিধা সেই জানের সার বাছ জানেছে। আন্যানের কেল এক মতুন ইন্লোড় উল্লোচ্চ সার বাছ জানিছে। কান্যানির জানান্তির দিলাছে লোখাবার বাছে সন্যানির ব্রুল্ জান এক বছেন হার ইতিবৃত্তি আই অস্ক্রমান বিভিন্ন।

নিশার ফেরি ঃ বরেন গসোপাধায়

त्वीम्बार्यत् अयम शिका ८५०।

৯৯২০ সালে গ্রেক্টের অন্যর্থে রবীন্দ্রন্থ গ্রেক্টের স্বাহত স্কেল্ডের প্রথম হিন্দীতি ভ্রম্ম দির্ঘেছিলেন সৈতি স্প্রাক্ষ্য ভ্রমণ্ড ত প্রস্তৃত্ব রবীন্দ্রন্থকৈ ক্রমণ গ্রেবীজ্ঞীর এপ্রক্রিত ক্রন্ত্রনীর স্ক্রেন্ডান

मक्कि ? भगांकि र वाश

নালক টু ফোনা, ছাড়ান্ত ধানান্ত হুটোনি নিজিত এক একটি কাৰণ। ছাড়ান কট ছাড়িটা তথা শৰু কৈও বংল পোৱন কলত থাবে শৰুন-ছাবা। শুলাক্ষা সভাজিং কালেন এক আভিন্ত স্থান্ত—হা প্ৰক্ৰমবালা প্ৰভাজ উন্ভালনত সংগ্ৰাহ কলাব।

প্রমিল্ল ঃ ব্রুদেব বস

বংশা মাউৰেৱ পাইব কেই নিমিবিলিয়া এই আক্রেপের মাজ কর্ম ব্যাহা এই মে বালাস নাটবা কোন ভাষাত বিশ্ব নাটকারিত গড়ে ভাষানা বাছদের বস্তুত আবা সর্বাহ্যমে, এবা বলা চালা তবি একক চোনিয়ে নাজসাহিতের পাটব বাল ভূমেকেন—নাটকার উন্ধানি স্বাব্দান নাটকারিতে তাবি এই স্থায়া নাটকাট কে ক্যা নতুন গরে অব্বাদ্যান ব্যাহা

सानुष ३ प्रसात्म वम

ক নিবাছে যে বিষয়সন্থ নিয়ে বিভাগত শেষ নেই, জাইতিছ ছিল না, জাইফাডেল কৈ নামন ভাল নেবসন হাব বিনা, জাইনো সে কথাও বহু যাই না, এমনি এনা বেডালোড বিষয় নিয়ে এই বচনা। উনিম্ যো বাংলোও এক অনকলাও বাংচ, ওকচি উপত্ত বিজয়ভাৱেল যোগ এই কাইনোও মত্তা, মন্ত্ৰতে ভাগালাল ক্ষেত্ৰ সমস্ভ বচনাচিব মানে আৰু যাই বিবৃত্ত হোল, মানাভত আনকল

0 त्रवीक्रवारयत जञ्जका(मह अञ्चादन 0

রঙিন আটে প্রেট : মহিষ্মণিনীর প্রাচীন চিধ । র্বীন্দুনাথ ঠাকুর । প্রবাদ ক্যাকার

মহালয়ার আগেই প্রকাশিত হবে



পাম ৪-০০ ম ব্রেজিপিট্ট ভাকে ৫-০০

কাতে অনুষ্ঠিত কবি ঐনক নিক
সংখকনে ধন্দিকশেক ভারতের
বোগদান নিরে নানা মহলে যে সমালোচনার
বড় উঠেছে, ভা যে অবলতর এবং এ নিরে
বেলী কচলালো আন্যাদের ভাগাবিবালী
প্রধানি যে মালন হয়ে উঠতে পারে এ
পেড়া দেশে এ কথা বিবেচন করার মত
লো কর এত অভাব বটেছে সেইটাই আন্চর ।
বলি হরেছেটা কি? ভারতকে নেম্প্রের না
করা সত্তেও সে রাবাতে গিরেছে? ভাকে
সন্মেলন থেকে পাক চক্রে ব দ দেওয়ার ভার
অপমান হরেছে? এ কি একটা হইচই
বাধাবার বিরব তরা।

ভারতকে নেমুক্তর জানান হর্মি ও কথা ঠিক নহ। পর ব্যারা নিম্নত্র জানান হর্নি। নিয়ক্ত্র म्बर दा অংশনক্ষনক खाइ एक करन करतरह? এ तिश्रहाण आधारमत रमरण तारे। स्मरे कात्र. गरे নেমণ্ডানর ছাপা চিঠির নীচে পন্টো পন্টো কার জিলে দিতে হত "প্র ব্যারা নিম্পূর্ণ কবিলাম, চুটি মাজ'নীয়।" কাজেই রাবাত रथाक हिठित बातकर वताल जार्जिन। क्षेत्रमाधिक मृत्यामात्मव क्याक्टांगण छाउडीव जानवक समा मन्भाक करा थवत द्वारधन क्राहे। এবং তাঁদের শ্রুষা যে কত গভীর জেনে কোথার অমরা আইটাদ করব (P.T নয় :5 5 হয় গাঁ মাথায় তলছি। কেউ কেউ এমন ফ কিডাও তলে ছন যে, ভারত যেচে নেমন্ত্র নিরেছে। আরে এ কি একটা কথা হল। ভরত আনে বৈচে নেমাতর নের্ম। एक बाबा এहे कथाने क्वानिएक किर्युष्ट हुव. কেখাও নৈমন্ত্রা পে জ তার যেতে আপত্তি নেটা ভারতের রাশ্বনতের মথে এই मध्यान्ते भवात माध्य माध्य केमनादिक সন্মেলনের কর্মকভারা ভাকে "আসভাজে হোক. আগ্তান্তে হোক" বলে ডেকে নিয়েছেন।

কেউ কেউ এমনও বলেছেন, সম্মেলন থেকে পাকিস্তানের প্রেসিডেন্ট ইরাহিরা খাঁ চ্কান্ত করে ভারতকে বাদ দেওরার ভারতের অপমান হরেছে। এর উত্তরে বলতে হর ভারতকে কেউ বাদ দের্হান, ভারত আমাল্যণ-কারীদের মান ব'চাতে নিজেট ৰ্যোৱয়ে এসেছে। এবং অতিথিয় এই প্রকার বিবেচনা-পূর্ণ আচরুৰে আমল্ডণকারীরা অভিশয় লাভ कटबर्स्टर । अटल তার ক্রানাক্র ভাবমুভি অর্থ দেশের মরীচিকার মত সকলের চোখ ধাঁধিয়ে দিরেছে। অর পাকিস্তানের কথার ও কাজে কবে ভারত অপমানিত বোধ করেছে!

ঐসলানিক সন্মেলনে ধর্মনিরপেক ভারতের বাওয়ারই বা দরকার কী ছিল?



এইরকম আজেবাজে প্রশেশ অনেকে তুলেছেন। বেখানে ধর্ম নৈই দেখানে বেমন ধর্ম সংক্ষাপনের জন্য ভগবান বংগে বংগে অবভারর্গে আবিভূতি হন, ভারতও ভেমনি বেখানে ধর্মনিরপেকতা নেই. সেখানেই ধর্মনিরপেকতার বাণী বহন করে নিরে গিরেছিল। এই মিশনারি দিপরিট ভারত অশোকের আমল থেকে দেখিরে আসতে। ভারতের ধর্মনিরপেকভার মর্মটা লেকেক বেঝাতে হবে তো, না কি!

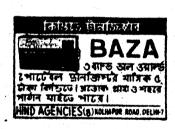
দ্রগণিকোর ভাসানের জনা বলি চার
দিন ট্রাফিক জাম করতে হর তো মহরমের
জন্যও চার দিন । পরেশনাথের মিছিলের জনা
চার দিন । এছ ড়া তেরিলা কোটি অবভার ।
ও মহাত্মাগাগের অবিভাগ তৈরে ভাব,
গ্রেদিথ বিস্কান এবং আরও আলার প্রবার
ধ্যাগ্রি আন্তিন উপলক্ষে রাইভাগানির
বানবাহন বিপর্যাত কর র জনা দিন বরান্দ
কর ই বর্তমান ভারতের ধ্যানিরপেকার।।
এই মহিমা প্রচার আমানের অবশ্যকরণীয়।

বিৰেকেৰ মাৰ

প্র সিটকলে বিবেক বস্তুটি বে অভিশয় গ্রেপ্তে এবং দলেও **(8) 4(4** যথেক ব্যবহারের সংবাগ নিলে হক্তম করা শন্ত হবে, এমন একটা আশংকা গোডাতেই করা গিয়েছিল। কিল্ড সেই বিষয় কের ফল যে এমনভাবে ফলবে এবং এত শীল্প তা বোধ হয় পলিটিক্যাল বিবেকের অধিষ্ঠান্তী আমাদের প্রধানমন্ত্রী ঠিক্ষত পরিমাপ করতে পারেননি। এই বিবেক পথিকের ইমফল সফরের সংখ্য সংখ্য মণিপারে, ভার সালিখে অসার জনোই कि मा एक खाटन, नवक्रम करश्चित्री अब अन बान विदयक रंडीर हाशास्त्र स्टाइ खंडे, बावर রাত্মপতি নিবাচনে প্রধানমন্ত্রীর সূত্র্ট নজির অনুসরণ করে ত'রা দলীর শৃংখলাকে ব্রমাণ্যুষ্ঠ প্রদর্শন করেন। অভঃপ মণিপারে রাজনীতির আসরে বিবেকের প্রবেশ ও কংগ্রেসী মন্দ্রিসভার পভন ও মার্ভা। এই সংবাদটি পাবার পর প্রধান-মল্লীর মনের ভাব কেমন হরেছিল, ভিনি "ফল ফলাবার অংশা আমি মনেই রাখিনি ত্বেশ, এই গানটি শেষা উঠেছিলেন কিনা,
কথবা এই নয়কন বিবেক-নীয়কে "ভারতের
বিবেক" জাতীর কোনও প্রকান রাম্মীরন্রক্ষাতর ভূবিত করায় কনা কোনও প্রকান
বিবেচনা করছেন কিনা, সংবাদে ভা জানা
ব কে না। পি টি আই সংকাছন, ভাতে
জানা বাজে, প্রধানমালা কলেছেন, মনিশানের
কংগোলনেবীলের মধ্যে দীব্দিনের বিবাদের
কংগোলনেবীলের মধ্যে দীব্দিনের বিবাদের
কারট কৈরেন সিং মন্তিলভার পাতন
বটেছে। (কি গভার দ্রেন্দিভা!) পান্ন
তাই নর, প্রধানমালা এও বলেছেন,
তা বিরোধের মীয়াংলা আগেই হওৱা উচিত
ভিলা। এবং কি আগ্চম সমাধান!)।

क्षीमाक देशकरणात चनात राम्या गारक. शास्त्र करतान वित्यक्यामी अहे 2002 कराजनी अब अन अन्त नवनाठे नन स्थान ক্রতি কার कार्यक्रम । शरमण क्यात्रस অ-কংগ্ৰসকনোচিত এইর:প বিবেকবাদী কংগ্ৰেস মহলের কোমল এবং যে স্বিশেষ আঘাত क्रामां का लंब है निरंह লাগুৰে, সে বিষয়ে আৰু সংস্থে ওরাকিং কমিটির ঐতিহাসিক শাণিত भञ्जात के कि धत स्वाता खरमानना करा इस भा २ कराक्षण मन्ध्री छ वन्मन ज्यामत-शतम যাতাৰ পালা বচিত হয়েছে, ভার ধরনটা এইরকম : একজন সদস্য দলীয় লাভখনার প্রতি কদলীমানা প্রদর্শন করবেন। ভারপর দুই দুলে হালাম্থালা বাধাবেন। ভারপর উচ্চ মহল্ল থেকে শানিত প্রস্তান পেল করা ছবে। উভন্ন পক্ষই ডা মেনে নেবেন। কেউ কংগ্রেস ছাড্রেন না। তারপর ব্যক্তিগত স্তরে কটাকাটবং শারে হার । তারপর প্রধানসম্পূরী জনসংযোগ সফরে বের হবেন। ভাকে স্বাগত জানবার স্কন। একটা আড-হক অভার্থনা সমিতি তৈরি হবে। ভাতে প্রথমে প্রদেশ কংগ্রেসের কোনও সরকারী প্রতিনিধি ভাতরে না। এই নিয়ে খেটি হবে। ভারপর আবার প্রস্তাব, তারপর.....রেকারিং ভেসিমেল পশ্বতিতে কংগ্রেসের বিরহ-মিলন পালা চলতে থাকবে। এই তো প্রখা।

কিন্তু মণিপ্রের এ কী! এইর্প প্রথা-বিরুদ্ধ কাজ কি করা উচিত! ছিঃ!



শারদীয়া আনন্দবাজার পাত্রকা ১৩৭৬

মহালরার পাবেই প্রকাশিত হবে

বিশেষ আক্ষণ

বনফুল

উপন্যাসের নাম 'রোরব'। 'ভান্তার বললেন, ওটা কৃষ্ঠ। বাস', আলারই ব্যাড়িতে সকলেই আমাকে অপ্পা্শ্য করে দিল।' একটি প্রতীকী কাহিনীর মধ্যে আধুনিক কালকে প্রকাশ করেছেন লেখক।

সংবোধ ঘোষ

উপন্যাসের নাম 'বাসরদন্তা'। 'আজ বেটা বৃত্তি কাল সেটা বৃত্তি নর। আধার **আপনার নাতির কাছে বেটা** বৃত্তি সেটা আপনার কাছে বৃত্তি নয়।'

বিমল কর

উপন্যাসের নাম মৃত ও জীবিত'। 'ভা হ'লে আমি কারও জুপ্লিকেট হতে রাজি নই। আই হেট ইট।' 'আমাৰ প্ৰামীকে তোমার সহা হছে না।'

भूगील शत्काशाशाश

উপন্যাসের নাম বিশাখা। ইউনিভাসিটিতে পড়ার সময় বিশাখাকে দেখে দীঘাশ্বাস ফেলোন এমন ছেলে। একটিও ছিল্লানা বিশাখাকে সংগ্যানিয়ে রাস্তার বের্নই ছিল মুক্তিল।'

ছতি ন•দী

উপন্যাসের নাম 'দ্বেশের বা স্থের জন্ম'। 'বংশের বাইরের কাউকে, বিশেষতঃ একজন স্থাীলোককে একটা ব্যাড় দেওয়ার মধ্যে কোনই ধ্রিড মেই, ভাই ব্যাপারটা খটকা লাগে।'

বাদল সরকার

'এবং ইন্দ্রজিং'-খ্যাত নাট্যকার বাদল সরকারের লেখা বছবাধ্যা, সন্দের প্রাক্ত নাটক 'সারারাত্তির'।

الحماك

আখাপ্রণ দেবী, যাযাবর, মনোজ বস্তু, প্রমথনাথ বিশী, নারারণ গঞ্চোপাধ্যার, নরেন্দুনাথ যিচ, সমাপদ চৌধ্রণী, ইন্দুমিত, বৃষ্ধদেব গৃহে, শীর্ষেলয় মুখোপাধ্যার, বরেন গ্রেগ্যপাধ্যার, দিবেন্দ্র পালিও, সমীর রক্ষিত, হিমানীশ গোল্যামী প্রভৃতি ।

প্রবন্ধ : অমদাশংকর রার, শিবরাম চক্রবতী, শ্রীপান্থ প্রভৃতি !

ক বি তা রিমার চনা চল ভিচর আন ল মেলা

সাড়ে চার টাকা

হায়েশা বিপ্রৱ

দিশ আমেরিকায় বিশ্বর হামেশা লেগেই আছে। আর বলিভিয়া বেধ হয় এ ব্যাপারে সকলকে টেক্সা দিতে পারে। रमणां। म्याधीत इन्यन्ड ५८८ तस्ता किल्ल এরই মধ্যে সেখানে বিশ্বর হয়েছে ১৮১টা। कारकार विश्वाय घरते हा भागता सम्भागकात লোকেরাও অভিকে ভঠে না ভিন লেখের লোকেরাত তেমন চমকায় না। তার কারণ হতের দক্ষিণ আহেরিকার দেশগর্ভারতে বিশ্বব্যালির সংখ্য ফরাসী বিশ্ববেরও ভুলনা চলে না রাশ বিক্লাবের ৯ **চীনের বিশ্বাবের সংখ্য এদের কোনও মিল** নেই, এমন কীমিল নেই ও-আপলের যে বিশ্বাৰ নতন ইতিহাস তৈরি কাৰেছে সেই কাম্প্রোর কিউবঃ বিশ্লবেরও : অন্যানেশে যা হয়ে থাকে, নিৰ্বাচন করে ল্যাটিন আমে-হয় বিশাব বিকার দেশে দেশে ভাই ঘটিয়ে। নির্বাচনে হয় সরকার বদুর। এক রাজাপতি যান, আর একজন আসেন। প্রধানমূর্যী হেবে পুদি ছেডে দেন, আর একজন ছিতে সে গদি দখল করেন। ভবে তফাতের মধো এই নিব'চন হয় শাদিততে. সতকার বদল হয় নিবিছে।। জোর জবর-দ্দিত্র কথা সেখানে এঠে না। আর্দ্দিণ আমেরিকার বৈশ্লবিক সরকার বদল স্বটাই গাছের জেনের ব্যাপার।

माधित जाद्यशिकाय "विश्वव विश्वव" ध्यमात स्थमारक शक्तम रक्षीमी अधारमतः। স্থলদেনা, নৌবাহিনী কিংবা বিমান বছটের যাঁরা অধাক্ষ তারিটে হচ্ছেন বিশ্বাব নাটক-কের নায়ক জিভ হয় প্রায় তাদেবই। আর থকানায়ক হাচ্ছেন গণতশ্বী নেতারা। এ'সের শারেস্তা করে ক্ষাতা কেডে নেওয়ার জনাই विश्वादवत केछि। एम विश्वादव श्रम छन्त किस्ता সমাজতথেত্র জয় হয় না, হয় ফৌজীতকের। কংনত একা, কংলত বা আর দ্ভিনজনের সংখ্যা হ'ত হিলিয়ে গুলি দখল করেন ভৌজনী প্রধান। তারপার তার দৈবরাসারী শাসন চাল যত্তিন না তার কোন্ত জংগাী প্রতিশ্বশ্বী সেনাবাহিনী কিংবা পর্লেশ্যক হাত করে তাকৈ গলা ধারা দিয়ে গদি খেকে নামিয়ে সেটা দখল। করে বলে। দক্ষিণ আমেরিকার দেশে বেশে ভাট ক্ষয়তার চাবিকাঠি মিলিটারি আর প্রিল্মের হাতে। ক্ষমতার লডাইয়ের ফরশালা সেখানে হয় वालार्षे नरः वास्तरमे। एरव वास्त्रके शतकार তেমন বেশা সাধারণত হয় না। দুচারটে ছাল্ডালই প্রায় কেরা ফতে হর। রঙ্গাতও कर्नाहर तमा इत। स्वहाई त्राम शहा-দলের সাঞ্চানো লডাই। অধিকারীর বাঁশী বাজ্যলই একজন আসর ছাড়ে, আর একজন । स्टाह कर हार

লংগাঁ হাক্ষত এখন বলিগ জনেগরিকরে অংওত চর্চি রাজে। তার সংগ্রামাগ



দেবরাজ

হরেছে ২৬ সেপ্টেম্বর বলিভিয়া। ভার ভাইনে পেয়া, বাঁয়ে রেজিল অন্ত প্ররাগনে, মাধার ওপরে শ্রেঞ্চল আর তলায় जारअर्निनेना। ७३ धासरे स्टब्ल क्रिकार ফৌক্ষী দাসন। বলিভিয়া এবার ঝাকৈর কই কাকে মিলজো। সেখানকার সংবিধনসম্মত ব্ৰুপতি লাইস আডোলকো সাইৰসে সিলাসকে হটিরে দিয়ে একনারক হরে मीजित्सरक्रम रक्षमार्तक व्यावस्थापा कर्गिन्धमा একদিন পার ভার অভিবেক্ত হয়ে গিরেছে। বলিভিয়াতে কাষেম হরেছে মিলিটারি শাসন। ভাবে ফৌজরি স্বকার বলি^{ভি}য়াতে কিছা মাজন নতা, কেনাবেল আলফেডো ভভাৰেতা ক**ি**ত্যারত দেশের কণেডারী হুওয়াতে কিছা নতুন্দ নেই। শেষ স্কেরিক অভাষান সেখনে ঘটোঁছল পাঁচ বছর মধ্যে। রাজুপতি ভিত্তর পাজ এসটেনসংসারা ওপন পালিয়ে বাঁডেন। ফৌজী নেভাদের ভবক ব্যাকে যাগ্রন র দ্বীপতি হলেন ক্রেনারেপ द्वद्वन दर्शनुद्वान्तेम व्यवनेद्वा कात दक्षमाद्वन कामरकारा वसराका कार्रिका। श्री कर्म भारत छड़े छड़ा: का छित्र शिक्त অসেচেন বলৈভিয়ন রাণ্ট্রপতি ভবনে একা। কাদিনে ভিনি গ্রিভে থাকাবন ভা বলং শক্ত। তবে ভার দেশের যা ইতিহাস তবেত খাৰ বেশাৰী বিদ্য ভিনিন যে টিকিটে পার্যবন্ধ লে ভরসাক্ষা অটেতিশ বছরে ব'লভিয়া প্রসিডেন্ট পালাটছে এই নিয়ে বিশ বার। গাড়ে দ্যা বছারর কিছা কম গালতে ছিলোন এক একজন। এর মধ্যে দিন কন্তক ছিলেন দান্তৰ ক্ষমত ভাগাভাগি কৰে এক সংগা যাশ্ম রক্ট্রতি হিলেবে। একজন 💩 গোনাবেৰ অধিকারী হারছেন সাবার ভাৰে দেষ বার ভার কচে থেকে গঠি কেন্ডে <mark>নিরে</mark>-ছিলেন ফৌজী প্রধানের।। অস্থিভাবে গদি ছিনিয়ে নেওয়া হয়েছে। আরভ পাঁচ জন প্রেলিওডেন্টের কাছ থেকে। ভারিবর একজনকে উপাত্ত জনতা মেরে মেলো। এ ছন্ডা একলন করেছেন আত্মহত্যা একজন দিয়েছেন কাজে ইস্ভকা। বিমান স্থাটনাতেও প্রাণ হারিরেছন একজন। দু'জন আবার ছৈলেন অস্থায়ী প্রেমি:ডণ্ট। কাজেই দেখা যাতে কটিব মাক্ট য[ি]দ কোনও নামীপতির খাকে তো তিনি হচ্ছেন বলিভিয়ার প্রেলিডেন্ট। এমন অভিশপত পদি বোধ হয়। দুনিয়াতে দুটি নেই। তথ্য আশ্চর, এই গণির লোডে মারামারি হালভালির আব শেষ নেই।

তিন বছর আগে মনে হয়েছিল বলিচিয়ার

हेबाज बाबि कियाना, मनजन्त दावि दम दमरम रणात क्यांक विद्यारे कटना। ३३५८ महन যে বিশাবের ফলে রাষ্ট্রপতি এসটেন সমারে ক্ষিচাত হল ভার নাটের গ্রে ছিলেন रक्षमाद्वम वर्गावदान्तेम वर्गिदना अन्त रक्षताताम क्रमान्डा कर्नाचमा । ১৯৬**६ म**ान সাম্ব্রিক শু সনেত্র অবসান ছটিয়ে নির্বাচন করা হরেছিল বলিভিয়াতে। তাতে কেতে তারিকেওীসের বলিভিহান Parentes करो। ১৯৪৭ मानव गाउँ ता রাধ্তান্তিক সংবিধান আবার চালা হলো জেন বেল বালিয়েটেস হলেন নিবলিচত বাৰ্থপতি। গোটা বেশে তাঁর প্রতিপত্তি ছিল খার। সেনাখাহিনীও ভার বলে ছিল, বেলের লোকের।ও তাঁকে ভালবসেটে। ক্রেনারাল এভালেরা জালিড্রা ছিলি ভার সংগা ছিলেন হাত্য ভারতপতি তিনি যিনের গোলেন যোগিতী জিহিত্র জুট্রি উপওয়া **হাল্য প্র**থান সেনা-প্_{তির} প্ত: ক্ষয়তার ক্ষেড় তবি গৈণড় ষ্টেনি: ভাবে ভাঁকে চুপচাপ থাকাতে ইটাইছিল ক্রেনিডেণ্ট বং বিয়েণ্ট্রের ব্যক্তির ওপন প্রভাব সেকেঃ কিন্তু ভাগা তবি ভাগা বিষয়ে স্ভাটিন্ত মারা গেকেন রাণীপতি कार्नुक्राप्ट्रकेन अधिक प्राप्ट्रक एक निर्देश

मर्गदक्षण करण्याकी दल्पेण⁶७८ शीव স্থান ক্রেক্সন উল্লেখ্য স্ট্রাস্ সংগ্ৰিক্ষাসভা (এলি ক্ষাকে^ক কেন্তু লগ একেজন ිතත්තක කාල්වක^{ම්}ත්ර උපත්වරණ මෙන්වන්රීම ්ම්මා භාවිතාවල අතුමට ලබ් අතුවුළට වරී লিয়েছিল ভিনিও নিনিবেতে তেল ১০৮ स्थान कारायाः विकास विशासक है। का साम वक्काः मार्काता राज्यं एक रिकाटः बाल्यस মারিকনি ব্দেশ। সি আই এর চরাদেরই নালি এব বে বলিভিয়াতে সম্বিক্তিশলত গলীভে গ এ গ্রেক্স সহি। ভি মিধে। ৮০ স্ঠিক জন্প উপজে নেই। তাৰে বলিভিয়াকে আমেরিক ব वर्**छ छत्र। काराम्बेट सङ्ग्रह^{ार} १५ १५३**५,५८८ **মাটি ভিতা বলি**ভিজ্যের জনকলেই। বল্ডিল বাহিনী টৈরি করে কিউবর প্রভে ক্ষণাণ বিকার ঘটবার সংকলপ ডা্র ডিজা ৷ ডিলার য়েস সাধ ভারি অপার্গ প্রতিলা। ১০ চাল্লা ১৯৬৭ সালে তিনি পাণ চালতালন বলিকভিয়াতে । ভূবি দল ভরভ্তা লাগের दवीक्त ब्रेडे ब्लाम शहरेदछ। डेस्स्ट पुल्लाकरावा । 🔍 🖘 সোপ্টেম্বর এক ছোম্ব হ স্বাইকে চয়ান্দ িল্ল তিনি যেবিধা করেছেন নতন করে গেরিলা লড়াই শারা করার অভিপ্রায়। ভার সার্গাভ ज्ञासन् इंग्रीन दक्षी किन्छ छात्तरकत सहसा ভাতেই বেচাল হয়ে আচেরিকা গোপনে नि**रहार्ड** . क्र**ा**ग्रहेका 95 F*36 কাণ্ডিরাকে। বলিভিয়নত কারিকা কড়াই রুখতে গেলে ভার মত লেলেই চাই---আমেরিকার এই বিশ্বাস। रक्षेत्राका एव জনেটে নাকি সে প্রত্তের প্রন ঘটিয়েছে যালাভিয়ন্ত।

'শবংচন্দের কথায়'

বংচন্দের ভাবনাই মনে আসছিল।
তার চাইতে শক্তিমান ঔপন্যাসিক
বাংলা সাহিছে। আসেন নি এবং আসবেন
না, কেউই একথা কোনোদিন বলসেন না।
কিন্তু সমস্ত ভারতের হৃদরের মধ্যে এমন
করে আর কোন্ বাঙালী লেখক ছড়িয়ে
গেছেন বংকমচন্দ্র ছাড়া! একালেব আনক
বাঙালী লেখকই হারতব্যের নানা ভাবার



কি ন্য়েও চৰিত্তীন ৷ সরকাৰী প্রসায় ৬সৰ নোৰোমী ছাপতে পারৰ না

আন্নিত হারেছেন জনপ্রিতা পেলাছন, অব্যাহারেও ভারের সকল্যে বিম্থ কার্মন কিন্তু শ্বহালয় স্বাহান্তর ভিনি কক এবং অধিবাদীয়।

্যাপের অনুস্কৃতি ক্ষেত্রণ পর কিন্তুরি সেই যিয়াত তিকট প্রিয়া সাংভাষিক इन्स्फार्याच्या ३५७४ हमार्थ्येम्बाह्य कर्यास्त्री র চেত্র এল । তেওঁ পরিকান্যান্ত বিয়োষ্ণীক এক বিজ্ঞানী সময়েল্ডেন্ড ছাপ্ত হয় বাংকলচন্দ্ৰক প্ৰায় ফ্ৰান্সৰ কাঠগভাই উঠাও হয়েছিল দিল্লী আভামিনিস্টুশনের इयाज्यम् शराज्यसम्बद्धः कन्नारम् । श्रीवर् ছাপায় অভি মনোবম এই পরিকটি যোধ হয় হিন্দীর সবচেনে জনপ্রিয় সাংহাহিক। এই কাল্ডান্ট হনবিধী শীঘাৰ বিষয় প্ৰভাকৰ লিখাছন : শরতকে রহস্মেয় জীবনকা জন্মনংগ পরিচয়। কী নিষ্ঠা এবং প্রিশ্রম নিয়েই শ্রী প্রভাকর শ্রংচন্দ্রের বাছিজীবনের ব্রুস্থ সুন্ধান টেটেছেন, প্রয়াণ কটাতে চেয়েছেন গুলাপ চবিত্রবীন' শবংচনদু সম্পাকতি জাপবাদ-পালো কভ অসভা, কড় জড়িবলিভ। শ্বংচন্ত্র সংখ্য যাদের অভ্রেখ্য পরিচয়



ছিল, দেশের দেইসর জারিত এবং মাত মান্রগা্লির ঝাছ থেকে সাক্ষী-প্রমাণ সংগ্রহ করেছেন তিনি। তবি মাধা রক্তেছেন উপেন্দ্রাথ গাংগাগাধারে, অসমজ্ঞ মা্থোপাধারে, শচনিন্দন চট্টোপাধারে, অবিনাশ ঘোষাল, উমাপ্রসাদ মা্থোপাধারে, মহাবীরপ্রসাদ পোলার, বি রক্ষিত রাম এবং আরো অনেকে।

কিন্তু প্রবংধটির কথা থাক। প্রদান হল, এডিদন পরেও হিন্দী সাহিত্যে শরংচন্দ্র সম্পর্কো কেন এত জিল্পাসা, এত কোত্যুহল? উত্তর একটিই। শরংচন্দ্র বাডালীর একলাব নন-ভিনি সারা ভারতবর্ষের প্রাথের মানুষ। ভাই একানত প্রিয়ভাবের অপ্রথা-কালনের জনা আছেও শ্রীবিলা প্রভাবতাক কল্য ধবতে হাসেত্র।

ভাগত—এই বাংলা দেশেই শ্বংচ্চেন্ন বই নিয়ে একটা বিভিন্ন ভাবদা চলাছে। এক সময় গ্রেন্স চটোপাধায়ই ভিক্নে হবি প্রধান প্রবাশক, ভার আঘাদের মাত্র ২ংগবিত্তব ঘর ভার গাখাত বস্যুত্তীর রপ্যাবলী। এখন সে গ্রেন্সাক্ষের প্রস্কাপ্টি থেকা বাহিন্ত শ্বংচ্ছে বিশ্বময় প্রিব্যুগ্ত —আভ এই প্রকাশ্যের ঘরে—কাল এর



ভার ভিল পথের দংবী, জামরঃ সৈতুর দংবা মিটিয়েছি, সেডুও তো একরকম পথ

আসতানার। বইগ্লোর দাম বেড়েছে, ভাপার অষয়—একখণ্ড ন্বিতীর পর্বা শ্রীকাস্তা কিনে মাঝখানে তিন ফর্মা ভৃতীর পর্বা উপহার পাওরা গোল—অবসাই ন্বিতীর পরের তিন ফর্মার বিনিনরে। আর শরংচন্দের রচনা সংগ্রহ বলে বে বস্তুটি প্রকাশিত হরেছিল। বা ইর—ঠিক জানি না), তাতে বৈষ্ঠিক বৃদ্ধি ছাড়া আর কোনো বোধ আছে বলেই আমার মান হয় নি।

শবং-সালিভার যে সান্তা, শোহন এবং সভক মানুল প্রচায়িত হওয়া কড লরকার,



নেবলাল ? সেই সাতালের গণেশা ? না, ব.পত্ত সেপ্টেনারীতে সাতালের কান্ড ছাপতে পারব না

৪ ব্যাপারে একটা দুটোরত দিই। একলা ধরণ্ডারের বিষদার ছেলো বইটি বেশ্বরর পর্কল-ফাইনালের পাটা নির্বাচিত হরেছিল। বারা নির্বাচন করেছিলেন তাঁরা রেশ্বরেশ জানারেন না বে বইটির ছেতারে 'পথনিদোলা' রচনাটিও ছিল, সাহুবাং ওটিও পাটা হরে গেলা হা ছেকে, বাংলা দোলর বালক-বালকারে বলি পথনিদোলা পড়ে হাদরপার করে, তাতে আপত্তি নেই, কিন্তু প্রকাশক ভারকেন, সা্ক্নার্মতিকের জানা বইটি 'এটিডট' করা দরকার। সে কটোর করেটি কে কর্লান জানি না, কিন্তু খালে পোলন দার্গ একটি জাপত্তিকর শব্দ ও শোলা।'

শৃক্তি অবদা আমাদেব ওতালে সদা-প্রদত্ত, বিশ্বমাদের দেই মহাপারের মাচিরাম গড়ে প্রথম বাকস্ফাতির সাংশা সংগা তাঁর পিতাকে **৩ই দান্দেই সান্দারের** করেছিলেন। বাই ছোক, যিনি ওতিটবা —তিনি শাদ্যিক ইংপাটন করাজন রেমের স্মাতির একটি ক্লাসিক বাক্য থেকে—মেটি উচ্চারণ করেছিলেন নীলমণি ডাঙার রামের শাসানির পর, সমবেড রোগীদের থেকে সাক্ষী দেবার ব্যাপারে সহযোগিতা না পেয়ে, পা্থিবীর বেটি 'সর্বোত্তৰ জ্ঞানের বাক্য'--"দ্নিয়ায় কোন শালার করতে নেই!"

রসবোধ না থাকলেও চলে. কিল্ড এক বিন্দ, কাণ্ডজ্ঞান থাকলেই বোঝা বায়---ওখানে "শালা" শব্দটির কোনো বিকল্প নেই থাকতেই পারে না—এটি এখান থেকে সবালে সমুদ্র উপভোগটাই পণ্ড। অথচ "শালা" এডিটেড হল, তার বদলে এল, "দঃনিয়ার কোন ব্যাটার ভালো করতে त्नहे।" এवर किमान्डव - 'भव निर्मान' সম্পূৰ্ণ মোলায়েম বলে বিবেচিত হল।

"বাটা" ওই পৰ্যত থামলেই ভালো ছিল। কিন্তু তারপর এল আমের স্মতির সেখানেও "ব্যাটা"। বোধ হয় নাটার প. "||F||= भक्ति ভাবলেন. নাট্যকার স্কোমলহাদয় মঞ্রসিকদের রাচিতে আঘাত रमन्य ।

Q\$8 নৰ্ম-কিন্ত একটা সাধারণ গ্রেড আছে বলে আমার ধারণা। একদা গাুরুদাস চট্টোপাধ্যার 'আট আনা সিবিজে'র কিছা বই ছেপে বাঙালী পাঠকের প্রকত কল্যাণ করেছিলেন, প্রচুর সংসাহিত্য অভি সালভে ঘরে ঘরে পেণছে দিরেছিলেন তারা। সেই সিরিজে শরংচল্টের অন্ততঃ দুটি বই (আরো ছিল বোধ হয়) আমার মনে পড়ছে-একটি "অরক্ণীরা", অপরটি "পল্লীসমাজ।"

আট আনার কৃষ্টিংয়ে আনবার জনো গিয়ে প্রধানতঃ পাতা কমাতে সমাজে" পারোগ্রাফের কোনো বালাই নেই वसासहै हान। मानाएभा चाए मानाएभा ঠাসাঠাসি। বিবৃদ্ধি লাগে পড়তে, বিশ্ববিক্ষ দৃশ্চিকট্। 1000 "77KE ট্রাভিখন সমাজে চলে আসছে।" বেমন शुम्बादलीएक, एडमीन वहेटक। अहेके,क সাধারণ কাশ্ভব্রান কি আমাদের নেই যে একটা প্যারাগ্রাফ ভাগ করে দিই? গরে-দাসকে দোষ দিই না, কিন্তু এখন ভো আব আট আনা মূলো "পল্লী সমাজ" বিক্রী इय ना ?

বাজ্ঞার-চল তি শরংচশ্যের বইগালোর পাতা ওলটালে অজন্ত ভূলের নিদর্শন পাওয়া যাবে: ভাষা আর বানানের এমন দ্টোশ্তও মিলবে यात कृष्टिक गतरहारमूत नग्न दलाई मान्नर कारा।

আর শরংচন্দ্র কেন? স্ক্রের রায়ের বইগ্রালো যে সংখ্যাত প্রকাশক ছেপেছিলেন, রাখেন আর? ছাপার ভুল চোখে পড়ছে 'ঝালাপাল'র সং'দেয়ে মানুণ খালারেই চোথের সামনে জনসজনল করে উঠল একটি ব্রকঃ 'লক্ষণের শক্তিশেল।' কী যে কদয **माशन वसवा**त सरा। ७३ तक**ी**। यसला 'লক্ষণ'কে 'লক্ষ্যণ' করতে কি খুব বেশি প্রসা খরচ হয়?

কিল্ডু সাকুমার রায়ের কথা থাক। শরং5শের ভিরানবাই জন্ম-বাধিকী তো উন্যাপন করা গেল, সেত্ত নামাণিকত इन, किन्द्र भतरहरम्पत भूगीका तहनावनीत সালভ-সংস্করণ প্রকাশের দায়িত কি সর্কাব কৈবেন? স্টেনা দেখে তো আলা হয়।

যদি রচনাবলী প্রকাশের দায়িত তাঁরা নেন-শতবরেরি আগেই নেন, তা হকে একটি বিনীত নিবেদন জানাতে পাৰি কি ? তারা কি এর জনো একটি উপযুদ্ধ কমিটি, একটি যোগা সম্পাদকমণ্ডলী গডবেন**ু** নিছক সরকারী পদাধিকারী নয়, নিতাত ডিলিধারী প্রোফেশনাল পশ্চিত্ত নয়, সাহিত্যিক আর কিণ্ডিং রসব্যাধিসম্পন্ন মান্ত্রকে এ কাজের ভার দেবেন ভারা?

শরংচন্দ্র বাংলা দেশে ব্যাকডেটেড কিনা, সে আমি জানি না। কিন্তু সারা ভারতবর্ষে তাঁর সম্পর্কে আজো অফারেন্ড কৌত্তল। বাঙালী হিসেবে সে কথাটা আমাদের মনে রাখলেই ভালো হয়।।

ৰবেণ্য রাশ্বনায়কের স্মৃতির উল্পেশ্যে আমাদের প্রজার্জাল



ভিয়েতনামের প্রিয়তম নেতা—সমগ্র বিধেবর কৌত্তেল ও জিজ্ঞাসা যে ব্যক্তিটিকে ছিয়ে अटिमिस जारमाठिक रामाधः...कीत रतामाखकत क्रीवनी धरे अथम अकामिक रम । बानाकाम रथरक ताच्ये नायरकत भरम উरुतरमत श्रीराणि व्यथाय ज्यान्त्रच निभिक्रमनादाय ताना करतरहन क्रीबारम इरहे।भाशाहः। या প্রতিতি পাঠকের অञ्ভत भ्रमन केंद्ररवः। मान्यत मामुनः। व्याकर्षातीय अकृत। मृत्याना कार्डेटन्सरे। माम ८.०० होका। প্রকাশক : কিশোর সাহিত্য সংব। ৭৩ স্বামীকী সরণী, কলিকাতা-৪৮

পবিবেশক : সান্যাল এড কোং। কলিকাতা-১২

সদ্য প্ৰকাশিত হাত সংহাত সমন্বিত মুম্পশা উপন্যাস

विरक्त दिष्न

ত্রীকৃষ্ণ্যাপাল বসাৰ ... ৮·⁰0

অমরেন্দ্র দালের আধ্যনিকতম উপন্যাস

नीलभरम्यत्र याल्भना

ছোট বড় সকলের উপযোগী माक निम रगांकिंद

অমরেন্দুকুমার ঘোষ ... ৩-৫০

স্নিপ্ণ হাতে অধ্কিত সমাজ চিত্রে মম্পেশী উপন্যাস

শেষ বিচার

কৃষগোপাল বসাক ... ১২·০০

দীপালী ৰক্ষে হাউস, ১২/১, বঞ্চিম চ্যাটাৰ্ক্সি স্থাটি, কলিকাতা-১২



अथन ट्यांगाटक

পিনাকেশ সরকার

ঘন কুরাশার ভিতর হাত ভূবিরেই এখন তোমাকে সব খুক্ষতে হবে এন করে, পৌরাণিক স্বর্ণমন্তা, হেয়ারগিন সি'ড়ির নীচে পারের নীচে হাড়জিরজিরে লেটারবক্স।

এখন ভোমাকে!

খ্ব স্বজ্ঞে বাসী উন্নের নীচে আগুল ফেরাতে হবে,

বোধিদ্রমের ডাল ভেঙে

নিজের জমিটাকু দিনে দিনে ঘিরে নিতে হবে, সময়মাফিক দক্ষীর কাছে গিয়ে কলার বদলে আসতে হবে।

এখন তোমাকে

ধ্বপত দালানের ঠিক মাঝখানে দাঁড়িরে হাত বাড়িয়ে সর্বাঞ্চাণ আবিষ্কারে টেনে তুলতে হবে রন্ধান্ত অন্য হাত চ্যুত্মঞ্চরী ম্ব

অসাড়

স্কেতা ভট্টাচার্য

ব্রকের ভেতরতা দেখতে পাও না কেন যে কেন যে রক্তর দানা আল্গা করে দিলেও দপর্শ করে৷ না আমার বিনিদ্র রাচির যক্ত্রণাগর্নি কোন ভবিষাতে?

ব্যকের ভেতরটা দেখতে পাও না কেন যে কেন যে চক্ষ্মান তুমি তো অব্ধ নও বধির নও কেন যে আল্গা রক্তের স্পর্শ নিচে পারো নি হাতে।

ছেলেবেলার ঘাতক

অরুণেশ ঘোষ

কে ওখানে ছমিরেছো বালির চড়ার শিরতে শালিত থকা

পরচুলা উড়ে যায়
রাতের হাওরার
এপ্রিন সমেত ট্রেন ছুটে আসে নদীতীরে
পান করে জল
হাট্রেরা ফিরে যায় দল বে'বে
দু-একজন প্রশন করে, কে ওখানে অ্মিয়েছে

ঘ্যমিয়েছে আমার ঘাতক কব বেয়ে লালা করে

मुदे राउ छक्ता करा

কোমরের কাছে
সমস্ত শীতের রাত পালাগানে জেগে এখন চৈতের রাতে নদীতীরে বালিব উপর শিষানে বন্ধ রেখে ক্লাম্ড দীর্ঘানার ডেসে ধার

মধারাতে হাওয়ার হাওয়ার

এই নিম'ল খাঁচায়

দীপা সেন

মৃত্যু মানেই হিমশীতল সত্থতা শীতের রিক্ত গাছের মতে। অথবা শ্নো ঘর। ভাড়াটেরা গতকাল অন্যত চলে গেছে।

এখন ধ্সর স্মৃতির কুয়াশা মাঝে মাঝে মনে পড়ে অবরব স্মৃতি অতীতের শব দক্ষিপের বারান্দা পেরিয়ে কার পদশব্দ থামে।

নিজল সক্ষেত্ৰে অভিনয় শাঞ্চল সহে ধার। কেউ ছিল এইখনে,—এই নিম্পাল খন্তৰ।

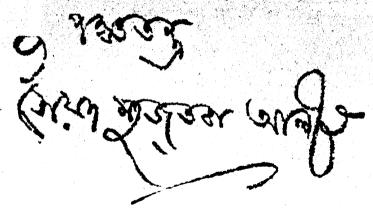
সকলে মতুন ধরনের উপহার দিতে চান বিশ্ব পের সুকুর্থে তাড়াতাড়ি করে মানুলি উপহারই কিনে জন । উৎসম ও আনক্ষের মুচ্থাকৈ করোনদারক ও নীর্কালী কোনে কুলতে ভানলদিলো উপহার দিন । চুপিচুলি বাল রাখি যা ভারতেন ভানভালিলোর দাম ভার চেমে কম । ভার উপহারের ভানা দেখাবেদ কত রক্মের ভানভাশিকে ভালভ বালদদের বালিশ থেকে বড়োদের জনা ভারারের কুশন, বিভালার কমি ও বালিশ । ভাগনার ভাগন

मलत मला केशहम **जातलाशिला**

कामनन देखिया निविद्योग

বালিল — ১৮.৪০ থেকে। কুলন — ১১.০৩ টাকা থেকে। ভাকনায় দাম এবং স্থানীয় কম অভিনিক

450A/98EA



त्रेश्भा महती

१५८**१ हेस्स्**रहत् াঁণু সমাস্থ্যুর 🔾 প্রাপ্তাভা" - কাণ্যালর । বর্ণালাকারী ভোটন,ক"ত দাঁলে-দুৰ্মান বাৰ সংধাৰ **এ** প্রাটেব্যুক্র" বিদ্যাধ লেখকের কণ্ড-মধ্যর কৃত্রভাতাপ্রণ অনুভেচনিট করে আমি প্রতাই - উবং প্রজন্ম হাজা (১) কলস্ম। বললাম এই কার্যার কে, খার্নিমত ফিল্লে কার্লাছকালে যে প্রকেস্ট*্*লেপ্টেন্ড্র দেশিকান্ত্রহারের ভাষা ২০ আগ্রাস ১৮৮১ চ अन्यत्र दश्चित्र की हर 🗫 ভিন্ন উপন্তেম। প্রয়োভ নগতে রুপন্তেতি ্ৰস্থা, ভাষাত पान कर राजाना है ්ණෙතුණ හැ. මේසෙකුදු ආක්රිය නවේ কুষে কুৰু কৰে, দুখন - সুখ্য কাৰ্য্য গ্ৰহ ভাৰ <mark>ক্ষমিল সমান্তৰ কিবুৰ কিবুৰ ভাইতে</mark> ভাইৰ দুলত নিৰ্মাণনত **কল্**লে ୟ ^ବଣ୍ଡ ଓ ଅଟନ୍ତ ।

•ুল্ভ সংট্ৰ হলে । হুই কুংপট্ৰসন্ত ঐ হিল্পুস্থান স্কলিটোড়া^ন্ত হৈছে ড ભાવતન પ્રાપ્ત કોઈના જીવના જન્દે પ્રાપ્યા જીવનોને 427 4.2+2 Brice নি দিল্লালে প্ৰান্ত নাত । আছে। 19 to 180 ভাক্ষর চেন্ত্র হালেজনের কানে একার ক্ষণতার ভাষা আঘাৰ কিলোৱা ୍ଟର୍ଷ ଅନ୍ତର୍_ୟ মেনীটা চেনাখেল - কলেভ পেলাছে -কারণ প্রধান স্পতিন Sec. 1860 3 . 5-বৈশকের জ্বোদ আলা কোনেতে যা বয় তেওঁ হাম্যুদ্ধ নাব্ডট সাক্ষর হাম্যুদ্ধ এবং সংগ্র সংখ্যা ভাড়েভাট্ড ক্ষেক্ষ্য ধর্মান্ত আছি লেখক হিসেবে ভারে সভপ্র লিক্সিলে সমানে স্তুক বিসেতে অসার দিলভার তালাফ জানাজিল সে তার সকল পাঠকেরই ছাছে: , আরু লেখক হিসেবে বলকেই বা কাঁটু ক'লে কালের মান্স খায় না, এ-প্রবাদ জনিরে বিশ্বত কালে আগের মাংস প্রশংসা করে একথা কথনো শ্রানান।

গ্রেজনাদর মাথে যা শানেছি । বিশেষত মমাগ্রেজর বাচনিক—কারণ তিনি কুটেয়র ।

ছিল্টিক মাজি**ল্টেট ছিলেন) সে-স্বাত্ত্** ক্ষাণ স্থাতিশ**ন্তির উপর নিভার করে** বলেটিত ভল হলে সেতে পারে।

দ্বিদেশ্রক্ষার রাজের জন্ম কৃণিউলর কাতেই। সেই জায়র তেই বা তার অতিন্দ্র বাজে জন্ম সাম বা বিরাজ করেন, প্রথমত কিতেবিদর আজ্ঞান হৈছে, স্বতিভিন্ন সংস্থার সেনা সেনিক শর্ভেন্ন বড়না বর্লে সংস্থার প্রথম মুসল্লান ব্লেক্ক মারী মান্ত্র বহু ব্লেক্ষান ব্লেক্ক মারী মান্ত্র বহু ব্লেক্ষান ত্রি বিষ্ণাত প্রস্তৃত্তক বিশ্বস্থান প্রথম মুসল্লান্ত্রনা এবং কার্লি বিস্তৃত্বিদ্বার ব্যক্ত সংপ্রিভিত্ন

বাংগালি হৈলেন কাছাল ছবিনাছ; এল শামালাগাঁচ আন্নি শুনি বালা বছকে, পদক্ষিন শোনার সমসে-প্রথম বংগালুন সাক্ষি শোনার বহা পারেণ হাছ, জেন-গানে কমাগ্রেলা ভাষার ঠিক হিব মান নেটা ভার বছনা হিল, লকাভাল বছরে হানি মাণি ছোলার মাহ কেলে হাছ ভরে হানি সাণ্ডে√বাঙাল ফোনা করে জেলা কেন্ড়ে নিড/ডুমি পারতে না, বা ছায়ুরে।? প্রমোকাদ কোম্পানির সে-রেক্ড বের হয় এখন আর সেই।

এবং এই অক্টলেবই মহান্যা—লালন ক্ৰীৱঃ ভার প্ৰিচন্ন দেবার বভ প্ৰগণভাৱা আমার নেই।

Ŀ

এ সমরে গোপনে গোপনে কেমন কেম একটা শবন্দ্ধ ছিল নদীয়া জেলাই এবং কলকাতাতে। নদীয়ার কেন্ট্র তথন তেটা বলতোই, এখনো বলে, তাদের বাঙলা ভাষা সব চেয়ে শব্দে ও মধ্রে। ওদিকে রাফের ইন্দরচন্দ্র বিশ্বেম প্রভৃতি তথন কলকাতাকে কেন্দ্র করে, তারা বে-ভাষা জানেন, বলেন সেই ভাষাকেই বাঙলা সাহিত্যের বাহন রাপে প্রতিতি করছেন। তাই এখনো নদীয়া তথা প্রবিশের বহা গ্রেট কোন করেন জে, মীর ম্পের্কে তোসেনের বিষ্ঠান্দ্র তথা প্রবিশ্বের হল, তথন বিব্রুসাধ্য তথ্য প্রবিশ্বের হল, তথন বিব্রুসাধ্য তথ্য প্রবিশ্বের স্ক্রির

ঐ সময়ে অথাং গত শতাক্ষীৰ শোষেৰ अ माना द হ'লন্দকমার তাঁৱ ATAR'S 26 35 ारगाउँदा कर he wrote sketches of village life in a reminiscent mood . . . Generally he starts with a festival and goes on to describe its impact on the different sections of the village population. His pleasant vienettes_完實情况表 8 45 3 0272 mot juste-born cost personal observation. present # microscopie picture of life.) "ভারতী" পরিকারে পঠেন। ভখন

সদ প্ৰকাশত হ'ল!! জবাবদিহি - স্ভাৰ চলবটা - ৪

হামি কি জাবলা। আৰজা। জনসাগ এই ডিব্রং পাগল কার জুলন হাসিবালি বিধ্যা<mark>লক।</mark> সালকানদার বানামার সপায়ালিক মাজায় কোণা বাহাছ জন ক্রমিলভাত হাসিবালির <mark>পরিবন্ধি</mark> নিপাশ ভুলিব ভারাবাছন সমস্পী হাবি ভাক সংক্ষার ডুক্তবর্তীত।

দ্দিত চেবি, বাবি

শশ্ ও ক্রেমিক—৫, ফরিয়াবাদ—৩০০
থড়িমটির দ্বগা—৭,
৪০০০ বিরাগান মঞ্চন্য—৭,
এক শেয়ালা কফি—২০০
আর হবে না দেরী—২০০
উংপ্ল দতেও কল্লোল—৩,
ফেরারী ফোজ—৩,
ডেল বংনেগোঁর
দ্দিদ্ভারীন ন্তন ফরিন—ক্যা•

গুলার কুমার মাখেপাধার ভারতে জাতীয় আক্ষোলন—১১, প্থিবীর ইতিহাস—১৬, তারশংকর বক্দোপাধায

अंतर्गरिक-०::

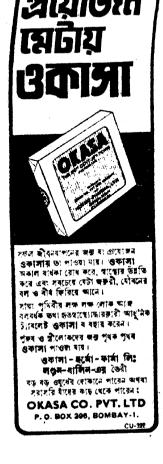
গ্রাচিন একুমার ক্ষেনগ্রেপ্তর অসংভ **অমিয় শ্রীগোরাজ**

হয়—৮;্ হয়–৮;্ হয়–৭°• ডেল কানে'গটিব **এতিপতি ও ক্ষুলাভ—**S॥•

গ্রন্থবিকাশ -২২/১ বিধান সর্থী, কলিকাতা--৬

माणाम्का विकास चार जनक प्रता त्या त्या विकास क्षेत्र बाका प्याप्त्याती त्या त्या विकास क्षेत्र क्षेत्





নগরে, ত্রেক শহরের নির্ম্ব নিশ্বাস বাভাসকে হোলারের করে দিল। এই চিন-ব্রেটা ঐ সমরে প্রকলকারে বুই বন্দে প্রবাদত হয়।

এর পরের ইতিহাস আমি সঠিক বালান্ত্যিক বলতে পারবো না। বতবরে মনে আছে সেই নিবেদন করি।

ঐ সমরে প্রীক্ষাকিদ বরোগার চাকরি
নিরে বাঙলা দেখে লিখে পাঠান, তাঁকে
বাঙলা দেখাবার জন্য কেন একজন উপবৃদ্ধ
লিক্ষক পাঠানো হর। শেষ পর্যাক্ত বে
দানেল্যকুমারকেই পাঠানো হর, এর থেকেই
আজকের দিনের পাঠক বৃদ্ধে বাবেন,
সে-নিন বাঙলা সাহিত্যে তাঁর আসন
ক্রতথানি উক্ত ছিল। এবং হর তো বাঁবা
ভাঁকে মনোনীত করেন তাঁরা চেকেভিলেন
প্রীতর্বিদেশর উচ্চারণটিও বেন খাঁটি নাদেব
মিলি উক্ত রণ হর।*

किन्कू मीर्लन्मक्रात वरतामात थ्व दनगौ काम भारकनि।

কারণ ইতিমধ্যে ব্রোদার মহারক্ষে,
শ্রীঅর্থিক, অন্যতম ব্রোদা-প্রধান থাকে
নাও বাদব, এবং (বোধ হয়) দেশপাণেডব
মধ্যে কি-সব গণেও মন্দুলা হয়, কে-সম্বন্ধে
আমি সঠিক কানিনে। ফলে শ্রীঅর্থিকিদ
ব্রোক্ষা তাগে করে কলকাতায় এসে বিশ্ববী

राष्ट्रभी" ्राञ चित्र • "বরোদাতে वाय । **ঐপন্যাসিক** একটি প্রম্প লেখা হুব্দক্ষ সংগণিতত রুমেশ দত্ত, <u>শ্রী অর্ববিষ্</u> সভারত মাখ্যেয়া, ক'ব রবীন্দ্রনাথের নাতি স্প্রেকাশ গাণগ্লী, হরপ্রসাদ শাস্ত্রীর পরে বিনয়তোষ ভট্টচার্য এবং আরো উত্তম উত্তম বাঙ্গালিক ব্রোদার মহারাজা সরাজী রাও কর্মা দেন। ্রেম্প্রেল একটি ব্যক্তিগতে নিবেদন আমার আছে। আমার প্রতি দরদী পঠক ভিন্ন অনোরা বেন বাকিট্রকু না পড়েন। ১৯৩৪-এ আমি যখন কাইরোতে মুসলিম শাস্ত তখন ঐ সরাজী রাও অধারন করছি হবেদায नि/श আমাৰে 'পাৰ্ড কে' এসে একটি অতাত্তম কর্ম দেন। মহারাজা একদিন আমাকে রমেশ দস্ত শ্রীজরবিদের আয়ি कारिनी পর বৰণাৰ वरनाइन्य-"Your 873 W: 1 Highness! I am your latest and worst choice i" মহারাজ তখন 7-গ্ৰ क रस्तर একটি song-hit शानं. "you are not my first love, but you could be my last love!"এর কিছ্দিন পরেই মহারাজ গত হন। এ-বাবদে শেষ কথা, ঐ সর্বগালে গণেটী মহারাজ ভারতের নানা জাতের ভিতর সব চেয়ে বেশী ভালোবাসতেন বাঙালীকে।

खारमान्य परमण करवरी विन्तु क्रि

AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PART

বীদেশকুলার বাঙলাক ফিরে একেন। এর পর তরি জীবন-কাহিনী আনার কাহে আরো অস্পর্য।

ভবে অন্নার মনে সংশহ হর, ভয়লোক বোষ হর তথন অথ কতে ছিলেন। এ-কালেও বথন বাছালী সাহিতা ক্রতা সুন্ধ্যাত সাহিতা স্থি করে বর-উপর-জনালা লাভ করতে পরে না, ভা হলে, তথন ১৯১৫, এ-রকম সময়, বীনেশস্কুমার রভালতর না দেখে ভিটেকটিভ করি ইংরিজী থেকে অন্বাদ করতে আর্মভ কর্মান। ভারই নাম "রহসা লহরী"। সঠিক অন্বাদ বললে বেধ হর একট্য ভূল হর। বেখানেই স্বোগ পোতন, সেখানেই কিঞ্ছিং বেগোপ্রোগ্যি বাঙালী ধ্রনধারন চ্বিক্রে

এই "রহসা লহরী" ধ্য এ-বেশে তথ্য কি উদ্যাননার স্থিত কার্রছিল, তার ব্যান আজ দেবে কে? সাধারাদ সং কলি, "নেউ-বুকে" তার হথাসাধা দেউ। নিরেছেন।

কিন্তু এই উদ্দাদনতে প্রধান করেণ কি ই আমি দ্ভেপ্ততার, সত্তিশিস্থ যে-ভাষাতে দীনেপুকুমার তার বর্গনা লহেণী লিখালন, করকম করকার, ছিলছাম সরক্ষা সম্ভা দীতের নদীলোতের মত শাশত প্রবাহমান বাঙলা ভাষা এই দেড়শ বছরের ভিতর অতি অবশা লোকই লিখেছেন।

তা না হলে বল্ন তে, বাবো বছরের বাঙাল বালক তাব সম্পূর্ণ তাল না-আচনা বিলাতের গাসপ পাড়ে অধ্যামিনী অবধি বিনিতু অবস্থার শিহারিত, কম্পিত, রোমান্তিত হয়ে রইল কেন?

ভাষা, ভাষ', ভাষা ' হাষ বহু তিলি-সমাং, বহু মিরাকল, বহু আলেকিক কম' করতে পারে।

শনবীনরা হয়তো জানেন না এ-বিষয়ে ইতিপ্রের কি কি মনবেননা বাঞ্জা এবং সংক্ষতে প্রকাশিত হরেছিল। অথাকাণ্ট বখন মাইকেল মারা বান তখন হেম্চন্দ্র লেখেন,

"হায় মা ভারতী

চির্দিন তোর কেন এ-কথাতি ভবে, বে-জন সেবিবে ও-রাঙা চরণ সেই সে দরিপ্র হবে।" এবং বিনাসাগর মণাই সংক্রতে বলভেন, "অসা দংখার-" সাথে কিং কিং না ভিয়তে মর:। বানরীমিব ব গ্লেবীং নভারামি গ্রেভ-গ্রেছা।"

অধ্যের তার অক্ষম অন্বাদ "ওরে পোড়া পেট, কত না কিছুই করি আমি তোর তরে। বাবেরীর মত সরক্তাবৈ নাচাজি

SCS SCS 11"



(७२ वस्टे भारतर **र**ान ত্রীত্রের ভাষ্ট্রয় শেষ দিন্টিতে ব্যালার মণ্ডিতে প্রথম পদাপাণ করলেন কাশেটিকটা ভূবি ভূমন বয়স সাইশে। ভারতীয় কুলি বচার্স্টার সেইবার দক্ষিণ অন্ত্রিকার ঘটন্তলী সংপ্রেক দেশের জনগণ ও জন্মতাদের সাচত্য করার উ,দদ্ধা ভারতবার্য আস্কিলেন। জাহাজ-যোগে কলিকাতা বন্দরে অসের সময় হাগলী নদীর শোভা তাঁকে মোহিত করেছিল: কিন্তু সেইনিন কাটেই তিনি কলিকাতা এবং বাংলা দেশ ছেড়ে চলে গিয়েছিলেন। বাংলা দেশের মাটি ও মানুষের সংখ্য তথন তাঁর পরিচয় হয়নি। কয়েক মাস পরে এই উদ্দেশ্যে আবার তিনি স্থাসেন কলিকাতায়। প্রাঠন প্রেট ইস্টার্ন ह्यार्टिक व्यवस् श्रयस्य आकार करत्रन রাজীপ্রি স্বেক্টনাথ বলেনাপাধারের সংগা। কিন্তু স্বেক্টনাথ কোন আশার কথা তাঁকে লোনানান। বলেছিলেন, আমরা কি কিছা করতে পারব? দেখছেন

ভবানীপ্রসাদ ১টে পাথায়

না আমবা নিজেবাই কত সমস্যার ভড়িরে রইছি। তবে চেন্টা আপনাকে করতে হবে। রাজা পিরারীমোহন মুখোপাধ্যার ও মহারাজা ঠাকুরের সপো দেখা কর্ন। তারা উদার-চেতা মান্য, জনসেয়াভেও ভারা অংশ নিরে থাকেন।

তাদের সংগ্য দেখা করেছিলেন গাংধীকী। কিংতু সেধানেও তিনি বার্থ হয়েছিলেন, দক্ষিণ আফ্রিকার িবর নিয়ে জনসভা ডাকা সম্ভব হর্ন। তারপরই তাঁকে হঠাং ফিরে যেতে হল দক্ষিণ আফ্রিকায়। বংলা দেশের সংশা তাঁর পরিচয় খনিষ্ঠতা লাভের সংযোগ পেলনা। ক্ষেক বছর পরে উনিশ শ' এক সালে গান্ধীক্ষী আবার এপেন কলিকাভার। কংগ্ৰেসে দক্ষিণ আফ্ৰিকা সম্পৰিতি প্ৰস্তাব উত্থাপন করাই এবার তার এখানে আসার মাল উদ্দেশ। এবার জনা প্রতিনিধিদের সপোতিনি উঠলেন তলনীণ্ডন রিপন कालाखा निष्टक श्रम्टार नथे रक्टा नये, কাগজে লেখালেখি নর ভারতবার্য দীর্ঘ-লিন **থাশালী হেন্**সবাম্*লক* করেছেন এখানে এবং এবারেই তার হয়। প্রতিনিধি-আবাদের স্তুপাত অস্বান্থাকর ও নোংরা পরিবেশ দেখে এবং

ন্বেজ্ঞানেবকদের সেদিকে দুখি আক্ত करत रकास करू सा इन्द्रशाब शान्त्रीकी নিকেই বড়িড আর স্বাটা হাতে সেকাজে रकारश यान । जीकसाता मकराव केरण्यामा কংগ্রেস অফিসেও কাল করার ইচ্ছা প্রকাশ ক্তরেন তিনি। অভার্থনা সমিতির অন্যতম সম্পাদক প্ৰীয়ন্ত জানকীনাৰ ঘোষাল ভাকে অফিসের ডিডিগ্র দেখার কাজ দেন। পরে গাল্ধীক্রীর স্থারিচয় প্রেরে এই সামান্য কাজ দেবার জন্য ক্ষিত্ত হন তিনি। গাস্থীকী काँदर क्रेड कथा वर्ल जीत मन्या गास करन দেন "আপনি চিদ্তা করবেন না। আপনার সামনে আমি কী? কংগ্রেসের কাজে আপনি বৃশ্ধ হবে গিয়েছেন, বয়সেও আমার চেয়ে আপনি বড। আমি এক অন্তিক্ত ব্ৰক। এই কাজ দিয়ে আপনি আমাকে বাধিত করেছেন। আমি কংগ্রেসের কাজ করতে চেয়েছি আর এই সব কিছা জানার দলেভ সুযোগ আপনি আমাকে करत निरम्धका ।"

শ্রীষ্ট্র ছোষাল এই কথার খুশী হন এবং বলেন যে সেবা করার এইটিই প্রকৃত মনোভাৰ হওয়া উচিত। তবে দঃখের বিষয়, অভ্যকের ম্বেক্দের মধ্যে এই সনোভাব দেখা যায় না।

কংগ্রেসের অধিবেশন শেষ E# 1 গান্ধীকী থেকে গেলেন এক মাসের জনা কলিকাভায়। এই বারই তিনি বাংলা দেশকে ভাল করে জানার সংযোগ পেলেন। একটি ঘরে প্রথমে ইণ্ডিয়া ক্লাবের উঠেছিলেন গান্ধীঞ্চী। গোখেল সেখানে বিলিয়ার্ড খেলতে আসতেন। একদিন গ্যুম্বীক্রীকে সেখানে দেখতে পেরে তিনি

र्काटक निरकत कारक निरत शास्त्रम । विकास क्रभम्बी काहार्य क्षक क्रहम्स बारबय मरणा ব্যোখেলের স্থাতা ছিল। তিনি প্রায়ই আস্তেন। একদিন **李汉**斯 আচাৰ বামকে তিনি গাল্ধীকীয় "हेजि এই ভাবে পরিচয় করিরে দিলেন, হলেন অধাপেক বার। এ'র মাসিক বেতন चाएँन प्रोका नियान कमा प्रीक्रम प्रोका रवाच हैति वाकि अवधेहै कराजवाद कारक माम करवन। हैनि विवाह करतनिन, जात क्राडिक हान मा।"

প্রায় কৃতি বছর পরে প্রকলেচদের উল্লেখ করতে গিয়ে গান্ধীকী লিখেছিলেন, "আক্রকের ডঃ রারের সংখ্য সেদিনকার ডঃ রায়ের কোন পার্থকাই আমি দেখতে পাই না ভার পোলাক পরিক্রদ প্রায় একই बक्क जानाजिया, उकार नाया करे रव, करन **এগালি খাদি আর তথন ছিল ভারতীয়** যিলভাত :"

বৃহত্ত আচার্য রাষের সংখ্যা এই প্রথম সাকাংকারেট দাজনে প্রদেশবের প্রতি আরুষ্ট হরেছিলেন এবং দ্যুলনের অমলিন সখাতা চির্নিন বজায় ছিল। প্রফার-हरमुख सरमारा शास्त्रीकीरक माध्य करर्राक्रम এবং গ্রান্থীজ্ঞীর ক্যাধারার মধ্যে দেলেব ম, ক্রিব 918 24 E54 7898E প্রেয়িছকোন। প্ৰবতীকালে 2000萬。 সম্প্রের গ্রান্ধীক্রী একবাৰ চ্ছেন্ত্ৰ লিখেছিলেন, "একজন বৈজ্ঞানিক ব্ৰূপে ডঃ রয়ের বিশ্বব্যাপী খ্যাতি আছে। কিল্ড তাঁর লক্ষ লক্ষ দেশবাসী তিনি ভাল সাবান তৈরী করতে পারেন বলে তাকে মনে করবে না এমন কি তিনি যে বহু বাংগালী

श्चात्कत वृक्तिय वायन्था करतायन छाउ জনাও জাতে মনে করবে না। তারা ভাবে এট বলে জানবে বে, তিনি ভাবের দীন কৃটিরে থক্তরে মাধামে সোভাগা ও প্রাক্তনা বহন करत अत्मातम ।" श्रेषाक्रणात বিষয়েকের গাণ্ধীজী মনে করেছিলেন ভরি गूर्यका महाति निदान অনেক্ষিন বে'চে থাকা ও কাজ করার প্রথান কারণ। পক্ষান্তরে, গান্ধীক্ষীর ক্ষাবাহার প্রতি চরখা আন্দোলনের প্রতি প্রফার্লচান্দ্রর এত বিশ্বাস ভিজা যে ব্যাস্ট্রাথ তা প্রোপ্তি সমর্থন করতেন না বলে ভাকে ভংসিনা করতেও ভিনি কণ্ঠিত ইননি।

क्वारव जाव क्वजरासव मरणा माकारकाड গান্ধীক্রীর মনে দাগ কেটেছিল। ছিনি রেভারে-ড কালিচরণ *বলে*দাপাধ্যারে দক্তিৰ আফ্রিকার খানিটান বংখাদের গাংখীক্ষী কথা দিবেছিলেন যে ভারতীয় বাটিটানদের অবস্থা সম্পরে তিনি অনুস্থান কর্মেন। কালিচরগবার্র নাম তিনি । শুনেছিলেন। স্তরাং তবি সংগ্রে দেখা করা হলক কর্যালন। বল্লেন ফে কথা গোখেলকে। গোখন বললেন প্ৰতি হ'ব ভবি সংখ্য দেখা করে? তিনি খ্রেই ভাল লোক তবে জাপনাকে খাশী করতে <u>कारायम</u> বলে মনে হয় না। আমি তাকে ভাষেই জানি। যাই হোক ইক্ষে কলাজ নিশ্চয় ভবি সংক্ষা ক্ষেত্ৰ ল

গ্রান্থীতা দেখা করকোন। ব্যতিক্রে ভাকে খাতি ও সাটে পরিছিত দেখে ভার ভাল লাগুল। কিন্তু আলোচনা পোর প্রাণ্ড য়ে দিকে গভিয়ে গোল গোন্ধীতী ভালে বায় লিকে পাবালন নাং কালিচবণবাম

ঃ এখন অঞ্জলি প্রকাশনীর বই মানে শ্রেষ্ঠ বই : বহু প্রতীক্ষার পর প্রকাশিত হল : অমরেন্দ্র দালের: সর্বাধানিক প্রেন্ট ঐতিহাসিক উপন্যাস

विलाभ ५०

রাজনীতি <mark>যে কত ভরংকর এ উপনাস</mark> তার প্রমাণ। এ উপনোস নয়, জীবন দলিল।

সদ্য প্রকর্মিত হয়েছে : রাপশংকরের : আংনিক উপন্যাস

প্রকাশত হয়েছে : ছৈপায়ুপের : ঔ'দুলাপক উপন্তম

9.00

রক্তাক্ত গোড

গ্রৈপায়নের : ঐতিহাসিক উপন্যাস बङ्ग्ना**डा भ**र्था**यडी** ५०.

कनस्यक्षरम्ब : तरुमा উপनाम भागावी त्याहिनी ७.

बीनवकुषादातः : खेरिट्यानिक डेशनतन र्मानहाना हिट्छान ५०.

শ্ৰীর প্রের : ঐতিহাসিক উপন্যাস नहीं नाम गवनम ८.

व्यवस्था नारमतः । याधानिक छेशनाम তিতিকা ১০

बहेबाकस्मद : वोटिटा त्रिक बहुत्रा क्रिशनतात्र ब्राज्ञनाशिनी भीवरे शकांत्रक रखः

পরিবেশক : লব প্রদেশ কুটির : ৫৪/৫এ, কলেজ প্রীট, কলফাতা - ১২



স্তান্ধানন্দ পাকে দেশবংখা চিত্তরপ্পনের শোকসভার আবৃত্তা কালাল আজাদের সংখ্য গাণ্ধীকী

ফটো: কাণ্ডন মুখার্ম্ব

ভাকে লগলেন যে, মান্য যে পাপের বোকা নিয়ে লংকার ভার মূল্য মৃত্যু। বাইবেল বলছেন যে, ফলিবে কছে আন্তমমপ্রই এ থোক মৃত্তির একমার পথ। পাল্যজি ভা মানতে পারলেন মা। ভিনি গতিকা নিগিও ভারদারেরে কথা বললেন। মৃত্রাং অংলোচনা শেষ হয়ে গেল। বার্থ হয়ে, বিনত্ত উপকৃতা হয়েই ফিরে একেন গাল্যজি

কথা প্রসাধে কালিচাবেবর গ্রামীলীকে বালী মনিবেব কথা বাসিহিলেন। বইটেও এসংপ্রে তিনি কিছু পাছেছিলেন। সাইবাং একবিন হিনি কালার কালারে কালার ছার্মান কালার ক

ধমের নামে দেবতার কাছে এই পশ্বলি বাংগালীব জীবন জানার জন্য গাংধীজীব মনে আগ্রহ সৃষ্টি করে। রাল সমাজের কথা তিনি শ্নেছিলেন। কেশবচন্দ্র সেনের জীবনী সংগ্রহ করে গভীর আগ্রহের সংশ্য সেটি পড়েন। প্রতাপচন্দ্র মন্ধ্যমদারের ক্ষেক্টি সভাষ তিনি যোগদান করেন। শিবনাথ শাস্ত্রীর সংগ্য সাক্ষাং করেন এবং गर्धार एन्द्रग्नुनाथ ठाकत्त्वत्र मान्य एन्स করার জন্য একদিন জ্যোজাসাঁকোর ব্যক্তিতে উপস্থিত হন। কিল্ড মহবি ত খন অস্ত্র তার স্থো দেখা করা কথা তাই তাঁর সংখ্যা দেখা হলনা। তাবে তাঁর ব্যজিতে ব্রহ্ম সমাজের যে উৎসব হাজল ভাতে আমিশতত হয়ে তিনি যোগ দেন। এই প্রথম তিনি বাংলা গান শনেলেন এবং প্রথম শ্রবেই তিনি বিমোহিত হলেন। এইখানে রবীন্দন্যথের ব্ৰস্পাত গতি হওয়া সম্ভব এবং **কেউ কেউ মনে ক**রেন যে. দেদিন হয়ত উৎসবে রবীন্দ্রনাথই স্থাতি পবিচালনা করেছিলেন।

পরবর্তী কীবনে রবীন্দ্রনাথ ও
গান্ধীক্ষীর মধ্যে পরম আন্থাীরতা গড়ে
উঠেছিল। রবীন্দ্রসপাীতেরও ভর হরে
উঠেছিলেন গান্ধীক্ষী। পরশারকে না ক্লেনে,
না চিনে অদৃশা ইপ্পিডে সেইদিনই হয়ত
তার স্ত্রপাত হরে গিরেছিল। তাই দেখা
বায় বে, রবীন্দ্রনাথের সংগ্য সাক্ষাং পরিচয়
হবার আগেই উনিশ শা চৌন্দ সাক্ষের
ডিসেন্বর মাসে মগনলাল গান্ধীকে ইংলন্ড
থেকে রোগশবায় শ্রের একটি চিঠিতে

তিনি লিগছেন, গার্বদেবের প্রতি প্রশাব্য করার করার তথ্য তোমাদের উৎসাহিত করার জন্য আরুত করেছি ।... আমি দেবছি একজন গ্রেরটীর পক্ষে বাংলা শেখা সহজ্ঞ তোমাদের সকলের এটি শিখে নেওয় উচিত।"

বাংলা গানও অন্বাপভাবে তাঁকে হাৰ করেছিল। ভারতবর্গে ছিবে আসার পর ব্ববিদ্নাধের সংখ্য সক্ষোৎ ও লাভিছ-নিকেত্নের অভার্থনা লাভের পর উনিশ শ সতের সালেব ভিসেম্বর মাসে অথিল ভারত সমাজ সেবা সমেলনে বছতা দিতে গৈয়ে তিনি বলেছিলেন, "আমি ৰদি গান শিখতে চাই তাৰ আমাকে বাংলার বৈতে হবে। আমি ধদি কবিতা শ্নতে চাই ভাহালত আমাকে বাংলার ষেতে হবে। বাংলা দেশের মধো ভারতবর্ষ রয়েছে কিন্ত ভারতবর্ষের অনাচ বাংলা দেশ পড়ে নেই। আমি করেকটি মার**ওরাড**ী ছেলেকে গান গাইতে শনেছিলাম। অর্থ-হীন বাকা বলে বাওয়ার মত তা শোনাচ্চল। আমি তাদের বা**গালীদের** সভেগ ৰোগাৰোগ কৰতে বলেছিলাম।"

আরও পরে উনিশ শ' আঠার **সালে** গার্ম্বাজী কংগ্রেসের সম্মেলনে **যোগদান** বাবে কলিকাভার এসেছিলেন। এবং সেই
কার কবিকৃত 'ডাকঘর' অভিনয়
কেন্দেইছেলেন। ডার অভিন্তাতা বর্ণনা করে
কথাক সুশীলকুমার রুদ্রকে একটি
চিত্রিক লিখেছিলেন বে, কলিকাতার
কথার তার বেশ ভালভাবে কেটেছে। কিন্তু
চা কটেগ্রেসের মতে নয়, তার বাইরে।
কাইকুলাখাকুত 'ডাকঘর' তার খ্বই ভাল
কাক্ষেত্রা তার স্মিন্ট কঠ এবং রুশন
কাক্ষেত্র। তার স্মিন্ট কঠ এবং রুশন
কাক্ষেত্র। তার স্মিন্ট কঠ এবং রুশন
কাক্ষেত্র।

বাৰ সমাজের সংশা পরিচর হল। কিন্তু পরিচর হল। কিন্তু পরিচার বিবেকানন্দকে দলন না করে কি কালা বার আছেরে পরিপ্রা হরে এবং কালা বিগলিত হরে সমন্ত পথ পারে হেটে পালালী বেলুড়ে পেছিলেন। কালা কালা কিন্তু বে-উদ্দেশ্য আসা তা সফল হলনা। শ্নেলেন ম্বালীকী অসুস্থ হরে কলিকাতার আছেন, দেখা হবেনা। ফিরে এলেন

গাল্ধীক্ৰী। কলিকাতা থেকেও চলে খাবার সমায় সমাগত। ভারতবর্ষের বছরে কেতে এবার ভিনি পাড়ি দিকেন এবং বাচা করছেন অত্যত সাধারণভাবে। গোখেল এবং প্রফার্ক্তন্দ্র তার বারণ শানলেন না। এই ছড়ীয় শ্ৰেদীর বাচীকে থেনে তলে দিতে তারা এলেন হাওডা দেউখনে। লোখেলকে স্থাটফর্মে ঢুক্তে কেউ বাধা দিলেন না। কিন্ত বাল্যালী প্রোণাক পরিচিত প্রফল্লচন্দ্রকে চিকিট কালেটব ক্সবশা বলায আটকালেন। গ্যেথেলের তাঁকে যেতে দেওয়া হল। গাভির সময় হল, তাদের শতেকা নিরে शान्धी से वि ৰাতা হল শরে।

गाई

কিন্তু বেশিদিন ভারতবর্ষে থাকা হর না, গাংধীকীকে আবার চলে যেতে হন দক্ষিণ অভিফলার। এবারে ভারতীয়দের অধিকার নিমে আরও প্রতাক সংগ্রাহে
তিনি লিপ্ড হয়ে পড়কেন। তব্ তীয়
সজাগ দ্ভি নিবন্ধ ছিলা ৩।রঙবারের
দিকে। বাংলা দেশের জন ডেডনা এবং
গগনারকেরা তীকে আরুন্ট কর্বাছল। তিনি
অন্তব করছিলেন বে, দক্ষিণ আফ্রিকার
সংগ্রামরত মান্বেরা বাংলা দেশ থেকে
তাদের সংগ্রামের পানের সংগ্রহ করে নিতে
পারবেন। এবং বাংলা দেশের নেতৃদ্ধে
ভারতবর্ষত তীর আন্দোলনে সাহাব্য
কর্মের।

উনিশ লা তিন সালো ভারতীয় জাতীয় সংশোসর সভাপতি নির্বাচিত চার্যাচ্ছের संस्कारक रहाय। स्टीर मरभा नाम्यीकार्य शासिक करिया शासिक रिकार के कथा জানা নেই। কিবত তার নিবাচনে গাব্ধীক্ষা খালা প্রাছালন। আবাসেই মনোভাষ ডিলি ইণ্ডিয়ান ভাপনমনের পাঠকাদের কাছে ত ল ধারভিলেন : "তার দীর্ঘ 💩 যোগা *বেলা*সেবা এক: ভবি অনাপ্ত বাণিছভাহে বিবাট জনভাবে অভ্যুক্ত করবে ভাতে স্থায়াকের কোন সংখ্যত নেই। ল লক্ষেত্রনবার ৰাজ্যাটিভিচ্ছ প্ৰবাদ ভি কৰে দেশবাস্টাৰ ভ গ্ৰনামাণ্ট্ৰ সহানাভাতির ট্রেক করান ধ্যা ভা ভিনি জানেন টাকাডে গতা কোটোক তিনি তবি সক্তিন প্ৰধা ব্যাহাণিভত ক্রাক্রের এবং অন্নোচন ক্লের স্থানত আই যে তার কার প্রাক্ত কাণ আগ্রান বৈতিশ মালক^{কি}মাল সক্ষাতিন বাস্থাত **এ**চাই 4.0736

ভূবেত্নাহার কাল সম্ধ্রীরভূব ব্রুড্র ମ ୧୪୯୬୯ଣ ହେଉଁ ଓଷ୍ଟ ଓ ନାଞ୍ଚିତ୍ର ଓଷ୍ଟ୍ର कराका का एक एक के का गांध करता. क्षीतार क्षीतार **क**ारा ह र्दाञ्चल राह निरक्त शामगोली आहि हैरमहाहाय भारत पार्कितप्रदिक्षण १८४० प्राप्ता स्वर्णकार যে এই প্ৰান্থীকাকান্তা ধ্যাব্যন্ত ক্ষেত্ৰ কালোব সাধান আফিনাড় লিখে রখালৈ তবং সৈগনেকার সংগ্রন্ত মনো্যক্ষ আশেন শ্রন राजीक कार्य हर्दाक । कार्य क्रियाम्बर क्रायान् । প্রত্যা কাহালী। এই স্কার্ন্সিকার র প্রায় এবং এই প্ৰয়েউটা ভূমন ভাষাত্ৰস্থাৰ ছাধ্য সাংগ্ৰ বেশ্যেষ্ট প্রথম ভার ভাই ভারতেষ্ট বেন্ধার্ডে ব সামান ব্যাধানীক বাংলার দাঘটাল বার বার **इ**रम सर्वोद्धालया, त्रम्याक्ष्मर <u>आ</u>तुबना**म**तुब स्तार्काङ्की एत्रप्रांखक राज्य क्रिप्रोद्धालया। ইনেশ শা পাঁড় সন্তলন আনুন্তর মাধ্য যেবি প্ৰকাশ নিৰ্দেশ্যম নিয়ে ভিটি একটি প্ৰকল লিমালন । কলিব হয় সৈলেই অকৌন্তৰ যে ইবছলে ইব্যুদ্ধ ভাগ টারল কবে ছিনি লিখলোন 'খাবেই জ'ল কমাঞ্চৰ সংখ্যা সরকার र्यातिम गरम एकार धरमाध्यक स्टिक्स করকেন বাধ্য দারৈ৷ ক্ষেত্রি কলিক ভয়ে *इर्स्टान वर्सन् ६२*० मक सक সমাবেশ করে একটি সভা করলেন रक्षा दिक्ता इरलाय "कुक्ति क्याक्ता क्याबात।" वाशाली धेका धवर दक्ष्यल श्वरमणी सुदा



Distributors for West Bengal & Orlssa:

M.S. PRAGATI DISTRIBUTORS,

24-C. Dr. Suresh Sarkar Boad, Calcutta-14.

কেনার জনা ভালের বে-সংকাশ ভার কথাও উলোধ করতে গালাভী ভালনেন না।

चारत्व त्याक त्महे कारण अस वार्णिमाणिक দিশক পাশ্বীক্ষীৰ যে দ'ণ্ট ভিল তা रकाच आकृत्व केटल क्षत्र। बारबा रक्षांच करें त्य स्थापनी जात्यत्यामा साधिकाता कान वयान তার পিছনে নিশ্চণ কোন কালে আছে। প্রাদ্ধীক্রী সে কল্প নিশ্বাস করতেল। তিনি মান করতেম না যে বংগভংগ আংশালম एकार टकारण क्या टकाम खादनासन घरा। ট্রনিয়ন্তার এপিনম্বর কাপ্তে লোক পাত্র-দের জীবনী প্রকাশের রীতির তিনি প্রচলন कारबीकाकाम । 'यौर नारका' श्रवन्थ स्मधात किका मिल जाएंग क्रेम्प्यत्रहम्म विमानागावात्त्र সাদীর্য জীবন্যী প্রচাল জবেছিলেন ছিলি। হংগভাগ আন্দোলনের সফলতার উল্লেখ शामरका सारङ स्थित किर्माइएकान "नारका দেশে রিটিশ পশা বজ'নের বে আন্দেলন লেগতে ভাৰ ভাৰণৰ কম নৰ। এই জাতীয चारकावक राज रमधारन अस्छत इरहरङ छाउ करतम इक्त दमभारम भिका दर्शम विस्कृत क्रवर সেখানকার জন্পণ ভারতবার্হর অন্যান। অংশ ভাপেক। বেশি সচেত্র। সার ছেনরী কটন ব্যাল্ডেন হয়, বাংলা কলিক্যাতা গোকে रक्तकावावरक रक्तका रहर । इन कार्ट्स करें हर क्षा नगर रा ।"

আৰ্থীকা নিজে এব কাৰণ বিদেশগ্ ক্রেছিল্লন্ত ডিলি বিশ্বাস করেছিল্লন্ড্র তুকাট জাহিব - উমানাপ্তন কেট জাহিব উপর হিছার করে। যে प्रदेश जिल्लाका रहेव জনগণ ভাগা সোধাৰ সেখিটো কৰু থ'কে হাবাই আবাদ্ধ ভালের শবরো প্রভাবিত না হাস পারে না; তাই ঐ প্রান্থ তিনি লিখেছিলেন াব্যাক্স নের করে বিভাগান্ত কর স্বন্ধন আমোনের চেত্ৰ পাট্ড কার কারৰ হল এই মে, সেমানে গাত শতাক্ষীয়ত অনেক সহাপ্রেষ জব্ম প্রথ করেছিকের প্রায়ব্যাহার কাম ব্রেক জারাম্ভ কারে এক একজন । বীরেটছার কবির বাংলা ক্ৰাক অন্তঃ প্ৰচৰ আপক্ষ উচ্চত্ৰ স্থানে উন্তিভাৱে প্ৰায়ে প্ৰায় স্থান সংক্ষা বিস্পাস্ভারকে এটাসর মধে। প্রেটি বলা কেতে প্রবর 🗥



১৯5७ मारण स्मापनारक भाग्यीकी

ফটোঃ কাঞ্চন মুখাঞ্চ

শারর হে, বাংলা দেশ বিভাবে ভারতকরের আনামা ভাংলের কাছে এক দৃষ্টাল্ড হরে গিড়েছে।"

यातमा रामराभव के देवीभारकीत कथा পাণধাতিবীর মনো ডিবলিন উক্তরের হাছে ছিল। ১,৪ উনিশ শ' একল সালে নতন কল'স্যাচী নিয়ে ডিলি ধখন ভারতবর্ষের স্বাধীনতা সংগ্রাহের রব্যাংগ্রমে অরস্তবীর্গ ক্রাছেছেনে তথ্য ক্রাণ ব কালী বস্থাদের **অভ্যান করে** তিনি श्वाकृत्वरः जारमाद विकार राज्यि आहर. ভার হাস্য মহত্বর আমেরদের ফেশ বৈ カイキャさらて - जासाः व्यक्तः अस्काःस्य বিশেষভাবে পরিচিত তার অংশভ এখানে লেখি। ভারতব্যের অন্যান। সংখের চেত্র অংশন দেৱ ভাবপ্রবণ্ডা, বিশ্বাস এবং অন্তের বৈশিঃ অপেনরো একটিংকবর কাপ্রুষ্ঠার অপবাদ মিথন প্রমাণিত কার্ভিন। স্থিরাং বাংলা দেশ আগ্রের মাট এখনত কেন লেখাৰ করবে না ভার কোন कातन साई :"

এই স্থেই ধর্নাত হংগ্রাছন প্রশ্নীত কাওঁ তার একবার । র ক্টেমতিক অ্নি হংলা সংগ্রাহার ভার একবার । র ক্টেমতিক অ্নি হংলা হাজে। বেশ বিভাগের কল্যা অংশকার তথ্য ধ্যার নেন্দ্র আন্তর্ভার কেনার কিন্তু নাংগ্রাহার কার একবার পরও করে নিতে বাহত। সেই সময় একজন সংবাহিক ভারৈ প্রশান করেছিলোন হে, বাংলা দেশকে কি রাজনৈতিক নাবা খেলার ব্যান্তে রূপে বাহত র করা হংজ্বা। গাংশালি এ কথা অস্বীকার করে বললোন, 'বাংলা বাংলা বালাই আজ শ্রেরভাগে এসে গিরেছে বিক্লমন্তর্ভার ৷ চট্টাগ্রাহার অস্কাগার ল্পেন্ট্রাহার বির্মান্তর্ভার ৷ চট্টাগ্রাহার অস্কাগার ল্পেন্ট্রাহার বির্মান্তর্ভার ৷ তালা বভাই আগত

ছন না কেন--এখানে প্রকাশ্যক করে-ছিলেন ¹⁷ স্তরাং বাংলা বদি ঠিক প্রথ চলে তবে সারা ভারতের সমস্যার স্বাধান দে করে প্রেম

বাংলান্ত্র গণতে ত্যার পিছনে বেমন ব্রেছে

ইন্দর্ভাগ্রের মত কেকের অবদান তেমান
বাংগালোকে ন্বদেশ ব্রতে উন্নুখ করতে
বাংলা দেশের বাংরাচিত সংগাতি
বাংশিমাতর্কের প্রেক শক্তির করেও উল্লেখ
করতে হয়। গাংধীজা তবি ইন্ডিয়ান
ভিগিনিয়নের পাতার সেই কাকে করেছিলেন।
অজ্ঞাপেকে চৌবন্ধি বছর আগে তিনি জন্যুভ্ব





न्यायहरम्बन नरन्त्र निन्द्र मा एन्डेम्टन नाम्बीकी

করতে পেরেছিলেন বে, বাংকমচন্দ্র রচিত এই বাংলা গানের জনপ্রিয়তা তাকে সমগ্র ভারতের জাতীর সংগীতে পরিগত করে দেবে। তিনি লিখেছিলেন, "অনাানা জাতির গান-গ্রিল অপেকা এটি ভাবের দিক থেকে মহতর ও বেশি মিন্টি। অনা সব গানে অপচের প্রতি অপমানস্চক ভাব দেখা যায়, কিন্তু বন্দেমাতরম এই জাতীয় ব্রুটিম্ভা। এর একমার লক্ষ্য হল আমাদের মধ্যে দেশপ্রেমের বোধ জাগ্রত করা। এই গানে ভারতবর্ষকে জননী-র্পে দেখা হয়েছে এবং তার প্রশংসা ক্রীতিত হরেছে।"

সাম্প্রদায়িকতায় অভিশণত রাজনীতি একদিন বন্দেমাতরমকেও কোণঠাসা করতে চেণ্টা করেছিল। সাম্প্রদায়িক একতায় একশত বিশ্বাসী গাম্ধীঙ্গী, হিনি পরবডাই কালে। এই সাম্প্রদায়িকতায় য্পকান্দেই আন্ধর্বালদান করেছিলেন, তিনি কিল্ডু বন্দেমাতরমের বিরুদ্ধে এই অপচেণ্টাকে সম্মর্ধন করেনান। চারদিকের সেই কোলাহলের মধ্যে গাম্ধীঙ্গী দুশ্ত কপ্তে ঘোষণা

করেছিলেন বে. বংশেমাতরমের মধ্যে কোন রকম সংকীগতা নেই। তিনি ধলেছিলেন যে, তিনি যথন বালক, আন্দেমঠ অথবা তার ফ্রন্টা বালকমচন্দ্র সম্পকের্ট থথন তিনি কিছাই জানতেন না, তথন থেকেই বংশ্মাতরম তাঁকে গড়ীরভাবে আকরণ করে আসছে। একবারও তাঁর ননে হর্মান যে, বংশ্মাতরম হিন্দু সংগীত অথবা তা কেবল হিন্দুদের জন্য রচিত হরেছে। এই জনাই তিনি বিশ্বাস করেছিলেন বে. যত দিন জ্ঞাতি বেন্টে থাক্বে ভ্রুদিন বংশ্মাতরমের মৃত্যু হবে না।

তিন

বংলার স্বলেশী আন্দোলনের প্রথসো করলেন গাংধীলী। তার মধ্য দিরে যে গণ-চেতনার উদ্মেষ হরেছিল ভাকেও স্বাগত জানিরেছিলেন তিনি। কিন্তু এই স্বদেশী আন্দোলন কী এনে দিরেছিল দেশবাসীর কাছে? বংগতংগ রদ হরেছিল ঠিকই। সেটিও কম বড় কথা নর। কিন্তু তার

জ্ঞানোত্রত বাংগাজীর পদ বাংগালীর আদ मका बर्स कि खेतरण श्रास्त्रिक ? हराशा कारकाजन निष्य शास्त्रीकी वसम वास्त्रा हमा भागीत करावत कथन अंग कार साथ साराज का बारम को अपने केमिक बरविष्य । बारमा एनए विरामभी शना राष्ट्रीतित वि-आस्मिनाम एक হার্ছেল তা পরবতীকালে প্রদেশী প্র বলতে বে-অদেশ গান্ধীলী তলে ধরেছিলে জার সমার্থবাধক ছিল না। ভাই তিনি ফলভিলেম "ভঃ বাহের এট অভিযাতে সংখ্য আমি MEAL SI OWNE क शिति व प्रात्यकीत अधना বোদবাই অথবা আমেদাবাদ থেকে কাপত্ত এটা भारत व्यक्तिमार्ग कारण्याम्यास्य मध्या साध्याः रत्य विकार मास कार्राता । स्वरम्गीय सम्भाग तक প্রভাক্ত কাজ প্রেটে হ'লে চারিহিকে ছাডানে कक कक चत्रका भारत व्याधारम्य मास्त र কাপত প্রস্তুত করে নিতে হবে ৷" গাংধীজীয় शासनाम करे स्वर्तनामी व्यारम्भागाना छ। বাংকা দেশ পিছিয়ে থাক্টে না সে সম্পরেত ভার মনে কোন সংশয় ছিল না অংশুর উনিশ শা পাঁচল সালে বখন বাংলার গ্রাড় গ্রামান্তরে তিনি ঘারে বেডিরেছেন ওখন /

ি সেই সময়, বংলা এমণ শালা করালিকছা দিন আলে ডিনি লংখছিলেন জং ছাৰ **চরহা ৬ অন্সং**শত। জিলারেশ্র কণ্ডার বুলাভই ভাইক ফবিনপ্যারে সভা হৈ প্রানেশিক *สเลงไ*ดโดล มหมดาม กราชนาน โดมก้องเ করেছে ভাষে এই গ্রামেট যৌকে বল্লা গলৰ *इंग्रे*क निष्**ष्ट शहर । ७१** - ११ । थकरमान करते। ७३मा वर्षा उत्तम याम्य **चारम छोत्र हिम ना।** दरमाध दिस्तीन स्थाप করার পর তেকথা তিনি নিজেই দ্ব"ক্ষ করেছিলেন। বলেভিজেন 'বা'লা দেশে খানির বিশ্ততি আহি যা নেখাত পোহাঞ তার জন্য আমি প্রস্তৃত ভিলাম 🕮 ফরিস-প্রারে যে কৃষি ও শিক্ষপ প্রদর্শনী হারেছিল তা যত না অনা কিছুর প্রদর্শী ছিল তার চেয়ে বৈশি ছিল খদসরের প্রদানী ... প্রবর্গনীর প্রাঞ্চাণে যে সূত্র কটোর প্রতি-যোগিতা অন্যাহিত হায়াছল ভাতে ঐচিত্র কাট্নোরা যে শিংপটনগ্রন সেহিফভিকেন তা বোধ হয় আরু কোহাও দেখা বাবে না :... ফরিদপারের প্রদর্শনীতে অন্তর্গঠত প্রতি-বোগিতার মত মিজাপিরে পারের ভাগি প্রতিষ্ঠান একটি প্রতিযোগিতার আয়োজন করেছিলেন। নকীপারের রায় যতীব্যুনাথ চৌধারী এবং বিখ্যাত কবি শ্রীমতী কমিনী রায় এতে অংশ গ্রহণ করেন। বাবা শ্যামস্ভার চক্রবভা এবং প্রাদেশিক কংগ্রেস ক্মিটির সম্পাদক সতীশবাব, এবং সর্বোপরি ভঃ রার নিজে এতে আংশ গ্রহণ করেছিলেন। ডঃ রার ইতিমধ্যে ভাল স্তা কাটছেন তার স্তা বার নম্বরের নিচে নর। তিনি আয়াকে বলেছেন যে চরখা রুমেই তার প্রিয় হরে



হাওড়া স্টেলানে ট্রেনের কামসার গাগবীক্তী বাল্লে মহাদেব সেশাই, কামরার বাইরে স্টেল্ডায্যন্ত ও স্তরেশচনত মহাদেশর

উঠছে এবং সাতা কটোর তিনি আনক পান।
তার ১৮০ জন কটোনী প্রদর্শনীতে বোগদান
করেন। আআর তো মনে হয় না যে, জরতব্যোর আর কোষাও উচ্চ নধাবিত প্রেণার
এওগালি পার্য ও নারাকে এই রক্ষ
ভাব-নিটিড যেগ হিচে এবং নৈপাণের
সাপে সাভা কাইছে দেখা যাবেল

্সেই বন্ধ স্তুত্ত কাটার বির্শেষ্ঠা করেছিকে বংগা কেপের করেকটি ভর্ন ছার: ভারের অভিযোগ ছিলা আন, কোন কার্যের ন্যাত্ত ভিকাস্ত ভাটার মধ্যে হোজাহালার আভার আছে বাংলা এই প্রায়ালের উল্লেখ করে গাংধীকী তবি বংলা প্রমাণের ক্ষমিন্তার কথা আরও সংগ্র করে লৈলেভি কোনে বালভিয়েলন যে এই এমানের সময় ভার আভক বৈক্ষয়কর ও আনশ্বর রক আহিতিজ্ঞাতো হারেছে এবং তার মধ্যে আন্টেট্ হল কোন নলের - পক্ষ থোকই সাভা কাচার विद्याधिका भा कता। क्षेत्र आध्यास भव किन জ্বন চরহার প্রতি তাঁদের অন্যাশ্যার কথা বলেভিজেনঃ কিম্প্ত ভারাও ছিলেন খানি পরিবিভা বলেছিলেন, "বাপ্যালী ছেলেরা যদি ভালের প্রাক্ষার রেমানেসর অভাব আছে এই অভিযোগ উত্থাপন না করেন তবে সভোকাট্র কলা সেই অভিবেশ করার কোন জারণ ভারের কেই।"

ভারতবর্ধের রাজনীতি তথন বিশেষ করে দ্টি দলে বিভক্ত হরে গিছেছিল। এক দল বারী অহ্যোগের পশ্বার বিশ্বাস করতেন অনা দল চাইতেন কাউন্সিদে প্রবেশ করে পদে পদে বিদেশী সরকারকে পর্যাদক্ত করতে। প্রথম দলের অবিসংবাদী নেত। ছিলেন গাংশীকী এবং ন্বিতীয় দলের অর্থাৎ স্বরাজ পাটির অন্যতম প্রধান নারক ছিলেন দেশকশ্ব টিভরন্ধন! বাংলা দেশে শ্বরাজ্য দলের প্রাবল্য ছিল বেলি। সেজনা শ্বভাবতই গান্ধীজীর কনে হরেছিল বে, বাংলা দেশে চরধার বিরোধিতা তিনি বেলি করে পাবেন! তা না পেরে তার মন আনদেদ ভরে গিরেছিল। ৰুত্ত চরধার বিরোধিতা তো নরই, বরং বহু শ্বরজাবাদীকৈ তিনি স্তা-কাটার নির্মিত অংশ গ্রহণ করতে নেথে-জিলেন।

क्यांत्राही अन्यत्रवर्णक शहर निरम्न शार्थी অনুসামীদের সংগে অথাং তদানীণ্ডন নো-চেঞ্জার'-দের সংখ্য স্বরজন দলের বে-वितास एमधा मिर्छाइन शायीकी निष्करे ভার মীমাংসা করে দিয়েছিলেন। গান্ধী-क्षीवत्मद्र देवीमकोडे दिल शांउमीलटा। একবার একটি কিছু নিশ্য করে নিলে ভাতে চিবকাল অনুভ আচল হয়ে থাকতে হবে এমন ক্ষদ্ৰবাদী মন তাঁৱ ছিল না। মৌল সতে। অটল ভোক পরিবেশ ও পরিস্থিতির সংগ্র ভিনি নিজেকেও পরিবতিতি করে নিতে পারক্ষা জার এই মনোভারকে তাঁই অভিনয় ব্ৰ-কৌশল বলেও অভিহিত ক্রা বর। ভাই বিরোধ বখন অন্গামীদের মধ্যে প্রদেশ্য তথ্য হোতা নিজেই সুনিধ করে লিভজিলন এবং ভার ফলে বিরোধিতাকে সহযোগভার রুপাণ্ডারত করে দিয়েছিলেন।

শ্বরাজ্য দলের পক্ষে দেশবর্থনু এবং মতিলাল নেহর আর অন্যদিকে গান্ধীজী ব্যক্তিগতভাবে এই মীনংসার চুঞ্জিপত্রে



লোৰপুৰে বাৰি প্ৰতিষ্ঠান গান্ধীকী

শ্বংকর করেছিলেন। আর তার কিছ্রিন পরেই তিনি কিথেছিলেন, ''ঈশ্বরকে ধনাবাদ বে, তিনি আমাকে কেই লভি দিরেছেন বাতে আমি আমার পক্ষে বতটা সম্ভব ততটা আম্বা সমর্পণ শ্বরাজা গুলের কাছে করতে পেরেছি। শ্বরাজীবা বে আমাকে গ্রহণ করেছেন ভার জন্য তাঁলের করেছ আনি আনার থপ অব্লুক্ত প্রতিক্ষা করে। আনি জানি বে, কমান্তীর সক্রিম্বাক করেজ নিকে আনি বতটা জের নেই তাঁলের অনেকে তা নেন না। অনেকের কারেই ভোটাধিকাকের বাাগারটি গ্রামক্ষক করা থক ছিল। তথ্ একতার খাতিরে এবং দেশের জন্য তারা তা করেছেন। তা করার জন্য তারা প্রশোর পাল।"

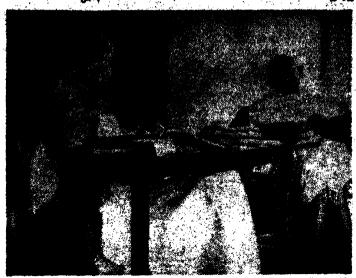
দেশকথার নেত্তে ব্রাজ্য গলৈর কর্মস্চীকেও গাংধীকা প্রশাস্য করতে কুণ্ঠিত
ছননি। বলেছেন, "বলগাীর বিষয়ে পরিষদের
কাজের মাধায়ে দেশকথা, দেশকে দেশিয়ে
কিরেকেন বে, বাজালা গজনামেনেতীর পিছনে
জনগণের সমর্থান নেই।" অনায় আবার
বলেছেন, "বলগাীর বিধানসভার দেশকথা,
দাশ বে-নির্মান্বতিতা দেখিরেছেন ভা
ফলপ্রদ হবে।"

514

একতপ্তে গাণ্ধীজীয় স্বতাবের মধ্যে সে অপারের গুলে প্রহণের আকলতা ছিল रमनवन्ध्रत रक्तारा अध्यम भौतावत रथरकहे छ। মার্ভ ছাতে ওঠে। ভাদের মধ্যে হয় মত-বিবেশ ছিল মা বা গ্ৰাণ্টেডী ডা স্বীকার कबाटम ना ए। नका टिमि निस्बर्ध বলেছিলেন পতিনি খনে করেম হব, স্তাভ বাজনৈতিক কাজের ব্যাহা মতক্ষণ না আহবা স্বাদ্নিতা অঞ্চলকরছি ভরক্ষণ আমহা কোন কাজ করতে পারব না। কেবল এইখানেই ভার স্পো আমার মত বিরোধ আছে।" ক্ষিণ্ড এই জাতাহি - মতাবিবেয়া প্ৰস্থানাক আৰ্বেধনে আবন্ধ চাত প্ৰশ্ন লিয়ন ব্যুম্ বাধঃ সান্তি কাৰ্যান চত্যান শেষ দিনেও ভা তেন প্রমুমিকনের পরার উপমুক্ত করে দিয়েভিকা উনিশ দা উনিশ সালে काशिएसम्बद्धाना याण्यतः इत्यादारुख्यः भत অন্সংধানের করেজ গ্রেদ্বীজনী স্বাপ্তথ্য ব্ৰদ্যবেশ্বৰে বৰ্ণস্থাত স্বস্থাৰো আলস্কান সাৱ বেশকে তিনি ভিতৰজননত নম শ্ৰেন্ছিলেন। ভার প্রচাত বারসা 😘 ব্যাগ্যালার জন্য ভার क्षीत प्रदेश प्रदेश क्षीरी हम कार नाम्मीकी रूप सन् করতেন। ভিতরজন ডেডেভিজেন আইনজের চত্রতার করারা মাশালা লাভ্রর নুক্টা**ম**ী क्ष्मान करत निर्देश शास्त्रीक्षीत लक्षा किस ক্ষমা। সভেরত প্রথম বৈঠাক ভূচিতর দর্শন্ত ভাগাঁৰ পাথকিং ধরা পাড়ে৷ বিশ্বু প্রবস্তী বৈঠাকে এই পাথাক্ষতে বিশ্বাস ও প্রেয়ের রাস সিপিত হাস যাত। এই প্রসাধার উল্লেখ করে নাংধীজী লিখেডিলেন "আল্লান্ড কিব্তীয় বৈঠক আমাকে বিশিষ্টত কৰে এবং আমার ভয়কে অপ্সারিত করে। তিনি স্ব সময় ব'ৰ গ্ৰেণে পুসত্ত ছিলেন এবং আমি যা বলেছিলাম তঃ শ্নেছিলেন। এই প্রথম আমি ভারতক্ষের এতগালি লোক-ন্যাকের সম্পর্কে আসি : আমর: শরুপরকে ^{দ্}রে পেকে জানভাম। প্রকৃতপক্তে কংগ্রেসের কোন কাডেই ভেখনও আমি আংশ্ প্রহণ কবিনি। ভারা আমতে কংগ্রেসের একজন ह्याच्या रामहे लागहरूम। किन्दु फाभाव जकन সহক্ষণিই আমাকে ভংক্ষণাৰ আপন করে

नहारे त्यन अञ्ची		a 	\$-00
ল্যাক সেইলার	11		9-00
बाग्स		সমরেশ বস্	0.00
দ্ৰণশিশ্ব প্ৰাণ্যণে		कानक ्छे	8.00
সভ্যকা ম	11		9.00
মহাকালের মণ্দির	11	ď	A. ()
নগরীর অভিশাপ	11	পণানন ঘোষাল	9.00
লাগ্ৰত ভাৰত	11	ک	9.00
জিলং উলিবা	11		9.60
ভুরসম ভুর•গী	u	•	6.00
श्रीधवी यादात्र नाम	11	• •	\$0.00
ক্লিওগেটা	u	<u>À</u>	y ·0
পথের তীর্থে	11		9.00
শ্বন থেকে স্তি		গোরাঙ্গপ্রসাদ বস	8.0
এসো মৌস্মী	II	78	৬.০
5 तु श र तु था	11	শৃংকু মহারাজ	6.6
ছায়া দোলে	11	শ্রীবাসব	8.0
নীলপালা লালু বাদশা	n	निश्रानम्	¢.0
ৰ্পমতী নগরী	ll.	অ্মিয়কুমার বল্যোপাধ্যায়	
গণ্যাহ্বদি	11	, ,	8.00
অণিনস্বাক্ষর	11	রাহ্ব সংস্কৃত্যায়ন	9.00
বিশ্যবিহলী	11	কণিষ্ক	9.0
ৰাড়খণ্ড সীমাণ্ডে	11	<u></u>	26.0
अत्र माना	u		29.0
ৰিচিত্ৰ সংলাপ	11		A.0
রমণীয় ক্লিকেট	11		₩.0
সাহিত্য জিঞাসার রবীন্দ্রন			2.0
ক্থাসাহিত্য জিল্লাসা	. 11		७ ⋅0
ब्रबीन्स्रनात्थव गान	n		8.4
শ্বামীজী শম্তি সপ্তয়ন	U		₹.0
ভারতের সাধক (৮ম)		শ•করনাথ রায়	2.0
ভারতেব সাধক (১ম)	u	ঐ	2.0
नगरत्र व			8,
(ग्रुक		দকার জন্য লিখনে] এ, টেমার লেন, কলিকাতা-১	

THE WILL WINDSTEIN OF THE PRINT PRINTING हार विक कार्यन क्यें कावारक बदबर्गन। আমাৰ এই স্মিতির সভাপতি চৰাৰ কথা इक्षांक्त । 'स्वभादम आधारमञ्जाक शाबक। ছবে সেখালে আমি আলার কথা বলব কিন্ত कापि काश्याक शिकारक त्यान तमर्थ-स्रोव निक त्यांक त्याकात को प्राप्तिक त्यांक কলে আমহা পরস্পারের এত কাছে এনে-ভিলাম যে তার সম্পর্কে আমার পরে তন সং-मात शासाम कराव माहमक चाहाव हरवहिन। ভাট খবন ভিনি এই প্রতিপ্রতি নির্মেছলেন प्रथम और उक्क अक्कन विश्वामी महक्की व कता साथि भवाताथ करही हमात्र। किन्छ सार्ट সংশ্ৰ জামি কিছা অপ্ৰস্তুত্তত বোধ ক বাইলার। কেন্না আমি স্থানতার বে. ভাৰতীয় বাজনীতিতে আমি একজন निकाशी मात अस अहे काटीय मरन्यर गड विष्यात्मव कथिकावी महे। विल्ल निरुश्निकी कारमञ्जीवदवास्त्र करत सा। एव ताला कहे লীভি দ্বীভাল করেন তিনি ভার সেই क्रमाहरक सार्क का सम्मानीन कराम शास्त्र তিনি কোন বিহারর একমত বিচারক লিকাজিত ক্রেডেন। আমার অক্তর ছিল ঐ অনাচারত হত। এবং আছি সক্তর গাবের সংখ্যা সমর্থ করি যে ফেসব বিদ্যাসী সহক্ষীর সংস্পূরণ আসার সৌত্রা আমার ছারেছিল তালের মধ্যে চিত্ররঞ্জন দংশর চেরে অধিকতর বিশ্বাসী কেউ ছিলেন না।" ভালের এই পরিচয় ও ঘনিষ্ঠান্ত মার ধ্বছর টি'কেছিল। ভারপারেই মাতার নিশ্চার হাত দেশকধ্যকে ছিনিয়ে নের। মারা ধারার কারক शास्त्रके अने व कि मार-छ দিন আগ্রেও ্রেশ্রভার্য অভিনিধ হারণিভালন**ে এ**বং এখানে দেশবন্ধার আন্তরিকভার বে-সপলা ডিলি পেয়েছিলেন ডার মাডিকে ভূতি জালিতার আলভ্রে প্রেট সম্পদ राज्य शार्थमीकी सर्वासा कार्याक सन । फिक्ट्यान ভেখন সম্পূর্ণ স্মুখ ছিলেন না। তব গ্রাণ্ট্রীর ব্রের পিকে ডিনি ব্যক্তিত নজর রোখন্টিলক। বাজানৈতিক কর্মসাচী ও গঠন-হাজক কম'পণ্ডা-স্ব বিষয়েই ভাষে আনুল চন। হুবুছিল। সেই সময় একটি স্বাদ্ধীয় ব্ছানৈতিক স্ক্রেলন আহ্মানের कथा ब्रीकृता এই अध्यात्मा गाम्भीलाँ है হতেন প্রধান হোতা। d সম্পরে তিনি (मन्दरभूत खिस्मात क्रिकामा कर्द्धाः (मन्दरभ्यः) कामन एवं मार्च वार्कनगर एवं काइ स्थाप দেল লাসন সম্পরেল তিনি বড় কিছু আলা कतरहरू ए हैं (महे शहरू हा के बार्टी व সন্মেলন তিনি চাম না। গাল্ধীক্তীর মনে এই ভরসা ভিজ না। তব্ ভিনি বলেন বে, দেশবংখ্ এবং মড়িলাক 'নহরু না চাইলো তিনি এই সাক্ষালন আহ্বান কর্তে। না। भाक रहत्यः द्रमध्यभ्यः तत्नाहत्वमः বাকেনহৈত বদি হভাশ 4014 ভবে



माल्डाबटकडटन इयोगा-माहित्या गाम्यीको

करता : काकन श्रापाक "

কার্টান্সলে আমর কী করব তা জানি না।

তবে এ কথা জানি জানি বে, আপনার
চরখার পরিকলপন্ আমাদের চালিরে কেতে
হবে এবং প্রমগুলিকে আমাদের সংগঠিত,
কবতে হবে। সম্ভব হলে গভলমিনেটের
সাহাবে নিরে আর প্ররেজন হলে তা জাড় ই
আমাকে দেখাছে হ'ব বে হিংসা না ক'বও
স্বরাজ লাভ করা সম্ভব। দেশের মাজির
জনা আপনার কাছে অহিংসা ফেনন
ভাগ্তিয় নীতি আমার কাছেও তেমান।"

সাতার প্রতি গভীর আগ্রহ হা তাঁকে একট সংগ্য আগ্রম বিশ্বা স অটক এবং অপরের বিশ্বাসের প্রতি প্রাথ গাঁক করে বিয়েছিল—তার ফলে গাধ্বীজী এমনিভাবে

বাংলা সাহিত্যের স্টানালি গার্ডনার স্নীলকুমার খেবের আর একটি
চাণ্ডলাকর রহসা উপনাসে—

র্যাক অ্যামবাসাডের

কাহিনী গ্রন্থনান আর রহসা পারবেশনে কেখকের প্রেন্ড কাড্ডার সাকর।
কাম সাত টাকা মার গ্রন্থা জন্মানা রহসা উপন্যাস
স্নোলকুমার খোরের

উত্তর্গাধকারিপী ৬০০

চরক্ষান সেনের

খ্নীর দেশ নেই ৫০০

কয়েকটি হত্যা ও দ্টী রহস্য ৫০০০
প্রথম প্রালক্ষেন্ত । ৮৯ মহাজ্য গার্মা রেভ কলি ব



মেদিনীপুরে গাংধীজী

বিজ্ঞান দেওবা হক। কথাটি শ্রেন গাংশীলী
মন্ত্রিক হারেছিলেন। ব্যেলিছালন তেন আসহযোগালীরা কাউকে ধিজার নিতে পারে না, জখনাত্রন শহরেকও পারে না। আজ স্বের্ডনাথের মত প্রবীণ নেতা বিনি একদিন দেশের মনোভাবকে বান্ধ করেছিলেন তাকৈ ধিজার দেওবার তো কোন প্রশাই ওরে না। এই প্রসংগ্রাই উল্লেখ করেছিলেন গ্রাধানিকী আর একবার। উনিশ শা এপুণ সংগ্রের উনহিছে জিলেস্কর বংগে নাগের কারেরজন প্রতিনিধি প্রাক্ষেত্র বংগে নাগের কারেরজন প্রকর্ম করেন। আলোচন বা মার্বে অস্থ্যের ক্ষার করেন। আলোচন বা সার্বে নাগের করার বংগান্ত্র করার করেন। আলি করিছলেন, শ্রামি জালি বে, নাগের নাগের জ্ঞান ব্যাহার্যার আলি ব্যাহার্যার করেন। আলাক্ষরজন ব্যাহার্যার করেন। আলাক্ষরজন ব্যাহার্যার করেন। আলাক্ষরজন আলাক্ষরজন আলাক্ষরজন করেন। আলাক্ষরজন আলাক্ষরজন ব্যাহার ভ্রাহার্যার করেন। আলাক্ষরজন আলাক্ষরজন ব্যাহার্যার করেন। আলাক্ষরজন আলাক্ষরজন ব্যাহার্যার করেন।

আরি বলৈ যে নিজেবের মধো ভিত্তা এবং ে বল্লানার অসহিকান্ত। বতটা আনি বাংলা নে ল নেখেছি ভত্তটা ভারবদের रकाशास सर्वाच⁶ला...कारेश्वरवित सरमा গৈত্যাস আৰু থাজি হৈ, আম্পাই টেংকারত আদশ আর বাঁদের আফ্রাদের মতের মিল নেই তারা যে কেবল দেশের কল্যাণকামী নন, ভা নয়, ভারা দেশের अतः। आत **ाहे डीज.स्तरम्याध राज्या**ः পাধায়ের মত ভোষ্ঠ মেতাকেও লেখের শ্র প্রাপ্ত অন্যে করা হলে।...তামি মোটেই তাকে क वक्त्र मान कवि सा कवर ज्योग स्थानशास्त्र বলভি যে তিনি দ**া** নন।" গাং**ধীজ**ী ভ'র এই অভি ট্রসাহী অন্থামীদের স্বেধান লাভ ফিটেডিলেল চে. এই ফাডেলৈ নিষ্ঠারতা এবং দেশবাসরি সম্পর্কে এই রক্ষ চিন্তার স্তের আসহায়ের ও অহিংসার কেন সামঞ্জা e are mia fill

ংল•ধারিক ব্**লাছ্**কেন স্পুৰ্ণ্যাৰ ভাষ কোল কোল क्षापार र पदा कार्यागढ सामान क्रमेश्राप এক ভাৰতীয় ক#নে*িংক সত্ৰ ভাৰ ভাৰ আহে তাল বিশ্লমান আনুষ্ঠ সল ^হে আনে কাট বাংলা **ভ্**মাণেট চালেন্সরাক্ষর অসে,স্থারার সংখ্যার িলি সান্ত্ৰপ্ৰত তুবি সংক্ষা দেখা কৰাই and angeliante ange afit fam afaf-স্থাৰ আন্তঃ সাক্ষেক্ত সভা ভিতৰ বিশ্বৰ হেবের ট্রাট হাতিবের জার্ডর কেনাহার সার্কের হাদেল চাকে হাহাৰ কাৰেছিক**ল**া । ভাত হয় হৈ জন্ম । তাদ্য কাৰ নিৰ্মে**ছিলেন** সহ সভাৱত দেশ ভাজান হাব্যে আনুকা পা**ৰ্থ**ীয়া^ল ্টাৰ সংগোল্পান্তৰ প্ৰথ العرب معرفين الح স্পৃতিপুর্বাল প্রাক্তি ାଟ ପ୍ରୌହଣି ଓ ଅନାକ ନଥିବା ହାବର" ପ୍ରଥମ୍ପିକରି উত্তৰ নিয়ে ছালেল, *লা* ত্তিকারে জলের ্ৰিটা কৰে জন্মন্ত সভালের চার হয়ে এটান, স্রেল্নাথের হয়ত ওখন সংহা**র্**ক । গ্রাণ্ট্রীর করে**ছ** र्गात अकारायत्वे तकत अधीरक रहरेत शाकात তালা প্রকাল করেছিলেন। সেই আলা ভবি পাৰ্য হয়নিও চাৰ্যকৈ ৰ স্বেগ ঐ সক্ষেত্ৰ-কালের সাহাস পরে হঠাৎ ভারি হাছ। হটে গিরেভিন্ত গ

নিংব ধিতাকে জিলানের সারে জিলাক দেশার এই অভাশিদা বোধ হল প্রেতি লাভ করেনি সাভাষ্যকেল্ব ক্ষেত্র। ইতিহাস ভাই গাংকী-স্ চাবেল বিভেশকেই চিলিভ করেছে। কিন্তু এই চিলাভা ভাবের জীবনের কহিবলগ মান্ত। সাভাষ্যন্ত বিশি আরও কিছুদিন ভারতবর্ষে পাকাভ্রম ভাবে তালের উভ্রের মান্ত। প্রক্রম ও ক্ষেত্রাক বিভাগি প্রায়া প্রশ্ব ও ক্ষেত্রাক বিভাগি প্রায়াত হাজ্বল তা হর্ত ভিন্নভাকে ভাতরুম করে অন্তর্ক উভ্রেণি হয়ে বেভ।



এ কৰা মনে করার সংগত কারণ আছে। আর সেই করণ হল মত-পার্থক্য থাকা সত্ত্বেও পারশারের প্রতি পারশারের অন্যুরাগ ও বিশ্বাস। গাশ্বীকীকে স্কার্যকন্ত্রই 'জ্যাতর পিতা' বলে অভিহিত করেছিলেন—আর করেছিলেন তথ্য বথ্য কর্মপ্রথ জানত মত-পার্থকোর কর্মা তারা দ্বাক্তনে দ্বই ক্যোতিক্ষের কর্মা তারা দ্বাক্তনে দ্বই ক্যোতিক্ষের মত ভিন্ন কক্ষ পথে পরিক্রমা কর্মছিলেন। পক্ষাস্করে গাশ্বীক্ষী বার বার বোবণা করেছিলেন যে স্ভারতক্রের সংগ্র ভার কোন রক্ষ বাজিগত ভিত্ততা নেই, তিনি ভার কাছে ছেলের মতই।

এট বিশ্ব সের জোরেট গ্রাম্প্রিকী রাগ্য-ছিলেন, "আমাদের লাভিড্গারি মধ্যে পাথক। থকা সভেও তিনি ন্থন আহিংস সংগ্রাম পরিচাপনা করবেন তথন ভারা (**পর্যুক্তম্যুক্তর**) **জামানেক ভার জন**াসসল ক্ষাতে বেশ্বেন ক্ষেত্ৰ আছিল হ'ছ জাৰ নাল ল ধরতে পারি তবে দেখৰ যে তিনি আমার कानाजतम् कताकृत्। ११ भाषाः ७ हे २७ । जासास-চণ্দ যদি অভিয়ে সংগ্রা প্রচালনা না করেন ভবে কি ভারের মিলন হবে ন ২০০ব ক্ষেত্ৰত হয়, আৰু এল লগ্ধতিই সভান্যবাস, ভার জাবিদার গাঁওখাঁন্ত: এবং স্থান্তর্ভালের প্রতি সময় এ ভাস্থা সেউ সংশ্ৰু যাত্ৰ আৰু দৈহোত্মৰ চিত্ৰীয় জানাত্ৰ তে সাভাত্যালয় আছে ত্রুল মহান তিলি জন্ম থোকেই নোতা এবং তার সংগ্রমণান্তি ও সংখ্যা কোনা বাধাৰে স্বাহ্যার করে ৯ : ডাই লাখ্টভগণীর ভিলাতার প্রসংগ টাল্লখ করেও একহা বল্পে ডিলি ক্তিছে ১৯৮ তড়িল (স.ভেস্কুরনা) খালেই রাধ্যাস্থপার ভারত ভারতার বংকাছিলের কে. ভ্রাকার হাছাটি হা কর ত কার্যা হারেছেন ডিনি ভা তরাকান দির্ভনত **জন**াতিনি অধৈয়ে রাম প্রেরভিলেন তেমি ভাকে কলেছিলায় যে 🛒 ১ন পার্কল্ডার কোকে যদি আমাৰ ভাবিদৰাম সময়ত আহিছে । হাস তাৰে ভিটি সন্প্ৰথম তা তাভিন্ন-**সডের টোলিয়াম** সাবেল সেটি হবল আন্তর্ ভাষি অভিযান চলান সমল মণি চামান মড পরিবভান হয় ভবে দলাপ্ডঃধব্যুক আছে ভালি আমার মেডা কর মেড়ে কর। এক ভালি পাতাকাতলে ভাগান লগে লেখাবাত

রিটিশাকে চরমণত দেবার এবং তারণির অভিযান আরম্ভ কবার প্রশানিরে স্থান হা চাপ্তের সংগ্র গাংধীজারি মত বিরোধ ঘণ্টিজা। সেই চরমণত গাংধীজা দিয়েছিলেন তিনা বছর পরে। স্ভাষ্টপুর ভ্রম তান রগাঞ্চাণে। স্ভার্ব গাংধীজা ভারই কথা মত স্ভাষ্টপুর নাগাল আর ২৫/৩ গারেনান। পক্ষাণভার নেতালার পরিকাপনাও আলার হিলে স্টোজার ন্যারা ভারতের স্যাধীনতা আলার সাথাকতা লাভ করেনি। ভাই বলে আলার হিলে স্টোজার এবং নেতালার কি কেন্দ্র অব্যান হাই গাংধীজা



চাদপ্রে নৌকাবোগে প্রার্থনা সভার চলেছেন গাঞ্জি

তা মান করতেন না। তিনি বলেছিলেন

নে, নেত জাঁ এবং তার দৈনা বাহনী হে

শিক্ষা বহন কার এনেছেন তন হল আছতার,
জাতি ও সম্প্রার নিবিস্থেম একতা ও
শ্বংলা। তিনি বলেছিলেন, "আজ সমস্ত
দেন বাহিনীর মাধা নতুন উল্লেখন এবং
নতুন ও গাঁও বেবা দিছে। এই স্থান্ত বিহাল কার্য আমি তার প্রতিভ্রমিত বিহাল কার্য আমি তার প্রতিভ্রমিত কার্য কার্য আমি তার প্রতিভ্রমিত কার্য কার্য আমি তার প্রতিভ্রমিত কার্য তান আর্য আর্য কার্য আন্দা নিয় তিনি ভারতব্যার বিশিষ্ট সেং কারতেন

4.5

সম্পূর্ণ (নার্থায়ে স্নান্ত্র র্থান্ত্র সংসার্ব বিবল তেখনি একেবাবে গ্ৰেছনি মান্ত্ৰভ সংস্থার প্রের নাং একজন সভার্তির ক্ষেত্র এবং ক্ষেত্র সভা, মানা্যের কেন্সী এবং সম্প্রসামির ক্ষেত্রের একথা সমান ্রটে সংবস্থের ক্রাবরট **হ**ল্ অপাৰ্ধ বেস নয় প্ৰাপ্তলক্ষা। शान्तीक्षीत जीतन उद्दे कार्रानारमास क्षेत्रास িজা: অসায়ামা**র হা**লে অংশের নেটে াম্বিক স্বেভ্যা নিশ্চয়ই কংবাক্ত। বলে বিক্রেচিত হয়ে। কেননা তার উদ্দেশ্য লোষ দেখা নয়, ভার উদেশনা হল দোষ সংখ্যেধনের জন। অপরের । দ্রভিট আকর্ষণ কৰা। **গাংধীজী চেদ কাজ**ও ভি**ষ্**চর ব্রেছেন। বিশ্ত তবি লক্ষ্য ছিল। গ্র ব্ৰথা ভালক আহেও বিক্ৰিণ্ড ছাওয়াৰ প্ৰায় উন্মা**ত করে দেওয়া।** বাস্মালী জাবিদের গ্ৰ প্ৰধেৱ সিকেও গাংশজিগীর দ্বিট ડકમોન ક્રિક્ષ બલાલો યાળાની

সংকীর্থামন; বাংগালী প্রাস্থানকতা দোৱে দুখ্য—এই অভিযোগ তিনি ভাই স্কুতার সংগ্র খণ্ডন করে নিরেছিলেন। আন ডেব ম্কুথান্যায় বে কালী বিশ্ববিদ্যালকে ভার বিশাল প্রশ্ব সংগ্রহ দান করেছিলেন ভার উল্লেখ করে তিনি বলেছিলেন বে, এই ঘটনাই বাংলা দোলে প্রারেশিকতা আছে এই দোবারোশকে মিখ্যা প্রমাণিত করে দেও।

काल्डे मध्यह बहुन

भारतादक्षण सारवद

- ১। আদিম সমাজের ইতিহাস
 - ¢.00
- ২। **ইতিহাসের দর্শন** ৪০০০ ৩। **ইতিহাস ক্রীও কেন ২**০৫০
- S मर्गन की ख किन 2.60
- ে। গোরলা যকৈ কী
 - ওকেন ১.৫০
- ৬ ৷ কমিউনিন্ট পাৰ্চি ক্ৰিও কেন ?
 - 13 2.€0
- ৭। <mark>কমিউনিল্ট বিপ্লবীন্না</mark> কোনু পথে ০-৬০

তাণ্ডশ্যন :

জয়পূর্ণা প্রকাশনী5/২, জাকসন লেন, কলিকাডা-১

ইউ এন ধর একে জোম প্রাচ লিং

১২, বাকিম চাট ক্রি প্রতি, কলিকাডা-১২

(TR 6250)

० व्यवस्थ भण्यक्ष ०

বে। ধরহম্য

देशकासामन मृत्याशासास ॥ माम ७ ००

(श्रम भारति । इंछा म

বিমল মিত্র ॥ দাম ৭.০০

(गाय(का नव 'स्वयंव

नर्राप्तन्तः वत्न्ताभाषात् ॥ नाम ८.००

সন্ধ্যারাগ

নরেন্দ্রনাথ মির । দাম ৫-০০

আম্বা 'ড্ৰ প্ৰেমিক ও তবন

বিমাল কর ॥ দাম ৪.৫০

ब्रष्टमार भण्म भ्राभ्

র্পদশী ॥ দাম ৬.০০

पुषि (कश्रन वाहा

ব্হ্মদেব বস্থা দাম ৬ ০০

পঞ্চশর

প্রেমেশ্র মির ॥ দাম ৩.০০



আন্তৰ্কন পাৰ্যকিশাৰ্স প্ৰাঃ কিঃ কাফস : ৫ চিন্তামণি দাস লেন। কলিঃ ৯ বিক্তম-বেন্দ্ৰ : ৬৭এ মহাম্মা গাম্মী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭

क्षाम कर्त्वाचरकार । समयम्द जात याचिति 1072 গিরেছিলেন। ভার মন্তার পর সেখাদে একচি যেরেরের হাসপাডাল খোলার বাবস্থা हरा। ज्ञाम काम काम महत्र व्यक्त कथा ७८ व बान्तानीता शास्त्रीनक महमा-ভাষাপার সূতরাং দেশবংশকে তিসাবে যে হাসপাতাল প্রতিষ্ঠিত হবে इत्य। गाम्योकी পাভালটির ভিত্তি স্থাপন করার সময় এই দোলাবোপ অস্থীকার করেছিলেন। তিনি "বাঞ্চালীকা 313141 ভারতবয়'কে বালালার মধ্যে গ্রহণ করে নেই জবে আমি বিষ্ণ হয়ে করব না। কেননা তাহলে যুক্তপ্রদেশের বৃদ্ধ পণিডতক্ষী এবং গাৰুৱাটের এই বাদ্ধ বেনিয়াকে ह(व। (व-নেবার জনা ছেড়ে দেওয়া বাংলা ব্ৰীম্পনাথ রামমোহন রায় কেশ্ব-চল্য সেন বাহাকক প্রমহংস এবং স্বামী जिल्हाक-त्य-वारका বৈবেকান্ডেদর 97 F3 চৈতনোর পতে পদধ্লিতে পবিত এবং বে-বাংলা গণগা ও ব্রহ্মপারের শ্বারা বিধেতি সেই বাংলা যদি সমগ্র ভারতবর্ষকে গ্রাস করে নেয় ভবে আমি কিছাই মনে করব নাঃ কিন্তু এই আশংকা মিথায় কেননা উদ্টীদের পক্ষে ডাঃ যিধানচন্দ্র রায় ছোষণা করেছেন যে, দেশকথা যে মহান আদশ নিষে মাজভূমির সেবা করেছেন। পাতার্লাট সেই আদ**েশ** পরিচালিত হবে। পতিজ্ঞানটি ধাঁৱ অন্তবে যেসৰ নিপটিডত तावी जाबाएम्ब **काबता ७** हरोत जाहनहरूत শিকার ভাবের বন্ধন মোচনের আক^{্তি}ভ ছেল তার স্মাতির উদ্দেশ্যে নিবেদিত। এটি কোন এক ট্রাম্টিনের সম্পত্তি নয়, এটি সমগ্র জাতির।"

অহিংসার নীতি ও পদাতিতে বেশ্বাসী গাংধীজ্ঞী বাংগলা দেশের স্কাসবাদীদের কার্যকলাপ সমর্থান করতে কিন্ত তাই বলে তাদের বীর্য ও সাহসের প্রতি তার যে সপ্রশংস দুড়িও ছিল না তা নর। একাধিকবার তিনি সে কথা ঘোষণা করেছেন। বলেছিলেন তাদের সাহসিকাতা, তাদের আত্মতাগ তাদের দঃখবরণ ভারত-গৈয়েছে। এমনকি নোরাখালি দাংগায় হিন্দ্রা যে কাপ্রেবতা প্রদর্শন করেছিল তার ধদলে আদ্বরক্ষার জনা সাহসের সংখ্য অস্ত্র গ্রহণকেও তিনি অধিকত্র কামা মনে **করোছলেন। চটুগ্রাম অস্থাগার ল**ুস্তানের সংগ্ৰে ব্ৰ একজন সাক্ষাংকারীকে ভিনি 'আপনারা লক্ষা করবেন যে আলোচনায় আমি আপনাদেব কল পরিতাগে করার কথা বলাছ না। আমি নিকে আপনাদের অন্ত দিতে পারি না।

BRAIN WITHIN OF BUILD GITCHERS WAS **अट-केटलक ट्याक्टलक जान्य** अवरहार स्वीम बारपह क्या इन रव, छीता कार्यक निर्द्धारमञ्ज मरबारक वाल्य कन्नरक পারেননি। তাবের সাহসিকতা ভিল এক-পেলে। তা ত'রা অন্যদের মধ্যে সংস্থামিত कराक भारततीत ।" जाइव "তাদেত এডগ**াল লোক এখা**নে ভার জীবন্ড সাক্ষী হয়ে चंद्रेना चरहेर्ड क्रमक वटन प्रति SCACE I SPENSING লু-ঠনের সময় ভারা CE STELLIST & সাহস দেখিয়েছিলেন এই সকটের সমরেও তার। ধান মাতার মাখোমাখি দক্ষিবার জনা **E1 19417** পরেতেন তথে ইতিহাসের পাতায় তারা কীয় বলে পাণত হতেন। ভারা যা করেছিলেন ভার ফলে ভারা এখন পাদ্যিকাই হয়ে ব্যাহ্যেন।" গাংধীজী সেই সাক্ষাংকারীর পল্টিকে বলে-ভিজেন যে তিনি তৌদের আক্ষের বাবহার জাল ফাতে বলাছন না অথবা তিনি বে-ধরণের সাহসের কথা বলেন তাও অন্সেরণ ক্রাত রলক্ষের না। তিনি তাঁদের ভয়গানা হৰাৰ কথাই বলপ্তন—তা <mark>যান</mark> আহিংসভাবে না হয় তবে অস্তের সাহাযোই

এমনি বাভিবদে মনই ছিল পাশ্বীকৃতি। ন্তিৰ দিক থেকে যা হয়ত সম্প্ৰিয়াগ। ন্ত। প্ৰিবেশ ও প্ৰিম্পতিৰ কথা চিন্তা না করে ভাকে কেবল নিম্পা করার মধ্যে তিনি কিছু সাথকিতা গ্রেঞ্জে পেতেন না। 500 19.50 নোয়াখালিতে ৮ তথন শ্রীরামপুর প্রত্যা ভার সংক্র ভার সেকেটারী অধ্যাপকে নিমলিকুমার বস্থু এবং পেটনোগ্রাফার পরশ্রেরাম রয়েছেন। গ্রান্ধীক্ষী নিম্লবাব্রক জিজেস করলেন তিনি মাছ খাজেন কি না। নিমালবাব, উত্তর সিলেন যে, তিনি নিরামিশাষী নন, ভবে সেখানে প্রশ্রোমের অস্ত্রিধা হবে বলে ভিনি ভা थाएकत ता। अकथा भारत क्रांतक कथा গাংশীজীকৈ প্রণন করলেন, মাছ খাওয়া কি हिरमा नव? शान्धीकी वलालन "वारला दिन्दमा का**क** शका माधातमा श्राप्ता। এটा क (कार) (मना স্তরাং মাছ আপত্তি কী?"

বশ্বন্টি আবার প্রদান করলেন, তার স্বারা কি জীবনহানি হয় না ?

গান্ধীজী উত্তর দিলেন, "হাঁ, তা হার: কিন্তু ভেজাল খাদ্য বিক্রি করে মানুষ লোকেদের যে ক্ষতি করে এ ভার চেরে কম ক্ষতিকও।"

এই ব্ভিবাদী মন ও গ্ল গ্ৰহণেৰ মনোভাৰ নিয়ে গাণ্ধীজী উনিগ গ' সহিতিশ নালে এসেছিলেন কলিভাভার। বাংলা দেশের বল্দীদের মুদ্ধি প্রচেন্টা ছিল ভার এবারে কলিকাতা আসার অন্যতম উল্পেখ্য। বাংলার তথানীণ্ডন গভর্মর আ্যান্ডারসনের সঙ্গো তিনি ব্যারাকপরে দেখা করলেন। বল্দীরা মার হয়ে সন্যাসবাদের পথ নেবেন এট অজাহাত দেখিয়ে গভনমেন্ট ভাদের মার করতে ইতশ্তত কর্রাছলেন। গাংধীজী হলেন তাঁদের গ্যার্ডাণ্ট। ফলে সেবার তিন হাজার বিচারাধীন বন্দী মৃত্তি পেলেন। কিল্ড আরও কিছু বন্দী রয়ে গেলেন। তাদের মূভি প্রচেম্টা চলতে লাগল। এই উলেপো একটি সমিতি গঠিত হয়েছিল। কিশ্ত গতনমেণ্টের অসহযোগী মনোভাব দেখে শ্রীবৃদ্ধ শরংচণ্ড বস্ব সেই সমিতি থেকে প্রভাগে করেন এবং একটি চিঠিতে जाभ्यीकोटक कार्यन "এখন সমস্যা হল বাকি বণদীদের মাজি আদারের জন্য আমাদের কী করা উচিত। আমরা কিভাবে অনুসর হব তার জন্য আপনার উপদেশ আমার বিশেষ প্রয়োজন।"

এই মুক্তি আদায়ের ব্যাপার নিরে বন্দীরা তথ্য অনুশ্র করবার কথা চিম্তা কর্ছিলেন। শরংবার্ গাংঘীলাকৈ জানন যে, বন্দরির অনুশান করলে সমগ্র পরিস্থিতি খ্যবই জড়িল হয়ে উঠনে, অথচ ভানের যে কী আশাদেৱেন তাও তিনি তেৱে এই ভিটিছি উম্পত্ত The second করে গা•ধীক্রী ব্যবহারের মর্নান্ত দর্মার করবেন। ঐরকল পরিস্থাতিতে #1316 -বার্র প্রত্যেগ 8.61 **₩**.⊌. (4.•) গত্যভাৱ ছিল না সে কথা দ্বাকার করে নিয়ে গ্রনামেণ্ট্রে অন্তর্ধে জনিক্ষে থে, ভারা যেন আবার শরংবাব্রে বল্দী-মারি উপদেশ্য সমিতিতে আহ্বান করেন। পরিশেষে লিখলেন "আমি আশা করি বন্দীর। অধার হরে না এবং অন্শন বা ঐ জাতীয় কোন কাজের স্বরো বাধা সর্ভিট না करत बन्धारश्य श्राप्तकोरक भवन श्राप्त সংযোগ দেবেন। আমি ভাসের অন্রোধ করব যে, এতদিন ভারা যে মহাদাপ্শ সংয্য ব্যাধিমানের সভ পৌখনে এসেছেন তা যেন বজায় রাংখন।"

83

ক্ষীবনের দুটি সিন্দানত, একটি বাণ্ডিগত আচরণের এবং অনটি আদর্শ রুপারণের ক্ষেত্র, গান্ধীঙ্গী এই বাংলা দেশে গ্রহণ করেছিলেন। প্রথম দিকের কথা। গান্ধীক্ষী একবার শ্রীভূপেশুনাথ বস্ত্র অতিথি হয়েছিলেন। তথন তিনি মূলত ফলাহার করতেন। সেজনা ভূপেনবাব বান্ধারে যত রকম তাজা ও শ্কনো ফল পাওয়া বায় তা সংগ্রহ করেছিলেন এবং সেগ্রিল বিভিন্ন ভাবে সাজিয়ে গান্ধীক্ষীকে

বৈতে দিরোছকোন। এ নৈৰে সাম্প্ৰীকী ভীবণ বিষ্ণত বোধ করোছকোন এবং প্রতিবাদ করে বলোছকোন, "করেছেন কী? আমি সামাসিবা ভাব প্রকাশ করি, ভারে আপ্রসারা আমার জন্য এত পরিপ্রস করেছেন।"

ষটনাটি গাল্ধীজীকে এমন নাড়া দিরেছিল বে, তিনি সেই দিনই দিনে মোলিক পাঁচটিয় বেশি খাদ্য গ্রহণ না করার প্রতিক্ষা নেন।

আর একটি ঘটনা ঘটে উনিদ ল' চলিশ সালে। 'গাম্বী সেবা সংঘ'-র অধিবেশনে যোগদানের জন্য গাল্বীজী পূর্ব বাংলার মালিকান্দার একেছিলেন। বাংলা দেশ তথন গাংশীক্ষীর বিরুম্ধে বিকুশ্ধ। সেজন্য গান্ধীলী বখন মালিকান্দার পেছিন তখন শত শত দশ্নপ্রাথীদের ইছাকে অভিক্রম করে একটি জনতার পাণ্ধী ফিরে বাও' পাশ্ধীবাদ নিপাত **যাক' ব**ুনি মুখ্যিত হতে থাকে। দু তিন বছর আগে থেকে বে চিন্তা তার মনকে আলোভিত করতে থাকে তা এখানে বলবতী হয় এবং গাণ্ধীছাী 'গাণ্ধী সেবা সংঘ' প্রতিষ্ঠানটি তলে দেন। তিনি বলেন, "আমি জানি যে, আমরা যদি প্রতিষ্ঠানটি ভূলে দেই ত্রে আমরা কিছুই হারাব না..... 'গাণ্ধীবাদ নিপাত বাক' ধর্মন নির্থাক ন্য। কেননা গান্ধীবাদের অর্থ যদি হর যদ্দেবং চরখা চালিলে যাওয়া তবে তা ধনংস হওয়া উচিত।...আমাদের অহিংসা ফদি বারের আহংসা না হরে দরেলের অহিংসা হয় এবং তা যদি হিংসার সামনে নভজান, ধ্বংস হয় তবে গা•ধীবাদের উ'হত ।"

গ্যান্ধীজার সিম্ধান্ত কার্যকরী হয়। প্যাণধী সেবা সংঘ' রুপান্তরিত হরে বার। কিন্তু এই মালিকান্দার সম্মেলনেও বাংলা দেশ তার বৈশিষ্ট্য হারায়নি। পদ্মার ভারবভা এই গ্রামের পরিবেশ গংখীজীসহ সকলকেই যেমন মুণ্ধ করেছিল তেমনি সংক্রের বারের কেটেও ন্তন্ত ছিল। সাধারণত সম্মেলনে বায়ের অংক আরের অংককে ছাড়িরে যার। কিন্তু মালিকান্দার বার বেমন তুলনার কম হয়েছিল তেমনি উদ্যান্তও হয়েছিল বারের অধিক। গার্ম্বাকে সেই টাকা দেওয়া হয় এবং তিনি ডঃ প্রফ**্রচন্দ্র বোব, অন্ন**দাশকর রার এবং ট্রান্টী করে নেই টাকা পঞ্চানন বসুকে বাংলা দেশে খরচ করার জন্য দিয়ে যান।

বাংলা দেশের এই বিক্তৃত্ব পরিবেশের
মধ্যেই গান্ধী জীবনের আর একটি
ক্ররণীর ঘটনা ঘটে বার। সেটি ঘটে
লাল্ডি নিকেডনে। তথন বিশ্বকৃতি রবীলুনাথ বোধহার অণ্ডরে মৃত্যুর হাড্ছানি
অন্তব করতে পেরেছিলেন। তাই ডার

० सवश्य देशवात्र ०

প্রক্তাপতি

সমরেশ বস্থা দাম ৬.০০

घुणरशाका

শীর্বেন্দ্র মুখোপাধ্যার ॥ দাম ৪.00

হল্ম বসম্ভ

ব্ৰদ্ধেৰ গ্ৰহ ॥ দাম ৪.০০

जन माउ

সভোষকমার ছোষ 1 দাম ৩-৫০

অদিৰতীয়া

সংশীল রায় ॥ দাম S·00

অমাবস্যার গান

নারায়ণ গ্রেসাপাধ্যায় ॥ দাম ৩-০০

রূপসী রাত্তি

আঁচন্ডাকুমার সেনগরে ॥ দাম ৬٠০০

শতকিয়া

স্বোধ ছোষ ॥ দাম ৮.০০

ভ্ৰন্টলগ্ৰ

প্রফলকুমার সরকার 🛭 দাম ২-৫০



আনদদ পার্বজিশার্স প্রাঃ জিঃ অফিস: ৫ ডিব্রুয়নি দাস লেন। কলিঃ ৯ বিক্রম-কেন্দ্র: ৬৭এ মহাক্ষ্য গ্রাছী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭



অবর্গ চারে সাহিত্যালয়ভারত অবস্থা अरह दम जन्मदर्क छोड कन्छ। পাঞ্জীকীয় চাতে পাণ্ডিনিকেডনের দিলে ভিমি নিশ্চিত হতে চেরেছিলেম। উনিল ল' চলিল সালের উনিলে জেরালানী গাদ্ধীক্ষী যথম পাশ্ডিনি;কত্তন থেতে WHEN COSE THE বিদার নিজিকোন जाक प्रमुख्य का देश का का का का অবস্থায় আপনি একে সম্পূৰ্ণ পজাৰ চাত থেকে বাচিবেছিলেন এবং একে নিকের পারে দাঁভাতে সাহাব্য করেছিলেন। আৰ এখন শাহিতনিক্টেন খোক বিদাস নেবার আগে আমি আপনাকে कारमध्य कार्याकः विश्वकावकीरक सामग्रि আপনাত বক্ষণাধীনে গ্রহণ করান। আপনি যদি একে জাতীর সম্পদ বাল विकास का का पार का का का विकास आध्वाज मिला ।"

এই চিঠিতে পাগৰীকা অভিভূত হরে
পড়েছিলেন। উররে তিনি লিখেছিলেন,
"খখন আমরা বিলার নিক্ষিলাম তখন বেমমান্দির্গা চিঠিটি আপনি আমার হাতে
দিয়েছিলেন তা সোকাস্থাক বামার ফবরে
কেণ্ডিছে। বিশ্বভারতী জাভীর সংক্ষা
বাটিই। নিঃস্পেরে এ আপতেজাতিকও।
এর ক্যারাছের আশ্রমের জনা
আমরা সমাবেতভার যা করতে পারেন।"

এই প্রসংস্থার উল্লেখ করে ছিলি আবেল জিলেখনি ছাল্ডানা Œ. with terraners বক্ষণাধীনে গছণ ক্রার ডিনি ১৯০ বিশ্ব-ভারতী ভাগবদ রক্ষা বহন কলাছে (ব্রুকান ভা আগতৰাগৈ ক্রদক্তর সামিটা তেওু বুলাকারখনে জিলানস নয় লাধ্য জা 10.75 20.00 বিহেছিলেন का लाइम्बर জাটিতক মান্ত্ৰ, তেজনতা তিনি প্ৰকৃত প্ৰেক্ জাতীয় মনোৰও। ভাট তার সৰ সামিট দি•বজনীন আরে বিশবভারতী চেরা,জির भारता ८५% ।"

এই বিশ্বভারতীয়কট গাল্ধীজী একবার ক্ষম সংগ্ৰহ কৰে সৈতে সাহাক্ষা কৰে।প্ৰথম ভারত উল্লেখ্ করেছিলের স্ববীক্ষরাথ টো চিটিসটে। চার বছরে আগের কথা। বিশ্ব-ভারতীর জন্ম অর্থ সংগ্রের ব্ৰবিদ্যাপ কাডিলৈকেডফার ছাত্তভাচীদের িয়ে অভিনয় করার উচ্ছেপে। গিলি ধান। ভার বয়স ভখন সম্ভব পোল্যে গিয়েছে। গাংশ জীৱ ভাসেহ। মানে হয়। धडेनार्रहे তিনি শ্রীঘননামে দাস বিভলাকে ভারতীর জন্য প্ররোজনীয় অর্থ সংগ্রই কলে দিতে 8' Wat 1 क भक्त रहा গ্রান্দীক্রীর একান্ড স্বচিষ শ্রীমহানের দেশাই ষ্যাট হাজার টাকার একটি স্থাফট ना गमान्स सा आस्तर এकप्रि न्याक्तर्योग **शहः तर्वोन्ध्रनाथः क** भिता आदमन ।



ভাৰত গড়ঃ ব্যোক্তঃ মা ১৬৮৬৪৪ আক্সশূলে, পিড শূলে, লিভার ব্যথা, পুষেষ্টকভাব, চেকুর ওঠা, বামিভাব, বুকজুলো, মন্দারি, আহারে জরুটি ইত্যানি রোগে বিশেষ কলঞ্জদ। বিফলে মূল্য ফেরং। প্রতিক্ষোও টাকা,ও কৌটা টাঃ ৮৮০। ভাঃ মাঃও পাইকারী দ্ব পৃথক

দি বাকলা ঔষধালয় : ১৪১,হাহা গাঞ্জী বেছে



प्रात्त पूर्वभा द्वार प्रदेश द्वाराच्या पार्श्वभा प्रश्नात

সপে পাশ্বীক্ষী একটি চিটি পাঠিরেছিলেন,
"আমার সামানা প্রচেণ্টার চপবাদ
আদীর্বাদ করেছেন। এর সপে টাকা
আছে। এবন আপান আপনার অবাদিক কর্মাস্ট্রী কবা করে বিরো জনসবের মনকে
মিশ্চিক্ত করকেন। ইন্দর আপনাকে
অনেক্ষিক বিভিন্নে রাখনে।

টাকা এবং চিঠি পেরে রবীন্দ্রনাথের মন আনন্দে তরে সিরেছিল। তিনি উতরে সিরেছিল। তিনি উতরে সামার হয়ে আসার জন্য এবং আমার বে-স্বধর্ম থেকে আমি পতিত হরেছিলার তা আমাকে সময়ন করিরে সেবার জন্য আপনাকে আমার কৃতকান্দা প্রকাশের ভাষা কর্মা বার হার।"

अर्थातरे किल वर्गामानाच । भाष्यीकीव লম্প্ৰা বহু বিবয়ে ভালের ছিল, কিন্তু কথনই ভাবের মনান্তর হয়ন। গাণ্ধীলী নিজেই সেক্ষার উল্লেখ করেছিলেন: আচার রারের সমালোচনার 4 TB चेखर व <u>इंगीन्स्र</u>नाथ প্রবন্ধে চরখা সম্পর্কে তার মতামত বাছ করেছিলেন। ভার কিছুদিন পরে আঞ্চ ভারত দেখকন ক্রতি তহবিলে ভার্ব-সাহাযোদ্ধ আবেদনে স্থাক্তর করেছিলেন। সেই আবেদনে লেখা ছিল, 'চরখা चन्मरङ्ग मनाक्रमीन शहात क्या का भका অধিকতন উত্তৰ কোনে শ্বাতির কথা আমবা क्ल्लमा क्यूट्ड लावि मा, खाव रम्बना 🗳 केरण्यानावे चामका चर्च आवेषि ।" वर्गाणानाव এই আবেদনে স্থাক্তর করে পাঠাবার সময় গাল্পীক্রীকে চরবার ঐ সময়েলাচমাটি উদ্ধোধ করে জানিরেছিলেন বে, সেক্টি পঞ্চে থাল্পীক্রী হয়ক ক্ষমে হবেন।

কিন্দু গান্দীলা এই সমালোচনার জ্বা হর্নান। উনিল ল' পচিল সংলের পচিই নজেন্দর করি একং চরুবা নারে চিনিও একটি দীর্ঘ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ করে-ছিলেন। আর ভাতে প্রজ্ঞার তিনি কিন্দোহলেন, " কেবল রডে আমিল আয়াকে ক্ষা করে কেন? প্রভাকে বভানেকাই বিদ্ অসন্দেহার স্থান্টি করে, ভবে বেহেন্দু ব্যক্তর রান্ত্র সমল্ভ বিষয়ে ঠিক একমত বড়ে পারে বা, সেই হেন্দু জীবন অপ্রীভিকর

ভাষাবেশের সমন্তি হরে উঠবে? আর সেজনা জীবন হবে এক সম্পূর্ণ বিফুলনা? পক্ষাকরে স্পান্ত সমাসেক্ষা আমাকে আমাক বিরোছে!"

বল্পুত নিজের বিশ্বাসে অটল থাকলেও রবীপ্রনাথের সমালোচনাকে গাণীজী বরাবত এই হংলা দিরেই দেখে এসেছেন। পাঁচ বছর অংগা রবীপ্রনাথ আর একবার প্রশাসীরীর ক্যাধারার সমালোচনা করে-ক্রিলেন। ভার উন্তরে গাণ্ধীজী তাকৈ মহাব প্রহারী বলে অভিহিত করেছিলেন এবং বলোজ্লেন বে, তিনি কবিকে সেই প্রহারী বলে করেন, বিনি আমানের গোঁড়ারি, উন্যাসীনাতা, অসহিক্তা, অঞ্জতা,

প্রেম-পিপাসা

শরং সাহিত্য রাসকরা এই কিশোর-শ্রেম-নিবেদন উপন্যাসটি পাড্যা।
পরিপ্রণ সেই আনন্দই পাবেন। আকর্ষণীর ন্তন চরিত্ত ও প্রট।
ম্লা-পাঁচ টাকা মাত।

প্রদেজ-মোহনীমোহন কাপ্তিলাল ৪০, বজা কাল্ড রাম রোড কলিকাড়া ২১।

ছুৰ্বন-টাৰা ৰাগ্যম পেৰে ছাতে বার – ডিঃ পিঃ চয় না। বিজেজন দাসগাস্ত্র এপড় কোং, কলেছ পাঁট, কলিকায়ে।

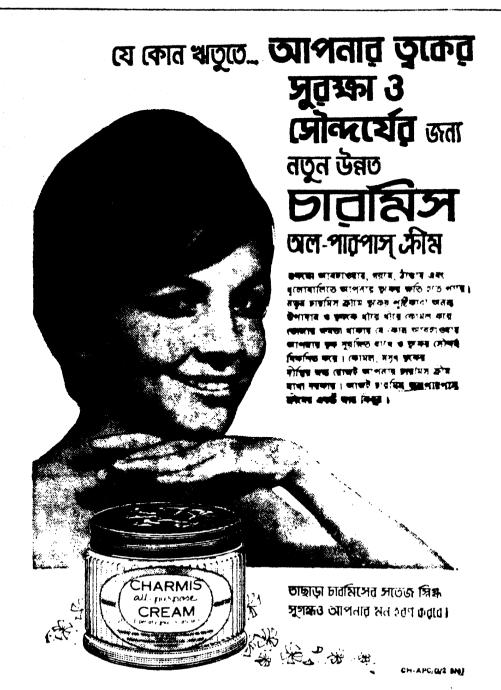
(BPHA KJ)

নিশ্চেণ্টতা এবং সমজাতীয় জনানা শ্রুদের জাগমন সংগ্রে সাবধান করে দেন।

গাণ্ধীকী বৈষন মডান্তরকে মনান্তরে পরাবিসিত হতে দেননি, রবীন্দুনাথও অনুমুপ মনোভাব পোৰণ করতেন। ভাই ভিনি লিখেছিলেন, "মহাস্কাকীর সপো কোন বিবৰে স্কামার মডেব বা কার্যপোলীর ভিন্নতা আমার পক্ষে অ্তাণ্ড জর্চিকর।
বড়ো করে দেখলে ভাতে কোন দোব নেই।
কিন্তু তব্ সব সময়ে মন মানে না। কেননা,
বাঁকে প্রতি করি, ভার করি, তার সপ্ণে:
কমান্দেরে সহযোগিতার মতো আনশ্দ আর
কী হতে পারে? তার মহৎ চরিত আমার
কাছে পরম বিন্দরের বিষয়। ভারতের
ভাগাবিষাভা তাঁর হাত দিরে একটি

দ্বিপামান দৃশ্বের শণ্ডি আমাদের কাছে প্রতিয় দিরেছেন। এই শণ্ডি ভারতবাসীকে অভিভাত না কর্তে, বস্পালী করতে, তারে নিজের মনে চিস্তা কাতে। সংকলপ করতে, তার করতে শিক্ষা দিক—এই আমার

গাংশীক্ষীর কাছে রবীন্দ্রনাথের এই যে বিরাট কামনা এটিকেও ডিনি কথাৰথ সন্মান



ছিলে এসভেন বরাবর। উনিদ দ' ব্যিদ সালের বিশে সেপ্টেম্বর। ভারত শাসনের মতন বিধানে ভথাক্থিত উচ্চ বৰ্ণ ও অনুসত শ্রেণীর পাষ্ট্র নির্বাচনের প্রস্তাব করা হরেছে: হারবেদা জেলে গাশ্ধীজী তার পতিবাদে অনশন আরম্ভ করার আগে बर्वीन्छनात्थव जाणीयाम धार्यना कर्नलन, "এখন মধ্পলবারের ভোর তিনটে। দুকুরে আমি প্রজন্মিত স্বারপথে প্রবেশ করছি। আমার এই প্রচেণ্টার আপনার পক্ষে অংশীবাদ করা বদি সম্ভব হয়, তবে আমি ত। প্রার্থনা করি।" আরও লিখলেন, "আপনি আমার একজন প্রকৃত বৃথ্য, কেননা অৰ্ণান স্পদ্ধবন্ধা কথা মূপে রয়েছেন আৰু প্ৰারই আপনার চিন্তা প্রকাশ্যে ঘোষণা করেছেন। আমি আপনার বে কোন সকঠের মতামতের দিকে তাকিরে থেকেছি। কিন্ত আপনি সমালোচনা করতে অস্বীকার ক্রেছেন। এখন তা কেবল আমার অনশনের মধে। হলেও বদি আপনার হৃদর আমার কাজকে নিম্পা করে তব, আমি আপনার সমালোচনাকে মূলা দেব। আমি বদি নিজেকে প্রাণ্ড দেখি তবে সে কথা ঘোষণা कराल कन बारे रक ना रकन, छः धारना ना হবার মত আমি অভি-গবিতি নই। আমার কাজ্যক আপনার ত্রর যদি সমর্থন করে ভবে আপনার আশিস আমি চাই। আপনার का भा दिशाह আমতে গতন থেকে বকা

রবীন্দ্রন্তথর হাদর সম্থান করেছি**ল** শ্বধীজীর এই অনশন। তিনি লিখেছিলেন য়ে ভারতবর্ষের ঐকা এবং সামাজিক পূর্ণতা রক্ষা বহাম্লা জবিনের বিস্তুনি দেওয়ার প্রয়োজন আছে: আমাদের কণিত হাবর ল্রাম্যা ও প্রতির স্থােয় তার মহান প্রায়শ্চিয়ের অন্যামন করবে। রবীন্দুনাথের কথা সংঘাক হয়েছিল। সমগ্র দেশ জেগে के प्रीवृत्त भाग्धीकीं व व्यवसाय कर व्यवसाय গাস্ধীজীর প্রতিবাদ সফলতা লাভ করেছিল। কিদেশী সরকার হিস্নাদের মধ্যে পাথক निर्वाहरनद अञ्चाद अङ्गाहाद कर्दाकरलनः। রবীন্দ্রনাথের দ্রোষ্ঠ স্থাটি বিশ্বভারতী ও শাদিতনিকেতনকেও গাদ্ধীজী আধ্যাখিক কেন্দ্র কাইে পুণা ক্রতেন। তার সভাগ্রহ আশ্রমের তুলনার স্থানিতনিকেতনে নিয়মের কঠোরতা কম ছিল এ কথা তিনি জানতেন। রবীন্দনাথকে সে কথা বলেও ছিলেন তিন। সে কথা শ্বনে রবীন্দ্রনাথ হেসে উঠেছিলেন। গাশ্বীজীর সমালোচনা তিনি মেনেও নিয়ে-ছিলেন এবং বলেছিলেন যে, তিনি হলেন কবি আর শাণিতনিকেতন হল তাঁর চিত্ত বিনোদনের কম্ছু। কিম্ছু গাম্ধীজীর এই মত্বয়ক নিয়েই নানান জলপনা-কলপনা শ্রে হয়ে গিয়েছিল একদিন। এমন কি বোদেবৰু একটি পৱিকায় এ কথাও প্ৰকশিত

হরেছিল যে, গাংখীজী নাকি বলেছিলেন যে,

ডঃ বুজদেব ভটাচার্যের

এইচ, জি, ওয়েল্ সের শ্রেষ্ঠ গল্প

শৈলেন রায়ের নতুন উপন্যাস

মণীন্দ্র রারের নতন উপন্যাস

ञ्जाই >∙∞ ছড়। বো **ऊ**। ल्वের রু রে

অলকা চট্টোপাধাায়ের নতুন উপন্যাস

क्रुष्ठकति এর নাম সংসার গলসম্ভার

শংকর-এর

যোগ तिয়োগ প্রণ ভাগ

334 A.H. 6.60

394 TET 0.00

দেবল দেববর্মার

রাত তথন দশটা

দাম : 6.60

ইন্দ্র মিত্রের

वाजीन्यनाथ मारनद

আপনজন

শ্রাকুষ্ণ বাস্থদেব জগদ্ধল

দাম: ৪-৫০

ৰাম : **১**.০০

হয় মালুৰ ১৫.০০

নিমাই ভট্টাচার্যের

मध्य वम्रुव

স্বোধ ঘোষের

পাল মেণ্ট প্রীট আমাব জীবন চিত্ত চকে। ব তয় মন্ত্রপ ৫.৫০ সচিত্র সং ১৫.০০

०इ स्ट्राप ७.००

জরাসন্ধ-র

মহাশ্বেতার ডায়েরী মর্সিরেখা পাডি

৫ম ম্দ্রেশ ৯০০০

ऽऽन म्हन **०.**६०

हा का स्मानन

বনফ লের

जित जतुत्र

শুধু কথা

অধিক লাল

৩য় ম্দূেণ ৭⋅০০

8.40

नत्ररहन्त्र हत्याभाषात्त्रत

হবিলক্ষ্মী **অপ্রকাশিত** ৱচনাবলী দেনাপাওনা

माभ : २-०० ধনপ্রয় বৈরাগীর 414 : A-GO

কালো হাঁৱণ চোখ

গজেন্দ্রকুমার মিতের পেষি ফাগুরের পালা

०स म्सम् ১०.००

৪র্থ মূদ্রণ ১৫.০০

বিমল মিতের সাহেৰ বিৰি গোলাম ৩.০০

দেবনারায়ণ গ্রেণ্ডর শমিলা ৩.০০ দাবী ৩.০০

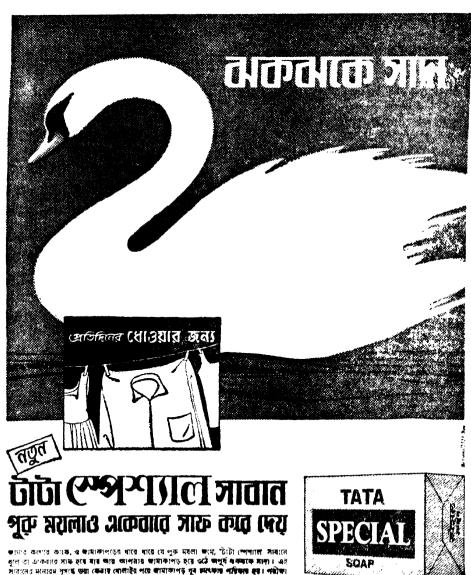
ৰাক্-সাহিত্য প্রাইডেট্ লিমিটেড্, ৩৩, কলেজ রো, কলিকাতা-১

শাশ্তিনকেতন হল কেবল ভৌতি**ক প্রগতির** কেন্দ্র আর সত্যাগ্রহ আশ্রম আধ্যাত্মিক প্রগতির। এই লেখাটি পড়ে গান্ধী**জ**ী भावठे कान्ध द्राहित्मन वदः वकि तम्भार শান্তিনিকেতন সম্পর্কে তার মনোভাব আর একবার স্পন্ট করে বর্লোছলেন, "প্রকৃত আধ্যাত্মিক কবিতার বিনি স্লণ্টা তিনিই বখন শান্তিনিকেডনের আধিপতা বিশ্তারী চেত্ৰনা তখন তা আধান্তিক ছাডা আৰু কী बट्ट गार्ट ? स्मर्यम्बनाथ शक्क सम्मरम

বাস করেছেন সেই জারগায় আধার্যিকতার অভাব থাকতে পারে বলে মনে করার মত মূর্থ আমি নই। ইয়ং ইণ্ডিয়ার পাঠকেরা জানেন যে, আমি মাঝে মাঝে শাশ্তিনিকেতন থেকে বড দাদার প্রেরিত আধাাত্মিক আলোক লাভ করি। তিনি নিরুতর আমাকে লক্ষ্য করে যাজেন এবং আমাত রতের সাফল্যের প্রার্থনা করছেন। আছি পাঠকদের চাই যে, জামানের সমস্ত यानारको चार्च नगरहरू

বেশি আধ্যাত্মিক কলে মনে সমুপ্রতির কিল্ড অভিনয় ন্য প্রতিষ্ঠানগর্নির মধ্যে তলনা করা যায় না। কিশ্ত তা যদি করতেই হয় তবে সভাগ্রহ আল্লমের দ্রুত উল্লাভ ও নির্মান্তভিভা সত্তেও আমি বথাথ ভাবে এবং আশ্ভবিকভার সপো শাশ্তিনিকেতনের পক্ষে ভোট দেব। বয়সে ভ বড আর আনি জানি জানেও ভ বড।"

ভিজন ব্যক্তিগত পরিচ্ছের



चित्र (अश्वीर्वा) जिस्सा हिस्स म्हास सामाराभड़ इस्त अकसरक आसा

कारक (मधाठ न्याकत ।

Ari eific

ष्यरभक्का द्वारंथ ना ध्व कथा द्वरीम्हलाश स्ट গাণ্ধীক্ষীর মিলিভ ক্ষীবনে সজা হাষ্ট উঠেছিল। পরিচয় বখন হয়নি তখনট গান্ধীক্ষী গ্ৰহ্মদেবের প্রতি প্রন্থাবশত বাংলা ভাষা শিখতে আরুভ করেছিলেন। আলার ব্যক্তিগত পরিচয় শব্দ ব্যবংবার সাক্ষাতের শ্বারা গভার হয়নি ভখনই সেই উনিল লা কৃতি সালের মার্চ মাসে লেখা একটি िठिटेट गान्धीकी सर्वान्त्रनाश्रक गुरुतारे সাহিতা সম্মেলনে ভাষণ দেবার জনা আহ্মান করেছিলেন, ভাতে রবীন্দ্রনাথ সেই সমূহ কোৰাৰ আক্ষেত্ৰ চল ভা জানতে সহত্ৰ গ্রাম্থীক্ষী এ কথাও লিখেছিলেন যে রবী**ল্যনাথ যদি তাঁর** সভাগ্রহ আশ্রমে থাকেন ওবে তা তাঁকে খাবই আনদ্য দেৱে। কেননা ভার আশ্রমকে রব্যাদ্দনাথ জাননে, বাঝান এর জনাও যেমন তবি আগ্রাহর দেখ নেই তেমনি ভার অবস্থানের স্বারা আলুদের আনকে লাভবান হক ভার তিনি চল:

[া] কুবল্ডিনাথের আগমনে গ্রেন্ডারটোনের কাতাবা কৰি হবে সে কথাত গ্ৰেমীজী স্মার্থ कोरत्य नित्रविष्टलन् । ब्रुलिक्टलन् "स्टीटक যদি আমরা শালিক দিয়েত পারি এবং তার কাড় থেকে যা আমানের সময় উচিত তা যান শিংখ নিডে পারি ভবে ভার অবস্থান হথাকা আয়োকা কাভিকান হাতে পাৰ্য : প্রতিক আছারা কটি জারের সম্প্রে সময়ার সংখ্যাত পর্বি তার করে**জ অর্থা সহা**য়া করে ৷ তিনি তার শাহিতনিকেতন আলম এবং তার मद दा को दहा विकास विमासिक्ष द क्षील गर्छी त-ভাগৰ আনাবৰ। ভাৰি বাবা এই আশম্ভিব প্রতিতা করেছিলেন আর বিদ্যালয়ের স্থাপনা করেছেন ডিনি নিকে। এগালির বরে ডিনি যে। সার সংগ্র করবর তা গ্রাক ফেটার । এই কংকের জনে তিনি ভার নিজের টকাও লাগিলেছেন। গত বছর তিনি স্থন মাদুলে গিয়েছিলেন ভখন ধেখানেই তিনি যান দেখানেই দান গ্ৰহণ করেন। আমবা মান করি বে গ্রেকরটেও যদি দেই রক্ম কিছা कता यात्र छाउ छाउ स्वादा क्षकी है का स रमधान करवा"

শাণিতনিকেতন্ত এমনিভাৱে আপন কার নিয়েছিল গাংধীজাকৈ। প্রথম দিনের ভারতীয় পশ্চিতে তাঁকে যে অভার্থনা লাভিডিনিকেতনবাসী দেখিয়েছিলেন তা গা**শ্বীক্ষী কে**।নদিন **ভূল**তে পারেননি। রবীন্দ্রনাথের মাতার পর গান্ধীজী শেষ যথন শাল্ডিনিকেতনে আসেন তখনও তারা তার কাছে অকপটে মানের কথা খালে বলেছিলেন। ব্যব্বিগতভাবে উপস্থিত থেকে সেব বারে তিনি রবীন্দ্রনাথের কাছ থেকে যে সম্ভাষণ পেয়েছিলেন তাকে তিনি তাঁর ভিক্ষর **यः निव दशके जन्मम यहन वर्गना** करत-**ছিলেন। শালিতনিকেতন তাঁর কাছে** গালিকর নিকেডন বলেই পরিগণিত হয়েছিল, এটি

(রহস্য-উপন্যাস)

क्रमीय वर्षत्र ॥ ४००० ॥

বেতাজীর সঙ্গ ও প্রসঙ্গ স্বর্ণ বন্দ্রনারারণ চরবর্তী

অমূতকম্ভের সন্ধানে

विश्ववो (अम्बः भुत

कानकृष्टे ॥ ५०.०० ॥

विनवस्थीयन स्थाय 8.00

ील मित्याय विषय प्रयोगियात ॥ ७-०० ॥

বিখ্যাস জলদস্যদের রোমাঞ্চনর সচিত্র কাহিনী।

এখানে পিঞ্জৱ

॰বছৰা ও ৰাঞ্চনায় এক আন্চৰ্য ৰলিও উপন্যাস। সিনেমায় আসছে।

करि कमो ग्रहें की व

কবির অন্যতম শ্রেষ্ট কাব্যপ্রশেষ। আর্মানি, চেক, ক্যালী ভাষার অনুবাদ হয়েছে। ইংরাজী অন্যবাদ ২০,০০০ কপির বেশী বিক্রী হয়েছে। 11 000 H

নকসী কাঁথার মাঠ ঠাকুরবাড়ীর আ**ঙিনায়**

। নিমাই ভটাচার্য ॥ u ट्यटमन्त्र मित u योजन-निकू 😘 s.oo ॥ श्रूषं कॅ। प्रत्न स्नाना ভি, আই, পি ॥ ৩-৫০॥ স্তব্ধ প্রহর র।জধানীর নেপথ্যে $_{\mathbf{S}\cdot\mathbf{40}}$ এলে। অচেন। $_{\mathbf{1}}$ $_{\mathbf{S}\cdot\mathbf{00}}$

॥ यत्नाक बन् ॥

u সম্ভোষকুমার ঘোষ u

পথ কে রুথবে ?১२·०० **स**म्रश्नामक

1 8.00 H

तिभिक्**ँ व**

वरङ तमी ১ম ৮.০০ ২য় ৮.৫০

1 5.00 tl

होत प्रत्थि এल। प्र

১ম S-00, स्त ७-६० व। देख पूर्व

নতুন চীনের কবিতা ॥ ৩০০॥ প্রকাশিত হলে

॥ গ্রুথপ্রকাশ, C/০ বেলল পার্বালশার্স

১৪, বঞ্জিম চাটুজ্যে স্ট্রীট, কলি-১২ ॥

প্রবিশ্যের সাহিত্য **কৃষ্টি ও জীবনভিত্তিক**দুই বাংলার প্রখ্যাত **লেখকদের গদপ, ক্রিত**া প্রবিধ্য সমুখ্য অভিজ্ঞাত দিব**দাসক**

कृशान्य

শারদীয়া সংখ্যা প্রবিধন সংখ্যার্গে প্রকশিত হচ্ছে। দাম: এক টাকা

লিপিকা: ৩০/১ কলেজ রো, কলি-৯

(সি ৮৬৯৪)

/ ॥ मम्। अकस्थिত इस ॥ विनीभ स्रोतिक ७ भारिकतक्षन ४५वर्की सन्भाविष्

আজকের একাৎক

ম্লা: ৬.00

এতে আছে ঃ অমৰ গ্ৰেপাপ্যায়েৰ এই
প্ৰিথন, উমানাপ ভট্টাগ্ৰেৰ সিৰাৰাত,
কিবল মৈতেৰ অমোদ, জ্বোড় ব্ৰেপাপ্যায়েৰে
সাগৰ-সঙ্গদে, ভোলা লয়েৰ খেলা, মনোজ মিতেৰ ভজ্জক, মোহিত চট্টোপ্যাগ্ৰেৰে
ৰাজপাৰি, ৱবীন্দ্ৰ ভট্টাচাৰেতি আন্ত্ৰা

প্ৰ' তালিকার জনা লিখ্ন

লিপিকা : ৩০/১ কলেজ রো, কলি-৯



ছিল তাঁর ন্বিতীয় গৃহ। আর এখান খেকেই তিনি আধাণিক আলোক পেতেন। তা পেতেন রবীন্দ্রনাথের বড় দাদা ঋষিপ্রতিম ন্ধিক্ষেনাথ ঠাকুরের কাছ থেকে।

সাত ৰাংলা দেশ গাণ্ধীকীকে চার না এ কথা

গাংধীক্ষী মনে করতেন না। অসহবোগের প্ৰথম দিকে বাংলা দেশ ভাঁতে বেভাবে গ্ৰহণ ক্রেছিল যেন্ডাব অন্সরণ করেছিল ভাতে জাঁব এই বিশ্বাস ভাল্মছিল। সেই সময তিনি স্পদ্টেত বালভিলেন "এ কথা আমি কৃতজ্ঞতার সপো দ্বীকার করব হে অন্য कान श्राममा अधन कि शासकारेख वासमा रविभ स्मार खादगांक ₹**5**73 দেখারনি। আমার সোভাগা যে প্রদেশেই অমি নিজেকে কিদেশা यमाज्य कविमा वास्ता हराम अहे तक्य बन्छ है । अ.कर १८ई इस्ति ।" करिनर সংঘাক মোয়াখালিক বিধাসন গায়গালিতে আশ্য শার[ং]বিক ও মানসিক কট সহ। কার হথন ভিতি ছাত্র বৈভাগে**ড**ন বহুস ভাবাৰ নতন কলে বাংলা ভাষাৰ পাঠ নিজন এবং যেখেল করছেন যে তিনি নিভোকে বাঞ্চালী করে দিয়েছেন তথনও বাংলা দেশের মানায় ভারে একান্ড আপন কর নিরেছিল। আর রডেদানার মত द्वानाष्ट्रत एटा एकान कथ है प्लहें। डॉव एकह এবং ভার বিশ্বাস গাণ্ধীজাকৈ অভিভত কবে দিয়েছিল। ব্যাস দি^ন্ন ভিলেন গ্রাম্পান্ধ বি ক্রেয়ে আনক বড় কিন্ত বয়সের এই পার্থাকাকে অভিকল্প করে গাল্ধীঞ্জীর পতি তাৰ শুদ্ধা-ভবিৰ অঘাও তিনি তলে ধ্রেছিলেন। গান্ধীজীকে তিনি বলেছিলেন যে উদ্দরের প্রতি তার প্রথ বিশ্বাস রয়েছে: বিশ্বস রয়েছে তাঁর গণেধীজ্ঞীর পতিও। গান্ধীজ্বীর প্রতি তাঁর বিশ্বাস ঈশ্বরের প্রতি

দিবজেন্দ্রনাথের এ কথার। দাম কম নয়। গান্ধীজীর প্রতিটি কাজের পিছনে তিনি যেন তাঁর যুক্তিটি খু**ংজ বেডাডেন।** অসহ-যোগ 🕫 চরখার প্রতি ছিল তার দত প্রতায়। একটি চিসিতে তিনি গাণ্ধীক্ষীকে লিখে-ছিলেন 'যারা জটিল নীতি-শাস্তের ছার তাদের কসংস্ক্রাচ্চল্ল কালে অসহযোগ কথাটি আঘাত করতে পার। কিন্ত ভাল-ভাবে থেয়ে পরে আছে এম্ল পা হা কেথাব ক'ছে আমরা যখন ভিকার ঝ'ল নিয়ে দাঁডিয়ে থাকি আর সে উপহস আমাদের উপর পাথর ছোঁতে এবং সেই পাথরকেই রাটি মনে করে গ্রহণ করার জন। আমাদের যে মানসিকতা থাকে তার শ্রেণ্ঠ প্রতিবিধান হল এই অসহযোগ।"

বিশ্বাসের প্রেই।

শ্ব্যজন্তনাথের প্রতিও গান্ধীক্ষীর ছিল গভীর প্রাথা ও ভারি। উনিল শা পাঁচিশ সালে তিন বধন শান্তিনিকেতনে করেকদিন অসমান করেছিলেন ভবন প্রতি দিন ভিতি व्यामामाव THE बादाव 71075 and the তেম নিভাবেট wia 11085 শানভেন। **শিক্ষেদ্যনাথ আগ্রহ** করেছিলেন eneral कोटक प्रतिक नामरान राज्यार वनस्य । কিল্ড পাশ্বীক্ষী চেয়ারে না বলৈ তাঁৱ পায়ের कारक सरम भारतीकामनः "অন্তদ্ধ ক'ছে আমি বাট হট না ran অপ্তত এখানে আছি আছাৰ খাখন তেতে নেম আসব এবং আমাত মহাত ভাৰতে লাভ NEW WINE IL

c# জ্ঞ নতপ্ৰবীয় গ্ৰহীক্ষীর প্রতি এই লাখা-প্রতি মৃত্যু হয়ে উঠिছिन। তিনি **चाठाव डटकम**नाथ कील। केंनिय में भाषांय महस्त कथा। सहस्तीकी अभूभ्य शहर भद्रौगाहर खरम्थान कर्राष्ट्रसा। वक्षित व सम्मताच लिक रमस्तर वरकतः। भाग्यक्ति हो भार्याहरूका यद्यीगात यातात आर्थ ए त मर्स्य रहवा करत गारतन । যাই হোকে দেখা হল দক্তনেরই আন্দের সাম। নেই। বহুসে বড কুজেন্দ্রনাথ। গাংধীকী ভিজেস কবলেন "আয়াকে আপনি ক্রডে রছর ফেবেন। মাতার আবে সাব স্যারেণ্ডুনাথের সংশ্যা বখন আমি দেখা করি ভখন ভাঁর বয়স পাচারের। তিনি একানস্বই বছর বেশেচে পাকার আশা করেছিলেন :

ব্রজন্মনাধ উত্তর দিলেন, "চিনি অমর অমরতার আম্বাদ মিনি পেয়েছেন, তেকৈ অমি কাী দিকে পারি ?"

আলোচনা শেষ হল। এবার বিদার দোবার পালা। গাংশীকী বিচানার শাষ্টে। ব্রলেন্দ্রর উঠে দীড়া'লন। তিনি বে গাংশীকীর কাঙে আসতে পেবেডেন তার জন্ম ধনাবাদ দিলেন। আব তারপরেই অবনত তারে গাংশীকীর পদস্পর্শ করলেন তিনি। অভিভূত হয়ে সাড়া'লন গাংশীকী। বাল উঠলেন "লোহাই আমাকে অপদন্দ্ধ করবেন না।" এবং ভারপরে ক্রাধাবনত চিত্তে তিনি প্রণাম করলেন ব্রেলেন্দ্রনাথকে।

গাণ্ধীজীর এই গাণ্ডাজিতা কেবল বাহংকে কেন্দ্র করেই প্রকাশিত চ্ধনি, সংসারে শারা সাধারণ মান্য, সমাজের উচ্চ শিখরে যাঁবা তাদের আসন প্রতিষ্ঠিত করতে পারেননি তাদের নিন্ধা ও তাংগ্র

কিহিততে দ্বানজিহটৰ

মাসিক ১০ টাকা কিল্ডিডে গ্যারাণি ব্যুদ্ধ বিধ্যা ন্যাশনাল - ৭০ ৩ বান্ড, অল ওয়ালাড



পোটোঁবল ট্রানজিকটর নিন প্রত্যেক গ্রাম ও শহরে পাঠাম বার। লিখনে ঃ

MUSIC & SOUND (D.C.-10)
Dassan Street P.B. 1576, Delhi.

প্রতিত তার সপ্রশংস সংখ্যি নিবদং ছিল। বিশ্বকোষের রচনিতা নগেদভাগ বসার कथा ৰখন তিনি *(~*;e?-BIBIA ত্রখন থেকেই ভিনি ভাৰ গিয়ে टमधा ক্রাব চেত্রেছেন। ভারপর একদিন সোনপরে বাবার পথে অন্তৰ্গ থেকে কোন খবর না দিয়েই তিনি উপস্থিত ইরেছিলেন নগেল্নাথের ব্যভিতে। এটিকে তিনি তাঁব তাঁপায়তা কল অভিহিত করেছিলেন। বলেছিলেন, সেখানে যোভ প্রায় ভিনি ধনা হয়েছেন, নালেদ-নাথের সংখ্যা দেখা করে তিনি প্রচর প্রেম্প প্রেক্ত হয়েছেন। পুর আসবাৰ শ্লো খন্তে বিভানায় শায়িত मर्गस्मनारथत भारम हैएक ग्राम कथा वका ह বলতে গাণ্ধী**জী অনুভব** করেছিলেন বে, **এই সাক্ষাংকার বাদ দেওয়া তার প্রে** কিছাবেট্র উচিত হ'ত না।

হত্যলী জেলার স্নালেরিয়া ভাষত্যিত আন্দালে কাজ করতে গিকে মাতৃত্ব বরণ করে নিবেছিলেন সাগ্রকাল গাড়ারা নামে खशास এक कमी । **स्टीडरे** तथः रकार दिएह গ্ৰুপ্তি লিখেছিলেন হয়, কোন দেশই ভার ৯বং স্বভান্দের নাছের ^চরসার রাখাত পঢ়ের নাং স্বারকাল । সেই ভাতীয় যান্ব খাঁবা ফাশের সিঞ্জ প্রথমে অপার্বাচিত থেকে হানা বাট কিব্র হাঁদের সেবা। e হাঁদের মান্ত্র দেশার এগিয়ে নিহে **বে**ছে **সক্ষ হয়** ।

্রমান নীবৰ ক্য়ীৰ ভিলেন ভালেক প্রধান জেলার হোলেক্সর চাট্টেপ্টাংগছ মিনি ভস্তায়াপের আহ্বাসে **চাকরী ভ**াগ করে স্বাদ্ধরতের লাকু দ্বীক্ষত ভারেছিলেন। ত্ত্বীৰ প্ৰয়েশ্বী ভিজা **পৰ্যোতন মাৰ্চালনকে** প্রক্রীবস্ত করা: ভার জনা জসীম খুম िट्रीत कताइत এवर आहे समा एस এक অখ্যাত সন্দেশতিট্ত্যী ক্ষতীর প্রেয়ের স্থারং উদ্যাপ্ত হারেছিল তা অনুভাৰ করতে ट्रमरविष्ठास्त्रः नाम्परैक्टीः

Chiag A ফবিদপ্রে এক জন্মত क्षेकित्वाद अरुका मान्वात्काद शान्धीकोरः। कान्नागाष्टा अवर काना ग्रेनकप्रा স্মূপ্যকা আনুক্রেনার জনা এবং গাংগীজীব উপ্দেশ ধ্যানার ভনা ভিনি ना प्रश्^{के} क्रा है একেডিকেন ্রবং ব্রুলে রুখাকে স্থান্থ আছে গুরণ করাত্ব ভারপ্রবার দেশে রাপ্তিরিক্রম । এবং <u>প্রকাশের ব্</u>থাস্থল করি-ভিলেন যে এই সক্ষাংকার ভবি ভবিনের বিদ্যালয় কিল্লালয় প্ৰ

ात्रहातुः सारुक्ताः तुन्नतुभादः छडे दिन्नसराहाः, এই প্রাণ এবং এই প্রাণ-প্রায় া গণ্যাজনীকে মুগধ করেছিল অকপটে ডিনি ডাই यान हिर्मित् "वारता एम्स् कर्मक किह् করেছে: সে বিদ্যয়কর কাল করেছে: সে ग्राथणी यन्त्रणास्त्रांन कार्याक अध्यत् कराष रतरभएकः वर्ष्णीकृरम्भ ह्यः, बारम् एररम्भ मानस्य কলপুনা শক্তি ব্রুরেছে, বাংলা দেশের ব্রকরা খুবই ব্লিধ্যান, তারা আম-বিস্কৃতিৰ প্ৰস্কৃত্ত।

এই মাংধতার ভাব নিরে, এই প্রশ্বা-এবং প্রচ্নত সংখ্যাের মধ্যে নিজেকে বে'থে প্রীতির মন নিমে এবং বড কিছা পাবার আৰা নিয়ে গাল্ধীকী মূলছিলেন, "আমি চাই ভারতব্বের মত বাংলা দেশের অত্তরে পোছতে।" বাংলা দেশ তাঁকে হয়ত স্বীকার করেনি, ক্লিক ভাকে অন্তরে গ্রহণ করেছিল।

মানদ'ড থেকে রাজদ'ড

তপ্ৰয়োহন চটোপাধ্যায় ॥ 8.00

ना९मी-नाग्नक रिटेनाइ

कीर्थःकत गर्छ॥ ৯.००

পূৰ্ব পাকিস্তান

আমিতাভ গুপ্ত ॥ ১৬.০০

জ্যৈচেঠর ঝড

অচিন্তাকুমার সেনগ্রে ॥ ১২٠০০

বলিভিয়া

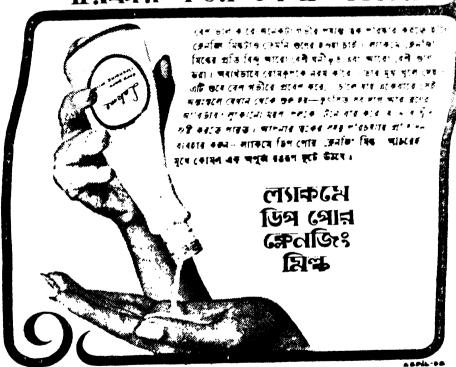
সৌরীন সেন 🖁 ১২٠০০

a grand grand before state, made from each state attack place where forestroom time and state where where better the	
ম্সলিনী ও ম্রিফৌজ ॥ সৌরীন সেন	>.00
উদাত খদা ॥ অচিন্তাকুমার সেনগা্পু ১ম ঃ ১ ৫০,	₹#: 9.00
শভ পদ্প 🗵 অচিন্ত্যকুমার সেনগর্প্ত	\$0.00
অচিন্ত্য প্ৰন্থাৰলী ১৷ ১ম খ ন্ড	2A.00
রত্নাকর গিরিশচশ্র ॥ অচিন্তাকুমার সেনগর্প্ত	♦ • ♦
জালিয়ান ওয়ালাৰাগ ৷৷ নিমলিচন্দ্ৰ গলেপাখ্যায়	७ ∙००
বঙ্গভাল ৷৷ সম্ভু গ্রপ্ত	\$ 2. 60
উখিত আফ্রিকা ৷৷ অংশ্ ৮ত্ত	\$2.00
হন্দ সরম্বতী ॥ সতোন্দ্রনাথ দত্ত	₹∙৫0
জারাবল্লী থেকে জাগ্রা ॥ শ্রীপারাবত	28.00
মহাভারতের চরিতাবলী 🖁 স্থেময় ভট্টাচার্য	2R.00
লোপামটো ॥ নিম্লিচন্দ্র মৈত	\$0.00
বাদশা সিক্তিগড় ॥ শীতাংশ,বিকাশ সেনগ ৃপু	>0.00
প্রতিনায়ক 🛭 পার্থ চাটোপাধ্যায়	9.00
শিপ্তানদীপারে ॥ দীপ্তি হিপাঠী	৬ .০০
গন্ধরাজ া বন্ত্র	₽.00
•	

আনন্দ্রারা প্রকাশন !! ৮ শাঘাচরণ দে স্টিট, কলিকাতা-১২



ল্যাকমে ক্লেনজিং মিক্ষ **বেশী শক্তিশালী বেশী গাঢ়ো** প্রবিষ্কার করে বেশী গভীরে





(बान्निन)

ল অনেক বাত প্ৰণত জেগে ছিল সঞ্জয়: সামনে একটা প্রীল দেওরা ८६ है वाब स्ता आहम । रमभादन है किस्तरावहे টোন নিয়ে পালে ক্ষাদে টেবিলে হাইছিক নিয়ে বলে ছিল গেয়ম লাগছিল খুব, লাভে কর ছিলানা। তা ছাজা ভলপেটের ৰ খাটা কেমন একটা টানা দপা-দপানীডে শ্রীন্তরে গেল। নতুতে চতুতে লাগে। এরকর नाथा निर्देश चारमाराना बाब मा। का काका चाम नामाना अकरे, क्रमंड त्नर्थ नवरहरू। ল্যান্ডাবিকভাবে হয় একটা **যায় আসভে চায়** मा, रक्तक हाई ७८३, महीत माम्स माम्स करतः हिन्हात कात हरत बाह माचाः वृत এলেও অস্থাভাবিক। সৰ দৰ্শ দুৰ্থ দেৱ। ছার চেন্তে হাইনিকট ভালা । লরীরের বাধা বেদনা আনুদত আনুদত মানু বিমাবিনির मत्था पूर्व त्वरष्ठ चारकः शाह हुन्वरूपंत्र मरणा चार्रः बर्द्ध रकार्ष्ट्र चार्यन रहार्च्यद्र भाषा। चाह्र, भागित - किंक कड़ी इब इनकी **बालरन ब**ुब सब, चालाम दात्र थाका कार्यम् अकारन छैर्छ কখনো ঠিক খুমিনে ওঠার ভূপিত টের পার मा ्मा प्रता हहा चासाम चारवा (वाक साम धित्रकः अतापिस आवा_ष इ_{र्}देरिका **करा** শরীর সংগ্রের মড়েচা ক্ষেত্রিন, ছোবলার।

তাল রাতে বারালের রাওরা হিল। দলন এলা সামান একটা রুটি সাংসের পর বাইলিকর স্বালই কালালা। ধীরে ধীরে সমর নিয়ে থাজিলা সভার। রিমি লাগে ধমকাজো, কারটো আজ্ঞাল বা করে না। ল্থে কলে লাবারেম সাবধানে বেও, আমার কাঁচর আলামারির গারে পেনজা না। ভালা রাজে রিমি শিকলা, ধ্যোবার পর করেক মৃত্তেরি লানা একে বারালারে নিজিরভিল। বললা— কী, আজ্ঞাক্তক্ষৰ চল্ডের।

শোওরার সময়েও রিমির ঠোটো লিশাব্দি। সঞ্জারের ইচ্ছে হল বলে— ঠাট বোওনা কেন? সর সময়ে লিশাস্টিক মেশে থাকলে রঙের ওলায় ঠিটির চামড়া সাদা হয়ে বাবে ুক্ত ব্যুষ্ট কত কৈ হতে পারে, আজকাল-কার কেমিক্যালে বিধ্বাস কি ?

কিন্তু সঞ্জয় কিছু বলল না। উত্তরে রিনি
ভাহলে অনেক কথা বলবে—মন্টদ খাওরা
নিরে—তার আগীত জাবিন নি য়—বগড়ই
লেগে যবে হয়ভো। দরকার কি 2-ও ওর মনে
খাক। একটু লিপান্টিক বই তো নয়। মা
সায়াদিন পান খায়, ভাই সকালে মুখটুখ
ধোরার পার ঠোটের মুপাশের করে সাদা দাপ
লেখা বায়। খোয়া করে সঞ্জারে। বিনির্
লিপান্টিক জেকেও ওয়কা কিছু দাস ধাস
হত্যা বিভিন্ন সম্লা।

ছিপছিপে পরীরে জাঁট করে থ্নে-খারাপী করের পাঁড়ি পরে ছিল বিনি--পরীরটা ওর এড সভেচ্চ যে কেন চারপাগটাকে অক্তমণ করছে। চলার কেরার একটা বন্যকের মাতা ছিটকে ওঠার ভাব আছে---আটা না মাস আলে ও যখন পোরাতী ছিল ভখনো ওর সভেচ্চ ভাবখানা ছিলা লক্ষ্য করার মডো। এখনো বোকা যার না বে বাকা। হরেছে।

क्रमण्या क्रिम्पिनेस्वयो अवदी ग्राम स्वीती শের বিনি, চলের মধ্যে কোন অফল অরশ্যে क्यु बक्दे निम्दृत्त्व विन्तु दिवित्रात्र, वादेदर स्थिक दिन्ता रह मा। मार्क मार्क कर কসর্মোটক আনতে বলে সময়কে, কথনো बाल ना-जिपाद अपना। अर्कातन नवन ठाडी করে বলেছিল-আমার একটা বরচ বে ট গেছে, বাবা। সি'দ্যরের। শতুন রিনি শ্লান মুখে ব্লেছিল—ত্মি মেরেদের ব্যাপারে ক্র হ হা প্রাত ? স্বামীকে সিশ্রের কথা बनरफ हन्द्रे कारण ? वरतन भन्न वस्तन त्याच ছত সের্থানেক সি'দুর লাগত রিনির—স'থা এ ফোড ও ফোড করে কুড়লের কো^{পের} লতা *ভা*ন হাকত সি'দার সংকর টিকোলো নাকের ওপর গাড়ো কার প্রভাৱ । আমি আর কম রী নই, তোমরা কেউ আৰু আন কৈ বছন কারানা—এই ক**পা** ছে**ল**ণ কর্ড সপ্রে এখন আবর **জ**নে**কটা** কমারী হারে গেছে বিণি সিশ্র ল্কের।

ভিজেন করতে ইচ্ছে করে—করে প্রেম্ব পড়োনি তেও তেনেকে গাঁটার প্রেমাতে এক মাস্টর অনুসানা ছে করা মতে ? ভারেক আমি দেনিইনি। বেভিওতে হিস্কী কিবো রবীন্দ্রসংগতি বাজার বলে ব্যুক্তি হৈ বেজে কেমা ? উম্যান ইটার ! দ্বাধ্রবেলার আন্সা

চিজ্ করতে হাজ কার: চিজ্ তব্ কিছাই
কারেনি সজর। তলাপেটে আদিতার লাখিটা
তথানা জাম আছে। কেন্য্র পালা ঝোড়ছিল
লখিটা কে বলাদে। বালা আধ্যজ্ঞ ললিতটাকে ঠেকে ধ্রেগিল জাং মাতেই। কোনে তাকে জাম। কী কোনাম সেই
কলো কোলো যেড়েটা—শাশবতী নাকী

ভারস সংখ্যা, বর্ব শেষ বর্ব শ্রেরু, বাংলা বাংলার বাইরে, আবাড়ে গণে-র

পৰ আৱেকটি গলপকবিতা বিশেষ সংখ্য

শ্বধ্ব কবিতার জন্য

প্রকাশিক হজে নিয়মিক বাসিক লিট্ড ব্যালাকিন্দে ৩র বর পরেতে অন্তর্গ কীতি প্রায় এক টাকার আপনি পাছেন (লেখকস্চী বাহুলা ঃ কে নেই!)—

QO is sistem কৰিবল, বিলেশি কৰিবল, প্ৰবাসী কৰিবল

স্নাল সভোপাধ্যার সম্পাদিত আক্রের গল্প ৮০০০ সন্দাপন চট্টোপাধ্যারের সমবেড প্রতিষ্ণা ও অন্যান্য ৩ ০০ ধারেন্দ্রনাথ গল্পোপাধ্যারের সম্ভাট/অপারেশন ফাউন্টাস ৪-০০

षध्नाः ১৭/১-छि স্ব সেন म्यॅीर, कलकाछ। ১২

द्यम-अमन किंद्द म्लाद सम रम-विद्वत বাজারে চালাডে গেলে নগদ দ্রা তিন हाकारतत वाका-छ्य छाउ छनाडे एकर भ रतत भागमा आमिछे। प्रत भामा। त्रिभित्क वदर टर्न: व वा--टर्नटथ वा छे ह गीह काटक वटन--কী বুকম মোলারেম ফুর্সা চামভায় বাধানো जाबात वर्षे. ट्रम्ट्य वा। धे काट्या ट्रम्ट्रहोत् करा कि धार रवनी शाकार कहा यह ! एता মাইনি ভুট কডকালের সৰ প্রেরানা দোলতবের না হক মালতানী দেখিছে গোল! कारना बारन इत ? जीनार बानाया निराक ? टका निरम्न एन ना जे जाश्रमका दक्तनकाटक जे कारना स्वरत्ने। मा-हात्रीम्न स्वरंग करत নিক। ভারপর ভো মরেট বাজে এ। এ মরে গোলে মালুবের তো তথন আর কোনো স্বয় থাকে না—তখন ওর স্থাবর অস্থাবর चामताहै एका शादवा दत ! अकरे, केमात इरल ন্যাৰ, বৃত্ত ৰগভা কাজিয়া এডানো হাত। ভেরাকীরে।

রিনি এগিরে গিয়ে গ্রীক ধরে কিছ্ক্প রাস্তার দিকে তাকিরে ছিল। ফাকা রাস্তা। হিল্ফেখান পাকো এ সময়টায় ভূত নামে। কেবল ওধারে একটা গ্রারাকের সামনে খাটিরা পোতেছে এক বুড়ে দারোয়ান. নিশ্বত রাড চিরে পাতকুড়ানীদের অপাথিবি চীংকার ভেলে অসে—ম; গো—। বিনি মাথ ফিবিয়ে বলে—গানছো ?

-097

-- के त्य हीश्काद ! यक कर करदे !

রিনি অপ্রশন্ত হাসি ছেসে। ভারপর বোধ হর একট্ চালাক হওরার চেম্টা করে বলে—কী রকম যেন শাপ শাপাল্ডের মতো শ্নতে লাগে। এমন বিভিন্নি গলা করে ভাকে যেন স্বাহ্ব চলে গেছে—

খামোখাই দামী লিপান্টিক মাথে রিনি। য'লে থরচ। সজর জানে গাঁটার শেখানের মান্টারের সংগাক বিনি প্রেম করে না। অঙ্গুলে আঙ্গুলে। ছাগ্নে গেলে সতীক্ষে ভয়ে কুকাড়ে যার। খাসু।

সঞ্জর সামান। হেসে ব্যক্ত — আমি এক সমরে ওদের ক ছাকাছি থাকডাম। কড় রাত চিংপ্রে ফুটপাথে শুরে কোটছে বইরের দোকানের ডভার ভলার। শুই একখার অনেকটা ডিকের মতো করে লোকের কাছে। যাত পেতেছি। এর একটা মঞা আছে।

--- wi nwi?

—আছে। এখন আৰু সেটা বোনাছে পারি মা। ভবে সর্বন্দ চলে বাওয়ার একটা আনশ্য আছে।

রিনি চুড়ির কন্ন্ শব্দ করে রাল্ডার ম্থ কেরাল। ভারপর হঠাৎ বলল---আবার ওরকল হতে পারো।

मक्त प्राचा नाक्न-मा।

রিনি মৃদ্ হাসি-মৃশ কিরিয়ে বলে— পারো না? তবে যে বললে মজা আছে! আমাকে ব্যাপানো অভ সোজা—না?

সঞ্জর বলল—এখন পারি না ভার কারণ আনাঃ এখন যদি একটা লাগিল পারে খালি গালে হিনে ফটেপালে মান্তর পোতে পারে খালি, তব্য মনে হতে, লাতে টোর এলে আমার কী একটা চুরি করে নেবে। কী একটা বেন খোলা বাবে আমার কিছু খোলা না গোলাও এবকম মনে হতে। স্বাহিত সাহাবি হাত ভাবেলা সাতি হাত ভাবেলা সা

তিনি হাই ভুলাল । তারণের প্রিপ্রণ দতীবধানা একটা আলাসেমি জড়ানো ছগণীতে ম্ভাড় সঞ্চতের সামনে একে নাড়ল গার একখনো প্রীম লাপেল জড়ালাছ । ছার আলে পড়ল এর গারে : সাল্ সর্গাসীর মতো পবির ম্থ করলা সঞ্চা, নলুল তোমের গাঁটাবটা একটা বাজাও না, শ্নি : নাডুল কী লিখেছো /

---智,如 性的難分

--- वः ! छ। दरमा तत्तर तिरह बहुरमा व ।

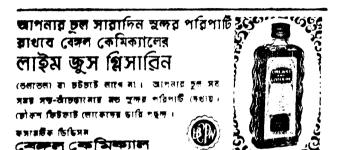
সংগ্যা সংগ্যা বেছিছা এটো বিনি--- চাছা,
আমি অংমাতে ৮টলাম, জার উনি অংমাতে
দিলেনা কেন, হাকুল কবতে পালো মা--না,
আমি এক,নি গাঁটার গ্নতে চাট নিলে
এসো গাঁটার, আমার পালের কাছে বলে
ব কার--

मक्षतं वाज कृतनं बननः--कात्मकः। ७ नक्षतः काताताः नकः महत्त्वनं त्यमा क्षति बाह्य।

অভিযানী মূৰ করে রিনি বলে—বাও, বাজাবোনা।

শাসত গলার সম্ভার বলল—গটিটারটা আনোঃ

সামানা একটা আদর কাড়া কাড়া করক বিনি। কিব্লু এতবাল পরে এই প্রথম সঞ্জ তার বাজনা শানতে চেরেছে বলে সে চাবা আন্তেহ একটা কলমলে মুখ্যে সভিটে গাঁটার নিয়ে সঞ্জারর পারের কাড়ে বস্লা। পিকল্যক





বেমন কোলে দেয় স্থিনি তেমনিই কোল স্থিত বলুখানাকে।

- -की बाब्बाटवा ?
- -- (नहाकी शाम बाह्ना ?

রিনি হালে-গৃহিদ্ধা কোখাকার!

-णाराम वा पानी वाकातः

—जादरन वा चूना वाकाश । अकडे, हैरडीर करत विज्ञिन मिछाहे वाकारक

माशम । विद्याद श्रदा

स वहरति (त्रता भूका त्रश्या संकामित २व ।

या

ল

B

বাল সাতে চার টাকা

এতে লিখেছেন বারা

বিভূতিভূষণ

बु(খाशाशाश

ववकृव

অচিন্ত্যকুমার সেনগুন্ত

भयात्रम वभ

সন্তোষ ঘোষ

1050

বঙ্কিষচন্ত্রের অপ্রকাশেত উপন্যাস

ও ছাড়। চরুণ বেখকের দুটি পুর্ণাঙ্গ উপন্যাস।

জ্ঞানতীর্থ

১, বিধান সর্বী, কলিকাডা-১২

একট্ব আশ্চন হরে সজর প্রেছিল। সেই কঠাপড়াহীন বিকা মেরে কানার সরে গাল —ঠিক বেমন পেহাতী গান হয়। রিনি ভাই বাজাছে। সজর গানটা একট্ব বরতে পারল না। কিন্তু পড়ল্ড বেলার এক পাহাড়ী নদী পার হরে রঙচঙে কাপড় পরে মান্য মেলার বাজে। সাজপরা গর্ টেনে নিরে বাজে বঙান গাড়ি। এরকম দৃশ্য ভার চোধে ভেনে উঠছিল।

িরনি থামলে জিজেস করল—এটা কি হিলী হবিত্ব পাল ?

- -471
- —**ভ**বে ?
- —হেলেবেলায় গানটা শ্লেছিল'ম। লেবার দেওখনে বেড়াতে গিরে। স্রেটা মনে ছিল, সেই থেকে বাজালাম।

--क्याग्राला की वला खा।

विभि शामना

—গার্ডবাব, গার্ডবাব, সিটি না বাজা না, কান্ডি না বিধানা পিলাটফারম মে রহ সৈল গাঁটারিয়া...গ্ন গ্নে করে গাইল রিনি।

ছাসতে হাসতে সঞ্জয় টের পাছিল পেটের নীচে একটা ভারী বন্দু ঝ্লছে। তলপেটটা। জ্যাটকমে গাঁটরি পড়ে রইল—হার ঈশ্বর, পাড়ি ছেড়ে দিছেে! হে গার্ডবাব, তোমর পারে পড়ি—সর্বস্ব পড়ে আছে আমার জ্যাটকমে—

- —বিনি।
- -- B* 1

—আজ আর কিছু বাজিও না। শ্নতে জল লাগবে না। তুমি থ্র স্ফার গিখেছো, থ্র স্ফার—

রিনি হঠাং পলা বাড়িরে বলল—তবে প্রাইজ লাও।

প্রাইজ দিতেই বাজিল সঞ্চর, হঠাং রিমি মুখ আচমকা সরিত্রে নিরে বলল—ইস, ছাই প্রদের সক্ষঃ কী স্বাদে বে খাও—

রিনি উঠে চলে গেলে একা একা একটা ভিডি সৌকোর মডো চেতনা হেছে অক্তেভনভার বিকে তেলে গিরেছিল সম্বর।

পঞ্জ বুম হরেছিল রাজে কিন্দু ভূম্পি বছরি। বুম ভাঙল সাজটার। থ্য আগচর্য বল সভার। এরকম কথলো হর না। ছাটার রয়ো ভার বুম ভাঙবেই। সে নিরমের অনুশাসন মেনে চলা মান্য।

বিরত হরে সঞ্জয় রিনিকে জিজেন করল— স্কালে ডেকে দাওনি কেন?

—কত ভেকেছি ! ভূমি কেবল **উ' উ' করে** এ-পাশ ও-পাশ ফিরলে।

পরীরটা বৃদ্ধিরে গেছে অনেক। পারে পারে কুতা আর আলসেমির ভাব। বিছানা ছাড়ার পর কোনোদিনই ব্যের কড়তা থাকে না ভার, কিম্তু আজকাল শরীর পান্টাক্ষে। অফিনে বেরিরে মোড়ের মাথার পানের

অএ**ৱ সাহিত্যে** এ নুতন এই

PHINIT

गटनग्रापुनात निरात

त्रभात यन ए॥

खनग्रस्

একাঘ্মী ৪॥

প্ৰশাস্ত চৌধ্ৰীৰ

গোধূলি রঙ্গীন ৫.

আশ্তোৰ ম্বোপাধ্যায়ের

বাজীকর ৮১

নীহাররস্কান গ্রেণ্ডর

ताति विभीश १

া বহুসা-উপন্যসা

मूर्येतृशमा। ५०,

श्चन

মহান্ধা পান্ধীর সভ্যাগ্রহ সম্পাকিত সমগ্র রচনা সংকলন

সত্যাগ্ৰহ ৭॥

544

স্বোষকুমার চক্রবভারি

कूछिन

कूभायदन ६,

আমর সাহিতা প্রকাশন ৭. টেমার লেন, কলিঃ-১ কাক্তনের সামতে গাড়ি গাঁড় ক্রাল সজর, আনালা দিয়ে হাজ বাড়িয়ে একটা গাঁচ টাকারু নোট বলে রইল। সোকালদার এক পাকেট বিগারেট হাজে দৌতে আলে।

গাড়িটা হৈছে বছ রাশ্চার এলে বেথকা বাস স্টপে একটা কেরে সাড়িয়ে আছে। ব্য-চেনা কেরে, এক সকরে একই একচ্চোন বাসে অকিলে সেছে। গাড়িটা বিজে ভাকে চেৰে কেলল সঞ্জয়। চোখে চোখ পড়তেই হালল-চল্ন, পেটছে বিভি:

সেকেটা একট্ব খনাক হর। এই প্রথম আলাপ। কিন্তু এক সমরে বাসে অফিসযাওরার একঘেরে গ্রেছট্কু সঞ্জর পার হত
এই লেরেটার দিকে তাকিরে তাকিরে। মেরেটা
প্রথম প্রথম চোখ সরিরে নিত। তারপর
মাখা দীত করে কন্দাত ভান করল কিছে

দিন। ভারণার একনিশ—করে বেকে বেন— চোনে চোন রাশতে শৃত্যু করত। তবকার সময় কেটে বেভ। বেলা বেলা একটা ব্যাপার, প্রেমের মভোই—কর্মত হেল বর—একটা ব্যাপার।

বহু দিন হয় সজারক আর শহুদে পারনি মেরেটা। আন গাড়িস্ত্র নেথে খ্র অবাক হল। ভারনোক কোনোদিন কথা কলতে সাহস

ভিটামির ও খনিজ পদার্থ আপনার পরিবারের সকরের স্বাস্থ্যের জন্য একান্ত প্রয়োজনীয়

हैंडा कि का बरबरे महिमार मारक्व ?



পৃত্ৰ ! ডিম্প্ৰাৰ বিবিধ ভিটামিল ও

ভিটামিত ও বনিজ পরার্থের জভাব আদনা গণিবকে বহুলো আছে পতি করতে গাবে। অনান্ নবি, ব্যালেশ, আমানি, চইটোর ও বারে আছ—একা-নার্থানত ভিটামিত ও বনির স্থার্থের অক্সার্থানে বিটামিত ও

জনুও ক্রিটারিল ও বাজিল পাদার্থ সন্পর্বে প্রায়ট্
নৈথিলা কেবা কেবা, কনটি আ বরে নক পবিপরিত আহার্যেও। মধ পুরীকর বাকট সম্বত্তত রাক কা কা আ প্রকারেত আহার্যের অবাই ভিট্টারিন ও বনিত পার্থের বাটিত বাকরে পারে। ভাহনে আগানি ক্ষেত্রত প্রচারনীর বাবভীত ভিট্টিন ও বনিত পরিবারের নবাই কর্মান্ত প্রচারনীর বাবভীত ভিট্টিন ও বনিত পরার্থিত ক্রম্ট ক্রম্টা ক্রয়েনিটা বাবভীত ভিট্টিন ও বনিত্র

चानवाद अदिवादक आखारकरे नाट चारकड

আবোজনের জন্মতে এইনৰ একাৰ প্রয়োগনীয় পুটুকারক পৰার্থ নিভিডভাবে পেতে পারেন, নেইআকট বান্ধ কেন্দ্র কিন জিন্দ্রবানন—কুইনের বিভিন ভিটানিন ক বনিত্র পরান্ধিক টানকান—প্রতিধিন একটি ভ'রে। এই পায়াকর অভ্যান্তি আক্র ক্ষেক্ট কর্ম করে বিল বা কেন্দ্র

ভিক্রমানে প্রণার ট প্রেরাক্ষরীয় ভিটারিয় ও
ভাটি ব্যক্তি প্রদার, পর্যায় পরিবাপে আরে। প্রথ বচ্চ
কার পরে ক্ষেত্রার কর ও পরি দিছির আরতে করের করক।
কর্ম ক্রেরার করের কর ও পরি দিছির আরতে করের করক।
কর্ম প্রতিয়ার করার করের কর্ম ভিটারিয়া কি—কর্ম
কুরিক ও ব্য সেরে কর্ম ভিটারিয়া ক—ক্ষ্মার কর্মকরের
কর্ম ভিটারিয়া বি ১২—ক্ষায়ার পাশনার পরিবারে কর্মকরের
আর্মার কর্ম কর্ম ট্রাক্ষরের কর্ম করি কর্মকরের
আন্তর্মার কর্ম কর্ম ট্রাক্সকরের কর্ম করের পরিক্রারার কর্ম কর্ম
আন্তর্মার কর্ম কর্ম ট্রাক্সকরের কর্ম করার ১০ পরনা করের আন্তর্মার
আন্তর্মার ভিত্তরার্মীয়ার কিয়ব — প্রতিবির ব্যক্সক্রায়ার ব্যক্তর ব্য



একটিয়াত্ৰ ভিত্ৰপ্ৰাানে আপনাকে সাৰাদিন কৰ্মই ৰাখ্যৰ

M .

SARASHAI AMERIKAN

O I was ple on an imprisonation catego Jacobs areas with subgroup one

SMALECASE Des

ৰজাৰ ভাৰ সহল, বিশ্তু এখন গাড়ি হওৱতেই বোৰ হয় সাহল বৈড়েছে। মেনেটি ইডাল্ড কমে বালা—বালেই বেডে পানবো।

ধী হাড়ে সামনের দরজাট। খ্লে ধরে সঞ্জয়। মেরেটার নিকে তাকিরে হাসে।

পর্কালের কথা বহু নেই। এবন
উপ্রক্ত রেল। নেই পালোতে বেরেটি
বালাতী রঙের শাড়ি পরে দাড়িরে। স্ভোল
স্পর্ ম্বাধানা, নাকে একটা পাথর বসানো
নাকরাবি বিশিক্তর উঠছে। ভান হাতে সাপা
বালা, বাঁ হাতে ভাল করা রেল-চলরা।
ভাগিলে চলরাটা পরেনি! অবন স্পার চোধ
দুশ্বানা—ভাতে ভর, সংগর আর ইছার বে
বেলাগ্রেলা বেশা বাজে সেস্লো দেখাই
বেলাগ্রেলা বেশা বাজে সেস্লো দেখাই
বেলাগ্রেলা বেশা বাজে সেস্লো দেখাই

द्रमराज्ञी**वे केटां** जन्म : मक्त्रा भारिक द्रमराक विकार

নির্দেশ অসে বাকে সেরেটি, অন্থানিত বাক্ষার বাক্ষার বেশিকে তাকালই সা, আলতেত বাক্তে শিটরারিব ধরে অলস কলাকৈ অসমে আন্দেহ পাঁজ বাজিরে পিছল দে। মেরেটি একগলক তাকে দেখল নির্দাদেশ—এতকাল কোবার জিলে ভূমি? তোলাকে কর্ড থাকেছি!

নীকিক অংশমে লাল আলো দেখে সকর পাছি বাবার। সিগারেটের পাকেট খলেটে খ্লান্ডে মেরেটির দিকে ডাকার। না, মেরেটির পরীর কিংবা মূব দেখে না। কেবল সিথিটা লক্ষা করে। সিদ্যোর চিল নেই। ল্লোমনি ডো। ঠোঁটে জাবছা লিপ্সিটক, কণ্ডল দিপ দেই। কিছুই ব্যবহে পারে না সকর। আক্ষরাল বাঙালী মেরেরা জনসাধারণকে কাঁকি নিডে পিথেকে। সকর জিন্তাস করে —কোধার আপ্নার অফিস?

—শীন্ট কেন্দ্রেটা কিলেটের কাছে, রাজ-কারিকান।

বাচৰেলা: এখন আবার সেই নিউ সেক্টেটারিকেট পর্যাক্ত গৈরে তারাপ্তর পার্ক বিটিটে
বুরে আসতে হবে: এমনিক্তই দেরি হবে
কেছে। সঞ্জর বিভি দেখলা: এখনো মিনিট সক্রের সারক বাছে দেখলা: এখনো মিনিট সক্রেরে সম্মর আছে, কিছু ভাতে হবে মান এখন পর্যাক্ত এই অফিনে তার এখা নিনও দেরি হরনি: বিদ তর, আন্দেই প্রথম হবে। এই মেরেটির জনাই। ভাছাড়া আন্দ্রাক্তানে সাতটার উঠেছে সে। সমর ভিল না বর্গে দাঁত ঠিক মতো রাশ করা হরনি, গালে ক্ষরে সচ্চেনি ঠিকমতো, হাত দিলে খর খর করছে। অপোছালো হলে আছে সে। খানোখা জিজ্ঞেন করল—চাকরি করেন।

- --
- -रकाम डिकार्ड रमचे!
- পাৰ্লিসিটি।

ভাকে কথা পেৰ করতে পের সা সঞ্জব, কলে—আমাকে আপনার মনে আছে? नारक कथा रहरक इंडे करता कारकार कथात्रे हरण भारत।

লেকেটা লম্পা পার যোগ হয়। উন্নয় লের না।

হাজরার মোড় পৌরতার সভার পার্কি হোটার । পাঁত বাড়াতে থাকে । বলি সমরটাকে বাঁচালো বার !

रमरत्रहो यमण-भाकि विमरणमः!

-- जे अक्त्रक्त रक्तारे।

—শ্ব সংবিধে এখন, না? বালে যা ভিক বাক্তৰ দিন দিন—

সঞ্জর মৃদ্র হাসল, বলল—সংখ্যা সাড়ি ছিল না তখন একদিনত লেট হয়নি। আকই প্রথম লেট হবে বোধ হয়।

—গাড়ি কি অনেক দিন কিলেছেন। কর্ কাল আপনাকে কেখি না তো। বোধ ইয় কছঃ খানেক—

—না। পাড়ি তো সল্য হল। সাল্যখনে কিন্তু দিন ট্যান্সিতে বেভার।

হেরেটা বলে—বেল গাড়িটা। ছোটোখাটো, কোজ—

ষ্টেকিকে গাড়ির প্রশেশ। সঞ্জের কিছি লাগে। আমাকে দেখছে। না কেন সেই আগের হতো? তখন একশো জনের চোখের সামনে বিহলে হলে দেখতে, এখন একা গাড়িতে আমারা গাড়ন, তুমি তখা কেবল গাড়িতে মনোবোগ বেখেছো! গাড়িটা কি আমার চেরেও বেশী!

नक्षत्र किरस्त्रम कात-एकाशाह शाहकम ?

- -- প্রতিয়া। আপনি ?
- हिन्दुन्धास भाकः

क्षारको अक्टो हैल्ट्रन्ट करह छिए**छा**न कार---शकार

সক্তর মিটমিটে ভানের মতে। হাসে, মাধা সেড়ে বলে—না, আমার লোকজন আছে।

মেরেটা ঠিক ব্যক্তে পারে না লোকজন কথাটার সানে কী। মেরেটাকে ভাকতে দের সকর, নিজের পেকে সে কাবে না বে তার বিনি আর পিকলা আছে। মেরেটা সারা দিন ভাবে বাকা। কেন আমি বলব ? তোমরা কেন আক্রাল সিশির লাকে? এই বে আমি তোমার সালা সিধি লেখেও কিছ্তেই সিওর হতে পারছি না, বেমন আজ্কাল বিনিকে দেখেও বাইরের লোকজন ব্যক্তে পারে না—এই ফালা কেন লাক?

ৰাড় দেখে সঞ্জঃ। মেরেটাকে গাড়িতে তোলা ছুল হরেছে। একদম ছুল। চৌরপারী দিরে বাছে গাড়ি, সে এই মার সার্জার রোডের জাসং পেরোলো। বড়িতে আছে আর মার দ দশ মিনিট সমর। সে কেন গাড়িতে ছুলে নিল মেরেটাকে! হাঁা, কেন ছুলেছিল? কী উদ্দেশ্য তার? ব্কলে অচেনা মহিলা, মেরেদের আমরা মার একটিই ব্বহার জানি। মার একটিই।

भारकात्र नाहेक

শ্যাতনামা সাংবাদিক - সংহিত্যিক সম্ভোষকুমার ঘোষের

অজাতক

[প্ৰাস] ৪০০০

তলৰ বালি, পৰাৰ পৰেক

প্ৰায় বংশো ৰাত্তি বাবে আবিবাত হাক্সহাজোক্ত ভোলাৰ পৰা পৰিমাজিতি ও
প্রিক্তিবিভি আকাৰে প্ৰচালিত হ'ক
প্রক্তিবিভাগি বাকাৰে প্রচালিত হ'ক
প্রক্তিবিভাগি বাকাৰে বাকাৰী ও
শৈকেল প্রহানিয়োগীৰ

সেমসাইড

श्यांत्र -- ०.६० **छे**रभन मस-द्र

ছায়ানট প্রেমাজিতা ৩-৫০

बारेटिक [यन्त्रच्] ०.४०

অগ্রিম সহ অভার পাঠান

লৈলেল গুহ নিজোগাঁর **অনশন ভঙ্গ** [হাসির] ₹.00 মনোজ মিত্র-র ৩টি একাংক মুজুরে চোখে জল: কাল বিহল: कामस्यन, ॥ क्रमानाथ च्योषादर्गत (क्रसक) ज्यात हाड़े आन हाड़े মনোরঞ্জন ^{*}বদবাসের (সংগ্রামী) **মডের** কাছাকাছি 0.60 পার্যাপ্রতিম চৌধ্রীর **হারেনার দতি** রিহসা कालक्सी नाठे त्रश्यह (२३) নীলদপ্ণ: দীনবন্ধানত [গ্ৰনাটা সৰু অভিনত্ত] দুঃখীর ইমান : ডুলসাঁ লাহিডী আমার ঘাটী: মনোরজন বিশাস

লুক্ক রি হ্যান ঃ জুকা । লাগিছ।
আমার যাটী ঃ মনোরঞ্জন বিশাস
ক্ষক বিল্লোহর ভিন বংলার ভিনটি নাটন
ম কবে জাছে ॥ গোমির ভিনটি নাটন,
সোভিরেট প্রেক্ডারপ্রান্ত গিণিপ্র বংলান,
পাধারের লা; উমানাথ ভট্টাগেরে নীতের
ক্ষল; স্নীলু দত্তব লানব। [৬.৫০]

বিদ্ধ একাংক

৭টি একাংক উৎপদা সত্ত অভিতেশ বন্দো।পাবার দ্বালীল সত্ত অভিত গণেগাপাবার
লোহিত চটোপাবার সনোরক্তন বিশ্বাব
বিভূতি ম্বোপাবার। ৫-০০
একালের একাংক (৩য়) ৭-০০

জাতীর সাহিত্য পরিষদ ১৪, রমানাথ মজমেশার পুটি, বলিঃ ৯ তোমাকে আমার গাড়িতে কেন ভূলেছি ভা চোৰ বালে একটা ভাবলেই দেখা বার, বার ভবিবাং পর্যতে দেখা বার। আমি রোজ बे बाग-म्पेर्ण गांषि थामारवा जल जारवा ভোমাকে। ভারপর আন্তে আন্তে.....। আমি অতদরে চরিত্তীন। ব্রেলে! কিল্ড একটা সময়ে আমার গোটাকর জিনিস ছিল –সতভা, নিষ্ঠা, কর্মক্ষমতা। আমি শ্না বেকে বোস আশ্ত কোম্পানী তৈরি করেছিলাম। আমি বাডি খেকে বেরিরে ভিখিরির মডো বুরেছি, বুলিতে ছিল ঐ তিনটে জিনিস। ঐ তিনটে জিনিসই আমাকে স্ব দিয়েছে, তারপর ভারা করে আন্তে আন্তে। শেষটা ছিল কয় সক্তা। কাল প্ৰতিত্ত ছিল সেটা। সকাল সাতটার एएएए दम লোরতে বাজি অফিলে, শরীর ছেডে দিক্তে আলসেমিতে। শেব গ্লেটাও ছেড়ে ৰাচ্ছে আমাৰে। আর কি চাই! হুররে! এনে গেছি। মাককারিরনের অফিস ঐতো দেখা বাছে। কাল আবার ছবে কী বলো? জানি তো. একদিন অসমরে গার্ড নিশান উভিয়ে গাড়ি ছেডে দেবে, স্প্যাটফর্মে পড়ে থাকবে গাঁটরি— খামোখা ভেবে কী হবে বলো! তার চেরে चामारमद धन धन रम्था कदा छान।

দুপুরে ফোন করছিল সঞ্জর ম্যাককারি-

ज्ञातन प्रशामिक । चाराक कारणात करा

—আরে মশাই, আপনাদের পাবলি-সিটিতে একটা মেরে আছে না! নাকে নাকছাবি?

-- ७३ भिन् नानाण।

—মিস্। আৰু ইউ সিওয় যে মেয়েটা মিস্?

म्यांक' शाम-की साभाव?

—কিছু না। শুধু জানতে চাইছিলাল ৰে মেরেটা সচিচাই মিস্ কিনা, আজকাল ভো বোঝা বার না.....

—ক্ষেনেই বা লাভ কী? মিস্ হলে সুবিধেটা কোথার? ওর অনেক ভক্ত।

—আমার এক শালা সদ্য বিলেত থেকে ফিরেছে—ইলিনীয়ার, ভাবছিলাম তার সপো সম্বন্ধ করলে কেমন হয়! ভল্কের কথা কী যেন বলছিলেন?

মুখার্জ গলার ঠাট্রার ভাবটা পালেট বলে—না, ও কিছু না। মেরেটা সভিটে ভাল। কাউকে পাতা দেরনা। দেখতে পারেন। আমি পরশু টরশু আরো খোঁজ নিরে জানাবো।

--পরশ্ কেন? কাল--কালকেই জানাবেন।

-कान वास्ता वन्य-प्राप्त तिहै।

— es হয়। ডিক আছে, ছব পরশ্রই—

कान तार्थ एवं नवड़।

আর কিছু না, মেরেটাকে এর পরীদ্র ভার নাম ধরে ভাকবে সঞ্জর, মুখার্জি আর বা বা জানাবে সব বলে দেবে মেরেটাকে। ভীবণ অবাক হরে বাবে মেরেটা, খুলী হবে। ভাববে সে কড ইম্পট্যাপ্ট্ সঞ্জরের কাছে। একটা মেরেকে নন্ট করা কড সোজা।

আক বেন কেমন কাজ করতে ইছে করছে না। দুটো লোক পরশ্ব থেকে পেমেণ্টের জনা ঘুর ঘুর করছে। দুই একটা সইরের ব্যাপার। কিন্দু ভাঙ করল না সঞ্চর। বলল, পরশ্ব নেবেন।

কলমটা চোখের সামনে আড়াআড়ি ভূলে
ধরে অনামনে চেরে বইল অনেককণ। একটা প্রোডাকখন্ দেখতে যাওরার কথা ছিল হাওড়ার। ওপরওরালাকে ইন্টারক্ষ টোলফোনে বলল, পরশ্ যাবে। সব পরশ্র অনা ফেলে রাখছিল সঞ্জর। বহুকাল পর আছ ভার ব্দুরে একট্র যুমোতে ইচ্ছে করছে।

নাকে নাকছাবি পরা একখানা হ্ব হঠাং
লক্ষ মান্বের ভিড় খেকে ভাকে গৈখে
তুল্ছে। মেরেদের মধ্যে একটা কিছু
আছে—একটা রহসামর কিছু। অক্ডবাস



त्थाकात शब मा स्था बाब मा नगरन होत भावता बात रनहें करें गर नह। हटन कारता জনাই কারে। এত স্পাহা থাকত না। রিনি कि किए क्या निष्ठ भारत? छन् दकन তে মনে হয় বিনিয় বা পেরেছে ভার অনেক বেশী রিনির আছে—যা তাকে দেরনি। মা**ৰে মাৰে** দেখা বার রিনি বাব: ছাৰে ৰলে পিকলাকৈ কোলো নিয়ে কাকে ওর হ'ব দেখাছে, পিকলা হাত পা হ'্ডে প্রবল 👌 👌 শব্দ করছে। তথন সমস্ত भवीत करक रव मध्य अक या करते उठ রিনির-ওটা, ওট্রুই কি মেরেদের রহসা? বোৰ হয় ভিত্তকাল প্ৰকৃতির সংগ্ৰ মেরের। গোপন বছবলা করে আসছে লকাডে भारत्यस्य । कारमब व्यक्तेक स्म कराइ--লেইটাকু লেই ভুজ্ব পরীরটাকু সামনে ছাডে দিয়ে গোপন করছে মুলাবান কিছু। পার্যেকাও এর বেশী মেরেদের ব্যাকে না। কিন্দু লৈ কেবল অভুণত থেকে বার। বেমন রিনির কাছে না পেরে নজর এখন অফিসের কাজ ভুলে নাক্ষাৰি পরা একটা মেরের ब्राय चारवः। किन्छु नारव कि 四數有: भारब मा। जारबा भागन-भागन माग्रद **জালো পালে দেখতে ইছে করবে।** সারবার অভ্যান ছিডে ফেলে সেই একই **ভত্তি। বাহে এখানে দেই**। এইরকম অতশ্ভি থেকে বার মান্ৰ ব্ৰেভাত ম ঠিক এ জিনিস চাইনি, জনুৱা কিছ্য-আহো কিছা বেন ছিল পাওবার: কী इन्हों ? **शीव-शीव क**रत**७** शता वाहना। रक्षाम प्रतमन । की नदकात नाराप्ति इ.७ बाब ? हेवा अबन ेव प्राप्त किना? किन्द्रा मा ' क्या उत्तरभ रह दरमानह बारम इरहाहिन, फाएक ठेरिक्टर की एक्स निरंत टगन हैबा. হয়তে তাকে 'দলন' অন্য প্রের্থকে দিল্। এই স্মাক্ষণ এই ক্লোড প্রেয়াক পাপল করে দিতে পারে রয়েন ত্যে পাগ**লই** হয়ে ^চগয়েছিল। সভার ক্তবার রিনিকে ঠাটা করে জিক্সেস করেছে লতোলার শ্বর্প ক^{† ২ বি}নি খুম কাতৃরে **পলার সাজিতের বানিকে বলাছে ডুমি**। **লঞ্জের হালি** পুশ্রেক্স তুমি । খের অ[্]ম कि अव !

কে জালে এখন বিনির গাঁটার দেখার মাল্টার এলেছে কিনা: কী কবার এখন রিনি? সজারের মাকে মাকে ইছে করে সেই লটিারের মাল্টার হার বিনির কাছে মার, পিক্লা; হারে দেখে কেট বিনির লার্প। কী ভাবে রুব দেখা বাবে কে জানে!

নাকচাবি পরা ঐ মেনেটা এর কর্ট আছে ? একে নিয়েই বা কী কবকে সঞ্জর ? তবা একে ফলি ফেলার অনেক উপায় আছে সঞ্জায়ের হার্থা ১৮ককার-রমের অবস্থা ভাল ন্যু যে কেনে চন্টে উঠে বেতে পারে জোল্পানী, ওখানকার কর্মাচারীরা কেউ স্বন্থিতে নেই। সঞ্চর জানে। এই রগুপথে চোকা বার। না, কিছ্ই করবে না সজর, কেবল এই অলমেমিট্কু কাটানোর জন্য, এই একঘেরেমী টাকা-রোজগার থেকে পরিচাণ পাওরার জন্য একটা টীজা করবে—

কিংবা ভাই কি? সে কি একটি মেয়েকে নিয়ে আৰু খুব বেশী ভাবছে না?

বরে একা ছিল সঞ্জর। হঠাৎ দুটো আঙ্ল গোল করে বিবের তলার দিরে তীর সিটি দিরে উঠল। একবার দুবার তিনবার। পরীরে ঝাঁকি লাগে। মনে ঝাঁকি লাগে। সে পাছের মতো বড়ের হাওয়ার দোলো।

বেরারাটা হঠাৎ ক্লাস ডোর ঠেলে বরে তোকে। ব্লিপ রেখে দক্ষির। সঞ্জর দেখে ব্লিপের গুগর স্কুলর বাংলা হরকে লেখা —রমেন।

एक सरमन ! रकान सरमन !

লোকটা খরে একে সে অবাক হরে দেখে।
সেই স্পৃতিত চেহারা, পাঞার ক'বের
জোরওরালা ছেলেটা এখন একজন এমন
লোক—বার গারে ফাডুরা, পরনে ধ্তি।
ভার কিছু মনে পড়ার আগে তার কেবল

মনে পড়ে বে রমেন ভার কাছে টাকা পার। বু হাজার টাকা।

214



ह ज शहराब जय हरता ह्यानेहरत मेरे है

লীলা মজ,মদারের লেখা

নেপোর বই ৩॥

নেপোল কই ছাল। পড়ানি—ভার। বু শো সজার একটাও জানতে পাবলে না।
বাড়ে বেড়ালা নেপোর কই-সহ জাততথানের পারবতী লৈটাক্যপ রহসেরে ব্যাপার
আর চন্দ্রতী ছোট লালা, বেজার কডিজা বড় মাণ্টার, সন্দেহজনক ছোট আন্টার, দ্বিদ
চিকচিজি নিজাই সালাক্ষের চজা, বেন চড়কগাছ হ'ল এবং শেল প্যাপত পাণ্ডা, ছোল
পান্ত আর আর বাশ্বাবিলর সালাবে। রহসা উদ্ভাটনের অভাবনীর ফথাজল বলি জানতে
চার তো নেপোর বই পড়।

স্খলতা রাওর শেষ বই

ন্তেন তর গল্প ২১

মুখলাত। র ধ-এব লেখা হার। ভালবাসে, তাবা নিশ্চরই
এই বইখানি পড়াব মিন্টি প্রদেশর এই ভালি।

সমেথনাথ ছোষের

কিশোর গ্রন্থাবলী ৪॥

আৰু মধ্যে লেখকের সেই আগচ্যা বই বাংলার উঞ্চান আয়ে তেথম হিমালয় কটিংমনা—হাব এক রাজ গলপ।

মিত্র ও যোষ, ১০, শংস্কেত্রণ দে স্টুটি, কলিকাতা ১২



वृक्षित रेख्वा जानाज श्रष्ट आधूर्तिकगढ़ ज़िंग्रा अत पर्

মস্তব্ত ও চকচকে

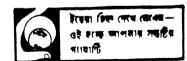
ইরেরা দেলাসভলি আপনার দৈনশিন জীবনে সৌন্দর্য এবে দেবে। নিশৃত সেলাসভলি বিভিন্নজনর স্বাধী পা পাওৱা বাব । পেলাসের ধারগুলি অতি মসৃণ এবং প্রতিদিরের ব্যবহারের চোটচাপটেও কাটল ধরে বা । দেরী বা 🗣 হৈ ইতেরা বেজাস (वर्षः क्रिक-सि:म्यान् म्यान् (मन्नाः ।

স্বরক্ষের উপলক্ষের জন্য জানানসই ইরেরা কাচের জিনিস



আালেম্বিক মাস ই**খান্ট্রিক নিমিটেড, বয়েলা ক**।

ভারতের সর্ববৃহৎ সম্পূর্ব ভঙ্গাহানিত কাচকারখাত্র





জ্যালয়্যোদেভার হারাপথ। লালনের বিকে যে দাবা হজাব বিলয়ে বেখা বাজে ভাষা ভাষাবার হারাপনির সক্ষয়

আন্তলা লেজন-এর এন-৮১ ছায়,পথ চাকতির মত আবার্ডিও হয়ে চলেছে। ছবি ঃ লাউ-ট উইললন এবং প্যালেমার মান্মণিবের লৌজন্যে

जानवार गाँउएम क्या? THE CONTRACT STATES दिया चायात हत्ती। चरत रहेत ब क्षात्रक श्रम्म (क्षेत्र करा क्लाक्र क्षेत्र करा करा উত্তর বোদান আপ্রয়ার প্রেক করিল হলেও হুতে পারে: বাঁদ ঐ সময়টার আপন্নি क्लाबाक हुन करह करन कारका, कारका, বিটিন প্রদান করতেনে, সাধাটা করি নিক্তর निमाद्य राजरकः योग रचमा नावित मरना STATES ब्रिस बारकर् काहरम हत्रव कमरनम् क्य जाव? चन्त्रेषः वात्रे वादेश इन्द्रम इएलोड् । काडम जालीम काडमन् क्रम शांक्त्र स गीकरमम् district of काहे। शांकि क्या वर्ताह वार्ड प्रादेश स्थापे प्रतिकृतः

চলন্, ভাই বলি হয়, আছিল আৰু
আন থেকেও, গাছিল গতিবলকে আননি
লিজের গতিবলন বলে চালাতে চাল, ভারদে
কান্য, প্তিশাতিত কেউই আমরা এক
বুলুভেরি জানোও নিবর বলে বলেক পারি বা। আগলি নব নবর কেলে বা
কান্য একটি গতির লবো রাজেলে। এক,
এই কলভাভার বলেই প্তিশানি ক্রেন্ত আন্তর্ভার প্রায় বলাক প্রতিশ্বেল। বই,
এই কান্য বলাক প্রতিশ্বেল। বই,
এই সমরে প্রথমী ভার চলিকে সপ্রে করে স্বের্ডির চারগালে পরিপ্রেমা করতে বল্টার প্রায় সভার হাজার নাইল বেশে।
প্রিথমীটাকে গাড়িয় সদ্দেৰ ভুকনা করতে



ब्रुक्षांच अवन्त्राम चार्गामक निरुद्ध के efectes face acre screen: 44 क्रमेना क्यांक जान अक राजेनाता गरंग চৰতে কিয়ে সিক্ষবাদ বা অন্য কোন কারণে व्यक्ति स्थानेट्र स्थान अपने, चापने, कर ल्यीन क्यांक रह. जीन वा व्यन्तानंत प्राप्टर মাধ্যকের করে স্বেরি চারপালে যোষার नमा भूषियोग प्रक्रिक कर्ज्यामगार বিষ্টো এবিক সেবিক হতে পারে। সেই সংস্থা আপ্ৰদায়ত প্ৰতি। তিন্, এবার স্চের্যর করা ভাবনে। স্বে সাকারি ব্যাসের একটি সকর। রাতের পরিকার আকাশে আমল্ল যে ছালাপথ বেশতে পাই रकानि बकी वासानस्थत सर्वा न्वं ব্যুরে চলেহে অধিয়ান। জ্যোভার জালী-इन्द्र कालाह, अन्य अन्ति हात्रानाथ स नामानीनरक इत्यरक क्यको हाकीका वयः। অসংব্য সক্ষর এবং বিপক্তে পরিমাণ হাক্সা ল্যানের বোরার তৈরি এই চাকতি ভার কেন্দ্রের রারণাশে ব্রহে। আমানের হারা-প্ৰেৰু ব্যাস প্ৰায় বাচঁ হাজাৰ আলোক বংসর। সূর্ব এই হারাপবের চাকতির

প্ৰান্ত প্ৰান্তের কাছাকাছি থাকার হারাপথের **কেন্দ্র থেকে** তার দ্রেম্ব অনেকটা বেশি। আৰু প্ৰিবী এবং আর সমুস্ত উপগ্রহকে সপো করে একবার তার চার-পাশটা খারে নিডে তার সমর লাগে প্রার কৃতি কোটি বছর। পতিবেগ? প্রখাত জ্যোতিবিজ্ঞানী ফ্রেড হয়েল-এর মতে, ছারাপথের কেল্ডের চারপালে স্ব ব্রে চলেছে ৰণ্টার পাঁচ লক্ষ মাইল পতিবেগ ৰিয়ে। অর্থাৎ সেকে: ড দড়িলে প্রার একৰ সাজে পাইতিল মাইল। তাইলে ভেবে দেখুন, ঐ ছারাপথ র্পী রক্ষাণ্ডের মধ্যে আপনিও স্বেরি সপো ছুটে চলেছেন লেকেকে সাড়ে পার্যাত্রণ মাইল গতিবেলে। এবং শেষ পর্যাস্ত ব্যাপারটা দাঁড়াল এই ঃ আপৰি পৃথিবীর মের্-অক্ষের চারপালে লাট্র হত খ্রছেন ৷ সেই সংশা স্থেরি ভারপালেও। মাঝে মাঝে গ্রহ-উপগ্রহের **টানে আপনার গ**ভিবেগের श्रीवतकामः। चात्र के कक्ट्र मृद्रुट हाया-প্ৰেয় কক্ষপত্ৰ বিচরণ!

কাপারটা আমাদের কাছে অলস কলপনার কভ কলে হলেও, মহাকাশ বিজ্ঞানীরা সব কিছু দেখে বেল হিমালিয় খেরে বাছেন। ভবিবাতের মান্ব বখন এক নক্ষর ভগং খেকে অনা নক্ষয় ভগতের দিকে পাড়ি দেবে, তখন এর সমস্ত কিছুর সপোই ভাল রেখে ভাকে চলতে হবে। প্রিবী খেকে চলি বাওরার সমর খেটাম্টিভাবে তাল রাখা হরেছিল প্রিবী এবং চালের পারস্পরিক গতির সংগ্। কিন্তু সে ক্ষেত্রে ভাকে ভাবতে হবে প্রিবী, স্বা, অন্য কোন নক্ষর এবং তার গ্রহের গতির সংশা পারস্পরিক সংশক্ষের কথা। নিশ্চয় সেটা সহজ ব্যাপার হবে না।

भवा-बद्याविम्रा

মাত্যর সংখ্যা সংখ্যেই কি জীবনের সমস্ত আশ্ভিম বিশাশ্ভ হয়ে বার? একই জীবনের সংকেত কি দেহ থেকে দেহাল্ডরে গমন করতে পারে না? অথবা স্থাল ভৌতদারি বেয়ন আলো, লব্দ বিদ্যাৎ প্রভৃতিকে সহজেই এক জারগা খেকে জার এক জারগার পাঠন সম্ভব, ঠিক তেমনি হানুবের পক্ষে কি সম্ভব তার ইচ্ছেকে শ্বান থেকে শ্বানাশ্তরে পাঠান? অর্থাং লেষ প্ৰাণ্ড প্ৰণনটা দাড়াজে কতকটা এই ৰুক্ম ঃ উদ্ভাপ, আলো, পদ্ম ৰা চুম্বকের ছত ইচ্ছেটা**ও** কি এক ধরনের শরি ? ঐ সমস্ত পাৰের মত ইছেশবিরও কি অস্তিয়, কার্য-কারণ সম্পর্ক প্রভাত পরীক্ষা করে দেখান সম্ভব? মনোজগতের এই কটিল ब्रह्मगुरक निरंतरे गर्छ छेळेर भन्न-महर्गातमा না পারো-নাইকোলজি। ভারতে একমার রাজস্থান বিশ্ববিদ্যালর এই বিষয়টির উপর নির্মিত প্রেষণা চালনার জনো একটি পূথক বিভাগ খালেছেন। এর অধ্যক্ষ ডঃ এইচ এন ব্যান্ডির্ল। এ ছাড়া সোটভারত দেশে এ নিয়ে দার্শ গবেষণার

কাজ শ্রু হরে গেছে। পৃথিবীর জন্যান্য
দেশের বিজ্ঞানীরাও বিজ্ঞানের অন্যান্য
দাখার গবেষণার মতই পরা-বিজ্ঞানের
উপর নানা রকম পরীক্ষা-নিরীকা
চালাক্ষেন। ডঃ ব্যানার্জি ভারত এবং
পৃথিবীর অনেকগ্রিল দেশে এমন কিছ্
কিছ্ লোকের সাক্ষাং পেরেছেন বাদের
মধ্যে প্রে জন্মের বহু ক্ষ্তি কোন রকম
বিকৃত না হরে একই ভাবে অবস্থান
করছে। ইনি জন্মান্তরে বিশ্বাসী। এর
মুখ্য গবেষণার বিষরও জন্মান্তরবাদ।

তবে ইচ্ছে দান্তর সাহাব্যে বে সাধারণ কাজকর্ম করে নেওৱা সম্ভব সে সম্পর্কে চাণ্ডল্যকর সংবাদ পদ্মিবেশন করেছে লোভিরেত দেশের অন্যতম সংবাদ প্রতিষ্ঠান ভাস'। বলা হয়েছে, নেলিয়া মিখাইলোভা নামে চল্লিশ বছর বর্দকা এক মহিলা শুধ্ ইত্তে শব্রির ক্ষমভার সাধারণ বস্তক্ণাকে স্থিতে নিতে সমর্থ **হরেছেন। এক**টি পরীক্ষার দেখান হয়, মিখাইলোভা বসে রয়েছেন একটি টেবিলের সামনে। টেবিলের উপর রাখা হয়েছে এক ট্রকরো বুটি। মনে হল তিনি যেন ঐ রুটির উপর তীক্ষ্য माण्डित अहेत्सन किंद्र,कन्। अक कि मार्टे মিনিট অভিকাশত হল। হঠাং দশকিরা অবাক হয়ে দেখলেন একটা কাঁকুনি নিয়ে ব্রটির টকেরোটি টেবিলের উপর যেন নড়ে মিখাইলোভা একটা ক'্কে 330 1 পড়ালন: আর অমনি পরীর দেশের গলেপর মত রুটির ট্র**করে**টি টপ করে

গিরে চ্কুল তাঁর মুখের ছেডর। আর একটি প্রশিক্ষাতে এই ভ্রমেহিলা পাঁচটি সিগারেট লড়ি করিরে রাখেন একটি টৌবলের উপর। সূতো দিরে ভাদের গোড়াগালি আটকে রাখা হয়। পরে দ্র থেকে শ্যু ইচ্ছে শস্তি প্ররোগ করেই তিনি ভাদের নাচাতে শুরু করেন। হাতের স্পর্শ বা কোন কিছু নেই। সাধারণ ক্ষেত্রে একট্ট্টান পড়লেই সিগারেটগালির পড়ে যাওরার কথা। কিম্চু তেমন কিছুই ঘটেনি।

শ্বাধ্ এই নর। দেশিকা মিখাইলোভা ঐ একই পাথতিতে কথনও বড়ির থেমে থাকা গোণ্ডুলামকে দোলাল বা ভার চলাকে থামিরে দেওরা, ছোট ছোট পালিটকের বারা, মাচি বারা, কল প্রভৃতিকে এক জারণা থেকে আর এক জারগার সরনে এমন জনেক কিছাই করা সম্ভব হয়েছে।

কোন বন্ধুকৈ এক ন্যান থেকে অপন্ধ ন্যানে সরান সানেই কিছুটা কাল করা। আর এই কালের কন্যে প্ররোজন ভাল বিদ্যুৎ প্রকৃতির মত কোনে ভৌতদালি নে কথাও সকলের জানা আছে। এ ক্লেপ্রেও মান সানেই কিছুটা কাজ করা। আর বৈহেতু এই কাজ নাং। মানসিক ক্ষাতা দিরেই সন্দার করা। হতেছে, তা হলে কি ধরে নিতে হর মানসের ইচ্ছেটাও এক ধরনের দালি ?

অরে স্বচটোতে সঞ্চার ব্যাপার এ ধরনের কাক্ত করতে গিয়ে নেলিয়াকে কথনও



এই তব শুভ আশীর্বাদ।

প্রার পরিত্রিশ বছর আগে গান্ধিন্তী কথাপ্রসাল প্রিছ পিছ জীসতীপ গাশগুরকৈ বলেছিলেন, তাঁর বড় ইন্টে যে একটি সভ্যিকারের ভালে। ফালেটা কালি তৈরী হয়। দেশের মৃত্তি আলালনে আজ্মিনেদিত গুই তরুণ "মৈত্র" প্রাতা তথন সথে জেল থেকে বেরিয়েছেন। সভীপ বাবু তাঁদের চ্ছনকে তেকে এই মহৎ কাক্তের ভার দেন। সহার সম্পদ বলতে ভেষন কিছুই নেই, তবু শুধু নিষ্ঠা এবং দেশপ্রেম সম্পদ করেই তারা গ্রন্থন এই হুসেংগা ব্রতের ভার মাগায় তুলে নেন। আন্তরের বিশ্ববিধ্যাত সুলেখা কাউন্টেন পেন কালির এই হল গোডার কথা।

লুলেখার আজ বে এই সুনাম ও সমাদ্র, এটা গ'ছে উঠতে যথেষ্ট সময় লেগেছে। বহু বাধা-বিপত্তি অভিক্রম ক'রে, নিরলস গবেষণা, কমীদের অকৃষ্ঠ সহযোগিতা এবং জনসাধারণের ওচেচছা ও সমর্থনে এই বিপুল সাফল্য অর্জন সন্তব হয়েছে।

বাঁর প্রেরণা ও আলীবাদ মাথায় নিয়ে আমাদের যাত্রা শুরু, সেই জাতির জনকের পুণা জন্মশতবর্ষে, জীয় উদ্দেশ্যে বিনত নমকারে নির্বাদন করি আমাদের অস্তুরের গভীর প্রাক্ষাঞ্জলি।

স্থালেখা ওয়ার্কস লিমিটেড, স্থালেখা পার্ক, কলিকাতা৩২

Progressive:SW-46

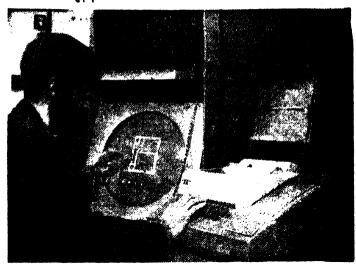
ক্ষমত আৰু ছণ্টাৰত বেশি সময় মহিত্য हासमा क्याप स्थाप । जबन जीव त्यासन ওজন কমে গেছে প্রায় করেক কিলোগায়। कर्रशाल्कत ज्ञानमा भन्यत हरत अलाकः নেলিয়ার বছৰা শুখু মানসিক শক্তি দিয়ে এই ভাবে কাজ করার ক্ষমতা তিনি পান ভার মার কাছ থেকে। এই ক্ষমতা তিনি তবি নিজেৰ क्षानिक शाकान করতে পেরেছেন। এ HANGE. निरस ৰপ নিশালের অধ্যাপক ইকেডজেনি স্নিডকোভস্কি বলেছেন, এটা ঠিক অতিপ্ৰাকৃতিক নৱ। বরং ভৌত-ভারীর বিষয়ক কোন ব্যাপার। কেন এমন হৰ ভার উপর আরও অনুসংধান চালান व्यकारः

ভঃ এইচ এন বানাভিত্ন গবেষণাও ইতিমধ্যে প্ৰিবীর বহু দেশে দার্প চাঞ্চল্য স্ভিট করেছে। এতা বহুবা, পরা-মনোবিজ্ঞানের খ্লা রহসাগ্লির সমাধান ভরতে পারলে অতি সহজে আমরা বহু ভাটিল মানসিক ব্যাধি সারিরে তুলতে পারব।

স্থাপত্যে বন্দ্রগণক

সুষ্ঠভাবে স্বরুবাভির পরিকল্পনা করতে গৈয়ে যে কোন স্বৰ্গতিকে হাজারো কথা ভেবে নিজে হয়। তাঁকে ভারতে ৰাডি বেখানে তৈরি করা হবে সেখানকার মাতির উপাদানের কথা। জানা प्रतकाव কি ভাবে কাঠামোটি তৈরি করলে ঐ মাটিতে ৰাড়ি বলে বাবে না, স্বাস্থ্য এবং মানসিক স্ক্রতা অক্সর হাকবে। অথবা কি কি ধরনের মালমস্লা কতটা দরকার, প্রচই বা কভ পড়ভে পারে এমন অনেক ল্রুছপ্র' ভথাও। এতগুলি ব্যাপার একসজে মনে রেখে বরবাড়ির নকশা তৈরি করতে সময়ও লালে প্রচুর। বিশেষ করে काम काम नरराष्ट्र পরিকশপদা করার বালবাহ্ন চলাচল, नववारे जग-मन्नवताह नावन्या, समन्यान्या श्रकृषि गरदाव-পূৰে' বিৰয়েৰ ব্যাপায়ে যে কোন স্বৰ্গভিকে আরও অনেক সভকভার সপে ভেবে সিভে হয় বলে দেখালে কাজ শেব কয়তে আয়ও र्याम नवत्र नारमः

সম্প্রতি ক্টলাকের প্রতিনবারা বিশ্ববিদ্যালয়ের তিনজন গবেক বন্দ্রগণকের
নাহাব্যে একটি বন্দ্র তৈরি করেছেন বার
নারা খ্র কর সমরে ন্থাপত্য বিবরক বে
কার সমস্যার সামায়ান করা সম্ভব হচ্ছে।
করা ইচ্ছে মড কোন হক আঁকার কাগজ
কবং কলম না নিরে সরাসরি একটি কাঁচের
ক্লেটের উপর মনোমড বাড়ির নকণা এ'কে
নিজে পারেল। সেই সপেস মাধ্যমসলার
হিসেব বা খরচ এবং অনেক ভখা। উপব্রে
ক্ষাণা বা ভখ্যবলী পরে বন্দ্রগণকের মগজেই



জনৈক কুশলী বন্দ্যাণকের সাহায্যে একটি বাড়ির নকশা তৈরি করছেন

রেখে দেওরা হয়। প্ররোজনে ইচ্ছে মত
সেই তথা মগজের কাছ থেকে চেরে নিরে
কাজ চালান যেতে পারে। আপাতেত ঘরবাড়ির পরিকলপনা রুপায়ণে এই বলুটি
কাজে লাগান হচ্ছে। কিছুটা সংশোধন
করতে পারলে এর সাহাযো ভবিষাতে
আরও অনেক জটিল পরিকলপনাকে সহজে
এয় অনেক কম সমরে রুপ দেওয়া সম্ভব
চারে।

অভিনৰ আবিৎকার

স্ইডেনের প্রখ্যাত উল্ভিদ-বিজ্ঞানী জঃ ওললে স্পোরকম্যান-এর পরিচালনার একদল পবেষক পৰে কম সময়ের মধ্যে বাড়িয়ে ভোলার ব্যাপারে গাছপালাকে অভান্ত সাধারণ चार्थात त्रायक्रम উপাল্প আবিশ্কার করে ফেলেছেন। €.4 জনো ভারা কোন ওব্ধ বা অভিরিক্ত সার ব্যবহার করেন নি। সা করেছেন হল গাছের চার পালের বাডাস থেকে অস্থ্রিজেনের পরিবাস क्टिश ক্মিছে দেওয়া।

প্ৰথম দিকে জ ক্ষোত্ৰক্ষ্যান পদ্মীকাটি চালিরেছিলেন সিষ 44 মিমিউলাস वार्वाक्रमानिम मार्च अक ৰাতীয় ক্ৰ অংশ अर्गव শেকডের সাধারণ বাভাসের মধ্যে রেখে দিরে বাকি অংশ তিনি রেখে দেন কৃষ্মি আবহাওয়ার **অবিভাগে**নব ωĘ আবছাওৱার भट्या । পরিমাণ ছিল মাত্র শতকরা পাঁচ খেকে ভার। GETT বেতে লাটির বার্থ তবে উপরের भारत অক্সিকেন সাধারণত শতকরা একুশভাগ বাভাসের থাকে। দেখা দেল সাধারণ খেকে নতুন এই পরিবেশে

বান্ধর পরিমাণ দাঁভিয়েছে দ্বিগ**্রের**€ হরেছিল বেশী। ফলে গাছকে সুখ্য আৰু ভেন পাঁচ ভাগ বাতাসের মধ্যে। ছর্মানন পর দেখা গেল, ঐ সময়ে মার বাতাসে সেই গাছের ওজন যত্টা হওয়া উচিং, নির্যান্তত আঁরজেনের পরিবেশে তা অরেও নব্দই ভাগ বৈ**ভে** গেছে। আর শুধু এই গাছগালিই নর, গম ্ধব ভূটা প্রভূতিব 5 5 3 অনুরূপ পরীক্ষা চলিয়ে গবেষকদকটি প্রমাণ করেছেন, বাতাস থেকে অক্তিজনের পরিমাণ কমিয়ে নিলে তাদেরও ঘুর কম সময়ে বাড়িয়ে তেজা ব্যেরকম্যানের বস্তুব্য বাতাসে অব্রি**ভেনের** পরিমাণ কমে গেলে উন্ভিদ আরও সহজে সূর্যের আলোর স্পর্শে তার আলোক সংশে**লহণের কা**ছাটি সেরে নিতে **পারে।** ফলেখাৰ কম সময়ে বাতাসের কাৰ্বন ভাই-অক্সাইড থেকে ধেলি পরিমাণ পদার্ঘ তৈরি করা সহজতর হয়:

সমর্জিং কর

वाववारातः अन्यवान्य गरः नन्नात्तिः ट्याःलाग्नः উপनिष्यः

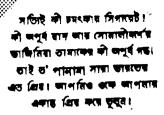
রেলিনে বাঁধাই, প্র ৮৩৪, মূল্য ১২
রূপ, কেন, কঠ, তৈতিররীর, ঐতরের, কোবীতকি, প্রণন, মুন্ডক, মান্ডুকা, দেবতান্বতর,
ব্রলারণাক ও ছালোগা উপনিব্যুক্ত বিভিন্ন
মতান্বারী বাাখা। সহ বাংলা জন্বার ।
উন্বোধন বলেন, "বহিারা মূল সংক্ষৃত ভাবার
উপনিবল্ গাঠে অসম্বর্ধ বা শৃষ্ঠানিবল তাকের
ক্ষেত্র বাংলার উপনিবল অতন্ত উপবোধী।"

সম্পে বাংলার উপনিবল অতন্ত উপবোধী।"

१/১ मामाऽतम तम नोहि, कनि-১२

(সি-৪২৫০)

<u>সারা</u> <u>ভারতে</u> তারফ পেয়েছে **সাবাসা**





লোকো টোবাকো বোং, গ্রাইকেট লিঃ বোবাই-৫৩

ভারতের এই ধরণের কৃষ্ণন ভারীর উদান্

থানার দালাল

লাকে পেডে গেলে যেমন প্তিরে

থানি বালের তেমনি দারোগাকে ধরতে
গোলে চাই থানার দালাল। বদি বলেন,
কি দরকার এই মাধানের? তাহতেল বতে
খোল কতা সম্ভূষ্ট হয় সে ভাষা, ইভিগতে
যা ব্যাপার আগনার জানা জাকা চাই।
ভাছাড়া আপনি জগরিচিত, লারোগারা
প্যাধিকার বলে কিছু পেরে থাকে, সোঁট
আপনার কাজে চাইবে কেন?

छाटे সংসারে মাধামের দর্ভার। शासाव সেই এক মাধ্যমণি চল এ **4346736** मनकुरू नान । चन्धकात शामात सामात हुन বড় দারোগা। ভার ভিরাকলাপ লেপনে ৷ তার মতো আরো অনেকে আছে কিশ্ত পীর্ঘ চলিল বছর প্রত্যক্ত নতন মত্ত্র দারেরারাকে বদাীভাত করে আধাজাধি ব্ধরা নেওরার - জিম্মাত জ্বরেছে मग्राकाचेवष्टः शादाख्य क्षणतास् र्शन मुहिसादा **च**रमह একরতে রঞ্জেড়া ন**বক্ষেন্**। ब्रामाच चाम ক্ষার ছাতে বাব ভার কাছে সে বাচিয়ে TWTN:

লৈ ভাগন কলাৰে পাশৰ ইছমান ভাগবালুনই माप्र एक ग्रेका। इतिबद्ध कारहा יעין אנילי ובאר हार्व्ह हार : कार्ड (CROOKE) **ह**ालन्द्र हास्कार स्कारकाका स्थानन्द्री (क्रमान हास्कार । बार्यक पेंग्या हाए । ख्याराट প্রতি প্রান্ত বাভারারপুর স্বর্গত কর্মাত টেটাকৈ জনতন ব⁸⁶ভার দেশক। তুক্তম আক্ষরত করে লেখে। নগ্রেণ্ট প্রের মা এঘন করে চুন্তী। এই তেও দিলে বছার জালো ज्योजन्त्रक क्षत्रक नार्का सीच कराहा -प्रश्ना भिप्त पुरुषं भिप्त साम्भित्र कार करहे सिक्त एकहाका ক্তাক্তি বাস্থ্যপ্তি कारहे अहम साधान गाउँ कामाह क्षाप्तर ম¹চাও ৷ ভাগে রবাশ WINTER. ^{भागो}रक **ब्राम करब करमब**ा बन्धाम, करका তেন্ত লৈ থাইয়ে ধ্টেরে सामगुरा कथा : মান্য করেছে বলতে গেলে: তুই তার ্রভার চবিত্র কল্টোকের ত্রাল মাপতিস**ং** বাঁছে: কটাত্তর সংপা ভার স্ক্রী 'खाभनाई' करित्र एक्टन एक्टन करन्त्रीक एक्टक बाब करब मिरक वरकडे जारक খ্যা কর্মাল : আমি বাপা বিগ্টার জনেক ভার শরুতা করতে পার্য টাকা খেয়েছি ক কালা। মা। ভখন সে পারে ধরে হার দিলে। তব এক ছড়া সোনার ोका राउ স্বীকার মই। তথন একশো করে দিলে! তখন বলনঃ এক বিচ্ছ राज्याता. यहे का ध कानना निरष्ट हारू ' **काकासरायः, जो** जक दिएप डिस काठी देशहक জারগা মাতেরে। মাগছেলে আছে—ভেসে



বাবে! তথদ ভাবে লাখি মেরে সরিরে দিন্। ছার টাকা ছাড়ে ফেলে দিরে উঠে পড়ন্। তথন ছাঠে গিরে পারে ভাতর ধরে শিশার মতন উভরার, কী



आमात्र भीत त्या नक्ष्यान्त्र भीत क्या

কালা ভার । মান্তের কন্পোচনা, শুরুর,
পাপ, কালা, বাঁচার কী তাঁর আকালকা
এসব আমি বত পেথেছি কেউ পেথেনি।
ভবত তখন বলতে, জারগা পোব ভারার,
আমাকে প্রাণে বাঁচাও। তখন ভেমি কাগজ
এমে ভার একটা টিপ সই করে নিল্ম।
ভবে বেইমানী করিনি, ভিন্ন কটা বাল
দিরে ভার এক বিবে জমি লিবে নিলাম।
বললাম, পালিরে বা। প্রপ্রদিন কেলা
চারটের পর মানার হাজির দিবি। ভাই
বলছি রহমান, কাপেমকে খ্লা করেছ,
বাঁচতে চাও, এখন টাঁকা, গরনা না হর জমি
ছাড়ো—কেস হালকা করে সোব পারোগাকে
বলের .

ত্রহমান বাষ্য হর তার বাল্চুভিটেটকু লিখে দিতে।

এমনি বহু লোকের কমি আৰু ধানায় দালাল নবকুক দাসের কবলে। হে জনিয় দিকে ভার লোভ পড়বে লে জীন লে আটনের নেবেই। পালের ফুলুলে দিলে মারামারি খুন জখন বাধিকে য়ামলা भागमा मानाद्य । করুবে দ্বকেণ্ট। ভার খরচ ৰোগাৰে काचा स्थाप कि कि विकास स्थापन তখন নবকেন্ট। নগদ টাকার? ভারই ভো পাওনা তখন হাজার খানেক। উকিলের দি, মহেরী, পেশকার, হাকিব, কোর্ট-ফি, টোলফোন, ট্যাক্তি, রসগোজা, ट्याटोन, जिल्ला, मा-कानीय भूटला-ब मत्वत्र चत्रह मित्न त्क?

छाडे नवरकचेरक जवारे छह करहा जवारे ভোরার করে। আরু সে আডাই নার্থ তিন লাখ টাকার মালিক। একশো বিষে সম্পত্তি। দোভালা পাকাবাড়ি। মাটির দেওরাল খোলার চাল ফেলে দিরে এখন করেছে পাকা বৈঠকখানা। ভিতরে ভাল ক্ষেত্ৰৰ টোবল বিছানা। আলাপাখিক ডিসপেনসারি। বৈঠকখানার সামনে জোড়া ভোড়া চারটে শিব মশ্বির। দুপ্রারো হাত করে উ'র: ব্যক্তির সামনে **খালের উপরে পলে।** রতিন বাদা**ম গাছ**, পাভাবাহার আর ঝাউয়ের ঝাড়। মু**ল্ড** চেছারা নিরে সে কাপেটের ইজিচেরারে লোকজন শ্যুরে প্রাক্তে আর চুর্তুট টানে। क्रमधमा कथा वरन । माहरकन यौन, **डेन**्, <mark>পাট, প্যাকাটি, ধান, স্পারি ইত্যাদি</mark>

। শারদীয়ার শ্রেণ্ঠ প্রকাশনা ॥ প্রভাষান' রচিত

তন্ত্র পরিচয় : ৭০০

ভলা সাণাকে পরিচিতি লাভের জন্য এদেশে আয়হের সীমা নেই। এই দিকে লক্ষা রেখে লেখক নিপ্রেভাবে গলেপর হলে তদের রহস্য উদ্যোচন করেছেন।

পাঠক-মহলে সাড়া-জাগানো, এই লেখকের আর একটি অনবদা গ্রন্থ

বেদ পরিচয়: ৫০০০

লিপিকা ৩০/১ কলেন্ড রো কলি-১

(TH-8686)

রোজের বাগুণি জনেরা দিনের বেলা ভার পাট কাচে, ধান রোর, কোপার, হাল-লাঙ্জ করে আর রাতে পাশ্বতর হরে হ্যারিকেন লাঠি আর বাব্র জিক ঢোকানো হুড়ি বরে নৈরে সপে বার। কলকাতা খেকে একটা জ্যাটাচি ব্যাস আর ডারেরি वहें कित्र अत्मद्ध मयदक्ये। कांड करन

The same of the sa

বিভিন্ন দাম দেৱা। সাধাতে দেও টাকা মামলার বিস-কত বারার সামলা চলতে স্ব লিখে রাখে। পালিভ পরে যোহন वि-ध भाग करताह । सवरक्षेत्र मुट्टी বিয়ে তব্ব একটাও বাজা ভারা দিতে পারে নি। যা শেতনা নানী মাজাভাঙা बुक्ति अधिमाठी ज्ञाना सामि निरंत मार्ड বের হর। তার क्षकीय बाद मा वा हरहार । मनदक्के

द्वाक्षणाव कदव । शाकाव द्यादावा स्थापन ছেলেনের পিলেজনর, ন্যাবা, আয়াগ্য 'বসভাচেত্যা' ত্বামীবশ स्मरत यावकता किटिं इंड्यानिक कब्द स्तक ज-शीह काला नक्षमा विदय । बाँग्री, कांठ-कांक ह्यायका এসৰ বেচেও ব্ভার অনেক পরসা জাম।



ভার পরসাজেই সাকি কীশার চাষটে হরেছে। বাধা শিকটাস্থাকে বাধার জল প্রায়ে

कि फिल के सवाक्योत? बा **399** क-माह्मक दमाक्रांक De 10 -THE VALL ৰুষ্টেটি বেলাক ন্**ৰকেন্টকে শেটে** নিয়ে এলে शनात अधन भ्योताय नारमत। मृथीताय লাভে ধোপা ছিল, কিন্তু জাত ব্যবসাহেতে লে মান্ত্ৰত্ব কর ছাইত, চেকি চাঁচত, গরুত্ব बाधिक जाना, काना, फेक्टना, फकार्ट, পাতি' এসৰ তৈতি করত। বাঁতা শিল कारोग्छ । हाटब क्यम भारोक, टक्स्ट्रन्ट्रस्ट होस शक्रम माधीवामा क বলভোৱা নিৱে বেকা আৰু বউ ছিলনা। ভোৰতা একটা কু'ডের থাকত! দেওলা থাকল ভাষ কাছে: বিয়ে হয়েছিল কিনা **তেওঁ** জামে না। তবে তখনকরে সমাজ-ক্রপ্রাপের বে ধর্ম পরারপতা বোধ ভিল ভাতে লেকলা ভাবের লেকল করেছিল **ल**एउं निरंत्रहे--- छात्रभव म, किरकारबाञ्चाव ভুল্প বামনে ভেকে ভারাই ধন্দাকল ভলস্ট ছিটিয়ে দুখীয়ামের ৰাৰ শেওলাৰ হাতে ভুলে দিয়েছিল। সে লভোক একটা হবে। কিল্ড চার লাস भरवटे एक्छमान एकएम घन হাস্ত : ভেলমান দিবেছে! শানে দাখী-স্বাহমর পিডি ক্ষালে বেড। সেই পেডলার कृषा तुन्।एकएकः शाकाः एकए%एकः खर् । क्षाप्तर ক্ষেত্ৰ) প্ৰীরিত্তর নাগর যদি ভার কাছে

द्विष्ठि :

ব্ৰুল, ছি**ভমান্টার্স ভরেন,** দটাণডাড়া, ইড্যাদি ৪ লগীড বেক্ডান্টোনার টেপ বেক্ডারি মেগা, পাইওমীরার **এমান্তিনারার**

'প্জা রেকড



জার, এল, সাহা ১৮০/১, ধর্মজেলা **না**টি, কলি ১৯০ ২৫-৭১২০ কোনো বেরেকে বার করে নিরে পালাবার करना किरकेमात्रा अब्देश ठात्र--छर्टय रागकना তিল সম্পো একটা তলসী মালে মাটির পিদির জনালিলে সম্পোর্ট দেবে। ভার দিনের विम मन्त्र मारिको हत्त हुमीह स्थाप পড়ে দাঁড দিরে ভুলসা গাছের শিকড় তুলতে হৰে: শেতলা বলে, ভারি শাস্ত ক**লে! ভূতে** पाप व्याष्ट्रणाटक भारत । গাছের গোড়ার শাখামটি সাপ জড়িয়ে ধাৰতে পাৰে।' সেই পিৰত এনে ভোমরার মাখা, গণ্যাজন, বনচীভালের পাভা বেটে একটা লিলিতে করে নিয়ে গিয়ে মনো-মোহনীর জাচলে পিছল খেকে ছিটিরে শাও। বাদে! পর্যালমই ছোমার সংপা পালাৰে! এর জন্ম দক্ষিণা দিতে চবে পচি টাকা!

কিন্তু বীধ আজ না ছন্ন ? শেতলা গ্লেনাজা কালো নীজে থলখল করে বাসবা জার জার কি করবে ভূমি ! এমন হ'্-লন্ডর বিভাবিভ করে নিরে একম্টো থুলো হিটিরে সেবে সে ভে ভূমি অংধ হরে বাবে ! ভাছাড়া বাড়াবাড়ি করলে থানার টাউট নককেন্ট আছে ভার !

मक्रकणें अहे भारतव ্পিতপ্রিচয়হীন সম্ভান। **অবশা স্কুলে সে বল**ত আমার ৰাৰাৰ দাৰ দ্বখীৱাম দাস। কিন্তু ছেলেৱা ্**প্রেল** ভালা, তেরে রাপ হল সেই ्**बे** मीलमान छ।कार्यद भर्5त **দিক্ষের আগধকারে** ভার বাস। শুন্ত মাস্টার বললে ভার নাকি ইয়াবড় বেরদেন বেরদেন লোক। সেই গোক দিয়ে সে ভামদারের বোডার আশতাবল ছটি দেয় !..ভারপর ছেলেরা ছাছা করে ছাস্ড! খ্র অপমান বোধ করতে মব্রেক্ট। ভার শরীর ভিল ভাল। এসং বল্ল চ্ছ ভাদের ওপার **ব্যাপিয়ে পড়ত**া মারামারি করে মার **খেৱে ৰাভি ফি**রভা ক্লাস এইটে উঠে ভার প্রভা**ছেডে গেল**। সুখীরাম মার; গেলা। কাছে কম্পাউন্ভারী একজন ভাভারের **পিকলে লে বছর পাঁচেক**। তারপ্র ভা**র**ারী कहरक जाहा कराल अवारीय वादमा । उत्र ভার হাভে রোগী সবাই মর্ভে থাকলে লোকজন ভারারী বিদেটা তার ভাল করে ফলাতে দিলে না। এক বিধবা মেয়ের গভ-পাত করতে গিয়ে ধরা পড়ে বেনম মার খাবার পর সে ফাঁড়ির 'তাড়ি-ধরা পর্নালসে' মাম লেখালে। দারেয়োনের মতে। তারা থাকি **রাপ্তর কাটা পোশাক** দিলে। হাতে একটা র্লবাজি! সে হরদম কেল দিঙে লাগল! ভাজি মদ ধরে মারধর করতে কী আরাম! উপরি শু-এফ টাকা। নবর জনে। ঝার ছ খেজার পাছ কাটা কথ হয়ে গেল। রস একটা ছোলা হলেই ধরবে সে ফড়ির শাঁচলন নিম্কি 'প্লুস'। ভাঁড **খ**ুলে আন্তে ভারা। কুয়াশা পড়াল রস ঘোলা হয়



শুভ উৎসৰ বরুধা মহাদেবিয়া এণ্ড মেহতা

চপুজার আননেশাঞ্জল দিনে 'মফংলাব গ্র্প'-এর দৌধীন বস্ত্র সম্ভার।

২ x ২ ভয়েল ও লেনোস্, প্রিন্ট পপলিন ২ x ২ কটন, 'টেরিন' কটন, স্বট, সার্ট ও নানা প্রকার পোষাকের কাপড়। মধ্য ও উত্তর কলিকাভার জন্ম অনুমোদিত শো-রুম:

- ২ ব্রাবোপ রোড
- রক্ষী সিনেমা বিল্ডিং

(SARARE)

--জা বলে এক? লেখ ওর নামে কেন? ভোষার কি ভাড়ি কাটার পোন্ আছে? ভাড়ি বেভে চাও? আমরা পোন্ করে দোব, বেভরে গাতে মেতে বোব—লাও টাকা লাও!

সৰ উপরি-পাওরার পেরে গেল। সে

নামা বাটিরে বৃদ্ধি বার করলে। বারা বড়

বড় সমাজকর্তা, তাকে নিদেদ করে, তাদের

জন্দ করতে হবে। রারে সে দ্-এক বাতল

সদ নিরে গিরে লোকের বরের পালের অড়র

চালের করে। কিন্দা গোরালে লাকিরে বরের

থানে সভালে প্রিন্সের ভাান নিরে গিরে

হাজির হত। মনের বোতল তার গোডাল

থোকে বের হতে দেখে তো গ্রেকটোর গাল

হাঁ ব্রক্ত এ নবকেন্টার কারসাজি। হার ট কা

দিরে মাল বাঁচাও নরতো চলো গানার।

আই রক্তর করতে থাকলে একদিন কয়েক-জন ব্যবস্থ তাকে অধ্যকারে ধরে বেদম ম র দিরে অজ্ঞান করে মোড়ের মাঝখানে ফোল রাখলে। তার মা ছেলের অবস্থা দেখে ফাড়ির প্রতিদের কাজ ছাড়ালে।

কিন্দু শ্বভাৰ বার না ম'লে, ইলাভ বি ব না ব্লো গানার বাভারাত করতে নাগগ সককেট। তথ্য ইরেজ আমল। লাল প গড়ি দেখলেই ভরে ল্কোড সব। প্লিসেস সলে ঘোরাকেরা করে দেখে থানার কাষ্ট ভাকে দিরে করতে লাগল সবাই। নবকেণ্টর কথা লারোলা লোনে। ভাকে কিছু দিতে হর। বড় পোনা রাছ, ভাব নারকোল, ডিম. মোরগ এসৰ লারোলা বেলি কর প্রেত লাগল নককেট বৈ কেস আনে ভা থেকে। কাজেই থানার লালালদের। মধ্যে এক নকরে ছরে লোল সে। যেই বড় লারোগা আস্ক্র,



তোমার কি ভাতি কাটার পাপ আছে

ভার সংশা পরিচর করিরে হোকে জমাদ ররা।
প্রথম অধ্যাপেই বড় দ রোগা মাধ হবে
নবকেণ্টর অইন আদাপতের জ্ঞান দেখে।
কোন কেস কত ধারার পড়াব সব তার
ম্থাপর। থানার লোক নিরে গিরেই সে বলবে,
বড়বাব্ ৩২৬ ধারার একলো টাকা নিনা।
আসামীকৈ বাঁচালো পরিগো টাকা পাব—
হাফ অপনার হাফ আমার। অনাদিন হরতো
একটি কান হোড়া কাপড়-চোপড়ে রক্তাপা
মায়েকে সংশো করে এনে বললো তাবাে

করেছিল, সেই নিরে পালাগালি। আছাছে মারজে। আমি বলি এ-কেস হাজকা হবে। ভাই পট্ করে কানের মাক্ডি ছিছে দিন্। দিন ছিনভাই কেস করে। ভার সভে মার্কিট।

কাল পড়িছে চলত। নৰ্দ্েই ব্যৱস বাড়ল। দেল থেকে ইংবেজ চলে গেল। ন্যক্টেই থালা কিনে গায়ে চড়ালে। মণ্ডল কংগ্ৰেগের মেন্বর হল। তার হাতে যাগছি পাড়া, ক্সমাদার পাড়া, অধিকারীপাড়া কথ। ডেটের সময় কড় কাড় টাকা পেলে সে!

ক্ষিপত ইউনিজন বেচছাত্র ছোটে দাঁছিত্র প্রতাক বাব কাজে সেল সে। মদে তার ক্ষেপ্ত রার গেলাং আক্ষ তার এক-দো বিদে কাম —দোতলং বাছি—বন্দাক, কিন্তু লোক তাক ভোট দের না।

লেকে এল পঞ্চাবেক। প্রাথ পঞ্চাবেকে যে
প্রচিদ হিল্লন জ্বিত্বে তারা তোটে বিরে
করেকজন অঞ্চল পঞ্চারেত ফেন্টের করে।
করেকটা পঞ্চারেতের ফেন্টের বল নেকেটি। প্রায়ে জ্বিক তালালি তর্গ প্রায়েরেট ছেন্ট্রাইন প্রচার করে প্রায়ারেট ছেন্ট্রাইন প্রচার করে সে ক্রিপ্রায়ন হরে গ্রেল। সে ক্রেন্ট্রা করে প্রায়ের সিংহাসনে বসকা। তারপর করেসে করেন্ট্রাইন করেন্ট্রাইন করেন্ট্রাইন করেন্ট্রাইন করেন্ট্রাইন নিলে। পরি-রেন্তের কর্মান্ট্রাইন করেন্ট্রাইন করেন্ট্রাইন করেন্ট্রাইন

কিন্তু কপাল স্লান্থ। উপপ্রথম হয়ে চিংকার সম্ভ আহংকার আন্ত মালা হাড়াক। কাপৌলের মাল এম-আর ডিলাকদের সম্প যান্তি করে ব্লাক অরতে লাগল। যাত



বারে টার সময় নিজের লোজদের সেই মাল পাচার কর র সময় জনসাধারণ ধরলে। অপানান কর ল নবকেন্টকে। পর্যাদন অঞ্জ ভান্তি পর ও করেলে। সে নাল অথবা টাকা ফেরত দেরে বলাল কিন্তু কর্মার মানতে নার ক। জনসাধারণ ক্ষপ্তল অফিসে ইউ পাটকেল ছাফুলে বিশ্যু নবকেন্ট বসে ছিল না—সংলা সংলা পানার লোক পাতিরেছিল। প্রলিস এলে পানার লোক করালে। সাজালজন। কারকজনকে ধর-কলে। করালে। সাজালজন। সর ই জামিন বিলে।

বাতে কলেও লৈ মাল দেওয়া নিবিশ্ব। মাল দেওয়াব বাসদ দেখালো কড়ে আলেও সাংলাইবের ইনসংশক্তিরবাব্দেও। সে খাতাগঃ বেংড নিয়ে গেল। খ্যুৰ নিলোনা। লোকে মান করলে কাঁলে পড়েছে এম-আর ডিলার।

কিবতু এম-আর ডিলার দ্রাদিন পরে কলকাতা থেকে ফিরে এদে হাসতে লগল। বললে, 'দালা আবার ছার নেবে না।'

নবক্ষেই থালি খামাথা আবার আসামীদের ধবপাকড় করাতে খাকলে তাকে নোড়ের মাথার একজন খাতিমান তর্গ তার বিরুদ্ধে প্রচার করাল। সেবলাল, বন দেশে কটাশা রাজা হরেছ, নাই থানো তোমাকে আমি সিক্নির মতো আর ড়ামারত পারি! অনাার করবে আবার চোখার বাউ বে মাতেহারকে আবেলট করালে কান, তাব বাউ ছেলেমেরে কোলে কোলে থাকে। শাতান, জাতেহা মেরে ডেমার মুখ ডেডেনের।

সেদিন নবকেন্ট বেলি বড় ফটাই করে নি ওবংগটর সামনে বদিও করেকবার গাঁক গাঁক করে উঠেছিল। এম-অরে ডিলার ভাকে চেপে দেখ। করেল তর্গটর পিছনে ন কি সেটালের মিনিস্টার প্রশান্ত ছিলেন। তর্তার নামে থানার ধান চুরি করাবার অভিযোগ দিরে ভারেরি দের নবকেন্ট। কিন্তু তর্গটি থানার গিরে ভার পরিচরপ্রশান মুলিদ্যবাদের নবার পরিবারের লোক—সং এবং অমারিক—অভর দেন, ঐ নবটা কিছা করতে পারের মা—ওর বিবারেধ অনেক কেস ভালে আমার প্রকটি আলার সংক্রা লাগলে লাগলে আমির করে দেবাল

খ্যাতিমান তর্ণটির শ্বরে। এই অপমানের পর নবকেন্ট ভার অঞ্চলের গদি হারলে। ভার বির্দেশ সকলে অনাস্থা দিলে। উপ-প্রধান হল একজন তর্ণ স্কুল মান্টার।

এরপর আর বেলি দশ্ভ নেই বেন
নবকেন্টর। তব্ ভারি ভারি খনে জখনের
কেস সে এখনো দেখালোনা করে। গ্-ভরফ
থেকে টাকা খার। সে হল লাখের করাভ।

**ঠাং কেউ বলি প্রথন করেন, ত্কান্থানার
এ সব লোভ নেই।

আমি তেমন থানার একটিও নাম বলতে পারলাম ন বল দুর্যাত। ক্রমা করবেন। কেন না অংশকারে থানার অংশ্রালে আর একটি থানা আছে—বেখানে বারা দলের নায়ক (নবকেন্ট খ্র ভাল বারা অভিনর করতে পরে) দ্বোধনার বীরদপৌ তাদের স্নাগরা মেদিনী কাপিরে গ্রানানাদে এখনো বলাভ ঃ বিনা মুন্ধে মাছি বিব স্টেগ্র মেদিনী।

এক-ল বিষা মেদিনীর রঞ্জার তাতে জিক্তরা ছড়ি খাকে, খাকে পাংবচর, আইনের হাতীকে তারা মাহাতের মজো লোহার খেটা মেরে রাজপথে খোরার কেরার, মা শেতকা দাসী খলখল করে হালে, হেলে আমার এখন লাখ লাখ টাকার মালিক, অতএব এসব লোকের আসল পরিচর দেওরা মানেই কেউটে সাপের হাখে পা দেওরা!

ভগবান এইসৰ খানাত্ৰ দালাল নৰকেণ্ট দর শত হা করান, মইলে এদেশে খান জখন বন্ধ হার খাবে! বন্ধ হারে বাবে জনেক হোমরা চোমরানের বাঁ হাতের উপার।

আবদ,ল জববার

ওরা ছিপি! ইউরোপ-আমেরিকার গ্রতাগাঁ ছরছাড়া ছেলেমেরে ওরা।
বাধা-বন্ধনহাঁন উলপ্য জাঁবন্যাতা ওদের, জুপুলো রুচি আর যৌনজাঁবনের
মাঝে মারিজায়ানা এল, এস, ডি গাঁজা ভাপা চরস চন্ডুর কড়া নেলার
দে চ্ব দে চ্ব। অথচ সবাই হিপি নয়। এদেরই মধ্যে মিশে আছে
ম্মাগলার, মতলববাজ আর কিছ্ব কুখ্যাত সি, আই, এর চর বারা অশাস্তির
আগ্রন জ্যালাতে শুমশানে-মুশানে গ্রে গ্রে গ্রে গ্রে। লেখক দেখেছেন
শ্যানেছেন এবং লিখেছেন সম্পূর্ণ নতুন স্টাইলে। বাংলা সাহিত্যে নতুনভার
ম্বাদ ব্রে এনেছে

রঞ্জন মজ্মদার-এর হিপি সঙ্গমে ৭.০০

ৰূপৰেশা ॥ ৭৩, মহাত্মা গান্ধী রোড, কলিকাতা-১

(M Webe)

জ্যোত্যশাশে বিষের কুলপ্রোহিড এয়ালেন লিও'র

পাশ্চাত্য মতে জন্মপত্রিকা বিচার

(বিশেলধণম্লক ভাগ্গতে যে কোনো কুণ্ডীর বৈজ্ঞানিক ব্যাখ্যা)

অন্বাদ-প্রাক্ষিৎ ও নদ্ভা মুখোপাধ্যায়

বাংলাভাষায় জ্যোতিষশাল্ড সংপ্ৰেণ এত ভাল বই আৰু প্ৰকাশিত হয় নি। **কোনো** জন্ম নেই। মূল ইংৰেজী বইটিৰ দাম প্ৰায় ৩৩-০০ টাকা। আজই **ভাকবোলে ১২-৭৫ প্ৰদা অগ্নিম পাটালে ভাকমাশ্**ল হাড়াই বইটি পেতে পাৰেন। সাম—১২-৭**৫ প্ৰদা**

া। পরীক্ষিৎ অন্দিত কিরোর অম্লা গ্রন্থরাজি ॥

হাতের গোপন কথা — ২ ৭৫ আপনি কবে জন্মেছেন ২.৫০ হাতের ভাষা — ৫.০০ হস্তরেখা অভিধান ১০.০০

আর্পান ও আপনার হাত ... ১২٠০০

আট রাণ্ড লেটার্স পার্বলিশার্স, জন্মুস্ম হাউস, কলিকাতা-১২





আ মার বাংলা ভাষা

91 রাপ্তেকটি বোমান অক্সরে ম্রিত;
প্রকাশকাল ১১২০। লেখকের নাম
োড আডোবসন, ডি লিট, আই সি এস,
বগরীর তথা ঢাকা সহিতা পরিষদের সদসা,
কেন্দ্রিজ বিশ্ববিদ্যালয়ে বাংলা ভাষার
ভগ্যাপক।

ববীন্দ্রনাদের প্রক্ষার-প্রাণিতর কথা
উন্থে কারে ভূমিকায় তিনি লিখেছেনঃ
সম্প্রিক বাংলা সাহিত্যের সম্প্রিক ও
সংগ্রের বিচারে এ এক বিলম্বিত ও
সংগ্রের বিচারে এ এক বিলম্বিত ও
সংগ্রের হিন্দুটিতিক হলেও, মানবিকতা,
কর্লা ও স্বস্তাগ্রের এ-সাহিত্যের
বাংমার কথা মানতেই হয়, মানতে হয় এর
লক্ষার্য বেচিতা, নাম ব্যিতিকলা এবং গ্রান্থনা নিবিশ্যে প্রকাশনৈলীর বহুমুখী
উপ্রান্থ । পাশ্যন্তা সাহিত্যের অনুবাদবংলা হিন্দুরেও সম্প্রত ভারতীয় ভাষার
মধ্য বাংলা ভাষার শ্রেপ্তাতা অবশাশ্বিবিয়া ।

করাসি ও বাংলা

আগ্রহের সংল্যা পাড়ে চললাম। লেখকের মতে বাংলা ও ফ্রাসি ভাষার মধ্যে মিল অংহ। ফরাসি ভাষার আদি শব্দকো**ষ** অবাচীন েল-প্রবাসী ব্যাম বিষয়ের লাভিন থেকে গা্হীত: পরে রেনেশাসের স্থায় ক্লাসিকাল ল'তিন ও গ্রীক থেক ব্যাশন আমদানি করা হয় (এই শব্দ-গলো ফ্রাসি ভাষায় প্রায় অপরিবতিতি অনন্থায় কিবতু ভিন্ন উচ্চরণে বাবহাত] —যার ফলে বাংলা যেমন ফ্রাসিও ডেমনি তংসম ও ভদ্ভবের মিলনাক্ষর। দৃষ্টানত-ৰূপ: Moutier (মুডিয়ে) Monastere (মোনাস্তার): তার্থ দুয়ের এক : মঠ l লাভিনে Monasterium ।।

উচ্চারণের ক্ষেত্রেও লেখকের বছবা

উল্লেখবোগ্য ঃ শব্দানেত বাংলা অ-কার তথা ফরাসি E অনুচ্চারিত থাকে [যেমন Chalse]। এ ছাড়া বাংলা স্বরবর্গের উচ্চারণ ফরাসির মতো বিশ্বস্থ—ইংরেজি স্বরবর্গের মতো উচ্চারিত হব না।

क्ला क स्वीता है

বাজনের কথা লিখতে সর্বাস্ত্রে T আর D-র কথা লিখতে হয়। ইংরেজরা বলে ট, অনেকটা বাংলা ট-এরই মতো; ফরাসিরা বলে ত। ইংরেজের কোনো দ' নেই, ফরাসিতে ড' নেই। তাই ইংরেজরা বখন ফরাসি বলে, ফরাসিরা তাদের ভূল উচ্চারণ ধরতে পারে না, ফরাসিরা যখন ইংরেজির বলে ইংরেজরাও তাদের ভূল উচ্চারণ ধরতে পারে না, বাপালীরা কিন্তু পারে!

বাংলা নাটকে ইংরেজ চরিতের মূখে

শ্নি, "টেমার ভাড় টাকে কোথার?"
করাসী নারক কিংতু বসত, 'তিক উল্ভো'ঃ
"দিমের দাখানা আর দাঁডা-চকড়ি দিরে
ভূপাতপ্ ভাত খেরে নাও!" ইংরেজরা বলেঃ
ইটিনী, ভূকাট, টোটা পাখি; ফরাসীরা
কলেঃ ততিনী, দাকাং, তিরা পাখি!

বেচারী সাহেব! ভারা অনেকে—বেমন
ধর্ন এই আমিই—ট আর ত বাঞ্চনের
পৃথক উক্তরেপ করতে পারি বটে, কিন্তু
বাঙ্গলীদের মুখে এই দুটি বর্ণের পার্থক্য
ধরতে পারি না। আর হেহেতু ফরাসীতে
মহাপ্রাণ বাঞ্চন বলে কিছু নেই, চলিত
ছরাশিবত কথ বাতার ফরাসীদের কানে
ট ঠ ত থ একবারে এক শোনার। শুধ্
ব্যাকরণ জানি বলে বালকটি কথাটা শুনে
বালকতি কথাটা লিখব না; শুধ্ প্রাণ
পড়েছি বলে 'কাতিক' শুনে 'কাটিক'
লিখব না।

একদিন আমার ছারেরিতে ভূব্র কথা লিখেছিল ম; মেরেটির কি দুঃখ! ওর নাম নাকি ধ্বা। আর আমাদের বাছির এক-ভালার কাজলের সেই সদা-বিবাহিত দিদির নাম ট্ট্ল কি ভূতুল, তা আজ পর্বতে ব্যক্তে পারি নি। হাাঁ, ঠিকই ধরেছেনঃ জিগোস করতে লক্ষা করে। করবে না কেন? আপনাদের কি চান লোকে জানবে আপনাদের দাঁত বাধানো, আপনাদের চুল পরচুলা, আপনাদের ভান চোধ কাঁচের? আর আমাদের বা আমাদের কানের দৌর্বলা ধরা দিতে বাব কোন্ দুঃখে? একদিন অবশ্য সাহস জোগাড় করে জিগোস করেছিলাম, "শোন, কাজলা, তোমার বড়াদিন নামটা অসলে কি—ট্ট্রল না ভূতুল?" ভংকণাং উত্তর



- 시작는 METERS 하다면 하다를 하면 하는 것으로 보고 하다면 함께 보다고 하다.

থল, "কেন ফাদার, ট্ট্ল" [কিংবা 'তুতুল' আমার তো বোঝার কোনো উপায় নেই]। "না, এবার ভালো করে শোন, লক্ষ্মীটিঃ ইংরেজী ট্ট্ল না করাসী ভুতুল?" "ধোং…...আপনি কি সব বলছেন? বাংলা ট্ট্ল [কিংবা ভুতুল!) স্বী পাঠক বছি কোনো দিন আনন্দবাজারের লক্তন্তে দেখেন কাদার দ্যতিয়েন নামে এক সাহেব ব্যক্তিনী পাকে ঘর ভাড়া নিরেছেন, ব্যক্তন্—কেন।

ভারতীর কান ইউরোপীর কানের চেরে জনেক স্কা—আর সেইজনাই হার্মনি ভারতীর সংগীতের থাতে সর নাঃ সা, গা, পা' কিংবা 'রে, কড়ি আ, বা' বক্সনের রোগিক স্ব বাজালে, রুরোপীরেরা আক্ষম পার [ভাদের কপেশিয়র অপেকারুত স্ক্রে ক্ৰেন্দ্ৰিয়ের স্ক্রেডার জনা বাঙালীরা मुख्या क खरा गार्थना हे-खर भार्थका स्वादक. किन्छ बार्टे परिष्ठे न्यदन्त मरशा रका आजव बाक्टक शास-टकान जग:चा 701 हेरदबर्जी [‡]। কোনো কোনো ব্লাগ-রাগিণীতে বেমন অতি কডি ছা কিংবা অভি কোমল জা পাকে, কোনো কোনো ভাষার তেমনি অভি দত্য ভ এবং অভি ब्र्यना है बाकरण भारत। वर्षे श्वटनव চারটে-[†]-সম্বলিত ভাষা শিখতে হলে আমার কোনো বাঙালী কথার বোধ হর আর বেচারী ,সাহেবের উচ্চারণ নিরে উপহাস করার প্রবৃত্তি থাকত না। य-स्थ न्या ४, छ-स्र न्या ए

আর একটা সবলৈশে বাঞ্চন হল স্বঃ বাঞ্চলা ভাষার নাকি র আর ডু-এর উচ্চারণ

(সৈ-৮৮৫১)

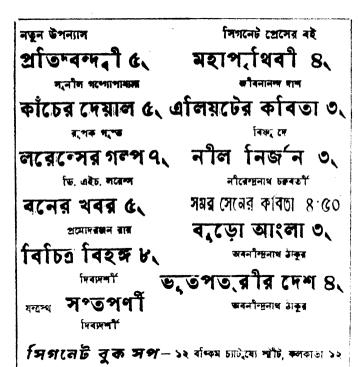
এক। সেদিন পরানবাব, চিচিতে জানালোন তিনি তরি "বরো বালি ভারা" দেবেন। ফরাসীদের কাছে জ-রৈ শ্না জ-এর উচ্চারণ সহস্প নর, তবে বংগাসরপতীর কাছে অথথা নালিল করব কেন, জ-শংনটা আমাদের ম্ব থেকে বেরোর—কিছ্টো নিকৃত অবশ্যার গুরু বেরোর: শংধ্ মনে রাথতে হবে ভার উচ্চারণটা অনেকটা থ্যু ফেলার ভাগাতে। কিল্ফু ব-রে শ্নারা...ফরাসী ম হল কঠো। আমরা বলি র, প্রোভারা বোঝে হ—বিশেষ-ভাবে সেই র বখন শন্সের প্রথম অক্ষর; ফরাসীর মুখে Rome, বাংগালৌ কানে Home!

জ্ঞানভারশন সাহেবের মতে ড-এর
উচ্চারণ কটালের ম-এর মতে।; স্মাতিবাব্র মতে কটালের ম হল বাংকা র। খ্র
ভারো কথা, অতি ম্লানান উৎকৃষ্ট কথা:
ধরা লাক স্মীতিবাব্র মতেই কিং, শাংহ ম্শাকিল এই বে কটারা কিংবা আইতিবাবা কিংবা বেডা ইন্ডিয়ানের। কেংবা করে। উচ্চারণ করে লা অমবা কৈ উপতঃ
ভানব হ আর জানকেও তালের উচ্চারণ নকল
করতে প্রতাম কি না, লা আর এব কথা।

ল্কা এক দিন ভান্ত বাপালী টীচার ব্যাক্ষাক্র ভিত্তির জ্বত উপর-মাতিতে তোকা ক্রণমাই সাললা ৮-৫ব क्षेक्र राषर - करकः 5 Care in **फ**्रारमीहराह एस**र्थाछ । अ**हमारी करामारे उल्लेखन কর অল্পীরেন্য রু ফির্কনর মান্যে এক উপাই क्ष्मिक्यक्ष्म्यः COMPONING BET আহ্বার উপ্পিন্ত প্রপাইজ যুদ্ধ স্থান flash-back grage flash forward) মাইনে প্রেট প্রেম্পের অন্সংগ্র আতিশ্বেষ্য মেশ্লা ভারজেন শরের হাসেও ্ঠিক বাঞ্চলেকীয়েৰ মণ্ডা উচ্চ বণ্ণ ফেলিল **সংগ্রেছ চেটাধ্রী জেলে জামার নিল্ডেল** ভিস **প্রপাদের সাজিতে**র উপার্যার নীলাজনার জন্মানিয় টেপাল্ড ছাড়াও আননা বাদং ক ভিত্ত খাই, দাংহা কৈয়ে ব'লা কন্দলেকীদেৱ কয়েশয়, শ্মাসিমা, শ্বোন মীলঞ্না পাও फाफ डेम्कुल । मा, इकारमा विद्यार कारान २३, এমনি দিলাম ea ধ্রুনের নাম, 'নইলে, জনেন **ফা**দার, স্কুলের ফোয়ের; ভালবে ^{জন} এক নীলায়ানার কথা লিংখছেন " মীর দেবীর বিরিয়ানি স্কাথতে চাখতে পাণাতে ভিলোস করল্মে "তেন্মানের রবৈদাক চলে জ্যেন্দ্র প্রাপ্ত বছরে, পর্যকাকা সে আবার কে?*

তেদিন থেকে কিশ্ব কর্লাম র্ব^হদুন্**থ** আরু কলব না, কল্ব গুরুছেল।

সাধী পাঠকের কাছে কিণ্ডু একট কৈফিলং চাওরার প্রক্রোভন সামলাতে পাঁর না: আপনারা যখন ভাল আর দাল, টালটাল আর ভুলভুল, বিভাল আর বেরাল দি^{বি}টা বগতে পারেন, আমরা কেন ভাব আর দাব,





টিকটিকি আৰু ডিকডিক, ভেড়া আরু ভেরা বলার জ্ঞান্তার থেকে বঞ্জিত থাকব চ

वाक्तरंगत राजहाम-भतकामीत राकामान

অনেকের ধারণা, বিদেশীর পক্ষে বাংলা শেখার অন্যতম প্রধানতম অপ্তরার হল have-গাড়ুর অভাব ঃ লে আছে he is ভার আছে, he has! সদ্য-বংগানবীশী রাখার হাজ দিরে ভারবেই—he মানে দে না ভার? আছে মানে has না is?...আমার ভারে বিশ্বু সব চেরে অস্তুত লাগল কেলে দেওরা, অলে পড়া, উঠে পড়া, খেরে কেলা ধরনের ব্লল-ভিমাপদার্লি। কেলেছি তো কেলেছি; বা কেলেছি কেমন করে আবার দিতে পারব? আর মেকেডে বসেছিই মখন, তথন কি আরো নীতে পড়ে বেতে পারি? উঠে পড়া বাারমের কসরৎ ছাড়া আর কি ছতে পারে? আর খেরে ফেলা নিশ্চরই বাঁম করার এক অনতিভ্রোচিত প্রতিশন্।

বাংলা ভাষার আরও আন্চর্য বৈশিন্টা শিপলাম আশ্ভারসনের কাছে: বহাবচনের বিভব্তি ব্যবহারে তার একান্ত কুপণতা। বে-কোনো হ্রোপরি ভাবার লোকে ^তরনেক ছেলে আম খেয়েছে" না ধৰে বলে অনেক চ্ছেলের। আমণ্ডেলা থেরেছে"...। আর সেই ট আর ও শ্বর্বণেরিই বা কি রকম বাদা। কৈ সহক্ষে বাকাটেখার দামদাম পরিবতনি ঘটার -বেমন ধরনে : "আমার চোধে তমি দোৰী: আমারই চেত্র তমিও দোষী; আমারও চোখে তুমিই লোবী।" অনুগামী অব্যয়ত বাহালারে আমাদের চােৰে নতন ঃ শনে শনে postposition (তোমার জনা, আকাশের নীচে) এবং post-conjunction (তমি আস নি বলো)-এর দেখা মেলো। আর অস্ব্যন্তাবিক লাগে relative clause-কে বাকেনা প্রভাগে বসনোর বিধি-ঠিক যেমন লাগে ভাচা আর জামনি ভাবার infintive-কে বাকোর প্রচাস্ভাবের বসালোম্ব कान माजन।

আংশ্যারসনের পাঠা প্রতাকর শোষাংশ ছিল বাংলা প্র-গণের এক সংকলন। তাতেই হল বাংলা সাহিত্যের সংগো আমার প্রথম পরিচর। এখনও খ্র মনে আছে।... কিন্তু না, ইতিমধ্যে আমার ঘবের মরজার সপতবর্ষীয়া শান্পার মান উদিক দিল। এক মান্ধ চানাচুর চিবোতে চিবোতে সে আমাকে জানিরে গেল, ভার বান তিতিরের বরস মান্ত এক বছর হল এই আদিবনে—কিন্তু এর মধ্যেই সে অনেক কথা বলতে পিথেছে। মাছকে বলে ভিজি, বাবাকে বলে আব্যা, শ্যাবে বলে ভুজু আর নিজের নামটাকে বলে চিটি...।

ভুভূ ?...টিট্টি...খাস বিলিতি উচ্চারণ ? আলের জুল্ম গৃমপত্নে বোন ছিল মেমসাত্ত্ব ৷ (ভুমদা) ভাৰবি-ৰ অস্ন্য অৰ্ট

ध्यष्ठे कविजा श्रन्थमाना

ভারবি-র অনন্করণীর শৈলীতে
ত্রি শ টি খ শেড
রবীন্দ্র-সমকাল থেকে সাম্প্রতিক কালের
ত্রি শ জ ন প্রে উ ক বি র
সমগ্র মাধ্যসাধনার শোভনস্কের সংকলন

সভ্যতার শ্রেষ্ঠ উত্তরাধিকার কবিতা, এবং আবহুষার বন্দাগালিত বৈচিত্রে নিজ্ঞ সন্পদ। হাজার বছরের চিরারত রত্চর্বার বহুশাখালিত বৈচিত্রে আব্দিক বালো কাব্য আজ বিশ্বসাহিত্যের উচ্ছনেশতম কন্পমণি। কবিতাপ্রেমিক বিদম্প পাঠকের জন্য একটি নির্দিশ্ট মানের গ্রন্থনার, স্বোগ্য নির্ভূল সন্পাদনার, বাংলা সাহিত্যের সম্দর উল্লেখ্য কবির স্ক্রিবাটিট কবিতার এই সংরক্ষণীর গ্রন্থমালার পরিক্ষণনা। প্রকাশ-বন্দনের স্ক্রিবার্থি এই চিশটি ক্ষত্ত তিন পর্বারে প্রকাশিত হবে। প্রতি পর্বারে সম্ভাবে নবীন প্রবীণ কবির সমাহার। প্রথম পর্বারে ররেছে।

জীবনানন্দ দাশের শ্রেণ্ট কবিতা
ব্দেধদেব বস্ব শ্রেণ্ট কবিতা
মাহতলাল মজ্মদারের শ্রেণ্ট কবিতা
প্রেমেণ্দ্র মিতের শ্রেণ্ট কবিতা
অজিত দত্তের শ্রেণ্ট কবিতা
নীরেণ্দ্রনাথ চক্রবর্তীর শ্রেণ্ট কবিতা
বিরেণ্দ্র চট্টোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ট কবিতা
শংখ ঘোষের শ্রেণ্ট কবিতা
শংখ ঘোষের শ্রেণ্ট কবিতা
শংখ ঘোষের শ্রেণ্ট কবিতা
শংখ ঘোষের শ্রেণ্ট কবিতা

স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ঠ কবিতা

সর্বশ্রেণীর পাঠকের স্বিধার্থে এই দশটি খণ্ডের ম্লা, এককালীন অথবা এইর্প তিনটি কিস্তিতে অগ্রিম পরিশোধের শর্ত-সাপেক, ৬৫.০০ টাকার স্থলে মাত্র ৪৫.০০ টাকা নির্দিট হরেছে: ১০ অক্টোবরের ক্ষের ১৫.০০, ১০ কিসেন্থরের ক্ষরে ১৫.০০, ১০ কিসেন্থরের ক্ষরে ১৫.০০ টাকা। উল্লিখিত সমরের মধ্যে ১৮.০০ টাকার তিনটি কিস্তি অথবা এককালীন টাকা পাঠালে সম্পূর্ণ ভাকবার বহন করা হবে। প্রথম কিস্তি জমা দিলেই প্রথম দ্বিট খণ্ড, এবং সম্পূর্ণ মূল্য পরিশোধের অনতিবিলন্ধে অন্যানা খণ্ড দেওরা হবে।

ইতিকাৰে প্ৰকাশিত জীবনানন্দ বাংশর প্ৰেণ্ড কৰিত। কাজে নাজে নাজে নাজে কাজে কাজে কাজে প্ৰকাশ – প্ৰতীক্তিত লাভ নাজে ভাইকাৰ্য – এই ক্ষিত্ৰ কাজিক কাজে ভাইকাৰ্য – এই ক্ষিত্ৰ কাজিক কাজে কাজে ভাইকাৰ কাজিক বিশ্বত নিৰ্বাহনাল্য কাজানে হাবে।

ভারেবি।। ১০।১ বিক্ষম চাটুজ্যে শিট, ক্লকাতা ১২



বন্ধে ডাইৎ

SAUNAS GUS

ওদতাদ ওমর থা

आरिएक डेल्डिशम मन्त्रकीय करवकी त्र विषय निद्य भारतावनाव मृद्य ७४३ थी সাহেবের সংকা আন্তার পরিচয়। সংহদশ, অভ্যাদণ পতকে ভারতকরে কিছা কিছা # সী' বই লেখা ছরেছিল বাতে প্রাচীন আরবীর, ইরানীর এবং গ্রীক স্পর্টতের কথা च्या है। এই छ्याशामि कामा महकाद अथह वर्दे পত্নে পাঠোম্বার করা কণ্টসাধ্য। সাধারণ ह्यांशकीया अन्य श्रास्थ्य व्यक्तिम कराउ भारतम मा। कारण अवस वदा भाषा व्याप्ट या সাহিত্য বাবহাত হয় না। সংস্কৃত স্পাতি সাহিত্যতাও এই অস্থাবিধা ঘটে: সাধারণ প্ৰিয়াস্থ্য কাছ কোনে এসৰ প্ৰশেষ বহ ব্যাখ্যাই প্রার্থ্য বাবে নাঃ এর কারণও এই ab रहा नम सारक या श्रीतकरामद **क**िया গুমনাত্র বিষাট বিবাট অভিযানেও প ৬য়া হাছ না। আছেএব এমন কডির সংহাত এট সং **প্রশ্ব** পাঠে দরকার বিনি সং হিহার অভিয়ন আহার পান বাজনালত এ দক্ষা বজা বজালা এমন বাজিয় সন্ধান পণ্ডয়া সহজ্ঞ নয়: ভমর খাঁ এইরকম বিবল আনেট এবং পালী ব্যক্তিদের জনতেম। এট আলোচনায় ভারি। সহায়তাই যে প্রচুর बाह कार्राष्ट्र का सब्द केन्द्रात र्राप्ट करमक कुम्ब এवर सिकाम्बद माका मित्रव छिन काषाह व्यासक महत्त्वक महत्त्व कर्तहरूम। অন্যাদর সলগোতার ইতিহাস নিগার করতে र्क्तल प्रश्राकारा माना हिन्द है टिटान करा करारनाकः क्रांत्री अदर **क्रे**ग्री स्ट्रेटक काव পরিচর কিছা কিছা আছে ৷ দেখালৈ অচিয়ে बारकाक केम्पाब कहा महकात। अ बाका साराई বিৰুট আৰুৰীয় সংগতি সাহিত্য ভার অভি शासा शरिवाद (क्वलमाह हैश्रवकी कारकि व्यक्तिका एक्टक जामबा एक्टब श[े]क । कृद মে এই ভিমিত্র দারাত্র *খালাবে কে জ*ান। समय भी आहरता भितिमारिक अकि পূৰ্ণন্ধ আয়েরে দুলিট্রোচর হাজাছে যে^{ট্ট} ভাষ্টের কাছ ছাড়া করবার উপায় নেই। ভাঁদের অপর একটি প্রশ্ব ন ম্মান্ড নিম্মত ভথা ই**ন্তারে কেরামং থা**বই মাকবোন। এটি উদ্ভিত্ত কোলা। তেই আলোচনাহ আমানের লপর সহযোগী তথা হেস্ট লবস্স্সালম সাহেরের কথা সকৃতভা চিত্তে উল্লেখ কবি। এই বিদশ্ব স্ত্রন ব্যক্তিটির অভিজ্ঞতা এবং অন্সমিধসার কম নর। বছরিক্টার হাওয়তে শ্বভাবতই তিনি ইতিহাসের নামে গণ্প বা



০০তাৰ কমৰ খা

প্রচলিত কাহিনীকৈ গ্রহণ করতে নারাজ।
প্রতিটি বিষয় নানা দিক খেকে প্রবিক্লপ
করে তবেই তিনি গ্রহণযোগ্য বিবেচনা
করেন। বলা বাহ্নের এই প্রবিক্লপটির
গ্রেছ সমধিক। কেননা, বারে বারেই তিনি
এমন কোনও কোনও বিষরের প্রতি স্তিটি
আকর্ষণ করেছন বা এজিরে গেলে বথার্থ
ভাষা প্রেটিটোনা বেত না।

ওপতাদ্ ওমর খাঁ কনফারেক বিজয়ী বিষয় জনপ্রিয় দিলপ্তী নন্সংবাদপতেও তাঁর প্রচার, প্রতিপত্তি নেই অধ্য উচ্চতর স্পারীর মহলে তিনি বংশার প্রশার আননে প্রতিচিঠাও। স্বনামধনা গারক-বাদকদের ক্রেয়া অনেকেই নানা প্রায়েকনে ভার সপ্রের আলোচনা করেন এবং উপকৃত হন! এই একালত বিনতি বাভিতিকে প্রচার সম্পর্শে প্রপ্রায়েকিত বলে মনে হরনি, বরপ্র এলিকে একটা বেশা মান্তার লাকাকে বলেই মনে হরেছে।

ওপতাৰ ওমর ধাঁ প্রথমত সরোদী বরেট

প্ৰকাশিত হল

স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়-এর

নতুন স্বাদের নতুন উপ্রয়েস

बर्भाल यानवी

•.00

"... সমুদ্রের পাশে কাণ্টালা দাঁড়িয়ে, পায়ের কাছে আছড়ে পড়ছে ফোনামাখা চেউ, পাগলা হাওয়ায় ওর মুখে উড়ে এসে পড়েছে ওর অজস্ত্র সোনালি চুল, হাত দুটো প্রাথানার ভঙ্গিতে মাথার ওপর তোলা, বোদ লেগে কলসাছে ওর মসুশ উর্ব্ আর শাঁথের মতন দুই স্তন। সমুদ্রের পাড়ে উর্বাণী না আফ্রাণিতি।"

শুধ্ কণ্টালাই নয়, ডরোহি, সাসান, কারোলিন, লিন্ডা, এঞ্জেলা, মণিকার মত রাপালি ভানহাত্তি সহিত্য কেন্টে ধেলা করছে সা্থী রাপালি জগতে রবি, তুখার দ্বিপক্রদের সঙ্গে।

আমাদের ধারণা, এই উপনাগও অরণোর দিন-রাহি**র মাত আলোড়ন** স্থা⁶ করবে।

॥ বিশ্ববাণী প্রকাশনী ॥

C/o দে ৰকে দেটার ॥ ১০ বাংকম চ্যাটাজি স্ট্রীট ॥ কলিকাতা – ১২

ত্ত তুরি। তার পিতৃকুল এবং মাতৃকুল উভর দিক থেকেই এই সংবোগ সাবিত হরেছে। বাদক হিসাবে তারা শাজাহানপরের হরানাদার কিন্তু মারের দিক থেকে লখনউ হরানার সপো তাদের হিনাভ সম্পশ্ শ্রাপিত হরেছে। লখনউ হরেছ প্রখ্যাত শুস্তাদ নির্মাধ খাঁ হিলেন তার প্রশাভামহ। ইনি নাকি ভানসেন বংশীর স্কানাধ খাঁৱ লিবার প্রহণ করেছিলেন এবং এ'দের সংসীত বারার সেলী বারার কিছ্টো সংযোগ সাধন করেছিলেন। এমর বা সামেবের কারে বোধ করি বাসাং বার সেকা একথানি পার্লিক সংযোগ

কাৰ বা সহেবেৰ পিতা কাকাৰ সাধাৰনাং বা ভিন্নিল কলেন বহে সংগঠ-বা ন্যানিক কলেনে শিককতা কলেনিকাল। ভার উপায়্ভ পরে কাউসপানীত দিরে তার সংগাতি শিক্ষা আরক্ষ করেম। ভিনি বাদের করে কাউসপাতি শিক্ষা প্রথম করেম তারা হলের কাডাদ রজন আলী থা, মান্তাক হোসের থা, সক্তন থা, আহম্মদ থা, থালিয়া, বাকর জালী থা এবং নাসীর থা। সংগাতক হিসাবে এক্ষা সকলেই কৃতী। গ্রাণদ, থেরাল, উপায় একং ইর্কী—এই স্বা বিভাবেই থা



সাহের দক্ষতা এবং অভিজ্ঞতা অঞ্জ কলেছেন।

গানের সংগ্য তিম সংবাদ শিখাও তার্মত করেন তার শিভার কাছ গোক। পরে তিনি ভার মাতামধের জেন্ট্র প্রতা ওসভাদ কেরামতুলা খাঁ সংকারের কাড়ে প্রভাকভারে উয়াত বরানর শিক্ষা ও নির্দেশ পান। তা ছাড়া ভিনি কেরমতুলা খার বাঙালা শিক্ষা কাগা পালা, তারন্থা গান্ ইন্দেশরের বাণিকার বানু খাঁ, সেভারী উউস্পা ভাগী খাঁ, সেভারী হামিনি হোসেন খার কাড় গোক্ষা শিক্ষা প্রতাশ করেন।

ভূদ্দ ভূমার হার মধ্যে আধাপ্নার সম্পত্র প্রত্যান তা প্রান্থিত বিশালাল কিব প্রান্থিত বিশালাল ক্রমপ্রান্থ করেনে এই দ্বিশ্ব সম্প্রত্যান করেনে করেনে

ভূদত সংখ্য হৈ বি হা তার লিভান সালা
১৯৩৪ সাল সেকে ১৯৩১ সাল সেকেও
ইউরে প্রকাশ্য করা করা এই সম্প্রাধা ন্তাল লাভান করা করেন। বা সালা লাভাল করিও এজন করেন। বা সালাবে লাভান ভূদতান এনারের সালা বা এক শ বি লাভ ৯০ র না ভিকান লিলারে সালাতি বিমুশ্য করেন। ১৯০৮ সালে ভার মানের ক্লোকর সালের ও ভার কলাভান ভ্রান বিব্যার করেন। ১৯০৮ সালে ভার মানের ক্লোকর সালের ও ভার কলাভান ভ্রান বিব্যার করেন। ও জার কলাভান ভ্রান স্বাধার্ক। ওলাভান স্বাধার করাল

मात्रिक ১०, होका किञ्डिट किन्स



জ্ঞান্ত ওয়া সভা সভাগত ওব জুলান্ত ক্ষা ই (জ্ঞান্ত ক্ষা ভিজ্ঞা ভ্ৰমণ চিপ্ৰভাৱ ভ্ৰমণ ভ্ৰমণ

উল্লেখ্য নাইছ জান্দে ফিট কৰে। দ্যার ৩৯০ ট্রেলা জড়ার দিবস সময় তার ইংক্রিছাড় জিল্লা Globe Agencies (D.C.) R.P. Bagh, P.B. 1150 Delbi

বিশিক্ষ্য ভংগবার আছে সেটি শোনবার বণ্ডু। অথচ এগদের আন্থ্যান মেনন প্রিক্তার পদ্ধীর, তেমনই মিক্ষ্য ও নবেন গ্রহী। এই ধর্গের প্রচিন নির্মাধন্দ ধাররে প্রিচয় বেবার মত ব্যক্তি বর্তমানে অংপ্রই এছেন। ওলর খাঁ সাহেবের পাঁচ ভর্গ স্থানে খতির স্পাতিত্বক্ষতা অঞ্চন কর্ছেন।

ভগত দ ভগর খাঁ সাচেব সারোসের নিশ্ম ভাগে চামজার ববলে বেহাগারে মত পাতকা কটের ছাউনি বিয়ে এক প্রকার সরে দ প্রশাস্ত করেছেন। এটি আলাপের প্রেক্ষ বিশেষ উপ্যোগটি হবিচ এর আভয়ক্ত তেনম জেবাছেন কো। তিনি প্রভিত ভাহখাজের মন্ত্রে এই যাতের নাম বিয়েছেন ভিত্রবাহীয়া।

ক হৈ ক

ক্রীর্থনি সম্বাদ্ধ সাংগালের পরিব্রশিক (৩ আর্মিরন সংখ্যা, দশতবা স্মরেরা**প্রোপ্যাগ**ী। দিস্তানের প্রভাবে কটিছনি এবং গানের ৩িড়ক প্রভেদ দ্রে হইরছে। কবিদের দ্যুদ্ধ দে ধর্মীয় জন্মভৃতি স্কুত ছিল, এখন ভাগে লাণ্ড। কভিনীয়া এখন ধ্রণীয় অন্যুদ্ররেশস হার গ্রে গ্রে द्यार हुद्ध रुक्र≭ा । a 12'8 লান শহপের কৰিবলৈয়াৰে কডি জনন বুল্লা প্ৰদাশ আলিতে কত পাড়, প্ৰিট ্সট িকে। নিমাই সলগ্য পালায়, নিমাইর •বংস্ত লাভ কতিনীয়াই ধরণ করিয়েন, প্রদাকরিয়াভিক্স, তালা ইইলে মুখ্যুক মাণ্ড্রা কারেন মাই কেন। জ্বান পাই ্ট্র আত্মার জনাব এই নবনন্দ্রখনা উপরি ০ ৬০% ত'লার হাত্যীভূতে থিয়া গাল কথা কারন, মাইক অভ্যবশাক। কলিকাভার কোন কভিনের আসরে প্রোভারা কভিনে চেন্দ্র করি ক্রা কিন্তু কডিডলি সমবেত ভাবে না সাহিংকো ভাষের আবেশ হয় ।। এফীনরা চারে সম্প্রত ভাষে। ধ্যাস্থ্যীত করেন। পাজ্ ভাই ও ও বড়িসম উপলাক্ষ এখন**ও ভাল**-ওলা, এন্টালটি এলাকদে ভারতীয় খুপ্টানরা তে মগুর সংকতিনি করেন, ভাষা কংখালী-ুন্ত নিজ্পত্ত ঐতিহালহাজ। বিধ্যালির সেই ধ্র রুখিয়াছন, আন্রা এখন স্থাক নাত। গুলালেশে উবিল, ফোছার পেরান অথবা রূপাণ, কারুস্থ, নমঃশান্ত এক আসরে কীতান ক্রিয়াছেন, এখন ক্রীড্রানর সেই ধার। নাই। মেকালাইজড়া জবিন্ধারা আমানের (mechanised) হটতে চলিয়াছে। ভাই হান্তিক পশতি, মধ্য টোলভিশন, ধ্যায়ি জেরণা লোগাইবে। প্রদেশ্য আবেশে, মনের আংশের কভিনি করা পেষায় না। কভিনি এখন ভাগতির, শিক্ষা ইহার হলে আহিকি, बाद्धांशक रहे।

्राह्मसम्बद्धाः १९८८-कॉम-५९१



158-49281

তিনতি ভিল দ্বাদের উপন্যাস •

হাৰহা, ছবি ॥ অন্তর্গদ্ধ দাস প**ৃত্য মাস**ী

ও আমার শৈশব॥

অভিত চট্টোপাধ্যয়

न्द्रकत अत्रा ॥ त्रवीम् श्र

প্রত মত ● ভাগার মত গাণপ
অতীন ব্দেশাপাধার, ধ্যাদাস মুখোপাধার, মারা বসা, কুমারেশ ঘোষ
মান্বেন্দু পাল, দুখোদাস ভট, বিজন ঘোষ, অন্নালকুমার সেমগ্রত নিম্পিন্দু গোত্য

वालाक সরণ

भावमीय मः था

 মলা চিত্রবিত্র রচ্ছা, ত্রনার্থ প্রেক সাভদা, আকর্বাহীয় ● ল্রাক ভাগানেয়ার ক্রান্তন্ত্র ফিচার

नवरुका बर्फा अवत्र

আচিত্তাকুমার সেমগ্রেতের অন্যাসাধারণ ক্রন

वश्वश्रक्य यो अ

স্তু ংল্ছ এই সংখ্যাল ভাৰাছা থাকছে জাধ্যিক ৰাংলা উপন্যানের ধারার উপর ধাতিনালা লোককুদর জালোচনা

বহুৰণাত জিল্ভ প্ৰজ্ঞান 🐞 নগভায় আক্সালজন

শারদীয় **আলোক-সরণি**

দাম মাত্র দেড় টাকা হারিক গ্রহক চানা—সভাক ১১,

স্পাদক ৷৷ সঞ্জীৰ সৰকাৰ

্**জ্যাল্ড-সর্গ** ৪ ৬৬, মহাত্রা গান্ধী ্লোড্র-জি-৯ ৭ ফোল**ঃ** ৩৪-৮৮৭৯ রুঝলি খুকু, **কুজুম** দিয়ে হার্ষাবি, পাচ পদে খাওয়াবি, তবেই ববের মন পাবি।

থেতে ভালো আর পুষ্টিকর —এমন থাবার রাধতে হলে চাই কুসুম ৰনস্পত্তি

কুমুম প্রোডাকুস লিমিটেড, কলিকাভা-১



श्लामाशास्त्र है - श्लाम

2

ত্র একদিন এরকম হয়, দাপ্রেবেলা
র পর্ণ মেঘ করে হাড়মাড়িয়ে বাচ্চি
নেয়েছে, রাষ্ট্র জল জনতে নির্ঘাৎ, সারাদিন
এবং সংখ্যটা মাটি হবার কথা, কিম্টু ঠিক
বিক্লে পাঁচটা আন্দাভ অর্পের জনা বৃচ্চি
থেমে আকাল পরিকোর হয়ে হয়। অর্পের
জনা এক একটা বিকেলে গামেট গরমও
কটে গিয়ে ফার খেনে হাওয়া দেয়। কে-সব
বিকেলে ভার ম্বন্নার স্থান দেখা হবার কথা
থাকে।

অর্প যে শ্রু চ ইংলই মার কছে
টাকা পার ভাই নর: শ্রু যে ভার বিশেষ
দরকারের সমর ছোট কাকাকে বলে রাখলে
বাড়ির গাড়িটাও পাল ভাই নর—সে শীতকালে চমংকার বেশ-র পার বর্ষাকালে
পরিকারে অকাশ পর ঠিক সমতে ঠিক
দেকানটা খোলা পার। এসকই অবশা
স্বাপ্তিত ভেজে না কথনো রাদ্তার কালা
ছিটকে ভার গার লাগে না ককেরা কি ভার
জামার ওপর টিপ করে প্রেণীর ফেলে না বি

লেভি স্থাবে না কলেভের গোট থেকে একটা দুরে গাড়িতে বলে আছে অর্প! বৃদ্ধি থেকে গেছে মিনিটা পনেরো অগে। পার্ক সাকালের মরদানের ঘাষগালো এখন বেশী সব্যঞ্জ, রোশার ঝলসাছে ভলোরাবের মতন। অর্প এখনও ড্রাইভিং লাইুসেন্স পার্যান ভাই একা। একা ভার গাড়ি নিরে বেরানো বারণ। কিন্তু বাড়ি থেকে বেরিয়েই অর্প ড্রাইভারকে ছাটি দিয়ে দিয়েছে, বাল নিরেছে, আবার ঠিক সাতেটার সামনে বাড়ির কাছকছি গলির মোড়ে অপেক্ষা করতে। পর্কিং-এর সমর লাখ, একট, অস্ক্রিধে হয় এ ছাড়া অর্প ভানাই চালাতে পারে।

দলে দলে মেরের বেরিরে আসছে, আর্প ত কিরে আছে সেদিকে। কোনো মেরের মুথেই তার দুন্দি বেশীক্ষণ নিবন্ধ হছে না, কার্কেই সে চোখ দিরে অন্সরণ করছে না, সে শুধা খাজিছে স্বংনাকে। স্বংনা এমন ভাবে তার মন ভাতে আছে বে আনা কোনো মেরের দিকে মনে যোগ দেবার সম্যব হর না তার।

দ্বনার জনাও বাড়ি থেকে গ ড়ি রাসে।
দবনা আজ একট আকাদ্দীননীল রঙের
গাড়ি পরে এসেজে, তার রাউজের রং নীল,
হাত বাগের রং নীল। কপালে নীল টিপ।
দবনা নিজেদের গাড়ির ক ছে গিরে দাড়াতেই
দ্র থেকে অর্প হর্ন দিল। চেনা হন্ন,
দবনা উৎকর্ণ হরে এদিক-ওদিক ভাকালা।
অর্পকে দেখতে পেরেই ঠেটি, চোখ, সারা
মুখ ছড়িরেই হাসলো। ভারপর বাড়র
জাইভারকে বললো ফার বেতে। দ্ব
বাড়িতেই জানাজানি হয়ে আছে, গোপনতার
কিছু নেই। দবন্না ড্রাইড রের সংগাও আপনি
বলে কথা বলে, বললো, মানক বলবেন,
অর্পেব ব্ আমাকে পোটার দেবেন।

অর্প গাড়ি বোরালো বালিগঞ্জ ফাড়ির দিকে। দ্বপনা বললো, তুমি কতক্ষণ দাড়ি র অছো? ভাগিনে আমি ভাড়াতাড়ি বৌররে এল্ম। আমানের আর একটা টিউটোররাল ক্লান হবার কথা ছিল।

অরুপ বললো, ইস্, সাড়ে চারটের পর

क्षणाह क्षामा । कह सह ग्रहणाता करा

—नाः, शक्ष मण्डाहं पूर्वान गोहेक शब्द मार

—এরপর তো আরু কামি ভোষার কাছে এরকম আসতে প্রবো না।



জ্ঞানত ীথ

(সম্পূর্ণ হালা আগ্রম পাঠালে ডাক্থরচ

(म-७शा श्र मा)

১, বিধান সরণাঁ, কলিকাতা-১২

करात्रक ग्रंथशमा छाती छैश्यः हा। ৰপ্রের ঠোঁটে থানিকটা গ্রের ভাবত ফাটে **ভিঠ ছ। বললে, সামনের সংভাষ্ঠ খেকে ধার।** আহাত্তে লিখন লো-র অভিনে বসতে ৰ্লেছেন। জন্য স্বার হতন আমাকেও দশটা খেকে পাঁচটা অফিস করতে হবে। ধাৰা ब्रालाहरू, इ.एड कन्द्रम काल सा मिथान आशि किंद्र र करक शांतरका मा

-मामारक थारव काशाहर

পাঠাবেন। আমি রাজী হইনি, আমি বলেছে, বাইলে লাক থাকো ৷

-नाः, दम जारमारे एता श्रामा কলেজ পালিয়ে তেয়ায় সংগ্ৰাপ বাব্ব খেতে টফরে এলে তাড়াতাছি?

-সাতা আসৰে ?

अगर महामरे अंको महायान भे लग —मा वर्ष्णिक्षरमा वाजि १४१क च वात राज वरण मा अस्मेर वाणी। धार् श হাতটা রাখলো স্বংনার হাছে। গ্রংম কোলের গুপর থেকে বই খাড়া পালে করিছে रबाच वंशारला, आहे अनाहे कृति ठारेवाला एकाक

-मा, मा, भ्य अना कात्य।



কাল্পা স্থপন্ধি মেথে আপনি নিশ্চিন্ত থাকতে পারেন। সন্তফোটা মুলের মত আপনি সৌরভ ভুড়াবেন। আপনি পাশ দিয়ে গোলে ধ্যম্পদন ক্রতভর হবে; আপনাকে সকলেই মুদ্ধনতে (मचरच । इश्रष्ठ (खगन कारतः मनेनेश भिर्म (थरॐ भारत—वात कार्ड (गर्वे मधुनाक कारत व्यक्त व्यापन भारतम मध्य क्रियोो व्याधिन 🕽

ক্যালকাটা কেলিক্যাল-এর তৈরী

CCKA 2998

मकन थिक शावधान। निर्वत्रसागः माकान थिक किनरबन।







लअपीलावाद्यल जालाव

१४४ मधानायाम् वाहत जिल्हा

काज

আমাদের সব অক্সিসেই পাবেন



बार्क्फेंडिव वाङ विः

(ইংল্ডে সমিভিন্ড) হংলং বাজি নোমীর অক্তমন সংগ্র প্রভাবিক বছরের অভিনতা ভলিভাতার এবনে অভিন নিলাভাত বাজিল ৮, বেডারী মুকার রোধ, কলিভাতা-১

হানীয় শাবাসমূহ : • ৪০এ, বিষ্ণাল বাট ট্রিট ডলিকাডা-৩

 ২, বহাছা বাত্তী রোভ, তদিকাতা-১৬
 ৩.৫, পেলুপীরে সহবি, তদিকাতা-১৬
 ১৮, বছিলারাট হোত, তদিকাতা-১৯
 দি-৩২৮, ক্লত 'বি', বিত্ত আনিসূব তদিকাতা-১৯

১৯ এলাও ইাছ বোভ, হাওছা
 ১৯৬/২, বেলিলিয়ান বোভ

कारकां, राज्य

के त्रव दिएमांकिंद्रे मकाव गाविक

—ওখানে গিরে খ্র জাগালে জাগালে ব্রনে ? একটাও গাহাতে উঠেছিলে? আমাকৈ একবার নিরে বাবে ওখানে !

—ভগলে ভগলে মোটেই খোরা হয়নি শের প্রকৃত। ভোমার চাইবাসা ভালো লাগবে মাণু

—তা হলে হেসাভি না কি আর একটা সারগাঃ

—বিরেদ্ধ পর আমরা কাশ্মীরে বাবো।

—খ্যাং, গভ প্রজোর আগের প্রজোর আমরা বাড়ির স্বাই মিলে কাশ্মীর গেল ম না? ওসব ভারগার বেতে আমার ভালে। লাগে মা! আমার ইচ্ছে হরে নইন ভারগার বৈতে—কেন্ট বার মা। বেল পারে হেণ্টে ব্রবো। এই, এবিছে কোথার বাছে।

—কোনো ঠান্ডা জারগার বলে একট্র কৃষ্ণি থাবো।

— বানো, আৰু স্পুরে ভাড়ের চা খেলাম।
সাড়ে বারোটার একটা অফ প্রীররাড ছিল,
আমরা তিনকন কথা মিলে বেরিরে ছিল্ম,
পার্ক সার্কাদ মরাদ্ধ আর
ভাড়ের চা।

জর্প হাসতে হাসতে কালো, তুমি বর্ত্তি ভাজে করে চা এই প্রথম খেলে?

স্থানা একটা লাজকৈ ভাবে বললো। হার্ন, আলে আমার কি রক্তম বেলা কেলা করতো। আছে থেরে কেখলুমে, খবে খারাপ লাগে না কিল্ড। চা-রে একটা অনারক্তম গণ্ড হয়।

—এবার চাইবাসাতে গিয়ে অগ্নিও অনেক বার ছাঁড়ে চা খেরেছি। এ সব মফলেবলের ছোট ছোট দেক নে গেলাস কিংবা ভাঁড়ে চা দের, কাপ রয়েথ না। গেলাসে হা শাওলা শাওলা নাগ, তার চেরে ছাঁড়ই ভালে। কাপ কেন রয়েথ না কে জানে!

—আমি বলতে পরি। কাপের হাতল-গুলো ডাড়াডাড়ি তেওঁ বর কি না।

—আহা, গোলাস ব্যি ভাঙতে পারে না ?
অর্প আর স্থানার কাছে এখনও প্রথিবীর
অনেক কিছা ভাজনা। আনক ছেটিখাটো
বন্ধারেই ওরা বিদ্যার বৈধ করে। আতি মান
হতে পারে—মফালবালার সোকানের কাপ গোলাসাও ভাত্তির সমস্য নিয়ে দ্যু জানেই
বিরভা।

ৰখানীতি বেচেডারটার সামতে গাড়ি পাক করতে অর্পের একটা অস্থিতে ছাক্ক। ট্রাম স্টাপে পড়িনে একটি মেনের দিকে চোখ পড়াকা প্রকার। সংগে সংগে সে অর্পের বাহা ছারে বগালো, এই, এই, দ্যাখো, ঐ মেনেটিকে চেন?

জর্প **যাড় ফিরিরে** দেখে বলজো, নাজো!

শ্বন্দা চোখে তেওঁ খেলিক্কা হোকে, চোখ দ্যুটা নাচিত্তে বললো, ভোমার বধ্ব দ্যুগাঞ্জনের সংগে ওর খ্যুব ভাষ ঃ ॥ অমর সাহিতোর ন্তন বই ॥

গভেশ্যকুষার মিচের

त्रभगीत मन ७॥

এकाघारी 811

্প্রদালত চৌধ্রীর

গোধুবি রঙাৰ ৫,

আশ্ৰেছ মুখোপানারকা

বাজীকর ৮,

ন্বীহাররজন গালেকর

वाबि विमी(४ ५)

স্বোধকুমার চচৰতীর নৰ্ভম ক্রমণ কাহিনী

कूछिल कूसाञ्चल ४,

গজেন্টকুমার মিটের ব্যক্তাক্ষর বিরুদ্

गाक्रीक्रीवती अ

একেবারে বারা নতুন **লেখাপড়া** শিখেছে—তারা ব্রুতে পারবে

> গজেন্দুকুমার মিটের এক প্রহরের খেলা **৬**১

नवजन्म 8,

भूमधनाथ व्यवस्य **कालीय उनक्र** ७,

বিনল সিচের তিন ছয় নয় ৬॥•

আশাসংগা দেবাঁর দ্যালকাটা রোদ ৬.

ভরাস্থের

জারগা আছে ৫. পরশর্মণ ৫. গুল্লে সিচের

অমলতাস ৫, মহাদেবতা দেবাঁর

यज्ञाना ८॥• मर्डिंगा बनन्छ ८,

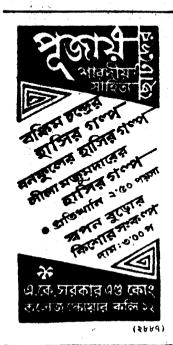
হবিনারায়ণ চট্টোপাদ্যারের **অন্য দেশ অন্য দাহ ১৫**১

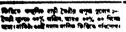
> বিভূতিভূষণ বল্যোপাধায়ের অশ্নি সংকেত ৫,

নীহাররজন গ্রেভর

সূর্য তপস্যা ১০, উমাচসাদ ম্থোপাধ্যারের কুয়ারী সিরিপথে ৫॥•

জমর সাহিত্য প্রকাশন ৭, টেমার খেন, কলিকাডা-১ অর্প আলে মনোবোগ দেরনি, এবার আবার সচকিত হরে তাকিয়ে বলগো, কে, শ্রো? ভালো করে মুখটা দেখতে পাছি লা। মা, শ্রো নরতো, এর রং তো ভালো।







শিবপ্রসাদ বোস এণ্ড কোং

ইক্সিফার্ড এণ্ড কর্টাকটার্ড ৭৩বি, আমনার্ট বো - কলিকাডা - ১

0355-36 646-26-18ES

একজিমা রোগ

সারান্ত্রীসম প্রিস্ত কড রক্তানার বাতেরক কুলা শ্বেড-নাগস্থ আরও আনেক কঠিন কঠিন গ্রাম্মেগ গ্রুম্বিক ব্যক্তিগাড়ের কনা ৭২ বংসারের চিকিংসা কোন্য চিকিংসার গুউন হাওকা কুর্ম কুর্মীর ১৯: আরব মোন সেন ব্যক্তি গাওড়া। ফোন: ৬৭ ২০৫১ পার্থা। ৩৬ রহাকা গারী রোড় (হার্মিসন আড়। ক্রিকাড়া-১। প্রেমী সান্মের্যর পানে। ত্রণনা বললো, কালো কোখার? কি স্কুলর গারের রং। বেলী ক্রসা রং আমার মোটেই ভালো লাগে না। এর নাম শাস্ত রার চৌধ্রী।

ন্ত্ৰীয় শটপের মেরেটি হাতের ব্যাগটা থোলার জন্য একট্ব হরে দক্ষিতেই অর্প ভাবে জলো করে দেখতে পেল। মাজা মাজা গারের বং, বিশাল দুটি টানা চোখ— টিকোলো নাকটি দেখলেই মনে হর—এ মেরে খ্ব ব্দিয়তী। হালকা গোলাপী রক্তর ক্ল ভরেলের হাপা শাভি পরে আছে, জনা মেরেদের ভুলনার একট্ লন্যা —কিন্তু দারীরের স্থানর গড়নের জন্য ভার দৈখা চোখে পড়ে না, সব মিলিরে একটা ঝক্ষকে তকভকে ভাব। হাভ ব্যাগ খ্লে একটা কালো ফ্রেনের চশমা বার করে এই মাত পরলো, বোঝা বার, মেরেটি সব সমর চশমা পরে না।

অর্প বললো, বেশ স্কার দেখতে ডো মেরেটিকে।

স্থানা বললো, কি দার্থ স্মার্ট। ন্পরেকে তো ছুমি চেনো, ন্প্রের বংধ্। আমার সংগো আলাপ হলো গত সংতাহে। একা একা কি রক্ম ফিলি টামে বাসে বাভারাত করে।

অর্প ছেসে বললো, টামে বাসে অনেক মেরেই যার। সেটা এমন কিছ, সমটনৈস নর। তবে মেরেটিকৈ সেবেই মনে হচ্ছে সমাট। তা না হলে দীপরে সংগ বেশীদিন বংশ্বস্থ থাকতেই পারে না।

—ওকে ভাকবো?

—ডাকো না।

শ্বণনা চেডিরে ডাকলো না। গাড়ির দরজা খুলে নেমে গেল। ফিরে এলো মেরেটিকে সংশা নিরে। অরুপও ততক্ষণ গাড়ির দরজা লক্ করে নেমে দাঁড়িরেছে। শ্বণনা বললো, আলাপ করিরে দিই, শাণতা রার চৌধারী, আর এ হচ্ছে অরুপে ঘোষালা।

ব্কের সামনে বৃদ্ধ কর রেখে শাল্ডা বললো, আপনিই তো দীপ্দার সংগ্ চাইবাসা গিরেছিলেন?

—হ'য়। আসনুন, একট্ কফি খাওরা াযাকা।

মনিবশেষ ছোট্ট ছড়িটার দিকে ভাকিরে শাশতা বললো, আজ মা, আর একদিন ভালো করে আলাপ হবে আপনার সংগা। আজ আমাকে একট্ট কলেজ দাীট বেডে হবে।

প্রথম আলাপে জোনো মেরেকে একবারের বেশী দুশোর জনুরোধ করতে নেই, অরুশ এইরকম জানে। তাই সে চুশ করে রইলো। শব্দানা বজলো, একট, বসুন না। আমরা আপনাকে কলেক শুনীট পেশক্তে দেখে।

—না, না, আগমারা পৌটেই দেকে কেন? আপনাদের কি কলেজ প্রীটি বাবার দ্বকার আছে কোনো?

—জামাদের কোথাও বাবার বরকার নেই। এমনিই বেড়াবো। কলেজ স্থীটের দিকেও অনারাসে বেতে পারি।

—তা হলে চলনে না, কলেজ স্থাটি কফি হাউলে গিয়েই কফি খাওয়া বাক ?

অর্প জিজেস করলো, দ্বানা বাবে? দ্বানা বললো, না, কফিটা এখানেই খাওরা বাক্। ওখানে বন্দ্ত চেচার্ফেচি

শাশতা সামান্য হেসে বললো, অনেকে আবার ঐ চেচামেচির লোভেই ওথানে বার। আমার আবার খ্ব বেশী শাশত জারগা তেমন ভালো লাগে না। চলনে, একদিন দেখা বাক্।

রেক্টেরের ভেডরটা ঠান্ডা, অন্ধকার, বড় বেশী লাল্ড। স্ববাই কথা বলছে ফিসফিস করে। বেশ করেকজন ছেলে মেরে বসে আছে, তালের অধিকাংশ কথাই চোখে-চোখে। এখানকার বেয়ারারাও অর্পকে চেনে, একজন সেলাম জানিরে চেয়ার টেনে দিরে।

স্বক্ষা বল্লো, আস্মাকে এখানে দেখাত পাবে, আশাই ক্ষিনিঃ আপ্নিতো নতুর্থ থাকেন।

শাস্তা ছাড় ছারিরে সমস্ত জারগাটা দেখছে, উত্তর দিল, এদিকে আমার এক মাসামার বাড়ি। আমি এ শোকামটার একবার মাত এসেছিলাম আগো, আমার বাবার সংগ্রা।

অর্ণ হেসে বললো, আছকাল তার কোনো মেরে এখানে বাবার সংগ্রাহার না —বাঃ, তখন অন্মি বেশ ছেট ছিলানা দ্রুক সরভাম। অভতত সতে আই বছর আবেঃ

—আপনার বাবা সেই নথ থেকে এতদ্যুরে থেতে আসতেন?

—আমার বাবার শধ ছিল নতুন নতুন রেস্ডোরার আমাদের থাওয়াতে আনা।

—এখন নিশ্চরই আর বাবার সংগ্রে বান না?

—আমার বাবা বে'চে নেই।

এক মিনিট গ্রুম্ম থেকে ওরা শাক্ষার বাবার জন্য শোক পালন করলো। অর্প্ কবি আর স্যাওউইচের অর্জার দিল। অর্প জনতো, শুল্লা বলে একটি মেরের সংগ্য দীপরে থ্য ভাষ ছিল, ভার বিরে হরে বাঙ্রার দীপুরার্থ প্রেমিক হরে আছে। এই মেরেটির সংগ্য আবার করে ভাষ হলো। শাক্ষার করে ভার হলো। শাক্ষার বারেস ভো প্রার আমারট সমান এর মাধাই জর বাবা মার। গেছে? ইস, ভারাই বার না।



সদির শুরুতেই ডিক্স ডেপোরাব লাগান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বুকে সদি বসার ভয় থাকবে না।

ধকন, বাঞ্চার সবে সদি লেগেছে, —নাক দিয়ে জল পড়া উক্জ হারছে—গলা ধুস্খুস্করছে। তক্ষুনি আদি এর একটা বাবহা না কবেন তাহলে এই সদি বুকে বাস গিয়ে শুকু হতে পারে নানান্ধানা – নাক বন্ধ হয়ে নিম্নাসের কট, দা বাধা, কাশি-ক্ষিত্তাৰ বাকি ধাকৰে না-অযধা কট ভোগ করবে বেচারা।

সদির লক্ষ্য (দ্বা দিলেই বদি ডিক্স ডেপোরার লাগানো বাব, কোনো কষ্ট পেতে হর না— বুকে সদি বসার ভর খাকে না। আরে একটা কথা। ডিক্স ডেপোরার লাগাতে হবে সেই সর স্বারগার—বেখানে ঠাণ্ডা বেশী লাগে. – যেমন নাকে, গলাব, বুকে, পিঠে।

থুবই সহজ্ঞ কাজ। ভেতে। বাড়ি বা, বিজিন্তি মিশ্রচার ধাওবাতে হবে না। ভিন্ত ভেপোরার কাজ করে সঙ্গে সঙ্গে.— সদির কষ্ট থেকে আরাম দেব দু'ভাবে —





বাইরে থেকে পারে । ভেতর থেকে নিশ্বাসের সাক্

- ক) বুকে পিঠে লাগালে গাবের বেদনা দূর করে গাবে লাগাতেই ভিন্ত গলে বে ভাপ বেরোর তাতে ভিন্তের বাবতীর ওপুধের গুব বজার বাকে।
 এই ভাপ নিশ্বাসের সঙ্গে ভিতরে গিবে, গলা আর বুকের সদি গলিয়ে দিয়ে আপনাকে সুহ ক'রে
- সদি বসতে দেবেন না ় সদি শুরু হলেই ভিন্ন ভেপোরাব !

- weep and containing the first through the first transfer and tr



स्वादात वन्ना ७ वनका मात्रम भर्गा।

अर्थायक रहेन

৪টি সম্পূর্ণ উপন্যাস সিধেকেন : প্রেমেণ্ড মিচ, অবধ্যত, দক্ষিণারম্ভন বস্ত অভিড বন্দ্যোপাধ্যার। গণ্প, কবিতা, রসরচনা ও প্রবন্ধ লিখেছেন : ড: স্নীতিকুমার, তারাশব্দর বন্দ্যোপাধ্যার, ড: মুক্তবা আজি, নরেন্দ্র দেব, বনফ্রাল, মহাতেবভা দেবী, গজেন্দ্র মিচ, প্রমধনাথ বিশী, অসিত গ্রুত, স্থাীর সরকার (রেডিও) এবং আরও অনেকে।

বিশেষ জাকৰ্ষ : আপন অপানে ও ফুল আর ফুল আৰু প্ৰচুৰ ছবি। মুল্য ৩-৫০ মাত্ৰ

৪০, নিমা গোস্বানী লেন, কলিঃ-৫ অরু,ণিমা প্রকাশনী CHA 64-9095

্যি-৮৬১৩)

মাড়ী সুস্থ ও সবল রাখতে, মুখের তুর্গদ্ধ দূর করতে এর উপকারিতা

হাজার হাজার বছরের পরীক্ষিত

দাত ও মাডীর পক্ষে হিতকর বহুযুগ পরীক্ষিত बार्गिकाती लिक्स-अत गृष्ट्र अवह मक्तित डेलानान-গুলি লিমে টুথ পেন্ট-এ আছে। ভাছাড়া लिस हेथ (११क-७ ब्राह्म मा ब्राह्म) अवर व्याधुनिक प्रश्च-विकान-नव्यक व्यक्त के उभागन । নিমে টুথ পেস্ট-এর হিতকর কেনা মাড়ী সবল কৰে, মুখের চুৰ্গন্ধ দূর করে, গড়েন্তর করে 👁 পায়োরিয়া নিবারণে সাহায্য করে ও গাঁভ वकवाक कार।

জিন্ত টুথ পেক্ট-এর সর্বপ্তণ-সম্বিত মার্গোজিস

ট্রৰ পাউডারও পাওয়া যায়।

অরপে বললো, দীপটোর সভো দেখা इता शिक्ष विण काला इत्का कथना

न्यन्ता वशाला, जात्मा मा भौभाकतः বাব্র বাড়িতে টেলিফোন নেই?

माण्डा वंशरंगा. ना। आनुसादा एव বেডিরে এলেন, না?

অরপের ইচ্ছে হলো, সে-ও দাঁপার ছতন বানিরে বানিরে গণ্প বলে। रबम्म म्बर्धे वारमद स्मरकश्रासाद শন্বা একটা গলে থেডেছিল। শাণতার কাছে তা বলা মাবে না, দীপার কাছেই তো সভা কথাটা শ্নে ফেলনে। কিংবা দীপা কি একেও সভিচ কথা বলাত স এই সংশাই মনে হলো অর্পের, এমন সন্দের একটা মেরের সংগ্র প্রেম করছে দীপ্র, অথচ চাকরি টাকরি করে না! এটা ভারী অন্যায়! বাড়ির অবস্থাও গো তেমন ভাল নর। মেরেটা কিছা বলে ন

শাশ্রার বাবহারে একটার আম্বান নেই প্ৰকার সংকাই বেশী ধ্রহা হলছে যানত, কিম্তুনে অর্পের কামেটে াক চিনি, মিলিকে বিশ্ব। জিজেস কর্জা চিনি ঠিক হয়েছে তেন্ত

্ অর্প বললো, পারফেক্টা

শাশ্ডা বললো, জানতাম। সাধারণত সব ছেলেরাই চিনি একটা কম খার। হাসতে হাসতে স্থানা প্রায় বিষম (১০) एकरम कात कि । तामाम निर्म भाग ग्राह বল্পলে: আর ছেলেরা কি রক্ষ ছেলেনেং श्रामी कडाड कमा जिल्ला करा नहा জনগ্ৰন ও চারতে কিউব দেখে সাপ্রতি প্রটা সেলেন ভারের বর্গন। 20 THE !

শাংশন্তা ভেল্পা শালে জনাক ৷ সেংগা টেক্টেরের । এরকিয়া **খাল**ীকরে কথা কথা লোমে মিটা একটাুও নাছেকে বৰণো ওমা, আপান চারটে চিনি খন, বংলে 🗈

-- अग्रेश (शतक अवास अभाग द्वारा उ করেছি। আরু মেকে স্টেটার বেশ[া] বি আর হোবো না:

क्रकों: यादम भाग्धा रक्षामा, आप के আর বেরি করতে প্রেছ না। অন কলেজ স্থিতে সংজ্ প্রীচটার মা भिक्षा एवं इत्या

व्यस्त्र ठाप्ने। करत्र किर्द्धाम करत्याः ज ভাড়া? কার্র সংশ্রে আপরেণ্ডমে আছে ব্ৰঞ্

শাস্তা কিন্তু সম্জা থেল নাঃ স্থ शबाक्ष बनावा, १९११ ?

—দীপুর সংগ্র

—হ'া৷ দীপদোর আসবার কথা আটা -54,71

কলকাতা মহানগরীর উল্লয়ন সমসা

सकाकाम आधिक जरका गृश् राका क अञ्चकारवन আখিক অপ্রস্তরভাষ পারচারক নর, সমগ্র জাতীয় অর্থনীতিবট একটি বিশেষ সমসা। কলকাতা বাচলে সম্প্র পরে ভারত বচিবে: দেশের অর্থ-নাতির একটি বিরাট আংশ বিপ্রস্থের হাত থেকে রক্ষা পাবে। কিছানিন যাবং কলকাভার সমস্যা নিয়ে নাগবিক্তম্ব অভিযোগ স্বারই দুখি আক্রণ করেছে। অভিযোগের বহাম থী প্রকাশ নাগাঁবত জীবনের অম্থিরতা যে চ্ডোম্ভ সংপ িয়েছে তা-ই স্চিত কর্েে বিভিন্ন কসরটে যদেশহন চলচেল অবরোধ করা এবং রাজীয় পরিব**হ**নের ক্রোতকপ্রস্ নমধারী বাসগঢ়ালর ঘেরাও এই অস্থিরতার একটি দিক মাত্র। কলকাতার পরিব্যুগ সমস্যা নিয়ে আম্বা আন্দ সালোচনা করেছি, কিন্তু ভটাই তো কলকাতার একমার সমস্যা নয়: পরিবছৰ সমস্যা ছাড়াও আছে আবন্ধারা পরিস্কার জল নিজ্ঞাশন এবং গ্রেন্নমণিণ ও কছে। উচ্চেদের সমস্তা কেন্দ্রীয় সরকার कर्मकार्थन अध्यम्भात । व्याप्तास्य क्रम्य मार्था গাংগার উপর দিবতীয় সেত নিমাণ এবং অপ্তর্গত কলে চাম্ম কল ছাড়া অন্য কোন আতে তাহ। বরাদদ করেম্মি। 🖭 হা াধ-চন্তার্তি রেল কলকাতার পরিবহন স্থাস্থার স্থাধান করতে পার্বেনা। ২২তে এ ব্যবস্থায় উদ্ভৱ কলকান্তার আধ্বাসীদের পথ ওলার সমসারে কিছাটা সারাহা হতে শারে। ভবে কল্কাভার অধিকাংশ লোক এ-বালেখায় খাবে উপকত হবেল নান শোনা ব্যক্তি সরকার আমাদের পাতার প্রবেশ অথবা শ্লিয়াগৈ রেল্পলে এমণ করার ব্যবস্থা করা হাম কিনা সে সম্প্রেক শীঘুট আন্সেশ্যন চাল্যেবন। কিন্তু এই আন্-সম্পানের ফলছাতি কী হাবে, এবং শ্রেষ্টের কলকাতার নাগরিকগণ প্রতিনিয়ত যে কৃচ্ছ্যসাধন করে যাতেচন ভার বিনিময়ে কিছ্ আলোকিক সিণ্ধি লাভ হবে কিনা আমরা তা এখনত জানিন। তবে এটাক সমগ্র কলকাতা মহানগরীতে **७गड**ाञ्च दिसम्ब ठामा ना शत भौतवश्व সমস্যার সমাধান কিছুতেই হবে না। ইউরোপের বড় বড় শহরে যেভাবে পারবংশ সমস্যার সমাধান করা হয়েছে, কলকাতা শহরের সমস্যার সমাধানও সেভাবে: করতে হবে: পরিবহণ সমস্যার মোকাবিলা তে। করতেই হবে: কিন্তু, তার চেয়েও -বড় সমস্যা হচ্ছে মহানগরীর আবজানা দ্র



করার সমস্যা। ভারতের সবচেরে বস্ত মহানগরীর আবজনার দুঃসহ নান রূপ বিদেশের টোর্লার্ডাশনে দেখার দক্রাণা जानाकतरे राताच अवर अजना बाँता विस्तान আছেন তানের এককালের ভারতের গোরব এই মহানগরীর জনা উপহাস সহা করাজ হকে। কিন্তু বোদ্বাই বা নয়াদিলীর তো এই অবস্থা হয়নি। ময়লা দরে করার ছে ব্যবস্থাই করপোরেশন বা রাজ্য সরকার করতে চান তার জন্য শাু**ধা বে টাকার** অভাব আছে তা-ই নয়: পৌরপিতাদের আবজনা দ্রীকরণে দড়ভার পাঁডানারক। কলকাতা শহরের ব**ভ বড** রামতার **উপরে প্রকাশাভাবে** বে ভাবে োংরা আবর্জনা পত্তে থাকে এবং শৌচাগারগর্নেলকে বে কদর্য অবস্থার থাকতে দেখা যায় তা দরে করার **জনা** পৌর্রিপতাগণ কি করছেন? নাগরিকদের ভোটে নিৰ্বাচিত হরেই ভারা মহানগরীর পৌর জীবনের সব দায়িসভার গ্রহণ কারা**ছন। কিন্ত জনস্বাস্থা বাতে দ্বিত** না হয়, এবং নাগরিকগণকে বড় বড় রাসভার নাকে রমোল চাপা না দিয়ে বাতে চলতে হয় তার ব্যব**ন্থা তারা কতটা করতে** পেরেছেন? এখনও বদি পৌর কর্তৃপক্ষ এ ব্যাপারে সচেতন না হন তবে **এমন** একদিন আসবে বখন নাগরিকগণও ভাঁদের আসামীর কাঠগড়ায় দড়ি করাবেন।

হতানগরীর সমস্থাগু, লির সমাধানের জন্য প্রয়োজন আরও অর্থের। জ্ঞা-নিম্কাশনের ব্যবস্থাকে ফ**লপ্রস্ করতে** হলে এবং রাস্ভাঘাট মেরাম্ভ **করতে হলে** যে টাকার প্রয়োজন ভা যে কলকাতা কপোঁ-বেশনের নেই, এ বিষয়ে আমরা স্থানিশ্চিত। ত্রেট আজ্ঞ অনতিবিল্য কলকাভার যারা কাজ করতে আসেন তাদের Terminal Tax চাপানো প্ররোজন। কলকাতায় যাঁরা থাকেন না, অথচ এই মহানগরীই খাঁদের কর্মানেত এবং অংখী-পার্জনের উৎস্ত তাদেরও এই মহানগরীর জীবনবাচা উল্লৱন করার ক্লেন্তে দারিছ আছে: শুধু মহানগরীর সব স্বিধাট্কুই তারা ভোগ করবেন, অথচ তার উন্নয়নের দার-দায়িত নেবেন না, এটা বোধ হয় তার। নিজেরাও চান না। প্রধানমন্ত্রীর সাম্প্রতিক কলকাতা সফরের সমরে কর্পো-

বেশনের মেরর তার অনুমতি চেরেছিলেন
এই মহানগরীতে Terminal Tax
নসাবার জন্য। কিস্তু এই অনুমতি
এখনও মেলেনি। প্রধাননদ্দী ববারীতি
রাজ্য সরকারের ন্যারস্থ হ্যার জন্য কর্ণোরেশনকে উপদেশ দিরে গেছেন। এক্নেয়ে
রাজ্য সরকার এবং কলকাতা ফর্ণোনেশনকে
এগিরে আসতে হবে, কলকাতার স্মার্থ দেখাটাই এখন তাদের বড় কর্তবা হওরা
উচিত, শুষ্ কেন্দ্রীর সরকারের ম্থানেশ্লী
হরে থাকলে সাধারণ মান্বের সমস্যান্
গ্রিলর কোন স্বরাহা হবে না।

বিদেশী পর্যটকদের কাছে কলকাভার



৮ম বর্ষ: প্রাজা সংখ্যা '৭৬ ৪০০ পাড়া ৫০ জন লেবক

৪টি উপ্লোস নরেন্দ্রনার নির, আলা-প্রা দেবী, হরিনারারণ চটো-পাধার, স্লৌল পলোপারার

১৫টি গটপা, বনক্ল, প্রেলেন্ড মিচ, বিকৃতিক্ষণ ব্যোগালার, প্রবিশ্বন বিকেপানার, আন্তোব ব্যোগালার, নারেল্য প্রেলার্থ প্রেলার্থার, সামরেল বস্তু, বিষয়ে নির্দ্ধ সাল্যাল, লৈকভালন্দ ব্যোগালার, ব্যালার, ক্রিলার্থার, ব্যালার, ক্রিলার্থার, ব্যালার, ক্রিলার্থার, ক্রিলার, ক্রিলার্থার, ক্রিলার, ক্রিল

(সি-৮৭১৯)



আকর্ষণ করে গেছে। শুধ্য বে আবর্জনার জন্য মহানগরী শ্রীহীন হয়ে পড়েছে তা-ই मका कनकालाय माकि दिएमी भविषेक-দের থাকার প্র'। ত বাক্থা নেই। বোশ্বাই এবং নয়াদিক্লীতে দুটি করে এবং আগ্রা ও सक्तित्व अकृषि कृत्व Five-Star Hotel আছে। কলকাতার সম্প্রতি বে "ছিল্মান্তান ই-টারন্যাশনাল হোটেল" তৈরী ছরেছে ভা-ছাড়া শ্বিতীয় কোন Five-Star Hotel নেই। এখন প্র'স্ডও বিদেশী প্র'টক-দের থাকার সাবদেশাবদত করার পর্যাণত ব্যবস্থা কলকাভার নেই। কেন্দ্রীয় সরকারের প্রটন বিভাগত এজনা

পাঠাবার জনা বিশেব আগ্রহ পর্য টকালের দেখান না৷ ভাৰতীয় কলা कृष्णि स সংস্কৃতির আধ্নিক পঠিস্থান কলকাতার আকর্ষণ কিল্ড বিদেশীদের কাছে মোটেই क्य नहा विद्याली भगाउँकरम्ब 4176 কলকাতা মহানগরীকৈ আরও রমণীয় এবং আক্রণীয় করার জন্য অক্টোবর মাসের ১৫ ভারিখ খেকে ২৩ ভারিখ প্রাণ্ড ভারত সরকারের প্রাটন দুশ্তরের বোণিভায় রাজা সরকার কলকাতা উৎসবের করেছেন। মুখ্যমন্ত্রী নাগরিকদের कारक जागा दिवास করেছেন কলকাভার উৎসবকে সর্বাপাস্পর

করে তোলার জন্য। একেন্দ্রে নাগানিকারে गत्थको नातिष च्याद्य। नवीधिक श्रीत्रमात्म मंहित क्रमाकाटा व অধা বিভ সে কথা কলকাতার নালবিকগণ कारतः। अधन मत्रकात किसार्ष মহানগদীর লভেত পৌরব ফিবিয়ে আন্ भार अवर नागरिकका निर्मा हा अनुभाक অভিথরতা দেখা বাজেই তা দরে করা যাত टम क्रमी: कवा।

কৃষি-প্রতিবেশ্ব ক্ষমুখ্যা উল্লেখ্য সম্প্রিশ্র

ভারতে কবি-প্রমিকের অবস্থা এবং কৃষ্টি ক্ষেত্র নিয়ার প্রমিকদের অবস্থা উল্নাতন সরকারী প্রায়-বহিন্দুভূ कता भागसभा ক্ষেত্রতেমন বিশেষ কিছা হয়নি। ক্ষ প্রমিক কমিশনের প্রতিবেদন এবং কার্যার শ্রম-কমিশনের প্রতিবেদন আমরা দেখেছি: কিম্ভ কিভাবে সামগ্রিকভাবে न्तिभटकत कथं हरम्यात्नतः साराम्याः कता अन्त वातर कृषि ग्राभकारमत व्यतम्भात प्रेशस्य कर যায়, এ সম্পান্ত তথাবহাল সমতিকার क्रकारी अक्रमणे जिलाइक्य आधाना स्थापना «Agricultural Labourers in India-नाम अक्षि प्राप्ता धर्मे प्राप्त (क्रमका राज প্ৰত্যাধানক প্ৰভাস প প্রকর্ণশার্ভত 9000 B 型和口密性 দেখিয়েলছন ভারতে জিলাবে ক্রায়াবিশ্লাসর कामराज्ञ साम्रा क्रांशक । উरस्यामक जनस्कर्य নত্ত কুটাৰ-প্ৰতিয়াকারক অসম্পন্ন উচট্ড ১৩৬ 9072

ভাষতে কৃষিনীবাল্যর শুমানিনিয় উংগাদন ক্ষপতিত্ত জনমিত্ত ক্ষতিপ্ত ক্ষিয়েক সংগ্ সোহের বাবস্থা, উচ্চ ফুলনাশলৈ একি বলন বৈশিক্ষাকৈ প্রিস্তা জ্ঞান উদ্ধান উপ**যান** প্রিয়াণে সার প্রসাগের লখান্য कामदङ भारतः। भाषाः प्रेसकेट ७ ८८८ প্রস্থাপ করে। ক্ষিপোষ্ট ন্ত উৎপাদন ক্ষি কয়। সংভ্ৰ করে 23,10 সে ক্ষেত্রে আমেল কেপতে পর্যান্ত কুলি প্রতিকের সাফ্রেণ্ড গোলান ্ৰাক্ত উচিত কৰে ল ক্ষিয় মণ্ডীজন্ম কুষিক্ষেত্রে কমারও ভূমিক্ষের অবস্থা চান্ত উলাভ করতে হ'লে ভিনটি জিনিটা क्षतमञ्जन भानदे रहाँमा: रहनश्रील दरकार (द खेगा ७ अतरमात्र काणाः एकांनारकातः भएगा क[्] ভামিকবেশ্ব প্রির্ডিড করা, (২) ক্লি-ভামিক एमत मक्त्रीत निरम्भम जना सर्वारिका घटाः লিসারিশ, এবং (৩) কুমকেন্দের মধ্যে সাধার। শিক্ষার বিশ্ভৃতি। এ ভাড়া স^{িচ} প্রতিষ্ঠানর অবস্থান উল্লেখনের সংগতিত ভাবে কৃষিৰ উল্ভিন্ন জনা গ্ৰহণ্য[া] मध्यस्य सारम्यात श्रामाञ्चा जानस्तीकारः।



অবাক ছবেন নিজেন নং দেখে !

পাষ্টের রং করসা বর বা কিছুটা ভাপা ব'লে মান মান বাদের काशासाम्, बदाव छात्मत धावनः मृत कतार आधारकतार काशाक्रिकेतिश क्रीम । पीर्च पायवपाए अतः विकासप्रपाठ तातः पुत क्र উপকরণের সময়তে তৈরী এই জীম,—জগু ওপর-ওপর প্রলেশ দেবার কাজ করে মা, রোমকুশের শভীরে ছেন্টে এমন সত ছৌল প্রিরেড্র ঘটার যে আপনার রং হ'রে ওঠে উজ্জল আর দিনে দিনে আপ্রি ক্ষরতা ও আরো প্রকর হ'বে ওঠেন।

মিতিকয়ার হোয়াইটনিং ক্রীম

माथरम हाथा तर राव कतक है। भाव मा भूलात श्राहरूकां वक**ः मार्ट्स मिर'म**ः

'বিউটি ইজ ইওৰ বাৰ্হবাইট'পুন্তিকার কল্প এবং লাপদার দুপদ্ধতে নামং সমস্রাত উন্তঃক্ষ चन्न यामारमय 'मिटोरि कममामरप्रेकेम',(मार्के यद्ध : ४४०,मिसे निसी,अहे द्वैयानाच मितृस



শি লগী মহিম রাদ্র সংপ্রতি আকোডেমি বালোরতি তার প্রদর্শনীর আকোজন করেন। শিশপীর অংকনরীতি বিমা্ত, প্রদর্শনীতে তার সাম্প্রতিকতম করেকটি ব্যালা দেখা যায়।

ছচিয় বাদ তথাৰ বিৰপ্তী সমাজে পাৰ্যাল্ড। তিনি নিয়মিতভাবে ছবি এপুক তাক্ষা ৰু বিভিন্ন প্ৰদৰ্শনীতে অংশ প্ৰৱৰ্ কলেন। বাবা ভার অধ্যনরভাতের সংগ্ লারচিত, তারা শিল্পীর আধানিকত্র ৪.৮৯ প্রির্ভান লক্ষ্য করবেন। শান্য স্থানের গ্রাহা বিভিন্ন আক্রাক সাস্ক্রণভাব भ्याभार कराई दिन उत्ति देशन्तमाः शास्त्र-ভাষ সাধাৰণত শ্ৰেন নেৰে ভারই মধ্যে প্রায় জনীয় কলেবিকের তিনি নানা আৰু ব স্থাসনা করবেল ভা বিভিন্ন বছে শান প্রমাত আকার ভবে ফোলভেন ভার ৰচ ব্যৱহাৰ-ৱাটিড সাধারণ, অধান্ত পরিমিত শ্ৰেম ডাক্ত ডিটিন স্বস্তুজ্বাহা বাংলাক্ষর <u>ইবলৈ ভি</u>লে ফেলাড্রন। তার রক মনেনেরকে তাঁর চিন্তা-ধ্বৰ পৰিচয় পাওয়া যেত বিভিন্ন ক্রের সংস্থানত সংক্রিভালত লোভাতি করেকটি কচনা লৈপেষ্টাবে চেব্র প্রতি।

সামপুতিকভূম সুচনাস বিশেষ্ট মুটা প্রান্ত্রক বিভান্ত করিছেল অলাভ বচনার্থকরে হলেক্ষাকৃত ভাগে শাসা স্বাদ হৈছে दर्शकरहे स्थानहों के रहाते कहा शाला खाकात হাল করেছিল। দ্বায় ডাই ন্যা এই বিভিন্ন के बाहितारीक जाना अधिकार^{के} र एक **छ**ार । **स** উপ্লেল ব্যন্ত ভাষ সঞ্চাল বিভিন্ন প্রতিভিন্ন म^{िं}ण्डे कुरशक्ता। **इ**हें शतश्र करने करने ফলে কয়েকটি ছবিছে বস্তুমি কটের বৈশিক্ত স্থায়ে উঠেছে- থেছন ১৫না শুকা। একেরে পরিপূর্ণ ব্যস্তর পত্ত ব্যবহার কলিকেও সিল্পী পুথমাত জলান ও সংক্র াতির স্তরভেনের উপর । প্রাহান্য সাম করে भेराक देशीवका काराक्रमण आहे. अनामारके টিট্য সড়ের বলৈ জল্ম ক্সটেল-এই িলেডিট সিল্পানি প্রিয় রছ মান হয় এবং দৈখা মাম মাল্ড এই ভিমাট করে বৈতিক *ইবে বাবহার করে তিনি সাফলা কাভ करवरहरू। केनहरूतम हिल्लास्य ५ ७ ५५गर-এর উল্লেখ কর। সাম। বিশেষ করে শেষোক্ষতিতে অধ্যক্ষয় সাম ক্ষমণার পরি-প্রেক্তিত গাট হবিল বড়ের বার্যার-কিশ্যালয় মধ্য দিয়ে একটি স্ফার ও ^{ক্ষাক} বাপ কার্যে উপ্রতি। চলাস বাঙ্ব শহকৌশল ব্যবহারের দিক থেকে ক্ষাক্র-



<u>ক্ৰেপ্যক্তিখন</u>

-वर्षेत्र प्रदेश

প্রধান চনত রচনার নাম করা চলে। তবে ক্ষেত্রটি সংক্রেপ্রধান রচনায় নিক্পীর প্রকার বাতিব পরিচয় পাই, ক্ষেন্ন ব ও ১৯০০। সম্ভবত এগুলি প্রোনো রচনা। মান হয়, আধানিকতম রচনায় নিক্পী আইক সাজবানর পরিচয় নিষ্ণেছন। ভবে এবং।ও ঠিক যে, আকার ও রঙ্গৈচিত্রাই এই জাতীয় রচনার মূল কথা। এ বিষয়ে অবাত্ত হয়ে কাল কথান নিক্পীয় সাজবান লাভ স্থানিভিত।

*

পশ্চিম বাংলার হাতে-টেববী বোর্ডা ও করাজ প্রসমূতবারক সংক্ষা ও শিক্ষাহন-এর উলোগে আকাডেমি গালোরীতে এক প্রদর্শনীর অন্তান হয়। প্রদর্শনীতে প্রথম সংক্ষার তৈমী নানাপ্রকার কাগক ভিন্তির সংক্ষা কর্তৃক প্রকাশিত সাল্লা কালেন্ডার, অভিনাদন-পর ইত্যানি দেখা বাব।

পোলাক-পরিজনের ক্ষেত্র বেমন বেলমের একটি বিলিক্ট স্থান আছে, লিখনকেছেও লতে-তৈবী কাগজের বিশেষ মূলা আছে। এই দুটি জিনিস বাবহারের মধা দিরেই ব্যক্তিগত ব্যক্তিবোধের পরিচয় পাওয়া বায়। লতে-তৈরী কাগজে বাজারে প্রচলিত কাগজের মত সালা বা মান্। নার—কিন্তু

टेमटलन टघाट्यब

ছোটদের রূপকথার গ্রুপ

ছোট্ট সোনার গলপ শোনা



আনক প্রেজিমাস প্রটাতেট লিমিটেড ক্তাঁক

শীঘ্রই প্রকাশিত হচ্ছে

ছাতে-তৈৱী কাগজেৱ একটি বিশি**ত** रमोर्केंट सारक रविते जना काशरक रम्था ৰাল না। অবদ্য সে-সোষ্ঠ্য চোৰে পড়বে कौरमञ्जूष्ट, बौरमञ्ज निक्रम्य ब्राहिटवाय खाट्ड। অনেকের ধারণা আছে বে. हाएक-टेक्सी कामरक हिर्दिशत रहाचा वा श्रासण-काळ हरन म्ब। दन बात्रणा त्व कृत, का श्रमनिनीत्क भ्यानहे रचाचा बात्र। हारफ-टेजरी स्वार्ट्स प्रकार कार्यक द्वारात केरस्वारी स्व क्रर (दीकाक्ष) श्रमणानीटल द्वाचा जात्व, जा त्नरच नामान वरतास्म। दतालाती म्हारणत केनाताची विर्वाष्टिक करण । अन्तर्भ व्यक्तास्था रनारन स्त्रक शास्त्र-रेकती प्ररहे क्ष**म् मन्दर्व नागक्छा**द्व (नरण नावर् छ हरन। कींग बाम एक्टक न्यूड् क्टब मन्छ रेटवी कता তথা কামজ প্রদেহত প্রধালী বিভিন্ন চাটের

রাধানে প্রদর্শনাতে দেখানো ইনেছে। সেই
সংগ্য সাদা ও নানা রঙের বিভিন্ন
কাগজের নিদলনও দেখা বার। বিশেব করে
ছারিং কংগজ, কলাপাডার খোসায় তৈরী
বানানা পেগার ও গাহসজ্জার উপবোগী
বিভিন্ন রঙীন কংগজ দেখে অনেকেই
উৎসাহিড হরে ওঠেন। তবে কর্ড্যুপক
বিদ এফাডীর কাগজের সহজ্জভাডা
বিবরে ক্ষাধক সচেডন হন, তা হলে জনসমাজে হাতে-তৈরী কাগজের চাহিলা
অবশাট বেডে বারে।

শিশপারন একটি পরিচিত সংশ্বা। এই সংশ্বা প্রকাশিত চিচকলা বিষয়ক ন না বই জনপ্রিরতা লাভ করেছে। গভ পাঁচ বছর বাবং প্রদর্শনীর অনুষ্ঠান করে এই সংশ্বা সকলের দৃষ্টি আক্ষরণ করেছে।



অভিনশন-প্র

—শিংশাহন

नकानम् न्यामीत

र्य अठीठ कथा कु ऽऽ००

ভারতবর্ষের স্বাধীনতা আন্দোলনের প্রামাণ্য গ্রন্থ। শালালাল দাশগ্রেভের ভূমিকা সহ সচিত।

নির্মলচন্দ্র মৈত্র-এর বিভীয় উপন্যাস

অন্তরাল 👊

ৰাশ্তবধৰ্মী লেখক সৌরি ছটকের নতুন উপন্যাস

রক্ত রাঙা নগরী 🐝

সৌরীন সেল-এর উল্লেখযোগ্য বই

ভিষেতনাম ১০০০ সূর্যহারা

(নাটক) **৩**∙**০**৩

क्रा थिरक रमन्ना ५.००

নৰভাৰতী:

४, माप्राधावत ए म्हीते, किनवाडा-५२

(সি-৯০৫৩)



অনালে চুলে পান ধরেছে ? ভাজমল দিয়ে আপনার চুল তরুণোচিত কালো কোরে তুলুন

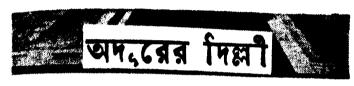
— আসল গেৰার ভার্কনার। ভাস্মল আবার আপনার চুল চকচকে, বাহ্যোজন কালো কোরে ভোলে। মনে রাধবেন, ভাসমল আবার চুলের একটি নির্যুক্ত প্রদামনী।

ভাসৰল ছুই বছলে পাৰেন ঃ ভাসৰল ইয়ালসিক্ষামেড হেয়ার অবেল (১২০ ও ৪০০ গ্রাহ বোডলে) এবং ভাসমূল পুসেড ক্টোডোর্ড প্যাডিও



প্রদেশনীতে হাতে-তৈয়ী কাল্ডের পাত অভিনশনপত্র কালেভার প্রভারে নান **डेक**्ट्यां का निरम्भ स्टब्स् स्टब्स् ক্ষেত্রা ও অধ্যাসক্ষাধ ভিক্ত প্রেক্ত ওলে ভ খ্বই সন্দর। এগালি পালা এ উল্লেখ্য **উপলক্ষে** উপহার দেবার ট্রপহাস্থা বিশেষ করে প্রাত কভারের ওপর ভারতীয় ক্রালি-হাজিক ও অন্তর্গারিক অংক্রমনিসমার দৈখি স্কল্মট আক্রা হল। সহস্ ডিজাইনট শিক্ষী সভাগৰ কতাক সিংক ক্ষানে ছ.পা। শিংপায় সত সভাগণ ্য প্রগতিবাদী, তার পরিচয় প্রভয় লাগ या भारता MERCHANIA करहरू होते य छन्दन १५ 9 *****77.5 সংপরিচিত করেকটি ভিতিতিতের প্রতিভাগ সিংক স্ক্রীনে স্ক্রেপ্ সিংস্পানন ব্যবস্থা সরেটের পরিচয় নিষেছেন। এই প্রসংখ্য **আগামী বছাবর দেওয়াল কা**ল্লেশ্ডাব বিশেষভাবে উল্লেখযোগন বংসবটি বিদ্য নিলেও ক্যালেণ্ডারের সিলক স্কুটা ছবি-श्रीम बर्ग्यानम यावश एम एकाम ७ १९४८ । শোভাবধন করবে। भिक्तभाष्ट्रज्ञ কত্পক এজাতীয় নিদ্ধনিগ লিভ টেপ্সত श्राधांत ज्ञाना विकासत कामा कि नामन्या गुरुप করেছেন জানি না। তার কেবল পদখানীত কয়েকজনকৈ দেখার ও কেনার স্যোগ দেওয়া ছাড়া কতৃপিক যদি তাদের সংস্থান হৈরী নিদ্রশনিগালের ব্যাপক প্রচার ও विक्रदेशस्त कन। यथारयाना भग्धा अभिकास्य গ্রহণ করেন, তবেই তারা লাভবান হবেন এবং তাঁদের সংস্থায় তৈরী উপহার দেওয়ার উপযোগী বিভিন্ন পত তথা কার্ড শোখিন সমাজে জনপ্রায়তা লাভ করবে।

চিত্র প্রিয়



স্থানী নাটাগোণ্ঠী প্রযোজিত "এলেম নতুন দেশে" নাট্যাভিনর দেখতে গোর্যাভলাম সেদিন ফাইন আর্টস হল-এ। কাইন আর্টস হল দিল্লীর একমার আধ্নিক বাবদ্থার নাট্যমণ্ড যার হলা সংস্কৃত ভাষাভাষী দিল্লীবাসী নিথিক ভাষত

لعافك

ালকলা সমিদিৰ কণ্ড 527.3 ছায়াব। সমায়ে প্রায় জিল সুলক্ত হার এই সম্ভিত্ত কথ্যার এবং প্রাণ্ডিলেন প্রেণ ট্রিল। বলতে লে**লে প্**য তিনিই এই ফাইন আও'স তল্ভি হিলাখিসেইছে ভিপরার বিশ্বাস্থর কলেই রাজধ্যা<mark>ীন্দ পাকা</mark> ্টারেপে বিভাবিক কথন কলেও নাটক 164, 830 FEER 1756. এণ প্রয়েও ক্ষাণা আরো দায়েকটি ছেটটাখাটো নাটালপ আনবা পেরেছি তরে তালের কোনটিই এই ফাইন আউস হাজের ঘারন সহাধ্যানিক कारण यस्त्रभाविकाच नावेदाच नक। कनवे প্ৰেস থেকে প্ৰভাগতানী দ্বীন হাত্ৰ [†]ক্ষেত্ৰীৰ মন্ত্ৰীক কৰে কৰে কৰে আৰু কৰে কৰি অব্যান কিন্তুখনত পর্যাটিত সমষ্ট কিন্তুখনতী ষ্ঠীন ভলিকে। প্ৰভেল ন**ি**ল আকা**ৰ** ুটাল ভাতেৰ মথায় আল ইণিয়েয়া দুবীন স্টাস আৰ্ড কাজ্যান্ত ক্ষেত্ৰীটাৰ সালোকেতাস ভয়। অটালিকা। সুসূত্র শীন-অপনিমনিক্ত ফাটন আনুস 130 বলকাতাৰ কাইছে দাকা ভাবতে কেটিই বেখনে প্রথম প্রেলিক স্টেল— শ্বাহ শিশ্পী ব্রেদা উকিলের বহাুকালের সংখ্যা আজ নাস্ত্র। সংগঠনম্লক সংস্কৃতিক কাজে অবিশ্রাম चाडे∶या∫तेब दिलाश दरवामा डेकिन छिल्लम यादक यदन সংক্রীয়। রীতিমত একটি ময়দানে। বংগ্রী-র "একোম নতুন দেশে" শ্রু হবার প্ৰাকে আমি ফাইন আটস হলে গিয়েছিলমে। রবিষার ২১নে সেক্টেন্দা**র**। ংলের বাইরে সব্জ ঘাসের লনে অপেকা কবতে করতে শ্রেলাম প্থানীয় 'সাহিতা বল। পরিষদ"-এর আগামী নাটক প্রতি-(याक्षित्र) **सम्भारक** हैक-भाग जारमाहना চলছে। আলোচনা মানে কথার পিঠে

কথা আর কি, যাতে ছিলেন ছনাকরেক নাটকপ্রেমী বাঙালী তর্ণ-তর্ণী। প্রদানতর্ণী। প্রদানতর্ণী। প্রদানতির কিন্তিং ইতিবার আগ্রাম দিরে দিই, তাহালে ব্যাপারটা ব্রক্তে স্থাবিধে হারে: —এই বছরের ফের্যারি মাসে কেন্দ্রীর সবকারের দিল্লী প্রশাসন সাহিত্যে করা পরিষদা গালেতব নামের পারাপাকি একটি সংগঠন চালা, করেন হঠাং করে। চালা, করার সাহারে জন্মজ্ঞালে প্রার্থি স্থাবিত। করার সময় সাভাবার জন্মজ্ঞালে প্রার্থি প্রিষদ ভাবত্তির রভধানীতে ভিলেও এবং সাহারের উপ্রিষ্ঠিন প্রত্যা পরিষদ ভাবত্তির রভধানীতে ভিলেও এবং সাহারের উপ্রিষ্ঠিন স্থাবিত। ভালা করা। প্রিষ্ঠিন স্থাবিত ভিলেও এবং সাহারের উপ্রিষ্ঠিন স্থাবিত ভালা করা। প্রিষ্ঠিন স্থাবিত ভালা করা।

অস্ত্ৰান্ত কিছাবে বেন নিৰ্বাচিত সদস্যদের সবাতে ব্রেছেন দিল্লী প্রশাসনের চীক क्रमधी এক সিকিউটিভ অফিসা4 একমাৰ প্রিনিটিশ্যন ডি কে মালহোতা. ৰাৰ নিৰ্দেশে এই সেদিন কবি বাস্ক্র-চন্দ্রকে গ্রেপ্টারের পরোয়ান। জারি হলেও হতে পারত এতই ইনি ভাষাপল পরেষ। পরিষদের "নিব'চিড" সদসাদের মধ্যে আছেন হিন্দী ইপ্রাণিসক ছৈনেন্দ্রকমার, পাঞ্জাবী কৰি অলুক পিত্র সলাজ সেবিকা সরন রাণী, আর *ভা*রেক বি এন নাখালি। আবাৰ বলছি প্রাকাশ্ড দিল্লী প্রশাসনের উদ্দেশ্য আলবং প্রশংসনীয়। 'প্রতিক্র কলা পরিষদ"-ও অভিনদন্তীয়। তবে পরিষ্টের আলামী নাটা প্রতিযোগিতার নির্ম্কাননে বাঙ্গালী এবং দক্ষিণ ভারতীয় দিল্লীবাসী (সকলেই দিল্লী প্রশাসনের সন্থেত প্রহা)

গান্ধী শতাবদী প্রকাশন

ৰাহির হইয়াছে গ্ৰেন-প্ৰদে প্ৰাক গ্ৰন্থী-জীবনী শ্ৰীরম্বানাথ মাইতি প্ৰণীত

জাতির জনক গান্ধীজি 🐃

Ų.

স্কবি শীপ্রভাতমোহন বন্দ্যোপাধ্যায় প্রণীত

शान्धी-कथा

গান্ধী শাহাকণীৰ বংসৰে বাহাতে থবে থবে মহাবাজিন পুণা জীবন-কথা পোজিটাল দেওম বাম তদ্দেশে। এই প্ৰাক্ত জীবনীয়ান্থম প্ৰচান করা হটালভো প্ৰচাসংখ্যাৰ অনুপাতে দাম অতিশয় সম্ভা। ন্লা প্ৰতি ৰণ্ড মাত্ৰ এক টাকা।

আমানের প্রকাশিত অ ন্যান। বই	
আথিক সমতা : গ্রীভবানবিসাদ চট্টোপাধায়	0.00
ভালপুশতো ৰজনি : শ্রীনিশিকালত মজামদার	0.40
পল্লীন্বাম্বা : শ্ৰীকানাইলাল দত্ত	0.60
नार्बी-উन्नम् : हीर्यार्शमहन्त्र वाशन	0.60
সভাগুছের কথা : শ্রীশৈলেশকুমার বলেনপাধার	0.00
কুণ্ঠ সেবা : ডাঃ পৰ্যতীচরণ সেন	0.60
সাম্প্রদায়িক সমস্যা ও গাংশীকি: অধ্যাপক রেজাউল করিম	0.40
श्रामकत्रुवा वर्जन : शिविकश्रनाम हरहोशाधाय	0.40
গান্ধী-গ ল্পগভে : শ্রীবীরেন্দ্রনাথ গত্ত সংকলিত	0.60

এই প্রায়ে অয়ও বই প্রকাশের অপুশক্ষে
প্রিচ্মবল গান্ধী - শতবার্ষিকী সমিতি
য়হালতি সহন, ১৬৬ চিতরলন আতিনিউ, কলিকাতা—৭
ফোন: ৩৪-০২০২

নাট্যাম্যেদি মানুকেই চরম হতাশ করেছে
কলে সংস্কৃতিবান বহু নরনারীর মথে
শ্রেছি। পরিষদটি সমস্ত দিল্লীবাসীর
উল্লেশ্যে গঠিত হয়েছে বলে লিথেপড়ে
ঘোষণা করা হরেছিল। অথচ এখন কাগজে
কলমে দেখছি পরিষদের প্রথম নাট্যপ্রতিযোগিতায় বাংলা আর দলিশনী
ভাষাভাষীদের তাতে চুফিকাঠি হাতে এক
ঠ্যাণো দণ্ডিয়ে থাকারও নানোতম স্থানক
নেই। সদপ্তা স্থানিটি রিজাভ করে রাথা
ভরেছে শ্রু উদ্বি হিন্দি আর পালাবী
নাট্রের জনা! প্রতিযোগিতা হা তা

কেবল উদ্বি হিন্দি আর পালাবী নাটক।
উদ্বি এবং পালাবী নাটক পিছিরে বরেছে
হিন্দি নাট্যাভিনরের তুলনায়। স্তরাং
একমাত হিন্দিপ্রেমীদের বিজয় ঘোষণার
উদ্দেশে দিল্লী প্রশাসনের প্ররোচনায় এই
সাড়বর প্রতিযোগিতা? সম্প্রত পরিকংপনাটাই দিল্লীবাসী অংতত বাঙালী
নাট্যামোদিদের কাছে রহসাঞ্চনক ঠেকছে,
আর জনসংঘ প্রশাসনকে চিনি বলেই আমার
কাছে প্রচণ্ড হাসাকর লাগছে। এ কথা
কোনা প্রকারেই অংবীকার করার উপায়
নেই, গোড়া থেকেই বাংলা নাটক অগ্রগণ্য

হরে শীর্ষপানীর হরে রয়েছে ব্যক্ত ধানীতে। কয়েক বছর ধরে নাটা প্রা যোগিতায় নয়াদিলী কালীবাড়ি বেংগল ব্লাবের অনবদা অবদান এক অন্ধ আহ ছাড়া ছোট-বড়-মাঝারি মান্ত কার্ব চোখ अजारनाव झाक्याकें नया। नमात जात कि বর্তমান বছরেই এই বাঙালী প্রতিখ্যালে विकले উলোপে প্রথম সর্বভারতীয় गाउँक প্রতিযোগিতা স্বজনগ্ৰাহা निक्नानाकान जात नककान महत प्रकारिक হয়েছে। আর এখন কিনা কিভাবে কর চরণত করে বাংলা নাওঁককে একেলত সমূলে বাদ দিয়ে দিলটিত প্রশাসনের বদানাতায় প্রিলীবাসীর করণ প্রতিযোগিতা কুক্র বাং 🕸 দিল্লীবাসী রাজধানীতে বিদেশী : এ ৩১ রামকে বাদ দিয়ে রামায়ণ। অন্যত্ত ৮৮ আলের গলে হাছে। --এইস্ব তুর্গ*্*ল ফাটন আটিস হাসের ঘাসে ভাত্যা লগ रिका**भक्षकाते आह्याहरू राज्या** १ अस्त বলকেন, আস্ম, আমতা সলকে চিক अस्मा সরকারের 5.7 9677 দর্ঘাদ্র করিও কেলেন্ডলে কি ক দরখানত করতে । তথা তা আমি 🌬 🍪 नाडेएक्ष्केरी স্ত্রাং ব্লাঞ্জী **িএকেন** রভুন কৈশে। নাটক কেবা,

ভাছাভাভি হলে চাকে প্তল্জ : শাক্তারবার সম্পাধ কলকাতা হৈছে ১০ রপান্তী নাটাপ্যেম্ট্রীর শহরেরতা নাড দেশেরভিলাম । দেশে আধাতিতিভাবে : আমার উপর প্রভাব বিদয়র করে ১৮৫ মম্বিপাতি একেনারে अद्योभ्यत्त्व हु গিয়েখাছল বলে আছে রবিবারে ফেল চানে হলে ও'লের গঞ্জেম সঞ্জ দেশে দেখা ক **স্থাননীয় উদ্দোর্থদের অক্ষরনীয় ৫**৩৩ অভাবে সেদিন দশাৰসংখ্য স্ট্রালীত জন্মপান্তার্থাক, সংক্রের চলত্ত্র প্রতিকার আর্বেগ্রামি ক্লিয়েনে, কোচকরা ভাষের । সৈকা ছিকাভার আছেদ বার্জেনে নিয়েছিলেন নাটকটা চে ব্রি জামেনি, ভাঁদের নিজিপিত সমালেও পড়েও আছকে এখন দেখনি হলত দশক। এ না হলে, নাটাছিনছের খ', লাসিতে সভাপে জ্ঞান সক্তেও মনে ই **লব্জায় ব্রিফ আমার নিজেবট ম**াগা ব ষেত্ৰেন না রপানী দিল্ভিতি ভার্তি মাদিও রংগ**ন্তীর** প্রশোজকদেব र्भाष्ट्र छ्ट्टे भएक,४ चामात चर्ठनाः विरुक्त भवन्छ। माजेकाद ५ माजेसिन রমেন **লাহিড়ীর শাধ**ুনলে বাটাত [া] কিছারই বিস্ফাবসগা कानहाम न কুঠোর সংশা আমার বলতে হ'চেছ, ম রগান্ত্রীর কোনো নাটকও এর প্রে' 🤊 মঞ্চপ হতে দেখিনি কলকাভায় হাজাব **ৰাওরা-আসা করেও, তথাগি ৬**চনর :

প্রকাশিত হল

अत्रा भकामनीत वह

রুপে রুপান্তরে ^{রজমাধৰ ভটুাচার্য}

মাংস নয়, দেই : নার্ট নয়, মন : পিপাসা নয়, হতীবন । এ উপনাস শারে থাকা গলেপন নয়, জেগে থাকা সতিকেল। এক উল্লেখ্য ভালকরকে নিয়ে এই কাহিনট, বুপের মধ্যে যার অফ্রন্ত আত্মসন্ধান। সন প্রিকল্যা প্যাদি যৌবনের ফাংগ্রেটী বেদনায় ১৯৫৯ উঠিছে এখানে — এর কাহিনী তরা প্রেটে আর র্তের ছক্ষে-বিদ্যাহে এসাধ্রেদ শিংপছদে। দেই যারা গভে মনও তার। পড়ে গড়তে হয়। পড়েও তারা শেডস্থের নাহে দার্গে ছবলে এ ভাস্বর জন্ম দেয় নতুন গ্রহ। নিন্দা যেখানে মালা। নিবাসন বৈকুপ্ত।

আশুতোষ মুখোপাধাায়

সম্ভাট সেন

যার যেথা ঘর ৫॥অগ্নিতট স⁺তগ্রাম ১০

স্নীল গঙ্গোপাধায়

বিশ্বনাথ ৰস্

সুখ অসুখ ৬্অভি**শণত স্বন্রবন** 🤛

काल रूपनी ॥ भागदनन्त्र गदनग्राभाषाम् अग्रानितः

গডফ্রে মরগান ৫, স্টীম হাউস ৫, পুর্ব বাংলার শ্রেষ্ঠ কবিতা

শক্তি চটোপাধাায় সম্পাদিত ৫

অশাত জেলিয়াং स्नार ५०.

নাপাড়িখিবই একটি ছোটু ট্কবে। ছেলিয়াং, কিন্তু বৈবী নাপাদের বিচোধের পটেডামিবায় বহিত এই উপনাসে এই ছোটু ভূখাডিটিও কোনো বৃহস্তর সভোব প্রতিভাস হয়ে উঠেছে। দিগত আগ্ন-রাঙা, দিনগালি অন্তর্যাতে ছিল, রাতের এককান ভরে রাজ্ঞাস — অথচ তারই মধ্যে রচিত হতে থাকে মানামের জন্ম-মাতৃত্ব ভিরন্তর নাটক। যেখানে প্রাণ পাল নাগা উপজাতির পারাব্যাত কিবলগাঁ, ইতিহাস ও অত্যীত গাথা, যেখানে এখনো মান্য ভালোবাসে, সূথ পাল, দুহুৰ দেয়।

পত্রিবেশক : সিগনেট ব্রকশপ : ১২ বহিক্স চাট্জ্যে স্ট্রীট : কলকাতা ১২

(भि-५०५०)

প্রতিপ্রতি

৮৫ জন প্রতিজ্ঞাতিবান গ্রাহক-কমীর দামী দেখা ৩ ১৫ জন আম্দির্ট নামী দেখকের ক্রমাসম্ভার।

গালপ, কবিতা, রমারচেনা ও বিশ্বসাহিত্য প্রিচর। জনাতম জাকবাণ বাংলা হরতে লারিজ প্রথম উপলয়েল উইলিরাম কেরীর মানসী রামরাম বসরে "প্রতাপাদিতা চলিত"। প্রকাশিত হলো। কম মার পেড় টকা সংগালক-শীরজেন্দক্ষমার ভট্টাহা

প্রধান কার্যনিক: ১২/১ বারশ্লা মেন রোড, ফলিঝাতা-৬১ লবা কলিকাডা কেল: শুক্তর প্রেল, ১০/১এ বি বি গাল্লী সাঁও,

কলৈকাতা--১২

(TX BABE)

কিস্তিতে ট্রানজিপ্টর

কোনেল
(গ্যারাণি প্রসত্ত)
ত বা ণড় অ ল ওরাণ্ডা সোটোবল ট্রান্ডিস্টার মালিক

ও, জাকা কোপ্রতে। প্রতি প্রায়ে ও শহরে পাটনে যায়। লিখনে।

VIRLA AGENCIES (18)
Roop Nagar, Delhi-7



প্রত্যেক শিল্পীর সংগ্রে একাশ্ব হয়ে গিয়ে-विमाञ "दिनकः" जारिक दि দেশবামাল "(das)" के प्राच्या क টক**ী**প্ত करविक्रम । অপ্রতিক্ত ভেতরকার আয়াবও যানত এবং আরো-স্থারো অনেকের। নাটকটি আমি সেই দুভিতেই म्पर्यक्रिकाच । वाक গোহাতে, বা আমার অস্বাভাবিক, রমেন লাহিডীর আস্চানায় গিরে হানা দিরেছিলাম। হানা দিরেছিলাম বাস্তর মতন দেখতে রেগভগুরোর সেই খিজি গলিতে। হানা দিয়ে ৰেচে বেচে পরিচিত হরেছিলাম রুপান্তী নাটাগোষ্ঠীর প্রত্যেকের সংখ্য। কি আর করব, আমার বা থা-উ-ব ভালো লাগে ভার খেষ প্রতিত দেশতে চাওয়ার অভোস্টা আমার আধৈশ্ব বাৰ্ষি বলা যায়: লাগ্ম-ছাড়া এইভাবে শেকসপীয়রিয়ান অভিনেতা সার লারেন্স অলেভিয়র-এর সাপো পরিচিত হয়ে দিখিব ভাব ভূমিরে নিরেছিলাম লক্ষ্ম শহরে। তার দত্রী অভিনেত্রী ভিভিয়েন সংগ্ৰত। নাটক দেখতে ভালোৱাসি কিল্ড তার চেয়েও ভালোবাসি আবিশ্কার করতে নাট্যকারকে ব্যাস্ভব ভিত্তিক নাটককে ঘাঁৱা রন্থ -মাংসের অবছর দেন সেইসর খিলপী-দেরকে। রমেন লাহিডী ভার পরা অভিনেতী অঞ্লী লাহিড়ী, দুক্তনেই: এবং ও'দেব গোষ্ঠীর আর-আর হ'বা তাদের শিলপীপ্রস্থা দিয়ে আমাকে করলেন। ও'দের স্বাইকে বেশ খানিক निक्रे १९१क सम्बन्धाः । कारक कारकटे वाधाः হয়ে আন্তক আবার আমাকে "এলাম নতন ** বাসনায়। নাটক দেখাত ভালো লাগলেও দিল্লীতে নাটক কিন্ত আমি অলপই দেখি। কেননা অস্বাভাবিকতা দেখে দেখে স্থানে-অস্থানে বারংবার হতাশ হওয়া 70.33 অবে সর না।

T'MZ পর্দা উঠবার म् ल्या <u>ਵਿਦਿਕਾਬ</u> র্নীতির বাইরে আলো-আধার-ফ্যাণ্টাসির পরিবেশে আমি চলে গেলাম অনা এক জগতে, ভাল গোলাম এখন দিল্লীতে। "বেনজ্ব"-তে দেখেছিলাম সং-বিবেকী এক সৈনিকের হত্যা। হত্যা, কেন না মভার গণ্ধ-ভরা ব্যুখক্ষেত্রকৈ সে সহা করতে ভার না পেরে অজ্ঞাতে সে বুঝি পালাতে চেম্নেছিল। ধরা-পড়ে সামরিক সূবিচারে তার হর মাতা-দণ্ড। এই সূবিচারে আমিও অসম্ভব ফণ্ট পেরেছিলাম। বলতে স_বিচারের ঠেলার চোখে জল গিয়েছিল বিদেশে-বিভায়ে বেন্জা নামের সরলচিত্ত তর্ণের নিম্ম হত্যার। ভাগিসে আক্রকের এই "এলাম নতুন দেশে" নাউকে কোনো সূবিচারের হত্যা নেই। আছে

পূবোত্তর সীমান্ত রেলওয়ে

সময়-তালিকার পরিবর্তন

১-১০-৬১ তারিখ হইতে এই কেল-এরের বে সময় তালিকা প্রবৃতিত ইইয়াছে তাহাতে সাধারণ পরিবর্তন সাধিত হইয়াছে।

- (১) ন্তন সময়-তালিকার টোন সাভিলের ধরন বর্তমানের মত একই রূপে আছে:
- (২) ন্তন প্টপেলের বাকথা করা মইলাকেঃ (ক) ১৬ আগ/১৫ ডাঃ লখনউ একা-
 - প্রেন পাঠশালাতে;
 (৩) ৩৪ আপ/০০ ডঃ জনতা ভান্ট
 প্যাদেশ্বার গঞ্জোরারা, কাঁকি ও
- পোঠিয়াত।
 (৩) প্ৰ/কেশনাল কেচ সাভিব্যের ব্যক্তথা
 করা চইবারেঃ
 - (ক) ২৫ আপ/২৬ ভঃ প্যাদেশার-বোগে ফ্রিরাগ্রাম ও ধ্রাভুর য়ধ্যে দ্ইটি ভ্তার প্রেণীর সেক্লনাল কেট:
 - (খ) ২২ দ্বাং/১৭৭ আপ এবং ১৭৮

 ডাঃ/২১ আপ-বেরণ গোহাটি ও

 মারকংসেলেকর মধ্যে একটি
 প্রথম, দ্বিতীর ও স্তার লেগীর

 কংশ্যান্ডিট কোচ এবং একটি

 ততীর শ্রেণীর বেড ৷
- (৪) ন্তন বোগাৰোম্মের বাসন্তা কর। ভ্রমেটে :
 - (ক) ৬ ডা: একস্রেস বি. জি.) এবং ১৫৭ আপ আলিপরেস্কার জং —বামনহাট প্যাসেজারের (এব. জি.) মধ্যে নিউ কোচবিহারে;
 - (খ) ৪৬ জা: নিউ জ্বলগাইসমুদ্ধি-খেজুরিয়াঘাট প্যাসেঞ্জার ও ৬০ আপ কুমেদপুর-কাটিছার প্যাসে-জারের মধ্যে কুমেদপুরে;
 - (গ) ৩ আপ আসাম মেল ও ৬২ ছাঃ কাটিহার-কুমেদপ্রে পার্যসঞ্জারের মধ্যে কাটিহারে:
 - (ঘ) ১১৪ ডাঃ বোগবাণী-কাটিছার পানেকার ও ৬৪ ডাঃ কাটিছার-কুমেদপরে পানেকারের মধ্যে কাটিছারে:
 - (৬) ১০১ তাপ মনিহারিছাট-কটিছার মিক্সড ও ৩৫ ডাঃ বোগবাণী-বারাজনি প্যাদেক্সারের ক্ষথা কাতিসারে।
- (৫) সমসত ট্রেন্ট ০০লে সেপ্টেম্বর/>লা অটোবর '৬৯ তারিথ মধারাতি ছইছে অথবা ইহার পর যথাসন্তব সম্বর নৃত্ন সময়-তালিকা অনুসারে চলাচল শ্রেহ করিয়াছে। ইজাক যাত্রিগণকে তাহদের ভ্রমণ শ্রেহ করার প্রেই সংশিক্ষক স্টেশন-মাক্টারদের সংগে যোগাবেশন করিতে পর মার্শ দেওয়া হই তাছে।
- (৬) এই সময়-তালিকার বই সমসত গ্রাদ্ধ প্রাদ্ধিকার ও ক্ত-স্টলে কিনিতে পারা যইবেঃ

(छि/१/४--०) हीक अभारविहे म्भात.

গ্রিট্টারেক মান্তের মন্তন এক লেপে আসতে পারার এক অসীর খ্লীরভীরতা। সেই নতুন দেশটা কোখার ভা আমি জানিনে, সেই দেশটা বেখানে সেধানে দেই নাটকে চিত্রিত মরবিড বৈদেশিক বাণিকা দশ্জবেষ দানীতিপাণ আন্ডার সেক্টোরি, বিনি উপরঅলা गारू (का काता ব্যবসারী বন্ধকে দেখলেও গদগদ নতশিরে পদলেহন করতে সাজহাত এগিয়ে আসেন, জবচ বিবেকবান হ্বতী সেলস গালাকে চপেটাঘাত করতে হন সাক্ষাং সিংহ,—সেই দেশে নেই সেই সিংহমশার বসণ্ডবাব; নেই চৌকস ক্ষান্ত্রীর মিস্টার সিক্ষার, নেই বিবেক-ছারানো মিস্টার মাখাজি-এই পক্ককেশ পরিণত বয়সে সহসা বার একবার ছেলে-বেলাকার কথা মনে পড়ে গেল: নিছেরই ভাষতে বিনি আমাদেরকে বলেছেন.— ভখন তিনি ইম্কুলে পড়তেন। বাবা মা **हिल्ल हे** छेटताला अका अका एकान हाक ভাদের কাছে ব্যক্তিলেন। শেলন খেকে লীচের শহর নগর ন্দীমালা স্ব্কিছ: **অস্তত আর আন্চর্য স্থানর** লাগছিল। শুৰ ছোট ছিলেন ভো, খুৰ বোকা ছিলেন, कारे कक्की एक अन्यों स्मरक केंद्रीकन কৰিনে তথন কেই একটিবারই, একটিবারই, সাতাকার সুখী ছরেছিলেন মিন্টার মুখার্জি। -বাস, অভাগর অসং ব্যবসা-বাণিকা শশ্মী ইত্যাদি এইসবের থামেলার বেই উনি খবে হ'ড হরে গেলেন, জারগার-জারগায় দানধানের প্রেস্ডরার পূর্বা করতে লাগলেন, তখন থেকে বিবেক গেল একদম শ্বিকের, এমন কি একমাত্ত সম্তান বিভার বাপকা-ব্যাটা পরিচর না রেখে সেও ভাকে পরিভাগ করে এখন কি না চলে বেতে চাইছে, আর চলে সে সডািই গেলও, নতন এই অবাক বিক্ষায়ের দেশে মেখানে মত্থামের এই আমাদের সমাজ-বাৰস্থাটা নিছক পরে:তত্বনিদের একটি গরেষণার বৃদ্ধ ছাড়া আর কিছু নয় ৷

কথচ অমন অৰাক দেশেও ৰাব কভাব মতবিবাসী আমরা সকলেই প্রতিনিষ্কত রুপ্তে-বশ্বে অন্তব করি, শেষ প্রযাত ভাষাজের কমী কুশল সেখানে বাবে না, একই স্তে গোধে বাওয়া সেলস্ গাল কাজরীকেও (অভালি লাহিড়ী) সে বেতে দিল না। কেন না এই অভাৰ-জন্মোগের দেশে থেকেই ওরা ওলের আসমাণ্ড ক্রীরাম সম্বাইকে ভেকে ভেকে বলতে চাৰ সেই शास-शम्ब-कारमाबामा खना काम्फर्व ट्रमरणव কথা বেখানে ওয়া গুজন মাত একটিবার এकप्रि पिरनय सन्ता गिरा अमनद्दे प्रस्ट-পলেকিড হরে গিরেছিল হে, এখন সেখন থেকে অনিকাসভেত বৈরিয়ে এসে জ্ঞান বাসীকে ডেকে ভেকে ধলভে চার সেই দেশের মান্য কর আর নাকি অংশের দাস নর, সেখানে ব্যক্তিগত লোভ নাকি নেট विट्यंत लाहे, हिरमा स्मर्हे, পরস্পারের সংখ্যা মিলেমিনে স্নার্থারে স্থাসনে সেখানে সকলে বসবাস করে: মন্যেরের স্বালান বিকলিত হ্বরে স্ব সাযোগ-সাবিধে আছে সেখানে। প্রতিস্কার তাপে ত'ত হরে কুশল (রামন লাহিড়ী) সদং চাকরি ছেড়ে দেওয়া সেলস গালকৈ বলল, 'এসো কাছরী, আমাদের এপিচে **छना मात्र ह्याक वाधान एशतको।** गाउँक শেষ হওয়ার সঙ্গো সংগ্র বিস্ফোত্ৰ উদ্ভাসে যেন প্রেক্ষাগ্র আলোকিত হব **শ্বেয় ক**হিলীটাকু নয় फेठेल । नाजेरकत् চোথ দিয়ে দেখে। মন দিয়ে ভেবে এগ্ৰ বিচার করে জমি বলছি প্রত্যেকটি চরিতের মমস্পশী অভিনয় বাস্তবিকই মেন কলিকে জনা চলেও জমাকে নিয়ে গিয়েটিক নতুন দেই দেখে বে দেশ কোখার ভার দুখিয়া জালি জনিকা, অথচ জানতে চঠ ব্রুডার, ভার भूव प्रस्डव अक्सिस हा अवीपर हा सर्वार्ट জানব, কেন না সুশাস জার কাজবাঁই মাতুন নতুন ব্যালয় **হেলো**ন্যায়ত নিজে কইতে भारत गा।

কে বি প্রিস্টলের াদ কেম ১) এ ভিজি माजेक्द बाहाय 🐠 माजेक्ति Terror or **প্রচারসব** স্বর্থ STATES गाजेकात तद्भम # EU ्रिश्चाकः ভ**্ৰি∗ব**্ৰেন্ **এই কথ**টো উনি না বঢ়ল দিলেও আমি টের পেতমে যেয়েড় এই নাটকের কোথাও হাচারকমা । বা ইজাম-এব রভীন **তুর্বড়ি আমার ন**জরে পড়েনি : র্জ বি ত্রিকলৈর নাট**কেও** ভাছিল না। তিন্তু প্রি**শ্টলে থেকে** গোছেন বিস্নোত্ত ভার ইংরেজ**িবটার। 'এলেম** নতুন দেশে' • েক্ব নিজ্ঞাৰ যে মেলিকতা ভাঙে তাতে নাটাকার হিসেবে - রমেন জাগিড়াবি কোনো **কম কৃতিছ** নিশ্চয়ট নয়: াওব गाउँकजित्**क तन्दर्थ गा**धाः তুপ করে বঙ্গে भाकरक इय**। हुन कर**त, हुका या सामितीक-নয়ের শি**ল্পীরা**, ভীবের वानग्रहात्थव हैग्द्रियावात्थव <u>কভিন্নার্থে</u> मध्याम**िएक मर्गाएकत**ः सामन सार्था एवं गर ভাতে যে একেবারে সোজাস্থীর সেধিতে দিতে সমধ্ন হয়েছেন তা আমি বলবই

---সদা প্রকাশত---

মহাত্মা গান্ধীর শতবর্ষপর্তি উপলক্ষে

क्षशालक श्रामानवन्ध्र एमनश्रात्रात

গান্ধীজী ৬.০০

গিক্ষীজীর জাবনের বিভিন্ন কথা]



वाानार्जी भावत्तिभाम'

৫/১এ, কলেজ রো, কলিকাতা-১ ফেন: ৩৪-৭২৩৪

পশ্চিমবঙ্গ প্রাদেশিক কৃষক সভার সম্পাদক প্রবীণ কম্যুনিস্ট নেতা **আবদ্যলাহ রস্কোর দুখানি গ্রেন্ঠ** গ্রন্থ

কৃষক সভার ইতিহাস ১০.০০

ञाबाम ५२.००

শ্রীকলপতর, সেনগ্রেম্বর

চাঁদের দেশে মান্য ৩.৫০

নৰজাতক প্ৰকাশন, C/০ দে বাক স্টোর, ১০ বণিকম চাটোজী গ্ৰীট, কলি-১২

(সি-৯০৫২)

श्रका मःशा

বিভিন্ন পত-পত্তিকার বিজ্ঞাপনে ও দেয়াল-পোল্টারে ভিন্ন ডিন্ন পত্তিকার প্রাা-সংখ্যার বিজ্ঞাপিতাতে ছোট বা বড় জক্ষরে লেখক-ভালিকার আমার নাম যুদ্ধ ধাকতে দেখেছি। নিতাগত দুগাভূজ না ছালে একজনের পক্ষে এত লেখা সম্ভব নয়। বিশেষ করে আমার মতন আলো্স-প্রকৃতির লোকের পক্ষে তে। তা একেবণ্যই খাস্পত্র!

ষাহোক আসল ধনর সংগ্রহের পর
ভানতে পারা গেল যে এই সর প্রেজ্ সংখ্যার আমার প্রেভবাকারে প্রকাশত প্রেয়ার লেখাগ্রেলাই আমার নিনা অন্-মতিতে প্রমানিত তারেছে বা হাছে। বাছালী প্রক-প্রিভাবগরে আমি এ-

আসিক ৫. টাকা কিছিততে



শী শা জ ভবন শিপ্তাৰ ৩ বল্ড এন্ধ্যাল্য পেটে-বল্টীটোজনা ব বেল্ডি টোজনা ব

TOKYO AGENCIES (WD)

Kaseruwalan, Pahargan, Post
Bag No. 11, New Delhi-1.

মোটা চাদৰে তৈৰী

ঘাঘুলী পাঁচটির চেয়ে এর গুকটির আয়ু অনেক ক্যৌ



• **লাধল কাঁধে কিষাণ•** এই চিহ্ন দেখিয়া লইৰেন

গৌরামাহন দাস এও কোং ২৬৩,ওল্ডনিনা বাজার ট্রীট, কলিকাডাও ফোল-২২-৬৫৮০



বিষয়ে সমিনার জানাতে চাই যে আমি মার্ট নিক্ষালিখিত প্র-পতিকার ক্ষেক্টি ছোট গেপ—ইড় গাংশ—উপনা স লিখেছি : দেশ, গাংশভারতী, রমাবালী, প্রসাদ, উল্লোব্ধ, নিন্দ্যালগং ৪ জনসা। বাকি সম্পত প্রান্দ্রালয়ে প্রাণিত আমার ব্যাগায়িল হয় জ্ঞান লেখার প্রমান্তিন, নহ তো কোন ও জ্ঞান কোনার প্রমান্তিন, নহ তো কোন ও জ্ঞান কোনার প্রমান্তিন, নহ তো কোন ও জ্ঞান কোনার ক্ষান্তিন, নহ বোকারিক কাসাধ্য ব্যক্তির অভিস্থিমন্ত্রক ব্যবসাহিক

ইতিলধ্যে ব্যক্তরে অন্যার নাকে প্রায় ৰটটি জাল উপনাস। প্ৰকাশত হয়েছে। সে-সম্বন্ধে বিভিন্ন দৈনিক e সাণ্ডাহিকে বিশান আলোচনা আগেই হয়ে গেছে। এবার টাদির অভিনেশ শারা *হারে*ছে প্রভা-সংখ্যাত ওপর। এ-ব্যাস্থারে বিশেষ উপরেষ ও উংপ্রীক্তানে আসহর হয়ের দার্টিট श्रीरका क অন্তব্ধ প্রাক্তম লেখ প্রেম্পর যন্ত্ৰি লেভে হারছে সেকে<mark>রী ও</mark> ভীমত*ি কোল* একটি হয়ে কাহিক শার্ভ থে সে-সম্পূৰ্ণ প্ৰিকাৰ স্থিতি স্বীকৃতি বিভে হার। এ-ছাড়া যৌল-বিষয়ক প্রকাষ জামি সভাবে পিখার এমন 27977 হেন জাহার পঠকবর্গ बारवस ।

সন্তান প্রাপ্তম বেমকদের কথা জানি
না নামি ব্যক্তিগুড়াছার বলতে প্রথি এও
একাক্ষার প্রবৃদ্ধা। গতে ক্ষারক বছর
ববে এ-প্রবৃদ্ধান চলে আসছে। গতে বছরে
এই বাপারে একটি যৌন বিষয়ক পতিকার
এই বাপারে একটি যৌন বিষয়ক পতিকার
এই বাপারে একটি যৌন বিষয়ক পতিকার
কটি তিতিও দেওয়া হার্ডিলা। ৪৮
সংগার দেখা প্রিকাম হার্ডিলা। নামক
একটি যৌন বিষয়ক পতিকার বিজ্ঞাপ্তমে
উপনাস লোগক হিলেবে আমার নাম
যোধিত প্রায়েছ দেখলায়। এতে আমি
কটি উপনাস বিশ্বছি তা জানি না।

সব দেখে মনে হচ্ছে এবারে এই
চাপ্ডাা কেন মহামারী আকারে দেখা
দিয়াছে। তাই অভিষ্ঠ এবং অনানাগার
হপে আমারে এই পারাঘাত করতে হলো।
ইংলাড বা আমারিকার মত এ-দেশে কোনও
লোক-সমিতি থাকলে হরত এর কিছু
মাইনেতে প্রতিবিধান হতে। তা হথন
কাই তথন আমারের মত স্বংশবিত্ত ও
ব্যাপ অবসরম্ভ লোধকদের আর কী
ক্রাত্তীয় থাকতে পারে তা জানি না।
একমার ভবসা বোধ হয় পাঠকসম্প্রদার।

ভাদের ওপর আমার জনেব প্রাথা। ভাই ভাদের কাছেই আমার এই/ বছরা পেশ করলাম। এ-বিষরে ভারা কি সড়েভন হবেন।

বিমল মিত্র

11 > 11

বিজ্ঞানি ধার দেখতে পাছিছ, শারনীর
এমন প্র পরিকা আমার নাম বিজ্ঞাপিত
করছে, ফোন পরিকার আমি কে ন লেখা
দিইনি। বাংপারটা একদিক খেকে
অদর্গিয়কর, অন্যনিকে জ্যোকেন। কেনে
বাংপারেই কি আর এ দেখে, সামানা সভতার
আশা করা বাহা না। মিথানেক নিরশ্ভর ঢাক
পিতিরে প্রচার করা হবে।

যাই হোক অণ্ডভ আমার পাঠকারর অন্যাতির জন। জানাই, এখনে পর্যাত নিন্দালিখিত শাবদীর পরিকাগ্যেলাতে জামি আমার রচনা দিয়েছি। দেশ, উল্টোর্ম, ভাষার পিনেমা জগত, উদ্ভম ও জগদরা।

আন কোন পতিকা যদি আমার কোন পাবনো শোখা প্রিমিটিন করে বা করে বাকে, তাও আমার বিনা অনুমতিতেট।

সমরেশ বস্ত

84 6-85

'রুপা'র নতুন বই

त्राङ आहार्य त्राहिट्डा भानीनडा जन्याना

ব্যুদ্ধিদী°ত ও রসসিত রচনার একটি সাথাক নিদ্ধান। [৬.০০]



রূপা জ্যান্ড কোন্পানী ১৫ বংকম চাটাজি পাঁট, কবকাতা-১২ विनयकाहरू व विनयम् काना परिवास क्ष्मा व्यक्तिया आस्त्र स् श्रमानिक क्षीयांत्राचे प्रश्लास् निरकाहरूमा ११०वा क विन्यकाहरूमा क्षांत्रस्थ स्थापन स्

DECEMBER OF STATE

বিশেষত, বাংলাবেশের বছাবান লিকা বারণা হ পরিচেকিতে বিশ্বকারতীর ভূমিকা ও বৈলিভেটার কথা বধাবাই বিশেষ ভিশ্বনা লাবি বাংগ। প্রীয়ন্তেরে ধানাবার, বিশ্ব-ভারতীর গারাক্তির ভার পঠিন প্রথম প্রেমীর বিশ্ববিধালারের মর্মেই जीवायण बारमा विः (यीग्य काश्मी ग्रेन्स इ रमस्य असे स्वास्त्र स्थानी निवासका कि बारमण्या का बांत वारमाहनाई कालो शरद कर्रोगा।

fares sales fein auff anne ma आसामात्र कामाक्षेत्र देशके महिन्दाम साम গাতে ভোগাৰ প্ৰশিষ্ঠাৰ এলে মূল এবং ছাত্ আলবের মাপকারি প্রিলম্ভন - T ফ্রাম্স বা সরবদের মতো ভগাস্থান WHIPON : 200 WI PROMINENT AND AND milderivate a श्लोरशासिक मामासिक প্ৰান্তিক প্ৰটোৰ যে স্ত্ৰিক্তিত আলোভন किंग करत हम काम निवास करते जन्म मासायस्त्रं प्रत्य साहत । सम्बद्ध हा कारत निविष् शर्यवस्तात् अर्ध भारत क्रमा निम्पासक अस्त्रिक्षात, रक्ष विकास टकरण्यतः जानारम बाखारम कविकाना स বারো মাসে ভেরো পার্যপ সেখানে একন্সি क्षण्डम नार्ययम् च यह वहा मान्ते हत्या সদত্তৰ কৈ মা? আছেও গভারভাৱে বিচাৰ ক্ষাতে গোলে বিশ্বভারতীয় উক্তরত আদর্শ कि किए जानक विद्रमध्य गरामस्कर छना স্থান সংস্থান করা? শিক্তীয়ত সাধাৰণ শিক্ষা ও গবেষণার মধাবতী পর্যায়, যাকে ন্ত্ৰীৱাদ পেলানারী লিক্ষা আখা দিয়েছেন. বিদ্যালয়ের উদার স্বাপানীপতা ও ভড়ীর ধালের গদতীয় থবেষণার মধ্যে ভার স্থান L# 1918 !

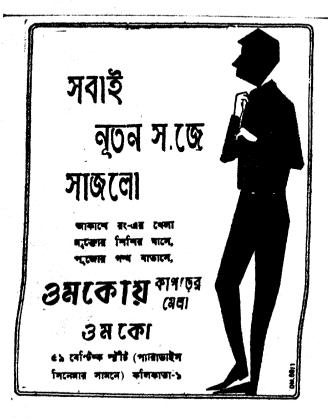
প্রথম প্রশের সমাধান 78.8 অংশক কৃত সরল হার বার যদি বিশ্ব-আদর্শ ছিরিক পটভাম কাকে আমহা প্রিক্সটন সর্বনের গণিড় খেক খানিকটা আলাদ। করে দেখি। গিলাকত মন ও 'মান্তে' তৈরি করাত যে রত নিয়ে ব্রমাচর্যাপ্রমের স্টেন্য হরেছিল, তাকে সফল করে তলতে গোলে গ্রীরাদ্র উত্থাপিত সবকটি প্রাশন্তাবের সর্বেশ ব্যাপকভাবে যেশতে বর क्षकार किन्द्रा सरीग्यम श বলৈছেন স্থাপাৰীৰ শিক্ষা ও শ্ৰী বলৈ যাৰ **স্থান রেখেছেন প্র্যা**ল সংধ্রেণ শিক্ষার প্র রুষ্টিক কৃতিরে। শ্রেষ্ট্রান্ত বিশ্বতথ গবেরণা স্থান বিশ্বভারতী নর। ষা শিক্তাস ধনার डे करता सर শাশ্ভিনিকেতনের TICELTS ্যেটা করার জীবিত করে তলতে গেলে মধেই পাণিতনিকেন্তনের অপ্রস্থাতি) नानांचिध इर्निष्ठ छ अरम्ब एव **क नारनभाग चरम्यामस्य** शाधाना प्रिटर्टर हर्द, छारक स्नारका मीवरवर्षे भएक रह मार माधना なり事! 初春日 **ऐक्**एम academic studies-of भूद्र गण्डीद टमीय निर्मारणय कारागा বভ লহরের কাছাকাছি करवाश कामक ब्बर्क भारता নিকেডনে তা নিয়াণ করতে গোলে এখান-কার প্রকৃতিমুখ্র কারায়র পরিবে শর মাধ্ৰ' বৰ' ৰতে বাধা। ভার মানে দিশ্চরই

নতুন আবিষ্কার বিনা অস্ত্রোপচারে অর্শ অপসারণ এ আরোগ্যের জন্যে প্রষধ

ब्रिट केरव हुलकामि वस करतः करतक मिनिट्टेट खाना - वत्रवा खेलवन करत ।

নিউইরক নিজান একন এক নতুন নিহারকারী পঢ়ার্থের স্বভান পেরেছে বাতে অর্ল অস্পার্থের অক্যান্তর ক্ষতা প্ররেছেও জানা লৈছে বে এই ঐবব বাবা একের পত্ত এক বস্তু আর্শারে আরোগা লাভ করেছেন। দেখা পোছেবে এই নলমটি প্রহোগের কলে আলা-বহুণা ও চুলক্ষনির উপান্দ হয় এবং একই বাহ। আনকা, জালভাবে সংকোচিত করে বাহ। আনকা, জালটি একই ক্ষরণে বে বেবিয়া। আর ভালতে তোল স্থানাট নছ গ্রু এতে নিজাউল্লেক্কারা, অন্তর্ভিনাপক বা কোটারেগক কাজীর কোন পরার্থনেট ও আপনার কেমিটকে বারোড-ভাটন বুক্ত এই নোক্ষর উর্বাধ্য প্রস্তুত প্রায়ে প্রত সহক্ষে কিজেল করন। ৩০ প্রায়ে প্রত প্রায়ে এর টিউব (আগপুলিকেটর সদ। পাওয়া বার। আবে ক্ষিক্ত কালে বিনান্দো পুত্তিবার করে নীচের টিকানার লিগুন:—ডিপাটনেট ১০ ই অফি নানার্গ, এও কোলে কিং পেটে বন্ধ ১০ ১০০ ব্যাহ হি, আর

61-PH-68 BH



এই নয় ৰে শান্তিনিকেতনে বিশান্ত গবেষণা বা শিক্সসাধনা চলতে পাবে না: নিক্চয়ই পারে, কিন্তু ভতট্কুই, যতট্কু এখানকার অবচেতন পরিবেশ আন্মোদন করে। যে কোনো বিশ্ববিদ্যালয়ের কাছে academic কতকগালো দাবি থেকেই

লারদীয়া



প্রকাশিত হয়েছে

বিজ্ঞাপনের চিরারত কৌশল নর: স্থতে নির্বাচিত কোথাপানিই পদেন করবে শার্ষ সাহিত্য ফাটতে 'ধ্যনি' এ বছরও জাননা !

माम : जाटड़ जिन हाका

উপন্যান : সমরেশ বস্যু নার্যেণ সান্যার গণে লিখেছেন : নায়েখন গ্রেপাধ্যায়, র্যাজিবলা নার্যাজন বস্তু, নিষ্টালনার করেলা করিলাকা করেলাকা করেলাকা করেলাকা করেলাকা করেলাকা করেলাকা করেলাকা করিলাকা করিলাকা করেলাকা করেলাকা করিলাকা করেলাকা করিলাকা করেলাকা করিলাকা করিলাকা করিলাকা করেলাকা করিলাকা করেলাকা করিলাকা করিলাকা করিলাকা করি

বা**ন্ত্রিক্তিক প্রবাধ** : ক্তিবাস ওকা, নিভাগিত্র ক্ষাব

বাবিতা লিখেছেন ১ জনামালিতি স্থান্ত মান্ত প্রত্যান মান্ত প্রত্যান ক্ষা হ'ব সংগীল বাস্ত্রাক ক্ষা হ'ব মান্ত হ'ব মান্ত

হথলাৰ্লা প্ৰসক্ষ গিংখছেন : মঞ্জ বস্তু, অনুধ বংগাট, কলাবিত্র চিন্তুৰি

চিত্ৰ ও অক্তব্যক্ষ বিভাগে ৷

ন্ধকে সেন, চেলচিম্ম কম কম কথ নিশেক্ষিত এক বিশেষ হাজ্যত বিশোক যুক্ত তাহছে তকিও মেমটো সংধ জীবনী।

শারদায়ার আরেক আকর্ষণ

বাংলা ছবিছে এতিনাম কানে এনন কংশ্রুতার চিত্র তাংকার মানের জাল বিশেষ সোম বজান কৈ কেনেটি। এই পাছিলোলিওাম মেটি প্রিপ্তার তিনটি। প্রাথম লোক ৪০০ টারে বা সম্মালের প্রেক্রার, শিবতীয় : নগদ ২০০ টারে বা সম্মালের প্রেক্রার, তাতীয় ২০০ টারা বা সম্মালের প্রেক্রার।

> ধন্নি : ৬০৷২ ধনতিলা ^{বট}িট্ কলিকাতা-১০

যায়, কিন্তু শানিতনিকেতনের ক্ষেত্রে তানের প্রণ হবে এখানকার প্রাথমিক আবহাওয়ায় সংখ্যা সামঞ্জসা বেখে।

শিকতীয় প্রদেশর সম্ভাবা উত্তরসমূহ বহু-আলোচিত হলেও তা আরোও সংক্র मध्यसात्नत्र व्यरभक्ता तार्थ। रभगभाति भिकात দিবতীয় ধাপকে শাণিতনিকেতনে অপ্রধান করে রাখার প্রস্তাব অনেকটা ব্যক্তি সংগ্রহ बर्ज ६ रकारना तकराहे त्यरन रन छहा बाह ना । क कथा निष्ठसङ् स्वीकार्य एवं 'रभमानाकी শিক্ষার ক্ষেত্রে তথাকপিত উপযোগিতা হয়তো বিশ্বভারতীর নেই, কিল্ড এ 2020174 ভূললে চলবে না বে গবেষণা ও সাধনার क्या देवात करत दुनएड राम লিতীয় ধাপের দিকে সবিশেষ বৃতিট দেওরা প্রয়োজন। শ্রীরাদ্র এ প্রয়োজন সংবংধ অংশকাকৃত উদাসীন। আমাদের মনে হয় এই দিবতীয় ধাপের সাবিক উলাতির চেন্টাই এখন শ্রীরাদের 'ধরে নেওয়া' **শ্রেন্ঠ-মিক্স**িবদ সমিতির 'दाःना एक्ट्मार्ड প্রধানত করা উচিত ৷ না হলে এখানকার স্মাণ্ডিক শিক্ষা পরিবেশে অস্মেপ্তস্য দেখা দেওয়ার সম্ভাবনা থেকে কচ্ যা ইতিমধোই অনেকাংশে প্রকট। পাঠারম ও প্রীকা ক্রেপ্টার কলকাতা-দিল্লীর অনুধ অন্তর্গ গিয়ে এখানকার স্বাধীন নৈতিক পড়াছ, তার ফার ≁িববেশে যে চৌৰ সমর্ভে আমেদের এখনই স্চেতন হওয়া क्षासाज्यम् । शास्त्रम् । ६ विक्थः माध्यादे ्कारः ইীব্যু কুম বক্ষ অভিনৰ ঃমণ্ডু বহুমান ভাষাত্রীয় শিক্ষার ছা¦গেরেড) প্রিরজপন্ত কথা ব্যাহিত্য প্রশাসারী শিক্ষারা ক্ষোত্রপ্র সে রক্ষ কোন অভিনৰ e নিজসর শিক্ষা ্ক বিশ্বভারত^কার কল্মান্ত্র প্রায়োগ য়সমূহৰ [্] শ্ৰীৱাদ্ৰ **প্ৰম**ূখ বিশ্বভাৰতীৰ প্ৰমূষ তিকৈ বিষয়ে ভেবে দেখনার জনা प्रामुखार करी छ ।

> নিম্লাংশ্ ম্বেগগোধার শ্লিতীব্যুক্ত

n + n

অসংশক বাদু বলাছনে যে প্থিবীর বিভিন্ন সেশের উদ্দেশ্যের শিক্ষ বেশ্য গ্লির মত প্রনগত উংক্যানি ভাষভবারে ক্রেক্সান্ত শাহিতীনকোলাবই আছে। শাহিতীনকোতানের প্রাক্তন ছাত্র হিসাবে এই ম্লোহান গর্ব বৈধে করীছ।

প্রক্ষাট পড়ে প্রথম প্রযারে আমার মনে হয়েতে যে অধ্যাপক বাদ্য 'বভাষার কিব-ভারতী' সম্পর্কো স্বামন্তবা এট্টার যোত চোরছেন। কিবলু ক্তকগালি অন্যাথেগ ভিনি প্রক্টিতে উল্লেখ ক্রেছেন অব্যাই PICINE

महाष्ठवृपात खाष्ठ ॥ समदानं वर्म ॥ जानाणूनं सदी जातालिक ननी ॥ गामन जातालिका ननी ॥ गामन वर्म ॥ संज्ञानान मुख्यमंग्रव उस्ती जात्मांग्रांच

अध

মুবোর্ষ ঘোষ ॥ পিবরাম চক্রতী বিদন কর ॥ অবহুণ ॥ দিব্যেদ গানিত ॥ দুর্দেদু । দিব্য দ ইদুনায ॥ কাবিল দিংহ

अधिग

ष्ट्रिया मित्र ॥ मूजाव मुर्थाणाधार ॥ कामाकी युमान हारीजाधार ॥ स्वि एराजाधार्य।। मानम दासरोईकी

Mili

मान्त्रम्य (या**ष्ट्रा ॥ तुष्पप्री** शार्थं हार्तुलाधायः ॥ **मृज्ञाः** मम्बद्धारं क्यु ॥ **दिन्य्य** विम्नं जाग्रहोधुरी

delen

र्ज्याक् माव ॥ स्वास्य एष्ठ ॥ वानन त्वी ॥ मार्थ्य मुख्यावात्वारा ॥ जार्यः स्व ॥ बार्थ्य छोज । स्वरंति ॥ दुख्यः सञ्जूमपाद ॥ जानियद्या ॥ जान्यः मानाव ॥ द्वीन सञ्जूमपाद



দ্বাম মাড় চাব টাকা মাগুৱিকা গুৰুৱিশাস ২৪ বিসন ফুট কুৱকাতা-১৬ 11 88-৫১১১ अक्षेत्र कार्य वास्तवं स्ट

जिमामि तमाक्रम कम कुन्नम्य कर्म विभन्न कर्म प्रशास्त्रका क्रिकेट आभाष्ट्रमां एकी

न्छल्ले / प्रुपा प्रात

সনোভা বসু গ্রমাসদ চৌষ্ট্রী জ্যোতিষ্কির নুলী

स्थित भाजनाहण प्रामेश्री यार् इतिमा वर्ग इतिमा वर्ग इतिमा वर्ग

नुरवन्त्र नाथ मिय

R





সেয়দ মুক্তব্য আনীর **চুরন** সাগরসয় ঘোষের **প্রার্ট সার্চা**র্

तवारिवं दिस्ति

হিপ্পী পিপ্পী নয় পার্নিক চরাবিত্য পার্নিক চরাবিত্য লিখাড়ের সচীন টোমিক আরু ফিচার লিখাড়েন সৌম্যেন কুন্ডু / বিসল সেবত হো চি মিন ও ডিড্ডেনাম সম্পাকে অভাগ দামায়ুড

शिक्षित का त्वाति परिवाद प्रमान विभान बाय होत्वी प्रभान कारा शिक्षा प्रमान कारा शिक्षा प्रमान कारा का श्री का भारत वारा का श्री का श्री का प्रमान का श्री का स्वादित का का स्वादित का स्वादित का स्वाद का स्वाद का स्वाद का स्वादित का

तिर्ह्म कथा निर्णापन जेकम/ प्रिक्म / अपर्म विश्वजिर/**उउमकुमाद** प्राप्ताह प्रभाव मुखामानाए

निर्गाएन विषयेण

पान-८'६०/ प्रभाक-८ जना

उद्ध्य देपाराञ्च ४,५१५८२ ६क ॥०४ काम ४०॥ श्रम्भावा वर्णिस्टरवर्क स्वभ्रम **३**

- (১) অবাধ্যালী ভারতবাসী এবং বিদেশীরা এখনও বিশ্বতারভীকে শ্রুপার চোখে লোখ কিব্ছু হাল আমলের শিক্ষিত বাধ্যালীর চোখে বিশ্বতারতী একটি শ্বিতীর ভোগালীর বিদ্ববিদ্যালয়।
- (২) খাব কম অভিভাবকই আছেন যিনি বাড়ির ছেলেকে অনায় পড়ানোর স্বোগ পোলও তা ছেড়ে দিয়ে বিশ্বভারতীতে পড়াভে পটোৰেন।
- (৩) এমন বাজি বেশী নেই যিনি কল
 জাত বা দিলীৰ ছাত্ৰ বড় বিশ্ববৈদ্যালয়ে

 জাশান্দান স্মান্দান পোৰত ওকই শতাবে
 পাদ বহাল হলা বিশ্বভাবতীতি অধ্যাপনাৰ
 স্মান্দানাক ভাষা ওপনা কলাকনা

প্রথমটিতে মন্তব্যিকলি এই অন্যোগ প্রিলন পারনপ্রিক সমন্ব্য থেকে আন্যানের কি ব্যক্তে তার রুম অধ্যপক বৃদ্ধ বিবীক ব করেন যে অন্যান্যালীর। এবং বিবেশীয়া অজ্ঞতাবশাত এখনও বিশ্বভারতীকে শ্রামা করেন

इ.स. १७१क ব:ন প্রাংশ্বরীয়ে বক্তাছন, পশ্রীয়মানের দিকে যখন বিশ্ব-ভারভূষির পরেক্ষ বেলেশর সিক্ষার রক্ষরের রোন অবসার রুখা সমূহত হয় ভূথন প্রেম্বর নিক দিয়ের তার হলে বিজয় কর্মে তাকাণ শিক্ষা কুল্লেন আকুলি এবং কুলুভি সম্বাদ্ধ অনুস্থান কাছে লিছে ছিলি দিন কল্প 4.2 ত সংস্থা ¹ৰ ক' हुन्नाम रो "सम्मा द्वर साल्यन ७ वर्ग স্থান্ত তথ্যস্থা - ব্যাহর করে প্রাণাদ্য**ি** শিক্ষা যা **স**মানের নাল্য এম*-এ রালে* দেওকা হয়, বিধনভাবভবিত ভাষ কেলে উপ্যাগ্ডঃ নাই ৷ বিশ্বভারত ডিভাবত মান য়ে বিভাগে উপলেক শিক্ষণারে বাক্ষ **হু**মুন্ত সুষ্ঠার লয়ে বিদ্যাত্তনে। ১৯৭টুড় অংহাপেক আুদু ইচলিড় কালেছের আং বিশা ছাধারীতে বিসাত্তবান্ধ প্রাস্তন নাই (প্রাণেষ্টা ছাড়া 🙃 হার কাইল ক 🧎 🐠 লিং কাল ছাত্র সংগ্রা কয়ে প্রেক্ত ভালে ভাত এবং ভাল অধ্যাপারের সমস্বায়ের সম্ভাবন কর্

ওতিয় পর্যায় অধ্যপ্ত ব্যক্ত হয়ে ेक्ष्यस्य गाउनस्य (देवनप्र) একসার ভাতে য াধেটে বিশ্বভাব্তীর সাংহ্রা **=**श्:भः,संग्र ছবিষাত নিতবি করছে। ্তিনি উল্লেখ করেছেন যে বতমি নে সিমলাতে এই ধরনের **3**∵4 একটা (कम्म वाया) करम्थान निर्वाधन कहाते। प्राचासक इल হয়েছিল⊹ অধ্যেক दाष्ट्र शदन **উচ্চতম মানের প্রেষণা কেন্দের পরি**বেশ শানিতনিকেতান যতটা আছে ভারতবারার আমর কে**থা**ও ডা দেই। ভুডারডের সংগ शिकारकम् अभ्भरकं अभूषे ध्वमः जाश्य दनहै। स्थाना कवि स्थानक ब्राप्तव अहै

মুলায়েশ প্রাদেশিকতা ও আন দোর মুন্ত!

আনি বিদ্যান্তব্যে শিক্ষাণাম বাদেশা ভূলেই

নেওয়া হয় এবং সিদানা বেকে কেন্দ্রনিক

লানিতনিকেতকে সক্ষম যায় ভাহালে শিক্ষানিক

লোনিকা অধ্যাপক সেবকে কিভাবে সেখানে

ল্লাবাসিত করা হবে র যদি অধ্যাপক রান্তের

বস্তব্য এই হয় যে, এম-এ পড়ানোর জন্মে

আন্য বিভাগ করে খোলা হবে না, এবং

হামান বিভাগ করে খোলা হবে না, এবং

হামান বিভাগ করে কোলা ইলিগত লাই।

আয়ার স্বাসেধ জিল্লাসং অধ্যক্ত রাষ্ট্র পরিকাশিসত পরিবত্তানেও কি বিশ্বতারতী সংস্থাকা সম্পত্ত অন্যোগগ্যালিই অপ্রি-স্থান্ত থেকে যাজেই নাই

অধিক প্রাথম এবং নিজাপন মতামান্তর বনাল কালি আধা পক বাছের কাছ থেকে ভানতে চাইবো প্রাথম কৃতিখাতাদের লাভ না সম্পারে উপ্ত প্রাথমের অধ্যাপকদের অভিনাভ নি স্ আনাপ্রপার কি মান ভাবেন সে নিশেষ কৃতি ছালানেরকে থানি নিজ্যভ বতানিত স্থানের স্পান্ত বাছ ত্রাজা অন্যানের ২০ তবাভ হিন্দ্র হাজনা নি ইলিকার্

5 C 5

নিক্তর দেবী বিশ্ববিদ্যালয় সম্প্রের
মধ্যে দেবে নিয়ে বিজ্ঞান দেবে করে বিদ্যালয় বিশ্ববিদ্যালয়
করে নিয়ে করে করেবটি বেশনদিন লয়ে
করেবটি স্থান্তার বর্গে কিন্তু
করেবটি স্থান্তার বর্গে কিন্তু
করেবটিন করেবটি স্থান্তার বর্গে কিন্তু
করেবটিন করেব মান্ন প্রস্তা
করেবটিন করেব মান্ন প্রস্তা
করেবটিন করেবটান করেবটান করেবটান
করেবটান বিশ্ববিদ্যালয়
করেবটান
করেবটান বিশ্ববিদ্যালয়
করেবটান
করে



करे क्या रामक करें मतताब माग निर्मत করতে গিয়ে ছাত্রদের চিন্তার মধ্যে সংক্রীণ श^रधीत गाँको कतात रहको। करतरका धवर এই বিশ্ববিদ্যালয়গুলির ছাত্রের কর্ম-জীবনে প্রবেশের রাস্তরে আরো পঞ্চিক্স করেছেন। লেখকের তথ ক্ষণ্ডিত প্রথমশ্রেণীর বিশ্ববিদ্যালয়ের থেকে কল্যাণী বিশ্ব-বিব্যালয়ের কোন অংশই কম নয়—কল্যাণী বিশ্ববিদ্যালয়ের মান সর্বান্ত রতীয় প্রতি-যোগিতার ফলাফল দেখলেই বোঝা বাবে ! এ ছাড়াও গবেষণার ক্ষেত্র ক্রাটো প্রসারিত তা প্রতি বছরের বিজ্ঞান কংগ্রেস অন্থাবন করলেই গেথকের মণ্ডব। কন্ত অযোগ্রিক ভা পরিক্ষার হরে। পরিসেধে লেখককে আমানের বিশ্ববিদ্যালয়ে আমন্ত্র কামি िकी भिष्टक करण क्रथासकात भवेतभावेत कदर গাবেরণার মান নিশ্বি করেন। এবং আলা কর্ম লেখক পরবত্তী কালে ভার ব্রুবল্রক আরও ভালভাবে বিশেলহণ করবেন।

> ন্পেন্দুকুমার দে ইন্দুকুমার গারেন কলাণী বিশ্ববিধালত ছাছালীকের গন্ধ থেক

অদ্রের দিল্লী

১০ সেপ্টেম্বর ১৯৬৯ এর দেশে শ্রীদ্যক্ত দর্বেশ মধ্যাদর ক্ষিণ্যছেন পানিক্রী বিধ্ববিদ্যালয়ের মাকারক্তাম স্থাহিত। বিভাগের অব্যাপক ওর (কিল্লার মধ্যানে) কবিতা দিরে এবার ক্রাসে আলোচনা করবেন। ফেগানে কবি নির্মাণ্ডত। দিরা বিধ্ববিদ্যালয়ের বাংলা বিভাগে এমন হয় ? ভালো জিনিসেরও ব্যক্তি অনুকরণ করতে নেই?' দর্বেশ মহোদরের রচন র অপ্তঃস্থাহণ মহোদরের রচন র অপ্তঃস্থাহণ অপাঠা ভাষা ও ন্যাকামির স্প্র প্রিন্তত ছিলাম কিল্কু তথেরে বিকৃতি, দিগা তথা উল্ভাবন ও বাংলারেলর বাইরে হার বংলা সাহিত্যার পঠন পাঠনে যাছ ভালের প্রতি অক্ষম বিশেব্যরে পার্কর পোরে তথিব করতে বাধা হ'লি।

নিপ্লাী বিশ্ববিদ্যালয়ে আধ্যুনিক ভ্রভার থাষা বিভাগ নামে একটি বিভাগ আছে। কেই বিভাগে নাটি ভাষা চচার ব্যবস্থ আছে। ভার মধ্যে মালরালাম একটি, বাংলাও একটি। বিনি মালরালাম শাখার পরিচালক, ভিনিই বংলা শাখার পরিচালক। আভএব "বাংলা বিভাগোর পক্ষে "মালরালাম সামিতা বিভাগের" শামনুক্রবের" প্রশা নিভাগত ভার শতর।

দিবতীর বিশ্ববিদ্যালয়ে শ্রীবৃত্ত কিংশার মাধ্যম নিমন্তিত হ্মনি। এ থবর্টি মিখা। তাকে নিমন্ত্রণ করা উচিত কিনা সে প্রশন শব্দুল। শ্রীবৃত্তি দুরবেশ নিজ্পর কর্পনাশজির বাল তারো বালছেন এবার কালে কিংশার মধ্যমার কবিতা মাল্যলানের অধ্যাণক আলোচনা করবেন ! মালরালাম ভাষ র দিলাতৈ এফ-এ বা বি-এ পড়ানো হয় না। এগানে মালর লাম ভাষার এক বছরের সংটি-ক্রিকেট কোসা আছে। কাজেই কোনে ক্লামে এই আলোচনা হবে : মালারালাম ভাষায় হারা বর্গ পরিচয় শ্রে করথেন সেই ক্রামে : আমি মালারালাম ভাষার অধ্যাপক সহক্রমা শ্রীয়ান্ত ও এম আনুষ্কাকে এই ধ্বর নিলে তিনি শ্রীয়ান্ত দ্রবেশের সংবাদ-উল্ভাবনী কোশালা চ্যাংকত হারেছেন।

ভতীরত, "দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়ের বংলা বিভাগে এমন হল ১০ কী হল ১ আংশনিক সাহিত্যের জনসাচনা > সংহিতি।কালর শ্রীযুক্ত দর্ভেশ মাহাসায়র निम्मण्डाम् २ অবগ্রির জনা জানাই—হয় : কী হয় তার बास्तः स्टाबिकः स्टब्सः निष्यस्याद्यास्य । यस्यः এম, এ সিলেবস দেখলেই সেখতে পেতেন আধুনিক সহিত্যকর। পাঠতেলিকাত্ত কিনা! শ্রীঘ্র শংকর কর্পা উয়াশ্রকর বোদারী ভীয়াভ সেভার মাখে-পাধ্যায় আম্যাদের বিভাগে কামণিয়ত হয়ে এক্ষেন্ত্র, কবিতা পাড়েছেন, কবিতা আগো-চন: করেছেন। গত ৮ তাবিখে অনির চক্রবভী এই বিভাগে আমণ্ডিত হরে **এসেছিলেন। সেই সভার জীবকে প্রবেশ** মংগ্ৰায়ত উপাদিখন ছিলেন। পঠাতা লক্ষ **जन्छकुं छ** कता या निमन्द्रम कत् है एम करिएक সম্মানিত করার একমার পথ নয় তা জানি। কিন্তু সাংবাদিও প্রবর বরবেশ মহাশ্যের **অপ্রে স্ত**র্গন**ঠের প**িচ্চর দেবার জন্য এই নীরু<mark>স পরের অ</mark>বভারণা করতে ইল : সে জন্য মাজনা ডিকা করি।

> শিশিরকুমার দাশ আধ্যনিক ভারতীয় ভাষা বিভাগ বিজ্ঞী কিববিধালয়, বিজ্ঞী-৭

বিশ্বসাহিতে। ব্যৱসার অবদান।

বিশ্ব গ্ৰাণী জ্ঞানী সম্বিতি প্ৰশাসিক সোধক। এন ম্যুক্তাক্তাৰ্যান্তৰ বভাষ্টাদ বই

অপরিণীতা

বাহং উপনাস। ১৫০ প্রতা। শাম স্কটারো টালা

বক্তলা ও বজাগেরি সমস্যাপার্য ক্রাথামত, মরমারীর ক্রেম অংলগালিত হলায়র, ন্তো ডিস্ডাধারার ভারত্যীর ভাব ও বিশ্বসোধর এক অপুর্বি অনবাদ্য সম্যাবশ।

জ্ঞালি গণিতকাব্য । ৩৫০টি গান । ২২০ পূর্ণ্ডা। দাম প্রতিটাবা।

রবন্দি-সঙ্গীতের সংধ্যাকণের অবশ্য পঠনীয়। ববীন্দ্র রসধারার জোতবাহ প্রবাশ্য। ভারল ভিনাই ১৬ গোজি এন্ট্রিক কংগজে ঋণগাই ও সংগোগ্য ববিহী।

দি **ব্য হাটস, ১**৫, করে**জ স**কটোল কলিকান্ড-১১

(সি ৭৫১৯)

क्टायंस दिएं सिएं।ता



লোকেন টোব্যাকে। কো: প্রাইডেট লিমিটেড, বেংশাই-৫৬ **ছতারতের এই ধরণের বৃহত্তর জাতীয় উত্তর**

কুবালেক কেন্দ্র নিজের

ক বাবক বালা কাল কুবালেক ক্রিক

কিন্তু কালেক কালেক বিজ্ঞান করে কালেক ক্রিক

করে বাবকে শেকবাল তুলাককেন।

করে বাবক ক্রিক

করে বাবক করে বা

শালা বছর আগে আমি ছিলাম মালোর লিটারারি ইনান্ট্রিউটের একজন অভানত অথাতে ছার। একজন ভরণ ব্রক্রের সাইবেরিরাতে কাজ করতে বাওলার ঘটনা নিয়ে ক্রমি একটা উপনাস লিখে শইউনোন্টা পরিক্রেরার পাই নিমান উদ্যোগে কাজ করেছি।) সাইবেরিরার জাবিন কি রক্রম তা আমি হাবহা দেখাবার করিছি। সাইবেরিরার জাবিন কি রক্রম তা আমি হাবহা দেখাবার কর্মেত চেন্টা করেছি। সাইবেরিরার জাবিন কি রক্রম তা আমি হাবহা দেখাবার কর্মিত সেখানকার কর্ম্ব ও দরিয়েলার কর্মা সম্যোক্ত ভার মধ্যে তারে উঠিছিলা যে অবস্থার উয়তি একদিন হাবেই—এবং একদিন এই সব্ধাপার থে কার্যান্ডেই সাক্রেরা পাওলা হাবে।

শইউনোশ্টা পতিক র সম্পাদকর। আমার লোখ টি খাবই পদ্ধন করেছিলোন। যদিও ভারা নিলেন, ওটা প্রকাশ করার কেনো প্রশান ও ঠানা। উপনাসটি ছাপা হলো করাপক পতিথাটি বংধ করে দেবন আমাকে গোমার ভারিষার অংশকার হয়ে যাবে। সাইবৈরিয়ার জাবিন অভানত উপনালভাবে দেখাতে হরে লেখার মধ্যে, যাত তরাণ যাবকার সেখারে গিয়ে কাজ করার প্রেরণা প্রা।

"কিন্তু সব চয়ে বড় আপত্তি ছিল এই বে,



আমার উপন্যাসটি প্রকাশিত হলে পাঁকুমের প্রচারবিদরা এটার ওপর ঝাগিরে পড়বে এবং ভারস্বতে চাঁচাবে, "দা খো নাখো, এই একজন সং লেখক কি রকম সভাি কথা লিখেছে—না খো, রাশিয়ার জীবন কি ভরকের শ

"তাঁর। বলালেন বে, এটাকু শুধ্ সম্ভব আমার উপনাল থেকে বদি করেকটি বিষয় এবং রটে পরিজেল বাদ দেওয়া বার—এবং সেখনে কিছ, উৎসাহবাঞ্জক ঘটনা এবং কিছ, শেলাগান চ্বিরের এতে কলানিলট আশাবাদ ফ্টিরে তেলা বার, তা হল ছাপা বেতে পারে।

"অভিজ্ঞ লেখকরাও আম কে পর মর্শা দিলেন যে এটা করাই আমার পক্ষে উচিত। তাহলে আমার লেখর কিছুটা অংশও অবতে পাঠক দর কাছে পোছাবে। এবং রাশিরার পাঠকর ও জানে ও ব্যুখাত পারে, একজন লেখক কতখানি সং বিদ্যাস থেকে লিখেছেন আর কতখানি কতু পক্ষকে খুশা কর র জনা যোগ করেছেন। স্বাই এরকম করে তারা বল্লেন।

"কিন্তু আমি তা করতে রাজী হইনি। বেশ কিছা দিন উপনাসটা পড়ে রইলো। ত রপর আমি অনিজ্ঞাসভেও আর করেকটা পরিজ্ঞান ভিংসাম—এবং সেগ্লো এতই অবংশ্তর হলো এবং তার আশার বাণী এতই কৃতিম শোনালো বে কোনো পাঠকেরই সেটা মনে ধরতে পারে না। কিন্তু আমি তথন ছিলাম তর্গ ও অনভিজ্ঞ এবং সম্পাদকরা जाब र ता छेनातांगके के बागांक संबेकता ता

শ্বত্নত বন্ধনার মধ্যে আমার দিন
কাট্ডিকা, আমি সবার সংগ্র কাণ্ডা করতার,
তার হিশিব্যারকালা হরে উ টিকনার- শের
পর্যাত্ত মশ্বেটা হৈছে চরে পেলাম। ত রপার
একানন আমি হঠাৎ এক কলি ইউ,নাল্টা
পতিক কিনে খালতেই আমার চোখকে
বিশ্বাস করতে পারলাম না! আমার
উপানাসটা হাপা হাছে! পতিকার শ্বলৈ
দাঁডিরেই আমি সেটা সংশ্রাপান্ড কেলামা
—এবং পড়তে পড়তে আমার চুল খাড়া হরে
গোলা!

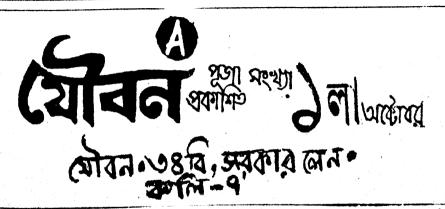
"আমার সম্পূর্ণ অস্ক তসারে, কে বেন



এস সেন জে পি ম্যারিজ রেজিস্টেশন অফিসার

১৮বি শামচ্যান দে শ্বীট কলি-১২ কলেন্ড শ্বীট মহাস্থা গান্ধী রেড ক্সেন ক্ষেত্র: 34-6496 Resi 34-4045

রেজিন্টি বিবাহ অফিস



कालाव क्रेन्सा नहीं जिल्हा को उत्तर का फ कारक ट्रिकेट का का देन्द्रमा देक्टमा का काल-एडवार्डिंग के नमें क का नामा देना काल-एडवार्डिंग के नमें क का नामा एउन देना कालाक का का का का का नामा का कालाक का का का का का का नामा

বলতে লাগলেন, হ'ল সহিতো তর্ণদের কাবনবাচ কেটাবার বাংপারে আলি নতুন পল বেশিক্ষেতি

শ্বীত কৰে। এক কোলাখালী বটলো। লাই আহল (করালী কলালিক চলক এ বলি) আনাকের একটি চকালী বই পাটালেন বেটা একথান বাল বিয়োলী চালালাক হিলেনে পরিচিত। দেখা গেলা বইটি আমান উপন্যালেকই জন্বাল।

লেখক ইউনিয়নের করেন কমিলনের সামনে আমাকে হাজিব গিছে বলা হলো। নিংশকো তরি বইখনি এবং তার একটি ভামকা আমার হাতে তুলে সিজোন। ভূমিকার कार्यातक किरम्हरू गर्म, किस वरुप्ति रंगाविरको केमानार गरकरूर छात हर। व्यावक केमानार्की छोटक न्याहरू रंगा र्वाकक कर्मक नक्ष्म केमान विकास क्ष्मा । अवह कर्मकर व कर्मक क्षित्र वस्त्राध वर्षात्र । वर्षात्र कर्मकर हो। वर्षात्र वर वर्षात्र वर

"सामहरूक कामी क्रांबि निर्म्म अस्मी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वाध्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

শতান্ত্ৰাপক কিন্তু জামানে বিকট ব্ৰুগতে পেরেছিকোন। আমি বলে বলে ভাবতে লাগানান, এবার কি হবে? ওরা কি আনাকে কানী করবে? কাবনা কোপক হিসেবে কাবার ভাবিষার ভাবকারে করে লেবে?

"অনেকক্ষণ বাদে নরকা খুকালো। কামকে আন একটি মনে নিরে বাওছা হলো। তীয় জিলোস করবোন, "ভাষলোই ভূমি তার একট ধ্যনিকানিবারাধী বই কিগেছোট

্ৰাজনাবাদে অনেক জানগা বনি দেওয়া হংক্তে। অন্তি বল্পামে

—ভাহাল ভূমি কসাত পাটো। বাস এক।
প্রতিবাদপত কোনো। আকোনা সেই তবি
প্রিকার স্কুপারেন। ভূমি ফবাসী সাদাবাদে
একটা বিব্যক্তিক সোকেন্দাত ধর প্রকাশাকর
নাম্য ম্যাক্তা করা কাষ্ট।

প্রতির আন্তর্জে একটা লগে কাগজ লৈকটা এবং কি লিকতে হংব বলো বৈতে কাংগ্রেট আন্তর হাত কলিছিল, আফি শুনি গুনি লৈগে হাজিলান। কোগা দেই হওবাৰ সংগ্ সংগ্রেই ডিডিটা প্রতিষ্ঠ ব্যবহা হংকাঃ

রচনাটি অভাগত দীর্ঘ নিয়েন ভাগণাত স্থানি অংশ এখানে দেওকা সম্ভব নিয়।

সনাতন পাঠক

প্ৰকাশৰ কৰা তা গোৱীনাথ পাণচী প্ৰশীক

সংস্কৃত সাহিত্যের ইতিহাস

ডঃ সোর্থীনাথ শাস্ত্রী রাচ্ড ও Oxford University Press প্রকাশিত A. Concise History of classical Sanskrit Litrature এর বাংশা সংস্করণ। প্রাক্ত-কথনে রৈদিক সাহিত্যের আলোচনা গ্রন্থটিকে পার্ণান্ত করে ক্রেকেন। সংক্রেপে লেখা অথচ সকল প্রয়েকনীয় তথা সমাবেশে সম্প্রস্কল প্রকাশভাগী অথচ উচ্চমানের এই গ্রন্থটি সংস্কৃত ও বাংলা সাহিত্যের স্থানের পঞ্চে হবে অপরিহার্য সাহিত্য ব্যাবাশের কচে অবশা পাঠা। স্কলা আই টাকা

সারশ্বত লাইবেরী । ২০৬ বিরাম সর্গী । কলিঃ ৮ কেনে । ৩৪-৫৮৯২

A.A.A.

পূর্বোত্তর সীঘান্ত রেলওয়ে-

নোটিস

হুল। অক্টোবৰ, ১৯৬৯ তারিকে যে ২৮নং সমস হালিক প্রতীত ও বাবতে ধাইকেছে। ইয়েছেত উল্লেখিত নিউ কালপাইকাড়িবলিলেটোই কাংনাটোলৈ সক্ষাধি সকলাকে জিলার সময়সূচী ধর্মকত গ্রামক কান্যন মাইকেছে কে, জেলায়ালি স্কাতি জাতত ন দেওই সক্ষাহ নিশ্ন প্রসামাত ব্যামনে মিটিউলি অন্যায়াট্ট স্থাটিল কারিকেঃ—

2-15 S-16 y-12 3-10 9-15 3-18 0-18 भारत MIKA भारत প্যাবে লোকাগ পাচস ৫-০০ ছঃ দৈউ চলপ ইং ্ পেশঃ ২০-৪৫ ২৪-৪০ ১৭-৫০ 2.00 ্ড-৫৫ প্ৰেণীঃ শিলিলগুড়িক ছাঃ ১৯-৫০ ১৭-১০ ১৭-১৫ \$4-80 50-00 189 33-50 35-30 6-06 63 79-90 #: 50-55

\$4-80 ১-64 পেণ্ড জাসিজা ছা ১৫-৪৬ ৯-১৫
4-২০ ১০-০৭ ছা: পেণ্ড ১৫-৬৬ ৯-০৫
৫-১০ ১২-৫০ পেণ্ড লাফিনিলা ছা: ১৫-১০ ৮-৪০

১০-১০ ১২-৫০ গোর নামেনার হার ১০-১০ জ্বত ব্যবস্থার ভারত হল প্রক্রার কর্মান্ত হল প্রক্রার কর্মান্ত হল প্রক্রার কর কর্মান্ত হল প্রক্রার কর্মান্ত হল প্রক্রার কর্মান্ত হল ক্রার কর্মান্ত হল ক্রার ক্রার্থ হল কর্মান্ত সামিন স্বার্থ হল কর্মান্ত কর্মান্ত

সময়-প্রাক্তিকার নিম্মলিখিত সংশোধনগালিত কলিম ধাইটে ইইবে :—

তত স্থেতিয়:—(ক) কৃতীয় ছোণাঁও স্পিলিং কং ১৯ আগ ৮ ২০ ভাং স্থাসেজ্ঞ ল-বোলো শিলিগাল্ডি জা ৮ ডিউ জোইগডিডজন নামল নিটি বঙ্গাই-গাঁও ও ডিমামানিয়া জং-এন নামে এগড়ো কৰিবে।

্ষ, ১৯ আগ e ২০ জা পাকেজার রোনে শিশিকাড় জগ ও নিউ বঙ্গাইনত-এর বসলো নিউ বঙ্গাইনাত ও ডিনাস্কিয়ার মধ্যে বিয়ন্ত্রশালার করে ভাইনিং কারের ব্যবস্থা করা হাইবে।

डॉक क्षारतीयेः म्यापिर गेरन्ड-हे।

হিম্মানের লোল প্রকৃতি

Land said People of the Himslays: S. C. Bore: Indian publications. S British Indian Street Calcufts L: Price In 50.00.

दिशामा ना भागाम जामात्रम सहस्तरा **इ.ह. जा। खाडाट्य अ**सीटा MINAE! विश्वानक्रमिका क लिए म THE THE PARTY THE E সবাই SERIOR-WINE Brares TO BE माना द्वत Frence HE INCHE হাগ্র-धा-विश्वास ভাম-বাক্থা आधानिक कारणेंद्र क्रम विस्तृत शक्यम जवहे **८हे दियानत्क चित्र। दियानत्त्र क्राप्ट रा**ष्ट भाशासामाह बाद एकछ छाडे, दहेरदन ह्यारकट क्रमाविकात शायम्। महार क्राह्मभएक हारथ দিত্তে অনশ্তকাল অনিপ্ল দাড়িয়ে আছে হিমানর। স্বস্কি পেকে হিমান্তের পরেছ জনেক: চিজালয়-রহস্য জালাদের জালো ক্ষান্ত হাজার কারে। ভারত ত সদবদের আমাদের জ্ঞান ভাষা-ভাষা। ভাষা ভ্ৰমণৰ হিনা, আধা উপন্যাস জাতীয় এক ধরনের মানা-মানা শ্রেখা খোকেই আমরা বেটাক হিমাক্ষ সম্বাদ্ধ জনাত कारिता ভাষ্ট এর এক প্রামাণিক ্ভাগোলক, স্মালিক এবং অধানৈতিক দিক আছে।

Carpon Const. STORY. trans! * 78 T কত্তর কেল্টা \$1.0000 m 20.00000 Magir নম বেকে হয় : পথানীয় । का करा 'ক্র'-ই ক্রে, কথ তেরিভেছিল। **এই 数**1581 58 9857年 ্রেছে একেছে আ আন 'संक्षा' विरामान शास्त्र उत्तरकारी के सा अहेरका ক্ষারো মজন্ত প্রত্নগ্রহণ হ'ড্রে রয়েছে বিশাল হিমালয়ের দিকে দিকে। ব্যবিভাগ क्रदर क्रीण्डमीयमात । क्राह्म १५५५ भारक्या ভালাকের এবং ভারের বিশ্বাস বহা রেমের প্ৰতিষেধক এক হিমালয়েই ব্যাহে ৷ ইতি-মধ্যে বে-স্ব ওবাধে হিমালকের গাছ-গাছড়া ৰাৰহার করা হল্লেড ভার এক দীর্ঘ তালিকা দেখেছিল্ম চোরটিয়ার। তারপর, পশানর আড়ুড হচ্ছে হিমালয়; এক এই কাবস থেকে ভারত সরকরে প্রচুর বিদেশী মুল পান! অমানের সেনাবাহিনীর লেকের হিমানর অপ্তলের কোথার কোথার কি নার্থ কাজ करत ग्रह्माइम रहारथ मा रमश्रम विभवास करत কার না। আছে। পালেগালী, গাম্পী, গাম্পার জার পাহাড়ীরা, হারা জীবনহাতার তাগিলে শাধ্য পাহাতে পাহাডেই ছারে বেড়ায়। দর ভালের সভো সভো থাকে। পাল পাল ভেড়া নিয়ে ভারা চলে যায় পাঁর পাঞ্জা থেকে লাহালে কথনো বা আথট-ঠাট্-এ আমরা সমত্যার লেভকর ভালের সদর্ধে থার কর্মই ক্ষানি। শ্নলে অধ্যক লাগে, কিন্তু খবর



নিয়ে কেনেছিল্ল, হিমালর জনতে এমনো মহাভারতের কোন কোন লোকিক রাভি-নাভি ভাল, আছে। কেনন, অ্'ললে বহু, দোপদী মেলাও জনতে নার।

ভঃ স্বোধকশন্ত কর্ এক হিমালর নিমেই সৈতে আছেন বহুকাল; সারা জীবন কাটিরে দেওরা বার এই নেশারা। এ-সম্পর্কে তার ভান সব সময় আমানের প্রত্যাপাকে ছাপিরে মারা। কিন্তু আলোচা বইটি তেমন বড়সফ্ নর, আদত হিমালারকে এই পরিধিতে এটে ওঠা শস্তা। কিন্তু ভঃ বস, বেহেতু একই সংপা ভূগোলবিল্ এবং হিমালার-সাধক সেতেতু সারা বইতে তার বরেন্ড অভাব নেই। এই অলপ स्वातनां हिंगां स्वातनां स्वतानां केवान एक्ट निक्षितं स्वातिन शीतरान एक्ट्र क्ष्माने राज्यात् राज्यातं नहीं क्ष्यां व्यात् स्टल वालाहात करायातं गृही क्ष्यां व्यात् राज्यातं स्वीतात् व्यात्मातं स्वात्मात्मा राज्यातं राज्यातं व्यात्मातं व्याप्तात्मा राज्या स्वयं क्ष्मा क्ष्मातं विद्यालयः राज्या स्वयं क्ष्मातं क्ष्मातं व्यात्मातः राज्या स्वयं क्ष्मातं स्वयं व्याप्तातः क्ष्मातं राज्यात्मातं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं क्ष्मातं व्याप्तात्मः क्ष्मातं राज्या व्याप्ताः स्वयं स्ययं स्वयं स

090 HH

केशनाज

কিংবদভার নারকঃ সৈরত মুক্তাকা সিরজেঃ কথাজিক। ১৯ গামান্তরত দে স্ট্রীই, কলকাতা-১২। তাম আট টাকা সঞ্চাল প্রসা।

একটি কেল্টার চরিত্রের চোধ দিয়ে সব

বৰ্তমান শতাব্দীর একটি অসামান্য বই হোচি মিন ও ভিয়েতনাম

ৰর্ণ সেন এর একটি অবিসমরণীয় গ্রন্থ

প্ৰকাশিত হল ॥ সাত টাকা

পরিৰেশক : মৌসুমী প্রকাশনী, ১৫/২এ কলেজ রো, কলিঃ-১

এম. এ.

প্রশ্ন-উত্তর

ভারত্যীয় বিভিন্ন বিশ্ববিদ্যালয়ের সিলেবাস অম্বেন্নী লিখিত।

HISTORY PREPARATORY SERIES (M.A. Modern History)

ভালা ১ ছিল্টি হাব বেগল (১৭০০-১৭১৩) ১৬-০০ , ইছিল্টি ফফ ইন্ডিয়া — (১৮৫৮ ১৯১৭) (উইল প্ৰপাল বেলা-বেলা ট, ইন্ডিয়ান নালনাল ক্লেটে) ৬ দি ফিডল ইন্টা

- (৬০০ বিশ্বাল ব্যাল বেবল উ, ইণিজ্ঞান নাগলাল লাভুলোট) দি মিডালা উপ্ট দি কাৰ ইপ্ট দি সাউপ ইপ্ট এশিলা (ইন দি নাইনটিনথা এণ্ড ট্ৰেমটিল বেনাট্ৰিস্)
- ভা্ত্ত ৪ কনন্টিভিউসানাল **হিন্দি** ফক গুট ভিটেন ১৪-০০ (১১৮৫ টু আৰু টু ভেট)
 - ও ই প্টার ন্যাশ নাল রিজে-শনস্ — ৬ ডিপিট জভ পলিটিক্যাল
 - भागे हुन वर्षाक्सहरूको है आहार क्षेत्र क्षेत्र कार्यक्रहरूको है आहार क्षेत्र क्षेत्र कार्यक्रिक
- ক্ষণানিইজেশন

 ৮ মভাৰ' ক্নলিটটিউনানন্ —

 " ১ মভাৰ' ইউরোপ (১৮৭১) —
- এম এ ইংরাজী e অন্যান্য প্রেডক ভাগিকার জন্য নিখ্ন

চলন্তিকা, ৭ নবনি কুণ্ড লেন (কলেজ রোর ভিতরে), কলিকাতা-১

 Section to the part of the con-

THE RESERVE AND ASSESSED.



्रात्र ... रेडेवि आरे आर्फ् ग्रहरे कल्ड

সমাজের সকল শতরেই বাতে আবিশ্ব উমেতি সম্পন্ন হ'ব তার স্বোগ্য ক'তে দেওবা প্রেরালন। হোট হোট কাছবার, নিদ্যোগ্যাস, চাববাস, ব্যুক্তা হোকানদারী পরিকার পরিচালনা কিবো জীবিকার্যানের জন্যানা বৃত্তি —এ সবকেই উর্ভিন্ত, সমাধ্য হ'তে স্বোগ্য দেওৱা গর্মনার।

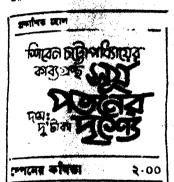
১৮০টিরও বেশী পাথা আফিনের আবাদে আর সেবারতী করিনের সহারতার ও করেছ বেখানে বতটাকু অধানাকুলা প্ররোজন ওা প্রেবের জনা উটবিজাট সর্বাদা সচেন্ট। আর্থিক প্রয়োজন বিষয়ে আলাপ আলোচনার জনা আমানের বে কোন পাথা অভিনে চলে আস্না।



ইউवाইটেড ব্যাঙ্ক অব ইণ্ডিয়া

হেড অফিস - ৪, নরেন্দ্রন্দ্র নর্মণ (প্রতিন ৪ কাইড ঘট প্রটি) কালকাডা-১





য় বিভিন্ন প্রকাশনী । ৭, নহান ফুকু লেন, কলিকাডা~৯

(IN MAGE)

कार्यक यह अवस

৩৫ মি মি হৈছে সিনে প্রোক্তের। নিজের বাড়িতে পদ সিনেমা দেখার আনস উপজ্ঞান কর্ম। উচ্চের



জনজেল কর্ন। ওচেন ব্যক্তির বা ইলেকট্রিসচিব সাহাছে। আস্নার পঞ্চল-মতো চলতি ছবি প্রদান রাজে বেমন দেখেন তির সেইভারেই পলার প্রের সাইজের ছবি চলবে, জ্বিকার করবে, নাডবে।

শেশ পাচ , এরাজিটির পাম ৪০, টাকা। এব নিলা নিকম বিনান্দো। অভিতিক বিদম প্রতি মিটার ১, টাকা।

Super Sales, Dasen Street (DC-40) P. B. 1165, Delhi.



विद्यक्त उ म्ह्य विक्रण जित देवत एरेल अनुण जून जेंग्रा वक्त करत माथा जाउन तात्थ जिस्सालकी व म्हलास्टर

উপৰ প্ৰতিষ্ঠিত

क्रमान व कार्थ अस्तित পাত বাদাৰ इक्नामता. धनकक्रीन ट्यासता शता-स्मायस মালিক গরলারা মাছটোর জেলনীরা, কবি-विकासी नर्वामका - मवादे এहे बार्छत महन्त्र নিক্লেন্ত কৰিছেলভ বে ভড়িয়েছে। তালের र्व के शकाव के सामवात्रात कर्ष है आर्थ निराहे करे केंगनारक कार्रिमी स्थान करहा ह সংগ্ৰহ নেই। তথাপি বিভিন্ন মততে বিভিন্ন-রাপে উপস্থাপিত চন্দ্র লিকার মঠই মাল গানেন। বইটি শুভবার সময় এবং **পাঠ শেব** করার পরও সেই বিপাল ফসলের মাঠ পাঠাকে মন অধিকার করে থাকে। মনে হর. সেই মার বতটা জীবনত, ততটাই লেখ্যকর मार्थकरः।

বার্ত্তলা উপন্যাসের পটভামি প্রসারিত করার माहरूम शहाम रहेतिएड शक्य एक्ट्रिके स्वाप भारत । महत्र । वांचा विशेषक प्रवादिकास টেনামহল থেকে অনেক দারের প্রামাণ্ডল ও সেখানকার মান্র বলা বাহুলা, বাওলা উপন্যাসে নতন নয়, কিল্ড সারা র ভ জেগে এবং দিনের বেলায় বিপাল মাঠের ফদল যারা পাহারা দের সেই জাগাল সম্প্রারের প্রাত্যহিকভার থার্গটনাটি বাঙল উপনাবে নতুন। তবে এই নতুনের সংগ্রাউপন্য সটিতে সামগ্রিকভাবে মৌলিকতার প্রদন জ⁹ভত। এই প্রসংগা উল্লেখ করা সপাত যে, বইডিডে কাহকগালি তারাশকর বদেলাপাধ্যাকের উপ্নন্তমর প্রভাব বড় প্রথান তাৰ হয়ত উমর ধিকার বলা ভাল।

্লাথকের সংস্কৃতি লক্ষাকরলে, বাক সংস্থান অভাব, উচ্চাসিত আনবংগর লোভ বিক্ষিত করে। বিক্ষার অবশ্য কিছ্টো কেটে সংগ্রহণ ভূমিকা থেকে লানা হার হৈ এটি লোগকের প্রথম উপন্যাস এবং দল বছর আগের বস্থা

্রইটিটে মাল্লখানের সংগ্রা করেকবার মাকাসের নাম উচ্চারিত হরেছে। অথচ শেষ গ্রাণ্ড জামানর কন্যা মাল্যমী ও শ্রুবিশ্লুর সংগ্রাকার মধ্যে জেগাঁ সম্বর্যার ইপিয়ত রুবে গ্রেছা।

প্রথম ব্রটি পরিক্ষেস— আছিবনের এক বিকেলা ও আমেন, আমেনা—উপনাচেটি থেকে বিজ্ঞিল করে দেখলে ব্রটি স্ক্রের ডেটা গালপ মনে ইয়া।

298102

शांश प्रतीकात्

রবীশ্রনাধের আছব্প ও রবীশ্রনাট্যে বিবর্তন। মনীগ্রেপাল বংল্যাপাধ্যায়। ন্ত্রাণ্ড প্রাইডেট লিমিটেড : ১, শংকর খ্যের লেন কলিকাতা-৬। ম্লো ১৬-০০।

গিরিম রচনাবলী (১ম গণ্ড)। সর্গাহতা সংক্ষাঃ ৩২০, আচার প্রফাল্লেচন্দ্র রোড, ক্লিক্ডে-৯। মূল্য ২০-০০।

ৰাখিক কিলিমিল

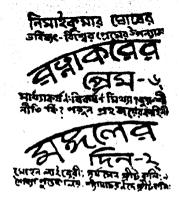
5090

নাম ০.৫০ (ভি পি পি-বোস ৪.৫০)
বিখ্যাত দেশক ও পিন্দানিক দেশক ও কেবনে স্ফুলিকড হলে পাঁচিই কেলেছে। বিনাম্প্রেচা ০৫০ প্রান্তান এই বার্ষিকীটি প্রেচ হলে জাকট ৬.৫০ পঃ পাঠিকে বার্ষিক গ্রাহক হও। এক্ষেণ্টরা বোগালেগ কর্ম।

ही श्रकाण चरम

১১ জামান্ত্ৰৰ লৈ পাঁচি, ৰলকাতা-১২

(जि. ४**५०२)**





এ,সরকরে এণ্ড সঙ্গ সন মাণ্ডফাণ্ড সস জ্বক্টে এম. বি ,সরকরে ট্রাডিশ্যনান প্রুমেন্যর

১৭১)১ও রাসবিহারী **ওডিস্ক** বালিগঞ্জ কলিব**বজ** জনদঃ ৪৬-৬২০৮



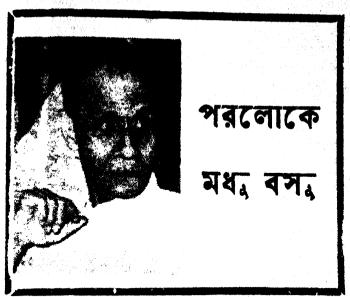
क्षनिक ओलर्धे हिन ऋगी थ्यंना कन ?

কৰ বৰ কাথা কৰে আৰু পতৰ ছাজ্যাই চুল ছাকিছে বাৰ বাৰ লাকাৰ লাকিছে নিজেকে সুক্ষৰ কৰে লাজিৰে ছুলতে অনেকেই বাজ। এতে কিছুদিন আপনি অনেকেছ মুক্ত প্ৰশংসা অৰ্থন কলকে নক্ষেত্ৰ কৈই, কিছু ক্ৰেৰেই আপনাৰ ছুল আ'ভ নক্ষাভ লাবলীপতা ছাভিছে ব্লান কৰে উঠবে। এ সৰ্বনাপা পথ একেবাছেই কণছাবী। চুলেৰ সৌন্ধাৰ্থকে ধৰে লাখতে ছলে নিভাৱ সঙ্গে নিছলিখিত ক্ষেত্ৰট নহজ্ব নিছৰ আপনাতে বান্তেই হবে।

- अधिकिय अक्षकः इ'वाद काम क्रद्र हुन काक्कारमा
- शि किरक इस का बांधा
- ভি স্থানের আংগ অস্তত্য পাঁচ বিনিট ক্রম্যক্রত্ত্ব মেল মালিক ক্রম
- 📵 मखाद्य मास बक्षित माथा प्रका



সি. কে. কেল কণ্ড কোই জাইকেট লিঃ ভবাহুস্থ হাউম, কলিকাড়া-১২



শতিতিনিকেতদের ছাত খিলেন নথ, বস্
(তাসল নথ স্কুম ব)। গানে প্রতিনের
এবিনন সকলাক মাতিরে রাখাতন, বেলাল থালার এগিলে হোতেন সকলের আগেন, বেলাল কিত্রেল পারই কলকাতার সাংকৃতির কোন্ট তবি আগ্লন শ্লাকেলুর লতাং নিচে আনিন্দ্র করতেন, গান গাইতেন, নাউন প্রায় জনা কার্ছেন, সিনেমার পরিচালক তিসাবে তাং শ্রামধনা ছিলেনই—বহু গালের আধার শ্রীবস্য বাংলা সিনেমা ও নাটকের জগতে থৈ নতুন প্রাণের বন্যা এনে দিয়েছিলেন পারন্ধ আন্লের রসজ্ঞ বাছিরা আজও তবি সাক্ষা লেকন।

ইংরেজীতে যাকে ধাল "কালারফ্ল লাইফ", মধ্ বস্বত ছিল তাই। 'বজ্ঞানের ছাত এলেন শিলেপর ক্ষেত্রে। নিজেই নাটকের দল গড়ে ফেললেন—'ক্যালক ট মাট' ধিকালার্সা" (সি-এ-পি)। মাঞ্জ অভিনয় করলেন "দালিয়া" ও "আলিবাবা"। সি এপিত্র পরের নাডক "বিদাংশপাণ", "ধারেবাইরে"। তার ফিলেরর কাঞ্চ শারা হারেফিল
আগে। ১৯২৬ সনে চলে যান বিলাদে,
সেখনো আলাফ্রেড হিচককের সন্ধান কাঞ্জ করেন কিছ্কেলে। তার আগে (১৯২৪ সনে)
তিনি সিনেমার ফাটাগ্রাফরের কাঞ্চ করেছেন বিহারলা। বিলাভ ধোকে কিরে ছবি করলেন রবন্দ্রনাথের "গিবিবাল্য" (নিবাভ)। কিন্তু তার জনপ্রিয়ত। ও প্রতিটা এল আলিবাবা"র পর। এই হবিতেই তিনি ও তার দ্বা সাধনা বস্যু প্রধান দ্বিট ভূমিকার মডিনার করলেন। বাংলা সিনেমার আরও করেকন কৃতী চলচ্চিত্রকারের পাশে তিনি



"বীরেশ্বর বিবেকানদদ" ছবির সেটে মধ্য বস্ত্রে-এটাই তার শেষ কাহিনীচিত্র

পথান করে নিলেন। কিপ্তু তর্ তিনি কেন ছিলেন আর সকলের চেয়ে প্রত্যা-নিজ্ঞান মেজাজ, রুটি ও প্রাণপ্রচুরে। বিভিন্ন ভারর প্রার তিপটি ছবি তিনি তৈরি করেছিলেন। তার মধ্যে "অভিনয়", "কুমকুমা" ও "রাজ-নতাকী" "ফিল্ম এপটারটেনমেন্ট"-এর ধারাই প্রায় পালেট দিরেছিল। তীর উল্লেখনে গা উপা, ছবি "সোলিমা"। পরবতীকালে "মাইকেল মধ্স্তন", "শেবের কবিভা" ও "মহাকবি গিরিশাচন্দ্র"-র প্রত্যা মধ্ বস্থ বাংলার দশকিদের অন্তরে প্রশার আসন সেরেছিলেন।

বাংলা সিনেমা ও থিয়েটারে মধ্র বস্ত্র



माधना बम् ७ मध् बम् (১৯৬৬)

কারে গিকিল ক অভিকাত পরিবারের श्चाबक काजरकहे टबाम जिटहाँकटनान । वयः वर्ता करिनको अक्सन किल्लम । क्षेत्र माना क्रिका विकास करवीया शिक्षम्यमाय सन्दर्भ शास्त्रक किलाम देशनामिक न्यन ह महान-8303 ALC: 100 VA (जिल्लीका नामक-जिल्लाकारक की सर्वाता জিলেভিজেন ভার ঐতিহাসিক বিজেপ্রণ B74 | WIN WANT हरू अक्रीमन क्रीत क्षेत्रक क्षीवरमंत्र करमक चर्डमारे क्रामा। তিনি নিজেই ভা লিখে গেছেন ভরি আন্ত कीवनीरक-"कामात कीवन"-ध। द्वीवग् विभागे दाक्ति मरम्भागं स्व अरम्बिलान **८हे आश्रकी**वनी 7057 ৰার । আরও জানা বাহ বাংলা সিনেমা । ও ब्रिस्कोहतम् अकृषि बारगत है हिराह. अरा ছাতে শ্রীবসার ভূমিকা। শ্রীবসা পরিচালিত "বাংবেশবর বিংবকানক্"। পুষ্ **ভ**াব (2548)1

শেষ জীবন শ্রীবন্ ফিল্ম আগ্রিসিফেশন আলেকলমের সাংগ্ যান্ত ছিলোন। সিলেনা কমনী ও কলাকুশলীদের আদেশলানের নেতৃত্বও তিনি করেছেন। এক কথ হা মাতৃার কৈছুকাল আগে থেকে চলচ্চিত্রলাকের নানা কমনার নিংপত্তির কাজে তাঁকে বাপাতি থাকাত হত। উত্তরস্বীরা তাঁর উপদেশ ও স্প্রামণেরি মালা দিতেন। শ্রীবস্র মাতৃাতে আজ আনেকেই অভিতাবকহীন, বাংলা থিয়েটার ও সিন্মো বিপ্লে পরিমাণে ক্তিপ্রস্ত, বাংলা নাইক-সিন্মোর পারনা এনতুন মাগের একটি যোগস্ত্র আছ ছিল।

"গা্পী গাইন.."-এর আন্তর্জাতিক সম্মান

সতাজিং রার পরিচালিত 'গ্রেগী গাইন ৰ যা বাইনা ছবিটি আছিলভা ও অনস্যাতে আক্রেমাতিক চলচ্চিত উৎসাব জেনটি পরিস্কার পোরাছা প্রেটি পরিচালনা ও মোলিকতার জনা সতাজিং রার পোরাছন দ্বাটি প্রেক্ষার। তা ছাড়া ছবিটি পেরেছে সিলভার কেন। প্রয়োজক নেপাল সভ ভাষতের চলচ্চিত্র প্রতিনিধি হিসাবে উৎসাব বেগা নিরেছিলেন।

প্রভার "অণিনয্গের কাহিনী"

বাংলার বিংলবব্দের ভিন্তিতে তৈরি 'জিনিবদ্ধের কাহিনী'' জাগামী সংভাহে মাজি পাবে। ভূপেন রাম পরিচলিত অভিনয় করেছেন মাধবী মুখে পাধ্যায়, বিকাশ রায়, দিলীপ রার, অজয় গাণগালী, বিজন ভট্টামার, স্লতা চৌধ্রী, অজিতেশ বংকনপাধ্যায়, গীতা দে, সুখেন দাস প্রমুখ নিজ্পী। গোপেন মাজিক স্বেরচনার দারিছ সংগম করেছেন।



'खानिवाना' नाग्रेक प्रश्च बन्द् । नाश्चना बन्द्

মন নিয়ে ও ননহা ফ্রিম্বা

উত্তমসুমার ও স্পিমা দেবী শেষত ভূমিক্ষা অভিনতি এস এম ফিল্মাস্থ ক্ষা নিয়ো একামী সংভার মাজি পাজে। স্বর্গত কাহিমী অবলম্বনে ছবিটি পরি-চালনা করছেল সলিল সেনা তেম্বত ম্যুখাপাধ্যায় স্বেক্রে: ছবির আনানা বিশিষ্ট শিশ্পীদের মধ্যে রয়েছেন পাহাড়ী সনোল, বিকাশ রায়, ছারা দেবী তর্গকুমার জহার রায়, নিম্ তেমিক, ব্রামি চৌধ্রী শ্মিত। বিশ্বাস প্রমাথ শিশ্পী।

বি নাগি বেভিত্র ননহা করিকটা আসচে আগামী সপ্তাহে। ছবির সহজ মানবিক রসের কাহিনী জনসমান্ত হবে বলে থবরে প্রকাশ। সংগীত পরিচালনা করেছেন কলাগজী আনলকটী। লতা মংগেশকার, অংশা কেলিলে, মাহা বে ও কিশোরকুমার ছবির গানগালি বেজেকো।

প্রপ্রদীপ অভিনীত 'এরাও মান্য"

নবগঠিত সাংস্কৃতিক সংস্থা পঞ্চপ্রদীপ গত ২৬ সেপ্টেম্বর ত্যাগরাল হলে "এরাও प्राताक" (बाजा मध्य करना नागर क कार कार्यका नम् कार्यन्त विदेशका अर काम क्रावाकमा दिनाद "क्रवाक क का किया वा जिल्ला का का विकास । क्षांक्षात्व जान्द्रीयक्षात विक्रांति ह टार वटीन काटक टेन्टलहरूम । प्रमध = साका-शासकाना क OFFICE SE তিনি ক্যুদের ভারতার # (BCEA) ## 198 (Waller) Swam? (ৰামভা), (মাধ্রী), জৌরদাল গলোপাবারে (স রাপ্রক্ষার খোষ (মিপ্টা), সাণ্ডিল (विश्वकाका) क्षमांच निक्तीराज Without William!

প্রারশ্রে রঞ্জনা রারের জিপাস উপচ্চারা হার। নাটক অভিনারের অন্যুক্তানের প্রধান অভিনি ডাঃ সাং কুমার পাল পঞ্চারীপ সংস্থার উরা উল্লেড কামনা করেন।

ৰূপাল জাতনীত 'দেববাস'

ভারত্যক্রম গ্রেমসালা এব না
মঞ্চম করেন রক্ষাম সম্প্রদার (ব্যঞ্জ
মুন্ন সেন্দ্রক্রিন রক্ষাম সম্প্রদার (ব্যঞ্জ
মুন্ন সেন্দ্রক্রিন স্থান্তিলা ক্রম
মুন্নির্দ্রক্রিন ক্রম্মারী মুন্নির্দ্রকর

भावम अर्था नश्गीकान्यं।

পান্ধ কালে দি গা কেন্দ্ৰামৰ উদ্যাহণ কঠিলাসপীনৰ যুখ জলস্য হয় ভাষত এবাৰ বং, বিধা বাহি আমান্তিত হন।

41 × 10 777 47 24 बाह्यका हहाधिम क्याप्रांग्यहः चारभागमा सामग्री रच भिन्नीया राम ^न ক্ৰিছা আৰুন্তি ক্রেছেন তারা সকলেত উপস্থিত ছিলেন সেনিন ক সরে। জনপ্রির শিক্সীদের রাধ্যে । ধা মির ছিলেন জনাপদিধার, অস্থেরতার তিনি আসতে পাবেননি। ধনপ্রয় ভটাচ তেমণ্ড ম্বেশ্প ধ্যয়, শিব্যক্ষম ম্থেশ্পান চিশ্মা চটোপাধার, প্রতিমা বলেলাপাং মজা, গাণত, ছবি বংল্যাপাৰ্যার, नामण्याच्या सिमादिनान्य होहोदावी यानः ম্যোপাধ্য য়, আর্ডি ম্যোপাধ্য য়, বস্তু, মাধ্যৰী চাটাপাধনত বন্ত্ৰী সেন্থ প্রমাণ শিবপরি। প্রার গান শোনান। ক नवाभागी कर्यन कविना न्यावाद्धि। अ भाषा এইচ-এম-फि भाषा तकरक दिन নতন শিক্ষী হলেন ঃ বিশ্বজিং রুমা গ ঠাকুরতা ও রাণ, মংখোপাধ্যায় (হেম কুমারের কন্যা।

ন্তাগতি-অন্টোন শ্র হবার আপে প্রবীদ এলোকসংগীতাশিশনী শ্রীস্থেন্দ্র চক্রতীকে সংবর্ধনা জ্ঞাপন করা হয়। মানুগার এবং বাল উপহারের পর সংবর্ধনার উক্তরে শ্রীচক্রবাধী বলেন

"একণা সদগীতমর ছিল পল্লীবাসীর कौरमः क्षत्रं, क्षत्रं मना कर्कारम সংগীতই ছিল নিছা সাথী। সংগীত-প্রির বাঙালীকৈ উক্তাপ্ৰতা থেকে মতে কনতে হলে ভাষার ছাতে সংগীতের दशक्त টেনে আনতে হবে। প্রসংগত উল্লেখ করা হৈতে পারে যে অপরাপর সংগতি অপেকা লোকসংগতিই জনমানসংক সহজে স্পূৰ্ণ কাৰ এবং প্রতিষ্ঠ কাৰ"। অনুস্ঠান रभारक हिन्द করের ভঃ অংশটোর ভটাচাৰ। প্ৰধান অভিতি ছিলেন পাশ্চম-वास्त्राक स्प्राचनको श्रीविष्यकार महावाशासम्ब শ্রীভটাচার বাংলার লোকসংগীতের সমস্যা e ঐতিহার কথা বলেন। শ্রীমাখোপাধার আবেদন জানান লোকসংগীত 180 বিষ্ণে হের সংরে डेन्मी॰ड इद्य क:दे । অনুষ্ঠানে ভাষত সরকারের বাতিপ্রাণ্ড লোকভারতীর শিল্পী গাঁতা চৌধরোঁ ও গোরী ভট্টায়াকে এবং ন্তর্গিল্পী শুক্তু ভট্টাচারকৈ সম্মান জানানো হয়। পরিশেষে



ভূপেন বার পরিচালিত 'আপিনব্দের কাহি নী'-তে দিলীপ বার—ছবিচিত্র ব্যক্তি আগমেনী লপ্তাহে

লোক্তারতীর তরফ থেকে সকলকে ধনা-বাদ জ্ঞাপন করেন শ্রীগোরকিংশার ঘোষ।

অন্টোনে প্রায় সব কয়টি গানই
ছেল সদেশলক। নির্মালেন্দ্ চৌধ্রী
উদান্ত কর্প্তে গানা শ্রেম্ করেন, সহনিল্পীবা
ভাতে বোগ দেন। প্রথমে একটি উন্দীপক
গানের সঙ্গো সন্মোলক ন্ডেরে ভিতর
দিয়েই অন্টোনের স্কুনা। তারপার একে
একে গান ও নাচ সহবোগে পরিবেষিত
হা বৌ-নাচ, ছাদ-পেটা, গান্ধি, মাঝি,
বোদ-বেদেনীর গান প্রভৃতি। ন্ডানাটোর
আলিগাকই লোকসংগতি ও লোকন্টোর
বিভিন্ন অংশ পরিকলিণ্ড। নাচ ও মান
দর্শকদের ম্বাধ করেছে বললে অভুনিছ
হর না। এবারের বৈশিন্টা আরও বেশী
প্রকাশ পেরছে ন্ডানাটা পরিবেষণের

আভিগতে। মাঝিদের গানের সমর অভ্যক্তার প্রেক্ষাগ্রে লিল্পীরা ছড়িছে পড়েন নানা নিকে। মন্দে ধিনি গান ধরলেন গানের সরে ও রেশ ধরে হলঘরের বিভিন্ন रकान रक्षरक अकाधिक जिल्लीय करने गान धर्मनक इरव छो । ननीय याक अकलन मानि गान यदा अत्नक मादा छह गारनबर्दे বেশ ধরে গান ধরে অনা মান্দি-নদীর বাকে ধর্নি-প্রতিধর্নির ভিতর দিয়ে সারের যে মারাজাল সৃষ্টি হয় তারই চিত্রি শহরের প্রেক্ষাগ হে অনেকখানি তলে বরুত সমর্থ হয়েছিলেন লোকভারতীর শিল্পীরা। নদীবকে যাঝিদের গান গেরে তরী বেরে চলার সেই চিচুটি দৃশকের মনে মাহাতের জন্য ভেসে উঠেছে। অব্যক্ত করেছে व्याप-द्वापनीरमञ्ज नाठ-गातन्त्र मानाहि-



জ্যাকভারভীর ভান,ভানে (বালে) ভারভ লর কারের ব্রিপ্তাশ্ত গোরী ভট্টাচার্য', (মারুখানে) বেবে-বেবেন্ট্রের নাচ (ভাইনে পরিচালক নির্মালনে, ক্রায়্যাী

৫ অক্টোবর, প্রবিবার, সকাল ১০॥

নিউ এম্পায়ার-এ

नत्कारकुमात त्यस्यत

অজাতক

शासमा । अने वि अन्तेत्रअविक

जिल्लां क्या कारणाक जिल्ला सामक क जिल्ला क्यांजिक

न्हींका : वक्का इस्तीभाषात भारता : व्यक्त स्ट्रचामवाज्ञ

यद्गि ३ व्यापाक अना मध ३ मुद्राम गढ मणील ३ व्यापाम विव

बर्ल जिस्कि शास्त्रा बारक्।

(সি ১১০২)

ন্তোর ভণিদায় জন্তুত স্থাভাবিক তেমনি
ভাদের বেণড়্যা। বৈদের ঝাঁপির ভিতর
থেকে হঠাং করে সাগ বেমন ফণা উটিচর
ওঠে তেমনি হঠাং ওই ভণিগতে (বেন
সভিন্যারের সাপ) জালা-বাকা সাপিল
গতিতে হঠাং কণা উটিচর উঠকেন এক
লিপ্পী। দশক ওই মৃহতেত রোমাধিত।

ন্তাপরিচালনার ছাতিছ শক্ষ্ যোরের,
সমলা অনুষ্ঠানের পরিকাশনা ও সংগতি
পরিচালনা নিমালেন্দ্র চৌধরের। দরণ ভরা
কর্তে গান গেলেছেন (নিমালেন্দ্র চৌধরেরী
ছাড়া) গাঁতা চৌধরেরী, বলাই চরবত্তী,
সাঁভতা চট্টোপাধাার, গোরী ভট্টাচার প্রমুখ
শিলপী। ন্তাপরিবেশক শক্ষ্ ভট্টাচার ও
এ কা ধি ক নাতাাবেশ পারস্থিতি।
দেখিরেছেন। তাপস সেনের অনুষ্ঠান
সম্পতিও চমংকর। সর মিলিরে লোকভারতীর লোকগাঁতি ও ন্তেল্র অনুষ্ঠান
দর্শককে দুই ঘণ্টার জন্য মংখ করে
রেখেছে।

সাধন গতে ও পজি গতে মস্থান
একটি প্ৰেচ নাচলেন। আরও নাচ তাঁদের
ছিলা। দিলপী নিগলের নাতাকুশলতার
পরিচয় আবার নতুন করে পেলেন
দুখাকরে। সেই সংশ্য সমগ্র অনুষ্ঠানের
একটি সমরণীর অভিজ্ঞতা নিবে তাঁর। বাড়ি
ফিরলেন।



শৌভনিক এব অভিনয়

৪/১১ মটো ৷ **আ স্তি(সার** াএ মদে **২**ডি অভিনয়)

৫ই জারী: । এ**বং ইন্দ্রজিং** ।এ মাসে মার ১টি জডিন্য।

১২/২5-২৬ সাইবর ছুটি, উপসংহার ও পাতা ঝারে বায়

ন্ত জনন । '১২০ এস, পি. মাখা**ল**ি রোজ-২৬

(M-5095)



্ শীতাতপ্র নির্মিক্ত নাটাশালা 1

नकन नाइकः



অভিনৰ নাইকের অপার্থ ব্যারেশ ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও গনিবার ঃ ৬৪টার প্রতি রবিবার ও ছাটার বিন ঃ ৩টা ও ৬৪টার

> । বচনা ও পরিচালনা ।। দেবনারায়ণ গভে

। त्राज्या

জাজত বংশ্যাপায়ার, অপর্বা দেবী, শারেণ্যার, অপর্বা দেবী, শারেণ্যার, অপর্বা দেবী, শারেণ্যার, চট্টোপায়ার, সবিজ্ঞা বাবা, কর্মান্ত ভট্টালা, জ্যোগেরা বিশ্বাস, পান বাবা, প্রেলাপ্রার, বস্ত্র, বাসভী চট্টোপায়ার, শৈলেন ক্রেলাপ্রারার, গাঁভা বে ও ভান্য বংশ্যাপায়ার



শংকর মুখাজি পরিচালিত 'অহল' চিতের নারিকা আশা পারেশ—ছবির মুডি জান্য

"ক্মললভা" এ-সংভাছে

শবংস্থের কাহিনী নিহে টেরি চার্ডিটর বিন্দলভাগের মাজি এ-সংভাগেই হঠার পিরে হায় গেল: শ্রীকাশতার চত্ত্র প্রের ব্যক্তলভার চরিতের পিলেপী স্থাতিতা সেন, শ্রীকাশত হায়েছেন উত্তলভুমার: গোর সেনেকাছেন নির্মালকুমার: হরিসাধন সাম্পর্শন্ত প্রিচালিত এ ভবির স্থানীত প্রিচালনা করেছেন বর্মীন চাট্টোপালাও।

त्रवीन्त्र नमदन "हिनेशान"

ভাগায়ী ও আটোরর সংধ্যা সাড়ে ছটার বিবীকু সদান তর্ন আপরার নিজ্পানা গিটকারা অভিনর কর্বন। প্রসংগ্রে উল্লেখ্য শুমকু বাগা বড়িত এবং বাহিতগোপাল অভিনীত লোফ ভূমিকার। গিইটবারা ইতিযায়ে খুবই জ্যাপ্রিয় হয়েছে।

গক্ষিণী বাৰ্ষিক সমাৰ্জন-উংসৰ

জাগামী ১২ অক্টোবর সংখ্যা সাত্তীয় ভাগার জ হতে দক্ষিণীর বাবিক সমাবভান উংসব মন্তিত হবে। উংস্থা শ্রীলৈলভা-রঞ্জন একুমদার ভাষণ দেবেন এবং স্নাতবদের বোগাভা-পর দিভরণ করবেন। এই উপলকে রবীল্য-সংগতিত্ব একটি বিশেষ অনুষ্ঠান সন্ধিবেশন করা হবে।



नान्मीकात्र

তিন পদ্মসার পালায়

म्-भन्नात गाम

একটা কথা বলি বাব্ শ্নুন্ন দিয়ে নন।
আপনাদেনই কাছে কিছু আছে নিবেদন ।।
পাপতিলৈ চাত কোকই বে নেই ভাতে সংক্ৰছ।
কিন্তু ভাচের ভাত জোটোনা জানেন কি ভা কেছ ॥
ভাগেপটাক আইন্ধেলিয়ে তাবে দেবন জান।
জানে বেখন কাজ হব না লাগেই প্রকিলভানে ॥
নাবীটা ভো বচিকে আলো তাব মনের কাজ।
ভাকটা আলো প্রেবে ছাওৱা তাব কেন্তা আওবাজ ॥
নিব্দেশনায় ঃ আজিতেশ বলেবাবায়ায়

(FR \$209)

वान्बारे बिक्ति

াৰ এক সাম্বা মহাফলে করেকজন मि क्वांक्क मास्वानिक्क मत्ना शाह আচমকা কিছু দিবিয়াস কথাবাতী হয়ে माला बाबरक शाह कक रण व्यक्त कारि ক্লাল এই সাংবাহিকদের অবিকাংশকৈই िता। अपन कालकाद्वर जिनि। अ'रनद मट्या প্ৰাৰ্থ কৰা কৰা বাৰ্থ কৰা বিভাগৰ কি অভ্যাতৰ ক্ৰমা কাহিনী বা চিত্ৰাটা লেখাব क्ष क्रमाबाक 78/9 म सन কিল্ট সংযোগ, সামধ্য এবং সৌভাগোর প্ৰতিক লেডাৰ **6°4** 79/8 हर्मा कर 35.2 (11/18 PH) किर जारद**िनक** অবেসায়ের প্রভাব বিভাগের সংখ্যা যাদেরই যোগাযোগ, তারা সকলেই উদ্যাবনী শক্তি-সম্পদ্ধ ব্যক্তি। অ'নের সকলেরই ভিলকে ভাল এবং ভালকে ভিল করার কমতা 6*777 / 5(79) EFF CO INCIRN रासारमात्र ह्यानगरा काटक । इन्हें कहरहत सरव र দৰ্শ ক ক্ষাকো ক্ষিত্ৰ মাধ্যক্ষা সহাক্ষ্যে খবৰ अभिनेत्रकाल कारकाल कारण अभिनेत्र राष्ट्री कारणी ভারতা ভুসপাতি মিদেশ্যক্ষ সংগ্রমণ্যন্থন স্থান্তাক স্তথ্য হয়। স্থাব বন रक्षाकारस्य कलाएन क्रिंडर कर्नां 5र डेन হচান বাজিকে সকল ছনিকাতাও ঘটে যায करियार' कार्यका अन्तर अहे प्रतिष्टेखाव মাধ্যম এটামর কাউকে ছব কাষে 57... 577 6 প্রবাজক বনার সাধ খানর মাধ্য চভাজ কবে ६ छ। रमका। विश्वकासागर शक्षीपर छव निरं**ग** कार्या कारक कथाई यजा याया । माह्यार ৰাকিটা প্ৰচাৰত काशका हाउँ ছেন্ডে দিকায়।

এখন ওপাবের ভূমিকা থেকে এটা জাহাও
ভাবা বাবে বে, চিপ্র-কাবাদিকদের মধ্যে
কোপাও না কোপাও স্মৃত কাহিনীকার,
চিপ্র-নাটাকার বা প্রবাচক সাংবাদিকতার
মাভালো আত্মপ্রকারের সাবোধের প্রতীকার
করছে। এই প্রতীকার সংল্যা কার্যানিং চলছে
সাম্পামিত। তার্যানেই বোঝা যাছে যে, চিইন্সাংবাদিকতা উপলক্ষা মান্ত, লক্ষ্যানা কিছু।
ব্যাপ্ত সকলের সন্বাদেশই এসব খাটো না।

বালধা মছফিলের আলোচনার কেরা

যাক এবার। এক নবীন আন্দাবাদী

পাংবাদিক সেদিনের সেই সাংখ্য নৈঠকে এক
প্রানন কুলো আমাদের সকলকেই বংপারোাতি বিভিন্ন করে কুলোছিলেন। নবীনোর

যাকরা ছিলা থে, রশের চলাছিল-সাংবাদিকভা
নভাততই বংশ্বটে এবং ভার অভিক্রতা

মনবোরী বংশ্বর সাংবাদিকরা সংবাদ সংগ্রহ

চরেন না, সংগ্রিলাট বাছি বা গোডী



সভাজিং রাজ-কৃত ''জরপোর দিনরাত্রি' ছবিতে শুডেগ্যু চটোপায়ার ও কাবেরী : কম্

নিস্মিত সংবাদ সর্বব্যার কবেনা এবং ছবে বদে পাওয়া সংবাদকেই কখনো একটা আংটা ভারফেড করে বা কখনো হাবহা সেই অবস্থাটেট সাংবাদিকরা পরিবেষণ করেন প্রকাদের কাছে: নবীনের সাংগ্রহণাীতে उने जातीन स्थलाह काल। अने ध्रुटनंद काल যাঁৱা কারে থাকেন, তাঁৱা আৰু যাই হোন, সংব্যালক প্ৰকাষ্ট নন। ন্ত্ৰীনেৰ এই উল্ল দেরবে উপস্থিত অনেকেই ছা-হা করে উঠালন, কারণ, এই সভা কথনের ভেলের ভিটেহ অন্নেক্ত গ্ৰেই ফোসকা পভাৱ कथा। गरीनक किस्तामा करत करना शक যে, তিনি চ**লচ্চিত্র সাংবাদিকতা বিষয়ের** ধপার প্রেষণা করছেন এবং প্রেই সংখ্যা ফুলিদেস সাংবাদিকতাও। <mark>আসছে বছর উর্ভ</mark> গ্ৰেষ্ণাৰ ফল - এক খাঁসিস হয়ে - বৈশ্ব-

বিদ্যালয়ে জয়া পড়বে। শ্রোভারা আশ্বন্ত হলেন। কারণু ছে।করা এখনো **ছার**া। 'অধায়ানার সময় এমন আদশ অবশাই আদর্ণীয়'৷ প্রথার সময় সব শিখতে হবে. ঠিক বেমদ'ট শেখা উচিত', 'কিল্ড কম'-ক্ষেত্রে প্রবেশ করার পর ঠিক তেমনটি করতে হবে, বেমনটি করকে চাচার আপন প্রাণ ব্যক্তি । এলোমেলো এই ধরনের উল্লিব পর আবার আলোচনা একটা সিংরয়াস 'টার্ন' নিলে৷ যথন যাবক প্রদন করলেন যে, বর্তমান চিত্র-সাংবাদিকতার এমন অবস্থা কেন হল, সেটা জানার চেন্টা করলে কেমন হয়। তার উত্তরে একজন বললেন যে, চিন্ন-সাংবাদিকতা এ পর্যায়ে পোঁছেছে একটা সক্ষেত্র বিবর্তনের মধ্যে দিয়ে। অন্য**ক্ষ** বললেন, সবই সময়। আর-একজন বির



ব।শ্কের প্রদীপ সরকার—জ্নিরর সরকার—(বারে) গড় ২৫ সেপ্টেম্বর প্রে বোষধা জন্মারী বার্থপদী হলে বংগাপসাগরে বাঁপ দিয়েছিলেন—ডাইনের বার্যাইতে হিল থলি, জনো ভারই ভিডর বন্দী হরে ছিলেন কাল্কের পাঁচ থেকে দল বিনিট—ভারপর বহু কালান্তিক বাজির হ্রাহ্মির রখে সক্ল বন্ধন মেচেন করে তিনি ভেসে উউলেন জ্যেনি করে তিনি ভেসে উউলেন জ্যেনি করে তিনি ভেসে উউলেন

कारत कारणन को शहरनक सारणाहना ककी विशासीयमान कर्मानाविष्यत्तर देशाच दिएक সম্পদার দেখার আর উনি এসেরেন লেকচার সামতে। প্রায় প্রায়ে (ক্লিড পরাক্তির) এক-ৰূপ বৰ্ণলেন দেখৰে বাৰা, তোখবা দ্ৰাদ্যনের रवाची भाग्यास्य बद्या रभवमान बारकारिकालाव आन करते। बाद स्ट्रीरिका मधन्त्रः स्टीयकात रभवरमहे धक्छा करत रगणा বাবে, সভেরাং নিকেনের প্রতি কোনরকর क्षकका मा करत वस्मा সাংবাণিকভাকে আমরা বাবসা বলি। পেশা ধাৰণেই বাজার থাকবে আর বাজার থাৰলেই জেভা থাকৰে, বিজেডা থাকৰে, ভিন্যাত থাকবে, সাত্যাই থাকবে। আহম ৰাৱা অন্তকাল কিছা পণ্ডাৰ প্ৰ-পতিকার **अरुष बर्धे आधि,** नामकडा जारवानिक बन्द कामारमञ्ज नत्था कम। कामारमञ्ज মাষ্ট্রে পঠিকদের কাছে যাদের সংবাদ পরিবেশিত হয় ভাষেত্র সংখ্যা আমাদের চেরে বেশী। সভেরাং 'উই আর ইন ডিম্যান্ড' সেইজনো আমরা পরিভ্রম কম করি থকৰে থেতি যাই না থবর আমাদের হবাঁজে আসে এবং লাইন লাগিয়ে প্রতীকা করে। এই রকমই চলবে, হতদিন আমাদের विकाशक बाकरव।' नवीन श्रम्म कड़ण : **জাপনাবের** ডিম্যান্ড, তব, আপনারা যা করা উচিত তা করছেন না কেন? চিত্র-সাংবাহিকভাকে প্রশেষ করে তলতে চেণ্টা क्याक्रम मा रक्म? शास्त्रव छेखतः ণিত্র-সাবেদিকতাকে শ্রুপের করতে গোলে নিজেদের প্রশেষ করে তলত হবে। সাংবদিকতা কী জানতে হবে৷ সময় নেইা৷ ভব বদি এ অসাধা সাধন করা বার তাহলে बीरमंत्र भरवाम भाठकरमंत्र कार्ट्स भारतयान করে থাকি ভারা এক টেলিফোনে চাকরি হৈছে দেবে। আমরা বর্তমানে ইমপরটাাণ্ট কিন্তু অপরিহার নই। নামী কাগজের সাংবাদিক বলে আমি দামী। কাগকের সারকলেশনের জন্য আমার দাম! কাগজ চলে, তাই চলি। আমার জনা কাগল চলে मा। मुख्यार.....!

সরল শর্মা

"শাশমোচন" ন্তানাট্যাভিনয়

লিক্সী সোষ্ঠীর দ্বিভীয় বাবিক উৎসবে এবার রবীন্দ্রনাথের "শাপমোচন" মঞ্জন্ম ইয়। স্পাল বল্লোপাধারের সংগীত নির্দেশনার এবং স্থাংশ পালের ন্তা-ভর্মধানে "শাপমোচন" গানে ও নাচে বেশ উপভোগা হয়। নতে মহিলা লিক্সীরা মোগ দেন। অর্ণবর ও কমলিকার ভূমিকার মধাক্রমে শ্রেলা দাস ও জয়্রী ভর্টার্য এবং দানে স্থাংশ্বা ও স্থালৈ বল্লো-



ন্বাল দেন পরিচালিত চিল্লভুনন ক্লিড দোলালেটির "ইজাপ্রব" (ক্লীলুনাধের কাহিনী অবলম্বনে) ছবিতে মুরজিং নদ্বী

পাধ্যার এবং ইরা রার কৃতিছের পরিচয় দেন।

শাপমোচনের আগে স্ভাষ বস্ রচিত একাক নাটক "মিছিল" অভিনীত হর। "চিনয়না মা' ছবিৰ সংগীত গুচুণ

অনিক বাগচীর স্বের গত সপ্তাহে
"তিনরনা মা" ছবির করেকটি গন রেকতা করা হয়। শামল গা্ণ্ড রচিত গানগালিতে কণ্ঠদান করেছেন ধনঞ্জয় ভট্টাচারা ও মালবের মুখ লি । এ মালের লেফ সংস্থাত মালা দে এবং লাখা মুখালিভিক করেনাট গান ব্যক্ত করা হবে। ছবিটির পরিচাশক প্রেক্ত করা হবে। ছবিটির পরিচাশক

भडीमाकात नरनात स्वित् भाषिर भारत

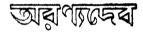
পরিচালক ভূপেন রারের নভুন ছবি "লচীয়াভার সংসার"-এর শ্রিটং লার হরেছে। ইভিপ্রের মানবেশ্য মনেবালাধারের সরে ছবির করেছিট গাম টেক করা হরেছিল। "লচীমাভার সংসার"-এর ক হিনী ও চিচনাটা রচনা করেছেন অন্তর চাটোলা। বিভিন্ন ভূমিকার অভিনয় করারেন অস্যামক্ষার সংখ্যাসানী, মিছির ভ্টাতায়া, ভহর রার, দিলীপ রার, শমিতা বিশ্বাস ও তর পুকুষার। ছবিটির পরিবেশক এম বি

নিউ এম্পায়াৰে 'জ্ঞাতক'

এন বি এপ্টারপ্রাইজের জনপ্রিয় নাটা-প্রারাজনা "অজাডক" (রচনা: স্মেট্রে ক্ষার খোষ) ভারার অভিনাতি লভে ভিন্ত **धन्नाकारत, ६ चारहे**न्दत मकाल माराख मन्द्रीय । দটে চরিতের এই নাটকের শিক্ষা নিয়া ভৌমিক ও মুম্ভা স্টোপনায়। নাটা-নিদেশিনা অশোক ফিলেবৰ সংক্ষিপ্ত ভূমিকা রয়েছে মধ্যে। সংগীত প্রিচ্ঞান ক রছেন। ভাশ্কর মিত। আলো ও মণ্ড পরিকশপন্য রয়েছেন যথাক্তম স্বরাপ মার্থেপ ধ্যার ও সারেখ দর। প্রসংগ্র সম্প্রতি क माममभारत । ७३ নাটকাভিনর প্রভুত জনপ্রিয়তা অজন करतरहा।



শ্যাতেঃ মুখ্যীজ-এর "স্থাস্তরাল" (পরি চালনা ঃ প্রের্ বান্ডী) ছবিতে জনিক চটোপাধ্যার ও কবিন্ডা চটোপাধ্যার





ती ফক



















मतरकात तावाल भटरत क्रेनलामिक भीवं नात्मकात वर्णमान नण्डातक विः नवकात केरकशरवाता ঘটনা। মুখাত জেরাজালেযের আল-আকসা মসজিদের অভিনক্ত সম্প্রে আলে চনার জনা মরজোর রাজা এবং স্টাদ আরবের রাজা রাবাত-এ এই সন্মেলনের বাবন্ধা করেন। मृश्चित्रीरक मामलभारतत मरभा ७৫ कांग्रि अदर जन्मरमा ८६ कांग्रि मामलम स्तत भक्त ब्बार्क २५ कि एमरमत প्राणिनिध करे मरम्बन्तन खाग मिरतरकन। ১৪०० वरमान्न मार्जानम ইভিহানে এই ধরনের সম্মেলন এই প্রথম। ভারত বোগ দিলে পাকিস্তান এই সম্মেলন বর্জন করবে-এই ত্মকির করে নতি স্বীকার করে ভারতকে বাদ দিরেই প্রথম প্রকাশা অধিবেশন বসে। অবশেষে সউদি আরবের রাজা ফরজলের প্রশ্তবে ভারত আমণিতত হয়েছিল। অবশা ভারতকে বাদ দিলে অলাক্সরিয়া ও সংযুক্ত আরবও সম্মেলন বন্ধনের हामकि मिराधिका। मरम्मकान जात्रद हत्रभाष्यीता हैकतारतलात वितास करोत बावन्या গ্রহণের জন্য জোরালো দরি জানায়। প কিল্ডানের হামজিতে সামেলন বানচাল হরে যাওয়ার উপক্রম হলে আপস রফার প্রশতাব হিসাবে ভারতীয় প্রতিনিধিদের প্রবিক্ষক हिमादि महम्बलात ह्यान मिरा वला हाल अजिनिधियाम अन्डाबीरे वजाहा करवन ! हेक्क्संस्क्रात्मत आवरकृषि कारत मध्यानत विराहक धीननामिक नाम्मेगानिएक नाहरू कराहे धरे मरम्बदानत बनाउप बांचा डेरामना। २२ म्प्राप्तेन्यतः धहे मरम्बन्त बारम्ड हात्र २७ সেপটেমবর শেষ হয়।

दलकी जरबान

২২ সেপটেমবর – আজ নাগগিছেব আমাতনগর। সিলেবটেড কোলিফারিটেড দুই দল
ভামিকের প্রচাত সংগ্রে ১ জন নিহাত ও ৮২
জন আতে হন। সম্যে এলাকার ১৪১ ধারা
জারি করা হারেছে এবং ৩০ জনকে প্রেচ্ছার
করা হরেছে। আত্তদের মধ্যে ১৫ জনের অবস্থা
গ্রেত্ব। ওখানকার অবস্থা উত্তেজনাপ্রি।
প্রালস্ট্রক চল্লেছা এই করলাখনিতে ১৬০০
লোক কাজ করে। ভার মধ্যে ১০০ জন সি পি
এম সমর্থক।

মধ্যপ্রদেশে রাষ্ট্রীয় পরিবহণের একটি বাসে করে যাওয়ার সময় ৩৪ জন যাত্রী জাজ জারে ভূবে মানা গিছেছেন বলে জানা গিছেছে। বাসটি গোরালিকর থোকে ভূপানা যাওয়ার পথে বনার স্কটি পারতিই নদীব মধ্যে গিছেৰ পড়ে। বেসমব্যারী ধবরে জানা বাম বাদের ৭০ জন যাত্রীই মানা গিরেছে।

আত সন্দাম ইমহন্ত্য পোরো মন্দান প্রধানমন্ত্রী ইনিদ্ধা গান্ধার ভারণের সম্ম একদল লোক মন্পিপ্রের জন্ম প্রাধীর আর্থের মর্মার দাবি করে বিক্লোভ দেখাতে খাকেন। প্রতিক্র ভালের উপর করেক বাউন্ড গ্রেলি বর্মার করে। করে ভিনজন নিতাত এবং ৩০ জন আতাত তা। প্রপানমন্ত্রী ত্রি এখানকার কর্মাস্থাই বাজিল করে দিরেছেন। শুলের ১৪৪ ধারা ও করেছে, জারি করা হামছে।

২৪ সেপটেমবর—কেলুশাসিত মণিপানের
আট মাসের কৈবাং মনিসাভার পাতন হাটেছে।
কমতাসনি কংগোন দলের ৯ জন সদস্য বিবেধী
পক্ষের সংগ্রাহাত মোলারার ফলে মনিসাভার
পরাহার বাটে। ৩০ জন স্থাসন্বিধিন্দ বিধানসভার এক আনাধ্যা প্রসন্থার ইথাপিক হলে তা
১৯—১১ ভাটে শাহনির বাব।

मीर्च मारङ नगपन्छ। मारलाछनात्र **পর आस**



বাত ১টা নাগাদ মহাক্রণে প্রমান্তীন কলে এক তিপান্ধিক বৈঠকে ইনজিনিয়াবিং প্রমিকানে বিবেশের অবসান হয়। এ-সংক্রাস্ট চুলিগত আরু স্বাক্ষরিত হয়ে।

হও **লেপটেন্ডন**—ডঃ বিশ্রা মান্ত্রোপাধান পরবেশ রেলা থোক কৃতিন উপারে আছত একটি ধানের চারা কৃতি করেছেন। বিজ্ঞান জগতে এব নজিব নেই। প্রবেশন একটি নেশা, থেনে চারা কৃতি এতালন জনসভ্য জিল।

আৰু ৰাজ্য খণিংসভা স্টেটবাস এবং গ্রম
ক্রমীপের গণোহাতাতা বান্ধিব সিন্ধানত নিবোধন। সেটবাস ক্রমীরা অক্তংশব বাজ্য স্বক্রারী কর্মানাবীদের সম্মান জানে মহাছাভাতা প্রক্রান। প্রক্রমীরা প্রক্রা ক্রমে বর্মানা মহাছা ভাতা ধ্যকে ১০ টাকা ক্রমে বেস্মী। দ্বি ক্রেটেই এই বার্যাত হার ১ স্পেপটেমবর ধ্যাক চল্ল, হার।

২৬ লেপটেমবর—ভাতীয় ইমামন প্রিসন্তের স্টালভিং কমিটির বৈতরে প্রিচমবংশার মুখ্য-নগতী প্রীসভাযকুমার মাখোপাধ্যায় বলেন যে, রাজগোলির জনা মোট বরাক্ষ (৩৫০০ কেটি টাক)। বেশ কিছা না বাড়ালে তালেন বিশেষ করে সমস্যা জজবিত প্রভিমবংশার পজে চতুর্যা যোজনা লেম করা সম্ভব হবে না।

শীপ্রনাদ দাশস্মুন্ত সি পি আই সম্পাক্তি সাংবাদিকদের বলেন ঃ গুরা বুলোরানের একেণ্ট বিসাবে কাজ করছে। শোধনবাদীরা চিরকালই গুটভাবে বুলোরানের প্রার্থা রজা করে। শীবিশ্বনাথ মুখোপাধারক সি পি আই (এম) প্রস্থান বলেকেন ঃ আসলে গুরু মারবারের নীতি নিরে এবোতে চান; সেটাকে চাকার জনাই মামানের বির্দেধ রাজনৈতিক কুখনা রটাকেন।

২৭ দেশটোম্বর—গ্রী সি স্ট্রিজনাম আরু তামিসনাচ্ প্রদেশ কংগ্রেসের সভাপতির পদ তানা কবেছেন। তাঁর পদতাবোর করেব ব্যাখ্যা করতে গিরে তিনি সংস্থাসন্সা ও সিন্ডিকেট নেতা শ্রীকে বাজান সম্প্রেশ চাওলতা অভিযোগ করেন। এই অভিযোগ তে শ্রীকামরাজ শ্রীচবনকে এই প্রভাগে নির্মান্তরে বে, ভিনি (চবন) যদি প্রধানমন্ত্রী প্রথা ইন্দিরা গান্ধীকৈ অপান্তরণ করার জানা সিনার কেটকে সমর্থান করেন তা হলে ভাকে প্রধান

লরাগিরিতে মুখ্যমন্টাগের এক বৈঠকে আ ভিন্ন হয় বে, বত মানে কলকাতা বেজবাই। বে রেলন বাবস্থা রক্ষেত্র তা চাল্যু থাকার তবে রেলন বাবস্থা রক্ষেত্র তা চাল্যু থাকার তবে রেলন বাবস্থা রক্ষাত্র বিল দাম দির্ হত্তে, কারণ বেলি দামেই গম বাজারে ১০

ইও কেপ্রেট্ডারক —বানের ব্রুক্তে প্রাত প্রাত ব্যাসির বিস্তুলির অন্তল প্রশাস বিস্তৃতির বিস্তৃতির বিশ্বাসি বিশ্বাসি বিশ্বাসি বিশ্বাসিক বি

জ্ঞানত হৈ অনুটোলার মান এটা না জ্ঞান্দ্রালার শিক্ষক ও গুটোনের নাট দাবিলালি পার্থন দানি বাব এই নাট ভিন্তি ব্যাক্ষর কা এক মান্তে বাক্ত স্থান ডু এক লক্ষকত দিবস্থা।

विक्रिको अस्तान

- তেওঁ বিশ্বতি মান্ত্র নার্থন বিভিন্ন কর্মান্তর বিভিন্ন কর্মান্তর বিভেন্ন তেওঁ বিশ্বতি নার্থন কর্মান্তর বিভাগ কর্মান্তর বিভাগ কর্মান্তর বিশ্বতি কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর কর্মান্তর বিভাগ বিভাগ বিশ্বতি বিশ্বতি কর্মান্তর বিভাগ বিশ্বতি বিশ্
- ত্রুপ্রস্থান কর্ম বিষয় বিষয় বিষয় বিষয় বিষয় করিছে করিছে করিছে বিষয় বিষয়
- ইং বেশপ্রেমনর এইশংগণিত ১ শিলা হ ও লাভার এককান হা এনাল লাগে এইশংলা লাগে এইশংলা লাগে এইশংলা লাগে এইশংলা নালে হা এইশংলা নালে এইশংলা নাল
- হও দেশ হট জ ব র—চেকেচেন্সার্কিয়া হৈসিডেনট স্কৃতিতিক সাবাদ্য তাত প্রশানন্দ ওলভারিত সাবাদিক ও তাত স্বক্ষাত্রক পদ্মতে শন্ত গ্রহণ করেছেন। পদ্মতান্যপত প্রেলা ^{০০১} গ্রেসিডেনট স্বেলা শীসাবাদককে নার্ক সাবাদ্য ঠেনের সাধিত দেন।
- ২৮ লেপটেমবর—সংয্যক্ত হানত প্রচানত লংক্ষৃত, হিন্দৌ এবং এবং সংখ্যিক বিশ্বমান কি দিক্ষা সম্প্রসার্থের উল্লেখন একটি নাম্বর্থ কেন্দ্রা প্রাপ্তমের স্থিপতে নির্বেশ্বন কাডেন বিশ্ববিদ্যালয়।

u বাংলা লাহিতেনে স্থানী সম্পদ #

न्निमा । किल्लान शांठा== नीला अज्ञानादात

(बरभात वर्षे ।।।

সূথলতা রাও-র

सूउसउद्ग भण्ण २,

গলপ আর গলপ ৪%
দুই ভাই ২॥
সোনার মন্ত্র ২॥
বনে ভাই কত মজাই ২,
কিশোর গ্রম্থাবলী ৪॥
সংম্থনাথ ঘোষের

किरमात अकावसी शा

দক্ষিণারজন মিত মহ্মদারের
ঠাকুরদার করিল ৪॥
ঠাকুরমার করিল ৪॥
কিশোর গ্রন্থাবলী ৪॥
দাদামশাইয়ের থলে ৪॥
গতেন্দুকুমার মিত্রের
কিশোর গ্রন্থাবলী ৪॥
বিদেশী গল্প সঞ্জন
১৯—৩
দেশবিদেশের লেখাপ্ডা ১
তিলেকানাথ ম্থোপ্ডাবের

কঃকাৰতী ৫

গতেকুকুমাৰ মিত্ৰ ও ল্যোল্যান ঘোষ সম্পাদিক

ঐতিহাসিক গলপ

সাধ্যন নেতন মন্ত্ৰণ ৩॥
আশাপ্ৰণা দেবীৰ

সেই সৰ গল্প ৬॥

্রপেন্দ্রকিশোর রা**য়চৌধারীর**

উপেग्राकरभाव । श्रुग्थावनी ५०२

গ**জেন্দ্রক্ষার মিতের** ব্রোক্ত বিরুষ

शाग्धीकीवनी **ऽ॥**

লক্তন বইলল সন্তোষকুমার ঘোষের উপন্যাস

शिनश्रम ८०

বিমল করের উপন্যাস

अञ्जिनी

8



কবির সঙ্গে য়ুরোপে১০.

বাস্দের বস্র

নেফা, সুন্দরী নেফা ৪॥

লীকা মজ্মদারের

স্কুমার রায় ৪॥

শৈলেশকুমার বল্দোপাধ্যায়ের গাশ্যীজ্ঞীর গঠন কর্ম ৪॥ ডঃ শশিভূষণ দাশগুল্পের

उत्हेश भाकी ववीस्त्रवाय GII

महाचा गान्धीत

গান্ধীরচনাসম্ভার

১য় খাড--৫.

71 WATE

মহাত্ম পাক্ষীর জামার ধর্ম ৫, জাসার ধ্যানের ভারত ৪॥ ছাত্রদের প্রতি ৫॥ শত্যাগ্রহ ৭, শারদীয়া কথাসাহিত্য অন্যান্য
বারের মতো
এবারও সর্ব শ্রেষ্ঠ
লেখকদের রচনায়
সম্দ্ধ হইয়া মহালয়ার প্রেই
প্রাশিত
হইতেছে।

॥ মূল্য তিন টাকা॥ সৈয়দ মূজতকা আলীর

রাজাউজীর

নলিনীকান্ত সরকারের

शामित बलतात ७,

অচিন্তাকুমার সেনগ্রের

্গীরাঙ্গ পরিজন ১০, প্রমঞ্জাধ বিশী সংগণিত

বঙ্কমচন্দ্রের সাহিত্যচিন্তা ৮১

শতীদুলাল রায় অনুদিত

জাহাঙ্গার নামা ৮.

অব্নীক্রনাথ ঠাকুরের

यावागात्म द्रामायग

21

ভারতের প্রেণ্ট চিল্ডাবিদদের শতবার্ষিকীর প্রশার্জাল

গান্ধী পরিক্রমা ১৫১

ভঃ রাধাকৃষণ, রাজাগোপালাচারী, বিনোবা ভাবে, কালেলকং, কুপালনী, সত্তীন চানগাণ, কলেমণি চটো, বিজয় জট্টারা, জালাগান্তক বাবে, বেজাউপ কবিম, ডঃ প্রকৃত্ত (মাজ ভূপেন করু, প্রভাজ মুখোপানার, প্রমণ বিশী, ভবনা চাটাপাণাম বিভাগান চাটা, বিবাহর, কেবর, হ্মার্ন কবির, জাত্ব গ্রে, জাপ্রমণ নাম হব, আন্তান করু, কিনাক কবি, সুবোধ বোধ প্রম্ব বিশালাবিব ম্লাবাম প্রমণ চাকান

মির ও খোদ, ১০ শ্যামাচরণ দে শাঁটি, কলিকাতা—১২ ফোল ঃ ৩৪-০১১২ ৩৪-৮৭১১





ধসন্ত শতুর কমনীয়ত। মাজুদের সৌল্যে প্রভিডাত হয়। এই কমনীয়ত।
ধারে বাখতে কে না চার গুলানেলেন, চলন তেল ও আবেও নান।
উপাদানে সমুখ বসন্ত মালতী ওবু ছককে অকৃতির নিছুৰ খাজুমণ্
থেকেই কলা ক্রেনা সেই সাস্ত হাকের ছিল প্রথলি পরিছার ব্যাহ
তারি উপায়ত ঘালা যোগায়ে। বসন্ত মালতীর নিয়মিত ব্যবহারে আপনারে
সৌল্যে চিবার্থির আগমন স্থাই হবে। এর পুগদ্ধ খাপন্য বান্ন
এক অপ্রি মহানা চালার।



সি, কে, সেন এও কেং আঃ লিঃ, ক্বাপুসন হাইস, ক্ষিকালান্ড



Teal Ger		ग्र
ৰাদ্যত সাধ্বৰি ভাৰত পৰ্ব		3085
works - The said of the said o		2090
मृत्याभद्रे-द्वीतयाद्र्य गर्न्छ बर्नमनीत भरवार छारा-	1. 619 3141 3	3093
देवलीनको-लब्बाब	•••	5098
	. ***	5094
निर्दाय-द्योनिगीय रव यदा वादेख-सीमणी	***	>099
চিত্র প্রদর্শনী—চিত্রপ্রিয়	•••	2022
कौरन रय-वर्क-शिन्द्रनील गर्ट्याभाषात्र	•••	2020

প্ৰথম খন্ত প্ৰকাশিত চল

शिविश बहुनावली

নাটাচার সিরিশচন্দ্র ঘোষের সমগ্র রচনা—নাটক, উপন্যান, গলপ, কবিতা, গান, পরবিলিপ, প্রবন্ধ, বিভিন্ন পরপাঁচকা থেকে বা-কিছ্ পাওরা সম্ভব সমস্ভই আমরা সংগ্রহ করে চার ৭৫ প্রকাশ করিছ। প্রথম ক্ষত্ত প্রাণিত হরেছে (দাম কৃত্যি টাকা); ক্ষিত্রীর পাও প্রকাশিত হবে বর্তমান বংসারের পোরের দিকে এবং বাকি বৃটি পাও প্রকাশিত হবে ১৯৭০ সনের মধ্যে। উল্লেখ্য, গিরিশচন্দ্রের কিছু রচনা একদা যাজেরাপত ছিল এবং অভ্যানত দুশ্রাপা ছিল, আমরা ভা বহু আরারত সংগ্রহ করে বিভিন্ন থপ্তে সামিবিল্ট করিছ। প্রথম ক্ষত্তের সম্পাদনা রার ও ভা দেবীপদ ভট্টাচার এবং এই থক্তে সামিবিল্ট গিরিশচন্দ্রের জীবনী ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেছেন ভঃ ভট্টাচার। অন্য কাজবর্তী পাত্র-সাধানা আলোচনা করেছেন ভঃ ভট্টাচার। আরা কাজবর্তী পাত্র-সাধানা আলোচনা করেছেন ভঃ ভট্টাচার। বারা প্রবন্ধী পাত্র-সাধানা আলোচনা করেছেন ভঃ ভট্টাচার। বারা প্রবন্ধী পাত্র-সাধানা আলোচনা করিবেন ভঃ ভট্টাচার। আরা ক্ষেত্রী পাত্র-সাধানা আলোচনা করিবেন ভা ভট্টাচার । আরা ক্ষেত্রী পাত্র-সাধানা আলাক্ষেত্র আলিসের পাত্রবারা জালান্তে অনুরোধ করি, প্রকাশন-বিক্তাশিত ভাবের পাঠান হবে।

প্রথম থাকে — ২১টি নাটক ও এটি প্রকাশ। বিভানি থাকে — ২২টি নাটক, ২টি উপন্যান, এটি কাল্য, ১৬টি প্রকাশ ও ১টি কবিভারতাশ।

कृष्णीत परंच — २५वि मानेन, ५वि छेणमान, ४वि छवन्य

७ ३ हि कविष्ठाशन्य ।

हजूर्य बट्फ - 5% है नाहेक, शहे गान्त्र, १८ है झवन्त्र क 5 है कविकाशन्त्र ।

্থিত্তিশ রচনাবলীর সম্পূর্ণ তালিকা ও স্থামদের স্থান্ত গ্রহণ্ড তালিকার জনা লিখন।

मारिका मः मम

৩২এ আচার' প্রফলেন্দ্র রেড ॥ কলিকাতা ১ (৩৫-৭৬৬৯)

क्षक करण ज्ञास्त्रक नांकृत्यक सार्व अस्ति नयं प्रसायक दरेगः क्षित्रह्यासमुखात स्थलकर्तिः

त्रश्रा (वेतीका

कर्नाहे नर्द

केपनाम-सर्गमक स्थापनांस्यों अ शका पात्रा पात्रा ५२वि गर्द शका क्षितांस्।

-

বাংবায় বিপ্লববাদ ১০.০০
electric a results per deservi-

वारवा भरनीएव क्रम

म्द्रमात तम शरीय सराहित सारम स

अर्श (अ.८) निर्माणन्य बाबकोद्दवी श्रमीष

ভারতের মিল্প ও

ভামার কথা ১৫-০০ ব. নি. গাম্বী প্রণীড

भूत्वाह रूप मरुकार क्षत्रांग्य इदेव।

मत्र ९ छ छ

6.00

नवरमाहिकाविषयक महात्माठना क्रम कः मृत्वाबहम्म तममग्रु

স্বৃত্তৰে পাঠকপাঠিকাদের জন্য

শাশ্বত ভারত

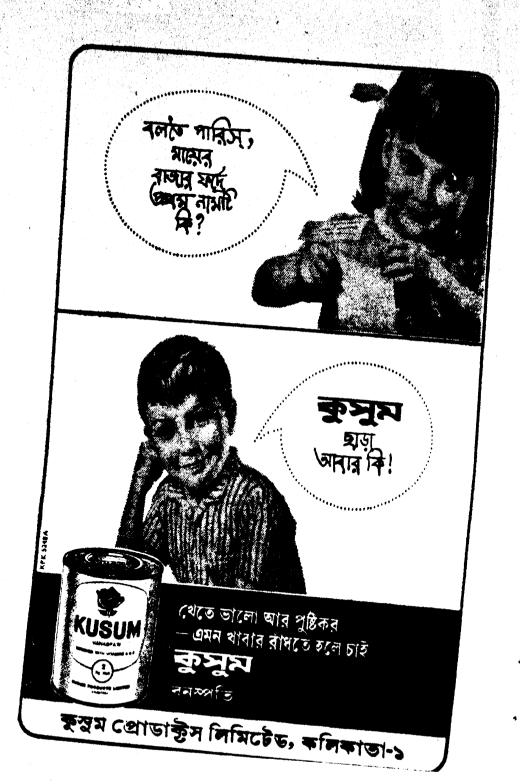
দেৰভার কথা : ক্ষরির কথা অন্তরের কথা : উপদেৰভার কথা শ্রীন্বোধকুমার চলবভা গ্রাণীত

ঐ একই দেখকের চেকা ছোটকের জন্য ভারতের বিভিন্ন রাজ্য নিরে এক একখনি প্ররংসপদ্ধি প্রমণকাহিনী

ज।सारम्त (५ म

উড়িব্য: জন্ম: সহিন্দ্র কলেম বাবে বইব ভাসিবনাড় প্রতি বক্ত হল্য ২-৫০

क्रमानकः अ. बद्धांकर्ति क्यान्य स्कार श्राप्ट निः २ विकास क्राक्रेकर्ति चीति, क्रिकाका—১২





विवत	লেখক		ग,छा
বিশ্ববিজ্ঞান—শ্ৰীসমর্গত		•••	2022
ৰাঙলার চালচিত—শ্রীঅ			2200
আধিক ভারত-শ্রীস্ত		***	2220
পারাপার-শ্রীশারে দ্র		•••	2220
পঞ্চল্য—ডঃ সৈয়দ ম		•••	১১২৩
ভায়েরির হে'ড়া পাতা-		•••	552¢
अम्द्रबद्ध निद्धाः — मत्रद्य		•••	シンミ み
ক্যানাভার চিঠি-শ্রীন্ত্রি	লাদি চাকী	•••	2200
बारगाहना—		•••	2282
শাহিত্য সংবাদ-শ্ৰীসনা	তন পাঠক	•••	228¢

विटमग्रामटस्य बहे				
শ্রীক্ষক্ষানুহর প্রচীন ছাব্রের গণ্য আই ভারত কথকতা ৩০০০ ব্রেক্ষেক নাম হামোশখারের উপনাস	স্মাৰ্থজন করের বিজ্ঞান্যপ্ৰী রোমাঞ্চকর উপান্যস ভূত্বীক্ষী			
কন্ধাবতী 🐃	সেই মা নুষটি ৩-২৫ শবরম জ্লোজীর গলো-সংকলন			
তাশ্যাতাধ বনেনগাধলারর উপনাস বিজ্ঞানের দ েশ্বংল ২০৫০	আমার ভালুক শিকার			
গোপেন মস্ত রহসা উপন্যস	9.00			
म्बर्गभाकु षे २.४०	চোরের পালাম			
বিশ্বসভন্ন চটোপাধ্যারের উপন্যস	চকর্বর্তি ৩-০০			
জানশ্সত (ছাওঁদের) ২০০০	नीप्रमात्रम् ट प्ररहेत्या चरायव			
প্রেমেন্ড মিত্রে উপন্যাস ও গ্রুপ মহারপ্রথমী ৬০০০	७३ करतत क्रीन न-कथा २ २ ६ ६			
	সঞ্জয় ভট্টাচন্ত্ৰয়ে নাটি বড় গ্ৰুপ			
मकतम्भी ७.००	नारिक बाक्यन्त ।			
গ্ৰন্থ আৰু গ্ৰন্থ ২০২৫ শক্তে যাৰা গিয়েছিল ৩০০০	সাগর রাজকন্যা ২০০০ স্বশ্নবাহ্যার গ্রন্থ-সংকলন			
	न्यभनव्दक्षात्र			
ড্রাগ্রের নিঃশ্বাস্থ্র ১ বর্জনার ব্যবহার ক্রান্ত্র্যার ক্রান্ত্র্যার ক্রান্ত্র্যার ক্রান্ত্র্যার	কৌতুক কাছিনী ২০৮০ স্কীল জনার গণে-স্কেনন			
वाविषु वत्र (मर्भ ७०००	जिल्मे श्रेष्ठ हैं जिल्हें के कार्य कर कर कर कर कर कर हैं कि के कि कर			

বিদ্যোদয় লাইলেরী প্রা: লিঃ ৭২ মহান্যা গান্ধী রোড ৷৷ কলিকাতা ৯

क्टबक्यानि विवस्त मास्त्रा कन्द्रार
्या नि महत्त्वार्थ केतान्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र
केनात्रभाषी विदयक स्राप्तीय स्वाताल — 6.00
ब्र्नानकरम् ग्रंथम नरथ
ৰ্ণারক হকার — ১.০০ সাংবাহিকভার গোড়ারা কথা
- 8.40
ক্ষিউনিজন ও বিপ্তন প্লাক ও ব্যুক্তিন — ৪-০০
ग्रम्बाक ७ कविकीनक्य
জিচাত কলেজ — ২.০০ হুপা কালভ কলং
CH4 44 44
प्रस्ती क्षान · — 8.60
वारण ज्यं अल टक शास्त्रकार — 8.60
জেসিজেন্ট নিয়ন
ক্ষেত্ৰ এক হেল — e-eo সাহিত্যকৰ
Binarina seconda
ভি সি গৈটি — 2 .00
नाव्यिकाचा वार्तिन नावाद किर अक जनम — २-१४
न्यायिक छैरन मन्यास्य
বাট্ন লোল 8.00 বাল্-বাহিজ
वर्षनीकि । बानवक्नाम
(M. 44 M.a 8.00
প্রজ্যোত্তরে আজেরিকা বিয়ন — ৩.০০
এলিরার ধ্যারিত অগ্নিকোশ রয়েন ফেলিরার ৩-০০
এনিয়া পাৰ্বাদীন্য কোং
रिश्वीयशास्त्र नन्त्रास्त
আৰু এন গাড়ানার — ৩.০০ সাম্যবাদ, বিষয়বস্তু ও কার্যপদ্ধতি
रभागिकार ६ इस्मिन - ३.६०
হেলাদথা প্রকাশনী অভীতের সম্বানে বিজ্ঞান
स्वारकत नन्यास्त विकास स्त्रारको — २.००
নক্ষরলোকের পথে কাইচিন ও সাসকার — ১.০০
মাটি থেকে মহাকাশ
ক্লাইড অর জ্নিকার — ১০০০ উচ্চিত্র পার্বালিশিং কোং
কেনেভি মানস
ভয়েসলি প্রেড্রেসন — ৩.০০ ভারতের কৃষি ব্যবস্থার পরিচর ভিত্র বাত
ि । जनार के बनाना—लीड पण्ड €-00
এ হাজা নানা বিৰয়ে কারে। জনেক কই ভালিকা চেয়ে পঠোন
প্রশতকবির্ভিভাগের উক্ত কনিশন আজেই অভান সিন
এম সি সরকার জ্যান্ড সম্প প্রাঃ সিঃ ১৪ ব্যক্তির চট্টেল্ড প্রীট, কলিকাল-১২





PEGDOGENT AND COMPLEXION SOAP

আপনি পাবেন নিখুঁত ও রমন্ত্রীর ছকের বাহুমরী অলীকার আপনি পাৰেন বিবিধ ক্ৰিয়াশীল সাবান--সিব্বল দিয়ে মারাগিনের সভেষ আকুরতা সিম্বল সাধানে আছে बि-১১ (दिम्राक्री(दाकिन) ছনিয়ার সববেকে কলপ্রার বীজাপুনালক अक्यांव कि-३३ वृक्त जिल्ला আপনাকে শুব্দর ও সডেজ রাবে

সিম্বল হচ্ছে একটি প্রকৃত তুর্গজনাশক সাবান





বৈষয় পেখক		भ,ष्ठा
প্তেক পারচয়—		5589
শেলার মাঠে-একলব্য	•••	2282
ৰ্যাডমিণ্টনের আইনকান্ন—ম্কুল	***	2242
खब्गुर्म्	•••	১১৫২
ब्रश्नाक्षशर	•••	5560
সা•তাহিক সংবাদ—	•••	2290

भ्राकृतः श्रीहरू। दिकान्य प्रकारकी

শেठे भाउमीय সংখ্যा

বাংলা ভাষায় প্রকাশিত প্রথম প্রেণীর পরিকা

সাহিত্য ও সংস্কৃতি

সম্পাদক: সঞ্জীৰকুমার ৰস্

সাম্প্রতিক বাংলাসাহিত। নিরীক্ষার ম্ল্যবান দলিল। সাহিত্যের বিভিন্ন দিক নিয়ে আলোচিত প্রকারলী, এই শারদীয় সংব্যাটিকে পাঠকসমালে বিশেষ করে সাহিত্য-রাসক ও সমালোচকদের কাছে ব্যেণ্ট আকর্ষণীয় করে তুলবে।

ণ এটে লিখেছেন য়

রৰণিদু কাব্য-সমাক্ষা ডঃ প্রীকুমার বন্দোপাধায় ॥ কৰি মতাদিদ্র-নাথ সেনগাপু ডঃ তারকনাথ ঘোষ ॥ প্রাধানতা-উত্তর বাংলা উপনাসে প্রিথানীগচন্দ্র ডট্টাচার্য ॥ প্রাধানতা-উত্তর বাংলা কৰিতা ডঃ উংজ্বলকুমার মজ্বদার ॥ প্রাধানতা-উত্তর বাংলা নাটক জাবন বংদ্যাপাধায় ॥ প্রাধানতা-উত্তর বাংলা গোলপ আনন্দ বাগচী ॥ প্রাধানতা উত্তর বাংলা প্রবংধ নারায়ণ চৌধরী ॥ প্রাধানতা-উত্তর বাংলা সমালোচনা নিম্মণোগাল সেন-গ্রুত ॥ প্রাধানতা-উত্তর বাংলা লোক-সাহ্ত্যা/সনংকুমার মিত ॥ এছাড়া দ্টি শতবর্ষের অর্থা : মহাস্মা গাম্ধী অমলকৃষ্ণ গ্রুত ॥ মনোমোহন ঘোষ স্নাল বন্দ্যাপাধায়ে ॥ প্রতিটি প্রবন্ধ স্দ্রিঘি স্নালিখিত এবং তথা সম্বলিত।

মলো: তিন টাকা

ব্রভেম্বী ভাকে চার টাকা

প্রিসেশক চ **পরিরাম**, কলেজ **স্থা**টি, কলিকাতা

পুজানক ঃ
চাৰিল প্ৰাণা জেলা সংক্ৰাভ পাঁৱৰং,
১০ হেসিংস প্ৰীট, কলিকাতা~১

।। অমৰ সাহিত্যের নাতন বই ॥

গভেশ্বকুমার মতের

त्रभणीत्र भन ७॥

অবধ্যত্ত্র

वकाषाी 8॥

প্রশাস্ত চৌধ্রীর

(शाधृति त्रष्ठोव ए,

আশুতোৰ মুখোপাৰায়ের

বাজ কর ৮,

নীয়ারবলন গ্রেবর

ञान्नि विमोर्थ १

স্টেমক্ষাৰ স্কৰতীৰ নৰতম ভ্ৰমণ কাহিনী

কুটিল কুমায়ুব ৫,

গজেন্তুমার মিটের যুক্তাক্ষর বিরল

गाक्की की वती आ

একেবারে যাবা নতুন লেখাপড়া শিলেছে—ভারা ব্যুখ্যত পারবে

গ্রাজন্দক্ষাক আিত্র

धक श्रद्धत थला ६,

नवजन्म ८,

मायधनाधः रघारसद

জল্মি তরঙ্গ ৫

বিমাল মিতের

াতন ছয় নয় ৬॥•

জ্ঞান্ত পূর্বিব

জালিকাটা রোদ ৬,

कृष्ण<u>भ</u>ागत्

জায়গা আছে ৫, প্রশর্মণ ৫,

অমলতাস ও,

মূর প্রায় কর্মির

बङाना SII- ऋडिया दशस्ट S.

र्राद्रका**त्रक्ष** पुरस्केत्राच्या **व**र

জনা দেশ অনা দাহ ১৫,

অশনি সংকেত ৫,

মীকুলয়ঞ্জন গাংগতৰ

স্থ তপস্যা ১০, উম্প্রসাদ মাহাপ্রসংস্কর

কুয়ারী গিরিপথে ৫॥•

ভ্ৰমৰ সাহিত্য প্ৰকাশন ৭, টেম্যে লেন, কলিকাত:১

यथन भावन युवायुविकान युवायुविकान युवायुविकान



ভি নি এম-এর ভিন্তপ্লো ভোরালে করেক সেকেন্ডের মধ্যে আপনার গা থেকে প্রভিটি বিশ্ কল তবে নের—কারণ, জাত চমংকার তবে। নেবার ক্ষমতাসন্দার ক্ষম তুলোর মিশ্রণে এই ভোরালেন্ডলো হরে ওঠে এচও পিণালার্ড। আর, টেকেও অনেক বেশীগিন। মিনমোর ভোরালে স্কল্পর ক্ষমর রঙে এবং অপরুপ রকমারি ভবি ও আলার্ড ভিনাইনে পাবেন। পৃথিবীর ১০ট বেলে ভাইড' ছড়িরে পড়েছে ওবের অনুষ্ঠ প্রশতি।

Bensons (1454-544

টি সি এম ক্টোৱে বধুনই ঘাবেন নজুন কিছু না কিছু অবন্য পাবেন



অপরূপা এলে অভিনর সাডে



টাটা টেক্সটাইল্সং-এর জ্বান্ট নিয়ে তৈরি জাল্য প'রতে,
মুক্ত বিশ্বর জাণি সবসবর ছিবে বাক্তবে জাল্যকে।
মুক্ত বিশ্বর জাণি সবসবর ছিবে বাক্তবে জাল্যকে।
মানা রতে, অভিনব ডিজাইনে পাবেল টেরিন/কটন
এর মনমাভানো প্রেক্ট। তাঁক পড়েলা, খাটো হয় লা।
জ্বান্ট এক জালা প'রে দেখুন কি মধুর নির্বাপ জাপত্রপেকে মনে। ভার সজে প'রুন মানানসই চুড়িদার—
পপলিনের বা ২ × ২ কাপড়ের। ৬০টির ও বেশী
রক্ষারি রং, চেক, স্টুাইপ, ডট, প্রিক্ট বা প্রেন রংকে
পাবেন। বা অাপনার পঞ্জ, বেছে নিন।

TATA Textiles है।है। एक है।हैतम् अत अलेज

गाम्धीकोव क्रमानकशांचिकीरक श्रीवरवरन्त्रेव सम्प्राची

यशाजा गान्धी

शहपानकुमान शामानिक

। "আমার জীবনট আমার বাণী"। সেই জীবনের বাংলা ভারার স্ব্রিয়ার স্ব্রিয়াং তথাবহুত পুশাঞা বিবরণ । ॥ फिमारे मारेक। श्राप्त २०० भारती। साथ ५७ ॥

গান্ধী-চরিত 4

পাণধাঞ্জার বাজিজীবন ও পাণধীলকানের ভানিয়া বিশেষসাধ ও অপার ভারত। প্রত্যক গাল্ডবিনে ও মাকসিবাদরি अवना शाहा।

সমাজ শিক্ষা ১০,

निविध्यक्षक वाष

प्रशासनीताच्या प्रवासनात्वा सामसी सामीका नाम বিবেকানকের আন্তা স্থিত্ত

কিলোৱীলাল মলব্ভয়ালা

প্রাঞ্জ ভাষাজ অন্তার করেছেন গৈলেন্দ্ 82940 20862 c

আমাদের লালবাহাদ,র > ₹11 -আমাদের জওহরলাল 50

ভারতরক্ত কওহরলাল

<u> शर्मामक्रमात्रः आश्रानिकः</u>

भशाषा गाम्धी ७.

टबार्मा टबार्मा

গাল্পতিয়ালৈতে মহামল্যিকী ব্রাজীয় স্বা-्याके करमान।

সীমান্ত গান্ধী ৩১

(मी काम्म(त शक्त सात) গ্ৰেমণ কাৰ বিভিন্ন ৭০% অধ্যয়ে

काँत शरहत चाहन्स क्षीताही।

211 গান্ধীজী

क्रमाधनाध बन्

কিংশতে কিংশার তিমর উপ্যেমণারী সহক্ত ও সংব্যা^{শী}কা ব্যামান

শিক্ষা 76'

श्रदायाः गान्धी

লিক্ষা সম্পরেক পাদ্ধীক্ষীর সমূহ কোথাৰ भा*तका ७ अन्*तिम कार्याहर **रेन्द्रका** याजनगुण सामग्र

সংক্রিপ্ত

আত্মকথা

महाक ए दुशक्षण आहा**र कराराम काराय**न রয়ানাথ মারীত।

त्नाग्राशां लटङ

নোকাখালির সহযায়ী সাকুষার রারের লিভ'র যোগ্ ঐতিহাসিক দলিকাং গাণ্ধকিবৈ আশ্বৈদ স্পাধিত।

স্কুমার রায়

ু প্রাধীনতা যুদ্ধের ইতি**রাস**

ৰ্নিয়ালী লিক্ষা ২, ৰ্নিয়ালী শিক্ষাপদ্ধতি ৪, তিক্ষুকুমান ভটুচাৰ্য ৰানিয়ালী শিক্ষাৰ কথা, ১৯ ও ১৩ ০০জ ৪৫০ চিত বানিয়ালী শিক্ষাৰ সংগ্রেম ৭৪১ জনিল্মেলন গুল লক্ষ্ণ **ডালিম** ও দ^{ক্}তেনে মক্সমদকে

১৬ট অপ্রীনের প্রাণ্ড পাণ্ডী-সাহিম্যা রেড্ডাগোর শান্তবর ১৫, টাবা হারে কমিশন মুগ্রেশ ইইটেট

রাণিয় সমালেলনার বহাু±ভীকিছে ও স্বলিক সংক্রেকণ ভ

তঃ শ্ৰীকুমাৰ ৰাক্ষ্যাপাধ্যাৰ, এছ, তিপ এইচ, ডি

वर्वाष्ट्र-मर्गाष्ट्र-मभीका.

'कर्माम काइनर एक्के प्रधानगरन रह केन्द्रपत राभगाणाधाम कड़'क विस्थ समाएह क्यौन्द्रगरमाह कु<mark>कौद चर्च द्वौन्द्रकारा</mark> ত্ততীয় পৰায়, এবন্দ্ৰনাটকেও দিবতীয় প্ৰা.ম. ব্ৰণিন্ত উপ ন্যাস, ব্ৰণিদ্ৰনাট্ৰৰ ছেটোলপে প্ৰভৃতি আলোচিত বি**প্তা ও** বিশ্মরকর প্রবেশগ গ্রাম্থ : পাম ২০,

অধ্যাপক অর্পকুমার নস্, এম. এ, পি. ভার. এস

রবীন্দ্র-বিচিন্তা

মানসী, সোনাত প্ৰতী, চিত্ৰা, কংগনা, আকাশগুলীপ, আনেল্যা গুড়ুডি ক্ৰীন্দ্ৰকালকে প্ৰথম ৰ শেষ প্ৰতিবাদ বিশ্বতীৰত আগপাননা, বহুণিয়কাৰে। গ্ৰেম, ব্ৰঞ্জ, নাটক, বহুণিদ্ৰুনাছের চিত্রকলা বিষয়ে মন্দ্রকলি ন্তন করেলকেস্প্রতঃ माध ५० होता रगोत्रम् गर्वशानावाच

বর^{িষ}্ট্রারের ট্রন্থিন জাবির্ন্ত **বরোর**। পরিবারণের তথাপ্র উপাতারর রচনা, রব্বিদ্রনাথের অপ্রকশিক ছবিত্র। ৫

ওরিয়েণ্ট বৃক কোম্পানি।

करणक न्योंने बारकी साहामा। क्रिकाला - ১২॥

প্ৰকাশিত হল



मा**य 8.00**

হোট্ট সোনাদের অপর্প সব মুপকথার গকা শ্রনির ভাষের প্রথম বিশ্বর দিনগ্রির রঙে রসে ভরিরে তুলতে আবার তাঁর মুপকথার বিশ্বর শুলিটি বিশ্বর হাজির হরেছেন এ-কালের একমেবাছিতীরম্ মুপকথার বাদ্ধর কৌ তৈকেল যোব—বাঁর 'অর্ণ-বর্ণ-কিরণমালা' ও 'মিতুল নামে প্রভূলটি প্র্যান ভার একান্ত প্রিয় হোট্ট সোনাদেরই ভোলার্মান, ব্রেড়া বেজেদেরও বল কেডেডিল; উপরস্থ রাজ্বীয় প্রক্রারের গিরোপাও পেরেছিল।

ছে।টু সোনার গণপ শোনার চমংকার চমংকার ছটি রুণান্থার বান্ধ আছে : টুং-এর বন্ধু কুমঝুমি, সদার, বেড়াল-বাদর-গাধা আর লোকটা, চাদ আর পাপুই, সোনা-কুরঝুর হাসি, চ্যাং ঝোলা। এর প্রত্যেকটির বাদ্ধ

रेगरनन स्थारबद्ध

ছোটদের র পক্ষার গ্রন্থ

ছোট্ট সোনার গ**ল্প শোনা**

এবং উপভোগ্যতা এমনই অবর্ণনীর যে, ভাষার তা প্রকাশ করা বার বার পর্বার বইটি দামী কাগনে আগাগোড়া দ্' রভে ছাপা। তার পর্পর রয়েছে প্রায় প্রতিটি পাতায় বিমল দাসের আকা বড়ো বড়ো অক্সপনীর সম্পর সম্পর রভিন ছবি এবং অপ্র্ব সম্পর বহুরঙা প্রজ্ঞা—বেগলি গলেশ পরিবেশ এবং পাতপাতীকে আশ্চর্য জীবস্ত করে চোখের সামনে ভূলে ধরে কচি কচি পাঠকদের কম্পনাপ্রবণ মনের সঙ্গে সঙ্গে সৌশ্বশিরাসী চোখাকও তৃত্ত করবে।

এই লেখ কের জনারা বই
 অর্ণ বর্ণ কিরণমালা ২০০০ মিতৃল নামে প্তৃত্বটি ৩০০০

ইতুর থেকে

रेजामि

শিবরাম চক্রবতী ॥ দাম ৩.০০

দেৰতার

পাহাড

নকুল মুখোপাধ্যার ।। দাম ৩.০০

পিন্কুর ডাইরি

সরলাবালা সরকার 🏗 দাম ২.০০

হৰবিধনি আর গোৰধনি

শিৰরাম চক্রবভী ॥ দাম ২-৫০

সত্যজিৎ রায়ের

সদ্য প্রকাশিত গোরেন্দা-উপন্যাস

বাদশাহ**ী** আংটি

একে তো রোমাঞ্চর ও বৃদ্ধি-ধীধানো ঘটনাসলিবেশ হেতু এ কাহিনীর আক্রমণ

ছোটদের আরও বই

প্রচণ্ড, এবং আশ্চরণ সানলাল ও আক্রমণ এব রচনাভাঙ্গি, তার ওপর ররেছে সত্যাবিধ রারের নিক্তের অকিন বহুরঙা অপর্প প্রক্রমণ এবং বারোটি প্রো-পাতা ইলাস্ট্রেনা; স্তরাং বোঝাই যার, নিক্তে পড়ার এবং অপরকে পড়ানোর মত এমন বই, এবং উপহার দেবার মতও, শুধু এ প্রেলার কেন, আগামী করেক প্রভারেও বেরুবে কিনা সন্দেহ।

দাম 8·00

बागारम्ब

শংকরীপ্রসাদ বস্ ॥ দার ৬.০০

त्राचात

ब्राका

त्योमाहि ॥ नाम 8.00

ट्स्निट्यन

বি**ৰেকানিত্য** সত্যেশ্যনাথ মহম্মদার ॥ দান ২০০০

त्यच वर्गच

CEFF

রঞ্জিত বন্দ্যোপাধ্যার ॥ দান ৩-৩০

সানন্দ পাবলিশাস' প্রাঃ লিমিটেড

অকিস ঃ ৫ চিতামণি দাস কোম। কলিঃ ৯ ।৷ কোম ৩৪-৮২৪৭ বিক্রম-কেন্দ্র ঃ ও৭এ মহাতা সাম্বী রোভ । কলিকভা ৯

বাংলা ভাৰার লবাবিক প্রচারিত একমাত প্রথম প্রেশীর সাপ্তাহিক (হিটা

৩৬ বর্ষ ॥ সংখ্যা ৫০ শনিবার ১৫ আখিবন ১০৭৬

ज्ञानमञ् গ্রীঅশোককুমার সরকার मध्यक मध्यामक

শ্রীসাগ্রময় ঘোষ

हरका शिका हो। सः भी दहासम्ब আন্তেমতান্ত্ৰার পণ্ডিরা প্রাঃ লিঃ পুঞ্জ সরকার পর্বীট, কলিকারা ১ श्याक लीमा जारम, क्यात मामगा, गड কর্ক মুটিত ও প্রকাশত

টেলিকেন \$0-\$580 \$0-AGB\$

stein Ein ভালভাতার

_ ₹6.00 _ \$2.00 राप प्रक هادر عثر 4.54

STEC S

__ 50.00 ... >a.ao A-00

भाकिकारन

(ছেকে) হিহানে } হাষিত সভাৰ 🔔 ৩০-০০ - 54.40 H-00

कारतार गाहित्य

হাতিতি সভাক 🚅 ৫২.০০ হাক সৈক

रियामिक _

सामान क्यांन

(विधान संग्रंक)

__ 05.00 a farm __ \$5.60

ত কৰিব _ \$0.00 বৈদাসিক

দাম ৫০ পরসা

केश्वयक क सामारम অভিবিশ্ব বিমান মাস্থ্যে ও পদ্ধনা

DESH

Saturday 11 Oct 1969

সামাত্ত গাল্ধীৰ ভাৰত স্পান

শ্বীক্ষীর জনমণ্ডবার্ষিকীর শুভ মুহুতে আমরা এমন এক মহাপ্রাণ ব্যান্তকে প্রাপ্ত বিষয়ে বিশ্ব বি গান্ধীজীর আর-এক প্রতিমূতি; আমাদের কাছে বিনি সীমানত গান্ধী বলে পরিচিত। গাম্বীজীর এমন যোগ্য শিষ্য-কী জীবন সাধনার কী বা আদর্শে আর বড় দেখি না। স্বাধীনতা আন্দোলনের অন্যতম অগ্ননারক বাদশা ধাঁবা খাঁ আবদ্যল গ্রুফন্তর খা আজকের দিনের ভারতবাসীর কাছে প্রার-বিস্মৃত প্রেব হরে এসেছেন: অথচ ইনি বে স্বাধীনতা যুম্খের কত বড় সৈনিক ছিলেন ডা আমাদের দীর্ঘ স্বাধীনতা সংগ্রামের ইতিহাসে লেখা থাকবে। দীর্ঘ বাইশ বংসর পূর্বে তিনি ভারত ভূমি ত্যাগ করেন, তখন পাকিস্তানের জন্ম হয় নি। তিনি ভারত **ছেড়ে** চলে যান পাখতুনদের স্বাধীনতা সংগ্রাম চালিরে যাওয়ার জন্যে। সে-সংগ্রাম এখনও 52179 1

বাদেশা খাঁর ভারতে আগমন আমাদের পক্ষে প্রিরজনকে পাওয়ার মতন। অবশ্য তিনি মাত্র দু মাস ভারতে থাকবেন। প্রধানত গাণ্ধী **শতবার্ষিকী অনুষ্ঠানের** উপেরাধন করার জনেন তিনি ভারতে এলেও সেই উম্পেশেই তিনি এদেশে আমেন নি। তিনি এসেছেন শাণিত মৈতী ও প্রেমের আদর্শ নিয়ে, আ**মাদের মধ্যে** মেই আদুর্শের কথা আরও একবার সমরণ করিছে দিতে।

এদেশে দীঘাকাল পরে ফিবে এসে তিনি কী দেখছেন? বাদশা খাঁর নিজের কথার: 'এদেশের মান্য গাণ্ধীজীর শিক্ষা ভূলে গেছেন।' কাজেই তিনি ব্যথিত হয়ে বলেছেন, গান্ধীজীর শিক্ষা বারা ভূলে গেছে তারা তাঁর কথা শুনবে এ বিশ্বাস তার কী করে হতে পারে! গান্ধীজীর পথ থেকে সত্তে আসার এমন ভান্তি দেখে সতিটে তিনি উদ্বিশন, ব্যথিত।

একথা বলে দেওয়ার প্রয়োজন হয় না, প্রায় আশি বছর বয়সের এই বৃন্ধ মান্যটি আজ ভারতে এসে কী কী দেখতে পারেন। মনে রাখতে হবে, এই মান্য নবাগত নন—বা ইনি আমাদের স্বাধীনতা সংগ্রাম, আদর্শ, আশা-ভরসার কথা खाइनन ना। जिन भवडे आहुनन, एकनना जिन्न वाडेखत लाक हिएलन না । অথচ আন্ত-বাইশ বছর পরে ভারতের মাডিতে পা দিয়ে তিনি স্পাণীই অনু-ভব করতে পার্ছেন ভাবের স্বংশর ভারতের। মাতি এটা নয়। **এখানে আজ** বাজনীতির সর্বপ্রকার কলা্মতা প্রবেশ করেছে, দেখা দিরেছে অবিশ্বাস্য হিংসার চেহারা, সন্প্রদায়িক সংকীর্ণাড়া! এই কী সেই ভারত যাব জন্যে গান্ধীজী প্রাণ বিস্কৃতি দিয়েছেন 🤄 দ্বভাবতই সামাণ্ড গণ্ধী যে বেদনা ও আছাত আনুভব কণতে পারেন ভা আমরা হয়ত অন্মান করতে পারব। কিল্ড ওই মান্সেডির প্রকৃতিই এমন যেখানে র্ডুডা, জবিনর, মালিনের কোনো স্থান নেই। মুদ্রে তিনি িশেষ কিছাই বলেন নি, শাধা ভারতের মাটিতে পা দেওয়ার কিছা পারে। অনশন বত প্রক্রের সিদ্ধানত নিয়েছেন তিন দিনের জনো। **এ অন্নন কেন** ? ভারতে াম ছাগা ও হিংসাত্মক পরিবেশ দেখা দিয়েছে ভার প্রতিবাদে এবং গাল্ধীজীর भर्ग जनगाभातम । तर्जन काताकन-को एकाएक। वालमा भी ल्लाकेट तर्जाकन हत्। িনি অর্থ সংগ্রহের জনে এখনে আসেন নি, আসেন নি, পাখড়নিস্ভানের আদেলমনে ভারতের সাহায়া চাইতে: তিনি এসেছেন গান্ধীজীর শিক্ষা ভারত-কাসীকে স্মারণ করিছে দিতে। মহাত্মাজীর স্মৃতি এবং ভারতের জন্সাধারণের প্রতি ভালবাসাই তাঁকে এদেশে টেনে এনেছে।

দুঃথের হলেও একথা হয়ত বলা বায়, সীমানত গান্ধীর ভারত দর্শনের পর তাঁর স্বংনভণ্য ষটেছে। তব্ব তিনি গান্ধীবাদী—তাঁর আশা এত দৃঃখেও ভাঙার নর। হয়ত তিনি তার স্বন্দপ্রণের আশা নিয়েই আবার ফিরে বাবেন। কিস্তু আমাদের পক্ষে তাঁকে আশ্বাস দেবার কিছু কী থাকবে? মৌখিকভাবে হরত থাকবে, কার্যত হয়ত কিছুই নর।

ভারতের বহু মান্ব আজ সীমান্ত গাল্ধীকে সম্রান্ধার, সাদরে অভার্থনা করেছে, করবে। এই অভার্থনার মধ্যে ফাঁকি বোধ হর নেই, ভাবপ্রবণতা কিছ্ থাকলেও থাকতে পারে। কিন্তু এই অভার্থনা থেকে একটি জিনিস বেশ বোকা ষারঃ বাঁদ ভারতে বাদশা খাঁর অনুরূপ আদশ্বান মহান কোনো নেতা দেখা দেন ভারতের জনসাধারণ তাঁকে গ্রহণ করতে শ্বিধা করবে না।

पद्मा कर्द्र आघाद जर्थापञ्चन । यन्त्रीष्ठेज कित्रिस्य पिन।

শরতের জনি-চরতা

ক যেন পশ্চিম বাঞ্চানার যাজ্ঞান সরকারের শরং কালটা তেমন ঠিক সহা হর না। শরতের হাওয়া গারে লাগলেট কেন যেন এ সরকারের বিপদ ছনিরে আসে। কেন যেন এ রাজ্ঞার নারকরা চণ্ডল হতে প্রতিন।

১৯৬৭-র কথা ভাবনা। ২ অকটোবর কাউল, কিন্তু নতেমধর মাসটা আর পার হওরাই গেল না। অজয়বাব্ হলি বা একেবারে শেব ম্হেতে ফিরলেন, ডঃ খোব এবং অধ্যাপক কবিরকে কেউই আর ফেরতে পারকোন না।

শবারও বেন সেই শরতের চাওরা গারে লাগতে না লাগতেই যুৱজনট সরকারের ভিত কোপে উঠেছে। আবার ঠিক দেবারের মণ্ড গোপন চলাফেরা মারু হরেছে। ঠিক তেমনি শ্লান-প্রোগ্রাম তৈরী হছে। রাজনৈতিক মহলে আবার সেবারের মন্ত চাপা গাসন উঠেছে—ঠিকরে তে সরকারে! কারতে হিঞ্জিকারতা ভোটাছ্টি শ্রে হ্যেছে।

এবার আর সেবারে বাশেন মেলিক কাতকগালি তফাং আছে। সেবার বিধানসভার কংগ্রেসের সদস্য সংখ্য জিল ১২৭: এবার মার ৫৫। সেবার বিকাশ মন্তিসভা হাজ শারত এবং বাজে পেরেজিল অতি সহজেই; এবার বিকাশ সবকার গঠন অভানত কঠিন। সেবার কার্যের চোখের সামানই অবভানত শিবনিয়ালক কলাক প্রভান না এবার বার্যার।

কিব্ছু এত সব অস্থাবিধা সংহও,
প্রিক্তি এত ভিন্ন হলেও শবং অসতে
মা আসতেই পোপন চাঞ্চলা কথ বাঁতি বৈজ্ব গিরেছে। ঠিক সেই সেবারের মত গোপনে গোপনে নানা পরিকলপনা রচনা শ্রে হার গিরেছে। নেতারা প্রকাশে। যা বলঙেন প্রারি আড়ালে ঠিক তার উদ্যোগনে এলিরে ভাজেন। যাজ্যনাট সর্বারের বিপ্র বিনাকে দিন বেডেই চলেছে।

আনগণ দ্রের কথা, জনটের নেতারা সকলেও তাঁদের এই বিপদের কথা আনেন না। প্রেকজন সবটা জানেন, কেউ কেউ কিছ্টা শ্নেছেন, অনেকেই আবার কিছ্ই আনেন না। কিছু আবার এমনও আছেন বাঁরা অনেক শ্নেও সামান্যও বিশ্বাস করতে পারছেন না।

আমার কাছে কিপ্তু একটা জিনিপ পরিক্ষার,—জনট সরকারের বিপদ থ্ব দুত জনিরে আস্তেঃ

এইভাবে বিশন্ত ঘনিরে আসার ক্রম্য কিন্তু ফ্রমটের করেকটি শরিক দল এবং করেকজন নেতাই বিশেষভাবে দারি। এবার শোড়া থেকেই পরিস্থিতি তাইদর অনেক



অন্কুলে ছিল, কিংলু তা সন্তেও এবারের এই সভে মানেই তার; বে কর্মাতার পরিচর দিরেছেন, সেবারের মেটনর মানেত মানাহাকে ভতটা হাতাল করে তোকেন নি। এবার খালে পরিস্থিতি ভাল, থের ও-র আতংক তেমন নেই বললেই চলে এবং বিধানসভার সংখ্যাগরিস্টতার কলা ভাষতেই হাক্তে না। এবার সেবারের তুলনার কলেও হারেছে অনেক বেশি। করেক লক্ষ প্রামক-কর্মাচারীর বংশেউ তার্গিক লাভ হারেছে, ব্যু সহল্ল একর বেনামী জামি উপার পেরেছে।

নিপত্ন এবরে যেটা সাধারণ মান্যক্ষে সংগ্রের বেশি হাডাল করেছে সেটা হল ভাবে নিজেকের হানাহানি। প্রতিদিনই বেন শবিক মারামারি লোগে আছে, প্রতি সংগ্রেই একাধিক রাজনৈতিক এবং আধা রাজনৈতিক খ্যানর খবর আসছে। এত বৈঠক হাছে, এত কথা হাছে, এত রকা হাছে, এত প্রদান হাছে—কিণ্ডু সংঘর্ষ, খানাখ্নি বেন কিছাতেই কর্মছে না থামাছ না।

থামছে তো নাই এবং প্রকে নিজের ও কেন থামাতেই চাইছেন না। গ্রাম গ্রামালতর থেকে বেসব পরে আসছে তার মাল সরে একই— বে বহুন পরেছেন সমাজ বিরোধীরের পক্ষপটেই আগ্রেম বিরে কলগতে শক্তি বৃদ্ধির চেণ্টা কর্নাহন এবং প্রেমাল পরি বৃদ্ধির চেণ্টা কর্মান এবং প্রেমাল পরি বৃদ্ধির চাল্টা কর্মান এবং প্রেমাল পরি বৃদ্ধির তাকে সন্পূর্ব কর্মান নামে প্রত্যেক ক্লাই একে অপরের বির্দ্ধে নিজের লোকদের অপ্রন্দিকত করের ভ্রাতে চাইছেন।

श्राहाक महाडे श्राहाक मानव विदारमध দলগত দ্বাধে সরকারী ক্মতা অপ-বাবহারের অভিযোগ আনছেন। ভরা বলাছন দফভরণ লি দলগত খাসতালাকে মত্তীদের পরিণত हाराष्ट्र। ७ जन्मदर्व স্বচ্চের মঞ্জর न्वीकारदाजि পাওরা โทยสาน এস শির কাছ থেকে। অতি সম্প্রতি দলের কেন্দ্রীর কমিটি সমগ্র পরিস্থিতি বিশেষবর্গ করে এই হাল সিন্ধানেত পৌছেছেন বে, 'আমরা প্রত্যেকট সলগত ण्यारथी प्रयम्टतगर्भाषा नत्त्रहान्न कर्वा**छ**।" দলগত স্বার্থে দফতরগালি চলছে এই কথা শানিকে শানতে এগং কিছাটী দেখতে দেখত শাধারণ মান্ত্রের মনেও ধারণাটা প্রায় বশ্বন্থে গিরেছে। কলে অক্ষাটা এখন এনন দ'ভিরেছে বে, প্রিলমের কোনও সাহারা চাইতে হুগেই আনেকে সি পি আট (এম)-এর লোক খেলেন; তেমনি স্লাটের কনা ধরতে যান সি পি আই'র লোক, হাস-পাতালের কালের কনা আর এস পিকে পার্যালক প্রসিকিটটন আ পরেনটামেন্ট কনভারাত্তর কবকে, শিক্তপ লাইসেন্ট ফেভারাক্র ক্রকে, শিক্তপ লাইসেন্ট হালো কালেন্ট্রিক।

এত গেল প্রকাশ অলাপ-আলোচনার করা। রাইটারস বিলাভিয়েসর আন দ্রে বানার টারস বিলাভিয়েসর আন দ্রে বানারে বা রাজনৈতিক মহলের গোপন আলাপ-আলেচনার কান পাতলে শোনা যার আর একটা ভারবে কাহিনী। বিচিত্র একটা পরিস্থিতি স্থিতি হয়েছে : প্রতাক পার্রটিই মনে করছেন অনাদল প্রতুর টারা কামিরে নিক্তেন। এ সম্পর্কে তারা প্রার বোলাখালিই আলোপ-আলোচনা করেন। শুয়ে একটা জিনিস দ্বাকির করেন না সেটা হল ভারি বা তালের দল কি করছে। তিনা দলের অর্থা উপাজনির যে কোনও ক্রিনার করিন বা তালের দল কি করছে। তিনা দলের অর্থা উপাজনির যে কোনও ক্রিনার করিন।

॥ শারদীয়ার শ্রেষ্ঠ প্রকাশনা ॥ সভবোল রচিত

তন্ত্র পরিচয় : ৭০০

তত সম্পত্ৰ প্ৰিচিত লাভের জনা এদেশে আগ্ৰহের সমা নেই। এই দিকে গক্ষা রেখে লেখক নিপ্ৰেল্ডার গ্রেগর ইলে তন্তের রহসা উপ্যোচন করেছেন।

লিপিকা

৩০/১ কলেজ রো. কলি-৯

(TR 2000)



আগমি কাপান এটা শাড়া, তৈওনন স্টিং, রেডিয়েড পোশাক, নাইজন মেজা, টাই, দেউন্যলেস দ্যীলেব বাসনপ্ত ইত্যাদির ভড়ার ব্যক করে মাসিক ৫৭৫, টাকা অধবা আকর্ষণীর কমিশন কলান করাত পারেন। সহর হোন। প্রো সাইজেন মন্ত্রনার জনা ভালাই লিখনে।

BOMBAY AGENCIES Kalyanpura Delhi-6.

এই ব্যাপারটা এখনও প্রকালের আসেনি। कृत जान हम जिलियों। अकी जासाल . midelical Paice. -रमधे। शकारमा स्नागटवर्षे । अवर श्रकारण स्व महारह একটি ক্ৰিবোগ क जिल्ह প্রিম্পিতিটা একেবারে কেরলের মত হরে দীভাবে ৷ দেখা বাবে প্ৰভোকে প্ৰভোকের বিরুদেশ দুনীভির অভিযোগ আনছেন। ৰেমন এখন এখানে শোনা বাজে দলীয় স্বাধে দফতর পরিচালনার অভিযোগ বা मक्सकविद्धार्थी । शासन करशामीसम्ब निद्ध দ্বাগত শতি ব্যাধ্র নানা কাহিনী।

একরিকে বখন এই পাক্তপরিক হানাহালি কাটাকাটি, জনাদিকে তখন কিন্তু প্রিচ্ম বাপালার মৌলিক সমস্যাগটোল কেখানে ছিল ঠিক সেইখানেই থেকে গিরেছে। নিতা-প্ররোজনীয় সামগ্রীর মূল্যে ব্রেড্ই চলেছে, গকারী বধামান, জনজাবিনে দুনৌতির প্রচণ্ড হাতাৰ অবাহিত এবং আমলাভাতিত আমোগতা যথাপুৰ লাগত। কেওঁ আলা করে না, একদিনে বা একমাসে বা এক বছরে জানে স্রাহা হবে। কেওঁ মনে করে না, জনত সরকার জেতী করেলই সকল সমসানর সমাধান হয়ে যাবে। কিন্তু সকলেই ভেবে-ছিলেল ক্লাওঁ সরকার একটা কিছু করার চেতী করেনে। অন্তত কাজে হাত দেবেন। কিন্তু হতাশ হরে সাধারণ মানুব নেক্ছন, তেমন কোনও চেতা প্রান্ত নেই -জনটের কোনও বড় শারকের অথাং যার। তা করতে পারেল, যেন তেমন ইক্লাও নেই।

*

এই অবস্থা দেখে সাধারণ মান্য হড়টা ছড়াগ ও আড়ণ্ডিড ডার চেরে অনেক বেশি আড়ণ্ডিড ও হড়াগ যুক্তনটেরই নারক। এই কথাটা গানে হর্ড অনেকে অস্ট্র হবেন। কিব্তু এ ম্লান্তন ব্যুত্ত স্থান ন্ত্ৰীজক্ষকুমার মুখোপাকাল আৰু সভটা আত্তিকত, আগালেক ও তিক আলি অংকত আমান সাংবাদিকতা জীবলৈ কোনওলে ভাকে তেমনটি লেখিনি।

ক্তক্যালি সতা ব্রহ্মনটোর বহু দেতাই
ক্লে বান । প্রথম সভা ও অজ্যানার এখন ও
ব্রহ্মনটোর অন্যতম প্রথম একা সাত । আজ
বলি অজ্যানার সরে দীজান ভারলে জ্যোতিবাব্ বতই বড় দলের বড় নেতা হোল সিকল কোনও ব্রহ্মনটি সরকার গঠন ভার পালেও
প্রায় অসম্ভব কাজ । সাভ মাস আগেও
অন্যতম অসম্ভব কাজ । সাভ মাস আগেও
অন্যতম অসম্ভব কাজ । লাভ মাস আগেও
অন্যতম ক্ষেত্র আজ তা সেন্ডেন না।
ভাগের অন্যতম কাজ তা সেন্ডেন না।
ভাগের অন্যতম কাজ তা সেন্ডেন না।
ভাগের অন্যতম বলা আজ তা সেন্ডেন না।
ভাগের অন্যতম বলা আজ তা সেন্ডেন না।
ভাগের অন্যতম বলা আজ কাজ্য না।

দিবতীর সভা : **অভা**রবার্ मान्युर्जनाम ক্ষক্ষরতার**ু পাশ্বী**বাস^ক মন ৷ তেলী সংখ্যম তেল^{ক বৈ}ৰণৰ সৰ্বচাল **उक्त**ाहरू के क्रिकेट **क्या**र्गकाल कालहरू ताह কোনত আছে। কেই আছবা ভইসৰ প্ৰৱত ক্ষান্ত কাৰে বিধান ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত কি रक्षार भट्ट कर्नन माः श्राम्थन्ते अन्तरः । **ভ**বিষয়ে সংগ্রেমর **প্রস্ত**ির পায়রে ধাক্ষাত্ত তেওঁ যে কেন্দ্ৰ মালে একে ব^{ন্দ্}াত 数据的 多化 医麻痹 机线形色谱形式 せあたくら おおとき ぎごぎ おんし राक्ष्मभावते १६७ ६ हे । अवस्ते । अव २०० ५ र्शातकत सरकात धनाक, भर्दे संबद्ध সহ সম্ভব স্তুত সাধিস্তত্ত পাক্ষা এবং গলীৰ মান ব্ৰেষ্ট্ৰ ভালে কেকিং - কড়াকোকেলের কোক टक्को भर्गकेतः उक्सावका क्रीक्षप्रेः करहरूके इ.स. खक्ताराज् ্ঞাই নাডিপ ছোৱাণত বিরেধীঃ নামব,ডিপাল বাজিয় পি জর্ট ওেম যে দুষ্টিতে কেবলেব স্কুছান*ি* স্বকারকে (সংখ্যা জ্জুস্বার) 👸 ভবি দল বাংলা কংগ্ৰেম যে শ্ৰিটাত প্ৰিয়ে ব্ৰেগ্ৰার স্পুঞ্লটেল্ড राज्य श्रम 7. 4200 57 ক্রীপুর সিক প্রয়োজন যুড়ঃ নুপাক্ষর বিভার সমান নহা। অভায়বাবা नदर अञ्चल श्रमानभन्तीत प्राप्तरे महत्र कातम, अकुकारात्ता ऋत एएस क्राक्षम्हे ह्यान्त्रे त्या करणान् एभागं कर्त्यामहक्ये हाहेत्व ।

ভাতীয় সভা ঃ ক্ষমবাবা একবার একটা কিনিস ভাল ব্যেবলৈ লৈ পথে এগোছে সংখ্যার ভয় পানুনা: স্বাটাকে ক্ষেক্ত একা এগিকে যোভ পারেন। বেম্ম পির্ব-ছিলেন কংগ্রেম ছাড়ার স্মতঃ

অঞ্চলবাধ্য যদি আবার চেডানি **লচে করেল**, একা স্বাইকে ছেড়ে কংগ্রেস ফিরে যেতে ক্রমেন।

তাজনবাব্ চলে গোলে যাজনেও সরকার বিকিনে কি

उभामि ७ उन्तरा

॥ मार्थिका दिस्सक ग्रीहका ॥ मन्त्रापनकाः विकास सिंह

ভার সংখ্যার লেখকস্চী: শ্রীমন্তকুমার জানা ॥ প্রফুলকুমার ফংডল জাল্তোছ জট্টার ॥ বিমল মিত্র ॥ দেবনারায়ণ গ্রে ॥ প্রজেশ বন্দ্যোপাধায় সন্দেরলাল তিপারী ॥ দিলশিকুমার ম্থেশপাধায় ॥ মনোরঞ্জন ঘোষ স্বিত চলবতী ॥ গোর শাণ্ডিল্য ॥ ছবি ম্থোপাধায় । দ্যে : ৭৫ পঃ

भावनीता "कालि 3 कलस³² अर्काभिक र'न

এই লংখ্যর লেখকস্চী ঃ রবীন্দ্রনাথের জপ্রকাশিত পর ॥ শ্রীস্নীতিকুমরে চট্টোপাধারে ॥ গোপাল হালদার ॥ স্থীন্দ্রনাল রার ॥ বারীন্দ্রনাথ
লাশ ॥ ওঞ্জার গ্রে ॥ প্রিলনবিহারী সেন ॥ কুমারেশ ঘোষ ॥ বিভূতি
পটনারক ॥ নামিতা চরবতী ॥ বজেখর রায় ॥ নকুল চট্টোপাধার ॥ জাজতকুখ বস্ ॥ স্কেরলাল তিপানী ॥ বিমল মির ॥ গোপাল ভৌমিক ॥ প্রভাকর
কারি ॥ জাপোক সেনগর্প্ত ॥ ক্ষরজিং দ্র ॥ মৃত্রের মাইতি ॥ তপ্নকিরণ
রার ॥ শিউলি সেনগ্রে ॥ ছবি মুখোপাধার ॥ গোর শান্ডিলর ॥ শশান্ক
শেখর সিংহ ॥

এই সংখ্যার করেকটি বিশিষ্ট লেখা
রবীন্দুনাথের করেকটি অপ্রকাশিত প্র
প্রাচীন বান্টিক সংক্ষৃতির সঙ্গে প্রাচীন ভারতের সাংক্ষৃতিক মিল
নিরে লিখেছেন জাতীর অধ্যপক শ্রীস্নীতিকুমার চট্টোপাধ্যর
ওটেন ও স্ভাবচন্দ্র সম্পর্কে লিখেছেন প্রত্যক্ষণশী শ্রীস্থীন্দ্রলাল রায় ৷ 'দিল্লি দ্রে নম্ড্' একটি মনোরম রচনা—লিখেছেন
শ্রীগোপাল হালদার ৷

এই বিশেষ সংখ্যার দাম : জান্মানিক ২-৫০, সাধারণ সংখ্যা -৭৫, যাল্মাসিক ৪-৫০ ব্যক্তি ৯-০০

ভারতের প্রায় সমস্ত শহর ও শহরতলীতি জামানের সার্ভক সাঠিকা ভানভান, একেটর এই সাংগ্রে জনা সান্তিম হাডার দিবেন।

প্ৰকাশ ভৰন, ১৫, ব্যক্তিম চন্টাক্ত্ৰী প্ৰীট, কলিকাতা-১৯

নবারাণ গাংশত

रेस्ट्रेस्ट्रिक्स काशाविधाका ह्याद विश्ववि श्री कमरतक त्याहि रम् ३ वक्छारत बार्गीशरक विका मका धावर थीम-सकातरस्य বিখাল জনসভার বে নির্থাসা দুখানি ভাষণ किराबरकम राज गर्रीचे अक निर्देक ब्राज्यांका शामिक मन्द्रमान व अना नित्क विश्ववी स्रीहत जम्हातात. और किलाहातरे बागानि एन्द्रम कम्न ছয়' এ প্রেক সঞ্জার করতে। ভার এই ঐতিহ্যাসৰ ভাষণ বিশে**ল্যণ করে** নিঃসংশ্রেছ এই সিম্বাদেত পোছাম যার বে. চিন্তার লোলিকছ বিবরে কমরেড জ্যোতি বস্ "सा/दामकार्वाम" এ **NAME** ক্ৰি भाक्तात तासतहे मातकत्वानी **भः**भकत्व। অভিযাত ভিত্তাত উল্ভাবক হিসাবে "সাক্ষার রার এবং কমরেড জ্যোতি বস্য একে অন্যের তে কতটা নিকট প্ৰতিবেশী, ভার প্ৰমাণ নিচের এই ভুলনাম্বক উত্থাতি থেকে পাওয়া ৰাবে !

ক্ষারেভ ক্ষােডি বস্ব রাণীগঞ্জর (বণিক স্চার প্রস্তু) ভাষণ : "হার ফ্রান্টের ৩২ রকা ক্যাস্টোতে এমন কিছা নেই বাতে ফালিকরা ভয় প্রেত পারেন।"

সন্তুলার রার (আবোলভারবাল, প্র ৪৮)ঃ

ভর পেরোনা, ভর পেরোন

ত্ত মার জানি মারও না— ক্রিক ক্রমি ক্রমের

ক্ষাতা বলছি কুলিভ করে

্রামার স্থাপ পারব না

ক্ষারেভ হেনাতি বস্তা বিশ্ব সভার ভাষর রাধীগঞ্জ ২ ভাষটে বক: গাসেই ০২ সঙ্গা ক্ষাস্টি ব্ধাস্ট হ'লেও। সং-খেলিগতা করকো কলবা বিরোধিতা ধ্রবেন ভাজনে, করকার গা

াসমুক্তার বার (কান্তব্ধাত)নেকা, প্র টে::

प्रकृषि काजाब रुक्त ग्रहम

হাড়ে জনের রাগটি নেই. চভাহাস জামি চিবিয়ে খাব

আমে চোৰৱে খাৰ এমন আমাৰ সাধিধ নেই ৷

ক্ষারের ক্যোতি বস্ ।বংগ্র সম্তব্যশ্, ১ অকটোবর। ঃ

শ্বান্তিগভভাৱে আমি কমিউনিসট।
ক্ষিত্ যুক্ত ক্লট নান। স্বল্ধ নিবে গঠিত।
ক্ষোতা কলিউনিস্টেন্ডল জ্ঞাম বা চাইব, তা
ক্যেতে পালি নাংশ

শনুকুমার রাজ (ভারবালতারংল প্র-ঐ)ঃ

> মাধার আমার বিং দেখে ভাট ভার পোরেছ কতই মা—

জানো না মোর মাথার ব্যারাম, কাউকে জামি গ'্ডোই না।

কলনেত জ্যোতি বস্ (বণিক সমাধ্যে), দিল তী) ঃ

"নভুন সরকারের আমলে মালিকটের বা



ন্যারসপাতভাবে দেওরা কতাব্য ভা বেন তাঁরা প্রনিকদের দিরে নতুন সম্বশ্বরে সংগ্য সহ-বেলিগতা করেন।"

সন্তুলার রাম (আন্তরালভাবেশা,, পরু ঐ।:

এস এস গতের এস,

বাস করে বাও চারটি বিন, আদর করে শিকের ভুলে

রাখৰ ভোমার র চিটিনন।

ক্ষারেভ ক্ষোভি বিস্ । প্রমিক সম্ভব্যে, ভাষণ রাণগাঁজ ২ অকটোবর) : শক্ষোভানি-প্রমিকেরা ভাগের পানে। ভাগেরেছ ক্ষা ধর্মান বানাবের নাবি পাওনা কেন বিনা সংকরে।
তারা চিটিরে দেন। নইলে মেহনতি বানাবে
সংগ্রাম করবেন এবং তাদের জনট সরকার
মণ্ড দেকেন দ

লিকুলার রার (ভাবোলতাশেল, শহুঃ ঐ)ঃ

> ভাৰর দিন্দি, পান্দা না বে? ধরব নাকি ঠাবে পানো? বসলে তোনার মান্তু চেপো বাববে তথন কাশ্টা।

ক্ষারেভ ক্যোতি বন্ (প্রনিক সম্প্রেশ, দিন ঐ)ঃ 'বছে ক্রনটো ক্ষাক কা, মণ্ড-বিরোধ আছে। কিবতু বাঠির জোরে তার মালংসা করা চলবে না।"

ज्यूकात ताल (वारतज्ञासक, भू: छै:

> আছি আছি, গিল্লী আছেন, আছেন আমাৰ নত ছেচ্ছেন স্বাই বিলে কামাড় কেব মিছেন অমন ভব কেবে।



ষটের নিরেক বাজেন। এই অবস্থার মালিকর। তেন অংকাচনার বস্থায়ন না । তথ্যনর মোলকাসের। সমস্যা থাকলে ব্যক্ত ফুনট মাল্যসভা সাহায়। করতে প্রস্তৃত গ

শৰ্মার বার (আংব্রাক্তর্গান্ত) গ্রে**ট)ঃ**

হাতে আমার মাগার আছে
তাই কি হেখার থাকারে না ?
মাগারে আমার হাজকা আমান
মারকো তোমার লাগারে না।

ক্ষরেত জ্যোতি বস্ (প্রমিক সম্পের্ণ) । শ্মাকিকদের কাছে জন্মরোধ, তারি বেন পরি-রতিত রাজনৈতিক জবস্থাকে স্বীকার করে দেন) ত্রিদর জানা প্রায়োজন ব্যক্ত মূনতি সরকার জনতার সরকার। ভাই মেংনিজ

ভদলো মা ক্যোতিগমিয়

'লোক ব্যাক্ত ধর্ম বি ই হর্তাল চাই না। চাই পণিচলবংগ নতুন নতুন কলকার-থানা গড়ে উঠ্ক, উৎপাদন বাড়ুক, লক্ষ লক্ষ বেকার ব্যাকের কর্ম-সংস্থান হোক।"—কল্লেড ক্যোভি বস্, রাণী-গঞ্জ, ২ অফ্টোবর।

শ্রেণী-সংগ্রাছের অর্থ

ভালের (অর্থাং সি পি এম-এর) কাছে
"তীর প্রেণী-সংগ্রাম" অর্থা তীর
দারিকী বিজোধ।—কালকেছু সেন,
সাংতাহিক কালাগতর, ২৭ কেপ্টেম্মর,
১৯৬৯, প্রে ২।

क ग्रानिको गरमत সভাসামতি এখন দেবে দেকে হামেশাই হছে। ভা নিয়ে গদের बारेटा लाटक विरणव माथा बाजाक मा, विरण्टन एका नवारे. एएएक गता ठील खात इटिंगवाब क्या अवना काम ना दक्त सा कामा हरक कम्यानिको न्यानिवात ग्रहे महालावक । देशानीर বাতিকৰ হরেছে চেকোল্লাভাকিয়া। বসভেত্ত एवं एक्टोबाठ रमधारम रमाश्रीवया राजन सकरवत শ.ম.তে, ভাকে চেকে কেলেছিল শীরের বন কুরাশা আট মান না শেরতেই : তব্ও ভার कारमक वृत्ति भट्डाभटीत जिल्लित नार्वाम जाकक। ब्रामिता जाव गाव देखेरवारम छाव অনুসামী চারটি দেশের সেনা সামুল্ছেরা চেকোন্ডোকরাতে কম্যানক্ষকে বাঁচাবার হতে করে বেদিন লে দেশের ভেতর চাক পড়েছিল সে দিনই সেখানকার নব হাগের সাচনা লেব হরে গিরেছিল। ভারপর ধ্যার भकात कर्यांनन्छे भटनत रेवठेक बरमद्ध। जात একে একে সেই कनदमण्ड गामेख वांपव ছিল প্রধান ভামকা তাদের বিদের ভার দেওরা হরেছে। তার নারক ভবচেককে স্থিরে তার জারগার বসানো হরেছে মাস পাচেক আগে হ্ৰোক্ৰে বিনি মন্তোৱ ঠিক শের।রের লোক না হলেও তার বিরোধীও मन ।

তথন থেকেই রটেছিল ভবচেকের খোরারের ওই শেষ নর, কপালে তাঁর আরও অনেক দঃখ আছে—মান তো তার যেতে বসেছে, বেট্ৰক আছে তাও থাকবে না, শেষ প্রতে হয়তো জান নিয়েই টানাটানি হবে। সেপ্টেম্বরের শেষ দিকে চেকোম্পোভাবিরার क्यानिन्हें मरनद रकन्मीत भवरामत स्व रेवठेक বসেছিল তার ওপর তামাম দ্রনিরার নজর ছিল এই জনো হয়তো বা ডবচেক আর তাঁর সহম্মীলৈর ভাগা ওখানেই ঠিক হরে বাবে। হজাকের হাতে ক্ষমতা আসার পরই তিনি নিশে করেছেন ভবচেকের নীতির অভিযোগ করেছেন তার ভূলের দর্নই চেকোম্লোভাকিয়ার ব্রকের ওপর বসে আছে এরবেশ চরি জোটের দেশগুলির সৈন্য সায়ত। তিনি তো তব্ খানিকটা রেখেটেকে वालाका । यात्रा भाषाकी करेत क्यार्निन्छे উগ্র মন্কোভজা তারা বলতে কিছু বাকী রাখেনি। ভূবচেককে তারা বলেছে দক্ষিণ-পদ্ধী সূবিধাবাদী, বিপথগামী নেডা এবং শেষ প্ৰাণ্ড দেশদোহীও। পাটিব ্ত্রিকালীর পর্বাদে তার গদান নেওরার হাকুম ना श्लब व्यर्धन এको। किन्द्र श्रद धरे हिन লোকের বিশ্বাস। তা অবশা হয়নি। ক্ষমতার সিশিড়ভে তাকে ঠেলে আরও করেকটি ধাপ নিচে নামিরে দেওয়া হয়েছে বটে কিল্ড



जिन्द्राच

ভাবে জেলে গোরা কিবো জাসালীর কাঠ-গড়ার গাঁড করানোর কোনও ব্যক্তা করা হরনি। গোডার ভাকে গলের পরলা মন্দর मिटियंत भए खाक बत्रधान्छ क्या इरहाँकता। এবারে তাঁকে ইস্তফা দিতে হরেছে ব্যক্ত-द्याच्यीत मरमात्मत जवात्कत भव जात बरमात প্রেসিভিয়াম থেকে। সে সংস্থের সদস্য কিন্ত ছিনি রইলেন আর পার্টির সদস্য তো বটেই। কেন্দ্রীর পর্যদের তর্ত্ত থেকে বলা হরেছে কমরেড ডবচেক বিস্তর ভুল করলেও তাঁকে শোধরাবার অার একটা সুযোগ দেওরা ছলো। কেননা নেতারা তাঁর ওপর আম্থা এখনও হারাননি। ভাদের আলা ভবচেকের মতিভ্রম দরে হলে যাবে তিনি তল পথ ছেডে নিক পথে আবার ফিরে আস্কেন। আপাড্ড জ্বান্ডীর পরিবদের অধ্যক্ষের পদ থেকে সরিবে ভাবে কোনৰ একটা দাহিদ্যগুণা ক্ষান্ত দেওরার ইচ্ছে তাদের আছে। সে কাম যে কী ধরনের হবে ভার কোনও আশ্বাস দেওর। দরকার বলে ভারা মনে করেননি।

চাবক্র একা ভবচেকের শিঠের ওপরই পড়েনি, পড়েছে ভারই অভ্রেপা আরু জন্-গামীদের ওপরও। অনেকে অবশা তোবা তোবা বলে নিজের ভল কবলে করে রেহাই শেরে সিরেছেন। তাদের মধ্যে পড়েন প্রধান-মল্লী চানিক। এত টালমাটালের মধ্যে তিনি তাঁর গদি বজার রাখতে পেরেছেন। বলতে भारत राजाक उरे मान भारतन। किन्छ সেপ্টেম্বরের বৈঠকে অল্ডভ জুনচিলেক মানবিক কম্যানিজমে বিশ্বাসী নেভাকে শালিত দেওরা হরেছে। তাদের কার্র নাম কাটা গিয়েছে প্রেসিডিয়াম থেকে, কার্র পার্টির কেন্দ্রীর পর্বাদ থেকে, কার্ত্তর বা চেক অপারাজ্যের মন্দ্রিসভা কিংবা আইনসভা থেকে, আবার কার্র স্লোভাক অপারাজ্যের मञ्जकात किश्वा भौत्रमम श्राटक। अ'रमञ कातभात यौंएक त्मख्या शक्ता कीता मकावारे গোঁড়া রুশপদ্ধী, উদারতা কিংবা মান-বিক্তার ধার তাঁরা ধারেন না। কী বুর-রাম্বীর মন্মিসভা কিংবা আইনসভা কী অপারাজ্য দুটির মণিচসভা কিংবা আইনসভা সর্বতই পরেরানো দিনের উল্লপন্থীরা ফিরে এসেছেন। গোটা চেকোম্লোভাকিয়া আবার দিব্যি মন্কোর তাবে এসে গেছে।

ছাপিয়া বেমৰ ক্লকাঠি নাড়ছে ভেচনট क्रमा नव किट निगण्यनम् क्रामात्मा कार्किशास्त्र । क्युट्ट पारे याहे कार्यक स्म यज्ञात्त्रका द्वारा अध्यक्त यात्रीम् । प्राच्यक बार्गीतन कारे निग्यान । सरेका काहा असम ल विटल विटल इनएका मा. बाह्य बाह्य बाह्य अग्रतका मा। करकारकाकाकिसाद के_ल श्रान्वाक्षवातात दक्षे दक्षे COCK POTENTIAL सराहक जार सीत रगराहरू शासिक करा হোক আনালতে, হোক ছালের বিচার। জালের र्वान कठिम माना इत का इदन बार्माककार ভত চেকোলোভাকিরার কর্মানস্টানর कांध त्थात्क डिसीम्ट्रम्स स्ट्रामा ट्रम्ट्रम साट्य শিক্ষীয় ভ্ৰবচেক সেখানে কথনৰ আৰু দেখা रमरव मा। एक भावित स्वका मौबारमा को ছিল মত। বিশ্ব ভাষ সালে একার ছারে वारकाशन्त्रीतम्ब वात्रस्य । ভাগিল বিলাবের মত কটর কম্পৌনন্টও ভাতে সাম দেননি। মাস্কাও বিস্তুত বিবেচনা

তে গ্রেভেয়ার শৃত্যুর ভারিব বৈদেশিকীতে ভূল বেরিয়েছে। এটা হবে অক্টোবর ৮ ১৯৬৭, আগস্ট ৮ নর।

করে মধাপাশাই বেছে নিরেছে। শী ভূবচেল, কী পনরভোগশিক কাউকেই চরম পালিত দেওরা হরনি, বিচারের আয়োজনও কার্র হরনি। চুনোপর্ণটি ছাড়া রুই কাতলা কাউকে আপাতত জনরদলিতর বাটিতে ছাটাডে কেনিলন দেখা বাচেজ নারাছা।

ভাই বলে চেকোলোভাকিয়াভে শুন্থি-প্রের এই শেষ পালা নর ৷ ১৯৬৮ স্নের আগলেটই রাশীরা ব্যবতে পেরেছে জোর বার ম্বানে ভার বটে কিন্তু "ম্বাকীরা" ভার নর। চেকোন্সোভাকিরার মনের মান্ত্র এখনও ভূবড়েক আর ভার অনুসামীরা, ব্ৰেণীদের বারা হাতের পত্তেল ভারা মর। विद्याह अवना दन अद्भाष्ट दन्या स्वरंग मा. দিলে গত বছরের আগলেটই দেখা দিত। किन्छु वीम भागाता ज्याना **ल्याक्ट बामशास** मतकात विद्याधी शतः—छ। शतः मामदमत केछे थारक, मः नामन हरन ना । बाह्यवाहि राजी राम एका प्राप्त कर्जानकामतरे किसि हैला বাবে। এমনিই তো ওয়ারশ জোটের অভিযানের পর থেকে চেকোন্সোভাকিয়ার আর্থিক দরেকত্বর আর শেব নেই। রুস্তানি कमरह, आभगीम बाएरह, विरम्भी मामाव তহবিলে টান পড়েছে। শিলেপ মন্দা দেখা দিরেছে। সলো সপো কৃষিতেও। গোটা দেশই বনি গমে হয়ে খাকে ভাহলে ব্যবসা वाणिका ठएन क्यम करते?

'অয়াচিত উপদেশ'

কল কলম ধরে লিখতে প্র, করেছিঃ
শিলাই নদীর ওপর বিদ্যাসাগর সেতু
তো হল, কিন্তু কলকাতা-মেদিনীপ্রের
নড়ো রাস্তাটা থেকে বীর্নসংহা বাওরার
পথটার কী হবে? সেটা আমি বা দেখেছিল্ম--

এই পর্যান্ত লিখতেই কে বেন কামের কাছে চছি। গলার বললে, 'থ্য হরেছে,



শততা মাছ কিনে নাঞ। ভোৱাী স্থল ন্যায় কি জন্যায় সে ব্যাপায়ে নাক গলানে। কেন বাপ**ু**?

তিসেকে আর পণ্ডিতী করতে হয়ে সং। ভূমি কে হে বাশ্বা

বেষ ড়া ধমকট থে বি.লা, গলাব স্বরেই আমি চিন্তে পারগমে তাকে। সে লোকটা আমার ভেতরেই থাকে, প্রারই অকারণে মার্কিবয়ানা করতে চার—যদিও তাকে বিলেব পান্তা বিই না আমি। সে আমার শ্রীমান বিবেক।

উত্তরে বললুম, 'আমি একজন কমনমান।
সব বাপারেই আমার মতামত দেবার
দৌলিক অধিকার রয়েছে। আর সে অধিকার
ভারতীয় গণতদ্যে স্বীকৃত।

চুপ করো—কেশি বোকো না। ডোমার মহামাতর কী মালা হে? একটা চ্ছাট দিছে পারো, মিছিলের সংগ্য একটা গলা মিলিয়ে দিছে পারো। আলাদা করে ডোমার কোনো অভিজ্ নেই—কেউ ভোমার কথা দানতে বাজে না। আদকে বাঙালী চরিত্রই ডেডর গথকে রাড দিন কুট্র-কুট্র করে কামড়াছে ভোমারে। অধাচিত উপদেশ না



দিলে তোমার পেটের ভাত—আই মীন পেটের রুটি—সেটাই ভূমি বেলি খাও— হলম হচ্ছে না। এই তো সেদিন কোন্ একটা ইংরিলি কাগজে চিঠি লেখবার জনো ম্নাবিদ। করছিলে—এখনো পাঠাও নি, কাজের চাপে ভূলে গিয়েছিলে, কিন্তু ভার পেছনে কী মতলব ছিল তোমার? উপদেশ দিতে বাজিলে কিনা?

উপদেশ মানে? একটা নিউক্ত কী ছাপা হারেছে জানো? —আমি চটে বধালা, লিখেছে, লখনউরের কেন্ এক দৌড়বাজা ছিচারাশ মিনিট ক'সেকেণ্ডে এক হাজার ছ'শা কিলোমিটার দৌড়ে আনীর রেক্ড ভেডেন। এক হাজার ছ'শা কিলোমিটার বিছিচারাশ মিনিট দৌড়ে! স্পারসোনিক পাঁড কোখার লাগে এর কাছে। কটা পোন বেতে পারে ছিচারাশ মিনিট কলকাতা থেকে দিরিছে? ইরাকি পেরেছ? এ সব খাতা ছেপে—'

'দ্যাথো স্থানন্দ, সব ব্যাপারে নেংটি



শারীর সজ্বেদের এক্সপলয়েট করে আপলার ঠাকুলা রোরাক বানিরোছলেন ভাই এখন এই জবদ্ব দখল

ই'দ্রের মতো তৃমিই বা নাক গলাতে বাও কেন? করেক লাখ লোক ওই কাগজটা পড়ে। ভারা ভানে, মিটারের বদলে কিল্যে মিটার হাপা হরেছে, কেউ কিছু মাইজ করোন, কোনো প্রতিবাদ করেনি। ভূমি কে হে বাপ্ নিউল এডিটারকে উপদেশ দেবার? বাবেক চাকরি করছ তাই করো—ক্রেক জীবনটাকৈ দেখে বাও এবং নেনে বাঙা



চাঁদা দিয়েছ বেশ করেছ। কি**ভাবে চাঁ**দার টাকা খরচ করব সে উপদেশ না দি**লেও** চলবে

একালে কৈ কার উপদেশ শানতে চার হৈ ?
এই তো ঘটা করে গাগগাঁতীর শতবাধিকী
গাছ ভাঁকে তেলের। বলো শুলাতর জনকা
কৈণ্ডু ভাঁক কোন্য উপদেশটাকে কাজে
লালালে ? কান্দ্রাপর শর্ম এখনো
ভাষানের ভাঁবন খিলে সম্ভের মতো
ইঙ্কাহ, জান গোভ কোনোদিন ভা শোনো
ভূমি কোন্য এক কটি৷ কাডের বিশকি শোকা
লাধ্যে কা কা কা তা ভূপ করে যাত্তল।
নহাধ্য কা কা কাত ভো তুপ করে যাত্তল
নহাল একদিন ঠাগুনি তেরে—া

শমকে বলল্ম, 'থামো—' সে লোকটা মাচকি হোস খোনে গেল । কিন্তু বা লিখতে যাচ্ছিল্ম, বেমাল্ম গালিকে দিলে ভাকে। হা, অযাচিত উপদেশ। কে চার, কেনই বা চাইবে? একালে প্রভাকেই আছা-সাচ্চত্য, শব্দে উপদিশ্ট। কে কার কর্তি

এই চতা দিন প্রেলে জ্বেণ। আনার খড়ি খোক কিন্তিং দাবেই খাবেন এক বিজ্ঞানের অধ্যাপক। লেভিটিকে চিনি নিডাদত নিবিবাধ, পড়া আৰু পড়ানোৰ বাইরে কিছুই জানেন না। তাঁর সামনের বাড়িতে একটি রেরাক আছে—সেখালে বনীয়ত আভা চলে।

গালে, তবেঁ, রাসকতার এবং চিংকারে ভদ্রজ্যেকর পড়াশানোর বে কেবল অস্থিবে হর তা মর, অ রে ভিছু ভিছু আপত্তিকর ব্যাপারও ঘটে বেগালো এই প্রাচীনপদ্ধী অধ্যাপকের সহোর সীমা প্রায় ছাড়িরে বেতে থাকে। অতএব একদিন তিনি ভিছু উপলেশ দিতে গোলেন।

পালটা প্রথম এল : আপদা কে মশাই

এ সৰ বলবার? এটি কি আপনার 'গৈড়ক' (দলটি অনাভাবে বাবহুত হর্মেছল) রক?'

অধ্যাপক তার পরেরানো মর্রাজা নিবের
একট্ চটেই গোলেন। জারো কিন্দিৎ
সদ্পদেশের প্ররাস করতেই তার কান ধরে
ঠাস ঠাস চড়। বরাবর ভালো হেলে অব্যাপক
কাবনে বোধ হয় চড়-চাপড় খার্মান, ভাই
অাটার বছর বরেসে অভিক্রতাটা তাকে লাভ
করতে হল। চড়ের চোটে চোধে অব্ধকার
দেখলেন, চণামাজোড়াও গেলা।

काकातमः छेन्द्रस्टमत मीठे त्रकालचे। की

क्ष्मकाष्ट विका स्टर्का तथ थे पत्र वास्त्र विशेष करवास ?

তে একজন বিজ্ঞাপন নিমেকেন, তান লোককে ব্যুক্তন কেন্সনি চাই। সংকাহ কর্ম। ব্যুক্তন জান বেকাকীর বাজার— ল্যান্ডাবিকভাবেই ব্যুক্তার ব্যুক্তের লাইন। অবন্ধা দেখে বিজ্ঞাপনদাতা উধাও।

তিনি তে: উধাও, তথন ক্ষিণ্ড জনভার মজর পড়ল পাশের ক্ষা লোকানটির নিচে। বেশ বড়ো লোকান। ভার: পরমোৎসাতে সে লোকানের দরকা ভাঙতে লোগে পেল।

ছাটে এলেন আপটালক জনপ্রির এবং জননেতা কাউনিসিকার। বকালেন, ওিক জননেতা বিনি বিজ্ঞাপন দিকেছেল, ডিনি পালিয়ে গোছন। আপনারা জনোর নোকান ভাজনেন কী বলে?

'প্ৰতিবাদে।'

্র কি রক্তম প্রতিবাদ? মা—এসব আপনার করতে পারেম মাণ

স্থা হলে পার হেও আমানের দু একা করে দিকে দিন। অনেক পুর দুরে গোত আমরা এসেছি, আমানের টাম বাস-টোনব থক্তা: অংপনিই বিন মা হলে।

আমি দেব কেন?'

ক্ষাপনিই দেৱেন। ওকালতি করতে এলেক্সের যথম—"

এর পরের অংশ না বলাই ভালোন একট লোকান বেশ দেশটিভি আগকে ভার হক্ষিক, ভাঙা হত। এমন অনেক ভার। তিবলু উপাদেশ দিতে ভিতেই—

वात रहा एसलाक । मान रहता

আহে, স্নাদ্ৰাল্যাণ্ডিক ও পাড়াছ কী মনে কৰে শৈলে এটোছাল্যা তেও কোনতে এই গ্ৰাক্ত আন্ধানতি অন্যাদ্ধা ---কাল্যা গ্ৰাক্ত স্থান

ৰস্কাম ভাষ্ঠ কাই কে লাক : (বজ্বা সাজে এখাকে টা কথ্যা)

্ৰৱৰণ্যম, আন্তৰ্ভাৱ সূত্ৰীৰ আৰু আআন্ত মাজে স্থাতি নিজোৱন দ

्या मा क्रांति एसट एकसाः काल उत्पास समिन्ति स्टिस्स स्टास्थार

্মান্ত এপ:কোটা কোজ গেল, কারেন কখন স

ত্রস হরে মালারী পরে। এখন আর আফিস্মার ব্যটিসের কে গ্রহা করে? সে ব্যুয় জনের চলে গোজে।

বললাম, গাস তো সামের কথা। ওংগর বাবা চলে গোছে বলেই লো আপনালের দারিক বেড়োছে। এখন চন্ত্র আপনালেরই প্রমাণ করতে হাবে ক্লে--

মুখ কালো হল, চোথ ফ্টেল চীকর অবিশ্বসে । শাকনে গলার বঞ্জান, নমদকার স্মুনন্দব-ব্যু ডাঞ্জ আস্থান ।

অবাচিত উপদেশ নিতে গিলে ধেল চাতী। নাঃ শ্রীমনে বিবেকের কথার একটা অবধান করতে হচ্ছে এর পরে।

পশ্চিমবঙ্গ প্রাদেশিক কৃষক সভার সম্পাদক প্রবীণ কম্যুনিস্ট নেতা **আৰদ্**কাহ **রস্পোর** দুখানি শ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

কৃষক সভার ইতিহাস ১০.০০ আবাদ ১২.০০

श्रीकाशकत् स्मनग्रस्त

हाँदम्ब दम्दम माना्य ७.६०

নৰজ্যতক প্ৰকাশন, C/o. দে বৃক স্টোর, ১৩. বঞ্জিম চ্যাটাজী স্থীট, কলি-১২

(FR-2062)

প্রেটের বেদনা রোগে

ভারত গড়ঃ রেজিঃ মং ১৬৮৬৪৪ অন্ধ্যসূত্র, পিড শুলে, লিডার ব্যংখ্যা, মুখেটকভার,ডেকুরওঠা,বমিভার,বুকজ্বালা,মন্দারি,আহারে জরুটি ইত্যাদি রোজে বিশেষ কলপ্রদ: বিফলে মূল্য ফেরং। প্রতি কৌটা ওটাকা,ও কৌটাটাঃ ৮৮০। ডাঃ মাঃও পাইকারী দর পৃথক

मि वाकला अञ्चधलय ! >৪২.হাঙ্গা গাঞ্জी ला ड



DETAILS FROM LIT QUIZ, Bombay 7.

ত ক মাঝপথে বৃণ্টি নামলো। আৰ

একট্ জোনে হটিলে বাসে কিবো টামে

উঠে পড়তে পারডো। কিম্পু অফিস থেকে
বৈনিয়ে অন্যমনক হয়ে হটিছিল নিম্নাল।
শেষ পর্যান্ত গাড়ি-বারান্দার নিচে আরও
অনেকের সপের হুটে এনে ব্যক্তিরে পড়ল।

কাদিন ধরে বৃদ্ধি নেই। সারা শহর ধেনরাবদাহে হাসকাল কর্মিক। ন্যানিত, নগরবাসী কণিকের বৃদ্ধি পেলা। মুবল ধারে
বৃদ্ধি নেমেছে। পালের কেন্তোকে পাকা
করে ছেলেটা বলছিল, ভূমি না; বাদ্ধেল আনি
বাসে উঠে বেভূম। বা পার। পুর ভিকতে
ইচ্ছে করছে।

নিমালেরও ব্লিটতে ভিজতে ভাল লাগে।
ছেলেবেলার স্কুল খেকে বাড়ি কেরার সমর
বইখতো জামার তলার নিরে কতদিন ইছে
করে ব্লিটতে ভিজেছে। কিন্তু এখন আর
পারে না। বংশনার জনো পারে না। না, শুধ্
বস্দনার জনো নার। জনেকের জনো, জনেক
কিছুর জনো পারে না। নিমাল নিজেই
সংশোধন করে নিল।

বন্দনার কথা ভেবে জল-কালা, খামের দাল, বাদের ধুলো বাঁচিার চলতে হয় ।
আফিসের জামা কাপড় একটা মরলা হলেই কাচতে বসে বার বন্দনা। একটা রুমাল এক দিনের বেশি বাবহার করতে দের না।
সাবাম কাচার সময় বন্দনা কেমন বেশ হাশিতে থাকে। জামা কাপড় ইন্দি করার সময় খাম ওর সারা শরীরটা ভিজে ওঠে। ভ্রমা বন্দনার জনো খ্র কণ্ট হয়্ব নিম্পিরঃ

মেরটো বলভিল, এ বৃশ্চি সহজে খামছে
মা। বাভি পোভিরত অনেক রাত হরে ববে।
মাল নিশ্চব জানলার ধারে বাস ভিভতে।
খান্দর আজকলে কাজে একেবারে মন নেই।
এমন বারেছে সব। একটা বিশ্বাসী লোকও
পাওয়া যায় না। মালিকে ব্যন্নার কাছে
রোখ এসে নিশ্চিনত হওয়া বার না।

ওবা স্থামী-ক্ষ্মী। আদ্দান্ত করে নিজ নিমাল। বদনা এখন হয়ত রিন্ট্রেক বক্ষা। কিংবা ভোড়া বই, ভাগা। পাড়েল পিরে ভূলিয়ে হাটি গড়েত বাস্থা। তই হবে। মনে তলা ও যেন বদনাকে বোজ এই সমর টোলভিশ্যে দেখ্যত পারা। দ্বা বছর না হতেই রিন্ট্রিটা কি দ্রেশ্ত হয়ে উঠেছে।

তেলেটা বললা চল না এইটাকু ভিজনে তোমার কিছা হবে না। জ্যানের হাওয়ায় চুল শাকিবে নেবে।

খ্য বললে! জার হলে কে দেখাব? তোমার তো মাসের মধ্যে পনের দিন ছুটি। জাবনা কিঃ

নিম'ল এডকণ বন্দনা, রিণ্ট্ আর ব্^{নিট্}র কথার ভূলছিল। হঠাৎ চকরির কথা শানে অক্সের স্থারিটেনডেনট এস কে মিটের



রাশভারী চেহারাটা ভেসে উঠলো। ওই চেহারাট্ মনে হলে একটা ছবিই ভেসে ওঠঃ

টটনিয়নের পাশ্ডারা বিপদের সময় থাকবে না। সেটা মনে রেখে চলবেন। বান নিজের সিটে বান।

বিপদ। অস্ফুট স্বর বেরিরেছিল নিমালের গলা থে ক। সপো সপো রাশভারী লোকটা যেন গজে উঠলো।

হার্গ, বিপদ। সিকিওরিট অব সাভিত্য। তেরেছেন, টেমপোরারি থেকে সেমি-পাম্যানেন্ট ইরেছেন বলে....ইউনিরন কি প্রোকেটসান স্থেবে আসনাকে?

ইউনিয়ন! সডিটে নিমান তখনৰ জানত না ইউনিয়ন কেন এস কে মিচর চিম্তার কাবেণ!

লেকটা হাসছে। ডেসপ্যান্তের সেই পবিষ

সেন। ধবধবে ফর্সা, রেগা, বাইরে থেকে ছাড় গোনা বার। আন্দির পাঞ্জাবি পরলে গলার হাড় দুটো ঠেলে ওঠে। করিডরের সামনে দাড়িরে একটান। চিংকার করে বাচ্ছে লোকটা। পবিত্র সেনের সেই ছবিটা ভেলে উঠলে তয় পার ও। সপো সপো একটা লোভও লাগে।

বংশাগণ, আমাদের যদি বাঁচতে হর, ঐকাবদ্ধ হতে হবে। ইউনিয়নকৈ জোরদার কবতে হবে। শেষ কথা, বাঁচতে গেলে লড়তে হবে।

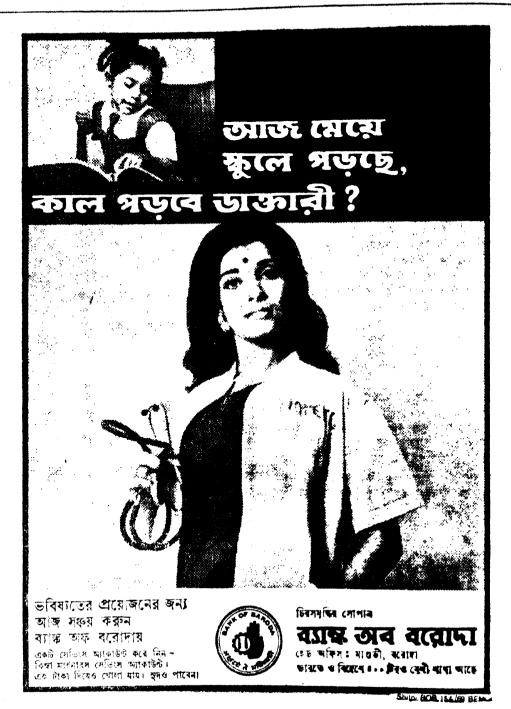
সংশা সংশা শ্রুলিংগর মত ধ্রনিত হল, এ লড়াই....অপনারা শেলাগান দিন। এ লড়াই, বাঁঘর লড়াই। লড়াই করেই বাঁচতে হবে। ইনফিলাব জিলাবাদ।

ও মলাই। ও নিমালবাব্ দেলাগ ন দিক্ষেন না কেন? একসংগ্য দ্-তিনজন ধ্যক খেন কোৱা করল। কে একজন বলৰা, । দালাল।

একট্ ইতশ্ভত করছিল নিমল। হঠাং তিন-চারজন বলে উঠলো, এই বে শালা এস কে মিত্তির জানলার দাঁড়িত্তে দেখছে। ভিত্তকট্রের দালাল।

ওপর থেকে দেখছিস কি রে শালা! ডিরেকটরকে প্লিস ভাকতে বল। ইউনিয়নের নেডা পবির সেন আবার চেরারের উপর উঠে দাড়ালো। বন্ধাপন, আপনারা শালত হন। মালিকপক্ষের প্ররোচনার উত্তেজিত হবেন না। আপনারা শান্ন, বন্ধাপা এ লড়াই সবে শারু। শান্ন, বাচার লড়াই—এ আমাদের জিততেই হবে। দালালদের ভিনে রাখনে। ভেলাপনি একটানা ব্ৰিক্তিং বাসভাটা আন্তল্ভ আন্তে ভূবে বাজিল। খেলেটা অস্থানিত প্ৰকাশ কৰলো, কমন ব্ৰিট থানৰে ভাষা কি ঠিক আছে।

ব্যক্তি থাকলেও খালে বা ভিড় হবে। উঠতে পাইলে হয়। নেরেটা কাল, টার তো আন আর চলতে লা। এর চেরে একটা



रतन्ते त्वरके कृषरक भावरम् जन्कक मृ बान हा रहा बाबबा व्यव

निर्माणक वहें नमह हा स्थल पूर्व हैएक कर्ताच्छा। वाण्याद धीमत्य धन्ते। ठारत्र स्माकात सारह। किन्छ श्रीमाक स्वरण स्टा হাণ্টিতে স্পান করে বেতে হবে।

অভিস খেকে বাড়িতে চাকে জামা ভাগড় बाएएक स्मर्थि वन्मना केन्द्रन अन हानात! আগে এক কাপ চা। ভারপর ধলি নিরে পম ভাপ্যাতে বেভে হয়। সরতো অন্য দু अक्छा क्यामारतम बारक। छैनात स्मरे। बाहेरबर नव काक अरक्ट क्सर इस। बन्मना चरवर जान निरंत चारक। व अवनव रनरकरन মেরে। লোকানে গিতে জিনিস কিনে জানার ভথা ভাৰতেই পাৰে মা।

এক এক সময় কলনার হথো কোন আক্রণ থাকে পার না নিমাল। সেই সমরটা পূর্ব পরিচিত করেকটা, মুখ ছেলে ওঠে। मत्न भरन এकहे। जारकश कर म्लब्हे हरत উঠতে চার।

करमरक भाषांत्र नमज रवण किन्द्रीयन कवि হবার বাসনা হরেছিল নিমলের। অভি আথুনিক কবিতার বইরের পাতার ভবে থাকার নেশার পেরে বসেছিল ওকে। তথন ও কবিতা গিলতো। এখনও অনেক কবিতার দ্ৰটো শতবক মাখনৰ বলতে পাৱে ও। चारतकीमन एक्टवरह, वन्मनात स्मरकटन ভাব লক্ষা করে সেই কবিতাটা শানিরে দেবে। অথনই ভোমাকে ডেকেছি প্রেরসী কিংবা প্রিয়ে, অমনি বসেছে: ধ্যেপার হিসেব নিয়ে। কুড়িনা পেরতে হয়ে গেছ পাকা গিলি, মাঝে মাঝে দাও সভানারানে সিলি।

শেষ পর্যাত কোনদিনই হয়ে ech নি। নিজেও ঘ্-চার ছন্ন কবিতা লিখেছে ও। সেগ্রলো মনে করলে নিজেরই হাসি পার निर्भारततः। अवधे भद्रदे जनामनञ्क दृहत **छ वर्ड थारक छ। कामल कौवनदे। रवम** किल। यमि**ও मृत्वना हिউन्**नित **ওশ**র ক লব্দে পড়া নিভার করতো। নিভার্টই নিঃসম্বল। তব্ত ওই সময়টা সম্ভাবনাময় ভবিষয়তের অনেক স্বণন দেখার অবকাশ ছিল। ওই রকম তাজা স্বপন দেখতে বেশ লাগতো নিমালের। কলেজে পড়ার সময় ধরেই নিয়েছিল ও নিজেও একদিন অধ্যাপক হবে। কিংবা আরও বড কিছু।

বর বরই নির্মাল একটা লাজ্ক। আসাল পৈটে খিদে মাখে লাজ' স্বভাবের। অথচ ए भरत भरत इ.स. निकान्ड निर्देश शानी। তার ওপর প্রচন্ড ভবিত। মনটা মাঝে মাঝে সাহসী হয়ে উঠতে চেয়েছে, কিন্তু পারে নি।

কলেজে সৈকেন্ড ইয়ারে উঠে প্রেমাস্পদ হওয়ার তীর বাসনা বেন কিছুতেই দমন করতে পারছিল না। দীপ্তি সোম ওর क्कशनात स्थार स्ट्राप्ड वरमरहः अक्षाः श्रारता अक बद्दा क्रांत्र करवा अवधि मिन । धक्ति लवाद माहम हर्वान । हे किमत्या सत्मात्वाभी ছার বলে এর সনোম ছডিবেছে। ভার এপর পীণ্ড সোমের কার থেকে কর্মান্সমেন্ট পেৰে প্ৰাৰ অস্থিৰ চৰে উঠেছিল ও। অতি স্ত্রাণে একদিন দীপ্তি সোমের রম্ভ করবীর ভালে এক ট্রকরো চিরকট রেখে এসেছিল। নিমাল তখন সংশরহীন। ও নিশ্চিত ছিল বিনিমরে একট্রবরে চিরক্ট পবে ও। কিল্ড দীপ্ত সোম ওর চেরে অনেত বেলি সাহসের সপো ওকে অবজ্ঞা করলো। আসলে দীশ্তি লোম বে ওকে কড নিৰ্বোধ ভাৰতো, নিৰ্মান কোন্দিনই ভা कानटका ना।

এর পর বা হয়। নির্মাল কলেজের পাঠ মাৰণতে চকিতে দিৰে চাকৰিব জনো ধনা मिए**ड मिएड बारन छेकरमा बाँ** खाया সরকারী অফিসে। সপ্যে সপ্যে অভিভাবক-रमत्र मातिष *रमराम स्वरा*खः *रत्राव्यरगरत राहरा*मत्र বিরে না দিলে নাকি বরে বার। বিবাসী হতেই বা কডকণ। ভাই চাকরির তিন মাস বেতে না ৰেতেই কড়ো জাঠামশাই বাতের যুদ্দুণা নিয়েই পালীর খেকি বেরিরে পড়েছিলেন। অন্টাদশী বননা বেন ওর कत्नारे पिन गुनक्ति।

নিম'ল মাৰে মাৰে ভাবে সাজে ভিন বছরেও কি ওর বাস্তব জ্ঞান পরের হরনি। বন্দনা ওর জনো বেদনাহত হর। কিন্তু নিজের কণ্টটুকু নির্মালকে জানতে দের না। এক একদিন ভাবে, আন্ত বন্দনত্ত বলবে, তুমি কি সংসার ছাড়া অনা কোন আরনার নিজের মাধ দেখতে পাও না? কিন্তু সেই পর্যবতই। ভরে পিছিরে অনুস।

বিয়ের প্রদিন শাশ্রভী ঠাকরান আভালে ওর হাত দুটো ধরে প্রার ধরা গলার रालिश्तन, धकरे, मान्यित नितः ठलरव বাবা। মেরের আমার সংসারের কাজের ভাঙি নেই। কিন্তু বন্ধ একগুরে। এই এক দেব। আর মাঝে মাঝে ফিট হরে বার। চোখেম্থে একটা জল দিও, তাহলেই সেরে যাবে।

वन्मना रिग्धे इरह । यात्र भूत भूत भूत भूत পেরে গিয়েছিল ও। কিন্তু কি আদচর্য ! বিষ্ণের পর বন্দনকে কোনদিন ফিট হতে एमर्थ नि । यम्मना...ना ना यमना प्रमिक সোম-এ সব প্রনো কথা ভাবছে কেন! হঠাৎ যেন সন্বিত ফিরে পেল নিমাল। কটা বাজলো কে জানে! ঘডিটা দোকানে সারতে দেওয়া আছে। এক তারিখে মাইনে না পেলে আনা যাবে না।

কিছুক্ষণ ইতশ্তত করে সেই ছেলেটার হাত ঘড়ি**ট**র দিকে **ঝ**াকে পড়াল। ছটা বৈক্তে গিয়েছে। বাড়ি পৌষ্টতে আৰু অনুনক দৈরি হয়ে যাবে। এ ভাবে দাঁভিয়ে থাকা ছাড়া উপায়ও নেই।

একটা, অনামনক্ষ হড়েই জাবার কলনার कथा মনে হচ্ছিল। সেই সময় মেয়েটার ফিস **थित भव्य काटन धन, क**्टानादाद द्वान

নিৰ্বেদিতা লোকমাতা

भक्कतीश्रमाम यम् ॥ नाम ७०.००

তরুপের স্বণ্ন

म्बायकम् बम् ॥ सम ७.००

वाःमात्र लोकिक দেবতা

वर्गम् भू त्राच्या व शा लारभन्दक्क वन् ॥ माम ७.००

अम्लाम(कर् देवहेदक

সাগরমর ছোব 🏿 ঘাম ৬.০০

ইন্দ্রজিতের আসর

হীরেন্দ্রনাথ বস্তু ॥ বাম ৩.০০

ভারতে **भा**ष्टेग्डेन्डार्डन

আলান ক্যান্বেল জনসন ॥ দাম ৮০০০

ञाञाम হिम्म ফৌজের সঙ্গে

মেজর সভোদ্দনাথ বস্থা দম ৪.০০

বিবেকানন্দ চবিত

अट्डान्सनाथ मक्स्मात ॥ माम १.००



আনন্দ পাবলিশাস প্রা: লি: অধিস : ৫ চিন্তার্যাপ লাস লেন। কলি: ১ বিক্তর-কেন্দ্র : ৬৭৩ মহাম্বা গাছী বেচ্ছ स्कान ७८-४३६९

শ্ৰেভিত্য তামাকটা ঠিক বলে ! টেক্কা দিয়ে চলে !

ক্ষত কাৰ্মজ্ঞা দিক দিবে একেশে তো বটেই, ভারজ্ঞা বাইরেও কথাবি স্বাহ্রির সেরা দিবারেট ছিলেবে (লক্স. বাজি বাং করেছে। (লক্স. নবাৰ নেরা—বা মুন্দ দিক্সে বা প্রায়ন্ত এই আন্তন্ত কান্ত নেইবারেই।

সবার সেরা
তামাকে গড়া • • •
না খুব মিঠে,
না খুব কড়া • • •



তামি ভালই পারি। আমাদের অফিসে এবার েভিভূতে'র লেখা 'পরতানের মৃত্যু' অভিনয় তব। আমাকে বলছিল.....

তোমাদের তো লেফ্ট সি পি আই-এর ইউনিরন? সিগারেট ধরাতে ধরাতে প্রশ্ন করল ছেলেটা।

সেই জনোই তো। পরের দিনই সেক্লেটারির কর্নাফডেনসিয়াল ফাইলে নাম উঠে বাবে।

নাম উঠে ধাবে মানে। ক্ষতিটা কি হবে। বরং কাজ না করে ইউনিরনের দৌলতে তোমার বস তোমাকে সমীহ করে চলবে।

আহা! তোমাদের অফিসেই বা কি! তুমি
নিজে কোনদিন সাড়ে দশটার মধ্যে অফিসে
গিয়েছো? বাড়ি থেকেই বের হও সাড়ে
দশটার। আমাদের অফিসে ওসব চলবে না।
অবণা ইউনিরনের করেকজনের কথা আলাদা,
কোম্পানির সপো কি সব এগ্রিমেন্ট হরেছে।
গত বছরই তো সাতজন ছটিটে হল।
এখনও কেস চলছে।

ওদের কথা শুনে নির্মালেরও ইচ্ছে কর্মিল, ওর অফিসের কথা তুলতে। কিন্তু তীর ইচ্ছেটা দমন করলে:। বৃষ্টিটা কমছে মনে হল। খোলা মানহোলের মুখে জলের দ্রেও দেখে আন্দাল করে নিল নির্মাল। তারও কিছুক্ষণ অপেক্ষা করতে হবে। বাসে উঠতে পাবলে হয়।

নিমাল যে ইউনিয়নের মেশ্বার হাংগ্রেছ। তার্যাধ হয় এস কে মিট জেনে নিয়েছে। নইলে বিপেনের কথা তুলকে কেন! ইউনিয়নের আনসিস্টানট সেক্টোরি সাকেমল বার সেদিন অফিস ছাটির পর ওর কামে হাতি নিয়ে নামতে নামতে কথা কলছিল। ওদিক থোক এস কে মিট ইয়ত লক্ষা করে থাকরে। ক্রমে সাক্ষেত্র স্বাক্তর।

পরের দিন এস কে মিত ওকে নিগের মার ডেকে ওদের সেকশনে ইউনিয়নের কথা জিজেন করেছিল। আসলে নিমাল ইউনিয়নের সমর্থক কি না সেউই জানতে চেয়েছিল। কাঁকরা যায়! নিমাল যেন লোটানায় পড়েছে। সাকোমলও মাঝে মাঝে সালেই করে, নিমাল হয়ত এস কে নিরে চর। কাঁ আশ্চয়া। ওরা বিশ্বাস করে, নিমালের মাত একটা সাদা-মাটা লোক চর ছরতে পারে!

ভাহকে আপনি সৈদিন কানটিন হলের মিটিং-এ যান নি কেন? ইউনিয়নের আর একজন নেতা কিরণ সেন যেন জেরা করছিল ওকে। স্কোমল রায় ওব প্রতি সহান্ত্তি জানিয়ে বলল্ এস কে মিচকে আপনি এত ভর করেন কেন!

নিজেকে কাপরেষ বলে স্বীকার করতে লব্দা হল নিমলের।

নিমলি কাশ্র্র নর, কাশ্র্র হতেই পাছে না। আসলে ও বেপরোয়া হতে পারে না। বার বার নিজেই নিজের কাছে প্রতিবাদ জানালো ও। নির্মাণ কাউকে তর করে না। অথচ...তাহলে বেশরোরা হরে তা প্রমাণ করতে হবে। গতকাল দুশ্রের পবিত্র সেনের আহানে ওর অনেক সহক্রমী বেমন বেশরোরা হরে উঠেছিল। পবিত্র সেন শুর্ম বলছিল, বড়যথের বির্দেধ রুখে দাঁড়াতে হবে। কিসের বড়যথা। কারা এই বড়বথা লিগত তা-ও স্বাই জানে না। স্বাই ধরে নির্মিছল, এ ডিরেকটারেরই বড়বগা।

সেদিন দৃশ্রে আডমিনিপেটটিড বিলডিংরের সামনে হঠাং বিক্ষাভ ছড়িরে পড়লো। নির্মাণও সিট ছেড়ে উঠে পড়েছিল। কিন্তু শশধর, মনোজ, বিজন, বিভৃতিবাবা, বরদাবাব্দের সপো আবার ফাইল টেনে নিরে বসলো ও। বরদাবাব্ অবলা সব ব্যাপারেই ইউনিয়নের বির্দেশ। ওকে খ্ব একটা পছদদ করে না নির্মাল।

শরে ছেনেছিল নিম'ল, এ লড়াই সতিটে চলবে। পবিত্র সেনরা হুডদিন ইউনিয়নের দেতা ততদিন এ লড়াইরের বির্মিত নেই। আর ইউনিয়ন শ্লেলেই এল কে মিল তংশ্ব হয়ে ৪টে। অবাক হয়ে বারু নিম্বা

আছা, এস কে মিচ আগে তো এমনভাবে প্রোক্ষে তয় দেখাতো না ওকে। আক্ষাল কথার কথার বলে, পরশ্লিনও বললো, হাঁ, হাাঁ বিপদ। সিকিওরিটি অব সার্ভিস। টেমপোরারি থেকে সেমি পার্মানেন্ট...।

না আর দাঁড়িয়ে থেকে লাভ নেই। এ রক্ষ বির্যাধিরে বণ্টি আজ আর থামবে না।

কিন্দু বাবে কি করে? দ্বীন তো বন্ধ।
বাসে উঠতে পারবে? যে করে হোক বেতে
তো হবেই। মুনিটা কি করছে কে জানে।
বুণিটতে ভিজে ভ্রেম্ব বাবালে কাল আবার
আফিল কামাই। মেরেটা বিরভি প্রকাশ
করলো।

রাসভার জল ঠেলে লোক চলতে শ্রে করেছে। চটি জোড়া হাতে নিরে নিম'লও ক্টপাত থেকে পা যসে ঘসে জলের নিকে ৰাম্ভা খালতে লাগলো।

সেদিন আর জামা কাপড় বাঁচাতে পারেনি

বা হটিরে ওপর জল। মরা কুকুর, বৃত্তী
রোগার বিছানা, ডাবের খোলা, ডাপ্টাবিনের
আরজনা—সব একাকার। হটিতে গিরে মাজে
মাজে গতে পা পড়ে বাজিল। বাস চলে
গেলে জলটা হটিই ছাড়িরে কোমরে উঠে
আসাহিল। নিমাল এবন দ্ব পারে আল্যানগ্রালার ওপর ডর করে টান হরে নিজেকে
দ্বাধানার করার চেন্টা কর্মাহল।

নিমলৈর অবাক লাগলো রিকণাওরালা-

टक्सारचा भूद-त

গোৰীশক্ষ ভট্টাচাৰ্বের

নারায়ণ সান্যালের

বজুবিষাণ

লেশের মাজিজ্ঞালেশালনের প্টভূমিকায় বলিষ্ঠ উপন্যাস। 6.00

রুদ্ধ যাযাবর নাগচম্প।

উইলিরাম কেরীর প্র শিক্ষিত বেকার ইঞ্জিনীরারদের ফেলির কেরীর জীবনের জীবনকে কেন্দ্র ক'রে নতুন পটভূমিতে মতুন বরণের বরনের উপন্যাস ১০০০ উপন্যাস। ৮-৫০

বিমল মিত্রের

जानहरूम महत्वानामाहम्ब

কথাচরিত মানস মনমধুচন্দ্রিকা

6.00

4.40

দেৰেন্দ্ৰনাথ বিশ্বাসের

সতীনাথ ভাদ্কীর

মানব কল্যাণে রসায়ন দিগ্ ভ্রান্ত

साम : ५.७०

ma : ≥.00

ब्रानी हम्म-द

ভারাশক্ষা বন্দ্যোপাধ্যায়ের

জেনানা ফা**টক আব্বোগ্য নিকে**তন মহাস্বেতা

७⋅৫0

\$0.00

6.00

ধনজয় বৈৰাগীৰ

वनस्य (वन्नामान

গজেন্দ্ৰকুমার মিতের

4.00

জয়জয়ন্তা

সমুদ্রের চূড়া

ডাবনস্বপ্ন *∙৫০

প্রকাশ ভবন, ১৫, বন্দিম চাটুজো শ্মীট, কলিকাতা-১২

देश्व दश्य । जवशांत्र जित्स त्यन दर्गाण्टम । সামনে ভাগ্যা ক'ঠের পেটি ফুলে ভোগ श्वा दिए म सरमद निट हादावामित वर्ष बामा बल दक्षम वीडिट इटलट्ड। ब्रह्मद नारका मिटा कि छाथ जारह।

ৰাঃ! একেবারে মনেই পড়েনি। বের বার मारा बन्नमा बाद बाद बल निर्दाशिन, बाफि दकरात मध्य दक्त विन्कृष्टे नित्त दकरत। साध बाक्टक केटी टक्टककी बाह्मना कटक टक्टब । अक शाहेन वान्छ। होंगे. सन क्षेत्र बाभए७ शॉनाम फेंग्रला छ। अस्मिनरहरनम् কাছাকাছি আসতে চোখ গিরে পড়লো একটা विकाशत्नव बानारवव मिरक। সিলেমার বিজ্ঞাপন। একটা ব ডণ্ড মেরে क्या भारतास्वर भारता भित्म बारक । वाणिए ভিজে কাগজের ওপর ছাপা সেই ছবিটা ब्याम केटी दक्तम जन्त्रक दमचारक । क्षताक्षत कहाता निर्मात । सन्द्रक CHILLE ECT ! PLOT ETECH. TECHNAL आरुत दका करक शरमको। शक्या निरंह कार्छ क्रकी लागात ग्रह्म भण्डला ।

গ্লিমিট পাঁচেক পৰে আৰাৰ জন্ম ঠেনে ट्यामाधीस निरम क्लाम निर्माण। कठीर श्राह्म कथा मत्त दिक्त क्या विस्ता चारन

विविक्ति विव स्त-

আপনার পরিবারের স্বাস্থ্য ও **१**ष्टित सता।

बिट अन्य कीयनी नकि कारह क्यर की जहार प्रकार यह। विद्यात्का विक कुछ बाँडि प्राप्त छरक्टे-छेमानामक्षेत्राक वावाकर मानीव नमार्थ नविनक कर्य-याक अन्य बाग मूना, किनेबिन क (आहिन আছে। সহজ পরিপাতের জন্ম এতে হেছভাতীর পদার্থ বাদ দিবে (W-प्रांटिक क्या इरहाइ । शतिबादित अर्थाक्रमीत श्रृतित सन् पुर कर ৰবচার বেট্টাকো যিত হৃত আদর্শ পানীর। আভ থেকেই ক্ষিত্ৰ কিছ কুছ ৰাওছাতে সুক কলৰ।

ল **ট্রেভিং ক্রমেপ্রয়ে**শন্ কর, নবীন সমকার দেন, কলিকাডাক





বংশনার বারা নিমালের সন্বদেশ কত খোল খবর নিরেছিল। প্রায় গোরেশ্দাগিরি। শেষ খবাত সিন্ধানত হল, পার হিসাবে নিমালই উপবৃত্ত। রোজগোরে ছেলে। মেয়ের সাধ আহ্যান মিটবে।

বিরের পর বন্দনাও মনের সাধ মিটিরে সব বাসনার কথা জানিরে দিয়েছিল। অথচ, কি আন্চর্মাণ তারপর থেকে বন্দনা শুধ্ব আশা করেছে আর নির্মাল ওকে আলান্বিত করেছে। সভা বলতে কি, নির্মাল তথ্যত জানতা না, হিসেবের সংগ্যা সাম্পোর এত অসমঞ্জসা। ও নিজেও ভো কত আশা করেছিল, কিন্তু কেউ আশাবিত করতে পারে নি।

ঠিক হা আদশক্ষ করেছিল নিমাল।
উন্নে কললা দিয়ে পাখা টেনে চলেছে
ৰদন্যা। আবা বিপ্টা জনলার ধারে পটিড়ায়
ভিজ্ঞাতে। নিমালকে ভিজে বাড়ি চাকতে দেখে
বদ্দনা যেন ফোট পড়েছিল, সারা শহরে
যেতামার জানা একটা দাঁড়াবার জালাগা চিল নাই শ্রীর তো কত চালা। কালাগা চিল কার পড়ে থাকো, হা বলেছি ডাই। একটা চোবোর আড়ালা হরেছে, জানার ধারে
দাঁডিয়ে কি বর্ম ভিজে এল। কোন দিকে
বাই বলাভো,। বলতে বলতে হাই থামে গেলে বানা হাত ভাবছিল, সাব দিন গেলেই সাঁড়ান হাত ভাবছিল, সাব দিন গেলেই সাঁড়ান হাত ভাবছিল, সাব দিন

মার গোক। শাুরনেই গ্রমন্থা এনে তিকা ইন্মানিকে শাম অংশস্ক ছেন্ডে টেডিকর ওপর কমাত্যাসর জন্ত বিস্কৃতি নিউ।

ভিত্ৰজ জন্ম কা**লড় তে**ওড় জিলোকট ধ্বাকো নিয়াল প্ৰক্ষে**টে অবনিষ্**ট বছক একটি আলো জন্ম **কাল্য তেতেঃ** নোকান ধ্বাচে হাব



ভা আনতে দেরি হচ্ছিল বন্দনার। রিণ্ট্র বাবার কাছে এসে আবার বারনা ধরে রুষাম্বরের দিকে চলে গেল। ও আন্দাল করে নিরেছিল, অফিল থেকে ৰাড়ি ফেরার সমর বাবা ওর জনো কিছা আনে নি।

নিশ্ট্র জন্যে মারা হতে এস কৈ নিত্র ছবিটা তেসে উঠলো। হাঁ, বিপদ। সিকিউরিটি অব সার্জিস। সন্দো সংশ্যে গর্জনের মত ধর্মিত হল, এ লড়াই বাঁচার লড়াই। বাঁচতে গোলে লড়তে হবে। আপনি কি এস কে মিচকে তর করেন? স্ক্রোমল বাবের জেরটাও প্রতিধানিত হল।

ভং! প্রতিট কি ভর করে নিমাল ? কিবছু বংগকে ভর! এস কে মিত্র, না পরিত সেন? পরিত সেনের মিতিং-এ বার নি বলে রটে গিরেছিল। নিমাল এস কে মিত্র গালাল। বউরকারে খ্যা হরেছেন। কেউ প্রকাশে গ্রে প্রকাশ করেতে সভস পাল নিঃ বউরকারে নালাল ছিল। অথচ, এস কে মিত্র ধরেই নিরেছে নিমাল পরিত সেনের লোক। এস কে মিত্রর এই সন্দেহটা ক্রমানই প্রেনা হবে উঠছে।

বেশ কারকবার স্বাহেণ খ্লৈছে নিমাল, ভুলটা চেচাগা দিতে হাব। প্রিত সেন একচিন সন্দিশ্ধ দুড়িটাতে ত কিরেছিল ওর দিরে। কাঁ ভারে ওরাং নিমাল কোলাগা প্রিত সেনের সব কথার না সার দিলেই দালাল। পাগের টেবিলের মাণালাবার ওব প্রতি সহান্ত্তি জানিরে একটা চাপা কোল প্রকাশ করেছিল, দেশছেন ছো, এখানে সবই আক্তুত ব্যাপার। ডিসিপিলন মানাবা না, ইচ্ছে মত পেন ডাউন ক্রাইক কবাতে হার। প্রেলিকের আতি করতে না প্রেলে নাকি ট্রেড ইউনিহন র ইটস খোরা হার।

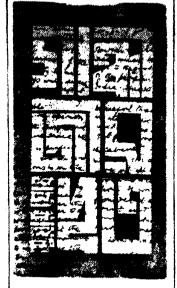
সেদিন সাধারণ সভার পাঁচর সোনার প্রতিবাদ জানিরে ও বলাতে চেমেছিল প্রভাক কমাঁর স্বাধীনজ্ঞাবে চিল্ডা করার আছে। ইউনিখনের একজন নেভার কথা শানে সিট ছোড়ে উঠে আসাট। ইন-ডিসিগ্লিন...। ঠিক সেই সমর চার্রাহক থেকে বিদ্রুপেরণে বেন ওকে কাত-বিক্ষত করতে লাগালো। দালাল, শালা দালালী করতে এসেছে!

্ববিব্য আসার পর কৈ একজন জিস ফিস করে বলল, ওসর ঝামেলার মধ্যে যাবেন না মণাটা মাদালবাবা, বলল, আপনি ছেল আছে: নিবেধি। ইউনিয়নের বিবাধে গাঁড়ার: । কিন্তু আমি বৃতা ইউনিয়নের বিবাধি বলছি না: বলছি আয়াদের পা্তুল বিসাবে ।

আরে মশাই ওরা অত যুদ্ধি শ্রেরে না। রাস্তায়ে প্রেটমার বলে কাউরে ধরিতে দিকে জনতার রোববহিঃ কি রক্ষ হয় সেপেছেন তো। আসনারও একই অবস্থা হয়ে। জানেন, বটকুক্ষবাব্যুকন খ্যে হয়েছিল।

অফিসের ভিত্তার বু'র হয়ে গিয়ে**ছিল**

গাণ্ধী জন্মশতবৰ্ষে পড়ান



भृथोत (घा(भत

গান্ধীজীর দূত

কাৰিনেট নিশ্ন ধথন ভারতব্যে
আসেন, তখন গাফীজীর সংগ্র তাদৈর
ধোগস্ত রক্ষার জনা একজন দক্ষ
মান্ধের দরকার হয়েছিল। সেই
মান্ধিট হলেন সম্প্রতি প্রলোকগত
প্রাক্তন সংসদ-সদস্য স্থীর ঘোষ।
তাঁরই আছকথা "গাফীজীর দ্তে"।

"গাছীকীর দ্তে"-এর প্রকাশ ভারতবর্ধের রাজনৈতিক ক্ষেত্র একটি উল্লেখযোগ্য ঘটনা। তার কারণ, এই আত্মকথা বদত্ত ভারতবর্ধের হানতি-অ তীত কালে র ইতিহাসের এক হাবিছেদ। অংশ।

11 FT제 16.00 1



তানন্দ পাবলিশাস প্রাং লিঃ ছব্দিন ঃ ও চিছার্মান কান কোন। কানঃ ১ বিরয়-কোন্ড : ৬৭৩ ফাকা গাছী রোড ফোন ৩৭৮২৪৭



জীবনকে মধুরতর করে ক্যাডবেরিস !

Castury's

মুখী জীবনের প্রতীক এই চকোলেট বাড়ীর স্বাই থেতে ভালবাসে! কারণ, খাদিই
ব পৃষ্টিকারক এই লাডবেরিস্ চকোলেট গাড় বুধ দিরে হৈবন।
ক্রেডাকেরই প্রিয় থাদের কন্ত এই চকোলেট ছবটি বিভিন্ন রক্যম পাওয়া যায়।
প্রতিটি চকোলেট ক্রিয়েক্তি স্বধের গুণে ভ্রমপুর!

MENIAN CIM

নিমাল। বন্দনা চারের কাপ নিমে ছবে চ্যুকপো। রিন্ট্ ভবনও বারনা ধরোছল। আঞ্জান্ত ব্যুক্তি থামবে না। আর এই এক হয়েছে। কিছুত্তেই আঁচল ছাড়বে না। চা বেয়ে একটা ভালিরে দও।

িমাল ওর হাত থেকে চারের কাপটা নিক। ওর চোথেম্থে একটা অস্বস্থিত ভাষ লক্ষা করল বন্দনা। রিণ্টুকে কোলে নিরে আরও গা খেকে দড়িলে ও।

বিস্কৃত ক্রিয়ে গিরেছে। কাল সকালে আমার ম বা চিবিরে প্রে।

একদম ভূলে গিরেছি। দেখি বৃভিটা শাসকে:...

না, আৰু আৰু বৈৰুতে হ'বে নাতে মাকে। ৰাষা দিল বন্দনা।

নিমাল অবার নীরবভার মধ্যে অভিনের
টিন্তর ডুবে বাচ্ছিল। বন্দনা জন্দতি
প্রকাশ করলো, দিনরাতই ভোমার অভিনের
টিন্তা, ডুমি কি অফিনের নছ বাবা নাকি!
না, মনে অফিনের কাদন ধরে খনে
বোলনালা চলকে, নিজকে বেন হালকা
করতে চাইল নিমাল। কিন্তু একটা 6 শা
অব্যতি প্রকাশ করল। সভিঃ তোমার মত
ভীতু মানার আর নেশিন। আরও ভো
কত লোক চাকরি করে। ভারা স্বাই ডেমার
মত ভা ছাড়া ডুমিই তে বল গোলমালের
মধ্যেই খ্যাকা না। ভাহাল অফিনের গোলমধ্যেই খ্যাকা না। ভাহাল অফিনের গোল-

সেই জনেও তো। গোলম লের মধ্যে থাকি না বলেই কো আনেকে আমাকে সংলেওের চোখে বলেও চাইল নিমার। ইউনিসন করন্ত এত ভাস হত না। পাঁতে সেনা ধ্রেই নিমার। ইউনিসন করন্ত এত ভাস হত না। পাঁতে সেনা ধ্রেই নিমারে কর্মা এস কে মিতের চর। অংশু এস কে মিতের চর। অংশু এস কে মিতের বেজা শ্রাসিবে বাজেও।

তানেকজন মুগ করে বইল চিম্মাল। একট্ন পর বির্ভাগত থেন মেটেই পড়ল ও মানুখার জালাভাগতে চিল্ডা ভারত কোন অধিকার নেই। অথচ এবাই আবার বাছি স্বাধীনতা, গণাণ্ডা স্বাব্য বড়াবড় ক্রাথবাই ক্রাপিয়ে ফেলাছে।

বংগন। বেশ কিছুক্ষণ বিহুকো লুক্টিটেড শ্বামীর দিকে ত কিরে রইল। জামার পকেট খোল একটা আধ ভেজা সিগারেট ধ্বাবার চেট্ট করল নিমলি। শের প্রাণ্ড ধ্রাতে না পেরে ছুইড় জেলে দিল।



পোটেবিল জীনজিস্টর মাসিক ও টাকা কিহিতে। মতোক গ্রায় ও শহরে পার্টান যাহতে পাটর।

VENUS SALES (12) ROOP HAGAR DELHI-7

ৰুপনা বৰ্ণনা, অভ ভাৰছে। কেন। বা হবার চবে।

ভার মানে? বিশ্মর প্রকাশ কর্মণ

তাই বাল সব ছেছে দিন রাত চার্ছারর ভাবনা ভাববে নাজি। মান্ত্র কি চার্ছারর জনেই জীবন উৎসগা করে দিরেছে ম কি! কিব্যু চার্কার গেলে ভূমি, আমি, রিণ্ট... তোমার মন্ত অভ তলিরে ভাবতে পারি মা আমি। ছেলেটাকে একট্ ভূলিরে পার। ভাদকে উন্নেটা খালি বাচ্ছে।

রিণ্ট্রেক কোলে নিয়ে জানলার ধার্ম সিয়ে সভ্যিল নিমলি। রিণ্ট্র প্র চিব্রুক ধরে ধরে বলচিল, ধারা বিত্তি বিভাতি...।

বাইরে তথন একটা রিকশপ্তর লা সপ্তর রি নিজে হাটা, জল ঠেলে রাস্ত্রা থাজাতে থাজতে চলেতে। নির্মাণের মনে হল, অভিন ক্ষেত্রত সেই দম্পতি।

ছেলেমেরেদের সর্বাপরোতন মাসিক পাঁচকা মোটাকা-এর গোরবোজ্জার পঞ্চাল বংসর প্তি উপলক্ষে এক অনবদ্য ও অবিস্মরণীয় প্রকাশ প্রকাশিক হ'ল

নানাবিধ শতাধিক বৈচিতাপূৰ্ণ রচনা সংবলিত ভবল ক্লাউন আট পেকনী সাইকের সূব্যুং সচিত গুক্ধ।



উংকৃষ্ট কাগজে পরিজ্ঞান মানুল। প্রচুর ছবি সংবলিত ও সোনার জগে মানুলত সমুশোভন প্রজনপট।

म्बा : आहे होका

পাঁচিশ বংসর প্রে মোঁচাকের পাঁচিশ বংসর প্তি উপলক্ষে আমরা বেভাবে মেটাকে প্রকাশিত সর্বাপেক্ষা শ্রেষ্ঠ রচনাগা্লির সংকলন একটি 'রক্ত ভরতী' গ্রুপ প্রকাশ করেছিলাম, বর্তমান পঞ্চশ বংসর প্তি উপলক্ষেও সেইভাবে আর একথানি 'স্বর্গ জর্মতী' গ্রুপ প্রকাশিত হরে প্রেলর প্রেই। এই স্পৌর্ব পঞ্চশ বংসরের জ্যুমান্তার পরে বে সকল বিখ্যাত লেখক-লেখিকা ছেলেমেয়েদের জনা মোটাকে লিখেছেন, তাঁদের প্রার সকলেরই গলপ, কবিতা, প্রবন্ধ ও ভ্রমণ-কাহিনী কেবলমাত ছেলেমেয়েদের কাভেই নর, আবালবৃত্ধবিতা সকলের কাছেই আকর্ষালীয় ও লোভনীয় করে ভূলবে।

এম সি সরকার আনতে সন্স প্রাইডেট লি: ১৪ বংকম চাট্জো স্থাটি: কলিকাতা ১২

গুক্ত সাহিত্য সাক্ষেত্রত র চি ও মর্বাদার আদ্দেল্লেন স্থিতিবারী বিমাসিক



ন্তপ্ৰায় শ্বিতীয় ধ্ব শ্বিতীয় সংখ্যা বিপাৰ আকাৰে প্ৰকাশিত হচ্ছে

এ-সংখ্যার বিশেষ আকর্যপ শব্দ বোল-অন্থিত ভিটোরির। ও কাম্পোর রবীপ্রনাথ নরোকসুনার রারটোধ্রীর পদ্যিকখা, তেনে বাই ... ভানে পদ্যিত বাংকুশ রারের উপন্যান, জন্ম-জন্মান্তর

গদশ। জীবনানক দাশ লোকনাথ ভট্টাচার্য শত্তীক্রমারারণ দেব প্রকৃতি প্রবাধ হরপ্রসাদ ক্রির জমিরজ্বণ কর্মদার রাজেশেবর মিট জ্যোভিমরির গালোপারারে সমিভা সেন স্নৌলকুলার নাম প্রভৃতি কবিজা। প্রেক্সের বিল স্ক্রমার্থিক স্থিতি

কৰিজা। প্ৰেমেন্দ্ৰ বিষ্ণু ৰে জগদীশ ভট্টাচাৰ' বাীৰেন্দ্ৰ চট্টোপাৰাৰ দীৰেন্দ্ৰনাথ চক্ৰবড়ী' জৰুণ ভট্টাচাৰ' দুখৰ বোৰ নিৰিককুমাৰ নক্ষী সদৰেন্দ্ৰ সেনগ^{্ৰু}ভ ইন্দ্ৰনীল চট্টোপাৰাৰে শংকৰানন্দ মুখোপাৰাক ম্বনীককুমাৰ নক্ষী প্ৰভৃতি

সম্পাদক ঃ স্নীলকুমার নদ্দী ২২ বর্ণজন্ম লেন্ কলভাতা ১। ২২-৫০ক বিবেদ সংঘার দল ঃ ২-৫০ টাকা। রেজিলি ডাকে ঃ ও ২৫ টাকা



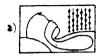
সদির শুরুতেই ভিক্স ভেপোরাব লাপান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বুকে সদি বসার ভয় থাকবে না।

বরুন, বাছার সবে সদি বেগেছে;—নাক দিবে কল পড়া শুক হারেছ—গলা খুস্ খুস্ করছে। তক্তুনি বদি এর একটা ব্যবহা না করেন তাহলে এই সদি বুকে বসে দিবে শুক্ত হতে পারে নানান্ধানা – নাক বছ হবে নিশ্বাসের কট, গা বাধা, কাশি – কিছু আরু বাকি থাকবে না – অবধা কট ভোগ করবে বেচারা।

সদির লক্ষ্য দেখা দিলেই যদি ভিন্ন ভেপোরার লাগানো বার, কোনো কষ্ট পেতে হয় না— ক্ষুক সদি বসায় ভয় খাকে না। আর একটা কথা! ভিন্ন ভেপোরার লাগাতে হবে সেই সব স্বায়গায় –বেধানে ঠান্তা বেদী লাগে, – যেমন নাকে, গলায়, স্কুক, পিঠে।

ধুবই সহজ্ঞ কাজ! তেতো ৰড়ি বা, বিচ্ছিরি মিক্সচার ধাওয়াতে হবে না।

ভিন্ন ভেপোরার কান্ধ করে সঙ্গে সঙ্গে,— সদিয় ক্ট খেকে আরাম দের দুভাবে —





বাইয়ে থেকে গারে তেতন্ত থেকে নিশ্বাসের সন্দে

- ভুকে পিঠে লাগালে গায়েয় (বদনা দৃয় কয়ে~
- হ) গাৰে লাগাতেই ভিন্ন গলে বে ভাপ বেরের
 তাতে ভিন্দের যাবতার গুরুধের গুণ বজার গালে।
 এই ভাপ নিরাসের সঙ্গে ভিতরে গিরে, গলা আর
 ব্কের সদি গলিয়ে দিয়ে আপনাকে সুহ ক'রে
 তোলে।



त्रिं वत्राठ परविव व। ! त्रिं एक रामरे छित्र एए । वात्र !



कानारक रेक्डी कार्यकी न्यूक्त कानारकार वहनी

তার দেশ জাপান! তার চেরেও

আশ্চর্য জাপানের মেরে। কে বলবে
ক'বছর আগে হিরোসিমা আর নাগাসাকির
বীভবসতা এদেশের ব্রেক কি তাণ্ডব
জাগিরেছিল! সমস্ড জাপান রলমল করছে। রুপে, রুসে, সম্খ্যিত অপুর্ব সমস্বর প্রাচ্য জার প্রতীচোর অক্তৃত জিলম। শ্নেছিলাম জাপান নাকি বল্য-কেশ্বিক পশ্চিমকে বেমালুম অনুকরণ



ক্রেছে। একেবারে ভল। উল্লভ বিজ্ঞান কোনও দেশের একার নর। আজকের বিজ্ঞানের উল্লেখ্য কোন আকর ভারতে ছিল, ভাস্করাচারের লীলাবভী গণিতকে कि मिरहोड्ड अथवा मूना अर्थार '0'-3 পরিকল্পনা ভারতবর্ব না দিলে জগতের ইতিহাস অনা হতো এমন কথা তো কই পশ্চিমী মানুৰগুলি স্বীকার করেন না। কাজেই উন্নত বিজ্ঞানের বিকাশে ভার সাধ্কতা নানা হুপে তার প্রকাশই হুল সতা। ভাই যদি হয়, ভবে বলবো জাপান পণ্ডিমের বাল্ডিক সভাভাকে আপন করেছে আর ভাতে আরোপ করেছে আপন বৈশিষ্টা। প্রথিবীর বৃহত্তম শহর টোকিওর পথেষাটে বুরে বেড়ান, সহজ স্বজ্নগতি সাবলীলভাবে স্বাই পথ চলছে। যদি যান মার্কিন দেশের কোন মশ্ত শহরে, মনে হবে বেন আসম মতাকে কোনকমে ঠেকিরে রেখেছেন। হাঁপ ধরে বাবে জীবনযভার গতি সামলাতে। সেই গতিই জাপানী প্ৰেও আছে, কিন্তু গতিতে নেই আকণ্ঠ জর্জারতা। বাজারে গেলে পাবেন হাজার হাজার টেলিভিশন, কাপড়-ধোবার কল, রেডিও, ট্রানজিন্টার ক্যামেরা কত কি।



नर्भाष

পথের থারে মেলা নিলিরে বনে আরে শন্ত লভ লোকানী। পাসরা ভাদের আর্থানিক সমাজের উরভতাম পণ্য রালি। গামে কর, গুলে প্লিরার সেরা। তব্ জাপানী বরে ভাদের স্থান মিলেছে আপন ঐতিহোর এক কোণার। যদ্য ভাদের জয় করে নি। মান্য বন্দ্য হরে বারনি। বন্দ্য মান্যের দৈনন্দিন ওঠাবসার সহার হরেছে মান্।

এই অসম্ভবকে সম্ভব করার কাজে জাপানী মেরের দান অনেক। বে সামান্য



সমন্ন এদেশে কাটাতে পেরেছি, ভাতে বহু মেরের সাক্ষাৎ মেলেনি সভা, কিম্ছু বাদের দেখেছি ভারা সবাই একই ছাঁচে ঢালা। গোল বেখেছে পাশ্চান্তা প্রভাবের আওভার আসা ব্র সমাজের এক অংশকে নিরে। ভারা মিনি স্কাটের মারার মজেছে। এটাকু জাপানের পরাজর। বস্তুজগতকে সামলে নিরেছে, প্যারিসে আইফেল টাওরারের চেরে উচু টোকিও টাওরার গড়েছে, কিন্দু এবার বাধনবিহীন বেপরোয়া ছেলেমেরে তাদের ভাবিরে ভূলেছে। ছাত্র বিক্ষোড বিশ্ববিদ্যালয়কে কাব্ করেছে। ভাতে কেবলমাত্র ছেলে নর, মেরেরাও বেশ ভালরকম বিদোহী।





विद्याद्यी द्वारकता वाच भिरतारे जायवा काशामी त्यातरम्य क्या वर्मावः। चत्रगीरमञ्ज कथा। देव कारणामी जातार অতিথি হবার কৌপ্রাস্ত হয়েছিল, সে সংসারের কর্তা শ্রীব্র সংকোষ্টে হিরাই क्रमकाणात्र विरागम करत्र के स्वतं व्यादमः वारमा শিশ্বকা বলে ভ্রমকুক মিশন ইনস্টিটিউট অব কালচারে ভার্ড' হরেছিলেন। পিথে-ভিলেনৰ বেল ভাল বাংলা। সেলে ফিববাৰ আলো কোন বাপালী পরিবারে দিন কতক কাটালে ভাষাটি বেশ মেলে ঘৰে নিডে পারকে ভার্বছিলেন। रमहे म्यार्ग्ड আমাদের অভিধি হরেছিলেন। জাপান আৰ্লাছ দুনেই জান জাতিখি হৰার নিমন্তণ कामारकमः। विकास मारक्ष्यक कामेंग्रह किन्छ क्षीत चतमरमात्र लाटब अटबबाटत भूज्य इटत CHAIN I

টোকিও শহরের উপকতেওঁ এক পাড়ার ও'মের বাভি। পা**ভা**তির সম্পের শাস্ত পরিবেশ, মোটাম,টি জাপানীই সব অধিবাসী। ফুলফলের গাছে ঢাকা স্ফল-পরিসর পথের বাঁকে জাগানী **ধরনের কাঠের** গছে। ফটক পার হতেই শ্রীমতী হিরাই অভিবাদন করে অভার্থনা জানালেন। এছন অভিবাদন জাপানী মেরে ভির কেউ করতে পারে না। বারে বারে নীচ হরে অভিবাদনের এক ভিন্ন আপ্যায়িত করার ধারা সে বংগে इंदौन्हनाश्टक स्ट्रांच क्टब्रॉब्स्स । जिनि **क्टन**-ছিলেন্ একদল জাপানী মেরে যখন এক সপ্রে অভিবাদন জানার মনে হয় বালি রালি জ্ঞা। হিরাই সাধেরের প্রিণীর নাম मार्चितः। मार्चित्र व्यामागृतं चतुर सारद्यातं कततात পাদ্বা এগিয়ে দিয়ে, পথের চটি জোড থালে নিজেন। অভিসিত্ত পায়ের জায়েছাতে অত **সহকে হাত জাগাতেও স**ম্ভবত জাপানী प्रसिद्धे भारतः । कारका कार्यान्य सन् तर अध्यक কথাটি জন্ম কোনাও কেট ব্যুখ্যে না তার পঠিটা বাবহার জিনিসের মতই পাদ্তাও কাজের জিনিস মতে পারে পরাতর বলে কি তার পদম্যাদা নেই? 'অখাচ সাম্যার সক্ষ তকে সারা দুনিয়া সালারছা

এক পাশে জাতোর রালি। সন্থাই বাটারে থাকে এবে জাতো খালে রাখে। ভারই জনাদিকে এক সৌলবা বছনার ন্ত্র ন্ত্রনার রাজে। নাজি পাশকে সাজানো ছবি। কালো আর সালা পাশক। দুখারে কালো শাবে সালা পাশর দিরে মাজে বাওয়া নদী রচনা করা হরেছে। নদীর এতকবেকে লার পথ রারেছে, নেই ভাতে করা! মধ্যান দারী মায়া।

বসবার ঘরটি বেশ: চারদিকে পাছেলা কাঠের দেওয়াল। কোথাও বা রঞ্জনীন কাগলে দিরে ঢাকা, আবার কোথাও বা নকশা কাটা কাপড়ে মোড়া। কাগজেও কোথাও চমংকার ফ্লকাটা নম্না। ঘরের ফরাস মাদ্রেরে। ছোট ছোট মালুর, একেবারে পাশাপাশি রাখা বাতে ব্যক্তনার হলে ভূলে পরিক্রার করতে অস্ট্রেকা না ইছা। মারে রাখা নীচু টোবল। চারপালে কালর জন্য রেল্ডের ছোট ছোট কুলা। কুলার একটি রেল্ডের মতা জিনিসে রাখাও বার। ক্রেন্ডের সপো পাঠের আরামের জন্য একট্র অংলও থাকে। ভবে করাসে বসাই আসল কারদা। ঘরের কোণার একটি প্রশাসকলা। তিনটি চল্ডমারিকাকে যিরে রচিত হরেছে জাপানী রুকা। জাপানী কুলা সাজানের ভালের তিলের নিজন্ম পটভূমিকার মানার। বোলবাই বৈউক্থানার বিশাল গালিচ্য আর মালত চেরাল-টোবালের মানের থাকে কথনও মনে হরনি।

সকচেরে জন্ম সেগেছিল স্থামর রামা-বরধানা। ভাতে অধ্নেক সরগ্রাম সর আছে। মন্ত বড় রামার গ্যাস-রেজ, বাসন ধোবার কল, ফল-সবজির রল করার মেশিন কত কিছু:

তবে তার মাধে সংমি আদর্শ লাপানী পহিণী। ক্ষিপ্ৰহল্ডে কাজ কলেন। কিল্ড ক্ষিপ্ৰভাৱ গতি ৰোকা বার না। চলেন मिक्ष्मरम्म, भ**ानरवन्मन, स्टब्र**म, वटमन, क**धा** वरनम रवम महक्टको इन्द्र जारह, मोन्दर्व আছে। জন্ম কি দার্থে ভার নজর বলি। রাহা খরের পালেই স্নানাগার। জাপানী ধরনের ছোট চৌবাচ্চা আছে আবার ঠানদা-গরম জলের কল আছে, ফোরারা আছে। পথস্তামে ক্লাম্ড আমি, কোন রক্তম তেলসংবান গ্রাছরে কলম্বরে চাকেছি, অমনি রাহামর থেকে সূমির অভিথকতা শানলাম। বিদেশী অভিগে। যদি ঠান্ডা-গ্রম ভল ঠিক না कालाई, योष अपि बालाः श्रांबरः श्रांबरः দরজা। আপন হাতে ব্রিরে ব্রিরে কলের কল সামলে দিয়ে তবে দানিত হলো সুমির। মন্ প্রেমপুরি শাশ্ভি ভাতেও নর। স**িমর** क्षारम् रक्रकाः रक्षका क्षमरक भएकः क्षण्डामुनी छन्द्रभी। मुक्ति छत्तक धरत्र निरह এলো আছল পিঠে সাকান ববে লেবে! সর্বানাশ! এছন তে। কখনও শ্নিনি। অভি करूको जानात कमधरतत थिन यन्ध करवाम। উদ্ধত দেবতকার সমাজ বাদ দিন। আমাদের কলেকে পড়া মেরেকে কি কলা চলে অভিথিয় পিঠে সাৰ্ভ বৰে দাও! সুমি আমাকে অনেক বোৰালো। এ যে জাগানী আভিবেরতা মাল!

স্ক্রিকে নিরে বিশল হরেছিল ভাষা বিপ্রাট। আমানের দৃহদনের মারে ছিরাই সাহেককে দ্যোভাষীর কাল করতে হতো নারাকল। কিন্তু ছিরাই সাহেক তো বাইরে কলে কেতেন। তখন বাধনেতা বিষম গোলা। কোকো বিলোগী ভাষা হিসেবে শিক্তেই স্থানিশ্য একমার ছেলো নাম তার হিসাবিদ্য একমার ছেলো নাম তার হিসাবিদ্য একমার হেলো নাম তার হিসাবিদ্য কলোন। তারা ইংরেজি বলো নাম মা ও দুই ছেলেমেরে সদা বাসত কেমন করে

অতিথিকে আদর করবে। আগ্যায়নের অনত নেই। কিন্তু মাঝে মাঝে কথাবার্তা গ্রেলিরে গিরে একেবারে একাকার কাণ্ড। তব্ কি চমংকার একটা খনিন্ঠতা গড়ে উঠলো। কল বললে দ্ধ, মাথার তেল চাইলে কেকে। আনে আপানী চারের পেরালা। কুছ পরোরা নেই। মনের ভাষা তো এক!

একটা কথা নেহাং চুপি চুপি বলি।
ক্ষমানেবার জাপানী মেরের তুলন। নেই ।
চিরুকাল তাই চলেছে। যদি বা কথনও
দুর্গালত পূর্ব বেপরেরা হরেছে, নারী
ভারসময় রেখেছে নেবা আর কোললানী
ক্যা ক্ষমার পারের জবতো খুলে ধ্রে
দেবে পা, আষার বাইরে যাবার সমর হলে
সেই জবতেই চকচকে পালিলা করে তুলে
দেবে পদব্পলো, পরিরে দেবে কোটখানা
সকরে। হিরাই সাহেবের সোভালোর কথা
তুলতে তিনি হেলে বলকেন, ও তো জব্
আজকের ব্লা পথ চলতে তিন পা পিছিরে
খাজতেন।

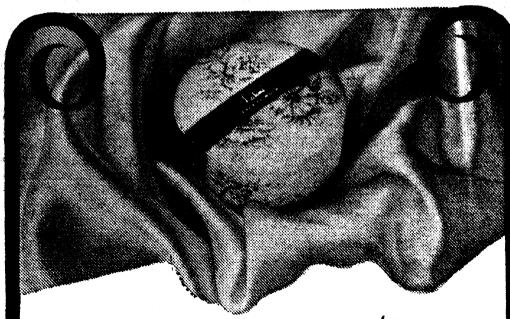
স্থিম স্থাহিশী বলে যে বাইরের কাজ করেন না তাও নর। বিবাহের আগে অফিলে সেক্টোরীর কাজ করতেন। ঘর সামলিরে, শিশ্ম মান্য করে দশটা-পাঁচটা করতে চান না বলে শিথেছেন প্রতুল তৈরীর কাজ। কি অপর্বে যে হাতের তৈরী প্রতুল বর্ণনা করা বার না। সরঞ্জামের আভিশ্যা নেই। ঘরের কোণে একটি দেরাজে সব কিছা গাৃছিয়ে রাথা বৈমন গ্রেছিরে রাখা আর এক দেরতে কোবি
আরু কিমোনো। কোবি বেশিন কিনেছিলেন
তার কাগতের মোড়কটি পর্যাক্ত সবরে রাখা।
তাতেই সাজানো কোবিখানা। কেনাও তো
আরু নর। স্থিরের বিরের সমর এসেছিল
সাজা। কড বছর আগো! ঠিক ঐতাবে
রাখা প্রকুল টেরবীর জিনিসপত। অবান্তরের
আবর্জনা নেই অখন বা সেরাজন সব
প্রিপাটি সজানো।

প্রেল তৈরীও তো ক্লেলাকালের সত ঐতিহালর কাপার। তার অকেক খারা, च्हानक निवास। निवास्त दत्र जनता. वद् অধ্যক্ষারে। সূত্রি টোকিও স্কুল অক্ ডল एमीकर-व भिकाशान्त हारो। वका रन নিজেট শেখাতে যার এক স্বত্যা ; কেউ क्कार बन्द्रशय क्वल चर्चात स्रीक्क প্রকৃত বালিয়ে দের, তবে বিক্লী করার পরক তার কম। কলেন, পড়েজ তৈরী কমলে কেলন रबन मात्रा इत्र स्वयक्त निएए। चरत्र चरत छाँदै অজন্ম নানারক্ষের পতেল সাজানা ৷ স্বামির হাতচলার কামাই নেই, তাই বন্ধবান্ধব সবাই এর ভাসের ভারে দিলপ-স্বাক্ষর একট্র-আবট, মিলে বার। সুমি অবশ্য বলেন, मत्रकात वीम कार्नामन इत्र, एटव चटकरे क्रान আরক্ত করবেন পতুল তৈরী লিকার। যরও দেখকেন, ক্লাল করে কিছা উপার্জন হবে আর তাঁর শিক্সসাধনার পথে ন্তন থেকে ন্তনতর রচনা হবে নিজ।

টামত







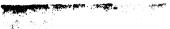
ল্যাকয়ে ফেস্ পাউডার

রেশমের মধ্যে দিয়ে মিহি করা। বুলিয়ে নিয়ে দেখুন-আপনার মুখে কী নিখুত রেশমী কোমল সৌন্দর্য্য ফুটে ওঠে।



ল্যাক্মে ফেন্ পাউভার রেশমী কাপড়ে চেলে নেওয়া। তাই এর চেয়ে মিহি পাউভার আর হয় না।
এর হালকা মধুর পরশে আপনার মুখ হ'য়ে ওঠে অপরপ। রূপলাবণা ফুটিয়ে তোলবার আশ্র্যা এর
ক্মডা—ব্যুতেই দেয়লা পাউভার মেথেছেন। এতে আছে লিয় কোমলডা,— নেই নির্দ থসখনে
ভাব। রেশমের মৃড অভিমিহি ল্যাক্যে ফেন্ পাউভার—মেথে দেখুন।

লকাভা তথা কৈলো কৈ সোসাইটি অব কল্টেম্পোরারী আটিস্টস-এর ১২ জন সভোর একটি প্রাফক ও ছবিং প্রদর্শনীর জন্ম্টান হয়। শহরের বিভিন্ন भिक्ता रशास्त्रीय मदशा **এই সং**स्थापि স্প্রিচিত। কারণ এটিত সভাব স মির্মিডভাবে শিল্পচটা করে এ জন-সংধারণকে প্রতি বছরে ভারেনর শিক্ষা-নিৰ্দান দেখবার সাবেংগণান করে শিল্পী-সমাজে প্রতিষ্ঠা লাভ করেছেন। প্রদর্শনীতে





-विकास क्षांगार्थ

৯২ জন সম্ভাব ৩৯টি রচনানিদশান দেখা মার, ভাচের মধো ১২টি ভুরিং ও ২২% প্রাফ্রিক প্রিপট।

গ্রাফিক প্রিণ্ট টেরটী করার বাংগারে বে খিলপা সভাগণ নানাভাৱে পরীক্ষা করে চলেছেন্ ভাবিভিল প্রিণ্ট সেখে বোঝা যায়। কয়েকজনের কাজে নৈপাণা দেখা গেলেও মনে হয় আকরে অপেকা প্রিটে তৈরীর নানা প্রক্রিয়ার ওপরই তাঁরা প্রাধানা দান করেছেন, ফালে অধিকাংশ স্থানীই নাল্ স্ক্র ও রঙীন কার্ক্রেরর ইমেজারী মৃত্যুট উঠেছে তথালি অন্ভতি-সাপেক প্রয়োগ্রাভির নিক থেকে করেক



—ব্ৰাণ সিমলাই

ক্ষেত্রে এগালি বহামাখী এবং প্রাধিক কলার অধ্যুদিক ধারাসক্ষাত সক্ষেদ্য দেই : বিভিন্ন ভিত্ত প্ৰয়াভ সেখে কয়েকজন শিল্পীর সাক্ষ্য ও নিপাণ খোদাইকারোর পরিচয় পাওয়া যায়। প্রবর্গনীতে উল্লেখ্যনোগ্ করেকটি জুরিংও দেখা বার।

গ্রাফিকের মধ্যে কর্মপ্রেই খাতনানা **লিবপী সোমনাথ হোডের** ডিনটি লিখে: প্রিষ্ট স্তোভ পর্যন্ত। এই সিল্পীর বৈশিক্ষ্টা এর বে প্রিণ্ট তৈরী করের নানা নতুন পদ্ধতি নিয়ে পরীক্ষা করলেও প্রতিষক কলায় আকারের গারার ও প্রয়োজনীয়াতা অস্বীকরে করেন নাঃ আকার্ডিডিক লাল, তেও জলতা বাছৰ সমন্বয়ে ৰচিত প্ৰিন্ট তিন্টির महम्भुक्त रुप्तर कारमरक ग्राप्त इस । प्रीमस्ट्रिय সহে ও কাকাপ্রসাদ কা.—উভয়ের প্রেটেই অলম্বরাধর পরিচয় প্রভয়া যায়, যেনে প্রিছিটিভ ১-এটিছে অবলা প্রাচীন লোক-চিত্রের ছাপ আছে—এবং দি বার্ডা। দৈলেন ভিক্ত ভিনাই নিদশকের মাধ্য একটি **প্রি**ন্ট (५८) (धानाहेकाइराज क्रमा छेप्रवश्वराजाः अगर কারর কাভে কমপোজিশনের প্রাধানা দেখা হার-এই প্রসংখ্য তাঁর ৫নং ছাবর নাম করা চালে। রঙ ও রচনার ওপর সমপ্রধানা দালের ভুনা স্থাস রায়ের ১২ নং প্রিন্ট অনেকের চুন্ত প্রভে মা**ক্ষা** ও বেখাজালপ্রধান र्थाना**हे कार्या**त জনা শামল রায় পরিচিত—বিশেষ করে 3.5 নীল রহ প্রধান ৯ নং প্রিণেটর ইড়েছ-রেট সকলের ভাল রাচে: সাহক কানাজারি প্রিণ্ড ব্রিটার বিশ্বা আকরে ও ক্ষয়ের প্রান্তরের প্রিয় প্রান্ত হ'ল। রা**রী** a እችም ለመምለው ላይ እና የሚነኝ አሜሪኒና

क्षांद्रकर्णांसद इत्याहा क्रकाहिताली विकास रिकास एकेप्रायांत कार्व गांचा स्थापका छ-কাড়েখি সাটি ছবিটা সংগ্ৰেত সাজি **হাক্ষ্ৰি** কার: প্রাসিল ও ডেন্ট্র সহযোগে হাঁকা স্থাতি ছবিতেই দিলপতি দলীয় ট্রলিটা বোকা য়াল - সামীল লাসের চিন্নার চিন্নাচনাই মরেধা ১৬ নং দেখে বর্গীকন থের আঁঠা ছবিব কথা মটো পটেট। উচার নীলাও সংঘ্রাহ বছ প্রধান ১৭ নং কাষেকজানত। ভাল লাগে। স্কাল্ডিখ ও লন্য সম্লাণীয় বাহৰ ಶಾಸ್ತ್ರೀಯ ಕೃತ್ತಮಹಾಗೂ ಕಾರ್ಯ ಕರ್ನನ್ನ strike) galis geren which a marige and ক্রেট্রন্ত্র ভূবে জুমিলে ভোলাতে সংগ্রা হিসাসে ২৯ ৩ চচন উল্লেখনীয় সন্ প্রার্থ সাজ্যু আল চতা পূর ও ১০ট শতীক জাতীয় আন্তব ৬ বিভে ব্যৱস্থার ভাৰে জন্মান্ত্ৰ এই প্ৰদাণ সম সভাৱেল জিলিকৈ চাটো তম নং ছবির নাম করা

×

প্রিক্তাপের ফার্ডির গ্রেম হর্মেরীন ভূমৰ সভাত্যকভূমৰ "মামতী বহুম ভি**ম্মলাই** চুভিন্দতি আড়ে এক কর্ম্<u>রভানীর</u> আংগ্ৰেক্ত কাৰ্ক্ত প্ৰাক্তি কুবি 1945 EV

दत्त भिक्रमाहे आकाहित कर स्थान আকলৈ ক'ল্ডিয়েছিল সংগ্ৰন্ধ কিলোকিকা কলেন ও ইচিশ্যে স্থাডেও স্ডাসেই

প্রবর্শনীতে ভার একটি কার আনার চোকে
পড়ে। ভবে এই প্রদর্শনীতে ভার বিভিন্ন
ক্রন্য দেখে মনে হল বে, ভিনি একেও
শিক্ষার্থী এবং সেই হিসাবে ভাকে দার্থী পথ
অভিক্রম করতে হবে। ইভিপ্রেও বলেছি,
বারা নতুন শিক্ষার্থী ভারা বেন শিক্ষাসম্পূর্ণ হবার প্রের্থ ক্র্যন্ত ক্রেন্ড একক
প্রস্প্নীর আয়োজন না ক্রেন্—ক্রেণ দ্রেক্

বা অভি নাধানদ শিকাৰী স্কৰ ধীৰ
আজকাল বৰ্ণৰ সাধারণের সমানর লাভ
করে না। শিক্ষীর জ্লীরং গ্রেল, রঙ ব্যবহার
প্রধালীও আশান্রপ নর। প্রদেশনীভূত
ছবির মধ্যে গ্টি—প্রচেন্টা হিসাবে মন্দ লাগে
না—উন্তমান ও গাজন উংগব। শিক্ষীর
প্রতি অন্রোধ তিনি বেন নির্মিতভাবে
শিক্ষেচটা করেন ও সম্প্রণ প্রস্তুত হরে

ভাৰবাতে একক প্ৰদানীয় কৰকৰা করেন।
দিলেশা প্ৰতি ভাষা নিশ্চা আছে, কিন্তু
প্ৰৱোজন আছে হৈবোঁয়। হৈবাসফভাৱে ও
নিয়ামিতহালে শিক্ষালাভ করকো তিনি বে
একদিন সাকলা লাভ করকো বে শিহরে
সংসাহ নেই।

চিত্রপির





n 20 n

বিভেগ্নি কলেনের গেটের সামনে পাছটার নিচে গাঁড় বার কথা, কিন্তু অর্পরা পোছে দেখলো, গাঁপ্ ভখনও আসেনি। খ্র মনোবোগ দিরে, সাবধানে অর্প মোটাম্টি ফ্টপান্থ খোষই পার্জ করলো গাড়ি, ভারপর ইঞ্চিন বন্ধ করে খাড় খ্রিরে বললো, দেখলেন তো আপনি শ্রে দুর্যু বান্দ্র হাজ্কনে, আমি জানি, বািপরে একদম সময় জ্ঞান নেই!

স্থাপন আর সাগতা স্থাপনেই বাসছে পোছনের সিটে। শাপতা বললো, ঠিক আছে, আমি একট্ প্রাফান্তি। আপনাদের বিদ কোনো কাভ থাকে—

च्य°ना वनात्ना, ना, ना, आञाप्पत्र कात्ना काक तनदे—

অর্প বললো, আমি দীপরে সংশা একট্ দেখা করে যাবো। বেলীকণ থেকে আপনাদের ডিসটার্ব করকো না অবলা—

শ্বশ্না বললো, আমার সংগ্রে শীপাঞ্জনবাব্র অনেকদিন দেখা হয়নি!

শাশতা বাদতভাবে রাদতায় এদিক-এদিক ভাক ছে না। ও রকম কোনো অদ্পিরতা তার নেই। একট্ হেলে বললো, আপনি হ'ঝ বীপাঞ্চনবাব্ বলেন ওকে! দীপ্দাকে কেউ কব্ বললে আমার ভি রকম হাসি পার।

—বাঃ, আপনি হৈ ওকে অর্পবাব্ বজালেন?

—হা, আপনি আমাকে প্য্ অরুপ বললেই আমি খুলী হবো!

— আজ্ঞা এবার খেকে তাই বলবো।
সর্প গাড়ির দরজা খ্লে বাইরে একে
দীড়ালা। নেমে এলো এরা দাজনও।
তবাপ শাস্তাকে গানিকটা ঠাটার সাবে
ভিজ্ঞেস ক্রলো, দীপু ব্যি আপনার সপ্পো

च्या श्रद्ध चेत्रको करत जात्तरे **ध-तकश** हमती करतः?

—দীপ্দার সপে ভো আমার বেশী দেখা হর না।

শ্বশনা একট্ অবাক হরে দেখছে
শাসতাকে। ব্যাপারটা সে কিছ ই
ব্যুখতে পারছে না। তার সপো সাড়ে পাঁচটার
দেখা হবার কথা দিয়ে অর্প এ-রক্ষ দেরী
করলে সে কি শাসতার মতন এমন নির্ভিয়াল
থাকতে পারতো? খ্যু বেলী দেখা হর না—
এর মানে ভি? বিকেলবেলা ভাইলে এরা

দ্ভানে আলাদাভাবে থেকে কি করে ? আর্প প্রত্যেক দিন কবন কে থার থাকে—ভাজো ভার সবই জালা। উত্তর কলকাভার হেলেকের ভালোদালার ধরন বৃধি অন্যরক্ষ। কিন্তু উত্তর কলকাভার অনেক হেলেই কি রক্ষ বেন একট্ ভিজে ভিজে হন্ন—শাসভা কিন্তু মোটেই সে ধরনের নর।

चत्र वनाता. अत्रा न्यना, शतहाता वरेतात सामानग्रामा अकृते समा वर्षः।

অদিকে দাঁপ্ রাশতার আটকে পড়েছে।
আনহান্ট স্থাটি থেকে বেরিরে সিটি
জানহান্ট স্থাটি থেকে বেরিরে সিটি
জানহান্ট স্থান দিরে দাঁপ্ ঠনঠনের সামরে
ক্রেন পড়েতেই পাড়ার ক'জন ছোলের মুখোআধি হরে গোল। ওদের করেকজনের সংক্র ইম্পুলে পড়েছে দাঁপ্, ধনজর আর স্কুমার ছিল কলেজেও এক সংকা। কাছাকাছি একটা
হল্ থেকে একটা সিনেমা দেখে ফিরছিল
ওরা। দাঁপাকে একেবারে খিরে ধরলো।

দীপুর হাতে দু-খানা মোটা বই ছিল, সেই জনা একজন ফালো, কি রে দীপুর, আবার কি ল' ফলেজে ভতি' হলি নাকি?

আর একজন ক্লাল্যে, জাবার বাংগ্রে প্রসাধ্যে কর্বব ?

দীপা বললো না না, মধ্য খারাপ (
আবার কে পড়াগনেন করবে ?

- —দীপ, চা খাওরা মাইরি! **চা খাওরা!**
- —পরসা নেই ভাই।
- —शांख एटए का, भएकडे मार्च कंद्ररवा।
- —ঠিক আছে হাত তুলছি, কিব্দু পরস্ক না পেলে কি হবে?

প্ৰকাশিত হল

न्नील गट्याभाषाय-এর

नजून न्याएव नजून উপन्यात्र

त्रशाल भानवी

6⋅00

"... সম্দের পাশে কাণ্টালা দাঁড়িরে, পারের কাছে আছড়ে পড়ছে ফেনামাখা চেউ. পাগলা হাওয়ায় ওর মুখে উড়ে এসে পড়েছে ওর অজস্ত সোনালি
চুল. হাত দুটো প্রার্থনার ভঙ্গিতে মাধার ওপর তোলা, রোদ লেগে ঝলসাজে
ওর মস্ণ উর্ আর শাঁখের মতন দুই ত্তন। সম্দের পাড়ে উর্বশী না
আফ্রাদিতি।"

শ্ধ্ কাণ্টালাই নর, ডরোখি স্সান, কাারোলিন, লিণ্ডা, এঞ্জেলো মণিকার মত র্পালি মানবীরা সাঁতার কেটে খেলা করছে স্থী র্পালি জগতে, তাদের স্বর্ণসূথের আড়ালে বে হাহাকার, সে কথাও ফুটিরে তুলেছেন লেখক।

আমাদের ধারণা, এই উপন্যাসও অরণ্যের দিন-রাত্রির মত আলোড়ন স্থিত করবে।

॥ विश्ववाणी श्रकाणनी ॥

C/o দে ৰকে দেটার ॥ ১০ বাধ্কিম চ্যাটাজি প্রীট ॥ কলিকাতা - ১২

— কি অ বার হবে। নাচবো। এক প্রভ হ্লার দেখিতে দেবে।।

দীপা প্রীটেডানার ভাপাতে হাত জলে দাঁড়ালো। ওরা দক্ষেন হাত দিরে থাবডে दरभरकः छात्र माउँ छ भारत्वेत भरक्छे। কিছাই পেলো না দীপা আৰু একেবাৰে খাটি স্মাসীর মতন কাওন শ্নো।

দীপরে প্রেটে প্রসানা প্রের ওরা

ক্ষ্ম হলো না বরং ওকেও নিক্টেদের সমান ভোবে খালী হলো। ওদের প্রভাবেরই বাজিকে এখন গেলে ওবা প্রতেবেক চা খেতে পারে কিন্ত এক স্থাে ছ'জনের চা খাবার কোনো উপায় নেই, এই ষা! কার্ত্তই করতে লাগলো। এদের হাত থেকে ছাড়া বাভিত্তে বৃধ্য-ব্যুম্বর ভেত্তে নিয়ে গিয়ে পাওয়া মাশ্রীকল। এদের স্থেগ আন্তা বসানোর অবস্থা নেই। এর মধ্যে जरमा माक्यारवर जक्या मन्त्राहर धारान.

স্কুমারের দাদা মার; মাবার পর ভাগেত বাভিতে হয়তো এখন আর মা-বেলা চাত

দীপা মনে মনে একটা অসংস্থিত বোধ मार्**धारम कथा वस्ता**ह हम् । मीना বংশা নর ওপের সংখ্যা তেমনভাবে মেখে

त्रुत्रात मार्थ फिय़ এकवात धूलरे खत्र यि-काता काश्रङ-कान शांङेजात मिय़ २ वात धूल यछठे। कर्जा रय -তার চেয়েও বেশী ফর্সা থবে।





भि:म**्य**ट्य मारबा (वने ४व४८व ममा **७८५** । जनवाद भन्नीका क'रव निटक्रहें আৰু আপনাৰ কাম চাল্বাৰ ৰৰ কোনো কাপড় কাচাৰ পাউচাৰ क्रिम्ट हें छ। हर्षमा । ७(ई क्याबह ক্ষাৰজ্জেৰ সৰচেম্বে মেৰা বাণগুটি क्षिन । व्यात को द्यान -- स्पाद मार्च ।

अभाव शर्क भवरहत्व विन्त्रे भाग क'रत (धाव (নীল বা অন্ত কোন পাইডার বেশাবার দরকার করে না) না-ভিম্পু ওদের একটা দাবি আছে।
পাড়ার ছেলে হরে গাড়ান ছেলের সপ্রে
মিশবে না—এ কখনো ইডে পারে? এগারো
নামকর কাড়ির ইন্দুজিং খুব ডাটিরাল—সে
কার্কে পান্তা দের না—তাই ইন্দুজিংকে
দেখলেই ওরা আওরাজ দের। বেশী বাড়াবাড়ি করলে একদিন ওরা ইন্দুজিংকে ল্যাং
মারবে, দীপ্র জানে।

গণির মোড়ে দাঁড়িরে ওরা বখন জ্যানা করে, দাঁপা ওদের সংশ্যে মিশতে চার না, কিল্ডু একেবারে এড়িরে বেডেও পারে না, দাঁড়িয়ে দ্-চারটে কথা কলতেই হয়। ওরা সিগারেট অফার করলে দাঁপা প্রভাগোন করতে পারে না, পকেটে পরসা থাকলে ওদের চা থাওরাতে হয়। এইটাকুর জনাই দাঁপার মেজাদি স্বাধীনভাবে রাস্ভা দিরে চলাফেরার ছাড়প্য পেরেছে ওদের কাছ থেকে।

দীপ্ মনে মনে এ ছ-জনের দলটার নাম্ব দিয়েছে ছর রিপা। এদের সপো বাবহাৰ করতে হর খাব সাবধানে। পথে এই ছফ রিপার সপো দেখা হলে দীপার পরীরের প্রতিটি রোমকাপ আত্মরক্ষার জনা সজ্ঞা হরে ওঠে, কিল্ফু মুখের হাসিটা ভিক রাখতে

স্কুমার বললো, দীপা, কাল বাচ্ছিল তো? এগারোটা আগদক তেকে আমরা ভাকবো।

—ছাকতে হবে না। আমি নিজেই বাবো। ইউনিভাসিটির সামনে থেকে বেরুবে ভো?

- হাাঁ, আমি বাবার সময় তেকে ডেকে নেবে: এখন।
 - ঠিক আছে, ডাকিস্! **এখন চলি!** —কোথ য় বাচ্ছিস?

ক্ষাগামীকাল রুইটার্সা বিলিছং অভিযান হবে, ওরা স্বাই যাবে চাকরি অথবা বেকার-ভাতার দাবিতে। দীপকেও ওরা নিজেবের একজন মান করে। দীপরে অবলা নিজের ও-রকম কোনো দাবি নেই, কেনু সে ওদের জনা মিছিলে যোগ দেবে ঠিক করেছে। ওদের স্তিটি চাকরি পাওরা দরকার!

—এখন একটা কলেজ দ্মীট যাচ্ছি ভাই! —চলা আমরাও ওদিকে যাবো।

সংশা সংখ্যা দীপুর আফাশাস হলো।
কেন কলেজ দুটাটের কথা বলতে গেলা।
শিয়ালদা বলগেই হতো! এরা কি সহজে
ছাড়বে? শাশতাকে দেখলেই যদি রে-রে
করে চেটিয়ের ওঠে! কিছু বিশ্বাস নেই।
ওদের সংশা তো কোনো মেরের পরিচর
নেই। কিংবা ওরা হয়তো কোনো মেরের
সংশা পরিচয় করতে চারুও না—দুর থেকে
কোনো মেতেকে দেখলেই যদি চেভিয়ে
কোনো মদতবা করে, তাহলো তার কাছে
আসবে কি করে? সুকুমারের মুখটা এক
কমর বজেন্ট সুলুর ছিলা, এখন কি রকম
কোন নিন্টুরের মন্ডন দেখলা। ধনজা কেন্দ্র

হাতে একটা লোহার বালা পরেছে, ও কৈ জানে না, ওতে খ্র খারাপ দেখাছে ওকে? ইচ্ছে করে কেউ ৪-রকম খারাপ সাজে।

স্কুমার জিজেস করলো, কলেজ শ্রীটে কোথার যাবি? কফি হাউদে? চল্ আমরাও গিরে দেখি কোনো কফি শাওয়াবার পার্টি-ফার্টি পাওরা বার কি-না।

—আমি কফি হাউসে **বাবো না**।

'-ভাহলে কোথায় বাবি?

এওটা ব্যান্তগত প্রথম দীপ্ন নিজে আর কার্কে জিভেস করতো না। কিন্তু ওরা করবেই। আর গোপন করে কোনো লাভও নেই।

- —একজনের সপো দেখা করার ক্যা আছে।
 - -- अकळन घारन? ७. टमडे टमस्त्रणे ?
 - **—रकान**्टमरत्रहो ?
- —বে-মেরেটা সেপ্টাল জ্যাভিনিউরে শ্যাম পাকের কাছে থাকে? একদিন দেখেছিল্ম তোর সংপা, বেশ ভালো মালা!

দীপ্মেক গাল হেসে বললো, তুই বলছিস মালটা ভালো?

স্কুমার দীপরে হাসিটা লক্ষা করলো
না। বললো, আমি যথন ভালো বলছি,
ব্রবি কোরালিটি মল ছাড়া আমি.....
তবে তুই সহকে মানেক করতে পারবি না।
আমার সংখ্যা একবার আলাপ করিছে দে
না। দিবি?

— किन राव ना? आक्रदे पिक्कि इन ना!

- ল না ! —সভিড় দিবি ? মাইরি বলছিস্ **?**
- —নিশ্চাই! আমি শাল্ডাকে কলবো, ছুই বলেছিস্ত ধ্ব ভালো মাল!

অন্যরা হাসলো, স্কুমার সর্ চোৰে ভাকালো দীপার দিকে। আমতা আমতা করে বনজা, ভাতে আমার আর কি ৷ ভেরেই কেস কে'চে বাবে ৷

—আআর জনা তোকে ভাবতে হবে নাঃ
তুই লাশ্চার সামনে দাঁড়িয়ে ও কথাটা আর একবার বলবি, পার্রবি তো বলতে?

—কেন পারবো না! আমার শালা **বরে** বাবে। বা হবে তোরই—আমি কোনো বশ্যর ইরেকে ক্যনো ইনসাল্ট করি না!

আয়ার শেখাবি ?

—তুই মেয়েদের মাল বলিস কেন রে? —বেশ করি। কাকে কি বলতে হয়, তুই

দীপ্তে। ঠিক করেই রেপেছে বে, সে রাগা করবে না! ওরা তেন তাই চার, দীপ্র বিদ একবার রেগে কথা বলে, একট্ অবজ্ঞার তাব দেখার—তাহলেই ওরা দীপ্র ওপর বাপিরে পড়বে। দীপ্র আলগা-আলগা ব্যবহার কি আর ওরা ব্রতে পরে না? ফ্টপাথের ওপর ছড়িরে ছিটিরে হটিছে, কিন্তু আসলে ওরা দীপ্রেক ঘিরে আছে।

ধনজর আর একট্ র্কভাবে বললো, তোর মালের আর বংধ্-টংধ্ নেই? ভাদের দ্-চারটের সংশ্যে আমাদের আলাপ করিরে ছে নাং?

জ্বতার দোকানগ্রেরার পাশ দিরে বাছে ওরা, দীপ্ থমকে দড়ালো। রীতি-মতন কাতর অন্নরের স্বের বললো, শোল ধনজয়, ঐ কথাটা আমার শ্নতে ভালের লাগছে না

- -रकान कथाणे?
- —বেটা তোরা বার কার বলছি*স*্?

ধনজ্ঞ সপো সপো দ্যোত তুলে বললো, এই শোনো, তোমরা, এখন থেকে তোমরা আর কেউ মালকে মাল বলবে না! কলাকে কানা বলবে না, খোঁড়াকে খোঁড়া



যাঁরা হো মাখেন তাঁদের কাছে খুশির খবর !





डीजा्दा-१७ म रेन्क-अन चार अक्षे चनवष्ठ छे९शहरू প্রান্তিদিন রু সীল স্নো কাবহার করুন · · · মাধার সঙ্গে সঙ্গে নিজেই অনুভব করবেন, কী আশ্চর্য কোমলতা এসেছে, মুখন্তী হয়ে উঠেছে ফুটফুটে স্থানর ও আভামন্ত । কনীর মত নরম রু সীল স্নোতে আপনি স্থাপারণ্যে পরম হমনীর হয়ে উঠবেন । মুখন্তীতে লাবনা ফুটিয়ে তুলতে চান তো নিয়মিত ব্যবহার করুন রু সীল স্মো ।

চীজুবো-পঞ্স ইন্ত গ্রীয়িত হায়ে আফ্রেডিনা ফুরাট্রে নংগ্রিড) বলবে না। কারণ, সীপরে সেটা গ্রেতে জালো লাগতে না।

সন্ধই মুখ মচকে হাসছে। সে হাসির মধ্যে কোনো উপভোগ নেই। স্বাই যেন প্রতীকা করছে, দীপা এতেও রাগদে না? একবার মুখ মকে বলে ফেল্কে না, ইতিরেট, কিংবা হোটকোক। ভারণের বং হাতের সমুখ হবে।

ধনজর দীপরে দিকে কিরে কালে; কি হলো তোর? আর কেট বলবে না। এবার জ্লোপ করিরে দিবি কা?

— আমার চেনা মেরেটির সপো ভোগের আলাপ করিরে পিতে পারি। ভার কথ্-লৈতে কথা আমি কানি না।

—কেন আবার কথার থেলাপ করছে। চানঃ

সক্রেমার দীপরে হাতের বই দ্খানা ধরে টান দিরে বললো, দেখি দেখি, তোর ইয়ে, স্থানে বো—ল—খ্যু কি বই পড়ে!

'रहारक-हू-दर-कि'

দ্বালিয়ার দাবা খেলার কলেজ চলছে

५। जायानिक कडीडे डीक ० ७०

३। देन्होतनग्रननाम नाना 8.00

বাংলা ভাষার একমতে বই লেখক ও প্রকাশক: জীলব্যস্থন নজ্যদার, বি এস ই (মিলিগান), এম এস (ইলিনর) ১৬, বি জি বোড, হাওড়া—০, পশ্চিমবক প্রডি লাইকে চিকার খোলাক

(SH R740)



গ্রামার অব্ধ পশিচিকস, বাই হ্যারক লাসেকি! পশিচিকস করা থেরে নাকি রে? আর এ বইটা? জিওগ্রাকিকাল ডিকশনারি— ধনজর দশিরে কাহ্ হারেছে, দশির্ ব্রের দাড়ালো। ছজনের সপে মারামারি করে সে পারবে না। ভাছাড়া পাড়ার ছেলে-দের সপ্যো মারামারি করে কোনো লাভও নেই। আন্দ না হোক, কাল ওরা লোভ নেবেই। দশির্ হাসলো। ধনজরই বেশী গুল্ডা ধরনের, তার উদ্দেশ্যে বললো, চা না পেরে ভোগের ফোলাক খারাপ হরে গেছে, নারে?

—মেজাল কো ভালো আছে ভাই! কে কালে মেজাল খারাণ!

—ভাহতে আমার সপো সাগছিস কেন? তোরাও বেকার, আমিও বেকার, নিজেপের মধ্যে বগড়া করে কিছু লাভ আছে?

—বেকার হলেও আমানের তো আর তোমার মতন ইরে নেই! ভূমি তো সারা সম্থ্যে এখন মজা মারবে!

—তঃ নর। আর শাশতার সংশ্য তোদের আলাপ ভরিকে দিছি—তারপর আমরা সবাই কোথাও এক সংশা কসে গ্রুশ করবো!

—गाकता गाँच शल्ला किया चावता मावता गाँच ता?

—দেখি, বদি খাণতার কাছে পরসা থাকে! চা খাওয়া যাবে নিশ্চরই—

ওরা মনাংশির করতে পারছে না।
দীপ্তে ওরা কিছ্ডেই কারদা করে
ফেলতে পারছে না কালো। দীপ্ বিব ওদের
এড়িরে দৌড়ে পালাবার চেন্টা করতো,
তাহলেই সবচেরে বেশী স্ববিধে হতো
ওদের। ওরা হই-হই করে দীপ্রে পেছনে
ভাড়া করে যেতে পারতো, ইদ্রের মতন
থলা করতো দীপ্তে নিরে।

মহাত্মা গান্ধী রোড পেরিকে আসার পর সকুমার বললো, ঐ তো দাঁড়িরে আছে মেরেটা: রাস্তা পের্তে গিরে দীপর্ ওদের সহাস্যে আমন্তা জানালো, আর!

কাধের ওপর একটা ভারী বোকার মতন দীপ্র ওবের ছফানকে নিরে একো রাসতার এপারে। অর্প আর সকলা প্রেরনো বই দেখতে দেখতে একটা দরের সরে গেছে, ভাই দীপ্র ওবের নজর করেনি। দীপ্র বললো, শাসতা, আলাপ করিছে দিই আমার বন্ধ্বের সংগা। এই হচ্ছে স্কুমার দাস, ধনজর সেন, রবীন দাশগুণ্ড—

শাশতা হাত তুলে নমশ্বার করলো। দীপ্রকালো, এভাবে তো আলাপ হকে না, চলো কোথাও গিয়ে একট্রসি। শাশতা, তোমার কাছে টাকা পরস। কিছু আছে? —আছে।

স্কুমারই বললো, না, না, আছ থাক। আমরা এমনি এদিক দিরে যাছিলাম, দীপ্র্ বললো— পাশতা বললো, কেন, চলনে না।

ধনমার এক-পা ব্যক্তির বললো, না,

আন মার। সার একদিন, আন আমরা
একট্র কালো ব্যক্তি-চল্, রবীন—

বাদতসমূদভাবে হাড়ুমাড়ির ওরা আবার রাশ্ডা গেরিরে চলে সেলা: শেহন থেকে অর্শে এনে কালো, কি রে দীশা;?

-

এই টনিক তাড়াতাড়ি শক্তিসামর্থ্য বাড়িয়ে তুলতে অদিতীয়— পরিবারের সকলের পক্ষেই উপযোগী



सिम्झ

छारा वाष्ट्राप्ट्रित मरम सारग्रप्ट्रित सव अरा कत्रा छ।



কারণ আপনার বাচ্চাকে মুস্থ ও হাসিখুশি রাখার জন্যে মরিসন্স-এর অনেক মুন্দর মুন্দর নতুন পরিকল্পনা আছে।

কত আনন্দ হয় জেনে যে আপনার বাচচার জন্মে আরো কেউ ভাবছে। ভাবছে আপনার বাচচার কি কি জিনিষ চাই।ঠিক এই ব্যাপারটাই মবিসন্দ করে। স্বস্ময়। ফলাফল। স্যত্নে তৈরি শিশুর দবকারি রক্মারি জিনিষ যা এক্মাত্র মায়ের পক্ষেই বোঝা সম্ভব। শীগণীরি মরিসন্স আপনার বাচ্চার জ্বন্থে আরও হরেক-রকম জিনিষ এনে হাজির করবে। আপনার, এবং আমাদের যত্নে বাচ্চা জানবে যে মা এবং মরিসন্স হচ্ছে স্বস্রো বন্ধু। (আর হাঁ)! বাবাও!)

· (\$6 21\$



মা এবং মরিসন্স বাচ্চার সবসেরা বন্ধ।



बन्द विकास भिन्द : टनरे बनाइस शटबंबनाशास

"I dedicate today this Institute not merely a Laboratory but a Temple.....

Thirty-two years ago I chose teaching of science as my voca tion. If was held that by its very peculiar constitution, the Indian mind would always turn away from the study of Nature metaphysical speculations. Even had the capacity for inquiry and accurate observation been assumed present, there were no opportunities for employment; there were no well equipped laboratories nor skill mechanicians. This was all too true. It is for a man not to anarrel with circumstances but bravely accept them; and we belong to that race and dynasty who had accomplished great things with simple means."

হেডাবর ৩০, ১৯১৭ বস্যুবিজ্ঞান র্মান্দারের উপেবাধনী ভাষ্ণ এই কথাগালি বলৈছিলেন বিজ্ঞানাচাৰ কগদীশ চন্দ্র স্বয়ং। ভারতে বিজ্ঞান চচার মালে সঠিক অন্তর্যর কি এ কথা তিনি মুমো মুমো উপলব্দি করেছিলেন। অংবরে সেই ৰাখা বিৰেত্ৰ মধ্যে দিয়েই ডিনি কাভ করে গোছেন এখানে বসেই ভখনকর দিনের অভি আধানিক বিষয়গুলির উপর: কাঞ ক্রেছেন বিদ্যাৎ-ভর্পোর কটিল সমস্য নিবে। ভার সমাধানও বহু ক্ষেত্র খাজে শেরেছেন এই গ্রেষণ্গেরেই। সে সময়ের रक्षके-शराधारिक नाज क्वाकिन, नाज रहान প্রভতি সেই সমাত কাফের নাব্য প্রশাংসা করে গেছেন।

দ্টি উদ্দেশ্য নিহে কয় কিলান মণিব প্রতিদিন্ত ক্রেছিল। এক এ কিলা বাবেছলা চালান দ্টি সালাল মন্ত্রি বাবেছলা চালান দ্টি সালাল মন্ত্রি বাবেছলান ভূমিন উদ্দেশ নিস্মিত বিভিন্ন বাবেছলান উদ্দেশ বিভাগ বাবেছলান ঠিক সেই সমার এ ধর্মিন প্রচেট্য ভারতে প্রথম। আচার নিবেও এই বন্ধভায় অংশ গ্রহণ করতেন। সংক্রেশে বলা চলে, বিজ্ঞানকে ভিনি শার্ম চচী নিব,



बग्द विकास वीगढ

সাধনারাপেও প্রপ্তাপ করেছিলেন। যে
সাধনা মান্থকে নিজা নতুন উচ্ছ বনী
গাঁছ প্রেড সাহার্য করে। ক্ষমতা সোগারে
নিজেক নতুনভাবে উপলক্ষি করার। তাই
এটি নিছক একটি গ্রেষণা কেন্দ্র নয়।
উত্তরকালের বিজ্ঞানীদের কাছে এর পরিচার,
এটি একটি মন্দির। শিক্ষা এবং সাধন
ক্ষেত্র। মন্দিরের অনাড্রনর পরিবেশের
মাধ্য থেকেই এখানে উল্লেখযোগ্য কাছ
করে গ্রেছন আন্তাদের বই; পরনামধন।
বিজ্ঞানী। সেই স্প্রে যুগ্রের স্থান্ত ক্র রাখ্যর ক্ষন্যে স্থানিত গ্রেছন আন্তান ব্রাহ্রর
করে সম্প্রস্করের বাং গ্রেকেও
এর সম্প্রস্করার ব্যাগ্যের ভানের প্রয়াস
নিঃসন্দের্ছ রম্বেট উল্লেখনেরও বটে।

১৯২৭ খেকে ১৯৩৭ পর্যক্ত বিজ্ঞান মনিদারের অধ্যক্ষ থাকা কালে জগদীশচনদু উল্ভিদ্নারীর বিদ্যা এবং উল্ভিদ-রসায়ন ছাড়াও এখানে আরও তিনটি বিষয়ের উপর মৌলিক এবং প্রীক্ষামালক গ্রেষণার বাবদথা করে যানঃ এরা হল পদার্থা, প্রাণী এবং ন'-বিদ্যা। ১৯৩৭-এ আচার্য প্রলোক গমন করেন। ভারপর থেকেই বস্তিভান মদিনরের পরিচালনার ব্যাপারে নিয়মিত সরকারী সাহায়। অসতে থাকে। দেই সংগে **পদাহা, রসায়ন** জীব^{িস্}দা বজিল, বিদ্যা এবং প্রাণী বিদ্যার বিভিন্ন শাধার উপর কাজ শারে হাই হাই। আভ <u>५७) १५७२१मा (कास्ट्रुव शिक्तमर कारणारा ।</u> ল্বেষকদের প্রয়োজনের জানা কিছা কিছা যক্পাতি এখানে তৈরি করা হার । থাকে । এদের মাধ্য **উল্লেখ্যে**গা, একটি বড আয়েন্ত নেয় কক্ষ্য প্ৰমাণ্ড বিভ্ৰন গবেষণায় প্রায়াজন হয়; অট হাজারওয়াট ক্ষমতার একটি ভড়িং-চুম্বক : বেমন দ্রেবাক্ষণ ফল, নিউট্রন তৈরির ফল প্রভৃতি। মূল গবেষণা চালান হয় কলকাতার ১৩/১, আচার্য প্রফালচন্দ্র রার রোডের উপরে অবস্থিত মূল কেন্দ্র। ও ছাড়া বাইরে পেকে পর্যবেক্ষণ চালান হয় ফলতা এবং দাজিলিং-এর মারাশ্রির গবেষণা কেল্ডে। এ জারগাটির উচ্চতা ৭২০০ **ফুট। উচ্চেশ** করা ক্ষেত্র পারে, ভূ-পদার্থ বংসর কর্মে-স্চীর আংশিক সহবেণিতার এ°বা এখানে মহভাগতিক ৰুশ্মিৰ 271 পরীক্ষ:-নিরীক্ষ: 577.05 W919 আড়কের বস্থ বিজ্ঞানমন্দির বিবাট কিছা না হলেও এখনকার কাজের পরিধি মধেন্ট বড। মন্ত্রপাতি এবং স্ক-সম্ভাৱ সাধারণ হাষ্টে এখানে যে ধরনের গরেষণা চালান হচ্ছে তুলনার কিছু কিছু তর অসাধারণ ।

আর এই জনেই গছ ২০ সেপ্টেম্বর
আজ্ঞাত এক দুর্ঘটনার এখানকার রস্তর্মন
গবেবণাগারটির পুড়ে বাওরার সংবাদে
বিজ্ঞানী মাতেই শোকে অভিভূত না হরে
পারেন নি। দুর্ঘটনার বাস্তব কতি কতটা
হল, অর্থাং কত টাকার জিনিসপর নন্ট হল
অথব অন্য কিছ্ সংগতির দিক দিরে,
এটা বেমন একটি প্রণন, তার চাইতেও বজ্
বে কথাটা এই মাহাত্তে আজ আনককে
স্বারণ না করিরে দিরে পারেনি সেটা হল,
এখা করেক বছর এখানে বাস্টা নীরব
নাধারের মাত কাজ করে গোছন বেশ
ব্যের জন বিজ্ঞানী, বানির সপ্যা এই
গ্রেমগোলকে আনক বভ করে ভারতিল।

বস্থা বিজ্ঞান মণিদরের এই রসারন বিভাগতির অনাত্র পথিবং ছিলেন অধ্যাপক এন সিনান ১৯৪৭ পর্যাক্ত। এগানে বানেই অধ্যাপন নাগ মটর এবং ছেলার খানা-বস্তুর উপর উল্লেখযোগ্য গাবেবন র কাজ কারন। মটরের মধ্যে আবিশ্লার করেছিলেন প্রজন্ম-নিরোধক সামগ্রী। গোড়র দিকে ই'দ্রে প্রভৃতি প্রাণীর উপর এই বস্কুটির সক্রিয়তা লক্ষা করা গিরেছিল। পরে ডঃ এল সান্যাল এর উপর দীর্ঘকাল পরীক্ষা চালান। এখাদে কৃতিম উপারে পাট পচানর উপর স্পার কাজ করে গেছেন প্রখাত বিজ্ঞানী ডঃ এইচ কে বর্রা। চাষীরা পাটের আদ বের করার আলে পাট বাছ পচিরে নেন। এর করে কচার সমর আঁশ সহজে বের হরে আসে। কিণ্ডু পশ্চিমবলো পাট পচানর মত জল পাওরা একটা মল্ড বড় সমসা। ডঃ বর্রা আ্যাসপারজিলাস নাইগার নামে এক ধরমের হুয়াক আবিস্ফার করেন বা বাঠ খেকে কেটে নেওরা পাট গাছে ছড়িয়ে দিলেই ভার পাঁচরে নেওরার কাজটি নেরে কেলা बाह्र। ध्रेत्र करना कमानासन श्रीसाकन हत्र

এই গ্ৰেষণাগ রের আর একটি উল্লেখ-বোগ্য নাম জঃ ব'স্চেন্ বক্সোপ ধার। এই প্রে বাররা বরেরই এক কোলে বলে তিনি সর্বাপ্তম ছাট গাছের পাজা থেকে কৃত্রিম উপারে সংগ্রহ করেছিলেন ক্রোরোডিন মানে এক ধরনের বাসারনিক বৌগ। পরে

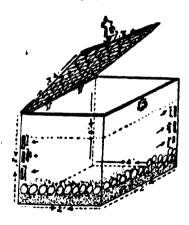
আরো ভালো, কারণ চুল চটচটে হয় না

ক্যালকেমিকোর ক্যান্থারাইডিন হেয়ার অয়েল ক্যান্থার্বল শাক্ষাক্

अहे जाधूरिक (इहाइ है बिक अर्थत (शांक आकर्षणीय स्थूल काहर गारवन। KANTHAROI CANTHARIDINE MAIR OIL ভাঃ পি ভে বস্ এই ভেবভাটির উপর
গবেষণা চালাম। অবশেবে ১৯৬১-ভে
বিদৰ্শাত বিজ্ঞানী অধ্যাপক ভি বাটার
এবং তঃ রবাটাসন একস-রে ক্লিট্যারোগ্রাফির সাহাব্যে ঐ বশ্চুটির রাসারনিক
গঠন বের করেম। ক্লিমনাদক ওব্ব হিসেকে ভ্লোরোভিনের ভূমিকা খ্বই
গ্রেম্পর্শ সভ্তবত এই ভারণেই আম দের
ক্রিয়াভি তিকিৎসার ক্লির রোগের উপদমের
ভ্রেম্য ভটিপাভার ভত প্রচলন।

এ ছাড়াও ডঃ বন্দ্যোপাধায়ে সম্ভাৰতী লতার সংবেদনশীলতার উপর যে প্রীকা চালান ভাও কথেন্ট উল্লেখবোগ্য। আচার क्षशनी भारतम् मण्या यजीतः अस्यामन-न्यकारवद মধ্যেই এক্ষিন প্রাণীক অনুভতির ইপ্যিত উপলব্দি করেছিলেন। প্রাণী দেহের বে কোন অংশ স্পূৰ্ণ করলে বেমন সেই অন্ভেতি সভো সংখ্য স্থার্য মধ্যে দিয়ে ভার মশ্ভিকে গিরে হাজির হর এবং প্ররোজনে সাজা দের তেমন কোন সাক্ষা বাৰস্থা কি উল্ভিবের মধ্যেও নেই? বাইরের আৰাতে উল্ভিদ দেৱ ৰে সাভা দেৱ লক্ষাৰতীর মধ্যে পরিকার ভা দেশা বারঃ এই গবেষণাগ্যরে লক্ষাবতীর দেহ থেকে এক ধরনের প্রোটিন সংগ্রহ করেছেন এখানকার বিজ্ঞানীরা। প্রাণী দেহের পেণীর সংকাচন বা সম্প্রসারণে যে ধরনের প্রোটিন কাজ করে এই প্রোটিন কভকটা ভারই অনার্প। বর্তমানে ডঃ দেবেন্দ্রমোহন বসরে অধীনে করেকজন গবেষক লক্ষাবভীর উপর পরীকা निवीका ठानिएव बारकनः উद्धाना यहत्र চারেক আগে জনৈক তর্ণ সোভিয়েত বৈজ্ঞানী জগদীশচন্দ্রের পার্যাত অনুসরণ করে উল্ভিদের সংবেদন্দীলভার উপর পরীক্ষা চালিরেছিলেন। এ'র অভিমত, প্রাণী দেহের সমস্ত অনুভাত বেমন স্নার্র মধ্যে দিয়ে গমনাগমন করে, তেমনি উল্ভিদের মধ্যেও বাইরের অনুভূতি তাদের দেহের এক অংশ থেকে আর এক অংশে এগিয়ে ৰাৰ এক ধরনের প্রোটিন কোৰের মধ্যে দিরে। তবে এতে সমর ল'গে অনেক বেশী। মিনিটে করেক ইণ্ডি মার অগ্রসর

১৯৪৫-তে এই গবেষণাগারের ভার
নিরে আসেন ভঃ পি ভে বস্। তেবজ
উল্ভিল নিরে এখানে তিনি বে ধরনের কাজ
করে গোছেন ভারতীর তেবজ বিজ্ঞানে তা
নিঃসন্দেহে আম্লা সম্পদ হরে থাকবে।
উল্লেখা, আন্তজাতিক খাতী সম্পান
বিজ্ঞানী তঃ অসীমা চাটাজি তার ছারী।
তঃ বর্রা এবং এই গবেষণাগারের বর্তমান
ভারত্রাপত বিজ্ঞানী তঃ দেবীপ্রসাদ চলবতীও
তার ছার ছিলেন। সোবোলিন গোদির
এক ধরনের তেবজেন উপর এখানে বেশ
কিছুদিন গবেষণা চালান হর। েতী
সোগের উপশ্যের ব্যাপারে এই তেবজ্ঞীর
সোগের উপশ্যের ব্যাপারে এই তেবজ্ঞীর



पारम किम मानान स्टाटस

কার্যকারিতা লক্ষ্য করার রত । কার্যক্রের নাথন প্রথম পাওরা গিরেছিল এথানেই । সংশেববণ এবং বিশেববণ বুই পশ্চিতেই এথানে তাদের বোগিক গঠন বের করা ইরেছিল । এনের কোন কোন কোন বোগ চম'-রেংগার প্রতিরোধক হিসেবে বংলা স্কেরিছা । কলেরা প্রকৃতি রোগের বীজাপুর কার্যকারীর উপর এখানে ভাল কাল্ল হরেছে ।

১৯৫৩-তে বস্ বিজ্ঞান মন্তিরের মসায়ন বিভাগের বর্তমান প্রধান হরে আনেন তঃ অমিতাত সেন। দুশ্বজাত প্রোটিনের উপর তার মৌলিক গবেষণা বিশেষ উল্লেখনোগা। এ'র বন্ধবাঃ কিছু কিছু ভাল কাজ এখানে হরেছে। জনৈক অধ্যাপক বললেন, ছোট গবেষণাগার। অস্বিধে আছে অনেক। তবে একটা ব্যাপারে এখানে আমরা নিশ্চিত। এখানে কাজ করার শ্বাধীনতা আছে।

किन गरतकन वावन्या

গরমের দিনে পচার হাত খেকে ভিমকে রক্ষা করা এদেশের একটি বিরাট সমস্যা। কারণ অভিবিক্ত গরমে পাঁচ থেকে হয় দিনের পরই যে কোন ডিম পচতে শার্ করে। অথচ এই সমরেই ভিমের চাহিদাও কমে ৰায় অভানত বেলীঃ আরও কিছুদিন টিকিরে রাখার একমার পথ হিমকরের সাহাযা, যার তাপমাতা কথনই পঞ্জ ডিডি ক ন'হাইটের বেশি হবে ন। অথবা অপর কোন রাসারনিক পদার্থ বা ডিমকে পচে যাওয়ার হাত থেকে বাঁচাতে সাহায্য করে। কিন্তু যারা গ্রামে পদাুপালন করেন, তাদের পক্ষে এই দুটি পথই যে ধ্র সহজ তা বলা চলে না। হিম্মবরের জনো চাই বিদ্যাং। অথচ স্ব জ্রগাতে বিদ্যাৎ সরবরাহ করার বাবস্থা এখনও করে ওঠা সম্ভব হর্না। দুই, রাস্রনিক পদা**র্থ**

লগ্নেছ করা এবং তা নিরে কাক করার অস্বিধে অনেক। সম্প্রতি মধাপ্রদেশের মাহও-এর পদ্ চিকিৎসা কলেকের পদ্ব-পালন বিভাগ পচনের হাত খেকে ভিম রক্ষা করার ব্যাপারে অভাস্ত সহজ অবচ প্রার নিরধরচার করা যেতে পারে, এমন একটি পাশতি ধের করেছেন বা গ্রামাণ্ডলের মানুবদের খ্রই উপকারে আস্তে।

এর জন্যে একটি চৌকো গর্ভ করে নেওয়া হয় : লম্বা চওডার এবং উক্তার न कारे। चार्य कार्य ठीएका रकन ভাষগাৰ গতাটি কৰতে হবে বাতে সহজে ভার উপর লক্ষা বাখা বাহ। এর ভেতরের দেওয়াল সিমেণ্ট দিয়ে প্লালটার করে নেওয়া হয় ই'দারের উৎপাত থেকে বাঁচার ভানো। উপরে বাক্সের মত ধাতব ঢাকনা দেওয়া থাকে। বাস্ত্রের মত এই গতটির মেঝে পাতলা করে বালি দিয়ে চেকে সর দিরে ডিমগ্রিল ভার উপর সাজিতে রাখা হর। প্রতিটি সারির ঐভাবে সাজান হ**রে** গেলে তার উপরটা আবার পাতলা বালি <u> जिल्हा एक एक्ट्रा एक अवर जे वानिक</u> উপর সাজান হয় আরু এক স্তর ডিম। চাকনার নিচে দুটো ডিমের মত বাৰা দৰকার। সাধারণত এইভাবে একটি ৰাজে ১৮০০টির মত ডিম রাখা কেতে পারে ৷ নাডাচাডার স্বিধের M/AI ১৬০০টির বেশী না রাখাই ভাল। বাসুটি मारे कार्षेत्र वस्त्र मा कतात्र सेरम्ममा रम. এতে করে সহজে এটিকে পরিকার করা বা প্রবোজনে এটির বালি পালটন সহজ হবে। मतक व राज वफ जावजरनद ब बाद कवा বেতে পারে। পরীকা করে দেখা গেছে: এই পশ্চিতে বে কোন ভিন্ন পনের খেকে কুডিদিনের মত ভালভাবেই সংরক্ষিত করা 5001

সমর্বজিং কর





गाञ्चा जावदन आस्यक्षा जावदन गाञ्चा

ভাতিবিয়া ভাষাকেও অপরূপ মিঋণ, কী বোলাবের, কী আর্বয়ের।

किवछात निशाति है

এস্কোয়ার সিগারেট খান, তাতে বিদেশী মূলা বেঁচে যাবে। বিদেশী মূলা বাঁচান মানে বিদেশী মূলা অর্জন

> <u>८८ १.</u> ১०টि

গোল্ডেন টোলাকে। কোং আইভেট লি: বোদাই-৫৬

ভারতের এই ধরণের রুহত্তম জাতীয় উত্তম



67 (Put 10)

कारा/क्या/क्यावर

বাছিতে আন্তর্গার সমরে হঠাং কাজীবাছিতে আন্তর্গাল পড়ে গেল। সংবাদ
ছড়িরে পড়ল মুনে বুনে চারগিতে। কাজী
লোলড হোলেন ইল্ডেললা করেছেন।
মেরেরা ভিংলার করে আসমান কাটিরে
কামতে। পাড়ার বে বেখানে ছিল ছুন্টে গেল।
বে ল্নাল সেই বললে ও ইন্ না লিলাহে...
ভাবেডিনা—ভার আত্মার শাহিতলাভ হোক।

ি কাজী সাহেব ছিলেন বি-এ পাল, সোমা-দর্শন, সবালাপী, মিন্টভারী। সমগ্র পাঁবর কোরআন তাঁর ছিল মুক্তম। আরবী ফারসী উপন্নি বাংলা ইংরেজী জানতেন তিনি। মামাজ পড়তেন—রেঞা করতেন



কালী সাহেৰ ভার সংখ্য গোলাপ্ৰাসাহে অসে সাধা পালকের কলতে কি সম্ব লিখাভেন

মিৰোকৰা বলতে ভার ভাষণ অস্বাদ্তবোধ **ब्रह्म म्यून्ट्यात, मामनायास, हतिहरू निर्मद** তিনি দেখতে পারতেন না। বেসব ভাষা তিনি জানতেন সেসৰ ভাষার কবিয়া ছিলেন ভার প্রিরজন। বেমন সেখ পাদী, হাফিজ, देशबाम, देकवान, ब्रामी, ब्रवीन्सनाथ, नक्कब्रन, সত্যেন্দ্রনাথ, সেকসপীরর, শেলী কিটস, বাররন। কাজী সাহেব তাঁর লখের লোলাপ-বাগানে বসে সাদা পালকের কলমে জাফরানের লাল কালি দিয়ে স্বন্ধর করে কিস্ব লিখতেন। অনেক সময় দেখা বেড তিনি ব'ল হয়ে ঈলি চেরারে পড়ে আছেন চক্ষ, মাদে তার কোরতান শরীকের বাংলা তক্ষমা পড়ে শোনাছে তার কলেভে পড়া নাতনী। বড় মেরের মেরে আন্বিয়া খাতুন। ছৰিটি বড় স্নিণ্ধ মধ্যা



बाकी लीकर द्यारमन खीवल नावि থানার দারোগা ছিলেন। যোডার চডে গ্রাম-আমান্তের পথ পাড়ি দিয়ে বেন্ডেন থানার बत्त दी कारक। कथता घर निष्टम मा। সেসব অভিজ্ঞতা তার বিচিত্র। খনের কেস, আসামী খানার এসে পারে ধরত, ঘর নিরে ক্ষেস হালকা করে দেবার জন্যে জেক্সি মতন পারে-হাতে জডিতে ধরত। তিনি ভর দেখাবার জনো বাভাসে চাব্র আন্দোলত ভরতেন। কিন্ত অন্য সব দারোগা প্রালসরা বির্ভ হত। তারা ঘ্য নিত। আর হতে कारण कारण जन, द्वार कंत्रण, भगन সারে বেচারীর কেস্টা একট্র 'মিস্টিক' করে। মানে 'ধোঁরাটে' করে।' একটি নারী-ছটিত ব্যাপারে তিনি দারোগাগিরী ত্যাগ ক্রেন। নারীটি হারতী বধা। দ্বামী আবেদন অবে ভাব স্থাকৈ বেন ভার বাপের বাডি থেকে প্রতিস উত্থাত করে এনে দের। স্তীর বাপ কন্যাতে আটক করে রেখেছে। পর্টালস গিতে উন্ধার করে এনে মেরেটিকে খানার একরারি রেখে দের। ভার স্বামীর বদলে। দেবর মেরেটিকে চিনিরে দেবার জনো গেলেও ভার হাতে ছাড়া হর্নান এই জন্য বে আবেদনে শ্বামীর হাতে সে:পদ' করার কথা ছিল। শ্বামীকে সংবাদ দেওরা হরেছিল লিখিত-ভাবে বে সে বেন আগামীকাল ভার স্থাকৈ নিয়ে বার।

কাজী সাহেব সেদিন থানার ছিলেন না।
কোটে গিরেছিলেন একটি সেসন মামলার
বাাপারে। রাত এগারোটার কিরে তিনি
গ্রহরী প্রিন্সের কাছে শোনেন একটি
অভ্যুত ব্যাপারের কথা। ব্রতী নারীটির
উপরে নাকি বৌন অভ্যাচার করা হচ্ছে
মুখে কাপড় বেখে করেবখানার মধ্যে।

কাজী সাহেব তরি চেম্বারে চুকেই
শাংকরমাছের ছড়িটি নিরে প্রহরীকে
ইপ্পিতে ডেকে নিরে গিরে তনজন জত্যাচারীকে এমন চাব্কালেন বে ভাদের লা-হাত কেটে রক্ত গাঁড়রে পড়ল। মেরেটিকে
মূক করে দিতে সে কাজী সাহেবের পারে
মূক করে দিতে সে কাজী সাহেবের পারে
মূক করে কেন্দ্রই কাঁদতে বাকল। 'পুমি আমার
মূলর মানুর আমার থলার পা পুলে দিবে
মেরে কেন্দ্র।...এ জীবল আমি বার করে
লোব। আমার কাজী বহন জানবে ওখন
আমার কি হবে?...অন্য প্রের্বরা আমাকে
নন্ট করেছে,...আবার তালাক হরে গেছে...
এবল সেই স্বামীর মর আমি কেমন করে
করব...



এমন চাৰকালেন ৰৈ ভালের গা-হাত কেটে রস্ত গড়িয়ে পড়ল

কালী দৌলত হেনেন কাপছেন তথন, উবেলনার আর ক্ষোন্তে দুঃখে। তাড়া দিলেন তিনি : চুপ করো। তপাক তোনার হাব না, এটা তেমার ইচ্ছাকৃত পাপ নহ। তুমি আমীকৈ কিছা জানাবে না। তুমি আমাকে ধরম বাপা সন্বোধন করেছ, কালেই বাপের ব্যুক্ম মানতে হবে। নচেং তুমি ধ্যাংস হরে বাবে ধ

মেরেটি সারারাত কাদার পর সকালে শ্বামী আসতেই চোখমাখ মাছে ফেলে বদলে, আমি যাব।

কাজী সহেব খুশী হলেন। থেরেটি 'কদমব্সী' (মাখা হোট না করে বসে পারে হাত দিরে সালাম) করে উঠলে তিনি মাধার হাত ব্লিরে বলেছিলেনঃ 'এস মা!' তারপক্ষ কাজী সাহেব খানার কাজ ছেড়ে দিলেন

जिल्ला न्यारंभात गूर्यज्ञका स्थिपताः। स्वनमी करिक ग्रान क्यात क्रकी क्रावितः।

এরপর তিনি করেকটি উব' পরিকার মৃত্তাবারি কাল করতেন। কিবার হাপার জাসে তিনি তার স্কের হস্তাকরে সকটা লিখে দিতেন। জার বাকি সমর আর্থী কার্মী পড়াশ্লো করে কলকাতার বিম ভাটতেন। ভার গৈতৃক নাধারাত সম্পত্তি হিল এই
না বাট নিবে। সানি করেজিলেন বৃটি।
সম্ভানা-সম্ভাত ভার লোট বারোট। অনেক
আত্মীরুক্তল—পাড়া-প্রতিবেশী। স্বাই
আহা ভারী ক্রতে লাগল ভার মৃত্যুতে।
করেজীনন মাকি ভার শ্রীর ভাল বাছিল
না। ভার—পদ্মপ্রদাশ চোধ বৃটি লাল
স্কুটের মতুন হরেছিল। তিনি বুধন মারা বান

ভার ব্ৰেক ওপতে শবিত কোরজান খোলা হিল। ভার ব্যুক্ত সমর কেউ কাছে হিল না। এক হাতে কাঁচের রঙিন বাতি ভার এক প্লাস গরস ব্য নিজে আশিবরা খাতুন বলে এসে ভারতে, পাব"...

কোনো সাড়া সন্ধানেই। হঠাং আলোপড়া মুখটা দেখে ভার হাত খেকে গুৱের জাসটা পড়ে গেল!



कारणा प्रधारमातः। जन्यास्तिक सर्ग केटोट्ड गरंग क्या बंदा ब्रहः।

काकी जोनक द्वारमण्य मन्त्रहे यक्तस्य बद्रप्त या अवस्ता स्वरंतः। किंत्र कोन्स्स्य ४ च्यामास सामास मनन अन

নাত আনবান, নাত নাগৰেছ পানে থেকে ছে... আতাশ তেওে বাজ নাজে

'जालवादेख'त

সোলার ভাষার ভর করে রে... আমার বাছার 'ছেছ্ম' বাবে

रनाम्बद्ध हरू

ন্ধানকটেকর পাহাড় পার হরে রে... ত আল্লা, ভোনার কিচার কেলন হত— না রইল চাঁদের বড়ো

অপৰ তলায় বন্ধে

ছেলে গেল অভিন দেলের

সনাগরীতে ছে...

ও আলা, তোৰার আলবাইলা

चून करत्राह रह---

তুমি আমাকে আমান দৌলত কাজীর সপোর সাধী করো রো...

কালী দৌলত হেংসেনের বড় দাী। গীগড়েঃ

আমার হাতের চুড়ি কৈ ভাঙলে গ্নে কে উলোম করলে গো

আমার দ্নিরার 'লেবাস!' (পোণাক) তে আমাতে করলে রাভের বিবাগী, ভার নামাজ রোজার সোনার সাক্রে বেরে সে চলে গেল।

আর 'অভাগী' ক্ষর্যন্তি পদ্ধে কুইল দুনিরাদারীয় 'বালা-মসিবত'

ভোগের জনো গো--জাল্লা আমাকে ভূমি নিজে না কেন গো--' কাজী সাহেবের স্বিভীয় গল্পের ব্রভী

শ্চী কলিছে ঃ

'ওগো আমার লেহের মালিক

बरमद्र बाम्ब छला-

ওলো আমার এই বৈবনের বাগানের মালি আমার মালক্ষর---

আমার মালাকর--

কোষার গোলে আর ভোষাকে পাবো—
আমার মনের অধানে এই ঠেকিরে
আকালে উঠব আরু শরভান বেবেকেন্ডর
নে-মই কেন্ডে লেনে গো—
আমার বিচার কি এই হল?
এই সব বাচ্ছানের মূখ চাইবে কে?
তোমার পালকের কলম, তোমার কোরআল,

তোমার পালকের কলম, তেমার কোরজাল, তোমার পীরহান আর কে ব্যাবার করবে? তুমি ছিলে মহৎ

ক্রনো পাঁচটা আঙ্কে বসাওমি গারে... ডোমার সাধী হতে পারি যেন বেহেণ্ডে:

ৰদা বাহ্ল্য কাজী বা সৈরদ-বাড়ির ভাষা অনেক মাজিভি গ্রামের চাষীবাসী গোলস্থদের টাইতে।

কলেজে-পড়া-মেরে আন্বিরা খাডুন সাপ

देश्लारमा ज्यास एकम्म करत काला ट्रांटर्सिन । जात काला भात । ट्रां भारत् बार्ड्स वाल्य करत करम जीवाम द्वाच बार्ड्स वार्ट्स कीनाहः। जात न्यामा जाम करत राष्ट्रः। वार्ट्स वार्ट्स कीनाहः। व्याम रक्कार्ड्स। ज्यास करते वार्ट्स जात महोता देशियत बार्ट्स। करम कर्म्स ट्रांट्स मुक्का, मन क्या जामक। नाम् बात श्राक्तान कार्ट्स जिम হাজার টাকা, একটা হাঁরের আটে আর একটা নেকলেন দিরে গেছেন। আলহেন, থানা জোলার বিনের উপায়ের। আনি হরডো আর বেশি সময় বাঁচন না। বাঁপানিবে আনহরে

আন্দির। নামরে বুকে রাখা রেখেছিল। তথ্য তিনি অস্তৃত একটি বাবহার করে-হিলেন। সাধার হাত বুলোতে বুলোডে



ब्रायों छात्र दहरम धरन हरना त्यदब्रिक्टनमा । अदक्यादब दहीदहें दहीहें फिरज, मध्य नारमब

আদিবরা বাধা দেরন। দাদ্র বাবহার
কথনো অশালীন ছিল না। হরতো মধ্রে
এক দেনহের দান এ তার জীবনে! এ চুম্বন
ছিল পবিত্র—নিম্কাম।

সেই কথাই তো ভূলতে পারছিল না আন্বিয়া। চোথের পানিতে তার বৃক্ক ভেসে ব্যক্তিল।

किन्छ ग्रांडा वर्ष निर्धात !

দুক্তন লোক এনে বৃক্ থেকে কোরআন লরীফখানা তুলে তাতে চুমো খেরে তুলে রাখলে লাল কাপড়ে জড়িয়ে আলমারির খবো। মেরেদের সরিরে দিলে। বারালদার চার-পাঁচ আঁটি খড় এনে তার বাধন খ্লে বিছিরে কাজী সংহেবের মৃতদেহ তুলে এনে পশ্চিম দিকে মাথা করে সেই 'বম্ঘাসের কপরে শ্ইরে একটি চাবর চাকা বিলে তবি আপাদ্যালয়ক

থানার অভ্যাচারিতা ধ্রম মেরেটি এল ভার প্রক্না আর ব্যামীকে নিরে। সে খ্র কাদতে লাগল। এল জামাই মেরেরা। সকল জেলে জেলেদের শ্বশুর লাশাডি।

আন্বিয়া তার বাপের হাতে দিলে একটি কাগজ। দোলত কাজীর দলিল। কাকে কতথানি সম্পতি বা জিনিসপত বর-দুরুদ্র দিতে হবে তার নিদেশ। আন্বিয়াকে বা দেওরা হয়েছে দেখলে তারও উদ্দেশ করা আছে। এটি গতকাল পর্যাত ছিল না। আন্বিয়াকে দেওরার পর কখন লেখা হয়েছে। তার নিজের হাতে লেখা। ছড়ানো অকর। বাকি সবটা আন্বিয়ার হাতের লেখা। এক সম্ভা আগে এটি লেখা হয়। তার বালিশের নিচে কাগজটি থাকত।

ভাগচাবে অনেক জাম বেরিয়ে গিয়েছিল

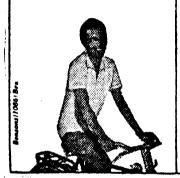
ভব্ পাছৰ পাছৰ কঞাৰ কিছে ছান্ন ভিনি
নুই বা, আৰু বেলেনেনেনের ক্ষরে বধরা
করে নিরে গেছেন। কাউকে হভাশ করেননি।
সুবিচার করে গেছেন। একপোটি গিনি সোনা
ছিল—সেগুলো স্বাইকে বধরা করে দেবার
কথা বলে গেছেন। এসব করবে বড় জানাই।

পাড়ার কারো মৃত্যু হলে সংবাদ শোনামার আহাদ আলী আর রহমত সেখ আসে কবর খুড়বার জনো। তারা কোদাল কাঁধে নিরে এসে গাঁড়ালে গোরুখানে গেল বড় জাম ই আনোরার আলী। সেখানে এল হ্যাজার লাইট। আনোরার আলী পারের জুড়ো খুলে গাঁড়িরে দোওরা-দর্দ পড়তে লাগল। সে বা বললে তার আর্থাঃ 'হে কবরবাসিগণ, আপনাদের উপর আল্লার আলীবাদ ববিত হোক। স্কবোদ নিন বে 'কিরুমত নক্দিণো অর্থাৎ শেষ বিচারের দিন কাছেই এসে পড়েছে।'

जाभताव श्रिय गर्ड काश्रफ व्यक्त तित!

ਦਾਵਣ ਹੋਟੋਰ ਹੋੜਾਰ 🏗

ভূমংকার সেরা সেরা কাণড়—পণ্টিন, ডুল, গংকুর ইত্যাদি — ক্যায়া গানে। বজাবুত, অনেক টেকসই ও অপরূপ কিনিশের, যাতে অনেক খোলাইরের পরও নতুনের যতনই আগে এবং জনিকও বেপ যথাকে।



याख अतिएत्रीग

'টেরিন' কটন শাটিং নিব্ভভাবে বোনা। কেছাছবত দিনিব। বাবারকবের বনোরম রঙে পাবেন।



शर्ख आदावटम

'টেরিন' মেশানো স্থাটিং সংস্বাহ পুল্বকে সানাব্যাকিক। উল্লেখ্য সালা থেকে হাজা ও প্রশাহ কুমার পুনর থাবি বক্ষারিকে।



প্ৰভুক্তৰাৱৰ: যাত্ত্ত্তা বিশ্বসূ কোং লিঃ,মাদুৱাই



ভারপার সে কবর খাছেবার ভারণাটী দোখেরে দিতে আহাদ আলা তার পারের সাত শাউড়া জারগা মেপে নিরে উত্তর-দাজিপে লাভা করে করে খাড়তে শারে করে। সিথেনের একপাশে রাখলে আলাদা করে প্রসমিল্লা করে প্রথম কোনাল মেরে। পারের দিকের মাটি রাখলে পারের দিকে। কররের মাটি কররেই দিতে হবে। অন্যথমের মাটি দেওয়া চলবে না। রহমত শাবেশের মাটি দেওয়া চলবে না। রহমত শাবেশের মাটি চবে না। রহমত শাবেশের মাটি চবে না। রহমত শাবেশের মাটি করের লাভা চলবে না। রহমত শাবেশের মাটি করের না তো, কালবি সাহেব বে রকম লাভা চলবে না।

আংহাদ বললে, গৈৰ বার উপতার চোল্য পো মানো সাড্যে তিন হাত। কাকী সাওগ্রহ হাত ছিল অঠিবেরা ইল্লি-অমার সমন। ঠিক সাত পা মাপেই হবে।

অন্যানার আলী চলে এল।

একটা নতুন মাটির সরার কুল কাঠের তাগানে
তলাবালা ধ্নো পঞ্জিত। মোরা সাতে ব
মাল্রী পেতে করে তের পজ কাফনের নাতুন
কাপড় ফেড়ে থেকাকাা 'পরিছানা চাসর তৈরি
করতেন মাধার ট্রীপ দিরে। যে সাতে
ভাজনের কাপড় খেকে স্তেচ তুলে দেলাই
কর। চল্ডে সে সাড়ে জার ব্যবহার কর। চলবে
না: কাল্যগোল চলেডে মেরেনের

টিট কোনে হিম্মু গ্ৰামান লোকরা আনহান সংগোধ প্ৰাম থোক টিব সেপে সহান্ত্ৰি জানিকে চাৰা বাংক্তি বাড়িক অংশ এই বাডকালেও লোক ধাবে না

জুলে হা বিরাট ভাষার দেশ তাড়িতে পানি গরাম করা হচ্চে ছাতে স্, চারটে কুলপাত ভাষ্টে দেওরা হারেছে। টোসেলের কোনের বাবস্থা হচ্চে কাটারি মেরে বাঁপ কাটর শব্দ হচ্ছে সামনের কাড ব্যেক।

দ্র্যালানের একদিকে কাণ্ডু দিরে বিরে দেওত চলা বার প্রাস্থান্ত্রে হার ক্ষরু করে প্রথিত হরে হাত মুখ ধ্রে: একে ক.জী সাহেবের লাস্টা আঁচ করে ধরে ভূলো অনুনল ধেরা জারগার মধ্যো: এর মধ্যো প্রোস্কার সময় পোলবিহন্তে ছকে চোপের প্রাস্থান্তরেলা নিবিশ্ব লোভরানের গোসক প্রেক্তরা প্রেক্তরা প্রেক্তরের গোসক দেবে: ক্রেক্তরা স্থান্তর্কার বিধি। একটি ভক্তরে প্রেক্তর হলে। হবে:

ভান্তী সাহেবের দেহের গোলাক বালে কেলা চল : লোটার করে 'জলপ একট, গরম-করা-পানি আলেড অংশত একজন ঢালতে লাগল মারা; থেকে পা প্রকিত 'লা ইল হা ইল্লাজালা; যোহাম্মদর রস্লালালা' বলতে বলতে। স্বাই ভাই পজতে লাগল অস্ক্টি-ক্রের গ্নেগ্নি করে: স্বাধি সাবান মাধানো হল সারা দেহে বিশেব প্রক্রির প্রেটর মধোর মরলা বার করে দিরে। গানি চলা হতে লাগল। মোলাক্টি ক্রেক্টি ভোট ভোট ট্রেরেরা কাপাড়ে মাটির চেলা বেথে 'জল্বপের ন্টি প্রথমন প্রস্লাবের ম্বার মোছার জনা ব্যবহৃত প্রবা) পাঠালেন।
এখনভাবে শ্রীর পরিক্লার করতে হবে কেন
এগ্রুত্ব একটা মরলা জোখাও না থাকে।
গোসলা দিতে ঘণ্টা দুই সময়ও লাগতে
পারে। গোসলের নোংরা পানি গাড়তে এনে
সড়বার জানা ছাঁচের নিচে কোন নিরে
গওঁ খেড়ি। হরেছে। সেই গড়ানে। পানির
দিকে তাশালে এক বিষ্যেত্ব মনকে আজ্বার
করে।

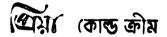
গোসৰা শেষ হলে মেল্লাকী কাফনের থিবলকা পারির না চালর ভেষনা পারিরে না চালর ভেষনা পারিরে না লোকোর ধেলিলে কাফনে কাজন কাফনে কাজন কাফনে কাজন পারির পার পার পার পার পার পার কাফনা হবে । ভারপর সাকরে মাধার ক্রিকে এককাম এবং মাধার কিনে বাব বাবিরে মধা পারিরে মধা পারীরে মধা পারীরে সিলে জালা কাজের কিনে আক্রম এবং মাধার কিনে বাবির সাধার পারীরে সিলে জালা কাজনে কাজনা কাজন

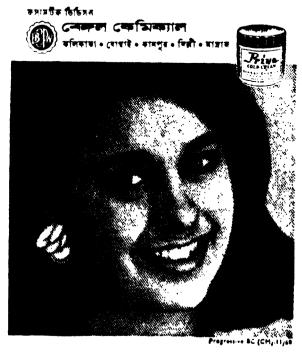
আনারা (সমাজের) বাঁধানো কাঠের থাই থাকে না তারা আনে কাঁচা বাঁদের থাই দিরে বাঁধা খাট্লিন। ছেলে কামাই ভাই ভাগনে ভাইপো বারা খাকে, গোসল করে, অক্স্রুকরে, ভাল কাপড়চেপড় পরে এলে থাটে কাঁধ দের। পর্যুদ্ধ শারীফ পড়তে পড়তে লাস নিয়ে চলে বায়া প্রেবরা সকলে কবরণান র উল্লেখনা একজন লোক ম্যুত্র ব্যুক্ত উপর হাত বিয়ে চলতে খাকে:

ক্রন্তথানের সলিকটে কোনো পরিক্রন্ত জনগার খাট খেকে লাস মান্টিতে নামিকে রাণা হয় উত্তর দিকে নাথা করে। মে প্রাচলী জনাকা পড়ানা মান্টির কোনো নিকট আখ্যানির অনুমতি পেয়ে। প্রবাদ এট ধ্র কোনো জালত মান্ত্রক খাইতে এট ভানাজ্যানর নামাজ পড়া হলে তার প্রশাল্যানিক উদ্ধে হাবে।

এরপর কবরের কাছে অন্যাহার কাসকে। কবর খেড়ার কাজ শেষ হলেও শ্যান কবর ছেছে যাওয়া নিষিশ্য। যারা কবর খাতুরে

ভাকের পঞ্জীয়ে জল বা সাবাদ ভারনা ব'লে সেখালে জন্মল জ'লে জ'লে আপনার ভক কল্প, বিবর্ণ দিলার । প্রিয়া কোন্ধ জীয়া সেই পভীরে পূর্ণে মুলাদানল। পরিভার ক'রে আপনার ভাকের তাক্ষণা, লাবণা, কর্মীয়তা অক্স রাধে। তাই রাজ রাজে স্তুতে বাবার আগে **প্রিয়া কোন্ধ জী**য়া দাপুন । স্কালে উঠে দেখবেন আপনার এক ভোরের ভাজা কুলের মতই উদ্ধান বাববায়ন।





জরুরী দরকারে একটি 'এভারেভী' টর্চ হাতের কাছে রাধুন।



K.MT

शारा म्याम करत मां चामा भवन्य चामाना शक्षा देश मा। नाम जोटन मुख्यम दनाक दनाव बाज क्यरबंद मूं माभाव। क्यरबंद किएउरी हमरकात प्रमुण। अस गुरू मिछ। मान धरर মিছে মামিরে আন্তে আল্ডে দুইরে দেওয়া হলে হাতের ওপর তর রেখে পাছের জিকের ह्याकृषि উঠে আসে। मधार शिख ह्याकृष्टिक মোলাকী মানা'ৰ মাথেৰ কাকন থাকে তেলতে বলেন। ভারণর পাঁবর কোরআন বেকে একটি আরাভ পাঠ করেন ভিনবার। লোকটিকৈ ডা আবৃত্তি করতে হয় আৰু প্ৰতিবাৰ মাতের মাধের কাপড খালে আবার हाना मिलता गरा अस्क नर्म राम इस-লেখানো।' আরাতের ভাবার্থ' সম্ভবত 1 এই প্ৰিবীর আলো বাতাস, বেখানে ভূমি ছিলে আজ তা হেড়ে তুমি বিদার নিরে বাজা

ভারপর মুখটি বেদিকে মন্তার ছাবং
লরীক (ভারতে প্রিচমদিকে) সেদিকে ইবং
হোলিরে চাপা দিরে উঠে এলেই কীচা বলৈর
পাড়না বা পাঠাতন বিভিন্নে দেওরা হবে
কবরের উপর-মৃত্যে লাখ্যলাদ্য। ভারপর
অভ্যো বাংগর কালি দিরে ভার উপর দিতে
হবে কাঁচা ভালপাতা মানুর অথবা বড়
বিভিন্নে। কোগাও বেন ফাঁক না বাকে।

এরপর স্বাই এক মুঠো মাটি হাতে করে বরলে মোলাজী পবিত্র কোরজানের ১০ মানব স্রো তা হা'ন তৃতীর অনুক্রেরের ৫৫ মানব আলাত্তী তিন অংশে ভাগ করে করে বলবেন ঃ মিন্তা খালাজ্যাক্ষ (এই মোটি। ধেকে তেমেনের অমি স্তিক্তির) সকলে মাটি দেবে এই কথাটি বলে প্রথম।

কাৰার মাটি নিবে শিক্তীরবার বলবে,
কাকিলা নোরিদোকুমা (আর এতেই (এই
নাটিতেই) তভাষান্তমর ফিরে গাঠাবো) বলে
নাটি দেবে কররে।

ভতীরবার বলতে হবে ঃ 'জ-নিন্হা চনাধরেজাকুম ভারাজনে ওপারা' আর এর (এই মাটি) থেকেই আমি ভোমবের বিশ্বতীরবার ভূলব]:

ভারণর শিরবের মটি শিল্পের कार्ति भारत्व मिरक योगरत मिरत क्यरबढ केशन मापि होत्य हमश्रम दृद्ध हिना काला सद् बार्षि रहेरम सिरफ्ट रमाय रमहे। क्या केहि হলে হাত দিয়ে চেলে চেলে সমান করে এক বড়া বা এক বালতি পানি মাধার দিক বেকে পান্তের দিক প্রশিত আন্দেত আন্দেত তেলে ছিতে ছবে। নারীর কবর হলে বাকের সো**লা** একটা ছোট চিলি করে দেওরা হয়। মেরে-দের কাউকে কবর দিতে আসতে নেই! এরপর চারটে খেজার পাতা ধরবে চারক্সন। भारता कालाक, भारता कारकतान, भारता नाम, স্থ্রা ইখলাস (খেকোনো চারটি স্রা) থেকে একটি করে আয়াত ৫ বার বা ৭ বার পড়ে কবরের চার মাধার সেই খেজার পাতা পট্রতে দিয়ে তাদের জটা বে'ধে দিরে বে বা আনে দেওরা-সন্থাদ পড়ে তোনাজান্ত বা আৰ্থনা করে সারা ক্বরস্থানে পোলাপদানি ছড়িয়ে দিয়ে চলে আসবে। অন্পশ্বিত বাজি সংবাদ শেয়ে কিয়ে এলে ডিন দিন পর্যাত করে দেওরা বাবে।

ম্ভের বাড়ির লোকজনকে গোসল করিবে থাওয়া-গাওরা করানোর জনো আত্তীরুশক্ষন বা প্রভিবেশীরা ধরে নিরে লাক্ষ

সাভ বিদ একুল বিদ বা একচিয়াল বিদ পরে ছোলা পাড়ানো'। 'কবিকে বালে' বাওরানো। কবরের বাবল্যা বেকে কবিরের প্রতিত ইসলামে একই বিধি--সারা বিশেষ মুস্তানসের জবা। ছোলা পড়ালো হল কিছু ছোলা আগের দিন ভিন্নিরে রাধা হর। সাঙরাত (নিমন্তণ) দেওরা সোরা বা সোলভীরা এসে করেকজন সেই ছোলা একটা একটা নিরে লা ইলাহাণ বলে পড়াত বাকেন। আগে ক'ছাজার ছোলা আছে পুনে নিরে কডবার পড়াল তবে এক লক্ষ্ ছাব্দা হাজার বার পড়া হবে তা ঠিক করে নিতে হয়। কেননা এক লক্ষ্ চাব্দাল হাজার পরপাশর গত হয়েছেন হজরত আদমা-থেকে হজরত মেহাব্দাল পরণিত। এরপার অার পরপাশর হবেন না। ছোলা পড়বার সমর্য দুধ্ লা ইলাহাণ বলা না-জারেজ। কেননা



क्षेत्र अर्थ भारे ब्राह्म'। वनत्त्व इत्य का हैनाह्म हेन्नान्ना'—वाविधे। ब्राट्स मारस बनतन्त्र हनत्त्र।

্মোলভারা আগেই কোরআন শরীক পড়ে শতম করে রাখেন। পড়তে বাকি থাকলে গুলে পড়ে নেন। ৩০ সেপারা পাঁচ মাজকনে ভাগ করে নিরে পড়েন। এ সব

বৈতে হয়। ভারণের 'খানা' খাওরানো হয়। বার বেমন ক্ষমতা সেই অন,সারে বার

দোলত কাজীর হেলেরা তাঁক খানার মন্তের রেখে যাওরা তিন হাজার টাকা ব্যর করে। পাড়ার লোককে খানা খাওরার। খতম পড়ার। 'মিলাদ মহফিল' দের। অতিথি মিলফিনদৈদের কাপড় টাকা-প্রসা रनतः। दर्भागणी स्थातास्मत होका निरष्ट हत्। बीव क्षति का हाम ना।

মতের জালা ইলিন' জথবা তিলিজন' বৃষ্ট স্থানের বেখানে হোক লটকানো থাকে। প্রথমটি প্রায়োগের, নিকতীরটি পাগীদের

আরা বলেছেন, আধার আয়ানের করর খেকে তোলা ইবে —আয়ানের আছা এসে

এই ঢাই আমি ঢাই

निপটतের রিচক্র যেমন রং তেমনি স্বাদ





রিচকু আগনার মনের মত চা। বেজন এই তেমনি রাদ। একা একা কিংবা বছুবাজক নিরে—খখনই খাবেন তখনই মজা। এক গাাকেট রিচকুতে পাবেন কাপের পর কাপ, কাপের পর কাপ অচেল চা।



লিপটন বলতেই ভালো চা

PRE केटिंग छन्दर। किसामस्टर महनारम रहारशंद क्या महान ৰাড ৰে। প্ৰিৰী ভার আগেই ইপ্ৰাফিল তেরেশকা শিশ্বা বাজালে ভেতে চরমার হয়ে বাবে। পাহাড় পর্যন্ত ভূলোর মতন **७**५७**७ बाक्टन। मर्नेड ममञ्ज दर**त दार्थ। ছাথার ওপরে সূর্ব নেমে আসবে। ভার **হাজার মূখ খুলে দেও**রা হবে। যামের দবিলা বৰে বাৰে। যে ৰভ পাপ করেছে তার হাত পা ইন্দ্রির সব সাক্ষী সেরে। आचा महिक छेखन स्माद्य वयम श्रम्म कहा शहर शामीकेमक माणि शत विकृत। श्राचा धाकरव फेरन्छे। भिरक। भूत्ना।कारमञ মাধ্যণতল ছবে জোডিমার। এ সব বর্ণনা আছে 'খররল ছাসার' নামক বাংলা প**ি**গতে। ব্যোমহর্ষার বর্ণনা ৷ কোরআন শ্রীফের সারাত্র বহা, স্থানে পাপীদের প্রতি কিরকম कठिन मान्छित कारान्या करा शरूर जार প্রেয়াছানের শতিক নদী, সরাকন তথ্যা বা সংক্রা কিলোরী বা হকেতী, রেশমের পোশাক, স্থিয় যৌক-প্রবাস মণিমুম্বার প্রাসাদ আরু আঙ্কুর থেজার দান করা হবে ভার বর্ণনা আছে। কিয়ামতের বিচারের পর পাপীদের উম্বার করবেন সে সময় একমার ব্যক্তি তাঁর সাননের রোদন ভার স্পারিদের পার-তিনি চিরদঃখী দরিদ্র অসহার পাপারা মান্ত্রর কথ্—অলার পিরারা দোস্ত হজকত মোহম্ফদ (তাঁর উপরে আল্লার কর্ণা বর্ষিত হোক্\+

পাপী আর পাণান্ধানের সম্বধ্ধে প[্]বে কোরআনে আলা কলেছেন:

আপরাধীবের সেবিদ চেনা বাবে তাদের লক্ষণের আরা, জার ধরা হবে তালের চুলের क्'्रिकेटक कान भारत ।' [६६ : 85]

'এই সেই জাৰায়াম অপরাধীর দল বাকে विधा बन्छ।' [৫৫ : ৪०]

चारहेक्ट्री कंबरन छाता अन (जागारनन) चात्र हेगवंश करत रकाहे। शामित हार्बाम्टक।' [44:88]

*প্ৰেছেশ্ভবালীয়া) তাকিয়া ছেলান দিয়ে ৰসৰে কৰাশে, ভাৰ ভিতৰেৰ আশ্তৰণ कासूर्वाष्ट्रक दबनदमनः आत गृहे केंगातनः क्का जब शास्त्रज्ञ नागारंग ? [७७ : ७८]

লৈ সবের হাষ্ট্রে বাক্ষরে নডনরনাগণ--न्भानं करबीन फारनत अब भ्रादं बानाव व्यथना विना [६६ ३ ६७]

'ভারা সেন পশ্মরাগ ও প্রবাল ।' [৫৫:৫৮]

কিন্তু একটি প্রশন খেকে বার কাজী দোলত হোসেনের দ্বতীয় পক্ষের স্তীর পক্ষ থেকে—ৰে তার কামার মনের আঁধারে আই ঠেকিলে কেহেশ্তে উঠতৈ চার'-বাদ শেষ বিচারের পর বেছেশ্ভে কেভে পারে ভবে সে কি পাবে? বহু নারীই বে:হলডে

বাবেল-ভারা কি পারেন ভার প্রক্রেন কোনো নিদেশ আমনা পাইনি। ছার্ম-'গেল্মান' কথাটি পাওরা বার। 'ছুর' বাদ নামী হয় (যাসের মান্ত্রে অথবা জিন ছোর नि कथाना। वजा বাহ,লা প্রথিবীর क्लामा नार्वीत 'इ.व' इएक शावरकन मा) তাহলে গোলমান' কি প্রেৰ-ভাতীর? যারা লীলা করবে আপনার শুরী আমার বোন च्यानाव मारवव मर्ला। व्यवस्थात कि का फोर्ड ना करत जाकरन। द्यार्थना करि দেদিন যেন আমরা জ্যোতিমার চেহারা পেরে কেউ কাউত্তে চিনতে না পারি! কিন্ত কিয়ামতে যখন সারাজীবনের পাপপ্রণের হিসেব দিতে হবে তথ্য আমাদের স্মৃতি विकाल श्रेष स्था

ए जार र

তাহলে আপনার কালো স্ত্রী আলোমর হবেন বেছেশতে গিলে আর রূপবান 'গেল-মান' (কিশোর?) পাবেন আর্পান তা সইতে ब्रामानि । दक्तमा चामात्रस्य घटना चना चिन टहा काटनन !

व्यावम् ज स्वयात

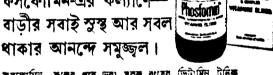
এ সরকার এও স त्रम आधि आधि तर गारियाताल अर

১৭১/১এ রাসবিহারী এটি बालिशक कलिए (中国 : 日本・七文学)



সহজে রোগে কা হ'তে দেয়না

ফসফোমিন-এর কল্যাণে বাড়ীর সবাই স্বস্থ আর সবল



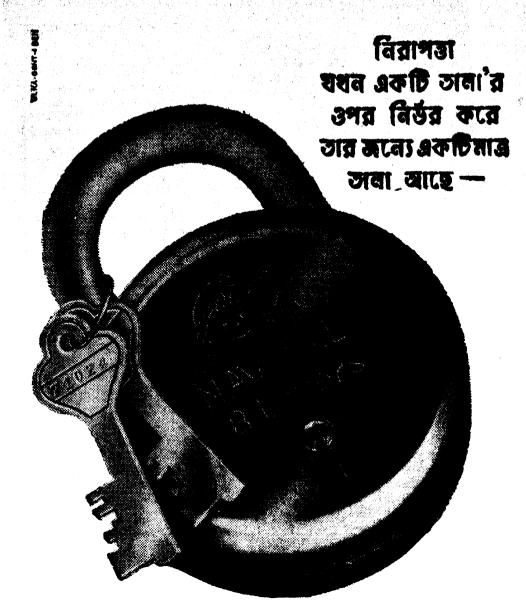
m.

কসকোমিন—কলের পাছে ভবা সবুক বংরের ভিটামিন টানিক **বি কমপ্লেক্স আ**র প্রচুর প্লিসারোকসংকটস দিয়ে তৈরি ।

😡 ই. আর. শুইৰ এও সদ ইনকপোৰেটেজে বে**নিটার্ট টেকটে** ৰাজ্যৰ কাৰী লাইনেপ আৰু প্ৰতিনিধি কৰৰ চাৰ কেব চাৰ SOTUBB, III बाहरके निविद्धि ।

BARABHAI CHEMICALS

ships ac 50/67 &



यावहात हत्र-्क्य या व्यक्ति নির্ভরযোগ্য। স্থা এর কারিসরী, প্রডিটি ভালার এটি বারণ সমন্ত। कत्ना चालामा चालामा त्रक्रम চাবী তৈরি হয়, ভাছাড়া নব-ডাল নিরাপন্তার সরকান তৈরি করতে এমন ভাবে ডিজাইন করা--যাতে, খুলে বা ভেগে চুৱি কর

वनो निर्माणका। त्यका का रेन्सारख्य एका बान बारक र'रा क्षि रेखनि कन्नास्त्र स्मानस्त्रक वारमञ्ज्ञास १० वहरञ्ज्ञा বেশী অভিয়ন্তা।

क्रिय महित्य भारत्य : ৫০ বিলিবিটার (৬ লিভার) ৬৭ মি: মি: (৭ লিভার) we बि: वि: (b विकास)

GRAP CANCEL & SOME SIGN OF

জাতীর উম্বান পরিবলের অধি বেশন এবং দ্বেল শিলেপাল্রন নীজি

ा नहीं वहा निहारिक साकीप्र केटबर भी शांक्यालया एक क्षीमारम्बन्ध रहत रणन काव कारमर्थ व्यवे श्राह्ममार्थ। क्लर्थ পারসালা পরিকাশসমার প্রণিত প্রক্রেপ্ ল-পরের পার করে ক্রানাপ্র প্রাক্তিপার বে र्मानमा शन्युक परबोक्तमन सारक बना হরেছিল, আন্তলিক ভিতিতে বেশের সংক্র भिएम्भावाम स्टब क्ल्बं भीक्रामा भीक-कार्यसङ् काराज्य केरणमा । व अन्तर्दर्भ লোজনা ক্ষিপ্ৰ দুটি গ্ৰেছণ্ডে স্পাৱিশ करायम । अमित राष्ट्र कनकारा, रवान्यारे, बाहाक नहरतक ५०० मार्टेशन व्यक्त सन्तर ক্লকার্থানা স্থাপনে উৎসাহ না জেওয়া এবং জগরটি হচেছ নর্নটি অংশকান্তত অলগ্রসর রাজ্যকে লিকেগামরনের ক্ষেত্র ঞালনে বাবার জন্ম বিশেষ উৎসাহ দেওয়া। কাৰতো শ্ৰৱেৰ ১০০ ছাইচলত ফ্ৰাণ महम काकाक्ष्यांना न्यान्यत तित्रश्राह स्ट्र ৰোজনা কমিশন প্রশিচমবশ্য সরকারের কাছে ৰে সংগলিশ পাঠিকেছেন ডা খ্ৰট প্রভাগ্যজনক। এই সুপারিশের প্রতিবাদ এনেছে সব দিক খেকে: পশ্চিমবংশার উপ-म बामन्त्री, फेराइनमन्त्री अवर जिल्लामन्त्री বেমন ভার প্রতিবাদ করেছেন অন্ত্রেপভাবে প্রতিবাদ করেছেন বিভিন্ন বণিক সভা। धारे श्रामाला तिलाम नामनाम क्राम्यात्रम खर ক্ষাদেরি সভাপতি শ্রীঅশোককমার সরকার বলেছেন, এই সুপারিল কার্যকর হলে প্রতিক্রমবাপেরে অর্থনিনীতির কঠিরোধ করা **करव**ः करकरे करे दलकात अर्थनीडि कर्का অভন্ত অনত অবস্থার এনে দাঁডারেছে: এই **অক্সার বোভ**না কমিশানের উ**র** সংগারিশ কার্যকর হলে প্রদিচয়ক্পেরে অপনৈতিক অবন্ধর আরও দ্রুভেড্র হরে। এই সাপারিশের ফলে অনারত এলাকগেরিলর **िनरम्भक्राञ्चरमञ्ज भूग म**्बिशः इरव का सह। শিক্ষপালারনের শত হতে উপবার পরিমাণে **শীচামাল সরবরাহ, আথিকি সপাতি**, **द्योगरका रवाशाम अ**वर मार्क्य रावन्थाशमः। মাদ কোন অন্যলের প্রভাবিকভাবেই এই স্থাবিষাগ্রিল পর্বাশ্ত পরিমাণে থাকে, তবে শিক্ষপাতিকা ঐ অঞ্চলের প্রতি এমনিতেই चाकुके शरकता अकता वकु वकु महरतव পাশ্ববিত্তী অঞ্চাকে যঞ্জিত করে অন্মত **অকলে জোর করে** শিক্স প্রতিষ্ঠা করার **লীভি অর্থপালের** দিক থেকে গ্রহণবোগা ময়। শিদেশালয়ন প্রতত্তর করার জনা যে আছিক সম্পদ থাকা দরকার তার সরবরাহ **বাতে অকাহত খাকে সেই** ব্যবস্থা করার শরকার এবং কোন বিশেষ এল কার শিচ্প



न्याभएमम याभाजा दक्तम श्रमामिक स वार्षिक मित्रमान काति मा क्रांबे श्रीते क्या পরকার। কলকাতা শহরের সিলেপালয়ন राजार श्रामक रामनी महीत अवर राजा-भाषत थारत शास्त्र: किन्छ अवाना माना क्राप्ती शनिक्रोन (जनारको THE REAL PROPERTY. ण्डिम्सामस्य स्टब्स्ट का नहा। अहेगच কলাগার এখনও শিলেগামরনের সহবোগ রার গেছে। চতুৰ পরিকশনার ক্লকাডা म्मार्केशिनिके चन्नत्मत बना त्व ८० त्वांछे **ोका क्यान्त सभा श्राम्य छा जिक्काटर भग्न** করা হলে শিক্প-সম্প্রসারণের সম্ভাবনা ৰাজ্বে বই কমৰে না। ভা ছাভা কলকাতা শহরের পদ্চাদভূমি (hinterland) মুখেন্ট ব্যাপক। এজন্য কলকাতা শহরের আলেপালে লিক্প-সম্প্রসারণের এখনও যথেন্ট সুযোগ আছে। বৃহত্তম কলকাতা বে "স্যাচুৰেশন পরেনেট" পেণছে গেছে এ কথা বলা বার না। জাতীর উন্নয়ন পরিবদের স্ট্যাণিডং ক্রমিটির বৈঠকে রাজ্যের বোজনা ও উন্নর্নমন্তী শ্রীসোমনাথ লাহিড়ী বলেন বে, কলকাতা-কেন্দ্রীর শিল্প-সম্প্রসারণের প্রভৃত অবকাশ আছে। সেই সম্ভাবনাকে বিনশ্ট করা মহানগরগ, লির আলেপ্যালে শিংশপ্রসার বন্ধ কর্মেট বে অনপ্রসর धमाकाग्रीमहरू भिन्न-मन्ध्रमास्य हर्द ७ शांतमा कृतः। साक्षमा क्रीयमाजनंत श्रद्धावितः মুশ প্রদত্ত এই সংখ্যারশের কিছাশে প্রতিবাদ শ্বা পশ্চিমবংপার দিক ছেকেট আর্সেনি, মহারাম্মও এই স্পারিশের ভীর প্রতিবাদ করেছে। বলা বাহ্যল জাতীর जिस्तरम श्रीत्रवरमञ्ज न्येग्रान्तिश क्रीक्रांचे क्री সংপারিশ বিবেচনা করেননি।

বোজনা কমিশনের ওয়ার্কিং প্রশ্ ভারতের নরতি রাজনে অপেক্ষাকৃত অনরাসর বলে ঘোষণা করেছেন। অনয়সর এই রাজাগার্লি হল—অব্ধপ্রদেশ, কিছার, মধা-প্রদেশ, উড়িবাা, রাজন্থান, আসাম, উত্তর-প্রদেশ, জম্মা ও কাম্মীর এবং নাগাছ্মিঃ এই রাজাগা্লিতে নতুন কোনও । শিলপ পথাসন করতে হলে যে ম্লেধন বিনিরোগ করা হবে, কেন্দ্রীর সরকার ভরতুকি (Subsidy) হিসাবে ভার এক-দশমাংশ সেবেন। জাতীয় উর্মন পরিকদের লট্যান্ডিং কমিটি-ই এটি শিধর করেছেন। অন্যসর রাজাগা্লির প্রভাকটিতে দুইটি জেলার বিচপোরারনে বিশেষ উৎসাহ দিতে হবে।

বেসৰ বাজা অনগ্ৰসৰ বজে উত্তৰিত চৰ্বনি टन्केन्ट्रीनार शरकाकिएक अर्कार स्वनास শিলেশাল্লালনে বিশেষ উৎসাহ দিতে হবে। অন্যাসর রাজাগটেগতে শিক্স স্থাপনে আর কিবকৰ আৰ্থিক সাহায়া ও অন্যান্য সংবোগ-স্বাৰিষা দেওৱা বাৰ, আৰ্থিক সাহাৰ্য श्चमकाती जरुवाग्रांगत जरून गतावर्णकरू বোষদা কমিশন ভাও ঠিক করকো। বাজ্য-সরকারগানির সভাষত জানার পরই এই क्षक्रम इत्कान्डकार्य निवस करा हरन। ক্ষমের হাবলেন্সিকে ভরতীক সেওৱার প্ৰশ্ভাৰ উথাপিত হলে পশ্ভিমবন্দা ও মহা-ব্যালের হাধ্যমন্ত্রীন্তর এটিকে প্রতেসমূলক ৰাকখা বলে আখা দেন এক ভাৰ বিয়েশিতা করেন। অনহাসর রাজ্য**্রিনা** বিচ্প-সম্প্রসারণে বে শতকরা দশ ভাগ ভক্তিভ সক্তমবের দিক থেকে দেওরা হবে ভার সর্বোচ্চ পরিমাপ ৫০ লক্ষ টাকার বেলী इत्त ना करण न्थित रखाछ।

वाधिका केन्द्रको स्वाद्धक देखेक

ভারত সরকারের বাণিজ্য উপদেশ্টা বোর্ড চতুর্থ পঠিসালা পরিকাশনাবালে রশতানির পরিমাণ শতকরা সাত ভাগ হরে বাড়াবার পর্কে অভিমন্ত প্রকাশ করেছেন। পরিকাশনা কমিশন অবশা অনেক আগেই শতকরা সাত ভাগ হরে রশতানি-আর বাড়াবার কর্মসূচী হাহণ করেছেন। বাণ এই কর্মসূচী কার্বকর হর, তবে ১৯৬৮-৬১ সালে বেখানে রশতানি-আর হরেছে প্রার ১০৪০ কোটি টাকা, ১৯৭০-৭৪ সালে সেখানে তা হরে ১৯০০ কোটি টাকা। রশতানি বাড়াবার সম্ভাবা সব ব্যকশাই যাতে অবকান্বিত হর, তার কর্মশা করার জন্য বাণিজ্য উপদেশ্টা

প্রকক २४न वर्ग, २४ गरका विक रहा। निर्माहरू— প্রেমেল্র মির, ব্যক্তদের বস:, মণীল্য রার, স্পীল বার, স্ভাব ম্যোপাধার, জনদীল ভট্টাচাৰ, নারারণ গঙ্গোপাধ্যায়, নম্পণোপাল সেক্যপ্তে, বিমলচন্দ্র ঘোর, হরপ্রসাদ মিত্র, লোপাল ভৌমিক, মনোজিং বস্তু, প্রমানন্দ সরক্তী, পর্ত্তি চট্টোপাধ্যার, স্কৌলকুমার গলোপানার, সব্যোক্ষার অধিকারী, বগলা-চরণ গহে, অলককুমার চৌধ্রী, অসীমকুক न्छ, कवित्व हेमनाम, यनी वम्, छमानाक्य কল্লোপাধ্যার, প্লাশ মিল্ল, স্ফেতা মিল্ল, শ্বসত্ব বস্তু, স্নীলকুমার নাগ প্রভৃতি। এককের আগামী সংখ্যা শততম বিশেষ সংখ্যা রূপে বের হচ্ছে। ফশী বসরে কাব্যপ্রাঞ্চ 'ক্যাক্টাস' সিণনেট ব্ৰুক্শপে পাবেন।

একক : ২১. কালীটেম্পল রোড কলকাতা—২৬, ফোন—৪৭-৮৯০৮ जानतात तिएक्स सानसाध्तीत फरताइरे ठात्रशित्र!



সাৱাদিत त्मत्रवादा थाकूते.. स्रिश्च थाकूत...

ट्गाङत थाक्नुत!

নতুন চারসিণ্ আপনাকে সারাধিন রিজ দীজন রাধনে। নতুন হণ্ড টিনে চারসিণ্ পাবেন। এর মধ্র সৌরত আপনাকে এক আক্যা মারার বিরে থাকবে। এর হর্তি বাহুমপ্রের নত আপনাকে সঞ্জীবিভ করে তুলতে, চাই চারসিণ্।

চারমিস্

মনোস্থকর সৌরভে ভরা ট্যালকাম পাউডার

CH.TP.G.138N

द्यारक व नामक्रीकेक दिकेक ग्रामीक्रम कराम । कारक अरदाक कानाव माधावनकता करता-न्याधियात्र मध्या अवधि वि-नामिक होत कार्याची ३৯७৯ मारमत अमा करहे। दह ट्यांक ६विक मकुम किमिटमंड देशव वाशिका-भ्युरक्षम् क्षाम्कोषः द्वामः क्याः श्राटकः। ब्रम्बीत वाष्ट्रा मरम्बाङ विश्वित रमरगत সলো মন্তন মন্তন জিনিল সম্পর্কে বাণিজ্ঞাক সম্পর্ক স্থাপন করার জনত চেন্টা চালিয়ে খালেন। রুস্চানির পরিমাণ বাতে আরও বাড়ে সেজন্য রক্তানিবোগ্য সামগ্রীর উৎপাদন হাড়ানো, উৎপাদিত দামগ্রীর মান আরও উল্লভ করা, উৎপাদন-খরচ ক্ষানো, জাহাজে জিনিস বোবাই করার আগে ঠিকভাবে পর্বাক্ষা করা এবং নতুন নতুন জিনিসের চাহিদা বাতে আরও বিস্তৃত হর ভার চেন্টা করা প্রভৃতি বাবন্ধা অনতি-বিজ্ঞানের কার্যকর হওয়া দরকার। তাবশ্য উপয**্ত**্সৰ বাৰম্থাই সরকার গ্রহণ করেছেন: কিন্ত গ্রীত ব্যবস্থাগরিল যাতে चात्र मुन्द्रे, छात्र कार्यकत इत्र स्मिट्स्याहे ব্যাণজা উপদেশ্টা বোর্ড নতুন করে এ किनिजग्रीमत উद्धार क्राइट्न।

স্বাদ্যায়ত ব্যাংকের ভূমিকা সম্পর্কে প্রধানমন্দ্রী গত ৩০শে সেপ্টেম্বর রাষ্ট্রায়ন্ত ব্যাংক-গালির ভত্তাবধারকদের সাক্ষেলনে প্রধান-মদতী শ্রীমতী গাম্ধী দেশের পরিকল্পিত ভাগনৈতিক বাবস্থার রাণ্ট্রায়ন্ত বাংকগলের গ্রন্থেপ্রণ ভূমিকার কথা উল্লেখ করেন। কুহক, ক্ষুদ্র শিলপপতি, সাধারণ মান.ব. স্বাই যাতে বাংকের কাছ-থেকে উদার শতর আন পেতে পারেন এবং ব্যাংকগ্রিকও যাতে রুণ্ট্রারস্তকরণের উদ্দেশ্য সূর্থক করতে পারে ভার উপর প্রধানমন্তী বিশেষ গরেছে **न्याःकन**्निटक আরোপ করেন। রাণ্ট্রানত জোর করে একীভূত করার কোনও পরি-कल्भनः मतकारतम् स्नरे, धः कथा अधानमन्त्री ভোর নিয়ে <mark>ঘোষণা করেন:</mark> ভবে বিভিন্ন বাংকের ভাত্তাবধায়কগণ প্রস্ভাব করেন বে, बाल्येवस व्यारकग्रीनव भवग्रीन भाषाव ब्रिशाक**मार्**भत **गर्धा मर**र्शेष जानात जन्म क्षक है नड़न खोध मतन्या गठन कता नदकात। প্রধানমণ্টী বলেন, বে সকল ক্ষেত্র এডদিন ব্যাংক সাহায়ের আওতা থেকে বাইরে ছিল, যেমন থ্রুরা ব্যবসার, ক্ষ্মু কবসার, ছোট-খাটো মেরামতকারী শিদপ, কর্দ্র চাষ-বাস প্রকাশ এবং খেটে কাজ করার ক্ষেত্র প্রভৃতিকে ব্যাংক কতটা আর্থিক সাহাব্য দিতে পারে সেজনা একটি কর্মাস্কী তৈরি कदा राष्ट्र। जाणा कदा बाद्र, धरे कावन्था-গর্নাল অবলম্বিত হলে রাম্মারত ব্যাংকগনির ঋণদান নীতির একটি নতুন দিক উন্থাটিড **इ**रव।



(1989

জোল-চলমা পরে একটা টারক পিতৃতই পাড়ার জানাচকানাচ থেকে একজন প্রজন লগা নিতে থাকে। তোষামোদকারী বিভূ ভাতে হালে। যাজার মাতো হাটারে থাকে। কথা হাতে পের এদিক ওদিক বিভূ মাল্যান।

জাদিল এখন খাতির করে খাত পর পর দাবাদ হা থাওয়াল স্বাইকে। স্বস্থ করে কাপ:

--- (SE)

কী একটা হিচেত্র বলল আদিল, তৈতু শহুসলই লা। পতি টাকার একখানা নোট শহুসল হাইছে নিজে বিশুকে কিজেত্র করল — আকা হুত্রভাল কিজেত্র ?

— আদা সমস্যা। কমিউনিল্টরা তেকেছে।
কথাটা জাল করে কানে গোল না বিভূর।
সিগারেট ধরানোর সমরে হঠাৎ ভার মনে হল
জনেকদিন হর ভার সংগা হরভাল-টরভালের
আর বোগাযোগ নেই। তবা বখন নেথা
বার হরভালের দিন সব অফিস-দোকান বংধ,
কলকারখানার চাকি চলছে না, রাশভার গাড়ি
যোড়া নেই ভখন কেমন কেন বাক ভবে এটা।
মিছিল দেখলে চন্মুন্ করে শারীর;

পাড়ার হরিশ তরে পারের দোকানের একখানা ভক্তা খ্যাল চেরের মতো সিগারেট ফেচছে সেখারে ভিড়া বিভূদলবল নিয়ে গিলে ভার লোকান বিরুদ্ধ। --কম করে লে।

হরিশ ভর পেরে হলে—বশ্ধই তো। ক্ষেত্র চেনা লোভ দেখে দিছি—

—না একদম বন্ধ। দালা দেশের লোক না খেরে আছে আর তুমি পরসা লুটেবে!

বিভূর সন্দারা আত্মপ্রভারের হাসি হাসে।

বিভূ টহল মারে পাড়ার। বড় রালতার ফাটবল খেলা হচ্ছে, গলির মধ্যে জিকেট। বল খেলা কাতি নেই। কিল্ফু ডেলোভালার লোকানে কেন খোলা? মিডিটর লোকানের ভিতর খেকে কেন আসছে জিলাগের গাব্ধ? বংধ, সব বংধ করে দে। দেশের মান্ত্ৰ না থেকে তাকৈ—

বিভূর গাঁগরম হরে যারঃ বংধ, সব বংধ

শ্ৰাপিত্তৰ লোকটা কোন দলেব ছিল কে জানে ' অত থবৰ বিভূকে দেৱনি গুৱাঃ কিব্তু ৰাপোকটাৰ বাজনীতি আছে, বিভূ कारम केलिनियान भट्ट कारम मानके बरव निरविष्ठण, यर्जीवन, छ्ये-वे ना-मण्डन উঠাছস ছাত পাৰবে। এখন সে লোকটার बालबाका बच्चे किश्वा जा वान कॉनटर হয়তো। ওরা তো জানে না বিস্ত দিয়ে বোমা বাঁথে, আঠা শংকোলে ছোটু আর কড়কড়ে হরে আনে মারাম্বক জিনিস্টা, বত শ্বকোর ভতই বে-কোনো সময়ে কেটে বাওরার সম্ভাবনা বেড়ে বার! এমনও হতে পারত যে বিভর হাতেই ফেটে গেল বোমাটা --ভখন কোখার ধাকত বিভ? বোমা তো ভার কারো পোষা নর বে বি**ভূকে চিনে** ছাখবে! পরশানিন গাড়ির সেই শব্দা লোকটা বলেছিল যে তাকে পেশলৈ নাকি মতে হয় তার কোনো প্রিরক্তন মারা গেছে। ক্ৰাটা ব্যৱিদ্ধে বলা: আসলে লোকটা ব্যুক্তে পেরেছিল যে বিভ খানে। না, দার্গাপরের एम्बे रमाक्ये। विस्तृ शिक्षम हिम मा. महा-ड নর। কোন্দলের যে তাও বিভূজানে না। তব্ সে লোকটার জন্য তেমন দাংখণ্ড নেই বিভর । ভারতবর্ষে বিদ এতদিনে তেমন কোনো ৰাশ্ব হত, তবে বিভূ বৈত সৈনোর খাতার নাম লেখাতে। কত অচেনা মান,ব মারা পড়ত ভার হাতে! এও অনেকটা সেরকমই, টাকা থেয়ে মান্ত মারা। ভবে আর দঃখ কিসের। নিজের মতো করে বিভও একজন সৈনা৷ কেবল একটা ষ্যাপারের থটকা লাগে ভার। গুটো খানের বেলাতেই সে দেই কবেকার ছেলেবেলার কেউটে-ভাডা-করা বিক্রের দেখেছে। পিছনে আলের ওপর দাঁজিরে একটা মাসলমান লোক লম্বা লাঠি ভুলে ভাকে সভক করে দিক্তে—ভাইরে-এ-এ। কে

लवारतत जनना ७ जनकम मात्रम मश्या

নবাম ভারতী

প্ৰকাশিত হইল

৪টি সম্পূর্ণ উপন্যাস লিখেছেন : প্রেমেন্দ্র মিত্র, অবধ্তি, দক্ষিণারঞ্জন বস্থি অজিত বলেনাপাধার। গলপ, কবিতা, রসরচনা ও প্রবংধ লিখেছেন : ডঃ স্নীতিকুমার, তারাশংকর বলেনাপাধার, ডঃ ম্জেডবা আলি, নরেন্দ্র দেব, বন্ফ্লি, মহান্দেবতা দেবী, গজেন্দ্র মিত্র, প্রমথনাথ বিশী, অসিত গ্রত, সুধীর সরকার (রেডিও) এবং আরও অনেকে।

ৰিশেষ আকৰণ : আপন অংগনে ও ফুল আর ফুল আর প্রচর ছবি। মূল্য ৩-৫০ মান্ত

यद्गीणमा अकामनी

৪০, নিম্ গোস্বামী লেন, কলিঃ-৫ ফেন ৫৫-৭০৭৬

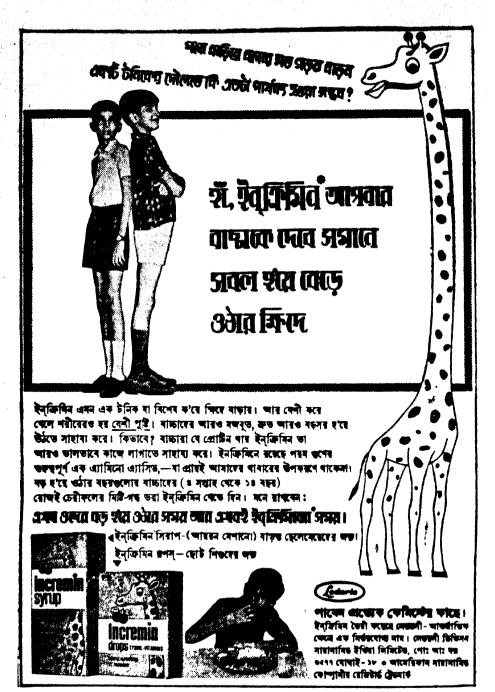
(সি-৮৬১৩)

के रमाक्की? रकम रम पर गर्वाह विकृत्क मानवाम करताह?

ভাৰতে ভাৰতে নাৰা কেমন ব্লিনে ওঠে।
ব্ৰুক্তানেৰ ৰাজিন সামনে দিনে বেতে
কৈতে বিভূ দেখে বাইনেন বনে মৃদ্দান
বাৰা ইজিচেনানে বনে আছে। আজকাল
ভাবে ভোৰ প্ৰতাই কেমন অসহানভাবে
ভাৰান লোকটা, বিভূ বিভূ ক্রে ঠেটি নড়ে।

ट्यन करण-- जामारक रमरता मा। कांनरमंदे रमाक्यो क्षिरत रमरक जरनकः म्हण्डिणाः यून्यमात किरतत्र थयत रभरत म्हणत यहणारेक करतीक्षण किम्पताः बहुणा १९८५त भारत वरतः । बासूनः। हात अभ्यतः। कांमन माता ताष्ठ प्रिम भरद्रस् १९८५त वाक्रिक, मनस्त रहरू विस्तार भून, मरम्बातस्त स्वातात्र सभा केंग्

टक्टल बाहेटल ट्यंटक ट्यांगा ठक्टक छन्न टर्लाथरत्वरकः। এक किस्ट्रें शत्र ब्र्ट्ड्यांगे निटक्कक स्ट्रेंस ट्यांग्डः। स्नृत्नात्व कार्रे बाककान ब्रंड क्ट्रिंस जात्वात्र शिक्षे खाटनत्र स्ट्यांस्ट्रीय स्ट्रिंग क्ट्रिंस स्थापन शादक स्ट्रेंस स्ट्रिंग्ड्रं शत्र स्ट्रेंस्ट्रं क्रांक ट्रांट्रं क्ट्रेंस स्ट्रेंस स्ट्रेंस शत्र स्ट्रेंस्ट्रं क्रांक ट्रांट्रं



বিভূ একদিন পেরে বাবে মান্লাকে।
বোলা দ্রজাটার মাবেখামাখি করেক মাহত্তা
দাড়ার বিভূ। ব্ডোটা ফালফালে করে
ভানিত্রে আছে—চোখ সরিয়ে লিডে পারছে
না তবন সন্মোহিত।

বিস্তু একটা হাসল। ভারপর দলবল নিয়ে চটিতে লাগল।

বড় রাশন দিরে জালে চাকা কালো একটা প্রিলস-ভাসে চলে বছে। আধখানা ইণ্ট জুলে নিয়ে বিজু হ'তে বারল—লালা। বং করে পিছনের জালে সালল ইণ্টা। জানটা থামল না।

পালা, পালা, পালিরে বা: হারামী! এই রাল্ডা কিনে কোনো গাড়ি চলবে নর ভাজা: সব বন্ধ-লক—।

বিলা কানের কাছে মাখ এনে কলে— থামোকা হাজ্জত করিস না, তোর গণ্য হাটে বাবে চার্কারে।

হারী। বিজ্ জানে। গশ্ব ছাটবার জাগেই ভাবে পালাতে হবে। এইখানে বেহালার জানে কালে বিজ্ জাল ফাটে উঠেছ তা টের লৈতে মানুষের দেরি হবে না। ইতিমধ্যেই পাড়ার ভদ্রক্যে কালে করেছিল বিভ্র নাম। তার আগে ও সির সংশা পরামাণ করেছিল ওরা। বিশ্রো হাজ্জত করে সেটা ব্যাধ্যেছ। জিল্ছ ঠাপ্ডা থাকাই ভাল বিভ্র গারে গারে বাহা বাহা। সারাজীবন গারে কোগে খাকে।

किन्दु शास्त्र शास्त्र सङ्ग शरम हातः साहा। ভাঙ শালা, সৰ ভোঙ ফাল ৷ মাঝে মাঝে **ख्यम एक्काइ हम सन्दर् रा घाडी**द रि किटी শ্নাশ্বর বাংলে যেতে কেটে বডাল কলের অস্ব্যাহক চকিত্ত 7577R MIE **স্কুত্র প**র্যা ওড়ে রাও্যায় ত[ে] সং^{নি}স্কুত্রা, কিংবা কেমন স্বদ্ধের মতে আলে জালে, কেমন ধ্রধান! নিউ মধকাটে ঘ্রে বেডার ছোটো রাউজ আর জড়িল থসা শাভি পরা আন্ত্রের মতে মেবের-ভারের গম ধ্য চোথ-যেন এ-দেশের এজগতের কেট নয়। मन्मीरमद कालरमांभगमति श्रवान्छ शास्त्राय গম আর মাংসের কোল থাকে চকচক করে। **ভূর-ভূর শর্**ক ওলাছ এয়ারক্*লার - ঠান্ডা* মার **অকাত্রে ঘ্**মেফ আগরওয়লেটে ভার শালা, **সব তেতে ফ**ালে। মাব বোমা, উভে যাক কলকাতা। লুট করে আন ঐ মেরেনের, ভিৰিবিদের মুখ্য পেকে তুলে নিয়ে যা ঐ ि हर्र मानाम এয়ারকণিতশন খরের সাজিতে দে র:টি-মাখন আপেতের টাকরে। ষ্টাপ্ত শালা, ভেঙে ফালে। মাকে মাকে বস্ত পরম হয়ে যায় বিভূব। ফালের মালাব সাজানে প্রকাশ্ড গাড়িতে যাছে বর-বউ বিভূর ইচ্ছে করে সাফিলে গিলে দীভাষ ল'ড আটকে বলৈ নামো নেমে दर एवं याता अदेवक्य क्छ की हैएक करन

বিভর। ইচ্ছে করে। সভোষ বোস 5/4 পালিয়ে বেডে, ইচ্ছে করে অস্থাগার করতে, ইক্ষে করে ফাঁসির মধ্যে উঠে গলার দক্তি পরে বিদার দে মা' কিংবা 'বলে মাতরম' গাইতে গাইতে মরে বেতে। কিন্তু ৰুত্ত শত্ত্ৰ দেখাই পার না বিভ। ইংরেজ আমলে হিসেকটা সোজা ছিল, হীরো হওয়া कठिम दिन मा। नहाका दिन क्रमा। কিম্ভু এখন কেবল মাখাটা ব্লিচারে বার विकृतः एक एव महत्त्वा बदक्टकरे भारतः मा। भारत भारत हैराक करत यहाँ अक्कान गांकन रकना माकिएनोर्ड कि अक्कन गुक्रम स्निटा-ফেডাকে শেষ করে আসি। কিন্ত **ভাতে की मांछ ? मृ-छिन्दर्छ मादवाणा** कि জ্যাজনেট্ট মারলে কেউ তার প্রশংসা করবে না। নেতাকে হারলে নির্ঘাত জনতা তাকে ল্যাখি মেরে শেষ করবে। এখন আর ক্রিক্সম হওয়া অত সহক নর। স্ভাব বোসও হওরা খার না আর। ছেলেবেলার 'ৰলেমাভরম' বলে চে'চালে কথনো স্থনো প্রতিস ভাড়া করত, চনমন করে উঠত আপে-প্রদার লোকজন। কিন্তু এখন চেটালে লোকে ভেড়ার মতো ভার দিকে একটা চেরে निरक्षत्र कारक घटन वारव। जेन्दरहत विधारन স্ব সমরেই তো আর শহরে গারের রঙ সালা নর! সহ সমরে চেনাও বাবে না ভাকে বে ম্ৰোম্থি লড়ে বাবে।

তব্ বিভূর ভিতরটা কেপে কঠে।
পিচের ওপর আহড়ে ই'ট ভাতে লে।
মিডিরনের প্রকাশত বাড়ির এককলার বাজর্মে থবা কাডের সন্দর জানালা বিভূম ই'ট
লেগে মড়াত করে তেওে ছড়িয়ে পড়ে।
বারাপার। বিভূ দোড়ে চলে বার জানগানর মধ্যে, ব্ হাত ভূলে চেডার করআল সম কথ—সম কর করে হৈ। বাজী
বাপিত তেন না খোলে।

স্তানতার চলান্ড লোকজন সুক্তের বেটন হেন্টে সরে যায়। কর্ম হয়ে বার ক্রিক্তিকার জালালার পালা।

বিশ্ব হাঁছাতে হাঁছাত তাঁছে ভার বাজৰ কাছে মূখ এনে বলে—দুই কি কনিউলিউ, না তুই কী? হততাল তো ভাতে ভোৱে কী? —আমি! আমি! ডিকটাক অবাৰ কিছে পারে না বিজ্। কিন্তু হঠাব ভিজানী টগ্ৰণা করে ফোটো।

—হাস্পত করিল না। তোর এ সবে মাধা গলানোর কী? তোর পরেটে চাঁকা আছে তোর বাবার প্রসার অভাব কৌ...

আই। বিজু বাজিয়ে বার। বাবার বাবার কথা মনেই ছিল না। ভিন-চারটে গর্ম ব্ধ আর ভার সপো মিক্ক পাউভার, সরাবিন আর কী সব বেল ভিলিয়ে ভৈনী হর দ্বে, ছানা। কী এক অক্ষুত উপরয়ে

প্ৰকাশিত হল

विक्रम हत्त्वकी

গোড়ের শেষ রজনী

ইতিহাসের মধ্যযুগে পতুলিছিল এবং মল ওলিদস্তের নৃশংসতম **অভ্যাচারে** বাংলার আকাশ-বাতাস ভরে উঠেছিল হাহাকারে। এ কাহিনী **ভারই মর্মস্ট্র** ঐতিহাসিক কাহিনী। দাম ভয় টাকা।

প্ৰ বাংলার লোক সংগীতঃ ৮০০০

(প্ৰৱালপি সহ)

जम्लामना कार्याहरू : मीरनम् **टायाती**

वरत्रन बन्

तक्षत्रुषे ১०.००

লে: জে: বি এম কলের The Untold Story ব বঙ্গান বাদ

অকথিত কাহিনী

बद्धापक : विश्वन हक्तवडी

পান্যাল এন্ড কোং । ১/১এ কলেজ কোয়ার : কলিকাতা-১২

এখন প্লাস্টিক বাস্তির প্রস্তুত্তারক "সিলের" মতুন ভাষান

দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাদিক দ্রব্যের পূর্ব সন্দার

শাখনতে বং এর ছোঁৱা দেবার জন্ম-খন, বালতি এবং টরলেট সাচ। রারাগরের জন্ম-গামলা, বাটি, বাঁবরি, ধাবার টেবিলে উৎস্কৃতার জন্ম-খাটি, গোলাস এবং প্রেট,গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাজার করার বাান এবং বাজির শেভ্—বেমন রংচলা, ভেমনি সহজে পরিকার রাখা বার। হাতা এবং অভসুর। নানাবিধ বনোহর রংরে। সবই "সিলের" ভৈরী—বারা প্রথম প্লান্টকের বালতি ভৈরী করেছেন।

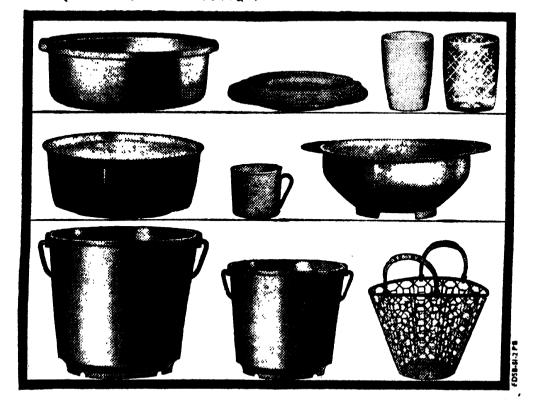
"দিলের" তৈরী বাবতীর জিনিব নির্তরবোগ্য ও টেকসই। কেননা, এ ওলি বহুকালখনে ব্যবহার। করার উপবোগী করেই তৈরী। আবুনিকভার অল মান্টিকস্—'নিল' এর তৈরী প্লান্টিক তব্য কিন্তুল।



সুপ্রীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড

স্ট্রিজ SIL

ওক্ত লক্ষমী মিলন্ কশাউও ওয়াভালা, বন্ধে-৩১ ৷



ডিল্টিক্টিটেট : পন্ডিমবস, আসাম, বিহার, ওড়িশা, মধা প্রদেশ, অনপ্র প্রদেশ, নেপাল, সিকিম এবং ভূটানের জন্য **লেসাল'** টোড প্রেলেটিং ক্রেশিরেশন, পি-১৫ নিউ সি আই টি বোড, ৩য় তল, র্ম নং ৪বি, ইন্ডিয়া এ**ছচেল প্রেস এয়টো**সন, কৃলিকাতা-১২। ব্রস্তার কলিকাতার জন্য **লেসাল' ভি পদন এন্ড কো**র্ ৪১, সার হরিরাম গোরেশ্য**াটি, ভূলিকাজ-**৭ টালিগাগ থালগালৈ চলৈ বাবার মিণ্টির দোকান। মনে পড়ডেই বিধারে বার বিছু। এককালে বাবা লেখে নিজের হাতে চাব করত। এখন অকথা কিরে বাজে আলেত আলেত।

যাদ বাপকেই মারি তা বলেই কি শহীদ হওরা বাবে? ব্রে! ভাই কথনো হর। লোকে ব্রেট্ লেবে গারে।

না, শাহ্র চেলা এখন আরু সকল নর।
সকলেই সকলোর শাহ্র। মানুর মারুকে
এখন আর বাহবা দেই। সেই ভোররাকে
উঠে ঠাণডা জলো ম্যান করে গাঁডা পাড়তে
পাড়তে হঠাং ফাঁসিতে চলো বাওরা—জেলখানার বাইরে গাঁড়িরে হাজার হাজার লোক
কালছে—ফিসফিস করে বলছে অমর শহীদ
বিভূ খোর জিলাবাদ"—এরকম একটা হবি
সহপ্রের মতোই খেকে বাবে। অলাক।

তার চেরে বদি কথনো বৃশ্ব হর ! বিভূ চলে বাবে। তারপর ভরক্কর লড়াইরের গোল একদিন তার দেহ নির্কান নদীর বারে পড়ে থাকবে, ব্টসমুশ্ব পা দ্বানা অসত-ভালিতে ভল ছারে আছে, মুখে হাসি— আমি দেশের জনা প্রাণ দিরেছি।

भूनर्**ल** श-श **करत रहरम छेठेरर** रमाककन।

না, ওসৰ কিছ্ আর হবে না। বিভূ আদেত আদেত ভাড়াটে হরে বাবে। শংখ্ গোপনে তার ভাতরে এক না-হওরা শহীদের, বিশ্ববীর দেশপ্রেমিকের বন্ধ ফ্টে-ফ্টে করে ফ্টেট ফটে ক্ষে শীতল হরে আসবে।

মাদ্রলাদের কাড়িটাকে ভরদাপুরেও পোড়ো কাড়ির মাতো দেখার। লক্ষ্মী ছেড়ে গোছে যেন।

ধ্লোর গড়াগড়ি দিয়ে কদিতে ইচ্ছে করে।
বিশ্ব । থ্ব কদিতে ইচ্ছে করে। কোনো দিন
বিভূ একটা থ্ব মহৎ কান্ত করে মরে ববে।
ভার দেই কটিভার কথা মাদ্লা ধেন জানতে
পাবে, হে ভগবান! মেন ভার জনা
মাদ্লাতক একদিন কদিতে হয়।

কাল মাঝ রাতে রিনি হঠাং ঠেলে তলেছিল সঞ্চরকে--শ্নহো, আমার বন্ড ভর করছে।

হাইশিকর গভীর আছ্মাতা থেকে আঠার লাগানো দু চোথের পাতা খুলে সঞ্চয় বলে—কিসের ছর! দ্বণন দেখেছো? কী মেন উৎকর্গ হরে দুনল রিনি, বলল এটা শোনো। এত রাতেও রাস্তার কারা চিংকার করে ছারে বেড়াছে। খাবার চাইছে।

সঞ্জয় কন্টেয়ে ভর দিরে উঠে বসে
খনল। এ ভার চেনা চিংকার। খা গোঃ,
মা গোঃ' বলে গলিতে গলিতে, রাশ্তার, বড়
রাশ্তার কারা বেন খুরে বেড়াকে, ভাদেব
গল্মর ঐ অপ্যাধিব চিংকার। কলকাতার

আন্দ্রকাল প্রারই শোনা বাজে। এরা পাত-কুড়্নী। মান্বের রাতের খাওরার সমর পার হরে গেলে রাস্তার বেরোর।

রিনির ভীতৃ স্কর মুখখানার দিকে তাকিরে ব্য-চোখেও সঞ্জরের হাসি গেল। বলল—এ তো রোজফার ব্যাপার। অ.জ নতুন করে শোনার কী?

রিনির মাখা নড়ে উঠল। ইরারিং কললে ওঠে জ্যান আলোর। বজল—রেজ শুনি। ছমি তো ঘুমোও, আমার কেন কেমন গারে কটা দের, ঘুম আলে না। কত মেরে মাল রাড জেগে পথে পথে চিংকার করে বেড়াছে। যক্তেম মধ্যে কেমন করে।

সকার হাসে।

রিনি বজে—হেসোনা। এরা আলে এত বেশী ছিল না। দিনকৈ দিন বাড়ছে।

—ভিখিরিকে ভয় কিসের রিমি? বলে পাশ ফেরার চেন্টা করে সঞ্চয়।

রিনি আন্তে করে বলে—ওরা সবাই কি ভিথিরি?

—না তো কী? গাঁরে বধন ধরা কি বন্যা হর তথন দলে দলে চলে আসে শহরে। এবারও হয়তো কিছু একটা হরেছে কোনো জেলার। প্রতি বছরই হজে

-कौ श्रक्षरहार

—কী জানি! কাগতে লিখহে এবারকার ফলন ভাল নর।

রিনি শ্রাস ফেলে বলে—সাল দেশলার আমাদের পারের দিকের জানালার আসিতে একটা ছারা। ছোমটা মাথার একটা বউ, তার কোলে বাছা ছেলে। এমন চমকে উঠেছিলাম। মনে হল জানালার কাছে পিরে দেশব বে, গুখানে কেউ নেই, কেশল ছারাটাই দাঁড়িরে আছে। র স্তাতেও বোম ইয় কেশল চিক্লারগুলোই ব্রে বেড়াছে। ভিক্ত

—তা হলে ভুতই হবে বোধ হয়।

—আছা গো. এই বে গিনরাত জাতে গেশমর ভিথিরিরা হটিছে তার মনে কি ভিথিরিরা অনেক বৈড়ে গেছে?

—অনেক।

রিনি একটা চুপ করে থাকে। অন্ধকারে ভার খন গ্রাসের শব্দ শোনা বার।

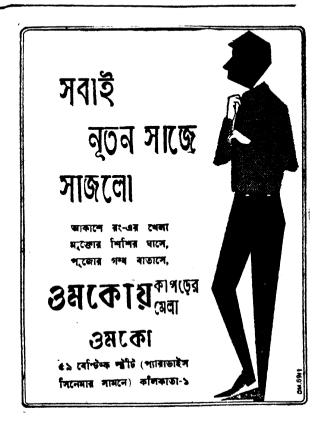
- वर्ष्ट कर करत शा।

—ভর কিসের?

মনে হয় এরা শীগগীরই দলে ভারী হরে হাবে খুব। আর এরা দল বাধলে—

সঞ্জর নিংসাড়ে হাসল। রিনি একটা আন্তল দিরে ওর ব্যক্তর ওপর আফিব্যকি ফাটল।

তারপর বল্ল-দেশমর ঘ্রে বেড়াছে



না-খাওয়া খিদে-পাওয়া লোক, দিনত্তাত জনুড়ে ছবে ছবে ডাকছে। আমার ব্রু কাঁপে। আমি বেন টের পাই, আমাদের এই ছোট একট্র ঘর-সংসারের দিকে আমাদের এক ফোটা পিকলটোর দিকে চারদিকের খিদে-পাওয়া মানুষের শাপ-শাপাশত ছুটে আসছে। আমার বিধবা ঠাকুমা মার সংগ্রে বগড়া হতে शाहितक गावि शाहरक सहस्य काफ-राज्य

바라 방송하는 보다를 잃었는데 말리는데 얼굴하다 말함

অকথা বেন আমার মতো হর—আমার মতো হয়। ঠিক সেইবক্ষ ব্ৰুলে, ঠিক সেই-রক্ষ আমি চার্নদকে মাটিতে লাখি মানার শব্দ শানি। আমার বাবের মধ্যে ধাপবাপ **णण इत्। काता त्यन जामात्मत भानिता** বলছে--ডেন্সের আমাদের মতো হর-আমাদের মতো হর-चाम्राज्य सरका हत। चार्यक महार मान-

শাপান্ত ভীৰণ কলে বার, জানো?

শ্রনতে শ্রনতে সময় ওকে যুকে জড়িয়ে ধরেছে, ও বাকা মেরের মতো সঞ্জরের ব্যক্তর মধ্যে মিশে রুইল। আধ্যেটা গলায় বলন —তুমি **এসবে কিবাস করো** না, না?

সম্ভৱ আন্তে করে বলল—মিছিল দেখেছো রিনি, শনে দেখো মিছিলের ক্লোগানেও কত অভিশাপ থাকে। সব কি ফলছে? তেৰে দেখলে আমাদের সকলেরই মন-ভরা অভিশাপ। কাকে দিতে হবে তা কানি सा ।

তারপর মামিরে পড়েছিল সঞ্জ।

আৰু সকাল থেকেট আবাব সঞ্জর। বেলার খ্য **আৰু। ভারপর রিনির নরম সাদা** মাঝখানে হ'ব ভবিবে রেখেছে অনেককণ। চন্দনের গণ্ধ পোরেছে গা থেকে। **করেছে—কাল ভোমার গ**ীটারের এসেছিল >

-501

-को शिक्षका?

- ব্যব্<mark>যঃ, আক্রকাল যে খাব খোঁজগবর</mark> নেওয়া হচ্ছে! স্থাপার কাঁ?

সঞ্জয় আনেকক্ষণ চুপ করে খেকে আছেত করে বলোছে- শোষো, খাব ভাল করে শোখো। আমি জাবিনে সিটি দেওয়া ছাড়া আর কিছু ভূমি প্রানবাজনা পিকল ক কিংবা সাহিতা ফাহিত কিছ শিখিত। ওরকম একটা 44 शाकरन भागारखत्र अक्टो किन्हः शास्क्र।

পিকলা তথন উপাড় হয়ে প্রাণপূরে হামা ग्रेमात राष्ट्री करद शर्जन कर्तक्रमा ठाउमिएक উচু বালিদের বেড়া পার হতে পার্রছন না। বিনি ভার গাল টিপে দিয়ে ব**লল**— শোনো পিকু বাব্য কী বলছে! তোমাকে অনেক কিছা শিখতে হবে।

সঞ্জ আন্তেত বলগ-বাদ বাঁচে।

–কেব

সঞ্জয় হাসে। ভিখিরির অভিশাপ **ফরো** যায় রিনির এ বিশ্বাস্থ আছে। না সিন্দার ল্যাকিয়ে, সেজেগড়েজ, গাঁটার নিখেও রিনি কোথায় যেন থেমে আছে।

अक्षरतक भग काम लाहे। काम तरमत्त्रत সংস্যা দেখা হওয়ার পর থেকেই মন খারাপ হরেছিল। আহা, বেচারা ওর আর কিছা নেই। চক্তবং সাথ দাঃথ আসে। এ তো জানা কথা। তব্ কি তা **कार्यक काम मार्ग? ब्रह्मन यथन गणाव** ধারে তার প্রকাশ্ড ব্যক্তিতে কাইরেড খরে কসে পিরানো বাজার, যখন পরেরানো মোটরখানা পাৰড়ে চবে বেড়ার কলকতো খেকে ভারমণ্ড-হারুরার, তখন সঞ্চর সামান্য মেটের মেকানিক কৃত্তের মতের বাতে আরু প্রাসা অব্যানোর ব্ধা চেন্টা করে। আর গডকাল ভার এরার-কণ্ডিশনড অফিস করে মুখেম্বি কসে

कलागाँ कव्यव कव सूथव पूर्वक पृत् कक्त 3 प्रावाधित फ्ख्यक्रम विधि ककृव !



কারণঃ একবার যাত্র কলবেট ভেকাল জীয় কিয়ে কাঁড আশ করলেই ছর্পজ 😘 ক্ষয়ের জন্ত কারী বীজাবুর বভকর। ৮৫ ভাগ পর্বভ হুর হয়ে বাবে।

देवळाजिक नदीकार क्षत्रानिक स्टब्ट्स दर कन्ट्राई क्षत्रि ३० व्याप्तर प्रदेश १ व्याप्तर শ্বিধের জুর্গন্ধ সন্থে সংখেই যুৱ কয়ে বেষ এবং কলপেট প্রক্রিয়ায় খাওয়ায় টিক পরেই

পাত ত্রাশ করলে বেশীর ভাগ লোকের मक्का द्वार क्या यात्र--चाक वर्ष वय-চিকিৎসার ইভিহাসে বেষনটি আর কবনো (एवा बादनि ! चाड अक्यांक क्लाइंडे'अड ८नई क्षयान चाटह ।

की जन्मर कर निनारर्शकेंद्र स्वार-**ভাই ছেলেমেছেরা কলপেট** ভেকাল জীম দিয়ে

নিয়মিত গাড আৰ করতে ভালবালে ! 🕻



পরিক্তম নির্মল খাসপ্রখাস নিতে এবং দাঁডকে উত্মন সাদা করতে...পৃথিবীর অস্ত যে ডোর **हेबरलरहेत राहर कबरबंडे बारबक (वर्षे** লোক কেৰেৰ্ DC-GJO BH

भ्यत् ! त्रभात भारेज कित ...भयभा वाद्यात

বৰি শাউভার শহুক

টৰ পাউডালে

ছিল মদেশ ৰাম কিছুই নেই। আবার কি
কথনো এই অকলা পাদেও বাবে? উল্টো
হল্পে বাবে ছবিটা? ঐশ্বর্থবান এক রমেনের
পাশাপাশি একই সমাজে বাস করবে ডিখিরি
সঞ্জয়! দেখা বাজে কোনো কিছুরই শের
পর্যক্ত স্থারিস্থানি নেই। রিনির ঐ যে তর,
ওটাও একদিন সভা হতে পারে—জোট
বাধতে পারে ভিখিরি আর অকিশ্বন
মান্তেবন!

क्ष क्ष महत्व महत्व वह वचन जाउ कि है ভিজ না তথনই সঠিক ঐপকাব্যন ভিজ সঞ্জর। ভিনটে গুল ছিল ভার। সভতা ক্যাক্ষকা আরু নিন্তা। তথন সে কর বাত চটের বিহানার শারে কাটিরেছে। ভার কোলের মধ্যে শুরে থাকত একটা বেডাল. মাথার ওপত দিলে কাফিলে কেত ই'দুর। কথনো বা কটেপাথে শরে থেকে সে শরেছে গায়ের পাশ বে'বে চলে বাতে মাতালের পা যাম ভেতে কথনো দেখেছে রাভের আকাশ থেকে সহস্র চোধে কে একজন ভাকে লক করছে। সন্দের ছিল সেইসব বহসায়ব অন্ত্ৰতি। খোলামেলা মান্ৰ ছিল সে। সে প্ৰাণ্ডিই জানত, ব্ৰুমতে পারত একদিন তার অকতা ফিরবে। বে চায়ের দোকানে সে বর্মার্যার করত সেটা উঠে গেছে এখন ভার মালিভ মারা গেছে লিভার সি-ব্যোসসে, ছেলেমেরেগ্রেলা এতদিনে রাস্তার লেমে গোছে বোধহর। হাজবার মোডের কাছে সেই মোটর সারাইরের কারথানা ধেখানে সে ছিল মেকানিক তা সেরকমই হতভী রবে গ্রেছ। প্রশাদিন স্কেই কারখানার পাশ দিয়ে গাড়ি চালিয়ে এল সঞ্জ-ব্ৰুড়ো হয়ে গোছে বাদ, মিঞা-কালো এको स्माप्त गास्त्र कन्छ-स्थानः देशित्तर মধ্যে কাঁকে গাড়ির মালিকের সংখ্যা দরাসরি করছে ব্যেধ হয়। ইছে হয়েছিল গাড়িটা একবার থামায়। কিন্তু লক্ষ্য করেছিল। সে তো সেই ছেলেবেলাতই জানত যে क्षकीमून दन दमानेत भारता प्रति दिसारत. বাড়ি করবে বালিগঞে। কেননা তার তিনটে গ্রণ ছিল—অসম্ভব ভিনটে গ্রণ। যা ওদের নেই। সে গাড়ি থামার্যনি।

সত্য বটে, গ্ৰণগ্ৰেলা এখন আন সঞ্গনের নেই। তব্ সে নিজের চেন্টাতেই উঠেছে এতদ্রে। তাই এখন বদি দুম করে একটা কিছুর হর, বদি জোট বাঁধে ভিখিরিরা; বদি বিশ্বর হয়, বদি জোটো বাঁধে ভিখিরিরা; বদি বিশ্বর হয়, বদি জোটো দুর্ঘটনার হঠাং পশ্লা হয়ে মার সে, বদি মারা বায়, তবে আবার সব চলে বাবে। কেন বাবে? কেন কিছুরেই স্থারিষ নেই সংসারে? বদি এখন কেট এসে ভার কাছ খেকে সব কেড়েক্ডে নিরে বলে—আবার গোড়া খেকে দরে করে। দেখি। কেমন পারো স্না থেকে তিরি ক্রতে বাড়ি, বর, ফিজিডেরার, মোটর গাড়ি। ভাহলে কিছুতেই পারবে না সঞ্জা। কিছতেই না। কেবল ভর করে এখন। অকারণে মাঝে মাঝে ভর করে।

বৈষন ভর করেছিল কাল, রয়েনের ম্পোম্থি বসে থেকে।

ভূপেই গিরেছিল সঞ্জর, রমেনের চিস্তার মনে পড়ল রমেনকে সে নিম্মলন করেছে। একদিন রমেন আসবে বাসার।

মূখ তুলে রিনির ছেলেমান্য মুখখানার লিকে ফেলে ফলল—রিনি, তুমি নিরামিষ রালা কেমন কমো? ভবলো?

- ~-रका ?
- —একদিন আমার এক বন্ধ্র থাবে।
- -C# (111?
- इत्यन वाणे हाक-ऋतानी।
- कान् सरमन ? बात वर्षे भागितत-किन ?

−₹₹₽−

কলিং বেলটা ট্রটোং করে বেকে উঠলে বিছানা ছেড়ে উঠল সঞ্চয়। দরকা খ্রেল দেখল পালের জ্যাটের মাদ্রাকী ভদ্রলোক দাঁছিরে।

লোকটা বাংলার কলল—অংগনার টেলিকোন।

সঞ্জর এখনো নিজের টেলিফোন পার্যান, আপ্লাই করেছে অনেকদিন। এই লোকটার টেলিফোনে তার কাজ চালাতে হয়।

টেলিফোন ধরডেই চমকে গেল সঞ্জয়। অক্সের গলা।

—কে! সঞ্ ? শীগগার আর—মার শৌক।

হঠাং হাত পা হিম হয়ে আসে, গলা ঠিক রাধার চেন্টা করে বলে—কিসের স্টোক?

- জানি না। অকশা ভাল না। জান নেই। চকে আর।
- —কী করে বাবো? আজ তো সব বন্ধ!

রিনি জিজেন করল-কী হরেছে?

সম্ভৱ উত্তরে বলল—বালিগঞ্জ থেকে বেলেঘটো হোটো বাধরা বার? ভোমার কোনো আইডিয়া আছে কডক্ষণ লাগবে?

রিনি উঠে বসে—কী হরেছে বলো তো!
সঞ্চর অনামনশ্বভাবে বলল—বিদ
প্রবিসের গ্রাক্তিত না নের তবে রাস্তাটা
আমাকে হে'টেই পেরোতে হবে।

কেমন লাবণাহীন হয়ে গেছে ম্দ্লোর মুখ। ঠোঁট শক্তনো, চোখের কোল কালো, হন্ত্র হাড় দুটো জেগে উঠছে। কাল ক্ষতে খাওরার পরই বিম হরে গেছে।
বাগের মধ্যে ল্কিরে বিকেলে দ্টো চপ
এনেছিল তুলসী। মশারির মধ্যে বসে সেই
চপ দ্টো খাছিল যথন তখনই ম্দ্লাকে
খারাপ দেখাছিল। আজ সকালে অনেক
বেলা পর্বশ্ব ঘ্রেমছিল ম্দ্লা, ম্থখানা
হাঁ করা, গাল বসা, শারীরটা যেন ম্চড়ে
আছে বাধা-বেদনায়। ওর খোলামেলা
বিশৃত্যল শারীর দেখে একট্ও কাম জার্গান
তুলসীর। বরং বড় উদোম মাঠের মধ্যে
খখন হাওয়া বয়ে যার তেমান হা-হা করে
উঠেছিল তার ব্যক্তম্ন্যা কি বাচবে?

ভূকনী ঠিক করল এবার থেকে সে ভিখিরিকে ভিকে দেবে, ষথাসভ্চর ভাল কাজ নরবে রোজ দু একটা, পরিত থাকরে। থাকা দরকার। মাঝে মাঝে কালীবাট, দক্ষিকেকরে নিয়ে বাবে মদ্যাকে।

হরতালের দিন সকালে উঠেই সে চা-টা থেরে বেরিকে পড়ল। ঠিক কলে হোটে হোটে আনোরার দা রোড ধরে চলে ধাবে লালতের কহছে। একটা ভাল কাল করবে আন্ত। লালভটাকে একটা, চাপ্যা করে নিরে আসকে।

ম্ম্লার কথা ভাবতে ভাবতে তুলনী। হাটিছিল।

সকালে প্রথম বার মূখ দেখল বিমান, সে রমেন। সংশ্য কলিত।

আজ সকালে বিমানের চোথ অনেকটা বোলাটো লাল হয়ে এসেছে। মাঝে মাঝে কথার জাল প্রাক্তম না।

সে জ্যের করে মাথা ঠিক রাথার তেন্টা করছিল। ওদের বসাল বিছানার ওপর তারপর নিজের হাতে চা করতে বসল। অনেকবার চারের বাসন-কোসনা করে ফেলছিল সে। ক্ষিত্রত শেষ পর্যাত প্রায় অবর্ণার চেন্টার চেন্টার সে তিন কাপ চা বানিরে ফেলছা। চা বানাবার সময়ে অনগাল কথা বলছিল সে, করেক বলছে তা সব সময়ে ধেরাল ছিল না। মাঝে মাঝে হাসছিল।

রমেন তাকে জোর করে পাশে বসাল, কাঁধে হাত রেখে জিজেস করল—কী হয়েছে বিমান?

বিমান কথার তাল রাখতে পারছিল না। কেবল অতি কজে বলল—সব ব্যাপারই কেমন খারপের দিকে চলে যাজে—না?

-কী ব্যাপার?

বিমান সম্পূর্ণ অন্য কথা বলল—অথ্চ কত স্বাস্থ্য হতে পারত স্বাকিছা!

একটা চুপ করে থেকে বিমান বলল— এবার আমার একদম ইচ্ছে করছে না।

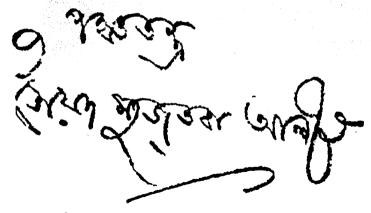
কী! ললিভ আকুল প্রদান করে।
 এই প্রগল হয়ে য়েতে।

(<u>\$</u>22,5()



ছুক্তিত, অবাহিত চুলের ক্ষানা আপনার অমন সোদ্দর জেন মাটি হতে দেন ? এই বালাই এখন আপনি অনায়ালে মুব করতে পারেন। ইত, ক্ষোর ক্ষের বার দিয়েও বারেন ক্ষান অসব প্রথমেরই সাজে। ত চ্যুটা, ভামালে চুল জড়াজাড়ি বাজে, ভজাও হর বেশি। ব্লীচ করবেন ? লোকে দেখলেই বরে হুলের। তার চেরে এ আপর মুব করার চের সংক্ষ নিরাপদ এক ব্যানীয় উপায় আছে। সে হল মুচ তাবাস্তি আনন ক্ষেত্রতার মিনিট জ্যুক পরে মুক্ত কর্লেই, বাংস। আর নেই। স্প্রাক্ষের পর স্থান একেক্সের মিনিট জ্যুক পরে মুক্ত ক্রানেই। বাংস। আর নেই। স্থানের পর স্থান একেক্সের মিনিট





বহসা লহরী

े भ्यान्धान প্ট্যাপ্ডাড়েরি যে ক্লেংক ই দীনেন্দ্রকুমারের রংসাধ্যয়তীকে সন্তাধ ন্মাকার জানিয়েছেন তিনি যে লভাত্য ইণ্ডিফি জানেন সে বিৰয়ে যে সন্দেহ করে ভূষে পিড়া নিৰ্বাংশ ক্লোক এটো বিদ্যাস্থ্য इमार्ट (शहक हाँदा) करा। असामाहम दलाउ শাবি ভিটেকটিভ সাহিত্য তাঁৰ বিসৰৰ লগ चार्च का<mark>तन स्मृत्या</mark>तकत बाहु एस-स्माद ৰাকা থাকা কিন্তু তিনি উলাসিক ননা ছাবো বলাৰে পাৰি ইংবিভিন্ত কেনা বহুসা ্লাধকাংশ মাল ভো ভিনি मार्गि गुरुष প্রেছেন্ট ডুল্পরি ইংবিভিন্ত অন্তিত অন্নান ভাষ্ট্র ঐক্তরিভাভ ডিনি বিশ্তর শান্তক্ষন ৬ ভথালি ডিনি হে টাবিজি হেরে অন্বর্গেত স্বাঙ্লায় লেখা বহুসান सदाराभा एक । एउँवा 22.00 4 M. L. ভানিক্ষ্তেন্তর প্রকেই ব্রাভ পারি 100 ্জ ব্ৰীয়া কলয়ে '' দীনেপ্রকারের 'সেবেলপ্রিক্রনী''--ভারি কল্প যে বসভুবেকই স্পাল্য জনায়ত্ব প্রমানীকী হয়নে ক্ষেত্রতার বন্ধ ধরের ম্যানের সমান্ত্র জারাজাল করে উঠাটো ।

এ ক্লীবনে আন ইবাবজ্ ফ্রাস্ট্র ক্রমান কাশনে, প্রারেষ, ইবান্সী এবং ক্রমানা দেশুশর বিশ্বর বিশ্বরাত ক্রিড্রানর সংক্রমান ক্রমান্ত ক্রেড্রান এবং সর্বর পাঠক বিশ্বরাস কর্কেন না বাইল্যানা ক্রান্ত্রধান, বাংক্রমান গ্রহিন্যানা ক্রম্বন ক্রমান প্রার্থনি কর্বে ক্রমান প্রার্থনি

তে তে কেছাবৰ সাধ্য আমাৰ ব্যক্তির পরিচয় করে। কিন্তু এব বিব্যবহ আমার কিন্তিং ফবিয়ান আছে। এনরা করি আমারেই দীনেকুরমার পতিকড়িবক নিয়ে বছ বেশ্রী টানা ক্রাচিড়া করেন তেবে আমার ২০ জনত ক্রেজিপ্রিজ করেন তেবে আমার ২০ জনত ক্রিজ্বাপ্রিজ করেন তেবে আমার ২০ জনত ক্রিজ্বাপ্রিজ করেন তেবে আমার হারে।

বে আমার মারা মারে!

ভাসার রচিত শালের মত্র দ্যুটি
ছবে পাঠোশ্যার করার পর
রুগত অবসর সামার এক গুরে "প্রথম
আলোর চরগধননি উঠলো বেছে মেই" সেই
রক্ষে মৃত্যুতা শালিভনিকেতনে গুরুলেবের
বাসচনন "দেহলী" বাড়ির লাগোরা
আমানের ভরমিটার "নতুন বাড়িতে" (সেই
১৯২১ সালেই সে বাড়ি হরে গিরেছিল
প্রচানি লভকড় আর এখন তো কথাই নেই)
এসে অভি আলেত স্কানেত আয়ার মুম
ভাঙিয়ে মৃত্যুক্তির ব্যক্তের আয়ার মুম

ামাই বৰ, ইং ইজা ভাইমা ভু গেং আপ্ গোৱা জাতে রাখান: তাই গটা গড়া পথকো গড়া গদা উচ্চারণ করতেন)।"

আমি ধড়মড়িয়ে উঠে বলল্ম, "এথখ্নি উঠছিল্ম সার।"

গ্রা বলবেলন, "মাই বয়, ইয়াভা **য**় গ**ং** সামা এলাগার ওয়ালিস ?"

কনান ভরেকের পর সে-কাকে এড্যার ওবাকের ছিকেন বিশ্ববিখ্যাত ভিটেকটিড উপন্যাসিক ...গা্ব্ সেই শীতের ভোর চারটের এসেছেন তরিই সংখ্যান!

অর্থ কাঁচুমাঁচু থকে বলক্সে, 'পদে তো নেই: তবে অম্যুকের (সে-যুগে তিনি ছিলেন প্রথাত সাইকলন্ডিকাল নডেলিস্ট্) একটি স্থানর উপন্যাস আছে। নারক-নারিকার ভারী অভিনব মন্ধবিশেশবর্গ আছে!

প্রে মান্ হাসা করে বলকোন, "মাই বব, যদি সাইক-এনজিসিস (মনঃ সমীক্ষণ), সাইকলভিত্ত (মনোনিদন) শিপতে হয় তবে সেই সেই প্রামাণিক বৈজ্ঞানিক গ্রন্থ পজলেই হয়) উপনাদের শ্বার-কোটিং লো তেন্তা কইনিন খাল্ডার কি প্রয়োজন?... তানি আবালা মদেকী শভাবে বাস কর্তি নান নোলাবিয়ার সম্পা পরিভিত্ত নই। বেন্তু ভাগুর বাবিবাব্র মানেশে নিতে ্লাব গ্রান্থাকালা ভিরতা খাই। তেত্ত তেন্ত আমি ভ্রান কেন?" ত্যামি ব্যাপারটা ঠিক ঠিক ব্রুক্ত না
প্রের বলকুমে, "তা হলে, তা হলে,—
অমুকের (সে-হলে তিনি ছিলেন প্রত্যাহত
সনির্নালককাল উপন্যানিক) একটি স্কুলর
উপন্যাস আছে। সন্নালের স্বপ্রাক্তরের
পাপাচারের বা নগন বাভংস চিত্র একেছেল
তার তলনা হয় না।"

গ্রুর আবার মানু হাস্য করে বললেন,

"মাই বর, আমার সন্দেহ হচ্ছে, ভূমি আমার

ম্লু মোলা আদৌ ব্রুতে পারেনি।
আমারে বিদি সমাকের পাগাটার সন্দেশে

সভাজান আহরণ করতে হয় ভবে

আমি পড়ব সমাজ শাস্ত সন্দেশ প্রামাণিক

বৈজ্ঞানিক গ্রুপ। আমি পড়তে চাই উপন্যাস।

তার ভিতর এসব উৎপাত কেন?"

*

7614 আমার মান পড়ল ন এব इन्स, বাভিত্র আলী এক বাচী নিমণিক্ত विद्राहे ক সার इ.स दौर्यान-থালায় স্ব'প্রথম পেক্রেন পাগল ভাত ২ে। তার সংগ্র উচ্ছেডাকা। একে তো মাসলমানদের ভিতর তেতো কর্

২ জনপ্রবাসীরা নাকি এদানীং একটা ফরমান কেড়েছেন, বিশ্রকমের চাল এবং দশা রক্ষকের বাঁশের জাতগোর না কেনে বারা দাহিতা রচনা করেব তালেরকে সবংশে মারা হবে (সবংশে≔বাঁশ দিরে)। তাই সভরে নিবেনন, দে-চাল রাঁখতে গিরে তার উল্ল স্পাণ্ডে রাঁখনি পাগল হরে বার ছার নাম বাঁথনি-পাগল চাল। এ-তার্ডিটি আমি বিধি ভার সমার সেবনের কাছে। তাকন তিনি খাদা দফতরে মরছুম কিলওরাই সাক্ষেবের সেরেটারি ছিলেন। তাবে কি না উনি বাঙাল; বটিরা চট করে এ-চালটাকে হাকেন্দ্রনাও লিভে পারেন।

প্রেম পিপাসা

শরং সাহিত্য প্রেমিকরা **এই উপন্যাস** পড়িয়া সেই আনকট প্রের। আ**কর্ষণীয়** ন্তম চরিত্র ৬ প্রট*া* নাম ৫

প্রগেডা---মোহনীমোহন কালিলাবা 50, রাজা বসদত রায় রোড, কলিঃ ২৯ ৪ঃ টাকা অভিম পোল ভাকে যায়---ভিচ পিঃ হত ন:: বিজেও দাশগণেত এক্ড কোং, কলেড দ্বীটা, কলিকাড়; बाह्य किन केसर वरणा रक्षात्म जाशासामग्र স্থাপারে ব্রচের তুলনার তেতের ক্ষান্তার অপেকাকত কম।

AND AND AND AND AND ASSESSMENT OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

নধাৰ আলী ভাতে উক্তেত প্ৰথম প্লাস बार्थ मिराडे कोस्ट्रक केंद्रे माथ विक्रण करत कारकान "का की एकरका। अके कि करत 407 ?"

रकारको न्यारन्यस भएक यक कारमा।"

हिम्बद्रम्य क्रव श्रुक्तिण सहः छन्। भीत छीत । ग्रुक्टा हक्तिकरत समयना हरत सम्ह-कर्ष निरंकत कतरात "बाटक की करे মঞাৰ আলী ব্ৰজে পেৰে আমাৰ सामान ग्रह्मारे मण माग्र हान्त करत कारणन. "ব্যালেখার পকে ভালো? তা ইলে তেডো কৰ্ম থেকেট হয়। আহাত্মদির কেন্দ্র 🚓 Berter (en ?"



পরিকার কাষাতে ও পালক-স্পর্ণ পেতে गुनहात कत्रन

ফোরো কার্বন ধার দেওয়া





कवीर जामान क्रामान शहर वा वरता-बिरमा होता होता करें।

टबटक करनोडे. भुषा सिवानन क्रमा चानत्त्वव समा। जन्म ये ट्यट्याव हैक्शाय रकत? जामात १६६७ छाहे वरलक्तितान। **'উপলাল পড়াড় বার্গাছ**, আনক্ষেত্র জনা। সেধারে আবার সাইকর্মার माटेक.. এলালিসিস, সসিয়লভির ডির উংলাড **CWA ?"**

নিশ্বনাসিক সরল পাঠক তমি আদৌ रक्टता मह रव, कामात्र औ हामान गहराहै একমার পশ্চিত কিনি প্রশিবস বিহায়া-আমিনী ভঠিন ভঠিন শাদ্যাধারন পাবেবগা করার পর টিকটিকি উপন্যাস পড়তেন। चारता विन्छरत विन्छरत चारहन। विन्छ এ-সংলে স্থানাভাৰ।

जामि मान बन्धातः सिरत गाउँ।

हैररक्क कारु देशांत्रिक सन्द्र रत्न एक আমি বিলক্ষণ অবগতে আছি।

ক্ষিত্ৰ এস্থানে আডিগত অনিজ্ঞান **आधारक जाहबकींते** एका भिरताया कतान **इराज : एनटे एवं** धिकशिक सरास्त्रमार एमधक এজনার ওরালেস তেওৈ অধিকর ঘটতে **ক্ষা, ছিলেন বর্গাড়ে ল**্বীডিডাসিক এডেলস कार के दुशनीन फाइडा एकनचाराक সংক্রিমিটাক "উक्तारकाव" <mark>ডিরুকর, স্মাহার। সম্মান্ত্রাভার ইার্যালি।</mark> একৈ ওরাকেস্থার ডিনাতে নিজালন করে দেটাক **ংগ্রেল কৃত্যকৃত্যধ**ি হয়ত্তন - ^{শ্}টনার গলাম করে জয়ে উঠ্যতাগ্রেব প্রিপারে কন্দ ভয়েল ভার বিশ্বনত শালাক হোমেল ভিয়েপ টাৰ্ল্যান্ড্ৰব্যৱেষ হালত নাট্ট উপৰ্যাৰ LOCUCEA!

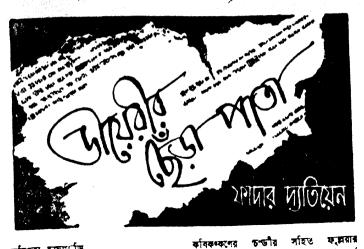
*

আর আহলে ব্যক্তালটি দীনেপদুর্মারকে मदीकात कवाण पाटेग्रा

এ-পথকো কেম্ম কেন ককটা স্থাবারি, উল্লাসকতা এমন কৈ সামানা ভবডামৰ 1 93835

*एक्ट्रां*बराया इ. भटशा शार्डाक्र करें. আৰু তো দে-গালেকে অস্থীকার করিনে। বাল্য ও কৈলোৱে প্রডাছ ভিকটিক উপন্যাস, যোবনারকে পড়েছি সেকাল এমন কি পর্ণপ্রাফি প্যশ্তি হেলে আর্কী "আরব্য ক্লভনী'তে যে কী বিকট বিকট যৌন লীলার বর্ণনা আছে ভার সামনে শ্রীব্ত **अ**क्ष्यांत्रमा बाग्य मिन्यू, निर्माः !!)। উল্লাসিকরা টিকটিকৈ ও বৌনলীলার কই **चान्यीका**त करतन रकन?

উল্লাসকতার বেলায়ও কনসিসেটেনসি থাকা উচিত, সামঞ্চস্য থাকা উভিতঃ এই পরেশ্যর-বিব্যোধী আচরণ কেন ১



लाविटका हामागरिक **ভারসনের পাঠাপকেতকেই বাংলা** ত্রী বিষ্টের অপকে আমার প্রথম भगाम थ ।

মনে আছে বিদ্যালাগারের পথিকগণ ও वर्षेत एकद्रा अरम्ब्राङ-स्वीतः अद्रवा शमाः **একল প্রীল্ডালে ক্তিপ্ত পথিক মধ্যাই** স্মতে বৌলে অতিশ্র তাপিত ও নিতাৰত কুল্ড,...") মনে আছে কুত্রিবাসের সেইতা-হুরুপে রামের বিলাপের প্যার : "শ্ন প্ৰাপ্ত প্ৰকী মাগ্ৰ বান, বান্ধ লভা/কে হারিল অংশত যে চন্দ্র,খী সীতা, মনে অংছে সাক্ষাং'-এর তিপদীঃ "এরপে বৌরনে/ ছাড়িয়া ভবনে/কেন আইলা পরবাস?"

'মেজদিদি'র এবং রবীন্দ্র-নাথের 'নৌকাড়বি'র এক উন্ধৃতি ছিল। महरुष्ट्रम्बद "करमञ्जू मिनिंगे, छिरिम, छाराद" क्रवर इवीन्युनारथत "स्मर्डम,वार्वितन्त्रोत रक्त, ট্রেন" শব্দগ্রলো আমাকে আহত করেছিল। সে আবার কি ভাষা ট্রেন বলতে বে ট্রেন-ই বলে? সংস্কৃত দেবভাষা যার মাতামহী. ভার এ কি রকম পিরিলি শব্দসমভার?

একদিন কথাবাতার আমি বিমানে আসা' কথাটা কনহোর করেছিলাম সবটে ছেসে ফেলেছিল, বলতে হয় নাকি 'পেলন্এ আসা'। প্রের দিন 'পেলনা-এ আসা' লিখলাম খাতার, ছস্টোর ক্ষেট্ট দিলেন, লিখলেন, বিমানে আসা। বাঞ্চালীয়া বুঝলাম বলে এক, লেখে আর এক।

ভালো লেগেছিল ভারকনাথ গভেগা-नाशास्त्रत अर मा-अमान्छ "स्टब्लिटा": स्व-কশিটা গত সম্ভাহে সাধারণ প স্তকাগারে দেশলাম, সেটার প্রায় প্রতিটি পাতার বিভিন্ন হাতের লেখার লেখা আছে : বারে বই। বি শামার সেই কথাটা কিন্তু আমার কানে এখনও বাভেঃ "আমি কি মাইনে চেয়েছি, ৰা মাইনে দেব বলে এসেছি?...আমি লোপালকে ছেড়ে থাকতে পার্য না।"

আৰু একটা উল্লেখ্যাগা উৰ্থাতি ছিল-আনন্দমটের 'কল্পে মাতরম্'। রিপ্রেল কারিশী মাধের সদতানদের দিবসংত্কেটি ভূতিব ভি ধরকরবাল আমাকে স্মরণ করিয়ে-ছিল লা মানেইয়েজ্'-এর রভাগিপাস, ক্**রাসি "মাভৃত্**মির সম্তানদের" কথা। 'শৃশপ্রহরণধারিশী" বে কাকে বলে তা অবশা ৰাংলাদেশের দুর্গাপ্জার প্রতিমা দর্শন ক্ষুর আগে ব্রিনি।

স্বচেরে চিন্তাকর্বক লেগেছিল মেখনার-क्रवत डेम्प्डि: "नाहि कास, शिवटम,

সীতার টাখারি নাহি কাজ বিনালি রাজনে ্ৰি বলে ব্ৰাব উমিলা বধুৰে আমি?" পরে মধ্স্দনের প্রতি আমার প্রখা আরও বাছল হৰুন দেখলাম তার হেকটর-ব্যের গদের নামধাত চালানোর দ্বিধানিকত প্রয়াস। আমার পেলিসলের মাথাটা কামভাতে কামড়াতে কত-না ভেবেছি, নামখাত অবাৰে বললে বাংলা ভাষার ঐশ্বর্ষ আরও কঠ শাড়ত। বালা শব্দকোৰে প'চান্তর হাজার শক্ষের মধ্যে নাকি মাত ছ'লো-টি সভাকার ভিয়াপদ আছে: বাকি সব ভিয়াপদ করা. দেওরা হওয়া প্রভৃতি শব্দের সহবোগে তৈরিঃ প্রেরণ করা প্রতিশ্রতি দেওরা. পতিত হওয়া...। আশ্চর লাগে এই কথা ভেবে বে ময়দান থেকে আমরা কার্কানের ম্তি তুলে দিরেছি, কর্ম ওয়ালিস স্টীটের নাম মুছে সিংবৃত্তি ফল্টুমন্ট্র আখা পাল্টিয়েছি, আর তবু দেখুন আমাদের क्याकदण १६८क मिट्टे 'स्वीमक बारणा' **अस्मत** নিৰ্বাসিত হয়নি, এখনও ব**লতে পারি না** "ছেন্ডেটি মেয়েটিকে [কিংবা, **আধ**,নিৰ



हेच्छान ब्रवाब अवार्कन কলিকাতা-১৫

• নিজাপ**ঠা তিন্**ৰান **প্ৰশ্ৰ •**

সার্গা-রামক্ষ

—সম্ৰাসনী শ্ৰী**দ,গাঁ**ৰাতা ৰচিত— ন্ত্ৰীৰ্ত্তক মিশনের জনৈক সন্ন্যাসী লিখিয়াছেন :--পড়িটে পড়িটে ভন্মর হইরা শ্রীশ্রীমায়ের ও শ্রীশ্রীসাক্ষরের যেন জ্ঞীবন্ত স্পার্ম করে করির ছি।

ৰ্পাল্ডৰ :—সৰ্বাপাস্থান্ত জীবনচাৰত (..... भ्रम्बर्चान मर भ्रकार छेरक्ने इ**टेबार्ड १** ৰহ চিত্ৰপাচিত সংতৰ ৰাজ্য-৮.

গোরীমা

শ্রীর মক্ক-শ্রারে অপাধ ভাবনচরিত শিকা ও সাহিতা:—এই তেজসিবনী মহা-মহিমম্যী মহিলা বাংগালী নারীর চিরুতন লুবালতার অপ্যাদ বিদ্রিত **করিরছেন।** অস্থান ই'হার চীরে, অপ্রে ই'হার সাধনা, বিচিত ই'হার ভাঁকেকথা, রোমাপ্তকর ইশ্বে বিজয়াভিযান।।

ৰহুচিত্ৰগোভিত পশ্চম মাত্ৰপ-৫,

সाধना

জ্ঞানন্দৰাক্ৰাৰ পত্তিকা :— ভারত হৈ সভাতার অগ্ৰকাল হটাত আধ্নিক যুগ পৰায় যে সকল উচ্চত্ৰপূৰ্ণ সৈত্ত স্কৃতি ইতানি রচিত হইয়াছে, ভাছার উল্লেখ্যেক। প্রার সংগ্রালই ইহাতে স্থান পাইরাছে। ধম', সংস্কৃতি ও সাহিত্য.....ভিন দিক দিলাই ইহা মহাদা পাইবার ৰোগা।। পরিববিতি পশুম সংক্ষরণ—৪,

श्रीश्रीत्रावरम्यवती वाश्रम

২৬ গোরীয়াতা সরগী, কলিকাতা-৪

(P868 KJ)

 िभारकः स्थात्वारि छात्वारित्व । भवन्तिकः बानारेन, विराशित ।'' अर्थातिका आहि अर्थना । উत्तत्व क्रिकाननाम वृत्तन्त्र वर्गनास्य कार्यन्त अक्रो : वारमा क्रिसायाङ इतः अकन्यतः । कतः হেখা...], নয় আকারান্ত বহা, ন্বন্ধ (চেট্ডা, বোরা...]। মাইকেদীর অধিকাংশ নামধ্যত কিন্ত ব্যঞ্জান্ত । छेखङ বহু স্থ্য জিজ্ঞাস...! যার ফলে সাধ্য ভাষায় তালের মধ্য (m) or () । फेर्काटर

जिल्लानियात्र । इतिछ इति छए नतः কি অভাস্ত করে তোলা ব্যস্ত

এ-ভূমি কোন ভূমি?

भाकाभाग्यकविद्य दवीम्ब्रुसार्थत करहक्षि গান ছিল। মধ্যর লোগছিল জাভি ঝাডের রাতে র ছাদ ঃ "সাদ্রে কোনা নদীর

भएक/भएम क्लाम् बत्मन् बादन/भक्तीत कार्य-অন্ধকারে/হতেছ ভাম পার?" এবং আছও বেডারের আদীর্বাদে যখন কানে আসে সাচিত্রা মিত্রের কল্ঠে গাওয়া সেই অম্বেত পরে মেখা গানটা, তখন মনে পড়ে যাত কাদার বেলজিয়ামে বিগত দিনের কথা— বাংলা ভাষার আমার হারের গণির কথা।

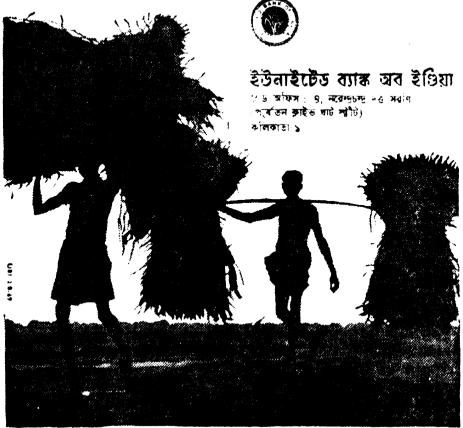
রবীল্রন্যথের করেকটি গনে জামি এক

as account mounthrs.

বিরাট পরিবর্তন

रकार्व रकार्व निम्नारमाभी हायी बाहक গোকানদার পরিবছম পরিচালক বা অন্যান্য ক্ষণ কেওয়ার ব্যাপারে তাদের যে গ্রেণ্ট প্ৰধান ৰলৈ পদা হয় তা হ'ল খৰ প্ৰিলেখ ক্ষতা হার অপুট চাল

a unfaute force প্রিছালন পারদাপতি। ০০০ টংপার দ্বোর বা মেরার বিপান ক্রাইলর ০০০০ ব্যৱিগত সভয়া



"পশ্চিমৰঙ্গে ১১৫টির অধিক শাখা আছে"

পারকার অনুবাদ করেছিলাম, ভিদের বহু
প্রাণ্টিকার করুবাদ শীলাপালা ছাপিরে।
পাঠকেরা লক্ষ্য না করে পারল না ভিদের
অনুবিদ্ধ ইংরেজী গাঁভাজাল মূল বংলার
চেরে বেল ভিছুটা সরলাজিত। দেই ধরানর
সরলাকরণের কথা স্মরল করেই ট্রান্স্যা
সাহেৰ একলা লিবেছিলেন ঃ ভার প্রেটিভ
ইংরেজী অনুবাদে রবীন্দ্রনাথ কোনো কোনো
প্রালে বেন প্রভাচী পাঠকের ব্যাধ্বন্তির
প্রতি অবজ্ঞা দেখিরেছেন।

উপ্র ছিবিত দুটি পান প্রভা-সংকলনে মর প্রকৃতি-সংকলনেই স্থান প্রেয়েছ। ভাহৰে এমনও কি হতে পতে যে কবিকে যিনি বসিয়ে রাখেন একা ন্যারের পালে, তিনি ইশ্বর নন? কড়ের রাতে অভিসারে বিনি আনেন, তিনিও বেখ হয় উদ্বর নন? त्रवीन्त्रनारचत्र कलरमः ज्ञीम सर्वारास्य महित আর্থকতা থেকে যার। "এস এস অন্তর করে" পানটা অনিম গতিলার গাউতে শানেছি: शामके किन्छ शृक्तात महः (अप्रदेश करेल কারও মতে এই শ্রাথকিতাই রবীণ্ড প্রতিভার অনাত্ম বৈশিক্ষ্যা হাইস্কুলের ৬৩ ভিলাম **एक्स चामरा** द्व^करतगाप्थद कोराहा খ্ৰই পড়তাম এমন কি প্ৰগাস সময়ও ভার বাবহাত শব্দের তামত উদ্পোক ভাকতাম। এমন স্বাধকিতার টাংগার পেলে তো আমাদের মাধার বকুষাত হত এ ध्वर्त्व म्राप्त्रक आभारमय क्रम्माय म्रार्थ्य কোণেও কথনো স্থান পার্যান। শাংহা একদিন, মনে আন্তে, আন্মার এক স্তি^চ্ডক বন্ধ্ কি বল ভ "র্বীন্দুনার্থ वरक इरकन, চেরেছেন, আমি জানি না, কিব্তু জিল বা ব্রেকছেন সেটা আমি ব্যক্তি, আর সেটা वेडीचीत प्रेस्वदेशस्त्र अनुमाती नव।" কথাটা তথন আমার কাছে হোয়ালির মতো দ্রনিরেছিল।

इनीन्द्रमात्वत्र नह

আনভারসন তার প্তেকে রবীপ্রনথের হুস্তালপিরও এক নম্না বিরেছেন— প্রস্কারপ্রতিকর তিন মাস পরে বিলাটস্ট থেকে তার কাছে লেখ কবির এক প্রের প্রথম করেকটি লাইন ঃ

ीशवदाय.

আপনি বৰন আনাকে ইংরেজীত পর
লেকেন তথন আমার কতবা আপনাকে
বালো ভাষর তাহার উত্তর দেওরা, নহিলে
ঠিক পাল্টা জবাব হর না। অপনার দেশে
আমার বত বন্ধু আছেন সকলাকই আমার
ইংরেজীতে চিঠিপত লিখিতে হর। ভাগাগালে
একটি লোক পাইরাছি বহার কাছে আমার
আপন ভাষার মনের কথা থুলিরা বলিবার
কোনো বাধা নাই—এমন স্বোগ ব্থা নতা
ভবিব কেন? ইংরেজী ভাষ ও কাছে পাদ
পদে আমি বে কত অপরাধ করিরা থাকি

ভাহার আর সংখ্যা নাই: কলমের মূৰে অপনাদের ব্যক্তরণের হাদর বিদীপ করিয়া িট, কত অব্যৱের অন্যায় অপবার করি, কত articles विना स्तास वर्जन अवः विना কারণে গুরুণ করিয়া থাকি। এ সাত্ত্রেও আপ্নাদের ইংরেজী ভাষা-সরস্বতী তাঁহার এই অধ্য সেবকটিকে যে এত দয়া করিলেন ন্তত। প্ররণ করিয়া আমি বিশ্মিত হইতেছি। দেবত দ্বাপের দেবতভুজা ভারতীকে যথন অন্যার কবাপ্রুপ দিয়া প্রভা করিয় ছি, তথন তাতা আমি আমার সাধামত যদপ্রিক চয়ন ক্রিয়াছি একং তহিংর প্রসাদও পাট্য ছি, বিশ্ব আয়ার এই শাংক পরগালো হখন ভাঁচার গায়ে গিয়া পড়ে তখন ^{ছপাটা}ই দেখিছে পাই তাঁহার মুখ অপ্রসর হইয়া উঠি। অভএর মেখনে সম্ভব সেখনে এ অপর্ধে আর কাড় ইব না, পত্র আপনাকে বাংজান্তই জিথিব।"-

সংখ্ভাষার লিখিত এই চিঠির প্রথম বাক্তা রবী•দুনাখ—বোধ হয় অন্যান≥কভারে – মিশ্র ভাষা করহার করেছেন : "লেখেন... মাইকেলীয় र्माहाक ।" "एवर एक्डा'-धरे দিক্ষেব্ৰটা সম্ভব্ত ইলিয়াদ কাৰা থেকে ামকোভা।-দেবীকে গতীত : হোমার Leukolelos Athene নদ্দ অভিহিত করেন। চিঠিটার উপলক্ষা ছিল বাংলা ভ ষার ছবদ নিয়ে আশ্ভারসনের গ্রেষণা। এ ক্ষেত্রেও তিনি বংলাও ফ্রাসি ভাষার মাধা সাদৃশ্য আবিদ্ধার করেছেন : এই দ্টি ভাষার শব্দের তত শ্বসাঘাত নেই যত আছে ব কোর : বাংলার অবশ্য ব্যক্তার প্রথম অক্ষর দ্বি য়িত, ফরসিতে বাকোর শেষ অক্ষর।

-বাদাবাতের অভিবাদ

শহল সক্ষেধে আপনি যে আলোচনা করিতেছেন, আমি বড় আননল পাইয়াছি। বংলা ছাল সক্ষেধে আজ পর্যন্ত কেন বাঙালী কোন কথা করে নাই। আমার ইজ্যাছিল কিছু লিখিব, কিন্তু আমার কলম অলস হইরা আসিয়ছে, এখন সে আর নিজের বেগে চলে না, ভাহাকে ঠেলিরা চালাইতে হর। মোটরগাড়ির কল বখন বিকল হয়, তখন ভাহাকে ঠেলা গাড়ি করা সহজ্প মহে, তখন ভাহাকে বিশ্রাম করিতে দেওয়াই ভল।

শ্জাপনি বলিয়াছেন আমাদের উচ্চারণের বোকটা আরশ্ভে পড়ে: ইহা আমি অন্তেক দিন প্রে লক্ষ্য করিরাছি। ইংরেজাতে প্রভাক শব্দেরই একটি নিজন্ব বোক আছে: সেই বিচিত্র বোকগালিকে নিপ্গভাবে বাবহার করা আরাই আপনাদের ছদদ সপ্পাতে মুখরিত হইরা উঠে। সংস্কৃত ভাষার বোক নই কিন্তু দীঘা হুন্ব ন্বর ও ব্যক্ত বাজন বর্ণের মাত্রা বৈচিত্রা আছে। তাহাতে সংস্কৃত ছদ্দ তেওঁ বেলাইরা উঠে, বথা—অস্ত্রান্তরসাং

দিলি দেবতাঝা। উত্ত বাক্সের বেখালে বেখানে বৃত্ত বাঞ্চনবর্গ বা দীর্ঘালবর আছে, দেখানেই ধরনি গিয়া ব'ধা পায়, দেই বাধার আঘাতে হিক্সোলিত হইয়া উঠে।

"যে ভাষার এইরপে প্রভাক শক্ষের একটি বিশেষত আছে, সে ভাষার মন্ত একটি সূবিধা এই যে, প্ৰভোক শব্দটিই নিজেকে জ্নান দিয়া বয়, কেহই পাশ কাটাইরা আমাদের মনোবে গ এড়াইয়া বাইতে পারে না। এই জনা বখন একটা বাকা আমাদের সুমাথে উপদিথত হয়, তথন ভাহার উচ্চ-নীচতার বৈচিত্যবশত একটা স্কেন্ট চেহারা দেখিতে পাওয়া যয়। বাংলা বাকের অসুবিধা এই বে, একটা ঝেকৈর টানে এক স্থো অনেকগালো খবন অন রাসে আমাদের কানের উপর দিয়া পিছলিরা চলিরা বার। Mich Masien ভাহাদের প্রত্যেকটার পরিচারের সময় পাওয়া বার না। ঠিক বেন আমাদের একালবতী পরিবারের মড়া ব্যাড়ির কর্তাটিকেই স্পান্ট করিয়া অনুচৰ করা হায়, কিন্তু তাঁহার পশ্চাতে ভাঁহার শুভ পোষা আছে, ভাহারা আছে কি নাই, ভাহার হিসাব রাখিবার নরকার হয় না 🐣

আগাতত ম্লড্ৰী

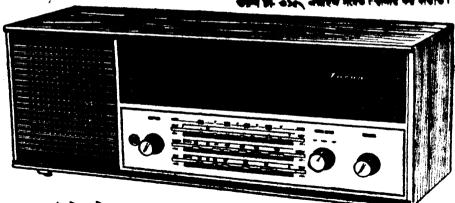
কিন্তু থাক এসৰ ভাত্তিক আলোচন।
আসল কথাটা হল আমার বাংলা শেখার
গালপ। সবে তো ফারোল বের্লাভিত্তম-পর্ম...
ভারপর আছে বাংলাদেশে পদার্শপ্ শালিভনিকেন্তন, দক্ষিণ বাংলার বাসন্তী প্র.ম,
দক্ষিণ কলকাতার তিন বছর সেরো কভ
কি! কিন্তু সে আরেক কাহিনী।



দেখুন, নেলকো তক্লণ বেছে নিন খেটি দেখতে ভাল লাগে ! আপনি পেয়েছেন বাজারের সেরা অনুভূতি সম্পন্ন ৩ ব্যাণ্ডের রেডিও

নেলকো ভাৰণ একবাছ বেপুন ! কেৱন ছিমছান ভিনাইন । ভাষালাটিও কড ছব্দছ । চকাকে ভিনিয়াত কোন কেবিনেট । ভাৰণের নোক্ষর আন্থাকে এলুড কথাকে আল্লায় ক'বে নিছে । কিছু মানিই নায় নয়—এছ তাও অনেক । বাজিয়ে বেপুন । কি গু কেৱন বিঠে আওয়াক আছু কি লাই বোলাছে ! অনুন্—না !

कार्य है। कार्य बसाईय मत्त्व । संसीद वह संबंधि ।



ভান ২০০ ভোনেইর বেইলে চলবে । আলাহা সভেট আছে এরিয়াল, বাইরে লাউজনীকার লাসাকর আর রেকট মেরারেয় করে ।

কৌন বছার টিউনিং কো বেশ বন্ধনত, হল্প কৌনন পরিভার করে। বেধানো আছে। আরো হে কড ছবোন ছবিবে ভেজরে কর। আছে ডা আরাবের ডীলার আলমাকে সামকে বৃত্তিরে বেকে।

আহম, একবার তলে বাজিতে তলে বাব আহারের ডিসারের কারে,আকট।

নেলকো,এর তুলনা নেইকো



ন্যানানান বেণ্ডিও অ্যাও ইমেট্রোনিকন্ কোং নিঃ, অব-৫

TERAMEN SEN

जमद्दत्र प्रिल्ली

প্রাক্তা গাণ্ধীর চরিতের সক্তেরে বড় গাণ্ডা ছিল বানান করে করে ডার-ব-ফলা আকার-আর-গা তাগ। সেই তাগা-এর আর এক মহাপ্রের খান আবদ্দা গাফ্টার খান। রাক্তথানী দিকটির নিত্য নতুন গড়ে ওঠা বিরাট বিরাট প্রাসাদগ্রেলার দিকে ভাকালে, তার রাক্তপশের নতুন নতুন অক্তর প্রারার কোরারাগ্রেলার দিকে ভাকালে, তার রাক্তপশের নতুন নতুন অক্তর প্রারার কোরারাগ্রেলার দিকে ভাকালে, তার ঠাটবাটপূর্ণ হুঠাং বড়লোকি চালচলনের

لحافك

িকে ভাকালে ওই "ভ্যাগ" নামের কথাটিকে রাজধানীর চরিত্র থেকে মুছে দিয়ে তবে অনা কথা বলতে হয়। কিন্তু তা সত্ত্বে খান जार**्ह शुक्काद** খ্যনকে দিলীবাসী অবলধ্যবণিতা হে সাদর উল্লেখ্য পুহণ করেছে ভাতে শাধা নতুন করে প্রমাণ হয়, মন্ধমতেবই মধ্যে। দুটো চেতনা আছে। একটা ভারেশর ক্ষাতিনি করবার খায়েকা ইচ্ছা : আর একটা হস্তালের প্রেছনে ছেটে:-**४**ंग्रेट रिक्**र्वे जान्**त्रः। कर्छाते सामाप्तव উংকট বার্মান্তা। আমানের না গাল্ধজিব মতেঃ ভাগে করার ক্ষমতা, তবি আহমিকারের ক্ষমতা। তাই গণধলিবই প্রিম্তি বাদশাহ আবদ্ধ গ্রুষ র খানকে সামনে পেরে মনে মনে চণ্ডল হারে ইঠি- আব ारी ५७माहारक राज्यक राज्यकार है जिल्लान দি**ল্ল**ীতে আনন্দ **উচ্চ**্যাসের বিরও আয়েজন করি েকেডবৈন্টানের কেউই ভরিতে আর্র্র হার উঠাতে ছাজাহন না ৷ কাক-শক্নির দলের ভারবারিটা এখন। দেখবার মানে : প্রীর গশ্ভীর **ভাবে দেখলে ব্যক্ত শ**্বকিয়ে য*াব* । তাই গভীরে কিছাই না দেখে "গাংধী বলনি প্রদর্শনী"-তে চাকে পড়লাম। বারংবার এই প্রদর্শনীতে আমি আসবই আসব; ভার বথাবধ বিবরণও অতি অবশাই বারাসভারে এক সময় দেব। চলবে তো এই প্রদেশনী সমানে এখন পাঁচ মাস ধরে।

আমি সভা; সমস্ত জ্ঞানের ভাগ্ডের আমি, অতি মুখোরও এই বিশ্বাস। এই সব বা বললাম তা আমার মধে। আমার ছাটো দেখবার বে প্রবৃত্তি হয়ত ভারই ভাড়ন তে বললাম। ছাডো বের করার মতন এমন সহজ কাজ বিশ্বে বৃথি শিবতীয়টি আর নেই। কাজেই অমন বে গাখবীশিকা জওহরলাল নেহর, তাঁরও অদৃশা স্কম্পে নানান রভের বৃটিবিচাতিগালিকেও বৃৎস্কৃত ভাবে চাপিরে



দিল্লীর পালে মিরাট শহরের দ্গাবাড়ি

িয়ে নিশিচনত হই, ভাতেই আমরা বে আনবান ভা বেন প্রমাণ হরে পেল, আর বাস, ভাতেই আমাদের দারিছের कलकार एक छ ७३ तलाल । एउट र মগ্ৰহী" বাজ বাংগান্তি কারে একদা বাঙালীর হাদরে বাথা দিরেছিলেন ও দির্মী হিশ্দ-অলাদের পরিভণ্ড করেছিলেন ৷ হে ভবিষাং সমগ্র ভারত ভূমির আগ্রাম চিত্র, তা নেহর,জীর দুভিত্তিও হায়েছিল কৈ না ঈশ্বব জানেন। তবে এক দিকে কেমন ইতিহাসের চুলচেরা বিচাকে জাবিতাস্থ তেই ভ ওহরক বেলর মিছিল নগ্ৰীতে রাপাশ্ডরিত হরেছিল তা এমন কি কানা অংশ বিবেকবাল বিবেক্ষীন দিল্লীবাসী মাতই হাড়ে হাড়ে **জানে, উপরুত্** ভানা গেছে অনা দিকে ব্ৰণভিত্ৰ নিমাম মস্তানগিরি-রবীন্দ্র ख न का र श स्त সরোব্যরের ও রাজধানীর রবীন্দ্র রপাশালায় হ্বহা, কপি-ই-কপি, অন্তিত হয়েছে। ময় নারীধর্ষণ। পটাপট বাতি নিবে যাওয়া। শাভি রাউজ পটাং পটাং করে খ্রেল নেওয়া। ক চুলিতে কচলানি। হাত ধরে অধ্ধকারে হিড়হিড় করে টানাটানি ৷ বাঁরোচিত এই সব ক্রীতার এই সব চক্ষ্মান আমরা সকলে প্রত্যক্ষদশীর বিবরণ থেকে জানি; আর

হলীক হলালালা আহার বাসা থেকে বেশি দুরেও নর। আমরা এও জানি জনদর্শী स्रमारची अनामम এटक निजरणक ट्यंट्येंस গুদের নেভাদের গরম গরম বস্তুতা শানে টের প্রেত অস্বিধা হয় না রাজধানীতে একাত-ভাবে এখন ক্রান্ট্রী চন। অভাপর ছার্ট্রী, क्यां निहर আগে থেকে মত্তার মত্তার আমাদের জানা হয়ে আছে হার একটি হলো উদ্দেশ্যহীন ষ্ট্রশক্তি, এনাজির অপচর। সংখ্যার অনীধক এক শ্রেণীর ছাত্রদের একপ্রকার মনোব্যত্তির জনা রাশীনারকগণ আর সমাজ কতথানি দায়ী তাও চক্ষানদের অজানা থাকার কল্পিত কাহিনী নর। আর এই সমাজটা বে রাভারতি ফুসমন্ভরে বদলে বাবে ভারও লেশমার আভাস দিল্লী-দিগতের কোথাও कृत्ये छैठेरछ जाभारक स्पर्धह मा। निज्ञीद সচ্চল "বরুদ্ক" স্মাজের হার্ডানিতার দৃত্তী নত ভূরি ভূরি। তার তার সর্বাধ্যনিক नीहेलो सा राज कार हठे श्वाप खोडेर**कर** প্রথম কটকাতেই বিকটভাবে প্রকট হয়ে পড়েল ।

প্রকাশিত হ'ল

কবিতা যাদের প্রিয় তাদের জন্য অপরিহার্য

<u> अनायदन</u>

ক্রিমানস ও কার্যাচলতা প্রসঙ্গে আপোচনা কিবিতা পতিকার ইতিহাস/ ক্রিডা পত্রিকাগালির পরিচয়/ক্রিডা প্রকাশকের বস্তুব্য ক্রিডা

্লংকস্ট —
প্রেমেন্দ্র মিত্র অস্ত্রদাশংকর বিকারে দে/
অর্ণ মিত্র নিবিল্নাথ চক্তবর্তী /
বীরেন্দ্র চট্টোপাধ্যায় / অর্ণ সরকার /
মণীন্দ্র রায় / জগলাথ চক্তবর্তী / অর্ণ
ভট্টাঃ /অলোকরঞ্জন দাশগণ্ড / কবিতা
সিংহ /শত্তি চট্টাঃ / স্নাল গঙ্গোঃ ও
ব্দ্ধদেব বস্ / আর সব প্রতিষ্ঠিত ও
প্রতিশ্রতিসম্পন্ন কবি ॥

পবিবেশনা—মনীষা, শ্রীগোপাল প্রশ্থ-মন্দির ও পাতিরাম (কলেজ স্থীট) মূল্য—দ্য' টাকা

(সৈ ১০৬৫)

অভবিতে বাস ধর্মবটের সমন্ন বহু সহার আপিসবারী, নারী ও প্রুব, অসহারভাবে পথে স্ট্রান্ডেড হরে গিরেছিলেন। তাদের চোবের উপর দিরে লেটেন্ট মডেলের বদ্দরকে গাড়িভলা শত শত সক্লা দিরাবাসী দিবা একা একা গাড়ি চালিরে চলে গেল হাসিন্ধে। শত অন্বোধেও, বহু কাল্ডি-মিন্ডিডেও ওবের ইনর গলেন। শ্রিম.

এরাই নাকি আবার পাশ্চান্তা সন্ভাতার অনুকারক। ভগবান ব্যরাক্ষ নিশ্চরই এই অনুকারকদের ক্যা করবেন, তবে ওদের নিদারতাটা এতই মর্মান্তিক দ্ভিকট্ (মনে পড়েছ)—ম্যানাস কুরেলিটি ট্ ম্যান?) লাগাঁছল বে ক্ষবরেসী ছান্তর্দের চিন্তাহীন লাশ্দটা এর চেরেও ঢের দের সহনীর বলে কেউ কেউ মনে করতে পারেন। গড মনের

ভূডীর সণ্ডাহে ধথন বিধ্ববিদ্যালরের একজন ছারের দেখাদেখি জম গুরু লোমন্ড ছার্টা, ভাদের কোনো বেচারী অধ্যাপিকার আগাম জন্মতি না নিরেই, ভিঃ ছিঃ দিলীর 'কোটসমামা' পতিকার মতান বের্রাসক দৈনিক সংবাদপরেও চরস খাওরার অভিজ্ঞতা বিবরে জানিরে সোজাস্থাকি কাস করে দিল কি মা চরস মামক বন্দুটি খোল 'এই ইন্ট্রাপড়



बागमारक माण्डित हात्रात । बांग्लामी **उँ हुमाराग्य अञ्चारात जातात (उद्गीत एउँ** इस एक मार्ग्डिशादन प्रमूत नह हात्मन गर्डिश रहका बागमारक विश्व **स्थादिनिय कासकारे। (कश्रिकास-**श्री बाक्टर । बाद शांद २.४० होका । **अक्ट बयून खरामा**न क्रांसबार जात्मक विकार हा हा कारकाउसार स्ताव करत बाब, व्यत्नक किंद्र है हिर्देशक सामान न्याक हरा बर्क ; धमर्गाक न्याक दरह स्ट्रोत हक्ता, **कटेलक टकम्प्र**ीश अस्ट्रीशकास्ट्री **क्र**ान्त्रक्ष प्रश्न सक्त स्ट्रा देशकाय प्रश्न दन्दन कराति काल बाह्यमा उद्यान जह माञ्चल भगार्कतः ४ १५ ८ १८ १ खा हिर्देश 🔅 भाक्तर २२२ म्:श्रेषु उभागित र करकार আদশ্হীন স্মালে স্বল্পুর উদ্দেশ্যই নতা। অথচ এর অপর দিকটাও ্রশ্ববিদ্যা**লয়ের** কেরবট মল ক্রেডে: শাঁরর অপ**চরে** না মেতে স্পর একটি স্বিউশ**ীলতার** নম্না। বাতে স্পুট करत काराज रमक अब बादबाई छेक्ट्राध्या गरः। त्वत्त्वी शत का**लात्वत वाकाली ६ ट**६४८ीटन्द দর্গ্যাকৈ সর্হিত্য সমিতি"-র ব্যবিক উৎসব।

বাল্ডন গ্রিষা আলো-বার্থদের মাংন ভতিশয় স্বাভাবিক সেই চমংকার বস্টুটি স্বার্টনি বামিক এই উৎসবে। জেকচারের গই हबर्के राष्ट्रे (कड़े स्मात)मीनः १९७७४ हिस्क काकारकत शिकिककाल मनादे पहे मिनाई অন্ত্রানর ক্যাস্ডীর সংগ্রাস্থ্র 🕶 ভৈদের পরি**চয় করিয়ে** সিজেন 🗀 हद्भाभक्षी वाहामी जनाक्षामी । उदान हाट-ছারীপের বাংলা ভাষায় গাড়িকরেক গান कार्न्छ। अनरभरंद रक्ष्मार्टिक्स केन्द्रक "कन्द्रीकदार्" इ. ब्रामाखीर्ग स्टेशीङस्ह । भौत्रधानगर हिर्मन । वेरभन ग्रांशभागार 🕳 कतरहः । मान्। माञ्चमदे छ।हः। ठीततरमत সকলে ছাল্ডারী নেমে ভারিকার ভারকর বস: ! পদাধৰ ভাপস চক্ষ্য সভা সিখহৰ চৰিছে সিন্দার্থ রায়: ভার নিন্দ্রিভা মেয়ের ভূমিকার क्षेत्रः सर्प्यम् नाक्षात्रः। अन्तरः २४६ 🖅 एदासः। িনিবিদেষে যে যার ভূমিকটাকু ক্ষােত্রশিভাবে ফ্রাইফে ত্লেভিলে বৈচিত্র-**मत विश्वारतः। शृथ्य अहे कथा**ति कर,विसारत বলবার ভাগিনে বিশ্ববিদ্যালয়ের ছারছারী-দের এবংবিধ অনুষ্ঠানটির উল্লেখ এখনে আংমি নিশ্চরই কর্ছিনা। উল্লেখ কর্মি বিশেষভাবে এই জনা হে, মণ্ডান ছাত্র বিশ্**ংখলতঃ জনের স্বনিংশ্য**ারস স্টাইকের **অব্যান্তাবিকভার বিশ্ববিদ্যান্ত্রে কড়** পিক্ষ **वर्धन करमळशर्द्रामरक कर्त्वेश**हे संग्य करत हिट्ड বাধা **হলেন তথনো যারা সভাতার** অনাতম ্রীবসমর শিক্ষা **ও সংস্কৃতি** জিনিস্টাতে নিজের

মাসিক ৫, টাকা কিল্ডিডে



ক্যা পা ভ' তবল দিপকার ৩ বাডে অল গুয়াক্ডা পোটো-হল টুফাভিসটব। যে কোনো কা য় গা ফ

পাঠান বাব।

TOKYO AGENCIES (WD)
Kaseruwalan, Paharganj Post
Bag No. 11, New Delhi-1.

মধ্যে পেতে শিগেধছেন, ব্যপান্তির অপচন্তকে
বাদের কাছে খ্লা বলে মনে হরেছে, ভারা
চুপ করে হাত পাট্ডিরে ঘরে না বলে থেকে
কলেজ প্রশালেরেই এমন সর্বাপানীন দিনশ্ব
একটি সংস্কৃতিক অনুষ্ঠান আমানেরকে
উপহার করলেন। আরু এই অবিরক্ত
অনুষ্ঠান কর্ন বাংলা সাহিত্যের সধ্যাপকা
শিপ্তা বল-এর কৃতিক বিছালুক্য নাম। তেনা
না একাতভাবে নিজের চেন্টার শরংকালীন
এই অনুষ্ঠান্টির প্রাপ্তকন্ত শানেছি ছিলেন
ভিনিত্র।

*

বাঙালীর দ্রংকালীন জাতীর উৎসব দিল্লী মোকামকেই শুধু খাস রাজধানী শিক্ষরি সোজা-সংক্ৰমিত কৰে ব্যাথনি रत करतकां है करशान স্ট্রিক নাগালের মধ্যে সগর ভাষের **প্রতোকটিকেই আন**ক্ষম্থর গমগ্র করে রেখেছে এ-বছরের দার্গোৎসব। দে-সবধানেও বাংলা ভাষার ছেলেমেরেপের আব্যস্ত প্রতিযোগিতা, বড়দের সংগী-ভান,স্ঠান, বালা থিয়েটার STATE OF 1 পরিচিত পরস্পর্কে কাছে পাওয়ার বাসনা। অপারচিত নবাগতদের সালিধাল ভের উৎসংহ: দি**ল্লী থেকে মাত্র** একটি ঘণ্টার পথ মিরাট শহর: স্কালে পাবলিক বাসে করে গিরে দেখেশ্নে সেই সকালেই সেখন থেকে জনায়াদে ফিরে আসা সম্ভব। বাঙালী সমাজকৈ সেখানেও প্রভাব মরস্ম এখন চনমনে হিলোলিত করছে, যেমন कर्ट्य गांकिसावारमद - आमिगर्एव " प्रथ्वा-ব্লন্বনের - আগ্রার - জরপরে - আজমীডের বাঙ্কৌ সমাজকে। এদের কোনোখানে সার্ব-জনীন হয়ত একটিই মাত আতিশ্যাহীন মাতৃপ্জা, আবার কোথাও বা লাভক্ষতির কোনো হিসের না রেখে বোড়শোপচারে দুটি কি তিনটি কি চারটি বা ততেমিক প্রতিমাপ্সা। আন **स-**भ्र প্রক্রপারের মেলামেলাটা ষাগুলীদের অবিশ্বাসপ্রের কাফীরতা মেশানে বাংত ित्रहामा । Del Willed দেখি অম্ব সাংসারিক অথে িক কট মাচামাল্য মাস্টের্ড পাছেন ভাৰত নেইকো ক্লি কাৰো কোনো প্রেরার। উৎসব সময়ে তবে জ্ঞানীগ্রীর অনেরের সমারেল্ড যে সচিত্যযা, সতিয় হলছি, তাতে দম অওকৈ ধাবার জোগাড়। আমার এক সাংবিদক বংধ কণিকায়-কবিকরে আতি কণ্ডে তিনটিনাচারটি বাংলা উপন্যাস লিখেছেন। ভাকে নিয়ে গত বছরে প্রেলার সমর আ্রালা শহরের বাঙালীমহল যে মাতামাতিটাই না করল ভা দেখে আফাদের এক সাকদেসফাল কারবারি কণ্ডুতে৷ হিংসেয় রীতিমত ভজারিত হরে উঠেছিল। উঠে বলেছিল আসছে জন্মে দে বাতাৰাী সাহিত্যিক হবে, আৰু *হায়ে* প্রতি বছর প্রজার সময় পাঁস্টমে বেড়াটে

বিশ্বলাহিতে ব্যৱসায় অবস্স। বিশ্ব গ্ৰেৰী জানী সমীৰী প্ৰশংসিত ক্ৰেবৰ এন মুখোগাধ্যমেয় বৰ্তমন বই

অপারণীজা

বৃহৎ উপন্যাস । ৯৫০ প্তা।
নাম জাঠারে। টাকা
বাসলা ও বাঙ্গলীয় সমস্যাপ্থ জীকলেই,
নামলারীর প্রেম আলোলাত হলকেই, স্তেম
চিস্ডাধারার ভাষতীর ভাব ও বিক্রেমধের
এই অপুর্বে জনকার সমাবেশ।

আছালি গাঁডিকাছা। ৩৫০টি পাল। ২১০
প্তা। লাল পাঁচ টাকা।
ব্যান্ত-সজাতের সাধকালে অবলা পাঁলালৈ।
ব্যান্ত রস্থারার প্রোত্যাহ প্রকাশ।
ভবল ডিমাই ১৬ পোঁজ ঞাঁকিছ
কাগতে ছাগাই ও স্বান্ত বাঁকী।

रि बुक शावेन, ১৫, करनव स्कारत, कानकाला-১২

(PR 4655)





দদন জীবনাপনের জন্ম বা প্রবাসন প্রকাসোয় প্রাপান বার । প্রকাসা অকান বার্কনা বানে করে বাবোর উন্নতি করে এবা দবলের তৌর ভক্তী, যৌজনের এবা এবীর কিবিয়ে আনে।

সারা পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোক আর্ক্ষ ব্যাবক তথা চত্তগাহোক্ষাক্ষকারী আধুনিক উত্তরেক উক্ষাক্ষিক বহুছে করেন। পুরুষ ও জীলোকদেব করা পুথক পুথব প্রকারা পাওবা বাব

ু প্রকাস্য - কর্মো - কর্মো বিশ্ব ব্যাপ্তন-বালিন-এর তৈবী বছ বছ প্রয়োগ সেক্ষে পারেন অবর সবাসরি বাদের কছে খোক পারেন :

OKASA CO. PVT. LTD P O BOX 396, BOMBAY-1.

C.



আসবে। পশ্চিমের এইসব শহরে দিলী লোক খনখন বাজে টোন, বাজে পাবালক লাস - নিজপৰ গাড়ি বাদের व्यक्ति सामित লোহাগা। তো সোনায় देश्यकारम्ब আমরে দিল্লী আগ্রা আর মিরাটের বাঙালী-ज्ञारकृत प्रदेश [3 যোগসূত্র চিল চা অবশা আজকাল গ্ৰুপ কথায় (073) ঠাকেছে। তমি কে? -বাধালী? --কসে। অমনি সমস্ত বাছালী ব্যাদ্রব সুদর দরকা তোমার খাতিরে दार्ड সব সময় খোলা। বাধীনভার প্রাক-মত্ত भिन्नी त्थरक প্যান্ত রেলবোগে মিরাট গ্রহরের অবাধ রীটার্ন রেলওয়ে টিবিট মিলত মাত একটি थानि अकृषि दोकाव। ভালমহল দেখতে চাও? —আগ্রার রীটার্না িকৈ ছিল ছিল টাকার। বড়ামানে ডি. काइ वारमञ्ज निकामतिया यन्त्रभाव क्षत्रव त्थाला प्रवक्ता-पेत्रका खन्नारहे ইভিহাস। অথচ ঐতিহাসিক ১৮৫৭-র আগেকার এ-প্রবাসী বাস্কালীদের অপুন্তার অভি আবশ্যিক সমেজিক কমে কম্পক্তব **क्रिक्ट एडः अथानः स्टार मारह अरकदारव** নিশ্চিক করে বাষনি। দুদ্দানেত্র জনা যেমন ধরা বাক, মিরাট শহরের বাঙালী-সমাজের প্রসংগটা।

মোগান্তা कार्य प्राप्ट সাম্বাস্ক্রার C# 3 সায়াকে দিল্লীতে বাঙালী वाल व्याप्त সমাজের বখন অফিডার প্রাণ্ড অচিণ্ডনীর ছিল, প্রস্পরে মেলামেলার তাগিলে তথন প্রতিটি বছর সেই ১৮০৭ সাল থেকে মিরাট শহরে দ্রগোৎসব হরে অস্টে। একরকম তা বলাত भारतः दाद **8** 4 € (F) সাভাব্র। 27.7 মুহলামেশার দুদ'মনীর তাগিচেন্ট সিপাহী ৰত প্ৰাহেই বিল্লোহের ट्टा खशान "বাঙালী দ্বাবিনিড় সোসাইটি" ary a সামাজিক ও সাংস্কৃতিক প্রতিষ্ঠানটি কড না আশার স্থাপিত হয়েছিল সেচিন। যখন স্থাসন স্বিচার সংস্কৃতি এধরনের বিষ্তি শব্দগুলি নিয়ে আমরা তেমন মাধা শামাতাম না, সেই তথনকার দিনে প্রেঞ।-পাবাঁগের গান্ধ না পোলে - তিটিশ শাসক-য়া সোসাইটিকেই মণাই কোনো সমিতি খাভাপতে রেজিসিট্র করতে ৪টের না। আর স্মিতি বিনা বেজিম্মি করে **्व**ास যে কি ঠালা তা টমিডির কাজ করার **एक मा क्वा**नम । সেদিনকার ভ্রতোগী ্বে-আইনী, 100 সংখ্যাওভাবে ইল্লিগাল ব্যাপার। কাজেই, হত্তম মাফিক মিরাটবাসী বাঙালীরা 'দ্গোবাড়ি" শব্দটা অনুড়ে দিতে বাধা ছয়েছিলেন ওদের "সোসাইটি" শব্দের আগেভাগে। আসলে विज्ञार म्याविक्ति भ्या केटलमा न्याचेटरे ছিল, এবং সেই উন্দেশ্য বড'্যানেও অট্টেডাৰে আৰি আছে,—স্থানীৰ বাঙালী ক্চিকাচা ছেলেমেরেদের জনা মাতভাবার মাধ্যমে ইস্কৃলে পড়াশোনো, বড়দের জনা বাংল। বইরের পাঠাগার। ভারতে অবাক লাগে, এমন কি ঘটনাবহাল দিল্লীর কোনে। পাঠাগারেও সংখ্যার এত বাংলা গ্রন্থ নেই যত আছে মিরাট *দঃগাবাড়ি সোসাইটির* গভ শতাব্দীতে প্রতিষ্ঠিত পাঠাগারে। ওদের মূলাবান সংগ্রহে তা আছে কম काम ना प्रभ हास्त्राव वारमा वहे। বাংলা ভাষার প্রতি আকৃষ্ট হরে স্থানীর অবাঙালীরা পর্যন্ত এই পঠোগারের সাহায্য নিতে নিৰ্যাত আলেন। তাৰেৰ বাং**লা** শেখার উৎসাহ দেখে বাংলা শেষানোর हेन्क्न स्थाना हरब्रद्ध बाद्धानीसम्ब পাঠাগারে! বাংলা দেশের বাইরে সামারের এই প্রান্তীর ক্ষান্ত নগরে মাতভাবাকে জিটরে রাখবার যে অতলনীয় প্রাণপণ প্রচেণ্টা তা উত্তর প্রদেশের রাজধানী লক্ষেণ্ডে তো নেই-ই নেই বলেই আনি উত্তর প্রদেশের ব্যক্তম শহর কানপরের সাংস্কৃতিক রাজধানী তথাকথিত वारागमीहरू, या फेक्कि दाग्रिक्गोरवद मञ्ज এলাহাবাদে। স্দ্রে সেই অভীতের মিরাট-বাসী নমসা বাঙালীরা স্থিরনিন্চর বুবে নির্মেছলেন বাংলাভাষার মাধ্যমে পড়াশোনা না করলে করেক দশকের মধ্যেই প্রবাসী বাঙালীদের বাঙালীঘটাকও আর বজার थाकरव ना। कारकरे वृष्ट्यत्र वाश्वामा मिल्लक অলক্ষিত নিশক্ষ ও'রা বাংলার মাধামে পড়াশোনার একটি ইম্কুল খুলেছিলেন এই মিরাট-এ। অনুমান করা শভ নর, করে নামহীন হখনকার এই ছাউনি-শহরের বাখালী रिक्रीन्यन প্রবাসী গ_টিকবেক ৰেকেও কীপ্ৰকাৰ বাস্ত ৰ্যাপকভাবে খেটোছলেন এই विमानास्त्रस শতাক কাল পরে আৰু সেটা ই-টারমিডিরেট কলেজ, বে *কলেজ সম*দত

উত্তর প্রদেশে "দঃগাঁবাড়ি" জ্যাধনো বেশ্বলী গাল'স ইন্টার কলেজ" नाट्य क्रियाणस धकपि भिकारकम् वरम था। वट द्वाकार्थ हाती मरचा धरे कलाबर বছ মান ১২৪০: শিক্ষরিতী ৪০ wa: ভবনটা এদের নিজম্ব সম্পত্তি বে লৌরব **ECE** इय-दाल्यानी লাক্ষ্য कावाज य:कानी ইস্কুলেরও, বছরুম নেই। অপচ करे रेज्वनिधेरक भिक्षीयाजी बाधानीटमब क्खरे গরিমা ৷ দুর্গাবাঞ্জি আংলো গালাস কলেজের পিকা-দীকার মান এমন উচ্চস্তরের বে গড় ডিল বছর ধরে সমানে এই কলেকটিকে উত্তৰ প্ৰদেশ সৰকাৰ পক থেকে ওদের অন্যতম সর্বপ্রেণ্ড কলেজ বলে বোৰণা করে চলেছেন। আৰু সেই কারৰে क्षेत्रे करनारकात्र बाह्यसम्बद्धाः कालाम् कालाम সানশে বৃত্তি দিজেন। সরকার দেকেনই ৰা না কেন প্ৰতি বছর এত টাকার বৃত্তি ৷ হাই স্কুলের পরীকার 10 EIC-10 পারসেণ্ট সাক্ষ্যেসফুল: ইণ্টার শতকরা নিরানব্টজন।

শ্ধু কি পড়াশোনার উৎসাহ বিবার দ্ৰগাৰাভি সোসাইটিৰ? बाराव "बार्यव নাটা সমিতি" কম কিছু নর। প্রতি বছর দুগাপ্তার ডিনদিন বাণী PLEATE. রবীন্দ্রজ্বরুতীতে, नयदार्व উপস্থাপনার নাট্যাভিনর মৃত্যু সংগতিভর সর্বাপান আয়োজন ওরা করেন। এ ছাড়া ও'নের খেলাখ্লার বিভাগটিও সভাগ এ ছাড়া ব্রুক্তের ৰাপনের উপাদান ভাস **ভো আছেই, বেজ**ন বাহে "चामन्यवाद्याः অনিবাৰ ভাবে নার বিভিত 'रमन", चार्ड নাটকের রিহাসেলি, আর প্রাণকত আছা বেখানে আমরা বে বাঙালী ভার স্থানিকৰ অথচ বিদশ্ধ পরিচয়।

প্ৰকাশিত হল

সারস্বত

শারদীর ১০৭৬

তবক ॥ দেবপ্রসাদ যেখ (বাংলার পট্টিচ) । বিনয়কৃষ্ণ দত্ত (ভাষাদের শিক্ষা-চিক্ষা-হানিতা। । অংশাক্ষের চৌধ্রেই (কবি জন ডান। । ভারাপদ ম্যোপাধ্যার (আনাবের শিক্ষাবাবস্থা) । স্নৌল সেন ।অথানৈতিক ইভিহাস্চচার রমেশচন্দ্র করে) । রবেন নাল (প্রিক্রেক্সী স্থার ও বেকার সমস্যা)।

কবিতা । বিকা দে । অবংশ মিতা । স্পালি রাড়। কিরণশশ্বর সেনগাশ্বন । রাধীকু রাজা । চিত্ত ঘোষা । কৃষ্ণ ধর । দ্বোদাস সরবার । জ্যোতিমার গলোপাধ্যার । বিত্তের্থ আচারা । তর্গ সামালা । অমিতাত চট্টোপাধ্যার । অমিতাত লাসগাশ্বন । অন্তর্গ দানা । গণেশ কম্যা ভুলসী ম্বোপাধ্যার । রাজাবর হাজরা।

গলপ !! ভিটার কেলপাকক । সোরি বটক । মিহির সেন । ন্পান্তেন কং হোরাল । কাবানটো !! রাম বস্

िष्ठः ॥ १९९८मण्यसस्यकः स्वर्त्वनं विक्षः । स्वरंगातः श्रव्यकः । इदा-वि-विकः । स्वरंगाकः स्वरंगायाः

দারুব্যত লাইরেরী । ২০৬ বিধান সরণী । কলকাতা **৬**

(সি ১৪৪৪)





আপেনার পরিবারের সবাইকে মুস্থ ও মুখী রাখবার জন্য ওদের খেতে দিন

হোরাডল সুস্বান্ত ভিটামিনপূর্ণ পৃষ্টিকর টনিক

স্যত্ত্বে পরিকলিত আহারেও একান্ত প্রয়োজনীয় ভিটামিন ও খনিজ পদার্থগুলির ষাটতি থাকতে পারে। ফেরাডন আদর্শ থাতা-সম্প্রক যাতে যাবতীয় একান্ত প্রয়োজনীয় ভিটামিনগুলি ও আয়রন রয়েছে সুস্বান্ত শক্তিসঞ্চারক মণ্ট বেস্ এ। কেরাভল ক্ষুধা রৃদ্ধি করে, শ্রীরে উল্লম এনে দের, আপনার পরিবারের স্বাইকে বাড়তি শক্তি এনে দেয় এবং সারাবছর সম্ম রাখে। দুগের সঙ্গে অথবা টোস্ট বা কৃটির ওপর মাথিয়ে কেরাভল দেবেন — ওর মণ্টের চমং কার স্বাদ শিশুদের অতি প্রিয়। আপনার প্রিবারের স্বাইকে নিয়মিতভাবে ফেরাডল থেতে দিন স্ক্রান্ত ভিটামিন-পুষ্টিকর টনিক।

स्ट्रभापन

ফ্রোডল দারা পরিবারের স্বাচ্ছ্যের জন্য

BAISONS-7369-BEN



, বিষ একটা চিঠি শেলাম। লিখেছে 🗇 📰 ভারেশ্রের বোশ্টন থেকে অ্যান আর ज्ञान। চिठियेत अक अ.बगाइ सरहरू · কলকাতাতে প্ৰথম দিন থেকে শেষ দিন পর্যতে সময়টাক একটা আবেলের মধ্যে লিকে কেটে গোলা। ভার মাথে কখন যে ⊭ठाइडेशक **क रमार्ग्यम रक्तम**िक बाकराङ পারিন। কোন শিশ্পী ফো উল্ল রঙের সাথে স্মিণ্ধতা মিশিয়ে কলকাভাকে ব্যাপ্রয়েছে। মান্যবের ভিড বেলফ কোর प्रातः जन्धकात् पति १९७७ जालात्कास्करन র্ভপথ সব কিছু নিয়ে কলকাতা আমাদের কাছে সাদসর--আন্তরিক। যদি এই ক্যাবহাল জাবন থেকে ছাটি পাই তাব चारतकवात वारत। कनकारताक मनीन করতে।",,,তিঠিটা পড়ে সভিটে থাশী इलाम। कादन, बजार्या शाकाद मारेन দ্যুরের প্রবাস-কারিনে কলকাভার প্রশংসা যে কোন বাঙালীর মনে প্রশালিত এনে T#2: 1

আন জর স্ভানের সাথে আনার প্রথম পরিচয় **वेद्याचे**त्रष्ट क्रियमस्कारस्य **मिलादम्य क्रमान्त्राह्मः। अवर अध्य मन**्निरै ব্রেছিলাম ওরা আমার সমগোতীর অর্থাৎ "তাসের দেশ"-এর সেই নাসকলাতির মতো "কিছাতেই স্থির থাকতে পারিনে।" চার দেওয়ালের মাঝখান থেকে বারবার পালিয়ে যেতে ইচ্ছে করে পিঠ বোঝা বে'ধে দেশ থেকে দেশদেতরে নানা জাতি নানা ভাষার মাকে ম্বির আনন্দট্ৰক পেতে—মহাবিশ্ব মহাকাশতলৈ বিশ্ময়ট কু একাকী মানবের ভ্রমণের উপ্রেলা করতে। কার না ভালো। লংগ সামানীর কোলন-এ বসে কবিগরের সেখানে লেখা "চাহিক্সা দেখো রলের স্রোতে রঙের খেলাখানি" গানটি বারবার **আর প্রেবীর অনেক কবিতা তো**িতনি পঞ্চিপ আমেরিকার ব্যয়েনাস এয়ারিসে লিখেছিলেন—ভার সেই কবিতাগলো হাতে নিয়ে সেখানে কোন অলস উইলো গাছের निटि "खाटनाटक्त्र निःम्ब नियटित मन्धत মুহ্তালুলো লীলাভরে তাসিরে িতে" कात ना हैका करत ?



কানাতা থেকে বিদান নেবার অবব্যাহত প্রে আটোর। বিনান বন্ধরে জেনারেশ শ্রীকরণতনাথ চৌধুরী কটোন্দ্রীন্তাৰ ক্লেবড়ী

তাই সেবার ৰখন মনে ছলো, নাঃ, অনেক দিন এক জাবগায়ে বৃদ্ধী হাত ব্যব্দি— এবার দ্বাপা দ্বাপা বলে বেরিয়ে পড়া **যাক।** আর তাহিতি হাওয়াই না দেখলে তো প্থিবী দেখাই সম্পূর্ণ হলো না। ভাছাড়া সর্বতীর্থসার কলকাতাকেও তো অনেক দিন বুশান করিনি। তখন অব্যথ মনটা বিরম্ভ হয়ে বলে উঠলো, "শথের প্রাণ গড়ের মাঠ-প্রকটে নেই ফুটো পরুসা-উনি বাকেন প্রথিবী দেখতে!"—িক আর করি। নিতাশ্ত দার্শনিকের মতো মনটাকে বোঝালাম, "বাপ, চিরটাকাল কি বক-পকেটে ডলারে হাত রেখেই ফাটাবে! তার একটা নিচেই যে হাদয় বলে অকিণ্ডিংকর বস্তটি রয়েছে, তার খেজি রাখ কি?" মনটা বাঁতপ্রত্ম হরে আর কথা বাড়ালো না। আর আমিও বেরিরে পড়ে সান্দ্রান্সিসকো, লস এফেলস, হাওয়াই হয়ে জাপানে গিয়ে পেশছিয়ে অনেক দিন পর এদিরার মাটিতে পা দেওরার রোমাণ্ডট্রক অন্যত্তর করলাম। সেখানেই আবার দেখা আান এবং সক্রোনের সপো। আমি তথন হোটেলের ট্যারন্ট ব্যুরোডে ক্মিনো পরা জাপানী মেরেটিকে বোঝাতে চাইছি বে. Night Club দেখতে আমি জাগানে আসিনি--তার জন্যে তো প্যারিসই রয়েছে। সভেরাং Night Club-এর ঠিকানা না দিরে কিডাবে কাব,কী খিরেটারে বেতে হয় তাই বলো-কোথার গেলে শনেতে পাবো হাইকু কবিজা -- रमच्टा भारता हैरकवाना। होते भिड्न থেকে নারীকণ্ঠে কে বলে উঠলো, "ভাষ এখানে কি করছো?" তাকিয়ে দেখি জ্যান

–সদ্য প্রকাশিত—

মহাত্মা গান্ধীর শতবর্ষপর্তি উপলক্ষে অধ্যাপক প্রমোদবন্ধ্য সেনগ্রণেতর

গান্ধীজী ৬০০

[গান্ধীজীর জীবনের বিচিত্র কথা]

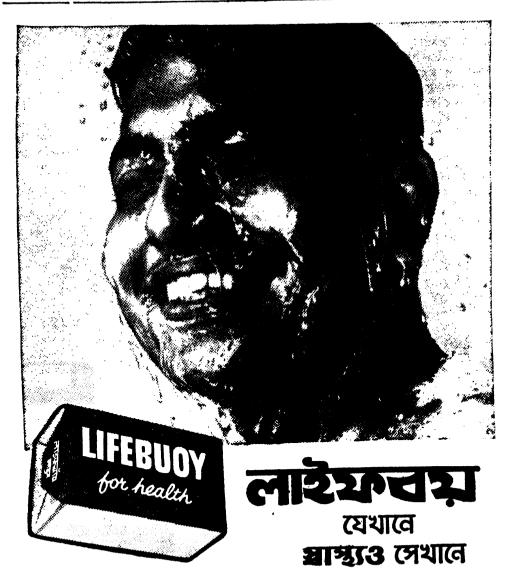


ब्रानाकीं भावतिभात्र

৫/১এ, কলেজ রে: কলিকাতা-১ কোন: ৩৪-৭২৩৪ আর স্ভান। বহু দিন পর ওদেরকে
টোকিওতে দেখে সতিটে খুলি হলাম এবং
প্রকিত হলাম ওরা কলকাতাতেও বাবে
খুনে। খে-কোন কারণেই হোক, কলকাতা
ভারতের বাইরে একটি বিশেষ পরিচিত
নাম। করেক বছর আলো Ladies of
Calcutta গানটি এবং একই পরিচিত স্কে
গাওয়া জার্মান ভাষার Kalkutta liegt

am Ganges গানটি তার বংশ্ব পরিচর দেয়। (এ প্রসংশ্য বলে রাখা ভালো বে, বর্তমানে New York—এ বহু-আলোচিত Oh_Calcutta নামে বে ন্দ্রন-নাটকটি অভিনীত হচ্ছে, তার বেশ করেকটি সমালোচনা পড়ে দেখেছি। নামের তাৎপর্য কোথাও খাঁকে পাইনি।) কিল্টু ভারতের বাইরে ভারত সরকারের টা্রিকট দশ্ভর-

গ্রনির কলকাতার প্রতি বৈমাতৃক ব্যবহার
সর্বজনবিদিত। তাছাড়া, বিভিন্ন বিমান
কোলপানীর বইগ্রনিতে কলকাতার বিবরে
পরেশনাথ আর কালীখাটের বিবরণ ছাড়
আর বিশেষ কিছু চোখে পড়ে না। কিছ্
দিন আগে একটি প্রথম শ্রেণীর পরিকাণে
দেখলাম যে, কোন নোংরা শহরের বর্ণন
প্রসঞ্চো বলা হরেছে, "Clean by Calcutte



জাইফবর মেধে রান করনেই তাজা এরঝরে হবেন । এই চমৎকার সুহু পরিচ্ছর ভাব থেকেই বুরবেন ভা**ল সা**নাবে**র** সবকিছু গুণ তো আছেই লাইফবরে, তারচেরে বেদীও **কী যেন আছে !**

लाउँक्यम् भूलामम्बद्ध स्वाधवीस्मर् भूरम प्रम

शिक्षात लिखावत देखी

Stander । এইসৰ কারণে অস্থীকার করা যার না বে, কলকাড় বিদেশী টার্নিস্টদের কাজে নিতাস্তই আকগ্ণহীন।

সব বৰুম সেণ্টিমেণ্ট বাদ দিয়ে একথা প্রাকার করতে আমরা বাধ্য যে, কলকাতা র্ভারদ এবং নোংরা। কিন্তু আমি পরোনো आर्गित्रम, निष्कन, निष्के देहक পাথবার বড় শহরগবেলাতে যা দেখেছি ভার সংশ্য কলকাভার তলনা করলে খাখ্য क कथारे भटन इत्र. मातिष्ठा यीम कलकाडाद প্ৰাক্ত অভিশাপ হয়, তাৰে এইসৰ বঙ খ্যরের দারিদ্রা এক মহা-অপরাধ। ধনীর দুদ্দ যুক্তরাপৌর নিউ ইয়ক', চিকাগো প্রভতি শ্রবগ্রেনতে খ'লেলে কলকান্তার মতে: জনেক জারগা খ'লে পাওরা বাবে। জার "Could you spare a dime for me_ আমার কলো ১০টি সেণ্ট কি ভূমি ধরচ করতে পারবে? ভদ্র ভাষার এই কথাটাকে Below the Poverty line again and-खतः नाम ना पिता ताथ दश **किका वना**हे कारका । कार्रण, कालामाटक कालामा मा बदम খনিত বলকেও ব্যাপারটা একই দাঁডার।

এই প্রসপ্তে মার্টিন প্রাণার কিং-এর কলাভিষিক বেভারেনত তেভিড আবার্লাগর কথাটা মানে পাড়তে। কিছেনিন আগে
ভিটান বা কলেছেন তার সারমার হলো, চলৈ
মান্টোর প্রথম পদক্ষেপের জননা যে কোটি
কেটি ভালা খরেই হারছে, তা না করে
ক্রাণ্ডের প্রবীর জননাধারেরে জনো মেটা
অবচ করলে ভালো হতো। চলির মান্টিতে
মান্টার প্রথম অবভাররের প্রিপ্রেক্তিতে
মান্টার প্রথম অবভাররের প্রিপ্রেক্তিতে
মান্টার প্রথম অবভাররের প্রিপ্রেক্তিতে
মান্টারিকেরমারী যুক্তরাপ্তের প্রশাসার
ম্থার ভব্ন সোচার একজন নেতৃস্থানীর
লোকর মান্ত এ ধরনের কথা সারিল্রের

ভাই কালাভাতেও পারিচা এবং বেকার সমসাং চোরে পড়বার মতে।। প্রধানমন্দ্রী শিলানীল্যার নির্বাচনকালীন ইস্তাহারে বাবতার হে Just Socity বা কথা বলা হয়েছিল, তোর সমোন্য অংগত বোধ হয় সফলতা লাভ করোন। স্পোন কাগতে সেখলায় একজন নেতৃস্থানীয় লোক মশ্ছবা কারভোন —

"Treudeu has made the Just Society only for the Rich—not for the Poor".

কথাটা ব্যৱিসপাত কিনা, সে আলোচনা তুলতে চাই না। কিল্তু এ ধরনের উত্তি এই ক্যানাডার জনসাধারণের একটা বড় অংশের।

তাই বলছিলাম, দারিয়া কমবেলি
প্রিবারি সব দেশেই আছে। কোন Isstiএর দেশ হরতো তার থেকে মৃত নর। আর
প্রিবারীর সব কাটি বড় লহরের সমসা।
কলকাজার চাইতে কর নর কোন অংশেই।
নেই কারণেই কলকাজার বিবরে জনত
ক্যাকার্য্য ইন্যাক ক্যাকার্যাকার নীরবভা

এবং অধিকাংশ বিদেশী পোন কোশ্পানী- । গালির অভ্যতা সহিচ্ছ প্রীচাদালক।

'গলনা শছর'' কলকাতা নোরো। সে কথা সতিয়। কিন্তু কলকাতার বে আরও একটি র্প আছে, সেটার খেলি ভারা কোলনিবও রাখে না। কলকাতার মান্বের জীবনের হাজারটা দ্বেখ-বল্গা-বেগনা সর্বাক্ত্র ছাপিরে কিন্তু গোরালার পলির ছোট্ট আকাশের কালিট্রুতে জনাদিকালের বিরহ-বেদনার রও লাগিরে সিন্ধু বারোরার স্বে বেক্তে ওঠে বার বার—সের কান পেতে লোনার মতো হামসিক প্রস্কৃতি ক'জনের বাবে?

সে কথাই বলছিলার জ্যান এবং সন্মানকে জ্যানের দ্বে-প্রাচ্যের দেশ-প্রেলা পরিবর্গনের শেষ পর্যানে ব্যাংকক থেকে পেলনে উঠে। জ্যার বলেছিলার, বলি পারো তবে কলকাতাকে তথা জ্যারতবর্ষকে হাদর দিরে দেশো। নৃপো বছর বরে প্রোহিত দেশটির জ্যাজনিতা হাদর বিরে জন্তুর করে।

তারপর ওদের জব চার্নাকের কলকাভার স,ভান,টি. গোবিন্দপরে काली बहारे व ইতিহাস থেকে ভারত্ত করে ত্রাধনিতা আন্দোলনের কথা, দেশবিভাগের পর হাভারটা সমস্যা, ভারতকরের সাংস্কৃতিক চেত্রনার পটকুমিকার কলকাতার সাহিত্য চলচ্চিত্র প্রভাতির বিবরণ ওদের দিরেছিলাম। কারণ, ভারতবর্ষের সাংস্কৃতিক পঠিস্থান কলকাতার বিষয়ে আমাদের অনেক কিছু বলার আছে। এ বিষয়ে আমার সংগা অনেকেই একমত হকেন বে, কলকাভার হজে। এমন শহর খবে কমই ভাছে, বেখানে বে-কোন ভালো নাটক হাজার রজনী অভিনর করে, বে-কোন উচ্চাপের সংগতি সম্মেলন সারা রাড ধরে হয়, জার এড সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান হয় প্রতি মালে।

প্রথম দিনটা ওরা কলকাতা দেখেছিল পশ্চিমবণ্যা সরকারের উত্নিলট দশতরের ভ্রমণস্টী জনবোরী। ভার পরের কটি দিন ওদেরকে কলকাতা দেখানোর ভার নিরেছিলাম আমি এবং আমার করেকজন বশ্ব। শির্লাদা দেউশনের অভিস-ক্রেডা জনতার ভিড থেকে আর্ম্ভ করে নতুন এবং ৰলভাতা সৰ্বাক্ত ওলেবকে দেখিরেছিলাম। ভার সংক্রাছিল শিশ্র রঙমহলের অনুষ্ঠান, মান্তাপানের থিরেটার. কবিগরেত্র গাঁতিনাটা. আকাদেমি অব ফাইন আট'লের চিত্র প্রদর্শনী, প্রভৃতি। যদি ওদেরকে সতিটে কোন নকুন ধরনের সন্দের জিনিস দেখিয়ে থাকি তা হল মুক্তমেলা। বিদেশে এ ধরনের কিছা সমাবেশ দেখেছি লন্ডনের হাইভ পাৰে, প্যারিসের মমার্ডতে, নিউ ইয়কের প্রীনউইচ ভিলেজে। কিল্ড একই অংশ এত রূপ আর কোখাও চোখে পড়েনি। কলকাতার জীবনের অগণিত সমস্যার সপে মুক্তমেলার মুক্তির স্বাদট্রক সজ্ঞিই আমাকে বিশ্মিত করেছে। সারাটা দিল আমাদের কিজাবে কেটে গেছে বকেতে পারিন। শুখ্র ফেরার সমর আনে আর সজ্যোদের অনিতে ভরা চোখের দিকে ভাক্তি কলকাতার সন্কেরে **बनावा**न ব্যানিরেছিলাম।

অবশেৰে একদিন কথন গুদের কলকাতা ছেড়ে চলে বাওরার সময় হলো তথন দমনম বিমানবলরে প্রশন করেছিলাম, "কেমন লাগলো আমাদের কলকাতাকে?" ভার উত্তরে আনে বলেছিল, "মনের ইজেলে কলকাতার ছবিতা বেভাবে আঁকা ছিল, কোন নিপুণ শিশপী কো করেকটি ভূলির টানে তাকে এক আসামান্য রূপ দিল।"

ভরা চলে আসার পর কলকাভার আমার
ভারও দুটো মাস কেটে গেলো বন্দুদের সংশ্ল কৃষির কাপ সামনে নিরে সাহিত্য আর
রাজনীতির দুরুহু তবু নিরে মহাবিজের
কতো মাধা নেড়ে, বাল্ববীর বিরেতে
বাসর্থরে ফ্রেকনে মস্ত মাতপোর মতো
স্বার সংলা 'বাজেরে বালরী বাজো" গান
গেরে, কলকাভার পথে পথে ঘুরে বেভিরে,
বিরাটছকে অন্ভব করে। কিন্তু চলে
ভাসার দিনটাতে দেখলাম আরও কত ইছা
ছিল, ভার কিছুই হল না। স্বগ্রলা
ইছাকে আরও তীরতর করে দিয়ে জেট
ভাবক আরও তীরতর করে দিয়ে জেট

বৰ্তমান শতান্দীর একটি অসামান্য বই হোচি মিন ও ভিয়েতনাম

বরুণ লেন-এর একটি অবিস্মরণীয় গ্রন্থ

প্রকাশিত হল 🎍 সাত টাকা

পক্তিৰৰ : মৌস্মী প্ৰকাশনী, ১৫/২এ কলেজ রো, কলিঃ-৯

खाँचत्वत्र कप्ततीराणा...काप्तल लावण



উপরে উঠকো, জানকা দিরে শেষবারের রতো দেখলাম কলকাভাকে। স্বট্কু বিধনতা ছাতে কেলে দিরে ছাকার আলোর বালা পরে হেলে উঠলো কলকাতা।জাণ্ডরা জ্ঞান রূপে তার।

ভাগে ভার স্ভানেকে ভারি দেখাতে
চেরেছিলাল চারিদিকের জরাজীপভা ভার
ক্রভার লকে কলকাভার ভালতরিক
প্রসমভার ভার ব্লেটি। বোকাতে গারেছিলার কলকাভার সাধারণ রান্বের
দিলপীকনের বোরাভিকভার কথা। জীকনের
ব্লেভার করে কবিভার দিনেকভা, কাবোর
পদ-লালিভা-ক্ষোর মুক্তে গিরে বালের কাছে
প্রিয়র চাদ কললনেনা রাটি হরে কঠে—
ভাবার ভাদেরই সামনে "সমসভ দিনের দেশে
দিলিবের প্রেলর মতো সংধা। নামে",
পাথির নীভের মতো চোখ ভুলে নাটোরের
বনসভা সেন একে দ্বিভার বারবার।

ভূজন মনে শিবা ছিল, হরতে: সঞ্জ ছইনি: জিল্টু এইদিন পর চিতিট পেরে মনে হাজ্জ আমালের কলফতাকে ওদের ভোলো লেগেছে। এবা ভালোবেশেছ আমাদের লহরটাকে: সতি; বড় ভালো লগেছে চিতিটা পেরে।

*

ক্ষানিন পাছে প্ৰেছা জামানের সংগো প্ৰথম কথা তেই ও বজালা গাতামান কই নাই জানেশ বাইসা আমানা জানে বাংগীকুবির গান গান্নিই শান্ম উমানে প্রাণের গান মানে কর্ম

ভাষাল ক্ষর নিদেব মান্ধ বেখান প্রকার কর্মন কর্মন করিবল ভাব করাল ওলে আজ্ঞ চিত্র ভাব করাল ওলে আজ্ঞ চিত্র ভার করালের কর্মনের করেবল করে

াভাই রে প্রবিধা হল হে শম্মান - ষড় ধনী মান^ত অভিযানে

সংল পোল বিদ্যুস্থান " আমাদের খারে বাখাতে পার্থানা আমার জিলা এসেকী

কিন্তু সেদি। কামকের কথাই শ্নি
মনে হলো সব বৰম বাজনী হিক ফ বিল্ডার
উদ্ধা কেছাখ ব্যন এবাই বেশাস্ত ব্যব
বিশ্বেক্ত কেছাখ ব্যন এবাই বেশাস্ত কথার
কলার বাঙ্গা কপার বাঙ্গার মাধ্য সেই
হারে দক্তিয়ে একদিন। ধ্বার রবিব
আসাবিধ্যা বির ভ্রমান ক্রিয় ভ্রমান ফার
করে ক্রেছ্ টেনে সেবে। বাঙ্গার মানী

বাক্তদার জল একাকার হয়ে মিলে নিয়ে অপর্প প্রসম র্গে হেসে উঠাবে ভূবন মনোমোহিনী বাংলা লা।

degra segfu Tagore Society.z वयीना-न्यवन क्या कार्यात्मव क्रिम दम कथाहे ভাৰছিলাম। ৰে নামের আকর্ষণ সীমাদেত্র কণাৱেই ভাষালকে ভাষাদের ভাষের মানার করে ভোলে, ভাতে সম্রাথ চিত্তে স্মরণ করার एक शक्त वर्गात्रवर्णक आमारमय केनाव बरहरू का भागम करत कड़े स्मामाहेतित कर्मकर्णाता जनाव धनावान कर्माम करवारका। शह बावके क्वीर बनाकीरन अरम शहन করেন স্থানীয় জিলপীরা এবং সবার লেবে দেখানো জন্ধ কৰিপাৰতে জীবনী নিজে স্কালিং ৰাম্ম মচিত চলচিত্ৰটি: একক সমবেদ্ধ সংগতিদ্ধ পরিবেশন করেন ভীমত্তী চিতা মুখালা, স্কিল্ল বাবেলি, প্ৰতিমা য়াখাভি সাহিষ্য ব্যানাভি এবং শ্ৰীসাভাৰ মুখালি, রবীন মুখালি ও জরুর দীপক মাধালি। "কেল আলোতে প্রাণের প্রদীপ" প্ৰেটিৰ সপো একৰ নাছে৷ ছিলেন শীয়তী দীপিত সরকার। **এ-দেশীর দশকদের কাছে** গানটির ভাষার্থ বর্গনা করেন জ্ঞার শ্রীক্ষম मयकार । चनाकानिएए चारवक्ति छेप्राय-বেলা সংবেজন ভিল ভইর দ্রীঅমির খোৰণলের রবীল্য-প্রতিষ্ঠা নিয়ে মনোক্ত অপ্রকারনার ।

এখান সাম্প্রতিক কালের আরেকটি স্মার্থীয় সম্ধান ছলো State University of New York-এর ভারতীয় নাতা 🔞 रिवयक सिकितिः जशानिका प्रश्निक के जिल्ला है। इस्त्री के किस्त्री के किस्त्री के किस्त्री के किस्त्री के किस्त्री के किस्ता के किस्ता Property Statement ্যাক্ষী সহকাশ্বর একক मार्गमार्थाम। जन्देशमधित जहराज्य कार्यन esas India-Canada Association: অভারতীয় দশকলের জনো ভারতীয় ভাগকর্য ও চিত্রমিলেশর ব্যক্তিন পলাইডের প্রতিটি নাজের ভাবার্থ হল'না नाके हेवाक व **डी** सिक्कान ছবি ज्ञानसङ् क-र्जन्दव 4 C ... অনুষ্ঠানটিকে আরও সালার করে তেনে। অনুষ্ঠানটির প্রথম অংশে ছিল মণিপরেই ও ভারতনাটাম। স্বিতীয় অংশে ছিল রবীন্দ্র-सार्थद शहरतब प्रायहम दर्गा स বিভিন্ন ৰূপ। প্ৰায় কোঁটা দ্যাঘণ্টার **光光: 7**吨 जन-कीर्ना हैत ্স ক্ষমায়ত ত্র পদল্পী দল্পি**ন্দা**র মাণ্য কারে।

গত জালাই মাসের এক তারিখে ছেনারেল শ্রীক্ষরতনাথ চৌধারী কানাডাই ভারতীয় রাখিল্টের পদ থেকে বিদায় নিয়ে পেলে। তাই রাজধানী আটায়াত গিয়েছিলায় তাঁকে বিদায় জানাডে। প্রাপোছলা, দ্বীঘাকায়, সৌমাদশান মান্যাট গত তিন বছর ধরে জানাডার প্রসা ভারতীয়ানের একালত আগমজন ভিলেন। মান পড়ছে, কিছু নিন আগে একটি

কানোভিয়ান দশ্পতির সপে আলাপ হয়েছিল। ভারতকরের বিষয়ে কথাপ্রসম্প ভারা কলেছিলেন, 'শ্রভাষানের হাই-কমিপনারকৈ আমরা Expo'67-এর কোষে লেক্ডেড-

One of the most impressive personality we have ever meet", কথাটা আমালের কাছেও ঠিক তেমনই সভিচ। শুনেছি, বিদায় নেবার কিছু দিল আসে অটারাতে একটি অনুষ্ঠানে উনি লবার সংগ্য গান গেরেছিলেন "খন বানেট প্রেণ ভরা অভাবের এই বনুম্বরা"। গানটি শোলার সৌভাগা আমার হর্মন। কিন্তু খানতে পেলে নিন্চরই তলো লাগভো। জেনারেক প্রীভরত্তাথ চৌধুরীয় কঠে গান্টির কোন নতুন ভাষার্থ হয়তো খাতে পেভাম।

এ দেশের প্রির সামার-এর বিদার-লাক্ষ উপস্থিত। এখন নিশির-ডেকা খানে খানে অর্থরাজা চরপ কেলে পারংরাগীর আসার সময় হলো। মনের মানে পঞ্জিক মেনের দল আকাশটা ছেরে ফেলে শার বর্ষার বারা অকুপশক্তবে চেকে দের পপলার, পাইন আর মেপলের পাতার পাতার। আর জার বর্ষণ-সংগতি বৈদনার ছারা ফেলে মনে করিবে দেয়া ক্যাতি-বিক্মাতির পথটাকু পেরিবে জননাস্তর সোহাদ্যানির কথা।

এখানে এখনও লোকের মুখে মুখে মুখে মেরে চলৈ মান্ত্রের প্রথম পদক্ষেপর করিনী। আর আমি ভাবি একটি স্বক্রের শেষ হলো: চলিমামা জার আস্তেব লা কপালে টিপট্র লিভে—সাত সম্ভ তেরো নদীর পারে চলৈর বাড়ী জার চরকা কটেবে না। শৈশবের সেই মধ্য কপানা গালো Sea of Tranquilityতে ধারা খেরে চরমার হরে ডেঙে গোলো:..... সতি। বিজ্ঞান যত নিঠ্যে।

নীলাদ্র চাকী

কিপ্তিতে বান্তিকৰ



২৮৫, টাকা গালেছ প্ৰাথ বী বিজ্ঞান্ত ন্যাল নাজ ভিলান্ত ভ ৩ ব্যাল্ড জন ব্যাল্ড প্ৰেটেক্ত ইন্ডিক্টৰ

মালিক ১০ টাকা বিলিত্যত কিন্দে। **এডি** গামে ও গুলার পাঠনে বারু। **লিখনেঃ** Impex India (WD) Kallash Nagar PB 1045 Delbi-A

রুপরিচিত রুপরিচিত নির্করযোগ্য ক্রতিষ্ঠার বৈসলৈ ডেকবেটর ১২৩.চিত্তরঞ্জন এডিনিউ, ক্রালি ৬

উপহারের পক্ষে চমৎকার

ব্রিটানিয়া কোহিনুৱ অ্যাসর্টমেন্ট



ब्रिजिया पाति र प्रवा विश्वरे

বাংলার চালচিত্র ॥ ১॥

'रमण' की गरबा देगदम काम्छाका সিরাজের বিভালের ভ্যন্তীয়' প্রসংগ্য প্রতি-दावशामि शक्ताम। किन्छ क्यकां विवास काष्ट्र स्थान अक्षा होत शास्त्रकाष्ट्र साम् আনুখ্য 'দেখা' পরিকার ধাবার চিক্তরত প্রকাশিত বাংলার চলচিতের লেখক আদারে श्रम्बात कोत 'बारमत साम सम्बद्धी' तहसाहित्य গালের মোডল লক্ষ্যণ বাণের মাখ হিলে বিজ্ঞা সন্বাদে**ধ যে তথা**গত বিকৃতি ঘটিনে-्रह्म **छ। इन मामागावित्रम स्माद्ध म्द्र**को <u>क</u>्षर সতিটে দঃখেজনক। এখানে ভাকণ বাগ ভূথা প্ৰথক জন্মার সাহেব বিহুল্লা লাভাওত নতেক দেভেনার কথা না কেনেট স্থীয়া-বন্ধ আন্তর্গালক অভিক্রান্তার উপর ভিত্তি করে একটি সাধারণ সিম্বারেত উপনীত হ্রেরছেল। <u>চন্দ্রেরেডের সন্মের</u> পিস্ন স্টিলস্টেডনাতার শোলনীয় অভার গাণীছ। বৈশ্বলা এই প্রাম্বর্গনার - সির্বালয় সম্পর্কর বিচিত্ত প্ৰশাসন্ত ভালিবেদ্ৰ সৰ কথা ক্ষান্য কোম মামানিক **পাঞ্চেই** সংগ্রৰ । ১৮। কিন্তু এই সৰ ভথাগত কিছা বিশ্বা বিক্তে সংক্রে জানবার সংযোগের লোঘার মধেংকান লেগকের প্রতি ব্যক্তিগত অনুমাণের কেন উত্তপ বা ভিশ্বতা দ্বটো উঠেছে প্রদ্র আমার कार्ग क्षेत्र । स्ट : रक्षण क्षित्र का पहुंचा है। तर्ग कुक छा है उत् अध्य कात्रनः प्राप्तात हमाहास्य শংভগতি বছনাগালির বভিত্রতাত সংখ ক্ষেত্ৰৰ প্ৰাম্যাংলার বিভিন্ন भूत इ.स. আন্তর্কেন বিশিষ্ট ধবকুরে মনোনুষ্টের মাধ্য বিয়ে ব্যস্তামান্ত প্রচার 😙 জ্বারিক সম্পর্ভারী - পর্যার্থ আত্ৰপ্ৰা ভ মানাসৰ প্ৰতিভাগ, নিচৰ কৈলে **কি**শ্ৰুমেন স্থাছিত কলে তুলাভে ভাইচেন্ড 73x 9xxx 518 THE CASE OF THE CO এক একটি দ্বাল্ড দ্বালিদ্রাল্যাটি বাচ্যান্তমটির ল্ডেড প্রেলি কবিষ্ট লে। ইড়েছে। হতকা পরিষ ক্লেকে ছার্মট নিসারে এই সৰ ছবিশ্ববালৈ কথালা কথানা আৰ্থছবিশ্বাৰ ম্ফর্তিক রচ্ছেলিক্ত তাকির এবং গ্ৰাহাক শিক্ত বিশ্ববৰীক্ষায় সংকীণহিনা **হয়ে** উঠেছে তথ্যেই সপো এদের মধ্যে পাই পল্লীগণ্ধী সর্লতার মাধ্যা, মৌল অকৃতিম আবেগনেড়ভির **স্বন্ধুন্দ প্রকাশ। আর**

কিহ্তিতে দ্রানজিস্টর



(ব্যালানিট প্রমন্ত) ০ বা ব্য আ ল ৬য়বর্ড গোটোবর ব্যানিকক্ষার মাসিক

্ লকঃ কি.সংগ্রে। তাতি **প্রায়ে ও শহ**রে আকলে যাস। বিশ্বনা

> VIRLA AGENCIES (18) Roop Nagar, Delhi-7



এইজনাই এদের এত ভাল লাগে। এমন কি
এবা যথা বলে, বাংলাবেশের রেথক্যা
কিছু গোথো করেন ভার। তিজন আর
ভাগর তফাং জানে না, কেনে সাপে শিস্
নির না দের তা জানে না, শাগরের শিক্ষিত
সমাজ ধন চেনে না—তথান এদের ভাল
লাগে। এদের ভাষা আনালিও, বিচারের
মণেকানি। পন্ধ, মনের আনিটা ভোট
ভার আনক্ত তর্ এবা অকপট।

আৰু একটা কথা হয়ে বাখাত হাৰ, লক্ষণ বাব্য ভূপবার সার্থাবের ক্রপ্যানর সাঞ্চি নৰ পৰে হাৰ পিল ডিনি নিজেৰ **কথা** 5 সাম ি। আহি বহনুর জালি, তিনি বঞ্চল ভানাৰ আগ্ডগাড় কোনা এক গাঁচেৰ ব্যান্ত মন্ত্রী। তিনি স্বস্থীপক্তি হলেও পদ্রশিভাত্তক যে কোন রচনা আগ্রহের সহাল পাড়না ভারি কথা অম্বেক অংহাজ্ব হলেও সহাম্ভূতির সংকা লেন্ড উচিত। কেন একথা - ধনাছেন বোকার চেম্টা করা উচিত। আমার মকে হত বাংলাদেশের শিক্ষিত ও সাহিত্যিক সমাকের প্রতি অসংখ্য প্রামীণ মান্যেষ্য স্বাস্ত্রব্দা ক্ষেতি তার মুখে নিয়ে ফাটে অন্তেরে অসংখ্ প্রথীণ বে পরে ছে : भागाकारत क्षाप्ट संस्कृत ताला हु प्राप्त, व्यातास যে সত সাহিত্যিক কাছিল কথা বিধেয়েক, फॉल सामक साहे जाराम शीहा লেপ্তেলি প্রায় বা সিংগ্র গ্রিলেস্ট্র আন্ত নিতিত্তালয় ভালনে প্রতিশ্ব মান্ত্র-দের আগতেও জগতে এগুদ ভাগেলে দেয়ি দাহাগেৰ লংগ জানানে। ছাগ্ৰ ছাগ্ৰ বাংলাক। বইস ভিন্ন পাহাত সমা<u>ৰ</u> বেথবাৰ জন্য ছন্ট িংলে বাংলার শিলিকাত সমাজে যে প[্]বমাণ অহুতি উদ্ভাষয় করেন, কংসার বিভিন ক্রেনায় গিয়ে শিশিববিশ্ববিশ্বত শীব দেখার **জনা** ভার এক কণাও বদি বছরে একবার তারা বায় করতেন! লক্ষণ বাগের ক্ষোভ হয়ত সেইখানে। তবে শংখ্ বজবন্ধ নিরেই বাংলা দেশ বাগের ঔষতাপূর্ণ কথার মধ্যেই ইংগ্রিত আছে। আর জম্বার বজবজ ছড়ে৷ আরও - কমেকটি কলা লিখেছেন এবং আদা করি লিখবেন। ভুৱি বাংলার চালচিতে" বিচিত্তর ও ব্যাপকতর পটভূমির জন্য প্রতীক্ষা করব।

্ষিচার তথ্যতিক রচনা আল সংহিত্যের প্রায়ে পাড়েন চাক্ত্রে কেট যাত্তার নরস্থী মনের মিন্টি ডেকা ও ক্রীকনবোধের গভীরতা দিরে নাহিতারক সহাধ করে তুলতে পারেন বৈ ক্রনাকে, তাংকে কতি কি? (এই ধরনের সাহিত্য-রসসমুখ প্রযোগনার উপর কেবা ফিচরে সিরাজ সাহেবের কাছ থেকেও আনরা পেরেছি।)

জাবনের বহিরপা ও অশ্তরণ দুটো নিরেই সাহিত্যের কারবার। কিন্দু এই বহিরপা তিলা তিল দেখা হার গৈছে, মান্বেরর পেশাগাত খাটিনটি বিশ্তর জানা হরে গেছে—সিয়াল সাহোবর এ কথা মান্তে পারলাম না। এই দুটো আগা

अधाना भरकवेबाक 8

শক্তি-সুনীল

मिक हाँ भाषाय उ

সুजोत गाजाभाषाय- अव

স্নিৰ্ণাচ্ড কৰিতা

त्याक्षाकाक स्वाह्य

অধ্যা প্রেটবৃত ১ থেকে ০ সংশীপন চটোপাধ্যায়ের

সমৰেত প্ৰতিষ্ণাণী ও অন্যান্য ৩০০০ কবিতার প্রেম্ব (ছাপা হচ্ছে)

তুহার রাসের

(नव मोका (हागर वास्क)

অধ্যন

্বি ১৯৭/১ ডি স্হেডিন ন্টেডি জলকাতা

ing





रभारतेंबल फोर्नाक्षण्य भारतक त ট্ৰকা কিচিতে। সভোক প্ৰায় ও শছৰে भागम याहरू भारत।

HAD AGENCIE SCALNOLHAPHE BOAR DELHE

हालकाकव खाविष्काव

লৈলান্দল একখে'ছেমি খেকে বাঁচন অবস্থানভার একটি অহিন্দান - বা হাতে পেলে খেডিং স্থাপ, সাবাম আর ক্রীম আপনি €তে ফেলে দেবেন—ভারতে এই সব'প্রথম श्वकिष हता।

अवहारीहरू प्रकार हराइ को वार्षिकार रक्षकामाह त्रक्षक व्यक्तक रक्टाई श्रादाका হতে—মুখের ওপর নর। কৃইক-এন-কুলি এর (জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই इरका मनहाडेरफ कविकामा चप्रेमा सथह धरे দিয়ে আগনি কডি মুড ও চমংকার শেভ कर्ता भागरका।

আপনার রেডের প্রান্তে এক কেটা ক্রইক-এন-ক্রীন ঢেলে নিন্, তারপর মুখ **কল দিয়ে ভিজি**রে শেত করতে থাকন। আপনার রেজর রখন দাড়ির ওপর দিয়ে কার্পেটের মন্ত কোমল প্পর্শ ছড়িরে এগিরে স্থাৰে আপনি তখন জীবনের স্বচাইতে বড বিচ্ছত বোধ করবেন। বারের দিক দিয়েও এটিছে সাশ্ৰহ হয়। এক বোতলে তিন मान हरना

নিটেট জীবনের সভা। কোন এক বিশেব হাগের সামার মধ্যে জাবনের সভ্যা বেমন আৰম্ধ হয়ে খাজে না, ডেয়নি কোন বিশেব যাগের মানার জীবনের বহিরপা বা অণত-হংগতে জানাব কাজ পথাৰ কৰে ভোগত পাবে না। আৰু সমাজের বাস্তব অবস্থার প্রির্ভানের সংখ্যা সংখ্যা গাঁরে ও মানাষের জীবন জংগিমার হৈ ব্যাপক পরি-বর্তান হটে হাজে তাতে জীবনের বহিরপাকে জানার কারু বেডে গেছে। সাহিতা বারি য়ানসের জটিল গভীরভার প্রবেশ কর্ক ক্ষাত নেই: কিল্ড সঃখের বিষয় ব্যন্তি-ক্ষীবনের বহিবপাকে জানা ছাড়া সেখানে প্রবেশ করার জনা কোন পথ মেই। নিজের no ferm was nave winte Introspective वीकि जानका महाविद्यास অচল। আৰু কারো মনের গতি প্রকৃতিকে জানাত হলে ভাৰ বাইবেৰ আচৰণ বাড়া ও ডার সংখ্য সম্ভবন্ধ মেলামেলার মধা দিরেই তা জানতে হবে। যদি সাহিত্যিক মনে করে থাকেন. बाग-स्वत कौरासर राष्ट्रेरवंदे कालक कामा रहत शास বলে এবার ভার মনের ভিভরটাকে ঘটাঘটি করে সাহিত্যিক উপাদান বেংগাজ করতে হবে, ভাহলে বলজে ৰাধা আক্লাকৰ দিনে আয়াদেৰ সন্তাৰ ৰ ক্লাডিব জীবনের বহিরপাটা ধ্রে বেলী केस व বলেই তিনি সেটাকে এডিলে কাকি মনের গভীরে ভব দেবার চেন্টা

2010 ছিলি भावताल किल 1076710 Sophisticated আपाधियान एगाएए।

माधाः गातुक्षन एवाय TOUR

. . .

AV जाया। 'दिल्ला'-आह जारकाहेला किकारत সৈমদ মাশ্ডাকা দিবাক, 'বাংলার চাল্ডিচে'র লেখক আন্দলে স্তান্তাবের যে সংগ্র ক্ল লোচনা করেছেন ভার জন্য ভাঁকে ধনালাদ -ভাষার সাহের গ্রাম বাংলাকে অনেক জেন कर्त कार रमर्थान धरहरका, अवर कारणकारक লা কোনো কোখার কন্য ভারের প্রতি কটাকে<u>৷</u> भावत करताहम। किन्छ छोत् छन् अरचन्त লেখার একটা লাইনের জনা তিনিও স সমান লোৰে দেবি হয়ে পড়েজন 🕫 ি.৯ ट्या**श्वत त्थ्याम करा**लील। कार्थार का रक्तक ছিনি একটা লাইন লিখে ফেলেছেন। ভিনি निर्देशका. कवि विवहक क्रम-क छिन्ती हो। व्यासारनंत्र रमरमञ्जे हराठ भारतः, क कार्ट्रस्क ক্রেন তিনি লিখলেন ব্রুক্তাম নাঃ করেন এম এস-সি (এগ্রিঃ) ডিগ্রী এমন কি কঠি বিষয়ে পি-এইচ-ডি ডিলা ডে এলেকট रिष्टका **रख** कावर दारका *रमाभाव* বিশ্ববিদ্যালয় ও কলিকাতঃ বিশ্ববিদ্যালয় থেকেও দেওয়া হয়। এখন চ্ছা পাচ্চ লক্ষাণ বাংগর ভাষারতেই বলগ্র রস নর্ভাগত **ो कार्य माडेस दलगाह इत्यानाडे इताह पू**र्ण **चारमी कारना ना' करनरमत** किन्नात श्रदक 4 .



किया कारण जिल्लाम-'अवनी अवरव লেলেকে এতিকালকার অধিসার করে লিকেট शर्व ? यक्ष बाटन क्ष होता हह शाहा का লামে?' এ প্রসংপা আছি বলি, যে জোন ছেলেই, লে শহরে হোক বা প্রামা ছেক মা ran algerens wishes are recon हाटक अवनाहै अधिकालहार जिस्स किती BIN TIN THE REAL PROPER COM শহরে কেলে'র এতিকালচারে ভিন্নী ভোগা দাস করার পর প্রতিকালচার অফিসার হতে शया द्याचाह ब्राक्ट भारताच मा। कल बाह्र BO DIE ER HI WINCELS WINCE AND केरभाग्य कि करत वार्षित करात कर का प्रासा बारतः थान मन्दरंख मा स्वासी थान जिल्ह कीवटा रमधात क्रमा करतकात कीवट श्रीष रिटीम क्योच्य क्टझाइन। अवात स्वा^डन-अकान भारत्वत स्थाता नौदनस्य सकान বাংগর কাছে জানতে চাজি বে ধান চাব ভরতে নিশ্চমই নাচের দক্ষার হয় সেট সৰ সাত-वचा आस्त्रानिकाम नामदक्ते, आद्रशनिकाम मार्के के के विका कि के बात के महोत रवाम ज्याम छन्दि म दब कन्छ भारमन्छे मार्डेटब्रेटबर, गरीम, वा कम्टक्रे बाट्ड छ। नकान वान कार्त ? अवर म् क्लर्स वावशाव করলে সেটা ফসলের প্রতি আপৌ স্বাল্যকর হর না এটাও ভার জানা উচিত। কিন্ত क्षेट्रण्ड मन्द्राण वास्त्रप्रस्य कालवाद प्रस्कात इस मा। कार्य हाएइड नाम माम दाबालडे एएएव কাল চলে হার। তেমনি ঐসব কবি বা সাহিত্যিক প্রাম-বাংলার দেটাুক জানার দর্কার তা জেনেভিকেন ভার বেলি ভাষের দ্বকার হর্ন। সৈরদ মুস্তাফা সিরভের সমা-কোচনার পর আলা কর্ব আক্রের ক্রক্রের ভার গ্রুমণাইগির একটা কম্বেন।

স্ত্ৰত ভৌমিক হাওডা—৪

101

শাংলার চালচিত্র'-এ গ্রাম বাংলার কতক-গর্নীল উপভোগা হবি পাওরা বাছে। ১০ আদিবন ভারিধের লেখার গুটো ভূল চোখে পড়ল। সংশোধন আবল্যক।

- (৯) জোরার উঠতে তিন ঘণ্টা আবার নামতে তিনঘণ্টা।' জোরার ও ভটার স্থিতিকাল প্রার হর ঘণ্টা, তিন ঘণ্টা নর। জেলে-মালো মাজি-মালা সওরারি স্বাই জানে, পাজিতেও আছে।
- (২) 'বাউলীদের (বারা মধ্ সংগ্রহ
 করে)...।' বারা মধ্ সংগ্রহ করে তাদের
 মউল' বা মউলো বলে। বাউলী
 (বাওরালী), বলতে গোলে, বান বনের
 গাইড। ভূকতাক, মন্তেরেডতেতার, চলাচলের বিধিনিয়ম তাদেরই জানা। কাঠ্রে,
 মউলে, শিকারি স্বাই বাউলে সংগ্য নিরে

ক্স ভোকে। আগেকার বিনে অগতত এই রেওরাজ ভিল।

> অনিলকুমার দাস কলকাতা—২১

ভারেরির ছে'ছা পাড়া

উপন্পার করেক সংখ্যা হয়ে দেশা-এ

ন্রক্ষালিত কালার দাতিরেন-এর ভারবারি

ক্ষোল পাতা আমার আকর্ষাপ করেছে। তার

ক্ষোর বৈঠকী ফেলাজ সহজেই মন টানে।

দেশা-এর পাতার কালারের প্রথম পরারের

ক্ষোলালো পড়কার সোভাগ্য আমার হর্নান।

ভব্ম আরি নেহাতই হোট ছিলাম। ক্ষিত্র

ক্ষাতিরেন তার এবারকার মনোরক রচনা
স্কাতরেন তার এবারকার মনোরক রচনা
স্কাতরে আমার কেব মিটিরেকেন। একজন বিশেলী ক্রেকের এমন সরস বাংলা রচনা

আমারের আশাতীত। সর্বাত্তে ফাবার এবং

রচনাপ্রকাশের বারকার বারকার জনার রাজা

ক্ষালাবের আশাতীত। সর্বাত্ত ফাবার রাজা

সক্ষালকর বারকার বারকার জনারের আলারী।

> মশ্দিরা রার মেদনীপরে

পুরবেদ্ধ একবার ব্যাপিক স্থাহিত্যপঞ্চ পারক

সম্পাদক য় প্রিসভী সেনবুল্ড ব্যানালীয় র প্রশাহীশাভ

বিশেষ পূজা সংখ্যা বহালায়তে প্রকাশ অপেকায়। ৯টি গলগ, ২টি প্রকাশ, ১৫টি কবিতা হাড়াও চাটানি, কাকলি ইতানিতে আকর্ষ দীর। মূল্যা মন্ত্র এক টাকা

লংখ্যা সীমিত-যোগাবোদ কানে

(4200)





ক্যো-কার্সিন

আপনার নিতা দিনের সাধী



বেজ নেডিকেল টোস আইডেট লিন্নিটেড কনিকাজ, বোছাই, আরোলাবাল, দিল্লী, নালাজ, পাটনা, গৌহাটা, কটক, ভয়পুর, পক্লো, নেকেন্দ্রাবাদ, আখালা, ইন্ফোর

1/21/22-150



एक ज कावमा

ত সপ্তমের "দেশ" পরিকার বিদল নির ও সমরেশ করের যে প্রতি তিঠি প্রকাশিত, ইরেছে, সেই প্রতি তিঠিতেই কিছ, কিছু প্রকাশ সংখ্যার সংশাদকদের অসাধ্ মনোবারি ও অতি কলাপের জনা ক্ষেত্র এবং অবিকাশেই একার বর্ণা করা হাত্রতে এবং অবিকাশেই একার বর্ণা করা উচিত। অবদর কলা কি করে হবে এবং আইনের ক্ষান্তা একা কেন্দ্রে কতথানি, তা আমরা জানি নাও আমরা শ্রহ পাঠকদেরই ও সম্পর্কে কার্ছিত ক্যান্তে পারি এবং পাঠকান সচেত্রম হলেই লেওকাল থানিকটা জনত বিশ্বাল অন্তেতি ব্যব্দ মৃত্তি

প্রত্যেক মছরেই পর্জ্যের সমর অনেক-পটেলা নতুন পতিকা বেরেন্ড-এর ছবো कट्नक गाँउकाई मृद्ध ग्राजाव मन्त्र अस উল্ল হয়, ক্ষি সারা বছলে ভালের মাধ দেখা काह गा। व्यरमक वंश्वत शहरहे शहरू সাহিত্যার সামের সংখ্যা এরক্স আনেক আগোছা ও দ্যাওগা জগনাক ও মারে, বিশত प्रशास वस्तु वरता क्रम आद्या आगात्रक्य मार्काक-স্থাপ্ত কপ্তবাহিত দেশা যাক্ষেয়া আন্তৰ্ক ল <u>এইসব পরিকার উপলব্বি বিশ্বাসিদ্দারে</u> **इ**ति शासक-साशिकापुरत काञ्चल्ली **को**त्रसी এবং বিশ্ব হীডবস হোল টাডেলন্ম্যক ছতালকে সম্ভাব সাম্ভ दरक संग्रही স্বেস্টে সৰ ব্যুক্ত স্বেড বিদ্রাহাতি হ 38 (85) 30.30 **新水田 新港山北京** महोद्रोपुरक्षरम्य राज्य क्षाप्टरस्ता ।

क्री महरूत किस् क्षा केर केर व विकास स्क्राच पराकारम (काम) १ एट: है। है। इस्पार्क হর্ম মুদ্র হরে ক্র अर्थक अर्थक । स्टब्स्ट स्टब्स क्रीका गर का उसर देख SPECTOR TO মলার এ সরকার নেটে : হিনি স[্]তাত বের **रमाध्यम**्डिम **कथम् ७ ७ ।** स्टास्य ७०८३ करण शहर कराएक शहरक मात्र स्थिति । দলবিবার। আদলবিবারার সাহিতা কতথানি স্বাধীনতা নেবে তেওঁও कता क्रम्म, किन्छ एव कारना महत्त्वा गाउँकी wer ar সাহিত্য कार्यमः टकार्याचे शासीशास्त्रि । अदे धतासत प्रानक श्रीत है প্রাসরি প্রেতিয়াহির ব্যবস্তর জালাজা এর সংশ্রে সাহিত্যিকদের কোনে একর जन्मको शासात कथा नग्र!

তব্ ব্যাপারটা ছটছে তিন তার । গুণনাত । তানক পতিকাই বেশ্ববনের কেনের প্রকার সক্ষতি না নিজে বিজ্ঞাপনে নাম প্রকাশ করছে । কিবো টা স্বা নামী কোনকালর প্রাক্রেন (কাম নিমা তান্মবিচ্ছ) একে সিংজ্ঞা তথ্য ছেপে দেবার পরি, অনেক



আন্নের-বিনর করে সক্ষতি আগার করে নিজে। কলাই বাহ্ন্য, এর কোনোটার কনাই লেখক নারী মন, লেখকদের স্নেতাক সংকো নিরে এইলব পাঁচকা সরাসারি পাঠকদের উভাচেছ।

নিভ বৈত **অ**নেক নতন " প্রিকা क्षाचनरमञ्ज कारक काला क्षात्रा कता करा अवर क्षिका किया । स्वयंत्रस्य साम स्वास्त्रस्य ৰাজে বে ভারা সীরিয়াস সাহিত্য পরিকা বার করতে চার। কিন্ত বিজ্ঞাপতে কিংকা পরিকা প্রকাশের পর কেখা মার দেখাকে বিকট বিকৃত ৰুচিত বেসাছি। পাঠকদেৰ ধারণা হবে, লেখকরাও বাঝি ঐ রকল कुर्राल्ड बटनद कानाहे बिट्यट्स । जान्तम তা সভা নর ৷ এরক্ষা দ্যু' একটি পত্রিকার কোনো কোনো পরিচিত লেখকদের বানা আমরা পাড়ে লোখনি ভাতে অপলীবাভার ন্দেশ্যও নেই ৷ সাহিতিবেশ্যর প্রেক্ত এই ধর্নের পরিকারে স্বাসময় পরিহার কার **ठला । शार्भादम । एडरम एकार्या गर्छन** পতিকাতেই লেখা দেওয়া চলে না। সহ সময় লেখকরা হে অর্থা লোভে কিবো নিজের রচনা প্রকাশের ভাগিনের স্থান্তর ভা নয়-বানক অন্তের ট্রিমটি-কার্ডির জনভে লিখাত ইয়-সেখনের পরিবার সম্পাদক মারি কাণ্ডানৰ চনিত্ৰ সম্পৰ্যেক ভাগৈ ভাল ধাৰণা িয়ে হাল—ভা জলে তিনি আসহায়!

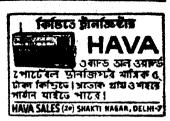
ভাতীর হাগেকটা আরও সংঘাতিক। 金巻新井 地口と行名 (西北)赤巻 石田 (本観)の刊 चित्र क्षाभएमा हर छन्। सार् द रहाया—एन्डी ক্ষেত্রকার প্রাক্তিরই *নার্*য় শাহা শাহ क[्]रिकारको कर १९५ अध्यक्ति के स ক্ষান্ত্ৰীর শ্রু ১জে৯ জংগত সাহিত্যিক বিল্লে ফিলুৱের নাম একন স্থানিবালি কই চুমারুছেনুছা হার একটাও হার ক্রথা নয়। 🍇 भागाहिक कर्ने री न्यप्रवास्त्र काल অপ্রান্তর করেনে মার্ল জনা আস্থাতি ১৯ টুকাট্টি কং সংঘ সহজালাক নই, এবং এই স্যাহাল নিয়েই আভাগাছৰ নয় বিচ্ছা কিছা পাড়ে বাংল এই ব্যৱসায় অপ-হারসা ১লেগ্রন্ড : ক্রেমব্রাসর সংখ্যেকজার জন্য একুলে কোনো সমিতি দেই। লেখকয়ে রাত্রিরাত চেপ্টার এব কভখনি সারিটো কলতে পারাখন জানি না: পাইকদেরই বই হা প্রকৃতিকা কেনার সমত সচেতনভাবে দেখা हे प्रिष्ट (होता तेकाक्षर किस्स) शातिक ठेकाराई বলেপায়ে হয় সেমেটা, খালৈ ছেকাল िकासन्ति राष्ट्राहरीयत बारम्हे धारम् শালিত পাওয়া উচিত।

when members

পরি ছট্টোপন্থার স্পাদিক সাপ্তাহিত আলো কবিতা সমুদ্র করে আনার প্রকাশিক হচেছ। এক সমর এই সাপ্তাহিকটি বংশক আলোকুল ভুলোহল, নশুপুর্বারে এর প্রধান ইংশিক্টা পূর্বা বাংলার কবি এবং একাসকার বহু সমুদ্র কবিগুলার কবি এবং একাসকার

সনাতন পাঠক







क्रास्कृत



ত বহুদুৰী একই টিউব বিভিন্ন জ্যাপকোলাইট বেস পেউস্-এ উপৰোগী। সামেয়সত জিমিল—মিমেৰ তৈয়ি। আছবায় হত চক্চকে সংফলেয় মত ছস্থ-যালা,ছাবোয়, মেটানিক এইয়কম ৫ জিমিল।

এই সর জ্ঞাপজ্যোগ্ট বেস পেউস বেকে ক্ষেত্র কিন :- নির্বাহটিক এরাখুনল, আফ্রিলিক ইমালসত, ভেক্সোগ্রাট ওয়াল কিরিল, সিরাহটিক মাটে, হ্যামান্ত্র ভিক্সালস্কর ক্ষিত্র ক্ষাত্তিক স্থাটি, হ্যামান্ত্র ভিক্সালস্কর ক্ষাত্তিক স্থাটিক স্থাটিক

त्वितिक अवर ज्याकितिक अग्रनवण् छित्रहिन्सा

D 76 76 06 (1616 76 46 1116 4 5)

आविक्टाह

गत्न गर्म इंड (स्नावाद क्या

সব রঙ কবার কাজে এশিয়ান পেন্টস Appedite Majiktous

এশিয়ান মেন্টস লীবনী

বিৰুষ্ধ শাস্ত্ৰী। ব্যৱস্থিত জনবাৰী। স্বাধানৰ ব্যৱস্থাত, ২৯৯ বিৰুষ্ণ স্বাধি ব্যৱস্থাতা-৬। পাসবাৰ প্ৰাণা হ

STRICES WINTER RESIDENCE PROPRIE सम्बो अवस्थि न्यासभीतः साम । मारका दमन der eielfeid wenten wie waren au-काशका विशय, अविश्वा, सर्व, दश्यालाहाय, अप्र अ अराजेन — कार्डीव कार्यावकाः गढ कार क्षांक्षीर एकका कांत्र माध्यामा नवडावना तदर माकामात कथा मॉन्यरमा दाक्षीमधाकद কাছই স্পরিচিত। এই মহাপারবের ক্রীক্রালেখা বচনায় রতী হরেছিলেন ভবিট ক্ষুত্রিয়া এবং একদা বার্বোলেশের আসল-গৈক্ষক শ্রীসভীপ চন্ত্রতী। শিক্ষাপ্ত খাস্থার পরজোকগমনের অবার্হাচতকাল পরে তংকালের 'তককৌমাদী' পতিকার গ্ৰীচৰুৰতা ধাৰাবাহিকভাবে কিছা লেখেন। অতি সম্প্রতি সেই প্রবংধমালা গ্ৰন্থবন্ধ হলে ব্যস্তর বাঙলী পাঠকের কল্ড প্রচারিত হবার স্বরোগ পেরেছে, এটা আখালের কারে শভে সংবাদ সাশ্যে নেই। ্য ভোন কারণেই হোক, শ্রীচরবতী নিজ প্রিকরপনা অনুযায়ী শিবনাথ শাস্ত্রী বিষয়ক গুলংঘালাকে সংশ্বা করতে পারেননি। নিবস্ত সংগত শ্রীলাম্ভার চরিয়ের বিশালতা অনুধারকে আমেবিধা হয় নাং কেনকে, শ্রীচক্রতার লাম্প্রী মহান্তায়র জীবনের আন্ত্র-ু প্রাক্ত ঘটনা এবং কিয়াকমা বর্গনা তবং সংখ্যসমূহত বর্মান্ত প্রথক্তা সংস্কৃতি िल्ल २०सी ७८७, । अर्गकरी। **४.**९स७८**५**त । ४७ শাস্থ্য মহাস্ট্রের চারতের বৈভিন্ন গ্রাব্ধার্য তবং ভার কৈছিলটো সংশ্রেষ্ট তক্ত ধবনের সুন্ধানাৰ কার্ডিন নির্মাধ *শস্ত্*ীয় মংগ্রে প্রতি জন্কার মানবভারেখা, राजेक प्रतिवर्ध ^६वन्त्रम् **श्रा**तिस्तर्गः, स्थान्तरा সংখ্যাতা ও সহান্ত্তি, সন্ধালিতা এবং আক্ষমণালাবেধে ইত্যাদি গাণাবলীর বিশহত আলেচনার প্রয়ামী হতেছেন প্রথমতা। সংধারণ রাজসভার অনাত্য নেতা শাস্তী भशागरतत देशीकक कौनदरत् महाज्य আলোকে ভার চরিক্সের বিচিত্ত প্রকাশকে কাথ্যা করতে চেরেছেন লেংক। এই ব্যাখ্যা এবং আলোচনা দুন্টাগ্ডায়ালে যেমন সরস এবং আকৰ্ষণীয় হাছে উঠেছে, তেমনই লৈথকের প্রাথ্যবাদ অন্যুর্যাণ আবেলঘন হটে উঠেছে। প্রভোকটি বচনার ভিতর সিধে শাক্ষী মহাক্ষায়ৰ চলিত্তৰ নাৰ নাৰ্নিগণ্ড উপমাতিত হয়েছে, যা আমানের - আগাচর হল :

গ্রন্থ লেবে নিকাথ গালা বিবনক আরো চারখানি প্রবাধ সংগ্রন্থ হচেছে। এই সব প্রবাধর বছরিয়া হথাক্তমে রবীণ্ট-



মাধ ঠাকুর, রক্ষনীকাণ্ড গছে, রামানাপ ছট্টোপাধার এবং অল্ডলান্স গণ্ড। এই প্রবাধ চকুণ্টর পাল্ডী মহালারের প্রতঃ চরিত্রের অবধারণে ন্তুন আলোকপাড করেছে। সৰ মিলিরে আকারে প্রথমানি অনুসাহতন হলেও, বিষদ্ধ গোরতে, বিশেষকরে দিবনাথ শাল্ডীর সমগ্র ব্যক্তিরের ম্লোরণে প্রভঙ্গ সাহার। করেবে।

208/67

পাত্ৰকা

কথা কৰিছে। (রাধারাণী দেবী-নরেন্দ্র দেব সংবর্ধনা সংখ্যা)। সম্পাদক ঃ গ্রেক্টে-কুমার মিত ও প্রথমনাথ হোব। ১০ কেলব-চন্দ্র সেন স্থাটি, কলিকভো-১।

কবি দশশতী নরেন্দ্রদের ও রাধারাণী দেবনি পরিচর বাঙ্কলা সাহিত্যের অন্রোগী-দের ক'ছে নতুন করে দেবার কিছা নেই।

দীর্ঘ অধাণত ক্রী নিরক্স সাহিত্য সেবার এ'রা সর্বান্ধনের প্রজার আসম করে নিজেমেন । সাহিত্য প্রতিক্ষ আছে বা সাহিত্যসেব এলন একটি নাধার্য আছে বা সাহিত্যসেবী নাচকেই তাদের অনুত্রক করে তেতো। আলোচ্য সংখ্যাখানিতে বাঙ্কার বহু সাহিত্য সেবীর এ'লের সংবর্ধনার অংশগ্রহণ সেই অনুসালের সিকটিই বারু করে। এই কবি-সম্পত্তি সম্পর্কে বিস্তানিরভাবে জানার পক্ষে সংখ্যাখান অ্বই কাজে লংগ্রেই সংখ্যাখানি সাহিত্যান্রাগী মাতেইই সংগ্রিহতা।

প্ৰাপ্ত স্বীকার

জনগ মার্চ। স্তর্গালাল বার । জনসংযোগ প্রকাশনী : ৫৫-এ বেনিরাটোলা শ্রীট, মলিকাভা-৫। মূল্য ২-০০।

নার্টিন ব্যার কিং। রখীপুনার হট্টো-পাধ্যার। ইপুন ব প্রকাশনী ঃ ৯৪ কৌশন রোড, কলিকাতা-০১। মলো ১-৭৫ঃ

বাংলা উপন্যাসে নারী চরিয়ের বিশ্বতীন।
বিধানী পালা (গ্রেছ)। ডি লাইট ব্রুক কোনপানীঃ ১৭০/০ বিধান স্রণি, কলিকাডা-৬। মলো ৫-০০।

মণেলের দিন। নিমাইকুমার যেখে। মোহন

এম. এ, জনাস'ও জাঁচারত বাংলার জন্য

ডঃ হংসনারারণ ভট্টাচারের

ৰৰীন্দ্ৰ সাহিত্যে আৰ্য প্ৰভাৰ—১২০০০

সংস্কৃত জনপুসাৰ জন্ম কংগ্ৰেক এম ব্যালকী এম এ কড়াক

नामकरपुर कामन्वती

বঙ্গান্থাৰ স্ফলিড একমন্ত বই 🕳 \$.00

क्लिक्टिनाम जर्थभाग्छ

- 6.00

বাষা ষতীন স্মরণে দাননাথ ভট্টাচারের

नक्षमीन

্শ্ৰীভূমিকা ব্যঞ্জ নাটক ১

-- > 40

লেন্ডিকা ৷ ৭. নধীন কুজু লেন (কলেজ রোর ভিতরে), **কলিকাতা**—৯

চিত্রভান, র

সময় কঠিন সত্রধার

গভীর জীবনবোধে সম্ভজনস অসামান্য কাৰ্যপ্রথ

প্রকাশক : **ব্রিচা প্রকাশন**, ক'গ্রাডালত২ প্রিবেশক : **জিল্লানা**, রাসাব্যাতী ও ডিটিট, কলিকাডাল২১

(जि. ४५६८)

नारेखती : ०६७ मार्च तम मोरि क्लि-काणा-३। मूना २.००।

जकर मरनव बीरक। जारनाक (मनग्रान्छ। ডি লাইট ব্লুক কোম্পানী : ১৭০/০ বিধান সর্বাণ, কলিকাডা-৬। মূল্য ৩:০০।

প্ৰশেষাসৰ। শ্ৰীকমল চটোপাধাৰে। ডি লাইট বকে কোম্পানী: ১৭০/৩ বিধান मर्ताण, कानकाणा-७। महा ५.६०।

क्षकारीय कथानाक : बाकानीय माधना। আন্দদ পাবলিখাস : ৫ চিন্তামণি দাস द्यान, कविकाणा-**৯। भागा २७.००।**

भूव वाद्यात दक्षके कविका। अन्भावता: भाष्टि हारोशियासः। अत्याः श्रकामनौ : ५. বাগলাকশোর দাস লেন, কলিকাতা-ও। **श.का** 6.001

कांगाकीर्थ कामानगृक्तः। टीर्गवादक-

वक्षम क्याहार्य । क्षमादान क्षिणीर्ग च्यान्ड शाविक्रणार्ज शावित्रको क्रिकारोप : ১১৯. ধমতলা স্মীট কলিকাতা-১৩। মালা 20.001

द्याणिकवान्त्र । भत्रवहरम स्थानासम्म । रवानामा जरमना जामाद्वीरे जब द्वीन्यता : ट्याशमा मर्छ, काँनकाछा-६९। भूना ५६-००।

আৰু প্ৰেম-কথা। শ্ৰীকিতীগচল কণারী। शुन्ध भीतवम : ১৫ विष्क्य गाणिक भीते. কলিকভো-১২। মালা ৭০০০।

जिल अपरायम बारका कविता। अस्तामना १ प्राणान करवेशभाषाय क स्माप्रकाश करवेशभाषाय । মাণ প্রকাশনী: ০৯বি ডেণ্টমিশন রোড. क्रिकारा-२०। म.ना ७.००।

জালত জ্বাতি। লোবিদ্দ প্রেলাপার্থার। নাভানা : ৪৭ গণেশচণ্ড আছিনিউ কলি- काला-३०। म.मा ३-६०।

সংবাদ মালত কাৰ্য। বিকালে। সাহিত্য প্রপ্রাথ : ১ কাশী ঘোষ লেন, কলিজাতা-১ : N.W. 8-001

ভিনরন। সভেত্ত্বর ছোব। মিল ও एवाव। ১০ गामाहत्व त्व भौते, क्रांनकाराः-25 | MM 8-00 |

जिल्लामी। विश्वक करा शिट क द्वार : ১0 नाप्राप्तरम् दम् न्येकि कनिकाणा-५२। शता 8.001

ट्याडेट्सब टमबा शक्या अप्यासमा । रेटबर-बाब का रशीमरफन्मी नाउँद्वर्शी : ५५ कानक टनक हात्। काँककारण ५२ । माना **०**००० ।

बारकात विकासी। श्रीकांत्रकारना रणाहा रश्चित्रदेखन्त्री नाइएडनी : ५६ का्मक কেররের, কলিকাতা-১২। মাল্ল ২০৫০।





ধাতৰ মত শোক্ত এবং কাচের মত কলৰ. अबंठ अहे कुरबुबहें वा अञ्चितिस का वाल लिएकी হক্ষে আপনার প্রাপ্তিক। হাছা, টেকসই, ৰ্থীন, প্ৰিছাৰ ও ক্ৰবিধান্তনত—এ স্বট চয়ংকারভাবে যিলিয়ে আপুনি পাৰেন ভাইট श्राप्तित्यत विक्रितः।

बाउटिए तक गांवि चनुर्व-- यह प्रकाशक क्रिकित भारतन वा अकाम लारवाणनीय । किन्ती, त्यांहे. काल, त्रकाल, नावारमध वास, यत, वरवय, কেনাকটোর খলে, বালভি, বেলিৰ ও 🞝, क्रममंडे चार ६ कछ कि ।

🗷 🖥 🕏 श्राकृतक कि वित्र तकवाई क्रैक।





জাবার্গ প্রাইডেট লিমিটেড.



নাংবাদিক ও সংবাদপদ্রনের ক্রিবল প্রতিকা প্রতিকালিকার শ্রীক্ষতী প্রতিকা কাল্কেলরের কাছ থেকে রাণার্সের প্রেক্ষার সভীক্ত ক্ষাতি কাপ রহণ করছেন পেন জ্যান্ত ইক্ষা ক্লাকের ক্ষিনায়ক ধ্যারস্থার বোব। প্রীন্নতী ভাল্কেলারের বাদিকে আই এক এ-র সভাপতি বিভারপতি শ্রীনিক্তি ভাল্কেলার, ভবি ভাল ক্ষিকে অনুষ্ঠানের সভাপতি প্রীত্যারকাশিক বোব

বি লাগের কন্তিত ভাগত ও নিউজি-লাগের এই সিরিকের প্রথম টেকেঁ ভারতের ৬০ রামে কর ১৯৬৯-৭০ ছিকেই বরস্কুতের ভাজ সভেনা বলা বেতে পারে।

বিষ্ণ নিউজিল্যান্তের ছিকেট শত্তি বাজারিরনার মধ্যে বীনা, দলের বেলির ভাগ থেলোরাড় বরলে ভর্শে ভব্ ভিনন্ধন নতুন থেলোরাড় দিরে গড়া ভারতীর দলের জর থকদিকে বেলন ভারতিবলাস উপলীবিভ হবার সহারক, অপরীবকে তেলন শত্তিশালী অপ্রীলিরার সংগ্য আসল টেণ্ট-ব্লেক বাজি প্রেলানা বেলাক।

कार्ड-काम महारे

বেশ্বাইরের প্রথম টেল্টকে জালা-নিরোপার লোলার লোলালো খ্যাট-বলের লাক্তাই কলালে লোটেই জন্যার হবে না। এ টেল্টে কেউ বেশ্বারি করতে পারোম, ছাক



নেক্রি করেছেন দ্ব' গলের দ্ব'জন, নিউজিল্যান্ডের বিজ্ঞান করেজন এবং ভারতের
নবংব পাতেরিব। বোলং-এ কেউ
জলারান্ত্রপ দক্ষতা দেখাতে পারেননি এক্যাত
বিজেন সিং বেলী হাড়া। তাও পের দিনের
টার্নিং উইড়েটে। কিন্তু গ্রেই থেকে পের
পর্যান্ত থেলার আকর্ষণ কথলো করে
বার্নিন। দুই দলই আলা-নিরাগার দোলার
মধ্যে বাত্তি-বলের লড়াই চালিরেছে। প্রথমে
নার ১৫৬ রানে ভারতের প্রথম ইনিংস
গেষ। ব্যান্টের উপর বলের প্রাধানা।
নিউজিল্যান্ডের ধেলারনের বলের বিক্রমে

ভারতের ব্যাটসম্যানদের বার্থ ভূমিকা। শ্বে অভিত ওয়াদেকারের কিছুটো আর্দ্ধাবন্দানী খেলা। পরে নিউজিলাডেডর প্রথম **ইনিংলে** ২২৯ বান ৷ এখানেও প্রধানত বোলারের প্রাধনে। তবে নিউজিল্যান্ডের বিভান 8. Um ውኛ፥ অধিনায়ক ভাউলিং-এর প্রশংসনীয় খেলা : কংডনের **৭৮ রানের** মধ্যে শক্তি ও সৌনদর্যের পর্যাপ্ত পরিচয়। প্রথম ইনিংসের থেলার वर वास পিছিয়ে পড়বার পর শ্বিতীয় ভারতের ২৬০ রাম প্রধানত পাড়েনির নবাবের অধিনায়কোচিত ব্যাটিং এর কল। তব্ জয়ের জন্য নিউলিল্যানেডর হেখানে প্রয়োজন মাত ১৮৮ রানের দরকার লেখানে মাত ১২৭ রান করে ৬০ রানে তালের পরাজর স্বীকার কিছুটা অপ্রত্যাশিত। **ভারতের** দুই শিপন বোলার বিবেন সিং কেনী এবং এরাপদ্রী প্রসমার প্রশংসনীয় বেজিটে निर्मिण्यारिक नहासरत्व श्रमम कावनी द्वित्ति होनिर छेट्डिटिंग न्यूता न्यूट्स वित्तिका। जीवनाहक छाछेल्य क्षत्र किट्ठी छान रहेल्ली हांछा निर्मेणनगाटिक जात्र काल नगानेनवान रवनी ७ अनत्व वन बालविन्यान निरंद स्थलाङ भारतसीन। अन्त स्थलाङ्क २८ वास्त ६ छि क्षत्र स्वती स्थलाङक २८ वास्त ६ छि छेठेरकहे।

এ ক্রেন্টে ভারতের পক্ষে বে তিনজন
নতুম খেলোরাড় খেলেছেন তার। হচ্ছেন
ধেলানিং ব্যাটসম্মান চেডন চৌহান, ওপেনিং
ব্যালার অজিত পাই এবং অশোক মানকড়।
খেলাতির সংক্ষিপত ক্লোব রোড'ঃ

ভারত প্রথম ইনিংস ১৫৬ (ওরাদেকার ৪১, ইজিনীরার ২০; তেল হেডলী ১৭ লক্ষা ওটি, বিভান কংডন ৩৩ রানে ওটি এবং রবার্ট কানিস ২১ রনে ২টি ট্রক্টেট)

নিউজিলস্ক প্রথম ইনিংস—২২৯ বিজ্ঞান কংজন ৭৮, গ্রাহাম জাউলিং ৫২, ক্ষেম টাপার ২৪; প্রফার ৯৭ রানে ৪টি, দক্ষিত পাই ২৯ রানে ২টি ও বিবেশ বেলী ১৯ রানে ২টি উইকেট)

ভারত — দিবতীর ইনিংস — ২৬০
পাতেদির নবাব ৬৭, চেত্র চৌহার ০৪,
১রাদেকার ৪০, অশোক মানকড় ২৯, অশিক
মালী ২৭: বস টেলর ০০ রানে ০টি, ডেল
হাজাী ৫৭ রানে ০টি, হেডলে হাওরার্থা
১৯ মানে ২টি উইকেট)

ি নিউক্তিন্যাল্ড—ন্তিকতীর ইনিংস—১২৭ প্রাহমে ভাউলিং ৩৬, ডেল হেডলী ২১; ব্যাহমে কেনী ৪৬ রামে ৬ উইকেট, প্রসার। ৪৪ রামে ৪ উইকেট)

া ভারত ৬০ রানে বিজয়ী !

आस्यामिक । मरवामभनुदमनीदमन काहेबन

সংবাদপর সিলেপ অস্থাত অবস্থাত জন। ক বছর বন্ধ থাকার পর সাংবাদিক ও

मरकाम श्राहरूप देशका श्रीकरणा गाँउ धानात माक्टमात महन्त्र हमा। क्ट्रेन्टमात বছতার ক্ষেত্রে এবং প্রতিনিধিয় লক কটেবলৈ वारम्य करमञ्जूष्टमम् महत्याम हमहे, द्ययागङ यावा मारवाणिक এकः मस्तामनव निष्टन পরিবেশন ও প্রচারের সংক্রা সংক্রিভার্ট ভালের ক্লাই ও প্ৰতিৰোগিতার আরোজন। উপ্যোক্তা আমাদের এই আনন্দবাজার পরিকা গোড়ী. বাক্তাপনা সব সংবাদপরের ছীজ সংবাদিক-দের নিয়ে গড়া দেশার্ড স জার্ণালিক জাবের। প্রতিবোগিতার विक्रमीत সাংবাদিকদের প্রস্কার আনন্দ্রাজার পত্তিকার প্রতিষ্ঠাতা স্মাতি বিজ্ঞানিত প্রকার কাপ্ রাশালের পরেম্কার সভীন্দ্র মেমোরিকাল কাপের সপো ভীড়া সাংবাহিক স্তীন্দ্র ভটাচাবে'র স্মৃতি:

বলা বাহ্লা, অভীতে এটি ছিল আনন্দবাজার সংস্থার আশতঃ বিভাগীর ফ্টেবল
প্রতিবোগিতা। কিন্তু খেলাধ্রার মধা দিরে
বিজিন্ন সংবাদপত্র সংস্থার কমীদের মেলামেলার স্থান এবং পারন্দরিক লৌহার্প
গড়ে ভোলার উন্দেশো প্রতিবোগিতার গণ্ডি
বিষ্ঠত কর। হয়। সেই সংশাই বারস্থা হর
একটি প্রক প্রভিবোগিতার, ছে প্রতিযোগিতার সংবাদপত্রশিক্ষের সংশা বারা কোন
না কোনভাবে জড়িত এবং বিভিন্ন সংস্থার
না কোনভাবে জড়িত এবং বিভিন্ন সংস্থার
ভারের সংশা সংশিক্ষত করার অংশগ্রহণের
প্রধিকারী। সাহিত্যকেরে স্করনীরা সর্পাবালা সরকারের নামান্দিকত 'সরলাবানা টুফি'
এই প্রতিযোগিতার বিজ্ঞানীর প্রস্কার।

সময়েশীর শিলপ্যংশ্যা এবং সম্বর্থী ক্যাণিবের জন্য এমন আরেও বহু প্রতিযোগিত্রর কালের কালের আন্তর্গ এসের প্রতিযোগিত্রর আন্তর্গকরের কালের কালের কালের কালের আন্তর্গকর মান্তর আন্তর্গকর মান্তর আন্তর্গকর মান্তর আন্তর্গকর মান্তর আন্তর্গকর মান্তর আন্তর্গকর আন্তর্গকর

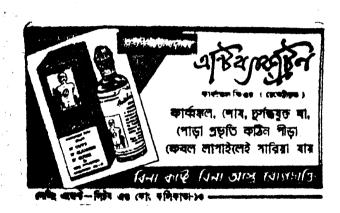
প্রতিবোগিতার সংশ্যা বে দব বোনাশ্রারত হলভাবনের ব্যুতি কড়িত আঁরের প্রতি সমবেতভাবে জন্ম কংশি এবং ক্লীবনে তাদের জনশা গ্রহণ।

जारवानिकरनव काउँवन श्रीकरवाणिकात ফাইনাল খেলার প্রধান অভিতি চিকাৰে আই এক এ-র সভাপতি বিচারপতি জীনিবিজ क्षान,कमाद्र त्महे कथाधिह न्यसन कविता निरम्बद्धन । फिनि यरनद्धन, महाका निर्मित्र-ক্ষাৰ খোৰ প্ৰফ ক্ৰক্ষাৰ সৰকাৰ সংক্ৰেলচন্দ মজ,মদার প্রভৃতি বে স্ব নিষ্ঠাবান সাংবাদিক अरवाष्ट्रभव क्षेत्रहरूत मध्यक्र अवर बरिमत क्य'-প্রচেষ্টা মহৎ প্রেরণার উৎস, খেলাইলার মধ্য দিয়ে তাদের প্রতি প্রাণ্যা অপ্রতির মাজ্য অনুস্বীকাৰ্যা: প্ৰে: প্ৰমাণ অপুণ করলেই হবে না, কিছা গ্ৰহণও করতে হবে। ক্ষণিনে शक्ष करारक करता करिएस महास्थावित्सव আদৃশ্র ক্রিরপতি শ্রীয়েল কর্মের মতে এই জনাই এই সূপ প্রতিয়েনীগভার সাথাকিছা। দেহমনের আনক্ষে কভে, পারস্পরিক মিকন काका समीचाराम्यतः हैगीनकारात कार्फः रज्या कारियम बारम्यत घरमान अक्रो वास्त्रीक सामन्त्र WILE !

क्रुडेबरकाड अन्धनीक

হশলাধ্যাই হক, সংস্কৃতিই হক জিলো
ভাতীয় চেতনার উল্লেখই হক স্বাস্থেত দেশের অপ্রগতিতে সংবাদস্পত্ত ভূষিকার কথা স্বীকার করে শ্রীভাল্কেদার কলেন, কোলি-ক্লাম-ফলা লেখে ভিন্তল। ডিনা এর খোগালোগে সাহিত্য এবং সংবাদ প্রভাবের সংগ্র প্রভাবের সংবাদ, জারদ্দবিক লোগ-গ্রি। মুট্লেরের সংবাদ, জারদ্দবিক গোগ-গ্রি। মুট্লেরের সংবাদ, আরদ্ধবিক গোগ-ব্যাহির বিল্যান্য সংবাদ বাহাছে নানাসন্ত নাম সোক্ষাত্র এবা প্রেম্প্রিক স্থপ্র।

भागितालाव देशांत । अतः मधेतल शतगापाद স্পদ্ স্থাণিত্র ২্লে জীতেকে,ক্ষাতের সাতে প্রস্থা স্থিয়া হাংলেখার।ভানের, হারণ ত্রালার कारमाञ्चल करतन अदा गाँपनव एक्टमाहा एम. मान আচরণ তাবং সামিত্রভাবের জীঞাপাপকে িশক্ষার অঞ্চলে করে তেনে। দিবতীয় সাহিত্র कुरावव, गाँवा रभरकाराकारमस् भावधानाम करतन । ভাতীর দায়িত্ব দশকিবেদর: স্পাক ক্রীড়া আস্ত্রের অবিক্রেরণা কল্যা। দশ্বি খেলার গ্রহারী, থেলোয়াড়দের প্রেরণা, আবার २भोकरूरत উरमाद्द (थयात समाज ७ मम्हिम्स । এরং সংখ্য সাংবাদিকদেরত দায়িত বরেছে। ফটেবল ক্ষেত্র চর্মা ভূমিকা প্রশাসনিক ক্রীডাসংক্ষার এবং প্রয়ে দায়িক রাজ্য সরকারের : প্রাচ্যের সর্বাধ্যক ফটেবল সংক্ষা খাই এফ এ-র সভাপতি শ্রীবেল্কসারের মতে उट्टे श्रमभौत्यत है का माहेनत्यत काहेन्द्रमा খেলার প্রসার প্রচার উম্মতি এবং সম্মতিধ নিভারশীল।



আন্তর্ভার শিক্তীর এবং তৃতীর গ্রেমর
আইর বিজ্ঞাম সমার দেওবা নাল্য প্রথা
ভাতীয় ব্যাড়ামান্টন সংক্ষার সিন্ধানত
সংক্ষা কিন্তু প্রের এবং মহিলাদের
আনতভান্তিক চ্যান্সিসনাল্যের ব্যাড়ামান্টর এবং তৃতীর স্যেতার মারে বিজ্ঞানের
বাবলা আনতভান্তিক ব্যাড়ামান্টন ফেডা-বেলনেরই অন্যোদিত। স্তরং যে দেশেই
খেলা হোক অন্তর্ভান্তিক চ্যান্সিমনিব্যে
দিনতীয় এবং তৃতীয় গ্রেমর মারে ও
মিনিট বিজ্ঞান দিন্তই হবে।

আইনে বলা হয়েছে বিশ্রাম সম্প্র ৫ মিনিটের বেশনী হয়ে না। স্বস্থাবতই প্রন্দ্র আন্সে-তা হলে ৫ মিনিটের কম ৫ (৪) হাত পারে। কিন্তু এ সংপ্রের হশনী নর অর্থা ৫ মিনিটের ব্যবা অনুষ্ঠবল খেলাতেও দাই অধ্যার মাক্ষপানের নির্বাভ সমানের বিধানে একই ভাবে বলা আছে—বিহাতি সমান্ত্র ৫ মিনিটের বলা ছিবের না।

EFFECTIVE ROTMENTS OF 1230 ছাল অভানজার্তনিক প্রভানী সভল লা জিবস্থাীয় এবং ত তাম 2.48 (NES) 4 (NES) entiga kora feleber. सार्वाधानीस अस्भ्याद 24. 24 4000 700 warest tra कारकोषः श्रीष man \$20 000 70603772417604 where fare when Tive Wing En now testes 2012**/26**4 हे रेराजा कर कारकों है जारक दिलांकर राजका TOTAL PROPERTY. S NOW !! TO SEE STATE OF THE SEC. > 3 77 -64 m2 \$4.5A 16:30 हे े प्राप्तान আহিছিল এক পত্ৰিব্ৰ শ্ৰে A 14.33 POPER SON HEREING \$10560 BULL 18,375 78414 Marial o rilo aprilo ele Buerr ত কৈটেড বিকলিয়ে তের পর্যায়ের S176 €28 × 38 কালেন্দ্র হার্যার প্রক্রিকার Promotion 4 e attendance ভাষ্ট্রস্পান এর মেলায়ে ও আনিট দিবটির মালে विकाह कार्र्न्योक्षर र काल क्षाप्त का विकास है। স্থিত্যালয়ের বিবৃত্তির ব্যবস্থান সিউভিস্পান্ত कालाक्षण कार देखाव . ४२: चार्यास्कारकारण শালে সিংলোস। এশিয়ার প্রায় সর বৈশ হয়মন ভারত বুক্রদেশ সংগ্রাস **২**ংকা शास्त्राम्भवाः अभाग शास्त्र भागिकाः **ছাইলা**ন্ড প্রস্তাত দেশে সিপালস এবং **छ बलाम भादे अकरमंद्र (धनारायहे क्रियारींग करा** ভাষ্টাম কেলমন মাঝে ৫ মিনেট বিলভিক লিয়ম আচে :

প্রথম শত থেকার বাডিমিণ্টন ও ফাটবলের আইন সমগ্রণ আলাদা। ফাটবল খেলা শেব হতে যদি এক মিনিটও

ব্যাড়ামণ্টনের আইন-কান্ত্রন

বাকি থাকে এবং সেই এক মিলিট কাৰি भाकरण कान रेमनम् चीनेनात्र स्थाना सम्भ इस्त খাব, এক মিনিট শোষ করা সদ্ভব না হয় টা হালে পরে_{ক দিন} আবার পরের সমস্ত খেলাতে হব। কিল্ড ব্যাড়িখণ্টলে অসমাল্ড (फ्लाब्र भारतको नाक**ा अत** सा देवस শাৰ্থজনাৰ বলি খেলা ধন্ধ হায়ে ছায় কিংবা শেবার নিধায়িত দিনে খেলা দেখ করা সম্ভাব না হয় তাবে পাৰে খেলা আৰাম্ভৱ সময় অসমাণত লেখের প্রেণ্ট থেকে প্রেণ্ট গানিটো ইয়া ভাষাতি ভোজা বলেবে সম্মা ব্যার যে পথেন্ট । আকে সেই পথেন্ট জেকে গোনা আবদত হয়: इन्ने यार् যার সাভিক্ষিত সময় থেলা ব্যুম কুলেভিক প্রে স্ট্রিসের জারাই খেলা আবস্ত হবে।

একটি মাণ্ডের ধারাবাহিকতা বজার বামার জন- বলা হারছে প্রথম সাভিন্ন শারে; থেকে মাচ শোল না হওছা প্রথমি থেকার জোল শান্তার না (অবশার স্পিতীয় এবং ভাতীয় বেশের মানের বিবাধি বাভিবেকে।) এখানে মাণ্ড কথাতির হলা ভিন্তি শোম বা একপঞ্জ শার্পতা দুটি গোমে জার্মী হলো দুটি গোম

কাইটো মাবিও বলা হামছে : কেনি থোলাগাতের প্রমকাতবাতা লাছবেব জনা বা দম গুলাবার জনা কোনে মাতেই থেকা বাধ হবে না:

287 THE 37 *****CT2 rena গোলাম ভাষা লামকাত্রছা क्राचायद करत লাভে লবার বা আভিত্না করের ভানে করেন **ए**ट्ट सम्भारत कि कर्दन र कार्यहर **या**दस्था জনায়ালী মিজ বিচারবালির প্রয়োগ করবেম : যান সাত। সাতি ই । খেলোয়ান্ত আহতে । বা সংময়িক আহৈছন। হম এবং अरिड काम्म থেলেয়েডসলেভ মনোবাহির পরিচয় নিয়ে সময় দিয়ে রাজি খাকেন ভবে আস্পানার সংঘটিকভাগত গেলা ২০৮ বাছটে পাবেন <u>৷</u> ক্ষিত প্রতিপক্ষ খেলোয় ড বলি সমর দিতে প্ৰক্ৰিত না হান ভাৰে ^আশ্ৰেষ্টারণারৰ প্ৰাক্ৰ ev n থেলার ধর্মকা tt:== **6**3: भारतक्ष क्रिके। বেছেড থেলোয়াছেব আহত বা অটেডনা হবার ভান সম্প্রক আদলয়েরের সভাতঃ যাচাইয়ের উপায় নেই সেহেত প্রতিপক্ষ খেলোয় ভেন মনোভাবের উপরে সব কিছা নিভার করে। মেটের উপর এসর কোষে আম্পারারের নিজ বিচার-বাশিক্ষত সিম্পান্ত নিতে হয়।

খেলা শেষ না হওয়া প্ৰণিত কোন

বৈজ্ঞানীড়ের মাণপানারের অনুমতি নীটি কোর্ট ত্যালের বিধান নেই। শেলার মধ্যে প্রকৃতির নিয়মে মাদ কোন খেলোরাড়কে প্রচাহ কোর্ট ত্যাল করতে হর সে শেকর আশ্পারারের অনুমতি দেওয়া উচিত। ভাচাড়া খেলার প্ররোজনে কোর্টের সমিরে বাইরে তো খেলোরাড়দের থেতে হয়ই। সন্ত্রাং কোর্ট ভ্যাল অর্থে এই কথাই ব্যক্তে হবে—বিন প্রয়োজনে খেলোরাড়রা কোর্ট তা প্রবাহন না বা দুটি গেনের-যাকে কোন্ত্রম বিশ্বাম নেবেন না।

দোষী খেলোরাড়দের খেলা থেকে নাকচ করে দেবার যে অধিকার আনপারারের আছে সে কথা স্মরণ বেখে খেলার সমর খেলোরাড়দের শালীনতা বজার রাখা উচিছ এবং উচিত বিনা প্রতিবাদে আম্পাররের সিখান্ত গ্রহণ করা।

ब,क्न

এগ সেন, ক্ষে পি ম্যাৰিক ৰেজিস্টেশন অফিসাৰ

১৮বি শ্যামান্তবদ দে প্রীট, বাঁল-১২ বাল্ড প্রীট, মহাখ্যা গ্রামী ব্যান্ত জ্যান ফোনঃ 34-6%96 Resi 34-4045

রেজিণ্ট্রিববাহ অফিস



একজিমা রোগ

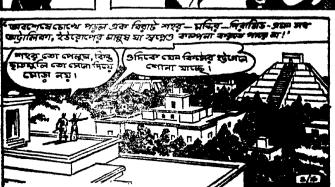
সোধারীসাস প্রায়ত জাত বক্তাসাম বাজ্ঞাত কুলা, বেত-দাগ্যাহ আবত আনক করিন করিন চমারোগ করিত মান্তলাক্তের জনী বত্ত বংসাবে চিকিংসা কেন্দ্র চিকাংসাত করিছ। বাজ্ঞা কৃষ্ঠ কুমীত ১নং বাবে বেন্দ্র করে, বার্টে চাত্রা। জোন ৮ কন-২০০১। আমাত্র তত বহাস্থা গাড়ী বোচ হোজিসাম ব্যক্ত। কলিকাতা—১। প্রেবী সিনেয়ার প্রজ্ঞা। क्रिक्टलमः..'

ट्याकु स्यू । **त्य विजयी,** जवग्दनव अरमा दज **दिनिद्धं** मिस्ह्। त्राष्ट्रतेष्टे नियुद्धः...'





















আৱাণ্যতেদ্ব







"১৯লপতা"/উত্তৰ্ভাৱ নিম'লকুমার (শান্তিড) e স্কিয়া সেত্ৰ

॥ िठठ-त्रभादनाहना ॥

কমললভা

লার কডিনিও বাউল গলনর वार अध्यापना धार मर्शक्या e प्रस्त-मादेखत मरायाग राम्य स्थित-धरे 'क्यलल्डा'-य (ठाव, डिट)। दर्शनक एथरक 'কমল্লাছা' বাংলার সার 🗷 জল-মাটির होत हार उठ है वि मच ब रिकाश्यी আধ্বান আছে। তাছাড়া, "আটমসফিফার"-413 क्षामाद्वर । € 27% "ब्याफाध^{्र}िक देशस्य धन्तक **काल्**स करहे। £देश £रियामध्ये छादत गाँ**ड** £देश दूसका दाउत कार्ड श्रधान कार्यमन ।

দ্রীকাশ্য উপনাদেশ চত্তা পরা নিয়ে হুয়াক ভার নাম ধ্যান কম্পালত চিক্-किए। इचन धरत निएडर्ड इत्तर श्राम । तहन्ति THEN বিষ্ণা অংশ ও পরিন্থিতি এই ছেকে ছে'টে বাদ দেওয়া হয়েছে। 143 বিদেশ চরিত্র ছবিতে क्षा के अक्ष রাজলক্ষ্যী-বঞ্জিত শ্রীকান্ত-কাহিনী এই 'কমললতা', আবার প্রকতপক্ষে 'শ্রীকান্ত'ও मह भाराहे कमनानाजात शहल। अक कथाय. মারারিপার আখড়ায় আদানত কমল্লতাকে निराहे हरित ठिठनाछै। व्यवमा এতে গহর ও শ্ৰীকাশেতৰ ভূমিকা আছেই, নইলে কমলণতা খাকে না। তবে শ্রীকান্তর বতক্ষণ ও যত-ট্রকু জায়গা ভাড়ে থাকবার কথা, স্বর্দাৎ এই কাহিনীতে তার যতট্র অংশ



তা অটাট তিনা সে প্রদান উঠাতই পারে। গ্রীকান্ত লাটা, কিন্তু একেবারেই প্যাসিত' চরিত্র কি? শ্রীকান্তার পর্বে পরে' যত কিছা নাট্যক্রিয়া, সে তো তারই প্রভাবে ও সমিষ্টা।

ছাবতে বমললভার জীবনের মান্সিক दिश्वद श्रीकारहद छेश्रीमधीराहरू Brit. যথন জীকানত আখচায় অতিথি। তবে এর প্ৰদর্ভ দেখানা হায়ছে কমললতার প্রি-র ৮০ বৈশ্ব মধ্বরসভত্ত অন্সারে শ্রীকারত ন্মপ্রাণ্ড কানের ভিতর দিয়ে নাম মর্মে তিয়ে কমললভার মনপ্রাণ মধন প্রাম আকুল কার ভালেছে তথ্যই গহারের সংখ্য শ্রীকান্ডর আগমন। পরের অধ্যায়ে শ্রীকানেতর প্রতি কমল্লভার প্রেম বণিতি। এই প্রেম নিক্ষিত যেম কিনা অথবা কী পরিমাণে মধ্যররসাল্লয়ী ভা অবশাই বিবেচনার বদত। ঘটনার বিকৃতি যে ছবিতে বিশেষ ঘটোছ তা নর, ত্বে স্বার পালটেছে, রঙ আনক বেশী গাড় হার উঠেছ। কমললভার আচরণ ও কথা-বার্তা রাজলক্ষ্যীর মতই—অর্থাৎ এমন বাবহার যা রাজলক্ষ্মীর পক্ষেই শোভা পায়। আর্ভ শোচনীর বিষয় এই, ভালের সম্পর্ক ছবির শেষে প্রায় রোমাণ্টিক কাহিনীর 司本引至1001

গোড়াতেই বলেছি, কমললতা কমললতারই গংল। কমললতার অলিতরের
বাইরে শ্রীকানত উপনাসের গরিচয় ছবিতে
লামানা। শ্রীকানত চরিত্রকথা কিছ্টো পাওরা
গোছে পাট্রোগরি বিয়ের প্রসংগা। বালাবন্ধা গরেরে সপোও শরেবাব্র শ্রীকানতক,
কমললতার পরিমান্ডলের বাইরে, কিছ্কাগর
কান্য দেখতে পেলাম। বর্মার রওনা হবার
আবো আখড়ার ফিতে এসে কমললতাকে
পালে না পেরে (ছবি তখন প্রায় লেব)
শ্রীকানতর অনিধরতা ও উর্জ্বনা, এবং
সাক্ষাতের পর স্টেশনে তার প্রেম্কাতবভার
মধ্যে গরংচন্দের শ্রীকানতকে শাক্ষে বিত্রক

বৈশ্বী কমললতা ও তার প্রতিসময় कारिकी मन्द्रीम् धरे किटनाको नाम्छीनका চারিত্রকও বেদ ছালিয়ে উঠেছে Z 45 4 প্রিবেশ্ ৪ জবিন্যারা-মা অভি চাংকার-ভাবে দেখিয়েছেন প্রিচালক হরিসাধন দ্যাল্ডাপ্ত : আখডাবাসী বৈক্ষবের ::: क दिल-ষাপন এবং আরম্ভ গ্ভারে তাদের মিশ্টি রসসাধনার পরিচয়টি পদাবলী क्षार ७ मृद्धः कथन् वा यार्डाधेक काम कार्यात मान्या ७३ कथा ७ महात्व ব্যবহারে পরিচালক অভ্নত কম্পনাশীন্তর সংপা ফুডিয়ে ভুলেছেন। অণ্টপ্রহর <u>ৰে</u>ন देवक्य-कन्छरत इटमत स्थला हलएक, कथ्मक বা ভার-প্রেমের সাধনা—এই অতলনীর। সভি। বলতে কী. এমন পরি-বেশীয় মাধ্যে ৰালা ছবিতে কমই দেখা शाह, धर महाभाष श्रथम मृगा थ्यंकरे रवबारन बार्टन्द्र छेश्रत मिरह विध्वित विक থেকে কতিনের দল আখডায় অস্তে-একটি অসাধারণ বৈষ্ণব চিত্রকলপ: ভাষাতা, পরিচালনার কাজ আগাগোডাই পরিজ্ঞা।

জবে পরিচালক সম্ভব্য ইচ্ছা কবেই ক্ষলকতার কাহিনীকে 'মিউজিকাল' ছবি করে জলেছেন বৈক্ব জীবন ও সমাজ এবং সহজিয়া সাধনার সমগ্র রুপটি দেবার জনা।

कर्तिहें द्वाराष्ट्रक पार्ट किन्छ 'श्रीकान्छ'न সংখ্য এর সার-সংগতি রক্ষা পেরেছে কি? হাট ছোক, এই পরিবেশে কমলকভার रस्थरात्र ७ स्वक्वाश मन्त्रिकोः स्वराहर । काननहारक गरास रेक्टी मत्न रातरह। 'ক্মল্লতা' ছবিব সাফলা বে নাম-ভূমিকার গিলপীর অভিনয় বা চরিত ইনটার প্রটেশন-

এর উপর আনেকথানি নিভার 678 v বজাই বাছাল। সাচিত্রা সেন Bire. ক্রলেলতা। তবি অভিনরের ক্রতা স্ব'ক্র স্বীক্ত। এবং *বে*-ভাবে তিনি বিভিন্ন চবিত্রে অভিনয় করে এসেকেন 🦠 কমললতা চরিত্রচিত্রণ তা থেকে বে খা कित्रवर्शी इत्हर्ष हा नहा कथीर कश्लान চবিলাংকনও বেল স্থিস্টিকেটেড বলার ধরনে ও ভাকানোতে। সেই সহজিয়া মানসিক্তা রসিকা নারীর সেই উচ্ছলতা স্চিত্ সেনের কমললভার পেলাম क**े।** 🥽 কমললভাত অস্তরের জ্ঞানিতা ও গভারতা আছোস শ্রীমতী সেন অতি স্পের্ডেগ্র প্রকাশ করেছেন: ক্মললভার পরেজিবিদের **অভিনয় আরও বেশ**ী অবাক করে। সং মিলিয়ে বলতে গোলে স্মতিটা সেনেও ক্ষাল্ডা হ'ন সম্পূর্ণার শরংচাদের ১০৮ **ছায় দলকৈদেব কাছে নীয়া**খী সমানৰ পৰিবাদ মিক্সী-জীব্যার একটি উল্লেখ্যাল সামি काल हाल ।

करामान्त्रद / मनियार / भरता मरकन्यर / महा। नारक हते।

ওস্তাদ আমজাদ

नरवान वाकन

তবলা–পণ্ডত শান্তাপ্রসাদ

Mas - 50, a, o, 5,

अतिश्रमान :-- **शास्त्रान शास्त्र**, ५२-३ शार्क खोडि, २०-४४५०: **লেলোড--৮২**এ বাস্বিরারী এতেনিট ৪৮-২৪৭৪: **खोडार्ग बारबा**—६२ जालन वस् धार्मान्छे, ६६-७२०६।

জীক্ষত বেশে উল্লেখন প্রতিন্ত্র ७७म् ए : ১०२ वालावत ७ ज्ञानात ! <u>करें भुक्क स्थान भाग से राज्य है जिल्ला</u>स ডিকিট এবংবের এই ১ রাগ কেটেম বিশ্বর श्राया विकास मध्या स्थापन विकास । स्थापन -आरामकी कालांक कालनार र राज्य प्राप्त **হয়ে**ছা **ও ম**ন্তর্গ ক্ষাণিক জিকার हार्त्स, तिसाध ল্পাল একে ব্যক্তি এই আ এল এক ব্যক্তির। प्रसादाः जेन्द्र து ஆர்களை நெருவர்கு சரிவருக்கு சரிந் நா जल अ. इंग्ल প্রিয়াক্ষণের নিলোধ কে জানে

> প্রত্তেশ্য হিহাজকলন বিভাগন **কোন নালিশ থাক্**বার কথা নহ কুমারের গহর কবি, ভাব্যক, মিসিক রুসের সন্ধানী, নীবৰ প্রেমিক--এই চার্ড্রেন্সল্মণ দশকদের অনেকদিন মনে থাকার : অন্যান্য ভূমিকার অলপ উপস্থিতিতেও র'ম চোদ্রী, **জাই ব্রেদ্যাপাধ্যার, ত্রাপ্র**মার জন্ম রয়ে ছায়া দেবী, বীরেন চলীর্জি প্রমাথ বেশ ভাল ୍ୟାଞ୍ଜନ ଫ୍ରଫ୍ଲୋ ধ্ববিক্রেস বারাজী হরেছেন প্রচৌ সামান্ত্র - বাবাজনী সোধা ধরণ সংক্রমন।

> अध्योष्ट भरिकालक दिभाउन उहें भीता र রবাঁন জ্রোপাধ্যের জাত্র আন্নর্ভন্ত যোগাৰ ছবিটি জিন্তিক ল কলে উল্লেছ র্যাহন ক্রামেন্ড্র প্রে 🖟 ইন্ড প্রের 💩 **কো**নতি লাগেন তেখান সংগীতের : হত্যাজন প্রতিটি সাব করের নিয়ে সভিটে হলমে লিছে পে"ভে। মন কৰন শাহে কথন যে শেষা পানটির সার চলংকার। লম শোমার জন্য ছবিটি ক্ষেত্রর বা দেখা

> অন্তাদিকে অন্তাদ্য প্রায়োগ-গাণ্ড ছবি টিকে বিশিষ্ট করে তুলেছে। কোন কোন অংশের ফটোলাফি মাণ্য হ'লে দেখবার মত: দলেলে দুভেব ডিত্রসম্পদ্ধা ও উ'চুদরের।



ক্রেয়া তি-(তি প্রথম বাংলা ছবি!

श्वता

পাৰতি । শ্ৰীষ্ঠা ।। সংক্ৰেৰ ।। জনুৱাৰা ।। রামকৃষ্ঠ ।। রুমা

কেঃ অঃ জি আর পিকচার : ৪৩, ধম তলা দ্বীটা, কলিকাতা-১৩

उन्नता



"सम निरम" व्यवस्य ग्राधिका स्वयी, भाषका विश्वाम क निम्मू स्वीतिक-क्षित स्वीत क-नेप्कारक

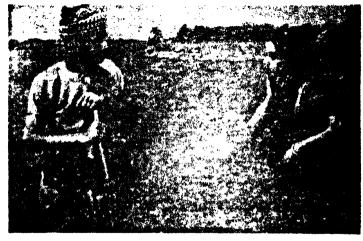
हेलि-हि॰अनी

म किक्षाकां शरह अका करा गरक . বিভিন্ন বিংকম উপেক্ষিত ⊢রবীপা∹ লাখের কাহিনী নিয়ে আগেও বেমন অনুনক ছবি ছাছেছে এখনও ছাছে: অব্যাধতী দেবীর প্রেম্ব 👁 রেষ্ট্রিশ: মাশাল সেনের "टेक्का भावन" क न्यरम्भ अवकारदव "मान्डि" এখনও মাভিত্র প্রতীক্ষার। কিশ্রু বহিকম চল্লের কোন কাহিনী নিয়ে এক ব্যাের মধ্যে त्कान कवि करतरक वाल मान गाउँ ना। चार्ल किन्छ अमनीते दिल नाः विश्वम अवती সময় গোছে যখন যদ্কিম কাহিনীয় ক্ষয় ছিল भूव। विवयुष्क, भूटभामानिमानी, ठन्द्रारमभन्न, इस्ती, सामक्रिके, स्थान क्ष्मा श्रही रुप्तरे ज्ञारत्व कृषि । धाक्या भारता विधे পরি-সেক্ত হতের, কিন্তু বাংকমের কাহিনীর প্রতি জনীয়াকেন? সম্ভবত বাংকম কাহিনীর অধিকাংশই ইভিহাসমূলক, ছবির ছেনভা এখন মডান'। অবশা ইতিহাসম্ভাক কাহিনী নিয়ে মডান টেকডেট ছাব করা বার কিনা ভা বিভক্মলক। ঐতিহাসিক काशिमी मिरवंद निम्हबरे मछाना रहेर-छत स्वि করা বার। "মহাভারত" নিয়ে, ছবি করব ই क्रमका शाकान নিশ্চরই ক্রাসকাল পর্যারের ছবি হতে পারে। কথা সেটা নর। মানিকল বোধ হয় অনত। ইতিহাস ম্লক কালিনীর চলচিচারন স্বভাবতই খ্রচ भारभक्का **धारः बारमा कवित्र वायम**ा क्षांत्रक कार्क कार्काण (श्रुटक वर्धमान) অতীতে ৰংলা ছবির ব্যবসা ক্ষেত্র এতটা ছেট ছিল না। অবিভৱ বাংলার প্র-পশ্চিমেত্ৰ মুটে মেণেই ভখন বাংলা ছবি

চলত। তাছাড়া আসামেও ছিল বাংলা ছবি
একটেটিয়া। উপরস্থু ছারাছবির "টেকনিকাল"
মান তথন এখনকার মত উমতও ছিল
মা। নাটককে প্রাথান্য দিরে ছবি করলেই
চলে বেড়া। "মাউন্টিং" এর ওপর জোর
দেওরা হড় না বলা বাহালা, ছবি এখন
আনক ক্ষা। বলা বাহালা, ছবি এখন
আনক সাবালক হরেছে। দশকরাও অনেক
পরিণত। শবভাবতই ছবির মাউন্টিংকে
এখন আর উপক্ষ্যে করা মাজে না। বাধা
হরে অধিকাংশ পরিচালকই এখন এমন
গলেপর কথা ভারকেন, বে গলেপ আড়েবর
কম। বাধ্কমচলের কাছিনী নিয়ে সেই
ভারবেই ইনালীং কোল ছবি হচ্ছে না বলে
মনে ইয়।

পরিচালক সভ্যক্তিং রার অবশ্য ইতি-পুরে' "দেবী চৌধুরানী"র চিত্তর্প प्रवाद प्रतम्ब कार्वाचरकाः arfeata ঠিক করে কেলেছিলেন স্টেছা সেনক। কিল্ড অনিবাৰ' কারণে শেষ প্রাণয় সমস্ত भक्तिक्क्भना वानकाम इता बाहा। পরবতী সময়েও প্রীরার বাঁণকমের "রাজ-সিংহ"কে সেলালেরেডের বাডে জীকর করতে চেরেছিলেন, কিল্ড ব্রাপালি পদার "রাজ সিংহ" জীবসত হতে পারল না। প্ৰসংগত মনে পতে, ছবি তথন কথা বলতে পারত না, ফিল্মের সেই নিৰ্বাচ্ছ কৰে মাভাদ কোশানী **একবার "রাজনিংহ"র** চিত্রপুপ দিরেছিলেন। কিল্ড ইংরেজ সরকার "वारण्ड" करत परित्रविस्तान दमके श्रीव । বণ্কিমের কাহিনী নিয়ে লেই বোৰ হয় প্রথম ছবি।

ি ইদানীং একাধিক পরিচালক আবার বাংকম-কাহিনী নিরে ছবি করার ক্**বা**



क्वांनियरगढ काहिनी"/विकाल बाह्य ও मावनी स्ट्यालाकार-स्विति अ-नण्डास माहि शरक

ভারতের মমকিথার
চিত্তদ্রাবী চিত্ররূপ!



চাৰুভিত্ৰ নিৰ্বেশ্ভ শ্ৰুৎচন্দ্ৰেৰ সীকাত্ত (৪ৰ্থ পৰ) অৱসম্বান



প্রা: স্থাচিরা সেন-উত্তমকূনার পরিগালনা • হরিসাধন দাশগুর সংগীত • রবীন চ্যাটার্জী গবিধনৈও সংলাগ• নারায়ণ গাস্থুলী সংখ্রীবায় •নির্মল-পাহাড়ী • ছায়া দেখী • কুই ব্যানার্জী ক্লি

ভিনেট্য ও পরিচালনা ঃ ছবিসাধন দালগতে সংগতি ঃ বৰীন চটোপাধার পরিবর্ধন ও সংলাপ : নারারণ গাছলো সহাভূমিকায় ঃ নিমলৈ — পাছাভূমি — ছায়া — জহর

উত্তর কলকাতা দর্শণা • ছায়া লিবাটি ্ধশ কলকাতা গ্লোব • জেম গ্ৰধ্য কলকাতা প্ৰিয়া • রুপালী

নৰাটি গ্ৰেস

এবং শহরতলীর সর্বত!

ভালভন। সভাজিংবাবার এখনো ইতে অংক দানক্ষ-ক্রাসকের চিত্রপে দেবার। खनन्धली स्वयी खाबरबान पंत्रारशीम सर्विस्तारीण লিয়ে। প্রিচালক কাডিক চটে প্রধায় জনের रखार्यात्राहर "कुक्कारण्डम केरेन"-अत किट-साग्रेश देखवी करत रकामाध्या । भौचरे गापिर भार १७सार कथा। रणाना वाक नासक গোলিদ্লাল-এর চবিত্র অভিনয় করবেন উল্লেখকনার। রোহিনী হবেন কে? প্রমার? মাধ্যা মাখাপা**ধ্যারের কথা ভাবা** বেতে পারত। যোহিনী**র বেশে। কিন্ত** এখন ক্রবেল কি করে? মাধৰী যে মা হতে চলেছেন : "বের্ছি**নী" তবে অপশ**া সেন कि व जातभा काफिकराया छ-दिवस्य किन्नाहे धर्माञ्चल कारवर्गाम । अति इत्य এकथाई जाता शास्त्र शिक्शी निर्यक्ति शर्मन ।

বিচক



ভর্ণ অপেরার ছিটলার—নামভূমিকার নিংশী : শাহিত পেঞ্নানী

আন্তৰ্জাতিক চলজিত উংসৰে "চলচেল"

នេះបាន^{ត្} অন্তর্গাণিক ভলজিলে উল্পন্ মনানিতি হাতে হাঁসত ক্ষেত্ৰত ব্যৱস্থা কেবলৈ কৰে। **প্ৰসা**ধক উল্লেখ্ ফেড়ার এই ভবি **মান্তি**লাটের প্রট স্থান মহাল সূত্র জা**গিয়ে**ছিল। ছবিটিন দ্যার সম্পূর্ণ বিলে বিয়েছেন আন্তন প্রিচাস । সংভাষে প্রে সিনেময় প্ৰবিশ্ব হয়। 5.71 প্রিকেম্বর্জার শহরে 'চলাড়কা' তাবাৰ **নিয়মিত পু**ৰ্ণাত হাও। জনুষ্টো দেবী, জাস্ত্তন্ নিছ'ল-ক্ষার, প্রাড়ী সাম্যাল প্রাড় জাবর প্রথম শিল্পী। গাত সং**তাতে কল**কাতায় এই ছবিব মাৰি নেত্ৰ প্ৰিণী) আলোৱ মতট দৰাক মহলে আগ্রহের সম্ভার করে। ছবিটি কাহিনী ও পরিচালনার বৈশিক্টো এথনও জনপ্রির।



শ্বহল" হিন্দী চিত্তে দেব জানন্দ, জড়ী ভট্টাচাৰ্য ও জাশা পারেখ—বর্ডনান লগতাকে ছবিটি মাত্রি পাবে

বোম্বাই বিচিত্রা

स्कित्यः स्टब्स्स वर्गस्य अर्थन টি রাজনাতির রাজধানী নিজার সংগ্রু এমন গ্ৰহীৰ এবছ উঠছে : সংক্ৰায় বছমিনে দেশ চলাভিচ্ন স্থান্ত ম চলাভিচ্ন শিক্ষাৰ সংগ্রে ব্রুমিণ্ন সর্কারের বেল্পেইলে এলবংমান বিন্নটি সংস্থার নাধ্যে । এই তিন সংস্থার হার্যা সবাস্তায় প্রাসীন ফিল্ম FREEZE STREET क्रिक्र**ारक क्ष**रश्रीतहरूल कार्कात्रकार इ.व. प्राप्तराप्त अवकार हर्लाक्ट িলাপান আগ[ে]লাহ সন্তাহ্য কার ডুল**্ডি**টে-ধ্যমেণ্ড সূত্র সিকার করার প্রতাসী এই প্রাস প্রস্থের ফ্রিল্ম ফ্রিলাইস ৰূপে তেখন অনুত অসু^কতে হেডাৰে কাৰ্য-সড়ী পৰিয়াল্যনা প্ৰবেচ্ছ ছ সমালৈটোকৰ প্রচা প্রাচিত বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে হ'বং বিষয়ে रिहराक्ष्म कर्णराहरूका राज्य खारा कराबद केरिय ষাল হান হাজ। এই নবপাথর স্চেন্ হাভ্রাছ আজ বুথার বছর দেখেক আগে ক্রীটিমার সিং রখন জিব্য জিনাস কাপী। বর্ণসূত্রর ব্যবহারে মারিকা**র হ**ন জার শই খোকে - জীতিমাং সিং এর আমালেই দাজন ভিত্ৰিকাটো এক এক সিংহ কোনে ডির নিমাধে খারা কবেন। এই একজন মাললা প্ৰেন, অন্যক্ষন বাস্ত্ৰীচ যা। দ্টি ছবিট প্রাপাছিদানের সাদ্ধিকোণ থেকে ভিন্ন ধরনের চিত। মাণাল সেনের ভবন সোম (ছিল্নী চিত্র) সমাণত এবং ছেনিসে প্রেম্কুড। ৰাস্য ভট্টাচন্ত্ৰি 'জনাভব' অধাসনাগত, ন্ত্রীরিক্ষাৎ সিং এর পর এফ এফ সি-র চেরার-মনন নিবাল হারেছেন শ্রী বি কে করনলিয়া। (\$ A ফেষ্ট্ৰের ত্রীকরনভিত্তাত হিম্মর সিং প্রদর্শিত পরেই

্ৰয় সিংক প্রিচ্ছিত কর্ছন। ইদানীং কালে বেশ ক্ষেকজন ভ্রাণ চিত্র-নিম্যান্তাকে উৎসাহ দিয়েত এফ এফ সি থোঁদের যেভাবে লোন দিয়ে সাহার। করাই এগিৰে এইটাছ তা পরিবর্তনাকাশ্সী সম্প্রদারের পাভেচ্চ। পারার যোগা। বইট দিন বাদে ভিন্দী চলচ্চিতের ক্ষেত্রে সিরিয়াস তিন্দী সহিত্যের প্রবেশ ঘটছে। এফ এফ P 44 62 7 TE ₹7**3**19 ষ্টা বৈত্ত Trains. আলোপা আবল্যকান চিত্র নিমারণ রভী হায়েছেন ভয়াৰ ডিব নিমান্তা বাস্য সভীটিভা। প্রান্ধ হিলম ইনস্টিটিউটের প্রাক্তন ছাত্র, আর এক তব্ৰেল, শ্ৰীমণি কাউল ও নাটকোর ছোওঁ গালপ লেখন মোহন বাকেশের একটি ছোট গ্রুপ অবস্থান একটি চিন্ন নিমাণের भारतका करन्यका। अ कविवित हैकारी हर्द এফ এফ সির টাকার : সরকারী অর্থা এবং পাঠ্যপাষকতাৰ আৰু একটি সংক্ষা পাত-इ. जि.स. ७८१ काक गर हुए। काल, काल गर हुए।

প্রশান্ত সংস্থা ভারতীয় চলীক্ষাত্রর ওপার প্রভাব বিদ্যাল করেছে বাধা। এ সংস্থার নাম ফিল্ড ইনস্টিডিটট অব ইল্ডিয়া (প্রা)। किन्द्र केनमिनिनिक्षित कार्याद विकिस अन्त প্রাক্ত কাজান্তর স্থানত হারত বিধা আমেন इनोक्क रेंद्रशक निका मारू कराउ। क्यान्त भौत्रहालना हिन्दाही सम्भानना, আলোকহিল, অভিনয় প্রভতি বিষয়ে শিক্ষালন করা হয়। পানা ইনস্টিটিউটের বেৰ বিছা সংখ্যক ছাত্ৰাতী বভনিতৰ হদেবর এবং বিভিন্ন আঞ্চলক চলজিত-ভাবিদের সংখ্য যাত হয়ে পাছেছেন। ইনস্টিটিটাটৰ অধিকাংল, ভাতভাতীই বেশ যোগাভার সংগ্র কার্ক করছেন আনুশপানে। চলজিত জগতে এই নবীনদের সংখ্যা কুমবর্ধামান এবং আমার ধ্রণা বে ্যেমন रहरण अरुपर माथा। योग्ध भारत वर्णका জগতে, তেমন তেমন চলচ্চিত্র বংশও अधारा भारतेगदः एटर शहामदानीवः द**्न** থ্যাক্তর হয় "বাদের এয়ত্ত এক লাংকা দেখানে হৈই আসেবে সেই চাবে রাবণা'। কথাটা একেব্যুক্ত ফেল্ডনা নতু ভাবে সভা ইলো থাব লাগ্রাধর হাবে এই আর কি।

चाराणीय वर्गाकराक विश्वतंत्र वामाल পরিবেশন করে সেধান থেকে বিদেশী মান্ত বেফ্লাব্র লগ স্ব্রার প্রাচিত ভার একটি সংস্থা হল বিমপেকা: ইমপেক-এর কাৰু নাত্ৰি প্ৰেফ রপতানি কথাৰ একাশেট ক্ষয়েশন । এই সংক্ষা ঘাঁব হাতের নীচে ভাঁর নাম শ্রীতাবিখ। এখন বাজনীতির জগতে সাপরিচিত নাম। বাদবর চিত জগাত**ঙ** ইতিবিধ ধেন সংগ্রিচিত। বাদের প্রায় সং ভাৰসাইটে চিত্ৰিমতি ব অভিনেতা-অভিনেত্রীরাই শ্রীতারিপের খনিষ্ঠ। শ্রেনি ভারিথ সাহের কথ্যবংসল লোক। ভারতীয় চলজ্জাহর ওল্পাণ্ডেই প্রমাণান্ত জন্ম চকলিয়াত্র নির্মাণ কোত্র যে পরিবভান বঞ্দীয় ভাতবড়ে গোল চমত তারিশ मारहावरक अस्मिरकत । यन्याच बाहाराज हार्य ।



সম্পাদক) 🗻 "প্ৰনহা কৰিছে"/রাজ মেহারা বলবাজ সাহলী ও প্রজ্বিনী—ছবিটি জাগালী সম্ভাহে ভি প্রেই

জারতীর তিন্তু। এবং জাবন নদান কথাবের
বির্দেশ কোন কৈছি করতেই সার বের না
কাউকে। ইনপেকা কুমল পশ্লার হরে
উঠকে, কলে বিদেশী মারার ভছর্প
বানিকটা হরও বন্ধও হবে, কিন্তু ইনপেকা
হওরার কলে অনেক অনা করেছিলেন
বে বিদেশে রাভানির জনা ভারতে উন্নত
মানের চলচ্চিত্রও হরত তৈরী হবে
ইমশেকের পৃষ্ঠশোষকভার। এ আশা এখনো
জন্মকারে। এর ওপর ইমশেক এখনো

মহাজাতি সদতে ১২ই অটাৰ সন্ধা ৫৪টান (৫৫-৭১২১) তর্গ অপেরার

'(ल लि न'

আলোকসংশত করেনি। ভবিবাং নেহাতই ভবিবাতের গভে', মুডরাং এখন কিছু বলা মুশবিকা।

সরল শর্মা

विरम्दन "ग्राभी गाहेन.."

আর্মিডলেও ও অকস্যাপ্ত অত্তর্কাতিক চলচ্চিত্র উৎসব থেকে কিরে এসে "সংগী সাইন বাঘা ব ইন" ছবির প্রবাজক শ্রীনেশাল দন্ত সাংবাদিক সাক্ষাংকারে বলেন, সভাচ্চিৎ রারের ছবি সেখনে বিচরক-মপ্তলী ও সমালোচকদের মনে গভারভাবে রেখাপাত করেছে। প্রীএরিক উইলিরমস্ এক প্রাপ্রীদ্রকে জানান

"A number of the scenes such as the ghost sequence" could well pass into history to be compared and considered alongside the famed Eiesenstein 'Odessa at spasequence from "Battleehip Potemkin".

(क्वीन्द्रेकारज ন্মট পাছলিগটি ছবি रमान्त्रे किंग भौतकालमा THE THE PE মৌলকম এবং অসাধারণ গাণের ভলা অলাণা "সিলভাত্ত ক্রম" পরেকার পেরেছে "गानी गारेन..."। कानात्मव "रेनकावत्ना व्यव ফান্ট লাভ" এলিয়ার প্রেথ চিত্রের মরালা পেরেছে। দেশদাল জারি পরেকার পোরতে शास्त्रातित "नि दब्ध चार्ड नि दशकाहेते"। ক্যতিতীয়া প্রবেশক কেশ্চিতালের शिरमभाग महरूक अक चना छोटन मरवर्धना कानान। का बाखा निकेकिकाएक रहेकि-ভিশনে এক সাকাংকারে শ্রীদন্ত ভারতের हर्माकर्तानरस्य अवर विरागत स्टब्स मीलकरीयन

वादात्र क्लीक्शकर्म मध्यक् बद्धात ।



कमानी : भीना : शोबी : छेमबन : ब्यह्मभूनी : ब्याबीड

(সি ১৪০৫)

कानकारी जार्ड चित्रकीद-भर ताछिक

১৫ অক্টোবর কলামান্দর এরিশা
২১ অক্টোবর মৃত্তক্ষণন এরিশা
১০ থেকে ১৮ নডেন্বর জালামে
এরিশা লুর্ল চেডনা বিন্দর ছেলে
২৮ নডেন্বর মৃত্তক্ষণন এরিশা
১৫ ডিসেন্বর হুগলী লুর্ল চেডনা
১৯৭০এ দুর্গটি নডুন নাটক
লাটি জার নেই ম দর্শদে বিছিল
নাটক-নির্দেশনা ঃ পার্থা বন্দ্যোপাধ্যার
ছৈ চ্ল-১৫ই কলকারা মেলার অন্টোন

(TA 2062)

सीत

্শীকারপ নির্মাদ্যত সঞ্জিদলো]

नक्त नाइक!



অভিনৰ নাটকের অপ্য' রূপারণ! প্রতি বৃহস্পতিবার ৫ শনিবার ৫ ৪৪টার প্রতি র্বিবার ৫ ছাটার দিন ৫ ০টা ৫ ৬৪টার

इस्ता ७ भविकाणना ॥
 इस्त्रनाबावन गर्थ

র ব্পারণে র
আজিত বংশরাপাধ্যরে, অপর্বা দেবী, শ্তেশন্
চটোপাধ্যরে, গ্রহতা চটোপাধ্যরে, নীলিলা বাস,
সভীপ্র ভটাচার্লা, জ্যোবলা বিখান, শ্যান্দ লাহা
প্রেলাংশ্য বস্তা, বাসভী চটোপাধ্যার, গৈলেন
অবেলাপাধ্যার, গাঁডা বে ও ভান্য বংশ্যাপাধ্যার



কংয়কদিন আগে কলকাত্তা পাক ভোঁতস কোনপানীৰ স্থানীয় কণ্ড পক্ষ শংকৰাতল চিসংপোশ প্ৰতিযোগিতাৰ ব্যৱস্থা কৰে-ভিব্ৰেন্ড জনসাধ্যবদকে স্বাস্থা সম্প্ৰে সংগ্ৰিন ব্যাই ছিল এৰ উন্দেশ্য। তিসংস্থা ভাতগোগিতাৰ বিচাৰক্ষণভলীতে ছিলেন এতিনেতা আন্দ্ৰ চট্টেপাধ্যয়—তাকে ছবিতে দেখা যাছে

ন্তগেটিত গাণ্ধীজী<mark>ৰ জীৰনালেখা</mark>



वाकीकात

গর্ভেবির ১৯৬৯ ১২০০০ - ২০০০ ১০০ব নত্ত এক যার শের আফগান

েই নাজনাৰ সদেহ সভাৰ মাজ **মাজনা** মাজাৰ**ী আমাৰ মাজাৰী** তেওঁ তেওঁ ভাৰত নিউ বিশ্বাসন

ः । १८८० वर्षः । १८५० १८८ **५०**०६ । स्टब्सीसाद्वतं स्ट<mark>टिंतश्मव</mark>

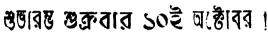
িতেশনা ১ আহু ছেশ সংশ্লাপসেন্থে ৪ টিনিট প্রভেয়া যাক্ষেধ্য

(TA 2000)

স্পেণ্টদ্ৰৰ খাত্ৰ-বিশ্বন উপস্থাক প্ৰচাল হাই স্কল স্কান্তিক আনে অব চেট্ডা শ্ৰীৰ অনুষ্ঠানের প্ৰিৱস্থন দি লেখে. কৰণনা ± শ্ৰীমতী মিত ও সীমূৰণ সাহাৰীল। বৈমন সাক্ষর হৈমনই তা সাথার হারছে স_্নিশাৰ **প্ৰয়ে**লের গ্ৰাল লাভ্যতিষ্ঠান কথা মর কবিনের বিভিন্ন আর্ণীয় মুঠ্টে সংবলিত ভারতথ্যের ইড়িচাসের এক ধ্যেরবমর অধ্যয় সেলিনকার সানিব বিজ গানের কথার কার সারে, নাচের ছাফে আর कार्यः नश्मीरक शामयन्त्र राष्ट्र हेर्स्ट्रीहलः সাথক পরিচালনার কৃতিভাকি মঞ্চালিকা দাদের প্রাণ্য নিশ্চরই। কিন্ত মনে প্রান চ্ছিণ্ডন ছাত্রী যে-রকম সামপ্রসাপার্ণ ভীপাটে কথনো (গান: মারের দেওয়া মোটা কাপত) অসহযোগ আগেদ জানের সান্ত शाकाशाक, कथामा दिएकम-ट्रेटन्याहक मार कवराव प्रदेश बेहरक, खादाद दशागा रा

ভারার নাচের উদ্দীপনাম সংখীনতা-স্বাল্ডর স্বভাস্কারি জানালকে "F'F' 5 - T Z 6 9/8/07 য়াৰ কাণ্টা হা জান্যাত বিষয় ভাবে এয়েন সংখ্যাকভাৱে বসম্ভিত সংগ্র**্ডলতে আ**র ধারা সহস্রেতিতা করেছেন ভারের মধ্যে दिरमसमाह हिल्लभाकाका छात्रज रजातन মামা। আমাক দিন পাৰে পশ্চাংপাটে **এন**ন ন্দ্রনভিব্নম আলোর শিক্ষ**াক্রন দেখবার** সাহাদ হল। আর ট্রাপ্রথারাগা আর্ছ-সংগ্ৰি বৰ্গাল্য দীনেশ চনেৰ নাম ইংরাজী ধারা-ভাষা উদ্দীপনামর এবং সদশ্যেরোধক গান ইংরা**লী ধর্মসংগীত** গুমভার রবীন্দ্রসংগীত, সংবলিত এই অন্তেল্ডর প্রিবেশটি● সাগাঁকভাবে পবিশ্বটে হারছে সাল্লহ कारध भारद धानियाक्रनाइ।

আনন্দবর্ধ ন



ছতে, রহস। e হড়হনের সন্ধান মি: লাকমিনানর ফতিয়ান



শুরুর মুশুর্জী
 ভালি কলা
 শুরুর মুশুর্জী
 ভালি কলা
 শুরুর মুশুর্জী

হিন্দ-নাজ-ই,ন্দ্রা পূর্ণশ্লা-প্যারামাউণ্ট-ভবানী পূর্বাণা-চিত্রপুরা-পি, সন-রিজেণ্ট-নবভারত

भूभ्यति - भिकाविको - वामन्यव - मध्या - त्रीकृक (क्षण्यक) - वर्गवान जिल्ला

সীমানত গাংধীর ভারতে আগমন এই সংভাঙের উলেখবোগা ঘটনা। ভারতের স্বাধনিত্র আন্দোলনের অন্যতম অগ্রনায়ক সীমানত গাংধী থা আবদ্ধে গড়েনর থা দেশ বিভাগের পর ২ অকটোবর স্বাধীন ভারতের বাজধানী দিল্লিতে পদাপণি করলে তাকে বীরোচিত

সন্দর্শনা জানানো হয়। ভারতীয় বিমানবাহিনীর বিমান বাজদ্তে তিনি বোমবাই হয়ে এখানে পালাম বিমান বাদরে এলে প্রায় দ্ই লক্ষ নাগরিক স্বতঃস্ফ্তেভাবে তাঁকে স্বাগত জানান। সীমানত গাল্ধী দ্বামা ভারতে থাকবেন। বোমবাইয়ের সাল্তা ক্রজা বিমান বাদরে জনৈক সাংবাদিক ভারতের জন্য সীমানত গাল্ধীকে বাণী দিতে অনুরোধ করলে তিনি আবেশকন্পিত কর্তে গভনীর ক্ষোভের স্কন্যে বলেন বে, ভারতের জনাল আজ মহাঝা গাল্ধীকে এবং হিন্দু-মুসলমান নিবিশৈবে সকলের প্রতি তিনি যে প্রেম ও মৈছীর বাণী প্রচার করেছিলেন ভা বিশ্বত হয়েছেন। এই দেশে ছিংসার প্রবল্য দেশে তিনি মর্মাছত হয়েছেন। নর্মিসিলতে পাঠানদের



এক সমাবেশে তিনি বলেন বে, পাকিশ্তানের আভান্তরণি রাজনৈতিক পরিপিথিতির জনা আর্ব খান পাক প্রেসিডেনটের পাদ ত্যাগ করেন নি। শৃংখল মোচনের জনা পাঠানদের দ্যু লাককণ ভ আন্ধ্রভাগেই আর্বকে গাঁদচাক করেছে। তারতে সাধারণভাবে ঘ্ণা ভ হিসামক পরিবেশের বির্দেধ প্রতিবাদ হিসাবে এবং গাংধীলী প্রদর্শিত পথ জনসাধারণ বজান করাই খান আবদ্ধা গাইফর খান ও অকটোবর সকাল সাতেটার তিন্দিনের জনা ঘনশন শারে করেন। ৫ অকটোবর বাদশা খানের জনশনের শেব দিন। ৬ অকটোবর সোমবার সকালে তিনি জনশন ভগা করেন।

लगी गरवार

হঠ দেশটেন্ডর-নাবাত ঐসলামিক সংখ্যালনের পরিপ্রেক্তিত ভারতের পররাক্ত্রী নীতি প্রেক্তির পররাক্ত্রী নীতি প্রেক্তির কালি আমেদ আহনান জানিবছেন। ঐক্তিলেন আলি আমেদ আহনান জানিবছেন। ঐক্তিলের বিলেকভাবে বিশ্বেকনা করে দেখতে হবে। (১) পাকিস্তালের নির্বাজ্যিক ভারতির ভারত-বিরোধিতা এবং (২) বৃদ্ধি ও সৌজনার পরোরা না করে পশ্চিম এশিয়া ও আরবের বে-দ্ব রাখা পাকিস্তানের পোলার ভারতের বে-দ্ব রাখা পাকিস্তানের পোলার বিরোধিতা করিছে ভালের মনোনার।

তে কেপটেনবর—পশ্চিম বাংলার ভূমি
 রাজস্বমন্দ্রী শ্রীহরেরুক কোঙার আজ প্রধানক্রমী শ্রীকরী ইন্দিরা গামধীর সংগ্য ভূমি

রংকরেরের প্রয়োজনে সংবিধান সংগ্রেমনের
প্রনাটি নিরে জালোচনা করেন। ভূমি সংগ্রেমনীতি কলপ্রসা, করার ভনা সংবিধানের অসতের
নাটি ক্রমিলার সংগ্রেমন করা নবকার বংল

অভিমান প্রকান করেন। প্রধানমন্দ্রী শ্রীকোভরিকে

কি ভাবে সংবিধান সংগ্রেমন করা বেতে পারে

কে সম্পর্কের স্থিমিনিন্দি প্রস্তার দিতে আন্রেম্বাধ

ভানান।

এ বছর হাওড়া ও শিহালেন থেকে মেট ২০ থানি ন্বেপারার প্রো গ্রেপায়াল টেনের ব্যক্তরা হারছে। এর মধ্যে ১৬ খানি প্রে রেলের এবং ৪ খানি নাঞ্চন-প্রে ব্যক্তর। পরে রেলের প্রথম কেপানাল ১২ ফকটোবর এবং দক্ষিদ-প্রে রেলের কেপায়াল টেন ১৬ অক্টোবর হাওড়া থেকে ছাড়ার।

১ অকটোৰৰ—নানা অনুষ্ঠানের মধা দৈয়ে আৰু বলাবাতায় মহাজা গাৰধীৰ জননাত্ত- আহ্বাজা গাৰধীৰ জননাত্ত- আহ্বাজাকীক দুৰ্ভিননাতাপী উৎসাৰে সাড়না হয়। জন্ম স্বাজাল বিভিন্ন স্বাজাল বিভিন্ন বিভাগৰ স্বাজাল আহ্বাজাল ক্ষ্যাভিন্ন ক্ষালাৰ ক্ষয়ে বলিত সাড়াই জিল প্ৰিচম-ৰংগ গাৰ্থী প্ৰভাগিকী স্থামাতির কাৰ্যাস্ট্ৰীর জন্যতম বংগা।

হেলা গাংগালী ডাকাত না বজনৈতিক নেতা

ক্রী বিভাগ চলাত বেশ কিছালিন গোকই।
প্রতিষ্কা বলে-কেনা ডাকাত ভিলেন, তাই তাকে



ধরার চেন্টা করা হয়েছিল। তার প্রক্রম রঞ্জনিতিক সহক্ষাবিদ বালেছেন হ চাকাত বলকে বা বোঝার হেনা প্রাণগ্রেষী কথনও তা ভিলেন না। হেনা প্রাণগ্রেষীর তিনটি প্রক্রম হিলেক অবলব্যন যে তিনটি প্রবাধ রচিত হরেছে তা ধরেমহিকতারে প্রক্রমিত হরে।

২ অবটোবন—১৯৬৭ সালের ১৬ জিলেম্বর উত্তরপাড়া রাজা পারেইলেরন করেজ এলার র মধ্যে প্রিলম বা করেছিল ওা অসপতে বা আর্তুক নমঃ কিন্তু অধ্যক্ষ এবং অব্যোপক্ষের ক্ষেক ও অফিস ঘরে প্রিলিসের করেজাপ প্রিচিথতি অনুযায়ী সীমা ছর্গাছরে বিভাগিত উত্তরপাড়া করেজের এই ঘটনা সংপ্রকৌ তাদত কমিটির চেমামানি বিভাগিত কমিটির চেমামানি বিভাগিত কমিটির তেমামানি বিভাগিত ক্রিমাথাজ্যি এরপার বলোভন যে, এটারন ক্রিমাথাজ্যি এরপার বলোভন যে, এটারন ক্রিমাথাজ্যি এরপার বলোভন যে, এটারন দ্বায়াছ প্রস্তরতার বিভাগিত ক্রিমাথাজ্যি প্রস্তর্গ প্রবার প্রস্তিসের স্থাপা সমাধ্য সংস্কর্গ অনুসেন, মা অব্রেল্যা করা যায় যাঃ

৪ অকটোরর—চলিবণ প্রসানার মথ্যাপ্রের আনা একারার সম্পূর্ণ অরাজ্ঞক অন্তথার স্থিতী হয়েছে। আজ রাজা ন্বরাথী ব্যান্তরের এক গ্রেপতে এই থবর জানান। এজনা গতেরাল থেকে এই থানার বিভিন্ন অঞ্চল প্রথম প্রোপন্ধি ম্যালিক্টেসিই পাঁচটি স্থালিস ক্যান্প বসানের ইরেছে।

ক্র আক্রাটার্যনা আজা ব্যানারটিছে সচ মাজে পেকে বলা ইম্মেছে, আনাক্ষায় নানা ট কেল্ট্রায় উল্লাখন শাক্ষা ক্রান্যালারটি কর সহক্রোগিতাল পেলের বিভিন্ন স্থানে ট গান্ট্রীয় কাল্টেল সংস্থান গাহ্মালা ভ্রমানট আনেক কাল্ট্রাপ্ত আটক ক্রোছন। বাদ সকলে থেকেই ভ্রমানী শাস্ত্র হয় এবং এ ক্রেছেন।

প্রথিব ত করেবর সংখ্যা এক দ্ ভালের চারখনের মধ্যে একজন ভারতীয় ভারতের প্রতিশ্রভন অবেশর মধ্যে একং বরস ১২ বছতের নীচে। হারদেগবাল চজ্ব পাতালের স্পারিনটেন্টেন্ট লী পি বিব নে এই তথা জানাল।

विद्मानी भरवाम

৩০ দেশকীৰৰ -- প্ৰেদিন্ত দীন্দ্ৰের ।
কাৰিণত বাবাং নিকে মিদলী প্রমা ইনিনেকোনিন নিমাধ গালকলে পেতি ইয়ালৈ খানেক সংগ্যাক্ষ কাকে। কি মাধী সাংবাদিকাদ্য কাকন হে, ভালাহব । জামেনাবাদের ঘটনা সাংগ্রেক জনপ্রস্থা বা নেওবা।

১ অবটোর — কাঞ্চ শিকিং। বিশেষি বাহালী অনুষ্ঠান চীনা কমি।
পার্কিন চেহালমান মার সেন্দুং উপ্
ভিলেন; মারুবারে উপ্পিতির ফাল বারোহর অসংকর্ম হাছে প্রকৃত্যান এই প্রে

अस्तिहास - प्राप्तिय स्वाप्ता श्री अस्ति।
 स्वाप्ता स्वीप्तम्तास्य स्वाप्ता कर्तीः
 स्वाप्ता स्

ক্রেন্ডারের - করণানীর ব্যালারার ল রাজার
কারীর একা বিবানী কনেরার সাক্ষান প্রণান
কারারী গালিকা ও স্থাপ কুম্পার কর্বার প্রভাগের হার এই সংগ্রুপ আরার ও মা
মাক্রমান্টার ভারতীয় পারাক্রান্ত স্থাপ্র প্রার্থীয় পারাক্রান্ত স্থাপ্র
কার্যান্টার বার্থীয়ানান ও মার্বাক্রন কন্দান
ক্রিক্রমান্টার বার্থীয়ার প্রভাগের বার্থীয়ার প্রভাগের বার্থীয়ার ক্রিক্রমান্ত

S জকটোৰর লটোন গাত ২৩ ও সেপটোনৰ সামলোৰ সংশা যে প্ৰমাণা থে প্ৰটীকা সংশাল কৰেছে আৰু বাতে পিতিং থে বেকে তা ঘোষণা কৰা হয়। বেচাৰে ব বিলা বন বে, ২৩ সেপটোনৰ চীন প্ৰথম ভূ প্ৰমাণা, বেমার বিশেষকা ঘটাবল।

৫ অকটেম্বল-পাকিস্তান আওয়ামী প্র প্রেসিডেণ্ট শেখ মুজিবর রচমান ইবালিয়া খ প্রশাসনের সমালে চনা করেছেন; মুট বলেছেন যে, গাসনকর্তা বললেছে কিল্টু পান্ চারিত সম্পার্থন। ইবালিয়া জ্যানাথ মা কারব রই চলেছে—বার মাল কথা হলে। প্র পাকিস্তান কর্তৃক পার্য পাকিস্তানকে শে এই কল্পার কলা চাই। न दम बर्र नाउन वहे

ENT

निर्भालकमात्री धरलानीवरमब

কবির সঙ্গে য়ুরোপে

৭৫ याति वार्षे (क्षरे भर, विश्व शह A দাম মাত দশ টাকা ।

बामारमब बमाब

तिका. श्रुक्तो तिका शा

विश्रम करवर

সন্তোষকুমার ঘোষের

मित्रती ह. ্তিনয়ন ৪১

ह विभागायन हटहा भाषतहस्र

सङ्गमस्ता ८. नौदाबद्रक्षम भारत्व

कवडाकुसादी

करियमञ्जा

लीला बङ्ग्यभाद्वव

মুক্ষার রায় 811

,सबम्ब

टेनट्टा नक्याव बर्गमत्भाधतरम्ब

गान्धीकीव गठेनकभ 8॥

2743481

গান্ধী রচনাসম্ভার

প্রথম কভ 🗝 পাঁচ টাকা

CHICAGA

क्षीला प्रकारनास्त्र

স্থলন কণ্ড

(নপোর বই ৩॥ নত্নত্র গণে ১,

সমেধনাধ খেন**খের**

কিশোর গ্রন্থাবলী 811

ভারতের স্মান্তেট চিল্ডাবিদ্দের বচন জাল

जाको पविक्रमा ५ए.

लीजा शक्क अनादबंब ৰব**ীন্দ পাৰ্যস্কাৰপা**শক

আর কোনোখানে

॥ ন্তন চত্র্থ মাদ্রণ প্রকাশিত হয়েছে ॥

वीवनहरून रहरियायीय

বাঙালী জীবনে রমণী ১০.

घवनौग्ननाथ ठाकदवव

যাত্রাগানে রামায়ণ ১. (সচিত্র)

न्याभी मियाचान्यस्य

श्रीवार्तियं खात्रक केला ५०,

প্রবোধকুমার সান্যালের

উত্তর হিমালয় চরিত

নীলকণ্ঠ হিমালয়

লোভকুমাৰ চৌধরেীর

ধ্যানগম্ভার এই যে ভধর ৪॥

শৃহক মহাবাজের

गदन गिडि कन्मदा ७. নীল দৰেমি ৬॥

अस्ति असाज क উত্তরস্যাং দিশি ১০,

গ্ৰেণ্ড্ৰমনাৰ নিজেৱ

यात हित जामा क्रमा 811 र्वाञ्चनग्र 📶 मस्य ७ मीश्र ७. বিভয়িভ্যণ বন্দ্যোপাধ্যাষের

मृष्टिअमीभ वस्य प्रमा पूर

দৈয়দ মাঞ্জবা আলীর

রাজা উদ্বার ৮, বড়বার ৭.

আশাভোষ মাখোপাধাষের

अग्नर्वे । त्राविभाक वीधा ७.

^{অচিক্তাকুমান} গৌরাঙ্গ পরিজন ১০,

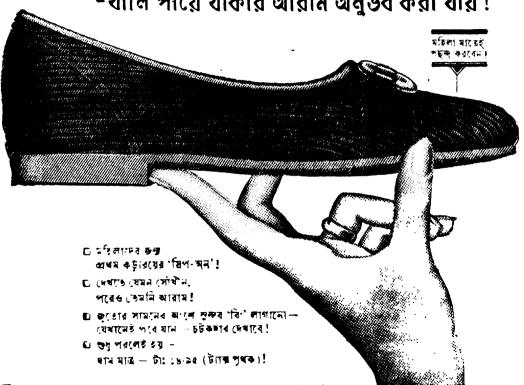
মিত ৬ থেব : ১০ শা মাচবদ দে স্থীত কলিকাতা ১২ কেন : ৩৪-২৪৯২

66-4422

क्याश्वितत प्रशिवा प्रश्कत्व एप्रशिष्ट्य कि ?

म्बान किस्थानियन

কর্তুরয়ের এই অভিনব 'মিপ-অন'পরলেও -খালি পায়ে থাকার আরাম অনুভব করা যায়!



नानाविध भरनावभ बः स्व शास्त्रा बाह्र

করোনার লুডো – চলার ক্লান্তি আসেনা...ছিড়বার ভর থাকে না !

कत्वाता त्राञ्च त्काः लिः

২২১, দাদাভাই নওরোজি রোড, বম্বে-১



বিষয়	লেখক		শক্তা
म ृदर्गाः स ब	***	•••	2290
বাণ্যচিত্র	•••	•••	2248
म्माभवे —शीनवाडाम शर्श्व	***	•••	১১৭৫
ब्रामना दि मः बामङाया	•••	***	2299
বৈদেশিকী	•••	•••	2298
भ्रानम्ब खानील	•••	•••	2292
জলে নামলে (কবিতা)—ই	িশেলেশচন্দ্র ভট্টভার্য	•••	2242
আমার জন্য ভেবো না (ক	नडा)		
ু নীদিরোজ ঢৌধ্রী		•••	2282
প্রতিদিন একই ঘরে ।ক্রি	তা)—শ্রীষজন কর	•••	2282
পায়রা—শ্রীমাশিস ঘোষ	•••	•••	2280
পণ হল্ব-ডঃ সৈয়দ ন্তৰ	বো ধালী	***	2229

ছোটদের সেরা বই

পাপৰে ৰই সাচে ৯ট বছারর শিশ**় 'পাপত্র অবিসমরণীর সাহিত্যকীতি'।** र्षा ३ महाराजम अध्यक्षम । শিংপী উট্টোর বলেনাপাধ্য**ারের ছবি ও লেখার অরণ্যের পশ্-**এক স্ম भाषीतन्त्र कविनगारात्र श्रांत । [2.40] ছিল শেয়াল শ্বপন্যভেও জনা, শ্রীসমর দেন্<mark>র বর্ণালী ছবি। ভারত সরকার</mark> रभासाय কর্কি অধ্যস্ত। [2.00 & 2.40] সাধী ৩: 'শ'শাভাগ দাশাহাত্য ছদেদ ও শ্রী**স্থা রারের ছবিতে** শ্লমলা-দীঘির जेमान-रकारन ্রী প্রাদেশ সব্ধান বাচ্ছ **ও চিতিও ছেটেনের ঘাঁধার বই। বাঙ্লায়** দ্বিৰ क्षत्रव दहै भूष्य। বেবা *স্ভাত৷ কর রাচত *ইনি*ম্য রার চিহ্নি**ত সেরা** বৌষ্ধ-গলেপর ছে টাদৰ <u>বৌদ্ধগল্প</u> শ্রীমনোমারন ব্যবস্থা রাগত শ্রী**প্রত্য বন্দে**লপাধারে **চিত্রিত দুই** ছবিত্ত প্রথিবী শ্বণের রঙীন চিতে সরল বিবরণ। প্রিতি ভাগ ১ ২৫] 🖫 (धामिम ग्रा) ২ (প্ৰস্তুৰ ঘ্লি) मीभूग हक्त औं र्वाइफ क डिंग्स खावरस्य मिक्भनिममंद्रस्य যুগে যুগে

ভারত শিক্প

भिना माश्जि **अ**श्अम 2118

[9.00]

०५७ आणात, जर्मात्राम्त (राष्ट्र स क्रांचकाङ) **२**

ইতিহাস। বহ' ছবি। বাডলার অন্বিভীয় বই।

প্রস্তৃত ভালিভার জনা লিখ্যন

প্ৰা অৰকাৰে আনন্দ হবীন্য প্রেক্সারে সম্মানিত শ্রীস বোধকমার চক্রবর্তী প্রণীত

উপন্যস-বর্সাসক চমণ-কাহিনী মোট ১৩টি পর্বের মূল্য ১১১.০০ ग्राप्त : क्रांके भर्व े श्रामा ५०००

हप्राप्त चनान के

श्रक्तात ...

গ্রীউমাপ্রসাদ মুখোপাধ্যার

অ এতত এ অমরকণ্টক

একই গঙ্গার ঘাটে ঘাটে

প্ৰথম পৰ্ব ৮.৫০ ছিত্ৰীয় পৰ্ব ১২.০০ श्रीरमवश्रमाम मामगर क

श्वावायत वाष्ट्रवाय

ৱামপদ মুখোপাধ্যার

न्एटन धवरनव छिनन्यनि श्रकानन

বিশ্বসাহিত্যের রূপরেখা

প্রথম পর্ব ১০.০০ দিতীয় পর্ব ১২-০০

था। ठ शांपत दशरादा

নিম'লেন্দ্র রায়চৌধ্রী

वाश्वाश विश्वववाम २०००

পরিবর্ষিত ও সংশোধিত চতুর্থ সংক্ষরণ শ্রীনালনাকিশোর গ্রহ প্রণীত

দশ্ম সংস্করণ সংখ্যার প্রকাশিত হইল

गे ९ छ छ

শ্বংসাহিতাবিষক সমালেজনা **গ্ৰন্থ** ডঃ স্বোধচন্দ্র সেনগৃহত

ছেটদের জন্ম ভ্রমণকাহিনী

আমাদের দেশ

উডিষা: অন্ধ্: মহিস্কৈ সবেমত আহির হইল তামিলনাড

প্তিৰত মূল ২০০ <u>শীস্কোধকুমার চক্রবতী প্রণীত</u>

 ग्रामाणी जारेन्छ कार भार कि: ২, হাংকঃ ডাটাল পুটা, কন্ত্ৰেছ ১**২**

দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাদিক দ্রব্যের পূর্ণ সন্দার

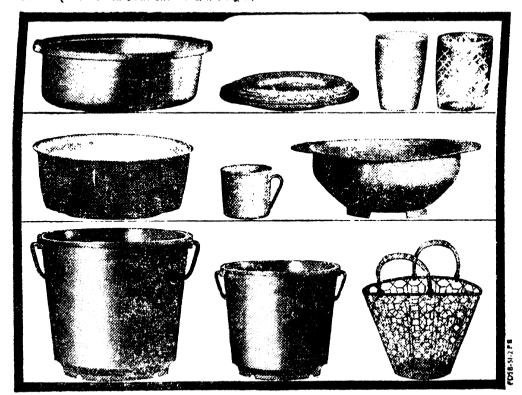


শাপক্ষমে বং এর ছোঁষা দেবার জন্ত—মণ, বালতি এবং টয়নেট সিট। বালাগারের জন্ত—গামলা, বাটি, ঝাঁঝারি, থাবার টেবিলে উংজুলভাব জন্ত —মানাং, বেলাস এবং এবং প্রেট, গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু —বাজার কলার বানে এবং বাভির শেভ—বেমন রংচশা, তেমনি সহাজ পরিকার বানে। যায়। হারা এবং অজুর। নানাবিধ মনোহর রংবে। সবই "দিলের" তৈরী—মারা প্রথম গ্রাষ্ট্রাকর বালতি তৈরী করেছেন।

"সিলের" তৈরী ঘাবভীর জিনিং নির্ভরযোগ্য ও টেকসই। কেননা, এওলি বহুকালখনে বাবহার। করার উপযোগী করেই তৈরী। আধুনিকভার অঞ্চ প্লান্টিকস—'সিল' এর তৈরী প্লান্টিক তব্য কিন্দুন। স্থীম ইণ্ডাস্**ট্রিজ** লিমিটেড

SIL

প্রকৃতি হিল্পু **কল্**পাট্র। শুরুণ্ডালা, বু**রে ৩১** ।



ভিতিনিজ্যাল ও প্রিচান ল্লাচ্চ ি গ্রিলি মান্ত প্রস্তুল আন্ধালালক, গোলাল, সিকিম এবং ভ্রামের জনাত **লেলালা** যৌজ প্রেল্ডাটিং কংশাবেশন, পিল্লাচিত ভালি লি লোল, তথা তথা তথা তথা নাম স্থিত্ ইন্দিয়া এজনেজ প্রেস **একটোনন,** কলিকালেন্দ্রন্থ ব্যাস্থ কলিবাজিত জনা মেসাল জি পদম **এক কো**, ৪২, সাধ হবিবাম গোলেকে স্থাটি, কলিকা<mark>লান</mark>



विदन्न	লে খক		* ्रं	
	्रद्भिन्तगथ महाराजाकाम	•••	2725	
বিশ্ববিজ্ঞান— <u>উ</u> লস্মর			2224	
পারাপারশ্রীশালিক			2206	
ৰাংলার চালচিত্র—ট্রীড			2225	
সাথিক ভারত— উসে			\$\$\$0	
ভায়েৰিৰ ছে'ড়াপাতা			\$\$\$\$	
গানের আনর —শাগ			2222	
জাৰিন ৰে-ৰক্ষ — ^{টু} ু			>> 5	
অদ্ধের দিলি বর্জ		• . •	६३१६	
চিত্ৰ-প্ৰদৰ্শনী— চিত্ৰ ও	···		25:2	
आरलाहना	•••	•• .	25,53	



ৰ্যথা ৰেদনায় আঞান্ত হলে

স্যালজন মাধ্যমন্ত্র যাত্রও নিধাক আনে এনে দেয় । দীতবাঝা, দা দত্রে বাখা, ফু ৪ পেদার বাখাকেও সারিয়ে দেয়

(ES) 200 47 54

जालकत



बिजाभरम, बिन्छिण्डारव उन्छ वाया-(वन्त्र) (गर्क बाबाब धर्व (नश्च)

fes, errfteit bet



बार्दि छै। इत वाह तिः

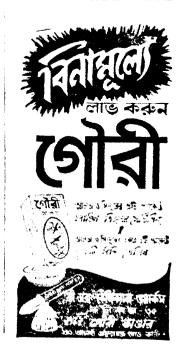
। লেকে সম্ভাবন্ধ। বংকং ব্যাত গোষ্ঠীয় অন্যত্তম সদস্থ শুক্তানিক বছরের অভিযাত্তা অলিকাপ্তরে প্রবাদ অভিযাত্ত

দ, ৰেডাৰী সুভাৰ ব্যেভ, কলিকাডা-১ ভানীৰ লগতেনক

- a soa, নিম্মতলা ঘাট 🐯 । কলিকালো ৯
- হ, মহাধা গাখী (রাম, কলিবার্যান) এর জেন্দ্রীয়ে সর্বাচ মালিবার্যান
- কৰা, প্ৰেপ্ত ব্যৱ স্থাপ, কালকাছ্য-১৯

 ১৫, গজিবাছাট ব্যাছ, কলিকাছ্য-১৯
 শি-কথে, ত্ৰুক 'জি', নিট আলিপুৰ
 - ২১, এটা এইছে ত্রেছ, ছাওছা
 ১৬৬/২, খেলিলিছাল ছোছ
 - ব্যৱস্থা, হ'লছা ক দেক ছিলেগিছিট লক্ষ্যে লগ্যম

No. 2



. 1972년 - 17일 : 17일 : 12의 17일 : 12일 1일 :

বহুদেন থেকে ডাক্তারেরা

काश्वि अ त्रर्षि

প্রতিরোধ করতে

OMESIS

ट्रिशालश्रत

অৰুমোদন কুৱাছুন

একটি চমৎকার প্রতিষেধক ও টনিক

ঋতু পরিবর্তনের সক্ষে সঙ্গে কাশি সদি, গলাবাধা ও হজ্যের গোলযোগ দেখা দেয়; খেতে সুস্বাত্ব আ্রাঞ্জিয়ার্স ইমালশনের সাহায্যে আপনি এসবের হাত থেকে পুরোপুরি বেহাই পেতে পারেন। তাছাড়া আ্যাঞ্জিয়ার্স তাড়াতাড়ি শবীর সারিয়ে তোলে। আ্যাঞ্জিয়ার্স ছোট-বড় সকলের পক্ষেই একটি আ্যান্স টিনিক। এটি আপনাকে চাঙ্গা করে তুলবে এবং আপনার শক্তি ওজীবনীশক্তি বাড়াবে। নিয়মিত অ্যাঞ্জিয়ার্স খান।



আাঞ্চিয়ার্স ইমালশন প্রেয়া তথল করে ও বুকের ভার লাঘব করে। এসব ক্ষেত্রে যে তুর্বলভা দেখা দেয়, এই চমৎকার টনিকটি ভা সারাতে সাহায্য করে।

আাজিয়ার্স আপনাকে সুস্থ ব্যথার জন্য একটি প্রতিষেধক



বিষয়	লেথক	,		প্তা
সাহিত্য সংৰাদ—সনাতন	পাঠক	•••	***	> 286
প্ৰতক পৰিচয়		•••	, •••	> ২৪৭
थिलात भारते धकलवा			***	2582
ব্যাডামণ্টনের আইনকান্	ন—ম.কুল		•••	১ २৫১
अवगुरमब	7.0	***		১২৫২
রু ঃগজ্জগৎ		•••	•••	2500
সাংতাহিক সংবাদ		•••	•••	১২৬২
ৰণান্কমিক স্চীপত্ত		•••	•••	১২৬৩

अक्रमः श्रीतामानम वत्मााशासास



লভ জন হান্ট, আঁদ্রে রশ, রেণে ডিটার্ট, বিগেডিয়ার জান সিং, কমান্ডার এম. এস. কোহলি ও নওয়াং গন্দর, প্রমান্থ বিশ্ববন্দিত পর্বভারোহীদের প্রশংসাধন্য সতপন্থ ও রাধানাথ পর্বভান্তিব্যানের পটভূমিকায় শন্দু মহারাজ্ব এর অসাধারণ প্রমণ কাহিনী

চতুরঙ্গীর

अञ्चल

নানা রঙে রাঙা চতুরকী—সাদা, কালো, বাদামী ও লাল। প্রধানতঃ
এই চার রঙের পাথরে পরিপূর্ণ চতুরকী হিমবাহের গ্রাবরেখা। ভাই হোর নাম চতুরকী। কিন্তু তারপরেও অনেক রঙের ছড়াছড়ি— ধ্সর, বেগ্নৌ, গোলাপী আরও কতো রঙ। রঙের বাহার—বিচিয় বর্ণমার চতুরকীর অকন।

ভারতীর পর্বতারোহণে বাহালীর অবদান সাঁমান্য নর। ভারতের প্রথম ও উচ্চতম বে-সরকারী পর্বতাভিষাল আরোজিত হরেছে পশ্চিমবঙ্গে। পত নর বছরে বাইশটি পর্বতাভিষাল পরিচালিত হরেছে বাংলাদেশ থেকে। এর অধিকাংশ অভিযানই সম্পূর্ণ হরেছে। হিমালের আজও বাহালীর কাছে অপরিচিত।

আলোচা গ্রন্থ বাক্সানীর সেই
অপরিচরের অপবাদ ছোচাতে সাহান্য
করবে। পর্বভারোহণ নিরে এমন
প্রামাণা গ্রন্থ ইতিপ্রে রচিত হরন।
অথচ গলেপর মতো স্থাপাঠ্য এই
কাহিনী। অসংখা আলোকচিত্র,
মানচিত্র, পর্বভারোহণ পজী ও
নির্ঘণ্টসহ স্বৃত্থ গ্রন্থ। হল ইকা।

নৰীন্দ্ৰ **লাইনেনী** ১৫/২, শ্যামাচরণ দে **ন্ট্ৰীট,** কলিকাডা-১২



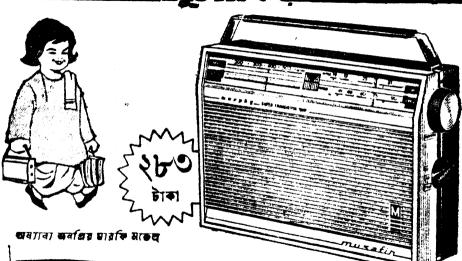
मि दक त्मन अथ दकार खादेरको लि:, बनाकूत्रम हाजेम, क्रिकाका->२

Malpane CK 5.87

हिंदित

साविक

ह्युआंकित्





মডেশ টি-বি ০৮১৬ • ব্যান্ত ৪১৫ টাকা



্প্ৰান্ত বেলান্ত ২ ব্যান্ত ১৭৫ টাকা মূলা একাইজ ডিউটি সমেড। অক্সাক্ত কর আলানা।



.क्रांति : अवानकार, ध २ वर्गा ७ २२ - ड्रांका



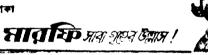
ক্রাটারিসিকার বিভিন্নার প্রয়েছ ১২৫ টাকা

- ছিমছাম, স্থান্তর, সংবেদনারীল ৩-ব্যক্তি ট্র্যানামিন্টর—া
 পৃথিবীর দে কোন ক্টেলন স্পষ্ট ধরা মান্ত।
- টেলিজোপিক ম্যান্টেনা ও বিক্টইন এরিয়্রায় ৡ
 বড়-সাইল সকল-ছলভ টর্চ সেল ব্যবহার করে
 প্রত্যেপ মারকি ট্রানফিগার ভারতের স্ববৃহৎ আছ

 মাধুনিক ট্রানফিগার ক্যান্ট্রীতে প্রস্তুত এবং ওব পেছনে

 মাছে ২০ বছরের গ্রেপ্না, বিশেষ জ্ঞান ও ক্যান্তিপ্রী
 নৈপ্রা।

श्रमपुत ध्वति, (मध्यंक्ष बतुनस् तप्रस मात्र





थ**क**रे िंउत-कि श्रॉिं किति ≈ा

ত্র বছমুখী একই চিউব বিভিন্ন আগপকোলাইট বেস পেউস্-এ উপবোগী। মবেরগত ফিরিশ—রিমেবে তৈরি। আহমার মত চক্চকে মধমবের মত মস্থ-মান্দা,জান্দার, কেটাবিক এইরকম ৫ ফিরিশ।

य के का काशिकारिए (वन (शहेन) (बहर (तह विव:-निताबहिक क्षरासल, आहितिक देशालने विव:-किस्पाहिक क्षरा विवित, निवाबहिक साए, ग्राप्त उ (प्रहोलिक अवर व्याकितिक अवस्थान किरहेलाह

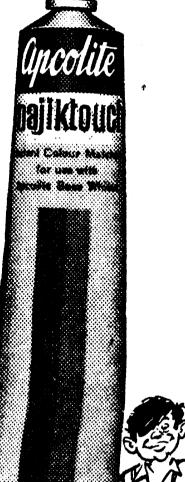
🗆 अत्य अत्य वह (भवाबाद क्य बार्किक्ट्रीक

ग्राधिकीए

मदम मदम बढ़ दमनावात करा

নৰ নত কৰাৰ কাজে এশিয়ান পোটস

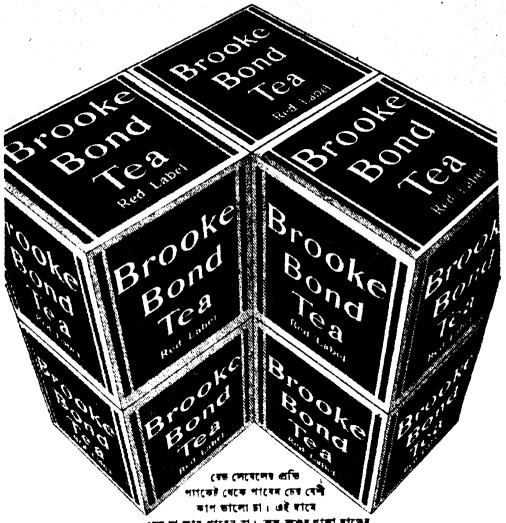
अगिमान प्रानोज





LIGHTARIA INTO M

ভালো চা কম খরচা



এমৰ চা আৰু পাৰেন না। ক্ৰম্ম কণ্ডেৰ পাকা হাছেৰ ক্লেণ্ড-ৰেছে পরিজ্ঞি, আৰু প্ৰদাও বাঁচে। ভাৰতে ফেমৰ পাডা.চা বিক্ৰী হয় ভাৱ মধ্যে বেড লেবেলেই বিক্ৰীই ভাই জন্ম সৰচেছে বেন্দ্ৰী।

ক্লক ৰণ্ড রেড লেবেল – প্রতি প্যাকেট থেকে পাবেন আরও বেশী কাপ আরু সত্যিই ভালো চা

প্রকাশিত হল



मा**य 8.00**

ছোট সোনাদের অপরাপ সব রাপকথার গল্প শুনিরে তাদের শ্রের আননের দিনগুলি রঙে রলে ভরিমে তুলতে আবার তার রুপকথার বিস্মধ-বুলিটি নিয়ে হাজির হয়েছেন এ-কালের একমেবাদিতীয়ম্ র্পকথার বাদ্কা সেই শৈলেন रवाय-वांत 'अत्न-वत्न-कित्रगमाना' ও 'मिष्ट्न नारम न्द्र्यापि' नृत्रमात जीत একান্ত প্রির ছোটু সোনাদেরই ভোলারনি, ব্র্ডো ধেড়েদেরও মন কেন্ডেছিল: উপরস্ত রাম্ট্রীর পরেস্কারের শিরোপাও পেরেছিল।

'रहाऐ स्मानात्र शक्य स्मानात्र हमश्कात हमश्कात हों त्र अक्यात शक्य আছে : টুং-এর বছা কুমঝুমি, সদ'ার, বেড়াল-বাদর-গাধা আর লোকটা, চাঁদ আর পা**পটে, সোনা-ঝুর**ঝুর হাসি, চ্যাং ঝোলা। এর প্রত্যেক্টির মাধ্যর্য

टेमटलन एघाट्यत्र

ছোটদের র পকথার গলপ

ছোট্র সোনার গলপ শোন

এবং উপভোগাতা এমনই অবর্গনীয় যে, ভাষার তা প্রকাশ করা যায় প্রেরা বইটি দামী কাগজে আগাগোড়া দ্ব' রঙে ছাপা। জার ওপর ায়েছে প্রায় প্রতিটি পাডায় বিমল দাসের আঁকা বড়ো বড়ো অকলপনীয় সান্দর সান্দের রভিন ছবি এবং অপ্রে সান্দর বহারঙা প্রচ্ছদ—বৈগালি গলেপর পরিবেশ এবং পারপারীকে আদ্বর্য জীবস্ত করে চোখের সামনে ভুলে ধরে কচি কচি পাঠকদের কল্পনাপ্রবর্গ মনের সঙ্গে সঙ্গে সৌন্দর্যাপরাসী চোখকেও ত্রপ্ত করবে।

्राचरकात खन्ताना वर्षे অরুণ বরুণ কিরণমালা ২০০০ মিতুল নামে প্রভুলটি ৩০০০

বাদশাহী আংটি

সভ্যাঞ্জং রায় ॥ দাম ৪১০০

শহর-ইয়ার

সৈরদ মাজতবা আলী । দমে ৮ ০০

একদা কুয়াশায়

विभाग कर ॥ माभ ७-००

(लाकत्रमा

मिलकानम मृत्याशायाय ॥ माम ७ ००

প্রবন্ধ-সংগ্রহ

रवार्धाम्य

শংকর ॥ দান ৫.০০

निर्मिश्राक्षन

বিমল মিত্ত যা দাম ৪-০০

ঝড

প্রফুরকুমার সরকার ॥ দাম ৫-০০ - ভেগ্না এরদদ নক্ষী ॥ দক্ষ ৮-০০

দশকের ভূমিকায়

আশাপ্ৰা দেখা দুদ্দা ৫ ০০

সামান্য-অসামান্য

সংশাল রায় ॥ দাম ৫০০০

मुक्तांदम्ब न्वदम्भयाना

সমরেশ বস; ॥ দাম ৪.০০

काथाय भारवा जारत

कानकर्षे ॥ नाम २०-००

নায়কের প্রবেশ ও প্রস্তান

र्गाट नम्पी ॥, मात्र 8.00

প্রেম পরিণয় ইত্যাদি

বিমল মিত্র ॥ দাম ৭.০০

न्दनंत भ्रूष्ट मागद्र



🗫 গ্রানন্দ পাবলিশাস' প্রাঃ লিমিটেড

অভিস : ৫ চিভাৰণি দাস দেন। কলি: ১ । ফোন ৩৪-৮২৪৭ বিক্তর-কেন্দ্র ঃ ৬৭এ মহাস্থা পাল্ধী রোভ য় কলিকান্তা ৯

ব্যক্তর ভাষার স্থাবিক প্রচারিক একনার প্রথম প্রেশীর সান্তাহিক

(फाट्या

०७ वर्ष ॥ সংখ্যা ৫১ चामका ১ कालिक, ১०৭७

দৃশ্যান্ত শ্রীঅশোককুমার সরকার

> সংহ্র সম্পাদক শ্রীসাগরময় হোব

শ্বন্ধাবিকারী ,ও পরিচালক আন্নালবালার পাঁচকা প্রশ্ন নির প্রক্রেল সম্ভাবন প্রাটি, কলিকাডা ১ থেকে প্রিপটিভাংগাকুমার গালগণেক কৃত্বিক মান্তিত ও প্রকাশিত

টোল্যেন ২০-২২৬০ ২০-৮৫**৩১**

> চালার হার কলিকাডার

বার্ষিক ... ২৫-০০ বাংশাসক ... ১২-৫০ ব্যামাসক ... ৬-২৫

বার্ষিক সভাক ... ৩০-০০ বাংরানিক ১৫-৫০ ব্যাহানিক ৮-০০

शांक्यारम

(ভারতীর মুদার)
ভারিক সভাব __ ০০.০০
ভালাসিক _ _ ১৫.৫০
তৈমাসিক _ ৮.০০

ভারতের বাহিছে (জাহাজ ভারে)

আৰিত সভাত ৫২.০০ জন্মাসক ২৬.০০ সৈমাসক ১৩.০০

कालास क्याल (विमान क्यान)

নার্থক ... ৩৯.০০ বাংবানিক ... ১৯.৫০ হৈয়ানিক ... ১০.০০

বাল ৫০ পরনা উদ্ভব্য ও আন্মান অভিভিত্ত বিবাদ আনুদা ও পরনা

DESH

Saturday 18 Oct. 1969

न्द्रजारनव

শালেশে দেখীগুলার আরাধনা শ্রু ইরে গেছে। বশ্দীর হিন্দু সরাজে এই দেবী পৃথুমার আরাধান নন, ইনিই বাধ করি প্রধান। বিভারতের নানা বিক্রেকের বিচার করে বলেছিলেন, কৃষ্ণভিত্ত এবং শুর্গাভিত্তি এবংশের লোকের সর্বাক্ষরাপী হরে পাঁড়িরেছে ঃ প্রাতাহিক জীবনে ধর্মেকরে, অভ্যাসে আমারা দুর্গাকেই ক্ষরেশ করি বারে বারে। আমানের প্রধান উৎসকই ভাই পুরুপানার দ্বালাকের সবার বড় আনন্দও ভাই পুরুপানার। অখন, খুবই আক্রেরে ক্রমা, ক্রমান হিন্দু, সরাজের এই প্রধান আরাধ্য দেবী নাকি ঠিক তভটা প্রাচীন নদ বভাই প্রচীন ইন্দু, বরুণ, বিকু, বারু, লোম, অনির প্রভৃতি দেবতারা। বরং দেবী বুর্গার রাজনি পরিচর খুজে বার করতে গেলে দেবী কিছু, বিভ্রুকনার স্থিতি করেন, ইনি ক্রমান রাত্রির প্রতিশব্দ মান্ত, ক্ষরেও নাকি রহাদেবের ভাগনী, ক্ষরেও ক্রমিবার। সেবাই হোক, আমানের কাছে "পুরুগার দেবীং পারণমহং প্রসাদের ক্রান্তে সরাজনি ভরবেন নাঃ—"।

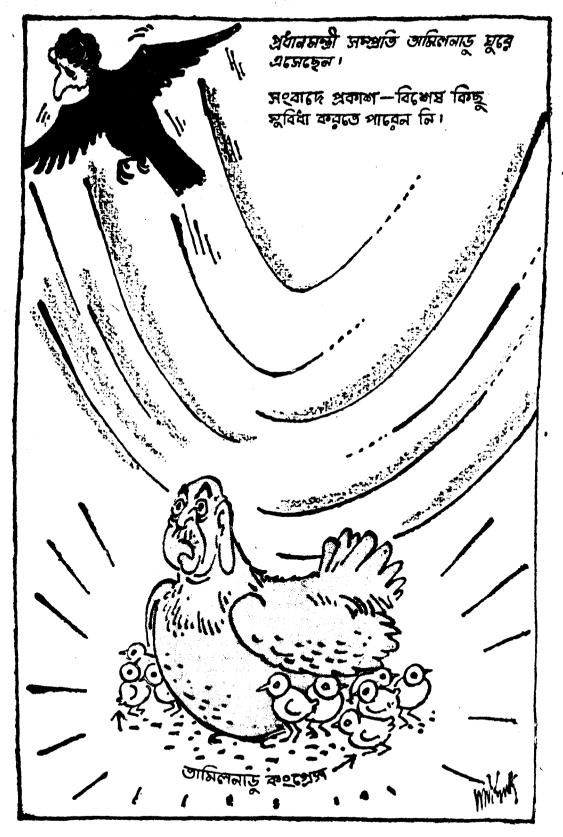
আমাদের বিশদে দেবী দুর্গা মধ্পলারে আন্ত্র এই প্রার্থনা বীশও আমাদের আছিক তব্ ধর্মাচরণ বাদ দিলেও দেবীর একটি সামাজিক র্শও আমাদের মনে মনে গড়ে উঠেছে। সেই র্পে দেখি, ইনি আনক্ষমরী, ইনি বর্ষ শেষে নিশ্ব দ্যাম বংগদেশে সূত্র ও আনন্দের বার্তা নিয়ে আবিস্তৃত হন।

বলা বাহ্না, দেশাচার ও লোকাচার অনুবারী দেবী দুর্গাকে আনরা জননের এমন জারগার স্থান দির্রেছি বেখালে তিনি আমাদের অতিবড় আছার, ক্ষনেও কন্য, ক্ষনেও জননী, ক্ষনেও বা সর্বপ্রকার দুর্গতির দুর্গতিনাশিনী। ব্যক্তান্তর কথার ইনি সুবর্গমরী বস্গপ্রতিমা, সম্ভবত এটিই সভ্য কথা, দেবী দুর্গা বত্গপ্রতিমা, বাস্গালী সমাজেই এব বখার্থ স্থান।

সেকাল এবং একালের দুর্গোৎসবে একটা পার্যকা অবশাই বটে সেছে। কমলাকান্ত সেকেলে লোক, দুর্গোৎসবের প্রারক্তে তিনি প্রজার বে ধ্ম দেখতেন সে ধুম এখন আর কডটুকু আছে। এখনও ঢাকী আছে বটে ভবে ভারা চাক খাডে করে বংগার বাজনা বাজাইয়া আকাশ ফাটাইবে—' এমন সংবোগ বড় পার না। বা কত 'ঢোল, কাঁসি, কাড়া, নাগরায় বঞ্গের জর বাদিত হইবে। কড সানাই পৌ ধরিয়া গাইবে ''কন্ত নাচ গো—'' বড় প্জার ধ্য বাধিবে—' এমন তো আর দেখি না। একালের দুর্গোৎসব সেদিক থেকে অনেক নিকুষ্ট। একালের ভাকজনক বড় কম নর চোধ ধাধানো আলো আছে, বৃহৎ বৃহৎ মাডপ আছে, নিনাদিত মাইক আছে, আধুনিক গান আছে, কিন্তু হার দে শান্ত নম্ন ভবিমণ্ডিত প্রা পাঠ বা উৎসাহ কই! একালের পূজা পথের মধ্যে প্রদর্শনীর অনুরূপ, উন্ন, ক্ষনত কখনও উৎপীড়নডুলা, স্বাভাবিক আনন্দের স্বাদ তাতে বড় <mark>পাওরা বার না।</mark> এ কথা শুধু শহরের দুর্গা প্রজার বেলার নর, গ্রামের দুর্গেসিবের বেলারও কম বেশী বলা বার। দশ পনেরো বছর আগেও গ্রামের দুর্গোৎসবের বে চেহারা অবশিষ্ট ছিল আজ আরও পরিবর্তন ষটে বাছে। হয়ত আমাদের দুর্গোৎসবের এট বাহা পরিবর্তান কালের নির্মে**ই হটে বাছে। কে বলতে পারে ভবিবাতে** এই পরিবর্তন কোখার গিরে দাঁডাবে।

উৎসবের ক্ষেত্রে বাই হোক, হদরের ক্ষেত্রে বোধ কবি পরিবর্তনটা তৈমন করে দেবা দের নি। আজও আদিবনের আকালে রোদ হেনে উঠলে, দিউলী ফুলের গন্দ ভেনে এলে মন বলে ঃ প্রেলা আসছে। আসমনীর সূর কানে লাগলে চণ্ডল হরে উঠি। দশভূজার চরণে প্রদাম নিবেদনে এখনও হিন্দ্র সমাজের সর্বপ্রেদীর লোকের অভাব বড় দেখি না। বা অবজ্ঞা দেখি না পারিবারিক উৎসব আনলের।

পরিশেবে বলা ভালা, দেশ কালের বা অবস্থা তাতে নির্ম্পিন মনে কোনো উৎসব আনন্দেই আর মান্ব বোগ দিতে পারে না। দৃঃখ দৃঃগতি তো আছেই, রুমাগত বেন বাড়ছে—তার উপর শত রকম সমস্যা আমাদের মনের স্বাভাবিক ক্র্তিক পশ্চ করে ভূলেছে। এমন একটা অবস্থার মান্ব বাদ প্রাণ খুলে এই উৎসবের সন্পো মিশে বেতে না পারে তবে দোব দেবারও বিশেব কিছু নই। তব্, আমরা প্রার্থনা করব, শত দৃঃখ দৃঃগতির মধ্যেও বেন বজাবাসী এই দৃংগোৎসবে ক্ষিক শান্ত ও ভূম্ভি খুল্লে পেতে পারেন।



প্রতিষ্ঠান বিশ্ব কার্যানির আহের সংগ্রতি মেপ লাগনের ডেস বিধারকেল প্রত্যু হয়েছে তার নাম জনামালেই আহাত খেলা দেওর যার। এই পালার কুশালির বঙ্ক জনাটার শ্রিকাশে।

ন্দ্রপট উত্তেজিত হলে দেলা সাম মৃথ ফেট্টর শরিকের মণ্ড জ্যান্ত কর স্থান্তর উপতে কারে সংস্থান ঘাত সংহাছেন হ স্থান ঘাত স্থান আছি সাম জাসন মনে বিজ, ভোষা না, স্থান ব্যান ক্রান মুখ্য ক্রেকে মেলো, শ্রু, জিলে করক কতা-ক্যান্ত স্থান, মান্ত্র ঘাত

লি পি আট: যুক ফুলট সংকার গঠিত इस्तर कर का धराइस तहाँकी एक । उत्तर अ **ভাষি উপান্ত ক**ৰ্ ভূমি কাৰে ক্ষেত্ৰ হৈছিল भिद्ध अध्यासिक । १५ वट में सुर १५ र **মা⊕্র** ভূ গ্রীধ ৯৮ খি কুনে এই চে ৮ জ এটো ভারেলাক দাবনির প্রাপ্ত ১ ১ ১ ১ ১ ১ ভক্ষেত্ৰ ভাষেত্ৰ ভাষ্ট্ৰ 要権のと、制備 部帯がる (単語がなり ロッカー・) **পুষ্ঠ করিব**্যুক্তির জিলার দি ১৯৮৮ **সম্প্র** া হা**র** ফুনটের জনে জন সংখ্যারটা জ্ঞানস্থারে শ্রা, ৮ গলাক 🗀 🕡 **ভ ৮**৪ জুড়া কোট কোট দল্প ব **এই** ১ বিল্লাফ্টির এই ১৮ জেন্টি ১ ১ ১৮ ক্ষ**াল চুচ্চা**লিক স্থানিক ক্ষেত্ৰ কৰা চুচ্চ ন मण्डल (पहार्ष्ण ६३^९) संस्थान ६३ (१ कर Sagar sagar cara sa sa cara greated may be the lower at অসমত (জালী সভাস এই ১৮^১১ ණ්ණුවට නෙල් මා උතුන ද ඉන්න ආයා පල ද ලැමු 第二次 7 mg | 表示 | 西西米18 | | 李在12 1922 | **সালকে : মে**লি হচ সংক্ৰিছিত। সংগ হাত করে ⊹[∺]হ

দি পি এম : গ্ৰুছ চনট সংকাৰ্যৰ বিষ্ণুতাৰ চলেছে কংগ্ৰেস জাৰ আন্দ্ৰন আন্তৰ্গৰ আনতেশৰ আনত্ৰ আনতেশৰ আনতেশ্বৰ আনত্ৰ আনত্ৰ আনত্ৰ আনত্ৰ আনত্ৰ আনত্ৰ আনত্ৰ আনতেশ্

কছেবে ৬



সি নিশ এম : এ এক নিশ্ব ক্ষিত্ৰ কৰে বিশ্ব ক্ষিত্ৰ কৰে নিশ্ব কৰে নিশ্ব কৰে বিশ্ব কৰি বিশ্ব কৰে বিশ্ব কৰি ব

িসি পি অই: ভূলিকে ডলন্ত্ৰ

সিং পি এম : এই নিক্ষানেক ন্যাল ক্ষান্ত ভ্ৰম সংগ্ৰাক সংগ্ৰাহ হ'ব সংগ্ৰান হ'ব হাবে এবং স্থা ক্ষান্ত ক ক্ষা কাৰে উল্লেখ্য নেকাগণাল্যকই এ জ উল্লেখ্য ক্ৰাছ হ'বে এই নিক্ষানক ্যাল ক্ষান্ত ক্ষান্ত হ'বি নিক্ষানিক স্থান ক্ষান্ত ক্ষান্ত নিৰ্দাহিন্তিই, এই স্কালে : ভ্ৰম বৈ কা বিলা নাল্যনি

ক্রীকর য়ে**স স**র্চন

কেই সেখে কৈ চহ জাল কি চাছ কৰ

 ভাষার একটিও কার্মকরী করা সম্ভব ইর নাই দেবালো করেগ্রসর বিব্যাত, আনন্দ-যাত র, ৮ অকটোবর)!

শাংলা ক্ষেত্ৰ : স্থায় সংগঠনের
প্রসাধ নীতি ও অনুনা প্রস্থার ক্ষেত্র কেন্দ্র
প্রবাধ নিজের বহুলে সিন্তা এন প্রবাধ সাক্ষেত্র গোরুল্ড এবা স্থানিক আন্দর্শন বহুল স্থানি প্রতিশ্বত স্থানিক স্থানিক নিন্দ্রিক স্থানিক নির্ভিত্র স্থানিক উপর অবস্থানিক নির্ভিত্র স্থানিক স্থানিক স্থানিক ক্রান্ত্র স্থানিক স্থানিক অসম্ভব ব্যানিক স্থানিক স্থানিক অসম্ভব ব্যানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক নির্ভিত্র ব্যানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক নির্ভিত্র

সি পি আন্টোটেরী সংখ্যা একী হয় । একী পুন্ধা একী পুন্ধার এই ৷ উপন্ধিল্লী জিলি এন দেই ৷ এ বিজ্ঞানী ডিলি গ্রাম্থান করে ৷

জেস কিলোমনিধাৰ গোলে আনুসেধ এলা প্ৰস্থাৰ ^{কি}ক সংক্ষণত ভাতুৱ আনুষ্ঠান

উপন্**ৰজন্তী:** চান্ড জনা কৰি না চেড্ৰ মতাস জনস্পৰত মু**ৰ** চনটেই তাত চাৰ**ু জালুক** হলেছে।

ক্ষাৰেত **ভৱন** ্যি পি ছাই যোৱা) : তাৰ ২০০ ভাততে বাল তামি বিশ্বাস কাৰে হ'

হলে বিশোরটার : সংক্রম কংগ্রেছের প্রসংগ্রে যে ডিপ্র জারা ধরা হামের ভারে অন্যাক্তর মন্ত্রে হামে পারে প্রক্রমার্থের একাশ অবাজক তরকা ভলাক

ম্ধানতী ১৩.৮৮ কংগ্ৰেদণ মেডাং **:** মা, জনাজকতার কগা ও কলা ভগ্নি

হৈলে বিশোষটার চ্পুসন্তে প্রা আছে প্রশাসন্তান্ত্র ঐপস্টান ইন্যান্ত্রে এক ১(জাল্ড নিগাপভাগীনার) এক আন্দান্ত্রে স্থাপ ক্ষিত্রে একে শত্র ব্যাহ্যেছে এলি অসালা বিপক্স ইত্তি-এক্ত্রা বাহসেল ক্রিয়া স্থা

- ম্পন্তী (165, খুন জব্দ জেছে) জান তেপাত কৈথাত নাজার ভ্রমানা নোজ

হৈদ বিশোষ্টাৰ : প্ৰস্তান কে কোচ-নীয় ডিকেব কথা তাল ধৰা বাস্থেছ ভাতত ডিকাণ্ডলভিব শ্যানৰ অবস্থা, হাৰায় নাই

ম্প্**মন্ত**ী রোগুপতির শাস্মকরের ব্যান সংখ্যে ছিলেন কেমন : রা**ছ্ট**পতির শাস্ম রাপ্তাকন

কাক্ষেত্ৰ কোঁকহা জোক না স্থাৰ লোগ না শ্ৰু সভাহ বি কাজ ক'ছি সমূহে হাছি…

वट ५७: ५**इन**

ৰ নিন বাছে ভতই নেকা বাছে সেপ্টেম্ক মনে গিকিছে হ'ল প্ৰধান-ৰুৱী কোসিগিন আৰু চীনের প্রধানমন্ত্রী ছ এন লাইয়ের মোলাকাত ব্রুল বারনি। সেখনে তাদের মধ্যে কী কথাবার্তা হরেছে ভার र खान्छ। কোনও সরকারী। দলিলে প্রকাশ क्ता श्रामि। एम थवह त तिसात भडकाती মহলের ওপর তলার লোকেরা ছাড়া আর কেউ জানে না। কানাখ,বোর শোনা গেছে দে বৈঠকে দুই প্রথান তিনটে ব্যাপারে একমত হরেছেন। তার এক নম্বর হচ্ছে, দ্র দেশের মধ্যে সীমান্ড নিরে যে ক্যাড়া-ৰাটি, এমন কী ৰুখ বিশ্ৰহ পৰ্যত চলছে ভা কব করে সরাসরি আলাপ-আলোচনার **মারফত তাদের নিচ্পত্তি করে ফেলটে হরে।** দ্ধেনাম্বর হচ্ছে, দ্ধাদেরে মধ্যে ব্যবসা বা ইদানীং ঋবই কমে গিয়েছে তা আবার কাড়ানোর চেন্টা করতে হবে। আকর্ণ কিংবা নীতি নিয়ে মতভেন থাকে তো থাকুক, কিন্তু वार्गिकाक मण्भटक एम करना बुन धत्रद **रकन**? जिन नम्बत शक्त, मृ मिकशान कम्यानिन्दे एमरमञ्ज भरक मन्यन्थरो खादात স্মাভাবিক করে ভুকাতে হবে। তার মুখ্যাত হিসেবে রেডিও, টেলিভিসন, খবরের কাগজ व्यात क्षेत्रात भूम्यिकात य कूरमात्र वान एएक्ट जा शमार् इरव।

সতি৷ বে এ সব সিম্মান্ত নেওরা হয়েছে তার কোনও অকাট্য প্রমাণ নেই। তবে দেখা বাচ্ছে, কী মদেকা কী পিকিং, মেজাজ কার্বর আর সপ্তমে চড়ে নেই। গালাগাল দেওয়াও কমে এসেছে, দিলে ভার ঝাঁজও কম। লাল চীনের দ্র' দশক প্রতি^{*} উপলক্ষে পিকিঙে অবশ্য হোমরা চোমরারা কেউ বার্নান মস্কো থেকে, বন্দিও ভার প্রথম দশক শেষ হলে যে উৎসব হয়েছিল তাতে হাজির ছিলেন তথনকার রুখ প্রধানমন্ত্রী কু-চ্ফ নিজে। ভবে মন্কো বেকে সম্বা এক টেলিগ্রাম পাঠানে। ইয়োছল স্থোরমানে মাওকে। ভার বরান আদৌ মাম্লি কিবো নিরমতান্তিক नतः। अस्तरकत् মস্কো-পিকিং সম্পর্কে বে মোড় ছারেছে এ ভারই ইপ্পিড। এ হাড়া আরও দ্ব চারটে ছোট ছোট লক্ষণ অনেকের চোধে পড়েছে। পিকিছে ওই হঠাৎ বৈঠকের দিন আন্টেক বাদে মদেকাতে নোভোগিত প্রেস একেন্সির অফিসের বাইরে সদর রাস্ভার ওপর কাঁচ **ঢাকা শাে কে**সে টাভিয়ে দেওয়া হরোছল চু-কোসিগিন মোলাকাতের থানতিনেক বড বড় ছবি বা সকলের নজরে পড়ে। চীনকে রাশিরা যে অ'র কমন্নিস্ট সমাজে একঘরে করে রাখতে চার না লোককে এ কথা বোঝাবার জন্যেই বুকি ওই ব্যবস্থা।

ক্লী-চীনি ভাই ভাই ঠাই ঠাই হবার পর থেকে কেবল খিদিত খেউড়ই শুরু হয়নি,



দেবরাজ

চিড় ধরেছে দ্র দেশের কবসারিক সম্পূর্কেও। চীনের বাশিক্ষা এখন বারো আনাই এখন সব দেশের সংশ্যে বান্ধ কম্যানিজমের ধার ধারে লা। ১৯৬৬ সনে চীন রুশিয়ার কৃত্রে ১৫.৮ কোটি র বল দামের জিনিস বেচেছিল আর কিনেছিল ১২-৮ কোটি রবেল দামের জিনিস। অথচ দশ বছর আগে বুলেয়া থেকে চীনে আমদানি করা জিনিসের দাম ছিল ২১৭-৬ কোটি র বল আর চাঁন প্রেক **রুশিয়াতে রপ্**হামি করা জিনিসের ৮০ ভিন ২৯৫-০ কোটি রুবল। লোকসান এতে **চাঁনেরই** বেশা হয়ে ৯ তথ্য হুদ্র চেন্ত্র চ্ছেদ যখন চাপে তখন হিসেব করেকে আর চলে? লাভ লোকসাম খতিয়ে যদি ক্লজন রাজভারা কিংবা প্রধানমন্দ্রী প্রোস্যতন্তর मफारेटा नामरएन ए। श्रम मानियाण यास আর কটা হত্যে? বার সপো মতে মিলংছ ना छात्र माच मर्णान कराता ना, क्रास्थनीजिएक धरै वा रकमन धाता कथा, विरमद करत रत्र রাজনীতি ব্যন সাম্যবাদী রাজনীতি? এক দেশের সপো আর এক দেশের নীতি কিংবা ष्मानमा नितः भत्नामानिना श्वारे गुवसा ব্যশিজ্যও বৃষ্ধ করে দিড়ে হবে এর কোনও मार्ग्स स्वरो। छार्रे किन्छु करताह एन कहत **ধরে চীন আ**র রুশিয়া। চাঞা উলটো घ्तरत्न लाख म् मक्तिकद्वहै।

रन ठाका घरत्क जात नारे घराक अकते **ব্যাপারে কিন্তু দু পক্ষ** টলেছে। সেটা **হচ্ছে সীমান্ত** বিরোধ। চীন নিজেই **কব্ল করেছে কী করে বিনা ব্**টেধ সমিলেও সমস্যা মিডিরে ফেলা বার তা व्यारमाठना इरक्तरः हु-रकार्भिशन देवहरक **टमटणेन्यत भारमः। म**्यन् **चार**लारुमा सत्र मन् প্রধান সেদিনই ঠিক করেছিলেন আরও ক্ষাবার্তা চালাবার জনো বৈঠক বসাতে হবে **দরকার হলে দফার দ**ফার। প্রথম দফার **বৈঠক বসহেছ আর দ**্বদিন পরের প্রিক্তেই। **তবে পয়লা সারির কোনও** নোডা সুস্থানে **थाक्टरन मा**—चार्ट्याहरा हालाटर श्रुक्तन **छेनाम्ह्यौ। प्रत्न**का खटक ट्य देवहेदक मनवन নিরে বাড়েন বৈদেশিক উপমন্ত্রী ভার্সিল কুজনেংসভ। ভারই সম পর্যারের কেউ থাকবেন চীনের তরফ থেকে। কেবল যে বৈঠকের ব্যবস্থাই হয়েছে তাই নয়, এ কছরে যেস**ব জায়গায় ল**ড়াই **চলেছে দ**্বপ**ক্ষে** স্কেব **জারগার** কামান বন্দক্তের গর্জন শোনা তে। बाटक्टरे ना, मरमध्मद्र भागाता । आद्र मर्था-

মুখি বাড়িকে ভাল ঠকেছে নাঃ সীয়া। গেকে বেশ থানিকটা দ্বের সভে তেও চীনারাও, মুশীরাও। আবহাওরাটা ঠাপ করার চেন্টা যে চলছে এ তারই প্রমাণ।

পিকিং থেকে বে ইস্তাহার বেরিয়ের সীয়াত অলোচনা সম্পর্কে ভাতে আক্ষম खानग्रे। कड़ा कथा विखा नला ह*ान*ः ভাতে লাল চীন স্বীকার করেছে ব্রশিকা কাছ থেকে কোনও ভামি ফিরিয়ে নেওয়া দাবি সে তুক্রে নাবদি এককালে সে জ চীনের দখলে থেকেও থাকে তা হলেও নৱ व्याने किन्द्र नड्न कथा। ब्रह्ममान और क्र এনেছে তার অসহায় অবস্থার স্কোগ নিস্ প্রতিবেশী দেশসালি ভার বিশুর জমি দখ্য कटरटण। काटहरू आभटन द्वांभया मार्कि हर ৫ লক্ষ্যত হাজার বলা মাইল আলমি লাচ করে বসে আছে। অমান অভিযোগ আন ভারতবর্ষের বিরু**ল্বেন্ড**। এসব क्रको के**क्टबान्त श**ास्ट्रक চীল ছিল এও দিন খনগালী। **অন্যাদের কেলার কী** হবে ए राजना द्वस कारन मा, एर्ज द्वानिहात कार् ষেকে "স্টোর মেদিনীও" সে ফিরে চাইকে मा करन धारामा करवरहा। अहे कीन कीरवार মনোভাত হয় তা হলে তো সামানত নিচে क्षानमान जमाहात्महे भिन्ने स्टून। राजी थान्यव गाय मार्ड हात हाळात गारेन छाएड যে বিবাউ সামিকের ক্রমেছ নিশানা নিয়ে তার অবস্থান ঠিক করে দেওয়া। সে আর এমন ক' শুল কাড় ≥

হঠাৎ কেন চীন এ রক্ষ আপসে রাজী ইলোট ভার মাতগতি ফির্লো কেন ভার ন্য ভার স্মেতি হয়েছে ব্যল্প আন্তর্করই ধারণা বিশত্ব ভেরেচিংশত যে এ ঞাঞ করেছে—রংশীদের দাবি মেটের উপরে বিনা শতে মেনে নিজেছে। মার্ড মানে উস্বি নদীর মোহনার সংখ্যোর পর ৫ প্রতার পিবিনতের হয়েতে যে রচ্ছিলে ৫০নর ফাঁকা আওরকেই করতে না, রতিমত ধ্বং করার ছেনো সে তৈরী হচেছ। ও ঘটনার পর চীন **চ**টেছিল খুব কেটিটেল হখন টেলিটেড্টেন কথ; বলতে চান তখন সাড়ে কেউ দেয়নি। কিশ্তু ক্রমে ক্রমে বঞ্চন সীমানত সংঘয়া কাড়েতে ছাড়ির পড়বো সংক্রিয়াং এলাকাতেও তখন ভারা ব্রালা ব্যাপার স্মারি**থের নয়। গো**রিজ্যি করে তেমন লাভ करत सा। द्वानिका एवं मदकात करन है। सब বির্থে অভিযান চাপাতে প্রস্তৃত এ দবর পশ্চিমী দেশগুলো যেমন শেরেছে তেমান নিশ্চর চীনও। সে সব বে মিখে। গ্রন্থব নয় তা চু এন লাইকে ব্যবিয়ে দিয়ে গাকবেন কোসিগিন। পারমণ্যিক অস্তের ভার বা সামান্য পার্বজ্ব তা নিয়ে চীনের পক্ষে ব্লেশয়ার সভ্যে মোকানিলা করা অসম্ভব। ভাই বোধ হয় তার গলায় বাজছে আপসের

'বাডি বদল'

বিদ্যালি বদলাতে হল। মধ্য কলকাতা হৈছে দক্ষিণে। আগে নিধর রাত্রে শেরাগেল। থেকে কেলের আওরান্ধ কানে আসত, এখন সকাল-দৃপ্র-সম্পান্যাত দোতলার জানলা দিরে দেখি বালিগঞ্জ আর ছাকুরিরার মধ্যে টেনের আসা-বাওরা।



ৰে পাড়ায় ৰোমা ফাটে না, সে পাড়ায় প্ৰাণ নেই

একতা ছডানে এপানে সালেকী বড়ো কাড় থেকে ছেট্ট একট্মধনি একেলে বড়িছে। পারেনেন কলকাডর বেহিসেবী বড়ো বড়ো ঘর-বারাপন তৈরি হড় এখানে প্রাড হীল্য জামতে ডীক্ষ্য সভক্তা। অক্তের (কিবে) দ, বছরে একবার কজে লগবর) ভিন্নিস ডীই করে রাখবার মতো ফলেছু লারগা এখানে কোলাও নেই। এখানে ফনের ডেডবেও বড়িড জারগা রাখা বার

এ.সরকার এণ্ড **সহস** সন মাণ্ড মাণ্ড সঙ্গ **ডন**ঞট এম. ৰি.সরকার উ্যাডিশ্যনান পুরেলাস

১৭১|১এ রাসবিহারী এতিক্স বালিগঞ্জ কলিকক্স জ্ঞান: ৪৬-৬২০৮



না। নেই প্রতিবেশী সংপ্রেক জন্তব্ কোত্তল, গারে-পড়া জালাপ, পল্যন-কর একেলে বাড়ির সতো মনের চেহার।ও এখনে মুপা।

ভাপো, না মাদ্র? এখনো খিনসব করার সময় অনুসানি।

ভাব কমন্মান স্নক্র অস্বাস্ত বেধ করবার কিছা নেই। ভার করণ क मनाहि । बाक्य-रम्हेरक्के 47 8 অংম। সামনেই অভিভাত বাডির সার---গাড় উস্থাছ জাউভল্য কিংবা ন'তলা একটা ব্'ভৱ অভিকাম কাঠাটো—ভার ওপারে গাঁড়রাহাটা রেড দিয়ে বিজের ওপর ডবলা-ভেকারের জাসা-যাওয়ার শব্দ । কিন্তু আমার পেছান দুধারে বাশ্তর মানা্ব—তাদের तुष्ठाउँच तुर्वे। मा.श.मा.श्रम्भवः इतीतस्याद्याः तुमरशतस्य কথালাপ: বাজারে গিয়েছিন, 134 আইন্তে ভূলে গেন্। উলপা শিশ্র কলধর্মান-বাস্তর 'টিপ কলে' স্নান আর ভল নেওয়ার শব্দ। এই তো ঠিক হয়েছে। নইলে এই ছোট সামান। বাডিটা কৈ কে থ.ও মানাতো গডিয়াহাট রোভের ওপরে :

না-এদিক থেকে বেশ আছি।

আগ্নের ব্যাড়তে আমার জানবা লিয়ে দেখা যেত খানিক দারের একটা কলেজের কম্পাউল্ডে কয়েকটা পাম গাছের মধা। পেছনে বশ্ভিতে ছিল কর্ণ চেহারার একটা নিম গাছ—সেখানে করেক শো কাকের আশ্তানাশ চিলাকেও দেখেছি ব'সা ব'ধতে। ভব**েসে ভরা সব্যক্ত হরে** উঠিত ব্যার ছোঁয়ায়, শীতের হাওয়ায় ভার শাুকনো পাতা উড়ে উড়ে এসে পড়ত আমার ছরে, বসংগত ত্যক আ**লো করে দিত গ্রন্থ** গ্রন্থ রাভা মঞ্জরী। এখান আমার প্রকৃতি ছিল ওইটাকুই কুপণ মাতির মধ্যে বীধা। এখানে টোর দেখাছ সব্জ-সব্জ, উদ্ধত ভালের ध्यक्ताः ना**तरकल शार्यस्य मात्र मृत्यर्थः शा**खकारा, একটা শিশ গাছ বস্তির টালির চালে মেলেছে ছায়াছর, খন নিবিভ ভে'তুলের গাছ দেখভি মাৰে মাৰে; এ পাশে একটা ভর্ণ অধ্বৰ ভা**র পালে—মনে হলে** মাদার আর বড়ো একটা টোপা কুলের গাছ। এ ধারে দ্যটো ভাগ <mark>কৰা থালি প্লট পড়ে</mark> রয়েছে a कारनात न्यानिक विकेषि नित्य पर्हो

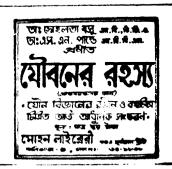
বাড়ি হরতে। <mark>অচিত্রেই উঠ্নে-কিন্তু</mark> আপাওও আমার চো**ব জ্বড়িত্রে পর্টে** নতেতে বন যাসের মধ্যসন।

আর—আর কাল সাধাটা রাভ কেটেছে হাওরার আর ব্লিটডে। জানলার কাটে দুলোছে গায়েছর ছারা, রবীন্দ্র সংগীতের সূরে



য়ে পাড়ার চাদার উপদ্রব নেই সেপা<mark>ড়ার প্রাপ</mark> নেই

বোজাছে ব্ৰিটির সেতারে**ঃ অধ্যন্ধগরেরে** ব্ৰিটি কারিলা, মমার শতন্ধ নিশা**বৈদ্ধ অনিতঃ** বেয়াবে ভারয়োগা আরু **কী অবিশ্বাস্য মনে**



কিস্তিতে ট্রান্ডিস্টর



২৮৫ টাকা গামের পূ'ষ বী বি গা ও ন্যা গানা লা ডি লা র ৩ ব্যান্ড অল ওরান্ড প্রেডিকেল ট্রান্ডিনটর

মাসিক ১০ টাকা কিসিডাত কিন্দা প্রতি গ্রাম ক শহার পাঠনে বাকা লিখনেঃ Impex India (WD) Kallash Nagar PB 1045 Delhi-6 र्वेद्धारः, वश्य कारम अरमरह अक्लोमा बारसंत स्राक्षः।

এতবিন বেখানে কাটিরেছি সেখানে রাভ দটোর আগে কলকাতা মুমোর না—আবার क्षांव ठावरहेराज्ये एक कारण । अधारम मार्गा ব**ভতে** না বাজতেই চার্নদক বিমিরে আসে। আৰু কত বাত পৰ্যন্ত শানতে পেত্ৰ মান,বের বৈবহিক কোলাইল চারদিকে বেভিন্নার **শ্ভৰ্মতা** ना भर প্রভিষাহাট বেলেড আওয়াজ—ট্রেনের পক ষ্ট্রী ফিকের শব্দ হাওবার পাতার শব্দ। চোখ বুৰে মনে আনে জাগাড়ির নিজান ব্যাড়াতে নিশিবাপন, মনে আসে হিমালরের বাকে

পাক৷ চুল কাঁচা

কলপের সাহায়ের নার আনায়ের আরু,বেলিক তেল পাকা চুকতে স্বাহাটিছারে স্বাভাবিক কালের করে আব চুল পাকা বন্ধ করে। বিশ্বাস না হলে দাহে ফের্ডাচ পেরের হর। দান-১০ কিলা AYURVEDIC PHARMACY (DC) P. O. Katri Sarai (Gaya) ভাগদার সেই নিঃসভা বাংলো—বেখানে সারা বাত লন থেকে অবিজ্ঞিন পাইন পাতার জমার আর একটা কনার কলরোল; মনে পড়ে ওরালটেনারের পোড়ো বাড়ির মতো সেই হোটেলটা—বেখানে আমরা ছাড়া আর একটিমার ইতালীর অতিথি—আর সমাত রাভ ভরে শৃধ্র সমারের শ্বর আর নারকেল বনের আক্তি।

আপাতত এই সব্স্থ, এই বিশ্রান্তি। এ ডো লাডের বাতা। কিন্তু ডারপর?

সেই প্রেরানো চেনা ম্থগ্রেরাকে জি আর দেখতে পাছি না। ভূলতে পার্বছি না সেই করেকটি বিষয় চোগকে চেনে বাছেন পানা ভেতে? সতিট চলে বাছেন

কী কাঁ কাৰ জ্বয়া করে এল্যুম, তাই ভাবছি। পাড়ার ভোলেদের প্রেন্ধর চাঁদা দেওর: হলনি, বলা হার্ডাকল, গা্ব বাজাটে জাছি, ব্যুক্তকারন কারে এলো। চাঁদা দিতে কথানো খা্ব ভালো লাগে না, এখানেও দাবিদার পেণিছে লোছ কিল্টু ব্যুক্ত সারে এলে পাড়ার খেলেদের কথা যান পাড়ে জোপাত যাল্যু বেদনা বিধান্ত ১০০টা। মনে জাসছে যাবিদারী দেকানের সেই হারিদার্শ

क्षामित वर्गासम् वामान क्षार वर्गान ছিল ভার PERSON PERSON वीत्रन्याद्भक्ष निविद्यं मिट्स क्लान्तः वाह्यसः দাঁডান দাদার জিনিসগ্রেলা জালে ভিত দিই।' মনে শড়তে বাড়ির বড়ের ক্রানাক্ত -- भारकार नमन माहेकीर काह *।* একখানা লাল পাড় ব্ভির করনা বাক্ত বার মনে আসতে कारक उ- करवारना খনবের কাপল কিনতে এনে বে মধ্যে মধ্যে টাটকা ডিম্বের বোলান পিড; মনে আসতে गानी विवादक - खातक-नाकिकास নাপাৰে যাব প্ৰতিদিন নালিলঃ কৌ চট্টল মা পাকিস্ডান হইয়া? সাধাৰান ছিকা পৰিব रिण्ण:-त्याक्रमभारमकारे कावा शक्रमात्र खावता । ভাৰতি সেই ছেলেবের ঃ আউমুল ভালেন আসাদের ফাংলন প্রভাল ক্রেমারিরটেল হলে আপনাৰে থাকতেই হৰে ৷

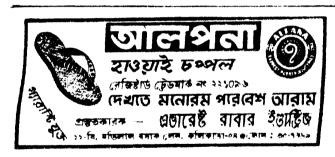
बाला जिल (कामाइक दिस नामस्मतः दशीव श्रीतनशास्त्रव গারেমের কথানা কথানা বাত্রভার চলত ক্রি एसाडात कथरमा ऋष बतात छमाक रणकरमतः भागनमञ्ज्ञ भागनत हत्वाचात्र हत्व স্থানে স্থানে আক্ত স্বধান মানা- মিজিক महाव भि পরিবের পাড়া দার্লী মিশ্টি পার্ভ্রা কের विक्तु क्षा वराज विका क्रिक भएकत स्काननार प्राकाद एक्ट्रक ५ रेट्स राज्यक साज আনের জন্ম উঠার। প্রভাবেদ কি ে সার্ভা বেত পোড়া জ্বী: প্ৰজাৱ পজ্জিৱ ভিন্ন হল্ড লাকা কাপ ভিবাহত শাক্ষাল পোন্টিক কোনো मा, **म**्भिगत ज्ञान्य तुम**स**ै श्रीप्रताह जामशतकातुरू পদ প্ৰিক্**ম: করা কেন্ডো**।

গুৰ্মানের জাষার পেছনে, পালে বলিছ।
আছারে চেনা পরিব মান্ত্রের স্পান্তরে।
কিল্ফু কী করে ভূজিন অহাতেই গাঁদেবাহাট রোগে, না পা বাগেলে গোল পাক। জার লকান্ ভাগেলেই বাস্বিহারীন ক্লেন্ডে বলকাক দেকোন সার বলকাক লাভ্যুত্র

্যিত ড্রা করা চেকে চোপ-কান-জনের বিভাগ চেকেছিলার। কিন্তু বিভিন্নতা চেরে-ভিনাম কি ?

সায়নে প্রেরার জনক। এই জানার্চাণ্যির প্রেছিনের সেই উপস্থের মারপারে।
আন্তেই তে বাইরে ছাট্টালন, আয়ার
প্রেন্ডার ছাটিতে ধের্বার পর নেই; এবারে
এই আমার কেন্জা, মধ্য কলকাতা থেকে
দক্ষিপের এই উপারেড।

কিবছ চেন্তে গিরে—চোক্ষা জাড়িরে মান্ত কিরে আচে। আমি যে আর ফিরেল না, সেই বেদনাটাকুই ভুলতে পার্বছি না কোনোমতে।





जायात ज्ञाना एक्टवा ना

फिलाक कांध्या

মণিবন্ধে ল্কিনে রেখেছো স্বগ খ্ব লোভের সেই প্রমার্থ আর আমি হা পিতোপ বলে আছি আমরণ তপস্যার আমার ক্টা দিতে তোমার খ্ব ভাল লাগে, না?

টানাপোড়েনে সারাক্ষণ বিধন্ত ক্লান্ড তুমিই বলো বাটিন-মাফিক কর্তাদনই বা চলা বার কর্তাদন বা গৈরিক পতাকার নীচে নিকেকে অবনত রাখা বার ক্রাদনই বা অংশিন্ট বা কিছা কবিতা কবিতা করে চীংকার সে তো আবো বভিংস তবা মান্য হিসেবে মান্যবের কারে এখন অবনক দাবি

তব্ এখানে শেষত পাথরের ছারা সিন্ধ কোমল শ্ব সহজ হওয়া এখানে মার্থ পরে থেব কদ্ববিস্থানি বিক্রেল কটোনো নিজেকে এলিগে বিভিন্ন সব গোপনতা ছারে দেখা প কী লাভ বলো বিমর্ঘ থেকে আমার জনো কোবা না দেখে আমি ঠিক পরে বল্লে যাবো।

करण नामरण

रेनलगठना खड़ाडाय

জলের আন্নার শরীরের রহস্য অসম্ভব স্পন্ট এবং সন্থার দেখার। তুমি মিধ্যে-মিথ্যি শুখু এতো কাছে গিরে ফিরে এলে।

ষনে পড়ে, সেই গাপলা প্রেবুর? যখন আমরা দৃশ্বনে সোনালী-ব্পোলী মাছের মতো জনেক কাছে কখনো আবার দ্বে ভেসে বেতুম।

জলে নামলে: এখনও: তুমি আমি এক— ফ্রোড অথবা বন্ধ জলে; বিষয় একটা কাল্ড বাষাতে পারি। দেখ,

জনের আরনার শ্রীরের রহসা কেমন স্পন্ট একং সংক্ষর দেখাছে দেখ। তৃত্যি মিখো-মিখা শুধ্য এতো কাছে গিরে ফিরে এলে।

জলে নামলে মেদিনের বয়েসটা আবরে অনেক করেছ পেছে।

প্রতিদিন একই ঘর

447 44

প্রতিদিন একইভাবে **খবের সন্দর্গে বাওরা স্বপরাধ** প্রতিদিন একই **হন্দ, ভূল চেনাচেনি, নীতি ও লিকার** ফিসাফাসা

মাৰে মাৰে ওলটপালট হওয়া ভালো, বিভিশন লেখন পোলে দেহমন সংস্থ হয়ে ওঠে, পাণিয় ঠোটোর মতো কথা কয় মার, কিংবা কনার কেলর ধরে খেলা ভালো লাগে—

मारा-मध्य छाडे भूजाना सम्बन रक्टब रमम्बाहात कारमाराटान रकनि

ক্ষাক্ত সময় চান সময়ের ক্ষেত্র ধরে ক্ষাহে— রভের শরীর ক্ষেত্রে চুবে নিজে রস, সম্পাহীন পরহাকী চিসার কেন বলে আহি, বুলা

ক্ষে নেকড়ের মডোন কাঁপে চল জলোজনাস, জালা কেল্ট্ন— বেন প্রতিধিক একই বর এ-জা ৩-খ্য হয়ে বার!

माभी जाशाकाश्रङ्





Dम्टींट वाहात विद्याल, **प्रत** प्रकृति

के अपनीय पिटा बाहीहरू होता निवानेक चार व्यवस्था कर स्थापित स्थापनाटक स्थापन स्थापन किया निवास

কেনীল, বিশেষ গ্রাফ্রিয়ায় কৈনী এক
মতুন ওবল চিটাবজেনী এ বিছে আপনি
সিক্ষ, উলেন, মাইলন, বেরন, টেরীন বা অক্ত যে কেনি রক্ষের হারী জায়াকালক রাড়ীতে
অনারাসে ধৃতে পারেন। কেনীল দিয়ে
গুলে, বোরার পরও কাপড় নতুনের রক্ত কাকে, আর হাজা ভাবে বোরা হর বান,
কাপড় টেকেও বেলা। কাড়ীতে
করী আছে গু বেল তো, কেনীল বিত্তে ধৃত্তে
নির, করীকলো যাল্যক কর্বে।



ক্ষেত্ৰীল নিয়ে খুলৈ ধ্বচ ও এই । এক বোডনো ৩০টি কাণায় বোচঃ খাছ, অৰ্থাহ কাণাড়াগিছু ব্যৱহাত ১৫ পছসং। ক্ষেত্ৰীল, নিৰাগদ, অৰচ খবচ ও কয়, আকই গৱন ক'বে বেখুন।

(जिंदि)

দাসী কাপড় নিরাপদে বাড়ীতে ধোয়ার জন্ত ব্যক্ত ব্যক্ত নিন্ত Per SOM 3A Me



ত্ব ওপরে উঠছে। আব্ছা অন্ধকারে
নিটে। গাড়গুলো প্রায় অনপন্ট। একবার
ফস্কে গাড়ের গাড়রে একেবারে
নিটে। গাড়-পা ভান্তবে কিংবা অতটা না
হলেও মচ্কে বাওরাটা অসম্ভব নর। রেজিং
বরে খ্র সাবধানে উঠছে নিতৃ। হাভের
আগোটা কাপছে। ছারটা কখনো বড়ো,
কখনো বা ছোট হরে বাছে। আর কয়েকটা
বাপ উঠতে পারকেই একটা দকলা আর
ভারপ্রেই ছান। একবার ছাদে কেতে
হবে। পাররার খোপগুলো কলা করা
ছরনি, একদিন বদি ভূলে বার ভো পর্যদন
আর একটাকেও খ্রে পাওরা বাবে না।

चन्धकारत मान्धारन भा राज्यस्य निज् অনেকদিনের প্রেরন বাড়ি, সিমেন্ট-বালি चरत्र धरत्र भारक मारक त्तरारवाद देखे रेप.य-পড়েছ। অপ্যকারে আরুশালা টিকটিকি কেমন যেন স্কীত-भारत। शास्त्र वारमाधी अवधे, निरू करव সামনের দিকে বাংকে পড়লো নিডু। গরম মোনের ফোটা পড়তে থাকার হাত জনালা করছে। শোড়ালির ওপর ভর দিরে আশেত चारण्ड समार छंठरड बार्क निष्ठ्। 'न्यामस्मरे कारणत भवका। एतकाठी रुष्य। एतकाव ওপালেই ছাদ, এক ছাতে ফোমটা ধরে আল্ডে আপ্তে দরকাটা **খলে ফেললো** নিভু। **আ**র **मत्रकः श्रामरा**ठहे*ं मा*यका हा*धनान* **चारमाठी** निद्य (शर्म। व्यथकात् भागन रामस्य ওপরে নিচে। চ্যাড়িতে জল্ফার, ছাবে জন্ফার, কেমন কেন হকচকিরে গেল নিচ্। গোড়ে নিচে মানে কিংক ছাবে। কি করবে ঠিক ব্রুডে না ব্রুডেই এক লাকে ছাবে চলে গেল।

बार्य कम्पकाद, कृत्यद हेकाट्या श्वरक गम्य वामरह। दक्कर्म, हामन्द्राना, क्वनी গশ্বা আরও কত কি। অঞ্চারে সব একাকার। এরিরেলের ভাবে সাদা এক টকেরো কাপজ নডছে। ঠা-ডা হা-ওরার হাত-পা সিরসির করছে। কিছুক্তণ চুপচাপ দাঁড়িরে থাকে নিডু। ভারপর পারক্সর বাকসোটার দিকে এগিরে বার। পারের नत्न छाना क्येक्ट करास्ट शास्त्र भारताश्च**्या** । ঘ্ৰাহ্মিতে হাত দিতেই ভেডৱে কেন কৰ বইতে থাকে। একটা কিয়ন্ত হয় নিজু। এক একটা শ্বপরিকে হাত দিরে দেশতে থাকে। नका, लाठेना, शकीत्रक, नवन महीद्रम्हाना হাতের মুঠোর মধ্যে ধ্রুপত্ত করছে। **अक्ट्रे रक्षारत फिर्ल्स शहरताहै रमन हरता शहरा।** चन **पन नि:ण्याण शक्षर**क **पारक**। উरस्रक्षनात्र চোপ-মুখ জনালা করছে। নিতু এককার ভাৰলো পাররাল্ডেলাকে সম বাইরে নিরে আসে। কোনন্দিন অপকারে পাররা উড়ভে দেৰ্ঘেন। ৰদি একবার হাততালি দিয়ে পাররাণ্যলোকে উদ্ধিয়ে কেওয়া কেও। ওপর দিকে ভাকার নিতু। ধৌরা আর কুয়াদার ष्यकानको रक्षमा रका रचनकाळे। अन्तेहरस्य

इत्रपद वक्टोड कारमा बन्नद्र। इत्रपट ক্ৰিনে ৰ'কে নিচের বিকে ডাকডেই र्शानत त्यारका विकास तथा तथा । **শুহে আলো আর জালো। নাল-বীল-**সহজ-সংগা-হলদে, বৌরা আর কুরাশার वाष्ट्रियद्वासम्बद्धाः स्थाने क्षत्रामा कार्य शक्का मा। ভান পাণে সারে পিরে আবার কা্কডেই পালের কাছির ব্যানে জানলার লেখাত পেল নিতু। জানলার দীয়েরে কি কো क्सरहा का काम शक्त घरतो, सरका নিচে বেরিরে থাকা হাট্ট থেকে পারের পাতা পৰ'ন্ড অংশচ্ৰুকু, পিঠের কিছ্টা স্পন্ট रक्क महिका, मान क्ष्य भक्त मदीवरी मारक मार्क परवर १७७८३ हरू नारकः। जानार জানদার দিকে এগিরে আসছে। মুখ্টা रमधा सरक्ष ना। रूप प्रका ऋक्ति निकृ। रक्यन राम स्थात परत्राहा ग्राहरूत कांड्र इपयो चन्दकार। काम करत अकवार দেখলো নিড়। কেউ নেই। দক্তিভে 🗣 त्रव कावा-काशक वर्षाटकः। त्रावदमञ्ज विदक আর একট্ কেকিনে চেন্টা করলো নিভু। जिट्यत्ने येवा ज्ञारण बृहक्त कावते बहुना করছে। কানিসি ছেড়ে সোজা হয়ে পাড়াল নিতু। আর ঠিক সেই হৃহতেই পরবর্গ भूरमा चानार काना क्येमरे क्वरण मृह् করলো। কর্নিসের পাশ খেকে সরে এক্স নিতৃ। দীত করছে। খোপদুলো কৰ क्टब अन्यव निक्त केथ्या प्रकार । अक्रमर्थ

বাবা নিচশ্বই অফিস থেকে জিয়েছেন। চাহ দিলো নিজু। তেওৰ থেকে একটাকে মা বাহা ঘৰে একবাৰ যদি জানতে পাৰে এই বাহা কৰে নিয়ে এগো। জানা নৃত্যে ৰূপট জ্ঞানকাৰে সে ভালে এ সভে — উঠানেই এক বাতে ব্যক্ত কাছে তিলি

পারবার খোপবার্কা ভাড়াভাড়ি বন্ধ করতে থাকে নিয়ু। ভগারে সাকিতে একটা দুটোভিনটো। নিচে একেবা**রে ব**র্টারকে**রটার**

হাত দিলো নিতু। তেওৰ থেকে একটাকে বার করে নিয়ে একো। ডানা নুটো কাপ্সট উন্তর্গ এক বাতে ব্যক্তর কাছে তিলি ধরলো। পালকে চাকা নরম শবীবাটি তবে মান্টান মান্টানিক কাছে আন্তর্গ কাছে। নরম পালকে আন্তর্গ হাত বার কাছে। ব্যক্তর ভেতের টা কির্মির কাছে। ইচছে করছে খবে আবার তেতেপ ধরে

কিন্দ্র দ্বাজের ম্টোর মধ্যে দ্মতে ।

মাচকে দের । তির বন্ধা দেনন মনে চাজিল

যালর ম্বাসা প্রো গোজাটা শামতে মরার।

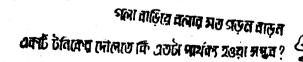
স্বায়র খোপগালে । নিকে একাবার ভাকলে

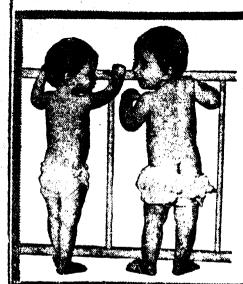
নিকু। ভালরের স্বাটা বাধ করা বারেছে।

নিচরলাকো কিন্তু বা কটাই খোল। এক

হাতে মোপগালোক দা বাধ্য করার হেন।

করতে থাকে নিজু। ম্মা শামের ক্তেড়া

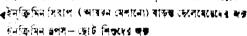




शैं, रैत्कितिवं णाश्वात वाष्ट्राक (पति अञ्चात अवल शस्त्र (वर्ष्ट्र अरोत किएर

ইন্জিমিন এমৰ এক টনিফ বা বিশেষ ক'বে ক্ষিপে ৰাছায়। আর বেশী করে খেলে শরীরেরও হয় <u>বেশী সৃষ্টি।</u> ৰাচ্চাদের আরও মক্ষর্ত, ফ্রুড আরও বড়সর হ'বে উঠতে সাহার্য করে। কিভাবে? বাচ্চারা বে শ্রেটিন বায় ইন্জিমিন তা আরও ভালভাবে কাজে লাগাডে সাহার্য করে। ইনজিমিনে রয়েছে পরম ভংগর ভক্তপূর্ণ এক এ্যামিনো এয়াসিড,—মা প্রায়ই আমান্তের বাবরের উপকরণে থাকেনা। বড় হ'বে ওঠার বছরগুলোর বাচ্চাদের (৪ সপ্রায় খেকে ১৪ বছর) রোজই চেরীক্ষণের মিত্তি-গন্ধ ভরা ইন্জিমিন খেলে দিন। মনে রাধ্বেন:

এখন अपन्त वर्ड्ड श्रेस अजेत अजरा जात अथवरे स्विक्टिशितत अञ्जञ्ज।











পাঁকেন প্রান্ত্যেক কেনিস্টের কাছে।
ইনমিনিন তেনী ভালে কেন্দ্রনী এওকাতিক ক্ষেত্রে এক নিকরকোর নাম। কেন্দ্রনী ভিতিস্ব নামানামত ইবিমা ক্রিটেন, পোঃ আঃ বন্ধ কংগা ঘোষাই-১৮ ৬ জ্বামেনিকান মান্তানামিত কোপানীর বেভিটার্ড ট্রেন্সার জ্ঞান কর জুল জিল্লে সামানের নিকে একটা য়[ে] তে পড়তেই টাল সামলাতে না পেরে দেয়ালের দিকে হেলে পড়লো, আর ব্যক ব্যাক্ত হাতটা সরে যেতেই পার্যনাটা ভিটকে ত্র[া]তে গিলা আচমকা শতে বেতে প্রথমটা এনটা ধাৰতে গিরেছিল নিত। কিল্ড भ त्वाकी क्षेत्र केल स्थल्के कीम भित्र তে ল। ভাছতোঁত উঠে হাঁডাল। পারবাটা क शरहराम्ब चार्य **ब्रा**म्ह । अभावार्य চিঃপ্রেম্ মালচে। কী করবে ঠিক বাকতে পাছলো না নিজু। চিল ছাড়েলে, হাতভালে িলে কিবো জরিরেনের খাটিটা খরে েএকবার নাজকেট পার্বাটা উড়ে কেডে श्राप्तः सम्बद्धारम् स्ट-स्ट्राम् नित् भारत प्रित्त जारता बाक्टन छट ছিল কিন্ত এই অন্ধকারে একবার উড়ে শোলে আর খাজে পাওয়া মাপ্রিক হবে। কি করবে ঠিক ব্যক্তে পারলো না নিত। শীতে হাত-পা তার ঠান্ডা হরে। এসেছে। আন্তেভ আন্তেভ দেয়ালের নিকে সরে গেল। ্রিক পারহাটা একবার ব্যোক্তর ওপর বস্কো, ভারপর নিচে নেমে এগে। 10118 मानका मा। गम करणा मा। आवशा অধ্যক্তরে। পাররাটা ছাছে ঘ্যাতে থাকলো। ब्र्माएम्ड वास्त्रि छाटन इकेर BITTE ষ্কালে উঠালা। অসপ্য খানিকটা। 517.0 **এ**লিক খিটাকে জালা। লাল চাপর - গারে

করেল উঠালা। অসপন্ট খানিকটা জালো ক্রান্ত চিটাকে জালা। লাল চাপন গারে ক্রান্ত ভাগালৈ ভাগে খ্যান্ত। পারবাটা ক্রান্ত ক্রান্তিক জিলে উড়ে খাছে আনার নিটে নিমে আসাছে। পারের ব্যান্তা আস্থাল ভর নিয়ে আক্রেড আস্থেড ক্রান্তা গাকে নিতৃ। আচমকা ধরে ফেলডে ছামে। আন্ত একার্ড ধরাত পারবোল

প্রাহরটো হ'টিছে হ'টিছে 50 mg দ্রভার দিকে এলিছে লেল। একবার নিটে নামটে আবার চেকিটের ওপর वऋड এদিক থেকে ভাড়া দিলে সিশ্ভির চলে যাবে। আর ভারপর দরজাটা একবার বংধ করতে প্রেক্টে-ধরতে অস্ত্রিধে হবে না "-- দ"ুস্--" পংয়রাটা সি"ডির কারে মিলিয়ে ফেতেই भद्**क** हैं। বটকার বন্ধ করে দের মিজ। শব্দ # 7/5 ন্যকরে পাত্র পায়রাটা অধ্যক্তরে । এদিক-ওদিক উদ্দেহ ভানার কাপটা লাগালা মাধ্যার, কিন্দু ধরতে প্রেক্তা নাঃ এন্ধ্রণার **খা**টেই বস্থা, **ডাঙ**া চেস্বে, কাচের টুকারা 78 L 2 91.0 77 975 57. 5 <u>`</u>`₩+ 5 16/148 - अनाद **भण्डे**ट स**का** ভাগে ৮৮৮ এবাল্য **নিস্তৃ। অন্ধক**রে শক্তী মানাজন ভাগার নির্ভা**লামনে পালে। কো**ধা**র** क्रिक स्थाप शाकरक मा। द्रोक्क करक स्थ-**নিকে খ**লি কলি দিয়ে স্বৰিক ভোৱালাড় . **पद्धा पद्धा करें होता करें** करें ধরতে পারলে ভানা দ্মতে দেবে একেববে ।
প্রত মতে। কি কেন একটা পারে লাগেতেই
একটা পেছনে সরে গোল নিজু। ই'ট ফিট
হবে হরতো। ভান দিকে হাত বাড়াতেই
ব'টের বল্ডাটা হতে ঠেকল। কবটা
আবার শ্নেডে পেলা। অপধনতে বতটা
সম্ভব দেখার চেন্টা করলো, সাদা
মতে। কিছু চাবে পাড় কিনা। কী সেন
একটা নড়তে ধন্শুল্ করে। জনা কিছু
নরতো? কী করবে ঠিক ব্রুডে পারলো
না। কিছুক্র চুল্ডাপ দড়িরে পাকলো।
ভারপর আনত আনতে শন্পটার দিকে
এগুড়ে ধাকলো।

আৰু ঠিক ভবনি কাছে কোথাও কে ষেম থাৰ জোৰে ছিংকাৰ কাৰে উন্তান। হাত ব্যক্তির সাক্ষানর দিকে একটা বাক্তে ণিয়ে টাল সাম্বলাতে না পেরে কম্ছাটা ধরার চেন্টা করলো নিভ। কিন্ত পা ফসকে বদতা সংমত নিচের দিকে গভিরে গেল। হাত্ৰতে কৰে করেক যাপ পাজিৰে। পড়াক পভতে নতমতে রেলিংটা ধরে প্রানমতে নিংক্তক সায়তে নিক নিক: বা পারের হাটটো ট্ৰাট্ন ক্ৰছে। ব্ৰ-পিঠ ইডে গিয়ে ভীষণ ভথালা করছে। আলেড আলেড উঠে দাঁডার নিত। রাগে দেওরালে খাঁৰি ग्रे**क कड़रह**। "-- धकवाद ধরতে পারি—" ভাষতে ভাষতেই পার্রটা হারাং একেব্যার **গাহে এসে পার্যল**ে । না হাতে জাপটে ধরলো নিত, আবার যাওয়ার চেম্টা করতেই একেবারে দেওয়ালে চেপে ধরলো। নধের জাঁচছে হাত জালা করছে। পালে 🕮 । ভানার বাপটা লাগছে। दाख-**म.फोहक** আর একবার মাসতে, পারবাটাকে সিশ্ভিদ্ধ ওপর আছাড়ে ফেললো। পারের বড়ো আছলে ছিলে নার করেক খোঁচা দিতেও এখন আর নভছে না। নিচু হরে **এক হাতে ভূবে ধর**ভেই পারের পাতার গরর করেকটা কেটিা গ**রলো**। ভাড়াভাড়ি হবে হটে কেল নিড়ঃ আৰহা আলোড় দেখতে পোল পাররার মাধাটা TON MINES

কিছাক্ষণ চুপচাপ ব্যক্তির থেকে, আন্তে আন্তে পারবার বাক্সোটার দিকে জগিৰে গোল নি**ক। কোন শব্দ নেই** : একে একে সৰ **ৰাটা খাপৰি কথ ক**রালা। থ্*ললো,* আবার **কথ করলো**। এবিয়েল ছ**িড়ার পাববার বোমটা উচ্**হার অনুছ। ব্লয়দর ছাদে এখন আর কোন লেই : মণ্ট**া**নর **ব্যক্তিটা অন্ধ্র**ার : টবে**ৰ** ছেট বড় গ**ছেম্পো** হাওয়ার AUT I এরি**রেলে**র সা**দা ছাড়িটা আ**বার न संस्ट শ্রে করেছে। হা**ডটা কেম**ন বেন ज्ञा दर লাগছে। জিবে **লাগতেই নো**নতা 275 হালা। **এই ঠান্ডয়তই সমলত শ্ব**ীর গেছে। হাত-পা **কাপছে। ইনেচ্ হছে** একবার घौरकात करते. क्या क्या विश्व

শব্দ ব্যয়ক্ষে যা: একটা এগাছে পায়রটার কাচে পিয়ে ব্যাকে: নিত:

আর ঠিক ওখনি সিণ্ডিতে পারের শব্দ গোনা গেল। কে খেন আলেত আলেত ওপরে আলেরে। শব্দটা থামছে, আবার উপরে উঠি আলেরে। নিতু নড়লো না। উঠে পঞ্চিতা না। আব্ছা অপ্যকারে পারবাটকে এক টাকরো সালা কাপ্যক্রম কতো দেখান্তিন।

ভারতে সর্বশ্রেম ১৮৯১ খৃঃ স্থালিভঃ সার্থক লাম



सशाप्र

ধাবন বিশুদ্ধ প্রবেষর তেল

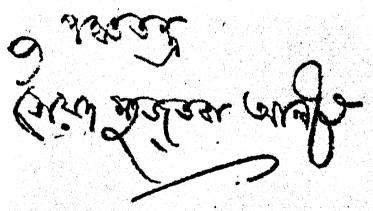
থাখ্যের ফল্যাণে নিশ্চিত্ব হরে ব্যবহার করক। থাকে ও গাছে এর ১০০% বিশুক্তরা প্রধাণিত।



মহাদেবলাল রামনিবাস অবেল মিল ক'নিগছ বন্ধমান কলিকাছ) অভিসং ১. প্রসর কুমার টেগোর ইটি ক'লকাডা : ভোল ৫৫-২৫১৯

ALL WO-12





विमार्डि

আত বলে ঐতিহাসিক মিখাইল গাস্ত্র একটি বছ খাটি তব কথা বংগছেন ৮—
"ন্বিভানি বিশ্ববাদের ঘটনাবলীর কথা
আক্ষ আমরা সমরণ করি একনা বে, বাতে
বভামন ও ভবিষাতের কনা আমরা ভা
থেকে শিক্ষা নিতে পারি। এরকম একটা
ক্রিকা হল যে, আমাদের যানে বিশ্ব আধিপতা
বিশ্বটোর মে কোনো রকম দাবি এক
সামগ্রিক বাথভাম প্রবিশিত হতে বাধা।
তিওল বেব প্লান্সরণ ধরে। ক্ষতে তার,
ভানের সন্দের প্রতি এ হল এক গার্ত্তর
হাণ্ডারার "১

১ ভারতে অসন্পিত বিদেশী একাধিক স্থানাম একাধিক স্থানাম একাধিক ভারাত্ব বিদ্যার প্রেলালালাকারে কারন প্রকাশ করেন আমার মত স্বর্গান্ধাতি করে প্রান্ধানি ইংকার প্রায়েজন, করের একের ভাগেকভানি ইংকার প্রেলাজন, করের একের ভাগেকভানি উঠ্ড ৮টি অনুস্থিতির আমার ব্যাসালাকার মন্ত্রী আলোভিত করেছে। সম্পাদক কোলোকেরেলা, মান্দ্রান্ধান ক্রান্ধানি ক্রান্ধানি ক্রান্ধানি ক্রান্ধানি ক্রান্ধানি ক্রান্ধানি ক্রান্ধানি ক্রান্ধানিক ক্রান্ধানিক

এ সংখ্যায় আছে দুটি সুলিখিত বচনাঃ
(১) মিতাইল গ্ৰেন ক্যাক "ইতিহাসের
শিক্ষা" এবং (২) সেনিভারতে ইউনিহনের
কন্দেশো এবং (২) সেনিভারত ইউনিহনের
কন্দেশো এমালি কর্কে সেনিভারত রাখে "মন্তিচনাল ও প্রক্তিচনতার" স্নাাস্টেনা)। কাল বাহালো আমি বে সুব সময় এটান সংগ্রা এক
লভ হতে প্রেক্তি, তা নয়। সাংহ্না নিই
এই ভেবে, যে, দেশে-বিদেশের অকাষিক
কম্যেতেও হয়তো কোনো কোনো স্থলে ভিমা মত পোষণ করতে পারেন। বাঙলা জনন্তাদ কে মাকারা করেছেন ভালের নাম নেই।
অন্যাদ স্থলে স্থলে ঈষং খাড়ণ্ট হলেও
অকিন্মা বিশ্ব উচ্চাপের।

क्यातक भीन्छच गुट्टमब क्यात भिन्ने-भिन्ने আমি কোনো সম্প্রতা করার দম্ভ ধরিনে। আমি অনা এক মনস্তভাৰদের একটি উস্ভাত मिकि भातः भिष्यतीय विश्ववद्यालय स्माद ने जन्मदर्भ भरत क्या लगाविक दिशे कारेर्टिन शक्ति सना बिरम्प्रका विद्रारम মোকলমা চলছিল তথ্য প্রথাত মার্কিম মনতভাবিদ ভাতার কোল দিনের পর দিন शकर्ष्ट ब्रह्मस समाध्याकिन करास गास स्टर्म ফিরে সিরে বলেন, "হিটপারের মত ডিকটেটর এবং নাংসি পার্টির মত পার্টি প্রথিবীর বে-কোনো দেশে যে কোনা সময়ে প্ৰনাৰায় দেখা দিতে পাৰে।" ভাই আমার মনে ভর লাগে, কমরেড প্রের "গ্রুডর হ্রাণয়ারি" अरबुढ ध-र्शातंत्र शुनकात्र द्व-द्वारमा पिन মাখা চাড়া দিয়ে উঠকে পারে। তব তভাবিশ্বাস্এ-ছাশিরারি শানিরে উত্থ কমাই করেছেন। অভততঃ তার আপন रनरमंत्र बाक्षरेनिकिक्या यीम ध-र्मिमर्ताद (অস্তরভানো!) মেনে নেন তবে ক্রমে ক্রমে চীন এমন কি মাকিনিও হয়তো মুশের प्रमाण्डोग्ड अन्त्रसम् कर्त्यन-५-द्रक्य ५क्छे আশা করা থেতে পারে।

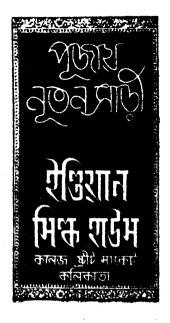
শৈতীয় বিশবস্থেই ইয়োরোগের পঞ্প্রধান ছিলেন, ছিটলার, ছতালিন,
ন্যুল্পেল্ডানি, রোজেজেলট্ এবং চার্চিল।
এগের প্রথম তিনজন ছিলেন কটুর ডিকটেটর;
বাহি শ্রুন গণস্তব্যের প্রতিভূঃ প্রথম
তিনজন রণাপানে নামেননি বটে, কিন্তু তাবং
যুদ্ধের নাতি পদ্ধতি ইন্দ্যাদি (দ্যাটেজি;

২ এত কমেকদিন প্রে (হিন্দুস্থান
প্রদেজার্ডা, ৩ অক্টোবর '৬৯)-এ জেনারেল
টাহন্তে টোধ্রীর পতিকেন্স প্রাটোজ'
পেরেনামার লিখিত একটি অতুলানীর অনকদা
কলা প্রেমারিত হরেজন। অনেকে হরত
কাবেন, সাধারণজন (সিভিলিরানরা) ধতই
সংখ্যারশান্তের সংগ্র প্রে প্রে ভার্ ভারত হরে ততই সে
মার্যার্থা হরে প্রে প্রে লিড্টি করতে

মাবে মধ্যে টাক্টিক প্রক্তি ই সম্প্রক্ত তারা পার্ক্তার কঠিন নিদেশি নিতেন ক্রাক্তান অবতীপা অপ্যালাটদের। মোজেতেন্ট চার্চিল সেরকম করেনিন। এখা জীদের অপ্যালাটদের যুগ্ধের মুলা উল্লেখ্য এবং নাডি সম্প্রক্ত নিদেশি দিরে বাল্যাকী স্বী-ক্রিছা প্রপালাতন যুগ্ধে লিক্তন। ভবে বলা হয়, রলাপাতন যুগ্ধে লিক্ত ক্রাণ্টাট্টদের মুটিন করো নাক গলাতেন (ইনটার-ট্রেরার করতেন) ভিক্টেইনদের ভিতর হিটলার প্রভ্রতম ও সম্প্রভ্রের প্রতিক্ ভাটিল অনেক্র্থান।

্রাই পশ্চপ্রধানের যে ভিন জপালিট ব্যাতি অর্থন করকেন তারা জার্কিন আইকেনহাওয়ার ইংকে স্বাট্টার্ডারি।

हारेख बिएमारेम् हे स्त्र सार । सामि ভিল মত পোৰণ কৰি। আলার বিশ্বস য়াজনাতি কোধায় সন্মন্তিতক পৰিবল্প হয়, क कान जागान जटान कर्ड वास्टर छडडे दृष्य जन्दरम्य छात्रः महीतप्रदेशम्यः न्यास्त्रम् । केष्ठियांत्रिक शार्ष्ट बारमम्, ध बे निवास क्र শত বার সিভিলিয়ান পৰিটিশিক্সনাম সভাই क्तात कना कथन इटना इटन केंद्रेटड. कथन क्ला कार्छ. रमनावादिन डि व्यक्तित्वम् वा (शटफननाम সোमकातता) सारम्बद्ध केन्द्रिस সংখ্যম ঘোষণা করতে দেয়নি এবং পরে দেখা গোলা ঐ করে অপালিট আনিয়েল দেশ भगटक भवनाम त्यरक वर्रिक्टवरणन । अवह भारतिनक्त करत, अहा क्याह क्याह काम्रहे শরে করে দিয়ে প্রোম্মতি, ক্রেচেলের ক্রা BCW WICE- !!





णाक्ष **णाल्** भारत

क्रीरसर सर क्यान



आह्य कामकारक की 82

ল্যাক্সৰ আণ্টা হো একেবাৰে নতুন এক দিশাদ্যক । কীমেছ বড় মোলামেল, এশে বেব বড় বংব ৷ ১০টি বাসা উন্ধ্যন কৰ্মানা শেকে । হাজা খোলালী খেকে মধুন এপ আৰু বড় বাভা বাহাৰে । আন্ট্ৰা মো অইপুজাকে আৰুও বধুৰ ওপ্তা

কুমান, কুটাৰ চুকাৰ প্ৰদান কৰা লোগাৰে মন্ত সঞ্জলকা, নাবুন কালাৰ সঞ্জীবভা, টা বাই আলোৱাৰ মতাপ্ৰচল্প প্ৰদান। কালালাৰ কিন্তু সন্ত্ৰন না, আল্টাংগ্ৰাহিক প্ৰবেশ আলোৱাৰ কেন্দুলকা মন্ত্ৰক ক'ৰে । কুলুনা। প্ৰচ্ছিত্বক প্ৰতিকাৰে।

CONTRACTOR AND THE MARKET AND

45 845:44

ডিকটেটরের। সর্বদাই সর্বকৃতির সম্পূর্ণ প্রেড চান করে তাঁদের সৈন্যবাহিন্দীর কোনো সর্বমর কর্তা নিব্যুক্ত করতে চাইতেন না। ভ্রমন্ত্রেও ডিকটেটরের অধীনে পেকেও বিনি বিশ্বজ্ঞাড়া খ্যাতি অম্বনি ক্রেন তিনি রন্ত্রের ম্বপালাট মাসালি গ্রিকবি ভ্রমন।

এই তিন জক্ষীলাট সম্মুখ সংগ্রামে নেমেছিলেন। এবং বৃষ্ণ খেব ইওয়ার কিরংকাল পরেই ফার্কিন আইজেনহাওয়ার ও ইংকেজ মন্ট্রগামেরি বৃষ্ণক্ষেত্রে আপন আপন অভিজ্ঞতা স্বিস্কর বর্ণনা করে গ্রুক্ত ক্রেপেন। ভূতীর বীর জ্বুক্তম্ব এ-তাবং ক্রিক্তা স্ক্রেক্তা ক্রেক্তা বিশ্বাম ক্রেক্তা ক্রেক্তা

जिन्नक्या है हि देखा हुन Des-বাহিনীকে সম্মাধ সংগ্যাম প্রাচিত্র কলেন। कतः अवर्शिक प्रांवित देशतः (व्यवासीत) লভী চল না ম্ব কিব 887 বিশ্বাস 1779 6 ্ৰ-সাবকে পরাজিতে করার প্রধান কৃতিছে রূপ কুন্ধুখ স্তালিন ও মাশাল **ंंकरकद। ऋ**जवार िक त्या एसव র্ণাল্যন ইটাংহাস---জাক্তের বিবর্শীয়ীন ইতিহয়স⊸্ত্র इसमामानेक वाच मित्र उत्तमाताले नाहेक।

শতালিনের মাজুর পর জ্বাক্ষ জরনাই করি গ্রন্থ লিখাতে পারেছেন। লিকতু তথন জারেছে হতা লিখের চলিবের চলিবের টাণার রক্ষেত্র করেছেন। ব্রেগর বড় কতারা জন্ম কেন্দ্রেলাকার করেছেন। তার ভালত নির্দাধের মাজক কর্মিক ক্ষেত্র করেছেন। ভার ভালত নির্দাধের মাজক ক্ষেত্র লক্ষ্য করেছে ব্রুপ্ত করেছেন। তার ভালত নির্দাধের মাজক ক্ষেত্র লক্ষ্য ক্ষয়ের ক্ষাক্ষ্য করেছে। তার ভালত নির্দাধের মাজক ক্ষ্যুক্য ক্ষয়ের ক্ষাক্ষ্য ক্ষয়ের ক্ষাক্ষ্য ক্ষয়ের ক্ষাক্ষ্য ক্ষয়ের ক্ষাক্ষ্য ক্ষয়ের ক্ষাক্ষ্য ক্ষয়ের ক্ষয়

নাজের পর স্থানিক বন্ধি ভারতার মানাপ্রকারে নিপ্নিক কারন কর্ তিনি এই জোপানাপ্ডান্ড সার পিতে পারেনান। স্তালিকার তিনি তার নার্চ সম্মান প্রেক বিশ্বভ করতে চার্নান। তার সে স্কারণ তিনি কোনো-কিছা বিশ্বভান না।

্ঞরশন শতালিন স্ফৃতিনিত্রাধীরাও দাদচ্চত হলেন।

দীরে বাঁরে স্কালিন সম্প্রত রাশার জনসাধার শবর পরেশা কলান্ত লাগালা। ভাই ব্যোধন চন্দিশ বংসর পর জ্বেক

ও করেকজন জর্মান ভেনাকেল লিটাবছের কটে কিন্দু এগদের কেউই সর্ব রবালানের প্রোচিকার কব্যনা পাননি। ভার ইপ্রাচিকান "লান্তরল'দের সক্ষেধ "দারিবত। হিশ্বন্দর"। ভার "ক্ষাভিচারণ ও প্রভিচিন্তা" প্রকাশ কল্পেছেম ১৯৬৯ খ্ডাক্ষে। (এক সন্বর ক্টেনেট মুক্তির)

বৃশ্ব শেষের এই স্কৃষীর্য চন্দ্রিশ কংসর্
পর আইকেনহাওরার, মণ্টিসামেরি ও জ্বুক্ত
এই বিম্ডিতি কলানে এখন বৃশ্বক্তের
হাতেকলনে এখা কোন্ কোন্ কানাভি
রপ্রেণিসা অবলন্দ্র করে অবলেনে জনলাভ
করলেন ভার প্রশ্ভর ইতিহাস কোনা
সম্ভবন্ধর হবে—কোনো ব্যুম্পরই প্রতিত্তা
ইতিহাস এ পর্যান্ড লোখা হর্মান, এ-বেলাও
হবে না।

æ

জ্যাক্তর জুল প্রধান ভার পূর্ণ তন,বাদ আহার হাতে কখনো পেছিবে না। भ दर्वा व 化中 Title 100 क्षांत्ररणकोन्य के शुरुषक स्व পৰিচিতি অর্থাৎ সংক্ষিণ্ড স্বরংগ সিরেছেন এক্যার তাবই উপর নিভার করে—কলর কলে জভাবে পড়কে স্বরং শরতানও মাতি ধরে ধরে ধার-- ব্যয়েরেগা नाक्षाम रिक সেপাইরের অভিক্রতা শোনাবার **চেন্টা** দেব। वर्कराद्य निष्यम स्य मा। कार्यम "रमक्टरभा" मा श्रामक वाकाली एक शेल्यारक राजन 'মারমারেশা' হরে উঠেছে क्ककारा कि अकश्यक प्रवृत्ति स्तर्भकाषाः मानाल भारे, अवभव कावा नाकि "वस्त्राद्धवा" ात नाधारै करण अस्तरन "शासकारिका जाली" প্রবর্গ করবে। কিন্তু সেটা আ লা ব্রাস্

(ব্লুপ পশ্চিতত বালা সালনত) না, আ জ্ব পান্ (চীন পশ্চিতে বলা স্থাইড রাইস) হবে সেটি নিরে মততের আছে।

রুল রাজনীতি তথা চীম রাজনীতি সংবাদে আমার কোনেই জ্ঞানগাঁফ নেই।

কিন্তু বিশ্বর রসান্তুতি আছে উভরের মরের বাদ্যাদি সম্বশ্বে।

ভাই ভালোবাস রাশান স্মালাভ, রাশান কাভিয়ার, রাশান বাশান্দ, রাশান পানীর (আনি কড়া ভোলকা সইতে পারিনে; পছন্দ করি—এবং শ্ডালিনও ঐ খেতেন— উত্তম ওরাইন, ভা সে শ্ডালিনের ক্লমভূমি ক্লিন্তারই হোক বা ক্রেশানেরই হোক)

সংস্থা সংস্থা পদাস করি চীনা ক্লাইছ রাটস (চীনা হোটোল-কা বলে 'ক্লাইড নাইস' অধাং ভালা উকুন), পিশুং চিকিন, ব্যান্ডের ছাডার আনকো, ইডানিদ।

*

ক্ষাকাভার র্শপাদথী ক্রানিদ্রীয়া একটা বড় মারাভার ভূল করেছন। ওাদের উচিত এ-শহরে অগতত দ্বাপ্তা রাশান রেশেতারী ক্ষানো।

কারশ "Love does not go through heart, but through stomach—" "প্রের কদরে সন্তালিত হয় না; সন্তালিত হয় উদরে" —কাশ্তর-কটি বলেছেন একটি করালিনী সার্যাসকা নাগারেক।



খোটে খাই – মোল-আনা তৃপ্তি চাই !



ময় তৃপ্তি দেয়–এর আলালা

०० भवनाव ५०%

बाना क्रीनन चारभर क्रेमा। छाउँछी नि बाद वास्ट्राप्य वामारमद निकाकिन मार्कारमंत्र विकेत रमोगाम नाजिए सिटा भारत्यांत याम पात रागामनः पर्वे-स्वरस्त बर्ट-हमहम करत गात रचरक प्रकानन चान्द्राच ट्या चार्माच्याः क्षेत्रहाटक कालावः "গ্যাপরে, নগর-কেন্দ্রন বার ইয়েছে নির্দাদ सन्धान्त्रेगीय मदन्य यसन-" अवर सामाव পরিহাস বে এমনভাবে ল'ভনের পরে সভিঃ হৰে আলা না করলেও কিচা মাল্ডিল কেল এবং গৈরিক কেন ভর্ম সারেব, সভ্সে কিছা মেম-সাহেৰ ভত্পীও (এবজন তার মুখ্ শেক সম্ভানতিকে প্রানে চড়িকেই) ছারে খক, হাবে খক গাইতে গাইতে ফটেপাৰের च्छिड टोर्ड्स अभिरत हरलरङ्ग, न्यहरूक रम्बनाव । কিবাস করনে। যে মাকেটোর প্রকেশ্যার আৰাৰ পাঁড়া, এখনি আসচি কল চৌলো निवारणण। सिर्दा अन भिनिष्ठ-मरणक वारण। मारबंद रवाचेय-रक्तचे.पीद मक अरमरच লাশ্ভির মঠ গড়তে চান কলে প্রতি সম্বোর নগর-সংক্রীতনি করে চাদা ভলছেন। টোগোকে ভারতীর দেবে ভার ভরিরসে গাঁজ তলে ওদের একজন ওকে পাকডাও করে বহু অন্ত-বাণী শ্নিরে চাঁদার প্রশতাব করেছিল-মোলা কথা।

কিন্ত আমার ব্যাস্থ্য অনুর। চৌলো বর্ণন সংসভা কর্রছিল, আমি শুখন বেবাক সামনের ফটেপাথের খিলিমিলি কোকাকোলা বিজ্ঞাপন प्यत्य दशकान इता भवधाती-न्दीरभ (प्राधिक আইফানেড) সমবেত আন্ডভাতিক হিপি মহাসভার রাপ-গণ্য-বর্গে এক্**মেবালৈত্য** প্রলক-মেলার দিকে ভাকিরে মন জাগাবার চেন্টা করছি। এমন সমর মাজিত হাসির টার্চাতি আমার উপ্ভাসিত করল: অন-नार्वीय होर्डिक्ट-ইংকেस यातक **क्रक्स**न। **অব**্যাধিত भा*र*ाज नकाकात and a **क**िन জিগোন বহ দেখা বার ৷ "লাডাল रकरहो माव ?" कंद्रदर, ভাই ক'পা সত্তে দাঁডালাফ। চাপা গলার প্রশন হল "ইন্দিয়া?"—কব্ল করললাম।—"আই देवान!" महत्व कुटार्थ दश्वा डेक्सि किना স্পির করবার আগেই কানের ভিডর দিরে গরমা-গরম প্রবেশ করুল বে উল্লিডার বন্দ্যার্থ দড়ার, 'দানা, হাদস দিতে পার কোখার আজ ভিলিমের বৈঠক হবে ?" আলা रकटलडे रव खाडाख मन्नरम्य चन्छ इरछ इरव. এমন কথা আগদড়কটির চৌন্দপরের কেউ क्षरमा विन्यान करतीन शुपराश्रमा क्रालाव। এক ছিলিমের সভেগ কেন, স্বর্কম খৌরার ব্যাপারেই আমার অনীহা বে অবিমিশ্র ভা মেনে নেবার আগে আমার দ্বীভূত করবার শেব অন্ত, "আপনারা কাপ্ত কেন্ডে ইঞ্জির বলেন। আপনাদের আরু কি ভাবনা। আমি এসেছিলাম এদেশে ইন্সিরি শিক্তে। क्षिक् रम ना। बरे जब हिनाम-विनिध्स



আন্তাতেই বা কেন্দোর্নাক বিশ্বর জারত-গাকিস্তানের ভারেনের কেবা সাকাং কেনে বলে ভার ঝেঁক করছিলার।"

क्रम्पन शहेरन चारात सहस्र दिन ५०दे क्यान्हे। करफारमध् स्वास कविदा स्त्रम बारत हैरहाय की बाहिता। कार्य कार्यान क्षाच्या कर भारत चारा क्षेत्रश्रीयलय দর্শার অভয়ন করতে পশ্চিতেরীতে এসেছিল। 'शन्त्रात कि कहा ।" "चानक किए। सार मरन क्षान रहम, छन्। पत्न मरन, निरम्बर বারা নেশ-ভাং দিয়ে আখ্যাত্মিক অভিক্রভার স্থাদ স্পেতে চাইছে, ভাটের মধ্যে ভারতীয় আধ্যাত্মিক সাধনার জতা এক প্রীকর্মকত্মের দশনের সার প্রচার করছি।" "কল পাজ্ঞ " "ना त्मान क्यों करन किमाय चामको वा स्वय এক লেখেই বা আছি কেন?"—ডিক ব্যাটকোন, ভরুণ ইংরেজ কবি এবং লক্ডনে टीचर्वारम मिरोदार ध्यान मीस्य चामार কলা, "ইয়োব্দট সভি৷ নতন আলার আলো ब्राटन फिल्क बारे जन जन्मानीरमञ्ज जामान । জান তো, প্টকহাউদেন 😽 উৎসংহই श्रीकर्तावरूत क्रमावनी भक्तक पद्भ करबन। শীয় উনি পণ্ডিচেরী বাজেন।""উক-হাউনেন এখন পশ্চিমের সন্দর্শিত-মন্মতে বিরাট এক আলোডন জাগিলেছেন এ করা चानको जानन। बाद्या बाद्या बरू और गुरुहुको चारने बना प्रस्त किना गरमद: আৰার নিভারবোন্ধ বিশ্বাভ সম্মতি-जवात्मारुकसमा वकारण मार्ट्याच रह বীতোকেনের পরে এক ক প্রতিকা আর क्ष्यार्जान ।

আৰকের ব্যক্তিও শুনে কভাসের এই ব্যক্তি প্রসম্প কনে এক। ব্যক্তিওতে বোৰকা শুনকার : করাসী সরকার জভাসত কভা হয়তে ब्रेट गर्ने बीचा, जानिया, जागा, ज्यू जर शक्ति राज्यात्व विश्वाद जाना गामाराव्य । अरमणी नार्णात्व स्वके बजा गक्राम ग्राम्य कालायक ना कि-जन राज्य स्टब; विराम्पीराच काला जर्जात्व कर्णामार ।

क्षत शहर, जातात नहीं पांचलत व्हान थायात कर राजात सारका वा विकि-कामाहेबान्द्रक छोटाच माछिएछ्टे क्वासड 👁 আমি পারী কেবাজিলার। জেরারের বারকা, भावीत्व क्रियाम गांव कार्य ताचा शासाचन बक्की विक्रमीत कार्याः बानिया छात्र अहे मानवा कर पूत्र गरा और गर्नेत द्वारताका কিনা। হরতে হরতে লভেব-এর বাভি-প্রলো কেপিরে ভারপরে ওপের নিরে কোলাক পারী-র বন্দাবনে। পারীর প্রচানতম প্রস टकी सब भार मन्त्र भागः कठेन चार्नेन কলেল প্রভাত নদীর বা বারে: উলটো দিকে লভের শাহলে প্রভৃতি: আর ভার মধ্যে, গ'-নাক প্লাবেকে শ্বে হরেছে খীপ, বাকে ক্রাসীরা বলে সিতে' (নগর)! এই স্বীগেই विशास मरकाम गीर्जा। कर प्यौरभव অন্য হড়োর প'-ন্যুফর লাগোরা, নিরিবিল, ভর-বীখিতে স্থামল (তালের ব্যবে চেস্টনাট গাছ তথ্যসের কালে আইভিসভা সেখানে প্রচর) প্রকৃতির কোলে দেখা বার পরম লাস্ক क्ष जामरमात्र मन्द्रम म्बर्टम हेर रख অধিষ্ঠান করছেন কলী-ভূপারি ভাই-বেরালর সোল্ঠী, আব্যানিক ভাষার "বিনিরা" কিনা হিপি বা বীটনিক নামে কশস্বী। দেখে हर्रार पणि-विकास बदल महन्त्व रहन्त. बढ़ोब्द.को, रंगील-मान्डि, जनभी-माना सब्रटा बाह्यक नामारली किरवा दा-कौन म मन्द्रीलंड ন্যাড়া-নেডিরা এখানে কেউ বা নিসঙ্গের বাভে বিসপের মতো জোড়ার জোড়ার कुन्छनी भाकित्व, त्कडे म्;' शत भारन इंड्रित লিশোকতি কেউ আবার ভাবাবিক্ট ক্ষ-করের মত্যে কলের বারে পাছের প্রতিতে হেলান দিয়ে তিনেত উন্মীলিত হল কিনা भरवना कन्नद्रम निःग्रन्थ। क्वर क्षेत्र क्यान-কাননে মাতশাবাহিনীর মতে হাট করে থেকে থেকে যে নীল উদিপিরা প্রলিস মল



क्टायल निर्य सामाता



পোডেন টোবাালো কোং আইতেই দিবিটেছ, বোবাই-৫৮ 🖀 ভারতের এই বছপের বছরুর ভাতীর উভন

क्ट्रांच शना (भव, मिम-काबाईराव, जातादव তো জানা ছিল না, ভারা একট্ট অসহার বোধ করতে অভয় নিজাম, "ধেরার গ্রুপ প্রেয়েড। চন্তাৰ হবে।" বলতে মা বলতে হিডভিচন ৰূৱে একটি ভক্তাভিলাসীৰে ভাৰ ধাননের কৈলাস থেকে টেনে নিয়ে গিয়ে তুলল ভারা জ্ঞানাজ কাপির প্রালস জ্ঞানের লৌক্ক মাম) মধ্যে। দিন-দলেক আত্যে কাগ্রেপ্ দেশছিলাম যে, মাডিনি নামে একটি তারালী ट्रस्टहारेग (१६४ कछा जामात ७४)४) है(अकमस নিজে গিয়ে মারা গিয়েছে। ফ্রান্সের এবং ক্ষাত্রের সর্বন্ধ এখন অজন্ম আস্ট্রানার পার্না হারেছে, যেশানে হার্গকারের জনসংক্র পরীঞ্চ ভর্ণ-ওর্ণী নির্মান্ত শাণিত অনুষ্ঠারণ করছেন হয় 'প্রপা (প্রস্তার) স্পানিতের ন্ধেন্নরতেন ভারতেনি বেলে-साधनात नाटम ३ ठे. गाटशत विका विकास **প্রবালে**, নরতে: ভারতীর প**ক্ষ**েভাং সেবনে। ্ৰেকা বাহালা, প্ৰপ্ৰস্থাীতেও ভাৰতীয় সংগীতের প্রভাপ চর্রাক্তরের রালিখাকর: ইবাদিক ভারতীয় সম্প্রাচক র বিল্য ১,৫ শ্ৰী না হজাতে, আমার পিশসে হে এই ম্টার-কামলার পারে ভারতীয় স্পাটাত্র কল্যাপ্ৰৰ প্ৰভাৱ একখিন দ্ববিদ্যালয়ের স্বার কর্মটো উপরে মডিন নার স্থ মেকেটির মৃত্যর কলা উল্লেখ কলেটি। ভাস মাজ্যুর এক ছেকেলা মার সংগ্রিক্তি भरवा समाप्त (१५४ - कार्युक्त TR. 50 4 200 POST OF WATER

विकास प्राप्ति । क्षेत्र (क्षाति । कारता जामादम्ब ग्रह्मुक्स शीटा अंद्रम्य मान्ह कर অন্নের ক্ষেত্র ব্যাক্তন প্রতিত প্রবাচ প্রতেম শা আমেবা কি ১৪৫ গা লাই কলেছে ৷ কাই कार ग्रम्थातर्भेत्र स्माप्त करणा व ४०० आहा অন্য কিছা ধলন প্রতিকা বর্ড কারেকি, শাসন তাৰ কোনেত প্ৰথম প্ৰকাশ বলুপ ক্ৰ মান্দার চুল কটো কল্ম কবল । শাস্ত্রিই ভাব नार ५७म ५०,४ जन हाला सामा अफा থাল। এইটের মা করিবার জীবার **সং**ত্যালয় স্মান্ত সমস্থা চুকিরে किन्छिक्ट देवलना स्ट्रांट लाहे हे पर ब्राह्म শহসবাগের রাজপ্রে গভাল লাই বাড়ের অভ্ৰে উঠিয়ে বাকে সক্ষৰ ফুলুকার একটি मश्चतत सम्म निर्मा क्या करत एक म रामानेत-চালক ভাবে ভূলে নিকেভিলেন পাধের সংগী-র**েপ। এই হিচ্**হাইলিং বা "অভোদত্র প্রথম এখন অভাশত জনপ্রিয় হয়ে উঠালও সহাকে একজন অপরিভিত্ত পথিককে গাড়িতে कूटन स्टब्स वालाहर अस्टरके सम्बद्ध मध्यह লোকণ করেন। দক্ষিণ ফ্রান্সের সম্ভূত তীরে ল্টেরের দীক্ষা হল ছেটে ছিলিয়ের সাধনাত। আলাপ হল মাডিনি, রিশিসন, আমি প্রভৃতির **নলের সংশ্য। শৈশবে পিড়াংরে সম্ভা**নের क्षीत असमीत करुतिहरू करिक्कप्र कहत । ह নারী নিজের স্থানেব্যনেই মেডে ছিলেন,

ভাবে ভাগতে চেরেছে এই নেপার অভাইগতে। যারাসী মনবিী পাসকাল বলৈছিলেন, মান্ত দেবলাডও নয় পশাত নয়। অগাং भेगार्जी क्याद क अधारणकरात नेपतादर करा শ্যাভাসের মধ্যবাহী জগতের বিশ্বক হরে ক লাভে মান্তে। ভার মধ্যে দেবলাভ এবং পশ্র, দুটি ব্যক্তিই উপস্থিত অনুভ : মান্যুক্ত ইতিহাসে মহান শিক্ষার মাল লক্ষা কলে ভাবেই ফেনে নেওয়া হয়েছে আদালের নামে. ৰা কিনা মানুবের **লক্ষে** দেবস্ত প্রতিকে বল্পীয়ান করে উত্তরোজ্ঞর স্মান্তিরে ভলতে সমায় হয় ৷ আজাকর শিক্ষা-সংকার্টর উৎস হাছে ক্রীবনের প্রথম শিক্ষালয়ী-গভ'-ধারিপার ক্লাধ্যে সাহাক্ষার হাতাক্ষের পার্যাধ্যি অন্তলিগতি। নারীর হাত্র পর তথ্য দেবীয়ে দিয়ে হেন্ড সক্ষম ৷ স্থার বর্ণভাব্য মারণিক বিক্ষানেরেই স্কাপে ক্রেন নেওয়া al bar.

একাহিত কাহাল বাহালী পাঠাবেল কাছ ফরাস্থা কবি হেনেফারে **আন্তে** সংগ্রাহি । না কুশার তিনি পি**তৃহা**র, হালে তার লতা হা^{তি চ}িদ্যত হৈলের <mark>বিহেম ক</mark>রে মাদদ ভালিকা र इस और २५ ३ (१४०) । को तन्त्र (१४५ ५) आहु সেহাকাক্ষ্য কেম্মা কলাড় লৈছে এই নিমাম সঞ্চ হাল **চিলে**মতেই বিভাষিত র २८७ - इ. १७५३ - स्पृष्ट् स्टेस रा इस्परस्थापः Sistes হান্তকান **কাথ**ে মাজে প্ৰস্থাতন ১২০ ১১ প্রতিষ্টের **এই ফট**নার জভারতার। সবসং দৈশ্যে পেতৃহারা দাশ্যিক জা-প্রসাত্ত ৩৩ টেন্ডেরে <mark>প্রথম্</mark>যরম্ভীতে বিল্**লস্ত** প্রতি **চেটে** চেল মে বেদের্ভরকে, তাও আন্সর সভাৱ লক্ষেত্ৰ জন্ম **কথে**ট আছে পেয়েছি ६१ माला अलाक-**अल्ला**काड अलकाका किमर्ज एक व्याप्त पुरेश क्षात्म कालाजाएक एकर्पु াড়িত কে ব্যক্তির মুহামান হতে ছিলেন্ডাই শ্রম্ভিট্, বেংধ হাল, সামুদ্রি হয়ে ব্রালভারেক িমাধ করে ভুগে, ছল রাপ্তর সংগ্রেম স্থাসত জ্ঞানিক নিজেন্ত্রের স্বা**শ্বর হেনেক :** বাহাতি হা য়েম্ম ভয় সালেকা <u>ভেম্ব</u> 4276 १४ तम्हरत्यः क्वीवास्तः न्याकः शिकाकः ফালতু এবটা ভার বাল গ্রন্থ করাত লৈখেছে-ভিকাত এবং এবন দিয়েভিলা ভার লগে। **राष-राज्यत এक शतक**टा। 'खड़ाह स्था তামি নিজেতে জনীয় এবং আনেরে জনম তামি বিশ্বস্থানক হৈছেন হাত্রীছালন হৈছেলতে, ১০ কণাও বেমনি ভিনি ব্যক্তিলন্ত্রভাগ হ'বে ওঠা আমার কাছে চিরকাল হ'ল ধাল मान शासामा । **मान**ावामनगर हराम् निर्मा ছিলেন যে অশিকের **পল**ে কুট নিম্নলাডী অবশা-**পথ জেকে অন্দিবের যা**কে ভুলে মৃঞ ব্যুটে আবার ফিরে আসত্ত তেনে একাধান অননা প্রতিভা এবং যে নিবিচিত প্রতেশীপুর প্রয়োজন, তা কজনের পাঞ্চে

বোদলাগাবের কলিন্তার একস্থিক গ্রেমন জনহ আনতাম অসমুখ্যম হুহাগোলের গ্রান

इ.मा.ना वार्ड्य क्लाना, एडमान जार्ड करेकि 'হেখা নয়, অন্ধ কোথা' অভিযানের কর म्बन्स् तदः जामन्द्रण। म्बन्सर हतप्रकारिक সংখ্য নারী, বিভিন্ন নেশা প্রভারে जिल्लामानु 2775-26 ফ্ল ধ্ব **অনুধ্বকণ করেছিলেন পরিব্**রেপর উপায় ভাব বিভিন্ন বসন্ত দেখি বারে বা**র্থা হরোছেন** ডিমি কেট উদ্ভেচ[্]তর হিন্দু নিজেকে ঠোল নিহে বিচে হন *সক*ৰ আজ্বান্ত্রের স্কল প্রথায় এক এই कांच्यामन्त्रम् अस्थाहे जास्त्रम् प्रतीक्षः ग्राहिकः কর্মা ভর্পফর্কের সমান গেলা প্রকৃত্ प्रथा माहाः हे**न्यकान** सादेशहर नतौराहर**ेहाड** ্য ব্যাহার সামান্ত্রণীর একটি ক্যোকের সাজ্য তার আকাপ কর। মাস্ট্রির ীউনিক্নাম রেপ্রে প্রেটা কাল্ডের যাসনুৱে এন্ধ **কেল**া কাছিলতে সামাতি ভাঁৱা চুন্ত্িলেন্ড এবং ধাইশ সহদের কাই. সংভ্ৰমণী মেডিমি, প্ৰভাৰত বিজেন্ত প্ৰভাৱ ভটাবাদেশের জনা তেলেপি রাজের ামতি জামানা- **ভাষ**্ সিশারেট ডিমিট महरूराह तहरहमा । क्षण क्षण माने ५हे মান সমার নিজক সাকারদাসের সভা দেকার জন্ম, এল শক্তিই যে টেব পেল যে হাঁব এক আন্দেব জন্যভাৱিব স্থাপ স্থালী এই যোগ র কল্পারে কে তার মারের কাঞ্চিবালাকাই শ্ৰেম, মুক্তান্ত সক্ষম নতা, হোন হো পৰিয়াল, সম্বর্গ থারি, এই বেবাদের স্বাস্থ্য এক নিস্পাস্থ বৈবাপেন ভাৰত ভাক আছল কলাত পাৰে बिर्म्प सरे स्थितहरूलेर । एक-एकी जेम । ভাই-বোদ-দের মধ্য যার 'বেডারেড' হারার সাধ জাগত, দ্রাজ হাতে দাদা তাদের হাতে ধরে সিটেন লোকটেপ সিগরেটা "কেওনতে" যাভৱা বা অস্তর্গতিক লক TRIP মহোটদানিক এই কমাটিই বেকেলে ভর্ক মহালা সাদার ভাল, ভিন ভাদর সপ্যারাজা, ভাগের নিবালের মুক্তি সক্রালেক।

িকার ভারপ্রাল রোদ সহল লাভুরনুসালার হৈ যাত্র হার ক্রমণ ক্রমণ । সময়ে মা কুখা য়েল, সাম ভবন ্ধ্যালিক হৈছিলি-এ<mark>ৰ</mark> মহেকান ভাৰে মাজিছালনার মা্তা সংক্র लक्षा भेला कर रहार हैक। अभिने कहेर छ কেন্দ্ৰে কিন্তাৰে পঢ়িছাছে তা সংগ্ৰাককান্তন, র্ট বৈ**ক জন্ম** নাং ক্রেড্ড লেভ্ড ম[া]ণ্ড সেবলের পরে, সাদ্য ভর্মর দরিকা শিলেন টোরোইন ইটেলক**গ্**নের অপ্টেথিক 38(e.+7 **अ**ङ्गीरुगह । কুক্টি ফড়িড়াত না ফাড়োড় রেখান বৰ্ষ কারে ভারপর প্যান্ন জাক ভিন্ ছাত্র দরাক্ষান ভিন্ন ছাত্রত কল্না চারে। বারে ধেড়াও সর্বোধ সায়েখন মধ্যমে রয়েখা। মুই বালেছে, "আমগ্ৰের জালের প্রতিটি ्ष्रांस्ट्राट्सरे तराष्ट्री जाका, बाह्याव प्राप्ता, खडे हेग्याम्यात सम्बास तुल्यमः । सराव रहाक ७हे একটু মনিলের **ম**নুন দেলা চিত্ত লালে

वर्णे एगा विकास वांत्रास्त्र, गर्मा वर्णे मुख वर्ण वर्णे स्वेत स्वेत स्वित्रात् वर्णे, गर्मे पर्य स्वास कारण कारण गर्मे स्वासी कर्मे क्षात्री केर्माद्वित वर्णे स्वासी कर्मे क्षात्र स्वास क्ष्म वर्णे भागात्र प्रतिकृति क्ष्मित्रकार्णिक वर्णे क्षात्र स्वास्त्रक क्ष्मित्रकार्णिक वर्णे क्षात्र स्वास्त्रक क्ष्म स्वरूपे वर्णे वर्णे क्षात्र स्वास्त्रक क्ष्म स्वरूपे वर्णे वर्णे क्षात्र क्ष्मित्रकार्णिक क्ष्मित्रकार्णिक वर्णे क्ष्मित्र स्वास्त्रक क्ष्म स्वरूपे वर्णे वर्णे क्ष्मित्र स्वरूपे क्ष्मित्रकार्णे क्ष्मित्रकार्णे क्ष्मित्रकार्णे

गीत गीत विकास स्वयंत्रीय स्वीय करत जात किय-अन्य विश्व त्यात नाम बाकसन भागा अन, क्लबरन नाम अदन मुख्यक्षीवनी দিৰে কেচালনের জাগিতে ভুলকে ভার প্রভাষার পর্য শক্তে হল, কেল প্রায়লভাবে काना विरक्षक गाउँ। किन्छ गानीका रस ইজেকশদের স'তে নিরে। অভ্যতির প্রাশ একটা বার সাচ : কার্যান্তক বৈর্বা থাকে প্ৰতিবাৰ স'ত পৰ্যান্তৰে লেখাৰ? কলে কামলা রোলের (কণ্ডিস) আশীর্বানে সকাই জ্যোত্ম'র হরে উঠল। গতি মাজা, কাপভ কাচা ইত্যাদি স্থান্থ্য-বিষয়ক ছোট কাজের श्रीं कारवावरे एकमन मन रच्यान ग्राहि किन না: জৈবিক ভাগিদ বা চরিভার্থ না করলে নত্ৰ সভাৰ পাকডিক নিয়ন্তে ডা হয়ে বেড। বালার তাঁবতে জল ছিল না। ছেরোইনের

बहुत्व जिल्ला विक्रा विक्रीमीनावानिक पर्व प्रमेश्वर शास्त्र स्थाप वाच कुल विनिद्ध प्रमान्द्रण शास्त्र व्याप स्थाप इता शास श्रीमशास वाच्य शास्त्र व्याप्त स्थाप विक्रम बहुत्व शास करता, व्याप्त वाच्येक शास व्याप्त वाच्य वाच्या करता क्यांनिक वाच महत्वा वाच्या करता विक्रम वाच्या महत्वा वाच्या करता विक्रम वाच्या महत्वा वाच्या विश्वर श्रीम वाच्या महत्वा वाच्या विश्वर श्रीम वाच्या महत्व वाच्या विश्वर श्रीम वाच्या करता वाच्या वाच्या विश्वर

উপজের দারকের অন্ত অনেকেই,
প্রিক্তিনের মতে, বিশ্বের সর্বার এইভাবে
ভর্ত্ব-ভর্ত্বনিধের চেভনা আক্সম করে বারে
বারে রাও-প্রে-ভূপারর আদদাবাদ বন্দর্ভাব
করে ভূলাহেন। কিলারো গৈনিক সন্দেরপের
রুকটি রিপোটো অনৈক বিশেষক্ত অভিযন্ত
দিক্ষেন, "চানেরা বধন কোনও বিশেষটা
খোরেশ্য বা রাজনীতির বিচারে প্রাবান

where covered with write women MANUAL WAY SPRING THE CHARLE किटकाम बहार सम्पात कर्ष क्या हरको क्षीर अन मारेको नक्ष प्रत्य समा नार्वीक के अवस्थित निकार स्वता स्वता colours at whit when on her WHEN THE THE SHEET CONTROL विद्रारका व्यवस्था यानिन (पास रकार्यस was crest over forms boson पर्वातकोन'सार श्रमण प्रान्थ स्वातीय स DAME AND SHIPS AND ADDRESS AND श्रमाणिक स्टब्स्ट । जानाव गणीय मरनाव अस प्राथात औ मृत्यस्य परनीयम प्राथा WICE WORK, WHICH WEY Proud या निकारीतम् एक्ट एक्ट चन्छ चन्छानी अपन एकाम शामकेरिक व्यापन राज-चराका श्रीकार एस सम क्या प्रशासना SECON THE IT IS THE OWN PROPERTY. विरम शह एक विरक्त का अवस्था का কর্মায় এবং আনালের বিকল হবার কোন कारन स्थिता ।

বীকন কালের বিভিন্ন করতে, বিশেষত এর-আ-হোতিসপর বিকে, বেল কিছুদিন থেকেই প্রিল হালা বিত্তে ব্যক্তকারীবের কিছু কিছু আন্তা ভাঙতে পেরেছে। কিন্দু এই ব্যবির একন ব্যাপক সক্ষেমক ভুপ কেট আনা করেনি। এর ক্ষমে করেকলা কিল্যে আফিং প্রভৃতি করা, পরেক্ষে।

কিছাদিন আলে টোলের কাছে এক क्रमा क्रिकान BETE भागितकां का कर मामक्या अक्षम क्यामी छाषिकाः गरेरवारका किट द्रविना अन्य निवन्य किट नाश्रम-পৰ্যাত উচ্চাৰন কৰে টোখো এক ভাজাকে ক্ৰিনিকে পৰীক্ষাৰ্ভক মুখ্টি নিৰে চিকিংসা করে সনোর অর্থান করেছে। স্থানাভিয়ান प्राविक क्यिंग (इन्ट न्यामी) क्यून-करकक बर्स्स स्तमा-स्त्रेमा क्यरण क्यरण बन्न श्र्वेर भकाषाच्यान्य देखा भएकरहा वदा आवात-योगात त्यारत बहुता विकास हरताहरू। अक्कन ন্দার্জ্যোগের চিকিংসক একং মনস্ভত্তিক ভার কিছা রোগীকে নির্বাহত টোগোর ক্ৰিনিকে পঠাতেন। ভার রোগিণী হিসেবে উর লেখিকার সব্দে টোলোর পরিচর श्रद्धांक्णः चित्रं कार्नाक्षत्रान स्वर्धाहेरक পৰালপ' বিৰেছিলেন বৈৰ' ৰ'বে টোখোৱ काट्ड ठिक्शिमा क्वाट्ड। माबाना किट्राब्दिन চেন্টান্ডে বে সফেল অলেছে, তা টোপোর ইভিপুৰে অভিভি স্নাৰের অন্ক্ল বলেই টোপোর ভাতার মনে করেন : টোগোর মতে পদ-সম্পীত, হঠবেংগের আৰুৰ'ণ, নেলা-ভাডের প্রাচর ইডাাদি যে দেখা দিয়েছে, ভা স্নর্ হবার ভাজনা ব'লে অনেকে মনে করলেও, তার আডালে গভীর-ভর একটা ভাগিদ উহা থেকে বার বে-ভাগিব বিৰয়ে সচেতন হৰার সময় এসেছে।



किश-निकासक क्षेत्रकारा ाईएकर्वाक श्रीत मधुन श्रीव बानाएकन ाक्षांक्ष्मक अर्थेन निवासिक चार्टन Clanishing to conf. with the PROPERTY WIS CONTROL WILLIAMS उन्निक्षक आकृति भावत्वा विकास अवस्थाweige Matte auffe Mattel Beiff टबाक्कम देन के दशकात है, दबदम नवतनमा । नामानाक्षत कामनाव त्यम त्याविता नित्य एक्ट्रम विकेरमान निवानिन्ये, न्यान्यम करन. হল। আমি তথ্ম মান্ত্ৰণ গোছ। हैन क्राह्मात्र वासात क्ष्मार क्राप्त करणाक र जातात कमनाग्रे-नाटमात् पिम एकावातकाः व्यक्ति। ভাষলেকে কনসাটের এককটা আনো হততত इत्त अक छाडान हामिन। छाहात कन्यानः निन् धेर राष्ट्र क'छे रच्छा धकडे चामारङ চেষ্টা কর্ম। রাত্তিরে আমি এসে ভল ক'রে পরীক্ষা ক'রে ওম্ধ-পতের বারপথা করব। এখন আমার মরবারও ফারসভ নেই-स्मरतरक मिरत अर्धिमण्डे हैरने ब STZ Z कनमार्छे वर्गक।"

পরিচালক ক্ষীণ হেনে পিলানিস্টাক "ওস্ভাল আপনারও তো মুখ-টোৰ আল শকেনো দেখছি[।]"

"ও কিছা নয়। নাভাসে জাগাড়ে একটা।" ক্রিকেট্টন জ্বাব দিলেন, ভাবিনে কক্ষের ছাধা তো বড় বড় সারপ্রতীর শিল্প-ক্র্যিতাকই আমি মৃতি করে ড্রেছি স্থারের ভাগতে: আপনার এই ছবিতে বৈ আমি বস্থার ভূমিকা নিয়ে ফেলেছি এবং নিজের কলা বালে ভেলেছি। এ আমার বাভ নর, হলপ করে বলছি।"

মারি পেতে না পেতে ছবিটা দেখে এলাম। ভাল লাগবে জনভাম। এবং নিরাশ হাইলি। রাবিনাস্টাইনের कः नाकनायाना অধ্যক্তিসন্ত লম ফারা কোমানন সামনে বাসে দেখেনান এবং দেখতে পাবেন না, ভালের জন্য এই ফিক্স ক্রমন বিবাট সাম্প্রনা, তেমান ভবিষাতের স্থাশিশপীদের সামনে প্রেরণার মতো ডোলা দাক্ষরে এই ছবি। এক মহান প্রতিভাগ জাবনের উক্তাল মহেতি-পর্যাল, ভার চারতের বিভিন্ন বৈশিদ্যা বড় সান্দর করে চিত-পরিচালক তলে ধরেছেন इकिन हिटा किन्दु त्विनच्छेद्देनत्र हेर्पी-সপ্তাকে রাজনৈতিক উল্লেশ্যে ব্যবহার করা চিত্র-পরিচালকের শাভবাশ্বর ফল কিনা দে-বিষয়ে আমার সংশর থেকে বাছে। এবং এই ইহুদী-সন্তার উপর ভীর আলোকপড়ে कबवात भएत तर्रावन् म्होहेरनत गरेष यौगर-সম্বন্ধীয় উত্তি, "থাতাকৈ আমি দেবতা ব'লে ভাষতে পারি না: আমার কাছে তিনি পূর্ণ মানবভার প্রভীক," শিল্পী সম্বদেধ খ্র সংশ্রেষজ্ঞমক ধারণা জাগতে পারে যদি, আশ্বেশ্ত হয়। বরং ভালা লাগল ছবির

भाषि बाबवा का कार्याका (रनानिम क्रामी, वरातीय, क्रामिन व शादा Emplies) and man age; constant MINISTRAL WINESE THE PROPERTY. THE ST WAS CHAPT. CONTRACTOR OF THE PARTY OF

WHOM WE STORIE IN IT IT बक्के रूक के बाबन क्रिकेट स्थापन देन जारा क्याटक जिल्लाकाका छोत्र रेक्टलारम । केव আলাবার যে একটিনা সাক্ষারার সংক্রম নয়, कामा बाब लेक क्षीयमा वार्य हाय



कार्ष्ट्रंत बर्जनन्धेदेन

भविष्यान संक्षा करतहार । स्थीतरस्य হাসিমাৰে ভাৰাতে শিখেছিলেন কিভাবে, তা নিজেই উনি গল্প করেছেন, এট ছবিতে **দেখলায়**।

"বালিন বেকে সবে পারীতে এসেছি: বড় কাঁচা বরুস: সহজ্ঞান্ত এক সাফলোত ভঞা আমার সামনে ধরা আছে দেখে ইতস্তত করবার প্রস্তাতিট্রুও তথন ছিল না আহার। নিজের উপরে বেজন সম্ভূন্ট ছিলাম না, অন্য **কা**রো উপরেও না। বেলিকে তাকাই, নিরাশা। বন্তক আত্রি ভালবাসভান, আমার প্রতি **ভাকেপত লে করত** না। দিন এনে দিল খেলেও কাটত না; কোনদিন বা একখালা আশ্বার খেরে পিডিরক্ষে করতে হত। খল বাড়ছিল। চার্রাদকে শংশ্ অদ্ধকার। এ **ফর্নিন রেখে ফি লা**ড? জীবনের বৃদ্ধ থেকে নিজেকৈ মাছে কেললে ক্ষেমন হ'ব : নিজেকে নিশিচ্ছ করবার প্রবাদ বিষ্ণা ধ্লাম, স্থানকর হরে উঠল আমার

रमहेराव ः चारंतः स्थवारमः वर्षामानगोहेमस्य ः चामकरसस्य सन्ते।। स्रीयमकः चयवः चामक क्रवांन दानाकत्। अर्कानन नकारन क्रम स्टब्स de con me un ala min min wife? CON AGE SPECE ME TIME un fem mining formation thank of THE THE SECTION WITH THE MAN WHEN MEN CONCER WHEN I OF THE REST AND PORT OF with forms where the star start the ECT PURE CHEM SIN CH MENTER বুলা, প্রতি মুহাতে নার মুশান্তর আছে। প্রভাব শেরেও আমি কিনের অনেকার क्रिकास जायी हव वाटन ? ब-दे एटा गाया..."

> क्षेत्र कृतिन महे हैन वरश्राहम, महाश्रव ফিন আনে বইকি। তারা না এলে জীবন ছে বিশ্বাস ঠেকত। কিন্তু দঃবের মধ্যেও সুস উবে বার না সবট্ক : আর-এক সং महे मृत्यता मार्थी शाम क्या मार्थी. ल-संका वका ठरन ..."

> ভারতে সুখা বাহিনস্টাইন ছাসতে হাসতেই পৃথিবী ছেডে নেতে প্রবেন আশা রাখেন। "আগার গিলেতিক দিরে ছেলে-খানাৰের মতে: এক অংশীকার করিরে মিয়েছি " উনি কলেছেন। "বদি মরবার जबब शत बाह्यका ना कति गीर माथा है। छा राया भारत, यथार सकारिकामत माला লের হস্তার ছার পার হার হাই, আমার শাহিতর জনা বাজানো হর যেন-প্রয়োজন হলে গ্রামোফেল রেকর্ডেও—শুরুবর এর कुइए १३ हेन् ति स्थारक ज्यान्तरास्ट जरशहि। মারা বাবার আন্দার বছর উনি এটি লিখে গিয়েছেন। আমার কাছে এটি হল পরলেকে শালিতর সলের প্রবেশের ছাড়পর। ওটি স্ফল মনে হয়, মৃত্যুশ্যা প্যদিত আমি সংখী ছেত্রে বেডে পারব---" এবং ফিলেম রাবিন-ভাতন বখন এই বাজনাটি আমাদের শোনান, অনুমানের সময়ের বিরাট এক শিল্পীর অন্তরের কল ভার মধ্যে পরিপ্রই করে আন্তেশ্য প্রশানিতর ভাগ্যা স্থানিকা

> > প্ৰৱীন্তুলাঘ নুখে।পাধাার





वृक्षित रेख्वा ष्टालाम शृष्ट आधूर्तिकवाव क्वाँया अत प्रय

सङ्क्र ३ एकएरक

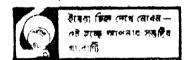
ইরেয়া গেলাসন্তলি আপনায় দৈর্ঘশির জীয়রে সৌন্দর্য্য এরে দেবে। নির্মৃত গেলাসন্তলি বিভিন্নকাশ্য হারী পাক্ষা সতে ও ডিজাইরে পাওৱা হার। বেরাসের বারওজি অতি মসুদ এবং প্রতিদিবের বাবহারের চোটদাপটেও কাটল বার বা বেরী আ ক'রে ইবেরা গেলাস (बाइ तिस-वि:गामार गवाप (महा १

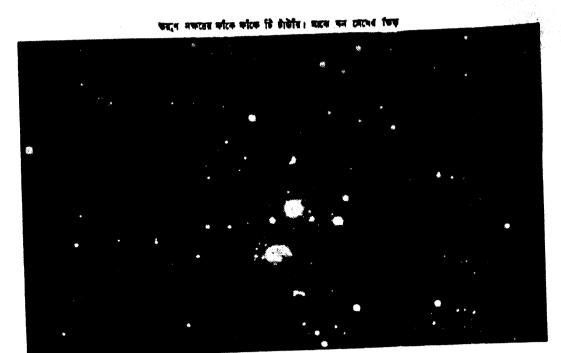
मुख्यकरमञ् जैनलरकत स्वा समावनहे देखना कारम्य सिविन



আগবেদিক মাস **ইভান্ট্রিক লিমিটেড, বরোলা-ত।**

দ্ৰারক্তে সূর্যুত্ব সম্পূর্ণ স্বরংচারিত ক্রাঞ্চ





हि हेक्टिब

মহাক্শে শুৰু আমাদের নক্ত र्शी बनारकर नव, बावक गरव राम्ब নক্ষর মন্ডলের মধার ওরা বিচরণ করছে। ৰড বড় আলোক পিন্ডের মধ্যে ভারা বেন जर्किन्छ **जारम क** विन्त्। नाक्य कशरण्ड ৰাভাস এবং মেখের ছাকে ফাকে অব রিভ ঐ আলোক বিশ্যু আক্সকের জ্যোতি-বিজ্ঞানীর কাছে এক বিরাট জিজ্ঞাসা। রীতিমত এক রুংসা। আকারে ওরা অনেক रकार्छ। संबद्ध वेण्डारमा स्थम नक्रारकश হার মানার। দেওরালির আকাশে জনলে ওঠা **উল্ল**াল বাজির চার পালে ছোট ছোট স্ফুলিপোর মত ছড়ান ঐ আলোক বিন্দ্ गृति सक्त विख्यानीरमञ्जू भटन হছেন্ট THE ! কৌত্তল माध्ये करवर्षाः অবিক্তারের কহিনী এই তোসেদিনের। প্রধান প্রকাশ ১৯৪৫-এ। ঐ বছর অনুস্থে ফিছিকাল জানেলা নামে বিজ্ঞান পৱে বিশ্বখাত ছোতিবিস্তানী আলফেড এইচ পদ্ম প্রথম উল্লেখ করলেন তাদের অদিওক্ষের কথা। তার বঙ্কা, আমাদের নক্ত জগাতই তিনি তর্ণ নক্তের স্থান পেরেছেন। মহাকাশের স্তিক্াগারে ওরা मबीटनंद मन। विवर्धानंद भ्रद्धा मिल्ह श्र्यक ব্যাই একদিন ৰূপাল্ডয়িত হবে বিবাট এক बकारे रक्षाणिएक। क्यारे। ठिक के म्हर्फ কারোর কারোর কাছে অভিন্যাস। বা প্রচন্ড বাৰীয়ে মন্ত মনে হলেও এই ঘটনার মত্র



লশ বছরের মধ্যেই আবিশ্চার হরে থেল চি
টাউরি নক্ষয়। জানা হরে গেল, আমাদের
চার পালে এই নক্ষয় জগতেও নতুন
ভারারা জন্মলাভ করে চলেছে। টি টাউরিরা
ওলের সমগোটীর। এক ক্ষার ভারাই নতুল
ভারার লল। ঐ আলোক বিন্দাই এক একটি
চি টাউরি। ভাব চিরস্পারী নর।

বশ্চুত মাত্র পাচিল বছর আগেও
বিজ্ঞানীদের কাছে স্মের্ আকালের যুক্তে
লত প্রকানকগুকে মনে হও কতকগুলি
বাপাছাত্র এবং বিক্ষেণতভবে ছড়ান
আলাকপিন্ড। তানের পারশ্যবিক সম্পর্ক অধার প্রকৃত কর্মে সম্পর্কে ব্যুব কর্ম
কথাই তার জানতে পেরেছিলেন। আধুনিক
পার্কেশ প্রনো দিনের সেই অস্পর্টভাবে
বেশ ধানিকটা গ্রু করতে পেরেছে। খোটামুটিভাবে জানা সম্ভব ছরেছে আভাশ
চিত্রের মূল কাঠমে। সেই সম্প্রে নক্ষর
জগতের স্থিত তত্তের কলা।

সে কাহিনীরও জন্মকাল সম্প্রবত ভারত বছরও নয়। একটি নক্ষয়ের অভ বোন আলো অথবা উত্তাপের উৎস কে.থ.য়? এই জিজাসারই উত্তর অবিধ্কার কৰতে সিয়ে ধৰা পড়ল ভাৰ স্বৰূপ এবং 🕶 ইডিহাসের কথা। ধানা পেল 🗟 আলো এবং অবারিত উত্তাপ শরির উৎস হাইছ্রেছেন। ভাপ-পারমাণবিক পর্যাততে निवास रमस्यात गारेकारकन 1 প্রিবতি ত 200 STORE ! বেবিৰে त्रघट এই তুপাল্ডরের আসহে প্রতি এক গ্রাম হাইড্রোকেন स्थारक अरक रक जिंद **एत राक्याद रक** हि नदन উত্তাপ দক্ষি: হিসাবটা হৈরি করা হরেছে श्वरणा मृदर्वत छेलद लघाटकन जानाता জানা গেছে স্বে' প্রতি সেকেন্ডে সম্বর্গ কোটি টন হ ইড্রোজেন প্রড়ে চলেছে। আর এইভাবে য'দ চলতে ধাকে তাহলে ভার সমুল্ভ হাইড্রোজনের সূঞ্চয় শেষ হতে সুমুদ্ লাগ্যবৈ প্রায় একল কোটি বছর। অ র সমস্ত নক্ষ্যারা সূরেরি থেকেও পণ্ডাল কি একল গ্লে বড় ভাদের সম্প্রে একটি চমকপ্রদ তথা আবিশ্কার করেছেন বিজ্ঞানীর। এবা লক্ষ্য করেছেন দানবাকৃতি এই নক্ষথ-গুলির সাঁপত হাইছোজেন অভাত দুতে লারে প্রেড় চলেছে। স্বের্য প্রতি সেকে "ড ৰতটা হাইছে জেন পোড়ে তার দল **লক্ষ** গুলেরও বেশী। ফেন বত তাড়তড়ি সম্ভব ক্রিজনের নিঃশেষিত করে মাতাব দিকে ছाटो हरण है। उदन ७ धत्रत्मत सकता जनका হাইছোজেন ভাপ-পারমণবিক প্রক্রিয়া অংশ গ্রহণ করে প্রেড় দেব হয়ে বর না। रबग्रेकु बात खान श्रीन्यान चार्शाकार करा। অবশেষে তারা অন্যান্য নক্ষয়ের ভুলনায় ক্ষ সময়ের মধোই একদিন প্রেরাপ্রি বিলাপ্ত হরে হর। এদের তলনায় ক্ষাদ্রতর নক্ষাত্র क्षीयनकाल आतक (दणी। योग्य लाइस একটি সঠিক সীমা আছে। একদিন তাদেরও ৰুকে মৃত্যুর শীতল স্পূৰ্ণ অনিবাৰ স্বীপ-লিখাটি নিভিয়ে দেব।

জ্যোতিৰি জানীদের বছৰা, সমূহত নক্ষ্য-क्लाटकर अकियाराटक दसके वस सकत

করছে। দেখা গোছ বড়বড় कुर्ग लाख নকরের চারপাশে এই শিশ্ Br8 . 7 তারকাদের ভিড়। আর সব চাইতে লক্ষণীয় বেখানেই এরা ভিড করে থাকে সেখানে মহাজাগতিক বাডাস বা ধ্লিকবারও मभारवन रमभा बाहा। खाश-निक प्रक्रवान : अई वालात या श्रीलकनाई समाहे त्यात नानि गास भाष form. মক্তা ৷

ত্ত একটি গাছত ভাষেত্ৰ WT3 পাল ভিন্ত। আরে একটি হয়েছে নক্ষর জগতে অতদত ক্রিন জলগ। शक शहरतह कणिका निकाण करता। को कणिका দ্বতান্থ,ত'ভাৰে বিভাগিত হয়ে স্থাতি লগে तम तकीर मकत-कना। करव बम्म तकक कांगकात कांग्लिक मा गएक' संबाद्य क्षताय वा मांच रक्षमा किया शावता मात्र मि।

विप्रकिति विर क्र-

व्यापतात भविवादतत हाउँ अ नृष्टित सता।

একে গ্রন্থ জীবনী শক্তি জাছে এবং এটি সহজে রক্তম হয়। विदेशका विक मुख बाँकि प्रत्यत वेदकृत-वेशामामकामान बाधायन शाबीय नेवार्ड नेविनक करब-वारक लक्ष्य बाग्र मुना, क्रिकेशिय क खाइँब चारकः। महत्व गविनारकः अञ्च अरक्त (प्रक्रकाकीय नकार्य कार किर्य त्त्व-क्रांत्वरु कवा श्रावत्व । शविकात्वर आवार्कतीय शूमिक क्षम् वृत्र क्रम बन्छात्र (रह्यारका जिक्र कुरु चालर्ज नामीत्र । चाक्र (बाक्र्ये (बहुएका किन्द्र कुछ बाजबाएक तुक कक्षत्र ।



১৯৪०-**व जालदा**छ वरेह जब बाउँ-रे िटेकामन अवर भारताबाद आनवीन्त्रद स्वटक विश्वा श्रामक क्षान्त्रील नकरत्व छेन्द्र भव रक्षारणव काक महत्र करतम। आमय वना চৰ ভোৰতেৰৰ শীৰ বা পৰিবৰ্তনশীল ন্ত্ৰা সাধাৰণ ভাৱার বেমন কভক্স,লি निर्विष्ठे देविष्यको दहादय शरक, दबसम मिठेक উন্ধান্ত প্ৰতিপৰ প্ৰভতি পৰিবৰ্তনশীল এই নক্ষ্যালির মধ্যে তেমন रकाम निर्मित्ते १८न कारच नाम अत এদের নাম রাব্দেন চি টাউরি। আর **अवठाहेरछ मजाड व्यागाय, अस्पत्र मृन्यु स्मरे** क्षकृत्व कार्य भएक स्थापन मकून नक्क बन्य इत्यः मण्डवः व्यक्षीर विवास्तरे नक्त জগতের ঘনীভত মেঘ বা বাস্প দেখা বার जावते करिक करिक करते बद्धे वि वेक्शिवन বিদ্যু বিদ্যু মুখ। তারা ভিড় করে থাকে क्रम क्रमी व्याप्त क्रमा निकास খিরে। হরত বা হরবভী পথে খ্রে বেড়ানর সময় ঐ বড় নক্ষ্যটির মাধ্যাক্ষণের টানের মধ্যে তারা ধরা পড়ে বার। সূর্যের কাছ বরাবর যে সমস্ত টি টাউরি রয়েছে ভাদের উপস্প পর্যাবেক্ষণ চালিয়ে মহাকাশে মোটাম টিভাৰে কি হাবে এরা জন্মার সেটাও জানা সম্ভব হয়েছে। সাধারণ ভারার মত किहा किहा চরিত্র হলেও অস্ব্যান্ডাবিকভাও ভাদেত মধ্যে চোৰে পড়ে। অনু বেশির ভাগ সময় এরা ভিড করে ধ্যক দুত জনলৈ যাওয়া অতানত উল্লেখন ञ्चल्लभ्स् सी दकान नक्काटक चिद्धः अदस्य खाइएटन अवर खेण्डान्ता मिट्य मेटन दन अनी _{বয়সে} অভ্যানত নবীন। কেন, সে কথা প্রিকার করার আগে নক্ষতের জন্মের উপর সর্বাধ্নিক তত্ত্তি একটা সংক্ষেপে चारलाहना करत् निहै।

ধর্ন স্থেরি ষতটা ভর ঠিক कड़िंग ভরের ধ্লো এবং বাতাস একটি 200 হৈরির কা**জ শ্রু করে** দিল। ভর এক হলেও হাক্ষা এই ধ্রেলা-বাতাস নক্ষর জগতের মধ্যে সুর্যের থেকে আনক বেশী ছায়গা ৯,ডে অবস্থান করবে। সেই সংশা मुन्धि कंदरव विदाधे এकिछ प्रनिदा ननी या সম্দ্রের ব্যকে ঘ্ণির কেন্দ্রে দিকে যেমন চার পাশের জল ছুটো আনে, ঠিক তেমনি ভাবে সংই ধালো-বাভাসের ঘ্ণির কেন্দের দৈকে ছাটে আসে চারপাশের আরও বালো, আরও বাতাস। ছ্রির প্রচণ্ড চালে সেই বাতাস জমাট ৰাধ্যতে আকে ৷ বহু দূৰে বিশ্চত সেই ধালো-বাতাসের মেঘ ক্রমে সংকৃচিত হয়। ছার্শার ব্যাসটা ভগন দড়িয় আমাদের সৌরম-ডলের বাংসের অন্র প তাপমাল্লা বাড়লে তথনও তও গরম নর। চেহারটা ভার এক খণ্ড কালো মেঘের মত। चात्र त्नरे त्राच का का करत चाद्र ठरणाए। ं दिन अरे मस्तर माधाकवंदनत हाटन स्टेंग्ड



काराभृत्य नकतभारतात गरमा वि केकिसितास जीव किए पिरात राभान स्टारस

ঐ বেৰ আরও সম্কুচিত হরে পড়ে। এই
সম্কোচনের ফলে বে প্রচণ্ড পরি নিগত
ইয় সেই পরি উরাপ স্পিট না করে
হাইড্রোজেন অপ্দের চেন্ডেগ পরমাণ্ট তৈরি
করে এবং সেই সপো অরন। করে মেবের
আভাস্তরীণ চাপ এত কমে বার বে
ভার বাইরের তলের বাভাস বা হুপো
সরেগে কেন্দ্রের দিকে ছুটে আসে এবং
সোরমণ্ডলের মত বিশ্চুত মেঘকে জ্লমাট বেবে স্থিট করে একটি বিরট পোলক।
এই গোলকটির বাাস স্বে থেকে প্রার ব্রব প্রচর স্বাররের সমান। অর্থাৎ স্কুবের চেরে

এবার সমুস্ত বৃদ্ত কণিকা মাধ্যাকর্বপের জ্বিন আপনা খেকেই এগোতে **খাকে কেন্দ্রের** নিকে। এ ব্যাপারটা চলে প্রায় ছয় মাস। चार्यामाच रायाम ग्रामा यथन स्टामकन यक উত্তাপ এবং চাপের স্মৃদ্টি হয় তখন এই ছাটে আসাটাও বাব হরে বার। বিরাজ করে একটি সাম্য অবস্থাঃ অর্থাৎ নক্ষ্য স্ভিট্র জনো বে ধরনের বৃশ্তুকণা বা বে ধ্রনের অবস্থার প্রয়োজন সেটা তৈরির কাজ প্রোপ্রি শেব। আর তব্দই भौतन्कात अकि भिना नकरात मूच कर्ष ওঠে আকাশের ব্যকে। জন্ম গ্রহণ করে একটি নবীন নক্ষর। এই সময়ে এর তাপ-মাতা থাকে প্রায় চার হাজার ডিগ্রি কেলভিন। উল্জনলো সর্যের থেকেও প্রায় একল গণে বেশী। নক্ষ**ের জন্ম সম্পর্কে** .05 ৰ্যাপাৰ্টট প্ৰথম লক্ষ্য করেন নিউইয়কের গড়াড়া ইনস্টিটিউট ফর শেশ স্টাডিজ-এর অনাতম গবেষক এ জি ডব্ল নক্ষের জন্মের তাঁর এই ব্যাখ্যাটিকে পরে खनारभाषमः करतम किरहारके विश्वविमानिः इद দক্ষন বিশ্বখাত বিজ্ঞানী চুসিরো হারাসি धदर हि नाकाटना।

ঠিক এই ধরনের একটি ঘটনা সাঁতা সাঁতাই প্রভাক্ষ করার সোভাগা হরেছিল এফদল বিজ্ঞানীর। ১১০৬-এ ওরিরন বা কালগুরুব নক্তপুরের মধ্যে ধুলো এবং

বাতাস ধনীত্ত হয়ে হঠাং একটি নক্তৰে
কুটে উঠতে দেখা যায়। নক্তাটির নাম রাজ্য
হরেছে এক ইউ প্রিয়ন। অবশ্য এ কথা
ঠিক, এই একটি মায় উদাহরণ ব্যুক্ত
হরেছে হদৰ প্রদান কর্ত্বেশ পদ্ম করা ক্ষেত্রে
পারে রা। এর ক্ষান্য ক্ষান্তত আছেও একটি
সক্ষয়ের ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষান্তর
করতে হতে। আর নেই নক্তাতে ব্যান্তর
করতে হতে আরও বেশি ক্ষান্ত্রিক
সক্ষয়াতির সাহারে।

बाहे ट्याक. करम्बत नव निग्द संस्कृति की मना আৰুও সম্কৃতিত হতে থাকে। ভার উক্তরোও লবে হাস পার। হারালির মতে, তথ্য ভার কেন্দ্রের মধ্যে যে উল্লেখ স্তুতি হতে বাকে পরিচালন পশ্চিতে জ बाहेरतन मिरक क्रीनरत बात क्या बाहरतन ভাগমালা মোটাম্টি একই অক্ৰায় স্থাপ্ত क्षणे करता चारानास मान्कास्त्रत करण কেন্দ্রের তাপমাত্রা দাঁভার এক কোটি ভিত্তি ফেলভিনের মত। নক্ষতের শক্তির স্বৰ্জন অনাত্য উৎস হট্র দক্তির হাইছো-তাপ-পারমাণবিক ম্বতঃস্ফৃতভাবে তখন চলতে খাৰে হাইছোজেন থেকে হিলিয়ানের ভ্রশান্তর। সেই মণে প্রচন্ড উত্তাপ বা আরও বিভিন্ন ধরনের বিকিব্রণ শক্তির আবিভাব। 🐠 সময়ে সন্কোচনও যায় কর ছয়ে। নক্ষ্য ভর্মন পরিপর্ণতা পার। এটা সম্পূর্ণ হতে স্বেরি মত একটি নক্তের সময় লাগে প্রায় পাঁচ কোটি বছর। ছার বড় নক্তের ক্ষেত্র এই সময় অনেক কম। উদাহরণ স্বর্প বলাচলে সংবের চেরে তিরিল গুল বড় একটি নক্ষ্য তিরিশ হাজার বছরের মধ্যেই সম্পেকাচনের কার্জটি সেরে নিরে পরি-পূর্ণতা পেরে যার।

অতি আধ্নিক ৰত্মগাঁতি এবং বন্ধগণকের সাহাবে৷ ছোট বড় নানান ধরনেব
নক্ষ্য বি ভাবে তৈরি হতে ধাকে, সেই সম্বে
তাদের ক্রমান্বর গাঠনিক পরিবর্তন,
অবশেবে একটি নির্দিণ্ট আরজনে
রুণান্ডরিত হরে বাওরা, নির্মান্ডভাবে ক্রম্ব



खावाट शवाह्य विभी त्य स्पान्त काव्यक्षिण प्रश्वेत क्ष्मित्र या विद्यो क्ष्मित्र सिसिकी

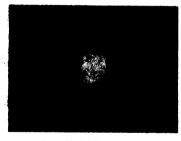


আনেক বেশী লোক ওর ওপর আরাম করে, আনেক বেশী ছেলেমেরের। ওর ওপর লক্ষরুল্প করে, আনেক বেশী বেড়াল ওর ওপর উটি'স্টি মেরে ব'সে থাকে—বান্তবিক, আনেক বেশী লোক অস্ত কিছুর চাইতে ভি সি এম এর তৈরী আসবাবের আবরণীর কাপড়ই পছন্দ করেন। কারণগুলি সোজা নয়: বর সাজাবার ক্যাভি সি এম-এর তৈরী অতি চমৎকার চমৎকার ও উদ্দেশ রকমারি জ্যাকার্ড ও ভবি পাটোরে আসবাবের আবরণীর কাপড় এবং ছাপানো ও রঙীন পর্যার কাপড় অভি স্থবিধেমত লামে পাওরা বার। আজ্ব দেখে আস্ক্র। কারাই নিজের বরে ওর ওপর ব'সে আরাম করতে পারবেন ! অনেক কিছ্ই আছা হিসেব করে বের করা সভ্তব হরেছে। এ থেকে বে কোন নক্ষরের বরস কড় কেটা জেনে নেওরা আজকের দিনে হবে বস্তু একটা কঠিন ব্যাপার নব।

আর এই হিসেব হও পরীক্ষা করেই
দেখা গৈছে পরিবর্তনাশীল টি টাউরি
নক্ষ্রণালি এখন ভালের শৈশার অবস্থাতে
পড়ে ররেছে। অর্থাৎ এখনও ভালের
সংক্ষাচনের পালা শেষ হয় নি। সেই সংগ্য হাইন্ডোকেন প্রেড় নগণা পরিমাণ শভিই
ভালের মধ্যে তৈরি হয়ে চলেছে। মনে হয়
বেন এই সবে ভালের ক্ষার হল। নাক্ষ্য ক্ষাতের বস্তু এই মার ক্ষমাট বেংঁথে ক্ষারিক শিখাটি ভ্রালিরে দিরে গেল। এই নব ভাতকের অবস্থা এখন ক্ষমাট মেম এবং
হাইন্ডোভেন চুলির মত আমাদের স্ব্রের

ইতিমধ্যে জ্যোতিবিজ্ঞানীরা ঔক্ষাল, অবেডন ভাপমানা অবস্থান প্রভতির কথা চিত্তা করে বিভিন্ন নক্ষচদের নিয়ে নানা বহুমের ছক একে **ফেলেছেন**। ക്ഷ ക്ഷ कारएवं नक्कारक १८८४ वाथा शरहरू वर्ष একটি ছকের মধ্যে। ১৯৪**৫-এ জন্ম প্রথ**ম লক্ষ্য করেন টি টাউরিরা এমন একটি জায়গা ভাডে অব**ম্থান করছে বে অঞ্চলে** সাধারণ নক্ষর নেই বললেই চলে। সে সমর অন্ন বিজ্ঞানীয়া এ ব্যাপারে স্থানিকটা উপেকাই প্রকাশ করেছিলেন। তাদের ধারণা এটি একটি নিছ**ক ব্যতিক্রমঃ কিন্ত** ১৯৫०७ करतन्त्र विषयिक्यालसम् हे हे সল্টপিটার হিসেব কবে প্রমাণ করলেন স্তিটে এব: পরিবর্তনশীল নকর। ইতি-মধ্যে আরও করেকজন প্রখ্যাত জ্যোতি-বিজ্ঞানী, বাঁদের মধ্যে রয়েছেন মেক্সিকোর গ্রেইলারমো হারো, সোভিয়েত বেশের এম দোলদাস এবং ইন্সোনেশিয়ার পিক-সিন বর্ণালী বিজ্ঞানের সাহাব্যে টি টাউরির অনাস্থানের কাজে। কোনে যান। আপাড্ড এক হাজারের কিছু বেশি সংখক এ ধরনের নক্ষতের সন্ধান পাওয়া গেছে। সেই সংগা অন্সন্ধান চালান হচ্ছে ভালের বিচিত্র চরিতের রহস্য উস্থাটনে।

জানা গেছে টি টাউরি নক্ষরের বাইরের
দতরটি সাধারণ তারার চেরে অনেক বেশি
সঙ্গির, উল্ভাল এবং জনাট। এই অক্ষল থেকে প্রতি মৃত্তুতে নিজের দেহ থেকে বেশ কিছা পরিমাশ বন্দু কণা সবেশা এরা মহাশ্নোর দিকে ছুড্ছ দিছে। দ্রের, ভাদের মাধাকর্ষণ টানেরও বাইরে। ক্যাল-ফোনিয়ার বার্কলে বিশ্ববিদ্যালয়ের বিজ্ঞানী এল ভি কুছির মতে বিবর্তনের অভ্যন্ত সঙ্গির অবন্ধার প্রতি ভিন কোটি বছরে এক একটি টি টাউরি ভার কেই থেকে বহুটা পদার্থ বাইরের জনতে ছুড্ছ দের ভার প্রিমাশ আমাধের সুথের মত। একং একটি



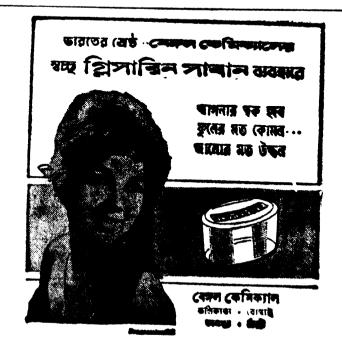
निन्द् कि शिकेवित सम्ब दव

পূৰ্ণ নক্ষতে পৰিপত হওৱাৰ মহাত প্ৰশ্ৰ ভাৰ মূল ভৱেৰ প্ৰাৰ তিন ভাগেৰ ঞ্জ ভাগ ভব সে হারিবে ফেলে: এ ছাজ धरे नक्रशानित केन्द्रना जावादन नक्ट्रब মত কোন নিয়ম মেনে পরিবভিতি হয় না। क्यम छ क्रायक धन्ते। धन्त्र होता हाराष्ट्र বার। কখনও বা বছরের পর পর একট উল্ভান্ততা নিয়ে অবন্ধান করে। ভবে জার্মান জ্যোতিবিজ্ঞানী কুনো হফ্সিস্টার-কিছ কিছ টি টাউরির উজ্জালতার হাস-বান্ধর মধ্যে একটি নির্মায়ত সম্পর্ক দেখতে পেরেছেন। এ'র বস্তবা এই ভারাগালির কোন অংশ অভ্যাত কোনী সভিছ। ফলে সেখানকার হাইড্রোজেন অভি ৪.৬ शहर हरम धर कार्रगाहि खर्मकाकृष्ट कर र्मोक्स अक्षम स्थापक अदनक दननी केन्स्राम দেখার। টি টাউরি ভাদের **অক্ষের চারপারে**শ আবর্তন করে চলেছে। বার আবর্তন-বেশ্ব

বেশী, ভার ব্রক্তর ঐ উন্সন্ধানন অংশটি
কালা সমার পর পার আমাবের চোণে এলে
পরে। থানা মনে হর এই ব্রিব ভারটি
অভান্ত উন্সনে হরে উলো। ভারপারই কিকে
হরে ধেলা। নে-সালত নকরের গতিবের কম
ভানের গিঠের ঐ উন্সন্ধানন অংশটি
একারে দেখা বিরেই অব্লা হরে মার।
আবার চোণের সামনে ভেলে এঠে দীর্ঘ সমার
পর। উন্সন্ধানর এই ছালব্নিয়া বেবে
বিভিন্ন টি টার্টারর কোনটি কভ বেলে ম্বর্জ্যেই
ভা মানা কল্পন হরেছেই।

ত্বে কি স্টেরি ক্লাকে ব্যাক্তকর
আনিকারকি করেছেল আর্থানির কার্ট
হাপার। এই সমস্ত নকরের ক্ষেয় তিনি
প্রকৃত পরিষাল লিখিয়ার থাড়ুর উপান্দিতি
আবিকার করেন। পরে যাউট উইলসন
এবং পারলোকার বান্দিনিরের হ্কান বিজ্ঞানী
ভারু কে ব্যানসাক এবং হেসে এল
ভিন্নতাইন ক্লালীর সাহাব্যে প্রতীক্ষা করে
দেক্তেন এই লিখিয়ানের পরিয়াণ স্বেশ্ব
আব্যাক্তামন্তরের লিখিয়ার ক্ষেত্র আনি
ভারত করা লাভার বেশ্বী।

আন্তরের স্ব' একটি মধ্যক্ত নকর।
আন্ত সেকে প্রায় পকাশ কোটি করে আলে
এক সমরে ভাবেক এই টি টার্টীর দশার
মধ্য কিরে প্রে' নক্তর্যাধ্যকরে দিকে
এগিয়ে জাসতে হরেছিল। সমস্ত শ্যারী
নক্তরেই কোন না কোন সময়ে পরিবর্তানলাল ঐ টি টার্টারে অক্যার মধ্য দিরেই
বিবর্তিত হয়েছ হয়। বিজ্ঞানীয়ের মুন্ প্রন্থ



স্থা কি এখনও তার সেই বাল্য অবস্থার
স্থাতি মনে করতে পারে? হয়ত পারে।
স্থোর বাইরের স্তারের কার্যাবলী লক্ষ
করলে মনে হয় টি টাউরির অপপন্ট চিছ
ভাক্ত বেন সে করে নিরে চলেছে। প্রবল
কড়ের দর্শ আজও বে বস্তুকশা স্থোর
ব্রু থেকে মহাকাশে ছুটে বার, তুলনার
অত্যান্ত নগণ হলেও মনে হয় টি টাউরিরই

মূল চারত ক্ষিকে হয়ে আকও ভার মধ্যে নিশে ব্যৱতে।

কিন্তু আরও একটি প্রদা টি টাউরিই ববি বিবতনের মধ্য বিরে আমানের স্থেত্ত ব্লোল্ডরিত হরে থাকে তা হলে সেই অতিবিক বিভিন্নম গেল কোষার? প্রচালত অতিবতঃ স্বেরি প্রতীরে প্রেটন ক্লিকার আবহত খেলির ভাষ লিভিন্নমট কর র্পাণতরিক হয়ে গোছে হিলিরারে।
মহারাগতিক জন্ম বা বাজাসের উপর পারমাণীক প্রক্রিয়ার নক্ষয় স্থিতির আদি বাগে এই লিখিয়াম তৈরি হয়ে বাকে।

১৯৬৬তে মৌরকোর জ্যোতিপাদার্থ বিজ্ঞানী ইউজেনিও ই মেনগোজা জ্যারিজোনা বিশ্ববিদ্যালয় থেকে গবেষণা চালিরে টি টাউরি থেকে আগভ প্রচাক

य छित औन्नर्या श्रस ऋष-ऋष ऋष ताती सत त्र छित छित्वाचि छित्री कियाद्मीत छित छे९शामत

ম পূৰ্বের রঙ পরিকার আর উম্মুল রাক্ষার উপায় কী ?

 २। 'सांक्रिक बन्यराज्यात' सूच्य मोक्यां क्यांड डायराड केनाड की ?

রোরখার মোর হোছা, গরব হাজা ও জ্বনের কর্মনা রাজান বাট্টা— বাগনার খনের বাজানিক জৈলা বাছ জিবল বার বিবাহ করে বারার করে

অ সন্মিই কোনো বালকা পাউভার বেম আন্তে প

निकारे चारह | क्रियामा कार्निया कीय । नामदक्त यक संस्कृत मुख्यक मात्रा । यायक नादव स्टब्स्ट सुर्ख ---नाकेक्ष बंदर वारत क्षेत्र पर करें। चार, चान्त्राव क्ष होत्र बंदर वारत क्षेत्र पर करें। चार, चान्त्राव क्ष होत्र बंदर चारता क्षम्य, चारक हम्बर ह



वितासूरला माभाव वसवा

ৰে. কে. হেলেন কাৰ্টিস-এর কৈ**ন্টা**

दिलत विकेश

পরিমাণ অবলোহিত রিলিয় বিভিন্নপ আবিশ্বার করেছে। বলা হরেছে নক্ষেত্রর চারপালে বে মের্থপালে থেকে বার, সেই তপত মেঘ বার তাপনাচা সাত প ডিয়ে কেলছিনের মড, সেখান থেকেই এই অবলোহিত রিলি বিভিন্ন হর তাহকে বলা চলে, থানিকটা মেঘ কমার্ট বেবে টি টাউরিছে পরিপত হওরায় পর অর্থানত যে অংশটি পড়ে থাকে সেখান থেকেই আসে এই বিভিন্নপ। এগালে বস্থান, একটিন স্বার্থির চারপালেও তিড় করে ছিল এফা ধরনের মেঘ। সাভ্যত উত্তরকালো সেই স্বার্থির প্রিমান ব্যার্থির স্থানে ব্যার্থির স্থানিকটা মে করেছিল এই বিভিন্নপ। এগালের বস্তুর্থ, একটিন স্বার্থির সাক্ষেত্রত উত্তরকালো সেই স্বার্থির প্রার্থির স্থানিক স্থান সাক্ষেত্রত উত্তরকালো সেই স্বার্থির প্রার্থির স্থানিক স্থানিক অবলে একটিভার স্থানিক স্থান

সম্প্ৰতি কালিকেলীন'ছা উনস্থিতিউট প্ৰথ रहेक्ट्रमान्नाक्षत्र मान्यस विस्नामी हे हे त्यक्तिस তবং জি নিউজেবর ক্লেপ্রেম নক্ষ্পাঞ্জেপ একটি বিস্তৃত বেষমালা লক্ষ্য এটি ক্রেই প্রচল্ড আৰম্ভানের মধ্য দিয়ে ভ্যাট বেবি চলেছে। সেই সংগা বিভারত হুবাভ জনালাহিছ বৃণিয়। करकरें वि টাটবিরই মার্চ। আর্ডনে এই মেখনালা रगत्यां द तहरत द्वाल स्टब्स्स स्टब्स्स व्याप्त वर्षा হাজাসি এবং নাকালো হিসেব করে দেখেছেন মেৰ আগামী কৃত্তি বছরের মধোই ক্ষাবত জয়াট বেখে একটি স্থান নক্ষা ৰ পাণ্ডবিত করে বাবে। জেগডিবিজিন্দ এই সময়তি মিতাৰত সংক্ষিপতঃ দে**পতে দেপতি** कड़े कुछ रहत **रक्ट रक्ट** सहस्र। क्षेत्रिके बादगार्व शकारका मन्यान्रकान क्षेत्राम ররসভ্যক ক্ষেপ্তের **দিকে। সেই সংশ্র** িস্বৰ একটন: কা**জ করে বাবে বল্যগণক**ঃ गृहै जगाकत शांधा अक हेके खीतका अब बर्बे करता ५५८०० कहा हि केकेब्रिक व्यक्तिकार कर्य एवं वानान्डकावी घटेना नानि करें অংশনিকাত্য ভ∰ট ख:३-७ म्बर्वेकुरिंग् भारद ।

সমর্জিং কর

দা শনিষ্যার ও আর্টাবন বিশ্বস্থা বিজ্ঞান এ একটা ছাপার জুল খেকে গৈছে বি আন্দর্শন গভিষেপ কতা সভ্যমত আপনিত্র ছাটে চালালন সেকেল্ডে সাডে প্রিবিশ-মাইল গভিষেপে। একানে হবে একশ সাড়ে প্রিবিশ মাইল ১

Marine market of many William

जाजाजि व्या-विषता पृत कतात जता अक्याम 'ज्याञ्चट्या' रे भारेकाकारेत कता







নিয়োক একারের আপতি বজুন সাইকোকাইও আলাব্রো' বাবেন: যথা-কোন , হাবাবা-গা-বাবা-চু - থা-ক বাব - বাক্ত ব্যক্ত - বাক্তৰ -বাক্তবাৰ

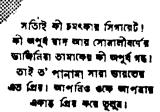
माजा: शास्त्रमण : श्रीके है।स्तरि । स्टब्स्ट श्रीके बारनः ।

নিত্তের জন্য:এনট টাবলট বা আগনার ভারারে নির্দেশ্য । নতুন নাইকোক্টিও 'জ্যাস্থ্যো' বাখা-বেক্সা চুর করার স্বীধূমিক উপায়।

নত্ন মাইক্রোকাইও ভাষ্যাস্ক্রের তাড়াতাড়ি ব্যধা-বেদনা হুর করে

निरकामाग-अव 😵 कि

जाता स्वत्त्व राविक (शराक् भावाप्रा

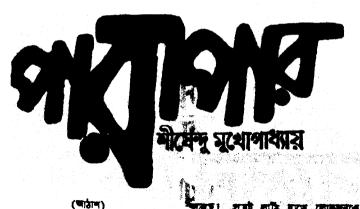




গোৰেল টোৰ্যাৰো কোং, প্ৰাইকেট লিঃ ৰোশাই-+৮

ভারতের এই ধরণের বৃহত্তদ স্বাভীয় উদ্বাদ

67 pp-673 Bee



ব সাতেক বাদে বিমানের বরখানা থালি।
হরে গোল। ভার বইগা ল নিরে গোল
লালিত, আর বাদনপচগালো কভার পারে
মুখ বোধে রাখা হল বাড়িওরলার বরে।
অপাগার প্রকশ্ভ মোটরগাড়িখানা বটভান র
অপাগার প্রকশভ মোটরগাড়িখানা বটভান র
অপাতা খোলা। বিমানের বিছান পার আর
বার পাড়ার লেকেরটে ধরাধরি কর তুলো
দিল গাড়িও। সা্বলকে ভীষণ বপত
ধ্যাছিল। ভার মুখ লাল চোধের পাতা
বার বর মেনে অসভে, হতবার অপাণার
দিকে ভাকাছে লে।

বইরের ব্যাক আর চৌকিটা পড়ে বইল।
অপশা বাড়িওরালার হাচে বকী ভাড়ার
টকা দিরে বললা—ও জিনিসগলো ইছে
করলে পরে যে ভড়াটিরা অাদ্যর তারা
বাবহার করতে পারে। নইলে আ্পনি বা
খণ্ডী করবেন।

বিমানকে মাকশান বেশ্ব প্রতির বসল ললিও অর র্মেন। তিরারিং হাইল ধ্রেছে অপ্রণা। পাড়ি ছাড়ার মার্ডের স্বেল জনলা। পিলে কাত্রে বলল-ললিওণা, দ্রকার হালে অমি স্থেপ বেডে পরি।

অপ্রা: দ্বিচ ঠেটি কামড়ক। শ্লিত মথা দেবড় জানাল—দরকর হ'ব মা:

একট্ হতাপা দেখা গেল স্কলের মুখে।
পাড়ার লোক শুড়ি করে পড়ি দেখছে।
দ্রুন্নের মাকখানে নিথর হরে বনে আছে
বিমন। সে অঞ্জল আর কিছাই টের পর
না। আকালে টই-টম্ব্র ভার মাখা। দিন
রাভ আকাশ-ভূব। ভাকে খ্ব রেগা
দেখাজিল। মাখার চুল খ্ব ছোটো করে
ছাটা। ভাল্র খানিকটা জাল চোছে কেলা
হরেছে, সেখনে একটা প্লেটিস্লাগানো।
দ্যটো কোটরগাভ চোখ খ্ল ভাল করে
ভালছে। আগে পগল হরে গোলে শাত

করেছ। প্রার্থ লাট্টি হাজে লোককানকে
ক্রেড়া নুকরত। বাতে বরজার প্রাক্তে বাতরে
ক্রেড়া নুকরত। বাতে বরজার নিশান্ত রাতে
গারে কড়া নে ড় চেটাত—টেলিপ্র ম.....
টেলিপ্রাম.....শাকুদের জিমনাসির মে গারে
পারালাল বার-এ উঠবার প্রণাপ চেনটা
করত মাবে ম বে। একাদন পেদাবিহাল
একটা ছেলে ভাকে বের কর দের, ভাকে
ইট দিরে ভাড়া করেছিল বিমান বিপ্রাল

ী এখন বিয়ান শাস্ত। কোনো অন্থিরতা ট্রেই, বিক্তু কেটরগত স্থানা অনেজনে চোধ মানে মানে চারপালে কী কেন বাঁকে বেড়কে। সে চিনতে পারছে না এরা কারা এবং কোধার নিয়ে বাছে ভাকে।

र्शान्टर स्व जात कींग्रे न्याः विमारनद

একখনা হাত কোলে টেনে নিজে ভার ওপর হাত রেখেছে সে। ঠাডে সেই হাত। খনছে। সে কোনো একটা সাক্ষায় কথা কাডে চইছিল অপলাকে। শহুছিল না।

গাড়ি চপতেই রমেন বিষ্ণানের কনের কাছে মাৰ এমে ভাকল—বিষ্ণান

বিমান নড়ক একট্ । উত্তর কিল নাই রামন বিমানের উত্তত মাধাটা হেলিয়ে কিল সাটোর পিছন বিমানের কেলা থেকা নিতি যেটে উঠক বিমানের কেলা থেকা ক্রেটালিয়ে ওঠা-নামা। বিমান করা বাত ত র ক্রেটালার বাত মাতে বিলা হাতের চেট্রেটাই বিমান করাত চার না, বেতে চার না। বানেই ওকা সাই বাত সাই করাত হাত সাই করাত সাই করাত হাত সাই করাত হাত সাই করাত হাত সাই করাত হাত সাই করাত সাই করাত হাত সাই করাত হাত সাই করাত হাত সাই করাত সাই ক

ললিত চোখ ফিরিরে নের। সে বাংগারটা ঠিক চোখ দেখতে পারছিল না। অপর্ণা আর বিমানের কত সংস্পর বোঝাপড়া ছিল! এখন এই সব বিরোগাল্ড দৃশা সে সই। করতে পারে না। কেননা, শাস্বতীর সংগ্যা তার ইতিমধ্যে চারবার দেখা হরেছে। বতক্ষণ শাস্বতীর সংগ্যা দেখাশোনা হর ততক্ষণ লালতের কিছাই মনে খাকে না। কিম্পুত রপরেই একটা গভীর শ্নেতার মধ্যে ভার মনে পড়ে একদিন—খ্যা লীগদীরই—তক্ষের বেতে হবে। বিমানের দি ক ভাবিরে ঐ রোগা মরেগির গলার মতো সর্ অর তেলচিটের মরলা-বদা গলা দেখে ভার মনে



इत अनकार अक्षेत्र इत्य क्रमान निरंत त्म

डिस क्रिस काटन जानिकाद आकरो किठि अत्मरकः। मर्शक्तिक किविः। निरंपरक-अधारम कारन देनीच कामम स्वर्धे। छाडे कामस्वर चंद कार विद्यामा प्रथम करत आहि। क्रामाना খ্লালেই পাহাত দেখা বার। একটা অন্তত ্উপত্যকা সামনে, ছোট নগী করে বাচে। रहराजीका हरारहे सभी रामीकात राप्ते बाता। अपि रवीधम काम बीमान कामि बीन किम

क्लकालाह जय करना त्याच हैराह करता। कराजाम करने करन आहाम कि। मानक केटराम बार्ड एरिक्टर सथम हात्रभागके थी भी ए क्यकाम । अवस्थ क्यक्ट मन्भके सामाजाट कराएक देशीय कथम है देश निरक्षाक चार का छाति। बद्धा वामि अपन करनकांगन प्रदेश मार्थिक विश्वाम करें। अक्टो अअगरम बाक्य। महीरक शंकन वारि छक भिश्वा शाहक कावात मेरेक कावात केका काव केवा मिटाकि आह सा । मक्कारक बाज बाकि जाहा गुभाव-अकवायक जाणीय अत्यादे जार्षि स्वादिक्ताम-को। कि सरहरू कथा महत्र शहस्त मा। क्यांनियो, जस्तिक शहस्त्व? मन्द्रम शहस्त्रीत महर स्थलक द

angeria North-



ब्रही कृषिकीची हार, कारफा कान गीव, मार, एकक-कि महिला क्षात् । अर्थाः क्षा क्ष



12.44.40、1000年的中央企业。

रहेका किन्द्र कि स्थान क सहित, कहार स्टालाहर कि स्थान अध्यान हुन सार्थ के के स्टाल कहार कहार प्रकृति होते के स्टाल कहार कहार साथ हिन्द्र के स्टालक्शासि, होस्किक स्थानमा काल कार्याल कराव शहिका कराव साथ सहिता क्षेत्र कराव

ছিটি পড়ে লালতের ঠোঁই সারাজ কেপেছে। পলার টেলা মেরেছে করার ডেলা। লাল্যতীকে হেড়ে নিকে আদিড়া। কিল্ড ভাতে কী লাভ?

আলৌকিকভাবে বেচে বেচে ইছে করে।
বাইরের দিকে মুখ কিরিরে রেখেছিল
ললিভ। খনেতে পার্রাছল বিমান প্রে গ্রেন
করে কথা বলছে। কথনো সথনো হঠাং
বিমান লাকিরে উঠে দরজা খ্লে ছুটে বেরোনোর চেণ্টা করেছে। কথনো চীংকার
করেছে, কিপ্তু আবার পরক্ষণেই নিধর
ছরে গেছে। এখন বিমান কী কলছে ভা
শুনতে পাজিল না ললিভ।

সঞ্জের মা মারা গেছে। প্রের্ছ দলা
নিরেই এসে দ্বিন জাল্ডা দিরে গেছে।
কলার বড়া, হাতে কুশাসন, গালে বাড়ি আর
একটোকা চুল মাধার। কী বীভবস শোকের
চেহারা! হিন্দুছের ঐ আর এক লেছে।
শোকটাকে বিজ্ঞাপনের মতো নিরে বেড়ার।
করং শোক চিহুগার্লি ক্রিবরে রাখাই ভাল—
মান্বের এমনিতেই দিনে কতবার মৃত্যুর
করা মনে পড়ে।

অপর্ণ:—রোগা ফর্সা মেরেটা—স্পর পাড়ি চালার। এতবড় পাড়ি কী অনারাকে চালিরে নিচ্ছে! ওর মনের অবস্থা কী ভা লগিত বোকে। তব্ ওপরের দাঁতে ঠোঁট কামড়ে মাকে মাকে উড়স্ড চুল চোথের ওপর থেকে সরিরে নিরে দুটো সহক্ষ হাডে উড়িরে নিরে বাকে।

সামনেই রাস্ভার মারখানে পরিভূরে আছে মহামহিম এক লাংটা পাগল, হাতে লাঠি, লালত চোধ বল্লে কেলে। লক্ষ্যার। পাড়ির গতি ধীর হরে **বার**। *পা*লিত টের পার গাড়িটা বেকে পাল কাটিরে নিল। পাপলটা ব্লাম্চা ছাডল না। বেড়ে সেহে আজকাল। হঠাৎ হঠাৎ কেলে **ৰাচ্ছে মানুৰ।** বিভবিভ **क्राट्ड** हर्जार । মাৰুৱাতে দরজা খালে বেরিরে 9197.0 রাশ্ডার পারের জামাঝাপড় খালে 100 দিক্ষে। পাকিস্ভান হওরার পরই এটা 🛣 বেড়ে গেছে খ্ৰে ৷ পভবারের আগের বার প্ৰজ্যের কণ্ডারে সব বেড়াতে সেল বাইরে। ললিভ মাৰু একা রেখে বেভে পারে না কোৰাও। ভাই সে রাস্ভার বারে টারে সময় কাটাভো। সেই সমরে একদিন ভবানীপ্রের ফ্টেপাবে প্রচণ্ড ভীড়ের ভিভরে একটা লোকের চোখে চোখ আটকে আছি-আছি व्यक्तव्यक्त

भागरमञ्जू सोम् । रमानकी बढीत साथ विराह चाराम चला टाडिटर वनम्-कीर । दक्षर CONCE OF BUILDING STREET CO. व्यक्ति। व्यक्ति की। कांत्र की। अर्थ शास्त्र करिका मध्या चंद्रभा धारामधी का भीन राज बजा कारक डिडिश क्यारह। बस्यस করে কলিছে ভার আছুল, কক লোকের মাৰণানে লে ললিডভেই কিছু একটা নলভে চাইছে—ভাষ। হঠাৎ ওয়ক্ষভাবে কেউ ভাষা বলে ফ্রেডিয়ে উঠলে যে কেউ টলে বার। নিজেকে আক্রম পাতি পাতি কর থালৈ দেখতে ইছে করে। জিলোস করতে हैत्य वद-व्यक्ति की कर्त्वाव। की करवित। मानाएक क्रिक छाडे इरहाब्रम । स्मर्ट भागनाव ৰেন ভাতে লক্ষা করে। চে'চিয়ে বলেছিল --ভাম? হয়তো লে একটা কিছা দেখেছিল যা অনা কেউ লক্ষ্ করেনি। সে হরতো লকা করেছিল ললিতের অসংগতি। হয়তো কোনো ভবিষ্যৎ দ্বৰ্খটনা। কিংবা হয়তো লোভাগ্যসূচক কিছু। আলটপাকা বন্ধ নাডা খেরেছিল ললিত। পরমহাতেই স্বাভাবিক হয়ে হে'টে চলে গিরেছিল ভীড়ের ब्रायाः। व्यान्त्रवाः त्रावे चर्तेनात् शतः मृत्यवत्रक কার্টেনি, ভার ক্যাম্সার হল।

জেনো বোগাবোগ নেই তব্ আবছা-জাবে মনে হয় যোগাবোগ আছে। পাগলটা হয়তো তকে সাৰধান করেছিল।

একদিন মাৰুৱাতে খুম ভেচে জালান্ত रहचन, मुस्मन बरन चारह। सामनाव पिरक মূখ। কোলের ওপর কড়ো করা দুটি হাত। নিস্তব্দ। জানালা দিয়ে বাইরের व्यकारणय किएक अक्टी चारता चरताह । राष्ट्रे আলোতে ললিভ দেখল রমেনের 🔫 চোৰ দিরে জলের দ্ভিট ধারা নেমে এলেছে। দুরে কোষাও একটা কুকুর কদিছে। মলাবির ওপালে জানালা—তারপর হালিকণার কডের মতো নকতে আকীৰ্ণ আকাশ। ধৌয়টে চীৰ আকাৰে। অপাৰ্থিৰ মৃতিৰৈ মতো ব্ৰমেন বলৈ আছে। লালভ ব্ৰতে পাৰ্য রবেনের চেডনানেই। সে ধ্যান করছে। নিশ্ৰত র'ডে সেই কুকুরের কালা, আকাশ, ব্যানস্থ রমেন—স্ব মিলেমিশে একন এক স্বশ্নের মতো দেখছিল কলিভ —ৰেন তা সভা নয় অখচ হঠাং ভিতরে হ্-হ্র করে ওঠে। কেন বে, দলিভ का कारम मा। कामाना निरंत करत गढ़रह ভারার গ'ভে়া, জ্যোক্তার মোম। কুকুর কাদহে শ্_{ন্য}ভার দিকে চেরে। আদিগত ছারাপথ পড়ে আছে ছিল আকালে। সদুৰে रुकेल पात्र राज्यक राज्यक राज्यक व्यवस्था ৰায়। বিশ্বজগতের কোন রহসোর সঙ্গে বঁনবিভ হয়ে আছে মন্দ রমেন লালত ভা त**्रदक्सरनापिनदे कानस्य ना ।**

সভীর বানের সধাে চলে বেতে ইছে করে।
বিদান গুন্-গুন্ করে করা বলছে।

সভীর বানের সংগ্রানিক করা বলছে।

স্বান

হ্ব কিছিলে কলিক দেখা বানান বিকিট ভাবে কিছেনের কন্ধ গোনার চেন্টা কর্মান। ক্রমী ক্রমিটো

इटान चाट्न वनन-ठिक दनका बाटन

मा।

জীলভ বিষয়েনের সিকে বাংক কালা।
ক্যাস্থানা চিক বোৰা বার না। অসংলাপ।
মনে হর বালি বা কোনো কবিভার লাইন।
—কভোবার বিরোধ যে বার্গিকানে,
ক্ষানের উল্যানে...কভোবার গিয়েছি যে...

রমেন হঠাং সচ্চিত হরে উঠে সোজা হয়। ভারপর অপশার দিকে মুখ বাড়িরে বলে—আপনি পরবেন না। গাড়ি টাল খাজে, আকোসভেন্ট হবে।

আপর্থা মুখ ফেরার। মুখখানা আচপ লাল উর্জেজিত। চোখ টল্ টল্ করছে। একট্ হাসার চেন্টা করে বলল—ক্রিক ব্যালাস থাকছে না।

–গাভি থামান।





সকল জীৰনবাপনেৰ জন্ম বা প্ৰয়োজন গুৰুইনাই ডা পাংগুৱা হাব। গুকাহন। জনাৰ বাৰ্থকা বোধ করে, স্বাক্ষেব উপ্লতি করে একং স্বাচ্ছে কেটা কড়বী, খৌলনের বল প্রবীষ্ট জিচিছে অনে।

সারা পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোক আঞ্চ বলবর্থক জনা ক্ষরাখ্যোজাওকারী আধুনিক ট্যাবলেট গুকাঙ্গা ব বহার করেন। পুরুষ গু ত্রীলোকদের কন্তু পৃথক পুথক

ঔভাসা পাওচা যাত।

ওকাসা – হর্মো – ফার্মা চিচ্চ লণ্ডল- বার্মিল-এক তৈওঁ। বড় বড় ওচুথের ধোকানে পানেন অধবা

नेबानिव शेरबच काइ स्थरक नारवन : OKASA CO. PVT. LTD

P O. BOX 398, BOMBAY-1.

কর্ম (প্রাডাইস্ পার্ক প্রণালী-প্রতিযোগিতায় 'যোগ দিছে পুরস্কার লাভ করুন

ভাপনার নিজস্ব বিশেষ পাকপ্রণালী স্থক্ত করবার দেরা জিনিস

ब्राउत २३ शलजत ३







बाब बार्गि स्थीनामाः स्टेडि स्थानाय स्थानाः प्रदेश प्रदेशकाः पूर्व क्षात्रः प्रदेशकार्थः व्यक्तिः स्थानाः वात्रः । स्थानि स्व-ब्याकारमञ्जूष्टे





থেব কেন্দ্ৰ প্ৰটানত হ কেন্দ্ৰ, বিকুট, পাকোন্তা, পুৱী, গোলাপানাৰ ইভালিতে বাৰহার কান । পাই একটু বেশালেই বেশ হাৰ্ডা হবে উত্তব ।



Rate Rowler street.

আৰও নোলানেত, আৰও থানেত্ৰ, আৰও ক্ৰীনে ওয়া। বিনো কোনো অংশ নেই। এ দিবে চৰংখার বিভাগী, আইসক্লীব, ক্লীর প্রকৃতি তৈরী কণ বার। জেলি, কলের সালোনেত্র, সঞ্জে বিশিক্ত থেতেও থুব ভাল সালাবে।







নি কর লি আরাইট কাস্টর নার্ডার

পাকেন হয়র কম মনোর ম পাছে : এ লিকে ছৈন্তী কর: মাধ নানান র কম পুক্তিং ও ডেসাট :





নি কচ নি প্রেম্মর্ড কর্মান্তনার :পাঁকটি ক্ষেত্র । সুধ্যর সংজ্ ক্ষমর ভাবে বিশিবে লোভনীর থাবার ও হার্ন্ডা ভ্রেমী ক্ষম বার ।





fe on fe restain uniquests:

ক্লণ, খোল ঘন ক'রে ডুল্ছে । নহলার সজে মিলিছে ডেন্টা কর। বাবে---বেশ মচমচে, পাতলা কারাব, সিজারা, আর প্যাটিস। বাচচা আর অক্তরণের পক্ষে খুব ভাল।

%
উপরোক উৎপাদনভালির বে কোন একটি ব্যবহার ক'রে আপনার নিমাদ
গাক্ষ্যণালী আযানের কাছে পাট্টরে দিল। উহা সৃহীত হ'লে এই
গত্রিকার তা প্রকাশিত হবে এবং ১৫০ টাকার নগদ পুরুষার ও অনেক
কিছু উপহার আপনি পেতে পারেব।



আপনার পাক্ষণালী ডাক্যোগে এই টিকানার পাঠিরে দিন:
"পাবলিসিটি ডিপাট্রেন্ট"

কর্ম প্রোভারত (১৭৮) কর্ম প্রোভারত কোল্পারী (ইপ্রিয়া) প্রাইভেট লিমিটেড, শ্রী নিবাস হাউস, ওলাডবি রোড, বোবাই ১ বি-আর। - stars ?

--वाबि हानादवा।

অপৰা একটা বহুতে অল-লাইলেন আছে ?

রনের হাসে—ছিল। কিন্তু ভরের কিছ্ নেই। আরি চালিরে নিতে পারবো।

অপূর্ণ জিক্সজিক্ষাল সাতের উল্টো-গিকে গাড়ি গাড় করিলে সরে বসল। রমেন গিলে ধরল হাইল—সামান্য হাঁফজিল অপূর্ণা, বলল—সামূলার রোডের লাল বাতি জামার মক্ষরেই পড়েলি। বিধিয় পার হরে এলাম। পর্যাল বোধহন্ত কবর উত্তক নিসেক্তে।

লালত কথ বছর পর গাড়ি চালাতে বেবাহে মানেকে। কথ বছর আনে প্রোনোর করকরে অপিটন পাড়িলী বর্থন চালাতে। রামেন তর্থন ভারা আন্দেশালো আর শিহনে বসত। রামেন নিরে বেকো শহরের বাইরে। ক্রতবার গাড়ি চালানো শেখার চেন্টা করেছে লালত, ঠিকমতো পারেনি। একসপ্রে প্রত্যালো বন্ধ সাম্প্রনাতে হর বে ভাল থাকে না। রামেন বিরম্ভ হরে বলত—ক্তা-পাড়ির ব্যথা তোর মনোবোলা নেই।

হঠাং ললিত আৰু একটা ব্যাপার লক্ষ্য कार प्राप्त प्राप्त करन केरेन । नामप्तव नौछि छता माजन। श्रासन-द्याहन कमिनात ভার অপর্ণা—কারখানা মালিকের মেরে। পিছনে সে স্কলমান্টার, আরু বিমান-कार्राहरूसन्य समामानवाद। WILLIAM ME बारते रमशी कालामा कालामा स्कार्ध स्वास्थ्य । মকিলেববের কালে মানসিক হাসপাতাল। খ্য পরিক্র-পরিক্র ভারগা। সামনের দিকে একটা বাগান আছে। দলিত ভিতরে গোল না। গাড়ি থেকে নেমে বাগানের अर्था त्यकारक जानजाः विभागत्क धरत दर्श নিয়ে লেল র্মেন পিছনে অপণী নত মূৰে। म माही क्रम बाबान मानीक्रम क्रांगरच्या। একটা পরে দ্বান্ধন লোক এসে গাড়ির मारमक्रवारे बार्क विभावनं वास जिल्हा रचना । চালপাডালে বাব রাখতে বের কিনা কে জানে! হরতো মানসিক হাসপাভাৱের ব্যবস্থা আলাদা, মহাতো ব্যাহন আৰু অপূৰ্ণা ব্ৰেণাবস্ভটা করিরে নিরেছে। ওগুলো কোমাও রাখার काराणा किसा जा।

ক্রের ফৈরে আসচে অনেক সময়
লাগল। বখন বারালার তিনটে সি'ড়ি তেঙে
ওরা দ্বাকন—অপূর্ণা জার রমেন নেমে
আসছিল, তখনই হঠাৎ বিমানের জনা
সভিকেরের একটা কণ্ট টের পাছিল
লালত। সেরে উঠতে বিমানের কতদিন
লাগবে কে জানে। ততদিনে লালত
কোধার?

ফেরার সমরেও গাড়ি চালান্দিল রমেন। মমেনের পাদে ললিড। পিছনে অপশা। ্ এক সমরে অপশা হঠাং জি**জেস করন**

হমেন হ'ব না ফিরিরে বলল-নেবে। করা আয়াল অনেক দিনের চেনা লোক।

ি অপশ্য দাঁতে রুমাল কাটল, তারপর আচম্কা কলল—আমার বিরে ঠিক হরে লোক্তা

লালত ভরত্কর চমকে উঠে ফিরে বলল
-সে কী?

অপর্ণা মাখা ন,ইরে চুপ করে রইল
একট্রকণ, কেন কাদবে। কাদল না। জান
ইবধানা ভূজে কলল—বানা নেদিন আমাকে
ডেকে কললেন, অপর্ণা, ভূমি হ্রতে পারত
না আমার পরীরের অকথা। কিন্তু ভাভার
ক্রেকে! এপন আমার এত সব কে সেখে!
আরি ইলিগতটা ধরতে পারলাম। উত্তর
দিইনি। কিন্তু বাবা খ্যু কনসিভারেট,
আমাকে ভিজেন করলেন—তোমার বিশি
প্রকল মতো কেউ থাকে তো বলো আমি ভার
নলেই বিরে দেবে। কিন্তু ভাড়াভাড়ি
বিরে, উইদিন এ মাধ্য। জামাইকে আমার
ছেলে হরে সব দেখতে হবে।

-वानीमं की कारनम?

অগশা অনেকজন চুপ করে স্ক্রীক। ভারণার আচেত আকেত কাল—আনি কিছে, জালার নাঃ

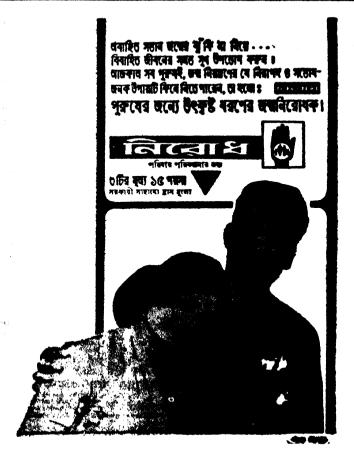
-753 ?

তো বাৰার হেলে হতে পারত না!

—ভাতে কী আসে বার !

অপূর্ণা একটু হাসল। তারণর কালকী লানি। আমি তো তব্ রাজী হিলাল।
কিন্তু ও সেদিন আমাকে বিলাল-আমি
তোমাকে নিয়ে কী করব? তোমাকে
আমার বিরো করব কোন, আমি কি সুন্দা?
আমার সম্ভান যে রাখার দোব নিয়ে
কালারে না ভার পারানিট কি? আমার ঠাকুমা পারল হিলা। আমাসের সমাক বিশি
মান্র সম্পাকে বিতা। আমাসের সমাক বিশি
মান্র সম্পাকে মিতা। সামাক বিশি
মান্র সম্পাকে মারালা করে দিও। সমাক
ক্ষেনা বালে মান্রালা করে দিও। সমাক
ক্ষম তা করছে না ভ্যন গারিছ আমারই।

লালত ভাষণ চকল হরে কাল—কিন্তু আপনি তো ইছে করলে একা থাকতে পারেম!



विशेष वार्षात संवाद करत यात।
विशेष विशेष कार्यात करा
कार्यात विशेष वार्ष टावी क्या वार्ष मा
वार्षात वार्षात वार्षा टावी क्या वार्ष मा
वार्षात वार्षात वार्षात वार्षात वार्षात मा
वार्षात वार्षात वार्षात वार्षात वार्षात मा
वार्षात व

—আপনাকে তো বুলাঁছ আমি ভাষণ

বলেজ, আর তীতু। একা আমি কচ কারখানা চালাতে পারবো লা। কচ চারীবের স্থান কর পাই। ডা হাড়া ঐ বে হেসেটা আপ্রাবের পাঞ্চান-ভীবন ভেসপারেট, আছাও বার বার আলার গা বেংব বাঞ্চাছিল-ওরকা সর হেসের হাত বেকে কে আলাকে বাটাবে?

বন্ধ ব্যৱসা গিয়েছিল কলিড, উল্লেখনার

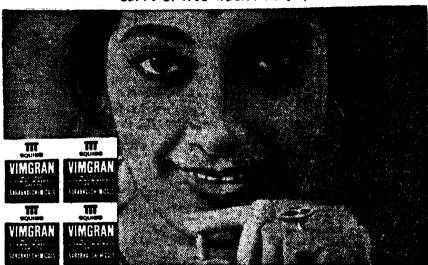
and the contract of the same

्र व्याप्त स्था जनगा। वन्त-कावाम! वार्गीम कवनातम क्या मनादम। -केवा! व्याप शहरा दक्ताम काँगाव

कार-चंड का रंगरन कि करन? कारना क्या नक्न-चारित कारातक प्राथ करा का गुरुनात कर वामा गुरुक-

ভিটামিন ও ধনিজ পদার্থ আপনার পরিবারের সকলের স্বাস্থ্যের জন্য একান্ত প্রয়োজনীয়

हैता कि का बाधरे निवधार नारक्य है



वृष्ठव ! ष्टियञ्जाव विकि क्रिकेशिय ।

ভিটাবিৰ ও বনিজ পদাৰ্থের জভাব আপনা গাঁধানে নমনো থান্তের ভঙি ভয়তে পারে। অধনার, নদি, প্রনোপ অভ্যানি, মেরোর ও বাডের বহন —এলং-সার্থকার ভিটাবিন ও অন্তর্নানি, মারার বেডেই বটি।

ক্ষমুপ্ত বিচার প্রথমিত পালার্থ কন্সাক্ষে প্রায়ন্ত ইন্যথিত্য ক্ষেত্র কেন্দ্র কন্যতি আন্তর্গ ক্ষম পরিক্ষিত আহার্থেত। মন পুটকর কার্ক রনক্ষত কার্ক ক্ষম ক্ষম ক্ষম ক্ষা আহার আগতি ক্ষেত্রিক র বিশ্বিত ক্ষমে ক্ষমিত আকর্ত্ত ক্ষমে । আহার আগতি ক্ষেত্রক ক্ষমিত ক্ষমেত্রক ক্ষমেত্রক বে আন্দর্য পরিবারের নবাই কর্যাত ক্ষমেত্রকার অবস্থাত ক্ষিত্রিক ক্ষমিত ক্ষমেত্রক বিশ্বিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্ষমিত ক্ষমেত্রকার ক্ষমিত ক্যমিত ক্ষমিত ক

चालबाद लविवादक बार्डाटको बार्ड जीएक

बारवाकरमञ्च पर्गार स्थेम स्वाव ब्रह्मकोर पूरिवारक गर्गा विक्रिकार (गर्छ गर्मा, स्वरंबाक्षे कार एवंडू विव क्रिकामान — प्रेरत विवि क्रिकेट क वीक गर्मामूक शासमी—प्रक्रिय स्वाठ कार्य । स्वे काक्षक वक्तमी वाक (यह रूप कार्य कि मा एक्स)

पानरे जिसेबाराम रिस्त — ब्रांडरिन जिसेबारास त्यर पासूच।

এক্টিয়াত্ৰ ভিমন্ত্ৰ্যানে আপনাকে সাৰাদিন কৰ্মই ভাৰতে

m'-----

COCCOUNT CHEMICAL

Color Sant over oil often one

SAME ACARS AND

প্রি জাল ইব্রা মুশবিদ্য। রাজিকাল নি এর নেই। আনতা আনি ক্রেটা বরতাল। তথ্য বিরোধী বাবার বিক থেকে সভিটি প্রয়োজন।

ললিত হুণ করে খাকে। বাসত্তিক তেবে দেখলৈ লৈ নিজেও কি পারে আন্দর্ভীকে বলতে—আমি মারে গোলে ভূমি একা তেকো। (আজকাল ললিত নাম্প্রীকে ভূমিন কলছে। লাম্প্রী এখনো 'আপ্রিম' করা ছার্কেন।

स्टब्स सूर्थ विविद्याः विरक्षमः करतः— व्यापसारक रकावात्र स्पारिक रमस्याः

অপশ। বলে—পরাশর রোড। ওখানে এফ কথের বাসার বাবে: মাকে বলে এসেছি রাজে অওরার নিজ্ঞাল আছে।

পরাশর রেছে একটা বাছির সামদ্যে গাঁড়ে দ্বালুতেই কলন্দ্রনা একটি কেরে ছাইট এবং ।
অপপী ডক্স নামছে, তার হাত ধরে ভীবণ
উক্তেজিত ভাপা পলার হাসতে হাসতে বলন
—আসীনা একটা আলো লোনে তোর থোল কর্মিজনা, ছাইডার নিরে বেরোসনি বলে চিল্ডা। কর্মী করেছি তুই আর এক বংধার বাছিতে একটা ক্যেছিল, এক্যালি এসে পড়াব।
ইস্ সেই ক্ষেত্র ক্যাজনা ক্যিতর আছি—

জপর্শা মৃত্যু হেতে প্রমনের দিকে ফিরে
কলল—গর্মানী আমার এখন দরকার দেই,
আমি ডো সেই দা খন্টা পরে বাভি ফিরবো।
আপনি করং কলিভনাব্যকে পেণাছে দিয়ে
আমতে পারেম। করি ডো গর্মীর ধারাপ।
কলিভ কলে—না, আমি বাসে সৈতে
পারের।

মামেন কালিজ্যক একটা চোৎ টিপক, জ্যারপর অপশাকে বলক—চসই ভাল চলারে কালিজ্য

বলে গাছিতে উঠে দ্বীটা দিল রমেল।
গাছি ছাড়াডেই লালিও বললা ভূই জানার
গাছিল খামেলাটা খাছে দিলে কেনা আবর
ডেচা ডেচাকে ফিলাডে ১০ব বেল চল স্কুলন
নিকালাটা কেটে গাছতম।

ক্ষেন মৃদ্ধুক্ষরে কলক, গাঁও চালানের একটা দেশ আছে। বাইকাল চাল্ট নাই ক্ষায় কী ভাল গাঁও দেগতিলা বাইকের ইন্সান্যভেল।

লালত বেণ্ডো উঠল--শ্রণ

সক্ষেদ্য একটা ছুপ করে থেকে কলবা – ক্ষেত্রেটা পোধহয় আমাকে কিছ, একটা কলঙে ছান। হয়তেয়া এক। বলাবে। তাই গাড়িটা শিলা বাতত আমি থিলুর আসি।

— আমার সামরে বলতে গুলার কী ছিল গ রক্তম উত্তর দিল নাং অনেকক্ষণ নিঃশক্ষে গাড়ি চালাল রমেন। ময়নানের কাল্যকাছি এসে গঙলা।

কলিত বলল-খানোখা পেটা পোড়ালৈস ! ভিত্তীবিয়া মেমোবিয়াল ছড়িবাহ গিয়ে ীনকান রাশ্চার গাড়ি ক্রিড় করাল ব্যান । আরু ফ্রাইজিং সীটো ক্রেন।

--व्यक्तिः सूत्र, व्यक्ति वस्त्रव शहरवा माः रमधात्र रहत्र हर्स्य रमस्यः

- यात्रा मा।

nakan d<mark>alah di Terbasakan k</mark>andaran di Sebagai Karandaran Karandaran kendaran kendaran berasakan berasakan berasak

ল্যুর, জনোর পাড়ি, কোধার চোটফোট ফ্রান্সে ধাবে।

किंग्ड तराम शास्त्र मा।

লিখিত বসল ড্লাইছিং সাঁটে। অনেমনিন আনে একটা আধটা দিৰ্ঘোছল। নিথিকৈছিল বিমেন। বামেন তাকে আবার সব : ব্যক্তি নিল্ তারণর কলে—চালা।

স্টার্ট দিতেই গাড়ি স্থাক্তরে উঠল। ক্ষেত্র আন্তেত করে বলল—ভান্তাহ্যক্তে ভাই। আন্তেত চালা।

ক্ষমপাতিগতের ধারে ধারে অধিকার করে
বীনজ্বিল লালভেকে। তার উন্তেজনা বোধ
ক্ষিরভিল দে। প্রথমটার গাড়ি একটা এতে
বৈধকে বাজ্জিল, পিছন ধোকে সাঁ সাঁ করে
গাড়িগালো ভাদের পেরিয়ে বাজ্জিল। ভর
কর্মিল লালভের—বাল ধারা লাগে। রুমেন

একটা হাতে ধরে **রেখেছিল** স্টিয়ারিং।

তালেত আলেত জেৰ আন সাহস লেছে আজিল লালিতের: স্বাটা অনেকের মধোই সৈ একটা লালিতে মুখে প্রবল মনোযোগের সংখ্য একটা লালিতে সাভিটা চালিতে নিজ্জিল মরদানের নিজ্জান রাজভার রাজভার। পাণে একটা যাড় হোলিতের চোখ ব্যক্ত আছে ক্ষানা প্রবাদনার নালিতকে।

ুসাহস বাড়ছিল। উত্তেশন বেড়ে ক্ষতিল।

া **৪.পা গলার সে বলব—রান**ন শিল্পী

্রি-এই কে সময়কে একটা ছেখ্টো পাড়ি ইয়েছে-নিগম ভটাকে ওকটাবটেক করছি। -- কর ফেখি!

া লাভিছ করকা। গাড়িটা চাগাছিল একটা মেহে। এক কলক সে প্রকণ্ড ব্রুইকটার স্থিত ইবার চোগে তাকাল। ভীবণ একটা মুক্তুল পেল লাভিছ। এই সেব আমি লাভিছ নক্ত বড় আর কত সামী এবখানা গাড়ি চালিয়ে নিয়ে যাছি।

াভারপরেই একটা হ<mark>তালা স্থানে</mark>। গাড়িট ভূরি নয়।

ু ছারে ছারে **জনেকজন** চল্লক কিল জুলিত সম^তত মন **প্রাণ সংক্রি**কিল সম্পর্ভি চালগ্রিকল : **জন্মত ম্বে**ল্যেক্সে

গোলা চোমে **নমেন এক**র্ হামল।

্রমেন (

۱, چ ---

ু—এবার ফিবি। **ভূই চালা** এবার। ভারত্বর রাশতার আমি তেল পারব না। ্ন্ত। ভৰামীপুর প্রশাস ভূমী জন্ম। ভারণর আমি দেখা।

আগ্রম এই কলিও অনাজনে কম্পনিত্র প্রকৃত চলে এল। অসুবিধে হাঞ্জিল না তানত। কিন্তু ধন মনোমেন দিনে সে চালাজিল। ভুল কনজিল না।

একাগন রেডের করে গাড়ি ব্যক্তির ভারগা বনল করার সময় রমেন চাপা গলাই কল্যা—সাবাস।

বাজা ছেলের মতো লাজ্ব হাসল লীলছ।
তার কণালে যাম। হাত পা কণিছে।
তানেক তানেকদিন বানে আজ সভিজ্ঞানের
তকটা আনন্দকে সে টের পাজিল। একটা
ছোটু সফলোর অন্যবিধ্য আনন্দ। আমি
সব পরি।

প্রতি দিন লক লক লোক গাড়ি চালার বলোর মতো নিচুলিভাবে। তারা হরতে কোনোদিনই লালিতের এই আনশ্যকে টের পার না! একমার্য লাগেত কানে কেন এই আনশ্য।

রাত সাড়ে আটটার অপর্ণাতে পেশিছে পিছিল রমেন।

সারাক্ষণ তেজন কোনো কথা হল নাং

শূর্য একরার অপগা প্রকল ক্ষোতের সপ্পে বলল—এখন লোকে আমাকে খারাপ ভাববে। আমি সারাজীবন একজনকে ভাল বাসলাম, কিন্তু বিয়ে করছি আর একজনকে। কিন্তু আমি সভিষ্টে তা চাই না। ভাতেলা। কাদ কেউ একজন আমার ভার নিত—যার টাকা পরসা কিংবা মেরেমান্যারর জনা একটাও দ্যবিগিত। নেই ভবে কাভ ভাল হত। কিন্তু সে রকম বোধ হয় কেউ নেই—না?

ক্ষেত্র উত্তর ছিল-- আছে। বিহ্নর । অপুণা জিজ্জেস করে--আপ্নি--জাপ্নি আমাকে ক্রী করতে বলেন?

আধো-অধ্যকারে রামন হঠাৎ জপ্পাতি নিক্তি একপ্লক ভাকাল

ভানিশ সম্ভ উঠল অপণা। ভান মল্
ইল এ লোকটা ভানে হৈ অপণা আনহল সেই ছেনেবেলার বরংসবিধাত করে হেন বিমানকে ভালকেসেছিল। ভারপর ভাল-বেসেছিল সেই স্মৃতিকে। ভারপর কথনে। সে ভালকেসেছ অকিন্তনকৈ ভালবাসার মধ্যে ভাল নিজের সে মহৎ আত্মতানা আছে ভাকে। কিন্তু গুরুতপক্ষে ভার কোনেটাই বিমান নর। যে বিমান কপোবেশনের জ্ঞান্যনের বাব্য যে মত্যর মারে পাগল হরে যার ভাকে স্ঠিক করে ভালবেসেছে অপণাঃ

এ তেওকটা বোধ যে জানে সর। ব্**থতে** গাবে। তাই সে সার: রাসভা তার কথা বল্ল না।

(多写明)





अवस्त्र, मालला जात वा कात मुक्त नीएक जासाह ক্ষ্ট পার। তাইত আপনার কল আমন্ত্র আরোকন করেছি व्यभूवं प्रकाति উत्तत मृहिं - व्यान छिति छत्तत कानफ. बाबा तरह ६ किकारेरत व्याकर्वश्वेत । बिस्करे (नर्रव तित । মডেলা নিশ্চিত আপনাকে উভাপ্তে আরাম এরে গেবে !

बर्फ्नात व्यातक तक्षाति—हितिब यूक्ट हेरेछ, रक्तार्ज, লেতিস্ ওভারকোটের কাপড়, কছন ও বুরবার উল।



मठेवान वञ्च अभक्तभ् सरङ्गा

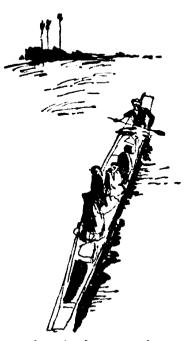
বিবিলের ভানা

ৰ পতি বছৰ বেলার স্মৃতি, ৰভ দৰে DI মনে পড়ে আমার বাবার ম্ভিটা ছিল ज्ञानको। हीवाध्यक श्रुवादात लाख क्रमा। ভার ব্যবহার ছিল শান্ত মধ্যে। ব্যালি করত হল তিনি মারা গেছেন, কিন্তু তার কথা আজো কেউ ভোলে নি। আমাকে কেউ কেউ बरम : 'बंडरे रहको करता रमधानका स्मरधा, তোমার বাণের মতন মিন্টভাবী সদালাপী, জ্ঞানী-গালী, ধামিক প্রেছ ছাম হতে পারৰে না। তিনি কখনো কাউকে 'তই' रकारण्य सा। जन्मीन कथा रकारण्य सा। বিভি প্ৰশিক্ষ খেতেন না। নেশার মধ্যে ছিল পান 🕶 চা আর কায়দা-কেতাব পদ্ধা---বে-লোককে সামনে পাকেন ধ্যোপ্রেল দেওয়া—সদাব, বি দেওয়া। তিনি পাঁচওরার নামাঞ্চ পড়ডেন ৷ রোজা করতেন : মসজিদে ইমামতি করতেন কালো লম্বা পরিহান গারে দিরে, মাধার সংস্থর সাদা পাগাড়ি **ভ**ডিরে। মিলাদ শরীফ হলে তিনি সুরেলা জেহেনো কোরআন পাঠ করে তার ব্যাখ্যা করে দিতেন छेपर्र कावाब व्यात वारकारक। शास्त्रकंत्र भक्तन ছিল ভার প্রির জিনিস: ভাল ফারসীও তিনি জানতেন। এসব লিখেছিলেন বজবজের চটকলে তাঁতে কাঞ্চ করবার সমার--রেল-रभारमञ्जू भारमञ्ज छ्वेक्टमञ्ज एगर्छेत् कार्ट्स्ट বেখানে ছিল একটা মুসলিম হোটেল, আর रक्षी वीबारना अक्छे। निम्न शास, स्मर्टे शारह ছিল রাজ্যের কাকের বাসা, সেখানে বাসা-বাভিতে থাকতেন তিনি। তাঁর পালের বাসার ধাকতেন একজন সহক্ষী, তিনি **ছিলেন আরবী উদ**্ধারসীতে দক। তার কাছেই এসৰ ভাষা শেখেন ভিনি। শনিবারে কারখানার 'সম্ভা' পেলে বাডিতে **আসতে**ন। রবিবারে ভার কাছে ভাঁড হত লোকজনের। পাড়ার বিচার, ধমেরি নিদেশি, সংখ্যার দিকে প্ৰি পড়া শোনা, মুর্রাগ খাসী গরু তার হাতে জবাই না হলে নাকি ঠিক 'হালাল' (পবির) হ'ত না। ভারপর ভার ছিল **অ**নেক বাড়ির 'দাওত' (নিমন্ত্রণ)। সাদি পড়াবেন তিনি। মাতের জানাজা' পড়াবেনও তিনি।



ভার মুখে ছিল সুন্দর চাপ-কাছি। ঠোট দুটো পানের মসে রাখ্য আর হাসি মাখ্য। মাধার রাখং একটা টাক। ছেটে ছেটে চুল। গারের বঙ্জ ফরসা। ব্যক্তর লোম। টোখ দুটি বিকলিত, গোলাপী—বুন্ধির কুটিল তীক্যতার চাইতে ভাতে ছিল একরকম সিন্ধ সরসতা।

আমার এই বাবাকে হারাই আমি আমার ছ-বছর বেলাতে। মনে পড়ে তরি সংশ্য একদিন সিরেছিলাম বজবজের চড়িয়াল বাজার আর রেল্ডপেন্স দেখতে। পথে পাথর আর সোডার বোতলের মুখের ছিপি কুড়িরে-ছিলাম পরেও তরে। বাওয়ালীর বস্তপোল



বিগ্লারির জটাকারীকলা প্রতিক পি'ড়ের বলে শাল্ডিতে করে গেলার

रक्षा कार्याचिक क्रिकेट प्रकार भिष्यक राज भागा किएट कात रामामध्य भाका सम्प्राप्त स्थाउँक काल विकास का क service was first force where force we one face the after moure CHIEF CHIEF CHIEF THE ME र्शक-सांक भारत जानाकि दक्षिण क्र তোলাৰ সময় ব্যক্তিৰ কল ক্ষিত্ৰ का गंका रवारत करवानका बुट्टमाड महानेवा क्रांका व লোকটা ভারুকরে গান কর্মছল গুরুকার্লী क्षकानी वरन सामानाव स्तर्नी केरिकेट ठान कर्का कहाए नामन । (वनाक ट्रेस শাল ভি চলেছে, কখন শেব হবে বার বার শ্ৰমিরেছি বাবার হবে ধরে। তিনি বুলে-ছিলেন, 'এই তো বাবা, এনে পড়েছি, একছ राम्यामा प्रमाय । क्यान विकास सम्बद्ध । ভারণর বোধ হর বাবার কোলে মার্ঘা ক্রেখে যুমিরে পড়তে পড়তে আমার মারের স্কার দোলনার গাওয়া সেই গানটা **শ**েনতে পেতে লাগলার :

> কোষার দিরে বাব মাগো দিকতলার ঘাট দিকতলার ঘাট কেতে গলা হল কটে। ঘাটে বেরে দেখি মাগো কল খাই থাই করে, চাতালে তার শিউলী বকুল ডালিম করে পড়ে।"...

অ গ্নে লাল রঙ দেওরা সেই রেলপোল দেখা ছিল সেনিন আমার এক চরম বিশ্বরণ বাবার বাসার ঠিক দুটো বাসা পরেই দোরের ওপরে ছিল একটা জরঢাক টাঙানো। হোটেলের মালিক আর ব্যক্তন করে গাল-গাল ভাষার কিসব বেন বলালেন! কী খুলী তারা। কারা বেন খাবাব দিরে সেল। কেই নাড়ো হাকী সাহেব এলেন, বিনি নাকি আমার নাম রেখিছিলেন! উদ্যু আরবী ফারসীর জাহাক! তিনি আমাকে ব্রুক চেপে বানে কানে ব্যলছিলেন বখন আমার বাবা টিউকলের জলে মাখা খ্রেড গেছিলেনঃ তোমরা বাবালের মাখা গ্রম হবে গেছেং তোমরা বাবালের ক'কে ছাড্রে।

মাথা গরম !.....দে কি রক্ষ জিনিল ?
কথন কেমন করে আমরা বাড়িছে কিরেছিলাম তা সঠিক আমার মনে নেই। পর্যাদন
সকালে দেখি ঘতকুমারীর লাঁসওয়ালা পাড়া
মাথার দিয়ে বাবা বলে আছেন, আর ভারি
চেখে কল করছে, য়া ক্ষে হরে ফাছে, ভি
করে চলবে সংলার আধমন ধান নিরেছিলে
ভোমার বড় ভাইরের কাছ থেকে, ভোমার
বড় ভাকের কি মুখসাপ্টা—ভাকাটা দেবার
কি আজো সময় হরনি'....

জ্ঞামি পাড়ার হানিফ আর তার বোন

জিনাত-উন-নিসার সংশা চলে গেলাম বাম
গ্রুমখায়ের পাঠগালে। এগিকে মা নাকি
জামাকে কী খোঁজাখালা দিলের ইচ্ছার
পাঠশালার যাছিছ দেখে একদিন লাঠি ঠাকে
ঠাকে বাবাত গেলেন গ্রেমশারের কাছে।
ভিনি বেতেই বাম গ্রুমশার বললেনঃ কে
ল তাজিম এদেছিস, আর বস্। তুই কি

এখন চোৰে দেখতে পাস্দে? ভোর নাকি ।
মাথা প্রম হরেছে?'

বাবা ছিলেন বাল প্রের্ জণারেরও ছাট।
তিনি নাকি পাঠশালার এলে বাথা গণ্ডে
সেই বে লিখতে বসতেন একেবারে 'ব্ড্রে'
শেব না হওরা পর্যত স্বাধ্য তুলতেন না।
বাল গ্রের্ স্থার তীকে বন্ধ প্রক্ষ করতেন।

—এসর কথা বলাভ করিব পাড়োরান। সে ভিল বাবার সহপাঠি।

আর বড় মামা পাঠপালার না এলে তাতে বাম গ্রুমেগার ধরে আলতে ইকলেগের গাঠাতেন। বড় মামা ভাতের হাঁড়ি জড়িরে ধরে বলে থাকত। হিচ্দ্ ছেলের। তেট এগোত না!

व्याधारमञ् क्रीम्टक्ट क्रम्थामा आहान त्राक्ष



বিন্দীস-SG. 26-140 8G.

विश्वान निकास्त्रत क्षेत्री केरमते वेदनातुमः

बाबा किंद्र स्मर्थानका बाद्य त्यहे तेत्वव-দাদা খেকে নাভ নি পৰাস্ত সৰাই ঐ ৰাম भार भणाताम सार । जनान भिर्दे भएएए বাম প্রায় মালারের তে তলে-বিভেন-গারের-श्रष्टम जान जाम एकननाकारमा त्यांका स्वरहत হাব কাৰি। ভারই উত্তি, ভাজিমতে আমি क्थरमा अक-का क्रार्टशीह नक्ष्म महम शहर मा। অমন ভাল ছেলে অনিত দেখিন।'

লেই ভালিম নামেৰ আৰু চলিল বছর बराज माना नवम बरस कार्यन मान्छे शांबात ভার পাঁচ কারের ছেলেটার হাত বরে এনে का राज्यभारता विशेष विशेष विशेष विशेषिक दे भा बद्धमात्र कार्यान कार्यात्र स्व कार्य बार्टना লান করেছিলেন ভার দ্বিশীলভি আৰু খোলা কেন্তে নিরেছেন! আমার মাধার ভিতরতা কনকন করে। বাকে বাকে এত ফলুল হর त्व बात कृति कौबनके नात करत पिष्टे! किन्छ আত্তভা মহা পাপ! ভাষাকা বাকা বুটো सरबाद-वाका न्द्रीके सरबाद पता..वाटराक. जार्गाम जावांत्र श्रवत कानगृत्, जावांत्र रिग्छ-অলা আপদাৰ কৰ আৰি কি পিৰে পোৰ করে। তবে আমার এই সম্ভানটিকে আপ্নার भारत गाम करत रगनाम । अ जामान अक्छि मध्यका । अस काम माथ करा ! कामास एन्द शार्वमा, अरक बान्द्रव क्यांत्रम !.....

नाम भारतमात कारक देवका स्टानक লোকন বোধ হয় ধবন হারিনাসের স্ফুডি তাঁকে विष्का करब्रीयम-कार्वे निरम्प विकासित প্রাণ্ড পিরে আমার ছোরবোমান বাবার টোপ-মূৰ মাছিয়ে দিয়ে, মিজেও কে'লে কেলে बट्गीब्ट्गम् बाखा बाखा, क्रांबम, कामाव কোনো ভয় দেই, ভোলায় হেলেকে আৰি লেখাপকা লেখাৰ—ঘাইলে-পাডি কোনো क्षिक नामस्य मा ।

ভারণার বাবা বিভিন্ন লাল-কক্ষিয়ারা-महोम्हें - क्ता - शक्त - छाटका-रगासा, र्माइ-वाक्ना, क्राताका, नार्मानकेनी, वानेर कन रकता रमदे जान गरकत नाम करत कार्डि देएक देएक अकार वाक्टिक करण अरमीकरणन रक्षम करव जावि का कामि मा!

আমাৰ কোলের বোনটি, বার নাম নাকি নাজিয়া খাতুল, সে কৰে নারা বার ভাও আৰি আনি না। আর একটি ছোট ভাই ছিল কোলে। ভাকে আমি কোনো এক অন্বকার রায়ে লক্ষের আলোর আমাদের সেই মাটির कृष्टक पटावा मध्या एक स्वर्णाकामा

रकारत्यमा ! कामा स्थम हिरकास कसटक ! भीक-काम । कीवा ५८म मारही छिपक रहा नारेख करन रमधमाम, की कुन्नामा! शक्ति बारत - एक स्मा क्षक्रम् द्वा পা'ভবগোড়া (रमञ्जारमञ्ज) भाषित राज्याः वस्य शकाय করার পর কুল্পে নিডেন এই চেন্য নিরে জন না শেলে। একটা ভাষার লোটা উল্টে **१८७ चारप मनके न्यापनी-प्रत्या वरता।** काकारमञ्ज्ञ बाधिएक दहे-क्रवे। यक काकी बनारमा 'ব্ৰয়ে ডেব্ৰ ৰাণ, 'গলাৰ দক্তি দিবে মাৰা গেছে রে! হার, কি হল রে....তোর মারের কাছে বা-না! ভোৱ বেলা ভোৱ বাপ ভেকে শিতে সে তোৰ মামাৰ বাজি ধান 'কটাতে' (ভানতে) সৈছে বে রে'.....

দেখলাম গোরালের জাভকাটার' সেই



क्षात निर्देश गरेक्टल यात्र गर्ना, मनाग्रहर रक्य-भागाता त्याके स्थरक अभगानि

কার কেন ব্ভার পর জানাজা পড়ানোর ব্যাপড়টা—বেটা শীতের সময় মা আমার পলার হৈবে শিক্ত-লেইটা প্যক্রির পলার विका पटन चारान चामान कानीकानी दावा। **তিনি কথা ব্যক্তির আমাকে যুগের** ঘোরে **चावार करत रहरू कीवा हाला पिरह स**हस्र मायात हुन्द स्वरत कार्यत कम माहरू माहरू बार 'बन क्या' बन्छे महे भी क निरंत छेरो **দলার কলি পরিবে দিবে মই**টা পা দিরে সরিয়ে কেলে দিয়ে বলে পড়েছন!

এরপর আমার জীবনে নেই এক চয়ব 🏋 বধন ভিনি নাকি ছটফট কর্নছলেন ভবন দেখতে পার আমার আঠততো ভাই। লে বছতে, বড় চাচা ছুটে গিয়ে চাগিয়ে ভূপে ধাতে ব্যাহ্মদেন কিন্তু বড় চাচী ভাকে আছিলে ধরে রেখেছিল, বেতে দের নি। **কার**ণ, **জাগের** নিন নাকি যা আর বড় **ठाठीत मरना नियम क्लाफ़ा इरहाधिल अक डोकात त्मरे त्व जाव मन ब**न्न निर्दर्शकन छत्। **छाडे निरतः। या नाकि वरमधिम, जा**यारभव

কত টাকা খেল ভাসনের পিঠে বাগি কেডিল উঠে ৰখন তিন याम नवानावी विश-আমরা কি টাকা চেরেছিল্মে দ কগড়া চরতে फेक्ट काठी कां**डा नित्य जामान माटक मास्ट**क ट्टाइ का वामान वाया हुन करन राम्याना वस प्राप्तां किन्द्र बनातान ना। वावा नाकि বলেছিলেন, 'বড় ভাইরের শ্বোঞ্জ-পঞ্জের নিকের বউ! আদুরে। বলবে কী! ভাষ কথার ওঠে বসে। হামরে কশাল। সামাল্য একটা টাকার জন্ম আমার সামনেই আমার স্থাতে বাটা মারতে এল-আর আমি বেচে एश्टक टमडे मुन्ता टार्नाच-धन काता ना-বাঁচাই ভাল ...কাল তো আমি খোকার হাত ধরে ডিকে করেও এলাম! আমার মরণ ভাল ৷'...ভারণর মাকে তিনি ভার হাতের क्षां भिरत स्मर्त्ताक्रमा

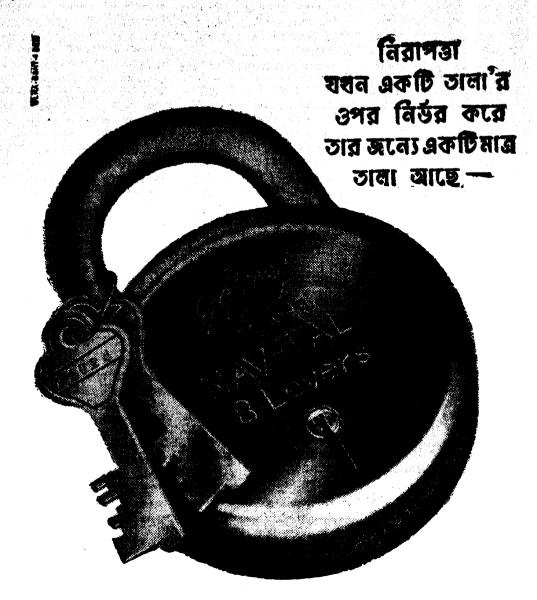
পাশের গ্রামে মামাদের ব্যক্তিতে সেই তেরে द्यमा, भीरञ्ज मध्य कुत्रामा छंटन छंटन, ছ-वहरतन्न रहरम, मन्भूभ छेमभ्भ, बुरक शहर ৰে'যে কাগতে কাগতে, কাগতে কানতে रकाम करत रव मारतत काटक भिरतीकम्ब বাৰ ভত শিৱাল শাক্তির ভার ভূলে, আজ चात्र द्रमण्य किन्द्र मदन द्रतहे। मदन क्याएक टमार्टन किस्ट्रेट्स रहारचन बरन अपने स्वयंत टका कारणाव रहा याता मुताना चाहता कर रता वर्षः ।...

या जात वस मानी शन समिका। नामी (निनिमा) क्रांकित शत्क श्रम्क स्थात त्यात ঢেতি পভার পর কবি লেকেই নেজে ৰাভিয়ে স্টেস্ট করে ভানা ধান ভূলে इतेर जामारक जामरक ट्रास्ट **छ**िक क्य रहत राज। या साथ रह আতাত্ৰত ছিল কোনো কিছ সুৰ্যালয় জন্যে। ছাটে নেমে এল চে^লকর পেছেন रवाक। व्यामारक क्षीप्रत शत न्यूरवादन, ीकरब. कि शरतरक वावा, कौगीवन रकन **?** अ: शा अरंकवारा हिम इरह शारह स्व स्व... একলা কি করে এলি?...

আমি মারের ব্যক লাকিকে পড়ে একটা গরম খ্রিতে খ্রুতে কালাম : বাধানী পলার দড়ি দিরে মারা পেছে চ

भरवामधे स्थाना या**टारे** यादम्**र दलस्य** ডিম দুটো বেন স্থাতে লাগল কৈছুক্স। ভারপর আমাকে ছিটকে সরিরে দিয়ে ব্রক চাপড়ে কৰিতে লাগল। মাধা কটতে লাগল মাটিতে। নানী চিংকার করে আকাশে হাত ভূলে আমার কাকার উদ্দেশে কলতে লাগল ঃ 'হার বাবা, একি করলি ভূই! আমার ক্টো মেরের বৈবনটো ভূই অকলে কোৰায় ভাসালি রে! হার বাবা, ভূই ছিলি জানমান ৰাজি, ভূই অপৰাভ মরুৰে কেন মন্ত্ৰে পেলি রে :...

चामात्र अवसा वड़ रवाल चारह আমি ছোটবেলার বেলি পেখিন।



ব্যাহি, হারবানা আর ভানতে
বাবহার হয়—কেন না এটি
নির্ভরবোগা।
পুলা এর কারিগরী, প্রতিটি ভালার
কানা আলাদা আলাদা রক্ষের
চাবী তৈরি হয়, ভাহাড়া নব-ভাল
এমন ভাবে ডিজাইন করা—
বাডে, পুলো বা ভেবে চুরি করা

বা বার, ভবি সক্তাদ দের স্বতে বেলী নিরাপতা। শেতদা আর ইম্পাতের ভবল থালু বাচেক ব'লে এটি কালে মক্ষর্ভ। এটি তৈরি করছেন গোগরেক— নিরাপভার সরভার তৈরি করতে বাদের আছে ৭০ বছরেরও বেলী অভিজ্ঞতা।

तव-ठाल

ভিন্ন সাইজে পাবেন: ৫০ বিলিনিটার (৬ পিভার) ৬৭ বিঃ বিঃ (৭ পিভার) ৮৫ বিঃ বিঃ (৮ পিভার)

प्रिम्प जारता स्ट नवास काका जाव वर्षात्म

ত্মকা কিন্তু বিশ্বন কর্মক কর্মক কর্মক বিশ্বন করে ক্রিক্তিক ক্রিক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তেক ক্রেক্তিক ক্রেক্তিক ক্রেক্তেক ক্রেক

মামাথাড়ির পালেই ছিল মেসোসের বাড়ি। সেবাসেই থাকড আমার বড় বোন। সে বড় ধেশদেছিল মাথার জন্ম।

মানাবাড়ির প্ৰাই এল কেটিরে। ছহা কালাবোল পড়ল। সাস তেমান ব্লুছে। বাবার ক্ষিকটা এক পালে বেরিরে ররেছে। চোৰ স্টো ঠেলে বেরিরে পড়েছে।

মতুল কী ভাষণা বাবা একবার জাবর মাল্লকের একটা কালো দাম্ভা জবাই করার সমার তার অমনি সাদা সাদা আমড়া আমড়া চোধ বেরিরে পড়েছিল! (আমি ভরে চিল-চিৎকার করে পালাভে স্বারের কী থকাথল করে ছাসি!)

বভ মামা খানা খেকে প্রেলস আনলে । কড় চাচা হাতে ধরে অন্নর করাতে কণ্ডা ফাসাদের কথাটা আর তুললে না বস্ত মামা। বললে, বৈ গেছে ভাকে ভো আর भाउता बहर ना। एरव रमाक्टी यथन नर्जृष्टम, এমন অমান্য ডোমরা যে তাকে ভুলে धताइ ७ रशाल मा !... महीनमाक सम्ब मामा বন্ধাল, 'মাথা গ্রম ছিল, ফকুণায় বিষম কল্ট প্রসাত। আমরা একবার কলকাতার মেডিনুকল কলেবজ নিয়ে যাজিলাম, মাকের হাটে বেলগাড়ি বাঁধলে কিছাকণ। তাহি জন ইন্টিলনে গোলে উনি নেবে কেরে 4 Pm 1 কোধার পালিরে বায়--থাঞ পরের দিন ছরে অলুস। হাসপাতারে দিলে ভারা মাধা কেটে লেবে এই ভারে দ্রনোটা ভেণিনপতি) আমার পালিয়ে

প্রতিক কবর দেবার হাকুম বিরে গেল।
কবর হরে গোলেও প্রতিদিন মারে আমি
আফাদের ভিতের বাসে উত্তর দিকের গোরব্যাসন্তর শিকে মুখ করে বলে উভরার
কাদতে দেখভাম।

অরপর আমি মানাদের বড়ি চলে বই।
সেশান থেকে পাঠশালার বেতাম। মা থাকত
ছোট ভাইকে নিরে আমার বাপের সেই
ফুড়ে থরে। নির্জান বন জগালের পথ ধরে
একাই পাঠশালার বেতাম। একথানা প্রথম
ভাগ দিরেছিলেন বাম গ্রের মাগার মোড়ালার
ছেলে হাবিকেশের কাছ থেকে চেরে। আনি
ভালপাতার দাগা ব্যলানো ছেড়ে ক-শ
লিখতে শিখলাম। মা ছিলেট পেন্টিনল
কিনে দিলে। ভারপরের বছর শিবতীর
ভাগ। ঐক্য বাক্য মানিক্য অধ্যাতি।

শাতা আটা মৰে। লাকা কলাপাভার লিখে নিয়ে বেতাৰ যায়ের গালে-দেওয়া বেগানী-टमामानी कालि पिरंड के माथा स्थाक दम माथा পর্যস্ত। বাম গরে মধ্যম দক্তি ছেলেনের ভীৰণ মাল্লভেন। বন্ধ মামার পিঠে এখনো ভার বেভের চিক্ত পড়ে কালসিটে দাগু হরে আছে! একটা ছেলে ছিল, নাম ভার ভীম-কালো মোৰের মতন চেহারা—বভ বভ সাধা চোৰ-ভেডার গারের মতন কোকডা কোকডা চুল ভার হাখার—লে ভার ভাই অর্জানকে निरंत द्याच द्याच शक्क विवय विश्रहर । অৰ্থানকে এক বা বেত মানলেই সে ভাষ মাদ্রেীতে ভড় ভড় করে বাছে। করে কেলভ। আর ভীম রোজ, কলাপাড়ার লেখা আহরা বেখানে কেলে কিতাৰ পরে মুলার দেখার পর সেখানে মাদ্যরীটা কেলে দিয়ে বেভ। পরীদন আবার দ্যু পরসায়ন একটা সাদ্ধরী আনত লে। আবাত ভার ভাই মারের ভয়ে পারখানা করতো ভাষা কেলে দিতে দিতে ৰলত, কালকে আৰার বলি বাহো করে, শালার পেটে 'মাডি' মারবো !'

কি জানি কি হল বাম প্রের্ মণানের পাঠপালা বিভট্ববেশ্যের বৈঠকখানা থেকে পালের জানের দ্রগা মন্ডলনের বাড়ির বৈঠকখানার চলে এল। আমানের বাড়ির এবং মানের বাড়ের মানকানে হল জারগাটা। মানের সংশ্যে প্রারই দেখা হভ। ছাটির সমার সক্ষতীর দেভার গাঠের পর বিশ্যাং দেখি মা সরুপতী বাজেই বে বার বইপ্র নিরে ছাট মারজুম। আমি বেডুম মানের কাছে। মা ভাত খাওরাত আল্ব্ আর মাছের কাটা ছাড়িরে ছাড়িরে গালে দিরে। মা এক আনার একটা ইলিল মাছ কিনেছিল। আঃ। কী অপুর্বা স্বাদ ছিল ভার।

তারপর একবিন হল কি, যাও আরার ভোট ভাইকে নিরে নামালের বাড়ি চলে এল! কিল্ডু কেন এল? সে কথা আমি জানতে পারি অনেক পরে বখন ক্লাল টেনে পড়ি!

আমার বাবার সেই খন তেন্তে ফেললে মামারা। বাবার বত বইপর কোরআনে কেতার যাদিস প্রথি সব সংকা করলে হোট মামা। উল্লেখ্য ছাউনী চালা কেটে এনে লাগালো তাদের গোরালো। মামার বাড়ি মা সেরোলা কাড়ত, গর্ব খড়া কুটোড, রামা করত। দাসীর মতো খাটত কিশ্চু সমরে খোতে শেত লা। দেওরালের গারে লিখে হিসেব করে রেগেছিলাম, এক বছরের মধ্যে আমি পঞ্চার্ম দিন না-খেরে স্কুলে গিরেছিল্ম। অরু মান

মামাদের বাড়ি বলি- না বা আসত ভাছলৈ পাড়া প্রতিবেশীর ধান তেনে দিরে বে চাল পেত ভাতে বোধ হর একটা দেড়টা পেতের ছাত ভার চলে যেত। আর বাক্টভিটেতে ২০ ওল, কচু কলা পেশে, বেগ্রন কভ কি!

शहः शामन नामन मा। चटर दक्म क्षम ? क्षम को कटल व्य-क्या जाति व्यक्त क्टन कामात क्या मह—या अक्रिन राजकिन ক্ষুল মামারা আলাদা হরে গোল আর साबि नामीवक्सार नामा त्यांस किता कास निष्यत राजान क्षिकासाम मौर्क व कार्व कार्वेटक मृद्ध्य नित्त्र-भाष विशेष निरस कीश्रस करन का सामान बानी कारपन জলে ভাসিত্রে দিয়ে বলেছিল : তেনা বড় হ বাৰা আবার তোর বাশের ভিটের বাৰ ভখন। ভোঃ মানার বাভি কি বেছন বাবা, अक्का त्यात वान्य शाक्कम चात्र शास्त्रत बाह्य कर् जाकी बर्गमन बाह्य कामहरू এনে অভিয়ে ধরতে গেল! আমি ভোর ছোট ভাইকে নিয়ে লেই বাতেই পালিয়ে গেলৰে আমার মামীর কাছে। তারপর বড দাদার্কে সৰ বলতে তবে তো ভোৱ বাপের পর ভেঙে দিয়ে আমাকে নিহে গোল! ভোর বন্ধ মামা আবার আমার নিকে দিতে চেরেছিল কিল্ড ভোলের মাৰ চেরে আমি ব্লাজি হই নি। বড় হয়ে তোরা আবার তোর বাশের ভিটেতে আলো জনালিস

ষা আমার লক্ষ্মী যা, সে-আলো সে নিক্ষেই জেনেকছে আমার বাপের ভিটেতে। আবদুলে জব্বার



19147

श्रामा धरी



अस्ति अस्ति। तिर्

গোপুৰ যোগদিন



"বিশিষ্ট ব্যক্তি নির্ণয় প্রতিযোগিতায়"

জিতি নিন १,000

১ন পুরুজার ২,৫০০টাজা
নুদার ভারবি (তেবন নাজদার করে) করে ৫০ট কেন্দ্রিনটার রেনিকারেটার, অবং আনার কেন্দ্রের ২,৫০০টাজা ক্রার্ডার ১,৭০০টাজা বুলার ভারবৃত্তি প্রকল্প করে করে করে ১,৭০০টাজার বে কোর নির্বিদ্ধ । তর পুরুজার ১,০০০টাজা বলং অবং বাবিন্দ্রির কন্দ্রীর রেল ও বিজে বেশ্বের্ডার ১,০০০টাজা বলং অবং বাবিন্দ্র কন্দ্রীর রেল ও বিজে ক্ষেত্রা ১,০০০টাজা বেশ্বর বিবিদ্ধ । ১৮ টি নাজ্বা পুরুজার ১,৯০০ টাজা মুক্তার মার্বিক্ ক্ষা ট্রাবিভিটার নেট করবা রেবিদ্ধ রেবার ২০না ।

न्तृत क्षापूर्ण, क्ष्मुंच सूक्ष्य, स्मूस दर्ग विमायिक विद्या (१९९८माटको अन्य स्मू अथ्य स्मूस क्षमुख्य ठेवती (१९९८माट १९११ कृत्य विद्या नेत्राव्य स्मूष्टाविक के शांश वह विशिद्ध स्मारत । (१९९८माटक অস্ত্রবেশভারী কেনা মাজির কাক বিচে চাক पुकाब त्वाब बीकानु विकृत करत त्या अवस कर रक करत । यात्रि उसे महून विके कर क आका पारमात कार मानता । जार (गंगरमारको कियुव ३ काम ३५ विन क्रमणा gan cere feras man el uce la secue : les e lette erfectes 4446 614 401 494 t হিবলৈর সংগ্রে সম্পর্কিক ব্যক্তির কান্দ্রী বার কর্মন 44र शाक्षणात् व्यवस्थि क**े प्रत्य रमस्यासको** up auf ment ditte fege aut mit आरम करव पूर्व करत वीक्षत क्रिकांक्ष प contricus fuffit unt fact afficial criben er, fermit femis fefette. s o a merif cara, winmien-sa

क्षम विकासिक मायशास मका कर्यका ।withing the party of the same of the same of चर्च सरकाव^त सरका काम सक मारवाहे रह रकाम चाकारका (पापूर नारसरकेर (नासरका क्रोबरका सामान समान क्राक्ट का का शर्षे : 44 मात्र शर्वन क्या ४६ माहारवृष्टि **धरमधि श्राम्या**वि-कार काम किएक भारत्या । जानमात्र मात्र क मान्नेक प्रकास भारत wer with free areas are use Brazan c winners केवर गर्धक संबंद । व्यवीर नाकार) केवर र काम निर्मित प्राट्य শিংশিবেদ : এংকল করম কাশিকের লেখ ভারিশ ১৯**৩৯ সাংস্কৃতি** क-दर्ज कादकीयम् । अहे जानात्रक गाव रकाव आरक्त कवत्र माक राव मा : लापन मध्य जहारेश एवर काहिन अवसास কোম্পানীর ইক্ষাবুলাথেই ধর্মির করে পার্য : প্রবেশপত্র কার্তির त्माल (गाउँ १४वी काल नः नहें क्लकांच दकांच कावित्र अवन कहा কৰে লা। গোণ্যালভেক জেলেনিক উপস্কান, নাক্ষিত্ৰভা ভ শাষ্টভাৰ উপৰে প্ৰতিযোগিতাৰ কথাকল দ্বিৰ কৰে। <mark>বাভিবোদীকৈ</mark> Bur furtism fasteneefte miet fatelbie bie ger feine मन्त्रमीत्र तिष्ठाचेत्रे हृहाक वाल तनः इतः अधिरवानिका मित्र কোন চিউপাত্ৰ লেখালেখি চলাৰ মান বিচালকেয়া মতে যে নৰ का कारती अधिककार मध्य करावन, प्रश्वक निवासन व मन्द्रश्रा काल (राज्यकारकृष्ट्रको १४क र १८३ (इंगलाम । साल्य**क गांक्य**का केस्ट्रक्टहें भूतकात रवका करवा मन भूतकात (नटल ठाएक फाकरवांट्स कामान बर्द । गुरुकार जाब रमगूरतारक्षक विकासन्तर हासाम विक्तास निकास विविद्योदक मन्नादि राज असः अदक विकरी शास्त्रिकानेक टकाब वर्ष पाकरंद का । किन्दुवान विकास निर्मा, केरणा बातकुका-Biblim aceiff ie biere mieatun entwau aist nicht म्य**रू कविकासन व्यक्ति**नीश अहे श्र**िरा**रे हे । कान अहर

चर्चात (करते वांकरे नादिश कित					
बाइयम् प्रमुखः । ३ गाऱ्याः । या अ अन्यत्य प्राप्तः ।					
	विषय	950		विषर	944
3)	415.4	7,	11	লপভা	
11	मध्ये ह		1	771	
•1	10/6/3			C = 1	
•1	মহপিত্র		7:1	पर्व शहर व	<u> </u>
4)	मारवाविक स		- 331	व वेनाव	
4	ডিয়াস্থৰ		3 24	वृंठ।≉मा	1
(रेन्द्रे राजिस्स					
31	26(49)4		2,01	THE COLUMN	
*)	£रा(हेईन		301	[40][69	
٠	্মেশে নিন		301	विश्वभाग	
• 1	CALCEN A		3.61	मृत्या संबद्धान	
	্রপ্র ব		191		
*	Sugaray		101	4 -914	
*:	 ● #4(%)# 		1:21	**	
	ं विक्रम व राष्ट्रक देशहरू		1:::1	ৰে:পদ্মৰ মোন	
21	कालमध्यतः		931	<u> ३</u> न	
39				Ti.	
144	(अ) दश्य		131	(564∓	
201	#Tjwr17		1,,,1	15044	
(e) •	(inite® fami	পন ছোগান			
	R. Langer	and the second s			
4.41	A STATE OF THE STA				

তাভাতাতি। তাভাতাতি। শেব তারিখঃ— ৩০শে অক্টোবর,১৯৬৯ দাল



🛪 ভারতের অথিকি সাহাব্য দান

🗕 है है।काब भौतमान निरंत निर्धात कहरन ভাৰত বিদেশ থেকে বড় সাহাব্য লৈরেছে ভড় আর কোন দেশ পার্লন। জীবলা আখাপিছ: কৈনেলিক সাহাবোর পাৰিয়াৰ ভাৰতের চেত্রে পাকিস্ভাবে অনেক ৰেলী। তা বাই হোক, ভারত বে পরিমাণ माराबा रगरताक जवर विराटन जबन ভারতের যে পরিমাণ ধাণ আছে পাথিবীর चारक रकान रमरमदूरे काचिक जरम्या रम গৰাবে বাহনি তবাও ভারত এশিয়া এবং অভিকাৰ কৰেকটি দেশকৈ আখিক সাহাৰ্য विषया वार विक-योगां विकास ब्रान इरके ग्रहा। ১১৬১ मान स्थापर লারত অন্যান্য অনগ্রসর দেশগুলিকে টকা श्रीष्ठ मि.च्हा ১৯৬२ जान स्थरक मात्र करत প্রশিক্ত নেপাল ভারতের কভ খেকে we-w মিলিয়ন ডলার অর্থাৎ বর্তমান ৰিনিমৰ হাৰের ভিডিতে ৬৫ কোটি ১০ क्षक होका बाद रशस्त्ररम् । छठीन रशस्त्ररम् ६० जिल्लिक प्रकार, जबार, ०४ दकांति ६० लक 💵। লিক্ষি পেরেছে ২৪ মিলিরন ডলার प्रचार ५४ काछि होका।

ী কিল্ড প্রশন হচ্ছে, ভারত কি তার নিজের ব্যবস্থার সমাধান করতে পেরেছে বে, নিজের श्रीरवाक्स बिहित विरम्भरक धार मिरक ? প্রীক্তার অভাবে দেশের ভিতর যখন বন্যা প্রতিরোধ করা অথবা বন্যারিম্ট নরন বাঁকে **উপত্ত পরিমাণে আথিক সাহাব্য দেও**রা স্থাতির হয় না, তখন নেপাল, ভূটন ও **জিকিমের জনা** ভারতের দক্ষিণ হ'ত হপ্রেসারিত। নেপাল বিদেশ থেকে মোট বে স্মাহাষ্য পান্ধ, তার অধেকি হচ্ছে ভারত থেকে প্রাপত। টাকার অভাবে কলকাতা মহানগরীর **জারন সম্ভব হর না, অথচ** ভারতের ট্রকার নেপালের রাজধানী স্পাণ্ডত **ছরেছে, তৈরী হরেছে স্মেন্ডি**ড হিভবন **दियानवन्तवः। विरम्भरक व्यथः मार**्या कदः उ ভারতের পরর দ্বীনীতির একটি অসা এবং প্রয়েজন ও নিজের স্বার্থেই এভাবে সংহার্যা জেঁওরা হজে। কিন্তু, ভার বিনিমরে ভারত 🍓 পেরেছে? নেপালের উত্তর সীমঞ্জ দ্রীনা বাহিনীর উপর দৃশ্টি র বার জনা ভারত যে সেনাবাহিনী মোডায়েন কংলেও লেপ ল সর্কার তা তলে নেওরার জনা দ্বি ভানিরেছেন। ^বপ এল ৪৮০ অনুযায়ী ভারত ৰে টাকা মাৰ্কিন যাভবাষ্ট্ৰকে ৰূপ পরিশেধ ৰাক্ত দেৱ তার থেকে ২৪৫ জন নেপালী ছার্যান্ধ ভারতের কৃষি-মহ বিদ্যালরগালিতে আঁধারনের খরচ দেওরা হয়। এই তিন্টি রাজা ছাড়া ভারত আর বাসহাবা দিলে **থাকে তা কল্যানা** পরিকল্পনার ক্রাস্টো অনুবারী দেওরা হয়। আফগানিস্তান,



অন্টোলরা, রজদেশ, কাম্মোভিরা, ইরান, কোরিরা, লাওস, ফিলিপাইনস, সিপ্যাপ্র এবং দক্ষিণ ভিরেতনার ভারতের কার থেকে কারিগারি সাহাবা পেরেছে। অন্যান্য দেশের সহবাগিভারও ভারত এই দেশগ্রীলাক কারিগারি সাহাবা শিক্ষেতে।

প্রবাদ্ধনীতির দিক কেন্দ্র বিচাত কলক वित्रमादक मादावा कताव रशीकक्का निम्हरके আছে। ক্তু সামখ্য থাকা সত্তেও বে ভারও উদারভাবে অন্যান্য দেশের সমস্যা সমাধানে সাহাব্য করছে এটা স্লাম্বার বিষয়। কিন্ত धनाना तम्म छात्रास्त्र काष्ट्र स्थान সাহাবোর বেরপে সন্থাবহার করছে, ভারত কি বিদেশ থেকে প্রাণ্ড সাহাব্যের অনুত্রণ मन्दावशाद कदरण रभरदाहर विराहण ভाরতের কণের বোকা ক্রমেট বেডে বাজে। কৰে যে এই কণ লোৰ হবে তা কেউ বলভে পারে না। ভবিবাতে হে সরকার ভারতে আসবে অর্থাৎ আরও পঞ্চাল বছর ধার ভারতের যে রাখীনৈতিক পরিবভান হবে এবং তার ফলে আগামী দিনের জনসাধারণ বে নীতি অন্সেরণ করবে তার উপরেই নির্ভার করবে ভারত ঝণমান্ত হতে পারবে কিনা। এখন ভারতের প্রান্তালন বিবেশ ধেকে প্রাণ্ড সাই বোর সম্বাবহার করা এবং অনানা অন্যুসর দেশকৈ সাহার দেওৱার অংগ তার রাজনৈতিক প্রতিক্রিরা কী হতে পারে সে সম্পরে স্বিশেষ বিবেচনা করা। আন্তর্জাতিক সহায়াগিতার অনাত্র হাধ্য হক্ষে পারশ্পরিক অর্থনৈতিক সম্পর্কা। একটি দেশ যদি কোন কোনত এগিয়ে বার ভবে ভার এগিনো - যাওয়ার সাফল অকুপণ হদেত আনা দেশগুলিকেও দন কলা উচিত এ বিষয়ে কোন দ্বিমত ছাকতে পাৰে না। ए है भएन इत्र, नगर वै:कात माशाबा मा करत জিনিসপরের মাধ্যম অথবা বিশেষকা প্রের'পর মধেয়ে যদি ভারত আপেক্ষকৃত অন্তাপর বেশগালিকে সহায় কার ভবে হয়ত সাহায়ে পানের নীতি আর্ বাস্ত্র-সম্মত হবে।

ভাষন ৰামা কপে জেলনের বিনিজাধ নাতি ভারতের যতগালি রাপ্টারন্ত সংক্ষা আছে, সেগালির মধ্যে ভাষিক ৰাম্মা কপোরেশনহ সবচের বেশী মানাফা অভান করেছে। ১৯৬৮-৬৯ সালে জীবন বামা কপোরেশন ব্যবসায়িক লেনদেনে চ্ড্যুন্ত ব্রেক্ডা ম্থাপন

ब्राह्म । तक व्यक्तिक व्यक्ति औ अर्थी-ফেলামর বাবসায়ের পরিমাণ ছিল ১৯১-৩৫ टकांकि क्षेत्रा: ১৯৬৭-७৮ मध्या छात्र পরিয়ার ভিজ ৮৪৪-৪৭ কেটি টাজা। জীবন বীয়া অপোধৰণৰ বিভিন্ন বাজে ভাৰ विभिन्नानम् वा स्ववाहक द्वर्थकः। विरामम ৰৱে গ্ৰামিমাণ কমি হস্তগত করা কার গিল্প প্ৰভতি ৰাতে জীৱন বীমা কপো-रक्षणल विभिर्दशारशंह श्रीहमान नाष्ट्रिक नारक । जनराज्य केरणश्रामा श्राम कीया गीमा কণোৱেশন ১০২ কোটি টাক'র প্রামীণ বিনিৰোগ ৰাক্ষে ভাব মধ্যে ৩০ ৰোটি है।का क्षम क्षमारनंद माधारम बन्द ५० रक हि টাকা ডিবেকার করের সাধ্যম বিনিয়োগ कता हरतरह । भूर विषी विषय कुल्य ह ১৯৬৮-৬৯ সালে সরকারী কেতে জীবন ৰীমা কপোৰেশনের বিনিছেল্যের পরিমাণ শতকরা ৭৭ জার ছেকে ৮১.৭ জার व्यट्डाट : चाराव বেসরকারী বিনিয়োগের পরিয়াণ শতকরা ১১-৭ ভাগ থেকে শতকরা ১৭-৮ ভাগ প্রশিত করে গড় আধিত বছরে জীবন करणारसम्ब च होति বীয়া विद्रमणी इट्ये ४-५० कांग्रे शेकार वादमात करवाह । **ध्ये वान्धेशः लिव मत्या जातक त्यां वित्रां**स ফিজি, হংকং, কেনিরা, মালরেলিরা উগান্ডা **७**वर मिश्नाभूतः **कविन वीमा कर्ना**रहम्साह পরিচ লকমণ্ডলীর পক্ষ থেকে খোষণা করা হারছে যে, ভার বিনিয়োগ নীতির বিশেষ কোন পরিবর্তন অদা≅ ভবিষ্যাত হার না। জীবন বীমা কপোৱেলন হখন জাচের পরিমাণ বাড়াতে পেরেছে ডবন দেলের অথানৈতিক পরিকল্পনার অধাসংস্থানে যতে धरे जेन्दारतक यथायथानारव कारक साधारता হর, ত'র চেন্টা চলবে বলে আলা করা হার। ক্ষান্ত শিলেশর সম্প্রসারণে এবং নতন শিল্প स्थापत्न वर्षा मवरवारहत /कारत स्थीतः तीयः वानीरतमन्दक जाइए छ म्हण्य লাগানো বার কিনা। সরকারের ভা বিচার। অন্যানা দেশের জীবন বীষ্টা সংস্থাগুলির বিনিয়োগ নীতি প্রালেচনা দেলের বিভিন্ন শিক্ষা-প্রকলেগর অর্থা-महम्बाह्म जाहेम्ब जदमार्मन शृत । जाम्यादम করা সম্ভব। বাংক ছাডা বিভিন্ন ঋণদান সংস্থাগড়িলর মধ্যে জীবন ৰীমা কপোরেশন व्यक्षणीः किन्द्र अदे कट्टिस्सम्बद्धान स्वनमान নীতি বাণিজ্ঞাক ব্যাংকগালির স্যুপ্য ভার और शिराय शिराय मानि कर्यांस । वका काम वादनाञ्च धार्यः काञ्च निरम्भन्न स्कृत्व वानिका-ম্লক ব্যাংকগালি যে ক্ষেত্ৰে ঋণ দিতে সাহসী হয়নি, জীবন বীষ্ট্রপারেলন সে কে.ট খণ দেওছার জনা এগিরে ছাতে।

স্বত গুল্ড



वर्ष क्रिके

আৰু লেখার টোবলের উপর
তিপেটাখাতের মতো ঠান্ শক্তে
হাতের বইখানাকে ছাড়ে দিরে জলন গভার
করে চিন্তবান্ কাশিরে উঠলেন, "রাবিশ !
বর্বর! এ রক্ষ বই একখানার বেশি হুখানা
প্রত্যে যাখার খনে চেপে বার…"

ভাকিছে দেখি, বর্বাই কটে। অভিযুদ্ধ প্রভাবির নামেই তা প্রকটঃ "এলিরার এক বর্বার"। কোশক অরি মিলো বেড়াতে এসেছিলেন এলিরার, ক্রমণস্চীর মধ্যে ছিল চীন, জাপান, ভারত, সিংহল, মালরেলিরা—সেই পর্যাটনেরই কাহিনী। অধ্যেকেরও বেশী পান জাড়ে আছে ভারতকরের কথা, ১৯০০ সালের ভারতকরের কথা, মিশো তখন সদা তি।শান্তীর্ণ এক ব্যক্ত, বনিধ বইটি প্রকাশের অংগ ভিনি বারে। বছর অপেকা করেছিলেন।

আরি মিশো খ্যাতিমান লেখক, এ বইটির বারা প্রকাশক তারাও ফেব্লুনা নন, কম করে রবীন্দ্রনাথের বারোখানা বই তারা ফ্রান্সে প্রকাশ করেছন। তব্য এই গ্রন্থ সম্পর্কে অভিযোগ আছে অনেক: ভালোর চেয়ে মশ্য নিকটাই লেখক বেশী করে নেখিয়েছেন, বিরব্ধি ও বিড্কা বড় বেশী প্রস্মুট, ইঠোরি ও হঠোরি প্রস্মুত ভুলভানিত পনে শাদে, বোঝাপভার অভাব, সহান্যভূতি কম।

লেখকের কৈফিয়ত

মিলো নিজেও অগ্রিম আক্রাজ করে-ছিলেন, তার লেখা সম্পর্কে আপাত্ত-সংশয় দেখা দি:ত পারেঃ

শএই কথা ভেবে কেউ কেউ অ শ্চরণ হয়েছে যে, রারোপের এক দেশে তিরিবশ-তিরিশটা বছর আমি অবলীলাক্তমে কটিরে এ সক্ত তার বিবরে একশরের জনাও মার্শ শালিনি, আর ভারতে এলাম, চে থ মেলে দেখলাম মার, আর ভারতে এলাম, বচ থ মেলে বই লেখা হরে গেল! এদিকে, এদের বিদ্যাই জালাকে বিদ্যাত করে: বে-দেশট র আমি তিরিল বছর ধরে আছি তে দেশের সপেন নানা ভূজাতিতুক দুশ্চিশ্টা, পরাক্ষর, জভালত দিনপঞ্জীর একখেরেমি, বিবাদ ও ল্যাবিরোধের স্ত্রে অক্ষেণ্য বছনে আমি আবক, বে দেশে নতুন করে কিছু জানার অবভাশ নেই আর, শুধু অছে দিনবাপনের ছকে-বাঁধা জাবন—তার সপ্পকে কিছু লেখা কিভাবে সন্তর ? সমন্ত্র বত বড়ে, জানও তত এগোর, কোনো দেশকে জানার পক্ষে এ-ক্যা সতা নর। বরুং দিন বত বার, ততই অস্পত্ত হার আনে বানান ভেগরেখা, গারে সরে

বার সব, নতুন অভিজ্ঞতার অভিসাধ করে আর কিছু থাকে ন। আর এই কার্কার আনি করে এই কার্কার আহন করে করে এই কার্কার আহন করে এই আর এই করে পাওরা করে না। বার ভারতে পার্ভার করে পার্ভার ভারতে পার্ভার ভারতে পার্ভার ভারতে পার্ভার ভারতে দিয়ে বার্ভার ভারতে পার্ভার ভারতে বার করি আন্দার ভারতি আর্থার ভারতে পার্ভারক র বার্ভার ভারতে পার্ভারক র বার্ভারতে পার্ভারক র বার্ভারতে পার্ভারক র বার্ভারতে বার বার্ভারতে বার্ভারতে বার্ভারতে বার্ভারতে বার্ভারতে বার্ভারতে বার বার্ভারতে বার্ভ

অমতও বারিগত ধারণা এর মধ্যে বে কিছাটা সতেবে তথা আছে। অনি নিটে বখন ভারতের মাটিতে পা দিলাম, আঁতটা প্রবিত্তীরা আমাকে প্রামশ দিয়েছি লন ছ "प्राप्त शा-वाबाद काळ बचन किंत व्याप चाराज वा राज्याचन चावडे हा जिल् জানাৰেন - কাল চক্তাে সেটা আৰু চেট गण्डा मा।" कथां। कछ चौंछ। बहे ज़ीरे बक प्रातानीत रन्द्र विविद्धं क्षान करवार ক্ষকাভার বাশ্ভার এখনো গর, দেবট পাওয়া বায় ভি না। অনিশ্চিতভাবে উৰ निथमामः सानि नाः चानतम् चाटक स्वटस কিত মিলে আছে হাল্ডার পারিপানিবর আলাদা কৰে আৰু আমাৰ নকৰে পতে মা ...ও হাাঁ, আছে বটে, অত্তত একটা ভৌ चारहरे: शठकानरे शांक्याबारना याबारही

4

٨

2

S)

14



দ্ৰি ৰচেৰ আশৈ কেছু প্ৰাঃ লিঃ ৰচেৰ - ৩৪

আৰু সাইকেল-বাহনে, আমি একটির আন্ধা মুখোন্নি দ্বটনার বা বেবে মোনামকার নিক্ষতি শেরেকিঃ

يع حب

न्यात्राक्षः त्राचनात्र विषयः त्राष्ट्रे, प्रनदे । स्टाचनात्र ७ त्राचनातः — तरे स्मण्टार वण्डन विक्रा पद्मा कार्यका विद्या कवि स्माप्ट-

প্রসংগ। ভার এ-ই বার অভিমত, তার
কাছ থেকে বিশ্বপ প্রমণকাহিনী প্রত্যাশা
করা ব্যা, চলতে চলতে মিশো শ্বেশ্ন
লেখন না, দেখার জরা থেকে তিনি তওঁ
বাড়া করেন, বিশেষ থেকে সাধারণীকরণে
হলে বান। আগতি প্রকাশ করেন,
অসমর্থন গোপন রাখেন না, বা তার
অপ্রধান ভার প্রতি তিনি শেবতে তীভা

হল, বলার কথাটি হতে বাতে বা দের তার জন্য অভিশক্তেজির আবাতও হানতে ভোলেন না। ভালো হোক, মন্দ হোক, বলার অভিনাটা ভার কোকালো।

হিলোর মতে জারতীরেরা মন্বর, নির্নিত বাহালাপ্রবর্গ।

''ভावजीत्तवा बन्धव, जानवर्' वर्षक मन्धव, एरह्यस्य छेजवरू...।" ভावा स्थाप्त रम्बारम



> 4164 5040

अट्यान क्यानी महा गरम, मिनिस्ट लाह--शह कार्ड कार्ड कार्ड कार्ड करत बीचा बोल्ड वरेटक आक्र स्ट्रा, नान्द्रकर त्यानाक क बदन हमागाँक क्रीमता निरुद्ध। कारत ब्रह्मक केन्द्रकार, विना क्यिशह, विना चावचीत्रवा-वित्यव बालालीया, बीबा मानि कावकीय बाह्यका ट्यार्ट होडेश- भरव हरण बीच बारड লোডোর না: ভাবের কালে চিন্টার প্রবাহও श्वन्तु-विकार्यक, विकारको स्वत रकारमा शाका इ.टका टनके, बीटतम्हरूच, रक्टवीहरूक करशास्त्रहे हन । बदन मदन फरनंत कान বোনা ভারতীর মানসের ব্যভাবগত। ভাবনা নিয়ে বেলা কৰে ভাষা, কৰাৰ পিঠে কথা ट्याटक नगरन्यस्य वर्षे भाकाव। बाद कार्डे ट्या नरम्कटरे कारमब क्रीबर न्य काबा-धे वर विन्छीन व्यक्तिन नहें, विश्वास्तर न সমাস বিজ্ঞিত विश्वसक्त कारा हिडे ভারতীয় মননের স্বভারীসম্ব ও সর্বস্রেষ্ঠ मान्ते एषः खरमान।

"ভারতীরেরা নির্নিত, অসইনীরভাবে নির্নিত ।" অনুভার ভাবলেশহীন অন্ত উন্সানীনতা—শহুধ গর্রই কাছে বা হার মানে—লেখককে অভিন্ঠ করে তুলেছে। বেন প্রিবীর কোনো কিছুতেই কিছু এসে বার না, কেন কাগে আছে ভার মতো, আমি আছি আমার মতো—এমনিভাবে ভার মুখের দিকে ভাকিরে থাকে। আবেগের কোঠকখতার ভুগছে কেন দেশভোড়া মান্য! কি আখসব্ত ভারা! আর সেই জানাই তো ভারতীরেরা কুকুর পছাদ করে নাঃ কুকুরের যে আজসব্যুমের বিলক্ষণ অভাব!

"ভ রতীয়েরা বাহ্লাপ্রক।" স্ব কিছুতেই তাদের বাহ্লা-প্রকাশ-স্থাপতো, সাহিতো, গৃহসক্ষার। মহাভারতের দেশাক সংখ্যা কিবো দক্ষিণ ভ রতের মান্দর গারে উৎকীর্ণ মৃতিগিলে গৃলে দেখলে লেখকের এই মনোভাবের কারণ কিছুটা বোরা যার। কোনো ভারতীয় ঘরে গেলে "নিছক সোল্টের সপো সাক্ষাং হয় না, বা চোঝে পড়ে তা প্রাচুর্য।" মহাকাবা কিবো প্রণর-সাহিতা মিলোর "দীর্ঘা, কুলিম, কুলিতকর" ঠেকেছে—ভার কারণও এই বাহ্লা (এই-জনোই বোধ হয় কামশান্তকে অম্লীল বলে বা কেটা।

এই কৃষ্মিতা বিভানন-পশ্চিতে প্রকাশ পার। মুরোপীয়েরা বিভাগ করে নাধারণত ২, ০, ৪-এর ভিত্তিতে; ভারতীয়য়েরা ৬৪ বা ৩২ দিয়ে মারে মধ্যে ৯ দিয়ে, অধিকাংশতই ২০-র বেশী সংখ্যার সাহারো [দৃত্যুক্ত : ১৮টি চৌর্ব প্রণালী, ১৪টি ধাবনপশ্চিত, হামাস্ট্রিড দেওয়ায় ৫৫টি কায়দা]। বিষরটা সোণ্, বিশ্চারেই ভারতীয় মনের আনন্দ।



নাগিতের সংগে লোকাকাড হলে চুলবাড়ি করিবল নেত

व दक्षा राष्

"একটিও সভিকার নাক নি शिट्ना । সন্দেরী মেরে" দেয়েখন সাতত ড়াতাড়ি ভারা ব্ভিরে বার (একটি कावन अवना, शंभरवाखवा कननीरमद केनराइ ভারতীর নাৰীৰ বিশ্রমের অভাবী। বহু বিদিত, কিন্ত ভার সংবা আছে "পরাজিতের म्याकाव" जाम-विश्वादमञ्ज खन्डिन।

ভারতী ররা খন খন দান করে। এক চন্দননগরেই আছে ১৬০০ পুম্করিণী, আর বখনই বান, ফাঁকা খাট চোখে পাড়বে না, কেট না কেট নাইতে নেমেছেই। গাগাও নিশ্চরই একম্হ্রত শুনা খাকে না। আর তব্ এড নোরো কেন লোকেরা? আংক্রিকা পরিকাশের জনেই কি ভারতীর বিভাবনার পরিকাশে ক্রিকাশে বাহরাহ ? ব্যারাপে ইন্টেনির স্বাহরাহ ? ব্যারাপে ইন্টেনির স্বাহরাহ ? ব্যারাপে ইন্টেনির স্বাহরাহ স্বাহরাহ বাছিকা, হতনী আইনিকা—এইসাকের প্রতিই ভিত্তকানের স্বাহ্যানিক অনুকর্মানের প্রতিই ভিত্তকানের স্বাহ্যানিক অনুকর্মানের স্বাহ্যানিক স্বাহ্য

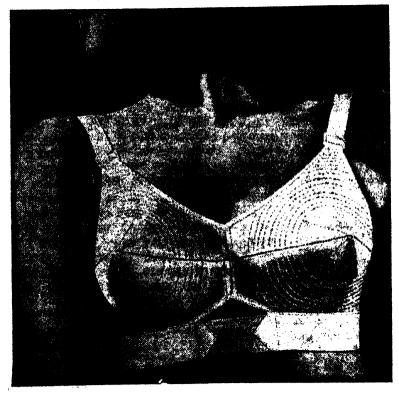
র্বেশে সিলো দেবে হন ব্যক্তি আন্তর্গানিক অনুকলা। ভারতে কিন্তু নিজক নিশেষতা ও অব্যক্ত করিই আনী ভাত, বেডিয়া পা, উপড়ে-নেওয়া নাক"—না হলে ভিক্ মিলাব না, আর ভারত্রেভ বে বিচাবে ভার নিশ্চনতা নেই।

আর সেই সব সাধ্-ছকির...চুপচাপ,
আমান না বিরে. অন্যতি না নিরে. গ্রেপ্রাপ্তেশ ভালের নিবিক্র প্রবেশ: চুশচাপ,
বিরুদ্ধি না করে. অভিযোগ না ভূলে,
তেমনই ভাগর নিবিক্র প্রস্থান—ভা
ভিকা বত অংশই পাক কি একেবারে
কিন্ট্র না পাক। কিন্তু গ্রেম্বর পক্
কেরে এভট্কু অসহিজ্বতা প্রদীক্ত হলে
আর রুকে নেই, ভার চভূদান প্রের পর্বক্
ভিমার হার বাবে। সেই অভিনাপের
প্রার্হিত আছে বটে ঃ প্রেরা এক
ভাগপালের বাবিদান।

শ্রী-স্বায় ক্যাচিং চোথে পঢ়ে মিশোর।
চোথে লাগে শ্ব্ কুশ্রীভার আভিশবা ঃ
শুএখনে খাদা বলতে অভ্যাস্ত হতে হ্র
শ্র্যালান, রুটিত হরে ওঠে স্কাশাহার,,
এটা কিন্দু কিছ্ নর, কুশ্রীভার পরিতৃত্ত
হরে খাকাটাই কেন সকচেরে বড় কুল্মীনসাধনের পরিচর...। ভিন হালার বছরের
শ্রানো এই ছাতি—আন্ন তব্ আন্ত



හන්ඇන (ක්වැපියපෑක්ට ඡායා යූ'මතා යෙනා ශෞදා බන්ය ජිණු පල පහා යවු…



जार का काक दश्य करमक करमक मिम !

আনেক বহিনারই বারণ। অভান্ত ত্রেলিয়ারের চাইতে যেইডেনফর্মের দাম আনেক বেণী। আবরা আন্দর্য্য হই নি । কির আবাদের বার ওলি দেখলে আপনি আন্দর্য্য হবন। কারণ বান্তবিক মাত্র হ'এক টাকা বেণী বিরে আপনি পৃথিবীর সবচেরে বেণী কাটতির রেলিয়ার কিনতে পাক্ষেন। আর বেইডেনফর্মে আবেরিকা থেকে আমধানী-করা ইলান্টিক ব্যবহার করা হর ব'লে মেইডেনফর্ম ভারতের অভান্ত ব্রেলিয়ারের চাইতে বেণীকিন টেকে। একটু তেবে দেখলেই ব্যবতে পারবেন আথেরে বেইডেনফর্মের বাব অভ ব্রেলিয়ারের চাইতে কমই পড়ে। তবে আর বেরী কিলের গ্রাক্ষিই কিনে নিন!

ত কাপ ষিট—এ.বি.সি।জ্যালোরেট ৭.০০ টাকা, জ্ঞানসোনেট ৮.৭৫ টাকা,লেগ জ্ঞানসোনেট ২১.৭৫ টাকা,লেগ জ্ঞানসোনেট স্টেচ ক্ট্যাপ ২৫.৭৫ টাকা,প্রেলিউড ৯.৫০টাকা, লেগ প্রেলিউড ২২.৭৫ টাকা, লেগ প্রেলিউড স্টেচ ক্ট্যাপ ২৭.৭৫ টাকা, স্থইট মিউজিক ১২.২০ টাকা, স্থইট মিউজিক স্টেচ ক্ট্যাপ ১৭.০০ টাকা, কার্স্ট ক্টার ৪.৫০ টাকা। লামগুলি ট্যাক্সমেত নর।

maidenform— ১৯६० माल (थाक हैसम स्थापनाएकल (सङ्ख्यामर्ग रिस्टी कवास्त !

প্রদেশ করি বারা ধনী, ভাষের হাতিআভিন্তি ভূবিকেন্দ্র ইন্সং-নবাবের মডো।"
সারা ভারতে একটি মার আর্মার
বিল্ল চেলিন্দ্রান্ত্রিতার আনন্দ লাভ
করেন্দ্রে বিল্লা, প্রদেহেন সেরিরান্তর
ক্রিভা—অর্লাভার। আর সবই ভার মনে
হরেছে আ্রান্ডানিক, বজো বেলি ভৌলল,
বিধিবন্দ্রা, ন্দ্রিবর প্রতীক ও ব্যাকরণের
প্রাক্ত আন্তর্গান হাতিন ব্যাকরণের
প্রাক্ত বান্ত্রান করেন শ্রেলা প্রাক্তিন
নারা কোনো লিন লোকে নি, আনি নি,
পড়ে নি ক্রিছ—বানে বানে বিধিবিধান
ক্রেলা করে এবং ম্নোলারিনের কানে
প্রশাসার আন্তর্গান চালে।"

তিন হাজার বছর ধরে রাজাণ্ডুল অল্লান্ড চেন্টার এই পাঁচিল কোটি মান্বকে অবন্যিত করে ক্লেড্ডে: "লোকে এড বন বন আনত হরে অভিবাদন জানার, এই ভাগাটা কিছ্তেই আমার সহা হর না। আর রাজা-মহারাজাদের হাবভাবও শেব পর্যান্ড ভাঁদেরই পাশ্বচির-অন্চরদের মডো হয়ে বার; কেমন বেন ঠিক স্বাধীন মান্য বলে মনে হর না ওদের..."

কত স্বাদ্ধ কত সংকীণ অধিকাংশের মাধা গৌজার ঠাই! দিওজিনিস ন কি পিপের মধ্যে দিনবার্থন করতেন, কিব্তু তিনি তো ওব মধ্যে একা-ই থাকতেন; এদেশে এসে দেখে বান তিনি : গোটা এক পরিবার দিবি। চাতে বাবে ওর অন্দরে! গহোটেলে বে আবারের ঘর এবা ভাড়া দেয় তাতে চিটিজ্তো ছাড়া আর কিছা অটার কথা নর । কুকুরের প্রশত দম আটকে যথে, এদেশের মানুষ কিব্তু এতটকু ঘারড়াবে রাং।

হিন্দু জনতার দিকে দুখিপাত করনেঃ
প্রত্যেক ভাবছে নিজের কথা—নিজের
প্রাণের ও মোহের কথা। "এক চিন্তা
প্রত্যেকর : ধর্ম, জাতি-বর্গের গরিমা এবং
বিধি-অনুশাসন । প্রেম ও চৌযের পরণত
অনুশাসনমালা আছে হিন্দু ঐতিহাে।"
এদিকে ভাবের কাছে প্রয়োজন বলে কিছা
নেই যেন। কখনো তারা একবেলা খাহ,
কখনো তিনবেলা। একদিন আহার করে
দুপ্রের, পরের দিন হয়তো সন্ধো সাত্টায়।
আর শয়ন তো য্র-ভর্ম, একটি চদের জোটার
অবেশক্ষা শাধা।

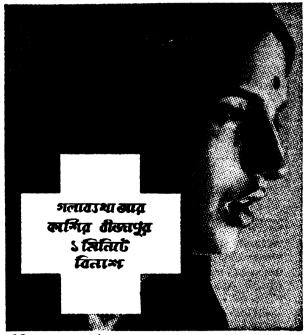
ৰালো ও ৰাঙালী

আর তব্ কি যাদ্ আছে বাংলা ভাষা সংগতি ও সাহিত্যের মধ্যে যে মিশেরে মত হাড়িম্থো লোকও প্রশংসার পশুম্ব না হরে পারেন নি।

শহিক্ষ্তানী ভাষায় জাট-ন'টি ভাষা এসে মিশেছে, কিন্তু দলগ্লি কান শ্নতে একদেরে লাগে। বাংলা ভাষায় আছে আরো বেলী সংরেলা ছন্দ, আছে বাঁক, প্রবন্ধ, তা বিপর্যার, আছে ফেলাক্ষী আন্দাদ, বান্ধ্রা, স্ববন্ধ্রার সকলে। শ

"গান বলতে আমাকে বা সকলেরে বেশী নাড়া দিরেকে তা হল চৈনিক কপাডি—আর তার চেরেক বেশী করেকটি বালেন নেলোডি।"

কিন্তু পর্যিভাষণ সভা সভা ছুপ্পে উঠেছে সাহিত্যের কথা বলতে সিছে। "এড আদ্দর্শ আর বহুলাংলেই এড স্পের এই বালো সাহিত্য, এর অন্তি নেই। রবীন্দ্রনাথ বিজ্ঞির বীপমান্ত নন। সমেছের দেখার লেখক, মমেছে উনিশ আর বিশ পড়কের শভ শভ রচনাকার—শন্তিত ছঙ্গার প্রতীকার। এই বিশ্বরুক্তর সভারের কাছে লান হরে বার আধখানা স্কুরোপের পোটা সাহিত্য। বখনই কোনো বাংলা লেখা হাতে ভূলে নিরেছি, বল লাইন পেরেছে না প্রেরেড সম্বোহনে বাধা পড়েছ সিছেছি। विक् अवकी जारह आहे शाविरकात करना, वार्षि अवकी शहर, बारक महत्वका ना अका कारण गठिक इत ना, बारक नजा ह्वाटक भारत कालका विद्यात केमीकान। हकारना चालजीव हमाना शहरण कारक कारणा ना हवरन भारत बात नीडी



िकिश्या (कराय याद्यारे कहा



স্ট্রেপসিন্স তার বিশেষ দুটি এয়ানিসেন্ট্রিক দিরে, গলাবাধা আর কাদির বীকারু সব ক্লেছে তাড়াতাড়ি মেরে কেলতে পারে।

ক্রেগেসিল্স্

এয়াণ্টিসেপ্টিক লক্ষেত্ৰ এয়ানিট্যিনিয়াৰ ক্ৰিপে পাওয়া ক্ষম এ



क्रिया कर्ना विमालक कर्ना विभागक

C3482-10-125 86

सात बारत नाः कारणायारम रत्नामध्यमः। इस्य इस्य मानाशस्त्र कार्याठ अम, उद् उद्धे-भः क विद्यू सरत रक्षणाठा अस्यत यास्य स्वरे । अक्छा, मात्र अक्छा, कथा केळात्रथ कत्रात्रहे शाकात कृत्य-रवाबाब्दियत विश्वकृत स्वरात्रम पर्छ वात्र, कात्र कद् शांच सारमध्ये कथाठा किस्ट्रस्टरे अवा सूच कर्ष्ट वजरव नाः। वत्रर सम्पर्ध स्रोक अस्यत कृष्टि-क्याठे, भागितमा পরিশ্বিতর প্রতি এতই এনের শ্বিকশি। আসলে করে ব্যক্তিগত উচ্চানেতর কেরে নির্নাতর সর্বশিক্ষিনন গতিকে জন্তন কর্মই এয়া বেলী কাম্কবীর করে, করে করে

চক্র জ্যোতিলাবণের জন্য প্রথমে জন্য রকম মনে হলেও ভারতীর জন্ম ব্যঞ্জানীরের বেশতে নাকি মোটেই ভালো নর জাট ফেকে वहर्षेत्र करना क्षेत्रस्त्र स्वर्गेक स्वयम श्वारणावा-रमारका रामात्र । करन श्री, अरम्ब न्यात्रा मूल्यं करो, क्षेत्रस्तिकारन म्यूपन, स्वयम-रामां भावरका। वाग-र्याद्यारमा वर्षात्रम् मारम्ब कार्याकारिक क्षेत्रम्, क्षेत्रक कार्य कृष्टि वर्षेत्र व्यवस्तर हिए रम्यूस-वर्शे श्रीक्र रमा वास्ति। रमास्वद्भार कार्याद्याद्य स्मानि, न्याव्याद्याद्य कार्याद्याद्य कार्याद्याद्य स्मानि।





বলতে পারেন কি কোনটি আসল?

কাল বিনিধের নামন পুন ভাষাভাতি হয়ে থাকে। আর কবনও কবনও নামন বিনিধ ঠিক আনলের নামের বৈধার।

কিৰ্মোক্তর ৫ বর্গ পাপ্তয়ায়াপ্রতি ১ ডিজে এছিনেঃ অনুকরণ স্বাহি বঙ্গে আহছে। এই অস্থুক্তরণ বরে আনতে শুরু হং, বঠন, আকৃতি ও ডিলাইনের দিত বেকে। কিন্তু উচ্চনানের শুণে, নির্বভ্রমাণাকার, ও কবিশ্যাম্য জনকার কিন্যোক্তর এতি ১ এর অসুকরণ কথনও অসুকরণকারীনের পক্ষে সম্ভব নয়।

অক্লালে ব্যবহার একমান্ত নিনিপ্তার নিনিষ্ট ডিকেল এডিন কিলোকর এডি ১ স্বক্ষারি কৃষিকাই ও প্রমানিক্তে প্রবোধের উপযোগী। লক্তি, নির্করবোধানা, অস্ত্রবার, বীর্বদায়িক ও সভোষকনকর বে প্রমান্তর কমস্টিলাকনের করে ও কলে এক নিনিষ্ট ভোশীর এক্সিম। করেছা এক ক্ষমে ব্যবহার ক্রম ও ভিলোকন্তর উচ্চ ভোশীর নেলন্ সার্তিস।



আসল কিলোডর এতি ১ - ৫ বর্স পাওয়ার কিলুন। -নকল কথনও আসলের মডো উৎকুট হতে পারেন্ড ১

किर्लाक्षत आराल असित्त्र लिप्तिएँड, क्ष्मिकान (सा. कार्क), पूरा-७ (चारक)

the Recession the registered trade mark of Kirlesjan Propriessry Limited of which Kirleslan QC States Limited on the capitage court

O PART CHANGE A SAME

ৰত দৰ্ভি শানেষি, কিন্তু তার কারণই এই বে, নামা সজ্ঞি ক্ষেত্র তারা আভ্যন্ত রক্ষ সংক্ষেত্র।

বাভালীদের দাৈবাবীবে বিলো আন্ধা পরাক্তন করতে পারেল নি। "একজন গাুধার সালনে রশজন বাঙালী হার বানে, এক লো জন দাঁভিনে বাডিবে.. কাঁপে...। গ্রহান জন্মকর্মনার্কার আনল খেকে ভারতীবেরা লার্কান্বার্কার জানল খেকে ভারতীবেরা লার্কান্বার্কার নিজতের বানাব্রি ভারের বাক্তার প্রবেশ করেছে: ন্পবাহী হল্ডীটি সেই প্রতিপ্রশান করল, অমনি গোটা বাহিনীটাই নিমেরে ভত্তপা।"

বিল্যাব্যক্তির ব্যাপারের ছারোচিত নিতারলীলতা চোবে পরেড তরি। সমগ্র এশির
সরাজটাকেই তরি মনে বর জাত-ছাত্রর
উলাহরণ আর বাংলাদেশে তেঃ ছাত্রর গিজ
গিজ করছে। সম্পুত সাহিত্তার, তরি
দৃষ্টিতে রৌলিকাতার চেরে রোমন্থন বেলিঃ
শলটি পাছি বলি লেখকের নিজন্ম হার,
পরের ভিন্ন পাছি অবশাই উজ্বতি। বাংলা
দেশে পথে-বাটে লোকে লাুবেরঃ কেন্
ভিত্তী নিরেছেন শ সিলোর পর্যাবার ক্রেটেও
হান, উত্তর দিন, ভঙ্গীরেট। বদি আপানি কস্টেও
হান, উত্তর দিন ভিতর হ'লাপনার গাুবু কে?
বিদ্বাতী প্রশ্নিট হবে হ'লাপনার গাুবু কে?
বিদ্বাতী প্রশ্নিট হবে হ'লাপনার গাুবু কে?
বিদ্বাতী প্রশ্নিট হবে হ'লাপনার গাুবু কে?

পাতিল বছর বহলের ব্যাড়খাড়ি বাঙালী-বের মাড়ি-ওড়াটোর স্থানাও নিলো কৌতুক জন্তব করেছেন।

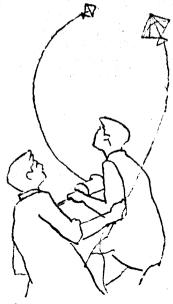
ক্লকাতা সংগ্ৰেছ তবি বছৰাঃ স্বচেয়ে জনবঢ়ল নগৰ। আন হাওছা স্টেশনঃ প্ৰিছিৰী স্বচিক বিধালকাহ স্টেশনঃ প্ৰকৃত স্টেশন যে কাকে বাল এখানেই তা বোকা যায়ঃ একমত এই স্টেশনেই লোকে স্থাতা স্কৃত স্থাপ্ত স্থাতা ক্ষেত্ৰ স্থা

বৈভাছে গি হৈ ছি লৈ ন প্রতিত,
লাভিলিতে ঃ 'ভি বিপাল ক্রিচিত, বাঙালাই
ছাড়া বখনট জন্য কোনো জাতের মাৰখানে
জালি গৈ ভিশ্ছ ভারপরেই "তথা বাংলদেশেই
থাকতে বরাবর ভাগো লেগেছে জামার,
বরাবর ভেবে এসেছি ভাগেস ফিবে গেলে
এদের জন্যে মন-ভেমন করাবাই। কি অনতুত!
নাই দালিন হল বাংলা ভোড়ছি। এবই মধ্যে
কেমন-কেমন লাগছে, বাঙালাইদের সংগ্
কিবে প্রেট ইচ্ছে কবছে।

र्गाक्य कार्यक

শক্ষিণ কাওরার আগে বাঙালী বন্ধানের কাথে শুনেভিকোন, দক্ষিণী আফানের এগো নাজারে একজমাও নাকি স্কুলরী নত/ গিরে লেখেশানে আন হল, পদা বাজানে/।

ভবে কোত্রলের তার্কার ওল আব্দেত্তকে হাগিরে বায়। রিন্দের্থী মান্ব



পাচিল বছর কালের ব্যক্তমাড়ি বাঙালীকের ব্যক্তি ওড়াকো

দেখলেই হল, ভারা জমন উংস্ক হরে

ওঠেঃ মাপনার সম্বর্গ নিছারত ভুচ্ছ

একটা ক্যা জানতে পারা মার ক্রেন্সের

রেরাইকে, সম্বন্ধ পথচারীকে তেনে ভোক
ক্যোকটা ? স্ক্রীংকারে উত্তর আন্দের: 'এর

ররম বহিলা, ভারতে বেভানত একসেছেন:'...

য়ারোপীর পর্যক দেশে ফিরে লিয়ের বলে

রেরাস্করি, ভারতে এই দেখেছি, এই দেখেছি'।

কর্ কেথেছেন!...তার লিয়ের ক্যা উচিতঃ

আমাকে এরা দেখেছে, ওরা দেখেছে!' আর

সাজি তা-ই, তিনি বাভনা দর্শক, ভার ক্রেরে

ক্রেন্ক বেলি গুড়ীক্ষঃ''

উত্তরের ভূলনার দক্ষিণের মানুবের মাধ্যমান কম। চলতে চলতে এনা স্বাই মসে না, দক্ষিরে থাকে কেউ কেউ, পাখ দোড়তেও দেখা যাম ছাউকে ছাউকে। "মাধি শ্বে গভিডভিজন কথা থঠে, মুরোগীয়ারের সংগ্রা পঞ্চিতিকর কিলা বাঙ্গালীদের চেরে তেলি।দ

সকল শাভাবিক কথাবাতীর ৮৯ বিন্দার কালে জাসে নি কোথাও। "এর দেখাঁছ করে নাইছ করে—ফুল্কতুম কথাটিও কলে একনা ভাগাতে বেন সার কাশে তা গানুনার জনা প্রতীক্ষা করতে। উত্তরের মানুর আবৃত্তি করে, সক্ষিণের মানুর গার্যু ক্রাচায় গা

আর গনে? সর্বর গান : "আস্থান হিন্দক ভারতক্ষে থান গার।" হিন্দু ও হিন্দুক্ষা

िर्ग्य ६ स्**न्यायम् अन्न्यःक** कुन्द्रदाः

অনেক ট্কারা হড়ানো আছে বইটিছে— আর ভাতেও আছে 'বাইরে থেকে' দেখাছ নানা ভুজারুড়ি এবং 'বাইরে থেকে' বেখাছ গণেপনা

হিন্দ্রের যে ধর্মপ্রাণ, অতি মান্তার ধর্মপ্রাণ, মিলো তা স্বীকার করেন। জন্মন্তান, হেমন প্রেমনাই প্রমনাই প্রেমনাই প্রমন্ত প্রমনাই প্রমনাই প্রমন্ত প্

আর কত রগতি এই আরাধনার ! একটিনার ধর্মের মধ্যে গাহতি হরে আছে সকএকেশবরবাদ, বহু-ইশবরবাদ, সবেশবরবাদ,
কড়োপাসনা, পিশাচপপর। মানত করে এরা
পদে প্রদে: "বখনই দেখনেন একজন হিলা
কছা একটা করছে, কিংবা কোনো কিছা
থেকে বিরত থাকছে, নিশ্চিত থাককেন, ওটা
মানত (জনেকে মানত আছে বলে ডিম খার,
আবার জনেকে মানত আছে বলেই ডিম খার
না); এরান কি নির্দিবর্বাদীর। প্রশিক্ষ
মানত করে ধাকত।"

আর উপ্রসং আহার ফেন্ন স্বাভা**বিক,**ওদের কাছে উপ্রাস্থ তেমনি। কথার কথার
উপ্রাস্থ উদ্যাপিত হরে থাকে—কমের
কাফলো, বারসার অবনভিত্ত, গৃত্পালিত
বাছারটার অস্থে-বিস্থে-! আব মাংসবর্জন তো আছেই: "শতকরা নিরানব্
ই
জন হিন্দু নাংস থায় নাং"

এই আভাদিতক ধর্মাসন্ত মনোভাব থেকে জন্ম নিয়েছে উন্বরণ্ধ্যকে । তিনন্ত সঞ্চরী স্বভাব প্রথিবীর এক-তৃতীরাংশ ধনসংগদকে ভারতের অভাদত্তে প্রেছিত করেছে

शांत्रक ६, होका किंग्डिए



শ্টা শ্চা র্ড ডবল দিপকার ও ব্যাশ্ড ফল ওবাদ্যা পোটে-লো ট্রানজিন্টর। বে কোনো জার পার

পাঠান হাঙ ৷ TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Paharganj Post Bag No. 11, New Delhi-1.



্রাঞ্চামহারাজ্যদের ঐপের একং এলেকে সন্দিত মোট কর্নপারমানের বিচারেই বোধ হর মিলোর এই উত্তি। আধ্যাত্মিক ক্ষেত্রেও এই সন্তর্যালপনা সপল্টলক্ষনঃ ভগবানকে তারা ক্ষেন ক্ষেক্রির মতো শাবে নিতে চার।

ব'লে নিবেদন ক্রান্তি নেই হিন্দরে: "বদি তাকে একটিমার ছাগ্রলি দিতে দেখা যায়, ব্ৰুক্তে হতে ভার আধক 'দৈতে মান্চে" আর এই প্ৰাসক্ষের থাতিকেই তাগের প্রাত্ত তার দ্মার প্রলোভন। কোনো কোনো মৃহতে আসে প্রত্যেকরই জীবনে যখন মান্য অভাসঙ জীবনের জীর্ণ কল্যা থেকে জেগে উঠে গা ঝাড়া দিয়ে ছুটে বার লড়াই করতে, ছিনিরে নিতে, জিতে নিতে: হিন্দার কাছে জেগে-ওঠা মানেই সব কিছু ভাগে করে বানপ্রদর্থ। मरमारवर बार्यका-वकार्केव मरून रभरव ना উঠকেও বিবাহিত এবং দশ সভানের জনক হিন্দ্র অনারাসে বলতে পারে "এ যদি হয় আমি সাধ্ হয়ে বেরিয়ে যাব কিন্ডু..." এবং স্তিটে হয়তো সে ভাইপোর হাতে তার সমূহত অথ সম্পদ তুলে দিয়ে বেরিয়ে প্রেড এক দিন।

কিন্তু তার মানেই এই নর বে হিন্দার সর্বাজ্ঞাগ অন্যের কলাগের মাুখ চেয়ে: উন্দোগ্য নিজেরই প্রাজনি। নিজের মোকই তার প্রথম চিন্তা এবং একমার চিন্তা।
"অবশা আছেন ছিন্দ্ মারেরা—ভারা সাতাই
পরাথে বাঁচেন" আপন সন্তানের জনন, আপন
সংসাধের জনা।

আধ্যাত্মিক ব্যাপারে হিম্পুরা ফললিংসু, বাস্তবমুখী: "নিছক সতা ও সৌন্দ্রের প্রতি তার তৃষ্ণা নেই, সে ফল চায় প্রতিশন চায়" (যদিও, অন্ন অংথ' মা ফলেষ; कप्ताइन:- ७ हिन्द्रभारम्बत्हे कथा। अहै জনোই, মিশোর ধারণা, নবা হিন্দু, ধর্ম'-প্রচারকেরা মাকিনি দেখে কিছা কৈছা সাফলা অজনি করতে পেরেছেন। ধর্মাকমের সংখ্য ফললা;ভর এই সংযোগ থেকেই মিল্টিসিজ্ম कात प्राधिकतका अंतरमाय यहाँ त्राहर दिस्स् ঐতিহেন, একেছে ফর্মছির উপর নিতরিতা । সেনাবাহিনী প্রতি মধ্র আওড়ায়]। রক্ষার ও কৌমারের রত হিরুর গুলিটাতে শাধ্য ভাগেরত একটি প্রকরণমার নর, আধ্যাত্ত্বিক শক্তি-মজানের একটি উপায়। ক্যাথলিক মিশনারীপের কাছে কৌমার্যব্রিতের ম্লা অন্র্প নর বলে হিন্দ্র:--লেখকের মতে—ভ'দের এক রত-উদ্যাপনের কোনো অর্থ খুমের পার না।

হিন্দা ও কাথলিক মিন্টিসিভাস্মব প্রতিত্লনা করে মিশো বলেন: "কাথলিক কাথিয়ালে—আয়তন ও আবহণাণে নান আসে বিনয় ও বিনতির অনুভৃতি। অঞ্চ বৃহস্তম হিম্পু মন্দিরেরও অভাতরপ্রদেশ (যেখানে দেবতা থাকেন) ক দ্র, অতি ক্ষুদ্র; সেখানে দড়িলে মানুবের মনে জালে লাক্তর অভিভাব, আপন ক্ষমতার বোধ মনের উপর প্রভাব বিশ্তার করে। মানুবের দুবলতার চেরে মানুবের সক্ষমতা প্রদশনের দিকেই হিম্পুর্মার কোঁক। ইম্বরুকে সে বাধা করতে চার, প্রাথনার আবরণে সে 'হরণ' করে নিতে চার। সারকত্বর চেরে তাই সঠিক কোণাল জানার প্রতিই তার আগ্রহ…। হিম্পুরের ধর্মাভাবের মধ্যে দিব্যভাব স্থিতাই কমঃ সাহিত্য-শিক্ষকের সাহিত্য প্রতিভাব বতটা থাকে, ভত্টা।"

স্বাধেষ উভিটি প্রেগামী আরও
আনক উভির মহাহাই নিঃসাদেহে অফিচার
প্রস্ত জাহিত। তব্, এ-ই মিলো। কতটা
তরি স্পট্ডাষণ আর কতটা হঠাভাষণ, কতটা
অবাবহিত দেখার গুণে সাহতেদী আর
কতটা অবাবহিত দেখার ই টিতে বিজ্ঞাহত, তা
বাংলালী পঠেকেরই বিচারণ।

চিত্তবাব্যু বললেন, "বইটা, দেখছি, আর একবার ভালো করে পট্ডে দেখতে হাবা "

ভুমশ





বাহিকী গান

भू त्राच्या द्वाकार्थ क একটা বিশেষ আগ্রহ আছে। আমিও তার ব্যতিক্র নই। কাষ্ট স্পানিটো জগত কিভাবে প্রতি বছর নতন সাল্ট্রত উন্দর্শ হচ্ছে সেটি দেখবার জন্ম केम्ब्राच इट्ड बाध्य कन्द्रम कर्जास इड मा। ব্যবসায়ী প্রতিষ্ঠান থেকে বেরুক্তে বলেই বে সম্পতিতর কোনাও মানা পাকরে না এখন ধারণা আমার ফাই। কিন্টু আখাত পাই मध्या प्राचि दुष्पांकवाकित्वः हेराक करत तिकार করবরে চেল্টা হব। **বেজন ক**রে হর বলি। क्षा करात्रमा के राजका, भागकामा क्षाना ह्यात्का शतानव नाम रतव एवं का कांध्र एवं न-নুদ**র ই**ংঘর্শনার ধ্রোকার ক্রোপার। সভারন পর্ব বছর এইরক্স সমে বেরত্রান্ত থাকলে रामचे क्रांकी जनामानिक जिल्लाक क्रांकिन लाम क्रमार क्रमें एका **पालव का**एम क्रमें चालाल्ड হরে পাড়ে। সামস বর্না পিরুতি ছাড়া জার किसारी नव । अते एनाम सम्भागात प्रमुशासन এবটা বড় আল এবং গানগঢ়াগকে ভাদের ব্যাহির অন্যক্তের আনহতে পারার এক প্রেণীর रमण्य र महायाद व रादनारा अण्डिहात्नव আধিকি স্তিধা হয় এটা কলাই বাহালে। কমটেশ'বাল বাহিছে স্পাতি স্থির এইটাই হলে একটা অভিশন্ত দিক। কিল্ড অপর ভারত দকত মধেন্ট আছে। জাল্যদের নন্দানিকো বহা চেড্ট পান জড়ি বছেব সংখা अकाम कता इतः। कात्र घ**रा**त अदल भतः। खर: खागाव **ज**रम इस কালা গাম হা ख्यात निक्रम ক্রালকাল হয়ে সেন্ডে कान क्षेत्रके, एतनी भीत्रगर्भ इतद कराज মান্দ রাজু মান। বিজুটী হয়ে না কলাল বিশ্বসায় कराप्त जिल्हा कार्याः आकारमञ्ज हिर्द्यारहेतु লেকী ব্যাপারকারী পানে এবেককারে কার্নিরার বেকা । हरूहें। यह हेन्छ, लोधाली, लुक्तीस नवहरू सामः काब कावनरातर व्यवस्थित वर्ग साहत ডিফটিড কাজেই বাজি সেম সৰ গান বহি প্ৰকাশ কৰাৰ পৰিকৰণকা প্ৰমূক্ত স্থাইট্ৰে কাম কুটাইক ক্রীতিনীত্ত ও ্তান বজার রাখ্য হয়। প্রাচীন क्याना विकास بحاره বাংগ্রন্ত ्रमा, ने**लम्**ड **अन्यान्द शश्रामा आद्धीयक श्रांतः । एएसा** टक्स एसम्। निवास निवृत्तक <mark>करता सा शरा। वादा</mark> यधायान, जाएगठोका, वर फारन रवन भना दर्भानरत गाउँएक भारतम छौरमत पिरतके एकम এসব বান বাওৱানো হয়। সিনেমার স্বামা স্পাীতের পোর্হবজিভি ৮৬ বেন এসব পানকে মহাপা **থেকে** বিচুত্ত লা করে। च्यान्तकाम रहक्कर्ण करूत इक्तीवात रवरताह मा, কিন্তু বখন বোৱোৰে ভখন ভাব সভাকাৰ সাম্বাক্তা মান্তবে এটাই আমরা আশুটুকরি।

প্রচেমকান কোপোনীর পুলু সংখ্যান উপাদের করেছি। একাবকাটি আহিলান-বিহুটন পরিবেশ ধ্ব ভাল লেগেছে।



M18 792

আধ্যনিক প্রমের পরীকা নিবীকা এবারও আছে। সংগতি ভগতের গপর্যি তাদের কটো সন্মান প্রদান করবে তা অনকারণ করা আমার সাধ্যাতীত। তবে দেশলাম গভবারের করেকটি রীভির বেন প্নরাবৃত্তি ফটেছে। এই দৈলীসমূহে কি গতেবাবের ভল্লিকতা ভক্তি করেছিল?

भारतारक भूवं भारकार<mark>त्वक्</mark> भारक शादक काम

কিছাকাল পূৰ্বে পূৰ্ব পাকিস্ভানের প্রকাতে সংগতিক্স, কবি ও গাতিকার ম্বেমাগর প্রাণেশ দাস সিলেটে প্রলোকগ্যন कातरहरू। याङ्गकारम छोत्र वत्रत्र शरहाहिन প্রাপ ৫৩ বংসর। তিনি চার জন্যা, তিন পরে ও বিধবা স্ত্রী রেখে গিরেছেন। প্রবেদ দাস সিলেটের বিখ্যাত স্পাতিচার ক্ম্পর্জন গোশ্বামীর কাছে বহাদিন সম্প্রীত শিক্ষা করেন। ঢাকার গৌড়বশা সাহিত্য পরিবদ ভারে সরবাগর উপাধি প্রদান করেছিলেন। পাকিস্তান হবার আছে তিনি কলকাতা বেতাৰে নির্মিত পাইতেন। চাকা বেজিপ স্থাপত হবার **সং**শ্য সংগাই তিনি মেখনে গাটাতে ভাবেন। তাঁর রচিত স্বর্লি প্রস্থ গতিপুৰতক প্ৰোধলির বানীশ সাংধীহছলে স্থাদর **লাভ করেছিল। তিনি উজাপা** সভগীতে বিহুলৰ করে ঠাইরীতে অসাধারণ পারবদী ছিলেম। তিনি প্রায় সব ব্রুষ বাজনা বাজনাত পারাত্ম এবং এক সময गामन जीस्या करशैद्दासम्। खरे मानी ব ব্রটির জনালপ্রচাণ জন্মনা ব্যহিত এবং তাঁব লোকসন্ত্ৰণত পরিজনদের সমবেদনা ভানাছি।

काक्कांचि नरदेखा "रनवनव"व"

গগনেপ্রনাধ এবং অবনীপ্রনাধের জনেরাংসর উপলক্ষে ৫ই অকটোবর মহালাতি সদনে ব্যবহারি সরে রবীপ্রনাধের
"শেষকর্ষণ অনুষ্ঠান করেন। প্রয়েজনার
ছিলেন শ্রীমতী বেনকা ঠাকুর। সমগ্র
অনুষ্ঠানটি অভ্যাত পরিজ্মেভাবে এবং
আভিজাত। সহকারে সংপাদিত হরেছে। নৃত্য
এবং সম্পত্তি খ্র ভাল লেনেছে। এই
সংখ্যাত খ্র ভাল লেনেছে। এই
সংখ্যাত খ্যাত অনুষ্ঠানাছি সম্বধ্যে ভংগরা
বিশেষ আশা পোষাধ করি।

र्जापनीभूत जिल्लेकक वरशहक

ত্ৰীলচীন্দ্ৰনাথ সাহা বিশেষ প্ৰাৰণ সভাজাৱে মেৰিনীন্দ্ৰে একটি মিউন্ধিক কলেন

ন্ধানন প্রবাহন। এটা আবার বার্যাইন লাইরেবী হলে একটি অনুসৌমে তিনি এই क्षणिकारमञ्जू केटलमा अवर दक्षणी अन्वरम्ध কলকাভাৱ ৰাইৱে करणना वर्णमाहन সংগতি সন্বধার শিক্ষাপ্রতিষ্ঠান চালানো क्षत्र मना ব্যাপার। বৰ্ত মান। বিজি £3 क्षत्र विश्व किन উল্লেখ কৰেন এবং সমাধানকালে কি কি ব্যবস্থা নেওয়া বেতে পাৰে সে व्याकाहमा करतन। वाण्डीवकडे कलकाराज বাইরে পুর কম সন্পর্গত দিকী প্রতিষ্ঠানী रवाभाष्ट्रा महकारद भौत्राजना कहा मेन्छ्य दिएलह भागासमा दिया . इन क्या अहे। ৰাণা সভেও ভিনি সে এই প্ৰতিভানটিকৈ স্থাঠিত করে তুক্তেম এটি ভার প্রস क हो दर्ग नकी ্রত্রর কোলতোর পরিচারক 1 चना चेतान स्टोर कना <u>रीयाजी</u> বলেনা পার্যার সোলার বজিরে পোনান। তিনি বিভাকাল পাবেঁ বিদেশে দেহার বালিকে **र्यापद काल कावाजन।** 7 73 প্রতিষ্ঠানটির উদ্ধোজন উন্নত্ত কামনা করি।

রামকৃষ্ণ নিশনের সাংস্কৃতিক কেন্দ্রে ভার গাঁতির অনুষ্ঠান

এই অক্টোবর গোলপাকা রমক্ষ মিশনের সাম্পেডিক কেন্দ্রে ডক্টর গোরিকগোপাল হাখোপাধারে ও শ্রীমতী মধ্রী মত্বা-পাবাদের ভারগাঁতির অনুষ্ঠান বাব ভাব লাগল। বহু সংস্কৃত দেলাকে সার প্রদান **করা হয়েছে। যোধ হয় কোনত কেলিও গানী** দিলীপকুষার রার মহাশ্র 15/15/56 1 আমানের সপায়িত এটি একটি স্বত্যু धारे अरहकोहा जात योजा বিভাগ এবং ৰয়প্তে আছেন তাঁপের মধ্যে প্রক্রজকুলার **মান্তিক মহাপারের নাম মনে পা**ছে। গোরিবর-পশ্চিত বাজি এক স্থান 45.34 9 इ.क्षेत्रह Grains. **कामा कींद्र क**ामार्**षद** रम्हम करश्ककर दिस्स्थ স্তকার hymnologya একটি নকত্র **ধারার উ**ম্ভাবন করতে সমর্থ হরেন।



खानरबंद थवंद

নন্দ্রবিহারী

मृतकाम मध्योड माम्बनन ताक रहत कलकाएत हिन्द सा क्ताहमत इसमाह देनांम्याड शहरा होतिन। क्रुट्ट बाह्मिक करिन आर्शनक भूनम बर्ग ग्रहराम मरगाँउ मान्यसाम्ब खनारहारमा চীব্দে হেকে স্তালে সোণ্ডবর-১৮১/১ন **新州州 (25年**年) (12年 東州州) महामार्थन । एक दर्जन सुन्ति द्वालन । महत् STOTEL ST 8 B. 1 केरमाकामः विकासि कामकिरमान । या माउन कामका माम टबनावार काम कवि, पाउ व्यक्तिकारीः स्ट्रामांकाताः अवस्थितस्य । अस्य क्षाकितक एकारमा बामकाश्म नादेनि वारमक-कांत्रि द्वारती. कांत्रा विका कांत्रमा विका

ভাষালে নাম কৰাৰ আছিল নাম আনটাৰ পান ভ্ৰানীপানে ইনিয়ান দিনেকৰ জিল বখন পোছিলনে, ভ্ৰমাই টিগ টিগ আনি পাছতে। নামনীয় সুনামগতী অভাষালক মুখাপায়াম ভাষ মিকল্ম অনুক্ৰমান ভাষাতে, সংক্ষিণত ভাষৰ দিয়ে সঞ্চাৰ উচ্চাৰা ক্ষালাম। মাজমুলান অবনান ভাষাৰ ভাষাৰ আনকান আৰু ভাষাৰ ভাষাৰ আনকান মাজমুলান বখা আনকোন, ভাষে ভাষাৰীয় সকাৰে বখা আনকোন, ভাষে ভাষাৰীয় সকাৰে বখা আনকোন, ভাষে ভাষাৰীয় সকাৰে বখা আনকোন, ভাষাৰ আনকান বানিক্ষা প্ৰতিম্বাৰ ভ্ৰমা। ভিনি স্বাহীত আন-

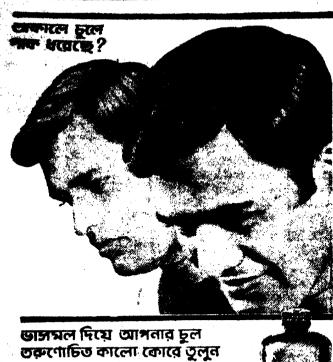
এরপর ধ্বালিম সংবর্ধনা। প্রেলন সংগতি সংক্রানের পদ থেকে হাসপর বিশ্বি করা ইল জালসানিস্ভানের কর্মান মহামান হোলাল সাইয়াকে। আর্থনি মিলোরী মান্ত একে নির্দাধি সভাত লাক। MANUAL COMPANY AND THE PROPERTY OF THE PROPERT

विकास कर्माका पर्याचनके समाप्तर क्रिकार करिया कर्मी शास्त्रमध्य क्रिकार करिया करिया के किरमान श्रीकार महिला क्रिकार के कर्मकरण श्रीकार क्रिकारका क्रिकारका श्रीक क्रिका हिला समाप्त हमानका क्रिका क्रिका स्थानका स्थानका स्थानका हमान क्रिका अस्था क्रिका स्थानका स्थानका क्रिकारका क्रिका श्रीका क्रिका क्रिका स्थानका क्रिकारका श्रीका अस्था क्रिका हमानका स्थानका क्रिकारका श्रीका स्थान क्रिका महिला स्थान

ALMORTH THAT WE WANT TO THE **बारका स्टार्डक। स्थानात राम्का मन्त्रि**क for the calcula manager work with the (क्रमाकाम करित हका मान्य मनावार । स्थापन বিষশ **করে জেবিছিল। প্রদা**ম মার্থকোপ क्षणके मान गाउँ हैं । गाउँ हैं कि ক্ষিত্ৰসক্ষা বৈহাতেশয় শাংশ কৈয়গুণার সিংভি टेशाल को रहामन मार्च महत्व हे कट-प्रश्निक्ष । क्वांत्रभटक्के एकायान क्रक्ती व्यक्तित कार्मिक्स्पर्कान क्षांबर केंग्रेस्स कार्रेसः एतरे विकास कार्कु हिर्देक सिर्देश निर्मामकाहर करत्रक है। প্রেটির সূচ্য জানেকালন। ভারপর স্ব বিবাদ अब विकासिक विस्तित अस्य अस्ति अस्ति। বিধার হুদে ফেলে দেওলা। ফডি অপরাপ হাত্রহানিভার সংখ্য সেন্দ্রেলান ঐ সারাঠ³ প্ৰিছেত্ 'বেহাৰে' নামক এঞ্টি নিব্ৰিটে **অন্দে**র ব্যক্তর সব কটি । डार्ग स्था, एक 2:50 द्षाद्रकाम् । अन्तर्भारम् । दल्लाकारम्यः कार्डाटकारः ভিত্তের বাপর সিমাপর ভারজোপন নিরে এক প্লের সমরী।

মানিক প্রদেষ তবলা করে এই লিনের জরে একটি উল্লেখযোগ্য অন্যাইনা গাঁওিং গাল্ডপ্রেসাদ ওরাধে প্রান্থী মহারতেপর মধানার বৈশিশাও বে কাহিরে বলিন্দী চট্নপতার এবং প্রতি হার্ড ধ্যনিবছাল ছামা কার্কিয়ে। প্রতি ম্বারকবাদ জ্ঞাই।

শ্রীমতী সোম তেওরারীর পান দ্যানর্ম। করতে কুঠা আসছে, মুখ্র হইনি মোটেই। অভচ অভীতে এই গারিকার সাম অনেকের মনোর্জ্ঞান করেছে, আমারও। প্রথমত এদিনে তার গানে মেজাজের অভাব ছিল। করেকবার ভাগছটো হবার লক্ষণও পেথা গোছে। প্রথম গানটি (রাগল্মের শীপ্রেরী। আপে কথনো শুনিনি।) অনেকটা বেন মিল্লেটিড গোর করে বিলেন। তা দিন। কিন্দু পরে যথম নতুন গান বিরলেন, সেকারেও বিশ্ব তেমন ক্রেনি। সপো তবলা সংগত করেজিক্রন শায়স্ক করে মিল্লু মুল-ব্রুক্রী কর্মানীর ভূমিকার শ্রী কর্ম মূল-



जमसल

ভাসনৰ ছই জাৰে পাৰেন: ভাসনৰ ইয়াৰানিভাবেচ হোৱা আবন (১০০ ও ৪০০ আনি বোডনে) এবং ভাসনৰ পানেচ প্টোভার্ড ক্যাকিড্য



MPI.V.4.5 PM

िक्रापि प्रदेशकीर विकास सम्बद्धा निर्देशका है

क्षेत्रस्य दिन्दं चन्द्रवेदन यह जन्म बोरका निर्मा केन्द्र द्वाचारम् झीरम न्द्रम बद्धावन । देनि चार्ताच वक्षी । अकर्मान द्वाचार्य देनि स्वतादन सम्बद्ध बदरा चन्न जनमें देहदी—विश्व नामास्य ।

जीवसदार संगा र-छ-विकास विकास क्रमान रहेराजा माक्स्प्र। रमन वास्त्रिया अप क्षाताम क्षिण । देनि पटच्यणीया व्यापा कार्वेग्याम । मध्यास अनीन वाक्षेत्र । साराज कार्य कर कार करने प्रति क्यांक किय रकारत शाम रहते। किन्छ प्रतान पानकारका जीवनारी जीवतारी और शास्त्रक जाराव টেকনিক আৰাৰ পৰাৰ হয়নৈ, সৰিবল करीय । समामात्र सरक्रमात्र एक राज्यस कारपारकः। कारमञ्जूषामा मर्गत मरमार्थानीका मध । दबसारमा अन् मानका मारक शास-ह्यानिक समित्र अपीर्व मीस साहेराना সম্ভব্য তার নিজের ভাষার। এটির অব CHECKE ! PRODUCT STATES প্ৰেকাণের বিশেষ অন্যৱেশ **প্ৰকল** ভার তৈরবী ঠবেরী। কিব্যালতীর সেই প্রাস্থ शान-"करकरी न बाहेश बादना एक ভার"....৷ ওত্তাৰভার ভিতৰ উচ্চাৰৰ কিবিং অভতা ছিল। কিন্তু সেটা পানের প্ৰকৃত ক্ষুণোন্তলৈ হয়ে ওঠাৰ কাৰাত बन्धाङ्गीन । সর্যাকরণের সর্যাক্ষরতারণা হাই অমর শিশ্পীর স্মতি মাবে মাবে হারা হেলে দেছে তীর এই পানে। উদ্যোজাদের হাতে আনিকটা সময় বেশি ছিল, বোৰহয় পর্বত শিশ্পী ভৰনো এনে পৌছননি, আমরা না 电文字 কিছ কৰ অপেকা করে बाक्ट्रमः। मायरार मार्ट्स्ट्र चन्न सन्नार्धी ठे.बडीव आक्टेंगे छोट निस्तर प्रिस्टे दरत कडारनाय की महकात किना? 'घरवा व्यक्तीक जरून एका भाग्य कहा दे इन्हे কি কেউ দেকসম্ভ ৰায়?

সর্বাধক দিরে উপ্তোগ্য হরেছিল কুমার মৃশ্চেক্ষ ও দিনকার কৈকিনীর ক্ষৈতক-ঠসংসীত। সেজেন্টেশনেও বেল নতুন্ধ ছিল। প্রথমে তেবেছিল্য ওারা মুপদই গাইবেন। বিলম্বিত আলাপের পর ওারা আনন্দীরাগে খেরাল গাইলেন। মলার দাপটে, সপট তানের আনারাস চড়াই বিবাইরে, স্বাগ্যের স্থাপন নৈপ্রেণ্ড ওারা

এস সেন, জে পি
ন্যায়িক রেজিপ্টেশন অফিসার
১৮বি গ্যায়াচরণ দে নীট কান-১২
কলেক নীট, বহাবা গাড়ী রেড কনেন কোন: 34-6896 Resi 34-4045

রোজাণ্ট্র বিরাহ আফস্ रवेदीका सम्बद्धाते करत निर्द्धावरणकाः नवान वृत्रिकत्व मान्य गतिरतीत्वत्र अप्तर निर्वास ताम राज्यस्थातः।

न्याम मलीव Hear Court Teer I -विकासकात श्रीचार कि क्षान्त्र विका सामानि अनुतर शास्त्र पान्य, क्यारनी बाब ट्यांगिक स्वरूप रक्षे क्षांत रहे नीवंत्र्यमीय किल्मीय रका पत काराकांक साथा सरका महा रत्या। त्यवस्य चन्द्रचारमः निक्ती विराहन विकासकर्याम । मध्य हा हा हा हाल बारकः। क्यान्य चारमकः स्मानिकारकरक रमरपीर, की रूप क्रमासन कारण अपन ष्टानको स्वयम राह्मतः। बहुत्व नागरकात शामा जांचा चामारस्य च्यानक निरस्तास्य। क्षामा विराह्म । जावहा क्षाप्त जनम्। সাবায়ৰ জোভা হিসেবে আহি কুলুজভা ও সন্মানের সংখ্য এ কা স্থীকার করি।

ভারত্রে অধান ভৈরণ সংগ্রহ মতে कर्पप्रकारक जातक काळ विकासक तह আলাপ ৫ সং বাজালেন ভাতে প্ৰবীপ শিক্ষীৰ সুসৰিগত ভলামকভাৰ কোকত প্রকাশ ছিল: সেডার নামক মুশুটির অভ্যানত ক্রীভবাসকে সংক্রো প্রীকারেছি ছিল। ভবে রূপ-রপোরণের এ-টেকানিক একাল্ড অফ্ৰেলিড। আৰু একটা কথা। ঠাৰতী ৰাজ্যনাৰ সময়ে প্ৰলাৰ ভেমনশ্ৰেট क्या विमाधार माद्यावय म्यकीय विभिन्छै। **उन्हारको एकन अहै। क्टबन, याँक ना।** কখনো লখনো এই বাতিক্রম বেল। গোডার দিতে ভালই লাগত। কিল্ড এখন কি এটা ডাঁড নির্ব? ভার যশ্চট ভো বাব্যর **छर्द? देवदीत अवन रकान मान्या काळ** আছে বা বিলায়েতের ভারে বাজে না বাৰ জ্পান্তাৰা চৰকাৰ হয়।

নিবিল বলেগপান্যার। এর বার্থনা সম্পর্কে কিছা করা। আমার পক্ষে গৃহছে। चावाव शावरे वान वव, चग्रामाच अवचन স্যাজিসিয়ান। কেন বে পানের জলসার बरम केंनि मन क्लिक्शिमके करन मिरत नाम ! হয়ত ৩'ৰ আধ্যেৰ নিল্পী এসে আমাৰ হরে পাজিরে দিছেছেন। হঠাং উনি ওশ্ব वन्छत्व कथन अवधी हेरकाव रनरयन, जावि হাতাকার করে জেগে উঠব। আর চোপের পলৰ কেলতে পাৰৰ না। কিবো আঘার সৰ হিসেব ব্যাল্ডর শেই হারিরে এমন সৰ জটিল প্রতির ইন্মজাল বিস্তার করবেন ৰে আমি সৰ ভালে বাব। তখন ৰখি হঠাং আমার নাম জিজেস করা হয়, আমি আচমকা বলে কেলবঃ কৌশিকী কানডা। ভারপর সামলে নেব। আমার মতে, নিখিল ৰাৰ্ভ ৰাজনাই সে-ক্ৰান্তিৰেৰ শ্ৰেণ্ঠ হোৱাম।

সংগত যার। করেছেন, তবলা ও সারেপনীর ক্ষান্তে জাঁরা স্থলামধন্য প্রের্থ। কোনং থাঁ, খাণ্ডাহান্তৰ, জানই বছ, গালৰ বসতু স্থানিতাপন, জুলনাজান, বাহত্যাল বিশিয়…। এবানের উন্তেখন সম্পদ্ধ কানাই বস্তু স্থানের মেশি প্রকাশিক ক্ষাক্রন।

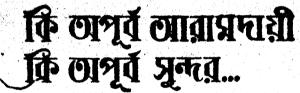
हाक्षाक्त जानिकार

ইনসন্দিন একবে'রেনি কেন্ডে বীচুন আনোকার একটি আনিন্দার — বা বাতে পেরে পেকিং রাশ, সাকার কার রীন আপনি বাতে কেনে সেনে—ভারতে এই সম্প্রাম প্রবিদ্ধি সম্পা

সভাইতে মজার হছে, এই বার্নিশকর কেবলার রেজর রেভের কেরেই প্রবেশকা হছে—বংশর ওপার নর। কুইক-এন-ক্রীন এর (জিনিসটির এই নাম) নাপারে এইটিই হলো স্বচাইতে অবিদ্যাসা বটনা, অবচ এই বিবে আপনি অভি প্রত ও চসংকার শেভ করতে পারবেন।

আপনার রেভের প্রয়ন্ত এক কেটি।
কুইক-এন-ক্রীন চেলে নিন্দ্, ভারণার রুখ
লল বিয়ে ভিজিয়ে শেভ করতে থাকুন।
আপনার কেন্দ্রর বখন বাড়ির ওপর বিরে
কাপেটের রুভ কোরল স্পার্শ ইড়িয়ে এগিরে
রাবে, আপনি ভাষন জীবনার স্বাহাইতে বড় বিশ্বরা বোধ কাবেন। বারের বিক বিরেও
নিটিতে সাপ্রর হয়। এক বোভলে ভিন রাল চলে।





क्षवा लिति धरे धतलन

এই অপূর্ব বিশ্বরকর কাইবার দিরে আপনার সৌন্দর্বকে আরও চটকদার কোরে তুলুন। এব'র তৈরি এই ওরলন ভারি কুলর হাতা আর নর্ম। আর দেখুন কভরক্ষের রঙের হড়াহড়ি। এ থেকে বেছে নিন যেটি আপনার পছল হয়, আপনার ক্রটির সলে বাপ পার।

ঞ্চব'র তৈরি ওরলনের বন্ধু নেওরা নিভান্ধ সোজা। বভবার পূলি ধোওরা বার...করেক মিনিটে পুকিরে বার। কুচকে থাটো না রওয়া সন্থকে গ্যাতাটী দেওরা হয়।

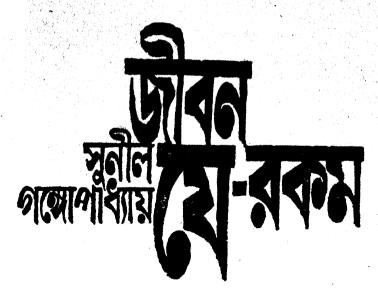
ঞ্ৰৰ উলেম মিলস্ প্ৰাইভেট লিমিটেড, বোগাই -১৩ গোল বেণি: এংৰ-উস:

(ज. क्यां भी. (कांग्रेन् (देखिता) **आहेरको नि**विट्रिक





🛮 আলার হার 👰 শৌগে বিশ্বর প্যাক্তীপেও কাইবারের ঐতব্যব ।



1221

শ্বিকটা কৰাৰ হাৰ জিজেস শ্বিকটো, হোৱা কোখা থেকে এলি? চাৰ্থ বললো, লাখা কি বক্ত শাশচাকে নিয়েত এলাম!

দীপ্তে আনেই না বে গাল্ডার সংক্ষ ক্ষণনার অধান করে নি। বে একট্ প্রদন্ত ভাল্ডার কথা বলে নি। বে একট্ প্রদন্ত ভাষার বলালা, তুই কি রে, আনরেন্ট্রেন্ট করে এও পরে এলি: অমান বদি না ভাল্ডাম, এ এগনে একা এককৰ ছাড়িকে আক্তো;

---জন্ম সংক্রেন জন তালালান্ত্রিক জন্ম না তালন কর্ম ক্রিক একা একা বাস টালের জন্ম ক্রমের স্^{নি}ভূতে পার্যক না ?

—বাঃ, সেট আনু এটা এক কথা হলে ? লাল্ড। হালকা করে হোসে বলারী। কর্ম-কাতার বাস অবলা দক্তিশুদার চেনেও গ্রেমী করে আন্দে।

শ্বানা অব্যক্ত হলে দেকছে দেই ছজন ছেলেকে। ভারা এখন বাসতা ববে চলে বাজে ক'ক হাউলের দিকে। দুবীপাকে ঐ বরনের ছেলেদের সক্ষে সে দেখেরে, কলানা কারনি। ঐ বরনের ছেলেদের সে দেখেছে মারে মারে সন্মিন, সাজে পরাজেল—ওদের দেখালাই চোৰ মাটিতে নামাতে হর, আঁচলটা ঝুলিয়ে নিতে হর ভালো করে, মনে মনে, কল্পনা করে নিতে হয়—সারা পরীরটাতোতির্মা মোডা আছে। ভব্য ওদের দুবিট গায়ারি বাংব বাছ ওদের কথাগালো ধাজার মত্ন এলে লাগে। ও রক্ম একটিও ছেলের সুস্পে শ্বানা এ পাবলৈ মুখোমান কৰা কৰে নি, কিন্দু কলতে ইছে করে। সামন্য-সামনি দড়িচেকও কি ওয়া ঐ রকম চেটিছে অসভা কথা বলবে! দীপা নিজের মাধ্যে বললো, ওয়া তার কথা। ওদের সপে দটিপার কথাই হয় কি করে! স্বন্ধা এ কথাই জিজেন করে ভেবেও পার্কানা না। একটা জাভোগ হয়ে দটিভরে রইলো।

দীপা বললো স্বংনা, ছে মাকে এ পাড়ার কেছনোহিন দেখিনি!

—হাত্ত প্ৰস্থিত অস্থ হয় ন।

অব্প জিঞান ককলো, চের হাতে জি সই রে? দেখি। একি, এসব বই নিয়ে গুলছিল কেন?

--रिक्री करावः।

শ্বশাস্থ আৰু বা আৰা কাৰ্যাৰ পালা।
নিন্দৰ হাতত বই নিয়ে কেউ বিজ্ঞা কৰতে
আমে, এসৰ ভাৰ জ না কেউ। বহিতা বিজ্ঞাী
করে লোকন্দৰেশ, তাৰে শ্বা কন্তি হত্ত কেনাৰ পৰা বই বাছিতেই থাকে, ভাৰণৰ কি
ভাৱে এক সময় আৰাত তাৰিত মহা।

অবর্শ ভিন্তাস এরজো, এসর রেফারেজের বই বিভা কর্মি কেন্দ্র লাজিকর এই বইখনা তেও এখন সহজে পাওরা বার নাং

দীপা মাচকি হোসে বজ্ঞা জনাদের বইরের জ্ঞানমারিটা ডেচেড গ্রেছা

—ভা হলে ভালমবিট স্বিল্লি নে। একলন কেউ এসব স্মী বই বিক্লী করে নাকি?

—লামী বই ই তো বিজী করে। সলতা বই আব কে কিনৰে! আমধ্য বাবা বাড়িটা বিজী করবেন তো, আমি তাই আগে থেকে Talame when town united

-to, or our in that was some
ten en el

বীশ্রে হানিক বাল প্রকা কালা প্রান্তার বিচৰ কাল কালা কালা কালো, মুখ্ কা বালা কালা বালি কিল কালা কালালো কালা বালালো নালা সেন্তা আলালো কালালো বিচলি করে বিচলেক। বালিক কোলালো কালালাতি বিচলি করে—কোনো কালে কালো না তো গুলুলো আলিও বালা আল সোলালেক না কলে কই বিচলি কালিছে। সোলালেক বালিকে বালা কালাক কালো সোলালেক বালিকে বালাক কালাক সোলালেক বালিকে বালাক কালাক কালাক সালালে। বেচারা বালা। বালাই মুখ্ বিভাগ পার্লো না!

আছে। একটাও কথা কালে না! তার
মনের ভাব ভার হ'ব সেখে সহজে বোজা
বার না। কিন্তু স্থানার মূব ভার হাররের
ছবি। সে বিলিভ বিহরেল ভাবে ভাবিরে
ভাবে। দীপর্নালব কথা বলাহে কেন? ইছে
করে ভাবের লোনাবার জনা? দীপর্কি
ভাগের অপমান করতে চাইছে?

শর্প সিলরেটের পাতেনট বার করতেই, দীপ্য বললো, আমাকে একটা দে ভো, সারাদিনে একটাও সিগারেট বাইনি!

অবৃপ গশ্ভীরভাবে বললো, শোন্ দীপা, ভোর সংগ্য জনার একটা প্রাইভেট ক্যা অনুভ: স্বন্যা, কৃষি একটা, লান্ডার স্থানে গলপ করো:

শানিকটা সরে এসে তর্প র্**নল্ দিরে** মাৰ মাছে মাৰে একটা বাজিছ **এনে** কেল্লো। বললো জানিস, আমি সামেরের স্তাহ সেকে অফিসে ব্রোক্ত।

—তাই নাকি?

—হাতীং ভূই-ও <mark>আর না, অন্মতের</mark> বিশ্ন হোর অহিচ্ছে:

-3 · x ·

শাসাকে তুই চাকরি বিভিন্ন? প্রায়কঃ

 শাসাকে তুই চাকরি বিভিন্ন? প্রায়ক।
 শাসাকে তুই

–জৰু মাইকে সি^{তি}ই স

্রত ব্যক্ত ভিত্তাস **করে...পঠ** ছালের বয় নহ

--উহা: গাতে চলাবে লা। তুই কচ মাইনে পাৰি, আমানেও ঠিক ভাই দিছে গাব। তুইও বি-কম্পাল, আমিও বি-কম্ পাল--আমি কি.এ পড়েছিলাম, পবীকা বিহুলি ববিশ্ব। তুই আবার কর্ম হলেও আরি অবিহান ভোকে তুই ফারো, ইছে হলে ভোল সাকলে টেবিলে পা তুলে বসবো! আমি বিশ্বত সাকল সালে বাব্যত চাই

আনুপ একটা বিয়ত হরে বললো, ইয়াকির ব্যাপার নয়, আমি কিন্তু নামিয়ানীল কাছি।

—वाबिद जीवित्राम!

—कि चारा, पूरे वर्षिका विदा वागरक पूरे-१ एक कावि।

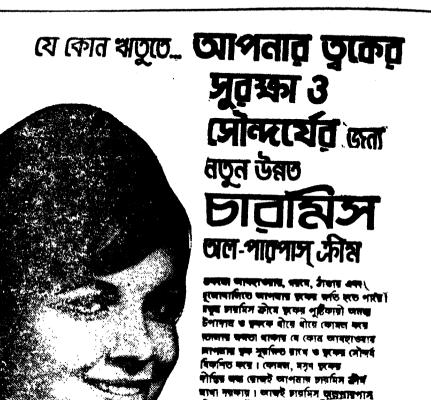
--वात बारेरन ?

—সেটা বাবাকে না বিজেল করে—সাবি নিজেই কও গাৰো জানি না

নিজেই কও সাবে আন্দ্ৰণা —গুলিক ইউ অনুপ, প্ৰকাশক বেবার করে: আনার চার্করির দরকার নেই। —ভই নিবি না? -

--

— কৰ্মন ক্ষাক্তে প্ৰকাশ ছাছিছে চাৰতে বালিকের হেচানর ক্ষাক্তে চার্কার বিচাৰ অকিচেনর ক্ষান্ত চালেকর অ্লা চাৰে না। ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত বিচাৰ চালেকর ক্ষান্ত চাৰে ক্ষান্ত বি



क्योरमञ्ज अक्टी कांच किनूत ।



ভাল কালের ক্ষাক্তিলভিত্র জনা। ভোকে গ্রেম্ জালার কার্য বাল লেওলা হচ্ছে না। ভোর কোলালিবিকেশান জাতে। একজন নতুন লোক জো নিভেই হবে।

—আক্সে, ও কথা ছেড়ে দে। আমার ভারতীয়া সমাধার নেই।

- शतकाम स्मारे ? (कम ?

্তুল, ভা ঠিক বলতে পারবো না।
ভূটা বে আমাকে একটা পাঁচ ছালো টাকার
চাকরি দিতে চাইলি—এটা লানে আমার
কোনো আনল হলো না। বাককাল
চারদিকে চাকরি চাকরি রব, সেই ভির্মিরপ্রায় আমার যোল দিতে ইছে করে না।
আমানের বরেলী লাক লাক ছেকে বেরার,
বে-কোনো একটা চাকরি পেলে ভারা লাভে
চারে—কাল রাইটাস বিকিওংলে প্রসালন
বাবে চাকরি অথবা বেকার ভাঙার নাবিতে
স্কেই মিডিলে আমিক বাবে—কারণ ওদের
সভিত্তই চাকরি সক্ষার। কিন্দু আমি নিজে
কোনো চাকরি চাই লা!

--ভই ডা হলে कি কর্মাৰ?

— কি করবো, সেটা পরে ভেবে কেবলা! দক্ষি, আন্দের কড়ির জিনিসপ্তগ্রেলা আলে শেব হোক্!

--बाः, क्रेट्रे कि क्रको क्षीबन मा कि? **এ কথার কোনো উত্তর হয়** নাং দীপ**ু एक्टे निश्माम शामाना । अत्म रक्न ८**कर् আহাত হলেছে। *ক*³নল সম্প্রেক ভার সা भारतमा साम अल्ला प्रत्य कार्यान मा विकास লে ৰাধ্য জনাকট চয় না বহিত্<mark>যাতন আ</mark>গাতে প্রায় : ভারে পার্কা, স্থাই 🖷 বিনারী জ্ঞারিও পরি**পারের** স্কুন্সরত সমস্থা করে জুলারত চাইবেন সে **ভানে**, মান্য জিনিসপর <mark>আরও</mark> বাড়াতে SPÈCA, खारास करपाट ठाउँ (४-१) एक करपा (काउँ য়াজিৰ জিলিসপৰ এচাপে নাট কার 🗀 🗷 মেরেকে ভালেনাসে ভার সামনে এরকম ্বলয়ে পারে, বই বিক্রী निकारण्यात काहन कत्रपृष्ट अस्मिष्ट । जिस्सित निर्मात नगरा शास्त्रा-তাসন বি**রু**ত্তি অপবাস। কি **ধরনের সংসার** 6 -4

জর্প কর্মান। জামি গো**ফেসার** দাদগ্যুণ্ডকে ডোর কথা জিলেস করেছিলান। তিনি তো তোর **থ্**য প্রদাসন করলেন!

—ভূষ্ট ঝি আয়ায়ে চাকরি দেবার কালে জায়ার সম্পাকে বেঝীয়-খবর মেওরাও শরে, বরোছিলি নাকি!

—মা, মা, সে জন্ম নর। কিংচু জোকেসার সাশসংক্ত তো সেই কাশারে কিছ, কালেম না! সেটা কি ছুই আঘাকে বানিয়ে কলেজিল?

—**- रका**न् का**नाको** ?

— জালনেদপ্ৰের আসাল পাৰে ভূই আলাকে বাসে কা বলিছিলি ?

.. -- वा दशक्ष दमहे जेका धृतिक सानात?

না, বানাই নি, সতিষ্ট করেছিলাম। প্রোক্তেসার
দাশগণেত তোকে সে কথা বলেন নি—তার
কারণ বে নিজে চোর সে অন্যানর চুরির
প্রসম্পত তুলতে চার না। তবে, তোকে আরি
গুরার্ড স্ব অনার দিন্দি, সেই একবারই শুখ্
—আর আমি কাবনে কথনো কিন্দু চুরি
কার্যান। আনার পক্ষে আর চুরি করা
সম্ভব নক।

খনিকটা কিন্তুগর স্তেই অর্প জিজেস করলো, কেন? আর সভ্তর নয় কেন?

দীপু ঐ কিচুপটা পার সাধলো না।
থানিকটা উদাসীন ভাবে বকলো, আমার
নার্ভ ভেচন পথ নর। আমি কোনো কথা
কোনিকল প্রেপন রাখতে পারি না। বারা
চোর ভারের নার্ভ নিশ্চরই খ্র প্রথ—সারা
কারন একটা গোপনতা করে বেড়ানো—সব
সম্মর বাড়ের ওপর একটা গার্প ভারী বোঝার
মতন—আমি তো এক মৃত্তেরি জনাও
ভূলতে পারিনি, টাকটা একবার বাজে
বোর্খেছি, একবার পান্টের পরেটা, একবার
ভাবের সিভিতে একটা ছেড়া বালিশের মবো
—ওঃ সে একটা ছরিকল্ একপিরিরেশন।
চুবির চেরে খ্ন করা অনেক সহস্ক। মানুর
খুন করপেনও সব সমকের জন্ম এরকম—

- লুই কি খান করেও দেখেছিল নাকি?

গীপ্ জরাপের চোখে চোখ কেখে খাব
জাতে বললো, না, আমি মান্য খান
করিনি কথানা। কিছু আমি একজন খানীকৈ
চিনি। ভাকে দেখলে মনে হর না, সে
একজন সাংঘাতিক অপরখা। কিংবা সব
সমর তার মধ্যে একটা পাপ বোধ রয়েছে।
কিল্ড চোরুদের দেখালই বোঝা বানা!

-- সে করা পড়েনি?

-- मा ।

—সে এর্যান সাধারণ লোকের মতন ঘূরে নেড়ার? ভুই জানিস সে খুন করেছে, আর কেউ জানে মা ?

্ৰজাৱন্ত স্থাত্ৰকজন কানে। বিশ্বত্যকট ধ্বিকে ক্ৰেম্বান।

- ए। इस कथर**ना**े लाजिल

দীপ্ ভূব, কুন্ধক কি বেন এবাট্ চিল্ডা কলেলা। তারপর বললো আমানের পাড়াতেই থাকে লোকটা, ভূই যদি চাস, তোকে একদিন দেখিরে দিতে পারি। আসল বাপার কি কামিস্, ভূই যড় লোককে চিনিস-সারা কাবনে ফচ লোককে দেখিছিস-ভালের মধ্যে কে করেকজন সাংঘাতিক চোর-দ্বিক্তন খ্নীও আছে নিল্ডাই-ভূচ ভালো করে লক্ষ্য করিস নি বলে ব্রুক্তে পারিস নি। কিল্তু আলি আজকাল ওবের দেখলেই চিনতে পারি। বে-ভল্ফাবেশেই থাকক।

স্থানা দ্র ছেকে বললো। আপনাদের কথা শেষ মানি ? পড়িছের পড়িছের হে পা পরে সেলা। গীপু হাত ছুলে কালো, আনীৰ।
তারপর আবার অর্পকে কালো, ছুই একাব কিবাসই করতি পারছিল না বে স্থোকেলার গাশপুতে নিজেই একজন দোর কালা উদি তোর বাবার বস্ধ। কিন্তু আবানের বাবা-কালা আনারিকজন বন্ধান্ধক এই কালা নুধু ভালো, আর বাকি সারা দেশটার জেলা-জেতোর-লুক্ডা সিন্নিস করছে, এ কবলো হতে পারে?

্ৰাক্ৰে, ভূই ভাৰতে নিৰি বা চাকৰি?

—না, ভাই। আনার ভালো লাগে না। আমি বেশ আছি! স্বশনাকে নিরে অর্থুপ গাড়িতে উঠলো। ভারণার জাননা বিরে মুখ মাড়িরে জিজেন করলো, চাইখানার পরমেশকে চিঠি দিরেছিন?

দীপ্রকালো, না। তুই লিখে দিল একটা। আমার চিঠি লেখা হরেই ওঠে না। স্থানা দালভাকে বললো, চলি, একদিন আমানের বাড়িতে আসাকে কিন্তু! দীপাক্ষা-

কর্ত্ত সংক্র শাসতা কললো, হার্ট, ককো। দীপ্রেছ সংক্রেনা হোক, আমি একাই বাবো।

গাড়িটা চলে গেলে দীপ্ আর শালা প্রথম পরস্পরের দিকে খোলাখুলি ভাবে ভাকালো। এভক্স গড়িবেও গাল্টার মুখে একটুও বিরন্ধি নেই। একটা সভেষ টাটকা ভাব। এক বিলিক হেলে শাল্টা করতো, আমাকে আর এক ঘণ্টার মধ্যে বাড়ি করতে হবে।

—ইস্ এক ফটা না কটকলা। <mark>আৰি</mark> নটার সময় তোমায় বাড়ি পোঁছে **দেৰে**!

--না, জত দেরী করতে পারবো না

—ৰ্ব পারতে। আর একট্ ক্লিও, আমি এই বই দ্টোকে বিদান করে ক্লি আমি।

—আমার কাছে কিন্তু দশটা টাকা আছে।

—থাকুক। শাধ্ টাকার জনাই না।
বই দটোকেই আসলো বিদার করা দরকার।
একটা বাদেই শীপা বালি হাতে কিন্তে

कारम वनारमा, हामा-

(**2**34)





সদির শুরুতেই ভিক্স ভেপোরাব লাগান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বকে সদি বসার ভয় থাকবে না।

सकत, वाक्षात त्रत्य प्रति (सामाह; —ताक पिरा कस भड़ा एक शक्का मना भूत, यूत्र कराह । एक ति वर्षि अव अकते। साम्हा ता करात छाहास अहे त्रपि बूक सत्र प्रित एक शरू भारत तातात्वाता - ताक का हर विवासित कहे, या जाता, कामि - किंद्र जात वाकि साम्हा ता - जयसा कहे रिकार कसरेंव (वहाता ।

সন্ধির লক্ষ্মর দেরা দিলেই যদি ভিন্ন ভেপোরার লাগানো বাব, কোনো কষ্ট পোত হয় না-- কুক দদি বসার ভয় খাকে না। আর একটা করা। ভিন্ন ভেপোরার লাগাতে হার সেই দর স্বায়ক্ষম -রেয়ান ঠালা বেশী লাগে, - চেমন্ত ব্যক্তি, গলায়, বুক,

धूवरे प्रश्त काल । (५)(छ। बद्धि वा, विक्रिकि शिक्रताय धार्डवास्त स्रव ता। चिक्र (प्रांशावाद काल कार्य प्रांत प्रांत प्रांत,— प्रांतिय करें स्वांत काल कार्य प्रांताय





ষাইছে থেকে গানে ভেড্র থেকে নিয়াসের সাধ

- a) मूरक लिर्फ लाशाल शास्त्र (वनता नृत करंत-
- মারে লাগাতেই ভিন্ন গলে বে জাপ বেরোর তাতে ভিক্লের বাবতীর এরুধের লগ বজাব থাকে।
 এই ভাপ নিয়াসের সঙ্গে ভেতরে গিয়ে, গলা আর বুকের সদি প্রনিঙ্কে দিয়ে আপনাকে সুহ ক'রে ভোলে।



मिंदि तम्हार प्रतिब ना । मिंदि खरू रहाय छित्र एडए। तार ।

অন্যান্তর মৌনী ভারত চত্তুদগরে ব্যাচন शास्त्रिया गीनवा साहब: सामना बचन समाहत्व श्राम क्रिया मनाथा क्रिया श्रामनात्रक द्वाडे क्रम भवादेशा निवा विशेष वदेव, फबरना टन লাভাচতে আনাদের পোরদের জনা প্রত্তীকা कांत्रसा पश्चित्व । दल श्रकीका वार्ष इदेख ना क्राप्टावा अहे शहरामीड शम्बाटच क्रवटकारफ कारिया कवित्व, भिकासक सामावित्रक बन्द

-प्रयोग्यनाच जाकर

িত নদ্ধর বাজেলপ্রসাদ রোভ । প্রতি নশ্বর ব্যৱসাধনার না কি ভারতীর, কি অভারতীয় কোনো रद-मनकंति भागास्वय (क्षम-कन्यास्वरम बहै संविधित कथाना कहा माध्यानकाक कद-**अर्थत (स्था (तरह किया अरम्भः) क्यम्याकस्य** एकाक काल्यिमी पर मिलि-दिरम्भी सारकाषक-দের প্রস্থাবনত বিনয় তাও অতলনীয়।

FACE R काक काक काक বিদায় निक्तिन ।

দেক্চার উনি কোনোকালেই मिट्ट পারেন নাঃ চুপ করে হাত গ্রাউয়ে বঙ্গে थाकवाद मान्य तमः अव अवय मृश् काकः কাজ। আরু আবস্তামভারে কেবলই কাজ। क्रिंड कास या धकारत 6'तरी खादा प्रस्कदा

क्या क्या वन्तरहे इह एक्त छ। छीन শ্বাহ স্পান্ট করে বলেন : - অস্তোর সাল্য কোনোপ্রবার অপেস করবে না, চার ভোমরা আমায় মেরে ফারেলা, তবু ধা একানত সভা बरण कर्मन एउट्टे क्यांच वादम्याव वस्तव।

कीन यानन ना भाग किस्टी । अपन বর্জন তথন জন্মীন করেই বলেন: উপরের ক্ষাটা উনি বলেছিলেন পাকিস্ভানের প্রান্তন প্রোসডেন্ট জার্ম্বে খানকে।

এর বজা কথার, এর চিম্ডাধারার আর क (कार्ड अस्टे यमच्चेत मामक्रमा (व स्रवाक FE BIS

बराम्ठर्थ अक भट्ट्याः पीतंदवन। ৰাক্টেন। মৃত্যুত্তরহীন। উপবংসভতধারী ৰখন ছিলেন তথম দেখলাম ঐকৈ 'অতাশ্ত निकरं १५८कः अपनिषं राष्ट्रेभ सम्ब गाउः।

मार्थ अथमही जामाद मशक स्वत रकमन क्रमास हत्य निताहिन।

উপবাসরত বেদিন ভুগ্গ করলেন সেদিন চাপা উত্তেখনার প্রভিত্তত ভীত সকলে ম্বশিতর ব্যাস নিয়েছিলায়। দম বৃত্তি ক্ল दर्फ जार्माहरू। स्थाप स्थाप स्थाप महान करत



দম নিজেভিলাম: এবার উনি নিয়াী ছাড়বেন: সেই দিল্লী ৰেখানে উনি ভচিত এবার এমন মানুষ দেখলেন বিনি দেশ এবং দেশবাসীদের কথা ভাবেন, বেখানে প্রায় প্রাচাকে নিজের নিজের শ্বার্থই শুখা দেখছেন, ৰেখানে शांडक्टारवर अवाण्ड **ৰেখানে** বাছিগত প্রকাশতীর সমতেরে প্রথম নকরে লাকিয়ে ছাপিয়ে নয়, খোলাখলৈ এ স্ব-ই টান বললেন ৭ই অক্টোবৰে এর প্রেস-কন্যারেশে। পতি নদ্ধর রাজে**ন্যপ্রান্য** রোভ। সেই ওবা সামন্ত্রিক অপতানার।

দিয়াী হেডে এক-কালের প্রিচিত দেশটাকে এবার উনি चरविषद একযারটি দেখকে। খাদের উনি निक्दे-सम्बद बर्ग कानरकन व्यक्षिकारमहे विभाव निर्देशस्य अहे । शृथियी থেকে। নতুন দেশের নতুন মানুষ দেখাবন উনি নতন পটভাষতে। কিল্ড এরপর?

এই রাজধানী বিষ্ণীতে বসে এরপর যে की जा रवाधदत्र क्या मण्डन सह। नृश्क চেয়ে চেরে ব্যবি তাকিরে দেখা। উকে काकरक छात्र छात्र छात्र राष्ट्रक काग्राम ।

খনদল্ভনী খাষ্টালত লায়ৰ প্ৰেম্টিট रम्बट्ड अमान बीच मार्ग्य बाह्य बहुह मोराह একদিন আমতা বিশ্বাস্থাতকতা ৰাষ্ট্ৰেলাম: সেই বিশ্বাসঘাতকভার এর ছোমে অল এটা शिर्वाष्ट्रक स्मीपन ।

সেদিন খাঁকে হিংম নেকভের খালে ছ'তে কেলেছিলাম সেই ভাবে এখন ব্যৱস্থ SCA CECH CECH "CEC CRAT!

বাইরে সি'মারবর্গ প্রভাত। ভেতরে Ma I

সেই উনি আবার আমাদের কাছে। बामापन बाक्ज सारू दांच गास ना पिट भारतन नि ।

কোনো অভিযান?

ৰকে ভেপে বাছ। কি ভাবৰ কি লিকৰ किइटे मगरक जारा ना। उर मामरा क्नांनांटिनावी वह नद्भादी छादा नकरनर দক্তৰ খিকখন।

আমাদের স্বার স্বত্ন পূর্ণ হয়েছে কি হয়নি সে প্রথন আৰু অবাস্তর। কিন্ত এর প্ৰশের ক্লামানত তো পূর্ণ হয়রি। कानावीय या डॉन शानभाग करह 🔻 महबन ভা কৃষি ইহজীবনে অপ্রাণ্য বরে গেল। তকু हैएक क्याम अंदरे प्राथा नकम काना जिरहामदनहे वा ना केनि वमाष्ट शावरकन! তা সত্তেও উর একমার আসন মাটিছে আমাদের মতন সবার সংক্ষেঃ

পাঁচ নদ্বর ব্যক্তেক্পপ্রসাদ রোভের স্থে ৰাংলোৰ উনি এসে উঠেছেন ভার প্রবেশ-म्बार्ट बार्ट्स बार्ट्स व्यत्नक क्यांनावीं इ নিংশৰ ভীড়। সৰুদেই উৎস্ক নেৱে একট দিতে ভাকিছে।

ভেডৰে কে বেন কাকে আন্তে কৰে **জিখ্যেস করলেন, 'ও**দের কাঁ বলব <u>?'</u>

তা কেমন করে কেন শ্রনতে পেয়ে ধরি শাশ্ত শিমতমূথে দীৰ্ঘাণ্য টনি কর্ত্তি-



कार कर केरला कार बाद अवस्था कर्मा कारत निवस १

स्वतिम स्वितास प्रतिस्त क्षेत्रं क्षान करणा स्वतः स्वतः स्वत्राचनस्वारः। स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः क्षाः प्रतिनितः स्वारम् स्वतः स्वतः स्वतः प्रतिनितः स्वतः स्वतः प्रति स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वति। स्वतः स्वतः स्वतः

्र वार्त रायमानावः। विनयः माम्यस्य समार्थः रायमा

পাহি জনাব, মার কোই দাভার নহি হুট্রাং উনি আবার করে বললেন, মার भूगारे विश्वपास ह सामि केन्स्टब्स टमकेक समारका स्मिक

द्रश्रीक्षण्य स्थतं गृहसारतः निहमके स्रशासः शान्त्रीहरू । स्रीतेक स्थानता स्थल कवितिनः

এবিংক কোট প্যাণ্ট টাই পরা বেশ বৃশ্ধ প্রেরের সক্রেশ এক ভ্রম্পার এক কোনার টুপ্টাপ দাড়িয়েছিলেন। শেখলায় তার চোন লাল্যরে হ্-লাল বেরে ব্যবহা করে করে গড়িয়ে পড়ল। ভয়গোল ভেডরে ভেডরে ব্যবহার একটা কোপে উঠলেন। অন্তঃপর নিঃশক্ষে বারালা হরে সিড়ি নেমে সন্ত্র মানের জন পোরারে বাইরের ফুটপানে লিরে मीप्रहरात अक्रमे क्रम् गारस्य क्रमानः रक्त भाषतस्य न्हेस्ट्र

MANUFE THE WOLFHING CHEE रमहे। स्मेर स्मेर व्यवस्थात नारकेन वेकारिन शीरमञ्ज माणिन्छक मिथारन्छय अविनास श्रद्याक्षात्रीम कामकदर्य गायस राजाते सकाव क्ष'-क्षांत्र कृत्य दशरक । दनदे बनाक दल्यांच माने प्रवासक अक्षणाल मीथाका करे महराज्य rক্ষাল পরের রাখা হয়েছিল হাডে পায়ে अवाद्या इरक्षक्रिक रूलमानि बासारमः स्थापी-মোটা বেডি। পারে যথন তথন ছেকা দেওয়া श्राहर्भिक स्थापाटम संस्थातमा **प्रस**ेष्ट स्थारास । পিটিকে পিটিকে লাগ কৰে সেওমানত কোনো ক্ষাত্র ভিজ লা। সংগীর্ঘ পানের বছরের कार्यक्ष में देशहर अभाग निरामी गराम मान লাভ প্ৰঠানজাতিৰ ভাইবেল স্বাহ্মসভানৰ केलत जानान व्याक घरघर करा। हार्याहरू প্রভান্ত লাম্বর্য মন্তার গলে**ন ভারে গিরেছিল** 中の のは 関 後で

ত্র সংখ্য ধর্মেছ স্বাধীন**তার** নামে।

সেই উনি: গাল মৃটো এবজোথেবড়া। উল্লেখ্য ডিক: চোখ। গোঁকদান্তির নাজে স্থানিব্য একখানি মুখ: সেই মুটেখর দক্ষিণ বাবে গ্রিক্ষেক রেগা। প্রলম্ভ কপালে ভিন্তা। উনি কললেন, 'জামি খিন্মত্বাব। আপনাদের সেবা কর্মত এসেছি।'

সাম্ভান্ত এক কৃদাংগী মচিকাকে দেশকাম ভুক্তে কোনে উঠকে।

ভারে সকলে হে বার চুপচাপ: বাইরেব রাস্চাটাও কেমন নিস্তুজন। পামগাছের পাডাগালো নাবে করেছে।

আমার আজকের এই রচনাটি ধথন ছেপে বেরতের তথন এই সমাসেরী খন আবদ্যে সাফকর খান উদ্যাসনা, করাখা ও বিজাসিতার এই রাজধানীতে অর থাকবেন না। এরপর?

এরপর এখনে ভাব কিছু গা্ছিরে লেখা সম্ভব? আপাতে আর কিছুনাল লিপার নর। অনেকেই বলে থাকেন দিলীতে বসবাস করে ভারতবর্ষকে চেনা অসম্ভব: রাজধানীকেও হরত তেমন করে তিক জনা সুম্ভব নর এই দিল্লীতে জাম্বার বলে থেকে।

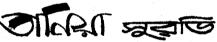
তেবেচিতেত তাই দিশার করেছি এখন কিছুকাল আমি খ্রেরফিরে আলমন্ত হিমানে দেখার আমার দেশ। "দেশ"-র অল্বেডি ভামার প্রিয় পাঠকণাতিকার কাছ বৈকে তাই হাপিমানে এবারকার মতন আমি বিদার নিশাম।



প্রথম প্রেমের মত শ্লিঞ্চ মধুর!



কুলাৰ কেপিৰ প্ৰধান পেখা, ও বালছিল, কাটা নিটি পছ কো'। আমি বালছিলান, ওানিছা'। এখন ও আমাকে ভাকে কামিয়া' ব'লে। আচ্ছা, তানিয়ার নিটি গছে কি আহাকে ওয় ভালে। লোগছিল, না জামাকে ভাষোব্যেমই ভাকিছ ওয় এও পছল—কে কামে।





क्कान्यक : मारहव जिर'म्

'বিটিটি ইক ইক্স বাৰ্বহাটট' পুডিতার কয় এবা আগনাৰ স্থাপ-চৰ্বহে কাল সম্ভাব উত্তেভিও কড আহাদেহ 'বিউটি ক্ষমালটেউস্', পোটা ক্ষঃ ১৯৯, নিট বিটি,—এই টকামাহ দিবুম।

Programitalis 2/61



ক্ষমান্ত সম্পতি **অ**নুক্তী ভাষান প্ৰাক্তি আটোৰ নিৰ্দান সেখন সংবাদ ल्लाहरूम । प्रश्न करूक बाल शर्र कराचित्र আমনায়া শিক্ষী কোন কোনভিংস-এর चन्द्र विक्रानियम् अस्तर व्यवस्य चरनहरे मद्र चार्छ। कार्यानीय आक्रिक নিচল মাধ্যত বিবালিনিটক, এক বাশ ও क्यान विक कालाहारत विकास बनागमसम्बद প্ৰথম প্ৰতিবাদ, বাধা ও প্ৰেৰ্থনীয় সংগ্ৰাহক रकम करते को मिन्न विकासक करता । জার্মান প্রাফিত শিক্ষণ ভাই একাশ্সভাবে मानवस्मी। र चकारन সুখ্লাহিত হৈ সংখ্যাৰৰ মানাষেত্ৰ ওপত্ন ৰে অৰুণ্য নিৰ্বাচন হাজত ভারই বিভাগে সময় দেশখনী কিভাবে জীকা বিশ্বর ও অধিকাংশ ক্ষেত্র বলি দিয়ে কচরের পর কবর কিভাবে সংগ্রাম ভালিৰে গেছে, প্ৰদৰ্শনীভৰ গ্ৰাফিক হিচেট তাবই পবিচয় পাওৱা বার। শিল্পীদের মধ্যে টান মাউ জিও হাসে ডোরিস কাহানে. বেনে গ্রেটক কিয়ারম্বান কি ব-ডবিন-शाववार्षे महानक्ष्मक अवः कि स्कोब-धव नक्ष ্বিত ব ক্রিক্স্যুম্ব GENERAL I হিৰোলিমাৰ ওপৰ আগবিক ৰোমা নিকিক্ড হবার পরে অক্ষম ও অসহায় শিশ্ব ও নরনারীর জীকননাল, জীকিত জনগ**ের** ওপর তার নিষ্ঠার ও স্থারী প্রতিভিয়া, আগবিক বোমার ধ্বংসাক্ষক বুপে, মুক্তক্ষে মৃত্যুর তাশ্ভবদালা ও শত্র ম্বারা অধিকৃত দেশের পৈশাচিক সম্পানসম রূপ নানা शिक्ति विश्वित जिल्ला विश्व विश्व विश्व करे फेटरेट । को अन्यान जिल्ह शाम (३), अन স্পাৰ (৩), এচ স্যান্ডবাৰ' (১), বি र-खिक्स (२४) ७ विस्त्रम करत निर्माम ७ অমান্ত্ৰিক জেআচারের প্রতীক হিসাবে শেৰোড শিক্ষীর আন্ডিকিটেড সকলেইই চোৰে পছে। বিরালিন্টিক ছলেও স্ক্রে रथामारे कारकत प्रथा मिरत जिल्लीरमंड क्य-কশক্তাৰ পৰিচৰ পৰা বৰ। সৈত্ৰ रिजाप्त कि दक्तेनारसस् काराकां क्रेप किनाट्यन-ध्वर नाम क्या महा अस्त का



तान नाहा नामान्य संविद्यांक्टर नामान्य क्ष्य के किए-नामा स्वीतक निवन्त करूव

শিশপথি নিরাশ্যনার নব। করেকজন আন্য ত ব্যাক্রমনের পর আন্যামী দিনের শানিতর কাণীত প্রকাশ করেছেন—কোন, বাভজিনের ০২ বং প্রিক্ট বা এ মাধ্যের নাসিং মাদার। রাহিক প্রশানীর সম্পো শিশপী কালা হালা-এর করেকটি শেকতে মেখা হার। কলকাতার কালা ও রাশ্যার করেকটি প্রান্ত, কদাকার ও বাহিনী রারের একটি প্রতিকৃতি শিশপী ন্যাক্রমারে ক্টিরে ভূমেছেন। সেই সংপ্র লাইপরিষ্কা, রোমানের, বালিনি প্রভৃতি শহরেব করেকটি স্থান লিক্সো শ্রিক্তি নভারে পড়ে।

श्चर्यनीय क्षत्र कार्य कार्यनाम ०० क्रम हेक्ट्रेड्सभीय विक्रमीय व्यक्ति 80डि **ছবির প্রতিনিদি কেবা** ব্যব্ধ এগালি পঞ্চদ শতক থেকে শত্রে করে বিংল **পঠাৰত কৰা। প্ৰনিৰ বিচ্গ**িণৰ মধ্যে WHE (3043-3440), EXWI (3424-3463), EEFET (3494-3680), WITH कार्ट्य (3435—3685), रक्षावर्ष (3606— >++5), प्राहितिसन (>+२8-->+48), 48 (2400-246A) JAM (2428-2M8) 75.5 (2425-2204) **जिन्दराज (>४७५-->১०४) ७ ६**हेर (SVBV-->>>>X AM CONCAMI EX श्रीकार्रीमा जीवकारको विकास स्थारकन कार्वे भारतातीरक बीक्का क्य किरुतीय विन्यद्राच राम स्वात व्यापनाम भूरत है জেনভেন আৰু প্ৰালামী বোনার আবাতে विदान्त रह, क्रायमा स्टान्स्ट स्थानम কলে বিভা প্রতিটো ও কলেন

নিবাপদ স্থানে ক্ৰিকে ক্ৰম্ম হয়। আৰ रेमना बार्यानरिए द्वारम स्टब औ स्टाम्प्स সম্পন্ন উম্পান করেন ও নিয়াপক্ষার ক্ষম रमधीन द्रामितात स्थान करान । नद्दर करे না উদ্দেশ্য পানে প্রাঞ্জাবিভারে প্রবাস क्रमा च्यान क्षित का नके क्षत सक-বুলিয়া অভি **বলে স্কলনৰ স্থিপীয়ের** সহযোগিতার সেন্দ্রীলর ওপর হলে জনার প্রয়েশ্বনমত পনেকে করেন করে ছবি-গুলির প্রেরিশ **দান করেন। ১১৫৫** সংলে বাল সরকার এই চিয়সভার প্রজাপন कार्यनाः कारणा कात भूरतं वरणा पहरत बक विद्राप्ते श्ररणांनीत चारसायन क्या वया। পৰে প্ৰেস্যাচন আটা গ্যালাৰীৰ অপেৰিশেশৰ প্ৰনিমিত হয় ও হালিয়া থেকে অনীত এই ৭৫০টি ছবির প্রথম প্রশানী উপায়ক शक शक नवनात्री औ श्रीवर्धात गामात्र ENERGIA ACENT

কর্ম বাহ্লা, অপুর ব্রেশকৌশন ব্রেশ কোনও নিদাশনিই ঠিক প্রতিনিপি বলে বলে হয় নাঃ ছবিদ্যাল ক্রাসিক বলা ও প্রত্যেকটির কর্ম দিরে শিশপীর ক্রনাকৌশন ও বিশেষ করে মান্ত ও বাবহারের প্রথমী ক্রেমে প্রেড। প্রেমেডন অসটার (ব্যারর), বিশেষ প্রেডিং (র্যেকা), ওপত বান উইখ বার্লা সানিস্ভা কাপ (রেলা), নে বাঁ (বলা), দি শিলনারস (মিলো), বি নিলা অন পার্টর (সেকান) ও ইয়া শুনাবার্ভ বেলারার (পিরাভেন্ড) রেখে সকলেই ব্যার হাশ হয়।

Beite



খেতে ভালো আর পুষ্টিকর —এমন থাবার রাধতে হলে চাই কুসুম ৰনস্পতি



কুমুম প্রোভাক্ট্রস দিমিটেড, **কদিকা**ভা-১

भ छा मरथात्र कानता उ

आंडिडिय 2 150 1628 THE Same মিত ও সমত্ত্বেশ বসার বছৰ। W & क्षान दशका कार्य विकास कार कार कार मा शर्म क रहीय वृद्धि वन्ध शर्म मा। _{প্রতি}ক্তর বিনান্মি**ডিটে** ত'দের রচনার লামঃ প্রকালে পাঠককে চমক क्षार्थ शराब গ্ৰাকা বানালো শায়, কিণ্ডু এর কিছা প্ৰথাক তা আছে কলৈ মনে ইয় না। এতে ল্লে হাৰে মেলিক স্চিত্ৰ স্ভিত্ৰ অপারণ লেখকর কোগাও কোগাও তাদের লেখা পনেঃ **প্রকাশে** অন্মতি দিছেন। वादमानाव भावने स्कारानाः सा বিজ্ঞাপনের চমকে **বা চ**াত্র মধ্যতি । বেশ্ব कार्यात्राष्ट्र शाक्कसः। **अध्य**सके दशस्य सम्बन्धाः এর প্রতিয়ান করমে ও দোষীকে । পর্যাপত-বৈধ্ন দিন

> শংক্ষর ব্যুন্দর্শপ্রধায় শুচিত।

ঝংনার চালচিত্র

11 2 t

প্ৰা পতিক্ত ৪৭ সংক্ষ আছিল ছাৰ এ সংগ্ৰেৰ ক্ৰেন্ড নাম স্ক্ৰী নামক বজাৰ তিক্তাৰ চুক্তীয় নিষ্ণত ফ্লেম্ব হাৰে নাটি মান একটা, ছাড়িৱাৰ সাক্ষি কাটিবা বা চেবেছিলাম ভাৰ ববিশ্ৰেক্তা সাক্ষিত্ৰ এই পতিক্ৰা মূড় সাবাছ।

াদ্রকা তে এও **সং**রোগে **ভ্**রতার সন্**ত্র** ର୍ଚ୍ଛ୍ଟି ଲୌଟନ୍ ହୌଟଫ୍ଟିଡ୍କେମ **କଲ୍ଫି≰** ৯০ - সাংস্তান আছে নেয়ো লছা **পিবাঁছ**-৮৫৮ ৪৮ **সংখ**্য স্থান্থবৈদে<mark>র মধ্য</mark> িয়া, এলব অবস্থান ক্ষুতিব্য সংগীয় **বস্তুবে**ংস্ক भएता क्षिप्रा अवहार ऋतत् । राज्याना র'ন্ড হলে**র** অন্তর্জনের বিভারে **সৈত্র** য়াসভালা জিলাভ সম্ভান প্রানার্ক্ম বিজেলা রালে এপী সংগ্রন্থ সামাল মাট- যা সংক্রেই ভালে ভাগে হয়োল **প্রসংগ্রহরে ডি**নি কার্যনী গুলু প্র ম্বার্কে ন্লীর জার্ন্টিরার মার্কে ऽांद क्या क्रिक्षण **करवा**क्षम े **के**डर क**ंड**र रबार । अध्यास रकास अस्माद सिद्धे । देशकास একচুকোর পাছে । একং নদীর অবতাহিকার ন্বল মার বিজ্ঞাল নামান পরিচিত। কীর-ভাগে এই নদীসকলন্ম নিন্দক্ষিকে প্ৰস্টালো বলে। তাক হেৰ ক**ল**।

ধন্যর সাহেত্র হিজ্ঞা শুনাটার, **ভাগ**নিদেশখন করতে জিল্প একট্ট বেসামাল হামে
গৈতিবান, তার্ড ভাগাটি অপুরা। লেশকের
কর্মা শক্তি মিন্দুয়াই **আছে, একল্**ট শিষ্যা না
ব্যাহ্য লাকত লগাই।

এই স্পূৰ্ণ বিশ্বস্থাত বংলার মানিত্র কারত শশক্ষা বা পালা কিভিন্ন অবলাল তিতিব প্রকার অধ্যা বহুন করে। এককা ভার্ত্তিত ক্ষাতান।

बन्दात भारह्य स्थ हालांक्टर अ.स. १६



সমনে পুলে বর্তেন হাতে বাজার একটি বিশ্বি প্রজন প্রথমিন প্রথমিন প্রথমিন করার এই জন্মল পরেলার পরিক্রমান্তরীর প্রথমি এবং চরিয়ালয় বালির সংকাল ও জাবনার করার এই জন্মলার চারা, বানেধারণা ও জাবনার বিশামান। নােধারণা ও জাবনার বিশামান। নােধারণা ও জাবনার বিশামান। নিশ্বের নামবারে কিছু জন্য জন্মতা সেই। বিশ্বের নামবারে কিছু জন্য জন্মতা সেই। বিশ্বি হরাতা রাজ্যত পারেনানি, না হলো এনন বিভাগিত ভবি হাত না বলো মনে হয়। সেইবা একবাও বলাব যে লেখক যদি সাহাল একবাও বলাব যে লেখক যদি সাহাল জন্মতা সমালোচনার পরিবার্টে নাবাবেনালা কুল্মান করাম থাকেন ভবে দ্বা বিবার্টিত সালাকান্তর প্রাক্রমান ভবে দ্বা বিবার্টিক সালাকান্তর সালাকান্তর সালাকান্তর সালাকান্তর সালাকান্তর সালাকান্তর প্রাক্রমান করাম বালাকা প্রথম্বন আবার।

ভাগনার সন্ত্যানের রচনা পড়ে নিশ্চমই শ্বান্ত ভাস্থাবিধ। হয় না বে ভিনি মাটির সংগা সারা দেহ-মন মিশিয়ে ভাবে ব্যাব্যাহন এবং সিনোয়ন। কিশ্চ ভার পরিভিত্ত মহালটা বভাই সামিত গশভীব মধ্যে যে আবেশ ব্রে শক্তেতে সে ধ্যার বৃত্তি ভিনি রাশ্বান্তে শক্তেতান।

স্পাধবণত ক্ষায়র স্তান্ধি কান মুখ্যকা করার কারে ক্রেন্ডের ভিতের কেন্দ্রকার করা উটিড, নইলে ইটকটিরতার পরিচয় পাওয়া याद: क्र**श्रम् मा**र्टव**६ कर्नक**ो स्मई প্রভাষ বিষ্ণেছন বলাল কম হাবে না কমে মান করি।কেন না অপর একজন স্থিতিক জ স্থিতা-সেবী সিরাভ সাহেব নিশ্বয়ট অসম্ভেক্তন মান হিভাবের অব্যধ एक्स छोडा । कर्का होता रागरहात करवर्का । कार्यरक्त মানের দিকে তাকৈ চাইতে তার**হিল**ঃ প্ঠকবৃদ্ধ ছাড়ার বংলা নয়: লুটি বিচ্ছির সমগ্রাহনা করতে সে কঠোর 'হিছল' শ্ৰুতি মুখিদিয়েকে অঞ্জল বহাল প্ৰচলিত। अदर एक्टेनिएक रश्यान रहाय अदे मन्नद्रमा ভিনি করেছেন। ভবে হার্ট হিজলা লক্টি যদি কেবলমার বাক্ষ ব্যোক্ষাত তাব নিশ্চয়ই আপত্তি ছিল। আবার আপত্তির প্রদন হরতে। উঠাত না যদি কোন কবি ভার কাবাল্যদেথ **धर्म कामाश्रक्षमाश्र्म क्ल्म्ना कल्ल्स**ः रत **काल कथा।**≽ निवाक असररास्टर संस्थिति कारानी कादा सङ्गः। आखराः चरिकः जिन्छ। কারেট শব্দাটির উপস্থাপনা কবার রাজায় : কিন্ত হাজান্ত সামুহাই স্ববীয় অঞ্চলত বিহাসকা ৮০০ হৈ আছটি সিন্তু স্বার্থন বিশ্বতি শলকার্ড কার্যা **কার নিজে**র রাজ[ি]ও পার্ডের বিরেক্টেন এমন বল্ডার স্থার :

নেট, ভাৰ স্ত্ৰিণ্ড ব্লিক্সকাই পাৰচায়ক ওটা বে নক একথা কালে ব্লিক্স কেট চুটি নেকেম না।

জন্মর সংখ্যে এবং সিরাজ সাহের
দাজনেই সংসাহিত্যিক। কন্দমে দাজনারই
নার প্রকার। সাহিত্যের আভিনার দাজনার
দাটো বিক। তবে তেন আহেতুক কাশা
মাধ্যমানি । আমবা চাই সাহিত্যের সেবা
ভারা করনে চেশের ও চলের মধ্যলারে।

त्रद**्यारक अ**ातकवि व**ब**दा बाब्दाट हाँदै। ভাষার সাভোবের বসনগর্মাল মেলিকারর দ্বিদ্রে। কিশ্রু ভীষণ দাংখের সংশ্র একটি কলপার লক্ষ্য করছি যে তিনি তাঁর ফিচ্যুক্স্বিতে (ক্য়েক্টি ক্ষেত্র) বাঙ্গা সাহিত্য ভগতের রথমিহারথীনের নির্ম সমালোচনার সম্মাখীন করেছেন: যেমন বলতে পারি উদরে চলের মাথে তিনি **প্রত্যেক্তর কলে। পর্যার ন্যান্যরের** হ'স্লী বাঁকের উপক্ষার সমালোচনা কবিবেছন **এবং** প্ৰকলেই বিভ্রিভ্রণ ভারেক শ্রান্যয়হন। काम्मा भाषाहरू व এণালো **অ**যাচিত প্রণিত। স্থাকলকভ बर्छ । 'बारनंद्र नाम नकारी' तहना छिएट लका न বাগের হয়ে সিরুজ সাহেবকে আঘাত ক্রেছেন। এসর সাতি ই নোংগ্রিম পরিচয়। আমার মনে হয় উপরর চালি, লক্ষ্যুপ ধার প্রমাপ চরিত্র সাহিত্তবে তিকে চোম জুলে ভাকাৰার স্থাবল পার না, ভাবিকা নির্বাহের क्रमा क्रीवन प्रशासिह तक्ष्य थएक। वाःमाद **চালচিত্র' ফি**চারে এদের মার্থে স্থানার\ সংবাদ বালে কেনুর লালে। এ প্রসংগ্রী লাভাকটি দাখীল**ত স্থাৰ্থ** ভাষাৰ সাহত প্ৰশা**এই** 9ল'তি **সংখ্যা**ক সাধ্যে সংশীক্ষ **হতান্ত**ক। ন্দ্ৰ **ফিচ**লটিয়ে ২০০লিখ চল্চাঞ্চিনীয় कुरुपुर भन्भीका व विद्वार । अन्य भूका জিয়েছ **হ'বল স**িট্ড - চলাস্থ প্ৰিক্তিয় সম্পান হৈ কটোৰ হল্মান কয়ে বচাৰ্যন **হা** The State of the contract of t

> হৈয়েত আস্থান প্রাথান্যক **ক'ল**কার্ডান্ড

. . .

আগনার বহুল প্রচারিত গেলা পরিকার আগদার চালচিরা প্রসপের অনেকেই প্রনালো বাকা উভারণ করেছেন। আমিও তাবের একজন হতে চাই। আমি বাংলা দেশেনই এক পারীতে বান করি। ব্যক্তি কালের উমাতিতে শহুরে আবহাওয়ার কিন্তিং ঘোঁয়া এই প্রামন্তিত লেখেহে তন্তু নির্দেশেহে কর কর এত একাচ সার্বাক্ত প্রান্তিরীয়ান চ রামটিকে আনও সার্বাক্ত করে হরেছে ববন লেকক আক্ত্রের অবলারের বাংগারে চালচিয়া পড়-হিল্পে, রাজে বাকি আর লাক্ত্য করি প্রতিটি মান্তকে আর সান্তবাল্তির সার্বাক্তর ব্যক্তির বাংলার চালচিয়া। ছারা স্নিবিক্ত আর্ক্তর বাংলার চালচিয়া। ছারা স্নিবিক্ত আন্তর নীক্ত বেটে রোট রাম-ব্যলিক পরিচর লেকক বা বিরেছেন তা প্রথ मार्थ को यह चामकार मन्दर परस्क

সাধ্যক ইম্বর চালি, সর্ব্টের চিরা, তেনেরবানে বলৈর আটলা, বানের নাম লক্ষ্যী পর্তত পর্তত রাম বংলার সপ্রে চিরাব্লি মেলাডে থাকি। (২৭শে ভার, ৪৬ সংখ্যার) শংপনকুমার মধ্যোপালার সাপ্তত ইম্বর চালি। প্রসংগ খ্যালোচনা বিভাগে যে ক্ষাটি মুগ্রেম্ন খ্যান রামার কোন



रेक्सा तक विशेष ब्दाक नावका बाह मा जला TAVE WICH ME BIN BIBLE WON HE कारक । आन्द्राक क्यांनि नद्राव व ब्रह्मान्ति िर्छाः अरश्रेष्ट् करवरकम रमग्रीम मान्यव अवर अक्टार्का । विष बारेल मन्द्र स्वद्ध कान हाकार समझाह हमारेका क्या जावहा आरम शाय नाम वाकि। अप्रेर मांकि पार मार्थक क्षांक इरलाइ केल जान क्षांता जानक के क्या गर्दाका आत्मक व्यवस्थित व्यवस्था शास्त्रा वात्र िधारमंत्र मात्र सन्दरीय अक ভাষণায় লেখক লিখেছেন সারাদিন হাড-प्राक्ता अविधासक गास गास साम्बास साहस हा त्याकास्त्राद्धनाटक जाका तम हावीवानील। লোকাতে রোভও বাজে। কেউ কেউ খবরের बालक हम्रा भीका विक्रि भार । करे क्यापित সাধ'ৰু ৰূপ দেদিন লকা করদাম রাস্চা भाग जामान हाताब भागानिहरू जाब তেখনত আমার দাপি আকরণ করল বাংলার GT#15E' !

নিজ্ত শুলার একটি গরীব ঢাবীর জীবন সংগ্রামের ইতিহাস, সাপ্তেরের কথা, এবং প্রাম বাংলার মানাবের হৈ ভিত শেশক উপহার পিজেন তা পোরবের সাবি রাখে। বাংলার নাড়ীর সংশ্বকর সংশা যে গ্রাম বাংলার নাড়ীর সংশ্বকর সংশা যে গ্রাম বাংলার নাড়ীর সংশ্বকর শাহর বাংলার চালাচিত্র। দায়িরা কঠোবে কোমালার সামিলার গ্রামের যে ছবি বাংলার চালাচিত্র। দায়িরা কঠোবে কোমালার সামিলার গ্রামের যে ছবি বাংলার চালাচিত্র। প্রশানার গ্রামের যামার ক্ষাম্বাকক ব্যামার ক্ষামার ক্ষামার ক্ষামার ক্ষামার ক্ষামার ক্ষামার

চণ্ডল সিংহ রায় গোহিষ্য গোলী

. . .

প্রথমেই হাল নেওয়া ভালো কিলালের ত্পভায় নিয়ে জনাব কাবনুক জবাব এবং দৈরত মাসতাফা সিরাল্ল সাতে ব কে মসাঁহাত্র হালভাগা হারাজেন এ অধন তাতে জাজিব পড়াত অনিজ্ঞাক। আমি সিরাল সাতেবেন কাবেটি বাকা সন্বব্দে কিছা নিবেশন করতে ভাই।

তিনি গেলা-এ (৪৮ সংখা) আলেচনা বিভাগে লিখেছেন ক্ষাব জাবনান্দ দলেও কবিতার পারের হিজলে ক্যাতি বাবহার করেছেন একট্ আর্থা।' (জথাং ন্যবাল মার্চ-বা সহক্ষেই জলে দুবে ক্ষাব ক্ষাথা।)

কৰি কৰিনানক দাল ব্যিকালের খান্ত। ব্যৱস্থ কানি ব্যিকালে হিজলা বলতে কুট্
বড় একাকমের গাছকেই বোঝার বা সাধাবগত কানা খাবে কলো। কৰিনানক্ষের
কাকে হিজলোক কাবার হিজল বন কাডেই
ইয়েছে মনে হর। সিরাজ সাহেব জারো
কিপেটেন 'হিজল ফুলের মানা ব'ব। সাক্ষ

না হলেও প্রেমো গানে তার মালার দেখা নেলে / বারশালের হিজল গাছ এ অথমের বেশ পরিভিত। নে গানে লাল বতের মে কলে হর ভাতে কিন্ত দিবির মালা পাঁথা বার।

হিজানের ভূপভূমি। তারে সিন্নার সাহেব বা কাতে তেরেহেন তার সাক্ষে আগ্রার কিছু কাবার নেই।

ক্ষীবনালক তার কাবে বে বিজনের উল্লেখ করেছেন ভার মধ্যে আন্তর্মা রোক্ষান্টিকতা আছে সম্পেহ নেই। সে হিজনের বাল্ডম কর্মিন বর্তারন প্রসংগ্র অপ্রাক্ষিক চবে প্রশ্নে করি।

> গোপাল দাস. হুগলী

अम्द्रित मिल्ली

৪র্ডা অট্টোবরের নেশ, পত্রিকার 'জনরের দিল্লী' সম্পর্কে শ্রীদিশিরকুমার দাসের প্রতি পদ্ধলাম। পচলেখন্টের সংযামী ভাষার অধ্যাপক-সূত্রক সক্ষতা বাহবার বেগ্লা।

১৯ । ১৯ তারিখের হিন্দুস্থান টাইনস্কর (দিল্লী) একটি সংবাদ নিম্নে উদ্ভেশ্ব হ'ল।
New Delhi, Aug. 30,—Kerala Club will on Monday hold a reception for the avant-garde Malayalam poet Madhavan Nambookiri Paloor, is also an airline coach driver.

Delhi University's Malayalam Department's head will read a paper on the work of the 36-year old poet who had scarcely any formal schooling.

িল্লী ক্ষিত্রনালয়ের মালারালাম বিভাগের প্রধান বলি শ্রীনরবেশ লিখতেন ভবে তো শ্রীদানের হাতে তার মাথা কেতো! ব্যুখ্ মালারালাম বিভাগা লিখেই এই দলা! কতবিনিক্ট শ্রীদানের প্রতিবাদ-প্র এক্ষর ঐ সংবাদপতে বেরোর নি কিন্তু!

শ্বিতারত, বিজ্ঞা বিশ্ববিদ্যালয়ে কবি

জীলাধন নিম্নালিত হননি, এই সংঘানতি
জীলাস পরিবেশন করেছেন। এই সভা
অন্যুখিত না হয়ে থাকলে তার বার কি
জীলবারনের? তিনি লিখেছেন,— দিলা
বিশ্ববিদ্যালয়ের মালারালাম বিভাগের
অধ্যাপক ও'র কবিছ্য নিজ্ঞে ক্লানে

PRICE करायम । WILLIAM SALE নিম্প্রিত।" বিনি এই কবিব কবিতার AND SIGHT SEAT STREET SEIN WITH कार कार कार की कवित कारा প্রিচর উদ্যাটিত করলে কি জা সোমানহ शुद्ध ? श्रीमात्र श्रम्म क्लास्क, "स्कार कारम क्षेट्रे सारमाहना इट्ट ? वानाकानाम क्षाताह बाँबा क्रिक्शिक्स नाम क्रिक्स (अहे कार्ज ?" हीयान कि ब्राप्त करवन, याँचा विश्व विशासस्य माहि किर्मि ভড়ি হন, ভারা নাবালক জেলীর? এ'লেছ পাঠকম কি কৰ্ম-পরিচরেই শেষ ? ভাষ हाजाकर के हर वारवाहना निन्द्रहर्शकन । कार जिल्लाम् --शामकाः वहे सम्बद्ध তরা অকটোবরে কলকাতা থেকে প্রকাশিক সাস্তাহিক 'অম'ড' পঢ়িকার ৭৪৮ প্রতার क्रकीं मरवारम्ब श्रीक मृत्रि साक्रमंत्र "रिकारी विश्वविकालदम्ब লালালাল বিভাল ভবি ওপর বৌ प्राथकार्ज्य कर्का विकास सामान्य सामान्याः প্ৰধা टमान्डेम्बर १ ক্রেছিলেন গভ আলোচনাটি সীমাৰশা খাকে ভার কৰিভার আভিকে বিষয়, বৈশিক্ষা ও সাম্প্রতিক কাবাদেশালনে তার ভাষকার क्रिशाला कार रायम्था করেছিলেন मन्द्राद्ध । अस्तर्भाग विकास सम्पर्धप्रमद्राः

হায় হাতভাগা শ্রীদরবেশ!

ভতীয়ত, শ্রীদকবেশ বলাতে ফেলেছেন শ্রীমাধবনের মত তবাণ কবিদের বাংলা বিভাগে আমুল্ডব बदान की श्रमाग्रमीय ग्राउ । हीनाम बरलाइन का क्या इट्स बारका फिलि क्रीकराम, क्रीक्रेसामस्कद সেদ্ধী শ্ৰীসভাৰ मत्यानायात वर শ্ৰীমমিত চৰুবতারি নামোলের **করে**ছন। কিল্ড এবাব্যা প্রখ্যাত প্রবীণ কবি। তব্ৰ সরকারী বা বেসরকারী প্রেক্টরের 'আডিমিট কাড' না প্রবা প্রভি **কি** তাদের আমশ্যণ করা ব্যেছিল? ভরুণ কবিয়া টতারা প্রবীণ বা প্রেম্পুত মা হলে কৰে ভাক পভাৰ? এই **কলণক জগনোদনেৰ** জন্য শ্রীদরবেশ বিশ্ববিদ্যালয়ের কর্তাপক্ষের সং-ক্রতনাটিকে উপজে করতে ক্লেকেন মত্র এবং এ জনা তাকৈ ধনাবাদ।

শ্রীনাস নিধেছেন, "দরবেশ সহাদ্যেরর রচনার সংস্থানোতা, অগাঁঠা ভাষা ও নাকামির সংশ্যা পরিচিত ছিলাম।" এ নাকামির সংশ্যা বিশ্ববিদ্যালয়ের আম্নিক ভাষতীয় ভাষা বিভাগের অধ্যাপক-প্রবরের বালিগত রাচির কথা। এই রাচিরেশ্য এবং তার প্রকাশকে বাহবা জানাতে ইছা হর। তবে, দিল্লীর প্রাণ-পশ্যন এই 'জন্মেরের দিল্লী-তে মথাখহি সোভার, তাই, এক কথা।

স্থাংশ্প্রকাশ সামন্ত নতুন্নারী-১



वार्ष्टे फित्वत्र फिव वायात्र मुখ्यावि वान्त्र्यं (कायत ଓ वावणायः रात्र एठेत ।

পণ্ডস-এর '৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা

আনার ক্যাকানে বিশ্বর্ণ কুল বিনে কি করব থেকে পানিকার বা, অবচ ক্রান্তের বাজে বিনের ভিনারে কাতে হবে আরু ক্রান্তে ৮ কিন বাকি। থেকে কুল পাইনা, বাবন সময় ক্রান্তার করা বানে পানে থেক। ও বাকেনিল, পার্কা-এর ৭ কিনে প্রপান্তবার পরিক্রানার ও বাকা-কার্য পোরেছে: ট্রক ক্রান্তার; আরিও আই করব।

पाउठवरा ३ लाव काळ

এক সম্ভাব থাবে ছোলা ছাজিরে একবার নার, ছবার কারে পার সা কোন্ধ ক্রীয় সাধারে প্রাথমার। প্রথমে কারকার সঙ্গা ও মেক-আপ উঠে গেল।

দ্বিতীয়ৰার ভৌম লাগানোর সময়ই ফুটে উঠল রূপ।

বিতাহিববৈ দুখে জাঁহ যাবলায়—স্থাননাথবোর হেন মুর জাতন ৷ এই জাঁব চাষ্চাহ বুব তেখার সিহে এয়ন সহ পুকনো বছলা বের ড'বে বিল, জন্ম ও নাবাব বার বাবান প্রানাঃ সুক্ষী হ'লে উলি কমনীয় উল্লো ৷

বিশেষ সমাত্রী আমার স্বাকীর হ'তে এইজ-ন্তুর্বার জ্ঞান, আমার সুখ্যে বিশ্বে হেতে আজি পালক পাছে হা ।
পাত,ন ক্ষেত্রত বিশ্ব আজি আজে কুবার আখি।
আজ রাত থেকেই পত্ন-এর ৮-জিনে জপানাখ্যের
অভিনয়না কালে আখান--আগনার সুক্তানিত হথে





धर वघाँव घाँँ। या पित

পত্রি কোন্ড ক্রীম — পৃথিবীর এই মুখন্সী নির্মলকারী ক্রীমই কাটভিভে সবার ওপরে

.

ीब्द्रा-पञ्च व वेनक्ट्नाट्यटिक शोधिक काल वर्गकन प्रशाद अस्त्रक

প্রকা সংখ্যার অনুপশ্থিত

<u>च्या मञ्जूम भूका भश्या भश्यागृत्मात हेर्गाका</u> বি গণ্য, এখন কিছুপিন বাঙালী পাঠক-পাঠিকারা "পাঞ্জ। সংখ্যা" ছাড়া অন্য কিছতে मन प्रतिन मा। वादा बादेश घाएळल, भारत দিক্তেন দরে পালার টেনে, ভারের সংগ্রী হতে একটি বা একাধিক প্রা সংখ্যা খার কোমাত মার্থন লা, তাদেরত্র ব্যালগুলুর প্রাত্ অন্সকার পড়ে সাক্রে ওন্য भाषा (बार्ष) ज्यानक बांड श्रांगड ज्यामा क्षत्रभाव एया. মাম এনে গেলে তর ওপারেই মাধ্য গড়ারে। দ্যা একশানা পালো সংখ্যা আকারে তাঙ बाइर इत्साक लोगान एक एमधा, दला धन्यासामारी বাজিল হিতুস্ত্র ব্যবহার করা ধরে।

প্রাক্তা সাপা। ছাড়া জনং বেলেন সহিত্য সংবিশ্বে এগন কার্তি আণ্ড ঘাতত কথা নয় : ক্রামিত প্রাসাসাল প্রাস্থ कार्यसञ्जा सम्भातको अध्याप्ताः सम्बद्धः सम्बद्धाः जारा, भारती हुए करा हा. ष्ट्रशास अभ्यानहि अवसाधन कता राका ।

জ্ঞানি কৰ্মন কেন্ত্ৰে থকপ্ৰদেশ সভে শতের कार कार्मिक कार्मिक तृतीम्बराष्ट्रः बाबुर एक्स नाम् । योष्टि । बाहराष्ट्रि । ततीरपना एसत লোক পিয়েকৰে দ্ব' একটি গাল্ড ৌধনতাপতী। भाका मध्याः <u>या</u>नस्यालहात त्या बहुत हो हुए थ কিছে কে সংখ্যা আছি চুল্ডিনি চিডান্ট সে मक्कार कहा को भारत প্রকর্মর হার্ড ডিউট THE P **अ**ल्लेक साम का ज क्राभा अपनार नुसीम्राका खलीर कार्राप्त प्रशा जन्म*्स*्ट्रां अप a re receipt 2.42 ्रा व्यक्त 17:00 1107 45% 277 / नुष्यक्षा अध्यक्ष 2 1761 1 মাজুল পর কেল করেক বছর কোট গোটো ভাগ অভাববোধ **अस्था**नग्रील कार्ट (भारमार्टे মসুন করে দংখে জালে। কল্মী পরিকাগরিক কণ্ড সন্ম প্রি এপনাও প্রয়োজ রচনীটা করে বলা ক্লে সদস্যকো সময়েশসর করতে পাতর লি, ক্ষেত্র রা**জ**্লাপর বস, ড^{ার্ড}নাচ গাকটে रु अन्तर् हे हेराका ना। एत ५५८% स्टब्स



दभारए वल फ़ीर्नाक्तमध्वे भात्रिक ६ होका किञ्चितः। अरङाक धारा ३ गहर्र भागान याईरें भारत।

HAVA SALES (20) SHAKTI HABAR, DELHI-7



विवस, वाकरणस्त्र कम् र राज्य जन्म-सस्त्र রদের সাহিতা রচনার এখন জার কোনো লেখককে তেমন আন্তঃহী দেখা যায় ন। অনেকগালে পঢ়িকান্ডেই, একটাও সরস शासात ब्रह्मा दम्हे. সবই গোমড়া মুখে স্থিবিশাস জেকা।

र्यात्रक सम्प्राभागात कनः निर्कृतिकृतन ব্ৰেল্ড পাধানের মাজুর পরও বেল কিছুদিন কেটে কেছে, কিন্তু এখনও তাঁদের অভাব বেশ টের পাওরা যায়। বদিও এইদের দু" প্রতি মাঙাই আকাশ্রমাঙার প্রায়েড্র তব্ বে-করেশেট হেশক এগদের মাজান আনুগর এক বছরের লেখা তেমন দানা বীপ্রভা 'আবেশক' বা 'প্রের পচিকাীর লোপকতক শেষ দিকে তেমন খ্যাক পাওয়া ব্যাত না, বেমন "প্ৰয়ানদৰি অবিষয়া 'জাননী', "দপাণো'র লোখককে গুলন দিকে চিনতে বেশ কট হতো। ভা হলেও ও কথা ঠিক, **क्षाति म् स्टामंत्र हर-हकारमा हमशात मृ! क्ष** बार्ड भाग्रतार्थ द्वारा स्थान । प्रकार स्थान स ताल्या । प्राप्तिक करूमा भाषाहरूत तुमक मित्कत খণ্ড ও উসহাণ্ড ধরনের "সংশশ্র প্রহারী" বা জেনাভন্ন ক্রনিং-এব মতন দ্বশিত গলপ লি)পছিলেন মাতুরে राह कारक वस्त जाहता।

একক্স জেখাকর জনুপশ্চিত ভাচি নি**জে জভাদত জনাভৰ কবি এখা**নো ! সভীনাথ ভারেজীব। স্ত্রীনাপ ভাদ্যুরিও ्यव पिरुक राज्य हानगरना शामावरमव शरूप जिथर७ भारा । करतीहरमञ्जूर प्राप्तिक रेशाक তিনি রাজনেখরের অভাব আনক্যানি পরেশ কার্রাছালম—ভা **ছাজা**ও সভীনাপ ভাশাভার স্কা; মনসভাত্তের গালেও ছিল প্_টা সংখ্যার (मह প্রধান ভাকহণ। সভীনার ছিলেন জ্যান্তর জেখক—ববি কোনো জেগাই নিম্ন মানের নতু। জামি কখনও তার **লেখা প**ড়ে সম্পূৰা নিয়াৰ হুইনি: (প্ৰস্কান্ত বলতে হয়, গিলা গাহিতক হাসারস **সম**াট हरूवर्<mark>टी नाष्ट्रस्य कमा (क्षा इकर घट्</mark>राहर व (**a** মিরে **লেখন** AT-- O WINTER অভিযোগ। **সৈর**দ ম ভাতবা প্রচেত্রকটি ছোট রচনায়তই চমংকার স্ব र्रामकटा भएक-किन्छ ভার প্রায় সব কঠি दक्ष भक्त-डेननामरे कत्न तमत्। া দু' হাসে পড়েতে পড়তে আবহি কার্যা সামালনতে পারি নি-কিন্দু কেন্দ্রেও আনদর পাওর। যার একমার সাহিত্যেই।

হুত্তৰ কলী এ वहत-इमाक्य विक লেখেন নি!)

অন্যান্যদের মধ্যে ভারাশকর পাধ্যার, আচন্তাকুমার रमनग्रन्थ ट्यायम স্তেতারকুমার খোর-এ'দের আর 4 প্রবান ক্তন্তে आकर्षभीय क्रांभकः भतीपन्यः वर्ष्यतभाषासंब क्टिश्रहम मात्र कार । मृत्यम् व्यस् जातकीमन वंश्वाः क्रमः एक्ए निटक्टम, छन् মানুর মধ্যে প্রেল সংখ্যার **তার রচনা দে**শা যেত-এখন আর ভাও বার না। विक्री छ-स्था मार्था भाषाहरूक है रू. और वहत कर्न পতিকার দেখা বেভ. এবন তিনি क्षित्र निद्धारम्। **क**ीवनाम**्**णद জীবংকালে অপ্রকশিত জনা দ্' এক বছর আলেও বের্নিচ্চল, এখন বোধ হর **ফ্রিরে** ুগড়ে। ফারেফনি রবীণ্দুনাথের। **রবীণ্ড**-ল্যাপন অপ্রক্ষিত বচনা আরও বহু বছর शास स्वद्वार जामा करा गर।

मनाउन भारेक

शकाबित रात्र व्यमान्यामहोत्रीक्षेत्र छेणनाम लानणानाणत भाषि

भूता ५०० 🗣 তাতীত মাজুয়ের কথাই अंग्रिक्तिक कार्क्ती ।

🔍 প্রেম জীবারর পর্ম RIPIE

🛡 छल (ठाठावितालई বিচ্ছেপ বেদনাত স্থাষ্টি

🗣 পুরুষের প্রনাচ THE SIGNED সালাহর উৎপত্তি-সন্দেহ যোক হিংসাচ

🔍 হত্যাই মন্ত্ৰ্যন্ত মৃত্যুক্ত



प्रकारक : **बन**् महिक होनान ৬৫, শ্যামনগার রোভ, কলি-৫৫ প্রান্তিকান **ভৈরব প্রতকালর** ১৩/১, বাংকম সাট্যজী স্মৃতি, কলি-১২

(७४०४ व्ये)

অনুবাদ সাহিত্য

বভালে বরণার। জ্বা ডের্ন : আর্বাগক— মানবেল্য বল্লোপাধার। অর্বা প্রকাশনী, ব ব্যলাকিশোর দাল লেন, কলিকাতা-৬। পাঁচ টাকা।

ভ্রমানা রচনার মত জ্বল ভেনা এর গাছতে।
কর্মান রচনার বইটিও একটি পরম চিত্তাকর্মান রচনার এর কাহিনী অংশ ভানিরেশ
ভিক্ষোর রিবনসন কুলোর্শ কিংবা ইয়োহান
হিল্লে-এর সেইস ফার্মিল ব্রিবনসন্ধিএর
মতোই জাহাজ ভূবি এবং নিজান শ্রীপে
আশ্রম নেবার কাহিনী। শ্রম থেকেই
রচনাটি চমকপ্রদার দেই ধনকুবের কোবেডর্শ এবং টাশ্কিনারের মধ্যে নিলাম শ্বর



वाउँक

(अर्ड प्रक. १किका करार इ.स.च कार हो से अकाम समी मन्त्रापिट ममक्रम अथार महीकारहम मन्त्रे वकारक

তিনটি প্ৰকাং কিকা ৩০০০ ৰাজ্যৰ ৰাজ্য কৰিবলৈ সিংকাস একাক

প্রত্রেষ বিচুব দেশে তাইও কলে পাইটো বচিব প্রকল্পালার প্রাক্ত

क्टि वाटैक वश 👓

আনিচনাত রচিত মন্সফল প্রান্ত

কিঃ পিংতে যে কোন নাউক ক্ষান্ত পেতে হলো লিখনে

नीतिया श्रकामन

- ৪৩, বিশ্বিক বিহারে গ্রেছ্পৌ ধ্রীট ক্ষানকাহা-১৯৭ - ফোন ৩ ৩৪-৪১৩৮

(1% ৯৭৭১)

काहै। निर्वाश

হালিরা রসবাত একাশর, রাতালর কংশকরে ও আন্তর্গিক বাবতীয় গাক্ষণাদি দুগোঁ
প্রতিকারের জন। আধানিক বিজ্ঞানান্মেণির
চিকিৎসার জন প্রত্যাক কর্ম পরে অথবা
সাক্ষাতে ব্যবস্থা গাউন নির্ভাগ বিশ্বীর
ক্রমায় নিজন্তরেরাগ। চিকিৎসাকেদ্

তিবন বিসাচ হোত্র ১৫ লিবলেল তান দেবপরে হাওছ কোন: ১৭ ২৭৫৫



প্রশাস্ত মহাসাধরের দেশসার न्य निर्मार কেনা নিয়ে দর ক্যাক্ষি থেকে গলেশর স্তপ্ত। শেষ প্রশিত কোল্ডেরপের **জ**র। ত পোর কাহিনী ভিল্ল**পথে লোড থেনেছে।** কোলেডরপে নি**ঃসং**তান। ভাগনে **37.9** বিপ্ল HATHAR গভাকে মরগান ভার प्रेस्त्रत्तिकाती। शक्ख क्ष्म्भनाक्ष्यन 248 আন্তভন্তার প্রিয়। প্রভেটিংক ক্রীবনের বিলাপিতার ভেতর সে জীবনের 9/20/754 95.85 भारक भारता। टकाइण्डन्टर**भ**त देखा পালত কন্যা ফিনার সংশ্ব গড়ারেব (PA) ভাগানের **মনে ভার ব্রা**ঙ একটা জাহাত A. Z কোরেওর প A 104 175 3 গভয়েদকে নিউটি**জন্যান্ড বা**বার कात (नगा नांधामध्या भाव क खंब অভঃপর গভঞে এবং स ट्यांमक 676 জোটের এক নিশ্বন স্থীপে क्षेशिक्षा छ। এরপর কাহনী শ্বাসরুশ্ব গতিতে এলিয়ে গেতে। ভাল ভেনা তার স্বভাষস্থাত নক্ষ-ভাষ স্বীপের প্রাকৃতিক কর্মনা গড়াদ এবং টাটালেটের দ্বীপ্রাসিত জাবিলের সংগ্রাম ভোগতক ধোষা নরখানকদের আগলন এবং আনিবসে) কর্মরাঞ্চনতের আলুনা গুলেব হিংস প্রাণীর আক্রমণ ইত্যাদি ঘটনা 913 এমনভাবে বিনাস্থ অবেছেন যে পাঠকলাতেই নিজ পরিবেশ ভারে পিলে ক্ষণকালের জনা শ্বীপর্যাদ হার পড়েন। এ জাতীয় অভিযানন্ত্ৰ Manage and 'জান্ধ 'ভান' এর আবো TILE! THO: মারগানা পড়াত প্র*ডাঙ* **লেথকে**র ्डा चित्रा বিষাসে আইল্যাণ্ড' 'आक्राक्षराप्रेम' farm আছিফট ইন দি পাৰ্ছিকক'-এর 2600 واستهادي স্মরণে আনুস। ভথা**লি**, विद्यास काराच शास्त्रक संबद्धान अद्भव সভাগেরীস ংয়েও বিশি**শ্ট**। তা**হেল** 116417 ωŞ কেন্ডে যে সাটোৱার রাষ্ট্রে STATE OF দ্যশান্ত। ভারাজভূবি, গড়ফ্রের নিজনি স্বীপে जानुष्ठ, गत्रशानकरूनत् **मर्**ष्ण माकार् द्वास-জাত্যের আক্রমণ-এ সর্বাধি ভা সংস্থ (कारक्षत्राभा कात्रमां क গড় ফুৰ আনভভাগ রাপ্তরতা ক **5** तकाश MINTA কৌশল মাত্র, বইয়ের শেষে পাঠক একথা জানতে পেরে সম্পূর্ণ নতন এক क्रमन আনবাদ পায়। গ্রন্থের অন্যাদক শ্রীমানবেন্দ্র ব্যুদ্যাপাধ্যায়। ইভিপুৰে তিনি জ**্ল তেন**'-তর বহু গ্রেথর ক্লান্বাদ করে বঙাল

পাঠক সমাজে পরিচিত হরেছেন। জন্বার স্বাহ্মপা ম্লান্মির হরেও কোষাও কুর্মু হর্মিন্। সর্বাচ বিশ্বাসকোণা এবং সাললীল হরে উঠেছে। এটাই সন্বাদের প্রধান

252/62

কিলোর সাহিত্য

পাশীক্ষার স্বপ-মৃত্যুক্তর মাইতি। কলেল প্রকাশনী, এ১০৪, কলেজ পুনির ফারেট কলিকাতা-১২। ম্বলা ১.৫০।

শেষক শরম নিষ্ঠার সংশ্ব প্রংথকি বি
ক্রীবনের ককত্যালি ক্রাইনারী সংগ্রন্থ করে ক্রাইনারী সংগ্রন্থ করে ক্রাইনার ক্

সংগীত

রাগ-ব্যক্তিরান। শীন-সাক্তিরত রাজ্যান প্রায়েও ২০টা বলবাহ ছোল স্মৃতি, কলিন কড়োন্ডা ক'ভ এবাং

बट्टरनाका जारा । चरानात नीम् । क कर সংগঠিতে সংপ্রিচিত। এই প্রথান তার প্রবৃত্ত **বস্**লের জ্<mark>ষাপ্রি বচনা। জাংব</mark> একলো ভিনাট ব গের জালোচনা সথ পরিচর हर छन्। इत्साइ । कर्षे । व्यत्कार । तथा १८ व মত ভ অপরাপর মতেও স্থান পোয়েছে। রাগা পরিচয় উপসাক্ষে সংগগৈতর প্রাচারণা যে ভথটোন প্রয়োজন তেবং প্ৰতি ধাৰাৰ স্বৰূপে প্ৰদান কৰে সেপ্তিল স্বট এটা 58.00 বৈশেষ ভাবে व्यारक्षा ५ । शास्त्र ५ । ७.१४, ५०, म शहिनदकात । अनक न आग्रह । रशमन श्राभारत ৰে বাণীকে গোডহার কল**ু** यामरल "(बार्यदेशत" त्राने म्रान्तित বিশ্বাস। এটি ভানসেন প্রচারিত বাশী এবং সমসামারিক বা পরবাতী" সংগীত সাহিতো ভিনি ভানবেদন গোবেবহার (গোরালীয়র) নামেই পরিচিত হয়ের এসেডেন। সেনের আমেলে কোচন পশ্ভিত শ্ববো প্রতিষ্ঠিত গার্মরীতিকে 'গোড়বাণী সল্য বৈত্তে পারে এমন অন্যান্মর পিছনে বিলেষ ষ্টাল্ল নেই। এর কারণ রাজা মান প্রবিত্তি ধ্যাপরের প্রতিষ্ঠা অনেক পরবভ**ী কালের**

{

এবং লোচন পশ্ভিত বাংলার লোক ছিলেন কি না নে বিবরে মংগণ্ট সন্দেহ বর্তমান। প্রশেষ বলা হরেছে "খেরালের মুদ্পদ বিন্যাপের রচনাকে সাহিত্য দপশি কর্তা লাটীরীতি বলেছেন"। সাহিত্য দপশে এই রকম কোনও উলি নেই এবং মুলগ্রুম্থ সম্পন্তের না করা যুদ্ভিগ্রে। এই ধরনের বহু

তাশ্ত উৰি গ্ৰন্থের নানা স্থানেই ছড়িরে ব্রেছে।

গ্রন্থে বিষয়েপুরের শাস্ত্রীর সংগীতের ইতিহাসটি চিন্তাকর্ষক। এই অধ্যায়টি বিষয়েপুর ঘরানার পরিচয় এবং গায়কী এই গ্রন্থের গ্রেছ বৃষ্ণিধ করেছে। এই গ্রন্থ পাঠে দ্টি বিষয়েই উত্তম ধারণা করবার অবকাশ হবে। ১৪০/৬১

শারদ-সাহিতা

শারদীয়া কিশোর ভারভী—১৩৭৬
সম্পাদক শ্রীদী নশ্চদন্র চট্টোপাধারে। ৮ ক চিন্তামণি দাস লেন, কলিকাতা-৫। মুদ্যা পাঁচ টাকা।

কিশোরদের জন্য **প্রকাশিত এই** পত্রিকাটির আলু মাত্র এক বংসর, এ**রই মধ্যে**



अर्थमनलात् माज.

লিশুর জীবনে এটি অস্ন্য সমর। এই সমরের মধ্যেই শিশু শুনে শুনে কথা বলতে খেৰে, শুনতে না পেলে কথা বলভে নেখে না, বৃদ্ধির বিকাশও घट्टि मा। निष्ठत क्षत्रप्र २२ मानटक वना (बटक भारत "ভুনবার সময়" ভার পরের ৬ মাসকে, "কথা বলবার সময়"। এই "শুনবার সময়ে" ৰদি সে শুনতে না পার ভাটে লৈ পৰে আৰু শভ চিকিৎসা কৰে বা আসাজি হিয়ারিং এন্ড দিয়ে হারানো বা অক্সাভ প্রবণশক্তি ফিবে পেলেও টিক ভেমন করে স্তনে শেখাটা আর হর না। আডএর যাত শীল সম্ভব, অক্তরে ৬ মানের মুখ্যে, দিন্তু ব্যৱসাহ্যবাহী টিক মত ভনতে পাচ্ছে কিনা বস্তুতে পারা দ্বকার বাতে কোনো জটি থাকলে ভ্ৰথনই কানেব ভাস্তারকে ছেবিয়ে শিশুর চিকিৎসা করে ভার স্কালীন উন্নতি শপ্রতিহত রাধা দার। च्यानिक मध्य सम्बर्ध विद्यादिक करण वा अञ्चाल कातरम স্বাভাবিক প্রবংশক্তি স্পান্ন শিশুবও করা বলতে লিৱবার আগোই বা ২, ৩, ৪ বা ৫ বছারেও প্রবণশক্তি ক্ষীণ বা একেবারে লুগু হরে বেতে পারে বেমন পারে एक एकारमा वहरमङ्गा काक वहन भाषास रेममारव स्थवन-भक्ति हातारम वृध्धित विकारम **अवन अ**श्वताह हह। चळ्डा दी वर्ग गरीछ चंद नका दाश महकाद। একাজের জন্মা-ই দবচেধে উপবেগী। শিশুর শোনা এবং কলা বলার বহুসাভ্যাহী ক্রমবিক্রশের প্রায়ধ্যলি নোটামটি এই রক্ষ: জন্ম থেকেই শিশু শুনতে পায়, किंद्ध (म (मार्ना) मुख्यात माना (मुख्या नव । (कार्य লফ হলে চমকে ওঠে, এই মাত্র। মাদ বানেকের মধ্যে कर्रवास्त्र मान्य चाल्या, त्कारम च्हेर व्हे मद श्रथकत অহভতি মেলাভে শেষে। ধীরে ধীরে এটা স্পষ্টভর হতে থাকে। ৪/৫ মাদে আপরিচিত ক্টম্বরে বা মদশ্যে একবার ভাকিরে দেখে, পরিচিত কঠবর বা মদশক ভ'লে ভাইনে বাঁতে ভাকিতে দেখে। জোবে . भव ह'रत हमरक वालदाही चर्नकरी करम चारम। 🖦 ভেকে ৮ মাসে এটা প্রায় বন্ধই হয়ে যায় জেব আনে পাৰে যে সৰু মতুদন্ত হয়ে থাকে সেকলি লাম স্বট প্রিচিত হয়ে যায় আর এরক্ম শুন্ধ হ'লে জাৰ উৎদেৰ দিকে চটপট খাড ফিবিটো ভাকায়। আ-আ, ৰ-ৰ-ৰ ইত্যাদি নানা রক্ষ শব্দ করতে আগন্ত করে দে গুলি কথা বলার চেটা নর--- আরাম পার बालहे कार्य। > बान (थाक कथा बलाव म्लाटे Cbहा আবল্ল হয় এবং ১৫/১৬ মালের মধ্যে বেল কংগ্রুটি বোধগমা কথা বলতে পারে। উপরোক্ত ক্রম-বিকাশের ব্যতিক্রম হ'লেই কানের ডাক্রার **দেখানো উচিত। অনেকে হয়**ত বলবেন 'কাভাবাত্তি' — কিছু ভাকার দেখালে কোন কভি নেই – না **(मशाम हितकात्मत्र क्**ल निष्ठाँठे मुक ध्वरः छाउत्कि হরে থাকতে পারে।



<u>জাবালবৃদ্ধবন্ধিত সকলেওটি কর । ফলর ভেড় একা</u> জ্বচ জ্বত ক্ষমতা সম্পন্ন। মাত্র একটি ব্যাটারিতে চলে, এক বংগর গাবেণ্টি।

রেডিও সাপ্লাই স্টোর্স প্রাইভেট লিমিটেড ৬, ডারহোসী যোয়ার, কলিকাভান্য ফোন : ২৬-২২২১

A CONTRACT OF THE PARTY OF THE

ঐ বিজ্ঞানটি কেটে বাখুন, আন্ধুভবিষ্যতে আপনার কাজে আসতে পারে।

শিশ্য সাহিত্যের আসরে সে প্রথম সারিতে প্রথম করে নিতে পেরেছে। প্রার তিন শ শান্তার এই শারদ সংকলান আছে ৪টি উপনাস, ১৪টি বড় গলপ, প্রার ৭০টি বিভিন্ন রস ও পর দের গলপ, জান-কিল্লানের কাহিনী, কবিতা, ছড়া। বাংলার প্রথম সাহিত্যিকর সাহিত্য রচনাসভারে রসমুখ্য এই বিশেষ সংখ্যাত কিলোর দর পাল্লার ছাটির দিনগগুলি আন্দেদ ভরিবের রাখ্যে পারবে। আভিনক সোখ্যির র জন্মকরণে আন্দেশের রুটি নেই কিপ্রুর্ভির বড়ই অভাব।

রাজেজের। সংগাদক : তালায়েছ লাও বিত/১২৮ ভাউদ গ্রী, বরণসী ১। ম্লা ০-২৫ প্রসা।

ষ্ঠেল র ধইরে বাওলা প্রিকা, বিশেষ করে হোটানের জন্য কেন প্রিকা প্রকাশ করা সংক্রান তার এপর গ্রেপক লেখিকার বি ভারর নি জনাই হয় তোক পাই নেই। কিবলু এই প্রাত্ত ক ভটিও যে সংপ্রা তোত পরে তার প্রমান অর্ডানা কবিকামানি। শীপাঁকায় হলেও পরিকাশনিয়ে প্রশাসনীয়ে উপান্ত ভাগে পরিকাশনিয়ে প্রশাসনীয়ে উপান্ত ভাগে পরিকাশনিয়া প্রশাসনীয়ে উপান্ত হলেপ পরিকাশনিয়া বাল্যানি কাভ পরিকাশনি

একজিম। রোগ

সোরাই সস বাসেও জাত ব্রেগণ ব্যাহর ক কৃষ্ণি ক্ষেত্র সার্গত হলে ন আনর ক্রীন কৃষ্ণি ব্যাহর পরিছে ন্যান এলেক জনা ৭২ ক্ষান্ত ক্ষান্ত হলে প্রিক্তানাত করি ক্ষান্ত হাওছা কর্ম কুলীর ২ন নামন জাত জেন ক্রান্ত হাওছা প্রকাশ হল ২০১২ (ক্ষাম) তথ্য বাহার প্রক্তী লেখে (হল্ডিসম রোজ) ক্রান্ত ভালেক প্রক্তী সেন্দ্রমারে ক্ষামে। ক্ষণাক্ষী। সংগাবক ই প্রীক্তাপণ চৌধ্বী। ২৯লি কালীন স পতিত্তিত কোন, কলিকাতা-২৬। মলো ১-৮৫।

ভার শৃশ্চ্ছর বলের। পাধার, কবিশেশর কালিবাস রার প্রমানের কবিতা এবং নরেওলনার মিছের ছোট একটি গদপ ছাড়া এট বিশেষ শারেবীরা সংখানিতে ভেমন নামকরা কার্র রচনা নেই। ভবে সমণ্ডাবে রচনাবলীর একটা সম রক্ষর চেন্টা হারেছে। আজিবক সোটকাবর নিক ধোরে পতিকাশানি শাঠকনদানি আকুলা হবার মাতা মন্ত্র।

ল্মান্ডকা। সংগাদক : ইণ্ডিনংকুমার ব্যাহাপ ধ্যয়। স্বস্থিক প্রকাশন ট্রান্ড); অধ্যয়ভুলা: মালে: ২-৫০4

চিকিংসক সমাজা। সংগণেক জো: কামত যোগ হাজারা। ১৫১, জাগোশ্য হারবার হৈ ২. কলিকাতা-৩৪০ মালা ২০০০।

আন্ত প্রতি তে মিরণ প্রি, অব্যাবানীর এবং এটা নী আন ডিবিংসা বিষয়ক সূক্র মুখগার এটা পরিব খনি মান্ত কালক সাল কালো পুরু বিশ্ব হাজেন টামিমারেটা বেশ চলাপ্রিত জঞ্জন করেছে। প্রতাব সম্পাদ কর্ম এটা ডিবিংসা বিষয়ক প্রবাধন স্থীম্যিত মান্তের আবা একট্য স্বাস্থ্য করে উপ্নোধ্য এই সংখ্যাখানিতে গলপ ও কিছা কবিভাৰে সমাবেশ হরেছে। লেশক ভালিকার বিশিশ্যানের মধ্যে আছেন কাক্ষী নকরেল ইসলাল্ছঃ রমেশচন্দ্র মন্ত্যার ভঃ স্নীতিকুলার চট্টোপাধার, লৈলজানন্দ ম্বেশপাধার, ললি। মজ্যমণার, দক্ষিণারকান কর্ আনন্দিল্ড। রেজ ম্বেশী, সতু বিদা এবং আরে অনেকে। রেজ ম্বেশী, সতু বিদা এবং আরে অনেকে। রেজে ম্বাবে গাঠকেরও সংখ্যাখানি ভাল লাপেব।

প্ৰাণ্ড শ্ৰীকাৰ

ভরক্ষর সেই মান্যটি। স্থরভিং কর। বিসোধর লাইরেবী প্রাইটেট লিনিটেড। ৭২ মহাত্মা গাংধী রোড, কলিক, ১-৯। মালা ৩-২৫।

শুৰ্ম পাজনের স্থান্তঃ। লিখেন স্থান্ত পাধায়। বিচিতা প্রকাশনী ও নবীন কুণ্যু পোন, কলিকাজা ৯ । ম্লো ২ ০০০।

भार्क न्योरिवें न्योहि के जनामः कविका। क्षणताय ठक्वटी । सब श्रथमः : ४ केनाम रम् म्योरिक कविकार ४१ माना ८००।

সাহিত্যে শালীনতা **ও জন্মন্য প্রকর্ম** সংগ্রে আড়াই তিবল আড়া**ছ ভোলনাই ঃ** ২৫ ব্যক্তিম ১০টকটা স্থাটি, কলিকাছা-১২। ২৩০ ৩০০।

স্থান বাৰ্ষাৰ হোল। স্থানীল জানা বাৰ্যা জাল্ড কোপোনী : ১৫ ক্ৰিকা চাট্ডী গুটা কলিকালা ১১ মাজা ৮.০০।

শরংকায় সংস্কারেবায়ের জীবন ও সাজি জং। জাবা সাহিবাং পরিচিতিত চের্ডুটি ও আহার্ম প্রক্রেকারণ বোদ্ধ ব্লিক সংক্রি মুল্ল ১০০০।

প্রভাত সাইকেল ক্রেনির। বিজ্ঞান মুখ্যালা হলে। হার্থানালা নিজেনের হার্থানালা হলে। ব্যক্তিক ক্রেনির ক্রেনির হলে। মূল ব্রন্থানা

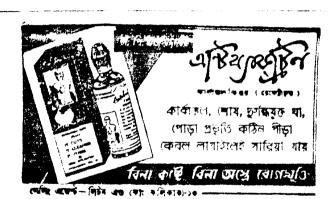
জেৰিছেনী নিকসন। সংগ্ৰেছ ৰ সিংকন্তেস চন্ত্ৰ হ সীগৰ চোহাবী। তথ্য সালহ চুকাংশালী : ২০ বাংকছ ১০কী সমীত কলিক সংখ্যা মূলা ব্যান

ক্ষীৰনমৈতে গৰেকিটা। সংগগ্ৰে, শীলান্তাল প্ৰথমিক ক্ষান্তালা ৷ ১৯ লিলিন্তিলো প্ৰথমিক ক্ষান্তাল্ড ১৯০ মূৰ্ণ ১৬০।

লতবাৰ্য্যৰ ৰাংলা। সম্পান্ত নীয় ডিলাল প্ৰবিভূত প্ৰতিভাগ : ৬১ বিশিল্প বিশ্বতি গ্ৰুপ্তেটী স্থাটি কলিকাত ১২। মূল্য ৬-০০:

नामगीजी—हील्यानसम् लगमन्छ। तमगोको नागो : ६/६८ कासक द्वा, कोसकार ३० मृना ७०००।

্রীক্টের **লোকসপরিত। সন্ধারণা :** জারাস্থ্য স্থা কো ৬০ মিলালেন্দ্রভালিক। ক্টিকে ড**্বিশ্বিদ্যলয় : মূল্য ১৫-০০**।



বাধি আতীর ক্টেক সমাণ্ডর বি ক্ষে । কটকের অনুমরর আতীর ক্টেকর অনুমরর আতীর ক্টেকর ওড়িলা ও বাংলার বংশ ক্ষেত্রর ক্ষেত্রর বিশ্ববিদ্যালর ফ্টেকরের আঞ্চলিক চ্যান্থিরনালিক সমাণ্ড। এখন অরপ্রের মূল প্রতিবেগিতার ধেলা। দিলীতে সদা সমাণ্ড আতীর সাভার প্রতিকেগিতা। ভারত ও নিউজিল্যান্থের স্টিটেন্ট স্ট্টান্টেন্ট ক্ষেত্র বিশ্ববিদ্যালয় প্রতিবিদ্যালয় ক্ষেত্র বিশ্ববিদ্যালয় বিশ্ববিদ্য বিশ্ববিদ্যালয় বিশ্ববিদ্যালয় বিশ্ববিদ্যালয় বিশ্ববিদ্যালয় বিশ

ভারতের মাচিতে প্রথম ভর

বোদ্ধাইরে প্রথম টেকেট ৬০ রামে পরান্ধর দ্বীক বের পর নাগাপারের দ্বিভানি টেটেট জারভাকে ১৬৭ রামে পরান্ধিত করে মিউজিলাগাও দল ভারাতের মাটিতে প্রথম টেকেট কারের কাতি জাজনা বিদেশের মাটিতে নিউজিলা গেডর এটা শিবভারি কেটা করে। প্রথম জিলাভার বাজিক প্রাক্ষিক রা

তিহকন নতুন খোলবাড় নিরে গড়া ভারতবি পল প্রথম ইনিবলের নেশ্যমীর বাধাত সাঙ্গত বেশ্বটাত জিতিছিল প্রথমত পিতের ইনিবলের ইয়াত ব্যক্তির ক্রমের সিপান বেজার্ডার বেলিলা ক্রাইডার মাণ্ডারে নিউজিল শত পালব জারের মালে স্থামন প্রথম শ্রম্ম প্রথম ক্রাইডার প্রথমনা ব্যক্তি রেলিলা ভারতের প্রথম বিষয়ের নির্ভাগন ক্রমেন প্রথম ইনিশ্যম নির্ভাগন ক্রিটার নির্ভাগন স্থাম ইনিশ্যম নির্ভাগনত প্রথম ক্রাইডার ক্রিকার নির্ভাগনত প্রথম ক্রাইডার ক্রিকার নির্ভাগনত প্রথম ক্রাইডার ক্রম্ম ক্রাইডার ক্রাইডার

নাগ্রপারে বাটোর বিক্রম বিব্যাহাটন নিউজিলাপান্তর অধিনারক গ্রং ম ৪ টি লব্দ মার্ক বাজেলি, বিভান কর্ডনা ও বিক্রম বিভান কর্ডনা ও বিক্রম ক্রেমার বিজ্ঞার পোর্লিট হাওলাগো সাক্ষরতার সাক্ষরতার সিক্রমার হিন্দার বিব্যাহার বিশ্বাহার সাক্ষরতার সভা পাইই নিব্যাহার ভিন্দার বিব্যাহার মার্ভা পাইই নিব্যাহার ভিন্ন বিব্যাহার মার্ভা পাইই নিব্যাহার ভিন্ন বিব্যাহার মার্ভা পাইই নিব্যাহার বিভান বিভান বিব্যাহার মার্ভা পাইই নিব্যাহার বিভান বিব্যাহার বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিব্যাহার বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিভান বিব্যাহার বিভান ক্রিক বিভান বিভ

ব্যক্তিছের ভারতের বেশ্বকটন প্রথমের কৃতিছেও কম নর। সুট্ট ইনিবলে এবি সংবাদেও ১০০ উইকেটা কিন্তু শৈকতার ইনিবলৈ কর্মের বেশ্বকটন করের বেশ্বকটন করের বেশ্বকটন করের বিজ্ঞানী করের বিজ্ঞান করের বিজ্ঞানী করের বিজ্ঞান করেন বিজ্ঞান করের বিজ্ঞান করের বিজ্ঞান করের বিজ্ঞান করেন বিজ্ঞান করের বিজ্ঞান করেন বিজ্ঞান করের বিজ্ঞান করেন ব



টানতে তেরেছেন। কিন্তু ন্বিতীর ইনিংলে পাডোঁদির নবাব ও অভিও ওয়াদেকার ছাড়া কেটই বেশীক্ষণ বাটে ধরে দড়িতে পারেন নি।

টলে জনী হলে প্রথম সাটে করার প্রণীন বোলাররের সহারক উইকেটে খার বড় কথ।। নিউজিলাদের সেই সাবোপ প্রোপ্তার কাজে লাগিরেছে। এবং শারু থেকে নজর নিরেছে র ন করার দিকে। তথা বলব নিউজিল্যান্ড দলের শিপন বোলিং এমন কিছা মারাজক নম বাড়ে ১০১ রানে ভারতের ইনিংস শেষ হতে পারে।

প্রসাপত বলা দরকার নাগগারের কিকেট ইতিহাসের এটি ছিলা স্বাধ্যমে টেন্টা বংলার প্রেলার ডু অন্বর রয়ের ছিলা টেন্টা অগানে প্রথম প্রবেশ। বিহ্না মানকড়ের পার অগানে অম্বর রার এক গোরবান স্মাতির আলা ধরে ঐ টেন্টা এক স্থান মিলিড হাছিলেলা। কারণ ১১৫৪-৫৬ স্থান মারাজর পর্যাম টেইনি এই নিউজিল গেওর বির্মাণ প্রথম টেইনি এই নিউজিল গেওর

বিশ্বস্থাকর অবস্থার ১০% রহ প্রথম র জনসর জবলা করিয়ের প্রথম টেক্ট থাবই ভাল ক্রেল্ডেন। ভার ৪৮ রামর মধ্যে ৪০ রামই এক্সেড চেস্ড ৮৫ মার থেকি। কিন্তু মন্মানত অবসার তালের ১ টেস্ট কন্তু এটিতঃ বজার ১২০৩ প্রের্থম। নিজ্ঞীর টেস্টের স্থানিক। স্ক্রার্থ ১

নিউজ্জিনান্ড—গুংল টান্টা ৫১৯ কেবা ব্রেলি জানে গ্রাম ড টান্টা ১১. বিভাগ ক্ষেত্র ৩৩, রস - সে ৩৫, তেল কেডালী ২৬: বিস্নাহত প্রেলি ১৬ বাল ৪ উচ্চ বেক্ট্রিপ্রন ৪০ বাল বাট্টা এর কর্মী প্রস্থা ১২ বাল বাট্টা

ভারত-তথ্য গ্রাস হর্ম তারির ভারতী ৬৩, জালর রজ এ৮ জার্ম গ্রাস দিল্ল ৪০, জালর এর দেবার ৩২, ব.জ স্ট্রিট ২৬: এডেলী এডেলার ৬৮ বান ৪ উটা: ফ্রেম বর্লাস ২৩ লান এটারের ব

ি নিউজিলাদেও নিত্তী নিউলিক ২১৪ প্রের্ম টান্তির জন্ম এক ২০৯৪ তথ্য ভিক্তি প্রেল্ড হাল্ড লেক্ডিল ৮০ এড লা, ৬ উধ্যুক্তী প্রকল্প ৩২ এক ২ উথ্যুক্ত ৮০০ ভাৰত-শ্বিতীর ইনিংল ১০৯ (শ্বেতীবির নবাব ২৮, অভিত ওরহেকার ২০; হেতানী হাতরাব' ০৪ রালে ৫ উইকেট, তিউর শোলার্ড ২১ রালে ০ উইকেট)। [নিউভিত্যাত ১০৭ রালে বিকারী]

create words from

নির্মার জাতীর সাঁতারকে এবার মেকর্ত ভাগমা-গড়ার সাঁতার কর বেতে পারে। ৪ দিনার্যুপী অনুষ্ঠাকে প্রতি বিদাই হিট ও ফাইনালে রেকডোর হড়াছড়ি। শেষ পর্বতা রেকডা বইরের ১৯টি ইতেকে শ্রেকে।

भारावरास्त्र ६६वि विकास प्राप्ता रहानी ১১টি বিষয়ে বালকদের ৮টি 57776 विकास माना ठिएए। जाउना मान ्रकार्यसम्बद्धाः **कालका विकास** चर्थार चन्न वहनी त्मरहाराव गीठीवे ইচ্ছেন্টেই নতুন রেকর্ড হ**রেছে, কিন্তু** মহিলাদের ৮টি বিষয়ের মধ্যে একটিভেঙ নতন রেক্ড হয়নি হ'দও মহার**ভৌর ফেলে** মিলকা আন্তোভি একা ৬টি বিষয়ে প্রথম স্থান দখল করেছেন। এ ছাডা রি**লে** সাত্যর মহাত্যভাব জাতে মাজেও মিলকরে অবস্থান অনেকখনি। মহিলাদের **মধ্যে বেমন** িলকা প্রেয়দের হাধে তেমন সং**তিস** দ্বলের ১৯ বছর বস্তমী জি স্টাইজের সাঁতাঞ ্রাট্রের সিং রানার **অসাধারণ ক্রডিয়ের** পারসর। সাভিসি প্রের শাধ্য রানারই নর, পুৰাৰ দাভুৱা ৱাম্পেড **মিং যুক্ষভৈত্**ৰ এক হাল ধার ঘাঁর ভূমাঠা<mark>ছর দ্বীকৃতি,</mark> এফা ব্ৰুফাটার সে ভারত-**প্রেণ্ঠ। স্ব** বক্ষের পেলাধ্যার সাভিষের যে প্রাধ্যে সভিকেও ভার বাতজম কেই। সাভিকের সভিবর কেম্ফ ১৫০ পরে**ট পেরে** চ্যালিপয় শিপের অধিকারী হারেছে, বাংলার সভিজ্ঞানেখনে নিবভীয় **স্থান পেরেছে** মত ৪৮ পড়াত পোত্র **থেকেই** প্রমণিত হয় সভি রেও সামরিক **সভিরেনের** 8.7 90KB

কিন্তু স্থাস্থিতী ১৯টি নতুন রে**কভা এবং**সংগ্রেম্বর সভিতর সাত্ত্বে বকরতে
সংগ্রাম আন এবং সাল্যারের মান আক্রেন্তর প্রান্তর সাল্যারের বাছাকছিতে
নাসভিত্য বংশা আন্তর্ভাগিতক সাল্যারে মহিলাবের প্রান্তর ইড়েন্টের সাল্যারের সাল্যারের সাল্যারের প্রান্তরের প্রান্তরের সাল্যারের সাল্যারের প্রান্তর প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের প্রান্তরের সাল্যারের সাল

টেবল টোনসের হালচাল

নামা ফটোবল চিত্রন প্রেম**্কলকাতার** মান্ত্র চাটার কাচ্চা এখন **ভটি চলেছে।** বেলা, চেত্রাহাত্ত বশাবের বিবি**ধ হয**়

विकास अपन स्टाइस निकास राम्य अहे क्रम केम्पीनमान श्रीम निरम् हाद रमलवारमत करण बहुकरना रचनान्यता शाह मानार्याय को शांतरमण्डीय व्याम करत प्रमण भिरस क्षेत्रम क्षेत्रम क्ष्ममनकः। कनकानान क्ष्रदेश-পৰিটোল, ইনকাম ট্যাস্থ্য, ক্যাপ্তমবাজার একং ৰাজ্য প্ৰতিৰোগিতাৰ দৰ্গোপাৰের অন্যন্তাৰে ছোট বড প্রভোক পেরারই তানের দক্ষতা দেখানের সংবোগ পেরেছ। এইসব প্রতি-म्बन्बिकाब का गाउँ, त्यार्क भरतके राग्धे নের শেলোরাড, দর্শক, আন্পারার প্রভৃতি উপকরণ ও উপারের প্রতেরকর ভাষকার क्षेत्रक खालान करव खारला रक्षणाल কাহিনীর স্তাপ পাহাডের রূপে নেবে। তাই সৰ জড়িরে বে মোটাম টি ধারণার পেছিতে **লেরেছি সেই কথাতেই প**রের কথাগলে সাকাজি।

ৰভ আসর মেট্রোপলিটানের क्यं जन करने जनायात्व यक शालीयल भावल বিশাত খেলোয়াডদের একটা অংশ এবারও হাজির থেকে প্রতিযোগিতার PROPERTY ৰাজিয়েছে। প্ৰবড়ী এবই পাৰ ইনকায় টাৰে স্পোট্স অ্যান্ড রিক্রিয়েশন ক্লাবের क्रोबल क्रीनम খেলার প্রথম বড় প্রাচ্চটা বেশ ভালো ভাবেই স্পেশ্লে হয়েছে। কাশিমবান্ধারের প্রতিযোগিতার সেই বাঁষা গং-এর সরে এবারও বজায় ছিল। মফ:-স্বলের আওতার প্রথম রাজা টেবল টেনিস প্রতিরোগিতার খেলা আগস্ট মাসে খাররবর **লোলমালে মাঝ পথে** কথ রাখতে হয়েছিল। **म्यान्धात्मव मार्थः मन्या**मस्य वादया আছে বৈকি।

তবে চৌরণাী ওয়াই এম সি এর **মেট্রোপলি**টানের খেলায খেলাব সময় ভারত বিখ্যাত থেলোয়াডেরা শ্ব ডিব आरका फारपद ব্যক্তির বজার বাখালেও **বাঠারে এসে যে কথা**গালি বলেছে ভার **দ্বারা বোঝার—"ভারতী**র টেবন্স টেনিসের **জাবহাওয়া তেমন স**্রিধার নর। পেলাব **ভানো বধাৰণ** উপকরণের অভাব রয়েছে : **অন্য দেশের মত এগিরে** যাওয়ার রাস্তা **দেখানের তেম**ন শিক্ষক ও প্রশিক্ষণের **অভাৰ বা আছে তা** নিয়ে একটা কিছু ভবার দিকে কর্মকভাদের তেমন গা নেই।" মধ্যবরসী থেলোয়াড় রতীশ চাচাদের মাথে ভাৰতাভাৱ হালচাল সম্বশ্যে তেম্ব আশা-বাজক কথা পাওয়া যায়নি। প্রত্যক্ষ ছবি দেশা সেতে পরবভী ট্রেন্মেন্টের খেলায়: **মেরে পরেষ দাই বিভাগেই খেলো**য়াড়দের শেকার ধরন ধারতেন ভারত বিখ্যাত হওয়ার কোন আভাষই নেই। মেয়েদের মধ্যে হ্রপা মুখার্ভির দাপট এখনো এ-রাজ্যে **সবচেরে বেশী। তবে তাকে** অন্সরণ **ভৱে উঠাত খেলোৱাড** ইন্দ্র পরে হৈভাবে **এল্যাক্ষে তাতে স**ব কিছু ঠিক ঠিক MATCHE EN THE THEM HOW MENTED करबंद कामन इरक नारत। नामानामि शहरतम् विकास प्रमानकोरे काल क्यांक्रि चारलवं ध्यान एकाम द्रवामात्राप्टरे ধারাবাহিক ভাবে নিজের আধিপভা টে'কসট कतारक शास्त्रक मा। एव बढागीरमब राज्य याता वतत्मव छात्व किन्द्री काराकान्य छाता কিল্ড এখনো ভৱাৰ ভৱাৰীকের ভৱের कार्यन। वर्तकारी अक्रिका मान्सि द्वारक কলাট বরা বাক। এ বছর মালা প্রতি-বোগিতার কেমিকাইনালে খেলা ছাডাও वाका छोरन क्रीनतम्ब कार्रेनाम स्पनाद ও'র বৈব' ও লম্পীলভার সংল্য হাতের रेनग्राच न्नाचे श्रक केंद्रेस्क। श्रक्करवय মধ্যে সমীর চ্যাটাজির তো কথাই নেই। কবেকার খেলোরাড সমীর এখনো যে কোন উঠতি খেলোরাডের **নাসের কারণ। সরোজ** ধ্যের রূপেন ধ্যের করসের ভার উপেকা করে ভরাপদের সঙ্গে সমানে পালা টানছেন। এ বছরের নানা প্রতিবোগিতার ব্যারিনেদের এই বিক্তম দেখে এই কথাই মনে হর বে বাংলার টেবল টেনিসে নভন ৰূগে আসতে এখনো দেরী আছে। কিংবা বলা বার নাক, মুখাজি, ওমিত মিত প্রভৃতিরা বে ৰূপ আনতে বাচ্ছিল তা ধমকে দাঁডিয়ে 7775

একটি আশাস্ত্র ক্ষা দুর্গাস্ত্রে আরোজিত রাজ্য টেনল টেনিসে করেকটি জেলার ছেলে খেলতে নেমেছিল। খেলার দিক দিরে তারা কোন সাড়া জাগাতে না পারলেও তাদের অংশ গ্রহণই টেবল টেনিসের ক্রমবর্ধানন কনপ্রিরতার প্রমাণ।

আবার এ কথাও সাতা, এই জনপ্রিরতাও প্রমকে দাঁড়াতে বাধ্য খেলার উপকরণ এবং পরিবেশের অভাবে। মফংস্বানের খাব কম ফুলে এবং ক্লাবে টেনিস খেলার স্থোগ আছে। ভার উপর এখন বল ও বাটের দামও খাব বেশা। স্ভেরাং, খেলাটিকে জনপ্রির করতে হলে রাজ্যান্তরের অর্থাং দেশার্টস কাউন্সিলার যথেপ্ট সাহাব্য প্রয়োজন।

গ্ৰীন টেবল

বেশাপ টেবল টোনস আনোসিরেশনের অফিসিয়াল ব্লেটিন গুনীন টেবলা-এর প্রথম সংখ্যা আমাদের হাতে এসে পৌছেছে। টেবল টোনস খেলার জন-প্রিরতা প্রসার, প্রচার এবং সাংগঠনিক ভিত্তি স্ফুদ্ট করবার উদ্দেশ্যে ইংরাজীতে প্রকাশিত এই পত্রিকা রাজ্য সংস্থার নতুন এবং প্রথম উদাম।

ম্থবদের পাঁচকার **অবৈভানক সম্পাদক** শ্রী জি এন ঘোষ টেবল টোঁনস **খেলার** সংবাদ এবং স্টিচিন্ত**ত প্রবশ্ব আ**হনন্

তে হ্পাইত করে বলৈহেন, তেলার রচেন্র রচেন্র পানাপাশি এবং প্রিবলৈ সকল রাজের টেব্ল রটিং কর্ন টেলিলের ক্রান্ত্র, ক্রান্ত্রক ক্রেক্র হেবলোরাড্ট এবং শিকা ও পরিকল্পনার উদ্দেশ্য নিরে লক্ষ্যেটেক্সট এই প্রিক্স প্রবাশিত হল।

প্রথম সংখাটি তবে এবং তথ্য পূর্ণ ।
বিশ্ব টেবল টেনিসের মানা ববরে সম্পা।
রাজ্যের ব্যরাথবর তো আছেই। শ্রীঅসিত
মুখার্লা লিখিড ও পিল ইণ্ট্র লি পাল্টা
এবং বাংলার প্রাক্তন চ্যালিগরন শ্রীসমার
চাটার্লা লিখিড আইড লুমিনাল
ন্টারলা নাহিতা রনে সম্পা
স্বাহার বিশেলবাদ সমার চ্যাটার্লির
অভ্যক্তি কিডেই প্রশংসনার। বেশাল
টেবল টেনিস অ্যানোসিরেশনের সর্বারাী
মুখ্যের শ্রীবান্দি ক্যানা করি।

विन्य कान कार्डेक

পাজির মতে, আসতে সন্তরের একুপ জনে তারিখে বেলা হবে দীর্ঘপ্রারী। ওই দিনটা এমনিতেই বেশ উক বোধ হবে। তবে বে এক লক্ষ কুড়ি হাজার দশকি মেলিকো সিটির অ্যাজটেক স্পেটিভরানের সিড়িতে বসে সেদিন জ্বলে বিমে কঙ্গের ফাইনালা দেখবে, ভাদের অবন্ধা থেও

ওখানে খেলার বোগাটো পাওয়ার জনো প্রাথমিক রাউপ্তের খেলাগালি এখন প্রায় শেষ মাৰে। বাবা বেলবে ভাগের মধ্যে ইংল্যান্ড (গভবারের বিজয়ী) মেঞ্জিকো ও বেলজিয়ামের নাম নিশ্চিতের র**িজবাও ভাদের থেজা**র সম্ভাবনা প্রার নিশ্চিতে এনে ফেলেছে ৷ তানকেই তলো করে, **ফাইনালে আ**টাল ও বাষ্টির বিশ্ব-কাপ বিজয়ী **এই ব**াজিল - এবং ভেষ্টিব क्रमा मन देशनग्रन्थक क्षयक्त क्रमा गाउँ। উরগেরে ও পেরা দর্গট ভিমট **রাজিলের সংগ্র কার্যকরী** ভামকা নিডে পা**রে। তবে আমারল্যান্ড ও স**কটল্যান্ডের পি**ছনে এখনে সংশ্যের** খাঁড়া বালছে। আরারল্যান্ড টিম ভরস্ককে দ্বরে থারিয়ে বানিকটা আশান্বিত হলেও তাদের আসল ভদ রাশিরার বিরাম্থে এখনো দাটি খেলা বাকি। ধরে নেওরা বেতে পারে স্কটলাপ্ড পশ্চিম **জার্মানীকে** হারাবে। কিল্ড সে চেন্টা কসরতের কামাই থাকলে চলবে না। **कारेनाम भारम यार्व** ১৬७ िए। अरे ১৬টি দল ৪ ভাগ হরে প্রথমে রাউন্ড র্বাবন ধারার প্রতিম্বন্দিতা করবে। গ্রন্থের প্রথম দর্ভি দল কোরাটার ফাইনালে **एकारन।** अत भरतदे महतः इरव स्य शतरक

সেই বসবে প্রথায় নক আউট থেলা।

একলব্য

ভারতিক আইনের হল বাবা ২২টি।
ভা ছাড়া আপারারের করণীর ও
কতাব্য সম্পর্কে আপ্রজাতিক রলভারিপ্রন কেডারেশনের স্পরিক্ত আইনের অপা হিসাবে স্থীকৃত। হল আইনের বরানের অপ্রতিক স্বার করার জন্য করেকটি ভাবাও

WINI.

- ১। সাভিস করার জন্য এবং সাভিস বিলেজ করার জন্য প্রস্তুত হবার পর সাভারের কোনরক্ষের জ্বপস্থালন বা আচরণে বিশ সাভিসের ধারাণেমিকতা নত্ত হয় তবে সে জ্বপস্থালন বা আচরণ ভারতা দেবার কৃত্তিত প্রস্তুত্ত হিসাবে গণ্ড হবে। (জাইন ১৪ ডি' সেখন)
- ২। ১৪ 'এইচ' ধারা অনুকারী রাকেটের একটি পরিক্ষার হিচ্চে বদি সাটল চালিও না হর ভবে কটে হবে। বিশ্বু রাকেটের বে-কোন অংশ দিরে যদি বেস এবং পালাক একটি পরিক্ষার হিট করে সাটল চালনা করা হর ভবে ফল্ট হবে না।
- ০: ১৪ 'এফ' আইনের ব্যতিকম ছাড়া বনি রাবেন্ট কা দেহের কোন অংশ কোন-ভাবে প্রতিপক্ষের কোটে অন্প্রবেশ করে ভাব প্রতিপক্ষ কোনোনাড়ের কামা সভি বলে ধরা হবে। (১৪ 'জে' আইনও প্রতিবা)
- ৪। বন্দুজিন্দুজন হলের বা করের ক ঠানোর
 ত্রকা অংশে সাটল লগুনের ব্যাপতর পথানীর
 বন্দুজিন্দুজন অনুস্থাসকেশন ভাতীর
 বন্দুজিন্দুজন সংক্ষার অনুস্থাসনসাংশক্ষ
 ভাইনের সংক্ষা প্ররোজনীয় উপধারা বোল
 করতে প্ররোজনী

जान्नासहस्र औष गुनारिय

- ১। খুব ভালভাবে কাভালতম খেলার অইমকান্য জেয়ে নিম।
- ২। থেলার ঘটনার আপারারের সিম্পাশত চ্ট্রত। অবস্যু আইম্ঘটিত কোন কারণে খেলেরড়ে রেফারির কাছে আকোন করতে গ্রেকে।
- ০ : সাইস্কলামের নিজের নাইনের
 ফলার নাইস্কলামের সিম্পাত্ত চ্টাস্ট :
 আম্পারার তাঁর সিম্পাত্ত চ্টাস্ট :
 কাল্যারের তাঁর সিম্পাত্ত নাক্ত করতে
 গরের না । বাদ লাইস্কলামের দ্রান্ট
 অবরোধ হর এবং ফটনাটি আম্পানারের
 চোধে পাড়ে ভখন আম্পারার সেম্পাত
 জানাতে পারেন । জনাধার পেটা ভেকে
 আবার পোলা আরুল্ড করা উচিত ।
- ৪। বেশনে সাভিত্য জাজ নিরোগ করা ইবে সেখানে সাভিত্যের সাক্ত ঘটনার স্থাভিত্য জাভের সিন্ধান্তই চুক্তোভা (২৭ নুম্বর বিধানে এ সম্পর্কে জারও করা

ৰ্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্ন

হয়েছে) আম্পায়ারের কতবি; হবে বিশেষ-ভাবে রিসিভারের প্রতি নজর রাখ্য এে সম্পর্কেও ২২ নম্বর বিধানে বিষয়টি পরিক্ষার করা হয়েছে)।

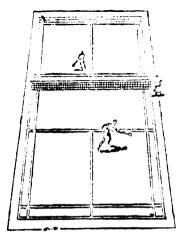
৫। সমশত ছোষণা, শাঁরাট গণনা এবং সিম্বানেতর কথা হথেত জোরের সফো এবং পরিম্বার উচ্চারণে এমনভাবে বলতে হবে যে, খেলোয়ান্ত ও নশাঁকরা যেন পরিম্কার-ভাবে শানতে পান।

বিশেষ বিজ্ঞাপ্ত

'প্তা উপলক্ষে এক সংভাছ ছুটি থাকার দর্শ আগামী ২৫ অটোবর 'দেশ' প্রকাশিত হবে না। পরবতী' সংখ্যা প্রকাশিত হবে ১ নতেশ্বর।

পরিপার্থ আত্মারদরাস নিজে চটপট সিম্পাণত ঘোষণা বরাবন । যদি ভূল হয় সে ভূল স্বীকারে করাবন এবং ভূলের জন্ম দঃধ প্রকাশী করে ভূল সংশোধন করাবন।

১ যদি কোন সিংগতে জনানো সম্ভব না ২৫ তাবে কি কাবলে সিংগতে জানানো স্ভব ২ল না তা বলে তোটা-এর নিদেশি



ব্যুডজিন্টম খেলার আনশারারের অবস্থান হবে নেটের ঠিক পালে উচু চেরারে

দেকে। কথনো পশ্বদের করে বিশ্ব জানতে চাইবেন না। স্থাক্তের স্থাকের কান দেকেন না। জর্থাং তালের স্থাক্তে প্রভাবিত হকেন না।

- ৭। বেসব লাইমের জনা **লাইলেব্যান** । থাক্বেন না সেসব লাইনের **বটন্ত্র**্
- ৮। দ্যুভার সপো আম্পার্যরের শেষা আরত্তে রাখ্য কর্তবা। কিন্তু আম্পারার কেউকেটা ভাব দেখাবেন না। আবার আম্পারার সক্ষদ গাঁততে কেলা চালিরে নিরে বগ্রন। কিন্তু আইন পালন করতে গিরে অবধা বাখ্যত স্থিট করবেন না। কারণ, খেলা খেলোয়ান্তদেরই জনা।
- ৯। অইন ভণ্গ হরেছে কি হর্নান এই বিষয়ে আশ্পায়ার বা সাভিসি ভাতের মনে সাল্পথের উদর হলে ফল্ট ডাকা উচিত নত। এ ক্ষেত্রে খেলাকে নিজের গতিতেই চলতে দেওয়া উচিত।

বেলা আরক্তের আলে

১০। রেফারির কাছ পেকে ক্ষেরে পাছে সংগ্রহ করে ক্ষেত্র পাছে নাম ইত্যাদির ধর প্রেণ করনে।

১১। নেটের উচ্চতা ঠিক আছে কিনা ফোপ দেখে নিম। সেবে নিম নেটের পেপট লাইনের উপর আছে তো। যেটের ফিতে ঠিকভাবে পাটাকো হলেছে কিনা ভাও লক্ষ কর্ম (আইম ২ ৫ ০)।

১২। বাটাসমান ও সাভিস ভাজ বধাৰৰ স্থানে অবস্থান করছেন এবং নিজ নিজ কতবি। সম্পরেক তরির অবহিত আছেন সেটা নিজে ভেনে নিনা। লোইসম্মান এবং সেটিসি জাজা অনুস্কেল দুক্তি।

১০। ৪ নশ্বর আইন জন্মারী বংশত সংখ্যক প্রতিক্ষত সাওল হাতের কাছে আছে কিনা সে বিষয়ে স্ববিধিত হন। খেলার নাধে বাতে অবধা সময় নতি না চর জে উল্লেখ্যে এটা জেনে নেওৱা দ্বকার।

বলি সাটল সংশ্যক থেলোয়াড্র একমণ্ড
না যে তাব আংশারারের সাটল পরীক্ষা করা
উচিত। অথবা প্রতিযোগিতার থেলার
কেথাবির উপর ব্যাপারটি ছেড়ে দিন। কিবো
ন্যাচের ব্যাপারে সাটল পরীক্ষার ভার ছেড়ে
দিন অধিনারক অথবা রেফারির উপর।
সরীক্ষার আরা বলি সাটল একবার অন্মেদিত হর তবে সে সাটলের অবশ্রর
প্রিবতান না হওয়া পর্যাভ সেই সাটল
দিরে থেলা চলুবে, এটা জেনে রাখনে।

ब कुण

ने कहा

অধুণ্যক্ষেধ











CONTRACTOR ITES











3 BPIS

॥ िठठ-त्रयादनाठना ॥

श्रम जिट्ह

সি নেমার গণেপর সাহিত্যিকর (ফডই তার। জনাপ্রর ছোন না কেন) সাধারণত গোলীর হয়, পরতে জহর কোট সমেও একটা পালাবি দেখা যার। "মল নিরে"-র এস এল ফিল্ডস। সাহিত্যিক নায়ক আহিতাভ একেবারে উল্টোন্সে নাম-করা ঔপন্যাসক েও। বয়েই, ভার উপর । শিষ্পপতি। এবং সংগ্রেক। অমিত্যত বত ব্যবসাও বেমন চালায়, কেমান একটার পর একটা উপন্যাসও লেখে। সে যে সংগ্ৰান জ ক্লার অংশক বালে না। এমন বাস্তব-দর্শভ য়ে গুলেপ তাতে বাসতবের দশর্ল বিশেষ আশা করা উচিত। নয়। ছবিতে ৩০০% দেখানো চলেডে আনতাভর লেখা একটি উপন্ধাস 'সন্ নৈষ্ঠ' যা গভীর মনে।বাগের आकारकेला तरफ आठ कडाका गरिस्का 3215565

গ্রুপ্ত ই প্রত্ মামতান্ত এবং স্থেপা ও অপ্রাচের গ্রেমক (বান) নিরে চাত্রি ব্রিক্র হাতে বাবাট সংপ্রতি ব্রাক্রের চারিত প্রতিব্রাক্রিকার হাতে প্রতিক্রিকার হাতে প্রত্যাক্রিকার হাতে প্রত্যাক্রিকার হাতে প্রত্যাক্রিকার হাতে প্রত্যাক্রিকার হাতে প্রত্যাক্রিকার হাত্রিকার হাতে প্রত্যাক্রিকার স্বাক্রিকার স

यामांककः *५३ "यन निराव" जानाव माटम*टे মাল্মা। মনসভাল্পি গলপু। **জল্চ গলেব**র াইবের লক্ষণ্য হৈ ওলা চিত্রনাটোর ধরন-গারল এ(কগারেট স্মান্নটো বা **শ.শ.**ই ংশক্তি ভাষামেভালায়ে অমেন দেশার ্না স্ত্রাং গভার ফাস্টারুক **প্রসং**গ, অধ্যাৎ নাষ্ট্রিকা স্পূর্ণার মনেবিকার বা মানসিক ধোগ যথনই এসেছে তথন স্বই মেন কেমন ভালগোল পাকিরে গেছে। অর্থাং ্এক দিকে পাপ্তলার এপ্টারটেন্ডেন্ট"-এর শত্তি অপর **দিকে মনোরিশেল্যণ কর**ভে গৈয়ে পরিচালক চিত্রনাটাকার সলিল কেন িমসিয় থেয়েছেন। আসলে অপ্রকৃতিস্থ মানাসকতার সঠিক কি: ভাষণ ছবিতে PE WITH दुस\$ । 91891 **61व मा वरण** FACTOR IN WIT & क्रिकाखी संसम्ब * 1 वा बत्रा অংশ্রংসপ্তা প্রবস্থার हेल्या करन



শরণসম্পূর্য 'আরক্ষণীরাণ অবসম্পূর্য হৈছিল 'য়া ও মেরে' (পরিচালনা : স্ক্রীক অব্যৱসালক চাকিতে মৌন্দ্রনী মটোপালয়র ও সম্প্রালী

আছ্যুড় পতে প্ৰভে'র সম্ভানকে বলি দিডে পাৰে, সহোদৰত্ত বিৰ দিতে বাৰ হাত কাঁপে না সেই সংপর্ণার মধ্যে আলো-अध्यावद रचना की-साद प्रता अन्य की সেই প্রচণ্ড "প্রদান" ও অধিকারবোধ ভার বিদেল্যৰ এই চাইছে অনুপশ্বিত। স্বামীর প্ৰতি তাৰ পভীৱ ভালবাসা অবশাই দেখানো হয়েছে, সে ভো অনেক স্থাীর পক্ষেই স্বান্তাবিক। সংগণার অস্থ অধিকার-বোধ ও প্রেমের উল্লভা দেখিলেও ভার লোপন অপরাধ নিয়ে সাসপেনস রক্ষা করা रबल। बद्धक **जननाव प्रदिश व्यत्नक** नीत्रवारण ञ्चाकाविक । विश्वसमहवाशाः। शरम्भत् स्मरव প্রেন্ট রাম ডামা", বিচার পর্ব -- বেখানে ভলমুম্ম অপশাই ভার দিদিকে বিব পাইরে মারার অপরাধে দোষী। পরে অবদা সাপ্রারে দুৰ্ভান্তে ভাব অন্যানের সদ স্ববিদ্যোতি পাওয়া গেছে, এবং সংপ্রণার মানসিক অসংশ্বতার কথাও দশ'ক জানতে পেরেছেন। অন্মিডাভ অপশাকে বঢ়িবের চেণ্টা করেছে, কিল্ডু শ্চীর মাজুরে পর লাগিকার পাণিয়হণ দে করেনি। অমিতাভ তার স্বৰ্গত স্তীর প্রতি গভার প্রেমের কথাই বলেছে। স্যালিকা সংক্রান্ড ক্রোন 'ক্কাণ্ডাল"-এর আঁচ ভার গরে পড়তে দেওয়া হয়নি বলে স্পক্তি স্বভাবতই খ্ৰাণী।

দশ্কিকে আরও অনেক পরিমাণেই ব্দাী করা বৈত, সেটা সম্ভব হরনি স্বন্দ ও চিচনাটোর দেশের। চিচনাটো অমিতাভ, মাপণা ও অপণা ছাড়া আর সবাই বেন অনাস্তর—এমন কি, সীতেশ দত নামক ওই বাতিটিও বে স্পোন্তর পারিব রিক বংশ্ব, যার উচ্চেম্বর রুরেছে সূপর্যা-অপর্যার কথার বে সন্দাক সংপর্গদের বাড়িতে শেকে অপণাতে অনের দারে ফেলবার ব্যাপারে ভ্যিকা নিরেছে: শুখু নারক-নারিকার প্রাধান্য বজার রাখার ত্যাগদ বেখানে, গলপ रमश्रात कवारे मुक्तेम शरू **भारत ना**। অবদ্য দল'ককে তন্ট রাখার কি**ছ, উপকরৰ** প্রিচালক স্থালল সেন স্বত্নেই স্থালিরেছেন, व्यवर स्त्रदे अरुभ महस्त्रक्षि कावनात महन्मत কল্পনাব্যেধের এ পরিচর দিরেছেন—বেশন লিদি জামাইব ব্র বিছানার অপপার কিছ मद्रभ क्यात माल्य फ्लाहि **मारेख मिल** রাওরা। এয়ন স্থান্ত "সিচ্ছরেশন" **আরও** আছে ছবিতে দুই বেদ্নর গান গাওরা ভার মাধ্য একটি। প্রথম দিকে অমিভার ও সাপ্রণার ফেল্পর কণ্ঠ সংগতি পরিচালক হেমণ্ড মুধ্ব প্রায়ে । ও লভা ম**েগণকার**) বুবীন্দু সংগীত (আমি পথতোলা এক পথিক এসেছি) এবং দুটে বোনের গাওরা স্বানিনীর वार्ड कार्ड ना" गुनर्ड ध्र काम मारम। গ্ৰহ্মৰ সূত্ৰ ৰচন হ হেমণ্ডবাৰ ভাৰ স্থানাম অক্সের রেখেছেন।

অভিনরে উত্তমকুমার বিশেষ কোন নকুন
ডাইমেনশন যে ছবিতে দিরেছেন ভা নর।
অভিনরের যে ক্ষমতা ভবি
অনারাসলম্ম তা ই তিনি আবার দেখিবেঃছেন । আদালতে স্পূর্ণার নবীকারোভির
কথা বলার সময় তার অভিনয় দেখবার মত।
হ'নিও কোটো স্ব্রাতা অপ্রাধীর জনোবিশেলকশের কাজ এই চরিত্রের নক্ষ,
সে শাধ্য ঘটনার ব্র্থনাই দিতে পারে।

kind of a rentere social with tree Simie immirating that has given the Bong. all film to delicately ertistic poise & rep. ture to move Benge. less and their fellowcountrymen alike. Amrita Besser Patrika

MIRES STORE MES foliate sublices and state medicine of wieses alles can CUISES WERE SELECT Will will willia! बस की महात्नाहरकत . A.Malala., 4 मकारा वक मार्थकवा व COTTO HALL SEALER! -

Thanks to bis belief. ant direction, the superb acting of Suchitra Sen, the unique sobriety of Uttam Kumar, the amazing versatility of Nirmal Kumar, the almost unperalleled characteries. tion of Terus Kumar, and over and above all, the high standard of production values, Kamal Late' has become one of those serson masterpieces.

A simulate verili N COLUMN WIN WIN मार्क्षे त्म विवास unes corere, wida ভক্তিবলৈ নানা and the family ्रीय द्वापारे diers. नारवि परे. क्यwie an mes facete i Biffy CHINACAS LANG MCE. MUSTE CH WA uives pie. Befenies প্রিচালিক -काममका कारक किङ-STORE OF THE CHICA केकोर्न कारावित ।

agian i জানসবাজার পরিকা

244 sfe बाबानरक्य मोदन विदाय-201 TO 100-075 THE -

> द्यारी साब Frating

the obviously attraddie-olese romanos, but a more accomplished actress

wester about of thing also tales alesifae , assessi. (84418 mits) of 841 वानाक व नानितः।

All glory to the magnificent fim's major erchitects Hindusthan Standard

Asimala -

CPY

Cine Advance श्रमिष्ठालया विज्ञाहत प्राथा छ । इति । वालिहा

পরিবর্ধনি ও অভিনিত্র সংলাপ ঃ নামারণ পাংস্কৌ कताला क्षीतकात : क्रिक्रीसमूनात, द्वारा रायी, क्षेत्र नमूनात, भाराकी, ब्रांहे सामाकी, हीत, क्रिका स करत क्रिक्

য়ুচিত্রামেন

KING ONE

্লোব-দর্পণা-প্রিয়া-জেম-রূপালী গ্রেস-ছায়া-লিবাটি

काका — गाँवकाच — नवद्भा — कन्ना — कन्नी — बालगी (दीहावभूद) — स्वापि (इन्वल्याना) ह्मानी (हुक्का) — देनहाडि निदन्ता — स्था (शादाकभूड) — हमानारी (कुक्तात)



শ্বেল লেন পরিচালিত 'ভূবন সোল' (কাছিনী: বনজলৈ) এ ল'তচহে ব্যক্তি পাছে— ছবিত্ত একটি ব্ৰেয় উৎ পল হক ও স্বাহিনিনী ব্ৰৱে

ক্রিরা চেইযুরীর স্পোণা-অপান মধ্যে অপাই তার জেওচর স্থিট। অপান হেন আপের অগ্যনে টারণ করে ফ্টেছে এই, চরিতের উচ্চলতা ও চপলতা তিনি চমধ্যার প্রকাশ করেছন। স্পোন বেন বেশী শতক্ষা, সদ্যা বিষয়। বে আভানেশিয়কতা ও স্থোবাসনার প্রচাদতার সে বর্ডাং করে ম্বান্ধ করেছে পারে তার প্রকাশ স্পান্ধীন চিন্তি নেই। ত্যাও শৈবত-চ্যিতে অভিনম্ভ করার ক্রিটেছ তিনি দেখিবেছেন।

अहा ए डा कांब हर हॉवरहे एटा चौर छ। তব্য ওইসব চরিতের মধ্যে এক দিক খেকে প্রধান স্বীয়ন্তল নত্তর ভামিকার বেশ ব্যক্ষণ অভিনয় করেছেন 'নম্ ভৌমিক। দশক্ষে সদের কমিক তেওর অভিনৰে তিনি হাসিরেছেনও একবার: ভার শ্রী চরের্ডন শ্রিতা কৈবলে, তার অভি-**মবের সংযোগ অবস চলেও তিনি তা**ব সন্ধাৰণার করেছেন। খাব ভাল লেগেছে অমিতান্তর পুপার্র বোন বরুরবিশানী বুমি শ্বই স্বভিবিক তবি क्षांवादकः। ব্যু লিচ্চনীয়া—বিকাশ বাৰ **5 विटाञ्च**तः ভারা দেবী, তব্যক্ষার, পালাড়ী সান্যল--অভিনারের শ্বল্য স্তুর্যাল্য সম্প্রার क्टक्कन ।

ছবির শব্দপ্রতাণ আশোন্বপুপ চছনি। কাক্ষের্য ক্লে (নিজনিপ্রথম মুখেপাধ্যক-ক্ত) আমাগোডাই উচ্চত্যের।

र्जान्नव्रात्त्र कारिनी

বাংলার ফিকাবীদের বে আমরা কুলিনি ভার প্রমাণ সিনেমারও। তাঁদের মতে ও বীবছ প্রশার সংখ্যা করেন করা হাফেছে কুল্লা নাই। সম্ভবত এই পর্যারের প্রথম ছবি। 'জণ্নির্গের কাহিনী'ও (দি নিউ এরা পিকচার্স') **৩ই** একট প্রথমবাধ্যি নিয়ে তৈরি।

আন্তর্কের দিনে এই ধরনের ছবির
নির্দেশ প্রয়োজন আছে। 'অণিমহুগের
কাহিনীকৈ সিনেমা' আটোর কণ্টিপাথরে
কাহিনীকৈ সিনেমা' আটোর কণ্টিপাথরে
কাহার করলে চলারে না। পরিচালনা ও
চিরানটা বিকাদের হুটি হরত ছবিতে অনেক
আছে। কিন্তু কিছুক্দার জনা যে ছবিটি
দলাকের মনকে নেলাস্থাবাধে উদ্দশিত করে
র থতে পেরেছে সোটাই বড় কথা। ক্রমাণ
ছবির প্রধান উদ্দশ্য এখানেট সার্থাক।

ছবির কাবিনীতে (বীরেন রাম , রচিত থেরালী' উপন্যাসের ভিত্তিতে) গণেপর উপ্যদান আছে, মীরা ও সমীরকে (গ্রুনেই বিশ্ববী গলের সভা) কেন্দ্র করে। মীরা खालक प्रधीय कार हाई यह कार : मही त्र-अध्यार करत ताः स्थापि **स्थाप स्था** श्रीर बन वह भारत बामन मन्भक मा स्वराह গ্ৰীয়াকে ব্যানের মত গ্রহণ করেছে। कि नगरिया गार्थ करन याच्या, जीवमान, जीवारेक क्या द्वाका केक्सीम विकासी मामक गटक कि ন্যান্ত্ৰিক? আৰু ম্বীৱাৰ মনের করা জাই না থাকলে ব্যহ্মিক লক্ষণমূলি লেখে ভাকে আমরা ভল ব্রুডে প্রভাষঃ আস ত্ৰিৰ সম্পাৰ্থে জ্বোশকাত্ৰ মীৰা-সম্বাহৰ বাৰাৰ কাহিনী সমেত) অভি প্ৰাল আৰু मरणा महारक्षात स्वरूप साम्हेलसम्बद्धिता (विश्ववी भक्तव स्तरा गुवारम् अवकात) নেততে তর্ণ বিশাবীদের কার্যকর্মান ভ विकिन नामन केरकमकरून छोरवद सीमा-वर्षन পদ বেশ্বনে হয়েছে। ছবিব জাইময়া व्यक्तिनीभारका शामानात्न-त्वभारत भारतिकाली मान्य विकारीया मन्य स्टारे। को कर् ব্যাহ্মর দ্বারি পরিচালক ভাগেন রার চলই-कारकार्य एर्निस्साहन। वर्गक वर्षे सहार्ष লেমান্তিত উদ্দীন্তৰ বটে। *বই সং*ৰবেই মীরা ও সমীর পূলিশের পূলিতে নিহত। দ্যটি মাতদেহ পালাপালি পতে, কেইখানেই मण्डा चारका, मार्डेरकानाः। मार्डेशशकारका আবোজন আগেও আরও বড়েছে—একটি ছোট ছেলেকে নিয়ে (কিন্সৰী নেতা ধৰ নাম দিরেছেন স্টালা অধাং ইস্পাত)। ছেলেটি প্রতিদের হাতে নিগ্হীত হতে বারু বার।

ঐতিহাসিক চরিত্র বা প্রামাণা কটনা নিবে সম্পূর্ণত এই ছবি নর, প্রায় সকটোই কাহিনী। কিল্টু তব্ এর রবো বাংলার বিক্রম ব্যুগ এবং বিক্রমানীরের মানসিক সঠন, আক্তরাল, মৃত্যুক্তরী প্রতিক্রা, মেস্পন সালেঠনিক কার্যকলাপ ইত্যালির পরিক্রমীটি পাই। নেতা মান্টারমলাইরের চরিত্ত, আনশোর করা ভার নিবাসভা (বেমন ক্রমান্ডকের



শক্তিগুৱা বেপেড্ৰ' (পৰিচালনা : বৰি নাগাইচ) হিন্দীচিত জিডেন্ম ও জনভাজ ঃ ছান্টি ৰডামনে শস্তাহে মুক্তি পাৰেছ

অক্টোবর मम्त आअ(इन ক্লপে **इबन आशित अजनमनम** निखपिउ নিও ফিল্মন ধরিবনৈ ক ঠসঙ্গ গৈছ ধনপ্রয়-নিম্বা-মঞ্জ স্রশ্রী • র্পম योलग्रा • त्भाग्रन e अनम्ब

বিদ্যে করার জন্য মীরাকে আলেশ দেওছা), ও কালকম (কথনও ইন্ট্রেশ ব্যারণ) অনেকটা প্রথমেন্ট্রের পথের দাবি'র স্বাসাচীক আদলো গড়া। গোটা গলেপই 'পথের দাবি'র প্রভাব। মীরা, অসিত ও সভীরের মানসিক ব্যাব এবং ভানের চরিতের কিছু লাক্ষম 'পথের নাবী'-র কোন কোন শুক্তের স্পোলিয়ে নেওরা ৰায়। তাৰাড়া প্ৰিকিশেন চেত্ৰ প্ৰান্তা দিয়ে
ছন্মবেশ গ্ৰহণ, ব্যুন্দিন পড়াই, মন্ত্ৰীয় কথনত
বাইজি কথনত কৈছবী সাজা ইত্যাদি চমক
তো আছেই। ফিলেম এ-সব' সিচ্চারেজন
আমোনের খোরাক—পন্তিলিক এই সব
প্রিস্থিতির ভিত্র দিয়ে দশকের কোত্রতা
জাগিয়ে কেখেছন। চিত্রনাটাটি বৈশ্পবিক

क्रमात्रान्त्र / व्यक्तिकार / भवता तरकन्त्र / गडा नारक वता

ওস্তাদ আমজাদ আলি খান

गर्डाम बापन

তবলা-পণ্ডিত শাণ্ডাপ্রসাদ

10 100 - 50, 0, 0, 5,

হাজিছান :-- ছারলনি হাউস, ১২-৪ পার্ম প্রীট, ২০ ৮৮৭৩: হোগোভি--- ৮২এ রাম্বিশেরী এতেনিউ, ১৮ ২৯৭৭: হৌভাস বারে।--১২ ভংগার বস, এটেনিউ, ৫৫ ১২৮৮।

জ্ঞক্রবার ১৭ই অক্টোবর জভা ৃন্ত !

ছার্রাভিনরের উৎকর্ষ্যধ্যার নাটকীয়তা এবং বেনান্সের নিজ্ঞী চমকে চলচ্চিত্র লিলেশ্য অনুরক্ষিপ্রয়



সেনাইটি প্রালাত বেনকী স্থেন কালিক ইণ্টালা সেনার মহল কলা • কলা সংল্লার ও কাপনিক কাহিনীর মারখানে বার বার বিধিকা হলেছে, কথাও বা ককচাও। তব্ কা বিধিকা হলেছে, কথাও বা ককচাও। তব্ কা বিধিকা বলেছে তা আন্দর্শনত মূলা অব্যালার করবার নয়। মহিলা সমিতির করে রাজা এমমোহন থেকে জওহরলার নেকর পর্যালয় করেছে। নেই গ্রেছ বিধানকালকার ছবি। তই বলে দেশপ্রামিকাবার, বিকাশ করে বালার বিশ্ববীনের আদ্যাভ প্রেকার বিধান বিবেকালক এই সম্ভাটি পরিচালক ক্ষাক্রন ক্ষেত্র করে।

বিকাৰী নেতা খান্টাক্ষমত চলেছন বিকাশ রায়: ভার অভিনয় ব্যক্তিপূর্ণ ক্ষনত তাতে তেজান্ততা। তথ্য জালন্ত অপিনাশ্য তিনি হরে উঠতে পারেননি, এই ৰে ভিতৰের 'কারার' বা আপান ভাব অভাব। মাৰৰী মাখোপালায়ের মীয়া একটি উল্লেখ-যোলা চলিকেপিট। চলিকে লচতা ৰ অনমনীৰ প্ৰতিকাং 🕶ৰ 🔞 মনতা তিনি शास्त्रव कारव विरम्मक्त करवाहरू । देवकवे ও বাইনি বংগেও ভিনি শক্ষণ। চরিচটি কোন মুহাতে যদি অতিখ্যাস্থ জনত সে দেৰে আধ্বীৰ নয়। দিলীপ ব্যৱেহ সমীহ धार्कीरे के छित्रभाग एतिहा मुक्ति स्टे ए ब्यूट्स উপন্ধিতির প্রতিটি মহেতা নদাকের মনো-**ৰেল কেন্ডে** নেষ। সাক্ষর জাতনত প্রভাৱ সাজ্যালির, জহর রাজের, সলেতা চৌধারীর -- **ब**ारा प्राप्त करमा शास्त्र । অভিয়েক বন্দোপান্ধার, বিজন ভটচার चानम् प्रदश्नाधात् गौछ स. म्बनन वात् সংক্ৰেপ্ত পাস, সময়কুমার প্রমাণ শিশ্সীরাও मूर्क इन्स क्याइन।

ক্টনাচকে বাইজির মুখে, বৈকবীর মুখে বাবে এবং জনাসময়ে কিছু গানের প্রয়েজন ববেছে ছবিছে। গানের সূত্র কুইই ভাল দিকেকেন গোলেন মুক্তিক। আবহসংগীত সৈম্বর বেকাক্সেরাধক ও করীলুনাথের গানেন হব বাবচারের জন্ম তিনি প্রশংস্য পাকেন। তবে ছবিতে দেলপ্রেমের গান আরও থাকতে পরত (জামার সোনার বাংলা এক কলি অবলা রবেছে)। জানুম্বার কাজ (অনিল প্রাক্ত ও জ্যোভি আহা-কৃত) মোটাম্টি ক্রেম্বারক

द्वकर्ष त्रभारमाहना

न्दान भान

প্ৰার রেকড বেরিরেছে বেল কযেত দিন আনেই। ফালত্রা সম্ভবত ভাগের তিঃ প্রক্রেক রেকড ইডিমধ্যেই অরে নিরে অলেছেল। এক এবার ফার পান বেলী ভাল, কার পান কর ভা নিরে ভ্রোভাগের মধ্যে ভ্রমক জনতে। কিছুক্তের ব্যক্তি আ্যানিক





"बन्दा कांद्रण्या"-हि शकान याद नांद्र गांतिक वादै शक्ति वाहिक वा अध्वाद

বাংলা পানে পাশ্চমা স্থারের ও অকেশ্টার বে প্রভাব লক্ষ্ণ কর্মালাস—বার প্রমাণ গাড় করেক বছরের প্রভাৱ রেকড — এবার তাতে ভাটা পড়েছে। রাহা্মাভি সন্পর্ণ না হলেও বাংলা কারাসংগতি যে অনেক্ পরিমাণে আপন স্বভাবে কিরে এসোড় তার প্রমাণ এই বছরের প্রভা রেকডে রয়েছে। মামানের পানের কমাই ধরা বাক। অকেশ্টার বাংহার সামানা, সার দেশীর পাওয়া চমংকার। তার দ্বি গানই—বিশেষ করে পালিত: ওকে যেতে কলা নাশ—ভ্যোতানের মাতিরে রাশ্বে। মানবেন্দ্র ম্থোপাথাার ও শিবকেন মহোপাথারে নিজেবের গানের স্থ



গ্রামোকোন কোম্পানির শারণ অর্থা কংবীতান্তানে প্লার গান শোনাকেন হেম্পানকার রান্ ক্রেমাপানার

निर्म्बारे मिरहर्षन, अवर छोरन्द गरन **म्मिल**िएर केलामान क रूप स्थल्पे. एव कादरव পানগালি (মানবেন্দ্র "মিছো কাচের অপিতে" এবং ছিজেনের "ওলো সালবী অঅ") অন্তিরতার প্রতিবোগিতার বিষয় হবে না। প্রথম সারির দিলপীদের মধ্যে হেমণ্ড মুখোপাধার, শ্যামল মির বনভব ভটাচাৰ, সন্ধ্যা মুখোপাধ্যার লভা মুপোল-কার, তর্ম কন্যোপাধারে, আলা ভৌসলে, প্রতিয়া কল্যোপার্যার নির্মালা মিল্ল ইলা বস অরতি মৰোপাধার, সবিতা চৌধুরী প্রমূপ শিলপীদের মধ্যে কার রেকড কোন্ প্রেলীর লোভার কাছে বেশী আদর্শীয় হবে ভার জনা বিশদ আলোচনার দূরকার। শিল্পী হিসাবে প্রভাকেই নিজ্পর ৮৪ ও বৈলিকৌ প্ৰকীয় মৰ্যাদার প্ৰতিন্ঠিত। এ'দের প্ৰভাৱ গ্ৰেম সম্পাৰ কোন প্ৰদাই ওঠে না ভবে তাঁদের কেট কেট বদি সমালোচনার ভাগী হন তো হবেন ভ্ৰম্ভ সংগীত পৰিচালনাৰ দোৰে। বেমন ধর্ন আলা ভেসিলের "अरमारमरमा क्या रकन विमा शासन खारग मीर्च विविधक्त मरलाभ-गामक भाग्निमी কর্মার অগ্রক্তিস্মতার ইমেজ। ব্যক্তা গানের উপর এই অত্যাচার কেন? আর্ত্তি মাব্দেশাধারের ক্রিকা মরি মরি এ ক্রি मण्या" नात्नव चार्त्त "लण्या" कथाउँ वसाव ষে ধরন ভা শানে বভর: ছোটদের সামনে লক্ষা পাবেন, ছোটরা বডাদর সামনে, অর্থাং ব্যক্তির সকলে একসংখ্য বসে আব গান্টি শ্বনতে পাৰেন না। গানটি বিদেহ 🚓 হোলীর করছ হয়ত হিচী করাব।

বেন্দাইরের মহিলা শিস্পীরা-লতা ও আশা-একটি করে সীরিরাস চাঙর গানও গেরেকেন। শ্নতে ভাল লাগে। এবার অরও বেবী ভাল শামল নিমালেন্দ

চৌহৰীৰ লোকসংগীত-'বিক ' বিক कविद्या एक्ट्रण क्रमाशाधास्त्रक "विश्र एका মা হয় সম্ভৰ্ষির" গামটি সম্ভবত ৰবেই ক্ষমপ্রিয় হবে। কিলোরক্ষার এবার গ্রোভা-বের কভখানি আনক দেবেন বলা কঠিন। রাহাল দেববর্মণ এবার নিজেও रगरतरहरू। अरेठ-अभ-चित्र अवातकात मारे নজন দিল্পী রুমা গ্রহঠাকরতা ও বিশ্বজিং-মন্দ নয় তাদের গান। হেমনত মুখোপাধার ভার কন্যা রাগ্যক একটি এক্সেরিমেন্ট করেছেন-বাংল র পপ গান। উদ্দেশ্য স্থেরভাবেই সিম্ব हरबद्ध बागान भाग छ ज्यान वस्त्रात कामरान्य आदि भारत कितरन । तानारक निरंत कि বরাবরের ভাল গান করানো যেত না?

জ্নিরর শিল্পীদের প্রভাকের গানই ক্রিক্ত এবার চমংকার। বেমন পিণ্টা ভটা-ঢাৰেরি ভেমনি কন্ত্রী সেনগাংতর: যেমন মাধারী চটোপাধারের তেমনি শিপ্তা বসরে।



মেগাফোন রেকডে প্রভার গান গেরেছেন महाभागी बरमात्राभागाय

क्षेत्रा, क्षेत्रात्वम् नाटमत् भन्न र्यमाज भारित शबा दानीरक हरत करनम यहन । সাধারণ-জাবে এট বছৰ গালের রচনা অর্থাং লিবিক আরও উন্নত হতে। পারত। গাঁতিকবিতা স্থারের প্রয়োজন বতবানি โมโช้เสาช কারারসকে ভতথানি উপেকা করেছে।

কেতিকের আরোজনও এবার মন্দ নহ। कार बल्यानाबारवर "माहिका मन्धान" वर्ग উপভোগ্য। তেমনি মন্তাদার প্যার্ডি গান **इरहरू निन्धे नेमनगरण्डतः दिन्ती किर्**ट्याय গানের সূর গিটারে বাজিয়েছেন স্কুনীল शरकशानाबाब ।

ক্র-পি রেকডে কুকা চট্টোপাধায়েত্ অতলপ্রসাদের মান, চিন্ময় চটোপাধ্যায়ের हवीन्स्त्रश्लीक अवः ছवि वरन्त्राभाषास्यव কীতান এবার শারন জ্যোর বিশেষ সম্পদঃ সম্পদ আর একটি রেকর্ড-মঞ্গ্রেড্য "কী আর চাহিব বলা এবং "রামাক কামাক র্মধ্যে" (অতুলগুস দ)। শচীন দেববম'নের



तञ्जत

ভাগ্যের দিবিং 👁 কনিব্ক রায়

नाष्ट्रकत् सन्य 🕳 रूप धर

প্ৰযোজনা 🐽 গছৰ

ভিবৰ

३३८म अस्त्रीवर बर्क जकरन

न्द्रम् जना ০ বেবকুলার ভট্টালা O ETH WINE

(লৈ ১৮০২)

েশীকারপ নিৰ্নিছ নালস্পালা 1

नकृत नाइक।



ভাষৰ নাটকের অপ্ৰ' রুপায়ণ ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও সনিবার : ৬॥টার প্রতি ব্রবিবার ও ছাটির দিন ঃ ৩টা ও ৬খটার

> 1 ब्रह्मा ६ श्रीब्रह्मसम्। 1 द्यवनाबाद्य ग्रह

श्र ज्ञानात्व श बाजिक बरम्याभागान, जनगा स्त्री, मरस्मा চটোপ্ৰায়, স্তেডা চটোপাধাৰ, নীলিয়া বাল, मफील्ड कड़ेडाम, क्यारबा विदान, नाम नारा. क्षमारम्, यम्, यामकी इस्तिमाशाय, रेमरमा बद्दबानाबाब, बीका त्र ७ कान्द्र वरन्त्रानावास

ইতিহাসে নতন বৈশিশ্টো নাগি বেভির স্মরণীয় সাঙ্গি

এত বলিষ্ঠ কাহিনী, এত স্বেচিত উপাথান, আর এনন হাদ্যগ্রাহী চিত্ত আলে কথনও তৈরী **হয়নি।**



चारभता १

(তাপ-নিয়ঃ বিলাস্বহাল ভি**র**স্তা हाहेत - भारत - भारतिन निर्मा - गी.ख - बक्रवानी - सामनाम - **बक्रवा - जरना**क भाइन्धरक - नौला - बक्रमी - जीलकड़ी - न्यक्ता - इनक्किन् - विजित्त চিত্র। শাসাবদোল। • চি**চালর (দ্রগাপরে) •** सन्दर्भ (महिन्न) बराब (कर्तिरहात) • **ध्रतारक्तास (त्रींह) • बनाविनरण्डेल (शारेगा)** मुण्डेंबर : ब्युवबात, ५७ अटडावत स्थरक डिविक्ड विक्री बहुत्।

গানও আহে ঈ-পি রেকটে। আর আছে
সনং সিংহ ও আরতি বসুর দিশ্সংগীত—
শুনে খুশী হবে শিশুরা। রেকভে কাজী
স্বাসাচী ও আব্ল কাসেম রহিমউন্দিনের
অ্বিতি আর একটি বিশেষ আকর্ষণ।

এল-পি রেকর্ড এবার দুটি-শ্রীরাধার মানভঞ্জন (কীর্তানাপা গাীতিনাটা) এবং "ফর দি ফেলিটভ সীজন" (আধ্যনিক বাংলা গানের সংকলন) দুটি রেকডই উল্লেখবোগ্য। প্রমান্তির মৌলিকর প্রলংসনীয়। ব্রবীন চটোপাধ্যায়ের সংগীতপরিচালনার এবং প্রণত বাবের প্রশ্বনা ও সম্পাদনার রেকডেবি দিলপীরা—মামা দে, ভর্ণ বন্দ্যোপাধার, সুন্ধ্যা মুখোপাধ্যার, শিপ্তা বস্তু, প্রতিমা वानपानाचात्र मनदान वात्र मदाव वात्-বিশেষ কৃতিছ দেখিরেছেন। কীর্তন গানে প্রাণসন্ধার করেছেন মালা দে। শ্রীরাধার মানভঞ্জন" এমন অম্ভত সম্পের হরেছে বে প্রভাষ ধনি আর কোন রেকর্ড নাও বের হাত তথ্য প্রোরাজা বণিত হতেন। না। **८**डे शुराखनाव **धना अधीव स्मा** সাধ্যোদ্য ।

অনা বেকর্ড

প্রথার আনে বিজ্ঞান কর্মান ক্রিটাছে যার থারে বিজ্ঞান বাখি। মত্যা প্রেটার ক্রেটার ভাল ধানের সদধন পরেন না। স্থামিতি মোরের রবীন্দ্রসালীতের ঈশি লাম্যা এবং দৈলেন দাস, অধিতি ক্রেটারের ক্রেটার ক্রেটার এই প্রসংশা বাহের ও ক্রেটার এই প্রসংশা বিজ্ঞান ও ক্রেটার প্রান্থ উল্লেখন ক্রেটার ক্রেটার ক্রেটার এই প্রসংশা বিজ্ঞান উল্লেখন ক্রেটার এই প্রসংশা বিজ্ঞান উল্লেখন ক্রেটার এই প্রসংশা বিজ্ঞান উল্লেখন ক্রেটার এই প্রসংশা বিজ্ঞান উল্লেখন

চাৰতে আধ্নিক ধন ধেকেছেন গোৱা-চাৰ মাখোপধাৰ ৬ চননা মাৰে প্ৰায় । আনেৰ ধানেকও অভিভাতি আভে।

প্রজা বেকডোর কিছুকাল পরেই চারিগ্রেছ চালি বিদ্যালয়র বালি ও লিমাপ্যা কিব কের মানেওলিলনের বেকডা সালে সাব, লোকসংগ্রেছার ভিত্তিতাত, ভবি বালিকেছেম। শিল্পী সম্পতিব এই ব্যুকতাটি রাগিরজনকে আনন্দ্র কেরে।

যোগাফোন

নুই দ্বিশিখনে যি কঠিশ্বণী সভীনাৰ
মাবোপাধায় ও উৎপলা সেনের প্রেক্তা
গানের জন্য গোভাবা অপেকা করে জ্বন্দেন।
এবার বেগোনেন রেকর্ডে সভীনাথ বে দুটি
গান (ব্যক্তিন হারাহ কণ্ঠ আমার এবং কত
না হাজাব ফ্রেন) গোরেডেন ভার বৈশিষ্টা
স্বে বচনায় শিক্ষীর নিজেরই দেওয়া।
তা ছাড়া ভার সপ্রাপ গানের আকর্ষপ তো
আগেই। উৎপক্তা সেন স্মেরছেন ওেগো
রাভ ভূমি কাছে ভেকে নাও, এবং আমি
টোমার কাছে বারেবারে) গেশত মুখোপ্রধান্তর মুখো। উৎপলার কর্পের মুবাপ্রধান্তর মুখো। উৎপলার কর্পের ক্রম্ব



বিজ্ঞীপ বস্তুর পরিচালনার নিম্নীয়ন্দ্রে "ফুস্টুরান্ত্র" ছবিডে স্মবিদ্রী চট্টোপাবরর ও অনিক চট্টোপাবরর



পুলা বাদারে ছবির মাদারও সাংগরম বাকে। অধিকাংশ প্রযোজকই এই সমার ছবি রিলিক্স করতে চান। বছারর এই সময়টাতে 'হাউস ব্ক' করতে এক বছার অসা থেকে প্রস্তৃতি চলে। আগামী কালের শ্রা রিলিক্সের জনো এবন থেকেই মাকি ধর ধরি চলছে। গ্রাজা রিলিক্সে বিশ্ব কমা বালেন অধিকাংশ চিরেরকারণারী। কবন দশক এ সমার সিদ্দেশ্য মাইনেডা গাবেন। নতুন ক্রম ক্রমে-কাপড় কেনার মত, নতুন
নাচুন ছবি দেখার ঝোঁকও নাকি ঝেড়ে বার ।
তাহাড়া, অনেক ব্রে-দ্রোল্ড থেকে অনেকে
শহরে আসেন। ছাতিতে সমর কালতে
সেনেমা তবন দেখাতেই হয়। স্কভাবতই
সাধারণ ছবিও এ সময় ভালো ব্যবসা করতে
পালে। এবং ঝেহেড় অধিকাংশ প্রয়েজকই
এই স্থোলা হারাতে চান না, ছাউলো
মালিকরাও তখন বড় ছবি চান। শেব পর্যালা
প্রের বড় স্টারের ছবি ছাড়া কোন
ছবিই প্রায় বড় স্টারের ছবি ছাড়া কোন

ন্ধায়নসন্দের মধ্যে স্মৃতিয়া সেন, স্থাতিয়া দেবী, সাধবী মুখার্জি, এমন কি মৌসুখী চাটার্জি'র ছবিও এবার প্রজার মুক্তি প্রথাতে বিশ্ব পড়েছেন অপর্বা সেন। অপর্বার্জ তিলার্জিডিয়া অবদ্যা অনেক কাল সেব হরে



"কুমান্ডরাল" (পরিচালনা ঃ গুরু বাগচী) ছবিতে ছবিতে চাটার্জ ও জানত চটোপাধ্যর

কল্প-কলী হবে পড়ে আছে। 'কলিংকত নারক'-ও মুক্তি পোতে পারত, কিন্তু শেক প্রতি আছি ঘটল না। তাই বলে অপাণা চুপচাপ বলে নেই। ইতিমধ্যে উনি আরের দুখানি নতুন ছবিতে সই করেছেন। পার্থাপ্রতিম চৌধুরীর 'কর্বংশ' একং স্নাল বস্মালিকের জার-কলকটা। পোবাত ছবিতে জ্পুণান্ত নারক হলেন উক্তাক্ষয়ে।

উত্তমকুম্মনের সপে অপদা এখন শ্টিং করছেন 'এখানে শিক্ষর' ছবিতে। প্রম্ক রাজ্যে ঐ নামেরই কাহিনী অবলাশনে ছবিব ভিলাকী রচনা করে দিরেছেন প্রশাসত দেব। গরিচালন করছেন বাহিক। টেকনিসিরাসে স্টুভিওতে এগিরে চলেছে ছবিব কাজ। সোলা শ্টিং দেখাত গিরেছিলাম। অপগার সপো মেক-আপ ব্যুম দেখা। দেখলাম, অপদা অনামনেশক। "কান্তেব চাপে 'টারাড' নামিক?" জিজাসা কবলাম। কবাবে অপদা কলালে, ক্ষেথার তেজন ক্যজের ভাপ? এখন কাজ কম। শা অবাক হবে শ্নকাম, ওর মত বালত নারিকারও এখন কবিকাংশ তেওঁ স্ট্র্যালন। অপরিচিত', 'ক্লান্ডিড নারক' দের। 'এখানে পিজর'ও স্মালত প্রার। নতুন ছবি মান্ত প্রথান। 'ম্বেলা', 'এপার-ওপার' ও বিগলিত কর্ণা, জাহ্মী ব্যুনা' র নার কোন ধকা এখন প্রিকা না।

—[46#

পশ্চিমৰপা সরকারের সংবাদ-চিত্র

পশ্চিমবর্গণ স্বকারের একটি সংবাদ তির সম্প্রতি রক্সি মিনিকেনরে সাংবাদিকরের দেখানো হয়। ছবিটি অনেকটা সংবাদ রিপোটিং-এর আ শিস কে ভোলা। সংবাদিকভার ধাতে এতে ছোট ফোট অনেক সংবাদ পরিবর্গিত, মন্দ্রীদের সাপো সাক্ষাংকারও রালাভ। বিধানসভার বালল অধিকেশনের মাধ্যমে বর্তামান সরকার সাধাবাং



শিশলী সংস্কের একটি সাংগ্রতিক জনুষ্ঠানে সংখ্যার সভাপতি উত্তযকুষার ও কণ্ঠশিশপী দাপেন মুখোপাধ্যয়

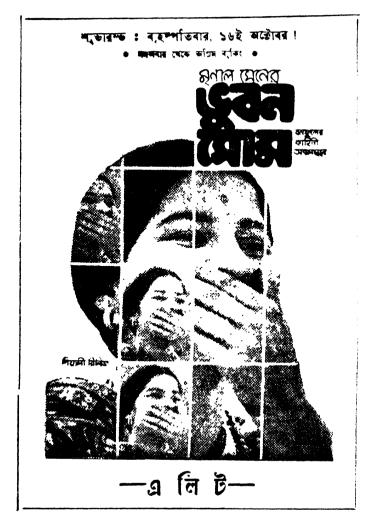
মানুষ চা ত্ৰুক মাৰ্ক্তে স্থাপ স্থিপাৰ কৰা কাচন্ত্ৰ কা কাৰ্ক্ষা কৰাত প্ৰবিদ্যা তেওঁ প্ৰনাত প্ৰতান্ধ্ৰ হালাগে তেওঁ প্ৰভাৱ তাৰ কাঠি কাৰ্ক্ষাক স্থাপান্ধ্ৰ প্ৰভাৱ কথাৰ শালাকে আৰ্ক্তিটি এক বি ডি মিন্দ্ৰ মানুহত কলকাত্ৰ ক্ষেত্ৰৰ ভাগা ভাগানি স্থাপ্ত কিব ক্ষিক্ষাক গ্ৰাম নাৰ্ক্ষ্ণাৰ ভাগান কিবল ক্ষাম্য ভাগান ভিজ্ঞান ভিত্তি লালাগ শাল্য ভাগান ভিজ্ঞান ভিত্তি লালাগ কাল্য কো কেবা ক্ষাম

अष्टिमीलगात उपर्यादन

ক্ষেত্ৰিক ভ্ৰমেন্ত কলকাৰ সাধ্য এক ব অকস্থাত আহিছে প্ৰতিব্যক্ত কলকা আৰক্ষ বিশ্ব সমুম্যা আলক

সংগ্রি নিজিয় আন্টেটিলে। নার্বাচার ইনজর্মেন আনিংশ শ্রীনাপ্ত স্বামানার নিজ্ঞানিক কাম্যানার কাম্

স্থাক করে শতে আটে (৭০ লা ছবি । পিছন অন্তেইলিকার মন্ত্রিগতে এখন এনন লোক আছে অনুষ্ঠান প্রাথম শালা এননও প্রেটিয়ার নি উল্লেখ্য ও নাংগ্য ওই-স্ব স্থানি প্রস্থান প্রেটিয়ার ক্রিপ্র ও নিবাদের আগনেন প্রিটিয়ার এটা এইলিকার ক্রিপ্র ও নিবাদের আগনেন প্রিটিয়ার এটা এইলিকার ক্রিপ্র ক্রিটিয়ার ক্রি





আর্মেডী দেবীর 'মেঘ ও রোদ্র' ছবিতে প্রবুপ কর ও হাস্ ब्द्रक्ष्ण भाषत्व 19437 - 73-41

কথা বিষয়টি বেশ চিকাকৰ কভাবে দেখানো হারেছে। আনহসংগীতের ব্রেহার সাক্র চিত্রপরিচালনার চমংকার কলপনাবোধেরও পরিচয় রাহাছ

भःश्कृ नाहिका **७ "स्त्रिया"**

গলে ৮৪ অক্টোতে ব্যক্তিকে শিক্ষাসকলেব रंथमानम् शास्त्र वासम्बद्धारी करतरामद दाविकि উৎসৰ অনুষ্ঠিত হয়েছিল: মুন্যুক্ত পৰি-रदासब भारत काराधाराजिय खायस्य 🍙 সমাপি**ত** হয়। মাহা গোঁৱ, সেহার ক্ষেম **ও** নাটাভিনামর হল দিয়ে শিক্ষীদের কলাকুশলায়। ৮পাই হোৱা গিয়েছিল। **হ**ার**ন্ড** বিপাহাউকের পাদ প্রিক্ত হা ওয়াছা 💁 পাইপারা নাটকটি খাব উপভোগ্য হয়েছিল। क्षको अस्त्राह गाउँका । ९ दर्श*म्हार*श्य 'ড বিয়া' হ'তন্ত্ৰে উপস্থী কেব হয়।

কেন্দ্রাকা গুলাভা। **অ**ভিন্ন গে এখন কেন্দ্র আলেও ছবিটি কেশেৰ তা জাণা নায়. আপুট্টেমার কমন্ত্রগণর দিক টটিনট ছবিবির প্রভা**র**ক શુપ્રભું કહ્યાં હ ভাষাসমূহণ মধ্য দিয়ে ছবিড়িচালা **হ্র**লালের নার্থ নিয়ের সাধ্যার কারের **फ**ॉएनड करह हाँदिकित दाना धर्माद, क पारस ্ **প্ৰ**শক্তিক ভিত্ত ভাৰত হৈ তেওঁ প্ৰভাৱ বিভাগ স্পান্ধ সামত কিছা জনবন্দ্রমেল দেই **6**2 5 7 .

সেফ ভাইছিং

ক্ষেত্ৰ **হয়ে প**ৰ্যত চাল্ড : ¹ গ্ৰুড সামান কুলে জন্ম প্ৰনাৰ বাঁহাব **মা**টে চুক্তিন কার কড়ি ওলাকে উভিত **ই**ছিলটি বিস্ফোট - উলা, জন্মক্ষিত্ৰ ওকা হাছেছে ১৮৪৪ ভাউডিলা নামক এলাত ৬বা চিয়ে। কৈল ক্ৰান্তি লৈ ক্ষা-**অপ**শ্রতির ছার্টি র গাস্তকারের গ্রাহ হৈরি করেছেন। তিপোঁরচালনা করেছেন ভবায়

চলসংতি তথ্য ক্ষিত্ৰ চেক্টভ্ৰা ভয়াণীর সিকে ভারতে ভারতে কলিকম আনমনা হয়ে পাঁও চান্ড ভবাণী **জাই**ভার দিউষচিরংহেন সংগ্রেক জাতনা **মেক-আ**পের **জন**; কেম্মতারে বলানার **ৰুবে অ**ন্তালিকে প্ৰচল্ডীয়া ভালনা**ৰে** লা ভাকিলে কোন নিজম না হেলে কী-ভাবে পথ চলে ইত্যাদি প্রতিবাদ ঘটনাও 📦 হৈ ছেকে বাদ হাহেনি।। ক্রিটা অসংগায় **वर्ती**ष्ट्र ग्रह्मादना **डीग्ड** सङ्ग्रह्म । ७८५ सिट १५८ **केटिडिंद की खाद फ**िल्डिंग कुलिए। का ্রাষ্ট্রাম্ন অনুষ্ঠান কর্মান ক্রামান ক্রা ৰ "দেক স্থাইছিং"। তাত ১০৫০ 🚭



বাংলা কংগ্রেসের সাম্প্রতিক প্রস্তাবের পরিপ্রেক্তিত পশ্চিমবপোর রাজনৈতিক মহলের জান্তব্য বৰ্তমান সম্ভাহের বিশেষ আলোচনার বিষয়। পশ্চিমবাংলার বর্তমান স্বশান্ত্যীপ পরিদ্যিতি সম্পর্কে গত সোমবার (৬ অকোটার) বাংলা কংগ্রেসের সম্পাদক মাডলী বে প্রশতাব গ্রহণ করেছেন তাতে বহু অভিযোগের সংশ্যে বলা হরেছে বে "প্রশাসন স্বশ্বের **উদাসীন্য জন্মান্ত্রে এক চাড়াল্ড নিরাপতাহীনতা এবং অনিশ্যরতার সঞ্চার করিতেছে।** দলবিশেবের নামে সমাজ বিরোধী বাজিগণ শাহিতপ্রিয় রাজনৈতিক দলের কমিলিবের ও শানিকপ্রিয় নাগরিকদের উপর অকথা অত্যাচার করিতেছে। সেই দলের সদস্য না **হইলে পর** চলা এবং জীবন ধারণ করা অসম্ভব করিয়া তালি তেছে। অনেক ক্ষেত্রে নারীর মর্বাদা, . মান্তবের সাধারণ অধিকার বিপশ্র হইয়া পড়িয়াছে।" সি পি আই (এম) বাংলা কংগ্রেসের **উপরোভ প্রস্তাবে খ্রই** বিক্ষাব্ধ হয়েছে। দলের পলিন্টব্যবের এবারের বৈঠকে বলা হরেছে যে, "বাংলা কংগ্ৰেদেব" এই স্বৰ দত্তৰ সম্ভাৰ সকল ফমট বিবোধী **দত্তি পতিভিত্তালীল** মোষ্ঠী এবং কায়েনী স্বাধাকে খাণ্ডা কথবে। সি পি এম নেডছ বললা জলগাসের প্রস্কারের বিরুদেশ তীব্র অভিযান শরে করার সিম্পান্ত নি হাছেন। রাজ্যের বর্তমান পরিম্পিতি সম্পর্কে বালো কংগ্রেসের প্রস্তাব এবং সে বর্গারে ক্মিউন্মিট পার্টির নিদাস্ট্র বিবৃত্তি **ও** প্রতিষ্ঠিয়া নিয়ে অলে.১নার জন্য ১৬ অকটোবের হার ফনট কমিটির একটি বিশেষ বৈঠক च्या श्यारह।

दिन्दी शरवाल

ক্ষাকাতা পোর সংগ্রা প্রথমত উল্লেখ্যালক ক্ষাক্র দ্বায় প্রায় সংগ্রু পরি ক্ষোতি টাকার ডিকোচার লোন ছ্রাডে সিংগাতে নিয়েছেন। আদ্ধানোর অর্থা কার্যাট এই সিন্ধাত কেন। তবে একনা ভাবের রাজ্য সংক্রান্তর স্থানতি গ্রহণ ক্ষাতে হবে।

৮ আকটোবৰ—আল স্ভাকল ধর্মাঘটের মীমাংকা হয়েছে। সভাগ পতিমতী আলত করেন পর প্রমানতী প্রিকাশন ঘে যে যেতা করেন বড় বড় বাপারে এতমাত হাগ গিয়েও। মালিক অবং প্রমানত প্রতিনিধিয়া এখনত বৈঠক চলচেচন।

ভারতের বিহ্নিবিশ্বন্যন্ত। শ্রীনীনেশ সিং
নিউইয়ক থেকে নয়াশিপ্রতে থিকেই কলেন ঃ
শাকিশ্তান প্রথম ভারতের স্থেপ তার বিবর্গার
বিষয়স্থাল নিরম সর্বাচী আবাতান যা অর্থা।
আপিশ্যালয় সম্প্রাচী প্রতিশ্বাহন পার প্রতিনিধিশালার নেতার স্থেপ প্রিসিংহর তিনবার আকারনভাবে অ্যালাচনা হয়।

১ আনকোর—খালা কমিন্যনের বিশোলটর ভিত্তিতে তরিশা সরকার পর্যান্তরে কাছ প্রাক্তন দুই মুখ্যমন্ত্রী ত্রীবিজ্ঞ, পর্যান্তর তারীবালিন মিতের বিশ্বেশে সাম্প্রীতির প্রতির্থা ভবেছেন। মুখ্যমন্ত্রী এই এর এন বিং নেও



্তি ক্রিয়া বিধান সভার এই সংক্রম জনান।
ত্তি নাজ্যব্যক্তী প্রাথিতেকুক্স কেন্দ্রের কতকগালির উত্তপত এলেকার জ্বোত্তত রলের বন্ধ্যক্ষ নিরে নেওয়ার প্রপত্তরে মান্তসভার তুলবেন।
তারেকারে মান্তমভার তুলবেন।
তারেকারে মান্তমভার ক্রাকেন বিভাগে ভাগান্য ভোগান্তর ভার দেখিরে জোর করে ছেওঁ চারীলের চারের ফাসলা ক্রাম জেকে বেড়ে নেওর চোল্টা কন্মতে পারে।

১০ অবটোবন—আন্ন উর্ব কলকাতার প্রাণ্ডল ঠানুবা পর্যাটো একটি বিদালারে উল্লেখন জনতাকে ছবঙ্গা করার করে প্রতিস ২ রাউন্দে কনিরন ব্যাস ছবঙ্ । প্রিলস স্ত্রে এবংশ আন্ত্রিপাল পাত্র যার যে, এই চনাজ্য প্রিসাকে এবং বিদালয়ের কার্চাপ্রস্থানীর দেকদের লাক্ষ্য করে বোমা ও ইটি পানিকলা ছিটিছে। আভিয়ম্বা আনত প্রকাশ, মধ্যালক্ষ্যাল কথ্যক নিয় ছ আন্ত্রিমানাট্টার এই বিদালারের উপ্শিক্ষত হরেমার পরে বেলাল্ডান্ড স্থান

তিনজন শ্রিপ্রথানীর নকশাল নেতা সহা ৮ জন নতান্ত্রকমী গাভ যাধ্বরে গাভীর রাজে বিশাশ পঞ্জন কেন্ট্রনা জেলা পেকে পালার বিরোগেন। জাজা প্রথাত প্রায়েখনে নামা কেট্রী ধরা পাত্রি। সেন্ট্রা জোলার সাপ্রিয়েনজনকে চাত্রি বেকে স্থাপনত করা ব্যক্তেছ।

বংগ্রেমী এম এল এ শ্রীপাগেলকক নার ব কেনেএর মাখ্যানতী টা ই এম এস নামবানিরি-পানের বিরাশের দানীতি, সক্ষান্তারণ এবং প্রকর্ণাতঃ প্রদর্শন প্রভৃতি নার দক্ষা জড়িযোগ করে স্থাপ্রশানী এম বে ক্ষানের কাছে এক-খর্মিন স্থাপ্রক্রি দ্যাপ্য ক্রেছেন ১ ১ অবটোর ক্ষার্থকাত রুকের
কণা রাজ্য কমিটি আরু এক প্রণ্ডাবে ব্যব্ধ
একা বিন্দেশ্যর রুক্ষ মুখ্যক মান্তকসন্ধার্থ
নিন্দি পার্মাটকে নাম্বী করে বল্পেনের হ এম জন্মের প্রশাসন বল্প বিশেষ করে
বিভাগ বাবহার করে নিজেপের মনার্থি
বাভাগর প্রত্যা করছে। প্রভিন্নের নিন্দি
ত ক্ষেত্র বিশেষে নিজেপের অনুক্লে
করেন করে সম্প্রতা স্থানিক সহার্যাত্ত করে
সম্প্রতাবির্বাধী ভবিষ্ণের অল্প্রার দান করে
সম্প্রতাবির্বাধী ভবিষ্ণের অল্প্রার দান করে

ভাষতের কমিউনিসট পারটি । বি শেষজ্বনেক কাহিনী গড়ে তুলেছেন-নাম হলেছে জন-দেবা ব্যহিনী। আজ সকলে মিনার মরাগনে ওই ব্যহিনীর প্রথম সমাধ্যক হয়। বলের কলকাতা ভোলার ইউনিটের সাধ্যা এই সমাধ্যকে যোগ দেব

विक्रिया अध्याप

জকটেন্দ্র—ভাকা থেকে ১০ মাইল
লাপ্তর নামক স্বাহন প্রে প্রিপ্তগলন
ছমি ও কর সংস্কাতের দর্ভিন্ত গাংকল
ছ ছার কৃষ্ণকের সম্বাহন হয়। পিতি
লাতীর আন্তর্মনী মালের চনতা তবং
নিম্নিতর সভাপতি মৌলনা ভাসানী এই স
ছাহান করেন। এই সংস্কানন দ্রানিতের স

ৰ অৰ্জনিৰ—অঞ্চল কংগ্ৰাপন ক প্ৰেমিডেনট আবদ্ধা হামিদ পদাহালা ক বলা বেডিৰ পাকিষ্টান থেকে যেত্ব হবেছে। বেডাৰে মূভ ফা ব্যাপন একটি সং ঘোৰাৰ উল্লেখ কয় হয়।

৮ অকটোনক—প্রা পারিস্থানে এ তার প্রেম মাজিবর রবমান এ তার ও পারিজন নি নেজা অবিলাদের ভারতের সালের বার্লনা ব চালা করার জন্ম পারিস্কলনার ক্রোনা অন্যারের করোজন উভার নেশের মাধ্য ব চলা না কলো তারা অস্তরভান করেবন।

১ আবহটাবর—শংসম গুলি বলে জনবর বা
চীনের যে সব জালার বালির বা অন্তর্ভার ব
জিলা—চীন সে-সব জালার নামার গুলার জালা
করছে না। জালার বাল চীন সামান বি
শিক্ষ আলো সমার মুক্তে এবাটি শ্রিক প্রতাল
চীন সরকার জিবর নিশ্রতির ব্রুলা জিনার জ্বা
জিক্ষা তর লাবি তার্য করতার।

১০ অকটোবর—প্রিস্থান হার্ট্ট্ট্র পরিছ ভূতপ্র সংস্থা ক্রিয়ালিছে এফ্ট্রের নানি ক্রে, ভূতপ্র প্রোপ্রেনি মহান্দ অব্যাহ বি বিবেশ যাত্রা নিয়ালিছে বকা তেক নাল পাসপেরত বাহকের লভ কর তেকার আ কর্ম আন্তর ইফ্ডিরার প্রান্তর বাহরে কর ব্যাহরে অব্যাহর কর বাহরে কর্ম বাহরে বি

১১ অকটোৰৰ নামেভিনেটোর পাসগ্যক মহাকাশয়নে চাড় দ্বিট মান্থ-ব্ৰুণ বৈ বাহ্নীর কোঃ বরনেল জনতা গোনিনা আগন একটি বা দ্বাকাশ করে চলাচন। আর একটি বা দ্বাকাশ করে চিতার সোকেজ চান্তর সকেল মিন কিটে করি করে আকটোর করে অবতানিক করে লাব্রু করে আকটো মন্ত্রু প্রতিশ্ব

১২ আকটোর মার্কাকন রুপ্ট স প্রীউপ্লিরম ক্রাক্তেস অক্স এক টেলিভিশম অ প্রানে বলেন বে, ভিলেতনামে য'থ বংশর ব নিজ, জন্ত্রগতি ঘটোর এবং এবং এট সংশ্ রুপ্তে সম্ভব বে ঐ ব্যাশ ক্ষাক্তর মিটো বে প্রায়ে